

পবিত্র কুরআন, কুরআনের তরজমা ও পূর্ণাঙ্গ শব্দসূচী

The Holy Qur'an with Translation and Encyclopedic Index





ইন্টিগ্রেটেড এডুকেশন এন্ড রিসার্চ ফাউন্ডেশন Integrated Education and Research Foundation

# মু'জামুল কুরআন

পবিত্র কুরআন, কুরআনের তরজমা ও পূর্ণাঙ্গ শব্দসূচী

তরজমা, টীকা, সংকলন ও পূর্ণাঙ্গ শব্দসূচী সম্পাদনা

মু 'জামুল কুরআন সম্পাদনা পরিষদ



ইন্টিগ্রেটেড এডুকেশন এভ রিসার্চ ফাউন্ডেশন (আই.ই.আর.এফ)

#### গ্ৰাগ্ৰ-

ইন্টিপ্লেটেভ এতুকেশন এন্ড রিসার্চ ফাউন্ডেশন (আই.ই.আর.এফ) ৪১/২, পুরানা পর্টন, ঢাকা ১০০০ ফোন: (৮৮-০২) ১৫৬৮৯৯৮

প্ৰকাশকাল:

রমহান ১৪৩৩, প্রাবণ ১৪১৯, আগউ ২০১২

© আই,ই,আর,এফ

প্ৰহন:

আরিফুর রহমান নুরুল মুকাদিম

यमुग:

ভেকটোরাস, ঢাকা

নিৰ্ধারিত হাদিয়া: ১২০০.০০ টাকা মাত্র

ISBN: 978-984-33-0659-6

Mujamul Gur'an (The Holy Gur'am with Bangla Translation and Encyclopedic Index) compiled, edited and published by Integrated Education and Research Foundation (IERF), 41/2, Purana pattan, Dhaka 1000 Banglisdesh. Tel : (88-02) 9588998, email: info@icrfbd.org

### সম্পাদনা পরিষদ\*

মুহামদ শামসুদোহা নুরুল ইসলাম

মো. সাইকুল কবীর মো. রেজাউল হক

নৃক্ষণ কাৰীর বেলায়েত হোসেন

মোহামদ মিজানুর রহমান মুহামদ জাকির হোসেন

মুহাম্মদ আব্দুল জলিল মো. আনিছুর রহমান

মোহামদ নুরুর রশিদ রেজাউল করিম মারুফ

মুহামদ জাহাঙ্গীর হোসাইন মো. আজিজুর রহমান

মীর লুৎফুল কবীর সা'দী

नामान्य परिवासन सम्तरास्त्र वास्त्रीत, श्रामेन, विन्त्र, वास्त्री वार्या व मारिका वन्त्र देमाप्ति निक्षा विश्वत विक निकारात्र विक्र वापारस्थित व वायरवस्त्रमात्र वायरास विक्रिया, पूर्वि विवाद, वार्यम्यात्र, वावक्रीविक गण्यत्रं, वादेन, वास्त्रात्र व्याप्तात्र विष्तात्र व्याप्तात्र व्याप्तात्र व्याप्तात्र व्याप्तात्र विष्तात्र विष्

# সার্বিক সহযোগিতায়

ত, মহাম্মদ ওয়ালীউলাহ য়া আৰু বৰুৱ সিদ্দিক ফরিনউদ্দন ফারুক ভা, মাহবুৰণ আগম অা হতথ্যৰ বসমান গণি ড়া আৰু নাসের ভা, শেখ সোহবাৰ হোসেন মা হোৱাৰ বাচায়দ লার্ডিদ অমিব মহাখন মাহমন্ত্রবী ইঞ্জি, আবু জাকর মো, শাইবুল ইসলাম চ. গোলাম মহিউদীন মো, মাহমদল আগম টক্তি নকল করা হাত্মন ফরাদ মো, ইনআমল বাশার देखि, विकानत त्रव्यान খাহৰৰ কামসাব ডা, মাহফলর রহমান জিলুর রহমান प्राधिनन देशनाम (होसरी ভা, মো, মাক্রফ-উর রহমান প্রফেসর ড, এ, বি, এম, সাইফুল ইসলাম সিদিকী ইঞ্জি, থককার স'াদ ফারাবী মা মহাব্দ অসিক মাসদ চৌধ্বী ইছি, নভিব ইমচিয়াজ হোসাইন ইঞ্জি, কায়েস বিন হাবিব মাসদল হাকিম রাশেনল ইসলাম (রোকন) না ফাকক আচমদ ভা. এ. কে. এম. ফকলে রাঝি গান সাইফুর রহমান মহামান মমিনউদদৌলা টোপুরী মঞ্জুর লিরাকত (ক্রমি) क्षिनान काराविश्रा गाड् যাবের আহমেদ আবদলাহ সালেহ উদ্দীন আহমেদ

য়াজহার ই কামাল ' দাউদর রহমান অন্থৰ কামেন প্ৰক্ষেমৰ আ মতিবাৰ ব্যৱসান আছল হক সাইফর রহমান দুলাগ আবুল বাশার পরীফল ইসলাম চৌধরী শরীফ উদ্দিন এহসান আম্বর বল্লীর ভানসারী মেসবাহউল ইসলাম (রাসেল) থিসেদ নক্ষ্মাহার বেগম जानुन वाती, এक्सिव মীর আদল ওয়ারেছ সা'দী প্রক্লেসর ড, রফিকুল ইসলাম মোপ্লা ভা হোসাঙ্গক আহমদ আহতার আহমণ ফ্লিসেস ভাননীৰ নসবাত মাইনল ইসলাম মুহাম্মন মুম্ভাফিগুর রহমান মিসেস মূপঞ্চিক সমাইব্যা রহমান এ, কে, এম, বরকতগাহ জার্ডিদর বছমান অভিকৃত্র রহমান কে, এম, আসাদুজ্ঞামান রাশেদ আলী বান হারন্দর রশিদ এম. আমীনুগ হক আৰ বকর সিদ্ধিক মুহাবদ আয়াধ মো, রেফাউল করিম প্রফেসর ভা, গুলফিয়ারা হায়দার यग्रद्धत त्रद्धान শাহ আলম

মিসেস সমাইখ্যা মাহমদল হক ওয়ালিদ মো, সোবহানী প্রজেসর ভা, শামসর রহমান ভা, এইচ, কৰিৱ মো, শহীদুর রহমান সাফবাত টোখটা প্রফেসর যোবাত্তর এম, এছসানুল হক ভা, শামসুল্লাহার (গাকী) হিসেন বাহকনেসা ডা. মো. আমিকল ইসলাম মো, গোলাম সরওয়ার মিসেস এম. ও. খানম এ, কে, এম, আহেদুল হক ভারের রোমেন এডভোকেট রেজাউল করিম মিলেন আমানব বহীয় মিসেস আমাত্র রাজ্ঞাক विकी भवक्षमीन कार्जी श्रवायमण करु এফ, এম, বিদ্রাত স্বাদী লোম এম জি মাতমন আবদলাহ ভা, হাসান তালুকদার দাজির আহমেদ তারানা রহমান গ্ৰসিৰৰ বৃহমান রাপেদল ইসলাম আবুল কালাম আযাদ য়ো আভিক হাসান মো, সোন্তাকিন্দ্রর রহমান (হিরন) য়ো কৰিকল উসলাম অমীরূপ ইসলাম মো, আবুল কালাম হতিউদ্ধীন আহমদ- আখতার বাদ ট্রাস্ট সা'দী ফাউকেশন

## সম্পাদনা সহযোগী

মীর করেশম আলী আখন্দ মুহান্দল মুনিকাল হক মোহান্দল হুমারুল কবির এ.বি.এম. আহিনুল হক আপরাফ উদ্দিন মহিউদীন গাজী আফর সাদিক মুক্তিবুর রহমান শেব মুক্তবুরী ইঞ্জি, শাকিল আহমেদ আহাঙ্গীর হোসাইন

আরিকুর রহমান

এস এম জানাতল ইসলাম

রাহান কামাল কাদরী (বিপ্রব)

মোশাররফ হোসেন আজুলাই আল মামুন হাসান মিকরানী আমীর হোসেন যাকারিয়া প্রামাণিক

কম্পিউটার কম্পোজ

আবুলাত্ আগ মামুন মৃত্যুবন ইউনুড্ (পলাশ) আবদুর রহমান রফিকুল ইসলাম নিদাকল ইসলাম মো, রোহাদীর আলম গোলভার হোসেন খালেদ সাইফুলাহ শক্ষিকুল ইসলাম গাঞ্জী ইমাম হোসেদ মাসুম

# সূচীপত্ৰ

বিষয়	পৃষ্ঠা
পবিত্র কুরআনের ১১৪ টি সূরার সূচী	vi
মূখবদ	vii-ix
মু'জামুল কুরআন প্রকাশনার পটভূমি	x
পৰিত্ৰ কুৰআনের মৰ্যাদা	5-2
মু'লমূন কুরঝান এর তরজমার বিশেষত্ব	0-8
প্রথম অধ্যায়:	ę
মু'জামূল কুরআন এর ইনডেক্স (INDEX) ব্যবহারের দিরমাবলি	٩
এ গ্রন্থে ব্যবহৃত বাংলা বর্ণমাপার ক্রম	b -
পূर्वाक्र अप्तर्मी (ENCYCLOPEDIC INDEX)	3-838
দিতীয় অধ্যায়:	896
কুরজান তিলাওয়াতের আদবসমূহ	88/8
ওদ্ধভাবে কুরআন ভিলাওয়াতের নিয়মাবলী (ভান্নওয়ীদ)	859
পৰিত্ৰ কুৰআনে ব্যবহৃত বিভিন্ন বিৱাম চিহ্নের বিবরণ	825
পরিত্র কুরআন ও কুরআনের তরজমা	88%-\$008
তৃতীয় অধ্যায়:	2009
পবিত্র কুরঝানের তরজমার চীকা (সংক্ষিপ্ত তাফসীর)	7009-7094
পরিশিষ্ট (APPENDIX)	209.9
পরিশিষ্ট-১: পবিত্র কুরআনের অনুবাদে ব্যবহৃত কতিপয় বিশেষ পরিভাষা	8604-4604
পরিশিট্ট-২: পবিত্র কুরজানের কতিপর শব্দের বাংলা প্রতিশব্দ	P604-9604
পরিশিট-৩: পৰিত্র কুরআনে বর্ণিত দবী, রস্ত্র ও মু'মিনদের দু'আসমূহ	7094-7099
পরিশিষ্ট-৪: কুরআনে বিভান সংক্রান্ত বিষয়াবলী	3300-3330
পরিশিষ্ট-৫: আল্লাহ তা'আলার সুন্দর নামসমূহ	2227-2220
পরিশিষ্ট-৬: পবিত্র কুরবানে সিজদার আয়াতসমূহ	2228

# পবিত্র কুরআনের সূরাসমূহের সূচীপত্র

			র অনু		- star-	সুৱার নাম			ালার ক্রমানুসারে		-
मृद्रा नर	সূরার নাম	शृंही नर	मुद्रा नर	স্রার শাম	পৃষ্ঠা বং		স্রা নং	が下	স্থার নাম	সূরা নং	
3.	আপ-ফভিহ্য	405	dv.	আল-মুজদালা	965	আনিয়াত	200	250	मित्रा	8	200
2	আল-ব্যকারা	905	db.	আল-হাশর	200	আনবাম	. 6	6,82	74	2,8	998
٥.	আলে-ইমরান	000	40.	আল-মুমভাহিনা	964	আনকাবৃত	49	P39	75	42	30/8
8,	ष्यान-मित्रा	926	63.	অসু-সাফ	odvá	আনফাপ	b	400	भाक्त	4.9	205
4.	আল-মারেদা	640	65	আল-জুমু'আ	365	আবাদা	àro	7009	कार्द	87	976
6.	আল-আন্যাম	646	60.	আল-সুন্ফিকুন	3-56	व्यक्तिम	52	900	काठिया	3	203
9.	আল-আ'রাক	650	68.	আত-তাগাবুন	999	আ'রাড	9	650	कार्विद	-02	584
b.	আল-আনফাল	605	62.	আন্ত-ডালাক	2000	আ'লা	৮৭	3037	কাল্যক	270	2000
à.	আক-তওবা	680	66.	আত-তাহরীয	096	আবাড়	366	2052	मीन	308	200
30.	ইউনুস	628	69.	আল-মূলক	294	আলে-ইমরান	0	609	MARKE.	42	95:
33.	ছুৰ	996	bb.	আল-কাল্যম	392	আন্ত	200	2005	वने रेगवलेन व जल-रेन्द्र	39	928
32	ইউসুফ	699	68.	আল-হাঞাহ	296	আহ্বাফ	86	3039	वाकावाद्	3	203
30,	আর-রা'ল	666	90.	আল-মা'অরিম	99.7	আহ্বাব	00	5000	বায়িনাহ	bb	205
38.	देश्वादीम	690	93.	নহ	358	ইউনুস	30	648	বালান	bo	305
20.	আল-হিমর	699	93.	আল-প্লিন	30%	ইউপুক	35	999	390	be	303
34.	জান-নারদ	900	90.	আল-মুব্বামমিল	366	ইংলাস	225	2008	মা'অবিদ	90	29.
39.	वनी-देशहरिन वा वाल-देशहा	938	98.	আল-মুদ্দাসসির	200	ইনফিতার	2.5	3030	माहेन	209	200
3b. 1	আল-কাহাত	928	92.	আল-কিয়ামাহ	one	ইনশিক্তাক	18	2020	महिमा	q	abo
3%.	মাৰ্টবাম	908	95.	খাদ-দারর	334	ইনশিরাহ	38	3059	भारतेशाम	230	90
20.	রা-হা	982	99.	থাল-মুবসালাত	Pee	<b>इवबारीय</b>	78	6310	पुलानामा	qv.	26
93.	আল-আধিয়া	920	99.	অন-নধা	2000	ইয়াদীন	Ob	P67	<b>मुठाएक्किन</b>	Inn	202
22.	আগ-হন্দ্ৰ	9/27	93.	বান-মবিকাত	2000	थग्रकि'डा	26	280	<b>मुनार्शन</b>	98	331
20.	আল-মু'মিনুন	966	bro.	অবাদা	200b	aposta.	20h	2008	मुम्रणदिनाद	bo	age
28.	আনন্ত	998	60.	থাত-তাকধীর	2009	कामृद	300	2059	यमकिकन	660	200
30.	আল-ভূরকান	999	6.5	আল-ইনফিডার	2000	900	20	955	मुमिन	80	3/91
26.	অাশ-৩'আরা	966	bro.	অল-ম্যাককিনীন	2020	কাঞ্চিত্রন	309	2006	मुमिनुम	20	964
	व्यान-व्यापन	broo	br8.	আন-ইনশিক্তাক	2020	কুমার	28	3006	मुख्याचिन -	90	201
29.	আল-কাসাস	probr	tre.	चान-नुक्च	2020	কুরি'আ	202	7007	<b>पुरुगाम</b> ा	99	33
	আল-কাশান	926	brb.	আত-তারিক	2020	কুলাম	965	2002	Zinite.	69	39
ξb.	আর-জম	939	b9.	অল-অ'লা	2024	কুলান	20	prape	মুখ্যমন	89	975
90,	(MINERIA)	P54	bb.	আল-পশিয়া	2029	State	29	938	যবিষাত	62	250
٥٤.				पान-पानवा	2052	किसामार विसामार	92	956	रिन् <b>रान</b>	99	200
Φ¥.	আস-সাঞ্জনা	9400	bb.			করাইপ			गुबक्क	80	200
00.	जान-जरराद	9-00		আল-বালান	2050		709	2008			
08.	সাৰা	P87	97	আশ-শামস	2058	গাশিয়া	brbr	7079	गुशर	00	69
02.	क्षांस्य	tr84p	24.	আল_লাইল	7055	वानिया	84	200	রহুমান	24	3400
06.	देश-श्रीन	9-67	NO.	জাদ-দোধা	2059	स्थिन	. 93	200	র'দ	20	96/1
09,	আস-সাফফাত	P84.	h8.	আল-ইমলিরাহ	2058	কুমু'জা	62	365	क्रम	. 00	45
05.	সাদ	9.99	24.	আত-তীন	3054	ভঙৰা		680	गारेन	34	205
03.	जार-गुरात	2.47	86.	আল-আলাক	2054	ভাৰবীর	2.7	3005	শহরে	333	300
80,	আপ-মুখিন	698	39.	আল-কুদর	2059	ভাৰায়ুৱ	205	2005	<b>পুৰুমান</b>	60	2.5
85,	ম্বীম অসু-সরল ব বুপলার	ppp.	ab.	আল-বাইরিনাহ	2059	ভাগাবুন	68	3/66	শায়স	92	209
84.	আপ-চরা	297	88.	আন-মিল্বাল	2000	ভারিক	bė	2024	তভাৱ	36	999
8¢.	আয়-যুধকক	9/9/0	300.	তাল-আদিয়াত	2000	ভাষাক	192	960	भूता	84	93
88,	चान-नृशेन	302	303.	আল-কারি'আ	2002	ভাহরীম	66	890	সংখ্যা	વર	50
84.	আগ-জানিবা	304	302.	আত-ভাকাসুর	2005	জা-ব্য	20	483	সাদ	100	80
86.	আল-আত্তাক	900	\$00.	আল-আস্ব	2005	<b>ड्रीन</b>	34	3029	সাত্ত	65	be
89.	मुशायम	824	308.	আল-ভূমায়াহ	2000	पुर	43	3-2,3	সাহকাত	99	60
8¥.	আল-ফাত্হ	326	300.	আগ-কীগ	2000	দাত্র/ইনসান	96	bad	সংগ্ৰ	08	18
8h.	আল-হুকারাত	340	306.	কুয়াইশ	20/08	<b>দুখা</b> ন	88	305	<b>লো</b> ৱাল	Oly	80
Q0,	31-10 31-10	255	\$09.	জালহা'উন	\$008	भूको	310	2059	যুকা	63	39
45.	অাব্বারিয়াত	254	30%.	আল-কাওসার	2008	শাক্ষ	60	506	\$1 <b>m</b>	55	90
65.	আত-তুর	250	303.	আগ-ক্ষিক্তন	2000	নামল	29	900	इमिन	64	381
40.	व्यान-नापश	204	330.	খান-নাসর	2000	নাবা	90-	\$000	स्वैर यह नक्षम व कुलियर	82	66
28.	বাদ-কুমার	909	333.	আল-লাহাব	2000	নাবি'আড	qb.	3000	যাপর	69	391
40.	আর-রহমান	909	333.	আন ইখনাস	3006	নাস	278	2000	fewa	30	681
46.	আল-গ্যাকি'আ	280	330	আগ-কাগ্যক	3006	নাসর	220	2005	Sesia	8>	330
49.	আল-হানীন	186	338.	আন-নাস	2006	संबंध	- 36	900	84	22	66

#### মখবন্ধ

#### بمسمرا لمالوخلن الزحسام

সৰত প্ৰশংসা বিশ্বজাবের মতিশালক মহান দ্রাই আগ্নাহ গান্ধুল আনামীনের জন্য বিনি বিশেষ দল্পা করে আনালোকে তঃজমা, টাকা, পূর্ণাল পান্দৃষ্টী ও বিশ্বজোকাহে আল বুজন্মন প্রকাশের তৌধিক দান করেছেন। নাম্পা ও সাগাই আমানের প্রিয় নারী মানবার্ত্তর মুক্তিসূত হন্তত্ত মুক্তাম্বাল, এর প্রতি যার উপর নাবিগতৃত সর্বশেষ আসমানীয়ার আগ কুরমানের মান্যালে পার্কারা মানবার্ত্তিক প্রথম করন পোরতে।

नीवा कुमारामा सामाता किसाब कीना पांत सामात कर्या नीवा त्यांमा क्या नीवा सामात्र कुमाराम तामात्र तामा तिवा सामा इंदर्शन स्पार कुंद्र तामा उन्हें का प्रकार के क्या कर्या कि कारण्यास्त्र कर्या कर्या निर्माण क्या महात्र का भागात्र का सामात्र के विकासकर क्षणां क्या त्यां क्या पांत का स्वत्य नावश्य क्षणां क्रिया त्यां प्राप्त की सिर्माण क्या क्या क्षणां क्षणां क्या क्षणां क्ष

परिवार कुमारा प्रविण राह्या प्रदाना देखानी जाविक क्यांच न कांव्योन इतिक ज्ञाः प्रदान किरान वाल गांवा परिवार कर गांवा प्रवार में प्रवार प्रवार प्रवार प्रवार कर्ता प्रवार कर्ता क्यांच किरान का कृत्या प्रवार कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर्ता कर कृत्या राह्या कर्ता कर्ता कर कर्ता कर क्यांच कर विकार कर विकार कर गांवा प्रवार कर गांवा प

ৰ্থনিয়ন এই শংকাপনে জন্মত্বৰ মাৰকণীয় বিষয় হয়ৰ নাগাইয়োগালিক ইবাড়াৰ লাপুনি পদসূচী, বাড়া পৰিছে স্থান্ধান বা স্থানানে এই কেইটা পৰ বা বিষয় পৰিয়াল অনুন্যৱন সাধাৰণা আৰু, ভাৰাণ কাৰেছে মূল পৰা কৰে কাৰেছে কিটা কৰে কাৰিছে কাৰণা প্ৰতিষ্ঠ কৰে কাৰিছে কিছা কাৰণা প্ৰতিষ্ঠ কৰে কাৰিছে কিছা পৰা কৰিছে কাৰণা কৰিছে কাৰণা কৰিছে কাৰণা কৰে কাৰিছে কিছাৰি পানে লোম হানে বিজ্ঞান কৰে কাৰিছে কিছাৰি পানে লোম হানে বিজ্ঞান কৰে কাৰিছে কিছাৰ কাৰণা কৰাৰ কাৰণা কৰিছে কাৰণা ক

এই মূল্যবাদ সংক্ৰমনে ইনভেন্ধ, পৰিত্ৰ কুলআন ও তরজমার সাথে আরো সংযোগিত হয়েছে পৰিত্ৰ কুলআনকে কেন্দ্ৰ করে অতীয় কলতুপূৰ্ণ পরিদিন্ধ। পৰিত্ৰ কুলআনে যে সব আয়াতে কৈঞানিক তথা উপাত্ত আছে তা ময়েছে এবাটি পরিনিষ্টো। পৰিত্ৰ কুলআনের কলতুপূৰ্ণ পরিভাষাসমূহের সংক্ৰিক পরিত্তর বয়েছে আহেবটি পরিনিষ্টে। সরাসরি আরবি শব্দ দিয়ে কেন্ট যদি পরিত্র কুলআনের নির্দিষ্ট আয়াতে যেতে চান্দ গে ধ্বনাত ব্যবস্থা বয়েছে।

পৰিছে কুলান তেনে তা বোলা বিছলা ছানাৰ ছলা এই সকলকাৰী একটি বিশেষ সংহাতক হয়, বাংগাা ছানাই এক পৰিছে না বছা বাছা হাইছিল। বাংগা বাছা বাংগা কৰা বিছলে বিছলে বাংগা কৰা বিছলে বিছলে বাংগা কৰা বাংগা কৰ

 पूर्णिक के प्रश्न पर्वक्षा मूर्णा एएक के कहार ब जम्मा तथ परिव कुमाराज दिन वाराजंश। इसमा इस ४ एएक मान स्वाभित परिव वार्षा में प्रश्न कर विश्वित के प्रश्न कर के प्रश्नित कर स्वाभित कर दिन के प्रश्नित कर स्वाभित कर दिन के प्रश्नित कर स्वाभित कर दिन के प्रश्नित कर स्वाभित कर स्

আন্তাৰ জীকাৰ অন্যান হেবেলাকৈৰ স্থানান্ত সুখনান্ত স্থানান্ত কৰিবলৈ তাৰ প্ৰতি এই উল্লেখনিকাৰ বাবি আহিছি আহিছিল কৰিবলৈ কৰি

ত্ব আৰু ক্ষমণ এৰ যাবা বাজী বিশান বাজৰ প্ৰকৃত্বশাহ জানীক পৰিয়া সপান্ধ কৰা ব্যাহ্মন জিল। জিন্ত এ বাক্তন জিলা না কাৰণ কৰিব মানে কল-ব কৰে বাক কিছু প্ৰাৰ্জিকন এই বিশান না কিছুলা বাকে কৰা কৰে কৰে কিছুলা বাকুলা কৰে কিছুলা কৰিব কৰে কিছুলা কৰে কিছ

পৰিত্ৰ কুম্বাসনা সৈকে নিৰ্দেশনা নিকে আমাই বাংলাভাৰী প্ৰক্ৰিটি আনুবাৰ অংশা সভাবে মানাৰ এই সংকাশ, যা আমিটি কৰিছে, বাহিছাছে, যাৰ কাৰ্য্য কৰাৰ বাংলাভাৰ আমি বাংলা কৰা লগত বাংলা লাখানুৱাই চিট বাংলা কৰা আমিটি কৰিছে, বাহিছাছে, যাৰ কাৰ্য্য কৰাৰ বাংলাভাৰ আমিটাৰ পৰাৰ এক কি নিয়ুটি কেলে আমাৰ আমাৰ বাংলা আমানাৰ কৰিছে লাখা কৰাৰ পৰিত্ৰী কৰিছে আমাৰ কৰাৰ কৰিছে আমাৰ আমাৰ কৰিছে কিছা কৰাৰ কৰিছে আমাৰ কৰিছে আমাৰ আমানাৰ কৰিছে আমানাৰ কৰিছে আমানাৰ কুমাৰ বাংলাভাৰী আমাৰ আমাৰ কৰিছে আমাৰ কৰিছে আমাৰ কৰিছে কাৰ্য্য কৰিছে বাংলাভাৰ আমাৰ কৰিছে আমাৰা কৰিছে কৰিছে আমাৰা কৰিছে কৰিছে

এই সংকলন একাশনা প্রকল্পের কল থেকে ও বিভিন্ন পর্যায়ে যারা আর্থিকভাবে সহযোগিতা করেছেন, পরামর্শ নিয়েছেন, সাহম যুটায়েছেনা তাদেন সবার প্রতি আছবিক গজীর কৃতজ্জারা জাপন করছি। আগ্নায় পাক ভাঁচেল সবাইকে এর বিনিয়েছে দুবিয়া ও আর্থিরাকে উত্তর পুরুবার দান করুল। "হে আয়াসের প্রতিপালক। আপনি আমানের থেকে (এই বাজটি) করুল করুল। শিস্তাই আপনিটি সংস্থানোত ও সর্বজ্ঞানী"। (আর্থান)

> ওয়াস্সালাম, মীর পুৎফুল কবীর সা'দী প্রেসিডেন্ট ও রিসার্চফেলো

২১ রমবান, ১৪৩৩ ১০ আগস্ট, ২০১২

ইন্টিমেটেড এডুকেশন এড রিসার্চ ফাউডেশন (আই,ই,আর,এফ)

# মু'জামুল কুরআন প্রকাশনার পটভূমি

ধাৰণাৰে এ গত সংযো আবা আছা আছা তা জানা কাহে নামা কৰি, কিনি লো বাঁচালোক ক্ৰিয় লাখিলা দল কৰে।

দিশে কাহে ব্যৱহাৰ নি কিনি বিহন সদল পৰিলো বাংলাৰে নামে প্ৰিনা কৰি নি নিয়া কৰি নিয়া কৰি কৰিছে কৰি

' ধানাল কুৰমান ধাৰোৱা ও সন্দল সন্মানিৰ সদয় আমান আইইমান্তৰখ-এব প্ৰেনিয়ক্ত' মিৰ পূখল কৰিব না'নিহ কৰানেৱ কথা বিশেষভাৱে ভিত্তাৰ কৰাই আন্তাৰে যেকেলীতে যাত্ৰ সাধিক ভানুকৰানে যাং একছাকি সদল সমানি সৰুৰ হেছেছে , সেই সামো আইই, আৰু নাধ-এব প্ৰতিষ্ঠাত প্ৰেনিগতেই ও প্ৰান্তাৰ মিন এব অলক্ষত্ৰ সদস্য ভা, কুল ইন্যান্য প্ৰবেশ্বৰ প্ৰথমিকে কয়েক বাহন সাধিক ভানুকৰান কৰে ও সং সময়ে যিটা সন্মান্যক অনুপ্ৰকাশ নিয়ে অভাৱ উল্লাহ্য কৰাক্ত কৰাক্তি কৰাক্তি কৰিব কৰিব প্ৰথমিকভাৱ কৰাক কৰে ও সংসাহা যিছ সন্মান্যক অনুপ্ৰকাশ নিয়ে অভাৱ উল্লাহ্য কৰাক্ত কৰাক্ত কৰিব কৰাক্তি কৰিব কৰিব প্ৰথমিকভাৱ কৰাক্ত কৰিব কৰিব সামান্যক কৰাক্ত

সৰব স্বান্তন্তন সহয়ে নামান্ত লাল্কন কৰা নামান্তৰ আন্মান্তন আমিছিৰ নামান্তনী আহাছে হিছে পূৰ্ব ত হত কৃষ্ণ জ আহাছ নামিল সহযোজ হয়ে কাল্কন কৰা আহাছে কেন্দ্ৰেলী ছাত্ৰ সিত্তেই কৰা ছিল। আমান্তন কৰালৈ কৰালৈ কৰালৈ কৰালৈ কৰালৈ কৰা এ প্ৰান্তন্ত সংকলানে কুলা এটা থাকা অধ্যান্তনিক লাং । আনহাটি নীমান্তন্তন্তন কৰালে কাল্কন কৰালৈ কোনো কৰালে এটা প্ৰত্নি নিম্নান্তনিক কৰালে পঢ়ত বছালে আন্মান্তন কৰিছে কৰালে আহাছে নিহালি কৰালে কৰালৈ কৰালৈ কোনো মান্তনিক আহাছে নিম্নান্তনিক কৰালে কৰালৈ কৰালে ক

১০ আগস্ট, ২০১২

মু'হামদ শামসুদোহা ম'জামল করঝান টীম প্রধান

ইন্টিমেটেড এডুকেশন এড রিসার্চ ফাউডেশন (আই.ই.আর.এফ)

. . . . . .

## পবিত্র কুরআনের মর্যাদা

- ৯ মহান জন্তাহ বলেন: এটি দেই কিতাব যার ব্যাপারে কোনো সপেহ দেই, (এটি) মৃত্যবীদের জন্য পথনির্দেশিকা। (সরা আগ্র-বাকারা:আবাত-১)
- अ स्वाम आहार सर्गन- अरमन अम्म मा त्या तृत्वाम करकी नं मा सहस्य महत्व मान नर्गनिर्मान्त्र, सर्वित न्यान मान नर्गनिर्मान्त्र, सर्वित नर्गनिर्मान्त्र, सर्वित नर्गनिर्मान्त्र, सर्वित नर्गनिरमान्त्र, सर्वित नर्गनिरमान्त्र, मान त्यान सर्वात्म स्वाम अस्य त्यान स्वाम अस्य स्वाम
- 8 বহুল আন্ত্ৰাৰ ব্যক্তন কো আহল ভিতৰৰ আমাৰ বাসুল কোমানুক নিজৰী আহছে, কোবাৰ ভিতৰত বা পেশল কাছত লো কাৰ জিছ তোমানুক নিজৰী প্ৰকাশ কৰে এবং আকে বিষয় উপোন্ধ কৰে কাৰণে ই মোনুক কাৰে এবংকা আৰু আছিল কাৰণে কাৰণা কাৰণে কাৰণা কাৰণে কাৰণা কাৰণা কাৰণে কাৰণা কাৰণা
- থি মহান আল্লাহ বালন: এবং এটি একটি কিতাব বা আমি একতীর্থ করেছি, এটি বরকতয়য় এবং এর সামান বা আছে তার (অর্থাং পূর্বকর্তী ক্লিচারের) সভায়নভারি। এবং খাতে ভূমি সক্তর্ক করতে পার জনগদসমূরের মান্তে হোজা পোকানরাকে) ও খারা আছে এর চারপাপে তালেরকে। এবং বারা ঈরান আনে আনিকারের উপর এবং ইয়ান আনে এটির উপর এবং তারা তালের সাগাতের নিমানের ) বাপাপ্তির অনুবান। প্রির আন আন্দেখ্যা খারাকি।
- ও মহান জান্তাহ বলেন: আর এটি একটি কিতাব যা আমি অবতীর্ণ করেছি, এটি বরকতমন্ত্র, সূতরাং তোমবা ভা অনুসরণ কর এবং (আল্লাহতে) ভর কর, যাতে তোমবা দরাপ্রাপ্ত ২তে পার। (সূরা আল-আর্ন'আম: আল্লাড ১৫৫)
  - মহান আল্লাহ বলেন: এবং তুমি এর (কুরঝান) মারা তালেরকে সতর্ক কর বারা তয় করে যে, তালেরকে তালের
    প্রতিপাশকের নিকে সমরকত করা হবে, যখন তিনি হাড়া তালের ফেন অভিতাবক ও কোন সুপরিসকরোঁ থাকরে
    না, যাতে তারা তাকতারা অবলয়ন করতে পরে . (সুরা আল আন'আমা আয়াত ৫১)
- ৮ মহান আল্লাহ বলেন: কিন্ত যারা বিতাবকে দৃহতাবে ধারণ করেছে ও সালাত (নামাব) কামেম করেছে, নিশ্চয় আমি (এজপ) সংশোধনবারীদের কর্মকল নষ্ট করি না। (সুরা আলা আল্লাফ: আয়াত ১৭০)
- মহান আল্লাহ বলেন: এবং হখন কুরঝান পড়া হর তখন তোমরা মনোযোগ সহকরে শ্রবণ কর এবং চুপ করে থাক যাতে তোমরা নয়াপ্রাপ্ত হতে পার : (সুরা আল আরাক: আল্লাত ২০৪)
- ১০ মহান আল্লাহ বালন: হে মানুহ। তোমাদের উপর প্রতি তোমাদের প্রতিপালনের কাহ থেকে এলেছে উপলেশ ও তোমাদের বাকে (অন্তর্জ) যা আছে তাল নিরামর এবং মু'মিনদের জন্ম পর্কানিদিশিতা ও পদা। বল, "জল্লাহর অনুস্রেহে ও তাঁর লগায় (কুবামন এলেছে), সুক্তরাং একে তালের উৎমৃত্র হওয়া উচিত তারা যা নাম করে রাখে কার ক্রেরা এটা উল্লো ('মুলা ইউকুল, আলায়ত (২-৬৮)
- ১১ মহান আল্লাহ বদেন: আনিক-দাম-বা এটি একটি কিতাব যা আমি তেমার প্রতি অবতীর্ণ করেছি যাতে তুমি মানুহকে তাদের প্রতিপালকের ইচ্ছার বের করতে পার অন্তর্কার থেকে আলোর নিকে, তাঁর পথের নিকে, থিনি মহাপ্রতাপদালীত অতি প্রশাসনিয় (বুলা ইকারীয়া আলাত-১)
- ১২ মহান আল্লাহ বেলন: এবং ভূমি ফল্ম কুনামান পাঠ কর তখন আমি হোমার মাকে এবং আরা আনিবাভের প্রতি ঈমান আনে সা তানের মাঝে প্রচার্ম্ম পর্যন টেনে কেই- আমি তানের ম্বন্যার উপর তৈরী করেছি যাতে তারা তা বুবাত লা পারে এবং ভালের কারেছে বর্ণিরতা। এবং ফল্ম ভূমি কুনামানে এবা তারার প্রতিপাপকের উল্লোধ কর তখন তারা মুগারতে পৃষ্ঠপ্রদর্শন করে। (সুরা বাদী ইনরাজন। আল্লাভ- ৪৪-৪৬)

- ১৩ মহান আল্লাহ্ বলেন: এবং আমি কুরআন অবতীর্ণ করি, বা মুমিননের জন্য আরোগ্য ও নয়া, আর তা জালিমদের জন্য করি ছাতা কিছুই বৃদ্ধি করে না। (পরা বনী ইগরাঈল: আয়াত-৮২)
- ১৪ মহান আছাহ বাননা: আছাহ অবতীর্ণ করেছেন সার্বাছয় কথা- সানুর্পপূর্ব, বরাবর পঠিত কিতাবরূপে এতে বারা তানের প্রতিপাদক্ষরক ভার করে তানের কৃত কেঁপে তাই, এরপার তানের তুক ও ক্রমন্ত্র মান্তাহের স্পর্কার নির্মান করে। এই আই প্রতিবাহের পার্কিনির্দিক, তিনি এর মাধ্যমে যাকে ইছার বরেনে সঠিক পথ করে। তার আলাই করেন। আর আলাই করেন তার জনা করেন পথক্রপর্ক নেই। সুরা আনুমুখ্যমান আলাই-১০)
- ৡ৻ মহান আল্লাহ বাদেন: এবং এলাবেই আমি তোমার প্রতি তথ্যী করেছি আমার নির্দেশ সংগীলত এক কয় (কুরআন). য়ৢরি জানতে লা কিয়ার ও ইমান কয়, কিয়ু আমি একে বানিয়েছি আলো যা দ্বারা আমি আমান বালাদের মধ্যে হাছে ইয়য় বয়ির সাইক পথ প্রদর্শন কয়। এবং (এর দ্বারা) নিকয় কৢমি অবণাই পরিচালিত কয় সরল-মতিক পথে। (সুর আপ-পুরা: আয়াত ৫২)
- ১৬ মহান আল্লাহ বাদেন: যদি আমি এ কুৰমানকে পৰ্যক্তৰ উপর অৰঞ্জীৰ্ণ করতায় ভাহনে অৰণাই ভূমি তাকে আল্লাহৰ ভাল বিশিত ও বিশীৰ্ত পৰাৰ্থত পোছে। এবং আমি এ উপমাদমূহ পেশ করি মানুষ্কের কলা, যাতে ভারা ডিয়া করতে পারে। (সূরা আল হাদের: আল্লাভ ২১)
- ১৭ মহান আন্তাহ বলেন: নিশ্চর আমি তা (কুলআন) অবতীর্ণ করেছি কদরের রাতে, আর কিনে তোমাকে জানাবে কদরের রাত কী? (সুরা আল কনর: আন্তাত ১-২)
- ১৮ মহান অস্তাহ বলেন: অস্ত্রাহর পক্ষ থেকে একজন রাসূল, যে পাঠ করবে পবিত্র সহিক্ষাসমূহ- যাতে থাকবে সঠিক বিখানবলী। (সুরা আল বায়িনোহ: অস্ত্রাত ২-৩)
- ১৯ মহান আল্লাহ বলেন: নিকর আমিই বিকির (কুরজন) অবতীর্ণ করেছি এবং নিকর আমি অবশ্যই এর সংকেশকারী (সুরা আল হিজর: আয়াত-৯)
- ২০ হত্তত উসমান (বা.) থেকে কৰ্ণিত, বানুদ্দ (বা.) বলেছেন, তোমাদের মধ্যে সে ব্যক্তি সর্বোত্তম যে কুরআনের জান অর্থন করে ও তা অন্যাকে শিক্ষা দান করে। (স্থিত কুবারী)
- ২১ হংরত আরু উসামা (রা.) বলেন, আমি রাসূল (সা.) কে বলতে তানাই "তোমরা কুরআন পড় কেননা কিয়ামতের দিন কুরআন তার সাধীদের পাজে শাক্ষারাককারী হিসেবে উপস্থিত হবে"। (সহীহ মুসলিম)
- ২২ ব্যৱত আয়েলা (জ), থেকে বৰ্গিত, হিন্দি বলেন, তালুল (জা), থেলাহেন, যে ব্যক্তি কুক্তমান পঢ়ে নিম্ম গড়তে । যেয়ে সে হোতালার ও তার ভত্ত হয় তারে তার জন্য রাজহে পুটি পুরকার (অর্থাৎ তাল পদৃহতে না পারা সত্ত্বেও আপ্তর্বিকে টেউ করার কারনে)। (সহঁত বুকারী ও মুগদিন)
- ২৩ হুণরত ওমর ইবনে খাক্তর (রা.) থেকে বর্ণিত, রাসুল (সা.) বংগছেন: এই কুরআনের মাধ্যমে আল্লাহ বহুলাতির উন্নতি দান করেন আবার এর মাধ্যমে অন্য জাতির অকনতি ঘটন। (মহীহ মসদিম)
- ২৪ হয়রত ইবনে আবলাদ থেকে বর্ণিত, রাদূল (স.) বলেহেন, যার পেটে কুরজানের কিছুই নেই সে পরিতাক (বিরান) বাজির মত। (ভিবরলী)
- ২৫ হগতে আদ্মান ইবলে আবা ইকুল আল (জ.) নবী করীন (ল.), থেকে কর্মনা করে বাসন, রাসুল (ল.), বেলেন্দে, কিয়াবেওর নিন কুরনালে দার্থনিকে (কুরনালে বার্কিক ও কন্যন্নারী আনকারীলে) লগা হবে কুর্ম কুরনাম শক্ত আন্তান্তের উলগতে নিকে উইকে থকা কলে শান্তিবে বিবাহ বিশ্ব পত্ত বেলাহে কুর্ম মূর্ন্নায়র পাঠ করতে। তোমার পারা যে আন্তান্তে পেক হবে দেখানেই ভোমার ধারুরে অবস্কৃন। আবু নাটান ও তিরমির্থী।
- ২৬ বংবত আন্মন্তার বঁবলে মাসত্রিল (ব.) বলেন, নদী করিম (সা.) বলেকেন, আল্লাবর কিতাব যে ব্যক্তি সকলের মধ্যে ভাল পাত্রকে পাহরে সেই ভোমানের ইমামতি করতে বা নেকৃত্ব দেবে। সেইছে মুসন্দিম।
- ২৭ হবতে ইমারন ইবনে হাসীন (রা.) থেকে বর্গিত, বিলি এক ব্যক্তিকে দেখাদেন হে, কুরুয়ান পরেছে অভ্যপ্তর সাহায্য চাজে কমা কিনি হিবলো ইবনে হাসীনা বলাগেন, আমি মানুল (সা.) বলাভে ছানেছি, যে ব্যক্তি কুরুয়ান পরে এব বিছি আছারের কাছে প্রার্থনা করা কেন্না এবিখাতে এখন এক দল গোবে আগবে তারা কুরুয়ান পাছরে এবং তার বিনিয়য় মানুল্যক কাছে সাহায্য প্রার্থনা করারে। (চিরারিখী)

## মু'জামুল কুরআন তরজমার বিশেষত্ব

- মু'জাবুল কুবআন-এর তরজমাতে পথিত্র কুবনাদের মূল টেক্সই-এর প্রতিটি শদের অর্থ সামিনিশিত করার সেই করা হয়েছে, সেই সাথে মৌলিক বাজাবিন্যান ও কুবাদের নিজন প্রকাশপ্রদির কর্মহতা বজার রাজর টেটা করা হয়েছে। তরজমার প্রতিটি শদের অর্থ থাকার এর পূর্ণাক ইনজেন্স (Encyclopedic Index) প্রশক্ষ করা সহজ্ মারান্ত
- বেখানে কোনো আয়াতের বিভিন্ন ভাষানির বরেছে সেখানে যে ভাষানিরটি আয়াতের পূর্বাপর প্রসঙ্গের সাথে অধিক সাথপ্রসাপুর্ব সে আলোকেই সংশ্লিট আয়াতের ভরজ্যা করা হয়েছে।
- ৪ প্রতিবাদন শংশাক্ষ ওয়ার্থক করব পরী বরবাল করা কোঁছ করা হোয়ে, এক্ষেপ্র নির্দ্ধান্য নির্দ্ধান্ত নির্দ্ধান্য নির্দ্ধান্ত নির্দ্ধান্ত নির্দ্ধান্য নির্দ্ধান্ত নি
- ক্ষেপ্তিক আন্নাতে আরবি ব্যাকরণগত দিক নিশ্চিত হওয়ার আনা উভায় মহিউদিন দারতিশ প্রশীত 'ই'রাবুল কুরআদিল আহিম ওয়া বায়ায়ুক্, ভামনিরে বায়য়াজী, তামস্পীরে রাস্বাপাল, তামপীরে কুলকুরী, ফাতহল ঝানীরসহ আনানা নৌপিক ভায়নির প্রশ্ননিতিক বিশিক হাকবাপাত বিশ্বমণর শাহামে প্রায়া বায়েছে।
- ৬ কুগুলালে মুল টেক্কট-এ যে শশ্চী বহুবচন থাবছত হাছেছে সঠিক মৰ্ম কথানের স্বাৰ্য বাংলা ভরজনায়ও বহুবচন লেখা হাছেছে। যেনদ: জাল্লাভনমুহ, আবালসমূহ ইছ্যাদি। যদিও বাংলা ভাষাত্য ঐসব ক্ষেত্রে বহুবচন ব্যবহারের প্রচালক কেই এতে কোনো লোনো ক্ষেত্রে বাহুলা মনে হতে পারে, কিন্তু সঠিও ভাব প্রকাশের জন্যই এজণ করা ক্ষান্তেছ।
- ব্ব বাংলায় সঠিক তাব প্রকাশের জন্য কোনো বিশেষ্যের একাধিক বিশেষণ (ميداً) এবং বাংকার উদেশা (ميداً) এর একাধিক বিশ্বের (ميداً) থাকার খেন্নের "ব্যবহার করা হয়েছে। যেমন দিশুর আন্তর্গায়র আভি ক্ষমালীল ও পরম দারাদ্র, অমীম কর্জাণায়র ও করা সাহালু ইন্তালি।
- ৮ কুরবানের মূল টেক্সট-এ বেলব মতিচিক্র বাবহার করা ব্যাহেছে তার আলোকে বাংগা ভাষার মতিচিক্র বেমন, মাড়ি, করা, হাইকেন, ইলভার্টিক কমা ইত্যালি) এবেহার করা হাহেছে। বিশেষ করে, কোনো ভারতের প্রসক্ষ শেষ না হায়ে তা প্রকর্মী মাল্লাভ অব্যাহত অবালে পর্বত্তী আলোকের শেষ হাইলেন (-) হিমলি বাবহার করা হায়েছে
- ১ কোষাও তরজমার ভাষাতে ছলপতন মনে হতে পারে। মূলত কুরজনের মূল টেরট-এ যেভাবে বলা হয়েছে তার খনীয়তা বলায় রাখতে পিয়ে এরপ হয়েছে।
- ১০ বাংলা ভাষার বর্তমানে প্রচলিত ভরজমার সাথে এ তরভামা কুরবানের স্বকীয়তা বজায় রাখার কারণে অনেক ক্ষেত্রে স্বতন্ত্র ও ভিরুপমী হয়েছে।
- ১১ এই তরজনা ফথাসম্ভব সঠিকতাবে সম্পাদনার জন্য প্রাচীন ও আর্থুনিক প্রায় অর্থশত তাফসীরের সাহাম্যা দেরা হয়েছে। এর মধ্যে কিছু উল্লেখযোগ্য ভাকসীর হলঃ

#### ( أَنْهَاتُ النَّفَاسِيرُ ) মৌলিক তাফ্সির গ্রন্থাবলি

- (১) জামিউল বায়ান ফি তাফদীবিল কবতান ঈমাম আত তাবাবী।
- (১) তাফসীর আল-কাশশাফ, আল্লামা যামাথশারী।
- (৩) আত্তাফসীক্লল কাবীর, ঈমাম ফৎক্লদীন আর রাঝী।
- (8) আগজামি' লি আহকামিল কুরজান, ঈমাম কুরতুবী।
- (৫) তাফসীরুল কুরঝানীল আযীম, ইবনে কাছীর।
- (৬) আনওয়াক্ষত তানধীল ওয়া আসরাক্ষল তা'বীল, ইমাম বারদাড়ী।
- (৭) তাফসীর জালালাইন, অন্ত্রামা জালালুন্দীন মুহাল্লী ও জালালুদীন সুহৃতী। (৮) সাত্রচল কানীর জালামা শাওকানী।

#### আধুনিক ভাকসির (عَلَيْتُ الْمُعَالِيَّةُ ।

- (১) আজলাহরীর ওয়ার ভাননীর উরন্ধ আরব।
- (১) ভাষসীৰ খাৰ্যাভিৰ মহান্দ্ৰৰ আৰ্শা'বাড়ী শাইখ মতাওয়ালী আৰ্শা'বাড়ী।
- (২) তাফসার বাওয়াতের মুহাম্বদ আশশারাভা, শাহ্য মৃতাওয়ালা আশশ(৩) ঝাল ওয়াসিত ফি ভাফসীরিল করঝানিল কারীম শাইথ তানতাজী।
- (৪) ফি বিলালিল করঝান, সাইয়েদ কতব।
- (৪) ফি যেলালল কুরআন, সাহয়েদ কুতুব। (৫) ভাফসীরে রন্ধল মায়ানী, আল্লামা আলসী।
  - (৫) ডাফসারে রুছণ মায়ানা, আল্লামা আল্সা। (৬) আদওয়াউল বায়ান ফি ডাফসীরিল করআনি বিল করআন, আল্লামা শানকীতি।
  - (৬) আরওরাতন বাংল।ক তাকসারল ক্রআন।বল ক্রআন, অ (৭) তাকসীরুল মানার, আল্লামা সাইত্যেদ রশীদ রেলা।

#### <u>जन्मा</u>सा

- (১) তাফদীরে মা'আরিফ্ল কুরআন, শাইখ ইদরিস কান্দলভি।
- হাফওয়াতৃত ভাষাসীর, শাইব মুহাত্মদ আলী ছাবুনী।
- (৩) ভাইসীকত ভাকসীর, শাইখ আল কারান। (৪) ভাইসীকত ভাকসীর আত ভডাইশ।
- (৪) তাহনাজত তাকনায় আত তুকাহন। (৫) আৰু মলতাখাৰ ফি ভাফসীৱিল করআন, গাজনাতল করআন ওয়াস সন্তাহ।
- (৬) আল ওয়াজীয, আল্লামা আল ওয়াহেদী।
- (৭) ডাফহীমূল কুরঝান, সাইয়েদ আবুল ঝালা মধদুনী। (৮) আল-কুরঝানুল কারীম, ইসলামিক ফাউডেশন, ঢাকা।
- মানব দিশারী কুরআন ফাজীদ, মাওলানা মীর আকুস সালাম, মীর প্রকাশন/খোশরোজ কিতাব মহল, ঢাকা ।

#### ইংরেজি অনুবাদঃ

- The Qur'an, Arabic Text with Corresponding English Meaning, English revised and edited by Sahech International, Jeddah, Saudi Arabia. published by Abul Qasem Publisher's House, Jeddah. 1442. Saudi Arabia.
- A word for word meaning of the Qur'an, By Mohammad Mohar Ali, published by Jamiaa Ihyaa Minhaaj Al-sunnah, London, UK.
- The Noble Qur'an by Dr. Muhammad Taqi-ud-Din Al-Hilali and Dr. Muhammad Muhsin Khan, Islamic University Al-Madinah Al-Munawarah, Published by Darussalam Publishers, Riyadh, Saudi Arabia.

# প্রথম অধ্যায় পবিত্র কুরআনের পূর্ণাঙ্গ শব্দসূচী



# ENCYCLOPEDIC INDEX OF THE HOLY QUR'AN

## মু'জামুল কুরআন এর ইনডেক্স ব্যবহারের নিয়মাবলি

- ১ বে সমন্ত্ৰ সন্মানিত গাঠক পৰিত্ৰ কুবজন থেকে কোনো দশ্য বা বিষয় সংশ্ৰিষ্ট আন্তাত বুঁজে বেব করতে চান তারা মুঁ ভাষুল কুবআনেত অধ্যন্ত্ৰণ কৰাৰ ইনজেন্ধ এর মাধ্যনে সহক্রেই কাঞ্চিম্বত শব্দী। বিষয়েট পৰিত্ৰ কুবজানে ক্তবাৰ কোন কোন সুবাই কোন কোন আনাতে বর্গিত হাতেহে তা আববি টেক্কট ও বাংগা অর্থনহ ধুব কম সমরেত্ব মধ্যে পরে ছালেন।
- ३ हेन.व्यक्त व्यक्तिक विकारका/भिक्तामा वाह्ना वर्गमान कम्मूमात मानामा राहार धवर महित्री क्षेत्रमम्ब्रहरू यांना वर्गमाना कम्मूमात मानामा राहार। व्यक्ता वाह्मा वराव्यक्ति वर्गमा विकारमा वर्गिनामान कम वनुनवन कता राहार। यमनः व, वा, रे, षे, वै,.... (१९४वर्ष पृष्ठात पर्मा)।
- ৩ এই ইনতেরে পরিত্র কুরআনে বর্ণিত প্রতিটি বিশেষা, বিশেষণ ও ক্রিয়াবাচক শব্দ উল্লেখ করার চেষ্টা করা হরেছে। এখানে সর্বনাম, অব্যর এ জাতীয় শব্দবিলি ইনডেক্স অন্তর্ভুক করা হয়নি।
- - ৫ পরিত্র কুরমানের নতুন ও অভিন্ন সব ধরনের পাঠক আরবী ভাষা না জেলেও এই মুলামের চরুতে প্রপত্ত ইনজের থেকে তার ক্ষিত্রত বিষয়তি সহলে বুঁজে পোতে পারেন, যদি সেটা পরিত্র কুরমানে বর্গিত হয়ে থাকে।
  - ওঁ এই ইন্যাভান্ত যেবেছু পৰিত্ৰ কুৰুআনেৰ বাংলা অনুবাদের ভিত্তিতে করা ব্যৱহে তাই এতে কোন কোন আরবি পরিবাদ্যা সভাসতি নাও পাওৱা যেতে পারে। সেফেন্সে উক্ত পরিভাব্যর বাংলা অর্থ অনুসায়ে স্পানী বুঁজে পাওৱা তেন পারে। যেনন "ভাকভান্ত" স্পানী তাঁৰি তি এব অবীনে পাওৱা না যাত্র তাহাল "ভাকভান্ত" নামেন বাংলা অর্থ "ভান্ত" এর অবীনে ভারেল গানেন।
  - ৭ আরবি শন্দ ব্যবহারে অভ্যন্ত পাঠক বিশেষ করে সম্মানিত উপামারে কেরাম Index-এ তার কাঞ্চিত কোনো বিষয়/শব্দ না পোল এই প্রান্থক পোরে পরিপিট-২ এ প্রশন্ত আরবি শলার্যের তালিকা বেকে তার কাঞ্চিক বাংলা শব্দ/বিষয়টি নেথে নিন। অত্যপর Index-এ অনুসভান করুন, পেরে যাবেদ ইফ্পাআল্লাহ

# বাংলা বর্ণমালা

আ আ ই ঈ উ উ ঝ এ ঐ ও ঔ ক খ গ ঘ ঙ চ ছ জ ঝ এঃ ট ঠ ড ঢ ণ ত থ দ ধ ন প ফ ব ভ ম য র ল শ য স হ ড় ঢ় য় ৎ ং ঃ ॰

# এ গ্রন্থে ব্যবহৃত বাংলা বর্ণমালার ক্রম

অ	আ	D. Bar	11.00 (S)	ড	· U.	(All)	*ল	এ
9	3	٤	<b>S</b>	10 Mag	<b>ক</b>	<b>₹</b>	· *	ক্ত
কা	্র <u>্</u> র-	******************	3	খ -	,গ	#	*	ঘ
8	÷ <b>\$</b> 5, ,	ৃহ	2 <b>5</b>	ছ	জ	জ্জ	উত্ত	ঝ
·43	₹8	8	<b>®</b>	ഏ	উ	Ū	\$	ড
ডড	ড	5	<b>D</b>	ंद	উ	<b>છ</b> ે.	8	ত
ত্ত	٩	***	ত্র	থ	দ	<b>M</b>	দ্ধ	দ্ব
Bert	And the last	<b>X</b>	- Electrical	₹.	*	9	পট	હ
8	श्र	얾	अ	াফ্	ব	জ	ব্দ	क
<b>5</b>	T	1	ম্ভ		युक्त	4m.	য়	র
ল	ক	<b>श</b> .	ল্ট	ন্ত	霰	H	<b>*</b> †."	<b>у</b> Б
	<b>10</b>	* Zj.	# <del>10</del> %	8	8	₹3.	স	স্
<b>3</b>	ক্ষ	হ	20	क्	15 m	a		
			4.00					

## পবিত্র কুরআনের পূর্ণাঙ্গ শব্দসূচী (বাংলা বর্ণমালার ক্রমানুসারে) Encyclopedic Index of the Holy Quran

অংশ	বিষয়/ধানদ	जूबा मर ७ नाम	1000	100	পুঞ্চ বিদয়/প্রসম	मुझे गर ७ च्हेम		1
					মূলফিক নারীপুরস পরস্পরের অংশ	৯-অওবা	69	
notice ment morre.	গদের, যারা অর্জন করেছে	২-বাকুারা	202	020	রজন্তের অংশ না থাকা (আহলে বিভাব প্রসঙ্গ)	8-निमा	40	490
वर्षात्म (३/३) प्राप्तम		8-मिना	22	229	রতের বিভিন্ন অংশে দাঁড়িয়ে আনুগত্য প্রকাশ (ভাইাজ্মুদ)	৩৯-বুমার	ъ	20
	পাবে স্বামীরা, যদি	8-मित्रा	25	200	রতের কিছু অংশে প্রতিপালকের পথিততা ঘোষণার নির্দেশ	২০-খ্য-হা	700	982
		8-निया	398		রতের কোন এক অন্তশ পৃতকে সপরিবারে বের হওয়ার নির্দেশ	১৫-হিন্দর	96	903
	রির অংশ পুরুষের অর্থেক অংশের সমান)			645	রিন্দ্রিকর অংশবিশেষ মিধা। উপাসের জন্য নির্ধারণ (মুশরিকদের)	<b>36-मार्</b> न	Фb	909
	स्त्र क्षान परन पाठ, कि?	००-कास्टि	80	b85	दिविदक्त करण (शीहत मूनिवाद कीवरन, जारमद निकंधे यादा	৭-আরফ	93	626
	অনের জন্য হারা কেবল দুনিয়াতে	२-वाकृता	200	655	শান্তির অংশ রয়েছে তাদের জন্য হারা জুলুম করেছে	৫১-বারিয়াড	25	355
	। নিতে চান না আল্লাহ (কাফিবদেরকে)	ত-আলে ইমরান	295	660	শান্তির (মুশরিকদের প্রাপ্য শান্তির অলে পুরোপুরি নিবেন আল্লাহ)	১১-ছন	209	630
অধিয়তে সংগ নেই		৩-আলে ইমরান		680	সম্পদের অংশ প্রেস করার জন্য বিচারকের নিকট পেশ	३-व <b>म</b> श	297	653
	(বে দুনিরার ফদল চার)	৪২-শ্রা	20	1/2/0	নাজীনের ন্যায় জালিমনেরও শাস্তির অংশ রয়েছে	৫১-খাল্যিত	65	358
	র্থরণ, মুশরিকদের (শস্য ও গবলি পকর)	৬-আন্'আম	200	৬০৯	রীর সংগ খামীর সম্পন্নে (এক চতুর্বাপে, এক-জনমাণে) যদি	8-97	25	QQ1
উপদেশের অংশ বিশে	বি ছুলে গেছে নদী ইসরাইলরা	৫-মায়িলা	20	285	স্বামীর অংশ প্রীর সম্পদে (অর্থাংশ, এক-চতুর্থাংশ) যদি	8-शिम्ह	25	925
উপদেশের একটি অং	শ ভূবে থেছে নামারার	৫-মারিলা	28	29.5	অংশ (কোন এক সময়)		-	+
এক-ফৃষ্টারাংশ (১/৩)	) সম্পন পাৰে ভাই/বোন, যদি	8-मिशा	25	660	বাতের কোন অংশে বের হয়ে যাওয়ার পরামর্শ (পৃতকে)	১১-জুন	2.2	690
এক-ভৃতীয়ালে (১/৩)	) সম্পন পাহেন মা, যদি	8-निमा	22	229	जल तम	22-61		-
এক-অষ্টমাংশ (১/৮)	সম্পদ স্তীরা পাবে, যদি	8-निग	25	227			-	١
এক-চন্তৰ্বাপে (১/৪)	সম্পদ পাৰে খ্ৰী, বদি	8-मित्रा	33	200	যুদ্ধে (রুশাফিকরা বুদ্ধে সামান্যই অংশ নের,খনক প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্পান	72	701
	(সম্পনে) রীর পরিত্যাক সম্পদ-প্রসঙ্গ	8-निगा	34	cev	অংশ (প্রতিদান)			-
	পৃথিবীতে অবছাদ, পথস্টরা বলবে	२०-मु"मिनृन	220	990	অবিরাতে অংশ দেই (কালু শিকাকারীর)	২-বারারা	205	625
	ম্পদ পাবেদ মা, যদি	8-मित्रा	>>	229	অংশ/ভাগ			
	দ্পদ পাবে ভাই/বোদ, যদি	8-निमा	34	227	স্থলভাগ ধাসিরে দেয়ার ব্যাপারে কি মুখরিকরা নিরাপদ?	১৭-ইস্বা	95	920
	নম্পলে)- পুরের অর্থেক	8-शिश	22	663	वर्ग (मादर)			П
	ৰ সমান আনা (বনী ইনৱাসল প্ৰসঙ্গ)	২-বাকারা	νe	670	নির্দায়িত মোহরের অর্থেক নিতে হবে, যদি স্পর্ন	২-বাকারা	209	23
	সেরার পরও পথমটকা ক্রম করা প্রসঙ্গ	8-797	88	460	দির্ঘারণ (মোহর দির্ঘারণের পূর্বে দ্রীকে অলাক দেয়া)	২-বাকারা	206	220
	করা হয়েছে যাগেরকে তাদেরকে দেখা	৩-আলে ইমরান	30	600	অংশ (সম্ভান)	-		1
	প্ৰদানের পৰও প্রতিমা ও অধ্যত বিশ্বাস	8-RH	62	6.90	আল্লাহর বংশ বাদানো। (আল্লাহর বান্দানের কতককে)	80-2000	25	V20
	যে টমান না আনা (বনী ইসরাউল প্রসঙ্গ		pui.	670	অংশীদার (আরো দেখুন শরীক শব্দটি)		-	-
	য়ে নিহত ব্যক্তিকে আঘাত করা প্রসঙ্গ	२-राकावा	90	600	ভূপুম (অংশীদারদের অনেকে একে অন্যের উপর ভূপুম করে)	৩৮-সোৱান	28	100
	ক অংশ এক এক সৰঞ্জাৰ জন্য ৰশ্চিত	३१-विवर	88	900	পথর মৃত বাজার অংশীলর হওয়া সম্পর্কে মুশ্রিকচনর ভুল ধারণা	৬-আণ্ আম	200	
	ল বংশ এক এক গৰজাৰ জন্য বাসক লাল কৰবেল আল্লাহ মুখিনসেৱকে	३१-११वव १९-शमीम	3,5	967 700	মুনার কান্তে হারুপকে অংশীনার বানানের দোরা	২০-জা-ছ	200	983
	র অবস্থান। (আসহাবে কাহায়ের ধারণা)	72-4055& 5.1-404M	29	920	শক্তিতে অংশীনার হবে (শরতান ও আল্লাহনিমুখ লোক)	80-2489	039	199
	ছানের ধরণা। (উবারের প্রসঙ্গ)	২-বাকারা	20%	20)	শান্তিতে অংশীনার হবে জালিম নেতা ও সহচররা (কিয়ামতে)	৩৭-সাফ্ফাত	00	bas
			25	930	সম্পন্নে অংশীদার (একধিক বৈপিয়ের ভাই)বোন)	8-निर्मा	25	200
	ছোন ওহার (আসহাবে কাহাকের ধারণা)	১৮-কাহ্ম ৪-নিস্			जन्मत बलामा (सम्बद्ध सम्बद्ध सर्वना) जल्मीमाविद्	0-(44)	34	460
	সম্পদ কন্যা পাবে যদি		22	664			-	
	ন/আন্নীয়-স্পানের রেখে যাওয়া সম্পদে)	8-विभ	٩	663		৪৬-আত্কাক	8	300
	অর্থেক অংশের সমান (কালাগার প্রসক)	8-निम	240	493	ইপাহনের (কবিত) বেদন অপৌনারিত্ব দেই (আক্রল ও পৃথিবীতে)	৩৪-সাধা	22	₩84
	হছে যা ভারা পার/অর্জন করে ভাতে	8-निमा	<b>७२</b>	697	অকল্যাণ (আরো দেখুন অমঙ্গল শব্দটি)			_
	্যক্ত সম্প্রতা নারী-পুরুষের নির্ধারিত অংশ)	8-मिगा	9	663	আঘাত (অকল্যাণ আঘাত করলে নিরাশ হয় মানুষ)	60-3X	05	P-58
	বেরাহীম কর্তৃক বিভিন্ন পাহাড়ে রাখা	२-शक्ता	260	605	আত্মত (অবশ্যানের আত্মতকে মূল/মার নাইনের চুলাক্ষ্য মনে করা)	৭-আ'রাক	202	628
	व बन्द अन-वहारन (३/६) यनि	g-Size	22	663	বল্যানের পূর্বে অবল্যান অভ্যানতি পেরে চাওয়(স্বায়ন সম্প্রানরের)	<b>२</b> ९-मामन	86	bot
	লেহে যা <b>এলা পদ/বর্জন করে তাতে</b>	৪-দিসা	•ર	505	অনুমান্তি অবল্যান লেডে চাওয়া,ধ্যমূদ সংগ্রেমধ্যে (বঙ্গায়ানে পূর্বে)	३ <i>५-माम</i> ल	86	bos
	বির অংশের সমাল অংশ	8-निमा	22	664	ভূৱখিত (অবস্থাণ ভূৱখিত কথতে ওলে কবিৰৱে জমূল স. ৫০)	১০-রা'দ	٥	99-9
	রীর অংশের সমান (কাশালাহ প্রসঙ্গ)	8-निमा	296	493	ভূৱান্বিত (মানুহয়র অকল্যাপকে যদি ভূবান্বিত করা হত)	১০-ইউনুস	77	960
	ন্ধ/আত্নীত-সন্ধনের রেখে বাওরা সম্পলে)	8-मिमा	٩	449	দ্ব হওরা (নিরামত দিলে মানুব কাবে অকল্যাণ দূর হরেছে)	<b>३</b> ३-ड्न	30	996
প্রয়েক দলের একটি ব	সংশ বের হবে ধীনের গনীর জ্ঞান অর্ননে	৯-মাওবা	255	620	নিজের পক্ষ থেকেই অকল্যাণ (নবী ম. প্রনঙ্গ)	৪-নিগা	95	66.
প্রদান(বাদের সাথে ত	মঙ্গীকার নৃচ হয়েছে ভালের অংশ প্রদান)	8-मिमा	00	667	পরীক্ষা (কল্যান ও অকল্যান ধারা বনী ইসরাসলকে পরীক্ষা)	৭-আ'রফ	799.	625
	াভে পাবে না (যে দুনিয়ার ফলল চার)	৪২-শূর	20	bas	প্রার্থনা (অকল্যান প্রার্থনা করে মানুক কল্যান প্রার্থনা করার মত)	১৭-ইস্বা	22	130
Autora Atta alles	কে শয়তান ভার অনুসারী করবে	8-SPH	229.	212	প্রতিস্থাপন (আপ্লাহ অবল্যানের স্থানে কল্যাণ প্রতিস্থাপন করেন)	৭-আ'বাক	b¢	643
				927	মানুদের অকল্যাপতে আপ্তাহ যদি ভূরাখিত করতেন			1000
বান্ধানের নির্নিষ্ট অংশ	াই/বোনের সম্পদে)- এক ঘঠাবো- যদি	8-First	2-5			১০-ইউনুদ	22	
বান্ধানের নির্নিষ্ট অংশ ভাই/বোনের অংশ (ভ	রাই/বোগের সম্পদে)- এক যাঠাবো- যদি বে অংশ পাবে (ভাল সুপারিশ করলে)	8-PH 8-PH	25	263				
বান্ধানের নির্নিষ্ট অংশ ভাই/বোনের অংশ (ভ	র অংশ পারে (ভাল সুপারিশ করলে)				মুমিনদেরকে অকল্যাণ আধাত করলে কাফিরর উৎকুল্ল হয় রাস্ত্রল স, কে অকল্যাণ আধাত করলে ফুনফিন/কাফিরর বল	১০-২৬নুদ ৩-আলে ইমরান ৯-তারনা	50 250 23	685

অবলাগরর অন্নিম পাঠানে বেলামার করে করি

<b>মান্ত</b> নিবছ/প্রসা		र्व सं व वर्ग	100	1.80	नम विस्तृत्वन	जुझ रह ७ सम	-	170
অকল্যাণকর (আরো দেখুন ক্ষতিকর					অংশঃ বিষয়বস্তু বলে নিতে অক্ষম হলে অভিচাবক বলে নিবে	২-বাকুরে	545	₽¢E
কৃপণনের জন্য অকল্যাপকর আস্তাহর দে		৩-আলে ইমরান	2300	660	ভূপুমকারীরা জক্ষম কর্মত পার্রেনা (মধ্যকাঞ্চ আঘাত কর্মকে)		62	b-94
বায়ু (অকল্যাপকর বারু প্রেরণ, আদ সভ	লের উপর)	৫১-বাজিয়ত	83	321	ম্য (এল মুম্পিনে খন্ত বস থক)	8-मिमा	>0	663
অকুমারী					হিজাতে অক্যানত্তক কম প্ৰসাস	৪-মিগা	25	663
প্রী (অল্লাহ দবীকে অকুমারী গ্রী পান কর	তে পারেন)	৬৬-ডাহরীম	2	290	पक्रमण्डी			
অকৃতভা	,		Ť	-	অস্থাৎকে অক্ষমকরী দায় সুপরিকরা	৯-জাওবা	0	680
অমুথপেক্ষী(অক্তজের ব্যাপারে প্রতিপা	ma suverneiti	২৭-সামল	80	500	অন্তর্প্র রাখা			1
অধীন্যন্ত অকুতন্ত আল্লাভ অধীন্যন্ত করে, স			05	454	আহীরতার সম্পর্ক অভুন্ন রাধার নির্দেশ নিয়েছেন আল্লাহ	১০-রাম	32	6340
সাচন (অক্রজের শান্তি আগুল-আখি		গ্র-সাহর	8	995	সম্পর্ক অকুর রাঝর নির্দেশ বিয়েছেন আল্লাহ	20-21'F	52	500
व्यक्तरस्य (व्यक्तरस्य व्यक्तरस्य क्राट निर्मात			28	999	সন্দৰ্ক (আল্লাহর নিৰ্মেশিত সন্দৰ্ক অন্তুপ্ন বাবে বৃদ্ধিমানরা)	১৩-রা'ন	42	680
আল্লাহর প্রতি অঞ্চল্ড হওয়া নিষেধ	an, signin, assure	२-राष्ट्राव	202	673	वर्गाव	20-27-1	10	9000
আল্লাহর সালের প্রতি মুপরিকালের অভ্যতা	atte waw	২৯-আনকাবৃত	99	5-57	আচ্চাবর নিকট অপোচর নর (অপু পরিমাণ জিমিসও)	৩৪-সাব্য	-	1.01
নাল্লহর নেরামতের প্রতি কি মানুধ ককা		২৯-আনকাবৃত	69	P-52	প্রতিপালকের আপোচরে মন্ত্র (অপুপরিমাণ/ছেট/কড় কিছু)	১০-ইউনুস	-	782
পুৰিবীর সরাই অকৃতন্তে হলেও আল্লাহর		২৪-ইব্যাহীয	104	990	অন্তর্গানকে আগোচরে শর (অনুসারমাণ/হোচ/বর্ড কেছু) অন্তিপঞ্জক	১০-হতনুস	৬১	990
সুৰবার নবাহ অকৃতন্ত হলেও আল্লাহর। প্রতিশঙ্গানের প্রতি মানুধ অকৃতন্ত হর নাকি		28-2951214 29-मामग	<u> </u>	900			_	_
			80		বয়সালা (আল্লহ বিরয়েতে অন্তিপুদ্ধারে বিষয়ে বরসালা কংগে)	२२-शक	١٩	469
প্রতিদাদ (অকৃতভাদের প্রতিদাদ, সাধার্য	ni ann)	৩৪-সাবা ২৭-নামল	74	184	অপ্লিশিবা (আরো দেখুন আঙন শধটি)			_
क्षक्रिमानका व्यक्ति क्षित्रसम् मनूतः वक्कक्			90	906	নিদের প্রতি অপ্লিশিশা প্রেরগ্/দীয়া অভিক্রম করতে চাইলে)	৫৫-রাছ্মান	00	≥8¢
ভাগৰাপা (আল্লাহ্ অকৃতভাৱেক আলবাবেক		২২-যঞ	¢)y	965	জিন সৃত্তি (জিনকে আল্লাহ অগ্নি শিখা থেকে সৃত্তি করেছেন)	৫৫-য়াহ্মান	76	909
মানুধ অকৃতিল (শিরক/আল্লাহর সন্তান স		86-वृश्क्ष	26	524	স্থানত অস্থিপিয়া পরভাগের পভাস্কারন করে	৩৭-সংখ্যাত	30	560
सन्दर प्रकृषका वर्षरा कृतका श्टर (Cent		৭৬-নাব্র	0	795	যানুদের প্রতি অপ্লিশিখা প্রেরণ(সীয়া অভিক্রম করতে চাইলে)	হত-রাজ্যান	90	≥8¢
নাৰুষ অংশাই অতি অকৃতনা (জীবন-মৃত্	্থনস)	২২-হান্দ	66	968	ফুল কৰ্তৃক কৰে পৰ্বত খেকে অন্ত্ৰিশিকা আৰু(আয়াহাকে দৰ্শন প্ৰসৰ)	२१-माधन	٩	pac
মানুহ কটেই না অকৃতজ্ঞ : (ধাংগ হোক)		৮০-আবাসা	39	300¢	হক্ষা করবে না জয়ন্ত্রামের দ্বারা অধিকাসীদেরকে মন্ত্রিশিবা থেকে	৭৭-মুরসালাত	60	999
মানুধ সুবই অক্তঞ (আল্লাহর অপার দে		১৪-ইবরাইম	08	686	प्रथमि			
মানুষ অকৃতভ (মানুধ ভার প্রতিপাদকের		১০০-'অনিরাভ	ò	1000	অপ্রমারীরানে আপ্রমারীই	৫৬-ওয়াবিয়াহ	30	384
মানুদ অভ্যক্ত বন (আল্লাহ তান দিকট থে:		22-ås	ъ	999	থাল্লাহর কথার অপ্রণানী না হওয়া প্রসঙ্গ	২১-আছিলা	29	903
মনুহ অভ্যতন হয় (কৃতকর্মের কারণে কেন		৪২-শ্ব	85	984	সমানে অগ্রধানী ভাইনের ক্ষমা পরবর্তীদের ক্ষমা প্রার্থনা	25-575	30	500
यमुष वक्रम द्रा (भन) रलाम दशका ना		CO-RT	62	tr-20	কলাণকর বড়েছ অপ্রথারী (মুহিনখণ)	২০-মুফিল্ম	65	998
মনুৰ অকৃতভ হলে জেনে রাধুক (অস্লাহ অ	মুৰপেকী)	৩১-সুকমান	25	454	ক্যাণকর অলে অপ্রদামী (কিচাধের কচক উন্নরধিকারী)	००-मारिक	53	b/8%
মানুধ বড়ই অকৃতজ		১৭-ইস্রা	69	477	ক্ষয় ও জারতের দিকে অপ্রবাধী হওয়ার নির্দেশ (প্রতিশালকের)	৫৭-রাদীদ	23	200
মৃগ্য অকৃত্যর (কির'আউনের উচ্চি, বিবর্গ	के इत्या शनक)	২৬-৩' থাবা	79	955	রখম অরগামী মুহানির ও আনসারনের প্রতি আল্লাহ সমূচ	৯-ডাওয়া	San	800
শ্বভান প্রতিশাসকের প্রতি অকৃত্যা		১৭-ইপ্রা	29	936	च्यांनी मा श्लवा		-	-
শন্তি অকৃতভাগের (জাহান্তানের আহুন)		৩৫-ফডির	Ф6	b85	আল্লাহ ও রাসুল স. এর সম্মুখে অঞ্চলী হওরা নিবেধ	85-एक्ट्राट	3	320
শন্তি (অকৃতত হলে আল্লাহ কঠোর শান্তি	मिहतम)	১৪-ইবরাহীম	9	690	অপ্রসর / অপ্রসরমান	ou dans		1000
শান্তি (অকৃতজ্ঞের শান্তি শিকদ, বেড়ি ও	वादन -वारिवाइड)	৭৬-দাব্য	8	366			١	
প্ৰয়ার প্ৰতি অকতজ (বন্ধুর জিজালা বাগা	<b>अवशिवादक)</b>	79-4466	07	121	আল্লাহ অনুসর হবেন অপরাধীনের কান্তের নিকে	২৫-ফুরকান	50	308
অকৃতভাতা					উপত্যকর দিকে আসরমান মেতাপে আন জাতির উপব শাস্তি এবংশ	89-वार्यक	58	970
বাস্থ্যহর দানের প্রতি মানুহের অক্তর্জতা		36-8128	22	201	দ্রুত বেশে জন্মগর ফেরেশভাসের (বাহ গ্রহণ করতে,)	৭৯-মবি'আভ	8	200
বেয়ামতের (আল্লাহর নেয়ামতের অঞ্চলত		১৪-ইবরাহীদ	415	690	মুগা ও তার সকর সকী (ইউপা ইবুন দুন) আলে অগ্রসর হলেন	22-stilds	95	950
প্রতিধান (কৃতভাতার প্রতিধানে, অকুষাতা উ		৩৪-সাবা	39	b83	অমাধিকার (আরো নেবুন গ্রাধান্য শব্দটি)			
সাক্ষী (মানুখ নিজেই ভার অক্তভভার স		১০০-'আদিয়াত	9	2000	দুনিয়ার জীবনতে অভ্রতিকার দিশে ভার আপ্রস্থল তীব্র জাতন	৭৯-নাধ'আত	637	3008
वका	,	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	÷		দুয়াজিকরা অন্নাধিকার দের জানসারপেরকে নিজেনের উপর	৫৯-হাশর	h	hee
অর্মিত ধনের উপর কিছু করতেও মানুয		২-বকুরা	266	000	অমাধ্য (অপীকার)			
অন্ত্রহাত জিলর জন্ম করতে পারে না (পূ		१३-विम	23	503	কৰ্মপ্ৰচেটা অগ্ৰাহ্য কৰা হবে না (সংকৰ্মশীল মুহিদেৰ)	২১-আখিয়া	28	920
স্বাস্থ্যাহকে অক্ষম করতে পারে না (আকা		৩৫-জড়িব	88		অমিম পাঠানো / অমে পাঠানো / আগে পাঠানো			
		05-6462	88	940	আগমীকালা জন বী অহিন পরিয়েছে তা প্রত্যেকী ছেবে দেশুক	৫৯-জশব	37	263
আপ্তাহতে অকম করতে পারকেন (কড়ব:	448164864	১৬-মাহল	86	906	ইহুদীবের হাত যা অমে গার্টিরেছে (মৃত্যুর আকাকণ প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	b2	677
পাকড়াও প্রদাস)	- Indiana Para				ইহুদীনের হাত যা অমি পার্টিরেছে (আনের কৃতকর্ম প্রদাস)	৬২-রুমু'আ	9	863
আল্লাহকে অক্ষম করতে পারেদি পৃথিবীরে		১১-ছুন	50	969	জীবনে জন অন্তৰ পঠানে ন পেত্ৰ মনুহত্ত অফলেচ (বিভাগনে)	৮৯-ফাজ্র	48	2042
আল্লাহকে অক্ষম করতে পাববে না কাফি		২৪-দূর	29	950	কু'বাৰ অৱ বা পাঠিয়েছ বা তুলে বার জালিয়ের	79-aida	49	943
আপ্লাহকে অক্ষম কহতে পারকে না কেউ		৪৬-আযুকাক	७२	977	নিয়েকের জন্য কল্যাপকর ফাকিছু আলে পাঠানো হর	५-वाक्रास		670
		১০-ইউনুস	60	600	নিজেনের জন্য কল্যাপকর থাকছু আলে পায়নের হব নিজেনের জন্য অহা পাইনের (পূথা অর্জনের) নির্দেশ		220	
আপ্তাহকে অক্ষম করতে পারকে না জালিন				66br	I TURESTE REST MAN THRUTH ( MED MEDICAL) HOPE	<b>२-नाक्</b> रवा	220	220
অক্সাংকে অক্ষম করতে পারবে না (নূহ স	শ্মনায় হাসস)	22-2m	00					
অক্সাংকে অক্ষম করতে পারবে না (নৃহ : অক্সাংকে অক্ষম করতে পারবে না পৃথিবী	শেহানার্য হাসাস) তে মানুস	৪২-পুর	63	9.78	ক্ৰী ইনৱন্দলৰ শিক্তনেৰ কৰা যা অন্ত পাঠাৰে চয়ছে	৫-মায়িক	po	
অক্সাংকে অক্ষম করতে পারবে না (নূহ : অক্সাংকে অক্ষম করতে পারবে না পৃথিবী অক্সাংকে অক্ষম করতে পারবে না সুপরি	(न्यमार्थ यगम्) (ड मानून स्वा	8২-গুরা ৯-জধবা			তাল কিছু অন্নিয় প্ৰেরণ (নিজের জন্য)	৭০-মুত্যবিদ	40	202
অক্সাংকে অক্ষম করতে পারবে না (নূহ : অক্সাংকে অক্ষম করতে পারবে না পৃথিবী অক্সাংকে অক্ষম করতে পারবে না সুপরি	(न्यमार्थ यगम्) (ड मानून स्वा	৪২-পুর	63	9.78	তল কিছু অন্নিয় রেবণ (শিক্ষের জন্য) মানুহার বাত বা আমা পরিয়েছে (কৃতকর্ম…)	৭০-মুত্যব্দিল ৩০-ক্সম	२० 05	303 748
অক্সাহকে অক্ষম কথতে পাধ্যৰ গা (বৃহ আ আক্সাহকে অক্ষম কথতে পাধ্যৰ গা পুথিবী আক্সাহকে অক্ষম কথতে পাধ্যৰ বা বুপতি আক্সাহকে অক্ষম কথতে পাধ্যৰ বা (থায়া আক্সাহকে অক্ষম কথতে পাধ্যে বা পুথিবীত	শ্মনার হাসপ) তে মানুগ করা কুকরি করেছে) ত জিনরা	8২-গুরা ৯-জধবা	¢)	999 980	তাল কিছু অমিন প্রেরণ (শিক্ষের জন্য) মানুকের হাত বা আমা পঠিরেছে (কৃতকর্ম…) কুবন্দিকানের হাত বা অমা পাঠিরেছে তার কারণে বিপদ	৭০-মুদ্যন্দিল ৩০-ক্সম ৪-মিলা	६० ७७ ७३	303 948 988
অস্ত্রাহকে অক্ষম করতে পাবকে দা (মূহ : অস্ত্রাহকে অক্ষম করতে পাবকে দা পৃথিৱী অস্ত্রাহকে অক্ষম করতে পাবকে লা মুশকি অস্ত্রাহকে অক্ষম করতে পাবকে লা (দাবা	শ্মনার হাসপ) তে মানুগ করা কুকরি করেছে) ত জিনরা	৪২-পুরা ৯-জধবা ৮-আপফাল	63 2 89	980 980 909	তল কিছু অন্নিয় রেবণ (শিক্ষের জন্য) মানুহার বাত বা আমা পরিয়েছে (কৃতকর্ম…)	৭০-মুত্যব্দিল ৩০-ক্সম	२० 05	980 948 989

<b>19</b>	, বিষয়/প্ৰসদ ', "	স্রানং ও নাম	4214	역하	नंस दिगर/धुनक	जुनां नर छ नाम	4003	12
অশ্ৰে থাকা (আরে	্য দেখুন সামনে পথটি)				অভু (ধৌত করা)			1
ক্ষির'আউন তার সং	প্রানায়ের ক্ষাহাণে থাকরে (কিয়ামতে)	১১-জুন	30	648	সালাতের জন্য অজুর বিধান	৫-মাছিল	8	(2)
অন্তর					অভুহাত (আরো দেখুন ওজর শব্দটি)			-
	ক অন্ধুর বের করার নাার মুমিদদের দৃষ্টাস্ক)	85-मास्त्	275	666	অনুমতি দেৱা হবে না অনুহাত পেশের, মিখ্যা অভিহিতকারীদের	৭৭-মরসালাভ	Ф.	33
অমুরণকারী			-		কাৰ্যিবনের অভুয়ত পেশ করতে নিকেং করা হলে (কিয়ায়তের নিন)		1	39
रीक जबूदनकाती च	IIPIS	৬-আস্'আম	36	900	মুদা (আ.) এর অজুহাত বিজিবের প্রতি	১৮-কাহফ	934	95
	দেখুন প্রতিশ্রুতি শব্দটি)	0.40,414	-	004	জাগিমদের অন্তহাত কোন কালে আদবে না যে নিন	80-मू मिन	65	56
व्यवस्थान (जान्स	বৰ আহে কি (আল্লাহর সাপে)ঃ	৬৮-কুলোম	45	599	কুশুম করেছে বারা তালের অকুমাত উপকারে আসবে না, কিয়ামতে		29	54
	বরবেন (বনী ইসরাইলের অঙ্গীকার প্রদক্ষ)	২-বাকুরো	80	200	পেশ (মানুহার অকুহাত পেশ, কিয়ামত প্রসঙ্গ)	१०-विद्यास	26	36
	লিমনের রুড়ে নর (নেড়ড় ইবরাইয়ের বর্তেশ)	২-বাকারা	228	478	বলে থাকা লোকদেবকৈ অকুহাত পেশ করতে নিবেধ	9-E1661	h8	98
							no ho	
	त वदा द्वान दवल दुनक्षिक (मान-मानक ६	৯-ডাওবা	9.¢	\$89 \$9\$	বেদুইন (অকুহাত পেশকারী বেদুইনবা আসল, তবুকফুড প্রনঙ্গ)	৯-তাওবা ৯-তাওবা	20	68
	মদীকার পূর্ণ করার নির্দেশ(বনী ইসরাইগকে)	২-বাকুার:			মুখিনরা ফিরে আগলে অস্কুর্যত পেশ করকে যারা বসেছিল			60
	অঙ্গীকার ভঙ্গ করে যারা	১৩-রা'দ	5.6	680	হুনাফিকদেবকে অজুহাত পেশ করার নিষেধাজা	৯-তাওৰা	60	28
	কৈলের অধীকার (যুক্তে পৃষ্ঠপ্রদর্শন না করার)	৩৩-আহ্বাৰ	>2	b-08	অজ (আরো দেখুন জাহিপী/জাহিল শদটি)			
	কার দিল ঘৎন (ইউসুফের ভাইয়েরা)	১২-ইউমূত	৬৬	920	আন নম্প্রনাত্ত অন্ত (চয়াইব আ,-এর উচ্চি)	৪৬-আহ্লফ	20	97
	কার করেছেল পিতা (বৈমাত্রের ভাইকে)	১২-ইউসুফ	20	678	অপ্রের (অঞ্চ হওরা থেকে মূসার অপ্রের সওয়া, গরু জবাই প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	69	60
	কৈর করে তখন তা ভঙ্গ করে	২-বাকারা	300	422	ইউবুকের (আ,) ভাইরেরা অঞ	১২-ইউসুফ	4.9	47
	সর প্রবণ করেছেন আল্লাহ্	৫৭-হাদীদ	¥	788	ইউপুফ (আ.) অঞ্চলের অন্তর্ভুক্ত হয়ে পঞ্চবন যদি আল্লাহ	১২-ইউসুফ	-00	કવ
	(ইহুদীরা আল্লাহ সম্পর্কে সত্য বলার)	৭-আ'রাত	269	454	উপেক্ষা (অঞ্চলেয়কে উপেকা করার নির্দেশ, রাসুল স. এর প্রতি)	৭-আ'হাফ	27/2	80
	ণ করেছিলেন আল্লাহ বনী ইনরাঈল থেকে)	৫-মারিনা	90	62.9	চাওরা (অজ্ঞানের সঙ্গ চাইত না পূর্ববর্তী ঈমাদদারবা)	২৮-কাদাদ	24	2.3
	প করেছেন অন্তাহ নালারাদের থেকে)	৫-মারিলা	78	525	নিচৰ্নদ দেৱ অঞ্চর (আল্লাহ হাড়া অন্যের ইবান্তের)	৩৯-বুমার	48	64
	ণ করেছিলেন আল্লাহ, আহলে কিতাবদের)		224	228	মূহ (আ.) এর অন্ধ হওয়ার আশহা (পুঞার প্রতি সবদের করেছা)		84	89
	কালেন অল্পাহ রাসুস স. কে সাহয়ের জনা)	৫-আলে ইমরাল	>>	688	বলা (অভ্যা বলে, অক্সাহ কেন আমাদের সাথে কথা বলেন না গ)	২-বাকুরো	337	es
গ্রহণ (নবীলের খেচ	ক অলীকার গ্রহণ করেছেন আল্লাহ,)	০-আলে ইমরান	22	688	ৰালক (নারীদের গোপন অস সম্পর্কে অন্ত বালকের নিকট)	<u> </u>	(0)	99
জিজাস(অল্লাহৰ সা	ৰে কৃত অসীব্যর সম্পর্তে জিল্পাস্য করা হবে)	৩০-আহ্বাব	34	৮৩৪	মনে করা (জন্মরা হেসব ফর্কীরকে সঞ্জন মনে করে)	२-राकास	২৭৩	00
দৃড় (যাচনর সাথে য	মদীকার দৃঢ় হয়েছে তাদের অংশ প্রদান)	8-निश	60	697	মানুব অতি জালিম ও অঞ্চ (আল্লাহর আমানত বহন প্রসঙ্গ)	৩৩-আহম্মৰ	93	b/8
দুঢ় অঞ্চীকার দেবা।	(নবীদের কাছ খেকে)	৩০-আহ্বাব	٩	700	মূপরিকলের অধিকাংশই অভ্য	৬-আগ্'আম -	222	80
नुर वानीकाद (वनी देर	ন্বান্সলের অসীন্মর ও তৃত পর্বত উল্লেখন প্র.)	8-9m	368	295	রাসূল স. ০০ অজ্ঞ না হওয়ার নির্দেশ	৬-আন'আম	00	23
নবীলের কাছ থেকে	অসীকার নেয়া (বিসালাভ পৌছানো এসস)	৩৩-আহ্যাব	٩	700			00	90
পূৰ্ণ কৰা(ৰদী ইসৱা	নৈকে অসীকরে পূর্ণ করার নির্দেশ, আল্লাহর)	২-বাকুবরা	80	506	পুতের (আ.) সম্প্রদার অঞ্চ (সমকামিতা প্রসঙ্গ)	২৭-নামল		
पूर्वसदी (वजीकार	পূৰ্ণকাৰীয়া প্ৰকৃত সভাবাসী ও মুৱাকী)	২-বাসুবরা	299	679	দশপ্রনার (মৃহের দশপ্রনার আঞ্চ, মৃহকে (আ.) অস্থীকার প্রনাস)	55-वृत	48	66
	পুৰ্ণকাৰী কে আছেঃ আল্লাহৰ চেন্তে অধিক)	৯-জাওবা	222	622	সম্প্রদার (বনী ইসরমিল এক অভ্য সম্প্রদার)	৭-আ'রাফ	769.	62
	দরীকে বিরাট পুরস্কার নিবেন আস্কাহ)	৪৮-ফাতহ	30	826	সংবাধন (অভ্যৱা সংবাধন করলে রহমানের বালারা বলে 'সলাম')	২৫-যুৰকাদ	60	97
	নতে কৃত অসীকার অসীকার পূর্ণ করা)	৩-আলে ইমরান	96	280	অভ্যতা			_
বনীইবাইলনের থেচ	ক অগীকার নিয়েছিলেনআপ্রায়	৫-মাছিলা	24	272	ধারণা (জঞ্জতামূলক ধারণা কর্মাছল আল্লাছ সম্পর্কে, মুনাফিকরা)	৩-আলে ইমরান	528	6.5
	দীতার দেয়া (শিরক, সংযুক্তার প্রসঙ্গে)	২-বারুরা	50	cop	অভাবশত			
	জৈর (রতপাত, আবাদ থেকে বের না করর)	২-বাকুরা	₽8	cop	ক্ষবিহান্ত করা হবে কোন সম্প্রনারকে (অফ্লয়াবশর্ম)	৪৯-হতুরাত	è	95
	বৈর, কিডাব মানার (ত্ব পর্বত উল্লেখন)	২-বাকুবো	ප්ර	209	থারূপ করে (অভ্যয়াকশত থারাপ করে বারে ভারের করেলে ক্ষম)	১৬-সংখ্য	335	95
	দীকার প্রহাণের জন্য কৃত্র পর্বত উল্লোচন	8-500	208	6.69	মন্দক্তপ্রভাষাকশ্য মন্দক্তকারীর ভওবা আল্লাই করুল করেন)	৪-নিসা	59	20
নী ইসবাসনের আ	দীকার (কিবাব মানার অঙ্গীকার)	২-বাকারা	ho	622	মন্দর্যক্ত (অজ্ঞারণের মনকক্ষ করে তওব/সঞ্চাধন করলে করা	<i>হ-আন্</i> আম	48	60
	ব্র অসীকার ডল ও অধ্যন্য অপরাধ)	8-जिला	250	293	অঞ্চাকসারে		-	-
	चंदा हेह्मीद्राद प्रहार)	২-বাকারা	300	677	আল্লাহর অজ্ঞানসারে বেনে নারী গর্ভধারণ/প্রসব করে না	৩৫-ফাভিব	33	b8
	থে যারা, অল্লাহর সাথে অঙ্গীকার করার পর)	১০-রাম	2.0	600	আল্লাহর অজ্ঞানসারে পাতাও পড়ে না	৬-আগ্রাম	69	30
	कार्राह्म प्रनाणकता, प्रमादद माप्त)	३-प्रावस	99	687	অস্ত্রাহর অভ্যাতনতে তল আবলমূক হয় ল ও নারী গর্ভবরণ	৪১-মুস্সিলাত	81	7.9
	त काइएन जाश्चादय शांभक (समी)	হ-মায়িনা	30	25.5	পলালিক (আন্তর্নারে মুহিন লানারী পলালিক হনোর আশহ্য)	৪৮-কাত্র	36	25
						9014114	44	0,
	সত্যে পৰিগত কৰা (গলক যুগ্ৰে) লা লোক অধৈনভাৱি হা লোক কৰেছ	৩৩-আহ্যাব ৩৩-আহ্যাব	34	706	অটল (আরো দেখুন দৃড় প্রক্রয় শব্দটি)			1
	ার (যুক্তে পৃষ্ঠপ্রদর্শন না করা প্রসঞ্চ)			834	অপরতের জটল থাকে না যারা (জেনেকনে)	০-আদে ইমবান		68
	ল্লোহর সাধে কৃত অসীকার রক্ষা করে। মুমিনবা অসীকার সতেঃ পরিণত করেছে।	১৩-বাদ ৩৩-আহ্যাব	30	550	অবাধ্যতা ও সতা বিমুখভার গুটপ (কাফ্ররা)	৬৭-মূল্ফ	53	৯৭
			২৩	206	অবস্যভার অটল বাকত কাহিবর (দুংখ-দুর্দশা দূর করা হলেও)	২৩-মু'মিনুদা	90	33
মরণ (অঙ্গীকার ম		হ-মারিলা	9	52.7	অহকোরী হয়ে জটন থকার কারচো নুর্জেগ (অস্থাত শেনার পরও)	৪৫-জাছিয়া	7	20
	বিষয় স্মরণ করার নির্দেশ,)	৫-মাজিদা	٩	59.7	চুজিতে অটল থাকবে মুমিনরা (মুশরিকরা অটল থাকলে)	৯-ভারবা	9	₹8
ষামী-ছীর দৃঢ় অসী	কার গ্রহণ	8-मिमा	45	649	পাপে অটল থাকল নৃহের সম্প্রনার (নৃহের আহ্বালের পরও)	७7-श्रेई	٩	85
অন্ধগর (সাপ)					দাকাদানে অটল বাবা	৭০-ম'অবিহ	00	100
	স্কলগরে পরিণত হওয়া প্রদন্ত	৭-আ'রাড	209	હરર	व्यपू			
	তে হল (মৃসার লাঠি নিজেপ করামান্তই)	২৬-হ'আরা	७३	900	কুত্ম (অল্লাহ অণু পরিমাণ কুত্মও করেন না)	g.first	80	69
অভাত্তে					পরিমাণে (অণু পরিমাণের মাজিক নয়, ধারণাকৃত ইলাহগণ)	৩৪-সাধা	22	78
weighterne weigh	র অন্নাত্তে পিনভাগের পিট হওয়ার তয়	২৭-সামল	25	404	পরিমাণ (অপু পরিমাণ কিছুও প্রতিপালকের অংশচরে নত)	১০-ইউনুস	93	86

পত্ৰ ( ( हर्ना ( ) ( ) ) । । । । । । । । । । । । । । ।	नेप विद्याधितर विद्याधितर	সূৱা কং ও নাম	100 1	雅	The Care to the Residence of the Control of the Con	সুৱা কং ৬ নাম	1001	न्ध
জ্ঞ মাজ আৰু প্ৰবিদ্যালয় কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব	प्यपु (पूर्व पृक्षेत (बारक)				অভ্যান্তরী (দেশুন জালিম শব্দটি)			
মান কৰা পূৰ্ব পৰিক্ৰালয়ক কৰাৰ কাৰণ্ড কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰা			۰	987				
মান্তর্ভিক্তি কর্মনা কর্মনার			٩	2000		২৭-নামল	96	pos
कर हा व्यक्ति पह के प्राप्त कर के प्रति कर का क्षा कर कर कर कि का क्षा कर के प्रति कर का क्षा कर	মন্দ কাল অপু পরিমাপ করলেও কিয়ামতে মানুষ আ লেখতে পাবে	১৬-বিশ্বাদ	ъ	2000	অৰ্থন্ড (অদৃদ্য অৰ্থন্ড হয়েছে কি অবিশ্বাসীরাং)		93	903
প্ৰচিত্ৰক পৰত (central pilots) কৰা আহিছে আনুষ্ঠান কৰা হয়। ১০ বছৰা কৰা কৰা কৰা কৰা আহিছে আনুষ্ঠান কৰা	অভৰ্কিতে					৩-আপে ইমরান	249	464
बहुत हा हा का क्षांचार का वहांचार करणा हा है। १८-१४ वहांचा के 10 के 1	আস্য (অরক্টিতে শক্তি আসার পূর্বে আল্লাহর বিধান অনুসরণ)	৩৯-বুম্বর	66	৮৭৬		১৬-নাব্শ	99	903
करण (है के क्या के प्रति के क्या के क्या कर	वरिक्रम					29-916sk	₹5	146
মাধান পূৰ্বাৰী যা মাধ্যিয়ত অনুষ্ঠান কৰাৰ হাছ কৰাৰ প্ৰকৃতি নাম্পৰ্য কৰিছে কৰাৰ আনুষ্ঠান কৰিছে কৰাৰ কৰে কৰে কৰিছে কৰাৰ কৰিছে কৰে কৰে কৰে কৰিছে কৰে কৰে কৰে কৰে কৰে কৰে কৰে কৰে কৰে কৰ	অকন (আকাশ-পৃথিবীর সীমা অভিক্রেম মানুদ্/জিল অকন)	৫৫-রাহ্মান	-00	380		৪৯-হত্ত্বত	72	250
ক্ষানার বিশ্বনার হারিকার করে বাব হার ক্ষার্থনার বিশ্বনার হার ক্ষার্থনার বিশ্বনার হার করে ক্ষার্থনার হার করে করে করে করে করে করে করে করে করে কর	অন্তরার (পূই সমূল তাদের অন্তর্যার অভিক্রেম করতে পারে না)	৫৫-রাত্মান	40	380		२१-शक्ष	9.0	pog
स्थान परिकारण पेरहादार विदेश हुन्यों संकारण वा प्राप्त कर प्राप	আন্তব-পৃথিধীর সীমা অভিক্রমে মানুহাজিন সক্ষম হলে ভক্তক:	৫৫-রাত্যান	00	380		১১-বৃদ	750	8%
बहुत है तह के हिम्म हो नह है जिस है जिस है जिस है जिस है जा कि का			252	660			00	208
জন প্ৰভিত্ত কৰা হয় লাগে কৰা	ম্বনপদ অভিক্রমবালে উবারেরের উক্তি(পুদর্মীবিককরণ প্রসঙ্গ)	২-বাকুছো	269	607				966
			ъ	646				908
াপন্ত পৰিচাৰ কৰা হাবাৰৰ পৰ স্বৰ'ৰ বা তা নিৰ্দেশ্য নিৰ্দেশ্য কৰা	দ্ধিন অভিক্রমে সক্ষম হলে আরমণ-পৃথিবীর দীমা অভিক্রম করুত।	৫৫-রাহ্মান	00	380				605
মাৰ পৰিছল কৰা আৰু ব' আৰু বিশ্ব কৰা আৰু বি	দ্ধিন আকাশ-পৃথিবীর দীমা অভিক্রম কক্লকা(কদি দক্ষম হয়)	৫৫-রাহ্মান	00	à80				603
পুনি কৰাৰ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি		৩৬-ইরাসীন	80	728				689
ब्रीड वर्ष विकार करण नाम के विकार करण करण करण करण करण करण करण करण करण कर	দংৰ অভিক্ৰম করল ভালুত ও ভাৰ বাহিনী	২-বাকুরা	₹8>	435	জনা (অসুখ্য বিষয় জনেন প্রতিপালক)			182
তথ্য আনক প্ৰতিষ্ঠান কৰিব জ্বীনাৰ প্ৰকাশ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব	পৃথিধী-আকাশের সীমা অভিক্রমে মানুদ্ধক্ষিণ সক্ষম হলে করুত।	৫৫-রাব্যান	00	380	ন্ধানা (অদৃশ্য বিষয়দি আল্লাহ কালেন)			250
মূল বাহিনা কৰা হল ৰাজনা প্ৰস্তিৰ কৰা কৰিব কৰিব কৰা কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব	প্রাচীর অভিক্রম করতে গারণ না ইয়া <b>কুজ</b> ও মা <b>কুজ</b>	7F-9159	24	902				6798
্বিক পৰিচাৰ বাবে পৰাৰ পৰিছেল (কুমান্তৰ চাবে পান্ধ কৰা		৫৫-রাজ্যান	00	280				₽84
্বিক পৰিচাৰ কাৰণে পৰাৰ লা কৰ্মকাৰ (প্ৰকাৰ কাৰণে কাৰণ	মানুহ অভিনেমে সক্ষম হলে আনাপ-পৃথিবীর সীমা অভিনেম করুক।	৫৫-বাহ্মান	00	380			724	900
ৰ্থানিক্ত বিশ্বনিক্তি বিশ্বনিক্তৃত্বি বিশ্বনিক্তি বিশ্বনিক বিশ্বনিক্তি বিশ্বনিক্তি বিশ্বনিক বিশ্বনিক্তি বিশ্বনিক বি		8७-वाव्याप	22	808				600
স্থান বিজ্ঞান কৰিব নাৰ প্ৰকাশ কৰিব নাৰ প্ৰকা	পুত জাতির ধাংসাবংশহ অভিক্রম (প্রভাতে ও বাতে)	৩৭-সাক্ষাত	209	brbo.			20	628
प्रश्न वर्षो का का प्रश्न वर्ष की भागिय वर्ष वर्ष का प्रश्न का कि उठकी वर्ष का वर्ष का वर्ष का कि उठकी का अभिने का विकास का प्रश्न का कि उठकी का अभिने का विकास का प्रश्न का कि उठकी का अभिने का अभिने का विकास का प्रश्न का कि उठकी का अभिने का अभिन का अभिने का अभिन का अभिने का अभिन का अभिने क	অভিক্রান্ত/অভিবৃত্তিত						00	3/06
মূল বৰ্ষা নিজ মান্তৰ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি	সম্ভৰ্কভাৱী অভিক্ৰমন্ত হৰনি এমন কোন উপান্ত (জাভি) নেউ	৩০-ফাভিব	28	787			400	9.85
ৰামিনি বিজ্ঞান পুনৰ বাৰুল্য নিজনে হ'ব নাৰ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি							90	609
বিবাহীৰ বাংলা কৰা কৰা কৰিব (স্বাহাৰ) — 3 - 2-5 জ্বিৰ ।							75	369
দুৰ্ঘ্য বিভাগত নামজন কৰুৰ নিৰ্দ্দালয় বাংলাৰ । ১৮ বিভাগ । ১৮ বিভাগ বিভ		Vo.See	01	300				brac
পুনর বার্থিক কর্মান ক্রামান						৩৯-যুখার	86	৮৭৫
াজীয় লগ জানিবলৈ বেলালীয়ন বিশ্ব কৰা কৰা কৰিছে । ২০ বৰ্ণা শ্বৰুল । বা চন্দ্ৰ								304
াজীয় কৰা যাব কৰা কৰিবলৈ (হোৱা কি.) কৰা সাংগ্ৰহণ কৰিবলৈ কৰিবলৈ (হাৱ কি.) কৰিবলৈ কৰিব					জনী (অদৃশ্য ও দুশের জনী অল্লাহ)			26.
সত্ত প্ৰতিবাহিত বাব পৰা বৃদ্ধাৰ প্ৰতিবাহিত কৰা প্ৰতিবাহত কৰা প্ৰতিবাহিত কৰা প্ৰতিবাহত কৰা প্ৰতিবা								620
আন্তিন বিন্তৃত্বি । বিশ্ব ব								987
ভাষত মাৰ মাৰ্কিৰ্বাহ্ কাল্ ব্ৰুপ্তিৰ নাম কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব					অব্দী (বাস্তাহ অদৃশ্য ও দৃশ্যমান বিষয়ের জানী)			69/2
মান্তিৰ্বিভাল স্থান কৰিব নাম্প্ৰ কৰিব নাম্য্ৰ কৰিব নাম্প্ৰ কৰিব নাম্প্ৰ কৰিব নাম্প্ৰ কৰিব নাম্প্ৰ কৰিব নাম্								29.
হাইলাৰ প্ৰেটা কৰা আমিলাকাল নিৰ্মাণ কৰিব কৰা কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব		3.5.5.5	<u> </u>	000				992
পৰিচিক্ত পৰিচ্ছা হৈ বৰা কৰিব — ১-শৃক্ষা ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮		1. Blow	-	000				669
ৰ্থানিক বাহিন্দ কৰা কৰ্মণ কৰি কৰা কৰি		24,4454	40	974				907
আইনিক (প্ৰেই) চন্দ্ৰম আইনিক বিশ্ব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি								900
াহদুল্য বাহিন্দ্ৰপুন্ধ কৰিছে নাম্প্ৰকাৰ কৰ্ম্ব কৰিছে নাম্প্ৰ কৰিছে নাম		૨-વાજુલા	459	4.52				963
প্ৰতীত অনুষ্ঠান কৰিব ৰাজ্যৰ বিভিন্ন জন্মতে লোক বাত ) ১৮ কৰাৰ । ১ ব ব বিভান কৰিব কৰাৰ বাত বিভিন্ন জন্মত কৰিব কৰা ) ৮ কৰাৰ । ১ ব ব বিভান কৰিব কৰা ) ৮ কৰাৰ । ১ ব ব বিভান কৰিব কৰা ) ৮ কৰাৰ । ১ ব ব ব ব ব ব ব ব ব ব ব ব ব ব ব ব ব ব		_	⊢	$\perp$				667
কাৰণ্ডেকিট কৰিব কৰে। কৰিবলৈ ৰাষ্ট্ৰবেক বাবেৰ বাবৰ ) ১৬-বাবৰাৰ বাবে প্ৰতিৰ্ভ্জ্ কৰিবলৈ ৰাষ্ট্ৰবেক বাবেৰ বাবে প্ৰতিৰ্ভ্জ্জ কৰে। ১৬-বাবৰাৰ বাবে প্ৰতিৰ্ভজ্জিক বাবে প্ৰতিৰ্ভজ্জিক বাবে প্ৰতিৰ্ভজ্জিক বাবে প্ৰতিৰ্ভজ্জিক বাবে প্ৰতিৰ্ভজ্জিক বাবে প্ৰতিৰ্ভজ্জিক বাবে প্ৰতিৰভ্জ্জিক বাবে প্ৰতিৰভাজ্জিক বাবে প্ৰতিৰভ্জ্জিক বাবে স্বিল্ডিক বাবে স্থাক বাবে বিলাক বাবে বাবে বাবে বাবে বাবে বাবে বাবে বা		२५-वास्त्र	93	928	পৃথিবীর অপুশ্য বিশ্বর আল্লাহ জানেন(আদম সৃষ্টি প্রসঙ্গ)			208
কৰা বুলিব কৰা বাবে কাৰ্যায়কৰ কৰিব হ'ব)সংকাৰণ । ক' চতাই কৰা বুলিব কৰা বুলিব কাৰ্যায়কৰ কৰিব হ'ব)সংকাৰণ । ক' চতাই কৰা বুলিব কৰা বুলিব			_		প্রভাগ (অল্লাহ ভার সমত্র অপূশ্য জ্ঞান কাইকে প্রকাশ করেন না)			29.0
দিন ও জানুনা মূলে নাম নাম বাহিন্দ আছে ১৯ আছেল ১৮ আছে								784
16 (हमा न. ता पर्णेश्वर क्षेत्र क्षत्र क्षेत्र व्यव क्षत्र क्षेत्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र व्यव क्षत्र कष्त्र क्षत्र								2000
্বিপ্তিয়া ক্রীক মান্টার মান							89	933
बन्द नहीं के द्वार (पुरान्तव क्या) कि व्यवस्थ   14 (20)   20 (20)								99.8
াৰ পৰ্যক্তিবাৰী কৰা লোক কৰিছে কৰা কৰিছে হিছেল। ১৪-পুৰুৰণ । ৩০ ১৯৯১ লাখে নিৰ্ভিত্ত কৰা								9946
জনাৰ (বিষয়িক প্ৰত্ন কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ) এই ক' মান । ১৮ ১৯১ । কুলাৰিক প্ৰত্ন কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰে কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰে কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰে কৰাৰ কৰে কৰাৰ কৰাৰ কৰে কৰাৰ কৰাৰ								980
গৰ্মনাৰ কৰি হৈ হোৱা হ'ব লাগে কৰে। কৰি কৰা কৰি								690
পূর্ব ব্যক্তির কুল এবং কলক। ২-বর্গন এবং ৫০০ আল্লান্তর লার কেনে কলেন কলেন কলেন কলেন কলেন কলেন কলেন						Ob-CRIMIN	०२	6-99
অভ্যাচার (দেখুন জুনুন শব্দটি) ভর (দরামর অর্রাহ্রক বা দেখে ভর করা) ৫০-ডুগড় ৩০ অভ্যাচারিত ভর করা (রতিপাদককে বা দেখে ভর করা) ৬৭-ফুগ্রুক ১২								
অভ্যাচারিত ভর করা (প্রতিশালককে বা লেকে ভর করা) ৬৭-মূল্ক ১২		२-राकृत्य	₹9¢	600		৫৭-ছাদীদ	-52	200
	অভ্যাচার (দেপুন জুলুম শব্দটি)					৩০-কার্	00	3-28
Company of the compan	অত্যাচারিত				তর করা প্রতিপালককে না লেখে তর করা)	৬৭-মূল্ক	25	394
লালা (অভ্যাহারিত হওরার পর বদলা নেরা, কবিদের প্রদল্ ২১-৩'জরে। ২২৭ ৭৯৯ । তর অভ্যাহার বা দেখেও তর করা প্রদল্ । ৫-মারিলা 🔉 ১৪	লেলা (অভ্যাচারিত হওরার পর বদলা নেয়া, কবিদের প্রসঙ্গ)	२५-व'ब्ह्हा	229	422	ভর (অদৃশ্য আল্লাহকে না দেখেও ভর করা প্রসম)	৫-মারিদা	38	234
					ভয় (না দেখেও প্রতিপাদককে ভয়কারীকে সতর্ক কয়)	৩৫-ফাডির	36	98°

MA.	বিষয়/প্রসঞ্জ 🗀 🖘 👢	সুৱা কং ও বাম	यक र	781	भेष ० ८०० विश्व/देशेष	जुड़ा नर ७ नाम	ম্মান ক	90
प्रमृश्याम मक्द	1110daild	I COL	-	1	বিশ্বাস করে না (অধিকাংশ মানুষ কিন্তাবে বিশ্বাস করে না)	35- <b>इ</b> न	29	66
	নক্ষরের কলম করেছেন)	y>-जक्षतिह	3/0	300F	বিশ্বাস করে লা (অধিকাশে যালুহা বিশ্বাস করে লা কিরামত জাসংগ্)		45	bib
অন্তত	14000 014 40000)	02-01-015	-	1001	বিশ্বাস করে না (মনী ইগরাইলের অবিকাংশই বিশ্বাস করে মা)		300	233
		১৯-মাবইয়াম	31	100	বিহার (অধিকাংশ বিবারে রাকুল স: সুক্রিদানের আনুগত্য করলে!)		9	34
শ্বর্থনাম অস্কৃত কাণ্ড করে	300,	35-445514	47	100	মতপর্বন্ধেনী ইপ্রতিপর অধিকল মতপর্বকের বিয়ন কুলমানের কবি।		98	Po.
অধঃপতিত করা			-	1	বিশ্বাবাদী (শরতান্যের অধিকাপেই নিদ্যাবাদী)	59-9,alst	220	93
	মাদম ও তার প্রীকে (প্রতারদার মাধ্যমে)	५-वा'तप	25	678	বুছিল নত্ত (অধিকাংশ মানুহ বুছিল নত্ত, নিপৰ্শন প্ৰসঞ্চ)	59-0,0kkk	ъ	96
অধম (নিম্ন শ্ৰেণী)			_	ш	দুমিল দর (নুহ সম্প্রলাক্তর অধিকাংশই দুমিল দর, প্লাবল প্রাণক্ত	59-व,खाद	343	43
नृह अध्यन्तरात व्यवसादि मृ	তের অনুসারী ছিল (লম্প্রনারের মকর।)।	27-5x	39	999	মুখিল নর (মানুহের অধিকাপেই মুখিল নর, পৃত্তের সংবাদার)	59-9,485	348	93
অধিক			i		মুখিল লয় (মানুহের অধিকালেই মু'দিন লয়, মূলা-ফিয়'আইলের	20.0 41.0		
অনুমান (অধিক অনুমান	পরিবার করার নির্দেশ)	৪৯-হত্যাত	32	957	ভূমৰ নয় (মৃত্যুত্ত আকলতে বুল্লান নম, বৃণ্ডানত আকল্য ভূমৰ প্ৰসূত্ৰ	২৬-৫'আয়	69	93
উত্তর (অধিক উত্তর, আং	হারাদের আগুন)	৯-জাধ্য	5.7	689	ভূমিন নয় (মালুহের অধিকালেই ভূমিন নয়, আইনবলনী প্রসঙ্গ)	<b>२</b> ७-७'व्यारा	790	939
	নয় পাধরসম বা আরো অধিক কঠিন)	২-বাড়ারা	98	₫0br				93
	লান বল্যাণ ও অধিক কিছু)	২০-ইউনুস	36	606	মুমিল নয় (মানুয়ের অধিকাংশই মুমিল নয়, আব সম্প্রধার)	২৬-ড'জারা	709	98
	রয়েছে আপ্লাহর কছে মান্রাভিনের মন্য		-00	348	যুদ্দিন নর (মানুহের অধিকাংশই মুদ্দিন নর, নিকর্ণন প্রসঙ্গ)	২৬-ড'জার	300	
	তি অধিক ছিল পূর্ববর্তীকের	৯-কাধবা	65	689	যুদ্দিৰ নৱ (যানুহেও অধিকাপেই যুদ্দিৰ নৱ, ছাযুদ্দ সন্প্ৰপায়)		754	936
	ল মুবফিবসের জন্য অধিক মধ্যকুত হ'ব)	s_Gost	96	696	শান্তি (সম্প্রলারের অধিকারেশর উপর শান্তির কথাটি সত্য হরেছে)	৩৬-ইয়াগীন	٩	9.6
	ভিনুস প্রেজিত হয়েছিলেন	৩৭-সাক্লার	389	508	সত্য বিষয়ৰ (ভাহান্তানিসের অধিকাশেই সত্য বিষয়ৰ হিল)	৪৩-বৃৎক্ত	937	эc
			29	600	অধিকার (আরো দেখুন হক পথটি)		_	ш
	ত 'ভাগন্তবীয় জন্য কথ/মহাপ্রতিদান)	৩৩-আহ্বাব	00	500	ইমার যে বিশ্বরে অধিকার নেই তা তিনি কি করে বদবেন	ए-पात्रिमा	226	69
	10 11-1012 0-0 1-1-1-1-1-1-1-1	00-4011	-	100	বিবাহ বন্ধন যার অধিকানে সে পূর্ণ মোহর দিয়ে দিলে	২-বাকুরো	209	65
অধিক উপযোগী			-		कुर्विकाला (सम श्रेण जिसस धकार वर्ग र. ५व कार जार	२८-मृद	85	99
	বাগী (মুমিন নারীদের পর্দা প্রনঙ্গ)	৩৩-জহমার	6.9	5:59	সম্পনে অধিকার ব্যৱহে বাদের সম্পনে (সহায়প্রামী ও বঞ্চিবলের)	৭০-মা'অরিক	28	35
অধিকাংশ			_	$\perp$	নহত্যাত্রী ও বর্জাতকের কবিবার আছে (সুন্ধার্গীনের ধন-সম্পর্নে)	৫১-ঘরিরাভ	29	35
		৭-আ'রফ	7.6	978	সুপারিশের অধিকার দেব-দেবী/উপাস্যাদের দেই	৪৩-যুধক্তফ	646	ac
	শীল কিন্তু অধিকাংশ মানুষ অকৃতজ্ঞ)		60	999	শ্রীদের ন্যারনঙ্গত অধিকার আছে স্বামীদের লায়	২-বাকুনরা	227	24
অকৃতন্ম (মানুফো অণিকাং	শই অনৃত্যন্ত, যদিও সম্ভাব সনুহাবনীল)	২৭-নথেল	90	909	অধিকার করা			г
অঞ্চ (মুশরিকদের অধিব	নপেই অঞ)	৬-আন্'আম	222	909	বনী ইসরাইলদের যা কিছু অধিকার করেছিল ভা থাংস	১৭-ইল্রা	9	23
चनुश्चन करत ना (पाता त	কুল স. কে গরের পোছন থেকে ভাকে)	৪৯-হনুবাদ	8	950	অধিকারী (আরো দেখুন হকদার শব্দটি)		r i	
অনুধানন (কাফিবলের অধি	कालरि अनुधानन करत ना चाहार श्रमण)	২৯-আনকাবৃত্ত	60	3.62	क्या कहार व्यक्तियारी बाह्यह	98-मुसाइदिव	Фò	bb
অনুমান (মুপরিকলের আ	ধিকাপেই অনুমানের অনুসরণ করে)	১০-ইউনুস	06	196		००-स्वस्थित	30	78
পৰীকৰ (অধিকাংশ মানু	ৰ কুকবী স্বাড়া সংক্রিছ অবীকার করল)	১৭-ইপ্র	33	452	বেন্দুর আটির আবরণেরও অধিকারী না (আল্লাহ ফারু কেউ) গতাদিপতর অধিকারী মানুস ( এওলো আল্লাহর্ডই সৃষ্টি )	৩৬-ইয়ানীন	33	200
	ধ্বেদর আনুগন্য করলে পথবিয়াত হকেন)	৬-আৰ্'আৰ	220	106			8	20
	পেই মুফিবনেরকে কাফির বানাতে চার	২-বাৰুবো	209	625	গর্ভের অধিকারীদেবকে খালে করা হয়েছিল	৮৫-বুরুজ	+-	
	অধিজনে গোপন কথার কলান নেই)	8-मिगा	228	645	रेश्मीमता चलियारी शत वित्रम पुरस्कारस	২৮-জাপাপ	3.0	P.7
	চক্তের আংশে কিভাবের পথাব)	৬-আৰ্'আম	25	608	হৈবদীক্ষণ অভিনাধী হাত পারে মন্দকে উত্তম ছারা প্রতিমান	৪১-ফুস্স্নত	06	30
	জনেন যে, আকাপ-পৃথিবী সৃষি)	৪০-মুখিন	29	bho	ভূমির অধিকারীগণ তাবে (কারা ফলল আহরণ/তোগে সক্ষমা)		4,8	64
	केम्पुन्/पूनाचाला वालात वालन)	8१-मधिर	36	209	মহাভাগ্যধান বাভি অধিকারী হতে পারে মপকে উত্তম স্বাবা	৪১-ডুস্সিলাত	-00	pp
	हे ब्रह्मा (र प्रश्चारा श्रविक्षवि महा)	১০-ইউনুস	ee	600	সঠিকপথের অধিকারী/সঠিকপথ অবসহদকারী সংগর্কে জানা	২০-ড়া-য	206	98
whilet (Statute Metro	না প্ৰসঙ্গে অধিকাংশ কাৰিব জানেনা)	৩১-বুকমান	32	654	সভাবের অধিকারী আল্লাহ সকল বিখ্যা কর্ণনা থেকে পৰিত্র	৩৭-সাত্ফাত	2300	bris
	ব্যংশই লানেন, নিমর্থন প্রনঞ্চ)	৬-আৰু আৰ	09	699	সুপরিপের অধিকারী হবে সা.কেবল সে ছাড়া যে	১৯-মারইরাম	3.4	9,8
	ধবংশই মানেন, শান্তি সম্পর্কে)	44- <u>6</u> 4	81	504	অবিশতি			
	নিন্দ্র)নিপ্রশাধীন তা অধিকারণর অকান)		303		আক্রপ-পৃথিবীর অধিপতি বরকত্মর আল্লাহ	80-दूरकृष	brê	30
	লেই বানেশ যে সাল্লাহর নেয়ারত	Dod No.	303		আকাশের অধিপত্তি বে? (কফিয়দেরতে বিভাগ)	২৩-ডুমিশ্ন	tris	99
পরীক্ষাহরপ)	ICIC SILVER OF SERVICE CHIEFS	৩৯-যুমার	83	৮৭৫	আরপের অধিপত্তি আল্লাহ মুশরিকদের শিরক থেকে পরিম	২১-অপিয়	22	90
	গংশই বাদেনা যে কিয়ামকের আন	-	-	-	অরশের অধিপত্তি অস্তাহ	৯-ভাওৰা	25%	62
বেবদ আল্লাহর কাছে)	ICAS RIDAN OF IORISTON AND	৭-আরিফ	29-4	600	আয়ণের অধিপতি আল্লাহ মুশরিকরা যা বলে তা থেকে পরিত্র	80-गुरक्क	Þż	bo
	and arrest many wife alone	৩৯-বুমার	435	590	আহশের অধিপতি অস্তাহ	৮৫-বৃত্তক	26	20
	পেই জানেনা, সাল্লাহ কর্তৃক নৃষ্টান্ত)	১৬-মহন	07	900	আহশের অধিপত্তি অল্লাহ	২৩-মু'মিনুদ	226	9,0
	পেই জালের পুনরুখানকরণ প্রসঞ্চ)				অবেশ্ব অবিশতি একমাত্র আপ্লাই	৪০-মুখিন	30	50
	মন্ত্ৰাহৰ অধিকাংশ মানুহ এটা মন্তৰ না)		92	909	আহপের অধিপতি (মহান আহপের অধিপতি আহার)	২৭-নামৰ	20	30
	বতীদের অধিকাশে পথন্ট ছিল)	৩৭-সাক্কাত	42	940	আবদের অধিপত্তি সম্পর্কে জিল্লাসা (কাছিবদেরকে)	২৩-ডু'হিনুদ	brip	90
	বেদের অধিকাপেই পাপাচারী)	৫-মারিকা	63	244	আল্লাহ বালার উপর একজ্জা অধিপতি	৬-আন'আম	36	63
	মধিকান্তেশর পাপাচারী হওয়া প্রসঙ্গ)	৭-আগ্রহ	205		অক্সর মহাপ অবংশর অধিপতি	২৭-মাহল	20	50
	মের বংশধরদের অধিকংশেই পাশারারী)	৫৭-হাদীন	₹9	967	चानुस् राह्म जारा स्व चारपाठ चानुस् तार सम्मापन केनद अध्यक्षद्व चरित्रकि	৬-আৰ্'আম	92	100
	প্রাপ্তদের অধিকাশেই পাপাচারী)	৫৭-ফদীপ	36	787		80-पुश्कक	20	20
পাশচারী (বৈরাণ্যবাদ ন	(पर्यन्तवादीएमय चनिकरणहे नानाधारी)	৫৭–হাদীদ	29	267	পৃথিৱী-আতাপের অধিপতি ব্যৱস্থায় আল্লাহ অধিবাসী (আরো দেখুন যাসিকা শক্ষটি)	22.3.4.0	+	+-
প্রতিক্রাতি (কাফিরছের দ বওয়া প্রসঙ্গ)	মাধকাংশের প্রতিক্রণত পালনকারা না	৭-আ'লফ	203	653	আইতার অধিবাদী কার্তুক রাসুদ স, কে মিখ্যাবাদী বলেছিল	৩৮-লেয়াব	30	370

	विदेश	×		

ৰম্ম নিবর/প্ৰসম	সুনা বং ও বাম	<b>4004</b> ×	761	भव रित्रक/श्रमण	ज्हां कर ७ नाम	100.7	
অধিবাসী (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)				নল (অধিবাসীনেরকে বিভিন্ন দলে বিভক্ত কর্বেছল ফির'আউন)	২৮-কাসাস	8	Vo
আইনার অধিবানীরা ভআইবকে মিগাাবাদী বলেছিল	২৬-৩'আরা	198	959	बाल (अन्तरान प्रविविधित अन्तरिक पंतरवाहर अक्षतर बाल करतमा)	৬-আন'আম	707	80
আঙনের (অনুভঞ্জ কাফির মুগরিকরা আঙনের অধিবাসী)	৩৯-বুমার	b	৮৭২	ধ্যংসপ্রাপ্ত জনপদের অধিযালীদের ঈমান না আনা প্রদাস	২১-আধিয়া	ь	90
আঙ্নের অধিবাসী (আরাভ্তে মিখ্যা অভিভিত্তবারী কার্কির)	৩৪-তাপারন	20	৯৬৭	নগরের অধিবাসীরা উপ্পাদত হরে পৃত্তের কাছে উপস্থিত হল	১৫-হিজর	69	91
মাজনের অধিবাসী মালাচর মালাককে নিকা অভিনিত্তকারীরা	৫৭-হাদীদ	23	360	পূৰ্ববৰ্তী অধিবাসীদের উভরাধিকারী প্রতীয়মান হওয়া প্রসঙ্গ	৭-আগ্রহ	200	6
बाराज्य प्रविवामी (बारायन बातास्त्रत वार्य क्यांठ जाती वारिना	33-41W	62	290	বেখবর (অধিবাসীরা বেখবর অবস্থার মনা শহরে প্রবেশ করদ)	২৮-কাশান	32	b
আহুদের অধিবাসী (কাঞ্চির ও আরাতকে মিখ্যা অভিহিতকরী)	3-सकास	αλ	202	বের করা (শহরের অধিবাসীদেরকে তের করার জন্য মসার বড়ায়া।)	৭-আগ্রহ	250	6
আগুলে অধিবাসী (কুমনীকারীরা ঠীর আগুলের অধিবাসী হবে)		bris	597	মঞ্জার অধিবাসীদের ক্ষনো রিথিক প্রার্থনা	५-वाकृत्वा	346	0
आकरन्य अभिवासी चावा यादा काकिन अनुहार आहा हाहन	२-वाकाल	229	228	মনীনার অধিবাসীমের মধ্যে কেট কেট মনাফিনীতে অনভ	9-2044	202	86
আহুলে অধিবালী তাল, বাল আলতকে মিখ্যা অভিতিত,	र-स्याद्यक	96	929	মনীৰার অধিবাদীদের জন্য সঙ্গত নর যে তারা	9-61641	250	2
অন্তন্তে অধিবাসী ভাষা বারা প্রতিপালককে অধিয়াস করে	70-41,A	4	6975	प्रमुक्तिय द्वावाद्यव कविवामीत्रकारक त्यव काव त्या क्रकारक नाम	३-वाझवा	229	0
আন্তর্কের আববানা ভার। এর প্রাক্ত শাক্তকে আবদ্ধান করে আন্তর্কের অধিবাসীনের সম্পর্কে রাসুল সংক্রে জিজাসা করা হাসেনা	২-বাকারা	228	650	মানইরানের অধিবাসীনের নিকট হারার অবস্থান প্রসঙ্গ	২০-ছা-য	80	93
আঙ্গের (কাফিরর আঙ্গের অধিবানী)	8०-मूर्गिन	ė	8.62	মানইয়াদের অধিবালীদের নিকট রাসূল ন, উপস্থিত হিলেন শা	২৮-কালাল	82	ъ
আঙদের (ক্ষাহ্যপ্রাম) অধিবালী, কাফিররা	২-বাকুরা	209	<b>@60</b>	মানইরানের অধিবাসীদের কথেত আদেনি কিঃ	৯-ভাওভা	90	8
আঙদের (কুলত্ত আগুলের অধিবাসী হত না কাব্যব্লামিরা)	<i>0-4-मॅब्स्</i>	30	392	মানইরালের অধিবাসীরা ভালের দবীকে মিধ্যাবাদী বঙ্গেছিল	২২-ফজ	88	9
আওলের (উদ্রি আওলের অধিবালী মুশবিকরা)	৯-ডাওৰা	220	645	রামূল স. মন্ধ্য দগরের অধিবাসী	৯০-বালাদ	2	20
আগুলো অধিবাদী (সুদ নিবিদ্ধ হওয়ার পরও তার পুনরাবৃত্তি করলে)	२-वाकृता	292	000	'রাস' এর অধিবাসীকে ধংলে করেছেন আল্লাহ	২৫-ছুরকান	40	93
আঙদের অধিবাসী হবে ভারা থাবা	৫-মারিদা	20	697	রাস এর অধিবাসী বিধ্যাবাদী খলেছিল	६०-ब्राक	34	3
আছনের অধিনাসী হলে কাফিবরা	৩-আলে ইমরান	229	689	পৃতের জনপদের অধিধাসীদের পাপাচারের করেণে শান্তি	২৯-আনকাৰ্ড	90	b
থাঙলের অধিবাসী হবে কার্বিল (ছাবিলকে হত্যার করেনে)	৫-মায়িনা	25	6.45	সংশোধনকারী (জনগদের অভিযাসীরা সংশোধনকারী হলে)	১১-রুদ	229	6
আঙ্গের অধিবাসী (পালী ও অপরাধে পরিবেটিত ব্যক্তি)	২-বাকারা	6.0	603	অধিষ্ঠিত করা		-	т
আহনের অধিবাসী মনফিবলা	१४-मधामाना	29	348	হাস্প স. কে অধিষ্ঠিত করবেন মাকামে মাহমুদে	১৭-ইগর	936	3.
আত্নের অধিবাসীরা ভেকে বলবে প্রাক্তাত অধিবাসীদেরকে	न-वर्गाशक	80	624	प्रश्नीन	21.0.70	100	۲
আচ্চনের অধিবাসী (সীমালকানকারীণণ)	৪০-মুমিল	80	997	অধান অৱনাবান্ধি আপ্তাহর নির্দেশের অধীন	১৯-লহন	٠	31
থাধনের অধিবাসীলেরকে যেকে বলবে <b>জা</b> ল্লাভের অধিবাসীরা	१-वा'शक वर्णा	88	659	নির্দেশ্যের অধীন (চন্দ্র, সূর্য ও তারকা)	2-90,418 20-4164	08	
च्याच्या चांच्यानाम् । एक पत्रि चित्रिया (स्त्रा स्ट्राप (च्याक्यानीयात)	4-91,816 1-91,816	89	639		१-आ श्राक ५৪-डेनराडीम	68	0.
खादाना करियांनीएम्ट बानान्यम् त्रवा	का-सामान	98	brata	নৌখানকে আপ্নাহ মানুষের অধীন করেছেন			0.
जावरण जाववानात्मव वागचूनाम नवः खावरणव वर्षिवानीतम्ब क्षण भारत	७५-१नक	22	373	মানুহ কারো অধীন না হলে কঞ্চাণত প্রাণ হিবার না কেন্য	<b>८७-वर्षाकेबा</b> र्	৮৭	24
আবংশর আগবানাদের জন্য কালে আরাফের অধিবাসীরা ভেকে বদারে আগুনের অধিবসীলেরকে	৭-আ'বাক	8br		সংকর্মশীল বান্দার স্বদীন ধারুলেও দুহ ও সূতের রী সাহলে প্রবেশ	৬৬-তাহরীম	30	9
আরাফের আধবাসারা ভেকে বলরে আওলের আধবসালেরকে উত্তাহারিকের অধিবাসীলের বাধকের মন্যফিকরা ফিরে যেতে বলে			652	वशीनक्			L
	৩৩-প্রাহ্থাব	20	b-58	দাসীদের প্রসঞ্	२8-मृत	67	90
ইংলী জনপদবাসী বেকে স্বাস্তাহ প্রাসূদ স. কে ফাই দাদ করেছেন	@h-4544	٦	954	जाशमधी			Г
কবৰের অধিবাসী সম্পর্কে কাফিবরা হতাশ	৬০-ৰুমতাহিশা	20	959	অপরাধীসেরকে অধ্যয়কী অবস্থার আগুলের দিকে টেলে দেয়া হবে	৫৪-কামার	85	34
বাদ্য হাওয়া, মূসা ও বিজিয়ের (জনপদের অধিবাসীদের দিকট)	79-sión	33	10>	অবনত (অসমুখী হয়ে শিক্ষকনত হয় অৱন প্রাক্তর, পুরুষেন পর্য্য করলে)	১৭-ইসরা	20%	9
ছহা ও বাবীমের অধিবাসী (বিশ্বয়কর নির্দশন প্রসঙ্গ)	79-atés	8	128	আন্দ্রান্তরা অধ্যয়নী হয়ে সেঞ্চলাবনত হয়	১৭-উপরা	209	93
জনপদের অধিবাসীদের দৃষ্টান্ত পেশ(অবিশ্বাসীদের নিকট)	৩৬-ইয়াসীশ	20	467	প্রস্তিপেরকে অধ্যেম্বী করে সমসেত করা হবে (পার্ডামে)	20-Massa	-08	30
জনপনের অধিবাসীদের ধ্বংস প্রসঙ্গ (পুডের জনপদ)	২৯-আনকাবৃত	(0)	474	পথ চলা (অংগমনী হয়ে পথ চলে যে, সেই কি সঠিক পথে)	৬৭-রশব	33	35
জনপদের অধিবাসীর মধ্য থেকে মানুধই প্রেকা করেছিলেন আল্লাছ	১২-ইউসুফ	20%	80/3	TENTER	01/4/0	44	10
জনপদের অধিনাসীরা ঈমান জনলে আঞ্চল-পথিনীর কল্মগ্রু	৭-আ'রাফ	646	643	অধ্যয়ন অপরধীরা বি অধ্যয়ন করছে সেই বিহয় যা ভারা গছল করে		_	-
জনগদের অধিবাসীরা জাদিম (অসহারের মৃত্তি কামনা)	৪-মিসা	90	669		৬৮-কাশ্যম	७१	3/
জনপানের অধিবাসী শান্তি থেকে নিরাপদ মনে করা প্রদান	৭.আ'লফ	39	643	ক্ষিত্তৰ (এমন ক্ষিত্তৰ পূৰ্বে দেৱা হৰদি যা তাৱা অধ্যৱন করত,)	৩৪-সাবা	88	9.8
জনপদের অধিবাসী শান্তি থেকে নিরাপন মনে করা প্রবাস	৭-আ'রাক	46	652	কিডাৰ অধ্যৱন করার করেনে রাক্যানী হওয়ার আহনেন	৩-আলে ইমরান	9,5	Q1
क्लाप्ट्राच व्यक्तिमीहरू ताल-महित्यकार-प्रमाणिक स्तर शासकार (महीता)	৭-আ'লফ	38	657		৭-আ বাফ	269	6
অলিম (অধিবাসীরা কলিম না হলে কমপদ থালে করা হরমা)	২৮-কাসাস	25	650	व्यम्			
আলম (আবলান্ত ভালম বা বুল জনান বলে করা হয়ন) আলম অধিবালী (লুডের আডি প্রনঙ্গ)	২৯-আনকাবৃত	69	454	মুনাঞ্জীতে অনভু, মদীনার অধিধাসীদের কেউ	৯-জন্তব্য	202	60
ৰালৰ পাৰবাৰ (পূৰ্বের ৰাতে লেন) মুদ্রাদের অধিবাদী (অন্তাহকে প্রতিশাসক ৰাস যায় অবিচল থাকে)	৪৬-আব্কাক	28	gog.	यमविक्रमा			П
ৰাপ্ৰতেও অংবাল (অপ্ৰাহ্ম হাতপালক ৰলে যাত্ৰ অবাল যাতে)। ৰাপ্ৰতেও অধিবালী (ঈয়ানদার সংবার্যশীলগণ)				অনতিক্ৰমা বাঁধা সৃত্তী কৰেছেল আল্লাহ দুই সমুদ্ৰেৰ মাৰে	২৫-কুরফার	60	90
	২-বাকারা	p-5	609	অনম্ভকাল		-	Η.
স্বান্ধানের অধিবালীনেরকে ভেকে কাবে আরকবালীর- সালাম	৭-আরফ	85	७३१	অন্তর্কালের নিন, জাল্লাভের জীবন	१०-वृद्ध	28	84
মান্লাকের অধিবাদীদেরকে ফেকে কদবে আগুদের অধিবাদীরা	৭-আ'রাক	ĝo	639		do:And	***	0
লান্নতের অধিবাদীদের উত্তম অবস্থানস্থপ	২৫-সুরকান	48	9৮৪	অনবহিত			_
স্বান্নতের অধিবাসী (ঘারা কল্যাঘকর কান্স করে)	১০-ইউনুস	46	600	অধিবালীরা অনবহিত থাকাবছার অল্লাহ জনপনকে ধাংল করেন না	৬-আন্'আম	707	40
ক্ষ্মাতের অধিবাসীরা তেকে ফগরে ঝাহান্রমের অধিবাসীলেরকে	৭-আ'রয়ন	80	639	वसर्वक			i"
নান্নতের অভিনাসীরা স্থায়ী হবে জাল্লতে	৭-আ'রাফ	83	636	ক্ষিতিক নিৰ্মণ (উচুকানে অনৰ্থক ক্ষিতিক নিৰ্মণ, আন সংগ্ৰহকেঃ)	२७-७'दावा	259	92
ন্দরেতের অধিবাসীর তেকে কারে জাহান্তামের অধিবাসীলেরকে	৭-আ'রাক	88	629	সৃষ্টি (অনর্থক সৃষ্টি করেনি আল্লাহ মানুথকে)	২০-যু"মিলুন	224	90
মন্ত্রতের অধিবাসী (সংকর্মশীল, লেয়ারারী তওবারারী মুমিলাগ)	৪৬-আহকাফ	26	909	সৃষ্টি (অনৰ্থক সৃষ্টি করেননি আস্তাহ জোন কিছুই)	৩৮-শেরাদ	29	W
মান্ত্ৰতের অধিবাসী (সংকর্মশীপ,প্রতিশালকের প্রতি বিনদী স্থামিশ)	22-Ed	30	669	অনৰ্থক কথা			Ë
ৰাহভানের অধিবাদী হওয়ার জল্য শাতাল মানুহকে আকে	৩৫-ফাভির	6	V85	অন্যক্ত কৰা অভিনেশ্যকে অন্যৰ্কত কৰায় দিও থাকাৰ জন্য সেতে দেৱা	৭০-মা'অবিজ	-0.	
बारसायत् विवास (यम कर्मनिकाल)	১০-ইউনুস		629			85	>b
MIKERIAN ARABO (ALL ANDRIA)	३०-१७नुत	29	65,6	ব্যক্তির ও মুদাফিকরা অনর্থক কথার লিপ্ত এয়েছে	৯-জন্তা	69	6

प्रमर्थक कथा: (पूर्व पृक्षे त्याक)				প্রতিপালকের অনুগত হওরার নির্দেশ (মারইরামকে)	৩-আলে ইমরান	80	48
কো (কর্মক করে কোর মন্ত থকতে নেরা, আহলে কিয়ার প্রদাস)	৬-আন্'আম	66	806	মারইরাম প্রতিপাদকের প্রতি অনুগত বান্দা ছিল	৬৬-ডাব্রীম	25	20
বেলাঞ্চলে অনর্থক কথার দিও ব্যক্তির জন্য দুর্ভোগ	৫২-ভূর	25	254	द्वारीरा (भाद्राव) <b>अनु</b> गठ	৩-আলে ইমরান	74	64
লাহান্নমিরা অনর্থক কথায় পির ধাকত (দুনিয়াতে)	৭৪-মুদ্দাছছির	82	266	প্রাতে সিজ্ঞদাবনত হতে ও দাঁড়িয়ে আনুগত্য প্রবংশ করে যে	৩৯-যুদার	ъ	ъ,
পূৰ্ববৰ্তীয়াও অনৰ্বক কথায় পিও থাকত	৯-ভাওবা	69	689	প্ৰী অনুগত হলে তাব বিৰুদ্ধে কোন ব্যবস্থা নেয়া যাবে দা	8-निमा	83	20
মুশতিকলের অনর্বক কথা/বেশা কিয়ামত পর্বন্ত	80-1997	50	202	সৰীকে আল্লাহ অনুগত প্ৰী দান করতে পারেন	৬৬-তাহ্বীম	e	3
মুনাফিকরা অনর্থক কথার লিঙ ছিল	p-67631	62	686	ক্লী (আল্লাহ নবীকে অনুগত স্ত্ৰী দাদ কৰতে পারেন)	৬৬-তাহরীম	6	9.
অনাপ্রহী		-		অনুপামী			Г
বিভারতে ইউসুফের ব্যাপারে অন্যয়হী ছিল ফাট্রানল	১২-ইউসুফ	20	697	আন সম্প্রদায়ের অনুগামী করা হয় দাসভবে	১১-ছদ	80	8
ইবল্লহীয়ের মিল্লাত খেতে অনাম্রহী ব্যক্তি নির্বোধ	২-বাকুরো	360	675	আপ্তাহর সম্ভাইর অনুগামী হর যারা ভাসেরকে পথ প্রদর্শন	८-माविमा	3/6	21
ইবল্লহীয় অন্তর্হার (পিতার উপাস্য সম্পর্কে)	३%-शहरेशम	86	909	পরবর্তী প্রজন্মকে (পূর্ববর্তীদের অদুগামী করেন আল্লাহ)	৭৭-মুবুসালাত	29	88
	20-reference	-00	101	মানুহকে স্থীন শরতান্দের অনুগামী করা প্রসঙ্গ	৬-আপু'আন	250	6
অনাবৃত				যাকবিরার অনুগানী প্রার্থনা	১৯-মারইরাম	e ·	9
অকাশ অনাবৃত করা হবে (কিয়ামতে নিদ)	৮১-डाक्छोड	22	2002	রাত ও নিদ পরস্পরের অনুগামী করে বাশিরেছেদ আল্লাহ	২৫-জুরকান	64	9
অনারব (আরো দেপুন আন্ধর্মী শব্দটি)			$\perp$	লা'দত অনুশামী করলেন আল্লাহ (ফির'আউন ও ভার বাহিনীর)	২৮-কালাস	84	b
কুরজান জনায়নি ভাষার ঋষতীর্ণ করা হলে কফিবরা বলত	৪১-জুস্সিলাভ	88	909		40-01-1-1	-	۴
কুরবান আন্মরনের উপর অবতীর্ণ করণেও আরবরা বিশ্বাস	২৬-৩'ব্যব্য	336	935	অনুগ্ৰহ (আৱো দেখুন বহুমত/দৱা/ নেয়ামত শৃদটি)			
restant.		***	0,,	অনুসন্ধান (আপ্লাহর অনুহার অনুসন্ধানে সমুদ্রে দৌযান চলে)	०५-वास्त्रि	25	ы
निकब (क्रम्बर निकद राष्ट्रगा ग. (व कृतका निका त्मर यह क्रमराग)	১৬-নার্গ	200	477	অনুসন্ধান (প্রতিপালকের অনুমাহ অনুসন্ধান করে রাসূল স: ও	৪৮-ফাব্র	270	5
অনিয়ন				पुश्चिमार्ग)			ļ.
আজাশ ও পৃথিনীকে ইচ্ছায় বা অনিচ্ছায় আসতে বল্লেন আপ্লাহ	৪১-ফসসিলাভ	22	250	অনুসন্ধান (সমুশ্রে আপ্লাহর অনুসহ অনুসন্ধান)	৪৫-মাহিয়া	25	8
অন্তেসমর্পণ করেছে সমবিস্কু ইচ্ছার বা অনিচ্ছার, অপ্তাহর নিবট)	০-আলে ইমরান	60	488	অবেষণ (আপ্লাহর অনুধাহ অবেষণে যদীনে জমণ)	৭৩-রুব্বাঞ্চিল	20	8
ব্যর (অনিক্ষ্যকৃতভাবে ব্যয় করে অবিশ্বাসীরা, আল্লাহর পথে)	৯-ভাওবা	48	684	অবেষণ (জুমজার নামান্ত শেবে আস্থাব্ব অনুষ্ঠাই অবেষণ)	৬২-স্বয়্'আ	>0	>
ব্যর (অনিক্ষার বা ইজ্বায় সুনাফিক/কাফিরের ব্যয় প্রহণ		4.0		অধীকার(প্রতিপাশকের কোন অনুয়াহকে অধীকার করবে জিন্/মানুয।	৫৫-রাহমান	69	s
चंत्र (जानकात पा एक्ट्रा कुमान्यम्) मान्यदात पात कार्यः कारत्व वा जाहार्यः)	৯-ফাওবা	6.0	982	apm: ब्रह्माट त कर्ण श्रेत)	44-miles	٠.	
সিজনালত (ইজার বা অনিজ্ঞার সংবিদ্ধ অস্তাহর প্রতি সিজনালনত)	১০-রাম	20	Strib	অধীকার(প্রতিপাদবেশ্ব কোন অনুমার্কে অধীকার কারে জিন্\মানুদ:	22-KIERIW	60	b
	30-N T	24	Ora	श्रमकः मद्भुन, पृक्त व (मीयन)	Ed. Milder	~	-
व्यभिवार्य			-	অস্বীকর(প্রতিপাদকের মেন অনুহার্কে অস্বীকর করবে জিন/মানুধ।	৫৫-রাহ্মান	60	5
শক্তি (অধিবার্য শক্তি পৃত সম্প্রদায়ের উপর)	<b>३</b> ३-दुन	৭৮	692	গ্ৰহণত কৰা ধৰা)	१५-अन्बान	90	ľ
অনিষ্ট (আরো দেখুন ক্ষতি/অপকার শব্দটি)		_	ш	অধীনার্প্রতিপাদনের বেন অনুহার্কে অধীনার করনে জিন্মানুদ।	৫৫-রাজ্যান	<b>08</b>	8
অছকার রাভের অনিষ্ট হতে আপ্রব চাওয়া	220-Bluta	۰	2009	প্রদক্ষ: অধ্যণ ও পৃথিবীর দীমা অভিক্রম)	20 mages	٠.	
অক্রান্ত (আন স্লাতির উপান্যাদের অনিষ্ট ধারা হুল আক্রান্ত।)	22-dis	28	940	অধীকার(প্রতিপালকের কোন অনুয়হকে অধীকার করনে মিদ্/মানুয	৫৫-রাহ্মান	30	>
বল্লাদের অনিষ্ট থেকে আশ্রহ চাওরা(বাল্লাদ/পরভানের অনিষ্ট)		8	2009	প্রদাস: ফলফুল পালানার কল্ম)	ed-men-		"
পিরার ফুঁ দানকারিণীর অনিষ্ট থেকে আশ্রহ প্রার্থনা	১১৩-ফালাক	8	2009	অধীকার(প্রতিশাদকের বেন্দ অনুয়হকে অধীকার করবে জিল্(মানুল)	৫৫-বাহমান	82	'n
ক্রিয়াউনের বড়যন্ত্রের অনিষ্ট থেকে রক্ষা	৪০-মুমিন	82	50.7	প্রদক্ষ: অপরাধীয়ের পাকড়াও ধার)	2019941	94	ľ
লক্ষতাৰ/ৰাপ্তাসেৰ অনিষ্ঠ থেকে স্বাশুহা চাওয়া	228-süst	8	2000	অধীকার(প্রতিপালকের কোন অনুযায়কে অধীকার করবে জিন/খানুষ।	৫৫-বাহ্মান		8
সৃষ্টির অনিষ্ট ঝেকে অশ্রেয় প্রার্থনা (প্রভাতের প্রতিপাদকের নিকট)	১১৩-ফাপাক	- 2	5000	প্রদাদ: কায়েরাম ও ফুটর পানি)	20144	86	1"
স্পৰ্ব (ৰাসুদাস, অনুন্দ্ৰ জনবাদ কোন অনিটাই আকে স্পৰ্ন কৰত না)	৭-আ'বাক	366	950	অধীকান্ত(প্রতিপাদকের কোন অনুয়াহকে অধীকার করনে জিন/মানুষ:			L
ব্যুত ও মিস্তার অনিষ্ট (অনিটের ছাত ও মিস্তা প্রসাধিত করবে				গ্রালাং পুট সমুক্রের ধার)	৫৫-রাহ্মান	52	b
करिन्छ)	৬০-মুমঅহিনা	1	962	অধীক্ষয়(প্রতিপাশকের কোন অনুয়হকে অধীক্ষর করনে জিল্/মানুদ:			
হিংসুকের অনিষ্ট থেকে আপ্রব প্রার্থনা (প্রতিশাদকের নিকট)	३३०-समाक	2	3000	গ্ৰহাল। সৰ্বই ধালেশীল বিস্তু অস্তাহ)	৫৫-রাধ্যান	₹.	8
অনিউকারী		_		অস্থীনার্প্রতিশাশনের বেন অনুমহরে অস্থীনার করে জিন্মানুস।			
আনতকার। অনিটকারীকে আল্লাই জানেন	২-বান্ধরা	440	242	क्षणकः मनुष ७ होत गृष्ठि पश्चक्रातः)	৫৫-রাহ্মান	39	8
	d-cifin	440		অধীকার(প্রতিশাশকের জেন অনুপ্রয়েক অধীকার করবে জিন্/মানুব:			
অনুকরণ		-	1.0.1	হলেচ দুই উনয়াল ও দুই অঞ্চল)	৫৫-রাহ্মান	72	8
কথার অনুকরণ (পূর্ববর্তীদের কথার অনুকরণ)	৯-আওবা	60	980	अवीत्मव्याचित्रात्मात्मव त्यान अनुप्रदान अवीत्मव काइन क्रिन्द्रातृतः			Т
অনুকৃগ				গ্ৰহণ মন্ত্ৰাতে দ্বী ও হয় এর কৰিব)	৫৫-রাব্মান	30	8
বাজস (অনুক্ল বাজানে চলতে থাকা দৌঘানে ভরসাঘাত)	১০-ইউনুদ	44	96.0	অধীকাপ্ত(প্রতিপাদকের বেল অনুযাহকে অধীকার করকে মিল/মানুস	_		Н
অনুগত				क्षात्रक ब्रोहाट ही थ स्त वह गर्नन)	৫৫-রাহ্মান	90	b
আকাশ ও পৃথিবী আল্লাহর কাছে আদল (অনুগত হয়ে)	৪১-ফুন্দিলাভ	22	944	অধীকার(প্রতিপাশকের নেন অনুহারেক অধীকার করনে জিন্/মানুব।		_	۰
व्यक्ताद्वास्त्राम् मः, तत्र श्रवि व्यक्तात शहर मध्यातः । पूर्वेशात श्रविमानः	००-षाश्यव	42	9000	হাসক্ষ: অন্তর্যান্তর কোলাতের কর্মনা)	৫৫-রাধ্যাদ	69	b
আপ্তাৰর অনুগত অবস্থায় দক্ষিলো (সালাতে দক্ষিলো)	২-বাকুৰো	২৫৮	233	অধীকার্য্যতিপাদকের কোন অনুযায়ক অধীকার কালে জিন্মানুদ।			Н
		26	¥48	श्रमकः क्षान्तिरस्य स्माम्परस्य वर्तनाः)	৫৫-রাত্মান	46	b
				প্রথাক ক্ষরতের পেরামধ্যের কলা) পর্বীকর্মপ্রতিশালাকে কেন অনুয়ায়ক পরীকর কারে মিল্মানুষ।	-	-	Н
আল্লাহর অনুগত আকাশ ও পৃথিবীর সববিদ্ধ	60-3F					40	s
অস্তাহর অনুগত আকাশ ও পৃথিবীর সংবিদ্ধ অস্তাহর অনুগত (আকাশ-পৃথিবীর প্রত্যেকে)	৩০-জম ২-বাঞ্জা	ولالا	670		৫৫-রাহ্মান		
অপ্লাহৰ অনুগত অকাশ ও পৃথিবীর সংবিদ্ধ অল্লাহৰ অনুগত (আকাশ-পৃথিবীর প্রত্যেকে) অল্লাহৰ অনুগত ও একত্ববাদী হিল ইববাহীম	৩০-রম ২-বারুগর ১৬-বার্গ	750	950	शनक बस्तारस्य ज्यामाच्या वर्गमा)	१११-वाद्याल		H
অস্তাহর অনুগত আজন ও পৃথিবীর সর্ববিদ্ধু অস্তাহর অনুগত (আবংশ-পৃথিবীর প্রত্যেকে) আস্তাহর অনুগত ও একত্বালী হিল ইবরাহীম চন্দ্র-মূর্বকৈ অনুগত করেছেন আস্তাহ	৩০-রম ২-বারুজা ১৬-বারুগ ৩৮-মুমার	\$50 250	950 695	প্রদান কারেনের লোমনের কনি) অধীকার(রভিশালকের কোন অনুমারকে অধীকার করনে জিন্ অনুস	৫৫-রাহ্মান	96	8
আন্নাহর অনুগত আকাশ ও পৃথিবীর সর্বাইন্দু আন্নাহর অনুগত (আকাশ-পৃথিবীর প্রত্যেকে) আন্নাহর অনুগত ও অকত্বনারী হিল ইবাবারীম তদ্ভ-মূর্ব্যক্ত অনুগত করেছেল আন্নাহ চন্দ্ৰ-মূর্ব্যক অনুগত করেছেল চাঁল ও মূর্ব্যকে আন্নাহ অনুগত করেছেল	৩০-রম ২-বাকুজা ১৬-বাকুল ৩৮-মুমার ৩৫-ফাভির	200 2 200 200	130 613 781	থাক। মান্তনের নেয়ামানের কবি) অধীনার্যাকিশালেরে রোন অনুযান্তন অধীনার করনে জিন্মপুর। প্রশাস জান্তানের নায়ামানে কবি)	-		200
অস্তাহর অনুগত আজন ও পৃথিবীর সর্ববিদ্ধু অস্তাহর অনুগত (আবংশ-পৃথিবীর প্রত্যেকে) আস্তাহর অনুগত ও একত্বালী হিল ইবরাহীম চন্দ্র-মূর্বকৈ অনুগত করেছেন আস্তাহ	৩০-রম ২-বারুজা ১৬-বারুগ ৩৮-মুমার	\$50 250	950 695	প্রদান কারেনের লোমনের কনি) অধীকার(রভিশালকের কোন অনুমারকে অধীকার করনে জিন্ অনুস	-		b

আন্তৰ্গত আনুষ্ঠ কৰে। আনুষ্ঠ বিশ্বনাৰ কৰে। আনুষ্ঠ আনুষ্ঠ বিশ্বনাৰ কৰে। আনুষ্ঠ আনুষ্ঠ বিশ্বনাৰ কৰে। আনুষ্ঠ বিশ্বনাৰ

नम् विस्तृद्वित	मूझ न् क्लाब		नुसर	AN GRAVEN	नुवानः । नाम		7
खनुबाह्(पूर्व गृक्षेत cece)				আল্লাহর অনুমাহে কুরআন এগেছে (মুদিনদের প্রতি)	১০-ইউনুস	w	00
অধীনাঞ্ছতিপাশকের কোন অনুয়াহকে অধীনার করনে জিন্মানুদাং	৫৫-রাহমান	93	883	আল্লাহর অনুমাহে ফকীর অভাবমূক হবে (বিজে করলে)	২৪-ন্য	65	99
প্রসঙ্গ মাল্লতে নেক প্রীর কর্মনা)	QC-SIQNI-1	10	304	আল্লাহর অনুয়হে বিশ্ব(!)	৬-আৰ্'আম	60	80
অধীকার(প্রতিপাশকের কোন অনুহাহকে অধীকার করকে জিন/মানুয!	৫৫-রারমান	100	380	আপ্তাহর অনুমাহে ভাই ভাই হয়ে খেল মুমিনগণ	৩-আলে ইমরান	200	28
গ্রনদ: নীমা অভিনেম করতে)	GG-strawn.	-09	360	আল্লাহর অনুমাহের উপর আহপে কিতাবদের ক্ষমতা নেই	৫৭-হাদীদ	২৯	100
অধীকার্যানিপালকের কোন অনুমান্তক অধীকার করবে জিন/মানুখ।	৫৫-রাহমান			আল্লাহর অনুমাহে স্থায়ী আবাস দান (জাল্লাডীদের)	৩৫-কাভির	00	78
क्षणाः चानव नाम इत का गाँग)	एए-शर्मान	29	287	আপ্রাহরই হাতে অনুহাহ	৫৭-হাদীদ	30	202
অধীক্ষরপ্রতিপুশবের কোন অনুমান্তক অধীকার করবে জিন/মানুদ!		_		অপ্তাহর গক্ষ থেকে অনুমাহ শরণ (মুমিনদের সঠিক গথ অবলয়ন)	৪৯-চম্বরত	v	25
প্রদান আরাশ, পৃথিবী দবাই অপ্রাহর কারে মায়)	৫৫-রাধ্যান	40	>80	আল্লাহর শক্ষ থেকে মমিনাসের জন্য বিরাট অনুধার	৩৩-আহ্যাব	89	m
অধীকর প্রতিশালকের কোন অন্যাহকে অধীকর করকে ছিল/মানুহা।	৫৫-বাহমান	25	584	আপ্লাহর হাতে অনুপ্রহ (ভিনি যাকে ইচ্ছা দান করেন)	৩-আলে ইমরান	90	28
অধীকান্তপ্রতিশালকের কোন অন্যাহকে অধীকার করবে জিন/মানব।		-		আধার জানাতীদের প্রতি অনপ্রত করেছেন	৫২-ডব	49	20
शामा वरि ब्रह्मार प्रशास विकास बाला)	৫৫-রাহ্মান	89	987	वाद्वार प्रदावनुद्रवनीम	৫৭-বানীদ	47	ha
অধীকাঞ্জাতিপালকের কোন অন্তাহ্মক অধীকার করকে চিল/মানুহ।			-	অস্ত্রাহ মহাজনুহবলাগ অস্ত্রাহ মহাজনুহবলীপ	০-জালে ইমরান		00
क्ष्माः स्थल (नेपाला वर्गन)	৫৫-রাহ্মান	56	580	আল্লাহ মহাজনুমহণাল	৫৭-খাদীদ		
অধীনাত্রপ্রতিপাশকের কোন অন্যায়কে অধীনার করনে ভিল/মানসং		-	$\vdash$			270	8/2
श्रामा क्रिक्स व्यवस्था (स्त्रम प्रकृत क्रास्त्रम प्रकृत स्थान । अन्य: क्रिक्स व्यवस्था श्रीवर्गन क्रिक्स)	৫৫-রাখ্যান	49	≽8≷	আল্লাহ মহাঅনুগ্ৰহণীত	৮-আনফাল	4,6	90
অধীকার প্রতিপালকের কোল অনুয়ারে অধীকার করতে নিল্পমানয়।		_	-	পোপন (মানুব ভাকে দেৱা আল্লাহর অনুমাহকে গোপন করে)	8-निमा	তণ	¢8
অধানাম্প্রেরপাশকের মেন অনুয়ন্তে অধানার করবে জন্মনুদ। প্রদান সমসে মালা ও প্রধান…)	৫৫-রাহ্মান	20	580	চাওৱা (আল্লাহর কাছে ভার অনুগ্রহ চাওরা)	8-मिमा	कर	୧୫
		-	$\vdash$	তালাল (অনুধ্বহ তালালের জন্য দিন বানিরেছেন আল্লাহ)	২৮-কাদাদ	90	9.7
অধীবাঞ্পতিপাশবের বেল অনুহাত্ত্বে অধীকর করবে জিন/মনুখ।	৫৫-রাহ্মান	80	284	তলোপ (অনুহাহ তলোপ করতে অপরাধ দেই, হক্ষ প্রসঙ্গ)	২-বাসুবা	775	65
গ্রস্থা মানুষ ও জিবকে তানের স্বপরাধ সম্পর্কে)		-	-	তালাপ (আল্লাহর অধুমহ তালাপ করার জন্য বাস্থু প্রেরণ)	<b>00-₹</b> ¥	89	24
অধীকান্ত্রতিশাশকের জেন অনুহারকে অধীকার করনে জিন/মনুষ।	৫৫-রাহমান	es	285	অলাশ (প্রতিপালকের অনুমহ তালাশ করার জন্য)	১৭-ইপ্র	25	93
প্রদাস: মনুম ও কর্ণধরার কর্ণন…)		-		তালাগ (সমূহে আপ্তাহর অন্তাহ তালাগ ও করজতা প্রকাশ)	১৩-খাহল	38	90
অস্বীকার্প্রতিপালকের কোন অনুহারতে অস্বীকার করবে জিন/মানুব।	৫৫-রাহমান	*thr	380	লান (অনুমাহ দান করনেল আপ্তাহ, গনিমত বউন প্রসক)	৯-জাওবা	25	68
প্রসঙ্গং থকা অবাশ কেটে বংগ)				গম (অনুহত্ত দান করলেন আল্লাহ কাফির ও মূলফিকসেরক)	à-81641	98	68
অধীকান্প্রতিপালকের কোন অনুহায়কে অধীকার করবে জিন/মানুয।	৫৫-রাহমান	85	282	দেৱা (স্বৰুৱে দিৱেছিলেন স্বাধার দাউদকে)	ত৪-সাবা	20	₽8
গ্রদাস: জাল্লারেও ভাল পালার কর্মন্য)				দবীর প্রতি আল্লাহ অনুহার করেন	৩৩-আহ্বাব	40	70
আল্লাহ অনুমাহ করেছেন আমানের প্রতি (ইউসুফ বলল)	১২-ইউসুঞ্	90	944	নধীর প্রতি আল্লাহর অনুহাই না থাকলে (পথমন্টতা প্রদাস)	8.901	220	09
অল্লাহ অনুমহ করেছেন (কাকনের প্রতি)	২৮-কালাস	99	A78	দিহাতিত্বলের প্রতি অনুপ্রত্ব করতে চাইলেন আল্লাহ	২৮-কালাস	6	20
অল্লাহ অনুমহ দান কংগে কাফির ও হুলফিকরা সানকা	৯-ভাওবা	9,0	686	পথ (আপ্রাহর অনুমাহপ্রাপ্তদের পথে পরিচাপিত করার প্রার্থনা)	১-ক্রিয়া	8	80
আল্লাহ অনুদ্রহ না কবলে কারুনের নামা ধাসিয়ে নিতেন	২৮-কাসাস	3.5	254	नव (बाह्यावृत्त बानुसद्दाक्रमा गर्च गांत्रामाण व्याप दावमा) श्रीविभागरकद प्रमारको क्या वर्णना कराद निर्मन (मेरीत श्रीक्र)	3-01/040	27	203
অল্লাহ অনুমহণীল, জগতসমূহের প্রতি)	২-বাকুরা	567	223	প্রতিশাসকের অনুমধ্যে কথা নগনা করার সদেশ (নগর প্রতি) প্রতিশাসকের অনুমধ্যে ভাগের প্রতি যারা বিপানে	৯০-দুধ্য ২-বাকার্য	309	300
অল্লাহ অনুগ্রহণীল (মানুদের প্রতি)	২-বাকারা	28♥	436				
অল্লাহ অনুপ্ৰহণীল মুমিনদের প্রতি	৩-আলে ইমরান	265	660	প্রতিশাদকের অনুমাহ কামনা (কুরবানী প্রসঙ্গ)	৫-মার্ছিদা	2	24
আল্লাহ নিজ অনুহাতে অভাবমুক্ত করেছেন কাফির ও	৯-জাওবা	98	480	প্রতিপাশকের অনুহাহ ভাষাপে সমূত্রে নৌযান পরিচালনা	১৭-ইস্রা	99	97
অস্তাহর অন্যাহে শহীদরা আনন্দিত	৩-আলে ইমরান	390	202	হতিশাদকের অনুহাই (মুবাকীদেরকে শান্তি থেকে রক্ষা)	৪৪-দুধান	49	90
অল্লাংর অন্যাহ অংখবণ (জমআর নামান্স শেবে)	৬২-জন'আ	30	20/05	প্রচিপাদকের বোন অনুমহকে অধীনার বরবেং(জিন ও মানুষ)	৫৫-রাধ্যান	69	≽8
আল্লাহ যে অনুমাহ কুপন্সেরকে নিরেছেন ভাকে যেন কল্যানকর	৯-জালে ইয়বাদ	2300	000	প্রতিপালকের কোন অনুমাহকে অস্বীকার করবে।(জিন ও মানুষ)	৫৫-রাব্যাদ	60	≽8
अक्षारत जनुसर (जन्नार-तानुग म, धर जनुगरासरीगराध वरिः)	8-FENT	200	202	প্ৰতিপাদকের কোন অনুমহকে অধীকার করবে।(ভিন ও মানুষ)	৫৫-রাধ্যান	20	28
অস্ত্রাহর অনুমার (অস্ত্রাহার্যাল, মার অনুশালকার্যাল মাত) অস্ত্রাহর অনুমার ইউসূত, ভার পিতপুরুষ ও সাধারণ মাধুয়ের প্রতি	20-86MB	10	dero		৫৫-রাধ্যান	90	28
अक्रास्त्र अनुसर् रक्पूण, जता गर्नुत्रव व नावाम सन्दर्भ याव आक्रास्त्र अनुसर व नहां मा दाल	28-98	97	332	প্রতিশালকের বেনন অনুমাহকে অস্থীকরে করবে।(জিল ও মানুষ)	৫৫-রাহ্মান	83	86
অক্সাহর অনুমাহ ও লয়া না হলে ন্তমিনগণ রক্ষা পেত না	48-79 48-79	20	338	প্রতিপালকের কোন অন্যাহকে অস্থীকার করবে।(জন ও মানুব)	৫৫-রহমান	89	38
				প্রতিগালকের কোন অন্যতকে অস্থীকার করবে।(ছিল ও মানুঘ)	৫৫-মাৰ্মান	63	28
অস্ত্রাহর অনুধার ও দয়া না হলে	२8-मृद	40	992		৫৫-রাহ্মান	82	86
অল্লাহ্য অনুমাহ ও দেয়ামতসহ মুমিনর বিবে আসল (উত্তল থেকে)	৩-আলে ইমরান	248	665	প্রতিশালকের কোল অন্যাহতে অস্থীকার করবে।(জিল ও মান্ত)	৫৫-মাত্মান ৫৫-রাহমান	84	38
অস্তাহর অনুমাহ কমেশা করে গরিব মুর্যানিরগণ	৫৯-হাপর	ъ	96.0	প্রতিশালকের কোন অনুমধ্যে অস্থাকর করবেং(রিল ও মানুর) প্রতিশালকের কোন অনুমধ্যে অস্থাকর করবেং(রিল ও মানুর)	৫৫-রাত্রাল ৫৫-রাত্রাল	84	38
অস্তাহর অনুমহ ডিনি যাকে ইছো দান করেন	৬২-জুদু'জা	8	৯৬২	প্রতিপালকের কোন অনুমহকে অস্থাকার করবে।(জন ও মানুর) প্রতিপালকের কোন অনুমহকে অস্থাবার করবে।(জন ও মানুর)			
আল্লাহর অনুশ্রহ, ডিনি বাকে ইচ্ছা দান করেন	৫-মারিদা	68	৫৮৭			57	>84
অস্ত্রাহর অনুবহু থেকে অভাবমুক্ত করে নিবেল মুমিনলেরক	৯-ভাওৰা	45	682	প্রতিপাদকের বোন অনুমহকে অখীবার করবে।(মিল ও মানুখ)		48	38
আল্লাহর অনুহার থেকে সংকাজের পুরস্কার দিবেদ আল্লাহ	৩০-জম	82	254		৫৫-রাব্যান	47	58
অল্লাহর অনুহার নবীর প্রতি ন্য থাকলে (পথভ্রটতা প্রসঙ্গ)	8-নিসা	220	642	প্রতিপালকের কোন অনুমাহকে অস্থীকরে করবো(জিন ও মানুর)	৫৫-রাত্মান	২৮	28
আল্লাহর অনুনাহ না থাকলে মানুব শরভাবের অনুসরণ করত	8-निमा	500	259	প্রতিপালকের কোন অনুমাহকে অস্থীকার করবে।(জিন ও মানুব)	৫৫-য়াব্যান	У6	be
অপ্তাহর অনুহার না থাবলে শান্তি মুদ্দিনসেরকে স্পর্শ করার (ইফক)	<b>₹8-7</b> 8	38	992	প্রতিপালকের কোন অনুমাহকে অস্থীকার করবে।(জিন ও মানুধ)	৫৫-য়াহ্মান	99	38
আল্লাহৰ অন্তৰ্মহ পেৱে শহীদৰা আনন্দিত	৩-আলে ইমরান	293	202	প্রতিপাদকের কোন অনুমাহকে অস্বীকার করবে।(জিন ও মানুষ্)	৫৫-রাহ্মান	80	≽8
আল্লাহর অনুমাহ (বাবে ইচ্ছা ভাবে দান করেন আল্লাহ)	০৭,চারীন	23	260	প্রতিপালকের কোন অনুহাহে সন্দেহ পোষণ করবে রাসুলঃ	৫৩-নাজম	22	৯৩
आसावन अन्तर्रह (बांध कवार त्याडे त्याडे	১০-ইউন্দ	309	048	প্রকিপালকের কোন অনুয়াহকে অস্থীকার করবে।(মিল ও মানুয)	৫৫-রাহ্মান	69	28
আপ্রাক্ত অনুহত (মার করার চেত লেড	ক্র-জাতির	301	b/8h	হতিপালকের কোন অনুগ্রহকে অধীকার করবে।(জিন ও সানুষ)	৫৫-বাহমান	20	200
আপ্রাহর অন্যাহ 'মেন করার নির্দেশ (আন জাতিকে)	গ-জা,গ্রঞ জে-কাভেব	100	939	প্রতিপালকের কোন অনুহাত্তক অধীকার করবে।(জন ও মানুহ)	৫৫-রাহমান	602	28
আল্লাহর অনুয়াহ 'থেগ করার দিপেশ (আদ জ্ঞানতকে) আল্লাহর অনুয়াহ গরণ করার নির্দেশ, ছামুদ সম্প্রদারকে	५-वाशक			প্রতিপালকের কোন অনুধাহকে অধীকার করবেং(জিল ও মানুষ)	११८-वादमान ११८-वादमान	90	38
আল্লাহর অনুমাই 'মরণ করার দাসেশ, ছামুদ সম্প্রদারকে আল্লাহর অনুমাই অভাবয়ন্ত হওৱা পর্যন্ত বিত্তে থেকে বিস্তত থাকা	२.८-जाशक	98	939	প্রতিশাসকের কোন অন্ধান্তকে অধীকার করবে।(জন ও মানুগ)	৫৫-বাহমান ৫৫-বাহমান	90	
		00	299				86

অনুগ্ৰহ অনুগ্ৰহ

2	বিষয়/প্রসাধ	1986	त्वानः चनाम	480.4	201	नंप दियह/क्षेत्रव	ज्या गर च ताम	MAIN -	
অনুহাহ (পূৰ্ব						আল্লাহ মানুষের প্রতি অতি অনুদ্রহনীল ও পরম দয়াপু	55-01m	98	988
	কোন অনুহায়কে অস্বীকার করবে।(বি		৫৫-রাছ্মান	05	280	সাল্লাহ মধ্য অনুমহনীল (আহলে কিডাব প্ৰসঙ্গ)	২-বাবুগরা	206	675
	কোন অনুমায়কে অগ্নীকার করবে।(ট		৫৫-রাহ্মান	36	909	সাপ্তাহ মহা সন্মহশীল	৫৭-হাদীদ	52	320
প্রতিপালকের।	কোন অনুমায়কে অগীকার করবে।(ট	লন ও মানুব)	৫৫-রাহ্মান	20	280	আল্লাহ্ মহা অনুধহণীদ	০-আলে ইমরান	398	000
	বেন্দ অনুমায়কে অগীকার করবে।(বি		৫৫-রাহ্মান	10	≥80	আপ্লাহ মহা অনুধাহণীল	০-আলে ইনরান	98	280
প্রতিপাদকের ।	বেদন অনুমাহকে অস্বীকার করতে।(বি	লন ও মানুৰ)	৫৫-রাহ্মান	10%	280	আল্লাহ মহা অনুমহণীল	৫৭-হাদীন	23	323
প্রতিপাদ্যকর (	কোন অনুমায়কে অগ্নীকার করবে।(ট	ন্দন ও মানুব)	৫৫-রাহ্মান	92	384	আয়াহ মহা অনুগ্রহণীল (তিনি বাকে ইচ্ছা তা দান কংলে)	৬২-জুরু'আ	8	3/6%
প্রতিপদতের (	বোন অনুমায়কে অশ্বীকার করবে।(ট	লন ও মানুব)	৫৫-রাহ্মান	89	486	পাল্লহ মহাসনুধহনীপ	৮-আনকাপ	23	<b>WOE</b>
হাতিপাদকের (	কোন অনুমায়কে অধীকার করবে।(ট	कन ଓ मानुष)	৫৫-য়ঽমান	62	285	কসম (অনুহাহশীপরা ফেন কসম দা করে কভিতে কিছু না দেয়ার)	२८-मृत	33	998
হাতিপাদকের চ	কান অনুমায়কে অস্বীকার করবে।(ট	रान स मानुब)	৫৫-য়াহ্মান	29	≥83	প্রতিপালক মানুহের প্রতি অনুমহনীল (অঘচ মানুহ অকৃতঞ)	२९-मामल	90	POS
রবিষ্ণতি (আ	ল্লাহ মুমিনদেরকে অনুহাহের প্রতিপ্র	ক্তি লেক)	२-वाकावा	265	605	প্রতিপাদক অনুমহনীল (ইবরাইট্মের প্রতি)	১৯-মাবইরান	89	90
	লরকে আল্লাহ অনুমাহের মধ্যে প্রয়ে		৪-লিসা	396	699	এতিশালক অনুমহর্শীল ও দয়ালু (মানুবের জন্য পক সৃত্তী প্রসঙ্গ)	১৬-নাহদ	9	901
	র প্রতি আল্লাহর অনুগ্রহ প্রসঙ্গ		२-वादगदा	98	209	মানুবের মতি আল্লাহ অতি অনুমহনীল ও পরম সয়ালু	३३-शक	60	968
	एक्प्रेचीन प्रतिनात्त्रा चाहार चनुप्रश्	electrification	8-मित्रा	290	293	অনুক্র		-	101
	হে বাড়িরে নিবেদ আল্লাহ ডাদের		48-57	Cb.	995	বর (আপ্লাহকে অনুক্রমরে অরণের নির্দেশ)	৭-আ'রাজ	200	66
	বাকে ইড়ো আপ্লাহ অনুগ্ৰহ করেন	cr. 400)	28-देववादीम	22	698		7-91 314	406	90,
	নশার অনুধাহ করা নিয়েব		१८-प्रसम्बद्ध	9	990	অনুভঞ্			
	(পারস্পরিক অনুমাহের বিষয় ভূপে	nt mager \	५-अकृता		653	আদ সম্প্ৰদাৰ অনুভৱ হবে কিছু সময়ের মধ্যেই	२०-ग्रीधम्म	80	980
	(পার পারক অনুয়াহর অনুয়াহ)	·11 41031)	ব-বাকুরে। ৩৫-ফাডির	৩২	789 684	জান সম্প্রদায়কে অনুক্রম হয়ে/ভাগরা করে ফিরে আসার আহবান	77-24	65	690
						স্বাস্ত্রাহ্ব নিকে সনুতর হয়ে ফেরা (দবী স: এর পরিবারিক গ্রসঙ্গ)	৬৬-জাহ্বীম	8	390
	হ সম করে পরীক্ষা করেন (প্রতিং		৮৯-ফাৰ্ড	34	2057	দিমান আনা (অনুতর হয়ে দিমান আন্বে যারা)	১৯-মারইয়াম	60	900
	অনুমহ করার জন্য (কাক্সনকে নিচ	M41)	২৮-কাশাদ	6.4	P78	কাবিল অনুভৱ হল (ভাইছের হত্যার পর)	৫-মারিনা	42	6.548
	আপ্লাহ অনুমাহ করেন		००-व्यास्थाव	90	250	क्टनदर्भन क्या चन्छ। दाउँ दात दुनिमासक्तातम यात्रदे मा करात)	৪৯-হতুরাত	6	350
	অনুমাহ করেছেন আল্লাহ		০-আলে ইমবান	148	662	ক্ষমাণীল (ভাওবাকারী/সংকর্মণীলের প্রতি আল্লাহ ক্ষমাণীল)	২০-ড়া-হা	४२	988
	প্রাহ অনুমাহ করেছেন স্টামানের দিকে প		৪৯-ছৰুৱাত	39	257	ছামুন সম্প্রদায় অনুতর্ক হল (উন্ত্রী হত্ত্যা করার পর)	২৬-৩'জারা	25.8	936
	অল্লাহর অনুমহ আগলে মুনাডিব		8-निमा	90	500	প্রতিশাপকের কাছে অনুভঙ্ক হয়ে ফিরে আসা	১১-ছুদ		666
	অস্ত্রাহর অনুমাহ (ঈমান আনার স	হুযোগ)	8-निमा	58	6.29	প্রতিশালকের দিকে অনুভপ্ত হয়ে ফিয়ে আসা (হাযুদ জাতি প্রসঙ্গ)	১১-ছদ	63	693
	ন প্রতি অনুধ্রহ করেছেন আল্লাহ		৩৭-সাত্যাত	778	164	থিবে আদা (অনুভৱ হয়ে আল্লাহর দিকে থিবে আসা)	২৫-ফুরকান	42	950
	হর পূর্ব অনুয়ধ্(শেশনে বিরামাইনের দ		২০-ফা-ছা	109	980	মুনাধিকরা অনুভপ্ত হবে (অন্তরে গোপন করা বিষয়ের ঋনা)	৫-মারিদা	22	200
	প্ৰতি প্ৰতিপাদকেৰ বিৰাই অনুমাহ :		১৭-ইস্রা	2.4	442	মুমিন অনুতত্ত হয় (পঞ্জিত বয়লে উপনীত মুমিন অনুতত্ত হয়)	86-वाह्याव	32	808
রাসুশকে অনুধ্র	ং করেছে মলে করে মুদিলরা ! (ইসলা	ম প্রকা করে)	৪৯-হত্ত্ত	24	843	মুলার সম্প্রালায় অনুকর্ম হল (গো বাছুর পুরু প্রবাস	1-01,010	787	320
রোধ (আল্লাহর	অনুবাহ বোধ করার কেউ দেই)		১০-ইউপুস	209	668	মণার অনুতর হরে আপ্রাহর কাছে কিরে আনা (জান কেরার পর)	৭-আবাদ	180	63.0
সংকর্মশীলনের	প্রতি আপ্রাহ তার অনুগ্রহ বৃদ্ধি ক	রেদ	84-भूता	2.6	trac	অনুতাপ/আঞ্চলস			-
गरकर्मनीन मृद्	নৈদের প্রতি আল্লাহর মহাজনুগ্রহ (	(बाह्राठ)	৪২-শুরা	22	bypo	গোপন কর (অনুভাগ গোপন করবে অভিবর, যথন শস্তি দেখবে)	AG 3000	00	<b>₩88</b>
সমূহে অপ্নাহর	অনুমহ আলাপ (কৃতক্রতা প্রকাশ	প্রদর)	১৬-নাহল	38	908	গোপন (জালিমরা শান্তি সেবে অনুমাপ গোপন করবে)	১০-ইউনুস	48	667
সুলাহমানকে ব	মন্ত্রাহর অনুম্রহ (পাধির তাথা শিক্ষ	া দান প্ৰসঙ্গ)	২৭-নম্প	26	boy	সৃষ্টি (মুলাভিকদের স্থান্তে অনুভাগ সৃষ্টি)	৩-আলে ইমরান	300	203
जुलाहिकाला अस्ति	প্রতিপদকের অনুযোগেরর রামীর সি	(হোপন এসঙ্গ)	২৭-নামল	80	boo		Gradol Saala	200	202
	হয় (আপোদ-নিস্পব্তি প্রসঙ্গ)		8-मिश	755	680	অনুধাবন/অনুধাবনতারী অনুধাবনকারীদের জন্য নিদর্শন (লভ জাতির ধ্বংস প্রসঙ্গ)			
সন্থাহ (ধহী				-	-		२५-जानसम्ब	96	1738
मानाद्य प्राथा	। হ অনুমহ/ওহী অবভীর্ণ করেন (যা:	व अस्ति जेल्हा)	5dieter	30	670	অপবিমন্তা স্থাপন (ধারা অনুধারণ করে না তানের উপর) ,	১০-ইউপুস	300	990
	12000 110111011(0	410 (00)	d-often	av	420	আধিরাতের গুরুত্ব অনুধাবনের আহবাদ (কাঞ্চিরদের প্রতি)	ও-আন্'আয	०२	¢86
WANTE WATER	वंदकारी (बाह्राकीसद व्यक्तिशक)	-	৫২-যুৱ	47	200	আদ জাতির অনুধাবন করা না করা(দবুরাত সম্পর্কে)	22-4A	62	690
			54-Ax	47	ave	আরাত (অনুধাবনের জন্য আরাত বর্ণনা করেন আল্লাহ)	২-বাকুরা		645
অনুধ্ৰহ (জীবি				_		আল্লাহর বাণী অনুধানন করার পর তা নিকৃত করা (ইছনী কর্তৃক)	২-বাকুরো	9/2	602
जदयवन (स्राव	কা অংশকণ আল্লাহর নিদর্শন)		৩০-বৃদ	50.	250	আহলে কিতাৰৱা কি অনুধানদ করে না	০-আলে ইময়ল	94	284
অনুহার প্রার্থন					ш	ইব্যাইমের সম্মান্তের অনুবারদ না করা(পির্কের অন্যরতা প্রসাদ)	২১-অধিয়া	99	928
	রেশভারা অনুমাহ প্রার্থনা করে		৩ঙ-আব্বাৰ	.66	502	ট্রপমা অনুধারু (আল্লাহর পেশ করা উপমা জানীরাই অনুধারন করে)	২৯-আনকাৰ্ভ	80	P-79
ফেরেশতাদের	जनुमर धार्चमा पृथिगामर बामा		৩৩-আহ্বাব	80	509	কাফিররা অনুধাবন করে না	২-বাকুারা	747	679
স্বন্ধার প্রার্থন	(দক্তদ পড়া)					কাঞ্চিবরা অনুধানন করে না	৫-মারিদা	200	470
मनींद्र सन्। अनु	মুহ প্ৰাৰ্থনা করার নিৰ্দেশ(মুমিনদে	र दक्षि)	৩০-আহ্বাব	66	brob	ৰাফিবনের অধিকাংশই অনুধাবন করে না (আল্লাহ প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাবৃত	60	747
अनुश्रह महन व	at wat					ভিতাৰ অনুধাৰদের জন্য অবহীৰ্ণ করা হয়েছে (আবৰি কুবআনএপে)	১২-ইউসুক	3	699
	হ করেছে৷ (ইপলাম গ্রহণকারীরা)		৪৯-তথ্যত	39	254	কিভাব (কুরজান) কি মানুষ অনুধারণ করবে নাঃ	२)-वापिया	30	900
						কুরআন অনুধানন করার জন্য আরবি ভাষার করা হরেছে	80-पुनक्ष		Vbb
অনুগ্রহণীল	শীল মুমিনদের প্রতি		৩-আলে ইমরান	323	020	নির্দেশ অনুধানন (ব্যবাসকত বিষয় সম্পর্কে আপ্রাহর নির্দেশ)	৬-খান'খাম	303	655
	াণ ধুৰণগো এত শীল (ডিনি বাকে ইজা ডা দান কা		৩-আলে হনরাশ ৬২-জমু'আ			নিদৰ্শন (অনুধাৰদকারীদের জন্য নিদর্শন, বিনুধ চমকানো ও)	60-9N		b30
				8	3/62	निवर्गन प्रमुखस्थवादीकार बन्ध(क्लु/पूर्व/कारको,बांक/स्थार/सिवर प्रक्रा)	১৬-নাবল	24	900
	শীল (মানুবের প্রতি)		৪০-মূমিদ	49	770	निर्मान 'व्यूचारमञ्जादारात काव (त्यकुर/वासूच राटक वास्त्र)विरित)			906
	শীল (মানুষের প্রতি)		২-বাকুরা	28€	654		১৬-দাহুপ		
	ीन, क्रमंडगम्दद श्रव्ह		২-বাকুরা	567	65%	निर्मान, जन्मकावनीक्त कन (बाठ-निर्/शृति,क्षीतम-मृद्द्/बङ्ग्रुक)	82-वादिश		906
ভাষাত মানাবৰ	া প্ৰতি অনুহাহৰীল কিন্তু মানুৰ অক্	18781	১০-ইউনুস	60	999	নিদর্শনের মাধ্যমে অনুধাবন (বনী ইসরাইল প্রসঙ্গ)	২-বাৰুংবা	90	COA

অ		অনু	ধাৰন	অনুমান			
YM RANGER	<b>祖来1</b> 年			Mar Anglese	एवं ग्रेड प्र	-	
অনুধাবন (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)	Beat Control	2000		অস্থাহর অনুমতিক্রমে কেই কেই কল্যাগকর কা <b>লে</b> অগ্রগামী	<b>००-का</b> ठिव	०२	687
দুহের সম্প্রদারের অনুধারন। (অনুসারীদের হিসার প্রসঞ্চ)	२५-व'व्यक्ष	220	130	অস্থাহর অনুষ্ঠিক্রমে নবী ঠার নিকে আহ্বানকারী	৩৩-আহ্বাৰ	86	604
	২৬-৩'জারা	370	100	অন্তাহর অনুমতি ছাড়া কথা বলা যাবে না (কিয়ানছে)	पुर-भाग	ob	300
প্রতিপালক সদক্ষে অনুধারন (পূর্ব-পশ্চিমের প্রতিপালক আল্লাই)				আপ্রাহর অনুসতি ছাড়া আতাশ পৃথিবীর উপর না পর্য়	22-5 <b>5%</b>	95	988
ৰণির অনুধানন দা করলেও রাস্ল স, কি ডাকে শোনাফে	১০-ইউনুস	85	490	অপ্তাৰ্থ কৰুমত কৰা আন্তৰ্ণ পূৰ্বের কালে পালে মালুল	১৩-রা'ন	100	694
ৰধিব ও বোৰা যাৱা অনুধাৰন করে না আৱাই নিকৃষ্ট জীব	৮-আনকাল	२२	908				
ধনী ইসপ্রাইলের অনুধানন না করা (কিন্তান পাঠ করেও)	২-বাবুধরা	88	909	আপ্তাহর অনুমতি ছাত্র রাসুদদের প্রমাণ উপস্থিত করা সম্ভব নয়	>8-ইरवारीय	22	988
খপ-পদায়া অনুধাবন করত না কিছুই (মুশরিকলের অশ-লালা)	২-বাবুধরা	290	679	অক্সাংর অনুসতি হাড়া কিছু নিবিদ্ধ গ করা দুশনিবদের অনুগক বাবি!)	১৬-নাহ্শ	92	900
মহাবাসীলের অনুধাবন (কুরআন ও রামূল স. প্রনঙ্গ)	১০-ইউনুস	26	966	অস্ত্রাহর অনুমতি ছাড়া কেউ কথা বলবে না (যেনিন শান্তি আনবে)	১১-ছুদ	204	690
মানুহ অনুধানন করে লা যে অপিয়াতের আবাসই উত্তম	১২-ইউসুফ	309	2019	আল্লাহর অনুমতি ছাড়া সুগরিশ করার তেওঁ নেই	১০-ইউনুস		608
যাদুর অনুধানদ করে দা (দিন-রাতের আবর্তন)	২৩-মুমিদুন	80	993	আল্লাহ্য অনুমতি ছাড়া সুপারিশ কাম্বে আসাবে না	৫৩-নাজম	46	300
মানুব তি অনুধাৰন করে না (উন্তন ও স্থারী বিষয়)	২৮-কদান	60	570	আল্লাহর অনুমতি ছাত্রা নিদর্শন উপস্থিত করেম না কেনে রাস্প	৪০-য়'হিল	97	448
মানুহাৰ অনুধাৰনের জন্য আরাভ বর্ণনা	০-আলে ইমরান		489	ছিল্লালয়ে অনুষ্ঠি চার ল (ভিয়ান খেকে বিরত থাকার জন্য)	৯-জাতবা	88	688
	৩৬-ইয়াসীল		100	ইমানগরে অনুমতি চাইলে রকুল স. অনুমতি নিমেন (খামে ইচ্ছা)	48-99	63	997
মানুষ জীবলের পরিবর্তন দেখে অনুধাবন করে না ।		99.				P8	930
মানুষ যেদ অনুধানদ করে (তার জীবদের বিভিন্ন পর্যায় থেকে)	৪০-মুমিন	99	598	কাধিবদের ওয়র পেশের অনুমকি দেয়া হবে শ (বিরামতে)	১৬-নার্গ	0.0	130
মুজকীলের ঋণা অধিয়াকের আবাস উত্তম হওয়া সম্পর্কে অনুথকন	৭-আ'রফ	269	952	পরাময়ের অনুমতি হাড়া কারো সুপরিশ কালে লাগবে না	২০-জ-হা	20%	985
মু'মিনদের অনুধাবনের জন্য (আল্লাহ আরাত বর্ণনা করেন)	২৪-সূব	62	42.7	(হাশরের দিন)			1
মু'নিনদের অনুধাবনের জন্য নিদর্শন বর্ণনা করেন আস্তাহ	৫৭-হাদীদ	24	989	নাস-নানীদের অনুমতি গ্রহণ (খরে প্রবেশের স্বনা)	५८-मृद	24	9,600
মুপরিকরা অনুধানন করে (রাস্প স. কি এমন মনে করেন)	२११-कृतसम्ब	88	42.5	দৰীর ঘরে প্রবেশের জনুমতি ছাল্পা প্রবেশ করা যাবে বা	৩৩-আহ্বাব	20	brob
ফুলফিক/ইকুলীসের অনুধানন করা প্রসঙ্গ (বিদুখী আচরন)	২-বাকারা	9.6	go)s	মাজ্য নিজ্ঞ অব্যাহতির জন্য অনুমতি প্রার্থনা (খণবের ফুর্বাফিবলো)	৩৩-আহ্বাৰ	30	bros
ফুলফ্টিকরা এমন সম্প্রদার যারা কিছু অনুধানন করে না	৫৯-হাপর	38	960	পিতার অনুমতি ছাড়া মিদর তাগে করবে না ইউসুফের বড় ভাই	১২-ইউসুঞ্চ	90	99.6
হাসুল স, কে ঘরের পেছল খেকে ভারা প্রসঙ্গ	৪৯-হত্বরেড	8	350	প্রবেশের অনুমতি প্রহণ দা করা পর্বন্ধ কোন ঘরে প্রবেশ নিষেধ	२8-मृद	39	998
	৩৭-সাক্ষাত	309	940	প্রবেশের অনুমতি লা দেয়া পর্যন্ত মতে প্রবেশ নিমেধ	28-99	34	998
পৃত জাতির প্রংসাবশেষ সেখে অনুধাবন করার আহ্বান		909		প্রতিপাদকের অনুস্থতিক্রমে উত্তম গাছ কল সের্ডেউন্নম কর্মীর উপন্ম)		3.0	636
শরভাবের প্রটাভা সম্পর্কে অনুধাবন করেনি মানুদঃ	৩৬-ইয়াসীন		266			69	
সতর্কমারীর কথা অনুধানন করলে কুম্মন্ত আঞ্চলের অধিবালী হন্ত না	৬৭-মুশ্ক	30	312	প্রাপ্ত বস্তুত্ব সভালের অনুমতি প্রার্থনা করনে যারে পরেশ কলে	২৪-পূর		950
সম্প্রনায় (অনুধারনকারী সম্প্রনারের জন্য নিদর্শন রয়েছে,)	১৩-রা'ব	8	66.0	প্রতিপাশকের অনুমতিতে জিন করে করত সুশাইয়ানের সামনে	৩৪-সাবা	25	685
সম্প্রনার (অনুধানন করে না সে সম্প্রনার বারা)	৫-মরিদা	হচ	949	হিরাউদের অনুমতির পূর্বে জানুকরদের ইমান আনা	৭-আ রাফ	250	640
সম্পুনর (অনুধাবনকারী সম্পুনারের জন্য নিদর্শন বছেছে)	২-খকুৰা	368	479-	ফিরজাউনের অনুমতি ছাড়াই জানুকরনের ইমান আনা প্রসঙ্গ	২০-জু-ছা	95	980
সম্প্রদার (অনুধাবনকারী সম্প্রদারের জন্য নিগর্শন কালি)	00- <b>4</b> 4	44	b-38	চির'অউলের অনুমতি ছারাই জানুকরনের প্রতিপাদকের প্রতি ঈর্মন !	২৬-৬ জারা	8>	936
সুপারিশকারী এমন বার অনুধাবনের ক্ষমভাও নেই	৩৯-বুমার	80	P92	বিভ্ৰমণ হয়েও থকা যুক্তে লা কৰার অনুমতি তে আলো বিক্তে	৯-জাওবা	30	682
হুদর স্বরা অনুধাবন (দেশ জমদের মাধ্যমে অনুধাবন)	३३-शब्द	85	962	বঞ্জুবাকে গুড়ের অনুমতি দান(জুলুমের কারণে)	22-10%	(c)	969
			123	যুক্তর অনুমতি নান (যে মুফিননের বিসচে যুদ্ধ করা হাছে জনেবক	22-17 <b>%</b>	ob.	965
অনুপছিত/অনুপছিতি			1	যুদ্ধে না অওয়ার অনুমতির জন্য আনশ অঞ্চাত পেশনারীরা	৯-ডাগো	30	683
অধীবের অনুপৃষ্টিকৈতে ইউসুফ বেয়ানত করেনি	১২-ইউসুক	65	99.7		3-0164 3-0164	80	688
এপ্রাহ অনুপছিত ছিলেন না (জনপদ জহসের সময়)	৭-আরফ	9	630	যুদ্ধে বা যাওৱার অনুমতি দান (ভবুকযুদ্ধ প্রদান)			
পাপীরা অনুপদ্ধিত থাকতে পারবেনা (বিচারের দিলে)	৮২-ইনফিয়ার	79	2020	বুৰ্ছে না যাওৱাৰ অনুনতি চার ভারাই বারা ইমান আনে না	৯-ভাগো	82	684
হুমহুন পাৰি কি অনুপস্থিকদেৰ অন্তৰ্ভুক্ত(সুলাইমানেৰ প্ৰশ্ন)	২৭-নামপ	₹0	9.07	বুছে না যাওৱাৰ অনুসতি গল (ভবুক প্ৰদাৰ)	9-2104E	85	084
অনুপ্রাপিত				রাসূল স. অনুমতি দিবেৰ থাকে ইক্সা (অনুমতি চাইলে)	२८-मृह	62	95
রাসূল স, কে অনুহায়িত করা (গুজব রটনাকারীদের বিরুদ্ধে)	৩০-ছাহবাৰ	90	brob	রাসুল স, এর অনুযতি চার তারাই যারা ইমান আনে,	<b>२8-मृ</b> व	65	90
		-		बाज़ा म. यह व्यूचीर दार्थन करा की पूर्वापकर (पूरू पंतास)	৯-লংগা	500	085
অনুতৰ্/উপ্পাৰ্ক	৬-আনু'আৰ	250	bob	পঠি-সামর্থের অধিকারীরা অনুস্থিত চায় (মুদ্দে না সাধ্যার)	১-জাতবা	50	087
অপরাধীদের বড়যন্তের নিষয়ে অনুকর দা করা প্রসঙ্গ				সম্ভানের অনুবতি প্রার্থনা করবে ঘরে প্রবেশে (প্রাক্তবন্তম হলে)	₹8-9₹	¢5	9hr
আহলে বিভাবরা অনুকর করেনা যে ভারা নিজেনেরতে পথএই	৩-আলে ইম্প্রান		485		৩৪-সাবা	30	V81
ইংরাহীমের মনে জীতি অনুতব হলো (মেহনান না বাওয়াতে)	৫১-ঘরিয়াত	5/2	346	সুপরিশ (অনুমতি ছাড়া মুপরিশ উপতারে আসারে মা)		69	90
কাকিরর অনুতব করেনা (নিজেনের ধানে করা প্রনঙ্গ)	৬-আন্'আম	46	639.	হালাল রিবিককে হারাম করতে আল্লাহ কি অনুমতি দিয়েছেনঃ	30-4954	629	900
কুমরী অনুতব করল দিশা (বনী ইসরাদিশনের থেকে)	৩-আলে ইময়ন	22	485	অনুমান (আয়ো দেখন ধারণা শব্দটি)	1	_	_
পুনক্ষান সম্পর্কে অনুচব করতে পারে বা উপাস্যরা	১৬-নাহন	52	908	অবিকাশে মানুষ ধারণার অনুসরণ করে ও অনুমান করে	৬-আশ্'আম	229	
বিহাজনৈর অনুতৰ করতে পারেনি কুশাকে পুতরপোধায়েশন পরিশাম	২৮-কাসাস	>	pop	অবিশ্বাসীর (অনুমানের অনুসরণ করে)	৫০-শব্দম	54	30
মুলা অন্তবে উঠিও অনুভব করণ জালু পেৰে	২০-রা-যা	69	980	উপকারে আলে না ফুপরিকের অনুমান (সভ্যের বিপরীতে)	২০-ইউনুস	00	60
মনুব অনুকর করে না (সম্পদ ও সন্ধন্মদি বাছিয়ে দেয়ার কারণ)	२०-वृत्रिन्न	49	966	অভিতর (মুনিরর জীবন/যৃত্যু সম্পর্কে কবিবের অমূদক অনুমান		3.8	80
ফুনফিকগণ অনুহৰ করে না (নিজেকে গোকা নেরা প্রসঙ্গ)	३-वंक्रत	>	203	অভিয়নের অনুমান (বিশ্বামত সম্পর্কে)	82-साबिया	65	30
			605	নির্ভিত্তনর বিভাব সম্পর্কে অধুবাদ (ইহুদী প্রসঙ্গ)	५-शक्ता	92	20
মুনকিবরা অনুধ্ব করেনা(বলিও ভারা জাসাদ সৃত্তিকারী)	২-বকুর	25					
রাসুদ স, অনুভব করেল বি, লংসপ্রাপ্ত প্রজন্মের কাউকো	३७-पात्रदेशम	99.	980	পরিহার করা ( অধিক অনুস্থান পরিহার করার নির্দেশ মুফিবদেরতে )	৪৯-হত্বাড	25	32
শহীদদের জীবিত থাবা অসুচন করতে গারে না মানুদ	২-বাকুরো	248		ধনীইসরাইন কর্মুক অনুমানের অনুসরণ, ঈসাকে হত্যা প্র.	8-निमा	268	
শন্তি (আল্লাহর শন্তি অনুতব করার পর জালিমদের পদারন)	২১-আধিয়া	25	920	মুশতিকদের অধিকাংশই অনুমানের অনুসরণ করে	১০-ইউনুস	৩৬	96
অনুমঙি/অনুমঙিক্রমে		T		মুশরিকদের অনুমান (ফেরেশভাসের উপাসনা প্রসঞ্চ)	80-पृषक्रम	20	Va
অভিভাষ্টের অনুমতিরুমে দাসীকে বিয়ে করা (দাসীর অভিভাষক)	৪-নিমা	198	690	মুপরিকরা কেবল অনুমানের অনুসরণ করে	৬-আৰ্'আম	782	65
অনুহাত পেশের অনুসতি দেয়া হবে না বিখ্যা অভিহিতকারীলের		00	330	মুপরিকরা তথু অনুমানের অনুসরণ করে	১০-ইউপুস	99	86
		52	990	মুশরিকরা (অনুমান অনুমান করে, মৃতির নামকাংশ)	৫০-বজম	20	20
আপ্তাহ অনুমতি দেননি -এমন কোন দীন কি পরীকরা নিরেছে: আপ্তাহ কি অনুমতি নিরেছেন)(হালাল রিফিবতে হারাম করতে)		69	990	ফুল্যাহীৰ (সভোৱ মুকাৰিলার অনুযান মৃশ্যহীন)	৫০-শাল্য	২৮	20

অনুমানকারী অনুসরণ

नव 🚶 निवद्र/धनन	नुवा नर ७ माम	व्यक्त न	101		नुवा गर ७ गाँव		
नुमानकादी	-		_		7A-442.6	86	9
দুমানকারীরা ধ্বংস হোক	৫১-ঘরিবাত	20	3996	বিশ্বরের অনুসন্ধান (নিরাপজ্ঞ বা উঠির সংবাদের বিশ্বরে অনুসন্ধান)	8-मिग	3.0	0
মনুরভ					৪-নিগা	80	4
প্রতিপাদকের প্রতি অনুরক্ত হওরার নির্দেশ (রাসুল স. কে)	৭৩-মুখবাদ্দিল	ъ	366	ব্নীৰে অনুসন্ধান কৰছিল কাক, কিন্তাবে গোপন কৰবে	৫-মরিনা	(ه	2
বুর্তির অনুরক্ত থাকা (ইবরাহীয়ের পিতা/সম্প্রদারের প্রসঙ্গ)	২৬-৬ আরা	93	492	व्यनुभवन			Г
युवानी अनुवानी	40-0 4141	1,3	10.3		১০-ইউনুস	b9	4
	৬-আন'আম	220	800	অনুমানের অনুসরণ করে (মুশরিকরা)	১০-ইউনুস	99	0
মন্তব অনুবাণী হর, অফিরদের (চমকপ্রণ কথার প্রতি)	४८-देवदादीय १८-देवदादीय	230	696	অনুমানের অনুসরণ করে (অধিকাংশ মুশরিক)	১০-ইউনুগ	00	i
	28-6481614	91	340	অনুমানের অনুসরণ করে আধিবাত অধিবাসীবা	৫৩-নাজম	2br	8
নুরপ		_		অনুমানের অনুসরণ করে মুগরিকরা	৬-আনু'আম	385	8
হৰুল্যান (অনুত্ৰপ অকল্যান গত হয়েছে পূৰ্ববৰ্তীদের উপর)	১৩-রা'দ	8	Sirir		8-First	263	0
সংবীর্ণ করা (অপ্রাহর অথতীর্ণ ভরীর অনুস্থপ অবর্তীর্ণ করা প্রসঙ্গ)	৬-আন্'আম	30	606	অনুস্থতা অনুসরণকারীদের বেকে দারমূক হবে	২-বাকুরো	266	9
অইকাবাসীর অনুরূপ সাধারণ মানুদ কর্মাইন (অইকাবাসীর উচি-)	২৬-ড'আরা	7340	93-9	অবজীৰ্ণ কিভাবের অনুসকা করার নির্দেশ	৭-আরাক	9	0
বামাশের অনুষদ সংব্যক (সাত)পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ	৬৫-থালাক	35	866	অবজীৰ্ণ বাদীর অনুসরণ করতে বলগে তারা বলে	২-বারুবরা	390	4
অরাত (অস্ত্রাহ রহিত অরাতের হুগে অনুরূপ অরাত অনেন)	২-বাকুারা	206	435	আন জড়ি উন্ধত বৈরচারীর নির্দেশ অনুসরণ করেছিল	22-4H 5-4(Aca)	240	8
তই (কুরমানকে তাওরাতের অনুরূপ তথ্য থলে সাক্ষ্য দেয়া প্রসঙ্গ)	৪৬-আহ্মফ	30	300		৩-আলে ইমরান	96	
কৰা (ইছনী-নাশারাদের অনুত্রণ কথা বলে, যারা জাদেনা)	২-বাকুরো	220	670		১৮-কাসাস	81	9
ক্বা (পূৰ্ববৰ্তীয়া অনুৰূপ কথা বলত, অঞ্চলৰ অনুৰূপ)	২-বাকুরো	222	670	আয়াত অনুসরণ করত, নাসুগ প্রেরণ করলে অবিশ্বাসীরা বলবে	২৮-কাশাশ	81	Þ
হবা (কুরসানের অনুরূপ কথা উপস্থিত করতে চ্যালেঞ্চ)	৫২-ভূর	'08	907	আয়াত জনুসরণ (কাহিনের আয়াত জনুসরণ। ত্রানুষ্য প্রেরণ ও	২০-স্থা-হা	308	
চ্যুজানের অনুত্রণ আনতে পারবে না, মানুষ ও জিন একএ হয়েও		bb	945	ধাংন প্রবাস)			١.
কুরজানের অনুরূপ আনতে পারবে না, মানুদ ও জিন একর হয়েও		bb	943	আপ্তাহর পথ অনুনরণ করার নির্দেশ (সরল-সঠিক পথ)	৪৩-যুধকুক	62	3
কুরআনের অনুরূপ আনতে পারবে লা, মানুহ ও জিন একর হয়েও		bb	982	আস্থাহর সমকক্ষণের অনুসরীরা একবার দুশিয়াতে	২-বাকুারা	সঙ্গ	4
কুরজনের অনুরূপ করা উপস্থিত করতে অফিলনের প্রতি চ্যালেক্স		68	3407		৩৯-বুমার	20	13
কুরমানের অনুরূপ সূরা রচনা করার জন্য বলা (সুপরিকচন্যকে)	১০-ইউনুস	40	667	আহ্বানন্দরীর অনুসর্থ করতে সবাই (হাশর প্রসদ)	২০-ফু-য	209	9
কুরআনের অনুত্রশ নুরা রচনা করে আনর চ্যালেঞ্চ (কাটিবলেনকে)		30	999	ইউপুক অনুনৱণ করল ইবরাহীন, ইনহাক ও ইরাকুবের আপর্শ	১২-ইউপুঞ্চ	49	6
চুববাটনর অনুরাশ পূরা রচনা করে আনার চাটোর (আকর্মনার্যান) চুববাটনর অনুরাশ পূরা তৈতিক চ্যালেশ্র…	२-राक्षवा	30	200	ইবলিলের অনুসরণ করল সাধাবাসীরা (একনল মুখিন ছড়া)	৩৪-লাবা	20	6
রুববালের অব্যান পূরা ভোমে সোলোর ক্রব-বিক্রয় যো পুলের অনুরূপ (কাফিরলের কবা)	२-राक्षवा	398	200	ইবলিলের অনুসারপকারীর প্রতিদান জাহাল্লাম	১৭-ইল্রা	60	1
	২০-ক্স-য	476	988	ইবলিলের অনুদারী দিরে জাহান্তাম পূর্ণ করবেদ আল্লাহ	৩৮-গোল্পান	9.6	b
লবু (বিশ্বঅভিন কর্তৃক মূলার অনুরূপ লাবু নিয়ে আলার যোকা।)		Yok	949	ইবরাহীমের নিপ্রাত/আর্দশ অনুসরণকারী উত্তম (দ্বিমের নিক থেকে)	8-मिमा	755	4
হুছে সম্পন (অনুত্রপ হুছে সম্পদ আমাদ আহাদ বিভাবে স্মেকেরা)		209	948	ইবলিলকে অনুসরণ করনে বিপথগানীরা	১৫-ছিম্মর	84	1
নদ (কবিরয়া কি পূর্ববর্তীদের অনুরূপ নিদের অপেকা করছেঃ)	১০-ইউদুস			ইবলিলকে অনুসরণ করবে যে, তাকে নিয়ে আহাল্লাম পূর্ণ	१-व्याचाय	72	ě
দীবানের অনুরূপ বাহন সৃত্তি করেন অক্সাহ , সারোহণের দন্য	৩৬-ইয়াসীদ	84	₩28	ইবরাইটেরে অনুসরণকারী তার দলভুক্ত (মূর্তিপূজা প্রসদ)	১৪-ইবরাহাম	৩৬	18
নত (ইংরাম অবস্থার পক হত্যার নত অনুত্রণ গৰানি পত)	৫-মাঝিলা	96	695	ইবরাইট্রের অনুসারীবাই তার অধিক নিকটতর	৩-আলে ইমরান	69/	10
দূর্ববর্তীদের অনুরূপ কাবিবলের পরিশাম হবে ধাংগ	৪৭-মুহাম্মদ	30	275	ইবরাইট্যের আদর্শ অনুসরদের নির্দেশ (রাসুল স. এর প্রতি)	১৬-নাহ্গ	250	4
প্রতিলোধ (ক্ষতির অনুরূপ প্রতিলোধ গ্রহণ করা বাবে; বেশি লা৷)	১৬-নাজ্প	259	930	ইবরাহীমকে অনুসরণ করার আহ্বান (পিতার প্রতি)	১৯-মার্ব্রাম	80	ŀ
াতিফল (মাদ কাল কবলে অনুত্ৰণ প্ৰতিফল দেয়া বৰে)	৬-আন্'আম	1/50	625		২-বাকুৰো	330	to
দগ (মদকাজের প্রতিফল অনুরূপ মন্দ, অপমান/আঙন)	১০-ইউনুস	56	629	দিপার অনুসরগকারীদের হানরে করুণা ও নরা নৃষ্টি	৫৭-হানীন	39	12
মূপ (মন্দের প্রতিক্ষা অনুদ্রূপ মন্দ)	৪২-পুরা	80	9844		৩-আলে ইমরান	22	10
ঘল কৰের প্রতিকল অনুরূপ মল	80-मू मिन	80	247	উত্তয় কথার অনুসর্বকারীকে আল্লাহ সঠিক পথ প্রদর্শন করেন	৩৯-বুমার	23.	ħ
মনুধ (রাসুশান সাধারণ মানুহের অনুরূপমানুধই তরে)	১৪-ইবরাছীম	22	698	ত্ত্বী অনুসরণ করার নির্দেশ (রাসুল স. এর প্রতি)	৬-আনু আম	30%	1
যানুহ (নৃহকে সাধারণ একজন মানুহের অনুরূপ মনে করণ)	77-\$is	29	669	वही/जनकीर्ग किवान जनुमारण पुरश्विकरमा जपीकृति	৩১-পুকমান	47	1
মুশরিকদের অনুরূপ (পরীকরাও মুশরিকদের অনুরূপ বান্দা)	१-व्या'द्रावः	778	907	ওরীর অনুসরণ করতে নির্দেশ (রাসুল স. এর প্রতি)	০০-আহ্যান	3	ì
দুনলিয়দের ঈষানের অনুরূপ ঈয়ান ইছদি-বাসারাগণ আনলে	২-বাকুরা	209	676	ওব্রির অনুসরণ করার নির্দেশ (রাসুল ন, ধার রাভ) ওব্রির অনুসরণ করার নির্দেশ (রাসুল ন, ধার রাভি)	১০-ইউমূস	209	6
সাধানে মানুষের অনুরূপ মানুষ সাদিহ (ছাযুদ সম্প্রদারের উক্তি)	২১-চ'আর	758	936	তথ্য অনুসৰণ করত সচেশ (বানুল গ: বার বাত) তথ্যর অনুসরশ করেল রানুল	2046.00.00	300	1
বাধারণ মানুদের অনুরূপ মানুদ্ধ্যাসূলালা সম্পর্কে কবিবাদের মন্তব্য)	১৪-ইববাহীম	30	698	তহার অনুসরশ করেন রাসূদ তহীর অনুসরশ করেন রাসূদ	্-আন্'আম ৬-আন'আম	80	10
সৃষ্টি (অনুপ্ৰপ মানুদ সৃষ্টি করতে সক্ষম আল্লাহ, বিনি)	১৭-ইস্রা	66	122		৬-আন্ অম ৪৬-আহ্বাক	9	2
मनुदर्गारुमा	T	1		ওবীর অনুসরণ (স্থাসূদ স. কেবল ওবী অনুসরণ করেন)		26	10
উপদেশ অর্পকারীদের অনুশোচন্য)	৭৭-মুর্সালাত	6	294	ওবিবই অনুসরণ করেন রাস্প	১০-ইউদুন		
কঞ্চিবনের অনুশোচনার কারণ (কুরআন)	00-10010	go.	940	কবিদের অনুসরণ করে বিপধগামীরাই	২৬-৩'আরা	228	ŀ.
व्यक्तिम् (देख्क)		1	1	অভিন্যানর পথ অনুসরপের আহ্বান মুফিনসেরকে(অভিন্ন কর্তৃক)	২৯-আনকান্ত	34	1
	২-বাকারা	30-	242	অধিবঢ়ের প্রবৃত্তির অনুগরণ করণে রাসুল স. এর কোন	২০-আ'দ	109	1
হজের অনুষ্ঠান সম্পন্ন করার পর আস্থাহকে স্মরপ	idiai	200	444	পশ্চিত্ৰবৰ ও			L
बन् <b>षि</b> ठ	-	-		অঞ্চিত্ৰদেৱ প্ৰবৃত্তির অনুসরণ না করতে রাকুল স. কে নির্দেশ	৫-মাছিলা	85	1
হিসাব অনুষ্ঠিত হবার দিল ক্ষমা করার দোরা (ইবরাই)মের)	<b>38-देरतारीय</b>	87	69.5	কাঞ্চিত্ৰদেৱ প্ৰবৃত্তির অনুসরণ করা নিষেধ	৫-মারিদা	89	1
মনুসন্ধান (আরো দেখুন খোজ/ভাগাশ শব্দটি)				কামনার অনুসরণ করণ (মনোনীডদের উত্তরসূরীরা)	১৯-মারইয়াম	6.9	ŀ
बनुग्रह (त्रपूर्त ब्राष्ट्रास्त्र बनुश्रह सामान ७ कृतमास श्रमन श्रमण		78	108	কামনার অনুসরণকারীয়া চার অন্যরাও তাতে কুঁকে গড়ক	8-निमा	29	1
অনুহার অনুসভান (আল্লাহর অনুসাহ অনুসভানে নমুদ্রে নৌর্যান বেস)	৩৫-ফাডিব	25	৮৪৭	কিভাবপ্রাক্তর অনুসরণ করবে না (বাসুল স. এর কিবলা)	२-वाङ्गाबा	784	1
অনুগ্রহ অনুসভান (সমুদ্রে আপ্লাহর অনুগ্রহ অনুসভান)	৪৫-জমিবা	25	306	কিভাবল্যপ্ররা অনুসরণ করবে না (রাসুল স. এর কিবলা)	২-বাঞ্চারা	786	6
ইউপুথ ও বার ভাইরের অনুসামান করতে কংগোন ইয়াপুল (পুরচেনকে)	১২-ইউসুক	59	946	কিভাৰ/কুরআন অনুসরণ/ভাকতরা ধারা দরাপ্রাপ্ত হত্তরা	৬-আন্'আম	226	10
নোয় (মুমিনদের জন্য পরস্পরের নোয় অনুসন্ধান দিখেও)	৪৯-র্জুরাড	133	252	কুরজান পাঠের অনুসরণের নির্দেশ রাসূল স, এর প্রতি	१०-विद्यासद	224	1

29

A Control of the Cont

निमा/दारम	ज्या गर छ मात	ACCA S	1	विषय/धार्म	नुवा रह स्थान	100.0	196
অনুসরণ (পূর্ব পৃষ্ঠা বেকে)				ব্যয়ের পর কট ও বেটা লা দেয়া (আল্লাহর পরে ব্যর)	২-বাকুবো	202	607
বিজিরকে মৃস্য অনুসরণ করতে চাইলেন	<b>১৮-বাইক</b>	66	900	ব্যয়ের পর কট দেয়ার চেয়ে সৌহার্ন/পূর্ণ কথা/ক্ষমা উত্তম	২-বাকুরো	280	607
বিজিরকে মৃত্যার অনুসরণ (গ্রন্ন না করার শর্গে)	১৮-কাইক	90	900	মানুদকে অনুসরণে আপত্তি (ছাযুদ সম্প্রদারের)	৫৪-কামার	₹8	309
মানুহাত ব্যক্তির অনুসরণ করছে মানুষ (মালিমরা বলে)	३०-एवकान	ь	950	মুহাজির ও আনসারদের সঠিক অনুসারীদের বাতি অস্ত্রাহ সম্ভই	৯-ভাওবা	200	600
মানুহাত ব্যক্তির অনুসরণ (অবিশ্বাসীরা বলে)	১৭-ইসরা	81	435	মুশরিকদের প্রবৃত্তির অনুসরণ করেননা রাসুল	৬-আন'আম	40	603
জানুকরদের অনুসরণ (ফির'আউদের জানুকরদের অনুসরণ প্রসঙ্গ)	२५-व'लाहा	80	950	মুদাফিকরা তা অনুসরণ করে যা আল্লাহতে অসম্ভষ্ট করেছে	৪৭-মুহামান	25	>>8
দীনের অনুসরণ না করলে ভাকে বিশ্বাস করা নিষেধ	৩-আলে ইমরান	30	280	মুমিনদেরকৈ যে লব লন্তান ঈমানের লাখে অনুসরণ করেছে	65-24	45	300
ধানাম অনুসাদ করে অনুমানচিত্তিক কথা বলে (অধিকাংশ মানুষ)	৬-আনু'আম	226	609	মুমিনাসেকে আনুসারণ করতে চাতে বেদুউলর (গণিয়ত প্রকারবাস)	৪৮-ফাতহ	20	223
দরীকে অনুসরণ করেছে যারা সংকট কালে	৯-ভাওৰা	229	965	মুশবিকরা কিসের অনুসরণ করেন্(অনুমানের অনুসরণ)	১০-ইউনুস	66	980
নবীর অনুসারী দু'মিনগণ যথেট (মবীর জনা)	৮-আনফাল	68	400	মুমিনদের অনুসরণ করত, যুদ্ধ হবে জানলে (মুনাফিকরা বলে)	৩-আলে ইমরান	269	203
নবীনের সঠিকপথ অনুসরণের নির্দেশ (মুমিনদের প্রতি)	৬-আন'আম	30		মুমিনদের অনুসরণ করতে নিষেধ পিছনে থাকা বেনুসনদেরকে	৪৮-ফাড্ম	201	229
নিপ্ৰেণীয় লোকের নুহকে অনুসরণ করেছে (সংগ্রনায়ের উঞ্জি)	२७- <b>७</b> ,शाब		608	মুলাকে অনুসরশের আহ্বান স্কানলা মুদিন বাজি নিজ সম্প্রদারকে	80-मुनिन	94	445
নিবেধ (আপ্লাব্যক বাদ দিয়ে অন্য অভিভাবকের অনুসরণ নিবেধ)		222	9ho	যুগর অনুসাপ কেতে হারদকে বিলে বাব নিয়েছে (বছুর পুরু প্রদার	২০-জা-ছা	200	385
	৭-আ'রাফ	0	650	কিসাসের ক্ষেত্রে বিধিবিধান অনুসরণ করতে হবে			
দিবেধ (জ্ঞান নেই এমন বিষয়ে কারো অনুসরণ করা নিবেধ)	১৭-ইস্রা	06	424		২-বাকুারা	242	650
নিয়ম অনুসরণ (প্রত্যেক উন্মতের জন্ম নির্বাহিত ইবানতের নিয়ম)	<b>२२-श</b> ण	93	198	রাসুল স. অনুসরণ করবেদ (অধিক পঝানর্গনকারী কিডাব	২৮-কাসাস	8>	425
নুহ সম্প্রদার এমন গোকের অনুসরণ করে যার ধন সম্পদ	৭১-পূড়	52	92.6	নিয়ে আনলে)		_	-
দূহকে জমান্ত করে এমদ লোকের অনুসরণ করে বার	१४-मृष्	42	29.6	রাত অনুসরণ করে দিনকৈ দ্রুত গতিতে	५-आंश्रक	28	972
নুহের অনুসরণ (বাহ্যিক দৃষ্টিতে নিম্ন প্রেণীর লোকরাই করেছিল)	३३-द्न	29	995	ৱাসূল স. কে অনুসরণ করতে হবে (আল্লাহকে বাসতে হলে)	৩-আদে ইমরান	-07	0.00
ার (মুমিনদের পথ ছাড়া অন্য পথ অনুদরণ করলে জাহাল্লাম)	8-শিশা	225	642	बानून न. এর অনুনরণকারী নকন	৭-আরাফ	758	629
পৰ (মোমছিকে প্ৰতিপাশকের সহন্দ পৰা অনুসরণ করার নির্দেশ)	১৬-নার্গ	65	406	রাপুল স. এর অনুসরণের জন্য অববংশ প্রার্থনা করবে (জালিমরা)	১৪-ইবরাহীদ	88	494
পর্যনির্দেশনা অনুসরণ করলে পথনেউ হকের (অক্সাহর পর্যনির্দেশনা)	২০-ড়া-হা	750	48%	রাসূল ল. এর অনুদরণে গঠিক পর্থপ্রান্তি	৭-আ'রাক	752	629
পথ (এক পথ অনুসরণ করনেন জুলকরেনাইন)	79-এর্ডক	76	402	রাসুল স. এর অনুসারীকে জেনে নেরার জন্য কিংলা নির্বারণ	২-বাকুারা	780	67.9
পথ অনুসরণ করল (তুলকারনাইন)	७१-वार्टक	p.p	902	রাব্দদের অনুসরগের আহ্বান (নিজ সম্প্রদারকে)	৩৬-ইয়াসীন	20	245
পথ অনুসরণ (স্থলকারনাইলের)	३४-वाहक	કર	902	রানুদ ন, এর অনুনরণ করত যদি গণিমত নিকটবর্তী হত	৯-তাওব	84	688
পথ (আল্লাহর অভিমুখী ব্যক্তির পথ অনুসরণের নির্দেশ)	৩১-লুকমান	34	464	রানূল ল, এর অনুলরণ করেছে হাওয়ারীরা	৩-আলে ইমরান	40	687
পথ (আল্লাহর পথ অনুসারীদের জন্য কমা প্রার্থনা)	৪০-মূমিদ	9	797	রাবৃদ্দ ল, এর অনুলরণ করেছে বারা	৩-আলে ইমরান	20	209
পথনিদেশিকার অনুসরপকারীদের তর দেই	২-বাকারা	40	202	রাপুল সং এর অনুসক্রাভারী মুদ্দিনদের প্রতি বছ দিচু কর/পদর হওয়া	২৬-৩'আরা	576	499
পদচিহ- থবে মুদা এবং তার দলী কিয়ে আসল (নির্যারিত ছালে)	72-41£0	68	900	শরতানের(কতক মানুধ বিহোকী শরতানের অনুদরণ করে)	২২-বাজ	0	900
পদান্ত (শয়তাদের পদান্ত অনুসরণ না করার নির্দেশ)	২-বাকাৰা	767	670	শক্তাদের অনুসরণ করত মানুব (আল্লাহর অনুগ্রহ না বাবলে)	8-मिना	500	१७१
পরবর্তী (হিতীয় শিক্ষা ফুঁ) প্রকম্পনকারীকে (প্রথম শিক্ষা ফুঁ)	৭৯-নাথি আভ	3	2000	শক্তবাদের পদান্ধ অনুসরণ করবে বে	২৪-ন্ত	4.5	998
পরিবার-পরিক্ষদের পশ্চাবসুলরগের নির্দেশ (মৃত আ. চে)	১৫-বিশ্বর	95	905	শরতাদের জানুর অনুসরণ করল (আহসে কিভাবরা)	২-বাকারা	205	475
শিক্সুক্তবদের পদান্ত অনুসরণ করে মুশরিকরা	80-वृत्रक्रम	40	293	শরতানের পদান্ত অনুসরণ করা নিহেখ	२-वाकृता	205	650
প্রবৃত্তি ও অনুমানের অনুসরণ করে (মুশরিকরা)	१०-माक्स	20	800	শরতাদের পদাৰ অনুসরণ দা করার নির্দেশ	৬-আনু'আম	384	630
প্রবৃত্তির অনুসরণ করতে জন্মাহর নিষেধ (দাউদকে)	৩৮-সোৱান	26	৮৬৭	শরতাদের পদার অনসরণ নিষেধ, মু'মিনদের জন্য	२8-नव	42	992
গ্রবৃত্তির অনুসরণ করলে, জালিম হবেন গ্রাসুল	২-বাকারা	284	676	শরীয়তের অনুসরণকরার নিচলি (স্থাসুল স, এর প্রতি)	৪৫-জাছিয়া	35	200
প্রতিপালকের সহস্ক পর অনুসরণ করার নির্দেশ (মৌমাছির প্রতি)	১৬-মাতৃপ	89	900	ক্ষাইবলে অনুসরণ করলে ক্ষান্তার হবে (দেবাদের ভূমকি)	৭-আ'ব্যক	90	655
প্ৰবৃত্তিৰ অনুসৰণ কৰা যাবেনা (ম্যার বিচার প্রসঙ্গ)	8-मिश्रा	202	238	সচিক পথের অনুসরণ করলে কেটিরে বিদার করবে	২৮-কাশাশ	93	770
লবৃত্তির অনুসরণ করে কেউ কেউ		36		সঠিক পথপ্রান্ধনের অনুসরগের আক্রান, যারা প্রতিদান চার না	৩৬-ইয়াসীন	52	645
লবৃত্তির অনুসরণ করে লেভ কেভ লবৃত্তির অনুসরণ করে জাদিমরা (কোন জ্ঞান ছাড়াই)	৪৭-মুহামান ৩০-মুম		970	সঠিকপথে ভাকলেও পরীকরা অনুসরণ করেব না	d-Mista	230	900
		২৯	548	সঠিকপথ অনুসরণকারীদের প্রতি শান্তি/সালাম (মুসা প্রসঙ্গ)	২০-ডা-হা	89	980
প্ৰবৃত্তিৰ অনুসৰণ কৰেছে (কাফিবৰা)	৫৪-কামার	٥	200	সভা যদি অনুসরণ করত কাফিরদের প্রবৃত্তি ভবে	২৩-মু'মিনুন	93	990
প্রবৃত্তির অনুসরণ করে কাঞ্চিরপ্র	২৮-ভাগাস	20	275	সভ্যের অনুসরণ (বারা স্থান একেচ ভারা সভ্যের অনুসরণ করে)			
প্ৰবৃত্তির অনুসরণকারী যেন মূসাকে বিৱত রাখতে না পারে	२०-क्रा-श	36	483		৪৭-মুহামাদ	0	275
প্রবৃত্তির অনুসরপকারীর উপমা (কুকুরের উপমা প্রসঙ্গ)	৭-আরাফ	249	659	নৱতি (আপ্লাহর নম্ভতি অনুনরণ করেছিল মুমিনগণ, উচ্ন প্রনাস)	৩-আলে ইমরান		203
প্ৰবৃত্তির অনুসরণকারীই সর্বাধিক পদন্তম	২৮-কাদাদ	60	275	নম্ভটি (মাল্লাহর সম্ভটি অনুসরণ করে যে লে তার মত নর যে	৩-আপে ইমরান	265	667
প্রবৃতির অনুসামবারীর অনুশান্ত না করার নির্মেশ (রাসুল স. এর প্রতি)	79-siáa	રાષ્ટ	126	সরল-সঠিক পথ অনুসরণ করার নির্দেশ	৬-আন্'আম	760	977
প্ৰবৃত্তিৰ অনুসৰণ না কৰাৰ নিৰ্দেশ ৱাসুল স. কে (মুশৰিকদেৱ)	৬-আৰ্'আম	750	922	সরল-সঠিক পথ অনুসরণ করার নির্দেশ (আন্তাহর পথ)	८०-पूर्वक्य	65	300
প্রবৃত্তির অনুসরণ না করার নির্দেশ,রাসুদ স. কে (আর্থনিকআনচের)	8२-मृबा	26	5.84	হাকনের অনুসরপের নির্দেশ (বদী ইসরাইলনের প্রতি)	২০-ছা-ছা	90	18%
প্রবৃত্তির অনুসরণ নিষিদ্ধ (অজ্ঞ ব্যক্তিদের প্রবৃত্তির)	৪৫-কাছিয়া	75	909	অনুসরণকারী/অনুসারী			
প্ৰবৃত্তিৰ অনুসাৱী কি সুস্পষ্ট প্ৰমাণেৰ উপৰ প্ৰতিষ্ঠিত ব্যক্তিৰ লায়	৪৭-মূহাস্বাদ	78	970	অংকেরীদের অনুসারী বলবে দূর্বলেরা নিজেনেরকে (জাহান্তামে)	৪০-মু'মিন	89	245
প্রবৃত্তির (ইহুদী-নাসারাদের প্রবৃত্তির অনুসরণের পরিশাম)	২-বাৰুৱো	250	678	অংশারীদের অনুসারীরা ভাদেরকে রকা করতে বলবে (ভিরামতে)	১৪-ইবরাহীম	42	980
প্রবৃত্তির (পথন্তর সম্প্রদারের প্রবৃত্তির অনুসরণ করা নিষেধ)	৫-মারীদা	99	690	আলে/কুরমানের অনুসরণকারীরাই সফল	৭-আ'রাফ	229	હરવ
ফির'অভিনের নির্দেশ অনুসরণ করণ ভার পরিষদবর্গ	১১-বুদ	24	৬৭৪	পিতৃপুরুষের উত্থত/ধর্মের অনুসারী (সকল যুগের বিভবানরা)	80-युश्क्रक	20	694
ফাসান সৃত্তিকারীনের পথ অনুসরণ না করার নির্দেশ (হরেনকে মুসা)	৭-আ'রফ	184	642	বিশ্বরী (মূপা, হারন্দ ও তালের অনুসারীরা বিশ্বরী হবে)	২৮-কাসাস	02	P22
	২-বাকারা	190	672	বাস্প স. ৫ তার অনুসরীয়া লিখিত জ্ঞানের ভিন্তিতে আহ্বান করছেন	33-3694	20%	699
বাপ-দানাদের অনুসরণ করে মুশরিকরা						384	436
	৩১-জকমান	42	レシレ				
বাপ-দানাদের অনুসরণ করে মুশরিকরা বাপ-দানাদের পথের অনুসরণ (মুশরিক প্রসঙ্গ) বাহিসের (ঘরা কুকরী করে তারা বাহিসের অনুসরণ করে)		57	275	রাসূপ স. অনুসারী মন (কিডাবলাঙ্গের কিংলার) অনুসূত	২-বাকুরো	JAC	430

भव <i>्रा</i> निर्मा/क्षत्रक	न्दां नः ध नाय	4034	14	मम् दिस्ह/दागत	न्ता कर उनाव	আহান ক	
মনেক (মারো দেখুন ৰেহিসাব শব্দটি)				জাহান্নামীর অন্তরহ বছু থাকবে না(বিচাবের দিশ)	৬৯-হাকাহ	-00	200
অসমতি (কুমাজন আন্তাহ স্থান আন করে হলে অনেক অসমতি ওকত)	8-FP8	14	664	শক্ত ব্যৱ ব্যবে অন্তরহ বন্ধু (মন্দকে উন্তন ধরা প্রতিহত করণে)	৪১-ছুস্সিলাড	<b>GB</b>	MA
অপুরুষ (বিষয়করটাল পৃথিতির অনেক অপুরাহুশ ওরাচুর্য পরে)	8-मिश	300	649	অভরায়/অভরাপ			1
উদাসীন (মানুহের অনেতেই আল্লাহর নির্নশন সম্পর্কে উনাসীন)	১০-ইউদুস	24	660	কাজির ও থানের আকাজ্যার মারে অন্তরাপ	৩৪-সাবা	68	₽8
ক্ষাণ (করে অপহন্যে রীর মধ্যেও অস্তাহ অনেক কল্যাণ রাসেন)	8-941	79	600	দুই সমূদ্রের মারে অপ্তরার সৃষ্টি করেছেন অপ্তাহ	২৫-যুৱকান	60	93
ৰুদ্ধাণ (থাকে হিকমত দেৱা হয় থাকে অনেক কল্মণ পদ কৰা হয়)		263	603	পর্যার অন্তর্যাপ হাড়া আপ্রাহ মানুহের সাথে কথা বলেদ দা	৪২-শ্রা	47	bb
কলাণ (অনুশ্য জানলে রাসূল স. অনেক কল্মণ লাচ করতেন)	৭-আ'প্রফ	725	ხი	ব্রানুদ্র স. ও মুপরিকানের মারে অস্তরাল ররেছে (মুপরিকরা বংগ)	৪১-কুস্সিশত	¢	W
গ্রীমত (আল্লাহর কাছে অনেক গ্রীমত রয়েছে)	8-F02	28	663	সমূত্রে (দুই সমূত্রের মারে আল্লাহ অস্তরাল স্থাপন করেছেন)	২৭-শমল	65	80
দ্বিদ ও মানুমের অনেককে কাবাল্রামের কলা সৃষ্টি করা হরেছে	৭-আ'রাফ	243	659	সমুদ্রের দুই সমুদ্র থানের অন্তর্জ অভিক্রম করতে পারে গ)	৫৫-রাহ্মান	20	38
	২-বাকারা	26	¢08	দূর্ব অন্তর্জে অদৃশ্য হরে গেল (সুলাইমান প্রথম)	৩৮-পোয়াদ	0ર	bo
एमप्रम (ब्राह्मट्ठ श्रष्ट्रत कमप्रम धोकदर या पुरासीता बाटर)	80-दश्कव	90	505	ব্যবহাদা			г
ধ্বী ইসরাপিলের অনেককে কাকিরদের সাথে বস্তুত্ব করতে দেখা	৫-মরিগা	Iro	690	কাজিবদের অর্জনালা দৃত্তি করেন আল্লাহ (মুমিনদের উল্লয়ণ ধরা)	৪৮-ফাতহ	45	20
বিয়ত হাৰা (অক্সাহর পথ খেকে অনেকতে বিয়ত বাধার পরিবাস)	8-निमा	350	233	2269			-
মানুহের অনেকেই আপ্তাহকে সিঞ্চলা করে (চল্ল, সূর্য, ভারকা)	33-6%	337	369	আপ্তাহর বাপানের অন্তর্ভুক্ত হওয়ার নির্দেশ (প্রশান্ত আত্মাতে)	No. 28190Y	35	50-
মানুষের অনেকের উপর শক্তি অবধারিত ব্রেছে	55-5at	33	90%	সংক্রমণীশাসন অন্তর্ভ করা হয়ে (সংকাল করলে)	২৯-আনকাৰত	70	273
দুৰ্শবিক (অনেক মুৰ্শবিকের কাছে সন্তান হত্যাকে শোচনীয়		-	-	স্মানিত্ৰৰ অৱৰ্ত্ত কল্লেছন (হাবিব নাজাৱকে) আগ্ৰাহ	৩৬-ইয়াসীন	29	50
All state (actor & listers along their delices of their	৬-আৰ্'আম	209	609	সূত্রাইয়াব্রত সংকর্মশীল অন্যানের অন্তর্ভুক্ত করার লোয়া	২৭-থামপ	29	30
সঠিকপৰ প্ৰদৰ্শন (আস্কাহ অনেককে সঠিকপথ প্ৰদৰ্শন		-	Н	বুলাইনার্ড ব্রেক্ট্রন অপানের বর্তত্ত করার সোর। আর্থ্রন	K Judicia		100
করেন মশার উপমা জরা)	२-राकृता	-20	608			-	١.
মার্কনা (আপ্রার মানুয়ের অনেক কিছুই মার্কনা করেন)	84-75	00	1738	দিনকে অন্তব্যুদ করে দিতে পারেদ যদি আল্লাহ চাইকেন	২৮-কাসাস	9.2	27
মার্কনা (আপ্রাই মানুহের অংশক কিছু মার্কনা করেন)	84-481	48	138	ত্ৰতকে অন্তৰ্হীৰ করে নিতে পারেন যদি অক্সাহ চাইকেন	২৮-কাসাস	93	100
प्रसार प्राप्त वानुसर्व जानक रिक्ट वाना व्यापन प्रसारक प्राप्त जानको बाह्यक निर्मान रूप्यार्थ (व्यवह	১০-ইউনুস	25	990	(কিল্লমত পর্যত্ত)		_	-
भनुद्रवेश भरत्। जत्मर्रकर् जाङ्गारत्र सम्मान मन्नरक रचनवाः आस्मार/जन्म	30-4021	24	990	বহ			┖
		-		গঞ্জানের আন্তর দাবে দেশে থকা চর্বি ইন্টোনের জন্য হালাল ছিল		78.9	65
বোৰা (সনোর বোৰা কেউ বহন করবেন বিলামতে)	৩৫-ফভির	79.	189	চৰি (গঞ্চ)চেড়ার অন্তর সাধে লেগে থাকা চবি ইচ্নীয়ের কন্য হলাল)	৬-আন্'আম	78.9	63
বোৰা (অসের বোৰা কেউ বহন করবেনা কিয়ামতে)	৩৯-বুমার	3	9.47	অন্ধ (আরো দেখুন দৃষ্টিহীন শব্দটি)			
এপ্তর (আরো দেশুন হানয় শব্দটি)		_	ш	অবর্ত্তর্গ পর্যায় করার বাব না	১০-রা'দ	7.9	66
चनुक्रमी (मनुरस्त चडत देनवारीट्रस्त रलभव्यतः এতি चनुसमी)	<b>38-देवबादीय</b>	93	696	অবিহাতে ভারাই অন্ধ হবে যারা দুনিয়াতে অম	১৭-ইপ্রা	92	44
অবিশ্বাসীদের ব্যস্তর শয়তাদের কথার প্রতি অনুরাণী	৬-আৰ্'আম	220	60%	অবিহাত সম্পর্কে অন্ধ (মুপরিকদের প্রদর)	২৭-নামৰ	99	40
অধিয়তে অন্তরের বিষয়ে জিজ্ঞাসা করা যাব	১৭-ইস্রা	00	47.6	অনুসাকর্যভিন্ন থেকে অন্ধ হওয়ার দারভার প্রত্যেকের নিমের	৬-আশ্ৰাম	308	80
আঙন (হ্যামা/প্রজ্বলিত আঙন অঙ্কর পর্যন্ত পৌছে বাবে)	३०४-हमस	٩	2000	কাজিকরা অন্ধ, বর্ণির ও বোবা	২-বাকারা	242	67
আদ অভিকে চোৰ-কান-অন্তর দিয়েছেন আপ্রাহ	৪৬-আহ্বাফ	26	970	চক্তমানের সমান নর অন্ধ (উপমা)	৩৫-ফাভির	79	78
কলে বাসেনি (বাদ লাডির কান-চোধ-ব্যস্তর কাজে বাসেনি)	৪৬-বাহ্বকে	59	970	(চাৰ কৰু ব্যাপা: কুলৱ কৰু হয় (জালিমদের প্রদাস)	22-2706	84	96
থাপঁর (মন্তরের বার্পন্য থেকে যাকে রক্ষা করা হরেছে সে সংলাজন)	৫৯-যাপৰ	>	260	পূৰ্বিয়াৰ যে অহ সে অধিয়াতেও অহ	১৭-ইগরা	93	43
কাৰ্পন্য (অন্তরের কার্পন্য থেকে মুক্ত ব্যক্তিশনই সকলকান)	৬৪-জাপার্য	36	269	त्सव तमेरे चटकर (युटक चरन मा निरम)	8y-शास्त्र स	39	32
ক্ষজতা প্রকাশের জন্য আল্লাহ কান, চোব, অন্তর নিরেছেন	৩২-সাজ্পা	>	Iros	নোৰ নেই অন্ধ ব্যক্তির	২৪-দূর	43	90
ক্তজভা প্রভাগের জন্য মানুবকে অন্তর দান (আল্লাই কর্ম্বরু)	১৬-সংখ্য	95	900	পর্যাল্যক অধ্যয়ৰী অবস্থাৰ কছা, যোৱা ও প্ৰথম করে সমাগত,	১৭-ইস্থা	29	93
গোপন (অন্তরে গোপন করা বিষয়ের জন্য অনুভক্ক হরে)	৫-মাছিলা	42	444	পথটোর থেকে অন্ধানর পথান্যপ্রকারী না রাসুল	90-8X	60	64
মাশিমসের অন্তর হবে আশাশূন্য(কিরামতে)	<b>18-रेरबारी</b> न	80	629	পৰ লেখাৰে (ৱাসুল স. কি অস্বাধুপতিককে পৰ লেখাতে পাঞ্চল্য)	১০-ইউবুন	80	80
সাল্লাহ অন্তরের ববর জানেন, (বৃহ সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	33-24	402	66br	বৰ্ষিত্ব (জন্ম ও বৰ্ষিত্ৰের পাত্র আচরণ করে লা যারা)	২৫-ফুরকান	30	95
জিলাসা (অন্তর সম্পর্কে জিলাসা করা হবে, আধিরাতে)	১৭-ইন্মা	106	939	বৰিত্ব (অন্ধ ও বধির হরে রইল বনী ইসরাইলর)	e-पाक्रिमा	93	e5
পরিবর্ত্তন (আপ্রায় নুপরিকাদের অন্তর ও দৃত্তি পরিবর্তন করবেন)	৬-আন'আম	220	606	বলী ইসরাইলরা অন্ধ ও বধির হয়ে রইল	৫-মার্মিগা	93	26
বিশ্বস্থান্ত প্ৰত্যালয়ৰ অন্তৰ (নিৰ্ম্পানৰ বাগানে নিশ্বিক হল্ডা প্ৰদেশ)	২৭-বামশ	38	\$103	মুনাকিকনের চন্দু অন্ধ করে নিরেছেন আল্লাহ	৪৭-মুহাম্মস	20	33
থনানে (অপ্তাহ থনিবেছেন অস্তর)	৬৭-মূল্ক	30	290	মুনাফিকরা অন্ধ (সুকরাং তারা সঠিক পথে ফিরে আগবেনা)	३-राक्स्या	22.	00
বিনৱী হওয়া (অন্তর যেন সভোর প্রতি বিনরী হব)	12-ET	28	200	इंज्या म् दव मिक्टे दक यक यानूम (बज्या म् पुत्र विशेदा निरमन)	৮০-আবাসা	3	200
মানুদের সম্ভৱের নিষয় প্রতিপালক জানেন	১৭-ইপুরা	32	336	স্ট্রিকশ্ব প্রদর্শন(রাসুদ স, অন্তরে স্ট্রিকশ্ব প্রদর্শনকরী দন)	২৭-নামল	203	Vo
মানুহকে বাস্থাই সম্ভৱ, নান করেছেন (কডজড়া প্রসঙ্গ)	৩২-সাজনা	3	iroo	সঠিকপৰে পৰিচালিত কৰা যায় না অন্ধ পথএটকে	৪৩-বৃধক্ত	80	2/3
মিখ্যা বলেনি বাসুল স, এর অন্তর, বা সে নেখেছেল	৫০-নাম্ম	22	305	সম্প্রদার (অন্ধ সম্প্রদার ছিল নুহের সম্প্রদার)	৭-আ'রাত	28	83
भगाव चल्रात ठीठि चनुरुद (सानु (मर्टर)	২০-য়া-হা	93	180	ক্ষর অন্ধ হর: চেথ অন্ধ হরনা (জানিমনের প্রসঙ্গ)	22-878	86	99
बुनाव बाक्सा जा के बानूकर (बानू १७६९) बाज़न म, तद बाक्स मृत् कबार बस्त, पूर्ववरी बाज़गारायर महतन कॉन्स	77-54 40-M-0	250	910	क्षा वर्ष का (शर वर्ष का शर (सालकार देवन)	11.04	100	100
करूम न, तक बक्रम हुए क्यान करता, दूर एक आहुए गाउँ न एकम परान रक्षण(बारान जन्नाद रक्षण जादा संस्कृत नम्म नदीका, गाउँचेम रहना)		60	950	অন্তর্ভাবের উপর অন্তরার (কাফিরসের কাজের উপমা)	<b>५8-नव</b>	80	99
বেশ(মানার অন্তরে রোগ আছে থানের জন্য শরকা, শরকান হাসক) শুনা (মানার মায়ের অন্তর শূনা হয়ে পড়ক)	25-20M	30	trotr		২৪-দূর ৩৫-ফাভির		b8
কন্য (মূসার মায়ের অন্তর শূন্য হরে শভূল) সৃষ্টি (মানুহের অন্তর সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	২০-সুমিকুব ২০-সুমিকুব	995	113	আলোর সমান নর অন্ধনার (উপমা) আলো (অন্ধনার থেকে আলোর সিকে থের করেন আলাম)	৫০-ফাভর ৫-মারিদা	36	69
	40-21454	197	113		৬-আন'আম	344	90
মন্তবদ বছু				উপনা (অন্ধকারে থকা ব্যক্তি ও আগের পঞ্চলা ব্যক্তির উপনা)			
ইবলিসের বাহিনীর অন্তরস বন্ধু থাকবে না কিয়ামকের দিন	২৬-হ'বারা	303	130	চিশ মারা (আনহাবে কাহড় এর নংখ্যার ব্যাপারে)	১৮-কার্ক	44	93
ইমানদারর অভানস বন্ধু প্রহণ করবে না (নিজেনেরকে হার্টা)	৩-আলে ইমরাণ		681	অন্তৰ আলো লোক বের করে অন্ধকারে নিয়ে যার	২-বাকুরো	564	60
এংশ (অন্তৰঙ্গ বন্ধু এংল, আল্লাহ, রাসূল স. ও বৃদিন স্বাড়া)	2-526	36	987	বাধাৰো (অস্ত্ৰাহ অস্কলার ও আলো বানিজেমেন)	৬-আন্'আম	3	45
জাপিমদের কোন অন্তরঙ্গ বন্ধু থাকবে না (কিরামকে)	80-इंबिन	30-	243	বের করা (অন্ধকার থেকে আলোকে বের করার জন্য আয়াক পাঠ)	৬৫-অপাক	33	36

PROFESSION STATEMENT	मुझ का के सुन	ner e	1	na languna	NUMBER OF	-	100
অন্ধকার(পূর্ব পূর্বা শেকে)				व्यवस्थ		-	
ব্যে করা(মুমিনদের অস্কর্জার থেকে আলোতে ব্যের করে কানা প্রসিক্স)	৩৩-আহ্যাব	80	৮৩৭	অনুহাহ (জুমজার নামারু পেনে আল্লাহর অনুহাহ অধ্যেষণ)	७२-व्यू-वा	30	200
বের করা (অক্সাহ অঞ্চলর বেলে বের করে আলোভে নিরে আলেন)	২-বাকুবো	429	200	অনুগ্রহ (আল্লাহর অনুগ্রহ অংগবলে দ্বনীনে প্রমণ)	৭০-মুখ্যাত্মিল	20	393
বের করা (মানুষকে অন্ধকার থেকে আপোর দিকে দের করা)	৫৭-হানীৰ	>	187	জীবিকা অংকন (নিজে বেলার জীবিকা অংকণ সন্ত্রাহ্য নিদর্শন)	00-WX	20	340
বের করা(মানুক্তকে আঞ্চনার থেকে আলোতে কের করার জন্য কিতাব)	>8-देरहादीय	0	690	দুদিয়ার সামগ্রী অম্বরণে দাসীদেরকৈ ব্যক্তিয়ারে বাধ্য করা	२8-नृष	00	999
বের কর (মনুদকে অছকার থেকে আপোতে কের করার জন্য কিন্তান)	>8-देश्लादीय	>	080	সম্ভান (অস্ক্রাহর নিবট সম্ভান অংকণ, রেজার রতে স্ত্রীর নিকট_)	২-বাকুৰো	22.3	645
মাছের পেটের অন্ধকারে ইউনুস এর ভাকা/দোরা প্রসঙ্	২১-অধিয়া	24	9.0%	বক্রতা (বারা অস্থাবর পরে বক্রতা অবেকা করে তারা পথন্ট)	১৪-ইবরারীম	0	680
মাতৃগঠের তিল ধরনের অন্ধলরে পর্যারক্রমে মানুষ সৃষ্টি	৩৯-বুমার	6	247	বক্রতা অবেহণ করত জালিমরা	৭-লা'রফ	82	639
মিখ্যা অতিহিতকারীরা অন্ধবারে নিমক্ষিত (আরাতকে মিখ্যা)	৬-আপ্ৰাম	60	699	বক্রতা অবেহণ করে আধিবাতে অবিশ্বাসীরা (আপ্লাহর পথে)	33-यू <b>न</b>	7.9	969
মূলক্ষিকদের উপমা, অঞ্চলতে ছেড়ে দেয়ার মত	২-বাকুরো	29	200	বক্রনা অংখন করে অল্লাহর পথ থেকে (উমান্সারসেরক বিরত)	০-আলে ইনরান	99	484
হুলাফিবলের উপর অস্কবার সেনে আনলে তারা দাড়িয়ে যার(উপনা)	২-বাকুরা	20	200	বক্ৰতা অন্বেহণ না করা (চ'আইবের দাওরাত প্রদঙ্গ)	৭-আ'রাক	bib	640
মুখলধারে বৃষ্টির সাথে অস্ককার (মুনাকিকদের দুটাক্ত)	২-বাঞ্চারা	79	200	অপকর্ম (আরো দেখুন কুকর্ম শব্দটি)			
মনীনের অন্ধকারের শস্যালানাও সুস্পর্ট কিতাবে লিপিবছ	৬-অদ্'আম	6.9	803	বীতপ্ৰদ্ধ (দৃত ভার সম্প্রদারের অপকর্মের প্রতি বীতপ্রদ্ধ)	২৬-৬'জারা	269	9,3/6
বাঠকে সাপ্তার সম্বভার করেছেন	৭৯-নাথি আভ	45	2008	পৃত সম্প্রদারের অপকর্ম থেকে রক্ষার সোলা (পৃত/পরিবারকে)	২৬-৬'জারা	26h	936
রাতের ঘন অঞ্চলতে সালাত কারেমের নিদেশ	১৭-ইপ্রা	93	940	অপকার (আরো দেখুন অনিষ্ট/ক্ষতি শব্দটি)			-
রাতের অঞ্চলবের আন্তরণে আচ্চেদিত (মন্দর্কসলিলের	১০-ইউনুস	49	629	অকম (অপকার/উপকারে অকমে কিছুকে ডাকর অসারতা প্র.)	9-904,905	93	804
চেহারা)	20-4044	47	027	অকম(আল্লাহ শ্রন্তা বালেয়কে ভাকা হর আরা অপকারে অকম)		34	969
সমূসের অন্ধবনে থেকে আল্লাহ উদ্ধার করেন	৬-জান্'জাম	90	603	অকম (মানুহের অপকার করতে অকম -এমন কাউকে ভাকা।)	১০-ইউনুস	306	668
্রন্তের অন্ধক্তরে আল্লাহ পথ প্রদর্শন করেন	২৭-নামল	90	pod	উপাস্থা অপকার করতে পরে না (আপ্লাহ ব্যক্তিত অন্য উপাস্থায়)		92	966
সমূদ্ৰের অন্ধৰ্ণারে পর্য পাওৱা (ভারকার মাধ্যমে)	৬-জানৃ'জার	89	606	ক্ষমতা (অপকার করার ক্ষমতা থাকবে না কিরামতে)	08-गरा	83	V88
সমূদ্রের গভীর অন্ধলারের মত কাফিবসের কাজ	২৪-বৃৰ	80	995	ক্ষমতা (উপাসকলের অগকার করার ক্ষমতা দেই উপাস্যাদের)	3o- <del>१8नुन</del>	35	600
সমান নয় অঞ্চলর ও আলো	১৩-রা'ন	39	69/3	মানুষের অপকার করতে পারে না -এমন কাউকে ভাকা।	३०-१६मूम	306	668
স্থার অন্ধবার থেকে আল্লাহ উদ্ধার করেন	৬-জান্'জাম	90	607	মৃতিরা কি উপাসকদের অপকার করে।(ইবরাইটেরের প্রপ্ন)	२७- <b>७</b> 'काश	90	1997
হুলের অন্ধবারে আল্লাহ পথ প্রদর্শন করেন	২৭-নামল	90	pod	অপচয়/অপচয়কারী (আরো দেখুন অপব্যয় শব্দটি)	(4		
ছলের অন্ধব্যরে পথ পাওয়া (ভারকার মাধ্যমে)	৬-আন্'আম	39	906	ইয়াডিমের সম্পদ অপচর না করার নির্দেশ	8-978	6	026
অন্ধবার যুগ (দেখুন জাহিলী যুগ শদটি)				নিয়েথ (অপচয় করা নিয়েথ, ফসলের হক/উপর প্রধান প্রসঙ্গ)	৬-আনু আম	181	650
অন্ধবার রাত				পছন্দ করেন না আল্লাহ অপচয়কারীকে	৭-আগ্রাক	0)	950
অছকার রাভের অনিষ্ট হাডে অপ্রের চাওয়া	১১৩-কাশাক	0	2009	বনী আনমতে অপচয় কয়তে নিৰেধ	৭-আ'রাক	40	654
অভকারাজন্ত				ব্যস্ত করার ক্ষেত্রে অপচয় করে না রহমানের বান্দারা	२१-पुरस्कान	69	959
মানুহ অন্ধবারক্ষেয় হয়, রাড থেকে দিনকে অপসারিত করলে	৩৬-ইয়ালীন	69	b-28	ভালবাসা (মাল্লাহ অপচয়কারীকে ভালবাসেন না)	৬-আন আম	282	630
অধ্		_		অপছল/অপছলনীয়/অপছলকারী		-	
কুরআন অস্কৃত্বরূপ, ভালের জন্য যায়া ঈথান আনে না	৪১-কুস্সিলাত	88	644	অগরাধীরা অগছল করণেও সভ্যকে আল্লাহ প্রতিষ্ঠিত করবেন	১০-ইউন্স	3.4	662
	৪১-কুস্সিলাভ	39	bed.	অপরাধীয়া অগছল করণেও সত্যকে প্রতিষ্ঠিত ও বার্তিককে	৮-আনকাশ	v	602
चनार/चनारकाती			-	অবতীৰ্ণ বিষয় (অক্সাহ যা অবতীৰ্ণ করেছে৷ ভা অপছল করে যার)	৪৭-মুহাখান	રક	328
অহলের (অধ্যাসভাবে অহলের করার শান্তি কফিরদের দেয়া হবে)	৪৬-আহ্নাফ	30	970	আপ্তাহ অপছন্দ করেন, তালেরকে যুক্তে প্রেরণ বারা অনুমতি চায়_	৯-ভাওবা	86	582
অহলের (অন্যায়প্তরে অহলেরকারীদের নির্দেশ থেকে সরিরে দেয়া)	৭-আ'রাফ	186	642	অস্ত্রাহ অগছদ করেন তালের জিগুদ থারা বলে থাকতে উৎকুল্প	৯-ভারবা	3/2	889
মহলের (পৃথিবীতে অন্যারতারে মহকোর করত মান জাতি)	৪১-ফুস্সিশ্যত	32	2019	সন্তাহর অশহপদীর কর্ম কর (মূর্নকিবলের গোপন কুপরাফর্ণ র:.)	8-निम	300	642
সাগভা (মুম্মিনদের অন্যায়ের আশভা থাকরে না, জিল প্রসঙ্গ)	१२-बिन्	20	55'6	কল্যাণকথ্যক অগছন্দ করা (স্ত্রী প্রসহ)	8-991	35	223
ভার্যন্নমের ইশ্বন (অন্যায়কারী জিনদের প্রসঙ্গ)	92-199	34	20.0	কল্যাণকর (অপহুশলীর বিষয়ও কল্যাণকর হতে পারে)	২-বাকুল্য	236	<b>@48</b>
জিন (অন্যায়কারী জিনর জাহাল্লামের ইম্বন)	92-199	30	309	কাধিররা অপছন্দ করলেও আল্লাহ ভার আলো পূর্ণ করবেন	৬১-পাক্ষ	b	290
জিনলের মধ্যে কিছু সংখ্যক আন্যায়কারী	१२-बिन्	38	248	কাফিরর অপহল করে (জাল্লাহ যা অবতীর্ণ করেছেন)	৪৭-মুহামাদ	ъ	254
জিনর অন্যার বড়িরে দিও (মানুহ আদের কাছে আপ্রর চাওরার)	१२-किन्	6	200	অফিরর অপছল করে (আল্লাহর দুরের পূর্ণতা)	৯-জাওবা	40	980
থালে (অন্যায়ভাবে থালে করেন না প্রতিশাসক, কোন জনপদ)	55-युन	223	696	কাফিররা অপছল করে (এক অল্লাহকে ভাকা)	৪০-মুখিন	78	V9b
নৰীদেৱকে অন্যায়ভাবে বভাগৰ কাৰণে দাবিদ্য ও লাস্থনা	০-আলে ইমবান	225	286	গোপত (মৃত ভারের গোপত খাওয়া অগছকনীর,, (দীবত প্রসম্ন)	৪৯-চ্ছুলত	25	256
দনীদেরকে অন্যারভাবে হত্যাকারীর অন্য বস্তুগালারক শান্তি	০-আলে ইমরান	42	60h	নূহ সম্প্রদারের অপছব্দ (দূহের প্রতি দিমান আনা প্রসঙ্গ)	77-SA	45	980
দর্নাদের অন্যারভাবে হত্যা করা (ইহুদী প্রসঙ্গ)	৩-আলে ইময়ন	29.2	660	বলে থাকা লোকেরা অপকৃষ্ণ করলেও অল্লাহর নির্দেশ স্পষ্ট হতে	৯-জাওবা	87	68¢
নিহত (অন্যারভাবে নিহত ব্যক্তির প্রতিকারের ক্ষমতা)	১৭-ইস্বা	90	936	বের হওয়া অপছল করছিল মু'মিনদের একটি দল	৮-আনকাশ	e	603
ভির'মাউন ও তার বাহিনী অন্যায়ভাবে অহস্থার করপ	২৮-ফাসাস	40	577	মুশরিকদের অপক্ষপের বিষয় অল্লাহর প্রতি আরোপ করা এনাছ	26-R05M	62	909
হনী ইগরাসদ কর্তৃক অন্যায়ভাবে দবীদের হত্যা প্রসন্থ	8-PP1	364	290	মুশবিকরা অপঙ্গ করলেও আল্লাহ সত্য দ্বীনকে জয়ী করবেন	৬১-সাক্ষ	ъ	990
বনী ইগরাইল কর্তৃক অন্যাক্সচাবে নবী হত্যা প্রসঙ্গ	২-বাকালা	65	609	মুশবিকরা অপকৃষ করে সত্য বীদের বিজয়	৯-তাধর	00	680
বান্ধবাঢ়ি (অন্যার বান্ধবাঢ়ি হারাম করেছেন প্রতিপাশক)	৭-আ'রক	00	950	মুনাকিকরা অপঙ্গদ করে (আল্লাহর সভৃত্তি)	৪৭-মুহানাদ	46	928
বন্ধবাঢ়ি (বীনের ব্যাপারে অন্যার বাড়বাড়ি করা নিষেধ)	৫-মারিদা	99	690	মৃত অয়ের গোপত থাওয়া মুমিনদের অপছদলীয় (গাঁবত প্রণদ)	৪৯-হত্ত্বাত	25	843
বাড়াবাড়ি (পৃথিবীতে অন্যারভাবে বাড়াবাড়ি করার জন্য শান্তি)	৪২-শ্বা	84	b-58	যুদ্ধ অপকৃষ্ণনীয় হলেও ডা বিধিবদ্ধ করা হয়েছে	২-বাস্থারা	256	228
বিশ্বের (বিপংযুক্ত হয়েই মানুখ অন্যারভাবে বাড়াবাড়ি করে)	১০-ইউনুস	20	686	ত'আইবের অপকৃষ সম্প্রেও সম্প্রদারের ধর্মে বিভিন্নে আনার চেই।।	৭-আ'বাক	44	952
বের করা মার্কার ফুলিবানেকে অন্যক্রমধ্যে আবাদ থেকে বের করা প্রান্ত)	<b>२२-श</b> क	80	962	সভ্য অপহপাকরী (কাফিরয়া)	২৩-মুমিনূন	90	990
ভার (অন্যাক্তা ভার করে মুনাফিকর, অক্সাহ ও রাসুল স. এর পাক থেকে)	२८-मृह	60	993	সভ্য বিমূব (জাহাল্লামিকের অধিকাংশই)	80-वृश्क्रक	96	505
মুমিনদের অন্যায়েরআশবা থাকবে না (জিন প্রসঙ্গ)	१६-किम	30	25.0	বীকে অগহুদ্দ করদেও ভালভাবে নীবন যাগন করা প্রদাস	8-निमा	35	449

રર

भेष विद्यादितर ।	नुबा ना व नाव	1271.0	700	अंच विरद/दगर-	नवा गर थ गाम	MEN'N	E
GAMB	Section 2	~25/2	SEC.		-আলে ইমরান	338	10
এ লৈ হ উন্তৰ্কে অপসন্থ কৰাৰ প্ৰতিক্ষা (আৰ্থীকের স্তীব আলে-	1) ১২-ইউসুক	63	693		82- <b>7</b> 5	82	t
१४म्म वर्णन्यास्य वर्षाक्ष	৭-আগ্রক	30	620		্-বার্থরা	bre	t
নোলন অন্যায়তে অৱস্থাত মিকিয়া (অপসন্ত অবস্থায় মিকিয়া কর না দেয়া পর্যন্ত কু		42	680		-मदिना	00	t
न्यस्त्री (चनान्य चन्हार क्रिक्टा क्या न जन्म न न्या न्या न्या न न्यस्त्रीकारीहरूच चनन्त्र करांद्र क्रिक्टा नमनिन्य करांद्र आहा स्व		45	999		5-5ak	ъ	t
ক্ষিত্রতিনের দশবল পরান্ধিত ও অপলত হল (মানু প্রস		777	690		-महिमा	83	t
সাধাৰ্যসীকে সুলাইয়ান কৰ্তৃক অপসন্থ করাত ঘোষণা	২৭-সমেল	93	500		-বাকুরো	338	t
অপবাদ	4.10,844	9.6	800		৬৬-ভাহৰীম	b	t
					১৯-হাপর	0	t
ওকতর অপধাদ (ইফকের ঘটনা) হয়রত আশেয়া	২৪-নূর ঠেক) ৪-নিসা	36	992		৮০ মুনাফিবুন	b	t
ওক্লডর অপবাদ, নারইরানের বিক্তম (বনী ইসরাইল ক		76.9	299		০-ইউনুস	46	t
দেয়া (অপবাদ না দেৱার বাইয়াত গ্রহণ, বৃদ্দিন দাবীদের		25	242		০-ইউনুস	29	t
নৌ ইদরাসলের গুরুতর অপবাদ (মারইরামের বিরুদ্ধে)		76.0	299		थ-दिसव	Gh	t
বেনা মনে (নিৰ্দেশ্যকে অপৰাদ নিলে আপ্ৰেপনাৰী সে বেনা মহন ব		225	642		22-EM	937	t
নাধাইয়ানের বিজয়ে বলী ইসরাসলের গুরুতর অপবাদ	৪-নিসা	326	644		27-5a	25	t
ধুমিদের কট্টপান্তারা অপনাদ ও সুস্পট পাপ বহনকারী	००-व्यवस्थार	62	9-09		22-54 22-54	3/0	t
ন্ত্রীকে অপনাদ দিরে মোহরানা ফেরৎ নেরা প্রদাস	৪-দিশা	40	669	শক্তি (অপন্যানজনত শক্তির বস্তু আঘাত করপ, হারুদ <b>ল</b> তিকে) ।		24	t
অপবিত্র			$\perp$		১৯-মুখার	80	1
বন্ধুহাত পেশকরীরা অপর্বিত্র (তাবুক মুক্ত প্রসঙ্গ)	৯-ভাওবা	345	620		৪১-ফুস্সিলাত	39	t
কা <b>জ(পৃতের সম্প্রধারের অপন্তির কাজ/সমকা</b> মিতা প্রসং		9,8	322		৪১-ফুস্সিলাত ৪১-ফুস্সিলাত	39	t
নামান্ধ (অপরিয় অবস্থায় সালাত/নামান্ধ নিষিদ্ধ)	8-নিসা	80	262			90	4
মুফিন্যান অপক্রিয় হলে পবিত্রভা অর্জনের নির্দেশ	৫-মারিদা	6	62.7	শান্তি (ইমানের কারণে ইউনুসের কাতির অপমানজনক শান্তি দূর) :			+
মুশরিকরা অপনিত্র	৯-বাধবা	2/5	684		১ <b>১-</b> ङ्ग	96	4
পুকরের গোপত অপবিত্র (হারাম খাদ্য প্রানন্ধ)	৬-আন্'আম	384	620		২৭-নামল	-08	1
অপবিশ্ৰৱা					২৭-নামশ	ত৭	1
র্বাচিবসের অপনিব্রতার সাথে আরও অপনিব্রতা বৃদ্ধি	>-থাবধা	398	960	অপরাধ (আরো দেখুন পাপ শব্দটি)			1
পুর করা(অস্থাহ দবী পরিবার সেতে অপনিপ্রতা দুর তরতে	লন) ৩৩-আহ্বাৰ	00	900		२-राकृदा	792	1
মব, মুরা, মুর্তিপুজার বেদী, আণ্য নির্ণারক তীর ইত্যাদি		-			8-मित्रा	205	
অপবিশ্ৰতা	৫-মারিদা	90	697		8-निमा	254	1
মুর্তিপৃ <b>জা</b> র অপবিয়াতা বর্জন করার নির্দেশ	২২-হান্দ	00	963		২-বাকুবো	505	1
শ্বতানের অপবিরয়ের দূর করতে চাইলেন আল্লাহ (বলংগুছ-		22	900		8-भिग	202	1
স্থাপন (ঘরা ঈমান আনেনা তালের উপর অপক্রিয়ন্ত স্থা		355	bob		৪০-মুমিন	22	J
অপবিত্রতা (কুফরী)		1 12	-		৪০-মুমিন	۰	]
অরোপ (যাবা অনুধানন করে না তালের উপর অপনিরকা।	ছাপন) ১০-ইউনন	200	660		২৬-চ'আরা	2.5	
	\$(nn) 10-40gn	300	900	কমা প্রার্থনা (অপরাধের জন্য কমা প্রার্থনা করে মৃমিনরা)	৩-আলে ইম্রান	706	
অপবিত্রতা (মূর্তি পূঁজা)		١.	330		৩-আদে ইমরান	184	d
বৰ্জন (রাসুল স. কে অপবিহাতা বর্জনের নির্চেশ)	৭৪-মুদাব্যবিব	4	320		९-वा द्राप	292	
অপবিম বন্ধ		_			৩-আলে ইমরাণ		
হারাম (নবী মানুবের জন্য অপনিত্র বস্ত্র হারাম করেন)	্-আ'প্রফ	363	629		०-व्यान देशदान	60	1
অপব্যবহার				ক্মা (অপরাধ ক্যার জনা প্রার্থনা, প্রতিপাদকের নিকট)	৩-আলে ইমরান	790	ı
চোধের অপধ্যবহার সদক্ষে আল্লাহ জানেন	৪০-মুমিন	7.9	240	ক্যা (অপরাধসমূহ ক্যা করবেন আল্লাহ, মিহাদকারীদের)	৬১-সাক্ষ	25	1
অপব্যয় (আরো দেখুন অপক্য শব্দটি)		١.		ক্ষমা (অপরাধের ক্ষমা পাওয়ার আশার জামূকরদের ঈমান)	২০-জু-ছ	90	1
নিবিদ্ধ (অপব্যৱ করা নিবিদ্ধ)	১৭-ইপ্রা	29	936	ক্মা (অগরাধের জন্য কমা প্রার্থনা, প্রতিপাশকের নিকট)	৩-আলে ইমরান	26	1
অপবায়কারী				ক্যা (আল্লাহ মুবাকীদের অপরাধ কর্মা করবেন)	৩৩-আহ্বাৰ	95	1
শরমানের তাই (অপব্যরকারী শরতানের তাই)	১৭-ইপ্রা	29	936	क्य (ब्रह्मार जनम बनावर क्य करून संदे निवान रहाई यरिना)	৩৯-যুমার	60	3
অপমান/অপমানজনক/অপমানিত				ক্সা (দিয়ান আনালে অল্লাহ অপরাধ ক্ষমা করবেন)	৪৬-আহ্কাফ	৩১	1
বাঙনে নিকেশ করবেন বাকে ভাকে অপমানিত করা হতে	ে ৩-আলে ইমরান	133	228	খ্যম প্রবেশে অপরাধ নেই বধন (অনুমতি ছাড়া)	<b>२8-गृह</b>	27	1
আল্লাহ ও মানুল স. এর বিক্রন্ধাচরণকারীকের চরম অপ		100	086	হুদুৰ জাতিত অপন্তাৰত কাত্ৰণ ভাদেৱকে বাদে কথালন অস্ত্ৰাহ	<b>७</b> ५-माम्त्र	38	1
অক্সাহ ও স্নাসূল স. এর বিরুদ্ধাচরণকারীরা অপনানিত		30	248	ছামূদ সম্প্রদায়কে জাসাদ সৃষ্টিকারী হয়ে অপরাধ করতে নিবেধ	৭-আ'লফ	48	1
ইবস্তাহীয়কে পুনক্ষপানের দিন অপমানিত না করার জন্য		149	929		११-वाएमान	60	1
অক্সিয়ের (কিয়ামতে অপমান ও অসমপ কাফিয়দের ব		29	900	নীবন্ধ কনাকে তি অপরাধে হত্যা করা হয়েছিলঃ	৮১-ভাকতীর	>	1
অধিয়নেত্রক (অপানন আছ্লা করবে অপানবিলেত্রক, কি		80	299		২-বাকারা	200	,
আক্ষরদেরতে (অপমান আক্ষর করের অপরবালেরতে, তের অধিবসেরতে (অপমান আক্ষর করের কমিবলেরতে, তিরা		88	977		२-राङ्गवा	200	
আছবদেরকে (অপসান আজন্র করবে আক্রনেরকে, কের। অধিবদেরকে অপসানিত করবেন আস্তাহ	9-8564L	3	680		২-বাকুবো	200	
	3-904	38	683		৬-আৰু আম	0	
কাজিরদেরতে অপমানিত করবেন আল্লাহ কাজিররা অপমানিত হবার পূর্বে আরাভ মেনে চলত। (গ		28	1003		৮-আনফাল	48	1
	२०-श्र-वा	208	183		২-বাস্থ্যবা	353	i
করা হলে বলে)				ন্বী ভটা প্রান্ত কল্পে ভার অপরাধ ভার উপরাই বর্তাবে	33-gH	00	

पण विस्तृत्य	न्तानः धनाव	100	781		नुसामा च सार		
অপরাধ (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)				বেয়ানতে সুগবেদ নেই (অপরবিদের ব্দর বেদন সুগবেদ পরবে ন)		55	968
ন্দীর স্ত্রীদের অপরাধ নর (পিঅ,পুর,ডাইনের সাথে পর্যা প্রনঙ্গ)	৩৩-আহ্বাৰ	44	100	খান্য (কত নিঃসৃত পুঁজই হবে অপরাখী ভাহান্নামীদের খান্য)	69-5 <u>41</u>	69	243
ন্যারসঙ্গত সিদ্ধান্তে অপরাধ নেই (স্ত্রীর ইন্দতের পর বিছে)	২-বাকুরো	₹08	429	চুক্তার গোমা পরে বিধার্যবীকে টেরড়িরে নিরে যাওয়া হবে (দেখান)	৯৬-আপাক	36	205
নির্দেশকে অপরাধ আরোপ করলে অপরাদ/পাপের বোঝা বহন	8-मित्रा	225	642	চেনা (অগরাবীদের শব্দশ বারা তাদেরকে চেনা বাবে)	৫৫-রাত্মান	83	283
পরিবেষ্টিত (অপরাধে পরিবেষ্টিত ব্যক্তি আগুনের অধিবাসী)	३-वाकास	2.7	600	জাহারার (প্রতিশাসকের নিকট অপরাধী হলে আসলে)	₹0- ₹-85	38	184
প্রকর্মান কর্মার করে আল্লার প্রয়োক্তর পর্যায়ক কল্লেক্রন)	২৯-আনকারত	80	279	অদিবর হিল অপরাধী (যার বিদাস সাম্যার পিছনে চুটেছিল)	33-E9	336	690
পাৰুৱাত (অপরয়ের কারণে পাৰুৱাত কার্যাল অস্তার ভিরুস্কার্টন_	৩-আলে ইমরান	22	600	শাহান্ত্রম (অপরাধীর আহান্ত্রমের শান্তিতে চিবছারী হবে)	80-वृदक्ष	98	ho
পাৰুৱাও করেছিলেন আপ্তাহ অপরাধের কারণে বিরুজ্ঞান্তন বলেকে	৮-আনফাল	23	609	বালিন (আপ্লাহ কুলুন করেননি, অপ্রাধীরই বালিম)	8c-वृदक्य	96	No.
গরশ্পরিক সম্বতিমনে বিয়েতে অপরাধ নেই	8-निमा	48	860	বিজ্ঞানা (অপরাধীদেরকে বিজ্ঞানা করতে চানের গাধীরা)	৭৪-মুদাছছির	82	29:
পুরদের অপরাধের জন্য শিক্ষা ইরকুরকে কমা প্রার্থনার অনুরোধ	১২-ইউসুক	39	646	অভ্যাহন (অপরাধীর কি কারণে শাস্তির জন্য আভাইভা করছে:)	১০-ইউনস	go.	603
পূৰ্বধৰ্মীদেৱকে অপরাধের জন্য পাকরেও করেছেন আল্লাহ	৪০-মুখিন		249	তাভিত্তে নিৰেন আল্লাহ অপপ্ৰথিনেতকে ভাষালুক্তের নিকে	29-XI4681X	trè	98
		57		কুমা সম্প্ৰদাৰ ও আমৰ পূৰ্ববৰ্তীয়া ছিল অপুৱাৰী	৪৪-পৃথান	99	
প্রপ্ন (অপরাধ সম্পূর্তে প্রপ্ন করা হবে দা অপরাধীদেরকে)	২৮-কাসাস	95-	274	पूर्वता निव्हार करवारी हिर (क्ट्रावीवा स्नुव)			30
প্রতিলোধ (অপরাধীনের থেকে প্রতিশোধ নিলেন আল্লাহ)	00-ET	89	254		৩৪-সাবা	05	98
বিশ্বৰাইন ও অগবাধে পিও জনপদ ধাংস প্ৰসঙ্গ	५३-शकार्	b	234	দৃত্তিহাঁদ করে অপরাধীদের সমর্বেড করা হবে (বিস্তামতে)	২০-ফ্লা-ঘ	305	9.8
পর্বিসমন্দেশনে পৃথিবৈত কাসচের ধরা অপরাধ করতে নিবেধারা	২-বাকুরো	60	608	ধংগে করে দেন আল্লাহ পূর্বকরী অপরাধীদের	৭৭-মুর্সালাভ	39	22.
ধনীইসরাইলের অপরাধের কমা(জনপনে প্রবেশ প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	Øb.	₫0b	পথ (অপরাধীনের পথ স্পষ্ট করার জন্য আরাভ বর্ণনা)	৬-আন্'আম	22	60
বহন (কাঞ্চির কর্তৃক মুমিনচের অপরাধ বহন করার আশ্বাস)	২৯-আনকাবৃত	25	274	পথন্টে করা (অপরাধীরা ইবলিসের বাহিনীকে পথন্টে করা প্রসং)	२७- <b>७</b> जाहा	99	930
যদার অপরাধ সম্পর্কে ধবর রাখার ব্যাপারে আল্লার্ বর্ণেট	১৭-ইসরা	39	930	পরিশান (অপরাধীদের পরিশান লক্ষ্য করা, দৃত সম্প্রদার র.)	৭-আ'রাফ	b/8	62
বন্দার অপরাদের খবর রাখতে আপ্রাহ যথেট	২৫-ফরকান	Q'br	99/6	পরিবান (পৃথিবীতে অপরাধীদের পরিবান দেখার নির্দেশ)	२९-माम्स	65	80
নিয়ে করতে অপরাধ নেই, মুমিন নারীদেরকে (মোহরানা নিয়ে)	৬০-বুমভাহিনা	30	202	পাৰত্যত (কপনাথীদের মাধার বৃটি/পা ধরে পাৰুৱাও করা হবে)	৫৫-রাহ্মান	82	38
বিয়েতে অপরাধ নেই (অসহবাসকৃতা স্ত্রীর কন্যাদের)	8-निमा	20	625	পুঁৰই হবে অপন্নাধীসের খাদ্য	৬৯-হাকাহ	99	593
বন্ধা নারীর অপরাধ নেই অভিত্রিক্ত কাপত ধলে রাধার	२8-मृद	60	980	পৃথক হয়ে যেতে বলা হবে অপরাধীদেরকে (কিরামতে)	৩৬-ইয়াদীন	03	50
ভূম করলে অপরাধ নেই (পালক পুত্র প্রসঙ্গ)	৩০-আহম্বৰ	00	3100	প্রথিপাতাংগরারী (অপ্রাহ অপরাধীনের থেকে প্রথিপোতাংগরারী)	७५-गांसना	22	500
মানুষের অপরাধ সম্পর্কে জিঞ্জাসা করা হবে না (কিরামতে)ঃ	৫৫-রাহ্মান	63	287	প্রতিফল (অপরাধীদের প্রতিফল দেন আগ্রাহ)	৭-আগ্রক	80	634
মপে/গুজুলে কম সেয়ার অপরাধ	77-64 55-miles	74	690	প্রতিবল (অস্ত্রাহ অপমাধীদেয়কে আন জানির মত প্রতিবল দেন)	৪৬-আহ্কাক	30	33:
মান্যের অপরাধ কাফির বহন করবে না(যদিও আশ্বাস নের)	२७-वानवादुङ	25	654	श्च कर्ता (वन्द्राचीतरहरू श्च कर्ता शर ना)	२৮-कानाम	93	331
	২৯-আনতাবৃত ৫-মারিনা			রাইনান (অপরাধী সম্প্রভারতে ধরতের মাধ্যমে রহিনান.)	১০-ইউনুস	20	900
মুদিনদের অপরাধ নেই (পূর্বে যা বেরেছে ভাতে, মদ প্রবঙ্গ)		300	695	বিশ্বামীন হামান ও গালের বাংনী ছিল অপরাধী	২৮-কাশাস		hou
মুমিনদের অপরাধ সম্পর্কে মুশরিকদেরকে জিজাসা করা হবে না	४८-गरा	42	190	বিশ্ব আৰুৰ, হামান ও আমের বাহনা ছেল অপরাধা বিশ্ব আইন সম্প্রদার ছিল এক অপরাধী সম্প্রদার	২৮-কাশান ৭-আ'রাফ	200	641
মূপার অপরাধ (মূপার বিরুদ্ধে অপরাধের অভিযোগ, কিবতি	95-0'0EE	18	955				
হভা প্ৰসৰ)		_	ш	বিশ্ব'আইনের সম্প্রনার অপরাধী	৪৪-দুখান	22	box
ৱাসূদ স, এর ঋণরাধ নেই (দূরে রাখা স্তীকে কামনা করলে)	৩৩-ছাহ্যাৰ	62	3,428.	ক্তিরমাউনের সম্প্রদার হিল এক অপরাধী সম্প্রদার	১০-ইউনুস	90	663
শরি (অগরাধে করণে শরি দিতে চান অস্তাহ, মূনফিননেরকে)	৫-মরিদা	85	6040	ব্যত দেব বাবে অপপ্রবিদের, আনসভার পেশ করা হলে (করামতে)	১৮-कार्क	85	940
শন্তি (অপরাদের করেণে লাঞ্চর ও কঠোর শান্তি)	৬-আশ্ আম	248	6ctr	তটকা ও উন্মতকার মধ্যে রয়েছে অপরাধীরা	৫৪-কামার	89	908
শন্তি (অপরাদের জন্য কেন শন্তি নিবেন অল্লাহ- ইহুনী ব)	৫-মাবিদা	29.	4340	মাধা নত করবে অপরাধীরা (কিয়ামতে প্রতিপাদকের সামনে)	৩২-সাঞ্চনা	25	100
পান্তি (আল্লাহ ইচ্ছা করপে অপরাধের শান্তি নিতে পারেন)	৭-আরক	200	644	মৃতি কামলা করবে অপরাধীরা সবকিছুর বিনিমরে)	৭০-মা আরিজ	22	92.
ও'আইং কর্তৃক সম্প্রদায়কে জাসাল সৃষ্টির অপরাধ না করার আহলে	২৯-আনকাবৃত	46	1779	মূৰ ফিবানো (আন জাতিকে মূৰ ফিবিছে নিতে নিকেং)	55- <u>इ</u> ल	22	390
চ'অইব সম্প্রদায়কে পৃথিবীতে অপরাধ না করার আজান	22- <u>द</u> ेल	102	990	বৃৰাধিকৱা অপৱাধী সম্পূদ্যৰ	৯-ভাগবা	99	080
সম্প্রদায়ের অপরাধের ব্যাপারে নবী দায়মূক	22-£68.	92	969	মুসলিমদেএকে অপরাধীদের মত গণ্য করবেন না আপ্লাহ	৬৮-কুলাম	00	>90
সাফা ও মারওরা প্রদক্ষিণ করার জেন অপরাধ নেই	২-বাকুরো	200	673	লকন(অপরাবীদের লক্ষণ ছারা তাদেরকে চেলা ছাবে)	৫৫-রাহ্মান	83	382
রী বের বয়ে গেলে অলবাধ হবে না (খামীর মত্তর লর)	২-বাকারা	480	237	শাক্ত (অগরাম্বীনের মধ্য থেকে প্রত্যেক নবীর জন্য শাক্ত)	२०-एक्सन	0)	93/1
ন্ত্ৰীকে অপরাধের জন্য ক্ষমা প্রার্থনা করতে বলল আবীয	33-2694	59	699	শান্তি লাখৰ করা হবে না (অপরাধী/জাহার্রামিদের)	80-7497	90	200
বীৰুৱ (অপরাধ শীকার করবে জাহন্লামিরা)	৬৭-মূল্ক	22	292	শান্তি (আল্লাহ অপরাধীদের শান্তি দিয়ে থাকেন)	৩৭-সাক্কাত	68	763
খামী-স্তীর অপরাধ দেই (বিনিমর নিরে ধোলা তালাক)	২-বাকুরে	222	036	শান্তি (অস্ত্রাহ নরাশীল বিত্ত অপরাধী হতে শান্তি নিগুর করেননা)	৬-আনু আম	289	653
দামীর নির্কট ফিয়ে আলাতে অপরাধ নেই বলি	২-বাকুরে ২-বাকুরে	449	440	শানি (অপানীয় কি কাৰ্য শনিব কৰা ভানাইটা কৰছে)	১০-ইউনুদ	201	603
গালার (অপরাধ গাঁলার করেছে বারা)				শানি (অপরাধীর জাহান্তানের শানিতে নির্মানী হবে)			
	১-জধ্ব	205	967		8७-पृथ्वस्य	98	ho:
অপরাধী (আরো দেবুন পালী শব্দটি)		_	ш	পিকলে বাঁথা হবে অপবার্থীদেহ(কিরামতে)	১৪-ইবরাহীম	43	69.
তপহন (অণয়ধীয় অপহন কয়দেও অস্তাহ সত্ত প্রতিষ্ঠা করেন)	১০-ইউনুস	24	995	বন্ধর করন জন্য অগরাধীনের জনগানে নিযুক্ত করা	७-व्यान्'व्याम	250	(00)
তপহল (অপরাধীরা তশহনে করলেও সফতে প্রবিষ্ঠিত ও)	৮-আনজাল	ъ	605	নক্ষ হর না অগরাধীরা (আল্লাহ নম্পর্কে মিখ্যা রচনা প্রদর্ষ)	১০-ইউনুস	24	960
ধনীকার ('এটাই জাহান্রম অগরাধীরা ব্যক্তে অধীকার করত')	৫৫-রাহ্মান	80	287	নাতানর (অপরবী নাতানারের প্রতি প্রেরিড হরেছে (দরেশকার)	३१-विकार	62	900
ৰাঙ্গ দেৰতে গাৰে (কিৱামকের দিন)	১৮-কাক্ক	60	459	দশুনার (বপরাধী দশুনার থেকে শক্তি প্রভিহত করা যার দা)	<b>১২-ইউস্ফ</b>	770	60
সাধীদের প্রী অপরাধীদের অন্তর্ভুক্ত (আর্থীয় বলল)	১২-ইউসুক	23	693	সম্প্রদার (অপরাধী সম্প্রদারের প্রতি প্রেরিত হরেছে ক্ষেমেশভার)	৫১-খবিরাত	95	329
সাহ্যর ও জেপ সামান্ত (অপরাধীদের জন্য , দুনিরার )	৭৭-মুখনাল্যত	85	222	সাহাভকারী (স্বপর্যবিধ সাহাহাকারী হবে না মুসা)	২৮-কানান	39	box
ইউসুড় আ, এর ভাইরেরা অপরাধী ছিল	১২-ইউসুঞ্	92	900	হলপথ্যস্থ হবে (অপথারী/কাহদ্রামিরা)	80- <b>549</b> #	98	30
হৈচকুবের পুররা ছিল অপরাধী (ইউসুকের ভাইনের প্রসঙ্গ)	১২-ইউসুঞ্	27	600	হত্যপ (অপরাধীরা হত্যপ হতে, বিরামতের দিন)	00-8¥	34	45
কসম করে বলুবে অপরাধীরা (মনিরার অবস্থান সম্পর্কে)	00-8X	92	5-59	হালি-ঠাটা করতো (বুরিনদেরকে নিরে অপরাধীরা)	৮০-মুনার্কাকনীন	23	202
পবিধার কলাবী সংগ্রাহার অনুষ্ঠিত (আরত সম্পর্কের আ	82-साहिता	66	Pod Pod	ক্ষার (অপরবিদের ক্ষারে অধিকাস সম্ভার, ব্যবহান অধীকার প্রসঙ্গ	59-a,alst 20-Teldiamu	200	303
করামতে অপরাধীনের দৃষ্টিহীন করে সমবেত করা হবে	२०-जा-श २०-जा-श			क्ता (वन्त्रवास कृत वन्त्रम नमार, वृत्त्रक वर्गास तन्त्र) कृत (वन्त्रवीत कृत राज्यत तन्त्रम ति वित्त तस्त्र नमार.)			
		305	181		১৫-হিম্মর	25	655

नंभ वित्रश्र/वान्तर	সূৱা বং ৩ বাম	1001	र्का	भव दिस्तृ/श्रमव चल्ला	সুৱা দং ও বাম	40.5	1/8
অপারচিত		_	$\perp$				-
মেহমান (ফেরেশভাদেরকে) অপরিভিত ভাবলেন ইবরাহীম	<b>33-वृत</b>	90	645	ভূকরীকে আল্লাহ অপ্রির করেছেন (মুমিনদের জন্য)	৪৯-হন্দ্রাত	٦	250
গোক (সম্মানিত অভিধিনেরকে অপরিচিত লোক মনে হল)	৫১-বাবিক্সত	-32	250	পাপাথারকে অস্তাহ অপ্রির করেছেন (মুমিনদের নিকট)	৪৯-হত্ত্বাত	٩	25
লোক (অপরিচিত লোক মনে করল লুত কেরেশতানেরকে)	১৫-হিজর	65	403	प्यून्तव			
অপরিচ্ছন্নতা		-		প্রতিদান (অভুরুত্ত প্রতিদান, ইথানদার সংকর্মশীলনের জন্য)	৮৪-ইন্পিকাক্	48	207
হক্ষের সময় হক্ষুকরিদের অপরিক্ষ্রেতা দূর করা এগদ	22-SP#	5.5	960	প্রচিদান (রাসুল স. এর জন্য অভুরন্ধ প্রতিদান)	৬৮-বুগলাম	9	330
অপরিবর্তনীয়				প্রতিদান (সংকর্মশীল মুখিনাদর জন্য অফুরস্ক প্রতিদান)	৯৫-তীন	0	208
শ্বাদ (কাল্লাতের দুধের শ্বাদ অপরিবর্তনীয়)	৪৭-মুহামান	20	250	প্রজিনান (মুমিন ও সংকর্মশীলনের জন্য অভুবন্ত প্রতিদান)	৪১-কুস্সিলাত	b	YH
जनाईकार्य	0 1-10-41	-	1000	অবকাশ/অবকাশপ্রাপ্ত			
শন্তি অপরিয়র্থ হত প্রতিপাদকের নির্নিট সমর/বাদী না থাকলে)	२०-छ-स	243	185	অবাধ্যভার নিশেহারার মত যুবে বেল্লবার অবকাশ	৬-আনু'আম	220	800
পরি (মিখ্যা অভিহিত করার জন্য অপরিহার্য পারি আনবে)	২৫-কুরকান	99	93/9	ইবলিস অংকাশপ্রাপ্ত, কিয়ামত পর্যন্ত	৭-আ'রাক	32	938
অপস্থিত		-		ইবলিন অববাশপ্রাপ্ত (প্রতিশাসকের ঘোষণা)	৩৮-মোৱান	910	399
নিনকে রাত থেকে অপসারিত করলে, নানুষ অন্ধনারাজনু হয়	৩৬-ইয়াসীন	99	b-08	ইবলিনের অববাশ প্রার্থনা (পুনরুখানের নিন পর্যন্ত)	৩৮-দোৱান	939	29
াদনকে রাত থেকে অপনারত করণে, নাপুব অধ্যক্ষামঞ্জু বয় পোশক অপনারিত করেছিল শরতান আদম ও তার স্থী বেতে	৭-আয়াক	29	976	ইবলিনের অবকাশ রার্থন (বিয়ামত পর্যন্ত)	১৭-ইসরা	64	930
	५-वा श्रव	44	936	ইবলিসতে অবতাপ নিচেন আপ্রাহ (পুনঞ্চবানের নিন পর্যন্ত)	20-Res	209	901
পতি বপসায়িত করলে মুসাকে বিশ্বাস করার ওয়ালা	৭-আ'রাফ	308	648	ইবলিসকে অবকাশ প্রদান (পুনরুখানের দিন পর্যন্ত)	১৫-হিম্মর	1034	888
(ভিরম্বাউন প্রমঙ্গ)		-	ш		৭-আগ্রাক	78	976
শন্তি অপনারিত করনেই প্রতিশ্রুতি চঙ্গ করত (ফিরজাইনের	৭-আ'বাক	200	948	ইবলিন অবকাশ প্রার্থনা করণ (পুনরুখানের দিন পর্যন্ত)			
সংখ্যনার)		_	-	ক্ষত্তীকাকে অবকাশ (স্বাহ্মলকা লাভ দা করা পর্যস্ত)	২-বাকুরা	500	200
अर्शकर्मार्ग				কবিজন অবকাশ পাবে না (ফেরেশতা প্রেরণ করপে)	>४-रिसर	ъ	999
অপ্রিশিব (জিন আরমের সংবাদ করের গেলে অপেকমান অপ্রিশিব)	१२-बिन्	>	20.0	কবিয়নের নামত্রিক জননাপ ও মানুল প. কে নিধাবাদী বলার পান্তি	22-Sae	88	964
সাকী দুজনকে অপেক্ষমান রাখতে হবে প্রসিরত প্রসংগ	৫-মারিদা	Sob	690	কাবিবদেরকে বিজ্বন্দ অবকাশ দানের নির্দেশ	৮৬-ভারিক	39	202
অপেকা (আরো দেখুন প্রতিকা শব্দটি)				কাভিরনেরকে সামান্য অবকাশ দেয়ার নির্দেশ	৭৩-মুখ্যামিল	22	29.0
আপ্রাহর আসার জন্য অপেকা যে	२-राङ्गरा	930	620	কাভিয়নেরকে অবকাশ দেৱা হবে না	২-বাকুরো	382	675
প্রমান আনে না যারা আরা অপেকা করুক	33- <b>व</b> न	344	695	कविनात्मकाक जनकान (मता एठ ना (उपदानक जनकीर्ग कहा गएन)	৬-আনু'আম	b	6.94
মাক্রির কি শান্তির জন্য অংশক্ষা করছে।	১০-ইউনুস	204	668	কাবিবনেত্রক অবকাশ দেৱা হর পাপ বৃদ্ধি পাওয়ার জন্য	৩-আলে ইমবান	249	66
বিশ্বামত আসার অপেকার আছে কি জালিমরাঃ	80-148-A	99	300	কাৰিবদেৱকে অবকাশ দেৱা তানের কল্যাণের জন্য নয়	০-আৰে ইমরান	230	20
কিলামতের অনেকা করছে কিলামতের অনেকা করছে	৪৭-মুখ্যম্প	75.	970	কাবিবাদেকে কংকাশ দিয়েছিলেন অস্তাহ	১০-রা'দ	02	69
				কাভিবলের অবকাশ দেয়া হবে না (বিবামতে)	৩২-সাঞ্জ	23	bro
অদিনর কি কিরামত আসার অপেকার আছেঃ	80-पृष्ट <del>्र</del> ण	66	300	কাহিবদের অংকাশ দেরা হবে না (ভাহান্তামের আচন প্রসঙ্গ)	२५-वाधित	80	98
বাধবান অপেকার বাছে (সীমালব্দনকারীদের জন্য)	৭৮-নাবা	52	2007			08	395
ধোরাজনু নিনের/কিয়ামতের অপেকা করার নির্দেশ	88-मुक्तम	30	305	গোমরাহীতে থাকার অবকাপ দেয়া (মানুঘকে)	২৩-যুমিন্ন		
পরিণামের জন্য অপেকা করছে বারা ইনকে খেল-ভামাশা	৭-আর্থক	60	925	ভূবে বেদ্যানের অবকাশ (অবাধাতার দিশেহারা হক্তে)	৭-আ'রফ	39.9	60
প্রস্তৃতির অপেকা না করে গাবার জন্য নবীর ঘরে প্রবেশ করা	৩৩-আহ্বাব	20	bob	জনপাকে অবলাশ (জালির থানা অবস্থার) শান্তি আসার পূর্বে	২২-হাজ	87	98
याद्य मा		1,0		জলিমর অবরূপ প্রার্থনা করনে (রাস্পা স. এর অনুসরগের জনা)	১৪-ইবরাহীম	88	69
ফেরেণজ/প্রতিপালক/নিনর্শন আসার অপেক্ষা (কাফিরনের)	৬-আন্'আম	349	654	জালিম অনপথকৈ অংকাশ ও পরে পাকড়াও করা প্রসঙ্গ	২২-হ্যক	87	98
বিকট পাপের অপেক্ষা করছে কাহিবরা (কিরামত প্রদক্ষ)	৩৬-ইরাসীন	82	P48	জলিয়দের অবকাশ (আডছে চোৰ ছিব হওয়ার দিন পর্যন্ত)	১৪-ইবরাহীম	83	99.
মু'মিনসেরকে অপেকা করতে বপরে মুনাজিকরা (কিয়ামতে)	৫৭-হাদীদ	70	782	জালিমদের অবকাপ দেয়া হবে না (কিরাথতের শান্তি থেকে)	১৬-নাহ্দ	9.6	331
মুনাচিকরা সামান্যই অপেকা করত (খলক যুদ্ধ প্রদক্ত)	৩৩-আহ্বাব	28	3.08	মিনিট সমন্ত পৰ্যন্ত (কাফিবলেরকে)	১৪-ইবরাহীম	30	999
রাসুল স, এর অপেকা (ফারসালার নিন আনা প্রসঙ্গ)	৩২-সাম্পা	00	205	নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত মানুষকে আল্লাহ অবকাশ দেন	১৬-নার্শ	93	90
য়ানুগ ন, এর মৃত্যুর অপেক্ষা করে (কাফিরো)	৫২-কর	00	300	নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত অংকাশ (নূহ সম্প্ৰদায়ের ইবাদত প্ৰদাস)	93-75	8	301
শংখ্য (বিবট শংখ্য অপেফা করছে বারা নিথাবাদী বলেছিল)	৩৮-মেরাপ	34	466	দিনিট সময় পর্বন্ধ অবকাশ (মাল্লাহ মানুদকে দেন)	৩৫-ফাতির	80	70
শান্তির জন্য অশেকমান কাহিবলের সাথে রাসুলও অশেকা করছে।।	১০-ইউনুস	203		নৃহ আ, কে অবকাশ না দেৱার আহবান (সম্প্রনারের প্রতি)	১০-ইউনুস	45	06
শান্তির জন্য কাফিবলের অপেকাং	১০-ইউনুস	204	666	ग्रहाडेलाइएव द्वार व्यवसम् (महात द्वार्यन)	১৯-মারইরাম	90	30
সলিহ আকে অপেকা করার নির্দেশ (ছাতুদ জাতির পরীক্ষা প্রসম)		49		दार्थना (जनवर कदाव बना घरवान दार्थना)	७०-सगरिक्कन	30	200
হুল আ, সন্দ্রলায়কে অপেকা কয়তে বলল (প্রতিশ্রুত নার্ডির কল)		93	959	क्षित्र व्यक्ति मन्द्रमाहरूक व्यक्तम (महा रहनि	88-जुबान	3%	30
	2-41 814	12	679	থাৰুত্বকে আপ্ৰাহ নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত অংকাশ দেন	১৬-নাহদ	45	90
অপেন্দাকারী		-	-			80	
কাধিবরা অপেকারারী (কারসালার দিন আসা প্রসঙ্গ)	৩২-সান্ত্র	00	3405	নিখা অভিহিতকারীদেরকে অবকাশ নিজেন আল্লাহ	৬৮-বুলোম		94
রাসুল ও মুমিনগণও অপেফাকারী (শান্তি প্রসক)	<u> </u>	255		মিখ্যা অভিহিতকারীনেরকৈ অন্যাপ দেন আপ্তাহ	৭-আ'রাঞ্	7200	90
রাসুগও মপেকারী। (শান্তির জন্য অপেকমান কাকিরনের নামে)		205		মুধাকিকসেরকে দিশেহারা হয়ে ঘূরে নেড়ানোর অবকাশ দেন	২-বাকুরো	30	20
হন আ, নিম্নেও অপেক্ষাকারী (প্রতিক্রণত শান্তির জন্চ)	৭-আ'রাফ	42	979	चोहर			_
অধ্বাশ্য				মৃত্যুর সমর এনে গেলে আল্লাহ কাউকে অবকাশ নিধেন না	७७-पूनाफिक्न	32	100
অস্ত্রীলভা (অপ্রকাশ্য অস্ত্রীলভা হারাম করেছেন আল্লাহ)	৭-আ'রাক	00	632	বৃদ্ধ থেকে অবকাশ প্রার্থনা (একদশ লোকের)	8-मिश	99	60
पत्रीगता (असन्। अक्षसन्। पत्रीगताः निकोनसी २७ता यारान)	৬-আন'আম	265		রাসুল স্. কে অবকাশ না দেৱা (পরীক্ষে আকা ও ষড়বস্ত প্রপাষ)	৭-আ'বাদ	794	60
अहार अश्वमान जाहारत गीत्रवर	৫৭-হাদীদ	0	785	শান্তি থেকে অবকাশ দেৱা হবে না আনেরকে যায়	০-মালে ইমরান	66	48
নায়ার (অস্তাহ মানুহার প্রতি অপ্রকাশ্য পোমাত পূর্ণ করেছেন)		30	bab	শান্তি থেকে অবকাশপ্রাপ্ত হওয়া (অপরাধীদের কামনা)	২৬-৩'আরা	200	93
পাল (প্রকাশ ও অপ্রকাশ গাল বর্জনের নির্দেশ)	৬-আন'আম	340		শান্তি থেকে জালিমদের অবকাশ দেয়া হবে না (বিশ্বামতে)	১৬-নাহন	be	93
	ক-বার্ন বার	1240	954	সীয়ালমনে অংকাৰ (বার আপ্রাংর সাঞ্চাতের আনা করে না.)	১০-ইউনুস	22	600
অপ্রতিরোধ্য		_	-		35-40-21 33-4F	00	69
অপ্রতিরেশ্য নিশ্ববিদ্যানত জাসার পুরেই জাল্লাবর ভাবে সাড়া	৪২-শ্বা	189	926	হুদ আ, কে অবকাশ না দেৱা (সম্প্রদারকে আমান)		64	100

অ			<b>অৰণ্ড</b>
1-PANGERSON	-	BROWN IT AND	provide the property of the property of the last

কিবাৰ অংকীৰ্ণ (মহাপ্ৰতাপৰালী ও প্ৰঞাৱন অস্তাহৰ নিকট বেকে) ৪৫-মাছিয়া

অবতারণ (তানবীদ) অবতারণকারী

কিতাৰ/কুরআনের অবভারণ আপ্রার্থ পক্ষ ছেকে

অ		- 7	বৰগত	चरहीर्थ			
পুৰ বিৰুগ্ৰনৰ অৱণাত	मूब मा च पत	100	*	निवार्यकरण विकास करवान ट्रीक्टनाव्य निकी द्वार (द्वार मध्य (नी))	কুল্প ক্রম্ ৩২-সাজ্পা	1	1000
আয়াত অৰণত হয়ে কাহিব তাকে উপহাস কৰে	৪৫-কাছিরা	>	306	কিতাৰ অবভাৱণ করার বিষয়টি আল্লাহর পঞ্চ থেকে	৪৬-আহ্বাক	2	306
স্বাস্থ্যই অবশত স্বাহ্নে (কাঞ্চিরদের গোপন করা বিষয়)	৪৭-মহামাণ	26	978	কিতাবের (কুরজানের অবতারণ আল্লাবর পক্ষ থেকে)	৪০-মুখিন	2	595
মাস্ত্রাহ অবপত আছেন মানুহের কতকর্ম	23-874E	30	263	কুরআনের অবভারণ(আবাণ-পৃথিবীর প্রটার পক্ষ বেকে)	২০-ছা-ছা	8	183
সন্ত্ৰাহ অৰণত সাছেন সু'নিৱা যা করে	২৪-লুর	00	110	সংবভিদ অবভরণকারী অন্তাহ (নৃহের বন্যা প্রসঙ্গ)	২০-মু"মিলুন	48	965
আল্লাহ অবগত (কৃতজ্ঞ লোক সম্পর্কে)	৬-আন'আম	20	800	অবতারণা		_	_
আল্লাহ অবপত (মানুহ যা করে সে সম্পর্কে)	২-বাকারা	₹98	653	গুলতর বিষয়ের অবভারণা করেছে (কান্সিরে)	১৯-মারইয়াম	bh	980
সাল্লাহ অবশত(মানুহ যা করে দে সম্পর্কে)	৩১-পুরুহান	43	5-59	অবতীৰ্/অবতীৰ্ণ করা (আরো দেখুন নাথিদ করা)		_	_
অল্লাহ অবসত (মানুবের কৃতকর্ম সম্পর্কে)	8-निमा	252	690	অনুপ্রহ/ওই) অবতীর্ণ করেন আল্লাহ (যে বালার প্রতি ইচ্ছা)	২-ৰাকুৰো	30	670
আল্লাহ অবশত মাশুবের কাঞ্জ সম্পর্কে	৫-মারিপা	¥	60.7	অনুসালে ৬ই/অবতীর্ণ কিতার অনুসঞ্জর মূর্ণাইকদের অধীকৃতি)		52	200
অল্লাহ অবগত (মানুবের কৃতকর্ম নম্পর্তে)	৪-মিলা	36	699	আতাপ থেকে অবতীর্ণ করেন পিশাবরি	२8-नव	80	9.93
আল্লাহ অবগত (মানুহের কতকর্ম সম্পর্কে)	৬৩-মুনাকিকুন	22	366	আতাপ থেকে অবার্ডিপ গানির মত (বনিয়ার শ্রীবনের উপমা)	79-915@ 40-/u	84	948
অক্সাহ অংগত (মানুহের কৃতকর্ম সম্পর্কে আস্থাহ পূর্ণ অংগত)	৬৪-তাগাবুন	ъ	366	আকাশ থেকে আল্লার পানি বর্ষণ করেন (উল্লিন উৎপদ্র প্রসঙ্গ)	১৬-নাহল	30	90
অন্তাহ অবণত (মানুহের কতকর্ম সম্পর্কে)	৪৮-ফাতহ	22	374	আভাপ থেকে পদি অবস্থীৰ্ণ কৰেন (আছাৰ)	৬-আন্তাম	99	600
याद्वार यार्थन, युनाविकता या कटत	<b>48-</b> नव	60	993	कावान (बंदन वा वर्ग्यन वव वा वावाव कावन	৩৪-সাহ	2	783
আল্লাহ অবগত মুমিনদের কাঞ্চ সম্পর্কে	০-মালে ইমরান	250	220	আকাশ থেকে যা কিছু অবতীৰ্ণ হৰ তা আপ্তাই স্বায়ন	৫৭-হালীন	÷	385
অস্ত্রাহ অবগত, মুমিননের করে সম্পর্কে	\$-1816RE	35	483	অন্তাত (সুস্পন্ধ অন্তাত অবতাৰ্থ করেছেন অস্তাহ)	28-74	08	335
অস্ত্রাহ অবগত (মুমিন মর-নারীদের গতিবিধি ও অবস্থান)	৪৭-মুখ্যমদ	79	270	অন্তাত (বু শার অন্তাত অবতীর্শ করেনে অন্তাত)		4	34
আপ্তাহ তার বাদ্যা সম্পর্কে পূর্ণ অবগত ও পূর্ণ দৃষ্টিবান	82-78	29	590	অবাত (বুশ্বর অবাত অবতার করেনে অস্তাহ) অবাত (অবার্তির অবাত সম্পর্কে অস্তাহ সংস্কৃতে ভাল <b>মা</b> নেন)	৫৮-মুজানালা ১৬-মাহল		
আন্তাহ পূর্ণ অবশত ও সর্বন্তরী (বান্দাদের সম্পর্কে)	৩৫-ফাভির	60	b85	অবাত (বংগাল অবাত নশ্যতে অক্সাই নব্যাতে তাল জানেল) আবাত অবতীৰ্ণ করেছেল আক্সাই		707	953
আপ্তাহ পূৰ্ণ অৰণত ৰান্যানেৰ সম্পৰ্কে	১৭-ইপরা	20	133	আয়াত অংকাশ করেনে আল্লাহ আয়াত অংকীশ করেনে আল্লাহ	२८-मृद	86	9.93
আল্লাহ পূৰ্ণ অবগত (মানুহের কৃতকর্ম সম্পর্কে)	০০-জাহকৰ	3	3100	আহাত অবতীর্ণ করেন আল্লাহ (বান্দাকে অন্ধকার থেকে)	२८-नृत	2	998
আপ্তাহ পৰ্ণাহৰণত (মানুহৰৰ কতকৰ্ম সম্পৰ্কে)	৫৭-হাদীদ	30	383		হণ-হাদীন		
আল্লাহ পূৰ্ণ অৰণত (মানুহের কতকর্ম সম্পর্কে)	2-MAIN	542	605	অবার (বিবাহের অরার অবর্তীর্ণ, প্রতিপাদকের পক থেকে)	১৩-রা'দ	7	694
আপ্তাহ পূৰ্ব অবশত (মানুহের কতকর্ম সম্পর্কে)	৫৮-মুজানালা	22	950	আরাত অবতীর্ণ (রাস্থ স. এর প্রতি সুস্পট আরাত অবতীর্ণ)	২-বাকৃারা	27	627
আপ্তার পূর্ব অবশ্বত (মানুহের কৃতকর্ম সম্পর্কে)	৫৮-মুজানালা ৫৮-মুজানালা	9	302	আলাত অবতীৰ্ণ হওয়ার পর রাস্ক স, কে যেন বিরত না রাখে	২৮-কামাদ	৮৭	P.70
আন্তাহ প্ৰভোক বিশ্বয় সম্পৰ্কে অবগত	२५-वाश्वि	142	922	অস্ত্রাহ অবর্তীর্ণ করেছেন কিতাব ও দক্তিপাল্লা	৪২-শূরা	39	734
আন্তাহ সকল বিষয়ে অবগত	००-वाश्यार	98	P00	আপ্তাহ আকাশ থেকে পানি বর্জন করেন (উল্লিন উৎপন্ন প্রসঙ্গ)	১৬-নাব্দ	20	900
আপ্রাহ্ সকল বিষয়ে অবগত	44- <b>1</b> 799	60	958	অন্তাহ কিছু অবতীৰ্ণ করেননি (সংযান্ত্ৰামিরা বলত দুনিয়াতে)	৬৭-মূল্ক	>	265
আল্লাহ সকল বিষয়ে অবগত(তাকওয়া প্ৰসঙ্গ)	৪৯-হত্ত্বাত	30	247	অপ্তাহ যা অৰতীৰ্ণ করেছেন তার সীমা কানে না বেণুইনরা	৯-ভাওৰা	39	600
আপ্রাহ মমিনদের কান্ধ সম্পর্কে অবগত (ন্যারবিয়ার প্রদক্ত)	৪-নিদা	200	648	আল্লাহ বা অবস্তীৰ্ণ করেন (কাহিবরা তা অপছন্দ করে)	৪৭-মুখ্যখাদ	46	278
আল্লাহ মুমিনদের হৃদরের কথা সম্পর্কে অবণক	৪৮-ফাতহ	25	229	অপ্তাৎ বা অবজীর্ণ করেছেন (কাঞ্চিবরা তা অপছন্দ করে)	৪৭-মুহাম্মদ	2	224
বার্বকদাপ (মুনাফিকদের কর্মসমূহ সম্পর্কে আল্লাহ অবগত)	৪৭-মহাত্মদ	00	978	অপ্তাহ যা অবজীর্ণ করেছেল তার বান্দার উপর (বসরবৃদ্ধ)	৮-আন্দাল	87	900
তাল সম্পর্কে (মানুবের সকল কাল সম্পর্কে আল্লাহ অবগত)	২৭-নামপ	77	309	অল্লাহ যা অবন্তীৰ্ণ করেছেন তা ধার বিধার-মারসাল করার নির্দেশ	৫-মারিদা	85	200
কৃতকর্ম (আপ্লাহ কৃতকর্ম সম্পর্কে পূর্ণ অবগত)	৫৮-মনানানা	20	300	অল্লাহ যা কংকীৰ্ণ করেছের তা ধারা ফারসালা করে না যারা	৫-মারিদা	89	ere
প্রতিশাসক বান্দাদের সম্পর্কে পূর্ব অবগত ও পূর্ব দৃষ্টিবান	১৭-ইস্রা	00	936	আল্লাহ যা অবজীৰ্ণ করেছেন ভার অনুসরণ করতে বললে	২-বাকুরো	340	679
প্রতিপাপক অবণত থাকবেন (বিয়ামতে মানুবের বিবর সম্পর্কে)	১০০-'আনিয়াত		3000	অক্লাহ্ যা অবন্তীৰ্ণ করেছেল তা দিয়ে বিচার ফারণালা করে না যাব	৫-মরিদা	88	200
প্রতিশাশক তা অবগত আছেন, মুশরিকরা যা করে	<b>33-इम</b>	222	598	অক্সাহ বা অংশীৰ্ণ কয়েছেল ভা থেকে দেন রাসুল স, কে বিচ্চাত	৫-মারিদা	89	260
কিরঅভিন অবগত আছে যে নবই আল্লাহ অবতীর্ণ করেছেন	১৭-ইসরা	205	920	আল্লাহ্য অবজীৰ্ণ করা ওহাঁর মত অবজীৰ্ণ করতে চাওয়া	৬-জানু আয	300	900
নৃষ্টিকর্তা (আল্লাহ) অবগত (সকল বিষয়)	৬৭-মূপ্ত	28	250	व्यक्तादत व्यववीर्ण क्या विधान संदा विप्राय क्यानमा करत ना याता	৩-মার্থিদা	8¢	(b)
चरका	01.41	-	10.12	অল্লাহর অবজীর্ণ কিজাব যারা গোপন করে	২-বাকুারা	398	629
দামীর পক্ষ থেকে প্রীকে অবজ্ঞার আশহ্য	g_Sar	535	290	অল্পান্তর অবতীর্ণ কুরামানে দীয়ান আনার অহবান (অহলে কিতাবকে)	8-निमा	65	266
जवडर्ग (मुरुष)	847791	-0	6.10	অল্পাহর অবর্তীর্ণ বিষয় ছাত্র বিসর করে না ঘরা জরা ক্ষমিক	৫-মারিদা	89	and
	৪০-মুখিন	1.0	৮৭৯	অল্পাহর অবতীর্ণ বিহল্প ও রাসুল স, এর দিকে আসতে কলা হলে-	৫-মায়িকা	308	690
তথ্য অৰত্যাপ কৰেন আপ্লাই ৰান্দানের মধ্যে যার প্লাত হক্ষ্য জিলানিক/ব্যহ অৰত্যাপ করে কলর বাতে প্রেতিপালনের নির্দেশসহ।				অস্তাহ দৰই অবভীৰ্ণ কয়েছেদ (কিরঅটিন ডা অবগত আছে)	১৭-ইস্রা	305	940
জনায়ালগুৰুহ অংকাল বাবে বনার বাকে (প্রাক্তশানারে সালোপার) জিবরাধিকের (কুরুমান নিয়ে বিশ্বর এর/জনবাধিকের অবকারণ)		8	2059	অস্ত্রাহ কুরআন অবতীর্ণ করেছেন (কলরের রাজে)	১৭-কানর	١	205
াজবরাসলের (কুরআন দেরে বিশ্বস্ত ভ্রহ/জবরাসলের অবভরণ) দশরে অবভরণ (বনী ইসরাঈশকে নগরে অবভরনের নির্দেশ)		790	499.	আপ্তাহর পক থেকে অবস্তীর্প উত্তম কিস্তাহের অনুসরণ	৩৯-বুমার	65	5-96
			603	অপ্তাহর নিকট থেকে কুরজন অবজীর্ণ	৩৬-ইয়াসীদ	0	me:
দূহকে শস্তি ও কল্যানসহ নৌকা থেকে অবতরদের নির্দেশ	77-ईस	87	990	আল্লাহর নির্দেশ অবর্ত্তীর্ণ (ভালাক ও ইন্দত প্রসঙ্গ)	৬৫-ডাল্ডক	0	200
ফেবেশতা অবভরণ করে কনর রাতে (প্রতিশালকের নির্দেশ নিরে)		8	2057	আপ্রাহর নির্দেশ অবর্ত্তার্শ হর পৃথিবীতে (অপ্রাহর পঞ্চি/জন প্রসঙ্গ)	PG-RINIS	22	200
ফেরেশতা অবতরণ করে সাহাত্য করেন আল্লাহ বদর যুদ্ধে	৩-আদে ইমরান		28৮	অক্সাহর অবর্তীর্ণ বিষয়ের (কুরআন) প্রতি ঈমানের আহবান	২-বাকুরো	33	230
ফেরেশতা অবতরণ করে না প্রতিপালকের নির্দেশ ছায়া	১৯-মাধ্ইরাম	68	50%	আলো অবলির্গ প্রেটিপালক মানুদের প্রতি আলো অবলির্গ করেন)	৪-নিগ্র	398	692
ব্যক্তমন্ত্র অবভরণ প্রার্থনা করলেন (নৃত্ত প্রতিশাসকের নিকট)		4/5	969	আলে (আপ্রার যে আলো অবজীর্থ করেছেন আরে ইয়ান আনা)	১৪-জাগারুব ১৪-জাগারুব	318 b	3/30
ব্যক্তমন্ত অবভরণস্থলে অবভরণ প্রার্থনা করলেন নুহ	২০-মু'মিনূল	23	969	আলো (আপ্রার বৈ আলো অবতাশ করেছেশ তাতে স্থান আনা) আলো/ভূরজান অবতীর্ণ করা প্রসঙ্গ (রানুষ্ণ স. (ত)	৭-আরাক ৭-আরাক		
निम्हापूर्ण पुनवादाह व्यावकान्याम क्रिगहर्षिणाव (मार्व्यक्रिमन क्रम्म)	१०-गावम	30	305	খানে। মুখানান ব্যবহার পরা প্রস্থ (রাস্থা স. (৫)	7-41 8/9	209	629

৩৯-যুমার

আংশ/কুলমান সম্বতন করা এবং (মাত্---, ১০) আংকে কিভাবনের প্রতি অবজীর্থ কিভাবে বিশ্বাস প্রসঙ্

২৯-আনকাবত ৪৬ ৮২০

৩-আলে ইমরান ১৯৯ ৫৫৫

THE STREET STREET	ज्या गर ७ माम		100	भाष विषयः/दागम ( त	कृति मार च नाम ३९-देशवा	206	19
जबर्शीर्थ (पूर्व पृक्षे (बदक)			-				
ইবরাধীয়ের উপর অবতীর্ণ বিষয়ের প্রতি ঈমান	৩-আলে ইমরান		488	কুরঝান অবস্তীর্ণ করেছেন ডিনি যিনি গোপন বিষয় জানেন	২৫-ফুরকান	6	9
ইছ্পীনের উপর অবতীর্ণ ভারবাতের প্রতি ঈমানের দাবী	২-ৰাকাৰা	97	670	কুরঝান অবতীর্ণ করে জিবরাইল (রাসূল স, এর হসজে)	২-বাকুরো	59	4
ঈমন (অবতীর্ণ কুরঝানের প্রতি ঈমান আনার নির্দেশ)	২-বাকুৰো	82	505	কুরখন অবতীর্ণ করেন আস্থাক (সুমিনদের জন্য আরোগ্য ও নয়া)		2.5	19
ইয়ান (অবতীর্ণ বিষয়ের প্রতি ইয়ান)	৩-আলে ইমবান	b/8	288	কুরঝান অবতীর্ণ বিধানরপে (আরবি ভাষার)	২০-রা'দ	09	0
প্রথম (অবজীর্ণ বিষয়ের প্রতি ঈমান আনহেদ কবিছের সাথে বস্তুত্বে নার।	৫-মরিদা	5-3	230	কুরঝান অবস্তীর্ণ হয়েছে সত্যসহ	১৭-ইস্রা	305	٩
ইমান (মুসলিমদের প্রতি অবতীর্ণ কিভাব/কুরআনে ইমান)	২-বাকারা	200	676	কুরজান অবজীর্ণ হয়েছে জাল্লাহর নিকট থেকে	৪১-মুগ্সিমাভ	82	ъ
ষ্টমানারদের উপরে অবস্তীর্ণ বিষয়ে দিনের প্রথমভাগে বিশ্বাস ও	০-আলে ইমরান	92	283	কুরজান পর্বায়ক্রমে অবজীর্ণ (রাসূল স. এর প্রতি)	৭৬-পাব্র	40	b
ইয়ান (পর্ববর্তীদের প্রতি অবতীর্ণ কিডাবে ইয়ান)	২-বাকারা	100	224	কুরবান (প্রতিপালকের কাছ থেকে সভ্যসহ কুরবান অবভীর্ণ)	১৬-নাহ্দ	205	٩
ইমান (বাসল স. এর প্রতি অবতীর্ণ করআন/পর্ববর্তী বিজ্ঞাবে ইমান)	8-सिमा	60	268	কুরজান মহাবিশ্বের প্রজিপালকের পক্ষ হতে অবতীর্ণ	৫৬-ওরাকিরাহ	bo	8
উপকল্প অবস্তীৰ্ণ ব্যৱহান প্ৰতিপালক (কাভিব্ৰৱা বলে)	১৮-নাহদ	48	908	করআন অবচরণ সম্পর্কে কাঞ্চিররা বলে	২৫-ফরকান	05	9
উপদেশ অবচীৰ্ণ (বহুকভমন্ত উপদেশসভূপ কর্মান অবচীৰ্ণ)	३३-व्यक्ति	do	900	কর্মান অবভর্গের সময় প্রশ্ন করা হলে কর্মান ভা প্রকাশ	৫-মারিনা	202	e
ওৱী স্বোপ্তার ভার যে বান্দার প্রতি ইক্ষা ওহী অবতীর্ণ করেন।	२-सङ्ग्रवा	20	670	করতান আন্ধর্মীর উপর অবস্তীর্ণ করণেও আরবরা বিশ্বাস করকনা	২৬-৩'আরা	250	9
থবী (জাল্লাহ বাকে উদ্ধা ক্রমের ফেরেশলা অবস্থীর্ণ করেন)	३५-नदन	3	900	ক্রমান অবস্তীর্ণ (মাল্লাহর জ্ঞানসং/জ্ঞাতসারে)	33- <b>5</b> H	28	6
क्साव्य शास्त्र जात्वार करणान जनतीर्ग करवाचन	১৭-কানর	3	2059	ক্রমান আরবি ভাষার অবস্তীর্ণ (ভর/উপদেশ হিসাবে)	২০-জ-হা	330	9
কলান প্রতিপাদক যে কলান অবতীর্ণ করেন মসা তার চিবারী।	৯৭-কাশম ১৮-কাশাস	38	20-68	কর্মান আল্লাহ অবস্তীর্ণ করেছেন (কনরের রাজে)	৯৭-व्यम्ब	2	30
क्यान (दारुनान्य ८६ कमान अरखन वर्तान कृत का ।क्यान क्यान सर्वीर्ण प्रतिनात्त्व असि क्या (क्यान कृत प्रतिनात्र	২-বাকুরা ২-বাকুরা	302	675	করআন (ভিতাব অবস্তীর্ণ করেছেন আপ্রার আরবি করআনরপে)	১২-ইউস্ক	4	6
ক্ষণে বৰ্তন বুমন্ত্ৰে প্ৰত হতে। (ভাৰম্পুনামক চাৰণা) ভাৰতে দিখিত ভিতাৰ অৰতীৰ্ণ কৰলেও ঈমান না আনা	ত-বাড়ায়া ৬-আন'আম	9	634	क्रमान (कन 'प्रवान शक्तितात' केशव अवसीर्थ इन मार	80-9689	40	8
কাণকে লাখত কিতাৰ অৰতাপ কালেও সমান না আনা কিতাৰ (বাস্পথ্যাৰ প্ৰতি অৰতীৰ্ণ কিতাৰে মুৱানীগণ বিশ্বাসী)				क्रुप्रमान एवम प्रदान कार्कान कराइ वर्गका वर्गका वर्गका वर्गका मान्	১৭-ইস্রা	305	9
		8	205	ভুরনান জনকের প্রতিশালকের পাত থেকে অবস্তীর্ণ	২৬-জ'জারা ১৭-২শুমা	200	19
কিতাৰ (রাসুল স. এম/ক্ষায়েল কিতাকো প্রতি অবজীপ কিতাবে বিশ্বাস)		86	3.50				
विकार (ब्रापून न. এर উপर विकार करकेर्प, महा ও পর্যনির্দী বিষয়প)		68	405	কুরুমানু বিশ্বির রাসুগ ল, এর উপর অবর্তীর্ণ (শেষ্ট করা ও চিন্তর করে)	১৬-নাব্দ	8-8	9
কিতাৰ (য়াসুদা স. এর প্রতি অবতীর্ণ কিতাব বয়কতময়)	৩৮-সেৱাদ	439	৮৬৭	কুরসান পাঠ, মানুদের (বীরে পাঠের জন্য বন্ধ বন্ধধানে	১৭-ইস্রা	300	9
ভিতৰ/হিন্দ্ৰত অবস্তীৰ্ণ (নবীৰ প্ৰতি ভিতাৰ/হিন্দ্ৰত অবস্তীৰ্ণ)	৪-দিসা	220	642	কুরখান বাস্ল স. এর প্রতি অবতীর্ণ (আনের ভিত্তিত)	৪-নিদা	365	2
বিভাবে অবতীর্ণ নির্দেশ (আয়াতে অবিদ্বাস ও ঠাইা-বিক্রপ প্রসঙ্গ)	৪-নিসা	380	298	কুরমান রাসুল স. এর প্রতি আল্লাহর পক্ষ হতে অবতীর্ণ	২≽-আনকাব্ত	62	ь
বিভাব (মুদার পার অবউর্গ বিভাব/যুক্তজন পাঠ পোনা, ব্লিনচের)	৪৬-আত্তাক	00	977	খানাপূৰ্ণ পাত্ৰ অৰতীৰ্ণ করতে সক্ষম হবেন কি প্ৰতিপালক	৫-মায়িদা	225	¢
ভিতাব/কুরমান অবভার্য (বর্ণনা/শর্থনির্সেশিব(নর) সুসংবাদমরণ)	১৬-নার্প	bh	930	খানাপূৰ্ণ গাত্ৰ অৰভীৰ্ণ কয়নেন আপ্সাহ (হাওৱারীদের জন্য)	৫-মাছিল	226	6
কিতাৰ (বিতাৰ অৰধীৰ্ণ কয়েছেন আগ্নাছ)	২-বাকারা	202	246	খালাপূৰ্ণ পাত্ৰ অৰতীৰ্ণ করাৰ প্ৰাৰ্থনা কৱলেন ঈসা	৫-মারিদা	278	0
কিতাৰ (অপ্তাহৰ অবতীৰ্ণ কিতাৰ/কুৱআনে বাবল স. এর দিয়ান)	৪২-শহা	30	1784	আনের ভিত্তিতে কুরআন অবতীর্ণ (রাসুল স. এর প্রতি)	৪-নিসা	266	2
ভিতৰ (অপ্তাহ বাকা স. এর প্রতি বিভারপুরক্রম অবজীর্ণ করেছে।)	২১-অখিয়া	20	960	তাওরাক অবক্রয়েয়ে পূর্বে ইনরাইল নিজের উপর হারাম বরেছিল	০-আলে ইমরান	20	2
কিতাৰ ও মীবান অবতীৰ্ণ করেছেন আল্লাহ থাকে মান্য	৫৭-হানীন	32	860	তাওৱাত অৰবীৰ্ণ ব্যৱহেন আল্লাহ	e-मात्रिमा	88	e
ক্রিয়ার অবজীর্ণ (বরকভমত্ন ক্রিডার/কুরআন প্রসঙ্গ)	৬-আগ'আম	24	908	তাওৱাত ও ইনজীল অবতরগের পরেও ইবল্লব্রিম সম্পর্কে বিতর্ক	০-আপে ইমরান	95	0
কিতাৰ অবজীৰ্ণ (মানুষের মধ্যে বিচার কালালার স্বল্য)	s-Sen	300	290	তাওরাত ও ইনজীল অবতীর্ণ করেছেন আস্তাহ	০-আলে ইমরান	0	q
কিতাৰ অৰজীৰ্ণ হওৱা (পূৰ্বৰজী দু'টি দলেৰ প্ৰজি)	৬-আগ'আম	266	934	দর্মান (আল্লাহ) বিশ্বই অবর্ত্তীর্ণ করেন দি! (ফাফিরদের কথা)	৩৬-ইবাসীন	>5	ъ
কিয়ার অবজীপ্রাধী আবাহুই বাসল স. এর অভিযারক	৭-জা'ৰাফ	3360	9627	দলীপ-প্রমাণ আহার অবস্থীর্ণ করেননি (শিক্ষকের পঞ্চে)	o-wistwise	5-7	0
কিবাৰ অৰম্ভাৰ্য না কললে আকাপে আহোকোকে বিশ্বাস কলকে না	১৭-ইগরা	300	944	मीडिशासा व्यवसीर्थ करतास्त्र वासाद	84-98	39	8
ভিতাৰ আআল প্ৰেতে অনন্তীৰ্ণ কৰাৰ দাবী (আহলে ভিতাৰদেৱ)	8.Fest	300	295	थन-सम्बद्ध दानमा ग. तद देशद कारहीर्थ दाना (कार (प्रापिद गरम)	33-इन	34	6
क्रिया व्यवसिर्व क्रायाचन व्याचार	২-বাকুরো	270	248	নিৰ্দিষ্ট পরিমাণ অবস্তীৰ্ণ করেন আল্লাহ (প্ৰকোক বন্ধ)	১৫-হিৰুত্ব	43	6
किसार वरसीर्थ कदरहर वासार	২-বাকারা	295	679	जिल्लीन (लोक्स्मानाका जिल्ली) तकाव जिल्लीन चाराकीर्थ करावी तमान)	২৯-আনকাবত	00	v
ভিতাৰ অৰ্ডাৰ্থ কৰেছেল আল্লাহ (সভাসহ)	84-481	39	223	নিমর্থন প্রেরিপাল্ডের পথা থেকে নদীর উপর নিমর্থন অবর্ত্তীর্থ প্র	৬-আন আম	99	e
কিন্তাৰ অৰক্তাশ কৰেছেল আল্লাহ (গভাগহ) কিন্তাৰ অৰক্তীৰ্ণ কৰেছেল আল্লাহ (বালল স. এর উপর)	৪২-পুর। ৩-আলে ইমরান			जिसमें क्षार्थीर्थ कराज वांतांत्र मध्य	৬-আন আম	09	0
ভিতৰ অবতাশ করেছেল আল্লাহ (বাল্ল ন, খন ভপন) ভিতৰ অবতীৰ্ণ করেছেল আল্লাহ বাসল স, এর উপর		٩	205	দিপদা অবজীৰ হয় না কো বাসুল স, এর বাছে (মার্শনিকরা বলে)	১০-ইউনস	30	24
ভিতাব অবতাপ করেছেল আল্লাহ বান্দা স. এর ভণত ভিতাব বাস্দা স. এর প্রতি অবস্তীর্ণ (কুবআন প্রসঙ্গ)	৩-আলে ইমরান	0	200	निवर्गन करवेर्ति दश मा (करा (व्यापन मा, मान्युर्क कविन्द्रालय शहा)	১৯-রা'দ	9	0
	২৯-আনকাবৃত	89	140	जिनका प्रवास देश में (कर्य (व्यक्त न, गन्महरू कार्क्सामा उद्धा) जिनका (संज्ञान न, यह वेलंद जिनका क्वर्कीर्थ देश मां (क्या)	20-914	-	10
কিতাৰ অবতীৰ্ণ (অল্লাহ নবীর প্রতি কিতান অবতীর্ণ করেছেন)	৬-আন্'আম	778	609	লাপান (রাসুল স. এর ফপর দানপন অবকাশ হর না বেনাঃ কাফিরতা বলে)	১৩-রা'দ	29	8
কিতাৰ অৰতীৰ্ণ (আল্লাহ বৰকতময় কিতাৰ অৰতীৰ্ণ করেছেন)	৬-আণ্'আম	>66	677	কাক্ষর বলে) নিমর্শনমূপে করমান অবস্থীর্থ (সঠিকপথ প্রদর্শন প্রসঙ্গ)			ļ.
কিতাৰ অৰতীৰ্ণ করা হলে সমিকপথলাৰ হতাম -এমন উজি	৬-আন্'আম	754	925		<b>२२-शब्द</b>	3/6	9
কিতাৰ অৰতীৰ্ণ কৰেছেল আন্তাহ (ৰাপা, মুখ্যখন এর প্রতি)	29-suita	١	928	নিদর্শন (অপ্তাহ ইক্সে করলে অবংশ থেকে নিদর্শন অবর্ত্তর্গ করচেন)	২৬-চ'পরা	8	4
কিতাৰ অবতীৰ্ণ কৰেছেন আল্লাহ (স্পষ্ট প্ৰমাণাদিসহ)	৫৭-হাদীদ	2.0	960	পর্যায়ক্রমে অবস্তীর্ণ কুরআন (রাস্ল স, এর প্রতি)	৭৬-দাব্ব	20	18
কিতাৰ অবতীৰ্ণ করেছেন আল্লাহ রাসূল স, এর প্রতি	৭-আ'রাফ	2	930	পণ্ড অবস্তীর্ণ করেছেন আল্লাহ (আট প্রকার)	৩৯-যুমার	b	Ъ
কিতাৰ/কুৰআন অবতীৰ্ণ মোৰাৱক রাজে)	৪৪-দুখান		205	পানি অবস্তীৰ্ণ (আল্লাহ আকাশ থেকে পানি অবস্তীৰ্ণ কৰেন)	২০-ফ্লা-য	40	9
ফিচাব (কুরআন) অবতীর্ণ (নরামব আল্লাহর নিকট থেকে)	৪১-ফুস্সিলাত	2	444	পানি অবতীর্ণ (আল্লাহ্ আকাশ থেকে পানি অবতীর্ণ করেন)	২২-হাজ	40	9
ঞ্চিত্রন (কুরআন) অবতীর্ণ করেছেল আল্লাহ সতাসহ	৫-মারিদা	85	260	পানি অবতীৰ্ণ(আল্লাহ আকাশ থেকে পানি অবতীৰ্ণ করেন)	২৭-নামল	60	5
কিতাৰ/করআন অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ (সত)নহ)	৩৯-বৃদ্ধার	83	¥98	পনি অবতীৰ্ণ (আল্লাহ আকাশ থেকে পনি অবতীৰ্ণ করেছেন)	২-বাকারা	22	2
কিতাৰ/করআন আয়াহ সভাসহ অবস্তীর্ণ ওরেছেন	৩৯-ছমার	3	P-92	পনি অবতীর্ণ করলেন আল্লাহ আকাশ থেকে (বনর যুক্ত)	৮-আনফাল	>>	Ġ
ferste (sixece muese core miretro ces meta airri)	১৪-টবরারীম	3	1000	পানি অবর্তীর্ণ করে উন্যান উৎপন্ন করেন আল্লাহ	৫০-কৃষ্	>	8
বিকাশ (মানুহতে অক্সমার থেকে আলোতে বের করার জন্য)। ব্যৱসায় যদি পারায়ের উপর ক্ষরতীর্ণ হস্ত	59-644(6)4	32	200	পানি অবস্তীৰ্ণ করেছেন আল্লাহ আকাশ থেকে	২-বাকার	148	2
কুলনান বাল পাহাড়ের ভপর অবকাশ হক করজন অবর্ত্তির এ উচ্চতের করা হয়নি যে রাজন সংগ্রহান পোহাজন		43	482	পানি অবস্তীৰ্ণ করেন আল্লাহ আকাশ থেকে	১৩-রা'ল	24	0
কুরজন অবজগ ও অন্ধরণ করা হয়ন যে রাসুল স, দুজোন গোহতেন। করজন অবস্তীর্ণ করা রয়েছে রমজনে মাসে	২০-ড়া-হা			পানি অবস্তীন করেন আল্লাহ মেব থেকে	৭-আ'রাফ	64	6
কুৱজান জনতাৰ্শ কৰা হয়েছে ব্যবহান মানে	২-খাকুবো	25.6	040	পানি অবস্তীৰ্ণ করেন আল্লাহ আকাশ থেকে	১৫-হিম্মর	22	8

অবতীর্ণ অবতীর্ণ

অবতীর্ণ

मंत्र विवय/दानम	अवा तर स तथ	WEST R	-mt	শুৰু বিষয়/প্ৰসম্	नुवा नर च नाम	water to	981
खन्त्रीर्थ (पूर्व पृत्रेत (बदक)	Zan ice wine	Section 1	400	ৰশী ইসৱাধনেৰ উপৰ মান্ত ও সালগুৱা অবতীৰ্ণ	২-বাকারা	69	609
অবস্তীৰ্ণ (মূৰ সুৰু (ৰংক) পানি অবস্তীৰ্ণ কৰেন আল্লাহ আকাশ থেকে		8 hr	99/0	याना वेत्रवात्रकाच करण प्रश्ना के तालका प्रमुख भूत प्रानंत विर्णत	২-বাকারা	40	200
শাদ অবজন করেন আল্লাহ আকাশ থেকে শাদি অবজীৰ্ণ করেন আল্লাহ (আকাশ থেকে বঙ্কি)	২৫-কুরকান			বাহিনী অৰমীৰ্ণ করকেন আপ্লাহ (চুনাইনের কুছে)	৯-জাওবা ১-জাওবা		484
	২৩-মু'মিন্ন	7.5	959	বিমর-ভারসালা (অবস্তীর্ণ বিষয় দিরে বিমর ভারসালা করা)	a-ভাতথা ৫-মারিলা	83	494
পানি অবস্থীৰ্ণ করেন আল্লাহ (আকাপ থেকে)	৩০-জম ৩৫-জড়ির	4,8	940	বিচক্তদের উপর, বিভিন্ন মতে অবতীর্প (তাওয়াত-	১৫-হিজর		
পানি অবস্থীৰ্ণ করেন আল্লাহ (ফলমূল উৎপান্নের জন্য)		29	ьвь	বৃত্তি অবতীৰ্ণ করেন আস্তাহ, (প্রায়ের প্রসঙ্গ)		30	902
পানি অবস্তীৰ্ণ কৰে ভকলো স্থানিকে জীত কৰা একটি নিদৰ্শন	৪১-ফুস্সিল্ড	99	bhb	न्ति प्रवर्ति वर्दन प्राष्ट्राव् (शहर निवान वर्दाव नव)	০১-প্ৰমান	08	p.50
পানি অবতীৰ্ণ(কৰনো ভ্ৰিতে পানি অবতীৰ্ণ হওৱা প্ৰসঙ্গ)	২২-হান্দ	4	924	বৃত্তি অবতাশ বহুলে আছার (বাসুব সেয়াশ ব্রভার শর) বৃত্তি অবতীর্শ হওরার পূর্বে হতালয়ক্ত ছিল (আছারের বান্দারা)	৪২-পুরা ৫০-জন	54	
গানি (মাল্লাং আকাশ থেকে পানি/বৃট্টি অবতীর্ণ করেন)	৩৯-বুখার	52	250	ন্ত পৰতাশ হত্যায় শূলে হতাশামান কো (আগ্নাইর বাপারা) মহাবলুলা অবস্তার্থ করেছিলন প্রতিশালকাবিরামতে মুক্তার্থ কারে।	26-RISM	8%	250
গানি (অল্লাহ আৰুণ থেকে পানি অংকীৰ্ণ করেন)	৩১-পুকমান	20	256	মন্ত্ৰ ও সালওৱা অবভীৰ্য (বনী ইসবাদিদের জন্য)		40	900
পানি (আল্লাহই আকাশ থেকে পরিমিত পানি অবতীর্ণ করেন)	৪৩-যুধক্ত	22	brisis		৭-আ'রাফ	2/80	હરવ
পানি (আল্লাহ মেঘ থেকে প্ৰচুব পানি অবজীৰ্ণ করেন)	৭৮-নামা	78	7000	মন্ত্র-সাদওরা অবর্তীর্ণ (বলী ইসরাইলের উপর)	২-বাকুরা	68	609
পদি (মেঘ থেকে পানি অবতীৰ্ণ করতে পারে না মনুষ)	৫৬-ওরাকিরাহ	65	১৪৬	মন্ত্ৰা-সালওৱা অবজীৰ্ণ (বনী ইসৱাইলদের জন্য)	২০-ড়া-হা	bo	986
পনি (ফলমূল উৎপন্ন করার জন্য আল্লাহ্ পনি অবস্তীর্ণ করেন)	১৪-ইবরবৌম	હર	646	যাসুবের প্রতি অবতীর্ণ কুরআদ√জিকির সম্পর্কে চিন্তা করা,	३७-मार्ग	88	906
পনি(অবল থেনে পনি অবজীর্ন করে অল্লাহ ভূমিকে জীবিত বছেন)	২≽-আনকাৰ্ভ	60	452	মানুদের প্রতি আল্লাহ বিশ্বই অবতীর্ণ করেননি! (ইঞ্চিদের উভি)	৬-আন্'আম	92	908
পানি (সাল্লাহ আৰূপ থেকে পানি বৰ্ণণ করেন, উদ্লিদ উৎপদ্র প্রসঙ্গ)	১৬-শাবৃশ	30	900	মুদ্দিনদের উপর ও আরলে বিকানদের উপর অবতীর্গ বিষয়ে দিয়াল	০-আদে ইমবান		646
পনি (অন্তাহ আৰাণ কেনে পনি অবক্রিণ করেন,ভূমি জীবিত করতে)	১৬-নাক্শ	96	405	মুহম্মাদের প্রতি যা অবতীর্ণ করা ব্রেছে (কুরমান)	৪৭-মূত্যস্থাদ	2	975
পূর্বে অবর্ত্তীর্ণ বিক্ষাবেও ঈমান আনার নির্চেশ (মুমিনদেরকে)-	৪-লিগ	200	218	মূপার প্রতি কিতান অবজীর্ণ করেছেন কে ?	৬-আণ্'আম	97	908
পূর্বে অবতীর্ণ কিতারের উপর ঈমান	৫-মারিদা	63	249	বেথ থেকে পানি অবতীর্ণ করেন আল্লাহ (মানুষ পারে না)	৫৬-ওয়াকিয়াত্	630	186
পূর্বে অবস্তীর্ণ ভাওরাজ-ইনন্ধিলে ইছনিদের ঈমান প্রদঙ্গ	৪-নিদা	3/64	644	বিকর (কুরআন) অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ এবং তিনিই	১৫-হিকার	ъ	689
প্রেশক অবতীর্ণ করেছেন আস্তাহ	৭-আ'রাফ	26	652	বিকর (কুরখান) থার প্রতি অবতীর্ণ, তাকে 'পাল্স' বলে কবিছরা)	১৫-হিন্দর	6	999
প্রতিপাদক বী অবতীর্ণ করেছেন প্রপ্ল করলে কুরজনকে ভিগকর্মা কর	১৬-নাহ্শ	₹8	908	বিকির (কুরআন) অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ, মুমিনদের প্রতি	৬৫-ডালাত	20	269
প্রতিপালক বী অবতীর্ণ করেল প্রশ্ন করলে মুরাকী কারে মহাকলার্শ	১৬-নাহ্ব	100	900	রাসুলের উপর অবস্তীর্ণ কুরআনে ইহুদিদের ঈমান প্রসঙ্গ	8-निमा	765	299
প্রতিপাদক বা অবস্তীর্ণ করেছেন তাতে সমান এনেছে হাওয়ারীরা	৩-আলে ইনরান	60	485	রাসৃদ স. এর প্রতি অবজীর্থ নিষয়ে রাসৃদ স. সংগ্রহে পড়লে	১০-ইউনুস	38	999
প্রতিপালক যা অবস্তীর্ণ করেছেন তা কারেম করত যদি	৫-মরিদা	66	200	द्रशृत ग. न्याद्वित वनवीर्त वृज्ञाचन च्या नामवास्त्र वार व्यानमान एता	৫-মারিদা	pro	697
প্রতিপালক যা অবস্তীর্ণ করেছেন তা অবাধ্যতা বৃদ্ধি করবে	৫-মারিদা	69	645	রাসৃদ স. এর প্রতি অবস্তীর্ণ বিজ্ঞাব/কুরআনে ঈমান জনার নির্দেশ	৪-শিশা	300	238
প্রতিপালক বা অবতীর্ণ করেছেন তা কায়েম করা	व-मात्रिमा	69/	25.5	রাসুল স. এর উপর উপদেশ অবজীর্থ হওরা প্রপুরিছ বিষর	৩৮-সোৱাদ	b	trisis
প্রতিপালকের পচ্চ থেকে সভ্যাসহ কিতাব অবজীর্ণ	৬-আনু'আম	278	609	প্রসূপ স. এর উপর কুরআনুমিনির অবজীর্ণ (পার্না করা ও ভিরার জন)	১৬-গাঙ্গ	88	100
প্রতিপালকের নিকট থেকে অবতীর্থ (কুরআন)	৬৯-হাকাহ	80	5èro	রাপুল স. এর উপর ধন-কাম্বর অবজীর্ণ হয়না কেন্য (কাফিন বঙ্গে)	33- <b>3</b> 9	25	999
প্রতিপালকের পক্ষ থেকে অবস্তীর্ণ বিষয়ের অনুসরণের নির্দেশ	৭-আ'রাক	10	630	রাসুল স. এর উপর যা অবতীর্ণ করা হরেছে তাকে সত্য	৩৪-সাবা	Ġ	487
প্রতিপালকের পক্ষ থেকে অবতীর্ণ কিতাবে রাস্ লে র ইমান	২-বাকুরো	200	0.48	রাসৃদ স. এর উপর যা অবস্তীর্ণ হয়েছে তা কুফরি বৃদ্ধি করনে	৫-মারিদা	168	6,00
প্রমাণাদি (অবতীর্ণ প্রমাণাদি গোপন করে বারা,)	২-বাকারা	325	673	রাসুল স. এর উপরে নাথিলকৃত বিষয়ে ঈথাণ	৫-মাছিদা	69	Øb9
প্রমাণ অবতীর্ণ করেছেন কি আল্লাহ (শিরকের পক্ষে)	৩০-ছম	100	<b>b</b> 28	राजुन ज. जब तकि या खरकीर्ग करा शतक का भीरू (भवान निर्मण	৫-মারিদা	49	649
প্রমাণ অবতীর্ণ করেননি আল্লাহ (শিরকের ফপক্ষে)	৩-আলে ইমরান	267	020	রাসৃদ স. এর নতি যা বিষ্ণু অবতীর্ণ হয়েছে তাকে সতা বলে জান	১০-রা'দ	79	990
প্ৰমাণ অবতীৰ্ণ করেননি আল্লাহ বেদৰ নামের ব্যাপারে	৭-আ'বাক	42	632	রাসূলগণের প্রতি অবতীর্ণ কিতাবে মুন্তাকীগণ বিশ্বাসী	২-বাস্থারা	8	203
প্রমাণ অবস্তীর্ণ করেননি অল্লাহ (কল্পিত নামের উপাসনার পঞ্চে)	১২-ইউনুক	80	60ro	রাসৃদ স, এর উপর করতীর্ণ বিষয়ে বিকারগ্রান্তরা উৎযুক্ত হয়	১৩-রা'দ	00	69-5
প্রমাণ অবতীর্ণ করেননি আল্লাহ শিরকের সমর্থনে	৭-আবাক	00	626	রাসৃদ স, এর উপর অবতীর্ণ গুরীর বিছু কি তিনি বর্জন করকে।	১১-তুল	25	999
প্রমাণ অবস্তীর্ণ করেননি আল্লাহ প্রতিমার পক্ষে	৫৩-নাক্ষম	20	2/00	বিবিক/বৃটি (ভাকাশ থেকে অবতীৰ্গ বিবিকের মধ্যে নিনৰ্শন আছে)	৪৫-জছিবা	Ø.	300
প্রমাণ(এমন কারো উপাসনা যে সম্পর্কে প্রমাণ অবজীর্ণ হরনি)	२२-शृष्क	92	958	বিবিদ অবতীর্ণ (অস্তাহ যে বিবিদ অবতীর্ণ করেছেন তা হারাম কর)	১০-ইউনুস	6.9	999
প্রশাস্তি (মুমিনদের হদরে প্রশান্তি অবজীর্ণ করেন আল্লাহ)	৪৮-ফাত্হ	8	979	রিবিক অবতীর্ণ করেন আল্লাহ (ইচ্ছানুযায়ী)	৪২-পূরা	49	9.90
প্রশাস্তি অবস্তীর্ণ করপেন আল্লাহ মুমিনদের উপর (ছনাইনে)	৯-ডাওবা	26	683	রিঘিক (আকাশ থেকে বিঘিক অবজীর্ণ করেন আল্লাহ)	৪০-সুমিদ	30	443
প্রশান্ত অবজীর্ণ করেন অল্পাহ বাইয়াত গ্রহণকারী মুমিনদের উপর	৪৮-দাত্ত	22.	259	পরতনে অবতীর্ণ হয় (মিখ্যাবাদী ও গাপীরের উপর)	২৬-৬'আরা	444	479
প্রশক্তি অবতীর্ণ করেন আস্তাহ মুমিনদের উপর (হুদারনিয়া প্রদঙ্গ)	৪৮-কাত্য	26	976	শরতান কুরমান নিয়ে অবজীর্ণ হরনি	২৬-ড'আরা	230	ባአሁ
প্রশান্তি অহতীর্ণ করলেন আল্লাহ মুমিনদের উপর (উত্তদ যুক্ত)	৩-আলে ইমরান	268	440	শক্তবের অবতীর্ণ হর (মিধ্যবোদী ও পাপীর নিকট)	২৬-৩'আরা	443	499
প্রশান্তি অবস্তীর্ণ করেন অস্তাহ রাসূদ দ, এর উপর (হিক্কাত প্রদাস)	৯-ভাওবা	80	688	শান্তি অবতীর্ণ(আকাশ থেকে বলীইসরাইলের উপর)	২-বাকুলা	4.p	209
ফুরকান অবস্তীর্ণ করেছেন বরকতমন্ত্র আল্লাহ	২৫-জুরকান	>	965	শান্তি অবতীর্ণ(লৃতের জনপদের পাপাচারের করেনে শান্তি)	২৯-আনকাবৃত	68	277
ফুরকান (কুরমান) অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ	৩-আলে ইমরান	8	600	দত্যদং কুরঅন অবর্ত্তীর্ণ (অস্ত্রাহর কাহ থেকে, মিবরাইল মরকত)	১৬-মাব্দ	305	422
থেনেশতা অবস্তীৰ্ণ করা হলে কাথিয়ানেকে অবকাশ নেয়া হত না	৬-আন্'আম	ъ	699	নভায়নকারীত্রপে অবজীর্ণ কিভাব/কুরআনে ঈমান (ইক্নী প্রসঙ্গ)	৪-নিগা	89	<b>@90</b>
ফেরেশভা অবতীর্ণ করার দাবী (কাবিবলের)	৬-আৰ্'আৰ	ъ	490	সত্য অবতীর্ণ হওয়ার অন্তর বিগলিত হওয়া	৫৭-হানীন	36	282
ফেরেশভা অবস্তীর্ণ হওয়ার দাবী (অবিশ্বাদীদের)	২৫-জুরকান	42	968	সর্বোল্ডর বাদী অবজীর্ণ (মাদৃশ্যপূর্ণ/বারবার পঠিত ভিতাবরূপে)	৩৯-বুমার	২৩	8-40
ফেরেশভা অবজীর্ণ হয় না কেন রাসূল ন: এর নাথে	২৫-জুরকান	٩	96-5	সুরা (মুম্মনসেরকে যুদ্ধের নির্দেশ দিবে সূরা অবস্তীর্ণ)	৪৭-মুহাম্মদ	40	270
কেরেশভা অবস্তীর্ণ হয় সুসংবাদ নিয়ে (অবিচল মুমিননের উপর)	৪১-কুন্দিলাত	100	666	সূরা (যুক্তের নির্দেশনহ সূরা অবতীর্ণ হওয়ার আকলন মুমিনদের)	৪৭-মুহাম্বদ	40	270
ফেরেশমা (অপ্তাহ যাকে ইচ্ছা ওহীনহ ফেরেশমা অবজীর্ন করেন)	১৬-নাহল	2	900	সূরা অবর্তীর্ণ করেছেল আল্লাহ	५८-मृत	>	998
ফেরেশতা অবতীর্ণ করতেন (আল্লাহ ইচ্ছা করলে)	२०-मू मिन्न	4,8	969	দূর অবর্ত্তর্গ হলে অক্সাহকে বিশ্বাদ ও রাদুল দ, এর দাবে শিক্ষান	৯-জানো	ъь	685
ফেরেশতা অবতীর্থ করতেন আল্লাহ ইঞ্ছা করলে	৪১-কুন্দিলাত	38	৮৮৭	স্রা অবতীর্ণ হলে কাফিরা মুমিনদেরকে বলে-	৯-জাওবা	148	950
ফেরেপরা অবতীর্ণ করবেন আল্লাহ পর্যারক্রমে	২৫-কুরকান	42	91/8	সূরা অবজীর্ণ হলে মুনাফিকরা একে অপরের নিকে ডাকায়	৯-জ্যভবা	249	600
ফেরেশরা অবতীর্ণ করলেও মুশরিকরা ঈমান আনহে না	৬-আৰু আম	222	809	সূরা অবতীর্ণের আগন্ধা করে মুনাফিকরা, যা জানিয়ে নিবে	৯-জাওয়া	68	686
বেবেশককেই বাস্প স. হিসেকে অবতীৰ্ণ কৰতেন অস্ত্ৰাহ বনি	১৭-ইস্বা	30	244	হারত-মারতের প্রতি যা অবর্তীর্ণ হরেছিল তার অনুসরণ	২-বাকুারা	304	425

नंत्र विवय/धनव	न्द्रान्द अन्तर	1999	172	निम्	নুৱা দহ ও নাম	301	99
व्यवधारिक	-			নাইটেন্ড অবস্থা জিজানা করতে বলন ইউনুক (বার্জবাহককে)	১২-ইউসুফ	20	89
পথপ্রচিতা অবধারিত হয়েছে এক দলের উপর	৭-আ'রক	100	950	পূৰ্ববৰ্তী প্ৰছানুৰ অবস্থা কি হাবে? (ফিৰুআটানের প্ৰশ্ন)	২০-জ্বা-জ	67	98
বিষয় (অবধারিত বিষয় অর্থাৎ কন্যার জন্য সর পালি মিলিত হল)	৫৪-কামাৰ	35	ào⊎	মুদ্দিনাসর অবস্থা সংশোধন করে দিকেন আপ্রাহ	৪৭-মুহাম্বাদ	6	33
শন্তি অবধায়িত হওৱা(অনেকের উপর শক্তি অববায়িত হরেছে)	22-87M	35	103	राज्य म. १८ मदन घरहार मानी पादार	১০-ইউনুস	65	86
অবনত		1	100	সংশোধন (দিয়াননারনের অবস্থা সংশোধন করে নিবেদ আল্লাই)	৪৭-মুহামান	3	355
অংশ্যুত্তী হয়ে নিজনানত হয় জ্ঞান প্রেক্সরা (কুরআন পঠ করা হলে)	১৭-ইসরা	209	920	সালের পূর্ববর্তী অবস্থার মুগার দারিকে কিরিয়ে দেয়া প্রসঙ্গ	২০-জা-জ	23	184
আনমের প্রতি সিজ্ঞাবনত হওয়ার নির্দেশ কেরেশভালেরক	96-CHRIH	93	1790		4. 1	112	-
ইউসুবের প্রতি সেজদাবনত হত (তারা সকলে)	১২-ইউন্ত	200	696	অবস্থান/অবস্থিত/অবস্থানকারী আকাশের বিভিন্ন অবস্থানে জিবানর বস্যা (সংবাদ পোনার জন্য)	१२-किन	h	200
কেবুলের প্রতি সেজনাবনত হল (তারা নতলে) চোর (অবলত চোরে কাছিররা করর বেকে বের হয়ে আসবে)	হন্তব্দ	300					
চোৰ (অফিবদের (চোৰ অনসভ হবে বিভানতে)	৭০-যা'বাজি		900	আনম-হাওয়া ও শরতানের পৃথিবীতে অবস্থান	২-বাকুরে	06	200
তোৰ (আকরণের (তোৰ অবদত বংৰা কলানতে) জাদিমদের অপমানে অবদত অবস্থার জাহান্তানের সামনে আনা হবে		88	90-0	আনহাবে ভাহতের অবস্থানকল আল্লাহ সবচেয়ে বেশি জনেন.	72-कार्यक	২১	920
		842	961	অসহাতে কাংড এর অবস্থানকের সম্পর্কে গরস্পর্কে নিজ্ঞাসারস	১৮-কার্ফ	7.9	941
গৃত্তি অবনত হবে কিরামতে (অপরাধীদের)	৬৮-কুলাম	80	399	উন্যান্তৰ কত সময় মৃত অবস্থাৰ অবস্থান কলেছে? (আল্লাহৰ প্ৰশ্ন)		227	60
দৃষ্টি (কিয়ামতের দিল কারো কারো দৃষ্টি অবলত হবে)	৭৯-নথি আত	2	3000	একশত বছর মৃত অবছার অবছান (উনায়েরের ঘটনা প্রসঙ্গ)	২-বাকুরা	429	60
মুখ অবলত হলে চিন্নজীন ও চিন্নজারী সন্তান নিবাট (হাপত্রের নিন)		222	989	এক মৃত্রুর্ত অবস্থান করেছে দুনিয়াতে (অপরাধীরা বদাবে)	৩০-জন	20	3450
সিল্পাবনত হওরার নির্দেশ ফেরেশকানেরতে, (আনমের প্রতি)	১৫-হিন্দর	52	665	একদিন কথবা নিলের কিছু কংশ কবস্থান (আনহারে কাহার্য প্র.)	১৮-কার্ক	7.9	940
সিম্নাদনত হর আনপ্রাপ্তরা (কুরআন পাঠ করা হলে)	১৭-ইদ্রা	309	920	একদিন অবস্থান ছিল পৃথিবীতে (উৎকৃত্র ব্যক্তি কিয়ামতে বলনে)	২০-জ্বা-ছা	308	981
অবনমিত			ш	কাঞ্চ (সম্প্রদায়ের অবহান অনুসারে কাঞ্চ করা প্রসঙ্গ)	ও-আৰ্'আম	206	800
থান্ন (বিনৱের বার্ অবদামিত করার নির্দেশ, মাতা-পিতার প্রতি)	১৭-ইস্ল	2,8	436	কাল (আসহাবে কাহাফের গুহার অবস্থানকাশ নির্ণর প্রসঙ্গে)	১৮-বাহ্য	25	9.48
থাছ অংশন্তিত করার নিচর্দশ রাস্লা স. কে (মুম্মিনচনর জন্য)	३४-दिसद	55	902	কাজনের অবস্থান আক্রকা করেছিল যায়া (গভকাল)	২৮-কালাস	143	120
অব্যাননা		-	$\Box$	কারাপারে কলেকবছর অবস্থান করল ইউস্ক	১২-ইউস্ফ	83	Str
নিদর্শন (আল্লাহর নিদর্শনসমূহের অবমাননা নিষেধ)	৫-মারিদা	2	@tro	ঘরে অবস্থানের নির্দেশ (নবীর স্ত্রীলেরকে)	৩৩-আহ্যাব	00	you
অবয়ব (দেশ্বন আকৃতি শপটি)		+		ভিতৰাল জানাতে অবস্থান করবে সংকর্মশীল মহিনগণ	১৮-কাহক		938
		-	-	জ্ঞান্ততে প্ৰদূৰ্যৰ নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত অবস্থান (আপ্তাহৰ ইঞ্ছাৰ)		0	921
অবরোধ/অবরুদ্ধ অন্তনে (অন্তাত অধীকারকারীর অনক্রম অন্তনে পরিবেটিত হবে)	৯০-বাগাদ	30	3096	লান (আনহাতে বাহতের অবল্লন প্রতিপালকই ভালো লানেন)	79-4154 75-4154	23	930
আন্তাহর পথে অবক্রম্ব ফরীরকে নান করা প্রক্রম		390	5000		79-916A		998
	২-থাকুরো			ব্যপ্রতে চিরকাশ অবস্থান করবে সংকর্মশীল মুখিনগণ			
মুশরিকসেরকে অবরোধ করার নির্দেশ (চুক্তি ভঙ্গ করলে)	7-2/64	¢	680	তিবশত নয় বছর (আসহাবে কাহ্যকর ওহার অবস্থান)	79-416A	46	926
वरमधन			-	দশ দিন অবস্থান ছিল দুনিয়ার (বিয়ানতে অপরাধীরা পরস্পর কাবে)	২০-জা-হা	300	981
ক্ষমপরারণতা অবদখন করার নির্দেশ (রাসূল স. তে)	৭-আ রাক	799	607	দিনের বিছু অংশ পৃথিবীতে অবস্থান (পথজাঁরা বলবে)	२७-म् मिन्न	770	990
পথ অবসম্বন (প্রতিপাদকের পথ অবসম্বন মানুষের ইজ্ঞাধীন)	৭৬-দাব্র	53	220	নিনের কিছু অপে অবস্থানের ধারণাঃ (উঘরের প্রসঞ্চ)	২-ৰাকুাৱা	569	603
সতর্কতা অবলম্বন (মুক্তরত অবস্থার নামান্ধ আনারের সমর)	৪-নিদা	305	<b>¢</b> 90	নিন (মনুষ অবহানের নিলেমুকিন অবহার ভারুকে বালক মনে করে)	১৬-দার্গ	po	903
অবশিষ্ট (আরো দেখন বাকী শব্দটি)				দীর্থকাল অবস্থান রাসূদ স. এর (মূপরিকদের মাবে)	১০-ইউদুস	36	620
আদ সম্প্রনায়ের কেউ অবশিষ্ট না থাকা প্রদক্ষ	६५-शकार्	৮	242	নিজ নিজ অবস্থানে কাজ করতে বদা (রসূল স. এর সংগ্রেমরকে)	৩৯-বুমার	03	7.48
আন (শিয়কের পক্ষে কিতাব/অবশিষ্ট আন থাকলে উপস্থিত করা)	৪৬-মাহ্বাক	8	307	নিরুষ্ট (অবস্থানশত নিক থেকে নিরুষ্ট ভাবল ইউসুক, ভাইনেরকে)	১২-ইউসুক	99	678
ধ্বংগ (অবশিষ্টদের ধ্বংগ করলেন আল্লাহ লৃত-পরিবার ছাড়া)	৩৭-সাক্কার	300	Hopo	নূহ -এর অবস্থান, সম্প্রনারের সাথে(সাড়ে নর শত বছর)	২৯-আনকাবৃত	38	27.
নিমক্ষিত করা(নৃহ/দুমিল ছাড়া অবশিষ্টদের নিমক্ষিত করা হর)	২৬-জ'আরা	350	138	নহ আ. এর অবস্থান সম্প্রদায়ের কাছে যদি দুংসহ মনে হয়	১০-ইউনুস	93	663
প্রতিশালকের সম্ভাই কেবল অর্থনিট থাকনে(আর সব ধাংস্থীল)	৫৫-রাহ্মান	29	380	পরিবারকে অবস্থান করতে বলে মুসার তুর পাহাড়ে যাওয়া প্রসদ	50-W-8	30	183
বংশধর (দূরের বংশধর অবশিষ্ট রেখেছেন আল্লাহ)	৩৭-সাক্ষাক	99	Veo	পরিবার পরিক্ষবতে অবস্থান করতে বলন মুদ্য	২৮-কাসাস	23	350
মুখ্য ও ইকেন পরিবারের অবশিষ্ট বয়েছে নিন্দৃকে	২-বাকারা	₹87	652	পানি মাটিতে অবস্থান করান (ধরে রাখেন) আল্লাহ	২০-মুখিনুন	35	965
অবশিষ্ট (লাড)	-	-	-	পুনক্সবানের দিন পর্বন্ত অবস্থান করেছে অপরাধীরা	का-का	014	P-22
জ্বান্ত (পাত) উন্নয় (জাল্লাব্র দেরা অর্থনিট্ট বা দান্তই উন্তর)	22- <u>इ</u> ल	100	990	পথিবৈত অবস্থান ও জীবনোপ্রচাণ হরেছে	৭-আ'রাক	28	628
	22.5.	-	0.10	পৃথিবতৈ অবস্থানকল সম্পর্কে পথস্টেলেকে অস্তাহর জিজাস	২০-মুমিন্দ	275	990
অবশ্যপাসনীয় তুরুআদ অবশ্য পাসনীয় করেছেন যিনি (ছাতুল স্, এর উপর)।	২৮-বাসাস	brg.	364	পুৰিবৈত্ত কত বছৰ অবস্থান কৰেছিল পদান্তবা (অস্ত্ৰাহৰ ছিলমাপ)	২০-মুমিনুর	225	990
কুম্বান ব্যবহা গালনার করেছেন বিল (বাসুন স. এর তপর) ব্যক্তার কটনের জন্য অবশ্য পালনীর বিধান…	৯-বাববা	the	989	পৃথিপতে অসম-হাওৱা ও শত্তবাদের অবস্থান	२०-इ।शतून २-वाकास	225	
							200
নুৱা (এর বিখান) অবশাপালনীর করেছেন আল্লাহ ক্ষেত্র অবশ্য পালনীয় করা (নিজের উপর)	२८-मृब	3	118	প্ৰতিশাসকের অবস্থানকৈ যে তথ্য করে তার জন্য দু'টি জাল্লাত	৫৫-রাহ্মান	86	382
ধ্যক প্রথম্য মানবার করা (বেজের ভগার)	২-বাকুরো	794	<b>૯૨૨</b>	প্রতিশালকের করছানকে যে তর কলে (মান্রাত তার অপ্রেছল)	৭৯-নাবি'আত	80	200
प्रवसद		_	ш	তর (অপ্রাহর অবস্থানতে তরকারীলের ফ্রীনে প্রতিষ্ঠিত করা হবে)	३८-ইवबारीम	78	688
ইবাদত্ত (অবসর পেলেই ইবানতে লেগে যাওয়ার নির্চেশ)	১৪-ইপশিবাহ	٩	3021	মানইয়ানবানীকে তানের অবস্থানে থেকে ঝাল্ল করতে বলাদেন	22- <u>E</u> st	90	698
প্রতিপাদক অবসর হবেন (মানুব ও জিনের হিসাবের জন্য)	৫৫-রাহ্মান	62	380	মাছের প্রেটই অবস্থান করত ইউনুস, অল্লাহর অসবীয় না করেস	৩৭-সাক্ষ্যত	788	768
অবুসাদ				মুখিন নর-নারীদের অবস্থান আল্লাহ অবণত আছেন	৪৭-মৃত্যুম্বাদ	7.9	270
জন্ত্রতিদেরতে অবসান স্পর্শ করবে না	১৫-হিজর	87	900	মুহূৰ্তবাল কৰন্ত্ৰণ করেছে পৃথিবীতে (বিনামতে কাড়িকে মান হবে)	8५-वाङ्गरण	06	977
wante				যুহুৰ্ববাদের অবস্থান ছিল পৃথিবীতে (বিয়ামতে মুশৱিক ভাৰৰে)	১০-ইউনুস	84	600
অবসান কসম অবসালের বিধান আল্লাহ বর্ণনা করেছেল	७७-चाइबीय	1	390	মূলার (অপইয়ানের অধিবাসীদের নিবট মূলার অবস্থান প্রসঙ্গ)	২০-ড়া-ব্য	80	980
রাত ঘরণ অবসান হয় (সে সময়ের কসম )	৮১-বাৰভীর	23	200b	মুনার শৈশরে অবস্থান ফির'আউন সম্প্রদারের যাঝে দীর্ঘ দিন	২৬-ত'আরা	35	964
		1		থারা দীমান আনে না তারা তানের অবস্থানে কাম্ব ককক	22-Se	252	910
অবস্থা কিলামতের দিন মানুদের অবস্থা (প্রত্যেকে ব্যস্ত থাকরে			$\vdash$	হছের অবস্থানে মহিনদেরকে বিন্তম্ব করা (উরুদ বৃদ্ধ প্রসঙ্গ)	৩-আলে ইমরান	252	285
	৮০-আৰানা	-09	2009				

व्यव विवाह/दामक	和中4時	100	e della	The second second	नुबा मा ७ मान	-	糖
जनशान (पूर्व गृहेर (बदक) ·		-	-	তথা অস্ত্ৰাহতে বাদ দিয়ে অদ্য ইপাহকে ভাষা প্ৰদাস	३४-कार्क	78	930
প্রত-দিলে যা অবস্থাদ করে সবাই আল্লাহর (৮৪-সূর্থ-দক্ষর প্র.)	৬-আন্'আম	30	239	অব্যক্তব (দেখুন অগাঁক শব্দটি)			_
রাসুল স, এর দীর্ঘবাল অবস্থান (মন্তার মুশরিকনের মাঝে)	১০-ইউনুস	3/6	955			_	-
পান্তিতে অবস্থান করত না জিনেরা যদি অনুশ্য বিষয় জানত	08-मारा	28	b83	जराहिक			
সকাল/সন্ধা সমান অবস্থান মনে হবে বিভাগতপূর্ব সময়কে	৭৯-নাথি অত	86	2005	নরা (আল্লাহ মানুষের প্রতি দরা অবাহিত করলে কেউ জা)	०१-फाटिर	٩	789
সামান্য সময় অবস্থান করেছে কররে (মুদ্দিনসের থানো কিরামতে)	১৭-ইপুরা	43	934	অবিচল (আরো দেখুন দৃঢ় শপটি)			
	২৩-ম'মিলন	228	990	আল্লাহকে প্রতিপাদক বলা ও তাতে অবিচল থাকা	৪১-কুন্সিলাত	ಅಂ	999
সামান্য সমস্তের অবস্থান পৃথিবীতে (পথভালৈর)				ইবাদাতে (প্রতিপালকের ইবাদাতে অবিচল বাকার নির্দেশ)	১৯-মারইয়াম	90	907
সুশাইমানের কাছে নাবার রাশীর সিংহাসন অবস্থিত হওরা প্রসদ	২৭-বামল	80	300	নামান্তে অবিচল থাকার জন্য রাসুল স, এর প্রতি নির্দেশ	২০-জু-হা	205	18%
হুদহুদের অবস্থান নেরা প্রসন্থ (নিকটবর্তী সময়ের মুখ্য)	২৭-নামল	રર	90)	নার নাঞ্চাননে অবিচল থাকার নির্দেশ (আল্লাহর উদ্বেশ্যে)	৪-মিসা	200	<b>298</b>
যুগ যুগ থবে জাহান্ত্ৰামে অবস্থানকারী (সীমালকানকারীরা)	৭৮-নাৰা	২৩	3007	ন্যার নাক্ষাদাদে অবিচল থাকার নির্দেশ (মুমিনদেরকে)	৫-মায়িলা	ъ	cvo
व्यवश्चानकारी (ইতিকাককারী)				প্রতিপাণকে (অস্তাহ আমানের প্রতিপাশক -এইশার দারা অবিচল,)	৪৬-আহ্বাক	30	hok
সমান (মসবিদুল ব্যরামে অবস্থানকারী ও বহিরাগত সমান)	২২-হাজ	46	960	মুলা ও হাতুলকে অধিচল থাকার নির্দেশ (ফিরঅভিন প্রকাস)	১০-ইউনুস		
অবস্থানস্থল						29	665
<b>केरवर्ड जवशास्त्रम बाह्या</b> क	২৫-ফুরকাদ	95	959	রাসূল ন, কে অবিচল থাকার নির্দেশ (যেতাকে ডিনি অদিউ)	১১-বৃদ	225	989
উত্তম অবস্থানকুশ, আল্লাতের অধিবাসীদের	২৫-ফুরকান	₹8	958	সভাপথে অধিক থাকলে (জিননের প্রচুর পানি পান করানো হত)	৭২-জিল্	79	200
কিলামতের নিদ অবস্থানস্থপ হবে প্রতিশাদকের নিকট	৭৫-কিরামাত্	25	byo	সালিহ আকে অনিচল থাকার নির্দেশ (ছাত্মুদ জাভির পরীক্ষা প্রসাস)	৫৪-কামার	29	200
ন্ধীবের অবস্থানস্থল আল্লাহ কালেন	77-5h		666	অবিচার (আরো দেখুন গুগুম শব্দটি)			
	৬-আৰ্'আম	9	900	একজন অন্যজনের প্রতি অবিচার করেছে	৩৮-সোমাদ	22	P49
নিগৰ্মন (মানুষের অবস্থানস্থল নিগৰ্শনশ্বরূপ)			956	দাটন আ, তে অবিচার না করার অনুরোধ (বিবানকারীদের)	Ob-CHEIN	22	769
নিৰ্থ গৰয়ানয়ল জাহারাম	২৫-সূরকান	69	10,4			-	-
অবহিত		_		অবিচারকারী (দেখুন জুলুমকারী/জালিম শব্দটি)		_	$\vdash$
অদৃশ্য অবহিত হয়েছে কি অবিশ্বাসীরাঃ	১৯-মার্ট্রাম	90	90%	অবিরাম (জারো দেখুল নিরবিচ্ছিত্র শব্দটি)		_	_
অদৃশ্য বিষয় অবহিত করবেদ না আপ্লাহ	৩-আগে ইমবান	24%	220	শান্তি (পরতানদের জন্য কবিরাম শান্তি)	৩৭-সাক্ষাত	b	V49
আল্লাহ অবহিত (মানুহের ব্যক্ত সম্পর্কে)	৩-আলে ইমরান	29.0	220	সূর্য ও চন্দ্র অধিরাম চলছে	১৪-ইবরারীম	00	636
बाह्मद नक्न विचय बनश्रिक ও नर्वस्थानी	8-मित्रा	-06	492	অবিশ্বাস (আরো দেখুন কুফরি/অস্বীকার শদটি)			
আনের জিন্তিতে অপ্লাহকে অবহিত করার নির্দেশ (কফিবলেকে)	৬-আন্'আম	780	470	আবিরাতের নিনে অবিশ্বাসকারী সুনুর পথনাই হয়েছে	8-998	206	298
হানুষ্যক অবহিত করবেদ আল্লাহ (কৃতকর্ম সম্পর্কে)	৩৯-যুমার	٩	9.47	আরতে অবিশ্বাস (বনী ইসরাইলের লাস্কুলা ও দারিদ্রোর কারণ)	<b>२-वाकारा</b>	65	200
হ্বলতা অবহিত করে বস্তুত্ব করা কাফিবলের সাথে (শিষেধ)	৬০-মুমতাহিল	3	৯৫৮	আয়াতে অবিশ্বাস্/বিকুশ প্রসঙ্গে কিতাবে অবতীর্ণ নির্দেশ	8-मित्रा	280	298
অবহেলা (আরো দেখন শৈথিলা শদটি)				আয়াতে অধিশ্বাদের শান্তি (কাফিরদের প্রসঙ্গ)	8-निम	20	268
অস্ত্রাহকে অবহেশ্য করে পিছনে ফেলে রেখেছে (মানইয়ানবলীর)	77-da	84	628	আয়াতকে অবিশ্বাসকারীর জন্য যন্ত্রপাদারক শান্তি	৩-আলে উমরাদ	47	200
ইউপুক্তর ভাইরেরা অবহেলা করেছিল ইউপুঞ্জ	১২-ইউসুক	tro	648			29	0.00
কৰ্তহো অবহেদাৰ জন্য অফলোস (আপ্তাৰৰ প্ৰতি)	৩৯-যুদার	26	696	আয়তে অবিশ্বাদ (আল্লাহর আয়াত অবিশ্বাদ করে যে)	৩-জালে ইমরান		
वर्षभक्ता जापरमा (विवास्त्य जारामा बन वरितास अंधरान)	৬-আন'আম	40	6 yes	আয়াত অবিশ্বাদ করে আহলি কিভাবরা	৩-আলে ইমরান	90	484
কিভাবে আল্লাহ কোন কিছুই অবহেলা করেননি	৬-আন্'আম	06	499	আরতে অবিশ্বাদ করেছে যারা ডাদের জন্য কঠিন শান্তি	৩-আলে ইমবান	8	500
মৃত্যু মটাতে অবহেলা করেলা (মৃত্যুর কেরেশকরো)	৬-আন্'আম	65	607	আয়াত অবিশ্বাসকারীকে দেখার আহ্বাদ (রাস্থ্রসের প্রতি)	১৯-মারইরাম	11	900
ABI dotto mettali attei (ABIR caterateri)	ઉ-બાન્ બાન	0,	902	অন্নাত অধিশ্বাসকারীর সভাকে 'ৰাদু' বলে (অন্নত পাঠ করা হলে)	86-व्याद्वराक	3	tog
অবাধ্য/অবাধ্যতা				আরাত থনি রাস (বনী ইসরাদিশ কর্তক আরাত অবিশ্বাস প্রসঞ্চ)	8-निया	766	6.56
জটল (অবধ্যতার অটল থাকজো কাফিররা)	২০-মু'মিন্ন	30	990	আবাত অবিশ্বাসের কাহণ পাছিল ও লামুনা (আহল কিয়াবলের)	৩-আলে ইমরান	225	686
অটল (কাফিররা অটল অবাধানা ও সভ্য বিমূবভার)	৬৭-মূল্ক	45	260	আল্লাহ ও বাসুদ স. কে অবিশ্বাস করেছে মুনাফিকর	৯-ভাওৰা	V8	681
অধীনার (সবাধান্তবশত সঞ্জাহ ও তার রাসুল স. কে সবীকার)	৯১-শাম্স	77	2048	অস্ত্রাহ্ত মানুহ বিশ্বতে অধিয়াস বতে যাবৰ জীবন-মতা ভিনিই চলা	২-বাকারা	24	¢08
অন্তাহ ও রাসুদের নির্দেশের অবাধ্যতার শান্তি	৬৫-ভালাক	ъ	365	আল্লাহতে অধিদাসকারীরা ক্ষরিয়ান্ত	২৯-আনকাবৃত	65	450
ইবরাইমের অবাধ্য হলে ভার ব্যাপরে অল্লাহর ক্ষমা ও দর	১৪-ইবরাহীন	00	999				
ইন্ট্নিদের অধান্যতা ও কুম্বরি মৃদ্ধি করবে রামূল স. এর উপর যা	e-মারিদা	68	277	আল্লাহকে অবিশাসকারী সুদ্ধ পথগুর হরেছে	৪-নিসা	20%	238
ইকুলীদের অধাধ্যভার প্রতিকল, চর্বি হারাম করা প্রসঙ্গ	৬-আনু আম	186	830	আপ্তাহ্যক অধিশাস করার নির্দেশ দিত অহংকারীরা দুর্বশদেরকে	৩৪-শব্য	00	₩88
কঠিন অবাধ্যকে টেনে বের করবেন (দর্মার)	১৯-মারইরাম	60	90%	আল্লাহকে (ঈমান আনার পর আল্লাহকে অধিশাস করলে শান্তি)	১৬-নাহদ	306	934
কুমবি ও অধাধ্যতা বৃদ্ধি করবে আহলে কিতাবদের	०-माविमा	67	279	আপ্লাহ-ৰাসুল স. কে অধিশাসকারীই প্রকৃত কাফির	৪-নিসা	750	490
নিয়েখৰ অৰাণ্য হওয়ার ঘূৰ্ণীত বাদর হয়ে বাওয়া প্রসঙ্গ	৭-আ'রাক	366	629	অস্ত্রাহর নিদর্শন ও সাক্ষাতে অধিশ্বাসকরিই তার দয়া থেকে হতাপ	২৯-আনকাবৃত	20	220
मुद्र राष्ट्रात (प्रयम् द्रात निर्माशन पर मुद्र राष्ट्रात प्रकार	৬-আনু আম	220	800	আহলে কিতাৰৱা অবিশ্বাস করে আল্লাহর নিদর্শনাকণী	০-আলে ইমরাণ	3b	489
		250	980	দিয়ান আনার পর আল্লাহকে অবিশ্বাসের শান্তি/আল্লাহরয়েনাং	১৬-সাহল	300	950
যুবে বেড়ালে (অবধারার দিশেহার হরে যুবে বেড়ালের অববাশ)	৭-আ'রাফ ৫৩-নাঞ্জম			ওই/কুরমান এর প্রতি অবিশ্বাস করলে(পরিণতি প্রসঙ্গ)	৪৬-আহুকাঞ্	30	300
মূহের সম্প্রদার ছিল সর্বাধিক অবাধ্য		65	>08	ওইতে অবিশ্বাস (বাহ্নাথান্ত বশতঃ)	২-বাকুরা	80	630
পিঙা মাধ্যর অবাধ্য ছিল না ইরাহইরা	১৯-মার্ড্রাম	78	902		8-निमा	205	e98
প্রতিপালকের নির্দেশের অবাধ্য হওরা (জমুল সম্প্রদার প্রসম)	৭-আ'রাক	99	640	বিকাৰে অবিশ্বাসকাৰী সুদ্ধ পথএই হয়েছে			
প্রতিকল (ইছনীয়ের অবাধ্যয়ের প্রতিকল, মর্ব হারার করা প্রদাস)	७-जान् काम	78.9	970	কিতানে অবিশ্বাসকারীরাই ক্ষতিনাস্ত	২-বাকুরো	252	475
বাড়ানে (অক্সাংর কীড়ি প্রদর্শন মানুদের অবাধ্যকা বাড়ার)	১৭-ইস্রা	60	475	ক্বিতাবের অংশ নিশেষে অবিদান (বদী ইনরাইল প্রনম)	২-থকুরা	৮৫	430
মুশরিকরা চরম অবাধ্য হরেছে	২৫-ফুরকান	57	95/8	বিতাবে অবিশ্বাস (ইহুদীদের নিকট আসার পর)	২-খনুবা	b≽	670
পরতাদ অবাধ্য করেনি মুপরিকলেরকে (পরতাদ বলবে)	৫০-কাঞ	29	340	কিতাবে অবিশ্বাসকারীর জন্য আঙলই প্রতিক্রণত স্থান	22-gH	39	66
শরতান দরাম্বের অবাধ্য	১৯-মারইরাম	88	909	কিভাব/নবুরভ/বিচার-বিবেচনায় অবিশ্বাসের পরিধান	P-ani, aix	pp	608
রীর অবাধানার আগন্ধা থাকলে সমুপদেশ, গথার বর্জন ও মৃদু	৪-নিশা	48	692	বিয়াদত অবিশাস করেছিল কাফিররা (দুনিয়ার জীবনে)	०४-शारा	60	b-8q
		Ť	1	বিভাবে/কুরমানে অবিশান করে ( অধিকাংশ মানুষ)	১১-ছদ	39	669
অবাস্তর কথা (অপ্তার সম্পর্কে নির্বোধ জিনদের অবাস্তর কথা প্রসঙ্গ)	१२-बिन	8	2010	কিতাৰ/দৰ্শত বিচার-বিবেচনার অবিশাস করকো যে সম্প্রদার	১-আন'আম	10	608
	14.144		land.	to out of extraorestations and added to duction	Acres Ala	- 0	1000

এবছান অবিশাস

HE SEE SEE STREET	न्द्रा मर ७ नाम	1	100	नम् विवय/वागम्	जुबा नर ७ नाम		
অবিশ্বাস (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)			$\Box$	পাৰকাও (নবী প্ৰেতিক জাতিকে অভাব-অন্টান কৰা পাৰকাও)	৭-আ রাফ	98	6
কুরআন অবিশাস করল কাফিরের	৩৭-সাহ্যাত	240	1.05	পাকড়াও (পূর্ববর্তী উম্বরদেরকে অন্তব-অন্টন নিরে পাকড়াও)		84	43
কুরজনে ইহুলীদের অবিশ্বাস গ্রসঙ্গ	২-বাকুারা	97	670	মূহাজিবদের জনাব-জনটন সক্লেও মুহাজিবদেরকে জ্যাধিকার লো	৫৯-ব্যশর	8	24
ভাবরাত ও কুরজান অধিশ্বাস করে কাঞ্চিবেরা	২৮-কাসাস	85	254	শর্প (পূর্ববর্তীদেরকে শর্প করেছিল অভাব-অন্টন)	২-বাকুরা	458	2
ভাৰতকে অধীকাৰ কৰতে নিৰ্দেশ (আহলেকিভাৰকে)	৪-দিসা	60	498	অভাবহন্ত (আরো দেখুন মিসবিন শদটি)			Т
নয়াময়কে অখীকার কারীদেরকে গুরী পাঠ করে গুলানো	১৬-রা'দ	30	697	আধার করনো জলকারকে কুরেনীর পানে গোপত আহার করালে।	33-87%	0%	19
নান (আল্লাহর নান অবিশ্বাস করার জন্য শিরক করে মানুষ)	৩০-জন	08	V28	স্বাদলালে উলোহ দেয়ার বিচারলিলের অধীনারকারী (অভাব্যস্তব্যে)	১০৭-মাউল	0	20
দিনের শেষ ডাগে অবিশ্বাস করতে বলে প্রথমডাগে বিশ্বাস করে	৩-আলে ইমরান	92	282	থান্য দান, অভাগ্রাপ্তকে (ইহরামে পক হত্যার ভাককারা)	द-मातिना	342	0
দিদর্শনসমূহ অবিশ্বাস করেছে গাবা	৮-আন্দাল	૯૨	৬৩৭	থানা নান, বার্যার্থনে (২২১১২ নত ২০১৯ ভারতার) খনসান(জন্মহার,ত্রিসভীনকে খাননানে উপোর ন সেয়া শক্তি)	63-41841	08	14
নিদর্শন (আল্লাহর নিদর্শন অবিশ্বাদের প্রতিফল জাহান্লাম)	১৭-ইসরা	20	922				
নুহকে অবিশ্বাস করার প্রতিদান সত্রপ তাঁকে নৌকার আরোহণ	৫৪-কামার	28	3/05	খাদাদান (খাদের প্রতি জনবাসা সক্টেও অভাব্যস্তেকে খাদাদান)	৭৬-দাব্য	ь	3
নোমত (অপ্তাহর নোমতকে অবিশ্বাস, হামী খ্রী,সন্তান,বিবিক প্রদাস)	১৬-নাহল	93	906	থান দান (সঞ্চল অভায়ান্তকে থান;গস্ত দান, কসমের কাতৃকারা)	৫-মায়িলা	9.9	6
পাপচারীয়াই কেবল আয়াত অবিশ্বাস করে	২-বাকুরো	29	622	সম্পদ দান(মীরাস বন্টনকালে অভ্যক্তান্তকে কিছু নান করা)	8-मिना	ь	e
প্রতিক্ষত দিনকে অবিশ্বাস করে থারা তাদের জন্য দূর্তোগ	৫১-বারিয়াত	80	320	व्यक्षरमीद			П
প্রতিপাদককে অবিশ্বাস করার সান্তি (হামুদ জাতি গ্রসঙ্গ)		90	633	সাহাত (রাসুদা স. কে অভাবনীয় সাহাত্য দান বংরছেন আপ্রাহ)	৪৮-ফাত্য	0	12
প্রতিপাদককে অধিদাসীদের জন্য আহারামের শক্তি	১১-ছুদ ৬৭-মুশুক		394	অভ্যবসূত			t
প্রতিশালককে আবিশ্বাস তালের কাজের উপমা (স্বাইরের মত)	38-देवब्राह्म	8		আল্লাহ অভাবমুক ও অভিপ্রশংসনীয়	44-87%	58	4
		24	636	व्यक्तार वस्त्रपुर व वादि श्रम्थमीत	२-राष्ट्रावा	259	
প্রতিপাশবের নিদর্শনাবলী অবিশ্বাস	১৮-ব্ৰুফ	206	900				
প্রতিপালককে অবিশাস করার আদ সম্প্রদায়ের ধ্বংস	77- <u>ई</u> ल	90	693	অন্নাহ অভাবমুক্ত ও পরম সহনশীদ	২-বাকুবা	260	
প্রতিপালককে অধিশাস করে যারা তাদের গদার থাকবে বেড়ি	১৩-রা'দ	2	96.5	আল্লাহ অভাবমৃক্ত (কুপণতা প্ৰনঙ্গ)	৫৭-হালীদ	₹8	1
ফেরেশভাকে অধিশাসকারী সূদ্র পথস্ত হরেছে	8-निमा	১৩৬	648	আল্লাহ অভাবমুক্ত লা করা পর্যন্ত বিরে থেকে বিরত থাকবে	२८-मृत	ಲಾ	Ŀ
বিশুবনরা অবিশ্বাস করত সতর্ককারী বা নিরে এসেছে	৩৪-সাবা	38	b88	আল্লাহ অভাবমুক (আল্লাহর পথে ব্যব প্রসঙ্গে)	৪৭-মুহাম্মদ	৩৮	ŀ
মুদাফিল/কফিবলের অধিয়াল ভালের ব্যৱধারণা করতে নিবেং করেছে	৯-ভাওয়	48	986	অক্সহ অলবমুক্ত ও অভি প্রশংকবিয়(অবল-পৃথিবীর সবাই অস্তাহর)	৩১-পুক্ষান	₹8	Т
বিকর (কুরমান) অবিশ্বাস করণ কাফিরা	৪১-মুস্নিদাত	87	מטע	ইহুদীরা অভাবমুক্ত (ইহুদীরা নিজেনেরকে অভাবমুক্ত বলে)	৩-আলে ইময়ন	73.7	Ţ
রস্বাগতে অবিশ্বাসকারী সুদ্র পথন্তই হয়েছে	8-निग	200	648	ক্ষীয়কে অভাবসূচ করে দিবেদ আল্লাহ (বিয়ে করলে)ঃ	২৪-দূর	વ્ય	Ť
য়াসুদদের কিছু সংখ্যককে অবিশাসকারীই প্রকৃত কাঞ্চির	8-শিসা	100	698	প্ৰতিপাদক অভাবমুক্ত কৰেন (মানুহকে)	৫৩-নাজন	87	t
রিশালতে (নৃহ,আন,ছারুদ ও অল্যান্য জাতি প্রলঙ্গ)	28-देवबादीम	b	6860	মুনাক্তিকলেরকে অভাবযুক্ত করেছেন আল্লাহ ও বাসুগ	৯-জবৰা	98	t,
শন্তি (অবিশ্বান/ভূকরীর জন্য উত্তর পানীর ও মন্ত্রণাদায়ক শান্তি)	১০-ইউনুস	8	958	দুমিনদেরকে অভাবযুক্ত করে নিবেন আল্লাব্	৯-জন্ম	37	t
পরি (দিন্যা আনর পর অপ্রাহকে অবিশ্বাসের পরি/অপ্রাহরভাগ)	১৬-নাহুদ	509	932	ন্মী-প্রতে আচাহ অভাবমুক্ত করবেন (ভালাক প্রদস)	8-निमा	300	t,
পত্যকে অধিশ্বাস করেছে নারা ভালের সাথে বস্তুত্ব নিষিদ্ধ	৬০-মুমতাহিলা	٥	496		0-(119)	300	ť
নামাতকে অধিশ্বান (প্রতিপাদকের নাথে)	১৮-বাহ্	305	900	অভিয়াত		_	Ļ
মবিশ্বাসী (আরো দেখুন কাঞ্চির শব্দটি)		_		কাঞ্চিবরা (ধূনিয়াতে কাঞ্চিবরা ছিল অভিজ্ঞাত)	৪৪-দুখাল -	89	Ľ
পৰিয়াত অধিবাসীদের আদৰ্শ বৰ্জন কংগেন ইউসুক	১২-ইউস্ফ	01	900	অভিন্ন .			L
নহকোরবারীরা অধিশাসী (ছামুল সম্প্রদারের অহংকারকারী)	৭ আ বাদ	95	940	'বংগ্নর ব্যাখ্যার আমরা অচিন্ত নই'-পরিবদবর্গ বলল	32- <b>2637</b> 0	88	ŀ
অধিবাতে অনিযালী (যারা আল্লাহর পথ বেকে বিরত হাবে)	३३-दुन	7.9	969	অভিনন্দন			Ī
অধিবাতে অধিশাসী (কুরআন অধীকারকারী মূপরিকগণ)	৪১-ছুগুলিলাত	9	556	থানের জন্যও অভিনন্দন নেই কাফিররা খাদের অনুসরণ করত	७४-स्माप्तान	60	t
অধিবাতে অবিধানী জাদিময়া	9-আরফ ৪-স্বার্থক	82	629	নীয়ালজনকারীদের অনুসারীদের জন্য কোন অভিনাদন দেই	৩৮-সেয়াদ	43	t
বাংগতে অংখানা জালনত। মলেচনার অনিয়াসী (কফিররা রহমান এর উদ্রেখ/আলোচনার)	২১-অধিয়	09	965	चित्रमव		4	t
	43-301441				O.L. Destatement	-	ł
লার বেড়ি (অধিশাসীনের গলার বেড়ি পরবেন আল্লাহ)	১৫-বান ১৫-বান	00	788	বাসূল ল. (মুহাখন গা. কোনো অভিনৰ বাসূল নদ)	৪৬-সাতৃকাদ	à	ļ
বিচার দিন সম্পর্কে অবিশ্বাসী বানায় কিলেঃ (মানুবকে)		٩	3029	অভিবাদন (সালাম) (আরো দেখুন সালাম শব্দটি)			L
লগনাসা (আল্লাহ অবিশাসী পাণিষ্ঠতে ভালবাসেন না)	২-বাকুৰো	298	600	অপ্তাহ রাসুদা স, বে যেতারে অভিবাদন জনাদনি প্রেজবে জনায়	৫৮-মুজানালা	ь	I
নদুৰ (প্ৰতিশালকের সাথে সাক্ষাতের ব্যাপারে মানুদ অবিশাসী)	00-8¥	ь	544	করার (অভিবানন ক্রনালে হলে তার চেয়ে সুন্দর বা অনুরূপ করার)	৪-নিসা	9-9	I
হেমান এর উল্লেখ/আপোচনার অবিশাসী (কাফিরো)	২১-আধিরা	96	985	জনানে (অভিবাদন ও সঞ্চাম জনানো হবে ভালেকে যাব)	২৫-সুবকান	9.2	ŀ
ন্ত্ৰীকদেৱকে অধিশ্বাস করনে অপরাধীরা (বিয়ামতে)	৩০-রম	70	550	ब्रान्डल (पश्चिमन ब्रान्डल दल यह द्वारा जूमर वा प्रमुक्त क्यार)	৪-নিসা	bris	T
বাড়ি (অবিশ্বাসীর জন্য উক্তর পানীয় ও বন্ধণানায়ক পাজি)	১০-ইউনুস	8	628	রাসূদ স. কে অভিবাদন জনার মুনাফিকর এমন ভাবে যেভাবে	৫৮-মুক্তাদালা	ъ	T
গতে (কুরআন)কে অবিশ্বাসীরা সুস্পষ্ট জাদু বলে	৩৪-সাবা	80	₽86	সালাম (অভিবাদন যন্ত্রপ সালাম দেৱা, ঘরে প্রবেশকালে)	२,8-नृत	99	t
দশ্রদার (অবিশ্বাদী হরে গিরেছিল এক সম্প্রদার, প্রপ্ন করে)	ए-महिमा	705	490	সালাম (আল্লাহর সাক্ষাতের দিন মুমিনদের প্রতি অভিবাদন)	৩৩-আহ্বাব	88	1
দের নিতৃষ্ণার সন্থাতিত হর আপ্লাহর কথার (অধিরাতে অধিবাসীর)	৩৯-বুমার	80	496	সালাম (জান্লাতে মুমিনদের অভিবাদন হবে সালাম)	১০-ইউনুস	30	t
গৰৈধ				সলাম (জান্লাতে সংকর্মশীল মুমিনগণের অভিযাদন হবে সালাম)	<b>38-३रवादीय</b>	20	t
চছনবারী (অধৈধ ভছনবারী)	৫-মারিদা	82	65.6	অভিতাৰক/অভিতাৰকত্ব			t
চন্দ্ৰণ (অবৈধ কন্দ্ৰণ করে যাত্ৰা কুকরি গোপন বাখে)	৫-মার্রিনা	64	6pp		o Pour		+
	৫-মারিনা	60	522	অনুমতি (অভিভাবকের অনুমতিক্রমে দানীকে থিরে করা প্রসাদ)	8-निम -	56	4
ম্বাহত থাকা				অনুসরা (অভিভারকের অনুসরণ নিষেধ, আপ্রায়কে বাদ নিয়ে অন্য)	৭-আ'রাফ	0	Ŀ
	La Wille		122	অহকোরীরা অভিভাবক পাবেনা (আল্লাহ ছাড়া কাউকে)	8-निग	240	ŀ
বৈশক্ষি অব্যাহত প্রকাষে কাফিরনের উপর (কৃতকর্মের কারণে)	১৩-রা'দ	٥٥.	699	আল্লাহ ছাড়া অভিভাবক থাকরে না (জালিম/কাভির প্রসঙ্গ)	৬-আন্'আম	°to	ŀ
হবাহতি			$\Box$	আল্লাহ ছাড়া অভিভাগক দেই (আসব্যবে কাহাকের)	79-4464	59	ŀ
মফিবদের জন্য কি অব্যাহতি আছে?	৫৪-কামার	80	209	খাল্লাহ স্বাড়া অভিযানক সেই	৯-ভাওৰা	339	1
মতাব-অনটন (আরো দেখুন দারিদ্রা শব্দটি)		П		স্বাস্থ্যৰ হাত্ৰা স্বভিতাৰক নেই	৪২-পুরা	03	Ł
	২-বারুরো	273		আপ্লাহ ছাড়া অভিভাবক ছিল না (অবিশ্বাসীদের)	77-Set	30	k

----

THE LOUIS RAIL/COMPANIES	नुसंग्रह च नाज	40.3	46	THE STREET	मुद्दा मेर ७ मान	-	10
	20.00		-6-		২৭-নামণ	8>	6
মভিভাবক (পূৰ্ণ পুৰা খেকে)		_	ш		£ (14-)	0.0	۲
মাদ্রাহ স্বাভূন অভিভাবক পাকবেনা	৬-অন্'অম	62	900	অভিযত (আরো দেখুন মতামত শব্দী)			6
মপ্তাহ স্বড়া অভিভাবক গাবে না (মুনাফিক প্রদক্ষ)	৩৩-আহ্বাব	24	3108		৩৭-সাত্ফাত	205	
মস্তাং প্ৰড়া অভিজনক পাকেনা (মাল্লাহর ভাকে সাড়া না নিঙ্গে)	৪৬-আহ্কাক	જર	277		75-5g34a	80	1
মন্ত্রাহ অভিবাধক মুমিনদের বুই দলেরই (উত্তন মুক্ত প্রদাস)	৩-আলে ইমরান		289	সূলাইমানের পরের বিষয়ে দাবার রামীর পরিকলবর্ণের	২৭-বামল	95	1
মান্তাংই অভিভাবক (মান্তাং ধাঝু কোন অভিভাবক নেই)	২-বাকারা	209	625	বাহনত থানা		_	1
অল্লাহই একমাত্র অভিভাবক	৪২-শ্রা	>	9.97	অভিমুখী			L
পান্তাহর কোন অভিভাবক নেই	১৭-ইস্রা	222	920		৪২-শ্বা	30	P
बद्धारेरे प्रतिवारत (प्रद्धार क्षेत्र प्रश्नार प्रतिवारत वनान अन्त्र)	৪২-পূর্য	>	9-27	আক্লাহর অভিযুখী হয় (পরিগত বছসে উপনীত মুখিন)	৪৬-আহ্কাক	30	Ŀ
মান্তাহই অভিভাবক (দয়া প্রশাস)	৪২-শূরা	46	P20	व्यक्तार व्यक्तिपुरीत करा क्षानाटक शक्तिपिर	१०-वृष	05	T
মল্লাংই দুমিনদের অভিকাংক হিসাবে যথেষ্ট	8-5097	8¢	665	আপ্লাহ অভিনুধী হয় যে আৰু আপ্লাহ তথা দিকে পৰিচাপিত কৰেন	১৩-রা'দ	29	T
বস্তার পিয়াননারনের অভিজ্ঞাবক	২-বকুর	321	600	অল্লাহর নিকে প্রভাবর্তন করল সূলাইমান	৩৮-সোৱাদ	ов	Ī
মপ্লাহ ছাড়া অন্যকে অভিভাবক গ্ৰহণ অবৌক্তিক	৬-আন'আন	38	693	আল্লাহ অভিযুখীদের জন্য চিনি কমাশীল	১৭-ইসরা	3.0	T
াক্সং গুড়া অন্তকে অভিভাবকন্তাণ গ্রহণকারী বলে	৩৯-যুমার	0	3-93	অক্সাহ অভিযুখী বাপা ছিলেন নাটন আ,	৩৮-খোলাদ	29	1
াপ্তাৰ প্ৰকৃতিক পাতিবাৰক নেই	১০-রাদ	22	5979		১১-ছুদ	25	t
			696		৩৮-সোৱাদ	239	t
নপ্লাহ বাড়া কেনে অভিভাবক নেই	22- <u>ई</u> स	220		প্রতিপালকের অভিমুখী হব (বাগানওয়ালারা)	৩৮-কুলাম	03	t
ছ্ৰাহ ছড়া বেল পচিতাৰক/সাহায্যকারী কেই	২≽-আনকাবৃত	44	239		৩৮-সোরাদ	88	+
াল্লাহ হাড়া মানুষের ধেনে অভিভাবক নেই	৩২-সাঞ্দা	8	br0o				4
ক্সাং (মণসামনেরী অক্সাং হাড়া সাউকে অভিজনকরণে পাবেন)		250	445	মাদইয়ান অভিযুক্তে থানা কলে মূপা	২৮-কাশান	22	1
নপ্তাহ বাদে অন্যকে অভিভাবক গ্রহণ(মাকড়সার ঘরের মত)	২৯-আনকাবৃত	87	272	ব'আইব প্রত্যাবর্তন করেন আপ্রাহর নিকে	३३-दूम	yy	4
ম্প্ৰাহ বাসুদা গ. এর অভিভাবক (মিনি কিভাব অবতীর্ণ করেছেন)	৭-আ'রফ	799	603	সুৰাইখন হিল অল্পাহ অভিমুখী বাদ্য	৩৮-সোম্বাপ	60	_
ধ্যাহ্য পরিবর্তে অন্যকে অভিভাবক হিসাবে গ্রহণ করে যাগ্র	৪২-শূরা	à	2-27	<b>অভিবৃত্ত</b>		L.	
উসুফের অভিভারক অকাশ-পৃথিবীর দ্রাটা (দুলিয়া ও অধিয়তে)	34- <b>257</b> 0	302	696	হতার বিষয়ে ক্রী ইসরাইল কর্তৃক একে অপরকে অভিযুক্ত করা	২-বানুদরা	93	1
র্থন্য ও হার বংশকাকে অভিভাবক গ্রহণঃ (আল্লাহকে বাদ নিজে)	১৮-কার্ক	ĝ0	949	অভিযোগ			
মাননারদের অভিতাবক আল্লাহ	২-ৰাকুল	323	600	অল্লাহর নিকট অভিযোগ (এক মহিশার স্বামী সম্পর্কে)	৫৮-মুন্ধানালা	2	1
দ্যাইডার অভিভাবন দেখার বিষয় নগানে(কণ্মাইটার দুর্নল ছাল)		393	608		১২-ইউসুক	brb	1
মকির ও মুনাফিকদের অভিতাবক দেই পৃথিবীতে	৯-ব্যব্বা	98	687	ব্যক্তিয়ারের অভিযোগ উত্থাপন (সচ্চত্রিত্রা নারী সম্পর্কে)	<b>५8-मृद</b>	8	1
দক্তির অভিভাবত পাবে না আবিরাতে	०७-वादराव	Set	909	ব্যক্তিয়ারে অভিযোগ উহাপন (শ্রীর সম্পর্কে)	48-74	0	1
য়কেরর আচতাবক শাবে দা আগবাতে। মফিরের অভিতাবক পেত না, যদি যুদ্ধ করত (ছলারবিয়া প্রসঙ্গ)	8५-साव्य	44	972	ব্যক্তিয়ারে অভিযোগ (সভবিত্র নারীর বিক্তাক্ত)	<b>५8-नृद</b>	20	H
						40	+
দাকিরনের অভিভাবক ভাগ্নত	২-বাবৃদ্ধা	227	600		OO-MIGHIN	40	+
দমরা দান (অন্যরভাবে নিহত বাভিন অভিভাননকে প্রক্রিনারেন)		00	936	অভিশঙ/অভিশঙ (আলে দেখুন লা'নত শব্দটি)		_	4
হেণ (অভিভাবক এংশ করা মানার না আল্লাহতে বাদ নিরে)	২৫-যুৱকান	7,2	490	আল্লাহর অভিশাপ (ইবলিসের প্রতি)	৩৮-দোৱান	934	4
হেল (অভিজ্ঞানকরেশ গ্রহণ, অনেত্রকে যারা নিজেনেরও উপকার)	২০-রাদ	3/6	92.9	জ্ঞালিমনের জন্য রয়েছে অভিশাপ (কিয়ামতের নিন)	৪০-মুখিন	24	4
জপিমদের অভিভাৰক দেই	৪২-প্র	7	257	গাহ (অভিগর বাহুম গাহটি মানুহের পরীক্ষাহরপ)	১৭-ইস্ল	80	4
লবিমদের কোন অভিভাবক থাকবে না (আল্লাহ ছাড়া)	৪২-প্রা	86	296	পৰ (অভিশৱদের পৰ বেকে বাচার প্রার্থনা)	১-ফাভিয়	9	
রপ্তত কঞ্চিরদের অভিভাবক	২-বাকুরো	229	අපර	মুনাকিক ও ফুলার কাজ্যিকরা অভিশব্ধ অভস্থার মনীনার থাকাবে	৩৩-আহ্বাৰ	45	1
নসীর অভিভাবকের অনুযদিক্তমে ভাকে বিয়ে করা প্রসঙ্গ	8-शिश	20	600	व्यक्तवर			1
পধন্তবৈ অভিজ্ঞানক নেই (আল্লাহ যাকে পথনাই করেন)	৪২-পুরা	88	720	প্রতিপক্ষের অভান্তরে চুকে পড়া খোড়ার কমম	১০০-'আদিয়াত	Q.	Ī
পধার্তার (অক্সাহ যাকে পথন্ত করেন কর কেন অভিভাবক সেই)	77-4164	39	938	প্রাচীরের অভ্যন্তর ছাড়া মুনাকিকরা যুক্ত করবে না (কাফিরপের			i
গাওয়া (অভিভাবক পাওৱা যাবে না আল্লাহ পথনাই করলে)	১৭-ইস্বা	24	944	404)	৫৯-হাপর	78	1
প্রতিপাশক উপদেশ প্রধাকারীদের কৃতকর্মের ব্যাপারে অভিকাৰত	৬-অন'অন	329	(sc)r	অনুক্রে অভ্যন্তরে দু'টি হনর বানাননি (আল্লাহ)	৩৩-আহ্বাৰ	8	d
			479		00-4444	۱.	4
বান্দানের অভিভাবক হিসেবে প্রতিপালক বর্ষেষ্ট	১৭-ইস্রা	95		অভ্যন্ত		-	4
রন্দানেক্রকে মভিভাবক প্রহণ কাফিবনের। (আল্লাহর পরিবর্তে)	১৮-কাব্য	305	100	মদ্যকাকে (সমকামিতার) অতাক্ত ছিল পুতের সম্প্রদার	<b>३</b> ३-दूम	92	4
বঞ্চপুৰের কল্য অভিভাৰক নিযুক্তির দোয়া	8-निगा	92	266	খভাস		_	J
দুশরিকদের অভিভাবক শয়তাশ	১৬-নাহল	80	908	ফিরঅটন কপে ও তার পূর্ববর্তীদের জল্যাসের মত	৮-আনবদশ	€8	Ц
দুশরিকনে অভিভাবন/পরীক কর্মে আসবে না (অক্সাহর পরিবর্তে)	8द-वादिता	30	300	ফিরমার্টন বংশ ও পূর্ববর্তীদের জন্যাসের নার কাফিরদের	৩-আলে ইমরান	22	1
মুদিননের অভিকাবক আল্লাহ	০-আলে ইমরান	69	483	ভিৰুজ্ঞত্বৰ ৰপ্তপৰ জন্মাদেৰ নাম (আল্লাহর আয়াত অস্বীকার)	৮-আন্ফাল	65	1
মিনদের অভিভাবকড়ের দায়িত্ব দেই ভাদের ব্যাপারে যাবা	৮-আনকাশ	92	600	অমহল (আরো দেখুন অকল্যাণ শব্দটি)			1
দার অভিভাবক আল্লাহ	৭-আ'বাক	266	696	আল্লাহর ইঞ্জবীন (আল্লাহ অমঙ্গ চাইলে কেন্ট রক্ষা করতে			٦
तुन म, का प्रतिसदन धारत न (देशी-नानवास्त प्रमुक्त करण)	২-বনুৰা	220	678	পত্ৰে ন)	००-व्यास्यान	23	
াকুল স, এর জেন অভিজনক থাকানে না কাফিয়নের অনুনারণ করলে	30-874	93	692	কাভিয়নের উপর অবছল বিদামতে(শিরক প্রদান)	১৬-নাহৰ	29	t
জনে অভিযাৰক (মুশাকৈ প্ৰসৰ)	১৬-নাবল	60	900	হাবুদ সম্প্রদান্তর জনকব	३९-संस् <b>न</b>	89	
জনেৰ স্বাতভাৰক (মুশায়ক এগৰ) জনেকে অভিভাৰক বনিবেছেন আপ্তাহ তালের স্বন্য যাবা	৭-আবাদ	39	650		१३-किम	30	4
				পৃথিবীবাসীর অনহল চাওয়া হয়েছে, নাঞ্চি মকল			-
শ্বরুত্তনকে অভিভাবকরণে এংশকারী সুস্পারভাবে অভিনয়	8-নিসা	777	692	রাসুলনেরকে অমলদের কারণ খনে করল (কাঞ্চিরর)	৩৬-ইয়াদীন	23.	4
শ্যাধানকে অভিভাবক হিসেবে এহণ করেছে এক নল	৭-আবাক	00	634	সালিহতে অনুষ্ঠার কারণ মনে করত(ছামূল সম্প্রমার)	২৭-শমন	89	4
শাসনকে যে অভিযানক বানার শাসনকের কমতা তথু তার উপর	১৬-নাবৃদ	300	422	সীত্রাল্যেনজারীদের সাথেই তদের অহকণ (রান্দদের গাবি)	৩৬-ইয়াসীন	79	1
সংকর্মশীলদের অভিভাবকন্ত আল্লাহ করে থাকেন	৭-আ'লফ	1299	(40)	স্পর্ণ (মুরাকীনের সাকলোর কারনে অবছল স্পর্ণ করবে না)	৩৯-মুমার	62	-1

		अभरना	Callan	200-
44	সূলা কং ও শম	यक म	र्का	শব

বিষয়/প্রসদ

े जुड़ा नर छ मोम व्यवस्य गुर्का

<b>अमर</b> नारशंगी		_		প্রতিপাদক অমবাপেক্ষী ও দয়াবীল	७-जान जाम	200	60
অছ ব্যক্তির প্রতি রাসুল স. সা. অমনোঝোপী হওয়া প্রসত	৮০-খাবাসা	30	2006	অহথা/অনর্থক	0	1.00	-
হনর প্রেতিশালকের উপদেশ খেলাছেলে প্রবদকারীর হনর				আকাশ-পৃথিবী অহথা নৃষ্টি করেননি আল্লাহ	88-नुवाग	000	hos
व्ययः(मारवाणी)	২১-আধিয়া	0	920	অরক্ষিত	0012111	019	1000
হলর - আল্লাহর অবৰ্ণ থেকে ধার - ভার আনুগাত্য নিষেধ	১৮-কাহফ	২৮	926	च्या व्यक्तित श्रेतस्य व्यक्तपुरः श्रमहत्वा कृतिकान्त्व व्यवहर्ति संस्था	৩৩-আহবাব	20	bros
जमत/जमतद		-	100	মুলাফিকনের হার অর্থান্ডত থাকার মিথ্যা অঞ্চয়ত (বন্দকে)			
আনম ও ভার স্ত্রী অমর হবে মান্তাতে (ইবলিসের প্রভারণা)	৭-আ'রাড	20	628	অরাজকতা (আরো দেখুন বিশৃংখলা শব্দটি)	৩৩-আহ্বাব	70	6-86
कश्चित्रश कि श्राही/समय श्राहर (यहम द्वारालये समय मन)	२५-व्यक्तिम	08	322			_	
নবীগণ স্থানী (অমর) ছিল মা(মানবীর বৈশিক্ট্য প্রনাস)	२५-व्यक्ति	b 08	100	পৃথিবীতে জরাজকতা সৃষ্টি করবে মুসা (ফিরজাউনের আগছা)	৪০-মুমিন	2.5	pp
वृक्ष (करवाद्वनतनसर्थे वृक्ष मिद्रत कानगरत नारवादनर कृत्यान्त)	२०-छा-श	240		অর্জন/কৃতকর্ম/অর্জিত (আরো দেপুন উপার্জন শমটি)			
মানুহতে আল্লাহ স্থাবিত্ব/অসবত নেমনি	२३-व्यक्ति	240	202	অংশ (অর্জনে অংশ আছে ভানের যারা অর্জন করেছে)	২-বাকুরা	२०२	65
মানুহকে তার সম্পদ অমর করে রাথবে! (জমাকারীর ধারণা)	১০৪-চুমানা	08	2000	অচন অর্জন জারাত সম্পর্তে বেববর বাজির অর্জনের কারণে অচন)	১০-ইউনুস	ъ	96
সম্পদ অমর করে রাববে। (সম্পদ জমাকারীর ধারণা)	३०६- <b>ए</b> बावा ३०६- <b>एवावा</b>			আগামীকালের অর্জন সম্পর্কে মানুষ জানে না (গায়েব প্র.)	৩১-লুকমান	<b>68</b>	14
অমান্/অমান্ করা	206-64141	۰	2000	উদ্দতে মুহামদীর অর্জনই তারা পাবে	২-বাকুরো	282	67
		_	-	উপতে মুহাথদীর অর্জনই তারা পাবে	২-বাকুরা	>08	67
অবিশ্ব করেছেন আপ্রাহ অমান্যকে (মুমিনলের নিকট)	৪৯-হত্ত্বত	3	340	কল্যাণ স্বৰ্জন (দিনালের মাধ্যমে কল্যাণ অৰ্জন না করার পরিণাম)	৬-আন্'আম	247	63.
অসমগ্রতিপাশনকে অমান্য করণ(নিষিদ্ধ গাড়ের ফল গাড়র প্রদাস)		247	985	কান্দিরের অর্জনের উপর তার নিম্মের কোন ক্ষমতা নেই	১৪-ইৰৱাহীম	20	694
আস্তাহ ও রাস্প ন, কে অমান্যের গরিণাম জাহারামের আগুল		20	৯৮৭	ঘদুণ জাতি বা অর্জন করেছে সে জন্য অপমানজনক শান্তি	৪১-কুস্সিলভ	29	שע
আল্লাহ-রাসুগ ন, কে অমান্যকারী সুস্পষ্ট গধন্তই	৩৩-জাহ্যাব	ರಿಕಿ	৮৩৬	জাপিমদের অর্জন উপকারে আনবে না	৩৯-মুমার	éο	59
পাল্লাহ-রামূল দ. কে অমান্য করলে আছলে প্রবেশ করলো হবে	৪-শিশ	78	660	জাপিয়দের অর্জন/কৃতকর্মের জন্য পরম্পরকে দুক্ত করা হবে	৬-আৰ্'আম	148	60)
অল্লাহকে অমান্য করণে কতি বৃদ্ধি (সাপিহ আপ্রসঙ্গ)	27- <u>Z</u> ei	60	693	লাপিমদের ইহকালের অর্জন (পাপ) এর শান্তি আত্মানন	৩৯-মুমার	48	40
আহলে কিভাবরা অমান্য করেছিল আল্লাহর নিংখাঞা	৩-আলে ইমরান	225	689	মাপিমদের অর্মিড মগুকার ডালেরকে আঘাত করবে	৩৯-মুখ্যর	62	891
ইহুদীদের কিছুলোকের অমান্য করা প্রদাস	৪-নিগা	69	690	জাপিমের অর্জিত মদ্দকাজসমূহ কিয়ামতে প্রকাশিত হবে	০৯-মুমার	85	79
বিজিরের নির্দেশ ক্ষমন্য দা করার অঙ্গীকার মূপার	३४-बाइंक	69	900	'ধানে (মানুবের অর্জন/কৃতকর্মের কারণে ধানে প্রদান)	৬-আশু আম	90	60
নিৰ্দেশ অমান্য করল মুমিনরা (বিজয় দেখালোর পরেও)	৩-আলে ইমরান	322	220	নিজেই বিস্তুত্বে অর্জন করা হয় (পাপ অর্জন করা হলে)	8-Sept	222	49
নৃহকে অমান্য করে সম্প্রদার এমন লোকের অনুসরণ করে যায়	१५-मृह	52	394	পাকরাও করলে আল্লাহ অর্জনের জন্য (শক্তি করাখিত করাজেন)	১৮-বাহক	20	941
প্রতিপালককে অমান্য করলে ভরাবহ নিনের শারির ভয় (নবীর)	৩৯-বুমার	30	293	পাকড়াও (অৰ্জন/দৰীদের দিখ্যাবাদী বদায় পাকড়াও)	१-व्य'दाक	9.9	643
গ্রকিপালককে অমান্য করলে নবীর শান্তির তয় (ওঠি প্রসঙ্গ)	১০-ইউপুদ	3/2	600	नान वर्षम कहा राम या निरक्षको विकास वर्षम कहा रह	8-921	222	643
্রেটশ্রনককে অমান্য করলে রাসুলও ভয়াবহ নিজের শরির ভয় বংকে	৬-আনু'আম	34	989	পাপ অর্থন করে তা নির্দায়কে আয়োপ করেল পাপের কোঝা বহন করা		225	63
প্রতিপালকের আদেশ অমান্য করল হামূদ আঠি	৫১-বাবিয়াত	88	329	শূপ অর্থনতারী আঙ্কের অধিবাদী	२-वाकावा	2.7	203
ফিল্লেউন অমান্য করদ মুসাকে (নিদর্শন দেখার পরও)	৭৯-দাখি আভ	43	3008	পাপ অর্জনকারী পাপের বোঝা বহন করবে	g-Size	225	693
থিয়বাটন অমান্য করেছে (মৃত্যুর সময় উমান আনা প্রদাস)	১০-ইউনুস	74	ර්තුර	পাপ অর্জনবারীদের প্রতিকল দান প্রদক্ষ	৬-আল'আম	250	801
দেৱেশনা অন্তৰ্যন নিৰ্দেশ অন্তৰ্ম করে না (আহল্লামের ফেরেশনা)	৬৬-তাহরীম	4	230	পূৰ্ববৰ্তীদেৱ অৰ্জন কোন কাজে আসেনি	80-मुसिम	2.0	200
বনী ইসরাদিল অমান্য করল (শোনার পর)	২-বাকুলো	>0	622	পূৰ্ববৰ্তী জালিয়দের অর্জিড মন্দর্বজা ডামেরকে জায়াত করেছিল	০৯-দুমার	65	596
হনী ইমরাইল অমান্/সীমা <b>লভা</b> ল করার লা'লত করা হয়	৫-মায়িনা	96	690		৩-আলে ইম্বান	200	001
বনী ইসরাইল কর্তৃক ক্ষমান্য করার পরিণত্তি	২-বাস্থারা	63	209	প্রতিদান (সবার অর্ক্সদের প্রতিদান নিতে অব্যাপ-পথিবার মৃত্তি)	৪৫-কাছিবা	44	200
মুদার নির্দেশ হ্যকন কর্মক স্বহান্য করা	२०-ग्र-श	20	989	প্রতিক্রম (আল্লার প্রত্যোক্তর তার অর্কানের প্রতিক্রম নিবেন)	28-देववादीय	67	630
হানুদ ন, কে অমান্য করল (ভিরুম্বাউন)	९०-प्रयुवाचिन	2/6	20.0		2010/1910/4 2-10/1911	24	683
বাবুল স. কে অমান্য করার ব্যাপারে গোপন কথা	৫৮-মুন্দানালা	>	200	প্রতিকল (অর্জনের প্রতিকল বন্ধুপ হার (বন্ধু) দেৱা- হেরে ব)	१-पतिमा	90	274
বানুপ স, কে অমান্য করার ব্যাপারে গোপন কম্ম,	৫৮-মুজাগলা	b	200		ভ-থারদা ৯-থারবা		960
বালুল স. বে অমান্ত করলে অকে কল্ম (বালুল স, দায়িত্বস্তুক্ত)	২৬-৩'জারা	236	933			76	
বসুল স. কে আৰুৰ করার পাকড়াও(পাপারেরী জনপান/ভিরম্বেডিন্ডে)	69-SIMIE	20	399		20-814	00	653
ৰূপা স. কে অমানকারীর অমান (সে ধনি মানির সামে মিশে (মত)	8-निमा	83	263		8৫-जाएँग	78	200
ৰুপুল স. কে অৰ্মান না কৰাও ৰাইয়াত গ্ৰহণ, যুক্তিন নাৰীভেল (সভাৰুছা)	৬০-মুমতাহিনা	24	969	ফ্ল (বিগদ-আপন মানুমের অর্জন/কৃতকর্মের ফল)	৪২-পূৰা	80	V58
বসুন হ'ব অকটাৰ কেন্দ্ৰ বিজ্ঞানতে, বুনদ বছলো (নাজেনে) বসুন স. ও আল্লাহকে অমানের পরিশাম জাহালুমের আন্তন	৭২-জিল	30	26.0	ব্যক্তি যা অর্জন করেছে আ তাকে পুরো করে দেরা হবে	৩-আলে ইমরান		203
লগুল নাপ্তাহাকে কথাকে কথাকাৰ নামান আৰ্য্যুক্তৰ আৰু লগুল-আপ্তাহকে কথাক কথাল আৰুনে প্ৰবেশ কথাকো কৰে	8-विभा				৩-জালে ইমবান		600
লপুণ-আন্নাহকে কথান্য কথাল আন্তনে হবেশ কথানো হবে লগুণনের জন্মান্য করেছিল আন সমগুলায়		78	450		৪০-মুখিন		6.67
মুখাপেক্ষী	22-fee	6.9	692		२८-मृह	>>	990
					১৩-বা'দ	82	695
মন্তাং বহুবংশকী	৬০-মুমভাহিনা	ь	25.0		৬-জান্'আম	298	655
অস্তাহ অবুধাগেনী ও অভি প্রশংসনীয় (আল্লান্ডত ভর করা প্রসঙ্গ)	8-विश	202	640		৬-আন্'আম	0	C)PG
মন্ত্রাহ অমুখাপেন্দী ও পবিত্র (সন্তান প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	69.	660		৫২-ভূব		200
মন্ত্রাহ অনুবাশেনী ও অভি প্রশংসনীয়(মানুদের অভ্তক্তর প্রসঙ্গ)	>8-देनबादीय	ν	690		৫২-ডুব	52	hoo
মক্লাহ অনুধালেকী ও প্ৰশংসনীয়(মানুষের অকৃতজ্ঞতা প্ৰসঙ্গ)	৩১-পুকমান	32	৮২৭		২-বাকুৰো	59.7	200
মন্ত্ৰাহ অমুধাপেকী ও অভিপ্ৰশংসনীয়	ও৪-ভাগার্ম	ò	366		৬-আণ্'আম	0	696
মহাহ অমুৰাপেকী ও প্ৰশংসনীয়	৩৫-ফডির	75	b89		৩৫-ফাতির	80	mêc
মাল্লাহ অমুখাপেন্দী, ৰূগতসমূহ থেকে	০-আদে ইমরান	39	282	मानुरवत जर्मन/वृत्रकर्धात काराण धराम श्रमम	৬-আনু আম	90	905
মান্নাং জগত থেকে অমুধাপেন্দী	২৯-আনকাবৃত	6	<b>b770</b>	মানুহের অর্ন্ধনের জন্ত কাসাদ প্রকাশিত (ছলে ও সমুদ্রে)	45-00	83	৮২৫
ভিপানক অকৃতভাৱে ব্যাপারে অমুখ্যপেকী	২৭-নামণ	80	trop		২-বাকুলো		000

অ	

অ			হার্ত্বন	ধুবীদ			
नम सिन्द/धनक	<b>नूब कर च नाव</b>	with the		THE REPORT	तूम गर् च नाम	Mar.	1
फर्चन (पूर्व गुडेर (बरक)				গিলে কেলা (মৃগার লাঠি জানুকরদের অলীক সৃষ্টিগুলোকে	৭-আ'রফ	229	620
মানুষের মন্দ অর্জন তারই	২-বাকুারা	২৮৬	605	গিলে ফেলল)			
	৪-নিসা	tr	20h	অলীদ ইবনে মুগীরা			
মমিনসের অর্জিত অংশ থেকে পৰিত্র বন্ধ দালের নির্দেশ	২-বাৰুবো	২৬৭	605	ক্ট চাপিরে নিবেদ আল্লাহ ওয়ালিদ ইবনে মুগীরের প্রতি	৭৪-মুদাছবির	24	990
মার্ক্তিকলের অর্জন ক্ষেদ্র কাঞ্চল আসনে লা (ভারন্তোনের মেকাকিলার)	8द-व्यक्ति	30	306	অন্ত/অন্তসংখ্যক (আরো দেখুন কম শব্দটি)		-	
শান্তি (জালিমদের অর্থনের শান্তি আধানন করতে বলা হবে)	১০-ইউনুস	43	600	অমান্তরীর সংখ্যা অন্ধ (আল্লাহ-রাসুদ স. এর অমান্তর্নারী)	৭২-জিল	28	১৯৭
শান্তি (অর্জনের কারণে শান্তি জোগ করতে বলা হবে)	৭-আ'রাড	co	636	ইহুলীলের জল্প সংখ্যকই ইমান আনত	8-991	86	260
সক্ষয় না হওৱা (মান্য অন্তিত ধনের উপর বিশ্ব কর্মাতের সক্ষম নয়)	২-বাকারা	₹68	603	ইয়ান (ধ্ৰমী উসৱাদিকের সামান্য সংখ্যক ছাত্রা ইয়ান আমেনা)	৪-মিসা	224	695
সান্ধ্য দিবে হ্যস্ত-পা অর্জন সম্পর্তে (বিশ্বামতের দিন)	০৬-ইয়াসীন	60	b20	ইয়ালনারের সংখ্যা (শৃহ জাতির অল্প সংখ্যকই ইয়ান আলে)	22- <del>2</del> 4		469
হিজাবাসীদের অর্জন তাদের কোন তাজে আসেনি	३५-विका	78	902	हेनाजन <b>प्रहा</b> नांक लाकर केनानन शरून करत	80-मुभिन		bibro
হুনর যা অর্জন করেছে তার জন্য পাকড়াও করবেন আল্লাহ	২-বাস্থার	220	696	কাভিত্যলা সংখ্যা অন্ত করে দেখিয়েছেন আস্তাহ রাসুল গ. কে	৮-আনকাল		606
দায়াত (প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃতকর্মের জন্য নামাত্র)	१८-मुशाहबित	et-	333	কাকিবলের সংখ্যা বার করে সোধার্যক্রের অন্তর্গর মানুনা গ. কে কাকিবলের সংখ্যা কর দেখাছিল মু'মিদলের দৃষ্টিতে)	৮-আনহাল	88	606
সিমালংখনমারীদের কৃতকর্মের জন্য থালের ভ্রনমে মরিসা	৮০-মুমক্তিকীন		2022		79-4154		936
	30306444	,,,	,,,,	ওহারানীদের সংখ্যা অক্সংখকই মাদে		22	
অর্থ (দেখুন সম্পদ শব্দটি)		$\vdash$	$\vdash$	তাপুত বাহিনীর অস্ক্রসংখ্যক হাড়া দবর গানি গান প্রদান	২-বাকুৰো		243
অর্থনত		$\vdash$	$\vdash$	পন্যস্তা (অন্ত পণ্যস্তা নিরে এসেহে ইউসুক্ষের ভাইরের)	१२-इंड्जूक	44	646
আল্লাবর পদের ব্যয়কে অর্থসন্তরূপে প্রহণ করে বেদুইনরা	৯-ভাগৰা	bbr	620	পরবর্তীনের অস্ক্রসংখ্যক হবে নৈকটাপ্রাপ্ত	৫৬-ওয়াকিয়াব্		980
খুনের শক্তি থেকে মুক্তি পেতে রক্তপন (অর্থনাচ)	৪-দিস্য	25	6.994	বনী ইসরাসক্ষর অব্ধ সংখ্যক ছায়া সকলের পৃষ্ঠ প্রদর্শন	২-অকুরো		652
অর্থক		Ц.		বলী ইসরাইলের সামান্য সংগ্রক ছাড়া ঈমান অনেশা	৪-নিসা		296
কল্যার ঋদ্য অর্থেক সম্পদ (মৃত্তের এক কদ্যা থাকলে)	8-দিসা	22	449	বনী ইসরাইলের অন্ধসংখ্যক ছাড়া সবার অসীকার উপেঞ্চা	২-বাকুরা	5.0	609
বোনের জন্য অর্থক অংশ (কালালাহ প্রসঙ্গ)	৪-দিসা	740	493	মান্ট্রানবাসীলের অন্ত সংখ্যা থেকে বৃদ্ধি করা প্রসঙ্	৭-আ'বাফ	pp	650
মোহতের অর্থেক নিজে হতে, বনি স্পর্য,	২-বাকুরা	209	223	হ্মাভিকনের আর সংখ্যাকই নির্দেশ পাদন করত (মিনিজ্য করা প্রদাস)	8-5-71	96	262
রাজের অর্থেক সমর দাঁড়িরে রাসুদেল সালাত আনায়	৭৩-মুব্যাখিল	20	866	মমিনত কৰে আৰু ও নিৰ্যাটিত ছিল সেই অবস্থা সমলের নিৰ্দেশ	৮-আনকাশ	26	908
রাজের অর্থেক সময় নামাঞ্চে দীড়ানোর নির্দেশ (রাসুল স. কে)	৭৩-মুখ্যাখিল	0	355	মামিনানর সংখ্যা কমিরে দেখাদেশ আল্লাহ কাদিবদেরকে	৮-আনকাল	88	900
শান্তি (দাসী ব্যতিহার করলে স্বাধীন নারীর অর্থেক শান্তি)	8-Fint	2.0	¢60	পল (আরু বিজু পলা ছাত্র সং সমল বেরে কেশবে, বর্মীন সাত বছর)	১২-ইউসুফ	Rhr	6973
শ্বামী স্ত্রীর সম্পনের অর্থেক পাবে (সম্ভান না থাকলে)	8-मित्रा	35	227	শুল (বাংলার জন্ম অস্ত্র বিষ্ণু বারীত বারী শাল শীবসহ (এবে দিবে)		83	69.3
অৰ্পণ/অৰ্পণকাৰী		-	-	অপাদিন (দেখুল অস্ত্রীল পদাট)	24-4021	0.1	04,
উপদেশ অর্পনকারীনের কাসর	৭৭-মুরদাব্যক	2	266		-		
देशाम (मानिर धर मिक्टे देशाम वर्णन कराव मन्द्रभारत निष्य)	৫৪-কামার	32	201	অভঃ (দেখুন কুলকণ শৰ্চি)		_	_
বিধাৰ অৰ্থন কৱা হলে বাসুল সং এন প্ৰতি (বাসুল সং আশা কৰেনি)	২৮-কাসাস	20	25.4	অক/অকপাত/অকসকণ			
ধন ডাঙার অর্পণ করা হয় না কেন (রাসুল স, এর প্রতি)	30-D001H	b	964	অকাশ ও পৃথিবী জলপাত করেনি (বিদ্যাপাটন নিমন্সিক হওয়াই)	৪৪-দুখান	435	200
অধী কথা (বাসুল স্, এর নিকট জায়ী কথা অর্থন করকে আছাই)	৭০-মূৰ্যাশ্বিশ	8	399	অল্পাহর পথে বার শা করতে পানার করে	৯-জাধন	34	685
भारतेशहरूद शक्ति चाहादद कानियाद कर्नन (मैंगा शतम)	8-भित्रा	292	23V	নাসারাদের মোধ আধ্যাত্মশ হওয়া (রাসুল স. এর প্রতি	৫-মারিদা	bro	697
	38-HI	28	933	অবতীর্ণ কুরআন অন)	Q-4IIN-II	00	60.
মুনাফিকদের উপর যা অর্পন করা হরেছে তা আদের দারিত্ব		60	333	অগ্রীন/অগ্রীগতা (আরো দেখুন খারাণ শব্দটি)			_
ম্নাকে কৰ্ণবালা অৰ্ণণ না করা ও ফির'আ উলের উক্তি	80-यू <del>र्</del> क्ष्			তাল (অশ্ৰীৰ বাল করার পর যারা দিয়ান আনে না)	৭-আধাক	45	420
রাস্ল স, কে যে দারিত্ব অর্থন করা হরেছে (তাই তার দারিত্ব)	<b>५8-मृ</b> व	68	113	দির্দেশ (অশ্রীশ কামের নির্দেশ দেশ শা আল্লাই)	৭-আ'রাফ	20	650
সারার রানিকে সুম্বাইমানের পঞ্চ থেকে সামানজনক পত্র অর্থন প্রদাস	২৭-নামশ	430	300	দির্মেশ (অশ্রীশতা ও মণ্ডাজের নির্মেশ দের শরতাণ)	48-편화	43	398
অলংকার/অলংকৃত		_	$\perp$	নির্দেশ (শরভাগ মানুষ্যকে অস্ট্রীলভার নির্দেশ দের)	২-বাকারা	266	600
কল্যা সম্ভান অলংকারের মধ্যে বেড়ে ওঠে	৪৩-যুগরুক	Ν'n	1996	দিবে (অপ্তাৰ মানুহত অভানতার নিবেশ তার) দিবের (অপ্তার অপ্তালতা/অসংকাল/নীমালজন নিবেশ করেন)	১৯-নাংশ	200	930
জান্নাতীনের মুক্তা ও সর্পের বাল্য হারা অলংকৃত করা হবে	<b>२२-शृष्ट</b>	20	960	নিকাবরী হওরা বাবের (প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য অপ্রীলভার)	৬-আশু আম	767	633
জান্নাতীলের করা হবে ('যর্মের বালা বারা)	১৮-কাবৃক	407	929		১২-ইউনুক	36	698
ক্ষান্নাতীরা রৌপ্য নির্মিত বালা বারা অলংকৃত হবে	৭৬-দাব্র	53	999	বিয়ত (অক্ট্রীশতা থেকে বিয়ত রাখেণ আল্লাহ ইউসুক্তে)			
তৈজনপত্র ও অলংকর তৈরীর উদ্দেশ্যে থাতু উক্তর করার দৃটার	১৩-আদ	24	690	দিৱত থকা (অল্লীল কান্ধ থেকে বিয়ত থাকা)	(·O-阿明)	०२	3400
বোঝা (অলম্বারের বোঝা মুসার সম্প্রদায়ের উপর চাপানো,	২০-য়া-হা	319	986	বিৱত রাখা (পামাজ অপ্রীল কাল থেকে বিরত রাখে)	২৯-আনবাৰ্ড	82	440
যচুর পূজা)	40-M-4	1.	100	বিরত (মুমিন অপ্রাপ কাজ থেকে বিরত থাকে)	৪২-পুরা	99	9-36
মুকা ও সর্পের বাদা ধরা জান্রাভীনের অলংকৃত করা হবে	२२-दोष्क	20	960	বিয়ে (শিভার স্লীকে বিয়ে করা অপ্লীগ কাক)	8-निश	સર	669
মুদার সম্প্রদার অলংকার ধারা বাহুর তৈরি কংল	৭-আরাক	782	6%	বিভার (অপ্রীলভার বিভার পহন্দ করে যার:)	५8-मृद	29	990
রৌল্য নির্মিত থালা খরা ছাল্রাডীরা অলংকৃত হবে	१७-माद्द	57	999	ষ্যাভিত্তে অস্ত্রীল ও নিকৃষ্ট পথ	১৭-ইস্রা	०२	934
সমূল্র বেকে অলক্ষার/মূকা আহরণ প্রসঙ্গ)	১৬-নাবুল	28	908	মুমিন্যা অপ্তীৰ কৰে কৰে কেবলৈ অস্ত্ৰাহকে স্থৰণ কৰে	৩-আলে ইমরান	706	283
সমূত্র থেকে মানুধ অব্যংকার/মুক্তা আহরণ করে	৩৫-ফাতির	35	589	দৃত সম্প্রনারের অস্ত্রীল কাম (সমকামিতা প্রসঙ্গ)	৭-আরাক	bro	620
খৰ্ণ ও মূকা যাত্ৰা (ছারী ক্ষান্ত্ৰাকবাসীলের)	৩৫-ফাতির	100	484	পুত সম্প্রমারের অস্ত্রীকরাজ/সমকামিতা প্রসঙ্গ	২৯-খানকাবৃত	₹>	brab
হর্ণের বালা ও মুক্তা হারা জান্রামীলের অলক্তে করা ববে	२२-श <b>क</b>	20	950	পুত সম্প্রমার কর্তৃত নেখে-খনে অগ্নীল কাল করা	২৭-দামল	48	₩08
				শ্বভান অপ্তীশ কাজের নির্দেশ দেব	২-বাকার	266	677
মরে পরা (অলক্ষের সত্তে পড়ে যারা আল্লাহ ডালেরকে জানেন)	38-98	60	9973	শান্তি (নহাঁর জীয় অপ্রীসভার দির হলে বিচণ শান্তি)	৩৩-আহবাব	00	bot
यामान	- P	+~	100	সাজী ভলৰ (অগ্ৰীলভা/ব্যতিষ্ঠার প্রমানে গ্রবল সাজী প্রসদ)	8-PP	26	221
বানালে অলসতা (মুনাফিক প্রসঙ্গ)	8-941	184	292	ক্লী ক্লাৰ্ড অপ্ৰান্ধ কৰিব না হলে বের করা থাকেন (ভালাক	-		
	0-171	284	14.45	आजा) आजा)	৬৫-ভালাক	3	366
অপীক/অলীক সৃষ্টি পিলে ফেলায়সার পাঠি অলীক সৃষ্টি/জনুর সম্প্রতাকে বিলে ফেলা		80	130	হারম (মন্ত্রীকরা হারম করেছেন প্রতিপালক)	৭-আ'বাদ	00	636

অভিত

रिवर्श्वतम्	नुसा नर छ गांव	444.6	्रीकर	বৰ বিষয়/গ্ৰস্থ	ज्या नः चनाय	200	1,50
बन्दर्गाहिनी/बन्नादगरी				वमस्नीय			L
ন্নতিক ও অশ্বারোহী বাহিনী হাকাৰে ইবলিস	১৭-ইস্রা	68	479	রাসুল স. এর জন্য মুশরিকদের উপেক্ষা অনহনীয় হলে	ও-আন্'আম	00	63
প্ৰস্তুত (অৰ বাহিনী প্ৰস্তুতের নির্দেশ মু'মিনলেবকে)	৮-আনফাল	80	GOV	অসহার (আরো দেখুন নিঃখ শব্দটি)			
চন্তুত (অধবাহিনী গুরুতের নির্দেশ দু'মিনদেরকে)	৮-वानकान	80	600	নৱন্তম (অমহার নর-নারী-পিতর জন্য আপ্রাহর পরে মুদ্ধ করা)	8-निमा	90	20
व्यवेश				न्दी-पुरुष (पानस्य नदी-पुरुष निरामत क्षम संस्कृत गए, रिकरण्या)	s-নিদা	25	25
ভূতুর , আসহাবে কাহাকের সাক্ষমনের সাথে (কারো কারো ধাকা)	2P-40Esh	44	946	পৃথিবীতে অসহার থাকার অক্হাত (মুনাফিকদের)	8-निश	29	25
মন্সত		_		ভাইকে নিয়ে আসার খ্যাপারে একান্ত অসহায় হয়ে না পরতা	১২-ইউসুফ	66	60
रचेन (दुर्शानेक्ट्राना कामण वर्षेन- 'कमा प्रश्लादा चार पूज प्राप्त')	৫৩-নাজম	22	200	বিশু (অনহার বিশুনের বাপারে ন্যারনীতি কারেম, বিরে প্রদর)	8-मिशा	329	29
অসমতি	-	-		সমান অসমায় তেখেনার স্থেল কেমন হততা ভাবা । (ইয়াতিম প্রদান)	8-निमा	ъ	20
অনসাত বুরুঝানে অনের অসক্তি থাকত (আল্লার ছাড়া অন্যের হলে)।	8-निमा	b-2	263	অসার/অসার কথা/বাক্য			т
দুষ্ট্রতে অসমতি দেশতে পাওৱা ক্ষতে না	৬৭-মূল্ক	0	392	উপেক্ষা (অসার কথা তললে উপেক্ষা করত পূর্ববর্তী সমানদাররা)	১৮-ভাসাস	22	b:
	0.1-2-1-	Ľ		বসম (অনার কনমের জন্য পাকস্কার করবেদ না স্বাস্থ্যাহ)	২-বাকুরো	220	
অস্থ্ৰে	· coccurat	\$3r0	400	কসম (অসার কসমের ব্যাপারে আল্লাহ পাকড়াও করবেন না)	৫-মারিদা	10	Q1
ব্যবহাণ (স্বামারীভাবে বক্সলতা লাত না করা পর্যন্ত অবকাশ)	২-বাব্যরা ৩-আলে ইমরান		686	গমন (অগন্ত নথার পাশ নিয়ে গমন কালে সভান করার রাখা)	২৫-ফুরকান	93	9)
ব্যা (অবহেল অবহার ব্যৱ কর)			5059	स्रोहारक क्यांव कथा स्ट्रंग	e२-वृद	10	2
রসূপ স, দে অসঞ্জল অবস্থায় গেরে আপ্রাহ থাকে ধনী বরেন	৯৩-পুখ্য	b		स्ट्राहर (बास क्या क्या क्या क्या क्या	৮৮-গাশিবাহ	77	20
সাধারত (অবাহ্বল ব্যক্তি সাধারত চোগ্যসাহ্গ্রী নিবে)	২-বাঞ্চারা	500	৫২৭		१५-माना	02	20
অসংকাজ (আরো দেখুন মন্দ কাজ শব্দটি)				জন্মতে তদ্বে না মুবাকীরা আগরে কথা	১৯-মার্ট্রাম	64	9
নিবেব (অসংকাজে নিবেধ করে আহলে কিফাবদের এক দল)	৩-আলে ইময়ন		481	ৰাপ্তাতে (অসার বাক্য তদনে না কেউ)	২৩-মুমিনুন	94	9
নিৰেধ পুরকে, অসংকান্ধ থেকে (পোৰুমানের উপদেশ)	৩১-পুৰুমান	24	250	বিব্ৰত থাকা (অসাধে কৰা থেকে বিব্ৰত থাকে, মুদিনগণ)			7
দিহেধ (অসংকান্ধ থেকে নিবেধ করে মুমিনরা)	৯-ভাগ্ৰৰা	47	689	যুক্তি-প্রমাণ (অল্লাহ্ সম্পর্কে বিতর্ককারীদের যুক্তি-প্রমাণ জনার)	৪২-শ্রা	16	9
নিহেদ (ঋসং কাজে নিষেধ করার একটি দল বাকা উচিত)	৩-আলে ইমরান		486	অসুবিধা		_	1
নিষেধ (অসংকাজে নিষেধকারীলেরকে আল্লাহ উদ্ধার করেন)	৭-আ'ৰাফ	362	959	দীলের ব্যাপারে আল্লাহ অসুবিখা আরোপ করেদনি	<b>२२-शम्ब</b>	93	19
নিবেধ (অল্লাহ অগ্লীলতা/অসংকঞ্/সীমালকন নিবেধ করেন)	১৬-নাহ্ল	30	130	দবীর অসুবিধা যতে না হয় (নবীর বিরে প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্যাব	фo	8
নিহেংকারী (অসংকান্ধ থেকে নিষেধকারী)	৯-ভাতৰা	225	9655	মুমিশদের অসুবিধা করতে চনে না আল্লাহ	৫-মার্রিদা		2
নিবেধ (নবী মানুষকে অসথকান্ধ খেকে নিবেধ করেন)	৭-আ রাফ	349	953	মুমিনালর যেন অসুবিধা না হয়(পাগকপুরের স্ত্রীকে বিরে প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্যাব	01	b
নিয়েধ (অসংকান্ধে নিষেধ করা উত্তর উত্তরের দারিত)	৩-আলে ইমবান	220	689	অসুস্থ (আরো দেখুন রোগারনম্ভ শব্দটি)			
निर्द्यन (कारकारकार निर्द्यन (भन्न प्रूमाफिक नावी ও পुरूष)	>-s(est)	69	581	আহুব (আ.) অপুস্থ হলে যে নোয়া করেছিলেন	২১-আধিয়া	310	19
বাবা প্রদান (মুমিনাদের পৃথিবীতে প্রতিষ্ঠিত করা হলে	22-00M	83	962	ইউনুদ ক্ল্যু হয়ে পড়েন (নীর্থদিন মাছের পেটে থাকার)	৩৭-সাক্ষাত	786	ъ
অসংবাজে বাধা দেৱ)	44-0-4		·~	ইবরাহীম (আ.) অসুস্থ হলে বসতেন	২৬-বরারা	90	9
অসত্তৰ্ক/অসভৰ্কতা				ইবরাহীর বলপ, আমি অনুস্ত্	৩৭-সাফ্যাত	49	Ъ
অস্ত্র ও প্রব্য সম্পর্কে অসতর্ক হলে মুমিনদের উপর অফিরদের	8-निश		490	ইরাকুর অসুস্থ না হওরা পর্যন্ত ইউসুয়কে স্কাশ করতেই থাকবে	১২-ইউসুফ	re	8
वाक्रमप	8-171	205	01.0	ভারাত্ম (অনুস্থ অবস্থার ভারাত্ম বৈধ হওয়া প্রসঙ্গ)	8-निगा	80	e
কিয়ামত সম্পর্কে মানুছ অসতর্ক ছিল (মুনিরাতে)	৫০-কুক	22	250	ভারাতুর (অসুস্থ অবস্থার ভারাতুমের বিধান, পবিন্যভার জন্য)	०-माविमा	6	đ
জালিমরা অসভর্কভার মধ্যে রয়েছে	১৯-মাবইবাস	400	905	দোয়া (অসুস্থার মন্য দোরা (অসুকের মনা)	২১-অধিয়া	10	9
মুক্তিবর অব্য ও দ্রব্য সম্পর্কে অসভর্ক হলে কমিবলের অরক্তা হয়	8-मित्रा	205	690	দোৱা (অসুস্থার জন্য দোরা (অসুকের জন্য)	২৬-ভৰাৰা	pro	9
সম্রুটিরা অসতর্ক মু'রিন নারীর বিক্রছে ব্যতিচারের অভিযোগ	২৪-শূর	20	995	মাধামুক্তর (অসুস্থতার জন্য মাধামুক্তন করে ফেললে)	২-বাৰুবো	500	
অসত্য (আরো দেখুন মিধ্যা শব্দটি)				মুমিনরা অসুত্ব হয়ে পড়বে- (রাঠি জাগরণ প্রসঙ্গ)	৭৩-মুখ্যাশিল	30	8
অন্তর্ম সম্পর্কে অসত্য কথা বলার লাঞ্চনার শাস্তি	৬-আৰ্'আম	340	900	যুদ্ধের ময়গানে অসুস্থার করেশে অস্ক রেখে দেয়া প্রদক্ষ	8-मिमा	308	
দিয়ান (অন্তে) দিয়াননাররা ক্ষতিয়ান্ত)	২৯-আগকাৰূত	65	440	রহমানে অসুস্থ বাকলে খন্য সময়ে রোজা পূর্ণ করা	২-বাবুদর্য	30.5	
উংকুদ্ধ (অনত্য নিয়ে উংকুদ্ধ কাফিনো)	৪০-মুখিন	92	<b>b</b> b8	রোধা (অনুস্থ্যক্তির রোধা, পরবর্তী সময়ে আদায়)	५-वाङ्ग्डा	308	
ধারণা (আল্লাহ সম্পর্কে অসতঃ ধারণা করছিল মুনাফিকরা)	৩-আলে ইমরান	348	220	অন্ত/মন্ত্ৰমিত	C 0410	711	۲
অসম্ভাট/অসম্ভাট				চন্তু অন্তমিত হলে ইবরাইনের উঞ্জি	৬-আন্'আম	99	16
অপান্তত অসম্ভাই করে যা, তারই অনুসরণ করে মুদাঞ্চিকরা	৪৭-মুখ্যবাদ	44	278		३५-काव्य	56	10
অস্তাহর অনম্ভার্ট নিরে আনে যে তার আশ্রমস্থল জাহারাম	৩-আলে ইমরান			দ্দলপরে দূর্যকে তার যেতে দেশদ দুশকারনাইন			
অন্তাহর অসম্ভব্তি প্রদাস (বলী ইনরাসলের কাকিবলের উপর)	৫-মারিদা	bro	690	ভাৰনা (ভারতা অন্তমিত হওয়ার পর আল্লাহর পরিমতা)	৫২-তৃৰ	85	1,
ভিয়ামতে অপ্তাহর অসম্ভান্ত খেলি হবে কাফিবলের অসম্ভান্ত চেয়ে	৪০-মুখিল	30	1237	দক্ষাকে অঞ্চমিত বৃতে দেখে ইবরাবীম বলগ	৬-আৰ্'আম	96	9
প্রক্রিকার অসম্ভব্ন করে (কাফিরসের কুফরী)	৩৫-ফাভির	00	P82	ভালবাসা (ইবরাবীম অস্ত্রমিজদের ভালবাসেননা)	৬-আন্'আম	95	14
অঞ্চত দা দেৱা হলে অসম্ভূত হল (মূবে ঈশ্বাদ দাবি করে থাবা)	9-atest	26	686	সূৰ্য অন্ত যাৱ (আসহাবে কাহকের বাম দিকে দিরে)	72-4444	24	19
	0.0104	10	100	সূর্য অক্সমিত হলে ইবরাহীমের উক্তি	৬-আন্'আম	937	0
অসমৰ্থ (আরো দেখুন অক্ষম শব্দটি) প্ৰেথ প্ৰথতে অসমৰ্থ হলে ৰাটালন মিনবিল বাওয়ানো (বিহার প্ৰসঙ্গ	AL WHISTER	8	342	সূর্যান্তের পূর্বে প্রতিপাদকের পরিম্রতা ঘোষণার নির্দেশ	६०-व्राव	100	12
	त्र-वृत्रानाका	+ 0	1000	সূর্যক্রের পূর্ব প্রতিপালকের পরিবার বোষণার নির্দেশ (বাসুল স. কে)	30-91-N	300	1
<b>अमह</b> ब	-	-	1	4,81264		+	+
মৃত্যুর পর বের করে আদার প্রতিক্ষতি অসম্ভব	২০-মু"মিগ্ণ	99	900	ভ্রমরাচন ও অক্সাচনের প্রতিপাদকের কসম করছেন আস্তাহ	৭০-মা'অবিষ	80	1
অসন্ধতি		1					
স্বামানত নহলে স্বাঝাপ-পৃথিবী-পর্বতের অনামতি প্রদাস	৩৩-আহ্বাৰ	45	b80	দুই জ্বাচনের মাদিক আপ্রাহ দুই উদয়াচল ও	৫৫-রাহ্মান	24	18
অসম্বাদিত				পৌহল (জুলকারনাইন সূর্বের অস্তাচলে)	১৮-কাহ্ফ	5.0	1
পৃতকে অসম্বানিত না করার সাজান (সভিবিদের ন্যাপারে)	১৫-বিশব	60	305	অন্তিত্ব (দেপ্তৰ চেহারা শদটি)			

नष् रहा । विश्व <i>श्वित</i>	বুলা নাং ও নাং	atta s	-10	THE PARTY NO.	<b>海田県市大大</b>	THE R	12"
অন্তির না ধাকা	Same	2000	1. 62.0	অনুত্ৰে প্ৰতিপালকের কোন অনুত্ৰতে অধীকার করের বিভাগেনত।	THE REAL PROPERTY.	200	U.T
আক্তব্ন দা থাক। শসংক্ষতের অন্তিত্তই যেন ছিলনা কাল (খবংসের পর হলে হলে)	১০-ইউনস	38	000	शंका महाराज (सामाज करिया)	৫৫-রাহ্মান	20	34
	২০-ব্রবুণ	4,0	06.0	অপ্তাহ প্রেলিপালের কোন অন্যাহকে অধীকার করের মিন/মানং:		-	+
षड-भंड		-	_	त्रिक्तः क्रम्युक्त-मञ्जूतन्तं कृत्यः)	৫৫-রাত্মান	20	24
অসতর্কতা (মুমিনরা অস্ত্র সম্পর্কে অসতর্ক হলে কাফিরদের	8-निश	500	69a	অনুয়াহ (প্রতিপালকের কেন অনুয়াহকে অধীকার করতে জিন/মানহা			+-
व्यक्तम् रह्म)				প্রসাম আরম্প ও পুরিবীয় সর্বই আল্লাহর কাছে মন্ত্র্	৫৫-রাহ্মান	reo.	24
নামান্ধীনের সাথে অন্ত-শন্ত প্রাথার নির্দেশ (বুজের মরসাথে)	8-SPH	205	640		-	-	Ļ.,
যুক্তর ম্যালানে নামান্ধীদের সাবে অন্ত-শন্ত রাখার নির্দেশ	8-निमा	204	640	অন্তাহ (প্রকিপালকের কেন অনুমারক অধীকার করবে জিন/মানুষ:	৫৫-রাহমান	89	84
রেখে দেরা (বুজের মন্ত্রনালে অসুস্থতার বারণে অস্ত্র রেখে দেরা)	৪-নিসা	204	640	াপন: দুটি জন্তুত অক্সাহ বিকাশের ক্ষন্য)	-		L.
অস্থি (দেশুন হাতিঃ শব্দটি)				অকুচাং (প্রতিপাশকের কোন অনুচাহকে অধীকার করবে জিন/মানুষ:	৫৫-বাহমান	09	bi
অঙ্গিবচিন		_		প্রণক্ষ: অনেত দারনা হুমের কলিং)	ec-ary-r		L"
মান্যকে অভিবচিত্রশে নাউ করা হতেছে	৭০-মা'সারিক	729	bbs	অনুমাহ (প্রতিপাশকের কোন অনুমায়কে অধীকরে করবে জিন/মানুষ।	৫৫-বাহমান	deta.	l <sub>M</sub>
অশাই/অশাইতা	10 -0 -1112-0	100	100	প্রদাস: অন্নাত ও ঝর্থাখায়)	et aiçii.		1"
অশ্যন্ত/অশ্যন্তত। ৰন্ধনীয় সম্পৰ্কে যেন অস্পষ্টতা না থাকে (মৃহ সম্প্ৰব্যৱেও)		91	-	অনুমাহ প্রেতিপালকের জেন অনুমাহকে অধীকরে করনে জিন/মানুষা	৫৫-রাহমান	03	20
	১০-ইউনুস		667	প্রদাসঃ অনুদ্রত ও ঝর্ণাধারর কনিং)	S.GMISHIN	6.3	10
বৃহ সম্প্রদায়ের কাছে কুনে প্রতি অস্তাহর নয়/নতুরত অস্পর্ট রাখা	<b>33-यून</b>	47	950	অনুচাহ (প্রতিপালকের জেন অনুচাহকে অধীক্ষর করবে জিন/মানুদ।			١.,
সংবাদ (সকল সংবাদ অস্পষ্ট হয়ে যাবে কিরামতে)	২৮-কাসাস	66	P.78	গ্রসন্থ: সমূদ্র মুক্তা ওগ্রবাশ)	৫৫-য়াখ্মাদ	২৩	31
অম্পূশ্য (ম্পর্শ না করা)	1			অনুহাই প্রেতিশালাকর কোন অনুহারকৈ অধীকার করনে জিন/মানুধঃ			$\overline{}$
সমিয়ীর জন্য দুনিয়ার অস্পূন্য হওয়ার শক্তি (বছুব পূজার কারণে)	२०-व्य-श	24	181	গ্রসদা অবদ্য ও পৃথিবর দীয় অভিক্রম্)	৫৫-রাহ্মান	-08	28
অস্বীকার (আরো দেখন কফরি/অবিশ্বাস শব্দটি)				অনুটার প্রেরিপালকের কোন অন্তাহকে অধীকার করবে জিন/মানদ।			Н
মনুহাই প্রেডিশালকের জেন অনুহত্তেক অধীকার করনে জিন/মানুহা			-	जुन्मः चेत्रम स्वाच्या जुन्मिन चेत्रम्)	৫৫-য়াব্যান	49	8
প্রদাস করেন্দ্রম ও করিছ পলি)	৫৫-রাক্মান	84	787	অনুহার প্রেতিশাসকের কোন অন্তরেকে অধীকার করবে জিন/মানুহ।		-	Н
অন্যাহ প্রেরিপাশকের জেন অন্যাহকে অধীকার করনে জিল/মানথ।		-	-	श्रम अभावित्व ग्रह्मकः)	৫৫-রাহ্মান	84	>1
প্ৰাক ৰাজ্যতের কোনালের কন্মি)	৫৫-রাত্মান	60	787	আগু-কে অস্থীবার বরত (জাহানামীয়া)	24-94	38	>i
তাল অল্লানের ক্ষেত্রকার করে। অক্লার ব্যক্তিশালকের কোন অল্লান্তকে অধীকার করের জিনামান্য।		-	Н	আরাত (অপ্রয়োগ করত (জান্তা নার্য) আরাত (অপ্রয়োগ কর কটিনর অপ্রাহর আরাত অধীকার করত)	৪১-জুসসিলাত		74
क्यूटर (राजनागरका रक्ता क्यूटराज जनाका कारवा क्यापासूच। शुक्ताः मतरे धारमनित, विश्व अक्षार्)	৫৫-রাহ্মান	Qbr	380			52	
প্রসাদ: সংবং ব্যাসেশকা, করা অক্সাহ…) অনুহাহ (প্রতিশালকো কোন অনুহাহকে অধীকার করনে জিন্\আনুধ!			ш	আয়াতকে অশীকার করে (ভাগিমরা)	৬-আন্'আগ	00	43
	<b>११-राष्</b> रान	9.0	≽8≥	আরাতকে কেবল কাভিররাই অগীকার করে	২৯-আনকাবৃত	89	ъ
গ্রেক পদ্ধারের লোমকের কবি)		_	-	আয়াত অধীকারকারীর জন্য নিকৃষ্ট বস্তুণানায়ত পান্তি	৪৫-কাছিরা	>>	×
সনুহত প্রতিশালকের কোন অনুহতকে সমীকার করবে জিন্/মানুহা:	৫৫-রাহমান	836	282	অত্যত অধীকার করার আন জাতির মেব-কান-ফার কাঞ্চে আপেনি	৪৮-আর্কাফ	২৬	3
গুলা মান্তার ও মাল-পালার কবি)				অপ্তাহৰ আয়ত অধীকাৰকারীকে বিভ্রান্ত করা ব্য	৪০-মু'মিন	60	3.4
অনুহাহ (প্রতিপাশকের বেনন অনুহাহকে অস্বীনদর করবে মিন/মানুহ।	৫৫-রাহমান	90	384	আপ্ৰাহৰ আয়াতকে অস্বীকাৰ কৰেছিল কাফিবৰা	৭-জা'রাফ	62	83
প্ৰদাস: অনুয়াকে জী ও হুও কৰ্মনা)	44-84-0-1		304	আল্লাহ অখীকর করেন তার আলোর পূর্ণতা জড়া অন্য সর্বাক্ষ্	৯-জাওনা	જ	06
অনুমহ (প্রতিপালকের কোন অনুমহকে অস্বীকার করবে জিন/মানুদ !	৫৫-বাহমান	80	285	আল্লাহকে অগীকার করার জন্য ভাকা (মু'মিনকে)	৪০-মুখিন	83	ы
গ্রসদ: মনুহ ও জীবকে আনের জলরাধ সম্পর্কে)	de-man-	80	807	ইবাদত অখীকার করবে (উপাসরো)	३५-मावदेशम	64	90
অনুহাহ (প্রতিপাদকের কোন অনুহাহকে অধীকার করনে জিন্মানুষ।	৫৫-রাহমান	60	583	ইংলিদ অধীকার করল (আদমকে নিজনা করতে)	১৫-হিন্দর	92	60
প্রদাস: অক্সেকের সেরামকের কর্নিন)	एक-वार्यान	0.0	382	ইংলিস অস্মীকার করক (আনমকে সিঞ্চলা প্রসঙ্গ)	২০-জা-হা	226	98
করাহ প্রেক্তিপঙ্গরের কোন করাহকে কর্মীকার করবে জিন্মানয়।				ইবদিসের অধীকরে (আনমকে সিম্পনা করতে)	६-वाकाता -	48	00
शनकः नक्षतः, प्रका a (वीधनः)	৫৫-রাহ্মান	०२	380	প্রথানের প্রথানর (আনহত সিম্বান করতে) প্রথানের প্রতি আহ্বানকে কাফিরদের অপীকার	१-पाकृत्या 80-म मिन	20	40
অনুহত্তে প্রেডিপালকের কোন অনুহাত্তক অধীকার করনে জিন্দ্রবানুস।				श्चाम कार्यक अश्वीवात करत यांचा सामन कर्य विकल	ou•बू ।वन क्रमाविता	20	21
প্রদাস: অধ্যতে হর এর কলি, ইয়ারত ওপ্রবাদ সমস্রেছ)	৫৫-রাহ্মান	25	884		G-M14M1	a	23
জন্মহ <i>(ব্যবিশা</i> শকের কোন অন্যাহকে অধীকার করবে জিন্দানুসং।		-	-	উপদেশ/কুরমান অধীকরে (মাল্লাহর অবতীর্ণ বরকতময়	২১-আধিয়া	do	90
গ্ৰন্থ অন্তাহত সমুজ গদি ও গাদিয়ে,)	৫৫-রাহ্মান	99	584	<b>छेलामन शमक</b> )		-	
অন্যাহ প্রেক্তিশক্ষকের কোন অন্যাহকে অধীকর করবে নিদ/মানব।			-	কৰ্মপ্ৰচেটা অশীকার করা হবে না (সংকৰ্মশীল মুমিনের)	২১-অধিবা	86	90
গ্ৰেম ভূই উলৱাল ও ভূই অস্কাল, )	৫৫-রাত্মান	3h	806		৩-আলে উমরান		28
ন্তপৰা পুৰ জনাৱালে ও পুৰ অস্তালে) অনুহাৰ প্ৰেতিপাদকেৰ কোন অনুহাৰকৈ অধীকাৰ কাৰৰে জিল/মানুক।	-		$\vdash$	কাফিররা অধীকার করত (এক আস্থাব্যক ভাকতে)	৪০-সুমিন	25	٧
ন্দ্ৰাই (ত্ৰাকশালনৰ কেল অনুয়ায়ক অধানত কৰা কিছে।কল্/নাচুৰ: ইনসা মানুহত ত্ৰী ও হয় এয় বৰ্ণন…)	৫৫-রাত্মান	9.0	584	কাক্তিররা অধীকার করেছে (ভালের নিকট সত্য আসার পর)	६०-म्राम	0	84
ব্ৰণণা স্বয়াতে বা ও জে পম পণা) অন্তঃহ (প্ৰতিপাদকের জেন অন্তঃহকে অধীকার করবে জিল/বানুব।		$\vdash$	$\vdash$	কিয়াঘত অখীকারকারীর জন্য কুলস্ত আওল প্রস্তুত	২৫-ছবলন	22	41
কটোর (যাক্তরভারের কেন কটারকৈ কর্মকার করবে জন্মধানুর।	৫৫-রাহ্মান	69	384	কিরামতের নিন একে অপরকে অবীকার (মর্তিপুর্বা প্রসঙ্গ)	২৯-আনকারত	3.0	b:
		-	H	কুরমানের বিকু অংশ করীকার বরে কিমাবশ্রেমনের কোন কোন দল	২০-মাদ	99	63
অনুয়েহ্ প্রতিপালনের বেন্দ অনুয়হকে জরীকর করনে জিল/মনুষঃ	৫৫-রাহমান	42	380	কুরমান আধীকরে করার চেয়ে অধিক পথএই মার কেঃ	৪১-ফুসসিলাত	65	25
গ্ৰনক সমূহ্য দৌবাদের কলি)	-			ছামুদ জাতি অধীকার করেছিল (অবাধ্যতাবশত)	৯১-শামস		20
মতাহ (প্রতিপাদকের মেন অনুচাহকে অধীকর করনে জিন্/মানুষ।	৫৫-রাহমান	ros.	380	सहातम प्रचीवार करत नीमानाभागांवीय	৮৫-মুজাক্তিকান		30
নেস। দীখ অভিক্রম করতে মইলে অগ্নিশিবা ও ধেয়ার কুচলী)					१८-बाह्यान ११-बाह्यान	80	36
ফ্রাহ (প্রতিপাদকের জেন অনুহার্কে অসীকার করবে জিন/মানুষ।	<b>००-वाश्मान</b>	av	280				
दशकः राजन स्था <del>यान (पार्ते) यहरा</del> )	er-aidan.	0,		ব্যালিমরা অখ্যীকার করণ (সব কিছুই) কুফরী ছাড়া	১৭-ইস্বা	99	93
মনুহার (প্রতিপালকের কোন অনুহারকে অধীকার করবে জিন/মানুদা	৫৫-রাহমান	43	380	তাণ্ডতকে স্বাধীকানমন্ত্ৰী যেন মঞ্জুত হাতল ধান্তা করল	২-বাকুরো	260	64
शंगकः पृष्टे गमुस्मृत्र श्रातः)	৫৫-রাধ্যাল	52	380	পরাময়ের অধীকারকারীদেরকে পার্বিব প্রাচূর্য দান প্রসঙ্গ	८०-पृथकप	00	W
স্কুটাছ (প্রক্রিশালকের বেনন অনুহাত্তকে অস্বীকার করবে জিল/মানুষ।				নিদর্শন (আল্লাহর আরাতসমূহ অধীকার করত আন স্কাতি)	৪১-ফুস্দিলাভ	26	ы
थुगरः सम्राट्ड (नव सीव कॉना)	৫৫-রাহ্মান	42	384	নিদর্শন (আল্লাহর কোন নিদর্শন অস্মীকার করতে মানুব)	8०-मु"मिन	42	ьъ
ক্ষয়াহ প্রেডিশালকের কোন অনুহত্তকে অসীকার করবে জিন/মানব।		-	$\vdash$	নিদর্শনাবলিকে জালিমরাই অস্বীকার করে	২৯-জানকাৰত	85	bri
	৫৫-য়াহমান .	360	80%	निवर्णन (पाहारच निवर्णन प्रचीकाकातील फ्रांकाका)			30

ফিরবাউন অধীকার করেছে (আল্লাহর নিমর্শনাবলি প্রসঙ্গ)	২০-জু-ছ	60
বিচারকে (কাফিররা শেঘ বিচারকে অস্বীকার করে)	৮২-ইনম্বিভার	>
	১০৭-মাউন	>
মানুহ বিধিকদানকে অধীকার করে বিধিকের কনবিয়ার পরিবর্তে	१७-वर्षाकेशर्	24
মানুৰ অধীকার কলে নৰ কিছুই- কুমারী ছাভা	২৫-কুরকান	ĝ0

पार्वीकात (वर्त संस त्यान)

Condy and the second of the second of the

South without discoults only more discourse in the \

विकारीय (प्राथमात्रक क विकासभागात्रक प्राप्त (क्यों प्रा<del>क्</del>रीत्रक स्थल स्था

নিমর্থন (আন জাতি প্রতিপাদকের নির্মণন অগীকার করত।

নোচত স্বশীকার (সামারর নোচমত স্বশীকার করার পরিবত্তি

countries (wateress customs or Whater Giffers other)

लिक्षेत्र अस्तिकर्रात्व वालीकार करव अनेकिया

namen Serie willete age office

প্রতিশাসকের সাকারকে অশীকার করে ক্রাক্তিতের

(प्रशास / अधिक प्रांताक (प्रशास विमान का प्राणीका करत)

যালস লেপিকাল যালস আমনী চলত সৰ্বতিত অধীকাৰ কৰল

प्रश्रिकामक प्रत्य प्रश्रीकांद करव ग्राप अबसे जवानत

ভাতিকা জীৱন ক্ষেত্ৰিত পৰ্যালালীকা ক্ষেত্ৰীকাৰ ক্ষাৰ

যেক্সাননারী করতে অধীকার (জনপতের অধিবাসীতের

লসলগণত অশীবার করা লবে হলে করল করন বাসলগণ

ব্ৰস্তুত্ব সংখ্যে বাস্তুত্ব ব্ৰহ্মপুৰ্ব কৰেছিল জনপনবাসীয়া

प्रकारकानाम कर्नीकार (प्रकारिकामार स्थाप पर सामार सर)

का अर्था करिया करिया काल काल अल्डावा का उपने काल का

আহাত (আপ্ৰাহৰ আহাত অধীকবেকাকীৰা বাম নিকেব লোক)

क्लान (क्लीकाकारी क्लाइंस राज्य गार प्राप्त ज्ञान

क्ष्मानस अवीक्षतकरी मा दशास निर्माण (वसे उनवास्मात)

हेराभारत्य चलीकावकारी कार (सरकार्या (किसामाक्ट निर्मा

वन्त्राप्त य निवा अक्ट्रियन सा करीयाकार्यी (जन ७ सवर...)

লাকিংসের মুখমখনে অধীনতি(অল্লাহর আরাত পাই হলে।

অভিভাবক (অংকেব্ৰীয়া অস্তাহ স্বান্ধ কাউকে অভিভাবক পাৰেনা)। আকাশ ও পথিবী কেউ অৱংকার করে লা (তবে মানয়...)

ব্যাকাশ-পথিবীর কেউ অহস্কার করে আল্লাহর ইবাদত থেকে

আদ সম্প্রদারের অহংকার (আল্রাহর নিদর্শনাকলী অগীকার)

इंग्लिट्स जारकार श्रम् प्राष्ट्रांच क्रिस्समा (उन्हेंसमाज

Rudes weren war /withing firest appear at)

शिक्षित्रात करा च्याच्याव अञ्चल सद (चासरक विकास विकास)

আল্লান থেকে অহংকার করে বিস্তান থাকার শান্তি

ইবাসত প্রধান ব্যাপাণে অসমত করার পরিবায়

हैं। जिस्सा कारणांत (कानप्राप्त निवास कराज)

ন্ধানাতের ব্যাপারে অবংকার করেছে বারা

ভাষান গোক অভ্যান্তার করে বিক্রম গোকেছে যাবা

অহল্যর (আরো দেখন উদ্ধত শব্দটি)

সমূল স (সাধিত) যে আশীবার করম হাত্রদ সারি

क्रिकेट स्वतीकार से कर्ता (क्रांट्स (क्रिन शहर)

পরীরদেরতে অপীকার পোরি প্রভাক পরার পর)

क्रियालक जिससे संस्थाप वाचीकात स्थापन विशासना

भिताक्रव विवाद महीत्रवा विद्यासाहर समीतात्र जाराज

সম্প্রদারকে অস্থীকার করল ইবরাহীম ও তার সাধীরা সম্প্রদারকে অস্থীকার বা করা আম্মানক (সার করেছ)

অস্বীকারকারী অবিভাতে অধিবাসীত হনর সভা অসীভাবভাতী

willafi

Good ottown

अपन प्रात्म असीतात करत काणिकता

বাসলগণতে অখীকার করেছিল পর্যবর্তীয়া

भागा अन्यक्षण स्थाप दिला प्रतिकृत कार्याक (प्राणीका कार्याका ०० आगा

	44	1
	7.9	
eq	62	Ī
Ŕ	6	
	82	
50	28	
_	Г	

8	2058
8	245
r2	608
8	770
	999
8	789
0	צמע
3	26,5
2	208
a.	¢8¢
2	908
۵	3000
5	784
	90%
b	606
8	৮৮৭
R	958
90	649
6	909
3	983
¢	৮৮৭

ndere refere

340

69

988

300

200

903

543

62

है बाजर्जीकार चड़कारीया साहातात शहर कहार

andre Go what mounts agre

of terretric attered agreed acre

स्वास्त्र क्रम्य व्यवस्था

03

3 305

AO MISTO

A) West

11.75

No. RES

No. Dress

Va.Rten

A3.2789

ve Rouge to

80,0690

VALUE DETROIT

২০-দুমিল

22-88×4 220 69×4

SAUTES

১১-শমস

AL EXIST

১.বাকার

80-पॉनिन

18.3301314

no milita

৪৫-মুখ্যুক্ত ৬০-মুখ্যুক্ত

3.872027

VA-Street

po-stero

৫৬-বর্জন

5.20000

33,375

VA MINE

২১-আধিয়া

৪১-ফস্সিলাত

N. WISCOST

৭-আ'বাক ৪০ ৬১৬

9.781'000

A)v./2000

9-781 878

Ab-/2019

३-सकाद

85-कुल्लिक

০-জালে ইয়া

29-200076

৪১-মুগুলিলাত ১ ৮৮৩

li	কবিবনের অহংকর (তানের নিকট অল্পাহর অরাড পঠের পর)	৪৫-জাইয়া	0)
	ব্যব্রন পৃথিবীতে অহকোর করত(ধাংস প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাবৃত	08
	কাঞ্চিত্রর অহংকার করে (আপ্লাহ ছাড়া ইলাহ দেই বলা হলে)	৩৭-সাক্ষাত	00
	কাজিনত্র অহছার বশার পিছনে সারে পদ্ধত (আয়াত পাঠ করা হগো)	२०-मू मिन्न	69
	কাজে আসেনি অহংকার (কাহান্রামবাদীদের)	৭-আ'রাক	81
	দুনিয়ার জীকা কোল পারস্পরিক অহাকার ও প্রায়ুর্যের প্রতিযোগিতা	৫৭-হানীন	3,0
	नामबाद्रमा प्रवासक ना कबाद कादल मुक्तिरामद गाउँ दशाय दशा	৫-মারিদা	V
	নিদর্শন অসার পর অহতার করেছিল কাফারা	৩৯-যুখার	69
	শূহের আহ্বান অনে সম্প্রনারের অহহার ও পাপ প্রসঙ্গ	93-75	٩
	পৃথিবীতে(কার্ম্,ফিরজাউন/হামান পৃথিবীতে অহংকার করত)	২৯-আগকাণুত	03
	পথিবৈত্ত অহুকোর করার শক্তি কবিদানের লো হাব	৪৬-আত্কাক	20
	পুরিবীতে অনুরাজ্যরে অহনেরকারীক্রম নির্দেশন থেকে সরিবে নেয়া	৭-আ'রাফ	38
1	পৃথিবীতে ভুশবিকাশের অহংকার (মপকাঞ্চর বভূমানার কারণে)	৩৫-ফাডির	80
1	প্রতিপাশকের পরিক্রম ছোহনা না করে অহংকার প্রদর্শন করা	৪১-কুস্সিলাভ	00
ı	ক্ষিত্ৰ'আটন ও তার বাহিনী অহদ্যর করপ (পৃথিবীতে)	২৮-কাসাস	03
11	ফিরজটিন ও তার পরিছনবর্গ অহছার প্রদর্শন করপ	২৩-মুখিনুন	84
1	ক্ষিত্ৰভাইন শৃথিবীতে অহংকর করত(ধানে প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাৰ্ত	40
Н	ক্ষিত্রভাউন সম্প্রাপারের অহংকার (নিদর্শন প্রেরশের পরও)	৭-আ রাজ	30
Н	ভিত্রভাউনের সম্প্রদার অহস্কার করল (মুগা ও হাস্কন প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	96
ł	বেলেকানের অহমার দা করা (ইবাগত বেকে বিরত দা থাকা এ.)	৭-আ বাদ	40
ł	ক্ষেপতারা অহকোর করে ন (অস্তাহকে নিজনা করা প্রসঙ্গ)	১৬-নাহুল	83
ł	বল্লে অহাকার (অক্লাহর আরাক দিরে বিতর্কনারীদের)	80-मुभिन	01
1	वसे देखादेशना प्रदा्शन शहर्मन कहार (गृष्टिशीहर)	১৭-ইস্লা	8
ł	वनी देशहरिताह व्यवस्था (राजून म. ७ व्याद्वादर यभी शतक)	२-राकृत्य	71
ł	इन्हिन्दा व्यक्ति वर्द्धा (धानून न. ७ पाद्वादा पना धनन) इन्हिन्दा व्यक्ति वरदाह निकास सामाद	২৫-কুরকান	2
ł	पुन्नक्रिका व्यक्ति स्टब्स् मार्क्स्य (सन्त म. स्टब्स्स स्टब्स् प्रमुक्तिकार व्यक्ति स्टब्स् मार्क्स स्टब्स्स स्टब्स्स स्टब्स्स स्टब्स्स	৬৩-রুনাঞ্চিক্র	6
1			26
1	মুফিল্যাণ অহম্বার করে না (আরাত হারা উপলেশ দেয়া হলে)	৩২-সাক্দা	9
1	মূপ বিজ্ঞিক দেৱার শাস্তি (আয়াক থেকে অহমার করে মূপ বিবাসে)	৩১-পুকমান	9
Į.	সম্প্রদায়ের অহছার ও পাপ (মৃহের আহ্বাস)	१३-स्१	
1	সহায়করি (মহাকরির অপ্তাহ ধরু কটকে সহায়করি পালে)	8-PM	24
4	হামান পুথিবীতে অহংকার করত (ঝানে প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাৰ্ত	100
1	परकारी		L
	অনুসারী (অহরারীদের অনুসারীরা বিরামতে সাহায্য চাইবে)	১৪-ইংবাহীম	2
1	অন্তর্নী (বুমিনান মতে বিশ্বনী অংক্রেকটার মতে অবিশ্বনী)	५-व्य'क्षण	90
1	অধিপ্রতে অধিকাদী অহংকারী	79-strikel	4:
ı	ভাবসত্স (অহংকারীনের ভাবাসত্স নাহান্নার)	৩৯-মুমার	60
j	আবাসস্থল (অহংকারীদের আবাসস্থল জাহান্রাম ককই না	১৬-নাহদ	1 22
]	निव्हें।)		1
1	আবাদকুল (অহংকারীদের আবাদকুল জাহারাম কতই ন	৩৯-যুমার	9:
1	निक्षेत्र)		_
1	দূৰ্বল কাভিতৰা অহংকাৰীদেৱকে বলবে (কিয়ানতে)	৩৪-সাবা	0
	দুৰ্বলনেত্ৰক অহকেনীয় কৰ্মে 'আহৰা কি ব্যেষদেনকে বিবৰ…)	৩৪-সাবা	0
1	দূর্বপাদের প্রপ্রের জবাবে অহংকারীরা বলবে	80-मृथिन	81
1	দুর্লরে অহলেরীনেরকে লানে 'রেমরা না থাকলে আমরা মুনিন)	৩৪-সাবা	0
н	তাৰবাণা (আল্লাহ অহংকারীদের ভাগবাদেন না)	১৬-নাহ্দ	5
1	ভাৰবাসা (আল্লাহ অহতারীকে ভালবাসেন না)	8-जिल्ह	100
1	তাশেধাসেন না অস্তাহ (কোন উদ্ধন অহমারীকে)	৩১-পুকমান	23
1	ভালবাসেন বা আল্লাহ উদ্ধন্ত ও অহংকরীকে	৫৭-হারীদ	2
1	মানুৰ অহমায়ী হয় (পুলেৰ্যৰ পৰ নিয়ামত আঞ্চান কৰালে)	३३-ङ्ग	31
1	च'बाहेरस्य मण्डनास्य च्यासासम्बद्धे अधनात्य स्पर्क	৭-আ'রাফ	И
1	শান্তি (আরার হনেও অহংকারী হরে অটল থাকার শান্তি)	৪৫-জাছিয়া	ъ
1	সালিহ -এর সম্প্রদারের অংকেরকরী প্রধাননের প্রশ্ন	৭-আ'রাফ	91
	অহমিকা		Ľ
1	কাফিররা হদরে অহমিকা পোহণ করল (হদারবিরা প্রমঙ্গ)	৪৮-ফাত্র	20

ज्यां क कवाड़ चार थे पहें

V04

990

Mro

NILO

652

985

628

863

9:05

95/8

206

093

277

908

H93

900

699

788

065

200

653

90. H H

(পহিবটি প্রস্কা

where we were furnished the service points or for each an extent

48.प्रथमानिक २० bbb

৪৬-আছকার

নাড়া দান(আল্লাহ আইপ্ৰবের ডাকে নাড়া দিয়ে দূৰে দূর করেন)	২১-আপিয়া	V8
অভিবৃ বিল্লাহ পাঠ		

Value of St.

আইন,সীন নাসং চক্রতে মতাবারাত (মারন-সীন-কাড)

खाँडेवट

আক্তে ধরা

ากัลสสิวก

अभिनाती (अभिकासनी कार्रिक संक्रक्तात्वक विभागती )

মিখাবাদী বলেছিল আইবাহবাদী (ভালের রান্স স. কে)

विशासकी क्या (पांडेकांसामीता सप्याद्यकाल विशासकी अल्बिक)

eficial consum return religions soms of consent fallow cash

affanes sonia (mene mitarare affanos susta mara).

ইপ্ৰিস তাৰ আওৱান্ধ দিয়ে বাকে পাৰে প্ৰবেচিত করবে

ministra pitalira misera sona efficia (misera eta)

प्रामाहरक मण्डारव जीवराह कराव निगर्भन (प्रश्लिमामदरक)

MINISTER STREET, WHEN SOME WHEN SOME WHICH SHAPE

स्त्रिक सामाधील सम् जीवनक (कावित क्रीकावल दिकार)

प्रश्न काळ चाकांगीय करा स्टबाझ काकितालय कला

অকসা (আরো দেখন মসজিদে আক্রসা দৰুটি)

মানব হা আঞ্চালভা কাৰে ছাব সৰু পাব না

মমিদানের আকার্কনা প্রসাস

মতার (পাহানটের) আকারকা করা

মার্কেটানের আরম্ভার (আরম্ভিন্ন ফল মুলের মূরে মুম্বর্জীর প্রকরে)

perference man with pritting at orient retigement party

stara a fescar safesi ratealla sur (nistro starar)

য়ান (আকশ্যির মান থেকে বিভাগ্রাইন পার্টীকে কের করে নেরা)।

ছান কেত আকর্ষনীয় ছান পিছনে হেখে গেল বিব'আইন সম্প্রনার) । ৪৪-দখন

MAK MANN (MININGS SAN HEIGHTES MINING STATES OF STATE)

wife or benefit who for

পাৰ্ড : প্ৰান্ত কো সোদ্ধাহ আইবৰকে গুৱী ক্রেছেন)

লামা /কাইটার ভিল ভালাহর রামা)।

Physical Course (1942) and Well?

আলায়ৰ ৰশি আঁকৰে ধৰাৰ নিৰ্মেণ

আৰল (দেখুন বৃদ্ধি শব্দটি

দ:ব-দর্শবার পাছে প্রতিশালককে যেয়াকে ভাকেছিল

মসন্ধিলে আকলা পর্যন্ত রমণ (মসন্ধিলে হারাম থেকে)	১৭-ইগ্রা	3
আকস্মিক (আরো দেখুন হঠাৎ শব্দটি)		
বিষয়ত (অক্ষিক বিয়ামত না আৰা পৰ্যন্ত কাৰ্কিবয়া দলেহ কয়তে)	২২-হাজ	44
বিশ্বামত আকস্মিকভাবে আনার অপেকার কি মালিমরা আছে?	80-युच्यू <del>य</del>	66
বিদ্যাহত আকম্মিকভাবে এলে পড়ুক সে জন্য অপেকা	৪৭-মুখ্যমাদ	79.
শান্তি আকস্মিকভাবে আসবে (কাফিরের ওপর)	২৯-আনকাকৃত	60
পার্ত্তি (এমন আকম্মিকভাবে শান্তি আনা বে অপরাধীরা টেরও পাবে মা)	২৬-৬'আরা	૨૦૨
আকাকদা (আরো দেখুন কামনা/প্রত্যাশা শব্দটি)		
আহলে বিভাবদের আকাক্ষা প্রদাস	8-নিশা	250
কাঞ্চির ও তাদের আকাকচার মাঝে অন্তরাল	৩৪-সাবা	68
ককেনের অবস্থান আকাক্ষা করেছিল যারা (গতকাল)	২৮-কাসাস	24
ব্যব্রান্তিদের আকাবকা মত পাথির গোণত	৫৬-৩য়াকিবাৰ্	42
নবী-রাস্বদের আকাবকা ও শরভানেরনিকেপ	২২-হান্দ	65
নিকেপ(মবী-রাসুলদের আঞ্চঞ্চা ও শরভানেরনিকেপ)	২২-ব্যক্ষ	65
ক্ষী ইনরাইলের মনের আকাক্ষার বিপরীত বিস্কু আনলে অহংকার	২-বাকুরা	৮৭
অপবাসার আকাক্ষা শোভনীয় করা হরেছে মানুষের জন্য	৩-আলে ইমরান	38
মনের আকাক্ষার বিপরীত কিছু নিয়ে যখনই কোন রানূল	৫-মারিলা	90
মর্যাদার বস্তুর আঞ্চাক্ষা করা নিবেধ(অন্যের মর্যাদার বস্তু)	৪-নিসা	જર

rate (evange eters builds some estates) acres THE PERSON NAME OF THE PARTY NAMED TO PARTY. মুসার আরাক্ষা লক্ষ্য (ইন্সনীল সন্ত্রালী সংস্কৃ

255

300

200

624

688

955

928

935

780

230

Ora

065

695

eb.

26 200

AL CHINE

La Grana

An Derox

৪১৯শবা

o Cont

s surface

AN INTEGRAL

Altra CHIEFE

h-WH was b/B Nof

ve Rust

২০-ড়া-হা Solv 985

o favo 186 232

33.278

১০-ইউন্স

es reeficetra 24

১৫-ছ'ডারা

den নাক্ষয়

ह,जिल

NA DITE

৭৭-মরনাধাত 84

০.আলে ইয়ব 180 #85

>-30163

a petros Percera Aug. 484

৩,বালে ইছবান ১০৩ ৫৪৬

AA-W'ISTRI

মতার আকাল্য। (ইছনীয়া মতার আকাল্যা তকক) correct come actions retains seem seem that from explicits 1 a.s. See See

mediation (suppressed address of the contract ত্ত্ব (আকাশসমূহে শধীকামর কোন আশ আছে ডিঃ) অভয় করায়ানর অস্থান্তর আকাশ-পর্কিটত অভয় করতে পরেন। ১৯-আনহানত जारांच्य तब (प्राव्यात्मक त्यान विक वार्ताच्य त्या प्रात्माच्य व्याप्त) अक्-जारा प्रतिनेश (पारतन प्रतिनिश्चर निवर्ण श्वास जन्मदर्व क्रिस्टान देखि) १३.क्रिस यसना (अलाव क्षण व्यक्तन-कृतिये महरूनद्र सद्य व्यक्त वसान) | ३९-ग्रंपन the customer and electric silves are electric personal as also request force (requests reports)

অধ পরিয়ার বিষ্ণান্ত প্রতিপালকের অগোচরে নম্ন (আবাশের) ১০-উটনল SAPI GEREG MIN STOLENGED (SIMINE) west four (water-whille west from stone street) जनना विषय (जालात्मव जनना विषय जालाह बारमार) traver (register, edicitiva per respect from presid faculty professor). অনুণা (আকাশের অনুণা বিষয়ের ম্বান আলাহরট আছে) অভিবাসী (আকাশে বারা আছে তারা আলাহর কাঙেই চার)

অভিপঞ্জি (আলাপের অধিপঞ্জি ব্যৱস্থায়ে আলার) nutine and (famous missis mutas and now অৰ্থনীৰ্থ (আৰাপ খোল পানি অৰ্থনীৰ্থ ভাৰন আলাচ) कारतीर्थ (कांजाब estra ettli medhil avu miatri) অৰতীৰ্ণ (আৰুণ থেকে বা কিছু অৰ্কীৰ্ণ হয় বা আল্লাহ কালেন) जातीर्थ (शांध भारतीर्थ जानम लागार सामार त्याना अवस्य प्राचित আলো (আলাত আজাপ ও পথিৱীত আলো ) remark (ottable officiers fit/28 occurs) আলাহৰ (আৱাৰ, পথিৱীৰ সৰট আলাহৰ) আলতের (আকাশ-পথিবীর সরবিদ্ধ আলারর) प्राप्ताक कावारम कारकर व्यामात्र आवादन आहरून

क्रमणाज करवीन कारून २ लीवी (विशेक्षांक निवस्तिक क्रमात) 88-247 অসমতি (আমানত বহুনে আজাশ-পথিবী-পর্যতের অসম্বতি প্রসন্থ) ৩৩-আহুয়ার प्रातानाक जानाभित्र बारायान प्राणाह (प्रनीकामत क्रमा) percental Constalida among restativo estretando esta affici suar sen. A. perce<sup>1</sup> coro जारतास्त्र (कामराक जामारान जारतास्त्र काव क्रियान कार्यील miena (miatel a efedia nales metro) আহারর (আকার্থ ও পরিবীত সত ক্রিছ আলারর प्रामासक स्थितका रक्षामा करत स्थानक स्थितित सर्वातक আনারবর্ত (আরাশ-পতিরীর নবর আনারব) प्राचानक (प्राचान अभिनेत क्वांकार्ड प्राचानक) আলাচব (আজাৰ, পৰিবীতে হা কিছ আছে তা আলাচব) nietas (niete olistis uslauž mara)

আলাতত (আকাৰ, পৰিবীতে যাতা আছে যাতা আলাত্ৰ)

অলাত্ত (আহাপ-পৃথিবীর সংক্রি আলাহর)

অবাচৰ (আৱাৰ,পৰিৱীৰ সৰ্বচিত্ৰই আৰাচৰ)

অন্তাহৰ (আকাশ-পৰিবীৰ সৰষ্ট আলাহৰ)

MINIDA (MINITA HITTER MINISA)

আল্লাহর (আবংশ-পথিবীর সবকিছ আলারর)

Winted Calard, effects orders whereat

আহারে (আকাশের সবট আবারর)

o fires AA STREET ৪২-শরা আলাচ্ব (আলাপ,পথিৱী মুখানাটী/মুগার্ডের সর্বই আলাচ্ব) ১০.সা.চা আলাচৰ (আন্তাপ-পৰিবীতে বা আছে তা আলাহরই)

49.XW 49-মপক ১,বাকার AN ROBER 28 ON PERMIT So. Photo ১০-ইউন্স 60

MIN CHE

011

be8

W8>

ves

Mark.

th/so

حه

>8⊬

688

tool

026

33

40

७३-वद व

১,বাকারা

A. atlatat

७२-सम्'वा

/ - SULD 18

na wellow

8 h . PROTECT AND ADDRESS OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IN COLUMN TW

১-বাকার

No array

VALUE OF

on attenta

80.0000

VA.30°E

00-32 10

৫৭.চানীন

va famo

vo.fees

19.370 NO 933

58.88

8.62

v one, tourn

LA TOTAL

290 %68 985 ১৬-নারল as arrivan

A-9819 9879

3-909081

8-विमा

১-বাকার

8-निम

a firse

So. Stan 665 660

	नुसंबद्ध संबंध	4000	Mat.
আকাশ (পূর্ব পূর্বা থেকে) অক্সারে পথিতে (জনপ-পূর্ববীয় সর্বন্দু অক্সারে পথিতে বোলা বতা)	৬১-সাক্ত	2	300
व्यक्तारा परिवास (काला-पुरिवीस असंबंध व्यक्तारा परिवास (वाला करा)	৫৯-ব্যশব	-	956
च्हारत तम (चाराम-र्मणीहरू तम्हे तह ता महादात तम हिन्दर)	১৯-মারইরাম	20	180
আপ্তাহকে অকম করতে পারে না (আকাশ-পৃথিবীর কিছুই)	৩৫-ফাভির	88	breo
ইলাহ (আনপে আল্লাহই একমার ইলাহ)	80-पृत्रक्षण	78	307
ইলাহ (আনাশ-পৃথিবীয়ে বহু ইলাহ থাবলো উভয়টি খালে হয়ে যেও)	२५-जापिश	33	967
উচু করা (আকাশ উচু করেছেন আল্লাহ, বুঁটি যাড়া)	১৩-রাম	3	99.5
উ্টু করা (আঝশ বীভাবে উটু করা হয়েছে, দেনিকে দৃষ্টিপাড)	৮৮-গাশিকাহ	37	2050
উচু (দরামর আল্লাহ আকাশকে উচু করেছেন)	৫৫-রাহ্মান	9	aca
উত্তর্গিকার (আকাশ ও পৃথিনীর উত্তর্গিকার আল্লাহতই)	৩-আগে ইমবান	350	660
উথিত (আকাশে যা উথিত হব তা আপ্নাহ জালেন)	৩৪-পাশা	3	685
উৰিত (আকাশে যা উধিত হয় আ সংই আল্লাহ জানেন)	৫৭-হানীদ	8	880
উদ্বাবক (আকাশের উদ্বাবক আল্লাহ)	২-বারুরো	229	670
উদ্বাবক (আকাশের উদ্বাবক আল্লাহ)	৬-আনু'আম	207	606
একট্রকান (আল্লাহ আন্দর্শ-পূর্বিটি ও সক্ষরের একত্র করতে সক্ষম)	৪২-শ্রা	45	pyyo
কর্তৃত্ব আল্লাহনই (আকাশের)	8४-णव्द	38	228
কাইড় (আকাশ-পৃথিবীর কাইড় সম্পর্কে লক্ষ্য করা)	৭ আ রাক	22.6	600
কৰ্তত্ব (আল্লাহ ইবরাধীমকে আকাশ-পৃথিধীর কর্তৃত্ব দেখান)	৬-আন্'আম	9.0	900
কৰা (আৰূপ-পৃথিধীয় সমস্ত কথা প্ৰতিশালক জানেন)	২১-আছিল	8	920
বল্যা (জালবদীর ইজা আনুগে ভারনের করেন উনুক্ত কর হত)	৭-আগ্রেফ	bb.	643
কলম (নক্ষয়পুঞ্জ বিশিষ্ট আকাশের কলম)	৮৫-বুরুল	3	3038
কসম (বহুপথ বিশিষ্ট আকাশের কসম)	৫১-বারিয়াত	4	955
কনম (সুউচ্চ আৰূপ/ছানের কনম)	65-54	0	959
কলম (আকাশের ও বিনি তা নির্মাণ করেছেন ভার কলম)	৯১-শান্স	6	2038
কলম (জাজাপের কলম)	৮৬-অবিক	22	2029
কলম (আকাশের কলম করেছেল আল্লাহ)	৮৬-ছবিক	3	2029
ভিত্তৰ আহল থেকে অকটাৰ্শ কৰাত্ব দাবী (আহলে ভিত্তাবদেৱ)	8-निम	200	639
খত (আকাশের খত ফেলতে পারেন আল্লাক, ইচ্ছা করলে)	৩৪-সাবা	6	787
ৰত (আবাদের বত তেকে পড়তে নেবলেও কাব্যির মেব বলে)		88	3:03
খত বড় (আকাশ খণ্ড খণ্ড করে কাভিবদের উপর ফেলার দাবি)	১৭-ইস্রা	24	944
খত (তথ্যটন সভাবাদী হলে আইমেবাসীয় উপর আবাশের খত ফেলা)	২৬-৬'আরা	25-9	939
থান্ত (ঝাৰাণ থেনে খান্যপূৰ্ণ পাত্ৰ অবতীৰ্ণ কৰাৰ দিনাৰ প্ৰাৰ্থনা)	०-प्राक्षिता	278	¢38
ক্ষুপূর্ণ পাত্র আনাল খেতে অক্তর্যাসক্ষম বি উপার প্রতিশালক	৫-মায়িলা	225	698
পুলে দেয়া হবে আকাশ (শিপায় ফুঁ দেয়ার দিন)	१५-माश	29	2002
চনালে(আৰাশকে লিবিত কাশজের হ'ত চটালো হবে)	२১-वाशिश	308	923
ভটানো থাকৰে আকাৰসমূহ কিয়ামতে (আপ্লাহৰ ভান হাতে)	৩৯-যুমার	93	299
গোপন (আমাপ-পৃথিবীর কিছুই খোপন নর আল্লাহর কাছে)	৩-আদে ইমরান	2	609
গোপন নর (পৃথিবী ও আব্দাপের কিছুই অস্ত্রাহর বাছে গোপন নর)	১৪-ইবরাহীম	et-	63/6
গোপন বিষয় (আন্সংশের গোপন বিষয় যিন জানেন ভিনি)	76-Septem	6	982
চাবিকাঠি (আৰূপ-পৃথিবীর চাবিকাঠি আল্লাহরই)	৪২-প্রা	25	5/3/4
চাবিকাঠি (আব্দশ-পৃথিবীর চাবিকাঠি আল্লাহর কাছে)	৩৮-যুমার	90	৮৭৬
ভা দিনে সৃষ্টি (আনাশ-পৃথিৱী ও উচজের মারের সংবিদ্ধা ছবা দিনে সৃষ্টি)	<b>60-के</b> क	ap.	3-28
স্থান (আল্লাহ আকাশকে সুবন্ধিত হান বানিরেছেন)	२५-वारिश	७३	922
হাদ (আকাশকে হাদ বাদিরেছেন আল্লাহ)	80-मुमिन	68	wo
ছান (আল্লাহ আকাশকে মানুহের জন্য ছাদখরূপ বানিরেছেন)	২-বাকুারা	44	600
জান্য (আকাশ ও পৃথিবীর সংকিছু আল্লাহ জানেন)	২৯-আনকাৰ্ড	22	640
জান (আকাশ-পৃথিনীতে যা আছে তা আল্লাহ জানেন)	২২-হাজ	90	958
জনা (আকাশ-পৃথিবীতে যা কিছু আছে তা আপ্রাহ জানেন)	৫-মারিদা	٦٩	495
জানা (আকাশ-পথিনীর সবই আল্লাহ জানেন)	৬৪-তাপাবুন	8	900
জানা (আকাশ ও পৃথিবীতে যা আছে তা আল্লাহ জানেন)	৩-আলে ইমরান	43	600
ঋনা (পৃৰিবী ও আকাশমন্তশীর সববিদ্ধ আল্লাহ জানেন)	৫৮-বুজাদালা	3	323
ब्ह्याच्यानाचाच (कामनामृद् त नृष्टित गर्मन, ब्रह्माच्या तनका	৩-আদে ইমরান	200	685
জ্ঞান (আকাশের সব কিছু জানেন আল্লাহ)	৪৯-হত্বত	36	842
আন (আকাশ ও পবিবীর অদশ্য বিষয়ের আন আল্লাহরই)	77-AM	250	৬৭৬
চিকে বাবা (আকাশ-পৃথিবী যতনিন থাকতে, ভাশ্যবানর বায়ুতে)	77- <u>d</u> et	209.	હવલ
টিকে থাকা (আকাণ-পৃথিতী যত দিন থাকৰে, দুৰ্বাপারা আন্তনেই,)	22-ge	201	હવલ

also	
960	
955	
180	
1000	
201	
967	
467	
899	
000	
2050	
3/03/6	l
660	Į
487	
880	
670	
606	
pyvo	
228	
600	J
000	
800	
920	
653	
3035	
352	
959	
2058	
2023	
2028	
899	l
787	
987 794	
983 933	
985 944 989	
985 944 989	
983 944 989 989	
983 944 989 988 988	
983 944 989 989	
484 944 989 989 989 2004	
983 922 939 938 938 238 2003	
\$85 \$25 924 939 938 238 2005 929 \$199	
983 922 939 938 938 238 2003	
284 924 939 938 938 938 2003 921 971	
983 922 922 939 938 238 2003 929 929 929 936	
284 924 939 938 938 938 2003 921 971	
585 922 939 938 938 2005 929 599 635 999	
583 303 924 939 938 938 2003 929 599 635 925 635 925 635 925 635 925 635 925 635 925 635 935 935 935 935 935 935 935 9	
585 922 939 938 938 2005 929 599 635 999	
583 303 924 939 938 938 2003 929 599 635 925 635 925 635 925 635 925 635 925 635 925 635 935 935 935 935 935 935 935 9	
583 303 924 939 938 938 2003 929 599 635 925 635 925 635 925 635 925 635 925 635 925 635 935 935 935 935 935 935 935 9	
583 303 924 939 638 2003 329 599 635 592 592	
583 303 924 939 638 2003 329 599 635 592 592	
983 924 989 988 988 988 988 929 929 924 924 924 924 924 924	
583 303 924 939 638 2003 329 599 635 592 592	
983 924 989 988 988 988 988 929 929 924 924 924 924 924 924	

<b>अंद्र</b> ीक व्या <b>विद्याश्चिम विशेष</b> व्या	<b>到17</b> 00日
দরজা (অপরাধীদের জন্য আকানের দরজা বুলে দেয়া)	১৫-বিব্দর
महाबा (आकारनंद महबा छेनुक क्या शुर ना छोएन क्रमा थारा)	৭-আ'রাফ
দরকা (আকাশের দরকা উন্মুক্ত করে প্রবল পানি বর্থণ)	৫৪-কামার
দাঁড়িয়ে থাকা (আকাশ দাঁড়িয়ে থাকা আস্থাহর নিদর্শন)	৩০-জম
লন (আলপের সরিশ্বর দানা পরিমাণও আল্লাহ উপস্থিত করবেন)	৩১ বুৰমান
পুনিয়ার আকাশকে সুশোভিত করেছেন আল্লাহ	৩৭-সাত্তা
পুনিরার আফাশ সুসঞ্জিত, প্রদীপমাশা থবা	৬৭-মূলক
দুটান্ত (আকাশ ও পুৰিবীতে সর্বেচ্চি দুটান্ত আপ্লাহর)	00-87
ধন-চারার (আকাশ-পৃথিবীর ধন-চাতার আল্লাহরই)	৬৩-মুনাঞ্চিত্
ধরে রাখেন আল্লাহ আকাশনমূহকে (যেন তা স্থানচুতে না হত)	৩৫-ফাভির
গোরাছন্ত্র হয়ে আসবে আকাশ (কিরামতের নিন)	88-नुशन
ধাংস (আকাশ-পৃথিধী ধাংস হয়ে যেত, যদি সত্য)	২৩-মু'মিনূন
দির্মাণ (আকাশ নির্মাণ করেছেন আল্লাহ নিঞ্জ ক্ষমতাবলে)	e)-यविवार
নিবৰ্ণন (মুমিনদের জন্য আকাশ-পৃথিনীতে নিনৰ্গন আছে)	৪৫-আছিৱা
নিবৰ্ণন (অপ্নাহ ইক্স করলে অন্যাশ থেকে নিবৰ্ণন অংক্ৰীৰ্ণ করতেন)।	২৬-৩'লার
নিরটবর্তী আকাশ সুশোভিত ও সুরক্ষিত করেছেন আল্লাহ	৪১-মুস্সিল
নিদর্শন (আকাশ-পৃথিবীর দৃষ্টি আল্লাহর নিদর্শন)	৪২-পুরা
নিদর্শন (আকাশের নিনর্শন থেকে মানুহ মুখ ফিরিরে নের)	২১-আখিয়া
নিদৰ্শন (আকাশ ও পৃথিবীতে তত নিদৰ্শন বয়েছে)	১২-ইউসুক
নিয়ন্ত্রণ (আল্লাহ আকাশ-পৃথিনীর সকল বিধয় নিয়ন্ত্রণ করেন)	৩২-সাজ্দা
নিয়োজির (আঞ্চলের সংক্রিত্ব মানুহার কল্যাগে)	৩১-লুকমান
গড়া(আকাশ থেকে পড়া, শরীক করার উপমা প্রসঙ্গ)	22-27W
গব (আবাশের গবে গৌছার জন্য কিরআউনের আবাবকা)	8०-वृधिन
পৰিক্ৰম (আন্তৰ ও পৃথিবীয় সৰই অস্তাহৰ পৰিক্ৰম ঘোষণা কৰে)	৫৭-হানীন
পবিত্রতা বোষণা (জাকাশের সংই অস্থ্যাহর পবিত্রতা ঘোষণা করে)	৬৪-ভাগাবুদ
পৰিত্ৰত বেকাৰ (আনবংশর সংই আল্লাহর পৰিত্ৰতা বোকৰ করে)	७२-सृत्र'णा
পরিবেটন (অস্তাহর ভুরদী আধাণ-পূর্বনীয়ে পরিবেটন করে আছে)	২-বাকুরো
পরীফা (কাজে কে উত্তর আ পরীকার জন্য আকাণ-পৃথিবী সৃষ্টি)	১১-তুন
পরিবর্তন (যে দিন এ আহাশ-যানি পরিবর্তিত হবে, বিয়ামতে)	<b>38-देवहादी</b>
পান (অস্থাহ আকাশ থেকে পান অৰথীৰ্ণ কৰেন্দ্ৰ্ম জীবিত কৱা)	১৬-নার্ল
পানি (আকাশ থেকে পানি অবভীর্ণ করেছেন আল্লাহ)	৫০-কাক
পানি (আল্লাহ্ আকাশ থেকে পানি অবভীর্ণ করেন)	२२-शक
পানি (আল্লাহ আকাশ থেকে পানি অৰভীৰ্ণ করেন)	80-पुरक्क
পানি (আগ্রাহ আরূপ থেকে পানি বর্তন করেন, উদ্লিন উৎপদ্ধ প্রসঙ্গ)	১৬-নার্শ
পানি (আঝাণ থেকে আল্লাহ পানি অবতীর্ণ করেছেন)	২-বাঞ্চরা
পানি (আঞ্চাপ থেকে আপ্লাহর পানি অবতীর্ণ করা প্রসদ)	২৯-জানকা
পানি (আৰুৰে থেকে আপ্লাহ পানি অৰতীৰ্ণ কৱেন)	২৭-নামল
পানি (আকাশ থেকে পানি অবতীর্ণ করেন আল্লাহ)	২৫-ফুরকান
পানি (আৰুপ থেকে পানি অবতীৰ্ণ করেন অস্তাহ)	২০-মু'মিনূন
পানি (আৰুৰ থেকে পানি অবতীৰ্ণ করলেন অস্ত্রাহ, বদাবের নিন)	৮-খানকাল
পানি বর্ষণ (আঞ্চাশ থেকে আল্লাহই পানি বর্ষণ করেন)	৩৫-সাতির
গানি/বৃষ্টি বর্ষণ করেন আল্লাহ আকাশ থেকে (ফসলের জন্য)	৩৯-মুমার
পানি(উৎপাদনের জন্য আপ্তাহ আবাশ থেকে পানি অবার্থীর্ণ করেন)	<b>38-देवरादी</b>
পানি (দুনিবার জীবন আকাশংগকে বর্ষিত পানির মতা)	১০-ইউনুস
পানি বর্ষণ (দুনিরার জীবনের দৃষ্টান্ত পানির মত)	১৮-বর্জ
পদি (অল্লাহ মানুষের চাবাবাদের কন্য আকাশ থেকে পদি দিয়েছেন)	২-বাকুারা
পানি (আল্লাহ আকাশ থেকে পানি অবতীর্ণ করেন)	৩১-পুকমান
পানি (আল্লাহ আকাশ থেকে পানি অবকীর্ণ করেন)	৬-আন্ আম
পদি (আপ্রাহ আকাশ থেকে পানি অবর্তীর্ণ করেন, উল্লিল উৎপদ্র প্রদার)	২০-ফা-য

পাধ্যাৰৰ ৰাষ্ট্ৰ (আক্ৰাপ খোকে পাধ্যাৰৰ ৰাষ্ট্ৰ পাৰ্থনা 🔾

প্ৰতিপালক (আৰুলে ও পথিবীর প্ৰতিপালকের কসম)

পৰিবী ও আৰুদে যা বিদ্ধ আছে যা প্ৰতিপাদক মাগভাবে ৰানেন

श्वक करा (वाकान, र्लाबेर व वालाइ वर्डक श्वक करा शास)

প্রতিপালক (আরংশ-পথিনীর সর্বাক্তর প্রতিপালক আহার)

প্রতিপালক (আকাশ-পূর্বিটার প্রতিপালক কো? কার্যবানেরকে জিজানা) ১৩-রা'ন

প্রতিপালক(আকাশ-পৃথিবীর প্রতিপালকই মানুহছর প্রতিপালক) ২১-আঘিরা

প্রতিপালক (আকাশ-পৃথিবীর প্রতিপালক এসন অনতীর্ণ করেছেন) ১৭-ইসুরা

ভ কর...) ১৬-নার্দ ৫০-কৃক ३३-रावा ভাগ্ৰহণ) ১৮-মহন ২-বাঞ্চরা ২৯-খানকাবত 39.78E8 90-19801-त्रव निन) b-शासकार ৩৫-সাতিং ०%-पश्चा ट कना) Verification ১০-উটনস ১৮-ব্যৱস ২-বাকুার ৩১-প্ৰমাণ

हवा नर स मात्र चता स नही 30-14mg

৩০-জম 20 ৩১-লুকমান ৩৭-সাত্তাত

৪৪-লথান 20 ২০-মু'মিলুন

०५-मविसाठ

৪১-ছসসিলাক ৪২-শুর

১৪-ইবল্লাইম 85 699

নের) ২১-আখিয়া 93 900

৬৩-মুনাফিকন 268

660

444

200

b09

**5-38** 

95/2

trivo

3100

9%5

SAV

2000

364

666

220 200

96 900

èρ 968 h/h/h

Y68

60

фo 87

900

85 bnt c

26 9.08

১৯-মাব্ররাম 60

ল্লাৰ লাল্

আ

नेत्र का विद्यानित	ব্যাৰং গৰাম	100	100	ALCOUNT .	न्त्र के वात	SEC.	1
আকাপ (পূৰ্ব পূৰ্ৱা খেকে)				রাজত্ব (আঞাপ ও পৃথিবীর রাজত্ব আল্লাহর )	৯-জাওবা	779	623
প্রতিপালক (আকাশসমূহের প্রতিপালক আল্লাহ)	৩৭-সাক্কাভ	¢	563	বাঞ্চত (আকাশ ও পৃথিবীর বাজতু আল্লাহর)	৫-মারিদা	250	4,90
প্রতিপাদক (আল্লাহ আকাশের প্রতিপাদক)	৪৪-দুখান	9	304	রাজ্বত্ব (আকাশ ও পৃথিবীর রাজত্ব আল্লাহর)	২৫-জুবকান	2	963
প্রতিপালক (আল্লাহ আকাশমন্ত্রদীর প্রতিপালক)	৩৮-সোৱান	66	760	রাজ্যার (আকার ও পৃথিবীর রাজ্যার আপ্রাহর)	৫৭-হাদীন	2	≥86
প্রথিবী (আকাণ, পৃথিবী ও উভরের মাঝের রাজতু আল্লাহর)	৫-মারিদা	39	25.5	রাজত (আকাশ ও পথিবীর রাজত কি কাফিবদের?)	৩৮-সেৱাদ	30	766
প্রশংসা (আকাশ ও পৃথিনীতে আল্পুড়াই প্রশংসা)	00-94	30	540	রাজন্ত (আকাশ পথিবী ও উচ্চের মধ্যকার রাজন্ত আল্লাহর)	৫-মারিদা	35	600
	৫৭-হাদীদ	37	960	রাজতু (আকাশ-পৃথিবীর রাজতু আল্লাহরই)	so wifett	33	201
প্ৰকাশ ও পূৰ্বৰ প্ৰকাশ নত আগ্ৰাকে আৰু কৰা আগ্ৰাকে প্ৰকাশ কৰে কৰিছিল। প্ৰকাশ আকাশে কঠোৰ প্ৰকাশ থাকা সম্পৰ্কে জিলাদেৰ উচ্চি।	92-WH	43	360	বাৰত (আকাশ-পৃথিবীর বাৰত আপ্রাহর)	84-981	83	790
প্রার্থা (আকাশে করের প্রহরা থাকা নশ্পকে জ্বলানর ভাক) প্রায়(ফেরেশভাগণ আকাশের প্রান্তে থাককে, কিয়ানত প্রসঙ্গ)				রাজ্য (আন্তাশ-পথিবীর রাজন্তের অধিকারী আল্লাহর বাসুপ)	৭-আ'বাক	203	640
		29	9.63	शक्त (पाराम-न्ययो शक्तक पातावर्षे)	২-বাকারা	309	674
প্রকম্পন (যেদিন আকাশ প্রকম্পিত ছবে প্রবলভাবে)	৫২-ভূর	ъ	545	রম্বত্ব (অন্যান-পূর্ববার রাজ্যু আল্লান্ডের) রাম্বত্ব (আনান্যালী ও পথিবির রাজ্যু আল্লান্ডের)		301	2021
প্রতিপালর (আকাশের প্রতিপালক সন্তান প্রহণ থেকে পনিত্র)	8७-पूरक्क	৮২	907		৮৫-বৃদ্ধজ		
প্রতিপাদক (অবদের প্রতিগাসকই জগতের প্রতিপাদক)	২৬-৬'আরা	₹8	950	রাজত্ব (আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে আল্লাহর রাজত্ব)	৫-মারিদা	80	640
প্রতিপালক (আকাশের প্রতিপালক আল্লাহ)	৭৮-নাৰা	99	2007	রাজত্ব (আকাশসমূহ ও পৃথিবীর রাজত্ব অস্তাহর)	৩৯-মুমার	88	795
প্রতিপালক (আরানের প্রতিপালক অল্লাহর মধ্য সংলা প্রপংগা)	৪৫-দাধিয়া	99	809	রাজত্ব (আকাশসমূহের রাজত্ব আল্লাহর)	१९-श्मीम	2	h85
প্রতিপালক (আরুশ্রের প্রতিপালকই আসহারে কাহ্যকর প্রকিপালক)	১৮-কার্ফ	28	942	রাজ্য্ন (আকাশের রাজ্যু আল্লারে)	৩-আলে ইমরান		208
ফাটরে দেয়া হবে (কিরামডের দিন)	৭৭-মুর্সালাত	ъ	266	রাজত্ব (আকাশ ও পৃথিবীতে আল্লাহর রাজত্ব)	२८-मृद	83	999
ভিরনো (আকাশের নিকে রাসুল স. এর চেহারা ফিরানো)	২-বাকুরো	288	650	বিহিত দান (আল্লাহ আকাশ থেকে বিধিত দান করেন)	২৭-নামল	68	bros
ভূটন্ত তেলের মত হবে আকাশ (কিরামতের দিন)	৭০-মা'অৱিৰ	b	3073	রিবিক/বৃত্তী (অকাপ থেকে অগনীর্থ নিয়িকের মধ্যে নিসর্গন আছে)	৪৫-জাছিরা	q	bod
মেটে যাওৱা (মাজাপ মেটে যাবে মেখপুরুসর, বিভাগতে)	30-930H	42	998	বিভিন্ন (আকাশ থেকে বিভিন্ন দেন আপ্লাহ)	৩৪-সাবা	2,8	284
(क्रांटी रावका (प्राकान (क्रांटी साथ राजन)	68-3-Paia	2	2020	বিহিত (আৰাশ থেকে বিহিত অবতীৰ্ণ কৰেন আল্লাহ)	৪০-মুখিন	30	b92
	10-1304	3b	295	ব্রিটিক (আকাশে ররেছে মানুষের বিহিক)	৫১-বাহিয়াত	22	3-24
কেটে বাওয়া(কয়নকের লগ জাকাশ কেটে বাবে বা নাক্তর ব্যব্দ কেটে বাওয়া(বর্তন আরাশ কেটে বাবে, কিয়ামত প্রদক্ষ)	০০-বাহমান	20	280	হিনিক (আকাশ থেকে) আলাহ ছাড়া দেয়ার কেট আছে কিং	৩৫-ফাডির	0	780
	20-9194FF	262	133	হিছিক (আৰুপ সেতে মানহকে কে মিকিক সেন্য)	১০-ইউনুস	42	96.
				প্রিটিক (আন্তর্নের রিভিন্নের মার্লিক নর ধারা ভালের উপাসনা!)		90	303
কেরেশতা (আকাশের কেরেশভার সুপরিশ কামে আগরে না)	৫৩-নাম্বয	26	300	লয়কে (আকাশের রিয়কের মালক নর থরা ওলের ওপাননাং) লক্ষা করা (আকাশ-পথিবীতে কী আন্ত তা লক্ষা করার নির্দেশ			
বন্ধ করা (আকাশকে বর্ণন বন্ধ করতে বলা, নৃহের প্রাবন প্রদাস)	22-वृत	88	999	লক্ষ্য করা (আরাশ-পৃথবতে কা আছে ও লক্ষ্য করার দেশেশ) লক্ষ্য (জাহিদুরা কি আকাশের দিকে লক্ষ্য করে নাং)		707	994
বহিনী প্রেমণ করেন নি (আল্লাহ), সম্প্রদারের বিক্রছে	৩৬-ইরাসীন	435	3450		৫০-কুফ	b	843
বহিনী (আকাশমভলী ও পৃথিবীর বাহিনীসমূহ আল্লাহরই)	৪৮-ফাত্হ	8	956	লালতে তেলের মত লাল হবে আকাশ (কিয়ামতের দিন)	৫৫-রাহ্মান	9	886
বহিনী (আকাশের বাহিনীসমূহ আল্লাহরই)	৪৮-কাত্য	9.	976	পুর্বারিত ব্রু(অবশের পুর্বারিত ব্রুকে অল্লাহ কর করে অলেন)	২৭-নামশ	55	300
বিশিক্ত হবে (কিয়ামতের দিন আরুণে মেটে যাবে ও বিশিক্ত হবে)	७७-शकार्	36	242	শঞ্জি আঞ্চাশ থেকে অবতীর্গ(লৃত সম্প্রদারের পাপানরের কারণে)	২৯-আনকাবৃত	08	9.79
বিন্তুত্ব করা (অস্তাহ আঞ্চানকে সাত আকাশে বিন্তুত্ব করলেন)	২-বাকুরা	230	208	পান্তি (আঞাপ খেতে বনীইসরাইকের উপর অবকীর্ণ)	২-বাকুরা	Øb.	200
বক্তজ (আকাশে বক্তজ বানিয়েজন অভাব)	২৫-করকান	65	9976	পাৰ-প্ৰশাৰ অধ্যপে বিস্তৃত(উল্লয় বাণী ও উল্লয় গছেল ফুলন)	১৪-ইবরাহীম	2,8	686
বঞ্জ (নকত্ৰ) বানিবেছেন আল্লাহ আকাশে	১৫-বিকর	36	999	পরি প্রেল (কী ইনরদিল কথা পরিবর্তন করের আকাশ থেকে পরি)	৭-আরিফ	১৯২	954
বহি (আক্রাণ থেকে বহি বর্তুগর আধাস, আদ জাতি তওবা করতে)	১১-বদ	03	990	শিলাবন্ধি (আকাশ তেকে শিলাবৃত্তি অবতীর্ণ করেন)	<b>२8-मृद</b>	80	293
বৃষ্টি (অস্ত্রার আকাশ থেকে বৃষ্টি বর্জন করবেন, ক্ষমপ্রার্থনা করলে)		22	398	শৃন্য (আকাশের শন্যে নিয়ন্ত্রণাধীন পাথিদের দেখা)	১৬-মাহল	935	902
বৃদ্ধি (পূৰ্ববৰ্তীদেৱকে আপ্ৰাহ আকাশ খেকে প্ৰচুৱ বৃদ্ধি দেন)	৬-আন'আম	6	636	প্ৰেষ্ঠড় (আৰুপে আল্লাহৰই প্ৰেষ্ঠড়)	80-साच्या	09	300
বৃদ্ধি (মুখনিকানে উপমা আকাশ বেকে বৰ্ষিত মুক্তগৰ্মের বৃদ্ধির মত)		22	600	সাকার (ভার কি আকাশর কেন সংখ্যা দেব যা আবারে ভারার)	১০-ইউনস	25-	6474
বন্ধপাত হোৱাবার দেখা। (আকাশ বেকে বাগালে )	79-कार्डक र-नाकेग्रा	80	939	সকলে শিষার প্রথম ফুঁ-তে সংজ্ঞাহীন হবে (আকাশের সকলে)	०%-पशंव	Ob	740
				সঙ্গ আৰুণ, পৃথিৱী ও একসভাৱের স্বৰ্থিক আগ্ৰাহন পৰিপ্ৰতা	১৭-ইসরা	88	939
ত্মছবর ঘটনা (বিরাহত হবে আকাশ-পৃথিনীর এক ভারত গটনা)		39.4	600	সংক্রিম্ব (আকাশ ও পথিবীর সব বিশ্বাই আল্লাহর)	28-99	08	90
তীত হওৱা(শিক্ষার কুঁ দেৱার দিন আক্ষাশের সবাই তীত হবে)		৮৭	Post				
তেবে পদ্ধ (উপর থেকে আকাশ তেবে পদ্ধর উপরুম হয়।)	৪২-শূর	2	9.97	স্ববিদ্ধু (মানাশ পৃথিবীর স্ববিদ্ধু অল্লাহর পনিবার ঘেষণা)	<b>₹8-7%</b>	85	9.93
তেকে যাওয়া (আকাশ তেকে বাবে, কিয়ামতের নিন)	৭৩-মুখ্যাখিল	73-	birb	সৰকিছু (আকাণ-পৃথিবীর সৰকিছু মানুষের কল্যাণে নিয়েঞ্জিত)	৪৫-লাইয়া	30	206
তেকে যাবে (আকাশ তেকে যাবে, কিরমেতে)	৮২-ইনফিডার	>	2020	সংক্রিছু (আকাশের সংক্রিছু আন্ত্রসমর্পন করেছে আল্লাবর নিকট)	৩-আলে ইময়ন	940	₹88
তেঙ্গে পড়া (অজন তেঙ্গে পড়ার উপক্রম হয়, কফিয়দের কবর)	১৯-মারইরাম	30	980	সাত আকাশ ভবে ভবে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ	१५-मृद्	36	95.5
তেবে দেখা (আকাশ ও গৃথিবীয় সংকিছু নিৱে তেবে দেখা)	৩৪-সাবা	ъ	582	সাত আহাপে পরিগত করা (আকাশ মন্তবীকে)	৪১-ডুস্সিলাভ	25	bible
মসেপিকের (অব্যাপর অস্তাহ আকাশের দিকে মসেপিকের করলেন)	২-যক্তর	230	608	সত আকাশের অধিপত্তি সম্পর্কে কাফিয়দেরকে ভিজ্ঞদা	২৩-মুমিনূন	94	993
মনেনিবেশ (আকাশের দিকে মনেনিবেশ করলেন আল্লাহ)	৪১-ফুস্সিলাভ	22	bye	নিষ্টি যোঁক করা (রাসুল স. কে আনাপে নিষ্টি থেক করতে মগা)	৬-আনুখাম	Ø	6.95
মালিক (আকাশ ও পথিবীর স্থবিশ্বর মালিক আলার)	80-8X	36	7-58	নিজন (আতাপের সংকিছু অস্তাহকে নিজনা করে)	22-1796	35	9.03
মাদিক (আকাশ-পথিবীর ন্যবিভয় মাদিক আল্লার)	৪২-পুরা	20	266	নিজনা (আকাশের সহাই অস্তাহ্যক সিজনা করে)	১৯-মাহল	83	90
		3	630	সিক্ষদানেত (আবাপ-পৃথিবীর সংবিদ্ধ আল্লানর প্রতি সিক্ষদানেত)	১০-রাদ	34	69.5
triffice (respect, eligible spect of four retrie size suffice reterie).				সীয়া (ভাকাশ-পৃথিবীর সীয়া অভিত্রতম মানুধ/জিল অকম)	৫৫-বাহমান	00	≥8¢
মার্শিক (অকাশ-পৃথিবীর মাথে বা কিছু আছে ধার মার্শিক আস্তাহ)	১৪-ইবরাহীম	_					
মালিক (আকাশে যা কিছু আছে তার মালিক আল্লাহ)	৩৪-নাবা	,	982			34	
মালিক (আকাশে যা কিছু আছে যার মালিক আল্লাহ) মালিক (আকাশের সংক্ষিত্র মালিক আল্লাহ)	৩৪-লাবা ৩-আলে ইমরান	209	¢85	সুপোষ্ঠিত ব্যৱহেন আল্লাহ আকাশকে (দৰ্শকালর জন্য)	30-fewe	36	
মাদিক (আকাশে যা কিছু আছে যার মাদিক আল্লাহ) মাদিক (আকাশের সর্বকিল্লুর মাদিক আল্লাহ) মাদিকানা (আকশেসমূহের মাদিকানা আল্লাহর)	৩৪-নাবা ৩-আলে ইমরান ৫৭-হানীন	209	689	সুশোর্ডিত করেছেন আল্লাহ আকাশকে (দর্শকলের জন্য) সৃষ্টি (আকাশ-পৃথিবীকে থাকা সৃষ্টি মুখ্যানীলের জন্য নির্দর্শনহরণ)	১৫-বি <b>জ</b> র ১০-ইউনুস	b	628
মাদিক (আকাশে ফ কিছু আছে তার মাদিক আপ্তার) মাদিক (আকাশের সবকিছুর মাদিক আপ্তার) মাদিকানা (আকাশেসমুহের মাদিকানা আপ্তারত) মাদিকানা আপ্তারত (আকাশে বা কিছু আছে)	৩৪-সাবা ৩-আলে ইমরান ৫৭-হার্নীন ৩-আলে ইমরান	749 709	689 789	সূপোতিত ব্যৱহার অক্সাং আকাশকে (পর্বকানর কণ্য) সৃষ্টি (অকাশ-পৃথিবীতে থাকা সৃষ্টি যুভানীনের কল নিবর্শনারকণ) সৃষ্টি (অকাশ ও পৃথিবীত সৃষ্টিতে নিবর্শনা)	১৫-বি <b>জর</b> ১০-ইউনুস ৩-আলে ইমরান	9	628
মানিক (আকাশে যা কিছু আছে যার মানিক আল্লাম) মানিক (আকানের সাবজিল্প মানিক আল্লাম) মানিকানা (আকাশনমুহর মানিকানা আল্লাম) মানিকানা আল্লামক (আকাশে যা জিলু আছে) মানিকানা (আকাশ ও পৃথিবীকে যা আছে বা সাবই আল্লামর)	৩৪-নাবা ৩-আলে ইমরান ৫৭-হালীন ৩-আলে ইমরান ৫৩-নাক্সম	203 203 203 203	285 287 280	মুখোরিক করেছেন আল্লাহ আকাশকে (পর্শবাসর কবা) সৃষ্টি (অকাশ-পৃথিবীকে কাল সৃষ্টি মুখ্যনীদের কাল নির্দেশকাশ) সৃষ্টি (আকাশ ও পৃথিবীর সৃষ্টিকে নিগর্মাণ) সৃষ্টি (আকাশ-পৃথিবীর সৃষ্টি আপ্লাহর নির্দেশ)	১৫-বিশ্বর ১০-ইউনুস ৩-আলে ইমরান ৪২-পুরা	9 280 28	628 628 6786
যদিক (অকাশে যা নিচু আছে যার মাদিক আল্লাহ) মাদিক (আকাশের সংবিদ্ধার মাদিক আল্লাহ) মাদিকাল (আকাশের সংবিদ্ধার মাদিক আল্লাহ) মাদিকাল অল্লাহন (আকাশে যা কিছু আছে) মাদিকাল আল্লাহন (আকাশে যা কিছু আছে) মাদিকাল (আকাশ ক পৃথিবীকৈ যা আছে বা সবই আল্লাহন) মিশে থাকা (আকাশ-পৃথিবী ক্তেম্যাকাল্যার মিশে ছিশ)	৩৪-লাবা ৩-আলে ইমরান ৫৭-হালীন ৩-আলে ইমরান ৫৩-মান্সম ২১-আধিয়া	90 249 30 309	285 285 287 200 323	মুগোডিত করেছেন আদ্রাহ আবাপতে (পর্ণকলের জব্য) সৃষ্ট্র (আকাশ-পৃথিবীতে ভাল সৃষ্টি মুফুর্জনৈর জন্ম নির্কাশবরণ) সৃষ্টি (আকাশ ও পৃথিবীত সৃষ্টিতে প্রচালক গাঁ সৃষ্টি (আকাশ-পৃথিবীত সৃষ্টি আদ্রাহক নির্দাণি) সৃষ্টি (আকাশ-পৃথিবীত সৃষ্টি করেছেন আদ্রাহ)	১৫-ছিজর ১০-ছউনুস ৩-আলে ইমরান ৪২-শ্রা ১৭-ইস্বা	0 280 28 28	695 625 626 576 576
মানিক (আকাশে যা কিছু আছে যার মানিক আল্লাম) মানিক (আকানের সাবজিল্প মানিক আল্লাম) মানিকানা (আকাশনমুহর মানিকানা আল্লাম) মানিকানা আল্লামক (আকাশে যা জিলু আছে) মানিকানা (আকাশ ও পৃথিবীকে যা আছে বা সাবই আল্লামর)	৩৪-সাবা ৩-মালে ইমরান ৫৭-হার্দীন ৩-মালে ইমরান ৫৩-মাল্লম ২১-মাধিরা ৩০-ক্রম	203 203 203 203	285 287 280	মুখোরিক করেছেন আল্লাহ আকাশকে (পর্শবাসর কবা) সৃষ্টি (অকাশ-পৃথিবীকে কাল সৃষ্টি মুখ্যনীদের কাল নির্দেশকাশ) সৃষ্টি (আকাশ ও পৃথিবীর সৃষ্টিকে নিগর্মাণ) সৃষ্টি (আকাশ-পৃথিবীর সৃষ্টি আপ্লাহর নির্দেশ)	১৫-বিশ্বর ১০-ইউনুস ৩-আলে ইমরান ৪২-পুরা	9 280 28	628 628 6786

আকাশ (পূর্ব পূর্বা থেকে)		$\overline{}$	-1		२०-ज़-श	20	988
সৃষ্টি (আৰুণ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	৩০-রম	ъ	344	যানবাকৃতি ধারণ করল ছিবরাইল (মারইয়ামের নিকট)	১৯-সারইয়াম	24	900
সৃষ্টি (আকাশ ও পৃথিবীর সৃত্তির দিন থেকে মাস বারটে)	৯-ভাওবা	06	680	যানুক্ষে আকৃতি আল্লাহ যেকাৰে চেয়েছেন লেকাৰে গঠন করেছেন	৮২-ইণফিতার	ъ	2020
সৃষ্টি (আকাশ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ হয় দিনে)	২৫-কুরকান	42	956	মানুহের আকৃতি গঠন করেন আল্লাহ বেজাবে ইছো (মাতৃগর্তে)	৩-আলে ইমরান	0	600
সৃষ্টি (আরুস ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ হর দিনে)	৭-আর্থক	¢8	479	মানুহের আকৃতি পান করেছেন আপ্লাহ	৪০-মুখিন	68	500
সৃষ্টি (আঞ্চালসমূহ আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন)	80-पुश्कप	>	734	মানুহকে আকৃতিদান করেছেন আল্লাহ	৭-আবাক	22	930
নৃষ্টি (আঞ্চালন্ত্রই আল্লাহ নৃষ্টি করেছেন)	09-5314	Oly	718	মানুহকে আল্লাহ আকৃতি দেন ও সুগঠিত করেন (গর্ত প্রসঙ্গ )	৭৫-কিয়ামাত্	OV	866
নৃষ্টি (আন্দাশসমূহ । ও পৃথিবী আল্লাহ হয় দিলে সৃষ্টি করেছেন)	১০-ইউনুস	0	928	মানুহের আকৃতি প্রতিস্থাপন করতে আল্লাহ পিছিরে গড়ার মন	৫৬-ওরাকিরাহ	65	386
পৃত্তি (আৰুশাসমূহ কে সৃত্তি করেছেল ৮)	80-TYFT	9	599	মাণুবের (আল্লাহ মাণুবকে আকৃতি গান করেছেন)	৬৪-তাশকুন	0	৯৬৬
त्रि (प्रारम् श्रि प्रनर्थक ग्रह)	৩৮-সোরাদ	29	৮৬৭	মানুকের (আল্লাহর ইঞ্চার মানুকের আকৃতি প্রতিস্থাপন)	৭৯-পাব্ৰ	47	क्रेक्स
সৃষ্টি (আৰুণ সৃষ্টি নিয়ে চিন্তা করা)	৩-আলে ইময়াল	292	228	নিংহাসনের আকৃতি পরিবর্তন (সাধার রানীর সিংহাসন প্রসঙ্গ)	২৭-নাম্প	82	900
সৃষ্টি (আকাশ সৃষ্টির মধ্যে নিদর্শন রয়েছে)	২-বাজার	268	455	সুপর আকৃতি ( আল্লাহ মানুহের আকৃতিকে সুপর করেছেন)	৬৪-তাশার্ন	0	*66
সমি (আকাশের সমি সঠিক দক্ষ্যে, নির্দিষ্ট সময়ের মান্য)	৪৬-আহতাক		bob	আকৃত্তিবিহীন (পূৰ্বাকৃতি,,,)			
সৃষ্টি (আকাশের সৃষ্টিকারী কে জিআসা করলে বলবে আল্লাহ')	২৯-আনহাবৃত	65	545	হুৱাহুতে ক্রণের আকৃতি শাত করা না করা প্রসদ্	22-87%	2	925
সৃষ্টি (আকাশের সৃষ্টিকারী আপ্লাহ শরীকলের চেরে উত্তম)	২৭-নামল	90	bod	व्यक्षे			
সৃষ্টি (আল্লাহ আকাশ ও পথিবী সৃষ্টি করেছেন)	৬-আনু'আম	۵	699	ইউপুথ অনুষ্ঠ হরে পদ্ধান (খদি অপ্তাহ)	১২-ইউসুফ	00	690
সৃষ্টি (আরাহ আকাশছর দিনে সৃষ্টি করেছেন)	৩২-সাৰ্দা	8	ireo	वाक्रम			
সৃষ্টি (আল্লাহ আকাশ-পৃথিবীকে ছব দিনে সৃষ্টি করেছেন)	<b>33-दू</b> म	9	666	আহাত পাঠকারীকে আক্রমণে উপাত হয়/কাভিবর)	22-0700	92	988
সৃষ্টি (আল্লাহ আকাশমন্ত্রনী ও পূর্বিখী সৃষ্টি করেছেন)	৩৬-ইলসীন	2.7	৮৫৬	কবিবনের (কবিবর আরাত পঠকারীকে আমমণে উদাত হর)	22-07m	92	968
সৃষ্টি (আপ্লাহ আকাশসমূহ ও পৃথিবী সভাসহ সৃষ্টি করেছেন)	৩৯-যুখার	2	543	প্রভাতে অভর্তিতে আক্রমণ চালার যে খোড়া তার কসম	১০০- আদিয়াত		2000
সৃষ্টি (আল্লাহ আকাশ সৃষ্টি করেছেন সভাসহ/সঠিকভাবে)	8ए-महिंग	22	306	সালিহকে,পরিবার-পরিকারে স্থানুদ সম্প্রদারের আঞ্জন্ম এসল	২৭-নামল	85	br08
সৃষ্টি(আল্লাহই আকাশ-পৃথিধী সৃষ্টি করেছেন)	28-देनबारीय	95	699	অমেন্ড			
পৃষ্টি (আল্লাহ সত্যসহ আকাশ-পৃথিধী সৃষ্টি করেছেন)	২৯-আনবাবৃত	88	479	হৈৰ্ব ধৰণ (বিশাস আমান্ত হয়ে কৈবিধবাৰানীদেৱ জন্য সুসংবাদ)	22-07W	00	465
সৃষ্টি (অস্ত্রাহ সভাসর সরিক লক্ষ্যে আকাশ-পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন)	৬-আন্'আম	10	ઉલ્લ	বাৰ্ত্যকা আমাজ ব্যক্তির দূর্বল সন্ধান (উপমা প্রসঙ্গ)	২-বাজাল	266	203
সৃষ্টি (আল্লাহ সাত আঞ্চাৰ সৃষ্টি করেছেন)	৬৫-তালাক	35	200	মনুষ্ঠান যে বিশ্বন-আপদ আন্তৰ্মন কৰে তা তালেঃ কতকৰ্মেন্ট ফল	8२-भूबा	00	758
পৃষ্টি (আল্লাহ গুৱে ব্যৱে সাত আকাশ সৃষ্টি করেছেন)	15-99	36	378	মৃত্যুর বিপদ হারা আক্রান্ত হলে (সক্তরত অবস্থার,)	<b>¢-प्रा</b> क्तिना	306	que
সৃষ্টি ক্টিনতর নাকি মানুষ্য	৭৯-নাৰি'দ্বাত	ર૧	3008	হুদ আক্রমন্তঃ (আদ সম্প্রদারের উপাস্যাদের অনিষ্ট হারা)	77- <u>\$</u> et	48	690
সৃষ্টিকর্তা (আকাশ-পৃথিনীর সৃষ্টিকর্তা আল্লাহ)	8२-मृद्धा	22	४४४	আরোশ (দেখন কোচ শব্দটি)		_	_
সৃষ্টিকর্তা (আকাশ-পৃথিবীর সৃষ্টিকর্তা আস্থাহর প্রশংসা)	৩৫-ফভির	٥	789	আন্দেশ (দেখুন আফসোস শদটি)		$\overline{}$	_
সৃষ্টিকর্তা (আকাশসমূহের সৃষ্টিকর্তা ইউসুফের অভিতাবক)	75- <u>6</u> 834a	202	94.0	আবলাক (দেখন চরিত্র শথটি)			-
সৃষ্টি (ব্যরে ব্যরে সাত আকাশ সৃষ্টি করেছেন আপ্লাব)	৬৭-মূল্ক	•	392	অধিবাত	-		-
সৃষ্টিকালে (আপ্লাহ কাউকে সান্দী বানান নি)	১৮-কব্ৰিক	67	৭২৮	আপরতে অপে (যে নবিয়ার কলল চার অধিয়াকে তার কোন অপে নেই)		30	yyo
পুরি(কে সারাণ পুরি করেছেন এপ্র করলে কবিব বলে, সাপ্রার্থ)	৩১-লুকমান	₹.6	259	অংশ (বে দুলরার কলল চার আগবাতে তার কেনে কংশ নেহ) অংশ (আধিরাতে অংশ নেই, বারা কেবল দলিরাতে)	৪২-পূর। ২-বারুরো		244

স্বাধান সৃষ্টি করেছেন প্রস্তু করলে কাহিব বলে, অস্ত্রাহ' ৩১-পূক্তাদ 56 259 সমি (আকাশ ও পথিবী আধার বেলাঞ্জলে সমি করেননি) Obr সৃষ্টি (আঞ্চাশ ও পুথিবী হব দিনে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ) ৫৭-হাদীদ 385 সৃষ্টি (আৰাশ-পৰিশীর সৃষ্টিতে আপ্রায় ক্রান্তি বোগ করেন্দি) O. WINDS अहे (कार्या कारान्य, नीवी जागाव अधिक संस्था और वारायाः) সৃষ্টি (আহার আকাশ-পৃথিধী সভাসং সৃষ্টি করেছেন) 28-वेनवादी 620 अप्र (कामार काळान, नोहीर) असाआ अधित सामार अप्रे जारात्रका 36-R109 200 স্ত্ৰি জোহাত আকাশ-পথিবী খেলাছলে স্ত্ৰি ককেনি। ३५-व्यक्ति

श्री (प्रतिकाशीया कि प्राचान श्री कावाकर)

ভৱে ভবে সাত আকপে সৃষ্টি করেছেন আপ্রায়

গ্রম (অক্সাহ আকাশসমূহ ও পৃথিবীর সৃষ্টা)

আকৃতি/আকার (আরো দেখুন চেহারা শব্দটি)

nuters serve where nin out at out star

পাৰির আকৃতি তৈরী করেন উদা কাদাযাটি নিয়ে

পাৰির আকৃতি সৃষ্টি করেন উস্থা কালামাটি দিয়ে

वेनद सा नाम

नृष्ठि (यथप नृष्ठि बरतानी याष्ट्राद जानान, नृष्टिनी व प्रवरतात...)

অধীন (আল্লাহ আকাশকে অধিনিয়পেই নাট করেছেন)

ছির রাধ্য (আল্লাইই আকাশকে ছির রাখেন বাতে পথিবীয়

अंग्र (देशक्रीएवर एकावान्य चावान्य, श्रीवीय अंग्रेस विन्द्र वाचान्य)

সমা (আৰাদের সমা আবার সম্পর্কে অভিবানর সন্দের)

পরিবর্তন (আস্থাহর ইন্ধার মানবের আকতি প্রতিস্থাপন...

স্পূৰ্ণ (তথা সম্ভাৱের জন্য জিনদের আকাশ স্পূৰ্ণ করা প্রসঙ্গ) ৭২-জিন

সমাপোৱাৰ, পথিবীৰ সমাব পক্ত পোৱা অকলানেৰ অবজ্ঞাকৰ ৷ ১০.জা.হা

সায় (আকাশ-পথিনীর সায় আল্লাহ, অভিযাবক গ্রহণ প্রসঙ্গ) | ৬-আর্ল আহ

20 902 43.70 96 300 10.599 ৭১-নহ ৩১-শুকমান aa.amw 64

38

Autorial and

৩৯-চুম্বর 80 जाक)

33.378

O.L. OFFICE

৫-মাবিনা 330 038

∞.আলে ইমরান ৪৯ ৫৪০

40.6 bye 983 233 638

335

85

व्यक्तिकारी (कावितास व्यक्तिकात्व व्यक्तिकारी)

অৰ (অভিনতে ভাটে অম ধানা নদিয়তে অম অভিযাসী প্রেক্তিরাস্থ অভিযাসীর ভারত সমান্তরত নারীবান্ত অভিবাসী (অভিযাস অভিবাসীদের চনর সম্ভবিত হয় वर्षश्रेती विभाग वर्षश्रीय संस्तृत वसात (१९०)। स्ट्राप्तः व्यक्तित्र (व्यक्तित्र व्यक्तित्र स्वयं । व्यक्ति ।

অভিযানে (অভিয়তে ইউপুনের অভিযানৰ অবলে প্রবিটা এটা

আছন (পুনিয়া কামনাকারীদের জন্য আবিরাতে তথু আঙলই

ভাগত (বংলার্ভীর চ্যানীক্ষা কাহিয়াক্স কার্য্য ইংকট)

আবান নেবীত স্থীতা আধিতাতেও আধান চাইলে তাও প্ৰতি

কাৰাস (মুলালীদের জন্য কাভিয়ানের কারাস ইসম)

বাধার (ক্রিটিয়াকর কার্য্য কার্যার কর

refrigation filtre State returns - Year see on

অধিবাতের সকল প্রশাসা জনাচর

৩-আলে ইমন অংশ (অধিবাতে অংশ নেই বাসের) অংশ (জাল শিক্ষাকারীর অধিবাতে প্রতিদান/অংশ (নই) S. WINTER ve Ruse refresh residence refreshor you on room forms व्यविकारी (व्यानावद नव त्याक विवय वात्र व्यक्तियात व्यविकारी) ३১.वस वर्तश्रामें (क्यूबान वर्षीकारकारी इन्हरंबन्स वर्षिकार वर्तश्रामें) অভিয়ানী (অভিয়াত অভিয়ানীয়েন্ত আদৰ্শ হৰ্মান কৰামন ক্ৰীমত) ১১.টেইসত जरूबने (जरिवाद जरिवाने । वानुन न, या महत्व नर्न होता हता. অধিবাসী (অধিবাতে অধিবাসীর ভদর সভা অখীকারকারী)

O'CHE THE ३०-म मिन ৪১-ফ্সসিগত ১৭-ইসর 36-4124 es\_trate 39-7728 8.900

3\_Rtmt#

**८६-अक्ष** 

55-34

৬-আন'আত

VA STEE

০০-আহমার

STRIML-4C 99 1248

३৮-व्यवाह PO 1776

(e)ro 84 908 b-94 500 0.7077010 25-5,834

3/4

098 933 Gebrüe P87 983

d'hir

troo

080

WAG

666

			-
A STATE OF THE PARTY.	395 br	महा यह स नाम	12

NA PATRON	मृत्र कर वह	ALC: U	100	THE REAL PROPERTY.	ख़ानः व नाव	100	
व्याचित्राठ (पूर्व पृक्षा (चरक)		_		হতিক্রতি (অধিবাতের হতিক্রতি আসরে যবন)	১৭-ইস্রা	308	
খাবাস (অধিৱাতের আবাসই প্রকৃত জীবন)	২৯-আনকাবৃত	<b>68</b>	25.5	প্রতিবাদ (অধিরতের প্রতিবাদ উত্তম, ঈর্যানসার মুক্তকীদের জন্য)	১২-ইউসুফ	49	8
খাবাস (অধিরাতের আবাস মুবাকীদের জন্য উত্তম)	৭-আ'রাক	260	954	প্রাথন্য (দূনিয়ার জীবনকে অধিরাক্তর উপর প্রাথন্য লেয়ার শক্তি)	১৬-নার্ল	209	13
আবাস (আধিৱাতের আবাস যদি খণু ইকুনীদের জন্য হয়!)	২-বারুবা	38	622	গ্রাথন্য (যার পুনিয়ার জীবনকে অবিয়াকের কুমনার প্রাথন্য (নর)	১৪-ইববাহীম	0	10
चन(चनित्रका चनावरीका कर बकुन २. या मार्च वेदम चनर्न)	৩০-জাহমার	45	90%	ফল (অভিয়তের কলে যে চর অস্তাহ তার কলে বর্গত করেন)	৪২-শরা	20	ъ
ইনরাধীন আধিবাতে সংকর্মশীলানের অন্তর্গ্রক হবে	১৬-মাবৃদ	244	920	বভ (অধিৱাত বভ, মর্যানার দিক থেকে)	১৭-ইসরা	43	4
ইমান (বায়া অধিয়াকে ইমান আনে না ভানের উপমা)	১৮-নাহল	90	909	বিকশ কর্ম (আভিয়াতে কর্ম বিকশ হবে ভালের বাধ্য কর্মিক)	২-বাকুগৰা	239	10
ইয়ান (বারা আধিরতে ইয়ান আনেনা তানের অন্তর প্রসঙ্গ)	৬-আন'আম	220	809	বিকল কৰ্ম (অবিভাৱের কর্ম বিকল তাচার হার)	৯-জাত্তা	69	1
ক্ষান (যায়া আবদ্ধতে কমন আনেনা তাবের অন্তর প্রবন্ধ) ক্ষ্মান (আবিরাতের প্রতি ক্ষমান আনা প্রসঙ্গ)	g-sipt six			বিশ্বসী (অধিয়তে বিশ্বসীনেরকে জেনে দের, সাববাসী প্রসঙ্গ)	৫৪-সাবা	57	ť
		ರಶಿ	695	विक्री (पश्चितक विक्री क्या गण्डमा शका यह न यह)	৫৮-মন্ধানাপা		ł,
প্ৰমান (আবিবাতের প্ৰতি প্ৰমানহীন লোকের গান, বৌটা প্ৰনঙ্গ)	২-বাকুরা	468	607	বিশ্বাসী (আধিয়াতে বিশ্বাসী কোন সংস্কৃতির স্বাত্তর বাবে না ব্যৱ) বিশ্বাসী (অধিয়াতের মিনে বিশ্বাসীনেরকে মহাপ্রতিদান দান)		22	
ষ্টবান (অধিব্যক্তে ইয়ান অনে আহলে কিতাবদের একদল)	০-আলে ইমরান		489		8-मिश	7/05	10
ইমন (অধিরতে ইমন এনেছে বারা তারা অনুমতি চার ন)	৯-জভব	88	688	বিশ্বাস (মানিবাত বিশ্বাস করে যার ভারাই মসজিদ জবাদ করবে)	৯-জাধ্য	72	ŀ
ইমান (অখিৱাতে ইমান না আনার পরিগাম)	8-RM	40	695	বিশ্বাস (আবিবাতে নিচিত বিশ্বাস করে সংকর্মপরায়ণরা )	৩১-সুকমান	8	13
দমন (অবিবাতে ঈমানহীনদের প্রবৃত্তির অনুসরণ না করা)	৬-অনু অম	360	622	বিশ্বাস (আবিরতে বিশ্বাসীদের জন্য উপদেশ, তালাক প্রসঙ্গ)	৬৫-ডালাক	1 3	1
পথান (অবিধাতে ঈঘানের সমান নয় মনজিলে হারামের অবান)।	৯-জাওবা	7.79	683	বিশ্বাদ (আবিহাতে বিশ্বাদীদের জন্যে হিবিক প্রার্থনা)	২-বাকুমা	259	T
পমান (অবিয়াকের উপর সমানদারনের কুরআন হারা লকর্ত করা)।	৬-আনু আম	35	608	বিশ্বাদ (আধিয়তে বিশ্বাদ করে না যারা তাদের জন্য)	১৭-ইস্বা	30	Т
প্রমন (অধিয়তের দিনে ইমান আনে লা থরা ভারাই অনুনতি চায়)	৯-ভাওৰা	82	980		२-सङ्ग्रहा	8	1
ইমান (অধিব্যতের দিলে ইমান আনা প্রকৃত পুণ্য)	২-বাকুলা	293	629	বিশ্বাসী (অভিয়াতে নিভিতবিশ্বাসীর জন্য কুরস্কান পর্যনির্দেশিকা,	২৭-নামণ		t
মান (অধিবাতে ঈমান আনে না বারা)	৩৪-সাবা	7	1:83	সুদাংগাদ)	২৭-নামল	۰	ľ
প্রমান আবিস্ততে প্রমান আনার মিখ্যা থোকনা, মনাফিকলের)	২-বাকারা	b	203	विनियस (अभिस्ट्राट्स विनियदा भूनिसार स्थेनन्द्रक विराद्यार द्वकिन्न)	8-99t	98	t
ব্যাদ (অধিয়তে ইমান আনলে মতবিত্তাথের কেন্দ্রে করণীর)	8-निमा	45	268	বেধবর (অবিরাত সম্পর্কে বেধবর, অধিকাপে মানুহ)	CO-201	9	t
দিয়ান (ইপ্লিনি, নাসারা ও সাংগৌদের আধিরতে ঈমান প্রসঙ্গে)	३-रा <u>ज</u> ावा	63	200	তর (আবিরাতকে তর করে অনুগত ও রাতে নিজনাকারী)	৩৯-বৃষ্ণার	b	t
ন্দান (বছল, শানায়া ও সংক্ষোদের আবর্য়তে কমান এবলে) উব্কেপ্ত (সংকর্মশীল মুম্রাকীলের আধিয়াতের আবাস উব্কেপ্ত)		90		তর (অধিরতের তর করে না অপরাধীরা)	५८-इमाइहित	00	t
	১৬-নাত্ৰ		902	হর্মানবান (অভিয়াতে মর্মানবান, উলা ইবনে মার্টরাম)	৩-আলে ইমরান	80	t
ইবম (মুবাৰীদের কল আধিরাত ইবম, জিহাদ গ্রানঙ্গ)	8-निग	99	669	হুৱাকীদের স্থল অধিরাত (আচাহর নিকট)			ť
ট্রম (জাবিয়াত উত্তম, বুনিয়ার জীবনের তুসনার)	৮৭-আপা	74	7079		৪৩-মুখরুক	00	
দর্ম বিফল হবে যাদের (দুদিয়া ও অধিয়াতে)	৩-অলে ইময়ন	22	€63A	মুদ্দিনের বন্ধু ফেরেপতারা (দূদিরা ও অধিরাতে)	৪১-কুস্সিলাভ	62	Ľ
ল্যাণ (অধিবাহের কল্যাণ প্রার্থনা,)	২-বাকুরে	२०३	444	শাপত (দূৰিয়া ও অধিহাতে শাখত তানের উপর যারা)	২৪-দৃদ	50	¥
		366	649		৩৩-আহ্যাৰ	64	Ľ
गमनक्षेत्र (अनिश्चक स्थमनक्षेत्रे अन्तरप्रपा, मूम्लि वनक्षत्र)	১৭-ইন্ক	7.9	936	শক্তি (অবিয়াকে কাকিয়নেয়কে কঠিন শক্তি নিবেন আল্লাহ)	৩-আলে ইমরান	6.0	Ŀ
প্রিয়ের(অধিরতে অধিশ্বাসীরাই অধিরতে সর্বাধিত করিয়ার)	২৭-মমল	¢	9000	শান্তি (অধিয়তে শান্তি দান করবেন অল্লাহ কাকির ও)	৯-ভাওৰা	98	Ŀ
ধবিয়ার (আবিরাকে অবিশ্বাসীরা সবচেরে বেশি ক্ষরিয়ার)	<b>27</b> -ईस	44	669	শান্তি (বঠিদ শান্তি বহেছে আখিবাকে)	৫৭-হানীন	40	Ŀ
পরিয়ের (অধিরতে ক্ষরিয়ের করেই বরা ইমন অনতে অগীকর)	৫-মারিদা	ę	dh?	শারি (দুলিরা ও অধিয়তে মহাপারি, অভিযোগ অন্তোপন্দরীদের)	२८-मृब	78	Г
সমিয়ার (অধিরতে ক্ষরিয়ার হতে, ইনলাম হারা ছিন তালাল করলে)	৩-আলে ইমরান	74	488	শান্তি (দুনিৱা ও আবিৱাতে যন্ত্রণানারক শান্তি তানের ঋন্য)	२8-नुव	25	t
	১৬-নাহৰ	209	934	শান্তি (অধীকারকারী জালিয়ামর অধিবাতের শান্তি করিনতর)	৩৯-বুমার	36	t
দ্বিত্যস্থ আল্লাহর ইবাদত থেকে হ'ব কিবালে দ্বিয়া ও আধিবাতে)।	55.378F	22	923	শারি (অভিযুক্ত অভিকর্তন পঞ্চনদারক শারি, আন অভিযু জন্য)	85-फर्मिकाक	36	ħ
	৩-আলে ইমরান		660	শন্তি, অধিয়তে (আল্লাহর নাম শ্বরণে বাধা দানবারীর)	২-ব্যক্তারা	338	t
নঙরা (অক্সাহ মন আধিরাক)	৮-আনদাল	69	669	শন্তি (অথিৱাতে মহাশন্তি ভানের স্কন্য বাদেরকে)	१-माविमा	83	t
টকা (গুনিয়া ও অধিবাত সম্পূর্কে টিকা)	২-বারুরর	440	636	শান্তি (অধিবাতে মহাশান্তি ভালের জনা ধারা)	হ-মার্থদা	00	ť
হরবাব (পুনিরা ও আবিরাকের ছওরাব আল্লাহর কাছে)	१-पापूरम 8-निमा	708	648	শন্ধি (অখিবাতের শন্ধি কঠিকতম ও চিত্তারী)	২০-জা-ছা	229	
মান (অধিরাত সম্পর্কে জান নির্দেশ হওয়া, কাহিন্দু পুর্বিকরেন)	२ <i>९-स</i> श्चम	900	bod.	শক্তি (অধিবাতের শক্তি কটোর, কফিবনের জন্য)			ł,
জন (আন্ধরত নশহতে জন নাহশের হতার, কাকর,ভুনারকলের) দিন (আন্ধিয়তের দিলে ঈমান আলেনি যারা ভালের নিরুদ্ধে যুদ্ধ)					১৩-রা'দ	-08	
পন (আব্বরতের সেনে সমান অনোন যারা তানের নারছে তুছ)। দীন (আবিরতের নিনে ইমান আলে যারা)	P-81641	579	680		22-ई <del>ब</del>	200	1
	৫-মারিদা	50	évè.	শর্জি (অধিরাকের শক্তি করিনতর)	৬৮-কুলাহ	00	1
ন (অধিরান্তের দিনে ইমান আনে বেদুইননের কেউ কেউ)	9-806st	99	940	শান্তি (কাফিরনের জন্য আধিরাতে আগুনের শান্তি রয়েছে)	৫৯-হাপর	0	Ŀ
পদ (অপিয়তের দিনের প্রতি ঈখান আনার সমান নব)	>-siest	7.9	682	শান্তি (কাফিরনের জন্য আবিবাতে বিরটি শান্তি)	৩-আলে ইমরান	740	Ŀ
ন্ন (অধিরতের দিনের প্রকাশ করে যে বার জন্য উত্তম অসর্শ)	৬০-মুমতাহিনা	0	952	সংকর্মশীলনের অন্তর্ভুক্ত হবে ইংরাহীম (স্বাধিরতে)	১৬-বার্প	244	Ī
নন (আধিরাতের দিনের ব্যাপারে সমান আনলে)	<b>२८-नृष</b>	ર	118	সংবৰ্মশীল(ইবরাইম অধিরতে সংবৰ্মশীলনের জন্তর্ভুক্ত হবে)	২৯-আনকাবৃত	29	ŀ
ল (অবিরাক্তর দিনের উপর উদান এনেছে বারা ভানেরকে)	২-বঙ্গরা	२०२	659	সংবর্মশীল (ইংরাইম অধিবাতে সংকর্মশীলনের অন্তর্ভুক হবে)	২-বাকুরো	300	Ţ,
নিয়ার জীবনের সামগ্রী আবিরাকের কুলনার সামান্য	৯-জভবা	Øb.	588	সাহাত্য (দুনিয়া ও অধিবাতে আল্লাহ সাহাত্য করবেদ দা বলে		30	Г
নিয়ার জীবন কেনা (আছিরাজের বিনিমরে)	২-বাকুরা	P.P.	670	शक्त)	২২-হাজ	26	ŀ
নিয়া ও অধিবাতে ডাঙ্গান্যোগ্য নয় যে ব্যক্তি	8०-मूर्विन	80	595	সাকাং (অধিয়াতের সাকাতকে মিখ্যা বলায় কর্ম বিফল			t
নিয়ার জীবন (অধিয়াতের পরিবর্তে দুনিয়ার জীবনেই কি সম্লয়)	2-8/64I	Gb <sup>2</sup>	<b>588</b>	46ET)	৭-আখাক	284	ľ
নিয়ার জীবন অধিরাতের তুলনার ডোগ্য-সামগ্রী মাত্র	১০-রা'দ	-26	695	সাকাং (অখিরতের সাকাংকে মিখ্যা বলগ, কাকির প্রধানরা)	২০-ম'লিগন	-00	t
বিবাপ (মনুগ দুশিয়কে অপবাদে ও অভিয়াতকে পরিবাদ করে)		52	228	সাক্ষাং (অধিরতের সাকাতকে অধীকার করে হারা)	क०-द्वम	26	t
	২৮-কানাস	09	277		১০-ইউনুস	68	ľ
বন্ধার (আধিরাতের পুরস্কার যে চার আপ্রাহ জাকে দেন)	৩-জালে ইমরান	384	489	সুদ্ধ কথাৰ বিদ্যা আন্তৰ (আল্লাহৰ বন্ধু/বৃধ্য-বৃদ্ধাকানের জন্য) সুদ্ধা কথাৰ বিদ্যা আন্তৰ্গ অধিয়াতে তানেরকে সুদ্ধা রাধা হাব	১০-২৬নুগ ১৪-ইবরাহীম	39	ľ
			440	হুল্য কথা কথন অন্যত্ত আৰম্ভতে অনেরকৈ সুক্র রাখ হবে ছারী অধ্যাস (অভিযাতই ছারী আধাস)			
					80-मुक्रिम -	49	1
র্বিদান (অভ্যাননিত হয়ে হিজাতনারীর অভিযাতের প্রতিদান প্রের্চ)	১৬-নাবৃদ	83	906	স্ক্রম (অধিবাত স্ক্রম ইংব্রহীম, ইরাকুব ও ইসবাক এর চপ)	৩৮-সোহাদ	86	in

শব্দ হাত বিষয়/ধাসল	जुड़ा नर व सम	-	10	শব্দ বিহা/প্রস্থ	ल्यान्य धनाम	4119	
वाशमन						48	Ø0
বেরেশয় (কমিরের তি যায়র মেরেশনার আগমনের প্রতীক্ষা করছে)	১৬-শহল	00	200	ইবলিস আঙ্গ থেকে সৃষ্টি	৩৮-শেরাদ	96	150
व्यानास्य वाचा				ইংবাহীমের জন্য আচনকে শীকল ও শক্তি হওয়ার নির্দেশ(সম্ভাবন)	২১-অধিয়া	69	90
প্ৰক্ৰেকে আগতে বাৰতে নেংল মূলা দুই নারীকে	১৮-কাদাদ	20	670	ইবলিসকে আগুন থেকে সৃষ্টি করেছেন আল্লাই	৭-আ'রাক	25	6
মাগামীকাল		<u> </u>		উত্তপ্ত আছল (হাবিয়া দোকাৎ)	১০১-কৃত্রি'আ	22	20
	৫৯-ব্যশর	75	323	উত্তম আঙলে প্ৰবেশ কৰবে (কিয়ামকের দিন)	৮৮-পাশিরাহ	8	30
জ্বান বা পাহরেছে আদানাকালের লন্, ও প্রত্যেকের তেবে দেবুক জর্জন (আখানীবাল কী অর্জন করবে তামান্তর জানে না)	৩১-লুকমান ৩১-লুকমান	28	bes b	উদ্ধার (আল্লাহ ইবরাহীমকে আঙ্ক থেকে উদ্ধার করেন)	২৯-খানকাবৃত	48	ь:
জ্ঞান (আখামানাল কা অঞ্চল করবে ভাষানুধ জানে না) 'জ্ঞান' বলা নিজেধ যে কোন বিষয়ে…	১৯-ভার্ক	30	936	উন্টে দেয়া (কাফিরনের মুবম্বল আন্তলে উপ্টে দেয়া হবে)	৩৩-আহ্যাৎ	66	ъ
	28-কামার	26	740	অভিন সমীকে তীব আন্তনের মধ্যে দেখতে পাবে জান্নতিয়	৩৭-সাক্ষাত	66	bu
	১২-ইউস্ফ	24	695	কাভিবদের জনো আখনের শান্তি	২-বাকুরের	246	4
	25-60-76	34	970	কাভিবদের জন্য আপ্লাই স্থাপত আগুন প্রস্তুত রেখেছেন	৩৩-আহ্বাৰ	68	8
আতন (আরো দেপুন অগ্নিনিখা/ঠিব্র/ত্বগন্ধ/প্রক্লিত				ব্যক্তিরসের মদ্য জলত আখল প্রস্তুত বাধা ব্যক্তিত,	৪৮-ফাতহ	30	>
আওন/জাহান্নাম শব্দটি)				তাজিরদেরকে আঙ্গের সাম্যান উপস্থিত করা ব্যব	৪৬-আহবাফ	<b>C8</b>	b
অংশ (আঙনের কিছু অংশও নিবারণ করতে পারবে না)	8०-मूर्मिन	89	245	ভাক্তিরান্তরে আন্তনের নামনে উপস্থিত করা হবে মেদিন	৪৬-আহবাক	20	8
অক্তমের পরিণাম স্থপন্ত আঙদ, দেড়ি ও লিকল	৭৬-নাহর	8	266	কাঞ্চির জাহান্তামের আগুনে চিরকাশ থাকবে	৯৮-বার্থানাহ	0	30
অধিবাদী (বীন্ত আখনের অধিবাদী সম্পর্কে দলীকে বিজ্ঞালা প্রসঞ্চ)	২-বাকুৰো	779	670	ক্রিয়ারে অধিবাসকারীর জন্য আঙ্গেই প্রক্রিক্সত স্থান	77-54	29	10
অধিবাসী (পাপী ও পালে পরিবেটিত ব্যক্তি আওনের অধিবাসী)	২-বাকুবো	2.7	609	(बहुत कावस्थानकावात्र सन्द नावनर तावनर व हुन (बहुत रक्षात्र (बाधन स्थात रक्षात अपन कुनवान नावी देखनेराव)	৩-জালে ইমরান		
অধিবাসী (মন্সকর্মশীলরাই আঙলের অধিবাসী হরে)	১০-ইউনুস	29	949	গর্ভ (আঙ্কান পর্যের প্রাক্তি ছিল মুখিনলপ)	৩-খালে ইময়ান		
অধিবাসী (আছনের অধিবাসীদের দিকে দৃষ্টি বিধিয়ো দেয়া হবে)	৭-আ'রাফ	89	629		३-शंकांबा -	200	9
অধিবাদী (আন্তনের অধিবাসী ভারা, যারা আয়াতকে মিগা)	৭-আ'রাফ	99	636	যুৰ্ণিকড়ের আগনে বাগান ভশীভূত ব্ওয়ার উপযা	২-বাকুবা ১৮-বাকিবাক	999	20
অধিবাসী (আঙনের অধিবাসী ভারা, যারা কাছিব অবস্থায়)	২-বাকুরো	239	658	ক্ষহান্ত্ৰদের আগুনে থাকবে (আহলে কিফাবের কাফির/মুশরিক)			
অধিবাসী (আগুনের অধিবাসী হবে কাবিল)	৫-মারিনা	28	278	জাহল্লামের আগুনে পরিত হওয়া ঘর	৯-জাওবা	209	
অভিবাসী (আছনের অধিয়াসী তারা যার প্রতিশালককে অধিয়াস)	১৩-বাদ	0	699	জাহান্ত্রামের আগুনের দিকে ধারা দিয়ে দিয়ে যাওয়া হবে	৫২-ভূর	20	×
অধিবাসী (আঞ্চলর অধিবাসী হবে কাফিররা)	৩-আলে ইমরান	336	289	জাহস্রামের আঙলের প্রতিশ্রুতি দিরেছেন আল্লাহ মুন্দফিক	৯-অধ্য	90	9
	१-वा'शक	88	659	স্বাহান্ত্রামের আছনে স্বর্গ-রৌপ্য উত্তপ্ত করে দাগ দেরা হবে	৯-ডাধৰা	00	0
विश्वनी (वाहारक क्रिया विश्वरूपकर्ती क्रियन व्यक्तन्त वरिवर्गी)		30	369	লাহান্নামের আঙন (অক্তরের শান্তি)	৩৫-ফাভির	95	b
অভিনাসী আয়াতে । বিশ্বা অভিত্যকারী কাবিদ অভনে অভিনাসী।	২-বাকারা	200	dod	স্বাহান্নামের বাহন কমিক উরঙ	৯-তাধবা	2.2	6
कारतम् (कारायः । यद्ये जावरण्यस्य जारतः जारतः जारतः । क्रिकृति (कारायः वर्तं काराः (इत्याति वर्षः जावरमः जित्यति ।		47	980	স্বাহান্নায়ের আঙ্কন (আল্লাহ ও রাসূল স. কে অমান্য করলে)	૧૨-જિન્	20	8
অংকার (আয়ত দাব করত চেত্রকারর করে আকলে আনানা) অধিবাসী (কাভিত্ররা আশুনের অধিবাসী)	80-मामिन	6	1/9hr	ক্ষাহ্রামের আবন (অস্তাহ ও রাসুল স. এর বিসন্ধান্যনের পরিপতি)	৯-তাওবা	60	6
বাধৰান (কাক্ষরা আছনের বাধবান) বাধবানী (কাক্ষরা আছনের বাধবানী)	৯০-ব্যব্য ২-বাকারা	209	000	साशियागत सना (शक्षफ (स्टान(इन प्यातार)	20-কার্ড <b>ক</b>	43	1
বাগৰানা (কাকবল্ল আডনের আববানা) বাধিবাসী (কুচবীকারীরা উত্তি আডনের অদিবাসী)	०-माविमा -	hrin.	600	জিন সৃষ্টি(জিনকে অস্তাহ দোৱাই)ন অখন দেকে সৃষ্টি করেছেন)	৫৫-বাহুমান	34	3
কাধবসা (কুচবাকবারা ভার আছনের আববানা) অধিবাসী (অকভন্স কাহিব মূদবিকরা আছনের অধিবাসী)	৩৯-বৃদার ৩৯-বৃদার	by.	293	জিল সৃষ্টি করেছেল আপ্রাহ ঝপুসে দেয়া আগুল থেকে	১৫-বিজব	29	16
	৩৯-বুমার ৩৮-সোরাদ	68	brish	জিলে প্রতি আল/অর্নিশিব প্রেরণ/সীমা অভিন্রমের ইক্স করেল)	<b>११०-शहसाम</b>	90	1
অধিবাসী (আন্তনের অধিবাসীদের বাদানুবাদ সভ্য)	৫৯-বাশ্য	20	254	স্কুপর স্বাহনের অধিবাসী হওয়ার জন্য শর্মান্তন ভাকে	००-मार्कित	0	1
অধিবাসী (আহনের অধিবাসী ও জান্নাকের অধিবাসী সমাদ ন্যা)	৫৯-২)শন ৭-আ'রাফ		657	স্কুলক আন্তনের শান্তির দিকে শরতান ভাকলেও মুশবিক	৩১-প্ৰমান	52	1
অন্তরণী (আচনের অধিনশীর ভেকে করে জারাতের অধিনশীলেকে)		20		স্কুলনে (আগুলে স্কুলবে সীমালক্ষনকারীরা)	৩৮-সোরাদ	23	T.
অধিবাদী (মুনাফিকরা আঞ্চনের অধিবাসী)	৫৮-মুম্বানাশা	24	268	স্থাপানে (আঙন স্থাপানের পর কেন্ডে নেয়া, ফুনফিকের উপমা)	২-বাকার	39	10
অধিবাদী (সীমালজনকারীরা আঙ্গের অধিবাসী)	৪০-যুমিদ	80	447	স্থালালো (আন্তন স্থালালোর বিষয় তেবে লেখা)	৫৬-ওয়াবিবাহ	35	15
অগরাধীরা আঙ্গ সেবতে গাবে (কিরামতের দিন)	১৮-কাব্য	60	15%	থলনে নেবে (আন্তন কলনে নেবে আহারানিদের মুখনকা)	२०-मू मिन्न	208	1
অবক্তম আঞ্জন পৰিবেটিত হবে (আয়াত অধীকারকারীয়া)	১০-খাশাৰ	50	2050	ভালে (আন্তর্নের নিকে ভালত কির'আন্তর্ন ও তার বাহিনী)	২৮-কাসাস	83	1
অস্বীকার (জাগুরামীকে বলা, এ আঙনকেই অস্বীকার করতে।)	৫২-তুর	38	252	ভাকা (মুদারকরা আধনের নিকে ভাকে)	३-वाकावा	292	
অধিয়তে অঙল ছড়া বিষ্ণু লেই (দুনিয়া কামনাকারীদের জন্ড)	27-fei	29	669	ভাকা (মুশারকরা আধনের লেকে ভাকে) ভালনেশে ভৌর আধনের ভদলেশে যাস্তম বন্ধ উৎপদ্ধ হয়)	৩৭-সাফফাত	98	+
আছলু করবে অপরাবীদের মুখনকা (কিরামতে)	১৪-ইবরাহীন	20	694	नम् (आक्रम मह कहा रहर विकासक स्थित व्यक्तिस्थानीराज्यः)	80-मूमिन	93	1;
আঞ্জাদন আওনের (আল্লাহ স্বাস্কা অন্যের ইবাদত করলে)	৩৯-যুদার	39	29.4		৪০-খু Iৰণ ৬-আন'আম	39	10
আবাসহুল (আঞ্চন কাকিবলের আবাসহুল)	৪৭-সুহামান	24	970	দান্ত করালে (কফিয়কে আছনের সামনে দান্ত করালে বল কাবে)	৬-আনু আন ৯২-লাইল		1
বাবাসমূল (বাব্যস্নামই শরতানের অনুসারীদের আবাসমূল)	৬-আন্'আম	252	609	দুর্বাগর প্রবেশ (নেম পুর্বাগ্য ধান্ধ কেউ আচনে প্রবেশ করেন না)		34	
আবাস (আঙ্গ আল্লাহর শত্তনের আবাসস্থল )	৪১-কুন্দিলাভ	28	৮৮৭	দুর্ভাগারা আগুনে থাকবে (আবিরাতে)	১১-বুন	208	
গাবাসমূল হবে আগুল (কথির ও মুনাফিকদের)	৫৭-হানীন	24	188	দুর্ভোগ (কাফিরনের জন্য)	ও৮-সোরাদ	૨૧	ŧ
অপ্রস্তুল (মৃতি পুঞ্জারীদের অপ্রস্তুল হবে আপুন)	২≽-আনকাবৃত	42	9.70.	দূরে প্রাথা (আগুল থেকে দূরে রাখা হবে বাকে লে সফল, নিবাসতে)	৩-আলে ইমরান		
অপ্রয়ন্ত্র (পালামেরীর আপ্রয়ন্ত্র হবে আওন)	৩২-সাজুনা	20	5000	দেবা (আন্তন দেবতে পেল মূদা ভূর পর্বতের পাশে)	২৮-ক্ষোল	43	1
আলয়ভাল আন্তন (আল্লাহর নিদর্শন সম্পর্কে লেখনর ব্যক্তির)	১০-ইউনুস	4	628	দেখা (আঙন দেখল মূলা)	২৮-কাদাদ	18	T
অপ্রহল (অঙন অপ্রহণ কফিবদের)	५8-मृद	29	950	লের (মূসা কর্তৃত আন্তন দেবা, তুর পাহাড়ে আল্লাহকে দর্শন প্রদাস)	২০-জ-য	20	
অপ্রাহণ (আচনই হবে কাকিবদের আগ্রহণ)	80-माधिता	108	rod	ধন্য -বারা আওলের মধ্যে আছে (মূদা কর্তৃক আল্লাহকে দর্শন প্রসঙ্গ		7	T:
অপুনত্তৰ (আঙল কাধিবদের আপুনত্তৰ)	৩-আলে ইমরান	267	000	ধাতুকে আন্তনে উত্তর করার দৃষ্টার (সত্য মিখ্যার কলি গ্রাপদ)	১৩-রা'ন	24	T
অপ্রয়ল (আধন তালের আপ্রয়ল, বারা শিবক করে)	व-प्रशिना	93	000	হৈবলীল (আডনের ব্যাপারে কত হৈবলীল বারা)	২-বাকুয়ো	392	T
আমান (আঙ্কলের দিতে ডাকছে ব্ল'বিনকে তার সম্প্রনার)	8०-मुभिन	85	24.7	নিয়ে যাওয়া (আওনের নিকে ব্রেডের নেয়া হবে অগরাধীনের)	৫৪-কামার	82	T
আহান (আছনের নৈতে ভাবতে বু (বন্ধক তার ন'বানায়) ইছন (আছনের ইছন হবে কাফিবরা, কিরামতের দিন)	৩-আলে ইমধ্য		000	নিকেপ(বামহাতে আমলনামাপ্রাক্তকে তীব্র আগুলে নিকেপ)	৩৯-হাকাহ	102	1
रेकन (आदाताराज जोकतार देकन साहर स नावर)	৬৬-ভাহনীম	6	200	নিকেশ্ব মধ্যক্ষকারীকে ভিয়ামতে অধ্যকুষী করে আধনে নিকেশ)	২৭-নামল	ho	1
				নিভিন্ন (আচনে নিভিন্ন হলে যাত্ৰা ভাৱাই উত্তম নতি যাত্ৰা নিয়াপদ)		80	+

तलन	আখাত

আ

भूप विषाः/विशेष	न्वा नर व नाम	No.	dat	<b>अप</b> विशा/शम <b>ः</b> 9			-
আন্তন (পূর্ব পৃষ্ঠা লেভে)				শন্তি(অপ্তাহ সম্পর্কে বিভর্কনেরির জন্য প্রস্কৃতিত অভনের শন্তি)	২২-হাল্ড	9	92%
নির্বপিত আছদের মত কবস্থা হওয়ার পূর্ব পর্যন্ত জালিমদের আর্তনাদ	२५-प्रास्था	75	167	শান্তি হওরা(ইবরাহীমের জন্য আচনকে শান্তি হওরার নির্দেশ)		66	328
নিক্ষেপ (ইবরাধীমকে জীব আঙনে নিক্ষেপের পরিকল্পনা)	৩৭-সাক্কাত	31	66%	শান্তি (অনুসূত্রদেরকে আগনে বিশ্বণ শান্তি দেয়ার প্রার্থনা)	৩৮-সোলান	92	bes
পর্যনির্দেশন (আধনের নিবট মূদার পর্যনির্দেশনা পাওয়ার আশা)	20-B1-81	30	382	শর্জি(শরকাশ তার নয়ুলেরকে আগুনের শান্তির দিকে পরিচালিত করে)	22-27%	8	9,00
পরিশাম আগুন (বনু নার্বীর ও মুনাফিকদের)	69-1043	23	254	শান্তি (শয়তান স্থাপন্ত আছনের শান্তির দিতে ভাবলেও মুশরিক)	৩১-গুক্মান	43	3.53
পরিশাম (কামিবনের পরিপাম আঙল)	20-81'H	02	565	শান্তি (মুঞ্জনীদের আল্লাহ জীব্র আঙন থেকে রক্ষা করবেন)	৫২-ভূব	37	200
গাপাচারীকে আগুনের শাস্তি আস্থানৰ করতে বলা হবে	৩২-সাজ্পা	40	7-07	শীতদ হওর(ইবরাইমের জন্য আন্ধন্যকে শীক্তন হওরার নির্দেশ)	২১-আধিকা	60	9.08
পাপতারীক আপ্রবহুল হবে আত্তন	৩২-সাঞ্গা	30	P-07	সংবাদ(কাফিরদের জন্য, আয়াত পাঠকারীকে আক্রমণ প্রসঙ্গ)	22-2749	92	268
পাপের কারণে নূহ সম্প্রদারকে আওলে প্রবেশ করানো হল	<b>९</b> ১-मृद्	30	344	স্বর্জ বন্য (আল্লাহ দেলিয়ান আঙন দম্পর্কে সতর্ক বয়েন)	৯২-লাইল	28	3040
পেটে আখন ভর্তি করে- যারা কিভাবের বিনিময়ে	২-ৰাকুারা	348	679	সবুল গাহ থেকে আধন তৈরী করেন অন্তাহ,	৩৬-ইয়াসীন	ρo	706
পেটে আধন তরার মত (ইয়াতিমের সম্পদ স্থূপুম করে বাওয়া)	৪-নিদা	30	664	সমবেত (আধ্বনের নিকট সমবেত করা হবে আল্লাহর প্রান্থেক্ত)	৪১-ফুস্সিলাক	29	779
শোশাক(বাহিত্র ও আল্লাহ সম্পর্কে বিতর্ককারীর কল্য আহনের পোশাও)	২২-জ্জ	38	980	ছায়ী (আগুনে ছারী হবে যারা কুক্তরির সাক্ষ্য লের)	৯-ভাওৰা	29	685
গ্রহ্মনিত আঙ্ন (হতামা হলো প্রকৃষিত আঙ্গ)	≥o8-इमारा	6	2000	ছায়ী (সুদের পুনরাবৃতকারীরা জাবাল্লামে ছার্মী হবে)	২-বাকারা	392	000
প্রবেশ (নৃহ ও লুজের স্থীদের আঞ্চলে প্রবেশ প্রসঙ্গ)	৬৬-ভাৰৱীম	20	496	স্পর্ণ (ইহুনীরা বলে,আগুন আনের বয়েক দিন গ্রাড়া স্পর্ণ করকেন)	২-বাকুারা	УО	@ob
গ্রবেশ (পালের কারলে নুর সমস্রনায়কে আরলে প্ররেশ করালে হল)	৭১-বৃহ	20	954	স্পর্শ করবে না আঙ্কন, বিভাবপ্রাপ্তদেরকে (করেকদিন ছাড়া)	৩-আলে ইমরান	48	0.00
গ্রবেশ (উপদেশ বর্জনকারী আঙনে প্রবেশ করবে)	৮৭-আ'লা	34	2025	শ্পর্শ (আছম শ্পর্শ করবে, জানিমদের প্রতি কুঁকে পড়লে)	22-2H	220	698
প্রবেশ করতে (বিশ্ব'মাউল তার সম্প্রদায়কে মাধ্যুত প্রবেশ করতে)	33-89	bb	698	স্পর্গ (আঙ্ক স্পর্গ না করলেও আলো নানের উপক্রম হয়)	२.8-मूच	00	999
প্রবেশ (বিদ্ধু মানুচার আতলে প্রবেশ, কুরাঝন ধারা সভাবিদরের প্রচার		9	pay	হতামা হলো রঞ্জলিত আঙ্ন	২০৪-হুমাধা	0	3000
প্রবেশ (চরম দুর্বাগা ছাড়া কেউ আওলে প্রবেশ করবে মা)	৯২-লাইল		2050	আঙ্ন ক্লানে।/প্ৰজ্বন			
প্ৰবেশ (আছনে প্ৰবেশ কৰাকেৰ যাকে প্ৰতিপাশক, ভাকে)	৩-আপে ইমরান	225	248	সবুজ বৃক্ষ থেকে আন্তন প্রজ্বলন করে মানুষ, যা আল্লাহর তৈনী	৩৬-ইয়াসীন	yo.	500
প্ৰবেশ (আহনে প্ৰবেশ কৰাত কৰা হলে, ছিল-মানুকেৰ দলেৰ মাজে)	৭-আ রাজ	95	526	হামানকে আহন জ্বালাকে বলল ফির'আইন	২৮-কাসাস	ob.	9.22
প্রবেশ (আরু লাহাব পেলিহান আহনে প্রবেশ করবে)	<u> </u>	0	2000	আঙ্ক পোহানো	100		
প্রবেশ (আরতে অবিশ্বাসীনের স্থাপন্ত আন্তনে প্রবেশ করালে হবে)		60	268	কুলম কঠ দিয়ে অসবে (অঙ্গ পেহালের জন্য)	২৮-কামান	436	30
्राजना व्यक्ता वात्रमा म् । यह व्यक्ता व्यक्ति व्यक्ता शहर व्यक्ति हार		38	996	মুনার পরিবালে অকল পেবালে (কুন পর্বতে অস্তাহকে দর্শন প্রদাস)	३९-मामल	9	600
প্রভাবর্তনস্থল আতন (মুশরিকদের)	<u> </u>	90	656	আঙ্গের অধিবাসী	X 1-11-11	-	000
প্রহরী (আওলের প্রহরী বাশিরেছেন আপ্রায় ফেরেকডালেরকে)	१८-युक्तावृद्धित	97	297	সমান নর আহনের অধিবাসী ও জাল্লাকের অধিবাসী	৫৯-ছাপর	20	303
প্ৰস্তুত্ব ( অনুষ্ঠানৰ জনা শিক্ষা, ৰেড্ৰি ও আছন প্ৰস্তুত -অধিবাতে)	१७-वादव	8	226	व्यक्तात कृति	691618	40	941
প্রবেশ (স্থুনুমবশত সম্পন গ্রাস/হত্যার জন্য আহনের শান্তি)	8-निम	100	465	ভূরাবাতে আঙলের ফুলবি থরালো ঘোরুর কম্ম	১০০-'অদিবাত		3050
প্রতিকল (আল্লাহর শত্রুলের প্রতিকল ভাঙল)	৪১-ফুস্সিপাত	₹1/	999	আগে (আরো দেখুন অর্থে থাকা/সামনে শব্দটি)	200- WINNE	4	1000
ক্রিয়মাউন বংশকে মাঙলের সামনে উপস্থিত করা হয়	৪০-মুখিন	88	P94	সংবাদ (মানুহা বা আলো পরিয়েছে তার সংবাদ (মানুহা দেয়া হরে)			
বাচালে (মুখিন নিজতে/পতিবাহতে আচন সেকে বাচালের নিচৰিন)	৬৬-ভার্থীয	9	200	সংবাদ (নানুধ বা জনে শান্তরেরে জন দেবল নার হতে নেরা হবে) আগে পার্রানো (জারো দেবুল অগ্রিয়/অগ্রা পার্রানো সম্বাটি)	৭৫-কিয়ামাহ	70	220
বিপথগার্মীদের জন্য আঙ্কাকে প্রকাশ করা হবে (আছিরাতে)	২৬-৩'আরা	22	335	জানৰ প্ৰত্যেকই কী সে অংশ পাঠিয়েছে (কিয়ায়তে)		_	
বিবার করা (কমিনের মুখ্যালের স্থেকে আচলকে নিরত করতে পার্যুর না)	२३-व्यक्तिम	ob.	322	লিখে বাবেন আস্তাহ, মানুকে আগে পাঠানো কলে	৮২-ইনফিডার	0	2020
বিকর্ক (আঙ্লের মধ্যে দুর্বল ও নাঞ্জিকদের বিতর্ক)	৪০-মুখিন	83	200	অপ্রতী	৩৬-ইয়াসীন	25	962
বের হতে চাবে কাজিররা আঙ্ক থেকে	०-वाशिव	93	202				
বের হওয়া (আচন থেকে বের হতে পারনে না, সমকক ছিলেনীরা)	২-বাকুবরা	369	672	জীবনের প্রতি ইছদীরাই সবচেয়ে বেশি ওপ্রার্থী	২-বাকুরো	99	677
তর (আঙলকে ভব্ন করার নির্দেশ, যা কাঞ্চিবলের জন্য প্রস্তুত)	৩-আলে ইমরান		287	বিয়ে কবতে অগ্রহী হওয়া (ইয়াতিম নারী প্রসঙ্গ)	8-मिश	256	440
মিয়ারেশবারীর জন্ম আচন (অল্লাহ্য প্রতি মুশ্চিম্বর নিগারেশ প্রসাস	১৯-বার্দ	62	909	রামূল স, আগ্রহী হলেও (অধিকাংশ মানুগ মুমিন দত্ত)	১২-ইউপুঞ	300	69/6
মুশরিক জাহাল্লামের আগুলে চিরুঝাল থাকার	১৮-বাছিলাছ		2052	গমতা রক্ষার আপরে আমহী হলেও তা সম্ভব দায় (জীচনর মধ্যে)	8-मिश	259	290
মুদার আচন দেখা (তুর পর্বতে আপ্রাহ্তে নর্থন প্রদাস)	३९-मामन	9	700	হারাম থাওরা (অশ্রহী না হরে বরং বাধ্য হরে হারাম বাওরা)	৬-আন্'অম	284	930
মূল আছনের নিবট আনলে ভাবে ভেবে করা হল( তুর পাহাতে)	२०-क्रा-स	22	485	হারাম থাওরা অগ্রাহী ও দীমালকদকারী লা হলে পাপ নেই	२-वाक्सवा	260	679
মুনা কর্তৃক আহম আমা (আহাহকে কর্মন প্রদর্গ)	40-31-8	30	183	আঘাত			
মুছের বাঙ্শ বরণর স্থানিরেছে ইছুদীরা, অল্লাহ ভা	२०-२१-६ १-मासिमा	98	462	অকল্যন রানূল ল, কে আঘাত করলে মুনাফিক/কাভিরর বলে	৯-তাওবা	60	686
হলা (মুবার্কিনের অল্পান উরি আবল থেকে রক্ষা করবেন)				অবস্থানের আঘাত হলে মূল/ভার নদীনেরকে কুলকণ মনে করা	৭-আ'রাফ	707	હર્8
রক্ষা (বে আগুলর মধ্যে আছে ভারে রক্ষার (কট লেই)	৫২-জুর	24.	9/00	অকল্যাণ মুমিলদেরকে আঘাত করলে কাঞ্চিররা উৎফুল্ল হয়	০-আলে ইমরান	140	683
	৩৯-যুমার	29	592	অবলাগে আঘাত করলে ভাকে "রানুল স, এর পাফ খেতে" বলা প্রসঙ্গ	৪-দিদ্য	የን	499
দেশিহন আঞ্চল প্রবেশ করবে (আরু লাহার)	<b>১১১-লাহা</b> ব		3006	অবল্যাণ আঘাত করলে নিরাশ হর মানুয	৩০-রম	06	b-48
সৌহ খবকে আখনে উত্তর্ভ করা (ফুলকারনাইন প্রসঙ্গ)	১৮-কাহ্ক	Þò	902	অকল্যাণ আঘাত ব্যরে নিজের পঞ্চ থেকেই (মথী প্রসঙ্গ)	৪-পিসা	23	269
শব্দি (পাপাচারীকে আহসের শব্দি আখাদন করতে করা হবে)	७२-मासृगा	२०	204	জান সম্প্রদারের জাধাক হানা (শেক্ষাচারীর মত)	২৬-চ'আৰা	500	128
শান্ত (আঙনে শান্তি দেয়া হবে যেদিব, কফিবসেবলৈ)	৫১-ব্যবিদ্যান্ত	20	256		৯-ডাধৰ	44	684
শন্তি (মাছতান বিচন শন্তি প্রার্কণ করনে পরবর্তীয়ে পূর্ববর্তীভার)	৭-আ'রাজ	©b'	655	ইপাহনেরকে আখাত করপ ইগরাহীম	৩৭-সাঞ্জান্ত	20	6-63
শান্তি (আঙলের শান্তি বচেছে, কফিরলের কল্ড)	৮-আৰক্ষণ	28	900	কাঞ্চিবনের প্রত্যেক জেঞ্চায় আখাত করা (বদরসুদ্ধে)	৮-আনকাল	25	600
শন্তি (নামনের শন্তি থেকে রকার জন্য প্রার্থনা)	৩-আলে ইমবান	797	208		>-বাংক	20	685
শান্তি (আঙলের শান্তি থেকে রক্ষার জন্য প্রার্থনা, সুরাবীদের)	৩-আলে ইমরান	26	203	কফিবদের কান্ধের মন্দথল তানেরকে আঘাত করেছিল(পঞ্জি প্রসঙ্গ)	১৬-শাহল	48	900
শান্তি (আঙনের শান্তি আখাদন করতে বলবেন আল্লাই)	৩৪-সাবা		ν88	যাড়ে (যুদ্ধের সময় কাকিবদের আখাত করার দির্দেশ)	৪৭-মুহাম্মদ	8	255
শন্তি (আছনের শন্তি কথানোর জন্য প্রর্থনা করার অনুরোধ)	৪০-মু'মিল	85	393	যাড়ের উপর (কাফিরদের যাড়ের উপর আয়াত করা, করযুদ্ধে)	৮-খানকাল	3-2	600
শাস্তি (আঙদের শান্তি রয়েছে কিয়ামতে কাছিবদের জন্য)	৫৯-ছাপর	0	200	ধূর্ণিকড়ের আখাতে বাগান তামীকৃত হওয়ার উপসা	২-বাকুবো	266	403
শান্তি (আহমের শান্তি থেকে রক্ষা করার জন্য প্রার্থনা)	২-বাকুারা	203	222	চেহারায় আখাত করে ফেবেশজরে, কফিবদের মৃত্যু ঘটালের সময়	৮-জালফাল	20	809

The state of the		
আমান কৰি কৰেল।	माम व्यक्त न	
14 कर विकास कर	1 2	2 200
মিনৰ পাৰ্বাহন কৰ্মিক প্ৰতিনাধান প্ৰতিনাধান কৰি কৰ্মান কৰে কৰি প্ৰতিনাধান কৰি		
মনৰ বাহিন্দ বাহান কৰাৰ (ব্ৰহ্মাণ কৰিব কৰা শিক্ষা)  - কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰা	म २७	
हित वहित्य स्थाप स्थाप कर कार कर (व्यवहार के कि प्राचित )	म 80	80 39
নামের কর্মান	तिस्र 88	88 hb
পাৰতে কামান (বাহন পৰি পাৰ)  - স্বাধান পৰি ক্ষাৰ পৰি ক		
নিক সমান কৰা বুলিবাৰে বিৰু বৃদ্ধা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰ	হীম ৫০	80 99
स्त्र निर्देश कर करण ने महार पार्क के क्षा कर करण करण		
	80	
্ৰহণৰ বাবেল বাবেল (প্ৰত্নী প্ৰত্নিকাৰ স্থান)  - ক্ষিত্ৰী কৰি	শ ৩২	
মন্ত্ৰীত বা ব্যৱহাৰ সময়ৰ কৰাই লৈ পুৰুষ্ঠান কৰাই কৰাই কৰাই কৰাই কৰাই কৰাই কৰাই কৰাই		
্ৰিক্তিন্ত্ৰ কাৰণ কৰিব নামান কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব		
ভিতৰত পৰি কাৰণ কৰি পৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি ক		
Compared and performance of respect 26   1.5 mg and 1	দৰ্ভ ৫৫	22 45
ভাৰত বা বিজ্ঞান কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰা		L
स्व वहार वार का क्या कर प्रश्न हों कर कि का क्या कर का का क्या कर का का क्या कर का क्	36	
ত্ৰ কৰাৰ কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা ক	2/8	26 69
মানুহ কৰি বাবাৰ বাবাৰ প্ৰস্নাহতৰ কাৰ্যন্ত ( ১৯০৮ বছৰ ১৯০৮ কৰে কৰি বাবাৰ বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰে বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰে বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰে বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰে বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰে বাবাৰ কৰে বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰে বাবাৰ কৰি বাবাৰ কৰে বা	87	82 69
ানি বা		
ত্ৰ স্বাহাৰ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি	श २१	29 60
ানীয় কথাৰ বিশ্ব (বাছাৰ আৰু চাছ পৰিছে । এই এই এই এই প্ৰত্যালয় কৰা কৰা কৰিব (বাছাৰ কৰা কৰিব)))) ১০-কছৰ ১০ কৰা কৰিব (বাছাৰ কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰিব (বাছাৰ কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰিব (বাছাৰ কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা ক	. 4	6 20
ি স্বাহাৰ বাহাৰ কৰে আহ্বাৰ প্ৰথম (প্ৰথম কৰে প্ৰথম)  - ক্ষুত্ৰ কৰি কৰি কৰি কৰে কৰে কৰি	0	0 66
ঠিক কৰাৰ কৰা নিৰ্ভিপ ব্যৱহাৰ কৰা প্ৰচল্প নিৰ্ভাগ বিশ্ব কৰা কৰা নিৰ্ভাগ বৃদ্ধি কৰা নিৰ্ভাগ কৰা নিৰ্ভাগ বৃদ	न २१	29 60
ত্ৰেন্দ্ৰভাগৰ কৰাৰ কৰাৰ বাবে (জন পৰ্যাপ্তৰ) ১৯-বিজৰ ১৮ ১৮ বিজ্ঞান বাবে (জন প্ৰত্নাৰ) কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ ক	7 3	2 20-
তিবালাটোৰ সম্পান কৰা বিশ্ব পৰ (cost cores) ১ বিশ্ব প্ৰ । ১০- বিশ্ব বিশ্ব পৰ বিশ্ব পৰ (cost cores) ১ বিশ্ব পৰ । ১০- বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব পৰ । ১০- বিশ্ব	8	8 30-
ভাৰতিৰ পৰি সামা কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব	2	5 P.
ত্ৰিক প্ৰকৃতি কৰি কৰে কৰে।  ***********************************	F Q8	Q8 63
पहुर कर पहुंचा है कि प्रीत प्रभाद सहाह, किया कराय । 50-महर्ष के 10-10 किया कर का का प्रभाद कर का किया कर का	266	146 60
তথাৰ বুজৰ বুজিৰ বুজিৰ বাহন্দে আৰু ৯. চনাৰু বুজৰ ১ ১৮ চনাৰ বুজৰ ১	) AP	AP 47
চনাৰ বেংশ সাহাৰ বেহিয়া), কাশ্যানাম্ভিত  ১০-কাশ্যে  ১৮ ১০০  ১৮ ১৯০  ১৮ ১৯০  ১৮ ১৯০  ১৯০ ১৯০  ১৯০ ১৯০  ১৯০ ১৯০  ১৯০ ১৯০  ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০		
िक के प्रकार प्रकार (व्योग), онrormalization — 10 20 20 20 20 20 20 20	1 29	29 90
তিবলৈ বিষয়ে বা বাবাহ নিৰ্ভিন নি ভাইৰ নি ভাই	96	bo 90
বাহন প্ৰভাৱনে বাহন বাহনে প্ৰতিপ্ৰচাৰ । ১৯-হ'ল ১ ১৮৮ ।  ১৮-হ'ল ১০ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮	1 49	29 90
বাহন প্ৰভাৱনে বাহন বাহনে প্ৰতিপ্ৰচাৰ । ১৯-হ'ল ১ ১৮৮ ।  ১৮-হ'ল ১০ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮	वाड २७	২৬ ৮৫
বাৰণ বিষ্ণুল পোন পুৰি পাৰতে পাৰু পুৰি যা প্ৰত্যা (১৮ ২-শুলা ১৯ ৭১) কাৰণ বিষ্ণুল পোন পুৰি পাৰতে পাৰু পুৰি পাৰতে (১৮ ২-শুলা ১৯ ৭১) কাৰণ বিষ্ণুল পুনি বাৰ পাৰ্য্যাল পোন পুনি পাৰতে (১৮ ২-শুলা ১৯ ১৮) কাৰণ বিষ্ণুল পুনি বাৰ পাৰ্য্যাল পোন পুনি কৰিব প্ৰত্যাল ১৯-শুলা ১৯ ১৮১ কাৰণ বিষ্ণুল পুনি বাৰ পাৰ্য্যাল পোন পুনি কৰিব প্ৰত্যাল ১৯-শুলা ১৯ ১৮১ কাৰণ বিষ্ণুল পুনি বাৰ পাৰ্য্যাল পোন পুনি কৰিব প্ৰত্যাল ১৯-শুলা ১৯ ১৮১ ক্ষিত্ৰ পুনি বাৰ্য্যাল পুনি বিষ্ণুল পুনি বাৰ্য্যাল ১৯-শুলা ১৯ ২৮১ ক্ষিত্ৰ পুনি বাৰ্য্যাল পুনি বাৰ্য্যাল পুনি বাৰ্য্যাল ১৯-শুলা ১	F 08	Q8 65
ভাৰত (বাছৰ বাৰ্ত্যৰ কৰে । কৰা	क क	09 23
ত্ৰকাৰ (মাধ্যুম কৰা মাধ্যুম কৰা কৰিছে কৰা এই ১৯ ১৮৫) কৰা কৰিছে কৰা প্ৰত্যা কৰিছে কৰা এই ১৯ ১৮৫ কৰা	WT 02	02 ho
ভাৰত পৰিবাৰণ সন্ধাৰ্য, বুল্ কুৰ্তিৰে, তাত কৰিবলৈ বাবে প্ৰকৃষ্ট কৰিবলৈ কৰে প্ৰ' তেওঁ কৰে প্ৰকৃষ্ট বা প্ৰকৃষ্ট কৰিবলৈ কৰে প্ৰ' তেওঁ কৰে প্ৰকৃষ্ট কৰিবলৈ কৰে প্ৰকৃষ্ট কৰে কৰে কৰে প্ৰকৃষ্ট কৰিবলৈ কৰে কৰে প্ৰকৃষ্ট কৰে কৰে কৰে কৰে প্ৰকৃষ্ট কৰে	R 36	36 be
भ प्रविकार   2-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1		62 99
पर परिवारण : अपने परिवारण क्रिकेट (प्रति विकास क्रिकेट क्रिके	রম ৭	9 30
ুৰিব পৰ্যান মহাবে সাহায় মহাৰ, ক্ৰিপের কলে ১৯০-মূল ১১ গ্রাক ক্ষান বিশ্ব করিব করা	<u>54</u> 777	
পুৰিব পৰ্বিধ মহাবে সাহায় মহাব, কিন্তুৰ কৰে ১৯০-মূৰ ১১ বিকা সকলে বাছন কোন আৰু নাম কৰিব কৰে সৈতি ১৯০-মূৰ ১৮ বিকা হুকালিয়াৰ কৰা টালাও আহুৱ আহাৰে বাৰ্ষাব্যৱহাৰ । ১৯০-মূৰ ১২ ১০০১ হিন্তিৰ আহুব কেন আহুৱ আহাৰে কোনাহাত । ১৯০-মূৰ ১২ ১০০১ হিন্তিৰ আহুব কেন আহুৱ আহাৰে কোনাহাত । ১৯০-মূৰ ১২ ১০০১ হিন্তিৰ আহুব কেন আহুৱ আহুৱ কৰিব কোন কনাহাত । ১৯০-মূৰ ১৮ বিকা আহুব কিন্তুৰ আহুৱ কৰিব কোনাহাত । ১৯০-মূৰ ১৮ বিকা আহুব কিন্তুৰ আহুৱ কৰিব কোনাহাত । ১৯০-মূৰ ১৯	1 28	28 43
স্থানিক জন উলান ও আছা ক্রায়ে (অধিবানে) ৭৯-নব্দ ৩২ ১০০১ বিবিধ ব্যাহ্রর বেকে মনুব বিধিক গ্রহণ করে, জিনন্দি) ১৯-নব্দ ৩৭ ৭০৮ আছুল	F 10	20 36
পুরাজীগের দ্বান্ ট্রানার ও আব্দুর হারেরে (অধিবারের) ছা-নাবর ৩২ ১০০১ বিবিধ (বাছুর বেকে মানুর বিধিক রহেন ববরে, সিন্দর্গন) ১৯-নার্বন ৩৭ ৭০৮ আব্দুল	22	
বিবিক (আন্তর প্রেকে মানুন বিবিক প্রহণ করে, জিলানি) ১৬-নাব্দ ৬৭ ৭০৮ জালিনরে আজ (ভূনিয়ারে) সুস্পাই পথএইভার বরোছে ১৯-মাবই আছুল	म ১৭	28 20
আমূদ আমূদ কেনের দিন (আরা)মানুকরদের জরী হওরা প্রসঙ্গ	রাম ৩৮	©৮ ৭¢
	8 68	68 98
	শীন থঙ	28 V
বানে আবুল এটি নের মুনাকিক (মুদ্রা তর প্রনার) ২-বার্কার ১৯ ৫০০ ভিরেক্সর নেই (আইনের প্রতি ইউসুফের) ১২-ইউসু		34 86
বানে বাঞ্চল দের সম্প্রদায় (নুহের আহ্বানে) ৭১-নূত্ ৭ ৯৮৪ ট্রানের পূর্বতা দেরা হল আছ (বিদার হচ্ছের দিন) ৫-মরিগা		0 65
আঙ্গলের অমান্তাপ অংশ (ব্যক্তিররা বিসামতে লাংশ আঞ্চান করবে বিসামতে) ২৫-মূবর		38 %
পুনর্থন অনুসং অনুসং অধুসং অধুসং অধুসং করে করে করে করে। ৭৫-ভিয়াম ৪ ১৯০ পুনর হরে বাও (অপরবীদেরক অস্তাহর নির্দেশ, কিয়ামতে) ৩৬-ইরা		
আচৰণ প্ৰয়োধন আৰু বিয়ামতে) তাৰ অৰ্জনৈৰ প্ৰতিধান দেৱা হবে ৪০-মু নি		
আচৰণ অন্ধ ও ব্যাহার আমান না করা (আলভ সমল করিরে দিশে) ২৫-ভূগকান ৭০ ৭৮৭ বাংলে কর জাহান্তামে (কাফিবলেয়াক নির্দেশ বিরামানের দিন) ৩৬-ইরা		
44 0 4750 40 40 11 4 17 17 17 17 17 17 17 17 17 17 17 17 17		
প্রতিপালকের আচনগ (হাতীভারালালের সাথে) ১০৫-জাল ১ ১০০০ প্রতিকল দেরা হবে আন্ধ (ভারামান্তর দল্য) ৪৫-জাল		

विषय/क्षत्रक	नुसन्द व साम	were a	-	नव विवहांत्रम	मुझे मर च मान	-	
	Secure a use	4204	(10)	वादरशी	Security and	2202	0.5
আজ (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)	65-17971	90	242	प्रस्थित में श्वास मानेकारे मुश्यम में, व्यवस्था करार करहा	২৬-৬ অব		95
বছু ধাকৰে না স্বাহান্নামীর(বিচারের দিন/আজ)	৬৯-বাধার ৬৮-বাধান	98	395	কুমন না হততার মানকটে কুহমল না আক্রান্ত। করার জনস্থা… আন্তালোপন	50-0 4(4)	0	1,01
ৰাগানে আৰু কোন মিসকিন বেন কিছুতেই প্ৰবেশ না করে	৬৮-কুলোন ৪৫-কাছিরা			ব্যক্তগোপন ব্যক্ত আন্তল্পনন্ধানী ও দিনে প্রকাশ্যে বিচরগুকারী সমস্ত্র,	১০-রা'দ	30	50
সূলে থকা (আছাকিনামতের দিন অস্তাহ কফিবলের ভূলে থাককেন)	82-सास्त्रा	48	906				
কুদে থাকা(আয়াত তুলে বাওয়ার আল্লাহও আল্লাকিরামতে	২০-ছা-হা	325	185	সম্প্রদার বেকে আত্মখোপন (কন্যা সন্তান জন্মের সংবাদে)	১৬-নার্ল	69	90
कूल गावन)		1	ш	আহুঙোগা বননো		_	
মনুষ বিষয়ী হতে পারবে না আমা কমিবলের উপর (কলবুছ এনাক)	৮-আনফাল	85	606	অপ্তাহ আন্তাহল বনিজ্ঞান আনহাত, যার অপ্তাহত ভুল গেছে	৫৯-হাশর	72	>2
মন্ত্ৰীয়াম আৰু মানুহের লাগে কথা কাবে না (সলার কনু প্রলঙ্গ)	১৯-নাবইরান	-56	405	वाद्यसीमादर्गर			
মুকাৰেলা (আন্ত মুকাৰিলার শক্তি নেই তালুত বাহিনীর)	২-বকুরা	২৪৯	659	কৰীৰেৰ আত্ৰমৰ্থানাৰোধেৰ কাবলে সংহল মনে হওয়া প্ৰদক্ষ	২-বাকুরো	२९७	60
মুহিদশন আৰু (কিয়ামতে) কাছিদলেকে দিয়া হাসি-ইটো কনছে	৮৩-সুমাক্বিকীন		2025	আন্তরকা			
মুবারী বাদাদের ভর/দুচিন্তা নেই আন্ধ (কিয়ামতে)	৪৩-মুখকফ	66	900	অপ্রিলিখা থেকে মানুখ্/জিল আন্তরক্ষা করতে পাহরে না	৫৫-রাহ্মান	00	58
মুমিনসেরে বিরামতে বলা হবে-'আরু রোমানের জন্য নুলবোগ'	৫৭-হাদীদ	25	486	উপাপার কি আছবকা করতে পরেং (অক্সহ বলে কন্য উপাস)	২৬-চ'আরা	20	93
মোহর লাগানো হবে কাফিবদের মূখে (কিরামকের নিন)	৩৬-ইয়াদীন	96	994	ব্যক্তিরে আছেকো কর্মে কিন্তানে (কিয়ামত অধীকরে করলে)	৭০-মুব্বাধিল	23	30
বন্ধাকারী (আন্ধ আল্লাহর নির্দেশ/প্রাবন থেকে রন্ধাকারী নেই)	১১-বুদ	80	669	কারুন আন্তরকা করতে পারেনি	২৮-কাদাদ	42	33
রক্ষা (আন্ন ফিরুআউনের নেহটি নিদর্শনম্বরণ উদ্ধার ধরা হবে)	১০-ইউনুস	245	660	জিন অপ্রিশিবা/খেরার কৃতদী থেকে আরুকো করতে পারবে না	৫৫-রাহ্মান	00	38
পঞ্জি (মৃত্যুর দিন/আজকের শক্তি, অস্তাহ সম্পর্কে অসত্য বলার)	৬-আপু'আম	90	900	খোৱার কুন্তলী খেকে মানুহ/জিন আছুরক্ষা করতে পারবে মা	৫৫-রাত্মান	00	28
প্রকাং (অক্সকে: কিয়ামতের দিনের দাব্দাত বুলো বাওয়া প্রকাশ)	०२-माममा	38	500	মানুৰ অপ্ৰিলিকা(বারার কুচলী খেকে আহরকা করতে পরবে দা	৫৫-রাছ্যান	06	86
হতাশ হয়েছে আৰু যারা ভূকবি করেছে (বীনের ব্যাপারে)	৫-মরিনা	0	@iro	আহাতত্তি (দেখুন পরিতত্ত্ব শব্দটি)			П
হাদাল করা হল আঞ্চ পবিত্র বস্তু (মমিগদের জন্য)	৫-মাম্রিদা	9	42.7	আত্রসমর্পন (আরো দেখন ইসলাম/মুসলিম/সমর্পণ পদটি)			т
আন্তর্মী (আরো দেখুন অনারব শব্দটি)		1	-	আন্ত্রদর্শন (দুর্গতিক বিয়ামতে অস্থ্রাধ্য করে আহ্রদর্মণা করনে)	১৬-নাহল	৮৭	93
কুরমান আক্ষমীর উপর অবস্তীর্ণ করলেও অরবরা বিশ্বাদ করতনা	২১-চ'আর	299	934	অস্তাহর নিবট আত্রসমর্পন (বিশি একমার ইপাছ)	22-27%	68	96
And owner our arrangement of the second	40-1-414	207	100	অস্ত্রাহর নিবট আন্তসমর্পন করেছে আবাশ ও পৃথিবীর সর্বাইছু	৩-আলে ইমরান	bro	₫8
				অল্লাহর কাছে আনুসমর্পন (সংকর্মপরারণ হরে)	s.See	356	09
দিন(আদ সম্প্ৰদাৱেৰ উপর অধিৱাম আট দিন কড় ব্যৱহিশ)	६५-शकर	780	764	আল্লাহর কাছে মুশরিকরা তিরামতে আলুসমর্শণ করবে	১৬-দাহদ	bri	93
ধরন (আল্লাহ আট ধরনের পক সৃষ্টি করেছেন)	৬-অন্'অম		930	ইবলহীয় ও ইসমাইলের আন্তুসমর্পন (আল্লাহর নিকট)	৩৭-সাফ্ফাত	300	50
প্রকার (আল্লাহ মানুদকে আট প্রকার গৃহপাদিত পক নিরেছেন)	৩৯-বুনার	9	247	ইবরাহীয়কে আজুসমর্পাধের নির্দেশ	২-বাকুলা	202	23
দেৱেশবা(বিয়ামতে অটকন ফেরেশতা 'আরশ' বহন করে রাধবে)	७७-शकार	23	৯৭৮	বিজ্ঞানতের দিব আন্তসমর্পন করবে (জালিম ও সহচররা)	৩৭-মাককাত	36	be
বছর (জাট বছর কাঞ্চ করলে এক মেরের সাবে মুনার নিরে)	২৮-কাশাদ	53	9,70	বিভাবপ্রাপ্তর ও নিরক্তরর আন্তুসমর্পন করে থাকলে	৩-আলে ইমরান	20	00
অটকানো				অধিকের (মৃত্যুক্তার অধিক আচুদার্যপন করে মন্দর্ভার অধীকর করে)		97	90
আল্লাহ বা আটকে রাখেদ ভা কেউ মানুহকে দিতে পারেশা	৩৫-ফাতির	2	1999	নবীগণ আন্তদমর্পন করেছিলেন	০-মারিদা	88	05
আক্লাহর দল্লা আটকানোর কেউ দেই (কারো প্রতি)	৩৯-মুমার	40	৮৭৪	নিরক্তরের আন্তদরর্পন (ইসলার) সম্পর্কে জিল্লাসা	৩-আলে ইমরান	30	es
অপ্তাহ অটকে রাখেন মুমঞ্জের প্রদা হরণের পর (মৃজুর লিক্ষার হলে)	৩৯-বুমার	84	748	প্রতিশাধ্যকর নিকট আত্রসমর্শকের জন্য রাস্থ্য স, অদিট	৪০-মু"মিদ	95	bb
দরা (আল্লাহ মানুহকে দরা করলে অটকানোর কেউ নেই)	৩৫-ফাডির	1 3	1/86	প্রতিপাধ্যকর দিকট আন্ত্রসমর্পর করতে আদিই হওয়া	৬-আন'আম	95	90
শব্ধি অটকে রেখেছে কেঃ (শব্ধিদানে বিশব্দ হলে কফিয়না বলে)	১১-বুল	ъ	666	প্রতিশালকের নিকট আন্তম্মর্পন কর শান্তি আসার পর্বে	৩৯-বদার	08	50
দ্বীদেরকে আটকে রাখা নিবেব (ক্ষতিক মান্য)	२-राकृत्वा	502	<b>0</b> २७	शक्ता और बहुदर बनुदर भी बदन यहर शरा बहुनवर्णन बदर	১৯-নার্প	P-7	90
আট ভাগের একভাগ				দুশরিকরা বিরামতে আল্লাহর কাছে আল্লসমর্পন করবে	১৬-থাবল	44	93
দ্রী জাট ডাপের এর ভাগ সম্পদ পাবে (সন্ধান থাকলে)	৪-নিমা	38	664	শক্তিবর জাতির আজসমর্পন না করা পর্যন্ত হয় চালিয়ে যাওয়া		26	27
আট (তুণদলা)		-	-	সাবার মনীর আল্লমমর্পন(জন্মতর প্রতিপালক আল্লাহর নিকট)		88	βo
আখাত (ড্ৰা আটি দিয়ে আখাত করার নিচলি, আইগ্রুমের স্ত্রীতে)	all retend	88	brbbr	আত্মসমর্শনকারী (আরো দেপুন মুসলিম শব্দটি)	X1. na.	-	1
व्यक्ति (के वार भार वार क्या भार वार कार कार	and the same	100	000	আপ্তাহর প্রতি আত্মনর্শনভারী (আহলে কিতার প্রসঙ্গ)	২৯-আগভারত	85	34
		٠	¥23	অস্ত্রাহর প্রতি আহুসমর্পবিকারী/মুসলিম (উপরত মুহাপদী)	২-বাকুবো	709	65
মাটি থেকে মানুখ সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ	৩৭-সাক্জাত	22	124	व्यक्तिक विक्रिया व्यक्तिक विक्रिया विक्रिय विक्रिया विक्रिय विक्रिया विक्रिया विक्रिया विक्रिय विक्रि	৩-আলে ইমরান		
আড়াল			$\perp$	অস্ত্রাহর নিকট অনুসমর্শনকারী বালানের সোরা (ইবরাইমের)		352	28
বানান নি আল্লাহ সম্প্রদায়ের জন্য (সূর্যের বিপরীত)	১৮-কার্ক	90	902	ইয়াকুবের সন্ধানগৰ ইবাহের প্রতি আহুসমর্গবর্ধারী	২-বাকারা ২-বাকারা	240	
মেনের স্বাস্থাল থেকে স্বাস্থাহর স্বাসার স্বপেকা	২-বাকুরো	570	650	क्षेत्रक (देशहरीहरू सन् (सहस्र साहुत्रवर्णनावी क्षेत्रक)	২-বাকারা		
আতম				क्षित्र (क्षित्रप्रव क्षित्र शर्मा व प्राप्तुत्र गानवात् क्ष्येतः)		254	62
অসহানে কাহাফ ধারা আতত্তে পরিপূর্ণ হরে যেত	১৬-কার্ফ	75	932		१२-किन्	28	99
আতদ্ব্যান্ত করা				জিনদের মধ্যে আপ্রসমর্শবকারী (মুসলিমর) সঠিকণার বেছে নেয়		78	22
জাদু লোকসোধ্যক আহলচাপ্ত করল (ফিরআইনের প্রাদুকর প্রদাস)	৭-আ'রাঞ্	336	620	প্রথম আন্ত্রসমর্শনকারী হতে রাসৃষ্ঠ স, অনিষ্ট হরেছেন	৬-আন্'আম	78	6.5
वारुवस्थनक		-	-	वादमधन			
মুফিলপা বেশি আবদ্ধজনক মুনাফিকসের নিকট (আপ্রাহর ক্রের)	40. XXX	30	96.9	আন্ত্রসম্বন পাপে প্ররেচিত করে থাকে	২-বাকুারা	२०५	22
আত্তিত		+~	are o	আত্তসাং (আরো দেখুন গ্রাস শব্দটি)			
ইবন্ধনীন আতদ্বিত (অভিবি হবে কেৰেশভার আগমনে)	14 60-0	-	-	আঞ্চলকোরী যা আঞ্চলক করেছিক তা নিয়ে বিজ্ঞানত উপস্থিত	৩-আলে ইমরান	262	66
অতি'না (মানা করা)	३४-विषय	45	900	সংগত নর আত্মসং করা কোন নবীর ক্ষন্য	৩-আলে ইমরান		20
		L.		यश		-35	48.
ইর্দীদের মাণ্ড করদাম/মাতা'না ধলা প্রসঙ্	s-FPIT	86	690	কলম (ভিরন্ধারকারী আস্তার কলম)	१०-विद्यास	-	-
অতিখ্যেতা (আরো দেখুন মেহমানদারী শক্ষটি)				বিবন্ধারবারী আহার কদম	৭৫-কিয়ামাহ	3	200
কাবিবদের জন্য অভিবেয়তা (জাহাপ্লাম প্রস্তুত)	Nr.4728	304		'রাশান্ত আহ্রা'- বলে আরাহর আহনে (বিয়াহতে)	ार-।कडाशाई	3	77

नव विषय/श्रमम	नुवा मर ६ मार	करा न	701	भप विद्या/क्षणम	नुवा गर व नाम	300 0	17
	-	-	-	মিধ্যাবাদী বলা (রাসুল স. কে আ'ল সম্প্রদার মিধ্যাবাদী বলে)	২৬-৩'আরা	250	
আব্র (পূর্ব পৃষ্ঠা কেকে) মনক্রিকদের আত্মা কাফির অবস্থায় চলে যাবে	৯-জাবৰা	In?	685	মিখ্যা বলা (আল ও ছামুল মহাপ্রলয়কে মিখ্যা বলেছিল)	७७-शसर	8	39
पुनाककरणय जान्या कारण जन्मात रूप पार प्रमाणिक/कारिकरणय जान्या तरण गारव कार्यित जनमात्र	3-elet	66	980	শানত (আদ জাতির জন্য শানত, খুনিরা-তিয়ামতে)	33-QH	80	69
	2-e1041			সম্প্রদার (আদ জাতি বাস্ত্রেকে মিখ্যবাদী বলেছিল)	७४-भाषाम	34	50
সংবেজিত (বিরামতে আস্ত্রা সংবেজিত করা হবে)	22-614-914	3	2009	সম্প্রধার (আদ সম্প্রদারের পরিগতির সংবাদ আমেনি কি)	৯-জাওবা	90	58
মান্ত্রীয়		_		হুগাড়িছিক (আদ সম্প্রদায়ের ছুলাড়িছিক ছামুদ সম্প্রদায়)		98	97.
হ্যারীম আন্ত্রীরকে আহার দান (দিরিপথ কর্ম)	৯০-বদাগ	76	2050				
দান (আন্ত্রীরকে বান করা প্রকৃত পুণ্য)	২-বাকুারা	266	679	হুদ আ, কে আদ মাতির প্রতি প্রেরণ করেছিলেন আল্লাহ	৭-আ'রাড	96	92
নবীর নিকটাস্ক্রীয়দেরকে সভর্ক করার নির্দেশ	२७- <b>७</b> जारा	478	933	হদকে আদ জাতির কাছে প্রেরণ	22-gm	60	69
নিকটভর(মুমিন/মুহাজিরের চেষে আল্লীয়রা মীরাদে নিকটভর)	৩৩-আহ্যাব	6	500	অদ্য		i	
নার বিধার (আস্ট্রীয়ের বিষয়ে কথা কললেও নাম বিধার করা)	৬-আন্ আম	205	622	व्यमाना करा (जानम श्रविभागकरक व्यमाना करन, निरिष्ठ यन	২০-জা-হা	242	9.8
প্রাপা দিয়ে দেয়ার নির্দেশ (আঞ্চীয়কে)	১৭-ইসরা	36	936	খাওয়া প্ৰসন্ধ)	40.80.0	***	
भारे' तानून म, तत्र <b>व्यासीत-प्रका</b> रना क्रमा	৫৯-জশন	9	264	দিসার উপমা আলমের মত, আল্লাহর নিকট	৩-আলে ইমরান	63	0.8
লাৱিকরা <b>আন্ত্রীর হলেও ভালের জন্য ক্ষমা প্রার্থনা</b> সংগত নক	৯-জাওবা	220	965	জান্তাত ৰসৰাস (আদম ও ভার প্রীকে জান্তাতে বসবাসের নির্দেশ)	३-राक्सरा	00	20
	8-PINT	200	298	দুই পুত্র (আলমের দুই পুত্রের সংবাদ পাঠের নির্দেশ, রানুগ স. কে	৫-মারিশ	29	25
रायः भाग (बाद्रीह-रक्तनः विकटः श्राम् वर्गाः नायः नाम वर्गः)				নাম জানালোর নির্দেশ, আগমের প্রতি (বস্তুসমূহের নাম)	३-वकाता	00	20
াক্ষ্যদান (মাঝীর হলেও, মূল্য গ্রহণ করে সাক্ষ্যদান)	৫-মারিদা	200	690	বংশধর (আল্মের বংশধর নবীদের প্রতি নেরামত দান,)	১৯-মারইরাম	av	90
মাঝীয়তা		_		वनी काम्बाद्ध एवन विकास ना एक्टम मस्त्रान	৭-আ'রাক	29	93
ষ্ট্র করা (আজীরভার বন্ধন ছিন্ন করার আশা, মুনাফিকবের)		24	978	বদা আসমতে বেদ কেবদার না কেনে শরকান বদী আসমের কাছে রাস্থা স. আসে বদি	৭-আগ্রাক	20	63
চর করা (আঙ্গীরতার বছন সম্পর্কে ভর/সতর্কতার নির্দেশ)	8-मिश	,	260				
র্থানা (আন্ত্রীয়তার মর্থানা দিবে দা মুশরিকরা করী বলে)	৯-ভাওবা	ъ	660	বসবাস (আদম বসবাস করতে বদলেন আন্তাহ, জান্লাতে)	৭-আ'রাক	22	63
র্যাল (অন্ট্রায়তার মর্থালা পেরলা মুশরিকরা, মুমিনদের সাথে)	৯-ডাওবা	30	683	বাণী লাচ (প্রকিপালকের কাছ থেকে আনমের তওবার বাণী লাভ)	২-ৰাকুারা	৩৭	Q.C
नेतार है (तहा सूत्र यथन, कथन काञ्चीरकार जन्मकें शबदन ना	২৩-মুখিন্ন	303	992	ভূপে যাওয়া (আনমের আল্লাহর নির্দেশ ভূপে যাওয়া প্রদাস)	২০-জ-হা	225	9,8
लाक (संभूत न. इब्रिट्स बाईसका बनाव सञ्ज्ञ दविमन उन म)	৪২-পুরা	20	bate	মনোনীত (আদমকে মনোনীত তরেছেন আল্লাব্)	৩-আলে ইমরান	00	20
	nd- far	10	9.00	শত্ৰু (ইংলিস আসম ও তার প্রীর শত্রু)	২০-ফ্ল-হা	224	9,6
शासीब-रक्ष		-	$\vdash$	শ্বরাদের কুমন্ত্রণা, আদমকে (অমর্কুপানকরি কৃষ্ণ/ অকর রাম্নের)	२०-झा-श	250	9.8
মপ্লাইবিরোধী আন্ত্রীয়গজনকে (মুখিন তালবালে না)	৫৮-মূজাদালা	44	958	শিক্ষা দান (আপ্তাহ আদমকে সৰ তিক্তুর নাম শিক্ষা দান করেন)	५-वादुरहा	-60	20
ভরবিকারী (মার্ব্লীয়-বঞ্চনের রেখে যাওয়া সম্পদের)	8-দিলা	00	507	সন্তান (আদম-সন্তানকে সম্মানিত করেছেন আল্লাহ)	১৭-ইগরা	90	9.
লকারে আসবে না আন্ত্রীয়-বজন (কিরামকের নিন)	৬০-মুমভাহিনা	.0	752	সন্তান (আদমলভানের পিঠ থেকে বংশবরদের বের করা গ্রেস্ক)	9-व्या वाय	292	6
চসিয়ত (আপ্রীয়-বজনদের জনা অসিয়ত করা, মৃত্যুকালে)	২-বাকুারা	23.0	220	নিম্নলা (আসমতে নিম্নলা করতে ফেরেশভালের প্রতি নির্দেশ)	₹0-\$f-8}	229	9,8
সরা (বাস্ট্রার-বজনকে কিছু না সেরার কসম)	२8-मृह	44	9.96	নিম্নদা (আনমতে নিম্নদা করার মন্য ফেলেকাসের প্রতি নির্দেশ)	১৭-ইসরা	65	93
নিচৰ্লন (আপ্তাহ ন্যায়বিচার/সন্নাচৰণ/লান করার নিচৰ্লন লেন)	১৬-নাহদ	bo	930	निक्रमा (पान्यक निक्रमा नदाद क्या क्यान्यक कार्यक विक्रमा	१ वा राष	22	63
হৈছ (পিজা হৈছ হলে- আল্লাছ, ৱাসদ স. ও ব্লিয়াদ অপেকা)	৯-ভাববা	48	684			48	0.0
্যর (পিতা-মাতার হল্য ব্যর করা উত্তম)	২-বাকুারা	234	448	নিমাল (আগনের ফার ফেরেশবাসেরকে নিজল করতে নির্দেশ)	५-वाकृत्वा		
াপুল স. এর আস্ট্রীরের জন্য গনিমত	৮-আনফাল	83	trota	নিজন (আনসের জন্য নিজনা করতে কেরেশতাসের প্রতি নির্দেশ)		40	93
ছেৰহার (আরীয়-খঞ্জনের প্রকি সম্বাৰহারের নিচালি)	8-शिम	00	647	সুগঠিত (আদমকে সুগঠিত কংশেন আল্লাহ)	১৫-হিন্দর	270	8
न्यत्रपुर (जाद्वातः रकारात्रः ताकः नयाग्यत्रस्य गणानाः) न्यत्रद्वादः (जाद्वातः रकारात्रः व्यवि नयाग्यत्रः वन्नीवनवादेशात्रः व्यक्तीयात्रः)	३-वांकावा -	500	609	শৃষ্ট (আদমকে শৃষ্টি করেছেন আদ্বাহ মাট থেকে)	৩-আলে ইমরান		0.8
	8-निम			স্ত্রী (ঋপম ও জার স্ত্রীকে জল্লাতে বসবাস করতে বনচেন অস্ত্রাহ	৭-আ'রাফ	7.9	63
ন্দেৰ দান্ধীৱাস বউনকালে আব্লীৱ-স্কলকে কিছু দান কৱা)		ъ	999	আনম-সন্তান (আরো দেখুন বনী আনম শব্দটি)			
নম্পন (আব্রীয়-বজনের রেখে যাওয়া সম্পান পুরুষের অংশ আছে)	8-निमा	٩	268	আপম সন্তানকে সম্মানিক করেছেন আপ্রাহ	১৭-ইগ্রা	90	95
দপন (অস্ট্রার-সন্ধনের রেখে যাওয়া দপ্পদে নারীর অংশ আছে)	8-निमा	٩	268	यामर्ग			т
লে (আন্ত্রীয়-সন্মনের হক বা অধিকার দিয়ে দেরার নির্দেশ)	-00-324	07	25.5	ইবরাইম, ইসহার ও ইয়াক্তের আমর্শ অনুসরণ করণ ইউসুফ	77-5924	dir.	00
थान				छेत्रम जामने शरास्त्र वेचरावीम स कार मानीरमय मारव	७०-ममलारिन	8	36
বৰিৰাগ(নুহ,আদ,ছামুদ গ্ৰহুতি আভির রিগালাতে অবিৰাস)	<b>३८-देश्लादी</b> म	>	956	ভরম আদর্শ হরেছে ইবরাহীন ও তার সঙ্গীদের মাথে			34
অধীকার (আদ জাতি প্রতিপালকের নির্দান অধীকরে করত)	22-SA	φ'n	693		৩০-মুমভাহিনা ৩৩-আহ্মাৰ	22	bo
লতি (অন্য এক প্ৰজন্ম ডপে আদ জাতিব সৃষ্টি)	২০-মু'মিলুন	03	967	রাসূল ল, ধর মধ্যে উল্লয় আলর্শ(আবিরাকের আশা করিকের জন্য)	००-वाह्याव	43	200
লতি (অস ছাতিব নাম বল্পণাত হতে পারে মূপ ফিরিয়ে নিলে)	৪১-ফুস্সিলাভ	30	559	আদর্শ (উম্মত)		_	_
জতি (অস জতিৰ ন্যায় ভূমিনেৰ অশহা ফিরঅউনদের উপর)	৪০-মুখিন	03	b/ho	ইবরাহীয় একডুবালী উমত/জাদর্শ ছিল	১৬-নাছল	750	93
লাতি (আপ্তাহর আরাতসমূহ অধীকরে করত আদ লাতি)	৪১-তুস্মিলাত	3/2	200	আদর্শ (মিল্লাড)			
লাত (আল্লানে আলাতসন্থ অধানৰ ভাতে আদ লাত) লংস (আদ লাতিতে ধাংস করেছেন আল্লাহ)		207	999	অনুসরণ (রাস্থা স. কে ইবরাইট্রের আমর্শ অনুসরশের নির্দেশ)	১ <b>৬-নাহল</b>	250	9
	২৫-ফুরকনে			ইংবাহীমের আদর্শ/মিস্তাত একটি সঠিক বীন	৬ আন আম	265	63
রংস (স্থাসর সম্প্রভার আদ এর জন্য কংগে!)	22-द् <b>म</b>	60	693	देशवर्षेत्रत विद्वार, वामर्ग वमुनवदात निर्मण (वामुण ग. यस सर्वि)	36-41991	250	3
ধংস(প্রচন্দ ওড়ো হাওয়া হারা আন সন্ধানায়কে ধ্বংস)	99-state	9	৯৭৮	ইবরাইমের মিল্লাক/আর্নণ অনুসরণকারী উভ্যন (ছিলো দিক তেকে)	8-921	256	9
বংস(আদ অফির বাসস্থান ভালের ধ্বংশের প্রমাণ বহন করে)	২৯-আনকাৰ্ড	ರು	229	বর্জন (তাদের আদর্শ বর্জন করলেন ইউপুত থারা অস্তাহতে)	১২-ইউস্ফ	09	8
মংস (আদ সম্প্রদারকে ধাংস করেছিলেন আল্লাহ)	¢o-नासम	20	35VK		26-60-54		ř
ন্দর্শন (আদ জাতির ধ্যংসের ঘটনার নিদর্শন রয়েছে)	৫১-ঘরিয়াত	83	256	আদা	-	١	١.
র্হতিশাদকের আচরণ (আদ জাতির সাথে)	৮৯-ফান্ত্র	b	3043	আদার বিশুগযুক্ত পাদপাত্র জারাজীদের দেয়া হবে	৭৬-লাহর	24	9.
চাই (আদ এর ডাই হুদ আ, কর্বক জাতিকে নতর্ক করা প্রসঙ্গ)	৪১-আহকাক	45	970	আদান-প্রদান			L
চাই (আদ জাতির কাছে তাদের ভাই হুদকে প্রেরণ)	77-da	20	890	পানপাত্র আদান-প্রদান করতে থাকবে জান্রাজীরা	৫২-জুর	২০	8
মধারাদী বল(আন সম্প্রদায় রাসুল স. কে মিখাবাদী বলেছিল)	22-570W	84	982	আদিষ্ট			Г
মিথাবাৰী বলেছিল আৰু সম্প্ৰদায়(ছক্কে)	28-9000	32	204	আজুসমর্পণ করতে আদিউ হওয়া (প্রতিপাসকের নিকট)	৬-জান'আম	93	600
মধ্যবাদা বংশাহল আৰু সম্প্ৰদায়(হুক্কে) মিহ্যাবাদী বংশহিল আৰু জাতি				ইবাদত করতে আনিষ্ট (তীনকে আপ্লাহর জন্য নির্দিষ্ট করে)	०३-मुशार	33	6
	৫০-কাফ	30	322				

আনিউ (পূৰ্ণ পূৰ্কা কেকে)		_	
ইবালত করতে রাসুল স, আনিষ্ট হওয়া প্রসন্ম	২৭-নামল	92	NO.

ইবাৰত করতে রাসুল স, আদিষ্ট হওয়া প্রসন্থ	২৭-নামল	97	₹09	আনন্দোজ্বল			
ইবাষতের জন্য অনিষ্ট হরেছিল পূর্ববর্তীরাও (এক ইলাহের)	৯-ভাওবা	407	680	অনেক চেহারা কিয়ামতে আনন্দোজ্জল হবে	৮৮-গাশিরাহ্	ъ	2022
দৃঢ় থাকতে আদির হরেছেন রাপূপ	৪২-প্রা	76	2-8.4	আনন্দোৎসব			
নুহ আ, আনিষ্ট হরেছেন (মুসলিমনের অন্তর্ভুক্ত হতে)	১০-ইউনুস	12	992	খালপূর্ণ পাত্র অধ্যক্ষণ একটি আনপ্রেশসার হবে, সমসামারিক ও	৫-মারিদা	228	¢28
ন্যারবিচার করতে আনিষ্ট হয়েছেন রাসুল স. (মানুষের মার্কে)	৪২-পুৰা	25	584	वानमाद		-	-
প্রথম মুসলিম হতে আগিষ্ট (নবী)	৩৯-মুমার	25	৮৭২	তওবা কবুল (নবী, মুখান্ধির ও আনসারদের তওবা কবুল)	৯-জাওবা	229	965
মুদলিমদের অন্তর্ভুক্ত হতে আদিষ্ট হরেছেন (নৃহ)	১০-ইউনুস	92	669	গ্রথম অ্যাগামী মুখুদির ও আনসারনের গ্রতি আল্রাহ সভাই	5-1570°E	300	
মুসলিম হতে রাসূল স, আদিট হওয়া প্রদক্ষ	২৭-নামপ	207	804	व्यान	D-0.00	100	100
ব্ৰানুল স, আমিষ্ট, আপ্তাহৰ ইবানাত কৰতে এবং শিৱক না করতে	১৩-রাদ	406	694				
রাসূল স, আনিষ্ট (প্রতিপালকের নিকট আজ্ঞানদর্শণের জন্য)	80-मूबिन	99	P.P.C	অন্তন অন (মৃগ অ: কর্তৃক চুর গাহড় থেকে অন্তন আন)	२०-छा-श	20	983
ৱাসুল স. আদিষ্ট যে বিষয় ভা প্রচারের নির্দেশ	১৫-হিন্দর	38	902	আগুন/ধবর আনা, মূলার পরিবারের জন্য (ত্র পর্বতে	২৭-নামল	٩	troc
ৰানুল ল, আনিট হয়েছেল (মানুহছৰ মাৰ্কে ন্যায়বিচার করতে)		75	P.84	অল্লাহ্বে দর্শন)		-	١
বাসুল ল, মুসলিম হতে আনিষ্ট হওয়া প্ৰলল	২৭-নামল	20	Pos	অস্ত্রাহ দিয়ে অসকেন এনন এক সম্প্রধায় (মুবারবাদের স্থাস)	৫-মাছিলা	<b>¢8</b>	64.
		25	884	কুরামানের অনুমূপ জানতে পারবে না, মানুষ ও চিল একর ব্যারও	১৭-ইস্ল	22	922
বানুল স. ফেলকে আদিষ্ট ব্যৱছেন লেকাকে মৃঢ় থাকার নির্দেশ				ধাহার্মকে দিয়ে আসা হবে (বিশ্বামকে)	৮৯-ফাল্বর		905
রাস্ল স. যেডাবে আদিউ, ভাতে অবিচল থাকার নির্দেশ	22-2H	225	696	निवर्गन प्राना पादवान, राष्ट्रण ग. धा श्रीत (पूर्ववर्तीका प्रत)	২১-আধিয়া	2	920
বাসুল স, প্রথম আন্মুসমর্শণকারী হতে আনিষ্ট হরেছেন	ও-আন্'আম	78	694	মূপর পরিবারের জন্য আচন/কার জানা (তুর পর্যতে অস্ক্রাহতে দর্শন)	২৭-নামল	٩	Poc
শিরক না করতে আনিষ্ট হয়েছেন রাস্থা গ. (প্রথম মুগলিম প্রসঙ্গ)	৬-আন্'আম	7/90	હડર	হমীল সংস্কৃতিত করে আনছেল আল্লাহ (কাফিরসের জন্য)	১৩-রা'দ	82	623
মাদের ভাই (হুন)		$\vdash$	$\perp$	স্বালের খাবার আনতে বললেন (মূসা আ, চাকরকে)	১৮-কার্ক	63	900
সম্প্ৰদায়কে সতৰ্ক কৰা প্ৰসন্ধ (আদ এর আই হুদ আ, কৰ্পুক)	৪৬-আহ্নাফ	52	970	সাকী হিসাবে অস্তাহ বাসুদ সংকে অধানে (উপাতের বিকছে:)	১৬-নাহন	2.7	920
মাদেশ (আরো দেখুন নির্দেশ/ছকুম শব্দটি)				সূত্র বচৰ বতে আনত্র চালের কফিনদেরকে (কুরআনের সত)	<b>55-यून</b>	70	66
অমান্য (প্ৰতিপাদকের আদেশ অমান্য করল ছামূদ স্বাতি)	৫১-ঘরিরাভ	88	256	আনার			Т
আকাশ আদেশ তনবে ভার প্রতিপালকের (কিয়ামতে)	৮৪-ইন্শিকাক	2	2020	আল্লাহ আনার সৃষ্টি করেছেন	৬-আন'আম	787	634
আর্থীনের স্ত্রী যা আলেশ করে, ইউসুক্ত যদি দা করে, করে কাকে	27-5834	03	693	আল্লাহ বৃষ্টি দ্বারা আনার উৎপদ্ন করেন	৬-আন্'আম	99	800
আপ্তাহ আলো করেন বিভবনামেরকে (জনগদ দায়েসর ইচ্ছা করলে)	১৭-ইসরা	38	375	ব্যস্ত্রতে ফলমূল, বেব্রুর ও আনার থাকবে	৫৫-বাৰ্মাণ	de	28
व्यक्तार व्यक्तिन कटरन श हान	♦-वासिना	3	¢b-o	আনুকুল্য		-	1
অস্ত্রানে অসেশে মানুষকে সরক্ষা করে (সরক্ষাকরী কেরেশক)	১৩-রা'দ	22	699	বন্ধুলের প্রতি মীরাসে আনুষ্কা প্রদর্শন করা বৈধ হওয়া প্রদর্	৩৩-আহ্বাব	6	60
অন্তাহর নির্দেশ যথন আসবে (নৃহের বন্যা প্রদঙ্গ)	২৩ সুমিশুন	29	989	व्यक्तिका	00-4411	-	100
ইবরাহীমকে আদেশ করা হরেছে (পুরা জবাই করতে)	৩৭-সাঞ্ফাত	205	5-6-6				
ইয়াকুৰ যেভাবে আদেশ করেছিলেন পুনার লেভাবে প্রবেশ করণ		99	600	অকুতজ্ঞের আনুগত্য করতে নিষেধান্তা (রাস্প স. এর প্রতি)	৭৬-পাত্র	₹8	934
প্রতিশাসকের আদেশ কনবে পৃথিবী (বিদামতে)	৮৪-ইণশিক্ষক	9	2020	অধিক বেশঃ(সভার দিকে পরিমালিককারী আল্লাক্ত আনুগাল)	১০-ইউদুস	00	95.
মুদ্দিন হতে আদেশ করা হয়েছে (রাসুল স. কে)	১০-ইউনুস	208	668	অধিকাংশের আনুগত্য করলে রাস্ল স. পথনিচাত হবেন	৬-আশ্'আম	229	90,
রহ প্রতিপাদকের নির্দেশ	১৭-ইসরা	Þ¢	943	অমনেয়েশী -বার ঝার অস্ত্রাহর বারণ থেকে -তার আনুশতা নিগেধ	7P-444A	59	92
সংবাজের আদেশ দিবে (মুমিনরা পৃথিবীতে প্রতিষ্ঠিত হলে)	২২-হাজ	82	983	আল্লাহকেই আনুগত্য করা হয়, রাপুল স.কে আনুগত্য করলে	৪-দিসা	900	49
দুলাইমানের আনেশে বারু প্রবাহিত হত	२১-वाशिया	62	922	আপ্লাহ ও রাস্প স, এর আদুগত্য করার নির্দেশ	৩-জলে ইম্জন	705	481
	৩৮-নোরাদ		brob	अक्षार थ बागून भ, ध्वा अठि प्रापृतात्मा (पापिकानः)	২৪-নূর	89	992
দুশাইমনের আদেশে বাতাস প্রবাহিত হওয়া	CO-CHIMIN	99	0.00	স্বাস্থ্য প্র রাস্থ্য স, এর স্বানুগত্য করার নির্দেশ	৬৪-জাগারুন	25	36
অধিক্য			-	অপ্তাহ ও রাসূদ স, এর অনুগড়াকরিকে মান্লাকে প্রবেশ করালো হবে	৪৮-ফাত্ব	28	970
মন্দের অধিক্য মুদ্ধ করলেও মন্দ ও তাল সমান নয়	৫-মারিদা	200	690	আল্পাহ ও বাস্প স, এর আনুগড়্য করে ধরা ভারা সকল	২৪-পূর	65	93
খানতনয়না				আল্লাহ ও রাসূল দ: এর আনুগত্য করে মুদ্দিন নর-নারীরা	h-ভাৱৰা	47	68
জন্মতে অনত নরনা হব (জিন/মানুষ যাদেরকে স্পর্ণ তরেনি)	৫৫-রাত্মান	60	787	আল্লাহ ও বাসুল স, এর আনুগত্য করার নির্দেশ	৮-জানফাল	86	80
হুর (অনতবরনা হুরগণ জান্নাতে থাকবে মুবাকীদের জন্য)	৩৮-সোৱাল	45	P-63	আল্লাহ ও রাসুল স, এর আসুখত্য করার নির্দেশ	৮-আনকাল	2	60
হুর (আনতনরনা হুরখণ থাকবে জাল্লাভিলের নিকট)	৩৭-সাঞ্জাত	86	449	আপ্রাহর আনুগত্য কর (ঈথানদারদের প্রতি আল্লাহর নির্দেশ)	৪৭-সুহান্দ্রদ	00	270
থানতে বলা				আল্লাহর আদুগত্য করতে মুমিদগের প্রতি নির্দেশ	8-निश	23	0.01
ফল ও পানীয় আনতে বলবে জান্লাডীরা (হেলান দিয়ে বনে)	৩৮-দোৱাদ	62	৮৬৯	प्राञ्चादश प्राञ्चणका कराण राष्ट्रभेगाला कर्मकण्डांन कर्या गान ना	৪৯-হৰুৱাত	38	24
আনন্দ (আরো দেখুন গ্রহুল্প শব্দটি)			-	আল্লাহৰ আদৃগত্য কৰা (মুম্মিলদের নিজেদের কল্যাগের জন্য)	৬৪-ভাগাবুদ	26	36
সমাননার সংকর্মশীলকের জন্য ব্যৱহার পরম আনন্দ ও উত্তয়	১৬-রা'দ	435	693	আল্লাহর আনুগত্য করার নির্দেশ	५8-मृद	48	993
রাবীতে অনন্দ দের অন্তর পুট, শক্ত ও দেলো যুবে (মুদিনদের দৃইন্ত)	৪৮-ফাত্র	48	979		ए-माविमा -		Q'h-
মান্রাজ্যবেকে অন্তাহ আনদ ও উৎকৃত্বতা নিবেন	৭৬-সাহর	22	996	অপ্তাহ-রাপুল ল, ধার অনুগান্ত (মদ/কুর থেকে বিবাত হওয়া গ্র.)		34	
কাপ্রতারের জনক সের এমন ও তার্কুছত। নামন দর্শকদের জনক সের এমন রচের গাড়ী (বনী ইসরাইল প্রসঙ্গ)		69	60k	আল্লাহ-বাসূপ স, এর আনুগত্যকারী মহাসাঞ্চল্য লাভ করেছে	৩৬-আহ্বাৰ	47	b/81
	২-বাকুবো		808	অল্লাহ-রাসুল স. এর অনুগত্ত করার নির্দেশ (নবীর রীদেরকে)	৩৩-আহর্যব	00	brox
বিশাস-উপকলা (আলমের বিশাস-উপকরণ রেখে গোল বিদ্যাপাউপ)	৪৪-দুখান ৩৬-ইয়াসীন	29		अक्काद-राष्ट्रम म. यह अञ्चलक करान सञ्चाद शहरण कराता शहर	৪-মিশা	30	een
মন্ন (জন্নাতবাদীরা আদলে মন্ন থাকরে কিরামতের দিন)	তত-হরামার্ন	0.0	200	আল্লাহ-রাসুল স. এর আনুগতকোরীর উপর আল্লাহর নেয়ামত	৪-নিসা	66	000
আনন্দিত (আরো দেখুন উল্লগিত শব্দটি)		_		অক্সহ ও তার রাসুল স্. এর অনুদাকোর দির্দেশ (মু'মিন্যানরকে)	৫৮-বুজাদালা	30	200
বাগানে আনন্দিত হবে, ঈমানদার সংকর্মশীলগণ (কিরামকে)		14	V->0			-	90
মুমিনর আনন্দিত হয় (ঈমান বৃদ্ধি হলে)	৯-জাওবা	148	90.0	অল্লাহ ও রাস্লে আনুগতোর নির্দেশ (ঈমানদারবেরকে)	৮-আনফাপ	20	
মুমিনর (জান্নাতের সংবাদ জানিতে মুমিনদেরকে আনব্দিত করা)	৪১-ফুস্সিলাড	\$0	yyy	আল্লাহ ও রাস্প স. এর অনুগতা করার নির্দেশ	৩ আলে ইমরাম	०२	6-00
শক্ষরা আনন্দিত হয় এফন তাজ না করার অনুরোধ (হারনের)	৭-আ'রফ	100	698	অপ্রাহর অনুগত্য না করার জন্ম কম্পিরদের অনুভাগ (ক্ষাহন্রাহে)	৩৩-আহমার	99	800
	৩-আলে ইমবান			ইমানপাররা আফুগড়া করে যদি আহলে কিভাবদের কোন দলের,,,,			081

86

আদিউ আনুগত্য বিশ্বাসংভ্ৰাম ভিতৰ প্ৰান্

<del>वय विष्ठ/श्रमः</del>	जुड़ों नर छ नीय	1000	901	শব্ বিষয়/ধানস	मुझा मर ७ माम	400	70
सीमुणेका (नुर्व नृक्षेत cबदक)		-	-	হুদের আনুগত্য করার জন্য সম্প্রদায়ের প্রতি আহ্বাদ	२७-७'वारा	346	936
মদার আনুগত্যের নির্দেশ (বনী ইসরাইলদের প্রতি)	৪৩-যুগক্য	910	hoo	हुउन्त/वजुन ग. यद चानुगरा करार चारचन (गण्डनाउर श्रीर)	২৬-৩'আরা	303	236
দিনার আনুগত্য করার আজ্ঞান	৩-আলে ইমরান	20	283	আনুগত্য (ধীন)			-
টরম (স্বানুশার উরম ছিল আনের জন্য, যানের ছনয়ে ব্যশি স্বাছে)	8१-मुशुप्पन	52	278	निवर्गावन वीम/वानुगठा चाहादवरे समा	১৬-নাহল	65	909
হসমহারীর (বেশি বেশি কসমকারীর আনুগত্য করা যাবে না)	৬৮-বুখলাম	30	392	আন্দোপিত		**	+
লক্ষিয়দের আনুগতের করলে (উমাননারগণ ক্ষরিয়ান্ত হলে)	৩-আলে ইমরান		000	উদ্লিদ বৃষ্টিতে ভূমি আন্দেশিত হওয়া,ডিপ্লিদ উলগত হওয়া প্রদাস	22-10%	-	-
লক্ষিবনের আদুগত্য নিষিদ্ধ	२१-कुद्रकाम	22	996		२५-व्यक्ति	¢.	921
লাক্ষিত্র-মুনাফিকপের অনুগত্য না করতে রাসুল সংকে নির্দেশ	৩৩-আহ্বাব	81/	bog	পৃথিনী বাতে আন্দেশিত লা হয় সে জনা পর্বত সৃত্তী করা হয়েছে		٥٥	92:
লাকিন-মুনাকিবলের আনুগত্য লা করার লিসেঁল (নবীকো)	৩৩-আহ্বাব		boo	পূৰ্ববী হাতে আন্দেশিত বা হয় সেজন্য পৰ্যতমাল স্থাপন কৰা হয়েছে	৩১-পুকমান	20	250
নার্যকুশীলনের আকুগতা করতে মুমিনদের প্রতি নির্দেশ প্রমন্ত	8-निमा	25		পৃথিবী মেল আন্দেলিত লা হল আই এতে পৰ্যত স্থাপন কৰা হয়েছে	১৬-নার্প	36	901
			498	বৃষ্টি বৰ্ষণে আন্দোপিত ও স্কীত হয় (গুৰুহনা কৃমি)	৪১-মুগ্সিপাত	40	9.93
ন্যান নাজে অধিকারীকের আনুগতা করতে মুফিন্যান্তকে নির্যান	8-निमा	69	468	আপত্তিত			
নমে (পাপী ও অকৃত্যালর আকুণতা নিমে,রাসূপ স. এর প্রতি)	৭৬-দাব্র	2,8	220	অচকা (মেকলডাল আকা আপভিত হংগ্ৰের ধারণ, বিশ্বাহতে)	৭৫-কিয়ামাছ	2.0	366
দুহের আদুগতা করার জন্য সম্প্রদারের প্রতি আহ্বাদ	50-0°mat	220	CKP	আপতিত হংগ্রে(বিয়ামানের কথা কমিয়ানের উপর আপতিত হংগ্রে)	২৭-নামশ	ÞÝ	bo
নুহের আনুগত্য করার আহনাদ (সণ্প্রদারের প্রতি)	৭১-বৃত্	0	846	অপ্তাহর রোমণ অপভিত (পরির রিফি আহরে সীমালমন করলে)	২০-ড়া-হা	42	988
নুহের আদুগত্য করার জন্য সম্প্রদায়ের প্রতি আহ্বাদ	₹ <b>⊘-</b> 0,वाडा	709.	130	আল্লাহর মোধ আপঠিত হওয়া (বদী ইসরাসলের বাছুর			
নভানের আনুগত্য করার কাফিরদের পথন্তট হওলা প্রসঙ্	৩৩-সাহ্যাব	93	eord	পূজাৰ কারণো)	২০-ড়া-হা	br6	180
ণাপীর আনুগত্য করতে নিষেধজ্ঞা (রাসৃদ স. এর প্রতি)	৭৬-দাব্ৰ	28	336	আল্লাহর তেনধ যার উপর আপত্তিত হর গে ঝংস পত্তিত হয়	২০-সা-যা	6.2	989
পর্য-মাজকে আনুগত্য করার সীমা, (শিরক প্রসঙ্গ)	২৯-আমকাবৃত	V	1129	আপ্লাহর পরে আপঠিত বিপাদে হীনবদ হরনি (নবী ও)	০-আলে ইমরান		281
পতা-মভার ,খদি ভারা শিরকের দির্দেশ দের	०५-५७मान	26	vev	কলম আপচ্চিত হত মুমিনদের উপর অক্সন্তেই	8५-व्यस्य	2.0	325
বর্ণকা অনুসামারীর অনুগত ল করার নির্দেশ(রাসুল স. এর প্রতি)	১৮-কার্ক	₹V	926	বিয়ানত আপত্তিত হলে বাদীন থেকে এক জীবকে বের করা হবে	২৭-দামল	24	trai
প্ৰতিশাদকের আনুগত্য থেকে বের হয়ে গেল ইবদিস	১৮-কাহ্ফ	00	928	বিশদ (আগঠিত বিশ্বদে যেন বিষয় না বস্তু মুমিনগণ)	৩-আলে ইময়ন		220
কর'লা উদের আনুগত্য (তার সম্প্রদার কর্তৃত)	80-2464	28	bab	বিশদ আপ্তিত হওয়া (কৃতকর্মের স্কন্য)	২৮-কাসাস	89	63
(ডি(খলকে শত্ৰুবাহিনী দেৱে মুমিননের আনুগত্য বৃদ্ধি)	৩৯-আহ্যাৰ	22	bed	বিপদ আপ্তিত হয় না (আল্লাহর ইন্দ্রা ছড়ো)	৬৪-তাগাকুন		
মানুদ্রের অনুগত বন্ধাশ ক্ষরিয়ার হবে (ক্ষরিব প্রধানর ববল)	২৩-মু'মিনুন	48	9tstr	বিপর্যর অপর্কিত হতেই থাকরে, অধিবাদের উপর (কৃতকর্মের ছন্য)		22	80
মখ্যা অভিহিতবারীদের আদুগত্য করা নিষেধ	৬৮-কাশাম	b	396		১৩-ৰা'দ	67	69
ভূমফিকদের আনুগজ্যের ব্যাপারে মিখ্যা স্বীকৃতি	8-निमा	22	623	বিপর্যন্ন আপডিত হবে (আনেশের বিরোধিতাকারীদের উপর)	२८-मृद	60	৭৮:
ুলফিকদের আকুগত্য করলে মুম্মিনরা নিহত হত না	৩-আলে ইমবান		222	বৃষ্টি আপজিত করেন নাস্তাহ যাদের প্রতি ইচ্ছা	CO-55%	8¥	24
কাফিকদের আকুমত্য জ্বানা আছে	28-99	40	998	মাদইয়ানবাসীর প্রতি আপতিত হতে পারে যেমন হচেছিস	77-ब्रंग	by	698
				শান্তি আগতিত হবে (নৃহ সম্প্রদায়ের উপর)	22-वृत	C.b	666
বুনাঞ্চিকরা জোন কোন বিষয়ে আনুগত্য করে	৪৭-মুহাম্বাদ	20	978	শান্তি আগতিত হলে অগৱাধীনের বিশ্বান/ঈমান প্রনঙ্গ	১০-ইউমূস		622
(মিদদের আৰুগত্য ঘোষণা (রসূবদের প্রতি)	२-राङ्गता	545	208	শান্তি আপতিত হলে কিব্লজাউন সম্প্রদায় বপত	৭-আ'রাফ	864	648
🛱 मिनदा चानुगठा कदरव विराद्यत कना चारवान कहा शल	২৪-দূর	62	333	শান্তির বংশ আশক্তিত হবে (মৃস্য আ, সংগ্রহাদী হলে)	8०-म् मिन	ঽ৮	ppo
(মিন নর-নারীরা আমুগত্য করে আল্লাহ ও রাস্ল স. এর	৯-ভারবা	42	989	হারী শান্তি আগতিত হবে (রাগুল স. এর সম্প্রদায় প্রসঙ্গ)	৩৯-বুদার	80	498
(নিন্দের (অধিকংশ নিয়য়ে রাসুল স. মুমিদদের আনুগত্য করলো)	৪৯-ছমুরাত	٩	250	আপত্তি (দেখুন অন্তহাত/ওজর পেশ করা শব্দটি)			Г
হুছে আনুগড়া করলে উশ্বস প্রতিদান দিবেদ স্বাস্থ্যব	৪৮-ফাত্য	36	974	আগনজন (আয়ো দেখুন নিকটজন শব্দটি)			
য়দূল দ.কে আনুগতা করা মূলত আল্লাহকেই আনুগতা করা	৪-লিগ্য	b.o.	ହନ୍ତବ	অপরাধীরা আগনমনদের নিকট কিরে যেত উৎফুল্ল হয়ে	৮০-মুত্তাক্তিকীল	W)	las:
াকুল স.কে আনুবান্ত (অক্সাহর নির্দেশে রামূল স.কে আনুবান্ত)	8-शिश	68	262	আপোস-নিস্পতি(আরো দেশুন মীমাংসা/ফরসালা/বিচার-	2-1/11		
अगृत ग. अत्र प्यानुगंस कत (प्रमानमात्रास्य श्रवि प्रा <u>क्षा</u> का निर्मान)	৪৭-মুখ্যখাল	00	926	ক্যুসালা শদ্টি)			
হাবুল ন. এর আনুগত্য করতে মুম্নিননের প্রতি নির্দেশ	8-मिश	69	468	উত্তর (শ্বামী-রার মধ্যে আপোস-নিম্পত্তি উত্তম)	- 6		
বাসুল স. এর আনুশান্তা করলে কেনুসন্যান্ত কর্মকলপ্রের করা হবে প	৪৯-হত্যত	28	957		8-PH		290
য়সৃশ স. এর আনুগত্য করদে মতিক পথ পাবে	২৪-দূৰ	28	113	ক্ষ্মাণ (আল্লাহর নম্বুটি কামলায় আলোহ-নিম্পরি করার)	8-निमा		642
াসূদ স. এর আনুগত্য করার নির্দেশ	५৪-नृव	20	%ro	সভাৱ (আপোৰ-নিশ্দবি মাইল কমিন কিবিয়া নিতে পাছে)	२-वाङ्गहा		223
াপূদ স. এর আদুগভাকারীর উপর আল্লাহর স্ক্রোমত	৪-নিদা	69	696	নিজেনের মধ্যে আলোহ-নিম্পত্তি করার নির্দেশ	৮-আনফাল		(00)
াস্ল স. এর আনুগত্য না করার জন্য কাফিরমের অনুভাপ		$\overline{}$		ন্যান্তের সাথে আপোষ (বিবনমান দূ' নল মুমিনদের মাকে)	৪৯-র্জুরাত		250
entifica)	৩৩-আহ্যাৰ	66	60%	গাগ নেই আপোষ-নিম্পত্তিকারীর (অসিরত প্রদর)	২-বাকুরর		430
इंजुन म. १८४ (ब्रह्माद छ समून म. १८४ ब्रानुगास कराव निर्दर्भन)	৬৪-আগারুন	25	264	ব্যক্তিনান (বান্ধবন্ধির ক্ষেমে আপোন করলে প্রতিনান অপ্তাহর আছে)	৪২-পূরা	80	b798
য়সূল স. এর আনুগত্য করার নির্দেশ	२8-मृव	28	993	ব্যিত (আপেন-নিশারি থেকে বিয়ত থাকতে অস্ক্রাহর বসমকে)	२-बाबुरश	228	220
ভূড়িয়ালুল স. এর অনুগত্ত করের আহবান (মানুদ সংযোগ্যকে)	২৬-জ'আবা	১৬৩	936	ভাইনের মধ্যে আপোধ করার নির্দেশ মুমিনদেরকে	8%-वर्ष्ट्रशस्	Σo	243
প্রতানকে অনুসরণ করলে মুম্মিনগণ মুপরিক হবে	৬-আদ'আম	252	400	মানুবের মারে আপোহ-দিম্পত্তি (আল্লাহর সন্তুটি কামনার)	8-मिशा	338	293
म्बदिर्श्वरूम २. यह जानुगंक कर्तात जादवंन (राष्ट्रानाहरू)	২৬-জ'আরা	249	333	ভূমিলাসা মারে (পরস্পর যুদ্ধে লিও মুদ্দিনালর মারে আপোর)	৪৯-ব্যুরাত		320
াদ্রান্তদের আনুগত্য করার কাফিরদের পথন্তই হওয়া প্রসঙ্গ	৩৩-আহ্ <b>যা</b> ৰ	93		খামী-বীর বিরোধের আপোব-নিম্পতি(নালিস নিরোগ প্রদর)	8-मिमा		263
	তত-জাইয়াৰ	93	क्रक	যামী-ব্রীর মধ্যে আপোল-নিম্পত্তি করতে অপরাধ নেই	8-PH		630
াদিহ আ, /বাস্প স, এর আনুগত্য করার আহরান (ভাযুন	२७-छ'वारा	388	1302	व्यानाहरू		,0	- 10
শ্পার্কে)		_	_				L.
নদিহ আ, আ, /রাস্ক স, এর আনুগত্য করার আহ্বান	২৬-ড'আরা	140	134	আল্লাহর পক থেকে আদ্যায়ন (দহর প্রবাহিত জাল্লাভ)	৩-আলে ইময়ান		420
श्रम् मण्डनाहरू)			ш	ইবানদার সংকর্মশীবদের (ফিলেউদের উদ্যান)	১৮-কাহ্দ		900
		3023	3342	बेदम जानादन कि साहार, मा याकुम दुष्ट?	०५-माष्यार	62	5-50
বিসাক্ষমকরীদের আনুগতা না করার আহবান (হাযুদ প্রসঙ্গ) বিসাক্ষমকরীর আনুগতা না করার নির্দেশ(রকুল স. এর প্রতি)	১৮-বার্ফ ২৬-জ'বারা	223		উপ্তর পদ্মির আপারন ( মিধ্য অভিহিতকারী পথস্টানের জন্য)	<b>१५-७पक्सिय</b>		389

লয়ন থাবাসস্থল

ग			9019	।।।।।
WINDS STREET	 SEPARED SERVICE AND ADDRESS.	Page 10 Control	_	

মন্ত্ৰীত আহুবাৰ কা হোৱাৰ পান্ধান্তৰ (বিহনতৰ জন) কৰ্মতাৰ পান্ধানত বাহু পান্ধান্তৰ (বিহনতৰ জন) কৰ্মতাৰ পান্ধানত বাহু পান্ধান্তৰ (বিহনতৰ জন) কৰ্মতাৰ পান্ধানত বাহু পান্ধান্তৰ পান্ধানত বাহু পান্ধান্তৰ (বিহনতৰ আহুবাৰ পান্ধানত বাহু	Sales .	विवय/दगर	. 福州市政市	जुश गर ७ गाम	100 1	र्नुका		तृष्ट्रां गर् ७ गाम	1911	70
প্ৰক্ৰীয়া ৰাখ্যন কৰিব পৰি হৈছিল কৰিব পৰি হৈছিল কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব	ন্ন (পূৰ্ব পূচা বে	t cece)					অধিরাতের আবাস উত্তম (ভাকওয়া অবলখনকারীদের স্কন্য)	३२-३४गुरू	709	69.0
पूर्ण कर कर कर के प्रति के प्रति कर कर के प्रति कर	ণ আল্লাহর পক	কে থেকে আপ্যায়ন (মু	মিনদের জন্য)	৪১-ফুস্সিলাত	જ	bbb		৬-আন্'আম	હર	236
মান্ত্ৰনাল কোনো কৰিব নাৰ্য্যাল কৰ	দৰ আশ্বায়ন য	ন যাকুম গাছ (বিচারের '	দিলে)	৫৬-বন্ধবিদ্বার্	66	386		১৩-রা'দ	85	66
보통한 대한	কৃতকর্মের বিনি	বিনিময়ে কান্তাভুল মাওং	র দিরে স্বাপ্যায়ন	৩২-সাল্দা	5%	500	আবিবাতের আনাস চাইলে প্রতিদান (নদীর স্ত্রীদের প্রসঙ্গ)	৩৩-বাহ্যাব	5.9	500
1987 বিশ্ব স্থান বিশ্ব স্					-		আধিরাতের আবাস উৎকৃষ্ট (সংকর্মশীশ মুরাকীদের)	১৬-শাহ্শ	00	100
			-)	12.7570	V8	bard	আঙন (আল্লাহর শত্রু কম্পিকসের স্থায়ী আবাস আঙদ)	৪১-ফুস্নিলার	20	bibli
### WHITE OF MATERIAL PROPERTY OF STATES AND ADMITS A			হারী প্রসঙ্গ ৷				ইউসুদের জন্য নাথনজনক আবাসের করন্ত করতে কলে অধিয	১২-ইউসুফ	45	હવા
মানিকাৰ মান্তব্য বাহাৰ নাম্বাহন কৰিব কৰে নাম্বাহন কৰে নাম্বাহন কৰিব কৰে নাম্বাহন কৰিব কৰে নাম্বাহন কৰিব কৰে নাম্বাহন কৰিব কৰে নাম্বাহন কৰে নাম্বাহন কৰিব কৰে নাম্বাহন কৰিব কৰে নাম্বাহন কৰে নাম্বাহন কৰিব কৰে নাম্বাহন							উৎকৃষ্ট (সংকর্মশীল মুন্তারীদের আধিরাক্তের আবাদ উৎকৃষ্ট)	১৬-নাহল	00	900
কৰ্মীয় আনুষ্ঠান কৰ্মীয় নাম্প্ৰকাৰ নিৰ্ভাৱ কৰা স্বাস্থ্য কৰা কৰ্মীয় কৰা							উন্তম আবাল (অভ্যাচারিত হয়ে হিমরতকারীদের মদ্য)	১৬-নাহল	87	904
জন্মতাৰ নাম্যালয় নাম্য							উত্তরাধিকারী(মুমিলদের শক্র আবাসের উত্তরাধিকারী করা,			
								७०-भारपान	ર૧	500
ত্রহার বিশ্বনাধার বেশারের বেশার বিশ্বনাধার বিশ্বনাধা							উভ্যম (মুক্তানীয়ের অধিপ্রতের আবাল উভ্যম)	১৬-নাহল	00	900
स्थान कर (प्रतिक्षिण कर्म कर कार क्षित्र कर क्षेत्र कर कार कर क्षेत्र कर क्		Martin Collection	10000-11-0-100	an-elela	-0		ভামন জাতির আবাসে ভিন্দিন উপজ্ঞোগর অংকাশ (পারি প্রসায)	১১-ছৰ	62	69:
তথ্য পাৰ কৰা পৰিবাহিত কৰি কৰা কৰা প্ৰত্যা কৰি			-	-					69	69
নিকৰা বাৰু আৰু ক্ষিপ্ত নিৰু কৰি বাৰু বাৰু বাৰু কৰি বাৰু বাৰু বাৰু বাৰু বাৰু বাৰু বাৰু বাৰু									65	44:
স্কুল না (বাৰদৰ চূল যোৰ হাৰ বিষয়হন)									83	90
		क क्लाइक जुलाइकारनव	অধান করে দেয়া	ও৮-সোয়াল	66	pap			25	686
ত্ৰ কৰিব নামান্ত						$\perp$			2.0	684
্ৰহ্ম নাৰ্বিদ্ধান কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব									22	6ac
ত্ৰ কৰা প্ৰকল্প কৰিব কৰা কৰা কৰা কৰিব কৰা									28	Gas
									486	455
स्तर कर कर विशेषण कर वि	গক্ষিরদের চোগ	চাথ (কুরঅন/বিকির থেং	(8)		202	900				220
কৰিব কৰিব নামিন্তিৰ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰ	रहरपूक दश ना	না (আল্লাহ্র অভ্যাতনা	(B)	৪১-ছুগ্সিলাত	89	bao		O-MICH CANIN	2.00	QUI
াধনিক বাহুল বাহু	আৰৱণ ৰাণিয়ে	গ্ৰেছেন আল্লাহ (মানুৰে	व समा)	২৫-ফুরকান	89	964		২০-ফা-ম	325	983
प्रश्न के प्रश	আল্লাহ আবনণ	নণ বরূপ বাদিয়েছেন		৭৮-মারা	30	2000		. muone		40
মান বাৰ্মাৰ কৰিব কৰিব বাৰ্মাৰ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি	ধাৰৱণ তৈবি ক	করে দিরেছেন আল্লাহ	(অধিশাসীদের)	১৭-ইপ্রা	86	936				45)
्या कार्यालगृह के कार्यालगृ	বাৰকণ তৈনী ক	করেছেন আল্লাহ ( জার্গ	দমদের)	১৮-কাহক	49	933			₹80	
্বনা (ব্ৰহ্মান কৰাৰ সাধ্যাল কৰাৰ স্থান কৰাৰ স্থান কৰাৰ স্থাল কৰাৰ স্থান কৰা	মাল্লাহ আবরণ ট	ল তৈবি করেছেন (মূপরি	केक्ट्रमच क्रमट्ड)	৬-আন'আম	2.0	936				Ø03
ামান্তর্গ কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম	প্রকিক্সের হৃদ	হুদৰ আবরণে আছে/নিং	5)	৪১-কুস্সিলাভ	2	644			ъ	264
প্ৰকৃত্য মা (প্ৰক্ৰিয় কৰাৰ বা অন্যন্ত কৰাৰ কৰাৰ) (১-বাছৰ বা স্থাপনিয় কৰাৰ কৰাৰ) আন্তৰ্ভাৱ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰ					_			@3-878	3	260
আৰক্ষি আৰক্ষি কৰিব এক কৰিব বা প্ৰতিক্ৰ কৰিব আনুন্ধ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব		হ ফলমল ও আবরণযক	বেজর গাহ আছে)	৫৫-রাহমান	22	3:55		২২-ব্যক্ষ	80	95
ক্ষম ব্যাহিক বাৰ্কাল বাৰ্কাল কৰা (কৰিব ৰ'ব)  - ১৯-ছ' শংশাল বি ১৯  - ১৯				-	-					
কুম বাৰ্ষভাৰ পৰিবৰ বাবে অনুৱাৰ বাবেপুৰিবৰ  ***** বিশ্ব কৰি		र्ववास अधिकार अञ्चल <i>।</i> विस्	wit was	No. of Female	95	220			20	670
পাৰ্থকৈ বিজ্ঞান কৰিব দিলা কৰিব বিজ্ঞান কৰি									28	હવ
নিবাৰ্থ্যক বাৰ্থাৰ মান্ত্ৰ মানুৰ ম		rio van signe on	16-0-	3 (-4	-					327
মিত বাহুবে বাহুবি (বাহুবে বাহুবে) ১৯ - ১৯ - ১৯ - ১৯ - ১৯ - ১৯ - ১৯ - ১৯		with return arrange		a serve Serve	10-	202			r	965
ৰ তিনিকা বাৰ্থনা প্ৰকৃতি কৰিব নিৰ্মাণ কৰে। তুলা কৰিব নিৰ্মাণ কৰিব না বাৰ্থানা কৰে না বাৰ্থানা কৰিব না বাৰ্থানা কৰিব না বাৰ্থানা কৰেব									00	100
হানদ্বিদ্যাল ব্যক্তিক বাবে নিৰ্দেশ কৰিব নাৰ প্ৰকৃতি নিৰ্দ্যাল কৰিব নাৰ প্ৰকৃতি কৰিব নাৰ প									253	ওতা
অন্তর্গত ।									2.0	664
নিৰ্ভিতনৰ বাবে পাৰ্যন্ত কৰিবলৈ বা (সাৰ্পান কৰিবলৈ পৰা)  বা বাবে প্ৰত্ন কৰিবলৈ		HE HICE IMMEN SCELL		5-415/81	3/08	420			20	ઉપા
মানপার কর্মান বিশ্ব হল মানপার মহারেশ করেছে । ৩০ শুলা মান বি তার বিশ্ব হল মানপার মহারেশ করেছে । ৩০ শুলা মান বি তার বিশ্ব হল মানপার মহারেশ । ৩০ শুলা মান বি তার বিশ্ব হল মানপার মহারেশ । ৩০ শুলা মান বি তার বিশ্ব হল মানপার মহারেশ । ৩০ শুলা মান বি তার বিশ্ব হল মানপার মহারেশ মানপার মহারেশ মানপার মহারেশ মানপার মহারেশ মানপার মহারেশ মানপার মানপার মহারেশ মানপার মহারেশ মানপার মানপ						$\perp$			03	PP:
মাৰ আন্তৰ্ভ বিশেষক বিশ্বাস্থ্য কৰে। আন্তৰ্ভ আনুহৰ কৰা বিশ্বাস্থ্য এই ৩০০ বিশ্বাস্থ্য কৰা আন্তৰ্ভ আনুহৰ কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰ		ন 'দেই' আৰচ্চিত লা হয় (।	(गवना धर्म पनि)	৫৯-হাশর	٩	200			00	685
মান কৰেতে আয়ুন্ত নিজ্ঞান কৰা আৰু পাৰ্যন্ত কৰে । তুলা পুনৰ মানু ১ই ৫০১। কৰি চিনেটালা কৰা আছে কথাৰ কৰা কৰা হৈ তুলা কৰি কৰা কৰা কৰা হৈ তুলা কৰা কৰা হৈ তুলা হৈ তুলা হৈ তুলা কৰা হৈ তুলা হৈ তুলা হৈ তুলা কৰা হৈ তুলা হৈ তুলা হৈ তুলা হৈ তুলা কৰা হৈ তুলা হৈ তুল					L		হিলরতকারীর জন্য উত্তম আবাদ (অভ্যাহারিত হয়ে হিলরত করঙ্গে)	১৬-নাহ্দ	87	900
আহল বান্ধান করের করার হারা বিশ্বস করে আল্লার ৯-কাগুলা ১৮ ০৬১ অনুক্রমন করের করার হারা বিশ্বস করে আল্লার ৯-কাগুলা ১৮ ০৬১ অনুক্রমন করের করার হারা বিশ্বস করে আল্লার করে হারা করের নাক্ষ্ম ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮ ১৮				৬-আন্'আম	68	600	ভাৰাসন			
মসঞ্জিল আখাল করেবে করেই যারা বিশ্বাস করে আল্লার: ৯-জাঙরা ১৮ ৬৪১ আন্তরেরীয়েনের আখালমুক্স জাহারাম করেই না নিকৃত্রী: ১৬-নাহেল ম মসঞ্জিল আবাল মুশবিতদের অধিবার নয় ৯-জাঙরা ১৭ ৬৪১ আন্তরেরীয়েনের আখালমুক্স জাহারাম করেই মা নিকৃত্রী: ৬৯-মুমার ব	াকে আল্লাহ নিঃ	নিজ্যে ছল্য আৰশ্যক য	कद्वराष्ट्रम	৬-আন্'আম	34	498	वनी देशवादिकात समा आद्वाद यदाव्यं आवारामा वावद्या कराम	১০-ইউদুল	ho	666
মসজিল আবাদ কাৰে জনাই থবা বিশ্বাস কৰে আল্লাহ… ১-জাঙৰা ১৮ ৬৪১ জন্তজালীকের আবাদাস্থল জাবান্নাম কর্তই না নিকৃটঃ ১৬-নাহল ২ মসজিল আবাদা মুশ্জিতদের অধিকার নয় ১-জাঙৰা ১৭ ৬৪১ অহুজোলিকের আবাদাস্থল জাবান্নাম কর্তই না নিকৃটঃ ৬৯-মুনার ৭										
মসঞ্জিন আবাদ মুশ্বিকদের অধিকার নয় ৯-কাওকা ১৭ ৬৪১ অহংকার্মদের আবাসস্থল জাহান্নাম কর্তই মা নিকৃষ্টঃ ৩৯-মুমার ৭	আবাদ করবে '	ৰে ভাৰাই যাৱা বিশ্বাস ব	হরে আল্লাহ	৯-জাভয়া	72	683		১৬-নাহল	239	906
									94	799
মসজিলে হারামকে আবাদ করা ইমানের সমান দয় ৯-ভাওবা ১৯ ৬৪১ অরকোরীদের আবাসক্রপ জারারাম ৩৯-ঘুমার ৬			र्गन मध	৯-ভাওয	22	683		৩৯-যুমার	80	693
				৫০-রম	ъ				96	bbs
					ŕ	1			9,5	620
	ার সাহি করণে প	ray (adlisarua Suurs	et)	1948491	63	937			48	44
			")	* i-e-i-let	1,	100		na-X-listella	0	100
			or where	AL DEPOSE	-	-		৭-আ'রাঞ্চ	ઢ	હર:
			হুহ জাণত!					0.0.1991999		
									25	27
									05	৮৭
									901	25
অধিরান্তের আবান কানের জন্য বারা পৃথিবীতে ২৮-কালাস ৮৩ ৮১৫ কাফিবনের আবানস্থাদ বিপর্বর আপতিত হতেই থাককে ১৩-রাণি ৩	তের আবাদ জা	फारनंद्र बाना योदा পृथिये	nce	২৮-কালান	9.0	9.76	ক্যাফরনের আবাসস্থলে বেশবর আপতিত হতেই থাকবে	১৩-বাৰ	.03	690

			-	नकः विस्तृ/दनन	নুৱা নং ও শাম	week n	d gri
भाष bed 1,380cm विषय/धनम	जूबां बर छ नाम	400 %	120	কানের কিনুই মানুধ আরম্ভ করতে পারে না (আল্লাহর ইচ্ছা কান্তা)	२-राक्स्या	200	
আবাসস্থল (পূর্ব পৃষ্টা শেকে)						400	900
লাধরাম শয়তানের অনুসারীনের আবাসক্ল	৬-আন্'আম	252	909	कान बादा जाराह करहन नि मृत्र जा. ता निष्मा, ता निष्मा देशी श्रीकाः।	79-44 <u>6</u> 2		
নিক্ট আবাসহল জালিমনের	৩-আলে ইমরান		660	জ্ঞান হারা আরপ্ত না করেই নিদর্শনকে মিখ্যা অভিহিত করা	২৭-নামল	9.8	900
নিক্ট আবাসস্থল জাহান্লাম (নিজের গ্রতি স্থাপুমকারীর)	8-দিসা	20	250	মুমিননের আয়তে আসেনি এখনো (বিস্কু যুদ্ধশঙ্ক সম্পদ)	87-0752	52	227
निकृष्ठे जाराञ्चन (साराहाम)	১৪-ইবরাহীম	2,5	6966	কুনকুন এমন বিদয় আহর করেছে যা সুলাইমান আ. করেনি	২৭-নামল	44	207
মানইয়ানবানীদের আবাসস্থলে উপুড় হয়ে পড়ে থাকা(শান্তি প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাকৃত	200	479	আয়তে (আরো দেখুন নিদর্শন শব্দটি)			
থুনাফিক ও কাফিবদের আবাসস্থল আখন (কিয়ামতে)	৫৭-হাদীদ	26	888	অনৰ্থত কথা (আয়ত সমজে অনৰ্থক কথাৰ পিছ দেখলে বা নসা)	৬-আন আম	69r	604
আবির্ভাব				অনুসাল(কডিডনা লক্ষ্ণিত হৰার পূর্বে আরাত অনুসাল,ধালে প্রসঙ্গ)	২০-ছা-ব্য	308	983
ক্ষুৱের অবিভাব পর্যন্ত শান্তি বর্ষিত হয় (কদর রাজে)	39-8093	4	6504	অবতীর্ণ (আয়াত অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ)	<b>₹8-74</b>	3	118
আবু লাহাব				অবতীৰ্ণ (আৱাত অবতীৰ্ণ করেছেল আল্লাছ)	48-94	86	992
উপার্ক্তন (আরু সাহাবের উপার্ক্তন কাজে আসেনি)	১১১-मादाव	3	2000	অবন্তীৰ্ণ (আয়ত অবন্তীৰ্ণ করেন আল্লাহ বাদাকে অঞ্চলার হতে)	৫৭-বাদীদ	>	585
ধন-সম্পন (আৰু লাহাব্যে ধন-সম্পন কাঞ্চে আসেনি)	১১১-লাবাব	2	2002	অবতীর্ণ (রাসুদ স, এর প্রতি সুস্পর আয়াত অবতীর্ণ)	২-বাকারা	202	233
ধাংল হোক আৰু লাহাবের দুই হাত ও লে নিজে	১১১-লাহাব		2002	অবতীৰ্ণ (সুস্পায় আয়াত অবতীৰ্ণ করেছেল আছাব)	५8-नव	08	999
স্ত্রী (আরু লাহাবের স্ত্রী আগুলে প্রবেশ করবে)	227-M214		2006	অন্তর্গ (সুস্পষ্ট আয়াত অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ)	৫৮-মুজাদালা	4	30
হাত (কালে হোক আৰু লাহ্যবের দুই হাত ও লে নিজে)	227-Mald		2000		৫৮-নূজানালা ৩-আলে ইমরান		48
আৰুত (আরো দেখুন ঢাকা শব্দটি)		-	-	অবিশ্বাস (আরাত অধিশ্বাস করে আহলি কিতাবরা)		10	
আপুত (আছো দেখুল তাকা শক্ষাত) আপুতে আৰত করলেও আল্লাহ জানেন গোপন করা বিষয়	১১-ছদ	q	995	অবিশাস (আয়াত অবিশ্বাসের কারণে দাবিদ্র: ও লান্ধ্না)	৩-আলে ইমরান		@84
	33-64	· ·	000	অবিশাস (অন্ততে অবিশ্বস ক্রিইস্যাইলের লাহুন/দরিরের কান)	২-বাকুবো	62	200
পাতা নিরে লজাছান আবৃত করা(জান্নাতে আদম আ. আ	২০-ড়া-হা	252	487	অধিশ্বাস (আরাতে অধিশ্বাসীদের কুলম্ভ আগুনে প্রবেশ)	৪-শিশা	49	466
হাওর প্রবন্ধ)		-	846	অধিয়াস (অয়াতে ঈয়ান না আনলে প্রতিফল,দৃষ্টিবীন অবস্থায় যাশ্য)	২০-স্থা-হা	250	982
বপ্তাৰ্ত (বুহের আহলে তলে সম্প্রদার নিককে বস্তাবৃত করে)	47-5£	٩		অধিশ্বাস (আরাত অধিশ্বাস করেছে বারা তাদের জন্য)	৩-আলে ইমরান	8	200
মানুদ্ধক আৰ্ত করৰে (বেরিজেন্স আকাশ)	৪৪-দুখান	>>	805	অধিবাস (আরাত অধিবাসের মর্নাসিসে না বসা প্রসঙ্গ)	ક-મિત્રા	180	292
লক্ষ্যান আৰুত করতে লাগল আদম আ, ও তার প্রী	৭-আ'রাফ	22	658	অবিশ্বাস (বনী ইসরাইল কর্তৃত আরাত অবিশ্বাস প্রসঙ্গ)	৪-মিলা	200	230
(মান্নাতের গাতা)	1	_	-	অবিশ্বালী (আয়াত অবিশ্বালীকে লেখার আঞ্চান, রাস্ক্রলের প্রতি)	১৯-মার্ড্রাম	99	900
লক্ষাস্থন আৰ্ত করার জন্য গোশাক গৰাতীৰ্ণ করেছেন	৭-আ'রাফ	২১	675	অপীকাৰের পহিলাম (কর্ম বিকল হওয়া)	১৮-বাহক	202	900
হাওয়াকে আদম আ, কর্তৃক আত্ত করা (মিলন ও সঞ্জান লাব	৭-আ'রাফ	276	800	অপীকার করা(আয়াতকে কেবল কফিরবাই অপীকার করে)	২৯-আনকাৰ্ড	89	520
প্রনঙ্গ)							
অবৃত্তি (দেখুন পাঠ/তিলাওয়াত শদটি)				অন্বীকার (জালিমরা আরাতকে অন্বীকার করে)	৬-আন্'আম	00	@hb
আমলনামা (আরো দেখুন কিতাব শব্দটি)				অস্বীকার (আনভাতির আয়াত অস্বীকার ও তানের চোর-কান-	৪৯-আহ্বাফ	26	270
উত্তরে তার আহলনমার প্রতি আহবান কর হবে (বিসামকে)	80-वाश्चि	24	204	इमर)		_	$\vdash$
ভাদ হাতে আমলনামা/কিস্তাব প্রদান (কিয়ামতের দিন)	৬৯-বাস্তাহ	33	896	অপীকার (আয়াত অপীকারকারীর রুত নিকৃষ্ট বন্ধণালাকে শার্ডি)	82-व्यक्ति	22	300
দেৱা (যার আমলনামা বামহাতে দেয়া হবে, সে বলাব)	৬৯-বাজাহ	2.0	৯৭৯	অপ্নীকার (অল্লাহন আয়াত অপ্নীকারকারীয়া বাম দিকের গোক)	৯০-বাদাদ		205
পঢ়ালে (মানহাতে আমলনমাপ্রাত্ত অন্যকে তা পড়ে সেখতে ধপনে)	৬৯-ব্যক্তাহ	35	595	অম্বীকার (তাফিররা আল্লাহর আয়াত অম্বীকার করত)	৪১-তৃস্সিবাত	59.	9,94
পেশ (মুশর মাঠে সকলের কিতাব/আমলনামা পেশ করা বলে)	৩৯-যুমার	63	299	व्यक्तीसकारी (व्यक्तिमपूरस्य शकि, उद्यक्ति विम पूरीय शमा)	৭৪-মুন্দাছছিব	26	990
বাম হাতে আমলনামা/বিভাব প্রদান (কিয়ামতের দিন)	৬৯-ব্যব্ধার্	2.0	292	অহংকার (আরাক্ত থেকে অহংকার করে বিরক্ত থাকার পান্তি)	৬-আন্'আম	20	600
নাক্ষ্য নিবে (বিব্রামতে আমলনামা কথা বলবে/নাঞ্চ্য দিবে)	80-साइस	25	200	অনুসাম (আয়াত অনুসাম করত বাসুল স. পাঠালে (সম্প্রধার কারে)	২৮-কানাস	89	373
আমানত	are-minen	100		व्याहादद निमर्गनमपुर व्यवसान करताह याता	৮-জনসাপ	43	600
		-	85%	অস্থাতো আন্তাৰকে থকা নিখা ব্যাহিল (পুচের জাবিকে ফুবিরে সেয়া)	১০-ইউনুস	90	663
বিয়ানত (আমানতের বিয়ানত করা নিষেধ, পরস্পারের মধ্যে)	৮-আনফাল	29		प्राष्ट्राध्य प्रधान भारत निरुद्धन प्रमुख राजुन न, अर निर्द्ध नकानह	৩-আলে ইমবান		485
পেল (আরমণ-পৃথিবীর কাছে আনানত বছনের জন্য পেল করা হয়)	৩৩-আহ্বাব	92	b80	আল্লাহৰ আয়াত পাঠ করবেন রাপুল ল, মুমিনদের নিকট	৩-আলে ইমবান		993
ফেরত (হবদারদেরকে আমানত ফেরত দানের নির্দেশ)	8-निश	20	468				
ফোত (আমানআহীভানে আমানত ফেবত দানের নির্দেশ)	২-বাকারা	500	208	আল্লাহর আয়াত পাঠ করেন আল্লাহ রাস্থা স, এর নিকট	২-বাকুরো		
ফেরত (এক দীনার আমানত দেয়ত দেয়া না অনেক আহলে কিতার	৩-আলে ইমরান	9/2	480	আল্লাহর আয়াক বর্ণনা (মানুকের চিন্তার জন্য)	২-বাবুদর্গ্র	466	
বিপুল পরিমাণ জামানতও কোত লো বেদন বেদন আহলে জিন্তাব	৩-আলে ইমরা	9.2	480	আল্লাহর (আল্লাহর আয়াত সম্পর্কে কাফিররা বিতর্ক করে)	৪০-মূখিন	8	b 91
রকা (আমানত রক্ষা করে যাবা)	৭০-মা'ব্যারিক	102	39.5	আল্লাহৰ আল্লাভ বাস্পান, মানুহের কাছে পাঠ করেন	৬২-জুমু'জা	2	365
রক্ষাকারী (মুমিনগণ স্বামানত রক্ষাকারী)	२०-भूभिनृन	b	966	আল্লাহর আয়াতে ঈমান না আনলে বস্ত্রণানায়ক শান্তি	১৬-নব্দ	708	373
হকনারকে আমানত ফেরত দানের নির্দেশ	8-निमा	62	268	আল্লাহর আরাতের পর কাফিররা কেনে কথার ঈমান আনরে।	8१-सम्बद्धा	6	300
प्रापत				আল্লাহর আরাতের বিনিমত্তে নামান্য মূল্য প্রহণ	৯-জাধ্যা	>	686
পিতা আহরতে ইবরাহীয় আ, পিরক সম্পর্কে বলেছিল	৪-জান আম	98	600	আল্লাহর আল্লান্ডের মাধ্যমে নূহ সম্প্রদায়কে উপদেশ দান	১০-ইউনুস	93	993
प्रामीय		+	1	আস্থাহৰ আয়াতের সাথে ঠাটা করে মুনাকিকবা	১-ভালো	62	688
আয়াব ইউসুফের ডাইরের আর্থিয়কে বলল (বৃদ্ধ পিতার ব্যাপারে)	১২-ইউস্ফ	99	69/8	আপ্তাহত আয়াত অভিযাস করে যে	৩-আলে ইমরান		000
				वाह्यदर वाह्यठ वर्षीकारकांग्रीतक विद्यास करा दश	৪০-মামিশ	80	bire
রাবেশ (অথীয়ের নিকট প্রবেশ করণ ইউসুফের ভাইনের)	३२-३७नुष	W	99.6	আল্লাহ্য আরাত্তর অবিশ্বাসকারীর ঋণ্য যন্ত্রণালয়ক পাছি	৩-আলে ইমবান		0.00
রী (অধীয়ের রী লগতে নৈহিত নিশনে প্রয়োচনা দেয়, নানীর কলা)	३२-इंडेगुरू	00	939	আল্লাহর আরাজকে আবদ্ধানকারর জন্য বস্ত্রণালয়ক শাক্ত আল্লাহর আরাজকে অপীকার করেছিল কভিন্তর	ও-আলো প্রথান	62	924
রী (অধীয়ের রী কল- এক। সত্র প্রকাশ পেরেছে, অমিই অবে)	३३-१७गुरू	62	99.7			507	650
আয়তগোচনা				আল্লাহন আয়াতকে উপহাস হিসানে গ্ৰহণ করা নিমেধ	২-বাসুধর		
হুর আয়রশোচনা হুরগণ থাকবে জান্ত্রভিদের নিকট	৩৭-সাত্কাত	87	res	আপ্তাহর আয়াজকে মিথা অভিহিতকারীর উপমা কতাই না নিকৃত্ত।	৬২-জুমু'আ	6	995
		1 -		আল্লাহর আয়াতকে মিখ্যা অভিহিতকরীয়া তীব্র আচনোর	∉९-शमीम	35	320
আহন্ত							
	৪৩-যুধক্ষদ	30	9/2/9	আল্লাহর আন্তাতকে মিথা বদলে কবিজ্ঞান্ত হতে হবে অল্লাহর আন্তাতকে মিথা অভিহিতকারী সবচেত্রে বড় জালিম	১০-ইউনুস ৬-জান'আম	369 369	650

	नुवां कर समय	400 1	90	Ma National	मुझाल्द्र चलाव	ete:	1
আয়াত (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)		1	1	পাঠ (আরাড পাঠ করবেন রানুল, মানুষের মাঝে)	২-বাকারা	267	
স্বরান (আহাতে সমান আনলে আল্লাহর দরা নির্বারণ)	৭-আ'রফ	200	699	পাঠ (আৱাত পাঠ করা সংক্রও কৃত্বর্ব()	৩-আলে ইমরান	105	981
ইমন (আগ্রতে ইমান আনলে অক্সহর নামে ক্রাইকত পচ থাওয়া)	৬-আন'আম	222	800	প্রতিপালকো আল্পাত থেকে যে তুল ফিরার (সে সবচেয়ে বড জলিম)	১৮-কাব্য	63	33
ষমান (সাধাতে সমাননার/বিশ্বাসী সুসলিমের জাল্লতে প্রবেশ)		66	200	প্রতিপাশকের আরাজ্যমূহ পাঠ করে ক্ষান্তে রাসুল স, এসেক্টোর	०%-ग्रमाव	33	8.4
ইয়ান (আয়তে ইয়ানদারদের প্রতি প্রতিপাদকের দল্প প্রসহ)	৬-জান'জাম	28	800	প্রতিস্থাপন (এক আরাতের স্থলে অন্য আয়াত প্রতিস্থাপন)	১৬-সাংগ	202	33
ইয়ান (আপ্তাহর আগ্তাতে ইয়ান না অনেলে বস্তুগানায়ক শক্তি)		208	322	বৰ্ণনা (অপৰাধীদের পথ স্পষ্ট করার ক্ষত্য আরাত বৰ্ণনা)	৬-জান'আম	20	60
ইয়ান (যার আপ্রায়র অরাতে ইয়ান আনে ল তারাই মিখাবালী)	১৯-শহদ	206	933	বৰ্ণনা (ক্লীনা ও মানুষকে রাসুল স, কৰ্তৃত অস্থ্যাহর আরাত কৰিছা)	क-बान,बान	200	
हेनशास्त्र विद्याद्वाल वाडावरत शहर वरह (काक्ट्रिह)	80-वाश्चि	305	300	বৰ্ণনা (নিদৰ্শন বৰ্ণনা করেন আল্লাহ, মানুবের জন্য)	২-বাকুরো	269	
ভাষ্যনের বিবয়স্তাশে আরাক্তি হাইশ করে (কাঞ্চর) উপহাস করে, আয়াতের প্রতি (প্রতিকশ লাহাপ্রাম)	7A-41641			वर्षना (पात्राक वर्षना करान पाद्याव सानी गलमाराव सना)	2-419191 2-419191	33	68
		300	৭৩১	वर्रमा (आवाठ वर्रमा काइम आहार कामा गन्द्रमासव बना)			
উপহাদ করে (কাফিররা)	79-4164	69	459	বৰ্ণনা (আয়াত বৰ্ণনা কংগুল আল্লাহ, অনুধাৰনের জন্য) বৰ্ণনা (আয়াত বৰ্ণনা করছেল আল্লাহ, অনুধাৰনের জন্য)	২-বাসুবরা	282	
উপদেশ (আয়াত বার উপদেশ দেরা হলে মুখনিবাদের বড় বুলুম)	৩২-সাজ্লা	44	1007		০-আলে ইমরাণ		
উপদেশ (আয়াত থারা উপদেশ দেয়া হলে মুমিনগণ বিশ্বাস করে)	৩২-সাঞ্দা	76	3007	বৰ্ণনা (আয়াত বৰ্ণনা করেন আল্লাহ)	২৪-দূর	4.p	9,6
উপদেশ(আল্লাহর আয়াকের মাধ্যমে উপদেশ, নৃহ সম্প্রদারকে)	১০-ইউনুস	47	699	বর্ণনা (আরাত বর্ণনা করেন আল্লাহ, মানুষের জন্য)	২৪-দূর	72	99
কিভাব (কুরআন) এর সায়াকলমুহ বিভারিত বর্ণনা করা হরেছে	৪১-সুস্নিলাভ	0	944	বর্ণনা (আয়ার বর্ণনা করেন অস্ত্রাহ দেই সম্প্রদারের ছল্য বার)	৭-আ'রাফ	હર	634
কিফাবের (কুরআনের) আরাজসমূহ সুস্পট করা হরেছে	১১-ছুল	7	995	क्लंब (प्राचान क्लंब करा यनि राष्ट्रण न. आग, वनी प्रमध्यत कराई)	৭-আগ্রাফ	00	63
কিডাবের (সুস্পষ্ট কিডাবের আয়াত আদিক-দাম-রা)	১২-ইউসুফ	7	699	বৰ্ণনা (আয়ত বৰ্ণনা করেন আল্লাহ)	२.८-मृद	62	9,5
কিজাবের (সুস্পট্ট কিজাবের আয়াত)	২৬-ড'আরা	4	996	বর্ণনা (আয়াত বর্ণনা করেন আল্লাই)	২-বাকুারা	479	22
কভাবের (সুস্পষ্ট কিভাবের আন্নাভ, হত্তকে মুরাবাভ)	২৮-কালাস	2	pop	কনি (আরাত বর্ণনার দিকে সক্ষা করার জন্য আল্লাহর আহনে)	৫-মাছিদা	9.0	65
্ তাবের (প্রজামরা কিতাবের আরাত)	৩১-প্ৰসান	2	529	বৰ্ণনা (আন্নতসমূহ বৰ্ণনা বঢ়েনা অক্সহ যাতে মানুখ সঠিক পথ পার)	৩-আলে ইমরান	200	48
কিতাবের আয়াত আশিক-লাম-রা	১৫-ছিজর	3	680	বর্ণনা (আল্লাহ আল্লাভ বর্ণনা করেন, জনপন ধ্বংস প্রসঙ্গ)	৪৬-আহ্কাঞ	29	25
কিডাবের আয়াত 'আলিফ-লাম-রা'	22-4H	3	600	বৰ্ণনা (অস্ত্ৰাহ আহাত কৰ্ণনা কৰেন ফো মানুহা কৃতজ্ঞতা প্ৰকাশ কৰে)	৫-মারিদা	80	23
করবের আরাজ কেন্দ্র-সীন-মীম, ওঙলো সম্পন্ন কিবাবের আরাজ)	২৭-নামল	3	boo	বৰ্ণনা (আপ্ৰাহ আয়াতসমূহ বিস্তায়িত বৰ্ণনা করেন)	৭-আ'রাক	298	643
কভাবের আয়াত নিয়ে গভীর চিন্ধা করা	७४-८गाम्	335	869	বৰ্ণনা (আল্লাহ উপলেশ গ্ৰহণকাৰীলের জন্য আল্লাভ কৰ্ণনা করেন)	৬-আন'আম	256	601
বভাবের আয়াত (প্রতিশালকের পক্ষ থেকে অবজীর্ণ)	১৫-রাম	3	50 b	বর্ণনা (আপ্রাহ মান্যের জন্য আরাক বর্ণনা করছেন)	২-বাকারা	223	031
কভাবের ('আলিফ-লাম-রা'। একলো কিভাবের আরাভ)	২০-ইউন্স	3	528	বর্ণনা (নিচিত বিশ্বাসী সম্প্রদায়ের জন্ম আয়াত বর্ণনা)	২-বাকরো	22%	030
তভাবের ( আলত-শার-রা । বস্তুলো তভাবের আরাভ) করমানের আরাভ(ভোরা-নীন-রীম, একলো করমানের আরাভ)	২৭-নামল	3	910	বর্ণনা (সম্পন্ন অব্লাক বর্ণনা করেন আপ্লাহ)	<b>५8-मव</b>	av	999
কুমনাসে জন্মত(তেনা-নাদ-নাদ, তত্তণ। কুমনাসের জন্মত। কুমনাসের আক্রান্ত বিশ্বসভাবে বর্ণনা করা হয়নি কেন।	৪১-ফুসসিলাভ	88	Poo	বিচাৰি (আহাতে নিচাৰি ঘটাৰ যাৱ তাৱা আপ্ৰাৰৰ কাছে গোপন নাচ)	৪১-ফুস্লিপাত	80	w
	৪১-তুশ্নলাত ৭-আর্ফ			বিভিন্ন (অৱাজ্যান হয়ে ডা থেকে বিভিন্ন বাঞ্চিব সংবাদ পাঠ)	৭-আ'রাফ	236	643
মূল্ম (আরাতের প্রতি মূল্ম করেছে তারা যরা)		>	970	বিচ্ছে (আরক্ষেত্র হয়ে তা থেকে বিচ্ছের বাকর সংবাদ পাও) বিক্ত রাখা (অয়োক ক্ষেক্ত যেন বিক্তে না রূপে রূপক সংক্তে )	২৮-কাসাস	370	92
ন্ধানী সম্প্রনারের জন্য আল্লাহ আল্লাক বর্ণনা করেন	৬-আন্'আম	205	909	বিশ্বাস (আয়াত থেকে কেন নামত না বাংগ বাংলুল সংক্ৰে) বিশ্বাস (আয়াত থাকা উপায়াল লোৱা হলে মনিনামা আতে বিশ্বাস কৰে)	৩২-সা <b>ল</b> সা	30	0.00
মৌ-বিকুপ (মারাত নিয়ে ঠাট্টা-বিকুপের মন্দলিলে না কম প্রদাস)	8-मिमा	780	€98				
তিলাওয়াত (আল্লাহর আয়াত তিলাওয়াত করলে বলে,,,)	৬৮-কাশাম	34	206	বিত্তৰ্ক (আল্লাহর আল্লাক নিয়ে বিত্তৰ্ক)	80-मृधिन -	29	55.
নরামরের আরাত পাঠে সেজনার সৃটিরে পড়ত থারা	১৯-মারইরাম	69.	405	বিত্তর্ক (আল্লাহর আয়াত সম্পর্কে বিতর্ক করে)	80-मृभिम	65	yb!
निवर्गन/ जावाठ वर्गना करवन जाहाद	১০-রা'দ	ą.	440	বিনিময়'অল্লাহর অরকের বিনিমরে শামান্য মূলা গ্রহণ করা নিবিছ)	২-বাকুলো	87	200
পাঠ (আন্নান্ত পাঠ করা হলে মিখ্যা অভিহিন্ত করত কাঞ্চিররা)	২৫-সু'মিন্ন	205	992	বার্থ করা (আল্লাহর আনাতকে বার্থ করার প্রচেষ্টা)	০৪-দাবা	q	ъ8:
পঠ (অৱত পঠ করা হলে জাদিমহা বলত)	৩৪-সাৰা	80	484	বার্থ করা (আনাতকে বার্থ করা প্রচেষ্টা চালার যারা)	০৪-সাবা	40	788
পাঠ (আন্তাত পাঠ কৰা হলে কাফিররা পিছনে সরে পড়ত)	২৩-মু"মিন্ন	৬৬	990	ব্যর্থ কর(সায়াত বর্গ করার ভেটাকারীরা উদ্র আঙলের অধিবাসী)	55-5)#F	42	960
পঠ (অয়াত পঠ করা হলে জর বিরুদ্ধে কফিয়নের যুক্তি থাকে না)	৪৫-জাছিয়া	2.0	Pos	ভূলে ঘণ্ডর (মানুদ আরাত ভূলে বাণ্ডরার অক্সাহণ্ড ভূলে বাংলা)	২০-জ-হা	146	983
পঠ (অৱাত পঠ করা হলে পাপিষ্টরা হলে)	৮০-বুরাক্থিকী-	30	2022	পুশিমে দেরা আরাকের ছলে আল্লাহ উত্তর/অনুত্রপ আরাত অনেন	२-सङ्ग्रहा	305	67:
পাঠ (আদ্বাত পাঠ করা হলে ঈমান বৃদ্ধি পায়, দু'মিনদের)	৮-আনকাল	3	৬০২	মিখ্যা অভিহিত করেছে যারা আপ্তাহর আয়াতকে	৭-পা'রাফ	00	650
ণঠ (অহাত গঠ করা হলে কফিররা বলে)	৮-আনখাল	40	902	মিখ্যা অভিহতকারী বৰ্ণিব, বোধা (অয়াতকে মিখাকভিহিতনারী)	৬-আনু'আম	60	g bis
ণাঠ (আয়াত পাঠ করা হলে কফিবরা মমিনদেরকে বলে)	১৯-নাবইয়ান	90	90%	মিখ্যা অভিহিত (আরাতকে মিখ্য অভিহিত করেছে যারা শরিতে)	৩০-জন	26	520
ণাঠ (আল্লাভ পাঠ করে কনাকেন রাজদ, জনপদ ধরতেমর আগে)	২৮-জাগাস	6.9	270	মিখ্যা অভিত্তিত (আপ্লাহর আরাত্যক মিখ্যা অভিত্তিত করা)	90-97	30	820
পঠ (আহাত পাঠের জন্য বাসল স. মানইবানবাসীর নিকট)	২৮-আসাস	80	244	মিখ্যা অভিবিত করা (আয়াতকে মিখ্যা অভিবিত করার			-
गते करा (राजन ग. मधारत काळ प्राक्षण प्राप्त गते व्यवन)	७२-वय'वा	4	3/64	লাপ্তনাদায়ক পাত্রি)	২২-হাজ্ঞ	64	986
শত (কবিবলের কাছে আরাত শতি করা বলে আরা একে মানু বলে)	৪৬-আহকাফ	9	you	মিখ্যা অভিত্তিত করা (আরাজকে মিখ্যা অভিত্তিত করেছিল			-
ার (কালেরসের করেই আরার শার করা বরুণ ভারা মধ্যে আরু বংগা) পর্র (কালিরসের নিকট অস্তাহর আরাজ পাঠের পর অহকোর প্রদাস)	82-काविश	407	300	यस जान शुमन)	৭-আ'রাফ	9.2	623
ণত (কাকব্যার দক্তে অল্লার্ড অব্লাক্ত শক্তের শর অব্ধকর প্রদাস) দাঠকারী(কাফিররা আয়াক পাঠকারীকে আক্রমণে উদাক হর)	22-47I46I	94	968	মিথা অভিবিত্ত করা (আরাভাকে মিথা অভিবিত্ত করার পরিশাম)	৭-আ'রাড	224	643
গঠকার ব্যক্তর আগতে শারকারতে আরুমণে ভলতে হয়) গঠকত আরাজ শুরুণ রাখার নির্মেণ	क्ष-प्राहणह	44	NON NON	মিথা অভিহিত্ত করা (আয়াতকে মিথা অভিহিত্তকারীরা জালিম)	৬-আন'আম	43	690
				মিথা অভিহৈত করা (আয়াতকৈ মিথা অভিহিতভারীর উপায়)	৭-আগ্ৰাক	399	
গঠ (প্ৰেৰিত বাস্প স. কৰ্তৃক আৱাক গঠ কৰে কনালো)	২-বাৰুৱো	252	678	মিধ্যা অভিহত করেছিল আয়াততে (বিশ্বআইন বংশ)	কুজারল উছরার ক		941
নঠ (মুশবিকদের দিকট আম্বান্ত পাঠ করা হলে ভারা বলে)	১০-ইউনুস	7.5	955	মিখ্যা অভিহিত করেছিল যাত্রা আন্তান্তক মিখ্যা অভিহিত করেছিল যাত্রা আন্তান্তকে	ও-আলে হ্মরার ৭-আ'রাজ	80	626
ঠে(অপ্লাহর অয়াত শঠ বরা হলে কবিবনের মুখ্যবচন অধীনৃতি)	২২-হাজ	૧૨	968	মিখ্যা অভিহিত করেছে যারা (আল্লাহর আরাভতে)			
াঠ (অপ্তাহর অয়াত গাঠ করে, আহলে কিকাবনের এক নল)	৩-আলে ইমবান		289		৭-আ'রাক	69	626
াঠ (আল্লাহর আরাত গাঠ করা হলে অহন্ধারে মুখ ফিরানো)	৩১-পুকমান	٩	४२९	মিধা অভিহিত করেছে বার আরাজকে ভারা জীন্ত আঞ্চলর অধিনাসী	৫-মারিদা	30	e5:
াঠ (অল্লাহর অন্তাত গাঠ ও কফিরনের ঈমান না আনা প্রদঙ্গ)	৪৫-কাছিয়া	6	906	নিধা অভিহৈত করতনা আয়াতকে (কফিয়কে আৰম দুনিয়ায় পাঠাঙ্গ)	৬-জান্'আম		489
ণাঠ (অন্ধব্যর থেকে আলোতে বের কবার ক্ষন্য আয়াক পাঠ)	৬৫-ভাপাক	22	247	বিখ্যা অভিহিত করত (সীমালকানকারীরা)	৭৮-নাৰা		200
ণাঠ (আরাক ও প্রজামর উপদেশ পাঠ করছেন আল্লাহ রাসূল	৩-আলে ইমরান	ob	682	মিখ্যা অভিহিত করা (আয়াতকে মিখ্যা অভিহিত করার শান্তি)	৬-জান্'আম		900
দ. এর নিকট)				মিধ্য অভিথিত করা (আয়াতকে মিধ্যা অভিতিভারীচনর উপমা)	५-जा'शरु	236	643

A LONG THE REAL PROPERTY OF THE PERSON OF TH	TERRET TALL	-	redo 1	শুম্ব নিষয়/প্রসদ সূত্র নং ও নাম	1001 2	78
	न्त्रान्तः ७ नाम	980.5	Jet		1	000
বায়াত (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)						V91
ব্যা অভিহিত করা (আয়াতকে মিখ্যা অভিহিতকারীর	৬-আনু'আয	250	655	বেরেশতা আরশের চারপালে আস্তাহর পবিস্ততা ঘোষণা করে ৩৯-যুমার		24
वृत्तिव चनुगवर)	G-वान् जान	260	922	বহুনবারী (আলে বহুনবারী ফেরেশভার প্রতিপাদকের পরিবার) ৪০-মুখিন		
পা প্রতিহৈতকারী (আয়তকে মিখ্যা প্রতিহিতকারী কাফির)	৩৪-জাগারুন	30	264	বহুন(ক্রিয়ামতে আটজন ফেরেশতা 'আরণ' বহুন করে রাখনে) ৩৬-মান্সাব্		39
বের অভিহিতকারী(আরাডকে) ও কাফির আওলের অধিবাসী	২-বাকুরো	Q.	808	মালিক (আরশের মালিকের দিকে পথ পুঁজত, আরও ইলাহ থাকলে)   ১৭-ইল্বা	85	42.
ব্যা অভিহিতকারী (আয়াতকে নিখ্যা অভিহিতকারী আঙলের		_		মালিক (জিবরাইল আরশের মালিকের নিকট মর্যাদাবান) ৮১-তাকটীর		200
(रेवरी)	ও-মারিদা	pp	497	সমাসীন (আঞ্চল -পৃথিৱী সৃষ্টির পর আল্লাক আরপে সমাসীন হন)   ১০-ইউনুস	۰	60
বধ্যা অভিহিতকারী (সায়াতকে বিখ্যা অভিভিকারীদেরকে		-	-	সমাসীন (অংশে সমাসীন হয়েছেন আল্লাহ) ১৩-রাখ	1	66
न्यविश्वज्)	৭-আ'রাফ	48	62F	সমাসীন (আরপে সমাসীন হয়েছেন আল্লাহ) ২৫-ফুরকান	4.9	95
देशालक्षित्रसभी रह काणित्र (वासाठ विशालकिन्द्रकारी)	১০-ইউনুস	29	520	সমানীন (থারণে সমানীন হয়েছেন আল্লাহ) ৭-আ'রাফ	28	৬১
মধ্য কৰা (অক্সাহৰ আয়াতকে মিখ্যা কললে ফডিয়ের হতে হবে)	১০-ইউনুস	24	ბსი	সমসীন (আপ্তাহ আকাশ-পৃথিবী সৃষ্টির পর আরপে সমসীন হন) ৩২-সান্ধ্যা	8	40
ব ফিরনে (আয়ত থেকে মুব ফিরলে লাঞ্চনদারক শান্তি)	०५-जुरुपान	3	239	সমাসীন (আপ্লাহ আবংশ সমাসীন) ৫৭-হাদীদ	8	28
	७५-शक्स	44	500	সমাসীন (দরামর আরাহ আরশে সমাসীন হয়েছেন) ২০-স্থা-হা	e	38
পুৰ্বজ্ঞানে (আয়ত ভাগ উপদেশ দেখা মাল মুখনিবালে বড় স্থানুম)		264	655	সংঘদিত আর্শের অধিপতি আল্লাহ ২০-মু'মিলুন	338	99
ৰ ভিনালো (সাস্তাহর সামাত থেকে মূৰ ভিনালোন প্ৰতিকল)	৬-আনু আম	9	600	আবশ্বের অধিগতি	1	Г
হুংকাম আয়াত (কুলমানের ভিছু আয়াত মুবকাম)	৩-আলে ইমরান			অস্ত্রাহ আরশের অধিপতি ৮৫-বুরুজ	30	202
দুল্যাংশ (সায়াকের বিনময়ে মূল্য এংশ করে না ব্যবা)	৩-আলে ইমরান		222	আরণের মালিক		
ল্য (স্বায়াতের বিনিমরে মূল্য গ্রহণ করা নিমেণ)	<i>१-</i> मातम्स	88	52.0	আরপের মানিকের নিকট জিবরাইল মার্যাদাসম্পদ্ধ ৮১-তাকতীর	20	201
র্হিত আরাতের হলে আল্লাহ উন্তম/অনুরূপ আয়াত আনেন	५-राक्सा	709	625	পথ পুরুত আরপের মাধিকের দিকে (আরও ইলাহ থাকলে) ১৭-ইগ্রা	83	33
শোন্য (আয়াত থনেও অহংকারী হরে অটল থাকার পরিণাম)	82-समित्रा	y	906		100	1.0
সুন্দার করা (আল্লাহ তার আয়াতনে সুন্দার করেন )	২২-হান্স	22	950	वांशर	-	ļ.,
হুন/ছুন (এক আয়াতের হুলে/ছানে অন্য আয়াত প্রতিহ্বাপন)	३७-मार्ज	202	427	আরাফের অধিবাসীরা ভেকে বদরে আগুনের অধিবসীদেরকে । ৭-আ'রাক	87	63
দ্বাণ (অব্যক্ত শ্বরণ করিবে নিলে অন্ধ ও বধিরের মত আচনগ্র)	২৫-ফুরকান	90	92-9	আ'রাফে কিছু দোক থাববে ৭-আ'রাফ	86	93
আয়াতুল ভূবসি				আরাফাত	_	L
আল্লাচ্ লা ইলাহা ইল্লা হয়(আল্লাডুল কুলসী)	২-বাকুরো	200	200	আপ্রফাত থেকে প্রস্থানের পর আল্লাহকে শরপ ২-বাস্থানা	799	4:
जाद	- mg/m	1111	-	व्यक्षम		
	०१-शर्शक	22	₩89	অসহানে অধ্যাদর করে অবাদের বংগ্রা করকে। অধ্যাহ ১৮-বংশ্ব	136	93
আৰু বৃদ্ধি কয়ার বিষয়টি কিতাবে দিপিবছ আছে	०१-सावव			অৱামদায়ক		T
আহু প্রাস করার বিষয়টি কিজাবে শিবিত আছে		22	P84	থারা (আরমপারক নয় কালো বেনার হারা, বামের সাধীলো কন্য) ৫৬-ওয়াকিয়া	88	36
উপদেশ প্রহণের জন্য অস্তাহ মানুষকে দীর্ঘ আয়ু নিচেছেন	৩৫-ফার্টির	09	P89	प्राप्तकवाव	1	F
হাজার বছর আয়ু কামনা (ইছনীদের).	২-বাকুৰো	99	522		89	80
অব্যিম		_			0.1	100
অব্যিমদেরকে বিয়ে দেয়ার নির্দেশ	২৪-দূৰ	10%	999	বের করা (মানুবকে আরেকবার ঘনীন থেকে বের ২০-স্থা-হা	65	9.8
আরও (অধিক)				করা/পুনক্রতান প্রসঙ্গ	09	98
জাহুরাম বলবে আরও আছে বিঃ (বিয়ামতে)	৫০-বাক	30	320	দুলার প্রতি আপ্রাহর আরো একবার অনুহত্ম প্রদক্ষ ২০-ড়া-ব্য		
আর্বী/আর্বী ভাষা				শিলার আরেকনার ফুঁ লেয়া বলে সকলে দাড়িয়ে ভাকাবে ৩৯-যুমার	69	3
কুরজান আরবি ভাষার অবস্তীর্ণ (৩৫/উপদেশ হিসাবে)	২০-জা-হা	220	987	সমুদ্রে আরেকধার ফিচিয়ে দেয়ার ব্যাপারে মুশরিকরা কি নিরাপনঃ 🕽 ১৭-ই স্রা	69	93
কুরজন (আরমি কুরজন মণে বিকাধ অবস্তীর্ণ করেছেন অস্তাহ)	৪১-ফুস্সিলাত		bot	আরেকবার অবতরণ	_	1
কুরজান (জারান কুরজানরণে কিতার করতীর্ণ)	১২-ইউসুক	3	699	মেরজে নিবরতুপ ভূনভারর নিবট অবভানবালে ভিবরসিশবে দেবা ৫৩-নাজম	2.0	100
	>०-आभ	03	695	আরোগ্য (আরো দেখুন নিরাময় শব্দটি)		
কুরজান জারবি ভাষার বিধানক্রণে অবতীর্ণ	৩৯-বুমার	27	2430	ইংরাহীমকে প্রতিপাশক আরোগ্য লান করেন (রোগারনম্ভ হলে) ২৬-৩'আরা	9.0	93
কুরঝান (স্বারণি ভাষার অবস্তীর্ণ এ কুরঝানে বক্রকা সেই)		0	9.99	জন্মত্বক আরোণ্য করেন দিসা আ. (আল্লাহর ইচ্ছায়) ৩-আলে ইমর	F 85	Q8
কুরজন (কুরজনতে স্বামনি করা হয়েছে সহক্ষে অনুধারনের জন্য)	80-ग्रेडकक		200	মধুতে মানুবের জন্য অবোগ্য (মধুব কনাকণ প্রমঙ্গ) ১৬-নার্থ	65	9,0
কুরআন (নরী স.এর প্রতি আর্মনি ভাষা। কুরআনকে ওবী করা যায়ছে)	৪২-পুরা	9		মুমিনদের জন্য আবোণ্য ও দয়া খন্তপ কুবআন অবস্তীর্ণ ১৭-ইস্বা	44	9.
কুরআন সুস্পর্ট আরবি ভাষায়(মুপরিকদের অপবান রাসঙ্গ)	১৬-নাতৃদ	200		আরোপ	_	$^{+}$
মৰা (আয়বি ভাষায় অবতীৰ্ণ কিতাৰ কুৰআন)	89-802014	25	- 505	অক্সাহর প্রতি মিতারেল (সন্তলামে ধর্মে ত'আইব ফিরে গোলা) া-আ'রাফ	bris	6
অবা (সুস্পষ্ট আরবি ভাষায় কুরজান অবতীর্ণ)	२७-च'व्यक्री	754	479.	আপ্তাহর প্রতি মুশরিকের মিধায়োপ (ভারা মা অপছন করে জা) ১৬-মার্ল	68	19
'ৱাসূদ স, আরব আর কুরআন অনারবি' কাফিবরা বলত-	৪১-ফুগুসিলাক	88	trita		-	+
কুরআন জনারবি হলে		1		নির্দোবের প্রতি পাপ/অপরাথ আবোপ করণে তাপবাদ/পাপের ৪-দিসা	225	6
আরশ			1 1	বোঝা বহন	+	+
অধিপতি (আরপের অধিপতি আল্লাহ মুশরিকলো শিরক থেকে পরিত্র)	২১-আধিয়া	22	923	অারোহণ করানো	-	₽
অধিপতি (আরশের অবিপতি সম্পর্কে কফিরসেরকে জিজাসা)	২০-মু মিজা	5-5	993	ন্দ্ৰের সাবে অরোহণ করিয়েছেন আল্লাহ (আদমের বর্গেধরকে) ১৯-মারইরাম	av	٩
অধিপত্তি (আরপের অধিপতি সন্তান গ্রহণ থেকে পবিত্র)	৪৩-বৃৎক্রফ	20	coe	নৌকার আরোহণ করালো (নৃহের সাথে) ১৭-ইস্রা	0	9
অধিপতি (আর্শের অধিপতি আল্লাহ)	৯-জ্যাভরা	258		আরোহণ	1	L
অধিপতি (আল্লাহ আরশের অধিপতি)	৪০-মুখিন	26	7.75	আকাপে আরোহণ করে কিতাও ঋণতীর্থ করার দাবী রামূল স. ১৭-ইপ্রা	20	9
অবশ্যত (আপ্তাই আয়ানে আবশ্যত) অধিপতি (আপ্তাই আরশের অধিপতি)	৮৫-বৃদ্ধ	26	2026	वात्र करेटह	100	L
	২৭-ন্মন	36	bos	আবাদে আরোহনকে বিশ্বাস করবে না কফিননা (ভিতাৰ অবস্তীৰ্ণ) ১৭-ইপরা	20	19
অধিপত্তি (মহান আবশের অধিপতি আল্লাহ) অল্লাহর আরশ গানির উপর ছিল (আনস-পৃথিনী সৃষ্টির সময়)	33-49	9	999	আকাশে আহোহনের মত কঠিন করা হয় (পধভটের বফকে) ৬-আন আম	256	è
					30	ь

नप निरह/सतर	नुवास्त । नाव	पश्च न	পু পুটা	শ্বৰ বিৰহ/গ্ৰন্ত	नुस्रों मर् ७ माम	400	19
আরোহণ (পূর্ব পূচা বেকে)				আলো (আরো দেখুন কিরপ/জ্যোতি শব্দটি)		-	T
শচ্চরে (মানুষের আরোহণের জন্য ঘোড়া,গচ্চর ও গাধা সৃষ্টি)	১৬-নাত্স	br	200	অন্ধর্যার সমান নর জালো (উপমা)	৩৫-কাভির	10	101
গৰাদিপতর উপর আরোহণ করে মানুদ	৪০-মু"মিন	430	ptre	व्यक्तवंद स व्यामा नयाम नद	১৩-বা'দ	134	60
গাধার (মানুষের আরোহণের জন্য থোড়া,গচ্চর ও গাধা সৃষ্টি)	১৬-নাংশ	b	900	অন্ধকার থেকে আলোর দিকে বের করেন আল্লাছ	৫-মারিদা	36	an
যোৱার (মানুহের আল্লেবণের জন্য থোৱা,২০চর ও গথা সৃষ্টি)	১৬-নাবৃশ	ъ	900	অবর্তীর্ণ (প্রতিশাসক মানুদের প্রতি আলো/কুরআন অবর্তীর্ণ করেন)	8-PiN1	398	
স্কুশান কর ও নৌধ্যনের উপর কারোকা (এককো অস্তাহরই সৃষ্টি)	৪৩-মুখকুফ	25	৮৯৬	আনা (আলো এনে দিবে কে, আল্লাহ রাজকে অন্তর্জন করলে)		45	6
ছানে আরোধন (রূপার ছাদ/সিদ্ধিতে আরোধন, কাভিয়নের)	৪৩-মুখকুফ	00	pyp	আলোর উপর আলো	२8-नव	00	9
নূহ আ, আরোহণ করবে যথন নৌবানে তর্থন বলবে	২৩-ৰুমিনূন	54	969	সাহাহ বালো (মাহাহ থাকাণ ও পৃথিবীর আলো)	28-नृद	02	9
নৌযানে(গলি সীমা ছাড়ানোর পর নূহকে নৌযানে উঠানে হয়)	७७-स्कार	22	260	আল্লাহ আলো রাবেননি যার জন্য তার কোন আলো নেই	३8-मुद	80	13
দৌষাদে আরোহণ করাকেন আল্লাহ (নৃহ আ. কে)	৫৪-কামার	20	700	আল্লাবর শক্ষ থেকে এক আলো ও সুস্পর্ট কিন্তাব এসেছে	०-माविमा	24	2
পৌষদে আরোহণ করে মানুহ আল্লাহনে ভাকে ও পরে শরিক করে	২৯-আনকাৰ্ত	62	452	আল্লাবৰ আলো নিচিবে দিতে চাৰ কাফিছৱা	৯-ভারবা	65	6
নৌবান ও সকুম্পন জন্তর উপর আরোকা (একলো আল্লাকরই সৃষ্টি)	80-पूर्वकृष	25	9,9/9	অক্সাহর আলো ফুঁ নিব্রে নিভিয়ে দিতে চার জাদিমরা	७५-माएक	5	8
নৌবাদে আরোহণ করান জন্মাহ , নৃহের বংশংরকে	৩৬-ইয়াসীন	87	894	আল্লাহর আলোর পূর্ণকা হাস্কা সক্তিকু অসীকার করেন আল্লাহ	৯-ভাবৰা	102	6
নৌকার আরোবদের জন্য পুরকে নৃহের আহবাদ	<b>१</b> १-दूस	84	999	আল্লাহ বার জন্য আলো রাখেননি তার কোন আলো দেই	২৪-সুত	80	19
নৌকার (সূহ আ. এর প্লাবনে মুমিনলের নৌকার আরোহন)	३३-वृत	83	666	উপনা (অছকারে থাকা ব্যক্তি ও আলোর পথচলা ব্যক্তির উপনা)	৬-আন্'আম	-	
দৌকার (মৃসা আ. ও খিজিবের)	১৮-কাহক	47	900	ভিতাবকে অল্লাহ আপো সমুগ বাদিবেছন	8२-मृद्धा	.522	90
বাংল (আয়োহদের বাংল পাননি হাপুল স, যাগের জল্য ডাদের)	৯-জান্তব্য	24	689	কেন্তে দেৱা (আলো কেন্তে দিরে অঞ্চলরে হেন্তে দেৱা,	nd-An	45	10.
মানুষের আরোহপের জন্য ঘোড়া,বচ্চর ও পাধা সৃষ্টি	১৬-নার্প	b	900	युनाफिटका विभया)	২-ৰাকাৰা	39	2
ম,্য আরোহণ কথনে, এক কর হতে অন্য করে	৮৪-ইন্শিক্ষক	79	8404	টাদ (আল্লাহ টাদকে প্রিছ আলো বানিমেছেন)	১০-ইউনুস	0	+
দুদিনর অরেছন করেছিল পাহাড়ের উপরে, আন্তরকার্চে (উহসে)	৩-আলে ইমরাণ	200	200	টানকে অস্তাহ আলো বানিয়েছেল			8
বানবাহন সৃত্তি করেছেল আল্লাহ ,আরোহণের জন্য	৩৬-ইয়াসীন	84	894	তাওরাত (ফুরকান) মুতারীদের জন্য আলোহরূপ ছিল	१५-वृद	20	31
পিড়িতে আরোহণ (রূপার ছান/পিড়িতে আরোহণ, কাফিরনের)	80-यूरक्ष	00	464	লীভাতে পাকবে আলো (মু'মিল লয়-শারীর সামনে ও ভানে)	২১-আখিৱা	85	90
<b>पाता</b> ही					৫৭-হাদীদ	25	31
ভূবিয়ে দেয়া (দৌকা ছিদ্র করে, খিজির কর্তৃক)	১৮-কাব্দ	95	200	দিরে যাওর (মাক্সম সকলার থেকে করে করে জালোকে নিরে যান) পথনির্দেশ ও আলো সরুপ ঈদাকে ইঞ্জীল দেরা হরেছে	২-বাকুরে	201	e.
সলাত (অবোধী অবস্থায় সালাত, আক্রান্ত হওয়ার আপছা)	२-वादुरवा	203	450	পথনিসেশ ও আলো ব্যৱহার কাওৱাকে	৫-মাছিদা	86	21
পারোহী দল				পথ বাদর্শন করেন আপ্তার করি আলোর দিকে (যাকে ইচ্ছা)	৫-মারিদা	88	Q1
নিচে ছিল আরোরী দল (বদরযুদ্ধ প্রসঙ্গ)	৮-আনকাল	82	606	পূৰ্ণ কৰা (কিয়ামতে মুদ্দিকাশ আলো পূৰ্ণ কৰাৰ জন্য দোৱা কৰাৰ)	२८-मृद	00	90
মার্তনাদ		-	-		৬৬-ভাহ্রীম	ъ	20
ৰনপদেৰ আৰ্তনাদ (শঞ্জি আসার পর)	4-80,000	Q	63/0	পূর্ণ করবেন অক্সাহ তার অলো (বনিও কঞ্চিমরা অপছল করে)	७३-गाएक	ъ	36
ৰনগোৱীৰ আৰ্তদাদ (ধাংস হ্বার সময়)	৩৮-সেরাদ	0	200	প্রতিশাসকের আলোর অবস্থানকরী আল্লাহ বিদুর ব্যক্তির মত নয়	৩৯-যুমার	44	59
কলিমানর অর্কনা (নির্বলিক আচনের মত অবস্থা হংরার পূর্ব পর্যস্ক)	২১-আছিলা	20	923	বানালো (আল্লাহ অন্ধকার ও আলো বামিবেছেন)	৬-আন্'আম	3	6.9
বিজ্ঞ সম্প্রদারের জন্য আর্সনাদ নিনের আগল্পা	8o-मु'मिन		ppo	ক্ষে কর(মুফিনানে অন্ধর্মন থেকে আলাকে বের করে আন প্রদাস)	৩০-আহ্নাব	80	bre
মাল ইয়াপা'আ				ব্যে কর্ম(মানুহকে অছকার থেকে আলোতে বের করার জন্য কিব্যুব)	১৪-ইবরাহীম	2	63
নৰ্যদা গান (আল-ইয়াসা আ আ, কে স্কণতের উপর মর্যাদা		-		বের কর(মানুহকে অছকার থেকে আলোতে বের করার জন্য কিবাব)	১৪-ইবরাহীম	,	63
ন্দ কৰা বন্ধ)	৬-আন্'আস	pp	800	বের করা (আছত আলো থেকে বের করে অন্ধকারে নিরে যার)	২-বাকুরো	429	ę.c
प्रान (पान देशानाचा चा. क "क्रम कराव निर्मान त्रामुन म. तक श्रुवि)	৩৮-সোমাদ	81/	664	নের করা (অন্ধর্নার থেকে আলোতে বের করার জন্য আরাত পাঠ)	৬৫-ডালাক	22	94
মালকাতরা	-	-		বের করা (বান্দাকে অঞ্চলর হতে আলোর দিকে বের করা)	৫৭-হাদীদ	>	18
দামা (কিয়ামতে অপরাধীদের স্কামা হবে আলকান্তরার)	১৪-ইবরাহীম	фo	946	মানুষের জন্য আলো সকল ছিল তাওরাত	৬-আৰ্'আম	22	80
rejo	2016/39/6/4	ψo	0.91	মুরাকীদের জন্য তাওরাত আলোহরূপ ছিল	২১-আপিয়	87	90
	A S. OFFICE			মু'মিনদের কত রয়েহে আলো	৫৭-হার্নীন	7.9	96
	১৬-আশাক	2	4500	মুম্মিনদের সামনে ও ভালে আলো দৌড়াবে (কিয়ামতে)	৬৬-তার্রীম	ъ	90
মালাকা/জণ	O	-		মু'মিননের আলো থেকে আলো নিতে চাবে মুনাফিকরা (কিরামতে)	৫৭-ছাদীদ	70	84
বিবিন্দু আলাকায় পরিণত হওয়া (মানুষের হুলু প্রক্রিয়া প্রদাস)	৭৫-বিয়ামাত্		8466	সম্ভান (ভুনাভিকনেরকে শিক্ষাে শিক্ষাে আলো লম্ভান করতে করা হবে)	৫৭-হাণীন	>0	38
	80-मूभिन		844	সামনে ও আনে মুমিনদের আলো দৌদ্ধাবে (কিবামতে)	৬৬-ভাৰ্বীম		৯৭
হুনগা' ('আলাকা'কে 'যুনগা'র পরিণত করা)	२०-मुधिन्न		966	সূর্য (অস্ত্রাহ সূর্যকে উজ্জুল আলো বানিয়েছেন)	১০-ইউনুস		62
	२२-डाव्य	ď	925	হাপন (আঙ্গে হাপন করবেন আল্লাহ মু'মিনদের জন্য)	৫৭-হাদীদ	২৮	32
মালাদা (আরো দেখুন পৃথক শব্দট)				वालाक्सम			
	৩২-সাজ্না	36	107	দিনকে আল্লাহ আপোৰপ্ৰদ বানিকেছেন	২৭-নামল	ъъ	'nο
মালিফ-লাম-মীম		T		নিদর্শন ছাত্রন জাতির প্রতি বঁট্টা প্রেরণ এক আলোবপ্রদানিদর্শন	১৭-ইপ্রা	69	4.5
	৩০-ছম		৮২২	নিবর্ণ। নিমের নির্দেশ বা মুর্যকে আলোকশ্রেন করেছেন অক্সাহ	১৭-ইল্বা	24	42
	৩২-সাঞ্লা	3	brão	ক্তিরাইনের প্রতি আল্লাহর আলোবপ্রন নিদর্শন এলে জাবু বলা	२ १-मामम	30	pro
	২-বকুরা	3	502	আপোকবর্তিকা (আরো দেখুন প্রদীপ শব্দটি)			_
	২৯-আনতাবৃত	3	650	অবতীৰ্ণ (আলোকবৰ্তিকা স্বৰূপ সৰ্বকিছু অবস্টাৰ্ণ)	১৭-ইপ্ৰা	505	98
	৩১-লুকমান		1950	কুরআন প্রতিপালকের পঞ্চ থেকে আলোকবর্তিকামন্ত্রপ			60
মলিফ-লাম-রা				প্ৰতিপালকের পক্ষ থেকে আলোকবর্ত্তিকা/কুরুআন আসা			60
মনে মুক্তবরত (অলিক-লাম-রা ।প্রথমের কিতাবের আরাত)	১০-ইউনুস	3	896	মানুষের জন্য আসোকবর্তিকাশ্বরণ মূলাকে কিতাব দান	২৮-কাসাস		65
	১৪-ইবয়াহীদ		890	মানুবের জন্য অংশাকর্যার্ডনা (কুরুমান)	৪৫-কাছিয়া		300

			416	1114-0	- Indian		
11 · 12 ·	6. <b>639/437</b> 6.176-53	त्वा सः च नाम	WEST TO	901	শব্দ বিহর/প্রসদ প্রানং ও দার	Mary 19	7
আপেকিত					অনুহাহ (নবীর প্রতি আল্লাহর অনুহাহ না থাকলে, পথরেটতা প্রদক্ষ) ৪-নিসা	220	6 47
হাৰপাপ আলোকিত ক	বার পর আলো কেন্ডে দেরা		39		অনুমাহ (নবীর প্রতি আল্লাহর অনুমাহ মহান) ৪-নিসা	220	
(মূনকিকের উপমা)	•	২-বাকুবো	١,,	600	অনুহাহ (আল্লাহর নয়া আখাননের পর যভুবস্ত) ১০-ইউনুস	42	629
দিন হখন আলোকিত	হয় তার কসম	১১-শম্স	۰	3028	অনুহাহ (আল্লাহর দেরা অনুহাহে আহলে কিজাবদের হিংসা) ৪-নিসা	28	600
বিল্থ-চমক আলোকি	ত করলে মুনাফিকরা পথ চলে	২-বারুরো	20	600	অনুত্রহ (আল্লাহর নিকট তার অনুত্রহ চাওরার নির্দেশ) ৪-নিসা	<b>७</b> २	667
আলো (কুরআন)					অনুহাহ (আল্পাহর পক্ষ থেকে মুমিনদের জন্য বিরটি অনুহাহ) ৩৩-আহবাব	89	500
অনুসরণ (আলো/কুরব	য়ন অনুসরণভারীরাই সফল)	৭-আ'রাড	209	629	অনুত্রহ আল্লাহর হাতে (তিনি থাকে ইক্সা দান করেন) ৩-আগে ইমরা-	90	480
करतीर्ग (काष्ट्राव (म का	লো অবতীর্ণ করেছেন তাতে ঈমান আনা)	৬৪-আগারন	γ	999	অনুহৰে (ইউসুফ, তার পিতৃপুরুষ ও মানুহছর প্রতি অক্সাধ্য অনুহার) ১২-ইউসুফ	Cb	960
বালোকোঞ্জ					অনুমাহ (আল্লাহ যে অনুমাহ কূপণদেবকে নিয়েছেন তাকে) ৩-আলে ইমরা	720	660
আলোকোক্ষণ প্রভাৱে	র কসম	৭৪-মুদাছছির	46	446	অনুহাহ (আল্লাহ নিজ অনুহাহে অভাবমুক্ত না করা পর্যন্ত বিরে) ২৪-নূর	00	999
বাস্থার দিনকে বালোর		৪০-মুমিন	62	סיליל	অনুয়হ (আল্লাহ মুমিনদেরকে অনুগ্রহের প্রতিশ্রুতি দেন) ২-বাবুলরা	460	203
আল্লাহ দিনকে আলোচ		३०-१४मुन	69	ბნი	অনুন্তর (আল্লাবর অনুন্তরে বিশ্বর) ৬-আন্ আম	60	600
আলোচনা					অনুগ্ৰহ (আল্লাহৰ অনুগ্ৰহ অবেষণে ঘদীনে প্ৰদশ) ৭০-মূন্যাশিল	₹0	99.9
	সম্পর্কে আস্তার জানেন	৪৬-আহ্বাফ	¥	you	অনুহাহ ((অস্ক্রাহর অনুহাহ স্কাণ করার নির্দেশ, ছামুদ সম্প্রদারকে) ৭-আ'রাফ	18	979
	(বিধবার নারীর বিয়ে প্রসঙ্গ)	२-शक्ता		223	অনুমাহ (আল্লাহর অনুমাহ "মানা করার নির্দেশ, আন জাতিকে)   ৭-আ'রাফ	66	640
	(lasala sizia lata mus)	K-udiai	406	641	অনুগত (আল্লাহর উদ্দেশ্যে অনুগত অবস্থার গাঁড়ানো) ২-বাকুনর	500	229
আলোচনা (উল্লেখ)					অনুগঙ(আল্লাহর প্রতি অনুগত হয়ে সংক্ষানের জন্য নুইবার প্রতিদান) ৩০-আহ্বাব	47	500
	লোচনার অবিদ্যালী (কাক্বিরা)	২১-আধিয়া	00	902	जनुगर (देखादीय जा, जाह्यदर जनुगर ७ <i>धराङ्गश</i> नी हिन) ১७-नादन	140	930
আলো দান					অনুহাত্ (অক্সাহ অনুহাত্ না করণে কারণের নাম ধানিয়ে নিজেন,) ২৮-কানান	44	254
আলোনানের উপক্রম	হর, বরকতময় গাছের তেল	२8-मृत	0.5	999	অন্তাহ (আল্লাহ অন্তাহ করেছেন কাক্সের প্রতি) ২৮-কাসাস	93	P78
আলোহীন					অন্তাহ (মুদিনালর প্রতি অল্পাহর অন্তাহ অন্তাদ মুদাফিবনা বলে) ৪-নিনা	90	265
চন্দ্ৰ আলোহীন হয়ে প	ডুবে (কিয়ামত প্রদঙ্গ)	९७-विद्यामाद्	ъ	केलेड	অন্যাহ (মমিলদের প্রতি আল্লাহর অন্যাহ, তালের ঈমান) ৪-দিলা	58	269
নিদর্শন (রাজের নিদর্শ	ন চালকে বিলুপ্ত বা আলোহীন করা)	১৭-ইস্রা	34	930	অনুহার (সমুদ্রে অল্লাহর অনুহার তালাপ ও কৃতজ্ঞতা প্রকাশ প্রসার) ১৬-সাহল	28	908
আল্লাহ					অনুহার (জুমজার নামাজ পেরে আল্লাহর অনুহার অবেষণ) ৬২-জুমু আ	20	360
অংশ (আল্লাহর অংশ দ	শ্রীকদের কাছে পৌছে)	৬-আন'আম	300	é0é	অনুহাত্ করেছেন আল্লাহ মুনিনের প্রতি ৩-আলে ইমরা	148	567
वर्ण (बाह्यदर बना न	স্য ও গৰাদি পতৰ অংশ নিৰ্দাৰণ কৰে)	৬-আগ'আম	200	606	অনুহাত্ করেছেন আপ্রাত্ত আমানের প্রতি (ইউসুক আ, নগল) ১২-ইউসুক	30	6brd
जरूर निरुव ठाम ना का	দ্রাহ কাকিবলেরকে (আধিবাতে)	৩-আলে ইমরান	398	200	অনুমাহ করেছেন (জারাজীলের প্রতি) ৫২-তৃত্ব	29	200
অক্স করতে পার্বে ব	া আল্লহকে নশবিকরা	৯-জাওবা	3	680	অনুহাত্ করেদ বান্দানের মধ্যে যাকে ইচ্ছা ১৪-ইবরাতীয	22	686
অক্ষম করতে পারে না	আল্লাহকে (আকাশ-পৃথিবীর কিছুই)	৩৫-ফাডির	88	bigo.	কন্মাহ (অনুগতাকারীগণের প্রতি আদ্ধাহর কন্মাহ) ৪-দিসা	90	494
অক্ষম করতে পারেনি	আল্লাহকে, পৃথিবীতে (অবিশ্বাসী)	33-gm	30	969	অনুমাহ (আল্লাহ অনুমাহ ও সয়া না হলে) ২৪-দূৰ	45	930
অক্তম করা (জিনর আ	চাৰকে পৰিবীতে অক্ষম কৰতে পাৰে না)	१३-किन	34	केर्चर्ड	অনুনাহ (আল্লাহর অনুনাহ, ডিনি যাকে ইয়া গান করেন) ৫-মারিগা	68	279
অক্স করতে ল পরা (ম	শবিকর আল্লহকে কক্ষম করতে পারবে না)	৯-জাওবা	•	980	অনুহার (অল্লাহর অনুহার না ধাকরে মানুহ শরভানের অনুদরণ করত) ৪-নিদা	bro	259
অহরিককারী (আগ্রার	শস্যদান/বীজ অন্তরিতকারী)	৬-আনু আম	h¢	000	অনুহাত (অপ্সাহত অনুহাত ও দলা না ছাল মুমিনগণ কমা পেত না ২৪-নুৱ	30	998
	वजुल म्. धव मञ्जूल च्यांची न इश्वास निर्माण	৪৯-ক্জুরাত	3	250	অনুমাহ (আল্লাহর অনুমাহ না হলে মহাশান্তি, ইফবেনা ঘটনা) ২৪-নুর	38	990
	সাল্লাছ বলী ইসরদ্দের খেকে	৫-মাছিলা	34	945	অনুমহ (আপ্লাহন অনুমহ ও দলা না হলে) ২৪-নুৱ	30	990
	वालेका वदा तान तान प्रेनकिक जन-				অনুহাছ (আল্লাহন অনুহাছ রোধ করার কেউ (নউ) ১০-উউনুস	309	648
मानवा च)		৯-ভাওবা	92	685	অনুহাহ (আল্লাহর অনুহাহে বৃদ্ধিনদের প্রতি কুরআন এসেছে) ১০-ইউনুস	62	699
	থে কৃত অঙ্গীকার রক্ষা করে বুদ্দিমানরা)	১৩-রা'ন	30	èho.	ক্ষণুরে (অল্লান্ড ক্ষণুর স্বরূপ, মুমিনানর সঠিন পথ ক্ষপথন) ৪৯-চ্ছুরাত	ъ	250
	থে কৃত অসীকার ভঙ্গ করে যারা)	১৩-রা'দ	2.0	bko	অনুহাই (আল্লাইন অনুহাই কামনা করে গরিব মুহাজিরগণ) ৫৯-হাশর	ь	224
	(কৃত অসীকর ডঙ্গ করেছিল মুনাতিকরা)	7-9164	99	485	অনুহার (অল্লাছর অনুহারের উপর আহলে বিজ্ঞানসের ক্ষমতা নেই)। ৫৭-বাদীন	23	957
	ধে মুনাঞ্চিকদের মুদ্ধ থেকে না				অনুহার (আল্লাহর অনুহার ও সম্রুটি কামনা করে মুমিনগণ) ৪৮-ফাতর	45	272
শালানের অসীকার)		৩৩-আহ্যাব	26	5008	অনুহাহ (আল্লাহন অনুহাহ বাকে ইঞ্জা ভাকে দান কংলে) ৫৭-হাদীদ	23	950
	অসীকর দেয়া ছাল্ল পাঠাকেন না পিতা)	১২-ইউসুক	96	৬৮৩	অনুহাত (আল্লাহর অনুহাত তিনি বাকে উচ্ছা দান করেন) ৬২-জুমু আ	8	264
	ধে কত অদীকার পূর্ব করা)	৩-আলে ইমরান		080	অনুমাহ (বনী ইসরাদিশের প্রতি আল্লাহর অনুমাহ ও লয়া ) ২-বাবুল্বা	68	403
	কত প্রতিষ্ঠিত সমান্ত মৃদ্যাগ্রহণ)	৩-আলে ইমরান		280	অনুমাহ (মানুষ কাকে দেয়া আল্লাহর অনুমাহকে গোপন করে) ৪ দিসা	09	0.05
	कृठ व्यक्तिकार मन्त्राव किस्त्राम करा दृत्र)	৩৩-আহ্বাব	20	5-08	অনুভাগ দৃষ্টি করেছেন আল্লাহ মুনাফিকদের হ্বনয়ে ৩ আলে ইমরা		003
	অক্সাহর সামে কড অঙ্গীকার পুরু করেছিল)	৩৩-আহ্বাব	30	b-04	অনুমতি (অস্তাহ অনুমতি দেশন এখন দীন কি শরীকরা নিরচেং) ৪২-শুরা	33	500
	অস্ত্রাহ (আহলে কিঞাবদের নিকট গেকে)	৩-আলে ইমরান		228	অনুমতি (আল্লাহ কি হালালকে হারাম করার অনুমতি নিয়েছেন?) ১০-ইউনুস	25	660
	লন আল্লাহ নবীদের থেকে	৩-আলে ইম্রান		488	অনুমতি (অল্লাহর অনুমতি ক্ষার জেন রাগুল স. নিদর্শন উপস্থিত) ১০-র'ন	Ob.	695
	দরালু (বেদুঈনদের প্রদর্শ)	৪৯-হতুরাত	28	222	অনুমতি (আল্লাহর অনুমতি জ্বার বেবেশতার সুপারিশ) ৫৩-নারম		200
	ন্যানু (বেশুনন্দের এনন) বাল্লাহরই (আকাশ-পৃথিবীর অদৃশ্য)	১৬-নব্দ	99	90%	অনুমতি (আল্লাব্য অনুমতি ছাড়া নিদর্শন আনুনা না রাসুলগণ) ৪০-মুমিন	96	b/8
	মন্ত্রাহরহ (আকাশ-পূথবার অপূশ্য) মন্ত্রাহরই (আকাশ ও পথিবীর)			696	অনুমাত (আল্লহর অনুমাত ছাড়া সদশন আলেন না রাসুগগণ) ৪০-মু মন অনুমাত (আল্লহর অনুমাতিক্রমে ফেরেশতা তরী পৌছান) ৪২-শুরা	46	P.95
कम्मा । वयस्य काम क कम्दर्भात काम स्करण		১১-বুদ ১০-ইউনুস	250		অনুমতি (আল্লাহর অনুমতি ক্রমেই ইন্ট্রীচনা গোড়া গাড় কেট্রিড) ৫৯-হাশর		944
অদৃশ্যের জনে কেবল ' অধিপতি (আল্লাহ অধি			50	959	জনুমাত (জল্পাহার জনুমাত একোর বছলকো গোলুর শক্ষ কেকো) ৫৯-যাশর জনুমতি (জল্পাহার উজ্জা ছাত্রা ঈমান আনার সাধ্য কারো নেট) ১০-উউনুস	6	966
				620		200	1000
		৯-তাওব					
ৰণিকাৰী (সিভিসমূহে	র অধিকারী আল্লাহ)	৭০-মা'অধিক	0	४४४	অনুমতি (আল্লাহর ইচ্ছে হাড়া কোন বিপদই আপজিত হয় না) ৬৪-ভাগাবুন	22	264
	র অধিকারী আল্লাহ) পর অধিপাঠি আল্লাহ)		٥ ২১			95	364 585

আ			আল্লাহ	যাপ্তাহ			1000
निष दिस्त/धनम	ज्वा नः ७ नाम	MAIN P	201	पण दिशा/दशम		400	
पाञ्चाह (पूर्व पृक्ष त्यत्य)				অবর্ত্তীর্ণ (অক্সাহ বা অবর্তীর্ণ করেছেন বা থেকে ফো রাসুল সংকে)	৫-মার্থিনা	85	240
অনুগ্রহশীল (আল্লাহ অনুগ্রহশীল, রূপতসমূহের প্রতি)	২-বাকুারা	202	223	অনতীৰ্ণ (অল্পাহ যা অনতীৰ্ণ করেছেন বা দিয়ে বিনের কারসাশ্য)	৫-মারিলা	85	270
অনুপ্রহশীল (আল্লাহ অনুগ্রহশীল মানুহের প্রতি)	২-বাকুরো	28♥	450	অনতীৰ্ণ (অল্পাহ বা অনতীৰ্ণ করেছেন ভা বার নিমন্ত-ফায়নাল)	৫-মারিলা	85	62.4
অনুগ্রহণীক (আল্লাহ মহা অনুগ্রহণীক)	২-বাকার	204	675	অবর্থন (অল্লাহ য অবর্থন করেছেন কচিনরা ভা অপছন করে)	৪৭-মুহাম্বাদ	>	275
অনুহাহণীল (মাল্লাহ মহাসনুহাহণীল)	৩-আলে ইমরান	398	202	অবতীৰ্ণ (আল্লাহ বা অগতীৰ্ণ কৰেছেন ভাৰ অনুসৰণ)	২-বাকুরো	760	473
অক্সাহলীল (মাস্তাহ মহা অক্সাহলীল)	৩-আলে ইমরান	48	480	অবরীর্ণ (অক্সাহ যা অবরীর্ণ করেছেন তা দিরে নিচার মন্যালান)	৫-মারিদা	86	69.3
অন্তাহলীল (আল্লাহ মহাঅন্যাহশীল)	৮-আন্দাল	434	608	অবতীর্ণ (আক্সাহ বা অবতীর্ণ করেছেন ডা ধারা ফারসালা)	হ-মারিনা	89	52.5
वनुधर्नीन (वाहार प्रश्चवनुधर्गीन)	৫৭-হাদীদ	23	1942	অবতীৰ্ণ (অস্তাহ যে বিধিক অবতীৰ্ণ করেছেল ভা ছারাম কর)	১০-ইউনুস	43	-650
অনুপ্রধানি (আল্লাহ মহা অনুপ্রধানি,রাসুল স. প্রেরণ প্রসঙ্গ)	৬২-জুমু'আ	8	864	অবতীর্ণ (অপ্তাব যে রিখিক/পৃত্তি অবতীর্ণ করেল তা নিদর্শনকরণ)	৪৫-খ্যছিয়া	e	800
करावनीम (प्रकार प्रान्तका शकि पाँठ करावनीम स गरंप नवान)	22-21mg	62	968	অবন্তীৰ্ণ (আল্লাহৰ অবন্তীৰ্ণ করা ভাইৰ মত অবন্তীৰ্ণ করাত চাওয়া)	৬-আন্'আম	30	806
অনুহেশীল (অক্সাহ মানুহার প্রতি অনুহেশীল বিস্তু মানুহ অক্সমার)	১০-ইউন্স	80	660	অবতীর্ণ (আপ্রায়র অবতীর্ণ কুরআনে ইঞ্জীলের দীমালের আহবান)	২-বাকুলে	27	670
অন্যায় বহুকো আল্লাহ ও বাগল গ. (হলফিকদের আশহা)	38-FF	80	995	অবভীর্ণ (অস্ত্রাহর অবভীর্ণ বিষয় দারা বিচার করে দা)	৫-মারিলা	89	eve
অন্তর্থীন করে দেন যদি আল্লাহ রাতকে (কিলামত পর্যন্ত)	১৮-সাসসে	93	278	অবর্ত্তর্গ (অল্লাহর অবর্ত্তর্গ বিষয়ের দিকে আগতে কর বলে-)	০-মারিলা	308	g and
অন্তর্গা করে দেন বাদ আল্লাহ সিনকে (কিয়ামত পর্যন্ত)	২৮-আসাস	93	P78	অবতীৰ্ণ (আল্লাহ আকাশ থেকে পানি অবতীৰ্ণ করেন)	১৬-নাছল	20	90b
অবহান করে নেন ধান আল্লাব লেনকে (কেরামত পথায়) অপবান (মশতিকরা আল্লাবকে সন্ধান গ্রহণের অপবান দের)	২০-ইউনুস ১০-ইউনুস	87	960	অসমীর্ণ (অপ্রায় অব্যাশ থেকে পানি অব্যক্তির্ণ করেন উঠিল উৎপার)	১৬-দাহদ	20	900
অপরান (মুশারকরা আল্লাহকে নন্ধান গ্রহণের অপরান দের) অপরান (আল্লাহ জালিমদের পরান করেন না)	১০-২৬পুন ৪২-শ্বা	80	965	অবর্ত্তর্গ (অক্সর ভিত্র অবর্ত্তর্গ বর্ত্তবন্দি, স্বাহন্রানির কার)	৬৭-যুগক	'n	393
অপর্ণ (আল্লাই জ্যালমপের শর্প করেন না) অপর্ণ করেন আল্লাই যুক্তে প্রেরণ করা (ভাদেরকে যারা)	৪২-পুর। ৯-ভাররা	85	982	चन्द्रीनं (चाहाद कियान चन्द्रीनं क्ट्राइन)	4-90,904	326	603
অপস্থান করেন আল্লার যুক্তে প্রেরণ করা (ভাসেরকে করা) অপস্থানীর (মনাভিকরা গোপনে আল্লারে অপস্থাননীয় করা কল)	8-मिश	902	645	অবতীৰ্ণ (আল্লাহ কিয়াৰ ও দাঁভিগালা অবতীৰ্ণ করেছেন)	৪২-পরা	29	52
जनस्थनात (सुनायका एरणास ब्रह्मास्य जनस्थनात स्था वर्षा) जनसमित कारान जातात वर्षावरमास्य	৯-লাওবা		880	অবতীৰ্ণ (অল্লাহ লীয় প্ৰতি কিতাৰ্-হিকসত অবতীৰ্ণ ক্ষেত্ৰল)	8-निश	220	233
		2		चरतीर्थ करा (चाहार किस्टे चरतीर्थ स्ट्रालंगः देशनीतन्त नािः)	৬-আন'আম	22	MOE
অপমানিত করকেন বা আপ্তাহ (কিনামতের দিন নবী ও মুমিনকে)	৬৬-তাহৰীম	ъ	200	অবতার্থ করা (অক্সাহ কর্মুক্ত অবতার বালেল: বহুবাসে বালে) অবতার্থ করা/আল্লাহ কনরের রাজে করবাস অবতার্থ করেন)	54- <del>014</del>	2	203
অংগত (কৃতন্ধ লোক সম্পর্কে আল্লাহ বেলি অংগত)	৬-আন্'আম	60	600	অবভান করা(আস্কার কারের রাতে কুরআন অবভান আন্তন) অবজীনি করেন অস্কার নের্বেক্স বাণী করমান _নিভাকরণে)	०%-पश्चा	30	b-90
অংগত (মানুঘের সকল কাম নম্পর্কে অস্তাহ অবগত)	২৭-গামল	pp	po4		৭-আবাক	40	633
অবগত (মুনাফিকনের কর্মসমূহ সম্পর্কে আল্লাহ অবগত)	৪৭-মুখ্যখন	60	978	এবর্তীর্ণ করেননি অস্ত্রাহ কোন গ্রেমা ফোব নামের বাপারে অবর্তীর্ন করেন (আস্ত্রাহ যা অবর্তীর্ণ করেন তা অগছল করে যাবা)	৭-আরফ ৪৭-মুখ্যমান		978
অবশ্যত (মুফিন্ডান বাজ সম্পর্কে অস্কাহ অবশ্যত, নার্যবিধার প্রশঙ্গ)	৪-নিসা	305	298		৪৭-মুছাধান ৫-মাছিনা	576	494
অবলম্বন(আল্লাহকে অবলম্বন করতে মুমিনদের প্রতি নির্দেশ)	54- <b>276</b>	92	900	অবতীৰ্ণ করবেন আল্লাহ ৰাদাপূৰ্ণ পাত্ৰ (হাওয়ারীলের জন্য)			
অবিশ্বাসীরা আল্লাহ ছাড়া বহু ইলাহ প্রহণ করেছে	১৯-মাবইরাম	2.7	৭৩৯	অবর্তীর্ণ করলেন আক্লাহ প্রশক্তি, মুমিনদের উপর (ছনাইনে)	৯-ভাওবা	26	483
অংকাশ দিবেন না আল্লাহ (কারো মৃস্ক্যুর সময় এসে গেলে)	৬৩-মুনাফিকুন	22	995	অবতীৰ্ণ করা(আল্লাহ্ আকাশ থেকে পানি অবতীৰ্ণ করেন)	২২-হাজ	90	958
অংকাশ দেন আল্লাহ মানুহকে (নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত)	৩৫-ফাতির	82	140	অবতীর্ণ করা (মূদার উপর কিভাব স্ববতীর্ণ করেছেন সাস্তাব)	৬-আন্তাম	27	908
অবগত (আকাশ ও পৃথিবীর অনুশ্য বিষয়ে)	৩৫-ফাতির	Q)r	P82	অবভীৰ্ণ করেছেন আল্লাহ কিতাব (কুৰমান)	৩-আলে ইমরান	٩	200
অবণত (অল্লাহ অবণত আছেন মানুষের কান্ধ সম্পর্কে)	২-বাকুৰো	ર€6	459	অবভীৰ্ণ করেছেন আল্লাহ যিকিব/কুরজান (মুমিনদের প্রতি)	৬৫-ডালাক	30	3460
অংশত (আল্লাহ অংশত আছেন মু'নিরা বা করে)	২৪-নুর	60	998	অবতীর্ম ( অস্ত্রাহর অবতীর্শ অন্তত সম্পর্কে তিনি ভাল জানেন)	১৬-নাহ্শ	303	473
অংগত (আল্লাহ অংগত আছেন মানুষের কৃতকর্ম)	৫৯-হাপর	35	195	অবতীর্ন (অক্সহর অবতীর্ণ জিলাং/পুরআনে রস্পা স.এর ঈয়ান)	৪২-প্রা	76	2.25
অবদত (অল্লাহ অবদত মানুবের কান্স সম্পর্কে)	৫-মারিদা	4	647	অবতীর্ণ (অক্সাহন অবধীর্ণ ভবীর অনুরবের আহান, মুশরিক এসক)	৩১-পুকমান	45	6-31
অবগত (আল্লাহ অবগত, মুনাঞ্চিকরা বা করে)	२८-मृद	00	993	অবভীৰ্ণ (আল্লাহর অবভীৰ্ণ ওইকে অবিশ্বাস)	২-পাকুরো	90	670
অবগত (আপ্লাহ অবগত, মুমিনদের কান্ধ সম্পর্কে)	৯-ভাতৰা	20	489	অবতীর্ণ (কিতাব/কুরআ আল্লাহর পক্ষ থেকে অবতীর্ণ)	৩৯-মুখার	٥	593
অবগত (আল্লাহ অবগত মুমিনদের কান্ধ সম্পর্কে)	৩-আলে ইমরান	140	000	অবভারণ (কুরআনের অবভারণ আল্লাহর পক্ষ থেকে)	৪০-মুমিন	2	5-33
অবগত (আল্লাহ কতকর্ম সম্পর্কে পূর্ণ অবগত)	৫৮-মুন্ধাণালা	20	200	অৰণিট (আল্লাহৰ দেয়া অৰণিট বা লাভই উত্তম)	27-dis	৮৯	990
অৰণত (আল্লাহ তাঁব বন্দোলের সম্পর্কে অবগত ও দাইবান)	১৭-ইনরা	3/6	944	অবল্য লাশনীয় অপ্তাহর বিধান	5-87681	60	686
अस्तव (अद्भाद का बामा गम्मदर्व पूर्व अस्तव व पूर्व पृष्टिबान)	৪২-শ্বর	29	bas	অবিশ্বাস (আল্লাহ ও বাসূদ স.কে অবিশ্বাস করেছে	h-8768I	br8	583
অবগত (অস্তাহ মানুষের কতকর্ম সম্পর্কে পূর্ণ অবগত)	৫৮-মুন্ধানালা	0	524	মুনাক্ষিকরা)	9-01041	0.0	001
অবগত (অস্তাহ মানুবের কৃতকর্ম সম্পর্কে পূর্ণ অবগত)	৫৮-মুকানাশা	22	200	অবহিত (আপ্লাহ সৰ্বজানী ও সবল বিষয়ে অৰ্থাইত)	8-मिमा	400	66
অবশ্বত (অপ্তাহ মুখিনাসের গামিবিধি ও অবস্থান সম্পর্কে অবশ্বত)	৪৭-ছহামান	29	970	অৰ্থিত কল্পেন না আল্লাহ অনুশ্য বিষয়	০-আলে ইমরান	292	200
व्यस्तात (बाह्यार जनमा विदास व्यस्तात)	33-976	900	968	অবহিত (আল্লাহ অবহিত মানুহের কাল সম্পর্কে)	০-আলে ইমরান	300	200
व्यक्ता (बाह्यार नचननी व नकन दिवस व्यक्ता)	৩৩-আহ্বাব	98	brob	অবিশ্বাদ (আছাহকে অবিশ্বাসকারী সূত্র পথন্ট হয়েছে)	8-निमा	200	298
অব্যাত ও সর্বনিয়া আল্লাহ (বাদ্যাসের সম্পর্কে)	०१-एक्स	60	785	অধিয়াস (অল্পাহতে অধিয়াস করার নির্চাপ দিও অহতেবার)	৩৪-সাবা	00	b81
অবগত ও নব্যুর অক্সাহ (বাপাদের নাশকে) অবগত (কাভিরনের গোপন বিষয় আস্তাহ অবগত আছেন)	৪৭-মহামান	26	978	অধিয়াস (আপ্লাহকে অধিয়াসকারীয়া ক্ষমিয়াস)	২৯-আনকাবক	22	64
অবগত (কাকরদের গোপন বিবর অল্লাহ অবগত আহেন) অবগত (গোপনীয় বিষয় আল্লাহ অবগত)	৮৪-ইমশিকাক	40	8404	অধিকাস/আলায়ত কিভাবে অধিকাস করে, অধা তিনিই	-	-	+
অবণত (গোপনার বৈশ্বর অক্সাহ অবগত) অবণত (মানুর যা করে সে সম্পর্কে আক্সাহ অবগত)	०३-१ग्रामकाक्	23	5038	बीयन-मका (नना)	২-বাবুগরা	₹₽	601
অংগত (মানুৰ যা করে সে সম্পক্তে অক্সাহ অবগত) অংগত (মানুহের কতকর্ম সম্পুক্তি আক্সাহ পর্ণ অবগত)	৩১-পুরুমান ২-বারুয়া	292	0.05	অধিবাদ (আল্লাহর প্রতি অবিবাদী মনাক্ষক/কাঞ্চিরনের বার	-	-	+
	२-वाक्रास ८-मिला	242	090	ব্যবহান (আচাৰত ভাত আৰক্ষানা কুনাৰক/ক্ষাৰক্ষানত এছ	৯-জ্যাওবা	<b>Q8</b>	684
অবগভ (মানুষের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ অবগভ)				ত্তব্য লংকে) অবিশ্বাস (আল্লাহ-রাসন স,কে অবিশ্বাসকারীই প্রকাত কাচিব)	8-शिश	140	698
অবগভ (মানুবের কৃতকর্ম সম্পর্কে আস্কাহ অবগভ)	৪-নিসা	28	699	অবস্থান (আছাহ-আনুধ নাকে আবস্থানকরেই প্রকৃত ভাকের) অবিশ্বাস (ইয়ানের পর আছাহকে অবিশ্বাসের শক্তি/আছাহকরেইণ)	26-HIEN	200	
অবগত (মানুবের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ অবগত)	৪৮-ঝার্চ	22	254	Author (water or America augment and ambiented)	30-1/41	200	1120

অভাবমুক্ত (আল্লাহ অভাবমুক্ত ও সন্ধান প্ৰহণ থেকে পৰিত্ৰ)

অভাবমুক্ত (আল্লাহ অভাবমুক্ত ও অভি প্রশংসনীর)

অভাবমুক (মাল্লাহ অভাবমুক ও অভিপ্ৰশংগনীয়)

অভাবমুক (মাল্লাহ অভাবমুক ও পরম সহনশীল)

অভাবমুক (আল্লাহ অভাবমুক, কৃপণতা প্ৰসঙ্গ)

২-বাকারা ২৬৭ ୧৩২ 68 368

২২-হাজ

১০-ইউনুস 99 607 69 690

২-বাকুরা

৫৭-খানীদ

28 200

200

266

৬৪-আশাকুন b 22

৫৭-হাদীদ

৫-মারিদা

৩০-আহ্যাব

৬৩-মুদাফিকুল

অবণত (মানুষের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ণ অবগত)

অবণত (মানুবের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ণ অবগত)

অবণত (মানুবের কৃতকর্ম নম্পর্কে আল্লাহ পূর্বঅবণত)

অবগত (মানুষের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ব অবগত)

चरकीर्ग (**व्यक्त**र या चरकीर्ग करवाका का मिख किरत कारणना...)

ş	3	F	ß

तंत्र विस्त्र/धनन	नुश्च ना ४ सम	TRUE OF	भूको	नंब विषय्भागम्	न्धं नः च नाम	100	
जाश्चाह (नुर्व नृके त्याक)				অসম্রার্ট (বলী ইনরাসক্রের কবিবকের উপর অক্সাহর অসম্রার্ট প্রেক)	৫-মারিদা	po	690
অভানসূক (আল্লাহ অভানমুক, আকাপ-পৃথিনীর দনই আল্লাহর)	৩১-পুকমান	46	beb	অধীনার বরেন অক্সাহ বাঁর আধার পূর্বতা ছাত্র বাল সবনিত্র	৯-অওবা	જ	686
অভাবমুক্ত (আল্লাহন পথে ব্যৱ প্ৰসঙ্গে)	৪৭-মুখ্যখন	Q)v	276	আবড়ে ধরা (অওবার পর অক্সাহকে আবড়ে ধরার প্রতিদান)	৪-সিগা	286	490
অপ্রয়োক করা (সামী-প্রীকে প্রয়োকতে আল্লাহ অপ্রয়োক করকে।)	8-मिमा	300	290	আকাশ থেকে আল্লাহ পানি অৰতীৰ্ণ কৰেছেন	২-বাকুরো	386	47F
অভ্যান্তে করেছেন আল্লাহ কাফির ও মূনাফিকলেরকে	৯-তাপ্তর	98	587	আকাশ থেকে আল্লাহ পানি বর্ষন করেন	৩৯-বুমার	42	890
অভ্যবহন্ত করে দিকেন আল্লাহ ফজিবকে (বিজে করলে)	२8-नव	64	999	আকাশ-পথিবীর অধিপতি আল্লাহ ব্যৱস্ক্তমন্ত	80-7479	46	202
অভাবমক্ত করে দিবেন আল্লাহ মমিনসেরকে	৯-জাতব্য	37	684	আত্যশ-পথিবীর চাবিকাঠি আপ্তারর করছে	৩৯-ব্যার	60	590
व्यक्तिका (ब्यह्माव्य शक त्यांक व्यक्तिका सामाना रहकरवर्ष)	<b>५8-</b> नव	63	50/3	আকাশ-পথিবীর সর্বই আল্লাহর	8-जिला	292	290
অভিযাৰত (অংকোটার আপ্লাহ যাত্র কভিনে অভিযাৰত পাকেন)	8-निमा	290	095	আবাশ-পথিনীতে যা কিছু আছে তা আল্লাহর	३०-१६मुत	00	963
অভিভাৰত (অপ্তাহকে বাদ দিয়ে শ্যাতানকে অভিভাৰত একো)	8-निमा	279	094	जावान-नश्नित्व यदा जाहर वादा जाहारत	২১-আধিয়া	22	923
विकारत (व्यक्तर एस विकारत राज्यर म, समित्र शमम)	৬-আন'আম	90	603	जावान-निर्देशक विभिन्ने जाहार	৬-আন'আম	9	234
অভিয়াবক (অপ্তাই চান্তা অন্যকে অভিয়াবক গ্রহণ অয়েভিক)	৬-আন'আম	28	693	আবাদ-পৃথিতে য আছে ডা আল্লাহরট	১৬-নাহল	23	909
মচিতাৰক (আল্লাহ ছাত্ৰা কোন অভিতাৰক নেই)	১০-রা'দ	22	60%		8-मिला	249	293
অভিযাৰক (আল্লাহ হাড়া কোন অভিযাৰক নেই)	33-वृत 33-वृत	220	696	আভাগ-পৃথিবীর সবকিছু আল্লাহর	8-PH 8-PH		290
অভিযাৰত (আল্লাহ হাড়া অভিযাৰক নেই)	22-64	229	622	আবাদ-পৃথিবীর সবই আল্লাহর		290	
অভিযাৰত (আল্লাৰ ছাড়া অভিযাৰক দেই) অভিযাৰত (আল্লাৰ ছাড়া অভিযাৰক দেই)	84-18	220	588 p	ভাষাপ-পৃথিবীৰ সৰ্বভিত্ব আল্লাহৰ	8-निग	7:07	640
আন্তর্ভাবত (আল্লাহ ছাত্রা অভিভাবক নেহ) অভিভাবত (আল্লাহ ছাত্রা অভিভাবক থাকবে না জালিমদের)				আতাপ-পৃথিবীর লবতিত্ব আল্লাহর	২-বাস্থ্যবা	298	<b>¢</b> 08
	৪২-পুরা		pyto	আকাশ-পৃথিনীর সর্বাউছুই আপ্লাহর	১০-ইউনুস	69	990
ছভিলতে (জ্বারার মার ছভিলতে/সাহায়কারী পাবে না ফুনাফিকরা)	৩৩-আহ্যাব		br08	আকাশ-পৃথিবীর সবকিছু আল্লাহর	8-मित्रा	200	290
অভিভাবক (অস্তাহ ছাড়া বেনে অভিভাবক/সাহায্যকারী নেই)	২৯-আনকাৰ্ড		234	আকাশ-পৃথিবীর সরকিছুই আল্লাহর	১০-ইউনুস	60	866
অভিযানক (অস্ক্রাহর নিশরীতে রাসুল স, এর অভিযানক থাকনে না)	২-বাবুদরা	250	428	আবাদ-পৃথিবীর সববিষ্ট আল্লাহর	৬-আন্'আম	25	690
অভিনাৰক আল্লাহ, মুমিনদের দুই দলেরই, উহল যুদ্ধ প্রসঙ্গ	০-আপে ইমরান		989	আকাশের সংকিছু আল্লাহর	22-8/8r	68	968
অভিভাবক (অস্ত্রাহ মুমিনলের অভিভাবক)	৩-আলে ইমরান		485	আব্যাশের সংক্রিছ আল্লাহরই(তিনি অভানমুক্ত ও প্রশংসনীর)	०)-मुख्यान	26	V23
অভিভাবত (ঈমানদারনের অভিভাবক আল্লাহ)	২-বাকুরের	₹29	000	আবিরাভের আবাস আল্লাহর কাছে (তপু ইছুলীসের জন্য)	২-বাকুৰো	38	633
অভিমূৰী (আল্লাহ অভিমূৰীদের ৰূন্য আছে দুসংবাদ)	৩৯-বুমার	24	595	वास्त्र (स्वाम दर्मा वासाद्य श्रक्तिस वास्त्र)	208-वभाषा		500
व्यक्तिवर्धे व्यक्तारत निरंधे त्रिशायाँने (माची वेश्वहरु)	२8-मृद	30	992	व्यापार करूका व्यक्तार अनीवक/कविशासक (श्रीत वर्ग करना)	৯-ডাওবা	23	184
অভিযোগ (অক্সান্ত নিবট অভিযোগ, এক মহিলা সামী সম্পর্কে)	৫৮-মুরাদালা	7	200	আভয়বন্ধান (মুমিনাণ আস্তাহর চেরে বেশি আভয়বনক,		4.	-
অভিযোগ (ইয়াকুৰ আ. আ. আপ্লাহর কচ্ছে দুৰে ও কটের	১২-ইউস্ফ	brés	dere	भगविकाला (कुम्मान अक्राय तर्द वान वावकान,	৫৯-ছাপর	20	321
অভিযোগ করছেন)	24-6046	0.0	and	মুনাককণের বংক) আন্তঃসমর্থন(জগতের প্রতিশালক আল্লাহর নিকট সাবার		-	-
অভিভাবক হিসাবে আল্লাহ ছাড়া অন্যকে গ্রহণ	৪২-শ্রা	6	597	আধ্যানমপণ(জগতের প্রতিশালক আল্লাহর নেকত লাবার রামীর আন্তলমর্পণ)	২৭-নামল	88	bod
অভিভাগক হিসানে অক্সাহ বাদে অন্যকে হৈছে (মাকভুসার দৃষ্টার)	২৯-আনকাবৃত	82	572	আনুসর্বাণ (রুপরিব ভিয়ামতে অল্পান্ত বাছে আনুসর্বাণ করবে)	১৬-নাহৰ	29	924
অভিভাবক পানের অস্তাহ স্বান্ধ (তার দিকে আকে সাড়া না নিগে)	৪৬-আহ্নাক	७३	227	व्यक्तमान (कृत्रक जन्मक व्यक्तक व्यक्तक व्यक्तमान वर्गक व	8.निश	256	093
অভিযাবক (মপকাঞ্চকারী আল্লাহ ছাঞ্চ কাউকে	s-first	290	090		8-144I 30-31'F		
অভিচৰেকরপে পাবেনা)	8-19-91	240	845	আচাল (অক্সাহর আচালে মানুষকে সংক্রমণ করে সংক্রমণকারী)		22	69-3
অভিভাবক (মুমিনদের অভিভাবক হিসাবে আল্লাহই যথেষ্ট)	8-निमा	84	262	আদেশ (আল্লাহর আদেশে সমুদ্রে নৌবান চলাচল প্রসঙ্গ)	৪৫-মাহিয়া	25	906
অভিভাৰক (রাসৃদ স, এর অভিভাবক আল্লাহ)	৭-আর্রাফ	336	600	আদেশ করেন আল্লাহ যা চান	৫-মারিদা	,	500
অভিভাৰক ও সাহাদ্যকারী নেই (আল্লাহ ছাড়া)	২-বাকারা	209	275	আদেশক্রমে (আল্লাহর আদেশক্রমে প্রতিটি প্রজামর বিধয়)	88-नृशन	8	200
অভিভাবক প্রকৃত, অক্সহত পরিবর্তে (দুশরিকদের কামে আদরে না)	৪৫-লাহিয়া	30	hod	আনুগত্য (আল্লাহর আনুগত্য করার নির্দেশ)	৩-আলে ইমরান		685
অভিভাৰক প্ৰহণ করেছে এক দল আল্লাহতে বাদ দিয়ে শয়খনকে	৭-আ'রাফ	00	976	অনুগত্য (অল্লাহ ও রাসূদ স, এর অনুগত্ত বত্তা মুদিন নয়-সরীরা)	৯-কাওৰা	45	684
অভিভাৰক (আগ্ৰাহই অভিভাৰক)	৪২-পুরা	20	brard.	আনুগত্য (আপ্লাহ ও রাস্ল স. এর অনুগত্য করার নির্দেশ)	৩-আবে ইমরা	50	0.00
অভিভাবক (আল্লাইই প্ৰকৃত ও একমাত্ৰ অভিভাবক)	৪২-পুরা	5	5.99	আনুগত্য (আল্লাহ ও রাপুল স. এর আনুগত্য করার নির্দেশ)	৮-আনকাল	86	600
অমান্(আল্লাহ-বাস্প স, এর অমান্যকারীকে আগুনে প্রবেশ				অনুগর (অপ্তাহ ও রাপুল স. এর অনুগরের দির্দেশ, মুমিনদেরক)	৮-আনকাশ	50	600
क्यां(मं रहत)	8-निमा	78	264	व्यक्तांका (व्यक्तांद ও प्रामृत न, धार व्यक्तांका करत यात्रा करत गरेना)	২৪-সূর	65	992
অমান্য (আল্লাহকে অমান্য করলে পরিবাম স্বাহায়ামের আঙ্গা)	৭২-জিল	20	248	আনুগত্য (আল্লাহর আনুগত্য করতে মুমিনদের প্রতি নির্দেশ)	8-मिमा	63	¢68
অমান্য (আল্লাহ-রালল ল,কে অমান্যকারী লালাই পথ্যাই)	৩৩-আহ্বাৰ	00	604	আনুগত্ত্য (আল্লাহর আনুগত্ত করার নির্দেশ)	५8-मृद	28	992
অমধাণেদ্ৰী (আল্লাহ লগত থেকে অমধাণেদ্ৰী)	২৯-আনবারত	64	644	व्यागास (व्याप्ताद व्यागास म बदाद कर करिस्तान वर्गसन)	৩৩-আহ্মাৰ	96	500
অমুবাপেড়ী ও অতি প্রবংসনীয় (আল্লাহ)	১৪-ইব্রাহীম	le.	600	कारता (क्षांदर कारता करता सर्वका द्वान रहा रहा ग)	৪৯-হলুরাত	28	823
অমুধাণেকী (আল্লাহ অমুধাণেকী, জগতসমূহ থেকে)	৩-আলে ইমরান	59	282	আনুগত্য (আপ্তাহ-বাসুল স, এর আনুগত্য করলে জান্নাতে			
व्यवस्थि (व्यक्तव्यक्तिक्षाः व्यक्तव्यक्तिः ।	৩)-প্রকর্মন	25	254	প্রবেশ)	8-निमा	20	665
अनुवासकी (आहार अनुवासकी)	৬০-মমসাইনা	6	hav	আনুশত্য (আল্লাহ-বাসুপ স, এর আনুশত্যকারীর উপর	-	-	+
অনুবালেকা (আল্লাই অনুবালেকা) অনুবালেকী (আল্লাই অনুবালেকী ও অভিনেশংসনীয়)	७८-जाशावन	6	200	व्यक्तिक (अहारक)	৪-দিসা	69	466
वर्गातको (वाहार वर्गातको ७ वाल्यातका) वर्गातको (वाहार वर्गातको ७ शन्तको।	৩৫-ফাডির	242	789	আন্তাভ্য (অল্লাহ-বাসল স. এর আনুগত্যকারী মহাসাঞ্চল্য	_	+-	-
অমুবালেকা (অস্তাহ অমুবালেকা ও প্রশংসনার) অমুবালেকী (অস্তাহ অমুবালেকী ও অভিপ্রশংসনীয় ভয় করা প্রসৰ)	৪-নিসা	202	640	আনুগভা(আল্লাং-রানুগ ন. এর আনুগভাগারা মহানাক্ষ্য লাভ করেছে)	৩৩-আহ্বাৰ	47	₹80
				লাত করেছে) আনুগর্ভা কর আক্সাহর (উমাননারদের প্রতি আক্সাহর নির্দেশ)	৪৭-সুখাপাদ	90	>>4
वागरः धारमा (पूर्वारिकातं व्यक्कार् २००५) वागरः धारमा काविन)	৩-আলে ইমবান		660		৩৩-আহ্মান	00	500
অসত্য বলা (আল্লাহ সম্পর্কে অসত্য বলাব গান্তি)	৬-আণ্'আম	90	906	অনুগর (নবীর স্তীচনকে অক্সাহ-রাসুল স. এর অনুগরের নির্দেশ)			
অসম্ভষ্ট (আল্লাহকে অসম্ভষ্ট করে যে জিনিস)	৪৭-মুখ্যখাদ	54	978	আকুতে (নিজের কল্যাথের জন্ত আল্লাহর আনুগত্য)	৬৪-জাগাবুন	3/6	26.0
অসম্ভন্তি (অপ্তাহর অসম্ভন্তি নিয়ে আনে যে মান অপ্রয়হল কাংগ্রাম)	৩-আলে ইমরান		467	আনুগতঃ (নিরবছিন্ন বীন/আনুগত্ত আপ্লাববই জনঃ)	১৬-সাংগ	42	900
অসমটি (আল্লাহর অসমটি বেশি হবে বিরামতে)	৪০-মুখিন	30	৮৭৮	আনুগড়া (আল্লাহ ও তাঁর রাসুল স. এর আনুগড়ের নির্দেশ)	१५-पुकानामा	30	320

मंग त कर विषय/धनम	সরা মং ও নাম	TELD	eter-	अस्य दिश्य/देशक	नवां नर च नांव	401	-
	Set all a site		101	আলো ও সম্পন্ন কিতাৰ আহাতৰ পক্ষ থেকে এসেকে	युवा गरे च गान य-मात्रिमा	20	2003
আল্লাহ (পূৰ্ব পূৰ্বা কেকে)				আল্লাহ অভি প্ৰক হিসাৰ গ্ৰহণকাৰী	४०-माधना ८०-मुक्ति	39	692
আনুগত্য (আল্লাহ ও রাস্ল স, এর আনুগত্য করার নির্দেশ)	৬৪-আগাৰুন	35	269	আল্লাহ আত প্ৰত হেনাৰ এইনকাল আল্লাহ মতকে জীবিত কতেন	85-4144	37	644
আনুগত্য (আল্লাহ ও বাস্ল স. এর আনুগত্যকারীকে স্বান্নাতে প্রবেশ)	8y-17/61	39	224	আন্তঃ মৃত্তে জানত করেন আনত্ত (আন্তাত ভাটো করেন আনত্ত বাসন স. পাবেন না)	१२-जूब	33	95.4
		-		चन्त्र (चन्नार चन्न कर्मा कर्मा कर्मा । १८५५ मा) चन्त्र (चन्नारस चन्ना क्षार्थ सम्बद्धा हरू)	५२-विकेशक	95	691
আনুগত্য (আক্লাহ ও রাসুল স. এর আনুগত্য করার নির্দেশ)	৮-আনকাল		७७२	আপ্রর (আল্লাহর অপ্রের প্রার্থনা করণ ইউসুক্ত)	32-267 <del>0</del>	40	698
অনুগত্ত (সপুসুতা থেকে বিরত হংগ্রা প্রসংগ আল্লাহর অনুগত্ত)	৫-মারিদা	84	495	অপ্রয়েশ (অক্সাংর কার্যর প্রথম অধ্যায়ল দেই আক্সাং (বংক বঁচার)	৯-ডাওবা		60
আনুগত্য (বাসুদ স.কে আনুগত্য করা মূলত আল্লাহকেই আনগত্য করা)	8-शिमा	tro	690	व्यक्त राष्ट्रंत (नामान संदे (कार नामान रहत व्यक्तर व्यक्त राष्ट्रंत)	व-व्यक्ता	335	90
	০-আলে উমবান		000	অনুদ্র পেরবান প্রবেজিত করেল অক্সাহত নিকট আনুর রাকিন)	৪১-ফুসসিলাত	400	60
আপারন (আ্লাহর পক্ষ থেকে আপারন, নহর প্রবাহিত জন্মত) আবশ্যক করা (নরা করাকে আ্লাহ নিজের জনা আবশ্যক বংবছেন)	ও-আপে হযরান ৬-আন'আন			অনুত্র (পরকান পাঠের সময় শরকান থেকে অক্সাবর কারে অনুত্র:)	১৬-নাহল	bly	92
আবশ্বক করা (পরা করকে আল্লাহ সক্ষেত্র জনা আবশ্যক নরেছেন) আরাত আয়াত পাঠ করা সন্তেও কফারী	ও-আল জাম ৩-আলে ইমরান	25	৫৯৭	অপ্রর (কুরবান শারের সময় শারেন (থকে ব্যক্তারর করে বারুর) আপ্রমাতা আস্তার (কাফিররা বলবে, জিজালা করলে)	२०-ग <b>्न</b>	-	99
	৩-আলে ইমরান ৩-আলে ইমরান		484	অপ্রকাত আল্লার (কাকরর কারে, জন্মান করসে) অপ্রজ্ঞান অপাকরির জন রাস্পান, এর মধ্যে উরুর অসপী	৩৩-আহম্বর ৩৩-আহম্বর	p.p.	
অরাত (অক্সাহর আরাত অধিশ্বাস করে যে)			৫০৭		৪-নিসা	127	80
বারাত (আল্লাহর আরাত অধিশাদ করে আহলি বিভাবরা)	ও-আদে ইমরান		483	অশা (জ্বপ্লাহর করে মুদিনর যা অশা করে কাফিজা তা করেন)		308	99
মারাত (আল্লাহের মারাত অস্বীকরকারীকে বিভান্ত করা হর)	৪০-যুখিন	60	444	আপ্রয় দান করেন আল্লাহ	২৩-মু'মিন্ন	pp	
মারাত (মাল্লাহর সারাতকে মিখ্যা সচিবিতকরী বড় জানিম)	৬-আন্'আম	249	625	অপ্রের প্রার্থনা (অক্সাহর কাছে মূদার অপ্রের প্রার্থনা, গাবী স্কর্যাই)	২-বাকুারা	89	¢ο
মানাত (আল্লাহর আরাতকে অবিশ্বাস করে যারা)	৩-আপে ইমরান		৫৩৮	আনা (আল্লাহর ব্যক্তে বিশুদ্ধ শুনর নিরে আনা ব্যক্তির	২৬-৩'আরা	va	939
সমাত (মঞ্জাহর সায়ত কবিস্কালের কাবলে দাবিদ্য ও লাহুদা	৩-আলে ইমরান		486	নন্তান/সম্পদ শ্ৰমষ্			
অবাভ(অক্সহর অরাভ অবিশ্বস করার করিইসরাইসের পরিষতি)	২-বাকুৰো	62	৫০৭	আন্ত (অক্সহত শক্ষ থেকে অপ্রতিরোধ্য দিন আনার পূর্বেই ঈমান)	৪২-শ্বা	89	25
অরাত (অক্সাহর অক্সত অহীকর ও অস মাতির চোধ-মন-মনর)	৪৬-আৰ্বাফ	26	920	আসা (আল্লাহ শান্তি নিয়ে আসলেন এমন দিক থেকে যা)	৫৯-ছাপর	2	342
থারাত (আল্লাহর আরাতকে মিথ্যা অভিহিত করা)	00-3E4	30	522	আসা (মেঘের আড়াল থেকে আল্লাহর আনার অপেকা)	২-বাৰুবো	250	22
মানাত (মাল্লাহর আরাতকে উপরাগ হিলাবে প্রহণ করা নিমেং	২-বাকুরো	507	426	আহ্বান (আল্লাহ শান্তির আবাদের নিকে আহবান করেন)	३०-इ <u>क्र</u> गुत्र	58	80
মায়াত (অক্সহর আয়াতকে নিখা কণলে কবিয়ার হতে হবে)	১০-ইউনুস	30	ტტი	আহলে (আপ্রাহ ও রাগুল স. এর আহলেন দাড়া নেয়ার নির্দেশ)	৮-আনকাল	₹8	96
মারাত (মাল্লাহর আল্লাহকে মিথা আধানাকার উপমা পুরাই নিকটা)	৬২-ৰুমু'আ	Q	3/6%	আহ্বান (আল্লাহ ও রানূল স. এর দিকে আহ্বান করা হলে	२.8-मृत	03	90
মারাত (অপ্তাহর আয়াত থেকে দেন নিরত লা রাগে রাগুল স,কে )	২৮-কাদাদ	49	P34	মু'মিনরা বলবে)	48-41	43	1.
মারাত (অপ্তাহর স্বারাত নিয়ে বিতর্ক করে যারা)	৪০-মুখিন	63	PP8	আহ্বানকারীর অকে সাড়া না সেয়া (আল্লাহর নিকে	৪৬-আহকাক	as	22
বারাত (অল্লাহর নিদর্শনসমূহ অবিশ্বাস করেছে যারা)	৮-আন্তাল	03	609	<b>प्रदर्शनकारी किम)</b>	80-316414	95	100
মারাত (মাল্লাহর সারাতের বিনিমরে সামান্য মধ্য প্রহণ)	৯-জ্যাওবা	>	680	গঙ্খেদ (গঞ্জাহ ছাত্ৰ যদেৱকে আজান করে, ইকারীমের পিতা)	১৯-মারইয়াম	8¥	90
মারাত (মাল্লাকে আয়তের পর কবিনা কেন কথার দীমান আন্তর।)	80-सर्विया	6	bod	থাজান (আল্লাহ জাহানামের প্রবর্তীদের আহ্বান করবেন)	৯৬-আলাক	36	00
আয়াত (অস্ত্রাহর আয়াত পাঠ করেন আল্লাক বাসুল স, এর নিকট)	২-বাসুবো	202	459	অপ্তান (অপ্তাহর নিকে অব্যান করছেন রাসুল স, ও তার অনুসারীরা)	১২-ইউসুক	YOU	90
সারাত (মাল্লাহর মধ্যত পঠ করছেন মাল্লাহ রাসুল স্, এর নিকট)	৩-আলে ইমরান		485	গ্রাপ্তানকরি (অপ্লাধ্য নিকে আধানকরির ভাকে স্থিনদের সার্ড:)	৪৬-আহকাফ	402	33
মারাত (মারাহর মারাত পঠ করকো রাসুদ স, প্রমিনচনা নিকট)	outer Saute		203	चाळानकती (नरी चाळाळा चनुपरिकास रोज नित्र वाळानकरी)	৩০-আহ্যাব	86	mo
মানত (মান্ত্ৰাহের আহাত পা) করে, আহলে কিভাবনের এক লগ	৩-আলে ইমরান		489	আহ্বান (মানুষকে আল্লাহর দিকে আহ্বান করাই উল্লয় কথা)	৪১-ফসসিলাত	00	20
बारा (बहुत्य बारा ना रहे, बारा निवस्ता देश है) बारा (बहुत्य बारा ना रहे व समिता है बार न बार देश)	80-सार्थिया	6	204	ইচছা (আল্লাহ চাইলে যাকে ইচ্ছা সন্মনজপে প্ৰহণ করতেন)	৩৯-ব্যার	8	<b>b9</b>
মারাত (পূর্ববর্তীদের উপকথা বলে আলাবর আলাতকে)	৬৮-কুলোম	34	390	ইয়া (অস্তাহ ইয়া কথাৰ তথা কৰুৰ কথাক, চুপৰিবলো)	৯-ভাগো	32	68
আরাত বর্ণনা (মানুষের কভজাতা প্রভাবের জন্য আস্তাহর		36	8-1/2	ইজাধীন (আল্লাহ বাকে ইচ্ছা পৰিত্ৰ কৰেন)	8-मित्रा	85	20
আবাত বৰ্ণনা (মানুহের কৃতজ্ঞতা প্রকাশের জন্য আস্ক্রাহ্র আবাত বর্ণনা)	৫-মায়িদা	Và	699	ইক্সধীনা চনফিবলের জানের করণা পারি প্রদান আল্লাবন ইক্সধীন)	००-प्राध्यान	38	20
বাবাত বপনা) অবাত বোৱা অক্সাহর আয়তে উগ্লন আনে না হয়েট বিধাবাদী।	১৬-নাংশ	204	939	ইআধীন (মূপরিকদের ঈমান আনা আল্লাহর ইঞ্ছাধীন)	6-আন আম	222	80
অব্যত (ধর অল্পাকা অব্যতে সমল অনুসান ওয়ার মন্যাবন) অব্যত (রাসুল স, আল্পাক্ত আল্লাত পাঠ করে শোনান)				ইচ্ছান্ত্ৰী অস্তাহ কৰে বিধিক প্ৰদাবিত ও পৰিৱাপ কৰে দেন	৩৯-মুমার	83	b.
	৬৫-ডালাক	77	999	देखा (युगा या, देशरीन शंकरन याहावत नेक्शा)	79-416A	99	30
भागां (शापूर्ण म्, मानूरस्थ लाख्न प्रश्लास्त्र प्रशास्त्र प्रशास्त्र पर्दान्त)	৬২-স্কৃশুআ	2	264	हुआ) (सूना च्या. १२२मान चान्यरम चाहारक नाम्हाक) हुम्बर (चाहारू हुम्बर विकरी १८२ तक शताह प्रतिन नहें हासक)	p-আনকাম 30-কার্ক		
নারতসমূহ বর্ণনা করেন সম্রোহ (খতে মানুব সঠিন পথ পার)	৩-আলে ইমরান		280	हेक्का (अञ्चलक मान्या विकास कर तरू स्थान के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त कर स्थान के प्राप्त कर स	৭-আগ্রাক	29.5	90
বারাত (জাশিমরা আল্লাহর আলাতকে অধীকার করে)	৬-আন্'আম	90	480		4-00 816	29.9	80
পরাত (ক্রী ইনরাইল কর্তৃত অক্সাহর আয়াত অনিক্সন প্রদেশ)	8-निमा	756	295	ইজা (পরভানের অনুসারীদের জাহান্রমে বাকার ব্যাপারে	৬-আৰ্'আম	252	80
আরাত (আল্লাহর আরাত বর্ণনা, নানুষের চিন্তার ক্ষন্য)	২-বাকুারা	২৬৬	505	অস্তাহর ইজা)			L
বারাত (ব্যক্সহর অভাত তলেও সহক্ষেত্র হরে তলৈ ধানার দুর্বোণ)	৪৫-জাহিয়া	b	802	ইজা (সকল হড়বল আল্লাহর ইজাবীন)	১০-রা'দ	84	63
থারাত (আক্সাহর আরাত সম্পর্কে তাক্ষিররা বিভর্ক করে)	80-मू बिन	8	494	ইছা (অস্তাহ ইছা কলেই কফিলের থেকে কলা নিতে পরেন)	৪৭-মুহাম্বাদ	8	32
বারাত (আল্লাহর আরাত স্মরণ রাধার নির্চেশ)	৩৩-আহ্বাব	108	9100	ইজা (আল্লাহ ইজা করণে ফেরেশফকে প্রতিনিধি করতেন)	৪৩-মুখকফ	80	80
আরাত (আল্লাহর আরাতে অবিশান ও ঠারা-বিল্রুপ প্রসঙ্গ)	8-निमा	380	Q98	ইজা (আল্লাহ ইজা কংলে মানুষকে এক উম্মচত্বৰ কংখেন)	৪২-শ্রা	b	brit
মারাত (অক্সাহর অরতে সমান না অনলে ব্যাবানারক শক্তি)	३७-मार्ग	308	427	ইঞ্ছা (আস্তাহ ইঞ্ছা করণে সমৃদ্রের বাতাগতে থামিরে দিতে	৪২-পরা	00	100
মারাত (অক্সাহর আরতের প্রতি উদ্ধাত, ওয়ালিন ইবনে মুগীরা)	৭৪-মুদার্ছর	36	290	পারেন)	o de Sai	1~	100
মারাত (মারাহর মারাতের বিনিমরে সামান ফুলপ্রাহণ না করা)	৩-আলে ইময়ন	799	202	ইচ্ছা (আল্লাহ ইচ্ছা করণে নবীর ফারে মোহর মেরে দিতে পারেন)	৪২-শূরা	48	P.S
মারাত (আল্লাহর আয়াতের বিকল্পে মুশরিকলের বড়বস্তু)	১০-ইউনুস	42	696	ইছে (অস্তাহ ইছে করলে সংকর্মশীল পাবে মুগা আ, শোরাইবকে)	र्फ-क्राआअ	29	3
সারাত (সম্মাধ্য সারাতের মাধ্যমে নৃহ ফা, জাডিকে উপতলা)	১০-ইউনুস	93	665	ইজা (অল্লাহ ইজা করলে মুশবিকরা শরীক করত না)	৬-আন আম	209	100
व्याचान (प्रनाविकता या व्यनकृत करत स्त व्यक्तावत अति व्याचान करत)	36-RIEM	613	202	ইছা (আহাত ইছা কলে সৰ মানুহতে সঠিক পৰ প্ৰদৰ্শন)	১৩-রা'দ	407	60
মালো (আল্লাহ আকাশ ও পথিনীর আলো)	28-91	92	222	ইয়া (অপ্তাহ ইয়া কলে স্থাইকে সঠিকাথ প্রদর্শন করতেনা)	36-High	7	30
वारण (ब्युक्कार वारण बारजनी पर करा जार (कान व्यारण (मेरे)	28-9T	80	222	देखा (अञ्चार देखा कहान गरमहरू तह के क्रिक्शक कहारमा)	± अं⊪गर्म अं⊩गर्म	30	92
আলো (আল্লাহর আলো নিভিয়ে নিতে চার কাছিবরা)	৯-ভাগৰা ৯-ভাগৰা	95	680	হয়া (অপ্তাহ হয়া কলে সনক্ষিত্যৰ দক্ষিতি প্ৰবাশনি	20-mildu	80	173
जारना (जाकारत जारना में निवा निरुद्ध निरुद्ध सामित्रता)	97-3166 8-01041	200	990	বেড়ে নিজেন) বেড়ে নিজেন)	২-বাকুলো	20	20

			হায়াহ	STEEL			
नेप ६ लेट इसिन्द्र/बनन	नुसामा । नाम	46.2	1	नेप विश्व/दागर ने क्रांतिक	नुवा गर । गाम	THE P	900
আল্লাহ (পূৰ্ব পূৰ্বা (৭৫০)		-		ইবাদত (অল্লাহ ছাড়া এমন বিষ্ণুৱা ইবাদত- যারা মণিত নয় কঠি)	৫-মারিদা	96	690
हेम्र (प्राप्तार हेम्र) करान (प्रश्ताना नांतरात्म, नुरुनन्ताना कन्न)	২০-ছুমিন্ন	38	969	ইবানত (অল্লাহ ছাত্ৰ অনের ইবানত করতে প্রতিশাশকর	১৭-ইসরা	20	926
हेल (प्राक्षर हेल करन निवर करका गर्द्ध प्रनिद्धार पुर्क (नन)	১৬-নাবল	00	900	Scores)	24-6441	40	120
ইয়ে (আল্লাহ ইক্সা কবলে স্থাইকে সঠিকপথের উপর একএ		-		ইবানত (অল্লাহ হাড়া বাংবা ইবানত না করাং আহ্বান আহপি)	৩-আলে ইমরান	68	283
क्टालम)	ও-আন্'আম	00	699	ইবাদত (আল্লাহর ইবাদত করতে আদিই ব্রেছেন রাসূল)	১৩-রা'ন	৩৬	695
ইড়া (বাছার ইড়া করলে মশরিকরা শিবত করত না ¹)	6-বান'বাম	381/	633	ইবাগত (অস্ত্রাহর ইবাগতের নির্দেশ, ছায়ুদ সম্প্রদারকে)	৭-আ'রাফ	90	633
ইঞ্জ (অপ্তাহ ইঞ্জ করুদ করে খেলতে পারতেন, ইয়ানীম)	২-বাকুরো		636	ইবালভ (আস্তাহৰ ইবালত করাৰ আহ্বান)	৩-আলে ইমর্ম	67	487
ইছে (বাস্থাই ইছা কর্পে পরবর্তীর যুদ্ধে দিও হত না)	२-वाङ्गता -	300		ইবানত (আপ্লাহর ইবানত করতে ব্যাহ্ম দীসা)	৫-মারিদা	339	232
हेक्का (बाह्यह हेक्का कदल मुनदिक्तार ठलवा कनून कदरान)	৯-জাওবা	26	683	ইবাসত (আল্লাহর ইবাসত করতে বল্লেন ড'আইব)	22-fel	b8	690
ইয়া (আহাই ইয়া কর্লে মুশতিকরা সন্ধান হত্যা করত না)	৬-আন'আম	209	603	ইবাদক করা আল্লাহর (দ্বীনকে ভার জন্য নির্দিষ্ট করে)	०७-प्रमार	3	P-93
देखा (बाह्य देखा करान वृत्तादेखा नवान देखा कराव ना	g-शक्ति व	85	65.0	ইবানভাইবারীয় আ কর্তৃক মাল্ডানাতে অল্লাহর ইবাসকের নির্দেশ)	२%-व्यागस्थात्व	3h	b39
हैक्स (अक्सर हैक्स न करन हैक्स्ट्रेक का संबंद्रक निवस करते)	75- <u>5</u> 824	96	60-8	ইবানত (একনিউজনে আপ্লাহর ইবানতের নির্দেশ, আহলে ভিয়াবকে)	১৮-বাইলেহ	0	20-27
राम (प्यक्रिक राम न कारण रक्तूक जा, करा,त न्याक कार्य) विम्न (प्राक्रिक कि राम करायान, माराज्ञायन तरवीत वेणमा बात)			997	हेशन्ड (ब्रह्मक्त हेशन्ड क्रांट कार्न हम बा, बान सरिएक)	৭-আ'রাফ	20	639
	৭৪-মুমামুছির	-07		देशक (व्यक्तक देशकाव निर्माण विमे श्रम (वाम देशक (विदे)	20-31-8	28	983
ইঞ্জ (অক্সাহ বিষ্ণুৱ ইচ্ছা কবলে বলেন, হও' তার তথনই সা হয়)	১৬-নাব্শ	80	906	हेशनंड (क्षाक्रक हेशनंड स्टान्ट)का क्षेत्र (क्षा रंगर (क्रा)	40-81-40	30	763
ইচ্ছা (আল্লাহ কোন সম্প্রনারের ফতির ইচ্ছা করলে)	১৩-রা'দ	33	699	रिश्च शास्त्रमा)	২১-আধিয়া	79	467
ইছে (স্বাস্থাহ যা ইছে) করেন তাই করেন)	৩-অলে ইম্রান		¢80	াব্যত থাকেন্য) ইবানত (আল্লাহ্ব ইবানত করার নির্দেশ, আদ লাভিকে)	২০-মু'মিদ্দ		960
हेक्स (जाहार यो हेक्स नरावन छाड़े रख)	১৮-কাব্য	ಯ	929			65	
ইচ্ছা (পঞ্জাহ যা ইচ্ছা করেন তাই করেন)	२२-शब्द	28	469	ইবাদত (অস্ত্ৰাহর ইবাদত করার আহ্বান নূহ সম্প্রদায়কে) ইবাদত (অস্ত্ৰাহর ইবাদত করার নিয়েশ দ্বাহন জাতিকে)	२०-घु मिन्स	20	969
ইচ্ছা (সন্ত্রাহ যা ইচ্ছা করেন ভাই পৃষ্টি করেন)	৪২-শ্রা	89	794		33-हुन ->	63	693
ইঞ্জা (সাল্লাহ যাকে ইঞ্জা সংপথ পেৰান/পথত্ৰট করেন)	৩৫-ফাভির	7	780	ইবানত (আল্লাহর ইবানত করা ও কৃত্যু হওরার নির্দেশ)	৩৯-যুমার	৬৬	744 748
ইজা (আল্লাহ বাকে ইজা পথন্তই করেন/সঠিকগবে রাবেন)	৬-আন্'আম	60	662	ইবাদত (আল্লাহর ইবাদতের নির্দেশ,মূহের সম্প্রদায়ের প্রতি)	৭১-দূর্	۰	
ইজা (সাপ্তাহ যাকে ইজা সঠিকপথে পরিচালিত করেন)	২-বাঞ্চারা	२१२	605	ইবাদত (আল্লাহর ইবাদত করার নির্দেশ)	59-austriés	24	৮১৭
ইজা (অল্লাহ যাকে ইজা সঠিক পথে পরিচালিত করেন)	<b>४८-देरग्रदी</b> न	8	690	ইবানত (আল্লাহর ইবান্তের নির্চাপ দেন বুল আ, তার পারিকে)	77- <u>ई</u> 4	60	990
ইজা (সাল্লাহ যাকে ইচ্ছা সঠিক পথে পরিচালিত করেন)	১০-ইউনুস	2.0	686	ইবাদত (অস্তাহর পরিবর্তে অন্যের ইবাদত করার বিক্)	২১-আছিরা	69	928
ইছা (সাপ্তাহ বাকে ইছা তার নরার মধ্যে প্রবেশ করান)	৪২-পূরা	b	7-97	ইবাদত(অনেক মানুধ বিধার সাথে আল্লাহর ইবাদত করে)	২২-হাজ	22	926
ইজা (আল্লাহ যাকে ইচ্ছা তার জন্য মলেনীত করেন)	৪২-পূরা	30	795	हेंचनड (च्युडांद श्रेज़ च्यानत हेंचनड कर्य वानून न. এव सन्त निरमः)	৬-আন্'আম	26	603
ইছো (স্বাস্থ্যাহ বাকে ইছো থিবিক লাল করেন)	82-701	79	795	ইবাদত (আল্লাহ হাড়া অনোর ইবাদত করে মুপরিকরা)	১০-ইউনুস	22	966
ইতা (সাল্লাহ বাকে ইতা তাকে স্বন্ধত্ব নান করেন)	৫৭-হানীদ	42	320	ইবাদত (আল্লাহ ছাড়া অন্যের ইবাদত নিষেধ করেন নূম)	??-दूस -	5.9	999
ইয়া (ৰাষ্ট্ৰাহ যাসেকে ইয়া কংকে তাৱ হাঞা সৰাই ভীত ব্যস)	২৭-নামল	৮৭	504	ইংলের (অপ্তাহর ইবানত করতে বলসেন নুর আ, তার সন্তুসারকে)	৭-আ'রাফ	Q'b	979
देख (व्यक्तारत करुमाँहे क्षाप्त राजुलाजन क्षामण करना ज्ञान नहाँ)	১৪-ইবরাহীম	22	698	ইবাদত (আল্লাহর ইবাদত করতে বগেছিল মাসীহ বনী)	৫-মারিনা	94	gyb
ইয়া (মাল্লাহর ইচ্ছা ছাড়া রানুল ন, কিছু ভূলে যাবেন না)	৮৭-আ'লা	3	2025	ইবাৰত (আল্লাহ হাড়া অনের ইবাৰতের নির্দেশ দের অজ্ঞরা)	৩৯-যুখার	68	৮৭৮
ইয়ো (সাল্লাহর ইয়ো ছাড়া মানুখ ইয়ো করে না)	৭৬-নাহর	00	334	ইকার (অপ্তাহ স্থায় অনুইলহানে ইকার হেফে বিপ্তা হক্সা)	১৮-কাব্য	79	942
देखा (जालादर देखा बाज कादवा देखा कार्यकरी नव)	৮১-ডাকডীর	236	6000	ইবাদত (আল্লাহ ছাড়া অন্য কারো ইবাদত না করা)	৪৬-আহ্বাফ	52	250
ইছে (আল্লাহর ইছে ছড়ো ত'আইবের সম্প্রনায়ের ধর্মানর্শে		-		देशमस्य प्राप्तात क्षात्र काता देशमध्य ग करा वर्गे देशस्त्र प्रेशमस्य	২-বাজারা	50	609
মেরা সক্ষত নয়)	ং-আরাক	9.9	957	ইবাদমা আল্লাহ ধান করে ইবাদত যে উপকার ক্ষতি করতে পারেনা)	२১-व्यक्ति	95	948
ইচ্ছা (অপ্নাধ্য ইচ্ছা ঝ্যা মৃত্যুবরণ করতে পতা না কোন ব্যক্তি)	৩-আলে ইমরান	180	283	ইবাৰত (আল্লাহ ছাড়া কারো ইবাৰত করা যাবে না)	<b>33-एम</b>	3	652
ইচ্ছা (অপ্নাৰ্থন ইচ্ছা কৰু বাসুল স. নিজের তল-মন্দেরও মালিক নন)	३०-१५०न	83	600	ইবাৰত (আল্লাহ ছান্তা কাৰো ইবাৰত কৰেল না বাপুৰ)	১০-ইউনুস	8c4	<b>8</b> 56
ইয়া (অপ্নার্য ইয়া মারা মুমিন্টার কতি কাতে সক্ষম নর)	१५-एकानामा	30	300	ইবাদত (বাসুল স. আল্লাহ ধান্বা কারো ইবাদত করেন না)	১০-ইউনুস	804	558
देशा (ब्रह्मारा देशारी प्रतिना वाचार तक रतावित केल ग्रह्म)	৩-আলে ইমরান			ইবাদত (ছামূদ সম্প্রদায়কে আল্লাহর ইবাদকের নির্দেশ)	২৭-নামগ	80	800
ইছা (খালুহর ইছার ইসমাসল আ, থৈগোরণ বর্বনে)	৩৭-সাঞ্জাত	203	200	ইকাত (উদ্যুক অল্পাহর অন্য নির্দিষ্ট করে ইবাসত করার নির্দেশ)	৩৯-যুখন	22	V93
ইয়া (আয়ার ইয়ায় ওলুও বহিনী জলুও বহিনীকে গরাজিও)	2-statet	303	659	ইকান্ত (বীন্ত্ৰত অপ্তাহত কন্য নিৰ্দিষ্ট করে নথী ইবানত কলে)	৩৯-যুমার	78	893
ইয়া (অন্তাহর ইয়ার নিরাপান মিলরে প্রবশ্ ইউসুফর ভাই ব)	75-88340	779	the state of	ইঞ্জনত (নবীপণ অল্পাহর ইঞ্জনত করা ও তাগুত কাহিনর নির্দেশ (সন)	১৬-নাহল	96	900
राम (व्यक्तारत रामात स्थापान स्थापान स्थापान राज्यात है।) है।स (व्यक्तारत रेसमा नाचि ग्रह राम स्थित नाचि, मेना जा, है लिल)	৩-বালে ইমরা-		480	ইবানত (ড'আইব সংস্থানায়তে আল্লাহর ইবান্তের নির্দেশ)	१.वा वाक	76	N20
राम् (व्यक्तारव राम्स्य गान रहा यह नागा गान, तन वर्ष, हु लाग) राम्स (व्यक्तारव राम्स्य रने रंगरानिन गरिवानर नाहर, गानी जनाम)	२-सक्ता २-सक्ता	90	502	ইকান জাইব জা কর্তৃক সম্প্রদায়ক অল্পান ইকানকে নির্দাণ	২৯-আনকাবৃত	99	b23
হার (আল্লাহর হারের কর হনরালন স্থারণার পারে, পাত এনকে) ইচরা (আল্লাহর ইয়েরে বড় নলকে পরজিত করে (ছটি নল)	২-বাকুবরা ২-বাকুবরা	383	602	हेवनड (प्राप्त्र वर शिलान प्रमुख देवनज मिर्मा)	১০-ইউন্স	00	628
হজা (আল্লাহর ইচছার বড় নলকে পরাক্ষত করে ছোচ নল) ইজা (আল্লাহর ইচছার মতকে জীবিত করেন ইলা)				ইবাসত (মুদ্ধান ব্যাহ্যালয় অক্সাহর হবাসত করার নির্দেশ)	8-निम	100	667
	০-আলে ইমরান		280	ইরানত (বৃত্তিশালক অক্লাহর ইরানত, ইনা আ, প্রসঙ্গ)	80-198FF	68	900
ইজা ঝল্লাহর (শিলার প্রথম ফুঁ-তে সকলে সংজ্ঞাহীন হওৱা)	৩৯-মুনার	607	399	ইরারব আ আপ্রাহর পাদ থেকে তা জানে বা পুরের জানে বা	১১-ইউসফ	26	bbb
ইয়া (আপ্লাহর ইয়ো হারা কেউ কতি করতে পারত না)	২-বাবুংরা	205			24-4054	60	000
रेक्ष करण प्रद्वार दुर्गायिकास्त्रक पुण्यस्त्र बेन्द्र क्याने निर्द्य	8-PP1	90	60t	ইরাকুব আ. আক্লাহর পক্ষ থেকে এমন কিছু জানেন, যা ভার	১২-ইউসুফ	rb	900
ইয়া কলে ৰান্যাতে পানে (বার প্রদাস অভিযানে কটুকি)	৩৬-ইয়াসীন	81	168	পুথর জনে ন	-	<u> </u>	-
ইজা করেন যদি (যে কোন বিষয়ে ইনশাসপ্তাহ কলার নির্দেশ)	79-4(46	₹8	126	ইলাহ (আঝণ-পৃথিবীতে অল্লাহ হাড়া বহু ইলাহ থাকলে	২১-আখিল	22	923
ইন্সা (বিনে বিন্ধু নিচিহ্ন করা বা সূত্র করা আল্লাহর ইঞ্চা)	১০-র'দ	¢5	ઇક્રેસ્ટ	দুটোই ধাংগ হত)			_
ইন্সা (কঠি বিংবা মঙ্গল সাধন আল্লাহর ইন্সা)	৪৮-ফাত্র	22	324	ইলাহ (আল্লাহকে তর করার নির্দেশ, কিনি ছাদ্ধা ইলাহ লেই)	১⁄৬-বার্ব	3	900
ইআন্ত (সমস্ত ইআন)পদ্ধন অল্লাহব, কফিবলৈ বন্ধু বানলো এসক)	8-Sint	209	218	ইপাং (অল্লাং ছাড়া অন্য কোনো ইপাং নেই)	২০-জু-ছ	ъ	385
ইবাদত (অল্লাহ্রক বাদ দিয়ে যানের ইবাদত করবো আলেকে)	৫৭-সাফ্লাচ	20	bigbr	ইলাহ (অপ্তাহ ছাড়া খনা ইলাহ খোলার অনারভা)	৭-আ'রাফ	780	955
ইবানত (অল্লাহ মানু অনের ইবানত থেকে মুক্ত ইংরাধীন আ. ৩)	७०-मूग्जदिन	8	962	ইলাহ (অল্লাহ ছাড়া অন্য ইলাহকে ভাকা নিবেধ)	২৮-কাদাস	p.p.	p.74
ইবানত (অপ্তাহ থাতা অন্য কারো ইবানতে রাজ্যপাশের নিজেবাজা)	৪১-সুসসিব্যাত	28	৮৮৭	ইলাহ (অল্লাহ হাড়া ইলাহ নেই, আল্লাহ সাক্ষা দিছেল)	৩-আলে ইমরান	23.	207

नेच निषद्ध/द्धनन	স্থান্য ও নাম	200	3.5	পাৰ বিষয়/ধাসায়  ইমান (আল্লাহ ও অধিয়াকে ইমান আনলে গঠ গোপন)	नुष गर ७ गम		
ञाहार (पूर्व पृक्त (शरक)			$\perp$		২-ৰাকুৰো	554	230
ইলাহ (আক্লাহ ছাড়া ইলাহ দেই)	৩-আলে ইমরান		209	দিমান (আল্লাহ/কিতাৰ/নবী-রাস্ল স, এর প্রতি উমান প্রসঙ্গ)	२-राकृत्वा	200	67
ইলাহ (আল্লাহ ছাড়া ইলাহ নেই, প্ৰন/নৃষ্টি ফিরিরে নেরার)	৬-আন্'আম	85	000	দ্বমান (আপ্লাহতে দ্বমান আনলে কাফিরের সাথে বন্ধুত্ব নর)	৫-মারিদা	2.7	29
ইলাহ (আপ্লবে দ্বাড়া ইলাহ নেই)	৩-আলে ইমরান	62	283	দিয়ান (সম্ভায়তে দিয়ান আনক্ষে মতবিবোগের কেন্দ্রে কলীয়)	8-નિગ	6.9	26
देनाव (ज्ञाताव प्राप्त देनाव (लंदे -द श्रवीमव राजून म. १९११)	২১-আধিয়া	20	925	দিমান (আল্লাহতে দিমান আনার কারণে বের করে দেয়া,	৬০-মমতাহিনা	2	>0
देनार (ब्रह्मार स्ट्रा देनार (नी. नूर चा. जेर अन्तरनादन स्नातन)	२०-मु"मिनुन	20	969	ৱাস্প স. ও)	00-24-01/6-11		~
ইলাহ (আল্লাহ হাড়া ইলাহ দেই)	22- <b>द</b> श	78	999	দিয়ান (মঞ্জাহন প্রতি বাবা দিয়ান এলেছে এবং তারাই প্রকৃত মুখিন)	৪৯-হত্ত্বত	10	24
ইলাহ (আপ্তাহ ছাড়া ইলাহ কে আছে, যে রাভ এনে নিবে	২৮-কানাস	93	F78	ঈমান (আক্লাবতে ঈমানদারদের জন্যে রিষিক প্রার্থনা)	২-বাকুরো	226	23
ইশাহ (মাল্লাহ ছান্তা ইশাহ কে আছে, যে আলো এনে দিব)	২৮-আসাস	93	P78	ঈমান (আল্লাহ, বাসুল স. ও কুরাঝানে ঈমান আনা)	৬৪-খাগারুন	ъ	hö
ইলাহ (আল্লাহ ছাড়া কি অন্য ইলাহ আছে?)	৫২-তর	80	800	উমান (আল্লাহ-রাস্থল উমানের প্রতিদান)	8-मिमा	265	09
ইলাহ (মাল্লাহ ছাড়া কেলে ইলাহ নেই)	৩-অংশ ইমরাণ	2	200	হিয়ান (আহলে নিভাবকে অক্সাহর প্রতি দিয়ান অনার নির্দেশ)	8-निम	292	09
ইলাহ (আল্লাহ হাডা কোন ইলাহ নেই)	২-বাকারা	200		ম্মান (আল্লাহর প্রতি স্মান মজবৃত হাতল ধাহণের মত)	২-বাকারা	200	
ইলার (আল্লাহ লাভা কোন ইলার নেই)	২০-ছা-য়	38	982	দিমান (আপ্লাহর প্রতি দিমানহীন লোকের দান, খেটা প্রসঙ্গ)	২-বাকারা	268	20
ংগাৰ (আল্লাহ ক্ষাল্য কোন ইপাৰ সেই) ইপাৰ (আল্লাহ ক্ষাল্য কোন ইপাৰ নেই,)	२१-मामन	90	500	ইয়ান (আহারত প্রতি ইয়ান আনার নির্চেশ)	৭-আ'বাক	200	95
ইলাহ (আল্লাহ দ্বাদ্ধা কোন ইলাহ (নই)	৫৯-বাশর	33	200	দিয়ান (আল্লাভর প্রতি দিয়ানাবররা যেন রাসল সা এর প্রতিও		-	1
হলাহ (আল্লাহ বাল্লা জোন হলাহ লেই)	68-कागावुन	20		विमान जाटन)	৭-আর্বাক	250	62
ংশার (আল্লাই ছাড়া কোন হলার নেই) ইলার (আল্লাই ছাড়া কোন ইলার নেই)	१०-मुक्याध्रम		359	ইমান (আচাৰে প্ৰতি ইমান আনার ঘোলা)	ও-আলে ইমরান	-	68
		b		ম্বান (আপ্রায়র প্রতি স্বিমান আনে না যারা তাদের জনা)	৪৮-কাত্র	20	22
ইলাব (অল্লাহ, তিনি ছাড়া কোন ইলাব নেই)	8-निमा	৮৭	492	ম্বান (আপ্তাহর প্রতি ম্বান আনার জন্য রাসুদ স, প্রেরণ)	Sp-Ales	30	20
ইলাহ (আল্লাহ দুই ইলাহ গ্রহণ না করতে বলেন)	১৬-দাহল	67	909	মমান (আপ্তাহর প্রত সমান আনার জনা রাসুল স. প্রেরণ) মিমান (আপ্তাহর প্রতি সমান আনা, শক্তি প্রত্যক্ষ করার পর)	80-वृक्षित	b/8	lb/br
ইলাহ (অল্লাহ ব্যতীত ইলাহ নেই)	১-ভাগৰা	47	680	প্রমান (আল্লাহর প্রতি সমান আনা, শাস্ত প্রতাক করার পর) প্রমান (আল্লাহর প্রতি সমান আনলে পাপ মোচন করা হবে)			
ইলাহ (অক্সাহ ব্যতীত ইলাহ চায় ইবরাহীমের সম্প্রদায়)	৩৭-সাহ্ফাত	No	5/67		৬৪-ছাগাবুন	b	þò
ইলাহ নিৰ্ধারণ (আল্লাহর দাধে ইলাহ নিৰ্ধারণ না করা)	১৭-ইস্রা	400	676	ইমান (অস্ক্রাহর প্রতি ইমান না রাধার কাব্যানের বর্তন শর্মি প্রদর্গ)	৬৯-হাজাহ	00	59
ইবাং (নবীকে অক্সাহর সাথে তান ইবাহকে না ভাকার নির্দেশ)	59-a,eliti	570	9,55	ইমান (অল্লাহর প্রতি উমান অনসে অল্লাভে প্রবেশ করলো হবে)	৬৫-আলাক	22	3/3
ইলাহ (আল্লাহর সাথে অন্য ইলাহ নেই)	৬-আন্'আম	29	693	ইমান (অল্লাহর প্রকি ইমান না আনার পরিবাম)	৪-নিশা	40	6.0
ইলাহ (অক্টাহর সাথে অন্য ইলাহকে ভাকে না ধারা)	২৫-ফুক্লাম	89	45. J	ঈমান (অস্তাহ্ব প্রতি ঈমান আনা প্রসঙ্গ)	8-मिमा	03	6.0
ইলাহ (অল্লাহর সাথে অন্য ইলাহ দেই)	২৭-মামল	80	bog.	ইবান(অস্ত্রাহর প্রতি ইবান আনার নিখ্যা ঘোষণা,	২-বাকারা	20	20
ইলাহ (অস্ত্রাহর সাথে ক্ষয় ইলাহ সাধ্যস্তকারীকে শরিকে নিকেশ)	60-MA	26	320	মুনাঞ্চিকদের)		Ľ	1
ইলাহ (অল্লাহর সাথে অন্য ইলাহ নেই)	২৭-মামদ	643	prog	ইমান (অস্ত্রাহর প্রতি নাসারাদের ঈমান আনার ঘোষণা)	৫-মারিনা	₽8	45
ইলাহ (আল্লাহর সাথে অন্য ইলাহ ক্সছে কিঃ)	২৭-নামল	65	brog	ইমান (আল্লাহর প্রতি মুনাফিকের ইমান আনার নাবী)	২≽-আনকাৰ্ড	20	22
ইলাহ (অস্তাহৰ সাথে অন্য ইলাহ দেই)	২৭-নামল	58	brog	ইয়ান আনে আস্থাহ ও আখিবাতে বেলুইনদের কেউ কেউ ইয়ান থেমিন ইন্তৰি নামান্ত ও সাংগঠিনত আগ্রহত প্রতি ইয়ান।	৯-ডাওব	33	60
ইলাহ (আল্লাহর সাথে আরও ইলাহ থাকলে ভারা)	১৭-উপরা	85	222	ম্মান (মুসন, বস্তুন, নাসার ও সাবেরতের অক্সাড়ে প্রত ম্মান) ইয়ান (মুসন্মেরতে আল্লাহর প্রতি ইয়ান আনার নির্দেশ)	২-বাকুরা ৪-নিসা	200	09
ইলাহ (আল্লাহর সাথে ইলাহ নির্ধারণে নিহেখাজা)	১৭-উসরা	22	136	দ্বান (মূমনমেরকে আল্লাহর প্রতি দমান আনার নেদেশ) দ্বান (রাস্থা ন, ও মুমিনগথ আল্লাহর প্রতি দ্বান এনেছে)	8-Iनमा २-वाकाता	300	0.5
ইলাহ গ্রহণ করেছে অক্সাহর পরিবর্তে অন্যকে (কাফিবরা )	৩৬-ইয়াসীন	18	bréto	ইয়ান (আহাত ও প্রসাস সাত্র প্রতি ইয়ান আনা)	65-शक्क	550	30
ইলাহ নিৰ্বালৰ (আল্লাহ ছাডা অন্যকে)	10-firms	86	900	ষ্ট্রমান (অপ্তাই ও বাস্থা স. এর প্রতি ষ্ট্রমান আনার করা)	৫৮-মুজানালা	8	20
ইশাহ দেই অক্লাহ ধাড়া	৯-জাল্ডা	25%	960	দিয়ান (আছাহ ও বান্দ্র স. এর উপরে দিয়ান আনে যার)	৫৭-হাদীদ	22	26
हेमाद (नहें (पाहाद शंधा)	২০-মুশ্মনুন	220	290	ইমান (আল্লাহ ও বাসল স, এর প্রতি ইমান আনার নির্দেশ )	৫৭-হাদীদ	2	28
हेगार (गरे (आहार संका)	৪৭-মৃহাধান	320	270	ইয়ান (আপ্তৰে ও আবিবাঢ়ের নিনে ইয়ান আনে যারা)	৫-মাছিলা	(4%)	21
ইলাহ দেই (আল্লাহ ক্রাড়া ইলাহ দেই আল্লাহ করে।	৩৭-সাফফাত	207	565	দিয়ান (আল্লাহ বা আন্তরতে দিয়ান এলে ধানলো উলের বাংশারে)	₹8-79	3	93
ংশার দেব সাক্ষার কড়। ইলার দেই (আল্লার কড়া কোন ইলার নেই)	0.7-414410	50	203	ইমান (আছাহ ও রাস্পালের রাতি ইমান আনার আহলে)	ত-আলে ইমরান		22
	59-678 88-678	30		ইয়ান (আল্লাহ ও রাদলে ইয়ান আনে ধারা ভারই যামিন)	५8-नुब	64	939
ইশাহ দেই অক্সাহ থকা		84	278	ইমান (অল্লাহ ও রাসুল গ, এর প্রতি ইমানের নোকা, মুনাক্তবনুর)	५8-नव	89	99
ইশাহ (আকাশে ও পৃথিবীকে আল্লাহই একমাত্র ইশাহ)	६०-पुरक्ष		907	ইমান (আল্লাহ ও ব্রাদৃদ স, এর প্রতি ইমান রাখে যারা,)	৫৭-হাদীদ	43	24
ইলাহ (একমাত্র আক্লাহ ছাড়া মানুবের কোন ইলাহ দেই)	২০-জা-ছা	89.	181	দিমানদাররা আল্লাহকে তালবালে (অধিক পরিমাণে)	২-বাকুরো	796	67.
ইসলাম আল্লাহর নিকট গ্রহণীর দীন	৩-আলে ইময়ান		209	র্ষমান ন্য আনার করেন জিল্পাসা করছেন আল্লাহ	৫৭-হাদীদ	Ъ	58
ইংলল ও পরকাল আল্লাহর	৫৩-দাক্তম	3/2	300	ষিষা আ, কে আল্লাহ বগালন, নেয়ামত শহান কহতে	৫-মারিনা	220	6.9
দিনল (অক্সাহ গ্রেক্ট দিনল অলাতে হাংগারীকের প্রকি ওই)	৫-মারিণা	777	258	ইনা আ, অস্তাহ্য নিৰ্ভ প্ৰাৰ্থনা কম্যান খান্ডপূৰ্ণ পত্ৰ অৰভীৰ্ণ	৫-মার্রিনা		59
দিমান (অক্সাহর উপর দিমান এচাহে যারা অচনারকে উপচেপ)	২-বাকুরো	२०२		মিলা আ, ও ভার মারে ইলাহবলে গ্রহণ, আল্লাহরে বাদ নিয়ে	৫-মাছিলা	279	
দিমান (অক্সাহর উপর দিমান রাখা উত্তম উপ্ততের নারিত্ব)	৩-আলে ইমর্ম	220	285	ইপকে অস্তাহ কাকে কিয়াখতে- 'চুমি কি মনুষ্ঠানত বলেন্দ্রিল…)	৫-মার্রদা		
দমান (অক্সাহর উপর ঈমান এনে থাকে যদি মুমিনরা)	৮-আসফাল	87	906	দিবার উপমা স্বাপ্তাহর নিকট স্থানমের মত	৩-আপে ইমরান		28
দমান (অক্সাহর উপর দিয়ানের সমান নর)	৯-ডাবৰা	29	987	উচিত শারিদাতা (অক্সাহ অপরমিনের উচিত শারিদাতা)	৩২-সাজ্যা	22	bre
সমান (অক্সাহর উপর সমান আনর কারতা প্রতিশোধ নিচেছ)	৫-মাশ্বিদা	63	6.43	উচিত শার্রপান্ত (আল্লাহ উচিত শক্তিপান্ত, ইংলামে পত হতা প্র.)	৫-মাছিলা ৫-জালে ইমবান	95	69
দীমান (অস্তাহর উপর দীমান আনে যেনৰ আহলে কিতাব)	৩-আলে ইমরান	588	222	উটিত শান্তিদাতা (আল্লাহ উটিত শান্তিদাতা)			20
দিবান (আল্লাহর উপর দিবান আনে আবলে বিভাবনের এবলল)	৩-আলে ইমরান		283	উচু করা (আক্রাহ আক্রাশ উচু করেছেন পুঁট ছাড়া) উৎপদ্ধ করা (আক্রাহ পালি বর্ষণ ও এর মাধ্যমে ফলমুল	১০-হা'দ	ł	60
দ্বিমান (আল্লাহর উপর দ্বিমান এনেছে হাওবারীগণ)	৩-আলে উমবাধ		283	विरमत कर्ता (आहार गानि नथेन व धर माधाम क्लम्न विरमत करतम)	৩৫-ফাভিৰ	સવ	₹8
প্রমান (অক্সাহর উপর প্রমান এসমূহ যার ভারা অনুমতি চার না)	5-Winst	88	688	ভগোর করেন) ভিতার্থ (অক্সার হারে অন্যকে ভিতার্থ করে করেটকরে পদ করেম)	৬-জান'জাম	384	63
সমান (অক্সাহর উপর সমান আনে না বারা ভারাই অনুমতি হার)	>-874741	8.2	082	উৎসৰ্গ (আল্লাহ ছাড়া অন্য নামে উৎসৰ্গ কৰা পৰ হাবাম)	৫-আন আম ৫-মায়িনা	284	650
সমান (অক্সাহর ভাগর সমান আনে না বরা ভারাহ অনুনাত চার) সমান (অক্সাহর উপর সমান আনুনি যারা ভানের বিরুদ্ধে যুদ্ধ)	৯-ভারবা ৯-ভারবা	45	680	উৎসৰ্গ (আপ্ৰাই ছাড়া অন্য নামে উৎসৰ্থ কৰা পৰা হাৰাম) উৎসৰ্থ (আপ্ৰাই ছাড়া অন্য নামে উৎসৰ্থকত জন্ম হাৰাম)	৫-মায়না ২-বাকবো	290	675
সমল (অক্সাহর করা সমল আন্তেল করা কালের বেছক কুছ) সমল (অক্সাহ ও অধিরাতে উমান হল প্রকাত পরা)				উল্লেখ্য বিষয় কৰিবলৈ নহ	२-वाकुरता २९-मामन	3.40	0.05
স্থাণ (অক্সাহ ও আংলাতে প্ৰান হৰ প্ৰকৃত পূণা)	২-বাকুারা	244	672	AGE (APPLE AGE AND ALL ALL)	<u> ५५ लावस</u>	4.3	lac

			_			algle			1770
44.00000	रिवड/श्रमन	नमें के व गर	पक्षा न	र्श	Ш			महार न	
অল্লাহ (পূৰ্ব পূচা থেকে)					П	এক সন্তাহ	৩৮-সেবাদ	94	5-55
	চম কে আছে, বিধান দানে)	৫-মারিলা	20	eve	ш	এক (অস্তাহ এক ও মহাপরক্রমণাদী)	১৪-ইবরারীম	85	699
উৱন ও হায়ী সৰ কিছু ত		২৮-কাদাদ	60	930	ш	এক (অক্সাহ ও মহাহাজাপশালী)	৩৮-সোরাদ	96	brob
	কিদের রিখিক উত্তম করেছেন)	৬৫-ডালাক	22	365	н		75-58332	400	90.0
	ম উপ্তলাধীকাৰী, ঘাকাবিৱাৰ সন্ধান	১১-আছিয়া	10	200	1 [	এক অক্সাহকে ভাকা হলে অবিশ্বাস করত (কাফিরর)	so-মুমিন	35	p.Jp
दार्थना शमक्)				45.0	Ιſ	এक <b>पश्चा</b> स्टर रेमन न चान १९६४ गतन्त्र देखादीम चा. ७ घर	७०-मूबकारिमा	8	265
উত্তরাধিকার আল্লাহরই (	অকাশ ও পৃথিবীর)	৩-আলে ইমরান	290	020	1 1	এক আল্লাহর ইবাদকের উদ্দেশ্যে হল আ, এসেছেন	৭-আরফ	90	633
উত্তরবিকারী (আল্লাহ উৎ	হতদের বাসস্থানের উত্তরাধিকারী			$\overline{}$	11	এক (ডিনি অল্পাহ এক,একফুবালের ঘোষণা)	১১২-ইখুলাস	2	0000
व्हारम्म)		২৮-কাদাদ	ar	430	H	একত্বাদী (অল্লাহর জন্য একত্বাদী হওয়া)	২২-হাজ	60	963
উত্তরসিকারী (আল্লাহ সং	रविकार जेतवाचिकारी)	30-fewa	20	460	H	একর বর্বনে আল্লাহ সকলকে (কিয়ামতে)	84-481	32	220
बेतर (जानाव केतर श न		२०-छा-बा	90	380	H	शक्य करा (व्यक्तव कवित प्रत्नविकटक स्वराह्मात शक्य कराका)	a.firm	280	0.98
	चारक छा-डे प्रांगाच्य क्या केरध)	26-70pm	20	933	H	একত্র করা (বিরামতে আল্লাহ স্বাইকে একত্র করবেন)	েআন'আম	24	039
	আছে ভা উল্লয় ও ছারী)	৪২-শবা	100	br88	H		8.सिम	588	0 90
	त्य व्याद्य का क्वम व हाता) व्याद्य व्याद्यकात (द्वारा क्वेटन)	৬২- <b>জ্ম</b> 'আ	33	999	H		৩৭-সাক্তাভ	266	760
	বির উত্তরভিনর,খলিকার অক্সাহর)	৫৭-হাদীদ	20	886	Н	এপতিয়ার সেকল বিষয় আল্লাহর এপতিয়ারে)	৩-আলে ইমরান		200
	লার ডক্তরাকন্য,খলকল অক্সান্ত। ব্যক্তীদের (কিয়ামতের দিন)	৩৬-যুমার ৩৬-যুমার	30	294	Н	এনে দিবেন আল্লাহ সবই একরে (ইয়াকুবের আশা)	52-2690	24.0	66.0
					1	এলে লেখন আল্লাহ সহত্ একটো (ব্যাসুক্তর আশা) এটান্তব্যান আল্লাহ পদ সেতে হলে ও এই উপর অধিয়াস করলে	86-बाह्याक	20	90,0
	হীমকে আগুন থেকে উদ্ধার করেন)	২৯-আনকাবৃত	₹8	250	11				
	(পূরণ থেকে আল্লাই উমার বরেন)	৬-আন্'আম	68	607	11	ওবী নামিল করেন আল্লাহ (নবী-রাসুলদের উপর)	8२-जुरा	0	297
	ন ত'অইকো সম্প্রদায়ের ধর্মদর্শে দেরা ()	৭-আ'রাক	14.9	643	IJ	কঠিন নর আল্লাহর পক্ষে (মানুষের ছলে নতুনপৃষ্টি আনা)	৩৫-ফাতির	24	789
	ল্লাহ সম্পদক্তে (জীবনধারণের জন্য)	৪-নিদা	8	666	Ιl	কঠিন নয় (মানুহকে নরিয়ে নতুন সৃষ্টি আনা)	<b>১८-देवडारीय</b>	₹0	995
	দুহতা স্ত্ৰী/পুতেন স্ত্ৰীন দৃষ্টাৰ দিছেল)	৬৬-ভার্বীস	20	292	1 [	কঠোর (আপ্তাহ কঠোর শান্তিনালে)	৮-আনফাল	87	900
উপনা দান (আল্লাহ দুই ব্যবি	ন্ম উপনা দেন, বোবা ও দর্মবিজ্ঞ)	১৬-নাহ্গ	96	900	lí	কটোর (আল্লাহ্ কটোর, পারিদানে)	৮-আনফাল	20	900
উপনা দান (আল্লাহ মালি	কোনাধীন এক দালের উপমা দেশ)	১৬-দাহল	90	400	1 1	কঠোর (অন্তাহ প্রবদ শক্তিধর ও শান্তি দানে কঠোর)	8-निम	78	269
উপার বের করা ( <b>অক্স</b> র উ	শ্বর বের করে নিকে, অব্যাক প্রসেপ)	৩৫-তালাক	3	abb	1 1	কঠোর (আক্রাহ শান্তি দাদে কঠোর)	৫-মারিদা	2	200
উপাসনা (আল্লাহকে বাস	দিয়ে যার উপাসনা করা হর তা				11	কটোর (আল্লাহ শান্তিদানে কটোর)	৮-আনকাশ	20	658
ब्राइरक्ट्रपा हैकन)		२১-व्यक्ति	hbr	966	ΙÌ	कटरेरर (पाकार माधिमारन कटरेरर)	৫-মারিলা	84	283
উপাসনা (আহারকে বান	দিবে মার্কির উপাসনা প্রসঙ্গ।	২৯-আনহাৰ্ড	24	229	1 1	কটোর (আল্লাহ পাছিদানে কটোর)	২-বাকারা	576	644
উপাসনা (আল্লাড ডাড়া ব	দরো উপাসনা -যে আকাপের		-	-	Ħ	কটোর (আল্লাহ্ পারিদানে কটোর)	২-বাকারা	533	640
রিথিকের মা <b>লি</b> ক নয়।		১৬-নাতৃপ	90	409	Ιŀ	কটোর (আল্লাহ পাত্তি নালে কটোর)	8०-व विम	10	31.50
	পাসন করা হর মধ্যে বিভিন্নর মালিক নয়।	২৯-আনতাবত	29	529	łł	बटोर (पासार माक्रिमान क्टोर)	৫৯-ছাপ্ত	3	200
	টুপান্য বি সাধার/আন্তর্মন করতে পরে।)	27-9,8151	200	9360	łŀ	बदोर मधिमचा पाद्यार	২-বাড়ারা	300	675
	হতে বাদ নিয়ে বাদের উপাদনা করে)	১৯-নারইরাম	83	909	1 1		১৮-কাহক	88	949
	र कारत देशांकन (य गण्यतं कान स्टेर)	55-5106	92	968	ł	কর্ত্ত (বিচারের দিলে সমস্ত কর্তত আল্লাহর)	৮২-ইনফিডার	79	2020
	অনের উপাদন সাধার মনী প্রসঙ্গ)	২৭-নামল	80	700	1	কর্ত্ত (নচারের সাসে নমক কর্তু অন্তার্থ) কর্তত দান করেন আস্নাহ রামলগুলকে (যার উপর ইচ্ছা)	৫৯-হাপর	- 9	2020
	অনের ভাগনে, করন রান রান্য) সদা করে আল্লাহ হাতা অন্য কিছব)	२९-एवकान	20	900	Н	কথ্য পান করেন আল্লাহ রাস্কাশনকে (বাহ তপর হজ্য) কথা (আল্লাহর কথার অগ্রদামী না হওয়া প্রদক্ষ)	৩৯-হাপর ২১-আধিরা	29	1983
	লনা করে জন্মাহ হাতা জন্ম করুর) জন্ম উপাস্য বানামো নিহেব।	৫১-যাবিয়াত	65	250	11			80	488
		৫৪-সাবা ৩৪-সাবা		250	Н	কথা (আল্লাহর কথা সর্বোচ্চ)	৯-ডাববা ১০-বিভানস		988
	ত বাউকে উপাস্য ধরণা কর)		44		11			68	
উপাস্য (সাল্লাহ ব্যক্তীভ		২৫-যুৱকান	0	934	11	কথা কৰা (মানুধের সামে আক্লাহর সরাসরি কথা কল/দা কৰা গ্রসদ)	৪২-পুরা	62	194
উপাস্য (আল্লাহর সাবে গ		২০-মু"মিনূন	224	990	П		৪-দিসা	258	297
	বৃতিকে উপাস্যরশে একান পরিবান)	২৯-খানকাৰ্ড	4.0	275	] [	কবা (আল্লাহ সম্পর্কে নির্মোধ জিনদের অবাস্কর কথা প্রসঙ্গ)	१३-किन्	8	200
	পেয়ের দেয়ামত অধীকারনারী জ্বলাসের)	১৬-নাতৃপ	225	475	l (	কৰা কাজে না অক্সাহ, বিনামতের নিন্, তানের সালে যার	৩-আদে ইময়ন		48€
উপমা (অক্সাহর জন্য উ	শমা পেশ না করা)	১৯-নার্গ	18	400	П	त्रव कारक न प्रद्वाद जाता जात यस किवास विनिधा	২-वाकृतः	398	672
উপমা (অল্লাহর জন্য সু	মহান উপমা)	১৬-নার্গ	160	909	1 [	কথা বলা (আল্লাহ অচ্চদের সাথে কথা বলেননা কেন ১)	২-বাকুারা	22%	670
উপমা পেশ করেন আল্লা	व (मानवाद करा)	00-WE	20	<b>V48</b>	1 1	কথা বলা (কভক বাস্প স, এর সাথে আল্লাহ কথা বলেছেন)	২-বাড়ারা	220	200
উপমা পেশ করেন উরম	বাণীর ( উত্তম গাছ প্রদাস)	১৪-ইবরারীম	48	6942	11	कथ (अनुम्/किन बडा कार्युट्टाम पूर्व करा शाराण प्रोक्टाश करा गरा)	৩২-সাজ্বদা	20	bros
	সর উপদেশ প্রহণের জন্য)	১৪-ইবরাবীদ	40	6042	11	कार! (ब्बब्राका क्रम कर्मा । भगविकास क्रम ग्रह निर्देश)	23-95	400	800
	দিচ্ছেদ হ'বিদ্যালয়ক (ইফক)	38-98	39	992	11	কন্যা! (মুপরিকরা আল্লাহর জন্য কন্যা সন্তান নির্ধারণ করে)	১৯-নাহদ	27	909
	দেশ দেন তা কতই না উৎকট)	৪-নিসা	ob-	268	H		h-खोतना	5o8	623
উপস্থিত কর্মেন সরিবার		৩১-প্রমান	24	200	Н		০-মার্থিনা	29	av8
	া দাদা পারমাণ বস্তুত। মা থেকে অস্ক্রাহ পবির ও অনুসক উপের্য)	১৯-নাহল	70	342	H	কৰুপকানী (আল্লাহ তার বান্দাদের তওবা কবুপকারী)	৪২-শুরা	32	bas
	াৰ থেকে অক্সাহ শাবন ও অনেক উৰো) দৰে ভা থেকে আক্সাহ অনেক উৰো)	১৬-শার্শ ৭-আ'রাফ	330	900	H	কর (মানুক্ত শত্তি দিরে আল্লাহ কি করনে ? ক্তরের প্রসঙ্গ)	8-निमा	389	292
					Н	क्या (बाह्यस्य नार्ड मध्य प्राप्त करातम् । कृत्यस्य अगाः)	58-विकासीम -	29	696
	শরীক করে আল্লাহ তার উপের্য)	১০-ইউনুস	79.	944	П	করা (আল্লাহর বা হঙ্গা থাই করেন) করা (আল্লাহ জেনেহার প্রবৃত্তি পজারীকে পথমার্ট করেন)	३८-एनस्थान ८ <i>०-सा</i> विद्या	20	bot
	করে আল্লাহ তা হতে জনেক উপের্য)	২৭-নামল	60	pos	П				
	দ অধিয়তে অবিশ্বাসী সমূচিত হয়)	৩৯-বুমার	82	798	П	করা (সাল্লাহ যা ইচ্ছা করেন তাই করেন)	২২-হাজ	78	465
	পানের বাপারে ছায়ুদ জড়িকে সভর্ক)	১১-শান্স	20	2048	П	করা (স্বাস্তাহ যা ইঞ্জা তাই করেন)	२२-शक	74	103
আঁটা ছোমুদ জাতির জন্য	নিদৰ্শনস্বৰূপ আল্লাহ দালিহ আ.	১১-ছদ	48	1493	1 [		৪২-প্রা	88	1/3/2
আ, কে উট্টা দেশ)						करा (फासाव श डान फाड़े करवन)	২-বাকুরা		200

1	ē	

मण विषय/धारम	नुषां नर ७ माथ	NETS:	1 791	भव विवाधिया	THE REAL PRINCIPLES	-	19
जाहाद (पूर्व गृक्षेत (मारक)		_		কিতাৰ (আপ্লাহৰ কিতাৰে আত্ৰীয়ৱা প্ৰস্পুৰে নিকটফৰ)	৮-আন্দাল	9.0	606
কর (ব্যস্তাহ পথ করে ন সেয়া পর্যন্ত ব্যক্তিবর্ত্তীনিকে আবদ্ধ রাখা)	8-मिश	30	227	কিতাৰ (আক্লাহর কিতাৰ সংকলের দায়িত্ব লোম হতেছে যালেরক)	৫-মাছিলা	88	60.0
কৰ্ম (আল্লাহকে উল্লয় কৰ্ম দান)	৫৭-হাদীদ	22	383	কিডাব (আল্লাহর কিডাবে মাসের সংখ্যা বারটি)	৯-ভাওবা	00	980
वर्ष (अञ्चादाय कर्जा श्वामा निरम दिनि सा सहका १कि कररका)	৬৪-খাগার্ম	39	389	বিমান (মন্ত্রাহ্য বিমানে দিশিনছ, বছুর প্রতি অনুসূচ্য প্রসঙ্গ)	৩৩-জাহ্যাব	0	500
কর্মদান (অপ্লাব্যক উত্তম কর্মদান করেল ক্ষেত্রে বাড়িয়ে চেন)	৫৭-হাদীদ	24	320	কিমান (মাল্লাহ্য কিমান পালেরী এমন বাংগর আপা করে,)	০৫-ফারির	45	787
কর্পে হাসানা (আপ্তাহতে কর্পে হাসানা নেয়ার নির্দেশ)	৭৩-মুব্বাফিল	30	20.0	কিতাৰ (অস্তাৰ কিতাৰ অৰথীৰ্ণ কৰেছেন)	২-বাকারা	395	679
কর্জে হাসানা (ঝাল্লাহকে কর্জে হাসানা নিলে)	৫-মারিদা	25	62.5	কিতাৰ (অস্তাহ কিভাৰ,গোপন করে হরা,)	২-বাকারা	348	679
কৰ্মে হাসানা (আল্লাহকে কর্মে হাসানা নেয়ার আহ্বান)	२-शक्ता	480		কিতাবের অবভারণা (মহাপ্রভাগশলী ও প্রভারান অল্লাহর	of-self-ten	2 10	430
তৰ্তব্য (আল্লাহর প্রতি কর্তব্যে অবহেলার জন্য আফসোস)	०%-गुप्राव		1196	Fire Cotto)	৪৫-জাইয়া	4	304
ক্রম অক্সান্ত শক থেকে, অকল্যাণ নবির থেকে (যুলাফিলাপ্র)	8-शिश	97/	0.10	किटान (पाठिक किटानट्क पाष्ट्रावर किटान रहा)	২-ৰাকারা	936	609
क्यांने अञ्चाद्य नक (बंदक	8-PM			ক্ষিত্রতার যে অংশ অক্সাহর শক্ষ তেকে নর ভাকেও মন করে	৩-আলে ইমরান		₹8¢
	8-0441	936	969	ক্ষিত্তাকে যে অংশ অঞ্জন্ত পৰ্ক কেকে নয় বাকেও মান করে	৩-আলে ইমরান		
কদ্যাণ (আল্লাছ ও রাসুগ স. এর কদ্যাধকামী সূর্বল ও ক্রীনিক্ষাক আছ	৯-জভৰা	22	683	বিশ্বামতের আন কেবল আল্লাহর নিকট		thr.	680
শীভিত্সৰ দোৰ)			$\vdash$		৪৩-যুগকক		907
কল্যাণ ('নিচু' দেৱ জল্পাহ কল্যাণ দিবেন না এমন নয়)	३३-सून	47	961/	কিয়াৰ অৰভাৱণ করার বিদয়টি আল্লাহর পক্ষ থেকে	৪৬-আহ্নাফ	4	pop
কল্যাণ বৃদ্ধি করেন অস্থাহ (সংকর্মশীলের জন্য)	৪২-শ্রা	২৩	31310	কুরমান আল্লাহর পক্ষ থেকে অবতীর্থ	83-कुम्मिमारू	24	ppo
বল্পাপ রাখা (করে অপাছদের ব্রীর মধ্যেও অক্সাহ বল্পাপ রাখেন)	8-भिन्ना	29	269	কুরআন অবতীর্ণ করেছেন (মুনাফিকলেরকে আহ্বাদ)	8-मिश	46	₹68
বৰ্ষণাম (অস্তাহ-মানূল দ.কে কটাগভাকে অস্তাহ পানত কডেন)	৩৩-জাহ্বাব	64	pop	কৃতজ্ঞতা (মানুধ আশ্লাহর প্রতি কৃতজভা প্রকাশ করে না)	১০-ইউনুস	90	660
বন্ধ (অক্সাহ করিকে কট দিলে তিনি ছাত্রা তা দূর করার কেউ দেই)	১০-ইউনুস	204	998	কৃতজ্ঞতা (সাল্লাহর কৃতজ্ঞতা প্রকাশের নির্দেশ)	২-যাকুৰো	39ર	67.9
বউ (মুনাটক অক্সাহর জন্য করের শিকার হলে তকে শর্ত্তি লগে)	২৯-আনবাৰ্ড	20	br249	কৃতক্ষতা (আল্লাহর প্রতি কৃতক্ষ হওয়ার নির্দেশ)	৩১-পুকমান	78	444
কসম অক্সাহর (আমরা মিসরে ফাসাদ সৃষ্টি করতে অসিনি)	১২-ইউসুফ	90	69.40	কৃতজ্ঞতা(পুৰুমানকে আল্লাহর কৃতজ্ঞতা প্রবাশের নির্দেশ)	৩১-লুকমান	25	254
কসম অক্সাহর! (উপাতদের মাঝে রাসুশ স. প্রেরণ ও শররান প্রসঙ্গ)	১৬-নাহ্শ	60	90%	কেন্দে নেয়া (আল্লাহ আলো কেন্দে নিয়ে জন্ধকারে ছেন্দে	২-বাকুারা	39	200
কসম (আল্লাহর কসম করা, মুমিনদেরকে নম্বার্ট করার জনা)	১-ভাওবা	65	686	লেন,মুনাফিকের উপমা)		-	400
कम्प (अञ्चाद्य कम्प्र कहा देवनिरम्ध रहिनी बादश्चारम तनहरू)	২৬-ল'বারা	39	9bo	বেন্ধে দোৱা (অক্সাহ,প্রকা/পৃত্তিপক্তি কেন্ধে নিলে কেন্ট লিভে পারে না)	৬-আন্'আম	85	900
কসম (আল্লাহর কসম করে ইরাকুব আ, কে বলল, পুরুরা)	१४-इंड्रेग्रेड	9.6	9846	কৌশল (আল্লাহর কৌশল থেকে নিরাপন মনে করা প্রমঙ্গ)	৭-আ'রাক	22	655
ৰূপম (অস্ত্ৰাহৰ ৰূপম কৰে ৰূপৰে থাবা খুছে যায়নি, আবুৰবৃদ্ধ প্ৰদেশ)	৯-জাওবা	84	588	কৌশদ করেন আল্লাহ	৮-আনকাল	60	908
কসম (বাস্তাহর কসম করে বলে মুনাফিকরা)	৯-কাওবা	98	486	বৌশন (ক্ষমিয়ার সংবাদার অস্ত্রাহর বৌশন থেকে নিরাপন থাকে)	৭-আ'রাক	72	522
কসম (ঝাল্লাহর কসম করে বদরে অনুব্যত পেশকারীরা)	৯-জাওবা	26	620	কৌশলী (ঝল্লাহ উত্তম কৌশলী)	৮-আনকাল	00	608
কলম (অক্সাহর কলম করে মুনাফিব,কাফিরর বলে ভার মুমিন)	5-कास्त	25	688	(कोननी (वा <u>ज</u> ्ञाह चेडम (कोननी)	৩-আলে ইমরান	48	483
কসম (আল্লাহর কসম করে সাক্ষ্য দিবে, ওসিয়ত প্রসঙ্গ)	०-मात्रिमा	209	6940	কৌশদ অবলম্বন করদেন	৩-আলে ইমরান	48	485
কলম (অক্সাহর কলম দেরা হবে সামী পুরুদকে, ওলিয়াত প্রদেশ)	e-मतिमा	306	6,940	কুম্ব (গান্তাহ কুম্ব যে সংখ্যারের প্রতি, আসর সামে বছুতু নিরেধ)	७०-मुमडादिनः	30	323
কসম(আল্লাহর নামে ইবরাইমের কসম, মুর্তি ভালা প্রসঙ্গ)	২১-অধিয়া	03	328	কুম্ব (গান্তাহ বানের প্রতি কুম্ব এফা সম্প্রাপরের সাথে বস্তুত্ব)	৫৮-মুক্তাদালা	38	340
কসম (আল্লাহর নামে কসম করে যারা মুমিনগেরকে বলত)	৫-মরিদা	00	249	রেমধ (আল্লাহর রেমধ আনবে, যুচ্ছ পৃষ্ঠ প্রদর্শন করলে)	৮-আনকাল	79	400
কসম (স্বাস্থ্যক নামে কসম করে মুনাফিকরা)	५८-मृत	00	995	রোপ (আ্রারর রোধ নিয়ে বাসেরে আহলে কিয়াবরা)	৩-আলে ইমরান		685
কসম(আল্লাইর লামে ছাযুদ সম্প্রদায়ের কসম, সালিহ আ.			1.10	ক্রেম্ব (আল্লাহর ক্রোধ স্ত্রীর উপর যদি সামী সভাবাদী হয়)	₹8-79	b	998
আ, কে আক্রমণ প্রসঙ্গ)	২৭-নামল	85	bro8	নেমণ (আল্লাহৰ নেমণ নিৱে আলা, বনী ইলবাইল প্ৰদক্ষ)	২-বাকারা	63	209
কলম (আল্লাহর নামে মুপরিকাদের মিধ্যা কলম)	৬-আনু আম	20	250	চোধ (ইপ্রাক্তমধ্রে মুক্তিকে হামাকরির প্রতি অপ্লাহর চোধ)	8-निमा	20	269
काम ब्रह्माच्या प्रशीतकात विश्वासका मान्यदर्ग शह करा सहस्रो	১৬-নাহল	60	209	রেমধ (পিয়ান আনর পর অক্সাহতে অধিকানের পারি/অক্সাহত রেমধ)	১৬-নাহল	300	125
তসম (সমান প্রসাত কাফিররা আল্লাহর নামে কসম করে)	৬-আন'আম	209		মোধাখিত (অক্সাহকে বিদ্যাতা উন মোধাখিত করা ওপ্রতিশোধ)	80-पुष्कुण	66	196
বলম (পুনক্ষবিত ন করা সম্পর্কে অস্তাহর নামে কর্মিয়ানো ক্রমে)	১৬-নাত্ৰ	200	900	ত্রন্য করে নিরেছেন আল্লাহ মুমিনদের জীবন ও বনসংখ্যা	9-258E	222	596
কম্ম (ফুনাঞ্চন্তা অল্পান্ত কমা বল্ল, কল্পান ও সম্প্রীত প্রসঙ্গে)	8-विश	95	408	ক্ষম না করা (আল্লাহ ক্ষমা করবেন না মুনাফিবলেরতে, সন্তর	4-0.04	,,,	oux
কম (কুমানকার অক্সমত্র কন্ম নতা, কম্মান ও পার্যাত প্রসংস) কমম (কুমানকার হেলয়াত লাভ প্রসংস অক্সাহর কনম করত)				नात्र क्या दार्थना)	৩৮-সেরাদ	62	763
क्रम याद्वास्त	৩৫-ফাডা	84	P60	ক্ষতি (অল্লাহর ক্ষতি করতে পারবে না, কুমবীর দিকে ধরিত)	৩-আলে ইমরান	141	
क्रम बाह्यस्य	24-88328 24-88328	95	Gard Gard	ক্ষতি (অক্সাহৰ ক্ষতি করতে পারবে না, যুগার কুমনী ক্রম্ন করে)	০-আলে ইমরান ত-আলে ইমরান		660
				ক্ষতি (অক্সাহর ক্ষতি করতে পারবে না, যে প্রেক্সার বিয়ে যারে)			
কাৰিমনেৱক আল্লাহ পথস্ৰই কৰেদ কাৰ্ডিমনেৱক আল্লাহৰ নিকটই ভিডিছে নোয় বংগ	৪০-মুখিন	9.8	trtr8	ক্ষতি (অক্সাহর ক্ষতি কর্মত শর্মের না, যে সেরুলাকরে করে) ক্ষতি (অক্সাহর ক্ষতি ক্ষেট্র কর্মতে পার্যের না)	৩-আপে ইমরান		283
	80-मूक्षिय	99	P.P.8		৪৭-মুখ্যখন	95	976
বাল (আল্লাহ তার উপর ভরসাবারীর বাজ পূর্ব করেন)	৬৫-জন্মত	0	9/69/	ভতি করা (অক্সাহ ক্ষতি করলে তা নুবকারী নেই)	৬-আন্ভাম	39	150
কান(কিয়ামতে পর্বত লেমান হওয়া ও সৃষ্টি নৈপুণ্য প্রসঙ্গ)	२१-नामण	bb	৮০৭	ক্ষমতা (ব্যৱহার কমতা হাড়া আনগ-পূর্বের সীমা অভিত্রম আছব)	৫৫-রাব্যান	ಲಿತ	280
কারুলকে দাহাত করার আল্লাহ ছাড়া কেউ ছিল না	২৮-কাসাস	2.7	255	ক্ষাতা (অক্সাহর নিপক্ষে ক্ষমতা আহে তার)	৫-মারিনা	24	525
কা'ৰাকে আল্লাহ বানিছেছেন মানুদের জীবনধারণের উপজ্ঞা	৫-মায়িলা	39	695	ক্ষরতাবান, আল্লাহ (আল্লাহবিমুখ লোকনের শান্তি প্রসঙ্গ)	80-पृषक्ष	84	484
কিতাৰ অৰতীৰ্ণ করেছেন (ৰাদা, মুখ্যখন স. এর প্রতি)	79-sizā	2	928	ক্ষমা (আল্লাহর ক্ষমা ও গল্পা কাফিরদের সঞ্চয়ের (চরে উত্তম)		۱۹۶۷	467
কিবৰে (আল্লাহর নিকট বলেছে মূল কিভাৰ)	১০-আ'দ	4p	604	ক্ষমা (জাল্লাহ ভার গাবে শরীক করাকে ক্ষমা করেন না)		229	૯૧૨
কিডাব (আস্তাহর পক্ষ থেকে কিডাব আসা, বুরঝার প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	9.9	670	ক্ষমা (আল্লাহ মুমিনলেরকে ক্ষমার প্রতিক্রতি দেন)		২৬৮	505
ক্তিয়ার (অক্সাহর কিয়ার অনুসাত্তে পুনক্তবান পর্যন্ত অবস্থান)	৩০-জন	46	৮২৬	ক্ষমা (আল্লাহ দু'মিননেরকে কমা করবেন)	৫৭-হাদীদ	45	100
ক্ষিয়াৰ (অক্সহত্ৰ কিন্তাৰ লিখা গত হয়ে গেছে, ফুছবন্দি প্ৰসঙ্গ)	৮-আনকাল	49	400	ক্ষমা (আবিরাতে রয়েছে আল্লাহর ক্ষমা ও সম্ভৃষ্টি)	৫৭-হাদীদ	20	360
কিমার (মাল্লাকা নিকট সেতে এমন বিভাগ নিয়ে আগতে কলা যা)	২৮-কানাস	83	P25	ক্ষমা (আল্লাহ ক্ষমা করবেন, কর্মে ব্যসানা প্রসঞ্চ)	৬৪-ভাগারুন	29	294
কিডাব (আল্লাহর বিভাবের প্রতি আহ্বান করা হলে)	৩-আলে ইমরান	30	405	ক্ষমা (অস্ত্রাহ ক্ষমা করে দিকেন মুখ্যিনদের সাধকা না করার বিধা)	৫৮-মুজানালা	20	500
বিষয়ব (অক্সাহর বিষয়বুক পিছনে নিকেল, অবচুপরিবার্ত্তর)	২-বাকারা	303	627	ক্ষমা (আল্লাহ ক্ষমা কি পছল করে না, প্রাচুর্ববানরা)	২৪-দূর	22	995
	C 4 . W.	-3,			4- 4-		. 70

भव विगा/धरात	স্থান ও মন	dis.	र्व पृक्ष	चंच विश्व/दात्रक mailight =	সূরা বং ও দাম	पंछ र	1 10
আল্লাহ (পূৰ্ব পৃষ্ঠা খেকে)				ক্যাপীৰ (আল্লাহ অতি ক্যাপীৰ)	৯-ভারবা	55	683
ক্ষমা বরবেন না আল্লাহ (পাপাচারী মুনাকিকদের)	৬৩-মুনাঞ্চিকুন	0	366	ক্ষাপীন (আহাহ বঙি ক্ষাপীন)	२8-नव	64	96
ক্ষমা করবেদ না (কাকির অবস্থার মৃত্যু বরণকারীদের)	৪৭-রহামাদ	-08	326	কমাশীল (আল্লাহ অভি কমাশীল)	२४-मृदकान	90	900
ক্ষমা করবে কে আল্লাহ হাড়া (অপনাথ ক্ষমা প্রসঙ্গ)	৩-বালে ইমবা	202	28y	কমাৰীল (আল্লাহ অতি কমাৰীল ও প্ৰম নয়াল)	৭৩-মুখ্যাধিল	20	200
ক্ষম (অলিম ও কাকিনকে আপ্তার ক্ষমা করবেন না)	8-निश	269	899	ক্মাণীল (আল্লাহ অতি ক্মাণীল)	৪৮-খাবৰ	28	27.
কম (শিয়ত হাত কন্য যে কোন পাপ সম্ভাবন উচ্ছ কমা করেন)	a.Sor	87	250	কমাৰীৰ (আল্লাহ অভি কমাৰীৰ)	28-76	33	339
ছয় না কর (আল্লহ ছয়া বন্ধনে না মনজিকচন্দ্ৰক		-		কমাশীল (অল্লাহ অতি কমাশীল)	>-steet	bb	2400
नस्त्वात क्यादार्थना क्यान्त )	৯-ডাওবা	10	685	তমানীৰ (অভাঃ অতি ভয়ানীৰ ও পংগ্ৰ দ্বাদ)	১০-ইউনুস	209	855
ক্ষমা প্রার্থনা (ছামুদ জাতিকে অক্সাহর কাছে ক্ষমাপ্রার্থনা		-		ক্যাশীল (অল্লাহ অতি ক্যাশীল)	৯-ভারবা	0	681
काराय शिर्माना	২৭-নমশ	86	bo8	ক্যানীৰ (অস্তাহ কতি ক্যানীৰ)	৮-আন্দাল	60	600
থমা গ্রার্থনা (মহমের পর আল্লাহর কারে কমাপ্রার্থনা)	g-Sket	98	010	ভ্যাপীৰ (অল্লাহ অভি ভ্যাপীৰ ও প্ৰম নৱাহ)	৪২-পুরা	8	ba:
ক্ষম প্রার্থনা (আপ্রায়র নিকট ক্ষমা প্রার্থনার নির্দেশ)	৭০-মুব্যঞ্জি	30	300	ক্ষমাপীল (আল্লাহ অভি ক্ষমাপীল ও পরম প্রভিল্যনগারা)	৪২-পুরা	20	b-30
क्यांशर्वन (बाहारह निवर्ध क्या शर्वना)	२-शहरत	299		ক্ষমান্ত্ৰ (অন্তাহ অভি ক্ষমান্ত্ৰ)	87-åalgalo	40	250
ক্ষাপ্রার্থনা (মন্ত্রাহের বাহে ক্ষাপ্রার্থনা নির্চাল, উল্লেখ্য, এসাল)	8-निम		690	ক্যাণীৰ (আহাই অভি ক্যাণীৰ ও প্রম নৱাৰ)	००-व्यवसार	90	780
क्या (भ्यापना (बहुत्रक्ष कार कम्यापना मागन, वहन वा. १७४४) क्या (भ्यापना नव वास्त्रत कुर्वात्रकोते,, वाह्यत क्या कारका ना)	8-मिना		648	কমশাল (আচাং আঠ কমশাল ও পরম নরাসু) কমাশীল (আচাং অভি কমাশীল ও পরম নরাসু)			
क्या (त्रस्थात १६ पहरात पुरस्काताः, ज्ञाहर कथ ००१का स) क्यानीन (त्राहात जाति क्यानीन)				ক্ষমান (আল্লাই আৰু ক্ষমান্য ও প্ৰথম নৱাৰু) ক্ষমানীৰ (আল্লাই অভি ক্ষমানীৰ ও প্ৰথম নৱাৰ)	००-बास्पर		900
ক্ষাণাল (আল্লাহ আঠ ক্ষাণাল) ক্ষাণাল (আল্লাহ আঠ ক্ষাণাল)	৩-আলে ইমরান ৮-আনকাল	90	649		৩৩-আহয়ৰ		5000
ক্ষাণ্য (অক্সং আত ক্ষাণ্যল) ক্ষাণ্যল (আক্সং অতি ক্ষাণ্যল)				কমানীল (আল্লাহ অভি কমানীল)	৫-মারিশ্য		6,94
	2-21651	३०२	662	কমাৰীল (আল্লাহ অতি কমাৰীল ও পরম দল্লালু)	৩৩-আহ্বাব		5-00
দ্যাণীন (মাল্লাহ অভি ক্যাণীন)	২-বাকুবো		653	কমাপীল (আল্লাহ অতি কমাপীল ও পরম দরালু)	৩৩-আহ্বাব		P-36
কমাশীল (বাস্তাহ অতি কমাশীল)	২-বাৰুৱো	795		ক্মাণীল (অক্লাহ অভি ক্মাণীল)	७०-मूमखरिना	٩	965
কমাশীল (আল্লাহ অতি কমাশীল)	২-বাকুৰো	440	292	কমাশীল (আল্লাহ্ অভিকমাশীল ও পরেম নরাল্)	১৪-তাগাবৃদ		994
কমাশীল (আল্লাহ অতি কমাশীল)	২-বাকুরো	452		কুত্ত হরেছেন আল্লাহ (মুনাধিক ও মুপরিবদের উপর)	৪৮-ফাতহ	b	350
কমানীল (আপ্লাহ অতি কমানীল)	৩-আলে ইমরান		509	ধর্ব করা (আল্লাহ কাভিরদের শক্তি ধর্ব করবেন)	৪-দিসা		694
দমাশীল (আল্লাহ অতি কমাশীল)	৯-জাওবা	ર૧	682	গণীয়ত (আল্লাহর কাছে অনেক গণীয়ত বরেছে)	৪-নিসা	h8	669
কমাশীল (সন্ধ্ৰাহ অভি কমাশীল)	৫-মারিলা	48	44.9	গন্তব্যস্থ (আল্লাহরই নিকট সকলের গন্তব্যস্থল)	২২-হাজ	81/	964
কমাশীল (আরাহ অতি কমাশীল ও পরম নরালু)	৩-আলে ইমরান	23	283	গৰবাহুশ আল্লাহরই নিবট (সকলের)	৩৫-ফাতির	37r	₹80
ষমাণীৰ (আল্লাহ অতি কমাণীৰ ও পরম দরাৰু)	২-বাকুরো	72-5	650	গৰবাহন আল্লাহর দিকে	३8-मृह	83	990
কমানীল (আপ্লাহ অতি কমালীল ও পরম নরালু )	৫-মারিদা	03	₫₩₫	পদ্ধবাহন আল্লাহর নিকট (সকলের)	৪২-পুরা	>2	793
কমাশীল (আল্লাহ অভি কমাশীল ও পরম নরালু)	৫-মরিদা	<b>cs</b>	¢1:8	গলি লো (দেবতাকে গলি দিলে মুপরিকর অল্পাহকে গলি দিবে)	৬-আন্'আম	λον	508
ষ্মানীন (আল্লাহ অভি ক্ষমানীল ও পরম নরানু)	৫-মরিদা	৯৮	282	ওকতর (অক্সাহর নিকট ওঞ্চর পাপ)	২-বারুরো	229	228
ষমাশীল (অল্লাহ অভি কমাশীল ও প্রম নরাপু)	8-नित्रा	265	696	ছকতর (ইফকের খান্য আল্লাহর নিবট ওক্তর)	५8-मृद	34	990
ফমাশীল (আল্লাহ অভি কমাশীল ও পরম নরাপু)	8-निमा	20	625	শোপন করতে না পরা (কিয়ামতে কাভির আল্লাহর কাছে	g_Spm		-
কমানীৰ (আল্লাহ অভি কানীৰ ও পৰম দল্লৰ)	৩-আলে ইমরান	252	28b	(বান কথাই গোপন কর্মেনা)	8-(419)	85	6.99
रुअनीन (पक्कार पठि कथानीन श नाम नतानु, कथा शार्कन रू.)	s-First	206	690	গোপন করতে না চাওৱা (মুনাফিকরা আল্লাহর কাছে গোপন			_
কমাশীল (আল্লাহ অতি কমাশীল ও পরে দরালু, হিজারত প্রদার)	8-FP1	200	669	कबट्ड इंडिना)	8-मिमा	303	445
কমানীল (অল্লাহ অতি কমানীল ও পরম নয়ালু, মুঞ্জহিন প্রসঙ্গ)	s.Sat	36	669	(मान्स नहां नहिंदी ६ पाकान्य किसे प्रकारत कहा (मान्स नहां)	১৪-টববারীয়	Ob:	0000
ক্ষাণীল (আল্লাহ অতি ক্যাণীল ও পরম দল্লাল)	s-Sixt	222	690	গোপন নর (অক্সাহর নিকট গোপন নর আবাশ ও পৃথিবীর বিদ্ধার্ট)	০-আলে ইমরান	6	600
কমানীল (আহ্বাহ অতি কমানীল ও পরম লাকু, কমাপ্রার্থনারে)	g_Spat	220	693	গোপন না থাকা (আল্লাহর কাছে কিছুই খোপন পাকবে না		_	
ক্মাশীল ও দরাল আল্লাহ (ভার দরা থেকে নিরাশ হরো না)	৩৯-বৃদ্ধার	60	290	क्तिप्र(व)	৪০-মুখিন	39	৮৭১
ক্ষাশীল ও পরম দয়াল আল্লাহর অগশিত নেরামত প্রদক্ষ	১৬-শব্দ	25	908	গ্ৰহণ (মুপত্তিক আল্লাহকে সন্ধান প্ৰবাশন অপৰাশ দেৱ)	३०-१६मा	SV	660
কথানীল ও পরন নজনু (রাসুল স,তে প্রেমন তেতে ভালা প্রদেশে)	83-इंक्ट्रांट	0	340	एना(बाह्यदर काट्स रहते पूरा काल (श कर मा श वना)	৬১-সাক্ষ		2/50
দমাশীল (বাধ্য হরে হারম খেলে আল্লাহ কমাশীল ও নরালু)	১৮-নার্থ	220	933	एना काल (आहारत निकी एना काल)	80-वॉर्थन		644
क्यांबारी (जाहार जनवाथ क्यांकारी)	80-वृद्धित	0	240	(ঘরতর অপরাধ (রাস্প স. এর স্ত্রী বিয়ে করা)	৩৩-আহবাৰ		ror
ক্মাণীল (আহাহ মার্ক্সনারারী ও অভি ক্মাণীল)	২২-ছক্ত	ho	980	বোৰণা (আল্লাহ ও রাস্প স. এর পক থেকে থেকণা, বভ		40	,,,
ক্ষাণীল (আচাৰ মাৰ্কলকাড়ী ও ক্ষাণীল,ভাৱানুম প্ৰসঙ্গ)	8-971	80	263	इत्साद विदर्भ	৯-ভাওবা	0	880
ক্ষাণাল (বাচাৰ মাজলকায় ও ক্ষাণাল,কলেপুন হলছ) ক্ষাণীল (আহাৰ ক্ষাণীল ও দলাল)	৪-দেশ। ২-বাকারা	200	67.9	চতুর্ব (তিন মানের গোপন কথার চতুর্বজন থাকেন আচ্চার)	৫৮-মুজাদালা	3	200
কমানাল (আল্লাই কমানাল ও লয়ালু) কমানল (অল্লাই কমানাল, ব্যক্তিয়ে বাধ্যকত ললীকুল প্রতি)	२-नाकृत्या २8-नद	240		চকুৰ (বিল মানের গোলন করার চকুনামন বাকেন আচ্চাব) চালানো (আচ্চাব কচিকে নামর্থের বাইরে বোরা চাপান না)	৬৫-হলার ৬৫-হলার		Selection of the leading of the lead
নমানল (অস্তাই কমানল, বাতজ্ঞা বাবসূত কলালেরতা) মমানল (অস্তাই কমানল, বাতিজ্ঞা উল্লেখনেরীর ভঙর কেল)	२४-गृह २४-गृह	00	999	প্রশালে (আন্নার ভারতে পার্থনের বার্থনে বেরা চাপুল না) প্রশিক্ত দেন না (আন্নার সাধার্তীত বোঝা ঝাইলে মুপিরে বেনবা)			202
ক্ষানা (অপ্তাই ক্ষান্দ), অসংক্ৰা ক্ৰম্বানকাল ততৰ সভা) ক্ষানীৰ (আপ্তাই মাৰ্কনাকাৰী ও ক্ষমানীৰ, হিন্ধবত প্ৰসঙ্গ)				চাৰিকাট (আকাৰ-পৃথিধীৰ চাৰিকাট আক্লাহন্তই)			
	8-मिगः	99	260		৪২-শ্রা		225
ন্মানীৰ (সাল্লার অতি কমানীৰ)	৫৮-মুকাদাবা	25	260	চাওরা (অধিরাত সদ আল্লাহ)	৮-আনদাল	69	ტმს
ক্ষাণীল (আল্লাহ অভি ক্ষমাণীল ও পরম নরালু)	৪৮-বার্থাক	ъ	pop.	সভায় (অক্সাহর কাছে মাল্লাভিনের সভায়র চেয়ে অধিক কিছু	১২-ইউস্থ	000	obro
কমাৰীল (অক্সহ অভি কমাৰীল ও পরম দরালু, নবীর ব্রী প্রদান)	७७-ठाशीम	2	≥90	3(3(3))			
কমাশীল (আল্লাহ অতি কমাশীল ও পরম দরালু)	8-निमा	40	අතර	চাতার (অক্সাহ পথার্ট করতে চাইলে বন্ধ সাবীর্ণ/বর্তার বত্তে চেন)			609
ভ্যাণীল (আল্লাহ অতি কমাণীল)	२-सङ्ख्या	572	658	মধ্যা (আন্তাহ বিশবদানী করতে মইলে উপদেশ করে আসে না)	77- <u>f</u> et	08	999
৭মাশীল (আল্লাহ অভ্যক্ত ক্ষমাশীল ও পৰম নৱালু)	৫-মরিদা	0	6,40	চাতাঃ (অল্লাহ মনুচার কর বালাম করতে চান, বিয়া প্রদাস)	8-निम	45	690
দমাশীল (আল্লাহ অত্যন্ত কমাশীল ও পরম গলালু)	৩০-মুমতাইনা	25	269	সংখ্যা (আল্লাহ যা চাদ তাই করেদ)	২-বাকুলো	550	600
দমাশীল (মাল্লাহ কমাশীল)	২-বাকুবো	222	493	চাওয়া (আল্লাহ চান না মমিনদের অসুবিধা করতে)	१-मविमा		627

TROOM PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY AND AD	有水の質	400	1	Resident	महत्त्व च प्रमुख	-	199
	20 46 4 34	1000	(27)	জানা (অপ্তাহ জালিমনের সম্পর্কে বৃধ তাল করেই জানেন)	७२-सम्भा	9	363
व्याक्षाद (पूर्व गृक्षे (बर्द्ध)	- 6-		-	क्षाना (याहा माना शरह याहार संत्यत्व कार्यन)	28-98	90	93
মধ্যা (অক্সাহ মেন -কনি,স্কাত প্ৰদৰ্শন ও তওৰা কৰুল কৰতে)	8-নিম		අපා	জানা (বাহা সরে গড়ে অন্তাই অসমতে বাংলা) জানা (আল্লাহ সকল বিষয় ভালমারে জালেন)	২৯-আনকারত	65	P43
চাওয়া (আল্লাহ তওবা কবুল করতে চান)	8-নিমা	રવ	අත		২৭-বামপ	94	bot
মধ্যা (মক্সাং নবী পরিবার কেকে অপনিত্রতা ভূগ করতে চান)	৩৩-আহ্বাব	00	900	জানা (অস্তাহ অনুশা ও পুনরুখানের সময় জানেন)		33	000
ডাঙ্গা (মাল্লাহ পথ প্রদর্শন করতে চাইলে বন্ধ প্রশন্ত করে লেন)	৬-আন্আম	254	60b	জান (অস্তাহ ইক্টীনের গোপন ওপ্রথশ বিয়েবলি জনেন)	২-বাকুারা ২৯-আনকাবৃত	82	p-2:
	৯-জধন	74	689	ৰান (অক্সং বলে অন্তে অভিভাৰক গ্ৰহণ দশ্পতি অক্সং কালে)			
চাওয়া (দবীৰ স্ত্ৰীৱা আল্লাহকে চাইলে তার জনা প্রতিদান)	৩৩-আহ্যাৰ	436	406	बान (अक्कार कन करवरे बारम, प्रनायनवा च तापन रहा)		269	46
হাওয়া (মশার উপমার মাধ্যমে আল্লাহ কী চান)	২-ৰাকুাৱা	₹6	208	জনা (আল্লাহ যদি জানকেন, তানের মধ্যে তাল কিছু)	৮-আনকাল	३७	60
হাওয়া (আল্লাহ চাইলে বাসূল স. কুরআন পাঠ কবতেন না!)	১০-ইউনুস	36	966	জন (অপ্তাহ বনি জনেন হে, বুদ্ধবন্দিনের হলরে তাল বিছু আছে)	৮-আনকাশ	90	90
চাওয়া (অক্সাহ কারো কভি চাইলে কেউ ভা দূর করতে পাচেনা)	৩৯-বৃমার	40	¥98	জানা (আল্লাহ সকল বিষয় সম্পর্কে ভালতাবে জানেন)	৩৩-আহ্যাৰ	80	bo
মধ্যা (অক্সাহর করে জন্মবিদের চাবচার ক্রবের বেশি কিছু আঞ্চ)	৫০-কুন্দ	-00	248	জানা (বক্তে যা আছে সে সম্পর্কে আল্লাহ ভালভাবে জানেন)	৪২-প্র	₹8	29
নওর (আল্লাহ চাইলেন নভাকে প্রতিষ্ঠিত করতে)	৮-আনফাল	9	602	জ্বানা (মানুহের গোপন ও প্রকাশ্য বিশ্বর অক্সাহ জ্বানেন)	৩৩-আহ্বাৎ	68	50
চিরন্ধীৰ (আল্লাহ চিবন্ধীৰ ও চিবছারী)	২-বন্ধারা	200	600	ন্ধানা (মানুহের গোপন-প্রকাশ্য সকল বিষয় আল্লাহ ন্ধানেন)	১৬-মাংল	29	90
চিবন্ধীৰ ও চিবস্থানী (ডিনি ছাড়া ঝেন ইলাহ নেই)	৩-আলে ইমরান	4 2	600	बाना(प्रानुस्वर रणनम-तकाना तकन विशव खड्डार बारान)	३७-मार्ग	20	90
हिरदारी (बाह्यद हिन्नीन थ हिनदानी)	২-বারবো	200	600	জানা (মানুহের মান সম্পর্কে আল্লাহ ভালভাবে জানেন)	২-বাকুলো	২৭০	20
গুড়াস্তকারী (আল্লাংই গুড়াস্ত সিদ্ধান্তকারী)	৪৩-ফুর্বরুফ	13	302	জানা (ত্রিবাধাত কোথার রাধকের ভা আল্লাব্ট কেশী কানেন)	৬-আন্'আম	148	60
মুদ্ধান্ত যুক্তি-প্ৰমাণ আল্লাহন্তই (সত্ৰিকপথ প্ৰদৰ্শন প্ৰদৰ্শ)	6-আনু'আম	283	922	জানা (জাদিমদের কৃত্তকর্ম সম্পর্কে অক্সাহ ভাগভাবে জানেন)	১৬-নাব্দ	₹₩	90
মের/অন্তিয় (মেরানেই মুখ বিদানে সেবানেই আল্লান্য অন্তিয়)	২-বাকুরো	226	630	খানা (কাদিমদের বড়বছ আল্লাহর খানা আছে)	১৪-ইবরারীয	86	63
চাৰ্যক্ষিত্ৰ (চাৰ্যের সামনেই আছেন রাস্পা)	६५-स्व	87	302	জানা (জনতসমূহের বক্ষের বিগরাদি আল্লাইই বেশি জানেন)	২৯-আনকাবৃত	30	6.7
ভাগ(অনুমধ্য চোচন্ত্র নামনের আহেন রান্নান) ছঙ্গান (দুনিয়া ও আধিয়ানের ছঙ্গাব আল্লাহর কাছে)	8-मित्रा	208	498	স্থানা (ইয়ানদার ও মুনাজিকদের সম্পর্কে অল্লাহ কানেন)	২৯-আনতাবৃত	22	5-3
হামূদ সম্প্রদায়ের অনুষ্ঠান আক্রাংর কাছে	২৭-নামন	81	908	ৰান (নবাঁ ও তথ্য ব্ৰীক্ৰা হণৱে যা আহ্ন অ অক্সাং কালে)	৩৩-আহ্যাব	62	be
ছাত্ৰ সংখ্যালের অন্তরণ আক্সাধ্য করে। মেডে সেয়া (আক্সাহ সুদ্দিশসেরকে তানের অবস্থার উপর ক্ষেত্রে	৩-আলে ইমরান		660	জনা (সুহ্বাদ,ছানুদ,,জাতি সম্পর্কে অল্পাহ স্কন্ধ কেউ জনে না)	১৪-ইবরারীম	>	65
व्हरक् (नहा (काक्षार बुक्कारमारक कारमा क्यादाव करण व्हरक् निद्यम मो)	G-MICH KARI	1,00	460	স্থানানে (আল্লাহ নাসারাদেরকে যা তারা করত অ স্থানিরে	6	_	$^{+}$
সংগোল না) ছেত্তে দেৱ (অক্সাহকে ছেড়ে দেৱা, ওলীন ইবলে ফুলীবার বাপারে)	৭৪-মুদাছছির	77	290	शिहरू)	৫-মারিদা	78	00
মেত্রে সের (অক্সাহরে মেত্রে সের, তদান হবলে দুশারর বাশারে) জনা (অবস্টের্ণ অস্তাত সম্পর্কে অক্সাহ সবসের তদা জালে।)	১৬-নাহল	303	422	জানানো (অক্সাহ অভ্যাত পেশকরীলের সংখ্যা স্থানিরে			t
	২৯-আনকাবৃত	63	133	Picacoen)	৯-জাধবা	28	96
ধানা (আরাণ ও পৃথিবীর সংকিছু আছাং জানেন)		36	343	জানেন (আকাশ ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে)	৫৮-মুকানালা	9	200
ৰান্য (আকাশ ও পৃথিবীর সবকিছু জানেন)	85-इस्टार २२-शक		958	জানেন (আবাপ-পৃথিবীর অনুশ্য বিষয় অস্তাহই জানেন)	৪৯-হত্ত্বাত	Shr	202
নানা (আকাশ-পৃথিবীতে যা আছে তা আল্লাহ জানেন)		90		बांट्रास (वाहार कांट्रास)	৩-আলে ইমরান	60	28
स्त्र (मूर पा. पक्कारत निकी त्यंत्र स्वरूप य जत अन्द्रनाव स्वरूप मा	৭ আ রাক	62	979.	স্থানেন (আল্লাহ স্থানেন অন্তিকারী ও কল্যাগকারীকে)	২-বাকুরো	220	
स्रन (प्रमुख व अवन रुद्ध व व लोगन हाल ज प्रहार काल्म)	৫-মারিদা ৪-দিসা	20	ess.	জানেন (আল্লাহ জানেন অদৃশ্য বিধয়দি)	०-माविमा	229	
ন্ধান (মানুবের ইমান সথকে আল্লাবই বেশি জানেন)				জনে (অস্তাহ জনে অবিশ্বাদীর বেন কুরমানের নিক)	১৭-ইসরা	89	93
ন্ধান (মানুবের বল্যাণকর কান্ধ সম্পর্কে আল্লাহ ব্যাসেন)	8-নিসা	256		ছালে (আল্লাই জালেন ইমরানের স্ত্রী যা রাপর করেছে)	৩-আলে ইমরান		20
নানা (মানুষের কান্ধ সম্পর্কে আল্লাহ জানেন)	২৯-আনকাব্ত		৮২০	ছালে (মাস্তাই ছালে ব্যৱসায় বা ও লাগ সংগ্ৰহ)	২-বাকুরা	202	
নান (মানুমের কান সম্পর্কে আক্রাহ সবচেরে বেশি জানেন)	২২-বৃদ্ধ	600	968	জানেন (আল্লাই জানেন কোনচ শানত ও শাবতজ্ব) জানেন (আল্লাই জানেন কোনচি কলাগকর, মানুহ জানে না)	२-वाकाता -	336	
ন্ধানা (মানুবের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ ন্ধানেন)	২-বাকুরো	500				286	
ন্ধানা (মানুহের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ ন্ধানেন)	১৬-নাক্স	97	930	জাদেন (মাল্লাহ জানেন জাদিমনেরকে)	২-বাকুারা	89	88
লানা (মানুমের বক্ষে যা আছে ডা অল্লাহ ভালভাবে জানেন)	৬৪-তাপাবুদ	8	>66	জানেন (অল্লাহ কানেন কলিমনের সম্পর্কে)	৯-ভাগ্ৰা		
স্থানা (বুছে বাধাদানকরী দুনাকিক সম্পর্কে আল্লাছ জানেন)	৩৩-আহ্বাব	35	P08	জানেন (আল্লাহ জানেন তারা ইউসুফকে নিরে যা করে)	১২-ইউসুফ	29	64
স্থানা (মানুষের ব্যর ও মানত সম্পর্কে আল্লাহ জানেন)	২-বাকুারা	290	605	জানেন (আল্লাহ জানেন তারা কদম করে বিখ্যা বলছে)	৯-ভারবা	82	68
ৰানা (মুনাফিকদের হুদরে যা আছে ডা আল্লাহ কান্দেন)	8-PH	60	696	জাদেন (আল্লাহ জাদেন, নারী বা গর্তে ধারণ করে)	১৩-রা'ন	ъ	80
রান (মুফিবদর শরতের সম্পর্কে অক্সাহ সবচেয়ে কেনী জালেন)	8-Sixt	82	605	জানেন (আল্লাহ জানেন ফাসাদ সৃত্তিকারীদেরকে)	৩-জালে ইমরান		ψE
জানা (মুপরিবদের কৃতকর্ম সম্পর্কে বাল্লাহ তাল জানেন)	১০-ইউনুস	99	964	ন্ধানেন (আল্লাহ জানেন বক্ষের বিষয়, গোপন বা প্রকাশ)	০-জালে ইমরা-	48	60
জানা (সবকিছু সম্পর্কে অল্লাহ জানেন)	২-বাৰুবো	252	208	জানেন (মাক্সাই জানেন মুনফিকরা যা গোপন করত)	৫-মরিদা	65	63
জান (সম্ভাব জানেন কেউ কেউ কুরমান সম্পর্কে নিবাসভিত্তিকারী)	७७-शंकार	85	क्रेंग्र	কানেন (মারাহ জানেন মানুষের তাল কাজ সম্পর্কে)	২-বাৰুংৱা	259	23
জানা (অল্লাহ কাফিয়দের সম্পর্কে ভালভাবে জাদেন)	8-9m	Ob	695	ব্যালে (অক্সহ ব্যালে মুন্তশবিহাত অস্তাতের বাধ্য বেছে)	৩-আলে ইমরান		Q-S
कान (जाहार कारण)	२८-नृद	7.9	192	জানেন (আল্লাহ জানেন, মানুব বা ব্যস্ত করে)	৩-আলে ইমরান	32	28
कान्त (नटकत विशा पाद्वार काट्नन)	০-আলে ইমরা-		687	মানেন (আল্লাহ মানেন, মুনাফিক কারা)	১-তাওবা	202	66
बान (रटका विधा पाद्वाद बालन)	০-আলে ইমরা			জানেন(অল্লাহ জানেন যু'মিনদের মারে দুর্বগতা হয়েছে)	৮-আনকাল	66	60
ৰানা (বাদ্দার উত্তম কান্ত সম্পর্কে আল্লাহ কানেন)	२-शक्तश	236		স্কালেন (আল্লাহ জানেন মানুদের মনের বিষয়)	২-বাকারা	200	
মানা (আল্লাহ মানেন মানুব আলোচনা করবে, বিধবা প্রসঙ্গ)	२-राष्ट्रावा	200		জানেন (আল্লাহ জানেন মুৱাকীদেবকে)	৩-আলে ইমরা-		
कल (बहुद काम प्रमुद काम न्यू बहुद्दा देनाम गाउन (लग)	১৬-নাহদ	18	309	জনেন (মাপ্তাং জানেন, মানুহ যা করে)	₹8-78	30	9
ন্ধনা (মস্তাধ ন্ধনেন যে মুধানন স. ভার রালুল, মুনাফিক প্রদাস)	५०-इनक्किन		368	জানেন (আল্লাহ জানেন মুনাফিকদের গোপন কথা)	৯-জাওয়		
कार (देराइटैंप,देरायोक्त, हेर्नुन-गर्भाव क्षित किन खहुदाई बहुतन)	२-शकाता २-शकाता	380		জালে (অক্সাই জালে মানুষ বা প্রকাশ করে ও গোপন করে)		49.	8
জানা (আল্লাহ নবভিছু সম্পর্কে ভালভাবে জানো)	হ-গাঞ্চার। ৫-মার্কিনা			আনে (অস্তাই জনেন মুখ্য থা একাশ করে ও বেলন করে) আনেন (অস্তাই জনেন মুখ্যজীনেরকে)	२८-मृद	23	91
জনা (আছার নর্যাতম্ব লান্ডৰ ভালতারে জানেন) জনা (আছার নর্বাচয়ু ভাল ভাল জানেন, ভালানার প্রমঙ্গ)	१-भागमा 8-भिन्ना	26	495		৯-জভর	88	88
লানা (আল্লাহ নথাকে ভাল তাৰ লামেন, কালালাহ প্ৰনঙ্গ) লানা (আল্লাহ নথকিয়ু সম্পৰ্কে ভালভাবে জানেন)	8-PH 8-PH	396		জ্ঞানেন (আল্লাহ জ্ঞানেন ব্যদেরকে ভানেরকে ভর দেখানো)	৮-আনফাল	90	60
জানা (অন্তাহ কালিমদের সম্বন্ধে কালভাবে জানেন) জানা (অন্তাহ জালিমদের সম্বন্ধে সবচেয়ে বেশি জানেন)		04	4.67	ন্দানেন (আল্লাহ কানেন সৃত্তিকুল বা কৰে)	२८-मृत	82	99
	৬-আন'আম	ev.	1603	ব্যালন (আল্লাহ কালিমনের সম্পর্কে ভালভাবে কালেন)	২-বাকারা	à¢	12:

नव दिसा/धनव	मुत्रानः धनाम	400	10	लम निस्त/धनत	जुब कर च नाम		
আপ্তাহ(পূৰ্ব পৃষ্ঠা বেকে)				ন্ধনী (সম্ভাব কানেন বক্ষে যা আছে)	৫-মায়িলা	9	Qb
ন্ধানেন (খাল্লাহ প্রকাশ্য ও গোপনীর বিধয় জানেন)	৮৭-আলা	٩	2039	बानी (बाह्रार बानी, बम्ना दिश्त मण्लाई)	৯-তাওব	প্যা	08
লানেন (আল্লাক একের বিষয় জানেন)	৫৭-হাদীদ	6	385	আনী (আল্লাহ আনী, নৃশ্যমান ও অদৃশ্য বিহরের)	১৩-রাপ	ъ	69
জানেন (আল্লাহ ভালজানেন সকল বিষয়ে)	৮-আনফাল	3/2	609	জানী (অস্তাহ দৃশ্য-অনৃশ্যের জানী/জাকাণ-পৃথিবীর প্রস্তা)	৩৯-মুমার	85	33
জানেন (সাল্লাহ ভাগ জানেন, ভাইরেরা যা ধর্ননা করছে,	24-2650	99	698	আদী (আল্লাহ মহাম্বানী)	৯-জাতবা	80	86
ইউসুক্ত আ, সম্পর্কে)-	24-66-56	44	06.8	कानी (जाहार प्रश्रकानी)	২৪-দূর	Øb.	930
কালে (আল্লাহ সকল বিধয়ে ভালভাবে জানেন)	<b>८४-पृक्षामाना</b>	9	>65	कानी (ञ्रह्मार प्रश्रुकानी)	৯-তালব	224	60
জনেন (আব্রাহ সর্ববিষয়ে ভাশভাবেই জানেন)	৪৮-ঘাত্	26	822	कामी (वाद्वार प्रश्नकामी ७ प्रश्नकातान)	৯-জাতব্য	59	60
লাদেন ল আপ্লাব, মানুখের কৃতকর্ম (মুপরিকরা মদে করে)	৪১-কুস্নিলাত	22	bb9	कामी (पाक्रार प्रशंकामी)	२8-मृत	25	530
দ্যানেন (নৃহ সম্প্রদায়ের অপ্রয়ের থবর আল্লাহ ব্যানেন)	33-gH	(0)	666	कानी (पाद्वार प्रश्रवानी)	৯-জাওবা	330	62
জানেন (পথমট ব্যক্তির কাজ সম্পর্কে আল্লাহ জানেন)	৩৫-ফাউর	8	786	জানী (আল্লাহ সকল বিষয়ে মহাজানী)	२.8-मृत	98	95
মানেন (মানুবের বক্ষে বা আছে তা)	৩১-লুকমান	20	৮২৮	ভাতা (আল্লাহ প্ৰভাবন ও সৰ্বজ্ঞানী)	80-पुच्चम	78	20
মানেন (মুমিনের সংগঠের চলা ও বিপান সম্পর্কের আন্তাহ ম্বাচনে)	৬৪-ভাগাৰন	22	266	আন (প্রতিক্রতি বার্ডবারনের আন আলায়র নিকট)	৬৭-মূল্ক	314	20
জানেন, সৰচেয়ে বেশি (আসহাৰে কাহকের অবস্থানকাল )	১৮-বাহক	24	95%	सानी (प्यादार मर्दाचारा । मर्वकानी मध्य कर्व विनि स्थापन)	<b>३५</b> -जापिका	8	9,0
ছানেন (সৰ বিহুৱে আপ্তাহ ভাগভাবে ছানেন)	85-8W416	260	202	सानी (जादाव नर्वकानी व प्रशासकाराम)	8.निया	290	99
জনে (বিজ্বকোরী মুমিন নবীয়ের উন্নায়ের বিদর অক্সর জনেন)	৩০-মমভাছিলা	30	heh	कानी (बाह्यर मर्वकानी स मर्वक शास्त्र शास्त्र)	৩১-লকমান	48	443
জন্তাতে প্ৰবেশ করাবেন আল্লাহ (সংকর্মশীল মমিনদেরকে)	৪৭-মুখ্যখন	34	250	सानी (पाद्वाह नर्वाञ्चाका व नर्वस्थानी)	৬-আন'আম	30	45
জানতে প্রবেশ করাকে আল্লাহা সংকর্মশীল মহিনদেরকে)	27-5000	30	9/40	स्रामी (बाह्य र निर्माण य गर्वकामी प्रम क्या तवान	1		
জিহান (আপ্রাহর জন্য বথাকা জিহানের নির্দেশ)	22-stee	900	9140	क्षणा (अक्षार नवद्वार र नवकान, वन स्वा स्वान	8-991	187	290
দ্বীবিকা প্রেচিশালক ন্মীবিকা বর্ণনৈ করেন)	80-1568	102	lybly	स्रामी (बाह्यर मर्वस्रामी स प्रता श्रवस्रतान)	No. Hips	do	>>
জীবিত করা (বনী ইসরাইলসেরকে করলেন আস্তার)	2-410161	38.5	035	জানী (মাল্লাহ অদশ্য ও দশোর জানী)	৩২-সাক্ষ্য	6	brook
মীবিত করা (বলী ইসমাসিলের নিরন্ততে আল্লাচ কর্তত জীপিত করা)	২-বাঞ্চাল	90	dole	जानी (पाद्यार मर्रकानी ও प्रशासकाना)	\ भ-खागकाल	93	600
ক্ষীবিত্তনারী (আল্লাহ ডমিকে গচিত পানি ধারা ক্ষীবিত্তনারী)	২-বাকুলে ২৯-আনক্ষক	50	842	सानी (पाद्वार मरस्कान र प्रश्नाका करा। सानी (पाद्वार मरस्कान र प्रशासका करा। कराका लगन	৮-আনকাল ৬৬-ভাহনীম		390
জীবিত করেন আল্লাহ	৩-আলে ইমরান			खान (ब्रह्मार नव्यक्त र स्थाप्रकायन, काम व्यन्तन शनन) खानी (ब्राह्मार नर्वकानी ५ प्रशासकाराम)	8-निश	4	
জ্ঞানত ক্ষেত্ৰ আস্তাহ জীবিত কলেন আস্তাহ কুমিকে মৃত্যুর পর			667	कारी (पाहार गर्नकारी ए प्रशंकातार)		20	¢%
জাগত করেন আল্লাই খুমকে মৃত্যুর পর জীবিত করেন আল্লাই খুমিকে (মতার পর)	৫৭-হাদীদ	24	888	काना (वाहार नरबाता ७ मराज्ञाताना) कानी (वाहार नर्ववाती ५ प्रशासनाती)	২২-খন্ড	65	986
	00-€¥	60	25.4		২৭-নামল	7.5	0.05
জীবন দান/মৃত্যু: ও পুনরুখান আল্লাহ ঘটনা (মানুষের) জীবিত বহুল (আল্লাহ সর্বশক্তিয়ান, হিনি মাততে জীবিত করেন)	8२-मध्रि	રક	809	আনী (আছাহ সর্বজানী ও মহাপ্রজাবান, পাপ প্রসঞ্চ)	8-নিসা	222	645
	55-6ue	0	92b	वानी (जाहार नर्वकानी ও मराश्रकारान, मूप्रिन रुठा अनन)	8-নিসা	કર	280
জীবন দান (আল্লাইই মানুষকে জীবন দান করেছেন)	44-89W	66	998	कामी (प्राष्ट्रार् मर्वकामी ও মহাপ্রকাশন)	৩৩-আহমার		300
बीवन मान (बाह्मद बीवन मान कददन ७ मृद्यु पंठान)	১০- <u>ছ</u> ঞ্ম	Фъ	625	ब्यानी (प्राष्ट्रार मर्वकानी ও प्रशक्तकार्गन, क्रिशन क्षत्रन)	8-નિગ	905	630
পুশমকারী নন আল্লাহ (বান্দাদের প্রতি)	৮-আনফাল	62	909	ন্ধানী (আল্লাহ সর্বজানী ও পরম সহলবীপ)	২২-হাজ	45	966
মুশুন করেননি আল্লাহ (কাফিব্রনের ব্যব প্রসন্ধ)	৩-আলে ইমরান		289	ন্ধানী (আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও সর্বপঞ্চিমান)	३५-मार्ग	90	903
ৰুশুন করেননি আল্লাহ (পূৰ্বকৰ্তীদের উপর)	৯-অওবা	90	689	জানী (আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও সর্বশ্রোতা)	২৬-ড'জারা	220	930
জুন্ম করেননি আল্লাহ (পূর্ববতীদের উপর)	৩০-জন	b	४२२	ঠাটা-বিদ্রুপ (আল্লাহ মুনাফিকদের সঙ্গে ঠাটা-বিক্রুপ করেন)	২-বাকুরা	24	¢oc
স্কুম।(কাফিরের প্রতি আল্লাহ কুনুম করেননি,সেই নিজের	১৬-নাহল	00	902	মটা (সাক্ষাহর সাপে ঠাটা করে মুনাঞ্চিকরা)	৯-জাওবা	95	688
প্রতি জনিম)		00	1002	ভাক নিপেন আল্লাহ ইনৱাহীমকে (জনাই করার পর)	৩৭-সাক্ষাত	308	495
স্কুমকাৰী নন (অক্সাহ বানার প্রতি স্কুমকারী নন)	২২-হান্দ	30	495	ভারতাদ অক্সাং মূপকে (অমি অক্সাং জগতসমূহের প্রতিশালক)	২৮-কাসাস	00	30
কুশুমকারী নন আল্লাহ (বাব্দাদের প্রতি)	৩-আলে ইমরান		660	ভালা (অক্সাই ও রাপুণ স. এর দিকে ভালা হলে মুখ বিভিন্নে দেয়)	২৪-নূর	87	993
কুশুম করতে চান না আল্লাহ কণতসমূহের প্রতি	৩-আলে ইমরান	200	286	ভাকা (আল্লাহকে ছাড়া অন্য যাদেরকে তাকা হর তারা বান্দা)	৭-আগ্রাফ	37/8	ಆಲು
ভূবুদ করতে চান না আল্লাহ (বান্দার প্রতি)	৪০-মুমিন	40	primo	ভাকা (আপ্লাহতে ভাতা অথবা বহুমানতে ভাতা)	১৭-ইপুরা	220	940
জুলুম করেন না আল্লাহ (মানুবই নিজের প্রতি জুলুম করে)	১০-ইউনুস	88	52b	ভাকা (মসজিলে আল্লাহর সাথে অন্য কভিকে না ভাকা)	१३-किम	75	৯৮৭
ভূপুম করেন না আল্লাহ (অপু পরিমাণঙ)	8-मित्रा	80	6.95	ভাকা (মুশরিকরা আল্লাহ বালে যাকে ভাকে ভালেরকে গালি	৬-আন'আম	20b	bob
ন্ধুবুৰ না করা(অপরাধীদের প্রতি আল্লাহ ন্ধুবুৰ করেননি)	২৯-আনকাৰ্ড	80	66च	দা দেৱা)	ত-আশ্লাম	309	600
জেনে লেয়া (কে ভাঁকে না দেখেও তর করে আ আপ্তাহর জেনে লেয়া)	ए-माग्रिना	28	485	ভাৰা (মুশরিক আল্লাহ ছাড়া থানের ভাকে ভারাই নৃষ্ট।কিছু			
(करूर (नक्क) नदावने ७ विश्वावने (क व्य प्रद्वार (करूर निरमा)	২৯-আনকাৰ্ড	٥	644	দৃষ্টি করেনা)	১৬-নাহুদ	20	908
ব্দেশেছেদ আল্লাহ মানুহের খেরানক (রোমার রাজে যৌন)	২-বাকুবো	25-9	653	ভাকা (সমুদ্রমন্ত্রীরা দ্বীদকে স্বাস্থ্যাহর জন্য নিদিষ্ট করে হাকে)	১০-ইউনুস	22	966
জেনে নিবেন আল্লাহ কে আঁকে ও রানুল স,কে সাহায্য করে	৫৭-হাদীদ		heo	ভাকা (আপ্তাহ হাড়া অন্যকে ভাকার অসারভা)	৬-আন'আম		604
জেনে নিবেন আল্লাহ জিহানকারীকে	০-আলে ইমবান		28h	ভাকা (অস্ত্রাহ শুদ্ধা অন্যকে ভাকলে ঋদিম হবে)			958
( <b>জ</b> লে লিবেল আল্লাহ (প্রকার ঈমানসারলেরকে)	০-মালে ইমবান			ভাৰা (অপ্তাই ছাড়া অনুকে ভাৰা)	৭-আ'বাক		939
প্রাণ ( <b>আল্লাই জ্ঞা</b> ন ধারা সংকিছকে পরিবেটন করে আছেল)	৬৫-ডাম্মাক		bob	धन्म ( <b>प्रदार श</b> न्न पाल्नार धना वर्ग धारा शहारा करत प्रकार)	৭-আগ্রহ		602
ब्रान (प्राक्राहर स्मानगर/ब्याठगाटा कृतवान वर्वाहर्ग)	22-54		868	ভাষা (আল্লাহ ভাষাভো আল্লাভের নিকে)			420
জ্ঞান অপ্রাহর নিকট (আন সম্প্রদায়ের শান্তি প্রসঞ্চ)	৪৬-বাহকাফ		200	ভাবা (আলাচৰ পৰিবাৰ্ত বাদৰ ভাকা হয় আনৰ অক্ষমতা)	33-076	90	290
জন (কিয়ামতের জনন তথু আস্থাহর কাছেই আছে)	০)-একসান ৪৫-বার্থনাক		p.5p	ভাবা (আল্লাহর শক্তি বিশ্বামত আন্তল আল্লাহকে ভাবা প্রসম)	৬-জান'আম		699
জন (বিশ্বাসকের জান কেন্স আলাহর কারেই আছে)	্য-আ,হারু ৩১৬ট্রবর্গন		900	संस् (राधिता प्रद्वार संस पनार संस्थः - गृत राज रागः)	22-68 2-mil old		988
জন থাল(বিয়ামতের জান কেবল আল্লাহরই নিবট আছে)	৩৩-আর্থান		900	ভাকা (ভরঙ্গ আছেনু করলে মানুষ দ্বীনকে আল্লাহর জন্য			-
আন বাবা(বিচানতো জ্ঞান কেবল ৰাষ্ট্ৰান্তাই দেওত আছে) জ্ঞান দান (জ্ঞান্তাইকে কাফিবদের জ্ঞান দান ঘীন, সম্পর্কে:)	৪৯-হন্ধুরাত		254	নিবিষ্ট করে ভাকে)	৩১-পুকমান	જ	৮২৯
क्षानी (बाह्यह ननः व जनरनात क्षानी)	৬৪-ভাগারুন		294	ভাকা (নৌবানে আরোহন করে মানুহ আল্লাহকে ভাকে)	২৯-আনবাবত	90	252

আ				সান্ধাহ
	 	THE REAL PROPERTY.	-	

44 (a) 15	বিষয়/প্রসম	न्वानः ७ नाय	425	460	नच दिस्त/धनह		444.4	
মান্তাহ (পূৰ্ব পূচা ৰো	(4)		-		দরমের (অপ্তাহ দরমের)	৬৭-মূল্ক		32
	খানালো নিয়েধ, কসম প্রানন্ত)	২-বাকুারা	228	252	দলাময় আপ্তাহর নামে(সাধার রানীর কাছে সুলাইমানের পর)	২৭-নামল		γо
	তওৰা কবুল করলেন নবী, মুহাজির ও		_	-	দলা (স্থানিদেরকে অল্লাহ তার দলার মধ্যে প্রবেশ করাবেন)	৪-শিশা	>96	2%
वानभावामर)	441	৯-ভাওৰা	224	602	দরা (মুনিনাসক্রক অক্সাহ তার দরার মধ্যে প্রবেশ করালো)	৪-মিসা	296	2%
	আল্লাহ (ভাদের ধারা মন্দরাঞ্জকে)	৯-ডাভবা	205	962	দরাত্র (আল্লাহ অভি কমাশীল ও পরম নরাপু)	১০-ইউনুস	Pot	88
		৯-ভাওৰা ৯-ভাওৰা	3/2	687	দরালু (আল্লাহ অতি কমাশীল ও পরম দরালু)	৪-মিলা	35%	29
	আল্লাহ (মুশরিকদের যার থেকে ইচ্ছা)	g-शक्ति श-भाक्रिमा	93	600	দ্বাশু (আল্লাহ অতি কমাশীল ও প্রম দ্বাশু, ব্যতিচারের	-		-
	আল্লাব্ বনী ইসরাইলদের				नाशि द्वारा	8-निमा	56	66
তওবা ক <b>ৰুণ</b> করেন থ		৯-ভাওবা	29	682	দরালু (আল্লাহ অতি ক্ষমালীল ও পরম দরালু)	৩০-আহ্যাব	4.8	be
	প্রথ অনের যারা তওবা করে ও নিজেকে	৫-মারিনা	40	29.5	নরাপু (অক্সাধ আত কমানান ও নাম নমানু) নরাপু (অক্সাধ অতি কমানীল ও পরম নরাপু, নবীর ব্রী প্রান্স)	৬৬-ভাহরীম		29
ভওৰা কৰুলকারী আ		৯-তাওবা	708	967	মরলু (অল্লাহ অতি কথানিল ও পথ্য পরালু, কথা প্রথম প্রাপ্ত	8-निम		23
তওৰা কৰুলকায়ী (অ	াক্সাহ তওৰা কবুলকারী, ব্যতিতার প্রদাস)	৪-দিস্য	29	662		8-निम		29
তওবা কৰুলকারী আ	इति	३8-मृत्र	30	398	দর্মসু (সম্ভাহ অতি কমাশীল ও পরে নয়সু, কমা প্রার্থনা প্রসঙ্গ)			
তংবা করলকারী (জ	াল্লাহ তথবা কর্পকারী)	৯-ভাওবা	229.	622	দরালু (আল্লাহ অতি কমালীল ও পরম নয়ালু)	৩৩-আহ্বাৰ		≽8
	प्रशासकीर प्रश्न पक्षार स्पृत करना	৪-নিসা	39	664	দল্লপু (আল্লাহ অভি কমাশীল ও পরম নলপু)	৪-মিদা		20
कारत (कार्याद्य नक्त व	ধনে তথকা পথতি, মুমিন হতা প্রসাহ)	৪-নিগা	33	460	দরাপু (আপ্লাহ অভি ক্ষমাণীল ও পরম নৰাপু)	৪-লিসা		64
	নফিবলের ভাগে করুল করা, বদাব প্রায়ল)	००-आहपान	28	bros	দরালু (আল্লাহ অভিক্রমালীল ও পরম দয়ালু)	৬৪-ছালাবুন		৯৬
	তিন মারী-পুরুজে তওনা করুপ করবেন)	००-व्याद्यान	90	V80	গরালু (আল্লাহ অভি কমালীল ও পরম গরালু)	৫-মারিপা	46	63
	নদ্রাহ তথনা কবুলকরী)	৪০-মামিল	0	b9b	সরাসু (আল্লাহ অতি কমাশীল ও পরম সরাসু, হিকরত প্রসঙ্গ)	8-मिना	200	24
	নস্তাহ ততবা কৰুৰকাৰী ও পৰম দৰাপু)	8-निमा	88	292	দরালু (আল্লাহ অতি কমানীল ও পরম সরালু)	৩৩-আহ্যাব	20	bro
		৪৯-হন্তুরাত	38	952	দরালু (আল্লাহ অতি ক্ষমানীল ও পরম দরালু)	৩৩-আহ্বাব	65	300
	পরম দরালু (গীবত প্রসহ)	৬৬-ভার্রীম	8	290	দরাবু (আল্লাহ অতি ক্যাবীল ও পরম দরাবু)	৩৩-আহমাৰ	0	bro
	অপ্তাহ্ব দিকে ভঙৰা/ কিবে আগা)		8	890 890	দরালু (আহাই অভি কমাশীল ও পরম দরালু)	৪৬-আধ্বাক	ь	30
	হর নির্মট পাঁট তওবা করার নির্দেশ)	৬৬-ভার্থীয			দরালু (আল্লাহ ভাওবা কবুলকারী ও পরম দরালু)	8-निमा	88	æ.
	s মাল্লাহ্যকে ভল্লাবোরাক হিরেবে <i>গাফা</i> )	৭০-মূব্বাধিল	ъ	app	দরালু (আল্লাই ভার বাব্দার প্রতি অতি দরালু)	8२-नवा	35	3/2
ভত্নাবধারক হিসাবে		8-निमा	705	290		७०-पूर्या	24	24
তত্বাবধায়ক হিসেবে	व्यक्तादरे गर्भाडे	৩৩-আহ্ঘাব	0	pood	দরাপু (আল্লাহ পরম দরাপু)	৩৪-সাবা	3	V
ফুৱাবধায়ক হিসাবে	व्यक्तार्थे ग्रस्थे	8-निमा	247	6.30	দরাসু (আল্লাহ পরন দরাসু)	8-मिमा	26	00
ভন্নবধায়ক হিসাবে	অপ্তাহই যথেট (রাসূল স. গ্রসল)	৪-নিমা	M	663	দরাপু (আল্লাহ পরস দরাপু, ব্যতিচার প্রদাস)			
ভৱাৰধায়ক ছিসেৰে	वाह्यार वर्ण्ड	৩৩-আহ্যাব	83/	Port	নরালু (আল্লাহ পরম ধরালু)	৪১-কুস্সিলাত		m
জন্মবদায়ক (আলাচ	কে ছাড়া জন্ধাবধারক গ্রহণ করা শিষেণ)	১৭-ইসরা	1 3	128	দরালু (আল্লাহ পরম দরালু ও মহাপ্রভাপশালী)	ত্ত্-সাজ্দা	8	bs
Wichelse (State of	তন করে ভরবারক-ইয়াকুব আ, কাছে)	১২-ইউনুফ	95	650	দরাকু (আল্লাহ্ পরম দরাকু)	৪৮-কাত্য	28	8
DESCRIPTION (NAMES IN	সা আ, ও শেরাইকের কথ্যর ভারতধারক)	২৮-কাদাদ	20	br\$0	দরাপু (বাধ্য হয়ে হারাম খেলে আল্লাহ কমানীল ও নরাপু)	১৬-নাব্দ	226	4.
	(সংক্রিছুর উপর তল্পাবধায়ক)	১১-হুদ	35	1000	দরালু (অক্সাহ মানুহের গ্রতি অতি অনুহাহশীল ও পরম দরালু)	22-07%	95	31
	মন্ত্ৰে তার কাছে তুলে নিমেমেণ)	8-निमा	300		দরালু (আল্লাহ মুমিনাসর প্রতি পরম দরালু)	৪-দিসা	23	2
	ভা জনের ভারীর জন' বলে কুমনী করেছে)	৫-মারিদা	90	200	দয়ালু আল্লাহর নামে(সাবার রানীর কাছে সুলাইমানের পর)	২৭-নামল	-00	8
		১০-ইউনুস	77	522	দরালু (আল্লাহ সর্বল্লেষ্ট দরালু, আইলুবের দোরা প্রসাল)	২১-আথিবা	100	90
	ধর অকল্যগকে অস্তাহ তুরাখিত করলে)	20-60GH	259		দর্যাপু ও কমাশীল আক্রাহর অপশিত নেয়ামত প্রসঙ্গ	১৬-মাহদ	35	91
	নী/সংকর্মপর্যরপদের দাবে আমেন)				দল (আল্লাহর দলই বিজয়ী হবে)	०-मतिमा	26	Q1
	হুদরের মাঝখানে আল্লাহ্ থাকেন)	৮-আনফাল	2,8	508	भूम (अञ्चाद्य भूम जवनवात्र)	৫৮-মুজানালা	25	2
	ত দরা করলে অটকানোর কেউ দেই)	००-माठित	1 2	V89	দশ (অস্ত্রাহ্য নগ নবনকান) দশ (মামিনর অস্ত্রাহর নগ)	৫৮-মুম্বানালা	133	24
	ইচ্ছা ভার নরার মধ্যে প্রবেশ করান)	৭৮-দার্থ	107	299	দল (মুখনতা আক্লবে দশ) দান (ফাই হিসাবে নবীকে আক্লাহ যে দাসী দান করেছেন)	তত-আহ্বাব	Øp.	100
	প্ৰতি তার দরা বিস্তার করেন)	৪২-প্রা	5,6	9.90				0
নয় (সঞ্জাহ মানুককে	অর দল্ল অধানন করলে সে উৎকুল্ল হর)	৪২-শ্বা	87	1/3/2	দান (আল্লাহ মানুবকে কিভাব দান করলে, সংগত নম্ব যে)	৩-আলে ইমরান		
দরা (আল্লাহ থাকে	দরা করবেন কিয়ামতে)	৪৪-দুখান	84	≥08	দান (আল্লাহ থাকে ইছে৷ কনা/পুত্ৰ সন্তান দান কৰেন)	৪২-শ্রা	83	8
দরা (আল্লাহর দরা/	অনুহাতে মুমিনদের প্রতি কুরআন এলেছে)	১০-ইউনুস	62	62%	গল (মপ্তাহ যা দল করেছেল তা কেকে তালাকরেছের কল্য করি)	৬৫-ভালাক	3	8
দরা (অক্সাহর দরা বে	তে নিয়ল হতে ইয়াধুবনর নিবেধ- পুরনেতকে)	३२-इंडेज्य	39	694	দলে (আল্লাহর দানের প্রতি মানুবের অকৃতজ্ঞতা)	১৬-নাব্দ	6.5	9
দরা (আল্লাহর দরা	থেকে নিরাপ হয় না কেউ, কাকির ছাড়া)	১২-ইউসুক	74	SVC	দান (অল্লাহ তার অনুহাহ করবেন গদিমত বউন প্রদর্গ)	৯-ভাতবা	69	8
	থকলে মানুহ শয়তানো অনুসক্ষা করক)	8-9PII	tro	969	দান (অস্ত্রাহ দাউন আ, কে রাজতু ও হিকমত দান করশেন)	২-বাকুবো	567	Q
	श्रकाण करह पात)	>-804040	228	448	দান (অক্সাহ রক্তানিকেরের দুনিরা ও অধিরাকের পুরস্কার নান করেন)	৩-আলে ইমরা-	484	æ
	ত্তে বাবৰে, যালের চেবারা উন্ধান হবে)	৩-আলে ইমর			দান (আল্লাহ রাজতু যাকে ইড়া দান করেন)	২-ৰাক্ষৰা	289	2
	মতে ব্ৰহতে, বাসের চেবার কল্পুল বাস) সার্ভ্যস্পরায়শকের নিকটবাতী)	9-307409	90		দারিভত্ত (আল্লাহ দারিভুদুক, মুশরিকদের থেকে)	৯-জাওবা	10	10
	পরিবারের উপর আল্লাহর দল্লা ও বরকক)	১১-ছুল	90		কিং (হারা 'আল্লাকা দিনজনের' প্রকাশ করে না আনর হাতি ক্ষমা)	৪৫-জছিৱা	78	10
		33-49 3-87081	93		ভিন (অক্সাত ভিনতদের মান্তমে উপদেশ, মূলর সংগ্রানয় গ্রানম)	১৪-ইবরাহীম	0	6
দয়া করবেন আল্লাহ	হ মুমিল গর-নারীদের প্রতি				দিন (আল্লাহৰ পক্ষ থেকে সেই দিন হা প্ৰতিয়োগ কৰাৰ নৱ)	ত০-জম	80	10
নরা (কমানীল/নরানু	অক্সাহর দরা থেকে নিরাশ হওয়া যাবেনা)	৩৬-যুখার	Q.c		क्रिम (अञ्चलक क्रिक्स बालाद्य कक्षमा ना करा (वर्तिकार शामक)	२8-नत	3	9
দরা (দর্শর প্রতি আক্স	হের দরা না থাবলে, পথন্তটকা প্রদাস)	৪-দিসা	274		क्ष्में करत राज वाह्याच्या कार्यक्रिया प्रश्नेत	ু হান্ত্রান্ত্রাল ু আনফাল	35	10
	যদি আল্লাহ্ তা আস্বাদন করনের পর	১১-ছুদ	>	666				
	ন দা আল্লাহ (কাব্যন্নামীরা কান্নার্কীদের	৭-আ'রাফ	82	639	পূরকারী (অল্লাহ কাউকে বউ দিলে তিনি ছায়া পূরকারী কেউ নেই) লচভাবে আঁকড়ে ধরা (আল্লাহকে দুয়কারে অকিন্তে ধরলে)	১০-ইউনুস ৩-আলে ইমরা	202	. 0
ন্যাপরে বশত)								

আল্লাহ

अप विषय/श्रीत्व	সূরা বং ও নাম	बहर र	न्हा	46		रेस्ड/धनन	1961		48.6	প্ৰা
আপ্ৰাহ (পূৰ্ব পৃষ্ঠা কেকে)				ধকর ধদকে অক্সং স				७७-वास्यर	20	208
দৃষ্টান্ত পেশ (মানুবের জন্য দৃষ্টান্ত পেশ করেন আল্লাৰ)	৪৭-মুখ্যখন	0	256	ধবিত (মানুহকে আ			গাব থালান)	৫১-যবিবাভ	60	৯২৮
দৃষ্টিৰুন (অক্সহ কর কমা সম্পর্কে পূর্ব অকাত ও পূর্ব দৃষ্টিবন)	৪২-শূরা	29	330	ধৈৰ্বনীশনে সৰে য				৮-আনকাল	86	909
দৃষ্টিধান (আল্লাহ দৃষ্টিবান, বনী ইসরাইলানের কাঞ্চের প্রতি)	৫-মার্কিন	43	49.9	ধৈৰ্বশীশালে সাৰে য				२-शङ्गदा		624
দৃষ্টিবান (অক্সাহ দৃষ্টিবান, মুমিনরা যা করে লে সম্পর্কে)	৬০-মুমভাইনা	0	264	ধৈৰ্বশীদানের সাধে ক				৮-আনহাল	66	909
দ্বিধান (অস্ত্ৰাহ দৃষ্টিবান মানুদের কাৰু সম্পর্কে)	৩-আলে ইমরান	200	662	ধৈবনীক্ষকের সাথে ত				২-বাকুন্য	₹85	659
দৃষ্টিবাদ (অল্লাহ দৃষ্টিবাদ, মানুহের কাজের প্রতি)	৮-আনমান	92	600	থেকা (মুদাফিকর স				৪-শিশ্ব		292
দৃষ্টিবান (আল্লাহ দৃষ্টিবান, মানুহের কাজের প্রতি)	২-বাকুরো		653	ধেকা (মূনফিকরা স				২-বাকুরো	ъ	805
দৃষ্টিবান (অস্ত্ৰাহ পৰ্য দক্ষিৰান, মানুহৰত কাজেব প্ৰতি)	২-বকুরা	209		শাসে কর (মক্সাং ক্				১५-मार्ग	২৬	900
দৃষ্টিবান (আল্লাহ বান্দাদের প্রতি পূর্ব দৃষ্টিবান)	৩-আলে ইমরান		603	शाल का (ब्रह्मार गर्न				৬৭-মূল্ক	₹₩	598
দৃষ্টিবান (আপ্লাহ বান্দালের প্রতি পূর্ব দৃষ্টিবান)	৩-আলে ইমরান		600	श्रात्म/माति (वाझार	ধাংস ব	ন্যবেন/শান্তি হ	मेर्डम -बश्म	৭-আ'রাফ	>864	647
প্রিধান (আপ্লাই সকল বিবরে নৃষ্টিবান)	৬৭-মুম্ব		390	দশকে উপদেশ)				6-MI 214	100	<u> </u>
ন্তিবান (ইচনীদের কতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ন দৃত্তিবান)	২-বাকুরো	26	627	ধাংগ করনা অক্সাহ তা	क्षानद्वद र	াৱ পূৰ্বকী আঁ	নামের অনুকরণ,	৯-ভাগৰা	00	680
দৃষ্টিবান (কাফিবদের কাঞ্জেব প্রতি আল্লাহ দৃষ্টিবান)	৮-আনকাল	60	900	ধানে করুন আল্লাহা				७०-मुनारिक्न	8	<b>3</b> 68
দৃষ্টিবান (মানুবের কাঞ্চ সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ণ দৃষ্টিবান)	২-বাকারা	220	650	ধংগে করেছেন আছ	য়হ কাঞ	নের চেরে পরি	<ul><li>श्रेणी श्रम्</li></ul>	২৮-আগাস	95	255
দৃষ্টিখন (মানুষের কতকর্ম সম্পর্কে আস্কার্য পূর্ণ পৃষ্টিখন)	২-বাকুরা	360		ধংগে করেছেন আক্স	রাহ (পূর্ব	বভীনেয়ক)		৪৭-মুখ্যখন	30	३५४
দিট্টবাদ (মানুমের কতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ব নৃত্তিবাদ)	৩৪-তাপাবুন	3	999	ঋণিক্র লের (অঞ্চাৎ ন				১৬-নাব্দ	84	906
দৃষ্টিখন (মুখিন্দের ক্তকর্ম সম্পর্কে আক্লাহ পূর্ব দৃষ্টিবাল)	00-9848	2	P08	ন্ট কলেন (স্ক্রাং	ল্কেপ্	तानामा वर्षस	নাই করেন না)	<b>33-वृम</b>	226	698
সেখা (আপ্তাৰ অভ্যাত পেশকারীদের কার্বকলাপদেবকো)	৯-জখন	38	900	দ্য করেন বা আল্লাহ				২-বাঙ্গরা	280	67.0
সেবা (আপ্তাৰ মানুহাৰ কান্ত-কৰ্ম দেখাৰো)	5-504		962	মই করেন না আল্লাহ				5-07037	250	620
लब (निरुद्ध काञ्चाद क्रांचन क्रिक्ट का /वस्कितान अन्त्र)	১৬-বাশ্বর		1605	মন্ত্ৰ করেন বা আল্লাহ				১২-ইউসুফ	30	670
লেবনে (অক্সাহত প্রকাশকারে লেবনের পরী, ক্রী ইনরসিক্রর)	8-9Pt		296	মট করেন যা আল্লাহ				ও-আলে ইমরান	1393	265
দেশনো অস্তাহ কর্মসমূহ পরিভাপঞ্জপে দেখাবেন	५-राकृत		675	নাম (আল্লাহর সুগর	র বাম স	ৰুহ, দেখুন প	রশিষ্ট-৫)			
সেয়া (আল্লাই ওয়ানুৰ স. যা সেন আতে সম্ভই থাকা)	৯-ভাওবা	43	686	নাম (সুপরতম নাম				৭-আ'রাফ	200	648
সেরা (আল্লাহ নমন্ত্রনতে রাজ্য নির্মেহদেন)	३-राष्ट्राद्वा	42b		নম (সুপরতম নাম				२०-छ-रा	r	483
সেরা (আপ্তার নমগ্রনতে প্রজাত নরেন্দ্রনেন) সেরা (আপ্তার মানুলকে প্রথপতি/দৃষ্টিপতি/অন্তর নিয়েছেন)	26-HET	95	900	নাম স্মরণ ও উচ্চার			( <u>a</u> )	२२-शक	49	960
নের (আপ্রার্থ মানুখনে প্রবদশকে)পুরুশকে/এরর নেরেবেশ) নের (আপ্রার্থ মা নিরেচন তার মাধ্যমে আবিরতের আবল ভাষার্থ)	২৮-বাসাস	33	P78	নম (পচ কুরবানীর				२२-शक	48	963
দের (ক্ষার্য বা সংহতেন তার মাধ্যম আকরতের আবল ভাষান) দের (ক্ষাই ইন্যাসিল কর্তক আল্লাহ্রতে প্রকাশে দেবর আকরত)	২-বাকারা	66	600	নাম (পচ কুরবানীর				२२-शक	05	965
দেখিয়েনে অন্তাহ বাসল স.কে (কাভিবসের সংখ্যা অন্ত)	হ-বাদকার ৮-আনকার	80	606	নাম (দিয়ান প্রসঙ্গে দ				৬-আনু আম	209	606
(भाव(इंदर्स चाह्यार वातृत न.एक (काक्यानव नएका चक्र) (आर्थन (चाह्यार आरथ्स मानुस्तर तककार्य)	৫৭-হাদীস	8	387	नम (गयनि ११) प्रवर्ष				৬-আন আন	20h	608
	৪১-ফুস্সিলাত	80	797	নাম (পড় ক্বাইছের				৬-আনু আম	225	909
সেখেন (আপ্তাহ সেখেন মানুব যে কান্ধ করে) সেখেন (আপ্তাহ মুমিনসের কৃতকর্ম সেখেন)	85-काट्ड	38	975	নৰ (অক্সহ জন্ত অন				১৬-নাহদ	226	939
সেবেন (আল্লাই মুমনসের কৃতকম সেবেন) সেবায়ে (আল্লাই যদি মুন্যবিষয়ের শান্তির বিস্কু বাসুল সংক্রে সেকা…)	১০-ইউনুস	86	605	ন্ম (অল্লাহ্য ন্ম উত্ত				৫-মারিদা	8	640
সেকালে (অপ্তাহ খন মুক্তাব্যক্তর শক্তর তিরু অনুসা নতে দেবন) সেকালো (আপ্তাহর সেকালো পথ অনুসারে করসালা)	৪-Sint	202		নাম (জাল্লাহর নাম '				৬-আন'আম	252	409
সেরাসে (নাল্লাব্র সেবাসে পথ অনুসারে করসালা) সেরা (পরীদ্যানকে আল্লাব্ বা দিরেছেন ভাতে ভারা উৎকুল্ল)	ত-আলে ইমরান			ন্ম (অল্লাহ্য ন্ম স				22-1796	80	969
দেৱা (পর্যাপনেরতে আল্লাহ বা দেরেছেন ভাতে ভারা ভংকুছা) দেৱা (সুদাইমানতে আল্লাহ ব দেরা বস্তু সাধাবাসীতে দেৱা		1,10		नार (जाहादर नाम				৬-জান আম	222	609
বন্ধর মেরে ভাল) বন্ধর মেরে ভাল)	২৭-নামপ	06	204	नम (प्रद्वाका नाटम, न				২৭-নামন	00	405
মুখ্য (মধ্য কল) মুখ্য (আল্লাহ সর্বন্ধায় ও সর্বশ্রোতা)	২২-হাজ	93	960	নামানো (বাস্পাস,				১৪-ইণশিবার	1	2029
মুখ্য (আক্সাহ সর্বপ্রান্ত ত সর্বপ্রান্ত)	8-निमा			गटर (पाहास्त गट				25- <u>8</u> @3&	po	678
মুষ্টা (আল্লাহ সৰপোতা ও সৰপোতা) মুষ্টা (আল্লাহ সৰ্বপোতা ও সৰপোতা)	3-MM	96	960	শহে (নুহার নৌকা				22-3H	87	660
মূর্য় (আল্লাহ নবস্থোজা ও সবস্থাজা) মাই (আল্লাহ নবস্থোজা ও সর্বন্ধায় মানন সৃষ্টি ও প্রনক্ষান প্র:)	৩১-সকমান	45		निविध्य (बाह्यह व				8-97	306	298
ন্তুর (অক্সাং নবলের ও সন্তুর,মানা সূত্র ও পুনরুবান তা.) ন্তুন (আক্সাং হিসাব এবলে প্রুক্ত)	৩১-পুকমান ৩-মালে ইমরান		803	নিকট জীব আল্লাহত				৮-আনফাল	22	608
দ্রুত (আল্লার বিশান ব্যবহার প্রত্যান (ক্ষান্ত প্রত্যাত বিশান ব্যবহার প্রত্যাত বিশান বিশ	১০-ইউনস	33	626	निवतेच्य कीर चाह				৮-আনফাল	66	609
দ্রুত কর (আল্লাহ কোশন অকাশনের ক্ষেত্রে প্রত তথ্য দ্রুত বিসাব প্রহণ করবেন আল্লাহ	৫-মাছিল	8	GNO.	নিদর্শন (ছারণ <b>জ</b> তিন				<u> </u>	68	693
মূলত বিশাব প্রথম করবেন আল্লাহ শ্রীনকে আল্লাহর জন্ম নির্দিষ্ট করে ভাঁকে আকার নির্দেশ	ত-নামদা ৪০-মুখিন	78	290	নিদর্শন (আসহারে ন				১৮-বাহক	39	930
য়নকে আপ্তাহর জন্য নামত করে তাকে ভাকার নামেশ বিন মেনজন দলে নাল অপ্তাহর বীনেপ্রবেশ, সাহায়াবিকর এলা।	১১০-নাসর	30	2000	নিদর্শন (আল্লাহর নি			করা খান কান্ধ)	80-मॉमन	00	2003
র্বন (মনুমের দলে দলে অক্সাহর বানে প্রথম, পাহন্য কলে। বীন (নিরবাছির বীন/আনগান্তা আল্লাহরই কলা)	390-HISM	63	909	নিদর্শন (আল্লাহর নি				80-मुमिन	00	244
दोन (नवनाक्षत्र दान/जानुगक) जाहादश्य सन्।) द्वीन विश्वकवारीयन विवयप्ति जाहादश निकी	১৩-শার্শ ৩-আন'ন্যাম	200		নিয়ৰ্গন (নিয়ৰ্গন মে				৬-আন'আম	203	808
দ্বীন (খাল্লারর দ্বীন প্রতিষ্ঠিত না হওয়া পর্যন্ত বছ)	২-বাকারা ২-বাকারা	790		विवर्णक्ष <b>व्यक्ता</b> स्य विवर्ण				২২-হাজ	45	965
ধান (আপ্লাহর ধান প্রাভাচত না হওয়া পথক বুদ্ধ) ধীন (সহনবারীয়া ধীনকে আপ্লাহর ক্ষত্য নির্দিষ্ট করে ভাকে)	३०-इंडेन्ट्र २-वाकाता	290	669	নিদর্শন (মাল্লাবর দি				৫-মারিদা	3	60.0
	৩-জালে ইমবা- ১০-ছঙনুস			নিদর্শন (আল্লাহর নি				২-বাকার	200	678
रीन (चाडारत रीन राज्यैक चना निन कारना)	৬-আনে হমরা- ৮-আনকাল	60	889	निर्मात ( <b>पद्धा</b> रत निर				३৯-व्यानवाद्य		654
বীন আপ্তাহর হরে যাওরা পর্যন্ত যুদ্ধ করার নির্দেশ				নিদর্শন আল্লাহরই নি				১৯-খানকাবত		P30
धनसंख्य (बागून न. এइ निक्ठे जाङ्गादर धनसंख्य ना बांका)	৬-আন্তাম	60	900	विसर्गन ( <b>पाहारत</b> (				80-मुमिन	P.7	PAG
ধনমান্তর (আকাশ-পৃথিবীর ধন-ভাগ্রর আল্লাহরই)	৬৩-মুনাকিকুন	9	366	নিদর্শন (এক ইট্রী ব				গ-আ,গার	90	679
ধনমাজর (আল্লাহর ধনমাজর নুহের কাছে ছিল না)	১১-বুদ	40)	999	নিদর্শন (এক ব্রা				८०-व्यक्तिया	02	203
ধন্য করেছেন মুমিনদেরকে ঈমানের দিকে পথপ্রদর্শন করে	৪৯-হর্গড	74		মিদর্শন (পোশার অ				व-आ,दाक	36	625
থনে রখেন অক্সহ অবলং পৃথিবীকে (যতে প্রকৃত ন হা)	৩৫-ফান্টির	82	9450	INNIA (GALAN A	419144	19979)		Law ala	140	1000

वाहाद वाहाद

আ	মান্তাহ	अशाह
· 中央 · 中央 / 中央 / 中央 / 中央 / 中央 / 中央 / 中央	10 a 10	The Sections of the section of the s

আ

DATE OF THE PROPERTY OF THE PR	- Contraction	100	2000	STATE OF THE PARTY	in solidation.	3500	2.30
অধ্যাহ (পূৰ্ব পূৰা দেকে)				দিবকা (অক্সাহ সর্ববন্ধুর জন্ম নির্দিষ্ট পরিমাণ নির্দানে করেছেন)	৬৫-ভালকে		269
নিচিয়ে নিরেছেন আল্লাহ (যুদ্ধের আঞ্চন বরবার ইহুনীরা)	৫-মারিলা	68	22.2	নিবেৰ কলে (আক্লাহ ব্যুক্ত কৰতে নিবেৰ কলে আনৰ সাবে বাব্ৰ)	५०-मूमसारिमा	>	243
নিয়ন্ত্ৰণ (আঞ্চাশ-পৃথিবীর সকল বিষয় আল্লাহ্ নিয়ন্ত্ৰণ করেন)	৩২-সঞ্ল	4	3.00	নিষেধ করেননি আক্লাহ সদায়ার (আনের সাথে বার)	৬০-মুমতাহিলা	ъ	3023
निराक्षित करा (अञ्चाद (नोचन अनरकमार्थ निराक्षित कडादान)	২২-হাজ	62	168	শিক্ষে (অক্সাহ অপ্তিশান/অসংকাঞ্জানীয়ালকা নিকের করেন)	১৬-নার্প	80	930
নিরোজিত করা (আল্লাহ সমুদ্রকে মানুবের কল্যাগে নিরোজিত	১৬-শাহল			নিছল করনে আল্লাহ (ফিরআউনের জানুকরদের জানু)	১০-ইউনুস	54	663
করে(ছন)	১৬-নাব্দ	78	908	নিয়েজিত করেছেন আল্লাহ সংক্রিক্তের (মানবক্সালে)	৩১-লুকমান	20	345
নিরেজিত করেছেন (সমুদ্রকে আল্লাহ মানুহের কল্যাণে	-			নিশ্চিক করা (আল্লাহ সূদকে নিশ্চিক করেন)	২-বাকারা	295	
निवाक्षिक कवावान)	৪৫-জছিয়া	25	906	নিরম-নীতি (আল্লাহর নিরম-নীতিতে কোন পরিবর্তন নেই)	৩৫-ফাডির	80	700
নিয়ন্ত্ৰক (আল্লাহ নিয়ন্ত্ৰক, সকল জীব-জন্ত্ৰৱ)	33- <b>द्</b> म	25	690	নিহম-নীতি (আল্লাহর নিছম-নীভিতে কোন ব্রশান্তর নেই)	৩৫-ফাউর	80	boo
নিয়ন্ত্ৰণ (সকল বিষয় অস্ত্ৰাহট নিয়ন্ত্ৰণ কৰেন)	১০-ইউনস	02	961	দিয়ে আসকো আপ্রার একা এক সম্প্রার (হরকার্যার প্রতা)	०-महिमा	48	ap.
দিরমাধীন করেছেন ( চন্দ্র ও সূর্বতে )	৩১-লুকমান	339	3-23	निता करना (क्षाहारों निता कामहान त्रिक्तार नांत्र नार का ताना)			
দিনির করা (অক্সাই যাকে ইছে) করা নারার জন্য নিনিষ্ট করেন)	২-বাকারা		655	ন্তে কৰা (ব্যৱহার নতে কানলে প্রাথকে শাস্ত্র, বৃং আ, প্রনার) নিয়ে কানা (ব্যৱহার বিশ্বামানে নিন সর্বাইকে নিয়ে আন্তরন)	১১-ছুদ	00	986
নির্মেশ সেন না আ <b>রা</b> হ অস্ত্রীল বাজের				দরে আগা (আল্লাহ কর্মকে চল স্ববহুকে দরে আসকো) নিরে আগা (আল্লাহ সর্যকে পর্ব দিক থেকে নিরে আসেন)	২-বাকুৰো	782	675
নিদেশ দেশ না আল্লাহ অপ্রাণ কাজের নিদেশ (মুগর জাতিকে গাড়ী জবাইরের জন্য অল্লাহর নিদেশ)	৭-আগ্রফ	59	926		২-ৰাকারা	568	000
	২-বাকুরা	69	600	নিকেপ করেছেন আল্লাহ (বনরবৃত্তে কংকর শিকেপ প্রসঙ্গ)	৮-আগকাল	24	600
নির্দেশ (যাবন অক্সাহর নির্দেশ আসল)	৪০-মুখিন	95	944	নীতি (আল্লাহর নীতিতে জেন পরিবর্তন পাওয়া যাবে না)	৪৮-কাত্য	20	>22
নিৰ্দেশ নিজেনে অস্তাহ রাসুল সংকে বিশ্বাস না করতে (ইছনীয়া বল)	০-আলে ইমর-	20.00	660	নেরামত (আল্লাহর নেরামত পরিবর্তন)	২-বাকারা	233	650
নির্দেশ সিরেছেন আল্লাহ (সম্পর্ক অকুল্ল রাখার জন্য)	১০-রা'দ	53	680	লোমত (অক্সাহর লোমত ও অনুহাহ পেরে শহীদর অলম্বিত)	৩-আলে ইমরান	595	665
নির্দেশ দিরেছেন আল্লাহ আন্তীরভার সম্পর্ক অভুগ্ন রামার	১০-রাপ	32	800	প্রোমত (কবিদ্য অক্সহর ন্যোমত হিনেও তা সহীকার করে)	১৬-নাংশ	50	908
দর্দেশ দিয়েছেন আল্লাহ অগ্রীল কাঞ্চের (ভারা বলে যারা)	৭-আগ্রাক	26	656	দেৱামত (আল্লাহ-নাসুদ স, এর আনুগত্যকারীর উপর			+
সির্বেশ (সাল্লাহর নির্বেশ নির্বারিত)	৩৩-আহ্বাৰ	Ob-	200	অব্যাহর দেরামান)	8-मिमा	63	600
নির্দেশ (অক্সক্তর নির্দেশ আনা পর্যন্ত ফুলফিবনেরতে প্রকারিত_)	११-शमीन	28	289	লোমত (বংব কি মানুদ আল্লাহ্য লোমতেঃ প্রতি অঞ্চলন হয় ()	২৯-আনকাবত	99	b-93
নিচাৰ (আহলে কিভাৰনের বাাপারে আলারে নিচাৰ)	२-राष्ट्रावा	209		লোমত (মানুলে কার বে লোমত অহে তা অ <b>ন্না</b> ধ্য পদ কেতে)	১৬-নাহল	20	900
নির্দেশ (আপ্রায়ে নির্দেশ কর্মকর হরের বাকে)	৩০-বাহনার ১০-বাহনার	908	proh 634	লেমান (মানুহার পারে গে পোরারত আরে তা আব্রাহার শব্দ (ব্যুক্ত)	৩০-সাহিত্		V83
निर्देश (प्राच्चारत निर्देश मध्या चारका स्टूबर बारक) निर्देश (प्राच्चारत निर्देश मध्या प्राप्ति अञ्चल)				CONTROL (AND POST OF THE CONTROL OF THE POST)	8-991 8-991		
	২-বাকুবো		242				260
নিৰ্দেশ (অক্সাহান নিৰ্দেশ আসংগই,এর জন্য ভাড়ছেড়ো করা ঠিক নর)	১৬-নার্গ	2	900	নেরমত (মুমিনদের প্রতি আল্লাহর নেরমত শ্বরণের নির্দেশ)	৩৩-আহ্বৰ		bros.
নিৰ্দেশ (আল্লাহর নিৰ্দেশ কাৰ্যকৰ্মী হয়েই থাকে)	8-બિગા	89	660	নেরমত (মৃদার সম্প্রদায়ের প্রতি অক্সাহর পেরমতকে স্কল্য)	১৪-ইবরাহীম	6	634
নির্দেশ (মন্ত্রায়ে নির্দেশ অসুদা স. এর ফারো কুরমান অবভীর্ণ)	২-বাকুরো	28	622	নেয়ামত (আল্লাহর নেয়ামত অরণ করতে বললেন মূসা আ,	৫-মারিদা	20	ore
নিৰ্দেশ (আল্লাহৰ নিৰ্দেশে রাসুক্ষ স.কে আনুগত্য)	৪-নিসা	68	295	সম্প্রকে)	4-414-11	-	1200
নিৰ্দেশ (আল্লাহৰ নিৰ্দেশেৰ সিকে ক্বিতে না আসা পৰ্যন্ত যুক্তের	৪৯-হত্ত্বাত			নেয়মত (মক্কাহ বার উপর নেয়মত ব্যৱহান, ব্যৱদা প্রদাস)	৩৩-আহ্যাৰ	90	8000
বাদেশ)	89-66वा०	,	950	নেয়ামত (আল্লাহ মানুহের প্রতি নেয়ামত পূর্ণ করেন)	১৬-বাহ্দ	9.7	203
নির্দেশ (অপ্তাহর নির্দেশ পর্যন্ত অপেকার নির্দেশ, অসেবকে বার)	৯-বাধবা	28	683	দেৱামত (আপ্লাহর দেৱামত অধীকার করার ক্ষুথ/উতি)	১৯-খহদ	222	934
নির্দেশ (আল্লাহর নির্দেশ/প্রাথন থেকে বন্ধাকারী নেই)	33 <del>-3</del> 9	80	666	নেরামত (আল্লাহর নেরামতে সমতে নৌখন চলাচল করে)	৩১-প্ৰমান	62	P-23
নির্চাপ (আপ্রায় নহকে যে দীনের নির্চাপ দিরেছিলেন)	৪২-শরা	20	793	লেয়খত (অল্লাহর লেয়খতের সংখ্য পণন বরে নির্বর করা হাবে ন)	১৬-নাহৰ	36	908
নিৰ্দেশ (আপ্তাহ ন্যায়বিচার/সদাচরব/দান করার নির্দেশ দেন)	১৬-নাহল	30	920	(নরামত (অল্লাহর নেরামতের কভেন্তর প্রকাশের নির্দেশ)	১৬-মাহৰ	228	934
দির্লেশ ( <b>অক্সা</b> র মুদা,পালা,বিধ্যাবীমকে যে বীক্ষর নির্লেশ কল)	৪২-শুরা	20	130	েরামত (অল্লাহর নেরামত শহল করার নির্দেশ, র্যামন্টনার প্রতি)	৫-মারিদা	22	ap.
निर्धान (अञ्चाद दुन्युनना दुन्याव प्रत्य क्रिक्ट क्रिक्ट क्रान्य क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रा	০২-বৃদ্ধা ২-বাকুরো	39	\$08	প্রেমার (অক্সার স্থানিক বল তার সচল, কুরুতার এক) প্রেমার (অক্সারর নেরামর অধীকার, রিমিক প্রদর)	১৬-নাহল	93	906
নির্দেশ আল্লাবরই (পর্বের ও পরের সব করসালা আল্লাবই)	६०-सम् १०-सम			লেয়ামত (আল্লাহর লেয়ামততে অবিশ্বাস, সামী-প্রী,	3/3-11/21	73	700
নির্দেশ আল্লাব্রহ (পূবের ও পরের দব কর্মালা আল্লাব্রহ) নির্দেশ (আল্লাব্র নির্দেশ মুমিন ও কাজিরর বিজ্ঞান বিজ্ঞান সম্পর্ক)		8	455	লোমত (অক্সাংর দেরমতকে আবস্থাস, বামা-রা, সন্ধান, রিহিত প্রস্তু	১৬-নাহৰ	92	900
	৬০-মুমভাহিন	30	959		_		1
নির্দেশ (অক্সাহর নির্দেশের কল হুটিত, তিন জনের বিদ্যা)	৯-জাওৰা	209	962	লোমত ,আল্লান্ড ( গণৰ কৰলে সংখ্য নিৰ্দিন্ত কৰা যবে ম)	১৪-ইবরাহীম	48	699
নির্দেশ (আল্লাকা নির্দেশন কাপানে বিশ্বরা ইকানীনের প্রীর প্রদাস)	22- <u>4</u> 8	90	69૨	লোমন (অক্সাহা লোমন সমুণ, মুমিনদের সঠিক পথ অবসংন)	৪৯-হত্ত্বাত		250
নির্দেশ (অক্সাহর নির্দেশ স্পট হল, সভ্য আসার লর, সুম্ব এসঙ্গ)	9-161041	8¥	68¢	নেরামত (অক্সাহর নেরামত শরণ করার আহ্বান)	৫-মারিনা	3	25.7
নিৰ্দেশ (আল্লাহৰ নিৰ্দেশকালে মূলবিকসের উপস্থিতি,	৬-আন'আম			লেয়ামত (আল্লাহর লেয়ামতকে অকৃতঞ্জতার হবা প্রতিস্থাপন)	১৪-ইবরাহীম	26	696
পুরুষ/ধানী পথ প্র.)	6-વાન્ વાગ	788	630	নেরামত (আল্লাহর নেরামত 'খবন করার নির্দেশ)	২-বাকারা	203	225
নিৰ্দেশ (আমানত ক্ষেত্ৰত নিতে আল্লাহত নিৰ্দেশ)	a-Sort	@V	e68	লোমত (অল্লাহন লোমডের জন্য ইবারীয় আ, কভজ ছিল)	১৯-নাহৰ	242	936
নিৰ্চাশ (আক্লাহ নিৰ্চাশ নিজেছেন মন/ মসজিল সমূলত ৰাগতে)	38-44	96	999	লেৱামত (অক্সাহন লেৱামতসহ মুমিনর বিধা আসল, উপ্রশ হৈছে)	৩-আলে ইমরান		003
निर्दान (स्वयद्वादमा (स्वदानाः) व्यक्तावन निर्दान प्रधानः करा ना)	৬৬-ভাররীম	6	390	(নরামত (আল্লাহর নেরামত শ্বরণ করার নির্দেশ)	৩-আলে ইমরান		086
निर्मन (पावबार्वाक पालव निर्मान प्रतिन)	১৬-শহল	23	900	নেয়ারত দান করেছেল আল্লাহ বাদের উপর	৫-মারিনা		59.0
নিৰ্দেশ (ভাৰামাজ আন্তাহৰ নিৰ্দেশ অবান) নিৰ্দেশ (ভাৰাম/উমত প্ৰসঙ্গে আন্তাহৰ নিৰ্দেশ অবাহীৰ্য)	১৬-শব্দ ১৫-ডালার	22	900	শের বর্ত পাল করেছেল আক্লাহ বাংলা ভপর শেরামত পাল করেছেল আক্লাহ নবীলের প্রতি	তু-মার্করাম ১৯-মার্করাম	₹0	906
নিৰ্দেশ (কেনোক/বৰণ অনুসংগ অনুসংগ নিৰ্দেশ অকলান) নিৰ্দেশ (কেনোক/বন্ধলান অনুসংগ নিৰ্দেশ অনুসংগ কৰে কৰে)	২১-অধিয়			নের বিত পাল করেছেল আল্লাহ করাকের প্রাত… নৈকটা (আল্লাহর কৈনটো লাভের উপায় হিসাবেরকার করি প্রথ…)	১৯-মারহরাম ৯-জাওবা		
দাসন (যেকেশত(বাসুলান অক্সাবন সভাল অনুসারে কাম করে) দির্মেশ (বাদার প্রতি অক্সাবন নির্মাণের ওর্তীসার বেকেশতা অবভীর্য)		ર્વ	982				950
	১৬-শব্দ	2	900	নৈজ্ঞী (অক্সহর নৈজ্ঞী দান করের উপাদ্য মুপরিকলের ধরনা)	৩৯-যুমার		৮৭১
निर्दान (विकासिक्सीदान मध्य गण्यन वचेन श्रमण वक्कारत निर्दाण)	৪-নিদা	25	252	নৈকটালাত (সিজনার মাধ্যমে আল্লাহর নৈকটালাভের নির্দেশ)	৯৬-জাপাক		2051
নিদর্শন(কুরবানীর পত স্বাস্তাহর অন্যতম নিদর্শন)	२१-शब्द	00	965	নাজনক (অক্সাহর করে নারসকত, কর্ণের মেরদ ঠিক কর)	২-বাকুৰো	२७२	208
নিদর্শনাবলি (আল্লাহর নিদর্শনাবলী অবিশ্বাস করে আহলে)	৩-আলে ইমরান	25	484	নারসকত (পালকপুরকে পিতৃপরিচরে ভাকা আল্লাহর কাছে	৩৩-আহ্যাব	0	
নির্ধারণ করেছেন স্বাস্থাহ মুসার সম্প্রদায়ের জন্য পরিত্র স্থাম	৫-মরিদা	42	\$5.0	নারসহত)	on-alfa4	ď	9.00
দিবলৈ (অপ্লাহর নির্বাল স্থান হফিল্লেকে আবাত করেনি)	৯-ডাব্বা	42	584	গছৰু কৰেন না আল্লাহ (উছত অহংকারীকে)	৫৭-হাদীদ	30	hệc
							650
স্থান (অক্সান সকল বড় মুক্তানে আত করে:) মির্বারণ (আক্সান মির্বারণ করেন রাভ ব নিমের পরিমাণ)	৭৩-যুব্বাধিল	30	29.2	পছন্দ করেন না আল্লাহ (ফ্যাসাদ পছন্দ করেন না আল্লাহ)	২-বাকুরা	300	

<del>१९</del> विद्या/क्षणक	मूर्व वर संत्रोप	Water in	ाकी ।	व विषय्/क्षमन मुना मर ७ मान	SEX *	100
	Ja 44 6 000	~10	SHELL.	র্থ (মুনাফিকরা মানুহকে আল্লাহর পথ থেকে বিরত রাখে) ৩৩-মুনাফিকুন	3	366
राम्राट् (पूर्व पृक्षे (परक)	५8-नव	22	298	থ প্রেরতির অনুসরণ আল্লাহর পথ থেকে বিচ্যুত করে) ৩৮-সেরাদ	26	500
পথ (অক্সাহর পথে কিছু না সেরার কলম করা নিয়েখ)	२.सपुरश	286	23V	ধ দিয়েশিকা (আল্লাহর পর্বনিয়াশিকাই প্রকৃত পর্বনির্দাশক) ২-বাকুরো	330	238
গধ (জন্তাহন পথে যুদ্ধ করতে চাইল বনী ইসরাইলরা)	০-আলে ইমরান		209	ৰ (আল্লাহর পথ থেকে বিরত রাখে,আবিরাকে অবিশ্বাসী) ১১-বৃদ	25	66
নধ (অক্সাহন পথে যুদ্ধ করছিল মুমিনদের দল, বনর যুদ্ধে)	७-जारम अ-जारम	90	680	ব (আল্লাহর পথ বেকে বিবত রাখত জালিমরা) ৭-আ'রাফ	84	63.5
ণ্ধ (অস্ত্রাহর পথ থেকে বিরত রাখে মুশরিকগণ)	৬-আন্তাল ১-আন্তাল	06	500	थं (पुणिनता प्रक्रास्त शरूप नत स्टा या प्रक्रार जस शूटापुरि) ४-चानसम	60	6:00
গধ (আল্লাহন পথ থেকে বিৱত রাখতে ধন-সম্পদ বায়) পথ (আল্লাহন পথ থেকে বিৱত রাখে যারা)	৮-আনফাল ১-আনফাল	84	906	থ (অক্সাহর পথে ব্যব না করা প্রসলে জিজাসা) ৫ ৭-হাসীদ	30	583
		90	930	ম (অক্সাহর পাল ধার ল করে প্রশিক্তা সময় করে যার) ১-ভাওবা	56	280
পথ (আল্লাহর পথ থেকে বিরত রাখার শক্তি)	১৬-নাতৃদ		130	থ (আল্লাহর পথে ব্যৱের উপমা, শসাদানার মত) ২-বাকুারা	263	00
পথ (আল্লাহর পথ থেকে বিচ্চাতদের জন্য কঠিন শান্তি)	৩৮-মেরাদ	259		খ (অল্লাহর পথে যাকাত ব্যয়) ১-ভাওবা	90	08
পথ (আল্লাহর পথ থেকে বিরত রাখা অধিক গুরুতর)	২-বাকারা		448	ল (আপ্তাহন পথে কৃত্ব ও বনী ইনরাইল প্রসঙ্গ) ২-বাত্বারা	385	231
পধ (অক্সহর পদ থেকে বিরত রাখে যারা ভালের কর্ম নিয়ন্স)	৪৭-মুখ্যাদাদ	>	275	ব (আপ্লাহর পরে মুক্ত ত বলা হলতারণ লগের) ব (আপ্লাহর পরে মুক্ত বরে মুক্তিনানর এক দল, রাঠ্য জগরন প্রদাস । ৭০-মুখ্যাবিশ	30	29.
পৰ (আল্লাহর পদ থেকে বিচ্নাত করতে চিন্নবিনোনন্দলক কবা কব)	৩১-পুকমান	6	৮২৭	ব (আল্লাহর পথে যুদ্ধ করা, অসহার নর-নারী-শিকর জন্য) ৪-নিসা	7.0	00
পথ (আক্লাহর পথ থেকে এটা কথান উদেশ্যে আক্লাহ সম্পর্কে বিকর্ম)	55-5last	9	96.9		588	65
পথ (আক্সাহর পথ থেকে মানুখকে বিশ্বত রাখে কাফিররা)	৪৭-মুহাত্মাণ	05	256		777	62
পৰ (অক্সাহর পথ থেকে লোকচনকে নিবত রাগে পভিত ও)	১-ডাওবা	48	680	থ (আল্লাহর পথে বৃদ্ধ করে মুদিনরা) ৯-ভাওবা		
পথ (অক্সাহর পথ হতে বিরত রাখা, ত'আইবের দাওয়াত প্রসঙ্গ)	৭-আ'রাফ	9.9	950	থ (আচাহর পথে বৃদ্ধ, কফিরলের বিব্রুছে) ২-বার্লরা	290	22
পথ (আল্লাহর পথে অবক্বদ্ধ ফর্কীরকে দান করা প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	290		থ (সাল্লাবে পথে বৃদ্ধ কর, মুনাফিকলেকে বলা হরেছিল) ৩-সালে ইমরন		
পং (অপ্তাহর গমে অপতিত বিশাস ইনকা হার্নি নদী খ)	৩-আলে ইমরা			থ (অল্লাহর পথে দৃদ্ধে নিহত বা বিশ্বরী ব্যক্তির প্রতিদান) ৪-নিসা	48	60
পথ (সাল্লাহর পথে বিহানকারীয়া দয়া প্রভাগা করে)	২-বাকুারা	535	658	ल (जहारूस १९६१ नफस्मारा (वर्षे मानाम निता 'बुसिन मर्व' वना शतम)   8-मिना	98	25
পৰ (আল্লাহর পৰে জিহান, জীবন ও ধন-সম্পদ সিবে)	৯-জাধৰা	50	684	াথ প্রদর্শন করেন জাল্লাহ তবি আলোর নিকে (বাকে ইজা) ২৪-মূর	0.5	99
नथ (जाह्याच्य नदथ बिस्तुन जनगरूम क्टबन, जारमद यावा)	৯-জগুৰা	42	৬৪৮	ার প্রদর্শন করেন আল্পাছ অনেরকে দারা অনুগামী হয় ৫-মার্রিনা	2/6	26
न्द (प्रक्राव्ड ग्दर बिखुरन्द नमान गत्र मनबिदन दोडास्तर पार्यान)	৯-ভারবা	29	687	ার প্রদর্শন করবেন না আল্লার (পাপায়রী মুনাফিকদের) ৬৩-মুনাফিকুন	9	9.9
পং (অক্সাহর পথে মিহান করেছে যারা, ধন-সম্পদ ও জীবন নিরো)	৮-जानकान	92	609	थ (प्रह्मादर नाम दिसराजनवीरमा प्रेयुन्हें विविक मान करा बदय) 🛮 २२-राष्ट्र	C.A.	98
ণৰ (আল্লাহর পথে জিবাদ করেছে যে সৰ ঈমানদার)	५-जामकान	9,8	609	প্রনির্দেশ (আল্লাইই মানুদ্ধকে সহাত্যর দিকে পরিচালিক করেন) ১০-ইউনুস	66	62
পর নির্চাপ (অক্সহর পর্যনির্চাপ ছাল্ল গ্রেপ্তির অনুসরণ করে যে)	২৮-কাসাস	60	P25	বিন্দিশনা (আল্লাহর পর্যনির্দেশনা হারা সঠিকপথ প্রদর্শন)   ৬-আন্ আম	99	90
নথ দেখানো (আল্লাহর গরে কে সঠিক পথ দেখাবে?)	৪৫-ভাছিয়া	20	hob	প্ৰনিৰ্দেশৰ (অক্সাংব পথনিৰ্দেশিকাই সক্ষিকার পথনিৰ্দেশিকা) ৩-আগে ইমরা-	90	28
লথ দেখানো (ইবরাহীমকে আল্লাহ সঠিক লখ দেখাবেন)	৪৩-বৃধক্ত	29	294	গ্ৰনিদেশিকা (কুরআন আল্লাহর পথনিদেশিকা) ৩৯-যুমার	20	7.
পথ (দুনিৱার জীবন বিক্রিকারী অক্সাহর পথে যুদ্ধ করে)	8-मिना	98	260	ব্যাহাদর্শক দেই তার বাকে আক্লাহ পরবার করেন ৩৯-নুমার	20	70
পথ থেকে বিশ্বত বাধা মানুহকে (আল্লাহ ক্ষমা করবেন)	৪৭-ম্বান্দ্রদ	68	254	প্রায়দর্শন (অক্সাহ সর্ভিরূপন প্রদর্শন করার ভার প্রেষ্ঠার থোকা) ২২-হাচ্চ	७९	96
गर (स्थापन गर्म दिस्तवर मा कहा गर्पत्र पुगविन्दराज रहारू गरा)	৪-নিসা	bh	665	প্রদর্শন (আল্লাহ সঠিকপথ প্রদর্শনের পরও বিপথে) ৩-আশ্ আম	42	80
পথ (আপ্লাহৰ প্ৰদৰ্শিত পথাই সঠিক পথ)	৬-আন'আম	93	603	পে প্রাক্ত (অল্প্রাহ মুক্তিবসের বিরুদ্ধে কর্মিবসের পথ রাম্বেলি) ৪-নিসা	282	6.0
পথ (ব্ৰকৃতিৰ মানুষকে সম্ভাৱৰ পৰ সেকে বিৱত জবাহ পৰিবাম)	8-निश	200	099	१९९५मर्थन (प्राह्मारः वेदान सः चानाम चा <u>ना</u> १८४०म् (नचन स) ३५-गर्ग	208	9.5
नद ( <b>प्रशा</b> द्य गुरू विद्युक्तवेद गमन गह, गरून चाम दुमिन)	8-निश	20	000	প্রস্তুসর্নন ( <b>অপ্তা</b> হ ই <b>য়ে</b> করলে সর্বাহরে সচিবলও প্রদর্শন করতেনঃ) ১৬-শাহুশ	ъ	90
नद ( <b>प्राप्ता</b> त नृत्यं क्रियान करता द्वारे मन्तुनात, पाठकारण)	৫-মারিনা	98	029	প্রপ্রদর্শন (আস্তাহ কর্ডেকে কর্ডেকে পথ প্রদর্শন করেন) ১৬-নাব্দ	05	90
পথ (আস্থাবর পথে জিবাদ উরদ)	<b>क-ग्राववा</b>	185	688	প্রত্যবর্গন (আল্লাহ অফিরনেরকে পথ প্রদর্শন করেন না) ১৬-নাহল	309	9.5
পথ (আপ্তাহর পথে জিবাদ করা)	७५-शक्ष	33	166	গ্রপ্রদর্শন (আল্লাহ কাফিরদেরকে পথ প্রদর্শন করেন না) ২-বাকুরো	268	20
পৰ (অক্সাহর পথে জিবাদের নির্দেশ)	ए-प्राविभा	02	978	१९७२मेन ( <b>अक्राद समि</b> र সংস্ <mark>ञाहत १९४७मर्नन २८०१ म) ७-वान् वाम</mark>	788	83
नव ) प्राकृतिक नाइव कीवन से मन्त्रम निव्य विकास करता शक्त व वृत्रिनाती)	৪৯-হত্ত্বাত	20	257	গৰপ্ৰদৰ্শন (আল্লাহ বাকে পথ প্ৰদৰ্শন কৰেন সেই পথ পান্ন) ৭-আ'রাফ	292	64
পথ (আল্লাহা পথে কৃষর, দ্রবন্ধি ও কুথা স্পর্শ বতা মুদ্দিনকরেন)	<b>5-कावबा</b>	330		কলুদর্শন ( <b>অক্সাহ যাকে পর প্রদর্শন করেন সে সঠিকপর প্রায়</b> ) ১৭-ইস্রা	39	9.3
পথ (আল্লাহর পথে নিব্তদেরকে মৃত বদা নিবেধ)	३-शकाबा	268		পথপ্রদর্শন করেন না আল্লার (জালিম সম্প্রদানকে) ৩-আলে ইমরা	64	28
गर्थ ( <b>व्यक्ता</b> र गर्थ निरुक स्तृत व्यक्तास्त्र कथा व गरा गरेत)	৩-আপে ইমরা			গৰপ্ৰদৰ্শন কৰেন না আল্লাহ (কাফিব সম্প্ৰনায়কে) ৫-মারিনা	69	20
नव (आक्रास्त नार्य मार्थ स्ता आक्रास्त क्या व नाम नार्य) भव (आक्रास्त भरंग भविशाना करवन वान्त न.)	82-78	00	596	ব্যপ্তস্থান করেন না আল্লাহ (জালিম সম্প্রদায়কে) ২৮-আসাস	20	6.5
পথ (আস্কার্যর পথে বের হওরার নির্দেশ, ঈমানদারলের বাঠি)	৯-জধ্য	69		প্রপ্রদর্শন করেন না আল্লার (জালিম সম্প্রদারকে) ৩১-সাক্ত্	9	26
পথ (আল্লাহর পথে ব্যৱ করা)	३-शक्स	795		পঞ্জুদর্শন করেন না আল্লাহ (পাপাচারী সম্প্রদারকে) ৬১-সাক্ষক	8	24
পথ (আপ্লাহর পথে ব্যৱ করতে কাপণ্য করে মানুষ)	8९-ग्रहामान	200	974	লবস্তুলনি (মুমিসের ফুলাকে অক্সাহ গঠিক পব প্রদর্শন করেন) ও৪-আগাডুন	33	345
পথ (আস্ত্রাহর পথে ব্যব্ধ করতে কাপন্য করে মানুথ) পথ (আস্ত্রাহর পথে সম্পদ ব্যৱের পর বেঁটা না দেয়া)	३-राइस्स	202		পথ্যসৰ্পন করবে না আল্লাহ জালিম সম্প্রদারকে	63	20
পথ (আস্ক্রাহর পথে সম্পদ বারোর পর খোল না দেরা) পথ (আস্ক্রাহর পথে বিভারত করুল পুলিয়তে অসুবাহুল ও প্রচুর্য পথে)		200		পথপ্ৰদৰ্শন করলে অহছাবীদেৱকে ভাৱা পথপ্ৰদৰ্শন করত: ১৪-ইবরাহীয	43	68
	২২-হাজ	360	980	পথপ্ৰদৰ্শন কৰেন না আল্লাহ (জালিম সম্প্ৰাণৰকে) ৬২-বৃদু আ	0	80
পৰ (আল্লাহৰ পথ থেকে বিবত বাধায় বন্ধণানায়ক শান্তি)	৩-আলে ইমর		686	পথেত্র করা (আল্লাহ বাবে পথাত্র করেন তথা বান পণ নেই) ৪-নিসা	280	
পৰ (আল্লাহর পৰ থেকে বিরত রাধ্যে আহলে কিবাবরা)		86	477	लक्षत्रे कहा (प्रक्रुव्य प्रदेश नवस्त्रे कदान कर बन्द नव शहरन) 8-मिना	300	60
পৰ (আল্লাহর পথ থেকে বিয়ত বাধার কারণে মন্দ পরিণতি)	১৬-বাহ্দ ৬-আন'আম	226		পথটো করা (অক্সাহ বাকে পথটো করেন তার পথ এদর্শক দেই) ৭-আ'রাফ	29/6	
পর (অধিয়ারেশর অনুশার করলে নবী অক্সাহর পঞ্চাত হতেন)				পথন্ত করা (অস্তাহ যাকে পথনা করণে তাকে সচিকপথ) ৩০-রম	33	b
পথ (আল্লাহর পথে নিহুখনের কর্ম নিক্ষশ ব্যব না)	৪৭-মুহাম্বন	8	975	পথ্যত্ত করা (আল্লাহ থাকে পথ্যত্ত করণে থাকে গতকপথ) ৩০-রম পথ্যত্ত করা (আল্লাহ বাকে পথ্যত্ত করেন থাকে পথ প্রদর্শন) । ৪-নিসা	70	4
পথ (নবীকে আল্লাহর পথে বৃদ্ধ করার নির্দেশ)	8-मिना	b/8			29	8
পথ (মনুষকে আল্লাহর পথ থেকে বিভত রেগেছে, মুনানিকরা)	৫৮-মুন্ধানালা	2/6	968		63	18
পথ (যারা আল্লাহর পথ থেকে বিরভ রাখে তারা পথন্ট)	১৪-ইবরাহীম	0	990		00	- b
পথ (ঘরা আল্লাহর পথ থেকে বিরত রাবে তারা পথন্ট)	8-मिना	265		পথন্তই করেন আল্লাহ থাকে ভার কোন পথনাদর্শক নেই ৩৯-মুমার		
পথ (মুমিনরা আল্লাহর পথে ফুছ করে)	8-मिमा	98	669	পথন্তট করেন আল্লাহ দীয়ালজনকারী ও সংশংবাদীদেরকে   ৪০-মূখিন	<b>GB</b>	6/1

আ			sne
नव विवयं/करक	<b>强张**</b>	1221 1	B
আল্লাহ (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)			Г
পথমন্ত্রী করা (আল্লাহ পথমন্ত্রী করলে রাস্কা স. পথায়নর্থন করতে পারেনা)	১৬-সংশ	09	90

মা			হালুহ
THE RESIDENCE	30 B + 25	Service .	126
আল্লাহ (পূৰ্ব পৃষ্ঠা কেতে)	Contraction of	920	30450
পথেষ্ট করা (আল্লাহ পথন্ট করণে রাসুল স, পথলাদর্শন	+	$\leftarrow$	
ন্তবাত তথা (আছাৰ নত্ত্ৰত কালে বাৰ্ণ ব, নতাল্যন কৰতে পাৰোৱা)	১৬-লব্দ	09	906
পথার করা (অক্সাহ পথার বহুলে যাকে তার পথারদর্শক দেই)	১০-র'দ	00	697
প্ৰতিষ্ঠ কৰেন অক্সাহ (জালিমদেৰ)	১৪-ইবরাবীম	29	696
পথারী করেন না আল্লাহ কোন সম্রানারকে পথানার্শনের পর	30-44914 3-81631		
পরের করা (মতে অক্সার পরের বরেন ভার বেনা পর্বাচনিক নিই)		276	965
পতে পথা (খলে পদ্ধার পরত বরেল বর বেল পর্যাপন নের) পরে (সাক্রাহর পরে নিহতলেরকে মৃত মনে করা নিয়েখ)	8०-मृथिन	00	סעע
THE CHIEFE THE PRESTREE HE AND ARE INCHES	৩-সালে ইমন্ত	269	265
পাঠিরেছেন (সম্ভাব মানুবকৈ রাসূল দ, হিসেবে পাঠিরেছেনা: কবিদ্যালর বিশার)	১৭-ইস্রা	38	122
প্ৰিত্ৰতা বোৰণা(য়তেৰ দীৰ্ঘ সময় প্ৰতিশালকের পৰিত্ৰতা ঘোষণা)	৭৯-দাহর	₹6	336
পৰিত্ৰ (আল্লাহ পৰিত্ৰ)	১২-ইউসুফ	309	609
পিত্র (আল্লাহ পবিত্র)	৫৯-বাশর	30	329
পৰিত্ৰ (আল্লাহ পৰিত্ৰ, এটি এক গুকুতর অপৰাস)	५8-मृद	36	998
ানির (আল্লাহ পৰিত্র ও শরীক থাকার উত্তর্ল,)	১০-ইউনুস	35	966
বিত্র (অপ্তাহ পৰিত্র ও পরীক বেকে উপ্লে)	২৮-কাসাস	bir	278
নিত্র (মাল্লার পরিত্র, সন্তান গ্রহণ ও শরীক থেকে)	২০-মুখিনুন		993
বিত্র (আল্লাহ পরির সন্তান রহণ ও পরক বেকে)		97	
	১০-ইউনুস	99.	660
প্ৰিম সম্ভাহর পৰিবান ঘোষণা করে (আকাপ-পূর্ববীর সংট)	৬২-জুদু'জা	7	362
বির (আল্লাহ সকল অপনাদ থেকে পরির)	৩৭-সাক্ষাত	262	3498
বিত্র (আয়াহ সম্ভান প্রহণ থেকে পবিত্র)	২১-আধিরা	26	442
বিত্ৰ (এক ও পৰক্ৰমশালী ৰাল্লাহ ৰভি পৰিত্ৰ)	৩৯-বৃদরে	8	542
বিত্ৰ (স্বগতের প্রতিশালক আল্লাহ পরিত্র)	২৭-নামল	ь	500
ৰ্ষিত্ৰ (জান্তাভীনেৰ শেষ বৰুব্য, 'হে আল্লাহা কুমি পৰিত্ৰ')	১০-ইউনুস	20	956
বিত্র করতে চানলি আল্লাহ বাদের হুদক্ত	৫-মরিনা	82	¢r¢
বিত্র করা (আল্লাহ বাকে ইচ্ছা পরিত্র করেন)	8-मिमा	85	260
নিত্র (মনুদ যা শরীক করে তা খেকে অক্সাহ পরিত্র ও অনেক উর্জো)	১৬-নাজ্প	۵.	900
নিত্র (মুশরিকলো শিয়ক থেকে আরশের অধিপতি আল্পার পরিত্র)	२३-व्यक्ति	44	962
বিত্র (মুশরিকরা বা বঙ্গে/সঞ্জান গ্রহণ থেকে আল্লাহ পবিত্র)	৪৩-যুধকক	100	202
নিত্র (মুপরিকরা বা পরীক করে ডাঁ হতে আল্লাহ পরিত্র)	१२-वृत	80	606
ন্দিরর সেখনা (আনবেশ্ব সমই অস্ক্রাহন পরিনার বোদনা করে)	७२-इप्या	3	365
বিত্রতা থেকা (মাল্লাহর পব্দিত্তা থেকা করে আকাশ পুর্ববীর)	৫৭-হাদীদ	3	387
নিহত্ত গোলা (অধ্যাপর সংই অল্পাহর পরিত্যর হোকা করে)	৬৪-সাগাবুন	3	300
নিয়েল (স্বাস্থান পরিকল ঘোষণা করছে, আকাপ পৃথিবীয় সংক্রিয়)	२८-लग	85	995
পিরার (সম্ভাবে পরিবর কলির নিদেশ, বিকারে ও সকলে)			
	00-RX	7.4	950
বিজন (সম্ভাহন পৰিবান ঘেষণা করে দাত অকাশ, পুনিশী ৫)	১৭-ইস্বা	88	47.4
বিরুল (অক্সাহা পরিরল বোদনা করে অবংশ-পৃথিবীর সংক্রিছ)	৬১-সাফ্ফ	,	990
বিয়াল (সঞ্জাহন পরিয়াল ঘোষণা করে আমাশ-পৃথিবীর সমক্ষিত্র)	৫৯-ব্যশ্ব	>	966
রিনাম আক্লাহর নিকে (সকল কান্দের পরিপাম)	৩১-পুৰুমান	**	454
রিণাম আল্লাহর নিকট (সকল কাজের পরিণাম)	२२- <b>राज्य</b>	83	962
রম কমাশীল আল্লাহ	৩৮-সেরান	66	404
বিচালনা (আল্লাহ সকল বিষয় পরিচালনা করেন)	১০-ইউনুস	0	028
বিচালনা (অক্সাহ মেম পরিচালনা করেন)	२८-मृद	80	995
রাজনকর (আরহ মুখননেরত সক্তা-সঠিব পরে পরিজনকর)	२२-राष्ट्र	48	960
বিচলিত করা (মন্ত্রাহ বালে হৈছে সঠিক পরে পরিচলিত অন্তল)	১০-ইউনুস	3.0	956
মিবর্তে ( <b>অপ্র</b> হর পরিবর্তে গ্রহণ করা ইপাহনের অসরতা প্রসঙ্গ)	৪৬-আহ্তাফ	২৮	970
বিবর্তে (আল্লাহর পরিবর্তে যাদেরকে ভাকা হর)	৩৫-ফাভির	80	783
বিবর্তন করে দিবেন আল্লাহ পাপকে পুন্য দারা	२१-कृषकाम	90	929
विर्दर्भ भरतम् म प्रक्राद (राजन मण्डानरका काळ् य प्राट्स स)	30-81F	22	6943
क्षर्यकारी भा चक्कार रक्षा (न्वामरका या नान करवा)ना	৮-জানকাশ	60	609
জ্যিলিত (অস্তাহ বাকে ইছে) তার নিকে পরিচালিত করেন)			
জ্যালত (অক্সাং বাতে হছে ভার দেকে পারচালত করেন) জ্যালিত করেন আক্সাং বাতে ইড্রা (সাল-সঠিক পশ্বে)	৪২-পূর্বা	70	2616
	২-বাৰুৰো	570	8,59
বিচালিত করেন আস্তাহ দঠিক পথে (যাকে ইচ্ছা)	<b>२8-मृद</b>	86	493
বিভদ্ধ করবেন আল্লাহ্ মুমিনদেরকে		787	482
বিতত্ব করেন আস্থাই (যাকে ইজা)	२८-नृत	52	992
রংকীন করে আছেন আল্লাহ কাভিরনেরকে (পেছল খেকে)	৮৫-বৃত্তম		9500
রবেরণ করে আছেন আল্লাহ (কাক্টিরনের কঞ্চে)	৩-আলে ইমরন	250	¢89

বারার পরিবেটন করে হেখেছেল আল্লার (আরও বছসভ্র সং 85-9750 পরিবেটন জোল্লাহ কাকিবদেরকে পরিবেটন করে রাখেন। ১-ধারুধো 3h 200 পরিবৌদ (মারার মান হরা সংক্রিকে পরিবৌদ বরে মরোন ৬৫-ভালাক 25 999 পরিবরেউনকরী (আল্লাহ পরিবেউনকারী, তাসের কান্ধ হার b\_STable 909 বিবত বাবে...) 8. Box 205 493 পরিবেটনকারী (আল্লাহ নবকিছকে পরিবেটন করে আছেন) 8,900 326 692 পরীকা (মমিন্যানয়ক আল্লাহর পরীকা, শিকার প্রসঙ্গ) ० समित्रा 38 034 পরীক্ষা শেপথের মাধ্যমে আছার মান্যকে পরীক্ষা করেন। **১/৩-নার্শ** 930 পরীকা করে নিয়েছেন অস্ত্রাহ হয়িনসের অস্তর (ভারওয়ার ৪৯-হত্তার 200 क्या) পঠাকা কলের পাতে আবার রাক্ত সা আন ৩-আলে ইম্বান ১৫৪ ৩৫৩ পরীকা করবেন জন্মার তাসত বাহিনীকে এক নহার ২-বাকুৰে **485** 648 পর্যবেক্তর (আল্লাহ সর্বভিত্তর উপর পর্যবেক্তর) ৩০-মাহযাৰ ez পর্ববেক্ষক (আজার মানহের উপর পর্ববেক্ষর) s.Cox প্রকার (আরহ করের কন্মের বাপরে প্রকার করেন ন) ০-মারিদ 233 প্ৰকাশ (অকার প্রকাশ সামান্ত পর্বর্থী বন ছাবিলে) ৪০-র'মিন ১৭৯ পাকমার (আলাহ বির'আ উন সম্প্রনারকে পাকমার করেন) 80-2400 8hr PROPERTY AND MARKET AND ADDRESS AND ADDRES ২-ব্যক্রা 220 020 পাকভাও করকেন আলাহ ভিত্তাইনকে (উচ্চাল,প্রকার ৭৯-নাথি খাত 30 2008 गक्तिरह) পক্ষাও করেছিলেন আল্লয় অপরসের কারণে (কিন্তাইন প্রশাস) h-কানকার 23 609 গালা (মুমিনো তল কলে প্রতিদদ স্কল্পার করে পরে ২-বাকার পানি অবকীর্গকারী আসার ১৯,আনকাবম 40 457 পাকভাও নিয় আ, ও অন্যান্য সম্প্রদারকে আপ্রাক্তর পাকভাও) 80-मृदिन a 292 পাওৱা (আল্লাহকে কাভিতরা ভালের কাঞ্চের নিকট পাবে ১৪.নব 25 992 পর্কম (মাল্রাহ ও রাজুল স, এর মহের পর্কমর ও কুকরী প্রসাস) e.Son 200 09b नोटा । क्रमार श्रेकी सर नोटान, प्रस्तार लानन करा अन्त्र ০-মাজিদা @) @W8 Pillica Picca and Matter (Base Afficiency marks) an al'elfer 87 পরোপরি দিবেন আল্লার (প্রভাকের প্রাপ্য প্রচিক্তর) 38,मठ 20 996 प्राचीरन गांन प्राक्षार किछात कारतनः (छ्वाडे प्रा. वर तत्र) 3. State 305 205 প্রকার (অক্সার মতার্কিলেরক গ্রেমনে পরভার করেন ক্ষমার প্রকার 34.272 **63 90¢** পুরকার, আল্লাহর কাছ থেকে (ইমান ও তাকওয়ার জন্য ২-বাকার 200 023 পরকার (আল্লাহর নিকট ব্যক্তে উল্লেখনের) ৩-আলে ইমরাল ১৯৫ | ৫৫৫ পরভার (আছাত্ত নিকট খেকে প্রভার, কমা ও স্থান্তার) ৩-আলে ইমরান ১৯৫ ৩৫৫ পরস্থার (মাজারর পরস্কার উল্ল ১৮-সামাস 50 pys প্রভার (সংকর্মপ্রায়ণুমের্কে প্রভারমরপ জান্তার প্রদান) ৫-মারিদা প্ৰকৃতিত কৰাৰৰ যা জন্মায় (মানত জিলামত ভাৱনা) 93.86 646 পুনকবিত করবেন বেদিন আল্লাহ সরাইকে সেনিন ৫৮-মকাদাল্য পুনক্ষিত করা (আল্লাহ মৃতদেয়কে পুনক্ষাধিত করাবেন) ৬-আগ'আম 662 প্ৰকৃষিত করা করেবাসীলের আল্লার প্ৰকৃষিত করকেন 22-27 925 প্ৰকৃতিত করা (কাফির বলে,আল্লাহ মত্যুর পর পুনকৃতিত ১৬-নাংশ es. 906 Garne et পত্ৰা (আলাচৰ পত্ৰ উত্তিৰ উচনীতা কলা) >.904821 GO 680 পুত্র! (অল্লাহর পুত্র বলে নাসারারা মাসীরকে) 5-27637 100 680 পুত্র (আক্লাহর পুত্র বলে নিজেদেরকে, ইন্ট্রনী ও দাসারারা ৫-মারিদা ø'ro পুনাসার করকে আলাহা So. Bank 629 পুনক্ষিত কংকে অস্থাহ (অস্থাহ স্বাইকে পুনক্ষিত ৫৮-মুবাদালা 3-28 कारण विद्या असाराज्यस्य कता प्राकास्य दिस्तो स्र प्राप्त पर सेक्स ৩-আলে ইমরান ১৯৮ **१**र्थ-१६प २४ चाचावटो २-वाङ्गबा 224 670 পৰ্য কৰাক আহাহ বাব আৰু (যদিও কড়িয়া অপক্ৰম কৰে) ৬১-সাক্ষ 200

পৰ্ব কৰা (আলাত মাত উপত সভাসাৱাকীৰ আৰু পৰ্ব আলাল

পৰ্ববাহী ভোলাহয়। দেয়ে অধিক অলীকাং পৰ্বকাৰী কে।

পৃথিবী আল্লাহরই (মদার সম্প্রদারের সাহায্য প্রার্থনা প্রসঙ্গ)

পৰ্ণ নটিবান (আল্লাছ বান্দাদের ব্যাপারে পূর্ণ নটিবান)

MES SECRE SING SWINGER MINING HERS

Avo. Statute

3.3763 222 665

৩৫-ছবিব

by Michigan 99 600

৭-ছো'বাফ 326 650

मण दिसङ्खानम	नुष्ठा तर थ नाम	450.4	-fật	শব্দ বিষয়/প্ৰস্থ সূত্ৰ বং ও নাম	444	12
আল্লাহ (পূৰ্ব পূৰ্বা শেকে)				जून (ना a.)		L
পৃথিবী (সংকর্মশীল মুক্তাকীদের জন্য আল্লাহর পৃথিবী প্রশস্ত)	৩৯-বুমার	30	৮৭২	প্রতাপশালী (আল্লাহ মহাপ্রজাখন ও মহাপ্রভাপশালী) ৬২-স্কুমু জা	0	700
পৃথিবী (আল্লাহর পৃথিবী কি প্রশস্ত ছিলনাঃ হিজনত প্রসঙ্গ)	8-निमा	39	460	প্রতাপনালী (আল্লাহ মহাপ্রতাপনালী) ৩৪-সাবা	29	1/8
পুথিবী-আকাশের অধিগতি আল্লাহ বরকতমন্ত্র	80-पृथक्ष	74	507	প্রভাগনালী (আল্লাহ মহাপতিখন ও মহাপ্রতাপনালী) ২২-ফক্ষ	80	96
পৃথিবীর সববিস্কু আল্লাহর	২২-যাজ	98	968	প্রফাপশালী (আল্লাহ্ মহাপ্রফাপশালী ও মহাপ্রফাবান) ৫-মারিদা	99	694
পৃথিবীর সবকিছু আল্লাহরই(ডিনি অভাবমুক্ত ও প্রশংসনীয়)	৩১-লুকমান	રહ	8,50	প্রতাপশালী (আল্লাহ মহাপ্রজাবনে ও মহাপ্রভাগশালী) ৬৪-তাগাবুন	22	১৬
পেশ করা (আল্লাহ পেশ করেছেন, এক/অনেক প্রস্কুর অধীন				প্রয়াপশালী অস্ত্রাহর পরিরায় ঘোষণা করে (আমাণ-পৃথিবীর সংবঁ) ৩২-জুমু আ	١	36
দু'ৰাক্তির দৃষ্টান্ত)	०%-युमार	2,5	640	প্রতাপশালী (আল্লাহ সর্বজনৌ ও মহাপ্রতাপশালী) ২৭-নামল	વક	40
পেশ করেন (সভ্য মিথ্যার উপমা পেশ করেন আল্লাহ)	১৩-রা'দ	39	680	প্রতাপশালী (আল্লাহ মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রজাবান) ২৭-নামপ	b	100
পেশ করছেন আল্লাহ উপমা, মানুষের জন্য	₹8-75	-00	999	श्रक्षणनानी ( <b>वाहा</b> र प्रदाशकाशनानी) b-प्रदर्श	80	68
গৌহ্য (পরীকদের অংশ আল্লাহর কাছে পৌছেনা)	৬-আন্'আম	206	ප්රථ	श्राजनानी (बाह्यार प्रदासवाभनानी)) २-वाङ्ग्या	228	65
শৌষ্ণ (কুরফীর পাসা রক ও গোপত স্বাস্থান্ডা করে গৌতে না)	২২-হাজ	109	965	প্রভাগশালী (আল্লাহ্ মহাপ্রভাগশালী ও মহারঞ্জাবান) ২-বাবুংবা	200	40
প্রবাশ করকো অক্সাহ বিরামতে (জলিমের করলাভীত বিষয়)	৩৯-গুমার	89	492	প্রতাপশালী (भाष्ट्रार प्रश्नेश्वराजनानी) ৮- वानस्थन	89	40
প্রকাশ করে(অক্সাহ প্রকাশ করেছেন,বনী ইনরাইকের হানা প্রকাশ)	২-বাকারা	98	do).	প্রতাপনালী (আল্লাহ মহাপতিখন ও মহাপ্রতাপনালী) ২২-হাজ্ম	98	99
প্রকাশ করা(ইর্ডানের কাছে আল্লাহ যা প্রকাশ করেছেন)	২-বাকার	96	609	প্রতাপশালী (আল্লাহ মহাপ্রতাপশালী) ২-অকুরের	280	02
প্রবেশ করে নিবেন আল্লাহ (মুনাফিকনের হুনয়ের বিষেব)	8५-मुश्यान	25	328	अवन्त्रामी (प्रद्वार प्रवत्रकानानी व प्रवत्रकारम्, ब्रागुण म. अकाश.) 8-निमा	296	29
প্ৰকাশ করে নিবেশ আল্লাছ (মুনাফিশনা যা আশব্দা করে)	৯-ভাওৰা	68	686	প্রতাপনালী (আল্লাহ মহাপ্রভাগশালী ও মহাপ্রজ্ঞারান   ৩-আলে ইমরা	1346	48
প্ৰকাশকাৰী (কিয়ামত প্ৰকাশকাৰী কেউ নেই, আল্লাৰ ছড়া)	१०-गासम	gtr	302	প্রতাপশালী (আল্লাহ মহাপ্রতাপশালী) ৩০-জম	29	73
প্রকাশকারী (নবীর গোপন বিষয় আল্পাহ প্রকাশকারী)	৩৩-জাহ্বাব	09	409	প্রতাপশালী (আল্লাহ মহাপ্রতাপশালী) ৩-আলে ইমরা		28
প্রস্তুত করা (আস্থাই জান্ত্রতে প্রস্তুত করেছেন, রানুল ন. ও				প্রভাগনালী (আল্লাহ মহাপ্রভাগনালী) ২-বারুরে	220	
नेपाननावान्त्र करा)	৯-ডাওবা	1/2	686	सदाभगानी (अग्राह प्रदाशकाभगानी व प्रदाशकारान) ३७-माहन	60	9.0
প্রস্তুত করেছেন আল্লাহ কঠিন শাস্তি (মূনাফিকনের জন্য)	৫৮-মূজসাশা	26	200	श्रद्धालयांनी (बाह्यार प्रदाशवालयांनी) ५-कावय	93	88
প্রভাবান (অল্লাহ প্রভাবান ও সর্বজ্ঞানী)	80-यूपक्रक	78	cod	প্রতাপশালী ও কমাশীল আল্লাহর নিকে ভাকা ৪০-মুমিন	84	P/S
क्षांबन (प्रकृति गर्वकानी व प्रद्युक्तावन, कृष्टिन श्रद्धा क्षात्र)	8-97	28	¢67	organism (carathran pafa, rent) for supring cara		+
क्षाबन (ब्रह्मर नवस्था व मह्म्यावस्था, दूसन २०४८ना) क्षाबन (ब्रह्मर नवस्थानी व मर्द्र क्षाबन)	৭৬-পাহর	90	200	বেশি প্রফাশশালী।)	35	64
द्यव्यक्त (आद्वार नरकाना व २२ टकारान) द्यव्यक्त (आद्वार नरकानी e घराद्यव्यक्तान)	৩৩-আহ্বাব	3	200	sentier and reservation for thousand reservations	-	+
द्याबान (बाह्यर नवकाना च बन्द्रस्थाना) क्षाबान (बाह्यर नवेकन्द्रियद्युकारान, वनम परनानक्षण)	७७-जार्याय ७७-जार्योम	-	390	প্রভারত ব্যাপ্তি মহাপ্রভারত	78	36
द्यक्रवर्ग (ब्युद्धार नवस्थान्। सद्यक्षाचन, चनम परनानदानम्) द्यक्षादान (ब्युद्धार नर्वस्थानी ७ मराद्यक्षाचान, मीवान द्यनम्)	8-निगा	22	229	প্রভারিত করে দা দেন পরতান আল্লার সম্পর্কে (মানুহকে) ৩১-কুলমান	00	100
	8-PM	39	200	প্রভাৱিত শরভান হেন না করতে পারে (আল্লাহ সম্পর্কে) ৩৫-ফাতির	2	7/8
প্রভাবন (অক্সাহ সর্বজ্ঞানী ও মহ্যোজনেবদ,তথবা করুম প্রদাস)	8-PR		240	श्रकानी (वाह्यास्त्र तृष्टि श्रकानी धाना) ५-वाध्या	q'b	88
श्रुवाराम (पाद्वार गर्रव्यामी ও মহাহ্বवाराम)	8-PH	₹6 208	290	প্রভাবর্তনত্ত্বস্থার নিবে ৫-মারিলা	202	
প্ৰভাবন (অল্লাহ সৰ্বজ্ঞানী ও মহাপ্ৰভাবান, বিহান প্ৰসঙ্গ)			960	প্রভাবর্তনত্বস আল্লাহরই নিতে (সকলের) ৫-মামিনা	81	Qb.
প্রজ্ঞাবন (আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজাবান)	২২-হাজ্ম ৪-দিসা	48	260	প্রভারতন্প্রভাবে আল্লাহর নিতেই প্রভাবর্তিত হবে) ২১-আছিল	30	9,0
প্রভাবন (অল্পাহ সর্বজনী ও মহাপ্রজন্মন, বিরের বিধান প্রসাস)	8-मिमा		290	প্রভাবর্তন (সকল বিষয় আল্লাহর নিকে প্রভাবর্তন করে) ৪২-পুরা	20	345
अध्ययम (प्राञ्चार अपूर्णपत्र ७ मार्थ्यकाराम, प्रकार मृत करा अन्त्र)		200 200	607	প্রজ্ঞাবর্তন অন্ত্রাহর নিকেই (যারা দুখ বিশ্বরে দের ও কুমনী করে) ৮৮-পশিয়াব্	2.0	20
প্রজাবন (আল্লাহ মহাপ্রভাগশালী ও মহাপ্রজাবন)	২-বাকুবো ২৭-নামল	9 400	500	প্রভারতিত (সকল বিষয় আল্লাহর দিকে প্রভারতিত ) ৫৭-বাদীল	0	24
প্রজাবন (আল্লাহ্ মহপ্রেরাগশালী ও মহাপ্রজাবন)				প্রকর্মের হওছা(অল্পুরুর নিত্তী সকল বিষয় প্রয়ার্করিত ছবে) ২২-হাক্স	96	90
প্রজাবন (আল্লাহ্ মহাপ্রভাপশালী ও মহাপ্রজাবন)	৪৫-জাহরা	99	204	প্রভারতনমূল (উত্তম প্রভারতর্ভনমূল আল্লাহর নিকট) ৩-আলে ইমধা		20
প্ৰজাবান (আল্লাহ্ মহাপ্ৰজাবান ও মহাপ্ৰতাপশালী)	৬৪-জাগারুন ৪-নিসা	762	৯৬৭ ৫৭৭	প্রভাগ (অপ্নাধ্যক প্রভাগ করে যে বার করে উল্লে আনর্গ, ) ৬০-মুমভার্থনা	8	×
व्यक्तकः (च्याव्य प्रवश्चायमन्द्रम् वेयव्यक्तवनः, नेनादकः पूरणः उत्तर्वा ११.)				প্রভ্যাবর্তন আস্থাব্য নিকে ৪০-মু'মিন	80	61
প্ৰজাবন (আল্লাহ্ মহাপ্ৰভাগণালী ও মহাপ্ৰজাবন)	১৬-মাব্ল ৪-সিলা	60	909	প্রভাকনশী (আল্লাহ সকল বিষয়ে প্রভাকনশী) ৩৪-সাবা	89	ь
প্রজাবান (আল্লাহ মহাপ্রজাবান ও মহাপ্রহাপশালী)	8-जिला	262	297	প্রত্যক্ষনশী (আল্লাহ সরকিছুর উপর প্রত্যক্ষনশী) ৪-নিসা	00	Q
अध्यक्त (प्रक्राव मक्तालभनने ७ मक्ताकारम, रामून १९७म छ.)		200	240	প্রভাকনশী (আল্লাহ সকল বিষয়ে প্রভাকনশী) ৫৮-মুঙ্গাপাশা	8	20
প্রজাবন (সাল্লাহ মহাপ্রজাবান ও মহাপ্রতাপশালী)	७२-वृद्'वा			প্রভাকনশী (আল্লাহ সরবিদ্ধার উপর প্রভাকনশী) ২২-হাজ	39	90
ব্যক্তবান স্বস্থাহর পথিক্রর বোষনা করে (আরুপ-পৃথিবীর সনই)	७२-सम्'वा	3	365	প্রভাকনশী (আল্লার প্রভাকনশী, আহলে বিভাবনের কাজের) ৩-আলে ইমরা		0
প্ৰভাবন (সাল্লাহ সৰ্বজ্ঞানী ও মহাপ্ৰজ্ঞানন)	8-मिमा	290	295		65	0
রক্ষাবান (সাল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজ্ঞাবান, পাপ প্রসঙ্গ)	8-निमा	222	647		30	18
প্রকারনে ও মহাপ্রতাশশালী আল্লাহর পক্ষ থেকে (কিতাব)	৪৬-আহ্কাফ	3	pop		20	20
প্রকামর (অক্সাহ সমুদ্রত ও প্রকামর)	৪২-শ্রা	57	৮৯৫		8	
প্রকামর ও মহারভাগপালী (আরার)	৪২-প্রা	0	2.27	প্রভ্যাবর্তনস্থল (সকলের প্রভ্যাবর্তনস্থল আল্লাহর কাছে) ১১-হুল		8
প্রভাগনালী (আল্লাহ প্রভাগনালী ও মহাপ্রজাবান)	৮-আন্দাল	30	<del>७०२</del>	প্রচার (আল্লাহর পঞ্চ থেকে প্রচারই রাসুল স. এর নামিত্র) ৭২-জিন্	40	
প্রয়েপশালী (আল্লাহ প্রয়েপশালী, ইহরামে পথ হড়া প্রসঙ্গ)	৫-মার্মিনা	36	4255	প্রভাক্ষরারী (আল্লাহ সংক্রিত উপর প্রভাক্ষকারী) ৩৩-আহ্যাব	66	5
প্ররপশ্বদী (আল্লাং মহাপ্ররাপশাদী ও শক্তিশাদী)	৪২-শ্রা	72	200	প্রত্যক্ষকারী (আল্লাহ সব্বিত্ব প্রত্যক্ষকারী) ৮৫-বৃদ্ধক	9	>0
প্রমাপদালী (আল্লাহ মহাপ্রভাপশালী ও মহাপ্রজাবান)	৪৫-জাইয়া	७९	90€	প্রতিদান(সভ্যবাদিত্তর জন্য আল্লাহর প্রতিদান, খন্দক প্রসঙ্গ) ৩৩-আহ্মাব	₹8	V
প্রথপনালী (আল্লাহ মহাপ্রভাপনালী ও প্রশংসনীর)	৮৫-প্রক	br	2026	প্রতিমান (সংবর্মপরামণ্ডান জন্য অক্সাহ প্রতিনান প্রস্তুত করেছেন) ৩৩-আহ্বাব	59	
প্রস্পাদী (আল্লাহ মহাপ্রভাপদাদী ও মহাপ্রভাবান)	8-मिश	6.0	268	প্রতিদান (বাড়বাড়ির ক্ষেত্রে আপোস করলে প্রতিদান অক্সমর কছে) ৪২-প্রা	80	
প্রতাশদানী (আল্লাহ মধ্যপতিখন ও মহাপ্রতাপশালী)	৩৩-আহ্বাব	2.0	505	প্রতিদাননাতা (আল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরম প্রতিদাননাতা) ৪২-শূরা	20	
প্রতাপশালী (আল্লাহ মহাপ্রতাপশালী/মহাপ্রজাবান, ঈসাকে	s-गित्रा	754	699	<u>अधिमानमार्था (पञ्चाद पदार श्रीधमानमार्था, वर्द्धन दानाम अनम)</u> ५८-जागा <u>द</u> म	24	10

আ

থাল্লাহ	আস্থাহ

আ

<b>新</b>	गुद्धारू व मीव	trigge i	नुका	THE COLUMN STREET	THE REAL PROPERTY.	Marie Salah	
আল্লাহ (পূৰ্ব পূৰ্বা বেকে)			_	প্রতিপ্রতি (অস্তাহ প্রতিপ্রতি নিজেছন মুখনানেকে কমা ও)	8४-एएटर	435	838
প্রতিদানশাতা (অল্লাহ পরম প্রতিদানদাতা ও সর্বজ্ঞানী)	8-मिमा	389	292	প্রতিশ্রুতি (আল্লাহ মুমিনলেরকে অনুহাছের প্রতিশ্রুতি দেন)	২-বাকারা	200	202
রভিদানপাতা (অক্সাহ প্রতিদানদাতা, ভাল কাজের)	২-বাকারা	327		প্রতিপ্রতি (অস্তাহ মুখিনাসকলে ক্ষুদ্রক সম্পাদর প্রতিকৃতি দিয়েছেন)	85-9765	30	2526
প্রবিদান দিকেন অক্সাহ অসীকার পূর্ণকারীকে (বিরটি প্রবিদান)	৪৮-ভারত	30	556	প্ৰতিকৃতি (আল্লাহৰ প্ৰতিকৃতি, বিশ্বামত বাছবায়িত হবে)	৭০-ময়য়খিল	35	bbb
প্রতিদান নিবেন আল্লাহ কতজনেরকে (অচিবেট)	৩-আলে ইমরান	388	285	প্রতিক্রতি (আছাহর প্রতিক্রতি সভা)	১০-ইউনুস	8	908
প্রতিদান নিকেন আক্রম হোট বছ বার ও উপাতারর অভিযুক্তর	৯-জানতা	343	620	প্রতিক্রতি (আছাহর প্রতিক্রতি সভা)	80-म'मिन	22	505
প্রতিবন দিবেন আল্লাহ (বেদুস্টনরা যুদ্ধে আনুগত্য করলে)	89-9782	36	229	প্রতিশ্রুতি (আল্লাহর প্রতিশ্রুতি সত্য, পুনরুত্বনে সম্পর্কে)	১৬-নাহদ	oy	906
প্রতিমান নিবেন আল্লাক ভালের কান্সের যারা	48-74	26	995	প্রতিক্রতি (আল্লাক প্রতিক্রতি সত্য)	২৮-কাসাস	30	brop.
প্রতিদান অক্সাহর কাছে (নৃহের প্রতিদান)	১০-ইউনুস	93	665	প্রতিক্রতি (আল্লাহর প্রতিক্রতির ব্যতিক্রম হর না)	৩০-জম	6	599
প্রতিদান আল্লাহর কাছে (নৃহ আ, এর প্রতিদান)	33-RH	38	690	প্রতিক্রতি (আল্লাহর প্রতিক্রতি সভ্য, শাল্পি প্রসঙ্গ)	20-28-PF	20	669
প্রতিদান, অক্সাধ্য (তাওবা,বিন্তত অক্সাধ্য জন্য একনিষ্ঠ করা প্র.)	8-Sint	286		প্রতিক্রতি (আল্লাহর প্রতিক্রতি সভা, কিরামত প্রসঙ্গ)	80-साइंग	05	Pos
প্রতিদান (আল্লাহর নিকট মতাপ্রতিদান, মুমিন্সের জন্য)	<b>৮-আনফাল</b>	300	6 40 6 48	প্রতিক্রাতি (আল্লাক্র প্রতিক্রাতি সভা, কিল্লাসভ প্রসঞ্চ)	৩১-লুকয়ন	90	95.0
প্রতিদান (আপ্রাহর নিকট ব্যয়েছে মহা প্রতিদান)	b-জাওবা	57	684	প্রতিশ্রুতি (অস্তাহ প্রতিশ্রুতি সতে) পরিশত করেছিলেন)	৩-আলে ইমরান	265	660
श्रीचेनन (विकार कारीय प्रदा हाम श्रीचनका श्रीव प्रकार केन्द्र)	৪-নিদা	200	904	अधिकृति (व्यक्तिक अधिकृति स्वित्वा स्टब्स मा अक्रि अभ्यत्)	22-20W	89	989
রতিপালন করেন আস্তাহ মান্যকে (উদ্ভিসের মন)	95-RE	200	labre	व्यक्तिक वाद्यिक करूप में वासाव	०५-गमत	30	690
প্রতিশালক (ইলিয়াস সম্প্রদার ও তার পর্বপঞ্জনের)	43-74 64-810016	220	bried	প্রতিক্রণিতর ব্যক্তিক্রম করেন না আরাহ	৩০-জম	9	640
প্রতিপাদক (ইলামান ল-এলার ও তার পুরস্কারনর)	8७-युवक्य	68	900	প্রতিপ্রতি (পুনরুদান সম্পর্কে আস্তাহর প্রতিপ্রতি নত্য)	৪৬-আহ্বাফ	29	909
প্রতিশালক (কার্য কার্য ও কার্য সকলোর) প্রতিশালক (জনমুক্তর প্রতিশালক আস্ত্রাকর জন্য	80-3444	68	800	विकारित (प्रिम्पास प्रह्माल सम्प्रेस प्रतिकारित वर्ग कराइ मिर्जन)	১৬-নাহল	24	920
মাতশালন (কংগ্ৰের প্রতিপালন অক্সাহর কন্য সালাত/কুরবাদী/জীবন/মরণ সবই)	৬-আন্'আম	368	634	প্রতিপ্রতি নিজেন অক্সাহ শ্রমিননেকে (দুম্পিলের একটির বাপারে)	১৬-শব্দ ৮-আনফাদ	83	920
সালাও/কুরবাধ(জাবন/মরণ সবছ) প্রতিশালক (মানুধের প্রতিশালক আল্লাছ থিনি)	১০-ইউনুস		608	व्यवस्थित निकास व्यक्तार मुक्तानाक (पुरम्पाना वकान सामारत)	৮-আনফাল ৯-ডাওবা		689
প্রতিশালক (মমিনসের প্রতিশালক আক্সাই।বাল)	১০-২৬পুশ ৪১-ক্সসিলাত			প্রতিক্রতি নিরেছেন আল্লাহ, মুখন নচ-নার্যালয়ত (জল্লাভেড) প্রতিক্রতি নিরেছেন আল্লাহ ভালেরতে যারা ঈমান এনেছে		94	
প্রতিশালক (ভূমিনাসের রাজিশালক আছাং) প্রতিশালক (ভিনিই আছাং, ভোমানের প্রতিশালক)		00	ששל	বাবিকার সরেহেশ আল্লাহ তাসেহতে ধারা কমান এসেহে বাবিকারি দিয়েহেশ আল্লাহ (মুনাফিক নারী-পুরুষদেরতে)	<b>२8-मृ</b> ष	22	4bro
প্রতিশালক (বিলাই আছাই, তেনাগের প্রতিশালক) প্রতিশালক (ভগতসমূহের প্রতিশালক আছাইর প্রথসো)	৪০-মু"মিল ১০-ইউন্স	68	৮৮৩	প্রতিক্রতি দিয়েছেন আল্লার (ছুনাক্রত নার-পুরুব্দেরকে)	৯-ভাওবা ৫-মাঙ্গিলা	96	689
প্রতিশালর জেগতসমূহের প্রতিশালক আল্লাহর বাংগা)	১০-২৬গুণ ১-ফাডিয়া	30	965	প্রতিক্রতি (নিচর্যুই আল্লাহর প্রতিক্রতি সভ্যা)	৩৫-ফাডির	a e	69.7
र्टारण्यम् (संगठनम्बद्धाः प्रारम्भकः वद्धाद्धाः सन्। गरमः (राह्मः) र्टारम्भकः (बद्धाः बाधाञ्च र्टारम्भकः अस्तर्यः ब्रांस पराः)	১-পাত্তা ৪৬-আহ্বাত	3		প্রতিক্রাতি (আল্লাহর প্রতিক্রাতি আস্বরেই)	১৯-মারইরাম		
প্রতিশালক (আল্লাইর একমার প্রতিশালক রাজত বারেই)	৩৫-কাইব	20	808	রাজ্যাত (আপ্তারর প্রাক্তরণত আগবের) প্রতিশেক (অপ্তারর প্রতিশেক্তি আগ পর্যন্ত বিপর্যন্ত আপক্তিয়…)	১৯-মার্থ্রাম ১৩-রাদি	63	905
প্রতিশালক (আল্লাহর প্রতিশালক এবং তার উপরই তরেস)		20	589	্রেকান (অক্সকার্যকর্মান আন শতর সপরে অপানন) ্রেকানি (আক্সকার রাহিকানি সভা)	১৫-রাদ ৪০-মামিদ	6)	997
প্রক্রিপালক (আক্রাবাই মানুহার প্রক্রিপালক, প্রবর্ধা কর ইবানত কর)	৪২-প্রা ২১-আখিলা	20	297	রাজ্যাত (আরাহর রাজ্যাত নতা) প্রতিক্রতি (অরাহর প্রতিক্রতি নতা)		99	798
রতিশালক (অক্সাহই মানুহের প্রতিশালক, বুকরা তার হবলক কর) প্রতিশালক (অক্সাহই মানুহের প্রতিশালক, রাজত্বও তার)	৩৯-ব্যাব	84	926	্রাজ্যান (আ্রাংর রাজ্যান নত)) ব্রহিয়ার (আ্রাংর প্রহিয়ারিকে ফ্রাফির কর্মক প্রস্তাসন করা)	৩০-জম ৩৩-জাৰবাৰ	60	৮২৬ ৮৩৪
প্রবিশালক (আল্লাইই মানুহের প্রবিশালক, রাজস্কুত ভার) প্রবিশালক (আল্লাইই মানুহের প্রবিশালক, বিনি প্রায় ইলার নেই)	৩৯-বুমার ৬-আল'আয়	0		शरकार (अञ्चल स्थान के ज्ञान करून स्थान कर्	১-বাকারা	34 bo	
রাজ্পালক (আক্সাহর মানুমের প্রাক্তপালক, চেল প্রক্রা হলাছ (নহ) রাজিপালক (আক্সাহর মানুমের নতা,প্রকাত প্রতিপালক)	৬-আশ্ আম ১০-ইউদস	३०२ ७२	606	প্রতিক্রপতি আল্লাহর (মতাতীলের জানাত দেয়ার বিষয়টি)	২-বাকুারা ৩৯-বুমার	90	४०७ ५९०
প্রতিপালক (আল্লাহ্ব মানুহার প্রতিপালক)	১৯-মার্ক্টয়াম	06	906	প্রতিপ্রতি (আল্লাহর সত্য প্রতিপ্রতি, সংকর্মনীল মুমিনের	OR-3414	40	0.10
প্রতিশালর (অক্সাই লগার প্রতিশালক করে মুখনিমনেকে বহিছার)	22-0708		962	क्रम क्षात्रक)	৩১-বুকমান	ъ	৮২৭
অভিনামত (আমাজত অভিনামত করার সময়ত মহার হল।)	৪০-ডামিন	80 47	994	রতিরাতি (আল্লাহর সাথে কৃত প্রতিরাতি ভবের পরিণাম)	২-বাকারা	29	008
প্রতিশাসক (ইনার প্রতিশাসক আস্থার)	ত-যোগে উমবান ত-যোগে উমবান	62	687	প্রতিশতি (আছারে সার্ড প্রতিশতি, মনিনাসর মারাত দান প্রসম)	ह-निश	255	645
প্রতিশালক (আলাহ বাতীত প্রতিশালক প্রচণ)	৯-ডাবেরা ৯-ডাবেরা	42	680	গ্রনিক্রতি (আ <b>চা</b> হর সাথে কর প্রতিক্রতি পর্ব করার নির্দেশ)	৬-জান'আম	222	
প্রতিপালত আল্লার মধানতর	ত্ত-ভাগতার ৮১-টনজিয়ার		0000	প্রতিশ্রুতি (আল্লাইর সাথে কৃত প্রতিশ্রুতির বিদিয়ন্তে সামান্য	ઉ-લાગુલાન	224	1022
প্রতিশালক আল্লাহ সর্বাক্তর সন্থা	৪০-মু'মিন		3020	डेबर शहर)	১৬-নার্প	26	422
প্রতিপালক (আহার সর মানদের প্রতিপালক)	२०-मु"मिन्न		965	अधिकारि (क्यादान अधिकारि निवासन प्राप्ता प्राप्तात पारा)	৫৭-হার্মীদ	20	289
প্রতিশালক (আরুদ্ধে না মানুধের প্রতিশালক আরুদ্ধ)	২০-যু মেপুণ ১৩-রা'দ	25	665	ব্ৰমিষ্টিক কৰা (অক্সাহ নতাকে প্ৰতিষ্ঠিত ও মিধ্যকে মুদ্ধে দেন)		-	
প্রতিশালক (আল্লাহকে বাদ দিয়ে প্রতিশালক গ্রহণ)	৫-আলে ইমরান	98	484		৪২-প্রা	₹8	2,90
প্রতিশালক (আল্লাহ হাড়া অন্য প্রতিশালক (বাঁজ করা)	৬-আন্'আম	248	632		55-01am	80	962
প্রতিশালক (আল্লাহ স্বাগতসমহের প্রতিপালক)	৩৭-সাঞ্চাত	200	5-64	প্রতিষ্ঠ না করতেন ধনি অক্সাহ, ততককে ততকের মধ্য তবে	২-বাবুগরা	567	243
প্রতিশালক আল্লাহ (ভার কাছেই সবার প্রভ্যাবর্তন)	১১-ছদ	98	995r	প্রদর্শন (আল্লাহ সরিকপথ প্রদর্শন করলে মুস্তার্কী হতামা)	৩৯-যুমার	49	796
রতিশালক (আল্লাহ্ নবী ও অন্য সকলের প্রতিশালক)	৪২-পরা	25	b.p.s	প্রবেশ করনে রাভকে নিনে	৩১-লুকমান	235	P-22
প্রতিপালক (বাধানওয়াগার সাধীর স্বীকার,,)	27-dista	ch.	939	প্রবেশ করাকে (অক্সাহ রাজকে বিদ্যোদিনকে প্রয়ে প্রবেশ করান)	33-07WF	65	960
श्रीरिक्त मान (प्रक्राप् श्राहाक्षक का कडक्ट्रॉस श्रीरिक्त विद्वत)	১৪-ইবরারীম	67	699				
শক্তিদান (আস্থার শক্তিদানে কঠোর)	১০-জ'দ	30	866		২২-খ্যক	38	469
শান্তিদান (মুব্ডিম পত হত্যাব পুনবাবৃত্তি কবলে আল্লাহ			-		৯-ভাগৰা	99	620
শান্তি দিবেন)	হ-মারিদা	95	695	প্রবেশ করাবেন আল্লাহ ভার অনুপ্রবের মধ্যে যাকে ইচ্ছা	৪৮-ফাত্র	3.0	PDF
রভিক্ততি সভা (বিশ্বাহত ও আসহাবে কারাত প্র.)	72-4/45	42	993	প্রকু (আল্লহ মু'মিনদের প্রকু)	<b>५-छागराम</b>	80	900
প্রতিপ্রতি (মঞ্জাহ ও রাগুল স. এর প্রতিপ্রতি, গলক যুদ্ধ প্রগল)	৩৩-জাহ্যাব	44	200	श्रकु (प्राष्ट्राव मुमिन(मन श्रकु)	8९-महापान	22	923
প্ৰতিশ্ৰুতি, আল্লাহ কৰ্তৃক (জিহানকাৰী/বলে পাবা মুহিনকে	-		_		৩-আলে ইমরান		660
কল্যানের)	8-मित्रा	74	649				
প্রতিকৃতি (অক্সার বন্দায়নর প্রতিকৃতি নিজেনে অনেত্রত ব্যৱ)	१५-समीम	30	886		৬৬-ভাৰ্বীম		৯৭০
প্রতিরাজি(আল্লাহ কাফিরদেরকে আগুনের প্রতিক্রাতি দেন)	२२-शृष्ट	92	958		७७-छाड्डीम	ર	960
প্রতিক্রতি (আল্লাহ মানুষকে সভ্য প্রতিক্রতি দেন)	১৪-ইববাহীন	44	996	প্রবৃ/বন্দক (আল্লাহ উত্তম প্রবৃ/বন্ধক)	২২-হাজ	97	960
		_				_	_

2003	2022

विका/दगन	福泉日初	100.3	78
राष्ट्राट् (मूर्व मुक्ता त्यात्क)		-	
	১২-ইউসুক	80	690
	3-्-१0 <b>न्</b> 8-विश	188	
	৪-নশ্যা ৪০-মুখিন		777
	৪০-মূমণ ৩৪-সাবা	200	990
	২৯-আনকাবৃত		9.57
	২৮-কাপাপ	25	P26
প্রশংস (জগতসমূহের প্রতিশালক আল্লাহর জন্য সকল প্রশংস)	৬-আন্'আন	80	600
প্রশংসা (অল্লেডিয়ের শেষ বক্তব্য 'নকল প্রশংসা আল্লাহর')	১০-ইউনুস	70	939
প্রশাসাধারী আ, /পুশাইমানকে মর্থান সেয়ার অক্সাহর প্রশাসা	২৭-নামল	74	८०४
প্রদান (দুবকে অক্সাহর প্রশাসার নির্মান, নিরার আক্রাহন কর)	২০-মুখিলুল	২৮	959
श्रम्भा नवगरे वाहारव	৭-আ'রফ	80	606
श्रमाता (जरूम श्रमाता व्यक्तारह व्यक्तिसम् यातुः की बाल मा)	১৬-নাহন	92	909
	১৭-ইগরা	222	930
প্রশংসা (সকল প্রশংসা আল্লাহর জন্য)			940
রশ্বে (সংলারশ্বে অক্সাহাই, নিম্ন অধিবংশই তা জ্ঞানো)	৩১-সুকমান	42	
রশংসা (সকল প্রশংসা অল্লাহর, নিদর্শন দেখানো প্রসঙ্গ)	২৭-নামশ	90	Por
প্রশংসা (সবল প্রশংসা আক্সাহর)	২৭-সামশ	45	80°f
প্ৰশাস (সকল প্ৰশাস ক্লাডসমূহের প্ৰতিপাদক আল্লাহর কন্য)	১-ফাতিহ্য	2	¢0)
প্রশাস অক্সাহর -বিনি আরমণ-পূর্বারী ও রূপাতসমূহের প্রতিশালক	৪৫-কাৰ্ডিয়	Ob	Pos
প্রশংকীর (অস্তার প্রশংকীর, অবাশ-পৃথিতির সাই সন্তাহর)	৩১-লকমান	28	459
शुन्ता व्यक्तास्थ्रे सन् (श्राव्यान श्राप्त वर्षन नुकान नुकेत)	৩৯-বুমার	23	795
	০৯-বুদার ১৪-ইবরারীদ	49	949
্যপালা আক্রান্ত (ইনামীনের বর্ণনের ইসমসিশ/ইসহার আ. লে লোমা)			999
প্রশংসা অক্সাহর জন্য (যিনি জগতসমূহের প্রতিপালক)	৩৯-যুমার	92	
প্রশংসা আল্লাহর (পৰিপ্রতা ঘোষণা ও রাজতু সে আল্লাহরই)	७४-छशानुन	>	266€
প্রশাসে (অক্সাহর প্রশাসেক পরিপ্রকাসক কবিন করে ব্যক্তর পর্কন)	১৩-রা'দ	>0	642
প্রশংসা আল্লাহর বিনি আকাশ ও পূথিবী সৃষ্টি করেছেন	৬-আশ্বাম	2	৫৯৬
প্রশাস অল্লাহর মিন্সেবরটার্ন করেছন মুখ্যকা স. এর প্রতি)	79-9129	2	948
প্রশংসা আস্থাহর বিনি(জাল্লাডীনের বক্তব্য)	৩৫-ফারির	-08	789
द्वन्ता प्राप्तार्थ (पान(बाह्य काम २००४) सन्तरमा बाह्यस्य यिन वासान-नृषितीय नृष्टिकर्ण	००-पारित	2	786
		98	799
রশংসা আগ্রাহর বিনি প্রতিশ্রুতি সভ্যে পরিগত করেছেন	৩৯-যুমার		
প্রশংসনীয় (অল্লাহ অতি প্রশংসনীয় ও মহামর্যানাবাশ)	১১-ছুদ	90	७१२
প্রশংসনীয় (অক্সাহ অভাবমুক ও অতি প্রশংসনীয়)	২-বাবুধরা		१०२
প্রশংসনীর (আল্লাহ অভাবমূক ও অভিপ্রশংসনীয়)	২২-হাজ	<b>68</b>	968
প্রশংসনীর (অল্লাহ অনুখালেকী ও অভিপ্রশংসনীর)	৬৪-জন্মুন	0	200
প্রবংসনীর (আল্লাহ অনুবাদেকী/প্রবংসনীর, মানুদের			
व्यक्तिकार अनुमार मन्द्रा स्टब्स्	৩১-বুকমান	25	৮২৭
প্রকার (বন্দ) প্রশাসনীয় (অস্তাহ অমুধ্যপেনী ও অভিনেশকেনীয়, তর করা প্রসদ)	8-निम	202	290
	84-90	303	930
প্রশংসনীর (আপ্রাবই প্রশংসনীর)			
রপ্ন (সাল্লাহ বা করেন লে সম্পর্কে গ্রপ্ন করা হবে ন)	২১-অধিয়া		462
প্রশপ্ত করে দিবেন আল্লাহ মুমিনদের জন্য	৫৮-মুক্তানলো	22	960
প্রশন্ত করে দেন আল্লাহ যার বন্ধকে (ইসলামের জনা)	৩৯-যুদার	22	7.60
প্রপত্ত করা (আপ্লাহ রাসূল স. এর বছকে প্রশক্ত করেছেন)	১৪-ইন্শিরার্	2	2059
প্রশারি অবটার্থ বড়েল আল্লার রানুল স, এর উপর (হিচ্ছরত প্রসাস)	৯-জাধৰা	80	668
	80-100		97/4
market man Park recognity (returns or an effectively share).			248
প্রণাত্তি অবভার্ণ করলেন (রাসূল স. ও মুমিনদের উপর)	41.00		
প্রদারিত করা (আল্লাহ থিবিক প্রসারিত করে দেন বাকে ইচর)	७०-६४		
প্রদারিত করা (আল্লাহ থিমিক প্রদারিত করে দেন যাকে ইচ্ছা) প্রদারিত করেন (আল্লাহ রিমিক প্রদারিত করেন)	১০-রা'দ	26	997
প্রদারিত করা (আল্লাহ ডিথিক প্রসারিত করে দেন বাকে ইচ্ছা) প্রদারিত করেন (আল্লাহ ডিথিক প্রসারিত করেন) প্রকৃতির (আল্লাহ প্রচুর্ভার ও মধ্যপ্রধানন, করেন দূম করা প্রদাস)	১০-রা'দ ৪-দিসা	₹6 300	640
প্রদারিত করা (আল্লাহ থিমিক প্রদারিত করে দেন যাকে ইচ্ছা) প্রদারিত করেন (আল্লাহ রিমিক প্রদারিত করেন)	১০-রা'দ	26	
প্রদারিক করা (আচাহ বিশিক প্রসারিক করে দেন থাকে ইমর) প্রদারিক করেন (আচাহ বিশিক প্রসারিক করেন) প্রচূর্কের (আচাহ প্রচূর্কের ও মধ্যক্রকান, জনান দূর করাপ্রদান) প্রাথ হরণ করেন আচার (মানুফের মৃত্যু ও মূদের সময়)	১০-রা'দ ৪-দিসা	₹6 300	640
প্রদারিক করা (আল্লাহ বিশিক প্রসাধিক করে দেন বাকে ইবছ) প্রদারিক করেন (আল্লাহ বিশিক প্রসাধিক করেন) প্রমুক্তর (আল্লাহ ক্রেক্টরের কর মহাক্রাক্তর) প্রায় বর্বন করেন ক্রান্তর্বার (মানুসক দুবা) কর্ত্তর্বার করেন) প্রমান করে করেন ক্রান্তর্বার (মানুসক দুবা) কর্ত্ত্বরার করেন) প্রমান্তর্বার (আল্লাহর (মানুসক দুবা) কর্ত্তরার করেন) প্রমান্তর্বার (আল্লাহর স্থানিক নিয়েকেন ইউস্থানকে প্রত্যান করেন)	১০-রাদ ৪-দিলা ৩৯-মুমার ১২-ইউসুফ	300 83 83	640 548 654
প্ৰদৰ্শন কয় (আছাত বিধিক প্ৰসাধিক করে দেন খালে উচ্ছা) প্ৰসাধিক কৰেন (আছাত বিধিক প্ৰসাধিক কৰে কৰে। প্ৰসুধিক (আছাত্ৰপূৰ্বিক প্ৰসাধিক প্ৰসাধিক কৰে। প্ৰস্থাধন (আছাত্ৰপূৰ্বিক প্ৰসাধানক, অধ্যন্থ কনা প্ৰসাধানক। প্ৰায় বছক বালে আছাত্ৰ (আহাৰক দুবা; ও প্ৰথম সময়) থাকাৰ কৰা (আছাত্ৰ (আকাৰ নিবাৰন বিভাগন) কৰা) প্ৰসাধানিক প্ৰসাধানক।	১০-রা'দ ৪-দিলা ৩৯-দুমার ১২-ইউসুফ ৩৯-দুমার	\$6 \$00 83 83 83	690 598 690 593
প্রসাহিত করা (আন্নাহ বিশিক প্রসাহিত করে সেন বাকে ইচ্ছা) প্রসাহিত করেন (আন্নাহ বিশিক প্রসাহিত করেন সংক্রাই প্রসাহিত করেন। ক্রাই প্রসাহিত করেন করেন। ক্রাই প্রসাহ প্রসাহক ব স্বাহারকান, আনা মূল করাকান ক্রাই করেন করেন আন্নাহ (প্রস্তুমার কুনু ও মূলের সময়) ক্রাইন করেন করেন আন্নাহ (প্রস্তুমার কুনু ও মূলের সময়) ক্রাইন করা (আন্নাহ করেন। ক্রাইন ক্রাইন করাকান ক্রাইন করেন। ক্রাইন করাকান	১০-রাদ ৪-সিলা ৫৯-মুনার ১২-ইউসুফ ৫৯-মুনার ৫৯-মুনার ৫৯-মুনার	\$6 300 83 33 0	640 548 650 543 665
প্রসর্বাচন করে (পাছারে বিশিক প্রসাধীন করে দেশ বাকে ইছে) প্রসাধীন করে (পাছারে বিশিক প্রসাধীন করে দি প্রসাধীন ক্ষেত্রকারে ব বাহারকারে দ্বারার কুর করাপ্রসাপ, ছার্মান ক্ষেত্রকারে বাহারকারে দুর করাপ্রসাপ, ছার্মান করে বাহার (পাছার মূর্য বাহারকার করে করে করে করে করে করে করে করে করে কর	১০-রাদ ৪-নিলা ৩৯-যুমার ১২-ইউসুফ ৩৯-যুমার ৩-আলে ইমরা ৮-আনকাল	\$6 \$00 82 83 0 20 50	690 696 696 993 696 606
কোনীত কৰা পোৱাৰ বিশিক কাৰিক কাৰ পোন বাক বীৰা) কোনীত কৰে পোৱাৰ বিশ্বিক কাৰিক কাৰ কাৰ্য্যক কাৰ্য্যক কৰে পোৱাৰ বিশ্বক কাৰ্য্যক কৰা কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যক কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল বিশ্বক বিশ্বক বিশ্বক কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল বিশ্বক বিশ্বক বিশ্বক বিশ্বক কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল কৰা কাৰ্য্যকল কৰা কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল কৰা কাৰ্য্যকল কৰা কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল কৰা কাৰ্য্যকল কৰা কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল কৰা কাৰ্য্যকল কৰা কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল কৰা কাৰ্য্যকল কৰা কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল কাৰ্য্যকল কৰা কাৰ্য্যকল কৰা কাৰ্য্যকল কাৰ্যকল বিশ্বক কাৰ্য্যকল কৰা ক্ষাৰ্যকল কৰা কাৰ্যকল	১০-রাদ ৪-টানা ৪৯-মুনার ১২-ইউসুফ ৩৯-মুনার ৩-আলে ইন্যা- ৮-আনকাল ৭-আবাক	\$0 82 83 0 20 50 50 50 50 50 50 50 50 50 50 50 50 50	690 598 696 595 606 606
প্রসর্বাচন করে (পাছারে বিশিক প্রসাধীন করে দেশ বাকে ইছে) প্রসাধীন করে (পাছারে বিশিক প্রসাধীন করে দি প্রসাধীন ক্ষেত্রকারে ব বাহারকারে দ্বারার কুর করাপ্রসাপ, ছার্মান ক্ষেত্রকারে বাহারকারে দুর করাপ্রসাপ, ছার্মান করে বাহার (পাছার মূর্য বাহারকার করে করে করে করে করে করে করে করে করে কর	১০-রাদ ৪-নিলা ৩৯-যুমার ১২-ইউসুফ ৩৯-যুমার ৩-আলে ইমরা ৮-আনকাল	\$6 \$00 82 83 0 20 50	690 696 696 993 696 606
লোকি কৰা (আছুমে বিশিক লোকিক কাত্ৰ পান পাক বিশ্ব) কাৰিক কাত্ৰ পাৰ্যাহিক কাত্ৰ পান পাক বিশ্ব কাৰ্য্য কৰা কৰা কাৰ্য্য কৰা কাৰ্য্য কৰা কৰা কাৰ্য্য কৰা কৰা কাৰ্য্য কৰা	১০-রাদ ৪-টানা ৪৯-মুনার ১২-ইউসুফ ৩৯-মুনার ৩-আলে ইন্যা- ৮-আনকাল ৭-আবাক	\$0 82 83 0 20 50 50 50 50 50 50 50 50 50 50 50 50 50	690 598 696 595 606 606
कर्मित कह (क्षण्ठा विशेष कर्मार्थित कर तान पान वेषा) कर्मित करन (क्षण्ठा विशेष कर्मार्थित करते करान वर्ष्ट्रिय (क्षण्ठा राष्ट्र्र्मेण कर वर्ष्ट्राव्यक्त कर्मा पूर कर्मात्रण) तर्रा वर्ष्ट्रा करना मान्न (व्यक्त करून वर्ष्ट्रा वर्ट्ट्रा वर्ष्ट्रा वर्ट्ट्रा वर्ट्ट्रा वर्ष्ट्रा वर्ट्ट्रा वर्ट्ट्य वर्ट्ट्या वर	১০-রাদ ৪-নিলা ৩৮-মুনার ১২-ইউসুফ ৩৮-মুনার ৩-আলে ইমফ ৮-আনফাল ৭-আরাফ ৪৯-ব্যুরার ৩০-৪ম	\$0 300 82 83 0 20 52 358 9	690 948 940 940 960 960 980 980
লোকি কৰা (আছুমে বিশিক লোকিক কাত্ৰ পান পাক বিশ্ব) কাৰিক কাত্ৰ পাৰ্যাহিক কাত্ৰ পান পাক বিশ্ব কাৰ্য্য কৰা কৰা কাৰ্য্য কৰা কাৰ্য্য কৰা কৰা কাৰ্য্য কৰা কৰা কাৰ্য্য কৰা	১০-বাদ ৪-নিসা ৪১-মুনার ১২-ইউসুফ ৩১-মুনার ৩-আলে ইমরা ৮-আনকাল ৭-আরাফ ৪৯-বৃদ্ধান	\$0 300 82 33 0 20 358 92	640 948 696 94) 669 600 950

sহাবেন না আল্লাহ কোন রাপুল ইউস্থাতর পরে। d8 VVd গ্রেছেন আল্লাহ নবীগণকে N. atate 270 028 ব্যক্তেন আল্লাহ ভালতকে (বাদশাত চিসাবে) ১,বাকার 289 027 'mete চঠিত ও আহত জন্মতমক'-উচনীৰা বলে) ৩-আলে ইমত Ver | 000 (আল্লার কালালার সম্পর্কে ফতওয়া দিছেন) 8.सिम 394 098 o farm লেপ্তিকের ব্যাপারে আলাহর ফক্তাবা। কাৰী (আছাৰ উত্তম ক্ৰমুলাৰাৰী) So. Billion 303 600 प्रचालक केल्कि vision (प्रचारिक) प्रचाराता करावन 33.0799 19 905 (क्रांट प्रकार में क्रांत नर्पर क्रम में का (प्रस्थित) 30-28-04 102 000 (waters) remained our holisches intraffic word) ৭,আ'হার br9 950 r (merce minimis foots bales of 146) va.Wilson 69 (sand) ettere at (minner प्रदानांत विकास हैवावादर चाला) 34-26×0 কারী (আলার্য উর্ম করসালাকারী) 6-WH WIL বোরী (আল্লাহ উত্তম ফরসালাকারী) 10.8675 698 वालाइट क्ष्म O'N. TOTAL রুলা (আল্লাহর দিকে কিরে আসল, যে তওবা করণ) ২৫-ফুরকা 95 959 ावा कार जानाकर विरंत अल्ला विवास No. PROGRAM com was reserved force / some fixed? outsirer Strates Solo ORM out (war दिवस कामाइट जिल्को विकास करता इत्र) -04 TOTA V86 ণ (মৃত্যুর পর সত্য প্রভু আল্লাহর দিকে ফিরানো হয়) outer and वान (व्यक्तर विविध व्यक्त पनि बाल्न म. तर, पुनाविनवरन 5. 9040E hon 685 লাগন (প্ৰান্তাত চিকিছ আনন ভাৰাচ VA TO 2029 ত্ব (অভারণ ভিতরতের উপরেই মান্যের স**ি** 20.83 ly38 ०-प्राणिक हान्य के ब्रह्म यह व्यक्त कर कर र का विश्व विश्व 83 ন্যায় (জালাচৰ ভিকে ভিবে আসার নির্দেশ...) 38.20 nest (whether first fiere carts and) S. ಕಾಕ್ಕಾಕ 30% 039 নান (আলাহত নিকে চিতে আসতে না কি. যারা ককরী ক-মার্মিন 98 ma নেরা (আল্লাহর দিকে সকলকে ভিত্তিরে নেরার নিন) N. MINIST লো মেনবিভালপ নিয়ে **অন্তা**ল দিকে দিবিয়া লোট s.fax 0% 0148 লের (অক্সার ভূপতিকলেরত পূর্ববহার বিভিন্ন নিরেছেন 8-निम স্থা খলতে অক্সা কমিবলেয়ক ক্রেমণার বিভিন্ন লো AA-WINTER 5.6 3/00 নোল (আলাহন নিকে সকলকে ভিত্তিকে সেয়া কৰে) ২-বাকার টি করেছেল আ**রা**হ (ম'মিনদের মারে) y, wherein 645 200 80-साहिता mete प्रवासीमार रह चार समित्रदा गराम्पदर वहाँ 800 াছানা বছদের কোন কয়/দলিকা নেউ 10.324B ভনিদের অক্সাহর বন্ধ হওয়ার অবুশক ধারণা) ১২-রম'লা **ए-मातिमा** প্রহণ- আল্লাহ, রান্দ্র স. ও ঈমানপারদেরকে 029 8-20 म शहन (फोलार डेंच्याडीहरूक व्यक्तान शहन करवाइन) 250 মৰ আহাৰ, ভগ্ৰসমূহের প্রতিপালত 80-¥14-য়া (অস্ত্রার ব্যৱক্তময়, তিনি স্বাপ্তসমূহের প্রতিশাসক ৭-আ'রায 68 মত্ব (আল্লাচ বছকভমত্ব ও সংখ্যিত সঙ্গা। SALETERA 35 ইংৱাইমের পরিবারের উপর আল্লাহর দয়া ও বরকত। 22-89 90 চাৰেন (আহাত আহাত বৰ্ণনা করেন, মানুবের জন্য) 992 २8-न br erre mires mists (wastered set) ১-বাকার 484 247 চাতন আহাত নিম্পুন (মান্ডের জন্য) ২-বাকুর 329 692 235 646 बारको (कामान कामान कर्नन कारक ২-ব্যক্ত কৰেন অক্সাহ সুস্পই আয়াত 38.76 Otr 9/mg লেন (অক্সাহ সভ্য ও মিখ্যার বর্ণনা দেন) 690 করা (আকার স্পরিভাবে কবির করেন, কালামার প্রসম্ 396 698 হতেন (আল্লাহ আরাত বর্ণনা করেন 93/3 ১৪-নৱ (আৰাহ কৰিন কাৰ্ডন আৰাভ 38.77 (th | 93mg ৰপ্ৰাহৰ দীয় কৰি কৰেন অক্সৰ, অনী সম্প্ৰদানে কণ্য) ২-বাকুব 300 236

700 FT 15 200

২-বারুরে 296 200

৫০-কাফ 00 340

আপ্তাহ

আ

जिस्स/दानमः जाहाद (पूर्व गृंत (स्टम)	नुबा नर ७ नाम	THE OWNER OF	70	শব্দ নিয়া, ধানুষ্ঠ বিশ্বান কৰি কৰে  বাব কৰু নেতাৰ সাথে আপ্তাহ আছেল যদি কৰে	কু <b>ট ব্য ও মাম</b> ৫-মারিলা		
বলা (আল্লাহ পূই ইলাহ গ্রহণ না করতে বলেন)	-	1	-	বান্তবাস্থিত করে পেবিয়েছেন আল্লাহ (রাস্ল স, এর কপু)		25	
বলা (আল্লাহ বুট ইনরাইলনেরকে মরে ফেতে বললেন)	১৬-নাব্ল	62	909	বাছবাজত তরে পোবরেছেন আল্লাহ (রাসুল স. এর বস্ত্র) বিচার করসালার কর্তত কেবল আল্লাহরট	82-8666	29	
কর্মা (আক্সাহ কর্মা হসরাসক্ষরের নরে বেতে বল্পনেন,) কর্মেন (আক্সাহ ক্রিয়ামকের দিন বল্পনেন, 'আঞ্চ সভ্যবাদীতা	২-বাকুারা	280	652		৪০-মুমিন	25	r
guesti ,	৫-মারিদা	223	292	বিচার (মততেদ/পুনরস্থানের বিশ্বরে বিচার অস্তাহর নিজট)	৪২-প্র	70	М
				বিচারক (আল্লাহ্ সর্বশ্রেষ্ঠ বিচারক)	৯৫-ভীন	. 5	20
বলা (আল্লাহ সভ্য কৰাই বলেন)	৩৩-আহ্বাব	8	9000	বিচার করবেন আল্লাহ সঠিকভাবে (কিরামভের দিন)	৪০-মুমিন	20	3.
रुम (प्रक्राद गण्पर्त देवनिएस असन रूप रूप या अस अस्त म्) दमा (प्राक्षाद गण्पर्य मा स्क्रान किस समा)	২-বাকুারা ৭-আরাফ	bo oc	209	বিচার করা(ইবাল্ডের নিয়ম নিয়ে মতপার্থক্যের বিষয়ে কিয়ামতে আল্লাহর বিচার)	২২-হাজ	63	9
বশা (ব্যক্তার না-তে বা জেনে বস্তু বলা) বশা (নুর আ, এর পুত্র ভার পরিবারকভ নর, আল্লার কালেন)			936				+
	33- <b>4</b> H	86	690	বিচার (আল্লাহ শ্রেষ্ঠ বিচারক, নৃহের পুর ও প্লাবন প্রনম্ব)	১১-ছুদ	84	60
ক্ষা (শয়ভান আল্লাহ সম্পর্কে এমন কিছু ক্ষার নির্দেশ নের হা)	২-বাকুগল	7.99	472	পিচার (অক্সাহ বিচার করকেন মুশরিকদের মাহকেনপূর্ণ বিহরে)	৩৯-যুমার	0	b
বলেছেন (আল্লাহ বেনুইনদের সম্পর্কে পূর্বেই বলেছেন)	৪৮-ফার্হ	26	224	বিচারক (আল্লাহ ছাড়া অন্যকে বিচারক বৌধার অসারকাঃ)	৬-আন্'আম	778	
বাইয়াত (মানুল স. এর নিমট বাইয়াত মূলত অপ্তাহর নিবট বাইয়াত)		20	27.9	বিলয় (অস্তাহর পক্ষ থেকে মুমিলনের বিজয় বলে কাভিনরা বলে)	8-मिगा	787	
বাকা করে নিলেন আল্লাছ (মূলার সম্প্রদারের হনর)	৬১-সাক্ক	8	7460	বিজয় নিবেদ আল্লাহ শীন্তই (মুমিদদেবকে)	৫-মারিলা	24	24
ব্যবস্থাকি নিজ্ঞান আহাহ ভূমানে এবং অন্য স্ববিষ্কৃত (বিশ্বামন প্রদাস)	৪১-কুস্সিলাভ	52	444	বিজয় (বৰদ আল্লাহর সাহাব্য ও বিজয় আসংব)	১১০-দাস্ত	>	Þo
বাছাইকৃত (আল্লাহত বাছাইকৃত বান্দারা শক্তিপ্রাপ্ত হলে না)	৩৭-সাম্ফাত	25%	৮৬০	বিন্দানী (আল্লাহ এবং রাসূলগণ বিন্দানী, আল্লাহ লিখে	৫৮-ম্বাল্য	43	N
বড়ানে (অক্সাহ পথ নির্দেশনা বড়িয়ে দেন আনেরকে ভার)	১৯-মারইয়াম	98	90%	(राजंद्धन)		10	100
যাড়ানো (আপ্লাব মুনাজিকদের ফুনরে লোপ বাড়িয়ে লেন)	২-ব্যক্তরা	30	202	বিজয়ী (আল্লাহ নিজ কর্ম সম্পাদনে বিজয়ী)	১২-ইউসুফ	52	101
যদী(সাভ সাগরতে কলি কবলেও অক্সাহর বাদী লেখ শেষ হতেন)	৩১-লুকমান	49	४२४	বিত্তৰ্ক (কিছু মানুৰ জ্ঞান ছাড়াই আল্লাহ সদক্ষে বিৰ্তন কৰে)	৩১-পুৰমান	20	7:
খণী (সপরবির সপর্বশ করলেও সম্ভাব্য বর্ণী দ্বর সতা প্রতিষ্ঠা)	১০-ইউনুস	5-5	296	বিতৰ্ক (কিয়ামতে আল্লাহৰ কাছে মুনাজিকদেৱ প্ৰভে কে	8.क्रिया	_	_
খাণী (অক্সাহ নিম্ম বাণী ধারা সভাকে প্রতিষ্ঠিত করেন)	83-781	28	250	विकर्क कड़(वर)	8-1991	309	6.
বাণী (আল্লাহর বাণী অপরিবর্তনীয়)	৬-আন'আম	08	233	বিতর্ক (আল্লাহ সম্পর্কে বিতর্ককারীদের যুক্তি-প্রমাণ অসার)	৪২-শ্রা	26	P2
যানী (আল্লাহর বাদী পরিবর্তন করতে চাম বেনঈনরা)	৪৮-কারহ	26	224	বিতর্ক(কতক মানুষ জ্ঞান ছাঙ্কাই আল্লাহ সম্পর্কে বিতর্ক করে)	22-27%	12	90
रानी (व्यक्तास्त बानीव नकाशनकारी हान देशाददेश)	৩-আলে ইমরান		480	বিতর্ব(কতক মানুষ জান ছাড়াই আল্লাহ সম্পর্কে বিতর্ক করে)	22-1786	0	96
यमे (व्यक्कारत वर्षे (नामाना दिल्ला प्रमानकारत व्यक्कारत)	2-21681	8	680	বিদ্রূপ করেন অক্সার অসেককে যারা সদকার বাপারে বিদ্রুপ করে	h-steat	939	68
বাণী (ইছলী কর্থক আল্লাহর বাণী বিকতি প্রসঙ্গ)	২-বাজর	90	dob	বিধান (উল্লেখিকার আইন অবন্য পালনীয় বিধান আলাচর)	s.fire	22	24
याम (रहता कर्म आझारत याम त्रकृत दान्त्र) यन्त्रम (म्ह्राद मनुरात बना समि हो त त्रहान वर्निहासन)	২-বাজুরা ১৬-মাহল			विकासिक (बाह्य र वान्य म् यह विकासिक विकासिक	৯-জাববা	90	68
বন্ধনে (অক্সম নতুলো জন্ম বানার) ও নতান বানতেছেন) বনিরেছেন আল্লার (পথিবীকে বাস্থোগ্য ও আকাশকে ছান)		93	906	भिक्यांच्या (ब्रह्माद ७ वज्या न, ५६ निक्यांच्याचीहा महिन्द)	25-38(P)FT	30	34
	8०-इमिन	68	220	বিধান (অক্সমন পক্ষ ওয়ার নেরা পলনীয় বিধান, মীরাস এসার)	৫৮-বুজালাল। ৪-নিসা	52	24
বনিরেছেন (গবাদিপত আল্লাহ বানিরেছেন)	8०-मृथिन	93	b.p.đ	বিধন অপ্তাৰে পৰিত্ৰ বিধানৰ সন্মন কৰা ভাৰ কছে উল্লেখন			
বনিরেছেন (অক্সাহ সনুক্রের জন্য দরকে বিশ্বাহের স্থান বনিরেছেন)	১৬-শহল	bo	90%		২২-হাজ	00	93
বনিরেছেন (আছার মানুষের জন্য পৃথিবীকে বিহানা বনিরেছেন)	47-56	7.7	pp.6	বিধান (আল্লাহৰ বিধান হতেছে ভাওৱাতে)	৫-মারিনা	80	26
ৰানাননি (আল্লাহ মানুহের অজ্ঞন্তরে দুটি ফ্রনয় বানাননি)	৩৩-আহ্বাব	8	100	বিধান বর্ণনা (আল্লাহ কসম অবসানের বিধান বর্ণনা করেছেন)	৬৬-জাব্রীম	3	200
ৰানানদি আল্লাহ বাহীৰা, সাইবা, ওয়াদীলা ও হাম	৫-মারিদা	200	6,940	বিশ্বন (ম্যানেতে বিয়ে করা বৈধ লে সম্পর্কে অক্সহর বিশ্বন )	8-निम	2,8	20
বালা (দিসা আ, আল্লাহর বালা হংরেকে লক্ষ্মক্রনক মনে করেন না)	8-निमा	245	645	বিভিন্ন (সম্ভাহ মুখ্যক স.এর জন্য বিভিন্ন করেছেন এনে উন)	৪২-শ্রা	20	6.9
বান্দানের ঋণ্য আল্লাহর দেয়া লৌন্দর্য কে হারাম করেছে?	৭-আ'রাফ	05	976	বিভিন্তত করা (আল্লাহ নবীর জন্য যা বিভিন্তত করেছেন)	৩৩-আহ্ঘাৰ	Ob	bro
ৰাপাদের প্রতি অক্সাহ বিশেবভাবে নৃষ্টি রাখেন	80-मृभिन	88	500	কিনী (অক্সাহর প্রতি কিনী হরে ঈবান আনে ফোব আহলে কিতাব)	০-আলে ইমবান	799	20
ৰাপানের বিহার করে ফেলেছেন আল্লাহ, অহংকারীয়া বলাবে	80-मु*भिन	85	544	বিপরীতে (অক্সাহর বিপরীতে বিষ্ণু করার ক্ষমতা নেই ইবরাই(মর)	৬০-মুমভাইনা	8	30
বাপা (বাছাইকৃত আল্লাহর বাদারা অপবাদ আরোপ করে না)	ত্র-সাক্ষাত	200	508	বিফল করা(আল্লাহ মুনাকিকের কর্ম বিফল করে দিয়েছেন)	৩৩-আহ্মাৰ	29	50
বাপা (আল্লাহকে বাদ দিয়ে মানুষের বান্দা হতে বলা)	৩-আলে ইমরান	93	€80	বিশ্বান্ত হওয়া (সকলে আল্লাহর কাছে ফিরে থাবে)	৪৩-মুখ্যুক্ত	2.0	20
ৰপা (স্ক্লাহ তার বাদা সম্পর্কে পূর্ণ অবগত ও পূর্ণ দৃষ্টিবন)	৪২-পুৰা	29	bbo	বিক্ষাসক (অক্সাব্য বিক্ষাসক্ষকারীসেরক শস্ত্রিত করা হবে)	৫৮-ব্ৰহাণালা	æ	20
বন্দ (অক্সাহ থার যে বন্দর প্রতি ইজা ওব্র অবর্ত্তীর্ণ করেন)	২-বাকুগর	8o	230	বিক্ষাচন (অক্সাহ্য বিক্ষাচনকার্টকে জনবাসে এমন মুর্মিন,)	৫৮-মুক্সাদালা	44	26
বাপা (অক্সাহ বাপালের মধ্যে যাকে ইচছা অনুহাছ দান বহলে)	১০-ইউনুস	209		বিহুছে (অস্তাহর বিহুছে প্রস্কৃত্য প্রকাশে নিহেধান্তা)	88-त्यान	29	30
यम् (अक्रार यागाः विवेद अमृतिक करता प्रान्य वास्त्रविक करता)	৪২-পুরা	29	b/b/d	বিরোধিন (মারার ও বাসুল স, এর বিরোধিনা করেছে কঞ্চিত্রা)	৮-আনকাল	20	ère
यम (प्रक्रास तक समात क्रमुस्टर को (पर्य ना रहत)	৭৬-লাহর	9	994	বিরোধিতা জোল্লাছ ও রাসল স. এর বিরোধিতার করেলে,		-	+
বালা (আল্লাহর বাডাইকত বালালের পরিধাম প্রতম)	৩৭-সাক্ষাত	98	bibo	আধিরাতের শান্তি)	৫৯-ছাপর	8	3/2
বন্দা (আল্লাহর বাহাইকত বালারা শক্তিযোগ্য নত্র)	৩৭-সাঞ্জাত	80	breto breto	বিয়েধিন (মাপ্তাৰ ও নালুগ স্, এন বিয়েধিক কৰাৰ শক্তি কঠোৱা)	৫৯-বাশর	8	30
বাপা (আক্লাহর বাধ্যহত্ত্ব বাপারা শারহেশে। নহ) বাদা (আক্লাহর বাদা যোকা করল নিয়েকে, কেলুকু দিও ইনা)	১৯-মার্ক্র্যাম			বিরোধিতা (আল্লাহ ও রাসুল স, এর বিরোধিতা করে যে)	४-वामकान -	20	66
বালা (ৰাষ্ট্ৰাবৰ বালা যেকা কলে সভাকে, বেপ্তাৰ লাভ কৰ) বালা (ৰাষ্ট্ৰাবৰ বালালের নিয়ে নেয়ার জন্য মসার আহ্বান)		60	406	बिमिन्ड कर्रा (बाह्याव महिद्रक क्रिकेट कर्जुन कवित्र कृतः)	77- <u>fet</u>		
ৰাপা (জাল্লাবৰ ৰাপানের নিয়ে নেয়ার জন্য মূদার আহ্বান) ৰাপা (জ্ঞানের বাধানের মধ্য হেরো বাঁর অন্যোজনে সাক্ষর করা)	৪৪-নুখান	35	४०४	বিষয় (আপ্লাহর মালিকানাধীন সকল বিষয়)	১১-ছুদ ১৫-রাদ	4	66
	8८-पूर्वकम	36	1964	বিশ্বস (আল্লাহ ও অধিয়তে বিশ্বসীয় জন্ম উপদেশ, ভালাক প্ৰদেশ)			63
ৰাল (সম্ভাহ যে বাদকে ইয়ে ভটানহ ফেরেলনা অবর্ত্তর্গ করেন)	১৬-নাতৃপ	2	900		৬৫-ছলোক	2	36
বান্য(খাল্লাহর সংকর্মশীল যান্যারা ফৌনের উত্তরাধিকারী,	২১-আছিবা	202	969	বিশ্বাল (আল্লাহকে বিশ্বাল করেন মবী)	৯-জাত্তা	63	88
ৰান্নত প্ৰসৰ)				বিশ্বাস (আল্লাব্যুক বিশ্বাস করে না অধিকাংশ মানুহ)	১২-ইউসুক	300	80
বালা/রাসূপ স. (আল্লাহকে ভাকার জন্য আল্লাহর বালার	१२-बिन	3%	25.4	দিশ্বাস (অক্সাহতে বিশ্বাস করার নির্দেশ দিয়ে দূরা অবর্তীর্ণ হলে)	৯-ভাওৰা	trb	86
ব্যারমান হওরা)				নিশ্বান (অক্সাহতে বিশ্বান করে না বারা, ইউনুক্ত আ, বর্জন করদেন)	১২-ইউসুফ	७९	69
বহিনী (আকাশমক্ষী ও পৃথিবীর বাহিনীসমূহ আল্লাহর)	87-कार्ट	9	979	বিশ্বাস (আল্লাহকে বিশ্বাস করে বে সম্প্রদার তারা)	৫৮-মুজানালা	44	32
বাহিনী (আল্লাহর বাহিনীর সংখ্যা তিনি ছাড়া কেউ জামে না)	৭৪-মুমাম্মির	407	200	বিশ্বাস (আল্লাহ বিশ্বাস করে বারা তারাই মসজিদ আবাদ করেব)	৯-জাওবা	36	68
বহিনীসমূহ (আজনমতলী ও পৃথিবীর বহিনীসমূহ অল্লাহরেই)	8४-फारुर	8	979	বিশ্বাসী (মাল্লাহতে বিশ্বাসী ইল্পিনেরকে মহাপ্রতিদান দান)	৪-নিসা		09
বাহু প্রেরণ করেন আল্লাহ যা মেগমালাকে সঞ্চালিত করে	৩৫-ফার্ডির	>	b86	দিতৰ্ক (আল্লাহৰ ব্যাপাৱে ইছনি-নাগাৱাদের বিভৰ্ক)			

निर्मा विस्तु धनक	স্থানং ও নাম	456.5	14			मुद्दानः ७ नाम		
प्राष्ट्राइ (नुर्व नृक्ते (अदक)				ভার (অল্প্রাহত্তের ভার করের জন্য স		২৬-৩'আর		950
বৈধৰ্ম (সঞ্জাহ সম্পৰ্কে ইনৱাহীয়ের সাবে সংক্রপারের বিভৰ্ক)	৬-আন' আন	300	ģoo	তর (আল্লাহকে ভর করার জন		৫৭-হানীন		>67
কার (বিয়ামতের দিন অক্সাহ ইকুনি-নালরতের বিচার ক্যানেন)	২-বাকার	220	670	তর (আল্লাহকে ভর করার নি	xf4)	०-मकिल		6,000
ব্যব্য (বিশ্বামতের দিন অক্সার বিদ্যো করতেন, মুনাফিক প্রদাস)	8-নিস <u>া</u>	282	292	তর (অক্লাহকে তর করার নি	র্দশ, মুমিনদের প্রতি)	০-আলে ইমরাণ		₫8b
ছি কর (অস্তাহর পথে ব্যাতি সম্পদ মিনি বহুচণে বৃদ্ধি করেন)	২-বাকুরা	205	607	তর (আক্লাহ্যুক ভর করার নিয়ে		২-বাকুরো		65.
বৃদ্ধি পার না অক্সাধ্যে নিংট (সুনবিভিত্ত বিনিয়োগক্ত সম্পদ)	৩০-ক্ৰম	40	354	তর (আল্লাহকে তর করের নি	র্দশ, মুমিনদের প্রতি)	৪৯-হত্ত্রত		350
বৃত্তি বৰ্ষণ করেন আল্লাহ (মানুষ নিরাশ হওরার পর)	৪২-শূর	20	7/20	তর (আল্লাহকে তর করার নি	র্দশ, মুমিনদেরকে)	৫-মায়িলা	٥	@brc
বেধবর নম (আল্লাহ বেখবর নন, মানুয়ের কান্ধ সম্পর্কে)	২-বাকুরো	283	659	ভর (আল্লাহকে তর তরার নি	2F1)	২-বাকুরা	200	220
(रवस्त मन (बाह्यार (रवस्त गर्ग, बाह्यस्त काल गर्गारक) (रवस्त मन बाह्यार (बाह्यम किळागरान काल गर्गारक)	৩-আলে ইমরান		282	ভর (আল্লহতে ভর করার নি		8-निमा	,	64.5
	२-शक्ता	388	459	ভয় (আল্লাহকে ভর করার নি	र्लन, प्रवित शहर)	৫-মারিদা	225	Q>8
বেশব্য নন আল্লাহ (নিফাব্যোজনের কান্ধ সম্পর্কে)	२-वक्ता -	48	gob .	তর (আল্লাহকে ভর করার নিঃ		৩-আলে ইমরান	200	220
বেখবর নন আল্লাহ (বনী ইসলের কাজ এপক)	4-4501	100	400	তর (আল্লাহকে তথ্য করার নিঃ		২-বাকারা	200	45.
ব্যে করা (অক্সাহ মৃত গেকে জীবিত/জীবিত বেকে মৃতকে কো	১০-ইউনুস	03	629			8≽-इक्वाड	30	32
4(SF)		402	902	ভা (আল্লাহকে ভর করার নি		১৬-বাহণ	3	90
বের করা (আল্লাব্ মানুয়কে মাতৃগর্ত থেকে বের করেছেন)	১৬-নাব্দ			ভার (আল্লাহতে ভার করার নি		৫৯-বাশ্ব	36	26.
বের করা (আল্লাহ জীবিত বেকে মৃত্যমৃত থেকে জীবিত কের করেন)	৬-অন্অম	345	bot	ভা (আল্লাহ্বে ভার করার নি		২-বাসুদা		230
বের হয়ে আসরে সবাই (কিরামতের দিশ)	<b>38-रेरतारीय</b>	52	260			৫-মাছিলা		Q bri
বেধবর দন আল্লাহ (বনী ইসরাইলের কাঞ্চ সম্পর্কে)	২-বাকুরা	prê	630	ভর (আপ্লাহকে ভর করার নি		৫-মারণা	90	251
বেৰবর নন (আল্লাহ মানুদের কান্স সম্পর্কে বেৰবর নন)	২-বাস্থারা	180	676	তর (অক্সগুরু তর করর নির্দেশ				20
বেশবর নন (জালিমনের কান্ধ সম্পর্কে আল্লাহ বেশবর মন)	<b>38-ই</b> रवादीम	83	699	তর (আল্লাব্যক তর করার নি		২-বাকুলে		342
ব্যতিক্রম করেন দা আল্লাহ (প্রতিশ্রতির)	১০-রা'দ	.03	697	ভর (আল্লাহতে ভর করার নি		৬০-মুমভাহন	22	
হ্যতিক্রম করেন না আল্লাহ (প্রতিশ্রুতির)	৩-আলে ইমরান	778	666	তর (আল্লাহকে তর করার নি		৩-আবে ইমরান		28
स्थितम् न दश्च देवनीयात् वि चातात् ध्यम शिक्षाति निरायनाः)	২-বাসুরা	70	609	তর (আল্লাহতে তর করার নি		৫-মারিদা	8	62
স্থানীত (অপ্তাহ ব্যাহীত অন্য উপাস্যানেরকে ভাতা আজে আনেনি)	১১-বুল	202	692	ভর (আল্লাহকে তর করার নি		৫৮-মুজাদালা	ъ	200
বারীত (আল্লাহ ব্যতীত অদ্যাদেরকে ভাকা নিষেধ)	৪০-মুমিন	96	550	তর (নিজের কল্যাণের জন্য স	গাখানুযায়ী আল্লাহকে তর কর)	৬৪-ভাগাবুদ	36	36
ভৰকাৰী না (অপ্লাহ হাসুবাসের সাবে কৃত প্রথিপ্রেটি অকলাধী না)	<b>18-देखारीय</b>	89	689	তর প্রদর্শন করেন অক্লাহ, য	াথানেরকে (আওনের মাধ্যমে)	৩৯-যুব্যর	16	49
তর (আল্লাহকে তর করার নির্দেশ, দেবাবে তর করা উচিত)	৩-আলে ইময়ন			च्य (समुद्द वि खद्वार एवं जना	কে তর করে, অধ্য অনুশতা তারই)	১৬-নাহ্শ	૯૨	90
তর (আল্লাহতে তর করলে আল্লাহ তার পাপ মোচন করেন)	৩৫-ডালাক	0	her	তর (আমানত ফেরত দানের		২-বাফুর	200	20
তর (আল্লাহতে তর করলে সফল হতে পাত্রবে)	৫-মারিদা	300		ভর (অক্সহই রাসুস স. এর	তর পাওয়ার অধিক হকনার)	৩৩-আহ্থাব	99	20
ভয় (আল্লাহতে তর করা, ইংরাম অবস্থার শিকার প্রসঙ্গ)	g-प्रक्रिया	36	695	ভর (আল্লাহ্যকট তর করার)	নিৰ্দেশ, ডিনিই একমাত্ৰ ইলাহ)	১৬-দাহল	62	90
ভর (আপ্রাহকে তর করা, হংলান অবস্থান দেশত এনক) ভর (আপ্রাহকে তর করা ও উসার অভুসরণ করার আহলান)	৩-আলে ইমরান		683	তর (আল্লাহকে দবীদের ভর		००-जार्यार	Øb.	300
	৮-আনফাল	60	909	তম (আল্লাহকে তম করার নি		৬৫-ভালাক	20	(86
তর (ভারাব্যত ভয় করা নির্দেশ, মু'মিনদেরকে)	8-991	9	668	ভর (আল্লাহতে ভয় করার দি		৩৩-আহ্মাৰ	90	₹8
ভা (আলুহাতে ভার করা, মীরাস বউন্/ইরাতিম প্রদা্		48	gob.	ভাবেণ্ড (আল্লাহ ভরের যে		৭৪-মুমাছছির	66	bh
তর (আপ্লাহর তরে পাশর পঞ্জিত হওয়া প্রদাস)	২-বাকুরো	55		ভয় (রাস্প/কেরেশভারা অন্ত		২১-অধিয়	25	90
ভর (আপ্রাহতে ভর, হলাল মিডিক বাধরা এসক)	৫-মার্ক্স		697	তর (শরতান তর করে আরা		69-£048	36	3-2
<b>छा (अक्रार छात्र छत रा</b> ड मा यहा चाहाँ प्रश्रक्त जारान कारर)	১-ব্যবস্থা	75		on (cases on our case	ক্লাকীকে ক্ষরিয়ের করা গ্রেশস)	३-शकाश	373	
তয় (যদি ঈমাননাররা আল্লাহতে তর করে তবে)	৮-আনফাল	59	608	स्य (क्षाक्षाद्यंत स्थ स्थात ह	pers annotal	৪০-গুদরুত	60	80
৬র (সাল্লাহতে ডর করে যারা থারা সফল)	२८-मृद	65	993			३-शकृत्व	206	
চা ( <b>সাল্লাহ</b> কে ভর করে হাবিল)	৫-মরিদ্র	沙	298	ভর (আল্লাহাকে তর করতে ব		३३-इम	93/	89
ভয় (ঋল্লাহকে ভয় পার পরতান, বদরসুদ্ধ প্রসঙ্গ)	৮-আমহাল	85	606		াখদেন পূভ, ভার সম্প্রনারকে)	৬৫-জনাত	3	36
ভয় (আল্লাহকে ভয় করার নির্দেশ, মুম্মিনদের প্রক্রি)	৫-মারিদা	22	49.7	ख्य (अक्काश्चर कर करान अक्का	হ'তার বের হওয়ার পথ করে কেন)			
ভয় ( আক্লাহকে ভয় করার নির্দেশ, গীবন প্রদক্ষ)	৪৯-হজ্বাত	25	257	ভর করা (আল্লাহকে ভর কর	তে নবীর শ্রীদের প্রতি নির্দেশ)	৩৩-আহ্বাব	90	310
তর (আল্লাহতে তর করার নির্দেশ, নবীর প্রভি)	००-वादपान	3	3400		লে তিনি কাৰ নহৰু কৰে দেন)	৬৫-তালাক	8	200
তর (আল্লাহকে তথা করার মত মানুহকে তর করা, যুদ্ধ রাপঞ্চ)	8-मिश	99	<b>¢</b> ′66	তর (কুফরী রসকে আল্লাহ্য	হ ভয়)	৪-নিসা	202	
তর (আল্লাহকে তথ করা, সীমালকানের ক্ষেত্রে)	২-বাকুয়ো	278	455	তর পাওয়া (আল্লাহকে ভয় গ	পাওয়ার নিদেশ)	০-আলে ইমরা		
তর (অল্লাহকে তর করে কেবল জানী বাদ্যরাই)	ত্ত-ফাভির	₹6	787		চর করার নির্দেশ, তালাক প্রসঙ্গ)	৬৫-ডালাক	3	3/6
তম্ব (মরীর স্থীগণকে আল্লাহর তম করতে নির্দেশ)	৩৩-আহ্বাব	03	300	তয় (অক্লাহ্যক ভাৰ করার নি		৫-মারিদা	209	
তয় (অক্সহত তরে পার্যাভ নির্মির্ণ হত, তত্ত উপর কুরাজন নাবিল হলে)	৫৯-হাপর	153	200	তঃ (অক্সাহকে ভয় করার নি		২-বকুরা	507	
ডর (আল্লাহর তরের উপর মরের ডিবি ছাপন করে যে)	৯-জধনা	203	696	তর (অল্লাহ্বে ভর করার নি	বৰ্লেশ)	২-বাকুরা	29/9	
জ্মইবাইম ডা. কর্তৃৰ সম্প্রদায়ের প্রতি অক্সাহতে তর করার নির্দেশ				ভর (আল্লাহতে ভর করার নি		১-ভাওবা	27.9	
ত্ত (বঢ়ার বিষয় লেখন ক্ষেত্রে অক্সাহতে তর করন নির্দেশ)	২-বাকুরো	20%		ভর (আল্লাহতে ভর করার নি		৫-মারিনা	3	25
ত্ত (বস্তাহরে তর করন জন্তান, হুন কর্তৃক তার সম্পানকে)	২৬-চ'বারা	250			বৰ্মেশ,নৃহের সম্প্রদায়ের প্রতি)	१३-नृद	0	Жb
ভা (বছাহের ভা বনার জন্মন, নূর অ, কর্তৃক বর সভারতে)	२७-७'वारा	201		তর (আল্লাহ্যক ভর করার দি		৫৯-হাশর	19	200
	59-9,481	224		তর (আল্লাহকে তর করার নি		৫-মরিদা	ν	et
তর (অক্সাহতে তর করার আহনে, নৃহ আ, কর্মক করে সংকালাকে)		240		क्ष (बाह्यस्ट का करार नि	ন্দেশ, মধিন হলে)	<b>०-मारिमा</b>	29	e
তা (অক্সাহরে তা করে ধন্য সম্প্রদারের প্রতি কর্মাইব্যে আহান)				NOT (NUMBERS FOR SHARE)	সম্প্রনারের প্রতি সন্দিরের অমান)	২৬-৩'আরা	260	
তর (অপ্লেহতে তর কর্মার জন্য সম্প্রদারের প্রতি হুদের আহসে)	59-२,व्यंख	36		তর (অক্লাহকে ভর করার বি	रार्जन)	২-বাকুরো	20.9	
তা (অক্সাহতে তা করণ জন্য স-প্রদায়ের প্রতি লুকের আহান)	২৬-৬'আরা							

The second secon	Francisco Consultation Consulta	- Desire	and the			_	
বিশ্ব (বিশ্ব (বিশ্ব (বিশ্ব (বিশ্ব (বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব (বিশ্ব বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র	স্বানং ও সাম	318	1.8		西野田の中		
		_	_	অলবাসেন না (আল্লাহ বিশ্বসবাদক/অনুসক্ষকে ভালবাসেন না)	২২-হাজ	45	963
ভাসা (পৰী আল্লাহৰ উপরই ভরসা করেন)	৪২-পূরা		2.97	ভাগবাসের না (মাধ করা প্রকাশ করা আল্লাহ ভাগবাসেননা)	8-निमा	782	446
ভরসা (ভরসাকরীয়া যেন আল্লাহর উপরই ভরসা করে)	18-रेनवारीम	25	946	অলবাসেন না (আক্লাহ দীয়াশব্দনকারীদেয়কে অলবাসেন না)	২-বাকুয়ো	250	653
তরসা (হল আ, আল্লাহর উপর তরসা করেন,)	<u> </u>	40	990	অসবাদেন না (অবিশ্বাসী পাণিচকে আল্লাহ অসবাদেন না)	২-বাকুারা	296	6-00
ভরপা (আল্লাহর উপর নূরের ভরপা প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	42	665	অণ্য অক্সাংর নিবট,নিয়োপারীন (মূল মা. ও বিরুপার্টন প্রসঙ্গ)	৭-আ রাড	202	658
তরসা (পাল্লাহর উপর তরসা করা উচিত, বুমিনদের)	৫-মারিদা	22	63.7	ত্ত্তে ব্যওরা (অক্সাহতে মনজিকরা চুলে বেছে)	৯-জাওবা	99	689
তরসা (অক্সাহর উপর তরসা করা উচিত, মুমিনদের)	৩-আলে ইম্বর	1255	683	তুলে যাওয়া (বারা আল্লাব্যক, তুলে লেহে তাদের মত না	৫৯-যাশর		
তরশা (অক্সাহর উপর ভরনা করার দির্দেশ, সন্ধি প্রনঙ্গ)	৮-আনকাশ	62	60y	হুবার অধ্যেন)	(2a-4)*19	22	26.0
তরশ (মক্সাব্য উপর ভালা করতে কলা মূলার সম্প্রদারকে)	৫-মারিদা	20	cho	মনোনীত করেছেন আল্লাহ ভালুতকে বাদশাহ হিসাবে	২-বাকুরো	289	426
তরশ (অক্সাহর উপর ভালে ধা করর পক্ষে কোন যুক্তি নেই)	<b>38-रेन्सरी</b> म	24	658	মনোনীত করেছেন আল্লাহ অসম আ., নৃহ আ. ৩	৩-আলে ইমরান	00	000
তরসা (আল্লাহর উপর তরসা করে যে)	৮-আনহাল	85	609	মনোনীত করেন আল্লাহ বাস্পদের বেকে যাকে ইল্লা	৩-আলে ইময়া		660
ভাসা (সাল্লাহর উপর ভরদা করে (ঘদ মুমিনরা)	৩-আলে ইমরা-	200	003	মনেলীত (আল্লাহ মনেলীত করেছেল মার্ডেইয়ামতে)	০-আলে ইময়া		080
তরসা (আল্লাহর উপর তরসা)	৯-জাওবা	67	680	মনেনীত (আল্লাহ বাকে ইয়ো ভার জন্য মনোনীত করেন)	8२-नुवा	20	490
তরসা (ড'আইব/মু'মিনগণ আল্লাহর উপরই তরসা করে)	৭-আ'বাক	79	663	মনেনীত করা (আল্লাহ কর্মক ছীনকে মনেনীত কল্লা)	২-বাকুারা	205	675
ভরদা (আল্লাহর উপর ভরদা করার নির্দেশ, রাদুল স,কে )	০-জালে ইমরা		663	यानीय नवाप्रकार मनुप्रशासनायान वर्धनात प्राप्तीय वर्धना	55-5100 5-415-101	90	9662
ভাসা (আপ্লাবর উপর মু'রিন্দের ভারসা করা উড়িত)	৫৮-বুজানালা	30	200	মন্দ্ৰ ধারণা (আল্লাহ সম্পর্কে মন্দ্ৰ ধারণা (পাহণের শান্তি)	89-3768		
ভাগা আল্লাব্র উপর (মুগার জাতির মুমিন/মুগলিমদের)				मर्थन (अञ्चारत मंग्निक मर्ग नावन (जायराव नाव) मर्थन (अञ्चारत मर्थन न तनाव शरण नृद्ध था. धर्मक से पुरेक आक्रात)		6	976
তালা আল্লাবর কলর (ব্লার জাতের ব্যান-(ব্যালমদের) তালা (ব্যালদের আল্লাবর উপরই তরলা করা উভিত)	১০-ইউনুস	Þ¢	662	मन्त्र (प्रकारत मन्त्र न जनात गर्म कृत का ब्राइट से युक्त काजर) मन्त्र प्रकारत काज (मनुजस विशेष्ट मन्त्र ब्राइट ब्रह्माल काजर	१३-स्इ	30	998
তানা (বুলিনলের আল্লাহর ভগরহ ভরনা করা ডাচক) তানা (বুলিনরা যেল আল্লাহর উপরই ভরনা করে)	৬৪-ফাশাবুন	30	269		৩-আলে ইমরান		667
	১৪-ইব্য়হীন	22	698	মধীনা (প্ৰেচ মৰ্থানা আল্লাহৰ নিকট আনের জন্য যায়)	৯-ভাগৰা	20	684
তাপ (মৃদায় মাতিকে অক্সাহতে ভাল করতে কল, মূপলিন হলে)	১০-ইউনুস	1-8	995	মর্থন নন (ম্বারুং একজনে উপ্য অপ্য জন্ম মর্থন নিয়েছেন)	8-PM	65	697
তরশা (যে আস্তাহর উপর ভাসা করে ডিনি ভার জন্য যথেষ্ট)	৬৫-ডালাক	0	900	মর্থন নান (আল্লাহ নবীর উপর পুরুষের মর্থানা দান করেছেন)	৪-দিশা	80	697
তরমা (প্রমূল দ.কে আল্লাহর উপর ভরসা করার নির্দেশ)	২৭-নামল	95	900	মর্থান লন (রিখিকের ক্ষেত্রে অস্তাহ কাইকে কারে উপর মর্থান (নন)	১৬-নাতৃদ	42	906
তরসা (রামূল ন.কে আল্লাহর উপর ভরসা করার নির্দেশ)	8-मिना	2.7	৫৬৭	মর্বাদান্যন (আল্লাহ অভি প্রশংসনীর ও স্বহামর্বাদাব্যন)	३३-बूम	90	69ર
তরসা (রাসুল দ.কে আল্লাহর উপর ভরসা করার নির্দেশ)	৩৩-আহ্বাৰ	85	100	মৰ্যাদানান (মূস্য আ, আক্লাহর নিবাট মৰ্যাদানান)	৩৩-আহ্মার	65	sup.
তরসা (রাস্ল স.কে আল্লাহর উপর ভরসা করার নির্চেশ)	००-वाश्यान	0	9000	মর্থনার উল্লীত করকে জল্লাহ মুখিনানেকে একা বানেকে জান	৫৮-মূজানালা	22	260
তাল কিছু অয়িম প্রেরণ করলে (মাল্লাহর নিকট পাবে)	৭৩-মুখ্যাখিল	₹0	92.9	মসজিদ (আল্লাহর মসজিদ আবাদ মুশরিকদের অধিকার নয়)	৯-জাওধ	29	683
ক্ষাবল (অক্সাহত ক্ষাবাহত হলে রাজুল স. এর অনুসরণ)	৩-আলে ইমরা-	60)	¢cb.	মনজিন (আল্লাহর মনজিনে তাঁর নাম স্মর্যে বাঁধা নিলে)	২-বাঙ্গৰা	328	670
জাবন (অক্সহতে জনানা হত জনবান সহকৰ বনিয়ে)	২-বাকুবো	266	672	মার্লিদ (সম্ক্রাহা মার্লিদ ভারদ করবে ভারই হার বিশ্বাস করে)	৯-জভন	35	683
ভাৰবাসা (আল্লাহ ভাৰবাসেন আনেবকে খাৱা ভাৰবাসেন)	৬১-সাক্ক	0	৯৬০	মার্কিনসমূহ আন্তাহাই জন্ত (সেবনে জন্ত কাইকে না ভাবা)	१२-किन्	36	800
ধাশবার (সংকর্মপরাক্রপৃত্বিবানকরিসেন্তে অপ্তার ভালবচেন)	২-বাকারা	754	444	वरासानी वाहार	≽-ভাওৰা	306	962
অলবানা (বিয়ানতভারী/পাপিষ্ঠকে আল্লাহ ভালবাসেন না)	৪-নিগা	Poc	690	মহাজ্ঞানী (আল্লাং মহাজ্ঞানী, সকল বিষয়ে)	৫৮-মুক্সাদালা	9	200
অশবাদা (আল্লাহ সংকর্মপরারণদের ভালবাসেন)	৫-মারিদা	20	425	বহান (আল্লাহ মহান)	२०-मु"मिन्न	330	990
ভাশবাসেন (বিবদমান মুমিনদের মাঝে সুবিচারকারীদের )	৪৯-বন্ধরাদ	>	340	মহান (অক্সাং মহান ও ক্রেচ, নারীর উপর পুরুষের মর্যান প্রসঞ্চ)	8-मित्रा	26	492
অপবাসেন আল্লাহ সংকর্মপরারণদেরকে			649	মহান (আল্লাহ মহান, মালিক ও সভা)			985
	৫-মারিলা	30					
ভাশবাসেন আল্লাই নবক্তমপরারণনেরকে ভাশবাসেন (আল্লাই সনকাকারীদেরকে ভালবাসেন)	৫-মারিলা ১২-ইউস্ফ	20	62-5	মহান ও সুউজ	২০-ড়া-হা ৩১-লকমান		b-9%
	১২-ইউনুক	bb	946		৩১-সুকমান	00	brillion broken
ভাশবাসেন (আব্রাহ সনকাকারীদেরকে ভালনাসেন)	১২-ইউসুফ ৩-আলে ইমরান	78P	683	মহান ও সুউজ মহাপরাকমপানী আল্লাহ	৩১-স্কমান ৩৮-সোরাদ	96	5-88
ভাগবাসেন (থাল্লাহ সনকাকারীদেরকে ভাগবাসেন) ভাগবাসেন আল্লাহ ধৈর্যবীলদেরকে ভাগবাসেন আল্লাহ সংকর্মপরারনদেরকে	১২-ইউসুফ ৩-আলে ইমরান ৩-আলে ইমরান	789 789	683 683	মহান ও সুক্তিত্র মহাপরাক্রমপানী আস্তাহ মহাজ্ঞাবান	৩১-সুকমান ৩৮-সোৱাদ ৪০-মুখিন	p. 96	p.4p.
ভাগবাসেন (খাব্রাহ সনকাকারীদেরতে ভাগবাসেন) ভাগবাসেন খাব্রাহ ধৈর্ঘদীলমেকে ভাগবাসেন খাব্রাহ সংকর্মপরাক্রান্যনেকে ভাগবাসেন খাব্রাহ সংকর্মপরাক্রান্যনেকে	১২-ইউসুফ ৩-আলে ইমরান ৩-আলে ইমরান ৩-আলে ইমরান	787 789 789 28	685 685 687 660	মহান ও সুঠাত মহান্যাক্তমনানী আপ্তাহ মহাক্তমানান মহাক্তমানান আপ্তাহ	৩১-স্কমন ৩৮-সেরান ৪০-মুখিন ৪৮-ফাত্র	00 60 7 8	959 959
ভালবাসেন (আদ্রাহ সলকাকারীদেরকে ভালবাসেন) ভালবাসেন আদ্রাহ (ধ্যবিদ্যান্তরকে ভালবাসেন আদ্রাহ সংকর্মপরারকাসেককে ভালবাসেন আদ্রাহ সংকর্মপরারকাসেককে ভালবাসেন আদ্রাহ সংকর্মপরারকাসেককে ভালবাসেন আদ্রাহ ন্যারবিচাকারীদেরকে	১২-ইউনুফ ০-জালে ইমরান ০-জালে ইমরান ০-জালে ইমরান ৩০-মুমভার্কনা	287 789 789 789	689 689 489 660 566	মহাণ ও সুউজ মহাণরাকশালী আল্লাহ মহাংলারকশালী আল্লাহ মহাজ্ঞাবন মহাজ্ঞাবন আল্লাহ মহাজ্ঞাবন আল্লাহ মহাজ্ঞাবন আল্লাহ (আনম আ. সৃষ্টি প্রসৃষ)	৩১-পুকমান ৩৮-সোরাদ ৪০-মুখিন ৪৮-ফাত্র ২-বাঞ্চরা	00 00 7 8 8	608 809
ভাববাদে (খাদ্রার সদরকারীদেরকে ভাববাদেন) ভাববাদেন আন্তর হৈববঁদানকেকে ভাববাদেন আন্তর হৈববঁদানককে ভাববাদেন আন্তর সংকর্ম-বান্ত্রদানককে ভাববাদেন আন্তর সংকর্ম-বান্ত্রদানককে ভাববাদেন আন্তর সংকর্ম-বান্ত্রদানককিক ভাববাদেন আন্তর মান্তর্বিক্রাক্তরক	১২-ইউসুফ  ০-আলে ইমরান ০-আলে ইমরান ০-আলে ইমরান ৬০-মুমজাহিনা ৫-মারিনা	58 285 285 285 58 285 82	685 685 489 660 656 676	মহান ও সুবিজ্ঞান মহাপ্তারক্রমন্ত্রনী আক্লাহ মহাজেম্বারন মহাজেম্বারন আক্লাহ মহাজেম্বারন আক্লাহ (আনম আ, সৃষ্টি এপদ) মহাজেম্বারন বা ক্লাহার (আনম আ, সৃষ্টি এপদ) ও পথাইর।)	৩১-স্কমান ৩৮-সেরাদ ৪০-মুখিন ৪৮-ফাত্র ২-বাকুরা ১৪-ইবরাহীম	00 00 1/ 8 02 8	608 608 608
ভাগবাসে (আহাই সন্বাহারীলেহকে ভাগবাসেন) কালয়েসে আহাই থৈপীন্যালকে কালয়েসে আহাই থৈপীন্যালকে কালয়েসে আহাই কালয়াসকল কালয়েসে আহাই সক্ষেপিরালাগনকে কালয়েসে আহাই কাল্যালিকেকে কালয়াসকল আহাই কাল্যালিকেকে কালয়াসকল আহাই কাল্যালিকেকিকিকেকে কালয়াসন্তাহ্য প্রিক্তিয়াক অর্ক্সিকারীকেকি	১২-ইউসুক  ৩-আলে ইমরান  ৩-আলে ইমরান  ৩-আলে ইমরান  ৩০-মুমজাহিনা  ৫-মারিনা  ৯-জাওবা	56 285 285 285 5 82 205	689 689 689 689 689 689	মহান ও সুবিত্র। মহানার ক্রমান ক্রান্তর্বাহ মহানার ক্রমান ক্রান্ত্র্য মহানার ক্রমান ক্রান্ত্র্য মহানার ক্রান্ত্র্য মহানার ক্রান্ত্র্য মহানার ক্রমান ক্রান্ত্র্য মহানার বিভাগ বিভাগ ক্রমান ক্রান্ত্র্য মহানার বিভাগ বিভাগ ক্রমান ক	৩১-সুকমন ৩৮-সোরাদ ৪০-মুখিন ৪৮-জাত্ত ২-বারুররা ১৪-ইবরাহীম ৩১-সুকমান	00 00 7 8 8 02 8	508 508 508 500 540
ভাগবাদে (খাছাই সাক্ষাবভাগেরত ভাগবাদেন) ভাগবাদেন আছাই বৈধীপালাবকে ভাগবাদেন আছাই বংকাইপারালানেকে ভাগবাদেন আছাই সাক্ষাইপারালানেকে ভাগবাদেন আছাই সাক্ষাইপারালানেকে ভাগবাদেন আছাই সাক্ষাইপারালানিককে ভাগবাদেন আছাই আছা বিভারকারীকৈ ভাগবাদেন আছাই আছা বিভারকারীকৈ ভাগবাদেন আছাই আছা বিভারকারীকৈ ভাগবাদনা আছাই আছাইলাক ভাগবাদিককে ভাগবাদনা আছাই আছাইলাক ভাগবাদিককে ভাগবাদনা আছাই আছাইলাক ভাগবাদিককে	১২-ইউনুফ  ০-আলে ইমরান  ০-আলে ইমরান  ০-আলে ইমরান  ৩-মুমজাহিনা  ৫-মারিনা  ৯-জাওবা  ৩-আলে ইমরান  ত-আলে ইমরান	56 286 286 287 5 85 208 208	689 689 660 569 660 660 660 660 660	মত্য ও সুউজ: মত্য বাহনাকী আগ্লাহ মত্যজনাকা মত্যজনাকা মত্যজনাক আগ্লাহ মত্যজনাক আগ্লাহ মত্যজনাক আগ্লাহ মত্যজনাক আগ্লাহ মত্যজনাক বাহনাকা মত্যজনাক বাহনাকা মত্যজনাক বাহনাকা মত্যজনাক বাহনাকা মত্যজনাকা মত্যজনাক বাহনাকা মত্যজনাক	৩১-সুকমন ৩৮-সোরান ৪০-মুখিন ৪৮-ফাড্র ২-বারুররা ১৪-ইবরাহীম ৩১-সুকমান ৪৮-ফাত্র	00 00 7 8 8 02 8 8 29	508 508 508 500 508 500
থাপবঢ়েও (প্রার্থা সাধানতীত্রভার ভাগবঢ়েও) কাপন্যতন আছার স্বর্থানীসভারত কাপন্যতন আছার স্বর্থানীসভারত কাপন্যতন আছার স্বর্থানীসভারত কাপন্যতন আছার স্বর্থানীসভারত কাপন্যতন আছার মার্থার স্বর্থানীসভারত কাপন্যতন আছার আর্থানীসভারত কাপন্যতন আছার আর্থানীসভারত কাপন্যতন আছার মার্থার ইতারভারতি কাপন্যতন আছার মার্থার ইতারভারতি কাপন্যতন আছার মার্থার অর্থানীসভারত কাপন্যতন আছার মার্থার অর্থানীসভারত কাপন্যতন (আছার ক্রান্তন্তন্তন্তন্তন্তন্তন্তন্তন্তন্তন্তন্তন	১২-ইউনুক  ০-আলে ইবরান  ০-আলে ইবরান  ৩-আলে ইবরান  ৩-আলে ইবরান  ৩০-বুমফার্ইনা  ৫-মারিনা  ৯-ফারনা  ৩-আলে ইমরান  ৯-ফারনা  ৩-আলে ইমরান  ৯-ফারনা	56 708 708 708 708 709 709 709 709	989 989 989 960 269 963 963 980	মধান বুটার- মন্ত্রভাননে বুটার- মন্ত্রভাননে বুটার- মন্ত্রভাননে বুটার- মন্ত্রভাননে বুটার- মন্ত্রভাননে বুটার- মন্ত্রভাননে বুটার-বুটার নাম্বর্ভান- মন্ত্রভাননে বুটার-বুটার নাম্বর্ভান- মন্ত্রভাননে বুটার- মন্ত্রভাননে বুটার-	৩১-পুকমান ৩৮-পোরাদ ৪০-মুখিন ৪৮-জাত্ত ২-বারুরা ১৪-ইবরারীম ৩১-পুকমান ৪৮-জাত্ত্	00 00 7 8 02 8 8 29 29	244 208 208 208 208 208 208 208 208 208 208
থাপবঢ়েনে (পার্বার পারবার্ত্তার্থনের ভাগবঢ়েন) পারবার্ত্তার পরিপ্রায়ন্তের ভাগবঢ়েনে স্বার্ত্তার পরিপ্রায়ন্তর ভাগবঢ়েনে স্বার্ত্তার পরিপ্রায়ন্তর ভাগবঢ়েনে স্বার্ত্তার পরিপ্রায়ন্তর ভাগবঢ়েনে প্রার্ত্তার পরিক্রার্ত্তার ভাগবঢ়েনে প্রার্ত্তার পরিক্রার্তার ভাগবঢ়েনে প্রার্ত্তার পরিক্রার্ত্তার ভাগবঢ়েনে স্বার্ত্তার পরিক্রার্ত্তার ভাগবঢ়ানে স্বার্ত্তার বিভারকারিক ভাগবঢ়ানে প্রার্ত্তার বিভারকারিক ভাগবঢ়ানে প্রার্ত্তার বিভারকারিক ভাগবঢ়ানে প্রার্ত্তার বিভারকারিক ভাগবঢ়ানে স্বার্ত্তার বিভারকার ভাগবঢ়ানা স্বার্য্তার বিভারকার ভাগবঢ়ানা স্বার্য্তার বিভারকার ভাগবঢ়ানা স্বার্য্তার বিভারকার ভাগবঢ়ানা স্বার্য্তার ভাগবঢ়ানা স্বার্য্যার বিভারকার বিভারকার ভাগবঢ়ানা স্বার্য্যার বিভারকার ভাগবিত্যার বিভারকার ভাগবিত্যার বিভারকার ভাগবিত্যার বিভারকার ভাগবিত্যার বিভারকার বিভারকার ভাগবিত্যার বিভারকার ভাগবিত্যার বিভারকার বিভারকার ভাগবিত্যার বিভারকার	১২ ইউনুক্ত ০-আলে ইমরান ০-আলে ইমরান ৩-আলে ইমরান ১০-মুমজাইনা ৫-মারিনা ৯-ফারবা ৩-আলে ইমরান ৯-ফারবা ৩-আলে ইমরান	56 286 286 286 5 82 206 208 308 8 40	689 689 689 660 369 660 660 680	ঘণা ও পুটার, ঘণার-ফর্লী আছার ঘণ্ডার-ফর্লী আছার ঘণ্ডার-ফর্লী আছার ঘণ্ডার-ফর্লী ঘণ্	৩১-ছকমান ৩৮-সোরাদ ৪০-মুখিন ৪৮-জাত্ত ২-বাকুরর ১৪-ইবরাতীম ৩১-ছকমান ৪৮-জাত্ত ৪০-মুখিন ২-বাকুরর	00 60 7 8 8 02 8 29 29 29	640 979 979 608 900 979 540 940 940
লাপবাদে বাছাৰ সাধান্তবিভাৱত জালালে। লাপনাল বাছাৰ বিভাগৰ কৰিলালে লাপনাল বাছাৰ বিভাগৰ কৰিবলৈকে লাপনাল বাছাৰ	১২-ইউনুক্ত ০-আলে ইবরান ০-আলে ইবরান ৩-আলে ইবরান ৩০-মুমজাইনা ৫-মারিনা ৯-জাওবা ৩-আলে ইমরান ৯-জাওবা ৩-আলে ইমরান ৯-জাওবা ৩-আলে ইমরান	56 286 286 286 5 8 206 208 308 8 40	685 685 685 660 565 660 680 680 680	হয়ণ ও বৃষ্টিত, হণ্ডানিক কৰি আছে হণ্ডানিক কৰি আছি হণ্ডানিক কৰি	৩)- শুকমান ৩৮- সোরাদ ৪০- মুখিন ৪৮- শুখিন ৪৮- শুখার ১৪- ইবরাধীর ৩১- শুকমান ৪৮- শুকমান ৪৮- শুকমান ২- বাকুলার ৩- আলে ইমরান	00 00 00 00 8 00 8 29 29 29 25 5	\$00 \$00 \$00 \$00 \$00 \$00 \$00 \$00 \$00 \$00
কাপনাতে (আছিব সাধান্তিন্যতে জালালে।) কাপনাতে অছার নির্বাচন্তিন্ততে কাপনাতে অছার নির্বাচন্তিন্যতে কাপনাতে অছার নির্বাচন্তিন্যতে কাপনাতে অছার নির্বাচন্তিন্যতে কাপনাতে অছার নির্বাচন্তিন্যতে কাপনাতে অছার নার্বাচন্তিন্যতে কাপনাতে অছার নার্বাচন্তিন্যতে কাপনাতে অছার বার্বাচন্তিন্যতে কাপনাতে অছার বার্বাচন্তন্তিন্তন্ত কাপনাতে অছার ব্যাচন্তন্তিন্যতে	১২-ইউসুত্ব ০-জালে ইমরান ০-জালে ইমরান ৩-জালে ইমরান ৩০-মুম্কাইনা ৫-মারিনা ৯-জাওবা ৩-জালে ইমরান ৩-জালে ইমরান ৩-জালে ইমরান ৩-জালে ইমরান ৩-আলে ইমরান	56 286 286 286 308 308 308 308 308 308 308 308 308 308	689 689 689 689 680 680 680 680 680	च्यान इ.स्ट्रेस- च्यानस्य के स्वार्थः च्यासस्य क्राय्यः च्यासस्य क्रायः च्यासस्य क्रायः च्यास्य क्रायः च्यासस्य क्रायः च्यास्य क्रायः	৩)- শুকমান ৩৮- পোরাদ ৪০- মুখিন ৪৮- শুখিন ৪৮- শুখিন ১৪- ইবরাধীয ৩১- শুকমান ৪৮- শুকমান ৪৮- শুকমান ২- বাক্লারা ৩- আলে ইমরান ৪০- মুখিন	00 60 7 8 02 8 29 29 20 7 7	600 600 600 600 600 600 600 600 600 600
লালতেও (আছিব সাধান্তিভাৱত জালতেও) কালতেও অনুষ্ঠান কৰিবলৈতে	১২. ইউনুক্ত ০-আলে ইবরান ০-আলে ইবরান ০-আলে ইবরান ৪০-মুক্তাহিন ৪-মুক্তাহিন ৪-মুক্তাহিন ৪-মুক্তাহ্ ৯-মুক্তাহ্ ৯-মুক্তাহ্ ৯-মুক্তাহ্ ৯-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ	56 286 286 286 286 308 308 308 308 308 309 309 309 309 309 309 309 309 309 309	689 689 689 689 680 680 680 680 680 680 680	प्रचार न है कहें पर पात करने कहार पर पात करने कहार पर प्रचार पर प्रचार करने कहार पर प्रचार पर कहार (का का पूर्व करन) पर प्रचार पर कहार (का का पूर्व करन) पर प्रचार पर पर प्रचार पर प्रचार पर पर पर पर पर प्रचार पर	৩১-ছুকমান ৩৮-সোরাদ ৪০-মুখিন ৪৮-জাত্ব ২-বাকুরা ১৪-ইবরাধী ৩১-ছুকমান ৪৮-ফাত্হ ৪০-মুখিন ২-বাকুরা ৪০-মুখিন ৪৮-কাত্র	00 60 7 8 02 8 29 29 20 7 7	\$00 \$00 \$00 \$00 \$00 \$00 \$00 \$00 \$00 \$00
লালতে (আছুৰ সাংলাজীতিকত জালতে) লালতে (আছুৰ সাংলাজীতিকত জালতে) লালতে আছুৰ সাংলাজীতিকত জালতে লালতে আছুৰ সাংলাজীতিকত লালতে আছুৰ সাংলাজীতকত লালতে আছুৰ সাংলাজীতকত লালতে আছুৰ সাংলাজীতকত লালতে আছুৰ সাংলাজীতকত লালতে আছুৰ সাংলাজীতক ল	১২.ইউনুত্ব  ০-আলে ইবরান  ০-আলে ইবরান  ০-আলে ইবরান  ৪০.মুক্তাহিন  ৪০.মুক্তাহিন  ৪০.মুক্তাহিন  ৪০.মুক্তাহা  ৩-আলে ইবরান  ৯-বাওবা  ৩-আলে ইবরান	56 286 286 286 286 308 308 308 308 308 309 309 309 309 309 309 309 309 309 309	689 689 689 689 680 680 680 680 680	भाग र देखे. परणा उर्च के वहार	৩১-ছুকমান ৩৮-সোরাদ ৪০-মুখিন ৪৮-মুখিন ৪৮-মুখিন ১৪-ইবরারী ১৪-ইবরারী ৩১-মুকমান ৪৮-মুখিন ২-বাক্লারা ৩-আনে ইমরান ৪৮-মুখিন ১-আক্লারা ১৮-মুখিন ১-আক্লারা ১৮-মুখিন ১-আক্লারা ১৮-মুখিন ১৮-মুখিন ১৮-মুখিন ১৮-মুখিন ১৮-মুখিন	00 00 00 8 00 20 20 20 60 60 60 60 60 60 60 60 60 6	600 600 600 600 600 600 600 600 600 600
লাবাদেশে (বা্বাহ পালবাদ্বিয়ার জানাবাদ্যার বাবদেশে বা্বাহ পালবাদ্যার কালাবাদ্যার কালাবাদ্যার কালাবাদ্যার কালাবাদ্যার বাবদেশে বাহ্বাহ পালবাদ্যার বালাবাদ্যার বালাবাদ্যার বালাবাদ্যার বালাবাদ্যার বালাবাদ্যার বালাবাদ্যার বালাবাদ্যার বার্মানাকাদ্যার বালাবাদ্যার বার্মানাকাদ্যার বালাবাদ্যার বার্মানাকাদ্যার বার্মানাকাদ্যার বালাবাদ্যার বার্মানাকাদ্যার বার্ম্যানাকাদ্যার বার্ম্যানাকাদ্যানাকাদ্যার বার্ম্যানাকাদ্যানা	১২. ইউনুক্ত ০-আলে ইবরান ০-আলে ইবরান ০-আলে ইবরান ৪০-মুক্তাহিন ৪-মুক্তাহিন ৪-মুক্তাহিন ৪-মুক্তাহ্ ৯-মুক্তাহ্ ৯-মুক্তাহ্ ৯-মুক্তাহ্ ৯-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ ৩-মুক্তাহ	5 by 186 198 198 198 198 198 198 198 198 198 198	689 689 689 689 680 680 680 680 680 680 680	प्रपार के प्रवेश - प्रपार के प्रपार के प्रवेश - प्रपार के प्रवेश - प्रपार के प्रवेश - प्रपार के प्रवेश - प्रपार के प्रपार के प्रवेश - प्रपार के प्रवेश - प्रपार के प्रवेश - प्रपार के प्रवेश - प्रपार के प्रपार के प्रवेश - प्रपार के प्रपार के प्रवेश - प्रपार के	৩১-ছুকমান ৩৮-সোরাদ ৪০-মুখিন ৪৮-জাত্ব ২-বাকুরা ১৪-ইবরাধী ৩১-ছুকমান ৪৮-ফাত্হ ৪০-মুখিন ২-বাকুরা ৪০-মুখিন ৪৮-কাত্র	00 00 00 8 00 8 29 29 20 30 40 8	972 600 640 640 976 976 976 976 976 976 976 976
লাকানে বুল্লা পালবালিকান জালাকে।  লাকানে বুল্লা পালবালিকান জালাকে।  লাকানে বুল্লা কালবালিকান  লাকানে বুল্লা কালবাল	১২.ইউনুত্ব  ০-আলে ইবরান  ০-আলে ইবরান  ০-আলে ইবরান  ৪০.মুক্তাহিন  ৪০.মুক্তাহিন  ৪০.মুক্তাহিন  ৪০.মুক্তাহা  ৩-আলে ইবরান  ৯-বাওবা  ৩-আলে ইবরান	5 by 186 198 198 198 198 198 198 198 198 198 198	989 989 989 989 989 980 980 980 980 980	प्रचार व देखे. प्रचार व देखे. प्रचार व देखे. प्रचार प्रचार व देखे. प्रचार के प्रचार क	৩১-ছুকমান ৩৮-সোরাদ ৪০-মুখিন ৪৮-মুখিন ৪৮-মুখিন ১৪-ইবরারী ১৪-ইবরারী ৩১-মুকমান ৪৮-মুখিন ২-বাক্লারা ৩-আনে ইমরান ৪৮-মুখিন ১-আক্লারা ১৮-মুখিন ১-আক্লারা ১৮-মুখিন ১-আক্লারা ১৮-মুখিন ১৮-মুখিন ১৮-মুখিন ১৮-মুখিন ১৮-মুখিন	00 00 00 8 00 8 29 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20	508 508 508 508 508 508 508 508 508 508
লাকানে বুল্লা পালবালিকান জালাকে।  লাকানে বুল্লা পালবালিকান জালাকে।  লাকানে বুল্লা কালবালিকান  লাকানে বুল্লা কালবাল	১২. ইউনুক  ত আলে ইবরান	50   100	578 669 669 669 660 680 680 680 680 680 680 680 680 680	प्रचार व देखे. परण करने खुद्धार करने खुद्धार करने करने करने करने करने करने करने करन	৩১-ছবমান ৩১-খেবাদ ৪০-খ্ৰিন ৪০-খ্ৰিন ৪০-খ্ৰিন ১৪-ইবরাধীন ৩১-ছবমান ৪৮-ফার্ড্ ৪০-খ্ৰিমান ২-বাফার ৩-আলে ইমরান ৪০-খ্ৰিমান ১৪-ফার্ড্ ৪০-খ্ৰিমান ১৩-খাক্রার ৪০-খ্ৰিমান ৪০-খ্ৰিমান ৪০-খ্ৰিমান ৪০-খ্ৰিমান ৪০-খ্ৰিমান ৪০-খ্ৰিমান	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	500 500 500 500 500 500 500 500 500 500
লাকতেও বাধুৰ সভাবাতিবাৰ জানতেও লাকতেও স্থাৰ ভাইত বাধুৰ লাকতেও স্থাৰ ভাইত বাধুৰ লাকতেও স্থাৰ ভাইত বাধুৰ লাকতেও স্থাৰ লাকতেও	১২-ইউনুক  - আলে ইংবাল  - আলে ইংবাল  - আলে ইংবাল  - মার্কাল  - মার	50   10   10   10   10   10   10   10	689 689 689 689 689 680 680 680 680 680 680 680 680 680 680	प्रपान के प्रवेश	৩১-সুক্রমন ৩৬-সোমন ৪০-মুখিন ৪৮-মুখিন ৪৮-মুখিন ১৯-বিবর্তী ১৯-বিবর্তী ৩১-সুক্রমা ১৯-বিবর্তী ২২-বাচুমা ১২-বাচুমা ১২-বাচুমা ৪০-মুখিন ৪০-মুখিন ৪০-মুখিন ৪০-মুখিন ১২-বাচুমা ৫০-মুখিন ১২-বাচুমা ১০-মুখিন ১২-বাচুমা ১১-বাচুমা ১১-বাচু	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	200 200 200 200 200 200 200 200 200 200
লাকান্ত্ৰণ (বাৰু নাগৰাকীয়েকে জনাত্ৰণ) লাকান্ত্ৰন কাৰ্য্যক্ষিত্ৰক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষ্মিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্য্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্যক্ম কাৰ্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্যক্ষ্ম কাৰ্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্যক্ষিক কাৰ্যক্ষ্ম কাৰ্যক্ষ্ম কাৰ্যক্ষ্ম কৰ্যক্ষ্ম কৰ্যক্ষ্ম কৰে কাৰ্যক্ষ্ম কৰ্যক্ষ্ম কৰ্যক্ষম কৰ্যক্ষ্ম কৰ্ম কৰ্ম কৰ্ম কৰ্ম কৰ্ম কৰ্ম কৰ্ম কৰ	১২-ইউনুক  - আলে ইংবাল  - আলে ইংবাল  - আলে ইংবাল  - মার্কাল  - মার	100   100	689 689 689 689 689 689 680 680 689 689 689 689 689 689 689 698 689 689	মানা ব বুজিন। মানা বা বুজিন। মানা বা বুজিন বা	৩১-সুকান ৩১-সুকান ৩১-সুকান ৪৮-সুকা ১৪-সুকা ১৮-সা ১৪-সা ১৪-সা ১৪-সা ১৪-সা ১৪-সা ১৪-সা ১৪-সা ১৪-সা	000 000 000 000 000 000 000 000 000 00	608 608 608 608 608 608 608 608 608 608
লাকালে বাৰুল নান্ধানীয়েকক জনাবালন্ধ কালেনে সমূহত বিশ্বাস্থিত কৰিব কৰিব কৰিব নান্ধান্ত কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কালেনে সমূহত বিশ্বাস্থিত কৰিব কালেনে বাৰুল বাৰুল বিশ্বাস্থিত কালেনে বাৰুল বাৰুল বাৰুল বিশ্বাস্থিত কালেনে বাৰুল বাৰুল বাৰুল বাৰুল বাৰুল বাৰুল কালেনে বাৰুল ব	১২-ইউনুক  - আলে ইবরা  - আলে ইবরা  - আলে ইবরা  ত- আলে ইবরা  ত- হবজাইবা  ত- হবজাইবা  ত- আলে ইবরা  - আলে ইবরা  ত- আলে ইবরা  - আল	bb   128b   12	689 689 689 689 689 689 689 689 689 689	प्रकार ने प्रकार	৩১-কৃতমান ৩৬-সেরাস ৪০-মুখিন ৪০-মুখিন ৪৮-জাব্দ ২-বাজ্বার ১৪-ব্ররাধীন ৬৯-কৃতমান ৪৮-ফাব্দ ২-বাজ্বার ২-বাজ্বার ৪০-মুখিন ১-বাজ্বার ৪০-মুখিন ১-বাজ্বার ৪০-মুখিন ১-বাজ্বার ৪০-মুখিন ১২-বাজ্বার ১২-বাজ্বার ১২-বাজ্বার ১২-বাজ্বার ১২-বাজ্বার ১১-আর্বাজ্বার ১১-আ্রাজ্বার ১১-আ্রাজ্বার ১১-আ্রাজ্বার	000 000 000 000 000 000 000 000	2000 2000 2000 2000 2000 2000 2000 200
ৰাপদত্তে (ৰাষ্ট্ৰৰ সৰ্বাচনীয়াছেত জনালেও) ৰাপদত্তে (ৰাষ্ট্ৰৰ স্থানীয়াছেত কালেওক বাষ্ট্ৰৰ (স্থানীয়াছেত কালেওক বাষ্ট্ৰেৰ (স্থানীয়াছেত কালেওক বা্ত্ৰৰ (স্থানীয়াছেত কালেওক বা্ত্ৰেৰ (স্থানীয়াছেত কালেওক বা্ত্ৰৰ (স্থানীয়াছেত কালেওক ব্যৱহানীয়াছেত কালেওক ব্যৱহানীয়াছেত	১২-ইউনুক  - আলে ইংবা-  - ব্যক্তাইন  - ব্যক্তার  - ব্যক্তাইন  - ব্যক্তার  - ব্যক্ত	bb   128b   12	000   000	प्रपार के प्रवेश	০১-সুকমল ০৩-পোৱাল ৪৩-খ্রিল ৪৮-খ্রেল ৪০-খ্রেল	000 000 000 000 000 000 000 000 000 00	900 900 900 900 900 900 900 900
লাকতেল (বাছে নাৰবাটালেকে জনাবান্দ)  কাকতেল বাছে নাৰবাটালেকে জনাবান্দ)  কাকতেল বাছে নাৰবান্দ্ৰীলাকৈ কিবল কৰে	১২-ইউনুক  - আলে ইংবাল  - আলে	100   100	0000 0000	प्रचार व देखे. परण करने खादा	০১-সুকমাল ০১-সুকমাল ০১-সুকমাল ৪৮-সংগ্ৰহ ৪৮-সংগ্ৰহ ৪৮-সংগ্ৰহ ৪৮-সংগ্ৰহ ৪৮-সুকমাল ৪৮-সুকমাল ৪৮-সুকমাল ৪৮-সুকমাল ৪৮-সুকমাল ৪৮-সাক্ষ	000 000 000 000 000 000 000 000 000 00	556 556 556 556 556 556 556 556
লাকতে বৃদ্ধা সভাবতীয়কত ভাকতেও লাকতে বৃদ্ধা সভাবতীয়কত ভাকতেও লাকতে বৃদ্ধা সভাবতীয়কত লাকতে বৃদ্ধা সভাবত বুলি সভাবত সভ	১২-ইউনুক  - আলে ইবরা  - আলে ইবরা  - আলে ইবরা  ১০- মুক্তাইবা  ১০- মুক্তাইবা  ১০- মুক্তাইবা  ১০-আলে ইমরা  ১-বাওবা  ১-বাওবা  ১-আলে ইমরা  ১-মালে ইমরা  ১-মালি	100   100	000   000	प्रपान के प्रकृति । प्रपान के प्रकृति । प्रपान के प्रपा	০১-সুকমল ০৩-পোৱাল ৪৩-খ্রিল ৪৮-খ্রেল ৪০-খ্রেল	000 000 000 000 000 000 000 000 000 00	900 900 900 900 900 900 900 900

नव विवड/धामव	স্থানং ও নাম	100 Y	761	नव विवय/देशह	ज्या गर ७ नाम		622
आसास्य नुर्व नृक्षेत्र (मारम)					১০-ইউনুস		
प्रश्रुवस्त्रनानी व प्रश्रुवसारान पाद्वार	৪৮-ভাতহ	9	536	মিধা কন্য (অক্সহ সম্পর্কে মিধা রচনকারী সর্বাধিত জলিম)	৬১-সাধ্য		360
प्रदाशकानानी व प्रदाशकानान (आहार)	৩৫-জাতির	1	V85	মিধা জনা (অস্তাহ সম্পর্কে নিধা রচনা, জলাল-হারান প্রদাস)		224	930
মহাপ্রতিমান আস্তাহর নিকট বয়েছে (সজান ও সম্পন প্রসঙ্গ)	৬৪-তাগাবুন	14	264	থিখ্যা বচনা (আল্লাহ সম্পর্কে মিখ্যা বচনাকারী বড় কালিম)	২৯-আগকাৰ্ড	99	247
মহাপঞ্জিবর ও মহারাজপশালী আস্তাব	৫৭-হানীন	32	200	বিখ্যা বচনা (আল্লাহ সম্বন্ধে নিখ্যা রচনাকারী জালিম)	৬-আন্'আন	30	000
प्रवानक्रिक्त ଓ प्रदालकानगानी आहार	৫৮-মুজানালা	53	548	বিধা কর (অক্সাহ সম্পর্কে মিধা ক্রনাকারী অধিক জালিম)	৭-আরাফ	Po	979
মধ্যনাক্তর ও মধ্যের নিকট মুমিনদের মধ্যসাক্তর)	8४- <b>श</b> न्दर	6	279	নিবা ক্রম (অপ্তাহ সম্পর্কে নিবা ক্রমানারীর সংলা হবে না)	১৬-নাব্ৰ	226	470
'মহিমা আল্লাহর' ইউনুক আ. সম্পর্কে নারীরা বলল	34-इंडेन्स	62	66.7	মিখ্যা রচনা (আল্লাহ সম্পর্কে মিখ্যা রচনা করলে খাসে,			988
	১২-ইউসুফ	40	693	ফিরমাউন প্রদাস)	२०-झ-ग	65	100
র্মহন (অক্সাহর মহিনা বোদনা করল নারীর, ইউপুক্তকে দেখে)	৩৫-ফান্টির	3	786	মিখ্যা রচনা (সাল্লাহ সম্পর্কে মিখ্যা রচনা)	8-मिना	¢0	260
মানুহের কিছু আপ্তাহ আটকে য়াবলে তা কেউ নিতে পারেনা	৭-আন্তর	27	926	মিখ্যা বচনা করার অপবাদ বাসূল স, কে (আল্লাহ সম্পর্কে)	৪২-শুরা	28	770
মানুষ আল্লাহ সম্পর্কে এমন কিছু বলে যা জানে না	৫৭-হাদীন	8	58v	মিখ্য বানা করেছে কাফিররা (আল্লাহ সম্পর্কে)	৫-মারিদা	300	690
মানুষের সাথেই রয়েছেন আল্লাহ (মানুব যেবানেই থাকুক)			960	মিখ্যা রচনা (জান ছাড়া আল্লাহ সম্পর্কে মিখ্যা রচনা করা)	৬-আন'আম	288	650
মার্মনাকরী (আল্লাহ মার্মনাকারী ও অতি কমাশীল)	55-8læ	60		মীমাংগাকারী (আল্লাহ দীমাংগাকারী)	৩৪-সাবা	36	b80
पार्सना (शूर्व या शहा १९१६ का आहार प्रार्सना करतरहरू)	०-मविमा	205	१७२	মুখাপেকী আল্লাহর (মানুধ আল্লাহর মুখাপেকী)	৩৫-ফাভির	26	b89
মর্মনা করকে৷ অস্তাহ (রাসুদ স. এর অতীত ও ভবিষ্যকের নাটি)	৪৮-ক্ষত্ত্	2	270	ভূমানিকর অক্সাহর কাছে সভামানী হলে তালো <del>করা</del> কলাদকর হ'ব	89-वर्गामान	45	278
রার্ছনা করেছেন আল্লাহ (অতীতে প্রশ্ন করার বিষয়)	१-मतिमा	707	69.0	মুখিনদের সামে আল্লাহ আছেল	৮-আনফাল	23	600
মার্কন (অসহায়দেরকে অক্সাহ মার্কনা করকে, হিচ্চারত প্রদর্গ)	8-शिला	99	600		००-व्यवस्य	69	500
হার্জনা করেছেন অক্সাহ রাজুল স.লে (ভাবুকবৃদ্ধ প্রসঞ্চ)	৯-জাঙ্গা	80	688	মুক্তি দান (আল্লাহ মুসাকে মুক্তি দান করেন)		2.8	900
হাৰ্জনা করেছেন আল্লাহ (উত্থা যুদ্ধে পৃষ্ঠ প্ৰদৰ্শনকারীকে)	৩-আদে ইমরান		662	মুহে লো (সক্ষম মিথাকে মুহে দেশ ও সভাকে প্রতিষ্ঠিত করেন)	৪২-শ্রা	298	655
মার্কনা করেছেন আল্লাই মুমিনদেরকে	৩-আলে ইমরান	755	660	মুজাবীদের সাথে আল্লাহ আছেন	২-বাকুরো		
মার্জনকারী (আপ্রাহ তার বাদার গাপ মার্জনাকারী)	৪২-শূরা	20	044	মুঞ্জনীদের সাথে আপ্তাব আহেন	৯-ডাওব	750	960
মার্জনাকারী (সাল্লাহ মার্জনাকারী)	৫৮-মুকাদাশা	1	254	মুপ্তানীদের নাথে জন্তাহ আছেন	৯-ডাওব	69	680
মার্জনাকারী (আল্লাহ মার্জনাকারী ও কমাশীল, হিজরত এসঙ্গ)	8-निम	85	263	ম্প্যারন (আল্লাহর হথাঘর ম্প্যারন তারা করেনি)	৩৯-যুমার	69	299
प्रकारको (प्रकार प्रार्थनको ७ प्रभागन,संसपुर १९११)	৪-নিসা	80	262	ম্ল্যারন(মানুব আপ্লাহকে তার ববাবধ ম্ল্যারন করেনি)	২২-বৃদ্ধ	9.8	962
মার্কনামর (অল্লাহ মার্কনাবারী ও সর্বপতিমান, দেব মার্কনা প্রসাস)	৪-নিসা	185	295	ম্লারেন (আহলে কিতাৰ আল্লাহকে ঘণাবৰ মৃশ্যারন করেনি)	ও-অস্'আম	27	608
মালক (জাতাশ-পৃথিতীয় মাথে যা বিষ্ণু আছে তার মালক অস্কাহ)	১৪-ইবরারীম	2	699	মৃত্যু ঘটান আল্লাহ	৩-আলে ইমরান	250	663
মালিক (আল্লাইই ইহকাল-পরকালের মালিক)	১২-গাইল	30	2048	মৃত্যু ঘটাবেদ আল্লাহ (মানুহকে সৃষ্টি করার পর)	১৬-নাত্স	90	900
মুদিক (আল্লাই নকল নুপারিশের মালিক)	৩৯-বুমার	88	299	মৃত্যু ঘটান (আল্লাহ জীবন দান করেন ও মৃত্যু ঘটান)	১০-ইউদুস	64	62%
মালিক (পূর্ব ও পশ্চিমের মালিক আল্লাহ)	५-राङ्ग्रं	184		मृद्धु जन (ब्बह्माद प्रेपोदेवाक शक्न बस्ट्राव बाल मृद्धु जन बर्द्रान)	২-ব্যক্তারা	20%	40)
মালক (পূৰ্ব ও পাড়কের মালক আল্লাহ) মালিক (প্রবা/দৃষ্টিপতির মালিক আল্লাহ, মুপরিকের সীকৃতি)	১০-ইউনুস	03	629	মৃত্যুদানকারী (অল্লাহ দিনার মৃত্যুদানকারী)	ও-আলে ইমবান	66	285
	२०-झ-स	228	985	(माकारका (माहाया शाकारकात सक्तिया एका प्रेनवाद चाल न)	82-वादिवा	7.9	808
মালিক (স্বান্নাহ স্বান, মালিক ও সত্য)	৩-জলে ইমরান		286	মোচন করা (সুরার্কালের নিকৃষ্ট কাব্ব আল্লাহ মোচন করবেন)	৩৯-বুমার	98	b-98
মালিক (জন্তাহ মালিক, আকালের দব কিছুর)	७२-सम्भाग		364	মোহরান্তিত করেন আল্লাহ, সক্কোরী ও বৈরচারীর অস্তর	৪০-মুখিন	02	200
ঘলির (অক্সাহা পরিহর মোলা -বিনি মালিক,প্রথাপালী ও)	ত-ব্দুর্থ। ৩-আলে ইমরান	3	287	মোহর মেরেছেন জাপ্তার ঘটনর অস্করে	৪৭-মুহাম্মান	1/6	250
মালিকনা অপ্নাহর (আকাশ ও পৃথিবীতে বা কিছু আছে)			383	মোহর মেরে নিয়েছেন আল্লাহ ভালের ফ্রনরে যারা লিছনে	৯-ডাঙ্থা	310	487
মালিকানা (আকাপ ও পৃথিবীর মালিকানা আল্লাহর)	৫৭-হাদীন	30		মোহৰ মেৰে নিয়েছেল আল্লাহ ভালের ফুলরে যারা জালে না	৩০-জন	63	৮২১
মালিকৰ স্ক্রাব্য (কমিনা কাহে, পৃথিয় মালিকৰ সম্পর্কে)	२०-मू मिन्न	pe	993	মোহর মারা (আল্লাহ কাফিরের হদরে মোহর মেরে দেন)	৭-আবাদ	202	
মলিকৰ অল্লান্ড (নাড অন্তৰ্শ, অপ্তশ্ম মলিকৰ অল্লান্ড)	२७-पू प्रिनृत	84	947	(महार पात (श्राह्माद की देशतमाल प्रमान तमक तमका)	8-निमा	266	
মালিকানা (আকাশ ও পৃথিবীতে যা আছে তা সৰই আল্লাহর)	<b>१७-मास्य</b>	67	900	মোহৰ মাৰা (আল্লাহ ফুদৰে মোহৰ মাধলে কেউ কিবিছে			_
মান (আল্লাহর নিকট মানের সংখ্যা ব্যবটি)	৯-মাওবা	00	480	मिर्फ शहर यो।	৬-আন্'আম	86	800
মাসীহকে ধারা অল্পাহ বলে ভারা কুফরি করেছে	৫-মারিলা	24	625	(प्राप्त पार्ट को प्रतिकार स्थात च नका व्यक्ताद (भारत प्रत्यामा)	३-शक्ता	9	203
মাসীর (আল্লাই মারইয়ামের পুন মাসীরঃ)	৫-মারিদা	92	649	(अवस्य (अवस्थान वाह्याव (भूनिवाध क्षेत्रनाथ वाधानामान्त्रजीत कार्य)	১৬-নার্শ	207	
মিধ্যা কৰা (অক্সাহ সম্পর্কে জেলেপুরে বিধ্যা খলে আহলে কিতানর)	৩-আলে ইমরা		680		03-77T6	05	V-98
ভিন্ত কৰা (অক্সাহ সম্পৰ্কে নিশ্বা বলে, আহলে কিবানবা, জেনে চুকে)	ও-আলে ইমরা		680	যথেষ্ট (আল্লাহই তার বান্দার জন্য যথেষ্ট)	ত-আলে ইমরা-		
মিধ্যা বলা (আল্লাহ সম্পর্কে যে মিধ্যা বলে সেই বড় জালিম)	৩৯-যুদার	05	৮৭৪	যথেষ্ট (অক্সাহ ব্যবেষ্ট, উত্তৰ সুদ্ধে আহত মুদ্দিনতা বলগ)	৯-ভাগো ধ্ৰমাণ		086
মিধা কৰা (অস্তাহ ও রাসূল স. এর সাথে মিধা বলেছিল কর)	৯-জান্তর	ho	<b>68</b> ≥	যুগেষ্ট (আল্লাহ যুগেই, গনিসত বউন প্ৰসঙ্গ)	১০-বা'দ	80	655
মিশ্ব্যা রচনা (মুশরিকরা আল্লাহ সম্পর্কে মিখ্যা রচনা করে)	৬-আন্'আর	280	930	বংগষ্ট (আল্লাহ যথেষ্ট, বাসূদ স, এর সাক্ষী হিসাবে)			
মিধ্যারোপ, আল্লাহর প্রতি (ও'আইবের সম্প্রদারের ধর্মানর্থে	৭-আ রাক	b/b	652	যথেষ্ট (আল্লাহ যথেষ্ট, ৰাসূল স. এর জন্য)	৯-ডাওবা	259	
ফোর মাধ্যমে)	7-91 914	100	1052	যথেষ্ট (অক্সাহ রাসুদা স. ও অভিযানে মধ্যে সাকী হিসাবে থকেই)	২৯-আনঅবৃত	24	720
মিবারেপকারী (অক্সার সম্পর্কে মিবারেপকারীর মূব কালো হবে)	৩৯-বুমার	60	৮৭৬	रत्ये (जाहार वानून म. এর बना)	৮-আনফাল	62	903
হিলমিশ করা ভামী-রীর মধ্যে আল্লাহ মিলমিশ করে নিলে)	8-निमा	00	692	যথেট্ট (অঞ্জন্ত পান্ধী ছিসেনে যথেট, রাসুল স. ও কাফিবলে মানে)	১৭-ইস্রা	94	92
মিখ্য কর্ম (অক্সাহ সধলে কেউ মিধ্য কর্মেন - জিনসের ধারণা)	१२-बिन	2	200	যুখ্যে (ইংপি-লাসারদের মুক্তবিশার নবীর ক্ষার আল্লাহই যুখ্য )	২-বাঞ্চারা	209	
মিখ্যা বান্য, আল্লাহর প্রতি (হালাগকে হারাম করা প্রসঙ্গে)	১০-ইউনুস	25	660	যথেষ্ট (হিলাঝাহণকারী হিসানে আল্লাবই যথেষ্ট)	২১-আদিরা	89	920
प्रिय सभा ( <b>प्रा</b> ह्ण सम्पूर्त विद्या सम्बन्धीय नवन स्ट्र न)	১০-ইউনুস	65	665	ঘণেট (হিনাৰ গ্ৰহণকাৰী হিনাৰে আল্লাহই যথেট)	৩৩-আহ্বাব	40	
মিথা বচনা (আল্লাহ সম্পর্কে মিথা। বানাকারীর উপর লাগত)		36	669	ঘটের দেবীর জন্য যথের, অল্পার ও নবীর অনুসরী মু মিনগণ)	৮-আনবাল	68	800
	৬-আন'আম	43	259	যথেষ্ট (যুদ্ধে মুমিনদের জন্য আস্থাবই বথেষ্ট)	৩৩-আহ্বাব	2.0	brok
							la-bb
মিখা রচনা (আল্লাহ সম্পর্কে মিখা রচনাকারী নালিম) মিখা রচনা (আল্লাহ সম্পর্কে যার মিখা রচনা করে করে মালিম)	৩-জালে ইমরা	- b8	282	হথের (বে আপ্তাহর উপর ভরসা করে ফিনি ভার জন্য যথেষ্ট) হথের (রাপুল স,এর বিষয়ে সাজী হিনাবে আপ্তাহই যথেষ্ট)	৬৫-ভাল্ডক	9	bot

स्राङ्	ঝাল্লাহ

निवर/धरम	न्वां नर ७ नाम	442	4.40	न्स्य विश्वशृक्षित्रम	<b>可能被告现</b>	900	1.0
व्याद्वाद (नूर्व नृक्षेत (बरक)		L.,		রকুল (মন্তাহ ও রকুল স, এর পাসে কুমারি ক্ষমা করকেন দা আল্লাহ)	৯-জাভব	40	48
যথেট (বাসুল স. এর জন্য আল্লাব্ট বথেট)	৩৯-বুমার	45	b98	राजुन (पद्धार ७ जजून न. ८त निकाध पुरू करतार यात स्वास्त पारि)	৯-অপ্তথা	209	1 60
যথেট(পরীক/মুপরিকদের সান্ধী হিসেবে আল্লাহই হপেট)	১০-ইউনুস	45	609	রাসুল (অক্সাম ও রাসুল স. এর সাথে মুগরিবনের মুক্তি প্রবাস)	৯-ভাওৰা	9	98
ग्रामी (नर्राव्यमी दिराग्रात व्यक्तावरे ग्रामी, व्यनुगरकात अधिनान अ.)	৪-মিশা	90	262	রাসন (মাল্লার ও রাসন স, এর জন্য পনিবরের এক পথমাপে)	৮-আনভাল	83	60
মনিন (অস্তাহ্য মনিলে তেঃ গালোর জন্য উদ্ভীকে ছেছে দেয়)	৭-আগ্রফ	90	625	বাসুল আল্লাহর নিবট ক্ষমা প্রার্থনা করবেন (অনুমতি প্রার্থনের জন্য)	48-79	65	93
মনিশ্বাদ ক্ষতির উট্টকে অক্সকা ফীলে চলে স্কের লেয়ার নির্চল।	33- <b>इ</b> ल	48	942	বাসুল (অস্ত্রাহর নিবট হতে আনা রাসুল এর বিভাব পট)	১৮-বার্গ্রিশহ	3	200
বিকর (অক্সাধ্য সমাশ চুলিয়ে নিয়েছে শারান, ফুবছিনতন্ত্রকে)	<b>८</b> ७-मुकामाना	79	968	বাসুল (অল্লাহন রাসুল সালিহ আ, উন্দীর বাপারে সতর্ভ কর্মুলন)	১১-শামস	20	
कुर जानत (जुल्ला निरुद्ध जाहाद-राष्ट्रम न. अर नफ त्यदन कुर जाहर)	২-বাকারা	27%	600	বাসুল (অক্সাহর বাসুলাগতে যা সেরা ছয়েছিল তা না নেরা পরিং)	হ-লান,আম	258	
कुछ-ध्यम (स्कूबल किएक कुछ-ध्यम न चल, सम्म (स्त्रम श्र)	8-निश	296	0 9k	বাসুল স.কে আল্লাহ যে 'ফাই' নিজেছেন (ইছনীচনর খেকে)	৫৯-হাশর		
পুরুলর সম্পদ আল্লাহ ও বাসুল স. এর	চ-লব। ৮-আনফাল	200	0.48	রাসুল গা কে অক্সাই যেভাবে অভিকাল জানানী সেলার জানায়		8	34
মুদ্ধ (আক্লাই ব ভার রাসুল স, এর বিরুদ্ধে মুদ্ধের প্রতিক্ষপ)				त्रामुक्त म. तक प्राञ्चादत कारह प्राञ्चाय श्रार्थनात विभागन	৫৮-মুন্ধানালা	8	34
	৫-মারিদা	40	69.8		৪০-মুখিন	৫৬	20
রং (জাল্লাহর রং সবচেরে সুন্দর)	২-থকুরো	7429.	475	রাসুল সংকে অক্সাহর নিকট ক্ষমাংগ্রাঞ্চার নির্চাপ (মুফিং নারীচার ব্যবদ)	৬০-মূমভাহিনা	>>	200
রং (ইবাদতকারীদের আল্লাহর রং ধারণ প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	702	675	রাসুল স.কে কটা দেয়া সমীচীন নয়	৩৩-আহ্ম্বৰ	6.0	bro
রকা (অক্সাহ অমনন চাইলে কেউ বক্ষা করতে পাবে না)	००-व्यक्त्यर	29	br08	রাপুল করে পারিয়েছেল অল্লাহ এই ব্যক্তিকে (মন্ধার্যদীর বলে)	২৫-ছুবকান	82	90
নকা (স্মান বারাজ্যিলে পু যুধরার শরি থেকে রক্ষা ব্যৱহেন)	৫২-তৃত্ব	29	900	রাপুল প.কে ফাই দান করেছেন অক্সাহ (হৈনী জনপনবাসী থেকে)	৫৯-হাপর	٩	30
রক্ষ ( <b>অক্সাং শান্তি নিলে কেউ রাপুল</b> সংকে রক্ষা করতে পারে না!)	१२-किन	22	848	রাসৃষ্ণ স. এর ধৈর্থধারন আল্লারই মাধ্যমে/সাহ্যমে	১৬-সাহদ	339	93
<del>ক্ষেণ্যবেক্ষণকারী (অল্লাহ উত্তম রক্ষণাবেক্ষণকারী)</del>	১২-ইউসুফ	68	<b>છક્ક</b> ર	রাসৃষ্ণ ল, এর ক্ষমতা নেই আল্লাহর বিক্তমে কিছু করার	৫-মারিদা	83	97
হকাকারী (আল্লাহ মুমিলদের রক্ষা করেন)	২২-হাজ	100	963	রাসুশ স. এর বল্য অস্ত্রাহর পক্ষ থেকে অভিয়াবক বাকরে দা যদি	১০-রাদ	99	43
ক্ষো করেছেন আল্লাহ যু'মিনসেরতে	৮-আনকাল	80	600	যাসুল দ, এব প্ৰতি আস্তাৰ যা অৰ্থনীৰ্থ কৰেছেন তাৰ সীমা	3-8184T	24	62
বন্ধা করকেন অস্তার (এক মুক্তিনকে ভিরম্পটন সম্প্রধার হতে)	8०-मुमिन	80	PP.7	রাসুল স, এর প্রতিদান আন্তাহর নিকট	৩৪-সাবা	89	78
বন্দা করা (আরার দেকনারদের নিরামতের ক্ষতি থেকে কন্ধ করকো)	৭৬-পাবর	27	294	বাসুল স. এর সামনে (আক্লাহর রাসূল স. এর সামনে কণ্ঠত্বর	1	-	100
বদা করবেন আল্লাহ রাপুল স.কে (মানুবদের থেকে)	৫-মায়িনা	99	642	मिष्ठ करत याता)	৪৯-হত্ত্বক	0	250
ক্ষা/সাধাধ্য (অস্তাহ থেকে নৃহকে রক্ষাকারী কে আছেঃ)	22-4±	00	400	वाष्ट्रण द्वारा व्यवस्था प्रक्रार, शर्यन्त्रीनेक च महा क्रेन्सर	৬১-সাক্ত	-	26
ক্ষা (ন্য অ. ৫ পত অ. প্রতে অ <b>প্র</b> ার পরি থেকে রাম করতে পরেনি)	৬৬-ভাহরীম		247	রানুধ (বনীইসরাসনের কাছে আল্লাহর রাগুল অসো)	२-राकृता	303	67
सन्त (कुरायान धान नव साथाव्यक्त श्रेष्ट्रा साथा या वाता राज्यस्य	১০-ইউন্স	30		রালুল (মুম্বাখন স, আল্লাহর রাস্থা)	৪৮-হাত্ত	200	22
মান (কুমনান মান নয় যে আক্সাহ হাড়া বেন্ড বং বালা কয়বে) বলি (আল্লাহর বলি আঁকড়ে ধরার নির্দেশ)			620	श्रम् (ब्रायन न, जाकारत प्रमुन) श्रम्म (ब्रायन न, नकलब बना प्राक्षदव सन्न)			
	৩-আলে ইমরান		485		५-व्या-दाक	262	62
নি (অক্সমে বনি ছার অনুস নিঅবচন যেবচাই পরের যাব)	৩-আলে ইমরান		689	রাকুল (মুবাজন দ. আল্লাহর রাকুল, কোন পুরুষের পিতা ক্লাচের)	৩৩-আহ্যাব	80	50
হিত করা(শরতান যা নিক্ষেপ করে আল্লাহ ভা রহিত করেন)	২২-হজে	વર	900	রাসূল (মুনাকিক আল্লাহর রাসূল স. এর সলী জন্য ব্যস্ত	৬৩-মুনাকিকুন	٩	366
রজত্ব (ডাডাগ-পৃথিবীর রাজত্ব আস্লাহরই)	8ए-साध्या	29	804	করতে নিষেধ করে)			_
রাবা (শক্তিগুরার দানমারীলের বিরুদ্ধে অক্সাহ কোন পথ রাখেননি)	8-निमा	90	240	বাসুল (মুনাফিবদের জন্য অক্সাহর রাসুল স, এর কমা প্রার্থনা প্রসঙ্গ)	७०-पुनाकिक्न	ę	3/6/
রঞ্জত্ব আল্লাহর (আকাশ ও পৃতিধীর রাঞ্জত্ব আল্লাহর)	৫-মারিদা	250	696	রাসুল (মুনাফিকরা নৌধিক লাক্ষা দের যে মুরাক্ষা ন, অক্সাহর রাসুল)	७०-धूनक्टिक्न	١	766
রাজত্ব আপ্লাহর (আকাশ ও পৃথিবীর রাজত্ব আপ্লাহর )	>-ভাওৰা	220	200	বাসূল (ঈদা আ. আল্লাহর বাসূল, তাকে হত্যা প্রসঙ্গ)	8-निम	229	64
রাজত্ব আল্লাহর (আকাশ ও পৃথিবীর)	৩-আলে ইমরান	20.9	208	রাগুল (ঈলা আ. আল্লাহর রানূল, বনী ইসরাসলদের প্রতি)	৬১-সাত্ত	b	3/31
রজন্ম অক্সাহর (অকাশ, পৃথিবী ভার মাতের রাজন্ত অন্ত্রাহর)	৫-মাছিলা	59	645	वानून (पेना मनीर पश्चास्त राजून धरर पार कनिमार)	8-निमा	242	691
বাৰত (আকাশমকৰী ও পুৰিবীর রামত আপ্লাহরই)	৪৮-ফাতহ	38	646	রিবিকণাতা (আকাশ থেকে মানুয়কে আল্লাহই রিবিক দেন)	২০-ইউনুস	03	20
রাজতু (আকাপ-পৃথিবীর রাজতু অক্সাহরই)	২-বাকুবরা	209	675	বিবিশ্বশাস আল্লাহ	৫১-परिवाठ	6.5	8-21
বাজনু (আকাশ-পৃথিবীর রাজনু আল্লাহর)	৪২-শুরা		5-9-5	হিনিকনাতা (আল্লাহ অবপাই উত্তম হিনিকনাতা)	22-27W	64	980
বাজতু অস্ত্ৰাহৰ (পৰিৱতা ঘোষণা ও প্ৰশংসা সে আল্লাহরই)	৬৪-তাপারুন	2	999	বিবিৰুদাতা (আল্লাহই সকল জীবের বিধিক্দাতা)	২৯-আনবাৰত	60	b-2
বাজতু (অক্সাহর রাজতু, আকাশ ও পৃথিবীতে)	48-74	84	990	বিবিক্তানে (মাল্লাহ উত্তম বিধিকগানে)	২৩-মু'মিনুন	92	99
বালতু (অক্সাহর বালতু, আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে)	৫-মারিনা		242	মিৰিকনাতা (আল্লাহ উল্লম মিৰিকনাতা)	৬২-লুবু'আ	22	266
নালকু (আক্লাহর নালকু, আকাশ ও পৃথিবীতে)	৫-মারিলা .			মিকৈ (অক্সাং মিকি প্রসারিত করুল বালার বায়াবতি করত)	8२-भूडा		524
বাৰত (আছাতে বাৰত, আধান ও পৃথিবীতে)			৫৮৩	বিদিক (অপ্নায়ন দেবা খালালুপাঁখনা বিদিক আহাত ও ক্রমেনার)	১৮-নাহল	778	950
	২৫-সুরকান	3	982	বিধিক আপ্তাব্য পক্ষ থেকে			
রক্ষত্ন (কিয়ামতের দিন একক রক্ষত্ব আল্লাহণ)	৪০-মুখিন		৮৭৯		৩-আলে ইমরান		6-00
রাজ্যকু (কিয়ামতের দিনের রাজতু আল্লাহর)	<b>२२-श</b> ाम	Фb	950	বিধিক (আল্লাহৰ বিধিক পানাহারের নির্দেশ, বনীইসরাসন্সক)	২-ৰাকুৰা	90	600
রসূল স, আক্রাহ সম্পর্কে মিধা রচনা করেছেনা (কফিররা বলে)	৩৪-সাবা		P87	বিধিকের দায়িত্ব আল্লাহর (পৃথিবীর সক্ষম জীবের)	১১-ছুদ	Ġ.	660
াসূল (অস্ক্রাধ্য রাসূল দ. কে কট দের ধারা ভালের জন্য)	৯-জন্তবা		686	রিবিক প্রসালকারী ও পরিমালকারী আল্লাহই (যাকে ইছো)	২৯-আনকাকৃত		255
নিকা (মস্কাহর রাসুদা স. এর প্রস্থানের পর উৎস্কৃত্ব ভারুর প্রসেষ)	৯-ভারবা	6.2	486	রিবিক (অক্সাৎ ক্ষম্রভিনের বিধিক উত্তম করেছেন)	৬৫-ডালাক	22	260
াসুদ (অস্ক্রাহর ব্যসূদ স. এর পিছনে থেকে ব্যওরা সম্পত নর)	৯-জ্যন্তবা	140	600	বিভিক (অল্লাহ গ্ৰমন্ত বিভিক খাওৱাব নিৰ্দেশ)	৬-আন্'আম	\$82	620
प्रमुच <b>्या</b> स्त राष्ट्र न. मश्चामा प्राप्त शंकाशृत याज्य कलीत. )	৪৯-ছমুরাত	9	250	রিবিক (অক্সাহ প্রদান নিবিকের অংশ নিধা উপাচদার জন্য নির্বারণ)	১৬-নার্শ	Фъ	90
াসুল (অক্সাহ, ঝনুল ন. ও মুমিননেয়কে ছাড়া অন্তরঙ্গ বন্ধু এছব)	৯-ভারবা	36	687	বিবিক (অস্তাহ প্রমন্ত রিথিককে মুশরিকরা হারাম গণ্য করে)	৬-জাগুজাম	180	630
াগুল (পাস্তাহ সাক্ষ্য নিজেন যে মুহাখন স, আল্লাহ্য হাসুল)	७०-मुनारिक्कृन		368	বিভিন্ন (আল্লাহ প্ৰদন্ত বিভিন্ন থেকে ব্যৱ করা প্ৰদন্ত)	8-शिशा	ob	26
াসূদ(আৰিবাতে বিশ্বাসীর জন্য আল্লাহর রাসূদ স. এর			-	মিকিক (অক্সাহ প্রদান হালাল ও পনিত্র মিধিক খাওয়ার নির্দেশ)	৫-মারিপা	bb.	69
দের উরম আদর্শ)	৩৩-আহ্বাব	52	pros	রিবিক অবতীর্ণ করেছেন আপ্লাহ (হারাম-হালাল প্রনত)	३०-१६नम		000
াসূদ স. এর সাথে অক্সাহ আছেন, (হিন্দরত প্রসঙ্গ)	৯-ভারবা	80	688	রিধিক দাদ(আল্লাহর পথে হিজরতকারীকে আল্লাহ উৎকৃষ্ট	20-4004	4.0	-000
ानुम (श्राहाय के बानुम न. अर मारच विद्यानक कहा निर्दार)	৮-আনহাল ১-আনহাল			विविक विदरम)	22-87W	ev	966
			608				ـــ
ৰসূল (আল্লাহ ও ৰসূল স. আ হিয় হাল- পিনা, মন্ত্ৰান ও) ৰসূল (আল্লাহ ও ৰসূল স. এব এডি ঈমন আনে যাৱ অবাই অনুমতি)	৯-জাওবা		683	নিবিক দান করেন আল্লাহ (থাকে ইচ্ছা)	৪২-পূরা		295
	48-77	62	43/2	বিষিক দান (রিখিকের ক্ষেত্রের অক্সাহ কাউকে কারো উপর মর্যাদা (দল)	১৬-নাহণ	93	906

	गसगद
4	
	ш
₹8	180
સ્ક્રસ	৫২৩
40	995
٥)	426
¢0	929

田本の中

৩৪-সাব

২-বাকুারা

२8-नव

19.898

৭-আ'লয

৩৬-ইয়াসীন

प्रभाव (नुर्व नुष्टा त्यरक)

রিসাং

faxte

dis

rfû

709

75'7 म्बं स

यांगर

ना'स

7050 ni-

PI of

লা'ন

PC 00

ना'न

Wir.

ना'न

m'ar

PU'N

লাখ

m)

m's

Fire

Fire

\*fix

भक्तिका (खालाइ अवल भक्तिका ५ भावि मार्ग उद्योव)

শক্তিবর (আল্লাহ মহাশক্তিবর ও মহাপ্রকাপশালী)

मंद्रिक्त (प्राप्तात प्रशासिक्त व प्रशासकार समी)

William (When transferror a sifferror service).

শক্তিশালী (আপ্রায়েই শক্তিশালী ও মহাপ্রায়াপশালী)

পক্ত (যে আছাহর পক্ত আছাহ সেই কাফিরের পক্ত

भगार (बानायी शक्ति भगार कार कारत बाहानांशिकः )

পরীক যোৱা আল্লাহ ছাভা অন্যতে পরীকরণে ভাতে...

পরীত জোলাহর রাম্যাকে আলাহর সাগে পরীত করা।

পরীক (আপ্রাচর সামে কাউকে পরীক না করার নির্দেশ)।

भवीड (श्रामावय प्राप्त यह भवीक निर्भावय काराफ सामित्या)

শক্ত (আপ্রায়র শক্ত, ইবরারীমের পিডা প্রসঙ্গ)

শক (বাদারর শক্তানর প্রতিবদ বাদন

श्रीकश्री वाराधन चालांड प्रविभागवाक (वार्किवास्त विश्व)

প্ৰিম সূত্ৰই স্থালাহৰ (জালিছৰা পাছি দেশে বস্তাত্ম পাত্ৰাৰ)।

भक्र (प्राम्हाद्व भक्त्रपत प्राम्हान्य निवारि महत्त्वक कर्ता हान विवासक)

भक्त (पाहादव भक्तरक एवं त्मशासाव बामा माकि लक्कर )

হিচিত দেন আহাত (আকাশ ও পৰিনী খেকে)

বিহিত দেন (আল্লাহ সন্তানসেবকে বিভিত্ত দেন)

বিহিন (পালার যে বিহিন নিয়েকে জানাতীসভাত ভা পোন

বিধিক (আল্লাহর দেয়া বিধিক খেকে কাফিবদের ব্যস্ত প্রাসং

দ্বিধিক দেন আল্লাহ বেছিলাব (বাচুক ইচ্ছা)

বিভিন্ন সেন আহাত বেরিসার (বাকে উচ্চা)

রাকার

শ্বীত / ভাষাতে সামুখ বাংলা শবীক করা হব আনো অক্সাত প্রদাস)

न्दीय चालाय मार्च सामर कर हर छात गरि भर कहा। नास्त

পরীক (অক্সাধ্য সাহা যে পরীক করে পরাবানের কর্নচ্চ করে উপর)

শ্বীক (আনুহার জানির অক্সাহর দাবে শ্বীক করনে তর না করা

পরীক (আল্লার জাড়া অন্যাতে পরীক বানিরে ভাকা প্রসূত্র

পান্তি (লভ সম্প্রমার কাইক আলাচর পান্তি নামনা)

শান্তি দিবেন আল্লাহ কাকিবলেরকে (মুমিনলের হাতে)

শান্তি (আল্লাহ দুৰাভিক ও দুৰ্গতিকলের শান্তি দিবেন)

শ্রির জ্যোর শরি প্রদান করেছিলেন পর্কারী অধিবচনার।

শান্তি (আপ্ৰায়ৰ শান্তি অতি কটিন, বিভাগত প্ৰসন্ধ

পরীক (আল্লাহ বাতীত কাটকে পরীক করা

চ কামনা(রিবিক আল্লাহর তাছে কামনা করার নির্দেশ)	২৯-আনবাবৃত	29	274	অসারতা প্রদান)
লাভ (আল্লাহর রিমালাভ পৌছে দেরা প্রমঙ্গ)	৩৩-আহ্বাৰ	ob.	904	শরীক (আল্লাহর সাথে শরীক না করার বাইয়াত, মুমিন না
লাত (আল্লাহর রিসাক্ত, রাস্ক স. এর দারিত প্রসঞ্চ)	१२-विन	20	359	পরীক (আল্লাহর সামে পরীক করণ যে তার রুণ্য জানুক
(কাফবনের প্রপ্রদর্শন প্রসঙ্গ)	৪৮-ফাতহ	20	277	শবীক (আল্লাহর সাথে শবীককারী সূদ্র পথন্ট)
বোগ না করা (তুক্ত বন্ধর উপনা নিতে আল্লার লক্ষাবোগ করেন না)	२-राङ्ग्या	₹₽	208	শ্বীক (অস্ক্রহন সাবে শবীক করার কারণে হলরে উতি স
বোধ না করা (সত্য বশতে আল্লাহ শচ্ছাবোধ করেন না)	००-वादसर	60	שמש	শরীক(আল্লাহর সাথে শরীক না করার নির্দেশ্ ইবর
০ করা অক্সাহ শক্তিত করাল তার কেন সঞ্চলবাত্ত কেই)	22-07mg	22	920	শহীক (আক্লাহর সাবে শহীক কর)
না চোণ করান আল্লাহ (সংবীকারকারী জালিমদের)	৩৯-বুমার	-20	790	শরীক (আক্রান্ত: সারে শরীক করা সমীনিদ না, ইউসুফ আ
ত (অধিশাসের কারণে কাফিরনের প্রতি আল্লাহর পানত)	२-राक्सा	64	650	শরীক (আল্লাহর সামে শরীক না করতে পুরাকে কুকমানে
হ (অক্সাহ-বাসুল স কে ভালৈভাকে অক্সাহ লানত করেন)	৩০-আহ্বাব	23	bob	পরিক কর (অক্সাহ তার সাহে পরিক করকে করা করে
ত (ইক্ষকৃতভাবে মুমিনকে হত্যাকানীয় প্রতি আল্লাহন পানত)	8-991	90	600	শরিক কর (অল্লাহর সামে শরীক বন্ধর উপন্য, জনাশ
ত (বাল্লাহর লাখিত জালিমদের উপর)	৭-লা'রফ	88	929	শরীক করা (মুশনিকরা স্থীননেরকে সম্ক্রাহর শরীক নির্বাহ
ত (আল্লাহর দাশিত তাদের উপর যারা প্রমাণাদি)	२-चनुःडा	26.9	678	পরীক করা (সুস্পন্তান সম্পর্কে আল্লাহর সাথে আ
ত (আপ্লাহর লা'নত যেনব আহলে বিভাবদের উপত)	8-991	44	660	হাওরা পরীক করা)
ত করেছেন আল্লাহ মুলাকিক ও কাকিরদেরকে	৯-জবে	Gir	689	পরীক করা (অক্সাহর সাথে পরীক করা মহাপাপ ই
ত করেছেন আল্লাহ বাদেরকে	৫-মারিদা	60	277	শরীক করা (অক্সাহর সাথে শীরক করা হারাম)
ত (কঞ্চিবদেয়কে আল্লাহ গানত করেছেন)	৩৩-আহ্বাৰ	68	৮৩৯	শান্তি (অহতারীলেয়কে দুর্বদরা আস্তাহর শান্তি থেং
ত (কুকবীর কারণে ইছনীদের উপর আপ্রাহর লানত)	৪-নিসঃ	85	260	করতে বলবে)
ত (কৃষ্ণবীর কায়ণে ইহুনীদের উপর আল্লাহর লানত)	२-राक्रवा	55	670	শারি (অপরধ্যে করণে অক্সাংর করে শার্লা ও কঠার
ত (অপ্তাহ, মেতাশতা ও মানুহার পানিত তানের উপর যার)	৩-আলে ইমরান	59	488	শান্তি (অপরাধীদের উপর আক্লাহর শান্তি নিদে/রা
ত (অস্ত্রাহ মুনাঞ্চিকদের উপর লা'নত করেছেন)	৪৭-মুহাম্মান	20	978	শান্তি (অল্লাহর শান্তি থেকে কেউ রক্ষা করতে পা
ত (আপ্লাহ থাকে লা'নত করেন তার সাহাধ্যকারী নেই)	৪-নিসা	43	260	শান্তি (মান্তাহর শান্তি বছণাপরক)
ত (আপ্লাহর লা'নত, কফির অবস্থায় মত্য)	२-सङ्ख	262	472	শারি (আরহ মনুষ্টের নীমালয়নের কাহন শারি নিলে ঘটা
ত (আস্থাহৰ লা'নত কামনা কৰবে খামী, পৰামবাৰ)	২৪-বৃত্	٩,	998	শরি (অক্সার শরির বিশরীতে অভিয়নের ধ্য-সম্পর্ণ
ত (মিখ্যাৰানীর উপর আল্লাহর লা'নত)	০-আলে ইমরান	85	682	শারি (অল্পারে শরির বিপরীতে অধিয়াসর ধন-সম্পদ ব
ত (মিখ্যা বচনাকারী জালিমদের উপর আল্লাহর লানত)	33- <del>3</del> 9	35	669	শান্তি (আল্লাহর শান্তি আদলে কে নাহায়া করবেং)
ত (শরতানকে অন্তাহর লা'নত করা প্রসঙ্গ)	8-निमा	222	645	শান্তি (আপ্লাহর শান্তি এনে পড়লে আপ্লাহকে ভাক
লেয় (অস্তাহ নিৰ্বাসন দিলে নিরেছেন কফিবলের জন্য)	৫৯-হাশর	0	250	পরি (অপ্রান্ত পরি নাসের মন্য হর নিহাবদী হলছি
तम् (इन्हरिनदान बद्धार नवार्य प्रक्रार नित्र बद्धार)	8-PIRT	2.7	669	শান্তি (অল্লাহর শান্তি থেকে রক্ষাকরী কেউ নেই)
রেখেছেন পায়ের (ভিনি ও ভার রাসুলাগ বিজনী হলে)	৫৮-মুজানাতা	45	328	শন্তি (অল্পাহর শন্তি থেকে অভিযনের দুর্গ মানেকে লে
বছকারী(আল্লাহ মুমিনের সংকাজের দিপিবছকারী)	২১-সাধিয়া	28	925	পরি (অ্রান্ড পরিব নেককোর ফুরবিকনের ধন-স্
(সাপ্তাহর শক্তি হাড়া কোন স্বন্য কোন শক্তি নেই)	72-sida	co	929	পরি (ইঙ্কালকারে মুদ্দিরে হন্যকারর ২ন্য অপ্তারে
ধর(অস্তাহ মহাপঠিধর ও মহাপ্রমেপপালী)	22-27%	80	952	শান্তি (কাফিবনের জন্য অক্টাহ শান্তি গ্রন্থত বেখে

8.मिल P6 609

<u> २२-राक</u>

no attatic

L. NEWS

১.বাজার

V-27/020

8\<sub>+</sub>क्जिलिल 77

y-diagon

৪১-ফুল্লিশার

64.FFBBB 5-62

V1-₹5-17

Sn. trees

o fami

১০. বা ন

পরীক (আপ্রায়র পরিবর্তে অনাকে ভাকার পরীক করার ৪৬-আহ্বায 0 201 ाठ, प्रमिन नावीरमार भ ৬০-মমধ্যতিক क्ना **स्था**न्देश शंद्रिय । ৫-মারিদ 93 o Gren uca Alfaneer V ৩-আলে ইমরাল ১৫১ ৫৫০ নৰ্দেশ ট্ৰৱালীমকে) 22-50% 960 >0-81'F 609 स्क्रेक्ट व व व व ১৯.টউসম ক পুৰুমানের উপনেশ) ৩১-শুক্সান 30 क्यां वरदश लें) OF THE PARTY AND ADDRESS AND 22.37% 0) 955 क्षेत्र विकास स्थात ০-আন'ঝার 200 সাবে আগম আ 9..ಡ್'ಪರ Sho Nao. materier identical 8.जिल ५-जा'राय 00 শাস্তি থেকে রক্ষ **18.**डेंब्टाडीह 33 स ५ स्टोर्ट्स स्टिन 4-2016 2012 s নিমে/হাতে আসা) ১০-ইউনস 00 MELE ADMA SE ) 84-wireto 30-fema के किए स्टॉस्टर कार्ड को ১৬-নাচৰ ৩-আলে ইমবান ধ্য-সম্পদ কারে ৩-আলে ইমরান ১১৬ ৫৪৭ 80-W RF morae minet etma) A. PROC'RES 80 80-मृभिन 80-व विम ক্রমককে করা করার । 0h-3744 TOWNS FOR THE 65-Teintel 20 ১৯-জানকারত 37 শন্তি (মনক্রিক মানুষের পরীক্ষাকে আস্তাহর শন্তি ভাবে) Ab. Williams শারি (নামারত অধীকারকারীনের আরার কথা ও জীতির শারি কোন) 30-1000 পতি চল না কেন আপ্রয়, আনের করের জন্য (মূলফিকরা বলে) १५-स्वाभाग 200 শতি দিতে দেন অপ্তাহ বিদ্ধু অপনাথের কারণে (ভূনাফিকলেরক ০-মাবিদ 8% শারি নিতে রান অক্সাহ ফুর্নাফিক ও কফিয়নেরকে (দুনিরার জীবন) ৯-ভাওৰ 684 >-আনৱ 78 683 नति निरम्भ प्राच्याः स्टास्त (ए कामी करा ५ ३व विश्वीत (ना ৮৮-গাশিকা नहिर त्यानका नहिर प्रारम्भ कवित्र उत्तरकारक सार्थ कर गाउँ 6-307/3012 84 শান্তি আল্লাহর পক থেকে (পুরুষ ৬ নারী চোরের হাত কাইং) ৫-মারিদ on atoms ২২-হাক मानि (पालावर मानि तराह वावितास्य स्थापको तहरे (वरे) ১৩-রা'দ 06 শানি বেজার শানি বেকে মনবর্মশীশাসন করম কেই কেই। 20-8**ड**ेस পরি (অক্সান্ত পরি থেকে কে সাহায় করনে সালের আ, কেং যদি...) 22.59 90 শান্তি (আপ্তাহর সর্বগ্রাসী শান্তি থেকে কি মানুধ নিরাপন)

15.5075 209 989

8०-म मिन

ज्यां कर क नोड प्रकार के लंडी

b-98

933

htv8

مخد

682

22

33.27%

05-935

**১**৬-মাহৰ

৹-আন'আম

৪৬-আহকার

SOLE FOR

950

623

bob

AA. PERSONAL MANUAL PRINCIPLE OF	न्त्र सः च न्य	Mar e		न्तर व विकास करिया विकास विकास विकास विकास करिया विकास		444	
जाहाड् (पूर्व गृंधे त्यरम)				সভাই বলেন আল্লাহ	৩৮-সোরাদ	78	34,40
শান্তি দিবেন ৰা আল্লাহ রাসুল স. তাদের মাকে থাকা অবস্থার	৮-আনহাল	00	906	লভ্য (অল্লাহর জন্মই সদ্য ইলাহ হবার অধিকার)	২৮-কাসাস	92	P78
শান্তি দিবেদ না কেন আল্লাহ যথন তারা বিরত রেখেছে	৮-আনফাল	<b>c</b> 8	906	সভ্য (আল্লাহই সভ্য: অন্য উপাস্থৱা মিখ্যা)	৩১-লুকমান	00	4.59
শক্ষিদাতা (আপ্তাহ কটোর শক্তিদাতা)	৩-আলে ইমরান	22	609	সত্য (আল্লাইই সত্য, মূপবিকদের পরীকরা মিখ্যা)	२२-शाक	65	268
শক্তিদান দদ আল্লাহ (মানুহের ক্ষমা প্রার্থনা করন্থার)	৮-আনকাল	60	906	সত্য (আল্লাহ্ মহান, মাদিক ও সত্য)	২০-ড়া-হা	378	185
শান্তি দান করবেন আল্লাহ কাফির ও মুনাফিকদেরকে	৯-সাওবা	98	685	সভ্য (অক্সাহর পক্ষ থেকে সভ্য আনার পর জানু আধা দেয়া!)	১০-ইউনুদ	96	997
শস্ত্রি (মনুষরে শস্ত্রি দিয়ে অক্সাহ বি করকেন ঃ কৃতজ্ঞতা প্রদক্ষ)	8_मिमा	189	696	সত্ত (অল্লাহ সত্ত ও সর্বশক্তিমন, তিনি মৃতকে জীবিত করেন)	২২-হাচ্ছ	6	164
শিক্ষান (মস্তাহ মনুহতে শিক্ষা মিটেছেন না লে জনত না)	৯৬-আলাক	¢	303F	সত্য (আল্লাহ সভ্য ও সম্পন্নি, মানুহ জানতে গাবুহে)	28-79	42	996
শিকানান (আল্লাহ মানুককে কলমের সাহাব্যে শিকা নিরেছেন)	১৬-আশার	8	\$00₹br	সতর্কারী (অক্সাই কুরুঅন নায়িকের মাধ্যমে সতর্ককারী)	88-नुसम	0	203
শিক্ষা দান (অপ্তাৰ, মানুক্তক শিক্ষা দান কড়েন, কণ লেনচল-প্ৰদাৰ)	२-वादावा	282	248	সভাগ্রেক প্রস্ন অক্সাহই (প্রভাবের প্রভাবর্তন আর কাছে)	১০-ইউন্স	-do	629
শিক্ষা দান (অপ্তাহ যোজনে শিক্ষা দিয়েছেন লেখানে লেখা,কণ প্রদের)	২-বাৰাবা	292	ec8	সত্য প্রতিষ্ঠা করবেন আল্লাহ (অপরাধীরা অপহন্দ করবেও)	১০-ইউন্দ	44	995
শিক্ষা (আল্লাহর শিক্ষা অনুযায়ী শিকারী প্রাণিকে শিক্ষা দেরা)	१-महिमा	8	2tro	সম্ভ কর্মাজ্ঞার ও রাসুন স্, সত্র ব্যবহুন, বনক বুর প্রসম)	৩৩-মাহমাৰ	22	book
অন্যান (অক্সাই ইন্টোলর কথা অন্যান- "অক্সাহ কবিব ৫")	৩-মালে ইম্বান		220	সত্তা বলা (আছাহ সম্পূর্বে সত্তা করার অসীবার, ইছমিসের)	৭-আগ্রহ	269	649
ত্ৰেছেন (আল্লাহ কথোপকথন জনেছেন, ৱানল স. ও		-	-	সত্ত করা (আপ্রার সম্পর্কে মুসার সভ্য করা প্রসঙ্গ)	৭-আগ্রহ	208	655
বিতর্বকারী মহিশার)	৫৮-মুম্বানাশ	١,	322	সভা কৰা (আপ্ৰাৰ সম্পৰ্কে সভা কৰাৰ নিৰ্দেশ)	8-निमा	292	644
প্ৰকা করান আপ্তাহ (যাকে ইয়ার করেন)	৩০-ফাহিব	44	¥8¥				
প্রকা (নিজের কল্যানের জন্য আল্লাহর কথা প্রকা)	68-979784	36	266	সত্য বলেকে আল্লাহ সভ্যকানী (কৰাৰ আল্লাহৰ চেয়ে কে অধিক সভ্যকানী হ)	৩-আদে ইমরণ		685
(पर्छ (प्रकार मध्य व (पर्छ, मवीव प्रेनव शक्यक मर्याम अनन)	8-मिमा	68	667		৪-নিম্ম	255	645
প্রেক্টড় (অক্সাহর প্রেক্টড় ঘোষণা, আক্সাহর নির্দেশিক পরে)	५-गक्स		440	সভাবাদী (কথার আল্লাহর চেরে কে অধিক সভাবাদী হ)	৪-নিসা	49	699
প্রেক্ত (অন্তর্গতে তেক্ত বোধনা, আন্তর্গতে সংগালক নথে) প্রেক্ত বোধনা অক্সর সঠিকপথ প্রদর্শন করার ভার পেটত বোধনা।	55-5MB 4-41-51-81	204	965	সভ্যে পরিণত করেছেন আস্কার (বাসুল স. এর সপ্ন)	89-काट्ड	29	979
(पुरुष्ट तम, प्राप्तार कर्तव (स्वयानस्वीद वज्ञ वाका पुत्रिज्ञ क्षेत्र)	8-RM	96	209	দত্তা আল্লাহ (সকল কৰ্তৃত্ব ভারই)	79-4150	88	92,6
প্রচার প্রবিধিতে আল্লার্ডর প্রেল্ডর	82-वादिश	93	809	সন্তান ! (অক্সাহকে সন্তান গ্রহণের অপবাদ)	२-बाङ्गदा	226	670
প্রেকচু (শূনবাতে আরাবার প্রেকচু) মঠজন (পচিবাজির গোপন কমার মঠজন বাকেন আল্লার)	৪৫-জাধ্য। ৫৮-মুজাদালা	9	301	সন্তান গ্রহণ করেননি আল্লাহ	১৯-মারইরাম	-02	906
प्रमृद्धि (वासाव्य प्रमृद्धि अवस्था वास्त्र वासाव)	ত্ত-পূজাণাল। ৯-ডাওবা		881	সন্তান এহণ করেননি আল্লাহ	२०-म्"मिगृन	27	995
ग्रहाड (जाहारस ग्रहाडर श्रहाडर श्रह) ग्रहाड (जाहारस ग्रहाड सहार सहार स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन	৯-জাতৰা ৩-জালে ইমবাদ	12		সন্তান প্রহণ! (অক্সাহর প্রতি মুশরিকদের অপবান, এদের	72-40640	8	128
স্কার (সম্ভাবন সভার ব্যৱহে জন্মতে, অকলম সকল্মপনারনো জন)। সংস্কৃতিত করে দেন আল্লাহ বিধিক		382	503	(কান ঋনে নেই)	20-4164		7<8
	২-পাকুরো		23b	সন্তান প্রহানর অপবাদ দের মুপরিকরা (আল্লাহকে)	১০-ইউনুস	94	660
সংশোধন করেন না আল্লাহ (ফ্যাসাদ সৃষ্টিকারীনের কাঞ্চ)	১০-ইউনুস ৩-আলে ইমরান	2.7	995	সন্তান (মুশরিকরা থকে, আল্লাহ সন্তান কলা দিয়েছেন !)	৩৭-সাঞ্জাভ	265	b-68
সম্প্রিয়ন (অক্সাহন সম্প্রিয়ন ধাবনে না, কাছিবকে বন্ধু একে)	৩-আলে হমরদ ৫-মারিলা		602	সম্ভষ্ট (আল্লাং ও ব্যক্ত স, মানুমের সম্ভষ্টি পাড়ের অধিক (যাগ্য)	৯-ভাওবা	62	686
সংখ্যন (রানুল স. অস্ত্রাহর শক্ষে বেকে পাশাচারীদেরকো সংবাদ দিকে।		80	5AA	সম্ভন্ন (আল্লাহ মুখিনদের প্রতি সম্ভন্ন)	৫৮-মূজানালা	સર	268
সংখ্যা নিৰ্পত্ন করে রেখেছেন আল্লাহ (সনার কৃতকর্মের)	৫৮-মূজাদালা	0	302	সম্ভাই (আল্লাহ সম্ভাই হয়েছেন সভ্যবাদীদের প্রতি)	৫-মাছিলা	223	295
সংখন জনানে (তারা কি অল্লাহকে বেনে সংখন নো খ) সক্ষম (আল্লাহ নিদর্শন অবতীর্ণ করতে সক্ষম)	১০-ইউনূস ৬-জন'কাম	79.	966	সম্ভট (আল্লাহ সম্ভট প্রথম অগ্রণামী মুহান্দির, আনসার ও)	৯-ভাওব	200	600
		90	699	সম্ভুট্ট (বাইয়াত গ্রহণকারী দুমিনদের উপর আল্লাহ সম্ভুট্ট)	8৮-फाटर	75	229
সক্ষম (আল্লাহ মঞ্জন্মকে সাহায্য করতে সক্ষম)	₹ <b>₹-</b> ₹/ <b>%</b>	¢9	902	সন্তুত্তী (আল্লাহর সন্তুত্তী অনুসরণ করে যে সে তার হত নর যে)	৩-আলে ইমরান	202	662
সক্ষম (আপ্লাই মানুহকে প্রত্যাবর্তন করাতে সক্ষম)	৮৬-ডার্ডিক		2026	সম্ভন্নি (অক্সাহর সম্ভন্নির উদ্বন্ধে নাসারাপা (ধরপোরান বিভিন্ন,)	৫৭-হাদীদ	29	200
সক্ষম (মঞ্জাহ মনুদের কতককে সন্তির অন্যানর অন্যত সক্ষম)	৪-নিসা			স্মারি (আপ্রায়ে স্মারি এরে ককার নেরা হল বা বছি পার)	৩০-জম	ch	5-50
সঠিক পথে পরিচালিত করেন না আল্লাহ (সীমালকানজারীকে)	৪০-মু'বিদ	50	ppo	স্মান্ত (অপ্নাধ্য স্মান্ত চাইলে মনুদোর হক অধিকর দিয়ে (নার উরম,)	৩০-জম	Ob	444
সম্ভিক পথ প্ৰদৰ্শন কৰেন না আল্লাহ (কাফির সম্প্ৰনায়কে)	১-অখৰা	93	988	সমুক্তি (কেনল অঞ্জাৱন সমুক্তির উদ্দোশ্ধর পর করার নির্দেশ)	२-वाकाश	292	805
সঠিক পথ প্রদর্শন করেন না আপ্লাহ (জালিম সম্প্রনায়কে)	৯-ভাওবা	7.9	983	अबति (अञ्चास अबति अल्पास स्ट्रांबेल इंबिनास, पेटम इल्पा)	৩-আলে ইমরান		203
সঠিকপথ প্ৰদৰ্শন না করতেন যদি আল্লাহ তবে	৭-আ'রফ	80	656	সমার (আলাহর সমারি কামনার সম্পদ করের উপমা)	২-বাকুল	260	203
সঠিক পথ প্রদর্শন করেছেন আল্লাহ (ঈমানলারদেরতে)	২-বাকুরো	570	248	সম্ভাত (আল্লাহর সম্ভাত কামনার নিজের জীবনকে বিক্রি)	২-বাকুলা ২-বাকুলা	209	640
সর্বিক পথ প্রদর্শন করেছেন আল্লাহ বাদেরকে	২-বাকুৰো		670	সম্ভূতি (আল্লাহর সমূচি কামশার সংক্রম জাংশাকে বিভিন্ন)	8-PH	778	640
সঠিক পথ প্ৰদৰ্শন করেন যাকে সেই সঠিক পথ প্ৰাপ্ত	79-বার্থক	24	956	সন্ধান (আল্লাহর সম্ভান অনশার সংগল/লাগেসের প্রত্যেশ) সন্ধান (আল্লাহর সম্ভানির জন্ম অভাব্যার/বর্গী/ইরাধিমকে	011111	228	× 13
সমিক পথপ্রদর্শন করেন না অস্তাহ (জালিম সম্প্রভারকে)	৯-ফাঙৰা	709	962	সন্ধার (আল্লাহর সম্ভারর জন্য অভাআন্ত/বপা/হয়াওমকে বাদ্য সাম)	৭৬-দাব্ব	ъ	bbd
সঠিক পথ প্রদর্শন করেন না স্বাল্লাহ (পালাচারী সম্প্রভারকে)	১-অব্য	₹8	<b>ે</b> 8ર		-	-	L
সঞ্জিপৰ প্ৰদৰ্শন আহ্বাহ বাবে করেন ভার পথস্কটকারী নেই	৩৯-বুমার	99	b-98	সম্ভষ্ট (মুদ্দিন সংকর্মশীকালর প্রতি আহাহ সম্ভষ্ট)	৯৮-বার্ক্তিনার্		2059
সঠিবলাথ প্রদর্শন (অপ্তাহ দর্বিদেরকে সটিবলাথ প্রদর্শন করেন)	৬-অন্বাম	bo	608	সম্ভুট হকেন ন আগ্রহ পাপাচারী সম্প্রনায়ের প্রতি (অনুক প্রসঙ্গ)	৯-ভাধবা	30	960
সর্ভিকপর প্রদর্শন (আপ্লাহর দরিছে)	১২-দাইল	25	2000	সকল কলে না আল্লাহ (খেয়ানককারীদের সভ্যন্ত)	১২-ইউসুঞ	લર	99.7
সট্টক পথ প্ৰদৰ্শন কয়েন না অস্তাহ (ফালিক সম্প্ৰনায়কে)	৯-জাওবা	940	68¥	সনই (ৰন্যাণ-অবল্যাণ সৰই আক্লাহৰ পঞ্চ থেকে)	8-Si21	92	699
মত্তিকপথ প্ৰদৰ্শন কৰেন না আ <b>ল্লা</b> হ ( <b>জলি</b> য়দেৱকে)	৪৬-আহ্বাক	20	you	সববিস্কু আল্লাহর (আবাপ ও পৃথিবীর সববিস্কু)	५8-मृद	68	82.7
মত্তিক পথ প্রদর্শন করেন আল্লাহ (উরুম কথার অনুসারীকে)	৩৯-মুখার	30	193	সমকক (অক্সাহর সমকক নির্বারণ করার পরিণাম আগুন)	১৪-ইবরাইম	60	696
মাঠক পথ প্রদর্শন করেন না আল্লাহ (পাপাচারী সম্প্রদায়কে)	৫-মারিপা	70%	649	সমকক (অনুহার পাতের পর আল্লাহর সমকক দাঁড় করালে)	৩৯-যুম্বর	r	৮৭২
দৰ্ভিক পথ প্ৰদৰ্শন করেননা আল্লাহ (মিখ্যাবাদী কাভিবকে)	৩৯-যুখার	o	b-93	সমকক (অল্লাহর ৰূল সমকক পেশ না করা)	১৬-নার্প	48	308
সঠিক পথ প্রদর্শন করেন আল্লাহ	২৮-কাসাস	69	930	সমকক (আল্লাহর সমকক গ্রহণ করে মানুহ)	২-বাৰুৰো	362	62A
সঠিক পথ প্রদর্শন (অক্সাহ জালিমসেরকে সঠিকপথ প্রদর্শন করেনর)	২-বাকারা	200	600	সমকন্দ (আল্লাহর সমকন্দ না বানানোর নির্দেশ)	২-বাকুরো	22	200
সঠিক পৰ প্ৰদৰ্শন করবেন আল্লাহ কিন্তাৰে ভালেনকে ধাৰা	৩-আলে ইমরান	9.0	288	সমভুক্ত নেই (অক্সাংর সমভুক্ত কেট নেই)	১১২-ইখুলাস	8	0000
সঠিক পথ প্রদর্শন(মক্সাহ থাকে ইক্স সঠিকপথ প্রদর্শন করেন)	२२-शंक	36	925	সমবেত (সম্ভাবের কাছে সমবেত করা হলে মুদ্দিলর নিহত হলে)	৩-আদে ইমরান	262	203
সংকর্মপরাস্থপনের সাথে আল্লাই আছেন	২৯-আনবাৰত	63	3455	সমানত কর্তন আল্লাহ উপাসক ও উপাসাদেরকে	20- <b>03</b> 0H	29	950
2,000			1. 0	The second second	1 14 1 2 1 1 1		_,50

গলুহ আলুহ

মাল্লাহ

	ज्बा नर ७ नाम	মহাত ব	न्ध	শৃষ্ বৈয়/গ্ৰসদ		455.4	
আল্লাহ (পূৰ্ব পূচা গেকে)		_		সর্বশক্তিমান (অক্সাহ মার্কানকারী ও সর্বশক্তিমান, নেন মার্কান প্রসঙ্গ)	8-सिमा	\$8≽	496
সমবেত করবেন আল্লাহ মানব জাতিকে (কিরামতের দিন)	৩-আলে ইমরান	8	600	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ সর্বশক্তিমান)	৯-ভাওৰা	95	688
সময় (আল্লাহর নির্দারিত সময় বিশবিত করা হয় লা)	৭১-বৃহ	8	846	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ সর্বশক্তিমান)	৪২-প্র	ъ	897
সমর্গন (पद्मादन निक्ते निकारक সমর্গন করেছে রাপুল স. ব)	৩-আলে ইমরান	20	600	সর্বপঞ্জিমান (আল্লাহ সকল বিষয়ে সর্বপঞ্জিমান)	৩৫-ফাডিব	3	986
সার্শণ (চন্দরকে অক্সাহর দিকে সমর্শণকরী মজপুত ব্যবদ ধরু। বতে)	৩১-লুকমান	22	454	সর্বপঞ্জিমান (আল্লাহ সর্বপঞ্জিমান,আকাশ-পৃথিবী সৃষ্টি প্রসঙ্গ)	৬৫-ভালাক	24	900
সমর্পন (মু'মিন ব্যক্তির ব্যাপার আল্লাহর নিবট সমর্পন)	৪০-মুমিন	88	649	সর্বপঞ্জিমান (অল্লাহ সর্বপঞ্জিমান, তারই রাজতু ও প্রশংসা)	১৪-ডাগাবুন	7	366
সমর্পন (সংকর্মপরায়ণ হরে নিজেকে আস্ত্রাহর জন্য সমর্পন)	২-বাকারা	334	230	সর্বপঞ্জিমান (আল্লাহ লবকিছুর উপর সর্বপঞ্জিমান)	২৯-আনকাবৃত	30	439
সম্পদ (আপ্তাহর দেরা সম্পদ থেকে দাসদেরকে দেরা)	২৪-নর	96	999	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ সর্বশক্তিমান)	৩০-জম	ĝ0	৮২১
गमनैन (प्रक्रार प्रकल-लुक्ति महित लत पाइट गमनिन दन)	১০-ইউন্স		628	সর্বশক্তিমান (অল্লাহ্ সবকিছুর উপর সর্বশক্তিমান)	५-शङ्खा	40	600
সমসীন (अक्टार जाकान-পृथिती महित পর আরশে সমসীন হন)	७३-मालना	8	broo.	সর্বশক্তিমান (সম্ভাহ সর্বশক্তিমান, তিনি মৃতকে জীবিত বড়েন)	22-20%	ь	900
तमान नम्र व्यक्तिक निर्देश विमान व्याना ও सार्विकता श्रामि शान कतात्ता	৯-জাওবা	25	685	সর্বশক্তিয়ান (আল্লাহ স্বাকিছর উপর সর্বশক্তিয়ান)	03-8145	24	200
সমূলত (আপ্লাই সমূলত ও প্ৰজামৰ)	8२-नवा	65	trisé	সর্বশক্তিয়ান (আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও সর্বশক্তিয়ান)	১৯-নার্গ	20	407
সমূত্রত (অপ্তাহ সমূত্রত ও সময়স, আকাশ-পরিবীধ সর্ববিদ্ধুট আর)	৪২-প্রা	8	9702	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ সর্ববিষয়ে সর্বশক্তিমান)	३-शकावा	386	67.9
সম্পর্কারক (আল্লাহর সম্পর্কারক, মার্শরকলের সাবে)	৯-ভারব	2	680	সর্বপঞ্জিমান (আল্লাহ সর্বপঞ্জিমান)	০-আলে ইমরান		002
शक्तिक ( <b>बहुद्धा</b> र्य निसर्धे करिक प्रयोगभूभान् (य करिक क्रांक्शस्त्रायः)	83-4444	30	957	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ সর্বশক্তিমান)	०-मश्रिमा	35	etro
সাধান (স্থান প্রথম একমান আল্লাহর)	৩৫-ফডির	30	V83	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ সর্বশক্তিমান)	৫-মারিদা	80	202
जन्मा कबरन जाहार अवस्थि विश्वर सं फोद दिन	h-বান্তাল	88	901	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ সর্বশক্তিমান)	৮-আনকাল	83	606
সম্পন্ন করবেল আল্লাহ এফন এক বিষয় যা ঘটার ছিল সম্পন্ন করবেল আল্লাহ এফন এক বিষয় যা ঘটার ছিল	৮-বান্তান ৮-বান্তান	84	909	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ সর্বশক্তিমান)	e-মারিদা	29	643
নশ্যা করণের আক্সাই অথন এক বেবর বা বসর ছেন সম্মানের মালিক (আক্সাই নব সম্মানের মালিক)	১০-ইউন্স	60	666	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ সর্বশক্তিমান)	28-HZ	80	995
কমনের মালক (আল্লাহ নব কমনের মালক) কমান আল্লাহরই ছন্য (কিন্তু মনাকিকরা তা জানে না)		66	846	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ সকল বিশ্বরে সর্বশক্তিমান)	৩-আলে ইমরান		208
সামান আল্লাহরহ জন্য (কিন্তু মুনাককরা তা লানে না) সরিব্রে সেন আল্লাহ মুনাকিকসের হুনরকে	৬৩-মুনাফিকুন ৯-ফাগ্রা		520 520	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ স্ববিদ্ধর উপর সর্বশক্তিমান)	ध-निमा	25.0	249
লাররে দেন আল্লাহ মুন্যাককদের ভাগতে সর্বজ্ঞ (আল্লাহ সুক্ষদর্শী ও সর্বজ্ঞ)		294	95.0	সর্বশক্তিমান (আল্লাই স্থাকিবুর উপর সর্বশক্তিমান)	36-110F	99	90%
नवस (जाद्वार न्यमना च नवस)	৩১-পুকমান	25		সংশাক্তমান (আল্লাহ সংক্রিয় ভাগর সর্বশক্তিমান) সর্বশক্তিমান (আল্লাহ সংক্রিয়র উপর সর্বশক্তিমান)	০০-মাহযাৰ ০০-মাহযাৰ	39	
সর্বজ (আল্লাহ সুস্কলশী ও সর্বজ)	৬-আন্'আম	300	808	সংশাক্তমান (আল্লাহ সংগ্ৰুত্ব তপত্ৰ সংশাক্তমান) সংবালী আল্লাহ			3.05
সর্বজ্ঞ ও সর্বজ্ঞানী আল্লাহ (গায়েব প্রসঙ্গ)	৩১-পুকমান	48	৮২৯		৩-আলে ইমরান		280
त्रवंखानी जाहार	৪৮-ফাত্য	8	১১৯	নৰ্ববাপী আল্লাহ মহাধানী	৫-মারিলা	28	৫৮৭
সর্বজনী (মারাহ সর্বজনী ও মহাপ্রজনন, তথবা কবুল প্রসঙ্গ)	8-शिमा	24	200	गर्रवाणी (पक्षार गर्रवाणी व गर्वधानी, पक्षादा পात्र मान शाम)	২-বাঝুরা	২৬১	6-07
পৰ্বজ্ঞানী (আল্লাহ পরম প্রতিদানলাতা ও সর্বজ্ঞানী)	৪-লিপা	189		সর্বব্যাণী (আল্লাহ সর্বন্ডাণী ও সর্বজ্ঞানী)	২-বাকুয়ো	489	254
সর্বজ্ঞানী আল্লাহর পক্ষ থেকে ক্রিতাবের অবভারণ	8०-वृत्तिम	2	৮৭৮	দর্ববালী (আল্লাহ দর্বব্যালী ও দর্বজ্ঞানী)	২-বাফুার	274	670
সর্বজ্ঞানী আল্লাহ (শরকানের প্ররোচনা প্রশঙ্গ)	৪১-ফুন্সিলাভ	00	999	নৰ্ববাদী (আল্লাহ সৰ্ববাদী ও নৰ্বজ্ঞানী)	২-বাকুরে	₹6₽	605
সর্বজ্ঞানী আল্লাহ (সকল বিষয়ে)	२८-मृद	46	999	সর্বব্যাপী (আল্লাহ সর্বব্যাপী ও সর্বজ্ঞানী)	২৪-সূত্র	હર	999
দৰ্বজ্ঞানী (আল্লাছ দৰ্বজ্ঞানী, দকল বিবরে)	২-বাকুৰো	507	650	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ সববিব্যুর উপর সর্বশক্তিমান)	২-বাকুরা	429	602
সর্বজ্ঞানী (আল্লাহ সর্বব্যাপী ও সর্বজ্ঞানী)	२-राकृत्वा	224	670	নৰ্বশক্তিমান (আল্লাহ নৰবিশ্বর উপর নর্বশক্তিমান)	২-বাহুারা	478	208
সর্বজ্ঞানী (আল্লাহ্ সর্বজ্ঞানী)	৬০-মুমতাহিনা	30	hệb	সর্বশক্তিমান (আল্লাহ স্ববিদ্ধর উপর সর্বশক্তিমান)	২-বাকুরে	306	625
সর্বজ্ঞানী (আল্লাহ সর্বস্রোটা ও সর্বজ্ঞানী)	২-বাকুরো	426	260	সর্বশক্তিমান আল্লাহ (সকল বিষয়ে)	৩-আলে ইমরান		400
সর্বজ্ঞানী (অক্সাহ সর্বব্যাপী ও সর্বজ্ঞানী)	২-বাঞ্চরা	₹6₩	202	সর্বশক্তিমান (আহলে কিন্তাবনের প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	707	625
गर्तव्यमी (प्रक्राद गर्वदाणी ও गर्तव्यमी, प्रक्राद्य गाप मान शंगक)	২-বাঞ্চারা	462	607	সর্বশক্তিমান (সকল বিষয়ে)	০-আলে ইমরান		400
সর্বজ্ঞানী (অস্ত্রাহ সর্বব্যাপী ও সর্বজ্ঞানী)	২-বাকুরো	289	234	সৰ্ব শক্তিমান (সৰ্ব বিগৱে)	79-21 <b>6</b> ±	84	926
সর্বজ্ঞানী (আরাহ সর্বজ্ঞানী ও পরম সহন্দীল, মীরাস প্রসঙ্গ)	8-निमा	25	200	সর্বপ্রেষ্ঠ নরাপু আল্লাহ	27-5gJa	68	68-5
সর্বজ্ঞানী (অস্ত্রাহ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজ্ঞানান, মীরাস প্রসঙ্গ)	8-निमा	22	229	সর্বপ্রোন্তা আল্লাহ	৫৮-মূজাদালা	٥	>65
गर्वकारी (जाह्यार गर्वकारी ও পরম गर्नगील)	৩৩-আহ্বাব	67	404	সর্বপ্রেকা আল্লাহ	२८-मृब	60	950
गर्वकानी (जल्लाह गर्वकानी ও प्रदासकादान)	৪৮-ফাড্হ	8	276	নৰ্বপ্ৰোমা অক্সাহ	२८-मृब	57	990
সর্বজ্ঞানী (আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও সকল বিষয়ে অবহিত)	8-मित्रा	100	697	সর্বপ্রেক্তা আল্লাহ (পরকানের প্ররোচনা প্রদর্গ)	৪১-কৃস্সিলাভ	60	999
अर्रेखनी (पक्कार अर्रेखनी ও महालखनान, निरूप निर्मान राजन)	8-मित्रा	28	260	সর্বপ্রোকা (আল্লাহ সর্বপ্রাকা ও সর্বজ্ঞানী)	২-বাকারা	488	654
সৰ্বজ্ঞানী আল্লাহ (আদম আ. সৃষ্টি প্ৰসঙ্গ)	২-বাকুবরা	02	208	সর্বপ্রোতা (অক্সাহ সর্বপ্রোতা ও অতি নিকটবর্তী)	৩৪-দাবা	00	686
সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজানান আল্লাহ	<b>১২-१६</b> मुख	300	646	সর্বপ্রোক্তা (আল্লাহ সর্বপ্রোক্তা ও সর্বদূর্য)	8-भिमा	62	468
সর্বজনী ও মহারজাবান জাল্লাহ	₹8-7%	36	9.92	সর্বপ্রোচা ও সর্বজ্ঞাতা আল্লাহ (মুমিনদের কৃতকর্ম সম্পর্কে)	৪৯-হনুবাত	3	320
সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজাবান (অনুমাহ ও নিয়ামত প্রসঙ্গে)	৪৯-চন্দ্রনত	ъ	320	সর্বপ্রোচা ও মর্বজানী আল্লাহ	৩-আলে ইমরান	<b>cs</b>	600
সর্বজ্ঞানী ও সকল বিষয়ে অবহিত (ভাকওয়া প্রনঙ্গ)	৪৯-ছবুরাত	30	254	मर्दशासा <b>७ मर्वकामी व्य</b> क्तार	৩-আলে ইমরান	343	689
गर्नकानी विद्यादन वा <u>ष्ट्रावार</u> ी पद्मती (प्रा <u>मुणा</u> दावन त्रविनाम तामक)	8-971	90	252	সর্বপ্রোক্তা (প্রোক্তা আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও সর্বন্যোক্তা)	২৬-৬'আরা	220	955
সর্বল্যা আল্লাহ	৫৮-রঞ্জানালা	2	302	সর্বপ্রোকা (আল্লাহ সর্বভূমি ও সর্বপ্রোকা)	<u>२२-शक</u>	65	950
নৰ্বনুমী আল্লাহ (মূলা আ. ও হাঞ্চল প্ৰদক্ষ)	30-91-8	02	982	সংগ্ৰোকা (আল্লাহ সর্বপ্রোকা)	৮-जानकान	39	600
সর্বনীয় (আল্লাহ সর্বনীয় ও সর্বশ্রোকা)	8-मित्रा	24	268	সর্বপ্রোম্ভ (আল্লাহ সর্বপ্রোম্ভ)	৮-আনকাল	20	609
मर्रतो व मर्रायाय प्रकार (मन्त्र-बीर-प्रायम-अस्तिव भीर)	8५-नुबा	77	P93	সর্বলোকা (আল্লাহ সর্বলোকা ও সর্বনটা)	8-निम	208	098
मर्वर्गक्रमान वाहार	७०-ममलाहिना	9	202	সর্বলোকা (আলাহ সর্বলোকা)	৮-আনকাল	84	600
गर्य-क्रियान जाहार गर्य-क्रियान जाहार	৩০-মুনজাহনা ৩-আলে ইমরান	36	000	সর্বলোকা (আল্লাহ সর্বলোকা ও সর্বজ্ঞানী)	०-महिमा	96	490
भर्तर्गालयान जाहार भर्तर्गालयान जाहार	৪৮-ফাত্র	40	979	সর্বপ্রান্ত (আল্লাহ সর্বপ্রান্ত)	৯-জাওবা	700	
সর্বশক্তিয়ান আল্লাহ (ভারই নিকে প্রভ্যাবর্তন)	22-5a	8	696	अर्द्याना (बाह्य अर्द्याना)	২-বাকারা		030
	22.50		000	Contract Carther Contract)	4-43-91	143	14.44

এাল্লাহ	আল্লাহ

আ

भूष विराह्मध्या	न्द्र सर्वे स्टब्स		98	THE PARTY OF THE P	明 東 東 東		Pik.
আস্তাহ (পূৰ্ব পূৰ্বা বেকে)		_		সার (কাম অবস্থার অক্সাহ ও রানুদা স্ এর ভাকে সারু দের, উচ্চা কুছ)	৩-আলে ইমরান		
मर्बद्धारा (अक्टार मर्बद्धारा e मर्बबारी)	২-বাকুরা	228	656	সাধী (আল্লাহ বুৱাকীদের সাথে আছেন)	১৬-নাংশ	125	930
সর্বলোক (আল্লাহ সর্বলোক)	২-বারুবো		650	সাধী (আল্লাহ সংবর্ষপরারণদের সাথে আছেন)	১৬-নাহণ	325	930
সর্বক্রের (অপ্নায় সর্বপ্রোর ও সর্বজ্ঞনী, মদ কথা প্রকাশ প্রসার)	8-9PI		670	সাধ্য (আল্লাহ ছাড়া পোৱাইবের ফোন সাধা নেই)	<u> </u>	bb	690
সর্বপ্রোক্ত (অক্সাহ সর্বপ্রোক্তা ও সর্বজ্ঞানী)	৬-আন'আম	20	693	সঞ্জিত (অল্লাহর সঞ্জিত লাডো উমেশ্যে ইলাহ গ্রহণ প্রসৰ)	৪৬-আহ্কাঞ	20	220
সর্বশ্রোতা (অক্সাহ সর্বশ্রোতা ও সর্বন্যা)	२२-इन्ह	9.0	986	সাংখ্যন করছেন আল্লাহ মমিননেবকে (নিজের ব্যাপারে)	৩-আলে ইমবান	20	0.00
गर्दाचारा (पाद्वार गर्दाचारा ও गर्दाबानी, गर कथा जिले काराना)	২১-অধিয়া	8	920	সাবধান করছেন আল্লাহ নিজের ব্যাপারে	৩-আলে ইমরান	00	200
गर्रज्ञास (प्रकार गर्रज्ञारा व गर्रकानी)	৯-জাব্য	75	6¢0	নামনে আনা (আল্লাহকে সামনে আনার দাবি, কাফিরদের)	১৭-ইসরা	24	333
সর্বস্থের (অক্সার সর্বপ্রার ও সর্বৃত্তী, মনর সৃষ্টি ও পুনরখান প্র.)	৩১-সুকমান	45	549	সাহাব্যস্থল (আল্লাহ ইয়াকুবের সাহাব্যস্থল)	<u> </u>	36	696
সর্বপ্রায় ও সন্ধার অস্ত্রাহ (মনুষ-জীব-জারাপ-পৃথিবীর সৃষ্টি)	84-481	22	5/8/2	সহাত (পুনিয়া ও অধিয়তে অক্সং সহাত্ত কালে ন বল ধরণ)	২২-হাজ	30	905
সর্বপ্রোত্তা ও সর্বভ্রমী আল্লাহ	৪০-মুমিন	30	1120	সাধুখা দল ক্যাহেল আল্লাহ বাংল স.(ক (অভানীয় সাহায়)	8৮-वाउर		226
সর্বপ্রাক্ত বিশ্বরূপ অন্তর্গর সর্বপ্রাক্ত (আল্লাহ সর্বপ্রোক্তা ও সর্বজ্ঞানী)	২-বকার		200	সাহাত( ন্যায়ানুগ প্রতিশোধ নেয়ার পর পুননিপীড়িত হঙ্গে		-	-
সংস্ক (অসিম্পীমালকসকটোত আধ্যন পোৱান আপ্লান্ত কন সংক।	8-निमा	460	0.07	अक्षांक राध्या)	২২-হাজ	90	990
नरस (ब्रह्मण्डार कर किंग महि (नर प्रह्मार कर नरस)	००-वादयार	00	0.00	সাহাত (যথন আল্লাহর সাহাত ও বিশ্বর আস্বর,)	PRF-044	3	2000
जरूब (बद्धानावर क्या राजा नाव (गर्भ बद्धावर क्या गरम) जरूब व्यक्त-मंत्रीत जारे विवदन मिनेक, वद बद्धावर क्या जरूब)				সাহায্য (অল্লাহকে সাহায্য করে গবিদ মুহাঞ্চিতপা)	25-1014	br	260
সক্ষা আন্তঃস্থান সাথ কিবলৈ লাগন্ধ কর অক্সার কর সক্ষা) সক্ষা (আক্সাধ্য কন্য মানুষ সৃষ্টি ও আয় ব্রাস-বন্ধি সক্ষা)	২২-হাচ্ছ ৩৫-কাভির	90	108	সাহায় (অন্তাহর সাহায় নিকারে)	২-বাকার	238	658
		22	৮৪৭	গাইড(আছাই ডার্ডে সাহায় করে। যে ভাবে সহায় করে)	55-51M	80	934
গংল (অক্সহর জন্য সহল, কফির-লাশিমদের ভারান্নামের	8-991	365	¢92	নাক্ত (মন্ত্ৰাহ কৰে পাক্ত কালে বৈ কালে পাক্ত কৰে)	৮-আনকার	30	603
পথে পরিচালিত করা)		-	ш	সহাত্ত (অক্সাহর সহাত্ত কংগ অসংব, রাসুল স, ও)	২-বাকার	428	248
সংব্ধ (আল্লাহর জন্য সহজ, বিপর্যন্ন পতিত হওয়ার প্রেই তা	৫৭-হাদীদ	44	200	সম্বাধ (অক্সাধ্য সাহতে তথন আসাং, প্রানুধ না, ত) সাম্বাধ (অক্সাধ্য সাহতে রোমনা নিবারী হলে ক্রমনা উল্লেছ হব)	ত্-বাসুগন ত০-ক্লম	6	
শিশিবদ্ধ করে রাখা)			$\Box$				844
সংৰ করতে চান আল্পাহ, মানুদের প্রতি (রোক্সার বিধান)	২-বাকুরো		650	সক্ত (সক্ষাহর সহাত ও নিকটবর্তী বিশ্বর বুদ্দির জনবাসে)	<b>७</b> ३-गा <b>ए</b> क	3.0	993
সংক করা (অল্লাহ্যক তর করলে তিনি কাল সংক্ষ করে চলা)	৬৫-ডালাক	8	200	সাহাত করকে আল্লাহ (মুমিল্যা তাঁকে সাহায্য করলে)	৪৭-দুহাম্মন	٩	925
সহজ (পুনরাধান সংগটন)কৃতকর্ম জনানে অস্তাহর পক্ষে সহজ)	৬৪-ভাগাবৃদ	٩	266	সাহাজ করেছিকেন আল্লাহ মুমিনসেরকে (বনরসূচ্ছে)	৩-আলে ইম্রন		485
সহন্ধ(মুনফিকের কর্ম বিফল করা আল্লাহর জন্য সহন্ধ)	००-व्यवस्य		904	সহায়নারী (অল্লাহর নিশরীতে রাসুল স. এর সারয়নারী থাকরে ন)	২-বাকুারা	250	678
সহল (সৃষ্টির সূচনা ও পুনরাবৃত্তি করা আল্লাহর জন্য সহজ)	২৯-আনকাৰ্ত	7.9	274	সাহাত্ৰাৰী (আল্লাহৰ সাহাত্ৰাৰী হতে বৰলেন ঈসা আ	৬১-সাহফ	58	200
সহদশীল (আল্লাহ অভাবমুক্ত ও পরন সহদশীল)	২-শসুধা	260	6-07	হাওয়াইনেরকে)		_	
সহনশীল (আস্তাহ পরত্র সহনশীল, কর্মে হাসানা প্রসঙ্গ)	৬৪-তাপাবুদ	24	294	সাহায্যকারী (আল্লাহর গগে ইনার নাহায্যকারী কে আছেং)	৩-আলে ইম্যান		687
সহনশীল (অল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও পরম সহনশীল, মীরাস প্রসঙ্গ)	8-निम	>2	499	সহাক্তমত্রী (অক্সাহর সহাক্তমত্রী হত্যার আহলে মুদিনসহতে)	৬১-সাহফ	28	997
সহদর্শীল (অক্সাহ সর্বজ্ঞানী ও পরম সহদর্শীল)	२२-शंख	63	960	সাহাত্যকারী হিল না আল্লাহ হাড়া (বাগানওয়ালা প্রসঙ্গ)	১৮-কাব্দ	80	456
সহদশীল (অক্লাহ সর্বজ্ঞানী ও পরম সহদশীল)	৩৩-আহ্বাব		404	সংযোজনী (নূর সম্প্রসর আল্লার ছাত্র কাইকে সাহায়কারী পার্মন)	९३-मृह	56	99.6
সহকৌ (অপ্তাহ ছয়ে সহফৌ থকলে ভাকে ভাকে সূত্র ভৈত্তি)	২-বাকুৰো	20	අරව	সাহায়কারী (হাওমরীরা আল্লাহর সাহায়কারী)	৬১-সাক্ত	78	9/67
সাক্ষাং (আল্লাহর সাক্ষাং প্রভ্যাশীর নির্দিষ্ট সমর আসবেই)	২৯-আনকাৰ্ত	Q	979	সর্থকর (মলক্ষেত্রী অপ্তার হার কটকে লহারকর পাকের)	8-निमा	250	645
নকাং (অক্সাহর নাকাং প্রভাগী ঋনুক নির্দিন্ত সময় আগবেই)	২৯-আনতাৰ্ত	é	9.79	সাহায়কারী(মুমিননের সাহায়কারী হিসাবে অল্লাহই যথেষ্ট)	8-निमा	80	6.95
সক্ষম (বার অস্তাহর সক্ষাত্তে নিধা ব্যাহে তার ক্ষরিয়ের)	৬-অন্'অম	402	Chir	সাহায্যকারী (হাওরারীগণ আল্লাহর সাহাহ্যকারী)	৫-আলে ইমরান		683
লকাং (অক্সাংর নির্দর্শন/সক্ষাতে অবিশ্বাদী ভার নরা থেকে হতাশ)	২৯-আনকাবৃত	40	3.73	সঞ্জবন্ধর (অংকরির অক্সহ ছড় কটকে সহায়করী পাবেন)	৪-নিসা	290	663
সকং (অল্লান্ড সকংকে মিধা আখা দানকরী কমিয়াঃ)	১০-ইউনুস	82	6¢¥	গহতকারী (আল্লাহ উত্তম সাহায্যকারী)	২২-হাজ	95	960
সাকাৎ (আল্লাহর সালে সাক্ষাতের কথা মলে করা)	২-বাকুরো	485	645	সাহ্যকারী (অক্সাং ছাড়া সাহায়কারী সেই)	৪২-পূরা	40)	644
সক্ষম (অক্সাহা সাথে সক্ষাতের নিগর জেনে রাখর নির্দেশ)	২-বাকুরা	220	242	সহত্তবরী (অক্সহ ছারু সহত্তবরী তক্ষে ন জলিয়ান)	৪২-শ্বা	84	<b>ት</b> %ቲ
সাকী হিসাবে আল্লাহই যথেষ্ট (কুৱআন অবতীৰ্ণ প্ৰসঙ্গ)	৪-নিসা	166	494	সহতকারী (আক্লাহ শুদ্ধা সাহায্যকারী পাবে দা মুনফিকরা)	৩৩-আহ্বাব	24	br08
সাকী (অস্ত্ৰাহকে সাকী বানানো, পদথ ভৰ না কৰা প্ৰসৰ)	১৬-নাহল	27	930	সাহাত্য করেছেন আল্লাহ মুমিনদেরকে বিচিন্ন ছানে	৯-ডাওবা	2,0	684
সাকী (অস্তাহ মূপনিকদের কভকর্মের প্রত্যক্ষণশী)	১০-ইউনুস	85	496	সাহায্য করেন অপ্তাহ (যাকে ইন্সা)	৩-আলে ইমরান	20	৫৩৭
সাকী (অস্ত্রাহই সাকী হিসাবে যথেট)	৪৮-ফাতহ	২৮	272	সহায় করেনে অক্সং বালুল স.কে (বিদ্যানকাল পথ্যাকো ওপো)	৯-ভাওবা	80	688
গাৰ্কী (আল্লাহকে সাকী বানানো, জনকে ব্যাপারে)	२-शकाश	208	450	সহায় প্রর্থন (অক্সাহর কাচ্চ মূদর সম্প্রদরের সহায় প্রর্থনা প্র.)	৭-আ'রাফ	256	620
সঞ্জী (ভা আ আপ্রায়কে সামী করকো, সম্প্রানরের নিকছে)	33-इम	48	590	দাহাত প্রার্থনা, আক্লাহর কাছে (সন্ধানের কুমরী প্রদাস)	৪৬-আহ্কাফ	20	305
সান্ধী হিসেবে আল্লাহই যথেষ্ট (বাসুল স. প্লেবণ প্ৰসঞ্চ)	8-निमा	95	242	সামর্থবাদ (আল্লাহ্ সামর্থবাদ)	8०-मूँ मिन	0	PAP
সাস্থ্য (আপ্তাহর জন্য সঠিক সাক্ষ্য দান, ভালাক প্রসঙ্গ)	৯৫-ডাপাক	3	bhr	নিজন (অক্সাহ্যক নিজন করে ভার নৈকলৈছে করার নির্দেশ)	৯৬-আলাক	22	2055
সক্ষ্য (মাল্লাহর নামে সক্ষ্য নিবে স্ত্রী হে, তার স্বামী মিখাবালী)	२8-मृद	5	118	সিজনা (আল্লাহতে সিজনা করার নির্দেশ)	৪১-কুস্সিলাড	৩৭	669
সাক্ষা নিক্ষো আল্লাহ (য, 'ভার বিখ্যাবাদী, মসজিলে নারার এসক)	৯-ভাগ্ৰয়	209		निकानकाट क्षात्र (बाट्य क्षित्र प्राप्त प्रकारत श्रीते निकानकाट क्षात्र)	৭৬-পাহর	26	299
সাক্ষ্য (মন্ত্রাহর নামে সাক্ষ্য নিবে হামী, স্ত্রীর বিকল্পে লিজন গ্র_)	२8-नव		118	সিঞ্জন (আল্লাহ্যক সিঞ্জন করা ও তার ইবানত করার নির্দেশ)	৫০-নাৰম	કર	ào¢.
গান্ধ্য (আল্লাহর পক থেকে আসা সান্ধ্য গোপন প্রসন্ধ)	२-शङ्गवा	180	676	সিজনা (আকাণ-পৃথিবীর সংকিছু অল্লাহকে সিজনা করে)	২২-হাজ	24	965
সান্ধ্য (আল্লাহ সান্ধ্য নিচ্ছেন যে মুনাকিবনা মিখানানী)	৬০-মুনাঞ্চিকন	3	208	দিক্তন (অভ্যাস-পৃথিতির সংগ্রী ও কেরেপানের অক্সাধ্যক দিক্তন করে)	১৬-নাহল	8>	909
সাক্ষ্য (আল্লাহ সাক্ষ্য নিচেছন যে মুলফিকরা মিথ্যাবালী)	69-6348	22	696	সিঞ্চলকাত হওয়া (অক্সাহর সূই অ্যুসমূহ তার দিকে সিঞ্চলকাত হর)	১৬-নাহল	86	900
সন্ধা (আল্লাই সর্যন্তের সান্ধা, রাসুল স. প্রসঙ্গ)	৬-আন'অম	7.9	233	সিঞ্চনাৰনত আল্লাহৰ প্ৰতি (আকাশ-পৃথিবীৰ সৰকিছু)	১০-রা'দ	36	600
সন্ধা (কর্মান আনে চিবিতে ক্রমির্টার বিষয়ে অক্সার সান্ধা)	8-9H		275	নিজৰ(নাৰবানী কৰ্ডত অস্ত্ৰাহর পতিবাৰ্ত সূৰ্যকে নিজৰ কৰা প্ৰসাহ)	২৭-শামশ	48	905
अकारत (बाह्यस देख्यून नाव अकारता व्यक्ति वास्त्र निर्मा)	8-9M		218	নিজনা নাৰক্ষীকে আন্তঃত নিজন (থকে শানান কৰ্তৰ বিচাৰ কৰি)	२५-गमन	30	805
			6,90	সিভার (অক্সাং ও কলুল স্. সিভার দিলে মুদ্রিনালো ইপতিরাম প্রকেনা)	৩০-জাববাৰ	06	brote
अभागात त्याना विवित्ता अभागत त्याना स साम अभा							
সন্থান। (আহাহ নির্মেশিত সম্পানন গোপন লা করার নসম) সম্পানন। (আহারে উদ্দেশ্য সম্পাননে অধিকা থাকার নির্মেশ)	৫-মার্কিদা ৫-মার্কিদা	308	64.7	সীয়া (অল্লাহর সীমা বজার রাখতে বা পারপে, স্বামী করবীয়)	২-বাকারা		659

The Transfer of the Control of the C	স্থা সং ও নাম	100	100		रुक्षेण श्रीय		
মান্ত্ৰাহ (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)				সৃষ্টি (অল্পাহ থা সৃষ্টি করেছেন তালাকথাঝার গর্তে)			65
বিমা (আপ্লাৰ্ড সীমা বজার রাধতে পারা, অলাক প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	200	659	দৃষ্টি অস্কাহর (অস্কাহর সৃষ্টির মধ্য থেকে কন্যা দাবাজ/পিরক করা)	৪৩-মুধরুফ		10
রম (অ <b>প্র</b> চর দীমা বন্ধর রাখ্যত না পারত আগমা, গামী-রীত)	২-বাকুরো	223	650	সৃষ্টি (আপ্লাহর সৃষ্টি বস্তুসমূহ তার দিকে সিজনাবনত হয়)	১৬-নব্ৰ	84	90
মা (আল্লাহর সীমার নিকটবর্তী হওয়াও নিবেধ)	২-বাকুলো	26.0	233	পৃত্তি (আপ্লাহর সৃষ্টিতে কোন পরিবর্তন দেই)	\$0-3%¥	30	45
ীম (আল্লাহর দীমা পঞ্চনকারীয়া জাগিম)	२-शकाश	223	226	সৃত্তি (আল্লাহ শস্য ও গবানি গত সৃত্তি করেছেন)	৬-আন্'আম	১৩৬	V.
যিয়া (অক্সাহর সীমা লব্দদ না করার নির্দেশ)	২-বাকারা	223	246	সৃষ্টি(অক্সাহই আকাশ-পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন)	১৪-ইবরাহীম	03	60
रीम (जाहारह गाँम शरकपत्ती, पुमिनता)	৯-ভাওবা	225	945	সৃষ্টি (আল্লাহই মানুষ সৃষ্টি করেছেন)	80-पृत्रक्रक	59	81
		8	845	সৃষ্টি (আল্লাহই মানুষকে সৃষ্টি করেছেন)	৩৪-তাগারুন	3	80
নীয়া (সঞ্জাহর সীমা সম্পর্কিত বিধান)	৫৮-মুন্নাদালা	20	200	সৃষ্টি (আল্লাহ দিন-রাভ ও চপ্র-সূর্য সৃষ্টি করেছেন)	२३-व्यक्तिया	20	93
পিথ (উল্লেখিনারিনের মধ্যে সম্পদ কটনে সম্ভাবে সোহা দীনা)	8-निमा			সৃষ্টি (মানুষকে আল্লাহ মাটি ও বীৰ্য বেকে সৃষ্টি করেছেন)	৩৫-ফাতির	>>	ы
ীমা (অলাক প্রসঙ্গে আল্লাহর সীমা শব্দন করা ভূপুম)	৩৫-ডালাক	١	292	পুরি (শারনের নির্দেশ মানুর অক্সাহর পুরিকে বিকৃত করবে)	8-971		0
নিয়া (অলাক প্রসাস আল্লাবর দীনা, রী অস্ট্রীলয়ের লিও না বলে)	৩৫-ডালাক	2	360		৬৭-মূলক	20	۶.
সৃত্যত (আলাহ সৃত্যত)	৩৪-সাবা	২৩	N80	সৃষ্টি (আপ্লাহ মানুগ সৃষ্টি করেছেন)	20-5gdu	0	8
বুটজ (আল্লাহ সুটজ ও সুমধ্যন)	55- <b>5108</b>	62	968	সৃষ্টি (আল্লাহ যথাৰ্থ কাৰণেই চাঁদ ও সূৰ্য সৃষ্টি কাৰছেন)			
সুউচ্চ ও মহান আল্লাহ	৩১-জুকমান	00	6-59	সৃষ্টি (আল্লাহ থা ইচ্ছ করেন ভাই সৃষ্টি করেন)	৪২-শ্র	8%	9.
পুরাদ (অক্সাহ লংকর্মশীল মুমিনাচন জাঞ্জাতের সুসংবাদ দেন)	৪২-শ্রা	50	9.90	সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ জাকাশ ও পৃথিবী (ছর দিনে)	৭-আগ্রাত	68	63
পুরাত (পূর্বে গভ গোকদের ক্ষেত্রে আক্সাহর সুবাত)	৩৩-আহ্ধাব	64	60%	সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ সকল জীবকে (পানি থেকে)	২৪-নূব	34	9
পুন্নত (অক্সাহর সুদ্রাতে পরিবর্তন পাওরা যাবে না)	৩৩-আহ্যাব	62	60%	সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (মানুথকে)	৩০-জম	80	٠.
পুরাত (সম্ভাবর সূত্রত ভার বান্দাদের মধ্যে চলে আসছে)	80-मुभिन	9/2	VV2	সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ মানুষকে দুর্বদ অবস্থায়	৩০-জম	28	ъ
মুদ্ধ রাধবেদ আস্তাহ (বাধা সূদ্ধ কথার ঈমান আনবে)	১৪-ইবরাহীস	29	636	সৃষ্টি করেছেন (আল্লহে সৃষ্টি আল্লাহ আকাশ ও পৃথিবী)	৩০-সম	¥	b
নুন্দ প্ৰাৰ্থন আছাহ (ৰায়া পুনুদ কৰাত সমান আন্তং) সমৰ্পিত (সুদেৱ বিষয় আল্লাহরাই নিকট সমর্পিত)	२-बाकुाबा	292	200	সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ মানুদকে ও মানুহ যা তৈবী করে ভাও	৩৭-সাফ্ফার্ড	hb	ъ
	৩৬-যুখার	80	493	সৃষ্টি (আল্লাহ মানুষকে আলাক থেকে সৃষ্টি করেছেন)	৯৬-আলাক	3	30
পুণবিশকারী হিসাবে আল্লাহ ছাড়া অন্য কভিকে প্রহণ	১০-ইউনুস	79.	956	সৃষ্টি (আল্লাহ মানুবকে পর্যায়ক্রমে সৃষ্টি করেছেন)	93-73	78	8
সুপরিশ (সেবতকে অস্তাবে করে সুপরিশক্ষী ভবে মুশরিক।)		8	644	দৃষ্টি (আস্তাহ মানুহকে সুপরতম গঠনে সৃষ্টি করেছেন)	৯৫-তান	8	30
সুমধ্যন (সঞ্জাহ সমুদ্রত ও সুমধ্যন, আধান-পৃথিধীর সর্থবিদ্ধুই তার)	৪২-শ্র			সৃষ্টি (অক্সাহ মানুক্তকে সৃষ্টি করেছেন, একার মৃত্যু ঘটাকেন)	১৬-নার্গ	90	١
বুমহান (আল্লাহ সুউচ্চ ও সুমহান)	২২-হাজ	હર	968	পৃথিৱ সূত্ৰৰ (অক্সাহ মানুহ পৃথিৱ সূত্ৰৰ বাবেশ অসামাটি থেকে)	৩২-সাজুলা	9	5
সুস্পর্ট করা (অক্সাহ তার আরাভকে সুস্পর্ট করেন )	२२-छन्म	65	960		১০-ইউনুস	08	6
नुपश्चिमको (प्रक्राश छन्न नुपश्चिमको पर्यस्य ग. वार्गिमन्तर)	७-जान्'जाम	90	605	সৃষ্টির সূচনা করেন আল্লাহই		9	0
পুনবেদ সম্বাপ আপ্লাহ এটি (ফেক্সেশবার সাহায্য) ঝেক্সা নরেছেন	৩-আলে ইমরান		68p	সৃষ্টি (আল্লাহ আকাশ-পৃথিবীকে হয় দিলে সৃষ্টি করেছেন)	১১-বুল		
সুসংখ্যা নিচ্ছেন আল্লাহ মারইয়ামকে (ইনার ব্দন্ম প্রশেষ)	০-আলে ইমরান	80	680	সুস্টি (অপ্তার আরাশ-পৃথিবী সুষ্টি করেছেন সভাসহ/সভিকভাবে)	৪৫-জাইরা	44	8
নুসংবাদ দিচেহন অক্সাহ থাকাবিবাকে (ইয়াইয়ার ঋণোর)	্-আলে ইমরা-	00	<b>080</b>	সৃষ্টি (আল্লাহ আকাশ-পৃথিবী সভ্যসহ সৃষ্টি করেছেল)	३८-१वदारीम	7.9	8
দুস্বদ (দু'মিনসভাতে অস্ক্রাহর সুস্বোদ, বন্যভুত্তে বেবেশনার	৮-আনফাল	30		স্তিকর্তা (আপ্লাহ আকাশ ও পৃথিবীর সৃষ্টিকর্তা)	৪২-প্রা	22	b
শহ্বব)	h-all-idial	30	905	স্তিকৰ্তা ও উত্তাবক আহ্বাহ…	৫৯-হশের	₹8	18
সুদ্মনৰ্শী (আল্লাহ সুদ্মনৰ্শী ও সকল বিবাৰে অবগত)	২২-হান্দ	80	968	मृत्रिकारी (जाराना-मृत्रिकीर मृत्रिकारी (रु.११) कराण मन्य करार 'जाराव')	২৯-আনকাবৃত	93	ь
সুন্ধনৰ্শী (আল্লাহ সুন্ধদৰ্শী ও সকল বিষয়ে অবগঞ্চ)	৩৩-আহ্মাৰ	48	1000	ছির রাবা (মহাপুল্যে উড়াভ পাখিদের আল্লাহই ছির রাখেন)	১৬-নাখুল	৭৯	19
সুস্বন্ধী (আল্লাহ সুস্থান্ধী ও পূর্ণ সর্বন্ধ)	৩১-পুকমান	36	454	ছারী (আল্লাহ উত্তম ও অধিক ছারী)	২০-ফ্ল-য	90	9
নুষ্ণনদী (আল্লাহ সৃষ্ণদদী ও সর্বজ)	৬-আনু আম	300		হারী (অল্লাহর কাছে থা আছে তা-ই হারী)	১৬-মাছুল	৯৬	9
সূত্ৰৰ কৰা আন্তৰ্য কিবলৈ সৃষ্টিৰ সূচনা কৰেল আ তেবে গোৰ)	২৯-আনকাবৃত	77	654	স্থারী (আল্লাহর কাছে যা আছে তা উত্তম ও স্থায়ী)	84-78	05	Ь
	00-8F	22	P55	ব্লেহণীল (অস্তাহ সভান্ত হ্লেহণীল, বালাদের ব্যাপারে)	৩-আলে ইমবান	00	10
স্কুলা করেন আল্লাহ (সৃষ্টির)	১০-ইউনুস	GP.	600	ল্লেংশীল (অক্সাহ বাপাদের প্রতি ক্লেছশীল)	২-বাকারা	209	d
সূত্র বালা করার মত স্বান্ধাই স্বান্ধা কেউ থাবলে ভাকার নির্দেশ				(प्रशीन (जहार (प्रशीन)	२8-मृद	30	14
পুর বস্তব মাধ্যমে আল্লাহ মানুষের জন্য হারার ব্যবস্থা করেন	১৬-সাব্ৰ	P.7	90%	প্লেহমান (অন্নাহ ঘোৰ আন) প্লেহমান ও প্ৰথম নৱাশু আল্লাহ (বাল্যানের প্রতি)	৫৭-ছানীন	9	2
সৃষ্টি আল্লাহৰ (আন সম্প্ৰদান প্ৰসঙ্গ)	৪১-মুস্সিশত		৮৮৭		২-বাকুরো	380	4
সৃষ্টি (ভাকাশসমূহ ও পৃথিবী আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন)	80-गुरङ्ग्य	2	626	ল্লেহণীল (আল্লাহ ল্লেহণীল, মাধুখের প্রতি)	4-0300	200	ť
সৃষ্টি (আল্লাহ আকাশসমূহ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন হয় দিনে)	১০-ইউনুস	0	628	স্পূৰ্ন (আল্লাহ কাউকে কন্ধ নিয়ে স্পূৰ্ণ কৰলে আ দূৱ কৰায়	১০-ইউনুস	209	è
সৃষ্টি (আল্লাহ আৰাপছৰ দিনে সৃষ্টি করেছেন)	৩২-সাজ্পা	8	9000	কেট নেই)			÷
সৃষ্টি (অক্সাহ আনাল-পৃথিনী সভাসহ সঠিক গক্ষো সৃষ্টি করেছেন)	৬৪-তংগাবুন	0	200	সজি দেন (অক্সাহ কটোর পর সজি দেন, ভালাবপ্রাক্তার জন্য কর)	৬৫-ভাগাক	9	þ
সৃষ্টি (আরাশ-পৃথিবীর কর্তৃত্ব ও আল্লাহর সৃষ্টি সম্পর্তে লক্ষ করা)	৭-আ বাফ	2245	600	বয়ংসম্পূর্ণ (অল্লাহ বরংসম্পূর্ণ)	১১২-ইশ্লাস	-5	P
সৃষ্টি (আকাশ-পূর্ববাঁতে অক্সাহর সন সৃষ্টির মধ্যে নিদর্শন রয়েছে,)	১০-ইউনুস	6	948	স্বরংসম্পূর্ণ (আল্লাহ স্বরংসম্পূর্ণ, কাফিরদের প্রদঙ্গ)	५८-जागार्म	0	3
পুষ্ট (অবাদ-পূথিই পূৰ্বত জীবজন্ত উল্লিদ -এখনো অল্লাখ্য সৃষ্টি)	৩১-পুকমান	33	৮২৭	সমল (অক্সাহতে বেলি ববে শ্বরণ করার নির্দেশ, যুক্তর ময়লান)	৮-আগফাল	86	k
সৃষ্টি (আজাপ-পৃথিবীর সৃষ্টিতে আল্লাব ক্লান্টি বোধ করেননি)	৪৬-আহ্বাক	00	322	অন্তা (অক্সাহতে বেলি বেলি সমাণ করার নির্দেশ, মুফিলনেতে)	৩৩-আহ্বাব	83	þ
সৃষ্টি করেন অল্লাহ (যা ইয়র করেন)	৩-আলে ইমরা	83	680	শ্বহুণ (আল্লাহকে শ্বরণ, আরফাত থেকে প্রস্থানের পর)	২-বাকুারা	7%6	ŀ
গৃচি করেন আল্লাহ (বা ইম্ছা করেন) গৃচি করেন আল্লাহ (বা ইম্ছা করেন)	२८-मृत	82	113	স্ময়ণ (আল্লাহকে স্ময়ণ করার নির্দেশ)	২-বাকুৰো	200	1
পুরি করেনে (সাপ্তার চূড়ান্ত সূত্রি করবেন)	২৯-আনকাবৃত		100	স্মন্ত (আল্লাহকে স্মন্ত্ৰণ করার নির্দেশ, আইয়ামে ভাগনীকে)	২-বাকারা	200	1
dis addar (mitter date dis appos)			323	শ্বরণ (আল্লাহকে শ্বরণ করা হলে মুফিনদের হনর জীত হয়)	৮-जानकान	2	t
সুষ্টি করকে। (সঞ্জাহ ছদান সৃষ্টি করে দিকো শাকনের মাথে)	৬০-মুমতাহিনা			শরণ (আক্লাহকে শরণ করা, দাঁড়িয়ে বংগ ও তথে)	৩-আলে ইমরান		
সৃষ্টি (আল্লাহ গুৱে গুৱে সাত আকাশ সৃষ্টি করেছেন)	৭১-নুম্	26	29.8	শক্ষণ (আপ্লাবনে শক্ষণ করে মুফিনা অস্ট্রীল কাম করে কেললে)	৩-আলে ইমবান		
সৃষ্টি (অক্সাহ সাত আকাশ সৃষ্টি করেছেন)	৩৫-তালাক	25	262	Jates (Altitudes, and Artis Should adding some and (Autos)			1
সৃষ্টি (আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন আকাশ ও পৃথিবী)	১৭-ইস্বা	22	922	শ্বরণ (সপ্তারত্তের শারণকারীর ক্ষন্ত রানুদ্দ ন: এর মধ্যে উয়েম আন্দর্শ)	৩৩-আহ্মাব	52	
মৃষ্টি (আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন আকাশ-পৃথিনীকে ছয় লিশে)	27-£ek	٩	999	স্কল (অল্লাহতে স্মান, তীত ও নিরালন অবস্থায় সালাত প্রসঙ্	२-वाङ्ग्स	200	
সৃষ্টি (আল্লাহ সভাসহ আকাশ-পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন)	২৯-খানবাবৃত	88	P.72	শালে (অপ্তাহর নাম শালের ছান মনজিন বিশাস্ত হওয়া প্রদাস)	২২-হাজ	80	Þ

नवा/धनत	नुस नर् ७ नाम	494	781	18.7	विवर/धनम	現職所 9 可及	100	$\mathbf{T}_{\mathbf{B}}$
जाहाद (पूर्व पृक्षे (शतक)		T		হিসাব-নি	কাশের দায়িত্ব আল্লাহর উপর	১৩-রা'দ	80	654
ম্মাণ (মাল্লাহর ম্মানই সর্বপ্রেষ্ঠ)	২৯-আনবংশুভ	80	640	হিসাব নি	ৰূপ অক্সাহ আলে, যাবা মূখ বিধিয়ে দেয় ও কুখনী করে	৮৮-গাশিরাহ	20	200
স্থান (সাল্লাহর স্থান থেকে ভূলিয়ে রাখে না যানেরকে	-	-	-		া (মনের প্রকাশ-শোপন বিষয়ের হিলাব অক্সাহ দিবেন)	২-বাকারা	25/8	0.08
ব্যবসা ও ক্রয়-বিক্রস্তা	२८-मृब	তপ	995		হণ করবেন আছাহ সূত্র	48-98	60	136
স্ফাণ (সাল্লাহর স্ফাণ থেকে মূখ কিবার বারা)	৫৬-নাজম	33	200	হিসাব গ্ৰ	হণকারী (অক্সাহ দ্রুল্ফ হিসার গ্রহণকারী)	১৩-রা'দ	85	984
'কল (অস্তাহ্য 'ফলবিয়ৰ কঠিন হলা ব্যক্তি পথপ্ৰইতাৰ আছে)	৩৯-ব্যাব	22	690		হাকারী (আল্লাহ দ্রুত হিনাব প্রহণকারী)	২-বাকার	203	030
শ্বরণ (অক্সাহর শ্বরণে মু'মিনদের অস্তর বিগলিত হওয়া)	৫৭-হালীল	3/5	289		পেকারী (আল্লাহ সর্বাক্তর হিসাব প্রজাকারী)	8-मिमा	100	96
"कार्न (प्रवृद्धान्त "कारन माराना काना कींच वह 'ठाउनह कान्य रामारहान)	44-10m	90	985		পেকাত্ৰী (আল্লাহ প্ৰত হিসাঞ্চাহণকাৰী)	৩-আলে ইময়া-		220
সম্বৰ্ণ (আল্লাহৰ সময়োৰ জন্য সালাভ কাণ্ডেমের নিৰ্চেশ)	২০-কা-জ	78	985		পেকানী (আল্লাহ দ্ৰুত হিপাৰ গ্ৰহণকাৰী)	১৪-ইবরাহীম	65	600
'ঘরণ (আল্লাহর 'ঘরণে ফুনর প্রশান্তি লাক করে)	১০-রা'দ	35	695		ক্ষমলার মালিক আস্তাহ	১২-ইউনক	69	bbro
স্ফল (কুলমার দিনে নামানের আহান কর হলে অস্তাহর স্ফল)	७२-इ.स.च.	8	965		বলিক কেবল আল্লাহ	১২-ইউস্ফ	80	bbro
অরণ (সাফল্য লতের জন্য আস্কারকে বেলি বেলি অরণ)	७२-व्या	30	350		(৩৮ অস্ক্রাহ সম্পর্কে নিয়া কল করেছে, কমিবলের অপনান)	২০-মুখিনুন	ch.	369
ানাণ (গাঁড়িয়ে, বলে ও করে আল্লাহকে স্বরণের নির্দেশ)	8-मिश	200	890		(देश बढ्डार १ - १० मच १०० वटाइ वटाइ वरमान वन्सन) हादर्श (व्यापाद श्रमण)	৬-আন'জার		
'মান (যে সব কবি আল্লাহকে বেলি বেলি 'মাকা করে,)	59-9,alti		440		वन प्रोहार	১০-জ'দ	63	603
কাশ (এন নাম কাম আগ্রাহতক বোলা বোলা পরবার বারে) কাশ (বুলিন্দার সম্পদ ও সরান বেল আ্লারার কাশ বেরে না বেলার)		229					87	834
	७०-युनासिक्न	b	3-54		(নেক রী তা হেফাকত করে যা অক্সাহ হেফাকত করেছেন)	8-निमा	68	263
ক্ষম (মণ ও কুমার মাধ্যমে শারনেন অক্সাহর ক্ষমে হেকে বিবাহ বাবে)	৫-মারিলা	27	697		বন না আল্লাহ (মুমিনদের কর্মফল)	৪৭-মুহামান	100	275
শবণ (মুক্তানীৰ হদৰ সাপ্তাহৰ শধ্যণে নৰম হয়)	৩৯-বৃম্যব	২০	664		য়ালা (আরো দেখুন মুবাকী/রকানী পদটি) .			
শ্রণ (বুনাফিকরা আল্লাবকে সামান্যই শ্বরণ করে)	8-निमा	785	ene		নাধী ছিল অনেক আল্লাহওরালা (বৃদ্ধক্ষেত্রে)	৩-আলে ইমরনে	386	<b>@8</b> %
্বগে (সাপ্তাহর স্ববণে মুমিনদের হুনর প্রশান্ত হর)	১০-রা'দ	₹₽	697		হর পথ থেকে যার বিরঙ রামে তারা পথপ্রত)	১৪-ইবরাহীম	0	690
ারণানার (অল্লাহকে অধিক সমনাকারির কলা কমা ও মহাপ্রতিলান)	৩৩-আহ্যাৰ	96	9000		ব্রহাহওয়াল হওরর আহান জনাবেন (কিনেবল্লার হলে)	০-আলে ইমরান	93	₫80
প্রটা (আৰুশসমূহ ও পৃথিবীর স্রটা আল্লাহ)	৩৯-বুমার	45	৮৭৪	আল্লাক্র	বান্দা (রাসুল)			
প্রটা (অক্সাহই সর্বাক্সরা প্রটা)	৬-আনু আম	205	606	190000011	বেয় (অক্সান্ত বদা/জনুল দ, অক্সায়কে ভানার করে)	१२-विन	3%	80-9
ন্রম (সঙ্কাহকে অকাশ-পূথিবীয় দ্রায় হিলাবে কাধিয়ের দীকৃতি)	৩১-পুকমান	40	65.0	আশক্তা			-	1
ন্ৰমা ও তন্ত্ৰাৰধাৰক (আপ্লাহ সৰকিছুৰ ন্ৰমা ও তল্লাৰধাৰক)	৩৯-যুমার	62	494	TWANTERS	আশহা থাকবে না (মুমিন জিননের প্রসঙ্গ)	१२-किन	20	30%
দ্ৰষ্টা (আৰুণ-পৃথিবীৰ প্ৰষ্টা আল্লাহ, অভিভাবক গ্ৰহণ প্ৰসঙ্গ)	৬-আনু'আম	38	690		মাশ্বর (স্থামীর পক্ষ থেকে স্থাকে অবজ্ঞার আশ্বর)	8-PM	249	290
ন্তার (অবস্থ-পৃথিবর দ্রার অক্সার সম্পর্কে কবিবলের সংগ্রহা)	১৪-ইবরাহীদ	30	658		আশহা থাকলে স্তীকে উপলেশ, শহার কর্মনাও মলু	8-RM	98	6.07
দুটা (আল্লাহ ছাড়া কোন দুটা দেই)	৩৫-ফাডির		686		তার আশব্দ করেল পদক্রী ব অধ্যেরী অবস্থার স্থাত	२-सक्त्रवा सम्बद्धाः	2:09	6.00
প্ৰতী (আল্লাহ সৰ্বভিত্ন প্ৰতী)	১৩-রা'ন	36	669		व निरुष्ठ जानका करण जाता ये बहुता व्यवहार जनार व निरुष्ठ जानका, निक्ष जन्धनाहरूत कना	হ-বাসুগর। ৪০-মুখিন		
হকার (অস্ত্রাহ অধিক হকার যে মুফিন্তা অবে তর করবে)	৯-জাওবা	20	484		ময়ের প্রতি ন্যায়বিচরে না করার আপদ্ধা হলে	৪-সিসা	93	Apro
বন্ধ (আল্লাবর উদ্দেশ্যে কা'বাগরের বৃক্ষ করা অবশ্য কর্তব্য)	৩-আলে ইমরান	39	484		নজের প্রাত পরস্থাবারে দা করার আগরা হলে মণবা (সমির পক্ষ হেতে প্রতে উল্লেখন আগরা)	8-991	٥	250
হজ ও ওমরাহ পূর্ণ করার নির্দেশ (আল্লাহর উদ্দেশ্যে)	५-बाङ्गबा	256	444		মশ্বর ( বামর শব্দ বেকে প্রাচে ডপেকার আগব্ধ) আগবার (মতাপিতাতে) বালকটি হতা করল, বিজির প্রদাস		254	490
হত্যা করেছেন আল্লাহ, কাফিরনেরকে (বদরবুছে)	৮-আনথাল	39	600			79-41 <u>2</u> ia	pro	407
বাত (অনুহাহ আল্লাহরই হাতে)	৫৭-হাদীদ	230	967		ছা (সংকর্মনীল মুখিন হাপরে কবির ভাপছা করবে ন)	২০-ড়া-হা	225	986
হাত (আল্লাহর হাতে কল্যান)	৩-আলে উমরান		900		শব্দা থাকৰে না (মুমিন জিনদের প্রদক্ত)	१३-किम्	7.0	200
হাত (আপ্লাবৰ হাত শৃক্ষলিত, ইছ্নীবা ৰলে)	৫-মারিদা	68	544	াংক্সনত আ	শব্দ করণে বেনন সপ্রায়ের পক হবকে (চুক্তি ভক)	৮-আনফাল	Q4	409
হাত (মুমিনদের হাতের উপর আল্লাহর হাত, বাইয়াত প্রসঙ্গ)	৪৮-ফাতহ	30	329	कुनुस्था व	লব্ধ (সংকর্মশীল মুফিন হাগরে কুলুমের আ <b>নহা</b> করবে না)	২০-ত্য-য	225	486
হলাল করা (আল্লাহ ক্রম-বিক্রমকে হালাল করেছেন)	२-राकृता		600		আগন্তা করে যদি ঈমানদারগণ ভবে আল্লাছ	৯-তাওয়	44	683
হলাল করা (আল্লাই আহলাল করেছেল তা হারাম না করা)	२-पाष्ट्राचा २-माविमा	54	692		শব্ম (মুমিন বাজির নিজ সংক্রদরের জন্য দুর্নীদের আশব্দ)	৪০-মুখিদ	60	840
হলাল (আল্লাহ বা হালাল করেছেন জীর জন্য তা ব্যাস্থা স	Q-41841	94	697		া আগৰাৰ মৃত্যাৰ প্ৰক্ৰি কম লোকই ঈমান আনে	১০-ইউনুস	20	७७२
कर्नुत होताम कर्ता शुरूपति । कर्नुत होताम कर्ता शुरूपति	৬৬-তাহরীম	3	096		তুর আগস্কা থাকলে (ওসিয়তকারীর পক্ষ থেকে)	২-বাকুারা	745	420
			-		सं कडाएन (श्वेनुकटक हनकरड़ थान तबता रक्तात)	১২-ইউসুফ	70	898
হারাম করা (আল্লাহ সূদকে হারাম করেছেন)	২-বাকারা		200		র আশব্দ (মৃদ আ. ভাদের বীন পরিবর্তন করে লেকে)	৪০-মুমিন	46	200
হর্মন কর (করা বলালকে 'অক্সাৎ হারন করেছেন' বল)	৬-আনু'আম	750	622		শব্দর নামান্ত কলয়/লক্ষিত্ত করা যাবে (কাহিব প্রসঙ্গ)	8-मिमा	202	490
হারান করা (অন্যরভাবে হত্যা করাকে অক্সার্হ হারান করেছেন)	৬-আনু'আম	767	627	ক্রির'আউ-	যা আপদ্ধা করছিল (আল্লাহ তা দেখাতে চাইলেন)	২৮-কাদান	6	202
ইরান করা (আল্লাহর হারান করা বিহন হারান বরো না যার)	৯-ভারবা	59	680		বেৰা থাবলে যামী-জীৱ পৰিবার থেকে সালিপ নিয়েল	8-निमा	002	965
হারদ কর (আল্লাহর হারমে কর মাসকে কবিনা কর্তৃক রাশাল করা)	৯-ভাওবা	90	688		তে হওয়ার আশব্য পানতে প্রমিন দাসীকে বিয়ে করা তৈব	8-निमा	34	200
হারাম করেছেন আল্লাহ (মৃত পণ্ড , রক্ত, শৃকর প্রসঙ্গ) ,	১৬-নাহুদ	226	925		তরার আশবার দরার ভারত ধরে রাখত কবিদরর, যুদি		_	
হারাম করেছেন আল্লাহ কাধিবদের জন্য	৭-আ'রাফ	20	629		ল সেৱা হ'ব	১৭-ইস্রা	200	922
হারাম করেছেন অক্সাহ জান্নাত (ভার জন্য যে শরীক করণ)	৫-মারিণা	92	ፈፁ/ው		শ্বা (ব্যবসার মন্সার আশ্বা)	৯-জবেবা	2.8	683
হারাম করেছেন আক্লাহ, হত্তা করা (ন্যায়সঙ্গত কারণ ছাড়া)	২৫-ফুরকান	69-	969		তাৰত করতে বলে আশব্য করে করে মুক্তর স্করে	তু-মারিদা		444
হারাম করেছেন আল্লাহ হস্ত্যা করা (ন্যারসংগত কারণ ছাড়া)	১৭-ইস্রা	00	936		হাপৰা কল্পত যথন যে শতপাকের মানুল ভালেরকে			
হারাম করেছেন আল্লাহ যে মালচলোকে ভার সংখ্যা মিলালো	১-ছাঙ্বা	७१	688	थरत निरंत		৮-আনকাল	₹6	608
হিজ্ঞাত (আল্লাহর জন্য হিজ্ঞাত করলে দুনিবার উল্লয		_	-		আপতা করে এমন সূরা অবতীর্দের যা	৯-জাওবা	40	
আবাদ/আধিরাতে,,)	১৬-নার্গ	82	906		বা আগতা করে অধন পুরা অবভাগের ব বা আগতা করে আল্লাহ তা প্রকাশ করে দিবেদ			686
হিকমত (আপ্রাহর হিকমত/প্রঞ্জা শরেণ রাধার নির্চেশ)	৩৩-আহ্বাব	€8	6006			৯-জাওবা		686
হিসাক্ষাহণকারী হিসেবে আল্লাহ বহুন্ট(ইল্লাডিম প্রসঞ্জ)	8-PM	0	669		গাবে কোন আৰক্ষা করলে সমৃত্যু নিক্ষেপের নির্দেশ	২৮-কাগাস		pop
হিপাক্যহণকারী হিসাবে আল্লাহই যথেষ্ট	২১-আধিয়া	89	920		ছা ফির'আউন কর্তৃক হত্যার (কিবভি হত্যা প্রসৰ)	२७-७'बारा	78	200
বিসাক্ষাহণকারী হিসাবে আল্লাহই বলেট	৩০-আহ্যাব ৩০-আহ্যাব				রক্ষাউন ধরে ফেলবে -এ আগন্ধা না করার নির্দেশ,	২০-ড়া-হা	99	984
A THE PARTY AND INC. AND INC.	~~-আহ্বার্ 	40	bo9	ম্পার প্রবি	)			

Resident	न्त्र स् च नाम		201	न्य रिरद्र/शंत्रमः त्रा सः ४ नाम	Gr.	न्ही
धानका (नूर्व नृक्षेत त्वरक)				<u>বাশেপাশে</u>		
হায়র আগমা, প্রতিশালকের কাছে (বিহাপাটন প্রদান)	২৬-৩'অবা	23	999	কাহিবদের অপেপাশে বিপর্যয় আগভিত হতেই থাকনে ১৩-রা'দ	o)	997
মূসর আশহা কির'আউন ভাকে বিখ্যাবাদী বলবে	২৮-কাসাস	48	P33	মুখুনির ও আনসারনের আশোশাশের কেন্ট্রননের মধ্যে মুখ্যমিক ১-তাওবা	707	960
শন্তির (বুদের সম্প্রদায়ের উপর মধ্যদিবসের শান্তির আশক্ষা)	85-वादराय	52	270	অশ্রেম (সংসারবিরাণীদের)		
পুঞ্জির (মানইয়ানবাদীর জন্য শক্তির আগদ্ধা ত'জানৈ)	77-2ni	78	690	Source (months officers or poorse to transferred by the transferred by	.	
শক্তির (জন সম্প্রদারের উপর তরবেহ দিনের শক্তির আশক্ষ)	२७-व'वास	306	920	Feeting (III)	80	9,64
শন্তির আপদ্ধা করছেন নূহ আ. (সম্প্রদারের জন্য)	৭-আ'রক	65	655	অপ্ৰৱ		_
শন্তির আগতা (শিতার শন্তির আগতা করল ইবরাহীম)	১৯-মারইরাম	82	909	অন্তির বেকে প্রভাবের প্রতিপালকের নিকট অপ্রের চাওয়া ১১৩-ফলাক	>	2000
সমতা কৃষ্ণা করতে না পাবার আশস্তা (একাধিক বিত্তে প্রসঙ্গ)	8-विमा		000	অনুকার বাবের অনিষ্ঠ হতে আপুর চাওয়া ১১০-ফালাক		0000
নীয়া বন্ধায় রাখতে না পারার আগবা (পুলা ভালাক প্রনর্জ)	२-शक्तरा	445	649	অপরবির অধ্যাদনকর অভি-বের্মির বিভিন্নতে মৃতি কমন	-	-
সীমা বন্ধায় রাধতে না পারার আগতা করা (সামী ও ত্রীর)	२-यहारा	222	449		20	99.7
হত্যা (মূলা আ, এর আশহা ফির'আউন ভাকে হত্যা করবে)	২৮-কাসাস	90	277	কর্মে আবার আগত নান করেন ২৩-মুনিশ্রন	bh	993
	২৬-৩'বারা	28	300		36	448
হত্যার আপক্ষা (মুসার কির'আউন কর্মৃক হত্যার আপক্ষা)	40-9 4(4)	-0	20.0	অক্সহ অপ্রর নিজেনে বুমিনালেকে থকা ভার নির্বাচিত ছিল ৮-আনকাশ		
হারদের সাধ্যা (সংগ্রদানের মধ্যে বিভারদের অভিযোগ,	২০-জু-য়	34	989	অপ্তার ছাড়া কারো আপ্রর রাসূদ স. পারেন না ৭২-জিপ্	રર	>⊳9
মূলা আ, কর্তৃক)		-	-	অক্সাব্র নিকট অপ্রের প্রার্থনা (শরকান প্ররেচিত করলে) ৪১-ফুস্লিকাত	00	444
আনা (আরো দেবুন ব্যত্যাশা শব্দটি)	_		-	अक्कारत जातुत शार्वना काम अवीप (शरकान्ता हाम कर करार <sup>6</sup> 52.देशेनूम	930	944
অস্ত্রাহর কাছে বুমিনরা যা আশা করে কফিবরা তা করেনা	8-निग	308	290	আনৈ কর, ইড়্যুমের ভায়না এনল)		
সাংগতের আশ (অস্তাহর সাক্ষতের আশা করে না ধরা, লাচন	১০-ইউনুস	١.	608	আল্লাহর আশ্রর প্রার্থনা করেল ইউসুক্ত ১২-ইউসুক্	50	698
অনে সম্রাহণ)		Ľ.	_	অন্তাহর অপ্রয় প্রার্থনা (শহুডানের প্ররোচনা থেকে) ৭-আ'রাফ	200	607
সক্ষাত্যে আশ (কল্লাহ্য নামত্যে আশা করে না থরা তারা বল)	১০-ইউনুস	32	955	আল্লাহর কাছে আশ্রন্থ চাওয়ার উপদেশ (রাসূপ স. কে) ৪০-মুমিন	69	pas
অপ্তাহ ও অধিয়তের অশানারীয় জন্ম রাসুল স. এয় মধ্যে উত্তন স্বাদৰ্শ	৩৩-আহ্বাব	રડ	3-06	অস্ক্রাহর অন্তর্ভ শরভান থেকে অপ্রয় প্রার্থন (কুরস্কান পাঠের সময়) ১৬-শাহল	৯৮	477
আহলে কিরাবদের মিধ্যা আশা (ভাল্লাতে প্রবেশ প্রবঙ্গ)	২-বাস্থারা	222		অল্লাহর কাছে মুগার অপ্রর চাওয়া (গাড়ী কবাই গ্রসঙ্গ) ২-বাবুংরা	69	@0b
ইয়াকুর আ, আশা করছেন (সম্বাহ সনই একরে এনে দিবেন)	১২-ইউসুক	50	946	আলাহর বিপক্ষে আশ্রর বিতে পারে বা কেট ২৩-মুখিলুন	bb	993
উত্তম আশা প্রতিপালকের নিকট (স্থায়ী সংগ্রহের)	79-siźa	86	921	ইউসুক আ, আপুর দিলেন ভার সহোদর ভাইকে (তার নিকট) ১২-ইউসুক	69	600
উপকারের (আশা করা বার মুদা উপকারে আসবে)	২৮-বাসাস	9	404	হউসুক বা, বাহার নিলেন তার পিতা-মাতাকে (তার নিকটে) ১২-ইউসুক	29	90%
কাঞ্চিরদের মিখ্যা আশা ভালেরকে মোহাজন্ন করে রেখেকে	১৫-ছিজ্জ	0	635	ইয়ানগারলেরতে অপ্রার নিয়েছে বার ৮-আনকাল	9,8	boh
অধিয়া খাশ বড়ো (মুদিয়া ব সন্তাহা নাম খাশ কর)	8-92	208	490	ছলা আ, e তার মাতে আপ্রত দিয়েছেল আল্লাহ (উচু কৃমিতে) ২০-মু'মিলুল	60	968
ভবা(বল্লাহত বাশা ও উতির সাথে ভাল, বাদরিরা প্রদাস)	२)-वाश्रिम	30	900	কুলা আ, ও তার বাকে আপ্রর লেরেকে আপ্রাব (বরু কুনতে) । ২০০ছ লেনুন বৃত্তির আপ্রর প্রত্যাপা করকেন ল্যত আ, (সম্প্রনার থেকে) । ১১-ছুল	pro	690
ভালে (সুমিন প্রতিপালককে বাকে ভাকে তম ও প্রত্যাপার সামে)	৩২-সঞ্জ	26	5-07		8	2006
পঞ্জা অশ্যা প্রতিক্ষাকের নারে অশ্যা কাল্ডরনার সামে সংল কর্ম কর্ম।	১৭-ইস্রা	২৮	936		20	938
युरम्ब अन् (क्लीन प्रक्रित स्थान यदा दान वरमध यह गाल लहें)	৩৫-ফাভির	230	787		36	
দানশীল মুমিনগণ আশা (এমন ব্যবসার বার ধ্বংস দেউ)	৩৫-কবির	230	181	হুৱার আপ্রর গ্রহন (আনহাবে কাহাকের যুবকদের) ১৮-কাহ্ন		930
নিক্ষের ইন্ত্নীলের মিখ্যা আশা (কিভাব প্রসঙ্গ)	২-বাকুরে	391	609	জিলের কাছে কিছু মানুগ অপ্রয় রাওয়ার করা করার বায়াত ৭২-জিল্	6	944
পুনর্জীবনের আশা করে না মঞাবাদীরা	२१:-मुख्यम	80	999	নেরামত (পাহাড়ের অপ্রর মানুদের প্রতি আরাহর নেরামত) ১৬-নার্প	27	903
প্রভাবিত করেছিল মুনাফিকদেরকে (সুনিয়াকে)	৫৭-হানীৰ	38	383	পর্বতে (প্রাবদের সময় মুহের পুত্র পর্বতে আপ্রয় নিতে চাইল) ১১-বৃদ	80	669
ক্ষুমূল সুবিধ আৰু মুনাজিকদেৱ (ব্ৰহ্ম থেকে মুন কিবিয়ে নিয়ে)	৪৭-মুহামান	44	328	পাৰেনা ৱাসূল স. (আল্লাহ ছাড়া কারো আপ্রয়) ১৮-কাহ্ট	29	926
নাগানগুৱালাদের আশা (প্রতিশালক উত্তম বিনিমর দিবেন)	৬৮-ফুলাম	02	396	পাহাড়ে আপ্রচের ব্যবস্থা (মানুষের প্রতি আস্তাহর দেয়ামত) ১৬-নাহ্শ	9.7	909
विद्वाब प्राना सदर्भ मा सम्म युक्तत भूमी सन्त्र	48-78	90	9bro	প্রভাৱের প্রতিশালকের নিকট আপ্রর চাওরা (অনিউ থেকে) ১১৩-ফালাক	,	2000
च्य व चाना निर्धा चाहादरक काकात निर्मन	৭-মার্যথ	69	935	প্রফিশালকের নিকট মুদার আপ্রয় প্রার্থনা ৪৪-সুখন	10	hos
মনুহতে আশাসমূপ বিশ্বদী দেবাদ আরাই	20-117	25	49.3	প্রতিপালকের অন্তর প্রার্থনা করলেন মূলা আ. (আহকেনীলের থেকে)   ৪০-মু'মিন	29	ppo
भूभनता या जाहारत कारक जाना करत काकिनता 'ठा करतना	8-505	308		প্রতিপাদকের নিকট অপ্রান্তর্যান্য (পরাক্রনের উপস্থিতি বেচে) ২৩-মু"মিন্ন	ъb	993
মুমা মা, আশা করম প্রতিশাসক তাকে পথ দেখাবেন	২৮-বাসাস	43	pro3	প্রতিশাল্যকর নিকট অপুর প্রার্থন (শারমানে প্রবোধ্য থেকে) ২৩-মু"মিন্ন	59	192
रामा म, जाना करकारी (रा श्राह निक्के क्रियन कर्ना करा रहर	২৮-বাসাস	brb		প্রবেচনারানকারী খানুহানর অনিষ্ট থেকে আপ্রর চাওয়া ১১৪-নাস	8	2000
শহরের আশা দের (সঠিক লখ পরিত্যাগকারীদেরকে)	৪৭-মুহাম্মন	32	978	श्राचना कहा (बहक मृद जा, जानुस सन (स विषयक्ष जान कहा (गरे ))-यून	89	690
		38	138	প্রতিশালকের নিবট শারবারুল প্রকোশ থেকে আপ্রর রাওরা (মনুকের) ১১৪-নাস	3	2000
সঠিক লথ প্রদর্শনের আশা (প্রতিশালনের নিকট রাসুল স. এর)	১৮-কার্ক	69	9-28	ইলার/উপাসোর করে আশ্রর চাওরা (মাশুকো) ১১৪-নাল	0	2000
সংক্রম হবে বলে আশা করা যায় (তারা যারা তওবা)	২৮-কলেন			যাবইয়ামের অধ্যুদ্ধ প্রার্থনা (ভিনরাইল থেকে) ১৯-মারইয়াম	26	950
সঞ্চতের অশা (প্রতিপালকের সাক্ষাৎ আশা করে বা যাবা)	২৫-কুরকান	57		মারইবামের ক্ষম আশ্রম প্রার্থনা (প্রতিপালকের নিবট) ৩-আগে ইমবা-		200
পকানে অশ (অপ্নাত্ত সাক্ষতের অশ কলে যায়, অব্যাশ)	३०-१६नुम	22	950	মানহর্ত্তানের ক্রমা বাসুর প্রাক্তনা (প্রাক্তনালতের নিকার) ১১৪-বাস মানিক/বামশাহর নিকট আশুর প্রার্থনা (মানুমের) ১১৪-বাস	3	2000
সন্ধানে অশ (অস্তান্ত সন্ধানে অশানার ফা শিক ন কর)	7P-4(24	220			93	
হিসাবে আশা করত না সীমালকদকারীরা,,	৭৮-নাবা	54	200		38	900
হুগুলা অশা (অশা করা যায় অল্লাহ শানেল মারে হুলুভা সৃষ্টি	৬০-মুমভাহিনা	١,	202	মুমিনের আপ্রর হবে জাল্লাভ (ইমান ও সংকাঞ্চের বিনিময়ে) ৩২-সাক্ষণ		
कारम)		Η.	1.	হৃশত্রিকানেরকে আরম্ভ দানের নির্দেশ (আরম্ভ প্রার্থনা করলে) ১-তাওবা	9	880
আশাস্ত্ৰ	1		_	রভূদ সংক্র অপ্তাহ অপ্তাহ দান করেন(ইয়াতীম অনহার পাণ্ডার পর) ১৩-পুরা	4	2051
সঙ্গির আ, নবীর আশা-ভরনার স্থান (তার সম্প্রদারের)	77- <u>ई</u> स	62	693	রসুল স্ব এর (অল্লাহ জড়া করে অস্ত্রের রসুল স্ব পালেন না) ৭২০মিন	55	35-9
আশি		T		শরকা ছেকে অক্সারে কাছে অপ্রয় প্রার্থন (কুরাঝন পাঠের সময়) ১৬-নাহল	99.	322
বেপ্রকাত (বাচিত্রতার নিধা অভিযোগ উত্থাপনকরিকে আশি		١.	1	সৃষ্টির অন্তি খেকে আশ্রম চাওয়া ১১৩-ফালক	2	200
(कवापार)	२8-सृब	8	998	হিংসুকের হিংসার অনিষ্ট থেকে অপ্রয় চাওয়া ১১৫-ফালাক	4	200

Shawler de

80-वाशिया 90

৬৬-ভার্থীয়

৭০,জিয়ায়ার

L. Waterway

<u> ১৮. সাহরীয়</u>

১,আনৱা

to Real

৭৯-নারি'জার

5.707680

8-जिल

e Sort

A 19112010

৩৮-সোধাদ

Validate.

৭-আগ্রহ

15.88399

১০৬-ব্ৰাইণ 3 50:08

১০৬-কুৱাইশ boss

১০৬-কুরাইগ

No. Officers 20 2022

৭৬-নাহর

63.75

10-8270

12.88322

A9.NTHENG 88 694

ই৪-কামার

So. Swe

WAY CREATE

क्ष-हेवाहीस

২-বাকার

৫৬-ওয়াকিয়ায

02-09

95-RISS

11.88

AN ATTEND

ত-আলে ইমবাল ১৬২ | ৫৫১

tiko

623

568

3350

280

900 000

ALGERT STORY 124

h. Wystat

38-116

৪২-শরা

s. Sat

8-FINT

আ		202	য়ন্ত্ৰ <u>ে</u>
नम विवद्य/धारम	· 新水 6 青年	-	782
অশ্যেপ্তন		-	- NO.0
আপুন (পাপাচারীর আপ্রবহুল হবে আঙন)	৩২-সাঞ্দা	30	5-67
অন্তন (অক্সহর নিদর্শন সম্পর্কে বেখবর ব্যক্তির অপ্রবহন…)	১০-ইউনুস	b	668
আঙন আপ্রয়ন্থল (কাফিরদের)	০-আলে ইমধান	262	000
অঞ্চন আগ্রছকু (ভালের যারা শিরক করে আল্লাহর সামে)	৫-মারিদা	93	cva

আগুনই মার্তিগঞ্জারীদের আগবছল হবে

আঙন (কাহিবদের আগ্রয়স্থল হবে আঙন)

ভাষাত খেতে ৰাধ্যৰ বোন আগবছল নেট

বিরামতে জালিমদের কোন আপ্রয়ন্ত্রল থাকবে না

क्षांत्रामात्र दरव चालवक्त (साम्र शके समर्थन जाराक्र)

কার্যনাম (বিকরত না করার আগায়কা লাভানাম

বিবামতে মানহের কোন আগরছল থাকারে না

WISHIE (SHIGHTHA WINNER WINDER

STREET STATES (SERVICE (MATERIALIS)

ৰাহান্তম আগ্ৰয়ক (কাভিত্ৰ ও মনফিকসের)

रीत जानम (जीवालकातकातीत जानारका

আন্তর্গ (আরো দেখন বিশ্বয়ক্তব সম্বাটি)

প্ৰেরে আসক করেছে দাসকে (আরীয়ের স্ত্রী।

ট্রাত মর্থানাসম্পন আসন থাকরে স্থানাতে

জালতে মন্তারীয়া সাহিৎক আসান বসার

गाविरक जामान समान (प्रसादीना कार्यामा

THE PART OF STREET ASSESSMENT AND ADDRESSMENT

সূৰ্ব প্ৰতিত আলল বসাৰ জোনানলালীলা

হেলান দিয়ে বসবে আসনে (ভারাতীরা)

আসন (করসি)

পিত্রা-মাত্রকে উচ্চাসনে বনাল ইউস্ক

অহিন্যে আশাহক (প্রকাশের)

পাপাচারীর আশবসক হার আধন

মূপবিবানের আগবছল জাহানাত্র

व्यासक करा

WINGS

আসন

অভিযানৰ আগবছল ভাচানাম (আটে না নিকট পালাখন।)

কাহানাম কাভিয়নের আলহন্তক (কডেই না নিকট গলকাছন))

ৰাহানাম আন্তঃক (যে জালাচত অসম্ভন্নি নিৰে আনে আন)

জানাত পেতিপাল্ডের অবস্থানতে হে তথ্য করল তার আধানল)

প্ৰায়ন (মাপ্ৰয়েচন পেলে কত পলাক। কবলে মনফিক/কভিতর)

পবিবীতে আত্ৰক আপন্মছল ও প্ৰাচৰ্য পাৰে (ভিজৰতকাৰী)

উপসেশ আমা কি আকর্ষ বিদয় (তদ সম্প্রদায়ের নিকট)ঃ

atteta (an Setera um Seta atutra) areal attera

प्रभावत क्या चान्यर्थत विद्या (प्रदास्त्र स. १८४ अदि अदी (असर)

করাইশদের আগতি রয়েছে (শীত ও গ্রীক্ষরালীন প্রস্থলে)

কৰাইশাসৰ আগজি বায়াছ (শীত ও গ্ৰীছকালীন সহপো)

কালতের উচ্চ আসনে হেলান নিয়ে বনবে (জালাডীয়া)

शक्त (मारीएमर क्या जामन शक्तर करना जावीएसर स्था)

মুখোমখি আসনে আসীন কৰে ৰাছাইকছা কানাবা (জানাতে)

गमानीन (प्रसादीशन क्षातारह प्रत्यापनि जानाम जपानीन क्षात)

পরিবেটন (আলহুত কর্মণী আহ্রাপ, পরিবীয়ে পরিস্কৃতি ক্রান্ত জন্ম

নমের স্বাসনে মধ্যপতিবাদ মন্ত্রিকর সন্ত্রিয়ে থাকরে মুম্বরীয়া

बार्स (कार्यारीया देश लाक्य (तक्स्य दिशा सक्या)

ত্রমণে করাইপলের আবন্ধি ররেছে (শীত/গ্রীক্ষকার্দীন ভ্রমণে)

several Se retreat errors (Cornel retetural ansers

रक्षतवान महान इत्या खानार्यंत विषय /हेतवाडीरथव सीतः \

waters were wearen state of constant acres and confu

Williams Weiger Weig

বাহিবদের আশ্রহণ ভারতাম

ANTHOR . TO SHARE WE WAY নিন বিশ্বামতের দিন আসর 80.272 অবতীর্থ টেববারীমের উপর অবতীর্গ বিষয়ের প্রতি ঈমান। क प्रांतन हैं प्रवास ५६ 488 গনাদি পাতা পশমলোমাকে মানকের আসবাবপাত্রের উপকলা Marie Property 454 আসমাউল চুসনা আল্লাহর (সুন্দর্ভন নামসমূহ আল্লহর্ট) ১৭-টসরা 604 আসমান (দেশন আকাশ শব্দটি) WINDLE WINDS निवर्णन काराज काराज काराज विकास निर्मान अना Vr. 8530 128 সাবাদ অসমারে কার্ডের মুক্তকো সংখ্যা, যায় ইয়ান একভিদ 72-412.0 অন্তর্যাত পেশকরীর আনল (সুছে না অধ্যার অনুরাধির জন্য) N. 37421 68% পদ্ধত কান ঘটিয়ে এলেছে হাবইয়াহ (ইসাব জন *সম*স) 72"ZISEMIZ ক্ষরত অস ব্রেক্টিয়ার প্রতি অক্সারে ক্ষরত অসল মর্কানের কল ৪-নিসা জন্ম আসা (বাসল সা এব নিবটি এব অন্ধ আসল) ৮০-খাবাদা व्यवस्थानिकारी महि वास्त्र (दासा स. द्वर संस्थार शास) AD-EXIG 80 V 98 আৰুশিকভাবে শান্তি আসা যা অপরাধীয়া টেরও পাবে না 344-97988 936 আকাপ ও পথিতী আলাহের কাছে আছে (জনগত সংগ্র) 8)-फगनिनार মানাশ ও পর্ববীকে জগতে কলক। আছত (ইয়াত বা অনিয়াত) 81. markette वावन्त्रियमान् भवि व्यापन (सर्वित्तर करत) ১৯-খানকারত प्राकाण (भागाक्रम इत्य प्राज्यत (विज्ञायत्स्य क्रिम) ee.swin ৭৯-নাবি'আত ৩৯ ১০০৫ When the pract (officers makes over ere or) ১১ জাখিবা আগুনের নিকট আসবে ঘখন আগ্রাহ শঙ্গবা (কিয়ামতে) ৪১-ফ্সসিলাভ 507 অন্তল্য নিত্তী হল আ আলাল তাকে থেকে কলা হল, (তুৱা পাইছে) 30.78.8 285 অবাত অসকেই কালিবা হব কিবাহ প্রেডিপালকের আবাত) ৬-জান'জার Marie Mari astrono save more absente campos som masse ২০-ছা-খ্য অংশারবর্তিতা প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে আসা क्ष्मिन चार **\08** SINISA SINIA SINISI (CICHI WININ (SINI) ২-বাকার व्याद्याच्य निक्षे स्थानात (प्रतिम क्रानिप्रया (क्रियाप्राप्टय क्रिय) VA. Stabnis বালাচর নিকট থেকে আসা কোন নিদর্শন নিয়ে বিভর্ক 80-8'ER 92 वासाहर निर्मान मिरम/सारम धालस (संजारकार सररकार) Vo Billion স্বাহায়ের পক খেকে এসেরে এক আলা ও সম্পর্ট বিয়ের o.ufaut 20 265 মাল্লারে পফ থেকে আলা কোন প্রমাণ স্বায়া বিতর্ক করা 80.W'WH 565 অস্তাহর পক্ষ গেরে অর্যভিরোধ দিন আগর পরেই ইমান আন 84-431 মাধারে শান্তি এসে প্রক্রে অনাচার চারা প্রস o-1956 WIN WEIGH WAS FROM SHE FOR MOR WHILE THE COMME 27-9,003 प्राम्बाद अद्भाव क्रिक त्यांना नामि वित्य त्यांनावत पर व्यक्तिकत व्यवक्ति 0 h-5140 2 2008 আলাহর নির্দেশ বধন আসল 80-मॉमेन অস্তাহর নির্দেশ (পাঞ্জি) আনার পর সালিহ আ, ও মুফিনচনতে উদ্ধান 33-**इ**प আলাতে নিৰ্চাপ (পাঞ্জি) আনহাস হ'আইবাকে উন্নয় কয়সাল আলাহ ১১-ছল 38 N98 हेंद्रेमक का अपनिकास (न्यंद्रे अपनिका) 80-मामिन विकास कार्या कार्या है जाते हैं कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या ১২-ইউস্ফ 654 ইউসক আ যা নিয়ে এসেছিলেন ভাতে সংগ্ৰহ 80-मुभिन Balen ware stares जागाव किए /काल वेनवाडीय जा. जाजानम (इ.से. अंदे शास्त्र /New Gray 4\.20km ইবচারীয়ের নিকট ভেরেশভাচনর আসা (সমবোলসর) SN-WHERE 454 देशकुक-मासुक वेशक्ति (बंदन ब्रट्टी व्यान्त्व (ब्राम तथा शत) ১১-জাছিয়া উভনীদের নিবট আলাহর পক্ষ বেকে জিয়ার আলা ২-বাকারা ইয়ানারসমা ব্যক্তা স<sub>ং</sub>গ্রন্থ করে আসলে ভানব্রাক স্থানার করা প্রকল A. WIR WIR Ванинетия бый маке обейтия тако был ২-বাকাল प्रेम का अपनिकार करना लगान निर्मा करें। हे अवस्थितान किसी o utima 220 028 দিলা আ,আগমন করেছিলেন (প্রকার ও স্পর্ট প্রয়াগরত) 80.12690 Solid feet and after some mount of the 33.5766

						and the same of	-
TT AND AND	সূৰা কং ভ বান	201	120	44 (414/47F	गुर्वा पर समय		
আসা (পূৰ্ব পূচা থেকে)				জ্ঞান আসা (ইবরাইয়ের নিকট এমন জ্ঞান এসেছে হা)	১৯-মাবইরাম		909
উন্তাদুৰী আস (বলী ইনরসৈকে এমন উন্তাদুৰী আসা বাব)	৭-আর্থ	263	649	জ্ঞান আনার পরই বনী ইসরাইল মতচেদ করেছিল	১০-ইউনুস	%०	990
উপদেশ আনা কি আন্তর্য বিষয়ঃ	৭-আরফ	60	979	জ্ঞান আদার পরও প্রবৃত্তির অনুসরনের পরিণাম প্রসঙ্গ	২-বাকুারা	250	678
উপদেশ আসা কি আন্তর্য বিষয়া (হুন সম্প্রনায়ের নিকট)ঃ	৭-আ'রফ	69	629	জন অসর গর প্রকৃতির অনুসরণ করতে- জলিম হংল রাজ্য	২-ৰাকুলো.	786	
উপদেশ আলা (নরামরের পক্ষ থেকে উপদেশ আললে মুখ ফিরার)	२७-७'वारा	e	999	জ্ঞান আসার পর মতপার্থক্য করেছে কিতাব প্রাপ্তরা	৩-আলে ইমরান	22	209
উপদেশ আসার পর বছুরা পক্ষাই করেছিল জালিমদেরকে	২৫-ফুরকান	430	99/8	ভানদিক ঝেকে আসত বলে নেতাদেৱকে দোখারোপ	৩৭-সাহ্দাত	২৮	POP
উপলে প্রতিশাসকে পাক হতে আন মৃত্যু উপলেশ কোছেল ক্রম)	২১-অধিয়া	2	980	চেট আসা (চেট এসে গৃহের পুরকে নিয়ক্ষিত করে)	১১-ছুদ	80	669
একা স্বাসরে অবিশ্বাসীরা (অক্সাহর নিকট)	১৯-মারইরাম	30	965	তরহ অসা (নৌহানের দিকে চেউ/ভরহ ধেয়ে অপে)	১০-ইউনুস	22	620
একা আসবে বিবামতে দিন সবাই (প্রতিপাককের নিকট)	১৯-মারবীয়াম	302	980	বুজ সম্পাত্মন (জ্বালা বুজ সম্পাত্মনার অনুসারিধন একা নতে)	৭-আ'রাফ	369	623
এককী আল (বিশ্বাহতে মানকো অল্লাহর কছে এককী আল)	৬-আন'আম	28	bot	দল আনা (প্রভোক উম্বরের একটি দল কিয়াখতে এনে পড়া)	২৭-নামশ	V8	tro9
একটি বাৰ্ণীর নিকে আসার অজ্ঞান (আরলে কিবাবলেরকে)	৩-আলে ইমরান	66	₹8≥	नगनम्ह(भक्त वान शहल प्रनविकास करता (४मन १९१४)	७७-वाइसर	30	V00
কলি সাত বছরের পর আসরে এনদ এক বছর যুক্তে বারী দেয়া হরে	75-3834	83	99-7	পশ্চিত্রকা অস (মনুছের করে প্রতিপশ্যকা কলি প্রকা প্রস্তুত)	8-निमा	398	292
কথা আসা (কাকিবলের নিকট কি এমন কথা এসেছে যা)	२०-व विनन	94r	990	পুত সুদাইয়ানের নিকট আসা (সাবার রাশীর উপহারসহ)	২৭-নামশ	-06	404
ক্রাণ অসমে বিরম্পটনের জনবারির কাত, 'এটা আমনের জন'	৭-আরক	202	648	নৌতে আসল অম ব্যক্তি (হাসল স. এর কাছে)	৮০-অবাসা	V	200
কাবেশা মিদরে কাসাদ সৃষ্টি করতে আসেনি	১২-ইউসুক	90	000	সৌচে আসা (ইবরাইীমের ভাতে মত পাথি সৌচে আসবে)	২-বাকারা	260	402
অনক্ষরিতা আওয়ান থকা আসার প্রকাশ পদারে ভাই গোরে	৮০-মাৰাস্য		2009	দৌছিয়ে আনল সূত্রে সম্প্রদার (পুতের নিকট)	১১-ছন	96	693
व्यक्तिस्थात्व एक पान्यत् तमा वस प्राचीत	৫-মাধিদা		690	নেছিয়ে আসল এক বাজি (পরবের প্রাম্ক হতে)	২৮-কাসাস	30	box
क्वियायरक्व किन सामाद सारण महिक बीरमव कना	60-88	80	200	ক্রত গতিতে অনুস্তা (ক্রিকর ক্রত গতিতে অঞ্জন্ম করুছা)	৩-আলে ইমরান	256	28b
কিয়ামতের নিন আসার পর্যে নামান্ধ কারেম ও নামের নির্দেশ	38-देखारी <del>य</del>	00	940	দবীর বাছে এনে কাভিছনের বিতর্ব করা প্রমন্থ	৬-জান'আম	20	699
বিকাশতের দেশ আসার পূর্বে নামাক্ষ করেন ও নামের সাসেশ বিকাশতের দিন আসার পূর্বে রিঘিক ব্যবের নির্দেশ	১৪-২৭রাখ্য ২-বাকারা		080	দব্য বাহে আগ বাংগ্রার মতে বর প্রান্থ দব্য প্রীনের আগতে কর (পনিরার জীবন বাহনা প্রসঙ্গ)	৩০-আহমাৰ	20	brog
বিশ্বামতের পদি আশার পূবে রাবক ব্যরের সংগ্রেশ বিশ্বামতের শক্তি হঠাৎ করে আসরে মান্য বর্ধতে পারবে না	২-বাকুরে ১২-ইউসক			নহাত্ত প্ৰত্যাহ্ব কৰা (পুলৱাহ্ব জাবল ভাৰণা এগৰ) নহাত্তাল্য স. ফলই এম্বেচন ক্ষেত্ৰের ভানেত্রত ঠাই বিৰূপ করেছে	8०-इश्क्रक	9	bas
কর্মানতের শাস্ত হতাৎ করে আগতে মনুগ বুগতে গায়বে লা কিরামাক আলার জন্য অপেকা কান্তিরদের			69.4	নির্বাহন (ভিরামতের দিন যে নিরাপনে আসতে সে উত্তর)	৪১-তুদ্দিলাভ	80	PPS
	৪৭-মুহামান	72	970	নির্বাদ্য (বিভারতের নির্বাদ্য বি নির্বাদ্য বাদ্যবি সে বর্তম)	১০-ইউনস	98	662
কিরামত আসার ব্যাপারে ভোন সন্দেহ দেই	৪০-মূমিন	29	9,940	নিবৰ্ণনাত্ৰমণ নৱে আসেন অনুসদশ (পুৰেছ গৱে) নিবৰ্ণনা (অভানের ভারে নিবৰ্ণনা আসে যা ভোল ৫)		322	622
ক্ষিয়ামত আসা সম্পর্কে বেনন সন্দেহ নেই	२२-शृष्ट	9	927	নিবৰ্ণন (অঞ্চলের কাছে নিবৰণ আসে না কেন হ) নিবৰ্ণন আসলে উদ্ধান আনত (কাভিবলের কম্ম)	২-বাকুবরা		
বিনামতের সংবাদ শীয়ই আসবে (ঠাটা-বিক্রপ প্রসঙ্গ)	৬-অন্'আৰ	ę	496		৬-আগ্'আম	209	609
কিয়ামত আনবেই	১৫-হিন্দর	Þ¢	902	নিদৰ্শন আসলেও কাকিবরা ইমান আনত না	৬-আন্ অম	209	609
বিয়ামত অংশকিবানে লা আনা পর্যন্ত কাফিন্তা সন্দেহ করনে	२२-श्रव	66	960	নিদৰ্শন আসলেও শাস্তি না দেখা পৰ্যন্ত ঈমান আনবে না	১০-ইউনুস	28	990
বিরামত আনবেই তবে এর নময় আল্লাহ গোপন রাখেন	২০-জু-ব্য	36	485	নিবৰ্ণন আনলে কাকিবৱা বলে (সমান প্ৰনঙ্গ)	৬-আন্'আম	258	pop
বিরামত আনবে না (কাফিররা বলে)	৩৪-দাবা	0	P87	নির্দান আল (ঋতুমহামে কাছে প্রক্রিপাশকের নির্দান আল প্রদাস)	৭-আ'রাফ	256	655
বিশ্বাসত আসবে (প্রতিপাসকের কন্ম)	৩৪-সাবা	0	P87	নিদর্শন আসার অপেকা । কাফিরদের (প্রতিপাসবের নিদর্শন)		254	625
বিৱাসত আসার অপেঞ্চার বি জালিমরা আছে?	৪৩-যুগকফ	99	900	নিবৰ্ণন আসার পর অহছার/ মিখ্যা অভিহিত করে কফিবরা	৩৯-যুগার	65	446
কিয়মত এসে পড়লে আপ্লাহকে ভাকা প্ৰসঙ্গ	ও-অব্'আম	80	699	নিদর্শন আসর পর উন্নদ অধ্যাস উপজ্ঞার আসকো (বিরামত গ্রা)	৬-আন্'আম	754	659
কিরামত এসে গড়লে উপলেশ গ্রহণ কি কা <b>লে</b> আসৰে?	৪৭-মুহাম্মান	29-	970	নিদৰ্শন আসা (বিরাজাউনের প্রতি সুন্দর্ভ আলোরপ্রদ নিদৰ্শন	২৭-নামল	30	803
ভিয়ামত হঠাৎ আসলে ভাফিররা আফসোস ভরবে	৬-বাদ্'বাদ	60	699.	দাসলে জাদু বৰা)		30	803
কিতান আসা (অপ্রোচর শব্দ থেকে রিভান আসা, সুরজন প্রসঙ্গ)	২-বারুরো	Vò	670	নির্দেশ অস (অ্যান্ডা নির্দেশ অস পর্যন্ত ফুর্নভিনচন্দ্রকে প্রবর্তিত,)	৫৭-হাদীদ	78	785
কুরজানের কাছে আসতে পারে না কোন বাতিস (মিখ্যা)	৪১-ফুস্সিলাভ	83	593	निर्शन पाना (बालाहर निर्शन एकन पानरर, नृरहर रनां शनक)	২৩-মু"মিনুন	29	969
কুলমানের তালের আলার/কুমার পুরেই একে মিখা অভিহিত	২০-ইউনুস	रठ	52V	নিৰ্দেশ অস (অক্সান্ত নিৰ্দেশ অসা পৰ্যন্ত অপেন্ধ কৰক তাৰ বাব)	৯-ভারবা	₹8	684
কুরবান এসেছে (উপদেশ/নিরাময়/পথনির্দেশ/নরাখরপ)	১০-ইউনুস	29	625	নির্দেশ অসা (অস্তান্তা নির্দেশ অসলে চুলা উপলে ওঠে, দুবের প্রাক্ত)	22-gw	80	668
খাদ্য স্বাসার পূর্বেই স্বল্লের ব্যাখ্যা জানিয়ে দিবে ইউস্ফ	১২-ইউস্ফ	09	690	নির্দেশ আবা (আল্লাভা নির্দেশ আনাস পুতের কলপদ উপ্টিয়ে দেয়া হল)	১১-ছদ	24	690
খান আসার পুচারি (ফুলন্সরের সম্রোর বাংবা জানানে ইউসুফ)	১২-ইউসুফ	99	69ro	নিৰ্দেশ অসা (অল্লাহর নিৰ্দেশ আসবেই, একে ভুরান্বিত	১৬-নাংল	3	904
গরীন গিরিপথ থেকে মানুষের হক্ষে আসা প্রসঙ্গ	२२-शब्द	29	960	করকে হাওয়া ঠিক নম)	No. 1154		
জনপদের অধিবাসীদের নিকট লৌছা (বিজ্ঞির এবং মসার)	১৮-বাহক	99	903	নির্দেশ আন প্রেরিপাল্ডের নির্দেশ আন্তা অন বিশায়নেকে ভাব)	77-ईस	707	592
জানকর আসল (মুসাকে মোকাবেলা করছে)	২০-ইউনুস	80	662	নির্দেশ আনা প্রেরিপালকো নির্দেশ এনে গেছে, লৃত নাপ্রদক্তের প্রতি।	<b>33-दू</b> म	96	693
অনুকরদের জান নিয়ে সারিবভাগবে আসার আহবান		-	-	নির্দেশ করতে আসার নির্দেশ (আক্লাহর নির্দেশ)	৬-আন্তাম	262	627
(চিত্ৰখাউন কৰ্ত্ৰু)	২০-ক্ল-ছা	68	488	নিৰ্দিষ্ট সময় আসনেই(আল্লাহর সাক্ষাৎ প্ৰভ্যালী জেনে রাবৃক)	২৯-আনকাবৃত	Q	636
জানুকর ঘেখান থেকে আসুক মুসার নিদর্শন/সারির সামনে		_	$\vdash$	নিৰ্নিষ্ট সমৰ আসলে(আল্লাহ বান্দাৱ ব্যাপাৱে পূৰ্ণ দৃষ্টিবান)	৩৫-ফাডির	86	500
त्रक्त दर्दम	২০-ক্ল-হা	69	984	নিনিষ্ট সমর আসলে তা বিলখিত হবে না (কোন উপতের)	৭-আ'রাক	<b>c</b> 8	956
কানতম্মা এসে বিশ্ব'আউনকে কলা (বিক্ৰমী হলে প্ৰতিনান প্ৰসঞ্চ)	২৬-৬'বারা	82	930	নিয়ামত আসার পর পরিবর্তন করা	২-বাকারা	522	240
নাদকররা ফিরামাউনের কাছে আসা প্রেতিদান দাবী প্রসঙ্গ	৭-আ'রাজ	220	955	নিৱাপরা/জীতির বিষয় মূলফিবদের কাছে আসলে	8-991	bro	269
बाराज्यास निक्षे क्षित्रा जानम तत्र नामा (वाकान नाम वान	৩৯-বুমার	92	299	নিদৰ্শন (প্ৰতিপাদকের ) আসলে উপেছা করত কাভিতর।	৩৬-ইয়াসীন	84	b08
सारक्षात्रका स्थल प्राथमा प्राथमा वर्ष सम्बद्ध पूजा (सम्रा वर्ण स्थानात्वर निक्रण प्राप्तात प्रशासीता	৩৯-বুনার	90	¥99	নির্বাধিত সময় উপস্থিত হলে আপ্রাহ অবকাশ নিবেন না	५०-प्रगरिकम	22	362
জান্নতের দেবত আগবে বুরাকার জ্ঞান আগা (জ্ঞান আগার পরই বনী ইসক্রটল মতকিরোধ	_	10	279	পর্বাচিতির অসং আপ্রান্ত পদ বেরে (আন্ত আ, তারে প্রসার)	২-বাকুরা	Q)r	202
জ্ঞান আসা (জ্ঞান আসার পরহ বনা হসরাসপ মতাকরোব আবেছিল)	8द-मादिता	39	206	প্ৰথমেশক অসং অল্লাহ্য শক বেকে (অসম আ, -হাডাই চেসাল) প্ৰথমিনেশিকা আসকে আসম আ, কে অনুসক্ত করার নির্মেশ	4-adios	97	-
কংগছল) আনু আসার পর আংশিকিতাবরা বিছেগ্রপত সতভেদ করে	0. WW			প্ৰথমেশকা আন্তৰ্গ আন্তৰ আ, কে অনুনৱন কয়ত নিদেশ (আছালো)	২০-ফ্ল-হা	১২৩	485
	১৯-মার্টবাম ১৯-মার্টবাম	38	909	প্রভাবন) পর্যবিদ্যালয় আমলে দর্বলনেরকে বিরত রাখা প্রসম্	৩৪-সাবা	03	₩88
জ্বল (পিজা নিকট সে জ্বল আসেলি যে জ্বল ইবার্যট্রমের) জ্বান আসার পর রাসল সা কাভিবনের অনসকণ করলে	39-18661X 30-5174	80	107	পর্বভাগিতা অসল অন্যতে উত্তল স্তেপ্ত বিশ্বত প্রাপ্ত তেওক,	১৭-ইসরা	≥8	922

<del>विष</del> ्या विषयः	महा यर ६ मान	प्रस्थ र	LINE	नव विवय/हागन	可能 中、市 可用	953 7	133
আসা (পূৰ্ব পূচা থেকে)	and the same of th		1	বিক্তম মুদার নিয়ে অপ্রাহ্ম কছে আল ব্যক্তির সন্তান/দম্পদ	59-9'WIST	Vò	18
প্রমাননৌশকা এসেছে প্রতিপালকের পক্ষ থেকে	(10- <b>河東</b> 町	20	200	বিজয় আসা (খৰন আল্লাহর সাহায়া ও বিজয় আসবে)	১১০-নাস্ত্র	2	Þ
পৰে এসেছে যাৱা ভাৱাও সভল ভাৱা বলে	69-5148	30	325	বৃক্তর আগ (সর্বাসী বিজ্ঞানের বৃক্তর বাসুদ স. এর কাছ আগ)	৮৮-পাশিয়াহ	۵	5
পরিণাম আসবে হেনিন (তানের যারা দ্বীণকে বেল-তামাপা)	৭ আ রাক	20	639		৫১-বাবিল্লাত	48	>
পারে হেটে মানবের হজে আসা গ্রসঙ্গ	22-07%	29	980		৩৬-ইয়াসীন	20	5
পালায়বী সংবাদ নিয়ে আসলে যাচাই করার নির্দেশ	৪৯-বক্রত	0	250	তর-জীতি আসলে মনাফিবনের করণ অবস্থা প্রসঙ্গ	৩০-আহ্যাব	23	5
পিতার নিকট আসল ইউস্ফের ভাইরেরা (কাঁদতে বানতে)	১২-ইউস্ফ	20	675	ভাইকে নিয়ে আলর অধীকর দেয়া ছাড়া তাকে পাঠানে না পিতা	14-2634	86	6
পিপভার উপত্যকার সুলারমানের বহিনীর আলা প্রসঙ্গ	২৭-নামল	37	lyno)		১২-ইউসুক	36	6
পূৰ্বপুৰুত্বনা নিক্টা আসেনি এখন কথা কি এসেছে কাফিয়নের	२०-इफिन्म	GP.	990	মরীচিকার কছে এসে কিছুই পায় না পিপাসার্ত ব্যক্তি	२8-मृत	65	4
প্রতিশালকের নিরট সংকর্মশীল মুখিল হয়ে আসংগ উচ্চ মর্যাল	২০-সা-ছা	90	984	মাহ শনিবার হয়ে অবলিন না অসং পেলিবারবার্যপালো মাহ শিক্ষার প্র.)	৭-আ'বাক	360	6
প্রমান অসার পর বিশ্বেষকাত মতপার্বক্য (ক্রিকবাপ্রাক্তনের)	२-वाकाश	920	048	মীমাংগা এলেই গেছে (বলরবুকে মুললমাননের বিজয়)	৮-মানকাগ	29	1
প্রমণ আলার পরও মুক্ত লিঙ হ'ড না পরবর্তীর (অপ্রার চাইলে)	२-वाकास -	250	000	মুনাফিকনের সাথে আলতে বলা (ৎপক তৃত্ব প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাদ	72	t
প্রবাশ অসার শরত মুক্তে দার হত শ শাংশতকা (অল্লান সেবেশ) প্রবিশ্রেকি আসা (বনী ইসক্সইব্যুনর প্রথম প্রবিশ্রেকি যথন আবল…)	১৭-ইসরা	0	938	মূলভিজনেত্রত আলার আম্বান (বালুল স, এর ক্ষমা প্রচলা প্রদক্ষ)	৬৩-বনবিকন	0	ti
প্রাবশ্রেক অসা (বনা বসারবল্যনে প্রথম প্রাবশ্রেক বরণ আসা…) প্রতিশালকের নিকট আসা, কিয়ামতের নিন প্রথমবার সৃষ্টির মত)		81/	939	মুৰাহালার আসার আহলাল (হাসুল স, কর্তৃক প্রচাননের প্রতি)	৩-আলে ইমবান		ť
	১৮-কার্ক			হুনি নাইর বিজ্ঞান করে মুনিশ্রের করে আন্দ্রণ ভালেকে	७०-मूत्रज्ञाहिमा	30	ľ
প্রজ্ঞাসহ উপা জা, এর জাসা আগমন (প্রজ্ঞা ও স্পন্ত প্রমাণসহ)	<b>80-वृदक्रम</b>	90	900	মমিন মারীরা মবীর নিকট বাইছাতের স্কন্য আসলে	७०-मुम्बस्यादिना	34	12
প্রতিশালক আসার অপেকা ! (কাছির প্রসঙ্গ)	৬-আন্'আম	754	634	মমিনাসর নিবট এলে বলে- 'আমরা প্রমান এলেম্বি'	e-মাধিদা	63	10
প্রমাণাদি আসার পর বিচ্ছাটি (ঈমান খেকে)	<b>२-राङ्गरा</b>	509	650	মুনাঞ্চিকরা রাসুল ল. এর কছে আসপে বলে, দিকরই ভূমি	C-sthant	۷,	ť
প্রথম (সুস্পষ্ট প্রথম আসর পরই আহলে বিভাব বিভার হত)	১৮-খরিনার্	8	2059	মুনাঞ্জনা বাসুল ল. এর কাছে আনলে বলে, দেওরং ফুন আল্লাহর বাসুল	৬৩-মুনাঞ্চিকুন	١	h
প্রমণ (পুস্পষ্ট প্রমণ না আদা পর্যন্ত অবলে কিন্তাব/ মুক্ষরিকরা)	৯৮-খরিলার্	>	5059	ব্যৱহাৰ বাসুশ কুমফিকর নবীর কাছে এনে মিখ্যা কলন করে (কলাগ্লাপানীতি প্র.)	৪-নিসা	69	t
প্রমণ ঝাস (প্রতিপাশকের প্রমাণ মানইয়ানবার্ণীর নিকট আনা প্রদাস)	৭-আঁরাফ	310	७२०		৪-লেবা ২৭-নামল	97	ť
প্রমাণ (আগত প্রমাণের উপর ভিরামাউনকে প্রাথান্য না দেয়া,	২০-জ-ব্য	92	984	মুসলিম হয়ে সুলাইমানের কাছে আনার আহ্বাদ্/সাবার কনিকে)	8-निमा	90	ŀ
बाम्ब्यरमा)				বুদিনদের বাছে আলে এনন অবস্থার যে (মুদ্ধ করতে সন্তুর্গতিত)	8-(44)	80	ť
প্রমান আলার পরও বনী ইলরাউলের বাছুর পূজা প্রসাল	৪-দিশ	750	496	মুমা আ, আনার পূর্বে ও পরে বনী ইসরাইলের উপর ফিরআউদের নির্মাতন	৭-আ'রাফ	14%	ŀ
প্রতিপঙ্গরের নিবট থেকে রাসুল স, এর নিবট প্রমাননি আগ	৪০-মুমিন	৬৬	papa		80-मुमिन		+
প্রতিপাশকের পক্ষ থেকে প্রমান/পথনিদেশিকা/দরা এসেছে	<u>৬-আন্'আম</u>	253	625	মূলা আ, এসেয়েন যুস্পট প্রথম নিয়ে (প্রতিপালকের পক কেকে)		26	
প্রতিশাশকের নিকট অপরাধী হয়ে আসলে জাহান্নাম	২০-ফ্ল-খ্	38	184	মৃগা আ, আসদ (নারীদের পিতার নিকট)	২৮-কাসাদ ১৭-ইসরা	507	ļ
প্রতিপ্রতি অসা (মনুদরে যে প্রতিপ্রতি নেরা হক্সে তা অসবেই)	৬ আন্'আম	708	609	মূলা আ, আলল কিরঝাউনের কাছে মূলা আ, আলল হথন আন্তরের বিষ্ঠা (আরে ভাক লেয়া হল,)	১৭-২ণ্ডা ২৮-কাসান	303	t
প্রতিশৃতি অসা (অক্সাহ্যা প্রতিশৃতি আদা পর্যন্ত বিপর্যন্ত আগতিত)	১৩-রা'ল	47	695	মূল আ অনুসা বৰণ আন্তরে নক্ষ্য (ব্যৱ জন সেয় কা) মূলার আলা (ভূর পর্বতে আল্লাহকে দর্শন প্রসঙ্গ)	২৭-নামল	3/	ť
প্রতিশ্রতি আসা (আল্লাহর প্রতিশ্রতি আসবেই)	১৯-মাবইরাম	42	400		80-यश्क्रक	89	ļ,
প্রতিষ্ঠি অনা (পরবাটী প্রতিষ্ঠিতি দখন আলল, কনী ইনরাইল প্রদল)	১৭-ইস্রা	٩	178	মূল আ, নিবৰ্ণভাৱ আনার পর বির'আ উন সম্পান্তরের বাসি-ইয়া	50-81-51 50-448-4	80	ť
প্রতিক্রত শান্তি আদা (অপরাধীদের উপর)	<i>५५-व</i> ,बाद्य	200	ባኔት	মূলা আ, নিৰ্ধান্তিত সময়ে এসে পৌছানো প্ৰসদ মূলা আ, কি জানু যাত্ৰা ফিরআউনকে যমীন/দেশ থেকে বেব	40-81-4)	80	ł
প্রতিক্রতি আসা (আধিবাতের প্রতিক্রতি আসবে বংন,)	১৭-ইস্রা	708	१२७	কুলা আ, কি জানু বারা ক্রিরবার-তের বনাগ্রেলন বেকে বের করতে এসেছে?	২০-জ্ব-য	49	ı
প্ৰেৰিত কেৰেশভাৱা শৃত-পৰিবাৰের নিকট আসল	১৫-হিন্দর	62	303	ফারে ব্যৱস্থার বি রাসুল স্ এর কছে এসেছে ? (অল্লাহর জিন্দস্য)		١.	t
প্রমাণ আসা (বাস্ল স. এর ব্যাপারে পূর্ববর্তী সহীকার	২০-জা-শ্ব	200	985	হুগার বৃত্তিক ভি তাবুল পা এর আরু আনহে ((আছারে জানাগা) হুগার বিকট আগল দু'জন নারীর একজন (দান্তুক পারে)	২০-জা-হা ২৮-কালাস	20	
উল্লেখিন প্ৰমাণ আমা প্ৰসঙ্গ)					Sh-Anala	48	4
প্রমাণসহ ঈসা আ, এর আগমন (প্রহ্মা ও স্পট প্রমাণসহ)	৪৩-যুৰকক	90	900	মূলা আ, সুন্দের প্রমাণাদিলত কাজন/ফিরআইন/হামানের কাজে এসেছিল	২৯-আনকাবৃত	030	ŀ
প্রমাণসহ মূসার আসা (ক্বিরআউনের নিকট)	৭-আ রাফ	205	હસર				4
প্রমাণসহ রাস্প স. আসার পরও ঈমান না আনা	৭-আ'রাফ	707	955	মূসা আ, "পই প্ৰমাণানি নিয়ে এলেছিলেন(ইহনীদের কাছে)	২-বাকুারা	144	4
ফিরআউন কৌশল/জানুসমূহ জমা করে ফিরে আসল	২০-জা-হা	60	૧88	স্ত্যু আসা (উদ্ধৃত খেচছামারীর কাছে মৃত্যু আদরে কিন্ত	১৪-ইবরাহীম	39	ı
ক্ষিত্রজাউন, হ্যমান ও কারনের নিকট মূলার আগমন	8०-मू"मिन	40	990	মন্তব দা)	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		4
ফিরঅউনের কাছে মূল/খনল বি প্রতিপরিশানের জন্য এসেছে?	১০-ইউনুস	95	992	মৃত্যু আনা (কঞ্চিবনের কারো মৃত্যু এলে পড়লে বলে)	२०-म् मिनृन	99	ļ
ফেরেশতা (রাসূলগণ) আসলেন লৃত আ, এর নিকট	22- <u>ई</u> ल	99	७१२	মৃত্যুবস্ত্ৰণা আসবে (সত্য নিয়ে)	৫০-কাক	39	4
ফেরেশতা নিয়ে এসেছে ভাই মতে লৃত-সম্প্রদার সদেব করত	১৫-হিন্দর	80	907	মৃত্যু আসা পর্যন্ত বিভাব নিৰসকে অখীকার করত ছাহান্নমিকা	৭৪-মুদাছছির	89	ŀ
ফেরেণভারা দৃত্তের নিকট আসার তিনি সংকটে পড়লেন	২৯-আনতাবৃত	00	P.7P.	মৃত্যু আনলে বাসূল/ফেবেশতারা মৃত্যু ঘটায়	৬-আন্'আম	42	1
ফেরেশন্ত অসপনা কেন রাসুল স, এর সাথে হ (কবিন বঙ্গে)	১১-ছুন	25	666	মৃত্যু আসা পর্যন্ত প্রতিপদকের ইবাদত করার নির্দেশ	১৫-বিজয়	99	1
ফেরেশতা আসার অপেকা ৷ (কাঞ্চির প্রসঙ্গ)	৬-আন্'আম	764	975	মৃত্যু আনার পূর্বেই আল্লাহর পথে ব্যয় কররে নির্দেশ	৬৩-মুনাফিকুন	20	1
ফেক্লেডাদের সুসংবাদসহ আসা (ইবরাবীনের নিষ্ট)	২৯-আনকাৰ্ত	07	474	যাত্রীদল আসল (ইউসুফকে কুণ থেকে উর্জেশন প্রসঙ্গ)	১২-ইউসূফ	29	1
ফেরেশভা মৃসার সঙ্গীরূপে না আসা ও ফির'আ উদের উক্তি	৪৩-মুখকক	60	499	বিৰুৱ (উপদেশ) আদলে অবিশ্বাস করল কাথিয়ত্তা	৪১-ফুদ্দিলাভ	87	1
বছু (মুমিননের বছু আল্লাহ ও ভাঁর রাস্প)	৫-মধিদা	66	244	যুদ্ধবন্দী হয়ে আসলে মৃক্তিপথ আনার (বনী ইসরাঈল প্রসঙ্গ)	২-বাকুরা	ÞŶ	1
বন্ধ্যা নিনের শাস্তি না আনা পর্যন্ত কাফিররা সংগত্ করবে	22-30%	66	960	যুদ্ধের জন্য এসো (মুনাফিকদেরক ধলা হয়েছিল)	৩-আলে ইমরান		
বার্তাবাহক ইউদুফের নিকট আসলে ইউদুফ আ, বলল	১২-ইউপুক	00	60.7	বোদ্ধানের একদলের আসা (নামান্স আসারের উদ্দেশ্যে) "	8-मिश	205	
বাহিনী (থক্তকে মুমিনদের বিরুদ্ধে শক্ত বাহিনী আসা প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্যাব	ъ	2008	হাপুল স. এনে জিন ও মানুষকে আপ্লাহর আয়াত বর্ণনা প্রসঙ্গ	৬-আন্'আম	700	
বিচার-করসঙ্গার জন্য রাসুঙ্গ স. এর কাছে আসে যদি মুনাফিকর	৫-মবিদা	83	246	রাসৃষ স. এসেছিল স্পষ্ট প্রযাণনহ (ইছনীদের নিকট)	৩-আলে ইমরান	2500	1
বিতর্ক করতে আনবে কিয়ামতে (প্রকোক বাজি নিজের পক্ষে)	১৬-মাহল	222	932	রাসূপ স. এসেছেন আবলে কিতাবদের নিকট	৫-মারিদা	34	T
বিপদ-আপদ আসলে মুনাফিকরা মুমিনদের বলে	g.Stort	વર	696	রাসৃষ স. এসেছেন আহসে কিন্তাবনের নিকট	৫-মারিনা	72	Ţ
বিপদ আনা (মুনাবিকটোর ক্যাকটোর কারণে বিপদ আনচে)	8-971	64	0.08	রাপুল সা একেছেন মুদিনালো মামে আলো নিজেলো মধ্য তাকে	৯-তাওয	250	1
				রাসুগ স. এসেছেন সত্য নিয়ে	২৩-মু'মিন্দ	90	Ť

नंब विस्त/धनम	न्त्रा तर छ नाम	ALC: A	%व1		न्त्र स्टब्स		101
আসা (পূৰ্ব পৃষ্ঠা দেকে)					৩৯-যুমার	56	3.60
রাসুল স. এসেছেন সভ্য নিয়ে	৩৭-সাফ্ফাড	99	৮৫৮	পান্তি এসেই খেত (সময় নিৰ্দিট্ট না থাকলে)	২৯-আনকাৰ্ত	60	250
রাসুল স. এলেছেন সুসংবাদনাতা ও সন্তর্কভারী হিসাবে	৫-মারিদা	7.9	etro	শান্তি এমন অতর্বিতে আসা যে কেউ টেবণ গাবেনা	৩৯-যুমার	20	৮৭১
রানুদ দ, আসা (বনী ইসরাঈলের অহ্বোর প্রদার)	২-বাকারা	44	670	শান্তি এসেছে রাতে (জনগদ ধ্বংসের জন্য)	৭-আইাফ	8	650
ब्रामुन म, चाना (वनैदिमहावित्तव काळ चाह्नास्त्र ब्रामुन म, चाना)	২-বাকুরা	303	677	শান্তি আনা (অস্ত্রাহর শান্তি আনলে কাকুকি-মিনকি করা প্রদক্ষ)	৬-আন্'আম	80	689
রামূল স, আসা (মুশরিকলের কাছে রামূল স, ও সভ্য আসল)	80-पुरस्क	4,5	444	শক্তি অনো বা অপমানিত করবে (নূহ সম্প্রদার প্রদঙ্গ)	22- <u>ই</u> ন	60	669
রাসুণ অসর পর মানুসের মাঝে ন্যান্যভাবে ক্যাপলা করা হয়	১০-ইউনুস	89	696	শান্ধি আসার অপেফা (ঈয়ান থেকে বিরত রাখে কাফিরদের)	2P-015A	22	93%
রাক্তা অসর বাপারে কাল্লোমীসেক্তক-প্রবাহিনর জিন্দাস	৪০-মু"মিন	60	544	শক্তি আসার পর জনপদের আর্তনাদ	৭-আ রাফ	¢	650
বাসল অসেননির প্রেডিশালনের আয়াত পঠ করে চনতে)	৩৯-যুমার	95	299	শান্তি আসার পূর্বে প্রতিশাসকের নিকট আত্রসমর্পণ কর	৩৯-যুদার	68	596
রান্ত্র আনেদি বলুবে ইক্সী ও নাসারারা	৫-মারিদা	23	200	শান্তি আসা (রাফের বেলা ভূমন্ত অবস্থাত্ব শান্তি আসা প্রসঙ্গ)	৭-আ'রাফ	24	643
রান্দ আলে যদি বনী আনমের কারে	৭-আগ্রফ	102	616	শান্তি আনা (আল্লাহর শান্তি আনলে কে নাহাত্য করবে?)	80-यू°यिम	436	bbo
রাতৃল এসেছিল পূর্ববর্তীদের নিকট, সুস্পষ্ট নিদর্শনাকলীসহ)	৩০-জম	>	P-5-5	শান্তি আগবে যেনিন দেনিন আল্লাহর অনুমতি ছাড়া কেউ কথা	77- <u>2</u> H	202	690
রাসুলগণ এসেছিলেন স্পষ্ট প্রমানসহ (রাসুল স, এর পূর্বে)	৩-আলে ইমরান	25/8	228	শারি আসলে জালিম সম্প্রদারকে থাংস করা হবে	৬-আন'আম	89	600
রাসুলাগ এসেছেন ভাচনর সম্প্রদারের কছে (শ্পর প্রমাণ দিয়ে)	50-97	89	200	শান্তি আসলে তা আৰ কিবালো হবে না (কাকিবলের শান্তি)	33- <del>4</del> H	٧	655
বাসুদাণ এসেছিলেন পূৰ্বকৰীলের নিকট (স্পষ্ট প্রয়াণসহ)	80-मूँबिन	22	2.92	শান্তি আসা (অপরাধীকের উপর লাডে/নিনে শান্তি আসা)	১০-ইউনুস	¢ο	699
রাসুলগণ এসেছিলেন প্রমাণ, কিভাব ও নির্দেশাবলিসহ	৩০-কাভিত্র	20	V8V	শান্তি আসা (অনিবার্থ শান্তি আসবে পত সম্প্রানাক্তর প্রতি)	22-इम	99	693
হানুলগণ এমেছিলেন (স্পষ্ট প্রমাণাদিসহ)	so-मृ'मिन	510	244	শান্তি আনা বেভবছকারীদের শান্তি এমনভাবে এসেছিল যে			-
বাসুল স, আনকো নজারনকারী ছিলেবে (পূর্বকারী বিভাবের)	৩-আলে ইমরান	20	288	ভারা টের পার্যনি)	১৬-নাব্দ	40	900
রাজ আসলেই বেবে জানুকর বা পালা বাসের পূর্ববারীর	१५-पविद्यार	43	252	শরি আসা (নুহ সম্প্রদারের কাছে শরি অসার পূর্বে তাচর সকর্ক		-	-
বাসুল আসলেই যে কোন উপত তাকে বিধ্যাবাদী বলেছে	২৩-মু'মিলুন	88	300	##D	१১-मृद	3	99.8
বাসুল আসলে ঠটা-বিদ্রুপ করত (কঞ্চির জনপদবাসীরা)	৩৬-ইরাসীল	00	100	শান্তি আসা (ফাল শান্তি অসার কিয়ের বচুয়েরকারীরা কি নিরাপদ		-	1
বাপুণ আগণে তথা-বিশ্বাপ করত (কাকর জনগণবাধার) রাসুল স, এর বিকে মুনাফিকদের আগতে বললে তারা উপোচা করে	৪-নিশা			(CE(20))	३५-नार्ज	80	900
রপুল গ, এর বেকে ভুলাককারের আগতে করলে ভারা ভূগেকা করে রাগুল (সম্মানিত রাসুল এসেছিলেন ফির'আউন সমপ্রদারের	8-1441	63	899	শান্তি আসা (বেলায় ম্যা থাকা অবস্থায় শান্তি আসা প্রসঙ্গ)	৭-আ'রফ	hir.	623
রাপুল (সন্ধানত রাপুল থানোছলেন ক্রের আন্তন সম্প্রনারের ক্রাছে)	৪৪-দুখান	39	aos	পান্তি আসা (আল্লাহর নির্দেশ/পান্তি আসলে ছল/মুমিনদের			-
কাছে) রাসুল (সুস্পষ্ট রাসুল এসেছে, কাফিরদের নিকট)		20	804	Bula)	22- <b>ब्</b> म	Q.P.	947
	৪৪-দুখন			শৌচাবার থেকে আসলে ভারাত্ম (পানি না পেলে)	৫-মারিদা	-	62.7
রসৃদ (গলাভি থেকে রসৃদ অসলেও ভাকে নিথাকটি কয)	১৬-নাত্ৰ	7740	375	শৌচাপার থেকে আসলে পরিত্রতা অর্জন (তায়াপুর প্রসঙ্গ)	8-PH	80	685
বান্দ (মৃসা আ. আল্লাহর রাসুল, মুসার সম্প্রদার তা জানে)	७३-गाएक	8	360	সংবট এসে পড়লে মানুষ অৱণ করবে (নিজের প্রচেরী)	৭৯-নাথি আত		2008
রসূল বা মৃত্যুর ফেরেশর আনা পর্যন্ত রিফিক পৌছবে ভালের	৭-আত্মক	99	636	সংবাদ আসা (কাফিবনের ঠটাঃ-বিদ্যুপের সংবাদ আস্বরে)	২৬-৩'আরা	6	9300
রানূল (ধংসেপ্রাক্ত অপরাধীদের কাছে রানূল এনেছিল)	১০-ইউনুস ৩০-জন	30	944	সংবাদ অসেদি কি পেৰ্ববৰ্তীদের পরিবৃত্তির সংবাদ)	৯-ভাতবা	90	689
রকুল নির্দেশন নিয়ে আদলে অধিকরা কলকে, 'কোমরা বারিল'		¢b	256	সংবাদ (নৃহ,আন,ছামুদ প্রকৃতি জাতির সংবাদ তি আনেনিং)	১৪-ইবরাহীম	2	558
রাস্থগণ জনপদের অধিবাসীদের নিকট এসেছিল	৩৬-ইয়াসীন	70	267	সংবাদ আসা (বাধিবলের নিবট সংবাদ এসেছে যাতে সাবধানবাদী	20-6421614	-	930
রাস্থপণ নির্দিন/প্রমাপ নিয়ে আহেন (নুহের পরে)	১০-ইউনুস	18	993	ACES AND CONSTRUCTOR NOT ACES ACCORDING TO A STATE OF THE PROPERTY OF THE PROP	৫৪-কামার	8	80%
রাসুলগণ যখনই এসেছেন (এমন বিষয় নিয়ে যা মণ)	৫-মারিদা	90	5A.P	সংবাদ আসা (অধিবাসর সংবাদ তি রানুল স. এর কাছে এসেছে)	68-स्तर्भारम	2	Male
বাসুলগণ সভ্যসহ এসেছিলেন (বিদ্যামতে কাফিরা বলবে)	৭-আ'রফ	6.0	673	সত্য কুরুমান আসলে জালিমরা বলে 'সুস্পর্ট জাদু'	৩৪-সাবা	80	984
রাসুদগণ সভাসর এসেছিলেন (প্রতিশালকের পক্ষ থেকে)	৭-আ'রফ	80	679	সভ্য আসা (কাফিরদের নিকট আসা সভ্যকে ভারা জানু বঙ্গে)	85-वाङ्कार	9	pop
वञ्चाम प्यति अभागतः वात्रस्थि (मृद् चान् समून व्यति अनम्)	১৪-ইবরারীয	b	866	সভ্য আসা (যে সভ্য এসেয়া ম অবিশ্বাস করে যার। তালে সাথে	99-41444	1	aca
রাসুদর্গণ স্পন্ধ প্রমাণসহ আগদেও কাফিররা অধীকার করত	৬৪-আগারুন	6	966	खुक् बरत)	৬০-মুমভাহিনা	3	262
বাস্পাণ এসেছিলেন (পূৰ্ববতী সম্প্ৰভাৱের নিবট)	১-ভারেশ	90	683	সত্য আসা প্রেতিশালকের শক্ষ থেকে মানুহের কাছে সত্য		$\vdash$	+
নাসৃত কেনে নাসৃত্ত স. আসেনি যার সাথে ঠাটা করেনি, তার	১৫-হিম্মর	22	530	(CHER)	১০-ইউনুস	204	668
সাংগ্রদার)				সভ্য নিয়ে এলেছে ফেরেশভারা (সূত আ. এর নিকট)	১৫-হিজর	48	903
রাসুলগণ এসেছিল স্পট্ট প্রমাণাদিনছ (মানুহের নিকট)	৫-মরিদা	95	Q1-8	সভ্য নিব্ৰে এসেছে যে এবং যে ভা মেনেছে ভয়েই মুল্লাকী	৩৯-তুমার	00	¥48
রানুৰণণ এনেহিলেন আল ও ছামূন জাতির প্রতি	৪১-ফুদ্সিলাভ	78	664	গভর্কভারী আসলে মুপরিকরা হেলায়াত পাবে মর্মে করত	৩৫-ফাতির	84	200
রাপুল (উপার পরে এক রাপুল আগ্রহেন বার নাম আহমান)	৬১-মাক্ক	9	3/60	নতৰ্কভাৱী আনাত কাজিয়নত বিশ্বয়	৩৮-সোরান	8	trito
রাসুল ন, এর নিকট এসেছিল বারা ভারুক ক্লমে অংশ এবলের জন্য	৯-ভাওৰা	95	489	সতৰ্কমারী আসার পর মুশরিকদের বিমুখরাই বৃদ্ধি পেল	৩৫-ফাভির	84	min
রানুদ স. এর নিকট মুনজিকদের আদা (ক্ষমাপ্রার্থনা প্রসঙ্গ)	৪-নিসা	48	6.06	সভৰ্কনী আসা সম্পৰ্কে ভাহালাখিলের স্বীভারোক্তি	৬৭-মূলক	8	200
রাসূপ দ, এর কাছে এসে দুবাকিকরা অভিযাদন জলার এমন ভাষার	৫৮-মুজাদালা	7	94.0	नवन्त्रकारी व्याग नन्त्रात् कार्युत्विकारक किस्त्रम कार्युत्व	७१-मून्क ७१-मूनक		893
রাস্প স. এর কাছে আপেনি যে পভিতরা ইহনীরা তাদের	१-मतिमा	82	242			4	
কথা প্রবণকারী		0,5			২৮-বংসাস	86	1275
রানূল ন. এর কাছে আনে মুনাধিকরা (প্রাণ্য অধিকার থাকলে)	२.६-मृत	82	993	সতর্কারী আসেনি এমন সম্প্রদায়কে সতর্ক করা	৩২-সাঞ্দা	0	moo
রিবিক আসা (যে জনপদে প্রচুর রিবিক আসত, নেরামত অধীকার	১৬-নাত্ৰ	225	932	সতৰ্কহাৰী এসেছিল কাফিবদের নিকট (পুনিবাতে)	৩৫-ফাডির	-09	V8h
ঞান)			_	সতর্কবারী এসেছে কাফিরদের নিকট, ভাসেরই মধ্য থেকে	৫০-কাক	3	255
লক্ষণসমূহ আসা (কিরামভের লক্ষণসমূহ এসে পড়েছে)	৪৭-মুহামাদ	79.	270	সভকীকরণ এসেছিল, ফির'আউন বংশের নিকট	৫৪-কামার	87	909
শ্বহু বাহিনী ৰপকে উজ/নিম্ন অঞ্চল থেকে আসা প্ৰসঙ্গ	৩৩-আহ্মাৰ	30	80%	সভ্য আসলে আল্লাহর নির্দেশ স্পষ্ট (বিন্ধরী) হল	৯-ডাৎবা	85	684
শনিবারে মাছ আদা (শনিবারওয়ালাদের মাছ শিকার প্রদক্ষ)	৭-আ'রাক	360	954	সভা অসলে সম্প্রদায় কাল- মূলকে দেৱল সেয়া হয়েছিল	২৮-কাসাস	85	25
শয়তানের সহভরদের পথে আদার আহবান	৬-আন্'আম	43	905	সভ্য আসা (কুরআন অবতীর্থ প্রসঙ্গ)	৪৩-মুগরুফ	\$0	464
শান্তি আসা (কাফিনয়া কি শান্তি আসার প্রতীক্ষা করছে?)	১৬-নাহ্য	00	900	সভ্য আসা (যে সভ্য এসেছে তার প্রতি দাসাবাদের ঈমান)	৫-মারিদা	₽8	6.97
শঞ্জি কর উপর আমরে- মানইরানবাসীরা তা জানতে পার্বে)	33- <b>द</b> न	30	598	সভ্য আসার পর ভাকে জালু আখ্যা লের ফিরজাউন	১০-ইউনুস	98	669

আ		অস	30

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T	SECURAL PROPERTY.	Sec.	35.35	Committee of the Commit	Section Committee	2100	1000
আসা (পূৰ্ব পূৰ্বা লেকে)			$\sqcup$	মন্দ পরিপতি আবাদন (আল্লাহর পথ থেকে বিয়ত রাধার)	১৬-নাব্দ	98	953
সভ্য আসার পর ভাকে জাদু আখ্যা দেয়াং	१०-इंडिम्प	11	992	যাবুখনে আধানন করাবেন আপ্লাহ কৃতকর্মের কিছু জংশ	<b>00-₹</b> ₹	87	
সভ্য স্বাসার পর ভাকে ভাকে মিখ্যা বলেছে (কাফিবরা)	৫০-কৃষ্	6	3+55	মনুদ্ধের পরা আতালন করিরে তা প্রভারের করলে লে অক্তম্ম হয়	22-4 <u>d</u> d	b	666
সত্য স্বাসার পর ভাকে বিষয়া স্বতিহিতবারী বড় স্বাসিত্র	২৯-অনবাৰ্ড	601	157	মানুহকে নিয়মত আখানন করালে সে অহমারী/উৎসুদ্ধ হর	22-ब्रेस	>0	996
সভ্য আপার পর যে আ অধীকার করে লে সবচেয়ে বড় আলিম	৩৯-বুমার	95	b-98	মৃত্যু আত্মদন করবে না মৃত্তকীরা (জন্ত্রতে)	৪৪-দুখাদ	29	301
সভ্য আনার পর মিখ্যা অভিহিত করা,	৬-আন্'আম	e	699	আশালাক শারী আখ্যান (অপ্রাহন পথ থেকে নির্বাচ রাধ্য)	22-27%	42	96
সভ্য এনেছে	৫৪-নাৰা	48	984	শক্তি আয়ানন করাতে সকম (মানুহের এক দলকে অপরের)	৬-আন্'আম	62	60
পত্য এসেছে (মিশ্বা চলে গেছে)	১৭-ইস্রা	2.2	452	শান্তি (কটিন শান্তি আছানন করাবেন আল্লাহ কাফিয়নেরকে)	৪১-ফুস্সিলাভ	ĝ0	5.9
গত্য এসেছে রাসুলের কাছে	৫-মারিদা	85	640	শান্তি (প্রজ্বলিত আচনের শান্তি আখানন করবে ইক্দীরা)	৩-আল ইনরল	39.7	20
সত্য এসেছে রাসূল স. এর কাছে (রাসূলগণের সংবাদ বর্ণনার				শান্তি অংশন (আহার সম্পর্তে বিতর্ককবির,গুদ্ধুলিত অধ্যন্য শান্তি)	22-17 <b>%</b>	8	92
मध्य निवा)	३३-वृत	250	696	শান্তি আধানন করতে কলা হতে জালিমদের (কিরামতে)	১০-ইউবুস	65	62
সত্য এসেহে বাসুল স, এর কাছে (প্রতিপালকের পক্ষ থেকে)	১০-ইউনুস	38	660	শান্তি আগানন করছে বলা হবে কুফরির ফারণে	৮-আনকাল	90	60
সময় (আপ্লাহর নির্বাধিত সময় আসলে বিলম্বিত করা হয় না)	95-58	8	348	শান্তি আখানন করতে বলবেন আল্লাহ মালিমানরকে	¢৪-সাহা	83	78
সময় স্বাসলে কেউ তা বিশ্বদিত/ভুৱাখিত ব্যৱতে পারবে দা	১০-ইউদুস	83	690	শাস্ত্রি আহানদ করতে করা ত্রুর কবিবলেরক (প্রস্কৃতিত আহলের)	৮-আনকাল	60	80
সময় (নিশ্বি সময় আসলে মনুহ ভূমাতিত বিলক্তিত কথাতে পারে লা)	১৬-বাহল	95	303	শান্তি আখানন করবে (যারা ইমানের পর কৃষ্ণরী করেছে)	০-আলে ইমরন	300	28
সম্প্রদায়ের লোকেরা ইবরারীমের দিকে ছটে আসল	৩৭-সাফ্কাড	38	505	শন্তি আধান করনে হর (বিধারলৈকরির কুবরীর মন্য)	১০-ইউনুস	90	66
সর্ববাসী শন্তি আসা থেকে কি মানুষ নিরালন হলে করে	১২-ইউস্ক	209	69-3	শান্তি আখানন করাবেন আল্লাক্ জালিয়কে	২৫-কুরকান	23	9,5
নাবাবাদীরা মুসদিম হয়ে সুলাইমানের কাছে আসার পূর্বে		_	-	শান্তি আখানৰ করাবেন (নিৰ্দেশ থেকে বিচাৰ জিনকে)	৩৪-সাবা	32	1/8
ৱানীর সিংহাসধ আনা	২৭-নামল	GP.	100	শান্তি আখানন করাকে অক্সাহ কবিবাদেয়ক (কৃতকর্মের জন্য)	৪১-ফুস্সিকাত	29	20
সাবার রানী সুশাইমানের কাছে আসা (সিছোসন প্রসঙ্গ)	২৭-বামল	82	bro0	শন্তি অখ্যাল করালে অস্ত্রাহ দুনিয়ার জীবনে (অন জাতিকে)	৪১-কুস্সিলাভ	36	30
সর্বত (অপ্রক্রে সর্বত অসল উৎস রাস্থ্যান করেছ)	১২-ইউসুক	270	800	শাঁর অহাল (কফিনে প্রস্কৃতি সকলে শাঁর অহাল)	22-10m	22	96
সাহাত্ত (বঞ্চন) সহাত্ত বালা কল সমূলন বল কল…) সাহাত্ত (বৰ্ণন আশ্ৰাহত সাহাত্ত ও বিজয় আসহে…)	১১০-নামর		2000	শতি অখ্যানৰ কহিবলৈ (ভাহাপ্ৰমে)	৩৫-জাতির	09	b/8
				শান্ত আখানন ক্যাকরণের (জান্ত্রানে) শান্ত জ্বোলন (কমিনত্র কিয়াস্ক্তর সাক্ষাত্তক সূপে বাওয়ার)	৩২-সাঞ্চন	28	bre
সাহায্য না আসা পর্যন্ত রাসূলগদকে কট নেরা হরেছিল	৬-আনু'আম	48	689	শক্তি আখান (ভুক্তী করার কারণে)	৪৬-আহ্বাক	98	97
গাত বছর (কঠিন সাত বছর আনবে, প্রথম সাত বছর পর)	১২-ইউসুক	801	99-7	শান্তি আখনৰ (ভূকজ ক্যাৰ কাৰণে) শান্তি আখনৰ (ভালিমনের ইংকাদের অর্জিড পাপ এর)		28	79
সাহায় (প্রতিপালনের সাহায় আসলে মুনাকিকরা মুদ্দিনের দলে	২৯-আনকাবৃত	30	929		৩৯-যুমার		
अध्य)			ш	পান্তি আধাদনের নির্দেশ, কাঞ্চিত্রদেরকে	৮-আনকাল	38	90
সিন্দুক আসৰে তালুতের রাজত্বের নিনর্শন সক্রপ	২-বাকুরো		659	শান্তি ও সভকীকরণ আঘদনের নির্দেশ (গৃক সম্প্রনারকে)	৫৪-কামার	49	ho
সুনবেদ আসল দেল ইংরাধ্যমন করে (সভাল লাকের সুনবোদ)	77- <u>ई</u> ल	98	692	শারি ও সর্বনীকরণ আহানদ করার নির্দেশ (পৃত সম্প্রদারকে)	৫৪-কামার	99	30
পুরুত (পূর্ববর্তীদের পুরুত আগর অপেকার ইবান আনা থেকে বিরত।	79~ <u>elda</u>	66	959	শান্তি (কম্মিরনের কাজের কবে শান্তি আখাদন প্রসহ)	২৯-আনতাবৃত	66	24
নুন্ত্বদ বাংক আনল ইয়াকুরের নিবট (ইউনুনের জানা নিরে)	३२-देवेनुक	96	600	পরি (কলিয়নেকে সেই পরি অধান্য করকো ব কর)	৫১-বারিয়াত	38	24
শাই প্রমাণ আদার পর মতপার্বক্য ও বিচক্ত হয়েছে যারা	৩-আলে ইমরান		689	শক্তি (কিয়াহাতঃ শক্ষান্তত পুলে থকার কবিকো হুনী শক্তি জয়াকা)	৩২-সাজ্দা	28	be
স্পষ্ট প্রমাণ আদার পর যারা কুফরী করে	৩-আলে ইনরান		288	শান্তি (কুরআন অধীকারে শান্তি আখানন করেনি কাফিররা)	৩৮-সেবাদ	br	100
স্পষ্ট প্রমাণ এমেছে (প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে)	৭-আ'রফ	90	97.9	শারী (বিচন শারী নিমেন অক্সাহ রাসুল স. বে, পদারশন ঘটনো)	১৭-ইপ্রা	92	93
হক্ষে আলা (মানুব উটের লিঠে চড়ে হক্ষের জন্য আলবে)	22-27 <b>35</b>	54	960	শারি (প্রথানীকে অঞ্চনের শারি আধানন করতে করা হবে)	৩২-সাঞ্দা	20	bre
হঠাৎ আনা (কিয়ামভ হঠাৎ আনবে)	৭-আগ্রহ	79-5	èto	বন্ধর আহানদ করতে কয় হবে কিয়ামতে তালেরকে যারা	৯-ভারবা	02	88
হুদ আ, এনেছিলেন আদ স্নাতির নিকট	৭-আগ্রফ	90	67.9	শর্ল (ব্যবহারে শর্ল অস্থান করনে হবে, সপ্রবিদেরক)	৫৪-কামার	85	30
স্থুল আ, বি উপান্য থেকে নিবৃষ করতে এনেচেনাঃ (সম্পানাক্তর প্রাপ্ত)	৪৬-আব্বাক	55	970	আহ্বাফ			
আসাইনা (অমান্য করা)				অহুকাত উপথ্যকর নিম্ব সংগ্রেরতে হল আ সতর্ক করেছেন	৪৬-আত্কাক	45	35
ইহুদীনের কিছুলোকের আসাইনা বলে অমান্য করা প্রসঙ্গ	৪-বিসা	85	690	অস্থান			Г
আন্তর			Н	অন্যের বোঝা বহুদের আহবান করা হলে কেট রাজি হাবেনা	৩৫-ফাতির	25	78
রেশনের আন্তর বিশিক্ট বিশ্বনার হেলান দিরে বসবে (জন্মারীরা)	৫৫-বাহ্মান	68	383	অবিশ্বানীচায়কে বেল দূরবর্তী স্থান থেকে ভাকা হাঞ্চ	৪১-ফুস্সিলাত	88	VV
यावस्थ		-	-	অন্সলমন প্রতি অকাল করা হবে প্রত্যেক উচ্চততে (কিয়নতে)	80-साहिया	3,6	ho
রতের অধ্যান্তর অন্তরণে আঞ্চলিত (মলকাশীলের এখারা)	১০-ইউনুস	3.9	629	অক্সাহ আহ্বাদ করেন (শক্তির আবাদের নিকে)	১০-ইউনুস	3.0	00
আন্তাদন করা/করালো (আরো দেখুন শাদ প্রহণ শব্দটি)	20-645-1	-	V4 1	অক্সাহ ও প্রাকৃষ স. যথন আহ্বান করে এমন ক্রিব্র নিকে যা	৮-আনকাল	48	90
অভাগন কয়/করানে। (আরো দেখুন খান অহন নদাচ)। কুকরীর শক্তি আখানন করবে অফিরুরা (কিয়ামতে)			-	অস্ত্রাহ ছাক্লা বানেরকে আহ্বাদ করে (ইবরাইামের পিকা)	১৯-মারইয়াম	85	90
	৬-অর্থান		699.				
<b>ভূখ/উডির গোশক আয়াদন (নেরামত অর্থীকার করার)</b>	১৬-নাবৃশ	225	934	অক্সং স্থার অল্যকে অব্যাদ করা (ব্যাদেশকে বার পার দের না)	১৩-র'দ	38	
মেট শক্তি (ৰাজ্যুত্বে শক্তির পূর্বে দুলিয়ার মেট শক্তি অখ্যাল করা)	১৬-না <b>হল</b> ৩২-সা <b>জ্</b> ণা	2) 2)	934 503	অক্সাং স্থান অন্তর্গে অব্যান করা (ভানেত্রকে শ্বর নাড় নের দ) অক্সাহর নিকে আব্যান করাই উচ্চম কর্ণা	১৩-র'দ ৪১-ফুস্সিলাভ	00	ьь
মেট শন্তি (ৰাজন্তমে শন্তির পূর্বে দুলিয়ার মেট শন্তি আখানন কর) হৈছা ও গানীর আখানন করকে দা (সীমালক্ষনকারীরা)	১৬-নাহুৰ ৩২-সাক্ষা ৭৮-নাৰা	334 33 48	934 500 3000	অক্সাং স্থার অন্তরে অব্যান করা (ভানেত্রত ঘার গায় দের দ) আক্সাংর নিকে আব্যান করাই উত্তম কথা আক্সাংর নিকে আব্যান করা হলে মুখিনয়া কথব	১৩-রাদ ৪১-জুস্রিলাভ ২৪-সূত্র	62	99
মেট শক্তি (মাক্রেমে শবিষ পূর্বে দুনিয়ার মেট শব্তি আখানন করা) ইকো ও পানীয় আখানন করনে দা (গীমালন্দানকারীরা) দায় (অপ্রাহর দায় আখানন করার গরও বিয়ামত অধীকর করে)	১৬-নাহৰ ৩২-সাজ্ব ৭৮-নাবা ৪১-ফুন্সিলাভ	332 43 48 40	934 5005 5005	অক্সাং ছার অন্যতে অব্যাদ করা (নাচন্দ্রতে ঘর গারু দের দা) আল্লাহর নিকে আবাদ করাই উত্তম কথা অক্সাহর নিকে আবাদ করা হলে যু'মিনরা কাবে অব্যক্তিকার্ডু-ক্রিকানেরত অক্সাহর নিকে আবাদের নির্দাণ	১৩-রাদ ৪১-ফুদ্রিলাত ২৪-সূত্র ৪২-শূরা	67	99
ছেট শক্তি (ঝান্ডানের শন্তির পূর্বে কুনিয়া রেট শক্তি আফাল করা) হৈছা ও গানীর আখানন করবে দা (নীমালকানকারীরা) দার (আপ্রাহর নর আখানন করবে গরও বিজ্ঞানত অধীকার করে) নার (অপ্রাহর মনুবাকে বার দার আখানন করবো নে উত্যক্ত হয়)	১৬-নাব্দ ৩২-সাক্ষর ৩৮-নাবা ৪১-ফুন্সিলাক ৪২-খুরা	332 43 48 40 89	932 3003 3003 986	আছাৰ স্থান কৰকে অধ্যান কৰা (নালেনকে ঘাৰ নাম সের প) আছাৰত নিক্তে আছোল কৰাই উত্তম কথা আছাৰত নিক্তে আছোল কৰাই দু নিনাম কথাৰে আছাৰত নিক্তি আছোল কৰা বাল মু নিনাম কথাৰে আছোল নিক্তাৰ সুৰ্বাজনাত কৰা আছোল নিক্তি আছোল নিৰ্দাশ আহোল ভিকাৰোগৰাকে সমাজাৰ একটি বালীৰে নিক্তে আছোল	১৩-রা'দ ৪১-ফুস্রিলাত ২৪-সূর ৪২-সূর ৩-জালে ইমরদ	98 56 67 99	99
ষ্কেট পরি (মার্ক্সেটের পরিব পূর্বে টুলিয়ার প্রেট পরি আছাল কর) ঠানা ও গানীর আধানদ করতে গা (সীরালক্ষ্যকারীরা) পরা (প্রায়ুক্ত দর আছাল করতে পর বিয়ারক অভিনয় কর) পরা (প্রায়ুক্ত কর মার্ক্সিল করতে গোড়িয়ার কর) দরা (প্রায়ুক্ত কর মার্ক্সিল করতে গোড়িয়ার কর) দরা আধানদ করতের পর বা প্রধান্তর করতে মানুব বক্তৃক্ত হব	১৬-নাবৃদ্ধ ৩২-নাবৃদ্ধ ৩৮-নাবা ৪১-ফুন্সিলাত ৪২-খুৱা ১১-বৃদ্	332 43 48 40 89 8	500) 100) 100) 100) 100)	আহ্বাচ জ্বন্ধ দলতে অধ্বান কৰা (আন্দানে যাব গায় নের নের না) আহ্বাচনে নিকে আধান করাই উবন কবা আহ্বাচনে নিকে আধান করা বাদ্য দুর্ভিদনা স্বাংশ অর্ম্মানিকারন্ত্রপ্রতিকারে আহ্বাচন কিবে আহ্বাচন নিকে আহ্বাচন আহ্বাচন বিভারতে ক্যান্তর নিকে আহ্বাচন ক্রিকার বিভারতে ক্যান্তর নিকে আহ্বাচন আহ্বাচন বিভারতে ক্যান্তর বা একটি কর্মীর নিকে আহ্বাচন আহ্বাচন ক্রিকার আহ্বাচন পজ্বাচন ব্যান্তর নেন	১৩-রাদ ৪১-ছুস্বিলাক ২৪-মূর ৪২-মূরা ৩-আলে ইমরন ২-বারুরো	98 30 30 30 30 30 30 30 30 30 30 30 30 30	99 99 98 28
কটি শবী (ৰাজ্যাতে শবিষ পূৰ্বে দুনিয়া কৌ দবি বাৰফল কবা) বৈতা ব পানীয় আখানদ কবাৰ পাং (নিয়ালকাখানীয়া) দয় (ৰাষ্ট্ৰাহে মানু আখানদ কবাৰ পাং বিষয়াক আইনাক কবে) দায় (ৰাষ্ট্ৰাহে নালুবাল কবা লো আখানদ কবাল গো কিছুৱা বহা) দায় আখানদ কবানো ক'বা ধা প্ৰথমবাৰ কবাল মানুৰ অনুকাজ হবা দায় আখানদ কবানো মানুৰ কিছুৱা হবা	১৬-নাহল ৩২-সাজ্ব ৩৮-মাজ ৪১-ফুন্সিলাত ৪২-খুৱা ১১-ফুল ৩০-জন	332 48 40 89 89 80	932 3003 930 930 936 996	আছাৰে স্থান পদাৰ্থক অৰ্থান কৰা (আনাত্ৰক ঘৰা বাছ সোনা) আছাৰক নিৰ্ভিত আৰুলৈ কৰাই উদ্ধান কৰা আছাৰক নিৰ্ভিত আৰুলৈ কৰাই উদ্ধান কৰা আইকা নিৰ্ভিত আৰুলোক কৰা হৈছে বুনিনাৰা কৰাকে, আৰুলিনিনাৰ কুলিনাৰ আৰুলোক নিৰ্ভিত আইলো বিভাববোৰাকে সম্প্ৰাচন কৰাকি বালীক নিৰ্ভিত আইলোক বিভাববোৰাকে সম্প্ৰাচন কৰাকি বালীক নিৰ্ভিত আইলোক বিভাববোৰাকে সম্প্ৰাচন কৰাকি বালীক নিৰ্ভিত আইলোক বালীক আইলোক বিভাববোৰাকে অনুনান কৰাকি নিৰ্দিশ আইলোক আইলোকে বিভাববোৰাকে অনুনান কৰাকি নিৰ্দিশ	১৩-রাদ ৪১-ফুপ্রিলাত ২৪-মূর ৪২-খুরা ৩-অলে ইমরন ২-বারুরা ৫৪-কামার	98 26 26 26 20 20	99 99 98 98
ষ্কেট পরি (মার্ক্সায়ের পরিব পূর্বে দুলিয়ার প্রেট পরি আছাল কর) ঠানা ও গানীর আধানদ করনে দা (সীমালক্ষাবারীরা) পরা (অপ্রাহন দার আছালদ করনে পরে বিমানক অভিনার করে) দার (অপ্রাহন করাকার আছালদ করাকার দেউক্রার করে) দার অপ্রাহন করালের পর বা প্রধান্তর করনে মানুব বক্তৃক্ত হব	১৬-নাবৃদ্ধ ৩২-নাবৃদ্ধ ৩৮-নাবা ৪১-ফুন্সিলাত ৪২-খুৱা ১১-বৃদ্	332 43 48 40 89 8	500) 100) 100) 100) 100)	আছাৰে ছাৰ লগতে আছাল কৰা বিভায়ত ঘৰ লছা দেব ল' আহাৰে দিতে আছাল কৰা ই উত্তয় কথা আহাৰে দিতে আছাল কৰা হ'ল দু'নিদান লগতে, আকলিকানত আছালে কৰা হ'ল দু'নিদান লগতে, আকলিকানত কৰাকানত আছালে দিতে আছালে দিল' আহাৰ কৰাকানত পৰাতাৰ কৰা কৰিছিল আহালকাৰীৰ আহাৰে পাছাৰে নায় দেব আহালকাৰীৰ আহাৰে পিছাৰে নায় দেব আহালকাৰীৰ আহাৰে পিছাৰে নায় দেব ইন্তাস্থ্যক নায়ীৰ যে দিকে আহাৰ কৰাই দিনিশ ইন্তাস্থ্যক নায়ীৰ যে দিকে আহাৰ কৰাই কৰাই দিনিশ	১৩-রাদ ৪১-ফুপ্রিলাত ২৪-মূর ৪২-খুরা ৩-আলে ইমরন ২-বারুরা ৫৪-কামার ১২-ইউমূদ	9 79,0 98 76 67 90	99 98 28 24 30 69
কটি শবী (ৰাজ্যাতে শবিষ পূৰ্বে দুনিয়া কৌ দবি বাৰফল কবা) বৈতা ব পানীয় আখানদ কবাৰ পাং (নিয়ালকাখানীয়া) দয় (ৰাষ্ট্ৰাহে মানু আখানদ কবাৰ পাং বিষয়াক আইনাক কবে) দায় (ৰাষ্ট্ৰাহে নালুবাল কবা লো আখানদ কবাল গো কিছুৱা বহা) দায় আখানদ কবানো ক'বা ধা প্ৰথমবাৰ কবাল মানুৰ অনুকাজ হবা দায় আখানদ কবানো মানুৰ কিছুৱা হবা	১৬-নাহল ৩২-সাজ্ব ৩৮-মাজ ৪১-ফুন্সিলাত ৪২-খুৱা ১১-ফুল ৩০-জন	332 48 40 89 89 80	932 3003 930 930 936 996	আছা হ'ব পদান আবাদ বৰ্ব (আনাত গৰা সক্ষু তাৰ প্ৰ আহাত দিনে আবাদ কাই দিয়া মাধ্য আহাত দিনে আবাদ কাই দিয়া মাধ্য আহাত দিনে আবাদ কাই কাই বুলিবাৰ লগতে, আবিনিকান্ত্ৰপূৰ্বিকান্ত্ৰত আহাত দিনি আবাদ বিশি আবাদ সিংলাভ্যাত সভাগা নাই কাই দিশে আবাদ আবাদনাৰীই আবাদে আহাত পায় কো আবাদনাৰীই আবাদে আহাত পায় কো আবাদনাৰীই আবাদি পায়তেল্ল আবাদন কৰাৰ বিশি ইন্তাপুৰ নাইটা বে দিবাৰ আবাদ কৰাৰ বিশি ইন্তাপুৰ নাইটা বে দিবাৰ আবাদ কৰাৰ বিশি ইন্তাপুৰ নাইটা বে দিবাৰ আবাদ কৰাৰ বিশ	১৩-রা'দ ৪১-ছুল্বিলাভ ২৪-ছুল্ ৪২-ছুল ৪২-ছুল ৩-জালে ইমরুন ২-বাকুরো ৫৪-কামার ১২-ইউমূদ ১৯-মাবইরাম	99 98 399 98 98 98	99 98 28 24 30 69
বাট শান্তি (ৰাজ্যান্তনে শনিব পূৰ্বে পুনিয়ার বোট শান্তি আখনন করা । ইবার ও গানীর আখানন করবে গাং (সিমানান্তনাকারীতা) পদ্ম (অনুয়ান ৰাজ্যানক অবার পান্ত নিয়ানক অভিনয় বেটা, দার (আদ্রানে বালুক্ত পান পান্ত আখানন করাল গো নিয়ানুর হো) দার আখানন করালের পান্ত পান্তান্তন করালে বালুক্ত অভুক্তম হল বার আখানন করালে বালুক্ত করালে হার পার আখানন করালে নিয়াক করে (একলাশ মানুষ)	১৬-নাহল ৩২-সাজ্য ৩১-সাজ্য ৩১-সাজ্য ৪১-ফুল্সিলাত ৪২-খুৱা ১১-ফুল ৩০-ক্সম ৩০-ক্সম	332 48 40 89 3 90	932 5003 3003 930 930 930 930 938 928	আৰু বাছু পালা আহান বা (আন্তাহ কৰা সাহ তাৰ প্ৰ আহাহ দিন আহাল কাই টাই কা পাল আহাহ দিন আহাল কাই তাৰ দুনিবাৰ লগে আইটাৰান্ত দুনিবাৰ আহাল দুনিবাৰ আহাল নিবাৰেন্ত্ৰত সংখ্যা এইটা কৰি দিনে মাজন আহালকী আহালে নিবাৰেন্ত্ৰত সংখ্যা এইটা কৰি দিনে মাজন আহালকীই আহালে (লিবাহেন) আহাল কৰা দিনি ইন্তুক্ত কৰিব কেইটা কিছি আহাল কৰা কা তা তেনে. ইন্তুক্তি মা আহাল কাম বা তালালকালক। ইন্তুক্তি মা আহাল কাম বা তালালকালক।	১৩-রাদ ৪১-ভূদ্রিলাভ ২৪-দূর ৪২-দূর ৪২-দূর ৩-আলে ইমরন ২-বারুরো ৫৪-কামার ১২-ইউমূচ ১৯-মাইইরাম ৬১-সাত্ত	8P 90 7P.0 98 7P.0 67 90	99 99 98 98 90 90 90
তেই পাই (জন্মচুমে পাইব পুনু ইন্দ্ৰায় প্ৰেট পাই জন্মন কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা পাইন কৰা	১৬-নাবৃশ ৩২-সাজ্বল ৩১-নাবা ৪১-তুল্ফিলাক ৪২-বুল ১১-তুল ৩০-ক্সম ৩০-ক্সম	332 48 40 89 30 00 80	932 500 500 500 500 528 528 528	আছা হ'ব পদান আবাদ বৰ্ব (আনাত গৰা সক্ষু তাৰ প্ৰ আহাত দিনে আবাদ কাই দিয়া মাধ্য আহাত দিনে আবাদ কাই দিয়া মাধ্য আহাত দিনে আবাদ কাই কাই বুলিবাৰ লগতে, আবিনিকান্ত্ৰপূৰ্বিকান্ত্ৰত আহাত দিনি আবাদ বিশি আবাদ সিংলাভ্যাত সভাগা নাই কাই দিশে আবাদ আবাদনাৰীই আবাদে আহাত পায় কো আবাদনাৰীই আবাদে আহাত পায় কো আবাদনাৰীই আবাদি পায়তেল্ল আবাদন কৰাৰ বিশি ইন্তাপুৰ নাইটা বে দিবাৰ আবাদ কৰাৰ বিশি ইন্তাপুৰ নাইটা বে দিবাৰ আবাদ কৰাৰ বিশি ইন্তাপুৰ নাইটা বে দিবাৰ আবাদ কৰাৰ বিশ	১৩-রা'দ ৪১-ছুল্বিলাভ ২৪-ছুল্ ৪২-ছুল ৪২-ছুল ৩-জালে ইমরুন ২-বাকুরো ৫৪-কামার ১২-ইউমূদ ১৯-মাবইরাম	99 98 399 98 98 98	90 94 98 98 90 90 90 90

ъo

वाइताम (पूर्व पृक्ष त्याक)				নিজনার জন্য আধান করা হত অপরাধীনেত্রক সূত্র অবস্থার	৬৮-কুলোম	80	20
এমন ব্যক্তির দিকে আহ্বান বে আহ্বানযোগ্য নয়	8०-वृदिन	80	992	वासानकारी			Г
ক্ষ্যাণের দিকে আহ্বাদ করবে এমন একটি দল থাকা উচিত	৩-আলে ইমরান	308	485	অনুসরণ (হাপত্রের মঞ্চবলে নবাই অধ্যানকারীর অনুসরণ করবে)	২০-জা-হা	705	9,8
কাহিবদের আঞ্চান লক্ষ্যন্তই ব্যৱ	১৩-রাদ	18	699	অস্ত্রাহা নিকে আজানকারীর ভাকে স্থিনদের পারে লোা প্রদক্ষ	85-वाहकाक	60)	>2
ঞ্চিয়াবের প্রতি আহ্বান করা হয়েছিল বখন	০-আলে ইমরান	30	@Ob	অপ্তাহা দিকে আহবদক্ষীর আক সাত্র বা দেয়া (স্থিনদের প্রসঙ্গ)	85-व्यक्तप	- ૦૨	>2
কুরবানের প্রতি আহ্বান থেকে মুশরিকদের হ্রনর আহ্বাদিত	৪১-ছুস্সিলাভ	¢	556	আহবান অনেছে মুনিনগণ (আজানকারী রাসুল স. এর)	৩-আলে ইমবাৰ		
জন্মানের প্রক্রীনের স্বাস্থ্যক অধ্যান করনের (মিগামনীর জনা)	৯৬-জানাক	35	2034	আহবন (চরাবহ পরিশামের দিকে আন্তর্ন করা হবে বিধানত)	०८-स्त्रमस	0	20
দিনে ও বাতে সম্প্রদায়কে নৃত্ আ, আজ্ঞান করেছিল	15-नृष्	4	378	অজ্ঞান (অজ্ঞানকারীর অজ্ঞানে আল্লাহ সাদ্ধা দেন)	২-বার্কারা	35%	
ধংস আহ্বাদ কৰবে কাকিবৱা কিয়ামতে (অনেকবাৰ)	২৫-যুৱকাৰ	28	100	কাকিবরা আহ্বানকারীর দিকে দৌড়ে আসবে (কিরামতে)	28-समाह	300	84
ধংগ আহ্বাদ করার নির্দেশ (কাফিবদেরকে)	२११-कृतकान	28	950	নবী আল্লাহর অনুসতিক্রমে তাঁর নিকে আহ্বানকারী	৩৩-আহ্বাব	86	100
ধংগ (মৃত্যু) আহ্বাদ করবে (বিরামত অধীকারকারীরা)	२१:कृतकाम	30	750	वासान्यामा	00-416414	-	+
	৮৪-ইন্শিকাক	22	2020			-	+-
ধ্বংগ (মৃত্যু আহ্বান করবে সে, বার আমলনামা		2	398	সুনিরা ও অবিরাতে আধ্বানবোণ্য নয় যে ব্যক্তি	৪০-মু"মিল	80	1
নৃহের সম্প্রনারকে আহ্বান (রাজ-দিন)	१५-मृह			অহমাদ (আরো দেবুন মুহাত্মদ শদটি)		L	L
নুহের আহবানে আস্তাহর সাম্ল দান(সংকট থেকে উদ্ধার প্রদাস)	২১-অপিয়া	95	920	ক্রনুল স্. এর নাম হলে আহমান (ঈশার পারবারী ক্রনুল স্. এর নাম)	७३-माएए	6	ъ
নুহের অঞ্চান (নুহ আ, সম্প্রদারকে প্রকাশ্যে অঞ্চান করেন)	47-48	tr	928	আহরণ (আরো দেখুন সংগ্রহ শব্দটি)			Г
দূৰ্বে আহ্বান সম্প্ৰদায়ের পদায়ন প্ৰবণতাই বৃদ্ধি করেছিল	17-56	6	928	অলংকার (মনি-মূকা) আহরণ করে মানুষ সমুদ্র থেকে	৩৫-ফার্ডির	34	31
নুহের আহ্বান (সন্মানয়ের অহস্কার ও পাপ প্রসঙ্গ)	१५-पृष्	٦	928	অলভার (নমুদ্র থেকে অলভার/মুক্তা আহরণ প্রনম)	১৬-নাব্শ	38	9,
अधिभागतन्त्र संदर्भ मृत्रादन वास्तापन्त वन्द्राच् कृतिक त्रस अत्रक)	२-वक्स	62	603	সমূত্র থেকে অবস্থার/মূক্তা আহরণ প্রসঙ্গ	১৬-নাংশ	38	9
প্রতিপালবকে আহ্বান বন্ধতে মূপাকে অনুরোধ (গরু জবাই প্রপদ)	২-বাকুরা	69	@cbr	অন্তল কিতাব (মাত্রা দেখুন কিতাবগ্রাছ/কিতারধারী শপটি)	1		ť
প্রতিশাশবকে আহ্বান বরতে দৃশাকে অনুরোধ (গরা জনাই প্রদাস)	২-বাবুদরা	90	€cbr	অধিবাস করে আহলি ভিতাবরা অস্ত্রাহর আরাত	০-আলে ইমরান	0.0	e
প্রতিশালককে অন্তান করে মূস্য আ, কাল্য- 'এরা অলরাকী সাংলোর'	৪৪-সুখন	44	300	অবিশ্বাস করে আহসে ভিভাবরা অল্লাহর নিবর্শনবলী	৩-আলে ইমবান		2
প্রতিপাদককে আহ্বান করবে ইবরাহীম	১৯-মারইয়ান	87	909	অবস্থান করে আনুসা কিন্তাব্যার আনুস্কার সাধ্যান্ত করিছে তার)	১৮-বার্ট্টিনাহ	2	30
প্রতিপালককে আহ্বান করতে মৃসাকে অনুরোধ (গরে নবাই প্রদাস)	২-বাকুরো	97	609.	चाराका (चारान किसंदर चाराका शहर)	8-मित्रा		
প্রকাশ্যে আহ্বান করেন দৃহ আ. (সম্প্রদারকে)	१)-नृष्	b	948			250	
প্রতিপাশকের নিজে আহ্বান করার নির্দেশ (রাসূল স. এর প্রতি)	২৮-কাসাস	৮৭	274	আমানত ক্ষেত্ৰৰ লোক ব্যৱহে অবলৈ কিবাৰলো মাথে	৩-আলে ইময়ান		2
প্রতিশাসকের নিকে আছবালের নির্দেশ (মুখ্যম্বাদ সা.কে)	22-079F	69	108	আহাদ (অহ্যাভিত্রবাদানে, একট বাদের দিকে যা সমধ)	৩-আপে ইমরান		6
মানুহাকে আহ্বান করকেন আন্তাহ (বামিন থেকে বের হওয়ার বল্য)	00-8¥	42	৮২০	ইবরাইদের ব্যাপারে আহলে কিতাবদের বিভর্ক	৩-আলে ইনরান		2
মরেইরামকে আহ্বাদ করদ ফেরেশতা (জিবরাউল)	১৯-মাৰইয়াম	2,6	900	ইমান আনত বুনি আহলে কৈতাবগন	৫-মারিদা	96	e
মুমিনসের আহরদের ন্যার গণ্য করা যাবে না রাসুল সং এর আহ্যানকে	२८-मृद	80	9313	ইমান (আহলে কিতাবনের বরা অল্লাহর উপর ইমান আনে)	৩-আলে ইময়ন		
মুশরিকলেরকে আহবাদ (রাসুগ স. এর)	8२-गृहा	30	793	ইমান (অহুসে কিন্তারে ইমান অনুসে ব্যাসর জন্য কর হত)	৩-আলে ইময়ান	220	
মুশরিকর মানেতে আহাদে করত তারা উপাও হতে যাবে বিয়ামতে	৪১-কুস্নিশ্রত	87	hypo	ইয়ান (ইসার উপর আহলে কিতাবের ইয়ান আনা প্রসঙ্গ)	8-PP1	259	2
মূদাকে আহ্বান বড়েছিলেন অক্সাহ (দুর পর্বকের মান নিক থেকে)	३७-मावदेशम	48	909	ব্যানে (কবির আহুপরিভাব মুফিন্সের কল্মণ ব্যানে বচেন)	২-বাস্থারা	206	é
মুদাকে আঞ্চলকালে রাসুল দ, উপস্থিত হিলেন না	২৮-কাদাস	86	3734	তাহন (অহলে বিভাবনের কামন, মুনিন্দেরকে কামির বাননের)	২-বাকুারা	209	2
রতে ও সিলে সম্প্রদারকে নুর আ, আঞ্চান করেছিল	१३-सर	0	27.8	তামনা (আহলে বিভাবদের একদল কামনা করে যদি)	৩-আলে ইমরন	65	0
রাসূদ দ, আহ্বাদ করছেন (অল্লাহর ইবাদাত কলত ও)	) <b>०</b> -व्राम	95	634	অধিব (অহুগ কিন্তাহান ধর কথিব মানেকে মুন্তবিকর বুগ)	৫৯-হাশর	22	b
য়াকুল ন, আহ্বান করনের (আন্তাহর বর্তনাত কলেও ব) য়াকুল ন, আহ্বান করনের অস্তাহর নিকে নিকিড আনের জিওতে	34-557 <del>4</del>	309	69/9	ব্যক্তির (আহলে বিভাবনের অভিবনেরকে বের করে দেরা)	৫৯-হাশর	3	b
রকুন ন, আহ্বান করছিলেন মুমিননেরকে (উত্তন যুক্ত প্রনঙ্গ)	৩-আলে ইমরান		660	वाधित (प्राकृत किन्द्रस्य वर्ताध्यत जिल्ला सार्कृत्य श्रन्त्र)	১৮-বারিলাহ	6	150
	82-78		933	চাওয়া (আহলে কিভাব আকাশ গেকে অবক্রীর্য দিখিত কিতাব চার)	8-निमा	250	0
রাসূল স, এর আহবান (মুশরিকদেরকে)		30		স্থানতে পারে ফো আহলে কিতাব	৫৭-হানীন	230	2
রক্ষুণ স. এর আহলকে মুমিনদের আহলকে দায় গণ্ড না কর	48-मृद	60	93/3	ভাওৱাত ও ইনজীল আহেম দা করলে আহলে কিভাবদের	০-মাছিল	66	01
য়নৃদ শ, এর আহ্বান (প্রতিশাসকের প্রতি ঈমান আনার কন্য)	৫৭-হাদীদ	b	285	দল (অহলে কিতাবলো একলা সমালে বিশ্বাস বতা বিমাস)	০-খালে ইমরান		0
য়ানূল স. আহ্বান করেন কাঞ্চিবনেরকে, সরল পথের দিকে	२०-मुस्निन	90	990	নিকটভম: (আহমে বিভাবের কমিন্,মুপরিকর নিকটভম সৃষ্টি)	bb-समित्रसङ्	- Ba	150
শরঝনের বাহবান (স্কুলন্ড আগুনের শক্তির নিকে)	৩১-সুকমান	રૂ	25.0	নিকেশ (আনুসলিভার কর্তৃত অস্তাহর বিভার শিশুন নিকেশ)	र-शक्रदा	202	10
শরতনে আহ্বান করে দলবলকে (স্বাহান্নামী হওরার জন্য)	৩৫-ফবির	6	b85	প্রতিশোধ নিচ্ছে আহলে ভিতাবরা (ঈমান আনার কারণে)	৫-মারিদা	29	0
শান্তির আবাদের দিকে আহ্বান করেন (আল্লাহ)	১০-ইউনুস	42	686	राजवीत (प्रारम् विकास वेदिनः दान्ताः राजवीते न वया निर्मान)	8-fips		
শেনানে (বধিয়কে আহ্বান শোনাকে গাৰবে না রাস্ল)	<b>\$0-3</b> ₹	65	৮২৬	नामर्थाक् (जारान किन्नदानंद्रक बीटन वानांद्र नामर्थाक्)	०-महिमा	33	0
শোনানে (মৃত ও বধিরকে আহবান পোনানো যায় না)	২৭-নামপ	9.0	9009	বিচ্চি (সুস্টা প্রমা কার্যর পরই বাস্তুল বিভাগ বিচক হয়)	৯৮-বারিলার		30
শেনা (বধ্বিকে সকর্ব করা হলে আহ্বান শোনে না)	২১-সাধিয়া	82	920				
নষ্ট-সাধীকে (মিথামেট/অপরাধী নঙ্গী-নাৰ্থীকে আহবান করুকা)	১৬-আপাক	28	20594	বিতর্ক (আহলে কিতাবনের সাথে উত্তম পছার বিতর্ক করা)	২৯-আনকাৰ্ত		b
সঙ্গীকে (শ্বযুদ সম্প্রদার আদের এক সঙ্গীকে আহ্বান করণ)	৫৪-কামার	539	909	বিত্ত রাধ্যম অহলে নিতাবর, অস্তাহর পথ থেকে (দীরানাথকে)	৩-আলে ইমরাৰ		0
সংকর্মশীল মুমিনদের আহবানে আল্লাহ সাড়া দেন	৪২-প্র	26	9.90	মিশ্রিত করে আহলে কিতাবরা সভাকে মিখ্যার সাবে	০-আলে ইমরান		¢
সজ্যের আহ্বান আল্লাহর স্বন্যই	১৩-রাদ	18	699	মুশ্যতি (আহলে চিত্তাবং মুশ্যতিকা চিকোল ভায়োমে বাবংগ)	১৮-বারিস্বর্		þ¢
সন্ধির দিকে আহ্বান না করা (কাফিরদেরকে)	৪৭-মুহাম্মন	92	356	কল্প স. এলেয়ান আহল কিন্তব্যান্ত নিবট (কলুলাটোর বিবটির পর)	৫-মারিদা	7.9	61
		4	31/8	সভারনকারী (কুরজন অধ্যাপ বিভাবনের বিভাবের সভায়ানকারী)	8-ROT	83	0
সম্প্রবারকে নৃহের আহ্বান (রাজ-দিন)	१३-न्द						
সম্প্রনারকে নৃহের আহ্বান (রাজ-দিন)			800	সমান নর আহলে কিন্তাবরা সকলে	৩-আলে ইমরান	270	34
	৭১-পূর্ ২-বাকুরা ২-বাকুরা	50		সমান নর আহলে কিভাবরা সকলে সহায় (খলকে শক্তকে সাহায়কারী আহলে কিভাবনো প্রসদ)	৩-আলে ইমরাব ৩৩-আহ্দাব		ь

व्यव विवय/दश्य	সুৱা মং ও নাম	WELD.	700	नम विषय/धराम	नुसंबद्ध क्षत्रम	1001	70
আহার করা/করানো (ভারে দেখুন খাওয়া/খাওয়ানো শদটি)				মর্বাদা দান (ইউনুলকে জগতের উপর মর্বাদা দান করা হয়)	৬-আনু আম	V6	608
অভ্যান্তকে কুরবালীর পড়র গোপত আহার করানো	২২-হাজ	05	963	রানুলদের একজন ছিলেন ইউনুল আ.	৩৭-সাক্ফাত	200	990
আদম-হাওয়ার নিবিদ্ধ ফল আহার করা প্রসঙ্গ	২০-ছা-হা	252	987	সম্প্রদার (ঈমানের করেণে ইউনুদের সম্প্রদারের শান্তি দূর)	১০-ইউনুস	34	660
অস্ত্রাহকে আহার করানো হরনা	৬-আন্'আম	78	498	ইউনুসের সোয়া			
আল্লাহ সৰাইকে আহার করান	৬-আন্'আম	78	259	তুলি ছাড়া কোন ইলাহ নেই, পরিয় তুলি, নিশ্বর আনি জালিমদের	২১-আধিয়া	59	925
আহলে কিতাৰৱা আহার করত উপর ও নিচ থেকে বনি	৫-মারিলা	66	440	ইউপুঞ		$\overline{}$	
ইচ্ছেমতো আহারের অনুমতি (বনী ইসরাসলকে)	৭-আ'রফ	797	629	অবহেলা (ইউস্ফকে অবহেলা করেছিল ভার ভাইলেরা)	১২-ইউসুক	ρo	678
উদ্ভিদ (বৃদ্ধিকাত উদ্ভিদ গবাদিপত/মানুগ আহার করে)	১০-ইউনুস	2,8	969	উপেক্ষা করতে কলে অধিব ইউসুবকে (প্রী ও ইউসুবের বলৈটি)	১২-ইউসুক	435	693
একত্রে আহার করাতে কোন দোব নেই	५8-मृत्र	69	942	আচরণ (ইউসুফের সাথে তাইদের আচরণ)	১২-ইউসুফ	79	92.6
কুরবনীর পকর গোশত অভাবপ্রস্তকে/বিনরী ডিক্সাপ্রাবীকে	২২-ব্যক্ত	06	965	ইরাকুবের আক্সোন (ইউনুফের জন্য)	১২-ইউসুফ	₽8	978
মাহার করাশে			-	এলেছিলেন (স্পষ্ট প্রমাণসহ ইউসুফ আ, এলেছিলেন)	৪০-মুমিন	<b>68</b>	ppo
কুরবানীর পতর গোশক কুরবানীসাভার আহার করা প্রসন্থ	২২-হাজ	95	407	কৌশল করলেন আল্লাহ (ইউন্যের জন্য)	১২-ইউসুক	95	998
খান্ড আহার করে রাস্ল ন. (কাফিরনের বিশ্বর)	२४-वृत्रकान	9	ঀ৸ঽ	গোপন বাৰণ ইউসূত আ, ভার মনে (প্রকৃত ব্যাপারচি)	১২-ইউসুক	99	949
গৰদিপত থেকে (গোগত) আহার করে মানুব	২০-মুমিনুদ ১০-ইউনুস	57	969	মাণ (ইউসুফের দ্রাণ পাঞ্জেন পিতা ইয়াকুব)	১২-ইউসুক	86	925
গবদিপত ও মানুৰ আহার করে (ক্মিকাত উদ্ধিদ) গবদিপত (বিশ্ব সংখ্যক পত মানুৰ আহার করে )	১০-২৬পুন ৩৬-ইয়াসীন	12	949 949	নিদর্শন (ইউসূত আ, ও তার ভাইনের মধ্যে নিদর্শন রয়েছে,)	১২-ইউসুফ	٩	699
গৰালগত (বিশ্ব নৰ্থেত গত মানুৰ আহাত ততে ) গৰাল পততে আপ্ৰাহ আহাতেৰ বাবলা ক্ষেত্ৰেকামান্যকে জন্ম)	১৬-দাহল	9	300	পিতাকে বলগেন ইউস্থ আ. (বপ্ল প্রদর্গে) প্রবোচনা (ইউস্থকে প্রবোচনা নিরেছিল নারীয়া)	३२-१७म्स ३२-१७मस	8	699
গরীব/ক্ষরীর ও দুঃস্থ কে আহার করানোর নির্দেশ	55-9106	27	960	প্রবোচনা (বঙ্গুক্তকে প্রবোচনা লেরেছন নারারা) প্রতিষ্ঠিত (ইউসক্তকে প্রতিষ্ঠিত করলেন আল্লাহ বর্মীনে)	22-88MA	43	699
স্তল্পন জন্ধ বিধিক হিসাবে আহার (হল্পের সমস)	55-50M	27	160	প্রতিষ্ঠিত (ইউস্ফর্কে প্রতিষ্ঠিত করলেন আল্লাহ নিম্নে)	22-899 <del>4</del>	69	945
তদ্ধির সাথে আহার ও পান করতে বলা হবে জারাতীপের	৩৯-বাঞ্জাহ	₹8	239	প্রবেশ (ইউপুরের নিবট প্রবেশ করা তার পিরামারা ও কাইরের)	24-8844 24-8844	99	93.4
ভৃত্তির সাথে আহার, জাল্লাতে (মুবানীদের কাজের পুরস্কার)	24-WE	38	300	প্রবেশ (ইউল্ফের নিকট প্রবেশ করল ইউল্ফের ডাইছেরা)	34-265F	69	800
ক্ষিত্র সাথে পান করবে মন্ত্রকীরা (জারাজে)	৭৭-মুরসালাত	80	666	श्चित (विकास का e प्राप्त करें निवास निकी (विने विकास करा)	১২-ইউন্দ	b	699
সোষ দেই আহার করাতে (নিজেনের ঘরে)	38-76	65	70-5	ভাইদের জিজানা ইউনুক্তে- ভূমিই কি ইউনুক্?'	३३-३४गुरु	80	800
নিদর্শন (মানুহের আহারে বৃদ্ধিমান্তের জন্য নিদর্শন আছে)	২০-ত্য-হা	48	988	অইনের প্রপ্রের মধাব-'অমি ইউনুফ আ, এবং এই আমার তাই'	১২-ইউস্ফ	ào	9946
পরির রিনিক(মানু-সালভার) আহতের নির্দেশ, করি ইসারাইলকে	২-বাকারা	29	\$ob	তাই (ইউস্ফ আ, ও তার ভাইরের সন্ধান করতে বলন			
পবিত্ৰ বিভিন্ন আহার করার নির্দেশ (ইমাননারসেরকে)	২-বাকুারা	392	677	ইয়াকুব, পুরাদেরকে)	১২-ইউসুফ	ъq	99.6
পৰিত্ৰ বিধিক আহাবের নিৰ্দেশ (বনী ইসরাইপকে)	২০-জা-ছা	P.7	486	তাই (ইউসুফের ভাইরের আলল এবং ইউসুফের নিবট প্রবেশ করণ)	<b>३२-इंडेगुर</b>	62	8012
পৰিত্ৰজ্ঞ আহার করার নির্দেশ (আল্লাহর দেয়া রিখিক থেকে)	৭-আ'রাফ	7,90	७२१	ভাইরেরা ইউসুফের ভভাবাব্দী বলে জানাল পিতাকে	১২-ইউসূত	22	৬৭৭
কলমুল (বাগানের কলমূল আহার করে মানুধ)	২০-মুখিন্ন	29	101	মানোনীত (ইউসুফকে মনোনীত কয়নেন প্ৰতিপালক)	১২-ইউসুফ	b	699
ক্সফলদি আহারের কল্ড বাগান বানান আল্লাহ,.	৩৬-ইয়াসীন	-06	140	বেশে গেল (ইউসুমধ্যে বেশে দৌড় প্রতিযোগিতার গেল ভাইরের)	১২-ইউসূচ	24	৬৭৮
বনী আনমকে আহার করার নির্দেশ	৭-আ'রাক	407	976	সঠিবলার প্রদর্শন (অপ্লার ইউস্কতে সঠিবলার প্রদর্শন করেন)	৬-আন্ আম	78	608
বিন্তী চিক্ষপ্রাবীকে কুরবানীর পচর গোপত আহার করানো রাজ্যমতে আরার করার নির্দেশ (টাটকা শেকর)	২২-ব্যক্ত ১৯-মার্টবাস	99	965	সভ্যবাদী ইউসুফকে বঙ্গল (কারাগার থেকে মুক্ত ব্যক্তি)	১২-ইউসুক	86	99/3
মারক্সকে আহার করার নিদেশ (ভাচতা বেক্র) মানুহ ও পরাদিপত আহার করে (ভ্যিজাত উল্লিম)	১৯-মাবহরাম ১০-ইউন্স	46 48	986	সাথে (ইউসুদ্ধের সাথে দুই যুবক কারাগারে প্রবেশ করল)	১২-ইউসুফ	106	960
মানুষ ও গৰালপত আহার করে (ভূমজাত ভারন) মানুষ যা আহার করে ঈদা আ. তা জানিত্রে দেন	১০-২৬নুস ৩-আলে ইমরান	85	280	শত্রণ (ইউসুফকে শত্রণ করতেই থাকবে ইরাকুব) করে (ইউসফকে কতা করতে নিচেৎ করণ, ভাউচের রাজ্জন)	১২-ইউসুফ	ν¢	699
ব্যক্তম পাছ পথমুক্ত অসীকারকারীরা আহার করবে	৫৬-ওরাবিবাহ	23	882	হতা (ইউপুষ্ঠত হতা কাতে সামে কাল, তাইদের মতামত)	১২-ইউস্ফ ১২-ইউস্ফ	30	
ব্যক্তম বন্ধ আহার করবে জালিমহা	৩৭-খাককাত	99	briso.		25-6936	9	699
ব্যাসপাদের প্রতি আহার করার নির্দেশ (পরিক্রবন্ধ থেকে)	२०-मृ'मिन्न	62	309	ইন্সিত (আরো দেখুন ইপারা শব্দটি)		_	
মিটার (অস্ত্রাহর সেরা হালাপ/পরিম মিটার আহার ও পৃত্তভার))	20-R189	338	125	কুমান শিক্ষানকারী হিসাবে ফুপরিকর যাব সিকে ইঙ্গিত করে প্রস্তাব (ইঙ্গিতে প্রস্তাব সেরার অপরাধ সেই)	১৬-নার্প	200	377
রিবিক বেনীইসরাউদকে আপ্রাহর রিখিক আহারের নির্দেশ)	২-বাকারা	80	609		২-বাকুারা	400	229
রোধার আহার করা বাবে, ফজবের সাদা বেখা "পাই	২-ৰাকুলো	224	653	ইচ্ছা (আরো দেখুন চাওয়া শব্দটি) অবস্থ ও পরিবীকে ইচ্ছার বা অনিয়ার অসতে কণ্ডেল অপ্তার			
শালনা (মৃত তমি সেবে উপন্ম শার অহার বরে অধিয়_)	৩৬-ইরাসীন	00	200	অনুসমর্শন করেছে সর্বাস্থ্য হাজের বা অনাক্ষার আগতে কালেন আল্লাহ অনুসমর্শন করেছে সর্বাস্থ্য ইজের বা অনিক্ষার, অল্লাহর নিবট	৪১-ফুস্সিলাত	22	254
সমূদ্রে মানুহের জন্য আহার (তাজা গোপত/মাছ প্রসহ)	১৬-নাহ্দ	38	908	অনুসমণা বংগ্রের পরবন্ধু ব্যবহার ব আলক্ষার, অল্লাব্রের লাক্য আলম-হাওরার ইন্ধ্যমত আহার করার অনুমতি, স্বান্ধাতে	৩-আলে ইমর্ম ২-বাকারা	90	@88 @0@
দামান্য আহার ও জেগ (অপরাধীদের জন্য , দুনিরার )	৭৭-মুখ্যালাভ	86	555	আল্লাংগ ইক্লেমিন ব্যাইকে বিকলত দান আল্লাংগ ইক্লেমিন)	২-বাকুরো	269	404
বাছেন্দ্রে আহার(বনী ইনরাইলের জনপদে প্রবেশ প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	69.	006	আল্লাহর ইক্লাবিন (ওরিসহ ফেরেশভা প্রেরণ প্রসম)	১৬-নাহস	400	900
খাজনেশ্য আহরের অনুমতি (জারাতে আনম আ, ও হাওয়াকে)	২-বাকুরো	'02	606	व्याद्वार रेक्क करन विश्वनर (स्ट्रान्स व्यक्त व्यक्त व्यक्त	न-आ,बाक	300	622
হচ্ছের সমর চতুস্পন জন্তু আহার ধরা প্রসঙ্গ	44-EM	২৮	980	আল্লাহ উল্লা করাল আকাশ থেকে নিপৰ্বন অবতীৰ্ণ কৰতেন	59-0,काबा	8	446
হালাল ও পৰিত্ৰবন্ধ আহার করার নির্দেশ (মানুষকে)	২-বাকুরো	ንስታ	674	আল্লার ইক্স করলে আকাশ-পৃথিৱ ও সকলকে একনে করতে সক্ষম	87-201	২৯	777
হাদাদ/পৰিত্ৰ বিধিক আহার ও কৃতঞ্জতা প্রকাশ	১৬-নবেদ	778	475	অপ্রাহ ইছা করপেই কাফিরনের থেকে বদলা নিতে পারেন	৪৭-রহাত্মল	8	975
'আহারকারী				আপ্রাহ ইক্সা করনে মনবিকরা দারীক করও না।	৬-আন'আম	209	606
व्यवस्थातिमा बना कार्याका वेशानान मारहन गूटक	২৩-সু"মিন্ন	20	959	আল্লাই ইক্সা করলে মুগরিকরা সন্ধান হত্যা করত না	৬-আন আম	269	600
ইউনুস (আরো দেখুন যুন-মূন শব্দটি)				আল্লাহ মিথিক দান করেন বাকে ইঞ্ছা	8५-भूबा	23	P35
উদ্ধান (মাপ্তার উউনুসারে পুশিবন/মাজের সেট বেকে উদ্ধান করেন)	২১-অপিয়া	bb	720	আপ্রাহর উজ্ঞার (বৈর্থনীল থাকবেন মুসা, বিজিয়ের সাথে)	79-1616.6	69	300
ওবী করা (আপ্লাহ ইউনুসকে ওবী করেছেন)	8-निमा	360	699	আল্লাহর ইচছা (আল্লাহ বাবে ইচছা পথমট করেন)	০৫-ফাতির	У	b86
कुद एका (वेक्नुम कुद एस निस सम्भन (भटन प्राम पाठा)	২১-আবিয়া	44	986	আপ্রায়ে ইচার বাড়া বুনিন্দের কতি করতে সক্ষম ন্য মুনফিকরা	৫৮-মুজাদালা	30	340
চলে অভার(ইউনুল কুন্দ্র হরে নিজ জনপদ খেতে চলে অভার)	২১-আধিয়া	44	926	আপ্রাহর ইচ্ছা অনুবায়ী ভিনি কোন বাপাকে অনুৱাহ করেন	28-देनबादीय	22	698
ধরণা, ইউনুসের (রাণ করে দেশকাসের মদ্য শাস্তি না দেরার ধারণা)	২১-আধিয়া	44	926	তপ্ৰাহন ইয়া (মপ্ৰাহ ইয়া কৰলে মনুষ্ঠক এক উপচত্তুক কন্তকে)	৪২-শরা	ъ	P.92
			لنتنه			•	

আহার ইচর

नव दिवस्थान विकास	সুৱা মং ৩ বাম	-	ইছ	700 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	नेत्री संस्थान	-	198
विश्व (पूर्व पृक्षे (च्यक)	लूबा नर छ नान	-60		অসার উক্স করাল উরুর বিবারে পারের রাগুল স্ এর জন্য	কুমালা ক শাশ ২৫-ফুরকান	30	7
बुक्ता (पुर पुर (पान) प्राचारत देखा (पानार देखा कारण पातार बात केठ प्रयोग मिर्टा)	9.8f48	396	543	অপ্তাহ ইক্স করনে এক উত্তর করতে পার্তন	০-মাধিনা	85	ev-
অপ্তাহর ইক্সা (অপ্তাহ হক্স করে) এটাত বল অরু বলন নকে)	26-707	80	109	আপ্রার ইয়ের করলে কটে ফেলতে পারতেন (ইয়ার্কীম প্রদাস)	২-বাকারা	440	22
অপ্তাহ বাদের প্রতি ইক্স (পৃত্তি আপতিত করেন)	20-92 20-92	87	100	অন্তাহ ইক্স করলে থকাকে পারেন , (কমিয়ান ক্রমিন)	७५-ইसमीम	89	24
আল্লাহ থানের প্রতে হক্ষা (বৃত্ত আশাতত করেন) আল্লাহ যা ইঙ্কা করেন তাই করেন	44-49E	38	129	অন্তর ইন্ধা করেল নবির হলত সেহর মেতা দিবে পারনেন	8२- <b>म्</b> त्रा	48	70
আল্লাহ বা হজা করেন তাই করিন আল্লাহ বা ইঞ্জা করেন তাই সঠি করেন	48-73	8.6	995	व्यक्तर राज्य कारण नाम कारण पान पान पान नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम न	৫৬-ওয়াকিয়াহ	240	38
অপ্নাহ বা হক্ষ্য করেন তাই সৃষ্টি করেন আপ্লাহ যা ইক্ষা করেন তাই সৃষ্টি করেন	বঙ-পূর ৩০-জম	88	149		২৩-মুমিলুন ২৩-মুমিলুন	38	95
				অপ্তাহ ইঞ্জ করলে বেভাপর প্রেরণ করতেন (নৃহদল্পনার কাল)			
আন্তাহ যা ইক্সা করেন ভাই করেন আন্তাহ যা ইক্সা করেন ভাই করেন	৩-জালে ইমরান	80	680	অস্তাহ ইঞ্জ কালে কী ইসঞ্জল সঠিবলং পাবে (গাড়ী প্রবন্ধ)	২-বাবুংরা	90	¢ο
	৮৫-বুরজ ৮৭-জা'লা	38	3030	আল্লাহ ইঞ্জ কবলে বাতাস বামিয়ে দিতে পাবেন	৪২-শ্বা	99	29
व्यक्षार य रेक्स करून या सभा राजून ज. विक्रू पूरन यरका न				জন্মাহ ইক্ষ্য করলে বৃত্তির পানি লবগাঞ্চ করতে পারেন	৫৬-ওয়াকিয়ার্	40	>8
অল্লাহ য ইচ্ছা করেন ভাই সৃষ্টি করেন	৫-মরিদা	24	6255	অস্তাহ ইন্স করণে কৃমি ধনিয়ে দিতে পালে (কমিয়নেগেত)	৩৪-সাবা	ъ	78
আন্নাহ যা ইচ্ছা তাই সৃষ্টি করেন	৩-জালে ইমবান		<b>₹80</b>	অস্তাহ ইন্ধা করলে মনুখকে সহিয়ে নতুন সৃধি আনকে পারেন	১৪-ইবরাহীম	29	99
অল্লাহ যাকে ইচ্ছা তাকে অনুহাহ দান করেন	৫৭-হাদীদ	52	940	অস্ত্রাহ ইক্স করঙ্গ ভুদানিকলেরেক ভুমিনদের উপর ক্ষমতা নিজেন	৪-দিশ	30	29
অল্লাহ বাকে ইচ্ছা ভার দরার মধ্যে প্রবেশ করাবেন	8४-मार्ट्	3.0	272	অস্তাহ ইন্স করল দুনবিকলের বৃত্তিপঞ্জিপ্তকশক্তি কেন্দ্রে নিকেন	২-বাকুরে	₹0	20
অল্পাহ থাকে ইচ্ছা ভার দরার মধ্যে প্রবেশ করাল	৭৬-দাহর	402	299	আল্লাহ ইঞ্জা করণে মুম্মিননেরকে অভাবমুক্ত করে দিবেন	৯-জাওবা	53.	68
অল্লাহ যতে ইচ্ছা শবিদান করেন	৩-আলে ইমরান		\$89	আপ্তাহ ইঞ্জা করণে মুশ্বিকরা শিরত করত না।	৬-আন্'আম	784	63
আপ্লাহ থাকে ইয়হা শাস্তি নিবেন	৫-মরিদা	334	200	আল্লাহ ইচ্ছা করলে রাজত্ব কেন্দ্রে নেন (বার থেকে ইচ্ছা)	৩-আলে ইমরান	25	60
অপ্নাহ থাকে ইন্সা শাস্তি দিবেন	৫-মারিদা	80	62.5	ज्ञाहार देखा करण राजुन न. एव त्रचित्र निर्द्धन पुनाविकानाहक	৪৭-মুহাম্মদ	00	22
সন্তাহ যতে ইছে৷ শিলাবৃত্তি ধারা আখাত করেন	२८-मृद	80	995	আপ্রাহ ইঞ্ছা করলে শান্তি দূর করবেন	৬-জানু'জাম	83	69
অস্তাহ যতে ইচ্ছা সঠিক পথে পরিচালিত করেন	১০-ইউনুস	3,2	96.9	অপ্তাহ ইক্স করাল নিয়ত করতের মর্মে মুপরিকের যুক্তি পেশা	১৬-লাহুল	02	90
অল্পাহ যাকে ইঞা সঠিক পথে পরিচালিত করেন	२८-मृद	86	113	আপ্রাহ ইক্স্য করলে সকলকে এক উপতবুক্ত করতেন।	১৬-দাহ্শ	66	93
আল্লাহ যাকে ইচ্ছা সঠিকপথ প্ৰদৰ্শন কয়েন	৪২-পূরা	જર	795	অপ্তার ইক্স করলে (সংকর্মশীল পারে মনা আ, কন্মছারের শিধাকে)	২৮-কাসাস	29	33
স্বাস্থ্যৰ যাকে ইচ্ছা সৱল-সঠিকপথে বাগেন	৬-জান্জাম	60	699	प्राक्षार कि देखा करवाल, सारकारम शारीब प्रेममा निज्ञ	৭৪-মুনাছছির	-63	33
আল্লাহ যাকে ইয়হা সরগ-সঠিক পথে পরিচালিত করেন	২-বাকুরা	520	<b>\$38</b>	আল্লাহ কোন বিষয়ে ইজা করলে ' হও' বললে হয়ে যায়	৩৮-ইয়াসীন	24	bre.
অস্তাহ ঘাকে ইজা সরগ-সঠিক পথে পরিচালিত করেন	২-বাকুরা	785	670	व्यक्तांच (काम मन्छनाद्वार करित देशा करता पात (काम (त्रश्वाती (तरे	১৫.বা'দ	33	546
व्यक्तार व रेक्स अरु चारू रेक्स पूनिवारको नगन नाम करान	১৭-ইন্রা	39.	950	আল্লাহ ইক্ষ্য করলে নিয়ে আসংবদ শান্তি (নৃহ আ, প্রসঙ্গ)	<b>33-दुम</b>	20	66
বাক্সাহ যা ইয়ো করলেন দাউল আ, কে শিক্ষা নিলেন	২-বাকুারা	567	693	আপ্রাহ নিজ ইয়োর ভাকজেন জাভাত ও কমার নিকে	২-বাকারা	242	24
বাস্কাহ যা ইয়ো করেন ওহীবাহক তাই ওহী করেন	৪২-পুরা	62	795	অপ্তাহ নিয় ইজার গঠিব পথ প্রদর্শন মধ্যেছন ইমাননাম্যন্তবে	६-रावरता	230	23
আপ্লাব ঘা ইজা করেন তাই বন্ত (পূই ব্যক্তির দুটান্ত প্র.)	72-4126	co	121	जहारा (निश्च श्रम कम त्यामारा कम का अहारा देखकि।)	8-मिना	27/9	49
অস্তাহর ইঙ্গা (অস্তাহ যতে ইঙ্গা সঠির পথ প্রদর্শন করেন)	১৪-ইবরাহীম	8	690	जालाव चांटक प्रेजना जांव नवाब बना निनिष्ठे कटवन	६-वाकृत्वा -	206	63
সাল্লাব্য ইচ্ছা (সাল্লাহ যাতে ইচ্ছা পথস্তই করেন)	১৪-ইবরাহীম	8	690	অস্তাহর (আল্লাহ বখন ইক্সা মানুহকে পুনঞ্জীবিত করবেন)	৮০-মাবাসা	33	301
আল্লাহর ইছে(আল্লাহ বাকে ইছো সঠিকপথ প্রদর্শন করেন)	44-2 <b>7%</b>	36	900	অপ্তাহর (অপ্তাহ বরণ হল্ল) মানুহতে পুনজাবত কর্মেন) অপ্তাহর ইক্সবীন (অপ্তাহ ব্যক্ত ইক্স নচিকলং এলর্গন করেন)	১৬-বাহল ১৬-বাহল	74	93
অস্ত্রাহ্য ইঞ্জে(অস্ত্রাহ বদের ইঞ্জ করেন ভার স্বার লাই জীত হবে)	২৭-নমল	319	804	অল্লাহর ইক্সা ধাকলে (পরবর্তীরা মুদ্ধে পিত্র হত মা)	১৬-লাবুল ২-বাকারা	950	6.0
अक्टादर देख (अक्टार यटन देख) केंद्र माहद मान्य शहरण कराम)	৪২-শূরা	ъ	597	वाहारर राज्य चारण (गडरपाडा यूट्स मक रण मा) वाहारर रेज्या (वाहार चाटक रेज्या मरणप (मध्येम)	হ-বাকুবে। ৩৫-ফারিব		
আল্লাহর ইয়হা (আল্লাহ বাকে ইছো দান বহুওগে বৃদ্ধি করেন)	২-বাকুবো	465	607		১০-ইউন্স	B)s	98
অপ্তাহন ইছা (অপ্তাহ থাকে ইছা শান্তি স্বান্ন অপ্তাত নবেল,	৭-জা বাফ	759	કર૧	অস্তাহর ইন্তর ছাড়া রাসূল ব, নিজের তাপ-মপেরও মণিক নন			
স্বাস্থ্যব্য ইচ্ছে (কোন কিছু নিশ্চিফ করা বা সুদৃঢ় করা)	১৩-রাদ	co	6342	प्रशास होन सह ए'पहिस्त गण्डनावत धर्ममर्ग स्मा मण्डना	৭-আ'রাফ	1/9	82
আপ্লাহর ইচ্ছা ছাড়া ঈমান আনার সাধ্য কারো নেই	১০-ইউনুস	200	660	অপ্রাহর ইজা ছাড়া সুপারিশ সম্ভব নর	২-বাস্থারা	200	20
আল্লাহর ইচ্ছা ছাড়া উপদেশ গ্রহণ করবে না (অপরাধীরা)	१८-पूमाइक्ट	26	352	অল্লাহর ইক্ষাবীন (অল্লাহ যাকে ইক্ষা পথচট করেন)	১৬-গাহল	NO.	42
সাল্লাহর ইচ্ছা প্রফা বেদন বিশসই আপত্তিত হয় না	৬৪-চাগারুন	22	≽७९	অল্লাহর ইক্ষাবীন (অল্লাহ বাবে ইক্ষা ক্ষমা করেন)	২-বাবুরো	268	20
সান্তাহর ইচ্ছা স্বাড়া কঠি করতে পারে না (জানুকর)	২-বাকুরা	305	625	অল্লাহর ইচ্ছাবীন (অল্লাহ যাকে ইচ্ছা শান্তি নিকেন)	২-বাস্থারা	5,548	20
আল্লাহর ইচ্ছে ছাড়া জান আরত্ত করা দদ্ধব নয়	২-বাকুরে	966	600	অস্ত্রাহর ইক্ষেপীন (অপ্তাহ বাকে ইক্ষে পরিম করেন)	৪-নিশ	8>	26
পাল্লাহর ইচ্ছা হাড়া মানুব ইচ্ছা করে না	৭৬-সংখ্য	100	994	অস্ত্রান্ত ইক্সবীন (পুরস্কানের মাধ্যমে কাইকে বিপারত পান)	৩৯-মুমার	20	24
সাপ্তাহর ইচ্ছা হাড়া মানুস কোন ইচ্ছা করে না	५३-शक्तीव	436	2009	অস্তাহর ইক্ষাবীন (পাপের ক্ষমা অস্তাহর ইক্ষাবীন)	8-मिश	85	20
সাপ্তাহর ইচ্ছা ছাড়া মৃত্যুবরণ করতে পারে না কোন ব্যক্তি	৩-জালে ইমরণ	286	48≥	অল্লাহর ইক্ষাবীন (মানুষকে সঠিক পথে পরিচালনা করা)	২-বাকুরো	545	80
সাপ্তাহর যা ইচ্ছা তাই করেন(পিমান প্রসঙ্গ)	<b>28-देरवादी</b> म	29	696	অস্তাহর ইক্ষাবীন (মানুহের কট ও কল্যান/জনুমহ প্রসঙ্গ)	১০-ইউদুস	209	99
মাল্লাহর যা ইচ্ছা ডিনি সৃষ্টিতে তা বৃদ্ধি করেন	৩৫-ফাডির	2	78¢	অল্লাহর ইক্ষাবীন(মূনজিবনের অওবা ববুৰ/পান্তি প্রদান)	৩৩-আহ্মাব	2,8	bro
অল্লাহ ইছো বর্লে সভর্ববারী পঠাতেন প্রভাব জনপনে	২৫-ফুরকমে	62	93%	অল্লাহর ইক্ষাধীন (মূপরিকদের ঈমান আনা)	<i>৪-আন্.আম</i>	222	80
অপ্তাহ ইয়া করণে সর মানুহরে সঠিক পথ প্রদর্শন করতে পরেন	২০-রা'ন	-03	655	অক্সান্তে ইঞ্জবীন (যাতে ইঞ্জ ভাঁর নিকে পরিয়ালিত করেন)	৪২-প্রা	30	78
মপ্তার ইয়া করণে সরাইকে সঠিকপথের উপর একত্র করতেন	৬-অন'অম	90	699	অপ্রাহর ইজাবীন (রিবিক,গ্রুস-বৃদ্ধি প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাবৃত	અર	m
স্বাস্থ্যাই ইঞ্জা করলে সবাইকে সঠিকপথ প্রদর্শন করতেন।	১৬-নাহল	2	900	আল্লাহর ইঞ্জাবীন (পান্তি ও দয়া)	২৯-আগকাবৃত	43	3-3
স্বাস্তাহ ইচ্ছা করলে স্বাইকে সঠিকপথ প্রদর্শন করতেন	৬-আন'আম	282	927	অস্ত্রাহর ইঞ্জানুযারী কন্যা সন্তান দান	৪২-পুর	85	2.5
আল্লাহ ইঞ্জা করলে সবাইকে পথ নির্দেশনা দান করছেন	৩২-নামদা	20	3103	पाद्वास्त रेक्षानुपत्री गृष्टि	৪২-পূর্ব	85	25
স্বাস্থ্যই হৈছা করে যাকে স্বনুমতি নিবেন (সুপারিশ প্রসঙ্গ)	१०-गावम	20	200	অপ্রাহর ইঞ্জালবারী পুর সন্ধান দান	৪২-পুর	85	32
অধ্যয় ইয়া ন করেল ইউপুল আ আইকে নিজের কাছে কাছত পরত ন	25-55350	70	9018	चाहारत रेखानुवाडी रामात प्रेशत हरी चरधीर्ग	২-বাকুরো	30	63
জন্মার ইক্সেন্সারী কারো বিশিক প্রসাধিত ও পরিমাপ করে দেন	०७-पुत्राच	43	298	অল্লাহর ইক্সা (পৃথিবীর উভরখিকারী করার বিষয়ে)	্ৰ-আ,থান	752	60
ব্যস্তাহ ব্যক্তপুৰ্বার করে। বানক-প্রশাসত ও শর্মনাশ করে দেন স্বাস্থ্যই ইঞ্জানুমারী তিনি কাউকে মর্বানার উদ্লীত করেন	৬-জন'জম	84	900	अक्रारत होता (प्रतिपाद कर्तवारणात प्रतिपाद रहा राजा)	৪৩-কুম্পুন্ত	200	30

1.5   1.5	विक्युक्तमा । विक्युक्तमा	मूझ न्द्र थ नाम	-	981	THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH	10 TO		
1.50	हिल्ला (पूर्व गुंडी त्यात्म)				অন্তাহ যাতে ইঞ্চা বেহিপাব নিষ্কি দান করেন			
### 1987		৪২-শূরা	29	990				
### 1989 1 1989 1 199	অপ্তানে ইন্স (মনুসের কতনকে সহিব্রে ক্ষান্সের আন প্রদেশ)	8-991	200	630				
সমূহত নিমার হিনাল কান্তে কান্ত্রিক কর্মান		७२-वृत्'वा	8	366	অন্তাহ বাকে ইক্সা বন্ধ নিয়ে আখাত করেন	১০-রাদ	70	699
सहार किया के प्रकार के पहिल्ल के प्रकार के	স্বালাহর ইজারই ইল্পীনের খেজর গাল কেটেছে মহিলর	69-0444	6	326	অল্পাহ বাকে ইক্সা মনোনীত করতেন (সন্তান এছণ করলে)	৩৯-যুমার	8	593
Section   1.5   Section   1.	আপ্রাহর ইন্তের ইম্সমাসিল থৈবিধারণ করবে (জবাই প্রস্তুল)	৩৭-সাঞ্চলত	205	565	অন্তাহ যাকে ইক্সা মনোনীত করেন রাসুলদের থেকে	০-আদে ইমরান	249	440
1985   1985	সাপ্তাহর ইন্সেরই মমিনরা আঘাত প্রাপ্ত হরেছিল	৩-জালে ইমধান	200	002	অপ্তাহ থাকে ইঞ্জা রাজতু দান করেন	২-বাসুগরা	283	estr
The part	আলাহৰ উল্লেখ কাউৰে উচ্চাৰ ও কাউকে পাংস	32-M(98)	>	920	জ্ঞান্ত যাকে ইক্সা বাছত প্ৰদান করেন	৩-আলে ইময়ন	26	g-cty
The state is a register of the register   1.5		৫-মাছিল				৩০-জম	09	¥48
1.5   1.5		22-076	0	927		৩-জালে ইমরান	30	409
1.00   1.00		३-शक्ता	203	449		do-WY	0	522
1			22					
আমার কার্যার বার বার বার বার বার বার বার বার বার ব								
The part								
변경으로 하는 기를 보는 기								
The control of the								
আৰক্ষত বিহন্ধ কৰিব বিশ্ব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি								
জামান ক্ষিত্ৰ বিশ্বন বিশ্বন কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব								
জ্বাহার বিশ্বন বিশ্								
대								
ন্ধাৰ বিজ্ঞান কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব								
আহ্নত হৈ বিপ্ৰত পাছৰ প্ৰকৃতি কৰিছে						২৫-ফুরকান	86	49.5
### 1987   199		20-4164	4,0	140		১৯-নারশ	63	900
ভ্ৰমণ কৰি প্ৰকাশ কৰি		৭-আ'রাক	20.0	800				
1985   1985								
जिल्ला के प्रति के प								
स्वार पार कर के क्राय कर के प्राचन कर कर कि								
মানুহাৰ কৰি চিন্তা কৰি বুলি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰ								
स्वार (जार के दिस के प्राचन साह का का का कि							२७९	
The control base of control								
1								
1987   1987								
स्वया पर केता मार्ग्य कर कि क्या मार्ग्य कर कि क्							366	620
18							766	
19   10   10   10   10   10   10   10							હવ	
19					প্রতিপালত ইক্সা করলে পৃথিবীর গরাই ঈথান আনত	১০-ইউনুস	99	660
1					প্রকিশালক ইয়ের করলে ফেরেশতা অবতীর্ণ করতেন	৪১-ফুস্সিলাত	78	444
The part of the first region in the first first region   3.2-18/18/19/19/19/19/19/19/19/19/19/19/19/19/19/					প্রতিশালক ইক্স করলে পূর্বেই খালে করতে পায়তেন (মূপা আ এপেন)	१-छा बाक	756	626
स्त्र पार प्री मा प्राप्त कर्मा कर प्राप्त कर प्री कर कर प्राप्त कर प्री कर कर प्राप्त कर								
स्त्र प्रश्न के स्त्र के स्						ত-আশু আর	300	1009
মাধ্য হৈছে যে বিশ্ব বি						১১-ছুদ	104	690
स्त्र कर के का						22-54	209	694
19   19   19   19   19   19   19   19							bro.	600
নামি নিয়ে বা প্ৰায় কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব						१-ला'बाय	24	637
प्रश्न राया पर व व व व वर्षण								
प्रशास पर प्रशास के प्रश								
মান্ত্ৰীয় যে নিজ কৰা মান্ত মন্ত্ৰী কৰিব কৰা মান্ত মন্ত্ৰী কৰিব কৰা মন্ত্ৰী কৰে মন্ত্ৰী কৰে মন্ত্ৰী মন্ত্								
प्रशास पर प्रशास के बार प्रशास कर के बार प्रशास के अपने का कि अपने के बार प्रशास पर प्रशास के बार प्रशास कर के बार के बार प्रशास के बार के बार प्रशास कर के बार प्रशास के बार के								P88
নামান কৰি নামা								
पहुत्र पार के कि लाई कर पार्ट्स के देश — उनकार पार्ट्स के प्रति								
Testify time 3 few reside sector   2-5 et   1.5   2.								
স্থাবার বাবে ইয়া পদারী করে। বা-চ্ব-মুক্তির ত ১৯১৮ বাবিদ্ধান করে বাবে করিছে নার করিছে নার করিছে বাবে করিছে নার করিছে বাবে করিছে নার করিছে বাবে করিছে নার ক								
पहिल्ला पर किस सकते जरूर - च-व्यक्ति रहे के 353 - विकास पर क्रिकेट के 354 - विकास पर कर - विकास पर क्रिकेट के 354 - विकास पर कर - विकास कर - व								
মানুহ ব্যক্ত ক্রিয়া পাররী বালে ৬-বাপু বার ও৯ ৪৯১ মানুহ ব্যক্ত ক্রিয়া পাররী বালে ৬-বাপু বার ও৯ ৪৯১ মানুহ ব্যক্ত ক্রিয়া পাররী বালে ও৯ ৪৯-র ১১ ৭৮২ মানুহ ব্যক্ত ক্রিয়া মানুহ বাকে ক্র								
ষায়াহ বাকে ইয়া পরিকর বাকেন এই-পুর ২১ ৭৭৫ ব্রচিলাপক যা ইয়া করেন তাকেই সুস্কানী ১২-ইউসুক্ত ১০০ ৬৮৫ ষায়াহ বাকে ইয়া বারন করে দেন								
বাছাহ যাকে ইছা বদ্ধা করে দেন ৪২-পুরা ৫০ ৮৯৫ বাহিপালক যা ইছা করেন ভাই করেন ১১-মুদ ১০৭ ৮৭৫								
জান্তাহ যাতে ইঞ্জা বেহিসাৰ বিধিক দান করেন ২৪-নূর ৩৮ ৭৭৮ প্রতিশাকক বা ইঞ্জা বৃদ্ধী করেন ২৮-কাসাস ৬৮ ৮১৪								
	আপ্তাহ যাকে ইজা বেহিসাৰ বিধিক দান করেন	२८-नृत	40.	994	প্রতিপাশক বা ইক্সা সৃষ্টি করেন	২৮-কাসাস	95	P78

ತಾನಾ

अंद्रों के ले बांच अध्या के शिक्ष

orra

699

220

008

¢08

088

206

930

930

9/28

930

20 100 ২২-হাজ

66 908 ১১.জার্থকা

65

०.जांगिल 86 a habita

a wifere

90v-78767

a refriga

h.What 111 300

e 201,5131

০.মারিম

No. DEPARTS

১৮৯ মাচরীয়

o Street Proper 30

h0.358

২-বাকার

২১-আছিক 86 906

১১.আছিবা

> ateta

tele-wite Roy

111-MEET

২-বহুৰ

No. Williams

on-Watia

০১-যাৰিকান

२०-दिकार

VI. ETRE

Va.2008

3.202721 404

53. territore

s atata

VA-RIDE

০-আলে ইমর

০৭-সাফফাত

৬০-মুমভাহিন

+9.30TH2972

33-8'ERR

२५-७'काब

25-RIPE

a atata 200 434

32.86×0

o.atara 180

> atata 229 028

১১.আধিবা

70-NIDW 140

s.etgial 205 675

Shartten

৯-ডাওল 338 649

२३-वारिय

09-NIWWIE

60 Officer 1465

8. निहा

OWNER STREET NO.

e Berry Breeze 62 083

es filor

e-Mire Sug

मृत्री यह तथा	All S	
১৭-ইদ্র	300	Ī
২-বাকুরা	ψ'n	Ī
৭-আর্থ	767	Ī
53-90A54	24	Ī
৯-জাতবা	85	ŗ
৯-জভৰ	60	Ī
8४-कास्ट	22	Ī
৭৬-পাব্র	00	Ī
২৫-ফুরকান	6.3	Ī
৮১-ভাকতীর	436	į
৪১-মুদ্দিশাত	80	Ī
৭৬-নাব্ৰ	59	Ī
৩৯-যুমার	34	F
২৫-কুরকান	36	Ī
१८-पुश्रास्त्रित	99	Ī
<b>२8-मृद</b>	64	Ī
৩৩-সাহথাৰ	6.5	ľ
००-आर्पार	6.5	Ī
২-বাকুরা	550	Ī
२)-वाश्रि	90	Ī
.১৩-রা'ন	342	Ī

ng.2020

ho-Biston

on-Bisses

o Gret

৫-মারিল

e.9~

২-বাকার

3-80808

80,000

12-2143412

२३-वारिक

১১-জার্থক

Ac. Well

५०-सम्बद

NO. FIRE

An Izheta

on. Wirele 83

An STREET

10 TOTAL

No. Water

NO VENEZA

৫৭-হানীদ

৫-মাবিবা 85 000

o. Non Bustin

~ শালে ইয়বাৰ

विवाधन

Sportificate Read and that a safe reproduction of Streets.

की देशमध्याल (तथाव (शरू देखा शास्त्रात प्रवाह)

warmer were their feffice states are our states

তের চার্যারে ইয়ের কংগ্রেল সংক্রাম প্রস্তুত করতে (তলুকাযুক্ত প্রসাস)

্রেল করত ইয়া করাল আলাঃ কেই পরিবাধ করার পাতে না

one Roser or religion restricted from our over more restricted

of December 2 more married forface

market Start Street, State Starting ners that were an east ware officiences fore

way free are at Wister first way

or first years privating office stra

মানৰ ইচ্ছামত কৰ্ম কক্ষক (জান্তাৰ সৰ লেখন)

serve their village (vilousness on more) star-

stance Responsible Response and America of Gorda's

प्रमाणिक या है।का कहा व प्रकार करता प्राप्ति संकार (कांग्याप्त)

काम र दांत हैका जनसहि निर्दर्भ (जनसहि प्राहेटम)

भारत है जब देखातील (त्यात की व करन आहे तरह

was a "to people (case gas and cas was

काराय है का (है स्कृतिहरूस निकास गण्डान(तर समस्याप है का)

Process (State of religits routing rates of the Process)

partitioner Realizer faction factor many experience present

অলমার (মান ইচ্ছা সে অনুমো রাখনে কর্মানতে)

হত্যা (ইঞ্জাকতভাবে মুমিনকে হত্যা করার পরিণাম)

stage receivers for advicerum area Reconstrator com al-

err (Strain States Supercore Plans per sale accord)

অধ্যাত সেয়ে উন্মত/সঞ্জন অনুষ্ঠার, ব্যক্তিয়াক বন্ধ কার্যার প্রত

ই'তিবাধবারী (আরো দেপুন অবস্থানকারী-ই'তিকাকবারী

विकास के मार्थ के प्रत्य क

ইচ্ছকত (আরো দেখুন মনগঙা শদটি)

NO COURSE STREET, HE TRANSPER HET BIRE

Source (mire) casta safras (maria seal?)

uniform S'Romas marent amonte Greek

Microsophy arm states of a mar

विश्वकारणीय पांच भवातिका कर्म व्यक्ति अधिका

प्रेंग्सर (व्यक्तिपाद कात विकास प्रेंगस कराव विसर्भन)

হৈবলিল (ইন্ডিন হৈবলীলনের অন্তর্গুক্ত ছিলেন)

statem care Russes offic most aneta fileder

Specific Companions regional constraints on an Missay Party.

AND THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY AND ADDRESS OF THE PARTY.

হিসার (ভালাকের ক্ষেত্রে ইমানের হিসার করার নির্দেশ)

স্ববর্তীর্ণ (ভারবাত ও ইনজীল স্ববভরণের পরের বিভর্ক

riba (Rusten and Ciffs source rates ribates - states result

নেই ব্যোতি স্পাৰ্থর পর্যে মালাক মিলে ইছম নেই)

ਨਿਲਬਾਲ (ਰਾਲਸਾਤ ਵਰਜਿ ਮਾਵਜ ਭੀਵਜਰ ਵੋਢਾਨ)

বন্ধসার হবনি এজন স্থীলের ইম্বন্ত হিনায়াল

भारति (Suite भारति सामान भारतः)

Cotton Baller Scratters reporter

प्रमातक डेक्कीम (मधा करवाक

সংকর্মশীল(উমহিস সংকর্মশীল ছিলেন)

পৰ্মবাধীৰ উদ্ধান সমান পাসৰ পৰ্যায়

ইনিহাস (ফারীম)

শুনাক্ষরে ইড়োছর গছন (সীমহবাস প্রচা

ইচ্ছা (পূৰ্ব পুৱা খেকে)

भारत (देखीन माराच मारा रहि सारान विवासको ) ব্যাহয় (তানবাম ও ইঞ্জীল কাৰ্য্য কথ ulter cafelanus ultra servia Rabira was (Professor and the State of 486 900 200 30 000 **V8**2 030 102 018 1930 66 933 900 200

88

effects are states (energy effects) GGC /tollers means no are four GGC other order. शिकामान (देखील शिका जिल्हाका खालाव स्थापक Sent one (Rate Sent Seras Sents Seres) on carto Finanzi Busanzonana mana Grada 350 MENTAL CULTU A MINE MENTALLY MINERS BAND mercus Reco era prificas (Commos So) জ্বৰন টেকন চিনিষ্ট স্কৰ্মন অভন জাহালামের ইছন (মান্য ও পাধর) Between migrating Daw (Wintere die fiere stree Between man part westurns have (manteonial favorus serra) सारामाञ्चर हैकन (फासहाद राम मित्र सर दिनामन रूप हर प्रा) ener a true atelerry Never Star etres of more marketing pareces have THE CASE ALEGAE BY DAY THE SERVENCE AND A STATE OF THE SERVENCE AND ASSESSED. মানৰ ও পাধৰ জাহান্তামেৰ আছনের ইকন THE A MICE BEFORE THEFE BEA Santre NAMES OF THE PARTY য়ভিথ (উৰৱাটাত অভিনিস্ত ব্যৱস্থ বাসল সা এর নিবট আলা) কভিৰ (Se**nti**jus অভিবিসের কর কমিবসেরক কাব্যব NAMES OF PERSONS ASSESSED FOR A PARTY OF PERSONS ASSESSED FOR PERSONS ASSESSED FOR A PARTY OF অনুপারী (উর্বাহীয় আ ভিক্রেন নত আ এব নলানে) NAMES OF THE REST OF TRANSPORT PRINT NAMES OF THE PRINT O অন্ত্ৰীৰ্ণ (ইত্যালীয়ের উপর অন্ত্ৰীৰ্ণ বিভাবর প্রতি ইয়ান)। walled (transferor liver roughed Granton with World) ভাসত (উনৱাহীয় আ. পরিজনতে বলন 'আমি ভাসত') অভ্নার ইংবারীয়ের জন্য পারস ও পারি চওবার নির্দেশ recoil (Conferent Sugar, religible, concessio Sugar antiquist) कार्ल (प्रेस्स कार्ल प्राचक देखबरीय का. त प्रस् अस्तियर प्राप्त) modificate (special or iterations mod mounts love) আল্লাহ ইবলাহীয়াক ভাকলেন (জবাই করার পর) ইউন্নয়ত পিয়পকৰ ইববালীয় रेज्याचीरका जिल्हा अस्त्रमधाका प्रतित होनापत सम्ब Business on ordered workflower touries and Brits (BealPring Beirgs Bales, MAR Traces of a Rooffmar than Contact of professor water উললি জিল্লে বা উহবারীয় বাসারাও মন Bulliapeer (Beeffer to Bulliapeer for first twenty move) Brates (Rearists or order and stress fields Brates) ট্রিছার/ইবরারীয় আ ও লয়কে আলার উদ্ধান করেন। दक्काने (देशाहित का **क्षा**या क्षाप्त क द*ल्यू*नने बिन्...) त्वस्थाने (देशसमेर का जिल्हा त्वस्थाने প্রসিক্ত (ইবরাই)ম জা, কঠক সন্তান্সেরকে প্রসিক্ত) ন্ত্ৰী কৰা (আলাচ ইববারীয়াক নতী কাকছন)। কলাৰ (আলাচ ইবলাইয়াক সনিয়াকও কলাৰ সাম কৰেন করবানী (উচ্চাটিন জ কে ছালে উপন্যটপকে করবানির নির্দেশ क्या शार्थना (वेंबतावी)यात क्या शार्थना, जात भिजात कना) राज्य ज्ञानाम्य विकासायस्य विकास आकर्तन्य ঘৰ (ইবজাই)মেৰ জন্য ঘৰ/কা বাৰ স্থান নিৰ্যাৱণ করা) family of Andre Sylenia Sylenia Sylenia Senior

स्थान (वर्षि क्षेत्र गणार्व देववरीयक गणनारक **स्था**न)

8	3	ø	ē	12
2	•	Б	-	70

अवा भर क मात्र व्याप्त क

Shutterestern

NA MITTER

S. atera

A STREET

৯,জানতা 338

0.6 TOWN

55.700 VIII

৬-আন'জান

6-2016 201X

A DESCRIPTION

6-7016 TRIN

১,বাকাল

Ro-Mat

১.বাকার

২-বাকাল

Name of Parties

- mark mark

AL MINIST

১১/আছিবা

Name of Parties

SOUTH PER

২১-আধিক

৫৭, চানীৰ

77-29 200

o fire 48 266

o faran 250

**३.वाकावा** 

a.mara 205

11.00

55-**ए**न

a retra Rustu 44

VA. BIZGZIE

e mirer Rooms 39 080

A. WIN' WIN 262

২-ব্যক্তার

33.30%

55.W00 80 954

১,জনাজার

২১-আছিল

৩৮-সেরাদ 80 brab

34-9/90tm

৩৭-সাত্তাত

SAME OF ORTHOR 63 933

8-निम

a. Stor Stor 38

N. Stranders

Va. zinbatz ah

্ৰাজ্যাল উন্নতান VD:D 0.00

%o-ममवास्थित 8 205

ve Ramina

A. MIZE TEXT

AND PERSONNE

AN. Windshirt

es were

NA. PRINCEPONE

विषय (संज्ञा

क्षात्रका अञ्चलका वार्लक देशवारीचान्य कामा व्यवस्थाना व सन्तर्का

অর্থ পেরিপারকের রাপারে ইরবারীয়ের সাম্প ন্যারকার কর্ব।

uta (miere Roseffiare Rante, Rates), uta erran)

within some American and soften army services and

current (Minesona Galletin starana faria Basaltras )

careron Consens Transferrors reporter calcifer service carety.

NOW SHORE RANGED THE REAL PROPERTY OF STREET

rain (transference name and transporter name delegation must

ned Calva Sales are over transfer on varia of keleta area.

and there likes are one builder or sure of some work

nant handermore some Greene or manager factoring south

(अवर (Santa Garwar o Santa) अन्य उत्तर का उत्तर का उत्तर का अन्य का

facilities (Resolution refice facilities and resolution

निर्माण (ता व्राप्ता निर्माण BeatBrad असि विम प्रवापकारक का )

নির্মাণ টেকজীয় আ কর্তক সম্প্রদায়ক অক্সাহর ইবাল্যকর নির্মাণ

নিৰ্দেশ (কাৰায়ত পতিত্ৰ ৰাখ্যক উবক্তজিয়েত পতি নিৰ্দেশ)

लब नाम्बंद (प्रकारीयाक अधिनामक नम नाम्बंद कारक)

প্ৰীক্ষা (ৰংগৰুটি বাণী ধ্বৱ আল্লাচ ইংৱাহীনাক পৰীক্ষা ৰংগ্ৰ

Sone /Stransferror Sonera velida (Correct stran)

अका (देवतादीधाक (अका कार्राक्षणक वासाद)।

carrogatives Sportfrom Costs wint (nonventors)

ফেবেশরা (ইববাহীয়ের করে ফোরশরা আসা প্রসঙ্গ

Searce man States Breat went often

शिकाद **क**मा है बढाहींट्यट कथा आर्थन

first (Reality on one first remark from yours) ortfolio.

পিত্র (ইয়ারাইক্সের পিত্র/মতলমারার ম্রার্মিপক্স মতলার্ক প্রশ

Service serve Republicate content (contents Retries exper)

renarratoria mena atane Randrette reterrata arith

metro (Ramba ne la Romationa metamana na maka)

बाल्यक (वेनक्वीद्रात नाल्यकार कियान विकास के शहर नाम)

SEASON STREET / SEIGHTS BOTTERINGS CHESSES STREET ACCOUNTY

ক্রম (ইবর্মান্ত আ অর্কত ক্রমত জীতিত করত পদ্ধতি নেখাতে কর।

তলা প্ৰেছিপালৰ পৰ্ব নিব খেকে মাৰ্যত উপৰ ঘটালো প্ৰমন্ত

কা (ইৰৱাহীৰ আ, বাব শিক্ষা আংবাকে শিক্ষণ সম্পূৰ্কে বাশেকৈ)

ant (references reports beathras are \$400,000)

Grand / Countitrons amounts Grand (Street Government

San (Sudflura San cesa Brés em mesuros circio)

Swell (Nanthy or marris) forms becam unerally

প্রকাশ ইত্যালীত হয়, স্পষ্ট নির্দেশ, বাঙ্কার ছাপিত কাঁবা মতে।

Same / RoseParce Same belauf vorus reporte sella fardan

বিয়ার (ইংরাইমের বিয়ার অনুসরুগমারী উন্নয় দিন থেকে উত্তর)

বিধাৰদী কৰু (ইনৱাহীয়কে তাৰ সম্প্ৰদান বিধাৰদী বলেইল)

प्रक्रि-अपन्य देववादीचारः सन् (अञ्जनसम्बद्ध प्रदाविकादः)

बार (परावार प्राप्ता अब परिवाससीया प्रेमासीरपत बारा

সাবেদ (ইংএইটারে সাবেদ পঠ করে কর্মনের নির্দেশ, রাপুল স. কে)

money Registro on the state and office material exper-

তম (মেকেশ্বরাসর সম্পর্কে উৎমন্ত্রীমের তম দর করার প্রসঞ্চ)

प्राथित (देवारीकात सामान प्राथित कार्यक्रम

चिकार/जामर्न (देशकीराध्य प्राप्त-संस्थितक अस्त्री अस्ति विका

factor (scaling terfest from Resentings factors)

শক্তিশালী ও সন্ধানশী বাজা ইববাচীয়

erfer office come (Rosarthrop Sect)

meter (Kanifersa meteoria urafika arana mater )

diarrate was Receibres / uterrer was ciatral)

নাইয়াৰ চলেন ইববালীয় আ পিলা পোৰ

Die affecte Grafe fan Aberefferen affer

মাজা চেকাৰ উৰ্বাহীয় আ ৰূপে ভাল হব মৰ্তির স্বৰূপালে প্ৰদেষ)

উববাড়ীয় (পৰ্ব পঞ্চা থেকে)

देशास्त्र

माराजारी गरी किन देवनारीय

١	9	ę
5	5	
۱	8	
	0	

172
896
005
578
585
rbbr
106
108
195
755
000
boo
000
000
546
578
185
195
250

058

900

949

000

232

928

>4

Seminary (Seminary Seminary Seminary (See) अतिक (देववदिनार अतिका प्रातंत्रना अस्तिक वर्षण प्राप्त) weather come was a manufactal firms baseling লাজী (আলার আব্রাল-পরিবীত পরিপালব/নারা .a. বিষয়ে रेजनरीय का आधी। की (देशकार्विकार की शास मध्याजन किया जन्मातवा जनावान अन्तर)

ছলয় (ইবরাইটমের ছলরের প্রশান্তি, পুনর্বীবন প্রসঙ্গ) हैवलिन (चारवा रमधन भवजान भवति) অসমান নাম (উন্নিস ভাবৰণে প্ৰাপ্ত, বিভায়ত পৰ্যপ্ৰ) THE STREET CHEMICAL GRANT WATER THE THE TRUSCH THE STREET WATER reflecte (measure fame) more ballet reflecte more) weens (weens fewer many balles reprints man कार काल कालीवार कर तथा। वासीवार सामा तथा बाहानाच अर्न क्या इरव डेवनिम स खब खनगर्वीएवट लिख Security (Raffernor, reports facilitate automatic क्रिकाम (हेर्निमार मिक्स में करार कार्ट क्रिकाम ная Либогов матера сет еди име западны дост Gordan / Bullimoran ressure Gordan Goren unco प्राथनमाता (अक्सा करत प्राप्ता है श्रीरेप्त वासीन वर्तिक (देशकारक वर्तिकार प्राप्तकारी प्राप्त प्रकार विकास प्राप्त प्राप्त क्स राज्य (डेर्सनायक राज जिल किरार प्रांतपारक निकास कराय) Souther a repair and disculse when General war Relies (versers) Some war at (mexica) সিক্তমা করল না ইবলিস আনমাক francis was in Palers account referen marie marien features (recovers and Baseries ). suffrage (Nature (Suffrage source Suffrage)) व्यक्ति (विकास पान करा वर्षणी क्रिय अर्थक्रियान अस्य देखायक) овым насе почило Ченком эконо эконо иг ил батам экон устати. mento sala man astal Balerin al asala misain (alternista) minin unut may mirat Salara at auta farris samp and sex and Parms in and Street Straw same NAMES AND PORTOR PROPERTY OF THE PARKET আহার ধারে অসের ইবাবছের অর্টেভিন্সন্তা ইনরবির আ প্রসাস

জন্মান্তর উন্নালত করতে বললেন নয় আ, তার সম্পানারব

আলাচর ইরামক করাল হাসীত বনী ইসরাইলাক বালভিল

অব্যাহত উপাদত করের অবস্থান নিব্দ সম্প্রসাহতে (নৃত্ আ, বর্তক)

कामान देशका अल्ड (विचान कार बच्चा विविध जात)

আলাচৰ ইবাসক কৰাৰ আহুবান

natu see minu basen para logi booking menetra) বাপ্তার দ্বারা বাসের ইবাসক করে আসম্ভবে করেনের সম্প্রদার আলাচ চানা বাবো ইয়ালয় না বাবো আইবোর (করি ইসবাইলের) name and open Retern at most retesta range Sentamores বালাচ হাড়া কারে ইবালত করা যাবে না western nouth artern Greate Managem man with traffice and water an নাল্যায়ন উনাদত ও কলজনা প্রকাশন নির্দেশ पालका देशांच्या ए विशेषका सन्त दाससमा शहर असम অস্তাহর ইবাদত করত (ইসহাক আ, ও ইয়াকন) जालक है क्रमण करात व कार्य सर्वकार विर्माण करा वास STREET WHEN MAY'S ARREST OF THE SERVICE

विवस्तानम् ज्या स्टब्स

23-STVI

VA. 2028 812

5 3894 3894

33.2000 80-गर्भक्रम

SO-DEPT

> 100 acr

৮९-आंश 13

AN ORIGINA 44 949

33-29

33-87

a-राक्सदा

a tortam

20.76.30 3325

২-বাকারা 112

21 200

34

299

589

260 603

08

The course of the section of the section of

Control Control Control Development and Control Control

जनकात (वेदनवीयान कर उपनकार विभागती जनकिन)

Transporter of water Street Street Constitution of the

अन्तर्वादिक (वेद्यविक व्या तक गाविक वेद्यवाद तक अन्तर्वादिक)

३.वा**वा**वा 0y-01418 www.committee Abr. Cataba Sp-Sper 48.800 e conform 19.3mm 34-9/908 o inthems No.Sirana No State 2)v. 8158 9.00 200 30-Sep. 80.7007010 VS OUTSTO 5.3763 A. Stor Sto ৪১-ফুস্সিলাত GA-OTHANIA ১১,উউসক AN-TEST 22-miles ১১,জাপিক 7A-6150 ১-বাকাৰা A.MIN TRAIN o.unw ২৯-আনকাবত ১৬-নাহল AN INTERN ১৬-গারল 9.7987600

o mehere

৫-মারিলা

৩৯-ব্যাব

o dice Syste

২৩-মুখিনুন 20 101

ইবাদত	ইয়াকুৰ		
<b>1</b> 1	44		- विषश्र/ध
$\overline{}$	शिक्षणक	rat Park	ार कवार जिल्हेन

स्था सामा स्थापना ना

09

900 n/a

40-1

AS-2707

e.Sprt

93-70

to When

03.0213

Vo Piter

44.2727

S.atatat

R3,399(SHH72

es affects

35.000 Page

A DEPUT DES

9.707 000

००-३मञ्

80.000 48

N. Nigation

N. Sinotes

39-MIZE

a)-অভিন

২১-আপিয়া

30.90.30

Vo. Billian

77.28

Sharie Sala

45 1989

An algorita

Sh. WHITTER 24

AND ARREST

असाउद देशमार कराव ० क्रमण कनाव जिल्लेन

আলাত্রর উরালক করার নির্দেশ (ছছিনাভবার)

Market Batters made Fundar Julius mafferns.

मासाहत हेजारूम कवात विवर्तन (भाव काणिक

বাস্তাহর ইবাদাত করার আঞ্চাদ (মানসকে)

अभाइन डेनामाप्यत समा सिम १० प्राच्या असि

Marine Relate and William (willbe were un)

SIRIDA BRIHINAI AVERTA AVERNA MATERA GITÁN

National Relational Guides intracts out confine outer wassersoner.

CHARGE STATE (NEW SECURITY OF CHARGE WHILE CASE SINCE STREET

Name Astronomics come would find a more

कालाहर बेंगानाकड भिर्मल (व'क्षाविक गण्डानावाक)

আপ্ৰাহৰ উৰাদতেৰ নিৰ্দেশ/আৱৰাম (উলা আ আৰ্তক

कारावय देशासाम्य जिल्लेमा सम्बन्धाः वर्णानः जनसम्बन्धाः वर्णा

Winter Baterres Strafet/Selait stares; ellewises)

reterior Burgaries Gradet caus are the carry methods.

WHILE BRIDE BOTH ARTHUR IN WIND THE SHIPPING

সাম্রার মার্রা সালের ইবালয়(স উপজ্ঞার/জপজ্ঞার করার পারের)

সাম্ভাৱৰ ইৰামত বিহুৰ অহমানীৱা মাহালামে প্ৰবেশ কৰবে

WRITE (AN WORKS BATHERS BOARD OF ST. COMMAN.)

व्यक्तक प्राप्त व्यन् वृद्ध वैश्वनक प्राप्त करत कुम्म ग. का करका म

ইয়াকবের সভানরা কার ইবাদত করবে ৷ (ইয়াকুবের প্রপ্র

ইপারের উপ্রথম (ইয়ারতের সন্থান কর্তক এক ইলায়ের ইঞাল্ড

रुक्तिका पार देशांच्य कर बामन म आव देशांच्य कावनम

অভিবর্ম বার ইবালত করে রাস্প স, তার ইবানভকারী ন

कारायक अभिकारका है समय कहार निर्माण (कहारे पामव अधि)

व्यक्तिक स्टेम्पर देखेलार करूर स्टाल्याच प्रधानन कर बात

দ্যান্য হয়ে তথা উপাছের উরামতের অসাক্তা প্রস

Societ (reserver Brates mores o retota pelinus Simiet )

श्रीविभागायाय विद्यासायाय निर्माण (अक्रम क्रमाय कर्ना

व्यक्तिसामानक वैज्ञानक विवर्धन (जारान घर ८८)

officerana Baratro Wilson state Grafes

প্রতিপালকের উরাধান্তর নির্দেশ

विकास का देवका करत जा स्कृत करत केंद्रपुत्त कर था, उपयुक्त

প্রতিপাশকের ইবানত করার নির্দেশ (মতা উপস্থিত না হওৱা পর্যার)

निरम्भ /जामार कारा जानाव वेबामक निरम्भ)

परंत्रत्यम् वेतास्य कार्यस्य अस्तारकीतः

আপ্ৰাৰণ উৰাৰকেৰ নিচৰ্লপ (আন্তা কোন উলাচ নেউ)

कामादव देवामाञ्च दिवर्तन (वदी जानवाज

আহাতত উবালুভের নির্দেশ মেমিনসের প্রতি

Without Balantina Grafin (Spatral)

OTHERS PRODUCE WHEN WHEN BOY

वारावर देवांगावर निर्माण (द्वाप्रक प्रण्यांचारक)

Witting Ballering Grafet (Street perfect offer)

অপ্তাহৰ ইবাদাত কৰতে জনিউ চহেছেন বাসল স

বালারর ইরামত বিধার সাথে করে (অসলা হানস)

আল্ফার উন্নালন্ত করার নির্মেশ (বাসল স. জে)

অস্থাহৰ (আমরা তথু অস্থাহরই ইবাদত তরি)

আন্তাৰ কথো অনোৱ ইবালত নিবেশ করেন ন্ত

वासाक देवाकल कारका काराव

aterica Sarere wara forés

Worten Returns Surfer

MINISTER Ration many filtrale (Minister Generalie)

Weeker Rodom mosts Gorden (Rosses note more GAGD more)

NAMES AND POST (SPORTS OF ADMINISTRAL)

आमाद्य देशान्त्र करका नवी (क्षेत्रक जांद क्ष्मा निर्मित्र करक)

বাল্যতর উরালত করার নির্দেশ (নহের সম্প্রসায়ের প্রতি)

ইবাদত পৰ্ব পৰ্বা খেকে

e	2049	ব্যিত থকা (ভেরেশতা জ্বজ্ঞার করে ইবাসত খেকে বিবত থাকেব)	৭-30'রাফ
ФЪ	662	মানুবের ইচ্ছানুবালী ইবাদত করা (আল্লাহর পরিবর্তে:)	৩৮-মুমার
22	5-92	মুশরিকানর ইবালতকে শরীকর অধীকার করেব (বিয়ামতে)	১০-ইউনুস
20	729	মুশরিকদের ইথানত সম্পর্কে শরীকরা বেধনর	३०-विकेन्स
0	378	রকুল স. এর (কবিকরে বর ইবানত করে রাজুল স, তার ইবানত করেন।)	১০৯-কাঞ্চিত্রন
65	495	রকুল স্ এর(রকুল স্ যার ইবাদত বর্তনে বর্তনে করে ইবাদতকরী না)	১০৯-কাঞ্চিত্রন
જ	900	বাসুল স. এর (রাসুল স. যার ইবাদত করেন কাফির ভার	১০৯-কাভিকন
38	592	ইবাদরকারী নর)	209-411644
308	908	রাসূদ স, আল্লাহর ইথাদত কংকন	১০-ইউনুস

दिवस्त्रीतंत्रक

পরিপালর আলত ভানে আনার ইয়ালাক করেক উপ্তথাকা

লক্ষকত তাম কর (অল্লাহর উত্তলক্তক লক্ষরতাক মতা করা)

শতীকলেত (অনুসাধীয়া কেবল আমাদেশ্ৰট ট্ৰালাত কৰত না

क्षेत्रकन (क्षेत्रकारकोत्रक करा विभागनाकन छाउँवास्त सार

artisted Salamatic are plant to the Raises to you

ਰਵਿੰਦਰ ਵੈਵਾਵਰਗਦੀ ਸਦ ,ਗਲਜ ਸ ਹੋਰ ਵੈਵਾਵਜ ਰਾਦਰ

NUMBER OF STREET STREET STREET STREET STREET STREET

রাল, বের্বির হার ইবাদত বরে রানুদ প্, তার ইয়ারতবারী দা

वंत्रा न, (नवान्यतः नवान धंन्यतः वान्त्रा न, व्यवन अध्यः वेत्रान्यस्थी)

हरताक क्रेम्बाकर करा विश्वनागर विश्वय विश्वरत क्रांस प्राप्ता

রতে ইবানাত (কাহাজুন) আবারের নির্দেশ, রাসুল স, জে

क्सो (विकास कमा प्राविधाया अनेत (देशवासकारा)

STREET (RESTEED STREETS STOCKE STOCKE INSERT

NAME OF THE PARTY OF THE PARTY

ही (वेप्रशासन तीन प्रांतन ताविणानावन क्या)

হরুকীলো ইয়াম বলালার জনা প্রার্থন (প্রতিশাসকে নিকটা

ভিত্তি (কাৰ্যাত অনুসালাজীয়ন ইয়াবাসক মিনি ৰাচ্চ (prov)

न्य *तथ प्रच्याचनात वेत्राच* केलोक्ट्राट स्टिक्का स्ट कर स्थान

আলা (মাত্রা আলা পর্যায় প্রতিপালাকর উর্বাধন করার নির্দেশ

WINDS WITH AND ROOM BYING MATTER WA

world (Roombrox Data results) figures after Boto)

Bedid (Balaise Gee Bedid Sewiner of a Bate)

ইসহাৰ জা. পৰবৰ্তী ইয়াৰুৱেৰ সুসংবাদ দান (ইবৱাহীনকে)

देशी-मानवा (विवायन पर वेशी-मानव क्रिन किन प्रस्ताप्रे आत्मा) ३,वारवा

টালাটীমের জনা দান কালেন আল্লাহ ইয়াকুব

পরিজাগ নের জ. সম্প্রদারের উপাস। ইরাইনতে পরিজাগ ন করা।

שובשרם זמונים לשיבות החומים מיונים

खाबाड समीरक डेंबामककारिनी जी मान कराज भारत-

Name (Internated /Waster to appl exec)

समित्र मा खटाट खासना खालाइव देशाला

अपेर वेदावार जा करात एका गरित (जी

Belevation

Severa

Baterna Day

Relate over their

Sales (Manual)

अन्तर्भव पर विवास कार भा तक्षण प्रत देखाँचे प्राप्त अन्यत अनीत ২০-ব্যব্যতিন ৩৬-ইমাসীন ৯৯,সাহবীয়

942.9

969

1000

2000

अवा क भ साव विश्वपृत्त

der stant 940

10.87

a Sinon

Nr.-20000

N. WIND

MB 686 Alvo 593 180

o-प्राहिता 22-54 dis \\_terfeet 8 11.70 30.3548 22,3790 80-1139 33.5H 0.7017/200 10-22m 306 3.2020 ১০৯-ক্ষিক্ত ১০১-ক্র্তিক VVP-3818\* AG STREET A Tillian SA-DEFE 14 200 80.XX o.mifetta 10.500 33,378 ২৭-নামল S. WINES // 1123 M

Zere

ইয়াকীন (মড়া)

ইউসূতের পিতপুরুষ ইয়কব

डेशक

din 200 020

২-বাকার ss renther ३०३-वर्गक Non-military 22 DALIGH N-701620 Anh. arribas Ro-Trees 27-808 Se moleum 19.2280 AG-TETRATE a Serve Women

10.8300

१३-स

93-79

No. Simo

এক সাহয়ার

s.atatat

১১-ইউসফ

22-29

/>-215B#12

০-আলে উম্বন্ধন

२१-पुनरकाम

e-জালে ইহবার ৩৫

नव शिराव/धनार	मुझाम् ७ सर	4	168	শ্ব <b>বিহা</b> /কেন	理技學	to the	20
ইয়াকুব (পূৰ্ব পৃঞ্চ ব্যেক)			$\perp$				-
প্ৰসিয়ত (ইয়াকুৰ আ, কাৰ্ট্ক সন্ধানদেৱকে ওসিয়ত)	২-বাকুরো	305	676	পূণ্ডবান (ইলয়াস আ, পুণ্ডবাননের অভর্তুক্ত ছিলেন)	৬-আন্আম	P6	80
ওহী করা (আল্লাহ ইয়াকুবকে ওহী করেছেন)	8-मिना	390	211	রাস্ল স. (ইকইরাস হিকেন আল্লাহর হেরিত রাস্ল)	৩৭-সাক্কাভ	250	b
নান(অক্সাহ ইবরাহীমের পৌএখরপ ইয়াকুবকে দান করেন)	২১-অধিরা	92	328	देशदानीन	1		Į.
দান (আল্লাহ ইবরাহীমকে ইসহাত, ইনাকুবসন করেন)	২৯-আনবারত	31	マンケ	উপস্থাসীনের উপর সালাম বর্ষিত হোক	৩৭-সাক্ষাত	300	65
পরিবার (ইয়াক্ষের পরিবারের উপর নিয়ামত পূর্ণ করা)	24-१४/१४	è	633	देशदाय			Г
বংশ (ইয়াকুৰের বংশের উভয়াধিকারী প্রার্থনা থাকারিয়ার)	১৯-নার্ট্যান	6	908	হানুহত জান কান (পাশ কাম ও যা থেকে বেঁচে থাকা সম্পর্কে)	৯১-শাম্স	ъ	20
মনের প্রয়োজন পূর্ণ করেছিল ইয়াকুন	77-5534	ide	000	ইলাহ (আরো দেখুন উপাস্য শব্দটি)	DF 11(1	÷	۲
মৃত্যু (ইয়াকুৰের নিকট মৃত্যু উপস্থিত হওৱা প্রদাস)	<b>३-राज्य</b>	>00	676	व्यक्त वाहारहे सकाय हेराड	80-पुश्कुक	₩8	8
ৰভিশালী ও সৃষ্ণদশী বাদা ইয়াকুৰ	৩৮-সেয়ার	82	8100	অল্লাহ প্ৰাক্তা ইলাহ দেই (নৃহ আ, তাঁর সম্প্রদায়তে বদলেন)	२०-मुमिन्न	30	9
प्रदेशनाथ अपूर्ण । चाना चाना चानून प्रदेशनाथ अपूर्ण (खाद्वाद देशकुरू व गर्देकनाथ अपूर्ण करान)	৬-জদ্'জম	78	\$08		২-বাকুরো ২-বাকুরো		
প্রেম্পিল(আপ্রাহ ইরাকুবকে সংকর্মশীল বানাদ)	२३-व्यक्ति	93	928	অপ্নাহ হাড়া কোন ইলাহ নেই (আয়াতুল কুরসী)		22	8
		93	692	অপ্তাহ হাড়া কোন ইশাহ দেই	৫৯-হাশর		
পুসংবাদ (ইবরারীমকে সুসংবাদ দাম)	১১-বৃদ	73	974	অল্লাহ হাড়া কোন ইগাহ দেই	২৭-নামল	80	b
ইয়াতছ		$\vdash$	ш	অক্সহ ছড়া ইলাহ দেই	২-বাকারা	790	2
ত্ব ঝা. এর সংহারতার উপাস্য ইয়াছেকে পরিয়োগ না করা	१५-न्य	২০	394	আপ্লাহ ছাত্ম ইলাহ দেই যে প্ৰবং/দৃষ্টি ভিবিৰে দিতে পাৰে	৬-আন্ভাম	86	8
<b>देशार्श्वतं</b>				অক্সহ যায় ইলাহ দেই	১-ঘাবৰা	259	0
বন্দকের মুনাঞ্চিকরা ইরাছরিববাসীদের কিরে বেজে বলে	৩০-সাহ্বাৰ	20	548	আল্লাহ ছাড়া ইলাহ নেই(ড'আইৰ প্ৰসদ)	৭-আ'রাফ	pró	0
रे <u>दा</u> क्क				वाहार शस रेनार अरे	৩৮-সোৱাদ	95	ъ
মুদ্র সেরা (বিরামতো পূর্বে ইরাকুল-মাকুমতে পুসা সেরা প্রদাস	२५-वाशिश	λb	946	অল্লাহ ছাত্ৰা ইপাহ দেই	২৮-বাসাস	90	ь
হাসাদ সৃষ্টিকারী, ইয়াকুজ-মাজুক (পৃথিবীতে)	79-10020	38	902	আল্লাহ হান্ত ইলাহ নেই (ডিনি আরপের অধিপতি)	২৭-নামশ	26	Ъ
Bullon		-	-	আল্লাহ ছাড়া ইপাহ লেই (পুতরাং তার ইবাদত কর)	২১-জাথিয়া	40	1
মান্ত্ৰীয় (ইয়াতীয় আশ্ৰীয়কে খাদ্য নান- গিৱিপথ অৰ্থ)	১০-বাদাপ	20	2020	অস্তাহ প্ৰায় ইপাহ ৫০ আছে, যে আলো এনে দিবে	২৮-কাসাস	42	ь
কাব্যার (ব্যাতার আবোরতে খালা নাল- নারণের এখ) করা দাদ (খালের প্রতি জনবাদা সঞ্জেও ইয়াভিমকে বাদা লাশ)	16-999	b	2066	অল্লাহ হাড়া ইলাহ কে আছে, যে রাড এনে দিবে	২৮-কাদাদ	92	ь
	৮-আনকাল -	83	909	অপ্তাহ একমাত্র ইলাহ	৬-জান'আম	39	e
গনিমতের একপঞ্চমাংশ ইয়াতীম, মিসকীন ও মুসাফির				অল্লাংই একমান ইলাহ, তাকেই তম করার নির্দেশ	১৬-মাব্দ	62	13
নিজাদা (ইয়াতীম সম্পর্কে রাসুল স. কে জিজাসা)	২-বাকুরো	220	655	व्यक्तरहे यक्त्राय हैगर	১৬-শাংশ	23	1.
সভাবে (ইরাথীয়কে অভাবে নিচার দিয়কে স্বাধীতারকরীর কাষ)		- 2	3008	जबारी अध्याद रेगार	22-17%	08	1
দান (ইরতীনকে দান করা প্রকৃত পূণ্য)	२-सङ्गरा		479	अञ्चार प्रकराम स्थार सञ्चार सहार दिवार ७ छेपाल मुशोपमीत हेनार	২৯-আনকাবৃত	86	1
ধ্য-সম্পদ (ইয়াভিমের ধন-সম্পদ্ধে নিকটবর্তী না হওয়ার নির্দেশ)	৬-জান্'আম		977		১০-ইউনুস	30	l.
ধ্দ-সম্পদ (ইরাডীয়ের ধন-সম্পদ্রর নিরাটবর্তী হওয়াও নিষেণ)	১৭-ইস্রা	68	47.4	'व्यक्कार क्षान देनार (नदे' (सन्बर गान विश्ववादिश्य शैक्षि)		Mr	
নবী (ইয়াডিম নারীদের ব্যাপারে আল্লাহর ফতওয়া)	8-निमा	349	640	সন্তাহ ছাড়া ইলাহ নেই	২৮-ফাসাম		1
'লাই' ইয়াতীয়েব জন্য	৫৯-বাশর	٩	955	আপ্লাহ ছাড়া ইলাহ নেই (ছব আ.এর লাওরাত)	77-5a	20	3
বালকদের প্রামিরের দীয়ে খনজন্মর	১৮-কাব্ৰ	3.5	507	অল্লাহ হাড়া ইলাহ নেই (হানুগ ক্ষতি প্ৰসঙ্গ)	77- <u>ई</u> स	92	3
বার (ইরাডিমের জন্য বার করা উত্তম)	২-বাকুরো	536	658	আপ্লাহ মান্ত ইপাহ নেই (ত'অহিব তার সম্প্রালয়কে কম্মান)	22- <u>इ</u> ल	9.8	9
ব্যাই (ইয়মিনের সম্পদ কর্ণণ করন অগে তাকে ব্যাই কর)	৪-নিশ	0	220	অগ্নাহ ছায় কি ইশাহ আহে ?	৫২-ভূব	80	15
রাসুল স. কে ইয়াতীয় অবস্থায় পেরে অস্তাহ অশুর দান করেন	৯০-পূথ	b	3036	অক্সহ হায় ইবাহ পেই	৪৭-মুহাম্মদ	29	12
ব্ৰুচ ব্যবহাৰ নিষিদ্ধ (ইৰাতীমেৰ সাথে)	১০-দূর্য	>	3036	আল্লাহ ছাড়া ইপাহ নেই, আল্লাহ দাকা নিজেন	৩-আলে ইমবান		10
স্থানহার (ইয়ানিয়ের প্রতি সম্বাহার ক্রীইসরাইলের অসীকার)	२-शकारा -	50	eob	আল্লাহ হাড়া ইপাহ নেই	৩-আলে ইমরান	64	1
সন্থাৰহার (ইয়াতীমের সাথে সন্ধাৰহাবের নির্দেশ)	8-निमा	05	693	खद्वार शंश रेगार <i>त</i> रि	৩-আলে ইমরান	.0	1
সম্পদ লন্(মীরাস বর্টনকালে ইয়াডিমকে কিছু লান করা)	8-मिमा	le le	663	অপ্নাং ছাৱা ইশাহ নেই	৩-আলে ইমরান	200	1
সম্পদ (ইক্সিডের সম্পদ্ধান করা শেট্র আছন ভারে মত)	8-991	30	001	অল্লাহ ভাড়া ইশাহ নেই	৭-জা'রাক	262	1
সম্পন (ইয়াভিয়ের সম্পন রক্ষণাত্রকণ প্রসঙ্গ)	8-निमा	3	629	অস্তাহ দ্বাড়া ইগাহ নেই	৭-আ'বাক	90	1
			000	অল্লাহ হাড়া ইবাহ নেই (হন আ. বৰলেন আন জভিকে)	৭-আ'রাক	60	6
দাপদ ইরাভিমের হাতে দেয়ার আগে তার বিচার-বৃদ্ধি ঘাচাই কয়	8-मिना	6		अद्वार श्रम रेगार (नरे	৭-আ'রাক	6.0	10
সন্মান (ইয়াভীমকে সন্ধান করে না মানুৰঃ)	৮৯-ফার্ড	24	२०२३	অল্লাহ হাড়া ইগাহ দেই (রাজচুও দেই প্রতিপালকের)	৩৯-বুমার	- 04	1
ইয়াভিম মেরে		_			৩৭-সাঞ্জত	00	1
ইয়াউম মেয়ের প্রতি ন্যারবিচার না করার আশব্দা হলে	8-मित्रा	0	660	অক্সাহ হাড়া ইলাহ সেই		<b>७२</b>	ť
<b>देश</b> शीन				व्यक्तर श्रम रेनार (व्ये (का क्रांक्टर कान सामा संपूर्ण)	২০-মু'মিলুন ২১-আছিয়া		
<b>६०८७ प्रावधान्य</b>	০৬-ইয়াসীন	2	7457	অল্লাহ ছাড়া ইলাহ নেই (ইউনুল এর দোৱা প্রদর)		59	ľ
देशदरेश				স্বাস্থ্যাৰ হাত্ম ইলাহ নেই (মান্তই ইবানত করতে হবে)	२०-झ-वा	78	1
জিভাব (ইরাহইয়াকে কিভাব ধরার নিচৰি)	১৯-মারইরাম	33	106	স্বাধ্যার হাড়া ইশাব নেই	80-मुभिन	62	1
	৩-জালে ইমক		¢80	আল্লাহ ছাত্ত ইলাহ নেই (কাফিনদের প্রদর্শ)	77-ईsi	78	15
		90	900	আল্লাহ ছাত্ম মনুদের কোন ইপার নেই	২০-ফ্ল-হা	òν	Ŀ
ৰন্ম (ইয়াহইয়ার কচেয়র সুসংবাদ, ঘাকাবিয়াকে)	21-70/90			আল্লাহ ছাড়া কোন ইলাহ নেই (আল্লাহকে ভর করা প্রদাস)	३७-संस्त	2	1
ৰন্ম (ইরাহইরার জন্মের সুসংবাদ, থাকাবিয়াকে) নান (ইরাহইরা ডা, থাকাবিয়ার প্রতি ডাক্সাংর দানসকণ)	২১-অপিয়া		9.60				
ৰন্ম (ইয়াহইয়াৰ জচ্চা সুসংনান, ঘাকানিয়াকে) নান (ইয়াহইয়া জ, খাকানিয়ার প্রতি আল্লাহর দানবন্ধপ) নাম (ব্যকাধিয়ার পুত্রের নাম হবে ইয়াহইয়া)	১৯-মার্ট্রম	٩	908	অক্সাহ হায়া কোন ইপাহ নেই	23-15 <sup>4</sup> 5	20	13
ৰুদ্ধ (ইয়াহইনার জচ্চার সুগংবাদ, ঘাকারিয়াকে) দান (ইয়াহইয়া ডা, খাকারিয়ার প্রতি আক্সাহর দানসকণ) দাম (ব্যকারিয়ার পুত্রের নাম হবে ইয়াহইয়া) পুণারান (ইয়াহইয়া ডা, পুণাবাননের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন)	১৯-মার্ট্রাম ৬-জাল্'আম	9	508	অক্সাহ হাড়া লেন ইপাহ নেই	৫৯-হাপর	-	٠
ৰুন্ধ (ইয়াংইয়ার কল্পের সুসংনান, থাকানিবাকে) নান (ইয়াইইয়া ডা. খাকানিবাক প্রফি আদ্বাহরে নানাকল) নান ক্ষাবিক্তার পুত্রের নান হবে ইয়াইইয়া পুথাকান (ইয়াইয়া ডা. পুথানানের আকর্ত্ত্বক বিলেশ) বাকারিবার প্রতি ইয়াংইয়া ডা. আদ্বাহর পনাকরণ	১৯-মার্ট্রম	٩		অক্সাহ হায়া সোন ইপাহ নেই আল্লাহ হায়া কোন ইপাহ নেই (সুন্দরতম নামসমূহ ভারই)	৫৯-হাপর ২০-সা-ব্য	ь	ŀ
ৰুদ্ধ (ইয়াহইনার জচ্চার সুগংবাদ, ঘাকারিয়াকে) দান (ইয়াহইয়া ডা, খাকারিয়ার প্রতি আক্সাহর দানসকণ) দাম (ব্যকারিয়ার পুত্রের নাম হবে ইয়াহইয়া) পুণারান (ইয়াহইয়া ডা, পুণাবাননের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন)	১৯-মার্ট্রাম ৬-জাল্'আম	9	508	অক্সাহ হাড়া লেন ইপাহ নেই	৫৯-হাপর	ь	0

44 (44/43)	नदा नर ७ मात्र	1006	9381	শ্ব বিষয়/প্রসঙ্গ	अवा नर्श्वातात्र	THE R.	110
	THE PERSONS	-777290	E-C-95	প্রতিপালক (আল্লাহ) ছারা আর কোন ইলাহ নেই	৪৪-দুখান	b	30
इंगाइ (पूर्व पृक्षे (बंदक)				প্ৰতিপালক (মাপ্ৰাহ) ছাত্ত কোন ইলাহ নেই	९७-भगवाधिम	b	301
সন্তাহ ছাড়া কোন ইলাহ নেই	৬৪-ভাগাবুন	70	269	প্রতিপালক আল্লাহ ছাত্রা কোন ইশাহ নেই	১০-রা'দ	100	200
মাল্লাহ ছাড়া কোন ইলাহ নেই	৪০-মুখিন	۰	৮৭৮	सरविद्यालक वाह्याह बाह्या द्वारा प्रशास देगार देगार सरविद्याल त्य हेलाह बाह्याह प्रशास व्यवस्था करनन	82-साविता	20	30
বাল্লাহ ছাত্মা অন্য ইলাহ গোজার অসারতা	৭-আ'রফ	780	996	विश्व प्राप्त के प्रमाद पाना आधार करना नवता नवता स्मान	২৬-ছ'লারা চব-আর্	3.5	95
প্রস্থাহ প্রদুর জন্য ইলাহকে না ভাকার বোধনা (আনহাবে কাহাফেন)	১৮-কাব্দ	78		ভিত্ত'ব্যক্তিন ছান্ত কোন ইলাই আছে বল বিব'আউলে জন দেই	২৮-কাসাস	O'r	6.5
বাপ্তাহ থাড়া ইলাহ নেই	৬-আন্থাম	205	909	ক্ষী ইসৱাইল ও মুসার ইলাহ বলা বাছুরকে (সাথিৱী কর্তৃত)	২০-ড়া-হা	bh	48
বাল্লব্ ছাড়া ইশাহ নেই	२०-मू मिन्न	22.9	990	वर्तन (देन्द्रद्रशाय वर्तन कद्भरत न प्रमुद्धरूप (गाम वर्तन क्यात)	৩৭-সাক্ষাভ	00	76
অল্পাহ দ্বাড়া ইলাহ শেই (ওহীর অনুসরণ প্রসঙ্গ)	৬-আন্ আম	200	ბიბ	বছৰ বিশাহ থাকলে কাৰণে কাৰণে বা মুখ্যকৰ, খালা কৰক কৰা। বছ ইলাছ থাকলে আৰক্ত-পৃথিতীয় উত্তৰটি থালে হ'ত	২১-আধিয়া	44	2/2
অপ্লব হাড়া ইশাহ দেই	80-मु <sup>*</sup> मिन	65	200		৩৮-সোরান	0	bris
জন্মাৎ সাথে অন্য কোন ইশাহ নেই	२७-म्'बिन्न	97	993	বছ ইলাছকে এক ইলাহ বানানো আভৰ্য ব্যাপার	৩৮-লোগন ১১-জাধিয়া		98
অপ্নান্ত সাম অন ইশাহ নাবস্তব্যরীকে বটন শরিতে নিকেশ	৫০-কৃষ্	20	950	বহু ইলাহ/উপাস্য গ্রহণ (মূপরিক প্রবঙ্গ)		₹8	
জাল্লাহর সাথে জন্য ইকাহ আছে কি ৮ (দেই)	২৭-নামল	60	pod	বাছুরতে বনী ইসরাঈশ ও মুসার ইলাহ বলা(সামিরী কর্তৃক)	২০-জ-ছ	바	98
বাল্লাহর সাথে অন্য ইকাহ আছে কি? (নেই)	২৭-নামল	63	bog	বনির সের (তৃশকে ইশাহ বনিরে দিতে অনুরোধ,কনী ইনরাইসের)	৭-আ রাক	704	62
স্বাস্থ্যাহর সাথে অন্য ইকাহ আছে কিঃ (নেই)	২৭-নামল	હર	pot	মানুসের ইলাহ আল্লাহই একমার ইলাহ(রানুল স. এর প্রতি ভবী)	২১-আধিয়া	705	92
সাল্লাহৰ সাথে অন্ত ইলাহ আছে কি ৮ (দেই)	২৭-নামশ	68	pod	মানুদের ইলাব/উপালোর কাছে আশ্রর চাওবা	১১৪-নাস	۰	300
আল্লাহর সাথে অন্য ইলাহ দেই	৬-আন্'আন	99	694	মানুখের ইশাহ এক ইশাহ	৪১-ফুস্সিলাভ	b	50
অক্সর সাথে আরও ইলার থাকলে ভারা	১৭-ইপরা	84	939	মানুদ্ধে ইলহ এক ইলহ (রাসুণ স. এর প্রতি এই ওবী করা হয়)	৪১-ফুস্সিলাভ	b	40
অপ্তাহ্য সংঘ ইপাহ নির্বাহণ না করা ভট্টাকত প্রভাৱ অর্জাক	১৭-ইসরা	60	939	মুসার ইশাহকে দেবতে চার ফির'আউন	২৮-কাসাস	100	6.3
অন্তাহর পরিবর্তে অন্যকে ইপাহ প্রহণ করেছে (কাফিররা)	৩৬-ইয়াসীন	98	694	মুসার ইক্ষরতে দেখার জন্য ফিরতাউনের ভাকাকন	৪০-সুমিন	७१	100
আপ্রর চাওয়া (মাণুকের ইপার/উপাসোর কাছে)	<b>328-लाम</b>	0	2009	মূৰ্তিকে ইপাহ হিলাবেগ্ৰহণ (ইংরাইনের পিনা জানা প্রসম)	৬-জানু'আম	18	фc
ইংরাইনের ইশাহের ইবাদত (ইয়াকুবের লভান প্রসঙ্গ)	<b>३-सङ्</b> खा	200	676	মর্তিপঞ্জবদের বন্ধ ইলাহের মত ইলাহ খানানো প্রদাস	৭.আ'রফ	200	83
ইবাদত (দবামর ছাল্লা অন্য ইপাহের ইবানতের অনারতা)	৪৩-দুখ্যুক	84	666	সাহিত্তীর উপাত/উপাসা(বাছর)কে স্কালিকে দেবা প্রসম	২০-স্থা-হা	39	9,8
ইবাদত, এক ইশাহের (ইয়াকুনের সম্ভানদের)	२-शक्ता	300	676	স্থানিত লাভের উদ্দেশ্যে অন্য ইলাহ্ গ্রহণ প্রসঙ্গ (অক্সাহন সানিত)	86-आइकार	37	183
हेट्यांडीय का डेमाइटस्ट निकी ग्रम्स कडलम	৩৭-সাফফাত	97	5.95	স্তি নিয়ে পৃথক হয়ে যেত (অন্য ইলাহ থাকলে)	२०-मुभिन्म	92	90
হুংলার (এর ইলাহের ইকারতের জন্য অনিষ্ঠ ছিল পূর্বকর্তীরাও)	9-806st	40	680	ইপ্রিয়াল		_	$\vdash$
ইয়াকুনের ইপাহের ইবানত (তার সন্তান কর্তৃক)	३-राक्ता	200			lwa.	-	$\vdash$
হুবাকুনের হুপান্তর হুধানত (তার নরেন তত্ত্ত) ইপার্নের উপর হৈহুবারন করার নির্দেশ (কাফির প্রধাননের)	ও৮-লোয়াদ	9	brists	জানানো (অসুদৰে ইপ্লিমিটিন সম্পৰ্কে বানাবে বিসেং)	মুত্যক্ষিদীন	235	20
विज्ञाहरू विनाद देशका (देशकार व नवान श्राम)	২-বাকারা	200			Andrew.	-	⊢
হুসম্বাকের হ্পান্তের হ্বানত (হ্রাকুবের সন্তান এসস) ইসমাসলের ইপান্তের ইবানত (ইরাকুবের সন্তান প্রসম)	२-वाक्तमा २-वाक्तमा	200		ইব্রিয়ান (দেখুন ইব্রিয়ান শব্দটি)	Ind-	-	₽
হুসমাসনের হুগাহের হুবানত (হুগানুহের প্রভাগ এনক) ইমানে নিয়েকে ও ভার মাকে দুইজন ইলাহ হিসাবে এহণ	्र-पाक्षता ्र-माविमा	338		ক্ষিত্তৰ (পুণ্যবাদনের কিতাব/আমলনামা ইপ্লীয়্টীনে থাকবে)	যুৱাককিকীল নানকিকীল	72	20
	্ত-মারিদা	300	200		Soldina	-	+-
এক ইলাহ ছায়া কোন ইলাহ নেই	्-साक्षमा २-साक्षमा	700		ইপারা (আরো দেপুন ইঙ্গিত শব্দটি)		-	₽.
এক ইলাহ (মানুহের ইলাব এক ইপাব)				কথা বলা (ইপানা ছায়ে কথা বলতে পাবে না বাকবিবা)	৩-জালে ইমরা-		28
এক ইলাহ(মানুহের ইলাহ আল্লাহ একমাত্র ইলাহ)	২১-আধিরা	209	909	মরেইরাম ইশারা কলে সভালো প্রতি (সম্প্রদারের নিকট এসে)	১৯-মারইয়াম	239	90
এত ইশাহ (মানুহের ইশাহ আল্লাহই একমাত্র ইশাহ)	১৬-মার্শ	300		যাকারিরা ইশারা করণ সম্প্রনারের প্রতি সকাশ-সন্ধা	১৯-মারইরাম	22	90
এক ইশাহের ইবাদত (ইরাকুবের শন্তানদের)	২-ব্যক্রর		676	ইশারা (চোখ টিপে)			
এক ইলাহের ইবালাকের জন্য আনিট হয়েছিল পূর্ববভীরাও	2-80841	47		অপরাধীয়া ইপায়া করতের মুখিননের নিকট নিবে গেলে	50-	van.	20
এক (মাপ্লাই একমার ইলাই)	?⊁-এর্র <u>র</u>	220		जनसम्बद्धाः इन्तासः क्षरतस्य श्रीमनदभवः (भवनः ।भद्धः ८५०म	मुध्यक्त्रिकीन	- 65	100
এক ইপাব্ডিয়াত মুখ্যকর্তী ও আহলে কিয়ানো ইপার্ড এক)	২৯-আনকাব্ত		540	ইস্মাজিগ			Т
একম্বন (ইপাহ একমনই)	৩৭-সাব্কাভ	8	P29	অৱতীৰ্ণ (উলমাইলের উপর অবতীর্ণ কিবাবের প্রতি ঈমান)	२-पाकाश	100	e2
একমাত্র ইলাহ জাল্লাহ, তাকেই তার করার নির্দেশ	<b>36-गार्</b> न	23	909	অবতীৰ্ণ (উৰৱাৰীমের উপর অবতীৰ্ণ বিষয়ের প্রতি ঈমান)	৩-মালে ইমরা	1 68	0.8
একমাত্র ইলাহ আল্লাহ (সন্ধান গ্রহণ থেকে পনিত্র)	8-मित्रा	242		ইবর্ত্তীয়ের বর্ত্তকে উপ্রাক্তি উপন্তবতে সেরার অস্তাহত প্রশাস	১৪-ইবরারীম	¢5	63
একমাত্র ইলাব আল্লাহ	১৪-ইবরাহীন	45	694	ইপায় (ইয়াকুবের সম্ভান কর্তৃক ইসামসিলের ইপায়ের ইবানত)	২-বাকার্য	200	02
একমার ইলাব সাল্লাব	২২-ব্যক্ত	68	965	इंट्र्ल-नाजवाः (देजबाचेन इंट्रल-नाजा दिन दिना चन्नावरे कारम)	২-বাকারা	280	e:
একমান্ত ইলাছ আপ্লাহ (অন্য কোন ইলাহ নেই)	२०-छर-वा	35	989	উল্লেখন (ইসমাইল কর্তৃক কাবা দরের ডিব্রি উল্লেখন)	২-বাড়ারা	339	10:
ব্যস্তানিক ইলাহ সম্পর্কে ইবরাহীমের প্রপ্ন (সম্প্রানায়কে)	৩৭-সাত্যাত	146		উল্লেখ (ইসমাইলের কংগ ভিতাবে উল্লেখ করার নির্দেশ)	১৯-মাবইরাম	98	90
রহণ (আল্লার ছাড়া অন্য ইলাহ গ্রহণ না করার যুক্তি)	৩৬-ইয়ামীন	20		বহু করা (আল্লাহ ইনমামলকে বরী করেছেন)	8-Stat	360	
গ্ৰহণ (ইশাহত্তপে গ্ৰহণ করেছে যে, ভার প্রবৃত্তিকে)	২৫-ভূরকান	80	30.65	অবাই (ইস্মাস্থ্যকৈ অবাই করার বপ্ল দেখল ইবরাহীম)	৩৭-সাত্ঞাত	203	
গ্ৰহণ (অধিবাদীরা বহু ইলাহ গ্রহণ করছে, আল্লাহকে ছাড়া)	১৯-মারইয়াম	9-7	409	হৈওবিল (ইনমান্ত্ৰ অবাহ কাৰে বলু চাৰল হবমানে)	27-84841	300	90
প্রকা (আল্লাহকে বাদ দিয়ে বহু ইলাহ গ্রহণকারী সম্প্রদার)	79-416A	30			23-001/491 2-019701	230	
बार्द्धाम (वाद्वार शक् जना देवारवा)	22-MAN	99	989	নির্দেশ (তাবাহার পরিত্র রাখতে ইসমাইলের প্রতি নির্দেশ)	३%-शावहेसाथ	240	9,
ভালা (অন্তাহ ক্ষার জন্য ইলাহতে ভাকে না বারা)	২৫-মুরকান	69	93/9	বংশবা (ইবাহীয় আ ও ইনমাইলের বংশধ্যানেকে পথ প্রদর্শন)			
ভাবা (অস্ত্রাহ হাড়া জন্য ইপারতে ভাবা নিযেধ)	২৮-বলোস	bb	P24	মর্থানা লান (ইসমাইকাকে জগতের উপর মর্থানা দান করা হর)	৬-আন্'জাম	ЬÞ	
प्रांच (महिता खळाच्य आल प्रना वैमावत्य न प्रांगाय निर्माण)	२७-७'खारा	930	933	সংকর্মশীল(ইসমাসল সংকর্মশীল ছিলেন)	২১-আখিয়া	50	
भवि (व्रह्मार प्रस्त (को देगार मारी कारण शिव्यम व्यवसान)	২১-আধিরা	38	102	শ্বরূপ (ইসমাঈলকে শ্বরণ করার নির্দেশ রাসূল স. এর প্রতি)	৩৮-শেরদ	85	b
এই ইলার গ্রহণ না করার নির্দেশ (আছাহাই একমাত্র ইলাহ)	১৬-নাহল	62		ইসরামিল			1
विशेश (प्राप्तावर गाँउ पन देशके विशेश!)	32-Rwa	30		ইস্পাত করি ইনার্কশানের প্রতি রানুদরেশে চারেশ করকেন উল্লেখ	৩-আলে ইমরা	83	01
				বনী উপ্রাইশুদের থেকে অসীকার গ্রহণ	०-पाविमा	90	93
নিৰ্বাৰণ (আলহৰ সাথে ইলাহ নিৰ্বাৰণে নিৰেধাজা)	১৭-ইসরা	2.3					

99	4	

भेषा । विवर/श्रमण के अ	नृज्ञा नर ७ माथ	1000	101	व्यव	तुम कर ने नान	-	1
ইনদাম (আরো দেখুন আজ্বনমর্পণ/সমর্পণ শব্দটি)				ফাসাল(অক্সাহ বিরামতে ইংপিসের বিষয়ে ফাসালা করকো)	२२-सम	39	923
अकाम (रेन्माराव नित्र अकान करा दल त्य आहाद गणार्ज)	५५-माक्क	٩	3/00	ফ্যানাদ সৃষ্টির প্রচেমা চালিয়েছে, পৃথিবীতে	৫-মারিনা	68	QV1
কুক্ষরি (ইসলাম প্রহানর পর কুক্ষরি করেছে কাকির ও)	৯-জাওবা	48	484	নছুৱপেএলে (ইন্দী ও নাসারাচনকে বছুরপেএলে নিবেধ)	৫-মারিদা	67	62
ধীন (ইসপান আল্লাহর নিকট গ্রহণীয় দ্বীন)	০-আলে ইমরা-	22	009	বছুরূপে প্রহণ করবে যেসর মুখিন ইয়ুদী ও শাসারাদেরকে	৫-মারিলা	62	ev
ষ্টন (ইনলাম হাল ছীন অলাশ করলে অঞ্চলযোগ্য হবে না)	৩-আলে ইম্বান	60	488	বলা (ইন্দীরা বলে 'উবাইর আ, আল্লাহর পুঞ')	<b>%-व्हारवा</b>	400	68
ধীন হিনাবে ইনপামকে মধোনীত করবেন আল্লাহ	৫-ঘরিদা		gyo	বলা (ইছ্মীরা বলে নাগারারা কেনে কিছুর উপর দেই)	५-शकाब	330	
्रमाष्ट्र कहा (यह संयक्त प्राञ्चाद है जनादमा साना श्रमण करत (तमर)	৬-জান'জাম	256	bob	বিশ্বাস করে যে সর ইক্ষদী আল্লাহ ও অধিব্যক্ত	०-पातिना	69	er
প্রতিপাশকের নির্মেশত সরল-সঠিক পথ ইসলাম	৬-আৰ'ল্যম	336	905	বিচার-ব্যৱসালা (ইছুনীদের বচার-ভায়সালা করত, নবীপণ)	৫-মাছিলা	88	ev
প্রবেশ (ইললামে প্রবেশের নির্দেশ, ঈমানদাদেরকে)	३-वाकास	30%	650	বিকৃতি (ইছনীদের বিশ্বলোকের শব্দ বিকৃতি)	a-Fort	80	200
বার প্রশাস মার ইনালামের জন্ম লে আল্লাহ নিমুখ ব্যক্তির মাত নয়	৩৯-মুমার	55	290	मिया त्वपवारी आहे इंडमीरा	०-मात्रिना	82	600
डेमानाम बांडब	An Zalis	44	9 10	বিধ্যা আশা (ইছনী -লাগারাচনা বিধ্যা আশা, মান্লাতে প্রবেশ প্রদাস )	५-वाकारा	222	23
		_		भारता (परिनामा शर्वि भारतात विकास विकास । भारता (प्रतिनामा शर्वि भारतात वैक्षति मार्गविको अञ्चल करोता)	০-মারিদা		
ধনা করেছে মলে করে রাসুল স. কে ইসলাম এহণ করে।	৪৯-বৃশ্বরত	74	252	न्यात्रस्य (पुजन्यका द्वार नारात्रस्य दक्षण-मृत्यकाद नवक वदस्य) नक्षत्रे या दशकोदारामा ना देशमी वर्ष प्रान्त्रस्य मा वदस्य नक्षत्रे दशका		45	4.9
ধন্য করেছে মনে না করা ইসলাম ইসলাম গ্রহণ করে।	৪৯-হন্দুরত	24	957		२-राकृता	240	67
বেনুসন্ম ইনলাম গ্রহণ করেছে ,জনরে এখনো ঈরন প্রবেশ বর্তান	৪৯-বৃত্যুত	78	847	হওয় (ইছনী হলে সঠিক পথ পাবে । ভারা বলে)	२-वाकृत्वा	302	67
ইনহাক				হারাম (ইছনিয়ের জন্য হারামকৃত বন্ধ প্রসঙ্গে)	১৬-মার্শ	772	92
অবভীর্ণ (ইবরাহীদ আ.এর উপর অবভীর্ণ বিষয়ের প্রতি ঈশ্বান)	৩-আলে ইমবাদ	₩8	288	ব্যৱন (ইন্টোলের জন্ম দবযুক্ত গাত ও হালাগে গানে মের্বি হরমে করা প্র.)	৬-আন্ আম	386	47
অবতীর্ণ (ইসহার আ.এর উপর অবতীর্ণ কিয়াবের প্রতি ঈশ্বান)	২-বাকুরো	500	626	ইহুদিদের উপাসনালয়			
ইউপুৰের পিতৃপুরুষ ইনহাত	১২-ইউসুফ	40	(s)ro	বিৰয়ে (অস্ত্রাহ এতিহত লা করলে ইংলিসের উপাসন্দার বিষয়ে হত)	22-20W	80	9,6
ই: মাইনের বর্ধকে ইনমাসন,ইনয়াককে নেয়ায় অক্সাহর প্রশালা	১৪-ইবরাবীদ	o <sub>b</sub>	699	পীমান (আরো দেখুন বিশ্বাস শব্দটি)			
ইবরাষ্ট্রমকে ইনহাকের সুসংবাদ দান	33-इन	93	692			-	-
ইবরাহীমকে ইনহাকের পরবর্তী ইয়াকুবের সুসংবাদ দাল	<b>33-दुम</b>	93	692	অমৌ না হংগ্ৰাম নিৰ্চাল ইয়া-লাজক (আন্নাহ ও মালুল স. এর সন্মন)	85-रब्बाठ	7	25
देशायिम व्या त देशवारका छेना निवायर पूर्व करावितान व्यक्ताद	১২-ইউসুক	0	611	অগেনী (ইয়ানে আগামী অইনের ক্ষন্ত পরবরীনের কমা প্রর্থনা)	৫৯-হাশর	30	26
ইলাহ (ইয়াক্রের সন্ধান কর্তন ইসগ্রেকর ইলাহের ইবান্ড)	३-वाकावा -	200	675	অভিকা (ইমানরভারতে অভিনা থাকর নির্চাশ-নার সাক্ষার্যন)	৫-মবিদা	v	60
देशी-मनवा (देनदर ज, देशी-मनव दिन किन ज्ञाहरों बहुमा)	২-বাকারা	280	424	অন্ব (ইমানদারবেরকে অনুর নির্দেশ, দালাভের জন্য)	৫-মারিনা	٥	24
धरी करा (पांचार देमराकटक धरी कटराइम)	R-First	790	635	অনুশ্যে নীমানজানা মুজানীদের গৈশিয়া	২-বাকুারা	٠	ĝo
নান(আল্লাহ ইবরাইথের পুত্রস্বত্বপ ইনহাককে দান করেন)	२५-व्यक्तिया	13	928	অধিবাংশ ঈমান আনবে না (নতর্কভূত সম্প্রদারের)	৩৬-ইয়ালীন	٦	26
নান (ব্যায়ার ব্যৱহার কর পুরু বরণে ব্যবহার আ ও ইরাভুর আ ) নাম (ইব্যায়িকে জন দল করকন আগ্রাহ ইনায়ক আ ও ইরাভুর আ )	১৯-মারইরাম	83		অনুমতি হার না উন্ধাননকর (জিবাদ থেকে বিরত থাকর জন্য)	৯-জাওবা	88	681
গান (২ব্যাহনের জন্ম দান করেলে আক্সাং হলছক আ, ও হয়কুব আ, ) দান (আল্লাহ ইনরাতীমকে ইলহাক, ইরাকুবনান করেন)	১৯-মারহরাম ২৯-আনতাকত		909	অনুযতি নিবে মুখিনদের দাস-দাসীরা (গরে প্রবেশের জন্য)	২৪-পূস	6p.	Thr
গাণ (আল্লাই ব্ৰৱহাত্বনকে হৰ্মচক, ব্যাকুৰগাণ করেন) দবী ও সংৰুপনায়ৰ বুৰেন ইসহাক আ, (ইবৱাহীয়কে সুস্বোণ)		ঽঀ	P.7P	পদুত্রর হরে ঈমান আনবে যারা	১৯-মারইরাম	60	901
	৩৭-সাহফাত	225	1495	অনুমান পরিয়ার করার নির্দেশ মুমিনদেরকে	৪৯-হত্ত্রত	25	342
বরকত লাল করেছেল আল্লাহ ইনরাহীম আ, ও ইসহাককে	৩৭-সাহ্যাত	220	1465	অণরবির ঈরন অন্তে প্রকৃত ছিলন (রাস্থা স. আগর পরও)	১০-ইউনুস	70	621
শক্তিশালী ও সৃক্ষদলী বাদ্য ইসহ্যক	ও৮-সোহাদ	86	494	অপরাধ নেই (দীরল জনাল পূর্বের হারামে অপরাধ নেই, মন প্রদাস)	৫-নায়িলা	30	49
সঠিকাপ প্রদর্শন (সাক্ষাহ ইসহাককে সঠিকাপ প্রদর্শন করেন)	৬-আন্'আম	78	800	অপত্ননিত করবেদ না অক্সাহ বিরামতে, তালেকে যারা ঈশ্বন	৬৬-ভাৰ্বীম	4	390
্বের্নেশীল(আল্লাহ ইনহাকতে লবের্নেশীল বানান)	२১-जारिया	45	948	অপবিশ্ৰতা ছাপন (ঘরা ঈমান আনেনা তাদের উপর)	৬-আন্'আম	755	(00)
ইহকাল (আরো লেখুন দুনিয়া শদটি)				অবর্ত্রপি (প্রথমবারদের উপরে অবর্ত্তীর্ণ বিষয়ে দিনের প্রথমবারে)	৩-আলে ইমরান	92	₫8-
আল্লাহর জন্য ইহকাল ও পরকাল	৫৩-নান্ধম	5.0	≥00	অবতীৰ্ণ কিতাৰে ঈমান আলার নিৰ্দেশ (কুৱজান ও পূৰ্ববৰ্তী)	৪-শিশা	200	631
নদীর জন্য ইহকালের চেয়ে পরকাল উদ্রম	৯৩-বৃহ্য	8	১০২৬	অবজীর্ণ কিবারে ঈশ্বন (উন্মতে মুহান্দী ও আহলে কিবারের প্রতি)	২≽-আনকাৰ্ড	85	74
त्रनत्म (देवसरम खद्यादर तनत्म)	২৮-বংসাস	90	P78	অধিকাস (পরসের পর অক্সাহকে অধিকাসের পান্তি/অক্সাহরনেনথ)	১৬-নার্গ	306	934
মালিক (মাল্লাহই ইহকাপের মালিক)	৯২-লাইল	20	20505	অল্প লংকামই ইমান আলে, নৃহ আ,এর জাঠির মধ্যে (প্রানন প্রানম)	33-RH	80	866
শন্তি (ফিরমাউনকে ইহকালের শন্তিতে পাকরং৬)	৭৯-বাথি'আত	42	3008	অন্যত্তে ঈয়ানগারর ক্ষতিগ্রন্ত	২৯-আনকাবৃত	65	44
रेखा २				पश्चित्रक क्रिकारीनामर अवविद्य प्रमुक्ता मा कवार निर्दाण (वाला ग. (व))	৬-আন'আঘ	300	633
শিক্ষর (ইংরাম অবস্থার শিকার হালাল মনে না করা)	०-मातिमा	2	650	অপিরতের উপর ঈমাননারদের কুরমান দারা সতর্ক করা	৬-আন'আন	3-2	908
শিলার (ইইরান অবস্থার স্থাপের শিলার হালান)	०-मतिमा	3/6	695	অস্থিয়তে ঈমান আনলে মাডবিরোধের ক্ষেত্রে করনীয়	8-निमा		246
শালাম (ব্যক্তন আৰক্ষার ইচেন্ড শোলার বানান) ব্যস্তা (ইক্ষান অবস্থার ইচ্ছান্ডতান্ত্র শিকার হত্যে করের আক্ষার)	०-मातिमा			অধিবাতে ঈশ্বান আদেশ যাবা আদের ক্ষমর প্রসঙ্গ	৬-আন'আম	220	40
	०-मात्रमा	34	425	আধিয়াতে ঈমান আনে না বারা তারা সূত্র বিপ্রান্তিতে	৩৪-সাবা	b	1/8:
হংসান (আরো দেখুন সদাচার/সন্তবহার শব্দটি)				অধিয়াতের প্রতি ঈশান জানা প্রসঙ্গ	8-शिम	03	26
व्यक्तिम (देशमा/क्षेत्रम वर्तमात्र व्यक्तिमान देशमा/क्ष्तम भाव विद्व गरा)	৫৫-রাহ্মান	90	384	অধিবতে যের অধিবতে ঈরন জনের তার সত্ত অধীকারকার)	১৬-নাহল	44	900
বুমিনদেরকে ইংলান করার নির্দেশ	২-বাকারা	286	655	অধিরতে (ঘর অধিরতে সমান অসে মা ভাসের করা মন উপমা)	১৬-নাহল ১৬-নাহল		900
ইহুদি (আরো দেবুন বনীইসরাইল পদটি)				আৰুৱাতে (ব্যৱ আৰুৱাতে সকল আনে বা আনার করি মন্দ কণাম) আৰিবাতের নিমের প্রতি ঈমান না আনার পরিনাম	३७-माइन ८-निश	80	
মৰান্যম (ইন্টেটনের স্বৰাধান্তর প্রতিখল, চবি ব্যৱহা কর প্রসঞ্চ)	৬-অন'ভান	386	630	আৰৱাতের নিদের প্রতে জমান না আনার পারণাম আবিবাতে বিশ্বাসীলেরকে জেনে নেরা (সারাবাদী প্রসঙ্গ)			49
সন্মান্তর হাত শৃক্ষলিত, ইন্ত্রদীরা বলে	৫-ঘৰিদা	68	275		৩৪-সাবা		b84
মাল্লাহর পুর বলে ইন্থলী ও নাসাধারা (নিজেনেরকে)	৫-মরিনা	35	250	অনুশত্য (প্রদালকা অনুশত্য করলে, তাহলে ভিতরতের)	৩-আলে ইময়ান		<b>Q8</b>
रेखारीय का. देखनी शिलन ना, नाजाबात नन	৩-আলে ইমরান	69	283	प्रातृत्वरकात निर्मान, नेपाननावरमा अधि (अञ्चाद च वानून न. वाव)	y-আনফাল -		60
रचार्य या. १६५१ क्रम ग. गानवार गर रचार्यभूपेत्रमध्या. १९५१-समात देन क्रिय स्कार्य कारण				আগ্যারন (ঈমানদারকে জন্নাতুল মাওরা দিয়ে আগ্যারন)	৩২-সাজ্গা		500
বৈজ্ঞান্যক্ষেক্তা বহুদ-নাম্মর ছেল কলা অস্ত্রাহের জনেন ইয়াল (ইক্টানের ইয়াল ও সং কাজের প্রতিদান)	২-বাকুরো	780	674	আয়াতে ইমান আনলে আল্লাহ দরা নির্বারিত করেন	৭-জা'রাফ		84
	২-বাকুরো	64	209	আয়াতে ঈমান আনলে আহাহর নামে স্ববাইকৃত পত ৰাওয়া	৬-আন্'আম	222	90,
ছুলুম (ইছদিনের জুলুমের কারণে পবিম বস্ত হারাম করা)	৪-নিশা		499	আহাতে ইমাননাথদের প্রতি প্রতিশাসকের দয়া প্রদাস	৬-আন'আম	68	900
ধরণা (ইহুদীদের আল্লাহর বন্ধু হওয়ার অমূলক ধারণা)	७२-सूप्'वा	6	265	আয়াতে ঈমানবাং/বিশ্বাসী মুসলিমের জান্তাতে প্রবেশ	৪৩-যুধক্ত		301
দেই (দাসারারা বলে ইহুদীরা কোন কিছুর উপর দেই)	২-বাকুারা	220	670	আয়াতে ঈথান না আন্দে দৃষ্টিবীন অবস্থায় হাসর হবে	২০-জা-হা	399	182
প্রতিদান (ইংসিলের ঈমান ও সং কাছের প্রতিদান)	২-বাকুন্য	62	809	অমতে (এর অক্সহর অমতে ক্ষমণ অনে ন ভারাই নিয়েকাই)	১৬-মাহল	200	934

		_	201200	ANTONIO - STREET, SAN LAND	1,0400	122.00	1
THE PRESENTATION OF THE PARTY O	न्त्रांनः ७ सम	कार	100		नुवा नः च नाम	100	
न्नमाम (पूर्व गुरेत (बदक)				অস্তাহ ও অসুগ স. এর প্রতি পিয়ান আনয়ন করা	৫৮-মুম্বানানা	8	96
মলো (মালো লৌড়াবে বিরামতে মুমিনানর সামলে ও ভানে)	৬৬-ভাহরীম	ъ	290	অপ্তাহ ও হাসুল স, এর প্রতি ইয়ান না আনার শান্তি	8৮-कार्ट	70	22.
মাল্লাহ সমানদারদেরকে সঠিক পথ প্রদর্শন করেছেন	২-বাকুরো	530	658	অক্সাহ ও রাসুল স্. এর প্রতি ঈশ্বন (আহলে তিয়েবদের প্রতি নির্দেশ)	8-शिश	242	49
ক্ষাহ উদ্ধানকাচনকে কানচেন (দুপরিবলের অপনিক্রনার নিয়র)	৯-মান্তব	27	682	प्रक्रास्त केन्द्र शेवान प्राचार कारण (११ वर्ड (स्त्रा (क्रमून ग. ६)	৬০-মুমতাহিলা	١.	26
<b>প্রভা</b> ত উদ্ধাননার ক্রান্সাহ্রেল পশ্চিত ও সংগত নিক্রণীয়ের প্রকৃতি	৯-জান্তব	08	680	অপ্তারে উপর ইবন ক্ষনার প্রতিশেগ দিক্তে অঞ্চল কিয়াবর	৫-মারিপা	69	24
মান্ত্রাহ ও বাসুপথথের প্রতি ঈমান জ্ঞানার জ্ঞানান	৩-আলে ইমরণ	245	660	অস্তাহর উপর ইয়ান স্থানার নির্দেশ	২-বাঝারা	200	65
জন্ম ও ওঁৰ কৰিব প্ৰতি উত্থান আনতা নবীর প্ৰতিও আনতে হবে	1.50'079	307	629	অস্তাহ-রাসল স. এর প্রতি ইয়ান আনার নির্দেশ	৭-আ'রাফ	262	63
ক্ষায় ও অভিয়তে ঈশ্বন এনে গ্ৰহণ উল্লে বাপান্ত কৰণ	२8-मृह	3	118	অভায়তে বিশ্বাস করার নির্দেশ দিয়ে সরা অবতীর্ণ হলে •	৯-ভাওৰা	9.9	68
mens ও অধিবাতে ঈশ্বাদ আলে না মারা থারাই অন্যাতি চায়	৯-ভারবা	84	584	অস্ত্রাহতে বিশ্বাস করেন নবী	%-व्यक्त	63	68
মান্তাৰ ও অভিবাতে বিশ্বাস করে যে সৰ ঈমানদার	০-মবিদা	200	643	অস্তাহ ও অধিয়তে ঈরাণ হল প্রকত পুণা	২-বাকারা	299	03
মন্ত্রাই ও অধিয়াতে ঈমান আনলে গর্ভ গোপন করা	২-বাকারা	225	659	জন্ম ও অধিবাতে ঈশ্বন আনে যাবা	०-महिमा	645	es
মন্ত্ৰাহ ও অধিয়াতে পথান আনো তে তাৰ জনা উপদেশ	No. State	3	bbb	অপ্তাহ ও অধিয়াতে উমান আনে আহলে বিন্যাবলের একলা	০-জালে ইম্বাস	228	28
অক্সাই ও আনবাতে সনান আনে যে তার জন্য কণ্যেন… অক্সাই ও আনিবাতে ঈমান আনে বেলুইনসের কেউ কেউ	P-858G	200	940	আপ্তার ও আবিবাতে উত্তালনার জনো বিধিক প্রার্থনা	২-বাকুবো	259	0
	outility grade		083		১০-ইউদ্ব	200	96
আল্লাহ মান্যত পাবেন (প্ৰকৃত ঈ্যাননাবদেৱকে)	৩-বালে ইমরান ৩-বালে ইমরান		282	व्यक्तरह रेक्ट शहर बेचन वानार अन्य करता तरि	১৫-রঙ্গুণ		2
মান্ত্রাহকে যথামধ তর করার নির্দেশ (ঈমানদারদের প্রতি)				অপ্তাহর উত্থান ও সংক্রমের বিনিয়তে মাল্লাতে প্রবেশ করারে হবে		22	
মাল্লাহকে তর করে যদি ঈমানদারনা তবে	৮-ঝনহাল	50	908	অস্তাহ ও রাস্পের প্রতি ঈমান আনে বারা ভারাই দু'মিন	२8-वृद	62	9)
মান্তাহকে তর করার নির্দেশ তাদেরকে ধনা ঈমান এনেছে	৫৭-হাদীন	45	967	অস্তাহ ও গৰেনলে ঈয়ান না এনে লোক নেবানো দান	২-বাকুলা	268	6
ब्रह्मार् च प्रापृत्त म. ५६ जनूनाल काम्रा निर्मान (वैपाननाकानारण)	৪৭-মুখ্যখ্যদ	00	375	অধীকরে (শত্ত্বদ আনতে জহীকর করে হারা তাদের কর্ম বিদেশ)	৫-মার্গদা	6	4
মপ্রাহ ও বাসুল স. এর প্রতি ঈমান আনা	৬১-সাফ্য	>>	907	আহলে বিভাবরা ইয়ান আনলে তানের জন্য ভাল হত	৩-আলে ইমরণ		¢
গপ্তাহ ও মুসুণ গ, এর প্রতি ঈবল আনর ঘোষণা (ফুর্নাফনবের)	२८-मृह	89	443	আহলে কিন্তাৰণৰ ঈশ্ৰম এনে তাকওয়া জনদম্বন করত যদি	৫-মারিপা	96	œ
সন্মাহ/কিভাৰ/দৰ্শী-রাসূপ স. এর প্রতি ঈমান গ্রস্ত	২-বন্ধারা	200	676	আহ্বান (ব্যসূল স. এর আহ্বান গড়েও ঈথান না আন্য)	৫৭-হার্নীন	b	'n
গ্রন্থাহতে ইয়ান আনলে মতবিরোধের ক্ষেত্রে করণীয়	8-995	43	୧५8	অহলে কিতাবকে কুৱানে প্ৰথম আনার আহলে	8-मिमा	89	q
মপ্রাহতে ইমান জনা ও তার দিকে আহবাদকারীর ভাকে শাড়া সেরা	৪৬-জার্কার্	40	277	প্রাহ্রপথিতাবের কেট কেট ইয়ান আনা প্রদাস	8-PP1	22	Q
পপ্তাৰ্থনিকিবাৰে উদ্ধন আনলে কৰিবের সাথে ব্যুক্ত নর	৫-মরিদা	5.7	490	আহ্বান (ঈয়ান আগার ছব্য বানুগ স, এর আহ্বান)	৫৭-হাদীদ	ъ	×
মাল্লাহ প্ৰতি ঈনাদ আনতে হাওৱারীদের প্ৰতি ওহী	৫-মার্মিশ্র	222	698	আহ্বান (ইমানের দিতে আহ্বান তলেই মুমিনাণ)	৩-আলে ইমরা	1300	10
গল্লাহ, বাসুস স. ও কুরআনে ঈমান আনার নির্দেশ	৬৪-ভাগাবুদ	ъ	900	ইউন্স সম্প্রমায় ইয়ান আনার কারণে শান্তি লব	১০-ইউন্ন	bb	le
।ব্রাহর প্রতি দ্বনাদ অলার প্রতিদান	8-PH	390	693	ইউলসের উত্যাহনণ ইয়ান এনেবিল	৩৭-সাহকাত	786	12
গাল্লাহর প্রতি ঈমান আনা প্রনঙ্গ	8-मित्रा	40	665	ইয়া হল ইয়া আনত (সত্তা এসেরে প্রতিশাসকের পদ (থকে)	35-41EF	43	9
বাস্থাহর প্রতি ঈশ্বাদ আনার যোক্ষা	৩-আলে ইমরা-	58	¢88	इरहारीया वर्षि मुख्य मेमान	২৯-আনবাৰত	26	ъ
অপ্রয়ার প্রতি সমান আন্তানকারী যেন মান্তাত ব্যাহল ধালা করল	২-বাড়ারা	426	600	Swell active Schie Valuesand	३-शकावा	300	
বাস্তাহর প্রতি ঈশ্বাদ আদার নিখ্যা খোষণা (ফুলফিবনের)	২-বাড়ারা	ъ	203	ইন্তমি-নামারাধণ ইয়ান আনাদ সাঠিক পথ পাবে	২-বাকুরো	203	
অল্লাহৰ প্ৰতি ঈমান আনা (শক্তি প্ৰত্যক্ষ কৰাৰ পৰ)	8०-मू मिन	1/8	992				9
অপ্রাহর প্রতি ঈশ্বান আনালে আপ্রাহ আতে সঠিক পথ প্রদর্শন করেন	৬৪-মাশারন	33	264	ইক্নীদের উপর অংকীর্ণ কাওরাকের প্রতি ঈশাদের দাবী	২-বাকুরো ৪-নিসা	3/64	
আলাহর প্রতি ইয়ান আনলে ভিনি লাপ মোচন করবেন	৬৪-মাশারন	b	birts	ইহুদিনের ইয়ান প্রসঙ্গ (কুরআন/ভাওরাত/ইনজিলে)			
অল্লাহর প্রতি ক্ষমান আনার নিচর্নন	a-See	305	698	ইন্দীদের (পুর অল্প দংগ্যকই ইবান আনত)	৪-দিলা	89	10
खुनार श्री केवन तरन प्रश्न महण्ड (भारत परानि करा,, कारो पुनिन	83-व्यक्ताव	30	942	ইসার উপর আহলে কিভাবের মৃত্যুর পূর্বে ইয়ান আনা প্রসন্থ	8-নিসা	252	0
অন্তাহর প্রতি ঈথান দা আমার পরিণান	8-PH	100	0993	উদ্ধার (যরা উত্থান আনে ভালেরকৈ আল্লাহ উদ্ধার করেন)	১০-ইউনুস	200	
আল্লাহর প্রতি উদ্ধান দা রাধার জাহাল্রহের কঠিন শান্তি প্রসঙ্গ	65-2F#12	00	313	উদ্ধার (ক্সের সধী ঈয়ানদারনের আল্লাহ উদ্ধার করেন)	27-Ed.	62	8
অন্তাহন প্রতি ফার অতি দিবন জনতে অন্তাহন তালা করা	20-28-71	78	665	উছার (৩'আইব ও ইমানদারদেকে উদ্ধার করদেন আল্লাহ)	77-ईस -	28	9
प्राष्ट्राह्य शक्ति पाता क्षेत्रान वालाइ वनर नरकर्य करताह	89-मधानान	3	975	উপবহর বাসেন (পঞ্জি প্রকাম করার পর ঈশ্বনের যেকর)	৪০-মু"মিন	৮৫	ь
वाह्याच्या क्षत्रिक विभाग (राजुन ज. ७ पुनिनगटनंत)	२-शकाश	350		উপকারে বা আসা (নিদর্শন আসার পর ঈয়ান আনগে)	৬-আন্'আম	262	. 4
वाह्याच्या द्वांक क्यां में (चार्या था. ७ कृत्याचारात्र) वाह्याच्या द्वांक क्यांच्या द्वांक श्रीवाम व्यापाद (वांक्या (मार्याव्याम)	হ-মধিনা	18	400	উপ্তাৱে জাসত ঈশ্বন (জনপ্নবাদীয়া ইমান আন্দে)	১০-ইউনুস	92	1
অক্সান্তান্ত্রত ও সংক্রোন্তেত সম্বল আলার বেশন (বানার্যান) আপ্লাহের নিবর্শনে উমানলারই মুসলিম ও ওর্ডীর প্রকৃত প্রোক্তা	২৭-নামৰ	30	lygis	উপদেশ (ঈহানদারদেরকে উপদেশ দিয়েনে অল্লাহ )	२-शकृता	204	1
আপ্রবের নিগশনের অধ্যানগারের ধুনালম ও ওয়ার প্রভূত প্রোত। আপ্রবের নিগশনের অধ্যাননা নিষেধ (ঈমাননারনের জন্য)।	৫-মরিনা	3	6,00	উপবঢ়ে স্থাসৰে বা কাহিবদের ইমান (কিয়ামকে)	৩২-সাঞ্ধা	130	1
বাস্থ্যবে নাগশনের অবধাননা নিবের (পরাগণায়নের স্বান্ত) আমারের রাবাতে ঈমান না আমলে বন্ধানাত্তক শান্তি	79-464 5-464	308	222	এক অপ্তান্তত ইবান ল জল পাত্র শক্রত ইন্যাইন আ ও কাং	৬০-মুমজাইশা	8	12
অস্থ্যাহর অরাতে সমান না আনলে ঘরণালারক শান্ত অস্থ্যাহর উপর স্থয়ান আনে যোদর আহলে কিবাব	৩-বালে ইমরা			ক্তিয়তের সময় সাকী ৱাখবে ইমাননারণণ, মৃত্যু কালে	ए-मतिमा	200	10
	७-वाल स्पर्ध ३-वावस	330	680	ক্ষাৰ হৈ কর বিকে উক্তনভালে (পন্নি ক্ষাৰ্ডের উপন)	85-59-576	1 2	1
সম্ভাহর উপর ঈমান আনেনি ধারা আনের বিকক্ষে যুদ্ধ	p-order	83	900	তব্য (কুরজন ছারু বেন করা পরন জন্ম নিবা অভিতিনকীয়া	৭৭-মুরসালাভ	00	1
সন্তাহর উপর ইমান এনে বাকে যদি মুখিলর				কথাৰ (কাকিবৰা কোন কথাৰ ঈশ্বাদ আন্দেহ)	৭-আ'রফ	350	
পল্লাহর উপর ইমান রাখা উত্তম উপতের নারিত্ব	০-জালে ইমরা			कक्ष (व्हेर क्या हेवान क्या मुक्त कुन म ता प्रकार)	১৮-কাহক	100	+
মপ্তাহর উপর উত্তরের সঞ্চন নর (মর্গজিলে ব্যৱস্কের জনান)	১-জাওবা	7.9	687	क्या (क्यार क्या न्यान व क्या बनाव क्या न्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क	৪৫-কাছিয়া	- 61	+
মল্লাহর অবভীর্ণ বিষরের (কুরজান) প্রতি ঈমানের আহবাদ	২-বাকুরো	37	670	विव (विद्यारत विवरत श्राप्त)	২৮-হ'বারা	335	
মান্তাহ-রাস্পে ঈদানের প্রতিসান	8-निग	265				36	
মান্তাহকে বিশাস করে যারা তারাই মসজিদ আবাদ করবে	>-জাবন	72-	987	ক্ষাম (ইয়ন জনল জন্মণ-পূর্ববৈ কলম উপুক কর হত)	৭-অব্যক্ত ৬-অব্যাহ	363	
বাস্তাহ ও রাসূল স, এর প্রতি ঈমান এনেছে বারা	৫-মধিদা	44	45.5	কলান আৰ্মন (ইবানের মধ্যেন কলান অর্কন না করার পরিশান)			
ষাস্থাহ ও রাস্প স, এর প্রতি ঈথান আনার নির্দেশ	৫৭-হাদীদ	9	782	বহুমা আন (ধর ইবান আনে না সভনীবেশ বানের করে বানে ন)	১০-ইউনুস	203	
ব্যপ্তাহ ও রাসৃদ স, এর প্রতি ঈথান আনার জন্য রাসৃদ স, প্রেরণ)	8४-मान्द	>	970	অভিযুদ্ধকে উমানে প্রতি অস্থাপ করুল তার স্বর্থীকার করে	৪০-মু'ৰিন	30	
অল্লাহ ও রাসূল স. এর প্রতি ঈমান এনেছে বারা	৮-আনকাশ	92	9439	কাহ্নিররা উমান জানবে কিরামতের দিন	৩৪-সাধা	45	
অস্তাহ ও রাসুদ স, এর প্রতি ঈশ্বন জানে যারা ভারাই জনুশতি	५8-मृद	69	977	व्यक्तिका नेपान पानार न (क्ये केपादिर न करा गर्रह)	১৭-ইসরা	30	П

<del>9</del>			9ম্বন	PER			
The state of the s	नुबंद्ध क्रम्प	100	1 10	THE COLUMN	10 to 40	Teams	d of
श्रिमान (पूर्व पृक्षा (बारक)		-	-	অনুকরনে প্রকিলেকের প্রতি ইবন মিরাক্সরালে জন্মত ক্ষরটা।	২৬-ব'বার	85	936
অভিনয় ইমান বাবে লা	৮৪-ইন্শিকাৰ	30	2028	জানুকরনের ইমান (বিবাইনের অনুমতি হাড়াই)	৭-আ'রাক	250	
কাদিবরা 'অমবা ঈবাদ এদেছি বঙ্গে' (বৃদ্দিনদেরকে)	০-জলে ইমরা			শানা (বারা ইবান এনেছে অল্লাহ ভানেত্রক শানেন)	২৯-আনকাবৃত		275
অকিবলের ঈমান উপকারে আসরে না (কিয়ামতে)	৩২-সাজদা	320		श्राना (सानुरस्य प्रयान गयरक जानुस्यहे (यनि श्राप्तन)	8-स्मि	30	dec
অধিবদের ঈথান আনা না আনা (কুরবানের উপর)	১৭-ইসরা	201		আপ্রত (সংকর্মশীল মুখিন সম্মানের কারণে সঠিকপথ্যপ্রপ্রত পাবে)	১০-ইউনুস	70	608
কমিয়ানা স্থান আনর বিষয়ে এপ্র (জনাবা-পৃথিবী নিশে থকা প্রদাস)	३३-व्यक्ति	00	165	জিনদের ইয়ান প্রবন্ধ (কুরাআন/পথ নির্দেশনা থকে)	१६-विम		
ক্ষকিবদের মত না হওয়ার জন্য সমানদারদের প্রতি আহবান	৩-মাল ইম্বা-			ক্তব্যত্ত বৰ্ণন এবৰ (কুমনান) বৰ নিৰ্দেশ কৰা নাৰকে প্ৰতি		30	25.0
ব্যক্তিরদের সতর্ক করলেও তারা ইমান আন্দরেনা	६-वादुस्या			ইয়া (ঈর্মাননারসেরকে ইয়া-বিস্তুপ করে কাফিরো)	৬২-জুমু'আ		36
কাভির বানালে (সমানের পর কাভির বানালো)		0	405	छत्त्री करह देशीन जान गरकांस करह यहा	২-বাকুবো	434	
ক্ষিত্রতার সাথে ক্ষান্তর সাক্ষা ব্যস্তা,(পুতর মালানে)	২-বাকুরো	303		তথ্য করে পথান এবে গবোর বরে এর: তথ্যত ইমান (কজাবে অপে এপরনের পরও অধ্যত ইমান)	२१-पृत्रकान	90	937
কিতাব/কুরবাদে ইয়ান আনার নির্দেশ	৮-আনকাশ ৪-নিসা	76	600	ভাকতর ও দ্বানা (নাকারে জনা প্রস্তানর পরত রাজতে স্থান) ভাকতর ও দ্বানার জন্য রাজতে মহাপ্রতিদান	৪-দিস	67	290
কিডারের অপে বিশেষে ইমান (ধনী ইসরাইল প্রসঙ্গ)		306			৩-আলে ইমগ্রন		
	২-বাকুরো	'n¢	670	তাওৰা করার নির্দেশ তানেরকে যারা ইয়ান এনেছে	৬৬-অব্রীম	b	3/90
কিভাবে ইমান আনা মুক্তাকীদের বৈশিন্ত্য	২-বাকুরো	8	605	অপুতের সাথে ইয়ানগারদের নহর অভিন্রেম	২-ৰাকুাৱা	₹8%	
কিভাবের আরাতের উপর দিয়াল আলে না (অধিকাংশ মানুষ)	১৩-রা'ন	3	967	নরমর অপ্তাহর প্রতি ইয়ান	৬৭-মূপ্ক	15	398
কিয়াবের প্রতি ইমান আদে (আহলে কিবানের কেউ কেউ)	২৯-আনকাবৃত	89	250	নৰ (বনী ইসৱাসকের একনৰ সমান আনৰ)	৬১-সাফ্স	78	363
বিজ্ঞানের প্রতি ঈশ্বান সালে (স্বাচনাকে অক্সার কিতার নিজ্ঞান করা)	২৯-অনকবৃত	89	9.50	দুবৰ নেয়া (বুৰিনাদেবকে দুবৰ দেৱার ঋন্য গোপনে কৰা কৰা হয়)	৫৮-মুজানালা	30	340
কিভাবের প্রতি উন্মান (রাগৃল স. ও মুমিলগণের)	২-বাকুরো	494	208	नृष्टेख (ब्ह्याद नेपाननारमा क्या क्या विश्वबद्धाना होत नृष्टेख (स्म)	৬৬-তাহরীম	22	393
কিনাস সমানদারদের উপর বিধিবত্ব (ফরঞ্জ) করা হরেছে	২-বাকুরো	249	240	দৃহ (বিশ্বকারসেরকে দৃহ করার মেকেকরসেরক ভই, (কারয়ুছ)	৮-আগদাল	34	800
িত্তার বিশ্বাস করে মুখিনরা সম্পূর্ণজ্ঞাল	৩-অবে ইম্যান	222	489	বৈর্থধারণের নির্দেশ (ঈয়ানদারদেরকে)	৩-আলে ইমরান	200	000
কিঅবে/কুরআনে ইমান আনে (থারা ফর্যথভাবে পাঠ করে)	२-गक्स	343	678	নট করেন না অস্থাহ (মুমিনদের ঈশ্বাম)	২-বাকুরো	380	
কিতাবে/কুরজানে ইয়ান জানে না (অধিকাংশ মানুখ)	33-gw	29	669	নদারদের ইয়ান (প্রতিশাসকের প্রতি)	०-महिल	bo	(h)
বিভাবে (রাপুণ স, আপ্লাহর অবস্তীর্ণ বিভাবে ইয়ান এসেছেন)	৪২-পুর	30	7/20	নবিদক্ত দক্ত বিদরে ইয়ান আনে (গভীর আনের অধিকারীর)	৩-আলে ইম্বান		600
কুরমান, আল্লাহ, রাসুপের প্রতি ঈরান আনার নির্দেশ	১৪-বাগাবুন	b	300	न जन(कास कर जहारा की गरा शक्त रेवन जनका)	১০-ইউন্স	86	966
কুরমানে জিনলের ইমান (কুরুমান/লখ নির্দেশনা বলে)	१५-सिन	30	airb	বিদর্শন ইমাননার্যের জন্য (বিধিক প্রসারিত করা ও)	00-87	99	748
কুরআনে জিননের ইমান জানা প্রসঙ্গ	१६-किन	3	246	নিপ্রতির অধ্যক্ত পূর্বে ইয়ান বা প্রবাস উপরোধ আম্প্রের, বিয়াবত প্র	৬-জাপজাম	307	624
বুরস্তান ইয়ান ল আল (অপরাধীর শক্তি প্রত্যক্ষ লা কর পর্যন্ত)	२५-व वारा	403	932	বিদর্শন আসংগও কাজিবরা দিয়ার আমারে মা	৬-আন আম	209	900
বুলকোরে স্থান (কিবাবের অংশ প্রদানের পরও কুলকোরে স্থান)	8-99			নিদৰ্শন আগতে ইয়াৰ আগত (কাছিবলের কসম)	৬-আন আম		
इसमी (निकास नद राजवंद रुपित काल जातार क्या कदानमा)	8-991	62	260	निर्मान स्थापन स्थाप स्थाप (स्थापन (स्थापन स्थापन		707	606
		309	e 18	निर्देश करियादेश हैं जान वान्य में निर्देश करियादेश हैं जान वान्य में	৬-আৰ্'আৰ	258	666
কৃষৰী (উমানের পর যারা কৃষ্ণী করেছে এবং কৃষ্ণীতে)	৩-আলে ইমরান		288		৬-জাৰ্পায	50	239
কুকবী ক্রয় (ঈমানের পরিবর্তে কুকবী ক্রয় করে যারা)	৩-আলে ইমরান		660	শিক্ষের ক্ষতিকারীরা ইয়ান আন্তে না	৬-আৰ্'জাম	>5	693
কুরক্ষন ও পূর্ববর্তী কিবানে ইমাসের পানী (আহলে কিবাব প্রদান)	8-मित्रा	60	¢68	নিকটতর (ইমাননারণণ ইংরাইয়ের অধিক নিকটতর)	ত-আলে ইময়ন		284
কুষরকে ঈশনের উপর প্রাথানা	৯-জাতবা	₹0	684	নিজেনের ব্যাপারে যত্নবাদ হওরার নির্দেশ ঈশ্বানদানেরকে	৫-মারিনা	300	690
্করি করেছে বারা ভারাই নিকৃষ্ট জীব	৮-জানদাল	66	909	নির্বোধনের মত মুনাজিকদেরকে ঈমানের দাওয়াত :	২-বাকুরো	70	600
কুফরী (ঈনানের পর কুফরী করঙ্গে শান্তি/আল্লাহরক্রোধ)	<b>36-सङ्ग</b>	309	125	নিপশ্বকৰী (প্ৰতিপ্ৰশক্তে নিদৰ্শনকৰীতে ইয়ান জনে খৰা)	২৩-যুমিবৃদ	60	953
কুম্মী (পন্যান্য পর কুম্মী করেছে যার অনেরকে কিচাবে)	৩-ফালে ইমরাৰ	50	288	নির্দেশন করণ আবদের অহাকারকারীর (প্রতিটি নির্দেশন দেখালও)	৭-জা'হাফ	386	640
কুবারী (ঈন্যনের পর কুঞ্জনীর পরিধাম, পান্তি আখাদন)	৩-আলে ইমরান	306	485	বিদর্শনে ঈয়াব (প্রতিশালকের নিদর্শনে জানুকরদের ইয়াব)	৭-জা'রফ	146	650
কুরমানে ইমান আলে ভারা থানেরকে পূর্বে কিতাব লেয়া	২৮-কাশাল	65	925	নিরপর (পরনের সাপে জুলুম্।পিরক বিশ্রিত না করার কাহণে নিরপরা)	৬-জান্'আম	2.5	900
কুরসানে সমান সালে পূর্ববর্তী কিভাবের ইমানদারর	২৮-কাশস	60	435	নূহ আ,এৰ সম্প্ৰদায়েৰ শোৰদেৱ ইন্নাম আৰা বা আৰা প্ৰদায়	১১-ছুদ	99	266
কুরজাদের প্রতি ঈমান আনবে না (কাক্টিররা বঙ্গে)	08-FFE	62	080	গবাদান (স্বানের নিকে গবাদানি করে ধর করেছন আল্লাহ)	৪৯-হত্ত্বাত	39	25.5
কুরসানের প্রতি ঈমান আনবে না অপরাধী সম্প্রদায়	३१-विकड	30	630	পৃথিত বিধিক তাদের জন্য যারা দিখান এলেছে	৭-আরাক	લ્સ	652
ভূরজানের প্রতি ইমান আনার নির্দেশ (বনী ইসরাইলকে)	२-गमश	85	202	পবিত্র বিধিক আহার করার নির্মেশ ঈশ্বাদদারসেরকে	২-বাকুরে	392	
কুমসনের উপর দিখল সালে ল বারা তালের ক্ষর কুরসেন সময়ত	৪১-ফুন্সিলাভ	88	779	পরীক্ষর নির্দেশ (উক্তানার্জনকে প্রপানেরীয় সংখ্যা পরীক্ষার নির্দেশ)	৪৯-চন্দ্রনত		350
কুরুমানের উপর ঈমাননায়নের কুরুমান হারা নতর্ক করা	৬-অনুকাম	95	908	পরীকা (আল্লাহ মানুহের ইমান পরীকা করবেন)	২৯-আনকাবৃত		67.0
কৰিবলৈ উমাননারগণ ব্যব অভিযানের আনুগত্য করলে	৩-অলে ইম্লন		660	পাশীরা ইবান আনবেদা (আল্লাহর এ বাদী গতঃ হলেছে)	३०-१६मून		950
ক্ষরিয়ের নামামানুক ক্ষরির মধ্যে -করা দিবাদ এসেতে ভারে স্বারা)	১০০-আন্ত	0	2005	পাপের বেন্দর (দিয়ালয়তার পাশের বেন্দর বাহানা আন্ধান, ব্যক্তির কর্তৃত)			659
ক্ষমণীল (ভাওৰাকারী ঈমানলারের প্রতি আল্লাহ ক্ষমণীল)	२०-इर-श	3-3	486	পশ্বেক (মন্তার পাশ্ব মোনে করকে মানুর বার ইবল_)	৬৬-ভাষ্টাম		
থিৱানত (ইমালনাব্যসেরকৈ থিৱানত করা নিষেধ)	৮-আনকাল	49	608	পাপ নাম মাপ (সমাস আনার পর পাপ নাম কঠেইনা মাধা)			390
গোপন (ফিরআউন বংশের এক ব্যক্তি ইয়ান গোপন প্রথত)					৪৯-ব্রুরাত		947
	৪০-মুমিল	47	9,90	পুরস্কার (দিয়ার ও তাকওয়ার জন্য উভয় পুরস্কার)	২-বাসুবরা		675
अ्वन स्वयंत्र म निकानतात रङ्गुजरूत (२६मी ७ मानावरमारक)	৫-মরিগ	63	er9.	পুরস্কার (ঈমান ও সংকাজের উত্তম পুরস্কার)	২৮-কাসাস		474
মুক্তিসমূহ পূর্ণ করার নির্দেশ ঈমাননারদেবকে	৫-মাছিল	,	@ro	পুরক্ষা (বাদ্রানের সুউচ্চ কল, ইয়ালার সংক্রাপীবানর কর)	২৯-মানকাবৃত		252
ৰনপদেৱ অধিৰাসীদেৱ ইয়াল না আনাত ফলে ধাংল হওৱা	२३-अस्पि	0	920	পুনকারন নিবলে ইবান দেয়া হয়েছে যানেরকে ভারা কাবে	৩০-জন		৮২৬
ঞ্জনপদবাসীয়া ইমান আনলে ভালের ইমান উপকারে আসতঃ	১০-ইউনুস	97	660	পূৰ্ববতী কিডাবে ইয়ান আনৱ নিৰ্দেশ	8-निमा	709	¢98
	২-বাকুরো	24	609	পৃথিবীর সবাই ইবান আনত (আল্লাহ ইচ্ছে করলে)	১০-ইউনুস	22	660
বান্নাত (সমাদনার সংকর্মশীলখণ বান্নাতের অধিবাসী)			696	প্রতিদান (পিঝালারচের প্রথিনান নেরার জন্য পুনরাঝন ,,,)	১০-ইউনুস	8	608
জন্নাত (সমাদনার সংকর্মশীলগণ জান্নাতের অধিবাসী) জন্নাতে প্রবেশ করামো হবে, ইয়ালনার ও সংকর্মীদের	১৪-ইবরাহীন	২৩	dwc l				
ধারাত (সমাদনার সংকর্মশীলগণ জারাতের অধিবাসী) ধারাতে প্রবেশ করানো হবে, ইমাদনার ও সংকর্মীদের ধারতে(সংকর্মশীল মিকালারকে অক্সাহ মারাতে প্রবেশ করাকো)	28-ইবরাহীম २२-श <b>ञ</b>	२० २०	960	প্রতিদান (ইমাননারদের প্রতিমান সিবেন আল্লাহ তার)	৩০-ইম	82	254
জন্নাত (সমাদনার সংকর্মশীলগণ জান্নাতের অধিবাসী) জন্নাতে প্রবেশ করামো হবে, ইয়ালনার ও সংকর্মীদের				প্রতিনান (পরাননারদের প্রতিধান সিবেন আল্লাহ তার,) প্রতিনান (পরাননার সংবেশীদের পাপ রোম ওপ্রতিমান)			
জারাত (সমাদনার সংকর্মশীলখন জারাতের অধিবাসী) জারাতে প্রবেশ করানো হবে, ইমালনার ও সংকর্মীদের জারাত(সংকর্মশীল মিকলারকে অল্লাহ জারাত প্রবেশ করাকো)	२२-शृष्ण	30	960	প্রতিদান (ক্ষাননারদের প্রতিমান সিবেন আল্লাহ তার)	৩০-জুম	٩	600 9.70 9.56

Фана

म	e.	35	কৰ

199	100 Nt. to 100	MODE IN	Mar.	শব্দ বিষয়/প্রসঞ্জ	जुड़ा नर ७ नाम	400	46
क्षेत्राम (नुर्व गर्वा (बदक)	and the same of the same of	M. J. 385	100000	श्रिक्त वृद्धि (पुब्लिएस श्रिक्त वृद्धित बना शरदीप्रात गरबा)	१८-मनाश्रीके	93	353
রাস্পানের বিদ্ধু সংগ্যকে দীয়ান আৰু ও অন্যানেরকে অধিস্থান কথবী	8-मिगा	200	296	গ্রহণ করবে না ইয়ালারণা ব্যারণে শিল্প ও অইচেরকে যদি	৯-জাওবা	22	683
রানুদশগের প্রতি ঈমান (রাসুল স. ও মুমিনগগের)	३-शक्ता	200	2.08	তৃত্য কাঞ্চ (ঈমানগরনের নিকট তৃত্য কাঞ্চ)	8o-मुचिम	92	W
বাসুল, আল্লাহ ও কুবজালে উমান আনার নির্দেশ	৬৪-ভাগারুদ	br	3/00	জান (দিনালনার জানে যে উপর অল্লাভর পদ থেকে আগত)	२-वाङ्गवा	20	got
রালুন স্ এর প্রতি সম্বান আবর জন্য পূর্ববর্তী দবীলের অলীকার	০-আলে ইমবাদ		288	জন্তাত (ঈমাসনবের সংকাজের প্রস্তার জারাত)	8-निश	93	201
রোধা (সমাননারনের উপর রোধা বিধিবক করা হয়েছে)	५-वाझवा	3000	650	প্রতিদান (প্রমানদারের দ্বমান ও সং কাঞ্চের প্রতিদান)	২-বারুবো	95	60
लियक (त्रेयान लियक करत (त्राव ।वायक कर्या व्हार्ट्स)	१५-प्रकाशना १५-प्रकाशना		958	বের করে দেরার হুমকি (৬'আইবের ঈমানদার সনীদেরকে)	ी-आ,शंक राजरिया	44	63
		22		च्या (कुन नन्नादर्क ज्वहाबद्धक च्या कर्त्वा क्रियेन्, विकासकारा द्वर्षिक)	२-वाकास	297	60
স্তের ঈমান (ইবরাইনের প্রতি)	২৯-আনকাবৃত	49	272		इ-पाकृत्या इ-निजा		
শরতান অবিভাবক ভানের যারা ঈমান আনে দা	৭-আগ্রাফ	২৭	675	মূনাফিকসের ঈমানদার হওরা প্রসাস (প্রতিপালকের কসম।)		96	600
শান্তি (মনুষ দীয়ন আনলে তাকে শান্তি দিয়ে আল্লাহ কি কথাৰেন ৫)	8-निमा	784	292	সংগত নর ইয়াননারনের জন্য (মুশরিকদের জন্য কথা প্রার্থনা)	৯-তাধব্য	270	62
ষ'আইবের সামে প্রেরিত বিষয়ের প্রতি ঈশ্বল না আন (এক দলের)	৭-আ'রাক	৮৭	650	সুসংখ্যন (আল্লাহ সংকর্মশীগ ইমাননারনের জাল্লাতের সুসংখ্যন দেন)	৪২-শ্বা	২০	p.ye.
হ'অইনে দানে প্রভিত বিষয়ের প্রতি ঈমান আন (এক দলের)	৭-আ'রাড়	79	640	'দিলা		_	$\vdash$
गराम (प्रयान ও विरास का गराज बागून ग. वह बाग्युमा बाग)	৪২-শ্বা	25	284	স্ত্রীদের সাথে 'ইশা' করলে চার মাসের প্রতীক্ষা	২-বাবুমরা	226	650
मध्यभिन यञ्च निधन अञ्चल काम्प्रकार व्यक्तार यञ्च नतात मार्थः	80-सार्वेग	00	Pos	'ঈলা			
नवार्यनेन यहा रेशन शताब अक्कार स्थानस्क श्रीरक्षरि	২৪-সূর	22	950	অলীকার (ইসার কাছ থেকে আল্লাহ দৃঢ় অলীকার দেন)	৩৩-মাহ্যাব	٩	700
নংকর্মশীলাদের অন্তর্ভুক্ত (ইমানদারণাশ)	২৯-আনকাকৃত	ъ	644	অনুভৰ কল্প সদা আ. (বনী ইসলাদলদের কুফরী)	৩-মালে ইম্বান	43	Ø8;
সংকর্মশীল ঈমানলার ও দৃষ্টিপরারণ ব্যক্তি সমান দর	8o-मू"मिन	Qbr	990	আগমন প্রেক্তা ও প্রথমনহ ঈদ্য আ, আগমন করেছিলেন)	8७-दू <del>र्</del> क्क	60	hos
সংকর্মশীল ঈহানদারগণ সৃষ্টক্ত কক্ষে নিরাপনে থাকবে	৩৪-সাবা	७१	₩88	আস্থাই ঈদা আ. কে বদলেন, নেয়ামত শহাৰ কথাত	৫-মারিদা	330	238
সংকর্মশীল ঈহামনারগণ ও ফ্যাসান সৃষ্টিকারীরা সহান নর	৩৮-সোরান	20	৮৬৭	আপ্নাহর নিকট ইনার প্রার্থনা (আকাশ থেকে খান্য)	ए-पाविमा	228	238
সংকর্মশীল ঈমাদনারনেরকে আল্লাহর প্রতিক্রতি	৫-মারিনা	ъ	65.2	ইঞ্জীল (ঈলাকে দেয়া হয়েছে ইঞ্জীল)	०-मातिना	86	231
সংকাজ (দিয়ান এনে সংকাজ করেছে বারা তারা জানাতী)	৭-আ'বাক	84	626	ঈমান (ঈগাবেং দেৱা বিষয়েও উপত্র ঈমান)	৩-আলে ইম্বান		288
সংকাজ (বারা ইমান আলে ও সংকাজ করে তারা জানাতে)	৩০-রম	26	250	উপমা (ঈসার উপমা আদমের মত, আল্লাহর নিকট)	০-আলে ইমরান		28
गरकार (रेचनमाञ्च मरकात्रा अधिनन पुरापूर्व निरम सञ्चार)	৩-বালে ইমরান		682	ওটা করা (আল্লাহ ইলাকে ওহী করেছেন)	8-PM	360	499
সভ্যের অনুসরণ করে, যারা ইমান আনে	৪৭-মহাম্বাদ		324	কিতাৰ ও হিৰুমাত শিকানাৰ ব্যৱহেন আল্লাহ ঈনাকে	०-भाविमा	220	236
সভোর উপর জানবানসের ইমান আনা প্রসঙ্গ	২২-হাজ	48	960	स्थान (विज्ञान(का सन्त मेना जा, सान))	80- <b>युश्क्र</b> क	97	300
সংখ্যের প্রতি (যে সভ্য এসেছে তার প্রতি দাসারাদের ঈশ্বান)	৫-মারিনা	78	697	পুরুষ (মরইয়ম পুর উপর পুরুষ ও রুপরিবদের পোরসাল)	80-पूर्वक्	63	3/30
সভৰ্ক কল্পণ্ড ইমান আনবে না (কাক্ষিবরা)	৩৬-ইরাসীদ	30	547	লেয়া (মিলাকে লেয়া বিশ্বরের প্রতি মিমান)	5-states	300	676
गक्राच्य (पुनिकासक या गर गक्का नेपाल गठा ग्रहनार कराइ)	45-34	33	200	ব্যাল (প্রসাহের সেরা বিষয়ের প্রাত প্রথম) ব্যাল প্রতিষ্ঠার নির্দেশ ছিল (ইলা আ, এর প্রতি)	84-78	300	676
সফল (তথাকারী সংকর্মণীল স্থাননারর সঞ্চল হবে)	49- <b>का</b> गांग	69	778	নির্চাশ (যে ইনের নির্চাশ ইলর প্রতি ছিল মুহাকারেও জ.)		30	V3-
সমান मह (लडिकारी व केंद्राननात समान मह)	82-वादिवा	42	909	লানিবেছন আল্লাহ উদা ইবনে মারইরামকে	৪২-পূরা ৫৭-হানীন	39	963
সম্প্রদার ইমান জানবে না (রাসুল স. এর সম্প্রদার)	80-पूर्वक्ष	77	909	গাওরেছেল আল্লাই পদা হবনে মারহরামকে পুন্যবান (ঈদা আ. পুন্যবান্যকে অন্তর্কক ছিলেন)	৬-আন'আম		
সংবাদার (দিয়াল জালে না যে সম্প্রাদার তালের জন্য ধ্বাসে)	২৩-মুখিল	88	299			346	906
শংক্রণার (কথান আলে না যে সম্প্রণার অন্যের জন্য কালে) সম্প্রদার (কথান আলে যে সম্প্রদার ভালের ব্বন্য কিন্তাব)	१-जा बाक		639	প্ৰজ্ঞা ও প্ৰমাণসহ উপা আ, আগমন কৰেছিলেন	80-पुरस्क	90	300
শন্ত্রণীয় (কথান আনে যে সম্প্রনার ভালের স্কল্য (কথানা)	৮-वानकार	82	606	প্রমাপ দান (ইসা ইবনে মারইরামকে স্পষ্ট প্রমাণ দান)	২-বাকারা	560	200
			362	প্রমাপ দান( ইনাকে স্পষ্ট প্রমাপ দান করা হয়)	५-राकृत्वा	44	674
সপদ ও সরান মেন ইনাননারসেরকে বুলিয়ে না রাখে আল্লাহর স্ফল	৬০-ছুনাঞ্চিকুন	>		অবা (বনী ইন্মাইলের কবিবাসেরকে ইনার কবার পা'নত করা)	ए-महिना	9.5	694
সম্প্রবার (विभागता সম্প্রসারের জন্য সভাসর সংবাদ পর্য)	২৮-কাসাস	0	prop	মার্টরানের পুন উলাকে অস্তাহ কাকো কিয়ান্ত- 'মুনি কি'	e-मात्रिमा	229	230
गांत त्मावा निर्तान नियमनावात्मायम-प्राप्ताद ७ वागून भ, तव प्राप्तात	৮-জানকাল	₹8	608	महरेगात्मा पूर्व पेश च. च्यावत राजून २. (स्मी देशवरिमास्त्र-तर्च)	৬১-সাক্ষ		200
সামান্য সংখ্যক ঈমান আনে (বনী ইলরাইগের)	২-বাঞ্চরা	bb	630	মারইয়ামের পুত্র ইসা স্বা, হাওরারীদেরকে বল্পেন	৩১-সাত্ত	38	260
গশিং জ. ও পথালারনেকে উদ্ধার করেন আল্লাহ পরি থেকে)	১১-ছুদ	66	693	মারইরামের পুত্র ঈসা-মসীহ	৩-জন্তদ ইমরান	82	@80
সাহাত (আল্লাহ মুমিনসেরকে সাহাত্য করবেন যদি)	৪৭-মুহাম্মদ	٩	225	মাবইয়ামের পুত্র ঈগা গো.	১৯-মারইরাম	08	900
নামান্য(মানুধ পুৰ নামান্যই ঈমান আনে, কুৱআন প্ৰসঙ্গ)	७७-शकार्	83	93.0	মারইরাম ঈনাকে গর্ভেধারণ করব	১৯-মারইরাম	22	986
নাহান্ত প্ৰাৰ্থনা (ঈদাননারসেরকে সাহাত্য প্ৰাৰ্থনার নিৰ্দেশ)	২-বাস্থারা	750	673	মা (দিনা আ. ও তবে মাকে প্রদন্ত দেরামত শরণ)	৫-মারিদা	220	938
নিন্দিত ও শহীদ ভারাই হতে পারে যারা দিয়ান এনেহে জান্তাহ ও	৫৭-হানীন	79	320	ম (দিলা আ, নিয়েকে ও কর মাকে ইপাহ বিশ্ববেত্তাহন করতে অপঞ্জিল বিশ	৫-মারিদা	226	494
বুণুদ কৰাৰ ইমান জনলে জন্তাহ দুনিয়া-আধিয়তে সুপুদ ৰাখন	<b>১৪-देश्यादी</b> म	29	৫৯৮	মারইরামের পুত্র ইলাকে পরে পারিয়েছেল আল্লাহ	৫-মারিদা	86	Q bri
সুসংবাদ (ঈমান আনার কারণে জাল্লাকের সুসংবাদ)	২-বাকুারা	2.0	809	যুক্তিয়া (সদার যুক্তিয়া লমুহের বর্গনা)	৩-জালে ইমরান		280
সুসাবাদ (ঈমাননারাপাকে সুনাবাদ নিতে আদৃশ স, এর প্রতি ভই)	১০-ইউনুস	4	<b>628</b>	মৃত্যু(ঈলার মৃত্যুদানকারী আল্লার্)	৩-জালে ইমরান		28
সুদ শিক্ষিত্র (ইন্মাননারসের মান্য)	৩-আলে ইমরান	200	28b	রাসূল ল. (মারিবাদের পুর দিলা আ, আপ্লাহর রাসূল ল, এবং		44	20.
"वर्ग (विकल्पातास्त्रात्म "कर्म कराइ निर्मण-अञ्चादा स्वास्त्र्य)	१-पश्चिमा	22	67.7	सातृत नः (बाक्सान्य पूच नना जाः जाद्वाद्ध सातृत नः चवर स्रात कानिवाद)	৪-দিসা	242	eq:
হওয়ারীরা দিখন আনদ আল্লাহ ও রাসুল স, এর উপর	৫-মধিদা	222	698	निका मान (विभारत निका निरान प्रक्लाद किराग, दिक्यांग्य)	৩-জালে ইমরান	94	Ø80
হাওয়ারীগণ ইমান এনেছেন (নাবিলকৃত বিহুৱে)	৩-জালে ইময়াপ		687	নাহার্য ( ইনাকে ক্রছন ভূমুন হারা নাহাব্য করা হয়)	२-वाकाता	br9	670
गुल्डावीचन स्थान बालाइ जाहादर उनर	৩-আলে ইমরান		483				
रिकराज्यावी प्रधिन नावीत्त्रत स्थात्मत रिश्त पाष्ट्रार ब्राह्मम	५०-मुम्बादिना	20	202	হত্যা। (বনী ইনরইল ঈদ্যকে হত্যা করেছে বলে দাবী করা)	8-मित्रा	309	299
रिकार करवाड् (यान क्षेत्रानमाव	৮-আনকাল	98	969	যান্তারীর সনাকে কল (প্রতিপালত কি সক্তম আরুল থেকে)	৫-মায়িলা	275	696
হৈছতে করেনি যেসৰ ঈশানদার	৮-আনকাশ	94	90%	উচু করা			
মুক্ত করেল বেশৰ সমানদার অনুষ্ঠ সমান আনেনি মানের (মুনাভিক প্রসঙ্গ)	৫-মার্থনা ৫-মার্থনা	83		অকাশকে নরামর আল্লাহ উঁচু করেছেন	৫৫-রাহ্মান	9	3000
	4-40441	6.3	202	অনাশকে নীজনে উচু কর হরেছে (গেলিক দৃষ্টিপাতের উপদেশ)	४४-वायुगान ५৮-वानिबाद		
দিয়ানদার (আরো দেখুন বিশ্বাসী/মুমিন শব্দটি)				আকাশ্যক কাজনে জুই কর হরেছে (সেগতে পৃত্তপাতের উপদেশ) আকাশ (আকাশ বীচু করেছেন আল্লাহ, বীটি ছাভা)			205
স্বভিতাবক (দিয়ানগরণের স্বভিতাবক আল্লাহ)	২-বাকুরা		<b>@00</b>		১০-রাম	2	96.0
আনুগত্য (আনুগত্যের ব্যাপারে ইমাননারদেরকে নির্দেশনা)	8-मिग	¢b	458	উচ্চানা ( আকাশের উচ্চানকে আল্লাহ উচ্চ করেছেন )	৭৯-নামি'জাত	২৮	3000

শ্বস্থ বিষয়/ধনক	न्त्रं म् व सम	ALC: N	10	नंब के दिस्त्र/धंतत्र	त्वानः चनान	400.0	1
উচু না করা				<b>डिव्यून</b>			
কষ্ঠকর উচ্চ লা করার নির্দেশ মুমিনদেরকে (নবীর কষ্ঠকরের উপর)	৪৯-হত্রত	2	320	क्रमंत केंग्रुल शहर यहंगत, जात प्राष्ट्रांशत महात प्राह्म ध्वेतरत	৩-আপে ইমরান	209	28
উচুবারী				রেহারা (কিছু রেহারা উজ্জুল হবে কিয়ামতের দিন)	৮০-আবসা	40	200
ঘটনটি (কিয়ামত) কাউকে সমুদ্রত করবে	१५-वद्यक्तिहरू	0	380	তাবল (বাতে আত্মবলশকরী একটি উক্ষল ভারকা)	৮৬-কারিক	0	202
<b>एँ</b> ड अभि				নক্ষর (উক্ষুদ নক্ষর, অল্লাহর আদোর উপমা)	२8-नृद	-00	99
আশার (ঈসা আ. ও তার মারে উচ্চ স্তমিতে আশারানান)	২০-মু'মিনুন	20	900	এনীপ (আপ্লাহ উজ্জ্বল প্রদীপ (সূর্য)বানিয়েছেন)	৭৮-মারা	30	200
বাগন প্রেক্তা বর্ষমে উচ্চ ভানির বাগানে বিশ্বন বল নানের উপার।	২-বাকারা		603	মুখ্যকল উজ্জল হবে বিশ্বামতের নিন (ম্মিনসের প্রসঙ্গ)	৭৫-কিয়ামাহ	22	33
উচ্ স্থান	Z -41-0	100	100	দুৰ (কিছু চেহারা উচ্ছল হবে বিবামকের দিন)	৩-আলে ইমরান	209	48
ব্যু ২০০ বীর্তিজ্ঞ উচ্চয়নে নির্মাণ (আদ সম্প্রনারের)	59-9'81E	25/2	1248	হা, (উন্ধল হাত্ৰে গাড়ী কৰাই কহতে বনী ইনৱসিলতে দিৰ্চাৰ)	২-বাকারা	66	ĝ0
সমবলভূমিতে উচুত্বান দেখা যাবে না (পর্বতকে সমতল করার পর)	२०-इंग-स्	209		উল্লেখ আলো		_	r
ने करण कुर्या । जुरू में (गया पार्ट मा (गया प्रकार ने में कम क्यारा मा) कि कर	40-81-6	201	181	সূৰ্যকে অন্তাহ উ <b>ন্ধুপ</b> আগে বনিয়েছেন	১০-ইউন্স	4	62
ত্যু বৰ্ম সালাতে অতি উচ্চ স্বৰে কিবাৰাত নিষেধ		-		SS SECOND SINGLE	20-60-51	-	94
	१५-देखा	330	450		৬-অন'অম		١
<b>डेक्</b> म				নুই ধ্যনের টট অল্লাহ সৃষ্টি করেছেন (পুরুষ ও মানী)		388	
নিবর্ণনাম্বরণ ক্ষিরতাউন সংখ্যদারের প্রতি উকুন প্রেরণ	৭-জারক	200	648	লৌক্তন (যোৱা বা উট লৌক্তমি দুমিলাগ 'কাই' এর জন্য)	69-5148	0	25
টকি				প্রবেশ (সূত্রর বিশ্বাধ উটপ্রবেশর নার অক্ষণ ক্ষাভেপ্রবেশ)	৭-জারাক	80	63
ইবরাইমের উঠি (ভার পিতার জন্য ক্ষমা প্রার্থনা প্রসঙ্গে)	৬০-মুমভাহিনা	8	367	বেধাই (উট বেধাই পরিমাপ বঢ়িরে নেবে, ইউসুমের ভাইরের)	১২-ইউসুফ	66	667
বনী ইসরাইদের উন্চি, ('আমাদের হনর আছাছিত')	৪-দিশা	300	¢%	বেৰাই (এক ইট বেৰাই মল ভার জন্য যে পদপত্ৰ এনে নিৰ্বে)	১২-ইউসুফ	92	bb
বনী ইসরাইলের উচ্চি (ইসাকে হত্যা প্রসঙ্গ)	8-905	201	499	দৃষ্টি (উট নীয়াৰে দৃষ্টি করা হয়েছে, দেদিকে দৃষ্টিপাকের উপদেশ)	৮৮-গাশিয়াব্	24	202
বনী ইসরাইলের উক্তি (মারইয়াম সম্পর্কে অগবলে প্রসঙ্গ)	8-50g	326	499	डेडे (चीनकाइ)			1
G05		-	-	হক্ষু অন্যক্ষিণকা উট হয়ে নুহ থেকে মনুমো গুৰু অন্য প্ৰদক্ষ	২২-হাজ	ર૧	95
জাপ্তাহ সুউচ্চ ও সুমহান (জারাতুল কুলেনী)	২-বারুরে	300	600	উটনী (দেখন উদ্ৰী শব্দটি)			
वाह्याद मुकेक	৩৪-সাবা	20	1/89	টটের পাল			
অন্তাহ বউচ্চ ও সমহান	22-27%	63	968	হলৰ বাসৰ উটোৰ পাল( জাহান্তামের (ঘারার উপমা)	৭৭-মুরসাল্ড	00	88
পদ্ধাৰ প্ৰজ্ঞ ও বুৰব্দ আসা (ৰক্ষকে উক্ত জন্মল থেকে শক্ত বাহিনী আসা প্ৰকৃত্ৰ)	७६-जादराद	20	100 708	Shi	13-48-14-10	00	6/0
বানা (বন্ধক ডাঙ্ক বন্ধন বেকে নাম বাহনা বানা এনন) প্রায়াত উদ্লুক মর্থানসম্প্র আসন থাকবে	৮৮-গশিরহ		2029				-
	৪৮-বাশ্বর ৪-নিবা			অবহণে উঠতে থকত অপপ্রবঁথ (অকলের নরজা পুলে নিলে)	১৫-হিন্দর	78	89
দূৰ্ণ (মানুৰ বুউচ্চ ও বুন্য় নূৰ্ণে অবছান কবলেও মৃত্যু হৰে)		95	<b>¢66</b>	রাসূল স. কে ওঠার নির্দেশ (মানুদকে সতর্ক করার জন্য)	৭৪-মুখ্যামুখ্য	2	29
নৌধন(সমুদ্র পর্যানর মত সুউচ্চ দৌবালসমূহ অপ্রাহর নিজ্ঞানে)	৫৫-রাহ্মান	₹8	980	সুধাইমানের স্থান থেকে ওটার পূর্বে গাবার রনীর পিয়েসন তুলে অন	২৭-নামল	49	po
মর্থদা (সংকর্মশীল মুমিননের অন্য উচ্চ মর্থানা, ভাল্লাতে)	२०-झ-श	92	980	विशेष्टमा			L
कुमम-नुश्र हि (५७ कुमम-नुश्र हि निजन चन्द्राव देखारीय)	३७-मत्रदेशम	60	909	উপ্তস্থানে উর্বিয়েকে অস্ত্রাহ ইনরিসকে	১৯-মারইয়াম	64	40
ছান (উচ্চছানে উঠিরেছেন আল্লাহ ইগরিসকে)	३७-मात्रदेशम	68	966	নিপ্ৰাছল খেকে কে উঠালঃ (কিয়ামতে কাকিববা বল্পে)	৩৬-ইয়াসীন	65	'nż
উচ্চ আপন				দৌকার উঠানো নুহের অনুসারীদেবকে (প্লাবদের সময়)	३३-दुल	80	66
ক্ষন্তেতীয়া উচ্চ-আননে বলে দেখতে থাকবে	১৩-মুডাক্বিকীন	20	7075	পর্বভালা ও মনিত্রক বিয়ামান্তর দিশ ইটানো হাব (ধরা এপস)	৬৯-হাভাহ	18	34
শল্লাতের উচ্চ খাসনে হেলান দিরে বসবে (মাল্লাভীরা)	৭৬-সাহ্তর	70	296	মানুবকে (আল সম্প্রদারকে) উঠিরে নিষ্ণেশ করেছিল	৫৪-ব্যমার	20	100
পিত্ত-মাত্ৰাকে উচ্চাসনে ৰসাপ ইউসুফ	24-5850	200	6116	देवीरव त्या			
মুমিনগৰ উচ্চ আসনে বলে কাফিবসেবকৈ দেবতে থাকৰে	৮০-যুত্তস্থিতীদ	00	2025	Wompe Stiting Faces tensor	৩-আলে ইমবাৰ	00	28
विकारता -				নৌবাদে উঠিয়ে দেকার নির্দেশ দুবাকে (প্রয়োক জীকের এক জোড়া)	২৩-ছ'হিন্দ	39	96
আৰুপের উপ্রতাকে আপ্লার উন্ন করেছেন	৭৯-বাহি'জাত	45	2008	क्रिय गांवरी	40.8 145.	*1	10
পর্বত পর্বন্ধ পৌছতে পারবে না মানুষ উঞ্জার দিক থেকে	১৭-ইসরা	69	939	মুদ্রিন্দরের কল মার্কান থেকে উঠে যেত কল হয় তল।		33	
উচ্চ পর্যায়	*1 (		-		৫৮-মুন্ধানালা		30
'ইবলিস কি উচ্চ পর্যন্তের কেউ'- আপ্রাহর জিজালা ইবলিসকে	৩৮-সেরান	92	b-90	মুমিননেরকে মঞ্জলিন থেকে উঠে যাওয়ার নির্দেশ থবন	৫৮-মুন্ধানালা	22	36
विकासि विकासि	W-0-1984	- 12	- 10	উয়ানো			
	11 Tables			ধন-সম্পন (মানুধ বলে- 'অমি প্রচুর ধন-সম্পন উড়িরেছি')	৯০-বাধান		200
চুট কৰে (বিৰুদ্ধ নাৰুম্বনে বুলে দিলে তাৱ উচ্চত্নি বেলে চুটে কাৰে)। সিল্ফা নাৰ্কাল	43-01681	36	926	পুশা উল্লানে (প্ৰভাৱে আন্তৰমানারী/পূশা উল্লানে যোলার কলম)	১০০-'জানিয়ত	8	300
উচ্চ মর্থাদা			$\perp$	বাস্থু মুপরিককে দূরবানী ছালে উড়িয়ে নিয়ে যার (উপমা)	22-20 <b>4</b>	৩১	96
স্বায়াত হাবা উচ্চ মৰ্থানা দান (সাল্লাব্ ইঞ্ছা করতে করতেন)	৭-জা'রফ	7.40		केंद्रिया दनवा			T-
মুমিনদের জন্য প্রতিপাদকের কাছে উক্ত মর্থানা বয়েছে	১০-ইউনুস	R	958	তক্ষা হর্ণ বারস উচিয়ে লো (পুনিরর ক্রীবানর দুইরে প্র	7P-40502	80	921
উচ্চস্বর				डेरवरे			i ``
কথা (মানুছের উচুখরের কথা আল্লাহ জনেন)	২০-ফ্ল-হা	٩	483	অংহানছুদ (স্বান্তাত উংকৃষ্ট অংহানছুদ)	২৫-ফুরকান	96	90
পরস্পরের মত নবীর সাথে উচ্চেম্বরে কথা বলা নিয়েখ	৪৯- হকুরাত	2	250	অবস্থানকা (ৰাপ্তাত ভব্কে অবস্থানকা) আবাস (সহত্যশীল হড়াজীনের আবিব্যাহের আবাস উৎকট)	২৫-কুরকান ১৯-নাহদ	oo.	901
উচ্চস্বরে ঘোষণা				জ্বলার (সংক্রমণাল মুখ্যকালের আবরাকের আবার ভংকুর) উদ্ধিদ (আব্দেরে পানির মাধ্যম অস্তাহ উৎকৌ উদ্ধিদ উপলঙ করেন)			
নুহের উচ্চ শরে ঘোষণা (সম্প্রদারকে নাওরাক প্রদাস)	93-75	>	398		৩১-পুকমান	20	25
উচ্চখরে ডাকা	- 46	ŕ	-30	উপদেশ (আল্লাহ যে উপদেশ দেন ডা কটই না উৎকৃষ্ট)	8-নিসা	Q.P.	46
পেছল থেকে (গরের পেছল থেকে যারা রাসুল স. কে ভাকে)	৪৯-হতুরাত	8	3-20	ঘোৱা (সুশাইমানের নিকট উৎকৃষ্ট ঘোৱা উপস্থাপন)	৩৮-সোৱান	-97	100
পেৰণ থেকে (গৱের পেৰণ থেকে বারা রাপুল স. কে ভাকে) উদ্ধাৰণ	०क-इन्द्रेशक		940	ধরন (পৃথিবীতে উৎকৃষ্ট ধরনের উদ্ভিল উপগত হওয়া প্রসঙ্গ)	<i>56-०,खादा</i>	9	97
			-	নগরী (উৎকৃষ্ট নগরী, সাধা নগরী প্রসঙ্গ)	৩৪-সাব্য	>6	78
			320	লং (উদার্জ লাওকারী নিয়ামতে কারে প্রনিয়ার সংস্থান ছিল এমনিয়ার)	২০-ড়া-হা	508	98
কর্ম (মনুগ যে কমাই উপ্লাল করে ভার নিকট পর্যবেক্ষক এক্সত) উচ্চেদ্দ (আরো দেখুন বহিন্ধার শক্ষটি)	৫০-কৃষ্	30"	940	निर्देश (प्रतिक नोहांड स्कृत करा निर्देश के प्रतिकार	২০-ছা-থা ১৭-ইসরা	200	93

উংকট	500

THE STATE OF THE S	TH 40 1 47	Ath 3	91	TR. PRINTER	<b>有關於食物</b>		
डेरकडे (पूर्व नृक्षे (च्हारू)			-	डेरवृद्ध -			
বিশ্বস্থপ (জন্তাত) মুমিননের জন্য	১৮-কহিন	9)	929		bro-		-
বুমি (উৎকৃত্তী বুমির কুণল উৎপদ্ধ হয় আল্লাহর ইঞ্ছান)	৭-জা'রফ	63.	630	অপরাধীরা উৎকৃত্র হরে আগনন্ধনদের নিবট কিরে যেত	<b>बुकाक्विकी</b> म	62	202
বিবিক্সাতা (আল্লাহ উত্তম বিবিক্সাতা)	55-50m	O't	100	কবিবরা উৎকুল্ল হর অবস্থান মুমিননেরকে আঘাত করলে	৩-আলে ইমরান	250	283
উল্লেখ	44-0-	69	100	কাকিবরা নিজেনের জ্ঞান নিরেই উৎকুল্পবোধ করত	৪০-মু'মিন	200	446
		-	-	কিন্দাল্যকা উল্লেখ্য হয় (এপুল ন, এর উপর অবটার্ন বিষয়ে,)	১৬-রা'দ	96	695
কুশিদ (উৎকেশ করবে জাহন্রেম)	११-সূর্সাপাত	જ	999.	নশ (প্রভেক নশ উৎযুদ্ধ, তানের যা আছে তা নিরে)	00-83	95	548
<u> उ</u> रशाउ		_	$\perp$		২০-মু'মিনুন		969
মূপ জা, ও তার অনুসরিদেরকে উৎপত করার ইচ্ছ বিনাজাউনের	১৭-ইস্রা	300	150	নশ প্রভাক নশ উৎমৃদ্ধ, ভানের নিকট যা আছে তা নিরেই)		6.0	
রাসৃদ স. বে উবোত করতে চেয়েছিল বাহিদরা যমীন থেকে	১৭-ইস্রা	৭৯	150	নিহতরা (পইনিরা) আপ্লাহর করুবাহ পেরে উৎফুব্র	৩-আলে ইমরান		
উৎপদ্র	-			নিছের যা করে সেঞ্জন্য উৎফুল্ল (আহাদ কিতাব প্রসং)	৩-আলে ইমরান		
আহুর উৎপদ্ধ করেন আল্লাহ (বৃটির মাধ্যমে)	১৬-নাহল	22	900	নৌবানের আরোহীরা আনন্দিত হরে চলাবছার তরসাঘত	১০-ইউনুস	સર	628
অল্লাহ ফসল উৎপদ্র করেন (আকাশের গানি বারা)	ob-इमाद	45	3190	গাবড়াও (উন্মৃদ্র হওয়ার গর গাবড়াও, উন্মানগ ভূসে বাংরার)	৬-আন্'আৰ	88	499
हैगान व नंगानान हैक्पन्न करहरामा जातार (वृष्टि सर्वन करत)	৫০-কৃত্	2	344	শিহনে থেকে যাওয়া লোকেয়া উল্কেন্ত বেং করল বসে থাককে)	৯-জাওবা	2.7	685
উদ্ভিদ উৎপদ্ধ করা(আকাশ থেকে আল্লাহ প্রদন্ত পানি ছারা)	२०-डा-श	60	988	পেরে (আল্লাহর দেরা কিছু পেরে উৎফুল্ল না হওরা)	৫৭-হাদীদ	20	950
থেকুর পার্ উৎপন্ন করেন আল্লাব (বৃত্তির মাথামে)	১৬-শহল	22	900	বন্দারা উৎযুদ্ধ হয় (বৃষ্টি আপঞ্চিত হলে)	<b>\$0-</b> ₹ <b>2</b> -0 <b>\$</b>	81/	256
থেকুর গাছের মাধি উৎপন্ন করেন আল্লাহ (বৃত্তির শানিতে)	৬-জানু আম	99	600	ভাগবংসন না আগ্রাহ উৎফুলনেরকে	২৮-কাসাস	95	228
				মানুষ উৎফুল হর (দুয়বের পর নিরামত আখাদন করালে)	22-gr	20	600
গাছ উৎপন্ন হর মিনাই পর্বতে (ব্যৱস্থূন গাছ প্রদাস)	२०-मू मिन्न	40	969	মানুধ উৎকুল্ল হর (আল্লাহ করে দরা আখাদন করালে)	৪২-পূর্ব	85	bas
गामाना प्रत्यस्य करात करात मनुस्तर हिन न (अञ्चाद करान)	২৭-দামশ	60	304	মানুধ উৎভুক্ল হর (নরা আখানন করলো)	00-87	99	p-58
চারণক্মি (আপ্লাহ চারণক্মি উৎপল্ল করেছেন)	৮৭-আশা	8	3039.	মুদ্দিনের উন্মৃত্যুত হংলা জিল (অসং করে কুরামান আবার)	30-884R	62	669
চারা উৎপদ্র করেন আল্লাহ (বৃষ্টির পানিতে)	৬-অন্'আম	99	600	যুমিলাণ উৎকুল্প হবে (রোমানরা বিশ্বরী হলে)	00-RR	8	623
তৈল উৎপন্ন করে (দিনাই পর্বতে উৎপন্ন বারতুল গাছ)	২৩-ৰুমিদৃদ	10	989	ভূমিক প্রতিষ্ঠার উল্লেছ হরে সরে পরে (রানুল স. এর ফল্মান হল)	2-014st	80	680
প্রবাদ ও মুক্তা উভয় সমুদ্র থেকে উৎপন্ন হয়	৫৫-রাজ্যান	-55	380	সম্প্রধারকে উৎফুল্ল হতে নিষেধ করণ মূল	২৮-কাসাস	95	998
ফল উৎপন্ন করেন অক্সাহ (বৃষ্টির মাধ্যমে)	১৬-শব্দ	22	900				
ফলমূল উৎপন্ন করার জন্য আল্লাহ্ পানি অবতীর্ণ করেন	১৪-ইবরাধীম	•२	999	সাকবাসীনের উত্যক্ত হওয়া প্রদান (সুশাইমানকে উপায়র নিয়ে)	২৭-নামল	Ф.	905
ফলমূল উৎপন্ন করেন আল্লাহ (বৃষ্টি বর্ষণ ধারা)	৩৫-ফডির	29	<b>787</b>	<b>डेरमूज</b> ठा		_	1
ফল-মূল উৎপন্ন হর মানুষের রিথিকস্বরূপ (বৃষ্টির পানিতে)	२-राष्ट्रावा	રર	200	কবিবদের উৎভূপ্ততা (অসত্য নিয়ে)	৪০-মুখিন	92	9.548
কসল উৎপদ্ধ হর আল্লাহর ইচ্ছার (উৎকৃষ্ট কৃমির কসল)	৭-আ'রাক	Q.	679.	জপ্রতীদেরকে অক্সহ আনন্দ ও উৎজুপ্রতা দিবেন	৭৬-মাব্র	22	996
কলল উৎপদ্ধ করে না নিকৃষ্ট আমি (কঠিন পরিপ্রম ছাড়া)	৭-আ'রাক	ev.	630	উৎসৰ			
কী ইনমন্ত্ৰলয় জন দুনি থেকে মল-শেৱজ উপন্ন কর	২-বক্তর	93	203	দিন (উচ্চাবের দিনকৈ মৃদ্য বিকল্পার্টনের জানুর জন্য নির্থকা কর)	২০-ছা-হা	6.9	488
বাগান উৎপদ্র করেন আল্লাহ (আকাশের গানির মাধ্যমে)	২৭-বামল	80	pos	উৎসৰ্গ (জবাই)		_	
वृत्तिय गाने क्षता प्रद्वाद तक्कृत गांव, गांच, प्रमा, प्रमा, प्रात हुन विरुद्ध करान	36-HTRF	22	100	चाहार होस करा नात्र वेरमर्गकृष्ट कह राहाम	২-বাঞ্চরা	390	422
শ্বুমিতে উৎপন্ন ফসল থেকে পৰিত্ৰ বস্তু দানের নির্দেশ	2-10101	259	402	আপ্রাহ ছাড়া জন্য নামে উৎসর্গ করা পত হারাম	৫-মারিলা		ê'yo
র্ভম যা উপদ্ধ করে এর প্রয়েকের জোনা গৃষ্টি করেল জন্মার	৩৬-ইরাদীন	96	be8	व्यक्तर क्षम् वरामा नाम कर्तर कर्मा करना नाम वर्गा समा	১৬-নাংগ	226	939
মুক্তা ও প্রবাদ উভর সমুদ্র থেকে উৎপদ্র হয়	৫৫-রাহমান	33	380	পাপনেতঃ অস্তাহ ছাত্ৰ অন্তেক উৎকৰ্ণ করে জনাইকৃত পত হারম	৬-আন্'আম	382	
বারকুন/আনব/আনুর উৎপন্ন করেন আস্থাহ (বৃষ্টির পানিতে)	৬-আন'আৰ	35	905	Sextire			1
याष्ट्रकृत वेरलम् करान जाहाद (वृष्टिव मानारम)	১৬-নাহৰ	33	900	কলোরত কর্ণা উৎসাবিত হওয়া প্রসঙ্গ (মূদার শানির আঘাতে)	২-বাকারা	(40	201
					৩৬-ইরাসীন		
বাৰুম বৃক উৎপন্ন হয় কাহান্লাদের তললেপে	৩৭-সাফ্ফাত	98	3190	কণা উৎসাধিত করেন আল্লাহ (মৃত ভূমিতে)		♥8	9.60
শন্য উৎপদ্ধ করেন আল্লাহ (বৃষ্টির মাধ্যমে)	১৬-দাবৃশ	22	900	কণা উৎসাধিত না করা পর্যন্ত কাফিবরা পদান আনবে না	১৭-ইস্রা	30	345
শান্ত (উন্নিৰপুন্ত পুনিতে পানি প্ৰবাহিত করে শান্ত উৎপদ্ধ করা)	৩২-সাঞ্দা	29	205	ক্বা উৎসারিত (মূসার শাঠির আধ্বতে বারটি ক্বর্বা)	৭-আরাফ	2/30	
শস্য ও উদ্ধিল উৎপত্ৰের জন্য আপ্তাহ গানি অবস্তীর্ণ করেন	৭৮-দাবা	36	2000	কর্ম (উচ্চা জন্মতে একল বেনা উপারিত দুটি কর্ম বানবে)	৫৫-মাধ্যান	99	384
শস্সানা উৎপব্ন করেন আল্লাহ, মৃত ভূমি থেকে	০৬-ইয়াসীন	00	740	डे <b>र</b> नाड्			_
শস্যদানা উৎপন্ন করেন জাল্লাহ (বসীনে)	৮০-জাবাসা	39	2009	चान व्यान विरवाद (स्था न विश्वविद्यात व्यक्तिवाससी (विश्वविद्यात)	১০৭-মার্টন	0	3000
শন্যদানা উৎপন্ন করেন আল্লাহ (বৃষ্টির পানিতে)	৬-আন্'আম	7.7	900	উৎসাহিত			T
শীব (শন্যদানা নাডটি শীব উৎপন্ন ব্যৱ,নানের উপমা)	২-বাকুরা	265	6-07	খালুনাস উলোহিত ল কথা পাট্ট (জনাজ্ঞায়তে খালু নূন)	৬৯-হাকার	08	262
সবুৰা উঠিল উৎপদ্ৰ করেন আল্লাহ (বৃষ্টির পানিতে)	৬-আৰ্'আম	99	900	খানুবাস (মিপ্তিবাহে খানু নাম প্রশাস্ত্রত উৎস্থাইত বা করা)	৮৯-पावर	34	203
উৎপাটন .				Bext8		r	1
পর্বতমালা উৎপাটন করা হবে (কিরামতের দিন)	৭৭-যুৱসালাক	20	200	ক্রপার উত্তরী জনত পদাদর্শন করতে পরে ন (ব্যক্তর পদাই করস)	VP 20208.	٥٩	900
পর্বতমালাকে আপ্রাহ সম্পূর্ণজ্ঞাপে উৎপাটন করবেন	২০-ফু-য		989		na-inda	~1	1,00
वेदशाप्रिक		1.7	-	Ses		-	<u> </u>
ওংগা। চব বেলুর গাহ (উৎগাটিত বেলুর গায়ের কারের নার আন জাতিকে নিকেশ)	44 7	20	203	অন্তন (হবিয়া লেহৰ মূলত উল্লাচ অন্তন)	১০১-কারি'আ		200
পাছ (মল বাদী মাইন থেকে উৎপাঠিত মল পাছের মত)	১৪-ইবরাহীর ১৪-ইবরাহীর			আন্তন (উল্লৱ আন্তনে প্রবেশ করবে, কিরামকের দিন)	৮৮-থানিয়াহ	8	202
	28-२-शहास्य	₹6	946	আন্তনে থাকু উত্তর করা (সভ্য মিখ্যার দৃষ্টান্ত বর্ণনা)	১০-রাম	24	990
		1		বাহান্রদের বাধন অধিক উভার	৯-অন্তব্য	147	685
উৎপাটিত শস্য				পদি মাহন্রামীদেরকে পান করানো হবে	৪৭-মুহাম্মদ	32	330
উৎপাটিত শস্য শন্যক্ষেত্ৰক আল্পাহ উৎপাটিত শস্যে পরিবত করেন	১০-ইউনুস	2,8	969		o प्रत्यूथ) चान		
উৎপাটিত শস্য	১০-ইউনুস	2,8	96.9	পানীর (কাফিয়নের জন্য উল্লন্ত পানীর ও বস্তুবাগায়ক পান্তি)	১০-ইউনুস	8	968
উৎপাটিত শস্য শসক্ষেত্ৰকে আল্লাহ উৎপাটিত শস্যে পরিবত করেন	১০-ইউনুস ৫৬-বয়াকিয়াব্	38	385				908
উৎপাটিত শন্য শন্যক্ষেথক আল্লাহ উৎপাটিক শন্যে পরিবক করেন উৎপানন				পানীর (কাফিবনের জন্য উক্তঃ পানীর ও যন্ত্রধানারক পান্তি)	১০-ইউনুস	8	

	नुस गर छ नाव	ALC: N	200	শব্দ বিষয়/এসস বিষয়েতের দিন উল্লখ সেই বাকি যে নিয়াপাল পাকরে	ন্ধা কংক মান ৪১-ফুসসিলাত	80	P/9/2
উরস্ক পানি আপারন টোকা পানির আপারন নিগা অভিনিতনারী পথস্টেচনা।	৫৬-ওয়াকিয়াহ	310	389	ভারতান উল্লেখিত হলে মহিল কাবিয়কে অভিনেম করতে পারতার।	৪৯-আহ্বাত	22	302
জপায়ন (য়ন্ত পানর জপায়ন, মধ্য জন্যতেনার পারচলেন) জারামন করনে সীমালজনকারীরা (কারান্রামে)	পু৮-মারা পু৬-ওরাকরার	90	2002	কুরমোন উল্লয় (মুখিনদের সঞ্জিত সম্পানের চেক্রে)	১০-ইউনুস	er.	627
আখানন করবে সামালকানকারারা (কান্যপ্লাদে) ইঞ্চলবে (ফুটন্ক পানির মত পেটে উথলবে পালীদের খাদ্য)	৭৮-নাবা ৪৪-দুখান		306	কৌশলী (আল্লাহ উত্তৰ কৌশলী)	৩-আলে ইমরান	28	283
		86	287	(कोनमी (व्यक्तार केस्प (कोनमी)	N. WHOLE	do	6000
भूदार बास(कन्यवित्र संदक्षाम)पूर्णेष शनित मास पुराप यागार)	৫৫-রাব্যান	88		ক্ষমা উপ্তম (বউদায়ক ও বেডিয়ক দানের চেয়ে)	২-বাকারা	200	80
লদিখনের জন্ম থাকবে উত্তর পানির মিশ্রণ (কাইায়ামে)	৩৭-সাত্তাত	69	уфо	ক্ষমা তথ্য (কলারক ও বোলযুক্ত নামের চেয়ে) ক্ষমাকারী (আল্লাইই উক্তম ক্ষমাকরৌ, মূলা আ, প্রসঙ্গ)	ব-আন্থাক	200	62
একে নের (পালীনের মাধার উপর উত্তর পশি ওবেশ দেয়া বলে)	88-मूर्यान	81/	308		न-व्या वाक	786	62
গন (উল্লঙ পানি পান করবে পথন্রই স্বস্থীকারকবীরা)	৫৬-ওয়াবিবাহ্	28	582	এছা (উত্তম বিষয়ক্ষাসাঞ্জল করতে মূল্যর সম্প্রদায়ক নির্চাশ)			
বাদ গ্রহণ (উক্তর পানির স্বান্প্রহণ করের সীমালংঘনকরীরা)	৩৮-সোরাদ	29	જિલ્લ	চাওরা ('উত্তম বিষ্ণু তেয়েছিলাম'-বলবে মানমিয়ে লরার প্রদাস…)	৯-ভাওৰা	209	95
উত্তম -				বিহান উত্তম (অপ্তাহর পথে বিহান উত্তম)	৯-ডাওবা	83	48
ষ্ট্রিম প্রেরণ উত্তম (নিজের জন্য ভাগ কিছু স্মন্ত্রীম প্রেরণ)	৭৩-মুখ্যাফিল	20	646	বীনন (সংকর্মশীল মুখিন-মুখিনাতে অস্কাহ উল্লয় জীবন নিবেন)	১৯-নাজ্প	>4	93
অভিনার নিয়ে সেরা উল্লম ভাসের জন্য যারা সম্প্রাহর সমষ্টি ভার	৩০-জন	'O'y	554	ভগ্নাবধারক (উপ্তয় ভল্লাবধারক আল্লাহ)	৩-আলে ইময়ন		
অনুমতি নিয়ে প্ৰবেশ কৰাই উত্তম (মু'মিনদের জনা)	<b>५8-ग</b> त	39	196	ভাষাপা ও ব্যবসার চেরে তা উত্তম বা আছে আল্লাহর কাছে	৬২-জুদু'জা	22	3/6
অবশিষ্ট (আল্লাবর দেরা অবশিষ্ট বা লাডই উভম)	22-6A	64	690	ভাকওয়া (অক্সাহর ইবাদত করা ও ভাকে ভর করা উদ্বয় পান্ধ)	২৯-আনকাকৃত	3/6	73
অবস্থানপুল (উত্তম অবস্থানস্থল, স্বান্নাতের অধিবাদীদের)	३०-क्वकान	48	598	पुन्ता मच्छमात ७ जामत नृर्दनशैदा चेखद न कि मक्का कविनता	৪৪-দুখান	09	30
प्रवड्काकरी (महास्थि प्रवच्चामंत्री पादाह)	২৩-স্থামিলুন	45	989	দরালু (প্রতিপালক স্বোস্তম দরালু)	২০-ৰু'বিদুদ	222	99
আক্তি কেফিবনের চেয়ে উত্তর আকতি প্রতিয়াপন করতে)	৭০-মা'অরিক	83	29.0	मक्त (यानम् य स्वयं दरश एत्य क्रायं अतिभागतम् नवा छैन्य)	৪৩-১খন্ত	05	33
আবিরতে উল্লয় (গুলিয়ার জীবনের তুপনার)	५५-मा जातम	29	2079.	দল (উল্লখ দল কোনটিঃ কাফিবরা মহিনদেরকে বলে)	১৯-মারইলাম	90	90
	8-निमा	99	2020	দান (উপ্তথ বিষ্কু দান করা হবে কুমবিদ্যালকে ফারে কাশ বিষ্কু)	৮-জানকাশ	90	90
আৰিয়াত উত্তম (মুজালীলের জন্য)				দান প্রতিপালকের দানই উত্তয়, রাসুল স. এর জন্য)	২৩-মুখিনুন	92	99
আদৰ্শ (রাসুদ স, এর মধ্যে উক্তম আদর্শ)	৩০-আহ্যাব	52	0.05	দ্বীনের নিত থেকে উত্তম (উবরাহীয়ের মিস্ত্রাত অনুসরগকারী)	8-निमा	240	29
जानर्ग (केंद्रम जानर्ग राज्यक् देश्यादीय जा, ७ जात मानिद्रमत गाउँ।	৬০-মুমতাহিনা	8	962	देशक्रीमाञ्च क्रम्य क्षेत्रय (म्प्रम्य क्षम् (व्यक्त व्यक्तिमान व्यक्ति)	১৬-নাহল	346	
অনর্শ (উন্তন জনর্শ রয়েছে ইবরাইন আ, ও তার সঙ্গীদের নাথে)	७०-मूचवादिश	10	964	रेडर्स (पेस्स रेडर्स जनगरन क्यानन हेयानन, १९७५ पर वर्डरास)	24-E874	360	99
অপ্যায়ন (উত্তম আপ্যায়ন স্বান্ন্নাত, নাকি বাকুম বৃক্ষঃ)	৩৭-সাম্মত	6-5	940		32-287P		
অপোদ নিস্পত্তি উত্তন (খামী-প্রীর নাঝে)	৪-দিলা	259	640	হৈৰ্থধাৰণই উল্লম (ইয়াকুৰ আ, বশলেন)		bro	88
আবাদ (অধিরাফের আবাদ মুরাকীদের কন্য উর্বম)	৬-আন্আম	105	699.	দৈৰ্থ ধাৰণ উল্লৱ (শক্ৰৰ কাছ থেকে প্ৰতিশোধ গ্ৰহণ প্ৰদাস)	১৬-নাহ্শ	250	93
অবাদ (পরবাদের জাবাদ উত্তা, তাকগ্রয় জনসংলক্ষরীদের জন্য)	১২-ইউসুক	209	899	দৈর্ঘ ধারণ করা উক্তম (মুমিন দার্গীকে বিরে করা প্রদাস)	8-निश	₹.0	24
আবাসের এই খন্ত পরিবাম করই না উন্তম।	১০-মাদ	2.8	890	নৈৰ্য থকা অনুস দ, তেওঁ হয়ে আসা পৰ্যন্ত, দুক্তিতাৰ কৰা উত্তম হয়ে	৪৯-হধ্যাত	¢	2
অধ্যস (অভায়নিত হয়ে বিভাবকারীয় করা প্রনায়র উত্তর আবস)	১৬-মহল	83	906	ধ্বংল অহ্বলে করা উত্তয, না কি ছারী জন্তাত	২৫-চুরকান	34	96
আৰাস (অধিয়তে দুৱাকীদের জন্য উত্তম আবাস)	১৬-লাহল	100	900	নবীর জন্য ইহকালের চেয়ে পরকাশ উত্তম	৯৩-সুহা	8	20
আয়াত (রহিত আয়াতের স্থলে উত্তর আয়াত আনেন আল্লাহ)	২-বার্থরা	300	232	নির্ধারণকারী, আল্লাহ (মানুষের পরিবিত গঠন প্রসঙ্গে)	৭৭-দুর্নালাত	20	33
बाह्य हें हम ७ प्रथित होते	50-B1-81	90	980	পৰিত্ৰ বিধানের প্রতি সম্মান প্রদর্শন উত্তম (হক্ষের সময়)	২২-হাজ	80	98
আপ্তার উত্তর তাপাধন হাগ। আপ্তার উত্তর রাজপাবেজগকারী	24-8879	68	694	পরীকা (উন্তয়ন্ত্রণ পরীকা করা, র'মিনদেরকে)	৮-আনফাল	39	80
আহুবে তথ্য কেনাকেন্সকার। আহুবে উত্তম, শরীকরা নয়	24-6044	29	908	<ul> <li>नवियाम निर्मातान आहारके नार्माक्य -</li> </ul>	১৮-কাহক	88	93
				পরিবানে উল্লেখ (মতবিয়োগপুর্ণ বিষয় আল্লাহর দিকে বিশ্বিয়ে দেরা)	8-निशा	26	40
অক্সহের সহাব ব্যবস্থাকো হতে উভয় (পুরবোর নামান্স প্রদল)	०२-कर्म,व्या	>	365	পরকাশ উত্তম (ইহকালের চেয়ে নবীর জন্য পরকাশ উত্তম)	৯০-মুখ্য	8	20
আপ্তাহর দল্লা ও কমা উক্তম (কাকিরদের সঞ্চারের চেরে)	৩-আলে ইমরা		567	পাৰের (উল্লয় পাৰের হল ভাকওরা)	২-বাকুারা	229	
আশা প্রতিশাসকের নিকট(স্থায়ী সংকাজসমূহের)	79-4(4)	86	450	পুরস্কার ও প্রতিদান হিসাবে উত্তম (স্থায়ী সংক্রান্ধ)	১৯-মাবইবান	98	90
ইউসুক্ত আ, উক্তম অভিবিপরারণ	১২-ইউসুক	6.9	69-5	পুরস্কার ও রাতবান হিবাবে তর্ম (স্থামা সংক্রম)	29-stds	88	93
ইবলিন উত্তৰ আনমের চেয়ে (ইবলিসের দাবী)	৭-আশ্বাক	25	670		<b>००-मास्य</b>	60	30
ইবলিস উত্তম মানুষ থেকে (ইবলিসের দাবী)	৩৮-শেরাদ	96	240	পুরস্কার (উত্তম কাজের উত্তম পুরস্কার নিবেন আল্লাহ)			
ইবাদত (অল্লাহ্য ইবাদত করা ও থাকে তম করা উভার কামা)	২৯-জানকাবৃত	36	474	পুরস্কার (উত্তর পুরস্কার বয়েছে আল্লাহর নিকট)	৩-আলে ইমরান		
ইয়াভিমের সম্পন প্রদাস উত্তম পছডি অবসংগ	৬-জান্'অম	265	627	পুরস্কার (ঈমান ও আকওরার জন্য উপ্তম পুরস্কার)	২-বাকুবো	200	
उठवरिकति(बद्धार पेत्रम उठवरीकारी, धकावेशात महान टार्पन टार्पन	২১-অধিয়া	৮৯	925	পুরস্কার (অবিরাতের উত্তম পুরস্কার দান করদেন আল্লাহ)	৩-আলে ইমরান		
উত্তয় ব্যয় (পিতা-মাতা ও আন্দ্রীর-মন্ধনের জন্য ব্যয়)	২-বাবুগৰা	232	628	পুরস্বার (অক্সাহর পুরস্কার উন্তম)	২৮-কাসাস	10	3.
উপকরণে সর্বোশুম ছিল এখন প্রবন্ধ খালে করেছে আল্লাহ	३७-मादद्शाम	98	900	পুরস্কার প্রতিপালকের কিকট (স্থারী সংকাঞ্চসমূহের)	7A-416A	86	93
हेन्छल (क्ष्माविका हेन्छल्स प्रकार प्रकार नाम सन्।)	১৬-সাহল	340	930	পূণ্যবান্যের জন্য উত্তম (আল্লাহর নিকট হা আছে) -	৩-আলে ইমরান	725	20
কথা (মানব্তে আল্লাহর নিকে আহলন করাই উল্লয় কথা)	82-क्रमेसबाद		bbb	পোশাক (ভাকতার পোশাক উল্লয়)	৭-আ রফ	2.6	03
কথা (উল্লয় কথার অনুসারীকে আল্লাহ সঠিক পথ দেখান)	৩৯-যুমার	34	1/93	প্রতিপালক কর্তৃক অবতীর্ণ সর্বোরম বিধানের অনুসরণ	৩৯-মুমার	22	5
কথা (জন্তাহৰ থাপাচনকে উল্লয় কথা বসার নির্দেশ)	১৭-ইগরা	60	475	প্রতিদান (লংকর্মশীল মুখিন মুখিনাকে আল্লাহ উত্তম প্রতিদান নিকেন)	১৬-দাব্দ	59	9
কলা (মান্তব্যাহক উল্লয়ন্ত্ৰণ কলা কলোন বাহিশালক)	৩-জালে ইমরা		609	প্রতিষ্ঠা (সুদারারনাইনকে, আল্লাহ কর্তৃক)	79-91 <u>5</u> @	he	90
কর্ম (মারহয়মকে ভরমক্রণে করুল করনেন বালেশালক) কর্মে উদ্বয় কে, তা পরীকা করার জন্য মত্য ও জীবন সৃষ্টি	৬৭-মুক্ত	3	393	ज्ञानकार (विद्यान्य (विद्यान्य व्यवस्थित विद्यान	১০-রাদ	3%	180
	৫৭-যুগক	33	383	প্রভাবর্তনত্বল (উরম প্রভাবর্তনত্বল আপ্রাহর নিরট)	৩-জালে ইময়ান		20
বৰ্ম (উন্নৰ কৰ্ম কে নিৰে সাপ্তাবকো)				क्षणावर्धनावन (वैसम् वाधावर्धनावन जुनाहेमात्मव बन्द)	৩৮-সোরাল	80	m
বৰ্জ (প্ৰাপ্তাহকে উত্তম কৰ্জদান প্ৰসঙ্গ)	৫৭-হানীন	79.	940	श्रीवेश्वास (विकास विकास कारण अधिनामक, प्रावेशकरक)	৩-আলে ইমরান		0
কল্যাণ উত্তম (ইয়াতীমদের জন্য কল্যাণ উত্তম)	২-বাকুরো	220		প্রতিকৃদ্ধ (অধিবাহের প্রতিকৃদ্ধ উল্লেখ স্বর্থনার সুক্তর্বিচনা জন্য)	32-285TP	69	8
কান্ধ (অপ্নাহর ইবানত করা ও ডাকে তর করা উভয় কান্ধ)	২৯-আনকাবৃত		224	প্রতিকার্থন (ব্যাবর্থনের প্রতিকারি সিয়েছেন অল্লাহ্ থাকে সে আ পারে)	২৮-কাসাস	40	ь
কৰে (উত্তম কৰে সম্পৰ্কে আপ্লাহ ন্ধানেন)	५-शक्ता	234					
বাজে কে উত্তর তা পরীক্ষার জন্য আকাশ-পৃথিবীর সৃষ্টি	22- <b>3</b> H	. 9	666	প্রতিদান (ইমানদার সংকর্মশীকানের উত্তম পুরস্কার)	72-aida	65	90
ব্যক্তির (মঞ্জর কফিনর তি পূর্ববর্তী কফিনসের চেরে উল্লম)	৫৪-কামার	80	3rdb	প্রতিদান (সংকর্মনীলনের প্রতিদান কর্মই না উত্তম)	২৯-জানতাবৃত	dir	31
কাঞ্চ (মানুষ্ঠাক অপ্তান পরীকা করনেন কে উপ্তন কাল করেছ)	29-step	9	128	প্ৰতিদান (উপ্তৰ প্ৰতিদান দিবেল অপ্তাহ যেট ব বড় বাস ও)	৯-জাওবা	1383	100

समा विषय/शाम	न्बन्द धना	E60.9	100	The Register	7670 474	100 N	100
फिल्म (पूर्व पृक्षे (बारक)	The Party and	7.70	350	বিনিক্তবার (আল্লাহ উত্তর বিধিকপুরে)	२०-मुमिन्न	92	9.90
श्रीमान (रेन्द्रर श्रीमान निरम व्यक्तार स्थाना व्यक्ता वारः )	38-7ff	Ob-	222	বিদিৰুপতা (আপ্ৰাহ উত্তৰ বিধিকপাৰা)	৬২-জুদু'আ	22	366
প্রতিদান (উন্নয় কালের প্রতিদান উত্তর ছাত্রা কিছু নয়)	৫৫-রাহ্যান	90	285	বিধিকনাতা (আপ্লাহ অবশাই উন্নয় বিধিকনাতা)	২২-হাজ	26	986
প্রতিসাম (উল্লয় প্রতিসাম, কর্মশীলনের জন্য)	৩-জালে ইম্প্রন		485	রিখিকনাতা (উত্তম বিধিকদাতা অপ্তোহ)	৩৪-সাবা	40	1/81
शहू (विवस शहू आहार)	৬-আনকাল ১-আনকাল		600	প্রেমা রাধাই উল্ল সেক্ষম ব্যক্তির জন্য ভিনিয়া না নিয়ে।	3-Stetet	29/8	230
ন্ত্ৰ(কৰু (জন্তাহ উন্তৰ ন্ত্ৰ/কৰু)	55-20M	80 9kr	960	সংখ্যা (উত্তৰ সংখ্যান আকওৱা অবস্থনকারীর স্কলা)	৩-জালে উম্বাদ		60.
প্রকাশক (পার্টার করন প্রকাশক) প্রকাশকনম্বল (পার্টানের জন্য উল্লয় প্রকাশকনম্বল)				गर्ने (भी, महत्वमी, गर्दीन ও महत्वंश्वरतनाम देखा गर्ने)	8-निश		600
र्यास्कर्मात् (गायस्य सम्) यस्य राजास्थ्यस्य) श्रीक्षेत्रेति (स्त्री रेजानेनारम् र्याजनामारम् वेद्यार्थाः	৩৮-মেরন	3/2	1969	স্থান (পাং, সংগ্ৰেমা, স্কুল ও সংগ্ৰেমান্ত্ৰমান ওচ্ছ সদ্য) স্থানিক পাস্থার পরিয়াপ করা উত্তয		69	127
श्रीकार्यन्ति नाइन्त जान्यः। (श्रीविभागतः निक्ये वायनवानाः)	२०-झ-श	140	985	সত্ত ৰপা (বা উত্তম ভাতে সত্তা বলে শীকৃতি দেয়া)	১৭-ইস্রা ৯২-লাইস	00	
श्रकारक्ष्म बहुका जन्म । (श्रुवनायस्य सम्बद्धानायः) श्रकारक्ष्मक्ष (प्रवासीतम्ब कम् द्वाम श्रवमायक्षम् ।	३४-वर्ष्	95	953	সভা করা তিন (আইই উন্যাইনিক্তে সভা (এত করা ভিতা)		8	205
	৩৮-সোরাদ	85	page		২-বাকুরা	250	20
প্রতিদান (আমলকারীদের প্রতিদান কর্তই না উল্লমণ)	৩৯-যুমার	18	399	সদক্ষ প্ৰবাদ উক্তম (প্ৰসূদা ন. এর সংখ্য গোপনে কৰা কৰার পূৰ্বে)	৫৮-মুক্তাদালা	25	>0
वरिमान (वर्ष बारापात श्रीरिमान, कारकद cscire केवम)	১৬-বাহ্দ	99	477	সাধান্যকারী (আপ্লাহ কথাই না উত্তম সাধান্যকারী)	৩৭-সাক্জাত	9.0	100
প্রতিদান (ভাগবাৰু নিয়ে আসলে উত্তম প্রতিদান)	২৮-কাসাস	9.8	35.4	গাহাফকরী (অল্লাহ উন্তৰ সাহায্যকরী)	২২-হান্দ	9.5	9.6
প্রতিপঙ্গাকের উপর ভরসাকারীর জন্য উল্লয় জিনিসাক্ষ্যাহর কাছে	৪২-পূরা	99	1/38	গাহাফকারী (অপ্রাং উভৰ গাহাফকারী)	৩-আলে ইম্মন		20
ক্যনালকর (অপ্নাথই উত্তন ক্যনালকরী, ও'আইন প্রনাল)	৭-আ'রাক	৮৭	950	সাহাডকারী (অপ্রাং উভ্ন সাহায়কারী)	৮-আনকাল	80	60
বর্নালাকরী (মাল্লাইই উর্জন করনালাকরী)	৬-আনু'আম	63	600	সুক্ষীকালে স্মান্তার দের বস্তু উরুম (সাববাসীকে দেয়া বার চেরে)	২৭-শমল	Ø6	bo
করদালাকরী (অস্তাহ উত্তথ করদালাকরী)	১০-ইউনুস	209	999	সৃষ্টি (বিশ্বাসী ও সংকর্মশীলকা উক্তম সৃষ্টি)	৯৮-বাহ্যিনাহ্	9	205
লয়নালাকারী(পাস্তাহ উত্তম দারনালাকারী)	১২-ইউসুফ	p.o.	<b>tb</b> 8	সৌব্যদীপূৰ্ণ কথা উদ্ভয় (কটদায়ক/বৌটাযুক্ত দানের চেয়ে)	২-বাবুগরা	260	20
वस्तारना (उत्तय श्रमा पिरव निकृष्ठ श्रामा रफरण (नता)	२-राष्ट्रावा	62	803	ষ্ট্ৰী (অস্ত্ৰাহ নবীকে উত্তম স্ত্ৰী পান কবতে পাৰেন)	৬৬-থাব্ৰীৰ	Q	39
বাদা (দুশাইমান আ, কতই না উত্তম বান্দা)	৩৮-মেরাদ	'00	britis	হারী সংকাজ উত্তর (পুরস্কার ও প্রতিদান হিসাবে)	১৯-নারইয়ান	9.6	90
বাসস্থান (উত্তৰ বাসস্থান ব্যৱহে চিবস্থায়ী স্বান্ন্যতসমূহে)	৬১-সাক্ত	32	200	হারী (উত্তম ও হারী কর কিছু আল্লাহর নিকট রয়েছে)	২৮-কাশাস	60	831
বাসস্থান (উত্তম বাসস্থানের প্রতিশ্রুতি নিরেছেন আল্লাব)	৯-জবর	92	589	সুটা (আল্লাহ দর্যোচন সুটা)	२०-मुभिन्त	38	986
খণানের তেরে উত্তম বিছু (বছুর কামন, প্রতিপাশকের প্রতি)	১৮-বংহক	80	939	সুটার নিবট উল্লয় (বনী ইসরাস্থিতের তথবা প্রসঙ্গ)	2-4190st	28	200
বুণী (সংগ্রন্থর বুণী কুরজন সদৃশ্যকু(ধারবার পঠিত কিরার)	৩৯-বৃদার	30	290	হাজার মাদের চেরে উত্তম (কদরের রাত)	৯৭-কালর	0	303
বালা (ক্ষতই না উত্তৰ বালা ছিলেন আইউব)	৩৮-সেরাস	88	bright.	উত্তম ঋণ (আরো দেখুন কর্জে হাসানা শব্দটি)			r
মিনিমর, উত্তম মিনিমর নিবেন প্রতিপালক (বাগানগুরাম্পানের জালা)	%-मृत्यम	95	290	অন্তাহক উল্লেখনকৰ যথাৰ দিলে যা কৰণ কৰি কৰা হব	৬৪-আগারন	39	3/6/
বিধান দানে আল্লাহর ফেরে উত্তম কে আছে	०-पशिना	do.	09-5	Com and	O-0-11E-1	10.	100
বিভিন্ন প্রতিশালক উত্তর না এক আল্লাহঃ	১২-ইউন্তৰ	60	biro	অধাত প্ৰাৰম বাম উত্তৰ কৰে কৰেছে (উত্তৰ মুখ্য প্ৰসঙ্গ)	০-আলে ইমরান		02
विद्यानको (कठरे ना देवम दिवानकोरी जानार)	१५-पविकाद	89	958	दारा (ब्रह्मार विका काम दारा करना, जरवर्षीका व्रक्रियार)	80-खाइकाक	344	901
বিদ্রালয় শিক্ষা ব্যক্তিয়া বিদ্রুপক্ষীয়ের ক্রের উত্তর হতে পারে	৪৯-হছরত	22	952	প্রবিদান (আল্লাহ মুখিনের উত্তম কান্তের প্রতিদান নিবেন)	২৯-জনকাৰত		901
বিতৰ্ক (জাহলে কিতাবেঃ সাথে উত্তম পছায় বিতৰ্ক)	২৯-জানকারত	84	250	প্রতিবাদ (মুখিনের উপ্তয়েকর প্রতিবাদ, পাপ মোচন)		٩	
বিশ্বত থাকা উত্তম (অভিভিন্ত কাপন্ত বুলে প্রামা থেকে)	२8-मृद	90	1tro	প্রচন্দ্রন (সুমনের ভর্তমকাজের প্রাচনান, পাপ মোচন) প্রচিম্বন (উত্তম কাজের উত্তম প্রচিম্বন সিংবন স্বাপ্তার)	২৯-জানকাৰ্ত	9	57
বাজি (উত্তম বাজি সেই যে ঘর বানার আপ্রাহর ভর ৩)	7-25641	200	967	প্রভিক্তন (ভক্তম কাজের ভক্তম প্রভিক্তন সেবেন আগ্রাহ) প্রতিমান (উক্তম কাজের প্রতিমান উক্তম দ্বারা কিছু নম্ব)	৫০-নাজম	02	90
ভাগবাঞ্জবারীর জন্য উত্তম প্রতিদান ররেছে	২৭-নামল	100	604		৫৫-রাত্মান	\$0	386
ক্ষেণ্ডামার (উত্তম ক্ষেণ্ডামার) পান করবেন আল্লাহ ক্ষমলার্থী ও)	১১-হুন	0	560	উত্তম পছতি			
মন্তব (উত্তম মন্তব সে যে শক্তিশালী ও বিশ্বপ্ত)				ইয়ানীনের সম্পানের নিকলৈনী হওয়া নিমেগ (উত্তর পদ্ধতি ছাড়া)	১৭-ইস্থা	-08	93
মনে করা (মন্দকান্ধকে পদন্তই ব্যক্তি উল্লয় মনে করে )	২৮-কাশস	26	3.70	উত্তৰ (আহো দেখুন জবাব শক্ষটি)			
মদে করা (মপকাঞ্জকে শগপ্রত ব্যক্ত অভ্যন মদে করে ) মন্দকে উত্তম দিয়ে প্রতিহত করা	৩৫-ফাভির	b	186	ক্রকুলপাকে কি উজা দেরা হর্মেকুল (কিয়াখনে অক্সাংর জিমান)	৫-মান্নিনা	309	63
	২৩-মুমিন্ন	30	111	পুত সংখ্যাহের উদ্ধা (অপ্লাহর শান্তি কামন প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাবৃত্ত	45	6.3
মদকে উচ্চন করা গতিহত করলে (শাল হরে করে অরবাদ বন্ধু)	৪১-কুন্সিলাভ	*68	555	পূত সংগ্রাক্তার উন্নর্যপুত্রের পরিকারক জনপদ থেকে কর করা প্রদাস)	<b>५</b> ९-मामन	66	80
মনুষেৰ জন্য অ-ই উল্লন (জল্লাহর কাছে যা আছে)	১৬-শব্দ	342	477	সম্প্রদারের উত্তর (ইবরাই্মিকে আঙ্গনে পোঠানো প্রদৃষ্ট)	২৯-আনভাবৃত	48	F21
নিধা প্ৰতিহৈত (উভালে নিধা অভিহিতনত্ত্বীয় কং । মাধ্যক সাহক করা হা)	১২-দাইল		3056	देशक्रो			
মীমপোলবী (মাপ্তাহই উল্লখ নীমপোলবী, ত'লাইব এসঙ্গ)	1-বা,বার	9.9	१९३	পরে আসা উরবস্থীরা সাধাত নাই করপ	১৯-মার্ট্রাম	45	90
মুঞ্জাবীনের জন্য উত্তম (আখিবাতের আবাস)	৭-বা'রফ	262	621/	ধনী ইসৱাইলের উন্নয়সূত্রী (খারা কিভাবের উন্নয়খিকারী)	৭-আগ্রক	365	62)
মুনক্ষিকদের মন্য উত্তম ছিল- আনুগড়া ও ন্যারসংগত কথা	৪৭-মুহাম্বাদ	50	970	डेस्सचिकात	2-41 814	200	-
মুমিন দাপ উন্তম মুশরিক পুরুষের চেরে (বিরে প্রনঙ্গ)	২-বাসুরো	552	656	অন্তৰ্ণ ও পৃথিবীর উন্নর্নাধিকার (মালিকান্য) আপ্লাহর	৫৭-হালীদ	-	ł.,
মুমিদ দাসী উন্তৰ, মুশবিক নারীর চেরে	২-বাৰুৱো	557	656	অকাশ ও পৃথিবীর উন্নয়ধিকার অন্ত্যাহরই	৩-জালে ইমরান	20	>8
মৃশরিকদের উপাগ্য উত্তম নাকি উপা (মূপরিকদের প্রস্ন)	৪৩-যুখকক	@br	900		৩-আলে হমরান	220	20
মুশ্চিকসোই কন্য উচ্চয় প্রতিদান (মুশচিকসের মিধার দাবী)	১৬-পার্প	62	909	উত্তর্হাধিকার-সম্পদ			
মুশরিকদের জনাই উত্তম (বদি ভারা তওবা করে)	৯-জাধ্য	0	<b>680</b>	উল্লেখিকার-সম্পদ থেরে ফেলে মানুখ	৮৯-ফাঞ্চ	79	205
মুমিপদের জন্য উত্তম (অস্ত্রাহর নিকট বা আছে )	৪২-পূরা	99	5-28	উভৱবিকারী করা/হওয়া			
মুখিনদের জন্য উত্তম (জীংন ও ধন-সম্পদ জিহাদ করা)	৬১-সাক্ষ	22	797	আঞ্জীৰ-কৰ্মনের রেখে যাওয়া সম্পদের উত্তরাধিকারী	৪-দিলা	00	663
রাসুগ স. এর জন্য উল্লয় কিছু বানাতে পারেন অল্পাহ ইঞা কথাল	২৫-সুরকান	30	990	चल्राःहे वेस्त्रविकारी (गर्यक्षुत्र)	३०-दिकव	20	986
রিবিক (আনুমানেক্রর থেকে মানুম উত্তম রিবিকএইন করে,, নিদর্শন)	১৬-দাংল	97	9okr	व्हार गर्रास पेतानेको (पार्कार मान/स्वाधिको अस्त)	২১-অধিরা	44	90
		92	909	ইয়াকুৰের বংগের উল্লেখিকারী হওরার মত অনুগামী প্রার্থনা	১৯-মাৰইয়াম	0	90
বিদিক (উত্তম বিধিবতার ও যোগন্তাকশ্যে নানকটার উপান)	১৬-নাহল						
	३६-शस्त्र ६१-समाक	22	265	উদ্বৰূপৰ উত্তয়বিক্ষী আল্লাহ (অনের জোণ্যদান্দ্রীর)	২৮-কাসাস	24	
বিদিক (উত্তম বিধিবতার ও যোগন্তাকশ্যে নানকটার উপান)			265 570		২৮-কাসাস ৪-নিসা	296	
বিকৈ (উন্নয় বিকিল্লের ও যোগনাক্রমণ্ডে নানকারীর উপনা) বিধিক উন্নয় করেছেল আল্লাহ (জাল্লাভিনের বিধিক)	৬৫-মাগাক	22		উশ্বতদের উত্তর্জাধিকারী আল্লাহ (তানের কোণ্যানার্য্রীর) বালালাহর উত্তর্জাধিকারী হওয়া (বোনের সম্পদ কটন প্রদাস) বিভাবের উত্তর্জাধিকারী (অল্লাহর মধ্যেনীত বালাগুণ)			2 % 2 %

ю	8	1
ю	8	

नव के प्रसारक विवय/देशक	न्तानः चनान	4845	백	79 (49)470	न्त्र के स्वय	100	
উত্তরাধিকারী (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)				बाराह्मप वेश्वमारत श्रीकरर	৬৭-মূপ্ত	٦	20
ক্তিবংশ উভয়াধীকারী করেছেন আল্লাহ (ধনী ইসরাইলকে)	৪০-মুখিন	60	244	উথলে ভঠা			
কিবানে উভাবিনটোগ নদেহে রয়েছ (কুরসান সম্পর্কে)	8२-नृश	38	1995	চুলা উথলে উঠা (নূহের প্লাথনের নিদর্শন প্রসঙ্গ)	১১-ছুদ	80	60
লন্নতের (বদীন) উত্তরাধিকারী হবে মুস্তাকীরা	৩৯-যুখার	18	599	চূলা উপলে উঠাবে যথন (নৃহত্তর কন্যা প্রসঙ্গ)	২৩-মু'মিন্ন	29	98
লপ্লান্তের উত্তরনিকারী (মু'মিনগণ)	২৩-মূ'মিনূন	30	955	উদগত			П
মন্ত্রতের উত্তরসিকারী করবেন অন্তাহ আকওয়াবানদেরকে	১৯-মারইরাম	60	40%	উদ্ভিদ উদ্পত করেছেন আল্লাহ (প্রত্যেক প্রকারের)	<b>१०-कृष</b>	٩	34
মান্নাতের উত্তরদিকারী করা ২০ে (মুবাকীগণকে)	৪৩-বৃৎক্রক	92	200	উত্তিদ উদগত করেন আল্লাহ(আকাশের পানির মাধ্যমে)	৩১-সুকমান	20	9.5
মান্নতের উত্তর্গধন্ধরী করা হবে, ঈমাননারনেরকে	৭-আর্থ	80	636	ব্যক্তিদ (পুরির পর্নিতে সব ধানের উক্লিদ উদলত হওয়া প্রদাস)	22-20mg	0	98
পরতের উত্তর্গধকারী করার জন্য ইবরাবীমের লোয়া	২৬-ড'জার	34	295	গাহ (শাতাপাতাযুক গাহ উপাত করা, ইউনুসের উপর)	৩৭-সাফ্ফার	789	9.5
নায়িত্ব (উওয়াধিকারীর দায়িত্ব, সন্ধানের দুধ পান প্রসঙ্গ)	২-বাকুরা	200	653	শাতাশাতাযুক্ত গাহ উদ্যাত কর্মান আল্লাহ ইউনুসের উপর	৩৭-সাঞ্ফাত	386	915
পর-মার্ড নিসেরানের উরুপ্রতিকারী হলে মার্ড এক কৃতীয়াংশ পরে	8-591	22	663	SHS			П
পতামতার রেখে বাওয়া সম্পদের উত্তরাধিকারী	8-मित्रा	00	692	সূর্যোদ্ধার পূর্ব প্রতিপাশকের পথিতের যোকার নির্দেশ	१०-वाय	03	84
পর-মধ্যেরদ উত্তাধিকরীয়ণে না থকলে কাইকোনের অংশ	8-PM	25	499	সংস্পান্তৰ উপৰ সূৰ্যকে উনিত হতে দেখালা স্থাপনকাৰ্যন	১৮-কাইক	bo	30
পৃথিবীর উন্তরাধিকারী হওয়া (পূর্ববারী অভিবাসীদের পরে)	৭-আ'রাফ	200	655	সূৰ্য উপিত হয় ভয়ার ভান পাশ দিয়ে (আসহাবে কাহাকের)	১৮-কাহ্দ	28	9
পূর্ববীর উত্তরধিকারী করা আল্লাহর ইচ্ছাধীন	৭-আ'রাফ	252	950	প্রক্রিয়ের পূর্বে প্রতিপদক্ষের পরিবাধ বোলার নির্দেশ (রাসুল স. কে)	২০-কা-হা	300	9,1
পুথিবীর উত্তরধিকারী আল্লাহ বানান (মানুখকে)	২৭-নামল	65	bog	Great		-	+
পুর্বের পুর্বের ও পশ্চিমের উজ্জানিনারী বাদানে (ক্রী ইসাইলকে)	7-80,416	204	698	উদরহুলসমূহের প্রতিপালক আপ্রাহ	৩৭-সাত্কত	Q	bi
পুথিবী ও ভার সংকিছুর স্বত্নাধিকারী আপ্রাহ	১৯-সারইরাম	80	905	<b>डेमहाझ</b>		Ė	۲
ব্যাপার্টন সংক্রোরের উত্তর্জনারী করলেন অক্সব অন্যানাক	৪৪-দুখান	牡	200	অস্তালে ও উপরাহদের প্রতিশাল্পের ক্ষম করালে অস্তাহ	৭০-মা'অভিজ	80	ы
ফিরবাউলের উত্তর্জাধকারী (মু'মিনপণ)	২০-মুমিনূদ	22	955	দূরত্ব (পূই উপরাচদের দূরত্ব কামনা,শরভান ও মানুহে)	৪৩-তুৎক্রফ	07	V
লী ইনামান্তে কৰ্ণ উদান ক্ৰাজকাশীয় হানের উন্নয়বিনারী কর…	২৮-ত'আরা	¢b	497	পৌন্ত, কুলকারলাইদের (সূর্যের উদরাচলে )	১৮-কাহ্য	30	3
বসপূর্বক নারী/স্থীদের উত্তরাধীকারী হওয়া বৈধ নর	8-मिना	7.9	eeb	মাণিক(জাল্লার দুই ভিনত্তাল ও দুই অস্তাচনের মাণিক)	৫৫-রাহ্মান	23	8
বনলে (উজাধিকারী বানতে চাইগ্রেন অপ্তার (নর্যাভিতনেক্সক)	২৮-অনান	¢	909	gas	er-my-	-	۲
র্হার (মুহিনাসর শত্রু রহিন্দের্মানের উপ্রয়াধিকারী করা, গলত প্রদাস)	৩০-আহ্বাৰ	49	0000	ত্পত্ত পূৰ্ব করা (যাকুম বৃক্ষ হারা উদর পূর্ব করবে মালিমরা)	৩৭-সাহ্বাত	66	ъ
মানুষকে অল্পাহ পৃথিবীর উত্তরাধিকারী বাদাদ	২৭-নামল	63	yoż	বুল করা (অনুধ বুক ধার কাম বুল করাই জ্ঞাননর) উলাসীন	o tollean	00	۳
र्थिएम चेत्रवर्षसम्बद्धे, प्राष्ट्रास्त्र मरकर्मनीन रामाव(सञ्जान अन्त्र)	২১-আধিয়া	300	929		৫০-লক্ষম	4.5	h
যুক্তিয়ার উত্তর্গধিকারী হওরার মত অনুগামী প্রার্থনা	১৯-মারইরাম	9	948	বিরামত সম্পর্কে উদাসীন (কাফিররা)		65	
সংকর্মশীল বালাপ্র ঘটনের উপ্রাথিকারী হবে (ভাল্লাক প্রদাস)	২১-জাধিরা	200	929	ন্মান্তের প্রতি উদানীন মুসক্লিদের খন্য দুর্চোগ	১০৭-মাউল ৫১-বারিয়াত	ę	20
गुर्वद्भ देखावेसकी प्रद्वाद् परमञ्जात गडान् हराजविताती शार्वन)	২১-আধিয়া	70	129	বিশ্বগামিতার উনাদীন বারা তারা ঋংস হোক	62-414819	22	>
সুলাইমান আ, লাউনের উত্তরাধিকারী হরেছিলেন	২৭-নামল	36	505	উদিত '			₽
উত্তরাধিকারীদের সম্পদ বর্ণটন (দেশুন অংশ শব্দটি)		-		চন্দ্ৰকে উলিত হতে পেনে ইংৱাহীম আ, তাকে প্ৰতিপাদন বলগ	৬-আন্'আম	99	9
वेददानन	_	_		সূৰ্যকে উপিও হতে লেখে ইংৱাহীম আ, তাকে প্ৰতিশাসক কলস	৬-আন্'আম	%r	0
ওজোনশ কৰোৱ ডিভি উল্লোচন (ইবরাহীম আ, ও ইসমাইল কর্তৃক)	২-বকার	253	678	উদ্যাহ		_	1
ভূৱ পর্বত উল্লোল প্রসঙ্গ (বনী ইলরাইলের উপর)	8-501	208	299	অক্তব্য উন্ত হা কৰিয়া (মন্ত্ৰাহা পৰত পাঁচনীকে)	,55-2306	૧૨	19
ত্ব পৰত উল্লেখন প্ৰেন (খনা খনৱান্তাৰ উপৱ) তুৱ পৰ্বত উল্লেখন (বনী ইসৱাস্থলের উপৱ)	३-सङ्ख	90	209	উদ্যান (আরো দেখুন বাগান শব্দটি)			L
ত্ব পৰ্বতকে বনী ইসাৱাগদেৰ উপৰ উল্লেখন	५-शकृत	20	627	উপেন্ন (ফা স্ট্রেরির উপ্রান উৎপত্রের ছল্য পানি অবর্জির বরেন)	৭৮-নাবা		и
वेटलामिक	de cidine	80	422	উৎপদ্ৰ (উদ্যান উৎপদ্ৰ কলে অস্তাহ আৰুণ দেবে বৃষ্টি বৰ্জা করে)	৫০-ব্যুক্ত	9	8
	৩৫-কাভির	1-	200	ভান সিকে দৃটি উদ্যান (সাবার অধিবাদীদের)	৩৪-সাবা	75	6
পৰিত্ৰ বাণীসমূহ উল্লেখিত হয় (অল্পাহর নিকেই)	95-44498	70	389	নুহ আ নতাপান্তর জন্য অস্তাহ উন্নান করকে। (কথা প্রর্থনা করপে)	৭১-নূর্	25	18
উল্লক	_	-		পরিবর্তন (উদ্যান দুটি পরিবর্তন, বিশ্বান ফল দিয়ে)	৩৪-দাবা	1/6	b
ভাগাধ্যাঝানের উদ্রাভ করা যাবে না (সমটো কেলার মন্য)	৬৫-তালাক	9	kistr	ফল(দুই উপানের ফল জান্নার্তীদের নাপালের মধ্যে থাকবে)	৫৫-রাব্মান	68	8
উদ্বিত	_	<u> </u>		বিভাগতিকের উল্লান এক্সছে(সংবর্তনীল দুর্ঘনদের পুরস্কার স্বরণ)	79-ঝর্ম	309	٩
মাঞ্জপে থা উথিত হয় তা আল্লাহ মানেন	৫৭-হানীন	8	387	বের কর (বিশ্ব'জাউন গোর্টাকে উদ্যান থেকে থের করে পের্য)	<b>ラータ, 庭園</b>	68	19
বাৰূপে যা উথিত হয় আ আল্লাই জানেন	48-324L	3	583	মুব্যকীদের জন্য পাল্লাতে উদ্যান বয়েছে	৭৮-নাঝা	03	2
আপ্লাহর কাছে সকল নিষর উচ্চিত হর (একদিনে)	৩২-সাজ্পা	¢	5400	উদ্যোক্তা		_	L.
কবরে যা আছে আ যে জীবিত করা ছবে মানুস কি তা জানে না?	३००-'जानिवार		3000	মপকাজের বড়যন্ত্রের উল্যোক্তাদেরকেই পরিবেটন করে	৩৫-ফাডির	80	b
গুরুবারীকে উথিত করলেন কিছুকল পর (আসহারে কাহড প্রসঞ্চ)	७४-वार्क	34	938	<b>छे</b> माम			
ওয়বাসীকে উবিত করলেন আল্লাহ, তিন শত বছর পর	১৮-বার্ফ	7.9	920	বাবু (সূলাইমানের অনেশে উদাম বাবু প্রবাহিত হত)	२১-व्यक्तिया	P-3	13
মানুষকে কবর থেকে উলিত করা প্রসঙ্গ	২০০- আনিয়াৰ		2000	উদ্ধৃত (মারো দেখুন মহন্ধার শব্দটি)			Т
মৃত্যুর পর পুনরুখিত হওরার প্রতি কাফিরদের অবিশ্বাস	22-źs.	-9	999	আন জাতি উচ্চত গৈৱাচাৰীৰ নিৰ্দেশ অনুসৰণ কৰত	১১-ছদ	23	10
সকল বিষয় আল্লাহর কাছে উথিত হয় (একদিনে)	৩২-সাজ্পা	Q	5.00	আৰাসন্থল (অংহারীদের জন্য কত নিকৃষ্ট আবাদছল )	8०-मू"विन	90	ь
সাকী (বিশ্বামতে উচ্চতের নিজেনের মধ্য থেকে নাকী উবিত হবে)	১৬-পার্প	4.9	930	আরাতের প্রতি (আপ্রাধ্ব আরাতের প্রতি উদ্ধৃত ওয়ালিদ)	৭৪-মুদাছছির	10	18
সাকী (বিষয়নতে প্রত্যেক উব্বত থেকে নাকী উথিত করা হবে)	১৬-নাবৃদ	18	130	বাহির (জাহান্তামে নিকেশ করা হবে উদ্ধৃত কাহিরকে)	60- <u>Ala</u>	₹8	18
উখিত (পুনৰ্জীবিত)				চেওর (উদ্ধৃত হতে চের না হত্তর অনুনা ক্ষত্ত অভিযাতের অবস)	২৮-কাসাস	60	10
উল্লেখ্যকে একশ বছর পর পুনর্জীবিত করা প্রসঙ্গ	२-सङ्ग्रहा -	-559	5.07	প্রতিপাদকের নিরাই অধ্যানী বৃত্তি হলে মুগার অসুধা প্রার্থন	8०-मुमिन	29	10
वेथलात्मा				বিশ্ব আইন উদ্বত ও সীহালংগনকারী	88-मुश्रम	0)	1
উত্তঃ পানির মত উথপাবে পালীদের বাদ্য আদের পেটে	88-मृशीन	86	308	ক্রিকাউন উদ্ধান্ত ছিল (পৃথিবীতে)	১০-ইউনুস	70	6
পশিত তামার মত পেটে উথলাবে (জাহান্রামিনের খাদা)	88-नृशीन	. 80	308	দির'অটন উছত হরেছিল পৃথিবীতে	২৮-জাসাস	8	10

উত্তর্গধকারী উদ্দত

THE PROPERTY.	र्वेद्य कर च नाम	484	781	TO STATE OF THE ST	त्वा वर ७ मात्र	-	*
উদ্ধত (পূৰ্ব পূৰ্বা থেকে)				মৃসার সম্প্রদায়কে কিরমাউন সম্প্রদার থেকে উদ্ধার প্রদাস	১৪-ইবরাহীম	6	650
বিচৰণ (পৃথিবীতে উদ্ধানতাৰে বিচৰণ কথাত নিমেধ, পোনমানপুঞ্জে)	৩১-বৃক্মান	26	bab	রাসূলগণকে ও মুমিনদেরকে আল্লাহ উদ্ধার করেন	১০-ইউনুস	300	558
বর্গ (উদ্ধার ক্ষেত্রভারীর বর্গতা ও রাসুলানার বিজয় কামন)	১৪-ইবরাহীম	24	628	পুত ও ইবরাহীমকে আল্লাহ উদ্ধার করেন	২১-অধিয়া	93	928
অপৰাস্য (আপ্ৰাই উদ্ধন্তকে ভালবালেন না)	8-निमा	60	263	শৃত ও তার পরিষদকে উদ্ধারের আশ্বাস (ফেরেপতা কর্তৃক)	২৯-আনকাবৃত	95	737
ভালবাসেন না আপ্রাই উল্লক্ত ও অহল্পবীকে	৫৭-হানীদ	10	320	লুক ও আর পরিবারকে শান্তি থেকে উদ্ধার (বী হাড়া)	২৭-নামদ	eq	bro8
ভালোৰাদেন না আল্লাহ (কোন উদ্বত অহবারীকে)	৩১-পুৰুমান	35	bab	পুত আ, ও তার পরিবারকে আয়াব থেকে উদ্ধার	৩৭-সাঞ্চাত	308	5160
সম্প্রদার (বিশ্বস্তাইন ও তার পরিকালে ছিল টাছত সম্প্রদার)	২০-মু'মিনুন	86	950	পৃত্তকৈ আপ্লাব উদ্ধার করপেন (সম্প্রদায়ের অপকর্ম থেকে)	২৬-৩'মোরা	390	130
কুপাইমানের বিশ্বক্ষ লাখন নামির উক্তত না হওয়ার আহবান(পার ধার)	২৭-নামপ	62	504	শৃত/তার পরিবারকে আল্লাহ উদ্ধার করেন (প্রাকে ছাড়া)	৭-জারাক	50	650
হুলর (অহংকারী ও সৈরচারী ব্যক্তির হুলর নোহরাঞ্চিত)	8०-मुभिन	92	544	পৃত পরিবারকে উদ্ধার করা হবে (ফেরেশভারা স্থানাল)	১৫-হিজর	45	905
উদ্ধার (আরো দেখুল পরিপ্রাণ শব্দটি)		_		শৃত পরিবারকে উদ্ধার (পাধর বহনকারী ঝড় থেকে)	৫৪-কামার	'08	204
আধুন বেলে আস্থাত ইববাহীমতে উন্ধার করেন	২৯-আনবাবৃত	₹8	929	শৃতকে উদ্ধান(অপবিত্র কাজকারী/সমকামী জনপদ থেকে)	২১-আধিরা	9,8	9.00
অপ্তাহ উদ্ধার করার পর অ'আইচার সাংগ্রপাক্তর ধর্মসর্যো ফের অনুচিত	<b>न-आ</b> शक	3/3	643	পৃথকে ও তার পরিবার-পরিক্ষাকে উদ্ধারের আস্কাল (মেরেশকার)	২৯-আনবার্ড	90	৮১৮
অপ্তাহ টিয়ার ব্যৱস্থিতন (অনের্ত্তের যার ফ্রেসার নিকেং করক)	১১-ছৰ	336	698	পৃত্যক,পরিবারকে জাতির অপকর্ম কোকে রামার জন্য পৃত্যের লোয়	২৬-৫'জারা	265	936
আপ্তার উদ্ধার করেন (অসংকাজে নিকেংবারীকেরকে)	<i>া</i> লা,বারু	260	959	প্রতের পরিবার-পরিকাশকে আল্লাহ উদ্ধার করলেন	२५-७'जात	390	9399
অপ্তাহ উদ্ধান করে ছলে অনুসং (সমতে দ্বাধ-কর্ণক্ষার মানুহলে)	১৭-ইসরা	49	958	ত'অহিবকে উদ্ধার করলেন আল্লাহ (শাস্তি থেকে)	22-ge	h8	948
আপ্তার বাবে ইচ্ছা করেছেন তাকে উদ্ধার করা হয়েছে	১২-ইউস্ফ	220	900	সঙ্গীদেৱকে (আল্লাহ মৃসার সঙ্গীদেহকে উদ্ধার করেন)	২৬-চ'জারা	94	400
ইউপুদরে পুর্বাচর হতে উদ্ধার (মহের পেট থেকে উদ্ধার প্রদাস)	२३-व्यक्तिम	44	926	সমূদ্র থেকে উদ্ধার পাওয়ার পর মানুগ পরিক করা প্রসম্ব	২৯-আনকল্ডে	95	447
ইবরাহীম আ, ও পৃতকে আপ্লার উপ্লার করেন	२५-लाश्वा	42	928	সমুদ্র তরঙ্গ হতে উদ্ধার পেলে কেট কেট মধ্যপত্নী হয়	৩১-সুক্সান	63	5-270
ইবৰাহীমধ্যে আন্তাহ আন্তন থেকে উদ্ধাৰ কৰেন	২৯-আনতাবৃত	4.8	474	সম্প্রদারের অপকর্ম থেকে উদ্ধার জন্য ল্ডের দোরা	২৬-৬'জারা	১৬৯	926
বহিন শান্ত থেকে হুল আ, ও প্রথিনসেরক আল্লাহ উদ্ধার করেন	22-54 69-41-40-50	40	693	সাদিত্ আ, ও মুদ্দিনদেরকে উদ্ধার করেন আল্লাহ (শক্তি থেকে)	77-\$ei	66	693
কবিদ্য সম্প্রদার থেকে উদ্ধানের লোয়া (মূলার জাতির মুমিনাসের)	১০-ইউলুস	ьь	662	সামূদ্রিক বড় থেকে উচ্চারের পর মানুঘ বাড়াবড়ি করে!	১০-ইউনুস	30	666
ক্ষতি থেকে উদ্ধান করার ক্ষমতা কারো নেই(আল্লাহ ছাডা)	৩৮-ইয়াসীন	30	1000	ছল ও নমুদ্রের অন্ধনার থেকে আল্লাহ উদ্ধার করেন	৬-আন'আম	90	803
জনিম সংগ্ৰাহ থেকে উন্নায়ের ক্ষত্ত গোল (বিদ্যোজনের স্ত্রীয়)	৬৬-তাহরীম	22	333	হুব ও তার স্বাধীনেরকে উদ্ধার করলেন অক্সাহ (পারি থেকে)	৭-জা'লফ	13	93%
ভাকওরাবানসেরকে উদ্ধার করনেন আস্তার (জারান্নাম থেকে)	১৯-মাৰইবাম	45	90%	বুদ ও তার ঈমানদার অনুসারীদের আল্লাহ উদ্ধার করেন	22-4H	97	693
পুর্বিরো হলে ইউলুসকে উদ্ধান (মাচের পেট থেকে উদ্ধান প্রদাস)	২১-অপিয়া	44	925	Oyu			
দুহৰ-কট খেলে আপ্তাই উদ্ধান করেন(এলপাও মানুধ দিনক করে)	৬-আন আম	68	603	নবী মুখিনবেরকে উত্তর কর্তবেন (যুক্তর জন্য)	৮-আন্দাল	60	৬৩৮
কামানে প্রতীরের দিচ থেকে (বালকরা প্রান্ত ব্যক্ত হংলার পর)	29-1012/ds	24	302	বুমিনলেরতে (যুদ্ধে) উত্তর করতে রাসুল স, এর প্রতি নির্দেশ	৪-সিমা	78	693
নবী-বাস্পদের আপ্লাহ উদ্ধার করেছেন	২১-জাপিয়া	8	920	উদস্রাপ্ত হয়ে যুরে বেড়ানো			
নুহের নৌকর সাধীদের আল্লাহ উদ্ধার করেন	২৯-জানকার্ড	30	654	পৃথিবীতে উদপ্ৰাপ্ত হয়ে যুৱে বেড়াবে মূসার সম্প্রদার	৫-মায়িদা	26	440
নৃহকে উদ্ধার করলেন আল্লাহ (জালিম সম্প্রদায় থেকে)	२०-प्राधिनन	20	969	<b>ख्रियक</b>			-
ন্হ/ভার পরিবারকে মহালংকট হতে উদ্ধার	২১-অধিয়া	95	920	আকাশ-পৃথিবীর উল্লাহত আল্লাহ	৬-আন'আম	202	600
নুহ আ,কে উদ্ধার করদেন আল্লাহ এবং তার সাধীদেরকেও	৭-আ'রফ	68	632	অপ্ৰাহ উৱাৰক	৫৯-হাপর	28	323
নুব/মুমিনদের বোঝাই দৌযানে উঠিকে উদ্ধান করা হয়	২৬-৬'জারা	229	338	উল্লাবক (প্রায়া)	31.01.	-	
নুহ আ, ও তার নৌমানের সঙ্গীচনর আস্থার উদ্ধার কলেছেন	১০-ইউনুস	90	665	আৰুণ-পৃথিৱিত উল্লাবক আপ্ৰাহ	২-লাকার	223	250
নুহ আ, ও তার পরিবারবর্গকে উদ্ধার (মহাসংকট থেকে)	৩৭-সাঞ্দাত	95	brbo	অল্লাহ আকাশ-পৃথিবীর উল্লাবক	২-বাকুরে	223	450
नृद चा. ও जात गत्री मूमिनात्त्व উद्धादका कन्छ नृद चा, अत लोवा	২৬-৬'আরা	22F	928	উপ্লবন			-
প্রার্থনা (প্রতিপালকের নিকট উদ্ধারের প্রার্থনা করল মৃগা)	২৮-কামাস	177	८०४	অপনাৰ উদ্ৰাহন না কৰাৰ জন্য নাইবাজ গ্ৰহণ (মুদিন নাইচেব)	५०-मुम्हादिना	25	525
বিদাশ্বভিদ ও তার অপর্য্যা থেকে উদ্ধানের লোর (কিবঅভিনের স্ত্রীর)	৬৬-তাব্রীম	77	237	পাপ উদ্ভাবন (শিরককারী মহাপাপ উদ্ভাবন করে)	৪-শিশা	81	660
ক্ষিরমাউলের দেহকে আপ্রাহ উদ্ধার করেন (নিদর্শনস্ক্রপ)	১০-ইউনুস	84	ರಿಚಿತ	পুত্ৰ-কন্যা উদ্বাৰণ, আস্তাহৰ জন্যা (আন স্বায়াই)	৬-আন'আম	200	600
বিদ্যাসভিদের নীকে নালিম সম্প্রাপর থেকে উদ্ধানের কল্য লোম	৬৬-ভার্রীম	22	247	মুপরিবানে উল্লেখন (অপ্তাহন সঞ্জিন লামের উদ্দেশ্যে ইলাহ এহন)	86-व्यक्तिक	45	270
ফিরমার্টন বংশ থেকে যনী ইসরাইলকে উদ্ধার	१-जा'वाक	787	956	উত্তৰিক .			
বনী ইসরাইলকে ফিরসাউনের বংশ হতে উদ্ধার	২-বাকুরো	85	609	জাপু (উক্তাবিত জাপু বলক নিমর্শনকে ফির'আউন সম্প্রনার)	২৮-কাসাস	06	9-22
বনী ইসরাইশকে শক্তর কবল থেকে উদ্ধার	২০-জ্বা-হা	9.0	985	মিখ্যা (উক্সাধিত মিখ্যা বলত জালিম্বা কুরআন্তেক)	৩৪-সাবা	80	785
বলী ইসারস্থানে উপার (বিদা'জাউলার পাঞ্চলালাল পাঞ্জি থেকে)	88-দুখন	00	300	<b>उ</b> वागिड	40		100
বিপদ থেকে উদ্ধান করলে আল্লাহর কৃতভাবর প্রকাশের প্রয়াপা	৬-আন্'অমে	90	600	প্রতিপালকের জ্যোতিতে ঘমীন উক্লাসিত ববে (বিয়ামতে)	at motor	69	299
মহাসংকট থেকে উদ্ধার (মূদা আ, ও হারুলকে)	৩৭-সার্কাত	226	brb2	উন্মিল (আরো দেবুল চিঞ্জিত শব্দটি)	৩৯-যুমার	98	644
মহাসংকট হতে নৃহ/ভার পরিবারকে উদ্ধার	২১-অধিয়া	%	926	ভাবটো (আনো গোলুলা চাজেও শালাচ) নিজেনেরক উল্লিয় কর্মান্দ মুদ্দিনদের জন্য দল (মূলভিকরা)	ও-আলে ইমবান		200
মাহিন কাহ থেকে শাৰাৰ উদ্বাৰেও জক্ষম (মৃতি/শরীকরা)	२२-शब्द	90	960	রানুল স. উথিয় (মুখিনদের কট পাওয়ার বিদ্যান)	9-81641		
মানুবকে সমুদ্র খড় থেকে উদ্বারের পর সে বাঞ্চাবাড়ি করে:	১০-ইউনুস	২০	94.9			752	600
মুমিনলেরকে উদ্ধার করা আল্লাহর দাবিত্ব	১০-ইউনুস	200	999	রাসৃষ্ণ স. কে যেন উইল্ল না করে ভারা, যারা নিভিত্ত বিশ্বাসী নর উল্লিন (আরো দেখুন গাছপালা শক্ষাটি)	৫০-জম	60	b-5p
মুবানীদের আগ্লাহ উদ্ধার করবেন(কিরামতের দিন)	৩৯-যুমার	47	৮৭৬				
মুদ্দিন মুক্তানীলেবকে উদ্ধান(খানুদ সংখ্যানাহক দেয়া শান্তি কেকে)	২৭-নামল	20	P08	উৎপদ্ধ (উক্লিৰ উৎপদ্ধের জন্য পানি থবাউটাৰ উৎপদ্ধ করা) উৎপদ্ধ (উক্লিৰ উৎপদ্ধের জন্য পানি থবাউটার্ব করেন আল্লাহ)	২০-ড়া-হা ৭৮-নাবা	50	488
মুমিন সলীদের উদ্ধারের জন্য নূহ আ, এর লোয়া	59-a,aisi	224	842	উৎকৃষ্ট ধরনের উক্লিব উপরত হওয়া প্রসঙ্গ (পৃথিবীতে)	৭৮-নাবা ২৬-ত'জারা	76	2000
মুদিন সঙ্গীদের বোকাই দৌবানে উঠিয়ে উদ্ধান করা হয় (নুহো সলী)	59- <b>ब</b> ,ब्राडा	229	998	উৎপদ্ৰ (বৃষ্টিৰ পাদিতে উদ্ভিদ উৎপদ্ৰ হওৱা প্ৰসঙ্গ)		30	200
মুখিনদের উদ্ধারের সোয়া (মৃসার স্বাভিত্র কাঞ্চিত্রসের থেকে)	১০-ইউনুস	20	995	ভিলাত (বৃথিত পানতে ভারণ তথ্যে হতার বাগল)	36-माइन 33-8786	30	100
प्रेमिनामा अक्षार (गणांत क्रमान नरकत प्रक्रिमारक क्रमान राजक)	২১-আধিরা	44	926	পানির সামে বিপুচার পর করনে তুর্গ পরিগত হর (পুনিয়ার উপমা)	79-916a 44-6as	84	456
মূলাকে আল্লাহ উদ্ধার করেন মূলার সম্পল্পারকে নীল নাম নিমন্ত্রিক হওয়া থেকে উদ্ধার করা প্রদান	२७- <b>७</b> 'खांदा	96	4397	প্রতিপালন (অপ্তাহ মানুহতে উক্লিয়ের মত প্রতিপালন করেন)	47-5£	39	300
ALEX ALABOTA AND AND LINE ENGINE COSTS OF PARTS AND SOLD	২-বাকুারা	60	500	one and definition of the control and desired	15-54	-77	ave.

नम निमा/दानम	नुबंद्ध स्थाप	100	78	THE SECOND STREET	ज्हां का ७ नाम		
Stire (পर्र नक्षा (बंदर)				নিকেল করা হত মাছওয়ালা ইউনুসকে উনুক্ত প্রান্তরে যদি	৬৮-কুলোম	8>	>4
बीरत केरना चित्रन करवारक इस कवार नाम पुनिवास कीवन	৫৭-ব্যবাদ	20	béo.	रेटनावरू			Т
টোর পনিতে উল্লিম উৎপদ্ধ হওৱা প্রসঙ্গ	১৬-নহৰ	30	900	প্রজন রশ্বির উল্লেখন আপ্রাহ	৬-জান'জাম	36	0
বুমিকাত উদ্ধিদ আহার করে (মানুষ ও গবাদিশত)	২০-ইউন্দ	38	626	वेत्साम			t
secol হুল্ পরিণত হয় (পালির সামে সংগ্রিক ঘটার পর)	১৮-বাহক	84	989	আম্পন্ম উল্লেচন করা হবে (কিবম্বে)	৮১-বাকডীর	20	30
ক্ষিকা (কৃষিকাত উট্টানের সাথে আক্রনের পানির সামিকা)	১০-ইউনুস	28	969	পাৰের পোছা উলোচন করা হবে যেদিন (কিরামতের দিন)	৬৮-কুলাম	83	ъ
ইন্ধিনবিদ্যা প্রসঙ্গ (নেপুন পরিশিষ্ট-৪)	20-40%		-	Sale	On-Miller	-	۳
अञ्चलपर्या स्थल (स्वयूच गावानक-क) विक्रमन्त	_	_	$\vdash$	তল্লত আল্লহ মৰ্যাল উল্লীত কৰেন থাকে ইচ্ছে তাব	১২-ইউসুফ	93	10
		_	$\vdash$	प्रतिवास केहीय करतन जाहार (यात्र देखा कर	৬-আন'আম	lva.	10
(মিতে পরিণত হবে (অকৃতঞ্জ ব্যক্তির বাগানের উপমা)	১৮-কার্ক	80	929				
মি (ইঞ্জিপশূন্য ভূমিতে গানি প্রবাহিত করে শন্য উৎপল্ল)	৩২-সাজ্বা	29	3105	মর্থানর উন্নীত করকে অক্সাহ মুখিনাগরকে এবং যাসেরক চাল	৫৮-মুজাদাশ	22	18
(ম (আপ্তাহ পৃথিনীকে উল্লিকতন্য ব্যমিতে পরিগত করবেন)	७४-वार्य	br	938	মর্থপর উন্নিত করা (অক্সাহ কতনকে মর্থপর উন্নিত নর্থমেন)	৬-আন্তাম	205	
OP*5				মর্থানর নিন্দু লোককে অন্যতম উপর উর্ভীত করেন (মাপ্রার)	80-मुश्क्रक	હર	1
বনুমহ (প্রতিপালকের অনুমাহের উদ্দেশ্যে মুমিনপদ)	8४-म <del>ार्</del>	430	272	মর্থবা জ্রিত করা (কতক ফুলুকে অস্তাহ মর্থপায় জ্রিত করেছেল)	২-ৰাকুল	200	
লালের তৈরীয় উচ্চশের পাতুকে আকলে উল্লাহ করার দুটার	১৩-রা'ব	24	630	সংকাশ পৰিত্ৰ বাদীকে উদ্ৰীত করে (আল্লাহর নিকট)	৩৫-কাভির	30	Ŀ
মান্তাহর সম্পত্তির উদ্দেশ্যেই যার করার নির্দেশ	২-বাঞ্চরা	292	605	উপকথা (আরো দেখুন কাহিনী শব্দটি)			1
লা প্রেডিপালকের দরার উদ্দেশ্যে হকলর থেকে মুখ ফিরানে হলে)	১৭-ইপ্র	47	926	জাটাৰ্ন (বুৰজনকে জানিকা প্ৰতিশালকে কান্টো উপকৰ বাস)	১৬-নাত্ৰ	4.8	9
প্রবিত কেরেশভার উদ্দেশ্য কীঃ (ইবরাইট্রের প্রপ্র)	৫১-বারিবার্ড	65	329	কুরজন (কাঞ্চির্যা কুরজানকে পূর্ববর্তীদের উপকথা বঙ্গে)	৬-আন্'আম	42	1
প্রতিপালকের সম্ভব্তি অধ্যেষ্টারে উদ্দেশ্যে দান	১২-লাইল	30	2096	কুরজনকে কাকিবরা প্রতিশাসকের অবতীর্ণ উপকথা ধলে	১৬-নার্গ	₹8	1
র্তিপাদকের নম্নটির উদ্দেশ্যে বৈর্থধারণ করে (বৃদ্ধিমানরা)	30-WY	22	680	পূর্ববর্তীদের উপকথা (কাফিরের কুরআনকে বলে)	৬-আন'আম	42	1
বিদ্যালয় উত্তর্গর ভারাপরিহ আরহেন্য শিহনে লেশে বাকা	৩-জালে উমধান		drob.	পূর্ব পুরুষদের উপকথা (পুনরুষাদের প্রবিক্রান্তি)	২৫-মু'মিলুল	bro	t
ক্তব্য উদ্দেশ্য সুটায়ট করত (সন্দেহনারীরা দুছে প্রেরিত হলে)	৯-ব্যৱস	89	680	পূর্ববর্তীদের উপকথা (কুল্লপ্রান সম্পর্কে কাফিরের মন্তব্য)	৪৬-আহ্বাক	39	12
राचा (प्रधाननिर प्रावद्धार जनसामात वेदनदम निवदन)	৩-আলে ইমরান		600	পূর্ববর্তীদের উপকথা কুরুমান (কাক্যিরা বলে)	३.१-फुटकान	4	Ť.
দ্ধরি (অল্লাক সম্ভবির উদেশে অল্লাক পথে জিবলে কে বলা)	७०-प्रयस्तिन	3	309		bro-	_	+
अबि (अब्राध्य अबिव देशना वय अधिनानवरक वर्षक)	77-4154	33	936	পূর্ববর্তীদের উপকথা (আয়াত সম্পর্কে পাশীদের মন্তব্য)	युकाक्किकीन	30	>
সমূচি (অক্সাত্ত সমূচি উল্লেখ্য বৈৱাপাৰাদ বিভিন্ন করা)	१९-शरीर	23	140	পূৰ্ববৰ্তীদেৱ উপকৰা বলে কাভিবদেৱ মন্তব্য (পুনকথানকে)	২৭-সামপ	60	t
त्रकार (अक्टार) प्रकार करना समाचार प्राप्त करा) हरमनामनक	Q1-Q414	41	967	পূর্ববর্তীদের উপকথা বলে আল্লাহর আয়াতকে	90- <b>319</b> (5)	30	ľ
		-		পূৰ্ববাহীয়ে উপকথ কৰেখন (কাভিবৱা বলে)	৮-আনগাল	103	18
এক ইলাহ নির্থারণ উদেশ্যমূলক (কাফিরদের উঞ্চি)	৩৮-সেরাদ	9	3-00	উপরবর্গ (আরো দেখন সাম্ম্রী শব্দটি)	p - 40-141-1		ľ
উধাও (আরো দেখুন হারানো শব্দটি)		_	ш	উত্তর (উপকর্মের সর্বোভ্য ছিল এখন প্রকল্ম ধ্বংস)		98	1
र्थमुद परस्करक स्टरक करत केंबल करत यह यह नमूरत तुन्द-नूर्यना	১৭-ইস্বা	কণ	47.9		১৯-মারইরাম	48	1
মিখ্যা ইলাহ উপাও হয়ে দিৰেছিল যখন আয়াৰ আসল	85-खाव्यक	北	970	উপৰবল (জীবন ধারনের)		_	+
মিথা (বিষয়মতে মুশব্দিকৰ উন্নাৰিত মিথা/শৱীক উথাও যাব)	১০-ইউনূস	20	669	সম্পদ্ধক অস্তাহ মনুসম জীবন ধরনের উপকরণ বনিয়েছেন	8-निमा .	0	0
মিখ্যা রচনা উধাও হয়ে যাবে (কিয়ামতের দিন)	22-दूल	43	969	উপকার (আরো দেখুন কাজে আসা/না আসা শব্দটি)			L
মিখ্যা বচনা উপাও হলে যাবে কিয়ামতে (কাফিবদের)	৭-মারক	60	978	क्षकम्( <b>वद्वार क्षत्र प्रा</b> मश्रम भाग रत सब डेनकात क्रकम)	22-27 <b>0</b> 6	25.	T.
মিখ্যা প্রচনা উথাও বরে যাবে (কিয়ামতে)	२५-कामान	9.0	P78	ক্ষম (ক্ষপনাঞ্জিপনার ক্ষমে নিয়ুকে ভানার ক্ষপরম প্র.)	৬-আন্'আম	CP.	1
মিখ্যা রচনা/উপাদ্যরা উধাও হবে কিরামতে (মূপরিক প্র.)	৬-বাশ্বাম	₹8	592	অকম(অক্সাহ হারা অনের ইবাদত যে উপলব্যক্ষতিতে অকম)	২১-জাধিয়া	99	T
মুশরিকের মিখ্যা রচনা কিয়ামতে উপাও হবে (শিরক প্রসঙ্গ)	১৬-নাব্দ	24	930	অকম (মানুহয়ে উপকার করতে অকম -এমন কাউকে ভাকা)	১০-ইউনুস	200	1
শ্রীকরা উধাও হয়ে থাবে (কিয়ামভের দিন)	৪০-মুখিন	48	778	অঞ্চাত উপকারে আসবে না যেদিন (জাদিমদের জন্য)	৩০-ছম	29	0
শ্রীকরা উধাও হরে যাবে (কিরামকের দিদ)	৪১-কুন্সিলাভ	87	1/30	অঞ্চাত উপনাহে আসনে না যে দিন	8०-दुविन	24	ь
শরিকরা উপাও হয়ে যাবে (মুশরিকলের মৃত্যুর সময়)	৭-জা'রফ	93	626	জনুৱাপ উপৰাৱে আসংখনা (কিয়ামতে)	৪৩-ফুংকুফ	40	b
শ্ৰীকরা দুশরিকলের থেকে উথাও হওৱা (কিরামতে)	৬-জন অম	>8	900	জর্জন উপকারে আসেনি (পূর্ববর্তী জাগিমদের)	৩৯-বৃহার	00	Ъ
উনযুরনা (লক্ষ্য করা)				আস্ট্রীর-বন্ধন উপকারে আসবে না কিয়ামতের দিন	৬০-বুমতাহিশা	0	18
বলা (ইর্কীদের 'গচ্চা কর'/উন্তরনা বলা প্রবঙ্গ)	8-मित्रा	86	260	আপ্রাহর মোকবিশার জালিময়া কোন উপকারে আলে না	৪৫-আছিলা	3%	13
বলা (প্রাসুল স. এর দৃষ্টি আকর্যদের জন্ম উন্যুক্তনা বলার নির্দেশ)	২-বাকারা	208		ইউস্ত আ, উপভাৱে আন্তে পাতে (আরীতের আশা)	22-2870	25	10
উনুত্ত			12.	ইমান উপবারে আনতা (স্বনপ্রবানীরা ইমান আনলে)	২০-ইউনুস	abr	1
ত্রণার্থীরা এটকা ও উন্মতনার মধ্যে ররেছে	৫৪-কমোৰ	83	hely	ইয়ান উপতারে আগবে না কিয়ামতে (কাফিয়নের দ্বাদ)	৩২-সাজ্বা	230	ti
হামূল স্থাতি উন্মূরতার গতিত হবে (নবীর অনুসরণ করলো)	१८-समाद		909	विद्यान क्षेत्रकाञ्च मा चारता (निवर्णन चारता त्या विद्यान चारता)	৬-জান'জাম	22b	
	69-6/1/8	<8	801	क्रियाल क्रिकाट कार मा क्रिया क्रिया क्रिया व्यक्त	22-EW	108	1
উন্মুক্ত (আরো দেখুন খোলা শব্দটি)		_	-	উপদেশ উপকারে আনে মুদ্দিনদের জন্য	৫১-ব্যবিব্যক্ত	00	1
ক্লাপ উন্ত করা হত (জনপদবাসীরা ঈমান জানলে)	१-ऋ'दाप		657	केन्द्रमा क्रम्बाद केन्द्राव विज्ञाः केन्द्रमा क्रम्बाद केन्द्रमा विज्ञाः	৮০-আবাসা	8	1
কিবাৰ (মনুৰ আৰু কিবাৰ ৰা স্বাঞ্চলনাৰ্যা উনুক্ত ক্লেবতে পাৰে)	১৭-ইস্লা	30	936	উপাসরা উপারর করতে পারে ন (অল্লাহ বারীত অনু উপান্তর)	২৫-ফুরকান	64	ť
ৰান্নাতের দরকাসমূহ উনুক (মুরাকীদের জন্য)	৩৮-সেক্সান	@o	1,99	ছবভা (উপভাৱ করার ক্ষমতা পাকরে না কিয়ামতে)	७८-गांवा	84	1
নাজ (স্বাধান্তে নাজা উনুক কর হবে না আনে জন্য যৱ)	৭-আরাফ	80	656	ভাৱে (উপুনবাৰে উপুনৰ কৰে কৰা (মি উপুন্তান)	১০-ইউন্স	2/4	ť
নাজা উত্তক করা (উপসেশ ফুল যাওয়া ও অস্তাহর পাকরুও)	৬-অন্বাৰ	88	663	ক্ষমতা (কাল্লোক্ষতি বা উপলার করার ক্ষমতা বাস্থ্যকে নেট্)	२०-झ-श	20	+
দরক্ষা (আকাশের দরকা উন্মুক্ত করে প্রবল পানি বর্ষণ)	৫৪-কামার	22	900	অভি উপজ্ঞান এর বেশিকারার মধ্য কর্ম উপাস্থ এসল)	55-514E	30	+
পতা (উনুক্ত পাতার লিখিত কিতাব-এর কলম)	৫২-তৃত্ব	0	959	গবাদি পত্তে মানুহের জনা বহু উপকার রয়েছে	১৬-নাংশ	.4	+
	26-atta	81	925	अञ्चलन स्माद प्राप्त प्रानुद्रस्य सन्त के प्रशास प्राप्त पर शास । अञ्चलन सम्बद्ध प्राप्त प्रानुद्रस्य सन्त के प्रशास प्राप्त पर शास ।	22-57m	00	t
প্ৰিবীকে মনুৰ উপুন্ত হলে দেখতে পাবে (কিয়মকের দিন)							
পূৰ্বিকৈ মনুৰ উদ্ধুক হলে দেখতে পাৰে (কিয়মকো দিন) সহীকা (উনুক্ত সহীকা কামনা কৰে প্ৰত্যেক অপন্নাৰী)	৭৪-মুদাছছিব	65	266	জানু উপকার করতে পায়ত না, তথু কবি করত	২-বাকারা	205	1

And the Control of	<b>現成3</b> 四	993	200	AND SECOND	大学 大	400,0	4
উপকার (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)				प्रकारत विभागना प्रांतनन निरुप (अनुस्था निष्म अस्तात करा)	১৯-বাহণ	ào	120
निकाम जिल्ला कर्ड अवस ना का सामग्रह अभिनाममूर्ग अस	১০-রাপ	20	99.9	বারাহর উপ্রেশ কর্ম্বর না উৎকর।	৪-শিসা	ev	268
পদ্মান উপজ্ঞান কাল (কাল মুখ্য কেনে পালানে এলচ)	০০-জাহ্বাব	36	908	जान (वैनातन जान कि जानर्थ किस, इस जा. गलुबाइस निस्ते)।	৭-জা'রাফ	69	633
পুনরুষানের দিন উপকারে আসবে না সন্ধান ও সম্পদ	59-9,918	70	130	অস্য (উপলেশ আনার পর ব্যৱর পথটো করেছিল জালিমানকে)	২৫-ফুরকান	43	35/8
মনুক্ষে জন উপন্ধয়ী হলে জমিতে থেকে যাব (বৃষ্টি পানির উপন্ম)	20-81'H	24	990	আগ (উপদেশ আগ কি আকৰ্ম বিবর)	৭-আ'রাফ	60	838
মানুষের উপকার করতে পারে না -৫২ন কাউকে ভাকা!				इंक्रेन इन्द्रम्य व नविद्यम्	g-महिमा	86	200
	১০-ইউনুস	206	998				
মানুষের উপকারী সাম্বরী নিয়ে সাগরে চলমান নৌখান	२-राङ्गा	268	৫১৮	ইবলনব্দীনের কন স্ফলিক(অইয়ুনের পরিবর্তন নিরিরে লোপ্রাস্ত	২১-অধিয়া	₽8	900
মালিক (রাসূল স, নিজের উপকার বা ক্ষতির মালিক নন)	৭-জা'ৱাফ	722	9000	ইমানদারদেরকে উপদেশ দিক্ষেন আল্লাহ	২-বাকারা	२७२	650
মাধিক নর (উপাস্যরা নিজেদের উপকারের মাধিক নর)	২৫-ফুরকান	0	16-5	উठम উপদেশ 6 क्षेत्रा हात जाहारत <b>११</b> ४ माध्यार	১৬-নাব্দ	254	930
মদিক (কঠি বা উপজ্ঞারে মদিক ন্যা বারা তালের ইবালত)	৫-মারিদা	35	690	উপকারে আসে মুমিনদের জন্য	१५-चविवाठ	66	250
দৃশা আ, উপকারে আগবে (ফির'আউনের স্ত্রীর আগা)	২৮-কাসাস	ъ	ਰਿਹਰ	উপকারে আসে না উপদেশ (আল্লাহ বিপথগামী করলে)	33-EM	48	996
মুঠিরা কি উপাসকলের উপকার করেন্ন ইবরাহীমের প্রস্তা	२७-व'काश	90	495	উপকার দিত অন্ধ ব্যক্তিকে	৮০-জাধাসা	8	Soot
পরীক্ষদের উপকারের হেয়ে ক্ষত্তি নিকটভর	22-57 <b>%</b>	20	900	ক্ষবিবলেরকে উপলেশ দেরার নির্দেশ (রাসুল স. কে)	৮৮-গশিরাহ	43	205
পান্তি প্রত্যক্ষ করার পর ঈমানের ঘোষণা উপকারে আসেনি	৪০-মুমিন	9.0	996	কাকিবলেরকে উপদেশ দেরা হলে ভা এহণ করে না	৩৭-সাক্ষাভ	30	260
স্ত্ৰীকৰণ উপৰাহে আনুসনি (ৰাফিবলের )							
	৫৪-কামার	2	306	কুরজান (উপদেশ গ্রহণকারীর জন্য উপদেশ)	১১-ছৰ	228	696
সন্ধান ও সম্পদ উপনায়ে আগবে না (পুনরুখানের দিন)	২৬-চ'জর	VV	9342	কুমামন উপদেশ (কবিজ্ঞান্য)	৩৬-ইরাদীন	69	MAG
সুপরিশ উপকরে অসবে না জন্মছর নিকট	08-2FE	50	980	কুরজন উপদেশ (শতসমূহের শন্য)	৩৮-সোরাশ	59	bac
সুগারিশ উপন্ধরে আসবে না (মানুবের জন্য ইলাহলের)	০৬-ইয়াসীন	₹0	960	কুরআন উপদেশ (রাসূদ/মুখাদদ স. ও তার সম্প্রদারের জন্য)	8 <b>०-पृश्क्रक</b>	88	522
সুপারিশ উপকারে আসবে না করো (বিদ্যামতে)	২-বাকুরা	750	849	কুরজন মুমিন্দের জন্য উপদেশখন্তপ	২৯-জানকাবৃত	62	520
সুপরিশ উপন্যরে আনেনি (জাহান্রামিদের জন্য)	৭৪-মুদার্ছর	87	266	কুরজন বিশ্বজগতের জন্য উপদেশ	৮১-অক্টার	29	2005
হাজের উপকার প্রনয়	२२-शब	47	960	কুরজন ভয়/উপদেশ হিসাবে জার্রির ভাষার জবতীর্থ	২০-জু-ছ	220	985
<b>উপকারিতা</b>	-	-		কুরজাদের মাধ্যমে উপদেশ দান (ধাংগ না হওরার ছন্ড)	৬-আপু'আম	90	603
গৰাধিপতর মধ্যে উপকারিতা রয়েছে (মানুহের জন্য)	२०-मृबिनुत	23	999	কুরজনের সাহাত্যে উপদেশ দানের নির্দেশ (রাসুল স. কে)	६०-काक	82	328
প্ৰাদি পততে উপৰাবিতা হয়েছে (মানুহের জন্য)							
	৪০-মুখিন	p.o.	944	ভূরজন মানুহের জন্য উপাসেশ (প্রতিশালকের পঞ্চ থেকে)	১০-ইউনুস	6.0	629
গৰাদিশকৰ মধ্যে উপকারিতা গরেছে মানুহের জন্য	৩৬-ইরাসীন	90	9.66	কুরআন মুরানীদের জন্য উপদেশ	৩-আলে ইমরাণ		¢8%
মদ ও জুয়ার উপকারিতার চেয়ে পাপ বড়	२-राष्ट्रावा	579	656	ৰগতবাসীর জন্য উপদেশ (ভূরজান)	১২-ইউসূত	804	600
মানুবের জন্য উপকারিতা রয়েছে (মদ ও জ্বার)	২-ৰাকুৱো	579	646	অগতসমূহের জন্য কুরজন একটি উপদেশ	৬-আন্'আম	90	608
শোহাতে বহু উপকারিতা রয়েছে (মানুখের জন্য)	৫৭-হাদীল	42	200	জনপদের অধিযাসীদের প্রতি তিন রাসুস স, এর উপদেশ	৩৬-ইয়াসীন	29	255
<b>उ</b> लकाडी				তাওৱাত (কুরকান) মুক্তাকীদের জন্য উপদেশস্বরূপ ছিল	২১-আধিয়া	87	920
ত্তমণকারীদের অন্য উপকরী আঙ্কন	৫৬-ওরাঞ্চিয়াহ	90	386	তাক্তরা অবস্থনের অন্য উপলেশ শেষা কর্তব্য	৬-আন'আম	65	604
উপক্রম		-	-	দায় প্রদর্শক্রের অন্য পরাপায়কে উপালে প্রধান- বিভিন্নর স্কর্ব	৯০-বাদাদ	24	3000
আপোনানের উপক্রম হয় বরকভমর ব্যবস্থন গাছের কেল	48-मूब	'02	999	স্বাম্যের গড় থেকে উপলেশ আসলে মূব বিবানো	২৮-চ'ডারা	4	446
		67	399	দান (কাকিংলেডকে উপদেশ দিয়েছেন আল্লাহ)	২০-মুখিনুন	93	990
ষ্ট্রাড় মেলার উপক্রম হর রাগুল স. তে (ফাফিরনের কীক্স দৃষ্টি ছবা)	৬৮-কুলাম			সাধরত (উল্লেখ উপসেশ/প্রজা বারা আল্লাহর পরে সাধরত)	১৬-নাংল	755	930
ক্টো পদ্ধর উপক্রম হবে শাহান্তাম	৬৭-মূল্ক	br	264				
(চর্মে গদ্ধার উপক্রম হর আকাশ (উপর থেকে)	৪২-শ্রা	ę	9.97	নৈৰ্যসাৱনের জন্য পরস্পারকে উপদেশ প্রদান- পিরিশয় কর্ব	৯০-বাশাৰ	24	2040
চেক্টে পদ্ধার উপক্রম হর আকাশ (কাকিবদের কথার)	১৯-মারইয়ান	эo	980	বৈৰ্যের উপায়ৰপৰানকারীখন ক্ষতির মধ্যে দেই	১০০-আগ্র	٥	2003
সহস হরতের উপক্রম হয়েছিল মুমিনসের বুই দল, উচ্চল ব্রহে	৩-জালে ইমরন	255	683	ধাংগ না হওয়ার ঋন্য উপদেশ দান (কুরজানের মাধ্যমে)	৬-আনু'আম	90	ઉ૦૨
উপত্যকা				ন্তুন (প্রতিশালকের পাক হতে আবা নতুন উপায়েশ কোমেয়েল প্রকা)	২১-জাধিরা	4	920
অংগরান (উপত্যকর দিরে আসরেন মেন্ড্রেশ আন্মাতির শক্তি)	৪৬-জাত্কাক	48	950	মতুন উপায়ের (অক্সাহর পাছ থেকে ন্যুনা উপায়েল আমাল মুক্তিবানে)	২৬-চ'আরা	0	900
অভিক্রম (উপজেন অভিক্রম দিশে রাখা হয়, মদীনানীলের)	৯-ভারধা	252	96.0	শালারালেরকে দেরা উপলেশের একটি অংশ চুলে পেছে,	ए-मात्रिमा	78	202
पूछा (बढ़ारन (बनिवा निरुपक्षक वटा विक्रित प्रेणकानाव पूछा (बढ़ारा)	১৬-চ'জার ১৮-চ'জার	220	599	নুহ আ, উপদেশ দেৱ সম্প্রদারকে	৭-আ'রাক	63	635
ছান উপত্যকা থেকে ভাক দেৱা হল মূসাকে		100	230	নৃহের উপদেশ দান (আল্লাহর আরাফের মাধ্যমে)	২০-ইউনুস	93	663
	২৮-কাসাস			নূহ আ: কে অক্সাহর উপদেশ (অঞ্চলের অঞ্চর্জুক না হতে)		86	890
তুওরা উপত্যকার আল্লাহর সাথে মূপার সাক্ষাৎ	২০-জু-জ	25	783	পুরকে পুরুষানের উপদেশ	১১-ছুদ	30	940
কুওয়া উপত্যকার মৃসাকে ভেকে বলগেন প্রতিপালক	৭৯-নাৰ্য জাত		3000		৩১-পুকমান		
পাওর কেটে উপত্যকায় গৃহনির্মাণ করাত (ছামৃদ জাতি)	১৯-ফাজ্ব	ъ	3057	পূৰ্ববৰ্তীয় কি উপালে দিয়েছে জনুগ স. কে জানুকৰে ও পালে কপতে?	৫১-ঘরিয়াত	60	850
পিপদ্ধর উপত্যকার স্থারমানের বাহিনীর আগমণ	২৭-নমল	73.	ton	পূর্ববারীদের থেকে কফিবদের নিকট বাবদে	৩৭-সাফ্ফাত	799	3/6/2
প্রানিত (উপতাকা প্রানিত হয়, অকাশ থেকে অবতীর্ণ পানিতে)	১৩-রা'দ	24	990	প্রজ্ঞামর উপদেশ পাঠ করছেন অল্লাহ রাসুল স. এর নিকট	০-আলে ইমরান	64	687
মঞ্জ উপত্যকার কবিব ও মুমিন্দ্রনর হাত সংবরণ করিয়াছেন সম্ভাব	৪৮-ফার্হ	₹8	970	এতিশাসকের পক্ষ থেকে কুরআন মানুহের <b>জ</b> ন্য উপদেশ	১০-ইউনুস	64	623
শগদীন উপভাবার কর্মত স্থাপন (ইংস্কেইটনের স্ত্রী ও পুরের)	18-देनबादीय	03	596	প্রতিশালকের পাছ বেকে উপায়েশ (মুদ বেকে বিরার ধানা প্রদার)	২-বাকুরো	292	400
উপদেশ (আরো দেখুন নির্দেশ শব্দটি)		m		প্রবাহর্তনকর্ম বন্দার জন চপদেশ হরপ (ঘর্মীদের বিপ্লব)	60-M&	b	255
অৰ্পন (স্বাধিত্ব আ, এর নিকট উপয়াল অৰ্পন করার সংস্কৃত্বরে নিবছা)	৫৪-কামার	42	>09	প্রতিশাশকের শক্ষ হতে আগা উপদেশ কেলাক্ষ্যেল প্রবন্ত	২১-অধিয়া	3	980
অর্গণকারী (উপদেশ অর্গণকারীলের কসম)				क्लावर् (वेनातन क्लावर् श्रुप्त वेनातम मानव मिर्चन)			
	৭৭-মুখ্নালাভ	¢	254		P-4-081,48		2023
অধীকার (ব্যক্তমন্ত উপনেশ কুরআন অধীকার প্রসঙ্গ)	২১-অধিয়	60	৭৫৩	ফলকে/তাওরাতে সকল বিষয়ের উপদেশ (মূসার জন্য)	৭-জাত্তাক		996
আবাত ধরা উপদেশ দেয়া হলে মুদ্দিশণ ভাতে বিশ্বাস করে	০২-সাজ্বা	34	707	বনী ইনরাইপদেরকে দেরা উপলেশ আপেক ছুলে গেছে	৫-মারিদা	30	62.5
আমত করা উপদেশ দেরর পর মুখ বিদ্যালে বড় জালিম হবে	৩২-গঞ্বা	42	9.07	বরকারমর উপদেশখন্তপ কুরজান জংগীর্গ প্রসঙ্গ	২১-অধিবা	ĝ0	920
আপ্তাহ উপদেশ দেন ঞ্চিতাৰ হিকমানের মাধ্যমে	२-राष्ट्राश	400	@2b	বিশ্বাদীর (অক্সাহ/অধিব্যাত বিশ্বাদীর কর উপায়ন, বালাক প্রদাস)	৬৫-তালাক	2	piep.
অপ্তাহর দিনতোর মাধ্যমে উপলেশ লান (মূপার সংক্রমার প্রদার)	38-देनवारीय	e	630	বৃদ্ধিমানকের জন্য উপদেশ (মুসার উপর অবতীর্ণ জিতাব)	৪০-মুখিন		MAS.

Triglater	স্থা বং ৩ বাম	25.0 ×	প্ৰা	नंस दिवह/श्रम	नृक्ष नर ७ नम	400	
फेशरमण (भूर्व शृक्षेत ( <b>सरक</b> )	_			কুরমান সহল করেছেন আল্লাহ, উপলেশ প্রহণের জন্য	৫৪-কামার	80	200
বুদ্ধির্যালনের জন্য উপদেশ (ফলদ খড়-কুটো হওয়ার নিয়াটি)	৩৯-যুমার	52	৮৭০	কুরমান সহজ করেছেন আল্লাহ (উপদেশ গ্রহণের জন্য)	৫৪-কামার	22	310
বৃদ্ধিমানদের জন্য উপদেশ রয়েছে (আইউবের ঘটনার)	৩৮-সোরাদ	80	464	কুরুমানে বর্ণিত দুরান্ত থেকে উপদেশ প্রহণ	৩৯-বৃদার	29	79
তুলে বাওয়া (উপদেশ তুলে বাওয়ার কঠিন শান্তি)	৭-আ রাক	360	626	কুরমানকে উপদেশ গ্রহণের জন্য সহজ্ঞ করা হরেছে	৫৪-কামার	29	200
তুলে যাওয়া (উপদেশ তুলে যাওয়ায় আল্লাহর পাকড়াও)	৬-আনু'আম	88	699	চাত্তা (উপদেশতাহণ করতে চার যে তার জন্য নিদর্শন রাজ ও)	২৫-ফুরকান	62	20
তুল যাবরা (উপদেশ তুলে দিরেছিল মুগরিকরা, বুলিয়তে)	२०-पुद्रकान	32	2500	চুক্তি ভঙ্গবারীরা যতে উপদেশ গ্রহণ করে	৮-আনফাল	6.8	90
মানুহের জন্য উপলেশয়রপ (কুবজেন মাধিন/জনপন অংন এনক)	২৬-ল'লারা	203	230	পুনিয়াতে উপদেশ গ্রহণের জন্য মানুষকে দীর্থ আরু দেরা হয়	ত্ত-ফভিব	99	78
মানুহের জন্য (সাকরে মানুহের জন্য উপলেপ)	18-নুখাহছির	60	292	নিৰ্চেদ খেকে উদাসৰ প্ৰহণ(অন্তাহৰ নিৰ্চেদ)	ও-আন্'আম	202	65
মানুহৰ উপদেশ এছখের নিমিত আল্লাত বৰ্ণনা	২-বাকারা	223	676	নিৰ্মাণ (নাৰ বছৰ সৃষ্টিতে উপসেশ গ্ৰহণ মন্ত্ৰীলের জন্য নিৰ্মাণ কৰে)	১৬-দার্ল	30	90
মুন্তিব ব ন্যান অব্যাহন নামত বায়াত বৰ্ণনা মুনফিনসেরকে সমুদাসেশ লেয়ার নির্দেশ (রাসুল স. এর রাজি)	8-971	90	605	নৃহ আ, সম্প্রানারের উপালেশ গ্রহণ প্রসঙ্গ	22-44 20 mg	00	00
	8-विश			লোগাক অনতীৰ্ণ করেছেল আল্লাহ উপদেশ গ্রহণের জন্য	৭-জা'ৰাফ	46	65
মুনাঞ্চিকরা উপলেশ মাদলে ভাল ও মন্তবৃত হত		99	695	প্রপৃত্তি শুক্ষারিয় অবস্থা সেখেও কি মানুহ উপদেশ এহল করনে পাচ	৪৫-কছিবা		20
মুবাকীদের জন্য উপদেশ (শনিবারে সীমালজনের ঘটনা)	২-বাকুারা	99	604			20	
মুন্তাকীদের জন্য উপদেশ সর্বণ আরাত অবতীর্ণ	২৪-শূর	48	299	ফিরঅটনের উপদেশ গ্রহণের সমাবল (মুসার পাওরাতে)	২০-ছা-য	88	18
দুৱাৰীদের জন্য তাওৱাত উপদেশসক্ষপ ছিল	২১-আধিয়া	85	200	ভিন্তমন্ত্ৰীন নালের উপদেশ গ্রহণের জন্য দুর্ভিক/ফতি স্বারা পাবভাগ	৭-জা'রফ	200	
মুমিনদের জন্য উপদেশ স্ত্রূপ কিতাবের অবতরণ	৭-জারাফ	2	670	বুদ্ধিমানদের উপদেশ গ্রহণের জন্য কিতাব নার্থিপ	०४-असम्	2,3	tris
মুমিনদের জন্য উপদেশ ও সাবধান বাণী এলেছে	77-\$et.	250	696	বৃদ্ধিমানদের উপদেশ গ্রহণের জন্য কুরমান মধারীর্গ	১৪-ইবরাহীম	65	99
মুমিনদের জন্য কুরআন উপদেশখন্তপ	২৯-আনহাৰ্ড	62	140	বুদ্ধিমানরাই উপদেশ প্রহণ করে	১০-রাপ	32	60
মুম্মিনদেরকে উপদেশ নিচ্ছেন আল্লাহ (ইফকের ঘটনা)	<b>२8-मृत</b>	24	992	বুদ্ধিমানরাই উপলেশ গ্রহণ করে	৩-আলে ইমরান	٩	20
মুৰফিরানো (উপলেশ থেকে মুখ ফিরিয়ে নের যারা)	৭৪-মুম্বাছছির	85	555	বুদ্ধিমানরাই উপদেশ গ্রহণ করে (আর কেট নর)	২-বাকুরা	269	20
মুখ ফিরানো (উপদেশ থেকে মুখ ফিরিয়ে নেয় কাফিরর))	২০-মু'মিনুন	93	990	বৃদ্ধিমান লোক উপজেশ গ্রহণ করে (ঞানী/জ্ঞামন্ট্রন প্রসঙ্গ)	৩৯-মুমার	ъ	7.4
মেল চলা (বেনল উপচেশ মান্ডমান্ত্ৰীকে সকৰ্ব কাৰে বাসুল)	৩৬-ইয়াসীন	33	694	মানুহের (মানুহ কি অস্ক্রাহর বিষয়ে জেনের উপদেশ-এবং করনে পাঃ)	১০-ইউনুস	0	40
বিহার সম্পর্কে উপদেশ দেয়া হচেছ	৫৮-মুজাদালা	0	200	মানুষ সামান্যই উপঙ্গেশ গ্রহণ করে	৭-আ রাত	0	63
রামূল স. কে নির্দেশ (মানুমকে উপদেশ দেয়ার জন্য)	65-64	230	200	মানুষ উপদেশ গ্রহণ করবে (বৃষ্টির পানির বিভরণ থেকে)	২৫-ভূরকান	20	96
রাসূল স. এর প্রতি নির্দেশ, উপলেশ দানের জন্য	१५-यदिवाठ	66	25	মানুষ উপদেশ-এহল করে দা (প্রথম সৃষ্টি সম্পর্কে জানতে প্রেরও)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	93	38
রাসুল স, এর উপর উপলেশ অবতীর্ণ হওয়া প্রস্থাবিদ্ধ বিষয়	৩৮-সোরাদ	4	bob	মানুহার উপলেশ প্রহণের জন্য আল্লাহ উপমা পেশ করেন	১৪-ইবরাহীম	2.0	63
			664	মানুহার উপলেশ প্রহুলের জন্য	৭-আ'রাজ	29	63
রানুল/মুহান্দল স. এর জন্য উপদেশ (কুরআন)	80-पूरकक	88					34
রাস্প ন, উপদেশ নিচেছন কাফিরলেরকে (একটি বিবছে)	৩৪-সাবা	86	₽84	মানুষের উপদেশ গ্রহদের জন্য সর্বকিছু জ্যোদ্ধার ক্যোদ্ধার সৃষ্টি	৫১-বাবিক্সত	85	
ত'আইবের (সম্প্রদারকে ত'আইব বর্তৃক উত্তম উপলেশ দান এ:)	৭-আবাফ	30	652	মানুধ বাতে উপদেশ গ্রহণ করে (মুসাকে কিতাব দান প্রসঙ্গ)	২৮-কাসাস	80	9.7
প্ৰবণ (উপলেশ প্ৰবণ কৰলে অফিননা ন্নাসূল স. কে পাণল বলে)	৬৮-কুলাম	22	233	মানুষ উপদেশ গ্রহণ করবে এ জন্য পায়াত অবতীর্গ	२८-मृद	,	99
প্ৰকা (উপদেশ প্ৰকা কৰলে কফিবৰা বাসুদা স. কে পাদল বলে)	৩৮-জুলাম	62	266	মানুষ উপদেশ গ্রহণ করবে নাঃ জল্পাহ সম্পর্কে জানার পরও বি	৩২-সাজ্প	8	5.5
প্রকা (প্রতিপালমের পক্ষ হতে আনা উপদেশ কেলাছলে প্রকা)	২১-জাধিয়া	1	900	মূনাফিকরা উপলেশ প্রহণ করে না	৯-জাওবা	259	
সভ্যের উপদেশদানকারীগণ ক্ষতির মধ্যে নেই	১০৩-আস্ব	0	2005	মুশরিকগণ উপদেশ গ্রহণ করবে না	৩৭-সাজ্কাত	756	
দলিহান (উপনেশের ব্যাপারে কাঞ্চিররা দলিহান)	৩৮-সোরাদ	b	664	মু'মিনরা বাতে উপদেশ গ্রহণ করতে পারে	५8-मृद	29	9.9
সম্প্রদারের জন্য কুরআন উপদেশ (মুহাম্মদের সম্প্রদার)	8 <b>०-पृ</b> श्वक्	88	bab	সম্প্রদারতে উপকেশ গ্রহণের স্কন্য সতর্ক করবেন রাসুল স.	২৮-জাসাস	86	773
সম্প্রদায়কে (এমন সম্প্রদায়কে উপলেশ মালেরকে ধানে করা হরে)	4-90,814	368	9-59-	সামাণ্য সংখ্যক পোকই উপদেশ প্রথম করে	৪০-মুমিন	Qb	pp
সাদিহ আ, তর্তৃক সম্প্রসায়কে উরম উপদেশ দান	न-स्था,बाक	43	650	সামান্য (মানুধ পুন সামান্যই উপদেশগ্রহণ করে, কুরজন প্রদাহ)	৬৯-হাকাহ	84	33
প্রীতে সনুপদেশ দান করতে হবে (অবাধ্য হলে)	৪-নিসা	₹8	662	উপদেশ গ্রহণকারী			т
হুনের উপলেশ দেক্স/না দেকা সমান (আন সম্প্রেপারের জন্য)	২৬-৯,ঝাবা	205	9342	উপদেশ (কুরঝান উপদেশ গ্রহণকারীর জন্য উপদেশ)	33-इन	278	69
জুলাবলানের জন্য উপায়েল ব্যৱহের (প্রজন্ম আন্তর্গ করার মাধ্য)	60-Min	09	3-28	কুরমান থেকে উপদেশ প্রহণকারী কেট আছে কিঃ	৫৪-কামার	44	100
উপদেশ এবৰ		1	10.00	কুরমান থেকে উপদেশ প্রহ্নকারী কেট আছে কিঃ	৫৪-কামার	80	3.5
অতি নামান্ট উপলেশ গ্রহণ করে (মানব জাতি)	২৭-নামল	62	bog	কুরজান থেকে উপদেশ প্রহণকারী কেট আছে কিঃ	৫৪-কামার	कर	3/5
	৮০-আবাসা	8			१८-वामाद	24	30
অন্ধ ব্যক্তি হয়তো উপবেশ গ্ৰহণ করত (গ্ৰানুদ স. থেকে)			2009	কুরজান থেকে উপলেশ গ্রহনকারী কেউ আছে কিঃ			
जनशरीया जेन्द्रमन श्रदन करत्य ना जाञ्चादव देखा शङ्ग	৭৪-সুদাছছির	26	266	নূরের প্রাবন থেকে উপলেশ প্রহণকারী আছে কিঃ	৫৪-কামার	76	3/3
আল্লাহ অভিমুখীরাই ৬৬ৃ উপদেশ গ্রহণ করে থাকে	৪০-মুখিন	20	৮৭৯	বৰ্ণনা (অপ্তাহ উপদেশ গ্ৰহণকবিদের জন্য আয়াত বৰ্ণনা করেন)	৬-আব্'আম	759	60
আল্লাহকে যে ভর করে সেই উপদেশ গ্রহণ করে	৮৭-আলা	30	7074	উপদেশনাতা			1.
আল্লাহর উপদেশ দেন বাজে মুনুষ উপদেশ গ্রহণ করে	১৬-নাব্দ	30	470	ব্ৰানৃদ স, কেবদ উপদেশদাতা	৮৮-গশিয়াহ	43	20:
ইচ্ছা (কারো উপদেশ গ্রহণের ইচ্ছা থাকলে সে আ গারে)	৩৫-ফাতির	200	b89	উপদেশ দানকারী			г
ইবরাধীমের সম্প্রদায়ের উপদেশ গ্রহণ প্রসঙ্গ	৬-আপ্'অমে	pro	900	ভাগবাসা (ছামুদ সম্প্রদায় উত্তন উপদেশ দানবারীকে ভাগবাসেনি)	৭-আবাক	93	63
উপমা থেকে উপদেশ প্রহণ (দৃষ্টিশক্তি ও প্রবণশক্তি প্রদল)	22-ga	4,8	959	হুদ উপান্তৰপানকাট্ৰ হওৱা/না হওৱা দথান (আল জাতির জন্য)	২৬-৬'আরা	200	
কথ (কুরআন) পৌরুর নিরেছেন আল্লাহ (উপদেশ গ্রহণের ক্ষন্য)	২৮-কাদাদ	67	625	উপদেশপূর্ব			+
কাফিবরা উপদেশ গ্রহণ করে না (উপদেশ দেরা হলে)	৩৭-সাম্যাত	30	P29		AL CUPTU	-	1
কফিররা কি উপদেশ গ্রহণ করবে না (আল্লাহর জিজানা)	২৩-মু'মিনুন	be	993	কুরজান (উপদেশপূর্ণ কুরজানের কসম)	৩৮-দোরাদ	,	9.6
কাফিবরা কি করে উপলেশ গ্রহণ করবে?	৪৪-দুখান	30	500	উপদেশবাধী			
কাঞ্চির সম্প্রদায়ের ধাংস থেকে উপলেশ প্রহণ	08-काशव	67	200	সীমালকাৰমন্ত্ৰীকের নিকট থেকে উপসেশবাণী প্ৰক্রাহার	৪৩-মুক্তফ	4	brit
কিল্লামত এসে গেলে (উপদেশ গ্রহনের সময় থাকবে না)	৪৭-মুখ্যবাদ	35	970	উপনীত		_	1
কুরমান উপদেশ প্রহণের জন্য অবস্তীর্ণ (সহজ্ঞ আছার)	88-দুখন	70	308	ইসমাইদের কলে করার মত বয়সে উপনীত হওয়া	৩৭-সাড়ডাত	205	50
কুবনান চপদেশ গ্রহণের জন্য অবজাগ (নহজ ভাষার) কুবনান থেকে উপদেশ গ্রহণের জন্য বহু বিষয়ের বর্ণনা	১৪-পুথন ১৭-ইসরা	87	908	কবৰে উপন্তিত ল' হংগা পৰ্যন্ত প্ৰচুষ্ঠান প্ৰতিযোগিতাৰ দেখাছে।	205-81688	3	300

ज्यानः ७ नाम	MERCH	न्ध				10
৬-আন্'আম	754	60%				65
৭-আ'রাফ	780	956				90
৪০-মুখিন	69	944				20
						20
8-मिमा	2.0	200				V
	-	-				01
1×0-338		1010				9
14 744	Ť					>0
an amounte	101	200				7
					244	
					>5	>
					36	3
				২-বাকুরো	24	¢
			মৃত্তি/পরীক্ষের অক্ষয়তা সম্পর্কে উপমা (মাছি প্রদর্গ)	<b>22-2706</b>	90	9
				১৭-ইস্রা	87	9
			লোক দেখানো দানের উপমা (মসুণ পাধরের মড)	২-বাকুগ্ৰা	268	10
			শস্যদানার উপমা (আল্লাহর পথে দানের উপমা প্রসঙ্গ)	২-বাকুবর	263	0
			শিরকের উপমা (মাকডুদার ঘরের উপমা)	২৯-আনকাৰ্ড	83	1
			সভ্য মিখ্যার উপমা পেশ করেন আল্লাহ	১৩-রা'দ	24	4
৪৬-আহ্বাফ	₹0	970	সম্পদ ব্যহের উপমা (আল্লাহর সম্বান্তি কামনান্ত সম্পদ ব্যৱ)	२-राकृता	202	0
			উপমা (সমক্ষ)		_	T
s-जिला	₹8	260		১৬-মাহদ	9.8	9
						t
২৬-৪,থারা	209	936		১৯.प्राव्हेबाप	90	9
-	-	-				3
AN INTERNET	00	2435				ħ
				99-1150		ť
				a faort	-	0
						15
				C. at Lone	1	F
				0.00	-	ŀ
						1,
			वाकान (युन् गावाम वाकान मानुस्वर करात)			2
						le le
						6
						0
						1
						8
						0
						18
২৫-জুরকান	9	952				9
৬২-ছমু'লা	2	204				10
২-বাকার	265	6-07				6
১৬-নাত্স	9.0	90%				1
77-54	28	669		১৬-দাব্দ	46	19
22-29	48	969	উপর থেকে পড়ে মৃত			Ł
		828	উপর থেকে পড়ে মৃত পত হারাম	৫-মায়িনা	0	1
১৬-দাহল	96	900	উপবিভাগ (পিঠ)			Г
	80	939	কাফিরসের উপরেই থাকবে (ধারা আল্লাহকে ভর করে)	५-वाङ्ग्रवा	222	10
35-3000					22	1
১৮-বংহুফ ৫৭-হালীদ		300	ব্যবিবাদে উপাত্র রাধ্যনে অক্সাহ উপার অনুনরনাকটিলেরক	৩-আলে ইমরান		
৫৭-হাদীদ	20	940	কার্যকারে উপরে রাধনে অক্সাহ উপর অনুদর্শকার্যকরক কাহারাদের উপরে আগুলের আলোসন	৩-আলে ইমরান ৭-আ'রাজ		
৫৭-হারীদ ৬২-ছুদু'জা	₹0 €	362	স্বাহান্নামের উপরে আগুলের আজ্ঞাদন	৭ আ রাত	82	0
৫৭-হাদীদ	20					6
	১ন্দ্ৰপ্ৰতা ১৮ বিশ্ব বি	ত্ৰ-আপুৰাৰ ২১৮/১৮ ১৮ বিশ্ব প্ৰতি ১৮৮ বিশ্ব বিশ্ব স্থান বিশ্ব বিশ	1	ত্ৰ-সাম্প্ৰত ১৯০ ১৯০ বিশ্ব নিৰ্ভাগ কৰিব লৈ প্ৰতিক্ৰম জীৱন কৰিব লোক বিশ্ব নিৰ্ভাগ কৰিব লোক বিশ্ব নিৰ্বা নিৰ্ভাগ কৰিব লোক বিশ্ব নিৰ্ভাগ ক	ত্ৰুল্ব কৰি সাধান কৰি কৰি বুলিয়াৰ জীপন কৰিবলা বাবাৰ কৰি কৰা, ১৯-কেশ্ব কৰি কৰি বুলিয়াৰ জীপন কৰিবলা বাবাৰ কৰি কৰা, ১৯-কেশ্ব কৰি কৰি বুলিয়াৰ জীপন কৰিবলা বাবাৰ কৰি কৰা, ১৯-কেশ্ব কৰি কৰি কৰি বুলিয়াৰ কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰ	

चेव अस्ति दिनस्थानम	म्बास धनार	TO 4	200	नम् ८ । ३ रिस्त्र/दन्त	সূত্র কার বাব্য		
উপরে উঠানো				মনুক্তক বিৰামতের দিন উপস্থিত করা হতে(বিদ্ধু খোপন ধানবেন)	७७-शकाव		243
ন্দশিম্যা মাথা উপরে উঠিরে দৌড়াতে থাকবে(কিয়ামতে)	১৪-ইবরাইম	80	693	মৃত্যু উপস্থিত হওয়ার পর তওবা করলে তা কবুল হবে না	৪-পিশা	7.2	445
উপলব্ধি				মৃত্যু উপস্থিত হলে প্রসিয়তের সময় সামী রাধ্যে সমানদারণ	৫-মারিদা	209	
হ্বাকিকরা উপপঞ্জি করে না (সভারে মোহর ও কুকরী প্রদাস)	७० पुनक्तिक	0	368	মৃত্যু উপস্থিত হলে ওসিরকের বিধান (সম্পদ রেখে গোল)	२-सङ्ग्रहा	200	
মূর্বাক্তর উপদন্ধি করে না (আরুশ-পৃথিবীর ধন-মানের অস্থান্ত)	৬০-মুনফিবুল	1	368	বুদ্ধে উপস্থিত না থকাতে অক্সমত নেরমত মনে করে (মূদক্ষিকর)	৪-নিদা	92	26
সম্য উপদক্ষি ও মার সাক্ষা প্রদান (বুপরিশ/পানার্যার প্রদান)	৪০-ফুর্বক্	brb.	500	ৱাসূদ দ. উপস্থিত হিলেন না (মৃসাকে গুরী করার সময়)	২৮-কাদাদ	88	27
উপস্থাপন (আরো দেখুন পেশ শব্দটি)				ৱালুল ন, উপস্থিত হিলেন না (মানইরানবালীনের নিকট)	২৮-কাদাদ	84	3.7
উপমা (দুনিৱার জীবন আকাশ থেকে বর্বিত পানির মত)	79-4466	84	925	দাদনা উপস্থিত করা হরেছে (মানুষের প্রবৃত্তিতে)	৪-দিলা	252	29
উপস্থিত				শরতানের উপস্থিতি থেকে প্রতিপাশকের নিমত অপুর প্রার্থনা	২০-মুমিন্দ	by	99
অধিৱাত উপস্থিত হওয়ার দিন	27- <u>2</u> 4	200	998	শরীকদেরকে উপস্থিত কক্ষক অপরাধীরা (সভাবাদী হলে)	৬৮-কুলাম	87	200
আত্দের সামনে উপস্থিত করা হয় (কিরকাউন বংশকে)	8०-वृद्धिम	86	244	শান্তিতে উপস্থিত করা হবে কাফিরদেরকে (কিয়ামতে)	৩০-ছম	3/5	34
আহুদের সামনে কাঞ্চিরদেরকে উপস্থিত করা হবে যেদিন	৪৬-আহ্নাক	20	970	শান্তিতে উপস্থিত করা হবে ভালেরকে বারা জারাত বর্গ	৩৪-পাৰা	40	34
আপ্তাহত কাছে উপস্থিত হওৱা প্রেত্যাবর্তনকারী অনম নিজে)	৫০-কৃত্	00	3-28	সম্পদ বটন কালে উপস্থিত গোকজনকে গাদ করা	৪-নিস্ম	b	20
আপ্তাহৰ নিকট উপস্থিত হওৱা (আগ্ৰাহৰ সম্পৰিদুৰ গোক)	৪৩-বুংকক	Obr	464	সরিখন নানা পরিমান বস্তুও আপ্লাহ উপস্থিত করবেন	৩১-লুকমান	36	344
আপ্লাব্র নিকট সকলকে উপস্থিত করা হবে	৩৬-ইয়াসীন	90	100	সাৰী (চাহজন সান্ধী উপস্থিত করা, ব্যতিচাহের অপবদ)	२8-मृह	8	95
অপ্তান্ত নির্দেশ নানমাল ফুম্বরিকার উপস্থিতি, পুরুত্বামনী পত প্রশাস	৬-জানু জাম	188	650	श्रकी (स्ताबन श्राको है पहिल्ड कराउ म श्राह, हेफरका फोन)	२८-मृद	70	99
অপ্রায়ে সমনে সমাহৈক উপস্থিত করা হবে (বিধামকের দিন)	৩৬-ইয়াসীদ	40	500	সাকী উপাইত কর (বুপজিনেয়নে নাকী উপাইত করার নির্দেশ)	৬-জান্'আম	750	
ইবরাই্ট্রম আ, উপস্থিত হলেন প্রতিপালকের নিকট (নিজন্ধ চিত্রে)	৩৭-সাক্ষাত	1/8	5-62	স্থানতে উপস্থিত হয় গৈবিশের সাবে (মরা নিশ্বস করে ন…)	৯-ফাওৰা	98	68
ইয়াকুকো মৃত্যুর সমর উপস্থিত ধানা (সঞ্চালটার প্রতিপ্রত	२-राष्ट्राद्धा	300	676	হচ্ছের উপকারসমূহে উপস্থিত হওয়া প্রসদ্	55-20ak	₹1/	93
ইদিরাস সম্প্রদারতে উপস্থিত করা হবে (শান্তির জন্য)	৫৭-সাক্কাত	329	li-bo	উপস্থিতকাল		1	L
ইলাহনেরক মুশ্রিকদের বাহিনীরশে উপস্থিত করা ব্যুব	०७-रेश्वरीम	90	b69	কিরামতের ভরাবহ দিলে উপস্থিতকালে কাফিবদের দুর্চোগ	১৯-মারইয়াম	103	30
উপস্থিত সম্ভাগ সম্ভাগ পালে অন্তর্গ কর্মান করি দুর্গিরকে)	৭৪-মুদার্ছর	30	330	উপহার		_	Т
কথা (কুম্বানের অনুরূপ কথা উপস্থিত করার চালেঞ্চ)	१२-स्ट	68	302	হতিশাসকের উপহার মুব্রাকীনের জন্য (জান্লাতে)	९४-मारा	09	20
কাম সহিব দান পরিমাণ হলেও তা নিয়মতে উপস্থিত করা হবে	२)-जापिद्रा	83	920	সুমাইমানের কাছে সাধার রাশীর উপায়ার প্রেরণ প্রদান	২৭-নামল	90	30
কিরামতে উপস্থিত করা হবে (ভোগ্য-সামনী প্রাপ্ত বাকিকে)	২৮-কালাল	63	720	সুদাইমানকে উপায়ৰ দিয়ে সাৰাবাসীলের উৎযুদ্ধ হওয়া প্রদাস	২৭-নামণ	106	5
বিরামতে (প্রভাব ব্যক্তি উপস্থিত হবে বিরামতে)	६०-क्रांक	33	250	উপহাস (আরো দেখুন ঠায়া-বিদ্ধুপ শব্দটি)		1	Т
ভিন্নাহত (প্রত্যেক বার্ক কর্মান্ত ব্যব্দিক লোকতে) ভিন্নাহতে দিন মনুদ্ধক উপস্থিত করা হবে(কছু গোপন পকলেগ)	०७-शकार	77.	242	অ্যান্তের উপায়ার হিবাবে এইন করা নিয়েব (অল্লাহর অলাক)	২-বাজারা	203	6:
ফিনাব/ জান থাকলে উপস্থিত করার নির্দেশ (শিরক প্রসঙ্গ)	85-व्यक्तप	8	aob	অভান্তৰ উপন্যানৰ বিভাৰণে একা কৰা কৰা পাঞ্চলাকে পত্তি	৪৫-জাহিয়া	>	20
		83	125	আহাত (অস্থাধ্য আহাততে বিদ্ৰুপ করে কাক্ষিরা)	72-milda	26	93
কৃতকর্ম সমনে উপস্থিত পানে অপরাধীরা (কিরামকের দিন) থোড়া (সুলাইমানের সামনে উৎকৃত্ত ঘোড়া উপস্থাপন)	১৮-কার্ক ৩৮-সেরান	93	VOV	আল্লাহ্য পথকে উপহাস কয়লে পান্ধুনাগরক শান্তি	৩১-লুকমান	6	100
		78	200h	কুরজনের আরামকে (প্রমিকন আহান্নার)	79-4154	306	90
জানতে গারবে প্রত্যেকেই সে কী উপস্থিত করেছে	৮১-অকন্টার			বেলা ও উপহাস হিসাবে গ্রহণ করে, সালাভের জন্য ভাকলে	्-यविमा	Øb	qt
মধ্যানে উপস্থিত হত পদ্যাতির (সম্ভাব্য লোমত লা বাস)	৩৭-সাক্কাভ	49	pdp	ইচনা প্রতি উপহাসকপতে ইকুনির জিংবা বানা করে কলে	8-निम	85	00
দাহান্ত্রমকে উপস্থিত করা হবে (কাফিরলের নিকট)	79-4654	700	900	নিদৰ্শনকে (অস্ত্ৰাহর নিদর্শন দেখে কাফিবো উপথাস করে)	৩৭-সাহাসাত	78	bo
ৰাহান্ত্ৰামে কাভিয়নেয়কে উপস্থিত করা হবে	8५-वाव्यक	82	922	নিদর্শনার (বাহিতর অস্তাহর নিদর্শনার উপায়ন করার শান্তি)	8ए-व्यक्ति	90	180
নাহান্লামের সামনে উপস্থিত/পেশ করা হবে (জালিমনেরকে)	৪২-পূর্ব		1/30	ৰণী ইসপ্ৰমণ্ডে উপহাসা (গামী নবাই প্ৰসৰ)	২-বাকারা	69	20
জিনসেরকে উপস্থিত করা হবে শান্তির জন্য	৩৭-সাক্জাভ	242	994	রাস্পদের নাথে কাকিরদের (প্রতিক্ষপ আহান্ত্রাম)	72-44£0	306	90
দ্বিলানে একলে উপস্থিত হল নতীর কাছে (কুরজন পঠি তনতে)	৪৬-বাহ্কাক			রাকুল স. কে উপহাসের পাত্র হিসেবে গ্রহণ করে মরুবাসীরা	২৫-কুরকান	83	92
সরাময়ের বালা হিসাবে উপস্থিত হলে না এমন কেউ নেই	১৯-মারইরাম	240	980	হাপুৰ প, কে কাভিবতা উপহাস করে	২১-অধিয়া	Φ6	90
দলে গলে উপস্থিত হবে মানুৰ (শিকার তুঁ দেরা বলে)	৭৮-লবা	39.	3003	পান্তি (অস্তাহর পথকে উপহাস করলে নাস্থলানারক শান্তি)	৩১-পুকমান	8	bri
দলিল-প্রমাণ উপস্থিত করতে বলবেন আল্লাহ	২৮-কাদান	92	9.78	সভর্কত বিষয়কে উপহাস হিসেবে গ্রহণ করে (কাঞ্চিয়ো )	>৮-ব্যর্থক	26	9
নগুৱৰাসীৱা উপস্থিত হল উল্পসিত অবস্থায় (পূতের কাছে)	১৫-হিজার	98	903	देशांव -		-	t
নবাঁ ও সাক্ষীবদকে উপস্থিত করা হবে (কিয়ামতে)	৩৯-বুমার	63	৮৭৭	মঞ্চ উপাধিতে বা ভাৰতা নিৰ্দেশ (মুখিনদের প্রতি)	৪৯-হন্ত্রাত	22	34
নিদর্শন উপস্থিত করতে পারে না কোন রাস্প	১০-ছ'ব	40.	634	डेनार	00 (401)	+**	+
নিমর্পন উপস্থিত করেন না বেদন রাসুল স. (অল্লাহর অনুসতি ছারা)	৪০-মুমিল	95	944	আৰুদে আহোহন কক্তম যে কোন উপায়ে (কবিচয়া)	৩৮-সোমাদ	30	b
পরিদার্লা উপস্থিত না হওৱা পর্যন্ত সাধার ক্রমির নিজ্ঞানির নিশ্ববি না কর		95	905	অন্তর্গে অর্রেরণ করুক বে কোন কনাকে (কাক্টরা) ফলল (অক্ট্রায়ে নৈকটা দাতের উপর ভালশ করার নির্দেশ)	৫-মারিদা	30	
পিতৃপুরুষদের উপস্থিত করার দানি করে কাফির (আরাত পড়া আশ)	84-मध्रि	22	200	নৈকটা পাছের উপার ভাগাপ করে অনুমান করা ইলাহণণ	১৭-ইস্বা	00	
পিতৃপুরুষদেরকে উপস্থিত করার দাবী (কাফিয়নের)	৪৪-দুখান	06	300				
প্রতিপালকের নিকট নারিবছভাবে (উপস্থিত করা ব্রেণ)	72-5444	8tr	920	ব্যে করনে অস্তাহ (থালক প্রদাস সীরালকান না করনে)	৬৫-ডাগাৰু	3	34
প্ৰমাণ উপস্থিত কয়দেন মূসা আ. (ফির'আউলদের প্রতি)	৪৪-দুখান	72	900	বিশ্বরের (দেন নটা-পুরুষ-পিল বিশ্বর্যান্ড উপর দেই)	৪-নিলা	99	Q.
প্রমাণ উপস্থিত করার দাবি মুশরিকদের (রাসুলগণের কাছে)	১৪-ইবরারীম	30	698	উপায়-উপকরণ		+	+
প্রমাণ উপস্থিত করার নির্দেশ (বহু ইলাহ/উপান্য প্রানার)	২১-জবিদ্যা	2,8	462	নান (জুগকারনাইনকে)	79-कार्क	84	٩
প্রমাণ উপস্থিত করুক (কাফিয়নের গোপন শ্রোমা প্রসঙ্গ)	৫২-কুর	Cp.	902	উপার্জন (আরো দেখুন অর্জন শব্দটি)			L
প্রতিপালক উপস্থিত হবেন (কিয়ামতে)	৮৯-কাজ্ব	55	2055	আৰু শাহাৰের উপার্জন কাঞ্চে আর্শেন	777-MIGK	2	30
প্রতিপাদকের সামনে জানিমদেরকে উপস্থিত করা হলে	১১-জুপ	39-	993	দুর্ভোগ (বিভাগ বিকৃত করে সিবে উপার্বনের কারণে খালে)	২-বাকুারা	930	6
বনী ইসৱাইল উপস্থিত হওৱা (মৃতি পুৰুত জাতির নিবট)	৭-আন্তৰ	300	698	সন্দৰ্শ উপাৰ্জন হিছা হলে- অপ্ৰাহ, প্ৰকৃষ স: ও মিবান অপেকা	৯-ভারবা	₹8	4
অল ও মদ করে উপস্থিত দেখতে পানে প্রত্যেতেই (কিয়ামতে)	০-আলে ইনর	00	609	উপাসক		Т	Т
মারইরাম উপস্থিত বলেদ, সম্প্রদায়ের নিকট (উসাকে নিরে)	३५-मात्रदेशान	21	900	মুর্তির উপাসক হিপানে ইবর্ত্তীমের সম্প্রদানের বাপ-সামতে পাত্যা	২১-আধিরা	00	10

উপাসনা				উপুড়	-	_	_
অস্ত্রাহকে বদ দিয়ে বাদের উপাসল করা হব আরা জায়নুমের ইয়ন	২১-অধিয়া	20	926	অবসহলে উপুড় হরে পড়ে ধানা (ছানুদ সম্প্রবাহের শাস্তি গ্র:)	৭-জা'রাফ	95	620
আপ্তাহ জন্ত করে উপাসন যে আকংশর বিভিন্নর মালিক নয়	১৯-নাহল	90	905	আবাহুলে উপুত হয়ে পড়ে এইন (চ'আইন সম্প্রদায়ের ভূমিকশ্য প্রসাদ	্-জা,গ্ৰাক	202	943
जान्नाद यान अपन कारता উপाशना हम अम्महर्क ब्लाम हमडे	33-E(M)	93	968	অবালমুমিতে উপুড় হরে এইল ছায়ুন জাতি (বিকট শব্দে)	33-89	69	693
আন্নাহর পরিবর্তে জন্মের উপাসনা (সাবার রানী প্রসঙ্গ)	२१-मामण	80	poo	মদইয়ানবাদীর আবালনভূহে উপুদ্ধ হরে মইল (পান্তির ফলে)	<u> ১১-इ</u> न	38	698
আল্লাহ থাড়া অন্যের উপাসনা করতনা দুশরিকঃ (উর্বট যুক্তি)	১৬-বাহস	92	300	অসইয়ানবসীলো অধসায়লে উপুনু হয়ে পঢ়ে বাঞাপারি প্রসাল)	২৯-আনকাবৃত	09	233
ইংরাইমের শিকা/সম্প্রদারের মৃতির উপাসনা প্রদাস	59-0,884	30	1353		Ka-Minarda	01	230
				উপেক্ষা (আরো দেখুন এড়িয়ে চলা শদটি)		_	_
উপাসকর বানের উপাদন করত তানের সকলনে সমানত করা	२१-पृत्रकान	24	2010	অস্থাত পেশকরীদেরকে উপেকা করা (তাবুর বৃদ্ধ)	৯-ভাতৰা	25	620
অফিররা উপাদনা করে আল্লাহ ছাড়া অন্য কিছুর	२१-फूबरान	66	20.9	অজনেরতে উপেকা তরার নির্দেশ (রাসুদা স. কে)	৭-আ'থাক	799	60
জিনদের উপাসনা করত মুশবিকরা (ফেরেশভারা বলবে)	৩৪-সাৰা	82	₩88	অসার কথা খনলে উপেক্ষা করত পূর্ববর্তী ঈমাননাররা	২৮-কাসাস	65	9-74
ভাষ্টকের উপাসনা পরিহারকারী বান্দাদের জন্য সুসংবাদ	৩৯-মুমার	24	45	আরাত সময়ে অনর্থক কথার পিছদেরকে উপেক্ষার নির্দেশ	৬-আন্'আম	44	60
ভৈনী করা ইলাহনের উপাননা নম্পর্কে ইবরাইটমের প্রস্ন	৩৭-সাত্তাত	34	500	আহলে বিভাবদেরকে উপেক্ষা করার নির্দেশ	২-বাকুৰো	30%	62:
দেবদেবীয় উপাদনা থেকে ইবরাহীম আ, সম্পর্কহীদ	৪৩-মুখকফ	25	864	ইউসুফকে উপোধা করতে কলা অধীয় (প্রী ও ইউসুফের ঘটনাটি)	১২-ইউসুক	43	693
দেবৰাম উপাসন করতে নিকেং করেল লাগিব গৈ, তার জাভিকে	77- <b>2</b> ei	02	693	কথা (কুল্লপ্রানের বাবী উপেকা করে মানুষ)	৫৬-ওয়াকিয়াব্	2.7	38
मदान्य (अपन मदान्य विशासना करता प्रानुष (या मात्र द्वारक्षण निर्णाल सं)	১২-ইউসুফ	80	940	অভিযানবকে উপেকা করার নির্দেশ (স্নাসুল স. এর প্রতি)	७५-नास्त्रम	00	bre
শিতার উপাসনা সম্পর্কে ইবরাহীয় আ, ভাতে বলল	১৯-माबदेशम	84	900	অফিরসেরকে উপেফা করে চলার নির্দেশ (রাসুল স. কে)	৫১-বারিয়াড	28	841
শিতার উপাদনা সম্পর্কে জিল্লানা করদেন ইবরাহীয়	৫৭-সাতৃকাত	pe	5402	কাফিরসেরকে উপোকা করার জন্য বসুলের প্রতি নির্দেশ	৩৭-সাফফাত	296	700
পিতৃপুক্তৰ যাৱ উপাসনা করত সালিহ আ, কি আ নিৰেধ করেল।	33- <del>2</del> 4	64	693	কামির মুনাবিকানের সেরা বস্তু উপোকা করতে নবীতে নির্চাল	৩০-সাহ্যাব	80	20
শিওপুরুষরা থানের উপাসনা করত তা থেকে বিরভ	७८-गरा	80	784	কাফিরদেরকে বিস্কুলমন্ত উপেকা করার নির্দেশ (রানুল স. কে)	৩৭-সাহুফাত	298	200
শিন্তপুক্তমের উপান্যানের উপাননা থেকে বিরুত রাখা প্রনঙ্গ				লেকাট উপেক্ষা করার দির্ঘেশ (আর্থ্রীয়-সক্ষণ, ফলীয় ও)			
	১৪-ইবরারীম	20	698		३८-मृद	44	99
পিতৃপুরুষদের হত উপাসনা করে মুশরিকরা	३३-दून	709	692	নিদর্শন (প্রক্রিপাদকের নিদর্শন উপেক্ষা করতো কাবিবরা)	৩৬-ইয়াদীন	84	468
পিতৃপুক্ষানর উপাদানেরকে কর্মনের নির্দেশ (ফাইরান প্রদাস)	১১-बूम	৮৭	690	নিদর্শন উপেক্ষা করণ হিন্দরবাসীরা	১৫-হিন্দর	7.7	900
ফেরেশতাদের ইবানাত করত কিনা মুশবিকরা	৩৪-সাবা	80	₩88	নিদর্শন উপোক্ষা করে মানুদ তরে পাপ দিয়ে চলচল করে	১২-ইউসুফ	206	987
ক্ষেত্রেশতাদের উপাসনা সম্পর্কে মুশরিকদের উক্তি	৪৩-সুবঙ্গক	50	৮৯৭	পূর্ণগর্ভা উদ্রীকে উপেক্ষা করা হবে (কিরামতে)	৮১-ভাকজীর	8	200
বিপব্যামীলের উপাদন/উপাদ্যালের থেনং লেজ বলে(সাম্বিরারে)	২৬-৩'আরা	95	૧૪૨	বনী ইসরাইলের উপেন্ধা (আপ্লাহর নেরা অসীকার উপেন্ধা)	২-বাকুয়ো	6.0	400
বেবে নেশ্ব (যুঠির উপাদন সম্পর্কে ইব্যাহীয়ের সম্প্রনরের)	२७-छ वाबा	92	૧৯૨	বনী ইসাইগদেরকে মার্জনা ও উপেক্ষা করার নির্দেশ	৫-মারিদা	20	ev
মূপনিকর উপালের উপালন করে অপ্রাহর লৈকটার আশায়	৩৯-বুমার	0	693	বিহুখনেত্রক (অস্তাহর সভন থেকে বিহুখনেত্রক উপেক্ষা)	৫০-নান্ধম	23	300
ফুৰ্মাননা যানে উপানৰ কলে তাল বিপ্ৰক কলতে পাৰ্চেৰ,	৩৭-সাফ্যাত	262	5168	মন্দসমূহ উপেক্ষা করবেন জন্তাহ (সংকর্মনীল মুমিনদের)	৪১-আত্থাক	36	303
ফুর্মিকর বাসের উপালনা করে আনের সম্পর্কে সংগক্ত না করা	22-64	209	610	মহাসংবাদ (কিরাথড) উপেকা করে কাঞ্চিরগণ	Ob-CHIRIN	65	3730
দুশরিকর যাসের উপাসলা করে উংরাধীন আ, যাসের থেকে পুথক	১৯-মার্ট্রাম	8>	909	মুশরিকদের উপেকা রাসৃদ স, এর জন্য অসংনীয় হলে	৬-আন'আম	00	495
মুর্তির উপাদন (ইবরাইডের পিন্য/সংস্থারের মুর্তির উপাদন)	२७-७ जावा	47	933	মুপরিকাগর উপেক্ষা (সভ্য না জানার কারণে)	২১-আধিয়া	₹8	90:
মুৰ্তির উপাসনা প্রসঙ্গ (আল্লাহকে বাদ নিয়ে)	২৯-আনকাবৃত	29	239	মুপরিকলেয়কে উপেক্ষা করার নির্দেশ (রাসুদা স. এর প্রতি)	৬-আনু'আম	209	600
মূৰ্তির উপাসনা সম্পর্কে ইবরাইট্রমের সম্প্রদায়ের জেবে দেবা	59- <b>9</b> ,खांश	92	33%	মুশরিকদেরকে উপেক্ষা করার নির্দেশ (রাসুল স. এর প্রতি)	80-गृतकम	5.9	hol
भारताम देशांच्या क्यांच्य विद्यार काम देशांदीय जा. (निर्दाहर)	১৯-নাবইবান	88	707	মুশরিকদেরকে উপেক্ষা করার নির্দেশ (রানুগ স. কে)	30-fewa	38	900
	29-4145414	88	101	মুন্দির যতে উপেন্ধ করে অসুবাত পেশ করীদেরতে (ভাবুক)	৯-জাওবা	34	820
উপাসনালয় (ইছ্দিদের)		_		ফুৰ্মানৰ উপোন বল্ল কলুন সংগ্ৰেছিল সংগ্ৰামিক অসতে কলো	8-591	62	605
বিষয়ের (অল্লাহ প্রতিহতে না করলে ইয়নিয়ন্ত উপাসনালয় বিষয়ের হত)	২২-জন্ধ	80	952.				
উপাস্য (আরো দেখুন ইলাহ শব্দটি)				पुन्तविन्तरसा वेटाचा वदान पनि वातुन २. (जब तमन पनि क्यांच्)	৫-মারিলা	84	620
সাচরণ(উপাস্য/মৃতির সাথে ইবরাহীনের আচরণ)	২১-আধিয়া	62	928	দুনবিক্সেরকে উপেকা করও জন্য রাসুল স, এর প্রতি নির্দেশ	8-निज	60	0.00
অসম (ইনরবিমের সাল্পারের উপাস্থার্যানার সামে কৃত আচরণ)	২১-আখিরা	6.9	928	কুমফিবদেরকে উপেকা করতে পারেন রানুল ন. (বিমার প্রদান)	৫-মায়িদা	83	200
আদ সম্প্রদায়ের উপাস্থাদের অনিষ্ট ছবা হল আ, আক্রান্তঃ	22-gq	28	590	ৱাসুদ স. কে উপেকা করার নির্দেশ (কাফিরসেরকে)	৩২-সাজ্পা	00	3000
অপ্রের চাওয়া (মানুহের ইলাহ/উপাধ্যের কাছে)	১১৪-নাস	0	2000	রুত্ব স. কে উপেক্ষা করে ভ্রমনিকর (রুত্বা স. এর দিকে অন্যতে কালে)	৪-দিসা	69	696
রাহণ (উপাদ্যরূপে এহণ, আল্লাহ ব্যতীত অন্যকে)	২৫-জুরকান	0	952	রকুল স. এর (प্রশ্নবিদ্যানারক উপোন্ধা করতে রাসুল স. এর প্রতি নির্দেশ)	৪-দিসা	2.7	26
ভালা (অন্য উপাদ্যকে ভালা, আল্লাহর দায়েও)	२०-मुभिनन	229	990	ঝুলা স্টেশেনা করেন পূর্ববর্তী কিন্তব্যে চ্যোপন কর অনেক বিছু,	१-माकिना	24	600
ভাল (খন্য উপাদ্যদেশ্বকে ভালা কোন কালে আদেনি)		307	598	রী-সম্ভানের বিষয়ে উপোন্ধা করলে অস্তাহও ক্ষমালীল ও দরালু	৬৪-ভাগারুন	38	265
দুরে শরলে (উপাশতার থেকে দুরে শরলে, মরাবাদীলেরক)	३३-ऱ्न		960	যামীর পক্ষ থেকে স্ত্রীকে উপেকার আগরা	৪-শিশা	25%	290
	২৫-কুরকান	84		হিনাৰ/ক্ষৰাৰ্দিহিকে মানুষ উপেক্ষা কৰছে(বেগৰর হয়ে)	২১-আধিৰা	3	920
নিবৃত্ত (ভুল কি উপান্য থেকে নিবৃত্ত করতে এসেয়েন্য আন্তির গ্রাহ্র)	8 <b>७-जार्</b> शस	22	970	উপেক্ষাকরী			1
নূহ জা. সম্প্রদারের উপাস্যদেরকে পরিত্যাপ না করা রাসল	१)-मृद	20	36-6	মূৰ ফিয়ানো (উপেকা করে মূৰ ফিরিরে নিল কাভির ও)	৯-ডাওবা	90	685
পরিবরণ (মূপ্র খে, কর্তৃক বিদ্যাজন্তকর উপাদ্যানের পরিবরণ প্রদাদ)	৭-আ'রফে	253	950	বুৰ ভিত্তিৰে নিভ উপোধা কৰে যদি আপ্লাৰ কৰাতেন	৪-ভারণ। ৮-জানকাপ		
পরিবাদ (মূর ঝ. সংগ্রারের উপাদ্যসেরতে পরিবাপ না করা)	৭১-দূর	২০	346		*-4la4la	২০	908
পরিবাদ (বাদ সাংখ্যার ছান্তর কথার উপান্য পরিবাচ্যে বাদরত)	27- <u>A</u> st	40	690	\$#:		_	L.
পিতার উপাস্য সম্পর্কে ইবরাহীম আ, অন্যথারী	১৯-দারইরাদ	85	909	মাজ্য-পিতাকে 'উক' বলা নিষেধ	১৭-ইপ্রা	20	936
বহু ইলাহ/উপাস্য প্রহুণ (মুপঞ্জিক প্রসঙ্গ)	২১-আপ্রিয়া	₹8	903	<b>उ</b> न्ह			L
বাদানো (আল্লাহর লাথে অন্য উপাদ্য বাদানো নিষেধ)	৫১-ঘৰিয়াত	62	256	স্থিপ ও মানুষ উচয়ের দারা জাহান্নাম পূর্ব করা প্রদঙ্গ	৩২-সান্দা	٥٧	500
মুপরিকদের উপাসা উত্তম নাকি ঈসা (মুপরিকদের প্রশ্ন)	৪০-যুগক্ত	Q.br	300	মানুষ ও ক্লিব উচ্চের দায়া আহান্তাম পূর্ব করা নাসক	<b>०</b> २-नाम्मा	30	203
মুশবিকদের উপানা গ্রহণ প্রনঙ্গ	२५-व्यक्ति	52	103	<b>উম্</b> রাহ			m
রকা করতে অক্তম জন্য উপাসারা (নিয়াকে ও অন্যকে)	२५-व्यक्ति	80	920	আপ্তাবৰ ঘৰেৰ ভাষৱাহ পালন কথৰে যে	२-वाकृतस	200	623
নমালোচনা (উপাধ্যমের সমালোচনা/উল্লেখ লসক)	২১-আধিয়া		100	পূর্ব করা (জল্লাহর উদ্দেশ্যে উদ্বয়া পূর্ব করার নির্দেশ)	4-siètat	799	655
পারবার্টিশাসকের সাহায় করার আহবান ইবরাইকের মুর্ভিভাল প্রসাদ)	२५-वाश्रि	95		হলের আগে উমরার মাধ্যমে ভামারু	२-वाकृत्या २-वाकृत्या	296	455
		69/	928	Total Addit July stall	«Ass)	100	445

উপাসনা উগরাহ

ব্যস্তির ক্রিবর মান্ত্র উমতে (মারো দেখুন জাত/বংশ শব্দটি)	বুৱা বং গ্ৰহ	100	200	भूके - विस्त/धराष भागपुरुष्ट प्रमानिका (र विषय भूपरेत वेगत गाँ। धारे गाँग	मुझा ना श नाव. 80-परक्ष	**	
ক্ষেত্ৰ (আলে দেখুন জাত/বংশ শব্দাত) ক্ষুত্ৰকলক্ষ্মী উম্বন্ধ বান্ধনের দেৱা (ইংরাইটের বংশ থেকে)	২-বাকারা	249	678	শিক্তবাদের উপজ্বতার্থনির অনুসারী (সকল যুগের বিভবানর)	৪৩-বুৎক্রফ	20	200
প্রকৃত্যক্ষারক্স ওপর বন্যানর সেরা (হংগাহারের বল থেকে) প্রবান (উপরেক অফলনামর প্রতি আহবান করা হবে বিনামতে)	२-पद्धा ८८-सम्बद्धा		869	হ্রনার এর উবল ব্রেড করতেন (বর্ণ ব্যস্ত্রত ইয়া করতেন)	১৮-নাহল	30	93
		69	988	अध्यक्षति अविद्यात स्थल	২৩-মুমিন্ন	24	9
বাদতের দিরম প্রত্যেক উত্ততের জন্য নির্মারণ করা হয়েছে	২২-হাজ ৫-জালে ইমরান			शनुस्त तरे छेन्छ/वर्ग तकरे छेन्छ/वर्ग	২১-আধিয়া	34	9
প্রিম উপত মুমিনগণ (মানবন্ধাতির কল্যনের জন্য)			086 h/bhr	উথত (ধর্মীয় গোষ্ঠী)	4,2-41112	100	۲
ধ্বে উপত (সভা প্রত্যাধ্যানে)হওয়ার আগবা না থাকলে	80-वेस्क्र			কমত (প্রথার গোচা) কার্ম্ব (প্রয়োক উম্মানের ব্যহ্ম নিমা কারতে পোচনীয় করা হসেছে)	৬-জান'জাম	20%	10
০০ (মানুদ একই উম্মত)	২-বাকুরা		<b>238</b>		લ-ભાન ભાગ	209	10
কে উদ্ধন বানতে পায়তেন মনুম্বক (প্রতিপালক ইয়ে করলে)	22- <u>€</u> ∉	773-	696	উর্থী (আরো দেখুন নিরন্ধর শব্দটি)			1
কে উপত (মাপ্তাহ ইয়ে) কয়েল মানুবকে এক উপকালুক করতেন)	৪২-শ্রা	¥	392	নবী (ক্সক্ৰী/নিক্ষের নবী মুহাস্থানের অনুসরণভাৱী নফল)	৭-জা রাফ	764	
০০ উন্মত করতে পারতেন আল্লাহ ইক্সা করলে	৫-মধিদা	85	446	নবী (উন্দী/নিরক্ষর নবীর প্রতি ঈয়ান জানার নির্দেশ)	৭-জা'রাফ	764	
ৰ্ণিয়ে আনতে পথনে না কোন উন্মন্ত (তার নির্নিষ্ট সময়)	২০-মুমিন্ন	80	965	রাসৃদ পঠামে (নিরন্ধরনের মধ্য থেকে একজনকে)	७२-ब्रुपु जा	2	a
ঃপিয়ে আনতে পাৰে না কোন জাতি তাব ঋণ্যেনর সময়	১৫-হিম্মর	2	460	উদ্বল কিতাব			L
মাফির উত্মতদের জন্য জীবনোপভোগের সুযোগ	३३-वृत	8b	990	কুরজন উপুল কিবাবে রক্ষিত (আল্লাহর নিকট)	৪০-বৃৎক্ষ	8	1
প্রিয়ার (পূর্বের অনেক উক্তর ক্ষমিয়ের হংগার কথা নতা ব্যাহিল)	৪১-কুন্নিলাত	2.0	999	উদ্দেশ করা (অনপদের মা)			Т
গত হওয়া উন্মত (ইবরাহীম/ইসমাঈল/ইয়াকুব আ, প্রসক)	২-বাকুরো	787	249	সকৰ্ব কৰা (কুৰামণ কৰা উপ্পা কুৱা ও কাৰ পাশ্ববৰ্তীকাৰ সকৰ্ব কৰা)	৬-জন আম	34	1
ত হরেছে বছ উত্থত (রাসুল স. এর উত্যতের পূর্বে)	১০-রাদ	00	693	विश्वास		-	t
গত হয়ে যাওৱা উপতের জর্মন প্রসঙ্গ	२-सङ्ग्रा	208	676	বংশাস্থ্য সংগ্র রাজ্য পারের নশা পর্যন উল্লেচনপ্রসাদকে নশাস্থ্য (তবে)	২৭-নামশ	88	1
ক্লন ও মানবের মধ্যে যে দব উক্ষত অতীত হরেছে	৪৬-আহকাক	201	303		4.20-014-0	00	+
কাভিয়ামতের দিন প্রত্যাত উত্তর থেকে একটি লশ সমলেত করা)	২৭-নামল	50	804	উম্পেটিত		<b>⊢</b>	1
বিজ্ঞান প্রত্যুক্ত ভিত্মত কিয়ামতে নকজানু অবস্থার থাকবে)	80-सक्ति	37	204	কবর উন্নেচিত করা হবে (কিয়ানতে)	৮২-ইনফিজার	8	12
নির্মন্ত আছে (প্রত্যেক উপতের)	১০-ইউনুস	83	669	<b>ड</b> र्ब		Ь.	1
গাসর সময় তাহে (একোড কমকের) নিয়ম নির্মানাহোত্যের উদ্বাহর জন্ম কুরবানীর নিয়ম নির্বাহন করা)	55-100	68	965	'ব্যক্ত' ও 'উহয়' সম্পর্কে তেবে দেখার জাহ্বান	৫৩-নাজম	39	I
	१-वाश्वर	08	920	डेगरेंद			T
নির্দিষ্ট সময় বরেছে প্রত্যেক উপতের				অভারর পত্র উথাইর আ. (ইরপীরা বলে)	৯-জাওবা	00	Ť.
্বের উপত পাঞ্চাও করতে চেরেছিশ নৃহতে	৪০-মুখিদ	¢	৮৭৮	ক্ষর হত্তর (পুনর্মীকা নান প্রদাস উব্যৱহারে কাছে ক্ষরী হওয়া)	২-বাকুলো	200	,T
নুহের উপত্তসমূহের উপর সালাম ও বরকত	77-ईल	8tr	৬৭০	উময়-পামট			+
প্ৰভাৱে (পূৰ্ববৰ্তী উপজ্জেখনে অভাৰ-জনলৈ নিয়া পৰুৱাও)	৬-অর্কাম	83	669	सक्र जिले. नानो (इन्हान, दश सक्ष छेनोंद्र-नानों यदा निर्द्याला कराई)	h-127 (197)	87	t
পূৰ্ববৰ্তী উম্মন্তবাও রাস্ক স. কে নিখ্যাৰানী বলেছিল	২৯-আনবাবৃত	29.	276	कार अन्य-जन्म (क्षून न द्वा स्था कार-जन्म स्थानकार स्थानकार स्थान कार अन्य-जनमें शहर यहर हारिन हानिना कर कहा कहा	28-75	09	t
প্রবন্ধনা করার জন্য উদ্ভৱের শপথের অপব্যবহার প্রসঙ্গ	১৬-শাহল	343	930	क्षित व्याप्त (मिर्टर्न मार्ग्स व्यक्तिहा)	40-7x	-	+
নিচক করা (মুদার সংগ্রেপরকে বর্ত্তী শেয়ের একেনটি উদ্ধার নিচক করা)	৭-আ'রাক	7,90	653		_	-	4
পুরি (এক উপর অন্য উপর থেকে বৃদ্ধিপ্রাক্ত হওয়া, শলার ভাল প্রালার)	১৬-নাহ্দ	24	930	অনুগত্য (উনুদ আমরের অনুগত্য ধরার নির্দেশ)	8-निमा	¢h	1
মধ্যপত্নী উদ্দত বানিরেছেন আল্লাহ মুমিননেরকে	২-ৰাকুৰো	780	67.0	উপুল আমর (নেতৃবর্গ)			1
মধ্যপত্নী উপ্তত ব্যৱহার আহলে কিবাবলের মধ্যে	৫-মাছিলা	66	¢yb	গোচরীভূত করা, উলুল আমরের (নিরাগন্তা/ ভীতির সংবাদ)	8-শিঙ্গা	300	1
যানম ও জিনের মধ্যে যে লব উপতে অভীত হরেছে	৪৬-আহ্বাফ	35	303	উল্লাসিত (আরো দেখুন আনন্দিত শব্দটি)		Г	T
মিশাঝনী বলেহে জড়ীতের সংল উত্তর (ডানের রানুল স. কে)	২০-মুখিনুদ	88	960	অধিয়তে অধিয়ানীর উল্লেখিত হয় (মন্য উপাদের উল্লেখ করা হল)	৩৯-যুমার	82	T
রালা পরিচন (আল্লাহ প্রকোক উদ্মানের মতে রাকা পারীরেছেন)	১৬-দাহপ	96	906	দুনিয়ার জীবন নিয়ে উচ্চলিত মানুখ	১৩-রা'দ	২১	1
য়ালা ল, বে এমন উচ্ছতের নিবট প্রেকা কর পূর্বে বছ উপার গত	১০-বাদ	00	692	লহার অধিবাদীর উল্লেখিক হল উপস্থিত হল (পূতের করে)	30-S#3	99	T
থকা প্রেরু (পূর্ববর্তী উদ্ধ্যের বাড়ে বাক্রা প্রাক্তা ও শরতান প্রদেশ)	১৬-নাকশ	60	9,00	উল্লাস (দেশ্বন আনন্দ শব্দটি)		1	†
রাসুল প্রেরণ (প্রত্যেক উদ্দরের জন্য রাসুল প্রেরণ প্রসঙ্গ)	১০-ইউনস	89	629	State		-	+
সঠিক পঞ্জাৰ উত্তৰ হওৱাৰ পপথ দৰ্শনিকলেৰ (সৰ চেৱে)	००-महिन	83	960	ভঞ্জেব জন উপাসের উল্লেখ কর হল অধিয়তে অধিয়ানীর উল্লেশিত হয়	৩৯-বৃদার	80	+
সভাইকারী (সভাল উচ্ছতের মধ্যে সভাইকারী প্রেলিভ উল্লেক্ত)	००-वर्गन्त	28	>87	জন্য চপালের অক্সম কর হলে আধরতে অবস্থানার অনুনাত ব্য অক্সিট্রের কর উল্লেখ করর নির্দেশ বিক্রমণ আক্সার রাপুল স, তে	৩৮-সেরাদ	83	
স্বাকী (উত্তর প্রেক সান্ধী ট্রাসে বর করকে সাঞ্জার)	২৮-কানাস	98	728		৩৮-মের ৩৯-মমর		
সাকা (ভাৰত তেকে সাক্ষা চেনে নের করকেন আছাছ) সাকী (বিষয়ত উক্ষতের নিজেনের মধ্য যেকে সাকী উবিত হবে)	১৬-নাংশ	10	930	অপ্নাম উল্লেখ করা হল অধিবাতে অধিবাসীর ফল সমূচিত বা		84	
	১৬-শহর ১৬-শহর	V8	930	আপ্লাহর নাম উল্লেখ (শিকারী প্রাণির শিকার জবেহ কালে)	৫-মারিলা	8	1
নাৰ্কী (কিয়ামতে এতেত উপত বেচৰ সাকী উৰিত কৰা হবে)	১৬-নাহ্শ ৪-নিসা	82	920	ইউসুক্ষের কথা উল্লেখ করতে তুলিয়ে নিশ শাংকন (মূক বাভিকে)	১২-ইউবুক	82	
সাকী (প্ৰজেক উপৰ থেকে একজন করে সাকী নিয়ে আল হবে)	8-(44)	82	6.95	ইনৱিল আ.এর কবা কিতাবে উল্লেখ করার নির্দেশ	३७-मात्रदेशाः	6.0	
উম্মন্ত (ধর্মাদর্শ)		L-	_	ইংগ্ৰেইম আ.এর কৰা কিআৰে উল্লেখ করার নির্দেশ	১৯-মারইরাম	82	
একতুবাদী (ইবৱাহীম আ, একতুবাদী উত্তর/ধর্মানর্শ ছিল)	১৬-শব্দ	250	930	ইসমাজৰ আ,এর কথা কিচাবে উল্লেখ করার নির্দেশ	১৯-মারইরাম	28	1
উমাত (জাতি)				ইসমাইল, আলইয়াসাঁ আ, ৬ মুলকিফলকে উল্লেখ করার	৩৮-দোৱান	831	I
কিরণশীদ লীব ও পখিরাও এক একটি উশ্বত বা লাভি	৬-জন জাম	40	459	নিৰ্দেশ ৱানুল স.কে		1	_1
উত্থত (দল)				ইর্নেদের জন্য হারাম বছর উল্লেখ প্রসং	১৮-নাহ্ব	222	
বাঙলে ভিতাৰদের একটি দল সভোর উপরে নাডিরে আছে	৩-জালে ইমরা-	1330	489	প্রতিপালকের (রানুল স, ফল্স একক প্রতিপালকের উল্লেখ করেন)	১৭-ইস্বা	86	
न्थ तन्त्रात्व (दक्कि केन्नर मत बता नथ तन्त्रात्वानात्र निवाद करते)	৭-জ'রফ		693	বিজ্ঞা উল্লেখ না করা পর্যন্ত বিজিয়তে প্রপ্ন করতে পারবে না মূপা	79-5124	90	1
বনী ইসরাইলের একটি উম্বত/দলের বলা (উপদেশ প্রসঙ্গ)	9-80'819	358	697	মাছের কথা উল্লেখ করতে ভূগে গিয়েছিল মুদার খাদেম	29-4464	00	1
विश्वक कर्ता (क्री डेम्स्स्मिन्ड व्ह डेक्स/बार विश्वक कर्ता रहा)	१-छ।'शक	366		মানুহের কথা উল্লেখ ব্যাহে কিতাবে/কুরমানে	২১-অধিয়া	30	
মহিলাসর মধ্যে একটি উত্তর থাকা উচিত বার	৩-জালে ইমরা			হারইরাম আ.এর কথা কিতাবে উল্লেখ করার নির্দেশ	১৯-मातदेशम	26	
মূলকালের বাংগ একটা ভাষত থাকে বাচত থাকা মূলর সম্প্রদারের একটি উচ্চতের সত্য স্করা শব সেবালা/নার্রাকিটার	१-वा'राक	769		হস আ এর কথা কিডাবে উল্লেখ করার নির্দেশ	১৯-মারইরাম	62	
ফুরে সম্প্রের একচ ভব্কের সত্য ধরা স্ব সেবসে(নরসাম। উদ্যন্ত (ধর্ম)	2-41.814	269	1001	प्रीत्म केवाभिनी अपन मार्ट्स प्रतुका वेक्टम १४ पहुर तम्	२३-वाश्त्रि	200	
		1.	1	मुक्ता विद्वार (करवीर्थ जुदार)	8५-प्रशंकान	30	
asi विकात/शर्म (अंडे विकात/शर्म अवटे विकात/शर्म)	२५-वास्त्रि	3-3	925	়। যুচ্ছার ডল্লেব (অবতাপ প্রার্থ)		1 40	- 1

বিষয়/বসম	न्त्र के व मान	2.10	120	नव विद्यातिक	· 技术 9 40		42
उद्यक्ष (पृथ्वित्रेश (बदक)		-	-	শরীক থেকে আপ্রাহ উপ্পে ও পরিত্র	৩৯-বুমার	৬৭	
শব্দে মুখ্যুবন উল্লেখন পর যনুরে লেখা (যদীলের উর্জেখনারী প্রকাং	২১-আধিয়া	205		শরীক খেকে জান্তাহ উর্চ্চে (মানুষের শিহক প্রসঙ্গ)	১৬-নার্গ	١ ،	90
দের (কিয়ামতের) উল্লেখ করার কেউ নন রাস্ল	৭৯-দাবি আত	80	2006	শরীক থেকে উর্দ্ধে ও পবিত্র আল্লাহ	২৮-কাসাস	èbr	77
ন্দ্রেত করা (রাসুল ন, এর উল্লেখকে আল্লাব সমূত্রত করেছেন)	১৪-ইন্শিরাহ	8	2029	উর্ম্পানী			
ন আ.কে (আন সম্প্রানায়ের ভাই বুনের কথা উল্লেখ)	৪৬-আহ্কাক	52	970	ফেরেশতা ও জিবরাইল উর্জাগামী হর (আল্লাহর নিকে)	१०-मा जाडिक	8	34
ক্লেথ (আলোচনা)		L.		উপ্তাহণত			$\top$
হমন এর উল্লেখ/আলোচনার অধিধাসী (কাঞ্চিররা)	২১-আধিয়া	95	922	বাদানুবাদ (আসম আ, সৃষ্টি নিয়ে উৰ্ম্বঞ্চদতে বাদানুবাদ)	৩৮-শেরস	65	be
ল্পেব(বাগ্য				Gefxभी		1	Ť
নুৰ উল্লেখনোগ কিছু ছিল না এমন সময় কি অভিবাহিত হয়েছে?	৭৬-দাব্য	3	266	কাফিরসের মাথা উধ্বয়েখী থাকবে (বেড়ি পরানোর ফলে)	৩৬-ইরাসীন	h	64
ব্ৰেথ (সমালোচনা)				মাপ (থেডি পরনোর ফল কমিবচনর মাপা উর্ধায়নী থাকরে)	०%-इंडाजीम	br	64
পান্যদের সমাকোচনা/উল্লেখ (রাসূল ন, প্রসঙ্গ)	২১-জাধিয়া	তড	902	উষা (দেখন ভোর পঞ্চী)	40-(81-11-1	-	+,
র্ভর উল্লেখনের সামার্য ইংরাহীর আ, কর্তৃক মুখ্রির সমান্ত্রাচন প্রসঞ্চ	२५-जारिया	60	908	Gवा (कक्क्ष)	-	-	+
में एव			-	কণ (কল্প) কলম উৰ্বন (কল্পন্তের)		_	$\perp$
বাসমুদ্দিকে উল্ডিয়ে নিকেল (লুভ সম্প্রদায়ের)	৫৩-নাৰ্ম	do	3000		४७-व्यंब्द	7	30
প (সমূহতরে মুক্তিত ব্যক্তির মত হেগে উপিয়ে মুপর্কিক ভারার)	৩৯-অহ্যব	25	br08	ব্দীৰ (আরো দেখুন কর্জ শব্দটি)			
Picu (Hall		-		নিৰ্মান্ত পৰ্যন্ত কৰা কেনকেন কৰুল আলিহে বাৰাৱ বিধান	২-বাক্সরা	272	40
পদ উল্টিরে দিলেন আল্লাহ (লৃত সম্প্রদারের জনপদ)	So-fees	98	902	ভার (কণভারে অঞ্চলিত মিখ্যা অভিভিত্তকারীরা। )	५৮-दुरमाम	85	39
লদ উন্টিয়ে দেয়া হল, অস্ক্রাহর নির্চাশ আসলে (পুরের জ্বলেন)	३३-दन	5-3	490	মৃত ব্যক্তির কথ পরিশোধের পর সম্পদ বন্টন করা হবে	8-निमा	75	00
পাচারের করণে উপ্তে সেরা জনপদ ধ্বপ্রে প্রসঙ্গ	१%-दाबाद १४-५ग	9	946	মৃত ব্যক্তির কম পরিশোধের পর সম্পদ বন্টন করা হবে	8,निम	27	44
प्रथम जाकरन डिट्में रनवा दूत काथिवरनव	০০-অহমাৰ	86	940	alder	weeted	-"	40
বাদ (উপেট সেৱা জনপদবালীলের সংবাদ আমেনি ভিং)	১-তাধ্যা	30	889	যাকাত ক্ষণান্ত ব্যক্তির জন্য	৯.বাধবা	60	68
শ্ব (হক/কসলের যাকাত)	8-01011	100	00.1	श्रव असीका	2-91041	90	68
ना (२०) पन्नाजा पापर्क । म नराइड मिन डेन्ड्रपन्नाच दर्भ पन्नाच स्वरूटकार विर्मान	৬-আন'আম	787			-		
The second secon	છ-લાનું લાલ	282	970	বসাহল ক্ষ্যায়ীথকে অবলন দান (দছলয়ে না আগ পঞ্জি)	২-বাকুৰো	२४०	20
ছ। ছাহর উঠী এক নিদর্শন (ছামদ জাতির জন্ম)		_		পথের ভার			
চাংর ৩ব্রা এক ললখন (ছামুদ জাতের জন্য) দুদ জাতির প্রতি পরীক্ষাস্থরূপ উটনী প্রেরণ	৭-আ'রাফ	90	699	ন্মান্ত্রিত (প্রসূপ স. কিঞ্জিনান চান যে কবিব কণজন্তে নাম্বরিত ভাগে)	৫২-ভূব	80	80
ধূপ জ্বাতর প্রাক্ত পরাক্ষাসক্রপ ভালা প্রেরণ পদ (স্বযুদ জাতির জল জ্বারার দিনর্শনস্বরণ উরী প্রেরণ)	०८-व्यास	રવ	300	কতু:প্ৰাব (দেপুন মাসিক শব্দটি)	1		Т
न्त (क्ष्मून कारन क्ल अक्कारन म्हननरवण रहा (द्वरूप) र्गन (क्ष्मी निवर्गन, बायन कारित क्ला)	<u> </u>	68	947	বক			Т
শান (ডব্ৰ) দেশশান, ছামুল জ্ঞাতৰ জন্য) নি পান (উট্লির পানি পানের বিষয়ে হায়ন জ্ঞাতিকে সভৰ্ত করা)	১৭-ইস্রা	62	47.2	অস্তাহ (পাত্তি দেখার পর এক আস্তাহর প্রতি ঈয়ান)	80-म मिन	78	УЪ
ণ পান (ডালোর পানে পানের সংবার ছায়ুল জ্ঞানতক সভক করা) শহরের উল্লীয় পানি পান প্রসঙ্গ (নিনর্শনসঞ্জপ)	১১-শাহ্স	70	3058	অক্সাহ (কিরামতে এক অক্সাহর রাজতু)	80-मुँभिन	1/6	6-4
ক্ষরের উদ্ধার পানে পান প্রসন্ধ (দিনশনগঞ্জপ) না (ছামুদ জাতি কর্মক উদ্ধীকে হতনা করা প্রসাস)	২৬-৩'আরা	764	૧৯৬	অস্ত্রাহ এক ও মহাপরাক্রমশালী	১৪-উপৰাধীম	87	63
	न-खा,बाक	99	650	আল্লাহ এক ও পরাক্রমণালী বিনি সম্ভান প্রহণ থেকে পবিত্র	०५-पमान	8	b-1
া (আ্লাহ্বে নিদর্শনস্বরূপ প্রেরিত উদ্ধী হত্যা প্রসঙ্গ) চতা (শীত নিধারক উপকরণ)	77-ईंस	60	693	व्यक्षरं तक	৩৮-সেয়াদ	162	brit
			ш	पाद्यार तक	১৩-রাদ	3/6	60
নি পক্ষক মানুমের জন্য শীত নিয়ারক উপকল্প(উদ্ধান্ত আছে	১৬-নাগ্দ	¢	900	আপ্লাহ (এক আপ্লাহ উন্নয় না কি বিভিন্ন প্ৰতিপালকঃ)	১২-ইউস্ফ	60	86
ধনি সেয়া				আল্লাহ (এক আল্লাহ্যক থকা হলে অবিশ্বাস করত কাহিবলা)	৪০-মুখিন	34	279
ভাগ উন্ধানি দেয় কাফিয়দেরকে (মন্দ কারে)	১৯-মারইরাম	510	965	অক্সহ (এক অক্সহতে ইনান না তান পর্যন্ত পার্যন্ত ইংরাজীয় তা, ব)	৬০-সমতাহিনা	8	30
(বিরঞ্জি)				পাল্লাহ (এক পাল্লাহর ইবাদকের উদ্দেশ্যে হল আ. এসেকেন)	1-00,000	30	63
ডা-মাভার প্রতি 'উহ' বলে বিরক্তি প্রকাশ কাকিরের!				আল্লাই এক (আল্লাহর একত্ববাসের (ধারণা)	332- <b>34</b> FFF	3	Spe
বালের আহ্বান প্রসঙ্গ)	৪৬-আব্ৰাফ	28	202	অস্ক্রাহ (এক অস্ক্রাহর করা করা হলে মূলর সম্বর্ধিত হয় যানের)	৩৯-যুমার	80	69
मगुष्				हेमार (अने हेमारच देवाभारत क्या व्यक्ति हिम गर्दरशिक्त)	a-Steet	47	68
মক্রতি সাত্যে পরিশত করেছিলেন আল্লাহ (উক্তন বুজে)	৩-আলে ইমরান	102	660	ইলাহ (মানুদের ইলাহ আপ্রাহট একমাত্র ইলাহ)	२५-वाश्वि	305	98
क्रिक्ट्रनद जदश देवन वटक	৩-আলে ইমরান	768	000	ইপাহ (মানুষের ইপাহ এক ইপাহ)	২-বাকার	200	42
per	- 400 (400)	240	-40	ইলাহ (ইরাকুবের সস্তান কর্তৃক এক ইলাহের ইবানত)	২-বাকার	200	23
				ইলাহ (উমতে মুহামানী ও আহলে কিবাবের ইলার এক)	23-MH444		23
বেশকা (উনিশ জন ফেবেশতা সাকারের দারিতে বরেছে)	৭৪-মুদাছছির	00	486	ইলাহ (এক ইলাহ হান্তা কোন ইলাহ নেই)	৫-মারিলা - ব্যারিলা	90	95
র্ব/উর্ফো (আরো দেখুন উপর শব্দটি)				देशाद (प्राष्ट्राद अक्साय देशाद)	28-1989	22	90
রহ (মুশরিকর যা শরীক করে অক্সাহ তা হতে অসক উচ্চার্য)	২৭-মাহল	60	504	हेमार (जाहार अकरात देगार)	৬-জান'জাম	28	69
াহ পরীক থেকে উথের্ব (পুত্র-কন্যা না থাকা প্রসঙ্গ)	৬-জান'আম	200	909	हेमार (पाहारों तक रेमार)	১৪-ইবরাহীম	20	63
ার অনেক উপ্লে (ভারা যা শরীক করে ভা বেকে)	৭-আগ্রেক	200	(100	ইশাই (আল্লাইই একমার ইলাহ, ডাকেই ভার করার নির্চেশ)	30-218M	67	90
াৰ অনেক উপ্লে (পৰীক থেকে)	২০-মুমিশ্ৰ	34	993	हेमार (पाहार अभ्यात हेमार)	7A-466.0	330	90
হাই উপ্পে (মানুষ বা বলে আ বেকে)	১৭-ইসরা ১৭-ইসরা	80	939	हेनार (पाप्टर वाक्सा स्नार) हेनार (मानूराव हेनार पाष्ट्रार वाक हेनार)	55-50at 75-4056	330	90
হুই উর্যো ও পরিত্র (মনুষ থ পরিক করে থা (ছুকে)	১৬-বারণ	2	900	रेनार (यह रेनार्क एक रेनार गांगांच वाकर्य गांनांड)	৩৮-সোৱাদ	08	70
ार केटर्का (मानुव वा नवीक करत का (क्टक)	১৬-নাহল	9	900	তিমত/ধর্ম(মানুষের এই উমত/ধর্ম একট উম্মত/ধর্ম)	২১-আধিবা	3-2	10
হুহ উপ্লে (পরীক থেকে)	००-कम		100	উপত (এক উপত করতে পারতেন আহার ইয়ের করলে)	२3-का <b>प</b> वा १-भक्तिम		95
হব পরীক বেকে উপ্রের (মপরিকরা বা পরীক করে)	১০-ইউনুস		5-22 5-20	উপর (এক উপর বাবতে পার্তেন মানুহকে, প্রতিপ্রক:)		87	
ত(উর্থাঞ্জপতের কিছুই প্রবর্গ করতে পারে না সহতান)	১০-বডনুস ৩৭-সাফফাত			ত্বত (গত প্ৰথত কৰতে শ্বতেল মনুক্ত, প্ৰাহণকৰ) ত্বত (গত প্ৰয়োধানে এক উথক হৰৱ জনৱা ন ধাৰকে)	77-dei		69
তে (জিবরাইলকে উর্থা দিখনে দেবেছিলেন রামল)			100	উমত (মানুধ একচিয়াত্র উম্বত)	৪৩-বৃধক্রফ		by
তে (কাংবাদশকে ওবা সগতে দেখাছলেন ত্রানৃশ্) ল (অতিপাদকে মর্যান উথো, উ/সভান গ্রহণ না করা প্রসঙ্গ)	৫০-নাৰ্দ্বম		204	ত্বত (মানুধ একট উত্তর) তথ্যত (মানুধ একচমায় তথ্যত)	২৩-মুমিনুন	45	980
	१३-ब्रिम	0	846		২-বাকুরো	230	228

नव ।स्वर/यनव	48.83.64		EE:	And the second second		besty	R He
भीक (पूर्व पृक्षेत (मारक)				ইবরাহীন জা, একজুবাদী ছিলেন	০-আলে ইমরান		<b>¢8¢</b>
উপান (অপ্নাত ইয়ে কংলে মানুহাকে এক উপায়নুক কংগ্ৰেল)	82-48	1	297	ইংবাহীন জ. একভূবাদী ভূপদিন ছিপেন	০-জালে ইমরান	69	484
क्षेत्रत ( <b>प्रा</b> क्षत विका कदान शक्तादक तक वितासक कदारात)	১৬-নাবল	30	933	ইন্মাইন জ. একচুৰান হতে জন্তাহন দিকে চেহার ছিবলে প্রদান	৬-জানু আম	930	900
ছাতি (মানুষ এক ছাতিক্ত ছিল মতপাৰ্থকোর পর্ব পর্বছ)	১০-ইউন্স	29	626	উখত/আপর্ব(ইংরাইন আ. একচুবানী উখত/আপর্ব হিল)	29-sidel	250	930
ধাঞ্জাবিকামতে এক ধাঞ্জার বামীন ও পর্বভক্তে সমানল করা হবে)	55-STRTS	28	৯৭৮	ছিলের ক্ষয় একফুবালী হয়ে গ্রহারকে হাপন করার নির্দেশ	৩০-জন	00	b-38
পুনি (একই পুনি ছেকে সিধিত হয় ভিন্ন ভিন্ন বাগান ও পদক্ষেত্ৰ)	২০-রাম	8	99.5	রাসুদ স. কে একদুখালী ছবে ইংরোইনের আপর্ণ অনুসরণের নির্দেশ	১৬-নার্শ	250	470
প্রাণ (একটি প্রাণ/আদম আ, থেকে আপ্রাহ মানুহ সৃষ্টি করেছেন)	৩৯-বুমার	6	593	রাদৃদ দ. কে একত্ববাদী হরে দীনে নিবিট হওয়ার নির্দেশ	১০-ইউনুস	706	998
প্রতিপালক (একক প্রতিপালকের উল্লেখ করেন করন বালুল,)	১৭-ইসরা	86	935	একব্রিত			
বিভট শব্দের অপেকা করছে যারা মিধ্যাবাদী বলেছে	db-(সারাদ	34	P66	निवास्तरका भिन दक्षरिक क्या शुर (शिरमा संभाग्न विश्वा)	০-জালে ইমরান	26	400
বিভট শব্দের অপেকা করছে কাফিররা (কিরামত প্রদক্ষ)	৩৮-ইরাসীন	83	H48	জীবজন্ত ও আকাশ-পৃথিবীকে একটোকরণে আল্লাহ সক্ষম	৪২-পুরা	579	790
বিকট শহদর পর উপস্থিত করা হলে সরাইকে অক্সাহর নিকট	৩৬-ইয়াদীন	20	100	পূর্ববর্তী ও পরবর্তীদেরকে একটিক করা হবে (বিস্তামতে)	৫৬-ওয়বিবার্	20	986
বিবট শব্দ (পনক্ষমান একটি বিকট শব্দ)	৩৭-সাক্কান	25	be9	বনাপচতে একপ্রিত করা হবে (কিয়ামতে)	৮১-ভাকতীর	e	2000
বিকট শব্দ (পুনক্তখন এক বিকট শব্দের ব্যাপার মাত্র)	৭৯-নাবি আড		2000	মানুৰ ও শ্বতান্দেহকে প্ৰতিশালক একপ্ৰিত কহবেন	১৯-মারইয়াম	96	907
বিকট পথে নিয়ন্ত নিয়ন্ত হয়ে গোপ, কাফির জনপদধাসী	৩৬-ইয়াসীন	33	1000	মানুহকে একজিত করার দিদ অধিয়াত	১১-জ্প	200	990
ব্যক্তি (সকল মানুহারে সৃত্তী/পুনরাখন এক ব্যক্তিন সৃত্তী মতই)	৩১-পুকমান	237	2.59	মানুবকে একলিত করা হবে যে দিশ (বিবাহত প্রদক্ত)	৬৪-ডাগার্গ	8	200
ব্যক্তি (এক ব্যক্তি বেলে মানুষ সৃষ্টি)	े-आ,शक ०%-र्जन्ता	20.9	900	प्रीरिश्वीका अस्तित शुगत असी प्रक्षित सी कहत शहर म	22-274	90	900
ব্যক্তি (এক ব্যক্তি থেকে মানুধ সৃষ্টি করা প্রসঙ্গ)	৬-আল'আম	30.0	900	শাকৈ দুশনিক সংক্ষাক অক্সাহ একটিত কাকে৷ (কিয়ামতে)	১০-ইউন্স	37	663
মনুব (একক্ষন মনুদ্ধক অনুসরণ করতে ছবুন জাতির আপতি)	৫৪-কামার	38	200	444	30-442-1		· ·
मानुद्रव देनार अर्थ देनार	83-কুন্নিমাত	6	996	জায়ন একত হয়ে পরবর্তী লগ পূর্ববর্তী দলর বাপারে বলবে,	৭-আ'রাড		
यद क्या	93-Xdistrate	10	990			Ob-	636
	a Chen			জাল্লাহ সকলকে একন করবেন (কিয়ামতে)	৪২-শ্রা	26	324
বংশ (মৃতের এক কন্যা থাকলে সম্পলের অর্থেক গাবে)	8-मित्रह	22	663	বিয়ামতের দিন একর করা হবে (সকলকে)	৪-নিদা	৮৭	207
একছের অধিপতি		_	$\vdash$	কিয়ামকের দিল আল্লাহ গবাইকে একর করবেদ	৬-আন্'আম	25	693
অন্তাহ হার বালাদের উপর একছেত্র অধিপতি	৬-আন্তাম	62	609	স্থানুকরদের নির্দিষ্ট দিনে নির্ধারিত সময়ে একত করা হব	২৬-৩'আরা	400	9ho
একজন				ভাষাপ্রামে একত্র করবেদ অক্সাহ (কাফির ও মুনাফিকদের)	8-নিদা	780	2%
देलार वक्कनर	৩৭-সাক্কাড	8	৮৫৭	লি (কুরবানে মধ্যমে 'এবর হওরর লি' সম্পর্কে সকর্মীকরা)	৪২-শ্রা	٩	297
কবিবরা একজন করে দাড়িয়ে চিন্তা করবে	৫৪-সাবা	86	784	প্রতিশাসক একত করকেন মুদিন ও মুপরিকলেনকে	৩৪-সাবা	26	780
দুই বুবকের একজন দল্লে দেখল যে, লে মন নিংট্টাছে	১২-ইউনুফ	06	6bro	দিরঅভিন লোকসেরকে একর করণ (মৃশার বিলছে)	৭৯-নামি'আত	20	\$008
নরী (এক নরী নামী তুলে গেলে অন্তঞ্জন অনা করিরে নিবে)	২-বাকুরো	292	608	মানুব ও জিল একম হয়েও কুবাছানের জনুরণ আনহে পাহবে মা	১৭-ইস্রা	44	457
প্রেরণ (আসহাবে কাহাফের একজনকে শহরে প্রেরণ)	১৮-কাবৃক	7.9	996	মানুহকে কিরামতের দিন আল্লাহ একত্র করবেদ	8ए-मधिश	₹6	309
ৰাগন (একলনকে দুটি আসুর বাগান দেন আল্লাহ)	১৮-কার্ক	વર	151	भिता अभिरेककोत्मद्रक धरः पूर्वरद्यानद्रक रहानात्र निम	৭৭-মুহুদাদাত	40	৯৯৮
বিয়ে(সমতা রক্ষা করতে না পারলে একজনকে বিয়ে করা)	8-9m	0	650	রাসূলগাকে একত্র করবেন স্বাপ্তাহ মেনিদ	৫-মারিলা	209	238
বোবা (উপনিত দু'ব্যক্তির একজন বোবা ও জনকন ন্যায়)	১৬-দাব্দ	95	909	শিক্ষায় ব্যুঁ দেয়ার পর আপ্লাহ সকলকে একলে করকেন,	১৮-কাহক	29	900
ভবিদের একজনকে রেখে দিতে বলল, বৈমারের ভবিষের হলে	75- <u>5</u> 82åå	92	678	স্কৃতিকাশুনা উপর সর্বাইকে একর কর্মেন (অপ্রার ইংগ্র কর্মেন)	৬-জান'জাম	-02	669
ত্ৰী (একজন ত্ৰীকে দেৱা সম্পন বিপুল পরিমাণ হলেও)	৪-দিসা	40	642	দুৰ্ব ও চালুকে একত কৰা হবে (বিবাহতে)	৭৫-বিবামায	b	290
একজন (ব্যক্তি)				श्रकुमधुद्धक (मानुव कि मान करत प्रश्न श्रकुमधुद्ध अक्रम करा द्धार भी)	११-क्वियाशह	0	290
चंद्री दाला (प्रकार प्रमुकाना प्रदार बक्कारना न्याद्र चंद्री दाला)	২০-ইউনুস	2	628	48/1801		_	-
একজনের কথা অন্যজনকে বলা				ভূরজানের একট্রাকরণ ও খা পড়িরে দেয়ার দারিত্ব গ্রেস	৭৫-বিশ্বামাহ	29	290
একজনের কথা অন্যজনকে বলে বেড়ানো	৬৮-কুলাম	22	396	NOTES	Mark Mark	-	inse
ਪੰਜਵੀ				অহর (একরে অহর করাকে কোন দোব নেই)	२8-मद	63	30-2
দক্ষা (এক দক্ষা দিয়ে প্রদেশ দিয়ের করদেন ইয়াকুন আ, পুরুদরকে)	১২-ইউসুঞ্	99	600	থান করা ক্ষেত্রার মার্ক্তর করাকে তেনা সেব সেব। থান করা ক্ষেত্রার মার্ক্তর পূর্ববিধ সবাই ওক্তরে ইয়ান কলত।)	১০-ইউন্স	99	990
দটি কথাণের একটির জন্য (শাহাদাত বা বিজয়)	à-8763T		582		३०-२७नुन	33	990
দুখা (এক দুখার মালিকের বিচার প্রার্থনা, দাউলের নিকট)	৩৮-মোরাদ	20	993	একরে বিয়ে করা			
ফুংকার(একটি মাত্র ফুংকারের মাধ্যমে কিয়ামত সংঘটন)	७७-शकार	30	৯৭৮	দূইবোদকে একরে বিয়ে করা হারাম	8-निमा	২৩	667
এক দিন	2	-	-	दक्रम			
হালার বছরের সমান প্রতিপাশকের একটি দিন (পরি প্রসাস)	44-17MF	89	962	बाराह्मास्य तारानकारी दक्कि मन जावरन बुनार	৩৮-সেম্বাদ	6.9	1-63
এक्ট (चार्चन)	44.04	0.1		মুনাহিকদের একলে কর্তৃক নবীর ক্ষান্ত অধ্যয়তি কামনা(খপাকে)	৩৩-আহ্যাৰ	20	508
অন্তন্ (ব্যবহা) অন্তন (সুর পাহার গেকে মুলা আ, কর্মুক আন্তন আনা)	২০-ক্ল-হা	30	983	ভূমনিকলে একল বদাকে ইয়ার্হিকবস্টানে নিয়ে যেতে বল	৩৩-জহিমার	20	508
মূপ আ কৰ্মক একটু বাংল কৰাৰ উচ্ছাপুৰ পৰ্যন্ত আল্লাক্তৰ দৰ্শন)	২৭-মামদ	30	200	4क्रिय			
ধুব জ ক্তুক অকু বালা জনর হাছাত্র পরত জ্বারত নশন _) এক-বার্তীয়াংশ	र्य-नाबन	1	900	অবস্থান ওহার (আনহাবে কাহাফের কারো ধরণা)	29-min	35	120
		-		অব্যান ক্রেক্সিয় একলি। অব্যান ছিল, উর্বের বৃদ্ধি নিবাম্যত করে।	২০-ড়া-ছা	3o8	181
রাতের এক-তৃতীরাংশের কম সময় দাঁড়িরে নামায় রাতের এক-তৃতীরাংশের কম সময় দাঁড়িরে নামায়	৭০-মুদ্যন্দিল		Syp	উদ্বিত (সকল বিষয় অল্লাহর কাছে একদিনে উথিত হয়)	৩২-সাজনা	e	3000
	१०-पूर्यपिन	40	29.2	একনিষ্ঠ		r i	1
একত্ববাদী		_	-	অপ্তাহর জন্য একনিষ্ঠ (মুমিনগৰ)	২-বাৰুংৱা	200	676
प्रमुखा (बस्तृवनि द्वत देखदीतात विद्वार प्रमुखानवी देखा)	৪-দিসা		645	विकार (अमेनिकार समुद्रात वैकार विकार विकार करें	৯৮-বাহ্যিনাহ		2059
পাদৰ্শ (ইৰৱাহীমের স্বাদ-হিএকত্ববাদী মিপ্তাত/আদৰ্শ)	২-বাকুরে		676	देवनः (बक्तकारः बक्कारः देवनः अस्ति करारः वस्ति। द्वीनाः वासादः बना अवनिष्ठं करार श्रीरमान	8-मिमा		292
সাপ্তাহর জন্য একত্ববাদী হরে মিগ্যা/মৃতিপূজা বর্জন	২২- <b>হাজ</b>	0)	463	এক-পঞ্জাপে	8-1771	296	4 92
ইবরাবীম আ, একডুবানী উম্মত/আনর্শ ছিল	১৬-নাহ্শ	340	930			L.	
ইবরাহীম আ. একভুবানী ছিলেন	৬-আন্'আম	262	७५२	গৰিমতের এক পঞ্চমাংশ আপ্তাহ ও ৱাসূল স. এর	৮-আনকাশ	82	606

একৰ

रार	- 4	54

	TRALES.	<b>300</b> 3	28	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	<b>伊斯·邓·罗斯</b>		300
একবার		_		त्ववे		_	
অন্যাহ (মসার প্রতি আল্লাহর অন্যাহ প্রসঙ্গ)	২০-চা-বা	99	180	অস্ত্রাহ একাকী সৃত্তি করেছেন যাকে (ওলীদ বিদ মুগীরা)	৭৪-বৃদাছছির	22	22
অবতরণ (কুমান্তন একবারে জনতীর্ণ হয় না কেন, কবিবরা বলে)	२१-मृदकान	69	958	জান (বিলামতে মানুখের জাল্লাহর কাছে একাকী জানা)	৬-জান'আম	38	60
অস্থাহৰ জনেশ একবার মাত্র (চোখের এক পদকের মতো)	48-MINE	₫0	205	কাভিত্তৰা একাকী হলে ক্ৰেখে আঙুল কাটতে থাকে,	৩-আলে ইমরান	222	28
আনতে মনে পুনিবাতে একনার (আল্লাহর সমক্ষণনের অনুসারীর)	২-বাকুরো	269	472	একাধ্যান্ত		-	Ė
কলিরে পর (মুদিনদের উপর কবিছরা একবারে কলিরে পঢ়বে)	৪-নিবা	205		দুমান একাধারে রোবা (কুলবশত মুমিন হত্যার দক্ত)	৪-বিশা	346	20
পরীক্ষর কেলা হর মুনাকিবদেরতে দুইংকেবর (প্রজ্যেক বছর)	৯-জাক্বা	346	660	নই মাস একাশ্বরে রোখা রাশ্য (বিহারের কাফসারা)	৫৮-রজাধালা	8	24
প্রভাবর্তন (পৃথিবীতে একবার প্রভাবর্তনের সুযোগ কামনা)	৩৯-গমার	gy	3796	পাত করে চার করতে (একাধারে)	22-865pt	89	96
প্রথমবার বিনি সৃষ্টি করেছেন, তিনিই পুনরুম্বান করবেন	১৭-ইসরা	65	9337	dales	24.421	0.1	1
वाध्यस्त्रास्त्र नाम प्राप्ता वान्त्रत की देश्यदेशका माणिक वारण	১৭-ইসরা	9	938	ভাই-বোদ একাধিক হলে স্বাই মিলে ১/০ পাৰে	৪-বিসা	25	22
বলে থাকা প্রথমবার বলে থাকা পছল করেছিল ভ্রলফিকরা)	৯-জবেল	br0	687	अवीत वहा	Out-toll	34	44
সভ্য ৰা ক্ষাপ্ৰাৰ্থৰ কলেও ক্ষা কলেন ন চুৰফিবলেক	৯-ডাব্য	30	687		১৯-মাবট্যাম	64	90
সমূত্র অয়েলভার বিশ্বিয়ে পেরত বাশারে মুশ্বিকরা কি নিরশসং	১৭-ইসরা	69	930	মূশকে একান্ত কথার নিবটাবাটী করদেন জন্মাহ একান্তাচাবে	35-4151914	64	40
একবার ভারামো		-	100			_	╙
ইংবাহীম আ, ভারতারজির দিকে একবার ভারাল	৫৭-সাক্ষাত	77	2-02	ইউপুন্ধকে একারভাবে নিজের জন্ত নিযুক্ত করতে মইলেন অধিব	१५-इंडेश्रूक	48	96
একবার (প্রত্যেকবার)	@ hulldata		1.02	যুলত (এজালায়ে যুলত কয়লে ইমানের স্ত্রী, প্রতিশালকের চন্ড)	৩-জালে ইমৱান	-00	20
চুক্তি তাৰ (প্ৰয়োকনাৰ চুক্তি তাৰ ক্ষেত্ৰে ঘৰা বাসুলা স, এব সাচা)	५-सामकल	-	-	একে অন্যের সাথে			
	2-alkelela	୧୪	ଓଡବ	মিলত হতার (মূপাটক ইন্টের একে জনের সামে মিলত হলে জগ)	২-বাকুরা	৭৮	ĝο
धक्मड		_	ш	একের পর এক			
ইউসুয়ের বিশ্বর একমত হওয়ার সময় রচুল স, উপস্থিত ছিলেন না	১২-ইউসুফ	३०३	666	ক্ষেপেতারা একের পর এক জাসাবে (বদর যুক্ষে)	৮-আনকাল	ъ	60
কৌশাস একমত হয়ে জানুকজনের জানার জানান (বিভাজনিন কর্নিক)	२०-झ-श	68	188	বাসূল স. প্রেরণ করেছেন জন্মাহ একের পর এক	২৩-মু'মিনূন	88	98
অইরের একমত হল (ইউসুদকে কুপের গভীরে কেলে দিতে)	১২-ইউসুক	30	695	এপার			Г
একমার				দক্ষর (এগার দক্ষর ও চন্দ্র-সূর্যতে যাপ্র দেশে ইউমূত)	১২-ইউসুক	8	69
ইপাহ (অস্তাহই একনার ইপাহ, নিলি সম্ভান-গ্রহণ থেকে পরির)	8-निमा	247	৫৭৮	এপিয়ে ছানা		-	
হৈদীনে (অধিরতের জনস যদি একন্ময় ইংশীনের জন হয়।)	২-বাকুরো	28	627	নিৰ্বাহিত কালকে এগিয়ে আনতে পাৱবে না কোন উপাত	২৩-মু"মিলুন	80	98
<b>अक्यू</b> ष्टि			1 1	নির্বাতি সমাত্রক প্রতিয়ে জনতে পারে কোন জাতি (খালুসর)	≥o-शिक्षप	6	634
মটি (জিয়ালৈ আন্তঃ পদভিহ্ হতে একমুটি মটি নিয়ে বছুৱে তৈরি)	২০-জু-হা	36	989	4পিরে যাওয়া		Ė	1
এক রকম				সংক্রান্তে এণিরে যাবে (যে ইঞ্ছা করবে)	৭৪-রম্বাছবির	209	86
बान (अञ्चलक बाराना केन्द्र की देनलानितात देखी न न्या)	২-বাকুরা	63	209	4D 091			-
হুদর (একই রকম হুদর, অঞ্চানর প্রসঙ্গ)	২-বাকুরা	222	670	কাৰে আছুদ এটে দেৱ মুনাকিক (মৃত্যু চর প্রসং)	২-বাঞ্চর	779	80
এক স্ক		_		এডিয়ে চলা (আরো দেখন উপেক্ষা শব্দটি)	C (1111	-	1
প্রেরিত হয়েছিল ইউনুস (এক লক্ষ লোকের প্রতি )	৩৭-সাক্জাত	389	P\$8	অধিবাসীনেহতে এড়িয়ে লোহ নির্দেশ (হাসল স. কে)	<b>১</b> ৫-शिक्षव	be	90
একশত			$\Box$	নার বিচারের ক্ষেত্রে এডিরে চলা প্রমূদ	8-निया	200	23
ধৈপৌল একশত মু'মিদ বিষ্ণৱী হবে দুইশত কাফিরের উপর	৮-আনকাশ	66	GOV	विदेश शास्त्र	8-(44)	200	4.1
वस्य (पाद्धार क्रेन्स्ट्राइक अरुन वस्ट्रा सम्य मन्। नाम कर्डम)	২-বাকারা		203			_	-
বছর (উয়ায়েরের একশ বছর মত অবস্থার অবস্থান)	२-वाकाता	200	602	নবী কর্মুক শ্রীর গোপন কথার কিছু অংশ এড়িয়ে যাওয়া এনে দেখা	৬৬-জর্বীয		39
বিশ্ববী হবে একশত জন এক হাজার কবিবরে উপরে	৮-জানজন	96	tette			_	-
ক্রেমাত (বাচিচারি ও বাচিচারিশীকে একশত কেরামাত)	<b>48-मुब</b>	9	998	পানপাত্ৰ যে এনে নিবে তাৰ জন্য এক উট ৰোঝাই মাপ	75-8654	45	95
শালান (একটি শীব একশ শালান উপদ্র করেননের উপন)	२-वक्ता	499	602	अमिरठ			┕
श्रक्तात्र		-		দেকে দেয়া (মানুধকে এমনিকেই ছেছে দেয়া হবে দা)	१৫-क्त्रिमाम्	96	22
हुत गद्ध (यक्नारा अधिगतम् वस्त्रात हुत गद्ध त्यक्त सम्म)	২০০- অপিয়াত	2	2000	दर्शाटमञ्			
ব্যে হল্ডা (পুনিন্যান্ত্ৰক একদলে দুছে বের হল্ডার নির্দেশ)	a-Por	45	605	रद्र ("अमारमात्र रद्र" बन्नाव रद्रा गण्यतं पतिकारार्थव महरा)	১২-१६नुष	88	69
designs (	0.111	-	100	এলেমেলে যুগু			П
একপত জন বিজয়ী হবে এক হান্ধার কাবিবের উপরে	৮-জাবতাল	95	trotr	কুরআন রাসূদ স, এর এলোমেদো খন্ন (কফিরদের উচ্চি)	২১-অধিরা	e	92
বহর (পঞ্চাপ বহর কম এক হান্ধার বহর দুহের অবস্থান)	২৯-আনকাবৃত	78	239	এসে যায় না			г
कार (शक्तिकारका धारकी निम मानुका संकार कारका नमान)	44-57%	89	969	প্রতিপালকের কিছু এনে যার না (আরু না ভাকলে)	২৫-জন্মান	99	934
इति (धन क्षात्र इति विक्री सूत क्षेत्रका कविता केन्द्र)	৮-আন্তাদ	66	(46)r	1		_	Н
Selection of the least of the Section and the section of the secti	Budinds.	00	965	শ্ৰীকান্তিক প্ৰাৰ্থনা (মুবাহালাহ)			
				श्रमून न. ७ मागवास्त्र जेमाविक शार्थन (पूराशमाश) नवारन	৩-আলে ইমরাৰ	62	€8
আনা (একা আসনে কবিশাসীরা, আপ্লাবর নিকট) উপায়(মাশু/আরে চুক্ত জিনিসের উপায় নিকে আপ্লাব সক্ষাবন করেনা)	১৯-নারইয়ান	80	90%	वेकारह			L
ক্ষমান্ত্র নিম একা আগরে প্রতিশালকের নিকট	২-বাকরে ১৯-মারইরাম	46 32	\$08 980	মুনাকিকরা ঐক্যবদ্ধকাবে মুমিনদের বিক্রছে যুদ্ধ করবে না	৫৯-হাশর	28	50
করামধ্যের মন একা আগবে প্রাকশালকের নকত তেনে সের ক্ষেত্রতাকে এল/উজ্জ্বনিকার্যকল ক্রেডে ন সের সের।	১৯-মারহরাম ২১-জাধিরা			মুনাকিকদেরকে ঐকাবছ মনে করলেও তানের অন্তর বিভিন্ন	৫৯-জপর	78	200
জেড়ে লাম (গালাকাকে এল/উজালনানিকলৈ জড়ে না লোক লোক) অন্যান্ত্ৰকাৰে এক/উজাধিকজীবিদ জড়ে না লোক জন্য লোক		9.9	926	ওঁজন (আরো দেখুন পরিমাপ/মাপ শব্দটি)			m
	২১-জাধিয়া	49	926				_
একাংশ			ш	কম (৩বংশ কম না দেৱার জালান, মানইরানবাসীকে)	77- <u>ž</u> ei.	₽8	69
কাফিবনের এক অংশকে নিচিহ্ন করা (বনর ফুছ প্রসঙ্গ)	৩-আলে ইমরান	256	¢85	কাভিবনের সংকাজ ওজন করা হবে না	১৮-কার্ফ	206	90
একাকার				নায়জাবে পুরোপুরি গঞ্জন দেয়ার নির্দেশ	৬-আন্'আম	745	63
আছকরে বা বিস্কৃতে আছেল্ল করে তার কসম খালে করে একাকার করে নিচান স্বাধুন জাবিকে (প্রতিপালক)	৮৪-ইন্শিকাক্			পুরোপুরি গ্রহণ দেয়ার নির্দেশ (৩'আইব সম্প্রদায়কে)	৭-আ'রাফ	Þ¢	65
	১১-শামস	38	3028	পূৰ্ব (ওজন পূৰ্ব করার আহ্বান, পোরাইবের সম্প্রদারকে)	22-&e	brø	69

	<b>阿拉斯安斯</b>	100	1	de designe	PHE RE & TEST		ķī.
ওজন (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)	Same of the	2000	and and	इंक्ट्रांबर्क क्षेत्राच करी कार्याच	8-MNT	366	095
लावक्रमात (प्रांत क्रवाद अप्रव क्या क्रवा	৮৩-ইডামনিবীৰ	-	2022	हेवानगर जातार वही करवास्त	s.fest	360	
अप्रैक में फिलाबार काराना निर्माण (साईकाराजीकार अप्रि क्यांदेश)	59-9,463	79-5	1221	ইয়াকৰের প্রতি গুরী (কলাপকর কাল/দায়াল/ঘাকাত)	২১-আধিয়া	90	928
প্রকে পার্রণাল্পনা অক্সনা সংসা (আহনবান্যসোধ্যক কর্মবর্ণ) সঠিক পার্রায় ওক্সন করার নির্দেশ	২৩-ত জাতা ১৭-ইসরা	100	939	देशप्रभाव वार्थार वर्षे वर्षात्रम	s.Sent	380	023
গতে গান্ধান্ত তম্বন কথার দেশেশ গত্য (ওমান সভ্য, কিয়ামতে পাপ-পর্যোর ওমান প্রসঙ্গ)	১-বংশ্যা ৭-আ'রফ	br.	630	ইসহাকের প্রতি বহী (কল্যাণকর কাজ/দামাজ/থাকাত)	३५-व्यक्ति	90	928
ধকর পেশ করা (আরো দেখুন অন্তর্হাত শব্দটি)	1-4-24	ř	030	हेश्रावटक सामात वही कटहाइल	8-निमा	366	299
ওজা গেশ করা (আরো দেখুন অন্তব্যত শব্দাচ) প্রতিপানকের তাতে ওজর পেশ করার জনা উপদেশ দাস	৭-জাব্রক			ইসতে আশ্রহ ভটা করেছেন	8.500	260	299
	7-00 400	398	691	কশ্যাদের কান্ধ করতে ইনহাক/ইয়াকুবের প্রতি ওহী করা হয়	২১-জাধিয়া	90	928
ওঠা-লাম্বা		L.	ш	কিতাৰ (বাসুদ স, এর প্রতি যে কিতাৰ গুরী করা হয় তা সত্য)	००-महिन	62	b8b
নিজনাকরীদের মাঝে রান্দা ল, এর ওঠানামা আল্লাহ গেখেন	২৬-ছ'জারা	577	933	वक्कावर करन म दर बक्क की बन शक्क (महर्व बन द्वास)	৬-আন'আম	17	039
बढ़ा		_	ш	व्हांगाप्रत निक्रों वहीं फरवेंमें कहा शामि (जिला शानकहीं अन्त्र)	৬-আন'আম	hub.	602
পার্থীর দুই ভানার সাহয়েত ওড়া	৬-অস্অম	40	699	ব্যবিদ্যা নিক্ট বহী অবস্থিতি করা হয়েছে বল নাই (মিধা ব্যানকাইর)	৬-আন'আম	310	600
ওতগ্রোতভাবে মিশে থাকা				ধারণ (ওরী মসভাবে ধারণ করার নির্দেশ, রামল ম, কে)	80-एवक्य	80	brak
বাবাশ-পৃথিৱী প্রতহ্যেতভাবে নিশে ছিল, পরে পৃথক করা হয়	২১-অধিয়া	*00	922	দ্বীদেৱক আপ্ৰাহ ধহী করেছল যেতারে নহ অন্যানবকে	ह-विश	2000	099
ধরাদা (দেখুন প্রতিশ্রুতি শব্দটি)				দ্বীতে বহাঁর মাধ্যমে অনুশোর সংগদ জানান (আল্লাছ)	77-se.	88	890
ধ্যাদ				পামার কারেম করতে ইসহাক/ইছাক্ষের প্রতি ওটা করা হয়	<b>३</b> ३-खांच्या	90	928
উপান্য (নুহ আ, সম্প্রদারের উপান্য ওয়ান্তরে পরিভাগ মা করা)	93-75	২০	346	निर्दर्भ की व्यवस्थ प्राचार (श्रुटकार प्राचार)	83-क्रममिनार	23	birt
বয়ারিস (দেখন উত্তরাধিকারী করা/হওয়া শব্দটি)		_		ন্তের প্রতি ধরী (লাকদের ইয়ান না আন প্রস্তুপ)	27-da	00	669
ভয়াসীলা	-		ш	नहरू वही करहास्य वाह्यार	8-PPE	360	644
স্বাস্থ্যৰ ভ্ৰাসীলা বানাননি	৫-মারিদা	300	650	ব্যাক তথ্য সম্ভোগে অন্তাহ বৌজা নিৰ্মাণ (ভৱী জনঘাৰী নহতে নৌতা নিৰ্মাণের নিৰ্মেণ)	77- <u>4</u> ±	99	869
বলান (পেট)	4 514 5		122	পঠ (রালা স. তে ওই/কিমার পঠ করার নির্দেশ)	২৯-আনকারত	82	500
গৰাদি পৰুৱ প্ৰদানে গোৰৱ ও বক্তের মধ্য থেকে দখ	১৮-বাহল	96	30kr	পঠ ব্যৱ পোনানের নির্মেশ (হাস্প স. (ত)	79-ব্যক্ত	39	120
ওপর (দেখন উপর শম্মটি)	20-115-1	-	134	तथा वही करवाहन हाजन अ चार त्रविभागक	১৭-ইসরা	200	939
		_	$\vdash$	द्विमाणक व्या कवार भविषे विद्याद्यात मिन वदा स्था स्था	১৯-বিশ্বাল	0.0	200
ধসিয়ত		_	-	প্রতিপদ্মতের ভরী কেরেপারনের প্রতি (মানিনানেরে ব্যঃ)	h-জানকাল	29	was
ইবরাহীদের ওনিরড (লম্বাননের প্রতি)	২-বাকুরো	305	676	वस्य (दाना म्) त्रि त्री कार्मन प्रश्नाद् य त्री नवर	0-0-PERT	30	369
ইয়াকুবের থসিয়ত (সন্ধানদের প্রতি)	২-বাকুরো	300	676	रिणीय (क्षेत्रीर रिणीय विश्व कार्य (क्षेत्र राज्य प्र	১৭-ইসরা	90	930
কিয়ামতে (কাফিবরা) ওলিয়াত করতে সমর্থ হবে না	৩৬-ইয়াসীৰ	ψo	1-68	মানুখকে ভই) করা হরেছিল (মুহাম্মন স. এর পূর্বেও)	১৬-মাহল	80	906
মৃত ব্যক্তির থসিয়াত প্রণের পর সম্পন বর্তম করা ছবে	৪-লিসা	22	664	মানুহত তথ্য তথা ব্যৱহাণ (নুহামাণ গ, চার গৃংগত) মানুহত উপত্র এই অবস্তীর্ণ (নবী হিসাবে)	२५-व्यक्ति	1	920
মৃত্যকালে ওসিয়াডের বিধান (ধন-সম্পদ বেবে গোলে)	२-शकृति	720	<b>é</b> ₹0	হয়াকা স, এর উপর ধারী করা হয়, তিনি একজন মানুহ	79-444	220	900
সন্তাদনের প্রতি ইয়াকুনের অসিরত	২-বাকুরো	205	675	इहान्स म् दर द्वि खोद्धार वह/बरखान वही स्टबन	৪২-শুরা	43	V342
সন্তাদসের প্রতি ইবরারীমের থসিয়ত	২-বাকারা	205	676	ज्ञाक म ७ परिवर्धि महिन्दानमञ्ज्ञ देशा ख्राहर की महिन करन	৪২-শরা		999
সাকী (বসিরতের সময় সাকী রাখা, মৃত্যু উপস্থিত হলে)	৫-মারিদা	300	৫৯০	হরাক্স স. ও সুগতা সভন্যসূত্রার তথ্য আছার তর সালা দর্ভন হরাক্স স. কে আল্লাহ ধরী করেন (বীন বিধিবছ করা প্রসঙ্গ)	84-नवा	30	p.yes
প্ৰীদের জন্য ওসিয়ত কথা (স্ত্ৰী হেখে মৃত্যুৰহণ কৰলে)	২-বাকুরা	₹80	452	মহাক্ষা স. কে এটা প্ৰেরণ করার মন্তার মানুকদের বিশর।	১০-ইউনুস	3	958
র্বসিরতকারী			1 1	হয়াকা স এব প্রতি আবিদি কর্তামতে এটা করা হয়েছে	8३-भवा	9	P20
পঞ্চপতিত্ব (অসিরভকারী থেকে পঞ্চপতিত্বের আশঞ্চকা থাকলে)	২-বাকুরো	29.5	650	মনার প্রতি ধরী (পাতি নিয়ে পাথরে আঘাত করার জন্য)	গু-আব্রফ	260	529
প্রী				কুনার প্রতি কর্ম (পরির সাধ্যে নাধ্যে বাধার কর্মার জন্ম) কুনার প্রতি কর্মী (পরির সাধ্যে নীল ক্যা পর পরি হওয়া এসল)	২৬-৮ জারা	100	933
অনুশ্যের সংবাদ এহীর মাধ্যমে নবীকে আল্লাহ জানান	22-24	83	690	क्रमा श्री की (भी क्रिक्टिक्ट निव क्रिम सार्ग सन्त)	40-W-8	99	986
অদুখের সংবাদ গুরী করছেন আল্লার, রাসুল স, এর প্রতি	৩-আলে ইমরান	88	¢80	মসার প্রতি বহি (মনিকান নিতে প্রতে মিন্দ্র ভাগে কর প্রসাস)	59-0,816.	49	930
জনশ্যের সংবাদ ওহী কনছেল জাল্লার রাস্পা স, কে	১২-ইউসুক	205	696	হসার প্রতি বারী (দারি বিকেশের জনা)	१-व्यादाक	229	636
অনুসরণ (রামূল স, ওবীর অনুসরণ করেল)	৬-আন'আম	¢ο	600	মুসাঙ্গে এটা করার সময় রাস্প স, উপস্থিত ছিলেন না	২৮-কাস্যস	88	277
অনুসরণ (রাসুল স, কে ভবী অনুসরণের নির্দেশ)	৬-আন'আম	306	606	মনা/বাকনের পতি ওই (মিখা/মর্থাকরানের কারণে শব্বি)	২০-জ-য	87	380
অনুসরণ (রাসুল ল. কে ভরীর অনুসরণ করার নির্দেশ)	৩৩-আহবাৰ	3	1000	ক্রান্ত অক্সার এই (বেশ্র নির্মিত বির্মিত বিরম্প	২০-জ-খ	OF.	484
অনুসরণ (রাসল স. কেবল ওরীর অনুসরণ করেন)	8%-वादशय	8	bolr	কৃত্যা মাতে বাল্লী ভারতের ভালার (মুখ্যাত নুমপান করালের জন্ম)	২৮-কলেন	9	hop
অনুসরণ (রাসুল স, কেবল গুরীরই অনুসরণ করেম)	২০-ইউবুস	30	996	मन पर ६ सहस्य श्रीर स्वै (मिनद पर देविनेनार सर्वमः)	১০-ইউন্স	79	664
অনুসরণ (রাসল স. প্রতিশালকের ওঠার অনুসরণ করেম)	৭-জা'রাফ	900	660	याकार तमान कदाव हैन्याक (इंशाहरूर तकि वही करा स्थ	২১-জাপিয়া	90	528
অনুসরণ (বাসুদা স. এর প্রতি গুরীর অনুসরণের নির্দেশ)	১০-ইউনুস	209	948	क्रम १ (व क्रमा की क्रमा का प्राप्त मा प्राप्त के	8-निमा	760	699
অংশীৰ্থ (লিয়কের পরিবৃত্তি সম্পর্কে বরী অকতীৰ্থ)	৩৯-ঘমার	60	796	राजन ज थर क्या और रासीय कि नव	৫০-মাজম	8	bes
आंडेडबटन स्थात वर्ती करवाकन	৪-পিয়া	360	299	প্রাস্থা স, এর করা বর্ত্ত থারাত কেছু নয় প্রাস্থা স, এর প্রতি বহু (একালা ছিনের কুরআন প্রদা প্রসঙ্গ)	१३-चित	2	200
আল্লাই মানুহৰৰ সাথে ওহাঁর মাধ্যমে কথা বলেন	৪২-শুরা	62	1/30	शाम अ थर सारि वहीं करा वह दर हैगार मार्ट अवस्थ	৪১-তুসসিলাত	6	Wirk
আস্তাহর অনুমতিক্রমে ক্রেকেকা নবীর কারে ওবী পৌছান	8३-नव	62	3/30	राज्य म. १६४ तार वर्षा क्या क्या १६ (१, १०१६ माह पाक्कर राज्य म. १६४ तीर वर्षा मालाव देवार पाक्षावदे (क्याह देवार)	27-জামিয়া 27-জামিয়া	304	727
বাদ্রাহ মনার মাকে ওহী করেন(শৈশ্বে প্রকিশালন প্রনঙ্গ)	২০-য়া-ছ	- Oly	180	द्वान्त्र म्, त्वाद्वाक वर्ष्ण्य महारा रचार व्यक्तार राज्या रचार) द्वान्त्र म्, त्वाद्वीक तदे स्ट्रां तदी वर्ष स्व (र, विनि मध्येवसी स्ट	०৮-श्राद्यान	90	b90
আছার বা এবী করেছেন ডিনি চাইলে বা নিয়ে নিতে পারেন	১৭-ইসরা	NP.	193	द्वाला म्. वह त्यक्ति वह राम वह वह वह वह (र, विन महनवार सम	79-MAN	250	930
आहार या चरा चरावहाँ महत्व (मोका निर्माणर वारान	২০-মুখিনৰ ২০-মুখিনৰ	31	101	क्षण न, वह द्वार क्ष्य (१२६६)(४६ वनम क्यूनार वनम क्षण्याल द्वार की (ब्रह्मार क्षेत्र निम्न (नर्डे, सब देवनट क्या)	३३-वादिया	240	967
আপ্লাহর ওয় অনুবারা নৃহকে দোকা দানাপের আদেশ আপ্লাহ রাহী করলেন নৃহের রাভি (দৌরান নির্মাণের জন্য)	২০-মু'মিপুৰ	29	201	প্রসূত্র বা প্রস্তুর হার হার হার হার করা নির্মান করা। প্রসূত্র বা প্রস্তুর বা প্রস্তুর হার হার হার করা নির্মান করা	23-MINN 20-819	46	960
আপ্তাহ বহা করপেন নৃহহর প্রাত (সোধান নিমাণের জন্য) অপ্তাহ বহী করপেন হাবহারীদের প্রতি	२०-म् प्रमून १-माविमा	522	428	প্রসূপ দ্ এরপ্রার যা বাহু কর হারের ভাষাক্র নাক্ষ ক্রোক্রার জন্য বাসলগ্যানর প্রতি (জালিমানের কাসে প্রসাদ)	১৫-বা দ ১৪-ইবরারীম	30	655
অক্সাহ ওয়া করণেন হাওয়ারাদের প্রাভ অক্সাহ ওয়া করণ জন্ম প্রভাই প্রোল কর্মেন্সেন (জনুন স. এর পূর্বেও)		222	699	राज्यपारच राज (बालमासर भारत धनन) कन्म न तर्थ निको त्यी बराम शिक्षकर, महिन १४ प्रमुक्तरचा सम	৩৪-সবা	30	784
অপ্তাৰ ধৰ্ম কৰা জন্ম মনুমাই হোৱা কয়েছেল। (জনুল স. এই প্ৰতেও) স্বাস্থ্যৰ ধৰ্মী কয়ে জানালেন ইউন্নয়তে	১২-ইউসুফ ১২-ইউসুফ			ক্রান্স প্রধানক কর বড়াবারণালক, সম্ভব পদ কর্নসংসর জন রামল স: এর নিকট করমান ওবী করছেন মাস্তাব	৬৪-সাবা ১২-ইউসুফ		980
		342	699			0	
ইউনসকে মাল্লাহ ধরী করেছেন	৪-বিমা	350	699	প্ৰকা (মুগাকে এই) প্ৰবাগৰ নিৰ্দেশ, ভূব পাৰ্যাভ)	২০-জু-খ	30	982

Children Children	THE R. P. LEWIS CO., LANSING	-	190	100 CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF THE PARTY	4-24	10	1000
48	and the second		-	শার (বলে শার মধ্যে অন্তাহর পর থেক নিয়বদের কর)	৩৮-শোরাদ	20	100
কথ। সভৰ্ক কয়া (হাসল স. কেলে ধবী ছাৱাই সভৰ্ক করেন)	২১-আধিরা	82	960	শান্তি (কঠিন শান্তির দুয়ার পুলে নিলেন আল্লাহ,)	২০-মুখিনুন	99	990
দশুৰ্ণ কৰা (কী সম্পূৰ্ণ হওছৰ পূৰ্বে কুবজন পাঠ আক্ৰছে না কৰা)	30-81-11	278		শান্তি (কটিদ শান্তির পূর্বে রাস্প স্, একজন সতর্ককারী)	as-शरा	80	P85
जनाहेशनरक जासव चरी करतान	8-Pet	300		শ্মন্তি (কমিল শান্তি আখাদন করবেন আপ্রাহ কাভিয়নেরকে)	৪১-ফুসসিলাত	20	pao
शक्तरक जन्नार वरी करवरका	g-Sort	300		শান্ত (বৰ্তিন শান্ত আখান কৰালে আহাং কৰিবলেৱক)	৪১-ফুসসিলাভ	39	YYY
মুক্তম কৰু সম্পৰ্কে কৰু (পুৰুত্বের স্বেপত্মত জন্মগ্রহতিত বক্ত)	৬-আন'আম	186		শান্ত (কটন শান্ত নিকেন অস্তাহ কবিবাসকৰে দুনিয়া ও)	০-আলে ইমরান		283
वही (अन्तर)	कालानु जान	200	020	नीत (गरिन नीत क्षार (क्षार्थन स्थार भगीभारत सन्)	०५-२कानमा	30	200
বাধ্যমে অস্ক্রাহ (বাই) কর্মনি বড়েন (বার প্রতি ইচ্ছা)	২-বকুরা	30	230	नावि (नडीन नावि शताक जनिवार)	०१-वानीन	30	200
ব্যাপ্ত বছাই কটাই (বৰ্ব) কৰবল কলে (বৰণাৰ বছা)	र-वर्षस्य	30	630	नांत (बर्टन नांव मन्दर्व मठर्व कवा बन् व्यवन गरिन)	7p-sita	3	128
তথ্ (হাসত) মৌমান্তব প্রতি ওয়া/মাসত (পাহান্ত-গান্ত-নালা তৈনী প্রদর)				শান্তি (আধিয়াতের পান্তি অধিক কঠিল ও ভিরন্তারী)	२०-डॉ-स	229	
	३५-मद्न	ψ'n	906	শান্তি (আপ্রাহত শান্তি অভি কটিন, কিয়ানত প্রসার)	44-578	3	300
র্থহী (মরোচনা)			-	পরি (অপ্রয়ে ব্যাপ অন্যতে ইপার কনাতা বর্তন পরিছে)	१०-वाव	46	340
চমবানে কথার মাধ্যমে শরাজন করী করে (প্রারম্ভার উপেশ্যে)	৬-জান্'জান	225		বারি (ছাল্লার সম্পর্কে বিশুর্ককারীকের কবা করিব পারি)	84-70	36	120
শ্বাফন ভরী করে প্ররোচনা দের (স্থুমিনাংনা সংখ বিভর্গ করতে)	৬-জানু আম	757	609	শাঙি (অবাধানের জন্য অস্তাহ কঠিন শাঙি প্রস্তুত করেছেন)	৬৫-ডালাজ	20	346
<b>'वेक्</b> रना				শানি (অভিযানৰ কৰা কৰিন শানিব দ্যাৰ্থণ হৰেছে)	28-देवसदीय	30	634
নেরামতের ঔচ্ছল্য জাল্লাডীলের মুখসগুল দেখা যাবে	৮৩-মুতাক্তিকীন	38	2025	শান্ত (কাক্ষানের জন্য কঠিন শান্তি হয়েছে)	84-481	46	173/0
উদ্ধতা (আরো দেখন দপ্ত শব্দটি)	11 7-10-11	100	202	পাতি (উপানেশ তল যাওৱার কঠিন পাতি)	१-सावाक	260	
অন্তর্যন বিবার গেরুন সভ শ্রনার) অন্তর্যন বিবার প্রথম প্রবাস বিবারতা (করি ইরাসিলসেরেন)	৪৪-দুখন	23	300	শান্ত (তথ্যসম বুলে ভারমার ভারম শান্ত) শান্তি (তথ্যত বেচ্ছামারির সমান মামের কলি শন্তি, কার্যুর্মে)	28-इन्डाहीय	39	6045
কামিবর উদ্ধান কিবল করেছে	৪৪-পুথন ৩৮-সেরাদ	3.5	1966	শান্ত (তথ্যত বেজ্ঞানের বাননে ন্যাক্তে কচল শান্ত, কান্ত্রোনে) শান্তি (তার ও অমিনাসভাকে কটিন শান্তি (বাকে উদ্ধার)	১৪-হবরাহাম ১১-হব	39	698
কাকরে। রন্ধতে লক্ত ররেছ জীবনবারা উদ্ধতপর্ন ছিল (বাংসপ্রাক্তনর)	২৮-কামান	Q7	1730	শান্ত (হ'ব ও মুমনমেরকে কালে শান্ত থেকে ডক্কার) শান্তি (ক্লক্ষতে ক্লইখন আ, কর্মক কলৈ শান্তি (নরম চমকি)	३५-सूल २९-मामन	57	893
জাবনতার ওছতুশ্ন হল (কালেপ্রাছনের) ভিরক্তাউন/দণশুনার কর্তৃত উদ্ভৱনশত নিমর্শন অগীতার	২৭-বামল	78	820	শার (ক্ষেক্তে সুশাহ্যান আ, কতুন করন শার নেরা হয়ক) শারি (ক্ষিত্রাটন বংশকে বর্তিন শান্তিতে নিক্ষেপ করা হবে)	২৭-নামশ ৪০-মুখিন	86	207
	41-4144	28	803	শান্ত (কাৰ্যালন বংশকৈ কালে শান্ততে লোকপ কৰা হ'বে) শান্তি পালে কলি (ইয়ান কাৰ্যা জানুকালে বিৰক্ষাইলে (বাংগা)			780
উরসভাত পুত্র (উরসভাত পুত্রের স্ত্রীকে বিস্তে করা হারাম)	8-FR	1	600	শাস্ত্র পরা বরল (পানশ করার জানুকালের ক্রেকার্ডান কেবল) শাস্ত্রিক্টারশস্ত্রেলার পর করিবলের করিন শাস্ত্রি প্রেলা কর করা হলে	২০-ত্বা-হা	42	
পুর (প্রথমজান পুরের স্থাকে নিরে করা ব্যরাম)	8-1491	20	669		৩১-বৃক্ষান	₹8	259
क्ष				পাহায়প্রকার করিব নাা নিবিকের জন্য (পর্য ও সালকের মাধ্যমে)	২-বাকুল ১০-ইউনস	80	\$0\$
জান্নতের কক প্রতিদান দেয়া হবে, বৈর্থধারণকারীদেরকে	२१-एक्कान	72	151	ফুর (নিরম্বটন সংস্থারের ফুর মঙ্গির করার মূল মূলার লোর)		bb	964
নিয়াপদ সুউচ্চ কংক ধাকরে সংকর্মশীলগণ	৩৪-সাধা	03	<b>788</b>	হানর করিল করে নিয়েছেল আল্লাহ বনী ইপরাইলাদের	৫-মারিদা	70	62.5
মার্ট্রামের কক্ষে প্রবেশ করলেন যখন যাকারিয়া	৩-আলে ইমরান	02	600	হুলর বটেন হওয়া (বনী ইসরাইশ প্রসঙ্গ)	২-বাকুবো	18	(¢c)
কক্ষপথ		-	-	হুদর ক্রিন হওয়ার পূর্ববর্তীরা কাকুকি-মিনটি করেনি	৬-আন্'আম	80	233
সাঁভার কটেছে (চাঁদ ও সূর্য নিজ নিজ ককপথে)	৩৬-ইয়ানীন	80	748	হুদর কটিন হরে থিরেছিল (পূর্বে কিতাব প্রাঞ্চলের)	৫৭-হাদীন	Уъ	782
সাভার কটো (সর্য ও চন্দ্র নিজ কক্ষপথে সাভার কটিছে)	३३-वारिया	-00	923	হনর (দূর্তেগ কঠিন হনর/মাল্লাহ বিদুধ লোকদের ঋন্য) হনর (বাসুল স. বর্তিন হনরের হাস প্রদিনাগ বিচিন্ন হার পড়ত)	৩৯-যুমার ৩-আলে ইমরান	22	590
কক্ষ (সৃষ্টিচে)					ত-জালে হমধান	269	667
ক্সান্তের সুউচ্চ কক (ঈমানদার সংকর্মশীলনের পুরস্কার)	১৯-আনধারত	d)r	5-93	<b>व</b> टिनडव		_	_
मुखर्कीतम् अन्। कालारु वह कथ वाताह	৩৯-বুমার	30	190	অধিরাতের শান্তি কঠিনতর (অধীকরেকারী জাদিমদের)	৩৯-মুমার	₹6	2.50
क्वाम	4	1	1.12	শন্তি (অধিয়ানের শন্তি কটিননের)	৬৮-ফুলাম	00	396
কবলে। ধংকে হবে না বাপান (বাপানওয়ালার ধারণা)	25-45EB	92	999	সৃত্তি (কঠিনতর সৃত্তি কোনটিং মানুধ না অন্য সংকিছুং)	৩৭-সাহ্ফাত	22	768
गरिक नथ नारा ना सानिय (यसके स्वास साम वह महिकनान)	३५-वरदण	23	993	সৃষ্টি (মানুধ নাকি আকাশঃ)	৭৯-নাবি'আত	ર૧	3008
नवन द्वर न जानवार कारण (नदक्वनीत सन्दर नदल)	79-4664	30	992	কটিন পরিশ্রম			
কঠিন (আরো দেখুন কঠিন/বঢ় শব্দটি)	20-4164	40	1466	याजा अल्डान्स बद्ध न व्यक्ति शिक्ष्य इद्ध (क्रम निवृत्वे क्रम	৭-আপাত	49	472
কারণ (আছো দেখুন কারণ/রঞ্ শ্পাচ) করার (প্রায় কর্তিন করাধারে ট্রেন বের করনে আছার_)	১৯-মার্ছরাম	99	903	কটিন (মন্দ কাজ)			П
আপ্তাহৰ জন্য কঠিন নৱ(মানুহকে সন্ধিয়ে নছন সৃষ্টি আলা)	28-वेरवादीय 28-वेरवादीय		966	সংক্ষ করে নিবেন কটন-ফলকে (উত্তয়কে অধীকারকারীর জন্য)	৯২-লাইল	20	2000
আপ্তাহর জন্য কারন নয়(মানুবকে সারতে মাহুন সূত্র আন্য) আপ্তাহর পক্ষে মনুকের হুলে নতুনসূত্রি আনা কর্তিন নয়	১৪-হব্যহান ৩৫-ফভিব	50	589	কঠিন শান্তি			
जबादा गरफ मनुरस्य इंटर गहुम्मुक कान करन नह जब (वर्डन कब, बाज़न न, यह कहनात, किनमा नहिन्दर्शन गह)	२-शक्तव २-शक्तव	780	659	ব্যক্তিয়ানর জন্য কঠিন শান্তি হারেছে	৩৫-ফাডির	٩	P84
কৰা (ৰঙাল কৰা, অসুল স. এই অনুসাল, নেললা শাৱনকোৰ গয়) দিন (মনুষ নামান্ত্ৰনিয়কে ভাগৰলে ও বৰ্তন নিবলে (প্ৰয়ে নিচৰ)	२-वाक्त्या १७-मादद	280	996	বনিবিদর্ভাগতের বর্তিন পরিং, নিয়াব্যতর দিন (পাপের ক্ষরণে)	२-खब्दवा	brê.	670
নিদ (দেকৰায়া কঠিন বিশ্বসংসূদ দিনের তর করে)	৭৬-নাব্র ৭৬-নাব্র	30		মন্দ কাজের কন্দি জাঁইলে তানের জন্য কঠিন পান্তি	৩৫-ফাভির	30	1/89
পিন (ক্ষেত্ৰভাৱত কাৰ্তন বিশানসংখূল সংগৱ কৰা কৰে) বিল (স্কেটন দিন কিয়ামত, কাতিবদেৱ কন্য)			998	কঠোর (আরো দেখন করিন শব্দটি)		-	1
নিদ (ক্ষামত এক কঠিদ দিন)	২৫-ফুরবান ৭৪-ফ্বর্যার	36	849	আধিয়াতের শান্তি বটোরে (কাকিয়েরে জন্য)	১০-রা'দ	'08	694
লন (ক্ষাৰত এক ব্যৱন দিন) দিন (ক্ষামতকে ব্যৱন দিন বলবে কাফিয়ারা)	98-मुन्सास्त्रस्य ७8-कांबाद			चहार ग्यार महिनाया	৪০-মুখিন	44	299
কিন (কিন্তামককে করিন দিন বলবে কাফিরারা) পাকস্কার (কিন্তামিকে কফিনারে পাকস্কার করেনে অস্তায়)		b	306	व्यक्तर व्यक्तर नाविमान व्यक्तर व्यक्तर (नविमान)	৫৯-যাপর	9	200
শাকার (নামার-তে বক্রান্তরে শাকার করাল অস্তর) শাকার (আয়ারর শাকার বছাদারক ও করিন)	৭৩-মুদ্বাছিল	26	29.0	च्यार क्यार (गविमान)	২-বাকুবর	922	030
শক্তের তে অক্টারর শক্তেও বস্থাপারক ও কালে) পাধ্যমন মত অধনা ভার চেয়ে বর্তন (ক্যা ইসরামালের ভার)	<b>33-कून</b>	303	692	पादार कटोश (गरिमाल)	b-Sinter	20	900
	২-বকুরো	98	60%	व्यक्तर परिवरण क्यार	৫-মারিলা	30	695
	৮৫-বৃদ্ধন	75	3034	खाहार नावि नात क्योर च शहर नकिश्व	ত-বারপা ৪-মিসা	b/8	698
প্রতিপাদকের পাকজাও বড়াই করিন			bob			8	204
বন্দকে সংক্ৰীৰ্ণ ও কলৈ কৰা (অল্লাহ বাকে শতাটা কৰতে চান)	৬-আনু আম						
বন্ধকে সংবঁপ ও নটিন কর (অস্তাহ ব্যকে শহরেই করতে চান) বছর (কটিন সাত বছর আসংব, রাখম সাত বছর পর)	১২-ইউসুক	87	69-7	व्यक्तर गावितात करोत	৫৯-হাশর		
বন্ধকে সংবীর্ণ ও কলি করা (অক্সাহ ব্যক্তে পথাটা করতে চান) বছর (কটিন সাত বছর আসবে, রাখম সাত বছর পর) মানুষের প্রতি কটিন করতে চান না আস্কাহ (রোমা রাসাং)	১২-ইউসুক ২-বাকুরো	29-6 82-	650	অস্তাহ কটোর (শার্ডিসাপে)	৮-আনকাল	e٩	609
বন্ধকে সংক্ৰীৰ্ণ ও নালৈ কৰা (অস্তাহ ককে পথাটো কৰতে চান) বছর (কটিন সাত বছর আন্তবে, প্রথম সাত বছর পর)	১২-ইউসুক	75h 79-6 82-	650				

No. of the last of	महान्द्र च नाम	100	100	the larger of	7000 0 43	1001	100
কটোর (পূর্ব পূর্বা থেকে)	and the same of		20000	Sea the province and the season of the seaso	Contraction Confidence	-	1
কালিবলের প্রতি কঠোর হলে সেই সম্প্রভান বাংসরকে	৫-মারিলা	48	ara.	জিলাসা করণ (ডাসহবে কাহাকের অবস্থানকাল সম্পর্কে)	72-4654	12	199
কাভিব/মূলাভিবসের উপর নবীকে কঠোর হবার নির্দেশ		9			29-4194	76	-
	७७-सङ्दीय		247	কথা (আরো দেখুন বাণী শব্দটি)	২১-আধিয়া		١.,
কালির ও মুনাক্ষিকদের বিক্তমে কটোরতা অবলখনের নির্দেশ	৯-ভারবা	10	181	অংগানী (অল্লাহর কথার অংগানী না হওয়া প্রসহ)			96
শক্ষাও(অপরাধী সম্প্রদায়কে কটোরভাবে শাক্ষাও)	७७-वाकाव्	30	942	জ্বল (কুজানো জ্বল কৰা উপস্থিত কৰতে চালেঞ্চ)	६४-वृद	<b>C8</b>	120
প্রতিশাশক শার্তিদানে কঠোর	১৩-রা'দ	9	90.0	অনুকরণ (পূর্ববর্তী কাহিওবদের কথার অনুকরণ)	৯-অধ্বা	ರಂ	168
বহরী (আনদশে কটোর প্রহরী বান্য সম্পর্কে জিনদের উচ্চি)	94-14-	7	30%	অন্য করের শিল্প না হওরা পর্যন্ত রাসূদ স, যেন উপক্ষের করেন	৬-আৰ্'আম	60	60
বেরেশনা (জায়ন্ত্রাদের দারিত্বে খানবে করের সাজনের কেরেশনা)	৬৬-অহ্বীম	6	390	ক্ষর করে নির্মন হল উঠ যালে (মনিয়ানা মারত বিলাএনস)	8-निश	280	
মুনাফিক/কাফিবদের উপর নবীকে কঠোর হবার নির্দেশ	७७-शर्शेय	>	267	সাহন্দীর লব (দুনবিধর গোপনে সামান্ত সাহন্দীর কর্ম বস)	8-मिगा	703	6,
गळका परोत्र (मुक्तिसा शक्ति गळका देखी-मूर्गावस्य गवाजा स्त्री)	৫-মবিদা	3.5	6,90	অৰ্ণন (ভাৱী কৰা অৰ্ণন কয়নে অস্তাহ, স্নানূল স. এর প্রতি)	৭৩-মুব্যাম্বল	2	M
শরি (ব্যব্রহ যাসর বর্তার শরি নিকে অসর উপলেশ দানা)	৭-জারফ	368	997	আকাশ-পৃথিবীর সমস্ক কবা প্রতিপাশক ছাদেন	২১-আখিরা	8	90
শান্তি (আল্লাহ মিখ্যা রচনাকারীদেরকে করোর শান্তি দিবেন)	১০-ইউদস	90	865	অল্লাহওরালানের কথা (হে আমানের প্রতিপালক)	৩-জালে ইমরান		Q.
শবিদাক (কটোর শবি দাক আল্লার)	২-বাকারা	260	Q35r	व्यक्तारः गर्द्सनेत राज्यि क्या स्ट्रा काता गुगरित साथ गाएरन	২০-জ্ব-ঘ্র	30%	9,8
শঞ্জিলাল (কটোৰ শঞ্জিলাকা স্বাস্থ্যাহ)	৩-জালে ইমরান		200	অপ্তাহৰ কৰা তবু 'হও' (অপ্তাহ কেন ভিত্নৰ ইচ্ছা কৰলে)	১৬-নাহুল	80	90
শান্তি (অপরাধীদের মঞ্জন্মের কারণে লঞ্জুল ও কঠোর শান্তি)	৬-অন'নাম	248	(go)r	অপ্লাহন কৰা সভা (মনুৰ ও জিন বৰা ক্ষাহন্তাম পূৰ্ব কৰা প্ৰসঙ্গ)	৩২-নাৰ্না	30	bs
শন্তি (অকৃতত্ত হলে আপ্রাহ কঠোর শন্তি নিবেন)	28-देश्यादीय	3	900	ষাপ্রাহর করা সর্বোঞ্চ	৯-ভাগ্ৰা	80	166
				ख्यारा क्य क्रून म् यभित स्नान ख्यार शब्दायस कराउन।	৬৯-হাস্বার্	88	20
শান্তিপানে কটোর (আল্লাহ)	২-বাকুরো	799	<b>૯૨૨</b>	অল্লাহর কথাই সভ্য	৬-আন্'আম	93	80
শব্তি নানে (অল্পাহ শব্তি নানে কঠেবে)	৪০-মুমিদ	٥	৮৭৮	व्यक्ताहर कर्वार व्यापामी मा १६वा श्रमक	২১-আধিয়া	29	3
শবিদানে (আল্লাহ শবিদানে কঠোর)	৮-আনকাশ	46	968	অপ্তাহন কৰা ভূলিয়ে নিয়েছিল আন্ত্ৰেনিসভাকে (আনৰ ঠাটা)	২০-মু'মিলূন	220	3.
শান্তিনানে কঠোর আল্লাহ	৫-মারিদা	2	@bro	আল্লাহর কথার রদবদশ হর না	৫০-কাব	43	8
শরি (সর মলপদকে কঠের শরি নিজন অধবা থালে করনেন অস্ক্রাহ)	১৭-ইস্রা	₫₩	677	ইচনিচন কর অস্তাহ অন্তঃন 'অস্তাহ ফরির ও অমর')	৩-আলে ইমরান	35-3	20
হিসাব (সাল্লাহ-প্রসূল স. এর অবাধ্যসের কঠোর শান্তি দিবেন)	५६-समाक	b	363	ইছলী-বাসায়াদের কথার অনুরূপ কথা বলে (হারা জানেনা)	२-वाक्तत	220	0
क्छोत्रवत				দিবন নিধ্য অধিহিতকারীদের (কুরস্মানের পরে) বেন্ কর্বায় :	৭৭-মুরসালাভ	60	188
মুনাফিনী ও কুফরীতে কঠোরতর (বেদুইনরা)	৯-ভাবৰা	39	960	ইমান না আনলে মুশরিকর ভবীর কথার (রাপুল প. এর মনোকট)	79-4168	6	2
वदीवर्ण		-	-	फेकरात नरीत जातर कवा ना समात निर्दर्शन (पुण्णिकरात और)	৪৯-হড়্বাড	2	b
চালিয়ে না দেকার অনুবোধ, বিভিন্নকে মূলার (স্থলের জন্য)	১৮-কার্ফ	90	900	উত্তম কৰা (মানুহকে আল্লাহ্ব প্ৰতি আহ্বান করা)	৪১-কুস্দিলাত	00	νt
মুমিনচের মধ্যে কটোরাল দেখতে পার যেন কাফিররা	3-वाववा	350	960	উল্লেখন প্ৰকাৰতী ও এই জনুসৰী সঠিক পৰ পাৰ ও বৃদ্ধিমান	OP-SEER	36	ъ
	3-41041	240	000	কথার ইমান (কাডিবরা কোন কথার ইমান আনবে?)	৭-আ'রাক	2246	60
46				কবির কথা নর (কুরআন)	50-51615	83	38
পৌষ্যনো (ধন্দকে মুমিনদের হনর কঠে পৌহানো প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাব	30	3r08	কাফিরদের কথাকে নিচু করে নিলেন আপ্লাহ	৯-ভাগ্ডা	Ro	36
প্রাণ বর্থন কন্তাগত হর (মৃত্যুকালে)	৫৬-ওরাবিরাহ্	80	289	काकिवास्तव कवांब देवर्षधावासव निर्दर्भ (वासून म. (क)	৩৮-সোমাদ	39	70
<b>क्षेत्र</b>				কাকিরনের কথার রানুল স. কে ধৈর্ঘধারণ করার নির্দেশ	৭০-মুখ্যামিল	30	31
উচু না করার নির্দেশ (মুফিনলের কষ্ঠাখর নবীর কষ্ঠাখরের উপর)	৪৯-হন্ত্রাত	2	350	কিয়ামতের কথার অভিযুক্তর বিশ্বর :	৫০-শব্দ	69	30
ব্যরণ (গথর বর্তমর সবচেয়ে ব্যরণ, কর্তমর নিচু করাএসম)	৩১-পুৰুমান	75	४३४	কুরজন সন্মনিত রাস্প স, বাহিত কথা	৬৯-হাস্তাহ	80	35
গাধার , সবচেয়ে বারাপ (কষ্ঠমর দিতু করা প্রসঞ্চ)	৩১-পুৰমান	75	४५४	কুরআন কথা (য জিবরাইল আ, কর্তৃক আনীত)	५३-डाक्डाद	329	20
নবীর কষ্ঠবরের উপর মুফিবলের কর্ষকর উচু না করার নির্চেশ	83-स्कृतांट	2	250	कृतकान दश्न क्या नव मा शत्म करा श्रवह	১২-ইউসুক	222	44
নিচু করার উপদেশ, পুত্রের প্রতি পুরুমানের	०३-जुक्सान	230	৮২৮	কুরামান কেনা করিব কর্মা নার কুরামান কোন কবির কর্মা নার	74-60-3A	222	99
নিচু করা (রাসূদ স. এর সামনে কণ্ঠতা নিচু করার প্রতিদান)	85-एक्टार	0	340	কুরজন কেন গগকে কর নয়		84	97
রাসুল স, এর সামনে কষ্ঠারর নিচু করার প্রতিদান	83-स्वतान		340		69-5560E	98	
क्शांवड	99-5400	Ľ.	840	কুকরির কথা বলেছে কাফির ও মুনাফিকরা	৯-জঙৰ		98
	a a Germany		220	কুরজনের কথা উপেকা করে মানুব কুরজনের কথা নিয়ে কাফিরে কি গতীর চিন্তা করে মাং	<b>१७-वर्गाक्ता</b> र्	9.7	96
প্রাণ হংল কণ্ঠাগত হবে(কিয়ামত প্রসঙ্গ)	<b>१८-क्सिम</b> र्	₹6	398		২৩-মুমিনুন	99	
প্রাণ কন্তাগত হবে (কিরামতের নিন)	৪০-মু"মিন	- 75	249	মুক্তমানে অনুষপ কর্ম উপস্থিত কর্মে কমিবানে প্রতি হয়গের	৫২-ডুব	-08	84
क्ठक				কোমল কঠে কথা না বলার নির্দেশ (দবীর স্থীগণকে)	৩০-আহ্বাৰ	७२	310
পরীক্ষা (মানুষের করকের দ্বারা করনকে পরীক্ষা করা হয়)	৬-আশ্বাম	60	800	গণকের কথা নত্ত (কুরাআন)	७७-शमप्	84	20
শাতকা হওয়া (স্থানের মানুষ বস্থানের কভানের শাতকা হওয়ে এ:)	৬-অদ্বাম	247	600	গোপন কথা,অপ্রহ মনুহার গোপন ও প্রবাশ কথা জালে()	২১-আধ্র	220	94
কর্তৃত্ব (আরো দেখুন ক্ষমতা শব্দটি)		-		গোপন (কৰা গোপন করা বা প্রকাশ করা অপ্রায়ের কাছে সমান)	১০-র'দ	20	69
আবাদ-পুৰিবীর কর্মুক্ত সম্পর্কে লক্ষ্য করা	৭-আ'রফ	23/12	9000	গোপনে (ছীর সাবে নবীর গোপনে কথা বলা প্রসঙ্গ)	७७-टाइरोप	٥	9,
থান্তপ-পূথিবীয় কর্মত্ব আল্লাহ ইবরাহীমকে দেখান	৬-আনু'আম	9.0	900	तान्त्र करा (क्या तान्त्र करा व शक्त करा, खद्वार करन)	৬৭-মূল্ড	30	3
আস্থাহর হাতে প্রতিটি বিষয়ের দর্বময় কর্নুত্ব	৩৬-ইয়াদীন	300	100	গোপন (বিবাহতে কাহিত্র কোন কথাই গোপন করবেনা)	8-निमा	84	25
আল্লহর কর্ন্তু (পুরস্কার নামে ও পরিধার নির্ধারণে)	79-9125A	88	949	খুণ্য কৰা (শ্ৰীৰ সাৰ্থে বিহাৰ করা)	৫৮-মুজানালা	2	20
আল্লাহর (বিচারের দিনে সমজ কর্তৃত্ব আল্লাহর)	४२-देनक्स	77	3030	চমকল্রদ কর্বার মাধ্যমে শরকানের প্রকারণা প্রদর্	৬-আন্ আম	225	6
		90		ছিন্তবিলেনভূগৰ কথা তৰ (অল্লাহর পথ থেকে বিচাত করতে)	৩১-পুকমান	8	4
অন্নহৰ (কুৰ্তৃত্ব সৰ্বই অন্নহৰ)	২৮-কাদাদ		F78	চুড়াত (কুবজান চুড়াত কথা)	৮৬-জারিক	30	30
মুখিনদের উপর শরভানের কোন কমতা নেই	১৬-নাব্দ	22	422	ষ্ট্ৰাড় দেয়া (সুপনিকের প্রতি পরীকের কর্মা হৈছে, ক্ষেমরা নিধাবাদী)	১৬-নাহ্শ	big	9.
শ্বানের কর্তৃ/ক্ষমতা মুশরিকদের উপর	79-48 <b>d</b> a	200	422	বুচিজান্ত না করে যেন রাসুল স, কে (কাফিনসের কবা )	৩৬-ইৱাসীদ	96	50
ৰতিপয় (ব্যক্তি)				নবীর স্ত্রীর সালে গোপনে কথা বলা প্রদান (নবী কর্ম্বর)	५५-सङ्ग्रीम	0	>
জিনো কবিপা ব্যক্তির মাহে কবিপার মানুসের অনুয়া প্রার্থন	૧૨-ક્ષિન્	6	300	ন্তু কৰা কৰাও নিৰ্দেশ (মূল আ: ও হাৰুদকে বিবাসমিলের সাথে)	२०-झ-श	88	98
মনুষ্য কঠিপা বুজিব কঠিপা জিনের আছে অপুর প্রার্থন	1২-জিল	4	abrb	মির্বাদ জিনানর অবানর কবা (অপ্তাহ সম্পর্কে জিনানর কবা)	१२-सिन	8	35

No. of States	70 V + 10	west to	100	TO SHOULD BE SHOULD BE	<b>阿里里</b>	721.0	tolk
कथा (भूर श्री त्यत्व)	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	100.00	-	সভাবান (কৰার আপ্রাহর চেরে কে অধিক সভাবানী ই)	8,100	3.3	699
ন্যোগ্য কা বেলে) ন্যোগ্য কৰা বলা (ইন্সত চলাকালীন বিব্ৰের প্রয়াব)		200		সভ্যানী (কৰার আল্লাহর চেক্তে কে অধিক সভ্যবাদী হ)	8-निगा	255	
	২-বাকুরো		१२१	সভ্য (কাঞ্চিরদের বিক্তমে শান্তির কথা যেন সভ্য হয়)	৩১-ইয়াদীন	90	969
ন্যায়সংগত কথা ও আনুগত্য উত্তম হত (মুনাফিকনের জন্য)	৪৭-মুহাম্বাদ	57	778	সভা কথা এই যে, ইলা আ, মারইরামের পর	১৯-মারইয়াম		
পরিবর্তন (ক্রী ইন্মাইল করা পরিবর্তন করা অবংশ থেকে পরি প্রেরণ)	৭-আ'রাক	369	લ્સ૧			*6	905
পরিবর্তন (কনী ইনারাইল কর্তৃক আক্রাহর কৰা পরিবর্তন প্রদাস)	২-বাঞ্চর	4.9	808	সন্মানক্ষমক কথা বদার নির্দেশ (মাধ্য-পিভার সাথে)	১৭-ইস্রা	২০	375
পরার (১১ দুবার মালিক ১ দুবার মালিককে কথার পরার করা)	৩৮-সেরাদ	₹0	969	নৰোত্তম কৰা কুৱজান নাদুশ্যপূৰ্ব/বারবার পঠিত কিভাব	৩৯-বুমার	20	3.60
পাপ কথা নিষেধ করে সা কেন রকানী ও পর্যভগণ	৫-মারিপা	60	Chh	গাড়া (বাছুর কথার গাড়া দিতে দক্ষম নয়)	২০-জ্ব-হা	УЪ	986
পিপড়ার কথার দুশাইমানের মৃদু হানা	২৭-নামল	72	9007	সাংঘাতিক কথা (আল্লাহ সন্ধান প্ৰহণ করেছেন বলা)	১৮-কার্ফ	ę	948
পুনরার প্রেরণের প্রার্থনা একটি কথা মাত্র (যে বলে ভার)	২৩-মুমিলূন	300	992	সুন্দু কৰাৰ ইমান আনলে অস্কাহ দুলিয়া-অধিবাতে সুন্দু বাংল	১৪-ইবরাহীম	29	696
পূর্ববর্তীদের জন্য কথা (বছ ইলাহ/উপান্য এহণ প্রসঙ্গ)	২১-সাধিরা	₹8	925	সৌহার্নাপূর্ণ কথা উত্তম (কউদায়ক/খৌটাবুক্ত দাদের চেরে)	২-বাকুলে	200	40
পৃথিৱী ও আকাশের সমস্ত কথা প্রতিপাশক জানেন	२১-वाषिदा	8	920	প্ৰীৱ সাথে নবীর গোপনে কথা বলা প্ৰসহ	৬৬-ভাহ্রীম	0	390
গ্ৰহাত কৰা(অক্সাহ মানুহাত গোপন ও প্ৰকাশ্য কৰা মানেন)	২১-আধিয়া	220	929	হুদের কথার উপাস্য পরিত্যাগে অসম্মত (আদ সম্প্রণায়)	77-fe	60	690
প্রতিপালকের কথা সভ্য হওয়া (কাফিরসের বিরুদ্ধে)	৩৭-সাক্ষাত	405	907	কথা (অনৰ্থক কথা)			
থিবিরে সেরা (কথা বিবিরে নিবে মালিমরা পরস্পরকে)	৩৪-সাবা	42	780	নুৰ্ত্তেশ (ৰেশাহ্মদে অনৰ্থক কথার দিও ব্যক্তির ছন্য)	१२-एव	25	3-23
বহিব কর্ম (অস্তাহ্ব সংগ্রদ দিয়ে সধ্যা কি অনুত্র বহিব কর্ম)	১০-রাদ	00	695	কথা (অসার কথা)	47.51	-	-
বনিরে বল(অস্তাহর কথা রাসুল প. বনিরে বললে আল্লাহ)	७७-दाकाद	88	800	क्षानुद्रक क्षत्राव कर्या बहुद मा	41.77	40	3/3/
বিশ্বান (অস্ত্রাহর অস্তাহের পর কবিব রেনা কবার বিশ্বান করে।)	8ç-मास्त्रा	9.	305		৫২-ভূব	40	350
বিভিন্ন (মনুষ বিভিন্ন রকম কথা-বার্তায় লিক্ক)	१५-शास्त्राह	7	955	কথা (কিয়ামত)		_	-
	70-51,A 50-51,A			স্তাপতিত হওয়া (কিয়ামতের কর্মা কাফিবলের উপর স্বাপতিত হওয়া)	২৭-নামল	ьę	200
বিকাশন কৰা কৰিবলের (নাটি হরে যাওৱার পর নতুন করে সৃষ্টিং)		2	964	জ্বপতিত হলে কথা (কিয়মত) কৰিবদেৱ উপর,	হ্ণ-সামল	2.4	900
বুঝ (মৃদার কৰা যতে ফিরজাটন বুঝতে পরে দে জন্য পোরা)	২০-জু-ছা	52	482	কথা (কুরখন)			
বুবাতে না পারা (ফুনাফিক সম্পানায় বেন কথা বুবাতে পারে না ৫)	8-મિંગ્સ	10	600	পৌরে নিয়েছেল আল্লাহ কর্মা (কুরজন) উপলেশএইবার জন্য	২৮-কানাম	62	233
বুৰত না (দুই প্ৰাচীরের মধ্যবতী স্থানের সম্প্রদায়)	১৮-কব্ৰেফ	>0	902	মিখা অচিহিত কর (আল্লাহর কথা বা কুরআনকে)	৬৮-কুলোম	88	399
ভরানক কথা (ফেরেশন্ডাসেরকে স্বাল্লাহর কন্যা বলা)	১৭-ইস্বা	80	939	কথা (ডিলাবয়াত)			-
অদ কৰা (ইয়াভিমের সাবে ভাগ কথা বলার নির্দেশ)	8-নিসা	2	440	উপযোগী (রামের কুরআন চিলাওরাড অধিকতর উপযোগী)	९०-मुगुर्याचित	6	bot
লেল কৰা কৰা (মীৰাস বউলকালে উপস্থিত আহুদিন্টবাভিয়েন সামে)	8-নিসা	ъ	229	কথা কিরানো (উত্তর দেয়া)	10-214-41	Ť	1000
জল কৰার দিকে পরিমালিত হওয়ায় জাল্লান(সংকর্মশীল মুমিনকে)	२२-श <b>क</b>	48	960		1 . m w	53	986
মদ কর্ম প্ররাশ করা অপ্রাহ কলবালেলা (মঞ্চপুন প্রয়া করো)	8-निग	585	675	বাছুর কথা ফিবাতে/উত্তর দিতে সক্ষম নয়	২০-জু-ছ	7.0	100
মর্মাপালী করা বলতে রাসুল স. কে নির্দেশ(মূলাফিকনের প্রতি)	8-দিসা	00	464	কথা বলা			-
भाग हा क्यों है केवल बहुत कर लिए अवसन गाँहरकर उन्नाट	१०-वृष	35	340	অন্তদের কথার অনুত্রপ কথা পূর্ববর্তীরা বলত	২-বাকুারা	アント	270
মানুষের কথা কুরজান (ওয়ালীন ইবনে মুগীরার উঠি)	৭৪-মুনাছছির	30	292	অনুমতি (আল্লাহর) ছাড়া কথা বলা বাবে না কিয়ামতে	৭৮-গাবা	40	200
মিশ্যা কথা বৰ্জন করার নির্দেশ (হচ্চের বিখান প্রদঙ্গ)	22- <b>20%</b>	00	963	অধীয় কৰা বলল ইউস্কের সাথে	३२-इंडेन्ट्रक	28	695
মু'মিননের কথা হবে কনশাম ও আনুগতা করপায	५8-मृद	62	333	আল্লাহ অন্ধনের সাবে কথা বলেন না কেনঃ (জঞ্চলের গ্রহা)	২-বাকুারা	224	670
মনাভিকলের কথার কলি দেখে চিনাতে পারবেন বাসল	৪৭-মুখ্যব্দন	00	378	অস্ত্রাহ কৰা বলবেন না কিয়ামতে, তানের সাবে যার	৩-জালে ইমরাল	33	480
মুনাফিকনের কথা গাসুল স. আমাহ সহকারে শোনেন	৬৩-খুনাঞ্চিকুন	8	348	অক্সাহ কৰা কৰ্মনা না আনুৱ সাথে যাৱ কিবাধের বিনিয়ত্ত্	২-বাকুারা	248	625
মুশবিকদের কৰা যেন বাসুল স. কে কট না দেব	১০-ইউনুস	94	èèo	অক্সাহ মানুহের সাথে সরাসরি কবা বংশন না	৪২-শুরা	62	726
মুশরিকদের কথা/সন্ধান এইণ খেকে আপ্রায় পৰিত্র	80-गुरक्क	145	202	অক্সাহ্য অনুসৰি স্কান্ন কেউ কৰা কালে না (যেনিগ পান্তি আসংগ)	22-ge	206	990
মূল্যকৈলের প্রতি পরীকলের কথা (বোসরা মিখাবাদী)		100	920	অস্ত্রাহর সাবে কবা বলকে নিবেধ (ধার্যন্ত্রামীসেরকে)	২০-মু'মিলুন	200	225
	১৬-নাহ্দ	8		ইউসুকো আইটোর ও পিতা যে করা কলা তার ভারকরাক স্বাপ্তাই	22.8630	99	der
মুখের কথা মার (পালক পুর আদলে পুর নর।)	৩৩-অহন্তৰ		100	ইপাহণদ কৰা বলে দা কেন্দ্ৰ (ইপাহনেত্ৰক ইনৱাইনের প্ৰশ্ন)	৩৭-সাম্প্রত	24	703
মুখ্য কৰ (ইন্দী ও নগৰানের মুখ্যে কৰা, অক্সাহর পুত্র কৰা)	১-মাওবা	00	680	ইশ্ব আ, কৰা বাসেহেন কোনে বাকা অবছায়	g-प्राविमा	220	296
মূসা আ, ও শেরাইবের কথার তত্ত্বাবধারক আল্লাহ	২৮-কাশাস	₹97	3,70	विकासका क्या जाहार व्यापन	२०-इर-ए	3	98
মূনার কথা ঘাতে ক্ষিরআউন কুকতে পারে সে জন্য পোরা	২০-ড়া-যা	52	182	উপান্তর কর্ম করের পারলে মুর্তিকাল সম্পর্কে অনেরকে বিচ্ছাল কর	২১-আছিল	600	928
মূলর করার এতি যত্নকার লা হওয়ার অভিযোগের আশবা (তালফার)	২০-ছা-খ	38	181	'উড' বলা নিহেব (মাত্রা-পিতাতে)	১৭-ইপরা		
যব্যবন্ধ কথা বলার জন্ত দবীর প্রীদেরকে নির্দেশ	৩৩-আহম্বৰ	વર	900			20	130
हानून न. यह ननीतन बना रुख (वह देनाव/वेनाना टायन टानम)	২১-আধিয়া	48	462	কিতাৰ (আমলনামা) সভ্য কথা কাৰে	২০-মুখিন্ন	94	295
রাস্সের (সম্থানিত রাস্সের বহন করপা কথা- কুরাআন)	५३-रासर्	80	99.0	কোলের শিক্তর সাবে কীভাবে কথা বলবে সম্পন্ময়	১৯-মাবইয়াম	২৯	900
শরতানের কথা নয় (তুরআন)	৮১-ভাকভার	42	2009	জীবের (নিরামত আপভিত হলে মনুচার সবেং এক জীবের কথা কণা)	২৭-শমল	24	300
भरीकरा पुर्श्वकराना मिरक ध कमा हुएक मिरन (रसम्बा विश्वाचाने)	১৬-নাহন	16	930	ছুপুরের করেনে কিয়ামতে কথা কশতে না পারা প্রসঙ্গ	২৭-নামশ	46	204
শঞ্জিয় কৰা অভিবাহিত (অনবাহিত) হয়েছে যাসের বাপারে	২৩-মু'মিনুন	49	989	ন্যার বিচার (কর্মা কলার ক্ষেত্রেণ্ড ন্যার বিচার্যনার কর্মা করা)	ও-আন্'আম	265	923
শান্তির করা দত্তা হর জনপদবাদীর উপর (পাপারতের কারনে)	১৭-ইস্বা	36	930	হতিশালকের করা বলা (মূপার সাথে)	৭-জা'হাফ	780	655
শান্তির কথা সভ্য হয়েছে যানের প্রতি, ভারা বলবে	২৮-সমস		530	ফ্ছসালার ভিন, মিখ্যা অভিহিতকরীরা কথা কানে না	৭৭-মুরুসালাত	02	299
प्रम ( <b>प्रदा</b> र का रूप प्रगटन (र का शमित शामात करना र का)	৫৮-মুজানলা	3	343	ৰাষ্ট্ৰতে কথা না বলা সচ্চেও তাব পূঁজা কৰা!	९-व्हा वाम	787	623
সঠিক কৰা বলাৱ নিৰ্দেশ (ইয়াতিম প্ৰসঞ্চ)	8-निमा	2	669	ভয়ানক কৰা কাভিবলের (আল্লাহর কন্যা-সন্ধান বলা)	১৭-ইসরা	80	93
সঠিক কৰা বলাৱ নিৰ্দেশ মুখিলদেৱ প্ৰতি	৩৩-আহবাব	90	b80	মনগড়া কৰা বলেন না ৱাদৃদ (মৃহান্দদ খ.)	৫০-নাজম	9	303
সমত কৰা কৰাই সংসাদে ব্যক্ত বাত সমত হয়তে কৰাই অধিমানের উপন্তবিদ্যান না আনা প্রসঙ্গে।	०५-रेशमीन	9	345	মার্ট্রাম কথা বলবে না কোন মানুহের পাথে	১৯-মার্ট্রাম	26	900
সভা হয়েছে (শক্তির) কথা যানের উপর				মনুহার সাচা করা করে ইল-মনীর কোলে প্রকা করেছার ও	৩-জালে ইমরান		480
শতা ব্রেছে (শান্তর) করা থানের উপর	৪৬-আত্বকে ৩২-সাঞ্গা	3br	303	মনুকে বাবে কথা কল্ড পর্বে না বাকারিয়া (ভিন দিন)	৩-জালে ইমরান	82	280
		30	5007			82	200
সতঃ (মনুষ ও জিন ছার জায়ন্ত্রাম পূর্ণ করা এসলে উল্লোহন কৰা)							
সত্ত (মাতুৰ ও জিন ছাৱ জায়োগ্ৰম পূৰ্ণ কর তেনে উল্লোখ্য কৰা) সত্য (অক্সাধ্য শাহানা উপৰ নিয়ামতে এই কৰা সভ্য ছাব যে) সত্য (সাম্বাহ্য কথাই সভ্য)	৪১-মুপ্সিলাত ৬-জান'জাম	4¢	905	যানুবের সাপে সুন্দর কথা বলার অসীকার (বনী ইসরাইকের) যুদ্দিনদেরতে মুনাধিক/ইরুনী কর্মুক এমন কথা বলে দেয়া	২-বাকুরো ২-বাকুরো	96	400

পুৰ বিষয়/জনক কথা (পুৰ পুল বেকে)				नव विवद्शास			\$ L.
	No. of Page 1	-	-	विक्टर्स गुन्नों ना बना जान (ब्रह्माक बना जारह का)	80-पृथंकफ	35	1009
ভুৰঞ্চিকরা কথা বসলে রাসূল স, তা অগ্রাহ সহকারে পোনেন	७७-यूनाविकृत	8	368	বিরে (কন্যাকে বিরে করা হারাম)	8-निमा	২০	222
মুমিনর কেন বলল না আমরা এ ব্যাপারে কথা বলব না	२८-मृत	26	990	মামার কন্যাকে বিবে করা বৈধ	৩৩-মাহ্যাব	20	509
	8-सिमा	368	43b	তেৰে নেয়া (কন্যা শিবলৈ জীবন্ত বেৰে দেয়া/মটিতে পূতে ফেম্ম প্ৰদাস)	১৯-নাহপ	45	909
ভূসৰ সাথে আল্লাহ সরাসরি কথা বলেছেন		500	928	লুতের কন্যাপণ পরিত্র, লুভ সম্প্রদায়ের সন্দকান প্রসন্থ)	35- <b>द</b> ल	91	694
মৃতি কথা বলতে পারে না (ইবরাহীমের সম্প্রদায়ের উক্তি)	২১-আধিয়া			পুতের কথালেকে বৈগগুলে এবলের আহান (পোনসনা প্রতি)	>2-Rea	93	903
দুহরা দুশরিকদের নালে কথা কলগেও আরা পথান আনবে না	৬-আন্'আম	222	609	পুতের কন্যানের ব্যাপারে তার সম্প্রদায়ের কোন দাবী নেই	33-ger	93	690
যাকারিরা কথা কলতে পারবে না (ভিন রাভ)	১৯-মারইরাম	30	908			39	559
রাসুল স, এর সালে আল্লাহ কথা বলেছেন (কভক রাসুলের সালে)	২-বাকারা	২৫৩	අතර	গংবাদ (কন্যার জন্ম সংবাদে মুশবিকদের মুখকাশো হর)	৪৩-যুধকক	31	207
প্ৰীৰদেৱ পক্ষে কৰা বলে এমন প্ৰখাণ কি অৰক্টৰ্ণ করেছেন	৩০-ছম	02	1.58	কণাদ		_	_
শিকা নান (গরানর অস্ত্রাহ মানুষকে কথা কথা শিকা নিরছেন)	৫৫-রাত্মান	8	3/05	দাগ (কপাল ও পার্শ্বলেশে দাগ দেরা হবে, তাদের যাবা)	৯-জাওবা	002	680
সহজ্ঞ কথা বলা (হৰদারদের সাথে সহজ্ঞ কথা বলা)	১৭-ইস্রা	53.	ዓንъ	পুত্রকে কপালের উপর (উপুড় করে)শছন করাল ইবরাহীম,	৩৭-সাহ্চাত	700	2.05
সুদর কবা কর্মার অসীকরে, মানুবের সাথে (কনী ইসরাসদের)	২-বাকুরা	540	අරව	करत			
হাত কথা বলবে আল্লাহর সাথে (কিয়ামডের দিন)	৩৬-ইয়াসীন	-62	p64	অধিবাসী (কবরের অধিবাসী সম্পর্কে কাঞ্চিররা হতাপ)	৬০-বুৰভাহিনা	30	32%
কথা বলানো				উদ্ধান (কবরে যা আছে ভার উদ্ধান সম্পর্কে মানুব কি জানেবাং)	১০০-'অদিরাদ্র	b	2000
দৃতকে কথা বশানোর আকাজন (কুরআন ধারা)	১৬-রাম	62	692	উন্মোচন (বিশ্বামতে কবর উন্মোচন করা হবে)	৮২-ইনফিভার	8	2020
কথা বলা (সাক্ষ্য দেয়া)		_		উপনীত (করে উপনীত না হওৱা পর্যন্ত প্রচুর্যের প্রতিযোগিতা)	३०३-शासकुर	3	3000
মনুবৰ বিৰুদ্ধে সঠিক কথা বলকে বিৰোধকে (আমলনাম্,কিভাব)	৪৫-জ্যন্তিয়া	45	209	ছুটো আগবে, কবর থেকে (শিলার ছিডীর ফুঁ দিলে)	৩৬-ইয়াসীন	62	<b>ve8</b>
ক্থাৰাৰ্ডা		-		পুনক্ষিত করা(কংকোশীদের আল্লাই পুনক্ষিত করবেন)	55-25m	3	250
ক্ষাবাত৷ মণ্ডল(নবীর হরে কথাবার্তায় মণ্ডল না হওয়া প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্যাব	0.0	rev	বের হুংপ্রার (বিশ্বামতে কবর থেকে দ্রুত বেসে বের হবে মনুছ)	৭০-মা'জারিক	80	200
	१५-यविश्व	60		বের হতার (কমিনের বিশিক্ষ শক্ষপালের মতো কনর বেকে বের হতে)	৫৪-কামার	9	300
মানুষের কবা-বার্তার মতই (আল্লাহর প্রতিবাদতি সত্য)	62-didate	50	৯২৬	মুনাফিকদের কবরের কাছে দক্ষিদো নিষেধ	৯-জাধবা	78	<b>68%</b>
কথায় পিঙ		_	_	क्वावामी	8-91941	9.0	V0 //
जना स्थात लिख ना दक्ता शर्यक्ष प्राप्त म. এद ना बमा	৬-অপ্তাম	100	605			-	
জয়াত সদক্ষে জনৰ্থক কথার লিঞ্চ দেখলে সেখানে না বসা	৬-জানু'জাম	45	602	শোনালো বারনা কোন কবরবাসীকে (কথা)	৩৫-ফাভির	રર	686
কথা (শান্তির)				क्वरह			_
অবধরিত (তুহ আ, পরিবজের মানের উপর শর্মির বন্ধা অবধরিত)	১১-ছুদ	80	660	মানুহকে আল্লাহ কবরছ করেন (মৃত্যু ঘটানোর পর)	৮০-আবাদা	177	3000
ক্ষোপকথন				কৰি			
বাদনজ্ঞানর সাথে কর দাবীর (দ্রুষ্টার প্রতি অনুক্রম হওয়া প্র.)	১৮-কাহক	09	929	অনুনরণ (কবিনের অনুনরণ করে বিপথগামীরাই)	২৬-৬'আরা	228	936
অন্তেল অল্পাহ (প্রানুল স. ও বিভর্কজরী মহিলার কথোপকলা)	৫৮-মুজাদালা	١ .	344	কথা (কুরমান কোন কবির কথা নর)	৬৯-হাজাহ	83	200
দাৰ্থার সাৰ্থে( বাগানওয়ালার)	29-41 <u>5</u> 4	48	939	মুহ্মফা ন, এবন্দান কবি (কুরাজন রচনা সম্পর্কে কবিরের অপরাদ)	২১-আধিয়া	· e	920
<b>с</b> ня		-		মুহাত্মদ স.কে কবি বলে অপবাদ (কাঞ্চিত্ৰ কৰ্ত্ক)	৫২-তৃত্ব	00	heo
রাত (কনরের রাত হাজার মাদের চেরে উত্তম)	১৭-কানর		2059	রাসুল স. এক পাগল কবি (মুশরিকরা বলত রাসুল স. কে)	৩৭-সাক্ষাত	00	bûb
ৱাত (কলবের লাভে আস্থাহ কুরআন অবতীর্থ করেছেন)	৯৭-কানর	2	2059	वनिका			
	91-9199	-	PURA	শিবানে (রাসূল স. কে কবিতা শিবান নি আল্লাহ)	৩৬-ইয়াসীন	95	res
কদরের রাভ		_		কবীরা ভুনাহ		-	1
উত্তম (কদরের রাড হাজার মাসের চেরো উত্তম)	৯৭-কালর		2059	নির ধকা(করির গুলহ থেকে নিরত ককলে স্পীর গুলহ মাত হবে)	8-निमा	0)	493
কুরমান অবতীর্ণ (কনরের হাতে)	৯৭-ফাদর	7	7059	বিরত (দুমিন কবীরা গুলাহ পরিহার করে)	8३-पृदा	09	1/38
बांगामां (राम्न म. त्व कमस्त्रद वांच मण्डात्वं ब्लगामा शमत्र)	৯৭-কানর		2059		94-741	-	V 30
মেরেশনা অনভাগ করে কনে বাজেরেভিশালকের নির্দেশ দিয়ে)	১৭-ফানর		2059	कर्ष	a maffirm	10	41.0
শক্তি বৰ্ষিত হৰ (কদৰ বাতে কজৰের আবিষ্ঠাব পৰ্যন্ত)	৯৭-কানর	¢	7059	অপ্তাহ কবুল করেন মুবাকীর পঞ্চ থেকে	৫-মার্মিনা	29	648
क्नूदै				ইবরাহীয/ইসমাইল থেকে কবুল (কাবা ঘর নির্মাণ প্রসঙ্গ)	২-বাকুারা	254	478
হাত কনুই পর্যন্ত বৌভ করার নিদেশি, অঞ্ প্রদর্গ)	৫-মারিদা	6	627	কুরবানী কবুদ করা হল একজনের (হাবিলের) পাচ থেকে	৫-মারিনা	29	6.48
কল্য/কল্যা সম্ভান (আরো দেখুন মেয়ে শক্ষ্টি)				কুরবানী কবুল করা হল না অন্যঞ্জনের (কাবিলের)	৫-मात्रिमा	રવ	298
আল্লাহ কি কন্যা পছন্দ করলেন পুরের পরিবর্তেঃ	৩৭-সাক্কাভ	750	86%	তথবা কবুল কবেন আল্লাহ বান্দানের	৯-তাওবা	708	952
সাল্লাহকে কন্যা সম্ভান গ্রহণের জপনান (মুপরিকদের)	৪৩-মুবঞ্চফ	36	Pes	जरावा करून कर्या दान नो जात्म्ब गांवा	০-আদে ইমবান		288
অল্লাহর কল্ড কন্যা(!) আর মুপরিকাগের জন্য পুত্রঃ	६५-५व	60	907	ভাওৰা (আদ্ৰাহ ভাব ৰান্দাদেৱ ভাওৰা কৰুল করেন)	8२-पूर्वा	4.0	490
অল্লাহৰ জন্য কন্যাসন্তান সাব্যস্ত কৰে: (ফাফিররা)	৩৭-সাড্যাত	28%	8616	লোৱা কবুল হল (মূলা আ, ও হাজনের)	১০-ইউনুস	2.9	995
অক্সাংব জন্য কন্যা সন্তান নিৰ্বাহণ করে (সুপরিকরা)	১৬-নাহল	29	909	প্রার্থনা (ইবরাই)দের প্রার্থনা কবুল করার জন্য লোয়া)	১৪-ইবরাহীম	80	839
পাল্লাহর জন্য কন্যা সন্ধান।	৫৩-নাম্বয	43	200	প্রতিপাশক করুল করলেন মারইরামকে (উন্নমন্তর্গে)	৩-আলে ইমরান	পণ	609
সন্মাহর জন্য পুত্র-কন্যা উদ্ভাগন (আন ছাড়াই)	৬-আশু আম	300	808	বিলিময় (মুক্তিপণ) কৰুল করা হবে না কিয়ামতের দিন	৫-মারিলা	00	245
ইমরানের কন্যা মারইয়াখের সতীকু/দিমান/সানুগতঃ প্রসঙ্গ	৬৬-ভাহরীম	38	247	যানত করুলের প্রার্থনা করণেন ইমরানের স্লী	৩-আপে ইম্বান	00	60%
ৰালার কন্যাকে বিয়ে করা বৈধ	০০-মাহ্যাব	80	bos	ক্রুলকারী			
डांडार कन्युटक निरम्न कर्या देश	৩০-সাহ্যাব	¢0	bog	ভাৰৰা (আল্লাহ ভাৰৰা কবুলকায়ী)	৪০-মুমিন		<b>৮</b> 9৮
নান (অক্সাহ থাকে ইচ্ছা কন্যা ও পুত্র উচয়াই দান করেন)	8२-मृता	do	b/24	কম (আরো দেশুন অস্ক শব্দটি)			
	84-70	83	PAG	जल (गरित दान जल तम निरम न जल्लार, दुर्गनित्तरकार)	22-दुन	309	992
				অংশ (পরিবার্ড সম্প্রান নারী-পুরুষ্টো অংশ, কম বা বেশি হোক)		1	261
দান (আল্লাহ থাকে ইচ্ছা কন্যা/পুত্র সন্ধান দান করেন)							
নান (আল্লাহ থাকে ইছো কন্যা/পুত্র সন্ধান দান করেন) দবীর কন্যাদের চানর পরিখানের নির্দেশ	৩৩-আহ্বাব	6.9	pucp		8-PH se murium		
দান (আল্লাহ থাকে ইচ্ছা কন্যা/পুত্র সন্ধান দান করেন)		69 69	909 909 809	অংশ (শরুরতাক সম্প্রে পর-পুরুত্তর অংশ কথা বা বেশ (এক) অর্থেকের কথা সময় রাভের (নামারে পাঁড়াসো) কৃত্তর (বাপারা কথাই কৃত্তর হয়)	২০-মুনদাখিল ৩৪-লাবা	0 30	284

THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER.	न्वा नर् ध नाम	100 4	94	·	लुक्तं कर गांव	-	90
क्य (नुबं नुशे (बंदक)			7-1	আলোকপ্ৰদ কৰেছেন আল্লাহ ছিনকে	२९-नामन		800
প্রতিকল (পূনরা কানাকরীকে পুনরার প্রতিকল কম সেরা হর না)	22-gH	342	669	আল্লাহ তাই করেন যা ইচ্ছা করেন	২২-হজ	78	925
म्बल क्या न इनाव प्रदर्शन बान्युगन के प्राप्ति क्रिय गण्डानवरू	22-64.	V8	630	আপ্তাহ তাই করেন যা করার ইজ্ঞা করেন	৮৫-বৃত্তন	36	2026
শীবলে কম না নেয়ার নির্দেশ(ন্যায়াঝবে পরিমাপ প্রদর্গ)	৫৫-রাহ্মান	8	800	অপ্তাহ যে আচকা ৰালিয়নের সাথে করেছিলেন তা সুস্পষ্ট	১৪-ইবরাহীন	80	69.3
সংখ্যা কম হলেও অল্পাহ উপস্থিত (গোপন কথা কর্মার সময়)	৫৮-মুক্সাথালা	٩	882	অস্তাহ বা করেল সে সম্পর্কে প্রশ্ন করা হবে না	২১-আধিয়া	20	962
সম্পদ ও সমানের নিক বেবেদ্ বাগানভালের হেরে কার সাবীর )	১৮-কার্ক	40	929	অস্তাহ থা ইছো ভা করেন	২২-হাজ	75	923
হাসা (কম সময় হেসে নিক দুনিয়াতে, দুনাঞ্চিকরা)	৯-অভবা	24	68V	অল্পান্তর করা/গৃত্তিকে পূর্ববস্থার নিরিয়ে আনর কাম অল্পান্ করংলই)	২১-আধিয়া	308	929
কম করা (আরো দেখুন,ব্রাস শব্দটি)			$\Box$	অক্সাহ বর্ত্তহান্।পাউদ আ: /মুম্বাইখানকে প্রমা/ম্বান গান প্রদাস)	২১-আধিয়া	939	920
গ্বগুর লেখক যেন কম না করে (লেখার ক্ষেত্রে)	५-राक्स्ब	29-2	0:08	অস্ত্রাহর (মানুয়কে শান্তি নিরে অস্ত্রাহ কি করকেন ? কৃষকার গ্র)	৪-নিসা	184	9.99
कमंडि		-		অল্পাহ তামাপার সামটী গ্রহণ করেননি	২১-আধিয়া	24	467
ভুলপথে সাহায্য করতে কমতি করেনা (পরতানের ভাইরা)	৭-আ'রাক	303	60)	আল্লাহ তা করেন যা ইচ্ছা করেন	৩-আলে ইময়ন		<b>480</b>
कर (महा			1011	অক্সাহ যা চাল ভাই করেন	২-বাকুরা	550	\$00
ওম্বনে কর সেরার পরিদান	bro-मुखक्किकीन	0	2022	অক্সাহর যা ইঞ্চা তাই করেন(পমান গ্রাসঙ্গ)	১৪-ইবরাহীদ	ર૧	999
क्कार कर में एकार करा गण्डानास्य श्रीके निर्दान (व'कार्रास्य)	े-खा,शक १००ईलर्स्स्सर	brê	950	विक्रियम क्षेत्रका यनि निक्रू कार्यक्षेत्रक विक्रुपमा वालास	১২-ইউসূত	20	699
প্রাপা বস্তু কম না দেয়ার নির্দেশ (আইকাবালীকে তথাইব)	50-0,atat	350	959	ইউপুথ আ যদি না করে, অখিয়ের স্ত্রী যা আদেশ করে, তবে তাকে	১২-ইউসূফ	જર	693
মাপ ও তক্ষমে মানুহকে কম দেৱার ব্যাপারে নিকেবজা	22-dit	bre	690	ইউসুফের নাথে কী আচরণ করেছে ভাইছের	75-8854	7.79	694
कटम बाह्या			10.10	ইবরাবীমকে জাদ্রাতের উন্তর্জনকারী করার জন্য পোরা	59-9"stat	৮৫	932
পদি/বন্য কমে গেলে নৃহের নৌকা স্থুদী পর্বতে থামে	22-3H	88	000	উপাস্যুক্তির সাধে ইংরাইনের অসকা করা (মূর্তি ভাল প্রসঙ্গ)	২১-আধিয়া	ધ્ય	928
	22191	00	000	উপাস্থানে জন্ম কিছু করতে চাইলে সাধায় করা(মৃতিবালা প্রসদ)	২১-আধিৱা	66	928
ক্ষণাবৃত		-		উপদেশ মান্য কথলে মুনাফিবনের জন্য ভাগ ও মজবুত হত	8-निमा	99	262
হাস্প স. কে কমশাবৃত বলে আল্লাহর সম্বোধন	१०-मुप्यक्ति	2	php	কঠোৰ কৰা (পোপ্তাহ পদত্তী কৰাতে চাইলো ৰক্ষ কঠোৰ কৰে চেন)	৬-আন্'আম	250	609
করেকটি				কৰিৱা এমন কিছু বলে যা তাৱা করে না	২৬-হ'আরা	226	333
দিরবাম (করেক দিরবামে বিক্রব করল ফারীনল, ইউনুককে)	३२-१७नुक	20	৬৭৮	কল্যাপকর কান্ধ যা মানুধ করে লে নম্পর্কে আরাহ জানেন	৪-সিগা	১২৭	540
বছর (করেক বছরের মধ্যেই রোমানরা বিন্দরী হবে)	৩০-রম	8	254	ব্যক্তিয়ার পূর্ববর্তীয়াও মৃত্যুর ফেরেশনা/পান্তি আপার প্রতীক্ষা করত	১৬-নাজ্প	00	900
বছর (কারাণারে বর্ত্তেক বছর অবস্থান করদ ইউসুফ)	১২-ইউসুফ	84	6tho	ক্ষরিয়ের করা (ইক্ষরিয়ের সংক্রেয়াকে অ <b>স্ক্রে</b> র সর্বাচিক ক্ষরিয়ের করেন)	২১-আধিরা	90	968
করণীয় (আরো দেখুন দায়িত্ব শব্দটি)		_	$\perp$	ক্ষতিহাত্ত করা পাপাচার (কণের দেশক ও নাকীকে)	২-বাকুরো	२४२	208
আকাশের করণীয় হবে (প্রতিশালকের আদেশ শোনা)	৮৪-ইন্শিকাক্	٩	7070	চৰ্বিত ঘাদের মত করা (হাতীওয়ালাদের পরিপত্তি)	১০৫-বীপ ২১-জবিয়া	6	948
कार्यका नवा (मृश् का. धार वेशा अन्धानदाहर कारीत कार्यका कवा)	20-ইউনুস 20-ইউনুস	47	962	চূর্য-বিচুর্য করা (ইংরেইয় আ কর্তৃক মুর্বিছসেকে চূর্য-বিচুর্য করা ছিন্ত-বিচিত্রে করা হারছে আদ জাভিকে	e>-पविद्याल	84	329
দৃহ জা, সম্পর্কে তার সম্প্রদারের কর্মীর দ্বির করা পৃথিবীর কর্মীর হবে প্রতিপাদকের আদেশ শোনা)	১০-২৬পুন ৮৪-ইনলিকাক	93	967	ধংস করেন অস্তাহ অপরাধীনের	৭৭-মুরুসালাত	224	224
পৃথবার করণার হবে (প্রতিপাদকের আদেশ শোনা) সম্প্রদারের করণীর কার্যকর করা (নৃহ আ, এর উপর)	১০-ইউনুস	25	992	नर्म कराम जाहार जनावाराज नर्म अरहित कराव्यक्तार अभिवेदन नर्म अवस्ति करायमा	29- <b>नामन</b>	63	yod
সম্প্রদারের করণার কাবকর করা (নৃথ আ, এর ভশর) সম্প্রদারের করণীর ছির করা (নৃথ আ, সম্পর্কে)	১০-হড়বুল ১০-ইউবুল	42	992	निवानवायक नर्गादक निवानन करता कना देखाँद्वारा (नाम)	३८-हेनबाहीय	95	999
क्श्रमीय विषय	10-5034	10	900	বিচৰিকালুমার কাম করা (মুগর সম্প্রদারের গরু মধাই প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	69	603
করণার ।ববর মনবিরোধ (নিজেনের কর্মণীর বিষয়ে বিশ্বমানিকর বারবিরোধ প্রসঙ্গ)	30-W-N	63	188	নিজেরা যা বরে দেকনা উৎকুর (আহসে বিভাব রাসঙ্গ)	০-আপে ইমবান	254	208
	50-81-81	-04	488	নিদর্শন করেছেন আল্লাহ (মারইয়াম ও তার পুন্নকে)	२७-मृ'मिन्न	60	965
করতাদি :				পথ (আল্লাহ পৰিবীতে বহু পথ কৰে নিৰেছেন)	80-पुश्कक	30	1/06
নালাত (শিস ও করমেশিই কাফিরনের সাপাত) -	7-304WM	00	900	পথাবালুহার পৰা করে না দেয়া পর্যন্ত বাহিনের্য্রানিকে আবদ্ধ রাখা)	8-निगा	20	207
করতে চাওয়া		-		পঠিকা (পরতানর নিকিত্ত বর পোততার ক্ষার পরীক্ষাররণ করা)	22-27%	6.0	360
জরাই বক্ততে রেজিলন করি ইগরানিশন (গানী জনাই গ্রানস)	২-বাকুরা	47	60A	প্রতিপাদক তাই করেন বা ইক্ষ্য করেন	22-4H	309	992
করতে থাকা		_		প্রতিপাদক বেমন (আচরন) করেছেন আন আভির সাথে	bh-মা <b>ল্</b> র	6	1055
শক্ষণ করতেই থাকৰে ইয়াকুব আ. (ইউসুফকে)	75-5930	24	000	প্রতিফল (কাফিরগন ঝ করত ভার প্রতিফল দেয়া হবে)	৩৭-সাহফার	60	464
করতে পারা/না পারা		_		প্রতিনিধি (আপ্লাহ মানুয়কে পৃথিবীতে প্রতিনিধি করেছেন)	02-W/64	030	787
কাফিরদের (কাফিররা পারদে আক্সাহ হাড়া অন্যকে ভাকুক।)	১১-বুল	20	999	ফেরেশতা ও অন্যান্য সৃষ্টি তাই করে যা আল্লাহ নির্দেশ দেন	১৬-দাছ্প	¢ο	909
সূবা তৈরী করতে না পারা (কুরসাদের স্বার মত)	২-বাকারা	₹8	208	ক্ষেক্তের অ-ই করে য দির্দেশ দের হর (জায়ন্ত্রম প্রসাদ)	৬৬-অহ্বীদ	6	৯৭০
করা				বড় মৃতিটি মৃতি ভাষার কাজ করেছে (ইবরাহীমের বৃক্তি)	২১-অধিয়া	60	928
অভীত নিনে করা কাজের বিনিমরে জাল্লাতের নেরামত শাত	৬৯-হ্যকাহ	₹8	৯৭৯	ক্ষী ইস্মাইল যা করেছে তার পরিপতি(বিভারের এক জন্তেশ ইয়ান)	২-বাকুার	Ρ¢	670
অনুসারীরা কি করে সে ব্যাপারে মূহের জ্ঞান না থাকা	<i>२५-व-वादा</i>	225	930	বদ্যা করা (আপ্তাহ যাকে ইঙ্কা বদ্ধা করে দেন)	৪২-শূকা	фo	1/3/2
प्रमुखानी(पान्ताव पात्रव देशबादिसमा नत्नाशकान्य दावि प्रमुखानी कवा)	১৪-ইবরাহীদ	७१	636	বাসবোগ্য করা(আল্লাহ পৃথিবীকে বাসবোগ্য করেছেন)	২৭-সামল	63	904
অপনত করেছেল আপ্তাব চত্রনজকারীদেরকে	৩৭-নাত্থাত	35	9-97	বের হওয়ার পথ করে দেন আল্লাহ (আল্লাহকে কর করলে)	৬৫-আশাক	2	466
অপরাধীদের সাথে এমন আচরণই করেন আল্লাহ	৩৭-সা <b>ত্তা</b> ত	୯୫	404	ব্যতিহার করলে চার জন সাজীর সাক্ষ্য গ্রহণ প্রসঙ্গ	৪-দিসা	14	439
অমরত দান করা প্রদার (আল্লাহ কভিকে অমর করেননি)	২১-আধিয়া	48	902	জীবার পর্যবিদ্যার করেন প্রতিপাদক ( ব্যক্তীব্যালালের ক্যুয়েকে)	১০৫-জীল	2	2000
সন্ত্ৰীণ কাঞ্চ কৰা (পূত সম্প্ৰদায়েৰ সমকামিতা প্ৰসঙ্গ)	৭-আ <b>্রাক</b>	pro	950	মন্দ কাজ করলে ভার প্রতিফল ভাকে দেয়া হবে	৪-নিসা	750	692
অশ্লীপনাম স্বগতের কেউ করেনি (পৃত সম্প্রদায়ের মত)	২৯-আনকাৰ্ড	રુષ્ટ	9.79.	যদক্ষক করা (ইকুনির যে মদ্দ করু করত আনেকে নিয়েগ না করা)	৫-মাদিনা	930	690
অনুনিধ অন্তোপ নবা (ছিলের বাপেরে অস্তাহ অনুনিধ অন্তোপ নকোনি)	২২-হাজ	Ap.	900	মন্দকাক করার পর কমা প্রার্থনা করলে কমা করা প্রসঙ্গ	৪-নিশ্ব	220	493
'জনানীকল কৰ' কা নিজে যে কেন বিষয়ে (ইনশাসম্ভাহ গ্ৰ.)	79-4445	50	૧૨૭	মন্দকাৰ করার প্রতিকল অনুক্রণ মন্দ (অপমান/আচন)	১০-ইউনুস	39	629
আরম(ইকাইনের সংক্রারের উপন্যবলের সাথে জ্ঞারন করা)	২১-আধিয়া	62	928	মন্দকান বারা করে ভারা কি মনে করে যে লে আল্লান্তক ছড়িরে বাবেং	২৯-আনকাবৃত	8	67.0
আনুসমর্ণণ (জলিম মৃথুকালে পাশ অধীকার ও আনুসমর্ণণ করে)	১৬-দাবৃদ	37	302	মানুৰ যা করে/কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ জানেন	২৯-আনকাৰ্ড	84	p.50
আনেশ পাদন করতে বললেন ইসমাসল পিতাকে	৩৭-সাঞ্চাত	205	31995	মানুষ যা করে/কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ জানেন	২-বাকুরো	২৮০	648

করা

<b>19</b> .	विस्त्र/धनम	न्बा नः ७ माम	क्षांत्र स	र्जुश र	नंप विद्या/शत्रह	न्द्रां नर् छ नाम	Albert S	প্র
করা (পূর্ব পূর্বা থেকে)			-		असी (क्यानकानक कार्यक्राम्ब असी वनिवासन प्रक्राव)	৭৪-মুদাছভিন	60	353
पानुष (यं कासडे कलक	আল্লাহ্ ভার প্রভাক্ষণশী	३०-इहनुम	65	රුදිර	বাণীবাহক (পাথাবিশিষ্ট ফেরেশতাসেরকে জাল্লাহ করেছেন)	०१-शावित	3	784
মানুৰ বা (তৈরী)করে য	হাও অক্সাহ সৃষ্টি করেছেন	৩৭-সাড্কাভ	3/6	699	মানুষ্যকে এক উপাতভূক কয়তেন (যদি অস্ত্রাহ ইয়ের কয়তেন)	১৬-নার্ল	80	933
ফিল্ম্ববিশ্ৰেহ করত মুখা		৩৩-আহ্মাৰ	28	bres	হ্মীনকে সুগম করেছেন আপ্রাহ	৬৭-মূপক	32	39
	ই নিৰ্দেশ পালন কৰত (বিধিবছ কৰা এসঙ্গ)	8-first	66	696	পরীক করা (অস্তাহর সাথে শরীক করা)	১৩-রা'ন	3/6	691
	করত না (মাল্লাহ ইয়ন করলে)	৬-অপ'আম	209	600	সংখ্যানিষ্ঠ করলেন অস্তাহ ক্রী ইসরাইশনেরকে (নিপর্যারে পর)	১৭-ইগ্রা	0	921
	প্ৰভাক কৰছিল (পৰ্ভগুৱালা)	৮৫-বৃত্ত	3	2026	সংকর্মশীলনে অন্তর্ভুক্ত করলেন প্রতিশাসক আহওয়াশা ইউনুসকে	७४-क्षमाय	80	39
ু মুমিনরা বা করে না তা		৬১-সাক্ত	4	960	হুপাতিবিক করা হয়েছে বর্তমান মানব প্রজন্মকে (পূর্ববর্তীনের)	১০-ইউনুস	78	600
	ন্ত্ৰপ করত (শিরকের পক্ষে উন্নট যুক্তি প্র.)	১৬-নাহল	02	900	হুপার্ডিনত (নুহের নৌবানের সঙ্গীনের পূর্ববর্তীনের হুপার্ডিনিত করা)	১০-ইউনুস	90	663
দুসার কিবটি হত্যা কর		२७-७'खाबा	30	477	হাত পুৰুপিত করে রাখা (কুপগতা) দিখিছ	১৭-ইসরা	230	933
	कर्बाट एटरा अञ्चल विश्व खाँडेट्रास डिकि)	२७-७'खावा	230	100	কুলাল জিকিকে প্রস্তাম করতে অপ্তাহ কি অনুমতি নিয়েছেলঃ	১০-ইউনুস	27	66
	বল্লাহর কাছে বড়ই দুগ্য করে)	৬১-সাক্ত	0	960	হুরদেরকে বানিরেছেন আল্লাহ কুমারী	৫৬-ওয়াকিয়াহ	49	581
	হ(ধনপদ থাটেনা অপন্ধ, সাবার করীর)	২৭-নামল	98	pos.		60.088488	00	201
বাডকে আপ্লাহ বিপ্ৰামে		২৭-নামল	70	Pod	করণা (আরো দেখুন রহমত/দয়া শদটি)		_	
	ত্র কণ্ডেশন। করেছেল ( কী আক্রো করেলে ভা বিলি (স.) জ্ঞানেল লা	৪৬-সাহ্বাক			বুদিনদেৱক দেন কৰণা পেয়ে না বসে (বাহিচায়ের শক্তিবনে)	२.8 - गृष	1	331
	কাঞ্চ করা (প্রকাশ্য মনসিবে)		>	464	সৃষ্টি (করুণা ও নরা সৃষ্টি, ঈসার অনুসারীদের অন্যাে)	৫৭-থানীদ	29	36
	ক্ষে করা (য়কাণ্ড মন্সান্ত) ব্যে-চনে অশ্লীল কাম করা	২৯-আনকাবৃত	43	926	করণাময় (দেপুন দয়াময় শব্দটি)			
		২৭-নামশ	68		করে দেয়া			
শয়তান ওয়/প্রয়োচত শয়তান/ স্থীনরা সুলাইঃ	করতনা (আপ্তাহ ইচ্ছা করণে)	৬-অনুভাষ	224	৬০৭	পথ (আল্লাহ পৃথিবীতে মানুষের চলার পথ করে দিরেছেন)	20-31-8I	60	981
		২১-ভাপিয়া	Þλ	920	কৰ্জ (আরো দেখুন কণ শব্দটি)			-
	জন্মকে ভাৰবেদুশিয়ক কাৰুল জালিব…)	১০-ইউনুস	709	৬৬৪	ज्ञाह्यास्त्र क्रिक्स कर्ण तान क्याल व्यक्ता विश्व तान ज्ञाहार	৫৭-হাদীদ	36	200
	ত করেন প্রতিপালক ( যারীজ্ঞালানের)	১০৫-দীগ	1	70:00	व्यक्तदार केंग्रम कर्म निज्ञ व्यक्तदा वा स्ट्यून मृद्धि करत तन	৫৭-হাদীদ	22	h81
	iB করতে মাইলে বক সংকীর্ণ করে (৮০)	৬-আশ্'আম	254	409	আন্নাহকে কর্মে বাসলা সেরার আমান	५-वाङ्गादा	280	
	লিম সম্প্রদারের সঙ্গী না করা)	৭-আ'বাড়	750	696				893
	র ফালর প্রতিদান নট করেন না অক্সাহ )	১৮-কার্ক	100	929	আল্লাহকে কৰ্ছে হাসামা দেৱাৰ নিৰ্দেশ	৭৩-মুখ্যাখিল	20	
	হিন্দের জন্য সুন্দর প্রতিনান,.)	7१-काईक	1 2	99.8	আল্লাহকে কর্জে হাসানা নিলে পাপ কমা করবেন আল্লাহ	৫-ঘরিদা	25	200
পদেক/পদ-ব্যৱহার/আ	পালের বাদর নির্দেশ পালের বাবা করা	8-निमा	338	547	আল্লাহকে কৰ্মে হাসানা দিলে ডিনি তা বছঙণ বৃদ্ধি করবেন	৬৪-জাগার্ন	74	h64
সমতল করা (অপ্রাহ্ম তে	ব্যবিষ প্রকাশ পায়েড়কে সমতল বয়ে দিন)	৭-আ'রাফ	780	648	উত্তৰ (আল্লাহকে উত্তম কৰ্মালান প্ৰদেশ)	৫৭-হানীন	25.	964
	মে অবহালকরী ও বহিরাগত গোবকে	44-E788	2.0	960	হাসানা (কর্মে হাসানা দেয়ার জন্য আল্লাহর আহ্বান)	২-বাকুরো	₹84	233
	মেনিত কর(দাবার রানীর আশারা)	২৭-নামল	-08	204	কর্মে হাসানা (আরো দেখুন উত্তম ঋণ শব্দটি)			
শহর করা (উল্লোহ্যক ভর	ক্যাল ভিলি কারা সংক্র করে দেন)	৬৫-ডালাক	8	466	আল্লাহকে কৰ্মে হালানা নিলে পাপ ক্ষমা করবেন আল্লাহ	<b>१-परिमा</b>	25	430
সুদ বর্মন না বরলে আর	াহ-ৰামূল স. এর পক্ষ থেকে যুদ্ধ থেকবা	২-বাকুায়া	243	200	আপ্লাহকে কর্মে হাসানা দেয়ার আহ্বান	२-राक्तवा	₹8¢	426
হুদ্যতা গোপন করে যে	হ, লে সরল পথ হারিয়েছে	७०-पृषकादिना	3	962	আপ্লাহকে কৰ্মে হাসানা দিলে তিনি তা বহুগুণ বৃদ্ধি ক্যানেন	৬৪-ভাগাবুন	24	304
করা/কর্ম					কর্তন (আরো দেখুন কটো শব্দটি)			
জৰণত (মানুহের কাজ,	/কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ণ করণত)	৩৫-আহ্বাৰ	3	'YO'O	पम कहन (त्रुवाहर पम कहन कहार सामानामागान समय)	৬৮-বুংগাম	39	390
	সে সম্পর্কে আপ্নাহ অবদত)	৩১-লুকহান	25	2.59	কর্তব্য (মারো দেখুন দায়িত্ব/করণীয় শব্দটি)	4	-	-
	দম্পরে আল্লাহ অবহিত করবেন	৩১-যুকমান	20	545	আপ্তাৰৰ প্ৰতি ফৰ্কন্যে অৰহেদাকাৰীকেৰ আক্ৰমেস	৩৯-ছমার	20	590
জলিমদের কাল সম্পর	र्ज जाबाड दबबत्व गम	১৪-ইবরাহীম	84	839	मुखानीत्रत कर्वन् (काशकदान्त्रात्व (काशामामी (नवा)	३-राकृता	283	425
	मिन्निक्त किया व्यक्तिक करा अभाव	২৭-নামপ	78	bod.	মুবার্কালের কর্মন্য (সম্পদের ব্যাপারে ওসিয়ত করে যাওয়া)	च-वाकावा च-वाकावा		430
	ত অধীকর করার পরিদক্তি, ভূপ/ভীভি)	১৬-নাহন	225	932			720	
	ভাককে নিঞ্জ কর্মের (বিলামতে)	०५-३ग्रामीन	28	500	সংকর্মপরারণদেও কর্তন্ত, ভালাক প্রাঝ বীকে দার সকত	২-বাকারা	২৩৬	450
	विका अवस्था कहा अल्डा विकास)	২৭-খনপ	30	804	কর্তিত (ধ্বংসপ্রাপ্ত)		_	-
	প্রতিকলম্বরণ জাহাল্লাম	65-54	20	343	জনপনসমূহের কিছু নম্পূর্ণভ্রাপে ধ্যংসপ্রাপ্ত	22-Set	300	696
মানুষ যা করে সে সম্প		৩১-লুকমান	45	5-23	কর্তিত ফসল			
মানুষের কান্স সম্পর্কে		३९-सम्ब	20	bo9	বাগান কঠিত কললে পরিশত হল (বিপর্যন্ত হাল লোর পরে)	৬৮-জুলাম	20	>90
মানুহের সকল ককে স		২৭-নামপ	bb	804	কর্তিত শস্য			
इस्तवमे जनकानकारीय	য করে সে বাপারে রাসুল স, পরযুক্ত	১০-ইউনুস	83	600	ব্যবিদ্যালয় অবহা কঠিত শলের মত হওছের পূর্ব পর্যন্ত আর্তনাল	২১-অধিবা	26	103
madiot of proper year	পুরক্ষর (ক্ষরুতে সৃক্ষির সালে পানার্থর)	20-44-7-1 24-38	29	900	কর্তৃত্ব (আরো দেখুন ক্ষমতা পথাট)	-		_
	পারে মিথাবাদী আধানানারীর নায়ত	১০-ইউনুস	82	662	শরতানের কর্তৃত্ব নেই দুনিবার (অনুসারীদের উপর)	১৪-ইবরারীম	44	694
	লন ফলে শান্তি আত্মানন প্রসঙ্গ)	২৯-আনমাবৃত	44	950	হাতে (সংকিছুর কর্মৃত্ব করে হাতে) কাহিবদেরকে জিজানা)	২৩-মুমিনন	pp	993
তরা/বানানো	en eco ana en en en en en	43-America	de.	340	কৰ্ণুৱ (কাফুৱ)	41.4		
			_	$\Box$	নিশ্ৰেণ (জান্নাতে পুশ্যবানসের পানীয়ের মিশ্রণ হবে কর্পুরের)		0	
	যোগ্য ও আকাশকে ছাদ করেছেন)	৪০-সুমিন	68	brbro	কর্ম (আরো দেখুন কাজ শব্দটি)	৭৬-লাহ্র		2994
	ানুষকে পৃথিবীর উত্তরাধিকারী বানান)	২৭-নামল	હર	pod		+	-	-
	ন প্রতিপালক ইয়ের করলে (মানুক্তরে)	77- <u>ई</u> स	222	696	অস্ত্রাহ বিষদ করে দিবেন (কাফিরদের কর্ম)	8१-मुशामान	b	975
	ानुष्रक (पनि जञ्जाद देशक्ष करका)	১৬-নাহ্ল	30	477	ইহুদী-নাসাবাদের কর্ম (এর প্রতিক্ষপ) তাদের জন্য	२-शक्तरा	703	670
	हे कहा सामि (र भागत (भट्ट हरून	২১-আছিয়া	γ	920	क्रिया (क्टर्म क्रिया (क, खा श्वीच्यात क्रमा मृद्धा ७ क्रीवम मृद्धि)	৬৭-মূলক	2	295
	নোনো শয়তানের জন্য	৬৭-মূল্ক	¢	394	কাফিরদের জারও মন্দ কর্ম রয়েছে বা ভারা করে থাকে	২০-মুখিন্ন	90	990
मिनर्नम बामिटा इस या।		১৭-ইস্বা	25	956	কাঞ্চিরদের কর্ম নিক্তপ করে নিবেন আল্লাহ	৪৭-মুহ্যব্দদ	٥	275
	দূর্ঘকে আলোকপ্রদ করেছেন অঞ্জাহ)	১৭-ইপর	38	356	দৃষ্টিবান (আল্লাহ কর্ম সম্পর্কে দৃষ্টিবান)	১১-বুদ	225	695

नेप निवस/धारम	महत्त्र ७ वर			THE REPORT OF THE PERSON OF TH	স্থা সং ও নাম		\$3.55
কৰ্ম (পূৰ্ব পৃষ্ঠা খেকে)				<b>क्मश</b> र्			
নিক্ষপ হবে না (আল্লাহর পথে নিহতদের কর্ম)	৪৭-মুখাখান	8	275	কঁদি ভার কলাগাছের মাথে জান্তাতে থাকরে ভানের সাধীরা	৫৬-ওয়াকিবার্	23	≥81
নিকল করে দেবেল আল্লাহ (কাভিবলের সকল কাঞ্চ)	৪৭-মুখ্যখন	ъ	275	বদহিত			
পরিভাগরূপ কর্মক নেবালে অস্তাহ (সমনকের অনুসরিলেরক)	२-शकावा	207	672	দিক্তেকে কলুবিত করে যে, সে ব্যক্তি বার্থ হবে	৯১-শামুস	30	204
পৰ্বদায়িৰান আল্লাহ মানুহের কর্ম সম্পর্কে	৪৯-হত্তরত	30	252	ক্যাণকারী		-	-
বিনষ্ট হবেনা রাসুল স, এর আনুগড়া করলে	৪৭-র্থাম্বন	00	346	ইবলিন কল্যানকৰি (জনম অ. ৩ মাং স্ত্ৰীকে কলা ইবলিন)	৭-জা'রাঞ্	43	931
বিষদা হবে (কাক্ষিয়নের )	79-445A	200	900	বল্যাণ (আরো দেখুন মহল শখ্টি)	1-41	1.	100
বিষদাহরে করে অন্যত্তাই ( নবীর সভা উচ্চয়ত্ত কথা কলাল)	৪৯-হলুয়াত	3	340	অংশান (প্রাচন পূর্বে অংশান চুরবিত ভাতে বাস কবিনর)	১৩-বা'ল	-	691
বিশ্বপ (অধিয়াতের সাক্ষান্তত নিশ্বর কলার কর্ম বিশ্বপ হওয়া)	৭-জাবাক	289	946	चरवीर (क्याराज पूर क्यारा क्रिकेट क्यार का नारव्यों) चरवीर (प्रक्रिकार एर क्यारा क्रिकेट रहत पूत्र कर कर किसी)	২৮-কাসাস	2.8	971
বিকল (আস্থাতে কাফিবলের কর্ম বিকল করে নিকেন)				चरवीर्ग (द्वाराज्यात पर क्यान करवार रहात हुन थ. यह उपरां) चरवीर्ग (द्वाराज्यात परक्ष्मात चरवीर्ग रहाक्ष्मात, प्रश्नवीय करार)			
	৪৭-মুখ্যখন	05	976		১৬-নাহ্শ	00	900
বিকল করবেন অল্লাহ (মুনাফিকদের কর্ম)	৪৭-মুহাম্মন	49	978	অন্তল-পূর্বনীর কল্মান উদ্ভুক্ত করা হত (জনসংখনী উর্বন জনহুদ)	৭-আ'রাফ	99	64
বিকশ (কর্ম বিকল পূর্ববারীয়ের যার অনর্থক করার লিছ থাকার)	৯-জাধৰা	6b	689	অধিয়তে কল্মপাই ব্যৱহে কবিয়ানা কল (তানে ধালা)	৪১-ফুস্সিলাত	20	29
বিহুল (কর্ম বিহুল হবে আয়তে স্বৰীকারকারী ও)	৩-আলে ইমরান		602	অনা (বেবাকে কোবাও পঠালে সে কল্যাপ নিয়ে আসতে পাত্ৰে না)	४७-मार्ग	96	90
रियम (वर्ध वियम दार, वर्षका जरहात यात्रा तराम, मुनिता)	২-বাকুরা	२३१	448	আপ্রাহর পক থেকে কল্যাণ আদে	8-मिमा	9,39	6.0
বিষদ (কৰ্ম বিষদ হবে আনের যারা কলম করে বলত-)	৫-মরিদা	60	623	অপ্তারে পর্য থেকে কল্মন তার অকল্মন দরী থেকে (ফুরফিক গ্র.)	8-मिम	46	69
বিফল (কর্ম বিফল আনের যারা উত্মন আনতে অস্টাকর করে)	৫-মবিদা	6	62.7	আল্লাহর কাছ থেকে যানের জন্য কল্যাণ পত হারছে	২১-আথিয়া	202	92
বেরুমনসের জেন কর্ম, গ্রাল করা হরে না ,অক্সাহর অনুসকর করেল	৪৯-বৃত্বরত	28	656	ভালেরকে জার্যন্তার স্থেকে দূরে রাখা হবে		-	_
ব্যবস্থাপনাম নিরোজিত কেরেশতানের কসম(ভব প্র.)	%-নথি সাব	e	2000	আল্লাহর হাতে কল্যাণ	৩-আলে ইমরণ		601
দুন্যতিকদের কর্মকশাপ আল্লাহর জানা আছে	৪৭-মুহাম্বাদ	200	278	অহলে (ক্যানের নিকে অহলে করর একটি পদ থকা উঠিত)	৩-আদে ইমরণ	308	989
মুশরিকরা যা করে প্রতিশাশক তা অবগত আছেন	33-बुन	222	692	ইবরাইমকে আল্লাহ গুনিয়ারও কল্যাণ দান করেন	১৬-বার্প	255	934
দুর্গরিকদের কর্মসমূহ (কর্মফল) পুরোপুরি প্রদান করকেন প্রতিশালক	33-gr	222	992	ইয়ানের ফাবনে কল্যাণ জর্জন না করার পরিদান	৬-জানু আম	750	92:
বুমিনসের কর্ম (এর প্রতিক্রম) মুম্মিনসের ক্রন্ড	২-বাকুরে	200	676	উত্তর (কল্যাণ উত্তর, ইরাতীয়ানের জন্য)	২-বাকুৰো	220	450
वृत्तिगणक रूप (सङ्घ दावरूमा) कृत्याणक स्थाप प्रतिमालक कर्मकम् द्वान कर्वा द्वार मा		57	200	উনুক্ত করা (স্থান আনলে আরুণ-পূর্ববীঃ কল্মণ উনুক্ত করা হয়)	৭-আ'রাফ	36	95
	१२-वृत	38	342	ক্ষাক্রাক্তর কার করতে ইনহাক আ ও ইরকুকের প্রতি ধরী)	২১-আথিয়া	90	921
প্লাস করা হবে না বেনুদ্দিতের কোন কর্ম ,আল্লাহর আনুশান করলে	৪৯-হবুরাত			কান (নবী কল্যাণের ছব্য কাব)	৯-জাওবা	65	68
হ্রান (মুমিননের কর্মকল,হ্রান করা হবে না)	१२-वृत	57	900	ক্ষিয়নের কলাগের জন্য অবকাশ দেরা হর না	৩-আলে ইমরান	785	22
কর্মচারী		_		কুরআন (বিপ্রায়তে মুক্তবীর কুরাআনকে মহাক্ষরণ করা প্রাস্ত	১৯-নার্গ	00	900
বাৰাত আনাৱের কৰ্মচারীদের জন্য যাৰাত ব্যৱ	৯-ভারবা	90	686	কুলবানীর পথতে মানুষের জন্য কলাপ ব্যৱহা	33-87%	06	96
কর্মপত্ন				গোপন কথার কল্যাপ নেই (যুনাফিকদের প্রদান)	৪-নিসা	228	23
শরীরত ও কর্মপদ্ম নির্ধারণ করে নিরেছেন আল্লাহ	৫-মরিদা	80	60.0	চাতার (ফুরাফিবচনর কল্মাণ ও সম্প্রীতি চাতারত মিধ্যা কসম)	8-मिन	64	00
কর্মফল (আরো দেখুন প্রতিদান শদটি)				ছারদ ছাতির কল্যানের পূর্বে অবলাগে অভ্যামতি পেতে চাওয়া	২৭-নামশ	86	508
জান্নাত (মুবাকীদের কর্মফলস্বরূপ)	80-7497	98	200	জনতে পার (দানাল মধ্যে কলাল জনতে পারলে বৃত্তির)	48-नव	200	99
নষ্ট করেন না আল্লাহ (সংকর্মপরারপদের কর্মকল)	33-इन	226	898	ভাৱাভাচি (খানুধ কলাপকে অভাততি পেতে চার)	১০-ইউন্স	22	60
মুৱাকীদের কর্মকুলখন্তপ জান্নাতের উত্তরাধিকারী করা হবে	৪৩-বৃধক্তক	99	300	ভূমাধিত (বলান ভূমাধিত মান বত্তে মনুহ, আল্লাহ নাক্ষয় করল)	२०-मू मिनून	26	395
সংশোধনকারীদের কর্মকল আল্লাহ নষ্ট করেন না	৭-আগ্রহ	390	54¥	নান (যাকে হিকমত লোৱা হয় আৰু বহু কল্মাণ পান কৱা হয়)	२-राकृश	265	00
সংকর্মপরায়পদের কর্মদশ আশ্রাম নট করেন না	৯-বাওবা	240	500	সুনিয়া ও অধিব্যতের কল্যাণ প্রার্থন্য	২-বাকুারা	303	23.
भरकर्मभवाष्ट्रास्य कर्यक्रम साह्या महे करतन ना	১২-ইউস্ক	26	664	দুনিরা ও অধিব্যতের কল্যাণের দোরা (মূলার)	৭-আ'রাক	269	62
अर्क्शभताबभट्टा कर्यक्रम साञ्चाद महे करतम मा	34- <b>2</b> 874	30	664	দনিবার (আল্লাহ ইবরাহীনকে দনিবারও কল্যাণ দান করেন)	১৯-নার্গ	255	324
সংক্রম নার প্রাক্তর কর্মকর বিশ্বর কর্মকর। প্রাস করেন না আল্লাহ (মুমিনদের কর্মকর)		90		পুনিয়ার কল্যাণ সংকর্মশীলনের ছন্য	১৬-নব্শ	90	906
	৪৭-দুখাম্মদ	92	275	स्वीत (श्राह्माद स्वीत स्वाप्त स्वरूप स्वित (व) गर्रपश्चिमान)	৬-আন'আম	39	490
कर्मग्रह		$\vdash$		দিয়' (না অক্সাং কথাপনিলে না এল না (নং অ. এলছ)	३३-इन	20,	669
দিনকে আপ্তাহ কর্মব্যস্ত বালিয়েছেন	96-266	22	2000	পরীকা (কল্যান ও অকল্যান হারা বনী ইসরাসনকে পরীকা)	৭-আ'রাফ - বুল	795	(43)
কর্মব্যস্ততা				প্রতিষ্ঠি (মার্যাকরিয়ার করা প্রতিষ্ঠি করার প্রতিষ্ঠি)	8-971	300	40
কর্মব্যস্ততা (রাসূল ন. এর দীর্থ কর্মবান্ততা, দিনের বেলা)	৭০-মুব্যাখিল	3	bbb				
कर्मनीन				গ্ৰেপান্ত(কল্মাণ অন্যাস বিশ্বর গাথে ইবলাকারী গ্রাপার হয়)	२२-शृष्ट	22	165
কান (কর্মশীক্ষের কান্ন বিনষ্ট করেন না অল্লাহ)	৩-আলে ইমরান	250	eee	বাৰ্থনা (কল্যান বাৰ্থনার মানুখ ক্লান্ত হার লা)	৪১-ফুপ্সিলাত	83	brite
প্রতিদান (সংকর্মনীলানের প্রতিদান করেই না উত্তম)	২৯-আনকাবৃত	0'r	P-57	क्षकी (क्यान क्षर्यक वर्गा पर करूपान क्षर्य प्रमुप)	১৭-ইস্বা	22	931
প্রতিমান (উত্তম প্রতিমান, কর্মশীলদের জন্য)	৩-জলে ইমরান		089	প্রার্থনা (দুনিয়া ও অধিয়াতের কল্যাণ প্রার্থন্য,)	২-বাকুারা	507	22
প্রতিনান (কর্মশীলাদের প্রতিসান কর্তই না উল্লয়:)	৩৯-বুমার	48	299	প্রতিপ্রতি (কলানের প্রতিপ্রতি নিরোলে অক্সহ ভানেরকে কর)	৫৭-হানীন	20	388
	-2-14E	1/8	1 11	প্রকিছাপন (সম্ভাব কলেয়নের ছানে কল্মণ প্রতিস্থাপন করেন)	্-প্রাপ্ত	96	95
কর্মী				বিরক্তাইনের কলোবিলের কলাব হাস করে, 'এই স্বান্যানর কর'	৭-জা'থাক	202	648
বান্ধ (কমীদের বান্ধ করা উচিত, জারাত লাভের জন্য)	৩৭-সাক্কাভ	62	9459	বার (নিজেনে কশ্যানের জন্য স্বাস্থাব্য পথে বানের নির্দেশ)	৬৪-ভাগাবুন	3/6	70
कन्छ				ভাগ কাজের জন্য আল্লাহ কল্যাণ বাড়িয়ে দেন	৪২-পূরা	২০	b-b-
প্রথিনসের উপর স্বাপতিত হতে(পুরিন নর-বারী পদর্শনিত হলে)	৪৮-ফার্ড্	42	972	ভালকাঞ্ছের প্রতিদান কল্যাণ,ছাল্রাড ও অধিক কিছু	১০-ইউনুস	২১	60
কলম				বুলিবলেরে কল্মান স্পর্ন করেল তা অফিবলেরতে এই লের	৩-জালে ইমরান	250	68
কসম (কলমের কসম করছেন আল্লাহ)	৬৮-কুলোম	2	598	कुम्मान्स निकान्स बनावस कर बहुद्धार गाप गास निर्दान	৬৪-জাগাবুন	30	90
গাহ (পৃথিবীর সমস্ত গাহ বলস হলেও অক্সাহর বলী লেখ শেব হলের)	৩১-লুকমান	29	649	মুমিননের প্রতি কল্যাপ অবতীর্গ (কাঞ্চির/মূপরিকরা চারনা)	২-ৰাকারা	206	67:
	৩-আলে ইমরনে		480	রাসুল স, ও ইমানসারদের জন্য কল্যাণ	৯-ভাওৰা	bb	683
দিকেপ (কলম নিকেশ করা, মারইরামের করুববানের বাপারে)							

পথ বিষয়/গ্রাম	जुड़ी नर छ नोम	want in	ALC:	नंब विषद्/श्रमण	সক্ষা কং ও নাম	महर व	7
ञ्चाान (नृर्व नृष्ठा (बदन)	Jan 11/ 10 114	400	175		१८-पुमाइदिर	39	
ল্যাণ (পুৰ পুৰা কেনে) প্ৰথ কৰার কেট নেই (আল্লাহ কল্যাণ চাইলে)	১০-ইউনস	209	558		২-বাকারা ২-বাকারা	37	
এব করার কেও নেই (আগ্রাই কলান ডাইলে) বিষ কর্মেন রান্দ স, অনেক কলান (অনন্য কানলে)	১০-২৬পূপ ৭-জাবোজ	304	998		২-বাকারা ২-বাকারা	468	
ত্তৰ কয়কেন বানুদা না, অনেক কদ্যান (অনুদা জানাছে) প্ৰায় কৰেনি কাহিছবৰা কদ্যান (অনক বৃদ্ধ প্ৰসঙ্গ)	ও-আহমার ৩৬-আহমার	266	950 500		২-বাকারা	464	
তে কৰোন কাকেৱৰা কন্যান (খনক বুজ গুনস) কেম্মনীপদেৱ জন্য দুনিৱার কল্যান					১০-ইউন্স	203	
१९क्यनीय स्थाकीरम्ब क्या क्याप आर्थ	১৬-মাহ্শ	60	900		৩৩-খোহবাব	ma	
	৩৯-যুমার ১৩-রা'ল	30	992		৯-ডাওবা ৯-ডাওবা	69	
বিদানকারীর জন্য কল্যাথ রয়েছে (প্রতিশালকের ৯৫ক)		75		নগাকে বস্তু সের বারা পিডারাম্বাকে, বলকটির কুমনী ও বিদ্যোহাকে। (মিজির আ.এর আশহন)			
রি মধ্যে (অপহননীয় স্ত্রীন মধ্যেও অস্ত্রাও কথলা রাবতে পরেন)	৪-নিসা	7.9	669		22-aisa	30	
পৰ্ন (ফল্যেব "পৰ্ন কণ্ডলে মানুৰ কৃপণ হস্ত)	৭০-মা'আরিজ	52	945	শৌহতে অনুকো কর হব এমন ছানে পত তার বহন করে নিয়ে ভাল	১৬-নাহল	9	
म्महानकद					০-মাথিনা		
আগামী (কতক মনেনীত বান্দা কল্যাগকর কক্ষে আগামী)	৩৫-ফাভির	95	989			202	
স্বপহন্দনীর বিষয় কল্যাথকর হতে পারে	২-বাকুবো	236	248		৪৬-আহ্মাত	34	
মধীকার করা হরে না কল্যাণকর বনম (মুদ্রিন আহলে কিডাবের)	৩-আলে ইমরান	224	489		8-निम	205	
মান জানা কল্যাগকর (মানুবকে ঈমানের আহ্বান)	৪-নিশা	390	@98		8-নিসা	Yo	
সফিবদের জন্য কল্যাগকর (যুদ্ধ থেকে বিরত হওয়া)	৮-সানকাল	29	600		<b>२-वाक्</b> रता	200	
PPRE दान क्यानिकड पान ना करड शाहादत क्या शा <u>नुप्रद</u> क	৩-আলে ইমরান	200	460		৩১-লুকমান	78	
দতধবিত (কল্যাপকর কারে দ্রুতধবিত, বুর্মিনগুণ)	২০-মু'মিলুন	65	269		২-বাকারা	444	
न्य श्रीतः दश्च समाग्यकतं काताः, प्राद्यम् किरास्तुन्य ((क्रमण)	৩-জালে ইম্বান	228	089	মাধার করের কারণে মাধাযুদ্ধন করে ফেললে (হজ্ঞ প্রদঙ্গ)	২-আকৃৰে	199	
নজেনের জন্য কল্যানকর কাজের প্রতিদান আল্লাহর ভাছে	২-বাকারা	330	630	মুমিনরা কটনায়ক কথা গুনতে পাবে মুশবিকদের থেকে	৩-আলে ইমরান	35%	
ব্ৰভিযোগিতা (কল্যাণকর কাজে প্রতিযোগিতার নির্দেশ)	২-বাকুরো	782	479	মুমিনর কর পেত যদি বাসুপ স, অনুক্ত বিষয়ে অনের করা			
ক্রিমেণিতা (কল্যানকর কাজে প্রতিযোগিতার নির্দেশ)	८-मंत्रिमा	84	gr5	94564	৪৯-হনুবাত	٩	
প্রকাশনা (ক্লানের করে প্রকাশনার স্থানের) প্রধা (ক্লানের কর্মাননার কে শক্তিকে নিকেশ কর হবে)	৫০-কাক	42	320	যুদ্দিশ্ৰমাকে বিস্তু কৰ্ত্ত দেয়া ছাড়া কোন ক্ষতি কথাত পাঞ্ছল না	০-আলে ইমরান	222	
रहर श्रीका कमापिका (देशांद विभक्त देशा (व्हेंद्र)	8-निमा	292	495		৩৩-আহবাব	25	
ব্যক্ত থাকা কলা।শবর (হুলাহ ।তলজন বলা (ছকে)। প্রেক্তা প্রোপরি নেরা রমিয়ের জন্য কল্যানকর (অ'আইব প্রদঙ্গ)।	৪-ানদা ৭-আ'রাফ				৯-ডাওবা	759	
		ьé	650		৩৩-আহ্বাব	d)v	
নাফিকদের জন্য কল্যাধকর হন্ত যদি ভারা সভ্যবাদী হভ	৪৭-মুহাম্বন	43	278		62-3100	8	
(মিগরা কল্যাগকর (মু'মিগলের জন্য)	২৪-সূর	77	6.6%		৩৩-আহ্যাব	88	
স্থ্যাণকর কাজ					১৮-কারাস	29	
নিত হওয়া (ধানবিশ্ব/ইয়াহুইয়া কল্যগনৰ কল্পে দ্ৰুত ধৰিত হত)	২১-আধিয়া	ao	926		28-देशसदीय -	25	
विनानकी (ब्यासकाळ वधननसरी खनूगरा का यात न)	৬৮-বুবলাম	25	976		३४-वरशास्त्र ७७-साहराव	99	
ানুষের কল্যাপকর তাজ সম্পর্কে আপ্রাহ জানেন	8-निश	১২৭	640		৩১-লুকমান		
ম্প্যাণ কামনা						50	
बद्धार ७ डामून म. ५३ कमाण कामनाकाडी मुर्वेण ७	৯-ডাবৰা				১০-ইউনুদ	96	
নিভিডনের দোষ নেই	9-9144	97	68%	রাসূপ স, এর কল্যাণ কউ দের তানেংকে যারা সমান	৯-ভাওৰা	20	
স্পাণকামী (আরো দেখুন কভাকাত্মী শব্দটি)				অনেনি রাজন স. তে কট দের হারা তামের জন্য হরণাদায়ত		$\vdash$	
লার কল্যাণকামী ব্যক্তি ফলকে শহর চেকে থের হয়ে যেকে কলা	২৮-কানাস	30	brob	রাসূপ স, তে কর দের বারা ভাচনর জন্য বস্ত্রপানারক। পারি	৯-তাওৰা	65	
সার কল্যাণকামী হবে এমন পরিবারের সন্থান	২৮-কাল্যল	34	Pop			_	
ল আ, কল্যাণকামী ও বিশ্বস্ত	৭-আবাফ	967	679		৩৩-আহ্বাব	20	
ম্পাণকারী		-	-		৬-আন্আম	83	
স্মাণকারীকে অস্তাহ জানেন	২-বাকারা	220	656		৩৮-সেৱান	83	
হলাপ (বয়কত)	desilen.	440	444		৬-আন্'জাম	48	
	22-4H	81/	1190		৩৫-ফডিৰ	02	
pallette	22-54	86	940	স্পর্ণ (অস্ত্রাহ কাউকে কট নিয়ে স্পর্ণ করলে তা দূর করন কেউ নেই)		١٥٥	
		_			৯৪-ইন্পিরাহ	ę	
দী (বনী ইনাপ্লাইল নম্পর্কে প্রতিপানকের কলাসময় বাশী)	৭-আ'রফ	১৩৭	648		৯৪-ইন্শিরার্	· 6	
ল্ <b>টা</b> পরপে				বৃদ্ধি (আল্লাহ কটের পর বৃদ্ধি দেন,তালাকপ্রাপ্তার জন্য	৯৫-ডালাক	٩	
প্রবিত (কল্যাণরলে প্রেরিতদের কলম)	৭৭-মুর্দালাড	2	200	राष्ट्र)	0010110	- 1	
म् <b>त</b> न				वडेक्त			
লিমদের কল্পদাতীত বিষয় কিল্পামতে প্রধালিত ব্যব	৩৯-মুমার	89	276	नक्स (क्वेका नाम नन्त मान रन चान्त निक्वे प्रवा पुरह पत्रनि) ।	৯-ডাওবা	84	
PE				বউসাধ্য			١
ফিব্লেব্ৰতে কৰে বাঁধা (বৃদ্ধে পরাতত করার পর)	89-वदानाम	8	275	য়বি বহন কটনাথ্য ছিল, একটি শক্তিশালী দলের পঞ্চেত	২৮-খালাল	9.6	
ট (আরো দেখুন দুঃর পকটি)		ŕ		ক্সম (আরো দেখুন শপথ শব্দটি)			١
किएमा (कृत व करोव प्रिटरमा कराइन देशकृत का, अक्षादा कराइ)	১২-ইউনুফ	νb	500		৯-ভারবা	86	
লয়কে (বুচৰ ও করের আহকো করেন হয়কুব তা, অক্সহা করে) লক্সহ কর্মে ফেলভে পারভেন (ইয়াভীয়নের বাপারে)		220	656		৯-ভারবা ১৯-ছার্কার	- Str	
	২-বক্রা				১৬-হাজাত, ১৩-জম		
নস্থামৰ জন্য মূনফিক কটের শিকার হলে তাকে পান্তি ভাবে	২৯-আনকাৰ্ড	30	479			22	
रणक (मीरक कवित-पूर्वाक्कान ज्ञा वह प्रत्नाका करात निर्जन)	৩০-মাহ্বাৰ	8b	100		১১-অহ্বীদ	٩	
পদিরদেরকে কট দের মুখিনদের কল্যাণ	৩-আলে ইমরান		489		৭৭-মুবুসালাক	e	
পর্কথারদে মারের কট (কটের পর কট বরণ)	৩১-লুকমান	28	464		২-বাকারা	446	
গর্ভধারণের কউ (মা সন্তানকে কটের সাথে গর্ভধারণ করে)	৪৬-অবৈক্ষ	32	Bob	অসার কলমের ব্যাপারে আল্লাহ পাকডাও করবেন না	०-मात्रिमा	4.9	

अस्य अध्यातीत ने नियद्यक्षितम	ন্ত্ৰালং ও লাম	THE P	3101	मध्य दिश्वकंदराज्ञ	जबाक्त ७ मान	1	190
कम्मा (वर्ष नहीं (वर्ष)	Jan at a said	10000	955	নিমের কসম হথন আ প্রকাশিত হয়	≽-शाद्वित	3	203
আকাশের (বছপথ বিশিষ্ট আকাশের কলম)	৫১-ব্যবিয়াত	9	332	का राज्य (केंद्रान शामान कवित्रश्च प्रश्चारत नाटा गर काम रहत)	৬-আন'আম	209	000
আকাশের (বৃত্তিবাহী আকাশের কলম)	৮৬-ভারিক	22	2029	গৃঢ় কলম করে মুনাফিকরা যুদ্ধে কের হওয়ার ব্যাপারে	28-7₹	60	992
আকাশ্যে (বৃত্তবাহা আবাশ্যে বলম) আকাশ্যে এবং যিনি তা নির্মাণ করেছেন তার কলম	97-41A4	0	2028	দ্য কলম কৰে যাবা বলত- আম্বরা ভোমাচনত সাথে	৫-মারিদা	20	ab.
MINISTER ONLY	৮৬-করিক	2	2029	पर कराव पुनकचित्र ना कहा राज्यकी पाद्वाचन नाम गा करान अराम)	১৯-নাহল	19/4	901
আত্রার কলম (ভিরন্ধারকারী আত্রার কলম)	१०-विशासक	3	3031	দত কলমের ব্যাপারে আপ্তার পাকতাও করনেন	৫-মারিদা	2.9	49
আন্তঃ কন্ম (তেকারবরা আন্তঃ কন্ম) আন্ম আ, ও ভার ক্লীর ভায়ে কন্ম বরুল শহুত্রেন	4" SILSIA	52	938	গাৰ্মান্তৰ (প্ৰলভাবে গাৰ্নান্তৰ কল্ম)	৭৭-মুরুদালাত	3	200
আন্তর্য কসম (আমরা মিসরে ফাসান সৃষ্টি করতে অসিনি)	১২-ইউস্থ	90	690	নক্ষপ্ৰভূপ বিশিষ্ট জাকাশের কলম	৮৫-বুজন	13	202
आताबिक निरात करम	৯১-পামস	0	2048	নক্তমন্ত্র অভাচদের কসম	৫৬-ওরাকিরাহ	9,6	784
আপ্রাহ কসম করেছেন (পাচানগামী নকরের)	P-7-514-834	34	3000	নক্ষমেশ্বরে পতনস্থানর কলম	৫৬-ওরাকিরাহ	90	h84
অপ্তাহর কান প্রতেশ (শ চান্যানা গ্রন্থকার) অপ্তাহর (মাধ্যের দেখা ও অদেখা গর্মর কমম)	99-5865	G)r	2000	নগরের (আল্লাহ নিরাপদ নগব/মঞ্জাব কলম করেছেন)	৯৫-তীদ	0	204
অপ্তাহর (মানুনের সেখা ও অসেখা খন্তর কলম) অপ্তাহর নামে স্থানে সম্প্রানারের কলম (সালিহকে অন্তন্মণ এসঙ্গ)	२१-माम्स	85	300 300	নিবটতম দুবাদ হকান্য কাম করে সাকা দিয়ে (ওলিয়ত প্রশাস)	৫-মারিদা	209	230
অস্তাহর নামে অধুন সাংসেরের কন্য (সালহকে অঞ্জন তালে) আস্তাহর নামে মিখ্যা কলম (মূলরিকসের)	৬-লামণ ৬-লাম আম	30	490	जिल्ला कर्यनकारी व्यवसायात्र कन्नम	a)-वाविद्यान	8	244
আস্থাব্য নামে মেবা। কমম (মুশারকলের) আস্থাব্য কলম করে জাত্রাতী বাক্তি জারাত্রামিকে বলবে	৬৭-সাফফার ৩৭-সাফফার	40	A99	নৌয়ানর (সহয়ে চলাচলভারী নৌয়ানর কলম)	०५-गाविकार	0	3440
	৯-জাওবা ৯-জাওবা			পতন মা হওৱাৰ ব্যাপারে জালিমনের কসম	५८-वेनबादीम	88	65
আল্লাহর কদম করে বলবে অস্তৃহাত পেশকারীরা	5-8(84) 5-8(84)	3/2	988	नहरूप क्रम	30-FE	2	204
অস্ত্রাহর কলম করে বলকে যারা দুজে যারলি (খালুকযুদ্ধ প্রলঙ্গ) অস্ত্রাহর কলম করে কলকে, ফভির মালু মার্লাল নির্মাণকরীয়,	৯-খাতৰা ৯-খাতৰা	83		প্ৰকাৰীদেৱ (পূৰ্বৰূপে প্ৰকৰ্মনীদেৱ কসম,)	৭৭-যুৱসালাভ	8	200
पाहारत काम कर कार्य करन समझाना गामकाता पाहारत काम कर प्राधिकत (प्रक्रिकाक्षक मार्डे कर्वर कर्व)		209	967	পথিবীর এবং বিকি তা বিশ্বিতা নিয়েছেন তার কসম	৯১-শামস	0	204
	১-ভাওৰা	62	686	ट्रिक्टिन निरात (विवास्त्व) कनम	be-488	3	207
আপ্লাহর কসম করে মুলফিক/কাফিররা বলে তারা মুনিন	৯-ভারবা	46	686	প্রতিপালকের কলম (মিনি মানুষ ও শারমান্যারকে নামবিক)	১৯-মারইরাম	ON.	303
वक्कारत करमा पुर्णातकारत मियावाना राष्प्र(कं.सह) कर्ता दहवेरे	১৬-নার্গ	¢ъ	१०१	প্রতিপাধ্যকর কলম (তিনি অবশাই প্রশ্ন করেনে করিবলেরতে)	32-RMS	200	90
আপ্লাহর কসম যিনি নর ও নারীর ক্রম	৯২-লাইল	0	2056	প্রতিশাসকের কলম। পুনরুম্বান ও শান্তি অবশ্যই সত্য	১০-ইউন্স	60	801
আল্লাহর কসম (ইউসুফ আ.এর সংভাইনের কুসম উদেশো)	১২-ইউসুফ	92	69.6	প্রতিশাসকের করম। (ভুনাফিকনের ইমান আনা প্রসঙ্গ)	8-925	96	200
স্বাস্থ্যহর কসম (ইউসুক স্বা,এর সংভাইদের কুসম উদ্বেশা)	১২-ইউসূক	3-2	69.5	প্রতিবাদকের কর্মনা (বুনাকেরনের হন্যনা আনা রানম) প্রেরিজ্ঞার ( কল্যাধরণে মেহিজনের করম)	৭৭-মুবসালত	2	200
স্বাস্থ্যমন কলম: (উপজ্যান মাকে রাকুল প্রেকা ও শরকান প্রদর্গ)	১৬-নাহ্দ	60	Pob	প্রারক্তার ( কল্যানেরণে চ্যোক্তনের কন্ম) প্রতিশাসকের (আকাশ ও পথিবীর প্রতিপাদকের কসম)	०५-मुद्देशकार	20	200
স্বাস্থ্যহর কলম করে ইবলিলের বাহিনী ভাষান্লামে বলবে	२8- <b>छ</b> ,बादा	24	৭৯৩	প্রত্যাক্তর (আকাশ ও শূর্মনার প্রতিশালকের কনম)	७१-दुक्क एउ-पालकारु	40	202
পাল্লাহর কলম করে ইয়াকুব আ.কে বদল (পুনরা)	১২-ইউসুফ ৯-ভারবা	pre	9946	श्चाक कर्म देश या पान कलम	৮৫-বুরু <del>ল</del>	0	303
আল্লাহর কসম করে কফির ও মুনাফিকরা বলে		98	687	প্রত্যাক করা হয় খা তার কসম	৭৪-মুদ্দাছছিব	-08	303
प्रश्लास नाम कपि (मन मृत कम्म (मुनक्षित ना करा भव्याकी)	১৯-বাহল	40	906	প্রভিনাপকের কসম করে বিরামতের সভ্যতা শীকার	৬-আন'জাম	00	499
আল্লাহর লমে ইবরাহীম আ এর কুসম (মৃতি তালা প্রসঙ্গ)	২১-আধিরা ৫-মারিদা	69	948	প্ৰতিপালকের কলম করে বিবাহর প্রতি পার্কার প্রতিপালকের কলম (কাভিররা নিকর পুনরুম্বিত হবে)	৬৪-ডাগাবন	9	366
আল্লাহর নামে কলম করে যারা ধূমিনদেরকে বলত			201	প্ৰতিপাণ্ডৰ কলম (কমিনসের দীকমি, কিয়াখন/পান্তির লক্ষান)	86-वादकाक	08	993
আপ্রাহর ক্ষমতার কলম করশ ইবলিন	৩৮-শেরাদ	2.5		প্রতিশালকের কলম (বিরায়ত আলবে)	৩৪-সাবা	00	b/8
আল্লাহর নামে কাফিররা নূচ কসম করে ঈমান প্রসংগ	৬-জন্'জ্ম ৭০-ম'জবিক	30%	909	বিশ্ব অন্তর্ভাৱ করম করে জন্তবক্তার বিজয়ী হবজার চার্যাক	59-9,848	88	930
উদরাচল ও অন্তাহদের প্রতিপালকের কলম উমার (ফরবের) কলম	10-15 midel	80	20-57	ক্ষেত্রপভাচের কলম (বারা বাতারে কাভারে সাহিবছ)	৩৭-সাক্ষাত	3	20
কথনে ক্ষেত্ৰ কৰে কৰেন আল্লাব	৮৯-কাশ্ব ৬৮-কাশ্য		3043	বাগানগুৱালাচের কসম (প্রভাতে ফল কর্তন করার)	৬৮-কালাম	29	399
		3		ৰাখন ছিন্নকারীদের (যারা সহজ্ঞভাবে এহের বাধন পুলে নের)	৭৯-নাবি'আত	3	200
কসম (অন্য সাক্ষীদের কসম, সাক্ষীদের কসমের পর) কসম (বাসল স: এব জীবনের কসম করছেন আবার)	৫-মারিদা ১৫-চিক্সর	707	208	বাছতুল মা'মানের কলম	वर-वृद	8	348
	১৫-হেজর ৫-মারিদা			বিভিন্নকারীনের প্রেবলভাবে বিভিন্নকারীনের কসম)	৫১-বারিয়াত	3	330
কাফফারা (কসম ভঙ্গের কাফফারা প্রসঙ্গ)	৫-মারণা ১৪-নর	psy	697	বিভারকারীয়ের (পর্বরূপে বিভারকারীনের কলম)	৭৭-মবসালাত	0	200
কিছু না দেৱার কসম যেন না করে প্রাভূর্যের অধিকারীয়া		22	995	বৃদ্ধিমানদের জন্য কলম বরেছে (এ লকল বস্ত্রতে)	১৯-হাজর	6	205
কিতাবের (সুস্পর্ট কিতাবের কসম করছেন আল্লাহ)	88-नूशन	3		(श्रव वस्तवादीत क्या (अप वस्तवादी)	৫১-খরিয়াত	3	250
কিতাবের (সুস্পট্ট কিতাবের কসম)	৪৩-মুক্তক	3	1/3/0	स्था वर्गकाया कर्म (स्थि वर्गकाया)	৯০-বালান	1 3	203
কিরাম্ভের দিনের কলম	৭৫-কিরামাত্	3	046	মর্থানাপূর্ব কুরুরানের কসম	হত-বাদান	3	304
কুরজানের (প্রজামক কুরজানের কলম)	৩৬-ইরাসীন	2	3452	भागान्य कृतवादम्य कन्य	32-PIN	9	205
কুরবাদের (উপদেশপূর্ণ কুরবাদের কমম)	৩৮-সেরাদ	2	700	মানুকো কসম মিখ্যা কসম করে মন্টিকরা (জনেবথে)	৯১-শামূল ৫৮-মক্ষাদালা	28	304
খোড়ার কসম থা উর্ধাধানে দৌড়ায়	১০০-'জাদিরার		2000	মধ্যা কলম করে মুনাঞ্চকরা (জেনেবৃত্ত) মলব্রিকদের কলম (নবী গ্রেরিক হলে হেলারাক লাভ প্রদর্গে)	৫৮-মুক্তাদালা ৩৫-ফাভির	89	brê c
চালের কলম	৭৪-মুদ্দাছছিব	०२	292				9.92
চাঁদের কসম (বখন সূর্যের পর জার্বিভূত হয়)	৯১-শামৃস	2	2058	খুনাকিকরা কলম করে (নৃহ কলম) খুনাকিকলেরকে কলম করতে নিবেধানা	<b>३8-मृद</b>	00	332
ছাদের কলম	৫২-ভূর	2	247		২৪-নূর ৪-নিলা	69	986
স্বন্ধান্তার কলম ও বাকে স্বন্ধু নিরেছে তার কলম	১০-বাশাদ	9	2050	মুনাফিকবের মিব্যা কসম (কল্যাব ও সম্বীতি চাওয়ার)			
व्यविद्याद (विमीर्ग कविद्याद कमभ)	৮৬-ডারিক	25	2024	মূল্যফিলা অস্ত্রান্ত নিত্ত কলা করে থেনা করে মুখিনালা নিত্ত মূল্যফিলা মুখিনালা নিত্ত কলানা নাম অস্ত্রাহ্ব নিত্ত কল	৫৮-মুজাদাদা	77	261
ক্ষাধ্বানগৰীর কলম করে কলত ক্ষান্তবিসর ব্যালারে (দুনিয়াতে)	१-सा,धात	85	629	Settle April Hee author als delice hee au	৫৮-মুজাদালা	24	201
জেড় ও বেজেড়ের কসম	<b>৮৯-वास्</b> ड	٥	2052				
চাল (কসমের ব্যাপারে চাল বানানো নিমেধ, আল্লাইকে)	২-বাকৃয়ো	228	252	যায়তুন ও তীন এর কসম (আল্লাহ কসম করেছেন)	১৫-তীন	3	205
ঢাল (মিধ্যা কলমকে ঢাল হিলেবে প্রহণ করেছে, মূলফিকরা)	৫৮-মুখনেশা	36	268	রতে সাত্রপ্রবাশকারী উদ্দৃদ তারকার কসম	৮৬-তারিক	2	202
তরেকার (যথন তা অপ্রমিত হয়)	৫৩-নাম্ম	2	305	রাসুল স. এর বলার কসম (সম্প্রদার ইমান না জানা প্রসল)	৪০-বৃধক্ষক	pp	902
তীন ও যায়তুন এর কসম (আল্লাহ কসম করেছেন)	৯৫-তীন	2	7055	রাতের কসম (যখন তা আঞ্জাদিত হর)	৯১-শাম্স	8	2058
তুর পর্বতের কসম	৫২-তৃৰ	2	25.5	হাতের কলম	৭৪-মুদ্দাক্ষির	•ર	227
দশ বাতের কসম	৮৯-ফকোর	2	2052	রাজের কলম বর্ণন ভা আঞ্জানিত করে	৯২-লাইল	١,	205

পুৰু বিষয়/খনক ক্ৰম্ম (পূৰ্ব পুৱা বেকে)	न्याना धनन	CELS.	र्म	পদ বিষয়/হসৰ কাৰ্য্য	স্রা সং ও নাম		13
	10.00			विवास (कार्यक निर्देश क्रियार करतीर्थ क्रमूलक मेकन ना जाना)	৬-আন আম	9	6.5
রাতের কসম যখন তা নিঝুল হর	১৩-দূর্য		30%	সিধিত বাগলের মত ভটানো হবে আরমণ্ডে (বিয়ামতে)	২১-অধিয়া	208	30
রাতের কসম (যখন তার অবসাম হয়)	৮১-ডাকডীর		2007	বাহাবাটি	43-MI48I	308	10
রাতের কসম (শখন রাভ গভ হতে গাকে)	৮৯-ফাল্ব	8	2057			-	ŀ
পিৰিত্ৰ কিতাবের কসম	৫২-ভূর	3	959	পদালন ঘটনের কার্যকরি তেপ নির্মেশ	১৭-ইস্র	90	9
সকাল বেলার কসম (বখন তা নিঃশ্বাল নের)	৮১-থ্যকর্তীর	20-	200%	কাছে (আরো সেখুন নিকট শব্দটি)		_	L
বছ্যাকালীন পালিমার কসম	৮৪-ইন্পিকাক্		2020	আহান্তবের কাছে মানুষ ও পরতানদেরতে সমাবেত	३७-मात्रदेशाय	69	١,
নমুদ্ৰ (ক্ষীত সমুদ্ৰের কলম)	৫২-সূত্র	ò	252	<b>#</b> £\$4		_	L
সমবের কলম (আপ্লাহ করেছেন)	700-वासंत	2	3000	ৰাহে আসা			L
স্বন্ধী দুৰদকে কলম দেৱা হবে (ওলিরত প্রসঙ্গ)	৫-মারিদা	300	6,90		75-5635	60	4
প্রাক্তীদের কলমের পর অন্য সাক্ষীদের কলম	৫-মরিদা	709.	678	ইউসুফকে 'এনিকে আগ' বলে ভাৰল আধীয়ের স্ত্রী	১২-ইউসুফ	20	4
পাঁতার কেটে যাওয়া ফেরেশভালের ( কহ নিয়ে)	৭৯-শহিব্যত	0	2000	কাজ (আরো দেখুন কর্য শব্দটি)			
সিনাই পর্বতের কলম করেছেন আল্লাহ	১৫-তীন	1 3	3021	অনুষ্ঠত পেশনটোর যা করত যা আনহাক জনিয়ে পেরা ছাব	৯-ডাওয়	58	6
সূর্য ও তার কিবলের কলম	৯১-শাম্প	3	3058	অনুষ্ঠি (বিজ্ঞানকর বেল করের অনুষ্ঠি চইলে রপুশ)	28-78	62	4
প্ৰমাৰ ৰূপম খিনি নৰ ও নাৰীৰ প্ৰটা	৯২-লাইল	0	7056	অপরাধীনের কান্ধের নিকে অগ্রনর হবেন আল্লাহ (কিয়ামতে)	২৫-ফুরকান	20	9
হরণকারী কেরেপতানের (বারা ভূন দিয়ে প্রাণ হরণ করে)	%-নবি অভ	2	2000	অবপত (বানুহের করে সম্পর্কে আপ্লাহ বরগত)	৫-মামিদা	¥	10
হেমাজত (কনহ হেমাজত করার নির্দেশ)	৫-মরিদা	64	497	অংশত (কাঞ্চ সম্পর্কে অংগত অন্তন আল্লাহ)	২-বাকুল	208	14
ক্সমকারী				অংশত (কুমিনালে কাম সম্পর্কে অক্সাহ জংগত, নার্মবিয়ার প্রশাস)	8-94	206	4
বেশি বেশি কলমকারীর আনুগত্য করা যাবে শা	৬৮-কুলেম	30	290	অমান্যকারীর (রাসুল স্. কে অমান্যকারীর কান্ধ সম্পর্কে			Τ.
ক্সম ভঙ্গ				তিনি দায়িতযুক্ত)	২৬-৩'আরা	536	ľ
আইউৰ আ.কে কসম ডঙ্গ না করার নির্দেশ	৩৮-সেরস	88	לליל	অইকান্সীর ভার সম্পর্কে প্রতিপাসক বেশি লাদেন	२७- <b>७</b> 'खारा	72.5	10
কসর নামান্ত				অভিয়তে অধিকাৰ্থীয় ভাজতে আপ্ৰাই শেষদীয় করেছেন	২৭-নাম্ব	8	5
হ্রমণরত অবস্থার কলর নামাজ (শক্রর ফিডনার আশহার)	8-971	202	630	অনে ও ছাহন জাতির কাজকে শরতান শোচনীয় করেছিল	२५-जानकार्ड	66	ħ
বাওয়ার (আরো দেখুন হাউজ শব্দটি)		-	1	অমানে কর অমানে (পূর্বে ইয়ালার কমিয়ারক কাত)	২৮-কাসাস	20	1
কাউহার (আলো দেবুন হাতজ শবাত) নবীকে কাওয়ার দান করেছেল আল্লাহ	702-46684	2	2008	আপ্রায়র কার (কিয়ামতে পর্বত চলমান হওয়া প্রসঙ্গ)	३९-मायह	νv	1
	202-44,0484	,	3000	আহলে কিবাবনের কাম সম্পর্কে অস্তাহ দেখনর নদ	৩-আলে ইমরান		1
ক্ত				प्राटल किरायान्य कास्त्र श्रायक्षभेने प्राप्ताय	৩-আলে ইমরান	bb	6
র্বাচের আবরণটি উজ্জুল নক্ষরের মত	২৪-দূৰ	-05	999	ইউন্নত্তে নিরে বারা যা করে (আল্লাহ তা জানেশ)	১২-ইউস্ফ	35	6
থক্কর সংস্কার মধ্য প্রদীপ, সম্ভ্রাহর মৃত্তর উপম)	২৪-সৃহ	-05	111	Repeated in east the following regions benefits.	न-खा,दाक	80	1
কাঁটাবিহীন		_	ш	विकार तथा जातान करहार यह संग्रह तथिना प्राताहरू	০-জাল ইমরান	29	1
কুলগছ (জী) নির্ট্রদ কুল গড়ের মধ্যে থাকরে ভালের লাবীরা)	৫৬-গরাকরার	145	388	विचान श्राम नरकांस करत येता जानव कर (नरे	१-मधिना		10
বটাযুক্ত কল্ম				উল্লেখ্য যে উল্লেখ্য বাৰ্থা কৰিব জন সকল-পূৰ্বিত নৃত্তি।	১১-ছদ	9	9
মাহান্তমিদের বাদ্য (কটাযুক হুণ্য)	৮৮-গাশিরাহ	9	2029	উত্তৰ কাঞ্চ প্ৰহণ কৰেন আল্লাহ (মুখিনদেৰ)	৪৬-আহ্নার	36	1
কাঁদা (আরো দেখুন কান্রা শব্দটি)				উন্নয় (স্বাস্থ্যার পরীক্ষা করবেন কে কাল্লে উন্নয় (১)	29-315010	30	ť,
কিয়ামতের কথা খনে কারা করে না (কাকিনরা)	००-गल्ब	90	900	ভারে (আক্রাই পরাক্তা করতেন তে কালে ভারত () তলালের কাল করতে এই। (ইসহাক ও ইয়াকং আ.এর গ্রাচ)	২১-অধিবা	98	
আধ্যান্তর জানতে জানতে নিজনকনত হয় (কুরমান পাঠ করা হল)	১৭-ইপ্রা	209	920	ক্ষানের কার করতে তথা (২০২৫ ও ২০০০ সানের রাজ) আভিত্যনর কারকার্ম্য নিকটকম প্রতিষ্ঠান সিংকা আস্থার	৪১-ফুস্সিলাত	39	2
থেশি কলৈবে মুলাফিকরা (আবিরাতে)	১-ফার্ডের	3.5	68tr	আছিবনের কৃতক্ষের লক্ষ্যকর প্রাক্তব নাকেন আছার আছিবল আৰু করবে দ্বিয়াকে ফিরে থেলে (গুলকার্ম)	৪3-মূপ্রাক ৪3-মূপ্রাক	20	1 2
শুইরের জনতে জনতে আলা (ইউনুকতে কুরার ফেল দিয়ে)	১২-ইউসুম্	36	944		৩৪-সাবা	90	100
वीमाता				কবিবর য করন যার প্রতিকল ছায় কর বিছু পেরা হবে ন	৭-জারাফ		1 2
असूर्वाई कीनान (पानुवदक)	१०-शक्त	80	308	কাকিছনা পূৰ্বে যে কাক্স করত তার বিপরীত কাক্স করবে		60	4
वीरि	-	-	-	কাকিবনের কাজের মধ্যকর আমেরকে আঘাত করেছিল	১৬-নাহ্দ	-08	
থেঁজর গাছের কলন্ত কলি (বঙ্কির মাধ্যমে উৎপদ্র করা)	৬-অগ'অম	29	900	কমিনামে কাম হেছে শংকাম করার প্রতিপ্রতি নিবে কমিনার	৩৫-জডিব	09	b
वीपिकता	0-01-01	100	0.00	কাফিবনের কান্ধ পরিবেটন করে আছেন	ও-আলে ইমরা-		9
ক।পতর। কনা গছ (কাঁদিকরা কনাগছের যাকে জানুভিরা থাকংং)	<b>१५-वर्शाक्</b> राव्	236	588	কাতিয়নের কাল মরীটকার মত	<b>५8-नृ</b> व	99	9
	CO-panalis	<.0	800	কাজিবদের কাজ শোচনীয় করেছিল পরতান (বদরমুছ	৮-আনফাল	87	k
र्वांश		-		(NR)		-	Į.
মুরাকীর ভুক/দেহ কুরআন পাঠে কেঁপে গঠে	৩৯-বুমার	50	৮৭০	কাছিবদের কাছের উপন্ন (বাকাসে গুড়া ছাই)	১৪-ইবরাহীম	35	3
যদীন কপিতে থাকৰে (ধর ধর করে)	৬৭-মূল্ক	36	940	কাফিব্ৰনের কাজের দার-দারিত্ব ও ফলাফল কাদেরই	৪২-পুরা	34	ŧ
কাৰ				কভিন্নত্ত (কাজের নিক থেকে বেশী কভিন্নত্তদের সংবাদ)	72-4(2)	200	
কবিশ কাকের নার গোলন বন্ধতে পারল না অইয়ের সৃত্যানহ	৫-মবিদ্য	402	¢78	প্রৱপ কর করে থাতর করণে কনা (সঞ্চারণত স্বরণ ক্রছ)	১৬-নাজ্ব	279	
পঠিনো (কাক পাঠলেন আল্লাহ, মৃতদেহ গোপন কৰা প্ৰসঙ্গ)	৫-মরিদা	402	¢5-8	ভক্লতর কাৰ মূদার দৃষ্টিতে (বিজিব আ. এর দৌকা হিন্ত)	79-aisa	93	1
কাকুভি-মিনতি		1		জালিমদের (মৃত্যুকালে জালিমরা মন্দ কাজ অধীকার করবে)	79-Miles	1/2	4
কাঁদেরা কাকৃতি-মিনতি করল না (প্রতিপাদকের কাছে)	২০ সুমিপুৰ	16	990	রিদ বার করত কুনাইবালের পামনে (প্রতিপালকের জনুমভিতে)	৩৪-সাবা	34	F
त्रश्चा (च्यूप्रभर्पमात संदर्भ यात्र समूर्यश्चिमित्री स्ट्रक ॥ न)	২-বাকুবো	290	605	ভঙৰা করে সংকাজ করে যাব্য	२१-कृतकार	42	4
পাকরেও (মাকুডি-ফিন্টি করার জন্য পুলে-কর্ট করা পাকযুগ্র)	৭-জা'বাদ	38	652	রেবালর বার রেবালর (পূর্বর ঈর্যানবার কমিবনের কলে)	২৮-কাসাস	64	b
পাক্ষােও (অনেক্সকে পাক্ষােও করা হয় যাতে কলুনি-ফিন্টি করে)	৬-অনুসম	82	422	দালৈ আ তার পরিবারকে কার করব নির্দেশ (কৃতভালর সামে)	ত৪-দাব্য	30	b
পূৰ্ববাহীরা কাঞ্জতি-মিনতি করোন (মূলর কঠিন হওয়াছ) -	৬-অন'অব	80	422	দুনিরা কাকাকারীর কাজের প্রতিক্ষপ দুনিরাতেই দেরা হয	३३-जून	25	è
শান্তি আমলেও কাকৃতি-মিনতি করেনি (পূর্ববর্তীনা)	৬-জান আম	80	422	দৃদ সংকল্পের কাল (কুলুমের বিপরীতে দৈর্ঘধানত ও করা)	৪২-শুরা	80	ь

नंग विश्वह/दागा	সমাজ ও নাম	SER.	981	नाम निरम्भवतम ।	-	1001	7
কাজ (পূৰ্ব পৃষ্ঠা খেকে)	- Contraction	-	-	মানুবের বাজ সম্পর্কে আপ্তার বেখবর নদ	২-বাকুবো	188	
লেকলে (দেলি মানুম বিভক্ত হলে -ছতে কচ্ছ লেকলে হাম)	১৯-বিশবাল	6	2000	মানুষের কাঞ্চ সম্পর্কে আপ্রায় সবচেরে বেলী জানেন	৩৯-বুমার	90	V99
লেব (অণু পরিমাণ জল করা করণেও মানুদ তা বিষয়হত দেখাবা)	১৯-বিশ্বাদ	9	2000	মানুষের কাঞ্চ-কর্ম আপ্তাহ দেখনেন	৯-ভারবা	300	
দেখা (মানুষ যে কান্ধ করে স্বাপ্তাহ তা দেখেন)	৪১-কুস্সিলাভ	80	2000	মানুয়ের কাজের প্রতি স্বাস্থ্যহ দৃষ্টিবান	২-বাঞ্চর	200	
দেবা (মানুষ কেমন কলে করে ডা আল্লাচ (দৰলেন)	20-इंडेन्स	78	944	মানুষের কাজের প্রতি জাল্লাই পূর্ণ দৃষ্টিধান	২-বাকুরে	209	
নিম্ন নিম্ন অবস্থানে ভাষা করতে কবা (রাসুল স, এর সম্প্রানার্ড্রন)	৩৯-বৃথার	20	₩98	মানুদের কাজের প্রতি আস্তাহ দৃষ্টিবান	b-व्यानमान दन्यापुरा	93	90h
নিক্ট কাল, আহলে বিভাবর যা করছে	१-मश्रिम			मानुस्य कार्याद शहाकानी जाहार			
		66	600		১০-ইউনুস	69	860
নিকৃষ্ট কাজ করে তারা যারা কৃষ্ণরি গোপন করে	৫-মারিদা	64	ann	মানুব বা করে তা ভার গলার তুলিয়ে নেরা হবে	১৭-ইপ্র	20	230
নিকৃষ্ট কাল্ল করে মুশরিকরা	৯-ডাওৰা	ъ	680	মিধ্যাবাদী আধ্যান্যকারীর কাজের দার-দারিত তার	১০-ইউনুস	83	625
নিপৃষ্ট কাল্প মোচন করবেন আল্লাহ (মুবানীদের)	৩৯-যুমার	.05	₹8	মুশরিকদের কান্ধ মুশরিকরা করবে	৪১-ফুস্সিলাভ	2	24.0
নিকৃষ্ট কান্ধ, যা ভারা করে	৫-মাধিদা	93	699	মুশরিকদের কান্ত সম্পর্কে আপ্লাহই প্রত্যক্ষনশী	১০-ইউনুস	86	020
निस कम्पाएपंत्र सम्प्रेस् मानून नचकास कटत	8ए-व्यक्ति	76	306	মুশরিকদের কাজ সম্পর্কে মুমিনদেরকে জিঞাসা করা হবে	৩৪-দাবা	20	780
নির্দেশ অনুসারে কার্য় করে কেরোপজ/রাসুদানন (আপ্রাহর নির্দেশ)	২১-আধিয়া	29	967	ম্	00		1
পথন্তই ব্যক্তির কাজ সম্পর্কে জাল্লাহ জানেন	৩৫-ফাভির	ъ	984	মুদ্দিবদের কলে (যা করে) আল্লাহ তা অবগত আছেন	২৪-দূর	¢0	990
পরিশান (কাজের পরিশান ছিল চপুর ক্ষতি, অরুধ্য জনপঢ়ের)	৬৫-ভালাক	>	868	মুমিননের কাজ সম্পর্কে আস্তাহ অবগত	৯-জাওবা	3/5	683
পরিণাম (সব কাজের পরিণাম স্বাস্থ্যব্যর নিকট)	22-2796	85	962	মুমিনদের কান্ধ সম্পর্কে আল্লাহ অবগত (ন্যারবিচার প্রসঙ্গ)	8-निमा	300	498
পরিণাম (সকল কাজের পরিণাম আস্থাত্র দিকে)	७३-जुरुआल	33	PAP	মুমিননের কাজের গায়-গায়িত্ব ও ফলাফল ডানেরই	৪২-পুরা	26	684
পরিবেটনভারী (আপ্লার পরিবেটনভারী আদের ভাজ যারা)	৮-আনকাল	89	605	মুমিনদের কাজের প্রতি আপ্তাহ গৃষ্টিবান	৩-আলে ইমরান		667
পূৰ্ণ কৰা (আল্লাহ ভাৱ উপৰ ভালাকাৰীৰ কাঞ্চ পূৰ্ণ কৰেণ)	95-91616	0	269	সুপার নাক্ষ মুগা বা, করেছে (বিনারি হত্যা গ্রেমার বিরাক্ষায়নের মনি।	২৬-৩'আরা	29	950
्रियम (जुनियासमेव सरका श्रीतमम प्रतिया क्रम (स्वा व्हा म)		342		মুসার কাল্লে হারুন্তে অংশীদার বান্ধনের সেরা	২০-সা-হা ব্র-ড আর।	93	983
প্রতিকল (কান্তের পূর্ব প্রতিকল দিবেল আল্লার)	১১-ছুদ		993	রাস্থা স, ও তার সম্প্রদার নিজ নিজ অবস্থানে কাম করা		00	798
	৪৬-আবৃকাফ	7.9	909	सनुम न, ६ कर न-दानक (नवा नवा नवा कर हान कार कर राजुन न, ८६ कर केन्द्र न्यान कर निराहिन, कारहि सरा	৩৯-যুমার		
र्शिनाम (गरमाञ्चल कारण वेत्रम/पविद्य क्षेत्रम ७ वेत्रम श्रवितान)	>৬-নাখ্য	৯৭	427		৯-ভাওবা	86	684
গ্রেফিড (ইউনুক আ.এর ভাইলেনর মন কে)	১২-ইউসুঞ্	36	940	अपून मः त्या नसा अपून मः तन नदा बद्याता खादान (प्रनवित्तान)	৪১-সুস্সিদাত	e	w
প্ররোচিত (ভোমাদের মন একটি কালে প্ররোচিত করেছে,)	১২-ইউসুক	৮৩	698	রাসুল স. এর কাজের দার-দারিত্ব রাসুল স, এর	১০-ইউনুস	87	954
প্রতিদান (মন্দরকারের প্রতিকল কাজ অনুযারী দেরা হবে)	৫৩-শালম	42	300	রাসৃগ স. নিজ অবস্থানে থেকে কাল করা প্রসঙ্গ	৬-আন্'আম	206	909
প্রতিদান (কাজের প্রতিদান দিবেন আল্লাছ তাদেরকে যাগ্র)	<b>३8-मृद</b>	400	995	লক্ষ্য করা (অল্লাহ মূপার সম্প্রদারের কাক্ষ্য করবেন)	৭-আ'শ্লফ	259	648
ফ্ল (কবিবাসের কারের মন্ফল অসেরকে আবাত করেছিল)	১৬-দাক্ষ	48	900	শরতানের কচ্ছে (মদ, জ্বা, সৃতিপুঞ্জার দেনী, তীর)	৫-মারিলা	Во	697
ক্ষা (কাজের মন্দ কর্মা হৈছেনে পত হত্যার কার্যকার প্রদাস)	৫-মার্মিদা	৯৫	6.95	শরতানের কাঞ্চ (মৃসার জনিচ্ছাকৃত হত্যা শরতানের কাঞ্চ)	২৮-কাসাস	26	boy
ফাসান সৃষ্টিকারীদের কাল আপ্তাহ সংশোধন করেন না	১০-ইউনুস	47	662	শোচনীর করা (আধিরাতে অবিশ্বাসীর কালকে আল্লার	২৭-নামল	8	trop
বনী ইসরাঈশবের কাজের প্রতি আল্লাহ দৃষ্টিবান	৫-মারিনা	45	25%	শোভনীয় করেছেন)	<b>२५-मानम</b>		900
বনী ইসরাইদের কাল সম্পর্কে আল্লাহ বেববর মন	২-বাকুরো	ÞΦ	430	শোচনীয় করাজ্যন ও ছায়ুন জাতির ব্যক্তকে শাতান করেছিল)	২৯-জানকাৰ্ড	Ob.	४५४
বান্দার কাল সম্পর্কে আল্লাহ জানেন	৪২-পুরা	20	N/2HO	শেরাইব আ.এর কান্ত ড'জাইব আ, করকেন	১১-ছদ	30	618
বিষল হবে (শিরকনারীচার কাঞ্চ)	०५-व्याध	90	25.0	সংশোধন করেন না আল্লাহ (ফ্যানাদ নৃষ্টিকারীদের কান্ধ)	১০-ইউনুস	b3	653
বিফল (কর্ম বিফল তানের বারা কুকরির সাচ্চ্য সের)	৯-জাধ্যা	24	487	সংশোধন (আল্লাহ মুন্তারীদের কাল সংশোধন করবেন)	৩৩-আহ্বাৰ	93	<b>V80</b>
বিনট (কাল বিনট করেন না আল্লাহ কোন কর্মনীলের)	৩-আলে ইমরান	794	222	সঠিক (কাজ্যক সঠিক বানানোর জন্য কয়বাসীর রার্থনা)	১৮-কাহক	30	938
विकार (प्रतिका काम्याकावीहरूत काळ जानिवाहरू विकार वहर)	३३-इन	3/8/2	959	সঠিক করে না প্রেরেক রামর ছাল অস্ত্রাহর কাছ নহ আ এর প্রর্কন।	22-4st	86	690
ব্যক্ত (অসমুদ্রে কাঠের কাঠে জার্মের প্রকল্প করেনে অপ্রাহ)				गरका (व्यक्तार श्रामीत भरका कार्य कर्म भागी कार्य)	৪৬-আব্লাফ	26	bob
	79-strin	3/6	942	गरेकारकार मान्या शकिमान एमसाय कमा गुमकाचान परिश्	১০-ইউনুস	8	
তাশকান (আহাৎ যার উপর ভাগকানীর কছে পূর্ণ কচেণ)	৬৫-তালাক	0	999		১৪-ইবরাহীম		958
অগ থানের জন্য আল্লাহ কল্যাণ বাড়িয়ে দেন	৪২-শ্ৰা	20	250	সংক্রমের পুরস্কার জান্ত্রাত		૨૭	996
অপকাল করার জন্য মুমিনদেরকে নির্দেশ (সঞ্চশতার জন্য)	২২-ব্যক্ত	99	960	লংকাজের পুরস্কার জন্ত্রাত (ইয়াননারের)	8-मित्रा	61	268
অপ কাম অণু পরিমাণ করকেও কিয়ামতে মানুয তা লেখতে পাবে	३३-दिन्याण	9	7000	সংগলের প্রতিদান অমুরত	৮৪-ইন্শিকক	40	3038
অইলের এই লক্ষের সংবাদ অনুনাকে বলবে ইউনুক আ, (অবিষ্ণতে)	75- <u>5940</u>	24	695	সংক্রছের প্রতিদান (উত্তর/পবিত্র জীবন ও উত্তম প্রতিদান)	১৬-নাত্স	59	427
মনীপ্ৰাসীদের কাজের উন্তম প্রতিদান দিবেন আস্কাহ	৯-ডাওয়	343	950	সংব্যক্তর প্রতিদান জান্নাত	১০-ইউনুস	>	548
মন্দকান্ত পথপ্ৰট ব্যক্তির নিকট উন্তম ও পোচনীয়	৩৫-ফাডিয়	ъ	986	সংক্রমের প্রতিমান পুরোপুরি দেয়া প্রসঙ্গ	৪-দিশা	740	689
মশবার (বিয়াম্যের দিন কবিয়ানে মন্দর্গন্ধ প্রকাশ করা হরে)	৪৫-জছিল	90	809	সংকাল্পের প্রতিদান প্রতিপাদকের কাছে	২-বাকুবো	299	200
মপকাল্পকে শোন্তনীয় করা (কিরজাউলের দিকট)	৪০-মুমিশ	99	544	गरमास्त्र शरिक्षेति निरम कविवास खायहाम त्याक प्रक्रि त्यात	००-प्राधिक	99	¥85
মূপ কাজের পর ভওবা/সংশোধন করলে আল্লাহর ক্ষমা	৬-জান'জাম	28	900	সংকালের বিনিময়ে মুমিনের জন্য নেরামতপূর্ণ ভারাত	৩১-লুকমান	7	529
মধকাঞ্চ করে তওবা করণে প্রতিপাশকের ক্ষরা ও দরা		100	959	সংকালের নিনিময়ে মুমিনকে জান্লাকুল মাওরা দেরা হবে	৩২-সাঞ্চনা	7.9	407
মদকাল (আমৃত্যু মদ্যকালকারীর তথকা করুল হরনা)	8-निमा	34	225	সংকাজ (আল্লাহ মুমিদের সংকাজের লিলিবক্তবারী)	২১-জাধিরা	38	925
मन तस्त्र व्यवस्थित कत्र कृतक्ष वत्र कन्। (वर्णवहान कन्।)	৪৭-মুখ্যখন	28	200	সংকাশ যে করে লে নিজের কণ্যাথের জন্মই করে	87-क्रेजिविक्सिक	85	999
মূপ কল্প আকর্ষণীয় করা হ্রেছে কাভিরদের জন্য	৯-জভা	03	688	गरकास निविद्ध देव पुरिन्ताना सन्। याद निवदर्श या नाम (सदम	h-1876RT		600
মলকান্ধ অধীকার করবে জালিমরা (মৃত্যুকালে)				লবেকা হয়ে সমান বলেছে/লবেকা করেছে বেরাই ওক্টেডম)	৯৮-বাহিচনাহ		3059
	১৬-নাতৃপ	44	Tož				
মন্দ ৰক্ষ অৰ্ণু পৰিমাণ করপেও বিয়ামতে মানুম খা লেখতে পাৰে	১৯-दिश्यान	br	2000	গংকাৰ (যাবা সংকাজ করে অক্সাহ মানের আহবনে সাঞ্চ দেন)	৪২-পূৰা		100
মন্দ বাজের প্রতিক্রণ অনুরূপ মন্দ	80-भूभिन	80	447	সংকাজ (থাবা সংকাজ করে ভারা কবির মধ্যে নেই)	১০৩-জাগ্র		7005
মন্দ্ৰকালে (সমকামিতার) অভান্ত ছিল পুতের সংগ্রাদার	27- <u>ई</u> स	935	692	সংকাজ (সংকর্মশীশ মুনিমের হাপরে ফঠির আপদ্ধা নেই)	२०-प्रा-श	225	985
মৰ্যানা (কান্ধ অনুসারে আল্লাহ প্রভোকের মর্যানা নিবেন)	৪৬-আহ্বাক	7.9	909	সংকাজ সম্পাদনকারী ও দুছ্তিকারী সমান নর	৪০-মুখিন	62	660
মানুধ যে কান্ধ করে আল্লাহ দে সম্পর্কে দৃষ্টিনান	৩৪-সাবা	>>	¥84	সংকর্মশীলনের জ্বল্য জান্নাড লাভ মহাসাঞ্চল্য	V2-198	22	2026
মানুষ যে কাছাই করে আপ্তাহ তা কেবেন				সংকর্মশীল মুমিনানর জন্য হয়েছে আনন্দ ও উল্লয় প্রভাবর্তনক্তপ	30-81'H		

শব্দ বিশয়/প্রসঙ্গ	जुदा गर श्रामान	TEN 9.	201	শৰ বিষয়/প্ৰসহ	সুরা সং ও নাম		
কাজ (পূৰ্ব পূঠা কেকে)				पाद्वार (भरका (प्रानुष या करत)	৫৭-জ্ঞাদ	8	78
সক্ষর্যশীল পুর্যালকা ও ফ্রালন সৃষ্টিকারীরা সমান গণ্য যথে না	৩৮-সেয়াদ	₹₩	৮৬৭	কর্মীদের কাঞ্চ করা উচিত (জান্রাত লাতের জনা)	৩৭-সাঞ্ফাত	65	24
সংকর্মশীলনের কাজের জন্য বছঙা প্রতিদান রয়েছে	08-NRI	90	<b>₩88</b>	কাফিররা যে কান্স করে আল্লাহ তার প্রতি দৃষ্টিবাদ	৮-জানতাপ	03	60
সংকর্মশীল ঈমানদারদেরকে অস্থাহর প্রতিক্রতি	२8-नुब	44	Wo	কাফিবরা করে পাকে এমন আরও মন্দ কর্ম বরেছে	২৩-মুমিল্ন	60	99
সংখ্যার ও ইয়ান আনলে আল্লাহ পাপ মোচন করবেন	৬৪-তাগাবুন	2	200	কিতাবল্যপ্রদের কান্ত সম্পর্কে আল্লাহ বেণবর নদ	২-বাঞ্চারা	\$88	23
भरकाल ও विधासन शुरुकात साहान	84-78	23	1/3/0	গৰৰ (বনী ইসৱাদলের কাজ সম্পর্কে আল্লাহ বেখবর নন)	২-বাকার	98	00
সংকাজ ও সমানের বিনিম্নরে জাগ্রাতে প্রদেশ করানো হবে	55-5 <u>m</u>	28	925	আদৃকবদের কাজ (জানু) বাতিস/মিখ্যা হস	৭-আবাদ	272	64
	44-4/98	30	410	জানানে(মানুহের কাজ/কৃতকর্ম সম্পর্কে জানানো হবে)	২৯-জানকাৰত	ъ	b:
সংকাজ ও ঈমানের বিনিময়ে আল্লাহ আল্লাতে প্রবেশ	22-07MF	20	960	অপ্লাতিদের কাজের প্রতিদান স্বরূপ	৫৬-ওয়াকিবাহ	28	36
adita-				দাসাবারা যা করত আগ্রাহ তা জনিয়ে দিবেন	०-प्राविभा	78	21
সংবাদ ও ঈমানের বিনিময়ে ক্ষমা ও সন্দানজনক রিখিক	55-01mi	60	860	विद्विष्ठान महामा प्रथम नवीद्र भारत न क्वार (मृत्य (मृत्य गाँव)	१-वा'राव	266	6
সংকর্মশীল মুমিলদেরকে কুরস্তান সুসংবাদ দের	১৭-ইস্রা	8	478		१२-वृद	33	24
নংকাল পৰিত্ৰ বাণীকে উন্নীত করে (আল্লাহর নিকট)	৩৫-ফাহির	30	৮৪৭	পুরস্কার,মুরোকীদের কাজের (জাল্লাতে পৃত্তির সাথে পানাহার)			63
সংকাষ কৰে যাত্ৰা (তওৰা কৰে ঈমান আনার পর)	২৫-ফুরবনে	90	929	পূর্ববারী উপ্ততের কারা সম্পর্তে এ উত্তরেক জিববাস করা হবেন	५-राक्स	708	
সংক্রমান্ত করে যে ও মন্ধবনক করে যে -আসের জীবন/মৃত্যুত সমান নায়	৪৫-লাহিয়া	42	900	প্রতিপাদক অবগত কঠি স্পর্ণ করলে	১৭-ইস্থা	94	93
সংলাক্ত করে যে মুমিল ভার জন্য অকুরস্ত প্রকিলান	৯৫-টোদ	4	2059	প্রতিদান (আল্লাহ মুমিনের উত্তম কাজের প্রতিদান নিবেন)	২৯-আদকাবৃত	9	9.
সংবাদ্ধকে মদ্য কাজের সাথে মিলিয়েছে ফেলেছে যাবা	≽-ভাওবা	205	967	প্রতিবাদ করে অনুবারী (নির্দেশ্/অভিয়তের সক্ষাত্তক নিধা কলা প্র.)	৭-আ'রফ	289	6
লংকাল ও সিমানের বিনিমরে নেরামতপূর্ণ <del>আ</del> রাত লাভ	२२-शु <b>ल</b>	46	980	প্রতিকল(কৃতকর্মের প্রতিকল সম্ভূপ জাহান্ত্রমে প্রবেশ)	৫২-ভূব	16	9:
লংকা <del>র</del> ও ঈমানের বিনিমরে স্বান্ত্রাত দেবা হনে	৬৫-থেলাক	>>	366	প্রতিকল (প্রতেকে যা করাত তার প্রতিকল লোচ ছেব আন্ত/নির্মানত)	82-साध्रा	45	8
লকোৱা করলে আল্লাহ ভাব প্রতি কমাশীল	২০-জা-হা	ba	986	প্রপ্ন (মানুবাক কাজ/কৃতকর্ম সম্পর্কে প্রপ্ন করা হবে)	३५-मद्न	20	9
নবোৰ কালে মু'মিন জান্নাতে প্ৰদেশ কাৰে	80-मुमिन	80	542	বার্তিশপত্নীদের কাজের কারণে খাংস প্রথম	৭-আ'রাফ	240	6
নকান্ত কলে মুমিননেরকে জন্মতে প্রবেশ করাবেন আল্লাহ	৪৭-মুহামান	34	200	বাভিদ হওৱা (মূর্ডি পূজার কাঞ্চ বাভিদ হওৱা প্রদক্ষ)	৭-আ'রফ	203	0
লনেজা করলে মুনিলের পূর্বের হারামে অপরাধ নেই (মন, ছুয়া প্রনাস)	०-माविमा	20	282	বৈনায়ের ভাইকে নিরে আপর কারটি করে (ইউপুনের ভাইরের)	75-58244	65	14
সংক্রম্ভ করলে সাক্ষর (প্রতিপাদকের দরার মধ্যে প্রবেশ)	৪৫-জাছিরা	00	Pos	ব্যক্তির কলে উপস্থিত দেবতে পানে নিবামতে (জল ও মন্দ সবই)	৩-আলে ইমরান	00	10
				व्यद्रिक्य य बक्र हा क्या पूज नवह न बक्र रेडिवर व्य. स	_		†
নংকার করার আক্রাক্ষা অপরাখীদের (কিয়ামতের দিন)	৩২-সাজ্পা	25	8407	SOSSION CO.	১২-ইউসুফ	635	6
সংকাজ করার জন্য পুনরার প্রেরণের প্রার্থনা (মৃত্যু আসলে)	২৩-সু"বিদ্দ	200	992	মূল কাল্প করলে তার প্রতিকশ লেয়া হবে	২৮-কাগাস	b8	b
সংকাম করার নির্দেশ, দাউদ স্থা, ও তার উৎফের প্রতি	৩৪-সাবা	22	₽82	মন্দ্ৰ কান্ত বা কৰেছে তাও উপস্থিত দেখতে পাৰে প্ৰভাৱেই	৩-জালে ইমরান		0
সংকাল করেছে যে নিজের জন্যই সুখপন্যা প্রস্তুত করে	-00-EX	88	2.55		२०-मुभिन्न	62	3
সংকাল করেছে যে সৰ মুখিন, অনের জন্য ভালবানা সৃষ্টি	১৯-মারইয়াম	30	980	সানুষ যা করে আল্লাহ আ জানেন	कुछ-सम्बद्धाः स्थानसम्बद्धाः	83	1,
সংকাঞ্জ (মুমিন সংকর্মশীলদের জন্য উচ্চ মর্যানা, লান্নাতে)	২০-ড্রা-ব্য	92	982	মানুব যে কাজ করেছে ভার কিছু জংশ জাস্বাদন করাবেন			
পংলাকের উত্তম পুরস্কার	২৮-কাগাল	90	P75	মানুহের কাম সম্পর্কে সম্বাদিত ফেরেশভারা জনেন	৮২-ইনফিজার	32	×
সংকালের জন্য ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান	১১-যুদ	22	966	মানুবের কাঞ্চ সম্পর্কে অন্তাহ দৃষ্টিবান	৩-আলে ইমরান		
नरकारका बना पृथिनामद्रारक स्नोतारक शहरन करावन वहन	8-निश	255	645	মানুষের কান্ধ সম্পর্কে জন্তাহ পূর্ণ দৃষ্টিবান	২-বাকারা	220	
সংকাজের জন্য মুমিন পুরুষ ও নারীর জান্নাতে প্রবেশ	8-निमा	348	492	মানুবকে কাজ করে যাওৱার আহ্বান	৯-জাওবা	204	10
সংকারের জন্য ররেছে ক্ষমা ও মহারাতিদান	৩৫-ফাডিন	9	984	মানুষ যা করে, আল্লাহ জানেন	२8-गृद	રુષ્ટ	3
সংকাজের বিদিয়ে জাগ্রাত দেয়া ববে	২-বার্গরা	W	609	মানুৰ থা কৰত আপ্লাহ বা জানিয়ে নিবেন	२८-मृत	68	1
সংকাজের সামর্থ্য দানের জন্য সুদাইমানের দোয়া	২৭-মারল	29	tod	মানুদ্ধ বা করত আল্লাহ তা জানিকে লিকেন	৫-মারিদা	206	2
সংকাঞ্জ (ঈমানদার কবিলের সংকাঞ্জ প্রনঙ্গ)	२७-७'जाश	229	425	মানুষ যে কান্ধ করত আ আনেরকে জানিয়ে নেরা হবে	৯-ভাওবা	204	8
সংক্রম্ভ ইমান ও বিনরের পুরস্কার জান্তাত	77-Kei	30	669	মিখ্যবাদী আবাদানকারীর কাজের ব্যাপারে রাস্প স, দায়যুক্ত	১০-ইউনুস	83	100
সংক্রম্ম ও সং কাজের প্রতিদান প্রতিপাদকের কাছে)	३-वा <b>का</b> श	62	809	হ্যমিশসের কল্পে সম্পর্কে আপ্তাহ অবপত	৩-আলে ইমবান	250	e
	desilen.	~	401	সুরাজীদের কাজের পুরস্কার (জাল্লাকে কৃত্তির দাবে পানাছার)	65-64	33	b
গৎকাল (ঈমানের পর সংকাজ করলে জাল্লাতে প্রবেশ	১৯-মারইরাম	60	900	মুনাজিকদের কাজ সম্পর্কে আল্লাহ অবগত	२8-नृद	20	19
#4(3)	-		$\vdash$	থারা উম্মান আনে না ভারা কান্ধ করুক (ভালের অবস্থানে)	३३-इन	343	8
লংকাজ (সমানের পর সংকাজ করণে পাপ মোচন করা	৪৭-মুহাম্মল	2	225	द्यान ग. व्य अञ्चल सामाद विकासने जनसम्बद्धीय मानुक	১০-ইউনুস	83	10
E( E)							6
ন্দল (তওবাকারী সংকর্মশীল ঈমাননাররা সকল হবে)	২৮-কাসাস	49	278	রাসুল ও মুমিনগণও ভাসের কাজ করছেন	३३-दून	247	
সম্প্রদারকে ভাদের <del>কাল করতে বলদেন ৩ আইব</del>	১১-ছুদ	20	698	লিপিবছ (মানুষ যে কাল করত ও আমশনমার লিপিবছ করেন)	৪৫-ভাছিয়া	23	b
নশ্প্রদারের অবস্থান অনুনারে কাজ করা প্রস্ত	৬-আন্ আম	205	609	সংবাজে (যারা দিয়ান জানে ও সংকাজ করে তারা জারাতে)	\$0-2X	76	ь
নহর করা (অক্লাহ্যক তর করলে ভিলি কার্ম্ম সহল করে দেন)	৬৫-ডাব্যক	8	369	সংবাকে ব্যৱহে যারা (ঈর্মান জানার পর)	৭-আ'রাফ	84	4
নহাৰ করা (কাৰা সহজ করার জন্য মূসার পোরা)	২০-ড়া-হা	₹6	182	সংক্রম্ম করেছে যারা (ভাসের প্রতিদান নিবেন আল্লাহ)	GO-製工	84	ь
নাধানাসীদের কাজকে পরতান পোডনীর করেছিল	২৭-নামণ	2,8	205	সংকাজ করার জন্য রাস্পদদের প্রতি নির্দেশ	২৩-মুমিন্ন	42	9
নিক্ষেপন (নক্ষো কেরে নীরক্ষকনের জন্য করা প্রর্থনা)	৩-আলে ইমরা-	181	483	সংবাদন করে যেগৰ ঈর্যানদার ভালের ক্ষণ্য অস্ত্রাহর প্রতিপ্রতি	৫-মায়িদা	ъ	4
সুলাইমান আ,এর কাজ শরতনে/দ্বীনরা করত	22-00160E	24	900	সমৃদ্রে ,অব্বেষণের জন্য নৌকা দিয়ে (দক্ষি ব্যক্তির)	7A-9154	935	9
সুপর কাজের প্রতিদান (আল্লাহ্ নট করেন দা)	29-415A	to	929	সাক্ষ্য (জিহ্না, হাত ও পা সাক্ষ্য দিবে মানুঘ যা করত)	५8-मृत	48	٦
भूभद्र करताब श्रीकेमान जाहार निरंतन (मुखर्कीरनर)	৩৯-বুমার	-06	V98	কাজ (কর্ম)			T
পুতিৰুপ বা কৰে (কান্ধ) আল্লাহ থা আন্দেশ	<b>५8-नुव</b>	83	992	शहरूमी (काकार्या शहरूमी कहार निर्दाण कालादक, पुणिनास्था मार्ट्स)	৩-আলে ইমবান	302	10
	- C4	+	1.00	পরামপের ভিত্তিতে কাজকর্ম সম্পাদন করে মুমিন	৪২-শুলা	Qp.	1
কাজ (করা)		١	1	প্রমাশের ভারতে কাজকম নম্পাদন করে ব্যাসন মুশরিকদের কাজকর্মকে শক্ষরান শোলনীয় করে দেখার	26-4ER	60	9
অবহিত (অল্লাহ অবহিত মানুদের কাঞ্চ সম্পর্কে)	৩-আলে ইমরা						
অপ্তীপ কাজ করার পর ঈমান জানে না বারা তারা বলে,	৭-আ বাক	২৮	654	মুদলিমের লংকাজ ও আল্লাহর নিকে আন্ধান প্রসঙ্গ	৪১-ছুস্সিশান্ত	00	b

काक (पूर्व पृक्षा (बारक)			1	সোলা হরে দাঁড়ার কান্ডের উপর অবুরিত চারা	৪৮-কাত্ত	1 23	166
শেতনীয় করা হরেছে (প্রত্যেকর কাজবর্মকে তার নিজের করে)	৬-আন্তরম	202	600	কাত হথয়া		+	
শেষনীয় (মুশরিবদের কাজকর্মকে শয়তান শেষনীয় করে নেৰায়)	১৬-নাহদ	80	900	কুমবানীর পরে পশু কাভ হলে আ থেকে খাওয়া ও খাওয়ানো	22-27 <b>m</b>	00	380
সংখ্যনারের কাজের জন্য নুহকে দুর্যবিত লা হতে উপদেশ	১১-ছল	00	666	কাতার	1000	+**	1.0
সম্পাদন (আল্লাহ নিজ কর্ম সম্পাদকে বিজয়ী)	১২-ইউসুফ	52	৬৭৮	কাতাবে সাবিবছ তেবেশভানের কসম	৩৭-সাক্ <b>কা</b> ত	1 3	200
কাল্প (মন্দ কান্ত)	-	-	1	কাদামাটি	01-114410	+-	04
বৈদ্যাসভিদের মন্দানক থেকে উদ্ধানের জন্য বিদ্যাসভিদের স্ত্রীর দেয়ে	৬৯-ভার্ত্তীম	33	686	আঙ্কন (কালমটির উপর আঙ্কন জ্বালানোর নির্দেশ)		+	١
কাজে আসা/না আসা (আরো দেখুন উপকার শহুটি)	90 -1911		0.13	আসমকে কানামটি থেকে পৃষ্টি করেছেন আল্লাহ	২৮-কাসাস	30	9.7
অনুমান কলে ভাসবে না (সভ্যের মুকাবিলার)	৫৩-নাজম	39	300		৩৮-সোয়াপ	9.6	199
অনুমান কাক্সে আলে না, মুপরিকের (সভ্যের বিপরীতে)				গণিত কাদামটির কক্ষে বও থেকে মানুধ সৃষ্টি	১৫-হিজর	25	999
অর্থন কাজে আসেনি (ইজরবাসী ছামুল সম্প্রনায়ত)	১০-ইউবুল ১৫-বিজর	69	609	গগিত কাদা মাটির ওকলো খণ্ড থেকে মানুহ সৃষ্টি	১৫-হিন্দর	₹6	6/9/
वर्कम (पूर्वरक्षीरात वर्षन (श्वास्थाना सार्वन राज्यनातास)			902	গলিত কলমানির কানো বাং থেকে মনুগ দৃষ্টি করেছেল অক্সাহ	১৫-হিজর	00	630
ইয়াকুকে আনেশ জেন আলে জনেদি (আল্লাক বারসাধার বিসভা)	8०-मूँमिन	2.5	446	নির্মান (কাদামাটির নির্মান থেকে মানুখ সৃষ্টি)	২৩-ৰু নিদ্দ	25	966
	১২-ইউসুক	44	6000	गच्य (कंतामध्ये गच्य मृठ मन्द्रनदाव श्रंडि विकटणा सन्)	৫১-ঘরিয়াভ	00	35,
উপার্জন ও ধন-সম্পন কাজে জাসেনি (আবু লাহ্যবের)	১১১-লাহ্যব	3	7000	পাৰি (কানামাট দিৱে পাখির জাকৃতি সৃষ্টি করেন ঈসা)	৩-আলে ইমরা	<b>≈</b> 8≽	280
উপজেগের সাম্ম্রী কাজে লা আসা (অপরাবিদের)	<i>५५-७,ब्रास</i>	२०१	138	মানুব গণিত কান্যমাটির ওকানা গও থেকে সৃষ্টি	১৫-হিন্দর	00	699
কাফিরনের কোন কাজে আসবে মা আসের দল	৮-আনকাল	29	600	মানুধ কানামাটি থেকে দৃষ্টি (আল্লাছ ফেরেশভানের বললেন)	ও৮-লোৱান	92	690
কাজিয়নের কাজে জাসবে থা, (ধনসম্পাদ ও সন্তান- সন্ততি)	৩-জাপে ইমবান	>0	৫৩৬	তকৰো বও (গণিত কানামাটির তকৰো ২ও থেকে মানুহ সৃষ্টি)	১৫-ছিজর	2b	663
ক:্, চোৰ ও হনত্ৰ কাজে আসেনি (আন জাতির)	৪৬-আহ্কাফ	२४	250	ভক্ৰো ৰঙ (গণিত বংগামাটির ভক্ষো ৰঙ থেকে মানুষ		_	-
ন্ধমা করা ধন-সম্পন কান্ধে আসেনি (জাব্যন্নামবাসীদের)	৭-আর্থক	8b	659	<b>9(3)</b>	১৫-হিন্তর	26	999
থাকা (অন্য উপাদ্যদেরকে ভাকা কোন কাল্পে আসেনি)	১১-জুন	202	092	সৃষ্টি (মানুঘকে কানা মাটি থেকে সৃষ্টি করা হরেছে)	৬-আন'আম	1 2	624
ধন-সম্পদ ও উপার্জন কাজে আসেদি (আর লাহাবের)	১১১-লাম্ব্যব	3	2000	সৃত্তি (মানুধ সৃত্তির সূত্রনা কলোমাটি থেকে)	৩২-সাজ্পা	1	300
ধন-সম্পন কাজে আসবে লা কাভিবদের (শান্তির বিপরীতে)	৩-আলে ইমরান		487	বাদ		÷	100
ধন-সম্পন কাজে আমবে না (বাম হাতে কিন্দ্রবল্লার ব্যক্তির)	৬৯-ব্যকাব্	36	242	অবিশ্বানীদেরর কালে বধিরতা প্রয়েছে যাতে কুরজন কুকতে না পারে	১৭-ইদরা	8-5	252
ধ্য-সংশ্বন ও সপ্তাম-সম্বতি কোন কাজে জাসনে লা (মুলাফিবনের)	৫৮-মুম্বানালা	24	348	অসুপ এটা নো(মুদাধিক কলে অনুদ এটা নের, মুদ্ধ কর প্রদর্শ	३-वाकुरतः २-वाकुरतः		
নিপর্শন কাজে আসেনা (যারা ঈমান আনে না ভালের)	১০-ইউনুস	303	666	আহুৰ (নৃহের সম্প্রদার তার আহ্বানে কানে আছুৰ দেয়)		29	600
বছু বাজে আগবে না (বিরামকের দিন)	৪৪-পুখাল	82	308	আৰু ছাড়িকে চোৰ-কাৰ-ক্ষম দিয়েকে জন্মাত	१५-नृद	٩	3018
पुर्णानकान प्रार्थन रक्षान काइन प्रारम्द न (सारक्षाइस्य द्वाराजिकार)	৪৫-জাছিবা	30	506	অন অভিন কান-মেন-মূলর নায়ে অসুসনি	৪৬-আহ্কাক	26	330
মৃতি (যে কোন কাজে আসে না ভার উপাসনা সম্পর্কে	0 C - 10 C I	30	isoe.		৪৬-আত্কাক	26	270
ইবরাহীম মা, এর জিজাসা)	১৯-মারইয়াম	84	৭৩৬	কাকিবদের কানে বধিরতা (ঈমান না জানা প্রসঙ্গ) কিসান কানের বদকে কান	ও-জান, আম	56	230
বহুবার কাজে আসবে না কিলাসতে (কাফিবানের)	৫২-কুর	85	202		৫-মারিদা	80	200
সংখ্যাধিকা কাজে আসেনি মুমিনদের জন্য (কুলাইলের মিন)	৯-জাওবা	42	682	কৃতকাতা প্রকাশের জন্য আল্লাহ কান, মেখ, জন্তর নিয়েছেন ভিন্ন কর (গরালিকর কন ছিন্ন কর, শরুরনের নিয়া জন্ম এনার)	৩২-সাঞ্চনা	1 3	9000
্দৰ্মীকরণ কাজে আদেনা (ধারা দীখান আমে লা আদের)	১০-ইউমুদ	202	660	জিল্লাসা (কান সম্পর্কে জিল্লাসা করা হবে, অধিরতে)	৪-শিশ	229	493
সম্পন (উত্তমকে অধীকারকারীর সম্পন কাল্লে আস্থরে না)	১২-লাইল	22	2056		১৭-ইস্বা	00	929
বুপারিশ কান্ধে আদবে ন্য (আন্তাবর পছন্দনীয় ব্যক্তি ছাঙা)	२०-श्रा-श	707	986	দুনিয়ার জীবনকে রাধান্য গানকারীর কানে মোহর	১৬-দার্গ	209.	475
বুণারিশ কান্ধে আনবে না (ফেরেশভানের সুপরিশ)	<u> १०-मासम</u>	308	200	নবী কান হণ্ডয়া কল্যাণকর	৯-ভারবা	67	485
कारण वर्ष	G Charleston	40	200	নবীকে কান বলা	৯-বাধবা	67	689
			-	পর্মা স্থাপন করেন আগ্রাহ ,আসহাবে কাহাড়ের কানে	79-कार्यक	22	928
প্রতিনিদ কালে বড (আস্তাহ প্রতিপালক)	৫৫-রাজ্যান	59	580	পাতা (ভবী শোৰার জন্য শঙ্কতানরা কান পেতে থাকে)	২৬-৩ জারা	550	955
কটা (আরো দেখুন কর্তন শব্দটি)				বধিরতা (অনিশ্বাসীদের কালে ররেছে বধিরভা)	৪১-ছুস্সিলাত		bby
	২২-হাজা	22	950	বনিরাজ্য সামাত থেকে এতারে ভূব ফিরায়ালে কলে বন্ধিয়া স্কাছ)	৩১-বৃক্যান	٩	649
খাদ্য (গলার আটকে যার এমন যুক্ত থাদ্য প্ররেছে জার্যস্লামে)	৭৩-মুখ্যাদিল		29.94	বধিরতা (জ্ঞাদিমধ্বে কালে বধিরতা এটে দিরেছেন আল্লাহ)	72-468A	64	923
পেকুর গাহ কেটেছে মুমিনরা আল্লাহর অনুমতিক্রমেই	৫৯-ব্যশর	2	200	বধিরতা (মুপরিকদের কালে বধিরতা)	৪১-ডুস্সিলাত	2	67.0
পাহাড় কেটে বর নির্মাণ করত হিজরবাদীরা	১৫-ব্রিজর	p.5	902	মোহর (জাল্লাহ কাঞ্চিবলের কানে মোহর মেরেছেন)	২-বানুদরা	9	QU5
পায়াড় কেটে বাসগৃহ নির্মাণ করত ছারুন সম্প্রদার	৭-সা'লফ	98	977	মোহন (দূলিয়ান জীবদকে প্রাধান্য দাসকারীর কালে মোহর)	১৬-নার্গ	307	932
	≽≽- <b>गाव</b> द	>	7057	মেহা মেরে পিয়েছেন অস্তাহ (গ্রেছির পুন্ধরীর মেখের উপর)	8৫-मारिया	20	bote
মূল কমি (জালিম সম্প্রদারের মূল কেটে দেয়া প্রসঙ্গ)	৬-আৰ্'আম	84	600	শেশ (অনেক দ্বিন্দ্ৰ)যানুহকঃ কান আছে বা দিয়ে ভাৱা শোকো)	৭-জ'রাফ	243	640
यर-११ तिन्त्रीय निक (च्यान स्वीतः (ध्वरूप (चेवा व्यक्तिसम्ब स्वमूक्त्यस्य)	59-0,0MR	83	9300	শোনা (মূর্ডিনের কি কান আছে যা নিরে ভারা শোনে ৫)	৭-আ বাদ		603
যাত-পা বিপরীত নিক থেকে কাটার হুমনি (জাতুকরসেরকে)	৭-জালার	328	650	প্রকা করার মত কান থকা (অলিমদের প্রসঙ্গ)	২২-হাজ	84	102
कार्व				गताकाक्ष्मी तम (सा गताका कराउ भाउ(पूर भा तत प्रकारामा)	৬৯-হাজাহ	33	240
	২৮-কাদাস	23	530	সাক্ষ্য নিবে (কান কিয়ামতে কৃতকর্মের সাক্ষ্য দিবে)	৪১-কুস্থিতাত		644
	৬৩-মুনাফিকুন		844	সাক্ষ্য দিবে (কৃতকর্ম সম্পর্কে কান অধিব্যতে সাক্ষ্য দিবে)	৪১-ফুন্সিলাভ		bb9
		-		সৃষ্টি (মানুখের কান সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	२०-वृभिन्न	9,6	993
		30	>01	কান গেতে বাধা	70.3'444	-0	173
	28-কামার			politicanda way como mais curren y	· management		
উৎশাটিত ক্ষেদ্ধর গায়ের মত জ্ঞান জাতিকে উপরে উটারে নিকেল গেক্সর গায়ের কাচে নায়ন নেরার নির্দেশ (মরিরামকে)	১৯-মাৰইরাম	20	902	কাডিয়ণের কাম পেতে রাবা (রাস্থ স. এর দিকে)	৬-আন্'আম	56	692
উপোটিত কেবুন গাছের মাত জান জাতিকে উপরে উটিয়া নিজেপ পেজুর পাছের কাছে নায়ন লেরার নির্দেশ (মরিরমঞে) পেজুর গাছের কাজে মাত হয়েছিল (আন সম্প্রদায়ের জবপ্পা)		<del>२</del> व		কাঁচিয়নের কান পেতে রাখা (রাসুল স, এর নিজে) আসুল স, এর রাজি কান পেতে রাখা (বিদ্রুপের উচ্ছেশ্যে কথা লোকর জন্য)	৬-আন্'আম ৪৭-মুহামান	₹¢ 36	920

660 ~

Otra

NR.

484

2

6m

0.04

ज्लाक क्रमंत्र प्राप्त वर्षी

to Box

10.880p

Lo More

VS., 2148 415

১১-বদ

১৪,বর

4.<del>19</del>2

০-বাহিন

4.2<del>19</del>20

a velice

LA TRANS

৫৭-বাদী

VARIETY

91v-2072

3-3050

SAN ESTATE

80-द्र<sup>ा</sup>र

>\_92vor

Vr. sens

৮৬-সাধিক

22.77% ۰.

No. 28'0

১.বারারা

VA. BUXE

Market N

22-E

৮৪.ইনপিকাক

15.79938072

- বালে ইয়ৱন

20 900

684

on-Street

১-বাকার

63r-78790

১৪-রাগাবন

Q.S. Terrorery

S.S. Peterson

৪০-মূমিন

N 20421

S.Whest

২৩-মু'মিনন

89,32798

5.RTMTR.C

Sh.Wisa

80-मधिन

22.27%

11.39

Automot Regard 124

Grant let un

कार लगाउँ त्यांना (चारता त्यांना लगायन नामा सकतिः

Tables Cours sources on Green your estable record towers, married

राम्म म अब किया जान (भाग (नाम (प्रशतिकार)

কাপত (আরো দেখন জামা/পোশাক শব্দটি

অধ্যত্ত (অপত্তে অধ্যত হলেও আপ্তাহ জালেন আ গোপন করে...)

খল অখা পোঁওতিও অপত খলে বাৰম্ব লেয় এটা বন্ধা নাইছে

जाराया जानवाता (आपर्वतीप्रत क्रवा विक क्रिक (तथा तथा)

বাসমের বাজকার। (সপঞ্জন ভিন্তিভাল প্রসংগ্রহ নাম গ্রহমেরি)

Frairies attentiat (Resta Naveral etc Fraix etare)

tors (adjourned use torsion faffice that their men the room)

respect and point Green out you refigure a finance flex

परित्रय कराय शक्यन कविकास प्रतिस्त (कविकास विस

worth our are a affirmer favour come contra

NAME AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY.

प्रवर्शका (व्यक्तिकाव स्ववर्शका वर्षि व्यवस् स्थानंत्रः )

অপমানিত (কাফিবসেরকে অপমানিত করকে আলাচ)

DOOLS are for the party of the party of

অপ্যান (কিয়ামতে অপমান ও অম্বৰ্গ কচিবনের জনা

অবক্রাপ (কাঞ্চিরসেরকে বিস্কৃত্বণ অবক্রাপ নানের নির্মেশ)

মসমাল সোমিব্যার সাম্বিক শ্রবরাশ ও বাসল সা কে

অবিখ্যাস (হাত্যের পর প্রক্রম্বানে রাভিবানর অবিখ্যাস

reported / artiferorum reported formitization reported

NAME (SOTTON NOVE & NAME OF SOURCE AND

প্রবীকার কেনিক জন্মার লেনামত চিনার তা স্থানীকর করে।

প্রশীমার করে (ফার্কিবরা কর্মান প্রশীরার করে)

खर्डीका (शहर क्रक्ट कांक्क्स (आमर अस्त्र)

আওলতে কাজিবলের জন্য প্রস্তুত বাখ্য ব্যৱহা

আমল লোকিবলের জন্য আকল প্রস্তুত

স্থাপনের অধিবাসী রার রাজিবর

West County of the adjusted property with the cost and

অশীকার করা/আরাড্ডকে (কবল কাক্ষিরৱাই অশীকার করে)

प्रधानक (क्रिक्स मिन्नी प्राचक प्राप्त भारत भारत भारत भारत ।

আক্র (অসাত ক্রভিবাদকার আক্রান্ত প্রতিক্রি) ভের

অকন ক্রিকিবদের জন্য অপ্তার বুলার আক্রন প্রস্তুত (প্রস্থেত)

আধন কোভিবলের জনা প্রদান আধন প্রস্তুত রাখা হয়েছে।

प्राप्त (सक्तिया प्रश्राम तथा प्राप्तात विवह क्याह नाग मा

प्रांकरका प्राधिकाकी (प्राचनकारक विकास प्राधिकिकाओं अस्थित)

WHAT SECTION (WHEE & STOTETH SHEET SECTION)

When your affinitions it which but not order

सायाज (सायाः मध्य कावितासन प्रापः सायाज करान निर्मान)

परिकारत (स्थानम् अस्य कविकास प्रतिकारतः सन

was after norm on the configurationer was

বারে ককিব বনপ্রার চলে যাবে (মনাকিকসের বারো)

NO SENSOR OF SENSOR OFFICE ADMINISTRATION OF SENSOR OF

সাক্ষমত সাহলে উপস্থিত করা হবে আভিবসেরতে

ways some suffernment a sequence wife.

अभिवारक (काकिकामक अभिवारक जानक)

অপভন্দ কৰে কাফ্বিয়া (আল্লাহৰ গুৱেৰ পূৰ্বতা)

द्विशासारी समाव भारत

STATES OF STATES OF STATES OF STATES AND STATES OF STATE

जाविका (जारका /प्रशंज वाविश्वाची अंकपी)

परिवासी (अधिकार प्रीय प्रान्यक परिवासी

Name (name states that milt time four your )

कांसकांगिरमा आश्वाक

SETTEMENT

atel (Nizat Greu wint world)

अयोध भारत कामच महित्य भारत याव

আনুগতা (কাকিরদের আনুগতা করবে না মুমিনরা)
অনুগড় (কৰিবনে অনুগড় ন করে হন্য নবঁর প্রতি
অবাদ (ধাহান্রম কবিরদের অবাদহুল)
সাবাসহুদ (কাৰিবনের অবাসহুদ লাহারাম)
স্কল্পান সম্পন্নী বেশি কবিবানে প্রতি তানে নিকেনে
জান্তাহ কৰিবলৈৱকে ভাগবাসেন বা

অনুগত্ত (কৰিবছনৰ অনুগত্ত ন কৰাৰ ছন্য নবীৰ প্ৰতি নিৰ্দেশ)
অবাদ (ধাহান্রাম কবিরদের আবাদছণ) .
অবাসহুল (কাৰিবলের অবাসহুল লাহান্তাম)
অক্সাহর অসম্রাট্ট বেশি কবিবলের প্রতি তালের নিজেলের চেরে
অস্তাহ কৰিবনৈত্বক প্ৰতিকৃতি নিয়েছেন-
আল্লাহ কাজিবসেরকে ভাগবাসেন না
অপ্রান্থপ (কলিবানর অপ্রয়ন্থপ ক্ষায়ন্ত্রায়, দিকৃট গঞ্চবারূপ)
चाइन क्रिक्टकार पार यह सकित एवा ट्रांग न चान नर्था.
আহলে কিভাবর মধ্যে যার৷ কাফির ভারা কাহান্নামী
আহনে (কাকিয়নের আহনে কক্ষাত্রই হয়)
ইবাদত প্ৰসঙ্গ (কাছিয় ও দবীয় ইবাদত)
ইবলিস কাভির হলো (অহছার করার কারণে)
ইবলিস ব্যক্তির হলো (আনহতে সিঞ্চনা না করে)
देशमा (व्यक्ति पर देशमा बढ़ा दूशका न, 'बढ़ देखना बढ़ामा)

But attend at artison apparent offs (artison are)

Deta (adiagras Deta Deatra terura at General

Park (militaring NAS approx War Park Wildren

The reconstruct feature enforcement and over 1

the of year at a part from the or of the

Donne (adigent uffice Donne Rutra erec ara)

ইয়ৰ কৰিবকে জাহানাম নিকেপ কৰা হবে

ইপত্না (কাঞ্চিত ইপত্না মেই পচত নাত যাকে

ন্ত্ৰাম্য দিল্ল হাছতে কান্ধিবর

reference reporter facility

after the enforcement over charmen

কান্ত (কাহ্যিকান কান্ত মুখ্যীচিকার মার

কভিত্তসহতে শহন্দ করেন দা আলা

General wife for year arrivate

करवान भरत कराउ निरुष करर व्यक्तिक

चरि क्वाप शकर स कांक्रिका (प्राणाइर)

ভৰুৱী (ভাঙিবানত ভৰুৱী কেবল ছড়িই বৃদ্ধি কৰে)

जाकी (अधिकारत कार्जी अधिकारत स्वापनि स्थि अस्त ।

वासवर्थ (जानाव कांकिकामन कांसवर्थाक (भारतीय कांकाम)

erzeń (wiferen to wrone zo traferz worze totern).

ायान राजकिकान्य पान द्वाराचा त्रकार करत प्रश्निक राजानी...)

অমলার্থন প্রস্তান দেয়া হল ভি (ব্যক্তিবাদরার)।

वानवी (वाशिकाद्य वानवी त्यार वामलत्व वारे मा तस्य )

arfinores force finite sets forés apera

উল্লেখ্য লল সাভিত্র ভাষামোর ভাষামা (আহলে ভিডারমের)

देखा (प्रकार काविका कि लांगरी काविकापर तरह देखा)

ইয়ান্দারদ্বতে অভিত অবস্থাত ভিত্তিত নিত

more comme a con offe reference months or more firefal.

Actual Water Print hir-cifques No experience 14.812 Sections. हैनान्ड (क्विय क्षेत्र हैनान्ड कर प्रक्रान न एक हैनान्डकरी का) Removable for antiquor content or the Report forces ইবানতভাতী নহ কাজিবৱা -বামল মা যাব ইবানত কবেন

003 8p-172

> 1 Streeter Non-sufficace ১০৯-কাভিত Sob-artisess Lab referen AP MOS ০.আলে ইয়বাদ A) Missai 3.7000 ১-বাকাবা 11.82

201 W 4 272 100

o Pere State No. 000

595

V.

46

300

080

098

Obel

285

581

AN INTERIOR 94 Let

.. .

N. Wasser

a more System

· A. 12/2

49.2020 AN POPER ১,বাক্তব ৬৬-ডাইটা a filor

AL COSTS 0.2589 OL WITH and Winds ३०-एवका 80-3 R4 20-20000

mine (adjusted all solds with a up a the publish arite cueffice lafficaries first sidera arite sees ferior ক্ষিয়ানর দিয়ান উপকারে আসনি পোরি প্রায়াক করের পর করেনা কেকিবরা একদিন মুস্লিম হওয়ার কামনা করুবে। কাৰণ বিভাগত কৰিব মাটিং সাথ মিশে খানাৰ কাৰণ কৰে। व्यक्तित अल्लास्याच व्यक्तित व्यक्ति स्थानिक व्यक्ति स्थानिक स कारण (चार्य प्रामान प्रक्रियान्य पानर्थकार कारण कार करिया) асти /абсто асти абтос таки веческой

३8-मर e Sene g-fax

Vo.fepr h-18748 10.820

to Wild Wild

85-कुल्जिम

5.2762

89.12199

৮৩-মুত্তাকৃথিকীন

0

ಳು ನಾ 49.2002 en affic no wife

AV-Media ৪১-জসসিল

तका क्या (प्राचीर कवित पुनविकाल सार्मुत्राज तका कार्राल) क्षेत्रक (क्षितासक स्टिड क्षेत्रक प्राप्त का को अस्पता प्राप्तक व

Date (make adaptors area Planto the other fires).

Ob 180

पाम विद्यासम्ब	नुसानर चनार	400	900	- Anniere	नुसम्बद्ध । सम	-	-
कांकित (गुर्र गुक्ते (बार्क)				রতিরপতি(আল্লাহ কাফিরসেরকে আচনের প্রতিরপতি দেন)	55-55@	92	*/64
क्या (सक्ति प्रवहात मृद्ध वहां वहीं(क प्राप्तार क्या कहरूव व)	৪৭-মুহাম্মদ	68	276	রপ্তেত (কাফিরদের জন্য আঙন প্রস্তুত)	২-বাকুারা	48	eal
চেনা (কাঞ্চির স্বাস্থ্যহর নেরামত চিনেও তা স্বস্থীকার করে)	১৬-নাহল	bro	90%	প্রভারণার মধ্যে বয়েছে কফিবরা	৬৭-মুপুরু	20	24
চেহারা ধূপিময় ছবে (কিবামকের দিন)	b-0-आसामा विकास	82	2009	প্রতিসান (কাফিরসের প্রতিদান, হত্যা করা খদি)	২-ৰাকাৰা	797	22
চোৰ (কিয়াসত নিকটবটা হলে জাৰিতের চোৰ ছিব হয়ে যাবে)	२५-व्यक्तिया	24	980	श्रुश्च व्यक्तिकारमः- बाज्य त्र, त्यव केलव निमर्तन व्यवदिर्ग दश ना (कन?	১৩-রা'দ	9	89
হেড়ে দেয়া (পৃথিবীর কোন কাঞ্চিয়কে হেড়ে না দেয়ার জন্য		-		প্রস্থ নেই কাঞ্চিব্যানর	8९-मुशासान	22	>>
নুহ এর দোরা)	१५-मृद	২৬	200	शार्चना (काकिस्तानस शार्चना गार्वदे दय)	৪০-মু"মিন	80	55
ककृतन (कवित्रप्राय प्रदय नितन प्राय शानी/कवित्रपे क्यू नितन)	१३-मृद	29	296	्रांडिलाग्युक्त निवारे कांग्रिकाला श्रापंता-लाउडेकांड्रीहरू इतिहास निहर	৪১-কুসদিলাত	4,5	75
ৰাধু বল্ (কিন্তব হুতে স্পৰ্ন করলেও কৰিছ ভাকে 'ৰাধু' বলে)	৬-আন'আম	9	290	বিক্তাৰ (বাহিত্যাল ক্ষম পুথিনাসমূহত ক্ষিত্তৰ ল বান্ধানৰ প্ৰাৰ্থনা)	७०-प्रमणदिना	q	he
कार (वरित्र (पा सान्दर शदा हा हा विद्यावनी व सन् शुनान्धान)	३७-माञ्स	40	906	বিতন ক্ষেত্ৰলে বিতনৰ অপনাৰ নামৰ কন্য/প্ৰবিদ্ধ কৰা ঘৰে)	8-निया	202	29
स्रम् (व्यक्तिका सम्पर व्यक्तिका एवं विभाग व्यक्ति सम्प				বিভিন্নে দেবা (গুলাকে অস্ত্রাম কালিকালকে তেওকার বিভিন্ন দেব)	৩৩-জাহবাৰ	3.0	50
ভাষানুমের প্রবরীর সংখ্যা সম্পর্কে কাভিরন্ন বলে	১৩-রাদ	84	6354	ফোর নের যাবে না কভিয়াসর নিকট (বিজ্ঞাননামী মুমিন নারীকে)	७०-मुम्हादिना	30	24
	१८-पुन्तकृषित	.07	797		১৬-নাহল	30	93
ক্ষয়ন্ত্রম (আহল কিজনের মধ্যে যার নাকির তার ক্ষয়ন্ত্রমী)	১৮-খার্রানার্	¢	2059	ক্যাপন পুরী করা/অন্তাহতে শুব বেকে নিয়ত রাক্স কমিয়েত শরি			
কাহ্যন্নাম উপস্থিত করা হবে (কাক্সিরদের নিকট)	১৮-কার্ক	200	900	বন্ধু (কাকিয়ানেরকে বন্ধু হিসেবে গ্রহণ করবে না মুমিনরা)	৩-আলে ইমরান	52	60
ম্বাবান্নাম কাক্ষিরদেরকে পরিবেটনকারী	৯-জাওবা	8>	<b>68¢</b>	বছু (কাব্দিরদেরকে বছুরূপে এহণ করা নিষেধ)	৫-মারিলা	64	50
ন্ধাহান্নামের দিকে কাফিরদের দলে দলে নিয়ে বাওয়া হবে	৩৯-যুমার	42	499	বস্তুত্ব (কান্ধিরনের সাথে কটি ইসরাসদের বন্ধুত্ব প্রসঙ্গ)	৫-মার্রিনা	50	49
দ্বালিম (বিরামকের নিনকে অহীকারকারী কবিদরাই জালিম)	২-বাকুারা	568	200	বস্থা গ্রহণ (সুমিনকে বেশে কাফিয়কে বস্থা গ্রহণ নিবেদ	8-मिश	288	29
জিহান (নবাঁতে কাঞ্চিত্রদের বিক্ততে জিহান করার নির্দেশ)	৬৬-ভার্রীম	>	267	বন্ধ বাবলো (মুনিনকে বেখে কলিবকে বন্ধ বানকে, মুনক্তিক প্রদেশ)	8-PH	20%	29
জীবন (কাক্সিবলের দুনিয়ার জীবন সুসক্ষিত)	২-বাকুবরা	275	420	বলা (মুন্তান্দ্ৰল স. কে কাছিয়ায়া জানুকর বলে)	১০-ইউনুস	3	968
তওবা (কাক্টির অবস্থার মৃত্যুবরুগকারীর তওবা কবুল হবেনা)	8-निगा	35	462	বলা (ব্যক্তিররা কুরমোনকে পূর্ববর্তীদের উপকথা বলে)	৬-জন্'জম	2.0	499
দল (একটি দল ছিল কাকির, বদর বুক্কে)	৩-আলে ইমরান	30	৫৩৭	ক্যা (কমিয়ার বাস- রাসুল গ. এর উপর নিদর্শন অনতীর্ণ হয় না বেনাং	১৩-ৰা'দ	29	99
নায়ী (কুকবীর ব্যাপারে দার-দাবিত্ব কাঞ্চিবেরই)	৩৫-ফাডির	400	b85	বলে (মুমিনদেরকে কাঞ্চিত্ররা বলে, ব্যয় করতে বললে)	৩৬-ইরাসীন	89	76
দুৰে করা (কাকির সম্প্রানারের জন্য ড'আইব আএর দুবে না করা)	৭-আ'রাক	30	652	ৰলে (কাণিব্ৰৱা বলে, ভাৱা বাছাইকৃত বান্দা হত বদি)	৩৭-সাক্কাড	369	100
বুর্তোগ (আঙ্নের দুর্তোগ কাফিরদের জন্য)	৩৮-দোরাদ	29	5-8-9	বিভৰ্ক (আল্লাহৰ আৱাত নিয়ে কাঞ্চিবরা বিভৰ্ক কৰে)	৪০-মু'মিন	8	69
নুর্তোপ (কাফিরনের জন্য দুর্চোণ, কিয়ামকের ভরাবহ দিনে)	১৯-মারইয়াম	09	906	বিজয় কামলা (কাভিয়নের বিজয়ের ভিতাবের সাহতের বিজয় কামল)	২-বাকুরো	95	23
পৃষ্টি (কলিবানে তীয়া পৃষ্টি করা রাসুল স. কে বুঁড়ে যেলার উপত্রন	_			নিপর্যন্ত অধ্যাহত থাকবে কাফিয়নের উপর (কৃতকর্মের কারলা)	১০-রা'দ	0)	250
(a)	৬৮-কুলাম	62	599	বিত্তর্ক করে (মিখ্যা খারা)	79-4154	25	92
সৌতে আসহে অধিকরা রাস্প স. এর দিকে	৭০-মা'অবিদ	95	364	निजन (क्विम्हारात नगांत विजन एम बानुन न. एक किलिक ना			
র্ত্তন (মুখ্যকা-এর জন্য তার দীন ও কাবিকাসর কন্য তাসের বিন)	১০৯-কাঞ্চিত্রন	8	2006	नरव)	৩-আলে ইমরান	79.9	221
ধারণা (কাক্ষিরদের ধারণা সবকিছু অনর্থক সৃষ্টি)	99-CHEE	39	2000	वितंत-अंत्रमण कर मा यत्र प्राक्षक वित्तम मिरा प्राप्त कविव	१-मतिम	88	eve
ধারণা (কাঞ্চিরদের সম্পর্কে ধারণা করা যাবে না যে ভারা)	५८ नुव	29	900	বিশ্বিত (ভানের থেকে ভানের নিকট সতর্ককারী আমার)	<b>१०-वाक</b>	3	35
ধারণা (পাক্ষান সম্পর্কে কাজিরানর অনুসক ধারণা)	৬৪-ভাগাৰণ	3	300	বিভিন্ন গ্রহণ করা হবে না বিশ্বামতে (ফুনাকক ও কাকিবলের থেকে)	৫৭-খাদীদ	34	h8:
নিবৃত করণ কাক্বিরা মুখিনসেরতে মসন্ধিনে হারাম থেকে	৪৮-ফাতহ	32	972	বের করে নিবে বলেছিল রাসুলগণকে, যমীন থেকে	১৪-ইবয়ানীম	30	986
নিশ্বত কৰে আকৰৱা বুক্তিবোৰতে মণাৰূপে ব্যৱহ বৈকে নিশ্বি নিয়ে জগলে অভিনয় ৱসুদ স্ কে কাৰে- 'ভামৱা বাভিদ'	90-4K	45	920	বের করে নিরেছন আল্লাহ কাঞ্চিবনের (বন নবীর পোরকে)	69-0148	-	321
				বার করে ক্রাক্তরর আসর ধন-সম্পদ অক্সাহর পথ থেকে বিলত	৮-জানকাপ	00	900
নিকটবর্তী কাঞ্চিবদের বিপ্রছে যুছের নির্দেশ	<b>५-छादरा</b>	250	620		१-जानकान १-प्राप्तिका		
নিজেনের বিরুদ্ধে সাক্ষ্য দিবে (কাঞ্চিবরা)	৬-জান্'আম	200	ප්රථ	তর (কাফিরদেরকে তর না করা)		۰	600
নিশ্চিক (কাক্সিয়দেরকে নিশ্চিক করবেন আল্লাহ)	৩-আলে ইমরান		482	ভাই (কাঞ্চিত্ৰ ভাইদেৱকে মুনাফিকরা বলে)	৫৯-হাপর	33	320
পথ রাবা (অস্ত্রাহ মুদ্দিনসের বিরক্তে কাভিরসের পথ রাজেনি)	৪-নিশা	787	646	তেৰে দেখা (জাঝপ-পৃথিৱী সম্পর্কে কাঞ্চিব্রদের তেবে	२५-व्यक्तिया	00	90
পথ প্রদর্শন (আল্লাহ কাঞ্চিরদেরকে পথ প্রদর্শন করেন না)	२-राकृत्वा	268	642	(দেগ)			
পথ প্রদর্শন (আস্তাহ কাকিবদেরকে পথ প্রদর্শন করেন না)	১৬-নাব্দ	209	932	জেগ-বিলাস (কাফিররা জেগ-বিলাস করছে)	৪৭-মুহাম্মদ	25	274
পথন্ত (কাকিরদেরকে পথন্ত করেন আল্লাহ)	৪০-মুমিল	9.8	998	ডোগ্য-সাম্ম্রী ও শান্তি দান (কাঞ্চিরদেরকে)	২-বাকুারা	326	478
পরিণাম (পূর্ববর্তীদের মত পরিণাম হবে কাকিরদের)	৪৭-মুখ্যকাদ	20	275	মহল করা (কাবিকরা যেল মলে না বরে যে, তালেরকে তাংকাশ)	৩-আলে ইমরাণ	742	200
<b>नवांकि</b> इत्त कांक्रिक्का अनर काश्चारम नवत्त्वक कडा शूद	৩-আলে ইমরান	25	209	মানুবের মধ্যে কেউ কাঞ্চির বন্ধ (সৃষ্টির পর)	৬৪-ডাগাবুদ	3	366
गर्बरव्हेन करा (ब्लव्याप व्यक्तिसम्बद्धः गरिवरवेन करा घरः)	২৯-আনকাবৃত	48	550	মাটি হওয়ার অঞ্চল্ধা করনে (কিরামতের দিন)	৭৮-নাৰা	80	200
পরিতাপ (কুরআন কাঞ্চিরদের পরিতাপের কারণ ববে)	৬৯-হাজাব্	¢0	300	নারা বাওরা (কাঞ্চির অবস্থার নারা বাওরা)	২-বাকারা	239	648
পরিবাম (কাঞ্চিরদের পরিবাস আগুন)	১৩-য়া'ল	02	030-2	মিখ্যা অভিহিত/অহস্কার করে কবিদররা (নিদর্শন আগার গর)	৩৯-ত্রমার	49	29
পরীকা (অধিবাসের করে পরীকা, জাহারামের প্রহরীলের সংখ্যা)	৭৪-বৃদাহহিব	03	666	মিখা অভিভিত কৰাৰ পিঙ হয়েছে কাকিবৰা			
পরিবেউন (আল্লাহ কাঞ্চিরদেরকে পরিবেউন করে রাখেন)	२-वाकावा	79	200		৮৫-বৃত্তম	39	707
পাকড়াও (আল্লাহ কাকিরদেরকে শান্তি যারা করেছিলেন)	৩৫-কাচির	46	484	मियावनी (करिय दान सनाट गांड ता विधावनी व सन्त गुन्सवान)	১৬-নাক্শ	40	901
পুর প্রদর্শন করত কাকিররা (মুসলমানদের মুকাবিলার)	৪৮-কাত্য	44	279	মিখ্যা রচনা বলেছে কাঞ্চিররা কুরজানকে	२७-कृतकान	8	97
्य <b>ाश</b> वर्षका च खुद्धार अन्तर्क निर्म्मकारीय कह जाएस			-	মুখ কিনিবে নের কাকিবরা (সম্বৰ্কুত বিষয় থেকে)	৪৬-আহ্কাঞ	0	hot
COMPAN .	২২-হাজ	7.79	960	মুখমন্ডদ থেকে কাঞ্চিবরা আগুনকে বিরত করতে পারবে না	২১-আখিবা	40	900
প্রদুত কবিব (অ <b>প্রা</b> হর রাগুদাসর অধিক্রম পর্বক্রকর্মী প্রদূত <b>অ</b> ধিক্র)	8-निमा	343	495	সুৰম্ভণ মণিল হবে কাফিবদের (বিয়ামত নিকটে লেখে)	७९-मृत्रुक	39	3%
হারন (অ'মাইন আ তার সংগ্রালয়ের করিব প্রথম/নেরাসের হারিক)	৭-আগ্রাক			মুত্যু (কাঞ্চির অবস্থার মৃত্যুবরণ করেছে থাবা)	৩-আলে ইমৱান	27	088
	পু-আ রা <b>ক</b> ৯-ভারবা	30	957	মুত্যু ঘটায় খনন কেলেশকারা কাফিবদের	৮-জানকাশ	60	801
প্রথম ক্ষিত্তের সাথে যুদ্ধ (বিলের বাপরে ভিরম্ভার করসে)		34	687	মুমিনগণ কাঞ্চিরদেরকে নিবে হানি ঠাটা করবে (কিয়ামতে)	৮৩-মুনাক্তিকীন	08	
अपन कविषका नृद् वा. अन्पर्रक काण, य दर जामालव मध्ये	২০-মুখিনুন	48	959				202
প্রতিকল (কাঞ্চিন্নদের প্রতিকল, হনাইনের শান্তি)	৯-ডাধৰা	২৬	684	মুখ্যতেল (আজাত পঠে হলে কৰিবানের মুখ্যতালে সাধীকৃতি লেখা যাগ)	<b>२२-शक्ष</b>	૧૨	988
প্রতিবাদ (বিভারতে কাবিবাসের কৃতকর্মের প্রতিবাদ দেয়া হরে)	৬৬-থাইরীম	٩	290	মূনাকিকরা কাফিরনের দশতুক গর	¢४-मुक्तानामा	38	340

			मिस्ट स्थान	কামনা		-	
नम् दिसह/दागव	ব্যানং ও নাম	MAY 4	न्ध	भव विरम्धनम	न्वा यर छ मान	100	
काफिद्र(पूर्व पृक्षे (बारम)					৫-মারিপা	હવ	
মুমিনসেরকে কাফিররা বলে (সুস্পট আয়াত পাঠ করা হলে)	১৯-মারইরাম	90	900		২-বাকুরা	200	
মুগ (কাফিবনের মূল কেটে দিবেন আল্লাহ)	৮-আমফাল	9	७७२		৫-মারিদা	697	Ι
দৃত্যু (কাফির অবস্থায় দৃত্যুবরগরবারীর উপর লা'নত)	২-বাৰুৱো	3/63	675	সহঞ্জ নর কাফিরসের জন্য (কিয়ামফের দিন)	৭৪-মুদাছছির	20	Т
मृठ्युरदर्ग कदात वर्शकवया काकित प्रवश्वात	৯-ভারবা	250	620	সাধার রানী মুসপিম হওরার আগে কাফির ছিপ	২৭-নামদ	80	1
তুম (কাঞ্চিত্তর তাগুতের পথে কুম করে)	8-Spir	95	669	সাক্ষ্য দিবে কাফিররা (মৃত্যুকালে) যে, ভারা কাফির ছিল	৭-জাগ্রহ	09	1
বাদা (কাটিবালেয়েক কে বাদা করেন, যদ্রগালয়ক শারি (ওকে)	৬৭-যুশক	20	398		8-FPH	383	đ
বাসুল স. কে কাঞ্চিবরা বলে 'ভূমি প্রেরিত বাসুল স. গও'	३०-सभ	80	895		৮-আনফাল	26	t
बानुन न, दन विश्वाचानी बानुकद रहन काक्टिक्स	ON-CASSIA	8	britis		২৮-কাসাস	bro	t
गांभव (व्यक्तिप्रताम आहार गांभव व्यक्ति)	৩৬-আহমান	68	9.09		২৫-ফুরকান	66	4
					৯-জারনা ৯-জারনা	0	+
লাশত (অধিক্ষাসের কারণে কবিদ্যানের প্রতি আল্লাহর লাশত)	२-रावृत्ता	bp	670				4
শক্তি (আল্লাহ কফিবনের শক্তি বর্ণ করবেন)	৪-সিগা	b/8	269		৬০-মুমতাছিলা	22	4
পক্র (যে অন্নাহর শক্র আল্লাহ সেই কাঞ্চিরের শক্র)	२-राक्षा	95	622		२-वाकृति	562	1
পক্ত (কাঞ্চিত্ররা মুমিনদের স্পষ্ট পক্র)	৪-লিখা	202	290		৬০-মুমতাহিদা	30	_
পরতান কাভিরনের নিকট প্রেরণ করেন জাল্লাহ	১৯-মারবিয়াম	50	90%		७०-मूमस्रहिमा	30	
পান্তি (কাক্ষিয়নেরকে পান্তি নিলেন আল্লাহ, হুনাইনের যুক্তে)	৯-জ্বন্তব্য	26	684	হালাল নর (কাঞ্চিত্ররা হালাল নর মুমিন নারীদের জন্য)	৬০-মুমঝাইনা	30	]
পান্তি (কাফিরদেরকে শান্তি নিবেন আল্লাহ)	৯-জাওবা	38	683	হারাম (হারাম করেছেন আল্লাহ কাকিবলের জন্য পানি ও রিথিক)	৭-আয়েফ	20	ľ
ণান্তি (কাফিরসেরকে কঠিন শান্তি আগাদন করাবেন আল্লাহ্)	৪১-ফুস্সিলাভ	29	555	হুদর (কাঞ্চিরদের হুদরে তীভি সঞ্চার করা, বদরসুদ্ধ প্রসঙ্গ) ।	৮-আনফাধ	25	ï
পান্তি (কাফিরসের জন্য আল্লাহ পান্তি প্রস্তুত রেবেছন )	8-मिशा	203	290	হুদর (কাফিরদের হুদরে তীতি স্থার করকেন আল্লাহ)	৩-আদে ইমরান	267	Ī
শান্তি (কাফিরসের জন্য ব্রেছয়ে আঙ্গের শান্তি)	৮-আনকাল	28	600		৭-আ'রাফ	202	Ī
শান্তি (কাফিরদের জন্য যন্ত্রণানায়ক শান্তি, ইন্তুদি প্রসঙ্গ)	8-विभा	262	299	বায়ুর (কর্ণুর)	-		۰
শান্তি (কাবিদ্যালয় কৰা বিশালয়ক শান্তি প্ৰত্যালয়ক)	8-निग	363	290				
					৭৬-পাব্র	6	
শন্তি (কাফিবদের জন্য পাঞ্ছনাদারক শন্তি)	২-বাকুারা	30	570	कारमन			_
শন্তি (কবিবাদের জন্য যন্ত্রণালয়ক শান্তি)	২-ৰাকুাৱা	208	675	বাফেশাকে প্রপ্ন করতে বলল লিভাকে, ইউসুফ আংএর	১২-ইউস্ফ	34	
শন্তি (কৰিবদের জন্য কঠিন শন্তি ব্যৱস্থে)	8२- <b>ण्</b> रा	10	9.90	PRINT(INII)			
গতি (অঞ্চিবদের জন্য যন্ত্রণাদারক শান্তি প্রস্তুত রাখা আছে)	৩৩-আহ্মাৰ	br	9000	চোর (কাঞ্চেলাকে চোর বলে ঘোষণা করল এক	১২-ইউসুক	90	
ণপ্তি (কাক্বিদের মদ্য রবেছে লাঞ্চানায়ক শান্তি)	৫৮-মুজ্যদালা	4	265	(पाश्नाकारी)	24.40.24		
ণত্তি (কাকিবদের জন্য যন্ত্রণাদারক পাত্তি হরেছে)	৫৮-মুব্রাদালা	8	302	কা'বা (আরো দেখুন গ্রাচীন ঘর শব্দটি)			ĺ
শস্তি (কাকিবদের জন্য কঠিন শান্তির দুর্চোগ রয়েছে)	১৪-ইবরাহীন	2	650	জীবনধারদের উপকরবছরপ (পবির ঘর কা'বা)	৫-মারিনা	39	i
বান্তি কেফিরের কল্য পাঞ্জনানায়ক শান্তি, কপণতা প্রসঙ্গ	8-First	-09	982		২২-হাজ	25	
ণান্তি (কাফিরদের শান্তি প্রতিরোধ করার কেউ নেই)	९०-मा'आहिक	3	29.7		55-210k	00	٠
পত্তি (কফরীর কারণে যন্ত্রণানারক শক্তি আস্থানন)	२२-वाळ	20	980		৫-মরিদা	26	
বারি নিজে অপ্তাহ কাভিবলেরকে যদি মুক্তিশানর থেকে পুরুষ ব্যঞ	৪৮-ফারহ	3.0	975		৩-জালে ইমরাশ	20	
বন্ধির কথা যেন সত্য হয় কাকিবলের নিকক্ষে	৩৬-ইয়াসীন	90	5.64		১০৬-কুরাইশ	0	
পঞ্জি (কবিবরা অয়ানকে নিধা অভিহিত করার লাভুলনাকে পরি)	३३-शब्द	29	950				
শান্তির বার্ণী সভা হয়েছে (কাফিরদের প্রতি)		93	V99		२२-शक	26	
শাস্ত্রর বাণা দতা হয়েছে (কাক্সেলের প্রতে) শাস্ত্রি (ফ্যাসাদ সম্ভিত্র কারণে কাফ্সিয়েনর শাস্তি)	৩৯-যুদার			কাৰিল			_
	১৬-মার্ল	bb	670	হন্য (কলিয়ক হন্য কয়তে হক্তি হাত গ্রেপায়িত করবে না)	৫-মারিণা	52	_
শোচনীয় (কফিবদের জন্য চক্রান্তকে শোক্রনীয় করা	১৩-রা'দ	00	699	কামড়ানো -			
ROFICE)		_	-	হ্যত কামড়াৰে জালিমরা (কিরামতের দিশ)	২৫-মুম্বাঞ্চাল	29	1
বড়বস্ত্র (কাঞ্চিরসের বড়বস্ত দূর্বল করে দেন আপ্রাহ)	৮-আনফাল	20.	600	কামনা (আরো দেখুন আকাক্ষা/চাওয়া/ইছে/প্রার্থনা শব্দটি)			1
দতৃৎস্ত (কাঞ্চিরসের যড়বল্ল ব্যর্থ হলেই)	৪০-দু'মিন	3.0	ppo	অনুসালা (বামান্ত অনুসালাবারীয়া চার অন্যেরও তাতে কুঁলে পড়ক) ।	a-मिशा	29	1
वक्टरज्ञाद निकास (शरियारम वर्षकाराई वक्टरज्ञाद निकास १८४)	৫২-তুর	8-2	907		৫৯-হাপর	ъ	H
নদী (কাফিরের নদী না হওয়ার আহবাদ, পুত্রকে দৃহ)	77-£4	84	660		১৯-वावदेवाम -	45	4
ঠিকপথােছ (অহদেকিখন কৰিবানের অধিক সঠিকপথােছ বংশ)	8-मित्रा	62	690				4
পঠিক পথ প্রাদর্শন করেননা আল্লাহ (মিখ্যাবাদী কাক্ষিয়কে)	৩৯-বুমার	0	684		৫-মরিনা	2	4
প্রতর্গ করা (কাঞ্চিব্যাল্য সভার্য করলেও তারা স্থান আন্তর্গে)	<b>२-वाक्</b> रस	6	605		১৭-ইদ্রা	77	
গুলহ (আৰুদ্দিকতাৰে বিবাহত না আসা পৰ্যন্ত কৰিবলের সংগ্ৰহ)	22-3706	22	990		২-বাঞ্চারা	406	
ন্দ্ৰটি লাভের সুমোগ লেয়া হবে না কাফিবদের (কিয়ামতে)	১৬-মাজ্প	7.8	950	আহলে কিভাৰনের একদল কমেনা করে যদি	৩-আলে ইমরাশ	65	
न्छन दव ना जाकितरा	২৩-মুমিদুন	224	990	ইহুদীদের হাজ্যর বছর আবু কামনা :	২-বারুবরা	99	
क्षण दव ना काकित्व	২৮-কাদাদ	231	276	কল্যাণ কামনা করে না কাকির ও মুশরিকরা (মুমিনলের)	২-বাকারা	306	
মকল নিৰ্বাচন কেভিডৱা প্ৰতিপূলকের সমকক নিৰ্বাচন করে।			699	कारन (पुनर्कक)कांकर कर्नून पुब्लावन श्रेत कुन्दी कारन)	8-मिमा	50	•
	৬-আন্'আন	2		reflexes (Sentence reflex voltes wine first relates report		-	٠
ন্মৰেত কৰা হবে কাঞ্চিবদেৰকে (জাবাল্লামে)	৮-আনকাশ	05	900	4824)	8-वित्रा	84	
লকার (কবির সক্ষারের বিকরে অল্লাহর করে দাহার প্রর্থন)	২-বাবুরো	200	6.06		৩-আপে ইনরান	***	
গলবার (কমির নালাবারের বিক্লছে নাহায় প্রার্থনা, রক্সনীচের)	০-আলে ইমরান		485				
লকার (কফির সম্বাধর ছাড়া কেউ অস্থাহর দরা থেকে)	১২ ইউসুফ	3/9	956		७०-मूमरुदिना	3	
সম্পৰ্ক (কাঞ্চিব নাত্ৰীদেৱ দাম্পত্তা সাথে বঞ্জন্ব বাবা নিষেধ)	৬০-মুমভারিনা	30	969		১৫-হিন্দর	٦	
সম্প্রদায়ের কাছির প্রধানরা দুহকে মিথাবাদী মনে করল	55-49	29	900		8-भिना	205	J
		44		सर्वाज्ञ (प्रनिधात धनक्रिय कारमकारीत (प्रियम पुनिवाद वर्षे) :	55-KH	25	

भूष विषय/क्षेत्रम	न्द्रा सर ७ सम	1017	985	नीय विरस्त/दानम	नुबासर छ नाम	100	
कामना (पूर्व पृक्षे (१६१४)				দালাত কাছেম করে (বুদ্ধিমানরা)	১৩-রা'দ	22	620
লপ্ৰতে মন যা চাৰ তা সৰই সাহে	80-गुर्शकप	93	200	সালাভ কারেম করে (মুমিনসের পৃথিবীতে প্রতিষ্ঠিত করলে)	২২-হান্দ	82	964
জাহিলী বিধান কমনা করে মুদায়িকরা	৫-মারিদা	é0	6249	সালাভ কাষেম করে মুখিনপণ	≽-ডাওবা	93	684
মন্ত্রেক্টালে মন যা কামনা করবে তাই প্রেগ করবে (প্রায়িতারে)	२५-व्यक्तिया	303	929	সালাত কায়েম করে মু'মিলগণ	৮-আনকাল	0	800
দুনিরা (দুনিরা কামনাকারীর কান্ধের প্রতিকল দুনিয়াতেই)	77-4H	26	669	সাধাত কারেম (মুদরিকরা তওবা করে সাধাত কারেম করলে)	৯-জাওবা	22	983
পুনিয়ার জীবন কামনা করে (বারা আপ্রাহ্য আলে (থকে বিচুখ)	<b>¢o-नाम</b> म	2,5	200	নাল্যত করেম করার নির্দেশ (মু'মিদদের প্রতি)	৫৮-মুজানালা	30	300
পূবাঢ় (সপুর দূবাঢ় কামনা করবে প্রত্যেক ব্যক্তি, মন্দ কান্ধ দেখে)	৩-আলে ইমরান		600	সালাত কারেম করলে বনী ইসরাইলদের পাপ ক্ষম	৫-মার্থিদা	35	240
ধীন (আপ্লাহর বীন ব্যতীত অন্য বিন কামনা)	০-আলে ইমরান		488	নালাত করেম করা প্রকৃত পুণ্য কাম্ব	২-বাজার	299	
गांत (पुनिवाद बीरम कारन करात प्राक्षाद पुनिवादको (मन)	১৭-ইসরা		926	সালাভ কারেম করার নির্দেশ (মুমিনচেরকে)	৭০-বৃহ্যাশিল	20	897
প্রতিপাদকের সম্ভান্তি কামনাকারীকে বিভাত্তিত করা যাবেনা		22		সালাত কারেম করার নির্চাপ (আপ্লাহর অবদের জন্য)	२०-इर-श	28	383
	७-वान्'वाम	22	900	গলাত করেম করার নির্দেশ (মুসাও ব্যক্তন আ.এর প্রতি)	১০-ইউনুস	20	462
किञ्न वरमा वर्डास्न পূर्दर (सराई यत्र मेमन जान न)	১-ডাওবা	86	686		৯-ভারবা		68
ৰাগান কামনা (উপনা প্ৰসঙ্গ)	২-বাবুদরা	২৬৬	005	সালাভ কারেম করে যাত্রা ভারাই মসন্দিদ আবাদ করবে		39.	
মন যা চার ভা নবই ৰান্তাতে আছে	8 <b>ठ-युश्क्रफ</b>	42	3000	সালাত কারেম করে বৃমিনরা	৫-মার্থিদা	6.6	64
हुनक्किरता सम्म (मलवानी राजुदैनाता गार्थ थारा शतक)	৩৩-সাহত্তব	20	1406	সালাত কারেমকরীর কর্মফল অক্সাহ নট করেন না	৭-জা'রাফ	240	
মুক্তি কামনা করবে অপরাধীরা স্বক্তিব্র বিনিমরে	৭০-মা'জবিজ	22	927	সালাত করেমকারীর প্রতিদান প্রতিপালকের নিকট	২-বাকুবো	299	600
মু'মিনরা কামনা করছিল নিরম্ল নলটি (বনর যুক্ত প্রসঙ্গ)	৮-জানফাল	1	905	সালাত কাৰেম থেকে ভূলিয়ে বাখে না বাদেৱকে ব্যবসা ও	২৪-সূপ	09	9,93
বাসুল স. এর দূরে রাখা প্রীকে আমনা করার জপরাধ দেই	৩৩-জিহ্মন্তৰ	67	ಶಿವರಿಕ	সালাত করেম (মুশরিকরা ভাগর করে সালাত করেম করলে)	৯-ভাওবা	ę	680
রিথিক কামনা(আল্লাহর কাছেই রিধিক কামনার নির্দেশ)	২৯-আনকাবৃত	39	474	সালাভ কারেমের জন্য পুত্রকে লোকমানের উপদেশ	৩১-পুকমান	24	1/43
সম্ভাষ্ট (আল্লাহর সম্ভাষ্ট কামলার নিজেকে বিক্রি)	२-राष्ट्रावा	1209	220	সালাভ কারেমের নির্দেশ (মুমিননের প্রতি)	২-বাকার	220	670
সমষ্টি (মীর সমষ্টি কাদনর প্রসুল স, নর প্রশাসকে প্রথম কর প্রসঙ্গ)	৬৬-তাহরীম	3	290	সালাভ কারেমের নির্দেশ (সূর্য হেলে পড়লে)	১৭-ইস্বা	37	920
সমুখি কালে (অল্লাহর সমুধি কালের সংকল্পারেপারের প্রতিনান)	8-मिना	228	093	সাল্যত বারেম ও আল্লাহকে ভয় করার নির্দেশ	৬-আন্'আম	93	600
স্ত্রটি কামনার বার (আল্লাহর সম্ভৃতি কামনার সম্পদ বার)	২-বাকুরো	200	642	<b>कारहामकादी</b>		-	
সম্পদ কামনার সালাঘনাতাকে 'মুমিন নও' বলা যাবেনা	8-निगा	38	669	নালাত কারেখকারী মুম্মিন ইর্নসিলেরকে মহাপ্রতিগাম লান	a-first	262	27
त्रीमर्थ (पुनिवार कीवान त्रीमर्थ कारचा गर्ड्यात मिर्तन)	29-44EA	235	120	जानार व्याप्यकति चनाः अधिनानास्य कात्र देखारीयस्य तना	১৪-ইবরাহীম	80	65
হানান্তর (কামনা করনে না জান্তাত থেতে, জান্তাতীরা)	79-916A	704	100	alet	20-414001	80	Cus
	20-4464	106	400			_	
কামনা চরিতার্থ		<u> </u>		হ্যবিশকে হত্যা করার কারণে মানুধ হত্যা কটোরজাবে নিবিদ্ধ	৫-মার্রিনা	95	271
व्यक्त प्रतिकर्ष कडार पुरुष्ठ काळ गम्म गृह राज्यमञ्ज	৭-আ'রাফ	9.7	950	কারাপার			
যৌদ কালো চরিআর্থ করতে পুরুষের কাছে গনে (পৃত	২৭-নামল	00	80V	ইউপুঞ্চ আ, কারণোরে কয়েক বছর অবস্থাগ করণ	১২-ইউসূচ	82	551
সম্প্রবারের)				ইউপুঞ্চ আ.কে কাথাপাৰে প্ৰেৰণের দাবী (আবীঘের স্তীর)	১২-ইউসুক	2.0	693
কামাই (কৃতকৰ্ম)			1 (	লাহান্ত্রার (কাফিবদের জন্য আল্লাহ জাহান্ত্রাহকে কারাগার	১৭-ইগ্র	v	938
দিনের কামাই/কৃতকর্ম সম্পর্কে আস্থাহ জানেন	৬-আন্'আম	60	907	বনিরেছেন)	3.1-6/201		130
কায়েম (আরো দেখুন প্রতিষ্ঠা করা শব্দটি)		_		ব্যবেশ (ইউসুফের সাবে দুই যুবক কারাগারে প্রবেশ করল)	১২-ইউসুক	05	960
তাওৱাত ক্ষয়েম করত যদি আহলে কিবাব	৫-মারিখা	99	200	হিম (ইউসফ আ.এর নিকট কারাগার বেশি প্রিয়)	১২-ইউসুক	00	693
তাওবাত কালেম করা (আহলে কিতাব প্রসঞ্চ)	०-मधिभा	60	6AP	মুক্ত (কাল্লাগার থেকে মুক্ত করেছেন আল্লাহ ইউনুক আ,কে)	১২-ইউনুক	200	386
সালাত করেম করা সুরাজীদের বৈশিষ্ট্য	५-शकाश	0	205	সঙ্গীৰৱ (ইউসড় ছে,এর কারসঙ্গীভারে এবলান যাপ্র দেবল)	১২-ইউনুফ	83	990
সাধাত করেমের নির্দেশ (বনী ইসরামলকে)	२-राकृता	80	200	নৰীবর (কারাগারের নদীবরকে ইউমুক আ, বলগ)	১২-ইউনুফ	ob.	697
সাশত করেমকারী আশা করে এমন ব্যবসার বার ধাংস	de et Arm	80	404	वाराक्ष			-
नामान कराजकाता जाना करा रायम गुणनात यह करन स्मर	৩৫-কাতির	420	<b>585</b>			-	-
		-		ইউদুফ অ.কে গামরিকের জন্য কার্যক্রম কর্তেই (আগামত	32.3870	-00	900
নাশত কারেমকারীকেই কেনল সতর্ক করা সম্ভব	৩৫-কাতির	72	P84	সেবে মনে হল)		_	₩
সাশাত করেমকারীর জন্য কুরুজান প্রবিদেশিকা ও দুসংবাদ	২৭-নামল	9	9000	ইউসুক আ,কে কারাক্সদ্ধ করা হবে (আর্থায়ের প্রীর আদেশ	১২-ইউসুক	• ર	043
সাশ্যত কারেম মুমিনদের উপর সময় নির্মারিত করক	৪-নিদা	200	290	না মানপে)		_	_
সাক্ষত করেনের আদেশ দেয়া হয় (আহলে কিভাবকে)	৯৮-বারিঃমাহ্	Q	2059	বিশ্ববিদ্যালন প্রায় করাকে ইক্সাহ মানাসে করাক্রমে করাক্র ক্রারি	२७-७'कास	২৯	49.5
সাশ্যত করেনের জন্য নবীর স্ত্রীগদের প্রতি নির্দেশ	৩৩-আহ্যাব	00	9409	কারন			1
সাশাত (দামাজ কারেমকারীলের জন্য সুসংবাদ)	<b>२२-श</b> ळ	'02	962	লেয় (কাকনকে যা নেয়া ছয়েছে, আন্তঃনকে যদি লেয়া হত)	২৮-কাসাস	9b	270
সালাত কারেম ও দানের নির্দেশ (মুমিশসেরকে)	<b>38-देवदादी</b> म	02	986	ধাংস (অহংকারের নকন কার্মের ধাংস)	২৯-আমকবৃত	৩৯	P.25
দাব্যাত কারেম এর নির্দেশ	२२-दालः	90	202	প্রাসাদ ও ব্যক্তমকেসহ খুমি থাসিয়ে দিলেন আল্লাহ	২৮-কালাল	νà	3730
দালত কামেন করতে ওবী প্রেরণ (ইগয়াক আ. ও ইরানুদার প্রতি)	२১-व्यक्तिया	40	928	অগ্যবান (কারন মহাঅগ্যবান)	২৮-জনাস	939	P20
গালাত কাষেম করতে রামূল ল. কে নিদের্শ (আল্লাহ কর্তৃক)	২৯-আনতাবৃত	84	430	মুদা আ, কে কারনের নিকট প্রেরণ	80-पूर्विम	28	2.50
সালাত কারেম করার অঙ্গীকার (বনী ইসরাইকলের থেকে)	২-বাকুরো	100	409	মূলা আ,এর সম্প্রদারযুক্ত ছিল কারন	২৮-কালাল	9.5	P78
নাপাত কারেম করার নিচর্নশ (যুদ্ধ করকা প্রনাস)	s-Port	33	690		५४-कामान	10	0.20
সালাত (ইবামন্ট্রিমর বংশধাগণের সাল্যত করেম এর <b>জ</b> ন্য লোৱা)	38-देवबादीम	09	696	কারো (একজন)			1
সালাত কারের করার গড়তি (বুদাবস্থার)	৪-মিলা	303	490	নবী-বাশৃগগদের কারো মধ্যে পার্থক্য করে না (মুমিনগণ)	২-বাকুরো	700	670
সাশাত কারেম ও পরামর্শ করা মুখিনদের বৈশিষ্ট্য				পার্থক্য (রাস্কলের কারো মধ্যে পার্থক্য না করার প্রতিদান)	8-निश	265	29
	৪২-শ্রা	06	844	রাস্পদের কারো মধ্যে মুমিনগণ পার্থকা করেনা	২-বাকুরা	544	80
সালাত কাৰেম কৰে (সংকৰ্মপৰাৰণৰা )	৩১-পুকমান	8	454	কাৰ্পণ্ড (আরো দেখুন কৃপণ্ডা শব্দটি)		Ι '	
ন্যারনীতি করেন (ইরাভিম নারীদের রাগদ)	s-निमा	258	640	অন্তরের কার্পন্য থেকে যাকে রক্ষা করা হয়েছে সে সক্ষকাম	69-2144	ъ	260
নাশাত করেম করার নির্দেশ (নিনের দুই প্রান্তে)	३३-दुन	228	৬৭৬	অন্তরের কার্পন্য থেকে যুক্ত ব্যক্তিগদাই সঞ্চলভায়	৬৪-ভাগারুদ	2/3	301
সালাভ করেম করার নির্দেশ (মুম্বিনলের প্রতি)	৩০-রূম	407	৮২৪	যুক্ত (অন্তরের কার্পণ্য থেকে যুক্ত ব্যক্তিগণ্যই সঞ্চলনাম)			
সাশাত কারেম করার নির্দেশ (মুমিনদের প্রতি)	<b>५8-नुब</b>	26	9000		৬৪-তাগাবুল	36	369

नव विश्व/धनम	न्त्र क नाम	400	न्म	नव दिरह/दगह	नुबा नर ७ नाम	SEE S	198
কার্যকর (আরো দেখুন বাছবারিত শব্দটি)	4			বিত্ব অংশ			
আপ্লাহর নির্দেশ কার্থকর হরেই থাকে	৩৩-আহবাৰ	69	lr0b	আন্তনের কিছু অংশও নিবারণ করতে পারবে না অহংকারীরা	8०-मुंभिन	89	bb
কর্মীর কার্যকর করতে বলেন নৃহ আ, তার সম্প্রনায়কে	১০-ইউন্স	93	665	কিছু করতে পারা	-		
প্রতিশ্রুতি (সাল্লাহর প্রতিশ্রুতি কার্যকর হরেই থাকে)	১৭-ইসরা	¢	938	পির ইয়ারুল জা ভিত্র করতে পারাং লা অস্তাহর জ্যালাপার নির্মেষ্	১২-ইউসুফ	99	95
প্রতিশ্রুতি (প্রতিপাদকের প্রতিশ্রুতি কার্যকর হরেই থাকে)	১৭-ইসরা	307	930	विक्रमन	P. 7-41	-	100
कार्यकरी		-	-	অংকাশ (ব্যক্তিয়নেরকৈ বিস্কৃত্বণা অববাশ নিতে বলেন আপ্রাহ)	৮৬-তারিক	33	203
सामाब्द निर्द्धन कार्यकरी बास बास्त्री भारक	s-Size	81	690	किह (किंटि)	10,014	1	10.
कार्यकर्माभ	0.111	-	100	প্রতিশাসক বিশ্ব ইচ্ছ ন করলে কেই কঠি করতে পারেন)			١.
অভয়ত পেশকটোদের কর্বকলাপ দেখকেন আল্লাহ	৯-কারবা	38	600	প্রভাগন করু হাজ না করেন (বভা কার করতে পারেন) বিভা সময়ে	৬-আন্'আম	30	60
বাভাৰতি ( বাৰ জন্ম অস্থাত কলা গেকে অনুন্ত্ৰণী ভার)	79-4455	39	926				_
বঞ্চক্ত ( বর ক্রার অল্লানর স্কান থেকে অন্যক্তরণা কর) বাঞ্চবাড়ি (প্রবৃত্তির অনুসরণকারীর কার্যকলাপ বাঞ্চবাড়ি)	79-415A	29		অবরূপ (মনুমতে কিছু সমর গোমরাইতে থকার অবরূপ দেনা)	२०-मुभिन्म	28	98
	296166	49	936	আদ সম্প্রদার বিশ্ব সমরের মধ্যেই অনুকর্ম হবে	২০-মুখিনূদ	80	98
কাল (মারো দেখুন যুগ/সময়/মহাকাল শব্দটি)				ইউনুক আৰ্কে নাময়িকের জন্য করাক্তম করবেই	३५-१४मुक	06	60
জীবন উপজোগ কিছু কালের জন্য (কাফিরনের)	৩৬-ইয়াদীন	88	148	কিছু সময় প্রতিকা করতে কলে (নুহ স্ম,ধর সম্প্রনায়ের প্রধানগে)	২০-ছুমিনূদ	₹2	96
দির্ণর (আসহাবে কাহকের ৩হার অবস্থানকাল নির্ণর প্রসঙ্গে)	১৮-কাব্দ	34	928	কুরজানের সংবাদ (কিছুসমর পর ব্বানা বাবে)	৩৮-দোরান	pp	69
विवर्ण (क्रमुन म् ५० बुन्दाः) स्वत्रः विवर्णम् पृत्रः। व्यापनः, व्यविकासः)		00	300	কিতাব (আরো দেখুন আমলনামা/গ্রন্থ/পুস্তক শপটি)			
সংকট কালে বারা ননীকে অনুসরণ করেছে	৯-জাওবা	224	685	জল (কিজ্ঞান জল নয় জত তাকে কিজনে জল মনে করে)	৩-আলে ইমরান		₫8
গণ রেশ স্পর্ট হওর পর্যন্ত পানহরের অনুমন্তি (রোধায়)	২-বাকুয়ো	72-9	657	অংশ (কিতাবের অংশ প্রদানের পরও তাগুতে বিশ্বাস)	৪-নিসা	62	49
কলে (মহাকাল)		_	_	অপে (কিবানের কিছু অপে নোরর পরও পথন্রটবা রার কর প্রদাস)	8-मिना	88	¢δ
মধনকার মধ্য থেকে এমন সময় অভিবাহিত হরেছে হগন	৭১-দাব্য	٥	295	অলে (কিবাৰে প্ৰদান করা হয়েছে যাসেকে তাসেকে সেৰা)	৩-আগে ইমরান	20	00
কলে (সময়)				জপে (কিতাবের জপে বিশেষে ঈমান, বনী ইসরাইলের)	২-বাসুগরা	ρę	62
বীবনোপজেগ (কিছুকালের জন্য মানুষের বীবনোপজোগ)	২১-সাধিয়া	222	929	অধীকর (অক্সং সম্পর্কে সহা করার কিয়ের কিয়ারে অধীকর ইন্টেসের)	৭-জা'লফ	269	62
কলোলা (আরো দেখুন নিঃসন্তান শব্দটি)				অপরবিদের কি কেন কিজব আছে যা তারা জন্মন করছে	৬৮-কুলাম	09	24
মান্তাহ কাশালাহ সম্পর্কে ফতওয়া নিজেন	8-991	398	613	অবতীৰ্ণ (অহলে কিঙাৰ জনাশ খেকে অবতীৰ্ণ শিকিত কিঙাৰ মায়)	8-PP1	760	63
স্থান-পিত্তমভাইন কালপার ভাইবোলের মীনাস প্রসঙ্গ	৪-সিগা	25	cev	অবতীর্ণ (আল্লাহ সভাসহ কিভাব/কুলমান অবতীর্ণ করেছেন)	৩৯-বুমার	82	৮৭
वानि				অবতীৰ্ণ (অপ্তাহ সভ্যসহ কিতাৰ অবতীৰ্ণ করেছেন)	8२-नह	39	ba
সমূদ্র কলি হলেও (প্রতিপাদকের কথা লিখে পের করা যাবে না)	১৮-কাহক	209	900	অবর্ত্তর্ম (বাল্যায় লিবিড কিতার অবর্ত্তর্ম করলেও দিমান বা আনা)	৬-আপ্'আম	9	69
স্তুত্ৰ (সাত সাগায়ক কৰি কাৰ্যসেও অন্তাহ্য কৰি লেখা শেষ	_			অবর্ত্তর্প (নিতার অবতালে করার নিবারি অপ্রায়ে শব্দ বেকে)	8७-व्यक्तर	2	90
च(रूप)	৩১-বুকমান	29	P-Q2b	অবর্ত্তর্গ (বিজ্ঞান অবর্ত্তর্গ ব্যৱহান অপ্তাহ আরথি কুরামানহাপ)	১২-ইউসুফ	4	49
कानियाञ्च	_			অবর্ত্তর্গ (বিভাগ অবর্ত্তর্গ ব্যৱহান অস্তাহ স্পর প্রথমনিবার)	৫৭-হ্যদীন	2.0	b¢
দুৰম্ভল কালিমায়ন্ত্ৰ কৰা (বনী ইলৱাইল্যানৱ)	১৭-ইসর	9	938	অবর্ত্তর্গ (কিতাব অবর্ত্তর্গ করেছেন অল্লাছ রাসুল স. এর প্রতি)	৭-আ'রাফ	2	63
কালিমাহ (আরো দেখুন বাদী/কথা শব্দটি)	*14,4	H.	13.0	অবর্ত্তর্গ (মানুসের মহাগ বিচার কালাপার ঋন্য কিন্তান স্ববর্ত্তর্গ)	8-मिश	200	29
অপ্রায়ের কলিয়ার (মানা আ অপ্রায়ের কলিয়ার ও হার বালা)	8-निम	242	09b	অবতীৰ্ণ (হাসুল স, এর প্রতি বিভাব কানা / পথনির্দেশ/	১৯-নারল		
व्हारत समानर (नना पा. प्रकारत स्त्रमन्तर व वाद प्रजून) वाह्ना	0-1941	373	Q 70	পরা / সুলংবালম্বরূপ)	১৬-বার্প	2.9	47
ভালে: তেহারা কালো হলে (অপ্তাহ সম্পর্কে মিখ্যারোপকারীর)	৩৯-বুমার	(NO		অবতীর্ণ (মানুহকে অছকার থেকে আলোতে বের করার	১৪-ইবরাহীম		
८२च वर्गा वर्ग (जन्नार नगरक व्यवस्थातानकाता) ८२च (क्यार क्यू गरकाम इन्हिक्सर प्रचेक्सन वर्गा व्य			৮%	<b>報刊</b> )	28-648814	١	994
	26-H2H	6.0	909	অবহলে কর (অল্লাহ কিবাবে কেন কিবুই করলের বর্তনের্না)	৬-আনু আম	Ob.	697
চেহার (কাল হবে কিছু চেহারা কিরামতের দিন)	৩-জালে ইমরান		286	অবতীৰ্ণ (পূৰ্ববৰ্তী দু'টি দালর প্ৰতি কিয়াৰ অবতীৰ্ণ হওৱা)	৬-আনু আম	759	652
চেহারা কালো হর মুপত্তিকদের (কল্যার জন্ম সংবাদে)	৪৩-মুখরুফ ৩৫-ফাডির	24	787 787	অবভারণ (কুরআনের অবভারণ আল্লাহর পক্ষ থেকে)	8०-द्वभिन	3	3-93
পাবড় (পাবড়ের মধ্যে কন্তক কালো বড়ের ময়েছে)	95-9844	29	585	জনতার্ন (ব্যয়তে করিক্সন্ বিস্তুপ গ্রহাতে)	৪-মিপা	280	231
কালো ধোঁয়া		-	_	অবতীৰ্ণ (আৰুণে আহোহণ করে কিতাৰ সতীৰ্ণ করার দাবী)	১৭-উপ্ৰা	80	9.2
বমের দাবীরা থাকবে কালো ধৌরার ছারার	৫৬-ওরাঞ্চনাত্	88	384	অবভারণ (ফিভাবের অবভারণ প্রতিপাদকের নিকট ব্যুক্ত)	৩২-সাঞ্দা	2	80
বাহাফ (বহা)			$\overline{}$	অবজনা প্রেরপশনীপ্রভাবন অপ্রাধ্য পক থেকে কিবাব নবিল)	৪৫-জাছিল	3	200
অধিবাসীরা ( আল্লাহর বিশ্বরকর নিদর্শন)	১৮-কার্ফ	>	948	অবর্তীর্ণ (অল্লাহ নবীর প্রতি বিভাব অবর্তীর্ণ করেছেন)	৬-আনু'আম	278	60
কাহিনী (আরো দেবুন ঘটনা শপটি)				অবর্ত্তর্গ (অপ্তাহ নবির প্রতি বিভান(হিবমান অবর্ত্তর্গ করেছেন)	8-निमा	220	29
বৰ্ণনা (চিপ্তাশীলনের জন্য কাহিনী বর্ণনা, কুবুরের উপনা প্রসঙ্গ)	৭-আ'রফ	7399	649	অবতীৰ্ণ (আপ্ৰাহ বিভাব অবতীৰ্ণ করেছেন)	৭-আরাক	7949	80
र्शन (समृत म. या निक्ये मर्रावंद्य कदिनी क्लंच कदारन पक्कार)	১২-ইউসুক	0	699	অবতীৰ্ণ (অপ্ৰাহ কিতাৰ অবতীৰ্ণ করেছেন)	২-বাকার	220	221
বাননে (কহিনী বনিয়ে রেখেছেন অল্লাহ জঠীত উপাত্যনেকে)	২৩-মুমিনুন	88	980	कार्जि (अक्टर जन्म न, जार्जि निकाशनकः कार्जि ग्रह्मा)	२३-कारिक	30	921
সাৰাধাসীদেৱকে কাহিনী বানিয়ে দিপেন আল্লাহ	৩৪-সাব্	7.9	४४२	অবতীর্ণ করেছেন আপ্রাহ (মহার্থদ স, এর প্রতি)	79-stea	3	121
कि				करतीर्थ (क्रिकार करतीर्थ बर्द्धास्थ क्रम्लाद, बाभूग भ, धरा			-
অবতীর্ণ করেন নি নরামর কোন কিছই। (কাফিরনের মন্তব্য)	৩৬-ইয়াসীন	30	765	\$150 (TELL TILL TOUR TOUR TOUR TOUR TOUR TOUR TOUR TOUR	৩-আলে ইমরান	٩	40
ইছদীরা কিছুর উপর নেই (নাসারারা বঙ্গে)	২-বাকুরা		670	অবতীৰ্ণ (কিতাৰ অবতীৰ্ণ করেছেন আল্লাহ,)	২-বাকুরা	298	23
কোন কিছু করার ইচ্ছা করলে আপ্লাহ বলেন 'হও'	80-मृत्रिम	617	bb8	करवैर्स (ब्रामा म्. ब्राइट्डि कियार करवैर्स, महा ७ गर्सीर्सनिकारवान)	১৬-নাহল	68	901
গোপন থাকবে না যেদিন কিছুই (আল্লাহর কাছে)	80-मृतिन 80-मृतिन	36	549	অবর্ত্তীর্ণ (ভিত্তাব/ভূরজন আল্লাহর পক থেকে অবর্তীর্ণ)	०६-वृद्धांद	2	¥3
নাসন বাৰতে না বোলন বিস্কৃত (ব্যক্সাহত কাছে) নাসবারা কিছুর উপত্র নেই (ইহুনীরা বঙ্গে)	३-वक्स १-वक्स	770	670	অবন্ধীৰ্ণ বিভাব গোপন করে যায়	২-বাবুগরা	>38	675
নাগারার ক্ষুর ডপর নেহ (বহুনারা বলে) মালিক (আপ্রাহ ছাত্রা জন্য ইলাহরা বিছর মালিক নয়)	২-বাসুগর ৩৯-বুমার	220	630	অবস্তান (করাব সেপেন করে বারা অবস্তীর্ন (কিরাব অবস্তীর্ন করেছেন আপ্লাহ)	২-বাকুরে ২-বাকুরে	507	65
মালক (আল্লাই ছাড়া জনা হলাইবা (কছুব মালক নঃ) শরীক করা (আল্লাইর সালে কোন কিছুকে শরীক করা	08-246	100	#12	অবস্তান (বিভাগ অবস্থান করেনে আচাব) অবস্তান (বিভাগ অবস্থান করেনে আচাব)	ত-বাজুনর ৬-জান'জাম	203	92
শ্যাপ পদা (আল্লাহর সামে কোন কেবুলে <del>শরাক করা</del>	৬-জাগ'জাম	262	655	चरवाम (त्यावन चरवाम क्या शून नात्रनमध्यक्त श्रावाम व्यक्तका) चरवीर्ग (किवार करवीर्ग स्ट्राइस खाद्वार वानून न, धर छेनर)	৩-আপু আৰ	30.4	1.00

क		কিতাব	f
अंक विश्वत्यंत्रक	न्त्र मर च मार्थ	कार व नुका	8
কিতাব (পূৰ্ব পৃথ্য বেকে)			3

- MARCHAN	्या मह च मान	1000	N-181	Actions 1	<b>阿巴迪州</b> 科		r q
किठार (गर्र गर्ध (स्ट्र)		-		কসম (দিখিত কিলাবের কসম) ৫২	-3%	3	34
অবিশ্বাস (কিতাৰে অবিশ্বাসকাৰী সূত্ৰৰ প্ৰভাই হয়েছে)	৪-দিশা	300	298	কসম (বাল্লাহ কসম কংগ্ৰেন সুস্পন্ন কিতাব/কুরআনের) ৪৪	-मृथाम	3	ho
অৰ্পন (কিতাৰ অৰ্পন কৰা হবে, বাসুল স. আশা কৰেনি)	২৮-কামাস	0.0	220	কামনা (আহলে কিভাব্যনর একদল কামনা করে যদি) ৩-০	মালে ইমরান	65	28
जान (जनिए-नप-व । उठामा अस्तात विकास जानक)	১p-ইউনস	3	628	বাগ্যন্ত শিৰিত কিতাৰ অবস্তীৰ্ণ কৰলেও ঈমান না আনা ৬-০	সান' আম	9	23
অন্তত (মলিক-শম-র এমন কিবাৰ যার আয়ত সুস্পর্ট, )	22-64	3	982		-মারইয়াম	36	30
সায়ত (কিজনের মায়ত স্থালিক-লাম-না).	20-800 c	÷	099		- ফুস্সিলাভ	9	71
অমত (কিতাৰে আয়ত প্ৰতিপদকে। পদ খেকে অন্তৰ্গ)	20-1000	-	694		-কাসাস	00	b)
আয়াত (প্ৰভাৱৰ আয়াত, প্ৰাচশালকে। শব্দ লোক অনকা।) আয়াত (প্ৰভাৱৰ কিতাবের আয়াত)					-কাশান -উরাসীম		
	৩১-লুকয়ান	2	৮২৭			25	310
আহুব,হাস-বৃদ্ধির বিষয়টি কিতাবে শিপিবদ্ধ আছে	ত্ত্ব-ফাতির	22	৮৪৭		बाग्निना	342	21
অব্যত্ত (সুস্পষ্ট কিতাবের জাব্লত)	59-0,8181	2	27.0		शङ्गदा	4P	20
আয়াত (সুস্পষ্ট বিভাবের আয়াত অপিড-লাম-না)	75-58550	2	699		-য়া'দ	80	99
আয়াত (সুস্পষ্ট কিতাবের আয়াত, হত্তকে মুরেয়াত)	২৮-কাসাস	2	prop	वक्त (विकारत व्यागनन्धा वक्ति वर्कत नावार क्रमेर निज्ञाना कार्य) २ १	-নামদা	80	9.0
আয়াত (তোয়া-সীল-মীম, এওলো সুস্পষ্ট বিভাবের আরাত)	২৭-মামল	>	5000	ভান হাতে কিভাব (আমলনামা) ধেয়া হবে যাকে ১৭	-१७वा	45	9
অপ্সাত্ত বিভাগতে শিক্ষা নিকেশ (একাল আহুসরিভাবের)	<b>२-वाकास</b>	202	622	ভান হাতে আমদনামা/কিতাব প্রদান (কিয়ামতের নিন) ৬৯	-हासाइ	28	b
আলো ও সম্পন্ন কিন্তাৰ এসেছে আল্লাহর পঞ্চ থেকে	৫-মাধিনা	30	000	मस्यानकीवर्शनीमस्थानिमस्थानस्थानस्थानस्थानस्थानस्थानस्थानस्थान	-ন্যহদ্য	9.9	9
আলে (কিস্তাৰকে আপ্তার আলো খরূপ বানিবেছেন)	8२-भूबा	65	584		বালে ইমবান	970	Q1
আপ্তাহ তি মুশবিকদের কোন জিতাব দিয়েছেলঃ	৩৫-ফাতির	80	284		ज्ञाल देशवान	5-5	01
আল্লাহর কিন্তার অনুসারে পুনরুদ্ধানের দিন পর্যন্ত অবস্থান	00-68A				-বারিনের		30
	৫০-৫ম	66	৮২৬			229	30
আল্লাহর কিন্তাব সংক্ষণের দায়িত্ব সেরা হরেছে যাদেরকে		88	649				
আল্লাহর কিডাবে আর্দ্ধীররা পরস্পরে নিকটভর	৮-আনথাশ	9.0	৬৩৯		-পূকমান	40	ь
প্রাপ্তাহর কিন্তাবে (মাদের সংখ্যা বারটি)	৯-জাওবা	96	680		-হাজ	ь	90
অস্ত্রাহর কিফাবের উত্তরাধিকারী (মনোনীত বাদ্যাগণ)	৩৫-ফাডির	95	V89		-ফাক্তির	22	91
অস্ত্রাহর বিশ্বাবের প্রতি আহ্বান করা হরেছিল যাবন	০-আলে ইমরান	50	649			398	0
व्यक्तारत निक्षे विश्वान (काम्लनमा) ततारह यो शवा नव्या नगरन	২৩-মু'মিনুদ	62	769		-রা'দ	06	43
আল্লাহর পক্ষ থেকে কিন্তাব দিখা গও হরে গেছে	৮-মানখল	66	904	দেয়া (কিভাব নিয়েছেন আল্লাহ, মাবইরাম পুত্র ঈদাকে) ১৯-	-মারইরাম	00	90
আহলে কিসাবনের নিকট আল্লাহর রামল স. এনেছেন	৫-মারিদা	72	250	সেরা (কিচাৰ সেরা নারীসের বিয়ে করা মুমিনসের জন্য বৈধ) ৫-১	पविमा	¢	di.
আহলে কিডাবরা আল্লাহর আয়াত অবিশ্বাস করে	৩-আলে ইমবান	90	685	(প্রা (কিতাব সেরার পর বিষেত্রগত মতপার্থকঃ) ২-ব	राकृत्वा	430	æ:
বাহলে কিভাবলের বিভর্ক (ইবরাহীম আ.এর ব্যাপারে)	৩-আলে ইমরান		282		-शरा	8.8	bri
বাহলে কিভাবৰা সভাকে বিখ্যার সাথে মিশ্রিত করে	৩-আলে ইমরান		283		पाणिमा	23	ot.
বাহলে কিভাগরা কবিশাস করে আয়াহর নির্দেশনার্থী।	৩-জালে ইমবান		080			20-0	00
আহলে কিতাবরা জনস্থান করে আল্লারে নেন্দানন। আহলে কিতাবরা ঈমান জানলে তানের জন্য ভাল হত	৩-আলে ইমরান	270	285			200	00
আহলে কিন্তাৰহা ভাগান আনলো তালের জন্য তান হত আহলে কিন্তাৰহা ভাগানত ও ইনলীল কায়েম না করলে	৫-মারিদা	330			বালে ইমরান	30	64
			69.9		- वेन्निकाक		
আহলে কিজাবরা প্রতিশোধ নিচ্ছে (সমান আনার কারণে)	ए-मतिमा	45	243				20
আহলে বিভাগনা নিয়ত রাখ্যম দীনান্যারকে (আল্লাহর পথ থেকে)	৩-আলে ইমবান		282		ইন্শিকাক		20
আহলে কিতাৰৱা মেল জানতে পাৱে যে অনুমহ আপ্লাহর হাতে	৫৭-হাদীল	59	9522			707	6.
আহলে কিডবেরা সকলে সমান নয়	৩-জালে ইমরান	270	489		-হাণীন	26	>i
ष्ट्रारा विकायान्य अवना निरम्य शुध्यकारा विश्वान व शायकारा	৩-জালে ইমরান	92	482	দেয়া (কিন্তাৰ দেৱা হয়েছে ঘাদেরকে ভাদের মধ্যে দরো) ১-১	জাওবা	43	68
আহলে ক্ষিত্তাবের অধিবাদেরকে (বনু দর্ঘির পোরকে) বের করে দেরা	৫৯-হাশর	3	264	সের (কিজার সের হরেচে; অসেরকে জাসের কোন নাগর) ৩-০	মালে ইমরনে	200	28
অহলে বিজ্ঞাবনেত্রক বান্ধবন্ধি বরতে নিষেধ (ছিল্ম বাপারে)	৫-মারিপা	99	230	দেয়া (কিজাব দেয়া হয়েছে যাদেরকে ভাদের খান্য হালাল) ৫-২	रात्रिमा	9	et
खंडल विकासक प्राप्त जापना तक्या तक्या तक्या व्याप	o. Stree Buste	92	280	দেয়া (বার কিভাব বামহাতে দেয়া হবে, দে বলবে) ৬৯-	-হাকাহ	20	20
আহলে বিভাবদের যারা আল্লাহর উপর ঈমান আলে	৩-জালে ইমরান		202	ाश (कियार तथा ब्रह्माव यात्रस्य प्रसाद करा स्टार, विकला) ३.०	ग्राकाश	186	e:
ভারতে ভিতরেশন উমান ভানতে করা ও জারাত পেত	०-प्राविश	(42	23/2	সেয়া (ব্যাসবকে কিতাৰ সেয়া হয়েছে/মাহলে কিতাব প্ৰদৰ)   ৪-ট		89	21
ইবয়াহীয় আ.এর বংশধরকে কিন্তার ও হিক্মাত দান	8-5/21	08	250		ইগরা	30	93
সমল ( <b>অনু</b> য়হ কর্তক অবন্ধানি কিতাব/কুরআনে প্রসূপ স্কু এর ইমান)	84-78		499		-बावडेबास	23	90
		34					
দিয়ান (অল্লাহ যাসেয়কে বিভাগ দেন ভান্ত একে দিয়ান আনে)	২৯-আনকাৰ্ত		250			290	8
সমান (ক্ষিত্তাবের অংশ বিশেবে সমান, বদী ইলরাসলের)	২-বাকুরো	ρę	670		- দুখকদ	52	35
দিমান (কিকাবের উপর সমান আনা প্রকৃত পূণ্য)	২-বাকারা	299	67.7		সন্ভাষ	64	è
দিয়ান (রাসুল স. ও মুমিনখন কিন্তাবের প্রতি দিয়ান এনেছে)	২-বাকারা	506	208			255	34
वेतरचित्रकी (की देशवनेशरक किखरार चेत्रवर्शकारी रुदा)	৪০-মু'মিন	6-0	244	নির্বাহন (নৃহ ও ইক্সারীয় আ,এর বংশধরনের মধ্যে জিতার নির্বাহন) 🛮 ৫ ৭	-হাদীদ	36	b
Garlenii (क्वारा Garlenia कृतक गण्यक गण्यक	৪২-শ্বা	38	284	দিয়ে তাসা (কবিবাচনতে এফা কিবাৰ দিয়ে আসতে কলা যা) ২৮	-ঝনাস	8>	ъ
न्याचित्रहें (की देन्तान्यान केवानी पत्र विकास केवाविकारी)	৭-আগ্রাফ	369	625	নিয়ে আনা (কিছাৰ নিয়ে এনেছিলেন কাফিবনের নিকট) ৭-২	ম'রাক	23	0.
উপস্থিত কর (শিরকের পতে বিভাব/ स्त्रम থাবলে উপস্থিত করা)	৪৬-আহকাক	8	hob	নিৰ্বাৰণ(উপবাহীন আন্তৰ বংশধনেৰ জন্য কিতাৰ/লুয়ত নিৰ্বাৰণ) ২১-			V
উপ্তেল প্রভাবকে বিজ্ঞানত প্রতি আহবাদ করা হবে (বিরান্তে)	80-माविश	27	309		-হিজর	8	100
	৪৩-বৃৰক্ত	8	1100		-হা <b>ভা</b> হ্ -ইসরা		8
						38	13
	১৯-মাবইরাম	68	909				
উন্থল কিন্তাৰে কুৰসান ৰক্ষিত (জায়াহৰ নিৰ্বা) উল্লেখ (ইসমাইলের কথা কিন্তাৰে উল্লেখ কনাই নিৰ্দেশ) উল্লেখ (কিন্তাৰে ইন্টাইৰের কথা উল্লেখ কনার নির্দেশ) উল্লেখ (কিন্তাৰে উল্লেখ করার নির্দেশ, ইংবাহীম আন্তর কথা)	১৯-মাবইরাম ১৯-মাবইরাম ১৯-মাবইরাম	69 83	909	গর্কার নির্মান করি করা করা করা করা করা ১৬	- १.७॥ - नाइन - प्रजापविज्ञीन	44	4:

	ज्या नः व नाम	100	98	New Sections Continue	i
	-	-	1	দিবিত কিতাব (নিন্ধীন হলো একটি নিবছন কিতাব)	ř
	৩৫-ফাডির	23	585	দিশিক্ত (অপ্তাহর কিবাবে শিশিক্ত, ব্যার প্রতি অনুসূপ্য প্রশাস)	
5	২৯-জানকাবত	81	140	দিশিক (অবাদ-পৃথিয় সাই বিবারে দিশিক বর অল্পার কর সংগ)	Ğ
ŕ	২৯-জানকাবক	80	940	লিপিছে (বিভাবে লিপিছে আছে জ্বলাস ধানে বা শান্তির বিখা)	Ğ
	২-বাকুরা	252	478	দিপিবছ (কিডাবে দিপিবছ করেন আল্লাহ পঠিত বিপর্বয়)	i
-	২-বাকারা	88	202	দিনিক ব্যোজন কবিলো পূর্বে রাপুল স. কোন বিভাব দিনিক	ï.

3.2000

30-R1'H 02 9993

36-RES

৭,জাবার

yo-प्रकारिकीमा

181

8-97

RA-MISSIS

৩-জনে ইমরাশ ১৪৫ 480

films let an

नारे (विकास नारेकार्ता आज (स्ट्रि अपन साहाना काल काल

er's countries and organ to contribute and prouds

or's /one members forms on your staff arm Bots return

পাঠ (ਕਮੈਂ) ਫੋਸਗਲੇਜ ਕਲੰਡ ਯਾਜਾਵਰ ਰਿਕਾਰ ਮਾਨੇ ਲੜਾਤਾਂ।

भार (भारतारी विकास भारतारिकारण विकास अस्पर्धाः प्रत्यान श्रेर (देवशिक नवीरान्य काशाय क्रियाय श्रेर काव (शानाना)

भारे (प्राथमनाथ भारे कहात जात खालत प्राप्त होए को नाम कर

अर्थको विकास आधारिकारण विकास (कार्या) प्रकार

eth (Seato eth ann Gent shat ann mann Grantton

color Catalan sainte sempreum Genetic Patternatura color seum mon

পেশ কর হলে অপরস্থীনের জীত দেখা যাবে বিজ্ঞানতের দিন

officeraries was over warran fector mortal

Mantife (familie Mantife in the Screen after

ন্মী উস্থাইলকে জিল্লাৰ দান কংগ্ৰিলেন আহাত্ৰ

Overa artise

প্ৰাপ্ত (বিশ্বাৰ প্ৰাপ্তৱা মন্তপাৰ্থকা করেছে আদ আসার পর

की देशकेक्टर विभाग करिया तथा असन विभाग असे विकास

व्यवस्था विसाद करफीर्च (वर्ज्यात वाता समर्च करा शस्त्र अस्त्रकार जिल्हा (जाना जानीर्थ सरकार)

বৰ্ষসমূহ (বান্সাস এব প্ৰতি অসমীৰ্ণ ক্লিয়াৰ বৰ্ষসমূহ

বৰ্ণনা/পৰনিৰ্মেশিকা/ন্যা/নৃসংবাদস্ত্ৰপ বাস্প ন, এব প্ৰ

राप्र वारक प्राप्तकांका कियाद संसाम (विवादत्वय दिस)

विक्रांतिक वर्गान (कारावान विकास विक्री विकास विक्रांतिक वर्गान)

বাদ দিবে দা ছোট-বড় কোন কাল (অপারাধীনের

বিশ্বাস (কিজাব সম্পূর্ণজ্ঞপে বিশ্বাস করে ব্যবিনর)

মতপাৰ্থকা (কিডাবে মতপাৰ্থকা কাক্তে বাবা ভাৱা

Sur tables desert Sur tablesader story

মসা আ কে কিবাৰ নিবেজন আলাঃ

মূল কিতাৰ আপ্তাৰৰ নিকট মূল (বিজ্ঞানের মূল, মুহকাম আরাজভলো)

part out cas favoria favoriarrows outputs

sor or or Senter Graffing men

unt tel ca finate figrafica-u tuero

प्रमा जा दक किकाव जिल्हामा जानाव voit no cas Service Scramus miero

TOT NO ON GROOM (NOVOMIN) AND

মৃত্যুর সময় কিলাবে নির্বাচিত

মশরিকদের কি করমানের পর্যে কোল কিবাব দেরা হয়েছে

মুনা আ যে কিবাৰ লগ কেনী ইসৱন্ধলের প্রকাসনিকাশ্বরণ।

মুগা আ এর বিভাগ মানুসর ক্ষমা আলো ও প্রান্থিনিকার স্বরুপ ust by or final par a ser sustance for

ফা আ এর কিবাব নেয়া ও লক্ষ্যলকিবল্প ছিল ফা আ এর কিবা

মন আ তে বিয়োৱা আনবাৰ নাম (প্ৰামিনাশিকা ও নবাস্বৰণ)

प्रभा खा अब भार खरातीर्थ क्रियात/करकार भारे त्यांना क्रियाल

(अवान (वाट्याक (अवाटनव कना अवधि विद्याद बरवाक)

राजन प्र. तर तरि विकास सामित (समा/प्रश्नासम्बद्ध

দিখিত বিভাব (ইপ্লিয়ান একটি নিছন কিতাব)

area w .ea efe model featre boto more forde

ਰਿਵਿਕ (ਰਿਸ਼ਤ ਦਾ ਜਮਾਤ ਸ਼ਤਸ਼ਕ ਆਰ ਰਿਵਿਕ (ਐਵਟਰ )

प्रश जा तब कियार मान (अधिकाम जनसम्बद्ध करा)

of America Scall and Septime Names (one pres) old MANAGE GRADOW SECTION

প্রতিশাদকের কিন্তাবে পূর্ববাসী প্রস্কলের অবস্থার জ্ঞান আমে

erà (Reil) estituan ferata erà armo arm

लगावासम्ब विज्ञाव/ज्ञामसञ्ज्ञा विक्रिकीता शाकर

পরে অবর্ত্তীর্থ বিচন্নারে উদ্ধান আনার নির্মেশ

शर्थ (बाउन प्र. एक भी कियाद शर्थ कराव निर्माण

क्रिकास (भई भोर त्यास

Seale faxione

4-404131	00	404
১০-ইউনুস	28	650
8-मिना	356	290
২-বাকুরো	770	670
	93	930
	92	480
৮৩-মুরাক্তিকী		2025
३०-१क्सून	38	666
8-971	300	298
৩৯-যুখার	69	5-99
29-465b	85	456
৩২-সঞ্জন	2	5000
	2	429
	43	988
	278	609
		250
		604
	8	128
		906
		608
		922
		999
	13	
১৬-নাহ্দ	ър	470
(-)zfatz	20	242
		937
		689
		683
		69.7
		278 278
		220
		938
		279
		695
		600
		600
		5000
		609
		900
		692
		950
		806
		100
		909
৬-আন্'আম	328	622
	১০-ইউনুল ৪-টিন্সা ৪-টিন্সা ৪-টিন্সা ১৮-ইবরা ১	20-2009

किवार (प्रम्यान्ये की नव अन्तर्श विकासीयन का किवार)

কিতাবপাপ্ত (আরো দেখন আহলে কিতাব শদটি)

জানা (কিতাধহাররা জানে যে, কুরামান সভা...)

জনসভা করবে না কিতাবদ্রাররা (রাসুল স, এর কিবলা)

্রেল (কিবাধরারর করেমণ্ডে নির সমানের হত (চলে)

क्षात विकादकारमा क्षातात कम त्यत्वनकामा गर्चा देशका

प्रविज्ञा न विकादशसदा राज आफ्टरलाएर ना करव

হালাল (বিজাৰপ্ৰাপ্তদেৱ জন্য হালাল, মহিনদেৱ খান্য)

THE SALE

NO WOODS

horas.

33 hoc

VAR

4 264

43 48€

30 590

08

600

545

660

785

bos

384

900

900

27/2

on reterro

33.575 90 244

Vo. Norm 25

৫৭-চালীস

१५-नावा 27

26-FTSP

o\_interior 38¢ 450

১.বাজার

८-महिन

৬-জান জাম

৭৪-মনায়ভি

98.25189 22.2

 мінаіта Rh 3/20

THE STATE OF THE S	नूब के चेन	THE R	1	न्य दिस्त/दनम नृत ५ ७ व	1000	99
কিতাৰ (যাবর)	-	-	-	দিন (বিরাছের দিন পর্বন্ধ রাজকে অন্তর্হান করে দেন যদি) ২৮-কাসাস	42	7738
জনতীৰ্ণ (অপ্তাহ মনুক্ষে উপৰ মনুৱ দিবিত কিতাৰ জনতীৰ্ণ কলে)	১৮-বাহল	88	90b	দিন (কিরামতের দিন সন্তান-সন্ততি উপকারে আসবে না) ৬০ মুমতাহি-	1 0	3-21
স্থব্যাহতি (কিন্তানে অভিনাদৰ স্থব্যাহতির কথা আছে তি ।)	৫৪-কামাব	80	204	মিন (বিশ্বামনের মিন সমানের করেন অক্সাহ পথান্তিসাহক) ১৭-ইসরা	39	9.3
কিতাব (দিশিবছ)	40			দিন বিশ্বাহ্যকর দিন সহায়ে করা হবে ল (বিশাস্তাইন ও) ২৮-কাপাপ	83	100
সপট্ট ক্রিয়ার দিশিবছ (ঘর্মীনের ডঙ্কারের শসাদান)	৬-আন' আম	25	503	দিং (বিশ্বামকের দিয়ের পূর্বে সকল জনপদ ধালে করকো অস্ত্রাহ) ১৭-ইসরা	Q.V	93
	७-जान् जान	6.9	903	দিন (বিশ্বামনের দিন কল্পাচন গলার বেডি পরিরে লেয় ছবে) ৩-আলে ইম্		
किस्न (महा		_	$\perp$	লি (বিশ্বাহতের লি পুশিত হাব, বিশ্ব'আলৈ ও জর বাহিনী) ২৮-কাসাস	84	773
আবিরতের বিনিময়ে দুনিরার জীবন বিনে নেরা	২-বাকুরা	70	670	সিল (ক্ষিয়ামটোর সিল বিশুণ পান্তি হতে, তানের থারা) ২৫-মরবান	Gh	93
কিবলা -				लिस (विद्यान्त्रक लिस विदेश विदेश कारत करा यह हैया) १जा'ताण		
অনুসরণ করবে না কিডাবপ্রস্তার (রাসুপ স. এর কিবলা)	२-राष्ट्राश	284	659		હર	63
কলরী (বিনার কলারী নর, তার একে অনুর বিনার)	২-বাকারা	182	67.0	দিন (কিয়ামতের দিন পর্যন্ত ইংসিদের অবকাশ প্রার্থনা) ১৭-ইস্রা	64	93
দরকে বিবাশ বাদানের নির্দেশ (মুদা ও হারাল আএর প্রতি)	১০-ইউন্স	89	969	নিল (কিরামতের নিন পর্যন্ত নিলংক অন্তর্হীন করে নিলে) ২৮-কালাস	92	3.
পহলের বিবলার নিকে বাসুল স্, এর চেহারা বিবিয়ে নিকেন অস্ত্রাহ	५-सकारा	288	670	निन (शिवास्टावा निन गर्वक देखेनियात अवकी (गाँकिक निर्मे गाँक नाम)      १-वा' रा व	269	
পরিবর্তন (বিজ্ঞা পরিবর্তনের উদ্দেশ্য)	২-বাকুরা	280	670	লি (নিয়াহতা লি পরি বানেকে অভিযান উপরে রাবলে অক্সাচ)   ৩- লাগে ইবা	ान ११	28
विश्वदा (प्रकारमञ्जू विकास वर्ग विश्वदा मिन विद्या)	২-বাকুরো	284	670	দিন (বিশ্বাসক্রের দিন পর্যন্ত বেদন অস্ট্রীকার আছে বি, অপার্যবিদের) ৬৮-কুলোম	Øb.	20
রাসল স. অনুসভা করবেন না কিডাবপ্রাক্তনের কিবলা	२-वक्त	282	670	নিন (বিদ্যামণ্ডের দিন পর্যন্ত শত্রুতা ও বিষেষ) ৫-মারিদা	<b>68</b>	6.5
	2-4(9(4)	282	659	দিন (নিয়ামাজ্য দিন বিনাপাটন তার সম্প্রদারে স্প্রভাগে থকনে) ১১-হুদ	37	60
বিয়ামত		_	$\vdash$	দিন (বিভাযতের দিন মানভতে পনকভিত করা হবে) ২৩-ম'মিলন	26	198
অপমান (কিয়ামতে অপমান ও অনঙ্গল কাথিবদের জন্য)	১৬-মার্প	54	902	किर (विकास कर किर अनेक्टर कर करको अभिन्य निवस प्रकार) । १५-५अगना	9	150
বপেন্ধ (জলিখনা কি কিয়মত আসার বপেন্ধার সচ্ছেঃ)	8०-पृश्क्षण	ėδ	poo	हिल (विश्वास्ताक किन सन्तरास किन्नत व जासकताब (का कहा दश) 2.५.देशना	30	93
অবশাস্থাৰী (মানুহের চেষ্টার প্রতিদান নেরা জন্য কিরামত)	২০-কা-যা	26	487	লিন (বিভাগতের দিন মান্ট্রানবাসীলেরকে আল্লাহর লানত) ১১১-চদ	35	69
অমঙ্গ (ভিয়ামতে অপমান ও অমঙ্গল কাকিবদের ৰুক্ত)	১৬-নাহল	29	900	লিন বিষয়মতের লিন পরি থেকে মন্তি পরে ন বার কার্যনি,) ৫-মারিলা		01
অধীনার (বিশাসত অধীনারামানীর জন্ম ক্লাক্ত আচন এরত)	২৫-কুরকান	22	990	কল (কল্পনতো কল শার মেকে ব্লক্ত শার ন বার কুপার) ৫-মারল। নমিরীন ক্ষেত্রতার শারণ থেকে মধ্য কিবালে কিবামকে	0.5	Qt
অধীকার (বিশ্বামতে মৃতিপুলনার একে অপারকে অধীকার করবে)	২৯-জানকাবত	22	929	প্রচান (ব্যস্তাহর প্রবা থেকে মুখ কেরাপে বিভারতে ন্তিটান ক্ষরার টোলে)	348	98
व्यवस्थितव्याः विवास्त्रं सं वास श्रीवः वाधिवतं माण्यः नवान	33-5756	00	960		+	-
আন (বিধানত এলে পড়ল উপলেপ-এহণ কি কালে আসরেং)	8१-मुद्यस्थन	25	250	ধকা, অস্ত্রহ সম্পর্কে বিধা জনামজীলে (বিনামত সম্পর্ক) ১০-ইউনুস	80	00
আসা (কিয়ামত এলে পথলে আল্লাহকে ভাকা এসক)	৬-জান জাম	80	623	নিকটনতী (বিন্যায়ত হোলের পদকের মত, কাং তার হেবে নিকটবর্তী) ১৬-নাহশ	99	90
আসা (কিয়ামত মানে পর্বেশ আগ্রান্তক অব্যাহনের) আসা (কিয়ামত মান আসলে কাবিবরা আক্রসেস করবে)	৬-আন আম	93	490	নিকটবর্তী (বিশ্বাহত নিকটবর্তী) ১৭-ইগ্রা	62	93
কাশ (বিধায়ত হালে কাশুন কাক্ষর আক্সান কালে) কাশ (বিধায়ত কাশুনাই এতে কোন সন্দেহ নেই)	22- <b>श</b> ण	9	927	নিকবৈত্তী (বিশ্বাহত নিকটবর্তী হয়েছে) ৫৪-লমার	2	200
কাসা (কিয়ামত কাসংবাহ, এতে কোন সংগ্ৰহ নেব) কাসা (কিয়ামত কাসার জনা অপেকা কবিবনের )				নিকটবর্তী (বিস্তাহত নিকটবর্তী) ৪২-পূর্ব	39	73
	8९-युद्याचान	237	970	দিকটবর্তী (বিরায়ত নিকটবর্তী হয়েছে) ৫৩-নাঞ্চম	69	30
জাসা (কিলামত আসার ব্যাপারে কোন সপেহ নেই)	৪০-মুখিন	6.9	htro	দিকটার্কী (ভিয়ারত নিকটারকী) ৩৩-আহ্বাব	80	500
অসৰে না (কাহিবরা বলে কিয়ামত আনবে না)	৩৪-সাবা	0	287	ন্যায়বিচারের মীয়ান/মানন্ত বিভায়তে স্থাপন করা হবে ২১-অখিয়া	89	90
जाभर हे (किशायन जामर है)	১৫-হিন্দর	310	105	अब (व्यक्तिकास किया कान अन्यूर्व विश्वप्रकार कि श्रव करा दूरा) ३५-जानकार	5 30	3/2
উপস্থিত (বিনামতে উপস্থিত করা হবে, কোণ্য-সাবলী প্রান্ত বাভিতে)	<b>২৮-কাসাস</b>	92	670	প্রতিক্রত পান্তি কথবা কিয়ামত দেখবে কথন পথমাইবা ১৯-মাইইবাম	90	90
একত করা (বিদ্বাসতে আল্লাহ সবাইকে একত্র করবেন)	৬-আন্'আম	25	694	প্ৰপ্ৰ (মানৰ প্ৰপ্ৰ করে, কিয়ামক কৰন হবে?) ৭৫-কিয়ামাই	16	38
একত্র করা (কিরামতের দিন সকলকে একত্র করা হবে)	8-9H	51	604	প্রকশন (বিশ্বাহরের প্রকশন এক তীয়ণ ব্যাপার) ২২-হাচ্চ	3	38
ওরন করা হবে না. কিয়ামজের দিন (কাফিরদের সংকাঞ্চ)	১৮-বাহ্ন	200	200	ফ্রনাল (তিরান্তে ইচুনি-নেরর)বুপরিক/সাতিরর করসাল) ২২-হাক্স		199
এঠন শক্তি (বলীইসরাইলের পাপের বারুণ কিরান্তে কমিন শারি)	२-वाक्तश	74	670	ব্যৱসাধা (বিভানতে হছাপ্ৰান্ত (বুশাহত) নাবছার বছাপান)      ২২-থাজ ব্যৱসাধা প্রতিশাসক বিশ্বয়ত নতবিপ্রান্ত বিশ্বয় ব্যৱসাধা ব্যৱসাধা ১২-সাজনা	39	
ক্সম (কিরামকের নিনের কলম)	৭৫-বিশ্বামার	3	990		48	50
ব্যবিদ্ধনের জন্য অপমান ও অমঙ্গল (কিরামতে)	36-9167	39	900	কালাল (কী ইপরাইলের মর্কানের ব্যবলার হবে বিশ্বমতে) ১০-ইউনুস	30	90
অভি (বিদ্যানতের বিহরে কতিসাধনকারীই প্রকত অভিয়ন্ত)	03-548	36	293	বাক-বিভঞ্জ (কিয়ামত সম্পর্কে বাক-বিভন্তাকারীয়া এট) ৪২-পুরা	72	3.5
প্রারে পদক্রের মত বিবাধক, বরং তার চেরে নিকটবর্তী	26-759	11	900	বিচার (বকশ্ববিদ্যা পনিবার্য বিষয়ের অস্ত্রাহ বিদ্যানতে বিচার করকো) ১৬-নাত্র	248	
				বিচার (ইক্সাতের নিয়ম নিয়ে মতপর্যবেদর বিষয়ে বিচারত বিচার) ২২-যাক্ষ	69	96
ভাদে না (কিয়মত কি ডা কাফিররা ছানে না)	৪৫-মহিয়া	05	Pos	বিধার (বিধানতের দিন অস্ক্রার ইন্দৌ-নাগারদের বিধার করকো) ২-বাবুংরা	274	23
ছিজালা (কিয়াহত কংল ঘাঁতে দে সম্পর্কে মানুকো ছিলালা)	৩০-সাহবাব	90	৮০৯	বিপ্তর (বিশ্বানাকের দিন অক্সাহ বিভার করাকে, ফুলফিক প্রানস) ৪-নিসা	282	29
মিজাল (বিয়ানত লংখীনের সময় লম্পর্কে রাসুল ন. এর করে জিঞাল)		723	900	বিভৰ্ক (বিশ্বামতে মুদাজিকদের পক্ষে কে বিভৰ্ক করবে ১) ৪-নিসা	209	8
ঞ্জিয়ানা কথন ঘটৰে কিৱামত (হাসুল স. কে কাফিবদের)	৭৯-নবি'আত	84	2006	ৰোমা (কিহামতের নিনে পাপের বোঝা কডটনা নিকটা) ২০-তা-হা	303	
আদ (দিদা আ, বিরাহতের রুদ্য একটি আন!)	৪০-যুখকফ	65	900	লেক বান (বিধারতের দিন কবিবলের পাশের কোবা বলে) ১৬-নাহল	30	90
মান (কিয়ামতের মান কেবল আল্লাহর নিকট)	৪০-যুখকফ	'n¢	506	লেমা বাল (কোমাল কোমা ফারিয়ালা বিয়াবার পাশের কোমা বাল) ২০-তা-যা	300	
ন্ধান (কিয়ামকের আন অস্তাহর করেই ন্যস্ত)	83-যুসসিপাত	87	page	ভাগত (বিভাগত অভ্যন্ত ভাগত । প্রত্ত ভাগত বল্ল । প্রত্ত ভাগত ভাগত । প্রত্ত ভাগত ভাগত ভাগত ভাগত । প্রত্ত ভাগত ভাগত ভাগত ভাগত ।	86	34
মান (বিপ্লাম্যের মান বধু আল্লাহর কাছেই আছে)	৩১-পুরুমান	08	5-23			
দিন (কিয়ামতের দিন পর্বন্ধ শঞ্চরা ও বিষেষ সঞ্চার)	৫-মারিলা	28	62.5		85	196
मिन (विश्वास्त्रक मिन (क फेस्स्ट्र टा मिस्नान न दा प्राप्तात मिनिका)	৪১-ফুস্সিলাত	80	523	বিজ্ঞা কর্মা (কিল্লামককে মিতা বলে কাফিওর) ২৫-মুখ্যকান	32	33
দিন (কিয়ামুক্তর দিন উপরে পাক্রে তারাই যারা)	२-शकादा	222	650	মীকা ছাপন (নিয়মতে নামকিয়নে মীকা/ফলন হাপন কর হলে) । ২১-সাধিয়া	81	96
				লামত (বিয়ামতে মৃতিপৃঞ্জবরা একে অপথকে গামত নিবে) ২৯-আনকাৰ্		7:
দিন (বিরোধ্যারে দিন আপ্রাহ কবা কারেন না আনর সাথে বার)	২-বাস্থারা	348	629	লানত (আন জাতির জন্য লানত, সুনিয়া ৫ কিয়ামতে) ১১-বুদ	80	18
দিন (বিশ্বামকের দিন আপ্রাহ জনের দিকে অব্যক্তেন না বার)	০-আদে ইমরণ		680	শান্তির নির্বাহিত সময় (কাভিবনের জন্য) ৫৪-কামার	85	30
নিন (কিরামতে নিন প্রতিশাপকের নিকট একা আনবে)	১৯-মাৰইয়াম	26	180	শারি (অস্ত্রাহ সম্পর্কে বিভর্মনারীর জন্য বিবাহতে সংখ্যন শারি) ২২-বাচ্চ	>	90
দিন (বিশ্বামতের দিন অপমানিত না করার প্রতিনা মুক্তিবলো)	৩-জালে ইমরান		666	সংঘটন (কিয়ামত সংঘটিত হলে কিবজাটন বংশকে) ৪০-মুমিন	85	bb
দিন (বিশ্বানকের দিন আঞ্চাপকৃত বস্তু নিয়ে উঠনে আঞ্চালনারী	৩-জালে ইমরণ	265	662	সংগটিত (বিয়ামত সংগটিত হবে বেপিন) ৩০-ছম	66	50
দিন (বিবামেতর দিন প্রতিদান পুরোপুরি দেরা হবে)	৩-জালে ইমবান	200	668	गर्यान क्रियान गर्यान यह वह महाने व्यवस्था । 82-वर्गन		b-b

संभ	जुड़ों नर ७ मात्र	4503	191	चंत्र विवय/धनव	नुबा गर छ नाम	nine o	96
বিষয়ত পূৰ্ব পৰা বেকে)	4. 40.44	1	315.30	कुक्त	Set 16 a 414	4000	1.7
সংঘটিত (বিস্নামত সংঘটিত হবে যেনিন	oo-द्वम	25	৮২২	ত্তম" অসমটি কুকুর আসহাবে কাহাফের সাতক্ষানের সাথে		١	١.,
সংগ্রীত (বিদ্যামত সংগ্রীত হরে থেলিং, সেলিং অনুহ বিশুক হবে)	00-अम	38	250	উপমা (আলাতকে মিধ্যা অভিহিতভারীর উপমা)	১৮-বর্ণক	22	9:
সংগঠিত হবে বলে মনে করে না ( বাগানওয়ালা)	79-mish GO-84		1929		৭-আরিক	249	63
সংগ্রি (বিশ্বমত সংগ্রিক কি ব্রবিশপ্তির ক্ষরিত হবে)		06		চতুৰটি কুকুর আসহাবে কাহালের ভিনন্ধনের সাথে	১৮-কার্ফ	23	9
गराज्य (मन्त्रमञ् गरपाटमा १०० पाठणणा इत्र कारावा ४३०) गरमद (मेरे (मेम्ब्रमञ गरपटिक १९वास सामाद गरमद (मेरे)	৪৫-জছিয়া	53	20d	গা পুটি প্ৰদায়িত করে রেখেছিল কুকুরটি (৩বার প্রবেশযুখে)	১৮-বংহক	25	9
সংশ্ব দেব (নলামত সংখ্যাত ব্যৱধা বাশারে সংশ্ব দেব) সন্দেব দেই কিরামজ্যে ব্যাপারে (আসহারে কাহার প্রদর)	৪৫-জাছবা ১৮-ভাহত	0.5	Pos	ঘটটি কুকুর আনহাবে কাহাকের গাঁচ জনের সাথে	১৮-কার্ক ১৮-কার্ক	23	9:
		57	926	কৃষ্ণিগত করা			
নদেব নেই (কিয়মত আসংগই, এতে কোন সংগহ নেই)	44-27 <b>W</b>	3	100	সম্পদ কুছিগত করে রেখেছে অপরাধীরা	৭০-মা'জারিজ	79.	83
সপেহ (কিয়ামতে সন্দেহ করা যাবে না)	8०-पूर्वक	65	900	কুড়িয়ে দেয়া			
শাদ্ধ পদ (বিশ্বাহতে ঈল আ, আহলে কিতানো নিক্তম লাখ্য দিকে)		769	644	ইউপুখনে বৃদ্ধিয়ে নিবে অশ্রীনাসর বেন্ট (বুলে নিকেল প্রনার)	১২-ইউনুক	20	6
শ্বর বের (বিরামতে অস্ক্রাহ মানুছের মতন্তের্যন বিধর শ্বর করতেন)	১৬-নাহল	34	930	মূসা আ.কে কুড়িয়ে নিল ফির'আউন বংশের লোকেরা	২৮-কাদাদ	ъ	bro
				কুন (হণ্ড)			
ইটাং কিয়ানত আনা থেকে নিয়াপন মনে করছে মানুৰ	১২-ইউসুক	209	424	বলা ('কুল' নললেই হয়ে যায়, তিনি যা করতে চান)	৩-আলে ইমরা-	89	28
ক্রামত (একত্র হুগুয়ার দিল)	1		1 1	কুথক্তি		-	-
বিষামত/ একর হত্যার নির্শাসম্পর্কে কুরজন ছরা সফর্বকৈরণ	৪২-প্রা	9	2.97	বিরত রাখন যে নিজকে কুলের্বির থেকে (প্রতিশালকের অন্তে)	৩৯-নাতি ভাত	80	20
কয়ামত (সংবাদ)		Т		কুফরি (আরো দেখুন অবিশ্বান/অখীকার শব্দটি)	20-1114 410	-	-
আৰা (খ নিয়ে ঠাটা-বিদ্ৰুপ কৰাত সে কিয়ামতেৰ সংবাদ আগৰে)	৬-আন্'আম	2	670	অনুতৰ কৰল ইনা আ. (বনী ইনৱাইলনের কৃষ্ণারী)	৩-আলে ইময়ান		28
केशप्राटक्ट मिम	1			অন্তিত করণ করা বাং (কা ক্রমান্ট্রের কুজা) অনিত্র করেছেল আল্লাক্ কুজারের (মুমিন্ট্রের নিকট)			
মখীকার করবে (কিরামতের নিন শরীকরা শিবকের বিষয়টি)	৩৫-ফডিব	38	789	অধার করেনে আয়ার কুকরকে (মুসদরের দেকত) অধারতা (মুকরি ও অবারতা বৃদ্ধি করবে আছেল ভিত্তবভূতন)	৪৯-বৃজ্যুরত ৫-মধিনা	٩	3
বাজসমর্গন করবে কিরামকের দিন (জালিম ও সংগ্রহা)	৩৭-সাক্তমাত	20	vev			65.	21
ক্তি (কিয়ন্তর দিন বিজয়/গরিষ্ট্রের করিস্থানকারীই করিয়েস)	83-7er	82	552	অভিভাবক এইণ করবে বালাদেরকে (আল্লাহর পরিবর্তে) অসম্ভব্তি বৃদ্ধি করে (কাকিয়ণের কর্মনী)	72-4124	205	9
দিকট শান্তি চেহারা দিয়ে ঠেকাবে জালিমরা কিরামতের দিন	৩৯-দুমার	3.8	590		००-पाणि	40	ы
পুৰিৰী আল্লাহৰ মুঠোৱ থাকৰে (কিৱামকের দিন)	৩৯-দুমার	67	1233	অখন (কুন্দরীকরীরা তীব্র আখনের অধিবাসী)	৫-মারিনা	brb	¢:
লাসলা (বিভানতের দিন মতনিরোধের বিষয়ে করনালা করা হলে)	8ए-साहिता	39	909	আত্মধ্যে করবে কি করে (কিয়ামত অধীকার করলে)	৭০-মুদ্দ্বন্দিল	24	25
ক্রো শত ব্য কিয়াম্তর দিন (ম্বাকীয়া ছাডা)	৪৩-বৃধকক	39	200	আঘাত পাঠ করা সভেও কুফরী	৩-আলে ইমরান	303	68
বাদানুবাদ করবে মানুগ কিয়ামতে (প্রতিপালকের সামনে)	৩৯-বুমার	07	bre	আরাতের সাথে কুকরি করেছে যায়া তারা আরনের	<b>ए-म</b> रिमा	20	21
ন্ত্ৰকে আল্লাহ একত্ৰ করনে (কিয়ামতের নিদ)	80-मारिस	96	204	'আপ্রাহনে তিনজনে ভূতীনজন' বলেহে ধরা তারা তুমনী করেছে	e-मारिमा	90	et
ক্রিলন নিতে চাবে জালিম বিধামতের নিন (নিকট শক্তির জন্য)	৩৯-জনার	89	P-96	আল্লাহ ও রাসুল স. এর সাথে কুকরি (ক্ষমা কর্মেন না আল্লাহ)	৯-অধন	yo	96
ুপ কালে হবে কিয়ামতে (আলুহে সম্প¢¢	OB-Grid	84	646	আল্লাহর লাথে কুকরি করবে যারা দে দরল পথ হারাবে	৫-মাছিল	25	21
হুণ কালে বংগ ক্ষেত্রতে (আচার সন্দর্ভ মধ্যারোগকারীর)	৩৯-যুবার	60	৮৭১	আপ্রাধ্য সাথে কুক্সী অধিক গুরুতর	২-ৰাকাৰা	524	Q:
লানত (আন কাভির জন্য লানত, পুনিরা ও কিয়ামতে)	27-da	ėn.	693	আহসেকিতারের মধ্যে কুকবীবারীরা মুমিনসের বন্দানে রয় না	২-বাকারা	206	67
পাল হবে (কিয়াব্যকর দিন বছুরা শত্রু হবে, মুরারীরা ছাঙা)			643	ইজা বলে কুকুৰী কলক (পত্য এলেহে প্ৰতিপাদকের শক্ষ থেকে)	7A-4656	4,5	93
বাদ বংগ (পেরাবতের দেশ বস্থুর শাল বংগ, বুরাবারা স্থান্ত) পাড়া নিবে না (পরীক কিরামতের নিন পর্যন্ত)	৪৩-যুগরুফ	69		ইনলাম গ্রহণের পর কুকরি করেছে কাফির ও ফুনফিনরা	৯-জাওবা	98	68
	৪৬-আর্থফ	2	holy	স্থাননারদেরকে কবিবনের ফত না হওয়ার আজান	৩-জালে ইমরান	269	20
কয়ামতের দিন (আজ)		_	$\perp$	ঈমানের পর কুফরী করার পরিনাম (পান্তি আহাদন)	৩-জালে ইমরান	\$00	<b>Q8</b>
চয়/বৃতিবা নেই আৰু/ফিয়ামতে (মুবাকী ৰাপ্যদেৱ)	8०-युश्क्रक	99	900	ক্ষমদের পর কুকবী করার ফুরফিবদের হুবরে মেহর মার হয়েছে	৬৩-মুনাঞ্চিত্ন	۰	30
কয়ামুল্লাইল (দেবুন তাহাজ্জন শব্দটি)			1 1	প্ৰথমের পর কুকরী ব্যৱহে যারা আনেয়কে কিন্তানে পথ দেখাবেন	৩-আলে ইমরান	64	¢8
করণ (আরো দেখুন আলো/জ্যোতি শব্দটি)				স্থানের পর কুকরির জন্য বন্ধ প্রশক্তকারির উপর অক্সাহর রোবধ	১৬-সাহুপ	300	93
চসম (পূর্ব ও তার বিশ্বগের কপম)	৯১-শাম্স	2	3028	স্বিদানের পর বারবার কুক্তি করলে আস্তাহ কমা করেন্দ্রা	8-मिमा	309	09
केटमार				श्यात्मा नद्र यात्र कृषमी करावर अन्य कृषमीटक शास निरुद्ध	৩-আলে ইম্বান	bo	¢8
উনুক্ষকে পেয়ে পদি সগ্রহকারী কল্য- কী সুধবর, এয়ে কিপোর	১২-ইউসুক	235	496	সদাকে কাফিবদের থেকে পরিত্র করবেদ আপ্তার	ত-আলে ইমবান	22	¢8
তর কিশোররা পুরাকিবা করবে, জন্মতিকের দেখার	৫৬-বয়কিয়ার	39	380	উক্তি (মশার উপনা প্রদলে কুকরীকারীগণের উঞ্চি)	২-বাৰুৱা	36	60
লপাকা বানালো হলে কিশোরকে (কিরামতে)	৭০-মুব্বাশ্বিল	39	99.5	উপরে (অভিযানর উপরে রাধ্যন অ্যার দিশার অনুসালকারীলেকে)	০-আলে ইমরান	00	08
গল্লাতে টিবকিশোররা পরিবেশন করতে	৭৬-পাহর	3%	666	এক হাজার কবিবরের উপর বিভাগী বংগ মুনিগর একশাত হলে	৮-আনকাশ	96	90
এপোর ততা		-		কটোরতর (মুদাকিকী ও কুকরীতে কটোরতর, (বদুইনরা)	৯-আওবা		20
পুরুতে নিশের কমার মান্তামীসের মরপাপে ব্যাকির কালে	१२-इव	28	300	কথা (কুক্তির কথা বলেছে কালির ও মুলাভিকরা)	৯-ভারবা		68
केनाम	47.51	10	1100	কথা (কাক্সিনের কথাকে নিচু করে নিলেন আস্থার)	৯-ভারবা		68
কলাল নিবন (কিসাসেই জীবন বয়েছে)	<b>३-वाक्श</b> बा	298	090	কট (কাজিতের কুকরী যেন বাহলতে কট মা সেয়)	ত্র-ভারবা ৩১-লুকথান		20
न्यस (पांच्याटन किमान कर्यस क्या क्याब्स)	द-पाकृत्वा द-माविना	80		কলে (কালিবদের কর্ম নিজল করে নিহেন আল্লাহ)	8 १-मृद्यामान		27
विकास (कार्याट किनान क्यांक कर्या स्ट्राइन) विकास (कार्याम विकास क्यां क्या स्ट्राइन विकास स्ट्राइन सेनार)			60.9	কামৰ (মুন্তিক, কাভিয় কৰ্তত মুক্তিনার করা কুকরী কামর)	8-निमा		45
	২-বাস্থরা	744	650	কাজে সাসবে না কাঞ্চিবদের খনসম্পন ও সন্তান-সম্ভতি	৩-আলে ইম্বান		00
ATE				কিয়াহত আগবে না আরপ বলে (আভিত্তরা)	ত-আগে হম্বান ত৪-সাবা		78
বেলতর (কীঠিতে প্রবলতর ছিল পূর্ববর্তীরা)	৪০-মুখিন		5-930	কুরআন অবতরণ সম্পর্কে কুচরি করে থরা ভারা বলে	৩৪-সারা ২৫-ফুরকান		99
াজি ও কীৰ্তিকে প্ৰবল এবং সংখ্যায় বেলি ছিল পূৰ্ববৰ্তীয়া	৪০-মুমিন	bz	৮৮৫	ক্রমান ব্যবহার নান্ত কুলার করে বারা ভারা বলে ক্রম (কুলরী ক্রম করে বারা ঈন্মানের পরিবর্তে)	৩-আলে ইম্বান		00
वैर्डिक्ट				ক্ষম করবেন না আল্লাহ কাফিব্যান্তকে	8%-महाचान 8%-महाचान		97
নৰ্মাণ (উচুছানে অনৰ্থক কীৰ্তিজন্ধ নিৰ্মাণ, আন সম্প্ৰদায়ের)	২৬-৩'আরা	325	928	ক্ষম কর্মেন না আগ্রাহ কাক্সমেরতে ক্ষতিই বৃদ্ধি করে (আফিয়নের কুন্দরী)	৩৫-ফাভির		99
চুকর্ম (আরো দেখুন অপকর্ম শব্দটি)		_		কাতহ বৃদ্ধ করে (আকরণের কুকরা) ক্ষমা (জালিম ও অভিরক্তে আল্লার ক্ষমা করবেন না)	8-जिला स-जिला		29
রিবল (কুলর্ম করতে চালার প্রতিক্ষণ কীঃ (অধীয়ের দ্বী প্রসঙ্গ)	১২-ইউস্ফ	20	695	কার (কালের ও আজানে আনুর করা কর্মেন না) কারু (সুস্পর প্রমাণকে জারু বলল কাক্সিরা)	৪-াশন। ৫-মারিদা		25
শরি (কুলর্মন শরিও সাক্ষাত লাভ করতে, কালের অনুসরিও)	১৯-মার্ট্রাম	6.0	3:5br		ত-মারদা ১৭-ইসরা		
			100	नाराज्या प्रदेश कर्ना राजकारि ज्यानात क्रम	32-448	6.0	45

र्शन	কুরআন

नव १६० विकासिक १	STATE OF THE PARTY.	100				503	
কুফারি(পূর পূর্বা থেকে)	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	_	-	মুনাজিকদের কুড়রার মড মুমিনদের থেকে কুফরী কামনা	8-मिमा	4.9	৫১৮
জানুন (কুববীর বিশ্যিতে জাবুরুনে প্রদেশ করের কাবিবর)	৩৬-ইয়াসীন	48	b@@		৬৩-মুনাঞ্জিন	0	200
জীবন (কুন্তরির জীবন কিছুবাল উপভোগ করার অবকাশ)	०७-युवाद		b92	মুনাফিকরা কুকরী করেছে ইমানের পর	৯-জাওবা	99	984
ভাবন (ভূমান বাংল ক্রেনা করনে	8-जिला		290		৫-মারিদা	65	59.9
দল (বনী ইসরাইলের এক দল কুগুরী করল)	%7-आसंस	18	262	মুমিগরা কুকরী করুক্ত এটা কাফিরদের কামনা	s-मिशा	p.y	640
নর (বিশ হ্নারনের এক বন চুকর করন) দার-পরিত্ব (কুকরীর দায়-লাহিত্ব কাঞ্চিরেরই)	৩৫-কাভির	ob	y85		৬০-মুমভাহিনা	2	24.5
	০-আলে ইমরান		283		৩-আলে ইমরান	22	488
ধন-সম্পন (কাফিরসের ধন-সম্পন কাকে আন্তে না)	१-मात्रम	82	50.5		২-বাকুারা	797	479
चरित्र (कुप्रस्थित निर्दर क्षण पश्चित्र दश्चा राम समृत म. रह चुण्डिता)	০-লালে ইমরান		660		৮-খানকাপ	60	408
ধ্বনিত (কুন্ধবীর নিকে ধার্কিত হয় দারা ভারা যেন রাগৃশকে)				লানত (কুক্ট্রীর কারণে ইছনীদের উপর আস্তাহর লানক)	a-Son	88	490
নিক্টকম স্বীব (বারা কুকরি করেছে ভারা নিক্ট জীব)	৮-খানকাল	20	993		२-शकृश	44	670
নিওটবর্তী (কুম্বরীর নিওটগর্তী মুনাজিকরা, ঈমনের চেয়ে)		794		পরতানরা কুক্টা করেছে (জানু শিক্ষ্য দেয়ার মাধ্যমে)	২-বাবুদর	504	675
নিমঞ্জিত (কুমনীর করেন নিমঞ্জিত করতে পারেন সম্ভাব,)	১৭-ইস্রা	99	920		৮-আনফাল	¢¢	600
নিৰ্দেশ (কুকবীর নিৰ্দেশ দিবে খা কিতাব প্রাপ্ত নবী)	৩-আলে ইমরান	AO	680		৬৪-খাশাকুন	6	36
নিংখ (হাকত-মাক্লত মানুষকে কুফরী করতে নিবেধ করত)	২-বাকারা	305	635		৩০০ল নাতুন ৩-আলে ইমরান		281
পতন (কাঞ্চিয়দের জন্য পড়ন নির্বাধিত)	৪৭-সুহাম্বদ	b	256			2.0	960
পথন্ত (কবিবসেরকে পথন্ত করা, হারাম মাস শিক্ষানে প্রশাস)	৯-জন্বৰ	09	688		২২-হাজ্জ ৬-আন'আম		230
পথ (কুমবীর পথ অনুসঙ্গারে আছান মুদিনলেরকে, কাবির কর্তৃক)	২৯-আনকাবৃত	25	3.78		ও-আশ্লাৰ	00	400
পথন্তই (যারা কুকরী করে ভারা পথন্তই)	8-मिमा	269	290	শান্তি (কাক্ষিয়দেরকে কঠিন শান্তি দিবেন আল্লাহ দুনিরা	৩-আলে ইমরান	20	₫8
পরিশাম (কুফরী করেছে যে তার পরিশাম দিক্ষের উপরেই)	60-EV	88	254	d)		-	
পরিশম (কুকরী পরিশম ভার উপরই বে কুকরী করেছে)	৫০-জম	88	254	পান্তি আত্মদন (কুকরী করার কারণে)	৪৬-আহ্পাক	€8	223
পরিনাম (কুকরীর কারণে উত্তর পানীর ও যত্রণাগাবক শক্তি)	৬-আনু'আম	90	802		১০-ইউনুস	90	660
পরিশাম, কুফরীর (আহাপ্রাম)	১৮-বাহক	306	900	পান্তি (যারা কুকরী করে তানের জন্য আছে কঠিনপান্তি)	৩৫-ফাডির	٩	98
পূর্বে কুক্তরি করেছিল যায়া তাদের কথার অনুকরণ	৯-ভাওবা	00	686	লান্তি (যে কুকরী করকে, তার জল্য বড় শান্তি)	৮৮-গাশিরাহ	20	205
পৃথিবীর স্বতিষ্কু বিনিময়েও যাত্রা কুকরি করেছে ভারা		_		পান্তি স্পর্ন করতে করিবলেরতে- শিরক থেকে নিবৃত সা ছাস	৫-মারিলা	90	60.
Alexander and Assessment Alexander and Alexa	৫-মরিদা	00	ana	শান্তিতে উপস্থিত করা হবে (যারা কুকরী করেছে ভাদেরকে)	৩০-জন	26	44
মূকে পোশার ব্যক্তির ও অস্তান সম্পর্কে বিভর্কনটোর অস্ক অভাসে	_	-		गुरदान (इक्क्वीकविद्यान गरवान कि बागुन न, अब काफ धाराजा)	৬৪-ফাগাবুন	¢	366
	२२-शक	7.9	160	সংগ্রহ (অবশ্বিকভারে বিয়ানত দা অসা পর্যন্ত কুতুরীবারীসের সংগর)	55-2546	66	964
পোশত) প্রতিচল (কুম্বরির প্রতিফল লাহারামের আচন)	৩৫-কাভির	Φb	78b	সাক্ষ্য (কুক্তরির সাক্ষ্য দের যারা নিজেদের বিক্তছে)	৯-ভাওৰা	74	683
প্রতিষ্ঠার ক্রিকার হাতিকের ক্রাক্সিটের আর্চারের ক্রেন্থ) প্রশাস্ত্র (কুম্বারির জন্য বন্ধ প্রশাস্তরারীর উপর আল্লারর ক্রেন্থ)	১৬-নাহল	209	955	সুলাইমান আ, কুকরী করেনি (জাদু প্রসঙ্গ)	২-ৰাকুৰৱা	205	62:
	২-বাকুরো	550	600	হতাপ (কাভিররা হতাপ হরেছে আঞ্চ, ছানের ব্যাপ)	g-माबिना	0	6,01
প্রমাণ আলার পরও কেউ কেউ কুকরী করণ	৯-জাওবা ২-বাসুন্থা	30	684	হার্যারীদের দায় কুমরী কয়ন (খান্তপূর্ণ গার অবভীর্ণ করম পরও)	৫-মার্থিদা	225	234
প্রধান্য (কুকরকে প্রাধান্য, ঈমানের উপর)		20	990	হুদ আ,কে কাজির প্রধানরা বলগ	९-का वाक	66	931
কাসিক বারা যারা কুকরী করে	२8-गृह २-वाकृत्व	209.	625	কুফুরি (অপবিরস্তা)		-	-
বসুল (ঈমান নিয়ে কুফরী বলল করলে সয়ল পথ হাবাবে)		937	690		১০-ইউনুস	300	66
বলী ইসভাইলের মধ্যে হারা কুক্তরী করেছে অন্যেরকে লা'নত				আরোপ (বারা অনুধানন করে না অদের উপর কুঞ্চরী আরোপ)	2014421	200	100
ধনী ইসপ্রইলের কুফরির কারণে আনের হনরে মোহন মারা এলক	8-निमा	266	290	<b>कुमश्च</b> श		-	1
বনী ইনারালের সুকরি করেছে 'অস্তাহেই মারাইরানের পুন্ন এ কথা কল	०-मविमा	92	649	প্রবৃত্তির কুমস্কণা (মানুদকে)	৫০-কাক	36	24
বনী ইসরাইলের কুফরী ও অপবাদের পরিদাম গ্রাসক	8-मिना	140	299	মন্দ কাজের কুমন্ত্রণা দের (মানুহের মন)	३५-इक्षमुक	60	65
ংনইসমাসলের ভূমানীর কারতা হলরে বছুল দ্রীতি সিধিত মর্যাইল	২-বাধুবরা	20	622	মানুষের বচ্ছে প্ররোজনানানকারীর অনিষ্ট থেকে আশ্রর প্রার্থন্য	<b>३</b> ३8-माम	Q	200
বন্ধু (কুকরি করেছে যারা ভারা পরস্পরে বন্ধু)	৮-আনফাদ	90	909	भक्तवास्त्र वृद्धाना, जास्त्र व्याद्धः (व्यादासास्त्रती पृष्क) वयस	২০-ড়া-ছা	330	98
থাড়াবড়ি (কুকরিতে বাড়াবাড়ি- হারমে মাসকে পিছিয়ে দেয়া)	9-1810RE	৩৭	688	3(963)	40. Pr. 0		
বাপার কুলরী আল্লাহর পহন্দ নর	৩৮-মুমার	٩	8-67	শরভান কুমন্ত্রণা দিল (আদম ও হাওরা আ.কে)	৭-আ রাক	20	92
ৰলকটো কুমনী শিক্ষমভাকে কট লোৱ আশংকা বিনিয় আন্দর্	72-4454	)vo	402	ক্ষরগানানকারী			1
বিরত হয় যদি ভারা খালা কুকরি করেছে ভবে	৮-আনকাল	107	600	পদ্ধতের অনিষ্ট থেকে অস্তাহর অশ্রম মণ্ডার	<b>১১৪-ना</b> म	8	30
বের করে নিয়েছিল যথন কাঞ্চিত্রর রাস্কুল স. কে (বিজয়ত প্রসঙ্গ)	৯-ভাওৰা	80	488			$\vdash$	+
বেড়ে ব্যবহা (কুলব্রীতে বেড়ে গিরেছে যারা আলো ভওবা)	০-আলে ইমরা	80	488	क्रमाडी	<b>२-शाकृतश</b>	69	40
(सद्द वाला (यात्रात कुमद्रियुक्तिक (सद्द तराण क्या तरी)	৪-মিসা	369	298	গাড়ী (এমন গাড়ী বা কুমারী নয় এবং পঞ্জিত বয়স্কাও নর)	৬৬-ভারবীম	9	39
ধৃদ্ধি (কুক্তবি বৃদ্ধি করণে ইহুলীদের)	৫-মারিদা	68	200	দবীকে আল্লাহ কুমারী স্থী দান করতে পাবেন			20
(ভবে দেখা (আকাশ-পৃথিতী সম্পর্কে কুফরীকারীদের চেবে গেখা)	২১-আধিয়া	80	322	দ্বী (আল্লাহ নবাঁতে কুমারী বী দান করতে পাবেন)	৬৬-তার্থীম	4	
মনে না করে কে কবিভার যে, তার অস্তাহকে মড়িয়ে পেতে	৮-আনকাল	65	909	হ্রদেরকে কুমারী করে বানিরেছেন সাপ্তাহ	৫৬-ওয়াকিবার্	00	>8
মসজিল বানালে (অভিনাধন, কুকরি ও বিচেল সৃষ্টির জুনা)	5-87641	309		কুরআন		_	$\perp$
মানুহের কুম্বরী প্রদাস (রাসুল স. সভাসহ আসার পরও)	8-मिश	390	996	অনুরাপ (কুরাআনের অনুরাপ আনতে পারবে মা, মানুস ও মিল)	১৭-ইল্রা	pp	93
মানুহের ভূকর প্রদান (রাণ্য প. পত)পথ আপায় গমত) মানীহতে 'আল্লাহ' বলে কুকরি করেছে দারা	्-आविमा	39	ans.	অনারবি ভুরজান হলে কম্মিরের বলতে কুরজান অনারবি সময়	৪১-ভূস্সিলাত	88	m
	२१-वृह्यकान	80	95%	ब्रापुल फाइना	A2-AJING	1 08	100
মানুহ কুমরী হাড়া সংক্রিছই অধীকার করণ	১৭-ইপরা		190	অন্য কুরুমান (মুশরিকরা নবীকে অন্য কুরুমান আনতে বলে)	১০-ইউনুস	1 25	164
মানুধ কুজরী ছাড়া সবধিতু অধীকার করণ		b/b		অবল্য পালনীয় (কুরআন অবল্য পালনীয় করেছেল থিনি)	২৮-আসাস	26	1
মানুধ কুকরী করলে জানুক আল্লাহ কারো মুখাপেকী নন	৩৯-বুমার	9	247	অবভীর্ণ ( স্বাপুল স, এর প্রতি পর্বায়ঞ্জনে কুলমান মবতীর্ণ)	৭৬-মাব্র	20	33
মানুষকে কুকৰি করতে বলে পরবান	৫৯-হাপর	20	264	चनकीर्त (संपूर्ण में, तत पुर्वकारण केंद्रस्था प्रतिकार करकीर्त कर		-	+
মিখ্যা বচন্দ্র করেছে কাফিররা (আল্লাহ সম্পর্কে)	৫-মারিলা	300		स्थिति ।	२०-झ-वा	1 3	98
নিখ্যার অনুসরণ করে, যারা কুফরী করে	৪৭-মূহাম্বাদ	0	275	(97)	L	_	_

*कृत्*यान

		9	3214	कृत्य-			
नेप दिसा/शतन	नुत्र नर चनान	400	1	नप विवाह/धनम	সুৱা বং ও নাম	1004 4	T.
ক্রমান (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)		-		পথ (কুরজন পথ হলে সে পাঠর অনুসর্ভার নির্দেশ, রাস্কারে)	१०-किशामार्	35	8
অবর্ত্তর্থ (প্রতিপাশকের কাছ থেকে সভ্যানহ কুরামান অবর্ত্তীর্ণ)	১৮-নাহল	203	122	পদ্ধান (কুরুমন একট্রিকন ও পদ্ধির দেয়ত দায়িত প্রদার)	१৫-किशामार	39	18
অংতীৰ্ণ (কুরআন অংতীৰ্ণ করা হরেছে রমজান মাসে)	२-शकावा	25-6		পৰ্ববিদেশিকা (কুৱজাৰ মানুহের জন্য পর্বনিদেশিকা)	২-বাকারা	25.6	
অংকীৰ্ণ (কুলমান অগতীৰ্ণ বিধানকলে, আৱবি ভাষার)	20-314	09		পর্যবিদীশার (কুরারান প্রতিশাসর জন্য পর্যবিদীশার ও দর্য)	২৭-নামপ	99	10
অবতীৰ্ণ (কুৱজান যদি গাহ্যছের উপর অবতীর্ণ হত)	42-54	57	369	পঞ্জনৰ্শন করে কুৱজাৰ (সৱল-সঠিক পথের দিকে)	১৭-ইস্র	b	1
ববরীর্ণ (জগতের প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে কুরজ্ঞান জনতীর্ণ)	২৬-৩'জারা	725		পরিবর্তন (মুশরিকরা নবীকে ফুরজান পরিবর্তন করতে বলে)	১০-ইউনুস	3/2	19
অবতীর্ণ (আপ্লাহ কদরের রাতে কুরআন অবতীর্ণ করেন)	১৭-কানর	3	2052	পরিমাশের জাল (কুরাআদ কানিবানের পরিভাগের কালা ছাব)	৬৯-হাজাহ	20	13
বৰতরণ (কুরআন দিরে বিশ্বন্ত ব্রহ/জিবরাইলের অবতরণ)	২৬-চ'আর	320	9207	পরিভাকরণে কুরম্মানকে প্রহণ করেছে রাসুল স. এর সম্প্রধার	२०-कृतकाम	30	Т
মধ্যরণ (কুমমান অবভরণ সম্পর্কে কাছিররা বলে)	২৫-ফুরকান	02	998	পাঠ (রাসূল স. কুরআন পাঠ করতেন বা যদি আল্লাহ)	১০-ইউপুস	29	1
মহতবণ (কুরআন অবতরণের সময় প্রপ্ন করা বলে)	৫-মারিলা	202		পতি (কুরআন পতি করা হলে কভিবরা সিজনা করে দা)	৮৪-ইন্সিকাক	22	15
অসমতি (কুৰুআন আল্লাহ ক্ষুত্ৰ কৰে সংক্ৰ গুল আনক অসমতি বাকও)		3.54	499	পঠ (কুৰুমান পঠকলে বালুল স, ও অধিক্ষসীনের মাঝে পর্না নেৱা)	১৭-ইস্ল	84	ť
সারাত (তোয়া-দীন-মীম, এগুলো কুরআনের আরাত)	২৭-গমপ	3	900	পাহান মেলিত কর বেত যদি কুরামান দিয়ে (মুফিনদের আকারণ)	30-87H	62	t,
মরেগ্য ও দরা কুরআন (মুমিনদের জনা আরোগ্য ও দায়)	১৭-ইসরা			পঠ (রাঙ্গা স. কুরমান থেকে বা-ই পঠ করুক আল্লাহ তা (৮৫০৭)	১০-ইউনুস	45	
		2.4	657				1
মরবৈতে কুরজন অবতীর্ণ করা হয়েছে সহজে অনুধবনের কল্	৪৩-দুৰঞ্চ	٥	৮৯৬	পাঠ (রাপুল স. কে কুয়আন পাঠ করার নিচেশি)	২৭-নামল	24	1
ক্ষর্বতে বুরক্ষা কর্মের্শ, নরী স্থানাপ্রতি (মনুদ্রক দতর্ক করতে)	৪২-শ্র	1.3	4.97	পঠ (কুলজন পাঠের সময় বিজ্ঞান্তিক শরক্ষন থেকে অপ্রয় প্রভয়)	১৬-নাহদ	34	L
ষর্মার্থ ভাষায় সুরক্ষান ভারতীর্ণ (ভার/উপনেশ হিসাবে)	२०-झ-श	220	185	পাঠ (কুরজন পাঠের অনুসরণের নির্দেশ, রাসূদ স. এর প্রতি)	৭৫-বিক্সামাহ	25-	ŀ
মরবি ভাষার কুরুবান অবতীর্ণ (মূশরিকনের অপবাদ প্রসঙ্গ)	১৬-নাংল	300	422	পাঠ (কুরুআনের যতকুকু সহজসাধ্য তা পাঠ করার বির্দেশ)	৭০-ৰূব্যাথিগ	20	1
মরবী কুরমান দ্বপে কিতার অবতীর্ণ করেছেন আল্রাহ	৪১-ফুস্সিলাভ	0	100	পাঠ (ভারতীলের সাবে কুলমান পাঠের নির্দেশ রাস্ক্র স.কে)	৭০-রুব্যাখণ	8	t
মারবী কুরমানপ্রণে কিতার অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ	১২-ইউসুক	3	699	পৃথক করেছেন আল্লাহ ভূমজান (বিভিন্ন জংগে)	১৭-ইসরা	306	t
ইমান্যকুরআন ছাড়া কোন কথার ঈমান আনহে মিখ্যা		₽÷		প্রভামর কুরজানের কলম	৩৬-ইয়াসীন	4	t
विविद्यन्त्रवीताः)	৭৭-মুর্দালাভ	ę o	866				
			$\leftarrow$	প্ৰজনানের পঞ্চ হতে বাসুল স. কে কুৱাআৰ দেৱা হয়েছে	২৭-মামপ	ъ	ľ
ন্মন (কুরঅনে গ্রান আনার ব্যাপারে কাবিবলের কসম)	৬-আপ্'আম		909	প্ৰতিপ্ৰতি ৰয়েছে কুমুসালে (ভাগ্নাতের প্ৰতিপ্ৰতি)	৯-ভাওল	222	Ŀ
মান (কুরঝানের গ্রতি ঈমান আনবে না, কাফিবনের উক্তি)	৩৪-সাধা	402	78c	প্রতিপাল্যকর আছ গেতে কুমারান অংকীর্ণ (জিনারটাল আ, মারফত)	১৬-মাত্প	205	L
মান (জিনদের কুরআনে ঈমান আনা প্রনঞ্)	१२-किन्	2	ঠ৮৬	বক্রমা দেই (আর্থন ভাষার অবটার্শ এ কুরআনে বক্রমা দেই)	৩৯-বৃহত্ত	47	Ī
মান (মুশরিকদের প্রথমবার কুরআনে ঈমান না আনা)	৬-আদ্'আম	220	909	বরকারমর উপদেশবরপ কুরআন অবতীর্থ	২১-আধিয়া	¢0	Т
মান (মধ্যমধভাবে পাঠকারীরাই কুরজানে ঈমান আদে)	२-राकृता	252	478	কলা (কুরমান বলী ইনরাইলের মতপর্যক্ষের নিবরে কলি বছে)	২৭-নামল	99	t
পদা বয়েছে দৰ কিছুর, বুরজানে (মানুবের ছান্ড)	79-4(20	48	933	কলি (কুরমান বহু বিয়ে কলি করেছন অস্তার)	১৭-ইস্ফ	85	t
পদেশ (বরকতমন্ত উপদেশবরণ কুরবান অবভীর্ণ)	२३-वाषित्रा	@o	920	নিক্ত ব্যাহে ক্রমান্ত বিহ্র মন্ত্র করে (মাহল কিরাবর)	১৫-বিজয়	27	t
উপদেশ (কুরুমান উপদেশ স্থাগতসমূহের কলা)	৬৮-ব্যুলার	00	299	দিল্পন (বাসুলাদের প্রতি করতীর্ন বিষয়ের মুক্তরীগালার বিশ্বল)	২-বাকারা	8	1
পদেশ (কুরমান স্থগতসমূহের স্কন্য একটি উপচেশ)			908	বিশ্বস (বার বলে কুরজন মধির বানানে করা তার বিশ্বস করেন)			1
	৬-অন্তাম	90			৫২-ভূর	06	
পদেশ (কুরমান মুহাকা স. ও আর সম্প্রদারের ধনর উপদেশ)	৪৩-মুখ্যুক্	88	999	নিয়ারিত কর্ণন (বুরুস্থাপ-ক্রিয়ার বিধি-বিধানে বিয়ারিত কর্ণনা)	১০-ইউনুস	40	13
পদেশ (কুরমান সুস্পট্ট উপনেশ কবিতা নয়)	৩৬-ইয়াসীন	69	100	বিশয়কর কুরজান: (একনল জিলের কুরজান প্রবন হানস)	९३-क्रिम्	3	Ŀ
পদেশ (কুরস্কানের নাহায়ে উপদেশ দেবার নির্চাল বাসূল স. কে)	৫০-কৃষ্	80	328	বুঝতে পারে না কাফিররা, জগুরে আবরণের কারণে	79-4125	29	Ŀ
পদেশ নান, কুরুমানের মাধ্যমে (ধ্বংস না হওরার জন্য)	৬-অস্অম	90	905	ব্যাখ্যা (কুমুম্মন ব্যাখ্যার দারিত আল্লাহর)	৭৫-বিবামার	77	ī
প্রের (বুরজানে রাসুল স. ঘরন একক প্রতিশালকের উল্লের করেন)	১৭-ইসরা	86	935	অধা (কুরজান আরবি ভাষার, মুশরিকদের অপবাদ প্রসঙ্গ)	১৬-লাহল	300	T
নেটাননা (কুরজন এনটানরা ও পড়িয়ে সেয়র সারিকু প্রদক্ষ)	৭৫-বিরামার্	39	220	মহান কুরআন (দুরা ফাভিহা) নিরেছেন আল্লাহ রাসূল দ. কে	২৫-হিবর	59	t
বী করা (কুরাম্বন ধরী করাহেন অপ্রাহ, রাসুল স. এর নিবট)	24-8639	0	699	মহাজ্ঞানীর পক্ষ হতে অনুগ স. কে ভুৱামান দেৱা হরেছে	২৭-মামল	6	h
হুবী করা (কুরআনকে রাসুল স. এর কাছে গুরী করা ব্যাছে)	৬-অন'ঝন	236	939	মানুহের উপদেশ প্রহণের ঋণ্য কুরআনে দৃষ্টান্ত পেশ	৩৯-যুমার	39	1
ব্য (কুরআন এমন কথা দর যা রচনা করা হরেছে)	32-8 <b>6</b> 3pt	222	40-9	মিখ্যা অভিহিত করা (সভা/ভূরজানকে, সম্প্রভার কর্তৃক)	৬-আন্'আম		
म्प (कुत्रजान यसन रूप नेत्र से प्राप्त एका स्टाइट) म्प (कुत्रजान दक्तन कवित कथा मत्र)		83			র-আন্তান	69	3
	५५-शकार्		ppo	মুখ্য (কুরমান মুখ্য করার জন্য মুহাখন স, এর ভিবের	१०-विवासाद	26	2
পো (কুৰমান সম্বাণিত এক ৱাস্প এর বাহিত কথা)	७५-शकार्	80	20.0	সঞ্জন প্ৰসঙ্গ)	-	_	L
	৮১-ভাকতীর	72	2009	মুবানীদের জন্য কুরখান 'খবন	७७-डाबार्	85	3
বির কথা নয় (কুরআন)	৬৯-হাজাহ	85	300	রান (কুরআন এমন নর যে আপ্রাহ ছাড়া কেউ তা রচনা কাবে)	১০-ইউপুস	তণ	3
লম (উপদেশপূর্ণ কুরআনের)	৩৮-সেলস	٥	9499	তানা (কাবিবতা বুৰজানকৈ ৱানুল ন. এর বানর আখ্যা (নায়)	२)-व्यक्तिया	6	
সম (মর্যাদাপূর্ব কুরুমানের করম)	१०-व्हाप	>	255	বচৰা কথা (কুলমানকে বাসুদ ম, এর বানা বলে)	৩২-সাজ্পা	0	E
হৈ (বুনআনে বৰ্ণত অভিশন্ত গাছটি মনুহতা জন্য পৰীক্ষায়ন্তপ)	১৭-ইস্প্র	ψo	452	রাসূল স, এর রসিকভা (কুরআন রসিকভা নর)	৮৬-ভারিক	38	2
না (কুরমান নিয়ে চিস্তা করে মা মুনাফিকরা)	৪৭-মুখ্যাম্বাদ	48	978	শপৰ (প্ৰভামৰ কুলমানের)	৩৬-ইয়াসীন	2	1
হার কথা (কুলমান চুড়ার কথা)	৮৬-আরিক	20	2029		<b>११-शक्</b> राव	3	3
		30		শোনা (এবাব বিচারত আচ্চাই কুম্বানা নিকা বিচাইন)			
াদু অংখ্যা নান (সভ্য/কুরজানকে)	৪৩-মুখকুফ		5.95		85-व्यक्तिक	579	3
ন্যালৈ মানেত কুলমান অংকীৰ্ণ (প্ৰতিশালকের কছ গেকে)	১৬-বাহল	705	122	প্রবণ (কফিন্নর কুরজান প্রবণ করতে নিবেধ করে)	83-कूम्मिशाङ	২১	6
प्रदेश में कहा (बागुन ग. रह दूक्ताओन शांडे क्याहरूज़ ना करता निर्शन)	২০-কা-ব্য	778	187	প্রবণ (একনল জিনের কুরজান প্রবণ প্রসঙ্গ)	<b>१३</b> -किल्	3	2
য়া (সুরক্ষান মুখিনদের জন্য পথনিদেশিকা ও নয়া)	২৭-নামল	99	409	প্রকার (কুরুমান পারু হলে মধ্যেয়েশ সহকারে প্রকাশ নির্দেশ)	৭-আ'রাজ	80 <i>5</i>	8
ইম্ব ধর্ণনা করেছেন আল্লাহ্ মানুহের জনা (কুরলামে)	১৭-ইপ্রা	bb	923	गतर्क कदा (कुराधान बाह्य गरार्क कदा, राकश्वा धारमभूतव सन्।)	৬-আৰু আম	62	0
	0c-87	63.	464	পত্য (কুরজান নিভিত সত্য)	<b>63-शबा</b> र		2
	80-पुरस्क	0)	727	পত্য (কুরুমান প্রতিশাপকের পক্ষ থেকে আমা সহ্য)	44-27m	48	6
रिल (क्वाइन (क्न 'इइन क्विस्त्रव' दिनव महिल इस ला)					३०-देक्षेत्र	99	ě
বৈপৰ্বন (আনীলের বক্ষে কুরআন স্পষ্ট নিনর্পন)	২৯-আনকাবৃত	85	350				
র্থনৈ (বুরকান কেন 'মহান ব্যক্তিকোর' উপর নারিল হল নাস) নমর্পন (জানীদের থাকে কুরবান স্পষ্ট নিমর্পন) নমর্পনার্হেল কুরবান অবাটীর্গ (সঠিকপর প্রদর্শন প্রদাস) পত্ন (কুরকান পড়া হলে মনোবোগ সহকারে প্রবাসর নির্দেশ)		85 36 408	967 250 250	সভাসহ কুরআন অবতীর্ণ করেছেন আগ্রহ		308	9 5

ক		3	রআন	কৃতক <b>ৰ্ম</b>			
नवः दिवद्/शनव	<b>推张39数</b>	100 N	200	The state of the s	PERSON	market.	(Ca)
কুরআন (পূর্ব পূর্বা থেকে)		_		কর্মস (আসন)			
সন্দেহ নেই কুরঝানে -এটি আল্লাহরই রচনা	১০-ইউনুস	90	62b	অস্ত্রহার কুরদী আরূপ-পৃথিতিক পরিবেটন করে আছে	২-বাকুৰো	524	200
ন্মানিত বুরজান এক বিরাট কলম	৫৬-৬বাবিয়াত্	99	≥86	করাইশ			
সম্মানিত কুয়তান নরেছিত ফলকে (লিপিবদ্ধ আছে)	৮৫-বৃত্তক	42	2026	আসতি (কুমাইশানের আসতি বরেছে)	১০৬-ক্রাইশ	3	2008
সহজ (কুলজন সহজ করেছন অস্তাহ, উপদেশগ্রহণের জনা)	৫৪-কামার	80	309	ত্রমণে আসভি বরেছে কুরাইপদের (শীভ/গ্রীক্ষলদীন ত্রমণে)	১০৬-কুরাইশ		3008
সংখ্য (কুমানাল সংখ্য নংখ্যালে আন্তাহ উপদেশ প্রায়ণার জন্য)	৫৪-কাদার	93	309	क्रमकन		_	
नव्य स्टब्स्न व्यक्तार (कुलका नवल रच्यान व्यक्तर केन्द्रना प्रकार कर्ना	৫৪-কামার	29	200		৭-আ'রাফ	202	548
সহজ করা (কুরআস সহজ করা হয়েছে বাসুল স, এর		<u> </u>			(-m ac	302	040
शास्त्र वस (प्रस्तान गर्व पत्र व्यव्य राष्ट्र गर्न नः वर	৪৪-দুখান	62	908	কুশগাহ -			
সহজ করা (কুরআন সহজ করেছেন আল্লাহ রাসুলের:		_	-	উদ্যান (বুল গাহ নিয়ে উদ্যান দুটির পরিবর্তন)	৩৪-সাৰা	36	984
त्रवार) अवार)	১৯-নাবইকান	৯৭	980	কাঁটা বিহীন কুশ গাছের মাঝে থাকবে ভানের সাথীয়া	৫৬-ওয়াকিরাহ্	২৮	288
সংখ্য (অস্ত্রাহ কুরতান সহজ বংরছেন উপদেশএহোন জনা)	28-কামার	44	303	চেকে দিল (কুলগাছটিকে চেকে দিল যা দিয়ে ঢাকার ছিল)	৫৩-দাৰুম	76	3000
নকা (অন্তাই কুমান নলে করেনে তালোন্যকার কর) সুস্পন্ন কুমানের আয়াত আলিফ-লাম-রা	20-914IN 22-2003	7	689	পের প্রান্তের কুল গড়ের নিকট বাসুগ স, ভিনবাদিল আ,কে দেরগড়িলন	<b>৫</b> ०-मास्र	78	300
				क्रं			
স্পূৰ্ণ (কুরআন স্পূৰ্ণ করে লা কেউ, পৰিব্ৰো বাতীত)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	935	389	আরোড (পুর্ত চলীকে আরোণ্য করেন দিনা আ, অপ্রাহর ইজার)	৩-আলে ইমরান	8h	680
স্পষ্ট বৰ্যনা (কুবজান স্পষ্ট বৰ্ণনা, মানবজাতিব জন্য)	৩-আলে ইমরান		285	নিয়মর (কুচ রোগীকে নিরমর করতেন উপা আ, অপ্রাহর ইচাচ্চ)	৫-মারিদা	770	¢28
শরণ (কুরখান স্মান করবে যে চার)	৭৪-মুদাছছির	66	895	কুসংশ্বার (জিব্যুত)			
শ্বারক (কুরজান একটি শারক)	৭৪-মুদ্দাছছির	28	295	ইমান (বিজ্ঞানের অলা প্রদানের পরও কুসংমার/জনতে বিশ্বাস)	8-निश	45	460
শ্বরুক (কুরাঝন একটি শ্বরুক, প্রতিপালকের পথ অবলয়ন প্রানস)	৭৬-পাহ্র	49	999				-
স্বারক (কুরমান মুবানীনের জন্য স্মারক)	७७-शकार	84	Spo	কুসন (আরো দেখুন গদি শব্দটি) সাভি সাভি কুসন থাকবে জান্নাতে	৮৮-গাশিবাহ	32	2022
ক্রমান (মালো)				And and Ana aloca milito	D y III - tang		3038
অনুসরণ (আলো/কুরআন অনুসরণকারীরাই সকল)	৭-আ'রাফ	329	629	বৃগ		-	
স্বৰতীৰ্ণ (স্বায়াহ মুখিননের প্রেটি বিকিঃপুরুত্মন অবজীৰ্ণ করেছেল)	60-01510	30	365	গভীর (বুংগর গভীরে ইউনুদ আরে মেলে গিতে একমত হল আইনের)	75-इंड्रेब्रेक	25	695
অবজীর্ণ (কুরজান অবভীর্ণ করেছেল আল্লাছ মোধারক রাতে)	88-मुध्रन	0	303	গরীরে (বুলের গরীরে ইটুফকে নিকেশ করতে কলা এক ভাই)	<b>3२-३७मुक</b>	70	699
বৰ্তীৰ্ণ (কুমুখন যাব প্ৰতি অবতীৰ্ণ, ডাকে 'পাল্প' বলে কৰিবল্লা)	५०-दिसर	8	699-	পরিত্যাক্ত কুল ও জনপদ ধ্বাসে হয়েছে জুলুমের কারণে	२२- <b>शब्द</b>	82	962
ক্রবর্ত্তির (কুরাকান রামূল স. এর প্রতি আল্লাহর পক হতে				कृष्ठकर्म			
चरहींगी)	২৯-আনকাব্ত	67	150	অনুভৱ হতে হবে কৃতবর্মের জন্য (পাপানীর সংবাদ যাবই না কালে)	৪৯-হজুরাত	0	240
অবতীৰ্ণ (প্ৰাসুল স, এর প্রতি কিতাব/কুরআন অবতীর্ণ)	২৯-আনকাবৃত	89	b-30	অবগত (মানুয়ের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ণ অবগত)	২-বাকুবরা	547	205
অংকান (মানুন ন, এম প্রাত বিভাগ্যসূত্রনান বনতান) আলোকবর্তিকা/পথনিমেশিকা/নয়া (মানুযের কল্য কুরজান)	ন-আ'বাক	200	607	অবগত (মানুষের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ণ অবগত)	8-निमा	38	669
ইয়ান (আল্লাহ, রানুল ও আলোকে ইমান আলা)	৬৪-ভাগাবুন	400	366	অবগত (আল্লাহ মানুষের কৃতকর্ম সম্পর্কে পূর্ণ অবগত)	৫৮-মুকানাম্য	٥	803
ভবুল (আন্তাহ, আনুন ও আলোকে নমান আনা) ভবুল কিতাবে কুৱআন রক্ষিত (আল্লাহর নিকট)	80-प्रशंकप	8	1/3/5	অবগত (মানুষের কতকর্ম সম্পর্কে অক্সাহ পূর্ণ অবগত)	৬৪-আগানুন	ъ	200
	२०-प्रानी	22	989	অবগত (মানুষের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ণ অবগত)	৬৩-মুনাফিকুন	>>	2000
দান (ধাস্ল স. কে আল্লাহ বিকিয়/কুরআন গান করেছেন)		47		অৰণত (মানুসের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ অবগত)	8-મિશ	250	090
পাঠ (ফল্পনের কুরুমান পাঠ প্রভাক্ষ করা হর)	১৭-ইস্বা		920	অবণত (মানুহের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ব অবণত)	৫৭-ছাদীদ	30	285
ক্ষমের কুরজান পাঠ (ক্ষমেরের নালাত আদারের নির্দেশ)	১৭-ইপ্রা	45	120	উত্তয় (সংকর্মী মুখিন দারী-পুরুষকে কৃতকর্মের চেক্তে উত্তয			
রাসৃদ স, এর উপর কুরঝান/জিকির অবজীর্ণ (স্পষ্ট করা ও	১৬-নাহল	88	200	গ্রকিশান)	১৬-মার্গ	24	422
विश्वास समा)		_		উত্তম প্রতিদান (কৃতকর্মের চেয়ে উত্তম প্রতিদান থৈয়ের জন্য)	১৬-নাহণ	86	422
সংরক্ষণকারী (কুরআন থিকর এর সংরক্ষণকারী আদ্রাহ)	১৫-হিজর	>	699	উপস্থিত পাৰে অপৰাধীয়া (বিষামতের নিন)	77-418A	85	450
ক্রমান (রহ)				কাহিবসেরকে কৃতকর্মের ফল নেরা হল কিং	১০-মহাম্বিদ্যী		2025
প্রেরণ (নবীর কাছে অল্লাহর নির্দেশ সম্বাদক কয়/পুরক্ষান প্রালা)	84-721	45	200	কাভিবনের কৃতকর্ম সম্পর্কে অস্তাহ অবশাই প্রপ্ন করবেন	26-844	30	903
কুরবানী					৩২-সঞ্জন	38	207
प्रकारत बन्। (मागाठ,पुरसामी/ब्लेटन/साम नवरे प्राक्षाध्य बन्।)	৬-আৰ'আম	268	625	কাভিবদের কৃতকর্মের কারণে ছারী শান্তি তোপ	১৩-রা'ল	90	0.07
পেশ (কুরবানী পেশ করল যখন আদম আ.এর দুই পুত্র)	०-मासिमा	39	298	কাফিবদের কৃতকর্মের জন্য বিপর্মন্ত আপতিত হতেই থাকবে			988
প্রতিপালকের উদ্দেশ্যে কুরবানীর নির্দেশ (নবীর প্রতি)	70A-46A63	3	3008	জন (যনুকো বৃত্তকর্ম সম্পর্কে অপ্তাহ সবচেয়ে বেশি জনেন)	২২-জন্ম	GP.	
ব্যিক নিয়ক্তের কর্মেনের কুরুবানার নিয়েন (নিয়ার আও) কিনিরা (কুরুবানীর মাধ্যমে কিনিয়া নিতে হবে, বক্তে যদি)	२-वाङ्ग्या	799	433	ব্যানা (মানুহয়র কৃতকর্ম সম্পর্কে আস্ত্রাহ্ ব্যানেন)	১৬-নাহ্শ	92	930
	৩-আলে ইমরান		980	জানাবেন আল্লাহ মানুবকে তাদের কৃতকর্ম	৩১-লুকমান	75	250
রাসূল স. কে কুরবানী দিরে আসার নাবী (ইহুদীদের)	G-MIDT RANK	200	440	মানিরে সেরা (বৃহত্বর শর মানুহারে কৃতকর্ম বালিরা সেরা হবে)	৬২-রুমু'আ	ν	1000
कदरानीय निराम		_		স্বান্যনে (কৃতকর্ম স্থানানে হবে সবাইকে, পুণাস্থানের দিন)	৫৮-মুম্বানাল্য	8	hes
নির্বারণ (উন্মতের জন্য কুরবানীর নিরম নির্বারণ গ্রাসন্থ)	<b>२२-वाक</b>	'08	462	থালিমদের কৃতকর্ম সম্পর্কে আপ্তাহ ভাগতাবে আদেন	১৬-মাহুল	52	102
করবানীর পণ্ড				দালিমদের কৃতকর্মের করেলে তারা তীক-সম্বন্ধ হবে	৪২-পুরা	22	790
অবিযালন (কুরবানীর পতর অবহাননা নিবেধ)	৫-মাছিলা	. 2	640	জাল্লাতে প্রবেশ (মুক্তাকীদের কৃতকর্মের বিনিময়ে)	<b>১৬-গার্</b> প	0.5	902
জীবলধারণের অবলবন (কুরবানীর জন্য কা'বার প্রেবিত পত)	৫-মাছিলা	. 94	495	দৃষ্টিবান (মানুহের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ণ দৃষ্টিবান)	২-বাবুদরা	260	507
নিদর্শন (কুরবানীর পক আল্লাহর অন্যতম নিদর্শন)	২২-বান্দ	60	965	দৃষ্টিখন (মানুষের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ব দৃষ্টিবান)	৬৪-ভাগারুদ	3	1000
পৌছানো (কুরবানীর পথ কা বার পৌছানো, ইংরামে পং				পরৰ (কিয়ামতে প্রভারেক কৃতকর্ম পরৰ করে নিবে)	১০-ইউনুস	00	629
देवाद काण्यादा)	৫-মারিদা	95	595	প্রক্রিকার (প্রমিক্তর কভার্কের বিনিময়ে চেম্ব ক্বরুলে প্রতিনান)	७२-मासमा	39	5003
পৌছা (কুলবানীয় পত নিৰ্মিষ্ট স্থানে পৌছা পৰ্যন্ত)	২-বাকুারা	399	243	প্রতিদাশ (মুমিনদের কতকর্মের প্রতিদান জান্তাত)	৪৬-আহ্লাফ	38	bob
राजना (कुरतीय भारत प्रवास (मेक्ट कविकास वर्ष)	৪৮-ফাড্য	42	939	প্রতিক্রম (বিশ্বামনে করিবলৈ ক্রমের প্রতিক্রম লেরা হবে)	৬৬-ছাব্রীম	9	390
সহস্কপতঃ পত কুরবাদী করা, হল্পে বাধান্ত বাদ্যান্ত বাদ্যান্ত	३-शकाबा -	799	433	द्विकाम (स्थानद्व द्वाराहास क्रम्पाद द्वाराम एमा द्वार)	७७-व्याद	90	293
	4-43181	280	144		१५-नावा	Bo	2005
কুরবানীর স্থান		-	-	প্রত্যক্ষ করবে মানুব( কিরামতের দিব )			
কা বা,প্রাচীন হরের নিকট পত কুরবানীর (হল্জ প্রসঙ্গ)	२२-श्राक	00	492	ফল (কাভিবদের কৃতকর্মের মন্দক্ষ ব্যোগ)	৬৪-কাগাবুন	e	766

कृतकात

भूषा अभू विद्यासम्ब	न्त्र ना च नाम	261.5	lia.	न्य रिग्द/दरम	नुशान्त च नाम	SERVE OF	198
कुँडकर्म (भूवं भूके। त्वारक)				কৃতকর (কামাই)			
ক্ষ (নিয়ামতে প্রভাবের কতকর্মের ক্ষা পুরোপুরি সেরা হবে)	३७-महम	222	425	भिरुष कार्यो (अनुसर निरुत कार्यो / करवर्ष गण्यतं पश्चार कारम)	৬-আনু'আম	90	803
বচিল (দুদিয়া কাদকক্ষীদের ক্তকর্ম অধিয়তে বচিল হবে)	22-24	26	200	कृडस/कृडस २०१			
নিবল করা (অক্সাহ দুনাবিকের কৃতকর্ম বিবল করে নিরেছেন)	৩৩-বাহ্যাব	229	<b>≻</b> 68	অধিকাপে মানুম কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে না (আল্লাহর প্রতি)	৪০-সুমিন	44	560
বিপদ (কৃতকর্মের জন্য বিপদ আপড়িত হওয়া)	২৮-কাসাস	89	255	অংগত (কৃতন্ত লোক নম্পর্কে অক্সাহ বেশি অংগত)	৬-জান'জাম	20	800
বেশবর (আপ্রাহ কৃতকর্ম সম্পর্কে রেখবর দদ)	77- <u>f</u> e	250	696	আল্লাহ ও মাজা-শিতার প্রতি কৃত্যম হওরার নির্দেশ	৩১-লুকমান	38	743
মধ্যদ (কৃতক্ষের মধ্যদ ভোগ করল অবাধ্য জনপদ)	৩৫-ডলোক	2	365	অক্সাহর প্রতি কৃত্যক্স হওয়ার নির্দেশ (রাসুল স. কে)	৩৯-দুমার	86	399
মানাল (কৃতবর্তের মানালে জেন বর্তমহে করে, কুর্মিনের জনের নত)	৫৯-বাপর	26	325	আপ্তাহ পছল কৰেন মানুহের কৃত্যা হওয়াকে	৩৯-বুমার	9	3/92
मन (मृतकिकातन कृष्णकर्म कर्वदेना मन्मः)	५० पुनाकिकृत	1	366	অন্ত্রাহর দেরাম্বরের করা ইবরাইন আ, কৃতঞ্চ হিল	১৬-নাহল	252	930
मभ (मुनक्रिक्टनद क्टकर्व मन्न)	৫৮-মুখ্যমাশা	36	950	हैक्क (क्वा हरतात हैक्क करत हा चल कर बाद के जिस्ता)	২৫-কুবকান	84	950
মানুদের ক্তকর্ম আল্লাহ জনেন না: (মুপরিকলের ধারণা)	৪১-যুদ্দিলাত	45	P#4	हेवद्वरीय का, काहादद त्यांगरत्व कना क्ठळ दिन	১৬-শহল	252	930
মানুদের কৃতকর্ম সম্পর্কে আস্তাহ অবহিত করবেন		9	3-93	विकास का महान्य (में प्राप्त का महान्य (में प्राप्त का का मुख्य (में प्राप्त का महान्य (में प्राप्त का महान्य	०)-नुकसन	0)	200
	৩৯-যুমার						
अनुरस्त कृष्टकार्यन्त कारान प्राक्षाम् निष्णा सारास कारत कारत पाउन	8२-जूबा	08	728	নিদৰ্শন, কৃতজ্ঞ বভিত্ৰ জনা (সমুদ্ৰ-পৃষ্ঠে নিশ্চল জাহাৰ)	৪২-পূর	00	5/24
মুশরিকদের কৃতবর্ম সম্পর্কে আল্লাহ তাল করে জানেন	১০-ইউনুস	99	989	নির্দেশ (অপ্তাহর নিকলো কৃতক বাতির কন্ম নির্দেশেরণ)	১৪-ইবরাহীম	e	600
पूर्मिरन्य क्षकरर्भय विभिन्नत्व बाह्माकुण माध्या नित्व जाणावन	०५-आवंश	79	200	নিদর্শন হয়েছে কৃতজ্ঞানের জন্য (সাধাবাসীদের পরিণভিত্ত)	০৪-সাধ্য	29	b84
মুদিনদের কৃতকর্ম সম্পর্কে আস্কাহ পৃত্তিবাস	৪৮-লাত্য	48	275	পিতা-মাতা ও আল্লাহর প্রতি কৃতক্ষ হওরার নির্দেশ	৩১-বৃষ্ণধান	38	P-53
कृषिरका (अञ्चार प्रारंगरका कृषकर्म रियम गरा निरादन)	৩৩-জহবাৰ	7.9	br08	পুরস্কার (কৃতক্ষ হলে অপ্রাহ দেরামত বাড়িরে দিবেন)	১৪-ইবরাহীম	٩	Sara
বুমিনদের কৃতকর্ম সম্পর্কে জাল্লাহ পূর্ণ দৃষ্টিবান	৩৩-জহ্বাব	>	5006	প্রতিশাসকে প্রতি মনুর সমূতকা হয় নাবি কৃতকা হয় সে পরীক্ষ	২৭-নামল	80	6.00
মুনাজিবদের কৃতকর্ম কডইলা মন্দ!	৬০-ধুনাকিকৃন	2	366	প্রতিদান (কৃতজ্ঞানেত্রক অভিরেই প্রতিদান নিবেন আল্লাহ)	৩-আলে ইমরান		283
মুনাজিকদের কৃতকর্ম আল্লাহ পরিবেটনকারী	8-निमा	709.	64)	বর্মনিয়র্গ শিক্ষা দেয়ার মানুষ আল্লাহর প্রতি কৃতজ্ঞ হবে কি ?	২১-আধিয়া	9.0	920
মুখ্যানীদের কর্মের বিনিময় কৃষ্টিসহ ব্যহ্মাতে পানাহার	৭৭-মুর্সালাত	80	999	বাদা (কম সংখ্যক বাদাই কৃতন্ত হয়)	৩৪-সাবা	70	985
মুবাকীদের কৃতকর্মের বিনিময়ে ব্যাল্লাতে প্রবেশ	১৬-মার্শ	05	900	বাদ্য (কৃতজ্ঞ বাদ্যা ছিলেন নৃহ আ.)	১৭-ইস্রা	٥	958
পান্তি (কাঞ্চিরদের কৃতকর্মের কারণে ছারী শান্তি জোগ)	৩২-সঞ্জা	28	500	দিশন তেকে উভার করেশ আল্লাহর কুজাকর প্রকাশের তর্মাশ	৬-আন্'আম	60	603
পান্তি (বিতর্ককারীর কৃতকর্মের কারণে আগুলের)	22-07M	30	955	মানুৰ অভুতন্ত অথবা কৃতন্ত হবে (হেনায়াত প্ৰদাস)	৭৬-লাব্র	0	294
পেতনীর করা (কবিত্তর মদা কৃতকর্মকে শহরুদ পোচনীর করে)	৬-জাপ্তান	80	699	মনুষ (অধিকাংশ মনুষ্ঠেক কৃত্তর হিলাবে পাবেন না আল্লাহ)	৭-আগ্রফ	39	856
শেষনীয় করা হরেছে (সীমালজনকারীদের কৃতকর্মকে)	১০-ইউনুস	25	996	দু'বিদয় যতে কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে দে জন্য	৮-আনফাল	2,5	908
সংখ্যা (অনুবার কৃতবর্তমা সংগদ জনানো অন্যান্তর পক্ষে সংজ)	৬৪-জাগারুন	9	366	দুসা আ,কে কৃষ্ণার হওরার নির্দেশ (আহাহর)	৭-আ'বাফ	\$88	63
সাক্ষ্য (কতকর্মের সাক্ষ্য দিবে কান, চোখ ও কুক)	৪১-কুন্সিব্যক	30	999	সহস্রমারীয় কভন্ম হওয়ার প্রতিশ্রুতি সেয় (বিপাস)	১০-ইউনুস	22	661
সীমাপজনমারীর মাছে নিজ কৃতবর্তনে শোভনীর করা ব্যাহে	২০-ইউব্দ	25	956	সুস্থ সম্ভান পাত করেল কৃতভা হওয়া (আদম ও হাওয়া আ, প্রদাস)	৭-আ রাফ	270	90
কৃতকর্ম (অন্ত্রে পাঠানো)		-		कृटकाटा		-	+
ইংশীদের কৃতকর্মের কারণে তারা মৃত্যুর আকাকল করবে না	২-বক্তর	345	622	বিপ্রত কবি (মনুমের কৃতক্রতা প্রকরণের মন্য ব্যক্তারে ব্যবহত কবি।)	e-মাছিলা	44	49
নিজ্ঞানৰ জন্য কল্যাণকর থাকিছু আগে পাঠানো হয়	२-वक्त	220	670	अक्षात क्ष्मारा क्षमा श्रम (बनुराव कन गुनु गृहि कराह)	১৯-বার্থ	38	901
বিশন (মুনাফিকদের কৃতকর্মের করেশে বিশন জাসলে)	8-निमा	68	498	অক্সাভা লোকানে কৃতকান প্রকাশ (ব্যক্তি কর্ম পরিয় রিফা প্রদাস)	১৯-নাহল	228	935
स्वयुक्त राजस्यप्रेत काग् (साम विनान जानात अ जानावक सह	৪২-পুরা	87	1/30	व्यक्तरं राजि क्वळाटा (क्वरानीट गठ मानुसर कमारा	30-44-	330	100
कुटकर्म (कवा)	04-241	00	0.00	निहासिक धांकार)	22-EME	406	983
		-		অস্ত্রাহর প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশের নির্দেশ (পূকমান আ,কে)	৩১-লুকমান	34	2.54
অংগত (অল্লাহ মানুহের কৃত্তকর্ম সম্পর্কে অবগত)	৪৮-ফাত্ত	22	374			39	22
অংগত (অল্লাহ মানুযের বৃত্তকর্ম সম্পর্কে পূর্ণ বরণত)	৫৮-মুজানাশা	22	250	অল্লাহর প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশের নির্দেশ	২৯-আনকাবৃত		
অবহিত করা (কাফিররা যা করেছে তা জবহিত করকেন)	৪১-ছুস্সিলাত	20	990	অপ্তাহর প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশ (মানুহের নিজের জনাই)	०७-व्यक्ताम	32	25
অবগর্ত (আল্লাহ কৃতকর্ম সম্পর্কে পূর্ণ অবগত)	৫৮-মুকানালা	30	200	অপ্তাহর প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশ, তার ফলফুল আহার করে	৩৬-ইয়াসীন	02	45
থ্যসত (কৃতকর্ম অংশত আছেন আল্লাহ)	৫৯-হাপর	39	254	व्यद्वास्त्र द्वि कृत्रमया द्वार	00-97	86	45
অভিমানক (উপলেশ গ্রহণকারীদের কৃত্তবর্তনে বাপারে)	৬-জন্ জন	254	pop	बद्धास्त कृष्णका सकान करत ना (विश्वसन्त अनुक)	১০-ইউনুস	90	66
আমদনামার সংবক্ষিত (সব কৃতকর্ম)	৫৪-কামার	45	204	আল্লাহর কৃতজ্ঞতা প্রকাশের জন্য মানুষকে প্রকাশকি/দৃষ্টি/দান	३५-मार्ग	97	90
ইহুদীদের কৃতকর্ম সম্পর্কে জাল্পাহ পূর্ণ দৃটিখান	২-বাকুরো	36	427	অক্সাহর পৃতক্ষতা প্রকাশ (সমুদ্রকে মানব কল্যানে নিরোধিত করার)	8१-कादिता	25	30
ক্ষবিবাদৰ কৃতকৰ্মকে শোষ্ঠনীৰ কৰা প্ৰসঙ্গ	6-আন্'আম	255	bolr	আল্লাহর কৃতজ্ঞতা প্রকাশের নির্দেশ	২-ধাৰুবৰা	245	
পধর (আপ্লাই মানুব্রের কৃত্তকর্ম সম্পর্কে বেখবর নন)	২-বাকুবা	180	676	याद्रोरत क्यारत कृष्णका शकास्त्र करा भागी शर्भन	৪৬-আব্ৰাক	34	300
লানাকে (অপ্তাহ যানুষকে কৃতকর্ম লানিয়ে নিকে, কিয়ানতে)	৫৮-মুখ্যনালা	3	365	অস্ত্রাহর প্রতি (গরদিপতর উপকারিতা ও পানীয়ের জন্য)	৩৬-ইয়াদীন	90	26
নাননো (আল্লাহ পরকালে মানুবের কৃতকর্ম জানিরে দিবেন)	১০-ইউনুস	30	666	অস্ত্রাহর কৃতজ্ঞতা প্রকাশের নির্দেশ	২-বাকুরো	245	67.
জানানো (কৃতকর্ম সম্পর্কে জান্তাহ জানানেন, কিরামতে)	৬-অনু অম	90	600	অপ্তাহৰ কৃতজ্ঞতা প্ৰকাশেৰ জন্য তাকে ভব্ন কৰাৰ নিৰ্দেশ	৩-আলে ইমরাণ	250	281
জানসে (বিন বিভক্তকার্যিসের কৃতকর্ম সম্পর্তে অস্থার জানবেন)	৬-আন'আম	369	634	বান্ধ (দাউন আ এর বিবায়ক কৃতভাগের দাবে কাজ কর নির্বাপ)	৩৪-সাবা	30	b8-
জানানো (প্ৰকল উন্মন্তকে কৃতকৰ্ম সম্পৰ্কে জানানো হবে)	৬-আন'আম	309	900	দানের বিনিমত্তে নেকবারগণ মানুখের কাছে কৃতঞ্চতা গন্ত না	৭৬-দক্ষে	- >	35
দৃষ্টিবান (আল্লাহ্ দৃষ্টিবান, মুমিনরা যা করে লে সম্পর্কে)	৬০-বুমতাহিশা	0	962	দিয়ের বলানের কর্মই মানুষ কৃত্যারে প্রকাশ করে (কুলাইমান আ,প্রক্ষা)	২৭-নামল	80	ro
পূর্ববর্তী উবত বা করত সে সম্পর্কে এ উবতকে জিজালা করা হতেনা	३-राज्यवा	383	676	নিষের জন্মই (কৃতজ্ঞতা প্রকাশ নিষের জন্মই)	৩১-লুকমান	133	P4
পুনবর ভবত বা করে নে নশ্পতে যা ভবতকে জনজনা কর ব্যক্ত। প্রতিকল (অক্সাহ্য নুমের বিয়ারি ঘটনের কতকরের প্রতিকল)	५-वा,सक इ-सकेस	383	656	ন্তেমতের (অপ্তাহর নেরামতের কৃতভাতা প্রকাশের নির্দেশ)	১৬-মাহল	228	
	৬-আন'আম	200	908	ন্দ্রোমতের কৃতঞ্জতা (সুদাইমান মা, তার পিতা-মাতার প্রতি			-
বিফল (নিরকের কারণে কৃতকর্ম বিফল হওরা বসেছ)				व्यक्तिस्त्व कृष्टकार (कृष्टस्त्र पा, कार 1701-सकार दाव	২৭-নামল	22	bo
(रचन मा (बागुरस कृषकर्म गणार्क अविभागक (रचना मा)	৬-আন্'আম	705	600		৫৪-কামার	02	80
মর্যাল (প্রত্যেকের কৃতকর্ম অনুদারী মর্থানা হরেছে)	৬-আন্'আম	305	909	পুরুষার (বে কৃত্যক্রমা প্রকাশ করে অক্সাহ আর প্রতিবাদ (দেশ)	৩৪-লামার ৩৪-সাবা	26	1/8
মানবাদকশীলে কৃতকর্ম প্রতিশালক পরিবেটন করে জায়েল	??-र्ड् <b>य</b>	342	948	প্রতিশাসকের কৃতজ্ঞতা প্রকাশের নির্দেশ (সাবাবাসীদেরকে) প্রকাশ (সমুদ্র আল্লাহর অনুহাহের জনা কৃতজ্ঞতা প্রকাশ)	৩৪-সাবা ৩৫-ফাভিয়		
শোচনীর করা (কাফিরদের কৃত্তকর্মকে শোচনীয় করা এসঙ্গ)	৬-জান আম	255	tools			32	184

<b>a</b>		3	তক্তিটো	কৌশল			
भेष विद्यालय	नुबंद ४ नव	1	781	निया/दागर	एक व्ह व सूत्र	winis	19
কতভাতী (পূৰ্ব পুৱা (ব্যাস)	_	-	-	मूख मन्त्रावाद्वर नर्ववर्षे (क्रि प्रश्चेमकाम भागवित्र बरबीर	২৯-জানকাবত	36	12
বনী ইসরাইলের কৃতভাতা প্রবাদ ও পুনর্জীবিতকরণ প্রসঙ্গ	२-सङ्ग्रहा	69	800	শত্রিক (প্রতিশাশারের সাপে কড়িকে শত্রিক না করার ব্যোপা, জিনসের)	৭২-ছিন	3	34
বনী ইসরাইদের কৃতভাতা (আল্লাহর মার্ভনা করা প্রসঞ্চ)	२-राकृत्त	00	800	শরীক নর আল্লাহর হকুমে (আসহাবে কাহাক প্রসঙ্গে)	১৮-কাহক	26	93
মানুধ কৃতঞ্চতা প্ৰকাশ করে না (অধিকাংশ মানুধ)	২-বাকুলো	280		শিক্ষা নান (হাক্রত-মাক্রত কটেকে শিক্ষা দেয়ার সময় বল্পত)	২-বাকারা	204	62
মানুষ কোন কভাৱতা প্রকাশ করে নাঃ	৫৬-ওয়াকিয়ার	90	386	সময়কা নেই (আল্লাহর সময়কা রেউ নেই)	১১২-ইবৃদান	8	200
মানুদের প্রবণশক্তি/দৃত্তি/জন্তর দান (কৃতজ্ঞতা প্রজানের জন্য)	35-7RM	10	200	ক্ষতি (মাজ্ঞান ইয়া মান কলু করে কচি করতে পারতন)	३-यक्षत्र	204	63
भानुष क्रमादा समान करत गा	75-25Ma	Obr	Nep	(कड़ें ज़र्च	4-43121	304	63
মানুহ ক্তঞ্জতা একাশ করবে (মিন ও রাজ বানাদোর জন্ম)	১৮-বসেস ১৮-বসেস					1	
अपूर क्वकारा श्रमान वर्गर (मान व ग्राव रामारमात बन्ध)	२-सङ्गरा	70	9:78	প্রমান অন্যান অনুকরের হাত-প কেট লেজ হুর্নক (বিশ্বস্থাইনের) থানী প্রাকৃষ দা অনিয়ে কালে অক্সায় বার জীবন ধানী কোট নিকেন)	২০-জ্ব-হা	47	9,8
মুহিলার যতে কুজের প্রথম করে সেরলা সেরামত পূর্ব করেল			650		७७-शकार	86	35
	৫-মার্কিনা	0	69.7	মূশ কেটে নিবেন জন্মাহ অঞ্চিবসের	৮-আনকাল	9	60
বিদিকের ক্ষান্ত আল্লামর প্রতি কৃতক্ষতা (ইবরাইটের বলেগরদের)	<b>38-१वडारीय</b>	99	636	দুল কেটা নিজন অক্সাহ হল সম্প্রদারের করা মিখা অভিহিত	৭-আ'রাফ	૧૨	47
দুক্মানকে আস্তাহর প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশের নির্দেশ	৩১-বুকমান	25	४२१	যাত কেটে দেয়া চোৰ ও নাৰী চোৰেন)	৫-মারিলা	ও৮	24
শাঠি (মনুষ কৃতন্ত হাস তাকে শাঠি দিয়ে অক্সাহ কি কাকেন ৮)	8-निमा	189	492	(करी (क्या		_	Т
সম্প্রদার (কৃতজ্ঞ সম্প্রদায়ের জন্য নিদর্শন বর্ণনা)	৭-আরক	Q.p.	97p.	আ্রেরবেশন পা ও গলা কেটে ফেলা (নুলাইমান আ,এর ঘটনা)	৩৮-সোয়াপ	00	me
দামানাই কৃতজ্ঞতা প্ৰকাশ করে মানুৰ	৭-আর্থ্রক	30	630	রণি কেটে ফেলা (আল্লাহর সাহায্যের বিষয়ে হতাপা প্রসঞ্)	44-01mi	26	9/2
সামান্যই (মানুৰ সামান্যই কৃতজ্ঞতা প্ৰকাশ কৰে)	৩২-সাম্পা	2	700	হার কেট ফেলা নারীর, ইউসুফ আরে দেবে এবং করল- এ মনুর নয়	১২-ইউস্ফ	40	88
দামান্য কৃতজ্ঞতা প্ৰকাশ করে মানুষ	২৩-মুমিনুন	95	993	যাত কেই ফেল (নিগরীত নিকে তেকে কালান নৃষ্টিকারীকে)	৫-মাছিদ্য	00	20
নামান্য (মানুধ সামানাই ক্তজ্ঞতা প্ৰকাশ কৰে)	৬৭-মূলক	30	390	হাত কেটে দেকেছিল যে নারীরা, আমের অবস্থা বিজ্ঞানা	22-86×0	ρο	30
কত্রিম আতরণ		r		(बार्डे शक्स			-
রাস্ল স, করিম আচরপকারীলের অন্তর্গুক্ত নান	৩৮-সেরাদ	346	140	नाम्भान (महो) हाल यात्र मूर्व, यक्त यात्र याद्र (व्यामहाहर काश्रक था)	Vic Street	39	931
<b>उ</b> लव	00-01201	30	B 10	কেন্ডে নের	20.0040	27	140
प्रान कर्या (कामांचा एका प्रान करा हा कराई का कराई कराई कराई कराई कराई कराई		-	een.	আলো কেন্দ্ৰে নিত্ৰে অন্ধকারে হৈছে নেয়া (মুন্ফিকের উপমা)			ē a
মানুহ অতি কৃপন				দৃষ্টিপত্তি কেন্তে নিজেন আল্লাহ ,ইয়া করলে (ফুনফিকদেন)	২-বাকুবো	24	
	১৭-ইস্রা	200	855		২-বাকুারা	20	20
মানুৰ কুপৰ হয় (কল্যাখ স্পৰ্ন কল্পে)	৭০-মাজারিছ	57	38-5	দৃষ্টিপঞ্জি কেড়ে গোলে উপক্রম হয় (বিদ্যুতের কলক)	२८-वृद	80	998
রানুল স. কুলদ নন (অনুশ্রে বিহরে)	৮১-তবেতীর	₹8	2009	দৃষ্টিপতি (পিলুখনাক মুম্বাবিদকেন দৃষ্টিপতি কেন্তে নেয়র উপক্রম হয়)	২-বাকুলা	20	200
কূপণতা (আরো দেখুন কার্পণ্য শব্দটি)				শৃত্তিপঞ্জি আল্লাহ কেন্দ্রে নিলে কেন্দ্র বিবিয়ে নিজে পারে না	৬-জান্'জাম	86	800
অক্সাহর পথে ব্যর করতে কৃপণতা (দিয়ের প্রতি রূপণ্য করা)	৪৭-মৃতাধান	O'r	276	রাজত্ব কেড়ে নেল আল্লাহ বাব থেকে ইক্সা	৩-আগে ইমরন	રહ	600
কাফির ও মুনাফিকরা কৃপণতা করল (অনুহাহ লাভের পর)	३-वावस	96	689	ব্ৰন্দৰ্শকি অপ্ৰাহ কেছে নিলে কেউ ফিবিরে নিকে পারে না	৬-জান জাম	86	bos
কৃপণর যা নিয়ে কৃপণতা করেছে তা তাদের গলার বেড়ি	৩-আলে ইমরান	7300	660	প্রকাশকি বেড়ে নিতেন অক্সাহ, ইবছ করলে (ফুনফিকলে)	২-বাকুরা	50	200
কামনা (কেউ কি থাগান থাকার কামনা করে যার)	২-বকুরে	266	605	কোবার			
নিৰ্চাপ (যে মানুষকে কৃপথতার নির্চোপ নের ভার পরিধাম)	৪-নিসা	তা	605	শরীকরা কেখারঃ (কিয়মতে কফিরদেরকে বলা হবে)	৪০-মুখিন	40	555
নির্দেশ (মানুষকে কৃপথভার নির্দেশ দান করে যারা)	৫৭-হাদীদ	3,8	200	(कायत			
পথিবাম (কৃপণাতার পরিবাম, আল্লাহ কৃপনকে ভালবাদেন না)	8-নিদা	99	¢62	মূপা আ এর কোমর শব্দ করার পোয়া (মাই হারুনা আ কে নিয়ে)	২০-জা-ছ	40	983
বায় করার ক্ষেত্রে কলগতা করে না রহমানের বান্ধারা	২৫-কুরকান	69	95-9	কোমল (আরো দেখুন নরম শব্দটি)	-		-
মানুধ কৃপণতা করে (আল্লাহর পথে ব্যব করতে)	৪৭-মুখ্যখন	abr	276	থক্স (কোলে থক্স বিশিষ্ট কেছুর বাগানে যানুনকে ছেকে দেয়া প্রদাস	२७-७'जारा	¥86	934
মানুধ দিকের প্রতি কুপণতা করে	৪৭-মরাম্বাদ	mb-	274	বোমদ কর্ম		-	-
মানুষেরা কার্পণ্য করত আল্লাহকে ধন সম্পদ্ন নানের কেরে!	৪৭-মুখ্যুদ্দাস	93	974	কর কর (নতির স্ত্রীগণতে জেমল করে কর না কর্ণার দির্লেশ)	৩৩-আহ্বাব	03	500
দার কুপদতা করে ও কুপদতার নির্দেশ দান করে	৫৭-হাদীদ	38	360	(ৰাম্প্ৰ)	00-0411	~	***
সম্ভ করা হয় মপকে (যে কৃপনতা করে তার জন্য)	৯২-লাইল	b	2050	দান (ইরাহইয়া জা.কে কোমশতা দান করেছিলেন আল্লাহ)	১৯-মার্ট্রাম	30	306
	कर्-गार् <b>ग</b>	-	2048	(कांचन क्षत्र	28-4184814	30	100
কৃষক (আরো দেখুন চাবী শব্দটি)	-	_	$\Box$	কোনৰ হৰ্ম ইংবাহীন আ, হিলেন অভাস্ত কোনৰ হুদত্ত সম্পত্ত		_	_
মুধ্ব করে (উৎপ্রে ফলল কুবককে মুধ্ব করের মতাই পুনিরার জীকটা)	৫৭-হানীদ	₹0	960		৯-ভাওবা	228	965
কৃষিজ্ঞান প্রসঙ্গ (দেখুন পরিশিক্ট-৪)				ইবল্লহীন আ, ছিলেন কোমল হুনর	১১-বৃদ	9.0	693
কেউ/কারো				বেল			
জাল্লাহকে বিরত রাখার মত কেউ দেই(কথা বানালো প্রদাস)	५५-राकार	81	3010	দিশা আ, কোলে থাকতে কথা বলেছেন মানুহধর সাথে	৫-মারিলা		<b>¢</b> %8
বশতের কেই লুক্ত সংগ্রামান্তর পূর্বে অপ্রীলাঞ্জানমকাম করেনি	९-जा'राक	\$ro	950	ইনা আ, কোলে থাকা অবস্থার কথা বলেন	৩-আলে ইমরান	86	₡80
ভিজাগরদ (কটকে জিল্লাদাবদ না করা ওম্ববাসীচনা সম্পর্তে)	১৮-কাহক	23	996	শিক (কোনের শিকর সাথে কীচাবে কথা বলবে)	১৯-মারইরাম	48	906
বুনা (কাইকে আসহাবে কাহাক সম্পর্কে বুরুতে না দেয়া)	১৮-কার্জ	526	930	(কাই			
ভালা (রাপুল স. ওপু প্রতিপালককেই ভাকেন, জন্য আউকে নয়)	१२-किन	50	39-9	পানি (এক ফোৰ পানি পান, নহর থেকে, ভালুত প্রদাস)	২-বাকুৰো	485	gan
ভাকা (মসজিলে আল্লাহর নাথে জন্য কাউকে না ভাকা)	१३-सिन	20	39.1	হাত দিয় এক বোৰ গানি গান (তালুত বাহিনী প্ৰদাৰ)	२-राकावा	283	
भारत (राक्तिक वर्षात्र कादण राक्ति भारत शतक)	৬-জন জম	90	905	কৌশল (আরো দেখুন চক্রান্ত শব্দটি)			470
পুনকথন (অঞ্চাহ কাইকে পুনকথিত কথকে না, জিন্দান ধালা)	१३-किम			আরমাশের করের কৌন্তের মাধ্যমে দর করা প্রসম	33-51W	20	903
প্রতিকাস (কিল্লাম্কের দিন কেন্ট রাতিদান নিবে না)		٩	ঠান্ট	प्राक्षात् (कीनम् प्रकारश करतन	5-01@ 5-01@		2021
		750	678	অক্সাহর কৌশল থেকে নিয়াপন ভাবে (ক্ষত্যিক্ত সম্প্রদার)	৭-আগ্রাক		955
প্রকাশ (অক্সাহ তার সমস্ত অনৃশ্য আন করের নিকট প্রকাশ বরেন না)	१२-सिन्	₹6	364	अक्रांश (क्षेत्र (च्रांक विद्यान प्राप्त करा	৭-আরফ		955
	১৬-মাহল	হ৮	909	অক্সমার দৌশস, বঞ্চয়ে কাইলের বিক্রছে (সালহ আ প্রসঞ্চ)	২৭-নামল		bos.
		39	1223	অপ্তাহর বৌশল অভায় শভ			900
মুশবিকদের কেট কনার জন্ম সংবাদ গোলে মুখনাঞ্চল জালো হর মুশবিকদের বোন একজনতে কনারে জনুসংবাদ দেয়া হলে	৪৩-মুখকুফ						
	৪০-মুখ্যুক্ত ৬-আন্'আম ৭২-জিল	63	603	অন্তাহর বোশন অভ্যন্ত শত অন্তাহর বৌশন অভ্যন্ত শত অন্তাহর বিশ্বত বিশ্বত করে বিশ্ব প্রবিশ্বতার্থীতে অন্তাহর ভালের	৭-আ'রাজ ৬৮-কুলোম		399

MALE STREET, ST. ST.	जुबा भर ७ मान	-	186	असः देवस्/देनम	न्द्रा नः ७ मात्र	W 5	1
টাশন্ত (পূৰ্ব পূৰ্বা থেকে)	- Silver	_	_	অপ্তাহ কৃষ্ণ হয়েছেন (মুনাঞ্চিক ও মুনবিকদের প্রতি)	৪৮-ফার্হ		77
মালাহ কৌশল করেছিলে (ইউসুক্ত আ.এর জন্য)	১২-ইউসুফ	96	69/8	আপ্রাই কুন্ধ হয়েছেন খাদের প্রতি	৫-মারিদা		43
श्राह्मार (क्षीलन करान	৮-মানকাল	90	608	আপ্লাহ কুন্দ্র যে সম্প্রানায়ের প্রতি, অনের সাথে বন্ধুকু নিষেধ	৬০-মুমভাহিনা	20	36
बहुद्धार रजानम् करान्य बहुद्धार रजीवन जरनपन करानन	৩-আলে ইমরান	98	687	ইউনুস ক্ৰছ হয়ে নিজ জনপদ থেকে চলে বাওয়া গ্ৰাসন	২১-আধিয়া	23	95
	20-इक्रमम	52	969	ক্ষমা করা (মুমিন রুদ্ধ হলেও ক্ষমা করে দের)	৪২-শ্রা	99	72
মাল্লাহ কৌশল অনমন্যে দ্রুতভার (অভ্যন্তের বিক্তমে)	১০-২৩লুন ২১-আধিয়া	89	308	মূপা বছ, কুন্ধ হয়ে সংগ্রাপায়ের করে নিয়ে বালে (বছুর পূবা এলাস)	৭-আ বাক	250	8
বৈরারীর আ,এর ভৌশল অবলয়ন (মূর্তির বিক্লছে)		98	988	মূল জে, কুছ হবে সংগ্ৰেছৰ কছে বিয়ে যাওৱা (বছুৱ পূজা এসক)	২০-জা-ছা	bro	48
নেমত হওরা (নৌশ্যে একমত হরে জানুকরদের অসার আবেস)	২০-ড়া-হা	96	988				Н
রমা করা (ফিরজাউন তার কৌশল/লানুসমূহ একর করল)	২০-ড়া-হা			কুশবিদ্ধ	৪-মিসা	229	2
মানুকরের কৌশল (সকল হবার নর)	২০-ড়া-হা	69	980	ন্ধলা আৰু কানী ইসমানিশ কুম্মানিক করেনি (দিলা আৰু হয়ো প্রশঙ্গ)	ব-প্রা,জন্ম	148	6
মধ্যে অভিহিত্তকারীদের কৌশল। (অক্সাহর বিক্রমে বিভার নিবলে)	৭৭-মুর্মালাত	60	999	ৰাপুকরদের কুশবিদ্ধ করার হুমকি (কিরজাউদের)	रश-व सक		9
মৃতির বিক্রমে ইবরাহীম আ,এর বৌশল অবলখন	২১-আধিরা	6.8	968	জানুকরদের জুপবিদ্ধ করার ঘোষণা (ঈমান জানার)		8%	
ব্যুবস্থকারীদের বিক্রয়ে আল্লাহর বৌশল (সালিহ আ, প্রসদ)	३९-मामन	60	80%	কাসুকরসের বেকুরের কাচে কুলবিস্ক করার হুমবি(দিয়ান পানার)	২০-ফা-খ	42	9
ते करें। विकास				ফ্রাম্যদ স্বিকারীদেরকে জুশবিদ্ধ করার শব্দি	৫-মারিদা	00	4
আল্লাহ উভয় কৌশলী	৮-আন্ফাল	100	968	সঙ্গীকে (ইউসুফ আ.এর অন্য সঙ্গীকে ক্রুপবিদ্ধ করা হবে)	১২-ইউসুফ	87	6
বৌদলী (সাল্লাহ উত্তম বৌদলী)	৩-আলে ইমবান	48	487	ক্রোধ (আরো দেখুন ক্ষোত শুলটি)			L
				আস্থাহর ফ্রোধ নিয়ে আসা (বনী ইসরাইল গ্রসঙ্গ)	২-খকুবো	47	2
নাস্ত অক্সার কি প্রথমবার সৃষ্টি করেই ক্লান্ত বরে পড়েছেল।	50-ALM	34	320	অস্ত্রাহর মেশ (আল্লাহ সম্পর্কে বিভর্ককারীদের উপর)	82-YET	3.5	Ъ
office to succeed the exist has after under the		200	400	অস্ত্রাহর মেন্দ আর্শ্বতিত (পরির মিধিক আহারে দীমালকল করসে)	২০-ছা-হা	2.7	9
আল্লাহকে ক্লান্ত করে না (আকাশ পৃথিবীর রক্ষণাবেক্ষণ)	২-বাকুবা	8	392	অস্তাহৰ মোগ (কুফরীর জন্য বন্ধ প্রশক্তকারীর উপর)	३७-गाव्य	500	9
পৃষ্টি নত ও ক্লাক্ত হয়ে বিধর আগনে (সৃষ্টিতে ভাষন পুঁলো পাৰে না)	৬৭-মূল্ক	0	2029	আপ্তাহর জেন্দ ধার উপর আপতিত হয় সে পতিত হয়	20-181-91	2.3	9
মূৰমঞ্চল (ক্লান্ত হবে অনেক মূৰমন্তল, কিল্লামতের দিন)	৮৬-গশিরাহ			আপ্তাহর তেখে বীর উপর খনি স্বামী সভ্যবানী হয়	५8-मृद	7	19
সফরে (ক্লান্ডিনোধ করল মৃগা আ.)	79-4164	63	900		২-বাকারা	30	10
দিৰ -				আল্লাহর জ্যেথ যেকে আলে কাঞ্চিরবা		26	10
অল্লাহকে ক্লান্তি স্পৰ্শ কৰেনি (সৰ্বকিছু সৃষ্টি কৰতে)	৫০-কৃষ্ণ	c.	258	আপ্তাহর ক্রোথ নিয়ে আসবে (যে বৃদ্ধে পৃষ্ঠ প্রদর্শন করবে)	৮-আনকাল		
অল্পানে ইনানতে আকাপ-পুরিধীর অন্য কেই ক্রামি বোধ করেনা	২১-আধিয়া	29	357	স্বাস্থ্যকর ক্রোথ নিয়ে এসেছে আহলে কিতাবরা	৩-আলে ইমরান	225	
ক্ষমা, ভ্ৰান্তি ও কুমা স্পৰ্শ করে মুমিনদেওকে (অক্সাহর পার্যে)	৯-ভাওবা	320	950	ব্যক্তিয়ানর পদত বুক্তা (অক্সাহ কবিদানেরেক ত্রেমণনহ বিষয়িক্ত দেশ)	৩৩-জাহৰাৰ	2.0	1
দেরেশভার ক্রম্মি বেদ করে ন (অপ্তাহর পরিবাস কনি করতে)	৪১-ফুস্সিলাত	W	w	কাভিবদের মনে ক্রোধের গঞ্চার করে মুনিরা	৯-জাওবা	250	
মানুবের ক্লান্তি নেই (কল্যাণ প্রার্থনার)	৪১-জুদ্দিলাত	83	590	ত্রেমধ প্রেক্তপালকের মোমধ নির্বাহিত হরে আছে, হুদ আ. কল্যাসপ)	৭-জা'রাফ	93	9
সৃষ্টিতে (অন্যাশ-পৃথিতি সৃষ্টিতে অক্সাহ ত্ৰুচন্তি বোৰ কলেগি)	৪৬-আহ্কাক	00	927	জাহন্তাম ক্রোধে কেটে পড়ার উপক্রম হবে	৬৭-মূল্ক	7	3
স্পূৰ্ণ কৰে না (জান্নাতে ক্লান্তি স্পূৰ্ণ কৰে না)	৩৫-ফাডির	102	489	ভেকে আনা (কাফিররা জাল্লাবে ক্রোথ ভেকে আনে)	২-বাকুারা	90	19
		+		প্রতিপাদকের মোধ আপতিত হওরা (বাছুর পূলা প্রসদ)	২০-জা-ছা	376	T
চুমাণত পাধর বর্ষণ (এমাগত পাধর বর্ষণ, দৃক সম্মদায়ের উপর)	77- <u>4</u> 14	be	690	প্রতিপাদকের ক্রোধ (বাছুর পুঝারীদের উপর)	৭-আ'রাক	322	1
	33.5.	100	0.12	প্ৰশমিত করা (হতাশ ব্যক্তির জ্যোধ প্রশমন প্রদর্গ)	২২-হাজ	>5	1
FI				প্রশ্নতিত হওর (মূলা আ এর রেমধন্যশনিত হলে ফলক ফুলে তের প্রশাস	৭-আ'রাক	268	18
আল্লাহ ক্ৰব্ৰ কৰে নিয়েছেন মুমিনদের জীবন ও ধণসম্পদ	৯-ডাওখা	222		মরা (কাফিররা মঞ্চক, মুমিনদের প্রতি রেনাথের কারণে)	০-জালে ইমরান	228	10
ইউপুক্তক ক্রন্ত করণ মিনারের এক ব্যক্তি (আহীব)	75-इंड्रेज्य	52	693	মুমিনাস প্রতি এমানে কাছণ অসুপ কাতিত থাকে কণ্ডিবর	৩-আলে ইমবান		
তথ্য (অপ্তাহর পথ থেকে বিচাত করতে চিক্তবিকোলফুলক কথা কৰা	৩১-পুকমান	6	৮২৭	যুগা আ এর ক্রেণে প্রশাসিত হলে ফলত ভূলে লেয়া প্রসল	৭-আ-থ্যক	208	
কুকরী ক্রন্ত করে হারা উমানের পরিবর্তে	৩-আলে ইমরা				০-আলে ইমরান		
জানু ত্ৰন্তকাৰীয় কোন অংশ নেই (আনিবায়ত)	২-বাকুবো	205		সংৰক্ষাৰ্কাটকে (তেখে সংৰক্ষাৰ্কাকৈ আল্লাহ ভালৰাদেন)	Graffit Sear	200	+
পথএটতা ক্রয় (আহলে কিতাবদের পথএটতা প্রনঙ্গ)	৪-শিশা	88	605	হোংগ উদ্ৰেককারী	-	L.	+
পথপ্ৰটকা ক্ৰয় কৰে মুনাফিক (সঠিক পদের বিনিমরে)	२-बाक्रांश	39	600	ফির'আউন ও সঙ্গীদের মেনধ উত্তরকারী (মূপ আ, ও তার সঙ্গীরা)	<b>२७-४</b> 'खंडा	66	1
পৎস্কৃত্বতা ক্রন্থ সাঠক পদের বিনিমরে	২-বাকুরে	390	479	ক্রোধাপিত			1
क्स (बद्ध)				অস্ত্রাহ ক্রেবাছিত হল (ইঙ্গলুক্তভালে মুন্দিরক হতানারীর প্রতি)	8-PH	90	
কিতাবের বিশিমরে লামান্য মূক্য বাহণ	২-বাকারা	398	45%	অক্সহত ভ্রেম্বাহত করম দিব'ল উন্সাচীর উপর প্রতিশেশ	80-5644	20	Т
		1	1	ক্ষতি (আরো দেখন অনিষ্ট/অপকার শব্দটি)			Т
ক্র-বিক্রম	১৪-ইবরারীম	03	686	অক্সম (অক্সাহ ছাল আনের ইবানত যে উপনার/কঠিতে অকম)	২১-জাধিকা	66	1
নিয়মতের দিন এক-বিক্রর ও ব্যাকু থাকনে না(দান/লক্ষত প্রদর্গ)		208		অবিশাসীর (আধিরাতে অবিশাসী নিকের কভি করে)	33-g#	43	
কিয়ামতের দিন ক্রব-বিক্রয় কাজে আগবে না	২-বাসুবো ৯-তাওবা	222		আপ্রান্তর ক্ষতি করতে পাবনে না (যারা কুমধী ক্রম করে তারা)	৩-আলে ইমবাৰ		
ক্রম-বিক্রবের মুদবোদ (আল্লাবর সাথে মুদিনদের)		1 8	862	আল্লাহ ক্ষতি কৰতে চাইলে কেউ হফা কহাত পাৰৰে গা	৩৬-ইয়াসীন	20	
পরিজ্ঞান (স্কৃত্র আরদ হলে কর্ম-বিক্রম পরিজ্ঞানে নির্দেশ)	৫২-জুমু'আ				৩৯-বুমার	40	
ব্যবসা ও জন্ম-বিজের ভূপিয়ে বাবে না থাসেরকে	५8-मृब	99		আল্পাহ কালো ভাতি চাইলে কেউ তা দূর করতে পারেনা		00	
যুমিলদের জন্ম-বিক্ররের সুসংবাদ	১-ডাওবা	223		আক্সাহর ক্ষতি করতে পারে না কেউ (হন সম্প্রানর প্রসম)	27-5a		
সুদের মত ! ( ক্রব-বিক্রব্রকে সুদের মত বলা)	২-বাকুারা	2%		অল্লাহর ক্ষতি করতে পরবে না তারা থবা কুফরীর নিকে	৩-জালে ইমরা		
হালাল (ক্রয়-বিক্রয় হালাল ও সুদ হারাম)	২-বাকুারা	290	4.00	অল্লাহর ক্ষতি করতে পারবে না (কাফিররা)	৪৭-সুহাম্মণ	०२	
क्रिया नीम		1	1	অস্তাহর বিষ্ণুই ক্ষতি করতে পরখে না (যে পেখনে ফিরে যথে)	৩-আলে ইমরা		
বাৰতে প্ৰদানে সক্ৰিক (মুমিনংগ)	২৩-মু'মিনুন	8	166	আগল্পা (সংকর্মশীল মুমিন হাগরে ক্ষতির আগল্পা করবে না		225	
	1	+	1	আশহা (মুমিনদের ক্ষতির আশহা থাকবে না, জিন প্রসঙ্গ)	१२-किल्	30	I
ক্রীতদাস (আরো দেখুন দাস-দাসী শব্দটি) হত্যা ক্রিকানকে হত্তা করা হতে ঐতদাদের কাল, কিশাস)	২-বাকুরা	291	r 030	ইচ্ছে (আপ্তাহ কোন সম্প্রদারের কবির ইচ্ছা কবলে)	১৩-রা'দ	22	П
					1	>	Ť
44	1			কাজের পরিবান ছিল গুণুই কঠি, অবাধ্য জনপদের	৬৫-জালাক		

7			ক্ষাত	40			
नंप विस्तृहारत	理形式和	100	7.75	नम विस्त/शतम /का	<b>沙田村 3 刊</b>		198
ऋष्टि (पूर्व पृक्षा (बारक)				আৰিবাত ও পুনৱার ক্ষাজ্যান্ত (ইবানত (থকে মুখ ফিরালে)	২২-হাজ	22	3/23
কবিবাদের কুমরী কেবল কবিই গৃদ্ধি করে	৩৫-ফডির	43		অধিবাতে ক্ষমিন্ত ভারাই যারা ইমান আনতে স্বস্বীকর করে	৫-মারিদা	Q	627
বিষয়বের নিজে করি তেকে অল্লার নোকনারকে রক্ষা করকো	৭৬-দাব্ধ	27		অধিরতে ক্ষিত্রপ্ত (পুনিয়ার জীবনকে প্রাধান্য দলকারী)	১৬-নাহ্শ	203	
ক্ষমতা (কারো ক্ষতি বা উপকার করার ক্ষমতা বাছুবের দেই		ba		অধিয়তে ক্তিগ্ৰন্ত হৰে, ইসলাম ছাড়া বীন তালাপ কৰপে	৩-আলে ইমরা	50	288
জানু কৃতি করত বধু, উপকার করতে পারত না	২-বাকুরো	205		আৰিবাতে সৰ্বাধিক ক্ষতিক্তে হবে(অৰিবাতে অবিশ্বাসীবাই)	২৭-নামল	2	900
ৰানুর কতি (আপ্রাহর ইচ্ছা ছায়া হর না)	২-বাকারা	709		আৰিবাতে অধিশ্বাসীতা সৰঙেৱে বেশি ক্ষরিহান্ত	22-&4	22	669
দিন (দেক বন্দাৰা এমন দিচার তর করে যার ফাঁত হবে ব্যাপক)	৭৬-লাহ্র	19	266	থানম ও হাওয়া আ ক্ষ ডিছের হবে (প্রতিপাশক ক্ষমা না করেল)	৭-আ'রাফ	20	678
বুন্জি ও অধিকতে সুন্দাই ক্ষতি (ইবানত থেকে মুখ বিবালে)	২২-হাজ	22	969	তাপ সম্পদ্রার ক্ষতিপ্রত হবে (মানুষের তানুগত্য করলে)	২০-মু'মিনুন	<b>©B</b>	956
দূরকারী নেই (আল্লাহ নদীর ক্ষতি করলে তা দূরকারী নেই)	ও-আন্'আম	23	698	সম্ভাবন শাসনা ক্ষিয়ের হবে পূর্ববর্তী ক্ষরিয়ের উপকলের নাম	8১-কুস্সিলাত	20	bab
দূর করতে পারেনা কেউ (অল্লাহ কারো কতি চাইলে)	৩৯-বুমার	৩৮	b-48	অপ্নাধ্য শাসর অভিনয় ব্যব নিয়মতে, যার ধরণা করত	৪১-তুস্পিলাত	26	79.4
নিজের ক্তিকারীয়া ঈমান আন্তে না	৬-আন্'আম	25	694	অক্সাহর সাক্ষাতকে মিখ্যা আখ্যা প্রনাকারী কবিহান্ত	১০-ইউনুস	80	600
নিজের কতি করে (অধিয়াতে অবিশ্বাসীয়া)	<b>১</b> ১-ছून	57	993	আল্লাহর সাথে শিরককারীরা কবিয়ান্ত	০৯-দুমার	60	2.96
নিকার ক্ষতিকারীয়া ঈমান আনবে না	৬-অন্ অম	20	294	ইবরাহীমের সম্প্রদায়কে জাল্লাহ সর্বাধিক ক্ষতিহান্ত করেদ	২১-জাধিয়া	90	9.08
নিজেদের ক্ষতি করেছে (বাদের পল্লা হান্ধা হবে)	৭-জা'রাক	>	930	দিমানবাররা ক্ষরিয়ন্ত ! (কাঞ্চিররা)	২৯-জানকার্ড	22	240
নিজেনের ক্ষতি করতে সক্ষম নয় উপাস্যরা	১৩-মা'দ	16	69.9	কাবিল ক্ষান্তান্ত হল (হাবিলকে হন্ত্যা করে)	৫-মাছিদা	40	21/8
নিকটকর (পরীক্ষের ক্ষতি নিকটকর উপকারের চেরে)	<b>२२-शक</b>	30	923	কাজের লিক থেকে ক্ষতিপ্রান্ত (কাঞ্চিব্যাগরকে সংবাদ )	79-stán	300	900
শধ্যপ্তরা ক্ষতি করতে পারবে না সঠিকপৰপ্রারনের	৫-মারিদা	200	420	কাঞ্চিত্রে ক্ষতিহান্ত (ভাগের সমান উপকারে স্বাসেলি)	৪০-মুখিন	Þ¢	244
পাস্থা হাপকা হবে যানের ভারা নিজেনের ভক্তি করেছে	২৩-মুমিনুন	200		কাক্তিরো ক্ষতিহাস হবে	৮-আনকাল	09	902
্তিরোগ করতে পারে না কেউ অস্তাহ কবি করার ইয়ের করলে	89-9785	>>	273	বিশ্বামন্তর দিন নিজেনুপরিবারের কবিনাকনমান্তি কবিয়ার	8२-नुता	80	935
প্রতিশেষ একা (কঠি পরিমাণ প্রতিশেষ একা করা করে বেশি নয়)	১৬-নাবল	328	930	দুনিরা ও জাবিরাতে ক্ষত্রিতে তারাই যাদের কর্ম বিভল	৯-ডাওবা	53	689
ফল-ডসলের ক্ষতি হারা গাকড়াও (ভিন্নমাউনের বংশকে)	৭-আ'রাজ	300	648	গুনিয়া ও আধিবাতে ক্ষতিহেও (ইবাদত থেকে মুখ ক্ষিবালে)	22-2100	22	969
নাড়ার (কুরআন জলিমদের জন্য কভি বাছার)	39-इमवा	2.00	157	নিৰ/পরিকানে কবিদন্দকবিট প্রকৃত কবিয়ার (বিয়ানতে)	৩৯-মুমার	34	594
বৃদ্ধি (কতিই বৃদ্ধি পাবে, সালিহু আ. অস্তাহকে জমান্য কংগে)	22-2d	60	947	নূহ আ. ক্ষতিহত্ত হবেন! (অস্তাহ কমা/ দরা না করলে)		83	690
বৃদ্ধি (নূহ আ,এর সম্প্রদায়ের)	17-54	47	300	পথন্ৰই ফডিয়ান্ত হয় (আল্লাহ বাকে পথন্ৰই কংলো)	১১-জুন ৭-আ'রাক		
ব্যাপক (নেক বাদারা এমন নিচের ভয় করে যার কঠি হবে ব্যাপক)	৭৬-দাব্ৰ	9	276	পুনকথান অধীকারকারীয়া ক্ষতিয়াস্ত		248	659
মাশিক নর (উপাদ্যরা নিজেনের ক্ষতির মালিক নয়)	२१-वृद्धकान	-	79/3	ফারাদ সচিকারীয়াই ক্রিপ্রের	৪৬-আহ্কাক	22	909
মালিক নয় (ফতি বা উপকারের উপাদ্যরা)	व-मात्रिमा	98	690	বনী ইসরাইশ ক্ষিত্রত্ব (সাপ্তাহর অনুহাহ ও দরা না হলে)	২-বাকুারা	29	208
মালিক (রাসূল স. নিজের উপকার বা ক্ষতির মালিক নন)	্ব-জা,থাক বন্ধাসনা	70	950	বাতিলগছিরা ক্ষত্রিত হবে (কিয়ানত সংঘটনেত দিন)	২-বাজারা	66	608
মালিক (মানুষের ক্ষতির মালিক রাস্ল স, মম)	१२-किन्	57	26.0	বাহিলপত্নীরা ক্ষরিয়ন্ত হল (যথন আল্লাহর আনেল আনল)	৪৫-কাছিৱা ৪০-মুমিন	29	४०१
মানুবের (নিকরই মানুহ ফতির মধ্যে আছে)	700-MM	3	2002	অইয়েরই ক্ষরিয়ের বলে (নেলড়ে ইউনুক আনে কেরে কেললে)		97	558
প্রমিন্যাবকে ক্ষতি স্পর্ণ কর্মেন (উত্তন মুদ্ধে পরবর্তী অক্সমান)	৩-আলে ইমরান		202	মুনাধিকরা কবিপ্রের হল খারা বলত	১২-ইউসুফ ৫-মারিদা	78	695
মুখিলর ক্ষতি করতে পারবে না আল্লাহর	৯-জাওবা	9 10	688	মুমিলগদ ক্ষরিপ্রত হবে (কাফিবলের আনুগত্য করকে)		6.0	49.4
যুদ্দিলে ক্ষতি করতে শহরেন না কাচিত্রলে সভযার যদি	৩-আলে ইমরান	250	988	মূল আ.এর লতানর কভিত্তে হওল (নর ও কমা না পেলে)	৩-মালে ইমবান	78.9	420
মুদিনদের কোন কভি করতে শারবে না পাপারবীয়া কট লেয়া ছায়া	৩-আলে ইমরান		484	মূপার সম্প্রদার ক্রিয়ের হরে পড়ার (মূপা আ, বলালন	१-व्या'बाक	78.9	649
বুমিনদের ক্ষতি করতে সক্ষম না ফুরবিকর অল্লারে ইক্সে ছার্ডা	৫৮-মুম্বানালা	30	200	अस्त्रिमाद्यक)	৫-মারিদা	43	etro
মুমিনদের ক্ষতির আশব্ধা থাকবে না (জিন প্রসঙ্গ)	१३-बिन			রাসুল স. কবিজ্ঞার হবে(জায়াতকে ফিব্যা আখ্যানানকারীর		_	
মুশফিকরা ফতি করতে পারেবে না রাসুল স, এর	१-माविमा	30	29.0	अवर्षक स्ता	১০-ইউনুস	26	666
कृत का अर शह तका करि शहरि का विकार शहर तर शहर	২৮-কামাস	84	240	লেখককে কবিপ্ৰস্ত করা বাবে না (স্থন লেনদেন প্ৰসঙ্গ)			
বন্দ (বন্ধাৰ কেবলয়কে বিয়ামতের নিচনা ক্ষতি বেচন প্ৰথম কংকো)	96-9173		9.27	শরমানকে অভিযানকরপে গ্রহণভারী ক্ষত্তিত	২-বাকুবো ৪-বিসা		608
রাদূল স, এর ক্ষতি করতে পারে না (মুনাঞ্চিক প্রস্তু)	8-निमा	22		পরতানের দলই কঠিপ্রান্ত			৫৭২
শরীকদের কতি উপকারের তেয়ে নির্মীতন্ত্র		220	642	ত'আইব আ,কে মিধ্যাবাদী বলায় ক্ষবিহান্ত (মানইরানবাদী)	৫৮-মুক্তারশা	7.9	>28
শারিতে (বিশ্ববিদ্যাল জন্মুলনালের শারি নিয়পত ক্ষতি নেই, ইমান প্রদাস	<b>२२-श</b> ण	70	469	সম্প্রদায়কে ক্ষিত্রত করা হবে (সংগদ পরীক্ষা না করুল)	৭-আগ্রাফ	24	657
লম্পনে করি ন করে উজ্ঞাধিকবিচারকে কর্মন (ঋণ/ওসিরতো পর)	২৬-৩'জারা	20	930		৪৯-হন্দুরাত	હ	250
নাশ্য করি (শহরান্তে অভিভাবে গ্রহণরারীয় করি)	৪-শিসা	25	664	সম্প্রদার (ক্ষরিয়ার সম্প্রদারই নিজেসেরতে আক্সহত কৌশল থেকে নিরাপদ আরু)	৭-আ'রাফ	bb	622
	৪-নিদা	222	१९२				
বুশ্লার কবি (মায়েহ ব্যক্তা অন্যের ইবাদত করার কবি)	৩৯-মুমার	>5	494	নাক্ষীকে ক্তিয়ন্ত করা যাবে না (ক্বণ কেন্দ্রেন প্রসঙ্গ)			608
প্রীদেরকে ফতির জন্য আটকে রাখা (ভাষাক প্রসঙ্গ)	२-राकृता	507	450	শংকবিদুৰ (সম্পদ্ধসমদেন মেহে আপ্লাহর শাকবিদুৰ ক্ষািঞ্জ)	৬৩-মূলফিকুন		264
লংগ (ক্ষতি লগৰ্ণ করলে মানুধ হতাশ হয়)	১৭-ইস্বা	bro	457	হত্তাকাটার ক্ষরিয়ন্ত (জন ধুড়াই নপ্তন্যান্তক হত্তাকাটার)	৬-আন্ আম	180	670
ক্ষতিকর (আরো দেখুন অবস্যাগকর শব্দটি)			- 1	ক্ষতিপূরণ			
পানীয়তে (স্বান্নাতের পানীয়তে ক্ষতিকর কিছু নেই)	৩৭-নাক্কাত	89	694	পিতা সম্বাদের পক্ষে ক্ষরিপুরনকারী ববে না (কিয়ামতের নিন)	৩১-পুকমান	00	450
প্রক্যাবর্তন কে ক্ষতিকর মনে করে অবিশ্বানীরা	৭৯-শবি'আত	34	2000	বাংকর ক্ষতিপূরণ আল্লাহ নিবেন (আল্লাহর পথে ব্যব)	৩৪-দাৰা	60	₩88
ভালবাদার বিষয়ও ক্ষত্তিকর হতে গারে	२-शक्ता	236	448	ক্ষবিসাধন <u> </u>			
মু'মিনসেরকে কভিকর মনে না করা	२८-नृष	22	990	বিশায়তের নিন নিজেব/পরিবারের ক্ষরিন্যধনজারীই ক্ষরিয়ার	৪২-প্রা	84	4.80
কতিগ্ৰন্থ				বিরামতে নিৰা/পরিজনের ক্ষতিসাধনকারীই প্রকৃত ক্ষতিহাত্ত	৩৯-যুমার		694
ক্ষুপকাৰাৰী ক্ষান্তার হবে, চামাইন মা,কে অনুসকা (লেয়াচার ক্ষান্তি)	৭-আগ্রাক	90	652	মর্শকান বানিয়েছে যারা ক্ষতিসাধনের ক্ষত			695
অধিশাসকারী (আল্লাহকে অধিশাসকারীরা ক্ষতিয়ান্ত)	২৯-আনকাবৃত		9.50	<b>ফ</b> তিহীন			
অবিশ্বাসকারীরাই ক্ষতিয়ন্ত (কিকাবে অধিশ্বাসকারীরা)			678	মূপা আ এর হাত কতিহীন উন্মূপ হওৱা নিপর্কন	30-B1-81	22	984
অধীকারকারী (আপ্লাহর নিদর্শন অধীকারকারী অভিন্রম্ব)	৩৯-বুমার		590	ক্ষতের পূঁজ			
	৬-আন'আম		dap		65-1987E	96	
			/	- 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1	44.0413	AO	48

चम दिवस/शाम	সূচা বং ও নাম	1001	981	नव दिवड/दारम	जुड़ा नर ७ माम	mer v	Tople
ক্মতা (আরো দেখুন কর্তৃত্ব শক্ষাট)	56,30000	17905	COLUMN TOWN	ইনপ্রহীয়, তাম পিতামাতা ও প্রথিনসেরকে ক্ষমার জন্য দোৱা	১৪-ইবরাহীম	82	639
		-		দ্বালয়ৰ, তাল শতাৰতা ও প্ৰনাসকলে কৰাৰ কৰা সোৱা দ্বালমাৰদেৱ জলা বাহাছে কথা ও সন্মানজনক বিধিক	৮-জানজল	98	600
বভিজনককে কমতা পান (কান্যাজনে নিহত ব্যক্তির সভিজন		99	156	ইমানদার সংকর্মশীলনের জন্য (কমা ও সম্মানজনক রিনিক)	৩৪-সাবা	8	b83
জ্ঞানসক্ষরীলে নিক্তে শাষ্ট কনক (৩)কজা/হজা এসঙ্গ)		97	₫-btr	স্থানদার সংকর্মশীলদের জন্য করা ও সর্বাস্থানদার স্থানদার সংকর্মশীলদের জন্য করা ও সর্বাস্থানিদান	৩৫-ফাভির	9	686
অন্তাহ নিজ ক্ষমতানলে আকাশ নিৰ্মাণ করেছেন)	৫১-বারিয়াত	89	3-25			203	
অল্লাহর বিপক্ষে ক্ষমতা আছে করে- যদি তিনি চান	৫-মারিদা	24	62.5	ইমানদার বান্দাদের ক্ষমা প্রার্থনা (প্রতিপালকের নিকট)	२०-मृभिन्न		994
व्यक्षांश क्यात छन्न व्यवस्था-पृथ्तीत त्रीम व्यक्तिस्य त्रवाहे व		00	980	উত্তম (সৌহার্মাপূর্ণ কথা/কমা কটনায়ক নানের চেয়ে উত্তম)	২-বাঞ্চারা	২৬৩	647
আপ্তাহর ক্ষমতার কলম করল ইনলিল	৩৮-সোরাপ	2.4	p.40	কর্মে হাগানার বিনিধয়ে আল্লাহ কথা করবেন	৬৪-জাগার্ন	24	269
ইনৱাৰীৰ আ, ক্ষমতা বাবে দা, পিতাৰ জন্য কিছু করার		8	1020	কিভাবের উত্তরধিকারীদের ক্ষমা পাওয়ার অনূদক আশা	৭-আ'বাক	799	653
উপকার করার ক্ষমতা থাকবে না কিয়ামতে (একে অপা	বের) ৩৪-সাবা	84	₩88	জালিস ও কাফিরদের জন্য ক্ষমা নেই	8-निमा	799	630
গছলপা উৎদ্যু করার ক্ষমতা মনুষের ছিলন (সন্তাহ বরেন)	২৭-বাৰণ	80	post	ভাকা (ক্ষমার দিকে ভাকছেন আল্লাহ)	২-বাকুরো	557	456
দান (ক্ষমতা দান করবেন আল্লাহ্ মূসাকে)	২৮-কাসাস	-06	2.27	দাউন আ.কে ক্ষমা করলেন আল্লাহ	৩৮-সেরাদ	2.0	1009
নিংশৰ (বাম হাতে কিভাবনান্ত ব্যক্তির কমতা নিংশের হং	ব) ৬৬-হাঞ্চাহ	45	৯৭৯	দৃঢ় নংকল্পের কান্ধ (কুলুমের বিপরীতে ধৈর্যধারণ ও ক্ষমা)	৪২-প্রা	80	1/38
নেতানের ক্ষমতা ছিল না সহচরনের উপর (অর্লিম নেতারা বল	বে) ৩৭-সাফ্ফাত	400	rer	ধৈর্য ধারণ/সংবাজের জন্য ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান	১১-স্থ্য	22	666
কুর্বাঞ্চিতসেকে মুক্তিয়ানর উপর ক্ষমতা নিজেন, আল্লাহ ইয়ের কর	জে ৪-নিগা	ào	669	নৃহ আ, এর আহ্বান (নিজ সম্প্রারকে ক্ষমা গ্রার্থনার জন্য)	৭১-শৃহ	٩	29.8
বুদিশদের উপর শরতাদের কোন ক্ষমতা নেই	১৬-নাব্দ	55	422	নৃহ আ, এর ক্ষমা প্রার্থনা (প্রচিপালকের নিকট)	৭১-শূর্	20	100
মূল আ, কমতা রাকে না নিজের ও ভাইরের উপরে প্রায় কর		2.0	250	পূব আক্রে জন্মার কমা না করলে তিনি ক্তিপ্রত হবেন।	১১-ছুপ	89	৬৭০
त्रापुण ज. এর বেনন কমতা দেই ভার কন্য যাকে ব	STORTS	_		পহল (প্রাচুর্যবানরা কি আল্লাহর কমা লাভ পছল করে না)	২৪-সূব	44	995
ফিতনার ফেলতে চান	१-मात्रमा	82	545	পাপ ক্ষমা করবেন আল্লাহ (ভার পথে জিব্যানকারীদের)	७३-आएए	32	200
শক্ষতাদের বেংন ক্ষমতা ছিল না (মুমিনদের বিরুদ্ধে)	08-781	23	180	পাপ কর্ম করার জনা অপ্নাহর আহলে (ক্ষতিব/দুপরিক প্রসাস)	১৪-ইবরাহীম	30	558
শক্তবদের বেনে কমতা দেই (মুমিনদের উপর)	১৯-নাহল	99	322	পাপ কথা করা হবে (নৃহ আ, এর সম্প্রদার ইবাদত করদে)	৭১-নুম্	8	36/8
শ্বাতালের ক্ষমতা দেই (আপ্রাহর বান্দালের উপর)	३१-हेन्स	90	379	পিতামানার কলে পূর আ, এর কমা প্রার্থনা (প্রতিপাশকে নিকট)	93-73	25	20.0
শ্যাক্তান ক্ষমতা দেই অস্ক্রাহর বাল্যানা উপর (বিভাগ করার)		83	200	পিতাকে ক্ষমার জন্য ইবরাহীম সা,এর দোরা	२७-७'खास	be	930
শরতানের কর্তপ্রশাসনতা মুশরিকদের উপর				প্রতিপ্রতি (আল্লাহ দুমিনদেরকে ক্ষমার প্রতিপ্রতি (নন)	২-বাকুরে	200	605
	১৬-নার্শ	200	322	প্ৰতিপাদকো ক্ষমা ও জান্নাত মুমিদদের প্ৰতিদাদ	৩-আলে ইমরান		483
নাহাভকারী কমতা প্রার্থনা (প্রতিপাদকের নিরুট থেকে)	) ১৭-ইস্রা	pro	357	প্রতিপালকের ক্ষমা ও জাল্লাকের নিকে সৌতে যাওয়ার নির্সেশ	৫৭-হাদীদ	57	200
ক্মতা দান				প্রতিপাদকের ক্ষমা না পেলে মুস্য আ এর সম্প্রদার ক্ষতিগ্রস্ত হলে	१-व्याचाप	787	646
আল্লাহ রাস্বগদকে কর্তৃত্ব নান করেন (যার উপর ইঞা	) ৫৯-ছাশ্ব	6	200	প্রতিশাসকের কাছে মুখিননের ক্ষমা প্রার্থন	২-বাকুরা		248
ক্ষতাবাদ						500	287
আল্লাহ্ ক্ষমন্তাৰান	৫১-বারিরাত	62	325	প্রতিপালকের ক্ষমার দিকে দ্রুত ধাবিত হওয়ার নির্দেশ	৩-আলে ইমরান		
অল্লাহ ক্ষমভাবান (আল্লাহবিদুৰ লোকদের শান্তি প্রসঙ্গ	) 80-पुरंक्ष	83	644	প্রতিশাসকের পক্ষ থেকে কয়া (মান্নাতে মুবার্কীনের জন্য)	৪৭-মুহাম্বাদ	25	220
মানুৰের উপর ক্ষমতাবাদ কেউ দেই। (মানুৰ কি মনে ক	ব্রঃ) ১০-বালান	a	১০২৩	প্রতিপাদকের নিকট কমা প্রার্থনা করে আল্লাহওয়ালারা	ও-আলে ইমরান		283
ক্ষমতা (মালিক)			-	প্রতিশালকের নিকট ক্ষম প্রার্থনার নির্দেশ	२७-मू विभूग	272	190
বাছুরের কমতা নেই (কারো কর্তি কিংবা উপকারের)	\$0-W-U	44	986	প্রতিপাদকের নিকট নৃহ আ. এর ক্ষমা প্রার্থনা	47-र्गर	২৮	800
ক্ষমা (আরো দেখুন মাফ শদটি)	20.41.0		10.0	প্রতিপালক ক্ষমা না করলে (আনম আ. ও তার স্ত্রীকে)	৭-আগ্রফ	२०	978
পতীত ক্ষম করা হলে কফিরনের যদি বিরত হয়	৮-আনকাল	-00-	900	প্রার্থনা (প্রতিপাশকের নিকট ক্ষমা প্রার্থনা, মুঞ্জকীদের)	৩-আপে ইমরান		209
व्यविकारी (प्राष्ट्राद क्या कराव व्यविकारी)	18-মুখাছছিব	26	335	প্রার্থনা (প্রতিপাদকের নিকট ক্ষমা প্রার্থনা)	৬০-মুমকাহিনা	2	250
জনৱাথ কথা কৰবে কে (জাল্লাহ ছাড়াং)	৩-জালে ইমরান		285	গ্রেকাশ (ইকারীন আ অধিবারে প্রকিশাশকের ক্ষমার প্রকাশ করেন)	২৬-৬'আরা	3.5	934
অপরাধ করা করনে তে (আগ্রাব অব্যাস) অপরাধ করার জন্য প্রার্থনা (প্রতিপালকের নিকট)	৩-আলে ইমরান			প্রকাশ (মুনিন পাতুকরর প্রতিশালকের কমা প্রকাশ কর প্রনঙ্গ)	২৬-৩'আরা	67	930
			999	প্রতিক্রতি (কমার প্রতিক্রতি নিরেছেন আল্লাহ মুহিন)	৫-মায়িপা	ъ	62.7
অপরাধ ক্ষমা করবেন জন্মাহ (রাসূল স. কে অনুসরণ করতে			6.09	প্রতিশ্রুতি (কমার প্রতিশ্রুতি নিয়েছেন আল্লাছ, মুমিনদেরকে)	89-मार्ट्	২৯	979
অপরাধ ভয়া করা হবে (মুরাকীদের)	৩৩-আহ্থাৰ	42	p80	প্রতিপাশকের নিকট মূলা ও হারুন আংএর ক্ষমা ও দরা প্রার্থনা	৭-জা'রাক	762	626
বশরকে কম (উর্বন জনলে আল্লাহ অপরাধ কম করনে)	৪৬-আব্কাক	60	222	প্রতিপালকের নিকট ররেছে ক্ষমা (মু'মিননের জন্য)	৮-মানকাল	8	603
বপরধের ক্ষমা পাওরার আশার নাদুকরদের ঈম্মন	২০-ড়া-ব্য	90	98¢	প্রতিপালকের নিকট ক্ষমার জন্য প্রার্থনা	২-বাকুরা	200	0.00
বপরাধ্য করা (ধনী ইসুরচিসের অপরাধ করা করার আশ্বাস)		292	629	্রেকিশালকে নিকট ক্ষমা প্রার্কর পূর্ববর্তীসের ও নিজেসের ক্ষম	৫৯-হাপর	30	326
বপরধের ক্ষমা( বনী ইসরাইলের জনপদে প্রবেশ প্র		Øb.	600	ননী ইসভাইবের অপরধের ক্ষয়(জনপদে প্রবেশ প্রসঙ্গ)	২-বাকুারা	49	206
অবিরাতে রয়েছে আল্লাহর ক্ষমা ও সম্রচি	৫৭-ব্যদীদ	20	950	ব্যাপক (প্রতিপাদক ব্যাপক ক্ষার মাদিক)	৫৩-নাজম	05	200
বাল্লাহর ক্ষমা (কাকিরদের সঞ্চরের চেরে উত্তথ)	৩-আলে ইম্বান	349	662	তর করার জন্য (প্রতিপালককে না সেবে তর করার জন্য কথা)	৬৭-মূলক	32	393
অপ্তাহ কৰণত ক্ষম কমনে না (কণিব অবছার মৃত্যুবকাকার	কে) ৪৭-মুখ্যম্বাদ	68	976	মনুষ্টক ক্ষমা (ধার অস্তাহর নিজলের প্রকাশ করে না আনেরক)	৪৫-আছিলা	28	308
वक्कार भाग कथा करान (वक्कारत महा खरक निहास मा रखहा)	৩৯-বৃমার	60	৮৭৫	বুমিন সংকর্মশীল হলে ক্ষমা ও সম্বানক্ষনক বিভিক	22-57 <b>0</b> 6	60	366
আল্লাহ ক্ষমা করবেন (কর্মো হাদানার বিনিমরে)	৬৪-ভাগাবুন	39	264	মুক্তাবীদের জন্য (থারা রাসূল স. এর সামনে কঠাবর নিচু করে)	৪৯-হত্ত্বার	0	250
অল্লাহ ক্ষমা করেন (থাকে ইজা)	৪৮-কাত্ত	38	224	দু'মিননেরকে কথা করবেন আল্লাহ ভাকে ভর করবে	৮-জানকাল	436	608
অল্লাহ ক্ষমা করবেল থাকে ইঞ্জা	৫-মারিদা	80	242	দু'মিননেরকে কথা করবেন আল্লাহ	৫৭-হানীন	36	267
অস্তাহ ক্ষমা করনেন যাকে ইঞা	৫-মাঝিশা	75	etro	মুম্নিলের কমা প্রার্থনা (বিরাহতে)	৬৬-ভাহরীম	b	390
সন্তাহ কর করণ ভোরতভাকে (ভাইচনাকে কালেন ইউপুর-		34	9946	যুদ্দিরকার ক্ষার নৃত্ আ, এর ক্ষমা প্রার্থনা (প্রতিপাশকের নিবট)	93-75	25	300
অপ্তাহ কথা বংকনৰ (বাবৰার কুফারী কংলে/কুফারিকে বেছে চ		203	238	पुर्वाचिकास्तर क्यां कराता में व्यक्ति (तीन में आता कर क्यां)	১-ভাগৰা ১-ভাগৰা	No.	687
বাল্লার কমা করেন বাকে ইজা বাল্লার কমা করেন বাকে ইজা	৩-সালে ইমরান		287	कृतिकारात व्यक्ति क्या कराता न (क्षूत्र म् क्यांत्रका कराता)	৩০-মূনাফিকুল		368
						9	
অল্লাহ ক্ষা/মহারতিদান প্রস্তুত রেখেছেন	৩৩-আহ্মাৰ ২-বাৰুৱো	998	208	মূপা আ এর কমা প্রার্থন (সভা জন গোরের তুনিদন্দ স্বরা পানভাও এ) মূপা আ, কমা প্রার্থনা করণ (অনিজ্ঞাকৃত হত্যার জন্য)	৭-জা'রাফ ২৮-কাসাস	266	\$25 bob
অল্লাহর ইঞ্জাধীন (আল্লাহ যাকে ইচ্ছা ক্ষমা করেন)							

A		-	44	44-10	Spire? ANSWAR	ri 551	- V00
44 333,433	नुद्धं भर् त मात्र.	2070	li delli	রাসুল স. কে ক্ষমা প্রার্থনার নির্দেশ (সম্প্রের ও চু কিন্তুসর জন্য)	৪৭-মুখ্যান্যাপ	7.9	970
कमा (পूर्व मुक्ता (अरम)		-	_	রাপুল ন: কে কথা প্রার্থনা করতে আল্লাহর উপনেশ	৪০-মুখিন	99	77
মুদ্ধবন্দিলেরকে কমা করকেন আল্লাহ (ফুল্যে ভাল বিছু থাকলে)	P-glistated	90	(10)				
রাগাধিত হলেও কমা কর (মুমিনের গুণ)	৪২-পুরা	9.5	298	राष्ट्रण म्. धर कम क्षर्य कर व न कर गमन (पुन्निकाल बन)	৬৩-মূলাফকুল		200
রাসুদা স. কে ক্ষমা প্রার্থনার নির্দেশ (মুমিন নারীলের জন্য বারা)	७०-मूमकारिना	25	969	दामृत्र म. अर कथे शर्थना शमन (यूनव्यिक्टम <b>र क</b> ना)	৬৩-মুণাফিকুল	6	746
শান্তি (ক্ষমার বিনিময়ে শান্তি ক্রের করেছে ভারাই বারা)	২-বাকুরো	205	679	दामृत म. এর কমা প্রার্থনা না করা (মুনাফিকদের জন্য)	৯-জাতবা	po	685
শিরক ছাড়া অন্য গোনাহের ক্ষমা করা আল্লাহর ইক্ষাধীন	8-PM	220	615	রান্দ স, এর কমা প্রার্থনা করা (মুনাকিকসের জন্য)	৯-জাওর	300	085
শিরক ছান্না যে কোন পাপ আল্লাহর ইচ্ছা ক্ষমা করেন	৪-শিসা	85	690	রকুল স. নর প্রতি ক্ষম প্রতিদর অনুরোধ (শিছির থকা কেইনিবসর)	82-Met	>>	274
শিরকের ক্ষমা (শিরকের পাপ আল্লাহ ক্ষমা করেননা)	8-निमा	87	250	রালূল ন, থর (রালূলও যদি মুনাবিবচের করে করারার্ডন বরেন)	8-9PH	08	200
শিবকের গোনাহ আল্লাহ ক্ষমা করেন না	8-मिमा	229	492	रान्य म. क्या शार्वमा करदवन (जनूबकि शाक्रमद सना)	২৪-সৃদ	65	977
প্রেটার স্বেরাহর ক্ষমর দিব নিয়ে জিহুদক্ষরীলেরক প্রেটার দান)	8-निमा	36	699	রানুশ ন, কমা প্রার্থনা করলেও ভুনবিকলেরকে কমা করকেন না আল্লাহ	৯-ভাওৰা	pro	683
সক্ষরিত্রান্দের জন্য ব্যৱহে ক্ষমা ও সম্মানজনক বিধিক	48-77	46	995	সুলাইমান আ,এর কমা প্রার্থনা (প্রতিপালকের নিকট)	৩৮-লোৱান	-00	2763
সংক্রজাইবর্থ ধারণের জন্য ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান	77- <u>4</u> H	22	999	রীকে কমা প্রার্থনা করতে বললেন আর্থীয় (অপরাধের জন্ত)	১২-ইউসুফ	43	693
সংকর্মশীল বুনিনের জন্য কমা ও সম্মানজনক বিবিক	२२-शका	20	990	ক্ষমপ্রার্থনাকারী			
ফুলবোন ক্ষমার ( রানুল স. এর সতর্কবাদী বিশ্বাসীদের জন্ত )	৩৬-ইয়াদীন		100	मूखाबीबा क्रमा शार्थनावरची (८नध वाट्ठ)	৩-জালে ইমরান	39	ees
		22		क्रमानीन			-
बी-म्यान्दरु क्यं क्दल व्यक्तर ७ सब बन्द क्यमीन ७ लान्	५८-व्यक्तद्रम	78	369				202
হাবিৰ শক্ষার নামক মুমিনকে, প্রতিপাশক ক্ষমা করেছেন	৩৬-ইরাসীন	29	240	আল্লাহ কথাশীল	৮৫-বুরুল	78	
ক্ষমাকারী				जहार फारीन (जलवारनंड गावन नाम करा व्यवनकीत शिंह)	১৬-দাহ্শ	222	930
অপরাধ (আল্লাহ অপরাধ ক্ষমকারী)	৪০-মুখিন	0	242	আল্লাহ কমাশীল (অভিযোগ উথাপনকারীর তওবা প্রসক)	২৪-সৃধ	ę	998
च्हेर क्यारती (अ <b>हा</b> ६६ व्हेर क्याकरी, मृता जा. शतन)	৭-আ'রাক	266	646	আল্লাহ কমাশীল ও দয়ালু	২-বাকুরা	740	677
ক্ষমা চাই (হিন্তাতুন)		_	_	আল্লাহ কমাশীল ও দরালু	২-বাকারা	222	655
বলা (বনী ইসরাঈলকে 'হিজাতুন/ক্ষমা চাই' বলার নির্দেশ)	৭-আগ্ৰাফ	363	હ્રવ	অল্লাহ কথাবিদ ও দরাপু (মানুচার কর তেরেশারচার করা প্রার্কন)	৪২-শ্বা	Q	9.95
ক্ষমাপরারণতা			-	অন্তাহ কথাবলৈ ও দবালু (নার থেকে নিরাণ না হওয়া প্রদাস)	৩৯-বুমার	64	b96
অবলমন (রাসুল স. কে ক্ষমাপরায়ণতা অবলমন করার নির্চেশ)	৭-আ'রাক	355	903	আদ্রাহ করাশীল ও মহাপ্রভাগশালী	৩৫-ফাতির	52	783
	J-07 654	300	.002	আল্লাহ কমাশীল ও মার্কনাকারী (বিশ্বরতে অকমদের প্রতি)	৪-শিসা	88	200
क्रमधार्थन				অপ্তাং ক্ষমশীল (স্কুলুমের পর নিকটের পরিবর্তে বালকার্কারীর প্রতি)	২৭-গামপ	22	bod
জনরাধের জন্য ক্ষমা রার্থনা করে মুমিনবা	৩-আলে ইমরান		48b	আল্লাহ ক্ষমালীক (ভাওবাকারী ও সংগোধনকারীর প্রতি)	৬-জান'জাম	48	600
আদ সন্প্রদায়কে প্রতিশাদকের কাছে কমা প্রার্থনার স্বাঞ্চান	১১-ছুদ	65	990	पातुर प्रयाचित (पारमानवी,भरतभनीतना शकि पातुर प्रथानित)	২০-ড়া-ছা	64	986
আরশ বহনকারীদের (ক্ষমা প্রার্থনা, মুখিনদের জন্য)	80-मू"मिन	٩	৮৭৮	আল্লাহ পৰৰ সহলগীল ও অতি কথাগীল	৩৫-ফাড়ির	83	ve
আল্লাহ ক্ষমা প্ৰাৰ্থনা অবস্থাৰ শান্তি দেন না	৮-আনফাল	00	906	আপ্রাহ মহাপ্রতাপনালী ও কমানীল	80-मृ'मिन	84	bb:
আপ্লাহর কাছে কমানার্থনার নির্দেশ (উচ্ন যুদ্ধ প্রসঙ্গ)	8-নিসা	300	290	অন্তাহ মহা প্রতাপদালী ও পরম কমাশীল	৩৯-বুমার	0	733
আল্লাহর কাছে ক্ষমা প্রার্থনার নির্দেশ (ছামূন জাতি প্রসঙ্গ)	33-89	65	693	আল্লাহ (বাধ্য হলে হালাম খেলে আল্লাহ কমানীল ও দায়ালু)	১৬-বার্গ	224	753
আল্লাহর কাছে ক্ষমা প্রার্থনা (জুলুম/মন্দকাজের পর)	8-निमा	220	493		৮-জানফাল	690	(60)
व्यक्तास्य निक्षे कमा शार्कन करात म् कि, यात कृष्णी करात्रः	৫-মারিদা	98	445	অল্লাহ অতি কথাশীল			
আল্লাহর নিকট ক্ষমা প্রার্থনার নিচর্ণন	৭০-সুম্বাধিল	20	79.7	অল্লাহ অভি কথাশীল	৯-জগুৰা	97	681
আল্লাহর নিকট ক্ষমা প্রার্থনার নির্দেশ	২-বাকুরো	799	222	আল্লাহ অতি কমাশীল	৯-জন্তৰ	સ૧	684
ইবরাহীম জা, এর কমা প্রার্থনা করণে পিতার ঋন্য	১৯-মারইরাম	89	909	আল্লাহ অভি কমাশীল	৪১-তুগ্গিলাভ	105	b/b/t
देश्वादीय जा, এर क्या शर्पना (शिजर करा)	५०-मुम्लाहिना	8	bov	অস্তাহ অতি কমাশীল	হ-মারিদা	707	₫ brd
ইনপ্রায়ন জা,এর কনা প্রার্থনা (গণতার জন্য) ইনপ্রায়ীর জা,এর কনা প্রার্থনা, তার পিতার জন্য (প্রতিশেতি নাত্র)	३-स्टास्या ३-स	278	955	অস্ত্রাহ অঠি কমাশীল	৩-আলে ইমরান		20:
এক ইলাহের নিকট ক্ষমা প্রার্থনার নির্মেণ				অস্তাহ বাতি কমাশীল	৩-আলে ইম্বান	249	281
	৪১-ফুন্সিলাভ	9	5000	অক্সাহ অতি কমাশীল	৯-জাওরা	4	680
क्षम् अध्यक् जावासः नगरः कथायान्तं कारा निर्दानं (मता १९६७)	२९-मामन	85	80vi	অপ্তাহ অতি কমাশীশ	৮-আনকাশ	90	(400
ভুশুমের পর আল্লাহর কাছে কমাপ্রার্থনা (মুনাধিক প্রসঙ্গ)	৪-নিসা	58	695	অক্সাহ অতি কমাশীল	৯-জন্তব্য	204	603
দাউদের ক্ষয় প্রার্থনা (প্রতিগালকের নিকট)	৩৮-মেরাদ	2,8	৮৬৭	অন্তাহ অতি কমাশীল	৫৮-মুন্সানালা	25	320
পিনা ইয়াকুৰ আংগে কৰা প্ৰাৰ্থনায় অনুবোধ (পুত্ৰচাৰ অপায়খের ৰাখ্য)	75-इंड्रजूक	39	5000	অপ্তাহ অতি কথাশীয	৬০-মুমতাহিনা	9	342
निव देशपुन पर এर कथा शास्त्र शतिनाम्हरूत निवधे (गुळानर कन)	25-ইকুমুঞ	36	646	অস্তাহ অতি কথাশীল	48-70	24	990
প্রতিপালকের নিকট কমা প্রার্থনার নির্দেশ (মলইয়ানবালীকে)	১১-বুল	30	598	অস্তাহ অতি কথানীল	५७-वृत्रकाम	8	930
প্রতিপালকের নিকট কমা প্রার্থনা (সাহাত্য/বিকর এলে)	১১০-লস্ব	0	2006	অল্লাহ অতি কমানাল		90	93/1
প্রতিশাসকো কাছে কমা প্রার্থনা ও অনুভক্ত হয়ে কিয়ে আনা	33-29	0	998	অস্তাহ থাও কমাশাশ অস্তাহ অভি কমাশাশ	২৫-কুরকান	99	953
द्वविशासका स्टब्स् कम दार्शन समा आक्षान (मृद्धा <b>स</b> बित द्वित)	93-75	30	398		২৪-দূর		
প্রতিশালকের কাছে করা প্রার্থনার আহ্বান (জান জাতিকে)	३३-इन	44	590	অপ্তাহ অতি কমাশীল	8४-वरहर	78	974
ফেরেশনকের ক্ষমা প্রার্থনা (পৃথিবীর অথিবাসীদের জনা)	84-481	0	6.97	অপ্লাহ অতি ক্যাশীশ	৫৭-হাদীদ	২৮	24
বিরত থাকা, কমা প্রার্থনা থেকে (শান্তি আসার অপেকার)	72-2050c		923	অস্তাহ ত্তি কমাশীল	৫৮-মুক্তাদাপা	٩	74
		22		অস্তাহ অতি কমানীল	७१-पून्क	2	24:
মুশ্রিকদের জন্য করা প্রার্থনা করা নবীর জন্য সংগত নয়	>-ख <b>द</b> वा	770	622	অক্সাং অতি কথাশীশ	৫-মারিলা	98	50.5
মুম্লাকীরা ক্ষমা প্রার্থনা করে (বাতের পেখ প্রবরে)	৫১-খরিয়াত	79.	546	অপ্তাহ অভ্যন্ত কথাবীল	৫-মারিলা	0	@bro
মুনাফিকদের জন্য ক্ষমা প্রার্থনা করা বা না করা সমান	७०-भूनांकिक्न	6	846	অপ্তাহ অন্যন্ত কথাশীল	७०-मुमठादिना	25	263
पुनर्पिकरात्र सन् वामून ग. ध्व क्या धार्यना करा रा ना करा गयान	৬০-সুনাকিকুল	0	368	আল্লাহ অতি ক্ষমানীল (বান্দাদের প্রতি)	১৫-হিজর	85	900
দু'মিনদের জন্য (ফেরেশতাদের কথা প্রার্থনা)	৪০-শ্বমিন	9	৮৭৮	আপ্রাহ অতি কথাশীল	৫-মারিনা	৩৯	abo
দু দিনদের জন্য (ক্ষমা প্রার্থনা করে আরশ বহনকারীরা)	৪০-সুখিন	9	৮৭৮	আপ্রাহ অতি কথানীপ	৩৪-সাবা	3	483
মুমিনদের জন্য কথা প্রার্থনা করতে রাসূল স, কে নির্দেশ	৩-আলে ইম্বান						

ক্ষমাদীল	99

পাল বিষয়/প্রসাস কমানীল (পূর্ব পূর্বা বেকে)	স্থা নং ও নাম	Mar of	न्स:	नम् दिशर/दानम् कर	त्वा भर छ मात्र	Marie 4	10
ক্যাণাল (পূৰ পূচা থেকে) মন্ত্ৰাহ অভি ক্যাণীশ ও প্ৰম নৱাপু	৫-মাছিল	2p	424	मही या करा राख्य संद्वाहरू जा काराना (मृज्यानह महि दशास दशक)	\$0-\$10	8	1
মন্ত্রার অতে কথাপাশ ও শরম নরাসু মন্ত্রার অতি কথাপাশ ও পরম নরাসু (ফোনিত লেয়মত প্রদার)		75	908	शास (प्रांत्रात प्रांत्र श्रीमा श्रीमान , गांचाना क्रमान श्रीमा	২০-জা-যা	250	
	১৬-নাহ্শ			তার (অসমতে অসর ব্যক্তির প্রদেশ্যের, শরতানের কুমরশা বাসস) করু-কঠি	40-51-4	340	+
মাপ্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও প্ৰম নৱালু	১০-ইউনুস	209	668			_	+
মাল্লাহ অভি কমাশীল ও পরম সহন্দীল	১৭-ইস্রা	88	474	পরীকা (ক্ষয়-কতি নিয়ে পরীকা করবেন নাল্লাহ মানুদকে)	২-বাকুরা	246	14
মাল্লাং অভি কমাশীল ও মার্মনাকারী	২২-হাজ	60	960	THE STATE OF THE S			L
মাল্লাহ অভি ক্ষমাশীল ও পরম নরালু	৪-নিসা	99	669	হাত্বে পরিণত হওয়ার পর পুনরুখানে কাছিরদের অবিশ্বাস	৭৯-নাবি'আত	22	3
মল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরম নরালু	৫-মারিদা	08	648	কান্ত			Т
মাল্লাং অভি কমাশীল ও পরম নয়ালু	৩-আদে ইমরান		688	বছুর পুঞ্চ হতে করে না হংগা প্রদান (মূপা আ, না ফেরা পর্যন্ত)	२०-प्रा-श	27	1
মাল্লাহ অভি কমাশীল ও পরম দরালু	০-আলে ইমরাণ	02	৫৩৯	কেন্ত			Т
মাল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরম দরালু (উত্ল মুদ্ধ প্রসঙ্গ)	৪-নিলা	709	640	গমন (সকাল সকাল ক্ষেত্তে গমন, বাগানগুয়ালানের)	৬৮-জুলাম	22	13
মক্লাহ অভিক্রমানীল ও পরার দরালু (জী-সর্ভাননের ক্ষমা প্রদাস)	৬৪-ভাষারুন	78	১৬৭	বিচার পোনাকেত সম্পর্কে দাউদ ও সুদাইমান আ,এর		-	т
মাল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও প্রম দল্লালু	৩৩-আহমার	20	2003	(auto)	२५-खारिया	92	ľ
মাল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও প্রম নরাপু	২৮-কাসাস	39	god	সেচ সেরা (যে গাড়ী থবা ক্ষেতে সেচ দেরা হয়নি)	২-বাকুবো	23	t
মন্ত্রাহ অভি ক্মাশীল ও পরম প্রতিদানদাভা	৩৪-ফাডির	00	b8b	ক্ষেত্ৰ-পামার	C. of the		ť
মাল্লাহ অতি ক্ষমানীল ও পরম নরান্ত (মুনাফিক প্রস্থ)	००-जार्यार	2.8	brog	শোলনীয় করা হরেছে ক্ষেত-খামার (মানুষের জন্য)	৩-জালে ইমরান	100	†
মান্তাৰ অতি কমাশীল ও পৰম নৱালু	०७-जार्थार	4	roo	(পাতনার করা হরেছে কেত-বাধার (মানুবের জন্য) ক্ষেত্রের ফস্প	O-सारण स्थान	30	+
মান্তাৰ অতি কমানীল ও পরম নৱালু	৩৬-সাহধার	45	1000			_	+
মাল্লাৰ অতি ক্ষমাশীল ও প্রম দয়ালু	५७-पुपराधिक	20	35/3	নিবিদ্ধ (মুগরিবদের ইচ্ছানুমারী গরান পত ও কেন্দের ফলল পাওয়া)	৬-আন্'আম	705	1
মাল্লার অতি ক্ষমানীল ও পরম দলালু	86-आवस्य	ν	You	কোত (আরো দেখুন ক্রোধ শব্দটি)			Т
মান্নাহ অতি কমাশীল ও পরম নয়ালু (নবীর ব্রী প্রনাছ)	५७-छाङ्बीम	3	390	দূর (ক্ষোত দূর করবেন আল্লাহ, মুমিনাদের হ্রনয় থেকে)	৯-জন্তবা	26	1
মান্তাহ অতি কথাশীশ ও পরন প্রতিদানদাত্ত	৪২-পুরা	20	750	খীণ শদ			П
মান্তাৰ অভি কমানীল ও প্ৰথম নৱালু	৩৩-আহ্বাৰ	90	V80	আহান্নামের দীর্ঘবানের স্বীগতম শব্দও জব্লাতীরা তনবে না	২১-অধিয়া	204	Ī
বাস্থার ব্যাত কর্মানার ও শহর শস্তানু বস্তার (ইনলামগ্রহান্ত পর অনুসত বেলুক্ষানার ব্যাপারে)	87- <b>दबे</b> शक	70	247	ক্ষাত্তে পাণ্ডার (বাংমারাক্সনর ক্ষীণ দাব্দ ক্ষাতে পান কি রাসুলা)	১৯-মারইরাম	ab	t
ब्राट् (रज्यायक्षक ना जन्न एर्ट्र्स्स्ट्रास पाका) शहाद पार्क्सावरही ७ कमानीम (संसाध्य क्षत्र)	৪-নিবা	80	262	কুদ্র (আরো দেখুন ছোট শব্দটি)			†
				দল (সুপ্ৰ একটি দল, মুখা আ./বনী ইসরাইলকে ধরা প্রসঙ্গ)	২৬-৬'জারা	48	+
গ্রহাহ অতি কমাশীল	২-বাকুরো	226	454	कृत्य	40-0 4141	-	+
म्हाद (प्रसम्बद्धनवार्त्रम् म. (रु परस्र शास्त्र स्वरूप समा शतम्)	৪৯-হত্তুরত	6	3-50		. 20	63	+
মাল্লাহ খতি কমাশীল	২-বাকুরো	579.	22,8	অণুর চেয়ে সুপ্রতর বিভূপ প্রতিপাসকের আগোচরে নয়	১০-ইউনুদ		4
ময়াং পৰি কমাশীল	২-বার্থরা	225	650	অধ্যা চেয়ে পুলুতর কেন নিষ্কৃত্ব অপোচর নার (সাক্ষাহর করেছ)	৩৪-লবা	0	4
নক্সং অতি ক্ষমাশীল	<b>२-वाद्यदा</b>	224	657	<del>पूर्</del> या			1
নহাহ অতি ক্ষমানীল	২-বাঞ্চারা	222	424	কুৱাইপদের স্থার সময় আল্লাহ খাবার দিয়েছেন	১০৬-সুরাইশ	8	ŀ
নক্সাহ অতি ক্ষমালীল ও পরম দয়ালু (হিজারত প্রদাস)	৪-বিশ্ব	200	260	ভৃষ্ণা, ক্লান্তি ও কুখা স্পর্ণ করে মুখিনদেরকে (আল্লাহর	৯-জাওবা	140	, l
ক্ষাহ ততি কথাবিল ও পরে দায়পু (রীদের মধ্যে সমত্র বন্ধ এসল)	৪-দিয়া	259	690	नारवं	10-010-01	100	1
নপ্লাব অতি ক্ষমানীল	৯-ভাওবা	44	600	পরীকা (কুথা দিয়ে পরীকা করবেন আল্লার মানুষকে)	২-বাকুবো	266	
মান্তাই অভি কমানীল ও পরম সহন্দীল	২-বাকারা	202	429	মিটাবে না (জাহান্ত্ৰমিদের খাদ্য কুখা মিটাবে না)	৮৮-গাশিরাহ্	9	Т
<b>মন্তা</b> ং অভি কথাশীল ও পরম নরাপু (দানী বিরো করা প্রদাস)	8-निमा	24	690	শান্তি (নোমান অধীকাকারীলো আল্লাহ কুথ/জিনির শান্তি দেন)	১৬-মাহ্শ	225	ī
হাল্লাহ অভি ক্ষমাশীল ও পরম দরালু (ক্ষমা প্রার্থনা গ্র.)	8-First	330	293	ক্ষার তাড়না			٦
মান্তার ক্ষমাশীল তাঁর অভিমুখী বাধ্বাসের জন্য	১৭-ইসরা	3.0	936	হারাম পাওয়া (হারাম থেডে বাধ্য হলে, কুথার অভূনার)	৫-মামিনা	9	1
বহুতে ক্ষমাশীক ব্যতিহারে বাধ্য দাসীদের ব্যাপারে	48-76	93	999	क्यार्ड	-		t
মাল্লাহ অতি কমানীল ও পরম দরালু (বিরের বিধান প্রদাস)	8-निर्मा	30	223	আনম আ, জান্তাতে ক্থাৰ্ত না ধাকা প্ৰসঙ্গ	২০-ড়া-হা	225	t
ডিপালত আল্লাহ অভি ক্ষমানীল ও প্ৰতিমানদাতা	৩৫-ফাজির	08	V83	कडाबाड	40-81-0	730	1
ভিনালত ক্যানীল	৪১-কুস্পিশাত	80	bba		. touthern	-	4
ভিগালক ক্ষমানীল	৩৪-সাবা	34	585	থোড়ার ক্রাথাতে আগুনের ফুলকি ঝরানো (কলম প্রনত)	১০০-'আনিয়াত	1 3	1
তিশালক কমাশীল (মঞ্চেন্তবলত কমাশ কমা করে তওবকারীয় প্রতি)	১৬-নাহুল	779	930	খলন		1	1
তিপালক কথানীল (ধর্মনীল মুহাজির মুক্তাহিদের প্রতি)	३७-मार्न	220	475	আরোধন (মনুয়ের আরোহনের জন্য থোৱা,শারর ও গাবা সৃষ্টি)	১৬-লবুল	7	t
তিপালক ক্ষমানীল (ন্যের প্রাবনে নৌকারোহন প্রদর্গ		83	669	পড়-কুটা		-	†
	३३-वृम			ভাল অক্তর বড়-বুটার পবিশ্বত হওবা পুনিয়ার জীবনের উপন্য	৫৭-হাদীদ	30	t
তিপালক কমাশীল (মন্দকাকের পর তওবাকারীর প্রতি)	৭-আ'রাফ	760	626		०७-वसकिसाइ	96	
ভিশালক পরম ক্ষমাশীল (মূহের সংখ্যালয়ের ক্ষমা প্রার্থনা)	৭১-বৃত্	30	948	ফাল বড়-পুটার পরিশত করতে পারেন আল্লাহ ইঞা করলে ফাল বড়-পুটার পরিশত হওয়া বুড়িয়ানদের জন্য উপদেশ			
তিপাশক প্রম ক্ষমাধীল	৩৮-সোমান	66	9-69		৩৯-যুমার	53	4
তিপালক (নিনিট্ট সময়েন পূঁৰে শক্তি তুৱাধিত না কথার বাপেরে)	১৮-করেক	6p	933	49		_	4
তিপালক মানুহের প্রতি ক্ষমাশীল	১৩-রা'দ	6	499	অক্তাশ কা বতা কবিবাসের উপর ফেলার দাবী (রুসুল স: এর কামে)	১ <i>৫-ইস্</i> রা	25	4
তিপালক অতি ক্ষমাশীল ও পরম দরালু (ব্যরাম খাওয়া প্রদাস)	৬-আন্'আম	784	920	আকাশের খণ্ড ডেঙ্গে পড়ডে দেখলেও কাফিররা বলে	৫২-ডুব	88	1
তিপাসক অতি ক্ষমানীশ ও পরম নরাশু	১৪-ইবরাহীন	95	696	আকালের খত ফেলা আইকবোদীর উপর (গুআইব আ.	২৬-৩'জবা	20-7	J
ঠিপালক অভি কমাশীল ও পরম দয়ালু	৬-আপ্'আম	362	925	সত্যথদী হলে)	200 000	1,00	1
ভিশালক অভি ক্ষমাণীল ও পরম গরালু (ক্ষ্মী ইসরাইল এসেম)	৭-আ'বাক	269	625	আকাশের বত ফেলভে পারেন আল্লাহ (ইক্সা করলে)	৩৪-সাবা	ь	1
তিপালক অভি কমাবীল	১২-ইউসুক	20	6946	সংলগ্ন (পৃথিবীকে পরস্পর সংলগ্ন তৃথক ররেছে)	১৩-বা'দ	8	1
	১২-ইউসুফ	60	68/4	বঙ-বিখন (আরো দেখুন টুকরো টুকরো শব্দটি)		1	1
প্রতিপালক আল্লাহ অতি কমাশীল ও পরম দরালু							

	नुबन्ध ५ तम्	1994	100	THE PERSON AND PROPERTY.	海山南区北北	Separti.	C.M
चेत्र :				মার খানে পানি (ইউসুফ আ এর নারগালীর, মানে কুপলিছ করা হবে)			6910
গোপন বিষয়ে আল্লাহ খবর রাখেন (মূপরিকলের)	৪৩-মুখরুফ	p.o.	303	মেহরানা স্ত্রী স্বেক্ষ্যের ছেড়ে দিলে স্বামী স্বাচ্ছন্দের থেকে পারবে	৪-শিশা	8	226
नित काम (श्रेष्ठ नित कामर पूजा का, श्रीवाद-श्रीकरूव करा)	২৮-কাসাস	23	9.70	মৌমাছিক বিভিন্ন ফল/ফুল ভেকে খণ্ডবার নির্চেল (মপু প্রদান)	১৬-নাত্ৰ	60	900
পরীক্ষা করবেন আল্লাহ মুনাফিকদের খবরাদি	৪৭-মুখ্যমাদ	403	846	বসীলে চারে খাওয়ার কলা উদ্রীকে ছেড়ে সেরার নির্দেশ	৭-জা'রাফ	90	626
পৃথিবীর (বিশ্বামন্তের দিন পৃথিবী তার খবরদমূহ কবির করছে)	১৯-খিল্যাল	8	\$000	রসুদ স, আই খার ভোমরা যা খাও (আদ জাতির প্রাথনরা কলা)	২০-দ্ব'মিনুন	00	990
বৰ্ণনা (কিবামতের দিন পৃথিবী ভার খনরসমূহ বর্ণনা করবে)	৯৯-বিশ্ববাদ	8	2000	বিদিক খাওৱা (আল্লাহ প্ৰদন্ত বিধিক খাওৱাৰ নিৰ্দেশ)	৬-জন'জম	282	950
ৰূপা আ.এর পরিবারের জন্য খবর আনা (তুর পর্বতে			-	বিধিক (অস্তাহর বিধিক থেকে খালয়ার নির্দেশ)	৩৭-রশক	24	330
WHENEX OFFICE STORY)	২৭-নামশ	٩	pood	ক্রতি (মাধ্যা বহল করা ক্রতি হয়েক পানিকে লেতে চেম্বল সম্রো)	১২-ইউস্ফ	00	670
48	-		Н	লাঠি থাছিল মাটির পোকা (সুলাইমান আ.এর লাঠি)	08-7741	28	783
পদি (একটি সমূল্রের পদি লোনা ও থর)	৩৫-ফাভির	25	৮৪৭	গোনের যা পার রাসুগও তাই খার (জাল জাতির এখনরা বলস)	২০-মুমিনুন	90	900
পুন্টান (দেশুন নাসারা শব্দটি)	og-when	24	901	শার (স্বার্থার জন্য অয় বিশ্ব বাজীর ধারী শার শীরনার প্রের পিরে)	১২-ইউসুঞ্	89	69.7
খরচ (আরো দেশুন ব্যর শব্দটি)		-	-	শিকার (শিকারী প্রাণীয় ধরে আন্য শিকার খাওয়া বৈধ)	०-माहिला	8	@bo
				শব্দর (বেরে ফেলবে কঠিন লাভ বছর)	১২-ইউন্দ	82	69.7
চাওয়া (শবহ চাৰ বি বাস্প, কাফিবসের নিবট)	२०-मू मिन्न	14	190	নুদ থাওৱার প্রতি নিবেধান্তা (ইয়াননারদের জন্য)	৩-আলে ইমরান		@81r
প্রাচীর নির্মাণের খরচ দিতে চাইলো স্কুশব্যবদাইনকে	১৮-বার্ফ	28	305	পুদাধের পরজানের স্পর্যে পাগল হওয়া ব্যক্তির মত গাঁড়াবে			
पर्व				পুন্ধ বি প্রতিবাদের "পান্দ পান্দ হওয়া ব্যক্তির মত পাড়াবে সাক্ষাক স্বামী বেতে পারবে (মোহরালর অপেরী কুলি মান ক্ষেত্র নিজ)	২-বাকুরা ৪-নিদা	292	600
কাফিবদের শক্তি (জাল্পাহ রোধ করেন)	8-992	5-8	269		৪-ানদা ৫-মারিদা	8	669
ৰপিকা (প্ৰতিনিধি)				হওয়ারীরা বেভে চার (আকাশ থেকে অবস্তীর্ণ থানা)		22.0	678
পৃথিবীতে ৰলিকা,প্ৰতিনিধি বানানো প্ৰসঙ্গে আল্লাহর খোষণা	২-বাকারা	00	208	যারান (পুনরের শোপত্যুক জরু/প্রবহিত রক্ত ঝারো হারান)	৬-আন্আম	284	650
দাউৰ আ,কে আল্লাহ যসীদে খলিকা (প্ৰতিনিধি) নিযুক্ত		_	-	ব্যলাল (সমূদ্রের শিকার খাওরা হালাল)	৫-মারিদা	b6	634
क्द्रम	ও৮-লোরান	36	৮৬৭	হালাল-পৰিয় বিধিক খাওৱার নির্দেশ	৫-মরিদা	99	697
থলিফা (মালিক)	_	-	-	হিংশ্ৰ স্বস্তুতে থাওয়া পক হারাম	৫-মারিদা	0	240
আপ্তাহ যে সম্প্ৰত মনুষ্যতে পৰিক্সমালিক বনিষ্কেল যা ব্যৱ	৫৭-হাদীদ	4	38b	থাওয়া (তৃত্তি সহকারে)			
প্রসিয়ে সেয়া	d tables	,	300	ইউপুক্ত আ, বাবে ও বেলাখুলা করবে (ভাইলের সাবে গিয়ে)	১২-ইউসুফ	34	89
		-		থাওয়ানো (আরো দেখুন আহার করা/করানো শব্দটি)			
চাহড়া থসিরে নেবে অপরাধীদের ('দার্কা' নামক জাহান্নাম) থসে পড়া	৭০-যা'অবিজ	79	99-7	অস্তাহকে বাওয়াবে মানুষ, এটাও আপ্তাহ চান না	৫১-বারিয়াত	63	250
		_		গরীৰদের বাওয়াতে (কাফিরদের কার্পণ্য ও অস্বীকৃতি)	৩৬-ইয়াসীন	81	brg8
ভারকারাজি থসে পদ্ধবে (কিয়ামকে)	৮১-ভাকন্টার	3	7009	মিগজিল আন্তাহের, প্রেক্স আন্তাহ আসমর্থ হলে (নিয়ার প্রসাদ)	१४-प्रवाशना	8	342
থাওয়া (আরো দেখুন আহার করা/করানো শব্দটি)				খান্তয়ানো (দান)			
অভিধি না বাধয়ার করেশে ইবরাইম আ এর বিশ্বস্থাক জিল্পাস্থ	৫১-যরিবাত	ર૧	3-26	অপ্রবার/ইরারীয/ক্ষীকে খাদা খাধ্যানে,পাদ (পুণাবানের বৈশিয়া)	৭৬-দাহর	ъ	224
অপরাধীরা ছাড়া কেউ কত নিঃসৃত পুঁক খাকেন (কাহান্রামে)	७७-शामव	93	৯৭৯	₹®	10 1101	ř-	
জপরাধ নেই (মুমিনরা পূর্বে যা খেরেছে অতে, মদ প্রসঙ্গ)	৫-মায়িদা	20	6.95	ছাওবা (পাঁটি ছাওবা কথ্যহ নিৰ্চেপ মুম্বিনদেরকে)	৬৬-খাহরীম	le .	290
আনম আ, ও ভার স্ত্রীকে সেতে বলা হলো জারাত থেকে	৭-আ'রাফ	79	678	चंकि मुद	00-914814	-	870
ইয়াভিমের সম্পদ জুলুম করে খাওয়া পেটে আঙন ভরার মত	৪-নিসা	30	229				
ইয়াডিমের সম্পদ ন্যায়সঙ্গভাবে থাওয়া বৈথ(পালনভাবীর জন্য)	8-निमा	6	669	গরসি পার গেবর ও রচের মধ্যে বঁটি দুধ থাকার মধ্যে রক্তেম্ন শিক্ষা খাড়া তাঁর	36-4164	99	905
উত্তরধিকার-সম্পদ সম্পূর্ণরূপে থেরে ফেলে মানুধ	<b>৮৯-गरब्</b> द	79	2055				
কাঞ্চিত্ররা পার চতুম্পদ জন্মর মত	৪৭-সুহান্দ্রদ	25	970	পাহাড়ের থাড়া জীরে ঘরের চিব্রি ছাপন	৯-ভাওবা	209	967
কাফিরদেরকে বাওয়ার জন্য ছেড়ে দেয়ার নির্দেশ)	32-दिसद	9	466	र्थामा			
থাবার থেত (পূর্বে মোরিক রাসুদগণঙ)	২৫-কুরকান	20	900	অভ্যব্যক্ত/ইরাভীন/বন্দীকে খাদ্য দান (পুণ্যবাদের বৈশিষ্ট্য)	৭৬-দাব্ৰ	b	396
থাবার বেতেন মালীছ ও ভার মা মারইরাম	৫-মারিদা	92	490	অমব্যাহতে খাদা দানে উপোহ দেৱ না (বিমাদিনের অধীকারনারী)	১০৭-মাউন	9	2008
গ্ৰিমত ব্ৰৱার অনুমতি, ম'মিনদেরকে	৮-আনকাশ	65	600	আনা (খনা আনার পূর্বেই সম্রের বাধা মানিয়ে নিবে ইউপুরু আ.)	১২-ইউনুফ	७९	660
गरी (गर्फ आंग्रेस गरीक त्या क्ला गर्मी नैर्पका	200			আহার (রাসুল গ, খাদ্য আহার করে, কাফিরদের বিশ্বর)	২৫-জুরকান	٩	952
1100	<b>১२-३</b> छमुक	80	92.7	একরকম খাদ্যের উপর বনী ইসরাস্থ্যের ধৈর্য দা ধরা	২-বাকুরা	46	209
गांवी (मांवरी नोर्गकार गांवी त्यदा दक्तन गांवरी दावींकान				কানিপুক থানা বয়েছে জাহাদ্রামে (কাকিবদের জন্য)	९०-पुरुवाचिन	20	300
गर्छ(क)	১২-ইউসুফ	85	99-7	বিজ্ঞান সেরা ব্যৱহার আনরকে জানের থান্য অবদান (মুনিনানের মান্য)	ए-मासिना	2	697
গোপত (মৃত ভারের গোপত খাওয়া অপছন্দনীর, দীবত প্রসাধ)	৪৯-হত্ত্বত	32	855	গৰানিপতৰ খালা গ্ৰহণ (শদ্য হতে)	৩২-সাজ্পা	29	504
থোপত (মাছ) খার মানুধ সমুদ্র থেকে	৩৫-কাভিব	32	783	স্বাহান্নামীদের থালা হবে কত নিয়স্ত পুঁজ	৬৯-হাতাহ	-05	242
চতুম্পন জন্তব থাওৱার মত খার ঝাঞ্চিররা	৪৭-বৃহ্যাদাপ	25	200	দ্বাহান্নামিদের থাদ্য (কাঁটাযুক গুলু)	৮৮-গাশিরাহ	8	2025
দ্বীদের শাবার খাওয়া (মানবীয় বৈশিষ্ট্য প্রসঞ্চ)	३ <b>५-आश्चि</b>	b	900	দান (অভাব্যাস্ক্রিনবিদকে অসলনে উত্তাহ না দেৱার শরি)	৬৯-হাজার্	28	242
निरेद्ध (मुन्डिनटान देखानुवारी १९७ ७ टक्टरन यनम श्रेतत)	৬-আৰ'আম	701-	600	দূর্তিক্ষের দিনে খাদা দান (গিরিপথ কর্থ)	৯০-বাশাদ		2050
দিক্ত (অপ্নাহর দাম অসাহীন জরাই <i>নত পা</i> ত থাবোা নিক্তি)	৬-আনু'আম	757	600	নির্ভারণ (পৃথিবীবানীর কলা আদ্য নির্ভারণ করেছেল মার দিলে)	৪১-কুস্সিলাত	20	brbris
শ্বরপাশতারে ইয়াভিনের সম্পন্ন ঝারে বৈধ্বগরীর পালনারীর ক্ষান্ত	8-निमा	6	225	পরিতদ্ধ থাব্য লক্ষ্য করা শহরে (আনহাবে কথোকনের জন্য)	7%-वार्क	72	920
गांक शाना वातम य क्यारिका नाम व्यक्तिक स्मा नाम का वहा है।	৬-আনু আম	229	609	পাশীর থান্য (যাকুম বৃক্ষ)	88-मुधान	88	208
गर्का तमा ना चेना वे सम्बद्धाः नाम अञ्चलक नाम प्रश्न का का	৬-আন্ আম	229	609	পুঁল (কণ্ড নিংগৃত পুঁলই হবে জাহান্নানীনের খান্য)	69-34H	05	266
পত (আল্লাহর নাম সম্বদ্ধীন জনাইকৃত পত থাওয়া নিকিছ)	৬-আন'আম	252	90%	বন্দ্রী/বভাষাার/ইরাতীমকে খাব্য দান (পুণ্যবানের বৈশিয়)	%-मास्य	y	200
क्लपून (साहारका क्लपून पुराकीश बारर)	80-गुर्वक्रम	30	802	মধ্যম মানের পাতা মিসকিনকে দান (কসম তলের		Ľ	~000
ফল খাওৱা (গাঁহ ফলবান বলে তার ফল খাওয়া প্রসঙ্গ)	৬-আন'আম	787	930	বাদ্যালয় বাদ্য মিনাকনকৈ দান (কন্ম করের বাদ্যালয়)	৫-মারিদা	৮৯	699
ফল খানার (মৌমাইকে বিভিন্ন কল/ফুল থেকে খানারর নির্মাণ)	১৬-নাহল ১৬-নাহল	107	90br		a) was	100	1
				योनूरक चामा श्रेष (गमा स्ट्रं)	৩২-সাজ্বা	53	2005
বাণান থেকে রাসূল ন.এর খাওয়া প্রনত	২৫-মূরকান	ъ	৭৮২	নিসমীনকে থাক দালে উৎসাহ দেয় না (বিচায়লিকের অধীকারকারী)	১০৭-মাউন	٠	3008
				90			

ক্ষা প্ৰায় প্ৰায়	न्त्र नः चना	4113	199	नव अस्ति तिस्ति (विस्ति (विष (विष (विष (विष (विष (विष (विष (वि	नुहा के छनान	400	101
थाना (पूर्व गृक्षा त्यात्य)				বুলে রাখা			
মিসজিদকে বাদ্য দান (ইহরামে পক হত্যার কাফফারা)	৫-মরিদা	26	695	কাপড় (অভিবিক্ত কাপড় খুলে রাখার লোঘ নেই, বৃদ্ধা	<b>५8-मह</b>	90	900
ত্বিসঞ্জিত্ত খাদ্য দানে পরস্পরতে উৎসাহিত না করা	১৯-কাছর	30	3055	नडीर)	48-48	90	400
হিস্তিনদেরতে খাদ্য দিত না মাহাল্রমিরা	18-মুদাছছিব	88	252	গোশক বুলে রাধার সময় ঘরে প্রয়োগ অনুমতি প্রহণ	५८-मृत	av	900
	৫-মাছিল		62.7	A.	-2-		-
মুমিনদের থাকা কিতাবপ্রাপ্তদের জন্ম হালাল		2		37	. 6	-	
ভূবকায়কে খান্য দেৱার পূর্বেই খান্নের ধান্যা জানারে ইউসুফ জা	১২-ইউসূচ্চ	09	660	বিত্ৰে (পুলিমত বিয়ে করা ও ইয়াডিম মেয়ে প্ৰদৰ্শ)	8-मित्रा	9	260
লক্ষ্য করে উচিত মানুষের ,তার বাল্ডের প্রতি	bro-জাবাদা	48	2009	রী পুশি হয়ে মেধরণর বিষ্টুটা খানীকে ছড় বিলে জ দেয় যাবে	৪-নিগা	8	264
শন্য হতে থান্য গ্ৰহণ প্ৰসঙ্গ (মানুৰ ও বালিপতৰ)	৩২-সঞ্ল	29	1405	বুশিমনে (আরো দেবুন ক্ষেন্ত্র শব্দটি)			
ৰাদ্য ৰাভয়ানো				মোহরানা প্রদান স্থেতিক খুলি মনে মোহরানা প্রদানের			
বস্তাহর সম্বাধীর মধ্য মিসকীন/ধনী/ইয়াতিমকে বাদ্য বাওয়ানে(লন	%-সাহর	-	354	Rofe)	8-मिना	8	660
	২৬-ক,জাবা	95	9393			_	
ইবরাহীমকে প্রতিপাদক বাদ্য দান করেন	40-9 400	120	594	বেছর			_
चामध्यस्			-	উৎপদ্ৰ করেন আল্লাহ (যমীদে), ভোগাসামগ্ৰীছপে	৮০-আবাদা	52	200
ইলাহদের খলচাংশ ল করার ব্যাপারে (ইবরারীম আ.এর প্রস্র)	৩৭-সাক্ষাক	97	5.92	কহে কহ বেছববিশির (উৎপদ্র, বৃষ্টি বর্থণ থাবা)	৫০-কৃষ্	20	255
খানাপৰ্ণ পাত্ৰ				কছে কছে (সুউজ খেল্কর গাচে)	৫০-কৃষ্	20	255
জনতীৰ্ণ (ঋনুপূৰ্ণ পাত্ৰ জনতীৰ্ণ কৰাৰ প্ৰাৰ্থনা কৰেলে ঈশ)	৫-ময়িশা	228	698	জাপ্রতে ফলমূল, খেকুর ও আনার থাকবে	৫৫-রাহ্মান	60	383
আমাশ থেকে পাত্যপূৰ্ণ পাত্ৰ অবচরণে সাক্ষম কি উপা		770	100	টাটকা বেলুর ফেলবে, মরিয়মের জন্য (বেলুর গাছের কাও)	১৯-মারইয়াম	2.0	900
	৫-মারিলা	225	669	ৰাগন (রামূল স. এর জন্য বেজুর-বাগন না হলে ইবান জনবে	-		
জা.এর প্রতিপাদক		-	-	श व्यक्ति।	১৭-ইস্রা	92	457
ধান্য ও পৃষ্টিবিদ্যা (দেখুন পরিশিষ্ট-৪)			$\perp$		5.5	-	
খাদ্য শস্য				বাগাল বানিয়েছেন আহাৰ, মৃত ক্মিতে	৩৬-ইয়াসীন	<b>48</b>	100
বিভিন্ন খাদের খাদ্য শন্য আল্লাহ নৃষ্টি করেছেল	৬-আপু'আম	282	930	বাগান (খেকুর বাগান সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ, বৃষ্টির মাধ্যমে)	২০-ৰূ'খিবুৰ	75	969
			100	বাগান (ধেকুর বাগানের উপমা)	২-বাকুরো	2,66	200
খানুাস/শরতান		-	-	(शब्द रीहिर प्रास्त्रप			
যদির (প্রয়োলনানারী পদ্ধানের অনির থেকে অন্তর চারার)	228-HIR	8	2006	অধিকারী নর আল্লাহ ছায়া কেট (খেছুর অটির		-	i
পাবার					৩৫-ফাতির	30	189
অনুমতি (মনীর ঘরে কবর এইটোর অনুমতি পোল প্রবেশ করা ঘরে)	৩৩-জাহবাব	20	brob	कारहरश्रत)	_	_	-
আদা মুদা আ.এর নির্দেশ সমীকে, সকালের খাবার আদার)	১৮-কাহ্ব	63	900	ভূপুন (খেলুর বীচির আবরণ পরিমাণও ভূপুন করা হবে না)	৪-মিসা	258	હ ૧૨
উথয়েরের পাণার একশ বছর পরও বাসী না হওয়া	২-বাকুরা	323		থেন্তর পাছ			
		8	2008	আবরণবুক্ত খেলুর গছ ও ফলমূল আছে পৃথিবীতে	৫৫-রাহমান	22	beb
কুরাইপদের ভূথার সময় আস্তাহ ধাবার নিরেছেন	১০৬-বৃহাইশ			উলোটিত কেনুর গায়ের মত আন জাতিকে উপরে উঠিয়ে নিকেশ	৫৪-কামার	40	309
ভূধায় থবার দিয়েছেন আল্লাহ (কুরাইশলের)	১০৬-চুরাইশ	8	2008	উল্ভা (অপ্তাহ দুটার পানির মাধ্যমে বেছুর গছ উপন্ম বয়েল)	১৬-নাহল	33	900
খাওৱা (থাৰার খেড পূর্বে প্রেরিড রাসূলগণও)	২৫-ফুরবাদ	₹0	950	কান্ত (বেছার গাছের কান্ডে নাড়া দেরার নির্দেশ, মরিরমকে)	১৯-মারইয়াম	40	900
থাওৱা (থাবার থেতেন মানীহ ও তার মা নারইরাম)	৫-যবিদা	92	690				
দ্বীদের খাবার খাওয়া (মান্বীয় বৈশিক্ত প্রসঙ্গ)	২১-সাধিবা	ъ	920	বার (বেল্পুর পারের করচের নিকট অস্থ্রা।এহশ করল মরাইরাম)	১৯-মারইরাম	২০	900
দ্বীর হরে থাবার বেয়ে কথাবার্তায় মূপঞ্চল লা হওয়া প্রসঙ্গ	৩৩-আহ্বাৰ	20	brox	কটা (ইন্নিলের পেকুর গছ কেটেছে যুদ্দির অল্লাহর অনুসরিটে)	6.9-2045	e	200
মিসকিনকে খাৰার খাওয়ালো (যোমার ভিনিয়া)	২-বাকুরো	39/8	650	বাছ (বাল লাপ্রদায়ের কর্ম্মের ব্যক্তর পারের বার্যার মত হয়)	৬৯-যালার্	٩	9.45
হাপাপ (সৰ গাবার হাপাপ ছিল বনী ইলবাসিদানের অন্য)	৩-আলে ইমবান		282	কাছ (বেন্দুরের কাছে মানুকরদের কুশবিদ্ধ করার ঘোষণা)	२०-ड़ा-वा	93	980
	Grand date.	100	404	তাদি (বেছর গছের কুলর কাদি বৃত্তির মাধ্যমে উংগর করা)	৬-আনু আম	88	600
খাবার প্রহণকারী		_	-	দিলান (কেন্দ্রর গায়ের কল সেতে মানত তৈতি/উত্তম মিথিক-প্রতর্শ)	১৬-মাহুপ	69	900
स्त्रम (चन्द्रशास्त्रसरीर <b>बन्द स्</b> त्रम, मृत्य/मृञ् <del>बद्ध।</del> दनरिण वक)	৬-অদ্ভাম	784	670	निवर्गन (वृत्ति कर्ता एकहर शहर केरण्य एवस विवर्गनेनामस कर निवर्गन)	29-stda.	22	900
খাবার চাওয়া				পতিত কোনে গায়ের বাজাে মত হয় (আল সম্প্রান্তরে ভাষার)	50-51615	9	200
মুসা ও বিজির আ.এর (জনপদের অধিবাসীদের নিকট)	77-9150	33	903				
-				ফল (থেছুর গাছের ফল থেকে মাদক তৈবি)	১৬-শহন	હવ	90%
খারাপ (আরো দেখুন অলীল শব্দটি) কষ্ঠারর (গাধার সর সরচেয়ে গারাপ, কষ্ঠারর নিচু করা প্রসঙ্গ)	AL-WARRY	72	bille	বৃত্তির পানির মাধানে আল্লাহ গেন্ধুর গাছ, উৎপন্ন করেন	১৬-নাহ্দ	22	900
				বেটিত জাতের ৰাখাদ (পু'ব্যক্তির দীয়াদ ও কুনবীর দৃষ্টার প্র:)	১৮-বাহক	વર	929
নক (সম্ভাগনত বালে নক বহে তাওৰ কালে কম কর হবে)	35-শsর্শ	222	950	শার্মার্বনির ও শার্মারহীন খেজুর গছে রয়েছে (পৃথিবীতে)	১০-রাদ	8	Syb
पाना				সৃষ্টি (অল্লাহ থেকুর গাছ সৃষ্টি করেছেন)	৬-আন্'আম	787	650
বন্যা (ঋপার কনাতে বিয়ে করা বৈধ)	৩৩-আহ্বাধ	60	৮০৭			-	1
ঘর (থালার ঘরে আহার করাকে কোন দোষ নেই)	२8-मृद	93	452	বেল্বর বাগান		101	424
বিয়ে (পালাকে বিয়ে করা হারাম)	8-90H	20		কোনল গুলাহ বিশিষ্ট পেন্ধুর কাবনে মানুলকে ছেড়ে দের এগস	५७-०,ब्राह्म	782	1200
		1		বেজৰ বীভিব মধান্তিত সঁতা পরিমাণ/সামানা)		1	1
পাট জীবন (বৃটি হাড়াই আকাশ উঠু করেছেন আল্লাহ)	১০-র'ব	1	999	পেছৰ বীনিত্ব মধ্যত্বিত সূঁতা পৰিমাণ(সামানা) কুনুৰ (পেছৰ বীনে মধ্যত্বিত সূত্ৰ পৰিমাণ কুনুমণ্ড কৰা তালা)	8-निम	85	250
শত খুঁটির আশুর প্রকাশা করলেন পৃত্ত আ.	22-gw	300	990	জুপুন (সামাণ্যংগজুব বীজি মধাছিত সূতা পরিবাণত জুপুন হরেল)	8-निमा	99	266
	22.7.	100	1010				1
খ্যুক্ত দেয়া অঞ্চিপ খুলে দেয়া হবে (শিকাম ফুঁ দেয়ার দিন)	৭৮-লব	22	2002	কেন্দ্রের ভাল	०५-देशजीन	0%	p.68
जानमा पूर्ण रचना बर्ड (गानाम पूर्णमाहित । गर्म)				পুরুত্তন ক্ষেত্রর ভাচেও আরুর ধরণ করে র্নন (শের মনবিশে)	V0-KN11H	-00	458
प्राच्यत बूटन तमा यहन विसामहत, कार्रे मानुस्तर नृति शहर शब्द	६०-ब्रिक	55	950	CNCG CHEE		_	1
ইয়াজুজকে পুলে দিলে লৈ উচ্চতৃত্বি থেকে চুটে আলবে (নিয়ানতে)	२১-व्यक्तिया	36	986	প্রতের দেয়া স্ক্রীতে সম্প্রতার স্মীনে হতে থেকে নেরার নির্মেশ (ছানুদ মাতি রানস)	22-£4	68	693
3(4)				পরিজনকে যে মানের থেকে দেরা হর মিসবিনকেও অপ্রণ	৫-মার্থিদা	44	627
সরজা (অপরাধীদের জন্য আকাশের নরজা পুলে দেরা)	30-fq#4	28	695		_	r í	1
দুরার (করিদ শান্তির দুরার পুলে নিলেন আল্লাহ)	২০-মুমিল্ল	33	110	খেলত	-	H	
মানুন্দকে পুলে দিলে সে উচ্চপুনি থেকে চুঠে আদরে (নিনানকের পূর্বে)	২১-আবিরা	36	986	আমানকের থিয়ানক করা নিকেধ (পরস্পারের মধ্যে)	৮-আনক্ল	29	608
शंक (क्रमा				অক্সাহ ও রাসৃষ্ণ স. এর সাথে বিয়ানত করা নিয়েখ	৮-আনকাল	53	608
প্রতা কোনা নির্দেশ, মূদ্র আ,কে (কুর পাহাড়ে অপ্রাহর দর্শন এসঙ্গ)	30-781-18 <sup>†</sup>	32	183	অস্ত্রাহর সামে বিয়ানত করেছিল (বনরযুদ্ধের বন্দিরা)	৮-আনকাশ	93	90%

ত্ৰপৰ (বাল কৰা	4		C	য়েনহ	114)			
ত্ৰন্ধান কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব	শব্দ কে বিবয়/প্রসদ	<b>可能取出用</b>	1000	198	AT ROLLING	महाक चना	NO.	-
তৰ (বাল্য কৰা সকলে । বাল্  বাল্য কৰা সকলে । বাল্  বাল্য কৰা সকলে । বাল্য বাল				-				393
িয়ন কৰিব নামৰ কৰিব নাম	দেখা (খেয়ামত দেখা যাবে সৰ্বদা বনী ইসৱাইলামৰ যাবে)	<i>ल-</i> बाविना	>0	040			-	
হাৰ্মণাৰ ব্যৱহাৰ কৰি নিয়ন্ত লোকৰা বা বৰ্জা কৰি সুক্তিৰ কৰি নিয়ন্ত লোকৰা বা বৰ্জা কৰি নিয়ন্ত লোকৰ						A. State	3343	400
								647
ত্ৰেপ্ৰভাৰত নিৰ্ভিক্ত কৰা						desident.	400	602
িক্তাৰ বিশ্বনাৰ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি		00-1158-1		13.5			-	μ.
Transport   Content   Transport   Transp		a Cons		-				49.7
জন্মতার (বিজ্ঞান কর্মা) কর্মানিক কর্মার কর্মানিক কর্মা						8 <b>४-सा</b> ठ्य	24	220
স্বাল্যক প্রক্রিক স্থান কর্মান্তর								
Control (Colores)   Colores   Colo					ইবাহ (খোদাই করে তৈরী ইবাহদের উপাসনাং)	৩৭-সাড্জাত	36	3,93
তালৈ প্ৰতিষ্ঠিত কৰে কৰা কৰা কৰা কৰিব কৰিব কৰা কৰা কৰিব কৰিব কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰিব কৰা কৰিব কৰা কৰিব কৰা কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰা কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰা কৰা কৰা কৰিব কৰা			er		খোৱাত প্ৰস্তুতকারী			
Control (1999   1999	তালবানা (আল্লাহ খিয়ালতকায়ীকে ভালবাসেন না)	২২-হাজ	¢≽	963	তুল পোনা প্ৰেক্তনটো কালে কান্ত যাত হয় পেল মুক্ত		_	
তাৰ certain — কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰ	খেয়ানত (চুজিভঙ্গ)		[		সংক্রেড্র)	GR-diald	0,3	300
তাৰ certain — কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰ	আশহা (নিয়ানতের অশহা হলে, বেনে সম্প্রকারের পক থেকে)	৮-আনকাল	Q'y	609	খোলা (আরো দেখন ইনাজ সম্বাট)	_		
মান্ধন কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব						A. 1997	93	599
হিন্দুল যে নাম		A. Petre Street	3300	444				
ত্ৰিক বাব স্থান কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব								
ত্ৰিকাৰ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি						৯২-২৬সূঞ	.00	69.5
The control of the							-	-
ত্ৰকাণ বিশ্বনিক বাবে লগতে নাম্বাৰণ কৰিছে হয় । ১৯ নিজ বাব প্ৰকৃতি (তেলু- এবাৰ পৰ্যা) প্ৰস্তুত্ব (তেলু- এবাৰ পৰ্যা) প্ৰকৃত্ব (তেলু- এবাৰ প্ৰকৃত্ব (তেলু- এব					শতনান (বেলা বাদ্য শতনান ও সূত্ত্ব চলু আছে পুৰ্বেতে)	৫৫-রাহ্যাল	25	308
स्त्र स्वत्य (विकार सहाय करहा करण संवाय का					গঁকৰ (দেখন ক্ৰোধ শব্দটি)			
তেনে সভাৰ প্ৰত্যা কুলি ক্লিবিল্ন কৰ্মা কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব							-	-
্ৰুক্তিয়া বিশ্ব বেজনাৱনৰ মান্ত্ৰ ক্ৰিয়া বিশ্ব বেজনাৱনৰ মান্ত্ৰ ক্ৰিয়া বিশ্ব বেজনাৱনৰ মান্ত্ৰ ক্ৰিয়া বিশ্ব বেজনাৱনৰ মান্তৰ ক্ৰিয়া বিশ্ব বেজনাৱনৰ মান্তৰ ক্ৰিয়া বিশ্ব বেজনাৱন মান্তৰ ক্ৰিয়া বিশ্ব		8-मित्रा	45	660			-	_
চিক্ত কৰা সম্পাদ কৰা	থেল-তামাশা (আরো দেখুন চিরবিনোদনমূলক/তামাশা শব্দটি)							
চিকাৰ কোনাৰ কাৰ্য্যৰ কৰিছে । এনাইছৰ ।		৪৭-মূহাম্মন	96	976				205,
Cell	বীনকে খেল তামাশা হিসাবে গ্রহণ করেছে দারা	৫-মার্যলা	23	25-3	সূদ্ধ করা (আল্লাহ মানুবের গঠনকে সূদ্ধ করেছেন)	৭৮-পাই্র	5.5	220
দিবাৰ বি কৰা আৰু কৰা	ধীনকে খেল-ভামাশারণে প্রহণ করেছে কাঞ্চিররা	৭-মা'রাক	62	250	গচিতে (দেখুন আমানত শখটি)			
ক্ৰিকাৰ কৰা আৰু কৰা	খেলা				গতিমসি			
াৰ্থিকাৰ কিবলৈ কোনা বাৰুল কোনা কৰা কৰা কৰা কোনা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰ		ক,মাজিল	o'w	01-9		8-Fint	12	292
						५-वाकास	26.3	208
্থিনাৰ বিশ্ব বে নেবাৰ পৰিছেল বিশ্ব							-	-
			-	2000		No. William	10	944
্ৰক্তিয়াৰ কীপা কোনাবাৰ আৰু প্ৰকৃষ্টি বা ১৯ ১৯ বছৰ প্ৰকৃষ্টি বা ১৯ বছৰ প্ৰকৃষ্টি বা ১৯ ১৯ বছৰ বা ১৯ বছৰ বা ১৯ ১৯ বছৰ বা ১৯ ১৯ ১৯ বছৰ বা ১		৫৭-হাদীন	20	200		40-8 INT	28	100
তুলিকা কৰি কেনাকাৰৰ বাছ চিকুৰি বা ১৯-কাল্বৰ (১৯ ১২) ক্ৰিয়েৰ কৰি কেনাকাৰৰ বাছ চিকুৰি বা ১৯-কাল্বৰ (১৯ ১২) ক্ৰিয়েৰ কৰি কেনাকাৰ বাছ চিকুৰি বা ১৯-কাল্বৰ (১৯ ১২) ক্ৰিয়েৰ কৰে কেনাকাৰ বাছ চিকুৰি বা ১৯-কাল্বৰ (১৯ ১২) ক্ৰিয়েৰ কৰে কেনাকাৰ বাছ চিকুলি কৰি কৰে কৰে কৰি কৰে কৰে কৰে কৰি কৰে কৰে কৰে কৰি কৰে কৰে কৰে কৰি কৰে কৰে কৰে কৰে কৰে কৰে কৰি কৰে কৰে কৰে কৰে কৰি কৰে কৰে কৰে কৰি কৰে কৰে কৰে কৰে কৰে কৰে কৰি কৰে			-				-	_
্ৰথিকাৰ বিশ্ব কোনাবাল বাছা বিছ বা								920
केटन हम जान कर						৫২-ভূর	45	3/50
िक्षण कर कार क्षण कर कार क्षण कर कार कार कार कार कार कार कार कार कार								
্ৰহ্ম বাধ্য বিশ্ব কৰা কোনৰ কৰা হ'ব কৰা						১৯-মারইরাম	b/8	980
Procedure of the control of the co				ઉલ્ટર	আল্লাহ গপনা করে রেখেছেন (মূপভিকদের)	১৯-মারইয়াম	248	180
\$\frac{1}{2}\frac{1}\frac{1}{2}\frac{1}\frac{1}{2}\frac{1}{2}\frac{1}{2}\frac{1}{2}\fr			22		ইনত গানার প্রয়োজন নেই (ব্রীকে স্পর্শের পূর্বে ভাষাক নিগে)	००-व्यव्याद	8%	४०१
্ৰপ্ৰতিকাৰ নাম্প্ৰ কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰ	মুনফিবরা খেল-তামানা ও অনর্থক কবার লিঙ ছিল	৯-কাভবা	95	686	চল্ল-সূর্যকে গর্ণনার জন্য বানিয়েছেন (সাল্লাহ)	৬-আপু আম	26	900
প্ৰক্ৰী কৰা (প্ৰক্ৰাৰ বিশ্ব কৰা কৰা কৰি কৰা)  - কৰি কৰা কি কৰা কৰা কৰা কৰি কৰা	মুপরিকদের খেলা/অবকাশ প্রসঙ্গ (কিয়ামত পর্যন্ত)	৪৩-বৃৎক্তব	300	2007	লোমত (সপ্তান্ত লোমতের সংখ্য গদল করে নির্দিয় করা যাবে দা)	১৮-নাহৰ	34	908
Compare   Comp	পান্তি আসা (বেশায় মন্ত্ৰ থাকা অবস্থায় শান্তি আসা)	৭-জারাক	by	663				636
करने बहार क्षेत्र विकार क्षात्र कर	CANIBAL							628
স্থান (প্ৰতিপাৰ পৰ ক্ষম কৰা বিপাশ কৰামান্ত্ৰপান) ১০ কৰিছে ।		24-95	34	252				962
ুল্ল ( হৰুৰে বনুধনি আছন কৰ্মানাৰ নাম কৰি নাম								900
ুন্দি (বছৰা আনা-পূৰ্বনি দেশায়নে পৃষ্টি আনান্ধান)  - ১৯-বিছেল ১ ১০ বছৰ								365
Compare   100   Compare   10								
हिनुवार का यह दारावार कराव कराव कराव कराव कराव कराव करा		(J11/5)	-0	120		ano-Kaldi	1	3000
তৰিৰ স্থাৱাৰ নুলৰ অনুসৰন পৰ্যাই।  ক্ৰেন্তি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰ		L Street			গুণনাকটো			_
চাপ্ত (কাৰ প্ৰয়ো ৰাখ কৰা দিনে (কাৰত সাধান কৰা স্থান কৰা হিনাল) বিশ্ব কৰা		24-4050	<i>3</i> -ર	41.0		২০-য়ু মেপুদ	220	190
পৰ পুৰুষ কৰাৰ প্ৰতিকৃতি নিৰ্দেশ কৰাৰ কৰাৰ প্ৰত্যা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰ				$\vdash$	ग्वस्यात्राच			
1						২-বাকুবর	po	409
পানি বিৰু অনুষ্ঠিক সং কৰি পানি বিৰু আৰু প্ৰকাশন্ত হৈ পানি কৰি প্ৰকাশন কৰি প্								<b>\$20</b>
পানি কৈ ব্যক্তি ব্যক্তিক বা বৰ্ণক পানি কোনা, ব্যক্তি কৰা, কৰা, ব্যক্তি কৰা, কৰা, ব্যক্তি কৰা,		8-9PM	108	6.92		৩-আলে ইমরান	28	450
ত্ৰিকাল কৈ যে ব্যৱহাৰ কৰা প্ৰকাশন কৰিব কৰে। ১৯ ১৯ ১৯ ১৯ ১৯ ১৯ ১৯ ১৯ ১৯ ১৯ ১৯ ১৯ ১৯		২৭-নামল	20	bos	দিন (পাদাযোগ্য দিনে অক্সাধ্যক স্কাণ, আইয়ামে আপ্রীকে)			220
Secret circum et any record)   5-amps and 524 or 5   10 or 5	ংবিশালক বৌদ্ধ করা (অক্সাহ ছারু সদ্ধ প্রতিশালক বৌদ্ধ করা)	৬-আণ্'আম	268	925		33-RH	308	690
স্থিয় বিজ্ঞান (ক্ৰেপু ন এ জনবাৰ সিন্ধি বিজ্ঞান কৰেতে কৰা) কৰাৰ ক্ৰম তথ্য ১৯ বিজ্ঞান কৰিব টুটিনাৰ (ইন্ডেম বিজ্ঞান কৰিব টুটিনাৰ)) বিজ্ঞান কৰিব টুটিনাৰ (ইন্ডেম বিজ্ঞান কৰিব টুটিনাৰ)) বিজ্ঞান কৰিব টুটিনাৰ (ইন্ডেম বিজ্ঞান কৰিব টুটিনাৰ) বিজ্ঞান কৰিব টুটিনাৰ (ইন্ডেম বিজ্ঞান কৰিব টুটিনান কৰ	দিমারক খোঁজ করা (আপ্রাহ ছাড়া অন্যকে)	৬-আনু'আম	228	909		-	-	
সুক্রম বিষয় করা (রাজুস স, কে কুগতে সুকুম বৌষ করতে করা) ৬-কার্ম কাম ৩৫ ৫১৯ মাখা (বাক গছা করত বাচনতে (জাবার্যমির বুনিয়াকে) ৩৮-সোসাদ ৩২ ৮৬৮ ট্রী ও দার্মী হার ক্ষান দর্বী থেকা হার তারা নীকোকতকারী ২০-মুন্দিক ব ৭ ৭৬০ মুক্তিনারবাকে গছা করতেন না ব্যৱহার কণরাবীনের বত ৩৮-মুখামে ৩৫ ৯৭	সিভি খেল করা (রাসল স. তে আবংশে সিভি খেল করতে বলা)			699		10 99	10	112
স্ত্রী ও নাসী মারা অদা দাবী থেকে থবা জারা সীমাগকলকারী ২৩-মু মিনুদ ৭ ৭৬৬ মুসনিমনেরকে গত করকে না অক্লাহ অপরাধীনের মত ৬৮-মুগাম ৩৫ ১৭								
Z 1 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2								
269			•			00-84(1)	oğ.	010

ত্ৰাক কৰি মান্য কৰি	The Section of the Se	有意味专用名	Water of	1	न्य दिस्त/क्षेत्रक	7日歌 6 聖明	WEST TO	পৃষ
हर्के पहिल्ल पर्याप कर पर प्रकार का सहार के 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10						৩-আলে ইমরান	59.	604
स्कृत के ता वास्त्रक माने यह (क्रिकेट का वास्त्रक का वास्त्रक का विकास का वास्त्रक का विकास का वास्त्रक का वास्त		th-Ottely	21-	269	আপ্রাহর নিবট সবলের গভগাছল	৪২-পূরা	14	695
ভ্ৰমণ্ডিক নিয়ন্ত না মান্য কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব			60	9973	আল্লাহর নিকেই সকলের গস্তব্যস্থল	१०-कृष	80	328
क्रण कर का बहुत कर करके क्रिकेश कर विशेष के प्राप्त कर			37	1694	আক্লাহর দিকেই গড়ব্যহুগ	৫-মারিদা	35	200
स्व का का क्ला ( क्ला का का क्ला का	प्राच्या कर कर कर पर प्राप्त प्रतिकार के प्रतिकार की प्रतिकार		27	3oh	আল্লাহর বিকেই মানুষের গড়বাছন	৬৪-কাগারুন	0	266
स्कार असे केंद्रित होता कर राज्याचा स्वार्थिय केंद्रित		04 -01-01	-			२8-नव	82	997
		\a.200		634			224	693
স্থান ( ক্রিপ্তার কর্ম বিশ্বর পরি বার্চার কর্ম ব্যাহার ( ক্রিপ্তার পরি কর্ম বিশ্বর পরি ক্রম বিশ্বর পরি কর্ম বিশ্বর পরি ক্রম						৬৬-ভার্তীম	ъ	696
						२२-शंक	92	998
999)  - তেনু বিশ্ব বিশ				-	নিবট্ট গ্রহাছল কাহিবদের কন্য (কাহান্নাম)	৬৪-জাপারুন	30	৯৬৭
कर्णने (सहार का द्वार कर क्षण कर का क्षण कर		२-शङ्खा	708	674	নিকট গছবাছল, কাফিয়নের (কাহান্রাম)	২-বাকারা	346	678
ি নিয় নি বি		3 V. Perfyrer	101	929	দিক্তর গরবাহল জাহারাম	৯-জাওবা	90	689
					নিকট গছবাছদ জাহান্তাম (কাভিয/মুনাধিক প্রসঙ্গ)	৬৬-ভাহৰীম	ъ	242
स्त ( कारण के प्रकार क्रांक क्ष्म क्रांक क्ष्म क्रांक क्ष्म क्रांक क्ष्म क्रांक क्ष्म क्रांक क्ष्म क्ष्म क्रांक क्ष्म क्						৪৮-ফাত্য	6	979
पूर्ण का कारण त्याचन कराय स्वाराज्य के अपला कराय के अपला कराय का विकास कराय के अपला कराय कराय कराय के अपला कराय कराय कराय कराय कराय कराय कराय करा						০-আলে ইমরান	265	662
हुन कर कहिन क कहुन कर कर कर कर कि का कुन कर कहुन कहुन कहुन कर कहुन कहुन कहुन कहुन कहुन कहुन कहुन कहुन					নিকট গডনাছল আহান্রম	৬৭-মূলক	0	284
हुन कर देश कर प्रकार का व्यवस्था कर ना कर					निकडे शक्ष्यापूर्ण स्वादाहाय	৫৮-মূজাদালা	ъ	200
ব্ৰদ্যকাৰ প্ৰকল্প কৰিব সৈন্ধাৰ কৰিব সুন্ধাৰ কৰিব সুন্ধ					প্রতিপাদকের কাছেই সবার গছবাছদ	२-वादुवदा	546	0.08
মন্ত্ৰী (আমান কৰিব ব্যৱহা, নুলিন কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব						৬০-মুমতাহিশ্য	8	>2₽
কৰ্ম ( हिर्म कर वार्य के वार्य के वार्य के वार्य के वार्य कर के वार्य के वार के वार्य के वार वार्य के वार वार					प्रम शंकराष्ट्रण मोरांश्चम	৪-নিসা	224	643
स्त्री होसिक पर प्राच पर स्त्री केवा पर प्राच होसा होसा है। इस स्त्री केवा प्राच पर स्त्री केवा प्राच प्राच पर स्त्री केवा प्राच पर स्त्री केवा प्राच पर स्त्री केवा प्राच पर स्त्री केवा प्राच पर स						২৫-ফুরকান	34	950
নিবাৰ পাৰ্যন্ত যা কৰা নামেৰ হা বাসুনা নিবাৰ পিছতা   এনাল বিবাৰ পিছতা   এনাল বিবাৰ পাৰ্যন্ত নিবাৰ পাৰ্যন্ত নি								
						ch-tale	00	293
स्तर न द द्वार का क्या क क्या का क्य							200	
स्त्र स्वत्य प्रश्न का काल क्ष्य								
प्रश्न हर्प विद्या के प्रश्न के प्रभ्न के प्रश्न के प्रभ के प्रश्न के प्रभ के प्रश्न के प्रभ के प्रश्न के प्रभ के प्रश्न के प्रभ के प्रश्न के प्रभ के प्रश्न के प्र								
মি (বাহিনে কা প্ৰকল্প বিভাগ বিশ্ব কৰে সংগ্ৰহ কৰে সংগ								
स्वित निर्माण वहार करिया व रहा भाग व वर्षवार कर के प्राथम । ১৯৯ वर्ष । स्वित निर्माण व वर्ष प्राथम विभाग्य कर के प्राथम । ১৯৯ वर्ष । स्वित निर्माण व वर्ष प्राथम विभाग्य कर के प्राथम । ১৯ वर्ष । स्वित निर्माण व वर्ष प्राथम विभाग्य कर के प्राथम । ১৯ वर्ष । स्वित निर्माण व वर्ष प्राथम व व्यवक्ष विभाग्य कर व व्यवक्ष व वर्ष प्राथम व व्यवक्ष व व्यवक्ष व व्यवक्ष व व्यवक्ष व व्यवक्ष व वर्ष प्राथम व व्यवक्ष व व व व्यवक्ष व व व व व व व व व व व व व व व व व व व								
ত্ত্ব ( श्रिष्ट कर विकास कर विकास कर								
মানা কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰিব কৰাৰ কৰে কৰাৰ কৰে কৰাৰ কৰে কৰাৰ কৰাৰ কৰ		२०-झ-श	259	983		-		
মুখন বিশ্ব কৰা আমাৰ বিশ্ববাহন কৰা		20,37,37	33	989		৫-মারদা	96	695
প্ৰকল্প নিৰ্মাণ কৰিব কৰে নিৰ্মাণ কৰে			209		ৰাৰ্য গ্ৰহণ (গৰানিপত শুন্য বেকে খাদ্য গ্ৰহণ কয়ে) .	७२-मासमा	29	200
			-	-		২২-হাজ	47	980
19   19   19   19   19   19   19   19		Vo. William	34	0.00		৫-মারিদা	2	@bro
মানুহাৰ কৰিব (বিজ্ঞান বুলান বাহুবাৰ আনুহাৰ কৰে)  - ১-নালগৰ ১)  - ১-নাল						২০-ত্বা-হা	28	988
হলে (প্ৰকল্প বাৰ ভাৰতে হলে পাৰে কৰে কুলি প্ৰকল্প কৰে কৰে কুলি বাৰ ভাৰত কৰে কুলি কুলি কৰে কুলি কুলি কুলি কৰে কুলি কুলি কুলি কৰে কুলি কুলি কুলি কুলি কুলি কুলি কুলি কুলি						১৬-মাঙ্গ	pro	90%
নার্থি ক্রিয়ার বাহার বাহার কর্মান ক্রমান ক্রমান ক্রমান কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান					ক্ষেট ও ভারবাহী গরাদি গত সৃষ্টি করেছেন অল্লাহ	৬-আন্'আম	384	630
চ্চিত্ৰ কৰি বুৰি নাজ্যৰ কৰে (কৰি কৰা কৰি কৰে) ১৮-ছব ১০০০ ১৮ জনত কৰে কৰে কৰে কৰি কৰা কৰা কৰে কৰা কৰি কৰা কৰা কৰা কৰি কৰা কৰা কৰি কৰা		0.1111	1	100	লোন (আক্লাহ গথানিপত লোড়া লোড়া সৃষ্টি করেছেন)	৪২-শূরা	22	325
পৰিবৰ্ধনি আৰু কৰা নামৰ কৰিব আৰু কৰা নামৰ কৰিব আৰু কৰিব		11.77	25	860	নিবিদ্ধ (গবলি শত ও কেতের কলে বাওয়া, মুশরিকদের			
स्वरुष (वहाद प्रपट) वर्ष विशेष वर्षणा क्षित्र (वहाद प्रपट) क्षेत्र (वहा		22.5	0,5	000	रेक्सपुराडी)	७-वान् साम	200	90.0
পৰি (বাবে প্ৰকৃত্ব কুলা শানী)  ক্লেন্ট্ৰপুৰ জিনা কৰিব কৰে । ২০-বাবে প্ৰকৃত্ব কৰিব কৰিব কৰে । ২০-বাবে প্ৰকৃত্ব কৰিব কৰিব কৰে । ২০-বাবে প্ৰকৃত্ব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি		6 n. trettebe	12	270				
प्रकार महिन्द महारा प्रकार के प्रकार माने प्रकार कर		01-20-41	-	100				
প্ৰতিক (বাবে পুনৰ বুজনাৰ সন্দেশ থাত)  - সম্বাহন বাব বাবে পুনৰ বুজনাৰ সন্দেশ থাত)  - সম্বাহন বাবে বিজনাৰ সন্দেশ থাত  - সম্বাহন বিজনাৰ সন্দেশ থাত		AA ZENET	98	507				
स्वयाद स्वराज कर नीवन दायाद ±50 व. 30 (10) व. व्यावस्था के प्रति हा का व्यवस्था का विषय का व्यवस्था के प्रति हा का व्यवस्था का विषय का व्यवस्था के प्रति हा का व्यवस्था		44-10444	73	204				
ा सम्बाद (विरोध वर्ष का मार्ट्स मुंद्र अपूर्ण ) - ज्यानाम । 10 - 100 -		o Pres	100	413		২০-মু'মিন্ন	52	969
কৰ পৰবাৰ্থে স্থানিক কৰাৰ সন্থানি) ১০ প্ৰকাৰ ১০ তাৰ তাৰ ১০ তাৰ .						৭৯-নারিজাত	00	2008
পাৰত								
िकृत कार कार्याप्त । ১০ ০০০ ।		৮-আনকাশ	639	603				
পৰিছেল পৰিছেল বেশা ২০ নাম নিৰ্মাণ কৰিছে			⊢-					
মান নির্মাণ কাহার্য্য পরিক্রেশ রাজ্য । ১৯-১ছ ম ১ ১৯ ১৪ বিশ্বর প্রক্রেম কর্মার	নিক্ট গম্বব্য জাহান্নাম	৮-আনকাশ	36	600				
মান মূৰ্বিক ভালিবলো নাই বংশক্তি এই ১৯ জিন বিশ্ব বিশ্								
দেশ বাহনাৰ (পৰিবাহন ৰূপ) এ-হুই ব ৭ ৭০০ বিশ্বান বা হাছে বাছি প্ৰত্যা বা হাছে বাছি বাছ বাছ বাছে বাছ								
মান্তব্যবহি নিজ্ঞ সংবাদন করণায়ল								
আপ্রবাহর দিকট সকলের পরবাহাল ২২-আন ৪৮ পান। আন্তাহর দিকট সকলের পরবাহাল ৩১-সুকমান ১৪ ৮২৮ সুরি (আল্লাহ কান্ত ও বর্ষালি গত সুরি করেছেন) ৬-মার্ল আম ১০৬ ৬০৯								
জন্তাহে নিবট মানুষের গরুবাহুল ৩১-পুরুমান ১৪ ৮২৮ বৃটি (আপ্রাহ পরত ও বরালি পত সৃষ্টি বংরছেন) ৬-আন্ আম ১০৬ ৬০৮								
আল্লাহর নিবট মানুদের গরন্যাহল   ৪০-মুন্দিল   ৩   ৮৭৮   হালাল (বাজেনট ছাড়া সং গরাধি পত মানুদের জন্ম হালাল) ২২-হাজা   ৩০   ৭৬১								
	আপ্লাহর নিবট মানুদের গস্তব্যহুল	৪০-মুমিদ	0	595	হালাল (করেকটি ছাড়া সৰ গৰাদি পণ্ড মানুছের ৰুড় হালাল)	২২-হাজ	00	492

शरवस्य	100	

मप विद्याक्षण	সুয়ালং ও নাৰ	10005	् शृक्षा	नम विदय/दामर	नुसान्त क सम	100	198
গবেষণা (চিস্তা) (আরো দেখুন বিশেষজ্ঞ শপটি)				হাওয়ার হাগকা গত ধারণ অবস্থার চলাফেরা প্রসঙ্গ	ণ-জোধাফ	36/h	600
অয়াত কলি (মনুহয়ে গমেকার জন্য অল্লাহ অল্লাত কলি করেন)	২-বাকুরো	266	202	গৰ্ভ (পেট)		П	1
পতীর				মাকৃপর্ত /মারের পেট থেকে আল্লাহ মানুবকে বের করেছেন	১৬-নার্থ	99	905
কুপের গরীরে ইউনুক আ কে ফেলে নিতে একমত হল ভাইটোরা	12-867 <b>0</b>	34	932	গর্ভবতী			
কুলের গরীরে ইউুক্সে নিকেল করতে কাল (ভাইনের একরন)	14-88 <b>7</b> 9	30	699	ইমাক (গর্তবাতীর ইমাত সন্তান প্রসব পর্যন্ত)	৬৫-ভালাক	8	3/69/
জন (গভীর জাতুনর অধিকারীয়া বিশ্বাস করে, দুরুপারিহাত)	ত-জালে ইমরান	1	200	व्यक्तकाक्ष गर्वकरीत यत महान श्रमय गर्यष्ठ श्रामकनारस्य	৬৫-ডালাক	- 6	3469
পানি গভীরে চলে গেলে, কে এনে নেবে প্রবাহমান পানিঃ	৬৭-মুম্বর	00	318	প্ৰকম্পন দেখে গৰ্ভবাৰীয় গৰ্ভপাত হবে	22-0766	1 4	300
পানি ৰাণানের গতীরে চলে যাবে (কাফির বাজির বাগান প্রদাস)	79-ব্যব্দ	83	925	পর্বন্ত সন্তান		1	141
সমূলু (গতীর সমূজের অন্ধর্গারের মত কাফিরদের কান্ধ)	५8-मृद	80	996	গ্রসব (গর্ভবর্তীর ইম্বত গর্ভস্থ সম্ভন প্রসব পর্যন্ত)	৯০-যোগার	8	300
গভীৱতা সম্প্র		-	1	शर्काश्य	02.01.10	10	WOO
অবনে গতিরতানম্পদ্ধ ইক্টোলের সমান (কুরমান/বেণ্ডারত/ইনজিলে)	8-निमा	265	633	গালাকপ্রাক্তার গার্ভাপত্তে বিষয় গোপন করা হৈছা নয়	২-বাকারা	446	236
পদ্ধীৰ বাব			1	र्शित कांच	4.413/201	440	440
অনিষ্ট (ব্যক্তর অনিষ্ট হতে অপ্রেয় চাওয়া-বধন তা গভীর হয়)	220-Bists	10	2006	সাহত কাজ মন্ধবিদে প্ৰবাশ্যে গবিত কাজ (কৃত সম্প্ৰদায়ের)	and the second	H	-
	320-11-21	+×	2000	লুত সম্প্রদারের গহিত কান্ধ (প্রকাশ্য মন্ত্রিসে)	২৯-আনকাৰ্ড	45	2.72
গমন অসার কর্মার পাশ নিয়ে গমন কালে সম্মান বন্ধার রেখে চলে	২৫-পুরবান		-		২৯-আনকাৰ্ভ	435	275
পুরুত্বের বাছে গমন (পুতের সম্প্রনারের সমঝামিতা)		92	959	প্ৰধ:বৰণ		_	_
	২৭-নামল	66	\$08	পুঁজের পানির গলধকরণ করবে উভত স্বেক্সচারী(জাহান্নামে)	১৪-ইবরাহীর	24	698
পুরুষের আছে বামনা চরিমার্থ বরতে গমন প্রদার (পূভ সম্প্রানরের)	न-खा,दाक	9.7	650	গলা (আরো দেখুন গ্রীবাছিত শব্দটি)	1		
পুরুষের নিকট গমন করত স্ত সম্প্রদায় (বৌনকাজে)	২৬-৩'জারা	200	936	আৰু পান্তধের স্ত্রীর গশার পাকানো রশি থাকরে	227-আহার	¢	2000
পুরুষের নিকট গমন (পৃত সংগ্রদায়ের সমকামিতা প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাবৃত	45	PZP	যোড়াওলোর গলায় হাত সুপানো (সুপাইমান আ,এর ঘটনা)	৩৮-দোরাদ	00	494
মঞ্জবাদীরা গমন করে সেই জনপালের নিকট নিয়ে যালের উপর	২৫-ফুরকান	80	948	বুলিয়ে দেয়া (মানুধ যা করে আ ভার গলার বুলিয়ে দেয়া হবে)	১৭-ইসরা	30	914
শসাক্ষেত্রে গমন, যেভাবে ইচ্ছা (স্ত্রীসহবাস রাসঙ্গ)	২-বাকারা	220	656	পাকালে বলি (অনু পাধানের স্ত্রীর গলার পাকালে রলি থাকার)	১১১-লাহাব	Q	3000
সঞ্চন বঞ্চার বেবে গমন করে (অসার কথার পাশ নিয়ে গমন বঞ্চা)	২৫-ফুরকান	૧૨	12-1	বেড়ি থাকৰে (কিডাবকে মিখ্যা অভিহিতকারীদের গলার)	৪০-মু"মিগ	42	<b>VV8</b>
গরম (দেখন উত্তপ্ত শব্দটি)				বেড়ি পরিরেছেন আল্লাহ (কাঞ্চিরদের গলার চিত্তক পর্যন্ত)	৩৬-ইয়াসীন	v	200
गरीर (कसीर)		_	-	ৰেড়ি (গদার বেড়ি পরাবেন আল্লাহ, কাঞ্চিরদের)	ce-शका	00	₹88
আহার করনে (বুল্লে ও গরীন/ক্ষরীরকে আহার করনের নির্দেশ)	44-07mg	২৮	780	মেডি ভোদের গলার বেডি থাকতে, যারা প্রতিপালককে			
দান (ফনীর/গরীবলেরকে গোপনে দান সবচেরে জঙ্গো)	২-ব্যক্তার	273	605	অবিশ্বাদ করে)	১৩-রাদ	8	900
নান (অনুমর্যানাশন্ম ফরীরকে দান, বাকে সাঞ্চল মনে হয়)	5-415051	290	605	মাবার কাপড় গলার উপর ফেলে রাধবে মু'মিল নারীরা	५८-नुब	0)	999
নিকটকন (আপ্রাহ ধনী-গরীব/ফকীর সকলের নিকটকন)	8-शिया	200	938	গলালে			
नारम्मका(त देशक्रिका गण्याः इत्य (श्रीव श्रमनक्रीत सन्)	8-991	9	996	চামড়া গলিত হবে জাহান্তামের উত্তপ্ত পানিতে	22- <b>070</b> 0	20	980
and the second s	0.41.0		440	শেটের সববিদ্ধ উত্তর পালি গলিবে লিবে (অভিব/বিতর্কজরীর)	22-0%	20	980
গক। চর্বি (ইহুদীদের জন্য গক্ত ও তেড়ার চর্বি হারাম করা প্রসঙ্গ)				পূলার অভিকে যার এমন			
্বাই ধ্বনের গক আল্লাহ সঙ্জি করেছেন (পরুৰ ও মানী)	৬-আন্'জাম	789	470	গুলার আচকে বার অমন খাদ্য (পলার আচকে বার এমন খাদ্য রয়েছে জাহান্নামে)	৭৩-সুব্যাধিল	30	20.0
	৬-জান্'ঝম	788	920		10-444114-1	,,,	
পর্জন				গুলায় মালা (কুরবানীর পাত) পতর (গুলার মাথ পারানে কুরবার্তির পত জীকাধারণের অকলচন)	o.आविमा		
শেল (কুলর অধ্যান গর্মন ক্ষতে পলে বিবাহত করীকারকারীর:	২৫-ফুরকান	25	2000	পাচর (গালার মালা পরানো পাচর অবমাননা নিষেধ)	৫-মারেদা ৫-মারিদা	29	695
<u> </u>			1 1		Q-31(94)	٩	600
বস্থ (পর্মনকারী বস্তু প্রেরণের দাপারে দুপরিকর কি নিরাপন্য)	১৭-ইস্রা	69	920	<b>श्रह्म-१७</b> न्द		-	
गर्छ				কাম্পিকা গল্প করতে করতে পিছনে সতে যেত (আলত পাঠ করা ছাপ)	२०-मु"मिन्न	99	990
অধিকারী (গর্ভের অধিকারীদেরকে লংস করা হয়েছিল)	৮৫-বৃদ্ধ	8	3034	<u> १६१</u> न			
আঙলের গর্ভের প্রান্তে ছিল মুমিনগণ (অনৈক্য প্রদাস)	৩-আলে ইমরান	200	985	দিরিশথ (গত্নী দিরিশথ থেকে মানুহরত হক্ষে জাসা প্রসং)	২২-হাজা	29	960
গর্ভবালা		-	-	গাহ (আরো দেখন বন্ধ পদটি)			
প্রক্রালা ধাংস করা হরেছিল গর্ভভয়ালাদেরকে	৮৫-বৃদ্ধন	8	2024	অভিপন্ন গাহটি মানুহের পরীকাশ্বরণ (বাস্কুম গান্ব প্রদাস)	১৭-ইস্রা	60	455
	770	-	2024	जिल्ह्य (शाक्तामा जिल्ह्य) कतात कवारा प्रमुख्य क्रिय मा प्राक्षाद वर्डम)	২৭-নামল	60	pod
পর্ত্ত ফেলে সেরা (গঠনভাঁর গঠ ফেলে নেরা/গর্তপাত প্রদাস, বিসমতে)				বলম (পূৰ্ববিত্ৰ সময় গাছ লেম হলেও অক্সাহত কৰি লেখ দেবৰ)	৩১-পুকমান	29	4,50
মাতৃগতের ভিন ধরনের অভকারে পর্যায়ক্রমে মানুধ সৃষ্টি	55-0186	2	925	থারাণ গাছ (খারাপ বাণীর উপমা খারাপ গাছের মত)	১৪-ইব্যাহীম	46	692
মাতৃগতের তেন বর্মনের অস্তভারে পরায়ক্রনে মানুষ সৃষ্টি মাতগতেঁ ক্রম ক্রপে দ্বিল মানুষ	৩৯-যুমার	ů	2.47	ভাকা (মূনা আ,কে গাছ খেকে ভাকা, পৰিত্ৰ ভূব উপত্যকার)	২৮-কামান	80	200
	<b>१०-गाम</b> म	.05	3/00	নিকটবারী না হওয়া (জন্মতের বিশেব গড়ের নিকটবারী হতে নিকেও)	২-বাকুৰো	02	606
মানী পুটির গর্ডে যা আছে তা হারাম করা প্রসঙ্গ	ও-আনু'আম	784	670	নিবেধ (গাছের নিবর্ট বেডে নিবেধ করেছে প্রতিপালক)	৭-জা'লফ	20	678
মাদী পকর গর্জছ্ যাজ্ঞা প্রদান	৬-আন্'আম	388	650	নিকটবার্টী (একটি গাছের নিকটবার্টী হতে নিকেং, আনমা আ, ও)	4-281,81.0.	38	628
হালকা গৰ্ড ধানুন অবস্থার হাওয়ান চলাফেরা প্রদাস	৭-আ'রফ	79.9	600	প্ৰতিপালক কি গাছ সম্পৰ্কে নিষেধ করেননি আনৰ আ. ও	৭-আ'লড	44	628
শর্মারণ				বরক্তমার মারতুল গছে যা পূর্ব নিকেরও নর পশ্চিম নিকেরও নার	₹8-7/8	00	999
কটের সালে গর্ভধারণ করে মা (হিল মাস)	৪৬-আহ্কাক	76	909	বাল (পায়ন্ত/বাছ মানা ধাল বাধতে নৌমছির প্রতি বহী/ইছিড)	১৬-নাহল	06	400
নারী গর্ভধারণ করে না (আপ্তাব্ধ অঞ্চাতসারে)	৪১-কুদ্দিশ্রত	81	p.go	তাল গাছের মত (তাল বাগী)	১৪-ইবরাহীম	48	692
নবীর গর্ভধারণ জাপ্তাহর জঞ্চাতসারে হর না	৩৫-ফাডির	22	b81	বাৰুম গাছ আহার করবে পদন্তই অধীকারকবীরা	৫৬-ওয়াবিরাহ	23	384
नोडी वा गटर्ड शास्त्र करत जाहार या बाएन	১৩-রা'দ	5	600	বাছতুন গাছ বা ব্যক্তমন্ত্র, যা প্রতিকের নর	Invary		
		28	P32	লাউ গাছ উপাত করলেন আপ্তাহ (ইউনুল আ,এব উপরে)	৩৭-সাফ্সাত	185	V68
মাছের গর্ভধারণের কট্ট (কটের পর কট বরুণ)	৩১-লুকমান						
মারের গভবারণের কর (করের পর কর বরণ) মারইরাম আ, গর্ভেধারণ করদ (দিনা ম্লা,কে)	৩১-ল্কমান ১৯-মার্টবাস						
		32	106	পৃত্তি (আপ্তাৰ পৃত্তি কৰেল আগন জ্বালালের গাছ)  থানগ্রহন গোহের খানগ্রহণ করল বর্ধন আন্তার ব্যা ও ব্যৱস্থী)	৬৬-ব্যাক্সার ৬-ব্যাক্সার	૧૨	986

শব্দ	বিষয়/প্রসঞ্	সূৱা নং ও নাম	यहर र	नुका	र्भम विषय/शत्रत्र	नुबा मर ७ माम	भारत क	नुका
	রা দেখুন উদ্ভিদ শব্দটি)		-	+,-	appr	20 10 - 101	1	100
	্পালা ও ভূগলতা স্বাই সিম্নদারত)	৫৫-রাহ্মান	0	305	ପ୍ରଧାନୀ		-	-
	না আল্লাহকে সিজনা কৰে)	44-20W	32	323	আকাশমন্তলী ভটানো থাকবে আল্লাহর ভান হাবে		-	-
গাছ (যায়কুন)	a significant sees)	11-0-4		10410	(femore)	৩৯-যুগার	69	299
	শহ (ব্যয়নুন) সৃষ্টি করেছেন অপ্তাহ যা	২৩-মু'মিনুন	30	959	আকাশকে পিৰিত কাগজের মত প্রটানো হবে (কিয়ামতে)	২১-জাধিবা	308	101
পাচ	at (ash.) dis appearable att.	५००व । समृत	40	101	হায়ালে হটিয়ে জনেন আল্লহ (তার নিকে)	२१-पृषकान	84	200
				-	পাৰির ডানা ডটিয়ে নেয়ার ব্যাপারে তেবে দেবার আহ্বান	৩৭-মুদ্দর	29	200
	র পাহাড় আল্লাহ তৈরি করেছেন	৩৫-ফাডিব	99	P8P	সূৰ্যকে ভটিয়ে নেৱা ব্যব (কিয়ামতে)	৮১-তাপতীর	3	Soot
গাধা			_	-	विद्य दाचा		-	2000
	व्यवस्तात बन्द (बाह्य,शकत व श्रथ तृति)	১৬-নাহ্শ	b	800	मुनाधिकवा दाठ कडिला वाटन (स्तानकाक (चाटक)	৯-জবো		681
	াধার হাড়ের দিকে পক্ষ্য করা (পুনর্জীবন গ্রসঙ্গ)	২-বাকারা	500	507		8-61041	94	1001
	ভ্রমন সবচেয়ে বারাপ, কভ্রমন দিচু করা প্রসঙ্গ)	৩১-পুকমান	79	250	64		-	-
	রমান মত (যারা অধ্যয়তের দায়িত বছন করেনি)	७२-वृष्ट्रभा	2	865	ইন্যাহীয়, ইন্যাক ও ইয়াকুন আ এর চন ছিল অধিয়াকের সমপ	৩৮-সোরাদ	85	404
তীত-সমস্ত পাৰা	ন্যার (থারা উপদেশ থেকে মুখ ফিরিয়ে দেয়)	৭৪-মুম্বাহ্যির	ĝ0	352	দশক্তন প্ৰতিমান সেৱা হলে (তাল কাজের বিনিময়ে)	৬-আন্'আম	790	634
গানবাদ্য (দেখু	ন অসার কথা/বাক্য শব্দটি)				বৃদ্ধি (বছতৰ বৃদ্ধি করে নিকেন আল্লাহ কর্জে হাসানাকে)	২-বাকুারা	≥8¢	652
গাফিল (দেখন	উদাসীন শব্দটি)				৩৭ বর্ণনা			L
জনাই (মুসা আ এ	त कटिएन गाँधे क्यारेएस कर जहारर निर्मन)	২-বাকুবো	59	60%	আল্লাহর যে গুণ বর্ণনা করে কাফিররা (আল্লাহ তা জানেন)	২৩-মু মিলুন	30	999
মাটিহীন গাড়ী।	হবাইয়ের নির্দেশ (বনী ইসরাইশকে)	২-বাকারা	93	60%	কাভিত্তরা যে ৩৭ বর্ণনা করে জাল্লাহ তা থেকে পবিস্ত্র	২০-মু"মিলুন	>>	993
মাঝরী বরসের	গাতী জবাই (বনী ইসরাইল গ্রসঙ্গ)	২-বাঞ্চারা	60	gov	দুর্ভোগ (আল্লাহ সমক্ষে মিধ্যা গুণ বর্ণনার কারণে দুর্ভোগ)	২১-আধিয়া	72	923
(मंग्रेसन गर्ची	গার্জিকে খেরে কেবল সামটি শীর্ণনার গাড়ী	32- <b>2</b> 679	86	695	পৰিত্ৰ (মুশবিৰুৱা আল্লাহন যে খপ কৰিব করে তা হতে বিদি পৰিত্ৰ)	৬-আন্'আম	200	600
সাচটি ( <b>রজা</b> গ	প্লে বেৰদ, গাঙটি মেটাভান্ধা গাড়ী)	32-88 <b>7</b> 0	80	646	প্রতিয়াল (গরাদি পারে পোটন বারে সম্পর্তে গুণা কনির প্রতিয়াল)	৬-আন্'আম	709	609
	ইসরাইলের নিকট সকল গাড়ী সানৃশ্যপূর্ণ)	২-বারুরো	90	0°00	মূশরিকান কন কনি,শিরক থেকে আরশের অধিপতি আল্লাহ পরিত্র	২১-আধিয়া	22	967
	ী জৰাই করতে বনী ইসরাধলকে নিৰ্দেশ	২-বাকারা	69	90b	তনাহ (দেবুন গাগ শব্দটি)			
গায়েৰ (দেখুন			-		99'91			
	-10 (40)			-	অপবাদ (ওকতর অপবাদ, ইছকের ঘটনা)	28-9≆	36	992
গালি	ছত্ত্বাই শলি দিবে মুশরিকরা (দেবতাকে শলি	-	-	$\vdash$	অপবাদ (মান্তব্যক্তন বিক্রায়ে কর্নী ইন্যান্স্যান্ত প্রকার অপবাদ প্র.)	8-निमा	20%	
निज्ञाः	shier and then Suppose (Suppose, and	৬-আন্'আম	70%	656	ইত্তের ঘটনা গুরুতর (আল্লাহর নিকট)	५8-मृद	24	990
	ার যাকের (মাহলে অল্লাহকেও গালি দিবে)	৬-আনু আম	209	606	কাজ, থিজিরের (মৃদা আ.এর দৃষ্টিতে)	३४-वाइक	93	900
	is about (east) defiction and hist)	G: जॉर्न् जाब	300	900	পাপ (মদ ও জুয়া ওক্লবর পাপ)	২-বাকুরো	472	230
গালিচা					পাপ (আল্লাহর পথ থেকে বিরত রাখা গুরুতর পাপ)	২-বাড়ারা	223	248
	লিয়ের উপর হেলান নিয়ে বসংব (কান্লারীয়া)	৫৫-রাহ্মান	95	384	ক্তিকা ওক্তর পাপ, হত্যার চেরেও	২-বাকুলো	229	248
	रे विश्वरमा थाकरव सम्राहरू)	৮৮-গাশিরাহ	36	7029	বন্ধে যা গোপন করে কাফিররা ডা আরও ওকভর	৩-আলে ইমরান		983
গিরা					বিষয় (ওকতর বিষয়ের অবভারণা করেছে কাফিররা)	३७-मातदेशाम	7.9	380
	ত্তি থৈতি করার নির্দেশ (অক্স্ প্রদঙ্গ)	৫-মারিনা	6	40.7	বৃদ্ধ গুলুবর (হারাম মানে বৃদ্ধ করা গুলুবর পাপ)	२-वाकुरहा	229	
	নকারিণীর অনিষ্ট থেকে অপ্রের প্রার্থনা)	১১৩-ফালাত	8	2006	250	C. often	100	400
গিরিগুড়া					অধিবাসীপৰ অপ্তাহৰ বিস্ফাৰৰ নিৰ্দেশ (অসহতে বাহাক প্ৰসঙ্গ)	79-side	b	948
পলায়ন (পিনিঙৰ	্য পেলে দ্রুত পদারন করনে মুনাঞ্চক/কাঞ্চিরা)	৯-ভারবা	64	686	অবহান অৱেছিল ওহার ভিনশত বছর (আসবাবে করেছ)	72-91 <u>6</u> th	42	926
গিরিপথ					আপুর (আসহাবে করেছের চুককদের গুরুত্ব আপুরের ঘটনা)	72-siés	70	938
	থকে মানুষের হচ্ছে আলা প্রদঙ্গ	<b>२२-</b> शब्द	29	960	অনিৰ যাভা (কোম প্ৰান্তৰ মান্তৰ আন্তৰ্গত আগ্ৰামেৰ'')	29-sián	36	140
	স. কে জানাৰে কিসে, নিমিশৰ কী?)	১০-বাদ্যান	35	7050	অনুধ এইন (তথ্য অনুধ এইন আন আনহানে নাহাকেত্র)	29-eida	24	990
क्षरवन (मानुव रि	নিবিশবে প্রবেশ করেনি)	৯০-বাদাণ	22	2050	কৰা (কৰাৰ জনা নক সাতে বুন কলে বাৰ (কানবাৰে নৰকেন্দ্ৰত) পৰি স্থাপন কৰেন আশ্ৰাহ কৰাৰ কলুল সংক্ৰ (আসম্ভাবে নৰকেন্দ্ৰ নাত)	79-aida 70-aida	22	128
গিৰ্জা								
বিধ্বন্ত হওৱা (	মাল্লাহ প্রতিহত না করলে গির্জা বিধনত হত)	২২-ব্যক্ত	80	૧૭૨	রাসুদ ন, ওয়র থকাজদীন অল্লাংর সহাত (হিজরত প্রনম)	৯-ভাতধ	80	688
शिगमान (किट्	ণার ভাষা)				44		_	_
	ণ স্বান্নারীদের চারপাপে গুরাকিরা করবে	৫২-ভূর	28	3/30	পাহাড় কেটে গৃহ নির্মাণ (ছামূদ সম্প্রদারের)	২৬-৬'জারা	789	495
গিলে ফেলা					গৃহণাধিত পক (আরো দেখুন গরাদিপক শন্টি)			
	(মুসা আ.এর লাটি ভাতুকরদের অলীক		-		বিভিন্ন রডের গৃহপালিত পক্ত আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন	৩৫-ফাতির	52	<b>b8b</b>
সৃষ্টিগুলোকে পি		৭-আ'রাফ	224	950	গহস্থাদী ছোট জিনিস			
	গ্লৈ ফেলল এক মাছ	৩৭-সাক্ষাত	284	৮৬৩	প্রদান (মুনাফিকরা গৃহস্থালী ছোট জিনিস প্রদানে বিরভ থাকে)	১০৭-মাউন	٩	3008
	ঠ জদুর সাপ্রলোকে গিলে ফেলল	২৬-৩'বারা	80	9390	Catal			
	जिल्लाकेला कानुकारण कानुका विकार राज्यातामा	২০-য়া-হা	65	380	र्गामा गानिस तामा महत्त प्रत्यना बाह्याच्या (विचार (प्रत्यक्रितीय)	১৪-ইবরারীদ	24	845
				-54	গোচরিত্তত করা (আরো দেখন দক্ষিগোচর করা শব্দটি)		_	
शेवड बरुक्कारक केंद्र	ত করা নিষেধ, মুমিনদের জন্য	ON MINISTER	1		শোচাৰ্ডত কৰা (আহো দেখুন দাৰ্ডগোচৰ কৰা শ্ৰদাচ) নিয়াপৰা/জীতিৰ বিষয় বাসুল স./নেতৃত্বেৰ গোচৰীত্ত কৰা	8-मिना	ъ	669
	n name tartor's distances again	৪৯-বৃদ্যাত	25	952			٠v	
6%			-		পোন (থারো দেবন সম্প্রদার পঞ্চী)	. www.		209
	বৈশ্বর বাগানে ছায়ুন সংখ্যানারতে ছেড়ে দেরা গ্রানা	२७-थ'लारा	785	395	পানি পানের হান প্রত্যেক গোরাই জেনে নিশ (নদী ইন্মাইল প্রদাস)	২-বাকুরা	90	
	জ পেন্ধুর গাছে)	৩০-কৃত্	30	255	প্রত্যেক গোর পানি পানের স্থান হিনে নেরা (বনী ইনরাইল প্রদাস)	৭-আ'রাফ	390	629
ওজৰ রটনাকা	বী নৈকটিডের বিসকে রাসুল স. এর ব্যবহা এংগ				বার্ট্টে গোরে একেকটি উপড়ে বিচক্ত করা (ক্নী ইনরস্থলকে) বনিয়েছেন (মানুগতে অল্লাহ বিভিন্ন গোর বনিয়েছেন, আচ)	৭-আ'রাফ ৪৯-ছমুরাত	380	955 955
			60	14004				

গাছপালা গোর

witt .	Charles (1999)	Notice in com-		গানাহ	পোপনীর	- C	geograph	
if Cl., in		স্রান্ধনান	464.5	200	THE REPORT	मुखानः चनाम	10.07	P/s
	ু সেপুন পাপ/আপরাধ শদটি)		_	_	কিরআউনের গোপন কথা গোপন রাখা প্রদাস	২০-জু-হা	95	28
	দীরা গুনাহ পরিহার করে)	৪২-প্রা	٥٩	944	বন্ধ যা গোপন বরে ও প্রবাশ করে আল্লাহ আ জানেন	২৮-আসাস	69	9.7
	কর গোনাহ/পাপ আল্লাহ ক্ষমা করেন না)	৪-নিগা	80r	690	বক্ষের গোপন বিষয় (আল্লাহ কানেন)	80-मूर्विम	79	20
গোপন (আরে	া দেখুন সুকিয় রাখা শব্দটি)				বক্ষের বিষয় গোপন করলেও জাল্লাহ তা জানেন	৩-আদে ইমরান	રક	20
মনুভাগ গোপন	করবে কাঞ্চিররা (যথন পাক্তি দেববে)	৩৪-সাবা	00	₹88	ৰক্ষ (কফিবরা বন্ধে যা গোপন করে আ আরও ওঞ্চতর)	৩-আদে ইমরান	224	28
	করবে জাশিমরা (শান্তি দেখার পর)	২০-ইউবুপ	28	629	বাছ (গোপন ও একাশ্যে ব্যয় অক্সাহ এদন্ত বিধিক থেকে)	०१-शिव	59	3.0
	(মানুধ আল্লাহর অনুহারকে গোপন করে)	8-मिश	-09	695	ব্যস্ত্র (যোপন ও প্রকাশ্যে ব্যস্ত/দান করার নির্দেশ)	<b>28-देवबादीय</b>	40	100
	কোন কিন্তুই আল্লাহর কাছে গোপন নৱ	28-वेरवादीय	Oly	699	ব্যস্ক (বিধিক থেকে গোপালে ও প্রধাশ্যে ব্যস্ত)	১৩-বা'ল	44	99
	গোপন করতে চায়না স্বনাড়িকরা	8-NPT	Solr	645	यह (बेट्स विकादाङ ७ लागमुद्धानाः यह मानविह वेगम)	১৬-গাংল	9.0	90
	(মাপুষের গোপন ও প্রকাশ্য সবক্তির)	38-देश्यदीय	Oly	696	ভাগৰাছ গোপন অধবা প্ৰধাপ করা প্ৰসাদ	8-Sint	18%	21
	(মুপরিকরা যা গোপন ও প্রকাশ করে সবাই)	০৬-ইয়সীন	36	759	মনের গোপন বিষয়ের হিসাব আল্লাহ নিবেন	२-वाक्तवा	278	00
					মানুহের বিস্কৃত্বি গোপন থাকাবে না (বিভামতের নিন)	७३-शकार	25	8
	গোপন নর (আঝাশ ও পৃথিবীর কিছুই)	৩-আদে ইমরাশ		609	शहरूव बाह्र (गान बढाव जे स्थाविकत	8-निम	300	8
	াপন নয় (অস্থ্যাহর আগ্রতে নিচুতি দটার হারা)	৪১-যুস্সিলাত		773	মানুহ বা গোপন করে আহার তা ছালেন		300	90
	কিছুই গোপন থাকৰে না (কিল্লামতের দিদ)	৪০-মুখিদ	36	549		২৪-দূৰ		90
	া, সম্প্রদায়কে গোপনে আহ্বাদ করেন)	१३-न्द	9	948	মানুমের গোপন-প্রকাশ্য সকল বিষয় জাল্লাহ কালেন	১৬-শব্দ	20	
	या शालन करा व राष्ट्रण ग. य शकान करत निरम्न	৫-মাছিলা	75	62.5	মানুহের গোপন-প্রকাশ্য সকল বিষয় আল্লাহ স্থানেন	১৬-মাব্দ	79	90
	বে ব্যাপারটি আর মনে গোপন রাখল	३२-१७पुक	99	648	মুনাফিকরা যা গোপন করে ভা আল্লাহ ভাল করে জানেন	৫-মাছিদা	62	Q1
দিয়াল গোপন ব	াখন্ত (ফিরআউন বংশের এক ব্যক্তি)	৪০-মুমিন	각난	550	মুনাজিকরা যা খোপন করেন আল্লাহ যা চাল জানেন	৩-জালে ইমরান		21
e্খ (প্রীর সামে	( নবীর গোপনে কথা বলা প্রনঙ্গ)	৬৬-ডাহ্বীম	0	290	মুশরিকদের গোপন ও প্রকাশ্য সবাই আল্লাহ জানেন	৩৬-ইয়াদীন	95	brt
দ্যা (কাফির বি	দ্যামতে বেনন কথাই গোপন করবেনা)	8-निवा	83	663	দুমিনরা বা গোপন করে (আল্লাহ আ সবচেরে বেশি জানেন)	৬০-মুমঝহিনা	>	36
	দুখের গোপন ও প্রকাশ্য কথা ছানেন)	২১-অধিয়া	220	989	মৃতদেহ গোপন করতে পারদ না কাবিদ (কাকের ন্যার)	e-महिमा	02	er
	নুমের গোপন-প্রকাশ্য সরই জানেন)	২০-রা-হা	9	983	মৃতদেহ গোপন করা (কাক দেখিয়ে দিল কাবিদতে)	e-মারিশা	65	23
	ৱা বা প্ৰকাশ কৱা আল্লাহর কাছে সমাদ	30-67	30	00%	সভ্য গোপন করে জার্মন কিতাবরা (জেনেবুকে)	০-আলে ইমরাণ	93	21
	কাশ ঘাই কলক মানুহ (আপ্তাহ তা জালেন)	৬৭-মুলক	30	270	সত্য গোপন করে কিতাবপ্রাপ্তদের একটি দল (জেদে-বুঝে)	২-বাস্থারা	186	4
	পন করা বিষয় আল্লাহ অবহিত আছেন	৪৭-মুখ্যান্ত	36	978	সভাকে জেনে-বুকে গোপন না করত নির্দেশ (ক্রী ইনরাইশকে)	২-বাকুরা	83	41
	ত থেকে কিছুই গোপন কথ্যত পাৰে না			993	নাক্ষ্য গোপন (আল্লাহর নাক্ষ্য গোপনবারী বড় জালিম)	২-বারুগরা	38o	e:
		৪১-ফুন্সিলাক	22		সাক্ষ্য খোপন না করার কসম (বসিরাত প্রসঙ্গ)	०-प्रक्रिम	300	02
	করে যারা (ধণী ইসরাঈল প্রসঙ্গ)	২-বাকুবো	238	67.9	সাক্ষ্য গোপৰ বা করার নির্দেশ (কণ ও জামানত প্রসঞ্চ)	५-राक्स	300	00
	न्य पनित्याशन (सर्ग विद्युत श्राम)	৩-মালে ইমরান		228	ोन्सं (तानन गोर्म्सं क्षयक्त्र बना गाबाव न (समा निरमः)	२८-नुत	400	9
	যেবিকাশেই গোপন করা আহলে কিবারের স্বভাব	৬-আন্'আম	37	508		२०-गृत २-वक्का	337	4
	মানুষের কিছুই থোপন থাকবে না	७৯-शकार	76-	242	হালাল নয় (গোপন করা হালাল নর গর্জছ বিষয়) হলায় গোপন করা (প্রতিব বিদ অধি বলামার এং ১৪/১৫/০০)		7	
	চ আপ্রাহ গোপন রাখেন	২০-কা-হা	30	983		৬০-মুমতাহিনা	,	24
	গোপন-প্ৰকাশ্য সকল বিষয় আল্লাহ জানেন)	১৬-বার্প	7.9	908	গোপন অহ			
बाना (मानूद्वत	গোপন-প্ৰকাশ্য সকল বিষয় আল্লাহ জালেন)	১৬-ব্যব্দ	50	108	শ্বহীনের গোপদ জন সম্পর্কে জন্ত বাশকের নিবট সৌনর্য প্রকাশ	२.8-मृत	٥)	9.6
	গোপন ও প্ৰকাশ্য বিষয় আল্লাহ জ্বানেন)	००-ऋदयन	28	brob	গোপন (অভি গোপন)			
লানা (জাল্লাহ ম	াবুষের গোপন বিষয় জানেন)	৬-অণ্ডাম	0	456	কর (জ্ঞাহ মনুহত্ত প্রকশ্য ও জতি গোপন কর সমই জলে)	২০-ফু-য	٩	98
দানা (সাপ্তাহ ম	ানুষের বচ্ছের গোপন বিষয় জানেম)	২৭-নামৰ	98	800	গোপন কথা (আরো দেখুন কান পেতে পোনা শব্দটি)			Г
মানা (আল্লাহ্ ম	নুমের গোপন ও প্রকাশ্য কথা আনেন)	২১-অখিরা	220	989	অধিকাশীর কাল গোপন কথায় রত থাকে আল্লার তাও জানেন	১৭-ইপরা	89	93
सन् (अष्टार रेक	বিদের গোপন ওঞ্জাশ্য নিয়ন্ত্রমণি জানেন)	২-বাকুমা	33	603	ক্ষ্যাপ নেই, গোপন কথাত্ব (মুনাফিকদের প্রসঙ্গ)	8-मिना	338	Q.
	বাশ করে ও যা গোপন রাখে তা আল্লাহ ব্যক্তেন)	৫-মাছদা	25	695	কলিমনের গোপন কথা তারা গোপন করে (নবী প্রসংক)	२५-व्यक्ति	-0	90
	শোপন করে তা আল্লাহ জানেন)	২-বাকুরে	00	208	ন্দ্রাল বের বের করা করা বের করা করা করা করিছে। নিরুধ (বোপান করা করা নিরুধ করার পরত হার বে নিরু)		_	
	গোপন ও প্রকাশ্য সবই আল্লাহ জানেন)	৬৪-অগাবুৰ	8	200		৫৮-মুজাদালা	ъ	20
	গোপন ও প্রকাশ্য বিষয় আল্লার জানেন)	२९-सम्ब	42	200	কিরআইনের গোপন কথা গোপন রাধা প্রনম্ব	২০-ফুা-হা	65	9,8
	न्द्रा विषय जाञ्चार कारमण)		0	662	মুশরিকদের গোপন কথার খবর অস্তাহ রাখেন	৪৩-বুৰকুক	9.0	90
		३३-दून			তুমাকিকদের গোপন কথা অক্সাহ ছাদেন	৯-ভাওবা	90	86
	পন কথা ভারা গোপন করে (দখী প্রসঙ্গে)	২১-অখিরা		920	রকুল স, এর নামে গোপান কথা বলারপূর্বে নানকা প্রপানে তর পাওয়া	৫৮-মুঝানালা	20	34
	ককে ভাকার নির্দেশ, বিনীত ভাবে)	৭-আ'রাফ	66	622	গোপন প্রেমিকা (আরো দেখুন প্রেমিকা গ্রহণ শব্দটি)			
	কে উদ্ধার পেতে গোপনে আল্লাখ্যক ভাকা)	৬-আশ্বাম	90	607	প্রহণ (গোপন প্রেমিতা প্রহণ করা যাবে না)	१-महिला	4	a
	শে সম্পন দানের গ্রন্থিমান অস্ত্রাহর করে)	২-বাকুাৱা	298	\$65	গোপন বিষয়		÷	۳
	বিদেয়কে গোপনে দান সৰচেয়ে ছালো)	২-বাকুরে	293	605	মুখাভিকলের গোপন বিষয় আল্লাক্ জানেন	5 700 cm	44.	88
	কিয়ামতে গোপন নৃষ্টিতে ভাঝাৰে)	৪২-পূরা	82	396		৯-জভবা	9/2	
বীর কাছে খে	পন করতে বক্ষ তাজ করে রাখে থারা	77- <u>\$</u> m	ę	996	মুশরিকসের গোপন বিষয়ে আপ্লাহ থবর য়াখেন	৪৩-যুধকক	J.O	31
	বর অল্লাহ প্রকাশকারী (বারেদ প্রনঙ্গ)	৩৩-আহ্বাব	09	pop.	গোপন রাখা			L.
হ আ. গোপনে	অহ্বাদ করেন (সংখ্যাসকে)	१५-नृह	>	378	অন্তরে গোপন রাখা বিষয়ের জন্য অনুভঙ্ক হবে মুনাফিকরা	৫-মান্বিদা	65	Qt
	করা হবে সব গোপন বিষয় (কিরামতে)	৮৬-বারিক	2	2029	মনে গোপন রাখায় জপরাধ নেই (বিষের প্রস্তাব)	২-বাকুরো	२०१	Q:
	সর গোপন বিষয় কিয়ামতে প্রকাশ পাবে)	৬-আন'আন	30	2031	মুনাভিকরা গোপন রাখে কিছু বিষয় নিজেদের মার্থে	৩-জালে ইমরান	268	Q.
	ইশরস্থিতে হয়ে লাক্তম্ম গোপদ বিষয় প্রথাপা		93	Poly	শক্ষাস্থাৰ প্ৰকাশ কৰাৰ জন্য শৱকাশ কুমস্থাণ নিশ, জনম ও	৭-জা'লাক	30	62
	শিহর্দানা গোপন করে বারা	২-বাকুরো			গোপনীয়		_	1
		२-राकृत्स	76.9	67.5				١
	নে প্রতিশ্রুতি নিষিদ্ধ, বিধবার বিজে প্রদর্গ)	২-বাকুরা	500	વર૧	জন (গোপন্মির বিষয় জনেন ভিনি বিনি কুরজন জনসৈর্ব…)	२६-मृतकान	6	93
চাঞান গোপন র	াথ হয়হে মুফিলের জন্য (যা চকু শীকলকারী)	৩২-দাৰ্দা	24	107	প্রকাশ্য ও গোপনীর বিষয় আপ্তাই স্থানেন	৮৭ আলা	3	20

नाम विश्वतिक विश्वतिक	স্রা লং ও নাম	45.4	र्वश	প্ৰ বিষয়/ধন্দ স্বানং ও	नाम न	eri u	
গাপনীয়তা				ন্দাপ্তার ছাড়া নদাকে অভিভাবকরূপে গ্রহণকারী বলে ৩৯-বুমার		0	208
তনটি গোপনীয় সময় ঘরে প্রবেশে অনুমতি গ্রহণ	५८-मृद	6p	Tho	অপ্তাহতে ছাড়া অক্টাবধন্যক গ্রহণ করা নিষেধ ১৭-ইগ্রা	П	2	421
গাপনে কথা কগা				ইরাহীম আ.কে বছুরূপে এহণ করেছেন (আল্লাহ) ৪-দিসা		256	27
কল্যাপ ও ডাকওয়ার কক্ষে গোপনে কথা বলার অনুমতি	৫৮-মুক্রদালা	>	260	देनार (पविश्वानीया वह देनार श्रदण कराह, पाद्यास्टक शांस) ১৯-पाउँह	व	7.7	90
তিনন্ধনে গোপনে কথা কথার মধ্যে চতুর্যজন থাকেন আল্লাহ	৫৮-মুকাদলো	9	265	ইলাহ (অল্লাহ থাড়া অন্য ইলাহ গ্রহণ না করার যুক্তি) ৩৬-ইরাস	4	20	Ye
নিবিদ্ধ (পুশ, শীমাশমন ও রাপুণ স, এর বিরোধিকর গোপান করা করা)	৫৮-মুক্রদালা	>	300	ইপার (অস্ক্রার জন্তা অন্যানেকে ইপার্থকানের চান-প্রথণ দেই) ১৮-কার্য		30	93
শাশ, সীমালকান ও বাসুল স, বে আমান করার ব্যাপারে গোপান করা	৫৮-মুকাদালা	ъ	300	ইলাহ প্রবুপ করেছে আল্লাহর পরিবর্তে অন্যকে (কাঞ্চিবরা) ৩৬-ইয়ান	3	48	34
इ'भिनास्त त्यांनाम कथा	৫৮-ছবাদলো	3	960	ইলাহ একা ন কর (দৃই ইলাহ, কালা, আল্লাহই একমার ইলাহ) ১৬-নাহল		65	90
वानुन ग. यस भारत त्यान्याम सन्य चनात मुद्धं भारतस क्रानात्मा निर्दर्गण	৫৮-মুক্তমোলা	34	320	Name Games and wome confluence for these was name as not	-		_
শ্বভালের পান্ধ থেকে যোগালে কথা করা হয় (স্থামিনালেরের দুহুগ)	৫৮-মুকাদালা	30	950	মান্তৰ ক্ষেত্ৰ অবল কৰাত ব্যৱস্থালৈ কি পৰা বা, বাকে ব বছা ব-মান্তিলা মান্তৰ	- 13	229	6.9
अविद्य	do-farmin	-	34.0	देशास्त्रात ज्ञातक क्षत्र जनादन अस्त (ज्ञातक मित्रीय मदस्य कर्म) 8 ५-जार व	D .	২৮	20
গৰাদি গৰাদি পথৰ গোৰৰ ও বচেৰ মধ্য থেকে দুখ থাকা	১৬-নাহপ	66	900	ইলাহজদে গ্ৰহণ কৰেছে যে (তাৰ প্ৰবৃত্তিকে) ২৫-যুৱক		80	96
	20miles	90	100	ইপাহ (বির'জাইন মায় অন্তর্গে ইপাহ এহণ করেল করেল্ফ কর) ২৬-৩'আ		270	93
গামরারী				ইমান্সরস্থার স্থান বিশ্বপ হিনাবে গ্রহণ বর্ত্তাব্দ (মান্তমুখিনা) ২০-মু মিন্		220	90
মানুহকে কিছু সময় গোমরাহী থাকার অবকাশ দেয়া	२०-मृभिन्न	68	989			330	30
দ্বনত্ব (কাঞ্চিবদের হুলর গোমবার্থীতে বরেছে)	২০-মু'মিলুন	90	190				
গোপত (আরো দেখুন মাংস শব্দটি)			ш			786	63
ভূরবানীর পথর রক্ত ও গোশত আল্লাহর কাছে পৌছে দা	২২-ব্যক্ত	তণ	165	উপথ্যসূত্র বিষয়বলে আয়াতকে গ্রহণ করার জন্য সঞ্জুন্দানাকে শরি । ৪৫-লাছি।		ъ	bo
ধওয়া (মৃত ভারের গোশত থাওয়ার মত নীথত অপহন্দনীয় ও দৃশ্)।	৪৯-হলুৱাত	22	957	উপহাস হিসাবে এছণ করে কাভিন্নহা, সালতের নিকে ভাকলে ৫-মারিদা		фb	41
মান্লাতে থাবার হিলেবে পছন্দের গোশৃত দেয়া হবে	৫২-জুর	22	9400	উপহাস হিসেবে (জন্মাহর আয়াত ও সতর্ককৃত বিষয়ে) ১৮-বাহম		৫৬	9.
ভাষা গোণত আহরণ ও আহার (সমূদ্র থেকে)	৩৫-ফাতির	34	b89	वेनदारस नामसन्धान्यस्य (भूना व्यायस नामसन्दास नाम करावे राजन) । २-नाकृता		৬৭	0
পহসের গোণ্ড ঝাল্লাডীদের খাবার হিসেবে দেয়া হবে	৫২-তুর	22	900	উপাস্য গ্রহণ করেছে আল্লাহকে বাদ দিয়ে (মুদরিকরা) ২৫-ফুরকা		٥	91
পাৰির গোশত দিয়ে ভূরাফেরা করবে চির-কিশোরর (জন্মতে)	৫১-ভয়বিবাহ	33	588	উপাদ্য গ্রহণ (মুপরিকদের উপাদ্য গ্রহণ প্রদাস) ২১-আছির		52	9,
পোশ্বক (হাড়ের উপর গোশকের পোশার পরিয়ে দেরা)	২-বাকারা	223	400	উপধ্যস হিসাবে (অল্লাহর পথকে উপশ্বস হিসাবে গ্রহণ করলে পরি) ৩১-লুকমা	r	٥	6
দুর ডাইরের গোপর খাওয়া অপছনদনীয় (গীবত প্রসঙ্গ)	৪৯-হতুরাত	34	257	উপহাস হিপানে (কাফিবনা দবিকে উপহাস হিসানে গ্রহণ করে) ২১-আধিং		05	91
চকরের খোপত হারাম করা হতেছে (মুমিলনের জন্য)	২-বাকুারা	390	475	উপহাস হিসাবে গ্রহণ করায় শান্তি (আল্লাহর নিদর্শনকে) ৪৫-জড়িব		90	31
क्यांत व्यक्ति श्रांत्र	তু-মারিদা		6340	উপহাস হিসাবে গ্রহণ করা নিষেধ (আল্লাহর আরাজকে) ২-বারুনার	1	205	q.
কেনের গোশত/মৃত জন্ধ/প্রবৃত্তিত বক্ত খাওয়া হারাম	৬-আগ'আম	28¢	650	কন্য সমান এহণের অপবান অস্তাহ্যক (মুপরিকসের) ৪০-যুগক		20	b:
হাতকে গোশত নিয়ে তেকে দেয়া (মানব সৃষ্টির প্রক্রিয়া)	২০-মু"মিনুন	38	955	কলাবলে প্রহণ করেছেন কি আল্লাহ ফেবেশতানেরকেঃ ১৭-ইপরা		80	2
গাশত (মাছ)	20.21.21	-	100	কলা (মিয়া কলাকে যাল হিসেবে প্রকা করেছে, ফুলফিকরা) ৫৮-মুজান		26	30
ব্যালত (বাৰ) ব্যুদ্ৰ থেকে ভালা গোশত/মাছ আহার প্রদক্	১৬-মাহুল	38	908	কাভিবকে বছরণে গ্রহণ, মমিনকে (ব্যথে (মনাভিক প্রসঙ্গ) ৪-নিসা		) ob	0
গ্ৰাসৰ	20-10-1	30	(CAB)	কুরমানকে পরিভাকরপে এবল করেছে রাস্পাল, এর সম্পালক ২৫-ফুরকা		80	90
্যানদ। মোন্ধের জন্য গোসল করে পরিত্র হওয়ার নির্দেশ	8-निमा	80	069	জালিমদের জন্য সুপরিশকারী গ্রহণ করা হবে না	-	-	۳.
	8-1441	80	465	(किसायहरू)		36	ъ,
গাসকের পনি			$\perp$		-	-	H
নইউৰ আ, এব গোসলের শনি	ও৮-সোৱাৰ	84	9494	হাল হিসাবে গ্রহণ (মুন্দকিবদের শপথকে) ৬৩-মুনাবি		3	34
বছ (আরো দেখুন পুস্তক/কিতাব শব্দটি)				অ্বরবধ্যক (প্রতিশাসক অল্লাহকে কল্লাকারক হিবেরেগ্রহন) ৭০-মুখ্যা		3	30
ভিশালী (কুরমান শক্তিশালী গ্রন্থ)	৪১-কুস্সিবাত	85	ppp	তামাশার সামগ্রী আল্লাহ গ্রহণ করতে সাইলে ২১-আখ্যি	-	28	91
হ্-নক্ষত্র (দেখুন তারকা শব্দটি)				কুছে সম্পদ এহণ (কিভাব অধ্যয়নের পরও ইছনীদের ৭-আ'রাড	١,	260	6
হেগ (আরো দেখুন নেয়া শব্দটি)				कृष्ट् मन्त्रम श्रह्म)			╙
ব্লীকর গ্রহণ (বলী ইসরাউল (থকে)	২-বার্থরা	90	203	দ্যাময়ের নিকট প্রতিশ্রতি প্রহণ করেছে যে, সে ছাড়া কেউ ১৯-মারইং		৮৭	98
মনীকার গ্রহণ করেছেল আল্লাহ দাসারাদের থেকে	१-प्राप्तिना	28	242	ইন (ইনলাম জড়া ইন জনাশ কলে ভাগ্রহাযোগ্য হলে ন) ৩- লালে ই		24	61
মনীকর একুণ করেছিলেন অন্তাহ (আহলে কিন্তাবদের নিকট থেকে)	৩-আলে ইমরান	35-9	248	শ্বীনকে প্রহণ করেছে যারা ঠাট্টা হিসাবে ৫-মারিদা		64	21
লীকার এবণ করেছিলেন আল্লাহ বনী ইসারাইললের	०-मासिमा	25	242	ধীনকে খেল-ভামাশ্যরণে প্রবণ করার পরিশাম ৬-মান্'জ	7	90	60
মদীকার গ্রহণ করেছিলেন আল্লাহ বনী ইসরাইক থেকে	৫-মারিলা	90	23/3	দ্বীনকে এহণ ব্যৱহে কচিবর খেল-ভামাশা বলে ৭-আ'রাফ		67	4:
सीरसा (अक्षार अनेतार <u>अ</u> श्च बद्दाद्वन देवान जनत बन्दा)	৫৭-হাদীন	b	387	নিকৃত্ত বস্তু প্রবাদে কেউ অঞ্চর্যী নয় (সান প্রসঙ্গ) ২-বালুবা	- 2	રકવ	64
াদীকার (দর্বীদের থেকে অসীকার নিরেছিলেন আস্তাহ)	০-জালে ইমবান		288	দৈক্ষী লাভের উপায় হিলাবে গ্রহণ (আল্লাহর পানে বায় করাকে) ১-তাওবা		66	80
শীকর এহসের জল বর্ণী ইনপ্রসিপের উপর তুর পর্যত উল্লেখন	8-निमा	248	290	পথ এহণ করতে চাওয়া (রাসুদদের পথ হাড়া ভিন্ন পথ) ৪-নিসা	- 13	260	6.
লুনারী হিনাবে গ্রহণ করবে শরতান (মানুধকে)	8-Port	277	493	পথ এবণ করার আহ্বাদ (প্রতিশাসকের দিকে) ২৫-ফুরকা		e٩	93
ভারত বছ এবণ করেনি ধারা আল্লাবকে ভারা	P-81641	3/6	682	পথ (কেন্দ্র স. এর পথ একা না করার জালিমানে আহতোপ, বিরামকে) ২৫-ফুর কা		۹٩	93
विकारकारण श्रह्म (बाजारक यात्र निकारण वेशकार)	70-8174	26	0003	পৰ্না (মাৰ্ট্যাম পৰ্না হাহণ কৰণ, পৰিবাৰ খেকে আন্তাপ) ১৮-মাৰ্ট্য		39	30
ভিতৰত হিসাৰে আপ্তাৰ ছাড়া অন্যতে গ্ৰহণ	8२-मृद्ध	6	66.0	পাৰ্বন্দিত (প্ৰতীয় ঠিক কৰে) পাৰ্বন্দিত এক্স মা কৰম বিজ্ঞানে প্ৰপ্ৰা ১৮-কাহ্ম		99	90
ৰভিতাৰক বিসাধে আপ্তাৰ প্ৰথা অসাকে এহণ				প্ররূপে গ্রহণ করতে পারে আরীয় ইউন্মৃত্তে ১২ ইউন্		43	91
রাভারক জনাকে আপ্লার ছাড়া জনাকে এহল ইউভাবে হিসাবে অপ্লার বাস জনকে এহল: (মাকডারা দ্যান্ত)	8२-मृक्ष	3	ray	পুত্র হিসাবে এহণ করবে মুগা আ কে (ফির'আউনের স্ত্রী) ২৮-আসা		5	30
	২৯-আনকাৰ্ত	82	9.79	পৃথিবী ভৰ্তি পূৰ্ব প্ৰহণ করা হবে না (ভাগের থেকে যাব্য) ৩-আলে ই		20	21
বিভাবক হিসাবে এহণ করেছে একদল শান্তানকে, বাসের উপর	৭-আ'রাক	60	976				
হচিতাবক হিসেবে বাদ্যাদেরকে। (আল্লাহর পরিবর্জে)	১৮-বাহ্ক	705	900			ro.	28
विकारकर्याण (अञ्चाद श्रेष्ट कराइक अधिवारकर्याण वार्याकिन)	৬-আন্'আম	78	693	প্রতিশালক রপে এহন (পতিত ও সংগর-বিরাগীদেরকে) ১-ভাওবা		407	36
মভিভাৰত এহৰ করা মাধায় গা আন্তাহকে বাদ দিয়ে মভিভাৰত এহৰ মুশ্ববিক্তার করে আসনে ল (মান্তাহর পরিবর্তে)	২৫-মূৰকাৰ	35	100	ব্যবিক্রতি মহল করেছে কি অধিয়ানীর (পর্যামকে নিবট থেকে) ১১- মারইং ব্যবিশালক (একে অপরকে ইন্মান্তরপে গ্রহণ না করের আজান) ৩- আলে ই		937	90
	84-व्यश्चिम	30	300	এতিশালক (একে অপরকে ইলাহরপে এহন না করের আহ্বান) ৩-আলে ই		85	28

থাহণ

শুদ বিষয়/প্রসঙ্গ	म्बान्द धनाम	क्स	764	नम् रिरा/धरात्र		481 7	
बादन (भूर भूते (बारक)				সরনে এছনা (ফুর্লিকের জলকদ সের, দরামা সরনে এছন করেছন)	২১-আধিয়া	₹6	923
প্রতিপাশকের পথ প্রহণ করতে পারে, মানুষ চাইলে	৭৩-মুখ্যাখিল	72	29.2	সন্তান গ্ৰহণ করেননি আপ্লাহ	২০-মুখিনূন	22	992
প্রভাবর্তমন্থল প্রহণ করুক প্রতিপালকের নিকে (বার ইজা)	৭৮-নাবা	42	3002	সন্তান গ্ৰহণ করেননি আগ্লাহ	১৭-ইস্রা	222	929
প্রবৃত্তিকে ইলার হিসাবে এবংগ করলে আপ্রায় ভাকে পদান্তই করেন	৪৫-বাহিবা	২৩	зоь	সন্তান গ্ৰহণ করেননি আরাহ	২৫-জুরকান	4	999
বন্ধু প্রধান (মুমিনকে রেখে অভিনয়ক বন্ধু প্রকান নিবেশ, মুমিন প্র)	৪-নিমা	788	232	সভান গ্ৰহণ থেকে পৰিত্ৰ এক ও পৰাক্ৰমণাদী আন্তাহ	০৯-মুমার	8	2.6
ধন্তু গ্রহণ করবে দা ইমাদদাররা (নিজেদেরকে ছাডা)	৩-আলে ইমরান	225	283	সন্তান থহনা (আল্লাহ্যক সন্তান গ্রহাণর	১৮-কাহ্য	8	92
বন্ধু এহণ (দুনিয়ার বন্ধু প্রহণের কারণে জালিমদের নুর্বোগ)	২৫-কুরকান	41/	998	অপবাদ,মূপবিকলের)	2014164	۰	14
বছরূপে প্রহণ করতনা কাঞ্চিরদেরকে (ঈমান আনলে)	৫-মারিদা	3.5	690	সন্তান গ্ৰহণা (জাল্লাহতে সন্ধান গ্ৰহণের জপবান)	২-বাকুারা	776	624
বন্ধ হিসেবে প্রহন করবে না মুমিনরা অভিযাদেরকে	৩-মালে ইমরান	44	ech.	সন্তাম গ্রহণ করা শ্বেডনীর গর (দরামর আল্লাহর জন্য)	১৯-মারইরাম	34	9.8
বন্ধ/পঞ্জাত্মজীরূপে রূপে বুলাফিকদেরকে প্রবণ নিবিদ্ধ	8-निमा	7.5	26W	সন্তান এহণ করা আল্লাহর কলে দর	১৯-মারইরাম	02	90
বস্থু হিসাবে গ্রহণ করতো রাসূল স. কে (মিখ্যা বলাতে পারলে)	১৭-ইস্রা	90	920	সন্তাদ এহণ করার অপবাদ দেয় মুপরিকরা (জাল্লাহকে)	১০-ইউনুস	45	66
বন্ধ বিসাবে প্রহণ করা নিষেধ আনেরতে যারা বীলকে	৫-মারিনা	63	25.5	সরকক (আপ্রাহর সমকক গ্রহণ করে মানুব)	২-বাকুারা	795	62
ব্যৱশেশ্যক করে না ইয়ালাকাল পিতা ও ভাইনোকে বনি	৯-জাওবা	20	683	সালানের স্থান হিদাবে এহন (ঘাকামে ইবরাহীমকে)	২-বাকাবা	756	67
বস্থায়শেরকে করা নিয়েখ (অস্ক্রান্তর শত্রু ও মুদ্দিন্দান শত্রুকে)	७०-वृद्धसम्बद्धस	3	260	সাদকা গ্রহণ করেদ আল্লাহ ব্যাপাদের	৯-অধৰা	708	100
বছুরপে গ্রহণ করা যাবে না (ইছদী ও লালারাদেরকে)	৫-মরিবা	63	273	সাক্ষ্য গ্রহণ করা যাবে না (অভিযোগ উত্থাপনকারীর		8	99
বহু ইলাহ/উপাস্য গ্রহণ (মুদরিক গ্রমঙ্গ)	২১-আছ্যা	48	902	78%()	78- <u>11</u> £		177
বাছুরকে উপাদ্যরণে গ্রহণ (ইছনীদের প্রদাস)	2-309000	3-2	670	সামান্য মূল্য গ্রহণ (অল্লাহর সঙ্গে কৃত অসীকায়ের বিনিমরে)	১৬-মার্প	9.5	93
বাছুরকে উপাদ্যরণে গ্রহণ (মুদা আ.এর সম্প্রদারের)	৭-জাগ্নফ	385	659	সায়ার (পালেলে বিদ্যা সচিব সিয়ার নিয়ের, মুর্বাধক/কবিবর বাপ)	৯-খাওবা	00	98
বাস্কুরকে (উপাস্যরূপে) এহদ, বদী ইসরাইল কর্তৃক	२-शक्ता	62	¢ob	সুদ গ্রহণ (নিষেধ সক্লেও ইছদিরা সুদ গ্রহণ করার পরিপাম)	8-निमा	165	29
বাছুরকে উপাস্যরূপে প্রহণ (মুদা আ.এর সম্প্রদায় কর্তৃক)	1-31,444	322	69.6	সুপারিশ হাহল করা হবে দা (কিয়ামতের দিন)	২-বাকুরো	8¥	80
বাছুরকে উপাস্যক্রপে গ্রহণ (বনী ইনরাইল প্রসঙ্গ)	s-Sert	300	495	সুপারিশকারী হিসাবে গ্রহণ (অস্তাহ ছাড়া অন্যকে)	৩৯-বুমার	80	24
বছুরকে (উপান্যরূপে)গ্রহণ বনী ইসরাইদের জন্য জুলুম				সৌষ্টাগ্রহণের নির্দেশ কবি আগমধ্যে প্রয়োকনার সিরুলর সময়	৭-আ'রাফ	٥)	63
(North	२-सम्बं	28	අතම	রী (অপ্তার রী/সরাণ প্রহণ করেবনি, জিননের প্রসঙ্গ)	९३-किम्	9	30
বিধানপ্রকা করে বল ইকুনী পভিতর (পরিবর্তন করে নেরা হলে)	৫-মরিদা	83	62-6	শ্রীকে প্রথম প্রকাশের না নেরা (অপরাদের	৪-নিসা		1
বিদিমা গ্রহণ করা হবে না কারো (কিরামকের দিন)	2-119041	250	678	NING(X)	8-1471	50	20
বিনিমা গ্রহণ করা হরে না বিয়ামতে (মুনফিক ও কানিবালে থেকে)	৫৭-হানীদ	30	787	স্থীর নিবট থেকে স্থামী কর্তৃক সম্পদ গ্রহণ প্রসন্ধ	8-मित्रा	43	20
বিনিময় গ্ৰহণ কৰা হবে না (কিয়ামতে স্বকিছু দিলেও)	৬-জাপ'আম	90	603	दश्न (वदन्यन)			$^{-}$
বিনিমর গ্রহণ করা হবে বা (কিয়ামতের দিন)	২-বাকুরো	87	800	সভৰ্কতা প্ৰহণ/কৰেছৰ (যুদ্ধ প্ৰসন্থ)	8-मिना	92	26
দেশুইনরা গ্রহণ করে জাল্লাহর পথের ব্যরকে (অর্থন্ডরূপে)	৯-জান্তব	30	820	दशकारीनि			+
হার প্রহণ করবেল না আল্লাহ (মুনাফিক/কাকিবলের)	5-व्हादव्ह	200	084	অব্যক্তরাল উপপতি প্রকারবাধি হবেল (মুমিল দাসীকে নিয়ে করা প্রদাস)	৪-মিসা	2.0	60
না ক্লেটিক অধিকান ব্যাহাল কা নিমে ব্যাহা আলা কলিছে 🔾	৯-জাধৰা	48	684		0	-~-	+
ভূলপথতে পথ হিসাবে গ্রহণ করে (অহংকারকারীরা)	৭-জারদ	186	698	वंदर्व (क्रष्ट)		85	20
মাকড়পর যুরগ্রহণ (আল্লাহ বাসে অন্যকে অভিভাবন গ্রহণ প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাবৃত	83	323	नायन मृत्यक्त (बाह्यका विनेध्य गयन मृत्यक्त न कर्त)	২-বাকুবো	45	
মানক (বেছবাপালুর বেহুক মানব/উরম বিভিক-প্রকণ নিল্পিন)	১৬-নাহল	69	9ob	সামাল্য মূল্য গ্রহণ (স্বর্ডিডকে আল্লাহর কিডাব বলা গ্রসঙ্গ)	२-शक्रश	7.9	60
মুজিপথ,গ্ৰহণ কৰায় পঞ্জি ব্যুত পাৰত মুখিনচনা (কনাকুছ প্ৰদাস)	৮-আনকাশ	69/	90h	হাস (আরো দেবুন আহ্মসাং শব্দটি)			١.,
মুমিনগৰ ভাই প্ৰহণ কৰবে, বাসুল স, যা দেন	23-274	3	366	অলিমদেরকে শান্তি গ্রাস করে (রাসূদ স. কে মিখাবাদী কশার)	५६-मार्ग	770	
মুনাটাকদেরকে বন্ধু ও সাহায্যকারীক্রপে গ্রহণ নিবিদ্ধ	8-5m	2.0	200	পানি (গ্লাবনের পানি পৃথিবীকে গ্রাস করার নির্মেশ প্রসঙ্গ)	27-\$a	88	66
মূল্য প্রবুপ করা নিয়েখ আক্সাকের বিনিমার	१-महिम	88	qw6	বাহিল শছার সম্পদ গ্রাস করার পরিণাম (ইর্ছদি প্রসঙ্গ)	৪-নিদা	363	
মুদা আ কে নাগর থেকে ফিল্লআইন কর্তৃক গ্রহণ করা প্রদান	২০-জা-খা	00	980	শান্তি ব্যক্তিমনের শান্তি থাক করে বাসুপ স্. কে নিধাৰালী ৰূপায়	১৬-নাংশ	22.0	
पूर्व प्रदेशकार्यक्ष (पूर्व प्रदेश प्रमुद्ध य निवास व्यवस्थ नवस निर्दर)	<b>१-वा राक</b>	788	698	সম্পন ব্যক্তিক পঞ্জ প্রাস করার পরিণাম (ইছলি প্রসৃষ)	8-निमा	362	29
মৃতিকে ইপার হিপাবে এহণ (ইংরাহীন আ.এর পিতা জাতা			9.04	দম্পদ গ্ৰাদ করা নিৰেধ (বাধিশ গছাৰ)	২-বাতুারা	722	44
हरेड)	৬-জান্'জাম	98	500	সম্পদের অংশ প্রায় করার জন্য বিচারকের নিকট গেশ	২-বাকুারা	222	44
মূর্তিকে উপাস্যরূপে এহণ (আল্লাহর পরিবর্তে)	২৯-জনকাবৃত	9.0	9.79.	রীবাছত ধমনী		_	L
যুক্তর একার নির্দেশ অনুনর সম্পদ থেকে করা অপরাধ স্থীকার	৯-ফাৰব	200		মানুদের গ্রীবাছিত ধমনীর রেক্টেও আল্লাহ অধিক নিকটে	৫০-কুঞ	26	34
হয়দত্ত সম্পন (মুমিনরা এবশ করবে বিপুল যুক্তদক্ত সম্পন)	৪৮-ফার্হ	29	972	दीपक्षमीन			Т
মুছলত্ত বিপুল সম্পদ গ্রহণ করবে মুমিনগদ	৪৮-ফাত্ত	20	975	তমণ (কুরাইশাদর বীখকালীন ত্রমণে আগভি বরেছে)	১০৬-তুরাইশ	2	300
যুদ্ধনার সম্পদ প্রবেশবাসে বনুষ্টানর বলবে	8४-साइस	36	224				1
রাপুল স, ও নির্দশনকে (বিদ্রুপের বিষয়ক্তেশ)	79-वार्डक	300		ছাল চির কিশোরেল গ্লাস নিয়ে ছুরাফিরা করবে (কান্তাতে)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	72.	38
বিশ্বত (পেন্ধুর/আমূব থেকে মানক/উড়ান বিশ্বত গ্রহণ নিদর্শন)	১৬-সংখ্য	69	908	সোদার প্রামে পরিবেশন করা হবে (জারাতে)	80-गुप्तक	93	bo
শপথকে চাল হিসাবে প্রহণ (মুলফিকলের, রাসূল স. প্রসঙ্গ)	৬৩-মুনজিগুন	1 3	366	ক্ষমিক প্রাস ও টোপ্য পার পরিবেশন করা হবে (জাপ্লাতে)	৭৬-লাহ্র	3/2	35
भनपद्ध श्रमक्रव विभाव श्रम भा कहा (मान्नि श्रमक)	३७-सदन	38	422			-	Ť
শ্বরথের রাজনা হিনানে এবং না করা (নার বানন) শ্বরথেরে অভিযাবকরপে প্রথ্যবাধী কবিহান্ত	8-Sipt	779		ঘটনা (আরো দেখুন কাহিনী শব্দটি)			1
শহরেদকে শত্রু হিসাবে প্রহণ করার নির্মেশ (মানুষকে)	তণু-ফাভির	6	180	ঘট্ৰে বৰ্ণন ঘটনটি (কিয়ামত)	१७-धर्माकेसर्	3	38
শয়মান ও মার বংশধরকে (অভিযানক হিসেবে প্রবর্ণ!)	79-4150	60	93%	रुपेत (बिकू राजून र, ८४ चीन प्राप्तार रुपेन वदक्रमें)	8-मिमा	V58	29
শাসেন ও আর বংশবরকে (আতভাবক হিসেবে এবং:) শহীসকলে গ্রহণ করতে পারেন আল্লার মুখিনদের কাউকে	৩-আলে ইমরান			বৰ্ণনা (শ্বটনা বৰ্ণনা করণ মূপা, নারীদের পিতার নিকট)	২৮-কাদাদ	22	3
স্ট্রিক্তাত পথ হিসাবে প্রকা করেল (অহংতারেলরীরা)	৭-জারক	386		লিকা (পূর্ববর্তীনের ঘটনাকনীতে বৃদ্ধিমানের জন্য শিকা ব্যৱহে)	১২-ইউসুক	222	69
সারকপথকে পথ হিসাবে প্রহণ করেলা (অহতোরকারারা) সন্তান (আল্লাহ রী/সন্ধান প্রহণ করেলনি, জিলদের প্রদক্ষ)	१० जा शक	380	9946	সংঘটিত হবে মহাঘটনা (ভিয়ামত প্ৰসক)	63-शकार्	32	39
				সভ্য ঘটনা (দিসা আ, প্ৰসং)	৩-আলে ইমরান		48
সম্বাদ (দরাময় সন্তান গ্রহণ করেছে, কাফিররা বলে)	১৯-মার্বহাম	bb	180				

খট

				Aura		-	-4-
শ্বৰ বিষয়/প্ৰসৰ	সুরা শং ও শাব	ALES E	नुका	्रभूष दिवद्र/श्रप्तण	ज्यक्ति ७ नोम	कदाव नर	न्धा
ची	-				১০৬-বুরাইশ	•	3008
কলাম (রাসুল স, ধর কলামে ঘটলে থে বর্ত দেয় আসবাকে ঘরা)	৯-ভারবা	80	582		৩-আলে ইমবান		680
কিয়ামত কথন ঘটবে (রাস্ল স. ৫০ কাডিব্রসের জিজাসা)	১৯-নাথি আত	83	2006	মাভার খরে আহার করাতে কেনে দোখ দেই	২৪-মূৰ	93	35.7
ভিয়ামত কৰম ঘটৰে সে সম্পৰ্কে ৱাসুল স. কে জিজালা	<b>্ব-জা,ব্যরু</b>	27/3	800	মাকড়সার ঘর দুর্বলভম ঘর	২৯-আনকাবৃত	82	1,79
	৫৬-জ্যাকিয়াহ	3	280	মামার ব্যবে আহার করাতে কোন দোব নেই	২৪-দূর	65	10.7
ঘটমাটি ঘটবে (কিয়ামত)	৭৭-মুখ্সালাভ	9	223		১০-ইউনুস	৮৭	555
প্রতিক্রতি অবশ্যই ঘটবে (বিয়ামত প্রসঙ্গে)				মুনাঞ্চিকরা যদি তাদের যরে বলে থাকত তা হলেও	৩-আলে ইমধান	768	200
বিষর (যা ঘটার ছিল এমন সম্পন্ন করবেন আল্লাহ)	৮-জাগদাল	88	606	মুসলিম্বাসের একটি মাত্র খর ছিল ল্ড সম্প্রদায়ের মারে	१५-पविवाह	00	827
বিধর (যা ঘটার ছিল এমন বিষয় সম্পন্ন করলেন আল্লাছ)	৮-আনফাল	85	950		১০-ইউনুস	b3	869
<b>ষটানো</b>		1	-	সম্পাত (কাৰা মতের কাছে লোকতার সালাত শিস ও করকলি)	৮-আনকাল	02	502
মৃত্যু ঘটনে হলে মুমজের প্রাণহরতার পর অস্তাহ অটকে রাখেন	৩৯-মুম্মর	84	5-98	Applicated and one property and the party and applicate applications and the party and	১৭-ইসরা	30	933
মৃত্যু বটালেন ধৰণ সাপ্তাহ (সুবাইমান আ.এব)	৩৪-সাবা	78	185	সাজ-সম্প্র বিশীট হর হবে রাসুল স্ এর জনা (কমিন্যানর মবি)	33-2796	59	200
মৃত্যু পটানো হবে না (জাহান্নামীলের মৃত্যু দেউ)	৩৫-ফাতির	06	1487	হান (ইবর্রাইয় আ, এর জন্ম খন/আবার হান নির্বাহণ করা)	০-আপে ইমরান		480
শক্রতা ও বিবেশ ঘটালো (মদ/জ্বার মাধ্যমে শরভান চার)	०-माविमा	27	627	হক্ষ (বা'ৰায়ানে হক্ষ করা মনুবের উপর অবশ্য কর্তব্য)	Graffe Salla	87	40r
NH.		-		ঘর (কা'বা)		_	-
বাণাল উৎপদ্ধ করেন আল্লাহ (ফর্মানে)	৮০-জাবাসা	100	2009	নিরাপত্তাস্থপ (বচবাহর মানবজাঠির জন্য নিরাপত্তাস্থপ)	২-বাকুরো	255	
	40-411			পৰিত্ৰ বাৰা (ইংবাহীয়-ইসমূচীল আন্তে কাৰাখন পৰিত্ৰ বাৰাৰ নিৰ্চাল)	২-বাকারা	755	228
খন সন্নিবিষ্ট				প্রাচ্টান/তা'বা ছবের নিকট পত কবনাগার স্থান(হল্প প্রসঙ্গ)	<b>イケー製機</b>	-00	962
উদ্যান উৎপদ্ৰের জন্য আপ্লাহ পানি অবভার্ণ করেন	৭৮-নাৰা	36	2000	ডিঠে (ইংরাইয় ও ইগমানিল জা, তার্কুক কারা ঘরের ভিত্তি উল্লেখন)	২-বাকুরো	250	678
প্রধানৰ (অক্সাই বৃষ্টি মরা খন সম্রিবট্ট পদাননা উৎপুর করেন)	৬-আন আম	99	906	হিলন্তেল্ল (কারাঘর মানবলাতির জন্য হিলন্তেল্ল)	২-বার্ণরা	256	678
घन जबुक				প্লান (ইবলাহীম আ,এর জন্য ঘর/কা'বার হলে নিধারণ করা)	२२-शका	46	960
মান্নাত (খন সবুজ ব্যারাত নু'টি)	৫৫-রাহ্মান	68	382		44.4	-	+
पद				ধর (তাবু)	<u> ১</u> ৬-नाइन	bo	903
क्रमहान (जानून न, ध्रत बीएल वर्ति पदा जनहाटना निर्दार्ग)	००-वादराव	00	700	रारक्षा (नवानं नाम शयक्ष मित्र मञ्जूराय फा/बार् बनारन)	30-4144	00	401
অপ্রকৃত (বলকের মূর্বাধনকের দার জনাক্ষত করত নিয়া অনুযাত)	००-व्यवस्य	30	3/08	ঘরবাড়ি (আরো দেখুন বাড়ী-ঘর শব্দটি)		1	1
আৰম্ভ (বাংকিং কুমুক্তকার বাং জ্যাক্ত বাবাং নার ওপুরুত)	8-सिमा	26	864	নের হওয়া (তুলফিবলের খনেরাড় তরতে তের হওয়ার দির্লেশ প্রদাস)	8-1491	60	6.60
	2-4090st	200	678	খর (মসঞ্জিদ)		1	1
জান্তাহর যমের হক্ষ পালন করবে যে	১৪-ইবরাহীম	20	696	সমূপ্রত (ঘর সমূপ্রত রাধার নির্দেশ, আপ্লাহর স্মরণের জন্য)	२8-मृह	06	993
অক্সাহ্য পৰিত্ৰ ছত্তৰ নিৰ্মে বনতি স্থাপন (ইন্ডাইন আ. এর ট্রী-পুডেন)						-	_
ইউসুক্ত যার খরে হিল দেই নারী তাকে প্ররোচিত করণ	১২-ইউসুক	50	৬৭৮	খাঁটি বলে থাকা (খানিতে বলে থাকরে নির্দেশ, মুম্মরিকদের জন্য)	৯-জাভবা	0	680
কসম (খর/বারতুল মান্তি প্রসঙ্গ)	৫২-ডুব	8	25%	অধ্যান (প্রান্তি বলুগ অধ্যান (প্রান্তি বলুগ বলুগ বলুগ বলুগ বলুগ বলুগ বলুগ বলুগ	৯-ভারমা	209	
কার্যবাদর মতে অস্তাহ রূপর হাদ/সিট্ট নিতেন (পার্থব প্রার্থ)	৪৩-মুখকুফ	99	9.99		2-0/04	201	
किरमा (चराव किरमा कमाजार मिर्जन, पुगा/चत्ररमा शीरे)	১০-ইউনুস	2.4	665	খাড়		-	
খালার খারে আহার করাতে কোন দোব দেই	<b>३8-न्द</b>	03	49-2	আঘাত (খাড়ের উপর আখাত, কাঞ্চিয়দেরকে, বলংযুক্তে)	৮-জানকাশ	25	900
চাচার মরে আহার করাতে কেলে লোম দেই	28-77	65	962	আবাত (প্ৰভাৱ সময় কৰিবলের আড় আবাত কৰাৰ নিৰ্দেশ)	৪৭-মুখ্যখাল	8	>>:
মানুল সম্প্রদারের কর পত্তিত অবস্থার থাকা (স্কুপুনের করেন)	২৭-দামল	42	₹08	क्षका कर्ता (प्रानुस कि प्राप्त करत करा शकुरानून, क्षमक करा गएन में)	%2-कियामाध्		22
জারাতে যর নিরাপের জন্য কিরুমাউনের র্রার লোয়া	७७-शर्बीम	33	696	ক্ষয়ার হাতে পরিবত হওয়ার পর পুনরুষানে অবিদ্বাস	৭৯-দাবি আভ	22	200
बसानी (बनी वेमबादेशन घाट घाट 'ब्हानी)	১৭-ইপ্রা	1 4	938	চার্ব (পক)কেন্টার হাচের সহগোর্যপ্রত চার্ব ইক্টোলের জন্য বালাল হিলা)	৬-আনু আম	38%	630
ভাওলাক করা(হল্পে প্রচীন ধর/কা'বা ভাওলাক করা রাসঙ্গ	55-Eat	33	960	উটার্বত করা (বিদ্র-বিটানে ব্যক্ত করিকত করা বিষয়ে সংক্ষা:)	৩৬-ইরাসাম	98	62
काववार क्यार्क्क द्वारान प्रमुखा या कावश्र क्या समान	80-पुरस्य	08	par	তেকে সেৱা (হাডকে গোলত দিয়ে (চকে সেৱা)	২৩-মুখিন্ন	1 78	98
দরার (কমিনসেনা দরে স্থাপার দরকা দান, পার্থিব রাচুর্য প্রানস)				দূৰ্বল (হাড় দূৰ্বল হয়েছে যাকান্তরার)	३৯-मात्रदेशम	8	90
দূর্বলতম খর মাকভুলার খর	২৯-আনকাৰ্ভ	85	272	পরিকত হওয়ার পর পুনক্তবানা (কাতিবাসক বিশ্বস্থ)	৩৭-সাক্সাত	38	
মীর পরিবারের ছবে পাঠকৃত আল্লাবে আরাক স্কল রাধার নির্চাপ	००-आस्पार	08	3100	THERE COME TO THE STATE OF STREET AND	उत्तरमाण्यार	00	
দৰীর খনে অনুমিত ছাড়া প্রবেশ করা যাবে দা	৩৩-আহ্যাৰ	60	200	পরিষত (হাড়ে পরিগত হওয়ার পর প্রতিমান দেয়া হবে!)		85	
নিজেনের বরে আহার করাতে কোন লেখ নেই	२८-मृत	47	927	পুনক্ষরান (হাড়ে পরিবত হওয়ার পর পুনক্ষানঃ)	১৭-ইদ্রা		
নিরাপন হর নির্মাণ করত হিন্দরবানীরা পাহাড় কেটে	3 <i>व</i> - दिलव	2.5	102	বিদত হওয়া (নিদর্শনের প্রতি মানুষের মাড় বিনত হওয়া)	২৬-৩'জারা	8	959
निर्देश (साम्राटक एवं निर्देशिया काम् विभावत्रिक्त क्षीत (मारा)	৬৬-ভাষ্ণীন	22	247	মাটি (হান্ত ও মাটিতে পরিগত হওরার পর পুনরুখান)	২০-মু"মন্ন	P-S	
পবিত্র হত কা'বা মানুষের জীবনধারণের উপকরণক্ষপ	৫-মার্রদা	24	4255	মটি ও হাড়ে পরিবত হওয়ার পরও পুনরুখান?	হও-ওয়াবিয়াহ	89	
পৰিত্ৰ মাজে দিকট বগতি স্থাপন (ইবরাইম আ: এব রাঁ ও পুরেব)	১৪-ইবরাহীম	03	000	মাটি ও হাড়ে পরিগত হওয়ার পর বের করে আল	२०-मू मिन्न	05	98
পৃথিৱ মুবের ব্যরীদের অবমাননা নিমেধ	৫-মার্থিনা	1 2	4po	'যুদগা' কে হাড়ে পরিগত করা…	২৫-সু"মন্ন	78	98
পশিত (যার পশিত পশিত ত্রীর পূর্বস্বাধীর কন্যাকে বিরে হারাম)	8-विमा	20	203	লক্ষ্য করা (উত্তরেরের গাধার হাড়ের দিকে লক্ষ্য করা)	২-বাকুরো	403	
পিপঞ্জান মত্ত প্ৰবেশ কৰাৰ নিৰ্চাপ প্ৰায়ীৰক্ষাৰ পৰিলীৰ আগবঢ়া)	২৭-মামপ	35	Lo2	হাত ঘাড়ের সার্যে শুক্তলিত করে রাখ্য নিষ্ঠিত (কুপান্তর প্রদক্ষ)	১৭-ইস্বা	435	92
भिराव चट्ट खादार कराइट (क्रेस शांच त्यहै	28-90	63	992	ঘাত বাঁকানো		T	
	৪৯-হরুরাড	8	250	বিতৰ (অল্লাহ সম্পৰ্কে যাড় বাজিয়ে বিতৰ্ক কলা, জাৰ ছাড়াই)	३३-शंक	1 8	92
লেন্ধ্ৰ বেকে ভাকা (বাসুল স, কে যাবা মধ্যে পোলে কোনে ভাকে)		20	99.6	lates (attition and another see only one other)	44.0-	+-	+ "
अप्रन (न्द्र जा. वट च्या प्रवेस स्टा श्रातनेकविशत कन कथायकि।)	95-72			মাস	No. of William	1	200
প্রবেশ (ছরে প্রবেশে পূন্য নেই, পিছল নিত থেকে)	5-subtes.	22.5		চৰিত মানেৰ মত কৰা (হাজীওৱালাদের পরিনতি)	204-क्षेत	6	100
প্রবেশ (খ্যরে প্রবেশের সময় স্বন্ধননেরকে সালাম দেয়া)	২৪-ন্ব	67		বিব্ৰে ফেলা শান্ত বিব্ৰে ফেলল (ভিত্ৰভাউন সম্প্ৰশায়কে)			1
প্রবেশ (কোন যরে প্রবেশ নিষেধ, অনুমতি ছাড়া)	২৪-নূব	২৭		শান্তি থিবে ফেলল (ডিরমার্ডন সম্প্রনায়কে)	৪০-সুমিদ	86	) by
প্রাচীন ঘর/কা'বা ভাওয়াফ করা (২জ্ব প্রদান)	22-07mg	57		থিরে রাখ্য		Ι.	1
প্রথম হর বারুয়ে স্থাপিত (মানব স্থাতির জন্য)	৩-আলে ইমরা			আৰুপ যিৰে ফেৰেপতাৰা আল্লাহৰ পৰিয়ান ঘোষণা কৰছে	০৯-বুমার	9,0	79
মুমুর ছরে আহার করাতে কোন দোষ দেই	२8-मूद	63	49-7	যুম (আরো দেখুন নিগ্রা শব্দটি)	1		
ফারান (যে যাত্র বাদরাগ করা হস্ত না ভাতে প্রবেশে লোখ লেই)	২৪-দূর	22	995	বুম (আরো দেবুন নিয়া শব্দাচ) নিম্নন (যুদ্ধ আপ্তহার নিমর্থন)	00-8¥	140	1 64
	১৬-নাহল	bro			৭৮-দাবা	20	200
रिश्वास्त्र होन (ब्रह्माद संपूर्णन कन भवत्र रिश्वास्त्र होन विनिव्यास)				বিপ্ৰায় (আল্লাহ যুয়কে বিশ্ৰাম স্বৰূপ বালিকেছেন)		81	
বের করা (খন খেকে নের করণেন প্রতিশাসক রাসূল স. কে)	৮-वानयान	6	905	বিশ্ৰাম (খুমকে বিশ্ৰাম বানিকেনে আল্লাহ)	২৫-ফুরকান	181	49
বের হওরা (হিজবভের উদ্দেশ্যে যর থেকে বের হওরা)	8-निमा	20		Aza.		1	1
লোকর (মি ফুর্টালনার লিওন হল খা থেকে নো কর যাকের)	৬৫-থাপাত	2	366	বাদ্যনভাৱপানের মুখন্ত জনজ্জ বাদ্যনের উপর বিশর্বর ওপ পিল	৬৮-কুলাম	7,4	> 31
	২৪-পুর	63	বিক্রচ	चुमारना		1	1
বোনের হরে জাহার করাতে কোন দোহ নেই জাইরের হরে জাহার করাতে কোন দোহ নেই	48-70	63	36.7	শান্তি আসা (রাত্তর বেলা মুমত অবস্থার শান্তি আসা প্রসঙ্গ)	4-आ.धक	39	1 84

44	· Share	विवय/दानक	সাবং গ্ৰহ	wer.	483	×Q	বিষয়/এসম	-		J-1
		THE SHARE SHARE	Ja . ( a 414	-	500			म्बान्द ७ मात्र	260	1
মুরতে পা						रुज्युरक्द	দ্রান পাছেন (পিতা ইয়াকুন)	১২-ইউসুফ	38	16
বপরবার	পূরতে থাকার	(কাহারাম ও ফুটত পানির দাবে)	৫৫-রাহ্মান	88	787	Билля	(আরো দেপুন যড়যন্ত্র শব্দটি)			Т
काशनाम ६	হুটন্ত পানির	মাথে পূরতে থাকৰে অপরাধীরা	৫৫-রাহ্মান	88			(মক্তালকে কাভিনাসৰ কন্য পোচনীয় কন্য ব্যৱস্থা	La We	-	+-
ফুটন্ড পানি	ও কাহান্রামে	র মার্বে ঘূরতে পাকরে অপরাধীরা	৫৫-রাহ্মান	88	787			30-91 9	90	6
ঘুৱাফেরা							রো দেপুন চোধ শব্দটি)			
একে অপর	बर कारक हुना	দেবা করতেই বর	२8-नुब	C'r	9310		অষ্ট করেছেল আপ্রাহ, মুনাফিকদের)	৪৭-মুহামাদ	50	>
हिन्द विद्यान	রবা ঘরাফেরা	করবে (জাল্লাভিকের সেনার)	<b>१७-वर्गानगर</b>	23	380		হওয়া (রাসূল স, এর প্রতি জবতীর্ণ কুরজান তনে	৫-মারিদা	50	10
		ন (কিশোর গুডারা/তুরাকিরা করবে	65-54	28	300	নাসাহসে			**	1
चुद्ध चुद्ध		10.41-11-12	47.64	100	945	কুড়ানে (২	লা আ <i>ংক মাজের কাছে বিভিন্নে মাজের চন্দু জুড়ানো</i> )	२०-ड्रा-श	80	19
		শন করা হবে (সোনার ধাদা/গ্রাসে)	0.0	93			চফু পাঁতপ করা	३৯-माइदेशाम	20	T
withing Jr.	N TON THEE	বন কল কৰে (বোনার বাবা/্যাবে)	80-दुरंकर			পাতসকার	(১কু শীতসকারী সন্তান-সন্ততি প্রার্থনা)	২৫-জুরকান	98	١.
*1904*14 (	attili aceste	ক পুরে পুরে পানপাত্র <sub></sub> )	৩৭-সাক্ষাত	82	0.69	শ্বভানের	(एकु गैठगम्बी श्रीवनन, पृत्रिप्तर कृष्टकार्यह)	৩২-সাঞ্দা	39	18
व्यवस्थान	াদশেহ্যরার ম	ত যুৱে বেদ্বাধার অবকাশ	৬-অন্অম	220		पैक्तको	(কৃর আ চকুশীকলকার, বিদ্যাপার্কন ও তার স্থীর)	২৮-কাসাস	8	ъ
		(রে বেটাত ব্যালয়কে পালে করা হয়েছে)	৫০-বৃধ্ব	00	258		শীতশ করের জন্য মূপ্র আক্রে মধ্যের দৈবট কেরত দল্য		30	15
	ালে (দিশেহ					*Post (at	সূব স, এর স্তাবাধার চন্দু শীতল হওয়া প্রসহ)	৩৩-আহ্বাৰ	23	15
উপজ্যবার (	কৰিয়া দিলেহার	হয়ে উপজ্ঞার দ্বরে কেরম)	<b>25-9 अंदो</b>	220	133			00-41641	43	۳
धरि			-	1	1	চকু শীহ			_	1
	it steer (sta	দেলের লোকভিকে)	২৮-ব্যাস	20	200	হাজ্পন (	চন্দু শীতলকারী প্রতিদান, মুখিনের কৃতকর্মের)	৩২-সাজ্বা	24	ь
	a alast Con	nois outloon)	da. Annini	×	9.09		ও তার স্থার চকুলাতপকারা (শিও মূসা)	২৮-জাদাশ	>	b
দূৰ্ণিঝড়				_		চকুমান				т
সামাত (মৃ	adche aixi	তে বাগাদ ভাষীকৃত হওরার উপমা)	২-বকুরা	255	605	অংশ্বের প্রব	ান নয় চন্দুম্মন (উপথা)	৩৫-ফাভির	72	ъ
मुना							বার্তি চতুন্দান অসাও শরকান সঠিকশন থেকে বিয়ত স্করে	২৯-আনকাবৃত	20	Ъ
্রেক্সার স্	শতরে পৃষ্ঠতাশ	দি বরে এক অল্লাহ্নক উল্লাপ্	১৭-ইসরা	85	425	श्रीका स्टीत	মকুম্মন হলেও শহরেন সঠিকপথ লেকে বিচত বাংগ	২৯-জানকাবৃত	ctr	b
मुभिष्ठ							2	Or surreit-	90	۰
	ব্যক ছণিত্ৰ হ	বৰ্ষয় ৰাহান্নমে বাকার নিচৰিশ	২০-মুমিনুন	307	112	চতুৰ	of more other name and an investment			+
THE WINE	প কার বাজিট	বৃথিত হবে (কিরামতের দিন)	২৮-কাসাস	82	P-27	ordis (is	ল ৰানের গোপন কৰার চতুর্বজন বাকেন আল্লাহ)		9	13
war calling	was Siener Sh	শক্তবেশ্বিসর পূর্ণত বনর হরর)			809		হাবে কাহকের জিন জনের সার্থে	72-stás	22	1
			২-বাকুরা	62		চতুর্বাংশ	(দেশুদ চার ভাগের একভাগ শব্দটি)			П
	रक्षक कृतक	বন্দ্র হরে বাওরা প্রসঙ্গ)	৭-মারক	300	954	চতুর্নিক				7
च्यं:						মূপনার চন্ন	নিক থেকে শাল ভূমানে ফুর্নানিকামে বিস্তোহ এনাস	৩৩-আহ্বাব	38	18
বাল্লাহর কা	ছে বড়ই দৃণ্য	কান্ধ (যা কর না, তা বলা)	७७-आकंक	0	960	চতুম্পন			-	۰
ল্বা (প্ৰীর স	দাৰে বিহার ব	म्रा पुना कथा)	৫৮-মুব্রাপালা	2	342	2000	(চতুম্পৰ গৰামি পত হালাল করা হরেছে)	৫-মারিদা	3	١.
काल, भूगा प	লা,এর পরিতে	(বিজিবের বাদক হত্যা)	১৮-করেফ	98	900			Q-40(97)	-	10
	র শ্লীকে বিয়ে		8-1991	44	663	চতুম্পুদ	থবদি পত			Ш
ef network	न जिल्ली भवा	(মপকামভলো)	১৭-ইসরা	est-	939		হুম্পৰ গৰাদি পদ্ধতে অল্পাহর বিধিক দান)	২২-হাজ	5,5	19
DC VID WE	as Convene	নিৰ্বল নিয়ে বিতৰ্ক কৰা)	80-मूसिन	92	202	विशेष (व्य	ল্লাহ বিভিক্তমন্ত্ৰণ যে চতুস্পৰ গৰাদি পত দিয়েছেন	22-8 <b>7%</b>	-08	19
	er ( on the con )	THE PLAN HOW WILL	9013 141	w	003	তা কুৱৰানী	h)	44.04	~	l'
যোড়া				_	-	মতশ্বন ম	হয় (আরো দেখুন গবানিগত/গৃহপালিত পত শব্দটি)			т
		র জন্য থোড়া,বাচনে ও গাবা সৃত্তি)	১৬-শাবুল	¥	900	कारिक्टरा १	कृत्यंत कहर यह शह	৪৭-মুহাম্বাদ	25	2
		র সামনে উৎকৃত্তী ঘোড়া উপস্থাপন)	৩৮-সেয়াদ	42	9.09.	368 (35er	মৰ আহোহদের জন্য চতুম্পদ জন্তর সৃষ্টি)	80-पृत्रक्रम	25	b
		বা উপ্পন্নিলে দৌড়ার)	২০০- আনৱাত		3000		রো দেশুন চাদ শব্দটি)		-	t
চাইত গোড়	ন শেহনীয় ব	না হয়েছে মানুষের জন্য	৩-আলে ইমরান	78	203	Wester (	Cal Cultural States (Months Accessed)	AA WEET		ъ
नेजन (प	ভাৰ উট দৌত	রেনি মুফিলনা 'কবি' এর জন্য)	<b>0≥-4)*f</b> €	0	306	4549 (	মাল্লাহ নিদ ও সূৰ্যকে অনুগত করেছেন)	৩৫-ফডির	70	
নাড (কসম	শে যোগার	বা উপৰোগে দৌড়ার)	২০০- অবিৱাহ	3	2080	वर्गतक (व	হল্লাহ চন্ত-সূৰ্যকৈ অনুগত কলেহেন)	৩৯-মুমার	0	5
যোৱতর				-	-		ক্লাং চন্ত্ৰকে আলো বানিয়েচ(ন)	93-75	36	>
	Gara was s	মিনদের জন্য খোরতর অপরাধ	৩৩-আহবাৰ	60	POP.		ল্লাহ চল্লকে থ্রিম্ব জালো বানিয়েম্বেন)	১০-ইউনুস	¢	8
			१७-वर्गानवार				হরে পঢ়বে চন্দ্র (কিরায়তে)	৭৫-কিয়াখাত্	b	8
	94 JUJ 4464	ং পেগে থাকত, বামের সাধীরা)	GO-calleals	85	284	द्वार इंटर	(মন্ত্ৰকে উনিত হাত দেৰে ইবাহিন আ প্ৰতিশালক)	৬-আন অন	99	18
মোৰণা						वक्य कह	হবে বিশ্বামতে (পূৰ্ব ও চন্তকে)	%2-विश्वापाद	>	>
		পণামরী সম্মানরের ধানে প্রনঙ্গ)	৪৬-মার্কাক	-02	977		ৰ যৰন ভা সূৰ্যের পৱে আবির্ভুত হয়	৯১-শামুস	4	30
महार ७ प्रा	দুল স্এর পং	ह त्थंदक त्याच्या (बच्चं इत्त्रकाद विदर्भ)	১-জবেশ	0	680		ত আক্লাৰ চন্দ্ৰ-পূৰ্বকৈ বানিয়েছেন	৬-আন আম	200	3
वनक्संडीट	সর জন্য থোক	া (সংকর্মশাল ঘর্মীনের উত্তর্যধিকারী)	२३-जापंत	300	929		মর জন্য চলচে চন্দ্র-সূর্য	১৩-রান	3	6
जारकार्या त	VINT POS-	পশিমুলর উপর অস্তাহর দানের	৭-আরফ	88	639	Fred 1	an and hard nitra			
		- হে কাফেলা ভোমধা গ্ৰেৰ	75-5534	90	9970	Heer (a	নুধাবনকারীদের জন্য হস্তু নিদর্শন)	১৬-নামূপ	25	9
		ম্বামতে (শিকটবর্তী ছুল থেকে)	१०-व्यक	87	256		(গপ্র মানুষের কল্যানে নিরেজিত)	১৪-ইবরাহীম	93	b
			28-ईरवाडीय	9	1/80	HOSSNers (1	ভ্ৰ-পূৰ্যকে অপ্তাহ অনুচৰৰ কলালে দিয়েকিত কৰেছেল)	১৬-মার্ল	25	9
The same	or ( Total all	পুরস্কার ও জন্তজ্ঞতার শার্তি)	१-आक्रा			निवर्गने (इ	প্র অক্সাহর নিদর্শন)	৪১-ফুস্সিলাত	তণ	18
		ত পর্যন্ত ইর্নুন্টার একদবলে শার্র দল)		204	954	FIRSTOFF	গরী (গপ্ত-সূর্যকে নিছমাশীগকারী অস্তাহ)	২৯-আনবাকৃত	65	ъ
		ক্রিয়াটন নিজেকে	৭৯-থাব আত	50	3008	নির্বাধীন	(চল্ল ও সূৰ্যকে নিৰম্ভাধীন কংগছেন আল্লাহ)	30-WY	5	6
		বিচাৰ মতপাৰ্যকোৱা নীমানো হত :	১০-ইউনূস	29	969	HENRY	দরেহেন আপ্রাহ ( হস্ত ও সূর্যকে)	৩১-পুক্মান	43	b
		মসবের রাজত্ব কি আমার নরঃ"	8 <b>०-पूर्वज्ञ</b>	42	3-32		(চন্দ্ৰ আল্লাহৰ নিৰ্দেশের অধীন)	৭-আ'বাফ	OB	6
পরকলের	মোৰণা (আন্ত	হ্বে শরীক সম্পর্কে)	৪১-কুস্সলত	81	3/30	feet are		१८ वर्गमंत्र	7 60	
		হিন্দেশ স, এর পক্ষ থেকে তুরু বেকার)	২-বাকুরা	293	000					3
		र्नन (१५डाडीय वा. এর প্রতি)	২২-হাজ	39	950		ী (পূর্ব ও চন্দ্র নিঞ্ক কক্ষপতে সাঁতার কটেছে)	২১-আধিয়া	00	٩
						সিম্বর (১৪	বু আল্লাহকে সিৰুলা কৰে)	5-5-87mg	35	9
ঘোষণাকা	A	ই- 'জলিমনের উপর অস্তাহর লা'নত'	1.00'00	88			ক নিৰুপ না করে অল্লাহতে নিৰুপ করেম নির্দেশ)	৪১-ছুস্সিলাভ	97	ь
nerii debi	ত্ৰক ব্ৰেক্ষণক	ा जानस्थात कार्य जिल्लाको ना नंड			629		(হলু-সূৰ্য ও লোৱ নক্ষর ইউপুনের প্রতি <del>সেম্বরণ</del> কাত)			
		নকটবড়ী ছান থেকে (কিয়ামতে)	৫০-বৃদ	83	328			১২-ইউসুক	8	0
	তক বোষণা	কারী- হে কাফেলা ভোমরা ঢোর	<b>১२-देखेनुव्ह</b>	90	6940	विश्वत अन्	র্য্যী চলছে (চন্ত্র ও সূর্য)	৫৫-রাহ্মান	Q	>
ধ্যবণা করন										
	দপুন অবরো	ধ শক্তি)				<b>इंदरकट्ट</b> म				

মুরতে থাকা চমকরেদ

দ

চমংকৃত	চাওয়া
व्य मुक्त	900

		57	ংকৃত	চাৰয়া			
अस्य विवस्त्र (द्वाराम	ज्यां नर च नाय	वस र	नुका ।	বিষয়/প্রসঙ্গ	नुवा नः ७ नाम	100	প্ৰ
51446	Se comment	223	100	সমতল পৰে মানুহেৰ চলাচপের জন্য পৃথিবকৈ	१५-गृह	50	27.0
রমূল স. কে চমংকৃত করবে (মুনাফিকদের শারীরিক গঠন)	৬০-মুখানিকুল	8	368	সমতে (জাল্লাহর নির্দেশে দৌবান সমূতে চলাচল করে)	১৪-ইবরাই)ম	03	999
	oo gart.	-		সমূদ্রে নৌবাদ চলাচল করে (আল্লাহর নির্দেশে)	২২-হাজ	02	9,68
চরম অপরান (চার অপরান, আল্লার ও রাস্প স, এর বিক্রারারীদের)	৯-জাওবা	60	686	পূৰ্য চলাচল কৰে তাৰে নিৰ্দিষ্ট অৰস্থানে (একটি নিনৰ্শন)	৩৬-ইয়াগীন	Oν	br28
প্রকারতা (চরম পদর্শন, অল্লার ও জনুস স, এয়া নামবাজনানার) প্রকারতা (চরম পদর্শন্তবা,কাক্ষিরদের কাজের উপমা প্রসঙ্গ)	১৪-ইবরাহীম	2p	525	চলাচলকারী			
প্রভারতা (গুলা শহরেরতা, ভাক্যেসের বর্তনার কলেন আলা) প্রভারতা (মূলিরাকে প্রাধান্য দান অধিবারের ফুলনার)	১৪-ইবরাহীম	0	690	সহক্ষে চলাচলকারী নৌধানের কসম	৫১-ঘরিয়াত	0	956
	2014/18/07	Ť	004	PAICASI			
व्यात्मा	২০-ডা-হা	98	988	গর্তধারণ অবস্থায় চলাফেরা প্রদার (হালকা গর্তধারণ)	৭-আরাফ	22.9	400
पुरुष्तित एक प्रवासना भारत पुरिश्वनाम् व कर्ता निर्मात पाछ	79-MIEA	20	900	প্রকর্মত (স্পাদের করা অবস্থায় বড়যারকারীসের পাকরেও করা গ্রহণা	১৬-নাহল	86	908
পত চৰাবে (বৃষ্টির পানিতে উৎপন্ন উদ্বিদে/চারণক্মিতে)	39-4164	30	100	হাজাবে চলাকেরা করত পূর্বে প্রেরিক রাস্পাপথ	২৫-ফুরকান	30	9300
<b>इंडिय</b>		-	ш	বাসস্থানে চুপাট্ডের করত এমন প্রজন্ম ধানে প্রসঙ্গ	৩২-সাম্বনা	39	5-03
মহাদ চরিত্রের অধিকারী রাসুদা স.	ও৮-কুলোম	8	9.05	হাসুল স. চলাকেরা করে হাট বাজারে (কাফিয়নের বিশ্বর)	২৫-ছব্ৰান	9	973
চরিত্রবান (লচ্চরিত্রবান)		_		যত্ত্বাস্থাবার ক্লাফেরা করা অবস্থার পাকরেও করা প্রসঙ্গ	১৬-নাহল	85	906
বিছে (চরিত্রবাদ থাকার উদ্দেশ্যে বিছে করা প্রদাস)	8-নিসা	₹8	660	চলে আসা			
চৰি				আপ্লাহর এই সূত্রত তার বাদ্যাদের মধ্যে মধ্যে এসেছে	80-मू मिन	be	570
ম্বরম (ইফ্লিসের মান্য গরু ও জেন্বার মবি হারাম করা প্রসঙ্গ)	৬-জান্ আম	786	970		80-11-		
pर्दिन्ड				চলে যাওয়া	10.79	64	950
ঘান (হাতীওয়ালানের পরিবতি চর্বিত ঘানের মত)	১০৫-ফীপ	4	1000	অনুমতি গ্রহণ ছাঙ্গা হলে খায় না মুক্ষিকান (সম্বাচনত বাপান্ত)	২৪-নূৰ	99	684
ज्लामान -		1		অস্তা চল যাবে কমিন কবছাত (মূনফিক/কমিনলের আহ্বা)	৯-জাওব ৯-জাওবা	b/2	687
लोबान (छनशान लोबान निनर्गन)	২-বারুগরা	368	236	আন্তা চলে যথে কাফির অবস্থায় (ফুনফিকনের আন্তা)			
মেবের মত চলমান বেব (নিকল পর্যত বিরামতে)	২৭-নামল	brbr	bog	ইউনুস আ, কুন্ধ হয়ে নিজ জনপন থেকে চলে যায়	২১-আছ্যা	44	923
	£ (1-4-)	100	40.	ইবরটোম আএর পরিকল চলে গেল (ইরাইটমকে পিছনে কেনে)	৩৭-সাক্ষাত	90	5-93
541		29	5-53	ইংরাটন জ,এর সম্পানন তল যাওলে পর মূর্তি প্রসার পরিকলেন	২১-আপিয়া	66	928
ইংরাইন আ লোলা প্রতিপদকের নিকে (সঠক পথের আশাং)	৩৭-সাঞ্চাত ৮১-ডাকচীর	36	2009	কাঞ্চিরদেরকে চলে থেতে বলল (তাদের প্রথমণান)	৩৮-সেরাদ	8	2.00
কোধান চলেছে মানুখঃ (কুরাজান পবিত্যাগ করে)				জুক্ষ হরে নিজ জনগদ থেকে ইউনুস আ.এর চলে যান	২১-অপিয়া	29	9.01
চার পায়ে হলে কিছু জীব	২৪-সূৰ	84	993	খাবার গ্রহণ শেষে নবীর ঘর খেকে চলে যাওয়া	৩৩-আহ্যাব	60	500
হ্যায়ার দিকে ( ফিথ্যা অভিহিতকরীনের)	৭৭-সুহ্দাল্যত	00	999	প্রদানিক দিয়ে মাল যার সূর্য, যাকা উলিত হয় (আসমারে কাহক-গ্র.)	२०-बाईक	39	1450
জিলা না চলা (মূদার ফির'আইনের কাছে যাওয়া প্রদাস)	২৬-৬'বাবা	70	999	দলসমূহ হলে বার্মনি বলে মুনাফিবলের ধানাা(খনক যুদ্ধ প্রসঙ্গ)	৩৩-সাহয়ার	20	9.00
म् शास ध्रम किছू सीन	<b>२</b> 8-मृब	84	9.93	নবীর প্রাণ ফের পথমুইসের জন্য আফলোস করে চলে না যায়	७৫-फाठिव	2	₽8
দ্রুত গঠিতে পর্বতসমূহ চলবে (কিয়ামতের নিশ)	৫২-জুর	30	252	পানি গঠারে (বাধানগুরাপার সাধীর আশহা )	১৮-কার্ফ	82	151
নিৰ্বাহিত সময় পৰ্যন্ত চলবে (সৰ্বাঞ্চু)	১৩-রা'ল	2	99.91	পুঠ প্রদর্শন করে চলে যার কাফিররা (রাপুল স. এর আহ্বাদে)	৩০-রম	43	25
নিনির সময়ের নিকে চলছে (চল্ল-পূর্ব প্রসঞ্চ)	৩১-পুকর্মান	2,5	250	পৃষ্ঠ প্রদর্শন করে ছলে পেলে বধিরকে পোনানো যায় না	২৭-নামপ	),o	80
নৌকা (টেউয়ের মধ্যে নূহের নৌকা চলতে থাকপ)	22-ड्रम	82	999	ভা চলে গেলে ফুনফিকরা মুমিনদের সাথে মিলিত হয়	৩৩-আহ্বাব	7.9	bree
নৌঘন (নৃহের নৌযান চলত আপ্লাহর তত্তাবধানে)	৫৪-কামার	78	900	মিখ্য চলে যায় সত্য আসলে	১৭-ইস্বা	1.77	35
নৌহান অনুকুল বাতানে চলাবস্থায় তবজাখাত	১০-ইউনুস	22	626	রাগুল সা এর কাছ থেকে চলে থিয়ে মুনাফিকরা পরামর্শ করে	8-जिला	6.2	25
পথ লেলে নেথকে পেত না জপরাধীর (মেথ নিম্প্রাচ করলে)	৩৬-ইরাদীন	69	266	পুত জ্ব,এর পরিবার হলে যাবে মেবানে মেতে নির্দেশ দেয়া হয়	১৫-হিজন	60	90
পর্বসমূহ চলবে দ্রুত গতিতে (কিয়ামতের দিন)	७३-वृह	30	252	শক্তি চলে যাবে মুখিনাসর, পরস্পারে বিবাদ কবলে	৮-আনম্বাল	85	60
পা (মর্ত্রিলের কি পা আছে বা দিয়ে তারা হলে १)	৭-আ'রাফ	796		ही (प्रकारत ही वर्गन्यास निबंधे भूग ताता त्यादास वर्ग)	७०-पुमराहिन	- 22	24
পিছন চল (কুলা জা এব বোদ শিত মূদার পিছনে পিছনে)	২০-ড়া-ব্য	80	180	চপে যাল্ডা (বাতে)		_	-
পৃথিবীতে চলে বহুমানের বান্দারা বিনয়ী হয়ে	२१-कृतकान	60	700	(প্রায় প্রচার (পা শনহাকরে চলে যাব্যার বিচার(পাউন্ ফুলাইখন আ.)	২১-আপিয়া	95	92
পেটে ভর দিয়ে চলে কিছু জীব	28-94	84	993	1984	Co-min	+	+-
কুরসালার দিকে, মিধ্যা অভিহিতকারীদের	৭৭-মুর্স্পার	59	224	বছর (চ্ছেল বছর নিক্তি মুদার সম্প্রনায়র জন্য, পরিয় তৃমি)	०-पाछिमा	324	20
বাগানওরালারা চলতে লাগল, নিচু ছবে কথা বলতে বলতে	७५-जम्माप	50	949	বছর (চ্ছ্রিশ বছরে দশক্ষ কুশার সন্তোপ্তরে লগা, শানা কুশ) বছর (চ্ছ্রিশ বছরে উপনীত হলে মানুষ বলে)	৪৩-আহ্কাক	26	ho
[PF]			Т	বাত (১৮৯ বাংনা ভাগনাত বাসে মানুধ মানা) বাত (১৮৯ বাংনা ভালপ্রেরিপারের নির্বাহিত সম্যান্ত্রিশ রাত পূর্ণ হওলা		384	
মানুখের মধ্যে চলার জন্য আলোরাত ব্যক্তির উপমা	७-जान् जाम	1344	600	State (Selective) electronical protection of the selection of the selectio	५-वाक्तंत	67	
ভূমিনদের চলার জন্য আলো স্থাপন করবেন আল্লাহ	0 %-वामीन	37	267	রাত (মুলার জন্য চল্লিশ রাত নির্দিষ্ট করা প্রসঙ্গ)	4-4000	142	40
মুদা আ, ও বিজিয়ের (বিজিয় কর্তৃক নৌকা হিন্তু করা গ্রাসক	३४-वादक	42	900	চাওয়া (আরো দেখুন বার্থনা শব্দটি)		+	+
মুসা আ, ও বিভিন্ন এক সাথে চলল (থিতীয় প্রস্তোর পর)	79-4164	99	903	অঞ্জনেকে চার না ঈমাননারের (পূর্ববর্তী ঈমাননার প্রনঙ্গ)	২৮-কাসাস	92	
মুলা আ, ও বিভিন্নের (বিভিন্ন কর্তৃক বাদক হত্যা প্রসঙ্গ)	১৮-বাহ্য	9.8	950	অনুহাহ করতে চাইলেন সাল্লাহ (নির্বাভিতনের প্রতি)	২৮-কালাপ	2	bro
শান্তক পায়ে দু'জন নারীর একজন মুসার নিকট আসল	২৮-কাসাস	20	830	অমসল (পৃথিবীবাদীর অমসল চাওয়া ব্যয়েছে নাকি মসশ)	९२-किन्	20	
সমুদ্রর সহয়েছলে না পৌল্ল পর্যন্ত(মুনার সংকর্ম)	79-4620	90		অমঙ্গল (অল্লাহ অমঙ্গ চাইলে কেউ বন্ধা করতে পারে না)	৩৩-আহ্থাৰ	24	
PAIDAL		+	-	অধিৱাত চান আল্লাছ	<b>२-व्यामकान</b>	91	
অক্তম (পৃথিবীতে চলাচল করতে না পারা/অক্তমদেরকে দান)	২-অকুরো	29	000	অধিবাত চেয়েছিল ঘূমিনাদের কেউ (উত্তল যুদ্ধ প্রদাস)	৩-মালে ইমর		
ক্ষম (পুথবাতে চলালে কথাতে লা পাল/ক্ষমণেওকে নান) নিভিন্নে (ফেলেকারা নিভিন্নে পৃথিবৈত চলাচল করত যদি তবে)		3-2		অভিয়তের আবাস চাইলে প্রতিদান (দদীর স্থীদের প্রনঙ্গ)	৩৩-আহবার	43	
নিয়ন চলচল করে সমুদ্র (আল্লাহর আসেশে)	80-सारिश	22		আৰিবাতের পূরকার যে চার আল্লাহ তাকে দেন	৩-আলে ইমর		
	३३-डॉक	60		অভিয়াতের ফলল রয় যে, অপ্তাহ তার ফলল ববিত করে চল	৪২-প্রা	20	
লেখন চলচল (অস্ত্রাহর নির্সালে লোমন সমৃত্র চলচল করে)				আপোৰ-নিশ্পত্তি চাইলে স্বামীবা থিবিয়ে নিতে পাৰে	২-বাকুবো	44)	
নৌয়ান চলাচল করে (আল্লাহর নির্দেশে)	৩০-রম	84		আলোর ভাইলে স্বামী-স্ত্রীর মধ্যে অস্ত্রাহ মিলমিশ স্থয়ে নিবেন	8-निश	00	43
নোয়ন চলচল করে সমূদ্রে (জান্তাহর অনুয়হ অনুসন্ধানে)	৩৫-কাতির	25		আপ্রাহ কী চানঃ (মশা/কুছে বস্তব উপনা ধারা)	২-বাকুবো	28	00
নৌধান (আল্লাহর নেরামতে সমুদ্রে নৌমান চলাচল করে)	৩১-লুকমান	02			৮-আনকাল	9	200
পাহাড়ী পথে মানুহের চলাচলের জন্য পৃথিবীকে	37-34	20			১৭-ইনরা	bre	9
মানুষ চলাচল করে নিনর্গনের পাপ নিয়ে তা উপেক্ষা করে মেমমালার চলাচলের মত পর্বত চলমান হবে (বিদ্যামতে)	25-ইউস্ফ	30			৩৯-বুমার	8	ъ
	২৭-নামল						

नम् वर्ग तिरह/धनम	न्यां गर व नाम	र्वाद्य :	481	শ্ৰম বিষয়/গ্ৰসক	मुख कर च नाम	पहर र	F
চাওয়া (আরো দেখুন প্রার্থনা শব্দটি)(পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)	-	_		দৃধ পান করতে চাওয়ার দৌষ নেই (পারিশ্রমিক নিয়ে)	২-বাকুরো	२००	9
সাপ্তাহ সাইলে অসুল স. কুরআন পাঠ করতেন না।	১০-ইউনুস	36	956	পুলিয়ার জীবন মাইত থাক, তারা কাঞ্চন্মের লেকে কলত, হায়।	২৮-কাদাস	33	13
নাল্লাহ চান না কঠিন করতে, মানুয়ের প্রতি (রোয়া প্রসঙ্গ)	২-বাঝুরা	7246	650	দুনিয়ার জীবন ও চাকচিক্য চারেয়া (নবীর স্ত্রীদের প্রসঙ্গ)	৩৩-জাহ্যাপ	2,5	3
সাল্লাহ চান না মুমিনদের অনুবিধা করতে	৫-মারিদা	0	69.7	ধ্যংস করতে চান যদি আল্লাহ মারইয়ামের পুত্র মাসীহকে	৫-মারিদা	39	1
অস্তাহ বিশবদানী করতে মইলে উপদেশ উপকারে আমেনা নৃত্ আ,	77-\$e±	***	2927	ধন-সম্পদের ব্যাপারে যা করতে চার মানইয়ানবাসী	22-50	49	10
অস্তাহ ভামাশার সাম্মী এবে করতে চাইলে	२५-जारिया	74	923	থনসম্পদ চাইলে আল্লাহ ! (মানুছ বংশন্য করত)	৪৭-মৃহাধান	99	12
অস্ক্রান্তা মন, অনিবাতে বোন অংশ নিমেন না আলবকে যাব্র)	৩-জালে ইমরা	1 398	460	ধন-সম্পন (নুহ আ, সম্প্রদায়ের কাছে ধন-সম্পদ মননি)	33-4F	270	10
আপ্লার যা চান তাই করেন)	२-वादुरवा	100	600	(ধাকা নিতে চায় যদি কাথিবরা রাসুল ল, কে (সন্ধি প্রসন্ধ)	৮-আৰফাল	64	10
आहार या ठाम आहमन करवन	হ-মাছিদা	1 2	690	নবার বিয়ে করতে চাওয়া (মুমিন নারীর নিবেদন প্রসৃষ)	০০-আহ্যাৰ	00	10
আপ্লাহ নবা পরিবার থেকে অপবিঞ্চল দূর করতে চান	৩৩-জাহ্যাব	00	brote	নবীর স্ত্রীর কাছে কিছু চাইলে পর্দার পেছন থেকে চাইতে যুব	००-साहबार	60	Ъ
অন্তাহ পৰ প্ৰদৰ্শন কৰতে চাইলে ৰাম প্ৰশাস কৰে দেন	৬-আন'আম	256	400	निविद्य मिट्ड वात अनुष्ट्य जटना (वाक्टिटा)	৯-ভাগ্ৰন	05	10
আল্লাহ কাৰো ক্ষতি চাইলে কেউ ভা দৰ করতে পাৰেনা	৩৯-দুমার	40	1/98	নিভিয়ে দিতে চায় জালিমরা আল্লাহর আলো,	53-नायय		
অক্সম কাউকে দয় করতে মাইলে কেউ বা আইকাতে পারেল	৩৯-যুমার	45	b 98	নিবাপতে চাবরা (মহিন্দের ও নিবা সম্প্রানাহের বাল ভালে)	8-निमा	ь	13
জন্মাৰ চাল লা যে মানুৰ ভাকে পাওয়াৰে	৫১-বারিরাক			মূহ আই উপতাপ দিকে মাইলেও জাতির নাছে আন্তরে না (মুলি অন্তর্যুক্ত)		97	6
আপ্তাহ সদনি যাদের হুদর পবিত্র করতে	०-मासिमा	29	8-25		22-5a	Φ8	18
অস্তাহ সদাস বিসেত্র কুলার পাবের করতে। অস্তাহ সদা পার্ট্রে নিতে মুনাকিব/কাফরসেরে (কুলিয়ার জীবচুন)		87	242	নূহ আ, এর সম্প্রদার কোন যুক্তিতে আপ্রাহর মর্থনা দিতে ভালোচ	१५-सूब	20	1
व्यक्तर राज व्यक्त भएक पुन्तवकान्यवास्थात्तरण (पुनावत्र कारान) व्यक्तर राज (व्यक्त स्रोत, मुहद अस्तीन व जवत काल कारान)	2-8/43	66	684	পথ প্রহণ করতে চাওয়ে (বানুদদের পথ ছাড়া ভিন্ন পথ)	8-निमा	750	
	8-मिमा	49	690	পথস্রটন মধ্যে হ'আছাপনিকার কর্তৃক মুমিদের পথস্টান সবস্তে)	8-मिना	88	1
আপ্লাহ তওবা কৰুল কন্ধতে চান	৪-নিশা	29	460	পৰিত্ৰ করতে চনে আল্লাহ মুমিনসেরকে	৫-মালিনা	٥	10
আল্লাহ,খাসুল/জানিবাত হাইলে প্ৰতিনান (নবাঁর স্থীদের প্ৰসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাৰ	43	post.	পরস্পরের নিকট চাওয়ে (আপ্রাহর নামে)	8-निमा	2	10
আন্ত্রাহ পথন্তই করতে চাইলে ২ক স্বর্কীর্ণ/কটোর করে দেন	৬-আন্'আম	256	609	পরিবর্তন (আল্লাহর বাধী পরিবর্তন করতে চায় (বসুঈনরা)	৪৮-ফাতহ	76	t
অল্লাহর নিকট ভার অনুমাহ চাওয়ার নির্দেশ	৪-নিসা	105	6.92	পর্নার পোলা থেকে মাইডে বরে (নারীর স্ত্রীর কাছে কিছু চাইলে)	৩৩-আহ্যাব	20	ħ
অল্লাহ কন্যাণ চাইলে ভা রোধ করার কেট নেই	১০-ইউনুস	209	998	পলায়ন করতে তেয়েছিল মুনাফিকরা (খলক যুদ্ধে)	৩৩-আহবাৰ	70	t
ব্যস্তাহ যেভাবে চেয়েছেন সেভাবে গঠন করেছেন (মানুষকে)	৮২-ইদফিকার	b	2020	পার্থকা করতে চাওয়া (আল্লাহ ও রাসুল স. এর মধ্যে পার্থক্য)	৪-বিসা	260	t
বাস্তাহ যাকে চান যাকে সঠিকপথ প্রদর্শন করেন	২৮-কাসাস	69	1/20	পাপাচার করন্তে চাছ মানুষ (ছবিষ্যাতন্ত)	१०-किवामार	0	t
महाद भनुगत बना समस्य कदाव धमः, विद्यालमा	8-First	25	690	পাকড়াও কথতে চাইল মুখা আ, উভরের শতুতে	২৮-কাসাস	25	t
प्रदास्त महर्षि तर यहां कानत कर देखा प्रश्विक मिटा (Hill	90-67	207	190	পূৰ্ণ কলতে চাইলে (মূখ পানের সময় পূৰ্ণ কলতে চাইলে)	২-বাকুরে		t
सद्भार राज्या भ, धार सरद्ध विरोध क्षमा, विभि क्रमा भ, दक विरोध तन्न	20-W-8	205	985	প্রতিদান (প্রাপুল স. কাফিরদের নিকট যে প্রতিদান চান তা)	०८-गवा	89	
মাহলে বিভাব চায় আবাশ খেতে অবক্টার্থ দিখিত বিভাগ	8-fint	300	496	প্রতিবাদ (বাসুল স. কি প্রতিধাদ রাম যে কাছির		80	1
লুক্তিকলে বিমানার্থনা করতে সভার (অচ্চতের কাছে)	8-निमा			वंगवाद)	৫২-ভূর	80	ŀ
क्ष्मान्त्र (अवस्थान विकास क्ष्मान्त्र विकास क्ष्मान्त्र विकास क्ष्मान्त्र विकास क्ष्मान्त्र विकास क्षमान्त्र	8-निम	509	248	श्रीवेना (प्राप्त विभाग (नामारण प्राप्त कह व्यक्ति तम न)		_	1
উত্তম কিছু চেরেছিলাম (কভির জন্য মসঞ্জিদ নির্মাণ প্রসঞ্জ)			<b>298</b>		৭৬-দাব্ব	3	ŀ
ত্তিক মন্ত্ৰ চেয়াকণাৰ (কাতৰ জন্য বনাৰ্থক মেনান প্ৰদান) উদ্ধত হতে মৰা না বামা, আদেৱ জন্য আহিবাভের আহাস	৯-জাওবা	201	967	প্রতিমান (নৃহ আ. ভার সম্প্রনারের আছে প্রতিমান চান না)	১০-ইউন্স	92	Ι
	২৮-ক্ষোস	bro	25.0	প্রতিদান (মৃহ সম্প্রদারের কাছে প্রতিদান চাননা)	২৬-খ'আরা	709	Ŀ
উন্মুক্ত সহীক্ষা কামনা করে অপরাধীনের প্রভাকে ব্যক্তি	৭৪-মুদাহছিব	65	246	প্রতিগান চান না প্রাপ্ত স. (মানুহের কাছে)	৩৮-সোধান	p.o	13
উপদেশ গ্রহণ করতে চায় যে, তার জন্য রাত ও দিন	২৫-সূত্রকান	62	9346	द्यविमान भन ना डाम्न म. (पुनिनालत पाड़ीबराद करावा सन्। विक्रू)	8२-ण्डा	50	Ī
এক প্রীর স্থলে অন্য প্রী স্থলাভিবিক্ত করতে চাইলে কর্মীয়	8-विशा	20	449	প্রতিদান চান না রাস্প	১২-ইউসুফ	208	ŀ
ল্যাণ ও সম্প্রীতি সওয়ার মিখ্যা কসম (মুনাঞ্চকদের)	8-निगा	62	698	প্রতিদান চান না রাসুল স. (সতর্বকরণের জন্য)	২৫-ফুকুকান	49	t
ল্যাণ/অনুমহ অল্লাহ চাইলে ভা রোধ করার কেউ নেই	১০-ইউনুস	201	958	প্রতিধান চার্যনি হুদ আ, আদ সম্প্রদায়ের কাছে	33- <del>3</del> #	43	ħ
e8 দিতে চান না মূপা আ.কে মেয়ে লুটির পিতা	২৮-বংগাস	29	670	হাতিদান হয়ে না, যারা তাদেরকে জনুসরগের আহ্বান	৩৬-ইয়াসীন	52	ħ
গকুতিমিশতি করে চার যা এমন ফর্কারকে দান করা	২-বাকার	290	000	প্রতিপালকের আছে আকাপ-পৃথিৱীর সরাই চার	৫৫-বাহমান	49	t
मिन्दर्श कि शक्ष्यत्र कहार शहर	৫২-ডর	84	200	গ্ৰন্ন কৰকে ভাৰতা, ৰাপুল স. কে (যোৱাৰে মৃদ্য আ কে কৰা ব্যৱস্থিত)		John I	ľ
গমনার অনুসরণকারীয়া চার অন্যরাও তাতে বুঁকে পঞ্জ	৪-লিনা		690	প্রমাণ করতে চাকার, অস্ত্রাহ্র জন্য (কর্মিবকে বন্ধু প্রকা প্রদাস)		388	t
ম্বিকার ক্রয়ে নিবে মোহজো বাল (মুমিন স্ত্রীকুর নিরাট কেকে)	৬০-মুমতাহিনা	30	696	প্রতিদান (হুদ আ, সম্প্রদারের কাছে প্রতিদান চান না)			
বন্ধানক ইপাই ভাওৱা (আল্লার ছাড়া)	৩৭-সাফ্যাত	20	969	থানিকাল চাত্তা (পূত আ, তার সম্প্রেলাসের কাছে প্রতিদান মান না)		ર્સ	Ŀ
কর্ম করতে চাতান্য প্রতিফল বঁট হতে পারের (আইনের ব্রী প্রসঞ্চ)				व्यानमा अवस्य (मृत वर्षा न वर्षामाञ्चल करत्व द्वारमाम सम मा		Y68	Ŀ
न्यस प्रतार प्राचान व्यापक का बहुक पाइट (आवहरूस का जनस्) न्यस बहुक अब टर, कार बन्दा ताक व मिन सानाहर्ता	25-12234	24	693	्रिमन प्रथम (प्रयोग जा. जा गणनाव्य कार दिमान प्रमम)		79.0	Ŀ
	২৫-ফুরকান	64	200	क्षरिमान प्रथम (मानिश्च पा. एत मण्डानाका आइ.वाहिनान प्रथम)		386	Ŀ
न्वकार (सराव कियाद एनकारमा प्रमुखा सद्ध एकार हार म)	৭৬-দাহর		266	প্রতিদান চান বি রাসুল স.१ (অক্সাহর পথে জাহাদের ছন্ট)।	৬৮-কুলোম	66	3
পিন্সার করতে মহিলে আল্লাহ (কেন্ট্র উদ্ধার করতে পারবে না)	৩৬-ইয়াসীন		৯৫০	अधिनान सन् मा बागून ग., प्रमुख्या काळ (अधिकाना प्रमुख्या क्षणा)		go	3
রচ হার কি রাপুল স. (কাঞ্চিরদের নিকট)	২০-মুখিন্দ	92	990	প্রতিশালক ভেইলেন (ইয়ান্টাম বলকার ব্যাপ্তার হোক এবং)	79-41 <u>6</u> th	25	Г
লানত করতে হার যদি যুদ্ধবন্দিরা	৮-আনফাশ	43	600		৫৩-নাজম	30	3
বতে সম হওয়ারীরা (আকাশ থেকে অবজীর্ণ খাল্য)	<b>८-मातिमा</b>	220	2×8	पिटना,निक्सारस कार्य अस्य दशा मनिन्द्र मृत्यिकत 'ज कर्य	৩ঃ-আহ্বাৰ	38	5
ব্যাব চাধার (যে পুনিরার ছঙারব চার তার জ্বাব উচিত হে)	8-মিদা	308	238	ফিবজাউনকে দেশ/ঘানীন থেকে বের করতে চায়া (মৃসা)			3
ন্মাতিৰা যা চাবে ভালের ৰুন্য ভাই বাছেছে	৫০-বারু	02	85-6		०-माबिभा		4
দ্রুফীরা যা কামনা করবে ভাই পাবে	84-भूश		bac	কোন ক্ষমতা দেট			ľ
ল্লামীরা যা মইবে দব পাবে জাপ্পতে,	৩৬-ইয়াসীন		224	দ্যাসাদ সৃষ্টি করতে চার বারা পৃথিবীতে	২-বাকুারা	200	4
পুম (মানিয়েল ইবিমে কুলুম করতে চাইলে হস্তুপালাকে পঞ্জি)	55-9346		960				9
	৪০-মুমিল		rbro				
পুন করতে চান না আল্লাহ (বান্ধার প্রভে) পুন করতে চান না আল্লাহ জগতসমূহের প্রভি							¢
	০-আলে ইমরান		285				b
লা (জাল্লাহ দয়া কবতে চাইলে কেউ নাথা দিতে লানেলা)	৩৩-আহ্বাৰ		80%				ь
নিবার পুরস্কার যে চার আল্লাহ তাকে দেন	৩-আলে ইমরান		483	বের হতে চাবে আছন থেকে কাফিররা (কিপ্রামতে)		09	Q
নিয়ার ফলে মেইলে সে দুনিয়ার বিছু পায়, আনিয়াতে বিছু পারে না	85-48		060		55-5at	22	1
দিয়া (গণিমত ডেয়েছিল মুমিনদের কেন্ট)	৩-জালে ইমবান	202	220	বের হাতে চাওয়ে (জাহানুমে তেকে পাপাচারিত বের হতে মেইলে)	৩২-সাজ্পা	20	r
ধ মাড়াতে চাইলে অপরাধ নেই (দ'জনের সম্বতিতে)	২-বাকারা	२००	229				ò

চাওয়া চাওয়া

<b>中</b> 平 世.	বিষয়/গ্ৰন্থ	न्द्रा स् च सर	100-3	170	Mindra dia ta Are/state	मृह्यं भर च सम	वार्थ न	गुंध
চাৰৱা (আরো দেব	ধুন প্ৰাৰ্থনা শব্দটি) (পূৰ্ব পূঞ্চা থেকে)		_		চাকুৰ			
মন বা কামনা করবে	र स्टेर शास व्यविष्ठल मूमिनश्य (साम्राटक)	৪১-কুগনিবাভ	62	999	দেখা (মানুৰ জাহান্ত্ৰাম চকুৰ দেখতে পাৰে)	১০২-ভাকাইব	٩	200
মর্থন (নুহ জ, সম্প্রন	रक्षर जेनद प्रयोग प्रक्रम्, तुष्पनदा रणण)	২০-মু"মিদূন	38	909	5151			
মানুষ চাইলে প্রতিপা	লকের পথ গ্রহণ করতে পারে	৭০-মুখ্যান্দল	29	2012	কল্যা (চাচার কল্যাকে বিচর করা বৈথ)	৩৩-আহ্যাব	20	2009
মনুস থা বিভু ক্রেছের ব	মপ্রহ'রর সর্বই দিয়েলে (অক্তর্জর এসঙ্গ)	১৪-ইবরাহীন	<b>c</b> 8	999	ঘর (প্রচার ঘরে জাধার করাতে কোন দেবে নেই)	२८-मृत	65	993
মিশ্ব অভিহ্নিতকারীর ম	ম (রাপুণ দ, নমনীর হলে ভারতে নমনীর হবে)	৬৮-বুলোম	>	392	ster		_	_
नुसर्वोद्ध साम्रहरू श	পাৰ্ডিতে ফলমূল আনতে বলবে	৪৪-ল্বন	99	308	কন্যানের (নাইর কন্যানের চামর পরিধানের নির্দেশ)	৩৩-জাহ্বাব	63	bro)
মুনাথিকলের কল্যাণ	ও সম্প্রীতি চাওয়ার মিদ্যা কসম	8-निमा	69	208	কুলিয়ে লেয়া (নবীর কন্যানের চাদর কুলিয়ে লেয়ার নির্দেশ)	৩৩-আহ্বাৰ	25	3:03
মুখ্য আনের কাছে ক	মহলে কিয়াব বড় কিছু চেয়েছিল	8.927	250	693	নৰীক্ষে চানৰ পৰিয়ানৰ নিৰ্দেশ (পৰ্ন প্ৰসঙ্গ)	००-आस्पान	69	5.03
	গতে বের করতে হার (মির'অভিনয় উভ)	২৮-ড'অরা	0.0	95%	314		4.0	
	জাউন বাহিনীতে দেশ তেতে কো করতে চার:	२०-हा-श	90	488	ধন সম্পদের জন্য চাপ নিষে আপ্লাই মানুহকে	৪৭-মুহামাদ	49	226
	নোয়া আল্লাহ কর্মুক করুকের ঘোষণা	२०-ध्र-च	Φ6	980		87-241-117	97	830
	্র প্রতিপালকের (ক্রাম আপতিত হল্ডা প্রদক্ষ)	२०-ग्र-श	50	986	<b>সপর্বাদো</b>			_
	(ভাড়ির প্রীদের সিবট)	७०-इम्बाहिन	30		মুখমওল চাপড়িয়ে বলল ইবরাহীম আ,এর প্রী- বৃদ্ধা	<b>७५-याब्रह्म</b>	2,6	826
	ছিল ইবরাহীম আ.এব দশ্রনার	৩৭-নাক্ষ্যত	39	3467	रहा)			
	নবভার উপাসন থেকে বিশ্বত প্রথতে ভাস।	১৪-ইবরাইম	20	658	হাত চাপড়াতে লাগল,অনুপোচনার (বাগানওয়াগা )	77-szás	84	945
दिविक जन ना जाका		१३-वादिशान	49	25/2	চাপিয়ে দেয়া			_
	ং (মানুবেল কাজে) পুল স, এর কাছে বিধিক চাননা, তিনি	50-31-81	202		অপভাবের বোভা মুখা আ,এর সম্প্রদায়ের উপর চাপাদো	২০-ফা-ঘ	3.4	986
রাস্প স, কে রিথিক		40-31-41	1204	155	(বাছুর পূজা প্রসঞ্চ)			Į.
	লে।) বিহা সুভিব ভংগ ইকি মাইলে মুক্তি বৰা)	18-7€	-	333	অক্সাহ চলিয়ে দেন না কাউকে সাংঘাতীত কেনে দায়িত্	৭-আগ্রহ	84	636
	ার রুখের কণ্ড রুক্ত সহলে চুক্ত দক্র…) র, পৃথ্য যে আনেন (সমকামিতা প্রসঙ্গ)	22-2s. 49-5e	13	990	কটোরার রাশিত্র না পেরার অনুরোধ, বিজিয়াক (মৃদ্য আন্রান কুলো জন্ম)	72-stén.	90	900
		33-वृत्त 8-निमा			কট চাপিয়ে নিবেন আল্লাহ ওয়ালিদ ইবনে মুগীয়ার প্রতি	৭৪-মুশাছছির	24	886
	(गविरायक १९४४) कार्य प्राप्त गाराम)	৪-াননা ৫-মাছিলা	60	268	নিকৃত্তী শান্তি চাপিয়ে দেয়া (একদল ইছনির প্রতি)	৭-আ'রাফ	359	646
	तुषात अध्यक्ष मध्यक्तम भक्तक्त्व विद्वाप परित्र छ।।)	g-आशन्त -	27	697	নিকৃত্ত শান্তি চাপিয়ে নিত ফিরজাউন (মুগার সম্প্রদারকে)	১৪-ইবরাহীম	6	654
চাওয়া			_	$\vdash$	নিবুট শান্তি মণিয়ে নিত (বনী ইসরাইলকে ফিরজাটন বংগ)	ব-প্রা,থার	282	626
	গ্রহ মুনাফিকনেরকে (নুনিরাতে)	৯-ফাঙৰা	9.5	585	পৃথিবীলৈকে চপিয়ে লোৱ বোঝা হতে বুফিবলের অবাহতি প্রর্থন	২-বাকারা	276	0.00
	বিষ্কু অপরক্ষে ব্যরণে (ফুর্মফিবক্রেরে)	৫-মারিদা	85	20%	মুমিনালের পূর্ববর্তীনের মত বোঝা রাপিয়ে দের হতে সবাহতি	২-বাকারা	276	000
ও'আইৰ আ, ভাৱ নি	হেছদের বিপরীত কিছু করতে হান না	22-4H	br	690	শারি অশিয়ে কো কৌ ইসরাইলের উপর ফিরজেউন বংশ কর্তক)	২-বাকারা	85	200
খড়বস্ত্র করতে চাওয়া	(কাফিররা কি ষদ্ধুয়া করতে চাব্য)	৫২-ডুর	83	302	সাখ্যাতীত বোধা আল্লাহ কাউকে যদিয়ে দেননা	२-शकावा	25%	
সংশোধনকারী হতে।	চাধ না মুসা আ, (শক্র ব্যক্তির বলস)	২৮-অসস	22	bob	সাবাভীত বিহু আল্লাহ কাউকে অপিয়েপেন না	৬-জান আম	202	1623
সংশোধন (৩'আইব	হা, কেবল সংশোধন গ্লন।	३३-इन	W	590	সাধ্যামীত দায়িত চপিয়ে দেন না আল্লাহ কোন ব্যক্তিকে	२०-म्*मिन्ग	64	988
সক্ষরির থাক্তে মইলে	ণ পৰ্নীদেৱকে ব্যক্তিয়ায়ে বাধ্য করা দিবেধ	२८-नृष	00	333	সামার্থ্যর অভিবিশ্ব বোঝা না চাপানোর জন্য সোধা	২-বাকারা	5946	0.00
महिकाला असरीन काहर	চ মাওয়া (আল্লাহ কর্মক পথনেট বভিবেত)	8-सिमा	75	Ø 559	সামার্থার অভিনিক অপ্নাহ কাইকে রাপান না	১৫-ডালাক	9	292
	প্ৰাহত কাছে যা চাবে ভাই পাৰে	৩৯-বৃমার	48	b-38	sift		_	-
	হেছে কৰুত (নৱা হলে ভা বৃদ্ধি পাও)	<b>00-₹</b> ¥	ab.	1-50	অনুশ্যের চাবিসমূহ আল্লাহরই কাছে বলেছে	১-আন্'আম	23	802
সম্পন (আপ্রাহ সম্প		৪৭-মহাম্বন	95	976	ধনভাগ্ৰাহেৰ চাবি বহুন কউসাধ্য ছিল (কাৰ্ত্ত্ব ধন-ভাডার)	১৮-কাসাস	98	728
	পন হার মু'মিনরা, যুদ্ধবন্দির বিনিমরে।	৮-জানকাল	93	(yet)	মনিক (মনির মনিক হয়ে থকলে আহ্বর করাতে লেখ দেই)	28-74	93	963
	মনে রাধুক,সম্মান বদু আল্লাহরই	৩৫-ফভিব	20	989	sfeet2	40.454	0,	10.
	ছ যে (কুৱমান ভার জন্য উপদেশ)	৮১-ডাকচীর			আক্রপ-পৃথিবীর চাহিকাঠি আল্লাহরাই			
			4/2	2009		৪২-পুরা	25	295
	প্রাহ, মানুষের প্রতি (রোজার বিধান) কে চাইত বাভাস সেনিকেই প্রবাহিত হত	২-বার্থবা		650	অকশ্মক্তী ও পৃথিবীর চাবিকাঠি (অল্লাহর কমে)	৩৬-বুমার	90	798
		O'S-CHINE	06	pipp	চাৰ্ক		_	
	কি মুদাঃ (শত্ৰুবাজির জিজানা)	২৮-কাসাস	7.9	209	শরির চন্ত্রক মারদেন প্রতিপালক (আন, মানুল ও বিদ্যাআলয়ন্তরক)	৮৯-सम्ब	20	205
	মুনাঃ (শত্রু বাজির জিজানা মূন্যকে)	২৮-কাদাদ	7.9	prop	शंसकृ			
হ্যাবল হায় যে কাবিল	বহন করবে হানিলের ও কাবিলের শাপ	৫-মাছিদ্য	435	628	ৰপানে (অগরাবীদের চামড়া বলিয়ে দেবে দেলিয়ন অগ্নিশিব)	৭০-মা'আরিজ	36	29.7
চাওয়া (বিয়ে কর					গৰাৰি গতর চামড়া দিত্তে মাধুখের খর(ভাবু) বানানো	১৬-নাত্স	3.0	903
মোহরাদার বিনিময়ে	বিয়ে করতে চাওয়ার অপরাধ নেই	8-मिला	48	690	গলাসন্টেক্তর পানি নিয়ে বিফর্বকারী কাছিকের অমধ্য গলিয়ে নিখে)	<b>ラグー記録</b>	50	960
চাঁদ (আরো দেবুন	ন চলন শব্দটি)				ঝলনে দেৱা (চামড়া কলনে দেবে 'দাকার' দামক জাহান্তাম)	৭৪-মুদাছহির	25	883
কসম চালের (যখন দ		৮৪-ইনপিকাক	35	3038	তাৰু (গৰাদি পাচর চামড়া দিয়ে মানুষের ঘর/তাবু বান্যনো)	১৬-নাহল	9.0	903
कम्ब होत्सव		१८-सुभाइवित	93	362	শ্ব হল্লে (অয়ত ভবিশ্বসীর চাম্ম্য শ্বর হল জন চাম্ম্য)	8-मिन्नः	¢δ	Ø-58
জ্যোতির্ময় মদৈ বাদিং	rarray Nietz	२१-गृहकान	65	970	প্রতিস্থাপন (কবিয়ের এক রামরা নও হাল জন্য রামরা প্রতিস্থাপন)	৪-দিসা	69	Ø 58
	র পক্ষে মানের নাগাল পাওরা সম্ভব নর)	৩৬-ইয়াদীদ	80	V28	চাৰ			
	বিভিন্ন মনযিল নিৰ্বাহণ করেন আল্লাহ)	৩৬-ইয়াসীল	69	b68	দিন (চার দিনে পুর্বিশীকর্মীর খান্য নির্বাচন ও পর্বক্রমণা স্থাপন)	৪১-ফুস্সিলাত	30	brone
	man - man turner when gibbs)	+0.486.64		***	পানি (ভারটি পানি পোষ মানাতে ইংরাইমতে অস্তাহর নির্দেশ)	২-বাকারা	480	203
চাদ (নতুন চাদ)	and it as firmed	h manual	20.7	422	পাৰা (চার পার্বাবশির কেরেশতাকে বাণীবাহক করেছেন)	৩৫-ফাভির	3	784
	াসূল স. বে জিজনো	२-राष्ट्रावा	39.7	657	মাস (চারটি মাস হারাম বা পবিত্র)	৯-জ্বেরা	00	686
	দেখুন সুশোভিত শব্দটি)				মাল (মত্র মাল ১০ জিন প্রথমিক)ইখন পালন করবে প্রী, স্বামির মৃত্যু	২-বাকারা	208	43.
হাওয়া নেবীর স্ত্রীদের		००-व्यवस्य	39	90.4	80)			1
	পুনিয়ার স্বীবন/চাকচিক্য চাওয়া প্রসঙ্গ)	00-3664						
	। দুনিয়ার স্বীবন/চাকচিক্য চাওয়া প্রসঙ্গ) কচিক্য কামনাকারীর প্রতিকল দুনিয়াতেই	22-44 22-44	76	666		৯-জার্থা	3	384
পুনিরার স্বীবনের চাব				989 360	মান (চরমান ভ্রমধের অবকাশ, মুশরিকদেরকে)	৯-জবৰা ১-বাকাৰা		
পুনিরার জীবনের চাব পুনিরার জীবন কেবল	ৰচিক্য ৰামনাকাৰীৰ প্ৰতিকল দুনিয়াকেই দ মাকচিক্য, পাৰস্পৰিক অহংকাৰ ৩	22- <u>4</u> 4	76		মাস (চরমান শ্রমণের অবকাশ, মুশরিবদেরকে) মাস প্রতিক্ষা (স্থানৈর সাথে 'ইলা' বরলে)	২-বাকুারা	226	220
পুনিরার স্বীবনের চাব	eচিত্য বামনাকারীর রাতিকল দুনিরাভেই গ চাকচিত্য, পারস্পরিক অহংকার ৩ বুন জ্তা শব্দটি)	22- <u>4</u> 4	76		মান (চরমান ভ্রমধের অবকাশ, মুশরিকদেরকে)			280 230 998 990

पत्र निरा/दान	সূৰা বং ও বাৰ	ALC 9	200	<b>神</b>	MARK SAME	O'r	200
চার (চার পা)				ইউস্থ আ, চিনতে পারদ তার ভাইদেরকে			
চলা (চার পারে চলে কিছু জীব)	२८-नृब	82	993	চিহু ছারা চিনতে পারবে (আল্লফনাসীরা প্রভোককে করেছিল)	৭-আ'রাক	86	67
চার (চারবার)		Γ.		চিহু বাধা চিনতে পাথৰে আধাকবাসীয়া কাহান্লাদের লোককে	৭-আবাক	89	67
মাকা (ধারবার সাক্ষা নিবে প্রীর নিরুদ্ধে অভিযোগ উথাপনকারী)	২৪-নূব	0	998	লোমত (কৰিব অল্লাহর লোমত চিদেও বা অধীকর করে)	১৬-নাব্দ	900	90
সাক্ষ্য (সরবার সাক্ষ্য দিবে ত্রী হে, তার স্বামী বিখ্যাবাদী)	२8-नव	5	118	পণ্যমূল্য নেখে চিনতে পাত্ৰৰে ইউসুফের ভাইডেরা কিরে পিরে	३२-१७गुरु	62	60
bidan		-	-	বন্ধন নেৰে চিন্তে পাৱা (আত্মৰ্যাদা সম্পন্ন ফৰীবনেৰকৈ)	২-বাৰুৱা	290	60
বিষ্ণে (মই, ভিন বা চার জনতে বিয়ে করার বৈধকা প্রসঙ্গ)	g_Sixt		000	Stat			
সান্ধী (ব্যক্তিয়তের ভেত্রে চারকন সান্ধী ভলব প্রসঙ্গ)	8-591	22	cev	আয়াত কৰিন (মানুহের চিস্তার জন্য জাল্লাহর আয়াত কৰিন)	4-4993	200	00
ভারণশ্বমি		-	1	व्यक्तात वर्गन (विश्व करार करा)	২-বাজার	579	23
উৎপদ্র (আপ্রাহ সরণশ্রমি উৎপদ্র করেছেন)	৮৭-মোলা	8	2025	অন্তাত কৰা (চন্তা কথাৰ জন্য) আত্মাত নিয়ে গতীৰ চিন্তা কথাৰ জন্য কিচাৰ অৰভীৰ্ণ	८৮-शावान	59	50
বংগ করেছেন আল্লাহ (পথিবী থেকে)	৫%-আগ ৭৯-মার্যাজ্ঞাত		3038		৭৪-মনার্যাধ	29	99
বের করেছেন আল্লাহ (পূথকা থেকে) ভারপাশ	15-Alle alle	9)	2008	ওয়ালিন বিন মুখীরা চিস্তা করণ এবং সিঞ্জন্ত নিল		29	99
		_	$\vdash$	কাৰিবল্ল কি গতীৰ চিন্ধা কৰে নাং (কুৰজানেৰ কৰা নিয়ে)	২৩-মুমিন্দ ৩৪-সাবা		
জাহনের চারপাপের শোকরা বরকতমত্র (মূসা আ:«ভ	২৭-নামশ	r	9.00	কাভিবরা চিরা করবে দু'জন বা একজন করে দাঁড়িয়ে		88	9.5
স্বাস্থ্যহকে দেখতে যাওয়া প্ৰদৰ্গ)		Ь.		কুরঅন নিয়ে চিঞ্জা করে না (মূনাফিকরা)	৪৭-মুহাম্বাদ ৪-দিসা	78	63
স্বারশের (স্বারশের চারশানের মেরোশনার ক্ষমা প্রচর্মন করে)	৪০-মুমিশ	9	but.	ভূৰজান নিয়ে চিবা-গ্ৰেষণার উপর কান্যায়োপ		88	
স্বারণের চারপাপে ফেরেশফা স্বাস্থ্যাহর পবিক্রতা ঘোষণা করে		98	3.64	कुलकर निर्धा स्था किंद्रा करता व सन्त समूत्र गाउँ व वैन्द्र सन्दर्भित	১৬-নাহুল	88	90
আদেকিত (সরপাশ আদেকিত করার পর আলো কেড়ে	২-বাকুরো	24	600	অংশ্রেপ মাহিসম্পন্ন ও মহিবলৈ সমান না হওৱা সম্পর্কে হিছা করা	৬-আন'আম	đο	80
দেৱা, মূলফিকের উপমা)		_	$\perp$	ব্যৱসম্পন্ন ও ব্যৱহাৰ সমান না হওৱা সম্পাকে চকা করা সিজেনের চিকা করে না (অধিকাংশ মান্থ)	७०-वान् जाम -	40	90
জনপৰ (মরপাশের জনপন ধাংস ও আয়াত কনি প্রসঙ্গ)	৪৬-আহ্কাক	₹9					
বিশ্ব'অভিনয় মোপাশের পরিকার্যার করছ মূল আরে জনুকর বল	২৬-৬'ডারা	<b>C8</b>	952	চিজ্ঞান (থারা চিন্তা করে তানের জন্য নিম্পান করেছে) চিজ্ঞান প্রকাশ-পর্কারি স্থানিক নিম্পান করেছ জন্ম বার চিরা করে।	১০-রাদ ৪০-কার্মিয়া	20	99
বিশ্ব'মাউনের মরপাশের গোকনেরক প্রতিপালক সম্পর্কে কর্য	২৬-৩ জাৰা	₹2	42.9				
মঞ্জর মালেশের লেকদের সভর্ক করার উদ্দেশ্যে কুরআন অবর্তীর্ণ	৪২-প্রা	3	9.97	বর্ণনা (চিন্তাশীলনের জন্য কাহিনী বর্ণনা, উপমা প্রসঙ্গ)	৭-আ'রাফ	239	65
মন্তার চারপাপের লোকদের কুরমোন স্বারা সতর্ক করা প্রসঙ্গ	৬-আনু আম	34	608	যানুৰ চিন্তা করবে দেই লচ্ছে: উপযা পেশ করেন জন্তাহ	৫৯-হাপর	52	90
মনীনর চার পাশের কেবইনচার জন্মও সংগত ন্যা যে, ভারা	৯-ভাগে	320	660	রাসুল স্. সম্পর্তে চিক্তা করা (ভিনি পাণপ নন, সতর্কবারী মাত্র)	৭-আ রাফ	29.8	40
মসন্ধিলে আক্সার চারণাশ বর্ষতময় করেছেন আল্লাহ	১৭-ইসরা	3	928	সম্প্রনার (চিপ্রাপীন সম্প্রনারের জন্ম নির্দান, প্রী-পুরুষ সৃষ্টিতে)	\$0-8¥	52	63
রাহল স, এর চার পাশ থেকে মুফিলান বিচ্ছিন্ন থয়ে পড়ত যদি	০-মালে ইম্বান	242	665	সৃত্তি সিয়ে (জ্বাকাশণ্ড পৃথিবীর সৃত্তি নিয়ে চিন্তা করা)	৩-জালে ইমগ্রন	292	26
হার্মের মরপাশে ছিনতাইর হয় (অধ্য এটি দিরাপদ)	২৯-জনকাৰ্ড	69	P-93	Sarte			+
চার ভাগের একভাগ	OF STREET		12.00	্তিক শাল নিশ্ৰিক আছে ভিক্তবিশাসৰ কৰু (মান্তব্যুম ক্ৰান্তিৰ হতালে)	৩৯-যুমার	84	51
শ্বী হার লাগের এক ভাগ পাবে (সন্ধান না থাকলে)	8-991	22	207			22	
বামী চার ভাগের এক ভাগ পাবে (সন্তান না বাকলে)	8-501	25	997	নির্দান (বুলী বার ফল-ফলল উপ্স্রে হওয়ে ডিরাশীপানের কন্য নির্দান)	১৬-বঙ্গ		90
SIG	g-PP-1	~	440	সম্প্রধার (চিন্তানীল সম্প্রধারের জন্য নিদর্শন, মধু প্রদাস)	১৬-নাত্স	99	90
			-	সম্প্রদার (চিন্তাশীল সম্প্রনায়ের নিদর্শন পর্থিব জীবনের উপমা)	১০-ইউনুস	₹8	00
উৎপন্ন (আল্লাহ বৃষ্টি দ্বারা হারা উৎপন্ন করেন)	৬-আন্'আম	99	900	ডিভিড (আরো দেখুন উধিচু শব্দটি)			Т
<b>हालक</b>		Ц.		লভ আ ভিন্নিত চলেন ফেলেশভানের আগমনে	২৯-আনকাব্ত	95	6.5
প্রত্যেক ব্যক্তির সাথে একজন চালত থাকবে (কিয়ামভে)	৫০-কুফ	57	950	শত আ, চিক্তিত হলেন (কেবেশতাদের অপমনে)	33-4H	99	81
চালিত				চিবানো পিও (মুদগা)			+÷
পর্বতমালা চালিত করা হবে (কিরামতের দিন)	৮১-ভাকভার	0	300k	प्रमुख मुद्दी अन्तर (वेर्ष प्रमावा पुनन्द्र विरोध नित -दावार अस्परत)	22-10MF	0	92
পর্বতমালা (চালিত করা হবে কিরামতের দিন)	३५-वाइक	89	936		44-804	4	174
পর্বতকে চালিত করা হবে (শিঙ্গার ফ সেয়ার দিন)	৭৮-নাবা	30	3003	विद्व		_	1
পথ্যত দ্রন্দিত করা যেত যদি করজান করা (মনি-যুগর জাকজ্ঞা)	30-WY	03	692	বেড়ি পরিয়েছেন আল্লাহ (কাফিরনের গণার চিবুক পর্যন্ত)	०७-हेग्राजीन	b	bro
जिल्ह्य योख्या		÷	100	194			
বৃদ্ধ চালিয়ে যাবে কাফিব্ৰুৱা যক্তকণ না বীন থেকে বিচাত	२-शका	211	658	হারী (অল্লাহর রানুল দ, কে অবন্যানারী জাহারুমে নিজেরী হবে)	१३-बिस्	50	99
DIS.	C-utim	37.	2.00	ছারী (সংকর্মশীল মুহিনগণ স্বান্ত্রতে চিরস্থারী হবে)	8-1991	244	64
এবাধারে সাত বছর চার করবে		89	69/3	ছাত্ৰী (মুমিন ও লকেমশীলখন জান্নাতে চিবছায়ী হবে)	৯৮-বায়িনাহ	b	10
	১২-ইউসুফ			डिस् <b>म</b>	-	_	+
শ্ৰমি চাৰ কৰা বৰ দি যে গাড়ী ছবা তা ভৰাই কয়া প্ৰদাস	২-বাকুরো	67	609.		79-9159	0	٠.
ঘটন চাৰ বৰত পূৰ্ববভীয়া (মঞ্জাবনাসীলের চেয়ে ঘেশি)	00-8¥	ъ	255	অবস্থান করবে ভারাতে (সংকর্মশীল মুমিনগণ)			93
চাৰী (আরো দেখুন কৃষক শব্দটি)				জন্নতে চিরকাল থাকবে (মুমিন ও সংকর্মশীল)	৪-শিসা	64	00
আনদ (র্যবিদেরতে আনদ দের অনুমতি বিজের পূর্ণর প্রাথি)	8४-माद्द	430	979	ভাল্লতে জৰন্ধন কল্লৰ (সংকৰ্মনীল মুমিনগণ)	১৮-তার্ক	0	9
চিকিৎসা বিজ্ঞান প্রসঙ্গ (দেখুন পরিশিষ্ট-৪)				गान्य (ध्रिमात्रत क्या गान्य ७ वित्रवादयन (१म देखाँदेर व्य. ६)	७०-मूमफाहिना	8	34
ficata				ভিত্ত <b>ি</b> শার			Т
ইবর্রাইন স্প,এর ব্রী চিৎমর করতে করতে সমনে আলগ, কলগ	৫১-বারিয়ার	230	343	জন্মতে চিৰকিশোৱৰা পরিবেশন করবে	৭৯-পাব্র	25	20
राविकास्त विरुवाद (बाद्यालाम (स्टूटक मक्तित कना)	৩৫-ব্যক্তির	99	684	Start		_	$^{+}$
জাহার্ক্তিনর চিংকার (নিজেনের নিয়েশ্য করার প্রার্থনা)	80-7477	99	903	West Seell's	৪০-যুমিন	140	bi
সাহায়ের জন্য চিৎকার করছে (গতকাল যে সাহায্য)	২৮-কাগ্যস	35	903	অনুহ নিজাব ও নিজারী	৩-আলে ইমরাণ		100
	Alto-Miletin	20	Fue	আল্লাহ চিক্সাৰ ও চৰছান্ত। আলাহ চিক্সাৰ ও চিক্সার্ট উপাত	३-शकाश ३-शकाश	200	
চিত্ত (আরো দেখুন বিনয় শব্দটি)			$\perp$	नाहार तिकार च तिक्हात स्थार नाह हत्य (श्रम्द्र विक्हार च तिक्हारीय मिक्टे पुत्र करनाट श्र)	40-91-8]	222	
বিশ্বদ্ধ চিত্তে প্ৰতিশালকের নিৰুট ইবৱাহীমের উপস্থিতি	৩৭-সাড্জাত	28	9-97	নত হতার (জনতে চরজ্ঞান ও চরজ্জার দলত বুল জনত হবে) ভালন চিন্তান জালাচর উপর ভালন করার নির্দেশ, অধিবচনতে)	20-9(-8)	222	99
চিত্রবিনোদনমূলক (আরো দেখুন খেল-আমাশা/আমাশা পপটি)					46,-68464	d.h.	130
কথা (অস্ত্রাহ্য পথ থেকে বিচাত কহাত চিপ্তবিদ্যালয়লক কথা এবং)	৩)-পুৰুষাধ	6	৮২৭	जिल्हा इ.स. १९८०		-	١.
	43-73-6-	l °	- 41	শিক্ষকে চিরাক্তর বর্জন করার নির্দেশ (ইবরাইীন জা,এর প্রতি)	১৯-মার্ট্রাম	86	91
চিনতে না পারা		_	$\perp$	<b>जिल्हारी</b>			
	১২-ইউসফ	22	66-2	কপৱাৰীয়া ৰাহাচামের শান্তিতে চিবছারী হবে	80-गुरुक्य	38	200
ভাইরের চিনতে পরদ না ইউসুক্তে চিনতে পারা	24-6044	44	90.0	जाहार विश्वीर ७ विद्यारी देशार			20

শব্দ বিষয়/গ্রনদ	স্থা কং ও নাম	A(Ma 4)	न्हा			ब्दाहर न	
विबन्नारी (नूर्व नृष्ठी त्वरक)				হারন আ.এর চুদ/মাথা ধরে টেনে জানা (মৃসা জা.এর)	্ৰ-জা'ৱাঞ্	750	52
মল্লাহ চিবন্ধীৰ ও চিবছায়ী	৩-আলে ইমরান	2	600	Ent			1
বিশের (চির-বিশেররা মন্ত্রেভিনের দেবা। দুরাবেরা করনে)	৫৬-ওয়বিয়াহ	24	280	উপলে উঠা (চুলা উথলে উঠবে যখন, নূহের বন্যা প্রদাস)	২৩-মু'মিন্ন	49	90
লাব্যস্ত্রামে চিত্রস্থারী হবে (কাফির ও জালিমরা)	8-निमा	799	৫৭৮	উখলে ওঠা (চুলা উখলে ওটো, নৃহের প্লাবনের করুতে)	১১-সুদ	80	60
ভাষান্ত্ৰদেৱ পান্তিতে অপৱাধীয়া চিৰস্থায়ী বৰে	80-पूर्वक	18	907	চুলের গোহা	_		$^{-}$
ৰান্ত্ৰতে চিব্ৰয়ারী হবে (অয়াতে বিশ্বাসী মুসলিমগণ)	৪০-যুৰকক	93	500	অপরার্থন চুলের গোম্ব ধরে ইেন্ট্রেরে নিয়ে যাওরা ছবে (নেযথে)	৯৬-জাপাক	25	100
ৰাদ্ৰাতে চিবস্থায়ী হবে (অস্থাহর প্রতি ঈমানদার সংকর্মশীলগণ)	৬৪-জগার্ণ	5	266	অপ্যানীয় চুক্তা গোম্ব খন্তে জেড্ডিয়ে নিয়ে যাওৱা ছবে (গোমার)	৯৬-আলাক	30	
বাল্লতে চিনছারী ববে (সংকর্মশীল মুমিনগণ)	৬৫-ভালাক	22	365	<b>इड़ाब</b>		-	1
माहार (विवश्नामी काहाएटच अधिवामी दूरन मुमिनगर)	৪৬-আহ্বাক	78	806	করা (কুরমান ইন্টার করা)	৮৬-অত্তিক	30	30
জন্মত (চিম্নারী জন্মতে উত্তর স্বদায়কের প্রতিশ্রেতি, মুফিয়নরকে)	৯-জবৰা	93	689	কর (কুলনাগ বৃদ্ধার কর) করসালা (প্রতিশালকের করসালা মুদ্ধার)	১৯-মারইয়াম	95	90
নামুক্ত (ভিনন্তারী কালাকে উত্তর বাসস্থান রয়েছে)	७३-गाक्क	34	363			939	34
बाह्यक विश्वश्वासी दर्श्य (मुखाकीरनंश बना)	৩৮-সোরাদ	80	5-55	দুশরিক্যা কি কোন বিষয়ে চুমুত্ত সিদ্ধান্ত গ্রহণ করেছেঃ	8७-यूस्ट्रय		
নত হওয়া (হাশরে চিরন্তীর ও চিরন্তারির নিবট মূখ অবনত হবে)	২০-জু-ছা	222	186	যুক্তি-প্রমাণ (তৃত্বান্ত যুক্তি-প্রমাণ স্বান্তাহত্তই, সঠিকপথ প্রদর্শন প্র.)	৬-আন্'আম	782	
	doubles.	***	100	শিষার (শিষার হুয়ার বলে ভুলভিননের জন্য বন্দাগরুর হত)	৪৭-মূহামাদ	52	93
डिबाइबिड -		_		নৃত্তি (আল্লাহ মৃত্যান্ত লৃত্তি করাবেন, নৃত্তির সূচনা করার পর)	২৯-আনকাবৃত	20	V
লাবু (চিরাচরিত জাধু বলে কাফিররা, আল্লাহর নিলর্শনকে)	৫৪-কামার	3	300	<b>ভূকান্তকারী</b>			$\perp$
िक् इंटर-				व्यक्तारहे ह्वाक्रवरही	৪৩-যুখঞ্চ	9,3	) h
টনতে পারবে চিহ্ন যারা (আরাফবাসীরা প্রত্যেককে)	৭-জারাফ	86	673	विकास काम			Т
বাহ্যাদের লোকভারকে ভিহ্ন বারা ভিনতে পারবে আরক্তবাদীরা	৭-আগ্রাফ	87	678	কিয়ামকের চুবাস্ত কান কেবল আপ্রাব্ত কাছেই ব্যয়ছে	৩৯-দায়ি আছ	88	30
ণ্ধ নিৰ্দৰের জন্য আল্লাহ পৃথিবীতে ডিফ স্থাপন করেছেন	३७-मार्म	36	908	হড়ান্ত (পৰিণতি)			т
সন্ধনার চিঞ্ মুমিনদের মুখমঙলে দেখা যায়	8 <b>५-मार्टर</b>	59	979	মৃত্যুই বলি চুক্তান্ত (পভিপতি) হত: (ৰাম খাতে কিতাবপ্ৰাপ্ত নদৰে)	55-शकार -	29	N
প্রাণন (আল্লার পর নির্মান্তর জন্য পৃথিবীতে চিক্ত স্থাপন করেছেন)	১৬-দাহুপ	36	908	চূৰ-বিচূৰ্য (আরো দেখুন ধ্বংস শব্দটি)	40.000	-	<del>ا</del> ث
চিছিত				विविद्य निरम यात्र राज्य ( चकरना विविन इर्ण-निर्ह्म )	2P-916A	80	9.
টফিত পাধর বর্ষণ (শৃত আ, ভার সম্প্রদারের উপর)	77- <u>2</u> a	b/o	890	প্রক্রমাপা চুর্ব-বিচুর্ব হবে (কিলামতে)	१५-वर्गक्राव		31
গমা (মিইন্ড পাধা ল্ড আ.এে সম্প্রদায়ের উপর নিকেশের জন্)	৫১-বারিরাত	83	253		১৭-ইসরা ১৭-ইসরা	6	3
pfe	40 110101			পুনরুষান (চুববিচুর্ব হওয়ার পর পুনরুষান।)		8%	
য়াত নাস-দাসীরা মৃতিও চুক্তি করতে চাইলে চুক্তি করার নির্দেশ	<b>३8-नव</b>	20	399	মৃতিচলোকে ইবরাইন আ, চূর্ব-বিচুর্ন করেন (বন্ধটি ছাল)	২১-অধিরা	ev	9
পুৰ্ব কৰা (মুক্তিসমূহ পূৰ্ব কৰাৰ নিৰ্দেশ, ইমাননাৰচেৰতে)	৫-মায়িলা	2	@bro	CFI CFI			┸
প্র (চুক্তি পূর্ব করার নির্দেশ আদের সাহে যারা ঞটি করেনি)	৯-কাওবা		580	অপরাধীদের চেনা বাবে ভালের লক্ষণ যারা	१४-वार्मान	87	2
		8		কাফিররা কি চিনেনি আদের রাস্ল কে?	২৩-মু"মিন্ন	659	9
<b>ব্য (চুক্তি ভঙ্গ করেছে যা</b> রা রাসূল স. এর সাথে প্রভ্যেকবার)	৮-আন্থান	69	909	কিয়ামকের দিন মুশরিকরা পরস্পারকে চিনবে	১০-ইউনুস	84	60
চৰ (বৃদ্ধিমানৱা চুক্তি ভৰ করে না)	১৩-রা'দ	50	630	কিতাৰপ্ৰাপ্তৱা চেনে/জানে যে কিবলা পরিবর্তন সভ্য	২-বাকারা	186	4:
র্যোল (চুক্তির মর্যানা লের না মুশরিকরা, মুমিনলের সাথে)	৯-তাওব	20	987	কুরজাগকে আহলে কিতাবরা টিশত	২-বাকারা	64	4:
র্থানা (চুক্তির মর্থানা নিবে না মুপরিকরা জনী হলে)	৯-জাওব	b	980	কুরসানকে চেনে কিফাবলাভরা (নিজ সভাবের মত)	৬-আন'আম	20	93
শরিকদের নাথে চুকিতে আবদ্ধ হওৱা	১-জাওবা	8	680	পালি পালের স্থান হিলে লেওয়া (বলী ইসরাদিলের বারটি শোমের)	৭-আ'বাক	160	6
পেরিকদের চুক্তি (আল্লাহ ও রাসূল স. এর সাথে)	৯-জাওবা	9	680	भारत नावन्त्रवार क्रिक्ट नावार बना विदेश स्त्रवि वीरवारन व्यक्त	৪৯-কুমুরার	20	8
শুরিকনে চুক্তি থাবনে কিজনে (সম্ভাব ও রাসুণ স, এর সাথে)	৯-জাওবা	٦	080	মুখিন নারীদের পর্বা ধারা চেনা বাবে (হিজাব প্রসঙ্গ)	৩০-আহ্বাৰ	6.9	bs
মিনদের সাবে চুক্তি রয়েছে এমন সম্প্রদারের প্রতি জাচরণ	৪-শিশা	ào	692			00	>:
াপুল স, চুক্তি করেছেন খালো সাথে জতপর ভারা ভা ভল করেছে	৮-জানফাল	20	ଖବ୍ୟ	য়াসুল স, চিন্তেন পাঞ্চল মুদ্যো বনিয়েছেদেকে তথ্যন্ত কথাৰ কৰিয়ায়	৪৭-মুহাম্বাদ		
লব (মুক্তির পর শলব তক করলে কবিব এখনদের সাথে মুছ)	9-Stost	25	987	সন্তান্যানকে চেনার নাম সভা মানে কিবলা পরিবর্তনাকেও	২-বাতারা	186	4:
শহলার (রুক্তিলম্ব সংহালায়ের মুদ্দিনকে হাত্রা করলে রক্তপণ গ্রাপন)	8-PiN	95	267	সপ্তানের মত চেনে (কিতাবগ্রাক্তরা কুরজানকে)	৬-আন্'আৰ	20	61
নম্পর্বহেন (চুরিনার মুশরিবলের সারে সম্পর্বহেনের ঘোষাা)	3-875°C	2	980	চেনার উপায়			
গশ্রপায় (চুক্তিবদ্ধ সম্প্রদায়ের বিরুদ্ধে নাহাব্য করা)	৮-আনফাল	93	903	মুমিনদের চেনার উপায় (তাদের মুখমন্ডলে দেরলার চিফ)	৪৮-বাত্	48	83
চুপ করা				চেটা (আরো দেখুন প্রচেটা শব্দটি)		_	$\vdash$
একদল স্ক্রিন চুপ করে নবীর কুরজান পাঠ অনছিল	৪৬-আহ্বাক	45	922	থাপুসর চেটা (মসজিন থাপুসর চেটাকরী জালিম)	২-বাসুগরা	228	Q:
চুপ থাকা				প্রতিদান (মালুয়ের চেষ্টার প্রতিদান দেয়া জন্য বিষয়েত)	२०-छर-वर	34	91
ভূৱজান পড়া হলে চুপ করে থাকার নির্দেশ	4-30,550	208	৬৩১			23	99
মান (পরীবলেরক ভাবা কিবে চুপ করে ধাবা উভাই সমান)	र-आ,शक	79/0		বর্ণ করন (অয়ত বর্ণ করন টেরনরীনা উপ্র অধ্যন্ত অধিবাদী)	২২-হান্স		
pania	( FI	100	040	মানুষ যে চেইা/কাল করেছিল ভা স্মান করবে (কিরামতে)	৭৯-নাবি'আভ	66	30
চুসশাম দেশন (আল্লাহ জালিম জনপন চুরমার করেছেন)	২১-জাইয়া	>>	900	তেহারা (আরো দেখুন আকৃতি শব্দটি)			
	42-004481	33	460	অকাত করের (হাপরে নির্মেশ ও নিরম্পরির দিনত প্রকার অকাত হরে)	२०-ग्र-श	222	1/2
pla	-	-	-	আঘাত করা (চেহারা ও পিঠে আঘাত করে মৃত্যু ফ্টানো)	৪৭-মুহামান	29	ъ:
রে (অপনার পুরা)নি করেছে। ভাইরের পিনা ইরফুব আংকে কলা)	১২-ইউনুক	3.7	69.8	প্রথম করে কেরেশভার অধিবসের হেবারার (মৃত্যু ঘটানের সময়)	৮-জানকাল	40	60
াইবাত (চুবি ন্য করার জন্য নাইহাত গ্রহণ, মুমিন নারীদের)	৬০-মুমফাহিশা	25	269	पाळ्या (विसायात पानवासियात पुत्रमाना पाठम खाळ्या करात)	১৪-ইবরারীম	00	63
हाँ (का खरें a दूसि कराविन- विकेषण भा. तत खरेरावा नगन)	১২-ইউসুক	99	99-8	আঞ্চলিত (প্রতের অফকার আন্তর্জা আঞ্চলিত হবে যে চেয়ারা)	১০-ইউনুস	29	60
ণান্তি (চুরির শান্তি হতে কর্তন)	৫-মার্ছিনা	CF	626			*	
শান্দ্র (চুরি করে আকাশের সংবাদ তদতে চায় বাবা)	১৫-ছিজ্ব	72	666	আনলোজ্বল (অনেক হেহারা আনলোজ্বল হবে কিয়ায়তে)	১৮-গাশিরাহ		120
per .			П	আল্লাহর চেহারা (যেদিকেই মূপ ফিরানো হয়)	२-वादुस्ता	776	
বলি পাল পশম(সোম)মূলে মানুমের আসবানপাক্রের উপকরণ	১৬-নাংশ	bo	90%	ইনরেইমের চেন্ডারাক আকাশ-পূর্বিনীর সৃষ্টিকর্মার নিকে ফোরনো	৬-আন্তাম	936	6
ри कर्डन	-		-	উচ্ছল হবে কিছু চেহারা কিরামকের দিন	৩-আলে ইমরান	200	4
মিনগণ চুল কাঁঠত অবস্থার মসজিলে হারামে প্রবেশ করবে	৪৮-ভাত্ত	29	277	উক্ষুপ হবে কিছু ডেহারা (কিয়ামতের দিন)	৮০-আবাদা	69	×
वृत्तनाका (वृक्त)		· ` `		উদ্ধুল হবে যানের ভেহারা ভারা আপ্রাহর নরার মার্কে থাকবে	৩-জ্বল ইমর্ল	209	
	no verrificar	100	99.4	বৈঞ্চল্য (মান্নার্কীদের মুখমগ্রলে দেয়ামতের ঔক্ষল্য)	<b>२०-मेशकेक्क्</b>	28	У:
केरनाइटक इनलाका शामारमा इट्टर (विशाधरण)	२०-पूर्वपत्थित	24	900	কাল হবে কিছু চেহারা কিয়ামতের দিন লক্ত করের জালিমদের ভেষরাসমূহ (সুটার তেলের নায় পানি)	৩-জাপ ইমান। ১৮-কাহক		
চুল (মাথা)						33	9:

চিরস্থায়ী চেহারা

विषय/श्रमण	नुष्टे बर् च नाम	ARS 0.	181	नव विश्वद्वकराय	नेका महत्त्व मान	100	Ŧ
(क्वांची (क्वांचे)	An arrange	1000	4500	পদক (চোটের একপদক্তির মত আন্তর্গুর আসেশ মাত্র একনার)	৫৪-কামার	20	1
লিমর (কিয়ামতে কিছু চেহারা ধূলিময় হবে)	tro-জাবাসা	80	2009	পলক (বিয়ামত হোৰের পদাবের মত বৰং তার চেয়ে দিবটবর্তী)	১৮-নারণ	99	i
প্রকার (কোনাতে করু কেরের বুলারর বর্গে ) পিছনে ফিরানে (এহার পিছনে ফিরানার পূর্বে ঈথান আন প্রসঙ্গ)	8-शिश	89	490	প্রদায়িত করা নেবাঁকে জোগ্যসাম্বার প্রতি চোধ প্রসাধিত না		-	
नेश देशकरण (अवशास देखेनरमन सामा शांकन	১২-ইউসূত	2/9	69-6	করার নির্দোশ)	২০-জ্বা-ছা	202	
পভার চেহারার উপর প্রামা রাখ্যে বলল ইউস্থ	77-8850	20	99.0	ভীত-বিহুলে ত্যেৰে কৰে থেকে বেৰ হবে কাঁঘৰৱা	28-কামার	9	
ববালো (চেপ্রবা ক্রিয়নোর নিচর্পণ মর্গাঞ্চলে হারামের নিকে)	३-वाकावा	260	654	মানুহের চোকের জলবাবহার (জাল্লার কানেন)	8०-भू'मिन	35	
মন্ত্ৰতা (কেন্ত্ৰৰ বিশ্বকাৰ নিৰ্চাশ মৰ্গজিন অৱমেৰ নিকে)	२-राकाश	282	670	মানুষকে চোৰ বিয়েছেন আপ্তাৰ (কভজতা প্ৰসঙ্গ)	৩২-সাঞ্চল	ъ	
ক্ষেত্রত (এখন বিজ্ঞানের নির্দেশ মদান্ধনে হারামের দিকে)	२-शकावा	260	678	মোহর (পুনিয়ার জীবনকে প্রাথনা দানকারীর চোধে মোহর)	১৬-নাহল	209.	
ফ্রানে (রাসুল স. এর চেহারা অকাশের দিকে ফিরানো,			$\overline{}$	য়াসূপ স, এর দুরোখ প্রসারিত করা নিষেধ কাফিবলের	১৫-ছিজর	Mr	
विवसा पविवर्तन)	২-বাকুারা	788	670	ভোগ্য-সামপ্রীর নিকে	25-1544	9.5	
ভবালে (মসজিলে ছায়ামের দিকে চেয়ারা বিধালোর নির্দেশ…)	५-राकृता	288	670	সাক্ষ্য দিবে (কৃতকর্ম সম্পর্তে চেখে অথিবাতে সাক্ষ্য দিবে)	৪১-কুস্সিলাভ	20	
ব্যুত কথা (প্রস্তুত্তা বিশ্বত কথার পূর্বে দিয়ান আনার আহ্বান)	8-निमा	89	250	সাক্ষ্য দিবে (চোৰ কৃতকর্মের সাক্ষ্য দিবে)	৪১-কুস্সিকাত	44	
রল অঞ্চলারির হেজুরাকে অপনান/মলিনতা আহল্য করনে না	১০-ইউনুস	26	606	সাদা (ইয়াকুৰ আ,এয় দুই চোৰ পোকে নাদা হয়ে গেল)	১২-ইউসুফ	₽8	
টাত-বিহুলে হবে অনেক চেহারা (কিরামতের নিন)	৮৮-পশিয়াহ	3	2029	সৃষ্টি (মানুদের চোগ সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	20-1 Tay	97	
वेशास्त्राभवातीत क्रांचा वार्गा दरव	०७-पुत्राव	60	196	ছিত্ব (আহত্কে রেখ ছিত্র হওয়ের দিন পর্যন্ত জালিমচার অবল্লশ)	১৪-ইবরাহীম	84	١
শব্দেশীলয় চেয়র রাজের অঞ্চলরের অন্তরণে আক্রণিত হবে	১০-ইউনস	29	609	চোৰ (আনত নয়না)			
ন্ত্ৰল স. এর ডেহায়াকে দীনের প্রতি নিবিষ্ট করার নিচৰ্ণণ	১০-ইউনুস	300	958	আনত চোৰ বিশিষ্ট হুৱ থাকৰে জান্নাতে	৫৫-রাহমান	6.0	١
প্রতি ঠেকাতে চাবে মালিমরা চেহারা হারা (বিরামতে)	৩৯-বুমার	38	b40	চোৰ বন্ধ করা	-	-	١
মৰ্থন (চেহাবাকে অস্থাহর দিলে সমর্থনবারী মঙ্গানুহ হাবল থর)	০৯-পুৰুমান	44	P-25	নিকার বস্তু প্রহণ না করা (চোপ বন্ধ করে থাকা ছাড়া)	২-বাকুবো	259	
সাৰা (চেহায়তে সোৱা করার নির্দেশ দীনের জনা)	00-88	100	b-28	চৌৰ (সম্বৰ্ধ)	4-10100	491	,
সাজা কল্ল (তেহালতে সোজা কল্লার নির্দেশ কিবলার দিকে)	ব-আ,বাঞ	230	626	মানুষের হোকের সামদে ইংরারীম আ,কে নিয়ে আসার নাবী	३ <b>५-आ</b> रिया	63	
সাৰা কয় (অসুয়াতে সোৰা কয়ন দেশে বিকার দেশে) সাৰা কয় (অসুদা স. এর এখুরাকে ছিনের দলে গোলা করার নির্দেশ)	১০-ইউনুস	206	668	মানুহকর ভাইকর নামলে ক্লালভান আ,জে নেতা আনার নাব। ক্রের	43-MILEN	-03	
প্ৰাৰ্থ কৰা (ব্ৰাকৃত স. আ ভাৰুমাটো ৰাট্যা কৰা টোনা কৰা লাটেড) স্থাপন (চেহারা নোম্বা করার নির্দেশ সঠিক বীনের জনা)	50-8¥	80	P-36		25-8850	90	
ক্রবার (আব্রু/নিজ)	GO-MA	80	044	কাফেলকে চোর বলে ঘোষণা করল এক ঘোষণাকারী	25-5830	90	
प्रमात (भाद्व/लव्य) पूर्णन (महर्बानवारः दश खद्वादन काह खद्वनवर्णन दिवा)	৪-লিয়া	248	645	কাফেল টোর নর (ইউপুক আ.এর তাইনের কাফেলা বলন) স্থাত কাটা (চেরেরর হাড কেটে নেরার বিধান)	৫-মধিলা ৫-মধিলা	90	
प्राची (त्रहरूपा अपनी बहुद्ध बाजून म् , ४ ठीर कनुमारीय)	৩-লাল ইমরান	20	209	ছাত কানে (chicas হাত কেনে নেরার নবনান) চিক্রবাড	Q-Allger	00	
नवन्त्र (१८६३) नवन्त्र वर्डाह्य वर्ड्य न. ५ ००६ वर्ड्यावार) नवर्जर (अरवर्धनवास दशः (५६)व/नेवर्ड सहवस्य सन्द नवर्जा)	३-वाकाता १-वाकाता	225	670				
Selai featch	4-4300	224	430	ঘোড়া (চিহ্নিত ঘোড়া পোচনীয় করা হয়েছে মানুগের কন্ত) ক্ষেত্রপত্ত (পাঁচ হাজার চিহ্মক ক্ষেত্রপত্ত নিয়ে সাহায…)	০-মালে ইমরান ০-মালে ইমরান		
ক্রমার ক্রিকারে। ক্রমার বিজ্ঞা ক্রমের বিজ্ঞান প্রক্রমের (নিজের ক্রিমার নিকে)	২-বাকারা	789	238	ক্ষেত্রেশন (পাচ হামর চহযুক্ত কেরেশন সের সাহায)	०-आस्य २४वान	254	
	र-वार्याका	280	430	উ্তহাব (পুরস্কার)		l	
হুহারা (সরা)				উত্তম ছন্তহাব/পরস্কার (ঈমান ও তকেন্তহার জন্য)	५-सङ्ख्या	300	
মধনিষ্ট থাকনে কেবল প্রতিপালকের চেয়ারা/সন্ত্রা	৫৫-রাজ্যাল	રવ	280	দুনিয়া ও আধিরাতের ছওরাব/পুরস্কার আল্লাহর কাছে	8-निश	308	
প্রপ্রাহন সরা হাড়া সর্বকিছুই ঋংসশীল	২৮-কাসাস	pp	274	च्छात्न			١
চাৰ (আরো দেখুন চকু/নয়ন শব্দটি)		_	$\square$	ইফ্কের ঘটনা হড়াছিল মু মিনদের একদল (মূবে মূবে)	<b>५8-नुब</b>	20	
রন্ধ নর(চোপ করু হয়না; হলর আন হয় নালিমদের প্রশঙ্গ)	55-2006	86	962	ন্ধীবন্ধর বভিন্নে নিয়েকেন আপ্লাহ (পর্বিবীতে)	০১-লুকমান	30	
মননত চোৰে কাফিবৰা কবর থেকে বের ছবে (কিয়ামভে)	28-কামার	٩	300	জীব জন্মর বিশ্বরে ও মধ্যের স্থায়িত বিশ্বনীয়ন্দ্র জন্য নিদর্শন আছে	80-साहिदा	8	
মবনত (কাব্দিরদের চোধ অবনত হবে কিয়ামতে)	৭০-মা'আরন্ধ	88	29.0	क्षेत्रसङ्ग (ज्ञानुक व्याना-निवीदाः (य क्षेत्र-सङ्ग क्षेत्रसा निवस्ता-।)	৪২-শ্বর	45	
অক্ত বিশ্বলিক প্ৰেৰে বিবেং শেল যায়, অনুনা লেখ দেই (ভায়ুক যুদ্ধ)	৯-सव्य	25	685	দ্যা প্রতিয়ে নিকেন করার আশ্রক্তাকারণারী আসহাতে কার্যুক্তর জন্য	১৮-বাইক	36	
মান অভিত্যে চোৰ-কান-ছদয় দিয়েছেন আল্লাৰ	৪৬-আহ্বাক	46	270				
সাবরণ (কাফিরদের চোগের উপর সাবরণ বচেছে)	২-অকুরো	٩	१०२	महत्त्वत्री (पृ'व्यन त्यान जल्लार वर् नव-नवी श्रवेता निराद्यन)	৪-নিদা	2	
মাবরণে নাকা (পুনিয়াতে কাফিনাদের মেখ)	72	707	900	পুনিনীতে (নামান্ত সম্পন্ন হওয়ার পর পৃথিনীতে ছড়িয়ে পড়া)	७२-सूत्र् का	30	
ষাল্লাহর চ্যেপের নামনেই আছেন রাস্প স. (।)	৪২-ত্ব	87	7007	বিচরপদীল প্রাণী ছড়িয়ে নিয়েছেন আল্লাহ ভূমিতে	२-वाङ्गवा	368	
আল্লাহর চ্যেথের সামনে শিশু মূস্য আ.এর প্রতিপাসন	২০-ড়া-ছা	40	980	মানব জড়ি ছড়িয়ে আছে পৃথিবী স্থাড়ে	60-WY	30	١
দিটানে (মৃত্যুক্তর মূর্জিত ব্যক্তির মত মেন উন্টিনে মূর্লাধন ভাকার)	৩৩-সাহ্যাব	72	90.4	মুকা (জান্তাত জন্মান মুকার মত চির্রাকশোরণা পরিবেশন করতে)	৭৯-পাবর	79	
চাফিরদের চোখের উপর আবরণ রয়েছে	२-राकृत्वा	9	605			-	
চাফিরের চোৰ ছিন্ন হয়ে যাবে (কিয়ামত নিকটবতী হঙ্গে)	২১-অধিয়া	24	925	মের ছড়িয়ে দেন অস্তাহ আফার্শে (যেতাবে ইক্সা)	৫০-জন	87	
য়াকে আসেনি (আস প্রাটির বাল-রোপ-ছন্য ব্যক্তে আসেনি)	৪৬-আব্দাক	২১	270	ছ্ত্তস করা			
তজ্ঞতা প্ৰকাশের জন্য আপ্ৰাহ কলে চোপ সম্ভৱ নিয়েছেন	०२-मास्ना	>	3150	ন্ধালিমদের (সাবাবালীদেরকে) ছঞ্চত করে দিলেন আপ্রায়	৩৪-সাবা	230	
হাৰ চোখের বদলে (কিনান প্রনক)	द-मासिमा	8.2	240	RE .	_	-	
ब्रमु वन्त्र (विश्वपादितम् ब्रानुक्का नर्नकान्त्र (संवक्तारण कानु करण)	৭-আ'রফ	229	650			٠.	
জ্ঞাসা (চোৰ সম্পৰ্কে জিজাসা করা হবে আধিরাতে)	১৭-ইস্থা	৩৬	474	নিন (ছথ নিনে আকাশ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	৭-সার্যঞ	68	
নিয়ার জীবনকে প্রাথনর দানকারীর চোপে মোহর	১৬-নাহ্প	709.	475	দিন (হয় বিনে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ আকাশ ও পৃথিবী)	<b>76-के</b> द्रकास	6.0	
টি (মেণের দেখার মুদ্দিনদেরকে বিশ্বন দেখবিদ কবিদ্র দল)	৩-আলে ইমরান	20	৫৩৭	নিন (হয় নিনে সৃষ্টি করেছেন সন্ত্রাহ আকাশ-পৃথিবী)	22-\$et	9	
লৰা (মৃতিনের কি চোৰ আছে যা দিয়ে ভারা দেবে ৫)	৭-আ'রফ	726	607	ভিন (অল্লাহ ছয় দিনে আলশ-পূথিবী ও অন্যান্যসৰ সৃষ্টি করেন)	৩২-সার্ণা	8	
দেখা (জনেক দ্বিন/মানুকের চোধ আছে যা দিবে ভারা দেখেনা)	৭-জারফ	7.69	65%	দিন (আপ্লাই ছয় নিনে আকাশ-পৃথিবী নৃত্তি করেছেন)	১০-ইউনস	0	
र्श्वभारत (राधन काथ भौभित्र यात्न कित्रोमण शंभन)	<b>११-विसामाद</b>	٩	990			1	
নশ্যত করে নিজেন আল্লাহ ইব্যা কবলে (অপরাধীনের চোম)	৩৬-ইয়াসীন	66	566	নিলে (আব্দশ-পৃথিধী ও উত্তরে মাকের সংক্রিছ ছব দিলে সৃষ্টি)	१०-কাক	40	
পৰ্না প্ৰেপত্তি পঞ্চায়ীৰ মেপেৰ উপৰ অন্তাহ পৰ্না এটে নিয়েছেন)	82-सक्तिया	20	206	দিনে (ছন্ত দিনে আকাশ ও পৃথিবী সৃষ্টি)	৫৭-হাদীদ	8	

			25	চুটে আগ	Manager	HUESIO	No.
नंप विस्तृधन	স্থাক ও কম	100x 5	481	বাদ বিষয়/এবল	ज्बा नर ७ नाम	A\$4.5	
হুর ভাগের একভাগ				ৰান্নাৰ্কীনের জন্য সুশীতশ ছাৱা থাকৰে কিয়ামতের দিন	৩৬-ইয়ালীন	69	2.51
একচাই/একবোন ১/৬ পাৰে (পিন্তমান্ত/সন্তান না থাকলে)	8-নিসা	35	664	ভান্নানের ছারা জান্লাকীদের নিকটে থাকবে	৭৬-দাহ্র	78	294
পিয়ে-মাতা প্রত্যেকর জন্য হয় ভাগের এক তাগ বনি	৪-নিস্	22	664	জন্নানের দ্বি ছারার প্রবেশ করাব (পিয়ানদার সংকর্মশীলরা)	8-निग	64	68
মায়ের জন্য হয় ভাগের এক ভাগ (মৃতের ভাই-বোন থাকলে)	8-Sort .	22	664	ভিন শাৰা বিশিষ্ট ছারার নিকে (জাহান্তাম প্রসঙ্গ)	৭৭-মুর্বাধাত	00	99
शरे				দিকটে থাকা (জন্মানের ছারা জন্মানীদের নিকটে থাকবে)	৭৬-মাব্ৰ	78	77
অভিযুক্তর কর্ম ক্ষরিয়ের মত যা এয়ো বারাস জীয়য়ে লেয়	১৪-ইনরাইম	72.	650	(महायात (मृत्रेसका यानाम क्षा मान बनुसार श्रीर प्रकारत (महायार)		2.2	90
चाउँमी -				ফিরে যাওরা (ছালর নিকে ফিরে গেল মৃগা)	২৮-বংসাস	48	62
থাকণ। তব্য ছাউনীর মত আছেন করলে মানুষ অন্যাহকে ভাকে	৩১-সুকমান	63	743	মুড়কীরা ছায়ার মাঝে থাকবে (স্বান্ধান্তে)	৭৭-মূরসাক্ষত	48	22
				(মথ্যালার ছারা দান (বনী ইদাসিলের উপর)	২-বাকুারা	64	600
ছাগ্দ	৬-আন'আম	780	630	মেধ্যালর ছারা বিস্তার (বনী ইনরাঈশকে)	৭-আ বাড	260	62
দুই ধরনের প্রথল আপ্লাহ সৃষ্টি করেছেন (পুরুষ ও মাদী)	g-আণ্ আৰ	360	930	(প্রানের সমান নয় ছারা (উপমা)	৩৫-ফাতির	52	₽8
হাড়া		<u> </u>		সম্প্রসারিত (ছায়া সম্প্রসারিত করেন প্রতিপালক)	২৫-ফুরকান	84	97
আদ জাতিকে ছাড়া হথনি বরং ছিন্ল-বিজিন্ন করা হয়েছে	৫১-বাধিয়াত	83	254	সম্প্রসারিত হারার থাকবে (ভাননিকের নার্থীরা)	৫৬-৩রাকিয়ার্	60	38
মুড়িরে বাওয়া				সিঞ্জনবনত (বন্ধর ছায়াও সকাগ সন্ধার সিম্নদাবনত হয় )	১০-বা'দ	20	dir
স্বাস্ত্রাহকে ছড়িয়ে গেছে (এমন খেন মনে না করে)	৮-জনহাল	63	৬৩৭	সিম্পাননত (অপ্তাহর সৃধির ছার ভার-বিয়ে তেল সিম্পাননত হয়)	১৯-বারণ	87	90
কারুন/ফ্রিক্সাউন/হামান আল্লাহকে স্বাক্তির ফেক্টে	২৯-আনকাৰ্ত	- Ca	279	স্মানন্তৰ মাধ্যমে আল্লাহ মানুদেৱ জন্য ছায়ার ব্যবস্থা করেন	১৬-লাবল	147	90
পারেদি(অহমার গ্রসদ)	Christianife	\ "	0.00	ছারী (মান্লাহের দল ও হারাসমূহ ছারী)	১০-রাদ	00	65
মধ্বনাথকারীরা কি মলে করে যে লে জাল্লাহকে ছাভিয়ে যাবে ৮	২৯-আনবাৰ্ড	8	979		20.00.0		40
श्रम				श्रामर	54-0'WE	11.0	930
ক্ষ আকাশতে স্থান থানিয়েছেন আল্লাই মানুযের জন্য	8०-इ.चिन	18	550	নিন (ছারান্য সিনের শক্তি আইকারসীকে পাকমুখ্য মর্যোহণ)	40-0 AUG	79.9	1.0
অভাগতে হাদৰভ্ৰপ বাদিবেছেন আল্লাহ (মানুবের কন্য)	২-বাকাল	44	¢o₫	হিছে দেশা		_	-
আবাশকে আপ্তার পুরক্ষিত ছান বানিয়েছেন	२३-वाचित्रा	02	923	জম (ইটসুকের জম শিহন দিকে ছিন্তে ফেলল অন্যতের প্রী)	১২-ইউসুক	56	99
ধ্বলে পত্ন (বড়বন্ত অবীচনৰ উপর থেকে হাল থালে পড়েছিল)	১৯-নাহল	26	900	হমীন স্থিতে আলাদা করতে পাহবে বা মাধুব	১৭-ইস্রা	७९	93
(होत्सार क्रम स्विभारत निरुद्धन स्वाहार (शर्वित शहर्य शतम)	80-पुरस्य	00	484	विश्व			
	04-7-1		100	জন ছিন্তু কর (গ্রানিপারে কান ছিন্তু কর শরতালে মিখ্য আশা)	৪-শিলা	222	29
ছান (আকাশ)	41 774		242	নৌতা ছিন্ত করা (খিজির কর্তৃক)	३४-वाइंव	42	90
কসম (সুউক্ত ছাদের কলম)	৫২-তৃর	¢	84,0	প্রাচীর ছিল্ল করতে পারল না ইরাজুক ও মাজুক	३४-वार्व	20	90
ছমি'না (আমরা প্রবণ করলাম)	-	-	$\vdash$	নুচৰ ছিলাৰ টা প্ৰযোগ নাম ক্ষমৰ কবিবান বাচাৰে প্ৰবেশ	৭-আহাক	80	65
বলা (ইছ্নীয়ের প্রবণ করলাম/ছামি'না বলা প্রসঙ্গ)	৪-দিলা	86	690	विनडाँ <b>रै</b>			
ছার্দ			ш	হারামের চারপাপে হিনতাই হয় (অবচ এটি নিরাপদ)	২৯-আনবাবৃত	89	52
অবিশ্বস (প্রতিশালককে অবিশ্বাস করার শান্তি ছামূল জাতি প্রসাদ)	३३-यून	9p.	હવર	दिनिया तथा	-		-
অবিশ্বস (নৃহ আন অমুদ গ্রহুতি জাতির রিসালাতে অবিশ্বস)	<b>३</b> 8-१ॅनब्रशेम	>	998	াছানতে দেয়া দেবা ছিন্তি নিত বাল কৰ্তত (খিটার কর্তৃক দৌকা ছিন্ত প্র.)	১৮-কাছফ	436	90
অধীকরে (হ্যমুদ জাতি অবাধ্যতাবশত অধীকার করেছিল)	৯১-শম্ন	22	3058	মহি বৃতির পাধার হিণিয়ে দিলেও লে তা উভারে অকম	३३-शुष्प	90	95
অস্থীকার (ছাতুল সম্মানার স্তর্কীকরণকে অস্থীকার করেছিল)	৫৪-কামার	20	204	-	44.04	10	10
অতি (শ্রমুদ অতির দার বল্পশাত হতে পারে)	৪১-কুস্নিলাহ	20	30.4	হিলু আঞ্জীয়তার বছল ছিত্র করার আশা (মুনাধিকদের)	0.0		1
অতি (স্বয়ুদ জড়ির ন্যায় পূর্নিক্রর আশহা কিরআউনকের উপর)	৪০-মুখিন	42	2,20		৪৭-মুহামান	22	197
ধংস(বস্তুঞ্জনি দ্বরা ছামুল সম্প্রনায়কে থালে করা হরেছিল)	५३-शकार	4	295	অস্ত্রাহ যা অভুনু রাধার নির্দেশ নিয়েছেল বা ছিল্ল করে যার	১৩-রা'দ	42	63
ধালে (ময়ন জড়ির থাতেব দায় মানইবাদবালীও খালে হল)	<b>33-इन</b>	34	698	শরীক্ষর নাথে মুগরিকদের সম্পর্ক ছিন্ন হওয়া প্রসন্থ	৬-আন্'আম	38	60
ধালে (হামূন ক্ষতিকে ধালে কলেছন আপ্তাই)	২৫-ছত্তবাদ	Ob.	970	সন্দর্ক ছিল্ল করা (অপ্তাহ যে সন্দর্ক যুক্ত জবার নির্দেশ নিয়েছেন যা)	২-বাকুরো	59	20
দালে (স্বাধুন জাতি দালে হল প্রতিপালককে অবিশাস করায়)	22-24	95	692	সম্পর্ক ছিন্ন হয়ে যাবে অনুসূত ও অনুসারীদের মধ্যে	২-বাকারা	১৯৯	52
পালে (স্কৃত্বন জাতির বাসস্থান অধ্যার থাছেবর প্রমান বহন করে)	३७-व्यागकावृड	'Chr	723	क्षित-विक्रित		_	_
ধানে (আল্লাহ ধানে করেন ছামুদ সংগ্রদায়কে)	৫৩-বাজম	62	308	আন জানিকে ছিল্ল-বিক্সিল করেছিল (কবল্যাগকর বাস্থ)	१५-पविवार	84	24
নিনর্শনগরণ উট্টা নেয়া হরেছিল (ছারুদ জাতিকে)	১৭-ইলরা	23	425	নাড়-বৃড়ি (মাহান্রামীদের শাড়-বৃড়ি ছিন্ন-বিভিন্ন যবে)	৪৭-দুহামান	3-2	52
নিলপ্ন (স্তামণ জাতির পালুসর ঘটনার নিলপ্ন ব্রেছে)	१५-पविद्याव	80	323	পিছন থকানে ছি:নিজি কা নগাল পণাচন মধ্যম	৮-আনকাল	64	60
প্রপ্রকর্ণন (স্বায়ন জাইকে সঠিক পথ প্রদর্শন করেছিলেন অল্লাহ)	৪১-ফবসিলাভ	39	৮৮৭	श्रम् (क्षीतित कवा विश्ता भागुत्वर मत्मर)	৩৬-ইয়াসীন	97	74
পাধর (এটে গৃহনির্মাণ করত ছামুন লাতি	brh-Wille	>	2052	হুলা ছিন্ন-বিচিদ্র হওয় পর্যন্ত সন্দেহ থেকে যাবে (ফুর্নফিবলেন)	৯-তাধব্য	220	62
পুরুত্ব (স্থায়-বাহিনীর বুরুত্ব রাসুগ স. এর নিকট পৌষ্য)	p-2-344	26	3036	विमक्ति			Т
বুজর (জনুসমার্থনার বুজর রাপুন স: এর সমস্য হ'নর) মিগুরেনী বল (জুমুদ রাভিও রাপুলকে নিধাবানী বলেছিল)	৯৬-৩'আরা ১৫-১ুখন	282	920	ভাগিমনের (সাবাবাদীদেরকে) ছত্রচক করে নিলেন আল্লাহ	৩৪-দাবা	32	7/8
মিথাবান বল (ছমুদ রাজত রাসূত্তে মন্যাবলা থলা হল) মিথাবানী বল(ছমুদ সম্প্রারা রাসুল স. তে মিথাবানী বলছিল)	55-0ae	84	982	নতন সৃষ্টি (ছিল্লচিত্র হওয়ার পর গড়স সৃষ্টি)	ত৪-দাবা	9	78
				ক্লতে কেলা (আরো দেবন নিকেল শনটি)			$\top$
মিথ্য বনা (আদ ও ছামুল মহাপ্রলয়কে মিখ্যা বলেছিল)	६५-वस्त	8	243	ছুতে কেলা (আরো দেখুন নিক্ষেপ শপাচ) বাহ্যবসূত্র উদ্ধ দটি বল রঙ্গুল স. তে ছুত্তে কেলায় উপরত্ম হয়	৬৮-ব্যলাম	62	>9
সম্প্রনার (স্কাহ্ন সম্প্রদায়ের পরিপত্তির সংবাদ আসেদি কি)	৯-জাওল	90	689			1.0	Ť
সম্প্রনার (ছামুন সম্প্রনার নিখ্যাবাদী বলেছিল)	৫০-বৃহদ্	35	255	ছুটে আসা ইয়াছুবাত খুল দিলে লে উদ্রভূমি থেকে ছুটে অসকে (বিশ্বমতেও পূর্বে)	२५-व्यक्तिया	36	92
সম্প্রদার (ছামুদ সম্প্রদায় কর্তৃক রাস্প্রদরকে আত্মীকার)	৩৮-লোৱান	20	Mee		२५-व्यक्ति	36	92
সালেহ আ কে ছামূদ জাভির দিকট প্রেরণ	৭-আ'রাক	90	629	ওচন্দি থেকে ইয়ানুক্ত নাকুক বুটো আনবে (বুলে পেয়া বলে)	२५-व्यास्था ०५-व्यानीय		90
সালেহ আ.কে ছামুল জাতির নিকট প্রেরণ	২৭-নমল	80	500	করে থেকে ছুটে আসং (পিথার দিনীয় ফুঁ নিলে)		62	
সালের আ,কে ছাম্ম জাতির নিকট প্রেরণ	33- <b>य</b> म	63	693	ব্যক্তির (নগরীর প্রান্ত থেকে এক থাকি ছুটে আসল)	৩৬-ইয়াসীন	50	p.5
াধার পারের ছার্ব আবের সভক প্রয়েব…	1. A.	+ "	0.3	মান্ত্ৰকে বুলে দিলে সে উপ্তত্মি থেকে ছুটে	২১-আধিয়া	300	90
श्या	1		-	আসং (কিরামকের পূর্বে)		1	_
কালো পোনাৰ জনাৰ পাকৰে বামের সাধীরা	৫৬-ওয়াবিবাহ	80	286	সম্প্রদান্তের গোকেরা ইবরাইম আ,এর গিকে ছটে আসগ,	৩৭-সাফফাত	38	5.9

শব্দ বিষয়/প্রসঞ্	ज्यां नर ७ नाम	WORK 2	481	नम् दिश्व/देशम् अस्ति ।	नुवानर ७ मात्र	MEN IS	gát
	Assist a als	arga.	1,500				
<u>ছুটোছুটি করা</u>			ш	বার (প্রেটী বা বড় ব্যয় শিখে রাঝ হয় প্রক্রিমন সেয়ার জন্য)	৯-ভাওবা	252	62
ক্ষিতনার উদ্দেশে মুটেমুটি করত (দলেহকারীর মুদ্ধে প্রেরিত হলে)	৯-ভাওবা	89	684	লিপিবছ (য়েট ও বড় সর্ববিদুই আফা নামার লিপিবছ আছে)	৫৪-কামার	20	30
লাপের ন্যায় ছুটোডুটি করতে দেখল মূলা আ, তার লাঠিকে	২৮-কাদ্যদ	67	P.70		৩২-সার্দা	52	200
प्रस्क (मधा				ছেটি অপরাধ			_
কৰা (পৰীক মুপবিকের দিকে কথা মুহের দিবে জেমরা মিথাবাদী')	১৬-নাহল	ъъ	930	ক্ষমা (ছোট ছোট অপরাধ ক্ষমা করবেন প্রতিপালক)	৫৩-নাজম	હર	ÞΦ
पूर्वि				ছোট পশু (আরো দেখুন পশু শব্দটি)			١.
নবীদের প্রভোককে একটি করে ছুরি দিল (আর্থায়ের রী)	১২-ইউসুফ	92	693	দৃষ্টি (অল্লাহ দ্যেট ও ভারবাহী পক্ত দৃষ্টি করেছেন)	৬-আন্'আম	184	65
(केंड)				ছোট পাপ (আরো দেখুন বড় পাপ শব্দটি)			
জামা পিছন নিকে ছেঁৱা নেখল আখীয় (ইউলুফের জামা)	32-3690	20	693	মোন (বঢ় পাপ থেকে বিরঙ ধাবলে মেট পাপ মোন হবে)	8-मिना	0)	¢6
জামার দামনে ছেঁড়া হলে ইউদুক মো, মিখ্যাবাদী	১২-ইউসুফ	36	693	क्षांग्रहा है	-	-	۳
পিছন (জামার পিছন হেঁড়া হলে ইউনুফ আ, সভাবাদী)	55-269 <del>0</del>	29	690	মৃদ্য আ,এর লাঠি সাপের মত ছেটাছুটি করা প্রদান	২৭-নামল	20	40
	24.40.74	4.1	0.40		4 (-44)	30	
ছেড়ে দেয়া	-			<b>जिथम</b>			
অমকারে হেড়ে দেয়া আলো কেড়ে নিয়ে (মুনাড়িক প্রসঙ্গ)	२-वाकृत्वा	24	000	অধ্যত (কমে অধ্যত করার পরও অস্তার ও রাসুল স্. এর ভাকে সামুর)	০-আপে ইমবান	292	22
'আমাকে ছাড় আমি মূসাকে হত্যা করব' দিবলাউন বলল	৪০-মুমিন	26	ppo	মুমিনাসবকে ছাৰম স্পৰ্ণ কৰে যদি (উত্নযুদ্ধ প্ৰসঙ্গ)	০-আলে ইমবান	180	28
স্বাস্থ্যহকে হেড়ে দেৱা (ওপীদ ইবনে মুনীরার ব্যাপারে)	१८-मूमाइदिन	>>	250	বিসাস রয়েছে জবমের ক্ষেত্রে	৫-মাছিদা	82	ar
অপ্তাহন (অপ্তাহ উপর ছেন্টে দেরা কুরজনকে নিধর বলার বিধর)	৬৮-কুলম	88	399	স্পৰ্শ কলেছে জনম কাফির সম্প্রদায়কেও (বদর যুক্তে)	০-আলে ইমরান	380	28
অস্তাহ ও নিখা অভিহিতকরীলেনকে হেড়ে সেয়া (শক্তির বাপানে)	৭০-মুখ্বাথিল	22	ラタケ	জ্বাত		,,,,	ř
ইয়াজুবা ও মাজুবাটো তথাসের মত একে অপরের উপর এসে পড়তে,	১৮-কার্ক	22	900	অনুত অনুবাশেকী (মাচাহ অগত থেকে অনুবাশেকী)	২৯-জানকাবৃত	b	6.5
জ্জীকে ছেড়ে নেয়ার দির্চেশ (অপ্তাহর খনিনে চরে খাওয়ার জন্য)	৭-জাবাক	90	655				
ব্রীকে মনীনে বেড়ে দেরা যাতে চনে খেতে পানে (যানুন জর্ভি)	<b>33-दूम</b>	68	693	অপ্তীশকাক লগতের কেউ করেনি (পৃত সম্প্রনারের মত)	২৯-মানকাবৃত	56	63
এক ভিরমণিকরিবলৈ (২০৬ ল লোন কন লোম (থকানিয়া আ.কে)	२५-जास्त्रि	1.9	926	অপ্তাহ জগতসমূহের প্রতিপালক	৪০-মূখিন	68	pp
ক্ষ্মিন দিনকে জেন্তু দিয়ে/উপোন্ধা করে মানুষ দুলিয়াকে ভালবালে	৭৬-মধ্য	29	≥>>	অস্তাহ জগতসমূহ থেকে অমুখাপেকী	০-আলে ইমবান		¢8
কাভিবচনা জেড়ে দেয়া/মধ্যাশ (সংস্কাহীন হবার দিন পর্যন্ত)	৫২-জুর	80	907	অস্তাহ জগতসমূহের প্রতি অনুরহদীপ	২-বাঞ্চরা	522	45
কাঞ্চিত্রদের অভিকে হেছে না দেরার জন্য (নৃহ আ.এর নোরা)	१५-मृह	26	246	উপদেশ (কুরমান জগতসমূহের জন্য একটি উপদেশ)	৬-আন্'আম	30	90
কাভিব্ৰদেৱকে ছেড়ে দিলে বান্দাদের পথমাই কববে ও	47-56	29	bre	উপদেশ (কুরমান জগতসমূহের জন্য উপদেশ)	৩৮-সোমাণ	৮৭	৮৭
কাফিবদেরকে ছেড়ে দেয়া (অনর্থক কথার দির থাকার জনা)	৭০-মা'মারিজ	84	20.0	উপদেশ (কুরমান বিশ্ববাসীর জন্য উপদেশ)	৮১-ভাকনীর	29	300
অঞ্চিত্রদেরকে ছেড়ে দেরার নির্দেশ (জেগের জন্য)	১৫-হিজর	20	699	উপদেশ (অগতবাসীর জন্য উপদেশ কুরম্বান)	১২-ইউসুক	308	65
ক্ষিয়াসভের দিন কাউকে হেছে নেয়া হবে না	79-4054	89		উৰ্ম্মানতের কিছুই পূৰণ করতে পারে না শয়তান.	৩৭-সাধ্বাত	ъ	ÞΦ
			925	কুরআন জগতসমূহের জন্য উপনেশ	৬৮-কুম্পাম	65	89
কুৰুমকে চেড্ৰে দিয়েও দে জিয়া বের বতা ইপায় (উপমা প্রণঙ্গ)	৭-আরিফ	746	659	কেউ ( পুত সম্প্রদারের পূর্বে জগতের কেউ সমকাম করেনি)	৭-আ'লফ	bro	હર
क्षेत्र-सक्षरक बाह्य एक ना (अनुसरक मुनियाय शांति निवन प्रस्तवन तंत्रक)	১৬-শাহল	67	909	জুপুম (জগতসমূহের প্রতি জুপুম করতে চান না সাপ্তার)	০-আলে ইমবান	306	¢8
ছিনকে কেল-আমাশারলে এহণ করিলেকে স্বাস্থাহন করে তেন্তে লো	ও-আন্'আম	90	905	পর (মুখ্যকা সংক্র জনতের জন্য দরাসম্বর্ণ পরিলো হয়েছে)	২১-জাধিয়া	309	92
নিরাপন অবস্থায় পৃথিবীতে মেড়ে নেয়া (স্বানুন সম্প্রানার প্রদাস)	<b>५७-७,अंडा</b>	789	የአተ	নোর ব্যানি কারতসমূহের কাউকে যা সেরা হয়েছে মূপর সম্প্রদারকে	৫-মারিদা	40	25
পৰীক্ষা ছায়া মানুধকে ছেড়ে দেৱা হবে না (ঈমান প্রসঙ্গ)	২৯-আনবাৰ্ড	2	276	নারী (স্বশতস্মূত্যে নার্যালের উপর মারইয়ামকে মনেনীত)	০-জালে ইমরান	84	48
বসে থাবার আন হেড়ে নিতে বলে শক্তি-সামর্থের অধিকারীরা	≽-ভাওবা	340	685	निवर्णन (मृट्हत होरेका छ प्रावण संगटकत सना निवर्णन)	২৯-আনকাবৃত	20	6.5
মানুষকে এমনিতেই ছেড়ে দেয়া হবে বলে ক্ষমূলক ধারণা	৭৫-কিরামাহ	95	278	নিদর্শন (মাইয়েম ও তার পুত্র দিনা আ ক্রাণ্ডের জন্য নিদর্শন)	২১-আধিয়া	32	92
মিখ্যা বচনাৰদৰীদেৱকে ছেড়ে দেৱাৱ জন্য আসুল স. কে নিৰ্চেশ	৬-আন্'আম	225	609	নুহ আ, এর প্রতি শক্তি বর্ষিত হোত (জ্লাকসমূহে)	১৭-সাক্কাত	93	100
মিখ্যা বচনার উপর মুশরিকদেরকে ছেড়ে দেয়া	৬-আন্'আম	200	609				28
মুফিনলেরক কি হেড়ে দেয়া হবে অবচ অস্তাহ কোনে নেকেন না	১-ভাওবা	36	682	পর্বন্যাপিক (জনতসমূহের জন্ম পর্বন্যাপিকা ব্যক্তর স্থাপিত ধর)	০-আলে ইমরান		
দুর্মিনসেরক মেড়ে নিকেন ল অস্তাহ আনের অবস্থার উপর	৩-জালে ইমরান	249	650	প্রতিবাদক (স্বর্থতসমূহের প্রতিবাদক আল্লাই)	৪০-মুখিন	95	bb
রান্তা হেড়ে দেরার নির্দেশ (মুশবিকরা তথনা করলে)	৯-জাওবা	e	680	প্রতিশালন (জাতসমূহের প্রতিশালক অস্ত্রাহর দিবেট আফ্রণমর্শন)	৬-জাপ্ আম	93	60
সূত্যের বান্ধী ছেড্রে দেরার নির্দেশ (মুমিনচন্বতে)	२-वाक्षा	295	000	প্রতিপাদক (স্নগতসমূহের প্রতিপাদক অল্লাহ)	৩৭-সাত্তাত	225	tro
হেতে দেৱা (মত)	-	1		প্রতিপালক (জগতসমূহের প্রতিপালক সাল্লাহর প্রবংস)	১০-ইউনুস	20	96
সাকার মৃতও হেড়ে দেবে লা এবং জীবিতও রাখবে লা	৭৪-মুখ্যছবির	26	297	প্রতিশালক (জনতসমূহের প্রতিশালক কীঃ দিরা জাউদের প্রশ্ন)	২৬-৬'জারা	२०	95
	in Tubes	1.0	,	প্রতিপালক (জগতসমূহের প্রতিপালকের সমকক পঞ্চ করালে)	৪১-তুস্সিলাত	b	pp
দেয়ের যাওয়া	he where	1		প্রতিপাদক (জগতসমূহের প্রতিপাদক)	৪০-মু'মিন	99	50
সংবাদ (মেড়ে যাওয়া সংবাদ করার জন্য পুনাপ্রেরণের প্রার্থনা)	২৩-মু"মিল্ল	200	992	প্রতিপালক (জগতের প্রতিপাদকের প্রতি জানুকরদের দ্বমান)	৭-আ'রাঞ্	252	62
ছেলে (আরো দেখুন পুত্র শদটি)				প্রতিপাদক (জনতের প্রতিশাদকের নিকট সাধার রানীর আঞ্চনমর্গণ)	২৭-নামণ	88	30
ছবাই করত ভিরমাউন (মৃসা আ.এর সম্প্রনায়ের ছেলেদের )	১৪-ইবরাহীস	0	690	প্রতিপালক (জনতের প্রতিপালকের নিকট লৃতের প্রতিদান)	२५-७'जास	¥58	4,5
मदास वद्या (स्थान चा. तर मदास वद्यार/भदानत मृतस काव, क्युतार)	৭-আর্রাফ	320	646	প্রতিপালক (ঋগতের প্রতিপালক আল্লাহ পবিত্র)	২৭-নামল	ь	ъо
মারের জেল (থারুদ আ এর মারের জেল মূলাকে থারুদের অনুযোগ)	40-W-01	38	989	প্রতিপাশক (স্বগতের প্রতিপাশকের প্রতি স্বানুকরদের ঈমান		_	_
ষোঁ মারা	_			जानव (पामर्ग)	২৬-৬'জারা	89	93
বে। নামা পাবির (ম্বা মারা (শরীককারীদের উপমা প্রসঙ্গ)	22-27 <b>96</b>	40	465	প্রতিপালক (জয়তের প্রতিপালকের নিকট গুরের প্রতিসাম)	२७-७'लाबा	20%	93
		-		প্রকিশালক (জনতের প্রতিশালকের নিকট সালিতের প্রতিনান)	59-म् आस इंग्रेड	286	430
শরতান ছোঁ মেবে শোনার চেটা করা (উর্ম্বজগতের কথা)	৩৭-সাক্ষাত	30	463	প্রকাশন (জাতের প্রকাশন অনুহর জন নগত (বরকা)জিন)	৬-আনু আম	380	63.
ছোট (আরো দেখুন কুন্ত্র শব্দটি)		1		প্রতিবাদক (জনতান্ত্রাক করিবর জন করে স্থানার লা	57-543 57-543		
খণের পরিমাণ ছেটি- বভ যা হোক ডা লিখে রাখা প্রসঞ্চ	২-বাকুারা	25-2	608			36	26
দল (ছোট দল পরাজিত করে বয় দলকে আল্লাহর ইঞ্ছার)	২-বাকারা	283	650	প্রতিশালক (স্কারসমূহের প্রতিশালকের পাক হতে কুরআন অবর্তীর্ন)	৫৬-ওয়াকিকাহ	3.0	202
				প্রতিশালক (স্বর্থতসমূহের প্রতিশালকের সামনে গাঁডানো)	৮०-मसम्बद्धिम	- 6	

৪৯ ৭২৮ প্রতিশাসক (স্বর্থতসমূহের প্রতিশাসকের রাস্ক হল আ.)

न्य विषय/बागम	part we et 202	uters o	-jás	मच विवह/शाम	जुबा सर्थ व साम	1000	961
	नुस गर छ नान	464.4	Jes	পুৰ (বিনিন পোৱেও নোমত স্বৰ্থীকাৰকী জনপালে উপায়)	সুৱা নহ ও নাম ১৬-নাহল	225	475
হ্মগ্ৰত (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)	Print, aux		-	नाम (कामनामद मिस्से मिस्स अवासनियत नामा)	१६-केंद्रकात	80	975
প্রতিপাদক (জনকন্মতা প্রতিপাদক অস্তাহর জনা সকল প্রণগো)		86	900	জনপদসমূহের সংবাদ কর্মিনা (রাসদ স, এর নিবট)			696
প্রতিপালক (স্বপতনমূহের প্রতিপালক আল্লাহ্ ব্রক্তমর্য)	৭-আ'রাফ	48	623		১১-বৃদ ১১-জাধিক	200	
প্রতিপালক (স্নগতনমূহের প্রতিপালকের রাসূল নৃহ আ.)	৭-আ'রাফ	92	972	व्यक्तिम व्यनगर जाहार प्रयाद करतास्य		22	920
প্রতিশাসক (লগতনমূহের প্রতিশালক সম্পর্কে ইবরাহীম	৩৭-সাফ্ফাড	29	562	জাপিম জনগদকে পাকড়াও করেন আপ্লাহ	22-वृत	305	696
वा.4र किवाना)		Ľ.,		আশিমদের কর জনপদ অস্তাহ ধ্বংস করেছেন।	55-0Jak	80	967
এতিশালন (জগতসমূহের প্রতিশালন অক্সাহর জন্য সনল প্রশাসে)	১-ফাডিয়া	2	607	আশিমের জনপন হতে বের বনার জন্য মজপুমের আর্তনাদঃ	8-मिना	90	600
প্রতিপালক (কাতসমূহের প্রতিশালক আল্লাহর কল্য সকল প্রশংস)	৪৫-জছিয়া	৩৬	१०४	মুপুন (জনপদ মুপুন করার সময় অবদাশ ও পরে পাকরাও করা)	২২-হাজ	87	964
প্রতিপালক (রূপাকসমূহের প্রতিপালকর হতে ভুরুজন অবর্তীর্ণ)	৬৯-যাক্সযু	80	920	নৃষ্টান্ত (জনপদবানীদের পেশ কাফিরদের নিকট)	০৬-ইয়াসীন	20	p.5.
প্রতিপাদক (কুরজন স্বন্যতের প্রতিপাদকের পাক থেকে অবর্ত্তান)	২৬-৩'আরা	785	486	भारत (सन्तर्भव भारत कता एउना व्यथ्यतीता प्राणिम ना रहत)	২৮-কাসাস	63	2.70
প্রতিশালক (কুরঝান জনতসমূহের প্রতিশালকের পক্ষ থেকে)	১০-ইউনুস	09	626	ধাংল (জনপদ ধাংল করেছেল আল্লাছ)	৭-আ'রাফ	8	630
প্রবিশালক (জনসভূতের প্রবিশালকের নিবট যুক্তে নিকাব)	৩২-নাল্না	1	broo	ধালে (জনপদ ধালে করেছেন আল্লাহ)	২৮-জনাস	25	37.70
প্রতিশালক (মাণাকসনুহের প্রতিশালক অল্পাহকে তর করে হাবিল)	৫-মারিদা	47	648	थारम (जनमनवामी जनवंदित बाजवङ्गा अञ्चाद थारम यदान थ)	৬-আন্'আম	707	603
প্রতিপাদক (বলাতসমূহের প্রতিশাসক অপ্রাহ মদা আ,কে ভাবতান)	২৮-কালাল	00	830	ধালে (জনপঢ়ার অধিবালীচন্য ইমান দা আনর মধ্যে ধালে হওয়া)	২১-আধিরা	6	980
প্রতিশাসক (অগতসমূহের প্রতিশাসক আপ্রাহর অন্য প্রশংসা)	৩৯-বদার	9.0	299	ধালে (জনুমের জনা)	72-41IEA	45	942
श्रीक्षणाव (क्षणाव्य श्रीकृषणाव्य निक्षे देखादीम चा अस चाकामर्गन)	২-বাহার	202	675	ধাংস(জুলুমের কারণে আল্লাহ কত জনপদ ধাংস করেছেন)	22-28W	80	964
প্রতিপালক (জগতের প্রতিপালকের নিবট কর্মাইন আ এর প্রতিদান)	২৬-চ'আরা	250	939	থাকেপ্ৰাপ্ত জনপদেৰ অধিবাসীৰা কিবে আসংয না	२३-लाधिवा	24	900
প্রতিশালক (স্বগতের প্রতিশালকের নিকট হুদের প্রতিমান)	২৬-ত'আরা	259	938	भारत बद्धान मा शक्तिमाणक दक्कर क्रमणम वामण मा महिला	১৮-জাসাস	60	270
প্রতিপালক (জনতের প্রতিপালক মাঝা সধাই ইবরাহীর আনো পঞ	79-9,2031	99	93-2	भारत (त्यान कारणन भारतमा निर्माक त्राम किराय निर्माण	50-firms	8	tokb
প্রতিপালক (মণা ও হারদ আ কার্যকর প্রতিপালকের রাফা)	২৬-৩'আরা	30	956	ধাংস (বোন জনগদ নেই যাকে ধাংস করা হলে দা)	১৭-ইসরা	av	933
প্রক্রিকার (মুনা আ, জারসমূহের প্রক্রিকার্যকর অনুনা) প্রক্রিকারক (মুনা আ, জারসমূহের প্রক্রিকার্যকর অনুনা ছিলেন)	80- <b>ए</b> स्ट्रम	86	P99	দালে (চারপালের জনপদ দালে ও ভারত বর্ণনা প্রসম)	89-आंद्रवाक	39	270
একেশানক (মূল আ জনকনমূহক একেশাকেল অনুনা নয়সন) প্রতিশালক (মাল আ জনকের প্রতিশালকের পাক থেকে রাজা)	৭-আগ্রাক	No.8	644	भारत (प्रविधानक जनामकात काम कामन भारत करान थ)	22-54 20-416014	224	540
প্রকাশন (মুনা বা, জাতের প্রকাশনকর শন মেকে রাস্থা) প্রতিপালত (ইনলিসকে প্রতিপালকের সমকক গণ্য কর)		200	930	ধাংসম্ভূপে পরিণত জনপদ অতিক্রম (উমার আ,এর প্রসম)	२-राक्तवा	959	607
	২৬-ছ'আরা ৮১-ভাকতীর			भारत (ज्ञानको म गठिक ज्ञान कार्यक (वर्षा का.वर्ष वर्गन)	59-0,खाडा र-नाकेखा		935
প্রতিপালক (আল্লাহ জগতসমূহের প্রতিপালক)		235	2009	पारत (मठानवाच न गाउडा प्रकार करना नारत परान ना) पारत (मठान करनामत वर्षितामीतमर भारत करा अनम)	59-0 MH	504	
বক্ত (জগতসমূহের বক্ষের বিষয়াদি আল্লাহই বেশি জানেন)	২৯-আনকাবৃত	20	679			9)	275
বনী ইন্যাইল্ডারতে বিশ্ববাদীর উপর মতানীত ব্যোহিতাল আপ্তাহ	৪৪-দুখান	03	200	ধাংস (আল্লাহ কোন জনপন ধাংসের ইচ্ছা করলে)	১৭-ইস্বা	36	476
বরকত (জগতের জন্য বরকতময় দেশে গৃত/ইবরাহীম	२১-पाषिता	93	928	দৰী প্ৰেকা (জনপাস দৰি প্ৰেকা ও সুদ্ৰ-কট্টপ্ৰেমৰ বাব পাকড়াও এ.)	न-आ,दाक	>8	957
আ.কে নিরে যাওয়া)		L	$\perp$	নিরাপদ জনপদের দেয়ামত অধীকারের পরিগতি প্রসঙ্গ	১৬-বার্জ	225	475
মনেশীত করেছেল আপ্রাহ জগতসমূহের উপর আগম নৃহ আ. ও	ও-আপে ইমরান		609	পাৰজাও (জনপদ জুপুত্ৰ করার সময় জনবদশ ও পরে	২২-হাজ	832	984
মর্থনা নান (বনী ইনরালৈকে জগত/খনবাচারীর উপর মর্থনা দান)	২-বাবুগরা	89	609	পাকড়াও করা)	l	L.,	_
মর্থানা (বনী ইনরাস্থলকে স্কলতের উপর মর্থানা দান)	২-বাবুদরা	>44	678	প্রবেশ (বনী ইসরাইদের জনপদে প্রবেশ প্রসঙ্গ)	২-বাকুরা	Q.p.	400
मर्थान तम (१४५५/१५० ज. १० सर्गाटल छेन्स मर्थान नम नना रत)	৬-আন্'আম	9.9	608	প্রবেশ (রঞ্জান জনপদে প্রবেশ করণে সম্বানিতদের স্বপর্যনিত করে)	২৭-নামল	-08	404
মর্যানা নান (বনী ইনরাসীলকে জনাকের উপর মর্যানা নান প্রনাস)	৭-আ রাফ	780	955	প্রপ্র (জনপদবাদীকে প্রপ্র করতে বলল শিব্দকে যেখনে ভারা ছিল)	১২-ইউসুফ	2.5	69-8
বহনত (মুহাখন স.কে জন্মতের জন্ম রহনতস্থরণ পঠানে হরেছে)	২১-আথিয়া	209	929	ব্যক্ত (জনপদের প্রতি ব্যক্ত দান)	৩৪-সাবা	36	684
পৃত সম্প্রালয়ই অগতের মধ্যে পুরুষের নিবট যৌনবারে গমন বরত	২৬-৩'জারা	796	999	বনবান (বনী ইন্যাইলতে একটি জনপদে বনবানে করার নির্দেশ)	৭-আ'রাজ	767	629
শান্তি (জগতসমূহের কাউকে যে শান্তি দেশনি আল্লাহ)	৫-মার্রালা	225	695	বের করা (জনপন থেকে লৃতকে বের করে বিতে সম্প্রদারের উভি)	৭-আ রাজ	6.5	620
প্রেক্টরু (আল্লাহ্ বলী ইনরাইলকে বলাতের মধ্যে প্রেক্টরু নির্বেছিলেন)	৪৫-জাছিয়া	36	200	বের করে দেয়ার হুমকি জলপদ থেকে (ত'আইব্যস্থ মিন্দানরকে)	৭-জা'রফ	bb	952
সতর্বনারী (স্বাণ্ডসমূহের স্কন্য সতর্বনারী হবেন রাপুল গ.)	২৫-কুরকান	3	444	'মধ্যন ব্যক্তিব' উপর কুরজান রেল জাসল নাঃ (বৃষ্ট ক্ষমপদের)	৪০-যুগকফ	02	bab
ভটিশতা		$\overline{}$		ম (জনপানে ম/মঞ্জর পেবলে সতর্ব করার জন্য কুরজন নালৈ)	৪২-শুবা	9	197
नशास्त्र मुख्यम कतात्व नित्र क्रीमक यून करा नहीं थन कतात	৬৫-তালাক	6	her	রাসূদ এর জনপদ রাসূদ কে বের করে পিরেছে	৪৭-মৃহত্যাদ	30	350
फ <b>्</b> ठा		Ť		রাসুল স, এর জনপদের চেয়ে শক্তিশালী জনপদ ধংস			
অকুত। জিবার জন্ততা দর করার অধ্য মুদ্দার গোয়া	२०-इत-श	29	984	করেছেন আল্লাহ	৪৭-মূহাখাৰ	30	970
	40-91-0	44	204	প্তের বাংসপ্রাপ্ত জনপদ জালিমদের থেকে দূরে নয়	১১-বুদ	চন্ত	698
মড়ানো	-	-		পতের পরিবারকে জনপদ থেকে বের করে দেয়ার সিদ্ধান্ত	২৭-নামণ	6.0	bro8
গায়ের সঙ্গে গা স্কড়িয়ে যাবে বিয়ানতে (অগরাবীকের)	৭৫-বিরামাহ	46	998	শারি (পুতের জনপদের পাপাচারের কারণে শারি করতীর্ণ)	২৯-আনবাৰত	08	9.7%
<b>घडिए त्या</b>		_		সংবাদ (অধ্যয়, জনপানের সংবাদ কবির বয়েন দিয়ন প্রসঙ্গ)	৭-আ'রাফ	202	622
ৰাহ্ অভিয়ে নিতে কালেন আল্লাহ নৃত্য আ.কে (ভরের করণে)	২৮-খালাস	०२	222	সতৰ্কবাৰী (জনপান সতৰ্কবাৰী প্ৰাৰণ কৰলেই বিশ্ববনৱা কৰত)	বন্ধ-সাবা	108	<b>V88</b>
घनभम				সতর্ককারী দা পাঠিরে আস্থার অনপদ ধ্বংস করেন দা	26-9'WIST	206	935
অধিবাসী (জনপানের অধিবাসীর মধ্য থেকে মানুধ্যকেই প্রেলা)	১২-ইউসুফ	४०७	646	সকৰ্মনাৰী (প্ৰকোত জনপাস সকৰ্মনাৰী পাঠাকেন জ্বপ্ৰাৰ,)	২৫-যুৱকান	67	95%
অধিবাসী (জনপঢ়ের অধিবাসী শব্দি থেকে নিরাপন মনে করা প্র.)	৭-আ'রাফ	29	643	সক্তর্করারী প্রেরণ (জনপদের বিশুবানদের গোমরাই প্রদাস)	80-पुरस्य	20	V39
অধিবাদী (জনপঢ়ের অধিবাদী শান্তি থেকে নিরাপন মনে করা প্র.)	৭-আ'রাজ	≥6	643	সমদের পার্শবর্তী জনপদ সম্পর্কে জিন্ধানা (শনিবার প্রদাস)	৭-আর্থন	3240	639
পবিষয়ি (জনপানে অধিবাদীর দিয়ান ক্ষান্তা কলাগে উতুক করা হত)	৭-আ'রাফ	200	652	নমুদ্রের গানবভা জনগন নালকে জজনা (শানবভা প্রদর্গ) নুরক্ষিত জনগদের ভিতরে মারু মুনাফিকরা যুক্ত করবে না	৫৯-হাপর	280	200
অধিবাসীসের নিকট খাদ্য চাওয়া (মৃসা আ, ও বিজিবের)	১৮-কার্ক	99	90)		6.9-5146	28	agre
অপরাধীদের জনপাদে নিয়ক্ত করা হয় (ছড়বন্ধ করার জনা)	৬-আন'আম	340	909	জনপদ (উন্টানো)			_
অপৰিত্ৰ কাঞ্চকারী/সমকামী জনপদ থেকে গৃত আ,কে উদ্ধার	<b>३५-आश्रिश</b>	98	922	পাপাচারের কারণে উপ্টে দেয়া জনপদ ধংসে প্রসঙ্গ	৬৯-থকাব্	ъ	৯৭৮
অববাশ(লাগিম জনপদতে অববাশ ও পরে পাক্তাও করা)	২২-হাজ	81/	964	क्षमभावात्री			
				ইংদী জনপদাসী থেকে অস্তাহ বাসুদা সংকে ফাই দান করেছেন	Ph-Stric	٩	200
कानको (क्हार-अन्त न. का निर्मण कथनको सल्पास गति)	৬৫-ডালাক	N .	365				

न्य दिवर/दशक	স্থানং ও নাম	100	0.90	नम् विस्त/धनन	नुत्रां मर च नाम	400 1	761
জনপদের মা (মঞ্চা)		-	-	যানুমের কর উপকার্ত্ত জলে কমিতে থেকে যায়	30-W#	39	430
সতৰ্ক করা (মঞ্জর পোকলের সভর্ক করার উদ্দেশ্যে কুর্যোদ দাবিল)	82-581	9	592	জমিন (আরো দেশুন পথিবী শগটি)			
সতৰ্ক করা (কৃত্তাল ভার অন্যাসের মামেজাবাসীলেয়ক সতর্ক করা)	৬-জাপ'জাম	24	908	বিদীৰ্গ অমিত্ৰের কলম	৮৬-ভাবিক	55	202
क्षनवर्ग		-		জয়ী (আরো দেখুন বিজয়ী শব্দটি)		1.	1
জনবল বছর চেরে বেশি শক্তিশালী (বাগানের মালিক)	72-sc\$a	68	929	व्यक्ति की स्तार कन कुरायन अला स्वार विस्थ रहा	৪১-ডুস্সিল্ড	26	561
क्षमभयुद्ध			10.1	জ্বদী জাপুকর সফল হবে (ফিরমাটন ও জাপুকর প্রসম্ন)	২০-তা-যা	68	981
বন্ধায় অ,তে কলগল্পৰ নিয়ে আনায় দাবী(মূৰ্তি ভাষা প্ৰদক্ষ)	২১-আছিল	65	948	ফার্টাল নির্মানের প্রস্তানের বিষয়ে জয়ী হওয়া (আসহারে তাহক)	72-415E	45	92
নিয়ে আনা (ইবরাহীয় আ,তে জনসমূহে নিয়ে আনার দাবী)	২১-অপিয়া	62	908	पुनविकता सही दाल प्रयोग मिरत मा एकि <b>च जायी</b> कराव	2-2164I	14	681
	531-001491	93	140	সকলে দিলেও উপধ কর্মী করার কালু সভা দীলসহ বাসুল সংক্রে প্রেরণ	85-662	37	201
षम्				সতা বীৰকে কৰি কৰাৰ কৰা অসুগ সংক্ৰ প্ৰেক্তা কৰোছে আল্লাছ	5-3763I	00	68
ইরাহইরার অন্মের দিনে (ভার প্রতি সালাম)	১৯-মাৰ্ট্রাম	26	902	সতা ঘীৰকে জনী করার জন্ম অনুসাস,কে প্রেক্তা করেছেন অল্লাহ	62-MAG	3	29
বিনে (জন্মদিনে দিনা আ এর প্রতি সালাম)	29-X14641X	90	900		granda	- 0	80
জনুদাতা	1	_	-	क्रताडू		-	921
नम्म बन्नुनावार	≥०-रामान	٥	2050	অল্লাহর ইজার নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত জরায়ুতে জণের অবস্থান	44-17 <b>%</b>	4	
वसूराम	1		ш	মারারু যা সংগ্রুতিক করে ও যা অভিক্রম করের আল্লাহ দ্যা মানেন	১৫-রা'দ	b	697
মা সেই হতে পাৰে যে সম্ভানকে জলানান কৰেছে	2৮-মুকাশ:বা	2	145	অর্জরিত (তারাক্রাপ্ত)			-
সন্তান অনুপান ইৰবাহীয় আ,এর গ্রীর বৃদ্ধাবছার	३३-दून	92	७१२	খণের ভারে (মৃশিরিকদের খণের ভারে স্কর্মারিত হওয়া,	৫২-ভূর	80	30
সঞ্জন করু দিয়েছেল আল্লাহ। (মুশরিকদের অগবাদ)	৩৭-সাঞ্ফাভ	205	P68	রসূপ সা. এর প্রতিসাদ চাওয়া প্রপ্লে)			
जम् (नदा				জলাপয় (আরো দেখুন পানি/কৃপ শব্দটি)			
আল্লাহ্তে কেউ ঋনু দেৱনি	১১২-ইখুলাস	٥	5000	'পান্ত যাবেরা (জলাপনো সূর্যকে পান্ত যেতে লেকব জুলকাকেছিন)	2P-9260.	bib	90
আল্লাহ কভিকে ঋনু দেৱ না	১১২-ইব্লাস	0	2000	সুলাইমানের গ্রাসাদকে সাধার গ্রামীর জলাপয় মধে করা	২৭-নামল	88	p.o.
কাঞ্চির ও পাপী জন্ম দিবে কাফির (মৃহ আ: সম্প্রদায় প্রসঙ্গ)	47-46	54	9946	জাকজমক			
क्षन्त्रक				কাকুল সম্প্রদায়ের সামণে জাঁকজমক সহকারে দের হল	২৮-কালাস	95	731
অবেশ্য (জন্মদকে অবেশ্য করেন ঈদা অল্লাহর ইজ্ঞার)	০-আলে ইমরান	85	280	আগ্রত (আরো দেশ্বন সচ্চেষ্ট শব্দটি)			
কৃষ্ঠ রোগীকে নিরাময় করকেন ঈশা আ. (আল্লাহর ইাম্বর)	৫-মারিদা	220	869	নিপ্রিভ আসহাবে কাইফকে দেখলে জায়াভ মনে করা	29-445A	34	980
জম্ব (আরো দেখুন গত শব্দটি)				আঙি (আরো দেবুন উম্মত/বংশ শন্দটি)			
বিভিন্ন ব্যৱধাৰ কৰা আল্লাহ সৃষ্টি কলোছন	০৫-ফাডির	23	<b>∀8∀</b>	এক অভিকৃষ্ণ হিল মানুষ (মতলাৰ্থকোর পূৰ্ব পৰ্যস্ত)	১০-ইউনুস	22	60
ज <b>ा</b> दे		1		গংসপ্ৰাপ্ত কাভি (মু-বিকান)	५०-कुलकाम	35r	930
ক্ষমাইলতে জবাই করার স্বপ্ন দেবলেন ইবরাহীম আ.	৩৭-সাফফাভ	202	briba	বিচরণদীল স্ক্রীৰ ও পাধিয়াও এক একটি উঘাত বা স্কাতি	৬-আন'আম	ΦV	235
গাড়ী কবাই করতে আল্লাহর নির্দেশ (মুসা আ.এর জাতিকে)	५-राष्ट्रश	69	20p	মানুদ্ধক বিভিন্ন জাতি বাণিক্তেনে আল্লাহ বাতে	৪৯-বর্গত	30	20
গাড়ী জবাই করা প্রসঙ্গ (বনী ইসবাদিল কর্তক)	२-वक्स	42	40b	মৃতিপুত্তক জাতির নিবট বনী ইসরাইল উপস্থিত হল	9-90'479	300	448
(মুলাসের জনাই করত বিরুজ্জিন (মূলা গা,এর সম্প্রালয়ের চল্লোল্যে)	১৪-ইবরাহীম	6	990	পতিশব অতির বিক্তমে যুচ্চে আবা হবে (বেলুইনদেবকে)	Sp-Wot	3/6	27.
পুত্রসম্ভানদের জবাই করত ফির'আউন (এওনল অধিবাসীর)	২৮-কাশস	8	pop	সৃষ্টি (আলিমদের ধ্যানের পর অন্য অতি সৃষ্টি প্রসঙ্গ)	২১-মাধিয়া	33	92
পুর সরান্যার (কর্ম ইসরাস্থিপর ) ফরাই ফিরমাটন বংশ কর্তত	২-বারুখো	85	600	স্থাতিবিক (বান অভিনে হামিকান স্থাতিবিক কর্মন, যদি)	৯-ডাওয	ch	68
বেদীতে জবাই করা পত হারাম	०-मासिना	0	69.0	चान			-
হিন্তু অনুতে খালা পত জীবিতাবহুত্ব জনাই কয়তে পায়ল হালাপ	व-मातिमा	9	@bro	আনু আন্তন না আৰুঃ (অভিয়াতে আহল্লম সম্পর্কে জিজাসা)	65-54	20	≥43
হুদহুদ পথিকে মুগাইমান আ, কর্তৃক জবাই করার কুমকি		-	-				
(মলুপহিতির জন্য)	২৭-মামল	52	p.o.?	উক্তাধিত অনু ধলল নিদর্শনকে (ফির'আউন সম্প্রদার)	২৮-কাসাস	9	25
জনাই (উৎসৰ্গ)		-	-	বিভাবকে ব্যক্ত বল কভিনৱ (নিয় বাতে ভা শৰ্পা কছলও)	৬-আন্'আম		
अक्षाद क्षम् अस्पर मद्रा कर्नाई/केक्श्रेस्ट एक बारता क्षात्र	20-MIEM	275	933	বুরজানকে জাবু বলল (ওয়ালিদ বিদ মুগীরা)	৭৪-মূখ্যকৃষ্ণ	2,8	99
	40. 114.	***	191	মেশবলোকে আদু কবল বিৰামভিনের আদুকরার (দর্শকলের মেশ)	৭-লা'রাফ	220	62
জবাই করার পত ফিলিরা দিলেন আল্লাহ ভবাই করার পত (ইবরাইটা আ.কে)	৩৭-সাক্ষাত	209	1-64	ভাওরতে ও কুরআন দুটিই জাপু (বলী ইসরাসন বলেছিল)	২৮-বাসাস	87	27
	04-416410	201	8.04	দড়ি ও শার্তির ছোটাছুটি (জানুকরদের জানুর প্রস্কবে)	২০-জ্ব-হা	66	981
জবাব (আরো দেশ্রন উত্তর শৃপটি)		-		ফিরআউন কর্তৃক মৃত্যার অনুরূপ জাপু নিয়ে আসাব ঘোষণা	२०-ज़-श	64	981
রানুল্যান্যকে বি জবাব দিয়েছিল (বিরাহকে জিলালা করা হবে)	২৮-বাসাস	60	9.70	নিৰ্দ্দিকে জানু বলা (কিবজাউন প্ৰসঙ্গ)	২৭-নামল	20	300
শৃত সম্প্রদারের জবাব (শৃত আ কে জনপদ থেকে বের করা গ্র.)	व-व्य:श्राम	2.5	650	নিদর্শন দেখে কাফিবরা বলে, এটিতো ভিরাহবিত জাপু	৫৪-কামার	1	30
সালামের জনাব (তার চেয়ে সূক্ষর বা জনুজুপ)	8-निग	3.0	469	নিবর্গন (মানু করার মন্য নিবর্গন গেশ করলেও)	৭-ডা'রফ	205	621
क्या कर्वा		1		নিকেপ (বিভাউনের মানুকররা যা নিকেপ করেছিল)	১০-ইউনুদ	6.9	66
व्यक्तिक प क्या क्या कर कर कर क्रिक (व्यक्तिक क्या ६ नव)	৩-আলে ইমরান		667	পুনকথানকে অসু বলে (কাফিবৰা)	22-gw	9	66
দুনিরার মানুব যা জনা করে ভার রেরে প্রতিপালকের দরা উন্তম্	So-यूबक्य	05	ristr	বড় রবমের জাবু নিরে আলা (ফিরআউনের ফামুলর প্রদাস)	0-20,80A	324	62
ধন-সম্পদ (জনা করা ধন-সম্পদ কাজে আসেনি ভারাল্লেনবাসীদের)		86	924	বাধ্য করা (ফিরমাউন কর্তৃক আনুকরণের আনু করতে)	२०-प्रा-श	90	98
ফিরজাউন তরে নৌশলসমূহ জমা করল (জালু প্রসঙ্গ)	২০-ফুা-হা	60	988				
মুমিনাগর জমাকৃত সম্পদের চেয়ে কুরআন উত্তম	১০-ইউনুস	20	625	মূলা আ, এর আবু ধরা বিরোজালৈ সম্পাদারকে বের করতে চাওয়া।	59-p.add	96	96
গোবন্ধন জনা হয়ছে-মুলভিকর মুমিনসেরকে কলা (উঞ্চ বুদ্ধ)	৩-আলে ইমরন	260	665	মূল আ, এর ভালু ধরা বিশ্বাআটন লগুলারকে বের করতে চেডাো।	५०-घा-श	64	98
সম্পদ স্কমা ও গণনা করার পরিণতি দূর্ভোগ	১০৪-হ্মাঘা	3	2000	মূপা আ, এয়া আৰু স্বান্ধ বিদ্যাআউদ সংখ্যালয়কে বের করতে বেওয়াং	२०-इर-श	90	98
সম্পদ সমা করার দিক সেকে প্রবদ প্রজন্মকে ধ্বংস,	২৮-কালাস	96	200	লেখেখনে জালুর কাছে বাওয়া (কুরসান প্রনঙ্গ)	২১-আধিয়া	0	92
সম্পদ ক্ষমা করে কৃষ্ণিগত করে রেখেছে অপরাধীরা	৭০-মা'আরিজ	36	295	লাঠি ও পড়ির ঘোটাছুটি (আদুকরণের আদুর প্রভাবে)	३०-म्- <b>श</b>	66	981
অমি (আরো দেখুন হুমি শব্দটি)		1	$\Box$	শিক্ষা (মৃগ্য-ই আপুকরদের তাপু শিক্ষা দিয়েছে)	59-9,888.	82	924
ভাষ (অনি চাব করেনি যে গাড়ী হারা ভা জবাই করা প্রসঙ্গ)	২-ব্যক্তারা	93	(cobr	শিকা (মুসা-ই আপুকরমের অনু শিকা নিয়েছে)	২০-ফ্ল-হা	93	981

			জাদু	काना			ध्य
THE PROPERTY.	नुवा मर ७ नाम	बहुद क	1981	শব্দ বিষয়/প্রস্থ	नुवा नर छ नाम	SECTION AND	्रकी
स्राम् (পূर्व পृक्षा (भरक)	-			অনুন্দ (অপ্তাহ থায়া আবাশ-পৃথিবীর সবদের বাহে অনুন্দ অর্জান)	২৭-নামপ	96	800
শিকা দেৱা (শরতানরা মানুহকে জানু শিক্ষা দিত)	২-বাকুরো	303	475	व्यक्ता म जान (नृह व्य. व्यक्ता जाउन रहा तरी करता मि)	১১-ছন	0)	986
লভা/আয়াতকৈ আৰু বংগ (আরাভ অবিশ্বালকারীরা)	৪৬-আহ্বাক	9	boy	प्रभूग कर्ना (रामून न. प्रमून) कारण रक्षन प्रतिदेश न्तर्भ करण म)	৭-আ'রফ	Syb	800
সভাকে জাদু কলা (আল্লাহর পক্ষ থেকে সভা আসার পর)	১০-ইউনুস	99	997	অনুশ্য জানা (রাসুল স. এর অনুশ্য বিষয় না জানা রাসঙ্গ)	৬-আন্'আম	60	800
সভাকে জাদু আখ্যা দের ফিরআউন(সভা আগার পর)	১০-ইউনুস	95	992	অবৃশ্য বিষয় (আকাশ-পৃথিবীর অবৃশ্য বিষয় আল্লাহ জ্ঞানেন)	২-বাবুৰো	00	208
সভাবে (কুরঝানকে) জাদু আব্যা দান, মুশরিকদের	8७-युवक्य	00	yby	व्यान विश्व पनि विद्वारा व्यान व्यत शास्त्रवासात नावित्व	68-PFR	38	785
			568	অদৃশ্য বিষয় (প্রতিশালক অদৃশ্য বিষয় জানেন)	08-NRI	87	586
সুস্পট্ট আৰু বলে কাফিররা (আল্লাহর নিবর্গন দেখে)	৩৭-সাত্দাত	76		অনুশ্যের চাবি আল্লাহ ছাড়া কেউ জানে না	৩-আপ'আম	00	903
সুস্পর জাদু বলল কাফিররা (সুস্পর প্রমাণকে)	৫-মারিদা	770	258	অধিকাংশ মানুহ স্লানে না যে আকাশ-পৃথিধী সৃষ্টি	৪০-মু'মিদ	29	ppo
সুস্পর্ট জাবু কাল কফিররা (রাগুল স. এর প্রমাণকে)	७३-मास्य	6	390				903
সুস্পট্ট আৰু বলল জালিমরা (সভ্য কুরমানকে)	৩৪-সাবা	80	V84	অধিকাংশ মানুষ এটা জানে না যে সকল প্ৰশংসা অস্তাহৰ	১৬-মাঙ্প	9.0	
জানুকর				विश्वारण भागूबरे सारममा (वाद्यार वर्ज्व मृत्रोख वर्गमा)	৩৯-বুমার	59	2.40
অনুদরেশ (থিনা'অভিনের অনুকরদেরকে অনুদরণ, বিজয়ী হতা)	২৬-ত'জারা	80	930	অধিকাংশ মানুব জানে না (কিয়ামত সম্পর্কে)	৪৫-মাহিয়া	10	309
জনা (বিরম্বাইনের জানুকরর জানলে জানু নিজেশ করতে)	১০-ইউনুস	pro	995	व्यक्ताल (यहा काल्ला व्यक्ता अनुविद व्यक्ताल कर्य यहर न)	8ए-सास्प्रि	29	909
সমান আনা (ভাপুকরা সমান এনে সিজদায় গুটিরে পড়ল)	২০-জা-যা	90	980	অমতের পনর (নূহ সম্প্রদারের অমতের পনর আগ্রাহ জানেন)	55- <del>2</del> 4	02	995
একর কর (দিশ'ক্ষতিলো জালুকরালেকে নিনীট দিলে একর কর হল)	59-9,088	100	osp	অপরাধীরা জানত না (কিয়ামতের দিন সম্পর্কে)	৩০-রম	40	939
কৌশল (বিবাউনের জানুকরের কৌশল, নাপ/দত্তি প্রসম্ব)	২০-জা-জ	69	984	অবন্তীৰ্ণ অন্নাত সম্পৰ্কে মুশৱিকরা জানে না (অল্লাহ জানেন)	১৬-নাহল	707	477
নিকেপ (জানুকররা ভানুর দত্তি ও লাঠি নিকেপ করল)	২৬-৬'জারা	88	920	অবহানহুগ (আল্লাহ জানেন সকল জীবের অবহানহুগ)	77- <u>5</u> 4	6	666
নিয়ে আনা (জনুকর সভায় করে বিভাগাউলের আছে নিয়ে আনা প্রসাধ)	৭-আগ্ৰাক	225	622	অবতীর্ণ আরাত সম্পর্কে আল্লাহ সবচেরে ভাল জানেন	১৬-নাহণ	202	433
প্রতিদান (বিদ্যাসাউলের জানুকরদের প্রতিদান লানি, বিজয়ী হতে)	59-9,088	85	980	অর্জন জান্য (আস্থাহ মানুহের অর্জনের বিষয় জানেন)	৬-আন আম	0	69.0
श्रीरमान श्रापंता (विश्वविद्यार काम्र बामुक्तामा श्रीरमान श्रापंता)	৭-আবাক	220	622	আকাশ-পৃথিবীর সংক্রিছ আপ্তাহ জালেন	৫-মারিলা	59	que
किरवाहरूव निवर्ध आनुकारमा निर्दा वामाव निर्दान	১০-ইউনুস	49	664	আৰমণ ও পৃথিবীৰ সৰ্বাক্তি আল্লাহ জানেদ	৪৯-হন্ধ্যাত	3/6	247
विश्व प्रावेदना निक्ते कानूका प्रान्ता कना महात शाक शरीहन	59-6,015 20-40-54	29	980	আকাপ. ও পৃথিবীর সৃষ্টি সম্পর্কে অনেকেই ভালে দা	88-नूर्वान	G)s	308
प्रशासन् म, (क व्यानुका बहुत (काशिका)	২০-ত জামা ১০-ইউবুস			অধিরাতের অবাসই প্রকৃত জীবদ যদি মানুহ জানত:	২৯-আনকাবৃত	68	247
		2	628	অখিরতের শক্তি সম্পর্কে ভালিমরা যদি ভানত।	৩৯-খুমার	46	590
ফুল আ, নিজ জানুকর (দিনাআউল সম্প্রালয়ের প্রথানালের উঠি)	৭-আ'বাক	209	હરર	আগমীনাল কী অৰ্জন করবে তা মানুহ জানে না		08	649
মূস্য আ,কে ফির'আউন কর্তৃত বিজ্ঞ আদুকর বদা	59-a,alst	₹8	973	আগমানাল বা বাজন তথ্য বা নামুখ বালে শা আগমানাল হামুল সম্প্রলায় আলবে, কে মিখাবালী ও দাঞ্জিক	৩১-লুকমান		509
মূন্য আ, কে জাপুকর বলেছিল (ফিরজেউল হামাল ও কাছন)	৪০-মু"মিল	₹8	p/p		48-কামার	46	
মূন্য আ,কে জানুকর অথবা পাণল বলস ফির'আউন	৫১-দারিয়াত	40	३२१	আদ সম্প্রদায়ের ভানা বিষয় দিয়ে আল্লাহর সাহাত্য প্রসঙ্গ	২৮-৬ আরা	705	938
মূলা আ.কে জানুকর বলে (ভির'জা উন সম্প্রদার)	86-वृषद्भव	83	9.99	আদুগত্য (মুলফিকসের আনুগত্য র্যানা আছে)	২৪-সূত্র	40	993
মৃত্যা ও হাক্স আ,কে আৰুকর বলা (ফিরআউন কর্ফ্ক)	২০-জা-ছা	90	488	আমীয় যেন জানতে পারে যে, ইউনুক আ, খেয়ানত করেনি	১২-ইউসুফ	વર	69-7
ৱাসুল অসঙ্গেই তাতে ভাসুকর বা পালল বসেছে পূর্ববারীরা	৫১-বারিয়াত	65	タグト	জারবি কুরজান অবতরণ এমন সম্প্রদায়ের জন্য ঘারা জানে	৪১-কুস্সিলাত	8	<b>bh9</b>
রাসূল স, কে মিখ্যাবাদী জাদুকর বলে কাভিররা	৩৮-সোরাদ	8	৮৯৬	জাল্লাহ প্রতিটি বিষয় সম্পর্বে ভালভাবে জাদেন	৪৯-হন্তুরাত	36	257
সকল হয় দা আৰুকররা (ভিরস্তাইনকে মূসা আ, বললেন)	১০-ইউনুস	99	665	আল্লাহ আদেদ (আৰাপ ও পৃথিবীৰ সৰকিছু)	২৯-আনকাৰ্ড	45	250
সফল হলে না (মূপার নিদর্শন লারির সামলে জাকুনারে সফল হলে না)	২০-ফ্রা-ব্য	66	980	স্বাল্লাহ জানেন যমিনে যা প্রবেশ করে	৩৪-সাবা	1	282
নিজনা (আনুকরা ঈমান এমে নিজনার কুমিরে পড়ল)	২০-জ-ব্য	90	980	স্বাল্লাহ আদেন (যা ভারা গোপন করে ও প্রকাশ করে)	77-£4	Q	995
সিঞ্চনার শুটিরে পড়ল আনুকররা (পরাজিত হওয়ার পর)	59-9'81ST	86	980	আপ্তাহ যাদেরকে জানেন ভাগেরকে ভর দেখানো	৮-আনফাল	60	60%
সিজনার শুটিরে পড়ল আতুকররা (পরাজিত হওরার পরে)	৭-আ'রাফ	250	620	অপ্তাহ ভালে য দেয়েশকরা ভালের (আনম আ, সৃষ্টি প্রসঙ্গ)	২-অকুরা	100	208
वानशव		-		আল্লাহ জানেন (যুদ্ধে বাধানানকারী মুনাঞ্চিক সম্পর্কে)	৩৩-আহম্বৰ	274	300
অনুসংগ (জাকুম্বর ব্যক্তিকে অনুসরসার অভিযোগ, জালিমসের)	১৭-ইস্রা	89	933	अक्षार मारान रा पृद्यका ग. अक्षारत रागुन (पुनरिना शाम)	৬০-মুনাফিব্ন	2	768
অনুসরণ (জাকুচর অভিবে অনুসর্বার অভিযোগ, জালিমসের)	50-Bases	v	989	আল্লাই মানুহের গোপন-প্রকাশ্য-অর্জন স্বাই আনেন	৬-জান্'জার	0	69.0
মূলা আ, বে জামুহতে মলে করল ফিরআউন	১৭-ইসরা	202	920	আল্লাহ ডাড়া কেউ জালেনা (নৃহ আসহামূদ,জাভি সম্পর্কে)	১৪-ইববাহীম	2	658
				স্বাপ্তাহ জ্ঞানে (উনৱাহীয়/উনামানিল, উন্তুলি-নাসম্ভৱ ছিল বিনা)	২-বাকারা	280	676
ক্ষাইৰ আ. তে জাদুগ্ৰন্থ বলল (আইকাবাসী)	২৬-ড'জারা	300	191	সাল্লাহ স্থানেন (ইবরাহীম স্থা, প্রসঙ্গ)	০-জালে ইমবান	66	083
মান্দ্রনার (অপরাধীরা নিজেনেরকে জানুহার মান্দ্রনার কারে)	34-1tmi	25	595	আল্লাহ জানেন (অগ্রীলভার বিস্তার প্রসঙ্গ)	२8-मृत	29	992
সালিহ আ.কে আমুহান্ত বলল (ছামুদ সম্প্রদায়)	২৬-৩'আরা	74.0	450	আল্লাহ জানেন অল্প্য বিষয়াদি	৫-মারিদা	336	232
লানতে চাওয়া				আপ্তাহ জানেন জালিমদের নম্পর্কে	p-80841	89	684
অলিমরা রাসূল স. এর কাছে জানতে চায় (শান্তি সভি। কিনা)	১০-ইউনুস	40	969	আপ্তাহ জানেন জালমনের গ'লাতে আপ্তাহ জানেন জালিমনেরকে (ইহনী প্রনঙ্গ)	২-বাকুরা	30	477
দানকে চাওরা বিষয়ের ফারসালা হরে গেছে	১২-ইউদুক	87	99.0		২-ৰাকুলো ১৯-মানুইৱাম	90	903
মুস্পানান্দের সংবাদ মুনাফিকের জানতে চাওয়া (থক্ষক প্রদাস)	৩৩-আহ্যাব	20	A-05	আপ্তাহ জানেন জাহান্তামে প্রবেশের সর্বাধিক উপবৃক্ত কে		40	905
শিলার কুঁ দেরা হলে একে অপরকে জানতেও চাইবে না	২৩-মু'মিনৃন	707	992	অপ্তাহ জনেন তানেরক থবা সরে পড়ে (রাসুল স. এর আহান থেকে)	२८-मृत		
স্থানতে পারা				আপ্রাহ জানেন তারা ইউপুফকে নিয়ে যা করেছে	25-5,8354	2≽	995
নিরাপরা/চীতির নিষর জানতে পারা (যাচাই-বাছাই করে )	৪-দিসা	tro	269	আল্লাহ জানেন ভারা মিথ্যাবাদী (ধারা কসম করে বলছে)	৯-জাওবা	83	688
মিথ্যা অভিহিত কৰাৰ পৰিগাম জানতে পাৰবে	৪০-মুমিদ	90	VV8	অস্তাহ বালেন (পুনিয়ার অবহুল সম্পর্কে মানুদ বিনামতে যা ৰপরে)	২০-জা-ধ্য	308	181
মুমিনরা জানতে পারবে কে সৃস্পট্ট পথ প্রটারায় রয়েছে	৬৭-মূলক	25	298	আল্লাহ জানেন (নবী ও ভার স্ত্রীদের হুলরে যা আছে ভা)	৩৩-আহ্যাব	62	9.00
লোকের জনতে পারবে সম্প্রের ব্যাধা (সে লোকটি বিরে গেলা)	১২-ইউসুক	85	99-7	আল্লাহ জানেন (নবীকে দুক্তিজ্ঞান্ত করা প্রসঙ্গ)	৬-আদ্'আম	00	485
				সাস্তাহ জানেদ না এমদ বিষয়ে সংবাদ দেয় কাফিবরা	১৩-রা'দ	00	685
জানা/জ্ঞানা/জানানো অসীবার (বৈমানের ভাইকে মিরিয়ে নেরার অসীবার				আল্লাহ স্থানেন (পথ্যাই ব্যক্তির কাম সম্পর্কে )	৩৫-ফাভির	ν	₩86
সম্পরের জাব পাকারা নিহরে প্রস্তুর)	১২-ইউসুক	bo	66-8	সাম্ভাহ জানেদ পূৰ্বকীলেবকে	১৫-হিজৰ	₹8	988
				আপ্রাহ জানেন (প্রকাশ্য ও গোপনীয় বিষয়)	৮৭-আপা		2029
সভ্যামধীরা প্রত্যাবর্তদের স্থান জানতে পাধনে	২৬-৩'জারা	२२१	499				.029

জানা

# F	বৰ প্ৰথম	नुसानः । सम	400 >	18	15 (45)475	त्रा मः च गर	and the	
स्रामा (नर्व नक्षेत्र (न्वरूक)	114411	Same and and	250	60		কুলার জন্মন ৫-মার্যিলা	39	695
		. 2020		440	बहुद ग्रन्थर्क सन (सिने क्यानीन/साम् ७ महिनात रहेत)	৫-মায়িলা	30	495
आहार कारून (मानुस्तर कृष		২-বাকুারা	शम्य	996	खहार गम्पर्ट कार (ए. जिने मदा क्षांत्रपानी ७ मदक्षात्रान	্র-বাকুরে ২-বাকুরে	260	202
जद्वार शासन मानुष या तक		२8-मृब	₹/9			২-বাকুরে ২-বাকুরে	200	675
	স্তাতে পারে না রাকনিকো পরিমাণ)	৭০-মুব্বাশিল	₹0	94.9	জন্তাহ সৰচেয়ে বেশি জানেন (মানুহের আরু সম্পর্কে)	२२-शकः २२-शकः	900	968
আল্লাহ স্নানেন (প্ৰক্ষেত বাহি		১৬-রা'ন	82	685				
আপ্লাহ জানেন (মানুৰ বা কা		<b>२</b> 8-मृह	২৮	995	অপ্তাহ সংগ্ৰামে বেশি জালে আনহানে আহমের অব্যানকাশ	১৮-কার্ফ	2,5	928
	লশ করে ও যা গোপন রাখে)	৫-মারিদা	99	6255	অস্তাহ সবচেরে বেশী জানেন (মানুষের কার্ড সম্পর্কি)	৩৯-যুমার	90	699
জাল্লাহ জানেন (মানুদের ব্যঃ		২-বাকুরো	২৭০	605	অস্তাহ সবচেয়ে তাস জানেন (অবতীর্ণ জায়াত সম্পর্কে)	১৬-লাফ্ল	707	422
স্বাস্থ্যই জানেন (মানুহের নাম	। সম্পর্কে)	২-বাকুরো	২৭০	क्ष	আল্লাহ সকল বিষয় জলভাবে স্থানন	২৯-জানবাবৃত	95	252
আল্লাহ জানেন (মানুহের ভাগ	া কাছ সম্পর্কে)	২-বাকুরা	7≥4	444	আল্লাহ দকৰ বিষয় সম্পৰ্কে ভাৰতাবে ধানেন	৩৩-জাহ্যাৰ	80	509
আল্লাহ জানেন (মানুবের মনে	ন বিষয়)	২-বাকুবো	505	654	অক্সাহ খনি জনতেন যে তাদের মধ্যে ভাগ কিছু আছে,	৮-আনফাল	20	008
আল্লাহ জানেন (মানুবের গো	পন ও প্রকাশ্য সকল বিষয়)	৬৪-আগারুন	8	999	অক্সাহ কৰি জালে যে কুচৰন্দিনের হলতে তাল নিজু আছে	৮-আনফাল	90	90%
আল্লাহ জানেন (মানুবের গো	পন-প্ৰকাশ্য সকল বিষয়)	১৬-নাত্ৰ	25	908	অপ্তাহর জন্মনা কোন সংবাদ কি ভারা দের! (শিরক প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	25	966
অস্থাহ জানেন (মানুখের গো	পন-প্রকাশ্য সকল বিষয়)	১৬-নাহৰ	20	908	खद्वास्त बान्स (काशन-नृतिरीत कपून्त रिश्त)	২-বাকুরে	00	¢08
আল্লাহ জানেদ (মানুহের কৃত্		১৬-নাহল	27	930	অল্লাহর জানা (অল্লাহ আকাপ-পৃথিবীর সংকিছু জানেন)	২২-হাজ	90	958
আল্লাহ জানেন (মানুহের সাম		২০-জ-য	770	487	অক্সায়ে জন (রানুদা স. কর্তুত প্রতিশালনে বিশাব লৌঝনে প্রদান)	৭২-জিল	45	354
আল্লাহ জালেন (মানুহার কল		8-मिल	229	490	অল্লাইই বেশি ভালেন (জগডসমূহের বঞ্চের বিধর সম্পর্কে)	২৯-সানকাৰ্ড	)o	279
আল্লাহ জানেন (মানুহের সাম		২-বাকুবো	200	\$000	অল্লাইই বেশী জানেন (বিমালাত কোথার রাধ্যকে থা)	৬-আৰ্'আন	148	600
আস্থাহ জানেন (মানুবের আ		২৯-আনবাপুত	80	9.50	স্বাস্তাহ জনের অনিউকারী ও কল্যাণকারী সম্পর্কে	২-বাকুরো	220	655
অস্তাহ জানেন (মানুহের সভ		०० साहित	ot/	785	অপ্তাহ জ্বালে অধিবাসীর বেল পুরাজনের দিকে কল পেকে	১৭-ইদর	89	939
বাল্লহ কালে (মানুহার গো		০০-কাহৰাৰ	28	brob	অস্ত্রাহ জানেন জাকাপ ও পথিবীতে যা আছে	৩-আলে ইমরান	33	0.09
আপ্তাহ আনেন (মানুহের গো		28-देश्सदीय	40	626	অক্সাহ মানেন (আকাশ ও পথিবীতে যা কিছু আছে)	१५-पृकामाना	9	265
		38-4481414 3-37641	88	588	অস্তাহ জনেন (আকাশ-পৃথিবীর অনুশ্য বিষয়)	৪৯-হত্তবাত	25	242
আল্লাহ জানেন মুন্তাকীলেরকে		৪-০াতথা ৩-জালে ইমরান	276	089	অল্লাহ জ্বানেন (অল্লাহ ছাড়া অন্যানের চাকার বিষয়টি)	২৯-জানহাকৃত	83	V20
ষাল্লাহ জানেন মুজকীনেবৰে					আপ্তাহ আনেন (আপ্তাহ কর্তাত সম্পার্কে ভালভাবে জানেন)	8-निम	03	262
বাস্থাই জানেন (মুনাফিকদের		8-9/21	60	696	जाहार क्षांत्रम देशवास्त्र ही या शान बद्धार	৩-আলে ইমরান	95	203
प्रश्लाद करून पूनविकता य ता		৫-মারিদা	63	620	অপ্তাহ আনেব (ইক্টানের গোপন ও প্রকাশ বিষয়ার্থন)	২-বাকারা	99	609
	গোপন বিষয় ও গোপন কথা	≽-ডাধৰা	95	689	অপ্তাহ জানেন (হহুলানের গোলন ও এডান্) নিবয়ানান) অপ্তাহ জানেন দ্বীলা জা, যদি বলে থাকেন	হ-মার্কুল হ-মার্কুল	336	596
সাল্লাহ জানেন মূনাফিক কার		>-संस्व	302	600	অস্তাহ জানের মনা আ, বান বলে বাকেন	৫-মারিদা ৫-মারিদা	336	696
षक्षार बारण (पुरिनास्त ही-न		০০-মাহ্যাব	ĝ0	৮৩৭		ত-মারণা ১৫-হিমার	330	903
আল্লাহ জানেৰ মু'মিলনের মা		৮-আনকাল	66	GON	অপ্তাহ জালে (অভিযানে কথা বসুল স. এ) আন সন্তুবিত হয়)		br.	act.
আপ্রাহ জালিমদের সম্পর্কে :		६५-स्मृजा	٩	364	অপ্তাহ জনেন (কমিন্দের আলোচনর বিষয় সম্পর্কে)	৪৬-আহ্নাফ		
	তে পারে দীর্ঘ রাত নড়িয়ে গেকে)	৭০-মুব্বাধিল	₹0	23.2	অক্সাহ জানেম (কাফিবরা যা বলে)	৫০-কৃষ্ণ	80	3-28
	গাপদ করে ও যা প্রকাশ করে)	७०-पूमसदिना	2	363	আপ্লাহ ছালেন কফিবর আপ্লাহর যে ৩৭ কবি। করে	२७-वृशिनृत	36	992
আপ্তাহ স্নানেন (মুমিনের সং		৬৪-ভাগাবুন	22	269	অস্ত্রাহ আন্দে (কেট কেট কুরজন সম্পর্কে মধ্যার্জার্চাহতকারী)	७७-शंकार	85	20.0
	প্রকাশ করে ও গোপন করে)	০৬-ইরাসীন	%	৮৫৮	আল্লাহ থানেন কোনটি কল্যাগকর (মানুষ জানে না)	২-বাকুবা	179	228
অল্লাহ জালিমদের সম্বন্ধে স	रक्षता (धनि वास्थ्य	৬-অপ্অম	49	603	অস্তাহ জনেন কোনটি পৰিচ ও পরিতম্ব পদ্বা	২-বাকুরো	२०२	450
আল্লাৰ কোনেছেন মানুদের চ	ব্যানত (থোকার রাতে যৌন)	২-ৰাকুাৱা	22-4	657	অস্ত্রাহ ছামেন (গোপন-প্রকাশ্য ও পুরুবো কথা)	২০-ড়া-ছা	٩	487
অস্তাহর ফেন্সে নিতে পারা (	কে তাঁকে লা দেখেও ভয় করে)	৫-মারিদা	28	6255	অস্ত্রাহ জাদেন (চোপের অপন্যবহরে ও বন্ধের গোপন বিষয়)	৪০-মু'মিন	7.9	V93
আপ্তাহ জেনে নিবেল কে ভাঁচ	হ ও রাসূল স্. কে সাহাদ্য করে	৫৭-হানীল	₹2	360	অক্সাহ প্রাদেন (জরার্ যা সংকৃতিত করে যা সভিক্রম করে)	১৩-রাদ	ь	69.9
অস্তাহ জেনে নিবেদ তাদের	কে বাবা জিবাদ করেছে	৯-মঙ্বা	36	683	বাস্তাহ জানেন থাপিমদেবকৈ	২-বাকৃষো	486	653
ব্যস্তাহ কোন নিমেন প্রকৃত	ष्ट्रेमाननाहरूस्ट्य)	০-আলে ইমরান	180	285	অস্তাহ জানেন প্ৰবৃত্তি মানুষকে কি কুমস্থগা সের	৫০-কৃত	36	250
ব্যস্তাহ কাফিরদের সম্পর্কে :	डानशहर वाहन	8-নিসা	¢5	262	অন্তাহ মহাধ্বদী (সকল বিষয়ে)	२8-मृत	-58	965
অপ্তাহ ভালভাবে জানেন (ম	नृष या रुख)	২৩-ৰুমিবূদ	67	96%	অস্ত্রাহ জাদেন (হিজরতকারী মুখিন নারীদেও ইমানের বিষয়)	৬০-মুমস্তাহিনা	30	969
कानुस् कानकाद्व स्थापन (स	াগিমদের কৃতবর্ম সম্পর্কে)	১৬-নাহণ	₹97	900	অল্পাহ জানেন বংকর বিষয় (গোপন বা প্রকাশ)	৩-আলে ইমরান	13	603
অস্ত্রাহ ভালভাবে জানেন (ন	(क वा कारक)	৪২-শুরা	38	1/30	আস্তাহ জানেন বক্ষের বিষয়	৩-আলে ইমরান	229	¢89
জন্তাহ ভাগভাবে প্রায়েন (স		৫৮-মুন্ধাদালা	9	3023	জাপ্তাহ আনেন (বাধ্বা যা করে)	৪২-শুরা	2.0	b/ac
	(মের সঠিক পশ্নে থাকা সম্পর্কে)	२५-वासिता	43	900	আপ্তাহ আন্দো বাধার উত্তম কাছ সম্পর্কে	২-বাকাল	436	648
জন্তাহ ভালভাবে ভালেন (ম		०५-वृत्रधान	20	PSF.	সন্ত্রাহ প্রাদেন (ভূমিতে যা প্রবেশ করে)	৫৭-হাদীদ	8	285
সাল্লাহ বেশি জানেন ভাকণ্ডা		৫৩-নাজন	63	200	আল্লাহ জানেল (শুমি খেকে বা বের হর)	৫৭-হানীন	8	386
	र्गन काल रेडेमुक वा, गम्पर्क	14-5g-a	99	698	আল্লাহ আনেল মাটি নৃতদেহের কতটুকু কর করে	१०-व्यक	8	255
साहाद कर कारण वादका प		০-আলে ইমরান		665	অস্ত্রাহ জানেন (মাতৃণতে কী আছে তা)	৩১-লুকমান	-08	P-39
সাপ্তার ভাগ জানেন (সুশরিব		३०-१६नुम		954	অস্ত্রাহ জানের মানুষ আলোচনা করবে (বিধবার বিজে প্রসঙ্গ)	२-वाङ्खा	202	429
		১৪-ইন্শিকক	06		অপ্তাহ জানেৰ মানুষ কিলোৱ উপৰ আছে	48-97	148	993
আল্লাহ ভাল জালেন (খা ডার			50	2028	অপ্তাহ জালে মধুহ জানে না জন্তাহার উপস্থান্যকক পেশ)	১৮-নাহল	48	902
আল্লাহ ভাগ প্ৰানেন সঠিক <sup>4</sup>		২৮-ধসাস	26	9.70		০-আলে ইমরান		980
আপ্তাহ মানুৰের সামনের ও		22- <b>3798</b>	98	966	আপ্তাহ জানেৰ মানুহ যা বাই কৰে	३५-सदन ३५-सदन		933
স্বাপ্তাহ সবকিছু সম্পর্কে ভাগ		৫-মারিনা	39	695			200	
আপ্রাহ সম্পর্কে জেলে বরের '	মিখ্যা বলে (আহলে কিভাবের)	০-আলে ইমরন	95	680	অস্তাহ ছানেন সৃষ্টিকুল যা করে	২৪-পূর	82	995

শব্দ নিবঃ/হসম	সূত্র কং ও নাম	1011	প্ৰা	भवः विश्वा/धेतत	সূৰা নং ও নাম	प्रशास न	्र वृह्य
ष्मानाः (भूनं गुक्ता त्यात्म)		Т		কৃতকর্ম (মানুদের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ আগেন)	১৬-মাহল	27	930
অস্তাহ জানেন (স্থলে ও সমুদ্রে বা আছে ভা)	৬-আন' আম	¢≥	600	क्टबर्म मन्त्रार्व बहुार् ब्राइम था (बहुास्त चारास धरा)	৪১-কুসসিপাক	44	PP 4
অন্ত্রাহ সর্বকিছু সম্পর্কে ভালচাবে ছালেন	२-राकृत्वा	230	\$08	বিরাধত (জেনে-বুরে বিরাধত করা নিষেধ)	৮-আনকাল	29	406
অন্তাহ সৰ্বনিত্ব তাল অল জানেন (কালালাহ প্ৰসঙ্গ)	8-निमा	390	040	তথ্যবসীনের সম্পর্কে জান্তদ পানর নিকেশ করবে শহরবাদী	১৮-কাহক	30	939
অপ্তাহ সম্পর্কে জেনেবকে মিথা৷ বলে আহলে কিভাবরা	০-জালে ইমরাশ	92	680	শোপন (আল্লাহ মানুহের গোপন ও প্রকাশ্য কথা জানেন)	২১-অধিয়া	330	
অস্থাহ সম্পর্কে না জেনে বিশ্ব বলা	4-30,000	00	900	শোপন (মানুহের গোপন ও প্রকাশ্য নাই আল্লাহ জানেন)	১৪-তাগারুব	8	3/0/
অপ্রাহ সম্পর্কে না জেনে কিছ বলা	4-30,00	29	936	গোলন-বেৰাণা ও পুকানো কথা আল্লাহ জানেন	₹0-31-10	9	983
আপ্তাহ বৰ্বকিছু জানেল (কলের বিষয় লিখে রাখা প্রসঞ্চ)	२-राष्ट्राद्ध	595	608	গোপন বিষয় জানেন আল্লহ (আকাশ ও পৃথিবীর)	२१-पृत्रकान	-	900
আল্লাহ সবকিছু লাদেন (সৃষ্টি প্ৰসঞ্চ)	৬-অস'অম	707	600	গোপন (মানুহৰ গোপন-প্ৰৰণ সৰল বিষয় অস্তাহ জালেন)	১৬-বাহল	10	908
আহুহে তা জানেন (যা মানুষ জানে শা)	৪৮-ফাবহ	39	979	গোপন (মানুহর গোপন-প্রথমণ্ড সকল বিষয় অন্তর্হহ অনুসর)	১৬-নাহল	28	908
जार्शन किवानस स्राप्त ना				গোপৰ (মাপুৰের গোপৰ-প্রারাণ্য বিষয় অন্ত্রাহ জানেন)			
আহল বিভাব যেন জানতে পারে যে	৩-আলে ইমরান		€83	গোপন (মাপুনের গোপন-হাজাণ্ড) বিবর আন্নাই মানেন) গোপন (আল্লাহ মাপুনের গোপন বিবর মানেন)	২৭-শমল	40	90
বাহলে বিভাব যোদরকে সভ্য গোপন করে	৫৭-হাদীদ	59	962	গোলন (অন্ত্রাই মানুহের গোলন বরর জানেন) গোলন (প্রতিশালক মানুহের গোলন-প্রকাশ নিজ জানেন)	৬-আন্'আম		690
	৩-অলে ইমরান		685		২৭-নামল	48	pol
আহলে কিভাব যেন জানেনা (আল্লাহর ফিতাব প্রসঙ্গ)	২-বাকুরে	707	627	গ্রাস করা (জেনে খনে মানুমের সম্পন প্রাস করা প্রসঙ্গ)	२-वादुरदा	7,44	655
ইউদুফের ভাইরেরা জানে (ভারা কী আচরণ করেছে)	১২-ইউসুফ	9.9	6012	আদুর পরিদত্তি সম্পর্কে জানা (অবিবাতে জংশ নেই)	২-বাকুরো	205	625
ইবরবীমের জানা (মৃতি কথা বলতে না পারা সম্পর্কে)	২১-অধিয়া	62	908	জাদুবিদার পরিগতি সম্পর্কে হাবুদ যদি প্রানতঃ	২-বাকুৰো	205	625
ইয়াবুন আ, জানেন আল্লাহর পক গেকে যা তার পুরুরা জানে না	১২-ইউনুক	b/b	6945	জানুকররা প্রতিপালকের প্রতি দিয়ার আনার পরিবৃতি জানবে।	২৬-৩'আরা	879	924
হৈয়কুৰ আ জনেন আল্লহন পক্ষ থেকে গা তার পুঞা জনে না	১২-ইউসুক	99	69.0	জাগিমদের অধিকাংশই জাম্বের (শান্তি সম্পর্তে)	৫২-ডুব	89	503
হৈদীর বি জনেন যে অস্তাহ তালে গোপদ-প্রকাশ্য বিষয়ে জনেন	২-বাকুৰো	99	409	ভিয়নকারীকে জেনে নিদেশ জান্তাহ	০-আলে ইমরান	383	283
ইহুদীরা ন জেনেই অল্লাহ সম্পর্কে কথা বলে (আভনের স্পর্ণ এসক)	২-বকুরা	90	409	রিদদের (পৃথিবীক্রীর মঞ্চল স্কমক্ত বিহন্তে ভিনর ভানে মা)	৭২-জিন্	30	bire
ইমাননার ও মুনাফিকদের সম্পর্কে জান্তাহ জানেন	২৯-আনকাবৃত	22	979	জিনেয়া জানে যে ভালেকে শান্তির জনা উপস্থিত করা হবে	७५-गाक्कार	200	b/58
ইমাননাররা বনি জনত যে রোজা রাবাই উত্তম	২-বাকুরো	29-8	450	কুমারর নামার সম্পর্কে র্যন মানুর জানত: (এটি কত উল্লয়)	১২-জুমু'আ	b	364
ইমান সংক্ষে আল্লাহই বেশি আন্দেশ	8-निमा	30	490	स्त्रानी সन्द्रान(तर सन्। शीम वर्गमा क्रांच क्रांच	২-বাকুরো	200	235
দিমাননারের জালে যে উপমা আপ্রাহর পক্ষ থেকে আগত	২-বাকারা	24	008	অদীনের জনা যে কুরজন প্রতিশালকের পক থেকে জানা সম্ম	12-EM	28	950
দিসা আ, জানে না আল্লাহর মনে কি আছে	2-मविना	335	296		১৮-নাহল	90	906
উত্তর কাল সম্পর্কে লানা/ইবাদত ও ভাকওয়া প্রসঙ্গ)	२७-सामकानुङ	39	2.74	নিমের কভের্ম সম্পূর্তে আপ্রাহ জ্বানেন	১-জান'আম	ào.	303
উপ্তান (কন্যে যু আছে অনু উপ্তান সম্পর্কে মানুষ কি জানেনার)	১০০- অনিৱাত	9	2000		৩-জালে ইমবান	183	<b>¢8</b> ≥
উপকারী কে সে সম্পর্কে মানম জানে না (পিডা নাকি সন্তানঃ)	8-Per	>>	223	गरीद जन्ममा विषद (जन्नार सार्व निका निवासन)	g-first	330	093
উঘটের স্নানে যে আপ্রাহ সরবিদ্ধর উপর সর্বশক্তিয়ান	२-शक्ता	323	603	নিরাপপ্তার হকনার সম্পর্কে জানা (ইবরাহীয় জা, প্রসঞ্চ)	৬-জান'জাম	9.7	800
এক ইলাহ সম্পর্কে জানানোর জন্য কুরজান অবতীর্ণ	18-देवतादीय	23	699		৫৭-হাপীদ	20	300
কৰ্ম (খনা জনেনা থাৰা হৈনী-নাগাৱনো অনুৱল কৰা বলে)	5-818181	220	670		২৭-মাফদ	200	bos
কথা(আকাশ-পৃথিবীর সমস্ত কথা প্রতিপালক প্রাঞ্জে)	২১-জামিল	8	980		३०२-छाकाश्व	0	200
ক্ষাণ আছে জনতে পাত্ৰত দাসকলে সাথে মাজিল চাজি কৰ	28-78	00	999	निर्वारिक मध्य मन्मार्क प्रभाव पनि कारका (को किसीक प्रथा मा)	१४-मर	8	300
रुपार पाएर लग्दर नाराज गयात्र गारा दू कर कुछ कर रुपियत सामाद पावितास्त्र कर गरिनाम कारान सना	২৪-বৃথ ১৫-জ'দ	82	994		79-916A 79-5d	34	948
ক্ষিত্র জন্তে পারে মিধা আশা মোহাল পারা বিলা	20-8 ms			কুম আ, মানেন (অনুমানে নিকট গোড়ে যা তার সম্প্রদার মোন মা। বুম আ, মানেন (অনুমানে নিকট গোড়ে যা তার সম্প্রদার মোন মা)	J-21,510.		
ক্ষতিবলের জেনে রাখা (কর্মান আল্লাহর মানসহ জনতীর্ণ)		۰	bbb			95	929
কাকবলের জেনে রাখা (কুরঝান আল্লাহর জানসহ জবতাণ) কাফিরদের বাশ-নানার কিছুই জানে না এবং ভারা	১১-বৃদ ৫-মার্থিদা	38	999		১০-ইউবুস ১৯-মার্ডব্রাম	90	995
কাক্যপের বাশ-লানার কিছুই জালে না এবং ভারা কাফির জালেনা(সকল প্রশংসা আল্লাহর হওয়া প্রদাস)			6,90				903
	০১-বৃক্ষাশ	42	65.4		২৩-মু'মিনুল	228	990
কমিলর বর্ণি সে সমতের কবা জানাতা (জাহান্রামের জ্বাচন প্রদান) কমিলর বর্ণি জানাত যে জারার প্রায়া কেউ আবার নিজে পাত্রে ল	২১-জবিরা	60	922		৬-আপ্'আম	778	609
	২০-মুখিন্ন	44	995		১৯-লহ্দ	755	470
কাফিরর ভানবে (কুরআন অবিশ্বাদের পরিণাম)	৩৭-সভ্ভাত	240	994		১৬-বার্প	255	950
কাহিবরা জানলে ববুক পৃথিবীর মালিকানা করেঃ	২০-মু'মিশুল	78	447		৬-আশ্'আম	228	600
কফিবরা ছালে না (কিয়ামত কি ডা কফিবরা জালে ছা)	৪৫-লহিয়	95	po4		১৬-নাচ্ন	66	909
অফিরর মানে যা থেকে আল্লাহ অনেরকে নৃত্তি করেছেন	৭০-মা'বারিল	¢6	99.0		১৫-विका	৯৬	909
কাফেলা বলল 'ভোমরা ন্ধান আমরা ফালাদ করতে জানিনি')	১২-ইউসুফ	90	99-0		৭-জা'রাফ	250	950
কাফিরা জানতে পারবে (কেমন ছিল সভকীকরণ)	৬৭-মূল্ক	24	990		৯-ভাগৰ	60	689
অরুন বি মানে না আপ্রাহ খালে বরেছেল ভার ক্রের শক্তিশালী	২৮-কাসাস	9br	244		৩০-সাহ্যাব	¢	700
কবির সেন জনতে পরে যে সে মিথাবানী এ জন্য পুনরাঞ্চন	১৬-মাহুল	c>	909		২১-আখিল	57	462
অফিবলের অধিকাশেই জানেনা (নিনর্শন প্রদাস)	৬-আন্'আম	90	699		≽-ডা6বা	bo	683
ভিয়াৰপ্ৰথম জানে যে কুবামান সংয় (প্ৰতিপঙ্গাতের পক্ষ ভেতে)	२-वकृश	188	679		१२-१७मुक	20	800
किथार সম্পর্কে না स्नाনা(নিরক্ষর ইছ্मী প্রসঙ্গ)	২-বাকুবো	45	gos.		১২-ইউসুঞ	bib	60/0
কিয়ামডকে সভ্য বলে জানে (কিয়ামতে বিশ্বাসীত্রা)	৪২-শ্ব	30-	264		25-মার্কন 25-মার্কন	10b	908
	95-200	2	2000	পুরস্কার সম্পর্কে যদি মানুর জানত। (উমান/তাকভারে পুরস্কার)	২-অকুরো	200	625
বিস্তামত সম্পূৰ্কে মানুধ শীয়ই জানতে পারবে							200
কিয়ামত সম্পর্কে মানুধ নীত্রই জানতে পারবে কিয়ামত সম্পর্কে মানুধ নীত্রই জানতে পারবে	৭৮-ববা	8	2000	শ্রমুর্যে প্রতিযোগির ও নিয়ামত সম্পর্ক মানুষ স্কান্ডত পায়ব	১০২-ভাকানুর		
		8 25-9	2000 (e00		১০২-ভাকাছুর ১০২-ভাকাছুর		
কিবামত সম্পর্কে মানুষ দীয়েই জানতে পারবে	৭৮-নবা			প্রায়ুর্বের প্রতিযোগিত ও নিয়াত সম্পর্কে মনুষ জনকে পরবে		8	2001

~			6(1-1)	অন			
नम् । विवय/धनम	न्बाना कन्य	462.5	नुका	প্রসা ব্যর্থক	नुष्ट मार चनान	1017	Ŀέ.
कामा (पूर्व नृक्ते (चरक)				মন্দ কিছু বাবে না নারীরা (ইউসুফ জা, সম্পর্কে)	১২-ইউসুফ	62	30:
প্ৰথম সঙ্কি সম্পৰ্কে জানতে পেৰেছে মানুষ	१५-स्माक्तिक	62	286	মানুহকে গৰ্ভ থেকে এমভাবস্থায় দেব করা যে সে কিছু জানত না	১৬-নাহুগ	9.6	903
প্রতিলাদকের বাহিনীতে কেউ ম্বানে না (আনের সংগ্যা)	98-इम्बाइडिव	93	297	प्रमाहक मेरी रामित एवं जरवीर्थ कराइ विवास भागा ना करान	২১-অধিয়া	9	921
প্রতিক্রত শন্তি অসম সময় সম্পর্কে রাসুল স, এর লা কাশ প্রসঙ্গ	९२-विम	5.0	246	মানুষ জানে না এমন আকৃতিতে ভাবে সৃত্তি করতে পারেন অস্তাহ	2৬-ওয়াকিয়াহ	65	>8
্তিশালক জানেন (বাসুদান বলগনবানীলো নিনট প্রেরিক)	৩৬-ইয়ানীন	36	1055	মানুগ ব্যালে না কোনটি কল্যাথকর (আল্লাহ জানেন)	२-वाकावा	236	421
				মানুষ জানে না কোনটি পৰিত্ৰ ও পৰিচক্ত পস্থা	२-वाकावा	205	650
প্ৰতিপাশক ভাগ জাগেন (নারীদের যভ্নস্ত সম্পর্কে)	३२-इँडमुक	60	69/3	মানুধ জানে বা যে অস্থাহর প্রতিশ্রুতি সত্য	২৮-কাসাস	30	pro
প্রতিপালক ভাল জানেন (মানুষের সম্পর্কে)	১৭-ইস্রা	68	472	মানুৰ জ্বানে না যে প্ৰত্যেকৰ জন্য বিশ্বন শক্তি	৭-আ'বাফ	Ob	63
প্রতিগালক তাল জানেন (বে পথনিদেশিকা নিরে এসেছে)	২৮-কাদাদ	86	25.0	মানুৰ জানে না বে প্ৰতিটোৱন জন্য দ্বান নাজ	৩০-জম	00	83
প্রতিগালক তাল জানেন (আকাশ ও পৃথিবীর সববিস্থ)	১৭-ইস্রা	99	476				
প্রতিপালক অলডারে রাদেন (বিশৃদ্ধনা সৃষ্টিকারীদের সম্পর্কে)	১০-ইউনুস	80	959	মানুৰ কেনে রাবুক আপ্লাহ মহাপ্রজ্ঞপশালী	২-বাবুগরা	40h	22
প্রতিপালক ভাল অনুসন (আনহাবে বনহাকের অবস্থানবলা সম্পর্কে)	79-এর্বর	7%	956	মানুৰ জেনে রাধুক আল্লাহ নৰলেভাও নৰ্বন্ধানী	২-বাস্থারা	288	42
প্রতিপালক সবচেয়ে বেশি জানেন (মানুহের সম্পর্কে)	৫৩-মাজন	02	900	মানুদের(আল্লাহ মানুদকে শিক্ষা দিরেছেন -যা লে জালত না)	১৬-আদাক	2	300
প্রতিপালক সবচেত্তে বেশি আনেন (সঠিক পথপ্রাঞ্জনেরকে)	৬৮-কুলাম	9	390	মানুহ যদি জালত! (আল্লাহ্ব কাছে যা আছে ভা-ই উন্নম)	১৬-গ্রুল	95	93
প্রতিপাসক সবচেরে বেশি জ্ঞানেন (কে সঠিক পথে রয়েছে)	১৭-ইসরা	148	923	মানুধ যদি ব্যানত (বিরাট কসমটা কীঃ)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	95	84
প্রতিপালক সমস্রের ভাল জানেন (আসহাবে কাহাক সম্পর্কে)	১৮-বাইফ	22	936	মানুহের অধিকাংগই স্নানে না যে বিরামতের জ্ঞান কেবল	৭-আ'রাফ	28.4	80
প্রতিমান সম্পর্কে মানুহা যদি জানত।(হিজারকারীর প্রতিমান)	১৬-সাহপ	85	90%	মানুহার অধিকাপেই ভালের যে অপ্তাহর নেরামত পরীক্ষাসরপ	৩৯-যুমরে	85	89
अञ्चल मान्युकं प्राप्त पारम मा (चाराम्बरमा अधिनान अमन)	७५-मासूमा	39	500	মাপুষের বছাস্থিত বিষয়াবলি আল্লাহ জানেন	৩৯-যুখার	9	49
		220	929	মানুধ জালত দা যা বাসুল স, শিক্ষা দিবেদ মানুধকে	২-বাবুৰৱা	343	23
প্ৰকাশ্য (আল্লাহ মানুষের গোপন ও প্ৰকাশ্য কৰা জানেন)	২১-আধিয়া			মানুষ জালতে পাবৰে বিবাসতে যে আস্থাইই লুম্পট সভ্য	२८-मृत	44	99
প্রকাশ্য (আপ্লাহ্ম মানুহের প্রকাশ্য বিষয় স্বাহন্দে)	৬-আন্'আম	0	690	प्रमुख ब्राम्द्रक नोहरूब (श्रीकृर्द्धक श्रीकेट्यानिया व विश्वासक श्रमण)	১০২-ভাকাছুর	0	200
প্ৰকাশ্য (মাণুহের গোপন/প্ৰকাশ্য বিষয় আল্লাহ জানেন)	২৭-দামশ	55	805			98	23
প্ৰকাশ্য প্ৰেতিপালক মানুষেও গোপন-প্ৰকাশ্য বিষয় জানেন)	২৭-শামল	98	prop	মানুৰ জানতে পাৰবে (শিৱকের পরিধাম)	৩০-রম		
প্রকাশ্য (মানুহের গোপন প্রকাশ্য সকল বিদয়া আল্লার জানেন)	১৬-নাত্ৰ	50	8oP	मानुष बांदन मां	৩৪-সাবা	37	5.8
প্ৰকাশ্য (মানুহের খেলন ও প্ৰকাশ্য সৰই আল্লাহ জানেন)	১৪-তাপার্ন	8	<b>ઇ</b> ઇઇ	मानुष कारन मां	\$0-3T	9	2.3
প্রকাশ্য (মানুহের গোপন-প্রকাশ্য সকল বিদর অস্ত্রাহ জানেন)	১৬-নার্দ	7.9	808	मान्य कारन मा	২৪-সূর	28	9.0
প্রতিপালক বেশি জানেন (সাইকাবাসীর করে সম্পর্কে)	২৬-৩'বারা	200	121	মানুব আনেনা (অধিকাংশ মানুধ জানে না)	০৪-সাবা	-06	1/8
প্রতিপাদক বেশী জানেন (পরপ্রাপ্ত ও পধন্তইদের সম্পর্কে)	৬-আন'আম	224	Pos	সমূদ বানে না আল্লাহ ব্যানন (আল্লাহর উপান/সমকক পেশ)	১৬-নাহ্শ	98	90
প্রতিপাদক জানেন (আকাশ-পৃথিবীর সব কথা)	५५-व्यक्ति	8	920	মানুহ জানে না এমন অনেক কিছু আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন	১৬-নাব্দ	ъ	90
প্রতিপাদক জানেন (কে তার পথ থেকে বিচ্নাত)	৫৩-নাজম	60	১৩৩	মানুদ্দ কেনে রাপুক যে আল্লাহ আমেন ভালের মনের বিধয়	২-বাকুরো	202	65
প্রতিপালক জানেন (কে পর্যনির্দেশ্য দিয়ে এসেছে)	২৮-কানাস	09	P33	মানুষ যোগে রাপুক যে আল্লাহ গৃষ্টিবাদ (মানুহের কাছের প্রতি)	২-বাঝুরা	200	65
প্ৰতিপালক জানেন (কে বিচ্যুক্ত আৰু কে নাইকপথ প্ৰাপ্ত)	৬৮-কুলাম	9	590	মানুদ্র জেনে রাধুক যে দে আল্লাহর নিকট সমধেত হবে	২-অকুৰো	200	65
প্রতিপালক জ্বানেন (কে সংগত প্রার্থ (ক নাচক নব একে)	৫৩-নাম্বন	90	300	মাধুৰ জেনে রাধুক যে অল্লাহ অতি কমার্শীল এবং পরম গরাসু	২-বাকুল্ল	202	43
	১৭-ইদরা	30	938	মানুষকে জেনে বাধার নির্চাশ যে আল্লাহ সব জালেন	২-বাকুরো	202	43
প্রতিপালক জানেন (মানুষের অন্তরের বিষয়)	২৮-কাদাদ	839	130	মানুষ কি জানে না যে আল্লাহ বান্দানের তথবা কবুল করেন	৯-জাওবা	208	66
श्रीरंभावक स्वाटनन प्रानुस्तर तक था शालन करत व शालन करत				মানুক কি জালের যে আল্লাহ, বিধিক প্রসাধিত/পরিমাণ করে লেন্য	৩৯-বুমার	42	40
প্রতিপালক জানেব রাসুল স. এর মাড়িয়ে সালাভ আনায়	৭৩-মুমবাধিল	30	29.9	মানুহ বা বাচন বা শাহতান আনেত্রকে এমন কামের নির্দেশ দেয়	২-বাস্থ্যরা	268	43
প্রক্রিয়ে মনুহ যেন জনকে পরে অল্লাহর প্রতিপ্রতি সত)	১৮-কার্জ	44	926	মাৰুহ থা জাগত না আল্লাহ তা শিকা দিয়েছেন	२-वाकृत्य -	100	03
দির'মাউন স্নানে না যে নে ছাড়া কোন ইলাহ সাছে	২৮-কাসাম	49	P-27				20
বিরুমান্টনের শক্তির কঠোরানা সম্পর্কে বায়ুকরবা আবাতে পারতে।	২০-সা-য	42	984	মানুধ বা কালে লা (আল্লাহ তা জানেন)	৪৮-কাত্য	29	
(एएलस्सा कालन य प्रक्षार बालन (जनम ज. शृडि शतन)	২-বকুরো	100	208	মানুৰ শীহই জানতে পাৰনে (প্ৰাচুৰ্যের প্ৰতিযোগিত/বিবামত)	১০২-জাকার্ট্র	8	200
(দরেশভার জনেদ গৃডের পরিজন ও রী প্রসঞ্চ)	২৯-আনকাবৃত	65	P.7P.	মানুবের অধিকাংশই জাদেনা(আল্লাহর নৃষ্টিরান্সি প্রসঙ্গ)	২৭-শ্বমণ	69	bro
ফ্যানান সৃষ্টিকারীদেরকে জানেন আপ্লাহ	০-আলে ইমরা-	100	983	মানুষের অধিকাংশই জানে না যে আল্লাহর প্রতিশ্রুতি সভ্য	३०-१छनून	66	66
হ্যাসান সৃষ্টিকারীদের সম্পর্কে প্রতিপালক ভাগভাবে ভাবেন	১০-ইউবুস	80	954	মানুব (কবরে বা আছে তার উত্থান সম্পর্কে মানুম কি জানে নাঃ)	১০০-'আনিরাভ		20
বক্ষ (আল্লাহ বক্ষ যা আছে তা তালো আনেম)	৫৭-হাদীদ	0	784	মানুষের কর্ম সম্পর্কে জানেন (নিয়োজিত ফেরেশকরা)	৮২-ইনফিডার	25	70
বুক্ষর খবর জানেন আল্লাহ	22- <u>4</u> 4	8	566	মানুৰ (অধিকাংশ মানুধ জানে না প্ৰতিষ্ঠিত দীন সম্পৰ্কে)	১২-ইউসুফ	80	69
থকো বিষয় (মানুদের বংকর নিয়া অল্লাব ভালভাবে ভালেন)	৬৪-অগারুদ	8	366	মানুৰ (অধিকাংশ মানুৰ জানে শ)	১২-ইউসুত	66	96
বক্ষে যা আছে তা ভালেন আল্লাহ	৩-আলে ইমরা		980	प्रापुत्र (प्रविकारन प्रापुत्र कारन ना द्य प्रश्लाद निर्वत नारण)	১২-ইউসুক	43	100
	७५-मुक्	1 20	240	মানুৰ (অধিকাংশ মানুৰ কানে না)	২৮-কাসাস	29	Tv:
বক্ষে যা আছে বা অল্পাহ জানেন কবি ইসমাধ্যমত অধীনেও কুৰামান সম্পৰ্কে জাৰা (নিলানি হতায়)	59-9'SISI			মাদইরালবানীরা জানতে পারবে- কার উপর শান্তি আসবে	১১-ছন	20	100
		339	395	মিখ্যাবাদীদেরকে জেনে নিবেন রাসুল স. (তাকুকযুদ্ধ প্রসঙ্গ)	৯-জাওবা	80	168
বাগানওপ্লভার যদি জানত (আধিরাতের শান্তি সম্পর্কে)	99-MMI			মিধাবাদী কলা ব্যক্তি বি জানে না যে আল্লাহ ভাবে দেকেন চ	৯৬-জাপাত	78	20
প্রহিক নিক (দুনিরার বীবনের মাহ্যিক নিক জনে কবিবরা)	00-874	. 9	bસર	মাধ্যকৰ কৰা ব্যক্ত কৰাল না বৈ আল্লাহ কৰে কেনে দ মিধ্য অভিহত কৰাল জান্তত পাহকে (আল্লাহ কৰ্তৃত ধন্য সদস)	4-31,51A 90-01a10	79-5	6:
বিতৰ্জনারী আনুক যে পালাদোর কারণা নেই (নিনর্শন	৪২-শ্রা	02	b/26			88	
সম্পর্বে বিভক্তারীর)		-	_	নিধা অভিহিতকারীর জানতেও পারবে না (অপ্তাহ যথন ধ্যবেশ)	৬৮-ব্যালাম		2,
বিশ্রমন্থ্য (আল্লাহ জানেন সকল জীকের বিশ্রামন্থ্য)	১১-ছুদ	6	999	খুমিনরা জানে না করে মুদাফিক	৯-ভাওবা	202	60
বৃদ্ধ বয়নে জ্ঞান থাকার পরও যেন কিছুই না জানে	55-000	0	900	भूभिनता वनि सामण एए सिद्यान वेसम	৯-তাওবা	87	68
ক্ষেদের জানের করেছা হয় (যেন জানলাতের পরও কিছুই জানে ন	১৬-দাব্দ	90	406	মুমিন নর-নারীকে না জেনে পদদশিত করার আশংকা	89-19755	30	>:
হাক্তি জনবে তার কর্ম সম্পর্কে (কিয়ামতের দিল)	৮২-ইনফিডরে	0	2020	মুমিনরা ছেলে রাধুক যে আল্লাহ ক্ষমালীল ও নরামর	৫-মারিনা	08	69
साथा कान न (वर्ष जाहार श्राप (मृध्यनविद्युक जातादन)	০-মালে ইমরা		400	খুমিলনের অজনা বিজু নর-নারী মন্তার গরেছে (মন্তা বিজয় প্রসঞ্চ)	8४-मग्दर	2.0	97
অগ্য সম্পর্কে জানা (ভাগ্য আপ্তাহর নিবট/নিছেগারীন)	१-व्ह"रहक	202		স্থূপুৰ্বত লা জেনেই মিটিকের অংশ ফিবা উপাচেতৰ জন্য নিৰ্বাৰণ_	১৬-মাহদ	26	190

वंश दिवड/धनम	সুৱা বং ত দাব	Villa in	3	PROSE AND RESIDE	ज्बानः ७ नप्त		
वर्शनी (जूर्र जुंध (बटब)		_		শান্তি সম্পূর্কে জামেবা (জানিমদের অধিকাপেই)	৫২-ভূর		80
মুশরিক সম্প্রনার কিছু জ্ঞানে দা	৯-জাওবা	6	680	শিকা (কুরজানের মাধ্যমে জন্মানা বিধরে শিকা দেয়া প্রদাস)	৬-আন্'আম	97	60
মুখ ফিরানো ব্যক্তি কি জানে না যে আল্লাহ কাকে লেকেন ।	৯৬-আগাত	38	1650€	শিরত হাসকে মুপরিক যদি জানতঃ (মাতফুশ্বর উপমা)	২৯-আনকাৰ্ড	82	5.5
মুহিনদের জানা উচিৎ স্বাস্থ্য সভাবমুক্ত	২-বকুরা	259	605	তত পরিবাম কার জন্য ভাবতে পারবে (ভাগিমরা)	৬-জান্'আম	200	90
মুমিনদের জেনে রাখা উচিত যে আপ্লাহ মুবার্কাদের সাথে)	২-বাকুরো	778	455	সংখ্যা (গুহাৰাদীনের সংখ্যা প্রতিশালকট সধ্যারে বেশি লানেন)	79-9166	33	93
पुरम्पन (क्यून वाचा ठाउँक एर पाझार कुर्वाच्यास्त्र गारणाः) परिमालन (क्यून वाचा ठाउँक (ग्लंडकारर (लीट्स म्हावे			$\overline{}$	সংখ্যাদ সম্পত্নৰ্ভ জ্ঞাৰা (মিন্টব্ৰিড সময়/কিয়ামত প্ৰসৰ)	৮-অনু'অম	29	60
	হ-মারিদা	25	23-2	সংখ্যা (ওয়বাসীদের সংখ্যা আরু সংখ্যকই জানে)	३५-वाइव	44	93
কেবল রাসূল স. এব পারিত্ব)	२-राकृत्य	23-0	443	সংখ্যা (বছরের সংখ্যা ও হিসাব জানার জন্য চীন সৃষ্টি)	১৭-ইস্বা	32	93
মুমিশনের জেনে রাখা উচিত যে আপ্রাহ পান্তিদানে করোর		24	282		৩৮-গোরান	by	7.1
মুখ্নিলালয়ক জেলে রাধার নির্দেশ (মৃত কৃতিকে জীবিত করার বিষয়)	৫৭-হানীদ	99	580	সংবাদ জানা (কুরজানে বর্ণিত সংবাদ জানা)	৪২-পুরা	34	P.3
ধুমিশসেরের জেনে রাধার নির্দেশ- অস্থার মুজার্মীদের সাথে	৯-জাভব			সৰুল বিষয়ে (আপ্লাহ সৰুল বিষয়ে ভালভাবে ভানেন)			38
মুনাধিক ও ঈমানদারনেরকে আল্লাহ জানেন	২৯-আনতাবৃত	22	67.9	সকল বিষয়ে (অল্লাহ তাপ বানেন)	৫৭-হাদীদ	0	
মুদক্ষিকরা কি জানে লা যে আল্লাহ জানেন আনের গোপল কবা	৯-খাব্য	95	984	সঠিকপথের অধিকারী/সঠিকপথ জংলগদকারী সম্পর্কে লাদা	२०-छ-श	300	98
মুদাফিকরা জানে না যে সম্মান আল্লাহরই কণ্য	৬৩-মুনাফিক্স	b	346	সভাকে জেনে-বুখে গোপন না করার নির্দেশ্যকনী ইনজনিশানে)	২-বাকুারা	84	00
মুখান্টিকরা জ্বাদে দা যে ভারাই নির্বোধ	२-राक्षत	20	600	সভ্য (প্রাসুল স. এর প্রতি অবভীর্ণ বিষয়কে সভ্য বলে জান্য)	30-31°F	7.9	63
মুলভিকরা জেনে বুকে মিখ্যা কসম করে	৫৮-মুক্সানকা	78	950	সম্য কাৰা ও অপ্ৰসক্ষল হওয়া প্ৰসঙ্গ (কুৱামান খনে নাসায়াসেই)	৫-মারিদা	9.0	6:
মুশরিকরা মা জেনেই অপ্লাহ সম্পর্কে বলে (সভান গ্রহণ প্রদাস)	১০-ইউসুস	994	660	সভ্য খেপন করে (জেন-বুকে) নিয়েখ্যাছনের একটি দল	২-বাকুরো	186	2
মুশরিকরা পরিণাম সম্পর্কে অভিয়েই জানতে পারবে	১৬-গছেপ	22	909	গত্য (মুগতিকদের অধিকাংশই দত্য জানে না)	২১-অধিয়া	28	91
ফুর্বরকরা জনতে পারনে কে অধিক পথন্তই (শান্তি দেখার পর)	২৫-পুরকান	85	9912	সদকাই উত্তৰ -এটা ছালা (কথাইটিভাকে মাত করা)	३-शक्स्वा	270	0
মুশরিকর জেনে রবুত (তারা অস্থাহতে অকম করতে পারবে শ)	३-छाश्च	0	680	স্থাৰ ৰৱ যাৱ জানে না এবং যাৱা জানে ভাষা	৩৯-যুমার	3	v
মুপরিকর জেনে রামুক্ত যে ভারা অক্সাহকে সক্ষম করতে পারবে পা	৯-एरखरा	1	980	সমাৰ পা অধা জালে বা এবং বাবা জালে কামা সমস্তের হিসার জাবা/বহুৱাগানা (ইনের মন্মিদের মাধ্যমে)	২০-ইউনুস	6	8
মুশরিকর অবহীর্ণ জারত সম্পর্কে জানে না (আল্লাহ দানেন)	১৬-শহল	303	422		ও-আন,প্রাস	6.9	10
মুশরিকরা অভিনেই জানতে পারবে (পরিণাম সম্পর্কে)	৪৩-মুধ্যক	100	805	সমূত্রে যা আছে বা উল্লোহ জাপেন			
মুশবিকরা অচিত্রেই জানতে পারবে (আল্লাবর শান্তি সম্পর্কে)	২৯-আনকাবৃত	66	25.0	সম্প্রদারের বোক ছালে না এখন কিছু নৃহ আ, জানেন	৭-আ'রাফ	95	b
মুখিন মানী ক্ষাৰতে পাঞ্জল কমিবালেন নিকট কেবত লো খনে ন	৬০-মুমকহিশা	30	96.9	সম্প্ৰবাৰ (মৃত্যাৰ সম্প্ৰদাৰ জালে যে মৃত্যা আ, আল্লাহন ৰাসূত্	৬১-সাথ্য	8	8
মুমিলার যদি জানত যে জিহাদ করাই উভয	৬১-সাক্ফ	33	365	সম্প্রবার (জানে যে সম্প্রবার তাদের জন্য আয়াও বর্ণনা)	৭-সা'রাক	95	6
মুখিনরা জেনে রাধুক (গণিমত বন্টানের বিধান)	৮-অন্মান	83	900	সন্মান (জনী সম্প্রান্তের ক্ষর অরাভ বর্ণন ধরেন অল্লাহ)	৯-ডাববা	22	6
	y-আনফাল	80	900	সর্ব বিষয়ে (আল্লাহ সংবিষয়ে ভালচাবেই আন্দেশ)	৪৮-কাত্য	49	8
মু'মিনরা জেনে রাধুক যে আল্লাহ মু'মিনলের প্রস্থ			608	সাধিহ আ. এর রিসাধাত সম্পর্তে জানা	৭-আ'রাক	90	8
মুমিনর জেনে রাপুক- অস্তাহ ব্যক্তি ও তার ফনরের মাকখনে	৮-আনফাল	4,8		স্বাক্তরে বিশ্ব বেশে রক্ষা নির্দেশ (অস্তাহর সাথে সাক্ষার)	>-वाकावा	220	q
মুমিনরা জেনে রাবৃক আল্লাহ মূজকীনের সাথে আছেন	৯-বাধনা	250		সাধ্যকারী হিসাবে কে দুর্বব তা জানবে (শান্তি প্রসদ)	१३-किम	2.8	8
মুম্মিনরা ক্লেনে রাবৃক যে আল্লাহ শান্তিলানে কটোর	A-glenia	3.0	608	সামান ও পিয়ান বা বিদ্ধু আছে যে আল্লাহ জ্ঞানন	২১-জাধিয়া	20	19
মৃদার মা বেদ জানতে পারে যে, আপ্রাহর প্রতিশ্রুতি সভ্য	২৮-কাসাস	30	bob		৯-জাওব		8
মৃত্যুর ছান (কেউ জানে দা কোন ছানে সে মৃত্যুবরণ করবে)	০১-দ্ৰমান	*88	3-59	त्रीय खात न (स्पृदेन्द्र (बद्धाद य कार्डिन स्टब्स्ट्र रात गीम)		24	8
যারা জ্ঞানে না অলের ছলয়ে মোর মেরে নিরেছেন আল্লাহ	৩০-ভুম	69	9-50	সীয়ালকাননীটার সম্পর্কে প্রতিপাদক সবচেয়ে বেশী ভানেন	৬-আন্'আম	229	
যুদ্ধ হতে জানলে অনুসরণ করতাম (মূলবিকরা মুমিনদেরকে বলে)	৩-বালে ইমরা			সৃষ্টি সম্পর্কে তিনি জ্ঞানের যিনি সৃষ্টি করেছেন	৬৭-মূল্ক	78	b
য়াসুল স, কে জেনে প্রাথার নির্দেশ যে কাফিররা প্রপৃতির অপুসারী	২৮-কাদাদ	60	25.4	সৃত্তি সম্পর্তে অক্সাই করমেরে জানেন	৩৬-ইয়াসীন	43	ъ
राञ्च प्र, ८३ स्तन (प्रांकान-पृथितेत स्थित्यू व्यक्तावर सान अन्य)	२२-श <b>ा</b> क	90	108	मृति मन्मार्ट (यानुब स्थान ना वायन व्यानक विकू व्यक्तार मृडि करान)	79-satisfied	7	19
রাসুল স, এর জানা/না জানা (কিতাব ও ইমান প্রসঙ্গে)	৪২-পুরা	45	1774	সৃত্রিকে (মানুদের অলাবা সৃত্তিরও জেড়া সৃত্তি করেন অল্লাহ)	৩৬-ইয়াসীন	00	16
রাসূল স. এর অবস্থান জেনে রাখার নির্দেশ মুমিনদের রাভি	৪৯-বৃত্বাত	9	350	স্তিকৃত জেনে নিয়েছে সালাভ ও পবিত্ৰতা খোষণাৰ পছতি	२८-मृत	83	9
রাসুশ স. এর সম্প্রানার জানতে পারবে (র ম কাজের পরিবতি)	৩৯-বৃদ্ধার	49	7.98	इत्त य बाहर व बाहार बातन	৬-আনু আম	(h	6
রকুল স, জনেন না (রালকের বালরে অল্লাক্ত উপায় লের করা)	৬৫-মলোক	3	300	হাওয়ারীরা জানতে পাববে উপা ছো, সভ্য থলেছেন	2-शक्तिमा	330	4
মানুল স, ভালেন যে আকাশ ও পৃথিবীর রাজতু আল্লাহর	৫-মবিদা	80	Q're	হিসাব (বাম হাতে বিভাবপ্ৰাপ্ত বপাৰে, যদি গে তাৰ হিসাব দা জানতা)		126	18
বাসুল স. বায়নদন (প্রতিক্রত শারি নিকটবরী না দুরবরী ডা)	२५-वारिका	309	929			+	۲
বাসুল দ, ব্যালন মা (ফুপরিবলের পরীক্ষা/জীবলোপারেনা প্রদাস)	२३-वाशिया	222		जनात	A 700 cm		+
রামূল ন, জামেন না যে আল্লাহর সমকক কেউ আছে	39-178 <b>E</b> EFF	02	909	অন্তয়ত পেশকরীদেয়কে জনিয়ে দেয়া হবে যা ভার করত	৯-তাওৰা	7/8	è
क्षेत्रण म, क्षारम्भ म (वर्षण म, अह मारा अक्षाद (उपम आउन करात)		>	boy	অধিবার্থ সত্য কিরামত সম্পর্তে কে জানাবে ৮	५५-शकार्		18
রাম্বতু সম্পর্কে মানা (আকাশ-পৃথিধীর রাজতু সাক্রাহত)	२-राक्ता	309		অভিবাদন ও সালাম জাদানো হবে থালেরকে যারা	২৫-জুরকাদ	9/2	9
	হ-মার্কন	83		অস্ত্রাহ মঞ্জবাদীকের কুরজন জানাকেন না	১০-ইউনূপ	36	è
রামূল স. কে জেনে রাখার নির্দেশ (পাণের শাক্তিকরণ)		83	990	অস্ত্রাহ নবৈতে জনালেন (কবিং প্রার গোপনকথা জনাতে নগার বিষয়ে)	৬৬-আহ্বীম	0	h
हरून न था जन्म दिना जहार और मनाम जन्म (पूर ज अन्त)				আসহারে অহাক সম্পর্কে শহরবাদীনেত্রক জনিয়ে নিচন অস্তাহ	১৮-কার্ক ১৮-কার্ক	22	1
মানুসকলে মানুকাই প্রকা কর নিবরে না ক্ষাবল বিভারবারির সাহে,	১৬-মহল	80		ইপ্রীয়ান সম্পর্তে রাস্বা স, কে জানাবে কিসেঃ	५०-मुसक्विक	46 14	5
শৃত জানেন ভার সম্প্রদার কি চার (সম্প্রদারের বক্তবা)	22- <u>ई</u> स	43		ক্সাতের প্রাত সম্পর্কে ব্যস্তা স. তে জানানো প্রসঙ্গ	৯৭-জানর	2	2
লোকদের অধিকাংশই জানে না	৮-আনফাল	68		বাস্ত সম্পর্কে অস্তাই জালাবেদ (কিরামতে)	৯-জপ্রথ	60	6
শতকর সম্পর্কে অস্তাহ সবচেয়ে বেশী জনেন	৪-দিশ	84		কবিদ্যালয়ত অন্যানর নির্দেশ (ইবরাইয়ের অভিবিদেশ কথা)	১৫-ছিলর	63	14
পনিবারের বিষয়ে সীমালক্ষমকারীদের পরিপতি জানা প্রসঙ্গ	२-शकृश	60					
শরীকরারীয় জাব্যর পার্থে সভা ইলাহ হবার অধিকার আক্রমাই	২৮-জসাস	92	928	কাফিবদেয়কে জানাকে আল্লাহ (ডানের কৃত্তবর্ম সম্পর্কে)	৪১-ফুস্সিলার		
শাহাদান্তের পুরুষার সম্পর্কে জানা	৩৬-ইরাসীন	₹6	140	ভিয়েমত সম্পর্কে ব্যক্তা স. কে বিদ্যোজনারে ? (বিবামত নিবটবর্তী)	৪২-শ্রা	24	
শান্তি সম্পর্কে পৃহ আ, সম্প্রদায় অভিরেই জানতে পারবে	33-34	op.	969	ভিয়ামত সম্পর্তে রাসূল স. বে বিদে জানাবে ?	৩৩-আহ্যাব	90	
শান্তি সম্পর্কে(প্রতিশ্রুত শান্তি নিকটবর্মী না নূববতী তা	২১-অধিয়া			বিলে আধাৰে ৱাসূল স, কে বিচার দিন সম্পর্কেঃ	५२-इनक्कार		
रामृत म. सारमन्त्र)	<7-dE48]	308	929	কৃতকর্ম মানুহকে আনিয়ে দেয়া হবে (মৃত্যুর পর)	৬২-জুমু জা	b	>

Long angle who male withten (notifice into)	৫৮-নুজাবালা	1 9	245	া আক্রমান (জান্ত্রাকের আববাসারা ছার; হবে জান্ত্রাভে)	৭-আর্থ	84	1 %
কৃতকর্মের সংবাদ জাবানো আপ্লাহর পক্ষে সহজ	৬৪-আগারন	9	266	অধিকী (পদ্রতের অধিবনীর মেকে লগে আল্রান অধিকীয়ার)	৭-আবাক	100	
কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ মানুষকে জানাবেন	২৯-জানকাবত	1 6	1-70	অভিনেশ (অনুযোগ অভিনেশীনেয়াও চেকে কাচে আচালো অভিনেশীর)	৭-আ'রাক	90	
কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ মানুবকে অবহিত করবেদ	০১-পুরমান	30		অধিবাসী (জাল্লাকের অধিবাসীরা (চক্তে ধলনে আছলের)	৭-আবাদ	88	
কৃতকর্ম সম্পর্কে জানালে হবে (সকল উম্মন্তকে)	৬-জন'জম	308		অধিবাসী (ঈহামদার সংকর্মশীলগণ জরাতের অধিবাসী)	২-বাকারা	24	
কৃতকর্ম জানালে হবে সবাইতে (পুনরুম্বানের নিদ)	৫৮-মুখানালা	6	945	অধিবাদী (যারা ভাগনাজ করে ভারাই জাল্লাতের অধিবাদী)	३०-३७नुम	36	
কৃতকর্ম জানাবেন আপ্রাহ (মানুষদের)	১০-ইউনুস	30		আলার (জান্ত্রাত ফলমূল খেছুর ও আনার থাকারে)	१०-रवपूर्व		
ধীন বিশ্বকারবীয়েনর কৃত্তকর্ম সম্পর্তে আপ্রার জালাবেন	৬-আনু আম	247		অনতন্ত্রন হয়, মান্ত্রতে (জিন্মানুহ যাস্তর্ভত স্পর্ণ করেনি)		69	b6
দবীর গোপন কথা নান করার বিধরটি দবীকে প্রধানন আপ্রাহ	৬৬-ভাইরীয			অভাতে বিশ্বাসীলের ভাস্ততে প্রবেশ	৫৫-রাহ্মান	26	
শাসমূহ ফেরেপজনেকে জানালের নির্দেশ (আলাকে প্রতি)	२-वाद्यास २-वाद्यास	0	9.40	অরক্তি মার্লাসের ভারতে হাবেন অরক্তিনীর ভারতের অধিনস্থানতে তেতে বস্থাব - সাল্যা,,,	80-पूर्वक	90	
নাম জানালের জন্য আদম আ, কে নির্দেশ (আল্লাহ কর্মুক)		00			৭-আ'রাফ	86	100
राव कार्गारमञ्जूका जारूम वा. एक मार्ग्स (वाडार कडूक) १०० वरस्कारी (रमी हेमसमिन्टक सामारम श्रूमा)	২-বাস্থারা	0)	¢08	অপ্রেছ্স ভাল্লাত (প্রতিপাদকের অবস্থানকে যে ভর কংপ)	৭৯-নাবি'আত	87	30
ফানাগর দিন সম্পর্কে জনার বিষয়ে গ্রন্থ	১৭-ইস্বা	8	978	ইমানের কারণে সংগঠনীল মুক্তিদ নিয়মতপূর্ণ ছান্ত্রান্ত লাভ করণে	১০-ইউনুস	3	60
	৭৭-মুর্সালাত	78	339	ইমালনার ও সংকর্মশীকের আগ্যারনগর্প জাপ্পাত	১৮- <i>বাহ</i> ক	309	
কেরেশভালেরকে নামসমূহ আনানো (আনম আ, ভর্ত)	২-ৰাকুলো	-00		ইমানবার ও সংকর্মনীলনের জন্য রয়েছে জাল্লাত	৮৫-বৃত্তজ	22	30
বান্দ্রনেরকে জান্দ্রনের নির্দেশ (আপ্লাহর কমা ও নায় সম্পর্কে)	১৫-বিদ্বব	85	900	ইমানবর ও সংকর্মনীলনের জন্য জাল্লাভ	8- <u>M</u> M	29	64
ব্যাখ্যা জানবে ইউসুফ আ. (বুৰকহরের সপ্লের ব্যাখ্যা)	25-52326	09	650	উর্জ্বাদিনারী (অল্লাচের উত্তর্গনিকারী করার দ্বলা ইংরাইটের সেয়া)	২৮-র্ড'আরা	brit	92
মতপাৰ্বকাপূৰ্ব বিষয়ে আল্লাহ জানাবেন (সকলকে)	ও-আনু আম	368	625	উন্তর্জনার (অন্তর্ভার উন্তর্জনার করা হবে ঈথ্যকারসেরত)	९-व्य'राय	80	6:
মারেলয় বিবাহর সালর্ডে রুলুর স, কে বিনে জানাবের (অক্সাহরেল্ন)	১০১-কৃত্রি আ	0	3002	উভয়নিকারী (মুন্তকীগণতে জন্পতের উভয়নিকারী করা হবে)	80-पुरतन्त्र	92	ac
মানুষকে কৃতকৰ্ম জানিৱে দেৱা হবে (মৃত্যুব পৰ)	<b>७२-सून्</b> का	4	265	উপমা (জল্লাকের উপমা হল- এর বিচ বিজে মহর প্রবাহিত)	১৩-রাদ	90	66
মুক্তি পাওয়া ব্যক্তি সপ্লের ব্যাখ্যা জান্মতে চাইল	১২-ইউসুক	82	595.7	ক্থার্ড/বস্থ না থাকা প্রসঙ্গ (আগম ও জান্রাত প্রসঙ্গ)	20-1gt-37	339	
রকৃত স, সকলকে সমসভাবে জনিয়েছেব্রিকালাত ও শান্তি প্রনত্ত।	২১-অপিয়	303	929	পেকুর (জান্লাতে কলমূল বেঞ্চর ও আনার থাকবে)	gg-stextw	69	138
হাস্ল স, কে জাৰাৰে কিলে সিজ্ঞীন কি জিনিসঃ	৮০-বৃত্তক্তিকীন	V	2022	ঘর নির্মাণ (बाह्यकে খন নির্মাণের জন্য বিরাজাইনের প্রীর দোরা)	७७-खाइतीय	22	9.
রাসুল ম, কে কে জানানে সাজার জীঃ	৭৪-মুদাছবির	21	362	চিবছালী জাল্লাকসমূহে উল্লয় বাসস্থান ব্যাহ্য	97-MAA	25	30
রাসূল ম. কে কিন্সে জালাবে -অস্কৃতি হস্ততো পরিকল্প হক।	৮০-জবাস্	0	3006	চিবছারী বায়াতে উত্তন বসস্থানের প্রতিক্রতি (মুমিনানে জন্য)	৯-জাওবা	12	26
বাসুল ম. কে কিন্তে জানাৰে খিবিপথ স্বীঃ	৯০-বাল্যদ	32	3020	কৰ্মা (জাত্ৰাতে সালসাধীল শব্দে একটি ধৰ্মা থাকবে)	৭৬-দাহর	34	25
বাসুল ম, কে বদবের রাত সম্পর্কে জানামো প্রসঙ্গ	৯৭-কাদর	3	2059	মাকা (মান্তাবের নিকে ভাকছেন অন্তাহ)	२-राङ्ग्रहा	557	6:
রতে আত্মপ্রকাশবারী সম্পর্তে বিসে জানানে রাসুল স. কেঃ	৮৮-কবিক	-	2029	মানের সাধীগণ জানারে থাকবে	१८-मुमाइकित	80	20
दामुल ग. एक किएम स्थानाटव विशासक निम अन्नाटकी	৮২-ইনফিতার	39	3030	অপশালা বিশিষ্ট দু'টি মানুতে (ভারমারীর ক্বথ্য)	৫৫-রাহমান	85	26
পর্বন্ধ আল্লাহর মত কেউ মানুষকে জানাতে পারেনা	०१-मन्दिर	28	583	তাকণ্ডর অংলমনতারীর জন্য স্থাপ্রত			
गणर/वर्णकम्म समात्म द्वाग काराव्या गुम्मत व काराम वानार गम	8-निमा	30	293	দরবা (মান্রাকের দরকা মুবারীদের জন্য উলুক)	৩-আলে ইমরান ৩৮-সোয়ান		00
গপ্রের ব্যাব্যা জালতে বলগ কারাবনীয়ন (ইউসুফকে)	১২-ইউসুক			পুটি পান্নতের নামার বুরান্ডানের জন্য ওপুরু) পুটি পান্নতে (নে প্রতিশাসকের জনপ্রান্তে ভর বঙ্গে ভার জন্য)		¢0	100
হবির নোমার সম্পর্কে রাজন স্ব কে কিলে জানাবে । (মাল্লাছর প্রস্তু)		00	590		৫৫-রহ্মন	86	118
	১০১-কুরি'জ	30	2002	বুলি (পূর্বের দুটি ছাড়াও আরো দুটি জাল্লাত ররেছে)	৫৫-রাহ্মান	હર	246
হ্যানা সম্পর্কে প্রদূল স্ কে কিলে প্রানাবে ঃ	১০৪-হ্মামা	6	7000	থাবিত (জান্লাতের নিকে দ্রুত থাবিত হওয়ার নির্দেশ)	০-জালে ইমরান	200	
जाना-बुवा		_		বৈহনীলভার প্রতিনান হিসানে আপ্রায় জল্লাত নিবেম	৭৬-নাব্র	25	58
বিকৃতি (ইছদীদের কর্তৃক জেগে-বুলে আল্লাহর বাণী বিকৃতি)	২-বাকুরে	10	609.		৯৮-বারিংশহ	b	30
गरकार निर्वतना (तारम-गुरुध प्रस्ताका भारकार निर्वतना मा करात निर्दान)	২-বাঝুরা	-53	600	নহর (পল্লাতে নহর প্রবহিত থাকরে ঈমানসার সংকর্মশীলের জন্য)	২-বাকুারা	₹0	80
व्यमित्र त्रच्या				শহর প্রবাহিত (রাল্লান্ডের নিচ দিয়ে)	হ-মারিদা	25	24
ক্ষরের বিষয় মানিরে দিবে এমন সূরা অবতীর্হার আপক্ষ	2-88645	08	985	নিচ (জন্তাতের নীচ দিয়ে দহর প্রবাহিত)	92-M64	35	24
বাস্তাহ থানিয়ে নিবেদ মানুদ্ধকে যা তাথা করত	48-91	68	99/3	নিরামকপূর্ণ উন্যান হরেছে (নেওটাপ্রাক্তনের জন্য)	৫৬-ওয়াকিয়াত্	èrb	18
সন্মাহ অনিয়ে নিবেন মানুধ যা করত	৫-মারদা	302	Cho	নিজমতপূর্ণ ছাদ্রাত (সংকর্মশীল মুখিন ঈশ্বাদের কারনে লাভ কথ্যব)	১০-ইউনুস	b	62
স্কাহ কমিত্র মিত্রাহেল অনুবৃত পেশকবিচার সংগদ (অনুবৃত্বৰ)	३-व्यवस	28	620	নিকটে আনা (কিয়ামতে জন্মাত নিকটবতী করা হবে)	৮১-ভাকতীর	20	300
পদ্য আ, ভানিয়ে দেন মানুৰ খৱে যা আহার করে	০-আলে ইমবান		¢80	নিকটে জানা হবে জন্মত (মুন্তাকীলের)	१०-वाक	62	34
শসাঝানেকে জানিয়ে নিবেদ আল্লাহ যা ভাষা করত	৫-মারিদা	28	62.5	লেয়ামতপূর্ব জাল্লাতে প্রবেশ করাবেদ আল্লাব্ দিমান প্রাব্	e-मात्रिमा	90	Q.b
শাসি বউদের সংবাদ দেয়ার নির্দেশ (ছামুল সম্প্রদারতে)	28-লমার	36	200	নোমতপূৰ্ণ অপ্ৰতে মুখেমুখি আননে আনীন হবে প্ৰপ্ৰানীয়	৫৭-সাফ্টাত	80	be
য়াখ্যা জানালো মুখা আ, কে (বিজিয় কর্তৃক বালক	20-11-12		100 1	নেয়ামতপূর্ণ জাল্লাত (সংকর্মশীল মুমিনের জন্য)	৩১-লুকমান	4	44
रवालिक दिन ७, रिक्ट )	১৮-বাহ্দ	95	903	দেহামতপূর্ব জাল্লাতে থাকবে নৈকটাপ্রাপ্তরা	৫৬-ওয়াকিয়াহ	25	28
নুষকে থানিরে দেরা হবে যা দিরে তারা মতপার্থক্য করক	হ-মারিদা	-	-	(নরামতপূর্ণ জান্ততের প্রতিশ্রুতি (মুবারীদের জগ্য)	৬৮-কুলোম	08	24
নুখনে অনিরে দেরা হবে তারা যে কাছা করত		87	@trb	নেরামভশূর্ণ জন্তাতে সংকর্মশীল মুহিন থাকবে			
সার সন্থানের সেরা ব্যবে ভারর যে ভারত ভারত সার সন্থানের সম্পর্তে জানিরে নেরা (গুলীস ইন্যুন মুনীরে প্রসঞ্জ)	৯-জান্তব্য	306	952		২২-জন্ম	26	95
নাম নহাকা নশ্যকে জালরে দেয়া (শুলান হবসে মুখ্যর প্রসাস) তেনে অধিয়া নিদেন আল্লাই (জর সম্প্রদায়কে নিদাশ করা শুরু)	৫৩-নাজম	09	806		২-বাকুরে	42	20
	>2-(2RG	66	403		৫২-কুব	20	20
ब्रह्माड		_		পাকা (জারতের পাতা নিরে পক্ষাস্থান আধুর করতে লাগল)	৭-জা'রাফ	43	97
মাণামী হওয়ার নির্দেশ প্রতিপালকের ক্ষমা ও জন্মতের নিকে	৫৭-হানীদ	52	950	পাতা (জন্তাকের পাতা নিয়ে লক্ষ্যস্থাৰ আবৃত করা প্রসঙ্গ)	২০-জ্বা-ছ	757	48
র্মনকর্মী (জন্মতের অধিকারী করবেন অস্তাহ মুপ্তাবীলেকে)	১৯-মারইরাম	60	109		৯৮-বারিচনাহ	ь	705
মধিবাসী (চিরপ্তার্যী ঞাল্লাক্তের অধিবাসী হবে মুখিনগণ)	৪১-আহ্কাফ	28	808	পুরস্কার (সংকর্মপরায়ণ নাসাবাদের পুরস্কার জন্মত)	ç-प्राविमाः	9.0	69
র্থবাসী (জন্মতের অধিবাসীরা সফলতাম)	৫৯-ব্যশর	20	254		৭৬-পাব্র	39	2/2
परियमी (साम्राज्य परियमी त प्राध्यमत प्रतियामी अक्षात लगः)	AL TOPY		244	affante (efference affants across)			

জানানো ভারাত

১৫১ विश्वानी (कामाञ्च विश्वामीया वार्ट कार कामान्य)

শব্

स्रामादमा (१९ श्री (बदक)

বিষয়/প্রসঙ্গ

কৃতকর্ম জানিয়ে নিবেন আপ্রাহ মানবতে (বিরামতের নিন) বিচ-মার

প্রতিশান (মমিননের প্রতিদান জালাত)

৭৬-পাহর ১৭ ১৯৬ ৩-জালে ইমরান ১৩৬ ৫৪১

৫৯-বাশর

অধ্যান (জন্তাতের অধ্যান বা আন্তর্নার অধ্যান সমান লা)

		******	(A) o	जुस विश्व/द्यंत्रम		400 6	नुहें।
नेक विवय/धेनव	ज्वा गर व नाम	क्ष्म र	र्जुंग ह		जूबा नर ७ माम ১১-इम	50	869
क्षेत्रीक (नूर्व नृक्षा (बरक)				श्रुव्यागरकारण्यात्राज्यात्राच्यात्रा	55-22	28	252
প্রতিক্রতি (জন্মতের প্রতিক্রতি নিয়েছেল অস্ত্রাহ, মুদিন নয়-নারীকে)	৯-ভাধৰা	95	689	মুৱাকার জান্ত্রতে থাক্রে (সভারত মূর্বে নার্বে	28-কামার	28	200
প্রতিক্রতি (মুক্তাকীদের জন্য জাল্লাকের প্রতিক্রতি রয়েছে)	৪৭-মৃহ্যখান	76	970	মুব্রকার জন্মতে থককে শহরের নাতে মুব্রকীদের নিবটে আনা হবে জাল্লাতকে (আধিরাতে)	২৬-৬'আরা	30	922
প্রবেশ (আপ্রাহ-প্রাসূল স. এর অনুগত্যকারী জন্মতে প্রবেশ করনে)	৪-দিখা	70	664		৫১-বারিকাত	20	356
প্রবেশ (আয়াকে নিশ্বাসী মুসলিমের জান্ত্রাতে প্রবেশ)	৪৩-দুখরুক	90	200	মুরাকীরা থাকবে (মান্রাত ও কর্ণাথবার মাকে)	১৬-নাহল	03	200
প্রবেশ (অল্লাহ জন্নাতে প্রবেশ করাবেন সংকর্মশীল মুনিনকে)	৪৭-সুহান্দাদ	25	970	মুম্রাকীদের জাল্লাকে প্রবেশ (জাল্লাহর পুরস্কার প্রসঙ্গ)	৩৯-বৃদার	90	333
প্রবেশ (আল্লাহর পাবে নিহুতদেরকে জাল্লাহত প্রবেশ করাবেন আল্লাহ)	৪৭-মুম্বান্থান	0	275	মুবাকীদেরতে দলে দলে আপ্লাতে নিয়ে যাওয়া হবে	80-पृश्क्ष	93	300
अदल (ब्रह्मस्त अति वेसन जनरन ब्रह्मात अदरन क्यारन स्टर)	৬৫-ডালাক	22	365	পুরারীকাতে জন্মতের উভরাধিকারী করা হবে (কর্মফলস্বরূপ)	১৫-বিজয়	80	900
প্রবেশ (মুন্তাকীলের কৃতকর্মের বিশিষরে জাল্লাতে প্রবেশ)	১৬-দার্ল	७३	900	মুন্তাকীগণ জান্নতে থাকৰে	৬৫-বাল্যক	33	200
প্রবেশ (সংকর্মশীল মুম্মিননের আল্লাছ জল্লাতে প্রবেশ করবেন)	৬৪-অগাপুৰ	'n	200	দুফিক্পণ জাল্লাতে হায়ী হবে	৩২-সাজুপা	29	P-07
প্ৰবেশ (সংকৰ্মশীল মু'মিনগণ স্বাল্লাতে প্ৰবেশ কৰৰে)	80-मु"मिन	80	PP.7	মুনিদের কৃতক্ষের বিনিময়ে আল্লাকুল মাওৱা আপগ্রহন	<u>११-दाइमान</u>	90	383
প্রবেশ (প্রান্ত্রান্তে প্রবেশ করবে না তারা যারা আরাক থেকে)	৭-আগ্রফ	80	979	সম্ভবিত্তা সুন্দবীগণ থাকৰে আদ্লৱত	22-57 <b>0</b> 6	6.0	290
शहरून (बाह्याक शहरून कहा कियान व देवर्य चाहा)	৩-আলে ইমরান		685	সংকর্মশীল মুমিলগণ দেয়ামভপূর্ণ আল্লাতে থাকবে	२२-शक	28	100
প্রবেশ (মাল্লাতে প্রবেশ করনে যারা দিয়াদের পর সাবেশল করে)	১৯-माइदेशम	100	405	সংকর্মশীল মুফিনকে আল্লাহ জান্নাতে প্রবেশ করাবেন	22-278F	30	280
প্ৰবেশ (স্নান্নাতে প্ৰবেশ কৰালো হবে আনুগভাকাৰীকে)	৪৮-ফাক্হ	28	254	সংকর্মশীল মুফিদকে আল্লাহ আগ্লাতে প্রবেশ করাবেন	৩১-লুকমান	le de	5-29
প্ৰবেশ (স্বান্নাতে প্ৰবেশ কথাবেন আল্লাহ যু'মিলদেৱকে)	৫৮-মুলাদাদা	22	248	সংকর্মশীল মুমিনের জন্য নেরামত পূর্ণ জল্লাক	৪-নিসা	255	292
প্রবেশ (বিশ্ব মানুসের অন্তর্গত প্রবেশ কুরাজন ধার সভাবীকরা প্রাপদ)	৪২-শ্রা	3	597	সংকর্মশীল মুমিনাংগকে জান্নাতে প্রবেশ করানো হবে	8-मिना	248	292
গ্ৰহেশ (ইহুলী-নাসারা ছড়া তেউ ছাল্লাতে গ্ৰহেশ করবেলাং)	২-বাকুরো	222	470	সংকর্মশীল দুমিন পুরুষ ও নারীতে প্রাক্তাত প্রবেশ করালো হবে	9-(MA)	340	009
প্রবেশ বর্মানে(সামানীল মুখিনকে আল্লাহ জন্মতে প্রবেশ করকেন)	২২-যাজ	28	469	সংকৰ্মশীল/প্ৰতিশালকো প্ৰতি বিনয়ী মুখিন জন্মতের অধিবাসী	g-भातिमा	222	695
প্রবেশ করালে(সভারশীল মুফিলাণকে জন্মতে প্রবেশ করালে ছান)	১৪-ইবরাহীন	50	986	সভ্যবাদীদের জন্ম জান্নাত, যার নীচ দিরে নহর প্রবাহিত			200
প্রবেশ করানা(সংকর্মশীল মুফিনতে আল্লাহ ভালতে প্রবেশ কথাবেদ)	२२-शक	20	१५०	সম্ভন্ন জীবন যাপন, জাল্লাতে (তান হাতে আফালনাথপ্ৰাঞ্চাণের)	७≥-शकार्	88	383
প্রশক্ততা (জান্লাতের প্রশস্ততা আকাশগদূহ ও পৃথিবীর সমান)	৩-আলে ইমগ্রন	700	485	সবুজ (ধন সবুজ আল্লাত দু'টি)	৫৫-রাহ্মান	02	394
প্রস্তুত করেছেন অস্ত্রাহ জন্ত্রাত (বাসুল স্. ও ইবানসারচের জন্য)	৯–ভাওবা	9.9	685	সম্বানিত (জন্তাতে সম্বানিত হবে তারা যার)	৭০-মা'অবিজ		
প্রস্তুত (স্বান্নাত প্রস্তুত করেছেন স্বান্নার সূহালির ও)	৯-জাওয়া	200	940	পালসাবীৰ নামক একটি খৰ্ণা জন্মতে থাকৰে	৭৬-পাব্ৰ	26	ahb
প্রবেশ (মুম্মিন নর-নারীদেরকে জাগ্রাতে প্রবেশ করানো হবে)	82-0100	2	270	সুন্দরী (জান্নতে সচ্চরিক্স সুন্দরীগণ থাকবে)	৫৫-রাহ্মান	90	384
প্রবেশ (মু'মিনদেরকে জান্ত্রাতে প্রবেশ করালোর প্রার্থনা)	৪০-যুখিদ	ъ	MAR	পুসংবাদ (দু'মিন নর-নারীদের জন্য জারাতের সুসংবাদ)	৫৭-হানীদ	25	289
প্রবেশ (মুরাবীরা জন্তাতে প্রবেশ করবে আল্লাহর পুরস্কার)	১৬-লহেন	403	306	সুউচ্চ কছ (ইমানার সংকর্মশীলানে জন্য জন্নাতের সুউচ্চ কছ)	২৯-জানকাবৃত	4.5	257
প্রবেশ (যুদ্দিন বঁটি কণ্ডক করাল আল্লাহ কল্লাকে প্রবেশ করালে)	৬৬-তাৰ্রীস	ъ	390	সুউচ্চ জান্নাতে থাককে (অনেক মুখ্যখন)	৮৮-গণিয়াহ	20	2029
প্রবেশ (মাল্লাতে প্রবেশ করালো হবে কাফিরদের প্রত্যাশা)	৭০-মা'আরিজ	66	2000	সুসংবাদ (প্রতিপাদবের সম্ভঙ্গি, দরা ও জাল্লাতের সুদংবাদ)	৯-ভাগ্না	177	હ્કર
প্ৰবেশ (স্বাস্ত্ৰান্ত প্ৰবেশ কৰালো হবে যাকে দে সফল)	৩-আলে ইময়ন	79/6	228	স্থায়ী জান্নাড (সুমিদ সংকর্মশীলগণের পুরস্কার)	১৮-বাহ্যিনাহ	ъ	2059
প্ৰবেশ (সান্ত্ৰাতে প্ৰনেশের নিৰ্দেশ-প্ৰশান্ত আন্ত্ৰাকে)	৮৯-यास्त्र	00	2055	স্থারী জান্লতে থাকৰে ঈমানবারণণ	১৯-খাবইয়াখ	45	906
প্রবেশ (স্লান্ন্রাতে প্রবেশ করতে বলা হল এক মুখিনকে)	৩৬-ইয়াদীন	26	940	ছারী জন্লতে প্রবেশকারীদের স্বর্গ, মুকা ও বেশম	৩৫-ফাভির	90	68p
প্রবেশ (ম্বান্নাতে প্রবেশ করাবেন আল্লাহ বাদেরকে)	০-জালে ইমরান	150	666	ছারী (ঈথানদার সংকর্মশীলগণ অন্ত্রতে হারী হবে)	२-राष्ट्रश	20	208
প্রবেশ (জান্নাতে প্রবেশ করতে বলা হবে আরাফবাসীলেরকে)	৭ আ বাক	85	627	হাৰী হান্ত্ৰতে উত্তৰ না কি ধাংগ (মৃত্যু)	42- <b>यूद्रवर</b> न	24	990
গ্রাহেশ (জাল্লাতে প্রবেশ করবে ঈর্মানগাররা মনে করে)	২-বাবুরের	578	658	क्ष्मी <b>साम्राठ, फाटड शरनम क्</b> बरन मात्रा	১৩-বা'দ	140	680
প্রদেশ (জারাতে প্রদেশ করাবেন বনী ইসরাইশাসেবকে যদি)	৫-মরিদা	25	62.5	হারী স্বান্নাত (পরিচছদের অশ্য)	২০-জা-র	96	982
প্রতিদান (খেলিকভার প্রতিদান হিসাবে আল্লাহ জল্লাত নিকেন)	৭১-দাব্র	25	994	ছারী হওয়া (ঈমানপার সংকর্মশীলগণ বাল্লাতে ছারী হবে)	২-বাকুারা	145	209
প্রবহুমাদ কর্মা (ভরকারীকে গেদত জান্নাত দু'টিতে)	৫৫-রার্থান	20	787	হারী হবে আগ্রাতে (সংকর্মনীল/প্রতিপালকের প্রতি বিনয়ী মুদিন)	১১-ছুদ	20	969
ফল (জন্নতে প্রত্যেক ফলের দৃতি প্রকার থাকবে)	৫৫-রাজ্মান	45	787	স্থায়ী (সংকর্মশীল মুখিনগণ জাল্লাতে চিবস্থায়ী হবে)	১৪-তাগাবুন	>	সকর
দলমূল (জন্লাতে বচুর ফলমূল থাকৰে যা মুক্তাকীরা থাকে)	80-गुरक्षक	90	907	হাজন (জন্ত্রাত হাজন করেছেন আল্লাহ কর জন্য যে শরীক করে)	१-पाविमा	92	50.9
ফলমূল (জান্লাতে ফলমূল খেকুর ও আনার থাকবে)	৫৫-বাহ্মান	99	384	জন্লাতবাদী	_	_	-
ক্লমূল (স্বান্ত্ৰাতের ফলমূল জান্ত্ৰাতীদের দাগালে আনা হবে)	৭৬-দাহর	78	354	আন্দে মল্ল থাকবে জাল্লাতবাসীরা (কিয়ামতের দিন)	৩৬-ইয়াসীন	64	2554
বসবাদ (আনম আ, ও ভার স্তীকে জন্নাতে বসবাদের নির্দেশ)	२-राष्ट्रवा	0.2	606	উন্তম নাজগ্রহণ ও মন্দরার উপোহন করা হবে জন্তাতনাদীনের	৪৬-আহ্কাক	36	909
বসবাস (মাল্লাতের মেখানে ইজ্ঞা জন্মাতীরা বসবাস করবে)	০৯-বুমার	98	3-99	महारी			
বসবাস (ছান্তাতে বসবাস করতে বললেন অক্সাহ আনম আ. ৩)	৭-জারাক	7.7	478	অলক্ষেত্র (রৌপা নির্মিত বালা যার মাল্লাকীর অলক্ষেত্র মুন)	৭১-পাব্র	42	999
বালিয়া (সংকর্মশীল মুখিনগণ জাল্লাতের বালিয়ার থাকৰে)	৪২-পূৰা	22	9/3/0	পরিবেশন (জাল্লাজীদের ফটিক গ্লাস ও রৌপ্য পাত্র	৭৬-দাহর	20	266
राह्म क्या सूत्र मा साहाहरू	৫২-তুর	20	3/00	পরিবেশন করা হবে)		1	-
তের করা (জান্ত্রাত থেকে বের বর্তেছিল শরকান আদার জা, কে)	৭-জাবাক	29	676	পান করনো (প্রতিপালক ভান্নাতীদের বিকর পানীর পান বন্যাকে)	৭৬-দানুর	13	ክክቱ
বের করা (আসম আ. কে সন্তীক ইংগিস খেন জান্নাত খেকে		1		অন্নাতৃদ মা'ধয়া			1
বের করতে না পারে)	২০-সা-হা	324	186	অর্থেড (নিন্ধারূপ ফুলোড়া নিওট ব্যন্তারূপ মান্যা অর্থাড়ড)	৫৩-নাজম	32	204
ভরবারীর জন্য(ভাল্লাহর অবস্থানকে ভরবারীর জল গৃতি জল্লাত)	৫৫-রাহ্মান	86	282	মুনিদের কৃতকর্মের বিনিময়ে আল্লাকুল মাওয়া বারা আপ্যায়ন	৩২-সাজ্যা	72	5007
ভাগ্যবাদরা জন্তাতে স্থায়ীয়াবে থাকাব	<b>33-इ</b> न	300	092	জন্মাতের অধিবাসী		T	Т
মুন্তানীদের কৃতক্রমের বিনিমরে ভারতে	১৬-লাহল	03		আদ্রাতের অধিবাসী ও সাঙলের অধিবাসী সমান নর	6,9-4148	30	264
যুৱাইটের জন্য জান্নাত (যারা প্রতিপালককে ভর করে)	৩ আলে ইমরা			সঞ্চলকম (মান্নাতের অধিবাসীরা সঞ্চলকাম)	৫৯-জপর	20	329
মুরাকানের জন্য জাল্লাভ (বরা প্রতিশালকটক কর করে) মুম্মিন-সংকর্মীকের জন্য (স্থারী জাল্লাভ)	३५-व्यक	92		জামা (তারো দেখুন কাপড়/গোশাক শব্দটি)	1	1	$\Box$
पुरिचानसङ्ख्या सुराज्या (पात पुरिचानिक समा स्टब्स)	৪১-ফুস্সিলাত			আপ্রার্ডরার স্থামা অপরাধীনের জন্য (বিরামতে)	১৪-ইবরাহীম	00	631
	>-s(e4) 93±X₁iu/un	22			১২-ইউসুফ	20	GTD
মুদ্দিনসকলে জন্মতের বিদিয়নে আনের ধন-সম্পদ ও জীবন	10-0104I	133	1000				_

পিছন (জামার পিছন দিয়ে হেঁয়া হলে ইউনুক আ, সভাবাদী)	১২-ইউসুফ	39	693	দূরে নার (পুডের ধাংগারার জনপন কালিয়াসের থেকে দূরে নার)	33-5F	bo	
আমার প্লা		$^{\dagger}$		দেশ্ব (অলিমদেরকে প্রতিশালকের সামনে সম্ভায়ন্দ অবস্থার দেখা)		03	P84
হার (জামার গলাম জেততে হার রাবতে বন্ধলেন আল্লাহ মুসাকে)	২৮-বাস্থ্য	03	P-22	ধাংস (ব্যালিমদের ধাংস প্রসঙ্গে রাসূলপণের প্রতি ওঠী)	১৪-ইব্রাহীন	30	658
wiger		+	1	ধাংস (অপিন সম্প্রারাক্তর ধালে কামনা, নুহের প্লাবন প্রসঙ্গ)	55-29	88	668
আনুগত্য (প্রারজ বদক্ষেক্সরী ও সম্পদশালীর আনুগত্য)	৬৮-ফুল্ম	30	>92	দাংস (ঝালিমদেরকে আল্লাহ ধাংস ব্রেছেন)	২১-আধিয়া	b	1980
स्राणिम	100	+	0.10	ধালে (অস্ত্রাহর শান্তি আনলে ভালিম সম্প্রানয়কে ধালে করা)	৬-আনু আম	84	900
অস্থ্যত (জালিমদের অস্থ্যত বাছে আসবে না যে নিন)	80-मृ'पिन	65	bbs	ধাংস (আলিমদের ধানে বৃদ্ধির জন্য নুহের সোয়া)	93-78	27	800
অধিবাসীরা জাদিম না হলে জনপদ ধংগে করা হয় না	২৮-ব্যসাস			নিমঞ্জিড হবে জালিমরা (নৃহের হন্যা প্রসঙ্গ)	২০-মু'মিলুন	39	989
অধিবাসীরা জালিম (পুত সংখ্যালার প্রসঙ্গ)		69		নিকৃষ্ট পান্তি চেহারা দিয়ে ঠেকাবে জালিমরা (কিয়াযুভের নিন)	৩৯-যুমার	1 48	b/90
অধিবাসী (জলপদের অধিবাসীয়া জালিম, মঞ্চপুনের আর্তনাল!)	২৯-আনকাৰ্ড ৪-নিসা	90		নূহ আ, জালিম হাবন (অদৃশ্য জানেম গাবী করনে)	১১-ছুদ	40	666
জগনাধীরাই জলিম (আল্লাহ জুলুম করেননি)				নৃহৈর সম্প্রদার জালিম ছিল (গ্রাবণ ছারা পাকড়াও প্রসঙ্গ)	২৯-জানভাবত	28	270
অৰকাশ(অলিম জনশনকে অৰকাশ ও পৰে পাকড়াও ভৱা)	৪৩-মুখরুফ	95		পছল করেন না আল্লাহ (জালিমদের)	8२-नुश	80	Va8
অবভাগ প্রার্থনা জালিমদের (রাসুল স. এর অনুসর্ভার জন্য)	22-20ml	83		পথ প্রদর্শন (ব্যক্তিম সংক্রমায়কে অল্পাহ সঠিবলথ প্রদর্শন করেন মা)	৬-জাণুজাম	788	620
	<b>১8-देवडादीय</b>	88	659	পথ প্রদর্শন (অক্সাহ অলিমানেকে স্টিকপথ প্রদর্শন করেনর)	२-वाकावा	200	
অভিনৰৰ (মালমনের মেনে অভিনৰত ও সংখ্যানারী নেই)	85-441	4	5-27	পথ প্ৰদৰ্শন কৰেন না আল্লাহ (মালিম সম্প্ৰদাৰতে)			
অধীয় জালিব হরে থাবে (একজনের হুলে অন্যঞ্জনকে রাখলে)	১২-ইউসুফ	93	668	পরতার (জলিমসের পত্তের বৃদ্ধির জন্য নৃহ আ, এর সোরা)	७२-कृम्'वा	2	364
অর্জন (আলিয়ানে অর্জন)কৃতবহর্তের জন্য পরস্পরকে যুক্ত করা হবে)		259		প্ৰভাৱত (জালিকা সুন্দাই প্ৰভাৱতা মূহ আ হৈ সোৱা)	<i>৭</i> ১-বৃহ	₹8	22.0
অধীকার (নিদর্শনার্বাচকে জালিমরাই অধীকার করে)	২৯-আনতাবৃত	83	250	পথন্ত (জালমদেরে অল্লাহ পথন্ত করেন)	৩১-পুরুষান	22	৮২৭
অখীকার জালিমরা অখীকার করল সবকিছুই কুঞ্মী ছাড়া	১৭-ইশ্র	22	922	পরীকা (বারুষ বৃষ্ণ জাদিমদের জন্ম পরীক্ষাস্বরূপ)	<b>38-देनताहीय</b>	29	996
অধীকার (স্নালিমরা আয়াদকে অধীকার করে)	৬-আন্'আৰ	00	450		৩৭-সাড্কাত	90	brbo
আইকাবাসীরা জালিম ছিল	১৫-হিজর	95	903	পরিতাম (ওই)কে নিখা অভিহিত করার জালিমদের পরিণাম)	১০-ইউনুস	40	621
লাচন প্রপ্রত রেখেছেন আল্লাহ (কালিমদের জন্য),,	29-405A	23	926	পরিবাম (জালিমদের পরিবাম দেবার নির্দেশ)	২৮-কাসাস	80	9.27
স্মান্ত (দুনিয়াতে) জালিমরা সুস্পাই পথস্রইভার রয়েছে	১৯-মাবইরাম	,03v	900	পরীক্ষার পাত্র (জলিখনের পরীক্ষার পাত্র না বান্যনের জন্য নোরা)	১০-ইউনুস	2.6	665
অত্নসমর্লণ (জলিম মৃত্যুন্ধলে পাপ অধীকার ও আত্রসমর্লণ করে)	১৯-নাত্স	34	902	পাকড়াও (ছালিম জনপদকে অধনাণ ও পরে পাকড়াও করা)	২২-হাজ	8 br	969
স্থানম স্থা, ও ভার স্ত্রী জালিম হবে (গাছটির নিকটবর্তী হলে)	৭-জা'রাফ	35	638	পৌহ্যদো (আল্লাহর অসীকার আদিমদের কাছে পৌছাবে না)	২-বাকুরো	258	678
অদম আ, তাঁর প্রী জালিম হবে (গাছের কাছে গেলে)	২-বাকুবো	-02	202	প্রভারণাপূর্ণ প্রতিশ্রুতি দের ( জালিমরা একে অপরকে)	৩৫-ফাতির	80	b83
আবাসহল (জালিমনের আবাসহল নিকৃষ্ট)	০-আলে ইমরান	267	660	ব্যক্তিকল (মালিমদের প্রতিকল জাচনে স্থানী হওবা)	৫৯-হাশর	39	261
व्यक्तास्त्र रिश्वन बारा विजय कात्रभागा करत ना यात्रा प्राप्त साणिय	৫-মারিদা	80	2949	বাতিকশ (জালিমদের প্রতিফল দেন আপ্লাহ)	৭-আরফ	83	636
जन्मार स्रांतम नन (भठकंकारी ना शारित क्रमणन बार्ग ना करा)	59-9, atst	203	330	ব্যতিকল (অলিমদের প্রতিকল আগুনের অধিবাসী হওরা)	৫-মারিনা	435	428
মান্তাহ জালিমদেরকে জানেন	২-বাকুবো	286	650	প্রতিয়ল ব্যাহারেম (ব্যক্তিম নিবন্ধক ইলাহ দাবী করার প্রতিহল)	২১-আপিয়া	522	922
মাস্কাহ সম্পর্কে নিখ্যা রচনাকারী সবচেয়ে বড় জালিয	22-gH	20	669	ফিরমাউন বংগ ছিল ব্যালয়	৮-আনফাল	<b>¢8</b>	609
ইউনুস জালিমদের অন্তর্কুক(ইউনুসের ক্ষমা প্রার্থনা প্রসঙ্গ)	3.5-resféren	33	325	বনী ইসরাইল জালিম (বাছুরকে উপাস্য বানাদোর কারণে)	২-বাকুরো	62	200
रुवायेका मध्यना निकासकार व्यक्तिय स्वा(पूर्वि स्त्रा श्रमक्र)	२३-व्यक्तिया	68	108	বনী ইসরাসল জালিন (আল্লাহর কথা পরিবর্তন করায়)	২-বাকুরো	63	601
ইলাহ দাবীকারী জালিম (নিজকে ইলাহ দাবীকারী)	২১-অধিবা	23	303	ধনী ইসরাইল জালিম (বাছুর পূজার কারণে)	২-বাকারা	3-2	650
উভার (বিকাশাউনের স্ত্রীর জালিম সংখ্যালয় থেকে উদ্ধারের লোৱা)	৬৬-ভাহরীম	22	237	বস্থুরপে এহন করলে অলিম হবে (কুমরিকে প্রাথন্য লানকারী)	৯-ভারবা	20	684
অফিবরা ভালিম (আল্লাহ তাদেরকে শান্তি দিবেদ)	৩-আলে ইমরান		485	বন্ধভূকারীরা আদিম (যারা বন্ধৃত্ব করে তাদের সাথে যারা)	७०-पृथठादिना	8	269
কাদিবরা জালিম (কিয়ামত নিকটকরী হওয়া প্রদাস)	२५-जारिया	39	900	বন্ধু (মালিমরা একে অপরের বন্ধু)	8१-लादिश	3h	806
লাদিররা জালিন (কিরামটের দিনকে অস্থাতারকারী তাঞ্চির)	२-वाकुश्र	428	000	বলে (অলিমনা বলে-তেমানা এক জাপুন্তর ব্যক্তির অনুদলে করছ)	১৭-ইস্তা	83	426
ভার(আসিমদের বরজ সম্পর্কে আল্লাহ বেখবর নন)	38-हेबताडीय -	84	666	বৰ্মা (জালিম সম্প্ৰদায়ের সাবে বসা রাসূল স. এর জন্য নিয়েখ)	৬-আন্'জাম	67	604
কিয়ামতে জালিমনের কোন অন্তরঙ্গ বন্ধু থাকাবে না	৪০-মুখিন	24	699	বাগানওয়াশ্যা জালিম ছিল	১৮-কৃপাম	23	398
ক্তি (কুরসান অনিমনের জন্য ক্তি বাঞ্জা)	১৭-ইসরা ১৭-ইসরা				२-राकृता	228	470
কাত (ভূমবান আনখনের জন্য কাত ব্যক্তর) গোপন করে (নবী এসঙ্গে অধিমতের গোপন করে তরে গোপন করে)		2.5	462	নিকৰ্ব (আহলে নিকাশনৰ মাধ্য থকা জালিয় আন্তঃ লাখে নিকৰ্ব)	২৯-জানকাবৃত	86	940
লোগ কর (পর এবলে জলমাসর গোগন করা তরা গোগন করে) জনপদবাসীর আর্থনাদ- 'আমহা জালিম ছিলাম'	২১-জবিয়া	0	900		79-আর্ক	20	949
	৭-আ'রাফ	2	670		৩-জালে ইমরাম		283
জনপদ(জাদিম জনপদকে অবকাশ ও পরে পাকড়াও করা)	22-87 <b>W</b>	87	962				283
জনপদ (জালিম জনপদরে পারস্কান্ত করেন আল্লাহ)	22-5d	305	692		৩-আলে ইমরান ৪১ জল		583
জনপন (আল্লাই জালিম জনপন চুরমার করেছেন)	२५-व्यक्तिया	22	960		৪২-প্রা		
জনপদ (অক্সাহ জালিমদের কত জনপদ ধাংস করেছেন)	২২-যুক্ত	80	982		২২-হাজ	60	900
লয়ন্তানে জলিবনেওকে শহরুপু অবস্থার বেবে নিবেন আল্লাহ	১৯-মাৰইয়াম	35	900	নাতুৰ জত্যন্ত আদিম ও পুৰই অকৃত্যন্ত	১৪-ইनवादीम	≎8	696

জামা জালিম

20 693

36 693

বিষয়/হাসস

দুৰ্ভোগ (ছালিয়দের জন্য যন্ত্ৰণাদারক দিনের শান্তির দুর্ভোগ) ৪৩-যুবকুফ

থামানুমীর জলিন হবে (পুনিয়াত বিত্তে দিতে কুমনী কর্মস্যু,,)

দুর্ভোগ (জালিমসের দুর্ভোগ ও আল্রাহর শান্তি প্রসম)

Wheat ware at post (way after rates engage)

मार्जान (बालिसानव मार्जान लगन)

न्यान्य चनाम चना व पूर्व

006 300

৪৯-হত্তক

২১-আছিল ৪৬ ৭৫৩

२३-व्यापिता ३८ १८३

न्यान्य व नाम (पास ५) शुक्रा

১২-ইউস্ফ ৯৩ ৬৮৫

20.88270

34-8670

३२-इंडेंब्रुक २৮ ७५৯

75

ন্ধামা (পূৰ্ণ পূৰ্বা গেকে) ইউনুফৰ কাম দিয়া যেতে কালেন ইউনুফ আ. (ভাইনাকে)

(Sept/etap)

ইউসবের জামা পিছন দিকে ছিডে ফেলল (আবীবের স্ত্রী)

क्षेत्र (साथ शायाना निर्ण क्षेत्र इस इंदेशक का विश्ववादी )

পিছন দিকে ছেঁড়া দেখল আহীয় (ইউস্ফের জায়া)

আলিমনেরকে ভয় না করে আল্লাহকে তম্ব করার নির্দেশ

জানা (আল্লাহ জালিমদের সম্পর্কে বুব ভাল করেই জানেন)

মানা (আল্লাহ জালিমদের সম্বন্ধে সবচেয়ে বেলি জানেন)

লানা (আল্লাহ জাদিমদের সম্পর্কে ভালভাবে জানেন)

बाना (सानियाना अम्लाव्हें ब्राह्मन खासाह)

200 020

82

64

মানুখ জড়ি জালিম ও অন্ধ (আল্লাহর আমানত বহন প্রসূত্র)

হিতা অভিভিত্তকারী (গত্তা আলর পর হিতা অভিভিত্তকারী আপিন) ২১-আনকার্ড

নিয়া অবিহিত্তকারী বন্ধ জালি। (সম্ভাৱন কারাব্যক নিয়া অবিহিত্তকারী) । ১৮ সাল জায়

মিয়া অধিহতকারীয় জলিয় (ভাষাক্রক বিধা অভিক্রিকেরীর)।

विश्वत राज्यकारी प्राप्तिक कालिए (प्राप्ताक अञ्चलकी)

৩৩-আহবাৰ

৭-আরক ৩৭ ০১০

99 880

33 639

२-राकृत्वा

७२-स्४'ला

৬-আন আম

५-वाकांश ५०

						DOM:	40403
বিষয়/প্রসঙ্গ	中主人	halah	न्द्र न	इन्द	स्टार	Tes	46

				शनम	चाराद्वाम			•
440.5	विषय/धारम क्षेत्र क्षेत्र	न्द्रम् इन्द	संस्थ	न्ध		সূরা নং ও নাম	<b>100 c</b>	opt
कालिय (पूर्व पृक्षे त्याव	7)				সম্প্রদার (গুরুবকে জানির সম্প্রদারের সদী না করা)	৭-আ'রাফ	750	646
নিথা রচনকরি (প্রচাহ ন	সম্পূর্বে মিথা রামাবারী বড় ভালিম)	৬-আন্'আম	388	630	সংখ্যার (মাদিম সংখ্যারকে সঠিক পথ্যাবর্ণন করেন বা আরাহ)	৬১-সার্ক	٩	200
बिधा रामकरी (जहा रा	স্পর্কে মিথা রচনাবারী অধিক জালিন)	১৮-কার্ফ	30	938	নাক্য গোপনকারী বড় জালিম (আল্লাহর সাক্ষ্য)	২-বাঝুরা	380	675
মিখা বচনাকারী (আল্লা	হ সম্পর্কে মিথ্যা রচনাকারী জালিম)	৬-আন'আম	52	670	সাহায্যকারী (জালিমদের সাহায্যকারী নেই)	৩-আলে ইমরান	284	228
বিধা বচনাকারী (আল্রা	হ সম্পূৰ্তে যিখ্যা রচনাকারী ভালিম)	২৯-আনকাবত	Obr	243	নাহাত্যকারী কেই জালিয়ানর (ভারান্নামে)	৩৫-কাভির	09	V8h
বিধাা রচনাকারী (আল্লা	হ সম্পর্কে মিখ্যা রচনাকারী জ্ঞালিম)	৬-আন'আম	>0	900	সাহাত্যকারী নেই (জালিমদের)	२२-शब्द	95	968
মিধানাদী কল্মল (কেউ রা	भूग प्र. (क विश्वासभी स्वाहन (म व्यक्तिय)	১৬-বাহন	220	932	সাহাত্তমারী শেই অধিমদ্যে	২-বাকুরা	290	205
मिया बध्नाकारी गर्वाप	ক জাপিম (আল্লাহ সম্পর্কে)	৬১-সাকর	9	380	সাহাফকারী নেই জাসিমকো	৫-মায়িদা	92	200
মিখ্যা রচনা করে যারা দ	মরা জালিব (আছার সম্পর্কে)	৩-আলে ইমরান	38	080	সাক্ষীগণ জাতিম হবে সীমালঞ্জন করতে (ওসিয়ত প্রসঙ্গ)	৫-মারিনা	209	690
মিখ্যা বলেকারী বত জলি	ম(আল্লাহ নম্পর্কে মিথা রানাকরী)	২০-ইউবুদ	24	966	নীয়লক্ষনভাৱির জালিম (আল্লাহর দীয়া)	২-বাকুনর	425	236
	ৰাদিম (আয়াড মিখ্যাপ্ৰতিপল্লকারী)	১০-ইউনুস	24	986	সীমালকান (জালিমদের ব্যাপারে মসজিনে হারামে বৃদ্ধ করা)	২-বাকার	790	647
	উপাশকের জারাত থেকে	১৮-বাহ্য	63	123	হাত কামজংগ জালিমরা (কিয়ামতের দিন)	২৫-ফুরকাল	29	978
	উপদেশ খেকে মূখ বিবালে বঙ অলিম)	৩২-সাজনা	33	5-07	প্রভাগর্তমন্ত্রন (অধিমার আন্তর প্রভাগর্তমন্ত্রন সম্পর্কে জানার)	২৬-৬'জারা	229	955
মুনাজিকরাই জালিব		२8-मन	20	933	व्यंभूट			_
দুপরিক (আল্লাহ হামা ও	লন্তে ভাবলে সে লালিয় হবে)	১০-ইউদুস	206	668	ভালুত বাহিনী ভালুতের বিক্লছে বের হল থখন	২-বাকুরা	200	650
	(বাছুরকে উপাস্য বানাদোর কারণে)	৭-জার্ম	28≥	696	দুবাবেশ (জলুতের মোবাবেশার শক্তি নেই অলুত বাহিনীর)	६-वाङ्गदा	485	439
	দারের মূল কেটে দেরা প্রদর্গ)	৬-আৰু আম	80	600	হত্যা (প্রাপুতকে হত্যা করণ দাউদ)	২-বাকুরো	423	650
मुद्रः यञ्जना (क्षानिमानद		৬-আৰ' আম	30	500	আহান্স (আরো দেশুন নৌহান শব্দটি)	Z		-
	বৃত্তির অনুসকা করলে (মান অংশর পর)	5-525481	384	620		৪২-পুরা	68	F38
	ভিত করলে (ধরা সর্বন অস্তাহ্তত ভত্তে)	৬-আন'আম	43	900	নিবৰি (সমুক্ত-পত্ন বিভাগ ভাষাক কড্ডান্ত কৰা নিবৰি)	৪২-পুরা	00	778
	সম্পর্কে জালিমনা বলে	২৫-যুদ্ধকাল	1	95-5	নিদৰ্শন (সমূত্ৰ চৰমান পৰ্যত সমান জাহাল)	8२-नुवा	95	578
	ী জালিমদের উপর আল্লাহর লানত)	३३-वृत	30-	601	ब्रह्मिय	94-74	94	V 100
শা'নত (অল্লাহর লা'নত		৭-আ'রফ	88	659				
	বাদী বন্দার জালিমদের পরি প্রান করে)	১৬-শহৰ	220	275	অপেন্ধার আছে (গীমলন্ধনকারীদের স্কন্য)	৭৮-মাব	52	2007
	ন সালিমরা (তথন কেমন হবে)	২-বাকুরো	360	622	অপরাধী হরে প্রতিশাশকের নিকট অন্যদে জাহান্তায়	২০-ফু-ছ	98	982
	রা কিরে বাধরার পথ বুঁজবে	৪২-শ্বা	88	636	অপরাধীদেরকে জাহাদ্রামের দিকে হাকিরে নিবেন আল্লাহ	১৯-মারইরাম	9-9	980
শতি লোলমরা ছারী শ		84-701	82	930		৯৮-বার্য্যনাহ	6	7052
	শব্বি প্রমান রেখেনেন আল্লার)	০২-তুল ২৫-কুরকান	99	960	অন্যক্ষরীর জনা (সাল্লাহ-রাস্প স. কে স্বধানকারী	৭২-জিল	20	৯৮৭
	ব্যবহার কর্মন ক্রিয়ের বিজ্ঞান () ব্যবহার ক্রিয়ের ব্যবহার	३८-देखाडीय	22	946	साराद्वारम हात्री शर्प)		-	
	শান্তি বরেছে কিম তারা জানেনা)	১৬-হৰমান্তৰ ৫২-কুৱ	89	902	অহীকার (ঝাইই লয়ন্ত্রম অপরস্থির যাকে অহীকার করন?)	৫৫-রাহ্মান	80	287
শন্তি (জলিমদের জন্য		82-70	52	530		80-पू*ियम	81/	885
শান্তি (কালিমদেরকে এ		25-1634	92	0br8	আচন (আল্লাহ ও রানুল ম. তে অমানানারী জাহান্লামে নিবছারী হবে)	৭২-জিদ্ ১৮-বার্যানাহ	20	35.3
	দের শান্তি হালকা করা হবে না)	১৬-বাংশ	방송	930	আচন (আহাল কিয়েন্তে কবিন্দু ফুর্নিক জহান্তানে সাধনে থকাং) আচন (জহান্তানে সাধনে কবিন্দুলৈ উল্লেখ করে দাগ দেয়া)	৯৮-বার্গনার্ ৯-ভারবা	6	2052
	লবেন আল্লাহ জালিমনেরকে	58-RR	82	P88	আচন (বাহাপ্রামের আচনে হণ-রেশ্য ৬৩% করে দান দেয়) আচন (বাহাপ্রামের আচন অধিক উত্তর)	৯-ভাওবা ৯-ভাওবা	90	989
	কন্ ব্যাপানারক শান্তি প্রস্তুত (ব্যাপানে)	१७-मास्त	97	220		৯-ছাওৱা ৯-ভাওবা	89	989
	ন করে মন্য অরফবানীরের প্রার্থন)	৭-আগ্রহ	89	629	আচন (কাহাদ্রামের আচনা আরাহ ও রাপুল স. এর	2-9104	96	1,99
	কে সভর্ক করার জন্য কুরআন)	৪৬-আহ্তাক	25	202	व्यक्त (बार्श्वाध्ये व्यक्त वाहार र प्रार्ग ग. यह विक्वाप्तराव परिवर्ति)	৯-ভাগ্যা	60	686
সভা অশীকারকারী (সব		०७-वृगाव	03	y98	আচন (জাহাব্রামের আচনে পতিত হওরা ঘর)	৯-ভাগে	209	967
সফল হয় না (আলিমরা		৬-অন্তাম	205	909	আচন (আহাপ্রামের আচন বাধির ও জড়তারের প্রতিক্স)	তং-জাতির ত	109	P89
সকল হয় না (জালিমরা		৬-অনুসম	57	698			30	243
সকল হর না ভালিমরা (		22- <b>3</b> 674	20	695	আনৱণ করা (জাহান্তাখনে নিয়ে অসা হবে কিরামতে)	৫২-ভূর ৮৯- <b>লাজ</b> র	30	2022
সক্ষ (জাদিনরা সফল		२४-कलाम	99	F27	আবাস কয় (আহন্তেম্বাক নিয়ে আসা ব্যা (কর্মান্ত) আবাস (আহন্তেম ব্যক্তিরনের আবাসহল)	১৯-আমকার্ড ২৯-আমকার্ড	49	2044
	রুণ (জলিম ও অর সহারসেরক)	৩৭-সাক্কাত	22	600	অবস্থান (অভিয়ন ভারতার অবস্থান (অভিয়ন)		Q5	b-18
	ম সম্প্রদারের কাছে যেকে নির্দেশ)	২৬-হ'জারা	30	966	অব্যানহুদ (ব্যাক্তান্য অব্যাহ্শ আর্থ্রার) অব্যানহুদ (অংকারীনের অব্যাহ্শ প্রার্থ্রার)	৩৯-মুমার		
	কে পঠিক পথ প্রদর্শন করেন না অল্লাহ)	৯-খাবৰা	29	687	অন্যসূত্ৰ (বহুকেলাকৈ কৰাসমূদ ভাবন্তাৰ) আবস (সীয়াসকলকাইদের)	৩৯-মূমার ৭৯-নামি'জাত	60	596
	মুকে পঞ্চানপন করকেন না অক্সৰ)	2-मविना	62	GF3	অত্যাস (সাধানক্ষরতারের) অপ্রভারস (আংপ্রাম আরভারস কারিব ও মুলাভিকলের)	৯-তাধৰা ১-তাধৰা	d)s	3000
	কে আল্লাহ সঠিক পথ্যাসর্থন করেন না)	৯-মাওবা	203	667		৯-ভারবা ১-ভারবা	95	981
	হতে অল্পাহ সঠিবলার প্রদর্শন করেন না)	৬-আৰ'আৰ	388	630		৯-ভাতথা ১৩-লা'দ	95	680
	इद्ध नद् शुभनि वद्धम म वाह्यद)	০-আলে ইময়ন	300	488			35	
	দার থেকে মুক্তি পেরেছে মুদা)	২৮-কানান	90	P20	অপ্রবহন (কাহারার পথনটানের আপ্রবহন)	১৭-ইস্বা ৪-নিসা	24	922
	হকে পথ প্রদর্শন করেন না আল্লাহ)	২৮-কালাস	40	P.75	অপুরস্থ ভারারার (মুশরিকদের)		257	693
	হতে সাধাহ সাঠিকপথ প্ৰদৰ্শন করেন ৰ)	৪৬-আহমক	30	pop.	অপুৰন্ধ আহারাম (যে আল্লাহর অসপ্ততি নিয়ে অসে ভার)	০-আলে ইমরান		667
	হ গেবে পৃহকে উদ্ধান করণেদ আল্লার)	২০-মুমিপুদ		101	অপ্রায়েশ (কায়াপ্রার বাবে অপ্রায়েশ দুছে পৃথ্য এবর্ণন করেশ)	৮-জানফাল	26	600
	র থেকে পৃষ্ঠক ভদার করলেন অক্সার) নারের জন্য থানে, আদ জাতি প্রদাস)		525	950	অপ্রবহন (কাকিবনের অপ্রবহন কার্যন্নাম)	০-আলে ইমবান	224	464
	গাবের জন্য পালে, আদ জ্যাত প্রদাস) প্রার জন্তর্ভুক্ত না করার জন্য প্রার্থনা)	২৩-মু'মিলুল	87	112	অপ্রবহন (কাফিরনের অপ্রবহন কার্যন্তান)	৬৬-ভাত্রীম	3	267
	য়ের জন্তকুত না করার জন্য প্রথন…) য়ার শসক্ষেত্রে হিমণীতদ বায়ুর জারাত)	২৩-মু'মিলুল				২১-আখ্যা	30	986
	সং শগতে উদ্ধান প্ৰাৰ্থন কৰল মুগ:)	০-মালে ইমরান		681	रेकन (जनावनारी किनद साराम्रास्य रेकन)	१२-जिन्	36	391
সম্প্রধার (জালম সম্প্রদা	র কেতে ৬৭০র প্রাক্তর করেল মূপা)	২৮-কাসাস	રડ	pos	উবলাতে থাকৰে আহান্তাম	৬৭-মূল্ক	٩	<b>ક</b> વર

জ		81	হারাম	বিবল্গা				
<b>अम</b> विस्तृ/शतम	नुबंध व गर	WEL:	1	THE PROPERTY.	理察の事	Heri	16	
खारान्नाम (नर्श नक्षा <i>त</i> ्वरक)	1	-	-	বুশরিক (অহলে কিন্দ্রকে মুশ্বিকর ভিরমণ মাধ্রেমে বাকরে)	১৮-বাহিতবাহ	0	2053	
উদ্ধৃত বেচ্ছাচারীর সামনে জাহান্রাম	38-वेरतावीय	36	628	যথের (জাহান্ত্রাম যথের তার জন্য থাকে)	২-বাকুবো	206	050	
উপস্থিত করা কেফিরনের নিকট আহান্রামকে উপস্থিত করা হবে।	১৮-কাহক	300	900	বার্থেট (আহান্তাম বর্থেট মুনাকিক ও কাকিবদের জন্য)	৯-ভাওবা	86	689	
বকর করা (সন্থাই কথিও দুর্লাধিককে ভারন্নামে একর করকে।)	8-9%	380	648	বহুৎট (ব্যৱস্থান বহুৎট মুনাকিবদের শান্তির জন্য)	৫৮-মুক্তাদালা	ъ	260	
কবির (আংলে বিভাবের কবিররা ভিরকা ভারভ্রামে থাকরে)	ab-शशिवर	0	2052	শান্তি লাঘৰ করা হবে না জাহান্ত্রামে (অপরাধীদের)	৪০-বৃৎক্রক	9.0	207	
কারণের (জয়ন্তমতে কবিবলে কারণার বনিয়েরেল আর্যার)	১৭-উসরা	b	438	শান্তি (অপক্রতীরা আহ্বরামের শান্তিতে চিবছারী হবে)	80-एएस्क	48	202	
কাঞ্চিরদেরতে ভাষাপ্রামে সমধেত করা হবে (কিয়ামতে)	৩-জালে ইমরান	32	603	শান্তি (প্রায়ন্ত্রমে কাভিবনের শান্তি লাখর করা হবে না)	ত্র-ক্ষতির	00	183	
কাজিবদেৱকে জাহাল্লামে সমলেত করা হবে	b-SEASON	96	900	শাস্তি (সামপ্রামের শাস্তি সরিয়ে বেয়ার প্রার্থন ক্রমানের রাপানের)	২৫-ফুরকান	96	954	
কাঞ্চিএদেবকে দলে দলে জাবাল্লামের দিকে নিরে যাওয়া হবে	93-5US	93	299	শান্তি (মানিম্পেরতে নির্যাচনকারীর জন্য জাহান্তামের শান্তি)	1-2-70E	30	3031	
কাভিরদের অভিথেয়তার জন্য প্রস্তুত রেবেছেন আল্লাব	১৮-বাহক	203	900	সামনে (অধিবাতে মপরিকাদের সামনে জাহারাম থাকার)	৪৫-জাহিয়া	30	hod	
গরবাছল (কবিবদের আশ্ররছল ভাহান্তাম)	५५-वास्तीय	>	292	পুটি (অনক ব্লিল ও মানুহাক লাহ্মাহের কল পুটি কর হারছে)	৭-আ'বাক	293	648	
গতবাহুল (ভারাল্লাম মন্দ গতবাহুল)	8-निमा	226	093	হারী (অল্লাহ ও রাসুল স. কে অধান্যকারী জাহান্রামে হবে)	१२-किम	20	ye.	
স্বতে থাকা(অপরাধীরা ফুটর পানির মাঝে স্বতে থাকবে)	৫৫-য়হমাদ	88	382	হামী (কাল্ব ও জালিমবা জাহান্তামে হামী বংগ)	৪-দিলা	365	2%	
মিজাসা (মাহান্ত্রান্ত অপ্তাহর মিজাসা-'ভূমি পূর্ণ হয়েছ কিঃ)	৫০-বুকে	00	250	ছানী হওয়া (বাধিশ ইশাহরা ছায়ন্ত্রামে ছারী হবে)	২১-অখিয়া	99	924	
कृतव वाक्रम विमाद्य बाद्यासाम्य दास्त्री	8-ANI	00	058	ছটো (মালিন কভিবর মাহান্রাম ছারী হবে)	১৯-মাহল	33	105	
দরকা কোকে নাহান্তকে নাহান্তকে দরকা দিয়ে প্রকশ করতে করা হবে।	07-243	93	199	ছারী (মাহান্রামে ছারী হবে বানের পাল্লা হাপতা হবে)	२०-मु मिन्न	200	993	
				হভার প্রতিকার আহান্তম (ইচ্ছাকৃত মুখিন হত্যা)	ह,निश	3-0	669	
দরন্ধ (বালিম কাচিবদের ভারাপ্রমের দরন্ধ দিয়ে প্রবেশর নির্দেশ) নীর্বন্ধাস (কাচিব ও জলিম জারাপ্রমে নীর্বন্ধাস হাতা বিভূতি তদকেন)	১৬-নাহল ২১-মাধিয়া	59	900	অহিন্তম (অইম)	D-Inti	80	6.03	
		300	929	লেখা (খালুৰ অবপাই জাহান্ত্ৰাহ ও জাহীম লেখৰে)	১০২-ডাকাছর	٠.	200	
নিবৃষ্ট গভথাহল আহার্ম	64-ই <b>ন্ত</b>	- 6	945		205-914084	9	200	
নিশ্বির হবে জাহান্নামে (অন্য ইলাহ নির্বারণ করলে)	১৭-ইপ্র	49	47.5	অহল্লাম (হাবিয়া)		-	_	
নিক্ট আবাছপ (ভাহান্রাম নিক্ট ছারী অবহানহপ।)	<b>38-</b> रेरबारीय	59	696	পরিশাম (নেত্রীর পাল্লা হালকা হলে পরিশাম হাবিরা দোহার)	२०५-कृति <sup>-</sup> स	>	200	
দিল্লন্তর (মুনাফিকরা মাহান্লামের সংনিদ্ধ ভরে থাকবে)	৪-দিশা	786	636	जराहरी				
নির্বারণ (পাহন্রাম নির্বারণ করেন অক্সাহ পুনিয়া কামনাকারীর জন্য)		7p.	375	চিংবার করে ছাহান্ত্রানীরা ফেরেশভা 'মালিক'কে বলবে	80-पृथक्क	99	907	
নিক্ট আবাসহল ভাহান্লাম (নিজের প্রতি জুলুমতারীর জন্য)	৪-নিশা	33	669	जारानायन थर्दी	1		1	
নিক্ষেপ (উদ্বত কাক্বিরকে জাহান্লামে নিক্ষেপ করা হবে)	৫০-বৃধ্য	2,8	950	অহান (অপ্তাহ ভাষান্রামের প্রহরীনের আহান করবেন)	১৬-জাপাক	72	205	
নিকৃষ্ট বিশ্রমন্থল (সীমালজনকারীলের জন্য)	৩৮-সেরাদ	€b	brish.	জাহদী (বারো দেখুন 'ব্যজ্ঞ' শব্দটি)				
পথক্রীদেরকে জাহুন্নামে সমবেত করা হবে অধ্যেমুবী করে	২৫-সুরকান	108	19:8	বিধান (ছাহিনী বিধান বামনা ববে মুনাকিকরা)	্-মারিদা	20	250	
পরিবেটন করা (জাহান্রাম কাফিরদেরকে পরিবেটন করে আছে)	২৯-আনবার্ড	68	9450	व्यक्ति दुन				
পরিবেটনকারী (কাহান্লাম কাফিরদেরকে পরিবেটনকারী)	৯-অভের	85	680	প্রদান (দরির রীর মে অহিলী ফ্রাড প্রদানিকা মত প্রদান করে)	০০-জাৰমাৰ	00	500	
পালীরা স্বাহান্রামে থাকবে	৮২-ইনফিভার	78	7070	WICE PRITE				
পূৰ্ব করা (জহান্লাম পূৰ্ব করবেন প্রতিপালক জিন ও মানুব করে)	22- <u>द</u> ेश	222	696	অহ্যতিকা (অফিব্ৰুনের জনরে জাহেলিয়া(তর অহ্যিকা)	8h-9858	26	226	
পূর্ণ করা (মাহান্লাম পূর্ণ করবেন আল্লাহ ডাকে দিয়ে যে)	৭-আ'রাক	3br	628	জিকির (কুরুমান)	99.0164	40	10,00	
পূর্ণ করা (জ্বিন ও মানুয বারা জাহন্রোম পূর্ণ করা হবে)	৩২-সাঞ্পা	30	9-07	প্রকাশ ব্যার উপ্ত কুরুজনুমিধির অর্থানি (শর্মার করা ও ভিরমেন্সর)				
পূর্ণ (ইবদিস ও ভার জনুসারীদের দিয়ে জাহান্লাম পূর্ণ করা)	৩৮-সেরাদ	34	b-90	क्षिण व. यह छन्छ वृद्धक्तामानक करवान (न्या करा र छकार क्रम) जिल्हिकराही	১৬-বাহ্দ	88	900	
প্রবেশ(কৃতকর্মের প্রতিকশস্ত্রণ স্বাহাল্লামে প্রবেশ)	৫২-ডুর	36	959			-		
প্রবেশ (দীঘালংখনকারী পাশিক্ষরা জাহান্ত্রায়ে করবে)	৮৩ মুত্রস্থিকীন	26	2022	বিজ্ঞান্য (বিবিহ,কিয়বেধারীদেরকে বিজ্ঞান্য কর)	২১-অধিয়া	9	160	
প্রতিফল জাহন্তাম (মুনিনকে ইঞ্জাকুজভাবে হত্যাকারীর)	৪-নিসা	30	669	विश्वेदा		_		
প্রতিবাদ ভারপ্রান (অশিন নিয়কে ইশাহ নাবী করর প্রতিবাদ)	২১-অধিয়া	52	922	লো (বিজিয়া লো পর্যন্ত বুচনে নির্দেশ, মাসের দাসে যাব)	৯-জাওবা	435	980	
প্রতিফল (কুফুরী বরলে)	<b>১৮-বার্</b> ক	209	900	বিজ্ঞাসা (আরো দেখুন 'প্রশ্ন শব্দটি)				
প্রতিশ্রত স্থান জাধ্যপ্রাথ (ইবলিসের অনুসারীদের জন্য)	১৫-হিন্দর	80	900	অক্টিকা সম্পর্ক ভূমবিদ্যান নিজার (ম্যান্ডা সামে কৃত তাদীকা)	৩৩-আহ্দাৰ	>5	208	
প্রতিদান জাহাল্লাম (ইনপিলের অনুসারীদের)	১৭-ইস্ল	60	47.9	অপ্তেম সম্পূর্ত জিল্পান করা হবে না মনুষ ও জিনকে (বিদানতে)	৫৫-রাহ্যান	60	883	
প্রস্কৃত্রিত (কিরামতে ভারাল্লাম প্রস্কৃত্রিত করা হবে)	৮১-ডাকচীর	25	200F	অপরাধীমেরকে জিজাসা করার নির্দেশ (রাসুল স. এর প্রতি)	৬৮-কুপাম	80	399	
श्रदेशी (काश्रशास्त्रत श्रदेशीएनडाक काश्रशासीना नगरन)	৪০-মুমিল	83	544	অবস্থানকাশ সম্পর্কে (ওহাবাসীদের পরস্পারের মধ্যে)	১৮-আই <u>ক</u>	29	925	
প্রকাশ (ছার্যুদ্রমকে বিয়ামতে প্রকাশ করা হবে যে দেখার ভার জন্য)	৭৯-নাথি'আত	06	2008	আৰাণ ও পৃথিবীর সুটা সম্পর্কে জিল্লাসা (আল্লাহই সুটা)	৩৯-বুমার	40	1198	
প্রবেশ (মুক্তিয়ার বিপরিত পরের অনুসরিকে অবস্থামেপ্রবেশ করান)	8-PM	226	645	অক্সার মিজার করকে: বানে প্রতি রাস্থা ন, প্রকা কর	৭-আ'রাফ	- 6	630	
প্রবেশ (পরীক-মূশরিক সবাই ফাহান্ত্রামে প্রবেশ করবে)	২১-জাধিয়া	hbr	129	আল্লাং জিলাসা করবেন ব্যহান্নাথকে -'কৃমি পূর্ব হরেছ কিঃ'	eo-काक	100	844	
গ্রন্থত (মুনাফিক ও মুশরিকনের জন্য ভারাপ্রাম প্রস্তুত)	89-197512	0	959	আপ্রাই জিববাদা করবেন প্রেরিড রাস্কাদাবে	৭-আ'রাফ	6	634	
প্ৰবেশ (ভার্যন্তামে প্ৰবেশ করতে ইবানত বিমূদ অহুৱারীনা)	৪০-মুখিন	90	סימים	ইয়ারীয় সম্পর্কে ছিজালা (রাসুল স, কে)	২-বাকুরো	340	020	
প্রবেশ (জালির কমিনসেরত অভযুক্তমর সকরে নিয়ে প্রবেশর নির্চেশ)		33	900	অভিন্তে অভাগ-পূর্তীর সাম লপতে মিজাল তহল বলা অস্তার	৩১-লুকহান	20	P-23	
প্রদেশ (আবার্রায়ে প্রদেশ করতে কলা হতে কাফিবলেরকে)	৪০-মুখিন ৪০-মুখিন	95	100	কাৰ চোৰ ও অন্তর সম্পর্কে জিল্লাস্য করা হবে অধিবাতে	১৭-ইপুরা	105	939	
প্রতিক্রতি (কাছিবদের প্রতি কাছভাবের প্রতিক্রতি)	৩৯-ইয়ানীন	90	994	কবিবলেতে জিল্পার (বনুম সৃষ্টি করিবতর ন জন্য সর্বাস্থিত)	৩৭-সাঞ্চাত	77	200	
বিষ্ঠান (জারাপ্রামে আছনের বিষ্ঠানা অপরাধীনের জন্য)	৭-জা'রাক	83	659	বিয়াহত সম্পর্কে রাসুল স, কে জিজালা (কখন ঘটবে)	००-सहराव	90	5-03	
বিশ্বমন্ত্রপ (জান্তার্যানে আর্থনের বিশ্বমান অপরাধানের অন্য) বিশ্বমান্তরপ (জালিমনের জন্য)	১৮-বাহক ১৮-বাহক	92	125	বিরামত সংঘটন সম্পর্কে রাসুল স: (ত বাভির্মের জিল্লাসা	৭৯-পাখি জাভ	84	2000	
বিশ্বমন্থল (জ্ঞালখনের জন্য) বিক্রমাচরণবারীর জন্য জাহান্ত্রাম (বাসুল স. এর বিক্রমাচরণ)	১৮-কার্ক ৪-নিশা	376	493	ভিয়ামত সংঘটনের সময় সম্পর্কে জিল্লাসা (রাস্থা স. কে)	4-30,51£	229	9000	

09 900 66 906

8-নিগা

মূলফিকরা জাহান্তামের সর্বনিদ্ধ প্ররে থাকরে

शन्य त नश्चानपुरस्यक बाश्चायन काट्स वेनश्चित करा दाव 15-पातरेशाम

কাৰবাহিনা নিত্ত বিজ্ঞান করত করে পথানির (সম্ভাহকে)

ভিতাৰ পাটকালীদেৱক দ্বিলাসা (কুবাৰ সম্পর্কে)

কিতাৰকারীলো আছে জিজাবা (মনুমারেই বাসুদ/এই করা সম্পর্কে) ১৬-শাহল

১০-ইউদুস 28 660

২০-ৰ মিনুন

		15	ক্ষেপা	शिम		6
मुख विषद्/श्रमण्	जुड़ा मेर छ नाम	4000 4	981	नाम विषय/धानक नुवासर छ नाम	egge m	761
किकाम (नर्र नहें। (पर्क)				অধীনাব্রপ্রতিপাণকের বেন অনুয়ংকে অধীনার করতে চিন/মনুখঃ) ৫৫-রাহমান	25	300
গুহাবাসীদের সম্পর্কে জিজ্ঞানাবাদ না করার নির্দেশ	7P-415&	44	126	অধীনার(প্রতিপাশকের কোন অনুয়ায়ক অধীনার করকে জিন্মানুমা) ৫৫-ব্যহমান	22	384
জনগদ সম্পর্কে জিজানা (সমুদ্রের পার্শ্ববর্তী জনপদের মাছ		-	1.12	অধীব্যপ্রপ্রতিপালকের কোন অনুহায়কে অধীকার করবে জিন/মনুযা) ৫৫-রাহ্মান	62	≥84
শিকার প্রসাদ)	৭-আগ্রফ	790	95A	অধীকার্ত্ততিপালকের কেন অক্যুহকে অধীকার করবে জিন্মানুযা) ৫৫-রাহ্মান	26	200
অদিমর একে জলবকে সামনাসামনি জিল্লাসাধান করবে	৩৭-সাক্ষাত	39	brib	অধীকর্মানিশালকের বোদ অনুয়হকে অধীকরে করবে জিন্\মানুহা) ৫৫-রাহ্মান	95	384
জানাতীরা পরস্পর্যে জিজ্ঞাসা বরুবে (অফীত সম্পর্কে)	६२-उब	36	900	অধীকার(প্রতিশালকের কোন অনুহারকে অধীকার করবে জিন/মানুয়া) ৫৫-রাছমান	90	h8:
ললিমনেরকে জিজালা (বালয়ান ও বিশাল-সামগ্রী প্রলম)	५५-लापिका	30	900	অধীনার্প্রতিশালকের বেল অনুয়ন্ত্রত অধীকার করের জিল/মানুমা) ৫৫-রাহ্মান	65	38
व्यक्ति व विश्ववर्षाद्वीद्वारक विश्ववर्ष करा (अनुसूत्र भवे सम्बद्धः)	25-MISH	9	920		66	28
विविद्यातीला कार विकास (प्रमुख्य वाष्ट्रम e et) कर सम्बद्धः						
	১৬-নাব্দ	8:0	909		60	88
জীবন্ত প্রোধিত কল্যাকে জিজালা করা হবে	A7-224/25	ъ	7009		89	18:
জযান্ত্রমে নিকিঅন্যেকে জিঞ্জান্য করবে জযান্ত্রাদের রক্ষীর	৬৭-মূপ্ত	ъ	264		0¥	380
নেরামত সম্বন্ধে নানুবকে জিঞ্জাদা করা হবে (কিরামতে)	১০২-ভাকারুর	ъ	7005		44	≥86
পর্বত সম্পর্কে রাস্থা স. কে জিজালা (উৎপাটন প্রদাস)	২০-ড়া-য	205	989	অধীননা(প্রতিশাসকের কোন অনুহার্ডেক অধীনার করবে ছিল্মানুমা) ৫৫-রাহ্মান	9.0	284
পিডাকে জিজ্ঞানা করলেন ইবরাহীম আ. (উপাদনা দম্পর্কে)	৩৭-সাড্জাত	pul	500		€8	386
পূর্ববারী উচ্ছারে বাজ সম্পর্তে ও উচ্চারেক জিল্পাসা করা হতের	২-বাকুরো	208	676	অধীকরে(প্রতিপাশকের জেন অনুপ্রহতে অধীকর করবে জিল/মানুনা)   ৫৫-রাহ্মান	80	383
পূর্বারী উপ্রভার বারা সম্পর্তে এ উপরত্তে বিজ্ঞাস কর যুবন	২-ৰাকারা	787	676	অধীব্যার(প্রতিশালকের জেন অনুহায়কে অধীকার করবে জিল/মানুবা) । ৫৫-রাত্মান	<b>6</b> 6	284
গ্ৰাহুকে জিজাৰ কৰুতে কলা ইউপুৰু আ. (সেই দল্লিচনা অবস্থা ঘণ্ড)	১২-ইউসুফ	20	64-7	অধীকার(প্রতিপালকের কোন অনুপ্রহাতে অধীকার করবে জিন/মানুমা) ৫৫-রাহ্মান	64	383
কেরেশভাদেরকে জিঞ্জালা (আল্লাহর জলা কন্যাসভান)	৩৭-সাফলতে	588	558		45	380
বনী ইসরাসন্যানকে জিল্পাসা করার নির্দেশ (রাসুল স, এর প্রতি)	২-বাকুবো	233	१२०		99	383
বহুতে (বছু তার বহুতে জিল্ঞাসা করবে না কিয়ামতে)	৭০-মা'জারিক	30	29.7		60	383
বিশেষজ্ঞকে জিজাসা করার নির্দেশ (আপ্রাহ সম্পর্কে)	२१- <b>एडरा</b> म	23	966		89	383
বিহারের দিন সম্পর্কে জিজাসা (কাফিরনের)	१५-वाविकार	25	256		84	383
प्रमुख्य तम्म नामान्य सिकामा (चान्य त. क.) प्रमुख सुवा नामार्थ सिकामा (वान्य न. क.)	२-वाक्रता २-वाक्रता	579	656		62	383
মানুবকে জিজানা (আকাশ থেকে পানি অবতীৰ্নবারী সম্পর্কে)		60				384
	২৯-আনকাবৃত		257		97	
মানুষকে ন্যোমত সদক্ষে জিজালা করা হবে (কিয়ামতে)	३०२-छाबाहुद	ъ	7005		89	>8:
মুশরিকদের জিজানা করা হবে (ফেরেশভাকে নারী বলায়)	৪৩-সুবরুফ	7.9	৮৯৭		84	383
দুদিন্যারকে জিল্লালা করা হবে না দুশবিবহনের অলরাধ লম্পরের্চ	ত৪-সাবা	56	180		30	700
पुण्डिकरम्बर्क क्रिस्समा कडा श्रुप न भूमिनाम्न जनवस् गम्मार्क	৩৪-সাবা	46	p-80		756	5-08
দূর্বিচ্চতি জিজান করতে বল(ইবরাইীম আ, ও দূর্তি ভাল প্রদান)	२५-ग्यापिया	60	108	অপ্রের (বিছু মানুধ জিনের কাছে অপ্রের চাওরার তারা অন্যার বাড়াত)   ৭২-জিন্	è	22.6
রানুষ ন, কে জিজানা (হরাম মান সম্পর্কে)	২-বাস্থরা	२५१	658		¢0	933
রান্দ ন. কে জিজানা (আল্লাহ সম্পর্কে)	২-বাস্থাধা	2016	650		১৫৮	5-56
রসূল ন, কে জিজানা (কি কি হালাল করা হরেছে নে সম্পর্কে)	৫-মারিদা	8	@tro	উপান্দর (জিন্মসর উপান্দর করত মুশরিকরা, (মরোশতারা বপনে) ৩৪-সাবা	82	₽88
রাসৃগ স. কে জিজাসা (নতুন টদ সম্পর্কে)	২-বাকারা	20.9	652	উত্থত (জিনসের যে সর উত্থত অতীত হয়েছে) ৪৬-আত্তাক	22-	903
রাসূল স, কে জিজ্ঞাসা (ব্যর করা সম্পর্কে)	২-বারুরো	477	232	উপাত (পূর্বে অনেক জীল উপাতের উপর অন্তাহের কথা পতা হরেছে) ৪১-ফুসগিলাত	20	pos
রাসুদ স. কে জিজ্ঞানা (ব্যর করা প্রসঙ্গে)	२-राकृता	250	228	বামা করত জিল সুপাইবানের সামনে (প্রতিপাদকের অনুমধিতে) ৩৪ -সাবা	24	b83
রাসুল স, কে জিজানা (মানিক বন্তস্থাব সম্পর্কে)	३-सङ्खा	222	232	কুরামানের অনুরূপ আনতে পারবে না মানুম ও জিন একত হয়েও ১৭-ইপুরা	चर	933
রাসুগ স. কে জিজানা (যুদ্ধনত নম্পন সম্পর্কে)	৮-জানকাল	2	950	ষাহাদ্রামের জন্য অনেক ক্লিন ও মানুহকে নৃষ্টি করা হরেছে   ৭-আ'রাফ ।	400	62)
রসুপ স, কে ভীর আবনের অধিবাসীয়ের সম্পর্কে জিলালা করা যুক্তা	২-বাকুরো	222	670		30	603
নাসুলগণকে জিজাসা (অন্য ইলাহের ইবানত নম্পর্কে)	8७-वृदक्ष	84	664		Øb.	383
সভাবালীদেৱকে সভাবাদিতা সম্পূৰ্বে জিল্পাসা	৩৩-আহ্যাব	b	600		14×	600
ন্মনানামনি জিঞ্জানাবাদ করবে (জান্ত্রাতীরা পরস্পরকে)	৩৭-সাফ্ফাড	60	beb	দল (একদল জিলের কুরআন প্রবণ প্রসঙ্গ) ৭২-জিন্	3	hore
পৃষ্টিকটো কে তা জিজানা করলে মাধুৰ বলবে 'প্রয়া আল্লাহ'	80-पुश्कम	₩9	907		35	322
জী সম্পর্কে বিজ্ঞান করলে মানুস বলাবে জানুনার	২৯-আনবার্ড	67	947		340	903
ব্রী সম্পর্কে জিঞ্জানা (আবংশ-পৃথিবী কে নৃষ্টি বরেছেনঃ)						
চার সম্পর্কে ভিজ্ঞান। (আন্দর্শ-পূর্বর কে সূত্রর করেছেন) উল্লামতে ভিজ্ঞানবাদ করবে লা একে অপরতে (পরীকলারির)	80-पुश्वक्ष	b	9499			Acq
	২৮-বলেস	99	≥78			999
নদের সাধীগণ পরস্পরকে জিঞ্জাসাবদ করবে	৭৪-মুদাহছিব	80	295	প্রয়োলকনার্ননি (মনুকো মধ্য থেকে ও জিনদের মধ্য থেকে) ১১৪-দাস		200
হ্বান (ভিয়মত) সম্পর্কে গরম্পারক জিল্লাসাবাদ	৭৮-সাধা	2	7000			380
লপুশ স. ও মুমিনগণ জিজাসিত হবে (কুরবান প্রসঙ্গ)	৪০-মুখকফ	88	9.99			95.4
জিত (হার-জিত)					40	929
ম-বিতের নিশ্ববিদ্যানতে সরকারে একজিত করা হবে	৬৪-ডাগাবুদ	ъ	866			698
बिम				মিখ্যা কৰা (জিনৱা অল্পাহ সমকে মিখ্যা কাকেৰ – জিননের বাকা) । ৭২-জিন্	¢	92.5
বক্ষম(আকাশ-পথিনীর সীমা অভিক্রমে মানুহ/জিল অক্ষম)	৫৫-বাহমান	90	280	শক্ত বাধাৰো (মাধুৰ ও স্থীন প্ৰভাৰতে দৰীৰ শক্ত বামানো) ৬-আন্'আম :	556	609
प्रनातम्(अनिन विद्यास प्रभागं अन्यदर्व विद्यालां कवा सूत्र मा)	৫৫-বাহমান	c)	289	শহতাৰ (মানুষ ও স্থীন শক্তানকে নবীর শক্ত বানানো) ও আন্'আম :	556	609
মধীনাম(প্রতিপালকের ক্ষেত্র অনুচারকে অধীকার করতে জিন/মানুহা)		67	287			608
	৫৫-বাহমান	20	380	প্রকা (একদল জিনের কুরজান প্রবা রাসছ) १২-জিন্	>	396
	2-বাহমান	00	380	সমূহত করা (পুশাইমানের মান্ত মিন্ মানুস্পানি সমূহত করা প্রসঙ্গ ২৭-মামল	24	603

किन	बीवन

	<b>河紅州 8 利</b> 耳	-	201	नुष विवाधीयसम	関係が研	200	戫
किम (नूर्व नृष्ठा (बरक)				দিয়ানদারদের থারা জিহাদ করেছে ও	৮-আনফাল	48	Got
সৃষ্টি (জিনকে অপ্তাহ খোঁৱাহীন অন্তি শিখা থেকে সৃষ্টি করেছেন)	৫৫-রাহ্মান	74	202	কাহিন ও মুধানিকানে বিকামে জিহান করার নির্দেশ (নবীকে)	৬৬-তাহ্রীম	ъ	393
সৃষ্টি (জিন সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ কদলে দেৱা আগুন থেকে)	১৫-হিজন	29	699	কাফিরদের বিরুদ্ধে জিহাদ করার নির্দেশ	২৫-সুরকান	45	980
भ्यम् (क्रिन म्थ्यम् वर्ताने तप्रम जानत नामा क्रा धावरत बह्मारत)	৫৫-রাহ্মান	98	384	কাফিরদের বিরুদ্ধে জিহাদ করার নির্দেশ রাসূল স. কে	৯-ডাওবা	৭৩	88
न्तर्भ(बिल न्तर्भ क्टार्डन दावन व्यन्तर नवन इत शंकरन ब्रह्मारण)	৫৫-রাহ্মান	66	787	জ্বানা (জিহানকারীকে জেনে নিবেদ আস্ত্রাহ)	৩-আলে ইমরন	>84	681
স্পট্ট হল জিননের কাছে (সুগাইমানের মৃত্যুর বিধর)	৩৪-নাবা	78	₩84	জীবন ও সম্পদ নিয়ে আল্লাহর পরে জিহুদ করে প্রকৃত মুদিনর	৪৯-হন্ত্রাত	26	343
হিলাবাবিশ্যাকন ও মানুহ-চিন্নো হিলামে কল্ অস্তাহ অবসম হলে।	৫৫-রাহ্মান	02	280	ধন-সম্পদ ও জীবন দিবে জিহাদের নির্দেশ	৯-ভাওৰা	83	688
জিল-ন্যাগ				ধ্যন্যাপদ ও জীবন দিয়ে জিহান করা থেকে বিবাহ বাবদর অনুমতি	৯-ভাওৰা	88	688
ইউস্থদের সংহাদর ভাইরের জিন-তালে পানপার রেপে নিশ্	22-3 <b>6</b> NB	90	800	দর্ব্যকে জিহাদ করর নির্দেশ (কাবির ও মুদাব্দিকদের বিরুদ্ধে)	৬৬-তাহরীম	ъ	39
পন্যমুখ্য ভাইদের জিল-ব্যাপে রেখে দিতে বলল ইউদূক আ,	১২-ইউস্ফ	64	99.5	শিক্ষের কল্যাপের জনাই জিহান করে (জিহানকারী)	২৯-আনবাবৃত	6	820
পালপাত্র যার জিল-ব্যাপে পওয়া যাবে লে নিজেই তার প্রতিযাল	১২-ইউন্দ	92	946	প্রত্যাপা (জিহানকারীয়া স্বাপ্তাহর দরা প্রত্যাপা করে)	২-ৰাকাৰা	579	@25
জিনিস (আরো দেশুন বস্তু শব্দটি)			***	বিনিয়র (হিজারত,জিহান,ভৈত্যেকণ করলে অস্ত্রাহর দরা ও কমা)	১৬-নাত্স	220	93:
গণমা করে রেখেছেল আপ্লার কিতাবে (প্রভাক জিনিস)	৩৬-ইয়াদীন	38	267	মৰ্যানা (জিহাদকারীর শ্রেষ্ঠ মর্যানা ব্যবহে আল্লাহর নিকট)	৯-অভবা	30	68
विनिम्नव	09-681414	24	0.63	মুমানিক ও কামিবাসের বিকামে ছিল্লান করার নির্দেশ (দলীকে)	৬৬-তাহুৱীম	>	200
		<u> </u>		ম্মানিনার পরে সমান এনে বিষধাত ও জিখন করেছে যারা	৮-জানফাল	90	96
গৃহস্থালীর ছোট জিনিসগত্র প্রদানে মুদাফিক বিপ্রত থাকে	১০৭-মাউন	٩	3008	মুম্মিনসের যারা জিহাল করেছে আলেরকে জেনে নিকেন আস্তাহ	৯-स्टब्स	36	68
জিবৃত (কুসংস্বার)		_		ঘনাথৰ বিহান(আপ্ৰাহর স্কন্য ঘনাথৰ জিহাদের নিৰ্দেশ)	33-20W	96	986
ঈমান (কিভাবের অংশ প্রদানের পরও জিবর/ভারতে ঈমান)	৪-সিসা	67	690	হারল স. ও ইয়ানালেন জিহান করেছে খন-সম্পদ ও জীবন দিরে	৯-অবেশ	44	682
कियड़ा दिश				शामा मा अब मार्थ विशेष कहात निर्देश विश्व गता खराडेर्य शामा	৯-জন্তবা	brb.	683
শক্র (যে জিবরাইলের শক্র আল্লাহ সেই কাফিরের শক্র)	২-বাকুরো	39	622	गण्यम स्ट कीवन मिद्रा प्राक्षाच्य श्राप्त मिद्राण वदव श्राप्त प्रतिमानी	৪৯-বর্জন	34	25
শক্র (যে ব্যক্তি জিবরাইলের শক্র তার জানা উঠিং)	২-ৰাকারা	39	233	সম্পদ ও জাবন দেরে অক্সাহর পথে জাবদ করে প্রকৃত বুদ্দনর হিজরতের পর জিব্যানকারীদের প্রতি প্রতিপালক ক্ষমাশীল	১৬-নাহল	250	333
সাহাত্তকাৰী (নদীর সাহাত্যকারী জিবরদিশ ৩)	৬৬-ভাইরীম	8	390	বিহানকারী (আরো দেখুন মুম্বাহিদ শব্দটি)	५०-नार्जु	220	10
অবতরণ (কুরমান নিয়ে বিশ্বস্ত গ্রহ/জিবরাইলের অবতরণ)	২৬-৩'আরা	250	926				١
পদচিক (জিবরাস্থাবের পদচিকের একম্বার্ট মাটি নিয়ে		-		প্রতিপ্রতি (জিং)নকারী/বলে থাকা মুমিনকে কলাদের প্রতিপ্রতি)	৪-সিসা	h¢	4.00
সামিরীর বাছর (ভরি)	২০-ত্বা-হা	3/5	989	প্রেচত্ব দান (বলে থাকা মুমিনের উপর জিহানকারীর)	৪-শিসা	26	46
জিবরাদিল (রহ)	_	_		জিহাদ (প্রচেষ্টা)			1
অধ্যন্তরণ (কলর রাতে জিবরাইল/ক্রহ অবভরণ করে)	৯৭-কাদর	8	2059	আপ্তাহর উদেশে যে জিবাদ্ধেটের করে ভাকে পথ প্রদর্শন করা হয়	২৯-আনকাৰ্ত	65	145
মানবাকতি ধাৰণ কৰেল জিববাঈল (মাবইবামের নিকট)	১৯-মারইয়াস	39	966	স্থিনা (দেশুন ব্যতিহার শব্দটি)			1
জিবরাখিল (রহল তুদুস)	36-4,949,4	31	1/OF	सीव			т
	_			অবস্থানস্থল (সকল জীবের অবস্থানস্থল অন্তাৎ জানেন)	55- <del>इ</del> म	6	886
দিবরাইশ (রহুশ বুদুসূ)		_	-	নিকট জীব আল্লাহর নিকট সেই সব বধিব ও বোবা যারা	৮-আন্ফাল	22	(400
ঈসাকে ক্লুল কুনুস (জিনৱাদিল) দারা সাহায্য করা হয়	২-বাকুরো	2.4	670	নিকটকম জীব ভারাই যায়া কথবি করেছে	৮-আনকাশ	20	80
কুরসান জিববালৈ মারফত প্রতিশালকের কাহ থেকে জবতীর্থ	১৬-নাব্দ	205	377	বিশামস্থপ (সকল জীবের বিশামস্থপ আল্লাব জালেন)	27- <u>Zes</u>	8	966
সাহায্য (জিবরাইল এর মাধ্যমে ঈসাকে সাহায্য)	২-ৰাকৃাৱা	220	අතර	হামীৰ বেকে অপ্ৰাহ এক "জীৰ" বেৱ কাৰেন (কিয়ামত		_	-
জিলবাব (দেখুন চাদর শদটি)				আপতিত হলে)	২৭-নামল	64	Pol
बिसा		1	1 1	ব্রিটক (পৃথিবীতে বিচরণশীশ জীবনের বিভিন্নের দায়িত্ব আল্লাহর)	১১-বৃদ	6	555
অনিষ্টের জিল্লা প্রসায়িত করকে কাহ্বিররা মুমিনদের প্রতি	৬০-মুমকহিনা	2	200	সৃষ্টি (সকল জীব সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ পানি বা বীর্ব থেকে)	२8-मन	82	993
জভাতে (জিঞ্জার জভাতা দূর করার জন্য মুসার দোয়া)	২০- জা-হা	29	982	चीवका	40 10	-	+
ব্যক্তা করা (ইছদীরা জিহবা বাঁতা করে বলে)	৪-নিদা	86	690	আবজন্ত ছড়িয়ে দেৱা (আল্লাহ পথিবীতে জীবজন ছড়িয়ে পিরেছেন)	৩১-লুকয়ান	30	P-21
ব্যব্দ (জিহা বাঁকা করে কিতান পাঠ করে আহলে বিভাবনের)	০-আলে ইমরান	96	680	জাড়ার দেরা (আল্লাই পৃথিবাতে জাবলর জান্তরে সংক্রমণ) জেডে দেরা (জীব-জজকেও ছেড়ে দেরা হতনা মানুবলে		30	b.c.
থানানে (আল্লাং মানুষের জিহনা যানিয়েছেন)	১০-বালাপ	ъ	2020	অবকাশ হা.)	১৬-মাহুল	69	90
মিখ্যা বর্ণনা করে দুশরিকদের জিহবা (উত্তম প্রতিদান প্রসঙ্গ)	১৬-দাহল	68	909			<b></b>	1
विश्वा कर्तन (स्त्रिमेशना विश्वा अञ्चार गण्याचे विश्वा कर्तन वरह)	১৯-মহল	229	930	নিদর্শন (আকাশ-পৃথিবীর সকল জীব-জন্ত আল্লাহর নিনর্শন) নিয়ন্ত্রক (সকল জীব-জন্তর নিয়ন্ত্রক আল্লাহ)	৪২-শ্ৰা	230	634
হুপরিকাশর জিহবা মিখ্যা বর্ণনা করে (উত্তম প্রতিনান প্রদাস)	১৬-দাহল	64	909		১১-ছুদ	26	690
মুসার জিহুলা না চলা (ডির'আউনের ভাছে নাওয়া প্রদাস)	২৬-ছ'আরা	30	300	পৃথিবীতে আল্লাহ জীবন্ধর ছড়িয়ে দিরেছেন	৩১-পুকমান	20	25
বুলার বিবরণ না তথা (বিশ্ব বাব্রের বর্ত্ত বার্ত্ত রাজ্য রাখ্য সংক্রমন (ক্রমেন মুখ্য করার জন্ম রাস্থ্য স, এর জিহব সমঙ্গদাএসস)	৭৫-কিয়ামাহ	36	350	বিহার (বিক মায়র বিহারে নিশ্চিত বিশ্বাসীলের ফল্চ নির্দান আছে)	৪৫-ভাছিবা	8	300
आचा विद्य विका (विद्याम्हरू)	18-77	38	995	ভূ-পৃষ্ঠের কোল স্বীব-জন্ত বাব যেত লা (পাকত্বাও করা হলে)	০৫-ফডিব	84	70
কিহান (আরও দেখুন 'যুদ্ধ' শব্দটি)	10-70	10	1.13	রিবিক(অনেক জীব-জন্ত রিবিক বহন করে না, আল্লাহ রিবিক	২৯-আমকাবত	no.	5-2
অগ্ৰহন (জিহান অগ্ৰহন বাবেন আপ্ৰাহ থানের যার)	৯-বাধৰা		1.0	(দশ)			Ш.
		2.7	685	সিজনা (পৃথিবীর জীব-জন্ত ও ফেরেশতারা আপ্রাহতে নিজনা করে)	১৬-শাব্দ	83	90'
সাপ্রাহর জন্য মধামর্থ জিব্যাদের নির্দেশ	<b>२२-शब्द</b>	934	962	সিজনা (জীব-জন আল্লাহকে সিজনা করে)	২২-হাজ	79.	923
আপ্লাহর পথে জিহাদ অধিয় হলে- পিথা সন্ধান ও	৯-ভাওবা	₹8	584	সৃষ্টি (জীবজন্ত সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	২৫-ফুরকান	83	92
মাপ্তাহর পথে জিহাদ করা	৬১-সাফ্ক	22	992	জীবন (আরো দেপুন 'গ্রাণ' শব্দটি)			Г
আল্লাহর পথে জিহাদ করবে সেই সম্প্রদার যাদেবকে	৫-মারিদা	68	१४४	অপ্রিম কিছু জীবনের জন্য পাঠাতে না পেরে আফসোস	b3-9866	10	Ī.,
স্বাস্থ্যহর পথে জিহাদের নির্দেশ	্থ-মারিদা	02	20/8	(ভিয়ামতে)	p.9-draft	48	203
अक्षारत পাস बिद्यामत क्रम्य (वर्त दशा (शक्त निकास क्रमा)	৬০-ব্ৰমভাহিনা	3	200	অধিয়াকের জীবনে সুসংবাদ (আল্লাহর বন্ধ/মন্তানীদের জন্য)	১০-ইউনুস	68	100
আপ্তাৰৰ পৰে জিহানের সমান নয় মসন্ধিনে হারামের আবাদ	৯-ভাওৰা	230	987	আহাই (জীবনের প্রতি ইছপীরাই সবচেরে বেশি আয়াই)	५-वाकाश	30	65
অপ্রান্তর পথে জীবন ও সম্পদ দিয়ে জিহান করে প্রকার মুদ্দিরা	৪৯-চমুবাত	34	957	আল্লাহই মানুহকে স্কীবন দান করেছেন	২২-হাজ	99	38
स्थान श्रम किसान करताह गांसा	৮-মানবাল	93	905	আপ্তাহ জীবন দান করেন ও মৃত্যু ঘটান	20-इंग्रेन्स	60	
	D-MINGIN					140	1 34

			रेस्न
नेम	ज्या नर ७ नाम	联社	700
कीवन (नर्व नृत्री त्याम)			
স্বাপ্তাহৰ পথে জীবন দিৱে জিহুদ করে প্রকৃত মুমিনগণ	৪৯-হত্যাত	345	257
বস্তাহে জন্য (সালাড/কুরবাদী/জীবন/মরণ সবই অল্লাহর জন্য)	৬-আন্'আম	205	925
পরিম জীবন ও উত্তম প্রতিদান (সংকাল্পের করেশে)	১৬-মাহল	20	377
বিসাসেই জীবন বয়েছে	২-বাকুরো	200	650
ক্ষ্যু-কতি (জীবনের ক্ষর-কতি দিয়ে মানুবকে পরীক্ষা)	২-পাকুরা	266	623
ব্বিহান (জীনন নিয়া প্রিয়ন কর থেকে বিরুদ্ধ থকার অনুমতি চাগো)	৯-ভাওবা	88	688
মিহুল (ধন-সম্পদ ও জীকা দিয়ে জিহুদ বলে থাকার সত্তান নত্ত	8-992	242	265
মিহাবেরী (ধন-সম্পর ও জীবন নিয়ে বিহালকারীলের শ্রেষ্টড়া)	8-PPI	346	469
ছিহাদ (জীবন ও ধন-সম্পদ দিয়ে জিহানের নির্দেশ)	১-ফাডৰা	83	688
জিহাদ (জীবদ দিরে জিহাদ করেছে যারা)	৮-জনকাশ	92	909
প্রিয়ন (প্রীনদ দিয়ে প্রিয়ন অপাধন করেন অক্সাহ তানের যার)	৯-জাগ্ৰ	5.2	681
জিহাদ ব্যৱহে জীবন দিয়ে রাদৃদ স. ও উমানদারণণ	৯-জগুৰ	pp	983
দ্বিহান (অপ্রায়র পরে জীবন নিয়ে চিহান করে প্রকৃত মুদ্দিনকা)	৪৯-হত্যাত	342	257
দ্নিয়ার ভীবনকে প্রাধান্য দের মানুদ	৮৭-আল	36	2029
মুনিয়ার মীবন রোবল খেল-ভামাশা চাকচিক্য অহংকার ও	৫৭-হাদীদ	140	300
দুনিয়ার জীবন ক্রব (অপিরতের বিশিমরে)	২-বার্গরা	86	430
দুর্নায়র মীবনকে অ্যাধিকার দিলে তার অপ্রবাহুল কিব্র আছন	৭৯-বৰ্ষি আত	ರಚ	3000
দুনিয়ার জীবনকে অধিয়াকের উপর প্রাধানা দেবার কারণে শতি	১৬-মাহুল	209	425
পুনিয়ার জীবনকে অধিয়াকের ভূপনার গ্রামান্য নানবারী পারন্তই	<b>38-देखारीय</b>	0	600
দুপিয়ার জীবদ খেল-ভামাশ্য ছারা কিছুই নার	২৯-আনকার্ড	168	2.67
দুনিবার জীবন খেল-তামাশা ছাড়া বিজু নর	৬-আন আম	93	cas
দ্দিবার জীবন বিক্রিকারী আল্লাহর পথে বৃদ্ধ করে	8-निमा	98	250
দনিবার স্বীবন জোগ্য-সাম্ম্যী মাত্র	30-859	26	653
দ্দিরার স্থাবন যাদেরকে প্রবাহিত করে ভালের পরিশাম	৬-আৰ্'অম	90	600
দুনিয়ার জীবন যেন মানুষকে প্রতারিত করতে না পাত্রে	৩৫-ফাভির	4	<b>188</b>
দুনিয়ার স্ত্রীবদ যেদ মানুষকে প্রভাৱিত না করে	৩১-সূকমান	00	25
मुनिवार सियान जनमान् देवनिवा विश्वदाक्ष जलविद्भाग केमन जनस्र)	३-राकृत्वा	54	230
দুনিয়ার জীবন সুসন্ধিত (কাফিবলের জন্য)	२-वाङ्गात	525	650
দনিয়ার জীবনে অস্তাহ কৃত্য বাংগার থারা কুল্যা কথার ইমান আনে)	১৪-ইবরাইন	29	636
मुनिश्चाद सीवरमंद्रे मुख-मक्षि भिश्चनम् कदव काणियता	৪৯-বার্কাক	20	270
দুনিরার রীবনে ও অবিরাতে কেরেশঅগণ মুমিনদের বস্থ	৪১-ফুস্নিগাত	40	600
দুনিরার র্ত্তীবনেও লাঞ্চনা (অধীকরেকারী আলিমদের জন্য)	৩৯-বুমার	20	590
विकास क्षेत्रक अधिकारक मात्रक देखा (विक्रमीयम सार स	o more from	110	084

-87481 Ob-

২০-জা-যা 303

্রাদ্ধর করে প্র

৪০-মুখ্যুক্ত 00 ১০-ইউনস

19.38 200

8-991 38

১৮-কাহক 33

১০-ইউন্স \*\*

>-বাওৰা 229

80-मू मिन -03 ১৮-কাহক

००-भाइसर 29 28 84-साविता

A STHE STA .) ২৩-মুমিনুন

৫০-নালম 25

82-महिन 20

০-বাগ'বাম 300

৭-আ'রাক 02

> 97/00 66

33-<del>3</del>7 24

25

99

দ্বিত্তার জীবনের জোগ্য-সাম্বর্টী সামাল (অধিবাতের কুলবার)

দুনিয়ার জীবনের ভোগ্য-সাহগ্রী নিয়েছেল আল্লাহ বাকে

প্রমিয়ের ব্রীক্সমর প্রেগা-প্রমুগ্নী (ব্যক্তিয়ানর পরিব সার্যে সভাগ

भूतार केंग्राम संक्षि कर (श्रीकार अस्त्रमात प्रदेशन सामय)।

দুদিয়ার জীবনের সাম্মী অংগবংশ দাসীদেরতে বাতিয়াত বাধ

দুদিয়ার জীবনের সম্পদের গোতে স্বলামনাকাকে 'রমিন নও' কবা

দনিবার জীবনের সৌন্দর্য কামনার সভর্ত থাকার নির্দেশ জীক

plante জীবানত নৌমার্ব/সম্পন কিবস্তান্ত্রনকে সেয়া হয়েছে

দ'বার স্ত্রীয়ন সিক্সেলে প্রতিশাসক (কিয়ামুত্র কমিবর কালে) দ্ধিত প্ৰিক স্থিতি হয়ে পাৰ্ক্তল পিছতে যেলে ৰাম ভিনৱদেও।

পৰিবাৰ জীবন অছাৰী ভোগ্যনামধী নাম

মনিবার জীবন (আক্রাপ থেকে বর্তির পানির মত)

দণিয়ার জীবনই একমাত্র জীবন (কফিবরা বলে)

দুনিয়ার জীবন কামনাকারীর প্রতিকল বুনিয়াতেই

মুন্তার জীবন কাফিবলেরকে প্রতারিত করেছিল

দ্দিয়ার স্থাবন কাফিবলেরকে প্রভাবিত করার শতি

প্ৰনিবাৰ জীবনে পবিত্ৰ বিধিক ভাগেৰ জলা যাবা ঈমান

দ্দিয়ার জীবনে মুনাইন্ড/কামিয়াসকলে পালি নিতে চান সম্ভাব

দিবাৰ জীবন ও চাকচিকা চাওৱা(নবীর জীলের প্রসং)

भीतार लेक्से स्वयंत्र होत्स (वक्तिक वस्त्रम् क्रमार)

প্রতিক্রক জীওনাই একহারে জীবন (হবা ও বাঁচা দলিবারেট

মনিয়ার ক্রীবন অহল করে (যারা আপ্রাহর "হলে গেকে নিয়")

দনিবার জীবানত ভোগলেয়ত্রী দরা পরীকা করা হয়

- 6	वनशरू			Ę
E	चित्र/दश्य	नवा नः ७ नम	1017	46
15	নিয়ার জীবনে মুনায়িকদের পচ্চে মুমিলদের বিভর্ক	8-निमा	209	23
13	নার জীবনে প্রতিপাশকের (এবং (বছুর পুরারীদের উপর)	৭-আ'থ্যক	265	256
	নিয়ার জীবনে বিদাস-সামগ্রী লান (আদ-সম্প্রদায় প্রসঙ্গ)	২৩-মু'মিলুল	00	96
			०२	PN
	দিয়ার জীবনে মানুহের জীবিকা বণ্টন করেন আল্লাহ	৪৩-যুখক্তফ		
	নিয়ার জীবনে সম্ভাগ্রের ব্যক্তির আপ্রয়হন আচন	১০-ইউনুস	9	60
	নিয়ার জীবনে সুসংবাদ (আপ্লাহর বন্ধু/মুরাকীনের জন্য)	১০-ইউনুস	68	66
4	নিয়ার জীবনে হুলাভার উপার হিসাবে মৃতিপূজা প্রসঙ্গ	২৯-আনকাবৃত	50	bà
B	নিয়াৰ জীবনের সৌদ্দর্য (সম্পদ ও সন্তাদ )	১৮-কাহ্ক	86	93
12	নৱাৰ জীবনে বাসুৰ স, কে মুখ্য করে কিছু মানুহের কথা	২-বাড়ারা	₹08	04
	নিয়ার জীবনে শান্তি বয়েছে (কাফিবনের জন্য)	১৩-বা'দ	68	63
	ন্যার জীবনে পরি অংহাদন করালে অক্সাহ (আন বাধিকে)	৪১-ফুসসিলাত	36	ы
	নিয়ার জীবনের ব্যবিত দিক জ্ঞানে অভিনয়	40-9¥	9	ь
		১৮-জাসাস বিশাস		6:
	নিজৰ জীবনের ভোগ্ড সামনী (মানুধকে যা দেয়া হরেছে)		60	
	নিয়ার জীখনের ডেগেনামন্তী (মানুখের বাড়াবাড়ি প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	50	40
	নিয়ার জীবনের উপরই বিবাসার্ভনের কর্তৃত্বা (মানুকরদের উঠি)	২০-ফা-ঘ	92	31
9	নিয়ার জীবনের উপনা (ফদশ তরা ক্ষেত ধালে প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	₹8	80
	নিয়ন বীৰ্দের ভোগা-সাম্ট্র (নারী সম্ভান ফর্ণরৌল্য গোড়া)	৩-জালে ইময়ন	78	¢.
	নিয়ার জীবন খেল-ভামালা মাত্র	৪৭-মুহাম্মন	40	ъ:
	নিয়ার জাবন বেল-ভাষাকা মাত্র নিয়ার জীবন চাইত হারা ভারা কারুদকে দেখে বলার হার ।	২৮-ভাসাস	93	V
	নিজার জীবন নিজে উল্লগিড মানুগ	70-ALA	26	ð
	নিরার জীবন নিরে সম্ভাই কি মুখিনরাঃ (আল্লাহর জিজানা)	৯-ভারবা	29.	0
9	নিয়ার জীবন প্রথমনার শাখ্যী	৩-আপে ইমরান	7244	2
1 8	নিয়ার জীবন প্রমারণার সামগ্রী ছাড়া কিছুই নয়	৫৭-হাদীন	20	b
	বিবার জীবন প্রভারিত করেছে কাফিয়াসভাক	৭-আ'রাক	62	8
	ম-পশ্বর ভারিব দিয়ে আল্লাহর পথে জিহাদ করা	h-81681	30	8
			77	8
	দ-সম্পদ ও জীবন দিয়ে আল্লাহর পথে জিহাদ করা	%7-आरंब		
	বছল প্রচেটা (পুনিয়ার জীখনে কাফিরনের)	<b>%-वरवृक्</b>	308	9
	ার্থির জীবনের ভোশ্যসামগ্রী	৪২-শুরা	49	ь
1	টিব জীৱৰ ৱনুল স. ও মুমিননেকে অক্সম সংগ্ৰন্থ কৰলে	৪০-মু"মিন	42	b
	কত জীবৰ (আহিল্লাভের আবানই প্রকৃত জীবন)	২৯-আনকাৰ্ড	48	4
	ভারিত করে না খেদ (দুদিরার জীবন মানুবকে)	৩১-লুকমান	00	8
	প্ৰকৃত্ব (পুনিয়ার জীবনতে অভিয়াতের উপর প্রাথনা পেরার শক্তি)	১৬-নাহন	309	9
	सवयंगिताल खेलन अस्तर्यंगीत पूर्वातल श्रीसन्तर समान मह	82-वाशिया	33	1
			43	9
	চিক নয় জীবনের (অন্য উপাস্যর)	২৫-ফুরকান		
	মিনদের জীবন কর করে নিরেছেন আল্লাহ	৯-জাওবা	222	8
	নার জীবনের বহু বছর বিশ্ব'জটন সম্প্রদারের মারে অবস্থান	২৬-৬'আরা	22	9
13	গুল স, এর জীবনের কসম করছেন আল্লাহ	১৫-হিজর	92	9
	লেপ স্ এর জীবনের চেয়ে নিজেনেরকে বেশি গছপ কর	\$-816W	250	8
	প্ৰেটিল বুটান-বুটিলতে অস্তাহ উত্যাপৰিয়া জীবন দিবল	১৬-নাংশ	39	
	তেন্দ্ৰাল প্ৰথম প্ৰথম কৰিব অন্তৰ্গত কৰিব কৰিব সমান লয় তেন্দ্ৰালীল মুখিলের জীবন অন্তৰ্গতীলের জীবনের সমান লয়	82-लहिया	43	h
				9
12	নিজীব পার্বিন জীবনে অপুশ্ব হওয়ার শান্ত (যুদ্ধর পুলার কারণ)	২০-ড়া-হা	24	
13	দুৰী জীবন পাচ করবে (দেকীর পক্সা তারী হসে)	১০১-কৃরি'আ	٩	21
	্টি (জীবন ও মৃত্যু সৃষ্টি মানুষকে পরীক্ষা করার জন্য)	৬৭-মুশ্ক	2	b
1	পূৰ্ণ কল্ল (কতক মুদ্দিন জীবনকাশ পূৰ্ণ কৰেছে, খব্দক প্ৰদাস)	৩৩-আহ্বাব	20	ь
1 1	নুবার (একান মনুবার জীবন রক্ষা থকা যে সে দেন সং)	৫-মারিদা	05	0
H	নুবার (সর মানুবার জীবন রামা কাল লে যে একলানা)	৫-মারিনা	03	0
				۴
13	জীবন দান জন্মর ছবিন দান করেন	. Com	-	١.
		১৫-হিমব	50	4
	প্ৰস্তাহ জীবন দান করেন	৫৭-হানীন	1	3
1	বাল্লাহ প্রাণ সন্ধার করেন একং ভিনিষ্ট মৃত্যু দান করবেন	१०-वृद्ध	80	3
1 1	হাল্লাহই জীবন ধান করেন	৪০-মু'মিন	100	5
	ছাল্লাংই জীবদ দান করেন (মানুখকে)	৫৩-নাজৰ	88	12
	शक्रादे सीवित वटान	२७-वृषिन्न	\$ro	1
		1204 1454	1.0	۲
3	<u>विरमगुनवारी</u>	-	H-	1
П	্ভকে জীবনয়া <b>নজা</b> য়ী ভিনিই যিনি ভূমিকে জীবিত করেন	87-কুস্মিলাভ	039	4
15	জীকনপুরাশত উপকরণ (আরো দেখুন বিধিক শুক্ষাই)			П
	অনুযোগ জীবনভাত্তার উপতক্তা (পা'বা,খারাম মান/কুরবাদীর পার)	৫-মার্থিনা	39	0

<b>B</b>	জীব <b>ন</b> যাত্রা	জুপকারনাইন
শ্বদ বিষয়/খনস	न्सा सः व संस् व्यापः पृथ्यः	न्य विषय/धनम जुना नर च मात्र चरण व गुड़ा

							4.7
बीयनग्रज्ञा				ত্নিকে আল্লাহ আকাশের পদি ধার জীবিত করেন(এর মৃত্যুর পর)	২৯-আনকাবৃত	60	
উভত্বপূর্ণ জীবনবার্য় হিল (জালিমনের)	২৮-কাদ্যস	62	প্ৰথাত জীতনাৰ বাবেল চিনি বিনি বাবেল জীতনাকৰ নিকলাক বিনি বিনি বাবেল জীতনাকৰ নিকলাক বাবেল চিনি বিনি বাবেল জীতনাকৰ নিকলাক বাবেল চিনি বাবেল কাৰ্য্য কৰা কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব		৪১-ফুস্সিলাভ	40	bb
बीवन याभन					২-বাকুারা	268	671
পৃথিবীতেই জীবন নাপন এবং পৃথিবীতেই মৃত্যুবরূপ কবি আন্তরে	१-वाशक	2.0	978		00-32	20	65
ভাৰভাবে জীবন বাপন (প্ৰীদেৱ সাখে)	8-নিস্য	35	699		20-22	28	44
সম্ভষ্ট জীবন বাপন করবে (ভান হাতে আমলনামায়াছণণ)	55-वाबार	2.5	232	মানুষকে জীবিত করকেন আল্লাহ (কিরামতে)	00-42	80	100
ব্ৰীদেৱ সাথে অলফাৰে জীবন যাপন	8-मिमा	35		মানুদকে জীবিত কের করা হবে মৃত্যুর পর? (মানুদের প্রশ্ন)	১৯-মাবইয়াম	66	90
খীবনাবসান		1	1000	মানুষকে আল্লাহই জীবিত করেন (অনজিতু থেকে)	২-বাকারা	33	20
বাতিসায়ীনির জীবনাবসান না হওরা পর্যন্ত ঘরে আবছ রাখ্য	8-निमा	36	200		२-वाकृत्वा	59	20
सीवानाशसाध		100	144	সুসার সাথে উমান আনরনকারীদের নারীদেরকে জীবিত রাখা	৪০-মূমিদ	20	ьь
জ্ঞাননোপড়োগ উমতকে কিন্দির উমতকে অল্লাহ জীবনেপজেন করতে নেন)	33-इन	-	1		५-वाक्तवा	90	100
কাঞ্চিলের সামান্য জীবলোপজোগর স্থানাগ নেয়া হবে		81/		মতকে অল্লাহ জীবিত করেন (তিনি সতা ও সর্বপরিমান)	22-87%	6	92
	০১-লুকমান	48			१०-संय	22	34
কিছুলালের জন্য মানুষের জীবনোপাজেগ (ভাওহাঁদ প্রসঙ্গ) জীবনেপজেলের স্থাপ (ভাতিবলের পিতপুরুষানের চন্যা হয়েছিল)	২১-অপিয়া	222			৩৬-ইয়াদীদ	00	5-6
	80-पूरकक	২৯			৩৫-ফাভির	9	5-8
পৃথিবীতে অবস্থান ও জীবনোগজেগ ময়েছে	৭-জাখ্যক	₹8			১৯-বাহদ	96	90
पृथ्वितः सिर्देवे नभा गर्यम् बीवानगरामः(यान्यः या. न्यव्या धनमः)	२-वाकृता	00			১৫-দাভিত্		10
বহু বহুৱ জীবনোপভোগ করলেও তা কাঞ্চে না আনা	59-0,008	202			90-91100	44	
মুশনিকদের পিতৃপুরুষদেরকে জীবনেশকোশ করতে দেয়া	२५-वारिया	88				80	bb
মুশরিকদের জীবনোপভোগ করতে সেওয়া	৪৩-বৃৰক্ষদ	5.5	psp		२)-व्यक्तिया	52	30
সামান্য জীবনোপডোগের সুযোগ দেয়া হবে কাঞ্চিরদের	৩১-লুকমান	₹8	259		৪৬-আব্কাক	00	183
সমন জীবনেপ্তেপ করতে দেয়া হবে(যুদ্ধ থেকে পদাভাবকে)	৩০-আহ্যাব	36	P-08		00- <u>0</u> 2	20	24
कीवड					৪২-শূরা	ъ	by
মু'মিন্সেরকে জীবত করে তোলে এমন কিছর নিতে আহ্বান	৮-জানফাল	28	Nos		৩৬-ইয়াদীন	25	20
জিজাসা (জীবন্ত প্রোধিত কল্যকে জিজাসা করা হবে)	৮১-তাক্তীর	b			৩-আলে ইমরান	835	48
জীবিকা		-	2000		৩-আলে ইমরান	29	e.
জ্যাবকা প্রতিষ্ঠিত (জীবিকা ধারা রতিষ্ঠিত করেছেন আল্লাহ মানুদকে)	৭-আ'রাজ				22-27%	66	98
বৰ্ণন (দুনিয়ার জীবনে মণুনের জীবনা বংগন বছেল আস্তাহ)		30		মৃত্যুর পর জনপনকে কিন্তারে জীবিত করা হবে স্টিবারেরের			1.
रनाः (द्वाराधा सामान सङ्ग्रास स्थानस राज्य करान वाहार) सन्हा (सैंदिनस समझ स्टाइस महास प्राप्त त नक्त कीरात)	৪৩-বৃৎক্রফ	જર		ন্ত্ৰ)	२-वाक्स्वा	208	40
वनक् (ब्राटकार वनक् क्टाइल व्यक्तार मानुव ७ नकन व्यक्ता) नक्किक करा (बाहारद पासन ८५८क पुत्र किसान वीतिका	১৫-ছিছর	30	699	মৃত্যুর পর বুনিকে জীবিত করেন (আল্লাহ)	৫৭-হাদীদ	39	28
পঞ্জতিক করা (আল্লাহর "মরণ থেকে মুখ ফেরালে জ্যানকা সঞ্জতিক করা হয়)	२०-छा-ध	348	985	মৃত থেকে ব্যবিতকে বের করেন আপ্রাহ	০-আলে ইমরান	29	20
				মৃতকে নীথিত হতে বের করেন সাস্থাহ	00-3X	25	64
बीरिड				মত শুনি ছীবিত করেন আল্লাহ (বৃষ্টি বর্ষণ করে)	२०-वृतकान	85	934
পাল্লাহই নীবিত করেন ও মৃত্যু ঘটান	৭-আ'রফ	226		সঠক করা (জীনিতানে সভর্ক করতে রাসল স. প্রেয়ণ করা হয়)	০৮-ইয়াসীল	90	bro
সাল্লাংই মানুষকে জীবিত করেন	৪৫-ফাছিয়া	₹6		পত্তি (সময়ের প্রায়েক জীবিত ব্যাসে পদি গোল সারি করেন)	३১-वारिवा	60	20
সাপ্তাহ জীবিত করেন	ও-আলে ইমরান	326	667		৩১-ইরাসীন	90	25
সন্মাহ জীবিত করেদ	৯-ডাওবা	229	685		৩৬-ইয়াদীন	93	20
ইবরাহীমকে প্রতিপালক জীবিত করেন	২৬-৩'আরা	2.7	93-2	melt emmas filtbraik efficie senere (stanen etwa)	A-Minhila Po-dinda	83	00
উপমা (মৃত্যুর পর বাকে সাক্ষাহ জীবিত করেছেল ভার উপরা)	৬-আন্'আম	255	909	well entrus fifters? Sifter steers (excess steet)	P-MHOR	84	60
থকা (দশ আ, জীনত থকা অবলি সালাত ও ঘকাতের নির্দেশ)	১৯-মারইরমে	407	905	ware and for any cost or many (Configuration)	३-वाकाश २-वाकाश		
ব্যৱসক্ষরিশী জীবিতদের (পূথিবী )	৭৭-মুখুসাল্যভ	40	200			280	60
নমকল জীবিত করতে সক্ষম বলে দাবী করা প্রদাস	३-राष्ट्रावा	200	200		১8- <b>ऎ</b> वब्राहीस	6	63
নারীদেরকে জীবিত রাধার ঘোষণা (কিরজাউনের)	१-छा'वाक	253			২৮-কাসাস	8	P.O.
ন্ত্ৰীলেরক(বনী ইনরাদিলের ) কবাই (ফিরপ্রাটন বংশ <i>বর্তক</i> )	२-वाकावा	83		জীববিদ্যা প্ৰদন্ধ (দেখুন পারীশন্ত-৪)			_
নম্ভিদের ভাবিত বাধা (ফিছজাউন ফর্তক বনী ইসরাছলদের)	৭-আবাক	787				-	1
নহত্তব্য (আল্লাহর পথে নিহত্তরা জীবিত)	3-41 <b>010</b>	268		মূসাকে জ্বার খোলার নির্দেশ তুর পার্যাঞ্ আক্লাহর দর্শন প্রদাস	২০-ড়া-হা	24	98
নহতবা (পাইদরা) জীবিত (প্রতিপাদকের নিকট)	৩-আলে ইময়ন			पानी (शर्वात)			
পদি থেকে আল্লাহ প্ৰত্যেক জীবিত বন্ধকে সৃষ্টি করেন	३५-लाभिया	100		দৌকা স্বাধী পৰ্বতে ছিব হল (নাহের প্রাক্তন শেষ বলে)	১১-ছদ	88	65
							-
ecodors (Africa consider more for these there have	As maken						
	১৯-সার্ট্রাম	>6		FOR CONTRACT FOR RESIDENCE CONTRACT COMMENT	9-3-2000 PM1		
<del>পুরুষ্টিত (জীবিত পুরুষ্টিত হওয়ার বিন ইসার প্রতি সালাম)</del>	১৯-মারইরাম	00	906	দিন (স্থমতার দিনে নামাজের আহরণ করা হলে অস্তাহর সরব)	৬২-জুমু'আ ৬২-জুমু'আ	>	
কুমান্টার (জীবিত পুনান্টার হওয়ার নিন উপার প্রতি সালাম) পুনিবীকে জীবিত করেন আলাহ (মধুনর পর)	১৯-মারইরাম ৩০-জম	99	905 5-20	লিন (স্থানার নিলে নামানের আহলন করা হলে অস্তাহর "ফল) পার্মান (স্থানার বিলে নামানের আহলন করা হলে আস্তাহর "ফল.)	৩২-জুমু'আ ৩২-জুমু'আ	h	
ক্ষাকিত (জীবিত পুন্ধাকিত হওয়ার দিন ঈশার প্রতি সালাম) বিবীকে জীবিত করেন আল্লাহ (মৃত্যুর পর) বিবীকে পুনারীবিত করা (অনুধাননারীকোর জন্য দিনপাশরাপ)	১৯-মারইবাস ৩০-জম ৪৫-কাছিয়া	39 00	906 906 906	দিন (স্থান্তর দিনে নামাজের আহরদ করা হলে আল্লাহর স্ফান) দামাল (স্থান্তর বিনে নামাজের আহনে করা হলে আল্লাহর স্ফল) স্থান্তর	৬২-জুমু'আ	ъ	bb
স্কানিত (জীবিত পুঞ্চাবিত হওয়ার দিন ইদার প্রকি সালাম) বিবীতে জীবিত করেন জাল্লাহ (সংগ্রহ পর) বিবীতে পুনরীবিত করে (অনুধাননার্বাচনার জগ দিনপাস্থাস) তিপাসক জীবিত করেন (ইক্সাম নসম্বাদের তর্ক প্রসঙ্গ)	১৯-মারইরাম ৩০-জম ৪৫-ফামিরা ২-মার্করা	20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 2	906 506 506	দিন (জুমান্তর দিনে সমাজের আহলন করা হলে আরারে "কল) দামান (কুমান্তর বিনে নামানের আহলন করা হলে আরারে "কলে) জুমা জিমানা (জুমা সম্পর্কে আসুল স. কে বিজ্ঞালা)	७२- <b>वृद्ध</b> 'वा २-वाकाबा	9 579	841
দুৰ্নাত (মীৰিত পুজাৰিত হওয়ার নিদ ইগর প্রতি সলাম) প্ৰবীতে জীবিত কালে আগ্নাহ (মতুরে পঞ্চ) প্রতীতে পুজারিক করা (অনুধাননারীকের জাণ নিদাপাছরণ) বিভাগাল স্ক্রীবিত করেন (ইঙাইম -দনহাদের তর্ক প্রসন্ধ) বিভাগাল (মান্তাহ), মীধিত করেন	১৯-মারইরাম ৩০-জম ৪৫-কাছিরা ২-খাকুরা ৪৪-মুক্তন	50 50 79 00	906 920 900 800 802	দিন (ব্যাসক চিন্নে মান্যাক আহনদ করা হলে আরাক "কন) গানাল (ক্যুক্তর দিনে মান্যাকর আহনদ করা হলে আরাক "কলে) ভুয়া জিল্লাস। (ভুয়া সম্পর্টের অনুদ স. কে বিজ্ঞানা) গাল্লাস। (ভুয়া সম্পর্টের অনুদ স. কে বিজ্ঞানা) গাল্লাস। (ভুয়া সম্পর্টের বিশ্বন বিশ্ব	७२-वृद्ध'ञा २-वादुगबा १-माहिमा	97 579 9	2 kg
দুক্তিকৈ (জীবিত দুক্তবিত হগ্যার নিত উপার প্রতি সালা।) পুথিবাকে জীবিত তালে আছার (সমূহে পার) পুথিবিত দুর্জীবিত তালে করার (মুখ্যুল-জারিতাক জ্ঞা দিনানগরণ) প্রতিপাদক জীবিত করেল (ইক্তব্যান সমস্কলের তর্ক প্রসন্থ) বিভাগাক জীবিত করেল (জারাই) জীবিত করেল প্রবিশ্বান করিক স্থানাল প্রস্তান	১৯-মানইরাস ৩০-জম ৪৫-কাছিরা ২-অকুলো ৪৪-দুখ্যল ২-বাকুলো	50 50 79 00	900 900 900 900 900 900	দিন (জুমান্তর দিনে সমাজের আহলন করা হলে আরারে "কল) দামান (কুমান্তর বিনে নামানের আহলন করা হলে আরারে "কলে) জুমা জিমানা (জুমা সম্পর্কে আসুল স. কে বিজ্ঞালা)	७२- <b>वृद्ध</b> 'वा २-वाकाबा	9 579	2 kg
নুক্ষান্তত (জীবন পুৰুষ্টাত হলার লিন সদার প্রতি নালা।) প্রত্বীতে জীবন অন্তল আছার (মৃত্যুর পর) প্রত্যাপ পুরীতির আন্তল আছার (মৃত্যুর পর) প্রতিপালক জীবিত করেন (মুখ্যুর-মার্নার্টানার কর্ম প্রদান) বিভাগালক জীবিত করেন (মুখ্যুর-মান্নার্টানার কর্ম প্রদান) বিভাগালক (জাছার) জীবিত করেনে বিভাগালক স্থানিত করেনে বিভাগালক স্থানার বিভাগালক বি	১৯-মানট্রাস ৩০-জন ৪৫-কাছিরা ২-আফুরা ৪৪-মুক্তন ২-বাফুরো ৩০-জস	50 50 79 00	900 900 900 902 902 902 902	দিন (ক্রুমের দিনে মাহানের আর্থনা করা হলে আর্রারর 'ফন) পামার (ক্রুমের দিনে মাহানের আর্থনা করা হলে অর্রারর 'মাহান) ক্রান্তা নিমানার (কুলা সম্পর্কের অনুনা স, কে জিজানা) নামানে (ক্যোল্ডাইন মাহানে পাহানের পাহানের বিশ্বর বাইনে চন্ত) পাহানের করার (ম.দ. জুলা, স্ববিশ্বরার কেনি, জীন) ক্রানার করার (ম.দ. জুলা, স্ববিশ্বরার কেনি, জীন) ক্রানার করার (ম.দ. জুলা, স্ববিশ্বরার কেনি, জীন)	७२-वृद्ध'ञा २-वादुगबा १-माहिमा	97 579 9	2 kg
দুক্ষকিত বিশ্বিক শুক্তকিত ব্যৱস্থা ইলা কৰাৰ বাহি সন্ধান্ত পূৰ্ববিক কৰিব কৰাৰ আন্তৰ্ম (মহাৰ পঞ্চ) পূৰ্ববিক বিশ্বিক কৰাৰ আন্তৰ্ম (মহাৰ পঞ্চ) পূৰ্ববিক বুল্লিকিত কৰাৰ আন্তৰ্ম (মহাৰ পঞ্চ) পূৰ্ববিক শুক্তবিক কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰ	১৯-মানইরাস ৩০-জম ৪৫-কাছিরা ২-অকুলো ৪৪-দুখ্যল ২-বাকুলো	580 580 580	900 900 900 900 900 900	দিল (কুম্মার দিলে মায়েকার আন্তর্জন করা হলে আনুরার কলে কলে করা করা করা করা কলে	७२-वृद्ध'ञा २-वादुगबा १-माहिमा	97 579 9	200 200 200
দুখনিকৈ বিধিত পুনৰ্গমন্ত বৰ্জায় কৰিছে। কৰিছে বৰ্জায় কৰিছে। পূৰ্বিকাৰ কৰিছে কৰা কৰিছে ক	১৯-মানট্রাস ৩০-জন ৪৫-কাছিরা ২-আফুরা ৪৪-মুক্তন ২-বাফুরো ৩০-জস	79 580 79 6 79 79	900 900 900 902 902 902 902	দিন (ক্রুমের দিনে মাহানের আর্থনা করা হলে আর্রারর 'ফন) পামার (ক্রুমের দিনে মাহানের আর্থনা করা হলে অর্রারর 'মাহান) ক্রান্তা নিমানার (কুলা সম্পর্কের অনুনা স, কে জিজানা) নামানে (ক্যোল্ডাইন মাহানে পাহানের পাহানের বিশ্বর বাইনে চন্ত) পাহানের করার (ম.দ. জুলা, স্ববিশ্বরার কেনি, জীন) ক্রানার করার (ম.দ. জুলা, স্ববিশ্বরার কেনি, জীন) ক্রানার করার (ম.দ. জুলা, স্ববিশ্বরার কেনি, জীন)	৬২-জুমু'আ ২-বারুজা ৫-মারিলা ৫-মারিলা	90 97 97	240 240 240 240 240 240

			ভূপুম	कुन्य			9
नम विवद/दानम	न्त्रा नर च माम	445.5	461		ज्हा नर च माम	NEW PL	194
জন্ম (আরো দেদুন 'অবিচার' শদটি)				নিজের উপরে জুপুম করেছিল পূর্ববর্তীরা	৩০-জন	>	444
জংশীদার (জনেক জংশীদার পরস্পরের উপর জুলুম করে)	৩৮-সোমাদ	2,8	1664	নিজের প্রতি কাফিরই জুকুম করেছে; আল্লাহ করেননি	১৬-শংরুপ	00	900
অন্তর্যাত (উপজ্ঞারা স্কাশনে না অন্তর্যাত থানা ভূপায় করেছে মানের)	৩০-জন	29	৮২৬	নিজের প্রতি জুলুম(অল্লাহর নিকট সাবার রাশীর সোয়া)	২৭-নামশ	88	300
মণু পরিমাণ জুলুরও আল্লাহ করেন না	8-निमा	80	062	নিমের প্রতি জুলুন করা অবস্থার মুনাফিবদের মৃত্যু হওরা প্রসঙ্গ	৪-শিসা	24	509
অনুসৰণ (জালিমৰা অনুসৰণ কৰে তাদেৱ প্ৰবৃত্তিৰ)	৩০-জম	25	b-38	নিমের প্রতি ফুলুমকারী মৃত্যুকালে পাপ অস্থীকার ও আত্রুসমর্শন করে	১৬-নাব্দ	22	200
অনুত্ত ঈয়ানদার সংকর্মশীক্ষানর প্রতি জ্বন্দ করা হবে না	১৯-মারইয়াম	60	906	निकार शक्ति (प्राणिकार निकार शक्ति प्रमुख्य तथ कथा शक्ति कराता)	8-मिगा	68	262
অপরবীরাই নিজেনের প্রতি মুপুর করেছে(আল্লাহ করেননি)	১৯-জানকাপুত	80	66.4	নিজেদের উপর জুলুম করেছে আদম আ, ও তার ব্রী	৭-আ'রাফ	20	638
অপরবীদের প্রতি আল্লাহ মুনুম করেননি ভারাই জাদিম	80-1169	20	907	নিজেদের উপর জুপুম করেছে (ধাংসপ্রাপ্তরা)	১১-ছুন	202	992
অবভারণা (মুশুমের অবভারণা বংরাছ এক সম্প্রদাস)	২৫-ফুরকান	8	10.5	নিজেনের উপর জুপুম করেছিল পূর্ববর্তীরা	৯-ভাওৰা	90	689
অধ্যত (কেল জলিতানকেই অধ্যত করবে ন এফা ফিলনর জা)	৮-জান্মাল	38	908	নিজেদের উপর জুপুম করেছিল সাবাবাসীরা	৩৪-সাৰা	>>	184
আরাতের প্রতি স্থানুম করেছে ভারা যারা	৭-আব্যাদ	A A	620	নিজেনের প্রতি ইছনিরা অুনুম করেছিল (হারাম বস্ত প্রসঙ্গ)	১৯-নাহল	222	930
অক্সাহ অপরাধীদের প্রতি জুলুম করেল দি (আরা নিজেরাই জালিম)	২৯-আনকাবৃত	80	979	নিজেনে প্রতি জুলুমানরি সংক্রারের সামে অস্ত্রানে আনা প্রসং	১৪-ইবরাহীম	80	999
আপ্লাহ অপুন করতে চান না (জগতসমূহের প্রতি)	৩-আলে ইমরান		689	নিজেদের প্রতি জুপুর না কর	৯-জাওবা	06	980
		88	50V	নিপতিন হাতি মুপুন করম পরিশম (বিনামাউণ/পরিকনপের)	न-खा,डाक् के को इस	300	955
সাল্লাহ জুলুম করেল না (মানুবই নিজের প্রতি জুলুম করে)	३०-१६मुग			নিজনের উপর জুলুমকারী সম্প্রদারের উপমা কওইনা মন।	৭-আ'বাফ	299	650
রাক্সাহ ভূপুম করেননি (ধাংসপ্রাপ্ত জনপদের উপর)	??- <u>₹</u> म	202	592	নিয়ানের উপর স্বাস্থ্য (বনী ইসরাধিকের)	৫-আগ্রাক		829
আল্লাহ জুনুম করেননি (পূর্ববর্তীদের উপর)	৯-জাওবা	90	689			200	
আপ্লাহ জুপুম করেননি (কাফিরদের ব্যয় প্রসঙ্গ)	০-আলে ইমরান		489	নিজের উপর জুকুম (প্রীচেরকে আটকে রাবা)	২-বাকুারা	507	220
অক্সং কথিকে প্রতি জুনুম বংলেদি গেই নিজের প্রতি জলিম	১৬-নার্প	00	908	নিজের উপর জুশুদ করে ফেললে আস্তাহকে শারণ	৩-আদে ইমরান		485
অক্সহর প্রতি জুমুম করেনি ধনী ইসরাইল বরং নিজেনের উপর	२-राङ्गता	64	609	নিক্ষের উপর জুপুম করেছে মূলা	২৮-কাসাস	36	109
আক্লাহর প্রতি জুলুম করেনি (বনী ইসরাজন)	৭-জালফ	300	650	নৃহ সম্প্রদায়ের জুশুমকারীদের ব্যাপারে সূপরিশ না করা	১১-ছুদ	৩৭	669
আশ্বর্যা (সংকর্মশীল মুমিন হাশরে জুলুমের আশব্যা করবে না)	২০-ড্বা-ছা	225	18₹	পাৰুত্বাও (জালিমনেরকে পাৰুত্বাও করল বিৰুট শব্দ)	১১-ছুদ	≥8	698
ইরাতিবের সম্পদ জুলুম করে খাওরা পেটো আগুন ভরার মত	৪-দিশা	70	263	পাৰকাও (স্বুপুমের কারণে ধনী ইসরাঈশহক বন্ধধানি স্করা পাককাও)	৪-নিমা	74.0	294
ইছদিদের জুলুমের কারণে পবিত্র বস্তু হারাম করা হয়	8-शिगा	360	299	লিছনে ছুটা (জুনুমবনরীরা বিদাস সামগ্রীর লিছনে ছুটোছিল)	22-get	27/9	696
ইহুদিদের প্রতি আল্লাহ কুলুম করেদনি (হারাম বস্ত প্রদঙ্গ)	১৬-মাহ্শ	772	930	প্রতিপালক জুলুম করকেন না করো প্রতি (করামভের দিন)	79-415th	8h	250
উপ্ততের প্রতি ভূকুম করা হর না (রাস্ক আলার পর)	১০-ইউনুস	89	62%	প্রতিদান দেরার ক্ষেত্রে ছুলুম করা হবে না (সঞ্জাহর পথে ব্যা)	৮-আনকাল	60	604
কণপ্ৰায়ীতাৰ প্ৰতি জুকুম করা হবে না (সূদ প্ৰসঙ্গ)	২-বাকুরো	293	600	প্রতিফল নামে আক্লাহ জুলুম করেন না/করবেন না	৪৬-আহ্কাফ	7.9	808
অগদাতার প্রতি বুলুম করা হবে না (মূন প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	29%	200	প্রতিদান দেরার ক্ষেত্রে কারো প্রতি জুকুম করা হবে মা	৪৫-মাহিয়া	22	ace.
অধিকের প্রতি আল্লাহ কুপুন করেননি সেই নিজের প্রতি জাপিম	১৬-নাহল	00	900	প্রতিস্থাপন (স্থাপুনের পর ভাগবাল প্রতিস্থাপন করলে)	২৭-গামল	22	9000
বাফিরর জুপুম করেছে নিজেনের উপর	০-আলে ইমরান	224	289	যাল লানে কোন জুলুম করেনি বাগান লুটি (দুই ব্যক্তির উপমা প্র:)	<b>2</b> ७-वरवृक	00	929
কাজের প্রতিফালের ক্ষেত্রে জুপুম করা হবেনা	৬-আন'আম	¥\$0	652	ক্রিয়াউন/সম্প্রদায় কর্তৃক জুকুমবশত নিদর্শন অস্বীকার	३९-मामन	78	500
কাফিরদের উপর ছুলুম করা হবে না (কিরামতে)	২৩-মুখিনুন	62	955	কলা (কাইকে জুপুন করার গর মজপুন কলা নিলে যা দুবনীয়া নয়)	৪২-পুরা	83	V28
বিয়ামতে জুকুম কৰা হবে না (বোন ব্যক্তির উপর)	০-জালে ইমবান		600	বহন (শুলুম বহনকারী হাশরে ব্যর্থ হবে)	২০-ড়া-ছ	333	985
বিয়ামতে জুলুম করা হবে না কোন ব্যক্তির উপর	০-আলে ইমবান		667	বাগানগুৱালা নিজের প্রতি জুলুম করা অবস্থার বাগানে প্রবেশ করণ	১৮-কার্ফ	44	929
কিয়ামতের দিন বাবো প্রতি জুকুম করা হবেনা	22-MAN	89	1900	বান্দাব প্রতি জুলুম করতে চান ন্য আল্লাহ	8o-मु <sup>*</sup> भिन	(0)	ppo
কিয়ামতের দিন কারো প্রতি জুপুত্র করা হবে না	৪০-মুখিন	39	694	বান্দার প্রতি (আল্লাহ বান্দার প্রতি স্থপুম করেন না)	৫০-ছাফ	235	330
বিলামতে কারো প্রতি জুপুম দর (ন্যার বিচার করা হবে)	০৯-বুমার	60	b99	বিভারনিলে কারো প্রতি জুকুম করা হবে না	২-বাকারা	547	200
বিশ্বামতে কড়িতে জুলুল করা হলে না (কর্মফল পুরোপুরি দেয়া হলে)	১৬-নাহল	222	933	মলকাল পুশুমবারীদেরকে আঘাত করবে	৩৯-বুমার	62	¥ 92
কিয়াখতের দিন প্রশুর করা হবে না কারো প্রতি বিন্দুয়ার,	০১-ইরাদীন	48	bee	মদজিপুল হারতে জুলুম করতে চাইলে বস্ত্রণানারক শান্তি	22-2786	20	160
কমা প্রার্থনা (ঝাল্লাহর কাছে কমা প্রার্থনার নির্দেশ)	s-Peri	330	093	মানুব নিজের প্রতি জুলুম করে (অল্লাহ জুলুম করেন দা)	১০-ইউনুস	88	62V
ক্ষমা (জালিম ও কাড়িরকে আল্লাহ ক্ষমা করবেন না)	8-निमा	369	292	মানুহের উপর জুলুমকারীর জন্য পার্ত্তি	৪২-পুরা	83	558
ধেলুর বীচির আবরণ পরিমাণও জুলুম করা হবে না	8-मिमा	148	293	মানুহের জুকুম সচ্চেও প্রতিপালক মানুহের প্রতি ক্ষমাপীল	১০-রা'ল	6	Gytr
বেলুর বীচির মধ্যস্থিত সৃত্য পরিমাণত জুলুম করা হবেনা	8-FPH	33	699	মুক্তি পণ দিয়ে বাঁচতে চাইবে (যারা স্থাপুন করেছে)	১০-ইউনুস	98	969
থেপুর বীরির মধান্তিক সূত্র পরিমাণ ও করা হবেনা	8-PPH	85	250	মুগার সম্প্রদায়ের জুমুম (বাছুর পুরা প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	28	200
ছাতুন জাভির যারা জুলুম করেছিল যেদের শান্তি বিকট শাদ	33-3F	69	693	যুক্ষের অনুমতি ধান স্বলুমের ভারণে( মহালুমকে )	২২-হাজ	00	962
ভাষুদ সম্প্রদারের জুলুমের করেনে ঘর পভিত অবস্থার থাকা	২৭-নামল	44	904 804	শান্তি (স্থুমের করেনে শন্তি আসা প্রসঙ্গে)	২৭-শামল	pe	809
দ্বাসুল লাভিলারের স্থানুরের তারনে বাং গাতত অবস্থার বাবা দ্বাসুল জাতি স্থানুর করেছিল (নিদর্শনমন্ত্রণ প্রেরিভ উন্তীর প্রতি)	১৭-ইসুরা	25	929	শান্তি (বনীইসৱাইশ জুপুন করায় শান্তি অবতীর্ণ)	२-नाकृत्व	99	809
		98	925	শান্তি (কুলুমবৰত সম্পদ গ্ৰাস/হত্যার ফল্ড আন্তনের শান্তি)	8-निश	30	697
অলিমনের প্রতি জুলুম করা হবে না (শান্তি দেয়ার ব্যাপারে)	<b>30-१</b> हेनूग			শন্তি (মুশুমের নিকৃষ্ট শতিব জব্দ মুক্তিপথ নিতে চাবে জলিম)	৩৯-মুমার	81	245
স্থূপুন করেননি আল্লাহ (পূর্ববর্তীদের উপর)	৫০-রম	8	255	শব্দির কারণ (জুলুমের কারণে শব্দিতে কংশীদার হবে)	80-पुश्वक	00	9.99
বুঁতে পায় (যারা জুলুম করেচে ভালের প্রতি বুঁতে না পায়ার নির্দেশ)	22-4H	220	696	শান্তি দিবেল জাগিমকে (জুলকারনাইন)	72-4154	5-9	902
তথ্য (মুকুমের পর যে তথ্য করে ও নিজেকে সংশোধন করে)	৫-মাছিদা	69	646			77	990
দানন্দ্রনাদের প্রতি জ্বুম করা ধ্বে না	২-বাকুরো	235	605	শান্তি (জলিমকে শান্তি আমানন করাকে আল্লাহ)	২৫-জুরকান		
দুঘার মালিক জুলুম করেছে (নিরানকাই নুযার মালিক)	৩৮-সোয়াদ	2,8	Port	শান্তি (জলিয়ানর যে অর্জনের শান্তি আসমন করতে বলা হবে)	১০-ইউনুস	45	669
ধ্বংগ করেন আল্লাহ জনপদসমূহ (স্বৃদ্ধ করার জন্য)	১৮-কাব্দ	49	459	শান্তির জলে বর্রেছে ভাদের কথ্য দারা জুনুদ করেছে	৫১-মারিরাভ	¢'n.	254
থানে (অনবহিত থাকাবছার আল্লাহ ধানে করেন না)	৬-আন্'আম	2-07	609	শান্তি প্রেরণ (ক্ষী ইপরালিক স্মৃত্যুর করার আকাশ থেকে শান্তি প্রেরণ)	९-स्रा राक	705	629
ধাংল (স্কুপুমের কারণে অপরাধীদেরকে ধাংল করা হরেছে)	১০-ইউনুস	20	956	শিহক অতি বড় জুশুখ	৩১-বৃকমান	30	24
ধ্বংদ(জুলুমের কারণে আল্লাহ কড জনপদ ধ্বংশ করেছেন)	২২-হাজ	86	૧७૨	সীমালকান তুলুম (তালাক প্রসঙ্গে আল্লাহর সীমা লকান)	৬৫-ডালাড	١	3699
নিমেনের উপর জুকুম করেছিল কমিইনরাঈল(আল্লাহন উপর -৪)	২-বাবুগরা	61	600	সূত্য পরিমাণ (সামান্য) জুলুর করা হবে না	১৭-ইদ্রা	42	920

नियद/धनन	न्द्रों स्टब्स्य	<b>TOTA ?</b>	196	नेक रिवा/धर्म	কুৱা বং ও বাম	488	1
জুপুমকারী/জাপিম			-	<b>आहि-लाही</b>	-		+
সাল্লাহ কুলুমকারী নন (বান্দানের প্রতি)	y-304007	62	903	বিনিয়ে (আঠি-শেষ্টির বিনিয়র যুক্তি কামনা করবে অপরাধীর)	৭০-মা'আরিজ	30	36
স্বাল্লাহ গুলুমকারী নন (বান্দানের প্রতি)	০-জালে ইমরাণ	25-2	660	শেরটারে অভিনারি ন থকলে তকে পথা মার (কাইরানকীর)	১১-ছুদ	27	89
নিমেনের প্রতি মুলুমকারী ইবরাহীর আ. ও ইনবাকের তিরু বলেগর	০৭-সাভ্বত	220	1495	শেরাইবের জ্ঞাতি-শেরী কি অস্তাহর সের বেশি প্রকাশপী।	22- <u>\$4</u>	34	69
নিজের প্রতি কুলুমকারী (কিতাবের কতক উত্তরাধিকারী)	০৫-ফাতির	02	789	Win .		<del> </del>	÷
প্রকরত (অপিন্যারকে অল্পাহ কলি পরি বরা পাকভার কলে)	৭-জা'রাক	366	955	অপুশ্চের জ্ঞান তার (অপীন ইবনে মণীরা) নিকট আছে কিঃ	৫০-শক্ষ	00	be
প্ৰতিপাশক ৰান্দানের জন্য জুলুমকারী খন	৪১-যুদ্দিশ্যত	85	143	অবর্ত্তন অনু বার (অনুন হর্মে করার) সাক্ত বার্ছে (ব্য	8-निमा -		
বনী ইসরসিলের মধ্যে যার কুলুম করেছিল ভারা করা পরিকর্তন	্-লা'রাফ	203	643	অৰ্থান কৰা (জন্মে ডিন্তিন অস্ত্ৰাহ্ন কৰ্থান কৰা নিৰ্দেশ)		1000	
বাপার প্রতি স্থপুষ্ণারী গব (জাস্কুর)	55-558	30	989		৬-আন্'আম	780	
সম্প্রদার (জাদির ও সীরালজনকারী সম্প্রদার)	হত-নাজন	03	308	অধিয়ার সম্পর্তে জন নিয়েশর হয়েছে (কমিম্ যুশনিকদের)	২৭-দামল	99	pro
	20-41464	65	908	আন্তর্ভুক্তান জন আন্তর্জু না করেই নিবর্শনকে মিধ্য অভিহিত করা)	২৭-নামশ	28	bro
ছুসুম (সীমালজন)		_	$\perp$	আয়ত (জান আয়ত না কটোই কুৱামান/ভবিকে নিধ্যা অভিবিত করা)	১০-ইউনুস	40	60
থিপে (প্রমানর সাথে দ্বলুম্পিরক মিপ্তির না করার করেনে নিরাপত্ত)	৬-অদ্বাদ	3.5	600	অক্সম জন কর ভূপকরদাইলের সন গবং পরিবর্তন করে আছেন	३५-कार्क	97	79
শান্তি (মানুষকে সীমালক্ষদের করেনে শান্তি দিলে যমীনে)	১৬-নাহল	65	909	আল্লাহ জনে তথা সৰকিছুকে পৰিবেটন কৰে আছেন	৬৫-অলাক	25	34
क्षान लग्ना				আল্লাহ জ্ঞানের ভিত্তিতে ধাংসপ্রাঞ্জনের জাইনী বর্ণনা করেন	৭-জা'রাক	9	0.
অনুসারীকে জেনে নেয়া (রাসুল স. এর প্রকৃত অনুসারীকে)	২-বাকুরো	380	436	অক্সাহকে জ্ঞান জড়াই গালি নিমে বুশবিকরা (দেকতকে গালি নিসে)	৬-জান্'জাম	300	60
অবিবাতে বিশ্বাসীদেরকে জেনে দেরা (নাবাবানী প্রসঙ্গ)	<b>08-</b> गरा	43	780	আল্লাহর নিকট ররেছে (প্রতিশ্রুতি বাস্তব্যর্থনের জ্ঞান)	৬৭-মূল্ক	2,6	8
অ <b>ন্না</b> হ লেনে নিকেন ফুলহিল ও কৈওঁশীলনেরকে (পরীক্ষার মাধ্যম)	8९-पुशस्त्रम	60	978	অস্ত্রাহর জান মানুর আরত করতে পারে দা (অপ্তাহর ইঞ্চ ছাড়া)	२-राकृता	224	20
মিখ্যাবাদী কে ডা আল্লাহ জেনে নিবেন (ঈম্মান প্রদাস)	২৯-আনবার্ড		b35	অপ্লাহর জনসহ কুরজন জবতীর্থ	১১-ছদ	28	66
মুমিনদেরকে ক্ষেনে নিবেন আল্লাহ (প্রকৃত মুমিনদেরকে)	৩-আলে ইমরান	366	002	অল্লাহর নিকটই প্রকৃত জান (জান সম্প্রনায়ের শান্তি প্রসঙ্গ)	৪৬-আহ্ৰাফ	20	83
মুনাকিকলেরকে জেলে নিবেন আপ্রায়	০-আলে ইময়ান		443	অল্লাহর সাথে শিরক করার জান দেই যাব	80-17 Tex	84	bri
সভাবাদী কে ভা আল্লাহ জেনে নিবেন (ইমান প্রসঙ্গ)	২৯-আনকারত	0	1736	অস্ত্রাহ সম্পর্কে জান হাড়াই ঠার জন্য পুত্র-কন্যা উদ্লাবন	৬-জাৰ'জাম	200	100
	Ca-mintio	-	1000	আল্লাহকে কাজিবদের জ্ঞান দাল গ্রীন সম্পর্কে)	83-स्क्राठ	29	8
(करम-दुर्द्ध)			-	আন (ধান আনর গর আর্থনিকারনের বিয়েবর্ণত মার্চেন)	৪২-শুরা	28	100
বটদ থাকে না (জেনেবুখে অণরাধে আঁদ থাকে না যায়া)	০-বালে ইম্মান		\$8y	আন (জ্ঞান আনার পরও প্রবৃত্তির অনুসরেশর পরিবার প্রদেস)	২-বাকারা	250	10:
পথার করা (অল্লাহ জেনেবুরে এবৃত্তি পুলবীকে পথার করেন)	82-मस्त्रि	20	306	অসা (জ্ঞান আনার পর প্রবৃত্তির অনুসরণ করলে রাসুল)			
বৰ্ণনা (জেনে বুঝে কিভাব বৰ্ণনা করেছিলেন আল্লাহ)	৭-আরাক	22	62.6	অসা (এবন আন ইনরাইমের নিরত এসেহে যা)	২-বার্থরা ১৯-মারইয়াম	80	0
মনেশীত (ক্ৰী ইবাইলকে জেনে-খনে মনেশীত করেছেল আস্তাহ)	৪৪-দূখাদ	- 02	900	আলা (আন আলার পর বনী ইসরাইদের মততেম)	১৫-বারহরান ১০-ইউলুস		90
জানা		L				>0	96
'আল্লাহ ছাড়া ইলাহ নেই'- ৫ কথা জেনে রাখার নির্দেশ	৪৭-মুহাম্বাদ	79	970	আনা (জ্ঞান আনার পর মতপর্যব্য করেছে কিতাব প্রাপ্তরা)	৩-ম্বালে ইমরান		40
জেলখানা (দেখুন কারাগার শব্দটি)				আনা (জ্ঞান আনার পর রাসূল স. এর সাথে বিভর্ক করে মে)	৩-আলে ইমরান		48
CORTES				আহলে কিতাবের জ্ঞান নেই (এমন বিষয়ে বিতর্ক)	৩-আলে ইমরান	66	48
কসম (জোড় ও বেজোড়ের কসম)	55-WWI		2057	আহলে কিবাৰের জান আছে (এমন বিষয়ে বিকর্ব)	০-আলে ইমরান		28
জোড়া (আরো দেখুন 'বুগল' শদটি)		-		ইউসুক্তকে প্রজা ও জনে দান করলেন আল্লাং)	75-इंद्रेज्य	22	69
আমাত (অধিকানে প্রভাব জোন্না আমাত করা করপুছে)	৮-আনকাল	32	600	ইয়াকুবকে আন শিক্ষা নিরেছিলেন আরাহ	25-5936	69	60
ন্ধীবের দুই জোদ্ধা করে দূহের দৌকার ওঠানোর নির্দেশ	77- <u>2</u> h	80	666	উপাৰনা(অল্লাহ বাদে এখন মারে উপাননা যে সম্পর্কে জান দেই)	২২-হাজ	42	96
ম্বোর পুরুষ ও নারী অস্তাহ সৃষ্টি করেছেন	৫০-নাম্ম	82	308	বাঁর জ্ঞান আরও না করেই তাকে কিয়া অভিহিত করে জলিম	১০-ইউনুস	C)s	90
পতকে জোড়ার জোড়ার সৃত্তি করেছেল (আল্লাহ)	৪২-পুরা	22	1/84	কফিবদের জ্ঞান নেই (ফেরেশতাদের দারীবাচক দায)	20-11911	20	80
পত্ত-পৌত্রদি বাদিরেছেল জল্লার (মানুখের জোড়া থেকে)				ব্যক্তৰ জ্ঞানের কাজন সম্পদশ্রার হয়েছে!	২৮-কাসাস	95	3.7
	১৬-ধার্প	12	lop	কিবাৰে জ্বনদশ্ম বড়ি কৰ্তৃক লকঃ বনীং সিহোদন জন প্ৰদান	২৭-নামল	80	90
প্রয়েক ক্ষীবের এক জেন্ধু দৌখাদে উঠিয়ে লোম নির্দেশ (নৃহকে)	२०-मृथिन्न ८-निमा	સ૧	101	কিলাবের জান আছে যাদের নিকট তানের জন্য আল্লাহ,	১৩-রা'দ	80	53
মানুষের জোড়া সৃষ্টি করেছেল আল্লাহ(এক আলম আ. ২তে)		2	660	কিয়ার প্রতিপ্রশাসক কিয়ার পূর্ববারী প্রমন্তর্ভা কর্মের জন আর)	२०-ग्र-श	45	48
মানুখকে জোড়া জোড়া বালিরেছেন আল্লাহ	০ং-ফতির	22	184	কিয়ামতের জ্ঞান কেবল প্রতিপালকোই আছে	1-26,810	369	des
মানুহকে জোড়ার জোড়ার সৃষ্টি করেছেল (আল্লাহ)	8२-जुरा	22	1.95	বিরাম্ভের জ্ঞান কেবল আল্লাহরই নিকট আছে	৩০-সাহ্বাব	60	50
মনুবের জ্যেন্স অল্লাহ বলিরজেল (মনুবের নিজেনের থেকেই)	১৬-শহ্শ	92	407	বিয়ামতের জ্ঞান কেবল আল্লাহর নিকট	80-पुरव्यक	20	30
	৩৯-বুনার	6	247	কিয়ামকের জান ৩৮ আল্লাহর কারেই আহে	৩১-লুকমান	98	34
বৃষ্টি (আল্লাহ লব ধরদের জোড়া বৃষ্টি করেছেন)	৪৩-বৃৰক্ত	25	1999	বিশ্বামতের জান আল্লাই বাছেই নাস্ত	৪১-কুস্সিলাভ	89	1/3
পৃষ্টি (আসমের সম্ল্লা থেকে তার জোঞ্জা সৃষ্টি করা প্রসঙ্গ)	৭-আর্থ	79.9	600	विद्यार्थित स्थान वाह्याचा परिवर्त परिवर्त परिवर्त	৭-আ'রফ		
সৃষ্টি (লোড়ার জোড়ার ফল সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	১৩-রা'প	۰	699	কুলামানের জান কেবল আল্লান্ড নাঞ্ছির বাছে কুলামানের জান আল্লান্ড বা করেই একে ভিবা কভিত্তিত করা	৭-আ রাজ ১০-ইউনুস	22.8	86
পৃষ্টি(জোভায় জোভার সৃষ্টি করেছেল আল্লাহ প্রত্যেক সৃষ্টিকে)	৩৬-ইয়াসীন	00	998			69	96
পৃষ্টি (সৰ্বভিন্ন জোড়ার জোড়ার সৃষ্টি করেছেল জাল্লার)	१३-शविद्यान	83	952	গভীয়ন (জানে গভীয়নাসম্পন্ন ইর্নেনের ইবান আগবাদী কিনাম)	৪-নিসা	295	64
দৃষ্টি (মানুষের জোড়া সৃষ্টি ভালের নিজেনের মধ্য থেকে)	00-24	42	520	গনির জানের অধিকারীর বিশ্বাস করে (মৃত্যপরিহাত আগত)	ও-জাপে ইমরান	٩	60
গুটি (আল্লাহ মানুহকে জ্যোড়ার জ্যোড়ার সৃষ্টি করেছেন)	৭৮-নাব্য	b	3000	আন দান করবেন আল্লাহ মূলাকে (পরিপক্ত হলে)	২৮-কাসাস	78	pro
		ŕ		ভাসুতকে জান ও সেহের প্রশস্ততা বাড়িরে নিচেছেন আল্লাহ	২-বাকারা	289	23
জ্যাতির্বিদ্যা প্রসঙ্গ (দেখুন পরিশিষ্ট-৪)	_	-	ш	নাউনকে আল্লাহ জান দান করেছেন	২১-জবিদ্বা	93	90
জার করা		_	$\vdash$	দাউপকে আল্লাহ জ্ঞান দান করেছেন	<b>२</b> ९-मांबन	26	bro
শীরক করতে জ্বের করলে শিকা-মাতার নির্দেশ মানা বাবে না	৩১-সুকথান	26	PSF	ন্তান (আনহাকে জান বান কর হয়েছে আহরে নিকট রাধূল দ. (ক বিদ্রুপ)	৪৭-মুখ্যখন	79	93
শ্বীক কাতে জেরাছুরি করলে পিতা-মাতার আনুগতা দা করা	২৯-আনবাৰ্ড	br	9.79	দান (জান দান করা হয়েছে বালেয়েক ভানেয়কে মর্কারে জীবিত)	৪৮-মুজানালা	22	342
জার-জবরদন্তি				দূৰিয়ার জীবন সম্পর্কে কাহিরদেরপ্রকৃত জান নেই	৪৫-জাছিয়া	₹8	30
জানে বাপারে জের-জন্মদন্তি দেই	2-41e(a)	206	800	লেরা (জ্ঞান দেরা হরেছে বানেরকে তারা জানে বে) লেরা (জ্ঞান ও দিয়ান দেয়া হরেছে বানেরকে তরা কল্বে)	৩৪-সাৰা	6	58
					৩০-রম	46	24

HE THE BESTELLE	नुबा नर छ सूब	4358 A	भुका.	नम विषय/शतम	বুৱা নং ও নাম	nga P	প্ৰ
क्षम (पूर्व पृक्ष (बदक)				জানী/মহাজ্ঞানী/সর্বজ্ঞানী			L
ज़्या (ब्रान अस शहरार प्राप्तात चरा रूप मुर्तित (समापत)	STREETS-VIC	bro	254	यन्तर्गत सामी वाहार	58-शारा		683
ব্রীনের জ্ঞান আসার পর বলী ইসরাইল মড্বিরোখ করেছিল	৪৫-মাছিল	39	900	অনুশ্যের (আপ্তাহ দুশা ও অনুশ্যের জানী)	১৪-রাগাবুদ	34	990
ब्रिट्स गरीह बान वर्कन एक घर शहर माना नकी वर्ग	৯-অবেশ	255	600	प्रमृत्मात कामी (पादार)	১২-সাঞ্ধা	0	800
নিপ্ৰশং হওৱা (অধিৱাত সম্পৰ্কে মুশৱিকলো জ্বল নিৰ্মেণ হওছে)	২৭-মামল	40	504	অনুশ্ব ও দুশ্বের জন্মী আপ্তাহর নিওট মানুষকে বিভিন্নে লেয়া হবে 🗦	-ভারবা	206	503
निकृत ब्राह्म काना बानरान मानुग (मायावात एउ मा (शाहरी शामा)	7०५-डाबाईव	4	2005		29-484	રર	96.
নিজেনের জ্ঞান নিয়েই উৎকৃত্র বোধ করত কাক্বিররা	৪০-মুমিন	bro	244		৯-জান্তৰা	86	000
নুহ ঝা, এর জ্ঞান দেই যে বিষয়ে তা খেকে (আন্তর প্রার্থনা)	77-44	81	590		৩৫-ফাতির	Ob	P83
मुद्रह स्थान् जनुमतिहान व्यक्ता समात नृदर्श स्थान मा संस्थ)	२७-७ जारा	225	120		१२-जिम्	26	yp.
নুহের যে বিশ্বরে জ্ঞান দেই তার প্রার্থন করতে নিমেন (পুত্র প্রদাস)	77- <u>\$</u> H	86	890		⇒२-सू <b>ब्</b> 'ञा	ъ	365
নেই (ম্লান লেই এমন বিষয়ে কারো অনুসরণ করা নিষেধ)	১৭-ইস্রা	100	959		০-আলে ইমবান	22	600
পথটো কর (আগর্হীদতার কারণে প্রসৃতি বারা পথটো করা প্রসঙ্গ)	৬-আন্'আম	222	809		২৯-আনকাব্ড	80	9-73
পথপ্রতা প্রসঙ্গে (জ্ঞান হাড়াই মানুদ্ধক পথ্যাই করার পরিবাম)	১৬-দাহল	20	908		১৬-ভাৰ্বীম	٥	890
পরিষ্টেদ করা (মালুর অক্সাহকে জাল বারা পরিবর্তন করতে পারে না)	২০-ড়া-ছা	220	985		১৬-দাহল	90	101
পরিমেটন (সাপ্রার জ্ঞান বারা সমবিদ্যুকে পরিবেটন করে আছেন)	৬৫-জালাক	25	366		২-বাকুরা	5.07	450
পরিমেটন প্রেডিপালক সবভিযুকে জানে পরিমেটন করে রেগেটেন)	৬-আন্আম	)ro	600		२८-न्द	92	999
পরিমৌল (প্রতিপালক সরবিধু জ্ঞানে পরিমৌল করে আছেন)	৭-আ'রাক	b/b	652		<b>५०-मूमकाश्चि</b>	30	959
পরিবার (অস্ত্রাহ সর্ববিদ্ধবে মরলে পরিবেটন করে রেখেনে)	২০-ড়া-য	39	989		১২-ইউমুক	9-0	60.8
পরিমাণ (জাল্লার বিমুখনের জানের পরিমাণ)	৫৩-নাজম	100	300		২৪-দূর	હર	199
প্রবৃত্তির অনুসরণ করে জ্ঞান ছাড়াই (যারা জুলুম করেছে)	00-£2	45	₽48		२८-मृत	23.	99
কেকেপনাসৰ জ্বাল সেই (আল্লাহ যেটক শিশ্বিকালে আ কার)	২-বাস্থারা	હર	208		২২-হাজ	25	૧૪
নৌ ইসবাদিশের জ্ঞান ছিলনা (উসা আ, হত্যা প্রসঙ্গ)	8-भिन्न	309	299		২২-জন্দ	24	9,6
বিচাৰ (জ্বন ছয়াই অস্তাবৰ পথ খেকে বিচাৰ কৰাৰ জন্য)	৩১-প্ৰথমান	0	৮২৭	আল্লাহ্ সর্বজানী ও সর্বপ্রোজ (বিধিক দান প্রসঙ্গে)	২৯-আনকাবৃত	фo	2.5
বিতৰ্জব্যক্তৰ মানুষ জ্ঞান স্বাভাই অন্তাহ সম্পৰ্কে বিতৰ্জ কৰে)	22-0706	ъ	926	আপ্লাহ সৰ্বজ্ঞানী ও সৰ্বপ্ৰোজ	৫-মাছিলা	96	25
विकारिकारक मान्य ब्रह्मन प्राप्तारे जाहार मान्युर्क निकार्य करत)	22-87 <b>0</b> W	0	926		৩১-লুকমান	98	64
कुद्धानं चरक्ष (एम व्यवस्थात्त्वा भरत रिकृष्टे न काम)	১৬-নাহল	90	406		y-আগখল	65	90
বৃদ্ধ বয়সে জ্ঞান থাকার পরও মানুখ যেন না কানে	22-07%	0	926		৮-জাপদাশ	83	60
বৃদ্ধি (জ্ঞান বৃদ্ধির দোৱা করতে রাসুল স, কে আপ্রাহর নির্সেশ)	২০-জা-বা	228	986		২-वाकृत्य	289	651
হাত্র অপ্তাহন লোমতকৈ নিয় জালাম অর্নন বিবোদা করে	৩৯-গুনার	85	b 92	चालाह मर्वकानी	৩-আলে ইমরান	252	28
মানুষের কেউ কেউ জ্ঞান ছাড়াই আল্লাহ সময়ে বির্তক করে	৩১-লুকমান	30	bab	चालार अर्वकानी	২-ৰাকারা	23-2	22
ত্বিখন বছনা (জান ছাত্ৰা আপ্ৰাহ সম্পৰ্কে মিখ্যা বছনা কৰা)	৬-জাপ'জাম	288	630	वालार मर्वधानी	২-বাকুরা	228	22
प्रणातिकारमा काछ (किरास्ता) खान श्राकरण त्वर कताव निर्माण	N-1904 (SEX	785	633	व्यक्तर गर्वकांगी	২-বাকুরো	₹88	142
মুহিনাসং যে বাপারে জ্ঞান দেই সেগর কথা করা কাছিল	২৪-প্র	30	992	वाहार मर्ववानी	২-বাকুরা	229	22
মুশরিকদের জান লা থাকা (ফেরেশভালের উপাসনা সম্পর্কে)	85-7497	30	229	वाहार नर्वकामी	২-বাকুবা	242	62
प्रश्तिकामत स्थान (भीर (याचा राज प्राष्ट्राय गर्धान अवन अवन (	79-416-E	2	928	पाश्चर प्रश्रंवामी	২৪-লুৱ	90	9.5
भारत हुए विकास काम उनके किस्ताद हुए विकास देखी स्थाप करात ?	১৮-কাহক	69	300	पाशाह अर्रवामी	৯-ভাওব	306	62
রামল স. এর জান ছিল না (উপ্রিক্ষণতের বাধানুবাদ সম্পর্কে)	৩৮-সোৱাদ	60	1790		৮-আনফাল	20	90
প্রকান স্থার নিকট জনে আমার পর কমিবনের অনুসংশ করলে	১০-রা'দ	09	68-2	থাল্লাহ সৰ্বজ্ঞানী (আকাশ ও পৃথিবী সৃষ্টি ও পুনসৃষ্টি প্ৰসঙ্গ)	०७-३रामीन	2.7	be
রাস্পলের জ্ঞান নেই (আল্লাহই ভাল জানেন অদৃশ্য বিষয়ে)	৫-মারিনা	209	869	प्राष्ट्राद नर्रकामी (प्रापीद्धार बींद यहपत्र अन्त)	১২-ইউনুক	48	99.
লয়কে আস্ত্রাহ প্রজা ও জান সেন	३३-जापिया	9.8	920	प्राष्ट्राद स्राप्तम राष्ट्र या पाएड	৫-মায়িদা	٩	97
নহীত সম্পত্ৰৰ জ্ঞান মা থাকা (মাজ-পিতার আনগত্য প্ৰসঙ্গ)	३५-आववाद्	ъ	579	प्राक्षार प्रश्वकानी	৯-স্বার্থা	226	60
শিহতের পড়ে আব ধারতে উপস্থিত করার নির্দেশ (কাফ্রিসেরকে)	৪৬-আহ্বাক	8	305	प्राचार मशकानी	৯-জ্যন্তবা	ģo	48
শিকা দান আহাত্তর পক্ত থেকে (থিকিবকে)	79-5000	342	900	कत्त्रार महासामी	৯-ডাওৰা	200	90
শিরক বিহরে জাদ না থাকার (শিকামারে শিরক করতে		1		जाहार महासामी	२8-मृष	45	93
बकरल पर निविद्य)	৩১-পুৰমান	24	254	অস্ত্রাহই ভাগ জাদেন (মহাজানী) অনুণ্য বিষয়ে	৫-মাবিদা	309	23
দৰ্বব্যাপী (অল্লাহর জান দৰ্বব্যাপী)	৪০-মুমিন	3	5.95	आश्चार स्थानी (नटफन निषय সম্পর্কে)	৮-আনফাল	80	60
সাধার রানীকে জান নান (মুপলিম হওয়া প্রসঙ্গ)	২৭-নামল	88	500		৯-অধ্ব	95	<b>68</b>
নামান্য জ্ঞান দেৱা হয়েছে মানুষ্ট্ৰ	১৭-ইপরা	be	152	Childre meloscoli	৫-মারিদা	28	20
স্পাইমানকৈ আস্তাহ আৰু দান কলেছেব	२५-व्यक्तिया	13	922	वाहार मध्यवानी	৯-জব্ব	27	98
হলাইমান্তে আপ্তাই জ্ঞান দান করেছেন	২৭-খ্যন	38	407	आद्वाद मश्रकानी	৯-ভাওৰা	220	62
হত্যা (জ্ঞান ছাত্মাই সম্ভালনেত্ৰক হত্যাকারীরা ক্ষতিয়াস্ত)	৬-জান'জাম	380			48-मृत	20	25
		1	-		৮-জানমাদ	39	80
আন্তর্গার কুরতাম আন্তর্গার্ডনের নিকট পাঠ করলে (তারা দিমালবনত হয়)	29-8HB	304	920		৯-জাওব	26	68
	* Locales	100	1,40		h-8164I	39	
জ্ঞান ফিরে পাওয়া	4-00,510	380	690		৬৪-অগারন	35	36
মুসার জান ফিরে পাওরা (সংজ্ঞাহীন হওরার পর)	न-जा सक	286	020		৬-আন'আম	30	
कानवान		1.	1		৩২-সামদা	6	bre
ইয়াকুৰ আ, ছিলেন জানবনে	১২- <u>ব্</u> তুসুক	60	6940	অন্তাহ অনুন্ত ও দুশ্যের জানী	७५-नास्मा	9	100

भाषा । विशेष्ट्रीयाम समावादा	नुबानः ७ गर	4603	20	THE RESIDENT AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE	সুধান্য ও নাম	400	1981
कारी: (पूर्व पृष्ठा (चटक)				প্রস্তুত (ভুলন্ত আচন প্রস্তুত বিয়ামত কর্ষীকারকারীর জন্য)	২৫-ফুরকান	22	200
সক্লাইই দৰ্বজালী হিচেবে যদেষ্ট (অনুপ্ৰয়ের প্রতিদান প্রদান)	৪-নিসা .	90	696	প্রবেশ (কুলর আহনে প্রবেশ করনে তার যাসের আমলনাম)	৮৪-ইন্শিকাক্	34	303
অপ্তাহ সৰ্বপ্ৰোয়ে ও সৰ্বজনী (অধ্যাপ-পৃথিতিঃ সমস্ত কথা তিনি জা	প) ২১-অপিয়া	8	920	বৃদ্ধি কর (কুলর আচল বৃদ্ধি করেল অপ্তাহ চায়োম বিমিত হলে)	১৭-ইসুরা	59	933
षाद्वार गर्वप्राध्य ७ गर्रकानी	3-8764	37	800	শান্তি (কুলার আহনের শান্তি প্রস্তুত রাখা হয়েছে শান্তানসের জন্য)	৬৭-মূপুর	0	393
अद्वाद गर्दकामी ও মহাপ্রसाराम (अनुदाद ও निवायত প্রস	সে) ৪৯-ব্রবাভ	1 5	340	শান্তি (কুলভ আগুনের শান্তি নির্দেশ থেকে বিচ্যুত জিবকে)	৩৪-সাবা	38	1/84
जाहार् गर्रकामी उ मदाशकाराम	8-Sprt	46	260	শক্তি(শরমন ভুলত আচনের শক্তির দিকে ভাবদেও মুর্শকিক)	৩১-পুকমান	1 22	240
जाद्वार् गरंब्समी ७ मश्रद्वाराणगणी	২৭-সামপ	932	909	ख्या	1	1	1
अद्याद गर्दकानी ও মহাপ্রकारान	००-वाइशर	3	800	আহনে ভূপবে দীয়াদক্ষনকারীরা	৩৮-সেৱান	Q3r	brbh
আল্লাহ সর্বজ্ঞানী (সৃষ্টি করার ব্যাপারে)	00-94	¢8	746	যুলাতন	00-0-191-1	40	0.00
वादार गर्दकानी	০-জালে ইমরা		609	ব্যাতন বীতে ভাষাতৰ করা যথে না (সম্পদ দেরার উদেশ্যে)	8-मिमा	12	441
याद्यार नर्वकामी	२8-मृत	122	992		9-invil	7.9	669
আহার সর্বজ্ঞানী	৩-আলে ইময়া		609	স্থাপনে	-	-	μ.
আয়াহ সর্বজ্ঞানী ও প্রজাধান	৪৫-বৃৎক্রক	148	907	আঙৰ জলামের পর কেন্দে নেরা (মুনফিকের উপমা)	২-বাজুরা	39	600
पाद्वाद गर्वकानी ७ मदा <u>शका</u> न∞	৭৬-পাহর	90	999	আচল (মুন্তের আচল খনপার দ্বালিয়েরে ইংলীয়া অস্ত্রাহ ত	৫-মারিনা	48	6,80
আল্লাই দৰ্বজ্ঞানী ও মহাপ্ৰজ্ঞানান (বিয়ের বিধান প্ৰসূত্ৰ)	8-निमा			আঙ্গ দ্বালানের বিষয় তেবে দেখা	৫৬-ওরাকিরাহ্	42	1984
याद्वार मर्रकानी ও महाद्वक्षातान	8-991	390	@95c	জুপিয়ে দেয়া			
অল্লাহ দৰ্বজ্ঞানী ও মহাপ্ৰজ্ঞানান (কসম অবসান প্ৰসঙ্গ)	৬৬-সংখ্ <del>রী</del> ম			ইন্যাইমনে ভালিয়ে দেয়ার ঘড়বছ (সম্প্রদের কর্তৃক)	২৯-আনতাবৃত	4,8	6.72
आहार गर्वकामी ७ मध्यकायाम (कनम जरनाम दन्त्र) आहार गर्वकामी ७ मध्यकायाम (श्रीवान क्वेन दनक)	8-5491	3	290	সামিত্ৰীৰ ইলাহ/উপাসা(ৰাছুৰ)কে জালিয়ে দেয়া প্ৰসঙ্গ	২০-সুর-হা	20	9,89
प्राप्तार गरेकामा व स्वयुक्तायाम (साधान पर्चन द्वनक) प्राप्तार गरेकामी व स्वयुक्तायाम		22	663	জ্যেতি (আরো দেখুন আলো শব্দটি)			
	১২-ইউসুফ	700	69.9	প্রতিপালকের জ্যেভিত্তে ঘর্মীন উল্লামিত হবে (কিয়াহতে)	৩৯-যুমার	60	৮৭৭
अन्नार नर्रमानी ও मराश्रकायन	৮-আনফাল	42	663	জোভি প্ৰকাশ	-		
আস্তাহ সকল বিষয় ভালভাৱে ভালেন	৮-আনকাল	92	90%	প্রতিপালকের জ্যোতির প্রকাশ পাহাড়কে সমতল করে দিল	৭-আ'রাঞ্	789	640
উপরে (প্রত্যেক জানীর উপরে রয়েছেন এবজন মহাজ্ঞানী		96	678	জ্যেতির্ময়		-	-
কুরমান[সর্বজ্ঞানীর পক্ষ হতে রাসুল স, কে কুরাআন দেরা হয়ে।		6	broo	চাদ (জ্যোতির্ময় চাদ বাদিয়েছেল আল্লাহ)	२१-वृद्धकान	65	95%
ধানা(মানীদের মান যে কুরমোনপ্রতিপালকের পক্ষ থেতে আধা স		28	950	-	- L		100
জানী (প্রত্যেত জানীর উপরে হয়েছেল একজন মহাঞানী)		96	698	বুকৈ পড়া			
জনী (অস্তাহ দৃশ্যমান ও অনুশ্য বিধয়ের জানী)	১৩-রা'দ	b	696	পুনিয়ার প্রতি স্কুঁকে পড়া ব্যক্তির উপমা	৭-আরাক	398	643
वृंदर्गत (बाह्राव वृत्रा ७ वर्गरगत सामी)	১৪-ডাগার্ন	35	202	ষ্ট্ৰীর প্রতি স্কুতে পড়া (একাধিক বিষ্ণে করা না করা প্রসঙ্গ)	8-मिश		666
দৃশ্যে জাদী (সাল্লাহ)	৩২-সাঞ্দা	5	500	স্বশতা (আরো দেখুন বিবাদ শব্দটি)			
मृश् ७ अन्तरशत कामी वादाह	২০-মুমিনূন	34	995	অপ্তাহর সমান কাল্প করতে দিলেং করতেন অস্তাহ (ভিরামতে)	€०- <b>इ</b> स्क	49	320
मृना-समृत्नाव कानी (आद्राव)	৩৯-বুমার	86	746	ইবলিসের বাহিনীর ফণড়া (জাহারামে)	২৬-চ'জারা	3/3	าหอ
দৃশ্য-অদৃশ্যের জানী অস্তাহর দিকে সকলকে বিভিন্ন লেয় হলে	७२-वृत् वा	ъ	365	বগভা-বিবাদ			1
দৃশ্য-অনুশ্যের জানী আল্লাহ	৬-আৰ্'আম	30	604	বিয়ার (কাল্যান নিবাসের বিয়ারের তার রানুল স. এর উপর কর্মন প্রদাস)	৪-নিদা	50	696
নিদর্শন (স্থায়ন সম্প্রবারের শক্তির মধ্যে জানীয়ের জন্য নিদর্শন)	২৭-নামল	65	bro8	হজে কণড়বিবাৰ নিবিদ্ধ	২-বাকারা	229	655
দির্শন (আমী সম্প্রমায়ের জন অস্তাহ নিনর্শন কর্মন)	১০-ইউনুস	Q	968	वंड			
দিলপি (জানীসের জন্য নিধর্শন ব্যৱহা আবা ও বর্ণর থৈচিত্রে)	00-WX	22	790	্রেরণ (পাধর বহুনবারী স্কর্ন প্রেরণ পুরু সম্প্রসারের শব্রির ওন্য)	৫৪-কামার	<b>C6</b>	201
নিদর্শন বর্থনা ( আনী সংখ্যনাটের ভব্ড)	৬-আন'আম	29	306	बार्ग् करिएस बाद बहेरात यह व कर्ड मिला वसम् छन्।	১৪-ইবরাহীম		
পুত্র (ইংরাহীয়তে জ্ঞানী পুত্র সপ্তান ইসহাকের অনুক্রে সুসংবাদ)	৫১-খবিকাত	4/2	245		20-648(4)4	32	995
পুত্র (জানী পুত্র সম্ভাগের পুসংবাদ দিলেন ইবরাহীয়কে)	30-599	ė0	900	ষড় (পাধ্যবাহী ষাড়)		_	-
প্রতিপালক (সংক্রিয়ার প্রত্তী ও মহাজ্ঞানী)	১৫-ছিব্দ	) bib	902		২৯-অনকাবৃত	80	1,79
বফ (জানীদের বক্ষে কুরমান স্পষ্ট নিদর্শন)	২৯-জনবার্ড	89	340	यंज्			
বৰী ইসমায়িক্য জানীক্ষয় কুমামান সম্পৰ্কে জান্য (নিদৰ্শন ছত্যা,		2399	930	বাৰ্ডান (ৰয়ের বার্ডান প্রেরণ করে আন আভিবে শক্তি প্রথম)	৪১-কুগ্সিলাড	36	৮৮৭
কা (বিয়ামতে জানীয়া কারে অপমান ও অমসল কথিয়নের জন		33	902	ৰড়ো ৰাত্যপ			
বলা (মানী বলাবাই আল্লাহকে ভৱ করে)	৩৫-ফাতির	45	787	হেরণ (মটোবার্যন প্রেরণ করে আদ সম্প্রদায়কে পারি লম)	৫৪-আমার	7.9	300
সম্প্ৰদা (ঋদী সম্প্ৰদানের জন্য আগ্রাহ আয়ত বৰ্দন কলে)	৬-অদ্'অম	206	606	প্রকো (বার্ড্যে বার্ড্যার প্রেকা করে আদ ভাতিকে শর্মি প্রদান)	৪১-ফুস্সিলাত	26	bys.
বুলম্ব	4 47 41	800	970	योज्ञ दोस्त्रा			
অন্নিৰ শয়তানের পশাস্থাবন করে	৩৭-সাফ্জত		1.00	অখত (দৌৰ্যন সমূদ্ৰে চলাবস্থার ঋড়ো হাওয়ার আঘাত)	২০-ইউনুস	44	629
অঠ (তুলভ ভাঠ নিরে মাসবে পরিবার-পরিয়ানের অন্য)	২৮-বাসাস	30	454	ধ্বংগ(প্রচাই কড়ো হাওয়া হারা আন সম্প্রনায়কে ধংগে)	৬৯-ব্যব্দাহ	0	486
পত (কুলার কাত লেকে বালনে নামবার-নামবানের জন্য) শিব (কুলার শিব পিচু থাজা বরে বাকে যে চুরি বরে জন্যত সম)	১৫-হিম্মর	43	3.70	बद्धम		÷	
		79.	633	জান সম্প্রনারকে আপ্রাহ কর্মার মাধ্যমে সাহাত্য করেন	২৬-৩'আরা	308	43-2
ছুপন্ত আধন (আরো নেপুন অপ্লিশিখা/উব্রেঞ্জেজি	8			উৎসায়িত (অল্লাহ কর্মা উৎসায়িত সংরেশ মৃত ক্মিতে)	০৬-ইয়াদীন	08	100
অভিন/ভাহান্নাম শব্দটি)			ш	GIGG GHI (प्रमुन नन्द्रनायुक निवालन खनक्षण अर्थाव (MGS (GHI))	২৮-চ'আর	289	934
অকৃতজ্ঞের পরিণাম স্কুলন্ত আঙল বেড়ি ও শিকল	৭৬-মাব্র	8	794	অল্লানে (উওর জাল্লানে প্রকার বেলা উৎসাধিত দুটি ঝর্মা থাকরে)	৫৫-রাত্মান		
অধিবাসী (আঙনের অধিবাসী হওরার জন্য শয়তান ভাকে)	ত্ত-ফভিব	6	¥8è	জন্মতে নাগদাবীল নামত একটি ঝুণা থাকৰে।	৭৬-সাহত্ব	66	284
রধিবাদী (ঞ্বলন্ত আগুনের অধিবাদীদের জন্য ধ্বংগ)	৬৭-মূল্ক	22	264			20/	355
অধিবাসী (ভুলন্ত আঙ্গের অধিবাসী হত না প্রায়ানুমিয়া		30	200	অল্লাতে প্ৰব্যান কৰ্ণ(ক্যবারীকে প্রদর্গ কলেত দু'চিতে) কর্মা উৎসাধিত মা করা পর্যন্ত আভিত্তা সমান আন্তরে না	११-सङ्ग्रन	80	287
পাহল্রম (কুলস্ত আগুন হিসাবে গাহাল্রামই বঙ্গেউ)	8-Sot	00	¢68		১৭-ইস্বা	30	457
প্রবেশ (ইয়াতীনের সম্পদ্ধ্যাসকারী ক্লান্ত আন্তনে প্রবেশ করবে		20	663	অন্যর কর্ম প্রবাহিত করেছিলেন আল্লাং নুলাইমানের ফল	o8-সাবা ০৪-	25	>82
প্রবেশ (এক নল মানুষ কুলন্ত আন্তনে প্রবেশ করলে,)	84-78	9	597	অসপীন একটি খালো যা থেকে নৈকটাগ্রাক্তর পান করাব পান (অপ্তাহর দেক বাধারা প্রস্তাহের ঝর্মা থেকে পান করাব)	৮৩-মূত্রক্ষিক্টন ৭৬-দাহর	59.	2025
							266

कामी बदम

44	বিষয়/প্রসঙ্গ	न्दांतर कतात.	1000	नंत	नुष दिशह/श्रीत्रक त्रुवी निर ७ नाव पर	6 83	পৃষ্ঠ
		Jesúr Anto	100.	1		e	90
धक्रमा (पूर्व पृक्ते स्था		an metra		2.0	বুলিয়ে দেয়া	-	_
	পেল কত কৰ্মা (ফিরাউলের বহিনী )	88- <b>न्य</b> न	20	900		20	93
	ক অবস্তীর্ণ পদি ধরা কলো প্রবাহিত করা)	৩৯-যুখার	52	282			73
	কারীকে প্রদন্ত ব্যক্তিকে)	৫৫-রাজ্মান	¢0			24	100
	প্রন করানো হবে (পাপাচারীদের)	৮৮-গশিষাত্	4	2029	ব্যেটিয়ে বিদায়	-	-
ৰহমান ঝৰ্ণা থাকৰে		৮৮-গাশিরাহ্	25	2073	ব্দীন ব্যক্ত ব্যক্তিয়া বিনায় করবে সঠিকপথ অনুদানে কয়ল ২৮-কাসাস 🕻	29	22
	খে মুম্রজীরা প্রকবে	৪৪-দূখাৰ	65	908	টলে যাওয়া		
	ত (মৃসার লারির আখাতে)	৭-আ'রফ	360	621		86	65
	হনী ইসরাইকের জন্য (মৃশর পরির আঘাতে)	२-स <b>्</b> राह्म	60	808	Dist		~
	ভ্ৰুন গোষ্ঠীকে ৰূপা থেকে বের করে দেয়া)	২৬-৩'বারা	6.8	392		20	9.0
	ভূমিতে ঈদ্য আ, ও ভার মাকে অপ্রয়ন্ত্রন)	২৩-মুমিদ্দ	60	966			Ü
	थं भावरव (शक्तारव)	৭৭-মুর্সাল্যক	87	999	डामाज्य		
	থ থাকবে (জাল্লাতে)	১৫-হিমর	80	900		26	9/2
	লল্লত ও কর্ণাধারার মাঝে)	৫১-ঘরিরাক	345	256	চিকে থকা		-
সালসাধীল নামক এ	ध्वति वर्णा बाह्माट धावटर	৭৬-দাব্র	35	999		96	94
ঝরানো					টুকরো টুকরো (আরো দেখুন খণ্ড-বিখণ্ড শব্দটি)		_
আৎনের ফুপনি খা	য়াসো খোড়ার কসম	১০০- অনিবাদ	1	3000	পৃথিবী টুকলো টুকলো করার আকাৰকা (কুরজন হারা) ১০-রাখি	40	43
ঝৰ্ণা নিসত					টেনে আনা		
	ত পামপাত্র পরিবেশন করা হবে জাল্লাতে)	৩৭-সাহুত্বাত	8¢	b45	হাছদকে নাধা/চুল ধরে মূদার নিকে টেলে আল: ৭-আ'রাফ ১	20	62
	য়ে গুৱাকেরা করবে চিব-কিশোরেরা	৫৬-ওয়াবিরাহ	35	380	क्षेत्र लग		
থকত						89	30
	ষ্টশক্তি কেন্তে নেবার উপক্রম হয়	28-98	80	995		93	Vν
	0 110 CTCQ C - 112 0 111 1 C	40 /4	0.0	1.10	টেনে বের করা		$\overline{}$
ৰূপদে দেয়া	আধন থেকে জিল সৃত্তি করেছেল আপ্রাহ)	32-fèmm	29	660		66	96
	(সাকার নামক কাহান্ত্রাম)	18-মুখ্যকৃতির	230	997		90	22
		१७-द्रमाव्यक	83	996		40)	82
	বে ঝগদে নেরা আগনে	২৩-খ্যমিল	308	992		00	95
	লগে নেবে মাহাল্লামিলের মুখনগুল)	২০-ৰু াৰপুন	308	114		-	10
কাউ গাছ				1	টার পাওয়া/না পাওয়া অপরবীর টার পারে বা জের্মান্ডকজনে দারি এসে পড়গে) ২৬-ড'জনা ২	203	936
ভদ্যান (কাভ গাছ ৷	দিয়ে উদ্যাদ দৃটির পরিবর্জন)	৩৪-সাধ	36	785		2	25
ঝাঁক				$\vdash$			30
পাধির ঝাঁক (হাতীও	নাগাদের বিরুদ্ধে ঝাঁকে ঝাঁকে পাৰি প্রবাদ)	১০৫-খীদ	0	2000			bo
वीं छएँ कवाडी						96	
	র্ভুকতারী হবে সে সম্পর্কে প্রশ্ন করা হবে।	৭৫-বিশ্বানাধ্	21	998			62
প্রা (অনুক্তনার ব	ত দে সম্পর্কে বিয়ামতে হলে করা হবেং)	গ্ত-বিবামাত্	29	278		66	bro
ঝাঁপিয়ে পচা			1	1 1		22	30
কবিবদের জীপরে	পরা (যুদ্ধে মুমিনাংর অসতর্বাবস্থায়)	8-901	303	490			65
যুদ্দিনদের উপর কামি	সাদের অপিয়ে পড়া (মুচে জগতর্ভাবস্থার)	৪-বিসা	303	490		2	35
বঁকা						49	90
রাসল স, ঐক্রেন	সন্ধির ক্ষম্য (কাফিররা পুরুলে)	৮-জনম্বল	65	(60)r		99	20
	হদি কাভিরৱা তবে (সজি প্রসঙ্গ)	৮-আৰফাল	63	GOV		3.5	79
			1			60	24
खेरक (मधा सामाजिता संपन्न (स	ধবে দুশিয়ার কাঞ্চির সঙ্গীকে (ভাযাল্লামে)	৩৭-সাক্কাভ	92	1023	শান্ত্র (অনুমান্তর পরি এনে নিক বেকে অন্য যে তার ঠেবে পাবে ম) ১৬-নাংল ।	80	90
	A ME THE THE CHARLES		111	100	Deets		
ৰাক্দি	क्तिया (त्रभून म्. ध्व क्या अर्थन अन्म)	৬৩-মুনজিকুন	0	366		2	20
	व्यक्तव (वर्ष्ट्र नः यव प्रत्य अन्य अन्य अन्तर)	Go-FanaSu	8	900		-	-
থকৈ পড়া		- 6			ঠাই। (আবো দেখন বিদ্রূপ শব্দটি) ঠাই। (আল্লাহর দাবে ঠাইা করে দুর্নাফিকরা) ১-তাওবা	42	68
	। পড়া (কামদার অনুসরগকারী চার)	৪-নিস্ম	54	690		29	26
	পড়া (কমনার অনুসরণকারী চার)	৪-নিগা	59	690		68	68
	কে না পড়ার নির্দেশ	ऽऽ- <del>र</del> ूप	220			00	Ça
	দা পঢ়ে (হাৰাম খেতে বাধা হলে)	৫-মরিদা	0	6,00	<u> </u>		
	তন মুশর্কিদের দিকে (আল্লাহ হির না রাখ্যা)		98	150	অন্যান ইট্রানটার (অপ্লাহর প্রতি কর্মধ্যে অবলের জন) ১৮-মুমার	66	64
	হ দিৰেধ (একাথক স্তীয় মধ্যে একজনের প্রতি)	৪-নিগা	259		ঠাইা-বিদ্ধূপ (আরো দেখন উপহাস শব্দটি)		L
প্ৰীয়প্ৰতি (একলিক স্ত্ৰী	থৈ মধ্যে নায়ের প্রতি সম্পূর্ণারণে স্কৃতক পড়া নিকে।)	8-निमा	259		অরাধকে ঠার্টা-বিদ্রপ করা ৩০-জম	50	50
হনর বুঁকে পঢ়া (ব	দবীর প্রীদের হদর গোপন কথা প্রদঙ্গ)	১৬-সংখ্যীন	8	940	ইয়াননার্ভন্যতে ঠাটা-বিস্তুপ হিসাবে গ্রহণ করেছিল (জায়ন্ত্রমির) ২৩-মুখিনুদ	250	9,0
বুলত					ইয়াকরভারের টাটা-বিদ্রুপ করে কাহিবরা ২-বার্থরা ২	\$58	03
প্রীকে শুলভের মত	্বেল বাধা বাবেনা	8-FP1	259	640	কাভিত্রর যা নিরে ঠাইা-বিকুপ করত তাই তালেরকে ৪০-মুমিন ।	bo	bb
	(神)				কাভিতর ঠাটা বিদ্রুপ করে বে শান্তির ব্যাপারে তা ভাসেরতে ১১-হুল	b .	66

8				रुवि	ভাকা			
44	िरिशा/दगर	त्वान्त्र व वान	422	198	THE REAL PROPERTY.	BR RE WAL	Apple of	-
ঠাট্টা-বিদ্ৰূপ পূৰ্ব	नोंडी (श्रेंटक)	1		-	অল্লাহকে ডাকা (ছীনকে অল্লাহর জন্য নিনিষ্ট করে নিয়ে)	৪০-মুখিন	96	bbc
পণিবলৈ ঠটা বিধ	শ অনুষ্ঠেত পরিবেটন করবে (বিদ্যামত প্রদর্জ)	৪৫-মাডিয়া	-00	309	অক্সায়ক ভাকা (নৌবানে আগ্রেহন করে মানুষ আগ্রাহ্যক ভাকে)	২৯-জানকাত্ত	96	6-57
	কৰিবৰ নিটা কৰত তাই অনুনৰ পৰিবেটন কৰে	) ১৬-নাংশ	108	900	অল্লাহকে ভাকা (মানুদ্ধক তরস ছাউনীর মত আছনু করুল)	৩১-লুক্থান	- ७२	1-23
नदी /वाजुलएसव ज	াপে ঠাইা-বিদ্ৰুপ করেছে (পূর্ববার্টী জাতিরা	) ४०-यस्क्य	9	1/36	অপ্তাহকে হাড়া অন্য বাদেয়কে ভাকা হয় তাহাও বাদ্য	৭-আব্যক	338	603
	পের বিষয় বিশ্বশাসকীলেকে পরিবর্তন করেছিল		30	699	আপ্রাহকে হাত্তা অন্য বালেরকে ভাকা হর	80-पुरस्क	76	303
	শ্ৰেম বিনয়,শান্তি বিভ্ৰূপজনীয়ন পৰিবেটন কৰে		83	923	व्यक्ताद्यक संकार क्या राज्या/क्षेत्रम म्, मक्षत्रयम २७०१ शुन्नम	१२-किम	39	36.4
	निम्मान (प निहा जात श्रीत-निजुल कराउ)	৩৯-গুমার	87	25.4	অল্লাহকে ভাকার নির্দেশ (ছীনকে তাঁর জন্য নির্দিষ্ট করে)	৭-আ'রাক	370	632
	অন্তাহ মন্ত্ৰা-বিকল কৰেন	২-বাকুয়া	30	800	আল্লাহকে ভাকার নির্দেশ (ছীনকে তাঁর জন্য নির্দিষ্ট করে)	৪০-যুমিন	28	593
	-বিদ্রুপ মু'মিনমের সাথে	२-शक्ता	28	600	অস্তাহকে ভাকার নির্দেশ তর ও আশা নিয়ে	৭-আ'রাক	(th)	637
	-বিদ্রুপ করত (কাফির জনপদবাসীরা)	৩৬-ইরাসীদ	90	960	অক্লাহকে থাকা (পান্ধিকিয়ামত এসে পড়াল)	৬-জাগ'আম	83	chb
	প ঠাটা-বিন্তুপ করেছে (পূর্ববর্তী সব জাতি		33	699	আপ্লাহকে থেকে অনুহাত লাতের পথ মানুহ ভাকে তলে যায়	०७-एसर	lv.	293
	एक क्रेडिंग-विक्रम कहा स्टबट्ड	৬-জাল'জাম	30	699	অন্তাহ্যক অপা ও উডির সামে তাকা (কাকজিয়া বা, প্রসঙ্গ)	২১-অধিয়	No.	926
	-বিক্রপ করা হরেছিল	২১-আদিয়া			অন্ত্ৰহ ও বাসৰ প্ৰথম বিদ্যালয় বাস হল চিবিয়ে গ্ৰেছ	28-7E	87	133
	ন্তু শ করা হরেছে রাসূল স: এর পূর্বেও		87	985	আল্লাহক বিশসগ্রহ সমুদ্রারীয় তাতে (দ্বীনকে নির্দিষ্ট করে)	১০-ইউনুস	44	620
		১০-র'দ	02	997	অল্লাহে বাদে অন্তরে ভারা (বাদুল স, প্রসঙ্গ)	১০-২৬বুন ১০-২৬বুন	60	603
	য়ে শক্তিকে ঠাই-বিদ্রুপ করত তা-ই দিয়ে ধাল)	৪৬-আব্বাক	₹5	970			220	
	া-বিকুপ করত হার সংবাদ শীন্তই আসংব)	৬-আন্'আম	4	639	আল্লাহকে যে নামেই ভাকা হয় (স্করতম নামসমূহ ভারই)	১৭-ইস্ল		1920
	র ঠাটা-বিদ্রুপের বিষয়ে সংবাদ আসবে)	२७-व वारा	6	965	অল্পাহকে যেন বিশাস ভাষেদিঃ (বিশসমূক হয়ে মানুকো কৰা,)	১০-ইউনুস	25	622
ঠাটা-বিদ্রপকারী					আপ্লাহকে মানুৰ ডাকে(বখন ভাকে দুঃখ স্পৰ্শ কৰে)	১০-ইউনুস	25	600
পরিবেটন (মার্টা-বিশ্বর	পর বিষয় বিশ্বপর্মনীলেয়কে পরিবটন করেছিল)	৬-আনু অম	30	430	আপ্লাহর পরিবর্তে জনাকে ভাকা (শিরকের অনারভা প্রদাস)	৪৬-আহ্কাক	8	909
ঠাটা-বিদ্রুপের <b>গ</b>	TIA .				অস্ত্রাহর পরিবর্তে বাদেরকে ডাকা হয় কারা মিখ্যা	७५-मुक्यान	o.	143
মুমিনদেশকে ঠাটা-	া পার মনে করত জাহাল্রমীরা (খুনিরাতে)	৩৮-খোরাদ	60	1469	ব্যক্তাংর পরিবর্জে বাদের ভালা হয় তালের অক্ষমঞ্জ(মছির উপমা)	२२-शक	90	952
ঠাৰা সোৱো দে	ধুন শীতল শৃষ্টি)				আন্তাহ মানুবাক (কমা ও অবকাশের জন্য)	<b>38-</b> देवदादीम	30	698
	কাহায়মে (সীমালক্ষকারীরে)	15-200	2,8	2002	অপ্তাহকে সুপরতৰ শমসমূহ হাবা ভাকা	৭-জা'রফ	2000	95%
রিক করা			-	-	আশা ও ভীতিৰ সালে অপ্ৰায়কে ভাৰা (খাৰ্মানিয়া জা, প্ৰসঙ্গ)	২১-জাধিবা	òo	920
প্ৰচীৰ ঠিক কৰল :	Grigor ser \	70-4000	111	103	ইব্যাহীমকে ভাকলেন আল্লাহ (স্ববাই করার পর)	৩৭-সাঞ্জাত	\$08	1445
ঠকলো	(Held Mc)	20-41/4	111	100	ইশাহ ভালা (নবীকে আল্লাহর সামে জনা ইলাহকে না ভালার নির্দেশ)	২৬-হ'আরা	520	399
	া দিকে ঠেকাবে জালিমরা কিয়ামতের দিন				ইপাহকে (অপ্তাহ হায়া অন্য ইপাহকে থাকা নিষেধ)	২৮-কাসাস	bb	975
	MG 134114 WINNER HARRINGS INH	৩৯-যুদার	48	7.40	ইলাছকে (অস্তাহ সাথে জন্য ইলাহকে ভাকে ল যার)	২৫-ফুরকান	97	25.5
<b>ডা</b> কা			1		ইলাহ (অস্তাহর সাবে জন্য ইলাহকে ডাকা)	২০-মু'মিলুন	224	190
জন্মক (আপ্লাই খাৰ	র অন্তর্কে ভাকা -হে সাড়া দিকেও অক্তম)	৪৬-আহ্বাফ	e	bob	ইশাহ মনে বন্ধা যালেকে ভাকে ভারাই প্রতিপালকের নিতে উপার	১৭-ইদ্রা	29	935
ক্ষমতে(মাহর গে	টেব অঞ্চলতে ইউনুস এন ডাক/লোবা প্রসঙ্গ)	২১-জাখিরা	319	126	ইপান্তক (বাস্তাহকে বাদ দিয়ে অনুমান করে অন্য ইপান্তক ভাকা)	১৭-ইস্রা	66	679.
অইয়বের (দু:খ-দুর্ন	শ্বন পড়ে অইবুৰ আ, প্ৰতিশালককে ডেকেছিল	२५-वाश्वि	310	122	ইয়ান্যায়েগরকে চেকে কর হবে (এটিই ভোয়াসর জন্মান)	৭-আ রাফ	80	636
মাণ্ডনের দিকে ভা	বছে মু'মিন ব্যক্তিকে তার সম্প্রদায়	৪০-মুশ্মন	82	553	উপান্তানত্তক অনুক মুপরিকর (বালেরকে উপান্ত ধালা করেছে)	৩৪-সংবা	22	780
আগুনের দিকে ভা	জত ক্রিব'আউন ও তার বাহিনী	২৮-কাদাদ	83	F27	উপাসকলের ডাক মূর্ডিরা কি খোনেঃ(ইংরাই)মের প্রপ্ন)	₹७- <b>०</b> .खाश	વર	497
প্রক্রের কবিবসীর	তেকে বলবে আন্তলের অধিবনীভেক্তে	৭-আগ্রহ	8br	639	কাভিয়ানতক ভাক নিয়ে নদা হলে (ভিয়াখতের দিন)	৪০-মুখিন	50	242
জনার বাজীয় যাসে	হকে ভাকা হয় ভার বিচার করতে পারে না	80-मॅमिन	20	143	(य मधीत कारण परद्वाशक छात्रा श्रा एर एव क्या द्र,	৬-আন'আম	83	699
	দের ভাকার বিষয়টি আল্লাহ জানেদ	২৯-জানবাপ্ত	89	3-33	কাঞ্চিতর আল্লাহ ছারা অনাকে ডাকুক! (সূরা রান্য প্রদঙ্গ)	<u> ১১-इम</u>	30	666
মাল্লাহ ভাকছেন ব		२-शक्तरा	1995	090	কামে আসেনি (অন্য উপাদ্যানেহকে চাকা কামে আসেনি)	22- <u>2</u> 4	202	690
	যদিন মানুষকে আমলনামাসহ (সেনিন)	১৭-ইসরা	93	930	কিবামতে তেকে বশকেন ভালাহ- ভামার পরীকর কোণার	২৮-কাপাপ	64	370
	কলকে (বিরাহতের দিন)	১৭-ইসরা	03	935	কিয়ামতে চেকে করা হবে অধিস্থানীদেধকে	২৮-কাপাস	60	370
	ন মুশরিকরেরের আমার শরীকরা কেথারঃ	৪১-কুস্নিলাভ	89	Mao	গোপনে আল্লাহকে ভাকা (বিপদ থেকে উদ্ধার প্রসৃষ্	৬-জান'জাম	60	803
	তাকা বার ক্ষতি উপন্যারের ক্রেরে নিকটারর	২২-ব্যক্ত	20	969	ক্ষাপ্ৰতাৰ অভিকৰ্মীৰ তেকে চলতে ক্ষাপ্ৰভাৱেত অভিকৰ্মীতনকে	৭-জা'লাড	Po	659
	মুশরিকরা তাকে অনেরকে গালি না লের		20h	909	ক্ষাত্ৰতেৰ অধিবাদীৰ চেকে কালে মাহান্যমেৰ অধিবাদীলেকে	৭-জ'লত	88	659
	ক ভাকতে ভারা ক্ষেম্বার (ফেরেশতা কলকে)	৭-জা'বাক	93	939	ৰাজ্যনে অধ্বাদীলেকে দেকে কামে অৱকাদীক্ত- লক্ষ্ম	৭-আ'রাজ	86	659
	হৰে ভাকা হয় তানা কিছুৱ অধিকারী নৱ	৩৫-ফাতির	30	784	স্থীর ঘরে প্রয়েশর ক্ষন্য ভাষা হলে প্রবেশ করা যাবে	৩৪-আহ্বাব	00	שפים
	চাকে তাকা হয় তামা নেকুচ আবকায়। শর ল মুশরিক ভাকে ভারেই দৃষ্টাকিছু দৃষ্টি করেল	১৬-নাহল	30	908	শমকে (সুন্তর শমকে কর তাল হল বস্তুত্ব করা)	৬২-লম'লা	9	369
	ত বুশ্বক অকে অন্তৰ্গ নহাত্য করতে অকন বকে ডাকা হয় কারা নাহাত্য করতে অকন		29.9	607	নারী(দেশীকে ভাষা আল্লাহর পরিবর্তে (মুপরিক প্রসঙ্গ)	8-991	229	294
	মকে ডাকা হয় ভারা কাহাব্য করতে আছন ক ভাকা হয় ভারা ক্ষতি দুর করতে পাচেন্দ্র		29.4		न्द्र ख. श्रीरंगायवदक कावरामन- व्यथि श्रीकृत खामी वर्गा मिर	68-कामान	30	900
		৩৯-মুম্বর		b-98	मृद जा. याद शुद्धक (नीकाइ जादवान कराट शक्न	33-QF	89	669
	ক ভাৰৰ হয় ভাষা অপৰাধ্ উপৰাটো অক্তন্ত	55-2386	25	929	न्द जा. कार्य नुवार प्राचन वाद्यादन कार्य वाद्यान । नद जा. हादकशिवन जान्नादन	১১-খুণ ৩৭-নাত্থাত	92	base
	লহকে না ভাকার ঘোষণা(আসহাবে কাহায়েনা)	79-কার্ক	78	126	পুর আ তেকেছকেন আল্লাহকে পাত্রক ভাকার ন্যার কাভিরদের উপ্না		767	8.90
	ক ভাকার অসারকা	৬-অন্বাম	93	605	পৰিচলেকে ভালা ইবলটো আ, প্ৰসং)	২-বন্ধরা		
	যাববে কিং (শক্তি,বিয়ামত এনে পড়ল)	৬-আন্'আম	80	422		২-বাকুরে	460	697
	কে না ভাকার নির্দেশ (রাসূল স. কে)	১০-ইউনুস	306	866	পালক পুঞ্জে পিতৃপন্ধিয়ের আবা প্রদান	৩৩-আহ্যাব	0	5000
	ক না ভাৰা (মসজিনে ইবানত প্ৰসৰ)	१२-किन्	201	99-5	পিতৃপত্তিতা পাদক পুত্ৰকে ভাকা প্ৰদক্ষ	৩৩-জাহ্যাব	0	000
	যাদেরতে ভাঙা হর অদের ইবাদত নিছেৎ		66	100	প্রতাপশালী ও কমাশীল আপ্রায়ে দিকে চাকা	৪০-মু'মিন	85	5053
	শল্লান্তীরা দুনিয়াতে (যিনি নয়াপু)	৫২-ভূত্র	华	300	প্রতিপালক ভাকলেন আনম আ, ও তার প্রীকেন আমি তি নিমেশ্ব	4-জা <b>,</b> গ্ৰাক	44	978
	কফিবৰা অধীনার করেছিল	8o-मू मिन	35	16.0	প্রতিপালকে নবাল সন্মান্ত করা ভাকে মধ্যের বিজড়িত করা বাংলা	৬-আন্'আম	65	900
প্রভাৱকে ভাকা স	ধৰা বহুমানকৈ ভাকা	১৭-ইস্থা	220	920	প্রতিশালককে (সকলে-সন্থ্যার) সম্ভবির উদ্দেশ্যে	7P-91£0.	2,5	129

- underly

শ্বৰ বিষয়/এসৰ	न्यातः चत्रः	E40-5	966	रेप	সূৱা নং ও নাম	चणक्त	*
ভাকা (পূৰ্ব পূৰ্বা থেকে)				শত্ৰীকদেৱকে ভাকাৰ বিষয়ে মানুষ কি ভেবে দেখেছে?	৩৫-ফাভির	80	78
প্রতিপাশককে দুমিন গভীর রাজে ভাকে (আশা ও কর নিজে)	৩২-সাঞ্চা	36	100	শরীকনেত্রক ভাকা (রামূল স. এর বিকল্পে যড়বস্ত প্রসঙ্গ)	৭-জা'লফ	294	ර්ර
প্রতিপালককে আইরুব আ. চেকেছিল (দু:ব-নুর্দশার গড়ে)	২১-অভিয়া	৮০	100	চনকেন (উপাসারা মানুছের ডাক চনবেনা)	০৫-ফাভির	28	18
প্রতিপালককে ডেকে দুর্গাগা হননি (যাকারিয়া)	১৯-মাবইয়াম	8	908	সঠিকপঢ়ের দিকে ভাকলেও পরীকরা কন্যব না	ব-ম্বা,বাঞ্	756	40
প্রতিপাদককে না ভাকদে তাঁর কিছু এনে যার না	20-beats	22	959	সক্রিকশানে ভারতাত কবিধর সক্রিক পথ পারে না	১৮-বার্ড	61	93
প্রতিপালককে নৃহ আ, ভেকেছিল (পুরকে রকার ব্যাপারে)	22- <b>4</b> 8	80	666	সভিক্তপত্নর নিকে ভাকলেও পরীকরা অনুসরণ করবে না	৭-জা'রফ	330	60
প্রতিপাশককেই রাসৃশ স, ভাকেন, জন্য কাউকে নয়	१२-किन	30	264	সন্ধাননেরকে ভারবেন রানুদ ন, (মুবাহাদার জনা)	০-জালে ইমরান	65	<b>Q8</b>
প্রতিশালককে ভাকলেন আইবুব আ. (কটে গড়ে)	Ob-CRIEN	83	b-bb-	নমান (পত্রীকলেরক ভাকা বিশ্ব চুপ করে থাকা উচ্চাই সমান)	৭-জা'রাক	290	60
প্রতিপাদক্তে ভারার নির্দেশ বিশীত ভাবে গোপনে	१-आ <u>र</u> सम	99	979.	সাভা (আল্লাহ বিপদগ্রাক্তর ভাবে সামা দেশ)	২৭-নামল	44	50
প্রতিপাসককে ভাকার নির্দেশ (তিনি সাকলে সাদ্ধা নিবেন)	৪০-মুমিন	90	bho	সাক্ষা নিতে ভাকা হলে সাকীয়া বেদ অস্থীকরে না করে	२-शकृषा	252	20
প্রতিশালককে ভাকে মানুহ (পুঃধ-নুর্নপার পড়লে)	৩৯-বুমার	b	793	সালাতের দিকে ভাকে ব্যবদ মুমিনরা	৫-মাছিলা	27	24
প্রতিপালককে ভাবে মানুম (নুঃখ-নুনাশা স্পর্শ করলে)	00-सम	00	b-18	সূত্র বচনা করার জন্য ভাকা (আল্লাহ হারা কেউ থাকলে)	১০-ইউদুস	07	00
প্রতিশালকে তাতে মানুর (পুরুর-মুনানা নান করনে) প্রতিশালকের তাতে সাদ্ধা দেয়ার নির্দেশ	৪২-পুরা	89	264	ভাকাতি (দেবুন ছিনতাই শশ্চি)		-	H
প্রতিশাসকের ভারত সাল্পা সেরার সেরার সেরান প্রতিশাসকের ভারত সাল্পা সালের করিবলৈ প্রতিশ্রতি (মালিমসের)	18-देववादीय	88	196	ভাবে সাম্ভা	_	-	+
		256	920		. manadaman		-
প্রতিপাদকের পথে ভাকা (প্রজ্ঞা ও উত্তম উপদেশ বারা)	১৬-নাবৃদ ৩-আদে ইমরাধ		480	প্রকাকরীরাই রাসূল স, এর ভাকে সাড়া নের	৬-আন্'আম	09	6.9
ফেরেশভা ভাকণ যাকবিয়াকে				তাপ্রনরনা		-	╙
বাপানগুৱালারা একে অপরকে ডাকল	ও৮-বুলোম	57	240	ভাগরবরণা হ্রণণ থাকবে ভানুতিদের নিকট	৩৭-সাফ্ফাড	85	9.5
'বা'আল' দেবভাকে ভাকে (ইলইয়াসের সম্প্রানার)	৩৭-সাহ্বাত	25%	100	হুর (ভাগর নামা হুঞার সামে মুক্তার্কীদের বিয়ে বিকে আল্লাহ)	৪৪-দুখান	68	3c
বিপদে পড়লে মানুষ আল্লাহকে ভাকে	०७-गूम्पर	89	498	হুর (জাল্লাতিদের জন্য ভাগর নয়না হুর থাকবে)	৫৬-ওয়ানিনার্	રર	28
বিনীজন্তবে আল্লাহকে ভাকা (বিশন থেকে উদ্ধার প্রসঙ্গ)	৬-আৰ্'আম	60	tod	হুর (ভাগরন্দানা হুরদের সামে আল্লাহ মুরানীদের বিরে নিবেন)	৫২-জুব	50	80
বিপলে দেন অস্তাহকে ভাকেনি। (বিপদস্থক ব্যৱ মানুহকা কাছ)	১০-ইউপুস	25	959	তান			
উঠি ও অশার নাবে অক্সাহতে ভানা (যাকবিয়া আ এসঙ্গ)	২১-জাধিরা	90	126	অচল (বিষয়নতে মুমিনদের সামনে ও তানে আলে দৌরুবে)	৬৬-আব্রীম	ъ	31
মন্দ উপাধিতে না ডাকার নির্দেশ (মুমিনদের প্রতি)	৪৯-বছরত	22	957	উপত্যকা (খ্যান উপত্যকা থেকে ভাক দেরা হল ম্সাকে)	২৮-কাসাস	:00	9.3
মগজিদে অস্থাহর নাথে অন্য কাউকে না ভাকা	<b>१२-किन</b>	72	৯৮৭	হল পত্র (ধার ভাল/বাম হল পত্রে অল্লাকাপ্রতি নিরুদ্ধনেত হা)	১৬-মাহুল	85	90
মানুৰ আল্লাহকে ভাকে(বৰ্ণম ভাকে দুংব শপৰ্ল করে)	১০-ইউদূপ	25	966	স্থাকে আহ্বাদ পুর পর্বচের ভাদ দিক থেকে	<b>३</b> ७-मात्रदेशम	65	71
মানুষের আহ্বান উপাসারা কনবেনা (যদি কেউ ডাকে)	০৫-ফাভির	78	<b>189</b>	মানুহার ভালে ও বলে উপরিষ্ট (পু'লন কর সহাহকারী ফেরেশকা)	৫০-ব্ৰুছ	39	8
মানুৰ বানেবকে বাকে বাৰা উপাও হলে ধান সমুদ্ৰে দুলং-দুৰ্নশা	১৭-ইস্রা	69	477	মুক্তিন নর-নারীর সামনে ও ভাবে আলো দৌড়াতে থাকবে	৫৭-ছাদীদ	32	36
মুনবিকর মু'মিনালেকে ছেকে বলনে 'আমরা কি জোমানেরা)	৫৭-হাদীদ	78	282	মহিনদের বামনে ও ভাবে আলো দৌভাবে (কিয়ামতে)	৬৬-ভাহৰীম	ь	30
মুক্তির নিকে ভারত্যে মু'মিল ব্যক্তি (নিজ সম্প্রদারকে)	8o-मुभिन	82	999	ব্ৰহুল স, এয় মান ও বাম নিক খোকে দলে দলে আলে কম্পিনা	৭০-মা'জারিজ	69	35
মুপরিকরা যাকে ভাকে ভা মিধ্যা/বাজিল	২২-হান্দ	64	168	जायी (पान्य पनि साहबर भाषी इस कहा करा करा सहाद नाहि)	৫৬-ওয়াকিরাহ্	bo	38
মুপরিকর ভাবে আওনের নিকে	২-বাভারা	557	656	স্থা (হামের সাধীর জন্য ব্যাহরে পারি)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	27	38
মূপ্যকে ভাকছেদ দাবীদের পিতা (পাবিশুমিক দেবার ক্ষা)	২৮-কানান	32	3/20	সাথী (হাৰের সাধীনের কথা সমবক্তপ্তা হব থাকাব কাপ্তাতে)	৫৮-ওয়াকিয়াহ	Ob	36
মুসাকে ভাক দেৱা হল (আঙ্চনের নিকট আসলে)	২৮-কানান	100	930	স্বাধী (ছালে সাধীলে হাত্ৰ প্ৰত্যেক্ট ক্তৰ্কলৈ জন্ম পাহায়)	१८-मुभाइदित	40	22
হুপারে চেকে মণাসন প্রতিপালক (বিনাক্ষিউলের কারে যান্ডার প্রেলা প্রদার)	২৬-চ'আরা	30	999	মার্থী (ভান নিকের সাথী কীং)	१५-ध्यक्तिकार्	29	36
মূসাকে মাল্লাহ পবিত্র স্থুওয়া উপত্যকার ভাকলেন	৭৯-মহি'ছাত	36	3000	স্থাবী (ডাম নিকেৰ সাধীৰা)	৫৬-ওয়াকিরাহ	29	36
মুদাকে অস্তাহর ভালা (কুর পাহায়ে আনন আনতে গোল)	30-TI-13	22	183	স্থা (ভাষে সাথ)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	6	36
'দুসা আ, ভাকুক ভার প্রতিপালককে' ফির্ডাউন কল	৪০-মুখিন	26	550	স্থা (অন্ধে স্থা) স্থা (ভাস্কে স্থা কীঃ)	৫৬-ওয়াকয়াহ	7	38
থকারিয়া আ, ভারল তার প্রতিশালককে (সংগোপনে)	১৯-মারইরাম	0	908	वस्त्रिक	CO-ONINANT	-	90
মুক্তিয়া অ, প্রতিশাসকলে (ভারতিল (সমান প্রার্থনা প্রসম)	२५-व्यक्ति	13	986				١.,
যুদ্ধ ভাকা হবে বেদুম্বনদেরকে (শক্তিবর স্বাতির বিরুদ্ধে)	৪৮-কাত্য	36	223	আমা (ভান নিক থেকে আমত বঙ্গে নেজানেয়কে গোখারোপ) উন্যান (ভান নিকে দুটি উন্যান সাধার অধিবাসীদের)	৩৭-সাফ্ফাত	47	20
রহমানকে ভাবা	১৭-ইস্রা	220	920		৩৪-সাবা	75	48
রামূল ম, এর ভাকে নাড়া দেয়ার পর আল্লাছ সম্পর্কে বিকর্ম		36	254	পরিবর্তন (পাশ পরিবর্তন তান ও বাম নিকে আসহালে কাহতকে)	72-aida	72	93
ব্যসূস স, কে যারা ছারের পোছন থেকে ডাকে অনুধানন করে না	83-दब्बाउ	8	-9-50	মানুহার তাল নিক থেকে আসনে ইবলিস	৭-আ'রাফ	24	63
রাকুলনেঃ(পুরস্কার্যনুন প্রভৃতি জাতিকে বাসুলাগ কর্তৃক ভাকা)	28-देरबादीय	9	998	দির্বিপারে প্রবেশ করে যারা ভারা ভার নিকের পোক	৯০-খলন	77	20
লেলিহান অচিশিখা ভাকে ভাকাৰে যে পৃষ্ঠালপুনি কৰেছে ও	৭০-ম'বাবৈ	29	39-7	ভানপাশ			L
भारतम व्यक्तिकार वस्य वसं वसं वार वार नाम निर्माल!	১৪-ইবরাহীন	**	696	গুহার তাদ পাপ নিয়ে চলে যায় সূর্য যথন উনিত হয়	72-4644	24	93
				তুর পর্যাতর তাদ পাপে করী ইসঞ্জন্মক অস্তাহর প্রতিপ্রতি	২০-জ্বা-হা	pro	98
শরভানের নহার ভেতে বলে	৬-অপ্'অম	42	905	ভানহাত		Г	П
পরতানকে ভাকা আপ্লাহর পরিবর্তে (মুপরিক প্রদর্গ)	৪-নিমা	223	4.65	অভাত (ইনপ্রায়ীর জে, ইলাপ্যান্তকে ভান হাতে জাধাত করলেন)	৩৭-সাক্ষাত	20	W
পরীকরে (আল্লাহ ছাড়া ফোব শরীকরে মূপরিকরা ভাকত)	১৬-থকুল	10	930	অমলবার/কিতার ভান হাতে প্রদান (কিয়ামতের দিন)	১৯-হাকাহ	22	39
পরীকদের (ঘরা আল্লাহ ছাড়া অন্যকে শরীকরণে ভাবে)	১০-ইউনুস	66	660	আমলনামা বার ভান হাতে দেরা হবে ভার ছিলাব সহল হবে	y8-ইন্শিকাক্	9	30
পরীবদেরতে যেন কথনো ডারেনি (তারা এফাডানে উথও হবে)	৪০-মুমিন	18	748	অপ্তান ভদ হতে ভালে অবনে অবন্যভাগী (নির্মাত)	৩৯-বুমার	69	79
পরীকানেকে ভাকতে বলা হবে কিয়ামতে	২৮-কাশস	68	9/20	কিতাৰ (আমলনামা) ভাল হাতে দেয়া হবে যাকে	১৭-ইসরা	93	9,
শ্রীকানেরকে ভাকতেন আপ্রাহ (কিয়ামতের দিন)	২৮-কাদাদ	98	b78	ব্যক্তের (ক্রান্ত্র করির করে অন্তর ভারতে বর বেশকে)	৬৯-হাজার	80	31
পরীকদেরকে ভাকবে মুশরিকরা কিরামকের দিন	29	65	723	মনিক (ভানহাত ধর মনিক হয়েছ/নান নামিকে বিকে পান প্রসাস)	20-sten	32	90
প্রীক্ষেত্র ভাবলে সাভা নিবে না পরীকরা	২৮-কাশ্স	68	930	মানিক (ভানহাত বাচনে মানিক)	20-92	27	10
শ্রীকলেকে ভাকলে নাড়া লিখে দা দাগালা। শরীকলেকে ভাকা ভারা মান্ত দিতে পারে জিনা	্-জান্ত	398	600	মালক (ভানহাত বাসের মালক) মালক (ভানহাত মালক বাসের মালক মূর্তির কর্ণা দিনিত চুচি)	28-98	20	99
শরীকদেরকে (প্রাকার নির্দেশ দিবেদ আল্লাহ মুশরিকদেরকে)	2P-9ば&	65	923	মলিক (মান হাত থালের মালিক আনো খেন্সে পঞ্চাপ্রানা)	৭০-মা'জারিক	60	22

र्भम वि	ৰত/হাসদ <sup>্</sup> ৰাটন এব	मुख्या स्थान	urt)	100	निस्त/दानक	तुवा नर ७ नाव	200	1
ভানহাত(পূৰ্ব পূচা খেকে)	THE PARTY NAMED IN	A THE REAL PROPERTY.	2000	104111	পনি চেলে দিতে বল্পার আধনের অধিবাদীর (মান্রারীলেকে)	े-श्र,धक	00	93
ভানহাত(সুন সুল বেলে) মালিক (ভানহাত বালের মালি	ra's ordina news olimotra	२७-मृदिनुन	6	996	আলবাসা মেলে নেয়া (শিত মুগার প্রতি ভিরজার্টনের ছন্ত্রে)	२०-डा-स	40	18
মানত (বানহাত বাসের মান মুখিন নারীরা দাসীনের নিকট			93	999	উন্তঃ পানি মাপা হাব্ কবিব/অস্তাহ সম্পর্তে বিতর্ককারীর মাধার)	55-E/M	29	98
		२८-मृत	92			66-0-0	24	100
	লারি সম্পর্কে আল্লাহর প্রশ্র)	२०-झ-श		182	তভৰ			
মুসার অন হাতের লাঠি নিকে তে		२०-झ-श	69	180	অভ্যৱদেত বারাণ কাছকারী তাওবা করদে কথা করা হবে	১৬-লাহল	229	93
	ভাগ হাত হারা কোন কিতাব	২৯-বানবাবৃত	81-	চন্ত	অভ্যাহণত মন্দ্রকালকারীর তওবা আল্লার করুল করেন	8-विश	39	20
লিপিবদ্ধ করা হয়নি)			_	-	অনতিবিদ্যার তওরকারীর তওর অস্ত্রার করুল বর্তনে (ভূসের পর)	8-1471	39	44
ভানা (আরো দেখুন পাথা			_	-	স্তুপরাদদাভারা তথবা করে সংগোধন হলে	২৪-দূর	¢	90
পাৰীর দূই ভালার দাহয়ে ওড়	pi .	৬-আব্বাৰ	494	699	অস সম্প্রদায়কে ভাতরা করে ফিরে আসার আহবান	22- <del>2</del> -4	43	60
ভাগ					অন্ত্রের তথ্য অস্তার ববুল বরলেন	২-वाकादा	09	20
উৎপাদন (ডাল উৎপাদদের জ	ল্য বনী ইসরাইলের অনুরোধ)	২-বকুরা	65	809	আদমের তাওরা আল্লাই করুল কংশেদ	২০-ছা-হা	255	9,8
ভালপালা					অক্সহ তথৰ ৰকুল বৰ্তমন মুখিনচনা (সদক্ষ দা বৰ্তম বিষয়)	৫৮-মুক্সানাল্য	30	he
লৱাত(বঢ় ডালপালা বিশিষ্ট দ	নাল্লাত দু'টি ভয়কারীর নদ্য)	৫৫-রাহ্মান	87	789	অপ্লাহ তথৰা কৰুল কয়তে চাদ	8-निमा	29	20
ভিম			-		অল্লাহ তথ্য করুর করতে চান	8-जिला	49	20
্তন বুরক্ষিত ভিমের দ্যার স্বাল্লাকে	TA PORTE	০৭-সাক্কাত	85	৮৫৯	অনুহার তথার করুল করের প্রচেন (অনুকর্মানে না ফার্রা ভিন জনের)	3-100 GET	209	96
		o to addis	-	1120			200	0:
ত্ব দেয়া	A contractor water	৭৯-সাধি আত	٠.	3000	আপ্তাহ তথাৰ কৰুল কয়কে আনেও যাবা তথৰা কৰে ও অপ্তাহ তথা কৰুল কয়কো আনও যাবা তথৰা কৰে এক	२-शक्त	390	23
বেণ (ভূব নিয়ে প্রাণ হরণকার্ন	s cocedators evel	18-4114 000	,	3000		২-বাকুবো		
ভূবানো			_	-	জন্মহ তথা কর্প কর্মেশ	৯-জাওবা	224	96
প্রবেষ্ট্রদের ভূমতে দৌন্স ছিন্ন :		১৮-কার্ক	42	900	অপ্রেহ ততবা করুল করলেন নবী মুহাজির ও আনসারনের	7-8164	226	64
হে আ, এন জাতিকে অন্তাহ ভূমিট	া মেরহেন (জরাবকে মিদা কার)	১০-ইউনুস	90	662	অপ্তাহ ততৰ কৰুল কৱলেন (পিত্ৰেন ফেলে বাৰা বিনয়নেও)	7-2164	229.	64
ভূবুৰী					অল্লাহ ততৰা কবুল কল্পন বনী ইসরাঈশদের	হ-মারিদা	47	m
ব্যৱস্থ ক্ষীনৱা সুপাইমানের	জন্য ভুৰুৱীর কাজ করত	২১-আধিয়া	345	922	অল্লাং ভখৰা কবুল করেছেন (রোবার রাতে বৌনসজ্ঞাগ)	২-বাকারা.	22.3	6:
পাতান (ভূবতী শাবানদেয়কে সূ	লাইমানের জনীন করে লেয়া)	৩৮-সেরাস	09	brbbr	আল্লাহ তথবা কবুল করেছেন মুমিনদের	৭০-মূর্যাশ্বিদ	20	≥£
ভূবে যাওয়া					অস্তাহ ডওবা কবুল করেন যাকে ইচ্ছা	৯-ভারবা	ર૧	85
করসাউন যথন ভূবে যেতে ল	হুগল (ঈমান আনপ)	২০-ইউদুস	30	995	অপ্তাহ তথনা কৰুল কৰেল তানের খারা তথনা করে ও নিজেকে	৫-মারিদা	40	21
ত্তেকে আনা				-	জন্মাহ ভাগুৱা গ্ৰহণকাত্ৰী (গীৰত ও অনুমান প্ৰদঙ্গ)	৪৯-ছমুরাত	25	8
	আল্লাহর প্রেমধ ভেকে আলে)	২-বাকুরো	30	670	অস্ত্রাহর দিকট বঁটি তাওবা করার নির্দেশ (মুমিনদের প্রতি)	৬৬-ভাৰ্থীখ	ъ	>
(With			-	122	আল্লাহ মুখ্ৰিৰ নারী-পুলাহের আওবা কবুল করবেদ	৩৩-জাহবাব	90	68
	চরত সুলাইমানের ইক্ষা মত)	08-7F4T	30	182	ইয়াৰ (ততৰা বহে উথাৰ এনে সংকাজ করে যায়)	২৫-ফুরকান	90	93
HAIT (INDAN) CON INALL A	oxo missiona sias ao)	901-141	-~	984	কৰুল (তথৰা কৰুল করেন আল্লাহ বান্দানের)	৯-কাৰ্যে	804	60
টলে পড়া				1 1	কবুল (ভণ্ডৰা কবুল করা হবে না ডালের যারা)	০-আলে ইমরান	30	28
প্ৰৱা ভালে ও বামে দলে পড়ে	আপ্রাহতে বিজনা করে	26-HIGH	85	906	কৰুদকারী (অপ্রাহ তাওবা কৰুদকারী)	80-सुभिन	0	ъ,
চাকা (আরো দেখুন আবুং					করুম (আপ্রাহ বনী ইসরাস্থানের তরবা বনুম কর্মেন)	২-বাকুারা	48	Q:
লক্ষিরসেরকে আপ্তাহ মেকে এ		০৮-ইয়াসীন	-	1467	কবুল (ইব্যাইমের তারবা করুলের লোরা)	২-বাবুগরা	254	e:
লুলগাহটিকে যা দিয়ে ঢাকার		৫০-বাজম	36	205	কলুগুল্পভারণত মধ্যক্ষরাধীর তথা অস্তাহ করুল ত্রেল)	8-निमा	39	20
	the of this fact has	60-104	20	1000	কৰুণ (অস্তাহ তাৰ ৰাদ্যদেৰ তাওবা কৰুল কৰেন)	৪২-পুরা	20	1/3
চাল				100	কাভির ও মুনাভিকরা তওবা করলে তানের জন্য ভাল	৯-ভাওবা	9.8	68
মন্ত্ৰাহকে চাল বাবাৰো (কসঃ		২-বাকুরো	228	958	কাছির কবছার মৃত্যু হলে মৃত্যু এনে গেলে করের কবুল হলে।	8-911	2pr	25
কসমকে লেল হিলেবে প্ৰহণ ক		৫৮-মুজাদালা	30		বাকিবদের তওবা করুপ করতে পারেন আগ্নাহ	৩-জালে ইময়ান	250	21
	নেফিকনের রাস্ল স. প্রসঙ্গ)	৬৩-মূশফিবৃদ	2	908	ক্ষম (ভাওবাকারী ও সন্মাধনকারীর রতি ক্ষমা)	৬-আৰু আম	28	00
চালা				$\perp$	কমাশীল (অভবাতারী,গৈতের্মশীলের প্রতি অক্সাহ কমাশীল)	২০-ছা-য	24	9,8
উত্তপ্ত পানি ফেলে দেৱা হবে গ	প্ৰদীদের মাধার উপর	৪৪-দূপান	87	308	चंद्रान राक्ष्मवद्दे व्यवद्य कदार क्या (अक्षकानाव संदर्भ कार)	১৬-দাহল	229	93
চিল মারা							338	7.
সম্বলয়ে (আসহালে কাহফ এ	ৰে সংখ্যাৰ ব্যাপাৰে)	১৮-বার্ক	22	926	বঁটি অবৰ কৰাৰ মুদ্দিনানৰ অস্তাহ জন্মতে প্ৰবেশ কৰাকে	৬৬-তাহ্বীম		
চেউ (আরো দেপুন তরঙ্গ	শব্যট)				লালিমরা (মন্দ উপাধিকে ভাকার পর)	৪৯-হর্বাত	77	3
মাজনু করে (চেউ আজনু ক		<b>५8-मृड</b>	80	399	ভূপুমের পর যে ভওবা করে ও নিজেকে নংশোধন করে	०-माजिमा	cp.	en
্রভরের উপর তেওঁ আছন্ত্র করে		२८-मृद	80	335	ভঙ্যা কর্ল করবেন অল্লাহ (ঘরা মন্দরজ্ঞকে)	৯-ভাওবা	205	60
ধরে আসা (দৌবালের দিকে		২০-ইউমুস	55	959	দবীর দ্রীদের অল্লাহ্য নিকে তাওবা/ কিরে আসা	৬৬-ফাহ্রীম	8	9,
হের প্লবদের সময় স্কৌ আ		77- <u>द</u> ेस	80	660	প্রতিপাশকের নিকে কিয়ে আসা (খামুল জাতির ভাওবা প্রদাস)	১১-মূল	65	6
ৰ্বভসমান ফেউছেৰ মধ্যে নৃচ		77-24	84	665	প্রবিদান (মুনাফিকদের আওয়া ও সপ্রশাধনের প্রতিদান)	৪-নিসা	780	6,
			-	100	ব্যতিজ্ঞানী তথবা ও সংশোধন করলে করণীর প্রদক্ষ	8-निमा	36	e
ডেকে দেয়া লগাছটিতে ডেকে দিল যা এ	The course flow	20-নাজন	20	302	মন্দৰাক্ষের পর তরবাবারীর প্রতি প্রতিপাদকের ক্ষমা ও দয়া	न-खां शाक	260	6
					মানইয়ানবাসীকে তথৰা করে নির্দেশ	22- <u>5</u> m	80	6
প্ৰভূকে নেকে দেয়া (গোশক চ	M(3)	২০-মুমিন্দ	78	100	মুমিন নারী-পূরুদের তাতবা স্বাস্থার কবুল কথকেন	০০-আহ্মাব	40	51
নেকে ফেলে			_		मुम्बिनामत निर्योज्यस्य श्रेष्ठ कथ्यां मां कदान बाह्यसाम्ब गाँवि	P-144		20
	ক ভেকে ফেলা/ভ্ৰিয়ে দেয়া	২০-স্থা-বা	95	986			30	
দমূ <u>ন</u> কৰ্তৃক ফিলমাউনৰাহিনী	কে ভেকে ফেলা/বৃথিয়ে দেরা	২০-জু-হা	9br	986	মুপরিকরা তওবা করলে আমের জনাই ভাল	2-2144	۰	64
দেলে দেয়া					মুশ্রিকরা তওবা করে দাল্যত করেম করলে রারা ছেড়ে দেরা	৯-জাধ্য	Q	0
গলিত তামা লোহার উপর (জ্		77-4(24	36	305	মুলাঞ্চিতদের ভাওবা ও সপ্রশাধনের প্রতিদান	8-591	186	0

998

ww

290

New 21 त्रदो का संबंधित विकास निर्देश #G 0,50 681

Va

98

-- -

AL MERITA

-

क अधिक

৩-আলে ইমবান

20-75-604

12-2000

्रासार

1.75 04

)-ateta

a first

) **१.** सब e firm

- minut

্-বাকাৰ

110 after

৬৬-বাংলীয়

80-F R

o.whehr

3-85806

3-state 40 Ø ob

a Gran

WHEN

विकास/सम्ब

হাৰক্ষাৰ কৰাৰক্ষাক হিনেৰে বাবল স. কে প্ৰেৰণ কৰেনলি আবাৰ | ১৭-ইসরা

পুনার (অন্তরধারত পালে না বাসল স, আল্লাহ ধরী নিয়ে নিয়ে

মুদ্রাজ্ঞান প্রারোগ্রের আর্থকথায়ক না চারেও লোকসেরকে

Sufficiency and series on any a Charger of Ser

AND IN CONTRACTOR TO PROPER AND PROPER PROPERTY.

হুপরিকরা আর্লবধারত পাবে না

রলারীনাই খালরভাষর মসন্ধিম চারামের

¢	2	ø
6	e	
	Ī	
۵		
П		

e co

**bbb** 

090

পেরের ব তন্তা নামত নোযানে শূরকে আরোহণ কালের	68-6056	20	В
<b>৪</b> ৎপর			Г
সাধ্যত জানায়ে তথের মুসল্লীগন	৭০-মাজরিম	₹0	Ì
হতনাগ বভি (দর্বধিক হতনাগ বভি তপের হল উলী হতাস)	৯১-শাম্স	25	5
হয়াবধান			Γ
আপ্তাহর প্রভাক্ষ অপ্তাকখনে নৃহকে নৌৰং তৈত্তির নির্দেশ	22-Ee	99	Ī
বুগা (৯৬ বুগার মালিকের ব্যৱস্থানে নিবে বলে একটি বুলা)	৩৮-সেরাদ	20	Ì
মারইর মের তল্পাবধান করগেন যাকারিয়া	৩-আলে ইমরান	-09	Ī
মান্টরামের তপ্লবধান কে করকে (ও বাপারে কলম নিকেপ)	৩-আলে ইম্যান	88	Ī
মুসার তল্পাবধ্যনের ভার মূদার মাকে দেরা(মূদার বেদের প্রস্তাব)	२०-क्र-श	80	Г
মূসার তল্পুবধ্বদের জন্য এক পরিধাবের সন্ধান নিল মূসার বোন	২৮-কানাস	25	ī
ठ तुविश्रोप्र <b>क</b>			F
অল্লাহকে জন্লবধার হিসেবে গ্রহণ করার নির্দেশ	৭০-মুখ্যাখিল	9	ľ
আল্লাহ তল্লাৰধায়ক হিলাবে যথেষ্ট	8-921	242	Ī
আল্লাহ জন্মবধায়ক বিসেবে যথেষ্ট	০০-জাইবাৰ	0	ŀ
আল্লাহ (অপ্লবধাৰক হিলাবে আল্লাহই যথেট)	8-निमा	205	Ī
অপ্তাহই ভট্টাবধারক হিসেবে যথেষ্ট	৩৩-আহ্বাব	87	Ī
অপ্নাহই তপ্লাৰধানক হিসাবে যথেউ (স্বাসূল স. প্ৰদাস)	3-F/7E	9.7	ī
অস্তাহ (আপ্তাহ সৰকিছুৰ তত্তাৰখাৰক)	০৯-বুমার	62	ī
অস্তাহ সৰকিছুৱ ভাৱাৰধায়ক	<b>৮-অন্</b> অম	205	Ī
অল্লাহ সৰ্বকছৰ উপৰ তল্পাৰধায়ক	22- <del>2</del> 4	25	ī
অপ্তাহ (ইউসুফের পিতা ও ভাইদের কথার তত্ত্বাবধারক আল্লাহ)	25-ইউসুক	66	Ī
উভ্য কল্লাবধারক আল্লাহ	০-মালে ইমরান	390	Ī
ক্যার (মৃস্য আ, ও শোরাইবের কথার কল্লাবধারক আল্লাহ)	২৮-কাপাস	49	ħ
প্রহণ (অপ্তাহকে ছাড়া ভল্লাবধায়ক গ্রহণ করা নিবেশ)	১৭-ইসরা	3	Т

विषयं/शंजन

प्रदेशक करना (अभिनेत्र स्वाप्त विभीत प्रवित करना करने क

মপরিবাদের তথার করণ করবেন আল্লাহ (যাব গোলে উচ্ছা)

মুকুলেলে তথা কলে বা কলে হানা (আমতা মকবানা কলল)

সংশোধন (প্রথম করে সংশোধন হলে অক্সাহ ক্ষমানীল ও মরাল)

Sometime Construction and resource Department of Edition than other the extent wint when were है (देवतदीय से देशवादीन अप)

অব্যাহ তথৰা কৰ্মকাৰী ও পৰম দৰাল (বাবিচার প্রদাস)

अभिनेताल कार्या सम्बद्धार स्थापनी (स्थापना संस्थात क विकास स्थापन)

ত্ৰী (আল্লাহ নবাঁকে ভাওবাকাবিনী স্ত্ৰী সান বৰতে লাবেন)

ক্ষম প্রাঠন (ক্যানাক্রীয়ের ক্ষম সেবেশপ্রচের ক্ষম প্রাঠন) ena (Merin ena area monacifrona)

serve a new Office observe warra top-----

প্ৰচন (জনবাৰাবীসেৱাৰ প্ৰচল কৰেন আধাৰ

মার্যা ক্ষমতা ব্যৱস্থতারী (মুসার সম্প্রমায়ের বাছর পরা প্রস্তুত্র

মালার সমলা বরদাবারী সামের থারা সাধ্যা বাবে গ

अपन (७५सकारी अध्वर्धनीत विश्वनाद्या जवन प्रत्य)

प्रशिवका प्रति जलका करन प्रामाण कारकप करन ल

যুদ্ধ ও হুলুগান সৃষ্টিকারীরা তওবা করলে

Store (west are store are tid)

সূদ থেকে তথবা করলে মূলবন গ্রহণ বৈথ

ভাৰাত বাওৰা ক্ৰপকাৰী ও পৰম নৰাগ

স্টার করে ভাওরার নির্দেশ (মুসার সম্প্রনারকে)

হত্যার জন্য তাওবা (ভুলবশত মুমিন হত্যা প্রসঙ্গ)

তওবা (পর্ব পর্বা থেকে) ফ্রান্তিবলের আনতা অবাসত বিচালী আলাহর ইক্সাতীন

মন্ত্ৰিকৰা তথৰা কৰে না

তথ্য ক্ৰুল্কালী

বাল্লাহ তথবা কৰুদকাৰী

অপ্তাহ ততথা কৰুগভাৱী জন্মত তথ্য কৰ্লবাৰ্ত

TEASTAINT

তকা

प्रतिकास करवास्त्रजी

অসূদ স, ভঞুবধারত নন (মানুহের প্রভারতা প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	209
বাস্প স, ভক্তাবধারত নন (মানুহের)	৩৯-যুমার	82
অসুল স, কি ভার ভল্লাকধানক যে প্রকৃতিকে ইলাছরশে এহণ করেছ	२१-प्रशास	80
জাপুল ল, তার সম্প্রদারের অদ্ধারধায়ত কর	৬-জানুজাম	ψb
রাসুল স, মুশরিকদের জন্মাবধারক মন	৬-আন্'আম	309
28		
আছার (বস্তা আছার করণ মুমিনদের এক গলকে উহদ মুছে)	৩-জালে ইমরান	248
অপ্তাহকে কন্তা স্পৰ্গ কৰে না	२-नाकृता	200
মুদ্দিন্দেশ্রক বস্তামন্ত্র করকো অল্লাহ প্রশান্তর জন্য (কাবচুছে)	৮-আন্তাপ	22
তরকারীর উপাদান		
অহারকারীদের জন্য তরকারির উপাদান (যারতুন কৈপ)	২০-মু"মিলুন	20
তরঙ্গ (আরো দেখুন চেউ শব্দটি)		
অক্সপ্ল করা(ভারত আক্সপ্ল করণে মানুধ বীনকে আল্লাহর ধন্য		
निर्मिष्ठ क(व)	৩১-পুকরান	02
বিয়ামকের দিশে (করকের নার একে অপরের উপর এসে পড়ান)	79-बाईक	99
বেরে আলা (নৌখানের দিকে চেউ/তরঙ্গ দেয়ে আসে)	३०-१६नम	22
তর্ক (আরো দেখুন বিতর্ক শব্দটি)		
ইবরাইমের সাবে নমকলের তর্ক (প্রতিপাদকের ব্যাপারে)	২-বাকুরো	289
সুপর পদার তর্ক/বিতর্ক (আল্লাহর পরে ভাকা প্রসম্	১৬-মাব্ল	255
তলদেশ (আরো দেবুন 'নীচ' শব্দটি)		
আপ্রতের দীচ দিয়ে নহরসমূহ প্রবাহিত	81-1752	39
অপ্রতের তদদেশে নহর প্রবাহিত	৮৫-বুক্স	22
বাহ্যতের তলাগলে নদ-দৌ প্রবহিত (মুমিন সংক্রমীলনের কন)	৯৮-বারিনাহ	ъ
র্ত্তীর আধ্যানর তলাদেশে বাকুম বৃষ্ণ উৎপন্ন হর	৩৭-সাফ্ফাড	68
<b>उद्द</b> ेश		
খনে যনে ভক্নাণী (বলী ইসনাইলের যনে যনে কল্লাণী)	১৭-ইস্রা	0
তাওয়াফ (আরো দেখুন 'প্রদক্ষিণ' শব্দটি)		
কা'ক/প্রতীন হর ভার্যেক করা (হন্দু প্রশঙ্গ)	<b>२२-वेश्व</b>	52
তাওয়াকবারী		
অস্ত্রাহর হত্তক অওয়াহকারীর হল্য পরিত্র রাখার নির্দেশ	২২-হাজ	26
পৰিত্ৰ প্ৰাথা (কাৰা ঘৰ ভাওৱাফকাৰীয় জন্যে পৰিত্ৰ হাখা)	২-বাকুারা	340
পৰিত্ৰ প্ৰাথ(আৰাকে ভাওৱাদকাটাৰ জন্য পৰিত্ৰ বাধাৰ নিৰ্দেশ)	22-20mg	20
ভাওরাত		
জনতীর্ণ (তাওয়ত অবভরদের পূর্বে ইন্মানিশ নিমের উপর হার্রম)	৩-আলে ইমরাণ	90
অবতীর্ণ (ভাওরত অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ)	৩-আলে ইমরান	
অবতীর্ণ (ভাওরাত অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ)	৫-মারিদা	88
অবতীর্ণ (ভাওরাত ও ইনজীল অবতরদের পরেও বিতর্ক,)	০-জালে ইমরান	00
ইঞ্জীপ তাওয়াতের গত্যক্রনমারী	৫-মায়িল	86
কারেম (অওয়াত ও ইঞ্জীপ কায়েম করা)	৫-মারিদা	69
কাৰের (ভাওৱাত কারের করত যদি আহলে কিতাবগন)	१-महिला	99
পত্রিকুমর (খর ভাতরতের পরিকুমর বনে করেনি তাদের উপম)	৬২-স্কু"আ	6
দৃষ্টান্ত (মুদ্দিশদের দৃষ্টান্ত বারেছে ভাওরতে)	৪৮-ফাত্র	২৯
নির আল (প্রভার নিরে আনার আহলে কর্ম ইনরস্পরের প্রতি)	০-জাপে ইমরান	'nФ
পর্যন্তানিক করনে হর ভাররতে (বনী ইসরস্থিতে কন)	৫২-সাজ্পা	50
প্রতিক্রণিত ব্যৱহার তাওবাতে (জারাতের প্রতিক্রণিত)	৯-জাওবা	222
বনী ইসপ্রসংগর জন্য তাওৱাতকে পথনির্দেশিকা খানানো হয়		50
বিধান (ভাওরাতে রয়েছে আল্লাহর বিধান)	৫-মায়িদা	80
লিখিত (জানোতে মুখাখাল সা. এর বিধ্যা লিখিত থাবা প্রদেশ)	4-20,800	254
শিকানান (ভাগরাত শিকা নিরেছেন আপ্রার্থ দিসাকে)	৫-মারিদা	330
শিক্ষা দান (তাওৱাত শিক্ষা নিবেন অস্ত্ৰাহ উসাবে)	০-আলে ইমরান	81/

24   24   25   25   25   25   25   25	56-Allean	80	43.6
2-20 (1987) 1987 (	৯-জান্জাম		604
247   247	৬-আন্'আম	209	600
247   247			
3   000	৩-আলে ইমরান	208	000
20 15-	২-বাকুারা	200	dreo
0.5-पुरसाम	৮-আনহাল	22	600
0.5-पुरसाम			
0.5-पुरसाम	২৩-মু"মিলুন	20	959
30-개편한 35 900 30-개편한 24 000 30-개편한 24 000 30-개편한 35 35 30-개편한 35 35 30-개편한 35 35 30-개편한 36 35 30-개研한 36 35 30-30			
30-개편한 35 900 30-개편한 24 000 30-개편한 24 000 30-개편한 35 35 30-개편한 35 35 30-개편한 35 35 30-개편한 36 35 30-개研한 36 35 30-30			
20~한편의 32 000한편의 32 000한편의 20 000한편		•	***
		99	903
20- 지도 20- 12-12-12-12-12-12-12-12-12-12-12-12-12-1	३०-इहन्म	22	966
20- 지도 20- 12-12-12-12-12-12-12-12-12-12-12-12-12-1			
ছ্টা-ফাল্ডর	২-বাকুরো	562	
보안·프로 33 200 200 200 200 200 200 200 200 200	১৬-মার্ল	255	930
보안·프로 33 200 200 200 200 200 200 200 200 200			
১৯০-আলিলার ৮ ১০২২-১৯ ৩০ ৩০ ৩০ ৩০ ৩০ ৩০ ৩০ ৩০ ৩০ ৩০ ৩০ ৩০ ৩০		29	974
ত্ৰ-সাক্ষাত ৩৪ ৮০০ ১৭-ইস্লা ৫ ৭১৯ ২২-বাজ ২১ ৭০০ ২২-বাজা ২৩ ৭০০ ২২-বাজা ১৩ ৭০০ ২-বাজালা ১২৫ ২১ ২-বাজা ১৯৫ ৩০০ ৬-আলা ইবলা ৩০ ৩৪০ ৫-মাজালা ৪৪ ৪৭০		22	2020
১৭-ইপুরা ৫ ৭১৪ ২২-রাজ ২৬ ৭৮ ২২-রাজ ২৬ ৭৮ ২২-রাজ ১৬ ৫১ ২২-রাজ ১৬ ৫১ ২২-রাজ ১৬ ৫১ ১২-রাজ ১৬ ৫১ ১২-রাজ ১৬ ৫১ ১২-রাজ ৪০ ৫০। ১৯-রাজ ৪৪ ৫৮।	১৮-বারিনাহ	ъ	20-53
২২-বাজ ২৯ ৭০০ ২২-বাজ ২০ ৭০০ ২-বাজা ১২৫ ৫১৪ ২২-বাজা ১২৫ ৫১৪ ২-বাজা ২৯ ৭০০ ৩-বালা ইম্মান ১০ ৫৪৪ ৫-বালা ইম্মান ১০ ৫০৪	৩৭-সাফ্ফাড	68	600
২২-বাজ ২৯ ৭০০ ২২-বাজ ২০ ৭০০ ২-বাজা ১২৫ ৫১৪ ২২-বাজা ১২৫ ৫১৪ ২-বাজা ২৯ ৭০০ ৩-বালা ইম্মান ১০ ৫৪৪ ৫-বালা ইম্মান ১০ ৫০৪			
২২-থাজা ২৩ ৭৩৫ ২-বার্ল্লরা ১২৫ ৫১৫ ২২-থাজা ২৩ ৭৬৫ ৩-আলে ইমরাদ ৬৩ ৫৪৫ ৩-আলে ইমরাদ ৩ ৫৩৫ ৫-মারিলা ৩ ৫৪৫	১৭-ইগ্রা	0	928
২২-থাজা ২৩ ৭৩৫ ২-বার্ল্লরা ১২৫ ৫১৫ ২২-থাজা ২৩ ৭৬৫ ৩-আলে ইমরাদ ৬৩ ৫৪৫ ৩-আলে ইমরাদ ৩ ৫৩৫ ৫-মারিলা ৩ ৫৪৫			
২-বাকুবা ১২৫ ৫১৪ ২২-বাকুব ২৬ ৭৬০ ৬-আলে ইমরান ৬৬ ৫৪৫ ৬-আলে ইমরান ৬ ৫৬৫ ৫-মার্কিবা ৪৪ ৫৮৫	22-01%	52	960
২-বাকুবা ১২৫ ৫১৪ ২২-বাকুব ২৬ ৭৬০ ৬-আলে ইমরান ৬৬ ৫৪৫ ৬-আলে ইমরান ৬ ৫৬৫ ৫-মার্কিবা ৪৪ ৫৮৫			
২২-হাজ্ম ২৬ ৭৬০ ৩-আলে ইমরাণ ৬০ ৫৪৫ ৩-আলে ইমরাণ ৩ ৫৩৩ ৫-মারিলা ৪৪ ৫৮৩	২২-হাজ	26	980
০-আদে ইমরাণ ৯৩ ৫৪৫ ৩-আদে ইমরাণ ৩ ৫৩৫ ৫-মারিলা ৪৪ ৫৮৫ ৩-জাদে ইমরাণ ৩৫ ৫৪	২-বাকুারা	342	678
০-আলে ইমরান ৩ ৫৩৫ ৫-মারিনা ৪৪ ৫৮৫ ৫-আলে ইমরান ৬৫ ৫৪:	২২-হাজ	29	980
০-আলে ইমরান ৩ ৫৩৫ ৫-মারিনা ৪৪ ৫৮৫ ৫-আলে ইমরান ৬৫ ৫৪:			
০-মারিলা ৪৪ ৫৮৩ ০-মারে ইমরান ৬৫ ৫৪০	৩-আলে ইম্বান	90	082
০-জালে ইমরান ৩৫ ৫৪২			0.00
০-আলে ইমরান ৩৫ ৫৪: ৫-মারিনা ৪৬ ৫৮:	৫-মারিদা	88	240
৫-মায়িল ৪৬ ৫৮৭	০-আলে ইমরান	90	484
	৫-মায়িল		250

जहां का श्राप्त विश्वत के

02 935

Soh

40 600

WRD

976

275

474

280

329 BR9

330 238

19,3700 brôs

u returnin 08 600

to Sun

~ 2052TES

- Ribury

80.40

		-
ভাৰৱাত	ভাঞা	ভাঙি

- Telephone -	तिसा/दनम	<b>東京日南</b>	THE	物质	नेप निरह/शतम	नुसंक् ध स्व	489.3	78
তাওরাত(পূর্ণ পূর্বা বেং					বিশ্ব (বাকবায় বং বিশ্ব বসুল স: সালাতের কর লেবচাই নীরকো)	৯-জাওব	206	
সভারনকারী (ভাওরাতে	ৰ সভ্যৰনকাৰী ঈস্য আ.)	৩-আলে ইমরান	¢0	487	মর্তন (অঞ্চল্ড অঞ্চলনভাটার মর্তনার উপরে প্রকা প্রদাস)	২-বাকুরো	252	220
সজারনকারী (ভাগুরারে	ৰ সভাৱনকাৰীৰূপে ঈসাকে প্ৰৱেশ)	৫-মারিদা	85	৫৮৬	মানুকের তাকওয়া অর্থনের উচ্ছেপ্যে নিদর্শন বর্থনা	২-বাকুৰো	רשנ	655
সভারনকারী (তাওৱাতে	র সভারনকারী দৈশা আ.)	৬১-সাক্ক	6	300	মুমিনার তাকগ্রা জবশংব করলে	০-আলে ইমরান	256	285
তাগুহীদ (দেখুন এক	ত্বান শঘটি)				মুমিনরা ভাকওয়া ব্যবহুদ বহুদে	৩-আলে ইমরান	250	283
ভাৰ					মূপরিকরা কি তবু ভাকরয়া অংশখন করবে নাঃ	১০-ইউনুস	40	009
পৰ্বতকে তব্ৰিৰ মত কৰে	ভূলে ধরা (ধনী ইসরাইলের উপর)	৭-আ'রাজ	242	649	বন্ধা (গুরুদ জাতির মুন্তালীদের রন্ধা করদেন আল্লাহ্)	8১-কুস্সিলাত	37	779
	তা হব জাল্লাতে থাকবে)	৫৫-রাহ্মান	92	382	রোয় (তাৰুওয়া অর্জনের জন্য হোগ্য বিধিবছ)	২-বাকুবল	2000	650
তাকবয়া (আরও দে			-	-	সহয় করা (তাকরো অপস্থানকরীনের জন্য আল্লাহ সহয় করালে)	৯২-লাইল	0	3030
	বরা অবলয়ন (উত্তন যুদ্ধ প্রদাস)	০-জালে ইমরান	293	002	ছীর ব্যাপারে তাকওয়া অবদায়ন (সমত্যা রক্ষা প্রসঙ্গ)	8-নিসা	243	690
	দীলের জন্য অধিয়নের আবানই উন্নয	১২-ইউসুক	209		শৰ্শ (শৰতানের প্রয়োচনা শর্শ করলে ভাকওয়াবান	৭-আঁরাফ		603
আল্লাব্যক ভর করা/তাক	য়ো অবলম্বন (খামী-স্ত্ৰী প্ৰদাস)	8-991	250		অক্সাহকে স্বচৰ্গ কৰে)	Trail 814	507	903
আল্লাহ ভালবাংসন মুৱাৰ		০-আলে ইমরন	99	280	ক্ষুদ্রের অকলম থেনেই স্ক্রোজ নির্দাধনে সক্ষাপ্রদর্শন কর হয়	২২-হাজ্ঞ	લર	965
बाष्ट्रादव क्टाव केश्व श	রের ঝিত্তি স্থাপন করে যে	à-छाचरा €	203		তাক্তরা অবস্থনকারী			
	কারী/সংকর্মশীলনের লাখে আছেন	১৬-নাহদ	250		উত্তন (অধিয়াতের জবাস ভাকওয়া অকসংখনারীর ঋণ্ড উন্তন)	৬-আন্'আম	જર	692
	অবলয়নের নির্দেশ (আল্লাহর ইবালত)	২-বাকুলো	52	200	ন্যালিয়ানর বিপানের বিশুই ভাকওয়া অবলংগকারীনের উপর নয়	৬-আন্তাম	63	603
	শুখন করত বদি আহলে কিভাবগান	2-मापिमा	96	ent	তাকভয়াবান			
দিমান ও তাকওয়ার জন্য	রয়েছে মহাপ্রতিদান	৩-আলে ইমরান	243		ইয়াইয়া জ, ভাকতয়াধন বাধ্য ছিল	১৯-মাবইরাম	30	968
	লক্ষ্মনার ক্রাক্তরে মহাক্রম করে।	১৬-নাহল	20	206	উদ্ধার (তাকভাগবাদাদেরকে উদ্ধার করকেন সাল্লাহ)	১৯-মারইরাম	92	900
উল্লেখিয়াকে প্ৰাথস	হাকওয়া অকলখনকারীর জন্য উত্তম)	৭-আত্রদ	200	659	বিবরাইল তাকভয়াবান হলে (মারইয়ামের আশুর প্রার্থনা)	১৯-মারইরাম	75	900
উত্তম সংবাদ তাকওৱা অ	বদখনবারীর জন্য	০-মালে ইমরান		603	বাদা (অকভরাবন বাদাদেরকে ছান্নাতের উত্তর্জিকারী)	১৯-মারইরাম	60	906
উদ্ধান (মুক্তাকীলেরকে জাপ্র	হে উদ্ধার করবেন, (কিরামতের দিন)	৩৯-বৃদ্ধর	63	776	মর্যাবরশাস্ত্র (অনিক একব্যাবন জ্বল্লাহ্য নিত্তি ব্যক্তিক মর্যাবরশাস্ত্র )	৪৯-চনুবার	30	343
क्यंक्न (संक्था जनगरन	কারীর কর্মফল নউ করেন না অস্তাহ)	১২-ইউনুক	30	6648	खांकाटमा		-	
	ন কালে কল্যাণ উলুক্ত করা হত)	৭-আ শ্রক	36	683	আল্লাহর দিকে মৃদার আকানো প্রদক্ষ	1-50,416	380	658
কাকিবরা কি ভাকওয়া জ	ৰপদন কথৰে নাং	২৩-মুমিনুন	24	993	আল্লাহ তাকাৰেন না কিয়ামতে তাদের দিকে থাবা	৩-আলে ইমধান	11	680
কুরঝান ধারা সভর্ক করা	(তাকগুৱা অংলগুনের জন্য)	৬-অন্বাস্থ্যম	43	600	ইবরাহীন আ, আরকারছির দিকে একবার ডাকাদ	৩৭-সাক্ষাত	bb	5-93
গুরুবলিকার করুলা অস্থ্র	হা করে পৌরে(বন্ধ/পোশন পৌরে ব)	22-EM	09	165	একে অপায়ের দিকে ভারার মুদাবিকরা কোন সূত্র অবতীর্ণ হলে	৯-জাওয়	249	620
কুরজানের মাধ্যমে ভাতও	রা অবলয়ন করা প্রসঙ্গ	২০-ত্বা-য্য	220	181	গোপন দৃষ্টিতে ভাকাৰে জাদিমরা (কিরমেতে)	৪২-পূরা	84	P.96
গোপনে কথা বলা ডাকও	রার কাজে	৫৮-মুকানদা	>	960	ৰান্ত্ৰতে তাকাপেই নেয়মত ও বিশাদ রাজ্য দেখা যাবে	৭৬-পাব্র	₹0	236
জান্য (আপ্লাহ জানেন কে	ভাকওয়া অবলখন করেছে)	৫৩-নাজম	જ	900	দক্ষরমান হয়ে সকলে ভাকাবে (শিক্ষার বিতীয় ফু-তে)	০৯-মুমার	bly	499
তাল্যাতকে ধারণ (ভাকং	রো অবলম্বনের জন্য)	৭-আগ্রক	242	627	পুনারে ভাষাবেও সৃতিতে বেন ভাষন দেখতে পাওয়া বাবে না	৬৭-মূলক	0	392
তাকওয়া জবলখন ও ধৈং	ধারণ পৃত্তসংকল্পের বিষয়	০-মালে ইমধান	35-6	668	প্রতিশাকের নিকে উদ্ধান মুখনাকার্বিনীকা প্রবিধ্যে থাবনে (বিশ্বানতে)	৭৫-কিবামাণ্	20	358
নয়া (ভাকওয়া অৰলখন স	ল্বলে আক্লাহর পরা নির্ধারণ)	৭-জাত্রক	750	629	যানুৰ অভিয়ে আকে (কারো প্রাণ কর্ত্তগত ছলে ভার নিকে)	৫৬-ওয়াকিয়ার	1/8	889
	সঠিক পথ অবসম্বন করে)	৪৭-মুহামান	39	270	ফুৰবিকেন্দ্ৰ মৃত্যুক্ততে মুক্তিক বাজির মত প্রেপ উলিয়ে মূর্বার্ডক ভালা।)	০০-জাহ্যাব	79	<b>3708</b>
	ক <b>্টবতী কাজ মার্জনা করা</b> )	২-বাকুরো	২০৭	454	মুন্মফিকরা ভাষার মৃত্যুদ্ধরে জীত বাচিবা ২ত (যুদ্ধের নির্দেশ হলে)	৪৭-মূহামাদ	20	970
	যাতে তাকওয়া অংশখন করতে পারে)	৬-আন্'আম	320	633	দুপা আ কিন্তে না আন্ধান্ত(পাঠি সাপের মত প্রেটাছুটি করা প্রসাৎ)	২৭-নামল	2o	9000
	নকারী বাদা সম্পর্কে তেবে দেখা)	১৬-আপাক	25	7054	পুরুষারে রুক্টিত চেপ্সকর মাত ভাকরে মুম্বাচিকর (যুক্তর নির্দেশ মুগে)	৪৭-মুহামাণ	40	970
	(অকথ্যা অনসংনমান্তলের জন্য)	১০-ইউবুস	9	628	রাস্প স. এর নিকে অকিয়ে থাকা (পরীকরা না দেখা প্রদর্ষ)	৭-আরাফ	192	903
শ্চারবিয়ার তাকগুরার নিব		৫-বাহিদা	¥	69.7	ব্যসূস স. এর বিকে তাকার মুশরিকরা (কিন্তু সেখে না)	১০-ইউনুস	80	954
	নহনর জন্তরকে জন্তরকর পরীক্ষ…)	৪৯-ব্যুদ্ধক	0	250	বাকিয়ে থাকা			
	নেকারীদের পরিশাম জন্মত)	১৩-র'দ	00	5342	मृद्धा त्मार व्यक्तिस शका	৩-আলে ইমধান	380	¢83
পাৰের (ডাকওরা উত্তম গ		২-বাকুবো	293	455	ত'ৰত			
	গরীর পাপ নেই মিলর জবস্থান)	২-বাস্থ্যো	200	650	অভিভাৰক (কাফিয়নের অভিভাৰক হল ভাভত)	२-वाकृतहा	209	600
পুরস্কার (ঈমান ও তাকও		२-राकृत्वा	200	625	অধীনার (তাহততে অধীনারকারী মন্ত্র প্রতশ ধালা করণ)	২-বাৰুৱো	200	600
	র একে জন্মকে সাহায্য কল	৫-মারিদা	2	@bro	ইবলত (তাওতের ইবানত করেছিল পাপাচারীপ্রা)	৫-মারিদা	60	60.5
পুণ্ড (ভাৰণ্ডয়া অৰ্জনই প্ৰ		২-বাকুথা	26.9	657	দিয়ান (কিন্তাবের অংশ প্রদানের পরও প্রতিমা/ভাচতে ইয়ান)	৪-নিসা	67	690
লোপকে (ভাকবরার পো		৭-জাত্রফ	₹6	956	উপাপন (অতত পূজা পরিস্তরকারী অন্যাসের জন্য সূত্রকা)	৩৯-যুমার	24	294
	বানীপাতার তাকওয়া পৌছে)	२२-शृष्ट	৩৭	965	পথ (কাফিয়াা ভাগুতের পথে যুদ্ধ করে)	৪-নিদা	96	699
প্ৰতিদান (ভাৰুওয়াৰ প্ৰতি		৪৭-মুখ্যাম্বাদ	90	976	বৰ্মন্ প্ৰসূত্ৰকা অপ্ৰান্ত ইবাৰত কৰতে/তাণুত বৰ্মনেত্ৰ নিৰ্দেশ দেন)	১৬-নাহুপ	200	906
		32-3674	63	6945	বিমন্ত্রেকর (আহপেকতান তাততের কাম বিমন্ত্রেকর করতে মার)	8-निम	90	<b>6</b> 98
	(X তাৰাওয়া অবলঘন করা	৩৯-যুদার	২৮	৮৭০	ত্যা			
	ক্রমণ (তাওরতি মানার মাধ্যমে)	২-বাকুরো	60	৫০৭	গোপত (সমূদ্র থেকে তাঞ্চা গোপত/মাছ আহার প্রসত)	३७-नार्ग	38	908
	া স্বৰূপন করে ও সম্রেশবিত হলে	৭-আরাক	400	626	গোপিত (মাছ) সমুদ্র বেকে আহবন (আল্লাহর অনুমাহ)	৩২-ফাভির		₩87
	ন আনে ও তাকওয়া স্বৰূপধন করে)	১০-ইউপুস	60	660	ভাঙাত্ততি			
বাক্য (মুমিনদেৱকে ভাক		৪৮-ফাক্হ	₹6	970	কল্মাণ (মানুৰ কল্মাণকে ভাভাতাতি পেতে চায়)	১০-ইউনুস	22	600
		२-शङ्गवा	448	242	বিয়ামতের বাপারে অধিবাদীয়াই ভাঙাবাড়ি করে	84- <b>9</b> 8		P3-5
বৃদ্ধিমানদের তাকওয়া অর	নের কন্য কিসাসের বিধান	২-বাকুরো	292	650	খের ফের (ইরভিনের সম্পন ভারারার্ড করে খেরে ফের)	8-FMT		200
		4			(conserve or or organis) marchite (cml)	0-1-791	0	460

ভাগকান্তভ	2000	min	200	The state of the s	DANIEL ACRES	0.000	9000
ত।প্রকান্ত্র সাক্ষ্যনানমরীদের তালিকাকুক করার প্রার্থনা (হারবারীদের)	০-আলে ইমরান		683	ভিনশত বছর ভাষা অবস্থান (আনহাবে ভাইটেন) ভিন হাজার	72-442±	55	92
পাখালকার্যানর ভালকার্ক করার রাবনা (ব্যবহারাকের) সাক্ষালকার্যানর সাথে অধিকারক করার লোর নেলার মনিনালা।	০-বালে হ্ৰৱদ ৫-মাধিদা					<u> </u>	-
	<b>१-माक्स</b>	5-0	692	ফেরেশতা (তিন হামার ফেরেশতা ছবা সাহায্য বনর বুছে)	৩-আলে ইমরান	258	₫81
তাপুত				তিরন্ধার			
প্রেরণ (ভাপ্ততে প্রেরণ করেছেন আল্লাছ বাদশাহ ছিসাবে)	২-বাকুরো	989	653.	অধীৰের স্ত্রীকে ভিরন্ধার করদ নারীরা (ইউসুফের ব্যাপারে)	১২-ইউসুফ	45	99
থাহিনী (অপুত ও তার সাধীদের নহর অভিক্রম)	২-বাস্থারা	582	659	বীনের প্রতি তিরন্ধার করলে কাফির প্রধানদের সাথে যুদ্ধ	৯–জাওবা	25	68
বের হলেন তাপুত ভার বাহিনীসহ জালুতের বিরুদ্ধে	২-বাকুরো	₹8≥	653	বাণালভাষার পরস্পর্কে ভিরম্বার করতে করতে সামন সামী	৬৮-কুলাম	100	24
ভাগনীম				তর (ভিরন্ধায়কে ভর পাবে ন্য মুরতাদদের মুসাভিধিকরা)	१-माविमा	28	25
মিশ্রুণ (তাসনীমের মিশ্রুণ থাকরে জাল্লাতের পানীয়তে)	৮০-বৃত্তক্ষিকীন	39	2025	কাইনের প্রতি কোন ভিরন্ধার নেই (ইউনকের)	১২-ইউসূচ	24	dir
তাসবীহ (পাৰ্যভা)		10.		विद्यादवादी		-	+
অল্লাহর তানবীহ ফেরেশভারা ঘোষণা করেন (জানম আ	_	-	-	खाद्य (रिवचारकारी जान्दाद रूपर)	৭৫-কিয়ামাহ	2	22
সম্ভিত্ত ভাগৰাই কেন্দ্ৰোভাৱা আৰক্ষা কলো (আগম আ. সৃষ্টি প্ৰসঙ্গ)	२-राष्ट्राता	200	809	विश्वचार (विश्वचारकार्येत विश्वचारक च्या नात म् याज्ञवारक)	१-यदिमा	28	23
্তি লগ্ন) তাস্থীহ (বৰ্ণনাঞ্চাৱী)	-	-	-	তিহান্ত	2-40(94)	4.8	Q.
		_					₩.
অক্সাধ্য অসবীহ না করলে মাজে পেটাই অবস্থান তরত ইউনুস	০৭-সাক্ষতে	780	5-98	ইউনুদ নিজেকে বিরম্বত করদেন	৩৭-সাহ্গত	384	
তাহাজ্প				আহ্রামে নিশ্বির হবে ভিরম্বত অবস্থার (জন্ম ইলাহ নির্বারণ করলে)	১৭-ইশ্রা	0h	93
রতে তাহাজুদ আনারের নির্দেশ রাসূল স. কে	১৭-ইসরা	120	950	নিয়ে ও ভিরন্ধৃত হয়ে বসে পড়বে (অপব্যর করলে)	১৭-ইস্লা	રક	93
মু'মিনদের পিঠছলো রামে বিশ্বানা থেকে আলানা থাকে	৫২-সঞ্জেদা	36	504	ক্রিবাটন হিল তিরম্ভ	৫১-ঘরিরাত	80	25
মুবসিনগৰ রাত্রে কমই দুমার (ভাহাজুলে মগ্ন বাকে)	৫১-ঘরিরাত	25-3k	390-	কুদিনাপ ভিন্নেত হলে না (ही ও দাসীলের সামে যৌনায়ার করলে)	২০-মুমিল্ন	6	93
বৃদ্ধিয়ানেরা রাজে সিজদা ও দাড়ালো অবস্থায় থাকে	०३-मुपाह	3	1/92	রাকৃত্য স, ভিরন্ধত হতে না (কমিবানেকে উপেকা করে চললে)	৫১-ঘাইৰাত	28	32
রহমদের বাপারা রাত্রে শিক্ষপা ও দাডালো অবস্থার থাকে	২৫-করকান	68	95-9	শঙ্খাপ্তান হেকাশ্বরে ব্যাপারে ভিরম্বত হবে না বার	৭০-মা'অবিক	-00	36
মুম্বাকিরা শেষ রাতে ক্ষমা গ্রার্থনা করে (ভারাজ্বলে)	০-আলে ইম্বান		203	তিশাভয়াত (আরো দেখন পাঠ পথাট)		-	H
রামূল স. কে রাত্রে দীর্ঘ সময় ইবাদকের নির্দেশ (ভাগ্রাক্সল)	৭৬-পাহর	30	200	আয়াত (আল্লাহর অক্ষাত তিলাওয়াত করলে বলে)	৬৮-ব্যুগ্রাম	10	59
রাপুল ল, কে রাজে দাখ সময় ব্বাদকের দিলেশ (ভারাজ্ঞুল) তিক	গ্র-শাহর	-60	590	আয়াত (আল্লাহর আয়াত তেলাওলত কর্মে বলে) পরিবার্গান্ত পাঠ করেন (আল্লাহর নিকট হতে আসা বাসল)	৬৮-বুলোম ১৮-বারিনাহ		301
			ш	वानुवा मा निर्देश वाह नार्य करतन वानुवा मा निर्देश वाह नार्य करतन	৯৮-বার্যনাহ ৯৮-বার্যনাহ	- 2	
কিনামত স্বত্যন্ত ভ্যাবহ ও তিক্ষ	৫৪-কামার	86	707		৯৮-বার্যনার্	3	200
তিন			1 1	তীয়			
'জাল্লাহ তিন জনের তৃতীর জন'- বলে কুফরী করেছে	৫-মারিলা	90	6.40	তাবা(তীক্ল ভাষাসহ মুনাফিকরা মুমিনদের সাথে মিলিত হয়)	৩৩-জাহ্যাব	370	300
গোপনীর তিন সময় ঘরে প্রবেশে অনুমতি প্রহণ	২৪-শ্ব	5p.	৭৮০	খীন			
দিন (তিন দিন কথা বলতে পারবে না যাকরিয়া মানুয়ের নামে)	৩-আলে ইমরান	83	480	কসৰ 'তীন' ও 'খায়তুন' এব (আল্লাহ কসম করেছেন)	৯৫-তীন	>	303
দিন (তিন দিন রোজা রাখা কুরাবনীর পথ না পেলে)	२-शकाश	796	655	তাঁর আঙ্ক (আরো দেখুন অগ্রিশিখা/জলন্ত/প্রজ্ঞালিত			
দিন (ছামদ জাতির আবানে তিননিন উপজ্ঞোচার অবজ্ঞাশ)	77-Zei	60	693	ঘাতন/বাহান্তাম শব্দি)			ı
ধরনের (মান্তগর্ভের ডিন ধরনের অঞ্চলরে মানুষ সৃষ্টি)	৩৯-মুমার	0	273	অধিবাসী (তাঁর আগনের অধিবাসী হবে তারা যার)	৫-মারিপা	30	60
মানিক (তিন মানিক পর্যন্ত পতীক্ষা করবে তাল্যকলারারা)	২-বকুরো	225	495	অধিয়ান (ত্রীর অঞ্চলের অধিয়ানী আলততে বিধা করিবিতভারী)	৫৭-হাদীন	29	20
য়াত (তিনৱাত কথা বলতে পাবৰে না যাকাহিয়া)	১৯-মাবইরাম	30	908	কালিব সমীকে তাঁর আগুনের মধ্যে দেখতে পাবে স্বান্নতিয়া	৩৭-সাফফাত	66	Int.
রোখা (সামস্টিনের ক্ষত্র ডিন দিন রোখা রাখা কান্তের কাঞ্চারত)	৫-মারিদা	bb.	692	আদিমনেত্ৰত উদ্ৰ আগনের নিকে পথ দেখানের নির্দেশ	৩৭-সাধ্বাত	50	26
শাখা বিশিষ্ট ছায়ার নিকে চলা মিখ্যা অভিহিতকারীদের	৭৭-মবন্দাত	200	777	জ্ঞাননবেরকে তার আর্মের নিকে পর দেবামের সামেন টেনে নারা পোশীনেয়ক বীর আগুনের দিকে টেনে নারা হবে।			90
প্ৰেমী (মানুৰ তিন প্ৰেমীতে বিশুক্ত ব্যুব ভিনামতে)	৫৬-গরাকিয়াহ	3	380		৪৪-দুখন	89	
किनक्षन	CO-datteats	3	580	তলমেশে (তীন্ত আধনের তলসেশে বাস্কুম বৃক্ষ উৎপন্ন হর)	০৭-সাফ্ফাত	68	116
			-	দহন (মিখা অভিইতকারী পথতটালে কন্য তীব্র অঞ্চলের দলে)	৫৬-ওয়াকিয়ার্	28	98
আসহাবে কাহাকের সংখ্যা (কারো কারো ধারণা)	७४-वार्डक	44	૧રક	নিকেপ(বারহাতে আহলনামাপ্রাপ্তকে তীব্র আগুনে নিক্ষেপ)	७७-शस्त्र	407	26.63
ইপাহ তিনজন না বলার নির্দেশ (আহলে কিতাবদের প্রতি)	৪-নিদা	242	হণ্য	নিকেশ (ইনরাইমনে উদ্র জাতনে নিকেশের পরিবল্পনা)	০৭-সাক্কাত	89	200
পিছনে কেলে রাখা তিনজন (তাবুকযুদ্ধ প্রসঙ্গ)	৯-জাতব্য	229.	596	প্রভাবর্তন (ব্যক্তিমদের প্রভাবর্তন তীব্র আচনের নিকে)	০৭-সাত্কাত	99	40
বিরে(পুই ডিল বা চার জনকৈ বিরে করার বৈধভা প্রসঙ্গ)	8-FIRE	0	669	প্ৰবেশকারী (কেবল তীব্ৰ আচনে প্ৰবেশকারীই বিহান্ত হবে)	৩৭-সাহ্সাত	7,90	316
তিন তিন				প্রকাশ (অভিয়তে নিশকামীনের জন্য উদ্র আচনকে প্রকাশ করা হয়ে)	२७-७'खा <b>वा</b>	20	93
পাৰা (তিন পাৰ্থাবিশিষ্ট ফেরেশভাকে বাণীবাহক করেছেন)	০১-ফাতির	2	₹85	প্রকাশ করা হবে (কিয়ামতের দিন) উদ্র আগুনকে	৭৯-নার্ব'জাত	00	200
<b>डिममिम</b>				হুপরিকরা উদ্র আধ্বনের অধিবাসী	৯-ভাওবা	220	60
উপতোগ (ছবুল অভিন আন্যানে তিল্পিন উপত্যোগের অবকাশ)	১১-दन	96	693	রক্ষা (মুবার্কীনের অক্সাহ উব্রি আঞ্চন থেকে রক্ষা করবেন)	৫২-কর	72	20
Temas	22.5.	-VK	- 10	শ্বন্তি (তীপ্ৰ জালে কোক ভূমিনালয়ক প্ৰভাৱ স্কন্য প্ৰাৰ্থন)	80-वंबिन	9	79
		-	-	শান্তি (তীব্ৰ আগুনের শান্তি (ধানে মুক্তালীনের্ছন রক্ষা)	88-स्टाम	66	bol
অনুমতি গ্রহণ করবে তিন সময় (খরে প্রবেশের জন্য)	५8-नृव	Q4	900	শান্ত (তল্প আবানের শান্ত বেকে বুজকানেরকে রক্ষা) শান্তি (হুজেকীকের অক্সার উদ্ধে আচন বেকে রক্ষা করবেন)	৪৪-পুথান ৫২-ডুর	5.6	30
ভিনব্যক্তি				নাত্র (বুলকানের অক্সাই তন্ত্র আধন বৈকে ক্ষেয় কর্মেন) নিরোধিতা (ক্ষমিকানের পারস্পত্তিক বিরোধিতা জীব্রতর)	৫২-জুর ৫৯-জুব	28	20
গোপন কথা (ডিল জনের গোপন কথার চতুর্থজন আল্লাহ)	৫৮-মুজাদালা	٩	365	क्षित	20-07N	38	100
তিন তাগের একভাগ						-	-
একধিক ভাইবোন ১/৩ পাবে(পিতমোতা/সন্তান না থাকলে)	8-922	25	499	নিজেপ (পিচ বুগার নিজ্বকে গায়ুলুটারে নিজেপ করা প্রদাস) জাপ্য নিজারণ (ভারের মাধ্যমে জাপানিধানে হারাম)	২০-ফ্লা-হা	60	9.8
মারের জন্য তিন অংশর এক আগ (মৃত্যের সন্তান না থাকলে)	8-নিদা	22	993		৫-মারিদা		60
তিন ভাগের দাই ভাগ	-	- ·		শ্বরাদের কান্ধ (মদ কুরা মৃতিপুরার বেলী জন্য নির্দিত্তক তীর)	৫-মারিদা	90	6.9
ক্ষেত্ৰিক কন্যা কিন জাগার দুই জগ পাবে (গুরু কন্যা থাকলে)	s-Port			তুত্যা			
		22	267	উপভাৰতে ম্বাকে ভেকে বললেন প্ৰতিপালক	৭৯-নবি'জাত	29	200
			693	উপরবা (পরিত্র কুরে উপর্যাবার অল্লাব্য সামে মুগার সামে)	\$0-\$1-\$5	25	18
বেনর ভিনজাের সু'জন পরে (বন্দালাহর ক্রান্তে বেন সু'জন হলে)	8-निमा	749					
বেনর ভিন্তাসের সু'আগ পরে (বেললাহর রসেলে বেন সু'জন হলে) তিন মাস		240	-	তুচ্ছ (আরো দেখুন 'সামান্য' পদটি)	Co. Brid		1
বেনর ভিনজাের সু'জন পরে (বন্দালাহর ক্রান্তে বেন সু'জন হলে)	৪-নিসা ৬৫-ডামাক	8	366		28-44	342	991

Ann American	नुवा कर समय	inni-	etc l	नंस विवय/दोनंत	ज्यां नर ७ नाम	nien a	seglet
नम क्रिकेट दिवस/धनम	र्वा नर व नान		500	পৰ তৈৰি (মুগৰ পাঠিৰ আঘাতে কৰি ইন্মাইলেম জন্য সমূত্ৰ পৰ)	২০-ছা-খ	99	984
पूष्ट् (पूर्व पृक्षा cमारम)		_	ш		৩৬-ইরাসীন	00	100
পানি থেকে সৃষ্টি (মানুষকে)	৭৭-মুক্সালাত		397	ফলফলাদি (মানুষের হাত তৈরী করেনি, আল্লাইই করেছেন )			
	২-বাকুারা	-20	€08	বিরুজাটন ও বাব সম্প্রদারের তৈরি শিল্প ধংশে প্রসঙ্গ	৭-আর্থ	১৩৭	948
তুয়হ্ সম্পদ			1	বৰ্ম ভৈত্তীৰ নিৰ্দেশ দাউদকে (শোধ্য দিতে)	৩৪-লাবা	>>	78:
অস (অনুসং কুছা সংগদ অসকে কিবালে উঠানিক্টারএকা বতা)	৭-আ'রাক	369	959	ভিন্না তৈরি(ইবরাই)মের সংগ্রেদায়ের মূর্তির উপাসনা প্রসদ)	২৯-আনকাবৃত	38	2.7
নগদ্য জীবনের কুছে সম্পদ্ধ হৈছে। (কিন্তানের উত্তর্জনকর্মীনের)	৭-মা'রক	265	466	তৈজগণর			
তুফান (দেখুন ঝড় শব্দটি)		-	-	অলানের ও তৈজাসপত্র তৈরীর উদ্দেশ্যে থাকু উত্তর করার দৃষ্টিত…	১০-রা'দ	29	60
कुला	_	-	-	ভোৱা-পাদ-খাম			г
	00 867		2.0	আরাত (ভোরা-সীদ-মীম এগুলো সুস্পর্ট			
সম্প্রদায় (কুঝা সম্প্রদায় ও ডালের পূর্ববর্তীরা ছিল অগরার্থী)	৪৪-দূখন	99	200	ভিতাবের/ভুরসানের আয়াত)	২৭-নামল	,	20
সম্প্রদার (রাসূল স, বে নিঝাবাদী বলেছিল কুকা সম্প্রদার)	৫০-কুন্ধ	78	255	হুবনে মূজবারত (বোরা-দীন-মীম এডগো হুরনে মূজভারত)	২৭-নামল	2	80
ভূলে ধরা/ভূলে নেয়া		_	-	হুক্তে বুৰাজয়াত (জোনসীন-মীম)	২৬-৬'আরা	2	97
পর্যস্তকে তাপুর মত করে ভূলে ধরা (নদী ইসরাইলের উপর)	৭-আরফ	737		ভৌষ্টিক (দেশুন সামৰ্থ্য শব্দটি)		÷	۳
ইনাকে আল্লাহ তার কাছে তুলে নিরেছেন	s-শিশা	262	633			_	$\vdash$
ফলক ভুলে দেৱা (মুসাব প্রসঙ্গ)	৭-আ'রাক	>28	626	ত্যাপ (আরো দেখুন হিজরত/পরিত্যাগ/বর্জন শব্দটি)		_	_
তুহমাত (দেপুন অপবাদ শব্দটি)				মিদর জ্ঞাপ করবে শা বড় ভাই (পিভার অনুমতি হাড়া)	১২-ইউসুফ	po	67
তর পর্বত			-	क्ष			
উরোলন (বনী ইসরাসলের উপর কুর পর্বত উল্লোলন প্রসঙ্গ)	২-বাড়ারা	60	209	হুনাবীর ভুক/মেহ কুরআন পাঠে কেঁপে ওঠে	৩৯-যুমার	20	29
উল্লেখন (বলী ইনারসিংগর উপর ক্র পর্বত উল্লেখন)	२-शकृता	90	427	মুক্তাকীর ভূক/মেহ ও মন অপ্নাহর "মরণে নাম হয়	৩৯-বুমার	20	79
উল্লেখন (বলী ইসরাইলের উপর বুর পর্বত উত্তোপন প্রসঞ্চ	s-for	348	495	সাক্ষ্য দিবে (তুক কৃতকর্মের সাক্ষ্য দিবে)	৪১-ফুস্সিলাত	22	30
				সাক্ষা দিবে কুক (ধাংযাল্লামিকের বিকছে)	৪১-ফুস্সিলাত :	52	VV
কসম (কৃর পর্বতের কসম)	৫২-তুর	2	959	সাক্ষ্য দিবে (কৃতকর্ম সম্পর্কে ভূক আধিয়তে সাক্ষ্য দিবে)	৪১-ফুস্সিলাত	30	VV
ভাগ দিক (ছুব পর্বতেও ভাগ দিক থেকে মুদাকে আংগাল)	১৯-মাধইয়াম	65	202	पुराशिक		-	H
পাপে (কুর পর্বতের পাপে রাসূল স, ছিলেন না মূসা আ, প্রদঙ্গ)	২৮-কাশাস	86	1,75		১০-ইউনুস	33	60
পাপে (কৃর পর্বতের পাকে আঙ্চন দেখতে পেল ম্সা)	২৮-কাশস	230	9,70	অৰুদ্যাণকে আপ্লাহ যদি ভুৱাখিত করতেন(মানুষের জন্য)	70-8La	4	85
প্রবিস্তৃতি (চুর পর্যক্ষে অলপালে কী ইনরালৈকে অল্লাভার বিস্তৃতি)	২০-ড়া-হা	3ro	986	অকল্যাণ ভুরাখিত করতে বলে অফিনরা (রাস্তা স. কে)			
ভূণ/ভূণলভা				কলাণ কুল্লছিত মনে করে মানুষ (অল্লাহ সাহাত্য করলে)	২৩-মু'মিনুদ	6.0	95
কৰনো কুমের মত হয়ে খেল ছামুদ সম্প্রালয়	৫৪-কামার	42	200	নির্দেশ ভুরাছিত করতে চাওরা ঠিক নয় (আপ্রাংব নির্দেশ)	১৬-মাহুল	2	90
উৎপন্ন করেন অস্তাহ (ধর্মীনে) ভোগ্যসাম্মীরূপে	৮০-বাবসা	40	Poor	নিমিট সময়কে কুরাছিত করতে পারবে না কেউ,	১০-ইউনুস	8>	60
সিম্নারত (গছ-পালা ও কুণ্শতা স্বাই (সিজ্পারত)	৫৫-রাহ্মান	6	303	নিৰ্দিষ্ট/মৃত্যুৰ সময়কে মাধুৰ ভুৱাখিত করতে পারবে না	<u>১৬-মার্থ</u>	65	90
ভূতীয়	-	1	-	প্ৰতিশ্ৰুতি ভূৱন্বিত করেছেন আল্লাহ (যুচনত্ক সম্পদের)	৪৮-ফাত্য	50	200
'অপ্তাহ তিন জনের কৃতীর জন'- বপে কুফটা করেছে	৫-মাধিদা	30	610	ক্রিক্সাউনের পক্ষ থেকে শান্তি তুরাখিত করার ভর (মৃদার)	২০-জ্বা-হা	86	18
'মানাড' প্রতিমা সম্পর্কে তেবে দেখার আহ্বান	৫৩-বছম	30	305	দুর্ভনাল কুরাধিত করতে পারবে না (প্রতিশ্রুত দিন)	৩৪-সাবা	40	78
	৩৬-ইছসীন	78	904	মুনুষ্ঠ (এক মনুষ্ঠ কুরাধিত হবে নাংকোন উপাতের নির্দিষ্ট সময়)	৭-জাত্রক	♥8	83
শক্তিশালী করেন মাল্লাহ কৃতীর একজন ধারা দৃশ্দিলকে	20-68414	38	964	শান্তি ভূত্রখিত করতে বলে কফিরো (রাপুদ স. কে)	২২-হাজ	89	20
<b>ळ्</b> ख		₩.	-	শান্তি কুরাখিত করতেন অস্তাহ (সময় নির্দাধিত না বাকলে)	79-4624	27	93
নয়ন কৃষ্ণ হওয়ার মর উপকরণ থাকবে জান্তাতে	80-प्रक्रक	95	900	শান্তি কুরাখিত করার কামনা (হিসাবের পূর্বে)	৩৮-শেরাদ	36	trè
कृषि		l		पुराध्यम्/दृदा श्रंदगङा			+
আহার(মান্ত্রারীলের কৃতির সাবে আহার ও পান করতে করা হবে)	७৯-शंकार	28	949	संबंध केशावन	১৭-ইস্রা	22	92
স্থান্নতে মুম্ভাকীদের কৃত্তিসহ পানাথার	45-24	7.9	900	মানুহত কুৱা নিয়ে পৃত্তি করা হতেছে	२३-व्यक्तिश	109	90
পান (জান্তাটীলের কৃষ্ণির সালে আহার ও পান করতে নগা হবে)	७७-शकाद	28	243		C3=0411458	-	114
পানাহ্যর (জারাতে মুরাকীদের কৃত্তিসহ পানাহার)	22-71	7.9	900	यू-श		-	+
পানাহ্যর তৃত্তিসহ (মুবার্কীপের জন্য ন্ধান্নাতে)	৭৭-মুরুমাল্যত	80	866	इक्राल बुक्तवाराज्य हा-सः। वर्णा इक्राल बुक्तवराज)	२०- <b>ड्रा</b> -श	2	9.8
তৃষ্ণা			-	হিশ		_	
পর্ন (তথ্য ক্রম্ভি ও তুথা স্পর্ণ করে দুমিনসেয়ক (সম্লোহন পরে)	>-प्रावस	250	960	মান (গর্ভধারণ ও দুখ দানের মেরাদ ফ্রিশ মান)	৪৬-আহ্বংফ	26	bo
তৃষ্ণার্ভ উট (আরো দেখুন পিপাসার্ভ শব্দটি)	5-41011	1000	100.0	রাত (মুসার জন্য প্রতিপালত কর্তৃক প্রিপ রাত নির্দিষ্ট করা প্রদক্ষ)	৭-আ'রাফ	785	62
			100	হাট (আরো দেখুন ভুল শব্দটি)			Т
পান করা (ভৃষ্ণার্ভ উটের নায়ে পানি পান করবে পঞ্চন্তর)	৫৬-বর্মাকরার্	66	286	গাঙীতে (কণী ইসৱম্বিলকে ব্রুটিহীন গাড়ী অবহিছের নির্দেশ)	২-বাকারা	93	20
তেল		_	$\perp$	মার্কনা কর্মান আল্লাহ (বাসুন স, এর অস্টাত ও চরিয়াকের রাচি)	৪৮-জাত্য	2	25
আহলে দালতে তেলের মত দাল করে (বিল্লামতের দিন)	৫৫-রাখ্যান	বণ	280	মুপরিকার ক্রটি না করলে (চুক্তি পূর্ব করার নির্দেশ)	৯-জাওব	8	68
উৎপদ্ৰ (তৈপ উৎপদ্ৰ করে নিনাই পৰ্যন্ত উৎপদ্ৰ যায়কুন গাই)	২৩-মুমিশূল	20	101	श्रम् त्र. (क कुटिर सन् क्या शर्मनर निर्मम	8१-ग्रहाचान	230	22
যারকুন গাছের তেল অলোদনের উপক্রম হর	₹8-9₹	05	999	গ্রন্থ স, কে প্রথম কর্মা কর্মা প্রথম সংগ্রন্থ গ্রন্থ স, কে প্রতির জন্ম কর্মা প্রর্থনা করতে অপ্রাহর উপদেশ	80-मुमिन	02	91
তৈরি (আরো দেখুন প্রস্তুত শব্দটি)		Т	$\Box$	প্রসূত্র স. তে প্রান্তর জনা কথা প্রথম করতে অক্সাহত ভাগালে । প্রসূত্র স, এর অস্তীত ও তবিছাতের মার্টি মার্কনা করবেল অক্সাহ	৪৮-ফাত্ত	4	33
বাঙন তৈবী করেন অপ্তাহ (সবুরু গাছ থেকে)	৩৬-ইয়াসীল	30	৮৫৬				
আবল তৈর করা (কাভিবদের মূল্যা)	७-वान वान	98	6.99	সর্বনাপ করতে প্রাট করে না কাফিচরা (খুনিনাস্থ্য)	৩-আলে ইমরান	372	28
ছগা আ, তেরী করতেন কাদামাটি দিয়ে পাধির আকৃতি	৫-মানিশা	330		অন্টিযুক করা			1
	20-181-83	60	180	নৌকা প্রতিযুক্ত করতে চাইল বিনিয়ে	72-4164	93	9
কোপদ তৈথি করা (বিরাইনের জানুকরের কৌশলনাশ/মভি-এনঙ্গ)		19	962	থীকতে দেয়া		1 -	1
খন তৈনিব নির্দেশ (মূল/জন ভাইকে সংগ্রনানের জন্ম মিলনে)	১০-ইউনুস				-	1	+
<b>অপুকররা যা তৈবি করেছে মূদার দাঠি তা দিলে ফেলা এস</b> ঙ্গ		63		অনর্যক করার কোন্যা মত্ত থাকতে লেয় (আহলে কিকার প্রশঙ্গ)	৬-জাণ্ডাম	97	60
নৌকা তৈবির সময় সম্প্রদার প্রধানরা নৃহকে বিস্তুপ করত।	22- <u>2</u> 4	10%	660	সমূদকে দ্বির থাকতে দিতে বধাদন আল্লাহ মুগাকে	৪৪-দুখান	3.8	34

THE PARTY OF THE P	1700 电电路	-	701	THE PERSON NAMED IN	<b>*********</b>	SAD	100
खाकटक (महा (मूर्ड मुक्ता (बंदक)		1	-	আল্লাহর দরা দা হলে মহাপাতি (ইফকের ঘটনা)	२8-नृत		996
व्यक्तम ७ पृथ्वि वर्धानन बानदर (पृर्वाणात्रा व्यवदन्ते बानदर)	77- <b>2</b> st	209	630	অপ্রাহর দরা প্রকাশে করে যারা	২-বাকুরো	235	228
অবাশ ও পৃথিবী যতনিন পাকনে (ভাগাননার জন্মতেই থাকনে)	22-g#	206	592	অপ্রাহর দরার উদ্ধার (হুদের সঙ্গীদের প্রসঙ্গ)	22-2F	25	693
ধামা/ধামানো/ধামুন (রাইনা)	-	-		অস্ত্রাহ্য পক থেকে দরা স্বরূপ চুদ বা, ও তার সাধ্যমন্ত্রক উদ্ধার,	৭-আ'রাফ	98	653
সংযোগস্থলে (দুই সমুদ্রের সংযোগস্থলে থামবেন মুসা)	79-446A	90	995	আল্লাহ যদি ময়া করন্তেন কাড়িবসের প্রতি	২০-মু"মিলুন	3/2	990
ৰাহান্নমীদেৱকে গামাতে ধৰা হবে (প্ৰপ্ন করার জন্য)	৩৭-সাঞ্চাত	3.8	pulp.	পাল্লাহ বাকে দলা করবেন কিয়ামতে	৪৪-পুরান	84	398
বাজাসকে আস্তাহ গমিরে দিকে গারেন (ইয়া করলে)	84-58	00	198	আস্থাহর অনুহাহ ও নয়া না হলে মুমিনগণ রকা পেও না	<b>२8-नद</b>	30	338
বলা (ইহুলীলের নাইনা/বাহন বলা প্রসঙ্গ)	8-निमा	86	200	पाद्यादव प्रकृतर व नहां भा रहत	₹8-9≇	45	110
यामा	g-r-c-ii	60	400	অস্থানে ইক্স্মিন (অস্থার যাকে ইন্সা দায়র মধ্যে প্রবেশ করান)	৭৬-পাহর	(0)	299
সোমার থাসার পরিবেশন করা হতে (জায়াতে)				অন্তাহন উন্মাধীন (অন্তাহ পথা করতে মাইলে কেটা করা লিতে পারেছ)	৩০-আহবাব	29	508
পেকে যাওয়া	80-वृदक्क	93	900	व्यक्ताव देखांचेन (व्यक्ताव पटक देखा करा करान)	२७-जामकारक	22	979
				অল্লামন দার (ইনরাইটেনা পরিবারে উপর পৃথ বালে সভাল প্রসাল)	27-24 59-00-00-00-00-00-00-00-00-00-00-00-00-00	90	994
অনিতে থেকে যাত্র মানুকের জন্য উপনারী তাংগ (সৃষ্টি পানির উপনা) সেমে বেমে	১৩-রা'ল	23	650	व्यक्तारत नता ७ वया वर्गनवानन अभग्नता द्वरता वेद्य	০-আলে ইমবান		
							667
কুরজন থেমে থেমে পাঠ করবেন রাস্থা স. (মানুদের কাছে)	১৭-ইস্রা	206	920	অল্লাহর দর্য়া (দর্য়া করতে আল্লাহ নিজের জন্য আবশ্যক করেছেন)	৬-জান্'আম	25	239
দিকতা				অপ্তাহন নম্ম (বিনামকে শাস্তি থেকে সমিয়ে রাখা অপ্তাহন সমাস্থরণ)	৬-আন্'আম	36	694
militar communications — December Communication	and the same of			অস্ত্রাহর দরা কেউ অটকাতে পারের (অস্ত্রাহ করতে মইলে)	৩৯-বৃদ্ধার	ত৮	b98
पृथियोग (शक्तवार जावर पायक तारों क्षापून बावित पृथियोग) मे <b>स</b>	५७-०,ब्रादा	789	496	অস্ত্রহেও পরার কফিন সংখ্যাপর থেকে উদ্ধানে লেরা(মৃশার জাতির)	১০-ইউনুস	149	665
		_	ш	আল্লাহর দথার কুরজান এবেছে (মুমিনদের প্রতি)	১০-ইউনুস	27	62h
অন্তনে দশ্ধ করা হবে (কিতাব আদীকারকারীদেরকে)	৪০-সু"মিন	૧૨	944	আপ্রাহর সরায় রাসূল স. সুমিনদের প্রতি নম্র হয়েছিলেন	০-আলে ইমরান	259	662
মমতা (কমিবের এক মমতা দধ্য হলে কন্য চামতা প্রতিস্থাপন)	8-निमा	60	268	আল্লাহর দরার সুবাইমানকে সংকর্মশীল বান্ধার মধ্যে	২৭-মামপ	22	box
্রাক্তর (নালিমানর ভেক্তরসমূহ দর্ম্ব করনে যুটার জেলর নাম পানীয়)	১৮-বংহ্য	43	146	অন্তৰ্ভুক্ত কামাৰ পোনা			
দান্ত (আরো দেখুন রাশ শব্দটি)				অপ্লাহর দরম মথে প্রবেশ করনে(ইসমহিল্/ইদরিস্/ফুর্লকফলকে)	২১-অখিয়া	3/6	9.00
লাপুর দক্ষি দৌড়ানো (জাপুকরদের জাপুর প্রভাবে)	২০-জা-ছা	66	184	আল্লাহর দরার মধ্যে থকারে বিধাসতে (যানের ক্রেয়ার উন্মূল হলে)	৩-জালে ইমরান	201	284
নিকেপ (আদুকারা আদুর দড়ি নিকেপ করন)	19-9,2331	88	৭৯০	অস্তাহর দরা (রাত ও দিন সৃষ্টি)	২৮-কাদাদ	90	P78
দরিত্র (দেপুন মিসবিন শব্দটি)		_		অল্লাহর দরা সংকর্মপরায়নদের নিকটবর্তী	৭-আধ্রফ	ହଧ	932
He .		_	-	আল্লাহর দর্যা লববিস্কৃতে পরিবেটন করে আছে	৭-জা গ্রাফ	225	৬২৭
পত হত্যার দও (অনুরূপ গরামি শত)	৫-মাদিনা	95	6.95	আস্থাহ দয়া করতে চাইলে কেউ তা আটকাতে পারেনা	৩৯-বুমার	45	b48
প্ৰায়মান (সাগাতে)	g-409-0	er.	262	আল্লাহ দরা করেন যার প্রতি ইজ্জা করেন	১২-ইউসুফ	69	69/4
কা'বাকে নামাজে নভায়মানের জন্য পৰিত্র রাখার নির্দেশ				অক্সাহ দায় বয়ে দাশিহ আ. ও মুদিনসেরকে শারি বেচক উদ্ধার করেন	22-2H	60	695
मवासभान	২২-হাজ	₹6	960	चक्कार महारामर्गन करत न (माराहामेत्र माहावीरमह वालात वनत)	৭-আ রাক	82	659
				অস্ত্রাহ তার লয়র মধ্যে প্রবেশ করকেন (তার পথে ব্যরক্ষরীকে)	১-জাওবা	22	620
প্রতিপালকো সামনে লক্ষ্যমান করন্তার দেবা (বালিমদেরকে)	৩৪-সাবা	07	180	व्याचानम (महा व्याचानदाव सना गुगरराभनावी राष्ट्र (क्षरन)	00-W	84	254
শিলার হিতীয় টু-তে দখায়মান হয়ে সকলে ভাকাবে	৩৯-বুমার	Вh	599	আখানন (দরা আখানন করালে শিরক করে একদল মানুছ)	৩০-জন্ম	00	5-28
সাক্ষীগণ সভারমান হবে যেদিন,	80-मु"मिन	67	20.5	আস্থানন (দত্তা আগ্রানন করালে মানুষ উৎফুল্ল হত্ত)	00-37	96	<b>648</b>
সালাতে লডায়মান যাকারিয়াকে ফেরেশতানের আজান	৩-জলে ইমরান	60	<b>@80</b>	আখাদন (আল্লাহর দহা আখাদন করার পর কড়বস্ত্র)	১০-ইউন্স	43	600
দম্ভ (আরো দেপুন ঔষত্য শব্দটি)				আছাল (আহ্নাই দার আছাল করতো সেইকে তার প্রাপ্ত মান করে)	৪১-ফুসসিলাত	60	bypo
কার্কিররা মন্ত করে	80-मुसिम	9.0	PP8	ইপরিশকে আল্লাহ তার নরার মধ্যে প্রবেশ করিয়েছিলেন	२३-व्यक्ति	76	900
বিচরণ (দক্ষতবে পৃথিবীতে বিচরণ নিষিত্র)	১৭-ইস্রা	ত্ব	37.6	ইসমাধনকে আল্লাহ আৰু দয়াৰ মধ্যে প্ৰবেশ কৰিছেছিলেন	২১-আধিয়া	9.6	900
फिरा पाना (सन् अपन निर्मातन निर्मे महत्त्व विद्रा याना श्रमण)	৭৫-বিবামার্	90	866	উত্তম (মানুষ থা জন্মা করে তার চেয়ে জাল্লাহর দথা উত্তম)	80-दशकक	93	730
বের ইওরা (পরাস্তরে ও পোন্দ দেখালোর জন্য জাধান থেকে বের)	৮-আনফাল	89	606	কুলামান বৰ্ণনা/পৰ্যনিৰ্মেশিকা/দরা/দুসংবাদস্বস্কুপ অবস্তীৰ্ণ	১৬-নাংগ	49	930
দয়া (আরো দেখুন করুণা/রহমত পদটি)				কিতাৰ (মুগাৰ কিতাৰ দল্লা ও পথগুৰুপক্তমুক্ত ছিল)	8५-जाइनाक	25	909
আইয়ুবের প্রতি দরাম্বরণ আল্লাহ পতিবারকে তার অবছে বিভিয়ে দেন	२५-जारिया	₩8	920	विकास (क्षेत्रम भ, यह येगार विकास कारोमी महा व गर्वनिवर्तिनकारकः)	<b>३</b> ७-मार्ग	68	90ir
আইউবের প্রতি আপ্লাহর অনুয়াহ (পরিবারবর্গ ফেরত দেরা প্রদাস)	৩৮-সোমাদ	80	brish	কুরজন ভারোগ্য ও নয়া বরূপ (মুমিনসের জন্য)			
আটকালোর কেউ দেই (আল্লাহ মানুবের রাজি নরা করলে)	৩৫-ফাতির	3	b86	কুরজন মুমিনদের জন্য পথনির্দেশ/দর্গরন্ত	১৭-ইস্রা ১০-ইউনুস	કર ૯૧	923
অবশ্বক করা (দার করকে প্রতিশালক নিজের চন্দ্র আংশ্বক করেছেন)	৬-জাগ'জাম	28	800	कृतवान इतिनात्त्व क्षम्य नदाश्रदन	১০-২৩শূন ২৯-জানকাবৃত্ত		62h
অবশ্বক করা (দরা করতে অল্লাহ নিজের জন্য অবশ্বক করেছেন)	১-জান'জাম	25	693	কুরজন মুনিনবের জন্য দরামরেশ কুরজন মুনিনবের জন্য পথনির্দেশিকা ও সরা	২৯-আনকাবৃত ২৭-নামল		
अब्दाद मध्य प्रवर्ग च जादेन व्यः । समित्यनहरू विकास क्वानन	১১-ছদ	38	998	কুরজান মুমানবের জন্ত শহান্দোশবা ও সরা কুরজান দ্যাবত্তপ মুমিন সম্প্রদায়ের জন্ত		99	900
আল্লাহন (মানুদকে পান্ধি খেলে ককা করা আল্লাহর নয়া)	80-व'विम	20	b4b		३५-१%नूस	222	69-9
आहारत महा ना थाकरण प्रानुब भागकारनव अनुभवन कवाठ	ह-विश	bro	269	বিনিবের প্রতি (আল্লাহর পক্ষ থেকে অনুগ্রহ)	১৮-কাব্দ	62	900
অপ্তাহন দরা (অপ্তাহ থকে ইয়া কর ন্যার মথে প্রবেশ করান)	8२-भूबा	b		ছড়িয়ে দিবেন আপ্লাহ (ভহাবাদীদের জন্য)	79-sién	29	940
আল্লাহর দল্লা আখাদন করার পর মূপরিকাদের হত্তবস্থা	১০-ইউনুস	47	900	যামূল সম্প্রলায়কে লয় করা (যদি ক্ষমা প্রার্থনা করে)	২৭-নামপ	86	bro8
আল্লাহর দরা আখাদন করালে মানুর উৎফুল্ল হয়		83	999	তাওয়াত (মৃদ্যার কিতাব) দরা ও পর প্রদর্শকস্বরূপ ছিল	১১-চুদ	7.8	699
আন্তাহর দরা আখাদন করালে মানুষ ভব্যসূত্র হয় আন্তাহর দরা ছাস্কা কেন্ট গৃহের প্লাবন থেকে রক্ষা পার্মনি	৪২-প্ৰা			তাওরত সমাস্বরূপ দান করা হয় (মুসাকে)	৬-আন্'আম	768	977
অল্লাহর দরা হরে কেও গৃহের প্লাবন থেকে রক্ষা শায়ান অল্লাহর দরা থেকে কেউ নিরাশ হর না (রাফির হাড়া)	27-£4.	80	959		<b>১</b> ১-हून	>	999
	১২-ইউসুফ	৮৭	60.0	দরা প্রত্যাহার করণে মানুষ জনুকজ্ঞ হয় (আমানন করানের পর)	১১-ছুদ	2	999
অস্তাহর দার থেকে নিরাশ হতে ইয়াকুলের নিকের (পুরক্তের প্রতি)	३५-इंड्यूय	৮৭	949		১৯-নারইরাম	20	909
আল্লাহর দল্ল থেকে নিরাশ না হওয়া (ভিনি কমাশীদ/দল্লাশু)	০৯-মুমার	20	৮৭৫		৩-জালে ইমরাশ	b	600
সাল্লাহর দরা নবীর প্রতি না থাকলে (পথএইতা প্রদর্গ) স্বাল্লাহর দল্লা না থাকলে (কাফিবরা তুরে যেত সমসে)	8-PM		642		১৯-মারইয়াম	60	202
	৩১-ইরাসীন	88	br@8	সুটি অংশ (সমার দুটি অংশ দান করবেন অস্তাহ মুফিবদেরকে)	৫৭-হাদীদ	25	767
वाहादव महा मा दरम	২৪-নর	20	990	नवीव श्रांति व्यक्ताव्य महा ना धावरण (शब्दक्रेश अन्त्र)			

नाथ विश्व/धनन	स्वत्र वक	1213	1	<b>पर रिसा/दर्श</b>	महिन्द्र छन्द्र	WHEN !	1981
मञ्जा (गूर्व गृक्षा (बदक)	-	-	200	রাদৃদ স. এর প্রতি দরা (প্রতিপাশকের পক্ষ থেকে)	১৭-ইসরা	1/9	352
निर्मी कहा ('प्राप्तार पाटक देखा' जान गतान क्रमा निर्मी कटान)	२-शक्ता	300	625	मृष्ट्रक व्यक्तिक मधाव प्रदेश शहरन कराना दश	२১-वास्ति	92	922
নুহ আ. এর প্রতি আল্লাহ দরা না করলে ভিনি ক্ষত্রিয়ের বরেন।	33-देन	81	690	প্রেক্তর (অপ্রায়র দারর নিও দিয়ে ছিবাদকারীসেরতে প্রেক্তর দান)	8-591	36	465
रेनवर्धाशास्त्रक बन्द तटाटर नमा (विमानट्व)	৫৬-বর্মাক্সাক্	b/b	381	प्रदेशानी (व्यञ्जास्य मद्या प्रदेशानी)	৪০-মু'খিন	9	696
পর্যন্তিবিকা ও দয়া বরুপ কিতাব নিয়ে এসেছিলেন আল্লাহ	বু-বার্থক	25	939	गानिर चा, এর প্রতি আল্লাহর সহা (নবুয়ত প্রসঞ্চ)	১১-বুদ	60	693
পরিকৌন করা (অপ্রাহর করা সর্ববিদ্ধুকে পরিকৌন করে আছে)	্বার্থ	300	627	সৃত্তি (কলবা ও দরা সৃত্তি, দিসার আ: এর অনুসারীদের মুদরে)	৫৭-হাদীদ	32	962
প্রভাব (আপ্রাহর দয়ার প্রভাব লক্ষ্য করার আক্রান)	৩০-ছম	80	925	সৃত্তি (হস্তান্ত ও দরা স্থাপন পুরুষ ও প্রীবের মধ্যে)	00-EX	25	450
श्रीरियामहरूप निर्मा पुना जा. व श्राम्यान कथा व महा श्रीर्थना	৭-আগ্রহ	363	£95	হতাপ (আল্লাহর ময়া তেকে কফিবনাই হতাপ হয়)	২৯-জানকাবত	20	539
প্রতিশাসকের মধ্যে হয় প্রতিশা (মুমিনদের)	२-वन्द्रश	496	6,06		Co. Mirriga	24	
প্রতিপালকে দার সম্বাচিত কল্লাকের মূলবেদ মালেরকে যার	2-2020 5-2020	43	683	দয়া করা আল্লাহ দরা করেন যার প্রতি ইয়হা করেন	১২-ইউসুফ	és	2012
প্রতিশাসকের নয়া প্রথমিন করত (সমানদার বাদারা)				আপ্তাহ লয় করকে মুহিল নর-নারীকের প্রতি	৯-ভাঙৰ	93	681
	২৩-মুমিনূদ	709	992				
প্রতিপালকের দন্মা ব্যতীত মানুখ মততেদ করতেই থাকবে	77-24	77.9	696	প্রতিপালত ব্যক্তে দরে করেন ব্যক্তে ছাত্র করকে মন কুমরণা কর	১২-ইউসুফ	60	69.5
প্রতিপালকের দরা (মারইয়ামকে সন্তান দান)	३५-पाददेशाम	57	900	প্রতিপাদক দরা না করদে (আদম আ. ও তার স্থাকে)	৭-আ রাফ	50	678
প্রতিপালকের দরা (বাকারিয়ার প্রতি)	১৯-খরইয়াম	3	908	প্রতিপালক লল্লা করবেন বনী ইসরাইলরা অনুভঞ্জ হলে	১৭-ইস্রা	ъ	978
প্রতিপাশকো দারর উদ্দেশ্যে হকদার থেকে মুখ ফিরাতে হলে	১৭-ইস্র	5/2	935	প্রতিপালকের দল্লা কাহনার নির্দেশ	२७-चू मिन्न	222	990
প্রতিপালকের দল্লা (নাসূল স. এর প্রতি)	২৮-ঝসাস	86	3.75	রানুল স, ও তাঁর সালে করা আছে বাদের প্রতি বর্দা দরা করেন,	৬৭-মূল্ক	২৮	398
প্রতিপাশকো দয়া (রাসূপ স. এর প্রতি কিতাব অবতীর্ণ হওয়া)	২৮-কলেন	9.0	276	मद्या (सङ्ग्रह)			
প্রতিপালকের দরা না পেলে মূপার জা, এর সম্প্রদান ক্ষরিয়ের করে	৭-জাব্রফ	787	696	নূহের প্রতি প্রতিপাদকের দয়া/নর্যাত দান প্রদক্ষ	১১-হুদ	54	999
প্রতিপাশকের পরা প্রতাশে করে (বাংকাকে ইলাহ মনে করা হয় ভারা)	১৭-ইস্থা	49	472	প্রতিপালকের দর্য়/নবৃত্তত দান প্রদান (নৃহের প্রতি)	১১-যুদ	ર્ષ્	667
প্রতিপালকের পক্ষ থেকে দয়া প্রার্থনা (আসহাবে করেকের)	১৮-ব্যক্	70	948	मर्गाशंड			
প্রতিপালকের পক্ষ থেকে নরা বরূপ (বাসুল স. প্রেরণ)	৪৪-দুখাল	9	३०२	উপায়েশ (পরস্পর্যে লর এদর্শনের উপাসশ এমান-বিশ্বিশর কর্ম)	৯০-বালাদ	39	2040
প্রতিপালকের পক্ষ থেকে দরা এসেছে (কুরস্তান প্রসঙ্গ)	৩-আন্'আম	301	655	বাহিতবা দয়প্রার হারে ! সাধ্যান বাণী তথ্যস	৩৬-ইয়াসীন	80	<b>₩</b> 28
প্রতিপালকের দরা (স্থূপঝরনাইনের প্রতি)	১৮-কার্ফ	99.	902	কিতাৰ/কুৱমান অনুসৰণ/ভাকওয়া ভারা নরাপ্রান্ত হওয়া	৬-আণ্ডাম	266	933
প্রতিপালকের দরা ভালের প্রতি বারা বিশনে	২-বাবুরো	323	67.5	কুরুমান প্রকণ করা/ চুগ থাকার মাধ্যমে দরাপ্রাপ্ত হওয়া	৭-আবিদ	208	803
প্রতিপাশকের দরা থেকে নিরাশ হতে নিরেও করল ইংগ্রাহীনকে	১৫-ছিবর	Фb	900	মুখিনর স্মান্তর হবে (রাসুস ন: এর অনুসরণ করঙ্গে)	₹8-98	26	900
প্রতিপালকের দরা আশা করে যে (অনুগত ও নিম্নদাকারী)	৩৯-বৃহার	>	898	प्रमान मक्कार स्त (अक्कार र समृत म. यह अस्तार कराम)	৩-আলে ইমরান	200	287
প্রতিপালকের দরা উত্তথ (মানুব বা জনা করে করে তেয়ে)	৪৩-মুধক্তব	02	939	মুখিন নরাপ্রাপ্ত হবে আল্লাহতে তর করলে আপোরের ক্ষেত্রে	৪৯-হত্বাভ	204	200
প্রতিপালকের নরা ও লড্ড্রান (বিন্যান প্রনঙ্গ)	২-বাবুদরা	235	650	সম্প্ৰদায় যাতে সময়োভ হাতে পাৰে সে জন্য উপসেশ প্ৰেমণ	৭-আ'রফ	90	635
প্রবেশ করালে (পৃত্তকে অস্ত্রাহর সময় মধ্যে প্রবেশ করালে হয়)	२)-वाचित्रा	9.0	900		traine.	00	620
প্রবেশ (লকেন্দর্শীল মুক্তিদরে অল্পাহ তার নরার মধ্যে প্রবেশ করাকো)	80-मधित	do	309	नग्र (र्वंड)		-	-
প্রবেশ (অক্সাহ ব্যক্তে ইয়ে) করে নয়ার মধ্যে প্রবেশ করাকেন)	৪৮-কার্ম	40	97.	বাৰু (পজা বা বৃত্তির পূর্বে বাত্ত্ব প্রেরণ মূলংকদরপে)	২৫-ফুরকান	81/	39.5
প্ৰবেশ (আপ্তাহ থাকে ইয়া) দল্লৱ মধ্যে প্ৰবেশ কলান)	१७-पाद्द	02	335	বভাস (দরা বা বৃত্তির পূর্বে বভাস প্রেরণ করেন আল্লাহ)	৭-আগ্রফ	68	939
প্রবেশ (আল্লহ যতে ইজা ভার নমার মধ্যে প্রবেশ করান)	8२-मृदा	b	999	PETAG			
প্রথম (আল্লাই বর্তে হজা কর নামর করে প্রথম করলে)	১৭-ইসরা	48		অনুমতি (দরমেরের অনুমতি ছাড়া কথা করা যাবে না কিয়ামতে)	৭৮-নাবা	69.	2005
প্রথেশাক দরা করবেন মানুগের প্রাও (হান্ত্র করলে) প্রার্থনা (প্রতিপালকের দরা প্রার্থনা আলহাবে কাহকের)			475	অনুমন্তি (হাপরে দ্যাময়ের অনুমতি ছাড়া কারো সুপারিপ	২০-ফ্লা-ঘ	209	987
	১৮-বাহ্ফ ৪-দিদা	30	9२8	বর্জে লাগবে না)		2017	
প্রবেশ (রুমিনানরকে আল্লাহ দর্মর মধ্যে প্রবেশ করাকেন)		746	2%	জনতীৰ্ণ বড়েন দি সন্তমন্ত কোন কিছুই! (কফিবলের মন্তব্য)	৩৬-ইয়াসীন	32	244
প্রাটারের ফিবরে থাকবে দরা (মুনাফিকদের মাঝে নির্মিত প্রাটারে)	৫৭-হাদীন	30	385	অবাধ্য (পরায়ত্ত কটিন অবাধ্যকে টেনে বের করবেন)	১৯-মারইয়াম	65	909
ফলব/থাওরত প্রতিশাসককে ভাকরির জন্য পর্যন্তিশিকা ও নরা	৭-আ'রফ	228	959	অৰাণ্য (শগ্ৰভান সন্তামহের অবাণ্য)	১৯-মাবইয়াম	88	909
বনী ইসরাইলের প্রতি আল্লাহর দরা প্রসঙ্গ	5-50400	168	৫০৭	অধীকার (বানূদ স. এর উপত দর্যামধ্যক অধীকার করত)	১৩-রা'দ	co	697
বউন (প্রতিপাদকের দরা কি সত্যে অধীনারঞ্জনীর বউন করে?)	৪৩-মুখকন	જ	psp	অহীকার (দল্লময়ের অহীকারকারীকে পার্থিব প্রার্থে দান)	৪৩-যুখকক	00	464
বিস্তাব (আল্লাহ ভার দথা বিস্তাব করেন)	৪২-শূল	২৮	9,90	আয়ান (দরামানে আরান পাঠে সেরদার পুনিরে পরুত ঘর)	১৯-মারইরাম	фъ	905
বিশ্বাসী সম্প্রলায়ের জন্য কুরজান গথনিসেশিকা ও লয়া সভ্রপ	१-व्य'स्टब	500	603	वाह्मार वर्गीय महायत	২-বাকুারা	360	672
বিশ্বাসীদের জন্য কুরস্কান দল্লা ও পথনিদেশিকাখন্তপ	82-सर्विदा	50	900	অক্সহ অনীৰ ন্যান্য ও পাৰ দল্যপু (দকল প্ৰশাল জাই)	১-ফাভিহা	9	203
বৃষ্টি সমাস্তরূপ প্রেরণ করা প্রদক্ষ	২৭-নামল	60	bod	অপ্তাহ (ক্ষ্মীৰ ন্যান্য অপ্তাহ)	৫৫-রাহ্মান	3	3103
মন্তর (প্রতিপাশকের দ্যার বাদ্যরের মালক কবিদরো হল)	১৭-ইস্রা	200	922	व्यक्तार नंत्रम महोस्य	৫৯-হাপর	22	509
ভারার (প্রতিপাদকের ন্যার ভাতার কি কাফিনদের কাছেঃ)	৩৮-নোরাদ	٥	Ирр	व्यक्तर सर्वास	৬৭-মূপক	59	398
মনোনীত (দয়ার জন্য মনোনীত করেন আল্লাহ বাকে ইচ্ছা)	৩-আলে ইম্যান	9.8	680	অপ্তাহ (দরানর আপ্তাহ ছাত্র কাঞ্চিবদের কোন বাহিনী নেই)	৬৭-মুশ্ব	20	330
মান্ত-পিন্তর প্রতি দরা করার জন্য প্রতিপালকের নিকট প্রার্থনা	১৭-ইগরা	48	936	च्हार (प्राप्त चाहार सह प्राप्त तरित कह गुनरेगाल गा)	২৭-মামল	00	200
মানুষের জন্য দথাস্থরণ (মৃসার কিয়াব)	২৮-কানান	80	F22	व्यक्त शर्वन (स्वाधात निस्से व्यक्त शर्वन करू प्रतिप्राम)	25-मात्रहेस्राम	39	900
মুদলিমদের জন্য কিতাব/কুরঝান দলক্ষেপ অববীর্ণ	১৬-নাহল	123	930	ইয়া (বেবেশবাদের উপাস্থা সম্পর্ক)		30	950
মুমিন্যান জন্য দ্যাকরণ রাসুল স. এর উপর কিয়ার অবতীর্গ	১৬-নার্ল	68	900	ইবাদত (ব্যৱহার হাড়া জন্য ইলাহের ইবাদ্তির জনারতা)	80-पुरंत्रफ		
মুমিনদের জন্য কুরমান দরাস্থরণ	२७-व्यागवाद्य	63	250		৪৩-যুগরুফ	842	100
মুমিনসের জন্য কুরআন পরনির্দেশিকা ও বয়া	২৭-নামল	99	tro6	ইপাহ (দরামর হারু জন্য ইপাহের ইবাদকের অসারতা)	৪৩-যুগরুফ	8/2	ppp
				উপালে (ধরামারের পাক থেকে বাতুন উপালেশ আসলে মুখ বিধার)	২৬-চ'জারা	6	700
ফুসর দার প্রার্থন (সরুর জন সোকো ভূমিকম্প দারা পাকরাও)	৭-জা'রাক	766	656	ক্ষত্রিত করতে চাইলে (কেট উদ্ধার করতে পারবে না)	৩৬-ইয়াসীন	50	200
মুসার কিঠাৰ সয়৷ ও পথ প্রদর্শকস্বরূপ ছিল	77- <u>Z</u> á	24	969	হেলেরালা (ফুর্মন্ডনর অপরাধ দের, দরান্যা সরাদ এবা বর্তমেন)	২১-জাধিয়া	40	167
		8	225	স্থামর অপ্তাহর নিওট থেকে কিতাব (কুরজন) অবতীর্ণ	৪১-ছুস্পিশ্বত	2	550
যুদ্ধবন্দীদের প্রতি দরা প্রদর্শন করে ছেন্টে দেরা যুদ্ধবিফলকে আপ্তাহ তার দরার মধ্যে প্রবেশ করিয়েছিলেন	৪৭-মুহাখান ২১-আবিধা	10	900	দরাময় ধরে রাখেন পথিদেরকে (মাকাপে)	৬৭-মুখ্	22	290

দরা দরাময়

শব্দ বিষয়/এসম	স্থান্য ও নাম	प्रशा र	नुहा-	শব্দ বিষয়/বাস	সুৱা দং ৩ সাম	1021 1	701
मग्रामम् (नृर्वं नृते (चटक)				অস্তাহ পরম দরাপু	২৫-ফুবজন	0	96-5
দৃষ্টান্ত (সন্নামক্রের দৃষ্টান্ত দের মুশরিকরা কন্যা সন্ধান প্রসঞ্চ)	৪৩-যুধকড	24	b39	আল্লাহ পরম পরালু	২৮-কাসাস	39	pop
পৰ্যাইদেয়কে অবকাশ দেয়ার জন্য দয়াময়েরা নিবট প্রার্থনা	১৯-মারইলান	9.0	400	অল্লাহ পরম দরাপু	h-97697	Þ	467
প্রতিক্রতি (দরামধ্যের প্রতিক্রতি গ্রহণ করেছে কি অনিস্থাসীরা)	১৯-মারইয়াদ	96	900	অল্লাহ পরম দরাপু	৫৭-হানীন	44	947
र्टाच्याचि निकारन महामहा योव वान्तरनहरू (हांबी बस्तरका)	১৯-মারইয়াম	46	906	আল্লাহ পরম দরাপু	০-জালে ইমরান	259	285
্রতিকৃতি দরমানে বিয়ামত সম্পর্কে (বিতীয় শিক্ষা কুঁ বরা)	৩৬-ইয়াদীন	44	40C	অস্তাহ পরম নয়ালু	২৪-বৃথ	રર	190
প্ৰতিশ্ৰুতি (নয়াময়ের নিকট প্ৰতিশ্ৰুতি গ্ৰহণ করেছে বে)	১৯-মারইয়াদ	3/9	980	অভাহ গরম গরাসু	৯-তাওবা	224	955
্রেটিশক্ষক(দর্ময় প্রতিশক্ষকী রাস্থ্যধানার সংগ্রহণ যুগঠিক প্রদেশ)	२५-वर्गायम	225	929	অস্তাহ পৰম দ্যালু	২-বাকুরে	200	235
ন্রতিশালক (আঝাশ-পথিবীর প্রতিপালক নরাময়)	५५-मारा	09	2007	আল্লাহ পৰম দ্যাপু	৪৮-ফার্ছ	38	224
প্রতিশালক অসীম নরমের (বনী ইসরাদিলকে হারনা)	২০-জা-য়া	20	984	অল্লাহ পরম দহার (ইবরাইম আ, ও ইসমনিকের সোরা প্রসম)	২-বাকুবো	257	678
বালা (ফরেশভাগণ দল্লাম্য আল্লাহর বালা; কন্যা নয়)	৪৩-যুধকক	79	964	অস্তাহ পরম দরাশ ও অতি ক্ষমাশীল	8-991	25%	290
বাব্দ (সরামারের বাব্দা হিসাবে উপস্থিত হবে না এমন কেউ নেই)	১৯-মারইয়াম	20	980	অস্তাহ পরম নরাশ ও অতি কমানীল	৩-আলে ইমরান	60	e-ck
তর (দরামর আহারতে না সেখে তর করা)	40-MA	90	348	আল্লাহ পরম দরাকু ও অতি ক্ষমাশীল (ক্ষমা প্রার্থনা প্র.)	8-मिना	220	695
ভব্র (লয়ম্মারে যে ভার করে তাকেই রামল সর্ভাক করকো)	৩৯-ইয়াসীল	33	267	অপ্রায় পরম দল্লাক ও অতি কমাশীল (হিকারত প্রদক্ষ)	8-मिना	200	esh
ভাগাসা সৃষ্টি করবেন নয়মন্ত সংকর্মশীল মমিনসের জন্য	১৯-মার্থয়ান	20	980	অস্তাহ পরম নধাপু ও অতার স্লেহশীল	48-59	20	392
ভাগবাসা সৃষ্ট করবেন নয়মত্ত গংকমশাল ভূমনদের জন। মুবার্কীসেরতে দরামত্তের নিকটি সমূদের করবেন আস্তার	১৯-মারইয়ান ১৯-মারইয়ান	94	980	অল্লাহ পরম নৱাল ও অতি ক্ষমানীল (মহীত দ্বী প্রসঙ্গ)	৬৬-ভাহরীম	2	240
				अक्कार श्वाम नवाल व जानीय करायाचा (गराना शासाल वीवारी)	५-व्यक्तिया	3	603
রাজতু (দরামর আপ্লাহর রাজতু কিরামতে)	14-24664	₹6	968	व्यक्तार भरम महानु ७ कमानीन	89-आइंबर्स	7	305
রোজা (দরাময়ের উদ্দেশ্যে রোজা রাখার মানত মারইয়ামের)	১৯-মাধইয়ান	26	902		8-91500	68	605
শক্তি (নরাম্যার শক্তি ইব্যাইটের লিমকে স্পর্গ করতে গারে)	১৯-নাবইয়ান	8¢	909	আল্লাহ পরম দরাপু ও তাওবা কর্লকারী			
শোহনীয় নর, নরামর আল্লাহর জন্য (সন্তান গ্রহণ করা)	১৯-মাধ্ইয়ান	24	980	আল্লাহ পরম দরাপু ও মহস্রেমাপশালী	৩২-সাঞ্ধা	9	3000
সম্ভান (দায়াম আল্লাহর সম্ভান দাবী করে মুশরিকরা)	১৯-মানইরাম	97	980	আল্লাহ পরম দরাপু ও মহা অনুগ্রহকারী	65-64	47	200
সপ্তান (দায়খ্যার সন্তান ধাবকো রাসূল স. মনেন প্রথম ইবাগনেনারী)	৪০-যুখকুফ	9.7	802	আল্লাহ পরম নরাসূ ও মহাপ্রভাগপালী	৪৪-দুখান	84	308
সন্তান প্রহণ (দরমন্ত সন্তান প্রহণ করেছে কাফিবরা বলে)	১৯-মার্ট্য়াম	bb	980	আল্লাহ্ পরম দরালু(দীবত ও অনুমান গ্রাস্থ্য)	৪৯-হর্তবাত	25	957
সম্মাসীন (দরাময় আল্লাহ্ আরশে সমাসীন হরেছেন)	২০-জা-য়া	¢	487	আপ্লাহ পরম নয়াকু (ভাওবাকারী ও নংশোধনকারীর প্রতি)	৬-আন্'আম	28	900
সৃষ্টি (দলাময়ের সৃষ্টিতে অদহতি দেবতে পাওয়া যাবে না)	৩৭-মূল্ক	0	245	আল্লাহ পরম সরাকু (বান্সাদের প্রতি)	>१-विकार	8>	900
স্বরুপ (দরামব্রের স্ক্রেশবিমুখ ব্যক্তির জন্য শরতান নিয়োগ)	80-पृथ्वम	06	トラケ	আল্লাহ পরম দরাকু (বাপার প্রতি)	৫৭-হানীদ	>	৯৪৮
হাপরে অসীম নরাময়ের সামদে পথ তত্ত্ব হয়ে যাবে	२०-पुर-श	209.	985	অক্সাহ নয়ানু (ব্যতিহারের অভিযোগ উৎাপনকারীর তওনা প্রসঙ্গ)	২৪-সূর	ę	998
मदाभारा				আল্লাহ দয়াসূ ও কমাশীল (মানুমের জন্য ফেরেশবাদের	84- <b>4</b> 8T	e	692
র্ঘনর (হুনাকৃত বালকবির মেরে পর্যায়ায় র্ঘনির্ত সঙ্কান অফর)	১৮-বাহক	P/3	300	क्या शर्पना)	,		
मश (बङ्गाङ)			-	অক্সাহ দয়ালু ও ক্ষমাশীল (দরা থেকে নিরাশ দা হওয়া প্রসাদ)	৩৯-ঘুমার	60	P-96
পর। (রহমত) জগতের জন্য সরাস্থরপ মুহান্দন স,কে প্রেরণ করা হয়ে	২১-অধিয়া	209	101	আল্লাহ দরালু ও তওবা কবুলকারী	২-ৰাকুৰো	350	479
মহাখন স কে জগতের জনা নয়সকলে পাঠানো হরেছে	২১-অধিয়া	209	107	অল্লাহ দরালু (যুলুমের পর ভালজন প্রতিস্থাপনজরীর প্রতি)	२९-मामन	22	900
बाजुन ज, सथा वा बद्दान्ड (मुमिन(स्टब्स्ना))	৯-জারবা	65	685	আল্লাহ ভওবা কৰুদকারী ও পরম দল্পালু (ব্যবিচার প্রসঙ্গ)	8-मिगा	39	665
	9-910-11	95	000	পাল্লাহ অসীয় দয়াপু	৫৯-হাশর	22	323
সমাপু			-	স্বাল্লাহ (আল্লাহ ভার বান্দার প্রতি অতি দবালু)	84-951	38	585
जाहार मरिक्षं महायू	১২-ইউসুফ	48	00-5	অপ্তাহ (ইনলামগ্রহণার পর অনুগত বেনুদ্দিনার বাপাত)	৪৯-চ্ছুরাত	38	842
সাল্লাহ পরম নয়াপু (সানম্বের ভওবা করুল প্রসঙ্গ)	২-বার্যরা	99	606	আহাত অতি ক্যাণীল ও পরম দবাল	e-पश्चिम	80	695
স্বাস্থ্যাহ পরম দরালু (মুখিনদের প্রতি)	8-विश	52	690	থাল্লাহ অতি কমানীল ও পর্যথ দ্বাল্	৩৯-আহ্বাধ	30	780
সাল্লাহ মুমিনদের প্রকি পরম নয়ালু	০০-সাহ্যাব	80	804	আপ্রাহ অভি কমাশীল ও পরম দরাল	००-सहस्रव	2	500
আল্লাহ মানুহের প্রতি অভি অনুমাংশীল ও পরম দল্পালু	२२-छण्ड	62	968	আন্তর অভিকর্মানীল ও পরম দলে (গ্রী-সঞ্জাননের ক্ষমা প্রদাস)	১৪-ভাগারন	28	203
সাল্লাহ পরম নরালু	৯-আওবা	99	600	অক্সাহ অভি কমাশীল ও পরম দল্পল	২০-ইউনুস	209	608
আল্লাহ পরম দরাব্	৯-জাঙ্গা	308	967	অন্তাহ অতি কমাশীল ও পরন নামপু (অপনিত নেয়ানত প্রদাস)	১৬-নার্শ	36	908
আল্লাহ পরম দরাবু	৬০-মুমরেহিনা	25	269	আপ্রাহ অভি কথাপীল ও পরম দরাল	৭৩-মুম্বাধিল	30	byk
আল্লাহ পরম নরাপু	৮-আন্দাশ	65	900	अक्रार क्रिक क्रमाना ७ गरा गरान् अक्रार क्रिक क्रमाना ७ गरा गरान	8-সিলা	265	696
জাল্লাহ পৰম সম্বাস্থ	৯-জাওবা	224	925	प्रकार प्रति कवानीन च नस्य नसम् (माने विद्या करा अन्तर)	8-मिमा	40	000
জাল্লাহ পরম দরাপু	৮-আন্ফাল	90	600		8-9191		030
জাল্লাহ পরম নরাপু	৫-মারিদা	48	628	আল্লাহ অতি কমাশীল ও পরম দরালু (উহল প্রদঙ্গ)		709	
জান্তাহ পরম দরাব্	৯-জাওতা	29	682	আক্সাহ অতি কমাশীল ও পরম লয়াপু	৩৩-সাহ্যাব	Q.b	9.09
জাল্লাহ পরম নরাপু	৫-মায়িদা	0	640	আল্লাহ অভি কমাশীল ও পরম দরাকু	৩৩-আহ্যাব	60	5-09
আল্লাহ পরম নরাপু	৯-জাওব	92	685	অল্লাহ অভি কমাশীল ও পরম দরালু	8-सिमा	36	6.99
व्यक्तार शहस महान	৫-মাছিলা	98	69.9	অল্লাহ অভি ক্ষমানীৰ ও পরম দয়ালু (মুলফিক প্রসঙ্গ)	००-आइएस	4.8	prog
আল্লাহ পৰম দৰাপ	२-शक्स	364	420	অস্ত্রাহ অতি দধাপু	৯-জান্তব্য	0	680
जाहाद शहस महान्	৩-আলে ইমরান		488	আন্নাহ অভি দরাপু	১২-ইউসুঞ্	25	660
जोहार পরম নবাল	৬০-মুমকাহিল	1	323	অন্তাহ অতি দয়াপু	<b>५8-नृत</b>	હર	20.5
आहार नाम नमान्	<b>७०-इम</b>	0	255	অস্ত্রাহ অভি দরাশ্র	३-शहरवा	390	639
अखाद नाम नवान्	৫-মান্ত্রনা	100	654	আল্লাহ অভি দরাপু	২-বাকারা	235	228
	৫-মারনা ৪১-ফুস্সিপাড	03	604	অন্তাহ অভি দয়াসূ	२-सक्ता	239	243
অল্লাহ পরম সরাপু				অন্তাহ অভি দয়াশ্ব			
অল্লাহ পরম নবালু	৫৮-মুজাদাখা	34	950	পঞ্জাব পাও পরাযু	২৫-ফুরকান	90	127

শ্বদ বিহর/প্রবাস	मुद्री मर् ७ लाम । बद्राव स		inter 1	भंग दिस्त/हात	-	Line	역함
Trong State - Company	পূচ্চ পর করণ	400	Jei		न्ता तर छ ताप		
मग्रालु (पूर्व गृक्षे (बरक)		1		আকাশের দরজা উনুক্ত করা হবে না তাদের জন্য বারা	৭-জা'বাড	80	6
अञ्चाद अकि नशानू	২-বাকুরো	799	655	উন্মুক্ত করা (প্রাচুহর্ষর দরজা উদ্মুক্ত করাব পর পারস্কার)	৬-আণ্'আম	88	6
बाहार विर मार्ग	cs->tRt	2	P-87	উন্মুক্ত (সুরাজীদের জন্য জান্নাতের দরজা উন্মুক্ত)	৩৮-সোরাদ	20	bt
আল্লাহ অতি দয়ালু (মানুবের প্রতি)	২-বাকুরা	280	670	কাফিবদের ঘরে জগার দরকা দান (গার্থিব প্রাচুর্য প্রসঙ্গ)	80-पुरक्ष	48	31
वाहार वर्षि पद्मनीम	২-বাকুবো	446	232	খুলে দেয়া (অপরাধীদের জন্য আকাশের গরকা খুলে দেয়া)	১৫-ছিজর	38	18
অল্পাহ (অভ্যান্তৰশত:বাসুল স, কে ঘটো পেছন থেকে ভাৰু প্ৰসাদ)	৪৯-হতুরাত	q	320	জাহান্তামের দরজা বলে দেরা হবে (কাফিবদের জন্য)	৩৯-বুমার	93	Y
बाह्य ( वाथा दशा संसाम (भाग बाह्य द कमानीन स मसन्)	১৯-বাহন	224	122	ব্যবহারের সংক্ষা দিয়ে প্রদেশ করতে কলা হতে কাফিব্যসরকে	80-वृ'मिन	98	yı
মন্ত্রাই (বাব্য ব্যার ব্যার বেলা আন্ত্রাই কর্মানাল ও পরানু) মন্ত্রাই দবালু (মন্তব্যবশত ধারাল কন্ধ করে ভাগোকারীর প্রতি)	১৬-নার্গ ১৬-নার্গ	275	730	জাহাপ্রমের দরকা দিয়ে কাফিবকে গ্রাহণ করতে বদা হাব	०७-समाव	93	1
				কার্যপ্রমের দরকা নিয়ে কালিম কাতিবদের প্রযোগর নির্দেশ	১ <b>७-ना</b> श्त	45	90
अञ्चार, नामपु अञ्चादत नरम जनार तनित नगाः जुलादेशाकृत नमः)	২৭-সামল	00	9005	ब्रह्मसहस्र महत्वा गाउँ सामान वर्गावनामा वृद्धाना गाउँ	১৫-হিন্তর	88	91
মাল্লাহ (দয়াপু সাল্লাহর নিকট থেকে কুরস্তান স্ববতীর্থ )	৩৬-ইয়াসীন	4	2467				
মাল্লাহ দদাপু ও কমাশীল ব্যতিচাৰে বাধ্য দাৰ্শীদের ব্যাপাৰে	২৪-শূর	00	199	প্রপ্রতের দরকা হবে মুরাকীরা এর নিকটে আগলে	৩৯-বুমার	90	8
আল্লাহ অতি কমানীল ও পরম বয়ালু (বিয়ের বিধান প্রসঙ্গ)	৪-পিসা	50	262	দৌড়ে গেল দরকার দিকে (ইউসুফ আ, ও আরীঘের স্ত্রী)	১২-ইউসুফ	22	60
উন্নয় দয়ালু (প্রতিপাদক)	२०-मु मिन्न	229	190	নিকটে (দরজার নিকটে পভিকে পাইল আর্থীবের প্রী ও ইউমূক)	১২-ইউসুফ	44	60
ভথা কাল উল্লাহ ভোখালেকে (ভাইলেককে বলকেল ইউসুক)	25-8834	24	946	প্ৰকেশ (নিমালকনত হয়ে দানার নিয়ে প্রকেশের নির্দেশ করি ইনরাসিক্তক)	৭-আ'রাফ	365	64
দায়ণু আল্লাহর নিকট থেকে কিতাৰ (কুবজান) স্বৰতীৰ্ণ	৪১-ফুসসিলাত	3	57876	এবেশ (প্রভাক দক্ষর দিয়ে যেবেশনা প্রবেশ করের বছরারীকের দিবটা)	১০-রা'দ	20	63
প্রতিপাশক সর্বপ্রেষ্ট দ্যালু (মুসার প্রার্থনা)	৭-জা'বাফ	262	626	প্রাংশ (এক সরকা নিয়েপ্রাংশ নিয়ার করাসন ইয়াকুর আ: পুরক্তরকে)	১২-ইউপুঞ্	69	86
প্রতিপালক দরালু (বৈধনীল মুয়াজর মুজাহিসের প্রতি)	24s-RT091	220	952	প্রবেশ (জনপানের দরকর নিয়ে বনী ইসরাইলকে প্রবেশের নির্দেশ)	২-বাবুরর	ev	Ø0
প্রতিপালক সমানু (বেশ নান বুরারের পুরারটোর প্রতি)	१-व्यानाम	280	020	अदयन (भवका भिरम घटन शदनहरूव निदर्भन)	২-বাপুরা	31/3	44
প্রতিপালক দয়ালু (মানুদের প্রতি)	১৭-ইসরা	260		প্রবেশ (সরজার প্রবেশ করতে কললেন দুই ব্যক্তি ফুলর সম্প্রদারকে)	०-माधिना	20	25
			47.9	প্রামিতের একটি দরকা থাকনে (মূর্বাইকলের মারে স্থাপিত প্রামিকের)	६ १-शमीन	30	28
প্রতিপালক (আইয়ুবের প্রার্থনা)	২১-আধিয়া	300	920		8-निमा		
প্রতিপালক অতি কথালীল ও পরম লয়ালু (ধ্ররাম ঋওয়া প্রদাস)	৬-আণ্'আম	786	650	বনী ইনবাইলের ব্যবহা দিয়ে প্রকেশ (সির্জাবনত হয়ে)		>28	6.
প্রতিপালক অতি কমানীল ও পরম লয়ানু (কটা ইসরাইল গ্রাসল)	१-आ वार	269	659	বছ (পরজা বছ করে দিশ আধীদের স্ত্রী)	১২-ইউসূত	30	6
প্রতিপালক অতি ক্ষমাশীল ও পরম লরাত্ম	<b>28-देवतादीम</b>	106	696	বিভিন্ন সমারা নিয়ে প্রথেশ করতে কালেন ইয়াকুব আ. (পুরনেয়কে)	১২-ইউসুফ	৬৭	86
প্রতিপালক অতি ক্যাবীল ও গরম নয়াপু	৬-আপু আৰ	296	625	দরুদ পড়া (অব্যহ গ্রার্থনা)			
প্রতিপালক অতি অনুহাহশীল ও পরম দর্য়ন্ত্র (পদাদি পত সৃষ্টি)	১৬-সাংল	q	900	मनीत क्रम्य व्यनुदाद शार्थमा कडा/महत्त्व शक्काव निर्माण	৩০-জাহ্বাব	26	80
প্রতিপাদত আল্লাহ অতি কমাশীল ও পরম সরাপ্র	77-5252	00	692				۳
প্রতিপালক সমান্ত্র	৫৯-ব্যশর	20	325	দর্শক অনন্দ লের (দর্শকলের অনন্দ লের এমন ব্যার গাড়ী ক্ববাই)	২-ৰাক্টায়া	65	άo
প্রতিপালক সমানু (অক্টেয়াবশত খারাপ বাল বহে আওবাকরির প্রতি)	১৬-নাহল	228	220	থন্ত-উজ্বল (মথা আ, হাত বের করলে নর্শকদের কাছে থন্ত-	4.415101	QW.	40
প্রতিপালক পরম লয়ালু (নৃহের প্রাবনে নৌকারোহণ প্রসহ)	22-EH	85		केन्द्रान रहत (शर)	২৬-৬'জারা	00	96
প্রতিপালক পরম লয়ালু (প্রের প্রাথণে লোকারোরণ অসক) প্রতিপালক পরম লয়াল			666		৭-জা'লড		١.
	১২-ইউসুফ	ab	ওসও	তম উল্কুল (মূদার হাত দর্শকের দৃষ্টিতে তম উল্কুল হওয়া)		702	84
প্রতিপালক(পরম দয়ালু প্রতিপালকের পক্ষ থেকে সালাম	৩৬-ইয়াসীন	24	p.64	সুশোভিত ব্যৱহেন আল্লাহ ধর্শকলের জন্য (আঝাগকে)	३४-व्यिव	26	৬৯
প্রতিপালক পরম দল্লালু	১১-বুদ	90	৬৭৪	मन			
প্রতিপালক পরম হেহেশীল ও অপের দয়ালু	১৬-সার্প	81	৭০৬	অংশ (প্ৰত্যেক দলের একটি অংশ কের হলে ছিলের জ্ঞানার্ছাল)	৯-ভাওবা	255	60
প্রভিশালক দর্বেশুম দয়ালু	২০-মুখিলুন	509	114	অধিবাসীলের এক দশকে নির্যাতন করত ভিন্ন'জাউন	২৮-আসাস	8	po
রতিপাশক (শান্তি তুরাখিত না করার ব্যাপ্তরে)	১৮-বাহ্দ	44	923	অধিবাদীদেরকে বিভিন্ন দলে বিভক্ত করেছিল ফির'আউন	২৮-জাসাস	8	40
প্রতিপাদক মহাপ্রতাপশালী ও পরম সমাপু	২৬-৩ আরা	255	9>8	অবধ্য (দলের বর্তিন অবধ্যতে টোলে কের করকের আল্লার)	১৯-মার্ট্রাম	69	95
প্রতিশালক মহাপ্রতাপশালী ও পরম স্মাল	২৬-৩'আরা	145	93/6	অবিশ্বাস (দলচলোর মধ্যে কিবাব অবিশ্বাসকারীদের স্থান আন্তনে)	77-28	39	66
প্রতিপালর মহাপ্রতাপশালী ও পরম সমূল্	২৬-৩'জারা	290	939	प्राच्छा अञ्चल कराज व्यक्ता (क्रवाम प्रश्न गरसीकार शाम)	84-78I	9	22
প্রতিপাশক মহাপ্রতাপশালী ও পরম দয়াল	५७-०'बादा	208	230	আপ্রাহর (প্রামিনর আপ্রাহর দল)			34
হাতিপালক মহাপ্রতাপশালী ও পরম দলালু	२७-७.आस व	280	200		৫৮-মুম্বানালা	44	
রভিশালক মহাপ্রভাগনালা ও শরম দল্লাল্ রভিশালক মহাপ্রভাগনালী ও পরম দল্লাল				আল্লাহৰ দলই বিলয়ী হবে	৫-মারিশা	66	69
	५७-०.ब्राबा	à	16.95	আপ্তাহর দল সমূলকাম	৫৮-মুন্সানালা	44	50
রতিশালক মহাপ্রভাগলালী ও পরম দলাপু	২৬-৩'বারা	60	43-7	আসা(দল্যপান এসে গড়াস মুনাধিবদের অবস্থা, থকর প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাৰ	20	w
প্রতিশালর মহাপ্রভাপশালী ও পরম দরালু	२७-७'लादा	797	252	আহলে বিভাগলের তেন দলের আনুগত্য করে যদি ঈর্মানসারর	৩-আলে ইমর্ম	200	28
করণ। (রসুল স. কে মহাপ্রবালক্ষণী পরম নরকুর উপর ভরনর দির্চেশ)।	२५-७'लादा	259	0	আহলে কিতাৰদের এক দল কিতাৰ পঠে আলে জিলা বাঁকা করে	<b>১-জালে ইমরা</b> ন	931	28
মুমিনদের বাতি আল্লাহ পরম দরালু	৩৩-জাহ্বাব	80	bot	অহুদে ভিত্তবংকর ওকলা দিনার প্রথমভাগে বিশ্বাস ও প্রথমভাগ	০-আলে ইমরান	9.2	28
রাসুল স. দয়ালু (মুমিনসের প্রতি)	৯-আগুৰা	346	960	আহলে কিভাবদের একদল কামনা করে যদি,	০-জালে ইমবান	85	08
প্রটা পরম দরাপু (মুসার সংগ্রদায়ের বাছুর পুলা প্রসঙ্গ)	২-অকুরো	48	600	আহ্বার্কিনানে একলা অপ্রায়ে কিয়ন পিতে নিজেপ করে	2-statet	303	65
मग्रा <b>नी</b> ल			-	ইউপুনের অইরের একটি দল (একড়ে ইউসুফকে পেরে ফেল)	১২-ইউসুফ	28	31
সন্মাশাল প্রতিশালক ব্যাপক লয়াশীল কিছু অপরাধীয়ের শান্তি নিবর করেনার	৬-আন'আম	389	922	ইউপুরের অইরের একটি নল	১২-ইউস্ট	28	69
প্রতিপালত অনুধাপের্বী ও লয়াপীল প্রতিপালত অনুধাপের্বী ও লয়াপীল	৪-আন'আম ৪-আন'আম						
মাত্ৰাৰাক অৰ্থান্ত্ৰাক ক ব্যাহ্ৰাক্	ভ-জান আম	700	609	ইছনীদের একদল মেনে-বুবে আল্লাহর বাণী বিকৃত করে	২-বাস্থান্ত	16	40
দয়াপ্তপ		L. I		ইমান না আনা (চ'আইকো সামে প্রেরিড বিধরের প্রতি এক মন্তের)	্-জাবাক	24	95
মাঘাত প্রেক্সমত কিতাবের জারাত সংকর্মপরায়বদের জনা)	৩১-পুকমান	0	329	ইখন আৰা (ত'আইবের সামে প্রেরিত বিষয়ের প্রতি এক মদের)	্-আ'বাঞ্	89	63
প্রতিপাল্যবের পার্চ হোকে (বালবন্ধরের জন্য ধনচাল্লর উদ্ধার)	26-40ah	2.4	507	মুখ্য আ, সম্পর্কে বিভিন্ন দলের মামনিব্রোধ	১৯-মারইরাম	99	90
				উত্তব্ন (প্ৰভাক দল উত্তব্ন আনের নিকট যা আছে আ নিয়েই)	২০-মুখিন্দ	00	95
দরকা মংশ প্রত্যেক দরকার কল জাহনুনিয়ের উপে স্থাতিত আছে)	La Grace	0.0		উৎকৃষ্ণ প্রত্যেক দল উৎফুল্ল ভালের যা আছে তা নিছে)	50-6F	99	6-5
आवान वह मरकाम भिन्न होर (निक्रम में (मराव सिर्)	১৫-হিন্দর	88	900	এক দল অন্য দলকে লা'নত বরবে (আধনে প্রদেশ করে)	গ-জা'রাফ	-	
	গ্য-নাৰা	72	7007			0)7	92
মাব্যাশের দরমা উনুক্ত করে প্রবল পানি বর্ষণ	98-41X14	22	1006	কমিবানের দল কোন কামে আসারে না (সংগায় জনিক মুলেও)	৮-জানখণে	29	60

THE PROPERTY.	नूतं वर ६ सन	-	Set in	विषय/दारम	नुशास च सम	-	181
मन् (गूर्व गुंबेर (बंदर)	No.	-	100	হবিশ্বনে অন্য দল (হুনাফিকরা) নিজেনেত্রক উবিপ্ল করছিল		348	200
কাফিরা নদে কলে বাসুল স. এর ছানে ও বামে জড়ো ২ত	৭০-মা'অবিজ	09	39/3	মুখ্যা দ্যালা একজন এবং শাল দ্যালা একজন সংবৰ্গ শিল্প	২৮-কাদাদ	26	pop.
বিভারতারতের বেন বেল নশ কুরস্মানের বিদ্ধু সংশ সমীবার করে	10-8FF	95	634	মুখার পদের লোকটি মুখার নিকট সাহায্য প্রার্থনা করশ	২৮-কাসাস	34	409
কিতাধ্যাপ্তদের একটি দশ সত্য গোপন করে (জেনে-বুকে)	২-বাকুরো	186	629	যুদ্ধে বির হলে দু' দল মুমিন জাপোকে নির্দেশ মুমিনদেরতে,	৪৯-হনুবাত	>	240
কুন্ত একটি দল (মুসা জা, ও বনী ইসরাইলকে ধরা প্রসঙ্গ)	१७-७,बारा	48	422	যুদ্ধ করছিল একটি দল (আল্লাহর পথে)	০-আলে ইমরান	30	409
হলে যাওৱা(দলসমূহ চলে যারনি বলে মুনাফিকনের ধারণা)	০০-আহ্বাব	20	P-DC	বোদ্ধানের অপর দলের নামান্তে অংশ্যাহণ (সপত্র অবস্থায়)	8-निमा	303	490
(মা) দল পরজিত করে বড দলকে (আল্লাহর ইজার)	২-বাকুরো	485	649	যোদ্ধানের একটি দলের দামান্তে অংশ্যাহণ (সপত্র অবস্থার)	৪-শিদা	305	490
श्राद्धारः (पुरुष कार्यः धारम्म (करावान श्राय अञ्चीकारा श्राम)	82-48	9	1.97	রানুলগণতে মিথ্যাবাদী বাদছিল (দুহের পরে বহু দল)	৪০-মূখিন	¢	৮৭৮
মিনের দল (একদল মিনের কুরআন প্রবণ প্রসঙ্গ)	1২-জিল	2	200	রালুকারদের একদলকে মিথ্যাবাদী বলেছে বনী ইসরাদিপরা	৫-মারিদা	90	440
দ্বিনামের দলকে থিরিয়ে আনা (নদীর কুরআন পাঠ পোনাজে)	86-काइबाव	230	922	ব্ৰহ্মৰ স. এর সাথে এত দল রঙে দাঁড়িরে সালাত জনার করে	৭০-মুখবাঞ্চিল	20	25.9
শ্বীন ও মানুহার লগতে রানুল ন, এর আগমন সম্পর্কে জিঞ্জাসা	৬-আনু'আন	>00	600	রানুলগুরে একদলকে হত্য করেছে বনী ইলরাইলরা	৫-মারিদা	20	24≥
শ্বীদের দলতে সংগধন করে আল্লাহ বিরামতে বলবেন	৬-আন'আন	259	pop	পানিত করবে এক দল অন্য দলকে (আগ্রেম প্রবেশ করে)	৭-আর্থ	90	৬১৬
ছিল ও মানুহরা দলের মারে আন্তলে প্রবেশ করতে করা হতে	৭-আগ্রহ	thr	959	লোক (একদশ লোক পেল মূদ্য মানইয়ানের কুপের নিকট)	২৮-কাদাদ	20	570
দু'দলের উপমা সমান নয় (দৃষ্টিশক্তি ও প্রবণশক্তি)	22- <del>2</del> #	48	993	नकिनानी अवि माना गामक बोमाना हिन कामाना प्रति दरन	২৮-আসাস	96	b38
দেখা (খন্ত মুদ্ধে শত্ৰু দল দেখা প্ৰদৰ)	००-व्यवस्थान	44	300	পরি (ব্যক্তার মনুক্তা এক পশ্রত রূপরে পতি বার্যান্য করাতে সকম)	৬-আন্'আম	60	904
ধীনকে বিভিন্ন দলে বিভক্ত করেছে যারা	৫০-ক্স	93	548	শক্তবাদ ও ভার দশ দেখে মানুষদেয়কে	৭-আ'রাফ	29	926
পালে (মঞ্চার কফিবলের ন্যার জনেত নল ধানে করেছেন জন্মার)	৫৪-কামার	67	boy	শস্বতানের দলই ক্ষতিপ্রত	৫৮-মুম্বানাল্য	77	368
निक्रम ((सन এक समूक राजन साव्याद्य निक्रम कहा रहर)	৬৭-মুক্ত	le .	266	শপ্ততানের দক্ষকে দে জাহান্তামী হওয়ার জন্য ভাকে	৩৫-ফাঠির	6	786
পৰসূচিতা অবধানিত হয়েছে এক নলের উপর	৭-আরক	90	976	শরতানের দল (মুনাবিকরা)	৫৮-মুক্তাদালা	23	b¢8
পৰ্জ্যই করেছিল শহ্নতান (বনী আদমের বহু দলকে)	৩৬-ইরাসীন	63	500	শান্তি (মুনাফিকদের এক দল্পের শান্তি নিবেন আল্লাই)	৯-ভাওবা	66	686
পরজিত হবে (কুরাইশনের দল পরজিত হবে এবং)	28- <b>5</b> THIS	84	906	শিরত (বৃহৎ-মূর্থণা দূর হলে এখনক মানুষ শিরক করে)	১৯-নাহল	₹8	909
পূর্ববর্তী দলসমূহের ন্যার দুর্দিনের আশব্দ নিজ জাতির অন্য	৪০-মুখ্রিন	00	ppo	সংখ্যাবহিষ্ট দল কথালন আল্লাহ বনী ইসৱাইলাদেৱক	১৭-ইগরা	ъ	938
বদ্ধ সলকে পরাধিত করে হোট দল (আল্লাহন ইজার)	২-বাকারা	483	449	সঠিক পথ প্রদর্শন বংলাছন আল্লাং এক নদকে	৭-আ'রাফ	60	634
বনী ইনরাইলের একদলকে জাবান থেকে বের করা প্রসঙ্গ	২-বাকুরো	ÞΦ	670	স্ট্রিক (অংক্রানজন নির্মায় অসহতে নাহতের প্র'নচন কে সঠিক)	77-4654	25	948
বনী ইনরাস্থলের এবদল স্বিয়ান ভালল	৬১-সাক্ত	78	967	সহর্ক দল (বিধাপাইনের সৈনা দল প্রসঙ্গে বিধাপাইনের বিক)	২৬-৩'আর	26	485
বনী ইসরাসলের এক নল কুফরী করন	৬১-সাক্ত	38	365	সমাজ্য করাভিয়ানাত প্রভাক উন্নত গ্রেক একটি দল সমাজ্য করা)	२९-मामन	mo	808
वर्षे (अकल गाउरक पूर्वाचा वाहिने काईक वसी कवा क्षात्र)	০০-আহ্বাব	26	3006	সাহাজকারী কোন দল ছিল না আল্লাহ ছাড়া (বাগানগোলার)	১৮-কার্ক	80	৭২৮
বছ দলের বাহিনী হলেও কাফিরদের বাহিনী পরাজিত হবে	৩৮-সেরদে	22	3:55	সাহাত্য করার কোন নব ছিল না (কাঞ্চনের জন্য)	২৮-আসাস	2.5	476
ব্দানের (অল্লাহর বাদানের এক নল বলত- হে প্রতিশালক)	২০-ৰুমিনুন	309	992	হক্তার (নিরাপরার বেশি হক্তার যে লগ ইবরাইম আ প্রসঙ্গ)	৬-আশ্ভয়ে	49	900
মিন্দ্ৰ মতা বিষয়ত পোনবোৰ সংখ্য অনুসা স. এর সম্পর্ক না গুরু প্রসাস	৬-আন আম	263	625	হত্যা (এজন শক্রতে মুসলিম বহিনী কর্মুক হয়ে কর প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাৰ	રહ	304
विश्व नक विश्व कारकार महार बहुत न, यह सम्पर्ध न बाब द्वान	৬-অন অম	769	655	হত্যা কৰা ইসৱাদিল কর্তৃক (বাসুলাধের একনলাকে)	২-বাকারা	14	670
বিতক (আল্লাহ মানুধকে বিভিন্ন দলে বিভক্ত কৰতে সক্ষম)	৬-অনু অম	-50	602	হুলর (এক দলের হুলর বক্র হয়ে যাওরার উপক্রম হরেছিল)	৯-ভাতৰা	224	625
বিজয়ী নল (মঞ্চার কাফিররা নিজেদেরকে বিজয়ী দল বলে)	৫৪-কামার	88	307	মগ (উমত)			
বিশাল (এক-একটা বিশাল বহিনী ছিল পুঠের সম্প্রদারকলো)	७५-८मझम	30	966	উর্য দল বুমিলগর (মাঞ্চনের কল্যাণের জন্য)	০-খালে ইমরান	220	689
বের হত্তা (মুদ্দিনচন্দ্রকে দলে বিভাগ হরে মুদ্দে বেন ব্ওয়ার নির্দেশ)	৪-নিলা	93	292	কিতাৰ অৰ্থনীৰ্ন পূৰ্বৰাত্তী দুটি দক্ষেত্ৰ প্ৰতি কিতাৰ অৰ্থনীৰ্ন ইওয়া)	১-সদ্পাম	266	632
ভর (বৃদ্ধ করম হলে একংল লোক মানুহকে ভর করছিল)	8-निमा	99	660	পর প্রবালে (একটি দল সহা ছার পর দেবার,দারে বিচার করে)	৭-আ'রফ	22.7	659
মতকেল (বনী ইসপ্লাইলের বিভিন্ন দলের মতভেদ প্রদাস)	80-7484	62	300	বিচক্ত করা (কর্মী ইগরাইলাকে বহু উন্মত/নাল বিচক্ত করা হয়)	৭-আ'রফ	286	৬২৮
মানুহের এক দল শরীক করে প্রতিশালকের সাথে	00-384	00	b-28	বিধানমান দুটি দক্ষ (ছাত্ৰুদ সম্প্ৰদাৱ প্ৰসঙ্গ)	३९-गामन	82	200
মনুব ও জিনের দল আবংপ-পৃথিবীর সীমা অভিক্রমে অক্ষম	৫৫-রাহ্মান	00	380	কৰী ইসৱাহিকের একটি উত্তর/দলের বলা (উপদেশ প্রসঙ্গ)	৭-জা'রাফ	258	657
মিশির হওয়া (মালর সাবে মিশির হওয়ার জনা পৃষ্ঠ প্রদর্শন)	৮-অনজন	36	900	ক্ষ্মী ইসৱন্ধলের একদল অসীতার ভক্ত করে	২-বাকুরো	200	677
মিখ্যবানী বলা বনী ইসরাইল কর্মক (রাস্পনের একনককে)	২-বাকুরো	319	670	মুহিলাদের মধ্যে একটি দল খাকা উচিত যাত্র…	৩-আলে ইমর্ম	804	286
মূখ তিনিকে দিল একবল মূলকিক (স্বিমানের মোদনা লোরে পর)	₹8-71	89	993	মুসার সম্প্রদায়ের একটি দক্ষের সভ্য ধরা পথ দেখানে/ন্যার্থবিচার	৭-আ'রাফ	769	કરવ
মৰ বিবিত্তে নিল একদল (আল্লাহৰ বিভাৰ খেকে)	৩-আলে ইমরান	२०	60%	নেবা (পুন্দল পরস্পরকে সেবে মুদার দক্ষের ধর পঞ্জর আশব্র)	২৬-হু আরা	49	397
মধ ফিরিত্রে দের এক দল (বিচারের জন্য ভাকা হলে)	<b>५8-मृद</b>	80/	993	ৰুগাঞ্চিকদেৰ ব্যাপাৰে মুখিনদের দু'নগ হওয়া প্ৰদক্ষে	8-निमा	VV	690
মামিননের এবনল অপছল করছিল (খর থেকে বের হওয়া)	৮-আনদাল	e	602	সম্ভূমীন দৃটি দল মুখিনদের জন্য নিদর্শন (বদর বৃদ্ধ প্রসঙ্গ)	৩-আলে ইমরান	20	203
ম'মিদদের একদল মিথ্যাচার দিয়ে এসেছে	२8-लड	22	992	সম্মুখীন (দুই দল পরস্পরে সমুখীন কাচির ও মুমিন)	০-আলে ইমরান	266	667
মুমিন্দের এক নলকে তন্তা আছনু করল (উত্ন বুছে)	৩-আলে ইমরান	328	220				
প্রমিশসের একল স্কান্ত সামারাসীক্রের সরাই ইবলিসের অনুসরাশ	৩৪-সাধা	20	1/80	ক্ষাব্ৰণ কিয়াজন দলবলসং মুখ কিবিয়ে নিল	৫১-ঘরিয়াত	030	৯২৭
হু'মিশুনের একদল প্রভাক্ষ করতে ব্যক্তিভারের শান্তি	५8-मृद	2	118				
মুন্তবিদ্যানে কোন দলের নিকট রাদৃশ স. কে কিরিবে আনা বলে	৯-ভারধা	300	68br	ব্রাহিন হিলেন নূহের দকত্বক	৩৭-সাঞ্জাত	pro.	৮৬১
মুক্তাবীদেরতে দল হিসাবে নমবেত করবেন আল্লাহ	১৯-মাধ্যমাম	be	980			-	
মুনাজিকদের একদল কর্তৃত নবীকে পথমার করার চেটা	s-Sixt	220	443	দক্ষিত্র-প্রমাণ আহারর নির্দান নিরে দবিত্র প্রমাণ হাড়া বিতর্ক…	৪০-মুখিন	-00	P+2
মুমিন্দের দুই নল সাহণ হারানের উপত্রন হরেছিল উচ্চুদ যুক্তে	০-খালে ইমবান		489	ইলাং প্রবেশ্ব পাক প্রমাণ উপস্থিত করা (বহু ইলার প্রসঙ্গ)	২১-জাধিয়া	38	983
ধুমিশালা দু' দল পরস্পর যুদ্ধে লিড হলে আপোনের নির্চাশ	৪৯-হজুরার	>	350	উপস্থিত করা (বহু ইবাহ গ্রহণের পচ্ছে দলীল-প্রমাণ)	২১-অখিয়	38	923
মুখোমুধি (কোন নলের সম্মুখীন হয় কংন ঈমানবারগণ)	৮-বানফাল	80	606	ভূপানার পাত নলিল-প্রমাণ নেই (আপ্রাহ স্থারা কর উপাসের।	২৩-মু'মিলুন	224	990
হুনাছিকদের একনলতে মার্কনা কবলে জন্য দলকে শান্তি	১-মাঙ্ব	66	585	উপস্থিত (মলিক-প্রমাণ উপস্থিত করতে করতে। অস্তাহ)	২৮-কাসাস	26	5-78
মন্টিকদের একন্য প্রতে পরামর্শ করে	৪-নিসা	50	269	व्यक्तिकारक नक तरह मानुका काम निकारका वराम	8-FP1	318	645
Annahit manifester of the Lands	Paris		1401	cho actes in our other and appropriate many	0-1-11	- 10	× 16

** Resident Resident	न्दा नः ७ नाय	Alta 9	*	नंद दिस् श्राम	সূরা নং ও নাম	वादाव ने	প্ৰ
দলিল-প্রমাণ (পূর্ব পূর্বা থেকে)				দাত্যন			
মুশরিকনের দলিল-প্রমাণ আছে কিং (আল্লাহর সন্তান-প্রসঙ্গে)	৩৭-সাক্ষাত	306	166	অবসভার সাথে নামারে দাঁভানো (মুনাফিকের নামার)	8-निमा	584	29
শিরকের পক্ষে দলীল-প্রমাণ অবতীর্ণ করেন নি অস্তাহ	৬-আনু আম	3.7	900	আসহাবে কাহকের পাঁড়ানো (স্বতাচারী শাসকের সামনে)	79-416A	28	921
দলিল-প্রমাণ (দু"টি)				ইবরাইমের স্ত্রী পাঁড়ানো ছিপ (সন্তানের সুসংবাদ প্রসঞ্চ)	22-54	93	109
প্রতিপালকের পক্ষ থেকে দুটি বলিল-প্রমাণ (মূলার পক্ষে)	২৮-কাদাস	જ	2.22	ভানুদ জাতি আৰু উঠি দাঁজতে পাৰ্চেদি (পাৰুজাও কৰাৰ পৰ)	৫১-বারিয়াক	82	32
मत्न मत्न	- III	100		ভাৰা (মানুষ বিপাস আল্লাহতে পাঁড়িয়ে, বলে ও হয়ে ভাকে)	১০-ইউনুস	25	601
উপস্থিত হবে মানুব (যে দিন শিক্ষার জুঁ নেরা হবে)	প্দ-নাবা	30	3003	নমাছে জ্বসকার সাথে সাদ্ধানে (মুনাফিকের নামাঞ্চ)	8-निमा	184	
কমিবদেরকে দলে দলে জাহালুমের দিকে নিয়ে থাওৱা হবে	৩৬-বুমার	93	3003	गानाम नेपूर्त (अन्ना राध्या राजुन ग. वर भार मानाम नेपूर्त)	8-[97]	305	
धारमा व्यक्तास्य नाराया स्थान का महास्य नारा नारा वाराया स्थान				শাংকর মত সাঞ্জবে সুনথের (শরতানের শার্ণে পাগলের মত)	২-বাৰুৱা	392	
मुखर्केरान्डरक नाज नाज सहाराज निर्मा राजसा रहा	১১০-শস্র	2	3000	প্রতিপালকের সামনে দাঁভাবে মানুর (ভিয়ামতে)	৮৩-মুজার্থিবীন	6	202
	৩৯-বুমার	90	399	হুলবিকের নামকে সাঁড়ানো (অলসভার সাথে)	8-निमा	384	640
নশ		_	$\perp$	রতের বিভিন্ন অংশ নিভিন্ন অনুগত্য প্রকাশ (ভাহাজ্যদ)	08-5216		199
ধ্বপ (ভাল কাজের বিনিমরে লগধন প্রতিদান দেয়া হবে)	৬-আনু আম		654			9	
নিন (মর মান ১০ নিন প্রতীক্ষা করবে ম্রী/স্বামীর মৃত্যু বলে)	২-ৰাকুৱো	₹08	654	बेन्न न, रू माझान कव्हात रहार राजात निरूप विश्वेस रहा प्रथा	৬২-ছতু জা	22	1000
পূৰ্ণ (দশ রোঘা পূৰ্ণ করা হচ্ছ প্ৰসঞ্চ)	২-বাকুাৱা	799	444	রাসুল স, সালাতে গাঁড়ালে তা আল্লাহ দেখেন	<b>59-9,आ</b> श	572	930
বছর (দশ বছর পূর্ণ করা মূসার ইচ্ছাবীন)	২৮-কাসাস	29	230	সুনবোর শরতানের স্পর্ণে গাগদের মত দায়াবে	২-বাকুারা	292	000
রত (নির্দিষ্ট রিশের সামে আরো দশ যুক্ত করে চল্লিশ রাত পূর্ণ করা)	१-व्हें दाम	285	698	मीक्रारम			1
বার্ড (দশ রাজের কদম)	৮৯-ফাজ্ব	2	2052	অনুগত অবস্থার দীয়ানোর নির্দেশ (সাধাতে দীয়ানো)	২-বাকারা	২৩৮	221
সূরা (দশটি সূরা রচনার জন্য কাফিরদের প্রতি চ্যালেঞ্চ)	27-\$4.	20	666	আক্লাহকে "হকা করা (দাঁড়িরে বসে ও)	৩-আলে ইমরান	222	200
দশক্তন		1		ইবরাইমের বাদ্ধনের ছানকে নালাকের ছান বানানে	২-বাকুারা	256	238
মিসজিন (দশরন মিসজিনকে খাদা/বস্তু পদ কলমের কায়বারা)	৫-মারিশা	3/3	699	কবরের আছে দাঁয়েনো নিষেধ (মুনাফিকদের কবরের কাছে)	৯-ভাওবা	₩8	682
मन्तिम	Q-413-11	7.5	400	কাফিওর পাঁড়িয়ে বাবে দু'লন করে বা একজন করে	৩৪-দাবা	85	₩80
মবরুল (পুলিয়ার লপদি। অবস্থান ছিল বিস্তানতে অপরাধীর কারে)		-		পৰিয় প্ৰধানে বাকে নামান্ত সভাৱমানের জনা পৰিব প্ৰধান নিৰ্দেশ)	২২-হাজ	46	950
	२०-छा-श	300	989	तानुम म, तत मीवारमा क्रिक इतमा प्रामित या क्रकशास क्रिया,	>-जास्त्रा	207	603
দশমাণে				রতে দাঁঢ়ানের নির্দেশ রাসুদ স, (ক (নামাজের জনা)	९०-सुगग्राधिल	2	200
পূর্ববর্তীদের শক্তি ও সম্পদের এক দশমাশেও পারনি মন্ধাবাসীরা	ব৪-সাবা	8¢	786	বাত অভিবহিত করে নিজনবৈত অবস্থান (বহুমানের বালার)	20-244H	68	95
मदन				রাসুক্ত স, দাঁডাবেন না মগজিদে পারারে (সালাতের জন্য)	৯-জগুৰ	Satr	623
তীর আঙলের দহন (মিধ্যা অভিহিতকারী পথন্তরলের জন্য)	৫৬-৩বাকিলহ	38	289	ক্তর ও ফেরেশতা (বিশ্বামতের দিন সারিবছতারে পাঁড়ারে)	१५-नव	900	200
দাউদ			П	সাধাতে দাঁড়ানের জন্য অনুর বিধান (সিয়ানগাংগের ১নং)	৫-মাছিল	-	62.7
অনুহাই (দাউদকে অনুহাই দিরেছিলেন আল্লাই)	০৪-সাবা	20	182	সালতে (পবিত্ৰতা ঘোষণা করার জন্য)	65-25	85	303
পাল্লাহ অভিমুখী বাব্দা ছিলেন নাউন আ,	dir-সোরাপ	39	209	মামিলালা	66.44	60	30,
ইজাধিবারী(সুপাইমান আ নাউদের উন্তর্গধিবারী হয়েছিলেন)	২৭-নামল	36	tos	শারণারা অবর্তীর্ণ (অক্সায় দাঁতিপাক্স অবর্তীর্ণ করেছেন)			
আদ দাদ (অস্তাহ দাউদকে আদ দাদ করেছেন)	২৭-নামশ	30	502	ক্তেন (আল্লাং দাঙ্গাল্প ক্তেনে ক্তেনে) স্টিক দাঁলিপাল্লর ব্যানে নির্দেশ (আইকাবাসীনে প্রতি ক্ষাইব)	8२-भूग	39	p.94
আন দান (আল্লাহ নাউদকে আন দান করেছেন)	২১-অধিয়া	430	100		59-9,4ME	725	959
দান (দাউদেও জন্য দান কর্ত্বাম সুলাইমানকে)	ত৮-মোরাদ	00	5-55	সঠিক দাড়িপাল্লার ওজন করার নির্দেশ	১৭-ইস্বা	00	959
পান করলেন আল্লাহ দাউসকে রাজত ও হিতমত	২-বাকারা	202	645	मींद्रा			_
নিয়েজিত (পাণি/পর্কতকে অস্তাহ দাউলো সাথে নিয়েজিত করেছেন)	२ <b>)-वरिश</b>	42	900	অকাশ ও পৃথিবীর দাঁড়িয়ে থাকা আল্লাহর নিদর্শন	50- <u>57</u>	56	250
পরিবার (দাউনপরিবায়কে কৃতভাতার সালে কাঞ্চ করার নির্দেশ)	08-गरा	30	584	অবণ (শান্তিরে বলে ও করে আল্লাহকে অরণের নির্দেশ)	8-निमा	>00	290
প্রজ্ঞা দান (আল্লাহ দাউপক্ষে প্রজ্ঞা দান করেন)	२३-वारिश	93	900	মধ্বর উপরে পাঁড়িয়ে না থকলে আমনত ক্ষেত্রত নের না ধর,	৩-আলে ইমরান	90	280
প্রবেশ (माউসের নিকট বিবাদকারীসের প্রবেশ)	०५-शास		100	দুৰ্নাকিক বাড়িরে যার অঞ্চনার নেমে আনলে (উপমা প্রদাস )	২-বাকুারা	20	200
প্রতিনিধি (নাউদকে পৃথিবীতে প্রতিনিধি থানিয়েছেন আল্লাহ)	ob-CHEW	26	100	রতের এক-তৃতীয়ংশ দাড়িয়ে সাদাত আদার (রাসুদ স, এর)	५०-मूययाधिन	20	20.7
বর্মনিমার্শ শিক্ষা দান দাউদতে (যুদ্ধে সুরকার জন্য)	২১-জাধিয়া	juo.	922	সভ্যের উপরে দাড়িয়ে আছে আহলে কিতাবদের একটি দল	৩-আলে ইমরান	770	₫89
বিসার(শন্যক্ষেত সম্পর্কে নাউন আ, ও সুলাইমানের বিচার)	२५-वारिया	90	920	দাঁত কৰানো			
বুৰতে পাৰল (নাউন আ, আল্লাহৰ পৰীক্ষা বুৰতে পাৰল)	৩৮-সোমাদ	28	920	ব্যক্তকে দাঁড় করালো (উবারেরের মত গাধার হার প্রসঙ্গ)	২-বারুরা	200	002
ব্ৰহত শ্বৰণ (শাৰণ আ, আচ্নাব্ৰ শ্বাৰণ) বুৰতে শ্বৰণ) অধ্য (কটি ইসমস্থিতৰ অধিবসেয়কে প্ৰতিসৰ ভাষাৰ পা'নত কৱা।	০৮-নোমান ৫-মারিদা			ਸੰਵ		-	_
বাং (বন হন্যসামে আক্রমের সাক্রমের ভাষার স্থা নত করা) যারর নিয়েছেন আল্লাহ সক্রিমকে		95	690	শতের বদলে দাঁত (ফিসাস প্রসঙ্গ)	৫-মারিকা	80	eva
	১৭-ইস্লা	65	472	দাঁত দাঁতের বদলে (কিসাস প্রসঙ্গ)	৫-মারিক্য	80	60.0
যাবুর (আল্লাহ দাউদকে যাবুর কিন্তাব দান করেছেন)	৪-দিসা		644	ত্ৰেমে আৰুল লাতে কটিতে থাকে কভিতৱা	০-আলে ইমরান	229	289
সমিকপথ প্রদর্শন (আল্লাহ দাউদকে সমিকপথ প্রদর্শন করেন)	৬-জান্'আম	₽8	608		ত-আলে হনপ্ৰশ	228	284
হত্যা বংল দাউল আ, স্বাপুতকে	२-गङ्गद	552	459	দাগ দেয়া			-
দাওয়াতের পদ্ধা				কলল ও পর্যাননে দল সেরা হরে (অসের ফরা ফর্ন-রৌপ্য)	৯-জাওবা	00	680
উত্তম উপদেশ ও প্রক্ষা হারা আল্লাহর পথে লাওয়াত	১৬-নার্প	255	930	দণিরে দেয়া			
প্ৰজ্ঞা ও উত্তম উপসেশ কৰা জাপ্তাহৰ পৰে লাওয়াত	১৬-সংখ্য	240	930	দাশিরে দেরা (উড় বা নাক সাশিরে দিবেন আল্লাহ)	৬৮-জুলাম	36	266
দাঁত কৰা				rife .			
মাপ্তাহর সমকক পাঁচ করায় মানুদ (অনুহার লাভের পর)	৩৯-রমার	7	7-92	হাজনের পাড়ি বা ধরার অনুরোধ (মুসাকে)	২০-ক্লা-হা	38	989
দাঁত করানো	***	1		HIM.	-		
সাতৃ করানে। আখনের সামনে দাঁভ করানো হলে কাকিব বলবে	১-জন'জম	29	930	অক্সাহ পরম লাতা (সুলাইমানের রাজা প্রার্থন্য প্রসঙ্গ)	৩৮-মোয়াদ	92	5.55
প্রতিশের সামনে কার্ট্র কর্মানে বালি কর্মানে (কির্মান্ত)	৬-আপ্তাম ৬-আপ্তাম		Q307	প্রতিপালক মহান সাজা	ch-critite	2	785
				প্রতিপাশক পরম লাজা	৩-আলে ইমরান		0.00
সমকক (প্রটার সমকক দাঁড় করাথ মুশরিকরা)	৪১-ফুস্সিলাত	9	944	40-01-00-00-	010. 64514		- 00

The second secon	Parameter Street	CZCS	reseri	The Person of th	March Co.	F1.14	79
नम् विषय/धारम	न्या नर ७ नाम	423.4	न्हा		পুৱানং ও মাম ১৭-ইপরা	30	15
দান (আরো দেখুন সনকা শব্দটি)				প্রতিশাসকের দান সীমাবন্ধ নয়	8b-णटर		334
অকৃতভাতা (আল্লাহর দাদের প্রতি মানুষের অকৃতভাতা)	১৬-মাহ্ল	20	909	প্রতিনান (অসীতার পূর্ববাহীকে বিয়াট প্রবিদান বিবেদ সম্ভাব)	১৪-ইবরাহীর	30	69
অনুহাত (অস্ত্রাত বান্দানের মধ্যে যাকে ইয়ের অনুয়াহ দান করেন)	১০-ইউপুস	309	668	ফল নান বৰ্বে উত্তম গাহ অল্লাহন অনুনতিত্ৰতম(উত্তম বাগীর উপমা)	১৪-২বরাহান ৪৫-জাহিয়া		30
जनूरार (जाहार यारू रेक्स जनूरार मन करन)	७२-कुम्'वा	8	995	গৰী ইসরাইলকে দান করা হরেছিল (কিবাব/বিধান্-দুরাত/প্রাচয়)		36	60
অনুগামী দাদ করার জন্য প্রার্থনা (যাকবিকার)	১৯-মারইরাম	ę	908	বর্ধিত করা (আল্লাহ দানকে বর্ধিত কবেন)	২-বাকারা	396	
অনুহাহ দান করেন আল্লাহ বাকে ইচ্ছা	৫৭-হাদীদ	43	962	জিত অনস্থায় দান (প্রতিপাল্যকর নিকট ফিরে যাওয়ার করে )	২০-সুমিদ্দ	90	95
আইয়ুবকে তার পরিবার-পরিন্ধন থেরত দান করলেন আল্লাহ	৩৮-সোৱাদ	80	৮৬৮	জেন্সমন্ত্ৰী দান কথকে আল্লাহ (ক্ষমপ্ৰাৰ্থৰ কৰলে ও জনুকত)	১১-ছন	9	99
আকৃতি দান (প্ৰভোক বস্তুকে আল্লাহ আকৃতি দান কৰেন)	২০-জু-য	60	988	মর্থনা দান্প্রভোক মর্থনাবাদকে অক্সম মর্থনা দান করবেন)	১১-ছুদ	٥	00
অক্সাহর দান (রাজ ও সম্পদ সুদাইমানের প্রতি অস্তাহর দান)	৩৮-লোৱান	60	prop	মূলাকে পথনিনশিকা দান করেছিলেন আল্লাহ	৪০-মুমিল	60	b/br
আল্লাহ পুত্র ও কন্যা উত্তরই সাদ করেন (যাকে ইচ্ছা)	৪২-প্ৰা	60	5-342	মূলাকে প্রতিপালক কর্তৃক প্রজ্ঞা দাদ	২৬-৩ জারা	52	10
অল্লাহ দেয়ামত নাম করলে মানুষ তা নিজ জানদান্ত কর্বন করে	৩৯-বুমার	8%	9.05	যাকারিয়ার প্রতি ইয়াহইয়া আ, আল্লাহর দানসকণ	২১-জাধিয়া	90	92
অস্ত্রাহ যাকে ইঞ্জ কল্যা/পুত্র সন্তান দান করেন	8२-ण्टा	83	4.95	হিভিন্ন/কুরজান দান করেছেন অল্লাহ (রাসূল স. কে)	২০-ফ্ল-ব্য	99	9.8
আল্লাহর লাদের প্রতি মানুষের অকৃতভাতা	১৬-বাহ্ণ	44	909	রাজ্য দাদের জন্য প্রতিপাদকের নিকট সুলাইমাদের প্রার্থনা	ও৮-দোরান	46	20
ইউসুক্তকে প্ৰয়ো ও আন নান করপেন আল্লাহ	১২-ইউনুক	22	698	রাজতু দান করেছেন প্রতিপালক ইউসুফকে	১২-ইউসুফ	202	99.
ইবল্লব্রিয়ের বার্থকো ইসমান্তল/ইসহাক্তে নান করার প্রশংসা	১৪-ইবরাহীম	99	899	রাজত্ব দান করেন আল্লাহ যাকে ইম্বর	২-বাকুবরা	₹89	23
ইব্যাহীয়কে দান কবলেন আল্লাহ (ইসহাক আ, ও ইয়াকুন)	১৯-মার্ট্রাম	83	969	প্রসূল স, কে প্রতিপালক এমন দান করকেন যে ভিনি সম্ভই	৯০-দুৱা		304
ইব্য়স্থীয়কে প্ৰজা নান কৰার জন্য প্রতিপালকের কাছে নোরা	২৬-৩'আরা	50	932	यहरू पालन	-	_	
ইবনারীমকে আল্লাহ নান করেছেল (ইমহাক আ. ও ইয়াকুন)	৬-জান্'আম	<b>b8</b>	806	সৎসন্তান দান করার জন্য অস্তাহর নিবট ইবরাইনের প্রার্থনা	৩৭-সাক্ষাত	300	
ইনৱাহীয়কে জন্মাহর নান (ইসহাক আ. ও ইয়াকুৰ)	২৯-আনকাৰ্ড	29	464	সন্তান দানের জন্য প্রতিপালকের নিকট প্রার্থনা (যাকারিয়ার)	৩-আলে ইমরান	69	20
ইয়াইইয়া (বাকবিয়ার প্রতি অস্তাহর দানস্বরূপ)	२५-जाशिया	20	925	সম্পদ দান করা প্রকৃত পুন্য (সম্পদের প্রতি আগবাসা সরেও)	২-বাকুরো	244	62
ইসহাক ও ইয়াকুব (ইৰৱাহী আ, এর জন্য আল্লাহর নান)	২৯-আনবাৰ্ড	29	p.7p.	সহজ করা (দানশীলনের জন্য আল্লাহ সহজ করে নিবেন)	৯২-লাইল	2	200
উপকরণ দান কবেন আল্লাহ(জুলকারনাইনকে)	26-sign	78	903	সাধার রানীকে জান দান (মুসলিম হওয়া প্রসঙ্গ)	২৭-নামল	84	90
कसा (बाहाद याटक देखा कसा/पूरा प्रसान मान करतन)	৪২-শ্রা	85	pape	হিক্সত্ত (আল্লাহ পুকমালকে হিক্সত দান করেছেন)	৩১-পুতহাৰ	25	2.5
কল্যান দান করবেন না নিচুদেরকে ( আল্লাহ এমন নদ)	22-ge	407	669	হিতমত দান (কাউকে হিতমত দান আস্থাহৰ ইজাধীন)	২-বাবুগরা	200	20
কল্মণ নাম (যাকে ছিকমত নেয়া হয় তাকে কল্মণ দান কর হয়)	২-বারুগরা	259	0.05	হিকমত (খাকে হিকমত দেয়া হয় মাকে বহু কলাগ দান করা হয়)	২-বাকুরা	200	20
কল্যাণ (আল্লাহ ইবরাহীমকে দুনিবারও কল্যাণ দান করেন)	১৬-নাহল	393	930	मान (जनुश्रद मान)			Т
ক্ষমব্যক লামের চেরে সৌহানীপূর্ণ কথা/ক্ষমা উত্তম	২-বাকারা	200	607	কৃতক্ষতা(সুশবিমান/ভার পিত্র-মাত্রাকে আল্লাহর পাদের কৃতক্ষতা)	২৭-নামল	77	PC
কভেয়ার (নবীকে কাওছার দান করেছেন আল্লাছ)	১০৮-কাঞ্চার	3	2008	সুলাইমান/ভার পিতা-মাতাকে আল্লাকে লানের কৃতজ্ঞতা	২৭-নামল	3%	80
কিতাৰ দান (মুশবিকদের কি কিতাব দান করা হয়েছেঃ)	৪৬-যুগরুফ	45	599	দান করা			
চকু শীতলকারী নান করার জন্য প্রতিপাশকের দিবট প্রার্থনা	२१-कुरकाम	98	37-3	অন্মাহ দান কর্বাদন আল্লাহ কাফির ও মুনাফিকদেরকে	৯-জাওল	95	58
व्यान (पाक्रमाक्रक व्यान नाम कवा स्ट्राहिल किसामास्त्र निम प्रस्ता क्यार)	79-stéa	29	902	অনুপ্রহ (আপ্লাহ অনুগ্রহ দান করলে কাফির ও মুনাফিকরা)	৯-ভাওবা	96	68
জন গন(অল্লাহ গউন,পুলাইমান আ; কে জন দান করেছেন)	३९-मामन	20	goog .	অন্যাত (আপ্তাতৰ অনুগ্ৰহ যাকে ইছো ভাকে দান কৰেন)	৫৭-হাদীদ	1 23	>2
ভাকভার দান বড়েন আল্লাহ অভারতে করা সঠিক পর অবলম্বল বড়া	8१-प्रशासम	39	270	আল্লাহ দান করবেন তার অনুমার (ঘাকাত কটন প্রদক্ত)	৯-জাওব	60	98
নয়। প্রতিশাসকের পথ থেকে দায় দানের কন্য ওক্সবাদীর সেয়া।	29-suisia	30	948	আপ্তাহ দান করেছেন যে নেয়ামত তা পরিবর্তন করেব দা	৮-আনফাল	60	ès:
দরা দান আল্লাহর পক্ষ থেকে (বিঞ্জিবকে)	7P-415A	62	1900	আল্লাহ দান করেন ভার অনুমাহ যাকে ইজা	৫-মারিলা	08	95
মহা পান করকেল অস্তাহ (ইংবাহীম ইয়াকুব আ. ও ইনহাককে)	১৯-মার্ট্যাম	90	909	আল্লাহ কটের পর খন্তি দান করেন	৬৫-ডালাক	٩	76
মরা দান করার জন্য প্রার্থনা (প্রতিপাশকের নিকট থেকে)	৩-আলে ইমরান		200	উত্তম বিষ্ণু নান করা হলে মুদ্ধবন্দিনেত্রত ভলরে আল বিষ্ণু থাকলে	y-Strope	90	100
দরা (ছিল্লুণ দরা দাদ করবেদ আল্লাহ ঈমাননারদের প্রতি)	৫৭-হাদীদ	26	267	কিতাৰ (অল্লাহ মানুষকে কিয়াৰ দান কথাল সংগত নৰ যে)	৩-আলে ইমরান	93	28
দরা (নবুরাত) নান করেছেন আল্লাহ (মালিছকে)	77-Est	60	693	ভমতা দান করবেন জাল্লাহ মুপাকে	২৮-কাশাশ	-00	62
লাইলকে দান করলেন আল্লাহ (বালত ও হিকমত)	২-বার্গরা	267		জ্ঞান পদ করা হরেছে বাচনাকে বাচনাকে মর্থানার উল্লিভ করাকে	<b>৫৮-মুজালালা</b>	22	>0
सहित्य बना नान वदगार जुनाईश्रानत्व	৩৮-সোয়ান	00	bibbi	দরা দান করবেন আল্লাহ মৃসাকে (ভাই হারুনকে নবী করে)	১৯-মারইয়াম	20	90
বৈধি সামের জন্ম অপুত বাহিনীর প্রার্থনা (প্রতিপাশতের নিকট)	২-বাকুরা	480		ধনভাষার দান করেছিলেন আল্লাহ (কাঙ্গনকে)	২৮-কাসাস	96	6.5
দ্বিদেয়কে ফিডাব/দবুরফ/বিচার-বিবেচনা নান করা প্রসঙ্গ	৩-আলু'আম ব্যবস্থাসা	100	608	(धर्य मान कडांड कमा लावो (क्षानुकडां मेगान जानाव नव)	९-आ'शक	326	
মধ্যক্র মাই হিলাবে যে লাসীলের লাশ করা হারছে আলোর প্রদান	७७-व्यवस्य	80	500	প্ৰজা ও আন নান কৰলেন অস্তাহ মূলাকে (পরিগৰু হলে)	২৮-কাসাস	38	30
मरहरू कार हरनहर (च नन्याज्या नम कहा ब्रह्मा कारा वार्यान निर्दान (ज्ञह्वाद नाजनिकाद नमाजन)माम कहात निर्दान (नम)	১৬-নাহল	90	930	হুমিল নারী নিজনে দান করলে নবী সাইলে বিয়ে করতে পারেল	००-व्यवस्थ	20	100
				সম্পদ লম করা বা নিজের কাছে রেখে দেরা সুক্ষাইমানের ইয়ো	৩৮-সেরাদ	Gh.	5-8
ন্হকে প্ৰতিপালক কর্তৃক দয়া/মধুয়ত দান প্ৰসাস	<u> </u>	80	699	সৃত্ব সভাল দান করার পর আল্লাহর সাথে পরীক করা প্রসম	৭-আ'রাক	7,90	60
দেয়ামত নান (বনী ইনবাইলকে আল্লাহর দেয়ামত দান)	২-বাস্থ্যবা				1-01 814	200	100
দেয়ামত দান (বনী ইগরাইলতে আল্লাহর দেয়ামত দান)	২-বার্থরা	81	600	সুস্থ সন্তাল দান করলে কৃততা হওয়ার প্রতিক্রতি (আনম-	৭-জা সক	72.9	400
পথনির্দেশন (অল্লাহ মইলে সবাইকে পথ নির্দেশনা দাল করতেন)	৩২-সান্দ্রা	7-0	9-07	হাওয় আ, প্রসম্)	৬৫-ডালাক	9	1.
পরিচম্ব হওয়ার জন্য সম্পদ দান	৯২-সাইল	25	2055	থন্তি (আপ্লাহ কর্মের পর খন্তি দান করেন)	05-81414	-	he
পুর (আল্লাহ যাবে ইয়ের কন্যা/পুর সন্তান দান করেন)	৪২-প্রা	83	59.6	मान-चंद्रवांड			1
পুরস্কার দাল করবেন আল্লাহ রস্কানীদেরকে দুনিরা ও	০-আদে ইমরান			তদ্যাগ (আগ্রাহর সভুষ্টি কামনার দান-ব্যবাভ করার মাথে)	8-निमा	778	
প্রতিদান দান করবেন আল্লাহ (বুছে আনুগতা করবে)	8४-फार्ट	7.9	278	প্রতিমান (আল্লাহর সম্বৃত্তি কামনার নাম-গররাত করসে প্রতিনান)	8-निमा	228	6.
প্রতিদান (অক্সাহর উপদেশ মানলে মহাপ্রতিদান দান করা ৩০)	8-मित्रा	59	4.94	मान (शांवग्रादना)		1	1
প্ৰজ্ঞা দান কৰার জন্য প্রতিপালকের কড়ে ইবরাইটমের লোয়		80	9362	খান খাওৱানো/নান (অভ্যবহাত ইয়াভিম ও কনীকে)	৭৯-দাব্ব	ъ	25
	৩-আলে ইমরান			দান (নেরামত দান)	1	1	Ť
প্রতিক্রত বিষয় দান করার জন্য প্রতিপালকের নিকট প্রার্থনা							
প্রতিক্রত বিষয় দান করার জন্য প্রতিপালকের নিকট প্রার্থনা প্রয়ণ দান কেনী ইসক্রমিলতে দ্বীন সম্পর্কে সুস্পর্ট প্রমাণ দান)	৪৫-মাছিয়া	23	306	compare your (with Providence offic)	s program	1333	
	৪৫-কাছিয়া ২০-মুখিন্দ	99	990	লেয়ামত দাল (বনী ইলবাইলের প্রতি) দানশীল	২-ৰাকারা	755	47

firsts	सामसील

পঞ্চ বিষয়/প্রনাল	সুয়া নং ও নাম	HOVER 2	died:	পথ বিষয়/প্ৰসঙ্গ	नुबा नर ७ नाम	etter is	পুৰু
	Jan 47 0 484	200	41.50	অৰ্থনের জন্য প্রত্যেক ব্যক্তি দায়ী	र्वा नर छ नाम् १२-जुद	57	200
माननीम नारी कर्ज सम (माननीम नारी अञ्चाद्युक वेल्डर कर्ज निर्म का व्यक्त्य)	৫९-शमीम			ক্তকর্মের জন্ম প্রত্যেক ব্যক্তি পারী	64-24	42	200
		75	260	প্রভাবের আর্কি পারী (বা সে অর্জন করেছে ভার জনা)	64-58		
ক্ষমা ও মহারতিখনে (দানশীল নারী-পুরুষের জনা)	৩৩-আহ্মাব	-05	200		8-मिला	52	200
দানশীল পুরুষ		-		রাসূল স. কে দায়ী করা হবে তথু নিজের জন্য (জিহান প্রসঙ্গ)	8-(4-5)	28	459
কর্ম বান (পানপীল পুরুষ আল্লাহকে উত্তর কর্ম দিলে তা ওক্তব)	2९-शमीम	35	960	দারিদ্রা (আরো দেখুন অভাব-অন্টন শপটি)	-	_	
ক্ষা ও মহারতিবান (দানগীৰ নারী-পুরুবের ক্ষন্য)	৩৩-আহ্যাব	.05	9.00	আশ্বর্ষা (দারিদ্রোর আশ্বর করে যদি ইয়ানদারণণ করে)	৯-জভবা	54	684
माना				ক্রী ইনরস্ক্রের নামে কাছুল ও দহিল্রকে কলিয়ে দেয়া প্রনত্ত	২-বাকুরো	.62	209
উপোদন (আনান বেকে পানি অবতীৰ্ণ ববে শানানা উপোদন)	50-41st	2	255	তর (শবতান মানুদকে নারিদ্রোর তর দেখায়)	২-বাকুারা	400	405
খোসা বিশিষ্ট শস্যদানা ও সুগছ ওল্ম আছে পৃথিবীতে	হুত্-রাহ্মান	32	202	তর (পরিপ্রের তরে সম্ভান হত্যা করা নিষিদ্ধ)	১৭-ইস্রা	407	936
পরিবার সালা পরিবার সালা পরিবাদ কালাও বিসায়েরে উপস্থিত করা হরে)	২১-আদিকা	89	920	লগিরে দেয়া হয়েছে দাইদ্রা (মাহলে কিভাবদের সাথে)	৩-আলে ইমরান	225	489
সরিধার সানা পরিমাণ কুলু বস্তুও আল্লাহ উপস্থিত করবেন	৩১-পুকমান	26	444	সস্তাল হত্যা (পারিপ্রোর কারণে সন্ধান হত্যা করা হারাম)	৬-আন্'আম	767	627
সরিধার দান্য পরিমাণ কাজও কিল্লামতে উপস্থিত করা হাবে	২১-আধিয়া	89	900	দাস/দাস-দাসী (আরও দেখুন ক্রীতদাস শব্দটিতে)			
ਜਵੀ			$\overline{}$	উপমা (মালিকানাধীন এক দাসের উপমা,)	১৬-মাহল	92	90%
দুগা দাবী করে ভুলুম করেছে ৯৯ দুগার মালিক (দাউচনর উচ্চি)	৩৮-মেরাদ	48	569	প্ররোজন (অর্থানের মী প্ররোজন লো দাসকে লৈছিক দিশলে)	32- <b>ই</b> উস্ফ	80	6935
মুমিনগণ যা দাবী বারবে তাই পাবে (মান্নাচে)	৪১-ফুস্সিলাত	(0)	500	মার্লিকানাবীন এক দালের উপমা	১৬-দাহল	92	905
মেহমদলেরে দাবী করল পুরের সম্মানর (উপরোচার জন্য)	28-शामान	109	bette	মুক্তকরণ (দান মুক্তকরণ- গিরিপথ অর্থ)	৯০-বালাব	30	3028
নাসুল স, এর লাবি অনুযায়ী আকাশ বহু খয় বাবে	১৭-ইসরা	20	933	যুক্ত করা (মুমিন হতারে কাকফারা মুমিন নাস মুক্ত করা ও ককপণ)	8-मिना	24	6.95
পৃত সম্প্রদারের দাবী দেই (জাতির কন্যালের ব্যাপারে)	22-5a	33	690	মুক্ত (দাসমুক্ত করা ব্রীর সাথে বিহারের কাফফারা)	৫৮-মুঝানালা	0	822
मानी कहा	22.51	- 22	0.10	মুক্ত করা (মুমিন হত্যার তাফফারা মুমিন দান মুক্ত করা)	8-मित्रा	88	6.85
পাৰা কয়। দিমদের পৰী অয়প্রকিতাহের (কাজনপূর্বকটী কিতালে প্রতি)	8-50%	80	098	বুক্ত করা (মুমিন হারার কারফারা মুমিন নান মুক্ত করা ও বক্তপণ)	8-मिश	35	699
কাভিবা বা দাবী করত (এটাই সেই বিল্লামত)		39	398	মুমিন লাস উল্লয় মুগবিক পুরুষের চেয়ে	২-বাকুবে	553	656
দ্যাময় আল্লাহর সন্ধান আছে বলে দাবী করে মূপরিকরা	৬৭-মুন্দুর			মুমিন লাগ মুক্ত করা ও রক্তপন (মুমিন হডারে কফেফারা)	8-मिला	200	699.
	১৯-মারইরাম	97	980	মুক্তি (মৃত্যু কামা ওলের কাফফারা লগজন দানমুক্তি)	०-मासिना	b/h	270
দাধিক				মৃশা আ. ও হারুদের সম্প্রদায় দাস (বিলাউন সম্প্রদায়ের)	২৩-মুমিনুন	89	986
নিবারণ করতে পারবে না দাঞ্চিকরা (জাহান্রামের আচন)	৪০-মুমিন	89	p.p.5	শক্তবেৰ খালড় না করার নির্দেশ (বনী আনমের প্রতি)	৩৬-ইয়াদীন	50	hee
মিধাবাদী ওপঞ্জিক কে, তা জাগামীকাল লাসংগ ছায়ুল সম্প্রানায়	28-01He	36	903	সংকর্মশীল দাসের বিব্রে দেয়া	<b>५8-नुत</b>	05	999
সালিহ আ. কে দক্ষিক ও মিথ্যাবাদী বলল (ছামুল সম্প্রনার)	28-কামার	56	904	দাসভ	40148	VX	333
भार					10.00	g tr	100
ফণের দায় যাব উপর সে বলি নির্বোধ বা দুর্বল বস্ত	২-বাৰ্গহা	575	548	অনুমতি এফা করবে পাস-দাসীর (মুম্মিলাসর ঘরে প্রবেশের জন্য) অংশীদার (পাস-দাসী সমান অংশীদার নয়)	২৪-পূর ৩০-জন		
পঁথের দার যার উপর সে যেন লেখার বিষয় বলে দের	२-वाक्तता १८-युक्तव्यक्ति	57/5	644	মান (দাসমুক্তির মন্য দান করা প্রকৃত পূথ্য)		26	628
কৃতক্রমের জন্য দারবাড় (প্রভাক ব্যক্তি) মানুষ লক্ষ্যম হয়ে পড়বে (ফলল গড়কুটার পালেত ধর হলে)	०७-व्यावसद		385		২-বাকারা		
नाइ नाइक्ष वृत्र पहल (चन्न चनुवार पात्र कर वह क्षा) नाइ नाइक्ष वन (यम नाइक्ष गुन्तिकारीहर कार नाइ नाइक्ष क्षा)	8-निमा	99	469	পর্বা (নবীর রীদের সাথে দাস-দার্নীদের পর্বা প্রসঙ্গ)	৩৩-আহমার ২৬-৩ আরা	22	93/3
	0+1701	an.	601	বনী ইমরাজনকৈ চির'আটন কর্তি গাস বানানো প্রসঙ্গ		22	
দাহমুক্ত অনুসকলে নাম সময়ক হত অনুসকীনা (পুলিনার আগতে পারসে)	- Terrene			যাকাত গাসমুক্তির জনা বিকৈ (কম নাসকৈ কেই এক্টা বিকৈ কোনা যাতে তার সমান হয়)	৯-জান্তর	90	986
	২-বাবুবরা	303	672		১৬-মার্ল	37	900
অনুসূত্রা দাবমুক হবে অনুসরণকারীদের থেকে	২-বাশুবো	200	674	সহাবহার (মালিকাক্টান দাস-দাসীর প্রতি সন্থাবহারের নির্দেশ)	৪-শিশা	03	4.97
ক্ষুপরীর নাম্বর থকত ক্ষুপরিসর থেকে (পুনার ক্ষাহত পরসে)	২-বাকুলো	269	674	বাধ্য করা (দাসীলেবকে ব্যক্তিয়বে বাদ্য করা নিষেধ)	५8-न्व	00	999
ইব্যাহীৰ আ, সামুক্ত হলেন পিতা থেকে	৯-ডাওবা	278	955	বিয়ে (দাসীকে বিয়ে করা নবীর জন্ম বৈধ হওয়া প্রসঙ্গ)	৩৩-সাহ্যাব	60	200
মিথাবাদী আধ্যানানধরীর মায়নুক্ত (রাসুল স. এর নাজের বাপারে)	১০-ইউনুস	87	965	বিরে(মালিকানাধীন দার্দীকে বিরে করার বৈখনে প্রদক্ষ)	8-निग		466
াসূল স. সায়তুক (মিধ্যবাদী আধাদানবাধীর বাজের বাপারে)	১০-ইউনুস	87	9631	বিয়ে (স্বাধীন সামরিয়া মুখিন নার্হী না পেলে দার্সীকে বিয়ে বৈধ)	8-मिश	42	460
নায়িত্ব (আরো দেখুন করণীয়/কর্তব্য শব্দটি)				মুমিন নারীর পানীকের নিকট সৌন্দর্য প্রকাশে লোখ নেই	५८-नुव	47	999
অভিযোগ উদ্যাপনের প্রধান নারিত্ব যে নিরেছে তার জন্য	<b>३8-न्</b> व	22	992	মুখিদ দাসী উত্তম (মুপবিক দাবীৰ চেয়ে)	२-शङ्गता	447	645
আল্লাহর দায়িত্ব মুমিনহেরকে সাহায্য করা	00-EX	89	11-54	রাসূল স. এর জন্য মালিকানার্থান দাসী হালাল হওয়া প্রসঙ্গ	००-व्यवस्थ	65	404
সাল্লাহর দায়িত্ব (বুদ্দিনদের উদ্ধার করার বিষরটি)	১০-ইউমুস	300	968	সংকর্মশীলা দাসীর বিব্রে সেক্স	২৪-নূর	०२	999
অক্সাহর পরিত্ (ভূনজন এনটোনমা ও পড়িরে সোমা পরিত্ এসম)	∿2-বিভাসাত্	24	কৈও	র্ত্তী ও দাদী বাঠীত অন্যে লক্ষ্মস্থানের হেফালত করে যাবা	৭০-মা আরিল	80	22.5
একট্রাকরণের (কুরজন একট্রাকরণ ও পড়িরে সেরার সার্ভিত্ব প্রসঙ্গ)	৭৫-কিৱামাণ্	24	880	দিক			
কিডাৰ/নতুমত/বিচার-বিবেচনার দায়িত্ব অর্পণ করা প্রসঙ্গ	৬-অপ্জম	p.ye	908	ভার্ন সিক (তুর পর্বতের তলে বিক থেকে মূসাকে আহ্বাদ)	১৯-মারইরাম	24	909
বুরামান বার্থার দায়িত্ব প্রদক্ষ	%-বিরামাহ	779	978	পূৰ্ব দিক বা পশ্চিম দিকে মুখ টেবালোতে পূদ্য কেই	২-বাকুারা	299	679
যাওরাকের পরিভূতার বহল করেনি যার ভালের উপমা গাধার মত	<b>७२-ल्यू</b> जा	¢	364	মগলিলে ব্যৱহেমর দিকে চেব্যরা ফিরালের দির্দেশ	২-বাবুনরা	260	673
পড়াবের (পুরাজন একটোকরণ ও পড়িয়ে দেরার মানিতু প্রদাস)	৭৫-বিরামাহ	7.4	270	মসন্ধিদে হারামের দিকে চেহারা ফিরানোর দির্দেশ	<b>२-वाङ्गदा</b>	18%	679
সাখ্যাভীত দায়িতু চালিয়ে লেৱা যাবে না (কঞ্জেতে)	২-বার্থরা	200	229	মদন্ধিশে হারামের দিকে চেহারা ফিরালোর দির্দেশ	২-বাৰুবৰা	388	674
<b>শারিত্তমুক্ত</b>				যমীনকে সকল দিক থেকে সংকৃতিত করা (কাফিরদের মনা)	১৫-রাশ	82	684
আল্লাই পারিকৃত্বক মুপরিকলের থেকে	>-6064f	0	980	রাসুল স, এর বিকে কাফিররা পৌড়ে আসছে	৭০-মা অবিভ	00	374
ইবরাহীর আ. দায়িত্বক (সম্প্রদায়ের শিরক করা থেকে)	৬-জান'জ্জম	97	000	সৰ দিক থেকে উৰুপিত নিকেশ করা হয় (পরভানকে)	৩৭-সাফ্ফার	b	568
নবী দারিভুমুক্ত (সম্প্রদারের অপরাধের ব্যাপারে)	১১-হুদ	'02	666	স্থানিক থেকে প্রভুৱা বিশ্বিক আধাসত প্রধানত অস্বীঝার করার শরিষ	১৬-শাস্ত্ৰ	225	255
রাসুল স. দারিভূমুক (রাসুল স. কে অমান্য করলে থাকে বলা)	২৬-খ'আবা	436	935	দিক		r	_
পরাখন পরস্কুত হয়ে যায় (মানুহতে মিয়ে কুকবি করানের পর)	৫৯-হাপর	36	363	আছনের অধিবার্গীচনর নিকে দৃত্তি ফিরিয়ে দেয়া হবে (অভাকনানীকের)	৭-আয়ক	89	639
শরভান নামিভুমুক্ত হল কাফিবলের থেকে (বদরবুছে)	৮-আন্ফাল	87	606	প্রত্যেক্টেই একটি নিক (কিবদা) আছে	২-বাকারা	387	659
শরীক করা থেকে রাসুল স, দারিভুমুক্ত	৬-আন'আম	29	293		২৮-আসাস	22	200
হুদ দায়িভূমুক্ত (সম্প্রদার যে শরীক করে আ থেকে)	३३-इन	28	690		১০-ইউনুস	44	666
শ্রীকরা দারমুক্ত হতে চাবে বিরামতে	২৮-কাস্থ্য	60	2.70	The state of the second second second second	20-1021	-44	~0
	- Audition	-67	7,70	নিগস্ত উৰ্থা নিগতে জিবৱাইনাকে লেখেছিলেন বাসন		-	3100
<u>দায়িত্বশীদ</u>	8-991				१०-माक्य	٦	
আনুগতঃ (থাউডুলীলের আনুগতঃ করার নির্দেশ)	8-1991	69	998		৪১-ফুগ্সিলাত	60	7,90
मार्थे	1	1	1 1	স্পর্ট দিগত্তে রাসূল স. ভিবরাইলতে দেখেছেন	৮১-তাকভীর	30	\$000

<del>ৰ</del> দ	বিষয়/প্রসন্ধ	न्त्र नः ७ नाम	बस	985	नंप रिग्ह/राज्य	नुबातिः च नाम		
<b>किं</b> स		- 100 CO. CO.	-	-	অপ্তাহর নিবালের মধ্যমে উপলে দান (মূপর সংখ্যার প্রসঙ্গ)	১৪-ইবরাহাম	0	63%
	হংশ অবস্থানের ধারণা:, উয়ারেরের)	५-राकृश	200	607	অস্তাহর নির্দেশ দিনে/রাভে অনদ (শসক্ষেত্র ধ্বংসের)	১০-ইউনুস	₹8	621
	পর স্থান একের বারা ভালেরক উপলেশ	३-शक्त	505	650	আলো নৌড়াবে থেনিন (মু'মিনদের সামনে ও ভালে)	৫৭-হানীন	32	383
	ng বিশিমরে জারতের দেরামত পাত	99-21812	38	242	জাসা (কিল্লায়তের নিন আসার আগে সঠিক ছীনের জন্য)	00-6X	80	540
	প্রক নিন্তে অভিক্রম ওরা সম্ভব নর)	०७-रेशनीम	80	108	জাসা (শান্তি বেলিন আসবে সেলিন কেউ কথা বশবেনা)	১১-তুদ	300	390
			08	348	অস্তান (ন্যু জা সম্প্রনার নিনে ও রতে অহান করেছিল)	93-95	0	971
অনন্তকালের নিন (		৫০-কৃষ			इंदोन्ट्रस्ट इंदि व्यक्तिम् विभाव मिन गर्यक	১৫-হিকর	00	687
	ভর্তান করে দেন যদি আল্লাহ)	২৮-তাদাস	92	978		२०-छा-श	29	981
	বরে সমবেত বরার দিন (বিরামতের দিন)	২০-জু-য	305	989	উত্তের নিবক মূল্যবিদ্যপ্রতিকে জাদুর কর নির্মান করা প্রদাস			690
	ত দিনতে অপসায়িত করেন অল্লাহ)	৩৬-ইরাসীন	99	128	উপস্থিত হওয়ার দিন (আধিরাক)	77- <u>ई</u> स	200	
	া অপেকা বেদিন কাকাশ থেরাজন্ন হবে)	৪৪-দুখান	30	905	উপস্থিত (অভিয়নেরতে অগুলের সামান উপস্থিত করার নিস)	৪৬-জন্বক	08	27:
कशब्दिवास्य निम व	াসার পূর্বে ঈমান জনের আহ্বান	৪২-শ্ল	89	344	এবত্র করনের যেনির আল্লাই রামূলগণকে	৫-মারিদা	209	651
অপেকা (পূৰ্ববৰ্তীয়	ব্র অনুত্রপ নিদের অপেক্ষা)	১০-ইউনুস	205	666	একত্রিত হওয়ার নিশ্ববিদ্যানত সম্পর্কে সতর্ক করা (বুরুজন ছর)	৪২-প্রা	٩	49
অংকাশ্বাসকলে এন	ছের হংরের কিং পর্বন্ত জলিমনের জবন্দশ)	১৪-ইবরাইম	83	659	একত্রিত তরার দিন (অধিয়াত মানুষকে একত্রিত করার দিন)	১১-ছুদ	700	৬%
অবস্থান (একলিন ব	সিমের বিভ অংশ পৃথিবীতে অবস্থান)	२०-मु"मिन्न	220	996	একত্রিত করার দিন (কিয়ামত প্রসঙ্গ)	৬৪-ভাগারুদ	b	9-94
यस्त्राम (प्रतिवाद अस	নিন অবস্থান ছিল, উৎসেই বৃতি বিজ্ঞানত বলংগ)	২০-ডা-য	308	989	এক নিমের শান্তি লাখ্যকে প্রার্থনা করার জনুরোধ	৪০-মুমিন	88	p.p.
	যা অৰম্ভান কৰে স্বই আপ্তাহৰ)	৬-অদ'অম	30	693	একদিনে সকল বিষয় আপ্লাহর কাছে উথিত হয়	৩২-সঞ্না	e	brow
	অধ্যার মানুৰ ভাবুকে হালকা মনে করে	১৬-মাহল	bro	900	একনিনের কিছু অংশ পৃথিবীয়ে অবস্থান, পংগ্রেরর বলাব	২৩-মুমিনুন	220	99
	চৰিশ্বাসকারীয়া সুদ্র পথস্তই হয়েছে	8-501	208	218	একদিনের তিছু অংশ অবস্থানের ধরণা। (উয়ারের প্রশাস)	২-বাস্থ্য	225	20
	লগন্ধানকারের পুনুত নগরত ব্যোহে প্লি, নাসারা ও সার্বাহিনর ঈমান প্রসঙ্গে	३-वक्ट	200	203	কটিন নিব্ৰত মানুষ প্ৰয়ত নিজে দিন ও লাগ্নপুলিয়াৰে ভালবলে	९५-सदब	49	35
			320		তটিৰ দিৰ কিয়ামত, কাছিবদের জন্য	२१-कृदकान	29	96
	নে বাদার সমাদ দয় মসজিলে হারাম জনাদ	৯-জাওবা	-	987	কঠিৰ দিব (বিৱামতকৈ কঠিৰ দিন বলবে কাফিবারা)	28-07016	b.	30
	নম আনে না যারা ভারাই অনুমতি চার	৯-জাওবা	82	680	কথা কোৰে দা হিছা অভিহিত্তালীয়া (কয়শালা দিন )	৭৭-মুরসালাত	02	22
	নাদ আন্দেশি হাবা উচ্চনৰ পিকছে মুছ	৯-রাওবা	52	680	কথা বস্তুত বা হৈছা। জাতহেও-বারার (কর-লার দেন ) করু ছেকে জ্যে হয়ে আসার নিন (বিকট শব্দ কর্মার পাবে মানুম)			
	বান এদেহে থাবা ভার অনুসতি চার না	৯-জাওবা	88	688		60-Q16	85	25
	লে জনার মিধ্য খেবল (মূলফিবনের)	২-বাকুরে	y	805	কর্মনান্ততা (দিনের বেলা রাসূত্র স. এর দীর্ঘ কর্মবাক্তম)	৭০-মুন্যাদিল	9	
আবিরতের নিমে !	বিয়াস আলে বেনুইপানের কেউ কেউ	৯-জাওৰা	29	600	কৰ্মণান্ত বাদিয়েছেল আপ্লাহ (দিনকে)	৭৮-নাবা	22	200
অধিরতের নিলে সং	হান জনার সমান নর মসজিনে হারামকে	2-45641	72	486	কসম দিলের বর্ধন তা প্রকাশিত হয়	৯২-লাইল	3	204
সাধিয়তের নিবে	ইয়াল জানে যায়া	<b>e-मतिमा</b>	66	643	ব্যবিষ্টানতের বিজ্ঞানকের দিন জাইন্তান থেকে বের করা হবে প	84-साविता	02	30
সাবিবাতের দিলে ই	ন্মান (প্রকৃত পূণা)	২-বক্সর	233	67.9	ত্যাই (নিৰের কামাই/কৃতকর্ম সম্পর্কে অল্লাহ জাদেন)	১-আন্'আম	90	90
অবিবাভের নিমে ট	रियाम जामहान <sub>ःः</sub> देशन मात्र <i>द</i> यःः	২-বাকুরো	227	225	বিয়াহতে দিন একা আন্তবে (প্রবিপাদকের দিবট)	১৯-মারইরাম	34	9.8
	লে একে থাকলে মতথিয়েকের কেত্রে কর্মীর	8-मिना	69	268	কিয়ামত সংঘটিত হওয়ার দিন	00- <u>0</u> X	25	2.5
	ব্যাপারে ঈমান আনলে	५8-मृद	3	118	থিয়ামত সংঘাদের দিন বাতিদপত্তির ক্তিপ্রের হবে	৪৫-মাছিয়া	129	80
	কোন সম্প্রদায় পাওয়া যাবে না যারা	৫৮-মুমানালা	22	308	বিয়ামত সংঘটিত হবে বেলিব	৪০-মু'মিন	85	30
	পর উপ্লম জানে জানে কিভাবনের একনা	৩-অলে ইমরা		283	বিষয়েত সংঘটিত হবে যেদিন (সেদিন মানুধ বিভক্ত হবে)	00-974	38	82
	প্লস করে ধরা তারাই মসজিদ আবাদ কাবে	3-816-C	30	883	ভিয়ামতের দিন অপ্যানিত না করার প্রার্থনা মুমিলনের	৩-জাল ইমরান	358	22
	शत बदा यहा दलार स्त्रावन जायत स्वाद नारवीर क्षत्र तलन २, यह महत्र देखा जाना	৩৩-জাহরাব	33	3-06	ভিয়ামতের দিন অপরাধীর শিকলে বাধা থাকাব	১৪-ইবরাহীম	85	65
					ভিয়ামতের দিন অটিরন ফেরেশরা অবশ বহন করবে	65-21812	39	39
	(क) न बरत रा का कन विद्या जान रे	५०-मूमसादिमा	0	25.0	হিয়ান্তর দিন অস্থানকত বা দিত্র অস্থানকর পাছত	৩-জালে ইমরান		20
	প্রতি ঈথান না জানার পরিশাস	8-मिशा	Q)r	695		County of Area	,,,,	44
	টি ইমদেবীৰ লেকের দান (গৌটা প্রদাস)	২-বাকুল	468	607	বিরামতের দিব (আল্লাহর শহরণ থেকে মুখ ফিরাগে জম	২০-জু-ছ	348	98
	রতি ঈমান আনা প্রসঙ্গ	8-দিশা	69	695	অবছার সমূপের হবে)			935
	প্রসীক্ষেতে মহাপ্রতিদাশ দান (ইহুদি প্রদাস)	8-निमा	765	644	কিরামতের দিন জাকাশ ফেটে যাবে	২৫-কুরকান	42	
অধিয়কের দিলে !	বিশ্বাসীলের জন্যে বিথিক প্রার্থনা	২-ৰাকুারা	759	478	বিয়ামতের নিন আগুনর শান্তি(অস্ত্রাহ সম্পর্কে বিতর্কনারীর জন্য)	২২-হাজ	9	92
অধিয়তের নিলে বি	শ্বসকারীর হন্য উপদেশ (তালাক প্রসঙ্গে)	৬৫-ডালাক	1 4	269	বিরামতের দিন আগুনের দিকে হোঁতের দেরা হবে (অপরাশীনের)	68-date	85	20
আগুনের নিকে নি	র যাওরার দিদ(অশীকরেকারীকে)	৫২-তুর	>0	252	বিয়ামবের দিন একটিক করা হবে (ছিলের ব্যাপরে মিধা)	৩-জলে ইমরা		20
রাজ্ঞানিত (নিদক্ষে	রাত হারা আছোদিত করা)	১০-রা'দ	0	93.5	বিশ্বামতের দিন উপরে থাকবে ভারাই বারা	২-বাবুদরা	575	23
कारि निन खविवास	বভ বয়েছিল আন সম্প্রদারের উপর	५७-राबाद	٩	395	বিন্নামতের দিল উপস্থিত করা হাব (জেণ্য-সাম্মী প্রান্থ ব্যক্তিকে)	২৮-কসোস	62	731
	র আর্বর্তনে অনুধারনকারীদের জন্য নিদর্শন)	82-साधिया	9	302	বিয়ামতের দিন ইলা অ,অহলে বিভারে বিক্রমে গান্ধা নিবেদ	8-90%	269	25
	। जबर्दम चीम बहार, समुख्य महरू)	৩-জালে ইমরা			বিশ্বামতের নিদ ইনুনী-নাসারাচন মতপার্থকার বিচার করা হবে	২-বাকুনা	330	65
	শেষা (নিক সম্প্রদায়ের কন্য)	৪০-মুখিন	03	390	কিল্লামতের দিন আল্লাই ভাচনর নিকে ভাকারেন না বারা	৩-জাল ইমবন	99	28
	পেকা (নিকা সম্প্রনারের জন্য) হ নিন্তে আপোকপ্রদ বনিয়েছেন)	২৭-মহেল	94	200	বিয়ামতের দিন আল্লাহ সরাইকে একর করবেন	৬-আদ্'আম	35	63
				96.0	विकास कर किन स्थाप समूचन सरस्यात विकास वर्ष करावन	79-MM	2-3	93
	ল্লাহ দিনকে আলোকোজুল করেছেল)	৪০-মুখিন	67		বিশ্বামনের দিন অনুস্থার সম্পর্কে নিকারেলকারীর চেকার কলো করে	৩৯-যুখার	90	109
	বেন অপেরিভ হর তার বসম)	১১-শাম্স	0	2058	विद्यादाक्ष कि स्राह्म स्थापन 'स्रक मस्यामीस अन्याद'	g-प्राविश:	33%	65
	ন্তুহে দিনকে আলেকোঞ্চল করেছেন)	১০-ইউদুস	69	960				
	নিন মানুয়কে, সামলনামাসহ (গেলিম)	১৭-ইস্বা	42	450	বিবাহতের দিন হতপর্যকোর বিচার করা হবে	২২-হাজ্য	99	9.6
	চয়ামডের দিন (সকলকে)	১৭-উপরা	<b>ઇર</b>	47.5	কিয়ামতের দিন ইছদি/ নাগার /মুপরিকদের ফাসালা কর হবে	২২-হাজ	7.8	9.0
OLIZIS PLACON I								33
	নিন মুমিনানের প্রতি অভিবাদন হবে সাধাম	৩০-বাহ্যাব ১৪-ইব্রাহীর	88	204	বিশ্বামনের নিন কবন হবে সে সম্পর্কে অনুষ্ঠ প্রপ্র করে বিশ্বামনের নিন কবন গ্রেকে কর হয়ে কুক্ত কেলা বর্তিক হবে	৭৫-কিরামাহ ৭০-মা'কারিজ	80	bbr

नम् विवद/धारम	न्दा नर ७ नाम	WELL B	शुक्र	नम विग्रह/शमन	ज्हा नर ७ नाम		
निमें (नुई नुक्षेर (मारक)				বিশ্বামকের দিন থিব'আউন তার সম্প্রদায়ের অ্যাচারে গানবে	১১-इम	bγ	948
বিয়েহতের দিন কাহিবলের আহলের সমাস উপস্থিত করা হবে	৪৬-আহকক	30	530	বিয়ামতের দিন ফেরেশতা দেখবে যথন অপরাধীরা	২৫-ছুরকান	22	93/8
विकास एउट किए अन्य वक्त जनत वक्त कारक जागात न	88-RVF	82	806	বিবাহতের দিন কবিইসরাম্যার কঠিন শান্তি (পাশের কালো)	২-বার্থবা	2.6	470
বিয়ামতের নিম একে অপরের জন্ম বিস্কু করতে সক্ষম হবে ল	৮২-ইনফিডার	72	2020	কিয়াসভের দিন মানুর বলবে, পালানোর স্থান কোখায়?	৭৫-বিবামাহ	\$o	2944
তিরুমনের দিন এটাই বার প্রতিপ্রতি কবিবলেরের সেয়া হয়েছিল	৭০-মা'অধিক	88	29.0	বিশ্বামতের দিন মানুদ স্ফল করবে তার প্রচেপ্তাসমূহ	৭৯-নাথি'জাভ	-06	3008
ভিয়মকের দিন অমতা থাকরে ন (একে অপুরের উপকার করার)	৩৪-সাবা	84	₩88	বিশ্বামতের প্রকশ্বন প্রত্যাক্ষ করার দিন	২২-হাজ	2	107
কিরামতের দিল গলায় বেড়ি পরিয়ে লেয়া হবে কৃপণালর	৩-আল ইমবান	3tro	200	বিষয়মধ্যের নিমের সাক্ষাত সম্পর্কে রাসুল স্. কর্মৃক সর্ভক করা	৩৯-যুমার	33	<b>694</b>
হিরামতের দিল মূণিত হবে (কিব'আউন ও তার বহিনী)	২৮-কলেস	84	222	বিরাম্ভের দিনের কপম	৭৫-বিকামাহ	3	330
विवासकत किन त्याक्शकादी त्यावमा कहत (निक्छे (श्रंक)	00-90#	85	3-28	বিষয়েরে দিনের ধারণ (মাল্রাহ্ সম্পর্কে মিখা রচশাবারীকো)	১০-ইউনুস	80	690
দিবামতের দিব কালিমরা কর্মন আল্লাহর নিকট আগবে	১৯-মারইরাম	o)	900	কিরামতের দিলের পালের বোধা কডইনা নিকট ।	\$0-87-47	303	989
ক্রিমতের বিন কিছু চেহারা উচ্চুল হবে	৩-মাল ইমরান	200	685	কিয়াখনের দিনের প্রভাকে ব্যস্ত থাকরে নিজকে নিয়ে	৮০-আৰাসা	09	2009
কিয়ামতের নিম বিশোরকৈ করা হবে চলপারা বন্ধ	९०-भुग्याध्य	200	700	বিশ্বামতের দিনের বাজত আল্লাহর	22-2709	60	950
কিয়ামতের দিন কে উত্তরত নিরাপম বাভি না আধানে নিকিব বাভি	৪১-লুস্সিলাত	80	bbb	বিশ্বামতের দিনের শক্তির তর করেন নবী (সমান্য প্রসঙ্গ)	১০-ইউন্স	26	986
	28- ব্ৰথাৱীম ৪2-উন্ধাধনাত		656	বিস্তামনের দিনের সভিক্তার রাজত দ্বামন্ত আপ্তাহর	২৫-ছরকান	46	77/8
কিয়ামতের দিল ক্রম-বিক্রম্ব ও বছুতু থাকবে না		9)		বিয়ায়তের দিনের সন্তবীন হবার সম্পূর্তে রসলগা কর্তত জনালে	৬-আন'আম	200	609
বিষামতের দিন মুপত্তিক অল্লাহর কাছে আত্মনার্পণ করবে	১৬-নার্প	2.0	950	ক্ষিয়ায়তের ভরাবহ দিনে উপস্থিতভালে কাফিবদের দুর্ভোগ	১৯-মারইরাম	99	906
ক্ষিয়ামতের দিদ মুদাঞ্চিকদের পক্ষে কে বিভর্ক করবেঃ	৪-শিসা	309	642	ক্ষিয়ত যেনিৰ সংঘটিত হবে	20-94 20-94	20	959
কিয়ামতের বিন মুখমণ্ডল প্লান হবে (কাফিরদের প্রসঙ্গ)	৭৫-কিয়ামাহ	48	998	ভিয়ামতের (ওজন করা হবে না কাহ্যিরদের সংকাজ)	72-side	200	900
কিয়ামতের দিন মুখ্যাখন উল্পুল হবে (মুমিলাকা প্রদক্ষ)	৭৫-কিয়ামাহ	22	994	কিয়ামতের (বিজানতের দিন আস্থার একর করবেন)	80-8198	360	309
বিরামতের দিন মুনফিবরা মুস্মিনচেরত অপেন্দা করতে লগতে	৫৭-হানীদ	70	289		३-राक्तरा	298	679
বিরাম্ভের দিন মানুহকে তার কৃতকার্ম স্নানিরে লিংল সম্ভাহ	৫৮-মুক্তাদালা	٩	365	বিষয়মন্তর দিন অন্তাহ করা কণকেন দা তাসের সালে যার	হ-বাকুবো ৬৬-ভাহরীম	348	940
বিষামতের দিন মানুহকে পুনরুদ্ধিত করা হবে	২০-যু'মিলুন	36	955	বিষয়মতের দিন অল্পার্ছ অশুমনিত কংকেন গ (নবী/ মুমিনদেয়ক)	৪-নিসা		
কিয়ামতের দিন মানুষকে সমবেত করবেন প্রতিপালক	৩-আলে ইমরান	8	600	বিরামতের দিন কামির মাটির লাগে মিশে যেতে কামল করবে		83	265
বিষয়মতের দিন মানুষ্ঠকে নিয়ামত সম্বন্ধে বিভয়াস করা হবে	১০২-ভাকাইর	V	2005	কিয়ামতের দিন আসার পূর্বে বাস	২-বাঞ্চারা	228	200
বিয়ামতের বিন মৃতিপুঞ্জারীকে পারস্পরিক অধীকর ও অভিশাপ	২৯-আনকাবৃত	9.0	276	বিষয়েতের দিন অধিবচনর ওবর পেশের অনুমতি দেয়া হবে শ	১৬-মর্ম	2.8	930
ক্রিয়ামডের দিন যাকে শাস্তি থেকে সবিয়ে রাখা হবে তাকে	৬-আন'জ্ঞাম	36	239	বিষয়মতের দিশ কাফিররা বের হরে পড়বে	৪০-মুমিন	26	649
সরা করা হবে	Oracle and	30		বিদ্যমতের দিন কার্যন্তালের বিদ্যা বচনা সম্পর্কে প্রপ্না করা ব্যব	২৯-আনতাবৃত		624
কিয়ামতের দিন (মেদিদ পারের গোড়া উন্মোচন করা হবে)	৬৮-কুলাম	84	>99	বিশ্বসাহের দিন কমিবদের পাশের বােথা বহন (পামারীর প্রদেষ)	১৬-দাবৃদ	56	908
বিস্নামতের দিন বেদিন আকাপ কুউত্ত তেলের মত হবে	৭০-মা অরিজ	b	99.7	কিয়ামতের দিল আল্লাহ বিচার করবেদ (মুলফিক প্রদঙ্গ)	৪-মিসা	787	645
বিষয়েতের ভিন শান্তি বেকে মুক্তি পাবে দা (যারা কুমনি বতেছে)	৫-মারিব্য	-08	404	বিষয়মতের দিন অন্ত্রাহ্ মতপার্থকা ও 'পনিবার' বিষয়ে বিচরে করবেদ	১৬-মার্ল	>28	930
কিয়ামতের দিন সকলকে একন্র করা হবে	৪-নিদা	3-9	267	বিয়ামতের চিন আনার পূর্বে সকল ক্রনপর থালে করনেন অস্তাহ	24-⊈স্থা	20	479
কিয়ামতের দিন সন্তান-সন্তবি উপকারে আসবে না	৬০-ৰুমভাহিনা	0	961	বিশ্বামানের বিদা আদিরা কলনে (জগমনে ও জনসল কাণিবলের কল্য)	३७-मार्न	50	106
বিস্তামতের দিন সমবেত ব্যাবেন আপ্লাহ পথপ্রইলেরতে	১৭-ইদ্রা	28	944	বিরামকের দিন কালিমরা নিকৃষ্ট শান্তির জন্য মুক্তিপণ দিতে চাবে	৩৯-বুমার	89	5.46
বিরাম্বরের দিন সরিয়া দান্তর পরিমান কারণে উপস্থিত করা বলে	২১-আধিয়া	89	900	বিষয়মূহতর দিন জালিমদের অপ্রয়হল,পান্তি বোধকারী খাবদেনা	৪২-শ্বা	89	ApG
বিশ্বমকের দিন সাহায্য করা হবে না (থিনা'জাউন ও ভার)	২৮-কাদাদ	87	9.22	বিয়ামতের দিন ভেকে বলা হবে অবিশ্বাসীলেরকে	২৮-কালাস	96	220
কিয়ামতের দিন কর্ব-রোপ্য আচলে উপ্তর করে দাপ দেয়া হতে	৯-ভাওবা	-02	680	কিরামতের দিন ভেকে বলবেন আপ্তাহ- (শরীকরা কোথার)	২৮-কাসাস	64	9.70
কিল্লামতের দিন পরিয়া রিখিক ভালের জন্য যারা ঈমান এলেছে	ন-জ্যারাক	७३	634	বিরামতের দিন থিওণ শান্তি হবে, ভালের বারা	<b>₹</b> 6-ট্রকলে	63	999
বিষয়াহতের দিন পর্যন্ত ইয়ুনিসের এবটি গোষ্ঠীকে নিবৃত্ত শাস্তি দান)	৭-জা'রাফ	১৬৭	959	বিষয়মতের দিন নিকৃষ্ট শাস্তি শ্রেহার দিয়ে ঠেকাবে জালিমরা	৩৯-যুমার	48	260
বিরামতের দিন পর্যন্ত দিনকে অন্তরীন করে দিলে	২৮-কানাস	92	9.78	বিয়ামতের দিন নিজ/পরিজনের ক্ষতিসধনকারীই প্রকৃত ক্ষতিপ্রস	৩৯-দুমার	76	3.65
বিশ্বামানের দিন পর্যন্ত বলবং থেনে অসীকার আছে বি (অপরাধীনের)	৬৮-কুলাম	40	৯৭৭	কিয়ামকের দিন নিজেন/পরিবারের ক্ষতিসাধনকারীই ক্ষতিয়স্ত	84-797	84	Apq
বিজমতের দিন পর্যন্ত শাহালা ও বিধেষ (ইফ্লিসের মধ্যে)	৫-মারিদা	68	evv	বিরাম্বের দিন পানত (আব অতির জন্য)	77-5a	90	967
বিশ্বামতের দিন পর্যন্ত ইবলিসের অবকাশ প্রার্থনা	১৭-ইস্রা	62	47.9	বিরামতের দিন পরীক্ষরেরে ভাকবেন আল্লাহ	২৮-জাসাস	9,8	3.78
কিয়ামতের দিন পর্যন্ত ভাকে সাড়া দিবে না (দেবভারা)	85- <b>वाङ्कार</b>	4	dog	বিষয়মকের দিন (পরীকলের আবার নির্দেশ দিবেল অন্তায় )	7A-9.50	45	945
বিশ্বামতের দিন পর্যন্ত বাহকে অন্তর্হীন করে দেন যদি অপ্লাহ	২৮-আসাস	32	P-78	বিয়ামনের বিদ শতীক/মুশবিক সকলকে অস্তাহ একএ করকেন	১০-ইউনুস	47	96.8
বিষয়মনের দিন পর্যন্ত কর্মিদানের উপরে রাখনেন আল্লাহ,	৩-আলে ইমরান	99	485	কিয়ামতের দিন শরীকরা শিরকের বিষয়টি অখীকার করবে	৩१-ফাভির	78	784
বিষামতের হিল পর্যন্ত শক্রতা ও বিছেম সঞ্চার	৫-মারিদা	78	62.5	বিরামকের দিন শারির অংশীদার হবে (অপিম দেনা ও সহচনরা)	৩৭-সাহ্যাভ	00	262
বিবান্তার দিন পাশের বোগা বছন করে। (কুরমান থেকে মুগর্কিরাস:)	২০-জু-হা	300	989	কিয়ামতের দিন বনী ইনরাইলের মততেলের ফরসালা হবে	১০-ইউমূস	20	666
কিরামতের দিন পা সাক্ষ্য দিবে (মিখ্যা অভিযোগ)	২৪-লূর	₹8	996	কিয়ামতের দিন বন্ধুরা শব্দ হবে (মুবাবীরা হাড়া)	৪৩-যুখরুক	69	200
ভিরামতের দিন পূর্বের সময়কে এক সকলে/সন্ধাা মনে হবে	৭৯-নাথি আড	86	2000	কিরামতের দিন বগড়ে না পারা (বেংবর থাকা প্রসঙ্গ)	্ৰ-জা, হাক	245	959
কিয়ামকের দিন পৃথিবী প্রকশ্পিত হবে	৭৩-মুখ্যাধিল	78	25.0	কিয়ামতের দিন বিকট শব্দ কনতে পাবে মান্য	৫০-ব্যক্ত	84	>>8
কিয়ামভের দিন পৃথিবী আল্লাহর মুঠোর থাকবে	৩৯-বুমার	69	899	কিয়ামতের দিন তুলে যাবেদ অল্লাহ কাকিবদেরকে	৭-জা'রাড	62	659
বিরাম্ভের নিন প্রতিপাদকের নিকে যাতার সমস্ব	৭৫-বিজ্ঞানাত্	00	998	বিয়ামতের দিব সভবিয়োগের বিষয়ে আল্লাহ যদাবাল করকে	৪৫-কাছিবা	23	300
কিয়ামতের দিন প্রতিপাদক মানুবের বিষয়ে অবগত থাকবেদ	200-18894876	22	2000	কিয়ামতের দিন মান্ট্রানবাসীদেরকে আল্লাহর পানত	22-3H	hb	698
কিয়ামভের দিন প্রকিপালকের সামনে দীয়াবে মানুখ	bo-मुराव्यक्तिक	0	2022	কিয়ামতের দিন মানুষ আস্লাহর সামনে বাদানুবাদ করবে	৩৯-বুমার	07	790
			5-63	বিরায়তের দিন মানুহকে উপস্থিত কর ২ংগ্রিছ গোপন থাকবেনা)	७७-वासाव	72	393
হিয়ামতের দিন প্রতিপালক মতবিয়োগের বিষয়ে বদ্যালাল করকের	৩২-সাল্পা	2.0					
বিষয়াহতর দিন প্রতিপালক মার্কিরোক্তর বিষয়ে বদ্যবাদা করাক্ষ বিষয়াহতর দিন প্রত্যেক উত্তত হোকে একটি কল সাহকের করা	৩২-সাজ্পা ২৭-নামল	56	Poq	বিবাহতের দিন মানুহার কিনাব বা আয়লনাথা বের করা হবে	১৭-ইস্ব	30	958
		pro					938 899

भंक	विषय/धनक क्रिकेट -	नुत्रों नर च गुंब	संद्र्य र	्का	नम् दिरा/धनम	उद्या नर चे गंत	-	1988
मिन (पूर्व पृक्षा तम		See 11 - 4-	-	4.0	নিৰ্দিষ্ট নিলে ফির'আউদের জানুকরদেরকে একম করা হল	50-0,015	Cb.	122
	েব , বহিলপঞ্জিদের (বিয়ামত সংঘটনের বিন)	৪৫-মাথিয়া	29	200	নির্মারিত সমত্ত্বের দিন পর্যন্ত ইবলিস অবতাশ প্রাপ্ত	৩৮-সেরাদ	32	23
	ত্ব বিশ্বামনের দিলের করি থেকে রক্ষা করবেন)	৭৬-দাহর		220	পরিরমা আম্পা (দিলেও বাতে অল্লাহর পরিরতা আম্পা)	২১-অধিয়া	30	9.0
	প্রতেক সমস্য (অইয়ামে ভাগনিক প্রদক্ষ)	২-বাকুরো	33	650	श्रीवर्डम (निन शहरव श्रीवर्ड्स वृक्तिमानात कम् निमर्गम)	৩-জালে ইমরান	330	20
					পরিমাপ (হান্ধার বছরের সমাদ যে দিলের পরিমাপ)	৩২-সাজ্ঞা	2,80	20
	দিন ছাড়া আগুন স্পর্ণ করবে না ল ছাড়া আগুন ইয়ুনীয়ন স্পর্ণ না করার দাবী	৩-জালে ইমরান		400	পরিবার (অনিরাক্তর এক নিনের পরিবার পরনে হাজার বছর)	৭০-মা জারিক	8	37
		২-ৰাকুৱো	po	609	পরিবর্তন (রাত নিনের পরিবর্তনে নিদর্শন রয়েছে)			
	নিলের রোমা বিধিবন্ধ করা হয়েছে	২-বাকুরো	79-8	650	পরিভাগের বিধ সম্পর্কে জালিমদেবকে সতর্ক করা	১০-ইউপুস	0	00
	হেক পিলিত বাংহাজন মত গুটাকো হলে)	২১-আপিয়া	308	929		১৯-মারইরাম	031	90
	র মন্য বাধ্য নির্বারণ ও শর্বভমালা স্থাপন	৪১-ফুস্সিলাত	70	birts	পৰ্বতমাপা চালিত কৰা হবে (বিবামকেৰ দিন)	72-stds	89	93
	েপুথিবী ও উচ্চক্রের মাধ্যের লববিন্ধু সৃষ্টি)	१०-বাদ	40	258	পল্যানের (কিয়ামকের দিন মানুধ বার ভাই থেকে পালাব)	৮০-আবাদা	¢8	301
	পৃথিবী হর নিলে সৃষ্টি করেছেন অল্লাহ)	১১-ছুদ	٩	666	পুলব্বীৰদ বানিয়েছেন আল্লাহ দিনকে (মানুহের জন্য)	২৫-চুত্তকাদ	89	96
	য়ে নিনে আবাশ-পৃথিবী সৃত্তি বরেছেন)	১০-ইউনুস	0	928	পুনক্ষতিত হওৱার দিন (ইয়াহইয়ার প্রতি নালাম)	১৯-মারইয়াম	14	90
	৫ পৃথিবী সৃষ্টি করেছেল আল্লাহ	৫৭-হানীদ	8	78p	পুদার্মারত হওয়ার দিন পর্যন্ত অংকাশ প্রার্থনা করল ইংলিস	৭-আ'রাফ	78	63
হয় বিনে আবাশ :	০ পৃৰিবী সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ	৭-জারফ	28	450	পুনরুত্বানের দিন সংবাইকে সমধ্যেত করা হবে	৫৮-মুজাদালা	25	h¢
হয় দিলে গৃষ্টি (জা	বংশ, পৃথিবী ও অন্যান্য সৰকিছু)	৩২-সাজ্দা	8	brão	পুনরবাদের দিন ইবরাহীয়াকে অপযানিত না করার ক্ষান্ত দোয়া	২৬-হ'বারা	bЯ	9.30
ছর দিলে সৃষ্টি করে	ছেন আল্লাহ আকাশ ও পৃথিবী	22-TERM	6.9	9876	পুনকথানের দিন আগ্লাহ সবাইকে কৃতকর্ম জানিরে দিবেন	৫৮-মুজানালা	6	36
হারামর নিমের শা	ডি আইকাবাসীকে পাকড়াও করেছিল	২৬-৩'আরা	35%	939	পুনরব্যানের দিন পর্যন্ত অবস্থান (আপ্রাংর বিভাব অনুপারে)	40-91	26	74
লন্, মডাুও কিয়া	মডের দিন (ইয়াইইয়ার উপর সালাম)	১৯-মারইরাম	3/2	900	পুনরুপ্রানের দিন এক মহান দিন	৮৩-মুরাক্কিকীন	ę	30
सन्त्रमिएन घेमार প্र		১৯-মারইয়ান	00	9:05	পুনরুশ্বানের দিন এটাই (বিশ্বামত)	৩০-জন	26	34
	१,किट्रास परनशर मन्पदर्व किस्सान क्या सूच न)	৫৫-রাহ্মান	ob.	\$85	পুনরপানের দিন পর্যন্ত মাছের পেটেই অবস্থান করত ইউনুস	৩৭-মাত্তাত	388	Ve
	ला दलना <b>के</b> चिका अट्रक्स अञ्चादा निर्मान)	৩০-জম	20	P\$0	পুনরুগ্রনের দিন মরান ও সম্পদ কোন উপকারে আস্থান না	<b>२५-७</b> जाश	bb	92
	ल जाकाम कर्चा रहन जाहारत गतरा धरिक	৬২-জয়'জ	>	544	পুনরুপ্রানের দিন পর্যন্ত ইবলিসের অবকাশ প্রার্থনা	৩৮-সোরাদ	95	3"
	লে গড়া ছাইবের মত (কাঞ্চিরের কাজ)	১৪-ইবরারীম	36	995	পুনৰ্বীবিত হওয়ার দিল ঈদার প্রতি দালাম	১৯-মারইরাম	96	90
	যা, কুৱাবনীর পথ না পেলে	३-वाद्यता -	290	655	প্রথম দিন থেকেই যে মসন্ধিদের ডিব্রি ডাকওয়া	5-6364I	Sob	66
	বে অবকাশ (ছায়ুদ জাতিব শান্তি প্ৰসঙ্গ)	77-84	95	673	প্রভাক করার দিদ (কাভিরর যেদিদ প্রতিশ্রুত শান্তি প্রভাক করবে)	৪৬-আহ্বাত	'00	2:
	ব ব্যবহাণ (হারূপ জাতব নাজে এনখ) বা (কসম তক্ষের কাফফারা)	৫-মার্চিদা	tra	697	প্রতিশ্রুত দিনতে অধিশ্রাস করে যারা ডাদের জন্য দুর্ভোগ	१५-पदिवास	90	33
	ব। (কনৰ ওপের কাককার।) সংসদে প্রতিদান প্রতিশালকের কছে।	তু-ব্যক্তরা ২-বাকুরো	298	605	প্রতিপ্রত দিন পর্যন্ত মুশ্রিকদের পেলা/অবকাশ	৪৩-যুধক্তত	90	No.
	, बह a (महानावा) विशासका निर	१५-भारा	478	2005	প্রভাক করবে মানুক কৃতকর্ম( কিরামতের দিন )	৭৮-নাব্য	80	30
					প্রথম অসে (সিনো প্রথম অসে বিশ্বাস ও শেবজাসা অবিশ্বাস)	০-আলে ইমরাম	94	48
দেশ ও লাভের আং দিল (কিলামত এব	র্তেশ আল্লাহর অধিকারে	২৩-মুমিন্ন	40	993	প্রবেশ করান আপ্রাই নিনতে রাজে	৩১-পুকমান	379	94
		৭৪-মুদাছছির	>		প্রবেশ করান অস্ত্রাই নিনকে রাভের জিভর	৩-সালে ইমরান	33	0.0
	দেন (পিনিপথ স্বর্থ)	৯০-বালাদ	78	2050	প্রবেশ করান আপ্রাহ রাভকে দিয়ে			9.3
	প্রতিহিতকারীদের জন্য, ফ্যাসাপার দিন)	৭৭-মুখুসালাভ	84	772		৩১-লুকমান	23	38
	প্ৰভিহিতকারীদের জন্য, ফ্যাসাপার দিশ)	৭৭-মুখ্সালাভ	8>	777	প্রবেশ করানো (রাজকে নিনের মধ্যে প্রবেশ করান আল্লাহ)	৫৭-হানীন	6	
	পতিহিতকারীদের জন্য, ফয়সালার দিন)	৭৭-মুর্সালাভ	তণ	994	প্রবেশ করনো (মন্ত্রাহ রাজক বিদ্যু নিশ্বক রাতে প্রবেশ করন)	২২-হাজ	97	9.5
	বভিহিতকারীদের জন্ম, ফর্মাপার নিন)	৭৭-মুরুসালাত	ঽ৮	292	প্ৰবেশ করানো (দিনকৈ বাতের মধ্যে প্ৰবেশ করান জাল্লহ)	৫९-शमीम	b	28
	রভিহিতকারীদের জন্ম, ফরসাপার দিন)	৭৭-মুর্সাপাত	89	999	প্রতিপ্রত নিমের সম্মুখীন হওয়া পর্যন্ত কাঞ্চিয়	৭০-ঘা অধিক	84	22
	হতিহিতকারীদের জন্য, ফরসালার দিন)	<i>বর-ইই</i> সামাত	80	999	প্ৰতিপ্ৰত দিনের (কিয়ামতের) কসম	৮৫-বুজল	3	503
	প্রতিহিতকারীনের জন্য, ফরাসলার দিন)	৭৭-মুর্সাপ্ত	₹8	466	প্রতিশ্রুত নিল (ফেরেশতার বলা, এ সেই নিল যাব প্রতিশ্রুতি	২১-জাপিয়া	300	9.0
	র্যভিহিতকারীদের জন্য, ফরসাপার দিশ)	৭৭-মুরসালাত	'08	466	দেরা হরেছিল)			
	বোউন গোরের মুখিন ব্যক্তির আশমা)	৪০-মুমিশ	'00	9,940	প্রতিপালকের একটি দিল মানুদের হাজার বছরের সমান (পারি প্রদাস)	২২-হাচ্ছ	89	96
নুর্ভোগ (মিখ্যা অভি	হহিতকারীদের জন্য)	৫২-বৃত্ত	22	848	প্রতিপালকের নিকট হবে অবস্থানস্থ্য (কিরামতের নিন)	<b>१</b> १-किश्रामाइ	ર	29
দুৰ্বোগ (নিখ্যা আন	হিতকারীদের জন্য ফয়সাগার দিন)	৭৭-মুর্লালাত	26	266	প্রতিফল দানের দিন কর্মসরনের লাজুনালরক শক্তি দেয়া হবে	৪৬-আহ্বাক	90	27
নুৰ্যোগপূৰ্ণ দিলে অ	দ সম্প্রদায়ের প্রতি অন্ধোবাভাগ প্রেরণ	৫৪-বামার	29	Post	প্রকাশে বিকাশকারী (নিমে প্রকাশে বিকাশকারী ও রাতে)	১০-রা'দ	٥٥	67
নৰ্যোগপৰ্ণ নিলে ক	ড়ো বাজন প্রেরণ (আন লাভির প্রতি)	৪১-কুন্সিলাভ	36	200	প্রান্ত (দিনের প্রান্তসমূহে প্রতিপালকের পরিয়তা (যাহগা)	২০-ডা-হা	200	98
	ই প্রান্তে দালাত করেম করার নির্দেশ)	३३-दुन	338	696	প্রতিদিন কাজে রত (প্রতিপাসক)	৫৫-রাহ্মান	46	28
	চহারা (কিলামতের নিদ)	৮০-আবাদা	80	2009	প্রকম্পদের দিন (যেদিন জাকাশ প্রবল্ধাবে প্রকম্পিত হবে)		h	
	हारीद्रमंत्र कम्यु निम निमर्शन)	১৬-নাহল	34	900		৫২-ডুর		34
	ত করা হতে (পূর্ববর্তী ও পরবর্তীলেরকে)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	80	384	প্রকম্পিত করবে যে নিন প্রকম্পনকারী ( প্রথম শিঙ্গা ফুঁ)	৭৯-দাবি'আত	6	300
	ত করা বুলে (সুক্তার ও সামকালেরেক) প্রকৃতি নাপ্তবাধিত হবে	৩৪-সাবা	60	980 980	ফুরমালরে দিন সম্পর্কে জানানো	৭৭-মুব্দালাভ	78	22
	প্ৰদাত ৰাজ্যৰাজত হবে বাজুটিয় পালি পাল (জমুল জাতির জন্য নিদৰ্শন)				স্বস্থালার দিনের জন্য স্থানিক রাখা হয়েছে যেদব	৭৭-মুর্দালাভ	25	23
		২৬-৬'জারা	256	936	ক্ষমালার দিনের ঋনা স্থানিত রাখা হয়েছে যেসব	৭৭-মুরুসালান্ত	30	>>
নিদৰ্শন (দিন আল্ল		৪১-ফুল্সিলাত	৩৭	৮৮৯	ক্ষমালার দিল একটি নির্দান্তিত সময়	৭৮-নাবা	39	30
	দ বা সূৰ্যকে আগেৰখন কৰেছেন সম্ভাৱ)	১৭-ইস্বা	25	950			-	
	পুষের কল্যাগে নিরোজিত)	১৪-ইবরাহীম	90	696	ক্ষ্যপূৰ্ণার (একত্র করনেন অস্ত্রাহ সব মিথা অভিহিতকার্বনেকে)	৭৭-মুবুসালাত	€₽.	99
	र अञ्चाद शनुरात कराए। निराक्तिर करायून)	১৮-নাহ্ন	25	୧୦୯	ক্ষমল সংগ্রহের দিল ক্ষমলের হক/উপর প্রনাদের নির্দেশ	৬-অশ্বাম	787	63
					interconta fila efficativa: interconta filas			

ರು

কাৰসাধার দিন (কিরামত ক্রেমালার দিন)

ফারসালার দিব দিখারিত রয়েছে (সকলের জন্য)

ফিনিয়ে নেরা হবে যেদিন মানুহকে (আল্লাহর কাছে)

৩৭-সাফফাত

88-পুবাৰ ৪০ ৯০৪

br@br

68 993

১৭-ইসরা

३०-विकार

২২-হাজ

নিমর্শন (বাত ও দিন দু'টি নিমর্শন) নিমর্শন (বাত ও দিন দু'টি নিমর্শন) নিমিট সময়ের নিম পর্যন্ত ইবলিসকে অবকাশ

নিন্তি দিন ওপিতে আপ্তাহর নাম আংগ (হাজার সময়)

च्यः विराम्धनम	সুরা নং ও নাম	HEAD.	100		স্থা কং ও লাম		नुस
मेन (शृर्व शृक्षेत (पारक)				রাতকে দিন খরা আঞ্দিত করেন আল্লাহ	৭-আরিফ	28 j	979
বছ্যা দিনের শান্তি আসা(কুফরীকারীলের সন্দেহ প্রনঙ্গ)	22-07W	22	980	রাতকে দিনে প্রবেশ করান আরাহ	৩৫-ফাতির	30	b/81
र्शन (त्र्मान/विशासका कि शृंदिनी कर थना करना कराय)	১৯-খিলবাল	8	2000	রাত্ত্বে বিনের ভিতর প্রবেশ করান আল্লাহ	৩-জলে ইমরান	29	40
	২৮-মসাস	90	P.78		৩৫-ফাতিব	30	∀8
নাননো (আল্লাহর অনুমাহ সন্ধানের জনা দিন বানালো)	৭৯-মাহর	30	552		৩৪-সাবা	35	γ8-
লৈমসমূল দিনের তর করে নেকভারণণ প্রেতিপালকের পক্ষ থেকে)	৫১-বারিয়াভ	34	2-54		৪১-ফুস্সিলাত	C'r	44
বিচাৰেৰ দিন সম্পৰ্কে জিজানা (কাফিবদেও)					২-বাকুবো	268	67
কারের দিন (যে দিন কমিননেরকে আন্তনে শান্তি দেরা বংগ)	৫১-বারিয়াত	30	956		२8-लुब	88	33
বিয়ারের দিন সম্পর্কে কিনে জানাবে রাস্ল স. কেঃ	৮২-ইনফিডার	2/	2020		৩৯-যুমার	6	59
বিয়বের দিশকে মিধ্যা অভিহিতকারীদের জন্য নুর্ছোণ	<b>४०-व्यक्किक्रे</b>		2022				99
বিচারের দিনকে সভ্য ধলে বিশ্বাস করে যারা	৭০-মা অবিজ	২১	246	রাত ও দিন বানিরেছেন আধ্রাহ, পরম্পরের অনুগামী	২৫-যুরকান	95	37
বিচারের দিল সম্পর্কে রাসুল স, কে কিলে জানাবেঃ	৮২-ইনফিডার	28	7070	ৱাত ও দিমের পরিমাণ নির্ধারণ করেন অন্তাহ	१०-पूर्वाधन	50	
বচারের দিনে পথস্করলের আপ্যারন (যাকুম গাছ)	०७-धार्मिकार्	25	284	রাতকে আন্তর্গিত করেন দিন খারা (আরাহ)	৩৯-মুখার	ę	519
বিচারের দিনে পালীরা জাহস্তামে প্রবেশ করবে	৮২-ইনফিডার	26	2020	হোমা অন্য দিনগুলোতে আদার করবে (অসুস্ ও মুসাফির)	২-বাস্থারা	368	44
বিচার দিনকে তম্ম করা (সুদ গ্রহণ ও প্রদান প্রসঞ্চ)	২-বাস্থারা	262	200	রোয়া (পরনার্থী নিকালেতে রোয় পূর্ব করবে, অসুস্থ বা)	২-বাবুৰবা	29.5	24
বিচার দিন (কিয়ামতের কাফিররা উপলব্ধি করবে)	৩৭-সাক্ষাত	30	vev	পার্ত্তি আছপ্র করার দিন (কফিরদের প্রসঙ্গ)	২৯-আৰকাৰ্ত	6.5	14
বিচার বিশ্বের মাধিক আপ্রাহর জন্য সকল প্রশংসা	2-refeat	0	607	শান্তির প্রতিশ্রুতির দিন (শিক্ষায় ফু দেরা হবে)	40-4us	40	7/4
বিচারে দিনকে ভূগে থাকলে বঠিন শান্তি (কিরামতে)	৩৮-সোরাদ	20	200	শান্তি আসনে যেনিন সেদিন কাহিব থেকে তা ফিরানো হবে না)	>>-2H	ъ	65
			932	শান্তি আসা (অপরাধীদের উপর রাতে/দিনে শান্তি আসা)	১০-ইউনুস	¢ο	100
বিচরে দিনে প্রতিপালকের কমা পাওয়ার প্রভাগা (ইবলইমের)	५५-७,वास	2.5		শ্যম্ভি আমার দিন সম্পর্কে মানুষকে সতর্ক করা	১৪-ইবরাহীম	88	69
বিচার দিন পর্যন্ত আল্লাহর অভিশাপ (ইবলিনের রাতি)	৩৮-সেরাদ	931	4.40	শারি (মুখ বিষয়ের শোকসের জন্য মহলিলের শারির কর)	33- <b>ए</b> म	0	66
বিচার দিনকে বিখ্যা অভিহিত করত জাহাম্লামিরা	৭৪-মুমাছছির	86	354	শান্তির বিনের অপমান থেকে সালিহ অ: ও মুমিনদেরকে উদ্ধার	১১-চুদ	èè	0
বের হওয়া (কিয়ামতের দিন মানুদ বিভক্ত হয়ে বের হবে)	১৬-খিল্যাল	9	3000		গুদুনাবা	36	30
তর (নেক বান্দার এমন বিদের ভয় নতা ধার ফর্কি হবে ব্যাপক)	৭৬-দাহর	٩	2994	শিকার ফুঁ দেরার দিন মানুধ দলে গলে উপস্থিত হবে			
তর (সেই মিন্তক যেনিন পিতা-সভাস পরম্পায়কে ক্ষতিপূরণ বিবেন)	৩৯-বুকমান	00	9.52	শিক্ষায় ফুঁ দেয়ার দিন আকাশ-পৃথিবীর সরাই ভীত ব্যব	২৭-সামপ	٣٩	31
তা (সে দিবকে তর করে বেদিন দৃষ্টি গুলটপালট হয়ে করে)	२8-मृब	09	996	শিক্ষার ফুঁ দেবার দিন (অপরাবিদের পৃত্তিবীন করে সমস্তেত করা ব্রুব)	২০-ড়া-ঘ	205	91
ভর (সেপিয়ের ভর করা বেদিন বিদিন্তঃ/সুপরিশ পৃথিত হলে দা)	২-বাৰুৰো	85	609	শিক্ষায় থুঁ কেয়াৰ দিন ব্যক্তত্ব অক্সাহরই	৬-আন্ অম	90	0
ভা (পেলিনা ভা কা যেনি সুপরিশ্বিনিয়া থাকে সাসবে ন)	২-বাবুদরা	250	678	শেষ নিমেগ্রেরাশ করার আবেন (ত'আইব আ,কর্তৃক সংগ্রেমকে)	২৯-আনকাব্ত	06	5
ভয়াবহ দিনের শক্তি আইকাবাসীকে পাকড়াও করেছিল	२७-७'वास	20.9	939	বড়বস্ত কাজে আসবেনা যে দিন (কিরামতের দিন)	৫২-ডুব	86	3
তপ্রবাহ দিলে পরি ছত্ত্বদ মাধিকে পাকড়াও করের (ড্রেইকে বউ নিসে)	২৬-র'রারা	34%	43%	यद्भादा (पारत्वविक्रात दाव-निरमद सङ्ख्या मुर्वनामवदन कवित)	৩৪-লাবা	00	ъ
ত্যাবহ দিলের শাস্তির আশহা করছেন নৃহ আ,সম্প্রদায়ের জন্য	৭-অ'রফ	63	450	সংস্কৃতিৰ হবাৰ দিব পৰ্যন্ত কৰিবলোৱা ছাড়/অববংশ সেয়	৫২-তৃত	80	8
ভয়াবহ দিলের শাস্ত্রির আশস্তা (আদ-সম্প্রদারের উপর)	২৬-ছ'আরা	302		সংবটপূর্ণ দিন (পূত আ, এর নিবট যেরেশতা আগমদের লিন)	27-£m	99	6
ত্রাবহ সভের শাস্ত্রর আশত (আস-স-আশ্রেম ভাগে) ভারতে সিভের শাস্ত্রির ভার করেল রাসুল সং (প্রতিশালককে আনত নদালে)		3/2	694	সন্ত্য-মিত্যার পার্থক্যের দিল আল্লাহ যা নাথিল করেছেন	৮-জান্দাল	83	6
	২৭-নামল	1/2	bog	जुटर विकासएटड स्थि	গ্য-নাবা	60	20
উড়ি (নিয়ামকো নিদের উঠি থেকে খলফারকারী নিরাপ্স থাকংগ)				সম্ভন্ত হবে বেদিন/কিয়ামতের দিন(কডক ফুদয়)	৭৯-নাথি জাত	ъ	30
ত্রমদের দিন মানুধ ভাবুকে হালকা মনে করে	১৬-নাব্দ	90	90%	সমধ্যত করবেল থেমিন আপ্রাহ (মুশরিকলেরকে)	৩৪-সাবা	80	31
मद्य मिन (ब्राजिन जेन्द्र मद्यनिहास गावित्र जागारम दम जा. ५४)	৪৬-আব্ৰাফ	52	970	সময়েত তথ্যতা খোনৰ আন্তাই (ভূনাকতানাকেনা)	১৯-মারইরাম	7.6	9
মহানিদের শান্তির ভর রাসূল স, এর (প্রতিশালককে অমান্য করলে)	৩৯-বুমার	20	৮৭২	সমবেত করকে যেনি অস্তাহ (উপানক ও উপান্তেনতে)	५१-वृहकान	39	9
মহাপ্রদারের/কিরামতের দিন মহাঘটনা সংঘটিত হবে	৬৯-হাকাহ	26	247		৬-আন্'আম	33	0
प्रदक्षणाव्यक्तिकाम्यास्य निम प्राच्यान रक्ष्यी यदार व विकिन्ध वहन	99-51915 .	34	944	সমবেত করার নিন/কিয়ামত প্রসক			8
মহাপ্রদায়ের দিন মানুধ বিক্ষিত্ত পত্সের মত হবে	১০১-কারি আ	8	2007	সময়েত বভাব দিন/বিভামতে মুশবিকরা পরস্পরকৈ চিনাবে	১০-ইউপুস	80	
হাধুৰ শহৰণ করবে (কিয়ামতে)	১৯-ফাল্র	20	2055	সমবেত করার দিন (কিরামত প্রদক্ষ)	৬-আন্'আম	753	è
হানুদের সংখ কথা কাতে পারবে না যাকরিয়া জা, (ইপারা ছাড়া)	৩-আলে ইমবাং	83	680	সভুখীন হয়েছিল যে দিন দু'লগ (মুমিন ও কথিব, উহন যুক্ষে)	৩-মালে ইমরান		
মুপুর্তমান (মনে হবে, দিনের মুমুর্তমান আবস্থান ছিল পৃথিবীতে)	১০-ইউনুস	82	192 br	সম্মুখীন (পরস্পরে সম্মুখীন হওয়ার দিন পৃষ্ঠ প্রদর্শন)	৩-জ্যাল ইমরান		0
মুম্বর্তকার (দিলের মুম্বর্তকার ছিল পুরিবীতে বিবাহমতে কাফির ভাববে)	86-disala	00	222	সভুগীন হর্তমার দিন (বদরহুছের দিন) যা নাখিল করেছিলেন	p প্রাধ্যয়ত	87	6
মৃত্যু (ইয়াইইয়া আর. এর মৃত্যুর দিল, ভার প্রতি দালাম)	১৯-মাবইয়াম	25	900	সর্বপ্রাসী দিনের শান্তির অংশংম (শেরাইরের সম্প্রদান্তের ক্ষন)	22-5a	58	8
মৃত্যুর দিন ইদার প্রতি সাধাম	১৯-মারইয়াম	100		সাক্ষাবোরে নিবরে কুলে থাকার অগ্নাহ কমিবলেরকে কুলে যাবেন	৪৫-জাছিল	48	1 3
বৃত্তার দেশ কনার তাত গালার যন্ত্রগালয়ত দিনের শান্তির দূর্তোগ (জালিমদের জন্য)	৪৩-বৃথক্ত	96		স্থাকী উত্যাহের দিন (উপ্তেল মধ্য থেকে বিনামকের দিন স্থাকী)	১৬-নাহল	35	19
	22-da	26		সাক্ষাভের বিদের কথা ভূপে গিরেছিল কাফিরর।	9-milano	45	18
বন্ধপান্তক বিনের শান্তির তর (নৃহ আ,সম্প্রদার প্রসঙ্গ)				সাক্ষাতের দিন সম্পর্কে সতর্ক করার রুল্য ওহাঁ অবভাগে	৪০-মুখিন	34	18
হমীল ফেটে বাবে যে দিল (কিয়ামতে)	৫০-বৃহত্	88	3-2.8	স্বাহারের নিন পর্যন্ত মুদাফিনী বড়মূল করে নিরচেন অল্লাহ	5-010R1	99	
বৃত্তি উপস্থাপনের/কিয়ামতের দিন(কর্মফল প্রদল)	১৬-সার্প	222		স্থায়ির নিয় (অকাশ ও পৃথিবির স্থায়ির দিন বেকে মাস বরটি)	3-8768	105	1
হে দিন অস্ত্রাহর শত্রানেরে অন্তরের নিবট সমবেত করা হবে	৪১-ফুস্সিশার		444		২১-জাধিয়া	00	
যে দিন গোপন বিষয় পৰীক্ষা কৰা হবে (কিল্লানড)	৮৬-তারিক	>	3039	সৃষ্টি(জাল্লাহ লিক-রাভ ও চন্দ্র-সূর্য সৃষ্টি করেছেন)	৬-জন'আম	90	
যে দিন জাহান্তামকে বলা হবে- 'ভূমি পূৰ্ণ হয়েছ কিঃ'	৫০-কৃষ্	30		'হও' বললেই কিয়ামত হয়ে যাবে			
যেদিৰ প্ৰাণ কন্তাগত হবে (বিয়ামতে)	৪০-মুমিন	72	P-679	হজ্জের সমর নির্দিষ্ট দিন শুণিতে আপ্লাহর নাম স্ফারণ	২২-জন্ধ	26	1
যে দিন মুশরিকদেরকে ভেকে বলা হবে- শরীকরা কোধারঃ	৪১-ফুস্সিলার	81	bao	ব্যক্তর দিন মানুহকার্যার্ড থোকা (অল্লাহ ও রাজুল স, এর পক্ষ থেকে)	৯-জবৰা	0	13
য়েদিন শান্তি থেকে রক্ষাকারী কেউ থাকনে না।	৪০-মু'মিন	90	ppo	য়পত্রে দিন আল্লাহর পহন্দীর বঠি হার সুপরিশ বালে আসরে ন	২০-কা-ছা	30%	
হেলিল সান্ধী সভায়মান হবে (কিবামতে)	৪০-মু'মিল	83	544	হাপরের দিন সবাই আহ্বানকারীকে অনুসরণ করবে	২০-জু-ছা	30%	
যে দিন অনুহাত উপকারে আসবে দা	৪০-মুমিশ	03		হিলার অনুষ্ঠিত হুগুরে ভিন কমা করার লোৱা (ইংরাইটেরে)	১৪-ইবরাহীম	83	1
	২১-আধিয়া	84		হিসাবের দিনে বিশ্বাস করে দা অহংকারী বিব্রআউনরা	৪০-মুমিদ	29	1

দিশ	দুই	•	ধী

नम विश्त/दरम	<b>1980</b> 5 44		19	नियम् विवस्त्र व्याप	नुसंग्रह क्षेत्र	1981	1
फिन (पूर्व पूर्वा (बरक)		T		विद्वार (पद्धार रेजिन्न चर एक नुनिका बारहा १९६० विद्वार स्थान)	२३-जापिया	bb	98
হিসাবের দিনের জন্য (মুক্তাকীদেরকে দেরা প্রতিপ্রতি)	৩৮-মেরান	60	5-50	পিতকে প্রতিয়াক্ত করে (ইউনুফ আ কে পেনতে নিরে থানার কিরা)	১২-ইউনুফ	30	699
হিসবের দিনের পূর্বেই প্রাপ্য কামনা (কাঞ্চিবনের)	৩৮-মেরান	35	1999	বিহাক্তিন বাগর শত্রু ও দুশিরার কাল ছাত পার মূপ	২৮-কাস্যাস	ъ	bol
হুনাইদের দিনে মুমিনদেরকে সাহাধ্য করেছেব আল্লাহ	৯-খাওবা	22	683	स्त्री वात्रम वा. पृथ्वितारात शत ना, सरकता सरमान्य स्टार	৭-আ'রাক	00	636
<b>मिन</b> म				বার করার মত বিদ্ধু না পারহার দুখিতা দিয়ে বিদ্ধা বেল থব	b-ভাতবা	34	683
পুনক্রমান নিবল পর্যন্ত সামানে থাবনে বাংখার বা অন্তর্জাপ	२०-मुफिन्म	300	112	তর ও পুতিরা নেই থানের যারা ইমান এদে সংকাল করে	०-मविमा	65	201
পুনরস্থানের নিবস পর্যন্ত ইবলিস্তে অবকাশ	34-Sma	00	100	মারইরামকে দুশিলা না করার আহবাদ (জিবরাইলের)	১৯-মারইরাম	48	1900
मिवालाक स्थापनाक	24-14/118	100	033	মুমিনাদেরকে দুভিজান্তর বা হওয়ার নির্দেশ	৩-মাল ইমরান		
বের করেছেন স্বাস্থ্রার	৭৯-বাধি ছাত	٠.		বুজকীয়া দুখিতা করকের (কিয়ামতের দিব)	৩৯-বুমার	65	590
	18-414 919	59	2008	মুদিন্যা দুচিন্তা থাকৰে না (কিল্লখন্ত)	83-कुम्मिशार		brist
নিরত (রক্তপণ)		_		মৃশ আ. এর মাতে দুচিরা করতে নিবেধ	২৮-কাসাস	9	
প্রদান (নিয়ন্তের পরিবারকে নিয়াম্বরকাশন প্রদান, মার্ক লা করচে)	8-50%	25	@69s	মূল আ, এর মা নে পুনিস্তাল করে লে জন্য মূলকে কেরত দান			trot
দিরহাম					২৮-কাসাস	20	prop
করেক নিরহামে বিদ্রুর করণ ব্যশ্রীদল (ইউস্ফকে)	১২-ইউসুফ	10	945	মূল আ, এর মারের পুনিরা দৃর করতে মূলাকে তর কেলে বিষয়ের দেন	২০-জু-ব্য	80	980
দিশেব্যরা			1	অসুসাস, তে দেশ পুলিরারা বা মেসে, যার কুমরির দিকে দুশত ধরিত,	৫-মাছিলা	85	eve
অবাধ্যতার নিশেহারার মত যুরে বেড়াবার অবকাশ	৬-আনু আন	220	606	बाज्ञा म (क व्यविद्यास क्यात भूतिकातात मा शतास निर्मान	৩৬-ইয়াসীশ	96	bes
স্বৰাধ্যন্তৰ দিশেহাৰা হয়ে দুৱে কেৱলোর স্বৰুল্	৭-আ'রফ	39-6	600	পূত আ, তে দুক্তিয়া না করার আহ্বাদ (ফেরেপভাদের)	২৯-আনকাবৃত		1/20
অথিয়তে অধিবাসীরা দিশেহারা হলে দুরে কেচার	२१-सम्ब	8	boo	নাৰ্যকে দুক্তিরা করতে নিমেন করলেন রাসুল স. (হিন্দরত প্রদাস)	৯-তংগ্ৰ	80	688
বাকিবরা দিশেহারা হয়ে জনাধান্তার জটল থাকত	২৩-ৰুমিশুল	92	990	मुरे	1	į .	
নেশার দিশেহারা ছিল লুভ সম্প্রদার	১৫-হিবর	92	905	रेनार (पुरे हेनार शरूर ना वडाड निर्जन, वक्कादरे अववाद देनार)	১৬-মার্প	67	909
দুশবিশকের নিশেষকা হয়ে পুরে বেড়াকের অনবলগ কেন আপ্রাহ্	३-राकृता	34	600	ভট (পুরুষ ও মানী দুই ধরনের ভট আক্লাহ সৃষ্টি করেছেন)	৬-জানুজাম	288	630
शीमांब	d-often	~	400	गत (नृक्षय न यानी मुद्दे श्रद्धस्य गत्र व्यक्कार मृद्धि वर्रह्मास)	৬-আশ্'লাম	388	930
পাশ।র আমনত (এক দীনর অমানত ক্ষেত্তত নের মা অনের আহলে বিজেব)।	-	-		ছাল (পুরুষ ও মনি দুই ধহনের প্রাাল অল্লাহ নৃষ্টি করেছেন)	৬-জাৰ'জাম	380	630
	৩-মালে ইমরন	92	680	শ্বীবের দুই জোড়া করে গুয়ের দৌকরে ওঠানোর নির্দেশ	33- <b>2</b> H	80	GGR
मीलाश्राद		_		মোড়া (দুটি করে ফলের জোড়া পৃত্তি করেছেন আল্লাহ)	১০-বাদ		699
্রনাগ (বিশবরে মধ্যে প্রদীপ, অল্লাহর আগের উপম)	<b>२8-मृत</b>	-02	999	জের (দুটির এক জের থেকাদ উঠির দেয়র নির্দেশ, নৃহকে)	২৩-মুমিনুন	29	969
मीविमाम				নাই/কনাং(এক পুরুষ/পুত্রের জংগ দুই নারী/কন্যার সমান)	8-मिमा	33	229
विव्यर(मिक्किम विद्यार स्ट्राइट मानुष व्यक्कार जन्मदर्व विवर्ध वद्या)	<b>२२-ग्र</b> क	br	900	বাগান (বেলুর গছে ছাত্রা বেটিত দুটি আপুর বাগাদ)	১৮-কাহক	93	929
কিয়াৰ (দীবিমান কিতাবসহ পূৰ্বের ৱাস্কগণ এলেছিকেন)	৩৫-বর্গন্তর	3/2	785	ব্যক্তির দুর্মান্ত দেশ (ইমান ও কুফরীয়),	১৮-বাহক	63	949
পিতাৰ(নিচিমন বিভাৰ প্ৰকৃতি মানুহ অল্পাহ নহছে বিঠত কলে)	৩১-সুরমান	20	242	তের (পুরুষ ও মানী দুই ধারনের তেরে অক্সাহ গৃত্তি করেছেন)	৬-আশ্বাম	380	630
বিবাব (নিষ্ক্রিয়াস বিবাবনাই পূর্বে অহনক রানুল ল, এক্রেছিলেন)	৩-জলে ইনরন	398	228	मृहेश्चल	कावान् वाद	200	910
প্রদীপ (দীরিমান প্রদীপ হিসাবে দবী প্রেরণ)	००-आस्सर	85	2009	অভিযান পূ'ৰূপ করে পরিয়ে ভিছা করবে	৩৪-সাধা	4.	
मीर्थ				পাঁয়াবে (দুইজন পাঁয়াবে, মিধ্যা সান্ধীনের ছঙ্গে)		86	784
কৰ্মৰাজ্ঞতা (ৰাসুল স. এর দীর্ঘ কর্মৰাজ্ঞতা, দিলের বেলা)	१०-मुस्सप्तिन	1	১৮৮		৫-মারিদা	204	69/2
প্রতিপ্রতিকাশ নির্থ মনে হংকা (কনি ইনরাসলের বছর পূলা প্রনঙ্গ)	२०-ग्रा-श	5-5	186	বিয়ে (দৃষ্ট, তিন বা হয়ে জনকে বিয়ে করার বৈধান প্রসঙ্গ)	৪-পিসা	۰	669
প্রতির (দীর্ম প্রতিবর রত হর মানুহ, মুরবানুর্বল স্পর্ল তর্মান)	৪১-ফুলসিলাত	45	100	নাৰী (সময়ে থকলে মুক্তিন নাৰী অন্য লোকনের থেকে)	৫-মায়িনা	906	¢h0
মেয়ান (মুশরিবদের পিতৃ-পুরুষদেরর মেরান নীর্থ করা হর)	२३-वाश्रिया	88	920	সাকী (ওলিয়তো সময় দৃইঙ্গন সাকী রাখা)	৫-মাছিলা	209	690
লহিব দীৰ্ঘ সমৰ প্ৰতিশালকের পৰিক্ৰয়ে খোৰণা	95-9189	20	220	मूरे-वृद्धीप्रारम			
নতা হাত দীৰ্ঘ শিকলৈ শৃক্ষলিত কৰা হবে স্বাহ্যন্তমীকে	५७-वास्य ५७-वास्य	- १३	343	রাকের দুই-ভৃতীরাংশ দাঁড়িয়ে রাসুল স. এর সালাভ	৭০-মুখ্যাখিল	20	29.2
নম্ম (দির্ঘ দমর অভিবাহিত হয়েছিল, ভিতার প্রাক্তনর উপর)	<u>१९-शमीम</u>			SINS	10-6441.44	40	979
मीर्चकाम	<i>दश-दामाम</i>	36	787	দুই দল			
		_	$\vdash$	অসহাং কাহমের কংলানকাল নির্বাহ দু'দলের কে সাচিত,	73-2524	32	948
সংস্থান (মঞ্চার মুশতিকনের মারে রাসুল স, এর নীর্থবাল অংখ্যান)	১০-ইউনুস	36	955	উন্তন (পুশক্ষের কোনটি উক্তা? কাজিবর মুফিল্যনাকে কুল)	১৯-মারইরাম	96	900
দীর্ঘপ্রশ্বাস <u> </u>				वकी का (की शास्त्र वकी मानद अधिक्षेत्र, पृत्रिकास्त्राक)	৮-আন্দাল	9	৬৩২
র্জেগানের দীর্ঘ প্রশ্নান (আঙলে)	<b>32-दू</b> ल	709	945	সম্ভূমীৰ হপ যথন পুটি নগ (বনৱদুদ্ধ প্ৰসঞ্চ)	৮-জানফাল	86	600
দী <b>র্যখা</b> স				সম্বাদ (দু'দশ সম্বাদ হরেছিল বেদিন উঠুদ বৃদ্ধে)	৩-জাল ইম্বান	366	993
মাধনের দীর্বস্থাস কনতে পাবে কিরামত অধীকরেকারীরা	২৫-ফুরকনে	34	150	সম্বাদি (বুই দল সম্বাদি হওৱার দিন, বদরযুক্ত প্রস্তু)	৮-সানফাল	82	606
গাইল্লামে কাফিন/জালিম দীৰ্ঘন্ধান ছাড়া কিছুই অন্তেশ্য	২১-আধিরা	200	929	मुद्दे निम	and life in	0,	600
প্রদিয়াসের মাহন্রেয়ে কাহিত্বজালিয় দীর্থক্সস হারা ভিত্তই ভাক্তরণা)	২১-আবিয়া	200	929	অব্যাপনাচলীকে দুই দিনে সাত আকাশে পরিগত কর্মান			_
র্জাগাদের দীর্ঘদাস (আগুনে)	33- <b>q</b> e	206	692	অক্ষান্থকাকে পূব বিশে বাত আকাশে পানেত কর্মের অক্যান্ডি দুনিবে মিবার কর্মান সম্পন্ন করতে পাপ নেই	8১-ফুস্সিপাত	25	996
দীর্ঘ হওয়া				অভাতাড় শুদাৰে মনাই অবস্থান সম্পন্ন করতে পাপ নেহ পৃথিবী সৃষ্টি (আপ্লাই দুই নিমে পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন)	২-বাস্থারা	200	650
নাথ হওয়। ময়ানবলে দীর্ঘ হরেছিল (বিভিন্ন প্রজন্মের মেরানতাল)	২৮-কাসাগ	82	1/22		৪১-দুস্সিলাভ	ъ	blue
দীর্ঘায়িত করা	49-40/07	94	F.P.	मूरे मूरे			
শাবাারত করা				পাৰা (দুই পাৰবিশিষ্ট ফেলেনভাকে বাণীবাহক করেছেন)	৩৫-ফাভির	>	589
ান্তি নীর্থানিত কর্মেন আস্তাহ (অবিশ্বাসীলের)	১৯-मददेशम	13	309	भूरे रन्व			
मी <b>र्था</b> ध्				कर्मन (ब्रम्म म् ७ सिवासिएस भारत पूर्व स्मूतका कम ग्रास्थन क्रिम)	৫৩-নাজ্য	b	204
স্থিয়ে দেৱা, পূৰ্বাবস্থায় (দীৰ্ঘান্ত লাভকারীকে)	০৬-ইরাসীন	601	984	দুই নারী		-	
দুক্তিবা				অংশ (এক পুরুষের অংশ দুই দারির অংশর সর্মান, বালালার, প্রদাস)	8-निमा	396	495
নারফনাসীরা দুভিবারতে হবে না	৭-বর্মের	\$3	653	নামী (দুৰ্ভন পুৰুষ না পেলে দুনারীকেও আর্থনিক নাজী	0-1-1-0	2.10	ų 15
					২-বারুরো	27/2	608

	न्दा नर व मान	250 4	1	निष्		dille s	
मूद्दे गात्री (कना)				স্পর্ন (পিতৃসুক্রাছারতেও সূথে-কট ও সূথারেশ স্পর্ণ করেছে)	৭-জাল্লত	96	643
সমান (এক পুরুষ/পুরের অংশ দৃই নারী/কন্যার সমান)	৪-নিবা	22	221	मूश्य-मूर्ममा			
मृद्दे श्रुद				আইবুৰ আ. এর দু:খ-দুর্বশা (প্রতিশাদকে ভাকা প্রদাস)	২১-আছিয়া	310	92
खबदमत मुद्दे भुद्धात महस्रम भारत समात निर्दाम (बागुन म, तात अपि)	৫-মারিবা	39	¢1/8	ব্যক্তিয়ানত্ত্বক দুৰ্ভান্ত পৰ পৰাৰ সাদ আহাদন কৰালে বলে	৪১-ফুসুনিপাত	20	tra
मुद्दे शास		<u> </u>	***	দূর (অল্লাহ মানুহার পুরুর-পূর্বশা দূর করলে সে শিরত করে)	১৬-নাহল	28	90
		110	0.00	সূত্র করা (সূত্রক পূর্বলা পূর করার পর মধুধ এমন কাল করে,)	১০-ইউনুস	25	60
সিদের পুই প্রাপ্তে সালাত কারেম করার নির্দেশ	३३-दून	778	999	দূর কর (সুদ্রু দূর করও ক্ষমতা নেই অনুমান করা ইপাহসের)	১৭-ইসরা	6.0	931
भूरै वस्त		-		দূর করা/আইউবের পুরুব-পূর্বশা দূর করা হর পলাযন্তপ)	२५-व्यक्तिया	1/8	9,0
পূর্ণ দুই বছর মারেরা সন্তানদেরকে দুধ পান করাবে	२-सङ्ख्य	500	૯૨૧	দূর করা (কাফিরনের দূরণ দূর্ণশা দূর করাদেও ভার)	২০-মুমিনুন	9.0	99
<b>দুইবার</b>					তণ্ড-ফাডির		
ভীবন দান (দু'বার ভীবন দান করা)	৪০-মুমিন	22	b 9br	मृत्र (प्रार-वृतेन मृत्र क्यात्र सञ्चारिता व्यक्तास्त्र अपरंग कार्य)		68	₽8
অপাক দুইবার	২-বাকুরো	225	650	रेश्रं च्यानवि (मुध्-मृत्नाव रेश्रं च्यानवित्र गरवर्गे ७ प्रवर्गे)	২-বাস্থারা	299	67
প্রতিক্ষম (অল্লাহর প্রতি অনুশত হরে সংক্রারের প্রতিকাদ দু'বার)	৩৩-আহ্বাব	402	900	মানুষ্ঠকে সুম্ব-সূর্বাধা স্পর্শ করলে প্রতিপালককে ভাকে	৩০-রম	00	25
প্রতিদান (পু'বার প্রতিদান দেয়া হবে তালেরকে যারা)	২৮-বংসাস	48	1434	মানুষ্ঠে সূৰে-পূৰ্বতা স্পৰ্গ কল্পে দীৰ্ঘ প্ৰাৰ্থনায় বত হয়	৪১-ফুদ্দিলাত	67	p.y
বছরে দুই একনার পরীক্ষার ফেলা হর মুনফিকলেরকে	৯-জাগ্র	250	000	মুক্তি (বুংব-বুর্বদা থেকে মুক্তির জন্য আল্লাহকে ভাকা!)	১০-ইউনুস	25	62
বিপর্বা সৃত্তি (পৃথিবৈতে দুইবার বিপর্বা সৃত্তি কলাবে ধনী ইসরাজিলারা)	১৭-ইসল	8	938	স্পৰ্ন (মুহৰ-দূৰ্বনা স্পৰ্ন কল্পন মানুধ হতাৰ ও নিৱাৰ হয়)	৪১-তুদ্দিশত	8%	ps
	৪০-মুখিন	22	595	স্পূৰ্ণ (সুহুৎ দুৰ্বদা স্পূৰ্ণ করত পর মানুবাক নিয়মত দিলে)	27- <u>L</u> iá	20	৬৬
মৃত্যু দান (দু'বার মৃত্যু দান করা)				স্পর্ন (মুক্ত কুর্ননা স্পর্ন করেছে ইউসুক আ এর ভাইসের পরিবারক)	১২-ইউসুফ	ъъ	69
পান্তি (দুইবার শান্তি দিংশে আল্লাহ মুনাফিলদেরকে)	9-91641	302	960	স্পর্ন (পুরুষ-মুর্মণা স্পর্ন করার পর অল্লাহর সয়া আখাদন)	১০-ছউনুস	43	60
দুইবোন		_	_	च्चर्न (मृत्य-मुर्नेश च्चर्न कराम समुद्द <b>जन्न</b> शरूर राजुनकार सरक)	১৬-মাছল	Q.O	90
বিরে (পুইবোনকে একত্রে বিরে করা হারাম)	8-FP1	২৩	499	न्तर्भ कर्ता (त्रपुत्त मुल्ट-पूर्मना रचन प्रमुख्य न्तर्भ करत)	১৭-ইসরা	89	93
मूरे वाकि				শর্প (মনুমার সুন্ধ-দূর্পণ স্পর্ণ করার প্রতিশাসকে ভাবে)	०५-युगाव	b	59
অপ্রাহতে তয় করে এমন ব্যক্তিকের দুইজনে বলন	৫-মারিদা	30	450		১০-ইউনুস	24	96
উপম (মাস বিচারের নির্দেশনকারী/বোধা দুই বাজিব উপমা)	১৬-দাংল	90	900	শর্প (মনুহতে বুবে-পূর্ণবা শর্প করতে সে অল্লায়ক ভাকে)	২০-ব্ৰসুণ	-~	- 00
দুষ্টান্ত পেল (সমান ও কুফরীর)	১৮-করেফ	95	121	দূৰে দেৱা		_	
मृहेनक	20 1151	-	121	মুমিনক্তেকে কুৰু লোৱে ক্ষত্ত থোপনে কথা কৰা বলা হতে থাকে	৫৮-মূজাবালা	30	M
				<b>মূহণতার্ক্রান্ত</b>	,		
কবির (বৃহণত কবিয়ের উপর একশত কৈবীল মুমিন বিজয়ী)	৮-অস্থ্যপ	66	900	देवाकृत च्या मूल्य सर्वातम्ब (देवेनुष्य च्या १) व्यत सर्वेशस्य वना)	১২-ইউসুক	₽8	- 68
ধৈৰ্ঘদীল বিশব্দন বিন্ধবী হবে দুইশত ন্ধনের উপত্রে	৮-বাশহাল	96	(10)	কন্যা সম্ভান থাকেঃ সংখ্যা পোলে মুগতিক দুবে জনামের হয়	১৬-শহন	¢'y	90
দুই সমুদ্র		_		মাছওয়ালা ইউনুসের প্রার্থনা (পুরুর ভারাক্রান্ত অবস্থার)	৬৮-কুলাম	87	30
অভাগ(পূর্ব সমূত্রের মধ্যে অক্সাহ অভারণ স্থাপন বরেচেন)	২৭-নামল	63	304	মুশরিকরা দুঃর ভারাক্রান্ত হয় (কন্যার জন্ম সংবাদে)	80-गृबक्षक	39	1/3
সংযোগস্থলে না পৌছে থামবেন না মৃগা	১৮-কাব্দ	60	459	मृत्रचिठ	-	-	Η-
সমান নর পুষ্টি সমুন্ত (একটির পানি সুম্মিট ও অপরাট গোনা)	৩৫-ফাডির	35	181	ইউপুত ছে, শুন্তিক কলে- পুর্বিত হয়ে ন, ভাইজের য করত দে কন	১২-ইউস্ফ	65	36
দুই ব্যলার						00	345
কমিয় (দুইছামার কমিরের উপরে এক হাধার দুর্মিন নিজাী হলে)	৮-আনধাল	66	669	ৰ্প্তক দুৰ্ভনিত ৰা হতে উপদেশ(লোকরা ইমান না আনার)	22- <u>ई</u> म		
দুই হাত		-		ক্ৰানুদ স, এর প্রীর পুরবিত বা হওা (প্রীকে আছে/দূরে রাখা প্রদাস)	৩৩-আহ্যাব	52	3.0
মতা পঠিকের যা বা চলে যার জলিয় (মারাত দলে করনে বলে)	১৮-কাহক	69	933	मुझारम		1	_
				হতার (উম্বি হতার পুসেহণ করল হাতুদ সম্প্রদায়ের এক দলী)	৫৪-কামার	₹2	) ho
চাপড়াতে লাগদ বাগান মালিক (অনুপোচনার)	১৮-বার্ক	82	459	मू प्राह			
প্রসাক্ষরী (পানির বিকে দু'ব্যত সম্প্রসাক্ষরীর দৃষ্টক…)	১৩-রা'দ	78	69.9	वस्तान (नुद्रशः करदान पनि वाध्यि स्माप्त गुरुष्ट ग्राम स्त्र)	১০-ইউনুস	93	66
দুই মাস			_	শাস্ত্ৰ (অপ্নাহর অলখিনুগ লোকের দুসত্ম শাস্ত্ৰিতে প্ৰবেশ)	৭২-মিন্	29	28
রোয় পালন (মুর্মিল হতার অবন্দার একাধ্যরে দু'মান রোয় পালন)	8-নিমা	34	669.	75			-
দুঃখ (আরো দেখুন কট শব্দটি)				অহার করনের দুয়ে ও গরিব/ফনীরকে আহার করনের নির্দেশ)	22-27W	47	90
অভিযোগ (পূরণ ও কটের অভিযোগ করালে ইরানুল আ আছাবর করে)	32-3674	N.P.	9946	HETALS.	11.00	×-	۳
উচ্দতুত্বে পুরুপর পর কুঃপ নিলেন আল্লাহ মুমিনদেরকে	৩-জালে ইমরস	300	660			-	+-
কাঞ্চির সম্প্রদায়ের জন্য দুঃখ করা নিবেধ	৫-মাবিদা	bbr	gyb	ভূগে যাওছারলামাট্র বিষয়নতে কুমপোন্য শিক্তক তুলে যাবে)	২২-হাজ	3	9,0
কাড়ির সম্প্রদারের জন্য ও'আইব আ, এর দ্যুখ না করা	৭-আর্থ	30	643	मृजन			╙
কিল্লায়তের দিল মুক্তব প্রাণ কর্তাগত হবে	80-मुसिन	25	1/13	দাউদের কাছে পু'লদ প্রতিপক্ষের দ্যায় বিচার প্রার্থনা	৩৮-সেয়াদ	44	bré
পুরুষ্টের পর পুরুষ নিলেন মাল্লার মুমিলদেরকে (উর্জ মুক্তে)	৩-জালে ইমর্ম		000	দু'কন প্রতিপক্ষের ন্যায়বিয়ার প্রার্থনা (দাউদের কাছে)	৩৮-সেরাদ	44	bré
	৩-মালে ইমরান ৩-মালে ইমরান	348	660	বিতীয় (সু'জানা বিতীয় জন অনুল, হিজাতনালে পাহাড়ের ওহার)	৯-ভাওবা	80	68
প্রশান্তি (পুরুষর পরে প্রশান্তি অবস্থিতি, মুমিলানর উপর, উল্লে যুক্তে)				হোকা কৰেন আল্লাহ কু'জন বাস্ব্য (জনপদবাসীদের নিকট)	৩৬-ইয়াদীন	78	bra
মুসা আ, কে দুংৰ কথতে নিষেধ পাপাচারী সম্প্রদায়ের ঋন্য	৫-মরিদা	₹6	6,00	(বাধ (বালাল্যায়র বেল সু'জল মুগা তারা ভিলারণের মু'বাগা পারে)	8-निमा	396	0
মূপা আ, কে সুচৰ বেকে মুক্তি দান (মানুম বভাা প্ৰদক্ত)	২০-ফু-হা	80	980	মানুক্তের অমানের তথ্য সপ্তাহ করাছ পুর্ত্তন সপ্তাহকরি (ক্ষেত্রেশর)	৫০-কুক	39	82
রস্পাস, এর সুরে না করতে উপচাপ (বড়য়েকারীচনা বড়য়ের বাদ)	১৬-নাহুল	253	930	হাপুল প্রেরণ করেন আল্লাহ (অলপদর্যসীলের নিকট)	৩৬-ইয়ালীন	28	100
বাস্প স. এর সুংগ দা করার উপদেশ (কাভিবলের সম্পর্কে)	২৭-নামল	90	909		-2-4-11-11		+
রাসুল স, তে পুরুষ করতে বিশ্বেম (প্রেমা-সম্পদ প্রাপ্ত কাভিয়ামের কলা)	১৫-হিজ্ঞা	PP	902	मुक्ति		_	-
দুঃখ-কট				বল্লী (পুট কল্যানের বল্টর জন্য প্রতিক্ষা, শাহদাত ব জিন্ত)	৯-ভাওবা	65	68
টক্ষা (পুরু-বর্ত্ত থেকে অপ্তাহ উদ্ধার করেল তনু তারা শিরক করে)	৬-আনু আন	68	603	দেখানো (মানুষকে দু'টি পথ দেখিরেছেন আল্লাহ)	১০-বাদাৰ	30	30
		38	667	বানানো (আল্লাহ মানুহের দু'টি চোৰ বানিয়েছেন)	৯০-বাশাদ	ъ	30
পাকত্বাও (অনুষ্ঠি-মিন্দিট করার জন্য পূর্বে-কট বারা পাকত্বাও) পাকত্বাও (পূর্ববাটী উত্তরেসকলে সুন্থে-কট দিয়ে পাকত্বাও)	৭-আরফ ৬-আন'বাম	83	699	ধানাৰো (আল্লাহ মাণুখের পু'টি ঠেটি বাশিরছেন)	৯০-খলান	3	30

দ			দৃধ	<b>मृ</b> निग्ना			
चन विवय/दाना	नृता मर् ७ मार्ग	100	781	नव विद्यादानक	100000		
भूर				স্মীৰন (দুনিয়ার বীৰন কাফিরদেরকে প্রভারিত করেছিল)	৬-আন্'আম	700	909
বঁটি (গবলি পাল গোন্য ও রচের মধ্যে বঁটি দুধ ধান্য শিকা,)	১৬-নাহল	66	906	দীবন (পুনিয়ার দীবন কামনা করে, অস্ত্রাহর শরণ বিভূপ ব্যক্তি)	৫০-শক্ষ	522	৯৩৩
গৰাদি পাৰু গোৰুৱ ও বজের মধ্য থেকে দুধ ধাৰা শিক্ষা	১৬-নাহল	66	906	জীবন (দূনিয়ার জীবনকে প্রাধান্য দের মানুষ)	৮৭-মো'লা	38	3036
নহর (প্রস্রাতে নুধের নহর রয়েছে যার খান অপরিবর্তনীয়)	৪৭-মুহামান	34	270	ন্ধীবন (দুনিয়ার ন্ধীবনকে আধিবাকের উপর প্রাথন্য দেয়ায় শঞ্জি)	১৬-নার্গ	209	955
मूथ श्राकारना		-		জীবন (দুনিৱার জীবনকে প্রাধান্য দানকরী পথন্রট)	১৪-ইरवादीम	٥	630
নুই বছরে সম্ভানের নুধ ছান্তানো প্রদক্ষ	৩১-লকমান	78	Pop	নীকা (পুনিয়ার জীবন কবিবাদেরকে প্রকারিত করায় শারী)	82-लाहिया	00	20€
সম্ভাদের দুধ ছাড়াতে অপরাধ নেই (দু'জনের সম্বতিতে)	५-वाद्यंश	200	653	জীবন (দুনিয়ার জীবন খেল-ভামাশা ছাড়া বিন্দু নয়)	৬-আনু আম	જ	469
গধানের দথ ছাডালে ও গর্ভধারণের মেরাদ হিশমাস	85-304-00	30	606	ৰীবন (আকাশ থেকে বৰ্ষিত পানির মত)	79-4666	82	957
मूथ गान				জীবন (আছিবাতের বিনিময়ে দুনিয়ার স্কীবন কেনা)	২-বাকুবো	80	650
তাশাব্দ্রাঞ্জর সম্ভানকে অন্য নারী দুখপান করালো	602-ডামার	- No	biter	জীবন (ইউপুন আ, এর সম্প্রদায়ের দুবিবার জীবনের শাস্ত্রি দর)	১০-ইউন্থ	35	660
অশাবার সভাগতক ন্যাপ করাল আত পরিবাহিক প্রদান	৬৫-আলাক	- 4	3/59/	জীবন (পুনিয়ার জীবন খেল-ভাষাসা মাম)	8९-इश्राधन	46	324
পরিশ্রমিক (তালারপ্রায়া সদ্প্রস্থাত্ত দুখণান করালে)	৬৫-জালাক	9		জীবন (ধূনিয়ার জীবন থেল-ভামাশা হাস্কা কিছুই নয়)	২৯-আনকাবভ	98	345
			7494	बीवन (प्रनिप्तंत्र बीवन (बन-राम्या, ताववित्तः, प्रशतका ६)	६९-वानीन	30	320
पूर्व (मुक्तान पूर्व कडाड अहेता, पूर्व श्वर वहत पूर वाग नजार)	২-বার্থবা	২৩৩	229	জীবন (যুনিয়ার জীবন চাইত যার যার বারুন্দকে দেখে কল্ড)	১৮-তামাস	98	932
মাতা (দুগ পান করিয়েছেল এমন মাজকে বিত্তে করা হাজম)	8-निमा	২৩	20%	জীবন (ছনিয়ার জীবন নিয়ে উপ্রসিত মানুর)	১৩-রা'ন	26	695
দূখণান করানো				व्हेंचन (प्रतिपाद कीवन निपादी कि प्रतिपाद ग्वाहिक व्हाहार कियाजा)	h-widel	₫br	688
পরিশ্রমিক নিয়ে দৃষ পান করানোতে অপরাধ নেই	২-বাকুরো	200	249	कोका (पुनसार कोका मध्यर कि पुरन्ता नहरूर जहारत संस्थान) कोका (पुनसार कीका शासकित करताह स्वविकासका पारा)			
মাছেৱা দূধ পান করাবে সন্তানদেরকে পূর্ব দৃষ্ট বছর	২-বকুরা	200	449		५-आंद्राय	62	674
মুসাকে দুখপান করানোর জন্য ভার মারের প্রতি ওহী	২৮-আমাদ	9	bob	बीरन (पूनियात बीरन राजतपार गाम्यी)	৩-আদে ইমরান	79.6	658
<b>भूषद्दा</b> न		_		জীবন (গুলিয়ার জীবন প্রভারণার সামগ্রী হাড়া কিছুই নর)	৫৭-হালীন	20	200
বিয়ে (দথবোনকে বিয়ে করা হারাম)	8-RH	20	202	জীবন (পুনিয়ার জীবন জেগ্য-সামগ্রী মার)	১৩-রা'ন	২১	697
मुख्याठा	0.000	40	469	ন্ধীবন (দুনিয়ার ন্ধীবন যেন মানুহকে প্রবারিত করতে না পারে)	৩৫-ফাভির	0	1/86
		-		ন্দীবন (দুনিয়ার লীবন যাসেরকে প্রভাবিত করে আসের পরিধান)	৬-আনু আম	90	604
विदय (पृथमाठाटक विदय कर्ता श्रुवाम)	৪-নিস্ম	50	499	স্থীবন (পুনিয়ার স্থীবন যেন মানুহকে প্রভাবিত না করে)	৩১-পুরুমান	00	9.59
দুনিরা (আরো দেখুন ইহকাল শব্দটি)				জীবন (ধনিয়ার জীবন গুসঞ্জিত, কাফিবদের)	২-বাকারা	222	650
অপ্রথিকার(দুলিয়ার জীবনকে অপ্রাধিকার নিলে বীব্র আখন)	৭৯-বাই'লাভ	42	3008	बीतन (पनिवार बीतान विमान, मानी मान 'वान, कावि, वान्स)	२०-म मिनन	00	100
অৰ (দুনিয়াতে যায়া অৰ ভাৱা অধিবাতেও অৰ)	১৭-ইপ্রা	92	920	वीका (प्रियुक्त क्षेत्रामा वेलावे विकायवेदमा गर्ववर, बार्ज्याता विक)	২০-জ-ছ	12	182
অপমান (নুনিয়াতে অপমান ডাদের জন্য ধারা)	৫-মারিনা	00	69.8	জীবন (পুনিয়ার জীবনের বহিন্ত নিব জানে, অধিকালে মানুযা)	50-W4	9	544
वन्त्रम, मुनिवाद्य (प्रशिक्षण व्यक्ताव्य नम्र प्रवास वधा जनवारीत)	২-বাকারা	278	470	बीवन (पुनिश्चन बीवान পवित्र तिथेक जातन सम्ब पात नियम)	৭-আগ্রফ	03	610
অপমান (পুলিয়ার অপমান ভালের জন্য বাচেরকে)	৫-মায়িনা	83	6246	श्चेयन (पनिवास सेंचाना (स्थानाम्यो नहीं, नवान, वर्ग)	৩-আলে ইমবান	28	603
স্বপন্নদ (স্বস্তাহ সম্পর্কে বিভর্কনারীর জন্য পুনিয়াতে স্বপন্নদ…)	22-07mg	ъ	989	स्वेतन (प्रमाध्य संवयन राजना नाव्या मान, नावन, पर्याः) स्वेतन (परिवास स्वेतन्त्र राजना नाव्याः मानवरू य राजा शतकः)	SH-SININ	90	950
অভিনান (পুলিয়া ইউপুত আ, এর অভিনান আলশ-পুনির প্রই।)	১২-ইউসুফ	303	60-6	स्थित (प्रतिकार स्थितन वाधिकान (संग्रा-वाध्ये) साम्	৪০-বৃৰক্ষ	90	595
অত্বীক্ষরকারী জালিমদের দুনিয়ার জীবনেও লাঞ্চনা ব্যরহে	০৯-যুমার	20	৮৭৩	জ্বাবন (পুনায়া জবনে ব্যক্তিগো বেণ্ড-গম্ম(বেচুখ্যানা) জীবন (গনিয়ার জীবনে শান্তি রয়েছে, তাফিরদের জন্য)	১৩-বা'ল		
স্বাকাশ (পুনিয়ার স্বাকাশকে সুশোভিত করেছেন স্বাস্থাই)	৪১-কুস্সিলাত	32	brirts			<b>08</b>	694
আকাশ (দুনিয়ার আকাশকে সুসঞ্জিত করেছেল আল্লাহ)	৩৭-সাক্তমত	6	be9	দীবন (পুনিয়ার জীবনে মুনাবিক)বৈধিকাবেকে শারি নিতে চন আপ্রাত)	৯-ভারত	66	984
মাঝাণ (দুনিয়ার আঝাণ সুসন্ধিত প্রদীপমালা হারা)	94-ZM&	q	245	জীবন (পুনিয়ার জীবনে মুনাফিবসের গক্ষে মুমিনসের বিভর্ক)	৪-শিসা	209	647
व्यक्तित (प्रतिक्ष ও व्यक्तिहरू वर्ध विकल दल कविन्द्रत्ता	५-वाकास	939	098	দীবন (পুনিয়ার দীবনে সম্ভাই/ভূজ থাকিব আন্তঃস্থল আচন)	১০-ইউনুস	9	968
অধিয়াত (দুলার ও আধ্যাতে তাল বিধান হল বিধান ক্রিয়াত (দলিয়া ও অধিয়াতে শক্তি দিবেল আল্লাহ কবিব ও)	5-9769I	98	486	নীবন (পুনিবার নীবনের সাম্বী সাধান, অধিবাদের ভূপনার)	৯-ভারবা	Q)r	1688
আধরতে (পুনরা ও আধরতে শাস্ত দেবেন আল্লাই কার্যন ও) আধিরত (দেবা ও আধিরতে কবিবচনতে কঠিন দায়ি)				জীবন (গুনিয়ার জীবনে কাফিরনের ব্যয়ের উপমা)	৩-আলে ইমধান	225	289
	৩-আলে ইমবান	49	487	कीवन (पुनिवाद कीवान प्रानुदाद कीविक वर्षन करान खहार)	80-पूर्वक	વ્ય	par
আবিরত (ধূনিয়া ও অবিরতের কল্যাণ প্রার্থন্য)	২-বাস্থার	507	655	জীবন (দুনিরার জীবনের ভোগ্যসামশ্রী)	৪২-শ্বা	00	₽≱8
অবস (অভ্যামনিত হয়ে হিবল্ডভানীর কন্য দুনিয়ায় উত্তম আবস)	36-HET	87	906	জীবন (পুনিয়ার জীবানার উপমা ফলন ভরা কেন্ত ধাংসের মত)	১০-ইউনুস	28	626
আহ্বাদাযোগ্য দয় যে ব্যক্তি (দুনিয়া ও অবিশ্বাতে)	৪০-ছুমিন	80	9.92	জীবন (দুনিয়ার জীবনে হুদ্যতের উপায় হিসাবে মর্তিপুজা)	২৯-আনকাৰ্ড	3.0	444
কর্ম বিফল হবে যাদের (পুলিরা ও আধিয়াতে)	৩-জালে ইমবান	44	600	জীবন (পুনিয়র জীবনের তেগ্য-লাফ্ট্রী নিয়েছেল অল্পাহ যতে)	২৮-কালাস	65	770
वर्च विशव (पुनिया च व्यक्तियाटका वर्च विशव व्यानत यहा)	৯-তাঙৰ	69	681	सीवन (मण्णन ও नवान ननिहाद सेंदरनद शीमर्थ )	১৮-কার্ক	86	947
বল্পে (দুনিয়া-অধিকতের বল্যাণ নির্বাহণের সোরা, মুসার)	৭-জা'বাদ	34%	629	স্বীবদে (আন লাধিকে নদিয়ার স্বীবদে শাস্তশাদারক শাস্তি)	৪১-কুল্লিলাভ	2/6	709
কল্যাণ (আল্লাহ ইবরাহীমকে দুনিয়ায়ও কল্যাণ নাল করেন)	১৬-লহন	344	950	श्रीयाम (पनिवास श्रीयाम श्रीया ता तक प्रश्न करह प्रानुपार कर्य)	३-वांकाता -	408	240
কল্মণ (সংক্ৰমিটাৰ দুলিয়ায় কল্মণ ও অধিয়াতে উত্তেও আৰুস)	১৬-নাহল	'00	900	জীবনে (ফেরেশবাগণ গুনিয়ার জীবনে মহিনানের বছ)	৪১-ফুসলিলাত	409	944
কাল (ভূনিয়া কালকানি করের প্রতিক্রল পুনিয়তেই সেয়া হয়)	<b>33-व्</b> म	34	999	শীবন (থনিয়ের শীবনের জোলাম্বর্টী ও মানুহর বাডাবার্ড)	১০-ইউন্স	40	969
ক্ষরিয়ার (অপ্তাহর ইকানত থেকে হব বিবাসে নদিবা ও অধিবতে)	44-37%	33	923	কাবন (মুনারে কাবনের তোপানরে ও মনুকো বার্থবার্ড) জীবন (মুনারে জীবনে রাঙ্গুল স. ও মুনিনচেরতে অক্সাহর সাহায়)			
মধ্যা (ধনিয়া বা গণিমত চেক্তেছিল মমিননের কেউ)	৩-আলে ইমরান	302	220		8०-मू"मिम	67	39.5
प्रकारक (प्रमाय प्रकारक काम्माकारीय कामाव श्रवियम)	33-3H	34	140.9	জীবন (খুলিয়ার সামট্টা আম্বরণে দালীলেয়েক ব্যক্তিয়ের বাধ…)	२8-मृद	00	999
চিত্ৰা (থুনিবা ও আধিবাত সম্পৰ্কে চিত্ৰা)	২-বাকারা	220	656	খীকা (কিন্তানে সংখ্যান ক্ষম। পুনিয়ার জীবনে সংখ্যান)	২-বাকুবলা	46	670
চকা (পুনরা ও আবরতে সম্পরে চক্ত…) হরেরব (দুনিয়া ও অধিরাতের হরেরব আদ্রাহর কাছে)	হ-বাকুগর। ৪-মিসা	208	298	ন্ধীকা (ফিরআইনকে দুলিয়ার নীবনের গৌন্দর্ব(দম্পদ নান)	১০-ইউনুস	bν	665
				জীবন (বছুর পুজারীদের উপর পুনিয়ার জীবনে প্রতিপাশকের রেমব)	৭-আ'রাফ	202	646
হুওয়াব (যে বুদিয়ার হুওয়াব চার আর স্থাদা উচিত যে)	৪-বিশা	708	648	कीवन (नरीव त्रीपना पुनिवास कीवन/प्राथितन घरवार १९०१)	৩০-জারমার	45	204
জীবন (জনিবারা অনের সুব-শান্তি পুনিরার জীবনে দিরশেষ করে)	8७-खाइकाम	20	970	স্থ্যকৈ পদ্ধা (পুনিয়ার প্রতি বুঁকে পদ্ধা ব্যক্তির উপমা)	१-वा वाक	296	643
জীবন (কফিবরা বলে, দূলিয়ার জীবনই একমাত্র জীবন)	৬-আশ্'আম	439	489				
জীবন (দুনিয়ার জীবন অস্থায়ী ভোগ্যসামগ্রী মাত্র)	৪০-মুখিন	60	9-9-7	তৃত্ত (গুলিয়ার জীবনে সম্বর্ট/তৃত্ত ব্যক্তির আশ্রয়ছল আঙন)	১০-ইউনুস	વ	948
জীবন (পুনিয়ে জীবনই একন্মত্র জীবন ্রুকচিন্যান্য অনুগক ধাবনা)	৪৫-কাছিয়া	₹8	৯০৭	দুলিয়তে পানত অনুগামী কয়সেদ অস্ত্রাহ (বিশ্ব'আউন ও)	২৮-কাদ্যপ	83	9.22
নীকা (পুনিয়ার নীকাই একমাত্র নীকা, অধির প্রধানদের বক্তব্য)	২৩-মু'মিনুন	01	900	নিক্ষপ প্রচেটা (কাহিবলের, দদিখার স্বীবদে)	25-9789	208	100

শ্বপ	न्धनः धनन	चरार	्या	नप निर्देशका	সূধা দং ও মাৰ		
मूनियां (शृर्व शृक्षां त्यरक)				অংকনাটর পূর্বসাদ্রকে করে 'আমর কি তোমালেকে বিবত	৩৪-সাবা	93	118
পরীক্ষাস্বত্রপ পুনিরার জীবনের জোগ্যসামন্ত্রী লেরা হয়	२०-ज्ञ-व	202	482	স্বান্ধান্তীত্র সুর্বল হলে তার অভিচারত লেখার বিষয় বলবে	২-বাঝুৱা	२४२	60
পুরস্কার (পুশিয়ার পুরস্কার যে চার স্বাস্থাই ভাকে দেন)	৩-বলে ইবনে	18¢	485	দক্ষিকেরা মূর্বগদের থেকে আঙৰ নিবাৰণ করতে পারবে না	৪০-সুমিল	89	pp
পুরবার (পুনিরর পুরবার দান করণে আল্লাহ রক্ষানীদেরকে)	৩-জাল ইমরন		660	লোগ দেই দুর্বপদের (যুদ্ধে না থাওয়ার)	৯-ভারবা	97	68
প্ৰভাৱিত কৰে না খেন (পুনিয়াৰ জীবন মানুনকে)	৩১-পুকমান	00	454	ন্দী ও রামনীগণ দুর্বল হানি অক্সাহর পরে অপতিত বিপাস	৩-আল ইমরান	386	08
প্রতিমান (ইবরাহীমতে দুনিরায়ও প্রতিদান দেরা ময়েছিল)	২৯-আনবাবৃত্ত	39	777	नवाक्षकान्त्र । नवाक्षकावारी केवलरे पूर्वम्(पूर्नारेक/महीक)	22-20 <b>m</b>	90	90
প্রধান (পুনিয়র দীবনুকে অধিয়াকে উপা প্রাথল লেয়া শান্তী)	১৬-নাহল	209	932	বাহিনী হিসাবে দুৰ্বল কে পৰমন্তব্য তা ভাষতে পাৰবে	১৯-मावदेशाय	92	90
द्रमान (मृनिहाटक रानाप द्याराहरू करू द्यार्थना)	३-सङ्खा	300	244	মানুদ্ধকে দুর্বল অবস্থার সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ	00-RT	28	4:
		30	9/20	মাধুখার পূর্বদ করে সৃষ্টি করা হয়েছে	8-निमा	37	20
ফল (বুনিয়ার ফল কামনকারী আবিরতে নিচুই পাবে না)	৪২-শ্রা			মাপুথকে দুর্থপতার পর শক্তি বিভেছেন অস্তাহ	७०-क्रम	48	bi
নসবস , সৌহর্দের সাবে (দুলিয়াতে, দুপরিক শিকামাকর সাবে )	৩১-বৃক্যান ৪-বিসা	26	9-59-	বু'বিশবের বাবে দুর্থপতা বাহেছে (আল্লাহ জাদেশ)	৮-আনফাল	66	64
বিক্রি (পুলিয়ার জীবন বিক্রিকারী আল্লাহর পথে যুদ্ধ করে)		48		মুমিনতা দুৰ্বল ছিল (বলহণুডে)	৩-জালে ইমরান	250	28
অসমত (পুনিয়ার অসকত করলে তার বান্য করাব আছে)	৩৯-ফুন্ত	30	194	বন্ধার অনুরোধ করবে ভিরামতে(পূর্বদেরা অহন্ধারীদেরতে)	১৪-ইবরাহীম	52	80
বোদ্য সাম্মী (পুনিরার জেখ্যসম্মী সামান্য, মুদ্ধ প্রদক্ষ)	৪-নিশা	99	690	वकार कर्दावाय कर्दाय विद्याव (क्यांना करकारामाराज)		83	0
মনেনিত (আল্লাহ ইবরাহীম আ. কে দুনিরায় মনেনিত করেন)	২-বাকুরে	300	676	৬ জাইবঙ্কে দুর্বল ব্যক্তি হিসাবে সেবে মানইরাদবসীরা	३३-दून		
মর্থাদাবন (খুনিরার মর্যাদাবান, ঈসা আইবনে মারইয়াম)	৩-জালে ইম্রান		£80	খড়বর (পরতানের খড়বছ দুর্বপ)	8-নিসা	96	60
মাদইরানবাদীদের মুদিরাতে আল্লাহর দাদত	27-24	35	698	সন্তান (বৃদ্ধ ৰাগ্যন মাদিকের দুর্বল সন্তান, উপমা প্রসঙ্গ)	২-বাঞ্চারা	266	4
পানত (অল্পাহ-ব্যসূপ স. এর কউলাবার জন্য দুলিরা-আনিরাকের পা'গও	००-सहस्य	49	Brobr	সাহান্তকারী হিসাবে কে দুর্বদ তা জানবে (শান্তি প্রসঙ্গ)	<b>42-887</b>	48	99
দ্য'নত (আৰ জাতির জন্য শানত, দুনিরা ও বিসামতে)	22-gw	èo	693	পৃত্তি (মানুহকে দূৰ্বল বনে সৃত্তি করা হলেছে)	8-सिमा	59.	60
লা'নত (খুনিরা ও আধিয়াতে লা'নত থাদের উপর যারা)	२8-मृब	20	995	হাত্ব কুলি হয়েছে (ঘলনিয়াও)	১৯-মারট্রাম	8	9
শন্তি (পূদির ও অধিরতে ম্যানদারত শন্তি তালের জন:)	२8-मृष	79	992	দুৰ্বলকারী			L
শান্তি (পুনিয়াতেও শান্তি নিতে মন আল্লাহ মুনাফিকদেয়কে)	9-10000	100	485	আল্লাহ দুৰ্বল কৰে দেন কাফিবদেব যত্ন্যম	৮-আনফাদ	22	9
শন্তি (পুনিয়া ও অভিনতে মধাশন্তি, অভিনেশ আপ্রেশকার্যিকা)	२८-मृद	38	998	<b>पूर्व</b> न्द्रभ			П
পরি (কুলিয়া বিধা পরি দিলে অপ্তার রানুল স. কে, পদক্ষান ঘটাং)	১৭-ইস্বা	92	930	ঘর (মাঞ্চলের ঘরই দুর্বগতম ঘর)	২৯-আনকাবৃত	83	1 8
মন্ত্ৰই (বুলিয়ার জীবনে সম্ভই/ভূথ ব্যক্তির আপ্রমন্থল আগুন)	২০-ইউনুস	9	928	मूर्वन	-	_	+
সম্পদ (দুনিয়ার সম্পদ চায় দু বিশ্বা, ফুম্বন্দির বিনিময়ে)	৮-আনবাল	69	900		১৭-ইস্বা	222	9
সম্পদ (পুলিয়ার সম্পদ্ধর ক্ষেত্রে সাক্ষাক্ষার্কতে 'দুনিন কর্ত্ত কর্ণা থাবে ন)		78	000	আপ্লাহ দুৰ্বল নৰ যে ভাত তোন অভিজাবক থাকৰে	3 fed day		۳
			669	দুর্বলতা	-		+
সম্পদ (যিকআউনকে ভূনিয়ার জীবনের সৌপর্য(সম্পদ পদ)	১০-ইউনুস ২২-হাজ	99	923	মানুবকে দুর্বদান বিয়েছেন আল্লাহ (শক্তি দানের পর)	00- <u>8</u> 4	68	ъ
সম্বত্যপুনির ও অধিয়তে অক্সাহ সময়ত করতে ন বলে গলা)		3/2		দুর্বল মনে করা			$\perp$
प्रभू।(पुन्। क्या प्रधान जनल जाहार पुनिवाद पुन्। वारान)	<b>18-देखादीय</b>	29	696	ছাত্ৰ সম্প্ৰতাত্তৰ মুখিনদেৱকে দুৰ্বল মনে করা প্ৰবল	৭-জা'রাফ	92	8
সুসংবাদ, দুনিয়ার (আল্লাহর বন্ধু/মুমিন-মুক্তাকীলের জন্য)	১০-ইউনুস	68	660	হ্যক্রনতে দুর্বল মনে করা (বদী ইসরাদদের)	৭-আ'রফ	260	0
শৌশর্য্য (পুলিয়ার সৌন্দর্য্য অমনায় সতর্ক থাকার নির্দেশ)	79-4164	২৮	926	म <del>ुर्</del> दर			
দুনিয়ার জীবন (নগদ)				মুশ্রতিকলের নিকট দুর্বহ মানে হয় (রাগুল স. এর আহবান)	৪২-শূরা	30	V
ভাগৰাসা (মানুহ নগদ/ভূদিরার জীবনকে ভাগবাদে)	৭৫-বিরামার	50	328	দু/ইসহ	1		Т
অপবাস (মানুষ কান্যপুলিয়াকে অসবাসে ও বাটন নিয়ক যেতে সের)	৭৬-সাহ্ব	21	299	ত্রীকা পুর্বিসহ হয়ে পাড়েছিল (পিয়ন ফেল রাখা ভিনক্ষণের)	৯-ডাওয়	229	10
দুপুর		Т		मृद्धार्था		1	۳
দুপুরে ও সহরের অস্তাহর পথিত্রতা কলির নিসেশ	00-8X	22-	500		৯২-লাইল	34	150
বুপুরে পোশক বুলে রাখার সময় জনুমতি প্রহণ	२8-मृ≆	24	900	অমানপ্রানেশ (ভাম দুর্জনা স্কার কেট আছনে প্রবেশ করবে মা)			
দু'জন পুরুষ	10.00	1		জ্ঞানে থাকৰে দুৰ্বাপাৱা (আধিৱাতে)	३३-दु <del>श</del>	300	
	২-বার্থর	25-2	608	ইংৱাহীম আ দুৰ্জগা হাবে না (প্ৰতিপাশককে আহ্বান কৰে)	১৯-মারইয়াম	84	19
পু'জন পুরুষ না পেলে এক পুরুষ ও দু'নারী সাকী রাখা	e-elen	129.4	100	ইসাকে দুৰ্ভাগা অন্যননি আল্লাহ	১৯-মারইয়াম	०२	19
पू <sup>*</sup> वश्व		100		উপদেশ বর্জন করে কেবল মূর্তাগার	P-d-201,64	77	34
দু'বছরে সন্তাদের দুখ ছাড়ালো প্রসং	৩১-পুরুমান	18	254	তংগর হল সর্বাধিক হতজাগা ব্যক্তি (উটনী হত্যার ধাণ্য)	৯১-শাম্স	35	3
मूरकीर्ग		-		যানুচার মধ্যে কেউ হলে কুর্জন্ম আর কেউ অন্যবান (অভিয়াতে)	22- <u>E</u> 4	300	
উনাসীম শামান্ধীদের জন্য নূর্যোগ	১০৭-মাউন	8	2008	য়কাইয়া আ, দূর্জণা হলনি (প্রতিপালককে ভেকে)	১৯-মারইয়াম	8	4
<b>मू</b> षां				দুর্ভাণ্ড			1
দুখা দাবী করে জুকুম করেছে ৯৯ দুখার মালিক	৩৮-সোৱাৰ	₹8	204	অপরবিক্রের পূর্বাণ্য (আনসনাম পেশ করে পর ,বিয়ামধ্যের দিন)	১৮-কার্ক	8>	4
১১ বুলর মালিক ১ যুগর মালিককে কবার পরের করেছে	৩৮-মেরান	20	199	বিজ্ঞাী হওয়া (সূর্বাণ্যা বিজয়ী হয়েছিল কাফিরদের উপব)	२०-मू मिनून	309	, «
<b>मूर्याद</b>				খুৰ্তিক			T
কঠিন শান্তির সুরার পুলে নিলেন আল্লাহ	২০-মুমিনুন	99	990	নিবে (পুর্তিক্ষের নিবে খাদ্য দাদ- নিরিপথ ক্ষর্থ)	১০-বালান	18	2
Had	2112	+	1	গুরুত্বত (বিশ্বস্থানীয়ার বংশকে পুর্তিক/কল-ফলসের কতি কর)	৭-আ'বাক	300	
	69-5044	1 2	>00		1000	+550	+
নাধিবলে পুনি নালেতে বাটা কাৰে, ভাৱ মান কৰেছিল	००-व्यवस्थ	35	PAGE.	मूरकीर		+	+
বনু কুরাজেকে দুর্গ থেকে নমিয়ে আন প্রসক্ষ	00-46664	1 50	0.05	অবিশ্বাদী সভানের জন্য দুর্ভোগ!	৪৬-আহ্কাক	74	
দুর্দশাঞ্চন্ত	_	1	-	অবিশ্বাসীনের ক্ষন্য সুর্যোগ (যারা প্রতিপ্রণত দিনকে অধিশ্বাস করে)	१५-पदिवार	60	13
পূর্বশান্তম্ব মিসকিনকে খাদ্য দান- গিরিপক কর্ব	১০-বালাপ	36	7050	অসমের জন্য পূর্বেল (ইবলিস জ্বপ্তাত থেকে কের করতে পারসে)	২০-ফ্ল-ছা	224	
দুর্বল (আরো দেখুন হীনবল শব্দটি)	1		_	অবু আহলের দুর্জেগ প্রবন্ধ (বিরামতে)	৭৫-কিরামাহ	96	13
অব্ভব্যবীদেরতে দুর্বল কাকিবরা বলবে (কিয়ামতে)	ব৪-পথা		V88	আৰু জাহদের দুর্জোগ প্রদান (বিদ্যামতে)	৭৫-কিরামাহ	08	18

मम निस्दर्भन	সূহা নং ও নাম	35	唐	শ্ব স্থান্ত/হস্ত	न्त्रं मा व नाव	-	10
मूर्र्डान (नूर्व नृके (बर्रक)				দুক্তিকারী			1
কবিবাসের পূর্বোণ। (কিয়ামতে কবিত্যের চেথে ছিব হওয়া প্রদাস)	২১-সাধিয়া	93	969	সমান নর দৃষ্টেকারী ও সংকর্মশীল ইয়াননার	৪০-মূমিন	64	brbri
কাফিরদের দুর্জেগ (বিডার দিলে)	৩৭-সাফ্যাত	30	beb	मृड			
কাফিরদের দুজোর্গ নিল্রাছল থেকে উঠানের পর(কিয়ামতে)	৩৬-ইয়াসীন	22	vee	সাবার বানীর দৃত মাহকত সুদাইমানকে দেয়া উপহারের			1
কান্দিরনের জন্য কঠিন শান্তির দুর্ভোগ রয়েছে	১৪-ইবরাহীম	1	63/0	विच्छा प्रश्न चुन्त	২৭-নামশ	46	po
কাইবদের জন্য দুর্জোগ (কিল্লমন্তের ভরাবহ দিবসে)	३७-बावदेशस	09	905	मूब			_
কাফিরনের জন্য রয়েছে আগুনের দুর্ভোগ	৩৮-সেরাদ	29	864	অপবিত্রতা দর কর্ত্তে চাদ আল্লাহ/মধী পরিবার থেকে)	৩০-আহ্বাব	00	80
কিবাৰ ক্ষয়িকানের জন্য নুর্জেশ (নিজ হাতে কিবাৰ বানের ক্ষয়েশ)	२-राजावा	93	609	অপরিজন্তার বৃর (হাজের সমর হক্ষুকারীদের অপরিজন্তার			
ক্তিতাৰ মচয়িকানের জন্য দুর্জেগ (বারা বংগ এটা আল্লাহর)	२-वाकृत्वा	130	609	দূর করা প্রসঙ্গ)	55-East	430	96
অপিমদের নুর্জোগ (আল্লাহর পান্তি প্রদাস)	২১-আখিরা	85	920	আইউবের দুল্ব-দুর্নশা আল্লাহ দরাম্বরূপ দূর করেন	২১-আধিয়া	V8	9.0
মালিমনের নুর্ফোর্খ (দুনিয়ার বন্ধু প্রহাণর কারণে)	২৫-জুরবান	30	998	আল্লাহ পাত্তি লুৱ করবেল (বনি ইন্স্যু করেল)	৬-জাপু আম	83	6.5
মালিমনের দুর্ভোগ প্রদাস	২১-আধিয়া	38	923	ত্রেকার বাজা দূর কর (অল্লাহ সম্ভান্ত কর্মেন না বাল ধরণা)	44-576	32	90
নালিমনের জন্য বস্তুণাদায়ক নিমের শান্তির দুর্ভোগ	৪০-বুৰক্ক	62	300	ক্ষেত্ৰ দূৰ কাৰেন আল্লাহ (মুমিননের হ্বনর থেকে)	b-আওবা	32	68
হক্ষাজনের জন্য দুর্ভোগ	४०-पुराक्तिके		2022	ক্ষতি দুৱ করতে পারে না কেউ (অক্সাহ করে কভি মইলে)	৩৯-বুমার	07	349
দয়কারীর জন্য দুর্ভোগ (আৰু আহল প্রসঙ্গ)	৭৫-বিশ্বমাহ	02	228	ক্তৃতা দূর (জিহুতে জড়তা দূর করার কণ্য মুগার সেয়া)	২০-ড়া-হা	29	98
দঃকারীর মন্য লুর্ডোগ (আবু জাহল প্রসঙ্গ)	৭৫-কিরামাত্	¢8	228	ব্যক্তিবাদ্ধ থেকে পুরে নয় (পুরুতের ধ্বংগরার জনাপদ)	३३-दून	50	69
দুনিরার জীবনকামীদের দুর্ভোগ (আনীরা বলল)	২৮-কাসাস	tro	930	ৰাপ্ৰাত দূৱে বাৰৱে না (মুখাৰীদের থেকে)			
নিশাকারীর দুর্বোগ (সামনে ও পিছনে নিশাকারীর জন্য দুর্বোগ)	३०४-एमध	7	3000		৫০-ঝার	40)	24
প্রতিনির অনুসাল করে দুর্জন লোক্সকা (অপ্রায়র পর্যন্তিনিক)	२०-वर-श	250	483	দুৰ্ব-দূৰ্বপা আল্লাহ দূৰ কথলে মানুখ পিৰত কৰে	১৬-মহেল	28	90
গাপী মিধানদীয় কল দুর্জেগ (যে আয়াত বলের অহন্তর_)	82-मारिया	9	3of	দুয়ৰ-দুৰ্বশা (দরাক্ষমণ আইউকের দুয়ৰ-দুৰ্বশা দূর করা হয়)	২১-আধ্য	9.8	92
মিখা অভিহিতকারীদের জন্য দুর্জেল (ফয়নালার দিন)	৭৭-মুরুমালাভ	48	206	দূৰে-দূৰ্বশা দূৰ কল্পতন যদি আল্লাহ (কাফিলদের)	२०-इ'बिग्न	9.0	99
মিখ্যা অভিতিকারীদের জন্ড দুর্ভোগ (কর্মালার নিন)	११-युश्यामार			मूल पूर्व में पूर्व कर्तार तथ समूच द्रामा कांच करत रूप रूप	20-इंडेन्स् र	25	62
মিখ্যা অভিহততাত্ত্বলৈর জন্য নুজোগ (কর্মানার নেন) মিখ্যা অভিহিতকারীনের জন্য দুর্ভোগ (কর্মানার নিন)		48	775	দুয়ৰ-দূৰ্বশা দূৰ কথাৰ ক্ষমতা দেই জনুমান করা ইলাহ্যনের	১৭-ইগ্রা	66	37.
See applicable and action (advised inv)	৭৭-মুর্সালাভ	72		প্রান্ত (উপভ্যকার দূর প্রান্তে হিল কাকিরবা, বদরমুদ্ধ প্রসদ)	৮-জানফাল	84	40
মিখ্যা অভিহিতকারীদের জন্য দুর্জেগ (ফরগালার নিদ)	৭৭-মুক্সালাত	₹97	225	প্রতিবেশী (দূর প্রতিবেশীর সাথে সম্ভবহারের নির্দেশ)	৪-নিল	06	6.9
মিধ্যা অভিহিতকারীকের জন্য দুর্ভোগ (করসালার নিল)	৭৭-মুব্দাদাত	342	226	বিষেষ দূর করবেন আল্লাহ ঈয়ানদারদের বন্ধ থেকে	্-জা'বাত	80	65
মিধ্যা অভিবিতকারীদের জন্য দুর্জেগ (ফ্যাসালার দিন)	৭৭-মুরুমান্সাত	80	299	বিষেষ দূর করে দিবেন আল্লাহ (জাল্লাবিদের বন্ধ থেকে)	३०-विकत	84	90
মিখ্যা অভিহিতকারীদের জন্য দুর্জোগ (বিভার দিনকে)	१-०-म्डाएक्को		2022	ৰটভার দূরে চলে গেছে (কিয়ামত দম্পর্কে বিভচকোরী)	৪২-শূল	36	P.30
মিথ্য অভিহিত্তকারীলের জন্য দুর্ভোগ (কল্পসাগার দিন)	৭৭-মূর্পালাত	83	999	মূণাকে দূর থেকে দেবছিল তার বেন	২৮-আসাস	22	90
মিথ্য অভিহ্নিকারীদের জন্য নূর্বোগ (কয়সালার দিন)	৭৭-মুধ্সালাভ	82	999	পুত সন্ধানারের ধাংবাবাশের মানইরানানের থেকে মুরে নয়	३३-ङ्ग	9.30	89
বিধ্যা অভিহিতকারীলের জন্য দুর্বোগ (কয়সাধার দিন)	৭৭-মূর্দালাত	তণ	794	শরতানে অপন্যিতা দূর করতে চাইসেন অক্সার (কারেছ রেনম)	৮-জানকাপ	>>	90
মিথ্য অভিছিত্তকারীদের জন্য দুর্জোণ (ফ্যুনালার দিন)	৭৭-মুর্সালাত	89	777	শারী দীবাসর কালে উভূসের সম্প্রদায়ের শারি পুর করা	১০-ইউনুস	92	96
মিখ্যা অভিহিতকারীদের জন্য দুর্জোণ (কিরামকের নিন)	৫২-সূর	22	252	শত্রি দূর করানে অস্তাহ সামন্ সমারে জন্য (মঞ্চার দূর্ভিক_)	৪৪-দুখান	26	30
মিখ্যা অভিহিত করার কারণে দুর্চোণ (আবু জাহল প্রসঙ্গ)	৭৫-বিবামার	-02	998	শান্তি দূৰ করার জনা প্রার্থনা করবে কালিবারা (কিরামতে)	৪৪-দুখান	25	90
विभा सम्मानीहरूर बना मूर्जान (ब्ह्रास अन्मार्क विभावकेरमा विचा)	२०-इा-श	65	188	সত্রে যাওর (মঞ্জাহ লোমান লন করলে নৃত্রে সরে যাওয়)	৪১-ফুস্সিলাত	62	br3e
মুখ ফিরানোর কারণে দুর্ভেগ (আৰু ভাবল প্রসঙ্গ)	৩৫-বিবামার	-08	866	म्दर्शरी			
মুপরিকদের জন্য দুর্জেগ (ওবী অদীকারের কারণে)	৪১-যুস্সিশাত	9	9449	বই দূরবারী কেট নেই (আল্লাহ কাউকে কট দিলে)	১০-ইউনুস	309	668
মুশরিকনের দুর্জোগ প্রদাস	২১-অখিয়া	22-	962	ক্ষতি দূরবারী দেই (অক্সং নবিধ ক্ষতি কঞ্চল আ দূরকারী দেই)	৬-আন'আম	39	69,
রাসূপ ন, এর দুর্জেগের উদ্দেশ্যে কুরজেন অবতীর্ণ করা ব্যানি	২০-ড্রা-ছা	٦.	482	म्बद			
লেখন কর পুর্যোগ (নিমা হাতে কিবনে লিগে অক্সাহন কিবনে কলাপ্র.)	২-বাকুরা	45	603	বাদন (পুরত্ব বাদন করবে প্রয়েক বান্তি, মশ কাচ সেখে)	৩-জাল ইমরান	00	900
সীমালজনকারীদের জন্য দুর্জোগ (বাগানওরালা প্রনঙ্গ)	৬৮-কুলাম	40	240	দুই উনরাচ্যের দৃহত্ব কারণা (শয়ভাগ ও মানুহের মারে)	8 <i>७-वृद्</i> क्ष्य	CF	999
দুর্যোগপূর্ণ				मृतव् वृद्ध			-
দুর্মোগপুর্ণ নিল আন সম্প্রদায়ের প্রতি মধ্মেরাজন প্রক্রেন	৫৪-কামার	77	209	সকলের দূরত বৃদ্ধির প্রার্থনা (সাহাবাসীদের)	g8-লাবা	22	₩8-
দুর্মেগপূর্ণ দিসে কল্পে বাজন প্রেক্ত, আন জাতির প্রতি	৪১-কুন্নিলাত	36	<b>b</b> b4	वृत्र क्षांटेरवनी	08-0141	30	90.
বৃত্তিভাৱে <u> </u>				সহাৰহার (সূব প্রতিবেশীর সাথে সন্থবহারের নির্দেশ)	o Com		
ইমানদার সংকর্মশীলবদ দুভিজন্মন্ত হবে না ও তয় নেই	২-বাবুরো	62	609		৪-নিসা	99	66;
ইমান আনলে ও সংশোধন বলে তারা দুভিস্কাল্লর ব্যেনা	৬-আন্'আম	81	900	न्दरदी			
দানকারী দুশ্চিতাপ্রত হবেনা (প্রতিদান প্রতিপালকের কছে)	२-वाकादा	218	605	শান্তি (প্রতিশ্রুত শান্তি নিকটবর্তী ব্য দূরবর্তী তা হাসুল স	২১-অধিয়া	20h	9,01
দানকারী মুশ্চিডাপ্রত হবেনা (কট/কোটা না দিলে)	२-वाकाश	202	607	व्याप्तम्ब)			_
দবীকে দুচিবাহাত করা (আল্লাহর আল্লাভ অস্থীকার প্র.)	৬-আন'ব্যায়	00	699	শালিকে দূরে দেবছে কাফিররা (অবধারিও শাহিকে)	৭০-মা'অরিন্ধ	9	No.
প্ৰদিনৌশকার অনুসরণকারীকা দুশিকায়ত ব্বেনা	र-अदेखाः १-वादेखाः	Ob	606	স্থান (পূৰবাৰ্তী স্থান বেৰে অনুন্য বিষয়ে ব্যব্য নিজেপ)	६८-मारा	60	b-80
মহানীতি জান্নাতীদের দুভিজয়ান্ত করবে না (বাপর প্রসঙ্গ)	२५-व्यक्तिस र-पर्युक्ता	-		হুদ (দূৰবাতী হ্ৰান বেকে ঈমানের নাগাল পাবে কি করে)	<b>08-শব্য</b>	65	986
		200	929	হল (নুৱৰতী হল থেকে জঙল বিভাগত জৰীকাৱকাৰীলেৱকে	২৫-কুরকান	34	900
মুক্তি সামানীল সালাভপ্রতিষ্ঠানী ও করত অন্যাননী পুতিরাক্তর হলে ন	२-राकृत्य	299	600	দৰতে পাৰে)		~	150
মুবাকী বন্দারা দুভিস্কয়ন্ত হবে দা (কিরামতে)	৪০-যুখকফ	69	900	হল (পুৰুষ্টি হালে বেল খোনইয়াম, সম্ভন প্ৰদানৰ ধন্য)	১৯-মাৰইয়াম	22	900
ৰানুশ স. কে ফেন দুশিবাধার না করে সময় থকা কুমনীর দিকে ধনিক	০-আগে ইমরান	249	660	হান (বাস্থ মুশরিককে পূরবর্তী স্থানে উদ্ভিয়ে নিরে যায়)	२२-शक	60	953
পৰীনৱা দুক্তিস্কান্তত্ত হবে না	০ অলে ইন্যান	390	665	দূৰ ব্ৰহা			
সমর্পবকারী দৃশ্চিন্তারান্ত হবেনা (আল্লাহর জনা সমর্পন)	২-राङ्खा	225	670	অকলাশ (নিয়মত নিলে মনুহ জাং, অকলাশ নূর হয়েছে)	১১-হুদ	30	666
ছব ন (স্ক্রেন্টে প্রতিশালক একমার মটল বাকি প্রতিরাক্তর মার ন)	৪৬-আহ্বকৈ	30	806	তম্ব দূর হল ইবরাইমের (আগত ফেরেশতানের সম্পর্কে)	33-इन -	98	693

বিশ্বদ-আপদ আল্লাহ দুরীভূত করেন (বিপন্যান্তের ভাকে)	২৭-মহল	69	bog	কিতাৰ (পুনতাৰে ধারণের মাত কিতাৰ কি মুপরিবক্সের আছে?)	80-मृथक्ष	52	339
দূরে থাকা				হাতেৰ দৃঢ়াহাবে ধাকা করে (চেহারাকে আপ্লাহর দিকে সমর্পদকরী)	৩১-লুকমান	22	250
বুলমান প্রবণ থেকে কাফিয়ের দূরে থাকে	৬-আৰ'আম	46	460	भूष गएक्स		-	
				আনহেকে আপ্লাহ মৃতুদ্দকল্প পাননি (নিবিদ্ধ ফল খাওৱা প্ৰদক্ষ)	२०-झ-श	225	9.83
দূরে রাখা অঞ্চন থেকে দূরে রাখা হবে যাকে দে সফল (কিরামতে)	৩-আলে ইমরাণ	3340	228	কাজে কুলুকেয় হলে আপ্রাহৰ উপর ভরসা কথার নির্দেশ	৩ জালে ইমরদ	569	665
প্রকাশ বেকে পুরে রাখা থকে নাকে সে সকল (করামতে) প্রকাশ্রম থেকে সংকর্মশীলদের দূরে রাখা প্রসঙ্গ	३३-खारिश	300	929	कास (सुन्द्रपत (फद्रत टेवर्यवातमं ७ कम्ब गृह गरवद्यात वर्वक)	৪২-শূৰা	86	P25
ভূৱতীকে পৃত্য কৰা হতে (ৰাজ্যুক্তাৰ পেলিছান আলন কেনে)	৯২-লাইল	29	3056	বিষয় (মৃত্যুসংকল্পের বিষয়-ভাঞ্চরয়া অবলম্বন ও থৈথিবেশ)	৩-আলে ইমরাদ	200	008
পুত্রকাকে পূরে রাধা হবে (কাব্যুয়ানের লেলকান নালে কেনে) মুক্তি পূজা থেকে ইনরারীমের নংশনবকে দূরে রাধার সোয়া	১৪-ইবরাহীম	96	999	ধ্যাপার(সামেরেরর নির্চাপ, আসমেরর থেকে নিরেশও থৈখিবা)	৩১-পুকরান	29	5-52
বৃত্তি পূকা থেকে হবরার)নের বংশনরকৈ বৃত্তা ভাষার সোন। পারি থেকে দূরে রাখতে পারবে না দীর্ঘান্ন (ইছদীলের)	३-नाकावा -	90	622	দৃঢ় সংকল্পসম্পন্ন			
	Souther	80	633	মুহামন স. দৃহসংকঃসম্পন্ন রাসূলদের মত ধৈর্ঘারণ করা	৪৬-আত্তাক	60	32
দুরে সরিম্রে দেয়া				मृन्छ		_	
উপান্যানর থেকে দূরে সমিয়ে দেয়া (রাসুল স. কর্তৃক মরাসীদেরকে)	২৫-মূরকান	84	9948	অনী (অদৃশ্য ও দৃশ্যের জানীর নিকট ক্বিরিয়ে দেরা হবে)	৯-ডাওয়া	38	621
q#		_		वाली (अनुन्त व पुरात वाली अञ्चाका निकी अनुन्दर विविद्य तथा ग्रहर)	৯-জারুবা	206	68
र्शनून भूकेक व मून्। मूर्ण कवश्चम वन्नामव मृद्ध श्टर	8-शिश	10	699	জনী (আল্লাহ দৃশ্যমান ও অনুদা বিষয়ের জানী)	১০-বা'দ	>	Q7
দুর্গ-প্রাচীর		1_		আনী (অপ্তাহ দৃশ্য ও অপুশোর আনী)	৬-আনু আম	90	60
দূৰ্ণ-প্ৰাচীয়ের অভ্যন্তৰ হাড়া মূনাক্ষিকরা মূক্ত করবে না	69-5143	78	325	कानी (पाष्ट्राव कृत च प्रकृत्तात कानी)	৩২-সাজ্পা	4	50
দৃঢ় (আরো দেপুন অবিচল/দৃড় শব্দটি)				অলী (আগ্লহ দৃশ্য ও অনুসোর কানী)	৩৯-দুমার	86	69
বৰীকৰ (স্বামীর নিকট থেকে স্তীর দৃঢ় অসীকার গ্রহণ)	8-निमा	5.5	469	व्यामी (प्राष्ट्राव कृतः च प्रकृतमात कानी)	৬৪-জাগারুদ	39.	3/3
অঙ্গীবার (বাসের সাথে অধীবার মৃত্য হয়েছে আনেবে অংশ প্রদান)	8-निमा	20	263	অনী (পুনা-জনুশোর জানী অস্থাহর দিকে মানুহকে বিভিন্ন দেয়া)	७२-सम्बद्धाः	ъ	36
মার্লিকার (ক্রী ইসারাইলের অসীকার ও তুর পর্যত উল্লেখন প্রদাস)	৪-মিলা	228	290	व्यक्ति (मृत्य च जन्मात्र व्यक्ति जन्मात्र)	৫৯-হাপর	22	82
মনীবার (নবীদের থেকে আল্লাহ দৃত্ অসীবার দেন)	৩০-আহ্বাপ	٩	800		411-011		100
নিমন্দারদেরকে দৃহ থাকার নির্দেশ (বেদে বলের সমুদ্দীন বলে)	৮-আন্দাদ	80	909	দৃশ্যমান	ধ্৪-সাৰা	37	58
স্থানসায়সেরকে দুনিয়ার জীবনে আল্লাহ সূত্যু রাখেন(যারা সূত্যু কথায় সমান আনে)	১৪-ইবরাইম	29	696	संगणन (मृत्यास्य समागण शासन) कानी (समृत्या ও मृत्यासन এव सामी साहार)	২০-মুখিনুন	30	99
कर्पा जुनुकरना प्रेमन जनम जहार पुनिश-प्रतिग्रट गुनु शास्त्र)	১৪-ইবরাহীম	29	686	দুটান্ত (আরো দেখুন উপমা পদটি)			_
জনম (পুঢ় কলমের ব্যাপারে আপ্তার পারজ্বার করবেন)	৫-মায়িলা	2.0	697	দিসা আ কে কৰি ইসৱাধিলের কন্য দৃষ্টান্ত বাদানের ব্যবস্থিত	86-पुबक्रफ	6.9	30
काम (शुन्तक्षिक में क्या गण्यात व्यक्ताच मारा व्यक्तिक मृह काम)	১৬-নাহল	Ob	906	দিলা আ ইননে মাধইয়ামের ভূজত খনে মুশরিকলের শোরবোল	৪০-দূৰক্ত	29	pp
	৬-জান'জাম	209	600	কাঞ্চিরদের জন্য নৃহ আ, ও প্তের প্রার দৃষ্টাস্ক	৬৬-তাৰ্বীম	30	39
কলম (দিয়ান প্রদক্ষে কমিবরা আল্লাহর নামে গৃঢ় কলম করে)			993	কুরআনে সংক্রিব্র উপমা বর্ণনা আছে	29-sizis	68	9.2
কলম (পৃ) কলম করে মুলফিকরা যুক্তে কের হন্দরের ব্যাপারে)	₹8-70	60		কুরজানের দৃষ্টান্ত পেল (আল্লাহ্ মানুবের কন্য দৃষ্টান্ত পেল	GO-82	97	144
কলম (পু7 কলম করে যান্ত্রা কলত- আমরা কোনালের সাহধ)	৫-মার্রিনা	00	259	করেছেন, কুরমানে)			
पूर्न (मञ्चर मुक्कि व तुन्त्र मूर्ण करहान करानव मृथ्य गाउँ)	৪-নিম্ম	95	699	বুরজানে দৃষ্টান্ত পেশ (মানুহের উপলেশ প্রহণের জন্য)	৩৯-বুমার	29	20
পদ (দৃহপদ মাৰম প্ৰাৰ্থনা প্ৰতিপাদকেৰ দিকট, ভালুত ৰাহিনীয়)	২-বাবুগরা	200		জনপদের অধিবাদীদের দৃষ্টান্ত পেশ(অধিশাদীদের নিকট)	৩৬-ইয়াসীন	30	70
ণা (মুমিনদের পা দৃঢ় কর্মবেন জাপ্তার)	৪৭-মুহামাণ	٩	975	অলপদের দৃষ্টাক্ত (নেয়ামাত অধীনাহকারী জলপদের দৃষ্টাক্ত)	36- <b>मह्</b> ल	225	95
মুমিনবেরতে পৃথ করার জন্য কুরজান অবতীর্ণ হবেছে	১৬-নাহ্প	205		জালিমরা যে দৃষ্টাভই নিয়ে আনে তার সভ্য ও সুক্ষর	56-Satutes	00	95
মূল (ভাল বাণী ভাল গাছের মত বার মূল মূৰ্ড়)	১৪-ইবরাহীন	2.8	695	অপ্রতের পৃথিত (মুরালীদেরকে প্রতিশ্রুত জন্মতের পৃথিত)	৪৭-মুহাম্বাৰ	75	85
পণৰ (মুশৱিকরা হেদারাত লাভ গ্রদঙ্গে গৃঢ় শপথ করত)	৩৫-ফাভির	83	940	সমামায় অল্পাহর দৃষ্টার দেয় মুশবিকরা (কন্যা সম্ভান প্রসঙ্গ)	80-गुनकप	24	P.5
হদর দৃঢ় করলেন আপ্লাহ(আনহাবে আহফেব)	79-40EB	78	920	দু'ব্যক্তির দৃষ্টান্ত (ঈথান ও কুফরীর)	১৮-কার্ক	- ७३	9.2

ਸਰ ਤਖ਼ਬੀ Tables

181

1v8%

Me

www.ira wlad ্বা লাক্ষণ বাজন প্রান্তীকে সভাস্তারে ধারণ করার নির্দেশ (রাসল স. কে)

त्रवा नर स मात्र विकश्च शृहेर्ग

50-Wt-81

eo.ufes 48

গা দৃঢ় করা (মু'মিনলের গা দৃঢ় করা, বদরযুদ্ধ প্রমঙ্গ) L Officers হুদর (মুমিনালর জ্বয় দট করা, বদরযুক্ত প্রসঙ্গ)) le attente রময় কর করে না বিলে পরিচয় প্রকাশ করে নিত মসার মা त्रोता प्र. १७ मा बावाव निर्माण (प्राचाव क्षानिष्टे प्राप्ताकर (प्राचान) 85-48 দুঢ় প্রভা<u>র (আরো দেখুন অটল শব্দটি)</u> কিনা<del>ব্যাক্তনা প্রভারে জন</del> সংসাধন প্রভার সংগা ভিতর

অন্তর (রানুদা না, এর অন্তর সূত্র করার ফল্য, রাসুলায়ার সংক্রম কলি)

प्राप्त-स्थानकारण मात्र कारत क्षण (स्थानकारण श्राप्ति वर्षे) (सम्बद्धाः)

Gran William

সমিবীকে পৰ হওৱাৰ/যাওৱাৰ নিৰ্দেশ (মূদা আ. কৰ্মক)

ৰাত্ৰমূৰ্তৰ দুৱীভাত কথাত মানুক্ৰীৰ আপ্ৰাহত এখাল কথাৰ

দর হওয়া (যাওয়া)

দুরীত্ত

দত করা

আল্লাহ বা ইজা সূৰত করেন

দঢ়ভাবে আকল্ডে ধরা পাল্লাহকে দৃদ্ভাবে আকড়ে ধরার প্রতিলান (ভাওবার শর)

Street and water over either Swat

केल्यानीस कर दिवाली दूरत (विचाहर रूप किस

निवर्गनाविष्ट्रक महर्विश्वामी द्वित (वर्गी देशक्षांश्रत्व व्यवस्था)

na.xwmSu ৫১-সালসা ৩২-সামদা 28 100

L-entagetes

১ বাকার

o Con

NDO brob 193 166

23%

দু'ব্যক্তির দুয়ান্ত (ঈমান ও কডবীর) দ'ব্যক্তির দটান্ত (এক ও অনেক প্রস্তুর অধীন স'ব্যক্তির দটান্ত অল্লাহ পেশ করেছেন) নতের স্ত্রীর দক্ষাত্র কোভিবদের জন্য नाराश्रक व्यश्नीकाववाची बानगरसव प्रशेष वर्षन (मोरक वर्षन करवाइन प्रसाद प्रान्तक क्रम (क्वापान) বিশতকে দুটারস্ক্রপ আরাভ অবভীগ

মমিনদের দক্ষিত রয়েছে উনজীলে

মমিনকের দায়ার বাবেছে ভাওরাতে

লামৰ স্থীৰ দুখাল (বাভিবাৰৰ স্থান)

সবেচিচ দ্বমন্ত আপ্লাহৰ (আকাশ ও পৃথিবীতে)

সমান নাং (এক/মনেক প্রভূত্ব অধীন দু' ব্যক্তির দৃষ্টিক্ত সমান নার)

সমবালীন ও পরবারী পোকসের জন্য দুর্মার(ক্ষার হওয় প্রদাস)

পরবর্তীদের জন্য দায়ন্ত (ফির'আ উন সম্প্রদারের ঘটনা) পৰ্বৰভীকের দটাক্ষ, অভীত হয়েছে (ধারা প্রবল শক্তিধর) পেশ জোলার মাইছে পেশ করেন মান্যয়র জনা अवदीत और ए (वाराधारात अवदीत और यह समार कि देखा करवादन) বনী উসবাইন্দের হলে ইসা আ কে দ্বীন্ত বানানে হয়েছিল कांन (भोडार कांन कराहिका प्रसाद गराम शासना करा)

on-this AL WINGIN Shorters. 80-पुरवच 81-201919 १८ प्रकाशिक Southern २०-एककार

১৭-ইদরা

8b-0765

8V-0755 ২৯ ४८४

20.25

৩৯-মুখার

২-ব্যক্তর

bh-steils

38.20

रवा महत्व संद

o percent

৪৫,য়াব্যস্থ

120 023

595 696

distriction dated

আহায়কে সহস্তাবে আকডে ধরার প্রতিদান

অভ্যানত ভাতার ধারণ ভারতের অবদানত উদ্দেশ্য

03

33 دوط

> Whh 790 دوو 150

> > 798

690

201

मुडि	দেখতে	পারা

THE PARTY NAME OF THE PARTY NA	नुबा तर च नात	401 1	100	न्य विवर्शका	नुसंन्द्र श्रम	484.5	1767
मृष्टि		-	-	অপ্ৰাহ শুনিবান মানুহয়ে কাৰ সম্পূৰ্তে	৩-আলে ইমরান		
ত্বনত (অপরাধীদের দৃষ্টি অবনত হতে, কিরামতে)	৬৮-কুলোম	80	399	অক্সাহ দৃটিবান (কর্ম মানুহের কর্ম সম্পর্কে অক্সাহ দৃটিবান)	77- <u>Zel</u>	224	
সংগত (কিয়ামতের দিন করের কারো দারী অবনত হবে)	৭৯-নাবি'আত	2	2000	প্রতিশালত দট্টিবান (কাভিয়নের উপর)	৮৪-ইনশিকাক	36	3034
আন্তাহ দটি বাংখন তার বাপাদের প্রতি	80-इमिन	88	595	প্ৰতিশাসক বান্যানের সম্পর্কে পূর্ব অবগত ও পূর্ব দক্ষিবান	১৭-ইসরা	00	93/8
ক্রিট বৃত্তি বাট্নের তার বাবে বেলিন ক্রেট্রের জ্ব	५८-मृत	99	442	मृष्ठि (कुथ)	10.10	-	100
				পুন্ত (বুখ) পিরবাদৃষ্ট নিজি হার কন অইনের প্রতি, ইউস্ফ প্রদস্ত	১২-ইউসুড	-	
বাহিৰকে তীক্স লুটী কৰা কলুল স. তে প্ৰচান কেলাম উপক্ৰম হত্যা	৬৮-কুলাম	67	266		24-4034	9	699
পশ্চিমদের পৃথিতে পদিরে দেয়া হরেরছিল বুফিনদের সংখ্যা	৮-মানকল	88	900	দৃষ্টিপত্তি		_	_
গোপন দৃষ্টিতে তানাবে নালিমরা (বিরামতে)	৪২-শুরা	84	795	কৃতভাষা প্রকাশের করে মানুষকে দৃষ্টিশক্তি/প্রকাশক্ত/জন্তর দান	১৬-নাহ্শ	৭৮	90%
জালিমদের দৃষ্টি নিজেদের দিকে কিরবে না (কিরামতে)	<b>३८-इंब्डारी</b> न	80	694	ব্যেত্র নের (অক্সয় প্রকাপুরীপতি কেন্দ্রে নিয়ে কেউ নিতে পরে ম)	৬-আন্'আম	86	900
নৃহ সম্প্রদায়ের পৃষ্টিতে যারা নিচু তাদের কল্যাণ প্রদক্ত	३३-इन	407	699	বেল্লে লো (বিক্তাভ্রমক ভূমবিকের দৃ <del>ত্তিপতি</del> বেল্লে লোর উপ্যাম প্রা)	২-বাকুৰো	50	600
পরিবর্তন (অপ্তাহ মুপরিবর্তনর অন্তর ও নৃষ্টি পরিবর্তন করবেন)	৬-জন জন	220	909	(यद्भ (नद्य (यक्क्ष्म रेक्स कक्षण प्रनाधिकास मृत्रीनांक (यद्भ निर्दर्भ)	২-ৰাকুৱা	50	600
গ্রহান্থ করা (আল্লাহ দৃষ্টিসমূহকে প্রভাক্ত করেন)	৬-আনু অম	200	900	কেন্দ্র নের (দুর্নীপঞ্জি কেন্দ্রে নেরর উপক্রম হর, বিনুতের কলক)	२८-मृद	80	995
গ্রহাক করা (দৃষ্টিসমূহ আল্লাহকে প্রক্রাক করতে পারেলা)	৬-আন আম	300	600	প্রথব (বিরাহতে পৃত্তিপঞ্জি প্রথম হতে, উদাসীন ব্যক্তির)	१०-वृष्ट	22	240
কিবিরে দেরা হবে বখন আরকবাদীদের দৃষ্টি (আগুলের)	৭-আর্ছ	84	659	কিবে পারেন (পিতা দৃষ্টিপতি কিবে পারেন)	३२-विकेश्य	9.0	99.5
ফিরিরে দা দেওরা, দৃষ্টি (আল্লাহতে সম্ভাইকারীদের থেকে)	72-9150	26	926	ফিবে পেল দৃষ্টিপতি (পিতা ইয়াকুব)	১২-ইউস্ফ	9.9	8578
ফিরে আসংব (দৃষ্টি নত ও ক্লান্ত বরে ভিরে আসংব)	৬৭-রগক	8	392	যানানো (অল্লাহ বানিয়েছেন দৃষ্টিপঞ্চি)	৬৭-মুল্ক	২৩	390
বহিব দৃষ্টিতে দিল্ল প্রেদীর গোকরাই নুহ আএর অনুসারী ছিল	33- <b>व्</b> न	39	600	মানুহত্ত পৃত্তিপত্তি_ও অন্তর দান (কৃতক্ষতা প্রকাশের জন্য)	১৬-মাহল	96	903
যার বার দৃষ্টি ক্ষিরালেও সৃষ্টিতে কোন ভাঙ্গন দেখা যাবে না			245	মালিক (পৃত্তিপঞ্জির মালিক কেং মুপরিকানের কাছে নবির প্রপ্র)	১০-ইউনুস	40	629
	৩৭-মূল্ড	8		ক্ষেণ (পৃত্তিপতি কোণ করে দিয়ান সম্প্রাহ, পূত সংগ্রাপ্তরে)	৫৪-কামার	109	hoy
বিচ্যুক্ত (দৃষ্টিবিচ্যুক্তি ঘটোনি স্নাপুল স. এর)	१०-माक्स	24	305	দঙ্কিশভিসম্পন্ন		i.	1.00
বিচ্নত (জয়নুসীয়া দৃষ্টি নিচ্নত মনে কবনে মুদিনদেবকে বা দেখে)	৩৮-সেরাদ	60	1499	দৃষ্টিবীন ও দৃষ্টিবভিসম্পদ্ধ ব্যক্তির উপমা প্রসঙ্	11 707		
বিচ্যুত (গলক যুদ্ধে মুমিনদের দৃষ্টি বিচ্যুত হওয়া প্রসঙ্গ)	৩০-জাহ্যাৰ	20	300	পরকার জন্য মানুহতে দৃষ্টিপঞ্জিসম্পন্ন বাননো হয়েছে	22-छून	₹8	961
মু'মিননের দৃষ্টিতে কম দেখাছিল কাফিবদের সংখ্যা	৮-জানফাপ	88	606		१७-माद्व	2	254
শিক্ষা (দৃষ্টিসম্পন্নদের জন্য শিক্ষা রয়েছে, বদরের যুক্তে)	৩-জালে ইমারন	30	৫৩৭	মানুহতে দৃষ্টিপতিসম্পন্ন বাদানো হয়েছে (পরীক্ষার কন্য)	৭৬-পাব্র	2	996
শিক্ষা গ্রহণের আহ্বান (অন্তর-দৃষ্টিসম্পন্ননের প্রতি)	42-5244	2	966	দৃষ্টিসম্পন্ন			_
শিক্ষা রয়েছে পৃষ্টিসম্পদ্ধনের জন্য (রাভ দিনের পরিবর্তনে)	₹8-7	88	995	দৃষ্টিইন (দৃষ্টপতিনাম্প্রকে নিয়ামতে দৃষ্টিইন করম কমে মিজান)	২০-জ্ব-হা	256	985
দংহত (পৃষ্টি দংহত রাধ্যে মুম্মিন পুরুষরা)	38-70	00	996	গৃত্তীবীৰ ও বৃত্তীসম্পদ্ৰ সমাৰ নৱ	১৩-রাদ	3/9	69/3
সংহত (পৃষ্টি সংহত রাধ্বে মু'মিন নারীরা)	<b>₹8</b> 97	42	999	বন্দা (ইৰৱাহীৰ, ইমহাক জাও ইয়াকুৰ)	৩৮-সোলদ	86	9,99
সংঘটিত (পৃষ্টি সংঘটিত করা হয়েছে, অপরাধিরা কাচে)	10-599	36	554	इवसेंग्र मुक्रियण्डा रत (शतकाना श्रावाना प्यर्ग कारण)	৭-আ'রফ	507	907
দৃষ্টি উল্লোচনকারী			$\vdash$	শিকা গ্রহণের আহ্বান (অন্তর-দৃষ্টিসম্পন্নদের প্রতি)	৫৮-হাপর	4	956
গতাবর্জনারী বাদার ক্ষণ পৃষ্টি উল্লোচনারীরলে কৃতিতে	१०-इस्ट	ъ	343	শিক্ষা ব্যৱহে দৃষ্টিসম্পন্নসের জন্য (রাত দিনের পরিবর্তনে)	२८-मृह	88	115
	Zo.fre	-	377	শিকা (দৃষ্টিসম্পন্নদের জন্য শিকা বয়েছে, বদরের যুছে)	৩-আলে ইমরান	30	409
দৃষ্টিপোচর করা (আরো দেখুন গোচরিত্বত করা শব্দটি)				সমান নর (গৃটি সম্পন্ন ও দৃটিইন সমান না হওরা প্রদর)	৬-আন্'আম	¢0	600
অপরবিদের শরস্পরতে দৃষ্টিলোচর করনের হতে (বিলাহতে)	৭০-মাজারক	22	99/2	সমান নর (গরিহীন ও দ্যানিসম্পদ্ধ সমান নর)	80-मॉमिन	20	byro
দৃষ্টি নিৰিট হওয়া				দৃষ্টিহীন (আরো দেখুন অছ শব্দটি)			
পিতার দৃষ্টি নিবিষ্ট করার চেষ্টা (ইউসুফরে কুরার ফেপে)	১২-ইউসুফ	>	699	অপপ্রতিমধ দৃষ্টিইন করে সমাকত করার দিন (বিশ্বামতের দিন)	২০-ড়া-হা	205	989
দঙ্গিবান				উপরা (দৃষ্টিহান ও দৃষ্টিশক্তিসম্পন্ন বাক্তির উপয়া প্রসঙ্গ)	३३-इम	48	969
অস্তাহ তার বাধা সম্পর্কে পূর্ব অবণত ও পূর্ব পৃষ্টিবান	৪২-পুরা	રવ	9/20	বিলামতে দুক্তীন অবস্থার উপস্থিত করার কারণ কি?		_	_
অন্তাহ পূৰ্ণ দৃষ্টিবান বান্দানের সম্পর্কে	১৭-ইসরা	99	955	(भृतिनारसङ विश्वामा)	২০-কা-হা	255	98%
অস্তাহ পূৰ্ণ দৃষ্টিবান (বান্দার কৃতকর্ম সম্পর্কে)	৩৫-কাতির	82	bigo	বিজ্ঞানত পূর্বিটিন ভবস্থার সন্দেবত তার (অক্সাধ্য আগা বেবক মুখ বিজ্ঞাস)	30-91-87	248	985
অস্তাহ পূৰ্ণ দৃষ্টিবান (মানুদের কাছের প্রতি)	<b>২-ৰাজ্য</b> ৱ	209	653	সমান নর (পৃত্তিহাঁন ও পৃত্তীসম্পদ্ধ সমান নর)	৪০-মুখিন	Q'V	bisho
আল্লাহ পূর্ব দৃষ্টিবান (বান্দাদের প্রতি)	৩-জলে ইমরন	34	209	সমান নৱ (গৃতিহাঁন ও দৃষ্টিসম্পন্ন সমান নৱ)	১৩-বান		
আপ্রাহ পূর্ণ দৃষ্টিবান (ইকুনীসের কৃতকর্ম সম্পর্কে)	३-सङ्ग्रहा उन्हर्भाग	20	627	সমান নর (পুটবংশ ও পুটবংশপ্র সমান নর) সমান নর (পুট সম্পন্ন ও পুটিব্রীন সমান না ২৩য়া প্রসঙ্গ)		3/0	90.9
আপ্তাহ পূর্ণ দৃষ্টিবান (মানুবের কাজ সম্পর্কে)	र-सहरता र-नाइका	270	630		৬-আন্'আম	ĝo	900
অস্তাহ পূৰ্ব পূজ্যান (মানুহৰম কাজ নালাকে) অস্তাহ পূৰ্ব পূজীবান মানুহ যা করে দে সম্পর্কে	৪১-মুস্সিমাত	80	620	দেখতে চাওয়া বাহ্যিকস্থীতে দেখতে চাবে জন্ত্রতিবান্তি			
				ব্যালবসন্থাতে দেখতে চাবে জন্ত্রাতব্যাক	৩৭-সাত্তাত	28	pusp
আক্লাহ পূৰ্ণ পৃষ্টিবাদ (বান্দানের প্রতি)	৩-জালে ইমবান	20	603	দেশতে পাওয়া			
আল্লাহ পূর্ণ দৃষ্টিবাদ (মানুবের কৃতকর্ম সম্পর্কে)	৬৪-জাগ্যসূদ	1 2	>666	অঞ্চন লেখতে পেল মূল্য আ, তুর পর্বতের পাশে	২৮-কাসাস	435	1,70
অপ্সাহ পূর্ণ দৃষ্টিবান (মানুষের কৃত্তকর্ম সম্পর্কে)	२-सङ्ख	260	607	ইপান্তৰ লেখত চাওয়া (মুখার ইপান্তক লেখতে চায় বিবাস্কিন)	২৮-কাদাস	O'y	322
অন্তহ গৃষ্টিবান (কাফিরদের কান্সের প্রক্তি)	৮-মানকাশ	60	900	উপস্থিত দেখতে পাৰে প্ৰত্যেকেই তার তাল ও মন্দ কাৰ	০-আলে ইমরাণ	00	600
অল্লাহ মানুবের কার্যকলাপ সম্পর্কে পূর্বদৃষ্টিবান	৪৯-হৰুৱাত	75	257	কন্ম (মানুহ বা দেখতে পারনা আল্লাহ ভার কন্ম করেন)	६५-१/कार्	60	200
আল্লাহ মুমিনদের কৃতকর্ম সম্পর্কে পূর্ব দৃষ্টিবান	৩৩-আহবাৰ	ъ	3rd8	বিৱাৰত দেখতে পাওৱা বাবে বনী ইসৱাইশদের মাধে	৫-মারিদা	30	295
অল্লাহ দৃষ্টিবান (সকল বিখনে)	৬৭-মূপক	22	390	দেখতে পাবেন বাসুল স, যাদের ফুবরে রোগ আছে	৫-মারিদা	65	624
আল্লাহ দৃষ্টিবান (মুমিনদের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ দৃষ্টিবান)	৪৮-ফাতহ	28	97/4	দৃত্যুর পূর্বে মৃত্যু কামনা দেখতে পাওয়ার	৩-জলে ইমজন	780	¢85
অস্তাহ দৃষ্টিবান, মুম্মিনদের কান্ধের প্রতি	০-আসে ইমান		665	প্রিবিত লেখতে পাতার (অভ্যেত-ইনজীলে মুহাখান স. এর নাম)	৭-আগ্রাফ	329	659
অল্লাহ দৃষ্টিবান, মানুষের কান্ধের প্রতি	৮-জানকাল	18	900	শান্তি দেখতে পাৰে বছল জালিমতা তথ্য কেমন্	২-বাকার	296	675
অক্সহ পৃষ্টবান (মানুঘের কাজের প্রতি)	२-सङ्ग्रह	200	653	শান্তি দেখতে পাৰে বৰল জালমন্ত্ৰ তথ্য তেমন		200	
वाहार पृष्टियान (शानूरमा प्राप्ता दान) वाहार पृष्टियान (शानूरमा कर्म गण्यत्व)	ব্যসূত্র বস্ত-সাবা	277	182		२-राङ्ग्रहा		679-
	७४-मारा ७०-मूमलादिना			হল্মান লেখ্যত পর কল পাল (কলা বহু প্রেলা কয়লে)	৩০-জম	62	540
		0	305	দেশতে পারা			
আল্লাহ দৃষ্টিবান (মৃমিনরা বা করে লে সম্পর্কে) আল্লাহ দৃষ্টিবান, বনী ইসরাঈলদের কাজের প্রতি	१-मनिमा	93	640	অল্পাহত দেখতে না পায়া (মুগা জা, প্রসঞ্চ)	৭-জা'রাফ	284	696

			দেখা	দেখা	BOOK T.	1279	Filler
শব্দ বিষয়/প্রসঙ্গ	त्वानः धनाम	SEE S	201	**C	न्बानः च नाम		
দেখা/তাকানো				ব্যক্তিরা কতইনা দেখনে (কিরামনের দিন)	১৯-মার্ট্রাম	40	90
হায়দ মাতি কোল ভাবিত্তে লেখছিল (আলা কলহায় কথা)	৫১-বরিরাক	88	329	কাভিবন্দেরকে দেখতে থাকার নির্দেশ (রাসূল স. কে)	৩৭-সাহ্যাত	298	140
নেখা দেয়া				কাভিবলেরকে লেখতে থাকরে নির্দেশ রামূল স. এর গ্রতি	৩৭-সাম্মাত	249	80
মূমর মাথে প্রতিপাদকের দেখা দেয়া প্রসঙ্গ	৭-আগ্রক	180	996	বার্তিবদেরকে দেখা (কিয়ামতে তীক-বিহলে অবস্থার)	৩৪-সাব্য	62	₽8
লেখা/না দেখা/ডেবে দেখা/লক্ষ্য করা			$\overline{}$	কাভিত্তরা অভিরেই লেখনে (কুকরীর ফলাফল)	৩৭-পাৰ্কাড	296	100
জন্প, বিষয় দেখা (ওলীল ইবনে মুগীরা প্রসঙ্গ)	१०-सस्य	02	348	ৰাভিত্তা অভিতেই দেখানে (কুফরীর ফলাফল)	৩৭-সাক্ষাত	249	64
অনুনা) বিষয় দেখা (জনান হবলে মুনারা নানন) অনুনার: করতে দেখা (সম্প্রদারের করের নুহের অনুনারী হতাই)	77- <u>f</u> e	39	969	ব্যক্তিয়ালয়ক দেব প্রেতিপাশাকর দায়ন কমিবদের দাঁয় করানে)	৬-আন্'আম	200	65
জুলান করেও দেখা (গতেনাত্রর ককনা বুক্তা ক্রুলান কনা) মহকারে মুনাফিকরা দেখতে পারনা(মুনাফিকো উপনা)	২-বাকারা	39	600	বাহু দেখা (মানুহ কেমন কাম করে তা আল্লাহ দেখালো)	১০-ইউনুস	28	0
মধ্বন্ধরে দুবাকিকর দেবতে শরণা(ধুনাক্তেন কণনা) মধ্বাধীদের দেবা (শিকলে বাঁবা অবস্থার)	১৪-ইবরাধীম	85	639	কমিবর দেবতে পায় ন প্রেটার ধরা পরিবেটিত হওয়ের )	৩৬-ইয়াপীন	b	b
	02-NBM	75	503	কিয়াং (মানুষ তাঃ কিতাৰ বা আফলামা উনুষ্ঠ দেখতে পাৰে)	১৭-ইস্রা	20	3
অপরাধীদের মাধা নত করতে দেখা (প্রতিপালকের নামনে)				বিয়ামত দেখার নিল মানে হবে একে সকল/সাধ্যা জবস্থান করেছ	৭৯-দাবি'আত	86	30
সপর্ববির দেব ওপ্রবণ করার পর বিশ্বাস করের (বিরামকে)	৩২-সাজ্পা	75	207	বিজ্ঞাত নিবট্ট লেক্সে যথন কভিবত (মুখ্যালে মণিন ছব)	৬৭-মূপক	29	8
মহিৰাসীয়া বেৰত না পুৰিবীতে (আৰিৱাতে অবিশ্বাসী)	३३-दूब	50	663	বিজ্ঞান্তসেরকে দেবা (জিবত/রাচতে ঈমান প্রসঙ্গ)	8-909	45	4
বশ্রসমূপ দেবা (রাস্প স. এর রতি অবতীর্ণ কুরআন জনে	৫-মারিদা	bro.	427	ক্ষিত্র লের ব্যক্তিকর, অন সম্প্রদায়ের বনপ্রদা ক্ষম (ধাসেরপঙ্গ)	৪৬-আত্কার	3.0	>
নানারাদের চোখ)			-	ক্রেল ক্রেন্ডের নারণ দূর করে কিন্য দের (হারণে ও ক্রুক্ত গ্রুপর)	२२-शक	36	9
আন্মাশের পার তেকে পড়তে লেখলে কামির ভাকে মেয় বলে	६५-इव	88	307	কেল্প সেতে লোকেল বাসুল স. কে বেথে ছাট যায়	৬২-জুমু'জ	33	5
বাকাশ তম্ব হাড়াই পৃষ্টি -যা মানুষ দেখতে পার	৩১-পুরুমান	70	৮২৭	চপ্ৰকে উপত হতে দেখে ইংবাইম আ, বাবে প্ৰতিপালক কলা	৬-অপুসাম	99	6
মাকাশ দেখতে পায় মানুখ উচুতে (খুটি ছাড়া)	১০-রা'দ	3	697			17	2
য়াঙন দেখল মূপা	২৮-কাশস	49	230	ভিভিন্নোলগড়ে ছন্তুনে মূচনা মত দেব যাবে (জানুতে পরিকেনবর্তা)	৭৬-পান্তর		
সাঙ্গ দেখা (আহস্তামের আর্ডন)	৫২-সূত্র	26	959	চোথ দিয়ে দেখে না (কাহান্তামী মানুহ ও জিন)	ं-खा,डाक	243	6
স্তব্য দেখা (বৃর পর্বতে মূপর জাকা দেখা, সম্ভাবনো দর্শন প্রদাস)	২৭-নামল	9	9000	নেৰ (মূৰ্তিদেৱ কি মেৰ আছে বা দিয়ে তারা দেৰে १)	৭-আ'রাফ	29/5	8
সঙ্গ দেখা (মুগা আ. কর্তৃক আঙল দেখা, তুর পাহাত্				চোৰের দেখার মুখিনাসরকে দিচণ দেখছিল কাফির দল	০-আদে ইমরান	30	0
মাল্লাহকে নর্শন প্রসঙ্গ)	২০-ল্লা-যা	20	983	হাবুৰ সম্প্ৰাধানেৰ পৰিবাদ দেখা(হড়বছের ফারনে থানে)	২৭-নামশ	42	3
সাভন দেখতে পাৰে অপৱাধীয়া, কিয়ামতের দিন	<b>১৮-বার্ফ</b>	60	935	অলিমদের মৃত্যু যন্ত্রণা দেখা	৬-অন্ আম	9/0	8
অন্তন বৰদ দেখতে পাৰে কিয়ামত অধীকারকারীদেৱকে	২৫-ফুরবান	25	950	বালিমনের তীত-পঞ্চিত দেখা যাবে (কৃতকর্মের কারণে)	৪২-প্র	44	1
অস সম্প্রসারকে দেখা পঠিত খেলুন গছেন গোড়ার মত ধ্যাপায়ী)	७७-वासाव	9	244	অতিমন্ত্রতে দেও (প্রতিশঙ্গতের সামান লক্ষামান কবছার)	৩৪-সাব	47	5
আৰু সম্প্ৰদায়ের কাউকে অৰশিষ্ট না দেখা প্ৰসঙ্গ	५५-वाकार	ъ	244	মালিমানেকে লেখ যাবে (তার কিরে যাওরর পথ খুঁলবে)	৪২-প্র	88	Þ
বার্যাবকে সংকর্মপরায়ণ দেখতে পাছেইউসুকের ভাইরেরা	77-5250	97	00-8	লামা পিহন দিকে হেঁড়া দেখল আখীয (ইউসুফের লামা)	১২-ইউসুফ	47	10
অলে নৌয়তে দেখা যাবে যেপিন (মুখিনচন্দ্ৰ নামচন ও ভালে)	৫৭-হানীস	25	282	बहुद्धाः नीत्ररूपसंबेदे विकेशनारुपत्व बहुद्धान पूरमा गण तान पार	৭৬-দাহুর	7.9	8
আল্লাহতে লখতে না পালা (মূলাকে আল্লাহর বলা)	৭-জারফ	180	998	ছাহান্ত্ৰান (মানুদ অৱশাই জাহন্তান/জাহীন দেখনে)	১০২-ভাকাছুর	٩	13:
व्यक्ताव्यक त्यार का करते हा, व्यक्ति संस्था में, मार्क्स कारक	৩৬-ইয়ানীন	22	262	ৰাহান্ত্ৰাৰ (মানুৰ অবশাই জাহান্ত্ৰাম/জাহীৰ দেশৰে)	১০২-ভাকাহুর	6	31
অস্তাহতে দেখাত পর না মানুন (কবচ ভিনি মানুয়ের নিকটের)	৫৬-ওয়াবিবাহ	316	381	ব্যহান্ত্ৰাম বাদেয়ক দেখাৰ না (কাফিবর যাদেয়ক মন্দ কৰ্মত)	৩৮-দোয়াদ	64	Ъ
	২-বাকুরো	92	609	ভিনয়াইবকে দেখেছেন রাসূব স, স্পট নিগত্তে	৮১-ভাকতীর	30	3
আল্লাহকে প্ৰকাশেত দেখার আবদাব (ম্পার আতির)		60	7%	আদ দেয়া হয়েছে যাদেহকে ভারা জানে যে	৩৪-সাবা	8	16
অল্পার সম্পর্কে মিথাবাদীর চেহার কালো দেখা যাবে (কিয়ানতে)	৩৯-বৃমার			তীব্ৰ আগুন যে লেখৰে যাব জন্য প্ৰকাশ কৰা হবে	৭৯-নাথ আত	-05	120
অপ্তাহ দেখকে। অনুহাত পেশকারীদের কর্মকলাপ	2-51641	38	960	দু'দল পরস্পরকে সেবে মুগার দলের ধরা পড়ার আশহা	২৬-হ'আরা	63	1
অস্তাহ দেশবেন মানুহের জাজ-কর্ম	>-धरेश्वर	206	962	মূর থেকে মুসাকে দেখদিশ ভার বোন	২৮-আলাদ	33	ъ
অপেন্দর্ভিন দেশ প্রতিশালনে পথ মতে অনা অন্যান্দর্ভিনত)	<i>२-वान्</i> वात्र	308	000	ছিল্ল দেবছিল অভিব দল মুমিনদেৱক	৩-মালে ইমরান		0
অপ্তার সেমেরেন (রানুল স. এর হেখারা আন্সালের নিকে নির্যালে)	২-বাসুবো	288	636	পাহেলা আবালে সংক্রমান্ত বিধিয়ে আন যাতিকার লেব প্রসঙ্গ	১৪-ইবরাহীম	3,5	9
অক্সব সেসেন (মনীঅভসরী/মুখনিবালে বাজি কি লানে না:)	90-state.	78	7059.	ৰাতে দেবা (পূৰ্বের জনের সমূদ্ধ প্রকারের বাসে দেবা প্রসঙ্গ)	১-আন্ লাম স্থান	4	1
পান্তাহ সেবেন (মানুধ যা করে)	৫৭-হাদীদ	8	782	গক্ষাকে জন্মতি হতে দেখে ইবরাহীম আ,বলল	P-ath, atx	96	0
স্বান্থ্যাই সেখেন (মূলা, ব্যক্তন ও ফিবঅম্বিন প্রসঙ্গ)	২০-লা-বা	85	980	প্ৰকাশ অৱস্থা হৈছি বৈশ্ব ক্ষেত্ৰ উদ্দেহক (কিয়ান্তে)	৪৫-আছিবা	27	1
प्राम्हाद (मरपंत (ताभून म. मानार्थ मोद्वारम)	५७-७ व्यस	579.	577	ন্তকাৰ বৰ্ত্ব বিশ্ব বাবে এতেও কৰ্মকে (বিভাগতে)		3.00	
সাসহাবে কাহফকে দেখলে ফিছনে ফিরে পলায়ন	১৮-বার্ক	79.	992		२-राकृत्वा		
আংগে কিতাবদের পথমন্তীতা দেখা (রাস্প স. কর্তৃক)	৪-নিগ	88	୯୫୧	দিয়েতে দেখল দে মদ নিয়েক্ত বনাজে (গৃই ফুববের একজন)	১২-ইউসূচ	00	10
ইউসূত আ, দেখলেন যপ্লে	১২-ইউসুক	8	693	নিকান ক্ষেম মান হল ইউনুফাক সামগ্রিকের জন্য কারকছ করকৌ	25-5950	-05	14
ইউসুধ্বের সংকর্ম পরকা দেখতে পাছে (কারাকণী দুই ফুবক)	३२-इंडियुक	06	690	দিলেদ লেক্সক্রেক্সকর্মীর প্রতিটি নির্দান লেক্সাও ইবান আনক্রেন)	্-জা'রাফ	285	
ইউসুখতে সেখে নারীরা ভাতে মহান মনে করল এবং কলে	১২-ইউনুক	92	693	निरालक्षीरक राज्ये (श्रम्भ म. कि नामाक्र निराक्तरिक राज्यास्ता)	১৬-আপাক	9	13
ইবরবীমের দেখা (পিতা ও সম্প্রদারের পথস্রটভা প্রসঙ্গ)	৬-আন্বাস	48	600	নিপুঞ্জিতার মধ্যে দেখাতে পাছে সম্প্রদারের পোরের ছনকে	্-জা'বাঞ্	66	1
উচ্ছান দেখা যাবে না (পর্বভক্তে সমাভল করার পর)	২০-জু-হা	209	989	নিদর্শন দেখলে হুখ ডিভিজে নের (ফাফিরের)	68-4626	1 2	12
৪৯-মাসনে বসে স্বান্নারীর দেখতে থাকবে	৮০-সুরাক্তিক		3033	নিদর্শন দেখা (অধিয়ার প্রতিটি নিদর্শন দেখালাও ঈর্মনা আন্থে না)	৬-জান'জাম	56	4
উন্তম (দেখতে উন্তম ছিল এমন প্ৰজন্ম ঋংগ)	১৯-মারইয়ান	98	90b	নিদর্শন দেখা (পৃথিবীতে ও নিজেক্যে মারে)	१५-पविवाठ	52	Т
and factors and of the part and median.	20 766/04	100	.00	Could need (artifacts reserve Coulds need thereon exce)	AA-STRUCK	1 18	T.

car

নির্দেশন কেরা (অভিনয় অস্তাহর নির্দেশন সেবে উপায়স করে)

নঃ জা তার সম্প্রদায়কে কেবলেন এক অঞ্চ সম্প্রদায়

নেশাহান্তের মত দেখা যাবে মানুয়কে (বিনামকের দিন)

নৌবাদ সৈয়ন্তের বুক ডিয়ে নৌধান চলালে করতে দেখা

নোধান চলতে লেখে মান্য (সমানের ব্রকে)

লোমত দেবা (কাল্ডতে অনহাস্ট লোমত ও বিশাল বান্ধ্য দেবা যাবে)

লামত লেখা যানুহতা প্রতি অক্সার প্রকাশ্য-অগ্রকশ্য নেরমত...)

≎^-সাত্তাত 38 804

23 999

bbb

444

926

b89

908

55-**2**9

৭৬-পাহর

৩১-লুকমান

২২-হাজ

००-कास्ति

SHATTER

38

৫৭-হানীৰ 30 300

২৬-হ'আর

६३-द्वार Cb. Mrn

৬-আন' অম

৮-জানকাল 85

bo-मुसक्कियीन

উট্লিখ অভিয়ো হললে দেখা যাওয়ার মত দুলিবার জীবলের উপমা

উজল্য (নেয়মতের উজল্য মল্লাউটার মুন্দার্যন দেবা যান)

কবিদেৱকে দিশেহারা হয়ে উপত্যকার দুবে কেয়তে দেখ

কাভিবদেরকে আছনের সামনে নাড় করানো অবস্থার দেখ

কাচিত্রে হা সেখে না তা শক্ততান দেখে (বন্দ্রযুদ্ধ প্রসূত্র)

ক্ষতিবা ডি সেগে না (সম্প্রাহ তালের বর্মীন সংস্কৃতিত করে আন্যাহ

কসম(মানুষ যা দেখতে পার আপ্রাহ তার কসম করেন)

পথ দেশত না অপরাধীরা (ক্লাব নিম্মাত করে দিলে আল্লাহ)	৩৬-ইরাসীন	66	500	মানুয় দেখে না প্রায়েনকে	৭-জা'বাফ	29	630
পথত্তিতার দেখতে পাছে নৃহকে তার সম্প্রধার	৭-আ'রাফ	60	425	মানুষ দেখে (ফসল খবিতে হলদে হয়, এরপর)	৩৯-বুমার	25	7.70
পথন্তই হতে দেখে মূদার সম্প্রদায়ের ক্ষমা ও দল্লা কামনা	৭-আ'রাফ	185	696	মানুষ চেবে দেখেছে কি জেল্লাহ দিনকে জন্ধবীৰ কবলে কে		广	<b>—</b>
পৰিক্ৰমানমাৰীচনকে লেখা (যানা নিচেচনক্ৰক পৰিত্ৰ আগে)	8-निमा	85	000	বিপ্রাদের ক্ষন্য আবভ)	২৮-আসাস	35	P.78
পৰিয়াৰ বেছদা কল্পত দেখা (আন্তৰ্ণ পৃথিবীৰ সংক্ষিত্ৰকে)	₹8.99	82	992	মাণ্ডলানবাসীয়া ও'আইবকে দূৰ্বল দেখতে পায়	>>-34	33	698
পরিবাম দেখা (পৃথিবীতে অপরাধীনের পরিবাম দেখার নির্দেশ)	২৭-বাহল	69	bob	মানুখকে নেশাহজের মাড দেখা যাবে (কিয়ামান্তর দিন)	২২-হাজ	3	925
পরিশাম দেখা (সতর্ককত/নুহ আ,সম্প্রদায় প্রসঙ্গ)	২০-ইউনুস	90	669	মানুধ কি দেকেনা যে জাল্লাছ জাকাশ থেকে পানি বৰ্জন কলেন?	৩৯-যুমার	43	590
পরিবাম দেবা (জালিমদের পরিবাম, ভিরাজাউন প্রসঞ্চ)	২৮-বংগাস	80	9-22	মানুল বি লেকেবাং (বৃটি নর্ফা ও ফলমুল উপেন্ধ করেন অস্ক্রাহ)	<b>७</b> ७-सस्दिद	39	b86
পরিবাদ লেও (ফিডাব্ডেক মিখ্যাসভিহিতকারীর পরিবাদ প্রসঙ্গ)	৪৩-মুখক্ষ	2.0	1993	মানুছ কি মনে করে, কেউ তাকে দেখেনি?	৯০-বালান	9	300
পর্বতকে নিচল লেখা(কিয়ামতে পর্বত লেখান হুংলা প্রসঙ্গ)	২৭-নামল	by	804	ভূলভিকনের দেখলে আদের শারীরিক গঠন রাসুল স. কে		-	
পাবি দেখা (মহাপুদ্যে নিৰ্দেশবীন উভঙ্ক পাখিলের দেখা)	১৬-লাব্দ	23	909	চমাংকত করত	५०-मुनायिक्न	8	998
পাপ নাজে ধাৰিত হয়ে দেখা যাবে আনেহতে যাৱা কুমনি গোপন	৫-মাছিদা	64	200	ফুৰবিন্দ্ৰসেৱত তাৰ জীতিৰ সমৰ লেৰ(কৰুণ অবহা প্ৰদাস)	৩৩-সাহ্যাৰ	39	5006
পূর্ববর্তীদের পরিণাম দেখা (পৃথিবী ভ্রমণ করে)	৪০-মুমিন	24	pre	মুন্যবিব্যানহকে অহমার করে মুখ বিবাহত দেখা (ক্ষমা প্রচর্কন প্রদর)	৬৩-মুলঞ্চিকুল	ę	366
পৃথিবীকে উন্যুক্তরূপে দেখা (বিরাম্বকের দিন )	79-4054	89	450	মুনাকিকদেরকে কেট দেবে কি না (পরস্পরকে ভিজ্ঞানা)	৯-ডাওবা	329	420
প্রতিশালককে না নেখেও কর করে (মুবার্কীরা)	২১-অধিয়া	85	900	মুদ্দবিকরা বি গেবে না যে আগেরকে পরীক্ষার ফেশ হর	৯-ফাওবা	259	620
প্রতিশালকতে দেখার দাবী (মুপরিকসের)	২৫-পুরকান	52	95/8	মুখিনদেৱকে দেবতে পাবে ক্ষতু ও সিঞ্চনাবনত অবস্থায়	৪৮-ফাড্হ	45	279
পথনার দেবতে পাজে নারীরা (আর্যায়ের ব্রীকে)	১২-ইউসুক	100	693	মু'মিনলেকে দেবে অপরাধীরা বদকো- এরাই পথমট	১৩-মুমার্কার্কন		202
হাতিহাতি দেখতে পাবে যথন পথন্তবা	১৯-মাবইরাম	198	900	ইনিনাগ দেখতে থাগনে কচিবালেকে (উচ্চ আসচা বঢ়া)	৮৩-इसक्विकैन		202
গ্রতিশালকের আরবণ দেখা (হাতীওয়ালার লখে)	১০৫-জীল	3	2000	ভূমিনর দেবতে পার্চন (ক্ষাইচের মুদ্ধে অবতীর্ন বহিনীকে)	৯-ফাওয়	36	683
গুৰুষ দেখা (ইউনুক আ, যদি প্ৰতিপাদকের প্ৰমাণ না লেকত কৰে)	১২-ইউসুক	₹8	6%	হুমিনর কের্ডেন এমন বাহনী দিরে রাসুন স. কে সাহায় (হিমবানবাসে)	১-ফাল্য	80	886
ফিরআউন বংশকে নিমক্ষিত হতে দেখা	२-वाकावा	40	dop	মূৰ্যবিৰুৱা দেখৰে কে বিকাজ্যান্ত	৬৮-রাপাম	2	399
কিব'অন্তিক্তালীর দেব (নিগরে কিব'আইনের রাজতু প্রদেষ)	80-पुर्वक्रक	42	1799	মুশতিকর দেখেলা (যদিও ভারা রাঙ্গুল স্, এর দিকে ভাকর)	১০-ইউন্স	80	969
ফেরেশভাদেরকে দেখনে যখন অপরাধীরা (কিয়ামকের দিন)	२०-पुन्दकान	23	97-8	মুদার ইগাহতে দেখার ইছে৷ কলে ভিরুজাউন	৪০-মুখন	09	200
ক্ষেত্রেশভাচনত্ত্ব দেখা (আরশ দিয়ে আল্লাহর প্রশাসা করছে)	৩৯-যুমার	92	233	মুদার সম্প্রদায়ের দেখা (বাছুর পুরুর অসারতা প্রসঙ্গ)	J-081,510.	385	950
যাগান্সরিকীয়ের পরিশ্বর নেঝ(ধিরস্কাউন্/সম্প্রনার প্রসম)	২৭-নমেপ	28	(ord	মেহমানসেরকে (কেরেশভাসের) দেখা যে মাদের হাত			_
ব্যাফা দেবা যাবে না (পর্বভবে সমতক করার পর)	20-97-27	309	989	থাবারের দিকে পৌছে না	३३-इन	90	594
ধনী ইসহাইলের প্রধাননেরকে লেখা	६-वाकुरता -	485	455	দেব আগতে দেব, উপভাবার নিতে (আন জাতির শন্তি প্রদাস)	৪৬-আহমত	48	270
বনী ইসরাইল্যানতে দেখা (খর হাত বের হার যেতে)	२-वाकृतता -	180	232	মেঘ পরিচাপনা পুঞ্জীত্বত করা ও বৃষ্টি বর্ষণ দেখার আহ্বান	<b>₹8-7</b> 4	80	996
ক্ষেত্র করতে দেখা (কাফিবদের সাথে বনী ইসরাইকের)	৫-মারিসা	tro	250	যমীনকে মূপনিকলের জন্য সংকৃতিত করতে দেখা	২১-আপিয়া	88	925
বছুতু করার বিষয় তেবে দেখা	৫৮-মুজানালা	38	200	বাধরা (দেকেজন জানুর কাছে যাধরা, কুরজন প্রসঙ্গ)	২১-জাখিয়া	٠	980
বাছুরের অক্ষমতার বিষয়ে মূলার সম্প্রদায়ের দেখা	২০-ছা-ব্য	b/b	385	মুদ্ধ বেকে অবলপ প্রার্থনাকরিচনাকে দেখা (মুদ্ধ ফরন হবল প্রকাশ প্র	8-शिश	99	266
বালী ন দেব (বলতে অস্তাহ এমন বালী পঠান যা মুক্তিনান দেবলি)	৩৩-মোহনার	>	p-08	যে দেশে না যায় উপাদনা সম্পর্কে ইংরাইখ ছো পিজকে কাল	১৯-মাবইরাম	84	906
वाशांन (अवह यवन वाशांन(वाहावा	৬৮-কুলোম	30	249	রাসূল ল, কি দেখেছেন (নামাকে নিমেধকারীকে)	৯৬-জালাক	8	2031
विश्व विकास तथा तथा विश्वविद्यात सम्मान क्षमान कदात द्वार	8-PRI	6	200	বাসুলা স. কি নেখেনিক (আন জাতির সাথে প্রতিপালকের আচরণ)	5-3-WW	0	203
বিয়ার দিনের অখীবারকারীকে কি বানুল স. সেখেছেন ৮	১০৭-মাউল	3	2008	রাসুল নেবেছেন কিঃ (ভাকে যে মুখ কিরিয়ে নের)	do-Field	00	208
বিনীত দেখা (গাহাড়কে বিনীত দেখা যেত, আল্লাহর তবে)	৫৯-বাশর	43	2000	রাজ্য দেব (জানুহতে ভাকালেই নেরামত ও নিশাল রাজ্য দেব যাবে)	৭১-মাধ্য	30	220
বিতৰ্ক দেখা(মানুষ আন ছাড়াই সাপ্তাৰ সময়ে বিভাগ করে)	৩১-পুকমান	30	244	রামা বপ্রে বেখল, নারটি যোটাভামা গাড়ী	১২-ইউসুক	80	66.3
বিতৰ্কনাবীয়া লেখতে পথ্যছ (অসমতে মৃত্যুধা নিকে অভিয়ে)	৮-জানফাল	8	902	রাসূল স. যা দেখেছেন তা নিয়ে বিতর্ক (মিরাজ প্রসঙ্গ)	৫০-নাজন	34	300
বৃষ্টি বের হতে দেখা বার মেঘ থেকে	५8-गृब	80	999	রাসূল স, থা দেকেছেল (ফার অন্তর থা মিখ্যা বলেনি)	<b>00-गम</b> म	33	3:04
বৃত্তি দেখা (মেদ থেকে বৃত্তি বের হয়ে জাসতে দেখা যায়)	00-9X	87	110	রাসুল স. দেখাতেন যদি কাহিবদের মুখ্যু ঘটার যথন ফেরেশভার	৮-আনকাল	40	609
বাংলা লেখে লোকেরা রানুল ন, কে রেখে ছুটে যায়	७२-सुनु जा	22	990	বাসুগ স, সেখাবন কে বিবচপ্রাপ্ত	৬৮-কুলাম	4	390
জ্বধনি দেবা (মুগর মাতি অস্ত্রাহ্রক দেখতে ভাততা প্রগন্ধ)	२-राज्या	99	200	বাসৃদ্য স. দেশেছিলেন (প্রতিপালকের বড় বড় বিডু নিদর্শন)	৫৩-নাজম	30	200
তঃ (আল্লাহকে না দেখেও তয় করা প্রসঙ্গ)	०-माविमा			অনুন স. ৬য় দেখা (আয়ত সদক্ষে অনর্থক কথায় দিয়া দেখা প্রসঙ্গ)	৬-আপু আম	69	804
অন্তর্ভাবন লেখার কলা ইউনুফ, নীয়েরে সে পরিমাপ পূর্ণ করে নেয়	১২-ইউসূত্	38	930	রাদৃগ দ, এর দেখা (আহলে কিতাবদের ঈমান জানা প্রসঙ্গ)	8-first	60	268
		69	69-5	स्रमृत ग. धर तन्त्र (पुनरिक्त स्रमूत भ. ८० दिएका करा शुभन)	8-PPT	93	268
ভাগ কৰে অপু পৰিমাণ কৰলেও কিৱামতে মানুষ তা দেখাত পাৰে	১৯-বিশ্ববাল	٩	7000	রানুল স, অনরে ব্যবিপ্রজনের দেখতে পোলন মৃত্যুতরে তীত	৪৭-মুহ্যখান	40	200
ভাষন দেখতে পাধনা বাবে না (আল্লাহর সৃষ্টিতে)	<i>০৭-মুব্</i> ক	0	39૨	রাপুল স. কে লেখতে বলছেন আল্লাহ ডালেরকে বারা	৫৮-মুজাদালা	40	950
মত দেৰা যাবে অপরাবিদেরকে ( জামলনামা পেশ করার পর)	79-এরেন	85	455	থাপুল ল. কে দেখাতে বলছেন আল্লাহ (ভালিমদের উপন্য)	२१-पृतकान	9.	954
चून १९४ तन्त्राम् व प्रस्तवाकावीचा चारक १९४ विभारत शहन करत	৭-আগ্রাঞ	186	950	থাসুল স. কে লেখতে থলা (আরাত অবিশ্বাসকারীকে)	25-मावदेशम 25-मावदेशम	99	909
ভ্মিকে তক্ষে দেখা(বৃষ্টিতে উত্তিন উদগত হওয়া প্ৰদঙ্গ)	২২-হান্দ	4	925	অসুন স. (ক দেখাতে কর (জানেরেতি আনেরেত কিয়ারের জনে)	৩-মালে ইম্যান	30	409
তেবে দেশকে বলালেন ইনজাহীয় আইসমানিশকে (জনাই প্রসংখ)	৩৭-সাক্ষাত	205	1/62	বাসুগ স. কে দেখাতে কথা আনেত্ৰক বাবা প্ৰসূত্তিক ইপাছ মান	20-Main	80	964
মন্তবাদীর বি সেবে না (নিকৃত্তি বৃত্তি বর্তিত হয়েছিল যাবের উপর)	५७-कुन्नकान	80	960	विकृत में, एक एमचा के का व्यक्तिक वात प्रकृतिक करते वाज विकृत में, एक एमचा केलवाइमात लाग विकास श्रेष्ट्रण वहते (प्रवासमीता)	56-åtatu 56-åtatu	88	990
মন বাজ তথু পরিবাশ করলেও বিয়ামতে মানুহা হা কেবকে পারে	১৯-বিল্যাল	br	2000	রাসুল ন: কে দেখে কাজিররা উপহাস হিসাবে প্রহণ করে	२५-जारिश	82	983
वर्षान न तान (नाधार: बस्तार वेश्व नदार प्रदेश तान न अध्यक्त)	22-89	39	244	anger of the contract and an add to the date and	KA-MINERI	v0	784

দেখা

দেখা/না দেখা/ডেবে দেখা/লঞ্চা করা

মনুমে দেখ উলি (বীৰ্য থেকে আৰু অপ্তাহ নটি ওয়েলো)

মানুষকে দলে দলে আল্লাহর দ্বীনে প্রবেশ করতে দেখা,

মানষ কি কেন্দ্ৰে নাঃ

न्यातर क सम प्रवास पूर्व 29- Makaun 59 405

30 300

9.00

১৯-মার্ট্যাম

৭৯-দাবর 30 356

২৮-কাসাস

৩১-ইয়াসীন 11

১১০-শাসর

SP-SEPER

(देश न तन्त्रा क्यांक्रिय क्यांक (दोन च टाउट नीच तन्त्रत न)

লাঠিকে দেখতে পেল মুখা আ, দাপের মত ছুটোছুটি করতে

वंत्रण ग. (व (यहा हरका प्रोडांन (क्विप्रयान निकी भारतन ट्राल. )

রসুল স. জিবরাইলাকে আরকবার দেকেন্ট্রিনন (নিনার্ক্তল ফুনতাহায়) | ৫০-শাক্ষম

			(44)	VISI			÷
শব্দ বিষয়/প্রসঞ্	न्द्रां नर ७ नाम	-		भ <b>भ</b> रिवा/दश्	उद्यक्त ह गर		न्हा
(भवा/भा (मवा/कार प्रभा/मका कहा (पूर्व पृक्त (बार))				কবিবর বেখির দিভে চার এফা বর্তিকে যে সংগণ লেয়	৩৪-সাবা	٩	282
লঠিকে সাপের মত ক্রেটাব্রুটী করতে দেবে মুগার পিছন দিকে পালাল	২৭-নামশ	20	9000	লেবভালের জনসানুক্ষমতা থাবলে আ লেখাতে কলা (মুপরিবলেম)	8५-जास्कर	8	рор
পুত সম্প্রদার কর্তৃক লেখে-খনে স্মন্ত্রীল কান্ধ করা	২৭-নামল	28	80%	দেখানে (মানুদের অনুধাবনের জন্য আপ্রাহ নিদর্শন দেখান)	২-বাকুরা	90	\$0b
শত্ত দল দেখে মুমিনবের ঈমান/আনুগত্য বৃদ্ধি (গলতে)	৩৩-আহমার	44	304	নিদর্শন দেখিয়ে থাকেন আল্লাহ মানুষকে	৪০-মূমিন	3-3	994
শয়তান ও তার নপ কেবে মানুষদেরকে	৭-আরফ	29	936	निवर्गनवर्तन (त्रबान् (ज्ब्बान् निवानम्बर जेर निवर्गनवर्तन (त्रबंदन)	৪১-কুস্সিলাভ	40	3,90
শপ্রভান লেখে যা কাফিররা দেখে না (বদরযুদ্ধ প্রসঙ্গ)	৮-আনকাল	87	606	निवर्नन (क्थारना (क्षित्रकांडेनर्टक मृत्रा चा, वर्ष्ट्व )	৭৯-বাধি আত	50	8004
শরীকর দেবে না (যদিও তাকিয়ে থাকে)	৭-আ'রাক	299	603	নিক্তান ক্ষেত্ৰতাৰ বিষয়ে অন্তাহকে ভাৱাবাভি কথাৰ না কৰা	২১-আখিয়া	09	902
শরীবনের দেশে মুশরিক বিয়ামতে কণকে, তামি একেই ভাকতাম:	১৬-লব্দ	br6	930	দিলানি লেকারে (জন্মার মানুদকে শীমই নিলানি দেবাকো)	২৭-শমল	90	Por
পরীকদেরতে রাসুল স. এর দিকে তাকিয়ে গাকতে দেখা	৭-আ'রাফ	729.	803	দিল্লম-জনুন পেছিল দেলৰ প্ৰাৰ্থনা (ইংৱাইম আ.ও ইসমাধ্যপত্ৰ)	২-বাকুলো	184	678
শন্য থেতে মানুষ ও পতর থাকা গ্রহণ সম্পর্কে তেবে দেখা	৩২-সাজুলা	39	500	নিবৰ্ণনাৰলি দেখাগো(সমুশ্ৰে নৌমানের চলাচল প্ৰদৰ)	৩১-লুকমান	0)	549
শত্তি দেখা (মানিম শত্তি দেখার শর আ হালকা করা/	Oder-link-li		700	নিদর্শন অপ্নাহ দেবিয়েছেন বিদ্যান্তা উলকে (পূর্ববর্তীর চেবে বড়)	80-पुश्रंक्ष	87/	464
	১৬-নাহল	110	120	পথ্যট্টকারীদেয়কে দেখিছে সেরার ছল্য কাফিবদের প্রার্থনা	৪১-কুন্সিবাত	4,5	yyy
অবকাশ সেরা হবে না)	৭০-মা'অবিজ	9	29.7	পৰ দেখানো (বাছুর পথ দেখাকে পারে না)	৭-আগ্রাফ	781-	646
পত্ৰি দেৰ (অপ্তাহ কবিবদের শক্তিকে নিকটবৰী দেৰতে পাত্ৰনে)				পৰ দেখানো (আল্লাহ, রাকুলগরকে)	১৪-ইবরাহীম	25	648
শান্তি দেখার পর জালিমরা কিরে যাওয়ার পথ পুঁজবে	৪২-শ্রা	88	3,945	প্রপান বিশ্বনার বিশ্	3-26,81A	286	640
শব্বি দেখার পর মুদরিকরা জানতে গারবে কে পথজন্ত	২৫-যুৱকান	84	42.5		২০-মুখিনুদ	300	993
শব্বি দেখে মালিমরা অনুমাণ গোপন করবে	১০-ইউনুস	68	9639	প্রতিক্রত শান্তি যদি দেখান প্রতিপালক (য়নূল ন. কে)	২০-রুমিনূন	h¢.	992
শক্তি না দেখা পর্যন্ত বিদ্যাসভিন ও তার পারিকালা সিমান আনহতনা	১০-ইউনুস	77	662	প্রতিপতি লেখনে (পরিবার্পনিক্রির মূলান, তে লেখকে অপ্রাহণকর)	২৩-র মধূন ৫৩-নাজম	80	
পঞ্জি না দেখা পর্বস্ত ঈমান আনবে না (নিদর্শন আসলেও)	১০-ইউনুস	28	660	প্ৰচেটা লেখানে (মনুমো প্ৰচেটা লেখানে থাকে হাব, বিয়ামতে)			988
শক্তিকে দূরে দেখছে কফিররা (অবধারিত শক্তিকে)	৭০-মা'দ্বাবিজ	6	23.7	ক্ষিরজাউনকে আল্লাহর নিমর্শন দেখানো হয়েছিল	২০-ড়া-স্থ	66	
শিকলে বাধা অবস্থার অপরাধীদের দেখা বাবে(কিরামতে)	<b>38-देखारीय</b>	82	659	ফিল্লেটনতে দেখতে মইলেন অস্তাহ (বা খালে অশব্দ ইপ)	২৮-লস্মস	Ġ	pop
শীত না লেখা (মান্তানীয়া মান্তাতে বৌদ্র ওংগ্রেক শীত লেখাং না)	৭৬-পাহর	30	224	বিদ্যুৎ দেখানো আল্লাহর নিদর্শন	00-8X	48	950
ও'আইব আ.দেখছেন (মানইয়ানবাসীকে সম্পদশালীওপে)	33-वृत	78	690	বিজয় দেখানের পরেও (নির্দেশ অমান্য করদ মুমিনরা)	৩-আলে ইমরান	245	220
সঙ্গীকে দেব (অমির সঙ্গীকে <b>প</b> র্য়োভির তীর আছনে দেখতে পাখে)	৩৭-সাঞ্জাভ	ee	P42	विक्रमी (मदाना (प्रद्वार विक्रमी (मदान मनुष्यत, घर ७ प्रामाश्वर))	30-8fF	34	69/9
সহিত্যপথ দেখালও অপ্তবেদকারীর আকে পথ হিসাবে একা অক্র	৭-জা'রাক	186	698	ব্যবসা দেখালো (মুমিনাসক্তক এমন কাবসা দেখিবে দেৱা যা)	97-आर्क	30	360
সম্প্রদান দেকৌ যা সামীর দেকেলে (জনার্নালের পর্যাহর-প্রসাল)	২০-তা-য	≥6	989	মানুষকে দেখানো (মুনাকিকের নামাৰ্থ প্রপঞ্চ)	৪-নিসা	185	999
সাধার বানীর দেখা সলাইমানের আছে উপায়র প্রেরণ প্রদান)	২৭-নামণ	00	405	মানুদ্ধকে দেখানোর জন্য সম্পদ বার করার পরিবাম	8-निश	40	665
স্বায় বুনী সুৰ্যালয়েন অধিকানিক প্ৰাণান্ত সেনে জনাপা তেনজিন	২৭-নামল	88	900	মানুদ্ধক দেখিবছেন অস্তাহ দু'টি পথ	৯০-বাদাদ	30	2050
সামী এমানিমু দেকের যা করা বেকে (জনানিমা পর্যান)	२०-झ-श	36	989	মনুদ্ৰকে বানে কাৰ দেখানে বান (বিশ্বামকে মনুষ বিচক বংগ্ৰা)	৯৯-বিল্যাল	8	2000
সুপাইমান আ, সাধার প্রতীর সিংগ্রাসনকে নিজের আছে লেক্স	২৭-নামশ	80	bod	মূলর বেচনর দেখিরে দের (শিচ মূলর অঞ্চপর্যানে কর গ্র)	২০-ফুা-হ্য	80	980
সুলাইমান আ, কর্তৃক হুদহুদ পাৰির বক্তব্যের সভা-মিখ্যা		-		মুসাকে অল্লাহর বড় বড় নিল্পন লেখানো প্রস্থ	२०-दृर-श	২৩	983
যাচাই করে দেশা	২৭-নামদ	29	9.05	মৃতকে জীবিত করার পদ্ধতি দেখানো (ইগরাহীম আ.প্রসঙ্গ)	২-বাকুারা	260	607
সুপারিশকারীলের না দেখা (কিরামকে মুখরিকলের প্রান্ত)	৬-জান্জাম	28	bot	মৃত্যুর বিয়াটী লেখিত দিল মানির গোকা (সুপাইমানের মৃত্যু)	ত৪-সাবা	78	184
সুলাইমানের দেখা(আকৃতি পরিবর্তনের পর সাবার রানী				রাসুদা ন. কে আপ্লাহর নির্দেশ দেখালোর জন্য ভ্রমণ করালে	১৭-ইসরা	>	918
সিংহাসন চেনে বিনা)	২৭-শ্ৰমণ	82	300	রাজুল সং তে যে সাম্র লেখানে হয়েছে তা মধ্যুকো পরীক্ষার জনা	১৭-ইসরা	90	923
সূৰ্যতে তেও বেডে দেৰা গুমুর মান পাশ দিয়ে, যক্ষা মালত হয়	79-stda	29	195	রকুর স. কে অস্তার বেশি করে দেখাকের বর্লি করিবলের সংখ্যা	৮-আনকাল	80	606
সূৰ্যকে উপিত হতে দেখে ইবরাহীম আ:আকে প্রতিশাসক কলনেন	৬-জান'জাম	45	900	ক্ষুল ২, কে লেখিয়া দিকেন অল্পায় চাইলে (ফলমে বাবিচারনেরকে)	৪৭-মুহামাণ	50	258
সন্তিতে অসমতি দেবতে পাওৱা বাবে না	৬৭-ছবৰ	0	298	নাসুল স, তে দেখানো প্রেতিপ্রত শান্তির বিস্কু অংশ)	১৩-রা'দ	80	695
निक्रमादमक (मधन देवेनुक जा. (५ल-नूर्व a वनाव नकवाक)	34-88NP	8	999	রাস্ত্র স, কে যদি দেখানো হয়।(মুশরিকদের শান্তির কিছুটা)	১০-ইউনুস	86	400
স্বাস্থ্য দেখদেন ইবরাহীম- 'ইসমাঈলকে জবাই করছেন'	৩৭-নাক্কাভ	303	MPS	गम्बाहान (सब्दान्छ कार एक्सक जनगढरा (जनम च व्हावह राजन)	৭-আ'রাফ	29	634
যাত্র সেবল পূর্ব মুধ্যার অপরকার (সে মাধার রাটি বছন করছে)	১২-ইউসুফ	96	990	গোক দেখানোর মধ্য সম্পদ ব্যৱের উপমা	२-राजावा	268	403
'श्रुवान'रू निर्माण श्रुम बानदाना रिका कि बानूब (तरब ना :	২৯-আনবার্ড	69	945	শ্যাবাদ্য দেখাৰ (জন্মত শ্যাক্ত কৰুত অধ্যান হ'ব দেখাৰ)	২০-জা-য়	330	981
হুমধ্যে দেব (কী ইন্যালৈ জুৱ গুৰুৱ মান্তমে গণালী হত্যা প্ৰদাস)	२०-इर-श	34	989	শরীকর বি সৃষ্টি করেছে তা দেখাও (ভূপনিবদেয়ক অহবন)	৩৫-জাভির	80	N8N
	১০৫-দীল			শরীকলেয়ক লেকতে কারনে অপ্রায় বিভাগতে (মুশরিকদেয়ক)	৩৪-সাবা	39	980
হাতীওয়ানাদের নাথে প্রতিপাদকের আচরণ দেবা		3	2000			80	600
হাত লেখতে পায় না অক্টমারে (কাথিবলের কাফের উপন্ন:)	२८-गृह	80	1177	যাত্র দেখিকানে অগ্রাহ রাসুল ব. কে (কাফিরালর সংখ্যা অগ্ন)	৮-আনকাল	80	900
চ্নচ্যকে প্ৰথমিন আ কৰ্তৃত লেখকে ন পাতাঃ (পৰিচাৰ পৌতনাস)	২৭-নমল	₹0	507	দেখা (ভেৰে দেখা)		-	
হুদ আ, সম্প্রদায়কে অজ হিসেবে লেখলেন (শান্তি প্রসঙ্গ)	৪৬-মাব্ৰাক	20	970	আক্রপ-পৃথিবীতে যা আছে তা দিয়ে তেনে দেখা	৩৪-সাবা	b	282
দেখানো			1	ভূনজনে মনবিয়াগকরির ব্যাপারে তেনে লেখতে হ্যান যে	৪১-ফুন্সিলাভ	6.5	9,90
অৱ বত্তে দেখিয়েভিদন অপ্তাহ কবিনামের সংখ্য (মুখিনানেকে)	৮-জনকাল	88	606	বীর্ধ বপশ সম্বন্ধে ডেবে দেখার আহরান	৫৬-ওয়কিয়ার্	60	989
আপ্তাহকে প্রকাশ্যভাবে দেখানোর দাবী (বনী ইসরাইলের)	8-निम	360	649	দশ্রদায়কে ডেবে দেখতে বদল হ'আইব	১১-ছুব	44	690
अक्षाद क्षप्र कन करव शृष्टि चन्द्रम या राज्यका प्रारम	৩১-পুকমান	22	354	(দখা (শক্ষা করা)			
पश्चादा (भवाजा १९४ प्रमुगांडा कामानात निर्दाण (वागून ग. ११)	8-50°	300	640	আন্নত নিয়ে বিভৰ্কবারীকে দেখা	৪০-মুমিন	w	p.p.8
অস্ত্রাহ্ মানুধকে নিকর্ণন কেবান	৪০-মুখিন	30	193	ভূপনিকলেতে লক্ষ লে <b>ব</b> , যার কবিদ্য ভাইলেতে বল	৫৯-হাপর	22	959
ইনপ্ৰবীয়কে অকাশ-পৃথিবীর কর্তৃত্ব দেখান (অল্লাহ)	৬-আন'আম	90	600	দেৱী (নারী)			
কর্মসমূহ দেখাবেদ জন্তাহ পরিভাগরপে	২-বাকুবো	369	679.	(मध्य (नावा) अक्षुत्रदा गरिवार्ट नहीं (मधित संस्त, पुगरिक गुगन	8-SPR	339	693
কমিন্ত পরিপতি রাস্ল স. কে ক্যোনো	৪০-মুমিন	33	778				- "
				দেবতা (দেখুন বায়াগ/ওয়াম শব্দটি)	_	-	-
কৰিলকে লেখানে- কিবাৰে কৰু গোপন কৰল প্ৰইটোৱ লেই	৫-মরিদা	02	63.8	अवा/ग अवा			-
কল দেখনে (দেশি মানুৰ বিচন্ড হবে -যতে বাম দেখনো যায়)	১৯-বিপ্রাপ	0	2000	অস্টান্তর দের প্রান্ধ বাদের বৈয়ারের ভাইকে পরিকেন বা ইয়াপুন	25-ছুটুমূর্য	56	600

7			(99)	(HE)			
MW RAINER	祖末6衛	60	100	A CONTRACTOR	Car Talescania	350	
(मश्रा/मा (मश्रा (भर्व भक्त (बदक)	-		-	কিতাৰ দান করেছেন আল্লাহ মুখ্য আ, ও হাকুনকে	৩৭-সাফ্সাড	339	10
प्रशेषक तथा (स्टिशता प्राह्मस्य नाटा करीवात किन गर्यन )	১২-ইউস্ক	thús.	6910	কিতাৰ পেৱা (আহাদ কিতাৰ নারীনেয়ক বিয়ে করা	_		
মনপ্রহ দেয়া (দাউদকে মনপ্রর দিয়েছিলেন আছার)	d8-RM	30	785	पुषिनदस्य क्रमा देश्थ इत्या अग्रह)	৫-মাছিদা	e	60
জপবাদ না দেয়ার বাইয়াত গ্রহণ (মুমিন করীচনা)	৬০-মুমজাইনা		969	বিজন লেয় (পর্যন্তিনিক)নয়খন্তপুলুকে কিবাং/বাভয়ত লেয়)	৬-জান'জাম	308	603
অধিকাশীকে লোৱ হবে ধন-সম্পদ ও সঞ্জান-সম্ভতি (পুনরাখ্যন হলে)	३७-मार्वेशम	22	300	কিতাৰ দেৱার পর মতপার্থক্য (বিশ্বেছৰপত)	२-शक्ता	230	65
আস্ত্রীয়-সমলতে কিছু না দেরার কসম করা নির্থধ	२8-नव	44	110	কিয়াব দেয়া হয়নি পূর্বে (মঞ্জার কাফিয়দেয়কে)	G8-9747	88	78
আনদ দের (মন্ত্রানীদেরতে অস্তাহ আনদ ও উচ্চেত্রতা নিজেন)	10-74	22	320	কিমাব লোহা মুদাকে (বলী ইনপ্রস্থানে পর্বনির্দেশিকাছরণ)	৩২-সাজনা	20	50
আমলনামা ভান হাতে দেৱা (কিরামতের দিন)	09-5/465	29	949	কিবাৰ লো হাজিৰ বাল্যতে বাল্যে থাকে কৰিবব এচৰ	G-WEN BARN		66
আমলনামা বার বামহাতে দেৱা হবে, লে কলবে	%)-शंकाद	32	949	বিশ্বাব লেক্স হয়েছিল যাসেত্ৰ আহলে বিশ্বাব্যন্ত বিশ্বতি প্ৰদেষ	३५-वाशिनाव	8	203
अम्बनम्ब यनि मान्द्र (तथा एक) राज्य वार्य, (त्र वनायः अम्बनमंत्र यनि मान्द्र (तथा एक) राज्यवाद्य आक्रमनामाथाव सम्बन्धः	00-5M5	42	949	বিশ্বব দের হয়েশৈ বাসেতে বাসেতে বাকগ্রের নির্দেশ	8-1470	202	03
व्यक्तनाथ वन गन्द तथा देव (वस्ट्रेट वस्त्रनाथ स्ट्रेट) वाक्तनाथ सम्बद्ध तथा देव वर्ष्ट वर्ष देव दिनव गर्दा देव	५८-इन्मियाव ५८-इन्मियाव	42	2020	কিন্তব দেৱা হয়েছে যাসেতে আসর খলা হলাল (দ্রমিনসের জন্য)	৫-মাধিনা	0	25
व्यक्तामा का वृद्ध गाव दूर पद्ध पद्ध पद्ध प्राप्त गर्व दूर व्यक्तामा मात्र (शिक्ष निव श्वेष व्यक्तामा मात्र शव शव)	४८-इन्निकक			কিতাৰ সেৱা ব্যৱহে বাসেকে ভাল কুলমানকে চেনে	৬-আদ'আম	20	69
আৰাত দেৱা (আপ্তাহ আয়াত দেৱার পর যে তা থেকে	৮৪-২শৃশকাক্	70	7070	কিবাৰ নেৱা হয়েছে বাদেৱকে/আহাদ কিবাৰ প্ৰদদ	६-सिल स	89	29
অবাত দেৱা (আহাৎ আয়াত দেৱার পর যে তা থেকে নিজেকে বিজিন্ন করে)	৭-আ'রাক	292	693	विवास तथा बहुताहर पोत्माहर पात्रम तहर बहेनाहर कर	০-াগণ। ৩-জালে ইমরান	2549	66
		_	-	বিভাব দেৱা হয়েছে যাদেৱকে ভাষা মত পৰ্যব্য করেছে	৩-আলে ইমলন ৩-আলে ইমলন	29	00
আলো দেয়া (মানুহের মধ্যে চলার জন্য আল্লাহ বাবে অহলা দেন)	৬-অন্বাম	પ્રસ્	90%	विकास (मधा स्टाइड पाट्नाइक कार्य प्रक मामक) करहाई विकास (मधा सहाइड पाट्नाइक संस्त ब्राह्म विकास मध्य		286	
अक्षार ७ वर्गून न. य (मन बाटक मक्षत्रे बंकक पनि काव पता	৯-ভাওৰা	¢>	686		২-বাকুবো		¢×
আপ্লাহর দেয়া অনুহাতে আহলে কিভাবদের হিংলা	8-নিসা	68	660	কিবাৰ লো ইয়েছে খানেকে বালে বালে বালে অনুগৰ,	৩-জাল ইম্বান	300	48
খাপ্লহর দেয়া কিছু পেরে উৎফুল্প না হওয়া	৫৭-হাদীদ	40	260	কিবাব দেৱা হয়েছে বাদেৱকে ভাদের আন্দ্রসমর্থন প্রসন্ধ	৩-আলে ইমরান	20	60
বাস্তাহর দেয়া বস্তু পিছনে ফেলে আনা (মুশরিকনের)	৬-আন্সাম	78	906	কিবন লোর হয়েছে বানেয়ক ভার জানে (প্রতিপাশকের পদ থেকে)	৬-আন্'অম	378	80
পাল্লাহর দেয়া সম্পদ থেকে গাসদেয়কে দেয়া	२८-मृद	00	999	কিবাব দেয়া হরেছে যানেরকে ব্যাদের মধ্যে যারা	৯-ভাওবা	2,5	68
পঞ্জাহর দেয়া নুহুসভান সম্পর্কে পিতা-মানত্র পরীক করা প্রদাস	৭-আরিক	720	980	কিবাৰ যানেত্ৰক অক্সাহ দেন মহেনা কাৰক একে স্থান আনে	২৯-আনকাব্ড	89	45
অক্সাহ বৰ্নীইনবাঈলকে বা নিয়েছেন ভা পঞ্চভাবে ধারণ	২-বাকুরা	20	622	কিভাব/হিকমাত দেৱা (ইবরাহীমের বংশধরকে)	8-मिमा	48	29
অক্সাহর বাপা কবী ইসরাঈলদেরকে মূসার নিকট পৌছে দেয়ার সাম্বাদ…	৪৪-দুখান	35	302	বিভাব (পূর্বে কিভাব দেরা হয়েছিল যানেরকে ভারা কুরআনে ইমান আনে)	২৮-কাশাশ	đ٩	1/2
লেয়ত আন্তাল অপ্তাহ মানুয়কে যে অনুয়হ নিয়েছেন আ গোপন করার পরিদান	8-निमा	209	269	কিনাব (পূর্বে বালেরতে কিনাব লেরা হরেছিল মু'মিনর যেন		-	-
অক্সং মনুবকে বে অনুহাৎ সংক্রমেন কা গোপন করার পারসাম অক্সাং মনুবকে নির্মেশন বা বিশ্ব করা এবেচে (অক্সকলর প্রদর্শন	৪-াপনা ১৪-ইনরাহীম	98	696	सामा प्राप्त ना हर।	৫৭-হাদীন	36	384
				विकार तथा प्रशास वालाव काला कर वार्थ वेनक काला	৫-মাধিদা	09	aъ
জন্মাহ যা দিয়েছেন তা ধারা মানুযকে পরীক্ষা করতে চান জন্মাহ যা দিয়েছেন আনে ফো কলাগকর মনে লা বারে কলার	৫-মারিদা ৬-জাল ইমরান	801	6049	কিবাংল কিছু অংশ লোৱা পর আহলে কিবাংল পথাইবা	8-निमा	88	25
পক্সাই যা সংগ্ৰহণ ভাবে দেশ কল্মানকা মনে না করে কৃশারা মাল্লাই যা দিয়েছেন তার প্রতি অকতঞ্জতা প্রসঞ্		7310	660	ক্ষিত্র হল বছল বিজ্ঞান ব বাবে সভাত সভাত ব	g_fant	92	020
আয়াহ যা সংমাহন তার প্রাত অভ্যতনতা প্রসন্থ আয়াহ যা দিয়োহন তার চেয়ে বেশ্চি বার করা চাপিয়ে দেন	২৯-আনকাব্ত	99	2-57	কিন্তাৰ দেৱা (মুদ্যকৈ কিন্তাৰ নিয়েছেন আল্লাহ)	22-\$H	220	69
काद्वार, या ।मरावारून जाव (५८वा रवाण यात्र कवा आगरत राजन गा (ज्ञानाक श्रीक शंत्रक)	95-giate	3	299	কিতাৰ দেৱা (মৃগতে কিতাৰ নিয়েছিলৰ আল্লাহ)	২৩-মুমিনুন	8%	346
ণ। (তালাক হাত হেনসং) অপ্তাহ যা নিয়েছেল ভার মধ্যমে অধিবাভার আবাস ভালাল	২৮-কাসাস	99	728	কিতাৰ দেৱা (মুগাকে কিতাৰ দিয়েছিলন অস্ত্ৰাহ)	৪১-জুসসিলাভ	80	P.P.
অস্তাই বা সেয়েকে তার নবানে আগবানের আগন কলান আস্তাই যা সিয়েছেন তা অধিশাস করার জন্য শিরক করা	49-994			कियार (नवा (प्रशास कियार निराधितन साहार)	২৮-কাসাস	80	20
আপ্তাই যা সংগ্ৰহেল তা অবস্থাস কৰাৰ জন্য শৰক কৰা আপ্তাই যা নিয়েছেল তা খেতে ভালাকপ্ৰাপ্তাই জনা ৰাখ কৰা	৩০-৪ম ৬৫-ডাপাক	4	5-58 3-55	কিন্তাৰ দেৱা (মুখ্যকে কিন্তাৰ দেৱাছ্যেদ আন্তাৰ) কিন্তাৰ দেৱা (মুখ্য আ, কে নিয়েছেন আন্তাৰ)	২০-কাশান ১৭-ইদরা	3	93
স্বাস্থ্যই যা সংগ্ৰহেন ও থেতে ওালাকপ্ৰাক্ষয় জন্য কয়। আপ্তাই যা সিয়েছেন শহীননেৱকে ভাতে ভাৱা উৎকল্প	৩০-জলে ইমরান			करणान (नाव श्रवक्रा मश्रवक्रावन ७ गर्नक्रमीत १४ (४(४)	২৭-নামপ	3	bo
व्यक्तर किस्सरमञ्जूष व तथा अवक्र स श्रिक्तरावास्त्रकत	৩-জলে ইমরান ৩-জলে ইমরান	240	442 486	্রোধ-কান-হলর নিরেছেন আল্লাহ (আন জাভিকে)	86-वाश्वाद	22	32
				इति त्या (महित्स श्राधकार असी कहा होते कि, स्मेरिक ही)	३२-इंग्रेज्य	40	8%
ইনমীপু (স্থাকে ইনমীপ নিয়েছেন আল্লাহ)	৫৭-হানীন	56	962		৫-মরিদা	90	800
ইবরাহীমকে অস্তাহ সঠিক পথ দিরেছিলেন	২১-অধিয়	62	920	बनाज्यकृत्य कांद्रेक तथा छानि य तथा बताह पुगर मन्त्रनाहरू	10-9100		99
ইংরাধীনকে অন্তরহ যুক্ত-প্রদাশ লেন (সংখ্যালয়েন ভুনববিশান)	৬-জান্ আম	20	900	জান্ত্রাতীদেরকে জন্তাহ অনন্দ ও উংফুক্ততা দিকে: জিক্ষানে দেয়া পর্যন্ত হয়ের নির্দেশ তাদের সাথে যাবা		33	
ইয়াতীৰ দাবীলো লেয়া বচনা (তালো কৰা নিৰ্বানিত প্ৰাশ্য)	8-F01	254	640		9-500H	59	68
वेश-भारत्मार लग्न २८ गरा य लग्न १३३२ जादन विकासन्तर	৩-জলে ইমরন		680	জান দেয়া হয়েছে যাদেরকে ভারা জানে যে	৩৪-সাবা	Ġ	78
দীনা ইবনে মার্যব্রামকে স্পষ্ট প্রমাণ নিয়েছেন আল্লাহ	२-सङ्ग्रहा	۲٩	670	জান নেয়া (জাল্লাহ শূতকে প্রজা ও জান দেন)	২১-জাধিরা	98	9.0
ইনা ইবনে মারইরামকে স্পর্ক প্রমাপ নান	२-वजून	250	600	অন দেয়া (আল্লাহ দাউন আ, ও সুপাইমানকে অন নিয়েছেন)	২১-অধিরা	930	9.0
ইলাকে দেৱা বিষয়ে ঈমান (কিতাৰ ও মুজিবা)	২-ববুরা	200	676	আদ দেৱা হয়েছে যাদেৱকে ভাৱা বলদ, দুৰ্চোগ ভোষাদেৱ	২৮-আসাস	90	27
ইলাকে দেৱা হরেছে ইনজীল	৫-মরিদা	86	65.0	জান ও ইমান দেৱা হয়েছে বাদেয়কৈ তারা কাবে	00- <b>E</b> ¥	¢υ	14
উত্মেশ্রম সের হবে (মন্ত্রামীসমতে অন্তর্হ আলল ও উত্মুপ্রম দিকে)	৭৬-নাব্র	22	296	কাল লোম (আনেতেক কাল লোম আন্তর্জা কালের নিবট অবৃক্তা ল. কে বিপ্রাণ)	৪৭-মুহাম্মান	36	27
উনুক নহীদা দেয় হেক প্রয়োককে (অণরাবঁচনর কামন)	৭৪-মুন্দায়ন্ত্রির	क्ष	325	আন দেয়া (ব্যানহাক আন দেয়া হয়েছে ভালের স্থান যে কুরসেন)	২২-হাজ্	₫8	96
উপদেশ দেয়া (কাফিরদেরকে উপদেশ নিয়েছেন আল্লাহ)	২৩-মুমিন্ন	95	990	অন নের (অনেতে অন নের হয়েছে অনের ছনর বুরাক্সা শার নির্দর্শন)	২৯-আনতাত্ত	87	34
দ্ধী দের (মায়ুদ সন্মানারতে নির্দেশকরণ মুব্রী দের হরেছিল	১৭-ইস্থা	¢'n	67.9	আন দেৱা (মানুধৰে সামান্য জ্ঞান দেৱা হয়েছে)	১৭-ইস্রা	ьe	94
অফিরসেরকে রাসুল স. এর মত নিদর্শন দেয়ার দাবী প্রসঙ্গ	৬-আন্'আম	248	607	মান হাতে আমদনামা দেয়া (কিয়ামাধ্যে দিন)	७७-शकाद	7.7	39
ব্যক্তবে বা সেয়া হয়েছে আমানেরকে যদি দেয়া হত :	২৮-জাসাস	133	254	ভাশ হতে লের হতে যার কিবাব (আমালনামা) সে আ পাঠ করবে	১৭-ইস্বা	45	94
ফিবাৰ লোৱা (সাপ্তাৰ কি সুপরিবলের কেনা কিবাৰ নিয়েছেনঃ)	৩৫-ফভির	80	783	নাউদ জা, কে জাল্লাই প্রকার ও জান নিয়েছেন	২১-অধিয়া	45	90
বিভাগ ও ভিতমত নিয়েছেল জাল্লাহ লগীলেলক	৩-জাল ইমান	-		দাউদ জা, কে জাল্লাহ যাবুর কিতাব দিয়েছেন	8-90%	360	29
কিন্তাৰ ও হিত্ৰমতে লৈয়েছেল জাল্পায় লগালেয়েছে কিন্তাৰ দান প্ৰেনত কিন্তাৰ যথাকাল্ডালে পাটভাগীৰা উন্নান আচন।			288	নাউদ আ, কে বাবুর নিয়েছেন আল্লাহ	১৭-ইসরা	99	33
	२-शङ्खा	257	678	দুঃখের পর দুঃখ দিলেন আল্লাহ মুমিনদেরকে (উত্তদ যুছে)	৩-আল ইমরান	300	20
		06	995	নবীদেৱকে দেৱা বিছয়ে ইমান (কিজাব ও মঞ্জিয়া)	২-বাকারা	300	63
বিভাব নিয়েছিলেন আল্লাহ বালেনকে, তারা উৎকুল্ল হয়	১০-রা'দ	~					
	২৫-কুরকান	00	950	নিপ্রতি দেরা (হিজ্ঞবাসীকে নিপর্বন দিরেছিলেন আরাহ)	32-fàma	po	90
বিভাৰ নিয়েছিলেন আল্লাহ বাংলাকে, তারা উৎকুদ্র হয়							904

			পেরা	01*			- 4
THE PROPERTY OF	न्त्र स्थाप		200	HR FRIGHT	सूत्राम् ७ मन	431.5	981
(मश्रा/ना (मश्रा (पूर्व पृक्षेत (बदक)				বিবার দের হলে স্মার হয় (মুখে ইমানের পরি করে যার)	৯-জাধন্য	64	686
নিদর্শন বিশ্বেমিলেন অস্ত্রাহ বনী ইসরাইলকে (পরীক্ষাহরূপ)	৪৪-দুর্থন	200	200	যাত্রত প্রধানকারীর ক্ষত কুরামান পর্ববিদেশিকা ও সুপংকা	২৭-নামল	0	900
নেয়ামত লেয়া হয় জানের করেন (মানবের তল বারনা)	৩৯-বদার	83	¥92	ব্যকুল স. বে যে নিয়ৰ্গন কেৱা হয়েছিল কফিবলেয়কে লেকৰয়	৬-আনু'আম	258	400
offers (many in Street, or more offers).	4 900 900	33.6	433	লক্ষানৰ সাহাত্য জন্মৰ মাটাৰ দিবলা (মাহাকবিয়াৰ)	8.620	00	040

THE PARTY OF THE P	সূত্ৰা নহ ত নাম		ana.	THE STREET	मुझान्द्र च मान	4314	981
(महा/ना (महा (पूर्व पृक्ष (बादक)		-	-	ব্যক্তত দেৱা হলে সন্তুট হত (মুখে ইমানের পরি করে ব্যবা)	৯-ডাধ্য	64	585
নিমর্শন বিশ্বেষ্ট্রসেন অস্তাহ বনী ইসরাইপতে (পরীক্ষাহরপ)	৪৪-দুর্থন	200	300	যুৱাত প্রদানমারির ক্ষয় কুরামান পর্ববিদেশিকা ও সূপংকা	২৭-নামল		900
নেয়ামত লোট হয় জানের করণে (মানুবের কুল বারণা)	৩৯-বুমার	83	¥92	প্রাল স, তে যে নিয়র্গদ কো হয়েছিল করিবলেবকে স্পেরত,	৬-আন'আম	358	400
পরীকা (অস্তাহ বা নিরেছেন সে সহকে পরীকা)	৬-বান'বাম	350	632	ব্ৰহ্মচেৰ সামান্য জগেও কাইকে দিকের (আহদেভিতার)	৪-নিসা	20	660
প্রতির জীবনের (মাণ্ডসাম্থী (অল্লাহ পুলিয়ার বা নিয়েলো)	8२-मृद्धा	99	1/28	রাজতু দেয়া (ইনপ্রাইমের বংশগরকে)	8-निमा	28	250
পারিশ্রমিক দেরা (অলাকপ্রাক্তা কর্তৃক সময়েলুককে দুখপান	04-50	100	700	ব্ৰহ্মতু দেয়া (নমকগকে আল্লাহ কর্তৃক ৱালাতু দেয়া প্ৰসৰ)	২-বাকুরে	206	200
क्रांचित (क्षांचित्र)	৬৫-জালাক	6	369	ক্ষুদ্ৰ স. কে নেৱশ লো হলা ন কেন ফোল লো হয়ছিল ফুনতে	২৮-কামান	87	1734
পুরস্কার দেশ আপ্রার্হ (যে পুনিয়ার পুরস্কার চায় আকে)	৩-জলে ইম্বান	104	485	প্রকৃত্ব প্র কে বিয়েছেল অক্সার পান্ত নি আরত ও মহান বুরামান	১৫-হিজর	39	903
	৩-জালে ইমরান ত-জালে ইমরান			क्रिक (कर्ष (क) पांची क्रिक क्रिक (क्रम ब्राट का अस्म हा)	১৬-নাহল	93	907
পুরস্কার (অধিরাতের পুরস্কার কেন আল্লাহ, যে চার ভাকে)			685	প্রান্ধর পরি পোর হবে (আরাহ সম্পর্ক অসহা কর্ম করার)	৬-জান'আম	30	905
পূর্ববর্তীদের যা দের হারছিল আতে উত্মুক্ত হওয়ার পর পাকভাও	৬-আপ্'আম	88	699		২১-জাবিয়া	48	
পূৰ্ববৰ্তীদেৱকে দিয়েহিদেন আল্লাহ (শঞ্জি ও নম্পন)	৩৪-সাবা	84	184	গৃতকে আল্লাহ প্ৰমা ও মান কেন			900
প্রমা দেরা (আল্লাহ পূতকে প্রমা ও মান দেন)	২১-আইল	18	100	শত্তি দেয়া (মিচন শত্তি প্রর্থনা করেং শংকতীর পূর্বকটালে জন্য)	৭-আ'রাড়	Gb.	636
প্রভার সেরা (অপ্রাহ দাউন আ. ও নুপাইমানকে প্রভার সিরছেন)	২১-কাধিয়া	93	988	সভিবলৰ লেয়(অপ্তাহ ইবরহীমকে সঠিক পথ দিয়েছিলেন)	২১-আধিয়	62	960
প্রতিদান দেয়া (আল্লাহর প্রতি অনুগত হরে সংকান্ধের	৩৩-আহ্বাব	403	3106	সম্পদ দেয়া (অক্সাহর দেয়া সম্পদ থেকে দাসসেরকে দেয়া)	ર8-જૂર	00	999
প্রতিদান দু'বার দেরা)				ন্যবর্তাকে নাম বার এতা সুশইফাকে স্প্রাধ্ব দেয় বা উর্জ	২৭-নমশ	৩৬	205
প্রতিপদ দেয়া (অপ্রাহা পগে হুদ্দকরিকে মহেছেভিপদ দেবা হবে)	৪-নিমা	98	690	সাক্ষ্য দেরার নিকটতর পদ্ধতি, থবাথে সাক্ষ্য দেরার (জন্য	৫-মায়িশা	406	698
প্রতিধন সেয়া (পু'ব্বর প্রতিধান সেয়া হবে ভাসেরতে যারা)	২৮-কাদাদ	46	1435	পূখনের সাকী প্রহণ)			
প্রতিশান সিয়েছিলেন অস্তাব (ধারা দীমান এলেছিল অসমকে)	৫৭-হানীন	29	262	সাবার রানীকে সববিদ্ধ দেরা হরেছিল(ছনছলের উভি)	२ <i>९-</i> शक्त	২০	207
প্রতিসান দেরা(ইবরাহীমকে দুনিরায়ও প্রতিসান দেরা হয়)	২৯-আনকাবৃত	29	p-2p.	সাসৃশ্যপূর্ণ ফল লেয়া হবে জান্তানীদের রিবিক হিসাবে	২-বাকুরা	20	608
প্রতিদা সের (মারারে সমুক্তীর জন্য সংক্রম কালেপ্রতিদান লো। হর।)	8-निमा	778	693	(বুনিয়ার ফলের মাজ)	d-alfan	~	400
প্রতিমন দেয়া (আপ্তার-বাস্থল ঈমানের প্রতিমান)	৪-নিসা	342	495	সুৰাইখনতে সৰ্বজু দেৱ হয়েছিল (পাথিব তাৰ লিঞ্চা প্ৰদাস	২৭-শমল	36.	207
প্রতিপাশকের দেরা নিরমত মুম্রাকীর উপজেগ করবে(জন্পতে)	৫২-ডুব	7/4	300	সুক্তীকারে অক্সান্ত লের বর উভা (সারবলীকে লের বরণ চেয়ে )	২৭-নমেল	06	405
প্রতিপালকের দেরা সামগ্রী (মুবাকীরা উপজোগ করবে)	৫১-বারিয়াত	36	342	সুদাইমানকে অক্সাহ প্রমো ও আন দিয়েছেন	२১-वाशिया	. 42	922
প্রভূর্য দেয়া হর্মনি ভালতকে (বনী ইসরাইল প্রনর)	২-বাকার	289	939	হী ও সন্তান-সভঙি বিভাছন আল্লাহ পূৰ্ববৰ্তী বাস্নালেনকে	১৩-রা'ল	৩৮	632
প্রতিদান দেয়া হবে (ইবুনিরা ইমান আনলে)	s-Fest	362	433	শ্রীপেরকে দেরা মোহর দিয়ে দেরা হালাপ নয়	২-বারুরা	223	420
প্রফিশন সেয়া (ঈমান ও আকওয়ার প্রতিদান দিবেন আল্লাই)	৪৭-হতামাৰ	99	346	ষ্ট্ৰীপথকে বাসুদ্দ স, যা দিবেন তাতে তাৱা সমূট হওয়া প্ৰসদ	৩৩-আহ্বাব	67	brob
প্রাপ্ত (আগ্রীয়, মিসকীন ও মুসামিবকে প্রাপ্ত দিয়ে সেয়া)	১৭-ইসর	20	120	প্রীকে দেয়া সম্পদ নেয়ার উদেশ্যে ক্রান্সাতন করা বাবে না	৪-নিসা	35	925
ফৰীৰ/পৰীৰদেৰকে গোলনে দেয়া সৰচেয়ে ভালো	२-शकारा	293	605	हैंदिक तमा जन्मन विनुत्त भविद्यम दहना। तमक तमा यदर न	8-मित्रा	30	000
ফল দিয়েছিল বাগান দু'টি (দুই ব্যক্তির উপন্য প্রসঙ্গ)	77-9150	00	121	স্থানী আবাদ নিয়েছেন আল্লাহ (জাল্লাতীদের)	००-मधित	90	b/8%
विश्वकारित के बाद परिवासकीय प्रतिवाद क्षित्र के अन्तर क्षात्र के बाद	১০-ইউনুস	99	767	হক (অধিকার) দিরে দেরার নির্দেশ (আর্থ্রীয়-বন্ধনকে)	40-91	00	6.56
भूवकान व कावताक (नवा वड (भूमा का, व वाकन(क))	३५-सर्वपुत	85	100	সেরা (থাসা)	00-11-		0.00
रने देशवर्षन्य व व्यवस्था (नवा २६ (नृगः वा, व व्यवस्था) रने देशवर्षन्यक व्यवस्था य निराह्न व मुख्यात बाता करा	1-20,000	393	645	করা (খানা) কর্ল দের/মানা (বর্ষনে বাগনে বিশ্ব ফল দেরা/মানা)	২-বাকারা	262	60)
स्विक्तानिक अञ्चार व निवादन व कुरवात वात का स्विक्तानिक अञ्चार व निवादन व किवादन व			609		5-415181	400	407
	২-বাকুরা	60		দেৱা/বনে দেৱা		_	
বাহ্নির পাটদকে অক্সাহ নিয়াছিলেন (হিন্সেত ও কালালাকটা বাহ্নিরা)	৩৮-দোৱাদ	40	164	পানি (প্রবাহরন পানি কে এনে বেবং পানি গরীরে হলে গেলে)	৬৭-মূপুক	00	318
বাগান দেয়া (একঞ্চনকে প্রটি আপুর বাগান কেব আস্ক্রাহ)	১৯-কাতৃক	95	151	সভ্য এনে দিয়েছেল আল্লাহ (কফিবদের দিকট)	২০-মু"মিনূন	300	443
বিশ্বন পরিবর্তন করে সেয়া ছাল গ্রহণ করতে বলে ইকুলী পরিভাগ্য	৫-মারিবা	82	62.6	দেৱা (করা)			
रिश्वन अभिनर्दन करता ना तमा कहा नर्दान करता वहनी अस्तिकता	৫-মারিদা	87	696	বলে আবুল লো নূতে সংগ্ৰাহ কর (নূতে আহান খনে)	१)-न्द	٩	25.8
বিনার-বিবেচনা নিরেছেন আল্লাহ ইয়াহইরাকে (শেশবে)	১৯-নারইয়ান	25	908	দেয়া (পেশ)		l i	
বিজয় বিবেদ আল্লাহ শীশ্রই (মুম্মিনলেরকে)	৫-মারিমা	65	6.48	मृद्धाः (मद्र (सङ्कारः वरिम्बानवारः नृद्धाः ही/मृद्धाः हीतः मृद्धाः निद्धाः)	৬৬-তামুৰীম	30	547
বিপুদ ধন-সম্পদ দিয়েছেন আল্লাহ ওলীক বিন মুগীৱাকে	18-মুদ্দার্ছর	25	990	পৃথিত কোর (পরামহার পৃথিত পের মুপরিকরা, কন্যা সম্ভান প্রদেশ	৪০-যুধকুক	24	494
(कारनंद्री यं अब शतद व क्या पूनिका क्रेक्ट	২৮-কাসাস	90	930	গৃহৈত্ব লেয়া (অপ্নাহ বুমিন্সের জন্য ফিরমেউনের স্থাঁর গৃহৈত্ব লেন)	७७-छोड्दीम	22	267
মুনাফিকদের মহাপ্রতিদান দেয়া হবে (ভাওবা ও নগোখনের জন্য)	8-निग	789	292	সেয়া (কিহিছে সেয়া)			
মুপাকে আল্লাহ যা দিরেছেন ভা এহণ করার নির্দেশ	৭-জ'রফ	388	956	অভিব্যাদরতে ভিরিয়ে দেরা (মুমিদ দারীদের মোহরানা)	৬০-মুমভাহিন্য	30	<b>b2b</b>
ম্পাতে আল্লাহ কঠক দেয়া (মৃপার লোরা অনুপারে)	२०-झ-श	00	980	দেৱা/দিয়ে রাখা		_	_
মৃসকে আল্লাহ কিভাব দেন	২-বাবুনর	2.4	670	মাধার কাপড় ফেলে রাখবে মু'মিন নারীরা তালের গললেপে	२8-गृह	٥)	999
মূসকে লেয়া বিষয়ে উমান (কিতাব ও মুক্তিবা)	२-वाकृतवा	200	676		40-74		
ম্সাকে লয়া বিষয়ের উপর ঈমান	৩-আলে ইমরা-	148	488	দেয়া (বাননো)	A. Commer		6.1
মূসাকে নিরেছেল আল্লাহ নমটি স্পষ্ট নিদর্শন	১৭-ইস্বা	303	950	व्यवत (गात (व्यक्कार मनुबार कुरुवान्त वन्त व्यवप निज्ञान)	১৬-নাহল ১৬-নাহল	৭৮ ৭৮	90%
মুদাকে বিভাব দেয়া হয় (কবি ইসরাসলের পথনির্বেশিকাপরূপ)	৩২-সাঞ্পা	50	3405	मृत्रिमक्ति (मार (प्रह्माद प्रमुख्य कृतकार प्रकार साम मृत्रिमक्ति (स्त)			
মুলকে বিভাগ/কুকান লেয়া হয় (সঠিকপথ অনলয়নের জন্য)	২-বাকুরো	40	200	अभारति एवं (अद्वार प्रत्यात वृत्यावात अत्याना वार अनारति (वा)	১৮-নার্গ	9,5	90%
মুন্দকে কোপ দেৱা মুদ্রমিল রাপুল স. কে সেরপ দেরা মাপা না কেন	২৮-বাসাস	81/	355	(महारम <i>दो</i> कारन		ш	
মুসাকে সুস্পন্ধ প্রমাণ দেয়া হয়	8-Spit	320	230	ব্যট (মূদাক্ষিকদের স্ববস্থা দেয়ালে ঠেকানো কাঠের মত)	৬৩-মুনাফিকুন	8	86%
মূলর সম্প্রদায়ক নিয়েছেন এমন বিজু যা বিলি কাউকে কোনি	৫-মাছিলা	30	gtro	দেশত্যাগ (আরো দেবুন হিন্দরত শব্দটি)			_
	25-miles	-		প্রতিশাল্যকর নির্দেশিত গরবের নিকে ইবরাইয়ের দেশভাগ	২৯-আনধাৰত	રેક	272
মুখা আ. ও হাধনকৈ ফুবকান/তাওবাত দেখা বয়		86	920	দেশ			-
ক্ষাত লো (যেকাত লো হা সপ্তাহা স্থানি জন ভাই বৃদ্ধি পাং)	G0-52	40	256	ভূপ আ ও তার অনুসরিসেরক উৎবাতের ইবছ বিরাম্পরতৈর	১৭-ইস্রা	200	150
যামত দেৱার আদেশ দান করা হয় (আহলে কিতাবদের)	३५-राशित्वर्	æ	2057	মূল আ, ৰাস্থ কর লেশ যেকে কো করতে গাং, বিপ্ন অভিনয় উচি	২৬-৬ জারা	00	৭৮

९-वा'राव 330 82

৯-ফাঙ্য

যঞ্জত ল দেয়া হলে অসম্ভই হয়। (মুগে ঈমানের লবি করে বারা)

नम विदय/ <b>ध</b> नक स्मर	नुस मर् च माम	450.0	नुस्	ক্ষ্ম ক্ষম ক্ষ	৯-জাওবা	53	687
		-		সৈত্ত থানতারতে চাব্রপ্রেশ করর শার (পদতর বাশার) সৌত প্রতিযোগিতা	3-6(64)	45	GSV
আসনের উপর একটি সেব বেখে (সুগাইমানকে পরীক্ষা)	৩৮-সেবাদ	48	her				
ভিরমাউনের দেবটি নিদর্শনস্বরূপ উদ্বার করা হয় দেববিশিষ্ট	১০-ইউনুস	24	999	ভাইরের নৌড় রভিযোগিতার পেল (ইউসুক্ষকে রেগে) সৌডাসৌডির বয়স	\$2- <b>8</b> 69pp	39	ভণ্ড
দবীগণ এমন দেহবিশিষ্ট ছিলনা যে খাবার খেতে হতনা	২১-আছিৱা	V	920	ইসমাইদের দৌয়াদৌট্রির বরস হওরা (জবাই প্রসঙ্গ)	৩৭-নাক্কাত	303	763
দেহাৰূতি				দৌঢ়ানো/দৌঢ়ে আসা/দৌঢ়ে খাওয়া			
প্রশক্তবা (নেবার প্রশক্তকা গাড়িরে নিরেছেন ভাগুতকে)	২-বাকারা	281	654	অন্ত ব্যক্তি দৌঢ়ে অসা (প্রসূল স. এর কাছে দৌঢ়ে অসল)	৮০-জাৰাস্ট	7	2006
প্রশক্তর (দেহার প্রশক্তর বাড়িয়ে নিরেছেন অস্তাহ অদ জাতিন)	৭-জাধান্	65	679	অধ্যে ভৌরতের (বিশ্বমেতে মুনিনসের সামসে ও মানে আলো ভৌরেতে)	৬৬-তার্রীম	ъ	390
বস্তুরের দেহাপুর্বত তৈরি (সামিটা কর্তৃক বস্তুরের মূর্তি তৈরি প্রদাস)	২০-জা-হা	pp	986	আলো সৌদ্ধতে থাকবে (মুখ্যিন দর-দারীদের সামনে ও ভানে)	৫৭-হাদীন	34	282
বাছুরের দেহাকৃতি (মূলার সম্প্রদায়ের বাছুর পূজা প্রসঙ্গ)	৭-জারাক	784	626	আহ্বাদকারীর দিকে দৌড়ে আসবে কাভিররা (কিরামতে)	৫৪-কামার	ъ	300
মুদাভিকদের দেহা রাসুল স. কে চমৎকৃত করতে	৩০-মূনাক্ত্রন	8	308	যোড়া বা উঠ দৌড়ারনি মুমিনপথ 'ফাই' এর জন্য	৫৯-হাপর	6	320
দৈহিক মিলন				জালিমরা মাধা উপরে উঠিরে দৌড়াতে থাকবে(কিয়ামতে)	३८-१ववारीम	80	689
ইউসুক্তকে লৈহিক মিলনে প্ররোচিত করল আধীবের স্ত্রী	১২-ইউসুফ	20	696	দড়ি ও শাঠি দৌড়ানো (স্বানুকরদের স্বানুর প্রতাবে)	২০-জা-ব্য	66	984
ইউসুয়কে নৈহিক নিশান প্রয়োচন নিয়েছিল অধীয়ের স্ত্রী	১২-ইউসূত	20	690	পাৰিছালা নৈতে ইবলাইচেন নিকে আসনে (মৃতকে জীবিত করা)	২-বাড়ারা	360	607
ইউস্ফতে নৈছিক মিলনে প্ৰৱোচনা দিছেছিল নারীবা	32-88 <b>37</b> 9	63	695	লুভের নিকট দৌড়িয়ে আসল লুভের সম্প্রদায়	33-KH	97	993
ইউপুৰতে দৈছিল মিশনে প্ৰৱেচিত করেছে (আধীকো স্তীব দীবারি)	24-2634	23	69/3	শহরের প্রাপ্ত হতে সৌড়ে আসা (সৌড়িয়ে আসল এক ব্যক্তি)	২৮-কাসাস	20	3103
ইউসুফ লৈহিক মিলনে প্ররোচনা সের (আর্বীয়ের স্ত্রী)	34-26A4	00	695	নাপ হরে মুনার শান্তির নৌড়ানো প্রদঙ্গ	২০-জা-হা	30	184
প্রবেচিক (অন্বিদের স্ত্রী ইউসুক্ষকে লৈছিক নিশাল প্রবেচিক করেছৈ)	১২-ইউস্ট	03	693	সৌদ্বালো		Ė	_
<u>দোদুশ্যমান</u>	27.7-21		0.00	থোড়া (কসম দে থোড়ার যা উর্ম্মন্বালে দৌড়ায়)	২০০-'অনিয়াত	3	200
হুনাফিকরা দোমুল্যমান (না এদিকে, না ওদিকে)	8-निम	280	090	সৌডে আসা	200 -01111	<u></u>	
দোৰৰ (দেখুন ভাহানুম শদটি)	9+ln/1	300	0.10	কাৰ্যভৱা সৌতে আসহে বাস্প স. এব নিকে	१०-मा व्यक्तिक	06	393
দোৱা (বিজ্ঞানিত দেখুন পরিশিষ্ট-৩)		-	-	সৌতে যাওয়া	10-41 41144		1071
				দেহার্ছার নিকে দৌতে গেল (ইউসুক আ. ও আর্থীবের স্ত্রী)	১২-ইউসুক		693
देखादीय का. अब त्यारा (कतन, त्यारा, व कृष्णकावा अवन अञ्चन)	8७-खाइकाम	34	909		24-4946	-52	014
জ্ঞান বৃদ্ধির দোয়া (বন্ধী খিলনী ঈলমা)	२०-झ-वा	778	186	দ্ৰব্য সামনী	8-निजा		
न्द्र चा. थव (मावा	47-5g	54	9946	মুমিনরা অনুপ্রবা সম্পর্কে জসতর্ক হলে কাজিবদের আক্রমণ		205	490
পরীকার পাত্র না বাবালের দেয়া (জলিমদের পরীকার পাত্র)	২০-ইউবুস	put	995	দ্রন্থ সামগ্রী পুলে দেখতে পেল, পণ্ডমূল্য ফেরত দেৱা মরেছে	১২-ইউনুক	96	85.6
প্রতিপাদকের দিকট দোৱা করার জন্য মুসা আ.–কে অনুরোধ	J-40,556.	208	528	দ্রন্থ-সাম্প্রীর ঘরে প্রবেশে কোন দোধ নেই	५8-नृव	2,5	998
বন্ধ প্রশন্ত করার জন্য প্রতিশালকের কাছে মুগা আ, এর পোরা	২০-ছা-বা	50	183	নবীপদ্ধীদের কাছে দ্রবাসামগ্রী পর্মার পেছন থেকে চাওয়া	৩০-আহ্বাৰ	40	YOY
মাজ-পিতার জন্য বেরা করার নির্দেশ (রাক্যিরহান হ্না)	১ <i>৭-ইস্</i> রা	ર8	136	পাওয়া (দ্রব্যসামরী তার কাছে গাওয়া গেল)	১২-ইউসুক	95	99.8
মুসা আ. ও হারন আ. এর দোয়া করুল হল	১০-ইউনুস	pp	965	বটা			_
যানবাহনে আরোহণের দোরা	৪৩-বুধকুক	70	pap	चाहार मर्थाते	৫৮-মুজাদালা	3	945
রানৃদ দ, এর দোরা প্রশক্তিমারক	৯-জান্তবা	200	952	আল্লাহ নৰ্বদুৱা ও পূৰ্ব অৰণত (বাদ্যাদের সম্পৰ্কে)	৩৫-ফডিৰ	٥)	b81r
রাস্ল দ, দোরা করবেন অপরাধ বীকারকারীদের জন্য	P-80841	700	952	আল্লাহ নর্বন্রটা ও নর্বন্রটা	১৭-ই <b>স্</b> রা	>	178
দোয়া ইউনুস		<u> </u>		অস্ত্রাহ সর্ভার ও সর্বপ্রের (মানুহ-জীব-আবাশ-পৃথিবীর সৃষ্টি)	৪২-প্রা	22	9.95
ना देनाब देख जनका मुनवानाका देखी कुनकू विनाम समाविभीन	২১-জাধিয়া	৮৭	926	অস্ত্রাহ সর্বন্ধটা ও সর্বপ্রোতা	२२-शब्द	47	960
দোষ				অন্তাহ সর্বন্তর (কিরামতের দিন)	80-भूषिम	20	৮৭৯
অন্ধের দোষ নেই (যুদ্ধে জংগ না নিলে)	89-काइंट	24	975	আপ্তাৰ পৰ্বপ্ৰোতা ও সৰ্বদ্ৰীয় (ছওয়াব প্ৰসঙ্গ)	8-मिना	>08	Ø98
অন্ধের দোষ দেই	২৪-বৃষ	42	42.7	অস্তাহ সর্বপ্রেতা ও সর্বদ্রই (মানা সৃষ্টি ও পুনরুখান প্রসঙ্গ)	৩১-পুকমান	24	beh
আহর করাকে লোখ নেই (বন্ধুনের ঘরে)	২৪-দূর	63	43.7	অস্ত্রাহ সর্বপ্রোতা ও সর্বদ্ধীয়	44-07W	9.0	900
ৰৌড়ার দোৰ নেই (যুদ্ধে অংশ না নিলে)	8⊁-सगरूर	24	278	অস্ত্রাহ কডই না সুন্দর দ্রন্তা (আসহাবে কহাফ প্রসঙ্গে)	79-থাইক	₹₺	948
খোড়ার দোৰ দেই	২৪-দূর	47	96.7	প্রতিপালক নর্বপ্রয়	২৫-ফুরকান	20	9,5-6
নূৰ্ব ও পীঞ্জিতদেৱ কোল দোহ দেই (যুদ্ধে দা যাওৱার)	৯-জাওবা	92	489	H.s.			
প্ৰবেশ কয়তে দোৰ নেই (যে ঘয়ে বসবাস করা হয় দা)	২৪-বৃদ	43	196	ক্ল্যাপকর কাজে দ্রুতধাবিত (মুমিনগণ)	২৩-মুমিন্দ	93	96%
নিশিসকত কাজে দনীর জন্য লেখ দেই (অল্লাহ কর্তৃক নিশিসকত)	৩৩-আহ্বাব	40	৮৩৬	কাধিবরা ক্রান্ত গঠিতে আক্রমণ করলে আল্লাহ নাহাব্য করবেন	ও-আলে ইমরান	256	683
মার্মনা (মানুবের নোব মার্মনা প্রসঙ্গ)	৪-শিসা	789	649	পলারন (দ্রুত পলারন করবে মুনাঞ্চক/কাক্তিররা)	৯-ভাওবা	29	688
রোগীর দেখে দেই	২৪-সূত্র	62	93.7	প্রতিশালক শান্তিনামে ল্রন্ড (বনী ইসরাইল প্রসঙ্গ)	१-वा'द्रारम	298	649
রোগীর দোব দেই (যুদ্ধে অংশ দা নিলে)	৪৮-দাত্ত	24	228	বের হবে (বিজ্ঞানতে কথর থেকেঞ্জুক্ত বেগে বের হবে মধুম)	৭০-মা'অবিশ	80	2000
দোষ অনুসন্ধান না করা				মানুব,প্রুক্ত কো হরে আনবে, বিরামতে যথন যদীন মেটে যাবে	৫০-কাঞ	88	3-28
মুফিনদের জন্য নিৰেধ গরস্পরের লোব অনুসকান	৪৯-চ্ছুরাত	34	257	রাধ দ্রুত গতিতে দিনকে অনুসরণ করে	৭-আ'রাফ	28	635
লোখ না দেয়া				শান্তি দানে ব্ৰুত (প্ৰতিপানক)	৬-জান্'আম	796	925
মুমিনদের জন্য পরস্পরকে দোধ দেয়া নিছেখ	৪৯-কৃত্যুত	22	957	হিসাৰ প্ৰবলে দ্ৰুত (সাল্লাহ)	০-আপে ইমরান	79	209
MINISTRA				হিসাৰ (প্ৰত হিসাৰ প্ৰহণকারী আল্লাহ)	২৪-নূব	60	992
	Same			হিদাৰ (দ্ৰুত হিদাৰ প্ৰহণকাৰী আল্লাছ)	५-वाङ्गरा	२०२	650
নিজকে লেখায়োপ করতে কাবে শাবনে অনুসায়ীকে (বিনামতে)	১৪-ইবরাতীম	22	496	হিদাৰ (আল্লাহ ক্ৰক হিদাৰ প্ৰহণকাৰী)	৪০-মূ'মিন	28	৮৭৯
রফ্ল দ, কে দোবারোপ (থাকান্ত বউনের বিষয়ে)	৯-জাওবা	6A	686	হিসাৰ (মাল্লাহ হিসাৰ গ্ৰহণে দ্ৰুত)	৫-মারিদা	8	\$20
শতকান্ত লেখারেশ না করতে কারে (শরতান অনুসরীদেরকে)	১৪-ইবরাহীম	22	696	হিদাৰ প্ৰহণকারী (আল্লাহ দ্রুত হিদাব প্রহণকারী)	১০-রাদ	82	695

দেহ প্রত

			20	ছিত্ৰপ		_	
NA PARENT	in every first carenes (i) 3.2-ই-তাল 52 3 3 45 45 45 45 45 45 45 45 45 45 45 45 45						
मुन्ड (पूर्व पृष्टेर त्यरण)							
হিসাব গ্রহণকারী (আপ্রাহ দ্রুত হিসাব গ্রহণকারী )	38-देखादीय	42	629	বিবানে (বিদ খেকে বা বিবানে পর্যন্ত কবিনা যুদ্ধ চলিয়ে)	২-বাকুারা	578	658
ছিলাৰ প্ৰহুপকাৰী (আল্লাহ সৰচেয়ে ক্ৰান্ত হিলাৰ প্ৰহুণকাৰী)	৬-আনু'আৰ	62	600			२५१	658
হিসাঝাহণকারী (আল্লাহ দ্রুত হিসাঝাহণকারী)	৩-জলে ইমর-	777	666			99	6,90
দ্রুতগতি					৪-নিদা	747	299
ক্রিয়ামতের দিন পর্বত লতে পরিতে চলবে	00.88	No.	252	বিভিন্ন (পরিকর কি দ্বীন বিভিন্ন করেছে যার অনুমতিগ)	৪২-পুরা	52	P#1
		-		বিবৈছে (মুহাক্স স্ এর ক্ষর বিবিদ্ধ করা হয়েছে এমন বীন)	৪২-শ্রা	20	684
grant	1 - Whee	**	444	বিষয়ী করা (সভ্য স্বীনকে মন্ত্রী করার কাত বাসুদ স. গ্রেইণ)	৯-জারবা	00	880
	3014921	43	050	বিভঙ্ক করা (বীন বিভঙ্ককারীদের বিষয়টি আল্লাহর নিকট)	৬-আন্'আম	759	632
দ্রুত ধাবিত হওয়া				বিশুক্ত করা (উন্তেম বিশুক্ত করেছে যার আলে অপর্তত না হওছা)	৩০-রম	જર	b-28
				বিচছ বীন (টবাৰত) কেবল আলাবাই প্ৰাণা	৩৯-বদার	0	593
					৯-ছাওবা	33	583
ক্ষমা ও স্বান্নাতের দিকে দ্রুত থবিত হওরার নির্দেশ							
পাপ কালে দ্রুত ধাবিত হতে পেখা যার তালেহতে যারা	৫-মারিদা	93	69.0				
দ্রুত বেগ							
আসম, কেলেকাসের (জহ প্রহণ করতে)	৭৯-নাথি আক	8	2000				
चैन							
অনুসাল (জীনের অনুসালে না করলে তাকে বিশ্বাস করা নিবেশ)	৩-আলে ইমরান	90	280			-	
অনুবিধ নেই (ছিন্মে বাশারে অপ্তাহ অনুবিধা আয়োপ বংলেজি)							
पाक्कारत (बेन पाक्कारत श्रुप्त गांच्या गर्थत गुप्त कर्वात निर्माण)	৮-জনকাশ	60	000				
আপ্রাহর (জীন সম্পর্ণরূপে আপ্রাহর না হওয়া পর্যন্ত ক্রম)							
प्रश्लाक केंग्र साथाय करना म कर्मा (चरिकारल गाँउ दानक)							
वासावय निकार कीन इस है जनाम							
						¢	
						b	
					৪৮-ফাত্য	44	929
				সম্ভ উনকে নকৰ উনের উপার ঋষী করার ঋন্য বাসুল স. প্রেকা	७३-नाक्क	2	Mpc
				সভা শীননহ প্রেরণ করেছেন আল্লাহ রাসূল স. কে	৯-জাধনা	00	680
				সন্দেহ (ব্ৰাসূদ স, আনীত ছীনে সন্দেহ থাকলে)	३०-इंडेगूम	308	998
				সাহাত (ইনের খাপারে সাহায্য প্রার্থনা করলে)	৮-আন্ফাল	93	800
				যোজা করা (রাসুল স, এর চেহারাকে ছীনের জন্য সোজা	. Million		
शक्तिकारन्य सन्। नाकितारन्य बीन				করর নির্দেশ)	20-56-54	305	998
অমন (অপ্লাহর বীন ক্ষতীত অন্য দিন কামন:)				হতাপ (ইনের খ্যাপারে করিবরা হতাপ খ্যামে আম)	৫-মারিদা	0	@bro
বেল-ভামাশারণে বীনকে এহণ করার পরিণাম				Sho (remarker)			
					১৬-নাহল	22	900
জোব-জনবদন্ধি (বীদের ব্যাপারে জোর-জনবদন্ডি নেই)					-	-	
জ্ঞান (দীনের গতীর জ্ঞান অর্জনে নের হওয়া,)					en laterta		200
জ্ঞান দান (আল্লাহকে কাফিরদের বীন সম্পর্কে জ্ঞান দান?)					00.4164	÷	1
ঠাটো (বীলকে ঠাটা হিসাবে প্রহণ করেছে যারা)					a Mary Same	200	-
চিব্নছার (খীনের ব্যাপারে ভিরন্ধার করলে যুদ্ধ)							
নির্দিষ্ট করা (ছীনতে অপ্নাহর জন্য নির্দিষ্ট করে ভাকে ভাকার নির্দেশ)							
নিপিট্ট করা (শ্বীনকে কেবল আল্লাহর জন্য নির্বিষ্ট করা)		96					
নিৰ্দিষ্ট কয়া (বীনকে এক আপ্তাহৰ জন্য নিৰ্দিষ্ট কৰা)		38	149				
নির্দিষ্ট করা (নৌখানে অপ্সাহর ক্ষার ছীনকে নির্দিষ্ট করে ভাকে ভাকে)		60	P-57				
विविष्ठ करा (अञ्चलक्षीया केन्द्रक प्रक्षास्त करा निविष्ठ करा संदर्भ)	১০-ইউনুস	22	600				
নিচাল (মান প্রতিষ্ঠার নিচাল ইবারট্রাম, দলা, দিলা, দুরা, দুরা, দলাক।	৪২-শ্বা	30	1933				
পূর্ণর (জুলের পূর্ণর দিলেন অল্লাহ আল, বিদার হক্ষের দিন)				শারি (মিলা শারি প্রার্থনা করনে পরবর্তীর পূর্ববর্তীনের জন)	৭-আ'রফ	OF	921
अप्रम (अवस्थितिका व्यन प्राप्त मान मान बेटन क्षार्त कार्य)				শান্তি (বিচৰ শান্তি হবে কিয়ামতে, তানের যারা)	২৫-ফুরকান	69	92
					১৭-ইস্বা	92	921
elithic act flame elithic source made transmission							

q	94		ধ
m	V/C	m	

হতণ -	- ধ্য
-	-

नव विश्वासमा	神事を			A STATE OF THE STA	The said		
विकय-वद्दवय				মিহান (খন-সম্পন নিয়ে মিহান কর থেকে নিরও ওবনর অনুমতি)	৯-ভারবা	88	688
বিচণ-বহুতণ মুদ ৰাওয়া নিবিদ্ধ	৩-আলে ইমরান	700	485	জীবন ও ধন-সম্পন নিয়ে আল্লাহর গথে জিহান	৯-খাওবা	20	683
দ্বিতীয়				ন্দীবন ও ধন-সম্পন নিয়ে আপ্লাহর পথে নিহান করা	৬১-সাত্ত	22	362
দু জনের মিটার জন ছিলেন রানুল দ, (হিজাতকালে পাহতের ৩খা)	৯-তাওয়া	80	688	জীবন ও খন-সম্পরের মাধ্যমে পরীক্ষা করা হবে (মুমিনাসেরকে)	৩-আংশ ইমরান	280	448
विधा		-		দেৱা (অবিশ্বাদীকে ধন-সম্পন দেৱা হবে, পুরুষান হলে)	১৯-माরইয়ाम	99	900
মুলাফিকনের মনে রাসুল স, এর সিদ্ধান্ত সম্পর্কে বিধা	৪-বিদা	002	909	পরীক্ষা মাত্র (মুখিনদের সন্তান ও ধন-সম্পদ)	৬৪-অগার্ন	36	369
অনেক মানুধ বিধার সালে আল্লাহর ইবাদত করে	32-20mg	22	969	पुनक्रबंदना मिन महाम ७ मण्यन (कान छेपकाद व्यागद ना	২৬-হ'আরা	pp	934
विश-क्ष	27.42		140	पुक्रस्यत थम-मन्त्रम नावीय कमा गाउ (पुक्रसम्य कर्वृद्ध दानाम)	8-मिना	08	693
সংশংহর দিখা-দক্ষে রয়েছে তারা ধারা ইমান আনেনি	p-55684	80	580	পূর্বকর্তীদের ধন-সম্পন অধিক ছিল (মুনাঞ্চিকদের চেক্টে)	৯-জ্যওবা	69	689
	W-0001	94	200	প্রতিমান (সম্পদ ব্যব্ধ করার প্রতিমান পুরোপুরি দেরা হবে)	২-বাকুরা	292	400
4-				প্রাচুর্য (খন-সম্পদের প্রাচুর্য দেরা হর্মন ভালুফকে)	২-বাকুরা	289	499
দুলখন গ্রহণ ভাওবকরীর জন্য হৈথ (সুন থেকে ভওব বরলে)	২-বাকারা	493	000	প্রকল ইয়াভিয়াক তার ধন-সম্পদ্ধ প্রকল করার সময় সাক্ষী রাখা)	8-निमा	b	440
<b>NATIONAL</b>				বনী ইসরাইশকে ধনসম্পদ দিয়ে পুনরায় বিন্ধবী করা	১৭-ইসরা	4	478
অৰ্পন (ধনতান্তৰ অৰ্পন কৰা হয় লা কেন বাসল স. এর প্রতি)	২৫-কুরকান	ъ	99-3	বাতিল পদ্ধায় অপুরের সম্পদ বাওয়াগ্রহণ করা বাবে সা	৪-দিস্য	436	690
জাকাপ-পৃথিবীর ধনসংখ্যর আল্লাহরই	৬০-মুনাঞ্চিক্ন	9	366	বিপুৰ ধন সম্পন নিয়েছেন আপ্ৰাহ গুলীন বিন মুণীয়াকে	৭৪-যুখাছবিব	34	330
আপ্লাহর ধনভাগ্রের রাসুল স, এর নিকট নেই	৬-জাৰ'জাম	đο	too	विद्वा धन-সম্পट्ता विनिवास (एक्ट्रान क्योदन धन-अञ्चलत विनिवास			
স্বাস্থ্যয়র ধনভাপ্তর দুহের কাছে থাকার দাবী ভিনি করেদনি	১১-ছদ	62	Celebr	बिद्धा क्या रेक्प)	8-निमा	48	600
ইয়াতিম বালকছৰের খলচায়ার প্রোচীয়ের লিচে)	72-16(S.O.	5-2	407	বার (আল্লাহর পথে সম্পদ ব্যক্তের উপায়া)	২-বারুয়া	465	0:03
মণ (ধনমঞ্জর দান করেছিলেন আল্লাহ কারুনকে)	১৮-কারাস	95	P-78	খার (অল্লাহর পথে সম্পদ বারের পর খোঁটা দা দেয়া)	২-বার্গরা	252	0.03
পৃথিৱী ও আন্তেশন ধনভাপ্তৰ অস্ত্ৰাহনই	৬০-মুনাফ্রন	10	368	ব্যয় (আপ্রাহর সমষ্টি কামনার সম্পদ ব্যয়ের উপমা)	২-বাকুরো	260	0.03
প্রতিবের নীচে ধনভায়ার (শহরের দুই ইয়ারীম বাশকের)	72-44EB	bra	300	বার (পোক দেখালোর জন্য ধন-সম্পন বায়ের উপযা)	২-বাকারা	368	0.07
বের করা (বিধা'ব্যক্তির গোরীকে ধনকারার থেকে বের করা করা)	29-0,0081	gy.	102	रात (दानक १४-गण्म (दनकेकार १४-गण्म व्यक्तिक रत (दानक)	8৮-वाटर	77	273
विभाग कर्ता (त्रां व्याक्त (पात्र(क करणावा (व्यान (त्रां क्यां (त्रां))) विभाग करणावा महित्र मिरक करणाव करणाविभाग वर्ष मित्रक	১২-ইউস্ফ	02	6949	বার (বিন, রাত প্রকাশ্যে ও গোপনে সানকারীর প্রতিমান)	২-বাকারা	298	665
বাসল স: কে ধন-ভাগার দেয়া হয় না কেনঃ কাফির বলে	১১-জুন	25	666	ব্যর (কা-সম্পদ ব্যর করে কচিবরা, অপ্রাহর পথ থেকে বিবর,)	৮-আন্দাল	96	905
श्रानुत्र न, एक पत्र-शास्त्र एतमा एवं ना एकन् र सावन्त्र पराव श्रानुत्रकारिक	33-61	34	900	बार (यानवार तत्थाता क्या भा-गण्य रात कराव पश्चिमा)	8-मिग्र	10ty	004
		_	-	অধবানা (মানুৰ ধন-সম্পদকে অধ্যন্ত ভাগবাসে)	৮৯-ফাছর	30	2055
রেখে যাওয়া (ধন-সম্পত্তি রেখে গেলে মৃত্যুকালে ওসিয়ত)	২-বাকুরো	79.0	450	ভাষবারা (বন্ধ-সম্পানের রাভি মানুহের ভাষবারা প্রবসং)	३००-'वानिवाट		3000
धन-সম্পদ		_		নিকটবর্তী না করা (মানসের খন-সম্পদ ভাকে সাধারত		-	
অধিকারী (ধন-সম্পদ ও সম্ভান-সম্ভতির অধিকারী ব্যক্তি)	৬৮-ফুলাম	78	৯৭৫	निक्रीवर्धी करा नो)	৩৪-সাবা	91	1/88
অধিকর রয়েছে সহাজ্যাবী ও বধিকের (মুন্তকীচন ধন-সম্প্রান)	৫১-যারিয়াত	7.9	959	পতিত ও সামার বিয়ুগীর বালিস পরার মধ্যের ভা সম্পদ রোগ করে	h-Steet	-08	680
অধিক ধন-সম্পদের অধিকারী (বিস্তর্জর বলত)	৩৪-সাবা	02	₽88	की (अंतरात का मान्यूया कीत गांवात कर अस्तिक विद्यापः)	50-00	ch.	999
আনমের বংগধরের ধন-সম্পনে পরীক হবে ইবলিস	১৭-ইস্বা	68	479	মানইয়ানবাসীয়া ভাচনৰ ধন-সম্পাদৰ ব্যাপাৰে বা কৰে	22-4H	p-3	690
আরু লাহাকের ধন-সম্পন কাঞ্চে আসেনি	222-MISIA	ર	2006	व्यक्तिकाकाविकात धन-अण्या एउन वाज्य ज, एक प्रश्च मा करत	b-वरवर्गा	20	682
ইয়াডিমের ধন-সম্পদের নিকটবর্তী না হওয়ার নির্দেশ	৬-আৰ্'আম	265	622	য়মিলসের ধন-সম্পদ ক্রয় করে নিয়েছেল আপ্তার	৯-ভারবা	777	965
ইয়াডিমসেরকে ভাসের ধন-সম্পদ প্রদানের নির্দেশ	8-मित्रा	ર	669	মামিলসের ধন-সম্পদ পরীক্ষা স্বত্তপ	P-MINISTER P-01041	26	608
ইয়াতীমের খন-সম্পনের নিকটবতী হওয়াও নিষেধ	১৭-ইসরা	48	474	प्रकार प्रकार के पर-अन्तर राजा करें कि उसर क्षेत्र से कर के	৬০-মনজিকন	40	300
ইয়াতিমের সম্পদ প্রদান (মানের মধ্যে বিচার-বিবোচনা দেখা গোসে)	8-निमा	6	669	मुनाधिकदम्ब धन-मन्त्रन (यन दोम्म म, एक मुख्य ना करत	৯-ভারেরা	50	685
উড়িরে নেয়া (মনুগ বঙ্গা- 'আমি প্রচুর খন-সম্পন উড়িরোছি')	৯০-বাদান	6	2050	प्रशासकारण पन-न-नन एक सन्त न, एक दूस ना करत प्रशासकारण नवान ७ धन-मन्तन नवीका बाद्य	68-31913F		
नेवादिनात्री(पूर्वनाता मान्या गण्याता नेवादिनात्री रखा,श्मावादाणा)	৩ও-আহ্বাব	29	pod	न्याना (५५-मण्डल नामस्य पुनिकतः पुनिकात काळ् वाह्म)	৩৩-আহ্বাব	34	369 864
উপকারে আনবে না পুনরস্থানের দিন (সম্ভান ও খন-সম্পন)	২৬-৩'আরা	W	9392	नाम (पनिवाद स्रीयन धन-मण्डा प्रवाधका प्रथमात बाह्य (पति।) नाम (पनिवाद स्रीयन धन-मण्डान नाह्य श्रीकेरपणिस्रा)	৫৭-হাদীদ	29	
रूप कामाना (कामाव्यक्ता ठाउँ का गर्वेश, कामाव्यक्त पर गर्छ)	79-442 <u>4</u>	ap	958	লাত (দুগনাম জাবন বন-সম্পন লাতের প্রাক্থেয়াগর) সম্ভাব-সম্ভতির ও ধন-সম্পন্নর অধিকারী ব্যক্তি		૨૦	340
কালে আনবে লা কাকিরদের ধন-সম্পন (কিরামতে)	৩-আলে ইমরা-	30	600		৬৮-বুংলাম	78	296
কলে অলবে ল কমিবনের ধন-সম্পন (পারির বিপরীকে)	৩-আলে ইমরান	226	683	ममुख करा (क्यादार्थना काइम व्यक्ताद का-मन्तर निज्ञ गमुक कादकर)	१)-न्द	25	928
কালে অন্যৰে না ধন-সম্পদ (বাহ হাতে কিতাবশ্ৰম্ভ ব্যক্তির)	৬৯-হাৰাহ	34	202	সাহায় (সম্ভাহ ধন-সম্পদ নিয়ে সাহায় করণে মনুগ মাস করে)	২০-মুমিনুদ	46	965
বালে আন্তে না (চুলফিবলের ধন-সম্পন কোন বর্বলে আন্তে না)	৫৮-বুজানাকা	29	348	মুশাইয়েনকে খন-সম্পদ নিরে সংহত্ত(দাবর রানীর উপায়র প্রদাস)	২৭-নামশ	400	805
কুপদের সম্পদ (ধংগ্রের সমর তার কাজে আসবে না)	৬২-লাইপ	22	3056	নৌদর্য স্বরূপ (পুনিরার জীবনের ধন-সম্পদ)	72-4154	86	944
করি (মুহর সংগ্রানর অনুসরুণ করে, যার ধন-সম্পদ করি বৃত্তি করে)	৭১-নুহ	43	246	ধন-সম্পন (রেখে যাওয়া বস্তু)			
কর-মতি (ধন-সম্পানর কর-মতি নিরে মানুহকে পরীকা)	২-বাকার	500	673	আইনা-সম্বানন বেলে ফাজা সম্পান লানী-পুরুষের অংশ আছে	8-निमा	٩	668
গ্রান (সম্পদ গ্রান করা নিষেৎ, বার্ডিল পদ্বার)	२-शकाश	200	652	ধনী (আরো দেখুন বিভবান/সম্পদের অধিকারী শব্দটি)			
अंतर (राज्यानव खाल अंतर कवाव क्या विशेषाक्रव मिस्सी (राज)	2-statet	200	497	আপ্লাহ্ ধনী-গরীব সকলের নিবউন্ধন	8-निमा	200	498
গ্ৰাপ (ইহুনিবা বাতিল পদ্ধার সম্পদ গ্রাস করার পরিখাম)	8-First	262	299	বিবাহ থানা উলিং, ধনী অভিযাৰকের (ইয়াহিনের দম্পদগ্রহণ থেকে)	8-निमा	ъ	699
शक्ता (मृद जा, সञ्चमत्या काछ धन-अन्मन शननि)	33- <b>3</b> 4	49	000	রানুল ন, কে আল্লাহ ধনী করেন (অন্যক্ষল অবছা থেকে)	৯৩-দুখ্য	b	2050
क्षिक्र (का-जन्मत e कीरन निया क्षिक्र रहन शासद नवान नवा)	s-Pixt	24	695	620			
জিয়ান করেছে খন-সম্পন নিছে রাস্থা স, ও ঈমাননারগণ	3-57691	pp	682	মাত্য-পিতাকে ধমক দেয়া নিষেধ	১৭-ইসরা	30	93/6
জিয়ান (খন-সম্পদ ও জীবন নিয়ে জিয়ানকারীনের শ্রেক্তর)	8-971	34	465	CAUSIMICA अपन शिव्यं फाब्रिया क्यांच (फरवर्गशांवा	৫৭-সাফফাত	1	P23
জিহাদ (খন-সম্পদ ও জীবন নিছে জিহাদের নির্দেশ)	a-1711 a-17111	83	088	भारत्याचीरक चम्रक मा (भवाव मिर्ठान	৯৩-দুখ্য	30	2046
জিন্তান (বন-সম্পদ ও জাতন সেরে জিন্তাসের নাসেশ) জিন্তান (বন-সম্পদ নিরে জিন্তান জনাক ব্যৱসা আছাত, ভাসের বারা)	3-0764 3-0764	93	089	SESSIONI	90-70		2040
জিবাদ (ধন-সম্পদ দিয়ে জিবাদ কথেকে বারো) জিবাদ (ধন-সম্পদ দিয়ে জিবাদ করেকে বারা)				ধ্যকানো ৭৩কে ধ্যকানো ব্যাহিল (তার সম্প্রনার কর্তক)	৫৪-কামার		
न्त्रकान (चन-न <sup>ा</sup> र्मन ।नदत्र ।स्वद्यान क्टब्रट्ड याद्य	৮-আনখাল	42	909	प्रथम नगरमा दावादन (काव नामावाव कर्न्ड)	K0-41418		306

ধাওয়া

लाल अंकर्त (प्रविश्वत त्यन शक्त वक्त ना (वस )

38.70

20 992

जिल्ला क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण	1			41441	644			
### 1997 - 199	THE BASKET	有可及此時	-		नम् देशह/धनकः	784.640	-	Ent.
्रिकेट पहिल्ल का स्वाप्ता होते का स्वाप्त कर का स्वाप्त कर के	थावणा (पूर्व गृक्षा त्यात्य)				দুদু সংৰক্ষের কলে (ভুলুমের বিপরীতে বৈর্যধারণ ও কমা)	৪২-পুর	80	b/38
1967 ( ) 1975 में त्याचार के प्रतिकृति कृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रति	মন্দ থকা (রাসুল স. ও মুমিনচের সম্পর্কে বেলুইনচের মন্দ থকা)	8५-वरवर	35	229	দৃঃসংকল্পন্ত প্রাসুলগণের মত দৈর্ঘধারণ করা প্রসঙ্গ			
Professional register and service are removalment   2.4 miles   1.5 miles	মৃতির (ইউসুফ বার ব্যাপারে মৃতি পাওরার ধারণা করল)	১২-ইউসুক	83	6tro	(মুখ্যাখন স, এর)	80-00540	005	922
Section of the property of t	মুমিনার ধারণা করের তারা কররে সমান্য সমস্ত অবস্থান বরেছিল	১৭-ইপুরা	क्र	935	নবীকে দৈর্ব ধার্যার নির্দেশ (তত পরিণামের স্কন্য)	১১-ছুদ	85	৬৭০
্ৰপ্ৰতিহন্ত কৰা প্ৰচল্প নিৰ্ভাৱন কৰা	দুশক্তিবান থকা (খানেকে দুশক্তির পরীত থকা বরত আন্তর্গুলক)	৬-আন'আন	44	293	নির্বাচন হয়ে বিজ্ঞান জিয়ান বৈর্বাক করেল অক্সাহ করে প্রতি	১৯-নাহল	220	959
"Entering the one with responding to the control of the control	মুক্তানীদেৱক থকোতীত উদ্যু থেকে অস্ত্রাহ বিভিন্ন দল বক্ষো			200	পুরবার (বৈশীল ও অস্তাহর উপর তরপ্রকারীর পুরস্কার প্রদার	২৯-আনকাবৃত	27	645
"Entering the one with responding to the control of the control	মূপরিবান্য ধানা ক্ষামাটি আহম ও পরিবান্য ক্ষা কল নির্বাহন	0.315/314	300	hoh	প্রতিদান (কার্য্যাত্তর কক্ষ প্রতিদান দেয়া হবে,	-	1	
ह का तथा पहण के विकास कर						২৫-ভূবকান	96	959
*** "A *** *** *** *** *** *** *** *** *					প্রতিশোধ প্রহণের ক্ষেত্রে বৈর্থ ধারণ উত্তম	১৬-শহণ	356	930
जिस्क कर प्रकार प्रकार कर प्रकार कर प्रकार कर प्रकार कर						90y-91903	80	399
Wide make or concreta con							38	
নামিক বাব প্ৰত্নাপ্ৰকাৰ নামিক কৰিব নামিক								
নাৰ প্ৰকল্প কৰিব কৰিব বাব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি								
िक्ष के किया का प्रकार के प्रकार के किया का क्षेत्र के किया								
		08-9191	20	280				
स्तित के कि व्यक्त के विकास के विकास का			$\vdash$					
		२५-जाएडा	69	928				
স্থান কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব								
1	<b>গ</b> টিয়ে আনা (ছায়াকে ধীরে ধীরে গুটিয়ে আনেন আল্লাহ)	২৫-কুরকান	85	9942				
जिल्ला क्रिकेट के क्रिकेट	ধুনিত পূৰ্ম							
পৰি পুলি প্ৰকল্প কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব	মহাস্প্রের দিন পর্বভাগমহ ধনিত পশ্চের মত হয়ে বাবে	১০১-কারি'আ	0	3003				
Part							₹8	No:
स्थान व्यक्त करिया के प्रतिकृति कर विकास कर वि		12	-	307	क् रेनाएस वेनद रेवर्पसक्तास बना कवित राज्यास निर्दान	৩৮-সোরাদ	6	3.99
প্ৰত্য আৰু আন্তর্গানীপুল হৈছে ক্ষেত্ৰক প্ৰত্য কৰা ১০০ শাৰ্কাৰ । ৪ ১০০ শাৰ্কা		10.000	-			৩১-লুকমান	29	454
स्त्रिक विकास के किया है किय		<b>410149</b>	03	800	বিন্দির (হিমানে,মিহান্ বৈর্থবাকা করলে আল্লাহর নয় ও কয)	১५-नार्ग	220	959
প্ৰকল্প কৰিব বা প্ৰকল্প কৰিব বা প্ৰকল্প কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব			ļ.,	-	বৃদ্ধিমানরা বৈর্বধারণ করে আপ্নাহর সম্বাচিত উদ্দেশ্যে	১৩-রা'ন	44	690
िवस के किरण विकास के किए के		700- glisate	8	7000	মূপরিকরা হৈর্বধারণ না করণে রাসুদ স, ভাদেরকে,	২৫-ফুরকান	84	978
াপৰ প্ৰতিকলি কাৰণ বাংলা (বাংলাহাত) - ১০-বছৰ প্ৰত্ন প্ৰত্ন কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব				_	मुक्तकार म रेपिकार मुज्यासकार क्षा कर्मान्स रेपिकार पर)	৪৬-আত্তাক	-02	227
পুৰিষ্ঠান প্ৰত্যাৱ কৰিছে হোৱা ক		१५-६वाक्वाद	0		মুমিনরা বৈর্থবারণ ও অকেওয়া জবদধন করলে	৩-জালে ইমরা	250	683
प्रशास (विकास प्रेम क्षा कर किए के		২৫-ফুরবাল	50	45-8	মুমিনার বৈর্থবারণ করলে ও ভারতভার অংলখন করলে	৩-জালে ইমরা-	256	287
পুন্ধ কৰাৰ বুলা কৰাৰ কৰাৰ মান্ত্ৰ মান্তৰ্ভাৱ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ মান্তৰ মান্তৰ্ভাৱ কৰাৰ কৰাৰ বুলা মান্তৰ্ভাৱ কৰাৰ কৰাৰ মান্তৰ মান্তৰভাৱ কৰাৰ মান্তৰ					মু মিনসেরকে হৈর্থধারণের নির্দেশ	৮-জানজাল	84	600
स्कित है । अपने क्षा का क्षेत्र के स्वर्ण का क्षा का का क्षा का क्षा का क्षा का क्षा का क्षा का क्षा का क्ष	চেহারা (কিরামতে কিছু চেহারা বুলিময় হবে)	৮০-আবানা	80	1009	মূপা আ, ধৈর্ব ধারণ করতে না পারা (বিশ্বিরের সাথে)	১৮-বাহক	મર	903
कारण ( क्रांच क्रा क्रांच क्रांच क्रांच क्रांच क्रांच क्रांच क्रांच क्रांच क्रांच क	श्रुमञ्							
মাৰ্চনি কৰিব কৰা চাৰ্চনি কৰিব কৰা আহিছাৰ কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা ক	অপর্কার (পুনর আর্বকানার পরিশত করেন অস্তাহ চারণাচুনিকে)	৮৭-আশা	e	2023			246	620
ত্ৰিক বিপৰী) — তাৰ প্ৰতিক্ৰ কৰিছে নাম কৰিছে	Surf				হসার হৈর্বধারণ করাত না পারা (বি <b>ছি</b> রের সাথে)	hir-dipp	93	980
Decid articular)  - 1	अधिकारी (प्रभारक देशम बाबा लाहितांड कवांड नाटव सार्वा	-	-	-				
মান্ত্ৰীয়া কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব		83-कुम्मार	-05	999				
क्षण्डिक विकास कर किया है किया कर कार है के किया कर कार हों किया कर कार होंग्या कर होंग्या कर कार होंग्या कर होंग्या है कि हम		18,34950	27	454				
আৰু পৰত প্ৰতিবাহন কৰিব কৰা কৰা কৰা আৰু আৰু কৰা কৰিব কৰা								
中国 2 - 1 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2								
মাজনে (বিশ্বনাথ সামাজনা) ক্রমান (বিশ্বনাথ								
হামান্ত কৰিব নায় কৰিব								
20   100		45.5800	40	180				
মান্যালয়ক নিৰ্বাহন চিপাল কৰা (নিৰ্বাহন)  - কৰ্মান্য কৰি কৰা কৰা কৰি কৰা কৰি কৰা কৰি কৰা কৰি কৰা কৰা কৰি কৰা কৰি কৰা কৰা কৰা কৰি কৰা কৰি কৰা কৰা কৰি কৰা কৰা কৰি কৰা কৰা কৰি কৰা কৰি কৰা কৰা কৰা কৰি কৰা কৰা কৰা কৰি কৰা কৰা কৰা কৰি কৰা কৰা কৰা কৰা কৰি কৰা		79-50EM	40	996				
Personnel of the first from entry (female) — ৩০-ছিল্ল । ১০০ ছিল । ১০০ ছিল ১			-					
कर्षण (क्रिकेट के बार कर के क्षेत्र के क्षेत्र कर कर के क्षेत्र								
তিক বাহুন প্ৰত্নি প্ৰক্ৰিক বাহুন না কৰা পৰিছে কৰা প্ৰকৰ্মত (১৯-বছৰ প্ৰক্ৰিক) কৰা প্ৰকৰ্মত কৰা কৰা প্ৰকৰ্মত কৰা প্ৰকৰ্মত কৰা প্ৰকৰ্মত কৰা কৰা প্ৰকৰ্মত কৰা কৰা প্ৰকৰ্মত কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা প্ৰকৰ্মত কৰা							700	
হৃদ্ধ (প্ৰত্যাপৰি হল, ছিল্কুৰ জনাস্তান)  ১৯-ইছিছু (১) ১৯-ইছু (১)					রাসূল স. কে থৈথবারণ করতে আল্লাহর উপদেশ	80-मुभिन	66	225
ভাল (শিৰণা বিদ্যালয় নাম আনু তেনে বিশ্বনাধন কৰে কৰে । ১৯-বিশ্বনাধন কৰি । ১৯-বিশ্বনাধন ক					য়াসূল স. কে থৈওঁগালে করার নির্দেশ (কাফিয়াগের করার)	৭০-মুব্বাশ্বিল	30	77.5
তাহ ((red early red and cold a)) (red early red a) (2-2-2) (1-2-2) (					হাপুল স, কেপ্রতিপালকের হনুকোর জন্য থৈকে ধারণের উপায়েশ	৭৬-পাহর	48	bbb
হৈ e de des en entre source trage et allégres dates)   32-80 et se								
ত 2004 (তাল বিশ্ব বিশ্								$\overline{}$
প্ৰপাশ ( শাল্প কৰ্মকাৰ ক্ষমান ক্যমান ক্ষমান ক্ষমা						১০-ইউনুস	209	668
1.5   1.5		১০-বাশান	24	7050		11 700	-	-
ত্ত বা আয়ানিকাত (বিশ্ব প্ৰত্যাপ কৰিব পৰি) ১১-জুৰ ১৯ ৩০০ কৰা আয়ানিকা (বিশ্ব কৰাৰ কৰিব প্ৰত্যাপ কৰিব কৰিব প্ৰত্যাপ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব			30	694				
সম্প্ৰকাশেন বিশ্ব বাবাদ পৰি প্ৰাৰ্থন (বিশ্বন আনৰ পঞ্জ) - শৰ্মায় স্থান কৰি কৰি প্ৰাৰ্থন কৰি প্ৰাৰ্থন কৰি কৰি কৰি প্ৰাৰ্থন কৰি	क्टी रेशर्प शास्त्र कतात्र शास्त्र (ज्ञानूनगट्चत)	১৪-ইবরাহীন	24	658				
জানুকরানের নৈর্দ্ধ গারাপর পঠি প্রার্থনা বিনাম বানেরর পর। ৭-বার্টারাফ ১২৬ ৬২৩ শারাজ প্রার্থনার নির্দেশ। ২-বার্ট্ধনার নির্দেশ। ২-বার্ট্ধনার নির্দেশ। ২০০ ৫১৭ জারাজীনের বিবাধনার নার্ট্ধনার নির্দেশ। ২০০ ৫১৭ জারাজীনের বিবাধনার নার্ট্ধনার নির্দেশ। ২২-বাঙ্কার বার্ট্ধনার নির্দ্ধনার নির্দ্ধনা	ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান (দৈর্থ গারণ/সংলাক্ষের জন্য)	33- <b>द</b> म	22	999			80	606
জনুষ্ঠিনের বৈরোধ কেরেপ কেরেপ করনের সালাম ১০-রা'দ ২৪ ৩৯০ সুক্রকের বিশাস করনর হার বৈর্থনাকরীনের নার সুসংবাদ) ২২-হাজ ৩৫ ১৬১	জ্বদুকরদের দৈর্ঘ ধারণের শক্তি প্রার্থনা (ঈমান আনার পর)		326	950		২-গড়ারা	200	678
অকওয়া অবদ্যন ও বৈধিবল দ্বুসংকল্পের বিষয় ৩-মালে ইমার্চ ১৮৬ ৫৫৪ বিজ্ঞানতারিক বৈদিকত ও আল্লেক উপা কলা (প্রতিকাল্যেক) ১৬-মালে ৪২ ৭০৬	জন্নাতীদের থৈর্মের করেশে কেরেশভালের সালাম	২০-ছাদ	28	930	সুক্তেদ (বিশাস আমার হয়ে বৈর্থধানার্মাইনের মন্য সুক্রেন)	२२- <b>श</b> ण्ड	00	165
	ভাকওয়া অবলয়ন ও বৈহিধারণ দুদ্দাকেল্লের বিষয়	০-বালে ইমরান	25-0	998	হিলাভনটিনে দৈবলৈ ও অ্যান উপা কলা (প্রভিনে প্রকা	১৬-নাত্ৰ	83	900

नव विवद्य/धनम	ज्यास्थ वर	100 4	780	नव विख/देश	সূহা দং ও দাস	100	e di
देश्वनीम	-	_		মনুহার প্রতি বেরার কুলেই প্রেলা্সিমা কভিত্রম করতে গোল)	৫৫-রাহ্মান	€.	>86
উত্তম পুরস্কারের অধিকারী হবে ধৈর্যশীলকা	২৮-কাশ্য	lino.	964	ধংসে (আরো দেখুন চুর্ব-বিচুর্ব শব্দটি)			
অঞ্চনের শান্তির ব্যাপারে কভর্তনা দৈর্ঘশীল ভারা ধারা	২-বাকুরো	290	67.9	অধিকৃত অংশ ঝাল করা (বনী ইসরাইশ প্রসঙ্গ)	১৭-ইল্রা	٩	371
মাল্লাহ ধৈৰ্ঘশীলনের সাথে বয়েছেন	৮-আনকাল	86	909	অনুমানকারীরা থালে হোক	৫১-বারিয়ার্ড	30	250
অস্ত্রাক্ থৈবনীকদের লাগে ররেছেন	২-বাকুরো	760	673	অপরক্ষে করণ ঋণ্ড করলে প্রতিশসক নিরম্বাইন বংশ	৮-আনকাল	68	60
অস্তার বৈর্থনীলনের লাখে আমেন	২-বাকুরো	489	655	অপরক্ষের ব্যৱদে পূর্ববর্তী প্রস্কালুকে ধ্বংগ করা হয়	৬-আন'আম	6	65
अन्नार देवर्यनीनास्त्र जात्व वार्यन	৮-অনকল	66	609	অধনিটনের কালে করলেন আল্লাহ (লুড-পরিবার ছাড়া)	৩৭-সাহকাড	306	5%
ইদবিদ থৈবিশীলনের অন্তর্ভুক্ত ভিলেন	२५-वास्ति	b-g	900	অর্জন্যকৃতকর্মের কারণে মানুকের থাগে প্রশন্ত	৬-আন্'আম	90	60
ইসমামল বৈর্থনীলনের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন	२५-व्यक्ति	৮৫	900	অধ্যপ-পৃথিবী ৰাংশ হয়ে যেত, ৰদি সভাচন্য প্ৰবৃত্তিৰ অনুশামী হ'ত	২০-সু"মিনুন	93	99
হুসমাদলকে হৈৰ্থনীল পাবেন পিতা (ক্লবাই করার সমর)	৩৭-প্রকৃত্যত	203	HP5	আকাশ-পৃথিৱী কাৰে হয়ে যেত (বহু ইলাই থাকলে)	২১-অধিবা	44	9.0
উত্তৰ, বৈৰ্থনীকলোৰ জলা (পত্ৰদাৰ কাছ খেকে প্ৰতিলোগ এইল প্ৰদাস)	১৬-মাকুল	250	930	অপ্তলে অধিবাদীনের জন্য ধাবে	৬৭-মূল্ক	22	24
ভালে, বেশাপালের অস্ট (স্ক্রের আর বেকে প্রাক্রের প্রথম প্রাক্রির জ্ঞানে নিবেন আপ্রার ধৈর্বশীলাদেরকে	৩-মালে ইমরস		689	অদ সম্প্রদারের খালে (প্রতিশালককে অবিশ্বাস করার)	22- <u>4</u> 8	60	64
জেনে। দংকৰ আক্সাৰ বৈৰম্পালনেত্ৰত জেনে নিৰেম (অক্সাহ কৈম্পিলানেত্ৰকে পৰীক্ষা করে জেনে নিবেম)	89-मुश्राचान	99	978	জন সম্প্রদায়ক অক্সাই ঝাল করেন (ছুনকে মিধানানী কার)	২৬-৩'আরা	) Ch	92
জেন দেবন (অপ্তাহ বেংশালসেরকে শরকর বর্ণন বেলে সংগ্রাক। দিন্দান (অপ্তাহর নিজ্ঞাল বৈধনীল ব্যক্তির জন্য নির্দাদনরূপ)	३८-देखारीय १८-१		690	অদ সম্প্রদায়কে অক্সাহ ঝংস করেছিলেন	৫০-নাভাম	20	85
		233	3/84	প্রার লাহাবের পুই হাত ও লে নিজে ধ্বংস হোক।	222-MES	3	200
নিকর্ন হরেছে বৈপৌশসের মন্য (সাববালীসের পরিপঞ্জিত)	৩৪-সব			আধান (অনুভালার ও সম্প্রনারক ধারনে অবসে নদিয়ে অবস)	১৪-ইবরাইম	20	63
নিদর্শন (ঝালীলসের কর সৌখনের চলাচার্য নিদর্শন বার্যাই)	৩১-পুকমান	-02	1/49	অপ্তাৰ ধাৰে কৰাত চান খনি-মাইলামে পুৱ মনীহ ও	०-शक्ति	39	6.0
নিনৰ্শন, ধৈৰ্মশীল বভিন্ন জন্য (সমুদ্ৰ-পৃষ্ঠে নিকল জাহাজ)	৪২-প্রা	00	344		২৮-কাপাস	95	93
ৰান্দ (মাইউৰ ধৈৰ্বশীল বান্দা ছিলেন)	०५-८१इइन	88	brbbr	আপ্তাই ধানে করেছেন কালনের চেরে শক্তিশালী প্রকল্ অপ্তাই বাল বঞ্চন আন্তাহে বার পূর্ববর্তী অধিবানে অনুসাম করেছে	১-ভারবা ১-ভারবা	-00	68
বিশক্ষন দৈর্ঘশীল বিভাগী হবে দুইশত জনের উপরে	৮-জানখাল	96	(HOP)				69
বেহিসাৰ প্ৰতিনান দেৱা হবে (বৈৰ্থনীলদেৱকে)	৩৯-মুমার	30	294	অক্সহন শতুলে মহেলা কাল্য-প্রতিপাদক সম্পর্ক ভার ধকা	৪১-ফুস্সলাত	50	
ভাগৰাসেন অস্তাৎ দৈৰ্ঘনীলনেক	৩-আলে ইমরা-		483	অল্পাহ যদি ধাংল করেন রাসূত্র স, ও তার সাধীদেরকে	৬৫-মূলক	52	20
মূভাকীরা ধৈর্যপীল	৩-আলে ইমরান		603	অস্ক্রাহ্ থানের করেন করনে আনেরত উপলেশ নানের ব্যেক্তিকার	৭-আ'গ্রফ	248	
মুদ্দিন (কৈন্দিল একশত মুদ্দিন বিন্ধানী হবে দুইশত অবিভাৱ উপান)	৮-আন্ফাল	60	605	অহ্বান (বংগে আহ্বান করবে কফিবরা, কিরামতে)	২৫-ফুরকান	78	91
মূসা ব্য. (ধৈৰ্মশীল থাকাৰ প্ৰতিশ্ৰুতি দিলেন বিভিন্নতে)	১৬-বংবুক	69	200	আহ্বান (ধাংব আহ্বান করার নির্দেশ, কাভিরদেরকে)	২৫-ফুরকান	78	91
যুদ বিফল দৈৰ্যশীলদের অন্তৰ্ভুক ছিলেন	২১-অধিরা	34	100	ইন্ধ (প্রক্রিয়াক ইন্ধ করেল পূর্বেই খালে করতে পরতে( মূপ আ.প)	৭-আ'রাফ	766	9:
নুসংবাদ (কৈবঁদীলদের জন্য সুসংবাদ, বারা বিপদে)	২-বাড়ারা	366	624	ইয়ান না আনার কারনে জনপদ ধ্বাবে হওয়া প্রসঙ্	২১-আধ্যা	9	90
ধৈৰ্যলীলতা				উম্বান (সকল উম্বান্তে একের পর এক খালে করেছেন সম্বান্ত)	२०-मुधिनून	88	96
বৈদ্বীলয়ের প্রতিদান হিলাবে অস্ত্রাহ জান্তাত লিকেন	৭৬-দাহর	35	356	ব্যালিদ বিন মুখীরার থালে (বিদ্ধান্তের ক্ষণ্য)	৭৪-মুদাক্ষির	20	8
रेथवंनीन मारी		-		বঙ্গালিন বিন মুণীরার থাংগ (সিছাজের জন্য)	৭৪-সুনাহৰিব	32	31
ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান (ধৈর্ঘশীল নারী-পুরুষের জন্য)	৩৩-মাহধাৰ	00	906	কফিবরা নিজেনের বাড়ীঘর নিজেবাই ঋণে করল	৫৯-জশর	2	200
দৈহনীল পুরুষ		-	-	কিয়ামতে বিশ্বাস না করলে ঋংস হওয়া প্রসঙ্গ	२०-जृ-स	36	91
क्या a श्रद्धक्रिमन (शर्वनीत नार्दी-शुक्रस्वत बन्ध)	৩০-আহ্বাব	00	bob	কুপৰ ব্যক্তির ধ্যাপ্রসর সময় তার সম্পদ কালে আসবে না	৯২-লাইল	22	30
	00-4461	- CA	900	গর্ভভয়সাদেরকে ধ্বাসে করা ব্যাহিদ	৮৫-বুরুজ	8	30
দৈর্মের প্রতিযোগিতা	- one book		000	হাতুন সংখ্যবাহক খালে করা হর (পশিহকে হনের জড়রে করার)	২৭-গামল	67	bri
ম্মাননাৰদেৱকে ধৈৰ্মের প্রতিযোগিতার নির্দেশ	৩-বালে ইমরা	200	444	হামুদ ক্ষতিৰ ক্ষয়েগৰ ন্যায় মানইৱানবাদীও ক্ষাদে হল	১১-ছদ	3-2	6
रेश्व धारणकारी		_		হাতুৰ সম্প্ৰনায়কে বস্তুজনি হাত্ৰা আংল কতা হয়েছিল	৬৯-হাকার্	2	3
স্বভাব-জনটনে ধৈৰ্য ধারণকারী প্রকৃত সভাবালী ও মুজাকী	২-বাবুংরা	244		হামুদ জাতির ঋংস (প্রতিপাদককে অবিশ্বাস করার)	১১-ছুদ	67	6
দুঃখ-দুর্নশার থৈর্থ ধরণকারী প্রকৃত সভ্যবাদী ও দুরাকী	২-বাবুধরা	244		ছত্ত্বৰ জাতিতে অহন কন্তেলন প্ৰতিশালক (এটানৰ পালের কাবলে)	৯১-শাম্স	38	30
সপ্তাম-সংকটে ধৈর্ম ধারণকারী প্রকৃত সভ্যবাদী ও মুন্তাকী	২-বাকুরা	266	672	জনপদকে আংগ (সূপুমের জন্য)	29-915B	q'b	9
বৌত করা				জনগদকে ব্যক্তাখন আনে করে (জনপান প্রবেশ করলে)	২৭-নামণ	08	b
মুখ্যন্তক খৌত করার নির্দেশ (অস্কুতে)	৫-মারিদা	6	65.2	জনাদ বালে (কুলুমের করনে অল্পাহ কর জনাদা বালে করেনে)	44-DIM	82	9
(वीक)				জনপদ খালে করা হয়েছে (বিষয়বে লিপিবছ নিষ্ঠানিত সময়ে)	১৫-হিকার	8	86
অন্তাহকে থোকা নিতে চার (মুনাফিকরা)	২-বাকুরো	>	605	জনগদ থালে কয়েছেন আল্লাই	৭-আ'রাক	8	6
অস্ত্রাহকে খোকা দের বলে ভাবে মুদাফিবনা	8-निमा	785	090	জনপদ জালে করেছেন আল্লাহ	২৮-ফালাল	27	16
অফিবরা থোকা দিতে চার যদি রাসুল ন. কে (সন্ধি প্রসঙ্গ)	৮-জানফাল	62	906	জ্বলন জান করেন অল্লাহ (গাপাচারের কারনে)	১৭-ইস্রা	36	9
দ্বীকের নিয়ন্ত্র নিয়া বচনা থেকার মেলে রেকেছে কালবাকে করা	৩-জালে ইমর		609	स्थान अस्य करान वा आहार (गांगामास करान)	59-a,बाबा	509	9
নিজকেই খোকা দের (মুনাফিকরা)	२-राकृत्वा	2	403	क्षत्रम् व्याप्त प्रदेश में प्राप्त (गठक्या में नाएक)	৪৬-আত্কাক	39	1 2
যুনাভিকদেৱকে আল্লাইই থোকা দেন (নামান্দ প্ৰসঙ্গ)	8-791	384		জনপদা আংগপ্ৰাপ্ত জনপদের অধিবাসীরা ভিরে আসবে দা)	২১-আধিয়া	30	9
মুমিনদেশ্বকে ধোকা দিলে চার (মুলাফিকরা)	২-বাকুরো	2	605		२२-दूस २३-आस्था	224	16
		-	1	জ্বলাস জ্বলে (প্রতিশালক অভারতার কেনি জ্বলাস ধালে করেন শ)			b
(भारा	os verberz	22	346	জনসভায়ৰ জন (জ্যেলয় কৰিব দৃহ সম্প্ৰায়ক জনগ্ৰাস)	১৯-আনকাবৃত		9
আকাশ ছিল পোঁয়া (সৃষ্টির সূচনা পর্ব প্রদক্ষ)	83-क्रुजिलाउ	33	120	জনপচের অধিবাদীদের ইমান না আনার ফলে থাংস হওয়া	২১-আধিরা	6	
খোয়াছন	-	-	l	জনপদ কাৰে (আল্লাহ কোন কনপদ কাৰ্যের ইয়া করপে)	১৭-ইস্রা	3/5	13
আকাশ ধোঁরাজন্ত্র হয়ে আসবে (কিরামতে)	৪৪-দূর্থান	30	305	ধনগোঠী কলে (কড জনগোঠী কাসে করেছেন সাল্লাহ)	৩৮-সোরাদ		Þ
থোঁয়াবিহীন অগ্নিশিখা				জনপদ খালে (উপুগ স্থ এর জনপদের এরে শতিপালী জনপদ খালে)	৪৭-মুহাম্বাদ	30	8
জিনকে আল্লাহ খোঁৱাহীন অগ্নি শিখা থেকে সৃষ্টি করেছেন	৫৫-বাহ্যান	36	909	ৰাম্নতিকে প্ৰয় খালে করে ফেলেকিল মাহন্দ্ৰমি থাকি (পুনিয়াতে)	৩৭-সাত্কাত	6.0	12
গোঁয়ার কুড়লী				অধিমদের থাংস প্রবাস রাস্বগণের প্রতি গুড়ী	১৪-ইব্রহীম	30	0
জিলে প্রতি পেরার কুল্পী প্রকাশেরীয় অভিত্রম করতে গেলে)	৫৫-বাহমান	02	280	ভাবিমদের থালে বৃদ্ধির জন্য নৃহের পোয়া	१५-मुद	₹₩	8

1			श्वरूत	নগদ			
Maria San San Paris Control of the C	70 70 000	-	34		Secureo (v-rv)	200	
थरारम (नृतं नृक्षा तमरक)		$\overline{}$		শার্রির করা অন্তর্যাহ পালে করকের (অন্তর্যাহ সম্পর্কে মধ্যে রচনকরিলের)	২০-জ্ব-হ্য	45	188
ভারত পালে করতে পারেন অক্সার (মানুমের কুতকর্মের কারণে)	82-78	48	5/58	স্কৃত্যপ্ৰকাৰীদেৰ ইমায়তেৰ ভিত্তি আল্লাহ ঝংল করেল	३५-मार्ग	26	90
জলিম সংগ্রদায়কে খালে করা হবে (অপ্তাহর শান্তি আন্যাস)	৬-আৰ্'ক্সম	81	600	সভৰ্বনাৰী না পাঠিকে আল্লাহ জনপদ ধাংস করেন না	২৬-৬'জারা	205	934
লালির সম্প্রান্তের জন্য ধংলে (আদ সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	২৩-মু'মিলুন	83	956	সম্প্রদায়ের জন্য ধাংস (দিয়ার আনে মা যে সম্প্রদায় ভাসের	২৩-মু'মিলুন	1	
অশিম সম্প্রদারের ধংগে কামনা (নূমের প্রাবন প্রনম্ব)	১১-তুল	88	665	बन्ग श्रार्थ)	५०० दे । वर्ग	88	96
অপিমদেরকে আপ্লাহ ধাংল করেছেন	২১-আধিরা	b	920	সন্দির্ভের পরিবারের ধানে ভারুদ সংযোগানের প্রভাক করা প্রদাস	२९-नामन	83	box
ৰড্নে হাওয়া থবা আদ সম্প্ৰদায়কে ধাংদ করা হয়	৬৯-হাজার	6	486	ধ্বংসকারী			Т
ভূপা সম্প্রাধার ও ভামের পূর্ববর্তীদেরকে থালে করেছেল অস্ক্রার	88-जुनान	109	800	অক্সাহ কলপদৰালীর ধাংলকারী দল (তারা স্ফলাইত বাকাবছার)	৬-আন্'আম	707	60
দল ধালে (মঞ্জর কফিবলের ন্যার অনেক লগ ধানে করেছেন জন্ত্রার)	৫৪-কামার	62	200	অল্পাহ ধ্বংস করবেন লকল জনপদ (কিল্পামন্তের পূর্বে)	১৭-ইস্রা	ev	375
দেখা (পূর্বের অনেক সমৃদ্ধ প্রকালের কাংস দেখা প্রসঙ্গ)	৬-আন্'আম	6	6,80	অপাস ধানে করেন না প্রতিপালক (অধিবাসীরা জলিম না হলে)	২৮-ভাসাস	63	37
ধাংস হবে স্পষ্ট প্রমাণের ভিতিতে (বদরবৃদ্ধ প্রসঙ্গ)	৮-আনফাল	84	900	অনপদ ধাংদে করেন না প্রতিপালক, হাসুদা স. না পারিয়ে	২৮-কালাল	45	62
ধাংস হবে যে সে ধাংস হবে স্পষ্ট প্রমানের ভিত্তিতে	৮-আনফাল	84	666	দাংসপ্রাপ্ত		_	
নির্দিষ্ট সময় নির্বাহন বহুচহেল আল্লাহ (জালিমদের খাছসের)	३४-वाइक	65	9436	ইয়াকুৰ আ ধালে দা হওয়া পৰ্যন্ত ইউসুফলে স্ফলা করতেই ধাবাবে	३२-१७नूक	ÞØ	691
নির্বেখনের কাজের কারণে সর্বাইকে ধালে না করার পোরা (মূলার)	৭-আ'রফ	200	646	मूर्गतिकता धारमञ्जाब साठि	২৫-তুরকনে	35	930
নিকেপ (আহমর নিকে নিকেপ করা, নিঞ্চ হাতে নিজেকে)	২-বাকুরো	794	444	ফিরমাউন সম্প্রদার কাসেপ্রার হল	২০-যু মিশুন	80	963
निकामाद्रवर्धे भारत कार्ड, यहा काल करत दिला कार्ड,	৯-জাওবা	84	688	ফ্রিজাউন ধ্যংসপ্রাপ্ত, মূল্যর ধারণা	১৭-ইস্লা	205	130
নিজেকেবলে খালে করে কবিবরর (কুরাজান থেকে মূরে থেকে)	৬-আন'পাম	26	469	थररममुबी			
পাপাগরী সংখ্যাব্যকেই ধাংস করা হবে	86-आव्दाक	00	227	বেশুইনরা হিল এক থালেমুবী সম্প্রদার (মুনাফিক প্রদাস)	8५-मगस्य	25	974
পূর্ববর্তীকের ধ্বংস করেছেন আল্লাহ (অপরাধের জন্য )	৭৭-মুরসালাত	3/6	294	ধংগ (মৃত্যু)			
পূর্ববর্তীদের খালে না আসা পর্যন্ত ( সিমান না জনা প্রদাস)	79-4164	00	955	থাংগ আহলে করবে সে, যার আমলনামা	<b>৮৪-ইন্শিকাক</b>	22	303
पूर्वनहीं तामन् बाहाना मार्च इक्तिमनामा क्रमा निवर्तन चाहा	२०-ड्रा-वा	240	985	বিবাহত অধীকারকরীরা ধাংগ মৃত্যু আহ্বাদ করতে	২৫-ফুরকান	30	930
পূৰ্ববৰ্তী কাঞ্চিন্নদেৱকে আল্লাহ ভালে কৰেছেল	৪৭-মুহাম্মান	30	275	<b>धारम</b> ीन		-	-
পৃথিবী কালে হরে থেত যদি আল্লাহ কতক মানুষকে প্রতিহত		-		সৰই ধাংসদীৰ (পৃথিৱী/ডু-পৃষ্ঠের সৰই ধাংসদীল)	৫৫-রাহ্মান	২১	>84
न करायत्	২-বাকুরো	567	243	সংক্রি ধানেশীল (আল্লাহর সরা ছাড়া)	২৮-কাশ্য	by	P30
প্রজনু জনে (সাপ্তাহ কত প্রজনু জনে করেছেন)	১৯-মারইরাম	35	980	थरश्रम			
প্ৰৰুদ্ধ থালে (সাল্লাহ বহু প্ৰকৃত্বকে ধাংল করেছেন)	১৯-মার্ক্রাম	98	90%	জনপদ ধংগেরপে পরিশত হওয়া (উদারের প্রদাস)	২-বাকুল	20%	603
গ্রহুর ধানে (স্কুপুরের করেশে বছ প্রকাশ্বরে ধানে করা ছয়েছে)	২০-ইউনুস	30	622	খুপুমের কারণে জনপদ ধাংসম্রণে পরিণত করা প্রসঙ্গ	55-50m	84	963
असन् भारत (न्टारा नाडाश कट शक्ता भारत करवाइन काहार)	১৭-ইপুরা	24	936	বাগান অংসম্ভংগ পরিগত হল (অকৃতজ্ঞতার ভারণে )	7h-siéa	83	946
डाबप् बारम (गुर्वराजे डाबरमूत भारतक कि नकावनीन बदद मार)	৩২-সাঞ্চল	25	2005	भारमञ्ज	20.1151		120
প্ৰমান মালে (পূৰ্ববাৰী প্ৰমান মালে কৰালে আল্লাছ, নিৰা'আইল প্ৰদান)	২৮-কানান	80	A22	শরীক ও মুশরিবদের মাধে এক ধাংলছদ আল্লাহ বাদাবেদ	১৮-কার্ক	વર	942
গ্ৰহুদু ধালে (পূৰ্বের অনেক প্ৰস্তুদ্ধকে জালে করেছেল জাল্লাছ)	60-Mata	96	348	थर्दान (शमध्यनि)			100
शक्त भारत (का शक्तपुर प्रकृत भारत करहारू है ठपूर्ण.)	৩৬-ইয়ানীন	97	1000	পদশ্বনি ছাত্ৰ সাহমটোৰ সমান কোন পদ পোনা যাবে না	২০-ছা-হা	209.	981
গ্ৰহন থালে (বছ প্ৰমন্ থাংস করেছেন আস্থার)	76-A54M	cp.	9948	KS	70-81-0	200	101
প্রবিশালকের নির্দেশে শান্তির বাস্ত্র থালে করেছিল (বুল জাভিতে)	৪৬-আর্বাফ	42	970	পর্বত ধালে পড়ার উপক্রম হয় (কাঞ্চিবদের কথার)	১৯-মারইলম	No.	180
হকে শবিশন কন্যাতীকেও আক্লাহ অভীতে ধালে বতেছেল	৪০-যুগরুক	4	bribib	ধ্বসিয়ে দেয়া	2/9-H19(9)-4	80	180
ফল-ফলল ঝালে করতে চার বারা,	২-বাস্থানা	308	650				
ফিরআইনের শিল্প ও প্রাসাদ ধাংস করা প্রদাস	৭-আগ্রহ	209	648	ত্মি থাসিরে দিলেদ আল্লাহ (কারুল ও ভার প্রাসাসসহ) ত্মি থাসিরে দিনেদ আল্লাহ (অনুপ্রহ না কর্মে)	২৮-কাদদ	33	1/20
বংশ ধ্বংশ করতে হার যারা	২-বাকুরো	308	650	ক্ষম ক্ষমির সিরে করুক অপরাধীকে পাকড়াও করা হয়	২৮-কাসাস ২৯-আনকাবৃত	25	P.75
বশেরদেরক থালে (বভিলপদ্ধী পিতৃপুরুষদের কামের করেন)	ব-আ,শ্রাক ব-নামিন্যা	390	659	ভূমি অসিত্রে দিতে পারেল আল্লাহ (কাফিরদের সহ)	২৯-আনকাবৃত ৩৪-সাবা	80	9.29
বাদান, ধাংস হবে না (মালিক মনে করল)	১৮-কাহ্ছ	98	353	মানুক্তমাহ দাবীন কলিয়ে কোনো ব্যালায়ে মানুক্ত কি নিবালন			
বৃদ্ধি (জালিমদের ধন্দের বৃদ্ধির জন্য নূহের দোরা)	१४-वर्	35	300	যভ্যার বন্ধা কাল্যা টোলা বাল্যা মানুব বে লবালা যভ্যারকারীদেরসহ কৃষিকে থাসিকে দেয়া/পান্তি প্রসঙ্গ	৬৭-মূলক	3/5 82	906
বৃদ্ধি (ধাংস হাড়া আর বিস্কুই বৃদ্ধি করেনি)	১১-বুদ	707	992		১৬-নার্শ	82	400
वस्त्रद्वात बाहर होई न्यान वस्त्रत छान वटा एकस्त्राच	৩৫-ফাডির	333	b85	নক্ষত্র			
বন্ধখনি ৰাৱা ছামূল সম্প্ৰদায়কে ধাংস করা হরেছিল	७७-इबद	0	996	আকাশে নক্ষয় বুকুজ বানিবেছেন অক্সাহ	১৫-বিভাব	26	680
মসজিল থাকে করার চেটা করলে তার পরিগতি	२-राकृत्वा	278	670	ইবরারীম আরাতে একটি দক্ষর দেবে তাকে প্রতিশালক কলে	৬-আন'আম	96	600
মানইরামবাসী ধংগে বলো ছামূল জাতির পারে	३३-दम्	228	698	উদ্ধান লক্ষ্যের মত কাঁচের জানলা (আল্লাহর জ্যেতির উপমা)	५8-मृद	00	999
मन्द्रशास्त्राची पर्यन स्था स्था स्था स्था नात । मनुद्रस्य ('जन्नदि मनुष्यक बाहन नयां' -कविष्यतम् स्थानक धान्ते)		38		এগার সক্ষর ও চন্দ্র-সূর্যকে ইউফুক তার প্রতি সেক্সাগনত সেখন	১২-ইউসুফ	8	699
मानुव शहन दश्च (रन कडदेश खड़क्का!)	৪৫-জাছিয়া		204	ক্ষম (অপ্তাহ আয়ামান নক্ষরের ক্ষম করেছেন)	৮১-ডাকভীর	26	2000
	tro-আৰামা		3000	খনে পঢ়া (বিবাহতে শক্ষরভি বিক্রিকাবে করে পড়বে)	৮২-ইনফিতার	4	2020
মিখ্যা অভিহিতকারী (ফিরআউন) সম্প্রদায়কে ধাংস	২৫-ফুরকান	00	9002	নক্ষরপুদ্ধ বিশিষ্ট আকালের কসম	৮৫-বুরুল	3	2020
নিবার (সভাকে নিবার উপর নিবাপ করার নিবার ধালে)	२५-व्यक्ति	73.	467	পৰ চলা (মানুৰ পৰ্য চলার ক্ষেত্ৰৰ সক্ষত্ৰের সাহান্য দেয়)	১৬-মাত্ৰ	36	908
মুশরিকদের ফালে নাধন (লম্ভান হত্যা প্রদন্ত)	৬-অৰ্'আম	201	609	সৌপর্য (পদ্মতের সৌপর্য করা আনাপরে সুসন্ধিত করেছেন)	৩৭-সাক্লাভ	6	16.
মুলক্ষিকদের (মাস্তাহ মুলক্ষিকদের ধাংস করুল:)	७०-भूमायिक्न	8	998	নৰযুক্ত (পণ্ড)			Ė
মৃতিপূঞ্জা ধাংস হওয়া প্রসঙ্গ	৭-আগ্রাক	709	955	ইক্টোলের জন্ম নবযুক্ত পত ও হালাপ পতর চর্বি হারাম করা প্রসঙ্গ	৬-আন্'আম	789	650
बागुन न, १९७१मा पूर्ण व्यक्तिकाल महित्र क्षत्र भारत कर्ता वहुन वहुन्छ	২০-জু-হা	708	485	নগণ্য জীবন		-30	-
পৃত সম্প্রদারের লোকদের ধ্যাদে প্রদাস	२७-व,ळास -	295	৭৯৬	তুক্ত সম্পদ্ধকে, দগও জীবনের (বিভাবের উল্লেখিকারীনের)	৭-আ'রাড	265	625
পত্ৰ থালে কয়নে অস্তাহ (মৃত্যা আ, তবে সম্প্ৰায়কে বলগ)	৭-আ'রাক	343	648	मन्त्र	. 4.44	200	943
শসক্ষেত থালে করার উপমা (কাফিরনের বার প্রসম)	ত-আলে ইমরান		283	ব্যবস্থা (নাথৰ ব্যবস্থা পরিজেনত্ত ক্ষেত্রচন কেবা জনবী নয়)	২-বাকারা	464	208
		20.1	-0.	A COLUMN TO A COMPANY OF THE PARTY AND THE P	५-अकृति।	49.5	4.08

AND DESCRIPTION OF THE OWNER, THE	30 St 0334	25.5	200	THE WORLD STREET	可以北京開新		žķ.
নগদ (দুনিয়ার জীবন)	-	_		সময় নিৰ্দেশক (নতুন চাঁৰ সময় নিৰ্দেশক)	২-বাকুারা	29.9	2
अपन (नगर तथा सन्तित क्षेत्रन सम्मा काल प्रसूच पुनिवारकेरे)	১৭-ইসল	35-	934	নক্ল			П
sman(খনুৰ নগা/পুনিয়াকে অলবাসে ব বজি দিবক বেছে দিত্ৰে)	৭৬-বাহর	29	226	অনুস্থাৰ নকৰ (বাসুৰ স, এর মান এবটি অভিনিত সপনিবৰ্গ কৰা)	১৭-ইস্র	૧৯	٩
জ্জাকাৰ্যন্থ মনুধ নগৰ(পুনৱাকে জগৰনে ও অকা লেখক তাকা লেখা) লালবাসা (মানুধ নগৰ/পুনিয়ার জীবনকে ভালবাসে)	१०-जिसमार	50	278	নকস (দেখুন আত্মা শব্দটি)			т
	12 contract	40	530	নহস (সেপুৰ অহ্য শৰ্মট)	0	-	1
নগদ প্রদান	-			নবী		_	Н
পুনিয়ার স্ত্রীংন কামন করলে অস্ত্রাহ পুনিয়াক্টে দক্ষ প্রদান করেন	১ <i>৭-ইস্</i> রা	7/2	930			٩.	ь
নগৰ/নগৰী				অস্ত্রীকার (নবীদের থেকে অল্লাহ দৃঢ় অস্ত্রীকার দেন)	৩৩-আহ্বাৰ		
সহিবাসী (ৱাসূল স. মন্ধা নগরের অধিবাসী)	১০-বাদান	ર	2050	অস্ট্রকর (নটান্ড থেকে অস্ট্রকর গ্রহণ করেনে অক্লাহ)	৩-আলে ইমরাণ	3.7	0
ব্যৱহৃদ্ধখনী ইসরাইসকে দগরে অবভরনের নির্দেশ)	২-বাকুরা	65	603	षन्धर (मधेर तरि षाद्वार पन्धर करतः)	৩৩-আহ্বাব	66	b
ল্বপ্রিড (লাবেনী উন্নলিত হয়ে লুকের বাছে উপস্থিত হল)	১৫-হিজর	69	903	অনুসাত্ৰী (মতীর অনুসাত্ৰী মুখিলখণ নবীর জন্য যথেষ্ট)	৮-জাপকাল	88	4
ক্সম (আল্লাহ নিয়াপদ নগর/মকার কসম করেছেন)	৯৫-চীৰ	0	2029	অনুমন্ত্রিপর অবার্থনির জন্য কর্মানা দুর্মানক কর্তৃত নবিং করে)	৩৩-আহ্বাৰ	70	Ŀ
লসম (মঞ্জা নগারের কলম)	১০-বাদাদ	>	2050	অপত্রনিত করকে দা অক্সাং (কিরামানে দিন দবী/ মুখিনদেয়ক)	৬৬-তাহুরীম	8	13
রো (লার ছর বেরার এনে অমের প্রকারত ধাসে কর হরেছে)	१०-माम	06	298	অক্তক্ষান্দী-বাসুদানা জনানা ও শ্যাবানে, নিকেশ)	২২-হাজ	65	Г
মিরাপদ দলর বানানোর দোরা (মঞ্জাকে)	২-বক্তর	250	678	আহ্নেদ্ করা কোৰ দবীর জন্য সংগত নর	৩-আলে ইমরস	265	1
मेहानर नगर पानाकार काम करतहरू जाहाद मेहानर नगर/प्रकार काम करतहरू जाहाद	৯৫-খন	0	3029	অনুবার (অতিব্যক্তবিধার অনুবার) দা করতে দক্ষিকে নির্দেশ)	৩৩-সাহধ্যব	>	1
ব্যৱস্থান সময়/মঞ্জাত ওপন ওয়েনেনে আছাব বিচরুদ (মপুরে অফিরসের অবাধ বিচরুণ রাসুদ্দ স. তে যেল)	৪০-মুমিন	8	494	प्राष्ट्रार ७ इफिल्पर महीर कना गररहे	৮-আনকাল	68	1 9
			999	আন (নহঁব নিবট মুক্তিৰ পৰীৱা পাট্যানের কল আন্যান)	৬০-মুমজাইনা	25	t
জনা (লার ক্ষরিয়ানা যিকো মেন রাসুল স. বে নিলেত ন করে)	৩-আলে ইনরস		900	ইন্মান আন্তর্নী ও সংক্রমপরাল হতন (ইন্মাইনের সুসংবদ)	৩৭-সাক্ষাত	225	H
अर बहन (बसूरात रनेबारण रहे वह व्यापन नगात एक व्यापासून करा)	১৬-নাংগ	٩		ইন্মাইল নহী ও বাস্ল ছিল	১৯-মারইরাম	28	t
দূত সম্প্রদায়ের ধাংগুরুর নশন প্রতিষ্ঠিত রাজার পারেই নিশামান	১৫-হিমর	96	402		২-বাক্রে	399	+
দীয়পক্তন (বিদ্যাস্থান্টনর লগতে লগতে দীয়ালকন করেছিল)	N2-कार्बर	22	7057	ইয়ান (নতীপাণের উপর ঈথান আনা প্রকৃত পূণ্য)	৩-আলে ইমরা		1
্কি হানি (লগাসমূহে ইয়ামের ফুল্য বেল <b>বা</b> তি সৃষ্টি করা হানি)	৮৯-কাৰ্ড	¥	7057	ইমান (নবাঁচেরকে দেয়া বিষয়ের উপর ইমান)			
ইংকৃষ্ট ৰপৰী (সাৰা নগৰী প্ৰসঙ্গ)	৩৪-সাবা	36	≽8₹	ইয়ান (মন্ত্রাহ, নটি ও নিজেরে দিবল জনাের কবিতার নামে ব্যুক্ত নটা	৫-মারিদা	5.7	1
লবির প্রাপ্ত কেকে এক ব্যক্তি মুটে আলল (রানুলালর পাকে )	০৮-ইয়াদীন	20	अर्थर	উদ্বৃদ্ধ করাকেন নবী মুখিনাগরকে (যুদ্ধের জন্য)	A-MINIBA	96	Ŀ
চ্তিপালক(অসুল স, কে মতা নগরীর প্রতিগালকের ইবাসত	. a minor			ভব্দী নবার অনুদরণ ও আওয়াক ইনজীপে তার উল্লেখ প্রদাস	५-व्या सम	768	
हराव निर्णा <sup>क</sup> )	২৭-বামল	22	Port	উত্তী/নিরক্ষর নবীর প্রতি ঈরাণ আগার নির্দেশ	৭-আ'বাক	326	
চারাস (যার মনীনা কারীতে বসবাস করেছে, আনসার প্রদাস	৫৯-বাশর	>	346	ত্মী (অপ্তাহ নুহ আ ও আর পরবর্তী স্পীলেরাক ত্মী করচেন)	৪-মিসা	360	
मांद (घवा)				ভট্টী (মানুছকে নবী হিসাবে প্ৰেংগ ও ভট্টী অৰকীৰ্ণ)	২১-জাধিয়া	9	Ι
ন্ত্রপদ্মক্স নগত্তক নিত্রপদ করার ক্ষর ইক্রাইসের পোনা)	18-देरतारीय	00	636	क्लंबर (महित क्लंबर्टर वेलर इक्लिक्स क्लंबर क्रि कर मिर्टर)	৪৯-হতুরাত	1 2	Τ
All	20-4-10-1	-	-	ৰাই লোৱা (নাইর যাত্র কথাবার্তার মাশালে থেকে বাই লোৱা যাতেন)	৩৩-মাহ্যাব	60	Т
		222	187	কাহিবলের বিষয়ে আদৃদ স. এর কিছু করার দেই	৩-আলে ইমরা	1227	1
লন্নতে নপ্ল না থাকা (আনম আ. গ্ৰসঙ্গ)	২০-ফু-হা	220	180	বিশ্বামতের দিন আল্লাহ্ নারী/ দুমিনালয়কে জলমানিত করবেন না	৬৬-ভাহরীম	7	Ť
নজর (দেখুন তাকানো শব্দটি)		$\vdash$	-	ভিয়ানত নহী ও সাকীগণতে উপস্থিত করা হবে	৩৯-বুদার	60	t
নত -		i _		বাবার বাধারা (মধীদের মানবীর বৈশিয়া প্রসঞ্চ)	43-व्यक्ति	br	+
পরিদ আ, নত হয়ে পৃতিয়া পর্রুপ (মাক্সাহর পরীক্ষা বুবার্ডে গোরে)	৩৮-সেয়াদ	48	969	राज्य कर का श्रीद नहरू स्वेद (राज्य का का अन्त्र)	৬৬-তাহৰীম		+
পৃষ্টি দত ও ব্লান্ত হয়ে যিতো আলবে (সৃষ্টিতে আগন সুঁজে পাবে না)	৬৭-মুপক	8	312		৩৩-ভার্থান	60	+
মধ্য নত করবে অপথাধির (বিয়ামতে প্রতিশালকের সমান)	৩২-সাধ্য	32	१००३	খন (জনুমতি ছাড়া নবীর ঘরে নাবেশ করা যাবে না)	৩৩-আহ্বাব		+
নতজান				চালা (মুমিন নিজকে দান কবলে নদী চহিলে দিয়া কবাতে পরেন)		60	
अस्त्रिकारक मरुबान कराना बार्याक (वान निरम प्रहार	১৯-মারইরাম	13	900	জিয়াদ (নবাঁতে জিহাদ করাং নির্দেশ কবিন ও ফুরবিক)	৯-জ্বৰা	90	+
প্রত্যেক উত্থাধ সভজান করন্তার থাকরে (কিরামতে)	80-मास्स	20	806	জিহাদের নির্দেশ, নবীকে (কাভির ও মূনাকিবদের বিক্রছে)	৬৬-জারীম	>	4
মুন্ধ ও শক্তমন্ত্ৰেন নতজাৰ অবস্থাৰ উপস্থিত কৰা ব্যং	১৯-মারইরাম	Ob.	906	ইটা-বিদ্বাপ করেছে পূর্ববর্তী জাভিবা (নবী /বাস্প্রদের সাবে)	80-545.0	٩	1
	"handle	90	100	তত্ত্ব (নই, মুহজিন ও অনসায়কে তত্ত্ব কলুক কলে বস্তাহ)	৯-ভাওৰা	229	
নঙশির (সিজদাবনত)				অলক (প্ৰী অল্যকের সময় ইন্যকের প্রতি নবীয় শক্ষ্য রাধর নির্দেশ)	৬৫-ভাগ্যক	>	I
প্রবেশ (মার্কারে দরজা দিয়ে এখেশের নির্দেশ, বনী ইনরাইলকে)	৭-জারাক	7/57	629	দাস্তিত্ব মর (মানুকতে হেদারাত বাদ দবীর বারিত্ব পর)	২-ধাকুরো	294	
<b>নতিশ্বীকার</b>				দেয়া (স্থীদেরকে সেরা বিষয়ের প্রতি ইমান)	২-বাকুরো	709	J
নবী ও মামনিশন শতিধীনার করেলি অস্ত্রাহর পথে আপতিক বিশাল	৩-জলে ইম্যা	186	489	(त्रव म चका कहार कर्डन विशेषक नात मेर्बर कर तार (मेरे)	৩৩-আহ্বাৰ	100	1
मञ्ज		1		তা বের দেবকৈ কর দের যার তাদের জন্য যোগদারক পরি)	৯-ভাওৰা	65	T
উপাসন (প্রতিপাদকের পাছ যাতে আনা নতুন উপাসল ক্লোজারুল ক্রেন)	২১-অধিয়া	2	920	নিকটজন (দবী হামিদানের কাছে নিজেনের চেরে নিকটজন)	৩৩-আহ্যাব	6	†
উপচলে (দরামত্তর পক্ষ ছেবে নতুন উপচলে আসচে মুখ বিবার)	३७- <b>७</b> बाह्य	1 4	955	নিকটকর (নবী মুহাম্মন স. ইবরাহীমের অধিক নিকটকর)	৩-জালে ইমরা	- 80	1
পৃষ্টি (মৃত্যুর পর মতুন শৃষ্টি কাফিবলের নিকট বিশারকর)	২০-রশি	0	669	(নামত লগ (নবালের প্রতি (নয়মত লন করেছন অস্তাহ)	১৯-মারইরাম	ev	
পুত্র (প্রাইডে মেশর পর নতুন পুত্রিকাপে পুনরকানে কমিরের সংগ্রে)	৩২-সাজ্বা	30	brito	প্রতিকালক (কেরেশাতা ও নবীলেরকে প্রতিশালক রাংগ)	৩-জালে ইমর		
मुक्त (ब्राह्मात अंदेशन श्रामुक्तात महिला सङ्ग्रम मुक्ति जानाव नाजवात गरनाव) मुक्ति जानाव अंदेशन श्रामुक्तात महिला सङ्ग्रम मुक्ति जानाव नाजवात गरनाव)	১৪-ইবরাইম	22	696	প্ৰচল্পালক (কেন্তেশনা ও নবাসেনকে প্ৰচল্পানক এইণা) প্ৰচল (পূৰ্ববহিন্দা মধ্যে অস্তাহ আনক নবী প্ৰচল কৰেছেন)	80-पुरक्रक	1 6	+
	20-क्ट्रफ	32	250		৭-জা বাফ	38	4
সৃষ্টি (নতুন করে সৃষ্টির ব্যাপারে কাফিবসের সন্সেহ)				श्चित (कामान मेर्ड शिक्षा ६ मुख्यम्बरे/ज्ञात कर चंकाहर १८७७)			
সৃষ্টি (পচুল সৃষ্টিজপে পুনকৰান (হাজিমতে পজিত হওয়ান পা)	১৭-ইস্রা	95	155	হেৰণ (অস্তাহ দবীগণকে প্ৰেৰণ কৰেছেন)	২-বাকুরো	570	
সৃষ্টি (নতুন সৃষ্টিরূপে পুনরুখান হবেঃ কাফিবদের জিজাসা)	১৭-ইস্রা	83	17.7.	বনী ইন্যামিশ্যান্য নবী কালেন-"বাসুক্রের রাজত্বের নির্দাদ…)	২-বাকুৰো	181	
সৃষ্টি (আল্লাহ্ মানুবের হলে নতুন সৃষ্টি আনতে গারেন)	०१-मध्य	36	188	বনী ইসরাম্বানের নবী কালেন (বাদশার প্রেরণ প্রসং)	২-বাবুগরা	₹81	
সৃষ্টি (ছিন্নতিল হওয়ার পর নতুন সৃষ্টি)	বন্ধ-সাধা	1	287	বাদালে (বহুনবী বানিরেছেন আপ্লাহ দুসার সম্প্রদার থেকে)	৫-নারিবা	50	
मञ्जम होन				কৰি ইগৰাধিকাৰ ভালের নবীকে কলন (একজন বালশাহ পামতে)	২-বাকুরে	₹84	
बद्धम होन गण्यदर्व राज्ज म, दब किसाना	२-शकृति	25/2	653	বানাগে (দবী বানাদেন আল্লাহ ইয়াকুব আ.ও ইসহাককে)	১৯-মারইরাম	8>	

ন

Resident .	<b>有限表示的</b>		<b>688</b>	THE PERSON NAMED IN		bost	
सवी (पूर्व पृक्षे (बारक)				নয়ন (আরো দেবুন চক্ষু/চোব শধটি)			
ৰাননো (নবী বানিকেছেন আল্লাহ, মারইয়াম পুত্র ঈসাকে)	১৯-মাবইরাম	30	906	प्यानक नद्रम इव सद्धारक (किन,पानुस पातनारक न्मर्न करानि)	৫৫-রাহ্মান	25	287
বিচৰে ফৰসালা করতেন নবীগণ ভাওয়াতের বিধান ছবা	৫-মারিলা	88	25-P	ভাগরনরনা ব্রুদের সাথে আল্লাহ মুরাবীদের বিল্লে লিকেন	৫২-তৃর	20	300
বিষ্ণে হালাল (যানেরকে বিষ্ণে করা নবীর জন্য হালাল)	৩৩-জাহ্যাব	60	१७९	पृथ्व दश्या (बहुद्वारा मान एक दशाहर प्राप्त वेशस्त्रात शास्त्रा)	80-युवंकक	93	hoo
মর্বানা (নবীনের কতককে কতকের উপর মর্বানা দান)	১৭-ইস্রা	66	37.h	नव			
म्या छ। नवी विस्तन	১৯-সারইরাম	62	909	प्रसान ग्रुपन नद-वर्धी शन्तर्गाट एउद्वाद प्रानदा (प्रसा विकार)	৪৮-কাছত্	42	279
মুদ্ধবিদ রাশ নবীর জন্য উচিত নর (শানতে পরাস্থত না করে)	৮-আনফাল	৬৭	909	অসহাত্র নর-নারী-শিক্ষর ধন্য আল্লাহর পথে যুদ্ধ করা	৪-দিসা	9.0	699
দৃদ্ধ করেছেন কত নবী	৩-আপে ইমরা		48b	मु'सम (चंद्रक राष्ट्राव् वर्ड् मत-मात्रै शक्त्रिक निराह्म	8-971	2	226
শক্র বানাৰে (মানুখ/বুলিন শস্তভাগকে নবীর শক্র বান্যনো)	৬-আন্'আম	225	809	বীৰ্ব থেকে আপ্তাহ কুলৰ নৱ ও নাৱী খানান	৭৫-বিবামার	Ob.	556
শত্ৰু (প্ৰভোক নবীয় জন্য শত্ৰু বানানো)	২৫-সূবকান	407	9.48	সূচা (কলম তবে বিনি নর-নারীর প্রটা)	১২-লাইল	0	3040
শেহ নবী (মুহাত্মণ স. আগ্লাহর রাস্ত্র স. ও শেহ নবী)	৩৩-সাহ্যাব	80	800	নৱম (আহো দেখন কোমগ শব্দটি)			
সংগত নর নবীর জন্য (মুগরিকদের জন্য ক্ষমা প্রার্থনা)	৯-তাওবা	220	9655	মুবারীর ভুক/দেহ ও মন আল্লাহর স্মরণে নরম হয়	৩৯-যুম্বর	40	¥90
সঙ্গী (মনী, সম্ভাবানী, শহীদ ও সংকর্মপঞ্জারদান উল্লয় সঙ্গী)	৪-সিমা	69	262	লোহাকে নৱম করে দিরেছিলেন আল্লাহ (দাউলের ক্বন্য)	৩৪-সাবা	30	484
সংকর্মশীল নবী হবে ইয়াহইয়	৩-জালে ইমরা	03	480	নষ্ট (আরো দেখন বিনষ্ট শব্দটি)			1
সন্ত্যৰালী দবী ছিলেন ইৰৱাহীয	১৯-মাবইয়াম	87	906	কর্মকল নষ্ট করেন না আল্লাছ (সংশোধনকারীদের কর্মকল)	৭-খা'রাফ	290	637
সভ্যবাদী নধী ছিলেন ইমরিল	১৯-মাৰট্যাম	26	909	मान मंडे मा जवाद निर्मान (ट्योंगि व कड़े निर्द्ध)	২-বাকারা	458	403
সতর্ককারী হিসাবে আল্লাহ নবীকে পাঠিয়েছেন	৩৩-আহ্যাব	80	bog	टरिमान नो बदान में पहार अभवादन करने अभवादावेंड	70-size	80	929
সাহস্ফকারী (নবীর সাহাধ্যকারী জিবরাঈল ও)	৬৬-আহ্বীম	8	৯৭০	সুধিনদের ঈশ্বান নট্ট করেন না আল্লাহ	५-शकावा	180	679
সাক্ষী হিসাবে আল্লাহ নবীকে গাঠিছেছেন	৩৩-আহ্বাব	8/2	৮৩৭	মুমিনাদর প্রতিদান আপ্রাছ নট করেন না	৩-আলে ইমরা-		003
সুসংবদদাতা হিসাবে আল্লাহ নৰীকে পাঠিয়েছেন	৩৩-আহ্বাব	82	৮৩৭	সম্পদ (ভিরম্মেউনের সম্পদ নর্ত্ত করে দিতে মুসার গোরা)	३०-१६सम	56	669
র্বী (নধীর স্ত্রীগণকে জাল্লাহর ভর করার নির্দেশ)	৩৩-আহ্বাৰ	02	৮৩৬	সংকর্মপরারণদের কর্মকৃদ আল্লাহ নষ্ট করেন না	১২-ইউস্ত	30	1000
রী (নবীর রীচনর ভালাক লেয়ার সমার ইন্দর্ভের প্রতি লাগে রাখ্য)	৬৫-তালাক	١	366	সংকর্মপরারণদের কর্মকল আল্লাহ নাই করেন না	5-4368T	230	500
রী (দবীর ব্রীদের দুনিরার জীবন/চাকচিক্য চাণ্ডরা প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাব	₹₩	৮৩৫	সংকর্মপরারগদের কর্মক্স আল্লাহ নট করেন না	১২-ইউস্ফ	940	99.5
রী (নবীর রীরা অশ্রীলভার লিপ্ত হলে বিশুব শান্তি)	৩৩-আহ্যাব	00	500	সংকর্মপরারণদের কর্মকৃত আপ্তাহ নষ্ট করেন না	22-64	226	999
স্তীর সাথে নবীর গোপনে কথা কথা প্রদাস	৬৬-ভাৰ্বীন	0	590	দালাত নাই করণ মনোনীত বান্দানের উপ্তরসূরীর	১৯-মারইরাম	69	9.00
রী-কলা (পরির রী-কলাচনর চানর বুলিয়ে পর্না করার নির্দেশ)	৩৩-জাহ্যাব	69	क्टिन	সূতা পাকাবার পর ডা নউ করা (শপর ড্রেব উপনা)	30-RISM	95	920
হত্যা (ইহুলী কর্তৃক দবীদেরকে হত্যা করা প্রদক্ষ)	২-বাৰুবৱা	92	670	ASS	20-110-1	94	120
হতা (বনী ইসামালৈ কর্তৃক অন্যায়জনে নবিদের হুলো প্রদাস)	8-मिमा	200	690	কংকর (জাপ্রতের) শীচে নহর প্রবাহিত	৩৯-ব্যার	40	590
হত্যা (বনী ইসরাইল কর্তৃক অন্যায়ভাবে নবী হত্যা প্রসঞ্চ)	২-বাকুবরা	65	209	কক্ষের (জন্মতের) শাচে শহর প্রবাহত জান্তাতের দিচ লিয়ে শহরসমূহ প্রবাহিত হবে	৩৫-খালাক ৬৫-খালাক	50	240
रूता (नरीएसा रहा। कवाव विका निटन बाचरान खद्धार, देवनीएसा)	৩-আলে ইমরান	29-2	200	জানতের নিচ নিয়ে নহর প্রবৃত্তি (মুমিন্দের প্রভাব)	২৯-আনকাবত		
হত্যা (নবীনের হত্যাকারীর জন্য যন্ত্রণাদারক শান্ত)	ত-আলে ইমরান	43	207	জানাতের নিচ নিবে নহর প্রবাহত (বুননাকের পুরস্কার) জানাতের নিচ নিবে নহর প্রবাহিত	৫-মারিবা	6p	147
इस्त (नवी इस्राप्त संबद्धा पश्चिम ७ गञ्चन, जन्द्रान विद्याराज्य)	৩-আলে ইমরান	224	486	স্থারতের নিচে নহর প্রবাহিত (সংকর্মশীল মুমিন প্রসঙ্গ)	Q-411941	94	925
হাতে (নবীর হাতে বৃদ্ধবন্দিনের প্রসঙ্গ)	৮-আনফাল	90	605	জান্নতের নাতে নহর প্রবাহিত হবে (ম্বিনসের জন্য)	३०-१क	78	628
হাক্সকে নবী করে মূসাকে দরা করলেন আল্লাহ	১৯-মারইয়াম	20	909	জান্তাতে নব্যবহু মাধ্যে মুলাকীরা থাকার	৫৪-কামার	28	908 909
হারদ করা (অক্সাহর হালাল করা বিধার নবির স্ত্রীর জন্য হারদে করা)	৬৬-ভাহরীম	2	200	জন্নতের নীত নরা প্রবাহিত (প্রমানার সংকর্মশীলসের জন্ম)	8-मिमा -	49	268
নবী-পরিবার				सामारका नीता नरह श्रवादिक (कारणा नरकानानाम कन्।)	8-991	30	207
অপবিশ্রতা দূর করতে চান, আল্লাহ (নবী পরিবারের)	৩৩-আহ্মান	99	9006	सामारका नीक नदब श्रवाहित(शरकर्मीन प्रविद्वय कना)	8-M41	30	900
নবী (মুহাম্মদ)	-			सामारका निक्र नवत श्वाहित शक्य	8-900		293
সংল-সঠিক পথেই আছেন (নবী বহুখন ন.)	80-गुपरूप	80	1/2/2	साहारका नेता निरंद नका क्षाविक	87-9182	244	274
শবুরত		-		মানুহতের নীচ দিয়ে নহরসমূহ প্রবাহিত	82-5465	29	
অস্থাহ মানুধকে নবুওস্কুত দান করলে,লক্ষত নয় বে	৩-আলে ইমবান	939	080	क्षामारक कमागटन नरव श्रवास्थ	95-406 92-406	24	97.0
নৰীদেৱকে বিভাব, নবুৰত ও বিচার-বিবেচনা দান করা প্রদাস	৬-আৰ'জম	9.9	908	व्यक्तारक क्षारामा महत्र स्वाहरू	ऽश-देवसारीम ऽश-देवसारीम	33	3036
নূহ আ ও ইক্সাইনের বংশনক্রের মধ্যে নপুরত নির্বাহণ	৫৭-ছাদীদ	26	967	व्यक्तारक कारमान महत्र सर्वाहरू	১৮-ব্যক্তিনাম্		
वेनवायेद्वात वरणबद्धात करा विश्वादश्रद्धक विश्ववर	২৯-আনকাৰ্ড	29	272	জান্ত্রাক্তর কল্পেনে নহর প্রবাহন জান্ত্রাক্তর নিচ দিয়ে নহর প্রবাহনান	৯৮-বাব্যব্য ৯-তবেশ্ব	br	2059
বনী ইসরাদিশকে নবুয়ত দান করেছিলেন আল্লাহ	80-साहिता	36	300	অস্ত্রাতের দিও দিরে নহর প্রবৃহত্তির অস্ত্রাতের দিও দিরে নহর প্রবৃহত্তি	১-থারবা ৩-আলে ইমরান	95	689
मद्ग्रह	og-milen	-	300	জান্তাতের নিত দিরে নহর প্রবাহিত			666
নুহের প্রতি প্রতিপাদকের দরা/দর্গত দান প্রান্ত	১১-ছদ	20	tribit	জান্তাতের নিত দিয়ে নহর প্রবাহিত জান্তাতের নিত দিয়ে নহর প্রবাহিত…	৬১-সাক্ত ৩-জালে ইয়ৱন	25	967
महानीथ	22-64	49	930	জান্ততের দিও লিয়ে নহর প্রবাহিত			209
ব্যক্ত স. নমনীর হলে মিখ্যা অভিস্থিতকারীরাও নমনীর হরে				জান্ততের দিও দিয়ে নহর প্রবাহিত হবে	৫৮-মুজাদালা	44	968
	৬৮-কুলোম	>	245		৬৪-অগাবুন	ъ	8-6-6
ন্ম (আরো দেখুন বিনয়ী শব্দটি)			$\perp$	মান্তাতের নিচ নিয়ে নহব প্রবাহিত	১৩-রাদ	-002	684
কর্মা (মৃগ/হারদরক বিরক্ষাউলের সাবে নদ্র করা করার নির্চেশ)	২০-জা-হা	88	980	কান্তাতের নিচ নিয়ে নহর প্রবাহিত কান্তাতের নিচ নিয়ে নহর প্রবাহিত	৪৭-মুহ্মমান	25	970
রাপুল প. নম হরেছিলেন মুখিননের প্রতি (আস্তাহর দরার)	৩-আপে ইমরান	762	667			299-	464
नव/नवि/नवकन				জান্নাতের নিচ নিয়ে নহর প্রবাহিত	৯-ভাগ্রহা	200	960
ष्ट्रम् मन्दानराव फानान मृत्रिकारी मराबान नविराज्ञन्त्राम	২৭-নামল	85	bo8	শাপ্তাতের নিচ বিয়ে নহর প্রবাহিত	৯-তাগ্ৰা	Vb.	685
নিৰ্দান্ বিষয়েটন সম্প্ৰদায়ৰ প্ৰতি প্ৰক্ৰিত নাটে নিৰ্দান প্ৰসঙ্গ	২৭-নামল	25	poo	ছান্লাতের নিচ নিয়ে নহর প্রবাহিত	৫-মারিনা	229	496
বছর বৃদ্ধি করেছে আহলে জিতার (তিলপত বছরের চেয়ে)	১৮-কাব্ৰু	20	159	শাল্লাতের নিচ নিয়ে নহর প্রবাহিত	৭-জা'ৱাফ	80	636
মস্যাকে নয়টি স্পষ্ট নিদর্শন দিয়েছেন আল্লাছ	১৭-ইসরা	202	120	আপ্রাতের নিচ নিব্রে নহর প্রবাহিত	০-আলে ইমরান		08h

		Ī
		ľ
		Ī

নহর (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)				অল্লাহর নামে নৃহের দৌকার গতি ও ছিচি (প্লাবন প্রসঙ্গ)	77- <u>f</u> ai	82	999
জন্নাতের দিচ দিয়ে দহর প্রথাইত	৫-মারিদা	24	62.5	অস্ত্রাহর নামের বিচ্নাভি ঘটানোর কৃতকর্মের প্রতিকল	৭-আবাদ	23.0	659
ৰুদ্ধাতের নিচে নহর প্রবাহিত	৫৭-হাদীদ	34	282	অল্পাহর নামে সাধার বাদীর কাছে সুদাইমানের পত্র	২৭-নামল	00	405
ब्बुहरूत कि निता न्यतः अवरित शवरत् रियनमात्र मतवनीयात सन्।)	২-বাকারা	22	809	আল্লাহর নাম উল্লেখ (পিকারী প্রাণির শিকার ক্রবেহ কালে)	৫-মারিনা	8	200
নান্তাতের নিচে নহর প্রবাহিত (পরিক্রমণের জন্য)	২০-জ্বা-ধ্য	95	980	আল্লাহর নাম স্মরণ করার নির্দেশ (মদক্ষিলে)	২৪-সূৰ	06	9.93
জন্মতের নিচে নহর প্রবাহিত থাকবে (মুবানীদের জনা)	১৬-নাহণ	05	9od	व्यक्तास्त्र मान परल करत भग्न कराहे १५ भग्ना शासक बारता अगन	৬-আন্'আম	222	809
দুখের নহর রয়েছে জান্রাতে (ধার খাল অপরিবর্তনীর)	৪৭-মুখ্যখাদ	34	270	অল্লাহর নাথ স্মরণ না করা (গথনি গত ঋবাইকাপে)	৬-জান্'জাম	704	609
শহর জারাতে প্রথাইত হবে (মুমিনদের নীচে )	১৮-বংহ্য	92	151	অন্তাহর নাম স্পরণ প্রদার (পত কুরবানীর সময়)	২২-হান্স	♥8	697
নিরেমিত (নহরকে সপ্রাহ মনুকের কন্যাপে নিরেমিত করেছেন)	<b>১</b> ৪-३रसादीम	03	636	আপ্তাহৰ নাম সম্প্ৰবিহীন জবাইকৃত পথ ৰাওয়া নিষিদ্ধ	৬-আৰ্'আম	353	609
मृद् जा मन्द्रभारत्व बन्त जाह्मद नद्य योगारम (क्या शर्मना कार्म)	93-95	25	39.8	আল্লাহর নাম শরণ (হচ্ছের সময় নির্দিষ্ট দিল ওলিডে)	২২-হাজ	45	960
পরীক্ষা (নহরে পরীক্ষা করবেন অন্তাহ অপুত বাহিনীকে)	२-राकृता	₹8≽	443	আপ্তাহৰ নাম সম্ভাগ কৰাইকৃত পাচ না থাওয়া প্ৰসঙ্গ।	৬-আনু'আম	779	609
शरक त्यदक महा श्रवहित दशा श वसीन दलता	২-বাকুরো	9.8	g cbr	আপ্তাহর নাম স্মরাশ বাধা নামকারী জালিম (পরিগতি)	২-বাকারা	228	670
পানির নহর (নির্মল পানির নহর ব্যরেছে আদ্রাতে)	৪৭-সুহাম্মদ	34	270	আল্লাহৰ নাম আগের স্থান মসজিদ বিধান্ত হওয়া প্রসঙ্গ	२२-श्राक	80	962
পৃথিবীতে নহর স্থাপন/সৃষ্টি (চলাচলের পথ হিসাবে)	১৬-নাহল	26	908	ইয়াহইয়া নাম পূৰ্বে ৱাধা ব্যনি (ইয়াহইয়া আ. এর পূর্বে)	১৯-মারইবাম	٩	968
পৃথিনীর মাঝে আল্লাক্ত নহর প্রবাহিত করেছেন	২৭-নামল	95	bod	क्षेत्रका (दासा ग्रामा क्षेत्रका बद्धा मनुष हा नम क्षाका निकार ह)	75-5550	80	800
প্রবাহিত, দুই বাগানের ফাঁকে (দুই বাজি উপনা প্রসঙ্গ)	79-91£0.	00	929	মাননে (আন্ম আ কর্তৃক ফেরেশবাচনকে ন্যালয়ুহ জনকা)	২-বাকারা	00	208
প্রবাহত নহর (মিসরে কির'জা উদের রাজতু প্রদক্ষ)	80-पुरंक्ष	67	599	দরিবাচন বাং (ফেলেন্টালেরে দরিবাচন পথ দের অবিস্কানীয়া)	৫৩-নাম্বর	29	200
	১৭-ইসরা	27	943	পভিয়ান কোনা (প্রতিশাসকের নামের পভিয়ান কোনার নির্দেশ)	৮৭-আ'লা	3	2026
প্রবাহিত (নহর প্রবাহিত হংগ্রার দাবী বেছুর ও আছুরের বাগলে)				পৰিপ্ৰতা ঘোষণা(প্ৰতিপাদকের নামের পৰিপ্ৰতা ঘোষণা)	%-शंबार्	64	800
প্ৰথছিত (পূৰ্ববৰ্তী প্ৰজন্মেৰ বসভিব নিছে নহর প্ৰবাহিত)	৬-আন্'আম	9	6940	পূপ নাম ভারা (সমান আনর পর পূপ নাম ভারা কভানা মন:)	85-स्बूबाट	22	257
বাগ্যনের দিচ বিত্তে নহর প্রথাহিত	২৫-সুরকান	30	৭৮৩	পুত্ৰের লাম (থাকারিয়ার পুত্রের লাম হবে ইয়াইইয়া)	১৯-মারইরাম	3	908
ৰাগানের নিচ নিয়ে নহর প্রবাহিত, উপমা প্রসঙ্গ	२-वाष्ट्रावा	২৬৬	605	প্রভিশাসকের নামের পবিশ্রতা ঘোষণার নিদেশ	<b>१५-ध्यक्तिया</b> र्	48	386
বান্যনো (পৃথিবীতে নহৰ বানিয়েছেন আল্লাহ)	১৩-রাদ	0	90°0°	প্রতিশালকে নামে পড়ার নির্দেশ (বিনি সৃষ্টি করেছেন)	৯৬-জান্তর		205)
মধুর নহর (পরিকল্ক মধুর নহর রবেছে জারাতে)	৪৭-মৃতবাদ	76	270			3	
पुरिनामत क्रमा क्षमाराज्य निक्र निरा नवत क्षमारित	৬৬ ভাৰ্বীন	ъ	390	প্রতিশালকের নামের পরিয়াতা খোগণা করার নির্দেশ	৫৬-ওয়াকিরাহ্	29.0	389
স্তার নহর রয়েছে জান্লাকে যা পানকারীদের জল্য সুখানু	৪৭-মুপ্তামান	24	270	প্রতিপাশকের নামের পবিস্লান্য ঘোষণা	०७-शकार्	65	2000
नाक				ব্যতিশালকের দাম বরকতময় -যিনি মহিমাময় ও মর্থাদাবান	৫৫-রাহ্মান	937	384
নাকের বদলে নাক (কিগান প্রসঙ্গ)	৫-মায়িনা	84	60.9	প্রতিপালকের নাম শ্মনে (সরবালে ও সছরের)	৭৬-দাব্ৰ	40	2000
নাগাল				প্রতিপালকের নাম সম্মণ করার নির্দেশ (রাস্কা স. কে)	৭৩-মুদ্ধব্দিল	ь	924
কমি (ক্ষেত্র গায়ের মাথি থেকে নাগালে থাকা কমি উপস্থা)	৬-আপ্'আম	72	905	প্রতিমানের দাম রাখে মুশবিকরা অদুমান ও গ্রন্থতির মহিলা মত	৫৩-নক্ষ	10	3/00
চাদের নাগাল গাওয়া, সূর্যের পক্ষে সম্ভব নয়	৩৬-ইয়াদীন	80	br28	ফেরেশভাদের কাছে সর্বকছুর লাম পেশ (আদম আ, কর্তৃক)	২-বাকারা	92	¢08
মন্ত্ৰাতীদের নাগালে আনা হবে (জন্তাত্ত্ব ফল-মূল)	৭৬-দাব্র	78	224	ৰাণীর নাম মানীহ ঈসা ইবনে মারইয়াম	০-আলে ইমরান		₫80
জন্মতীদের নাগালের মধ্যে থাকবে (দুই উন্যালের ফল)	৫৫-রাহ্মান	@8	282	विकर्क (वाधन नाथ निया विकर्क करत शुरुना गण्यानाव एव नाम,)	৭ আ রাজ	47	92%
পুরবর্তী স্থান খেকে উমানের দাগাল পাবে কি করে	৩৪-সাবা	42	1/80	क्राष्ट्रण ग. अस (निगार गारा चारामानाची जानून ग. अस नाम बात प्रदेशकः)	৬১-সাক্ক	6	260
यम(मुद्दे वेसारम्य यम ब्रह्माबिका मागामा पार बावल)	৫৫-রাহ্মান	48	787	সবকিছুর নাম জনানোর জন্য আনমকে নির্দেশ	২-বাস্থারা	00	408
ফল-ফুল জান্নাতীয়ের নাগালে আনা হবে (জান্নাতে)	৭৬-পাহর	78	226	সালসাধীল নামের একটি কর্ণা জাল্লাতে থাকবে	৭৬-দাব্য	30	336
ফলফুল নাগালের মধ্যে গাকবে (জারাতে)	৬৯-হাকার্	20	686	সুপরতম নামসধৃহ আপ্রাহরই	২০-ড়া-হা	y	9.83
বুমিনসেরের নাশালে পেলে শতে বলে বাবে মরার কবিবরা	७०-मूचलाईना	3	250	সুপরতম নামসদূহ আল্লাহরই	৫৯-ব্যশর	₹8	36.
মুদার নাগল কিরজাউন পাবে-এ আশার না করার নির্দেশ (মুসারে)	২০-ড়া-ছা	33	980	সুন্দরতম নামসমূহ সাল্লাহরই	৭-আ'রাফ	30.0	959
মৃত্যু মাখাল পাৰেই (মানুধ সুউজ দূৰ্যে অবস্থান করলেও)	8-निमा	93/	255	সুপরতম নামসমূহ আল্লহরই	১৭-ইস্ল	220	940
দৃশ্ব বিদ্যালন্দ্রীর নাগল পেলে আর প্রতিনালের তার অস্ত্রাহ্য উপর	8-Sicet	200	460	"মারণ (পত কুরবানীর সময় আল্লাহর নাম "মরণ গ্রসঙ্গ)	44-RM	90	102
দুছে দাগলে পেলে চুক্তি বসংঘটনেরকে	৮-আনকাল	29	903	"মান (হাজের সমার নিনিষ্ট নিন্দালিকে অস্ক্রাহর নাম সমাণ)	২২-হাজ	45	980
শিকার হাত বা বর্ণার সাগালে আসা (ইহরাম অবস্থান)	०-प्रतिमा	38	934	শারণ (সকালে ও সন্ধারে প্রতিপালকের নাম শারণ)	৭৬-নাব্র	42	200
	4		4	শালা(অপ্তাহর দাম শালার হ্বন মান্দ্রিন বিধার হওয়া প্রদাস)	২২-হাজ	80	964
मा खादाव (मन्द्रम चरेवथ गन्नाव)		-		স্মরণ (গত কুরবানীর সময় জাল্লাহর দাম স্মরণ প্রসঙ্গ)	२२-शास	08	963
माझ जिम्रा	11 markets		0.00	শ্বরণ (প্রতিপালকের নাম শ্বরণ করবে যে, দে সফল)	৮৭-আপো	32	2031
ৰেজুৰ গাছের কাঞে নাড়া দেৱার নিচপি (মরিস্কায়কে)	১৯-মারহরাম	56	900	নামকরণ করা			
माङ्गाला		_		শরীকদের নামকরণ করতে বলা (কাফিরদেরকে)	১৩-রা'দ	00	692
যাথা মাড়াবে কাভিবরা (পুনরুথান কবিখান কবে)	১৭-ইস্থা	67	479.	part		-	-
मास्ट्रि-कृष्टि	1	1		নাম দেয়া ফেরেশভাদেরকে নারীবাচক নাম দের (অধিশাসীরা)	৫৩-বজম	29	300
জাহান্নামীদের নাড়ি-বুঁড়ি জ্বি-বিচ্ছিত্র করবে উত্তপ্ত পানি	৪৭-মৃহামাণ	76	270		1,5-1,00		+
मामाम				नाम दाश	३३-१६न्य	8o	901
न्यान वाह्य मृतिहरू जेन्द्रान वाह्य व्यक्तिमा सन्य निर्मान प्याप	১৬-নাহ্দ	30	208	দিক্ষের ও পিতৃপুরুষর যে পান এক্ষেত্র তার উপাদনা করে মানুষ নিক্ষেয়ের ও পিতৃপুরুষদের রাখা নাম নিয়ে বিচার (তান সংগুনারের)	५२-१७नुक ५-स्राजक	92	622
মৌমাছির পেট থেকে নানান বছের পালীর বের হয়	১৬-নাব্দ	69	907	প্ৰতিমানের দাম রাধার ব্যাপারে আল্লাড় জেন প্রমাণ জনতীনী করেনলৈ	१०-नासम	20	200
		1~	1.77	মার্ট্রাম শাম রাখণ ইমরাপের স্থী (সভানের)	৩-আলে ইমরা		600
नाम	-	-	-	মূপলিম দাম রেখেছেন জাতির পিতা ইবরাহীম	২২-ব্যক্ত	বচ	700
ব্যক্তাহর সুদার নামসমূহ (দেখুল পরি*টি-৫)	1	1	1	নামায (দেশুন সালাত শব্দটি)			1

ประเทศ	25	21	াতা

THE PARTY OF THE P	学型用代也可可	-	1.3		CA Magapan		
নামিয়ে আনা				বৃদ্ধা নারী অধিবিক্ত কাপড় খুলে রাধার দোষ নেই	48-79	90	99
ধানের অধানে সম্প্রদারকে নথিরে জনা (জনুসক্ষরের মধ্যমে)	১৪-ইবরাহীদ	52	696	ব্যু (মুদ্দি নারী ও পুরুষ পরস্পরের ব্যু)	৯-জওবা	47	68
বনু কুরাছজাকে দুর্গ থেকে নামিয়ে আনা প্রসঞ্চ	৩৩-আহ্যাব	20	0.00	মাবইপ্লামকে নারীদের উপর মনোনীত করেছেন আল্লাহ	৩-আগে ইমরা	84	01
শামিয়ে দেয়া			-	মু'মিন নারীরা নারীদের নিকট সৌন্দর্য প্রকাপে লোঘ নেই	२8-न्व	0)	٦
বোষা ও বেড়ি/পৃত্তল দবী সামিয়ে দেন (মানুহার উপর থেকে)	৭ আ রক	229	629	মুখিন নারী নিজকে দান করলে নারী চাইলে বিরে করতে পারেন	৩৩-আহ্বাৰ	20	b
রাসূল স. এর বোঝা আল্পাহ নামিয়ো বিচেছেন	৯৪-ইনপিরাহ	3	2053	মুখিন নারীদের পর্দা থারা চেনা যাবে (হিবাবে প্রনঙ্গ)	৩৩-আহ্যাব	23	ъ
নায়িল (দেখন অবতীর্ণ লম্বটি)		<u> </u>		বুলি ন্যানারী গলপদিত হওয়ের আশংক (মঞ্চা বিজয় প্রদেস)	৪৮-ফাড্ড	28	>
		$\vdash$	$\vdash$	মূল্য লগে ইয়ান আন্যানকারীকর নারীক্রেকে উর্বিত প্রথ	৪০-মুমিন	9.6	V
দারী অংশ (এক পুরুষ/পুরের অংশ দুই নারী/কল্যার সমান)	8-500	33	664	মাহরিম (বিজে নিজিছ)	8-991	22	00
जर्म (जरू पूर्व) पूर्वा जर्म वृद्ध मान्। क्यां मान्। जर्म (निवसाय/जड़ीसच्चान्स (द्वार संक्रा नम्मान नार्वेद जरूर)	8-9/21			মাহরিম (বিয়ে নিভিছ)	৪-পিশা	20	101
जरन (नाक्रीय या जर्मन कहर या जात्मह शाना जरन)	8-सिना	9	664	যুগল (বীর্ষ থেকে আল্লাহ যুগল নর ও নারী বানান)	92-किवामार	99	8
অংশ (শার্মার বা অর্জন করে আ ভালের আশ্য অংশ) অধিয়ার ও বার্ডর (শার্মার)		ত২	667	হানল ল, এর জন্য যে লব নারী বিয়ে করা হালাল নত	৩০-আহবাৰ	42	1
	২-याकाना	226	659	রাজতু (সাবায় নারীর রাজতু, সাবার রানী বিস্তিত প্রসম)	২৭-মাম্প	20	ь
बरहा (मंब्रेटना बरहा सिवाम काटर काम २७५०, वार्यवास्तरण)	১২-ইউসুফ	60	09-7	শৃত সম্প্রদায়ের কামনা চরিতার্থ করতে নারীকে ছেডে	_	-	+
স্ক্রীলতা (নারীর স্ক্রীপতা/ব্যতিগর প্রমাণের প্রক্রিয়া)	৪-নিসা	3-2	664	পুঞ্জের কাছে গমন	৭-আ'রাফ	22	0
অসহার নর-নারী-শিক্তর জন্য আল্লাহর গথে যুদ্ধ করা	৪-নিসা	92	6.99	গুতের সম্প্রদার কর্তন নারীর পরিবর্তে পুরুষের করছে গায়ন	২৭-নামপ	66	v
অপহার নারী-পুরুষ-শিবদের জন্য জাহানুমে নয় ( হিজারত প্রদাস)	8-निमद	29.	465	एका (शरीय काम नवीरक एका का शरू किमान शनक)	२-वाकास -	295	2
অবকান (নাইনেরপ্রতি অবকান শেহনী। কর হয়েছ মনুমর হন।)	৩-আলে ইমরান		৫৩৭	প্রারের কালে নরকে ক্রা করা হবে, কেবল প্রবস্তু পারকের বরণ বেরীর মন্ট্র	२-वाकावा २-वाकावा	240	
ইরভিম নারীদের ব্যাপারে আল্লাহর ফরওরা	8-973	254		শহরের নারীর কাল-জাহীতের দ্বী লাগতে লৈকৈ নিশান প্রয়োগন	২-বাকারা ১২-ইউসুফ		
উজাধিকারী (বলপূর্বক নারী,শ্রীর উজাধীকারী হওয়া অবৈধ)	8-FAMI	779	669	শহরের নারের কাল-নায়াকের প্রা দাসকে সেকে মালনে প্রয়োজন সংকর্মশীল মুখিন পুরুষ ও নারীকে জান্তাতে প্রবেশ রায়াকে হতে	১২-হডসুক ৪-নিসা	00	9
উভয়ধিকার (সম্পদে নারী উভয়ধিকার)	৪-নিগা	90	209			258	4
কলবার তাই ও কেন্(নারী) থাবলে পুরুষের ফলে দুই নারীর সমান	8-निश	378	693	সংকৰ্মশীল মুখিল নারী-পুরুষকে উত্তম প্রতিবান/উত্তম জীবন ধান	४७-मार्ल	59	9
গর্ভধারণ ও প্রসর করে না কোন নারী (আস্তাহর জ্বরাতে)	ত্ত-ফাভির	22	1/83	সংকর্মশীশা দু'মিন নারী (জন্লাতে প্রবেশ করবে)	8०-मृभिन	80	b
গর্ভধারণ করে না কোন নারী (আপ্তাহর অজ্ঞাতসারে)	৪১-হুসসিগাত	81	trao	সন্তান প্রকার করে না কোন নারী (আল্লাহ্র অজ্ঞাভদারে)	৪১-ফুল্দিলাড	89	¥
গর্ভধারণ দোরী যা গর্তে ধারণ করে আল্লাহ তা জানেন)	১৩-রাপ	br	59%	সন্তান/পিতাধাতাহীন নারীর ভাইবোনের যীরাস প্রসঙ্গ	৪-নিগা	25	6
গোপন তাৰ (নবীচের গোপন তাৰ সম্পর্কে জন্ম বাদকের নিবট)	২৪-দ্ব	42	999	गन्ना पर्वाता प्रश्लित	8-দিশ্য	-03	¢
स्विद्धाः (प्रथमकानविद्धिः	৪-নিশা	-08	667	সৃষ্টি (পুরুষ নারীর মত নয়)	৩-আলে ইমবা-	-05	¢
ছবিত্র সেরা (দু'জন থেকে আপ্লাহ বছ নর নারী ছবিত্রে নিরেছেন)	s.Rat	2	669	সৃষ্টি (এক নাত্রী ও এক পুরুষ থেকে মদৃশ সৃষ্টি করেন সম্ভাব)	৪৯-হছ্যাভ	70	>
শ্বীবিত রাখত ফিরমাউন (মূলার সম্প্রদায়ের নারীদের )	১৪-ইবরাহীদ	6	690	শ্ৰুটা (কসৰ তাৰ খিনি নৱ-নাৰীৰ শ্ৰুটা)	৯২-পাইপ	0	×
ब्रिनिट राच (विकासिन गर्नन की देशक्रीलास नहीं ब्रेनिट राच)	9-785'85'9	181	998	শাস (নটা শাস)	২-বাকারা	२४२	0
विभिन्न तथा (विश्वापालन कर्टन क्रिक्सिक्सिएमा स्थितन विभिन्न वाच्)	3-88,415	257	940	সাদী (দু'জন পুরুষ না পেলে নারীকেও অপেক সাদী রাজ যাবে)	২-বাকারা	27/2	4
জীবত প্ৰাৰ্থ (কৰি ইনপ্ৰসিপের নাৰীনের ফিলজাইন জীবিত প্ৰাৰত)	५-शक्ता	83	609	শবিন মুখিন নারীকে বিয়েকে অক্ষম হলে দালীকে বিয়ে বৈধ	8-मिना	2.0	4
জীবত (ধরীচন্দ্র জীবিত প্রকত দির'আউন, অধিবাদীচন্দ্র একন্যাসর)	২৮-কামান	8	you	নারী (ইয়াডিম)			
ভাগত (প্রকাশ ভাগতে র বর্ত দের আক্রা, রাগরান্তার রাজনার র) ভাগা (পৃথীনটার নরীসেরতে ভাগার আহ্বান, মুরাহালর কন্য)	৩-আলে ইমরান	63	687	ইয়াতিখ নারীদের ব্যাপারে আল্লাহর ফতওয়া	8-PH	229	10
ভাকা (কৃথানটোর নারচেয়তে ভাকর আহলে, মুবাহালার জন্য) ভাকা (নারীদেরকে ভাকবেন রালুল, মুবাহালার জন্য)	ত-আলে ইমরান	47	687	নারী (কন্যা)	-	-	ř
ভাকা (নায়ানেরকে ভাকবেন রাস্গ, মুবারাগার জন্য) ভূপোন করাবার দায়িত জন্য নারীকে নেয় (অলাবগুজার সম্যানর)	৬৫-ডালাক			বংগ (মতের এক কথা থাকাল সম্পাদের অর্থেক পারে)	8-गिमा	>>	21
		9	201	ইমরানের স্ত্রীর নারী/কন্যা সন্ত্রান প্রদূব	০-আলে ইমরান	06	0
দেখতে পেল মূলা আ, দুই নারীকে (পাহনেরকে আগলে রাখছে) নারীর জীপণ অন্য নারীর মত দর	২৮-কাসাস	20	p.70	দুই নারী/কন্যার অংশের সমান (এক পুরুষ/পুরের অংশ)	8-निमा	22	6
	००-आहरार	05	broxb	पुर नाम/कर्गाय करान्य नवन (अक पुरन्त) पुराव करने पुर्वातिक नामिकाम करान्य नवन (अक पुरन्त) पुराव करने	১৬-লহন	25 25	3
गरूनमञ्जिता जीनवर	२-वाकाश	२०२	659	गुराम (पुर्वाक नहीं/कन्। अगुराम जना करता पुर काला करता गुराम (पुर्वाक नहीं/कन्। अगुराम जनार करता पुर काला करता)	১৬-নাহল		9
পরিমানর (পুরুষরা নরীকের পরিমানর এ বনায়ের যে আপ্লাছ)	৪-শিশা	'08	662		30-4154	25	10
পর্না (নবীর স্ত্রীদের সাথে মারীদের পর্না প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাৰ	22	100	নারী চোর			
পিতৃ-পুরুবের বিরেকৃতা দারীকে বিয়ে করা হারাথ	8-নিলা	રર	669	নারী চোম্বের হাত কেটে দেরার বিধনে	¢-मातिमा	C)r	21
পুরুষদের মর্থানা বয়েছে দাবীদের উপর	২-বালুরো	२२४	650	দারী (পেবী)			
পুরুষ ও নারী আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন	৫৩-নাজ্য	80	3/08	অস্ত্রহার পরিবর্তে নারী/দেশীকে ভাজা, মুশরিক প্রদান	8-위제	224	2
শেশন/অন্তল সরশ (গবির জন)	২-বাকারা	29-9	653	নারী (বিবাহে আবছ)			1
প্রতিদান (সংক্রমশীল মুখিন নারী-পুরুষকে উড্যা প্রতিনান/উড়ম জীকা)	১৬-মাহল	29	477	অনুদ্ৰৰ বিবাহ বৰ্তন আৰম্ভ নাৰীকে বিয়ে কৰা হাৰাম	8-निमा	₹8	0
প্রশারি (নারী দানীয় কল্ প্রশারি দরাশ)	৩০-জম	43	540	मारी विश्व			Ť
প্ৰস্তাৰ (পৰ্বিকে বিজ্ঞা প্ৰস্তাৰ দেৱায় কোন অপৰাধ দেই,)	२-राकृत्या	200	429	नाता ।वसून देवाददेश का, नाती विश्वन, रनटा ७ नवी दर्ज	৩-জালে ইমল	ra's	e
ফেরেশঅসেরকে নারীবাচক নাম দের (অবিশ্বাসীরা)	৫০-নাজ্য	29	200		4. 4071 (440)	-19	۴
ত্বেশনাদেৱকে কি আপ্লাহ দাবীবলে সৃত্তি করেছন?	৩৭-সাঞ্চাত	120	V168	নাস্ব সং অ,সংগ্ৰেছৰ উপাস্থ খনবঢ়ে পৰিবাদ না কৰা	47-10g	2.6	21
अध्यनशहरू नहीं १९१ वस्त भूनकिश्व (अन्तः/क्रिक्वजातः)	৪৩-বৃথক্ত	79	999		13-78	40	1.5
বদী ইসরাপদের নারীদেরকে ফিরামারন জীবিত রাবত	३-वाकावा	85	gots .	नामुख		_	1
বাননো (বীৰ্থ থেকে আল্লাহ ফাল মর ও নারী বানান)	१८-विकासर	60	338	অসীকার গ্রহণ (নানারাদের থেকে অসীকার গ্রহণ)	৫-মারিদা	78	16
বিদ্রুপ (নারীদের জন্য পরম্পরকে বিদ্রুপ করা নিষেধ)	१४-१णसम्बद् १३- <b>०</b> सवर्ग्य	22	\$47	আপ্লাবৰ পুত্ৰ ৰঙ্গে নাসাৱায়া ও ইহুনীৱা (নিজেনেরকে)	৫-মারিনা	25.	ď
বিয়ে (দুই, ডিন বা চার জন নারীকে বিয়ে করার বৈধ্যা)	৪-সিসা	22	860	ইবপ্রহীম্ট্রমাসন,, ইয়নি-নাগর ছিল বিনা অস্থান্ট কলেন	২-বাকুছো	380	6
विदेश (मुद्दे, १७०५) या काल काल नामादक विदेश कराना देशाया) विद्या तमाल्याक				ইবরাহীয় আ নাসারা হিসেন না, ইক্টোন্ড নম	৩-আলে ইময়ান	69	21
मधा शास (प्रसाद मिना ने विकास महिला ।	२८-न्व	95	999	ইমান (নানাগ্ৰসের ইমান ও সং কান্ধের প্রতিদান)	२-वाकाश	642	21
	৫-বারেশ	2	69.2				

	নাসারা	निकरी				ন	
THE RESERVE OF THE PERSON NAMED IN	न्या क्रिक् नाम थान न मुक्	विषय/धनम	Add despis	THE REAL PROPERTY.		907	
		আগম আ, ও ভার প্রীকে একটি পাছের নিকটবর্তী	इट्ट निरुप्त	৭-আয়াফ	22	638	

Apply to the second sec	স্থা ক্ষা কাৰ	WEST TO	100	विषयं अस्ति विषयं अस्ति ।	<b>河西州 电淋巴</b>		981
मामाश (पूर्व पृक्षे (श्राक)				আনম আ, ও ভার স্ত্রীকে একটি পছের নিকটবর্তী হতে নিয়েখ	৭-আন্মক	22	628
(AB (উন্নীত্র বলে নাসাক্ষার কোন কিছুর উপর নেই)	২-বাঞ্চল	770	670	আস্তাহ অভি নিকটবৰ্তী	৩৪-সাবা	60	986
প্রতিদান (দানারাদের ইমাদ ও সং কালের প্রতিদান)	২-বাকাষা	62	209	আল্লাহ নিকটবন্ধী করে না মানুহকে তার ধন-সম্পদ	৩৪-সাবা	99	₩88
যালপথ (অস্তাহ বিহামতে নগাল, তথা যালপণ কংকে)	22-4166	39	925	ইয়াতিমের ধন-সম্পদের নিকটবর্তী না হওয়ার নির্দেশ	৬-আন্'আম	265	633
रक्तालाग्रस्य (देवनी क मानवारमहत्व नावद्वाताशका कर्व निरम्ध)	৫-মার্লিদা	62	269	কাফির (নিকটবাটী কাফিরদের বিকাদে যুদ্ধের নির্দেশ)	৯-ভারবা	250	620
বলা (নানারারা বলে- 'মানীহ আগ্রাহর পঞ্জ')	৯-ডাওবা	100	680	বিয়ামন/গভান্তিভিন্তি নিবলৈয়ী চলে কথিছে চোৰ ছিব হয়ে যাব	২১-আধিয়া	39	986
বল্য (নালারারা বলে ইর্ননীরা কোন কিছর উপর দেই)	২-বাকারা	220	670	বিশ্বামত নিবটৰতী হয়েছে	৫৩-নাক্ষম	29	200
বিশাস করে বেলব নাসারা আল্লাহ ও আবিরাক্তে	ু-মার্যনা	69	25%	কিরামত নিকটবর্তী সমস্থেই হবে	১৭-ইস্রা	67	475
ভিত্তর আশ্র (ইন্ট্রী-সাম্মরাসর মিথা আশ্র, জারতে প্রবেশ প্রসঙ্গ)	২-বাকারা	222	670	কিল্লামত নিকটবর্তী হয়েছে	৫৪-কামার	2	300
जबारे ना एठाई (भरी मध्यक्ष धर्व जनुजान ना क्याण जबारे बहुदन)	২-বাকারা	340	678	কিয়ামত চোধের পদক্রের মত, ববং ভার চেরে নিকটবর্তী	১৬-নাত্স	99	900
হওয়া (মাসারা হলে নঠিক পথ পাবে ! তারা বলে)	২-বাকারা	200	030	কিয়ামত নিকটবৰ্তী	৪২-পূরা	24	285
ছলতে। (মমিশালর প্রতি নাসারাদের ছল্যতা প্রসঙ্গ)	०-प्राविमा	24	690	কিয়ামত নিকটবর্তী (মানুদের জিআসা প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাব	90	500
নালী (হাবার মাল)		-	<u> </u>	কুক্তরীর নিকটবর্তী সুমাফিকরা (ঈমানের চেয়ে)	৩-আলে ইমরান	269	002
বালা (ব্যৱান মান) বাঞ্চবাট্ট (কটা বা হারম মানতে পিছির সোম বাঞ্চবাট্ট)	>_Steam	09	488	পনিয়েত্ব সামন্ত্রী নিকটকানী হলে (মুমিনদেও অনুসক্ষা করাত)	৯-ভাওবা	84	688
	0.100	-		ৰাল্লাড নিকটবৰ্তী করা হবে (কিয়ামতে)	৮১-ডাকন্টার	30	3009
নিংড়ালো ফল নিয়েবে মানুম, এমন এক বছর আগবে (বর্তন গাঁত বছর পর)	১২-ইউস্ক	8>	69-3	জিবরাইল নিকটবর্তী হলো (রাসুল স. এম)	৫৩-নাজম	ъ	3/04
মূল নিয়েতে বালতে লেখল নিয়েতে (দাই যুৱকের একছন)	25-2824	00	600	তওর নিকটবরী সমরে করলে অপ্রাহ বন্দুন করেন (পুলো পর্যই)	8-निमा	39	260
	26,6974	-	000	ডাকওয়ার অভি নিবটবাড়ী (মার্জনা করা, মোহর প্রসঙ্গ)	২-বাকারা	209	229
নিয়পেষ ভয়তা নিপ্ৰেম্ব হলে যাতে (নাম হাতে কিবাবপ্ৰাছ ব্যক্তির)			dP6	তাকওয়ার নিকটবর্তী (ন্যায়বিচার করা)	৫-মারিদা	ь	69.7
ক্ষমতা সংগ্ৰেপ হয়ে যানে (বাম হাতে ক্ষমবাত্ত্ব ব্যক্তর) ক্ষালামীয়া নিক্ষেদের নিঃশেষ করার প্রার্থনা করবে	१७-शहार् १७-यस्क्रम	49		দরা নিকটবর্তী (আল্লাহর দরা সংকর্মগরারণাসের নিকটকটী)	१-का'कर	¢6	623
		99	907	ধন-সম্পান (ইয়ারীয়ের ধন-সম্পানর নিয়েকারী হওরার নিয়েক)	১৭-ইপ্রা	08	939
আন নিয়েশহ (অধিয়াত সম্পর্কে জান নিয়েশহ হত্যা, মূপতিবলের)	২৭-নামল	66	pod	লমাজের নিকটবর্তী হওয়া নিবিছ (নেশকান্ত অবস্থায়)	8-PH1	80	895
সমূল নিঃশেষ হবে (প্রতিপাপকের বাণী দিখতে)	३४-वार्क	209	900	विक्रिक्ती अभागा भाष क्रमाराच प्रस्तान त्यां शाम	২৭-নামল	44	tos
সূথ-পাত্তি পুনিরাতে নিয়পের করে (কাঞ্চিররা)	৪৬-আহ্বাক	20	970	নিৰ্নিষ্ট সমৰ নিকটবৰ্তী (আৱাত মিথাপ্ৰতিপদ্ৰ করা প্ৰসূত্ৰ)	৭-জা'রাফ	39.6	900
নিঃসম্ভান (আরো দেপ্রন কালালা শব্দটি)		_		প্রতিপালক মানুছের অতি নিকটবর্তী	22-64	44	695
আস্থাহ নিঃসন্তানের সম্পন বর্ণন সম্পর্কে ফতওয়া নিজেন	8-निमा	749	693	প্রতিপাশারে নিক্টার্কটি হওয়ার এটা করে যাসহকে ইলাই মান করে	১৭-ইসরা	43	935
মৃত ব্যক্তি নিলেন্তান হলে মা তিন ভাগের এক ভাগ পাবে	৪-নিশা	22	663	প্রতিশ্রুত শক্তি নিকটবর্তী নাকি মেরাব রয়েছে	૧૨-જિલ	40	269
নিঃথ (আরো দেখুন অসহায় শদটি)				প্রতিক্রত সময় নিকটকর্তী (পুনরুখানের সময়)	২৭-নামল	93	Pob
ভিরন্ধৃত ও নিয়ের হয়ে বনে পড়বে (অপবার করলে)	১৭-ইশ্রা	રુ	936	বিষয়ে নিকটবর্তী (ম্বমিন্সেরকে নিকটবর্তী বিষয় গান			1
নিকট (আরো দেখুন কাছে শপটি)				কর্মেন অপ্রাহ)	8४-म7र्द	30-	224
ইউপুরের ভাইনের নিবর্ত রাসুল স্. ছিলেন না (বভূমমের সময়)	১২-ইউসুক	205	69/6	বিজয় নিবটবৰ্ট্ট (নিবটবৰ্টী বিজয় দুমিনৱা ভালনাসে)	৬১-সাক্ক	30	267
উপস্থিত করা হবে সধাইকে, আপ্লাহর নিকট (কিয়ামতে)	৩৬-ইরাসীল	60	966	বিষয় নির্ভাবনী (নির্ভাবনী বিষয় পদ করেছে। অনুত, মুনিদানতে)	8५-भारद	29	535
साहासीतम्ब निकटी बाह्यसम्ब शहा थाकर	৭৯-মাব্র	78	224	ব্যতিচারের নিকটবর্তীও হওয়া বাবে দা	১৭-ইসরা	०२	936
প্রতিবেশী (নিকট প্রতিবেশীর সাথে সন্থাবহারের নির্দেশ)	8-निम	95	667	তথ্য (নিকটবর্তী তথ্যে রোমানরা পরাঞ্চিত হল)	৩০-জম	0	P44
প্ৰান্ত (উপত্যক্ষর নিকট প্ৰান্তে ছিল মূ'মিশরা) স্ত	৮-আনবাল	84	900	মৃস্যকে নিকটবতী করপেন আল্লাহ (একান্ত কথার)	১৯-भावदेशाम	24	909
মানুষের ধমনীর চেয়ে অধিক নিকটে আছেন আল্লাহ	१०-दृश्य	36	950	শান্তি (মানুবাক বিবামটোৰ আস্থা শান্তি সম্পৰ্কে সভৰ্কৰাৰী)	৭৮-নব্য	80	3003
সঠিক পথ প্ৰদৰ্শনের আশা (আস্থাহর নিকট রাসূপ স. এর)	১৮-কাহক	₹8	920	শান্তি (অপ্তাহ কমিবনের শন্তিকে নিকটবর্তী লেখতে পাছেন)	৭০-মা'অরিক	٩	355
নিকট আব্রীয়				শারি নিকটবার্টা (সম্প্রাহর উন্নিয় কঠি করেল, ছারুল মার্কি প্রেলস)	27-Eei	08	695
বোঝা নিকটান্ত্রীয়ও বহন বন্ধবে ন্য (কিরামতে)	তও-ফান্টির	20.	589	শান্তি নিকটবতী (প্ৰতিক্ৰড শান্তি নিকটবতী মা দূৰবতী ভা	as.काश्चि		223
গতৰ্ক করা (নবীর নিকটান্তীয়দেরকে গতর্ক করার নির্দেশ)	59-0,00M	478	477	বাসুল ল. হ(মেলনা)	52-001401	209	727
নিকটজন (আরো দেখুন আপনজন শব্দটি)				সভ্য প্রতিপ্রতি কিয়মত নিকলৈটা হলে কম্বিকার রেপ ছিব হরে হবে	২১-আছিয়া	59	928
অন্তাহ নিকটলন (ধনী-গরীব সকলের)	8-निग	300	298	সময় (বর্ষণামার নিকটবাটী সময় পর্যন্ত অববংশ মেইবে, বিশ্বামটে)	১৪-ইবরাহীম	88	699
নবী মুমিলদের কাছে নিজেদের চেরে নিকটজন	৩৩-মাহ্বাব	6	9400	সমন্ত্র (ফুছ খেকে নিকটবর্তী সময় পর্যন্ত অবকাশ প্রার্থনা)	8-मिगा	99	699
নিকটতম				সময় (पृष्टुक्काल निक्किकोर्वे नामात्रम् शर्कन, नाम, नारकर्य शराम)	৬৩-মূনফিকুন	30	366
স্থাত্য নিবে নিবাটায়ন পুথান হবানার খানান করে (ওপিয়াত প্রদাস)	१-माबिमा	309	690	সাহাত নিকটবতী (অন্তাহর সাহাত)	২-বাকুারা	438	228
নিকটান্তর			-	সিমান নিকটকটা (অল্লাহর সিমার নিকটকটা হওয়াও নিয়েব)	२-राकृता	724	653
আন্ত্ৰায়ত্ৰ মীত্ৰাসপ্ৰান্তিতে মুদ্দিৰ মুহাজিবেৰ চেমে নিকটভৱ	৩৩-জাৰবাৰ	6	3100	দ্বীদের নিকটবর্তী হওয়ার নিমেধ (মালিক চলাকালে)	২-বাকারা	222	455
আল্লাহ মানুষের চেয়েও নিকটকর (প্রাণ কর্তাগত ব্যক্তির)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	be	389	স্থান (নিঞ্চিবর্তী স্থান হাতে যোক্যাকারী যোক্যা করবে বিষয়মতে)	60- <u>ālā</u>	87	348
ইবরাইটের অধিক নিকটতর (ভার অপুসারীরা)	०-व्यक्त देमझ		084	স্থান (নিকটবাট্ট স্থান বেকে করিব্যাসাকে পারদারত করা বংগ)	৩৪-সাবা	47	784
वेनकारक निव अपन निवा भारि महान अनि निविध्य (म शाम	8-निमा	22	689	হিপাব (যানুহের জন্য ভাচের হিপাব নিকটবর্তী হয়েছে, জনচ)	২১-সাধিয়া	2	920
ক্ষতি নিজ্ঞান্তর পরীক্ষার উপন্যান্তর (চত্তে ক্ষতি নির্বাচন)	44-87%	20	969	হুলুনায় সন্মতে নিকটকটী পান্যা (শাসাবাচনাকে মুম্পিচনা প্রতি)	१-पश्चिमा	54	ého
সাম্বা নেয়ার নিকটনে পর্যার ক্ষেদ্র দক্ষানর সামী প্রহণ)	०-मासिमा	20h	238	নিকট (আরো দেশুন কাছে শপটি)			
	-	1	1	व्यक्ति व्यक्ति (अपूर्ण कार्यः नवारः)	২-বাকুরো	30%	220
নিকট প্রতিবেশী নিকট প্রতিবেশীর সাথে সমাবহারের নির্দেশ	s.Ext	-06	665	বিষয়মান্ত নিকটো লেখাবে যাখন কাভিকার (মুখনজন মদিন মহেব)	১৭-মূল্ক	29	598
	2478	1 00	100	निवारे प्रांस			
নিকটক্তী। উন্যান্ত্ৰক নিকটক্টী কৰা পেঠিব ভাগতে নীলন্দ বিভক্ত হওৱা।	২৬-ছ'আৱা	148	992	লকচে আলা আন্নাতকে মুবাকীদের নিকটে আলা হবে (আধিরাতে)	২৬-৬'আৱা	30	934
অন্যাহকে নকাৰত কৰা (পাতৰ ভাৰতে নককা নতক বভাৰ) অধীলতে নিজাৰট চল্লা থাকৰ (পাৰণ-স্থাকৰণ সঞ্জীলতে)	৬-আন'আম	267	622	জান্ত্ৰাত নিকটে আনা হবে (মধাকীদেব)	१०-इशक	03	340
attrices remove store entry (tricks-redieved officient)	०-वान् जाव	1362	033	Towns or a Constant	1	1	

বেরাঈল নিকটে আগল (রাসুল স. এর)	৫৩-নাজম	1 2	3/05	বিশ্রমন্থল (নিক্ট বিশ্রমন্থল কার্যরাম)
সন্ধিলে হারামের নিকটে আসরে না স্বশরিকরা	৯-জাত্তবা	37	684	বিনিয়া (বাফিবর যার বিনিয়ার সিজেনের বিক্রি করে তা নিকুট)
क्टी याच्या		1		বিনিময় (জালিমনের ধান্য নিকৃষ্ট বিনিময়)
তের নিবটো না যেতে নির্দেশ, আনমধ্যে(মান্ত্রাকের বিশেষ গাম)	২-বাকুরো	-00	202	বিশ্রমন্থল (মাহান্নাম কতই না নিকৃষ্ট বিশ্রামন্থল)
बरों वाचा	74	1	111	বিশ্রমন্থল (ভাষাব্রাম জালিমাগর জন্য নিকৃষ্ট বিশ্রামন্থল)
বিশ্বতে রাখ। তিশিসের নিকটে রাখল হাই-পুট বছুর ভালা (গাওয়ার কন্য)	৫১-ব্যবিষ্যাত	29	346	বিচার (মপকর্মশীল ও সংকর্মশীল মুমিনের জীংন ও মৃত্যু প্রসঙ্গ)
াকৃষ্ট (আরো দেখুন মন্দ শব্দটি)		100	- 14	বিচার (মুপরিকদের বিচার ক'ডই না নিকৃষ্ট)
বিশ্বনার (নিত্র অবস্থানয়ল জাত্রাম)	২৫-জুরকান	00	969	বিচার (মুশবিকের বিচার নিক্ত,কন্যকে জীবস্ত পুতে কেলা প্রদাস)
বহুনার্থ (নিজ্য অবহুনার্থ আওয়ান) বহুনার্থ (রাহান্তাম নিজ্য অবহুনার্থ)	७५-स्थाम	00	brob	বিয়ার (অপ্তাহতে অভিয়ে যাবে এমন ধারণাকারীদের বিয়ার নিকৃষ্ট)
বস্থানার নির থেকে নিরম্ভ আবল ইউসুফ আ, (ভাইলেবকে)	১২-ইউসুফ	133	998	বিক্ৰয়ের বিনিময় কডই না নিকৃষ্ট ! (জাদু প্রদঙ্গ)
বাদ (ছালিমদের আবাদ হবে নিকট)	৪০-ম'মিল	93	p.p.s	বৃঙ্জি (নিকৃষ্ট বৃষ্টি বর্ষিত হয়েছিল যাদের উপর)
বাছল (জাহান্তম নিকৃত ছারী আবাছল।)	28-देरहादीय	28	686	বৃত্তি (পৃত সম্প্রদায়ের উপর বর্ষিত হয় নিকৃষ্ট পাধরের বৃত্তি)
বেল (নিশ্বত্ত আবাদ, লম্পর্ক ছিত্রকারী ও মাদাদ লৃষ্টিকারীর জাত)	১০-রা'দ	20	680	বৃক্তি(পুতের সম্প্রদায়ের উপর পাধরের নিকৃষ্ট বৃত্তি বর্ষণ)
বাস (মুনাফিক ও মুপরিকলের জন্য নিক্ট আবাস)	৪৮-কাত্ত	0	250	বোঝা (বিলামতে কাথিব যে পাপের বোঝা বছন করবে তা নিকৃষ্ট)

5-90380

v. Strante

ಶಿ**೩**.ਜਰ

8-SE

to Zwar

/h-attro

১১-হন

33.0H

১১, চাজ Yo

১,বাবার

৩৮-শেরাদ

০-মাহিদা

৪১-ফস্সিলাত

আবাসকুপ (নিজের প্রতি মলামকারীর মন্য মাহান্ত্রম নিকট আবাপ...) ৪-নিসা वार्वात्रकत (निवारे वार्वात्रकत कालिप्रान्य) ০-জালে ইয়কাৰ 000 স্বাবাস (নিকট স্বাবাস স্বাহান্তম) ২-ব্যক্রি 306 प्रशासका (प्राणकारीत्मव प्राथानका कांड्रान्य कांड्रान्य कांड्रान्य Macadan অধ্যমনৰ ক্ষেত্ৰকাৰীনেৰ আবাসকৰ নৱহানাম কত নিতট' ৩৯-ব্যার থাবাসস্থল (জাহান্তার কতিই না নিকট আবাসস্থল) 80.2'fire श्वराज्य निर्मान निक्षे (बनी डेजवडिटलब स्थान समक ১-বাকারা विकास जान को सामान जिस्कों कवि (क्वीन नविनाप बाका) a.mrane 651 क्रिका (**'खब्रा**डर खाराक्टक क्रिया खानानराव क्रिका नगरे निक्षेत्र) ७५-सप'णा বান্ধ (মরাকীলের নিকৃষ্ট কান্ধ সাল্লাহ মোচন করবেন) ००, व्यक्त N98 বাল (ইছদিরা যে মন্দ বাল করত তা নিবাই বাল) ८-महिमा ৭৯ ¢50 वास (निक्षे वास वाराम विद्यादत या वदाइ) ০-মাধিদা 900 আৰু নিৰক্ষ কান্ধ কৰে ভাৱা যাবা কফরি গোপন করে। o-anfibet Ohrh काल (मिक्ट्रे काल प्रश्विकता वा करत) जाक (विकास जाक वर्ष शहर करन) o\_शरिका Ohrle ক্ষত্রর (বনী ইস্বাইল হা বারা পাঠিবেছ/ক্তত্রর নিকট্র। ০-মার্রিদা रंग्या (विकास संस्था स्थानावा by Wilder han प्रकारक (फाइन निकार शहरायुक कार्किसामर कार्ना) ১৪-নৱ Thro राजनाक्षण (करमानाम जान विकास राजनाक्षण) NO.2389 प्रवाहन (क्षांत्रासाम निकार गहराहरू) ০৮-মজাদালা statement (firmit statement mentions). ্মালে ইম্বান 001 গমবাছল (কাফিবলের জন্য নিকট গগ্ধেরন্তল, ভারানাম) ২-বাকার пристим серболиче почения версиц. Соля пристип NA WIESTS शबदाष्ट्रण (काकियाना कना साशास्त्र निक्षेत्र शक्रदाष्ट्रण) ৬৪-ভাগাবন श्यवग्रह्म/काकन निकार श्रमवाका व्यक्तिवास्त अञ्चल 33.5786 श्वताकृत (निक्षे श्वताकृत, प्रनायिक ५ काफिस्टानर)। ৫৭-হানীন

शक्तवासम् (मिक्टे शक्तवासम् स्वाहानास)

निवारे नार्वातन करा निवारे अञ्चल

নিকট পঞ্চয়দের জন্য নিকট নারীয়া

our conference resident or filmed over

कींब (निकार कींव पालाइव निकार तारी गर वर्षता ও वारा...)

संद्र (चित्र, सक्तामत श्रीरक किए जना निकार शह ५ घना)

পনীয় (ভারমেরে) ছালিয়নের মুখ্যকেল দার করবে (নিকট পানীয়)

अधिकन (निक्षेष्ठ अधिकारमञ महरान निहान बागून म, भाभारतीकारक)

প্রতিক্ষা (কার্কিয়াসর কাতকর্মার নিকটাতম প্রতিক্ষা নিকেন আল্লায়)

প্রবেশ কোন্ত নিকটি প্রবেশ, বেখানে আনোকে প্রবেশ করালো হবে)

প্রতিনিধিত (মুদার অনুপঞ্জিতিতে ভার নিজন্ম *প্রতিনি*ধিত।

প্রথাকর (আলার যাত্রা ক্রম উপাস্য নিবাই প্রথাকর)

अस्तर्रज्ञा (निवहे अस्तर्यज्ञान निवासकार्यात्रेका सन्)

वस्तारमा (दिनद्व बामा मिर्च भिक्के बामा वस्तत (सर्वा )

বিশামন্তল (নিকট বিশামনূল কাহান্ৰাম)

পুরস্কার (নিকৃষ্ট পুরস্কার দেয়া হবে, মানইবানবাসীকে)

विकास जाता

37

বা

বোঝা বালে (নিকট বোঝা বালে, সম্প্রান্তর সম্পাতকে বিধার কর্মায় গোৰা (কিয়ামতের দিনের পাপের বোষা কর্মইনা নিকট ।) प्रतिकास क्रिकोर तक लक्ष्मप्रेश प्रत स्थानगढ लावान মর্যানায় নিকট্ট (লালাচারীরা) urfter (verseiter unfrern Scarit) হল। (কাত নিকট হল। যা আহলে কিতাবৰা গ্ৰহণ কৰা।) who carries reducements our finit rectation offer. শামি নিবেন প্রতিশালক ( স্বাধিমকে নিকট শামি) wife consess wints come and financial final wifes न्दिरं (प्राप्ताप्र-वाञ्च भ त्या निर्दान प्रधान क्याप निर्दे विभाग नाविः) गांक रिवरणाहित अध्याताताचा विकार गांचि शताता wife (Duit wife toxics our sen territoria and most ritt reserv.) শারি (মৃদার সম্প্রদায়কে বিরক্ষাউন সম্প্রদায় নিবট শারি নিব) आणि (व्यक्तितानाः व्यक्तिशामीनात क्या विक्रणे आणि) भावि (काल्यान विस्तार किसी भावि तकास निष्य तेकार wife (Sellings and) region feature wife first wife see ) महिर (की हैं) विकास किरायों में साम किसी महिर शिवार किए। শক্তি (বলী ইসরসিলের উপর বিশ্ববাঞ্জন বল্লগর নিবর্ত শক্তি) 908 निक्टे वक 698 আৰাসভয়িকে উন্টিকে নিকেল (পড সম্প্ৰদাহের) reteris Europe parametr (attention) parametricine etam) 903 উট্নামক কল্প গড়ির নিক্ষপ করতে কলা (চাইদের একান) 763

गण्डा कमा डेचरियात निया गण्डामा मारा निर्देश गण्डा करना निर्देश সম্প্রদার (নহের সম্প্রদার) प्रणासक(मार मण्डासाव किन मिकडे स शालावादी मण्डासाव) SINNA / Persent worst voor Stetomet Graph orman) সহত্তৰ (পঞ্চত্তান মান্যসৰ নিকট সহচত) Figure (Grank Figures) was some order programme চিম্বৰ চিনাই চিম্বৰ আমৰ জন্ম হাব প্ৰতিপদানৰ আন্ত সাত্ৰ সৈতি। ਅਜ਼ਹਾਰ ਵਿਕਾਸਕ ਸ਼ਹਿਰ/ਪ•ਰਿਕਸ ਜ਼ਿਕਸੋਨ ਨਹਿੰ निकारम कीर प्रशास निक्री पातरि पात कुमी क्रास्ट्र নিকট বস ব্যৱের ইয়ো না করার নির্মেখ नारि (कानियान निकारे अधिक कान प्रतिकार निराह पास्त क्रियालाट) শারি (ঐকানে (জাদীয় বিশ্বামনে নিকট শারি প্রকার দিয়ে ঐকানে) নিক্ষেপ (আরো দেখন হুঁডে ফেলা শব্দটি) নিকেপ কর্মান সমিষ্ঠানের (কাফিবরা অধীকারকারীকে নিক্ষেপ করা হবে সংকীর্ণ স্থানে বাজনে(বাহরতে আমলনামানারতে তীর আজন নিজেপ) আন্তনে নিকেপের পরিকল্পনা (ইবরাহীমকে)

ইউনুসকে নিক্ষেপ করলেন আল্লাহ ভবহাঁন প্রান্তরে

go.mifest 2p-9100 ALMOY WOL 107-Topica ৪০-ছ'ছিন ag mize ১৪.টববারীয় No atze db-5314 5,000,400 9.001'8196 ২-বেশ্বর 8-501 33,896

383 83 000 ২১-অভিবা 920 ১১-অপিয়া 98 80-1767 tribo bly, attitude ৮-জানভাল 9009 ২-বাকারা 203 ch-sale 3/92 ৩৮-যুমার 48 ¥90 ৩৪-সাক ২৫-ফরকান 166-27872 A9-201217 e-s-attex 3000 N. Witmite 10.8270 ৩৭-সাক্কাৰ ইটানা আ যে নিক্ষেপ করা হত পরিপাদকের নেরায়ত না পৌরুল Ny. WITE 85

০-জালে ইমবান ১৯৭ 000

230

908

034

W83

3.9720791

১৮-কার্য

৩৮-প্রেয়াদ 24

Shr-stign

৪৫-লাছিয়া

NUMBER OF

১৯,জানকাব্য

VALUE OF STREET 25

২-বাকরে

২৫-যুৱকান 80 445

২৬-৬'আরা

39.8789

১৯-মারল

%-व्याम व्याप

১৯-মাৰইভাম

২৫-ফুরকান AR

০,ডালে ইমবান

309 929

38

নিকেপ	निहरू

असः दिशह/क्षत्रम	नुदा मर ७ माम	NOON NO	नृष्ठी.	नव विश्व/धनम		atti e	
मिट्फल (पूर्व पृक्ष (सदक)	-		1	হুবামর শিক্ষণ করা হবে (নিমাকার্ট ও সম্পদ স্বয়াকার্টাকে)	५०८-स्थाया	8	3000
কলম নিক্ষেপ করা (মারইরামের এক্লবথানের ব্যাপারে)	৩-আলে ইমরা	88	¢80	নিকেগ (অধ্যেমুখী করে)			
ক্ষিত্যৰ নিজেপ কৰল পিছনে (আহলে কিতাব প্ৰবন্ধ)	৩-জালে ইমরান	259	008	বিপক্ষামীদেরকে অধ্যায়ুখী করে আগুনে নিকেপ করা হবে	২৬-৬'আরা	h8	990
চ্চিত্র নিক্ষেপ করার নির্দেশ আনের দিকে যাদের থেকে	৮-আনফাল	Qb.	609	নিকেপ করা (ভঙ্গ)			
জানুকজনে অনু নিকেশ করতে কণ (মূদা আ, আনুকনালে বলগ)	২৬-৩'আরা	80	9ho	অঙ্গীকার ভঙ্গ নিক্ষেপ (অঙ্গীকার ভঙ্গ করা ইহুদীদের স্বভাব)	২-ধকুরো	300	672
कामकदामहरूक काल निएकण कराइ समारमन गुना	১০-ইউনুস	tro	664	নিকেপকারী			
জন্ববরা প্রথমে জানু নিক্ষেপ করবে নাকি মুসা	২০-ডা-হা	96	188	যানুকরাই খানু বিকেশকরে (বিরয়াইনের নানুকরনের গ্রুপে)	৭-আ'রাঞ্	224	৬২০
জানকার যুক্ত নিজেল করল (মুগা মা, ও বিভাস্তাইল প্রদাস)	10-विविश्व	P-2	664	নিজেপের উপকরণ			
তাওু বিশ্বেপ করতে কাল মূল আ (বিশ্বজাইনের জাতুকরনে)	১০-ইউনুস	bro	995	প্রদীপমালকে দিকেশের উপকরণ বাননো (পরস্টানর কর্ণা)	৬৭-মূলক	6	৯৭২
জন নিকেল করতে ধলা (মূল আ ভিনা'আউলের জানুকরদের কলা)	59-0,444	80	920	faffers		_	
बावु निद्वम (फिरायांदेशय बामुक्यांग्य)	৭-জাবাক	226	820	আগুনে নিক্ষিত্ত হলে (আয়াহর প্রতি মিথ্যারোপকারীরা)	১৬-নাহল	84	101
জানু সংকণ (কিলবারণের জানুকরণের) জানবরদের জান নিকেল (ফিলবাইলের জানুকর প্রদক্ষ)	্-আর্থ	226	650	चालन निर्मान शक्ति देखा स्वीत निवालन सक्ति (विश्वास्त्र)	৪১-ফুস্দিগতে	80	bys
জানুক্তান জনু নিধেশ (বিশ্বস্থান আৰু না ব্ৰংশ) জানুক্তানৰ জনু নিখেশ (মুসা আ, ও ফিল্লজনৈ প্ৰসং)	\$0-\$1-\$1	66	982	ভারমারে নিশ্বির হলে (অপ্তাংর সাহধ মনা ইলাহ নির্যায়ণ করলে)	১৭-ইস্বা	69	959
জানুকালের জানু নিকেশ (মূল আ: ও তিরোকন এনন) জারানামে নিজেশ করা হবে (উদ্ধৃত কাফিবকে)	१०-वृत्त्व	38	950	নিপত			
	৩৭-রপ্র	9	393	গাড়ী (বনী ইসপ্রস্থাকে নিপুত গাড়ী জনাই করের নির্দেশ প্রদেশ)	२-राकृता	93	đơờ
জাহান্ত্রমে নিকেপ করা হবে যাদেরকে ভারা তীয়ে নিকেপ (দিচ মুসার সিম্মুখনে সমূদ তীয়ে নিকেপ করবে)	২০-ভা-ছা	40	180	filts			
	50-8(att)	88	930	আঙ্গলের আচ্ছাদল থাকবে (জাবাল্লামীদের নিচে)	৩৯-বুমার	3/6	1793
দত্তি নিচ্ছেপ (জানুকররা আনুর নতি নিচ্ছেপ করণ)	২৬-ত জারা ৬৭-র <b>লক</b>		392	আরোহী দল দিয়ে ছিল (বদরত্বর প্রদাস)	৮-আনকাপ	84	909
দলকে নিজেপ (বেল এব দলকে যক্ষা কান্ত্রপ্রমে নিজেপ করা হবে)		b	244	উপজ্ঞান বিচ বাহিলে উপিয়ে বিচাৰ আল্লাহ পূচাৰ ক্ষাণালক	33-2H	24	690
ধাংসের দিতে নিকেপ করা (নিজ হাতে নিজেকে)	২-বাকুরো	776		ককের (জাপ্রতের) নীচে নহর প্রবৃহিত	৩৯-বুমার	20	490
পাথের নিক্ষেপের জন্য কেয়েশেতা প্রেরণ (গৃত সম্প্রদারের উপর)	৫১-যরিকাত	93	250	কাভিয়নের গায়ের নিচ ও উপর থেকে শান্তি স্বাঙ্গর কর।	২৯-আনকাৰ্ড	66	250
পাধ্য নিকেপ (হাঠাওরালায়ের উপর পোড়ামানির পামর নিকেপ)	১০৫-ফীল	8	7000	গাছের বিচে বাসল স, এর নিকট মমিনসের বাইবাত গ্রহণ	8৮-वाट्ट	24	929
পিছনে নিজেপ (আহলেকিতাৰ কর্তৃক আল্লাহর কিডাবকে)	২-বাকুলো	507	622	জনপদ উপর-নিত করে দিলেন আপ্রাহ (প্রতের জনপদ)	১৫-হিজর	9.8	903
পৃথিৱী বহিছে দিক্ষেপ করবে তার অভ্যন্তনের বস্তু (বিনামতে)	৮৪-ইন্শিকাক্	8	2020	জাল্লাতের নিচ দিরে নহর প্রবাহিত	৯-ভাওবা	300	620
প্রতিপালক নিচ্ছেপ করেন (সভাকে মিখ্যার উপর)	৩৪-সাবা	87	P86	আল্লাতের নিচ দিয়ে নহর প্রবাহিত (মুখিনদের পুরস্কাব)	২৯-আনবাৰ্ত	62	443
ক্ষির'জাউন ও তার বাহিনীকে সমুদ্রে নিকেশ করলেন অস্তাহ	২৮-কাদাদ	80	9.77	জারতের নিয় দিয়ে নহর প্রয়াহিত	৩-আলে ইমরান	10	409
ফির'আউন ও তার বহিনীকে সমূদ্রে নিকেপ করলেন আপ্লাহ	৫১-ঘরিয়াত	80	256	জাল্লাকের দিচ দিয়ে নহর প্রবাহিত	৭-আ'রাফ	80	636
বদী ইসরাইলের অলম্ভারের যোঝা নিকেল (বাছুর পূলা প্রদাস)	২০-ফ্লা-য	2.3	185	জাল্লাতের নিচ পিরে মহর প্রবাহিত	৩-আলে ইমরান	230	200
মুসাকে সমুদ্রে নিকেপের নির্দেশ (কান আশহা করলে)	২৮-কাসাস	9	p.op.	জাল্লাতের নিচ পিয়ে নহর প্রথাহিত (মুমিলানের জনা)	৬৬-ভাহরীম	8	390
মুদ্যা আ, কর্মক নিজেপ (কিরআইদের জানুকরদের প্রদক্ষ)	৭-জা'রাফ	225	650	জাল্রান্টালের নিয় বিশ্বে সহর প্রবাহিত হবে	২০-ইউপুস	>	968
মুসার লার্ট নিকেপ (জাতুর সাপচক্ষাকে গিলে ফেলা প্রানদ)	২৬-৩'আরা	80	930	স্বাস্ত্রাহতর দীয়ে নহর প্রবাহিত থাকরে	8-निमा	70	264
মদার বাটি নিজেশ প্রসঙ্গ	২০-ডা-ছা	50	982	অন্তর্ভার নিচে নহয় প্রমায়ত (সমাননার সংকর্মশীলানের জন্য)	8-भिमा	29	268
মসা জা প্রথমে জার নিকেশ করের মারি বিধাসাইকের জারকরর	২০-জা-হা	96	188	জান্তাতের দীত দিয়ে দবর প্রবাহিত	৫-মায়িলা	22%	6.95
মুসার অন ব্যুতের লাঠি নিকেপ প্রমন্থ	२०-छा-वा	50	984	প্রান্নাচতর দীচ দিয়ে নহর প্রবাহিত	%-সাক্ত	34	3-63
বহিত করা পেরতাদ যা নিক্ষেপ করে আল্লাহ তা বহিত করেন)	22-07W	65	989	স্বান্ত্রাক্তে নতে নহরসমূহ প্রবাহিত	৫-মার্ষিপা	34	492
রাসুল স, নিকেশ করেছিলেন যথন (বনবহুছে কংকর নিকেশ প্রসঙ্গ)	৮-আনফাল	29	000	মানুগতের নিচে নহবসমূহ প্রকাহিত	৫৭-হাদীদ	35	289
হাসল স. নিজেপ করেননি, আপ্রাহই নিজেপ করেছেন	b-200034	39	600	জান্নাতের নাঁড়ে মহর প্রবাহিত (সংকর্মশীল মুমিন প্রসঙ্গ)	২২-হাজা	78	923
(বদবসুদ্ধে কংকর নিকেপ প্রসঙ্গ)	5-004004	34	900	জান্নাতের নীয় নিয়ে মহব প্রবাহিত	৪৮-ফডের ৪-জিসা	244	293
দারি নিজেল (প্রাযুক্তরা স্বায়ুর লাঠি নিজেল করল)	₹१- <b>८.</b> आडा	88	930	কাল্লানের নিত্তে নহব প্রধাহিত থাকবে কাল্লানের নিত্তে নহব প্রধাহিত (পরিচফাদের কন্য)	40-91-10	95	984
লারি নিজেল (কিবজাউদের জানু ও মুদার লাঠি প্রদাস)	न-व्या-बाक	339	620	बानारका मिट नरन स्वास्ट (नाइक्बरम कन्द्र) बानारका मिट निरंह नरन स्वास्टिक	70-SLA	02	664
লান্তি নিকেল (মুসার লান্তি নিকেল ও অঞ্চথ্যৰ পরিণত হওয়া প্রসক)	৭-আ'রাক	309	655	ব্যস্তাতের নিয় নিয়ে নহর প্রধাহমান	৯-जावना	93	689
লাই নিকেশ করতে বললেন আল্লাহ মসাকে	২৮-কামাদ	03	930	ৰাপ্ৰতের নিচ শিলে নহৰ প্ৰথমিত	৫৮-মুকানলো	22	308
লার্ট্ট নিজেশ করতে মুসাকে আল্লাহর নির্দেশ	২৭-দামল	30	poo	ক্ষান্তের দিচ নিয়ে গছরসমূহ প্রবাহিত হবে	<b>৩৫-ভালাক</b>	22	10/610
मुद्रि मिट्डम क्राधारे च खबगत महिन्द दन (पून पा. अन्त्र)	३७-७'लावा	02	975	প্রভ্রান্তের দিচ নিয়ে পহর প্রবাহিত	ও-আলে ইমরা	200	08h
লাঠ নিজেপ করার নির্দেশ (মসাকে আপ্তাব্ধ নির্দেশ)	২০- ড়া খ	38	182	ন্ধান্তত্ত্ব নিচ নিয়ে নহর প্রবাহিত থাকবে (ঈমাননার	২-বাকারা	28	208
শ্বরাক্তর নিকেশ করা অর্থার রোগ্যনেরকার জন্য পরীক্ষাধরণ	22-1786	20	950	সংকর্মশীলের জন্য)		1	_
শয়রনের নিক্ষেপ (নবী-বাস্প্রের আকাকার)	22.0706	22	950	জাল্লাভের নিচ নিয়ে নহর প্রবাহিত হবে	৬৪-ডাগাবুন ৩-আলে ইমরা	945	900
পদতানের প্রতি সব দিত থেকে উন্ধাপিত নিক্ষেপ করা হয়	৩৭-সাফফাড	V	264	জান্নতের নিচ দিয়ে নহর প্রবাহিত জান্ততের নিচ দিয়ে নহর প্রবাহিত	৩-আলে হমর। ৫-মায়িলা	25	
লাজৈত (ব্যঞ্জিল পাজিতে নিশ্বিদ্ধ হলে আগ্রাহর সামে ইলাহ কার্যসূচ)	60-516	36	340	আল্লাকের নিচ দিরে নহর প্রবাহিত	%-प्रांत्या	100	
সভাকে মিথার উপর নিজেপ (মিথার থাসে প্রস্থা)	२५-व्यक्तिया	36	903	অল্লাকের নিয় নিয়ে নাইব ক্রাছিত	৪৭-বর্গাদ	24	
সমাত নিকেল কৰা বিলে (পশ্চিত্ৰতে জন্মতিকৰ জিমসা)	৭৪-মুদাছছিব		225	মান্তাতের ভদদেশে নহর প্রবাহিত	১৪-ইবরাহীম	20	
সাধার মিকেশের কোলা বিলে (শাশার্কতিক পার্যারিকার নিজেশা) সাধার মিকেশের কোলা (সামিরীর উপার্যারিকাসা(ব্যারিকা)	२०-छा-ग्र	39		দানে প্রবাহিত পূর্ববারী প্রক্ষানের বসভিব নিচে দরে প্রবাহিত	৬-অস্'ধাম	4	930
	२०-फ्रा-श	36		সংগ্র প্রবাহিত মুমিনবের নীয়ে (জান্নাতে)	29-5025d	92	15.
সামিরীর মাটি নিকেপ (নাছুরের মূর্তি থৈরি প্রসঙ্গ)	২০-ছা-হা	30		পারের নিচ থেকে আহবে করত আহলে বিভাবরা যদি	৫-মর্বিনা	69	
সাহিত্তীর অগভারের বোঝা নিকেপ (বাছুব পূজা গ্রসঙ্গ)				বাপানের নিচ নিরে নহর প্রবাহিত	২৫-পুরকান	20	
সুদাইমানের পর সাবার কবির কাছে বিকেশ (ছলচুল পরি মরফের)	২৭-নামল	47	405	ৰাগানের নিচ নিয়ে নহর প্রবহিত (উপমা)	২-বাবুরো ১৯-মাবইরাম	28 28	
হাতীওরালাদের উপর পোড়ামাটির পাধর নিক্ষেপ	204-Blu	8	2000	মার্ক্ট্যারের নিচে পানির প্রবাহ বানিরে নিরেছেন (প্রতিপালক)	200 m   45 (i) m	1 48	1 (00

जिल्ला क्रिकेट के प्रकार क्रिकेट कर क्रिकेट के प्रकार क्रिकेट कर के क्रिकेट कर क्रिकेट कर के क्रिकेट कर	শ্বদ বিষয়/প্রসঞ	नवं क्ष व नव	484	1	THE PROPERTY OF	<b>建</b> 木84	1000	
Compared from the control of the c		No. of Concession, Name of Street, or other party of the Concession, Name of Street, or other pa	Double Co.	700				
নালি প্ৰিয় আৰু নিশ্বনাল কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব		১৯-মার্ট্রাম	-28	200				
हुन क्षा क्षेत्र के प्रकार के प्रक							0	
1985   1985			-	-	জনুম (শিক্ষের উপর জুনুম করেছে মুসা)	২৮-কাসাস	29	pop
		-01-E8216	17	Nah.		৩-জালে ইমরা	200	287
Weight   Commerced regions of the process of the					জুপুন (নিজের উপর জুপুন, প্রীদেরকে আটকে রাবা)	২-বকুবো	503	659
1.2   1.2								
Page   19					জুবুৰ নিজের প্রতি (ভিতাহের কতক উওরছিকারী ভয়েছে)	৩৫-ফাতির	05	785
कर्ना विकास शर्मा कर विकास कर		P I Cope	***	1.00	क्ट्राम (निकार्टार्ट क्ट्राम का प्रस्तात अवस्थित पर पर परवार्ट)		89	266
Page 12   19   19   19   19   19   19   19		AL APPER	-	200		8-FINT	220	645
Comment   September   Comment   Company   Comment   Company   Comment   Company   Comment   Company   Comment   Company   Co		50-oxioaid	Ť	800		२-शक्तवा	29	609
Section   Process   Proc			-			९-जा'शय	360	649
Page   19		G0-शिवा <b>व</b>	40	376		৩৭-সাককাত	330	
**Service for control (years are not well not)**  **Providing Papers and years are set.**  **Americal Papers are set.**  **Ame			_	-				
Comment   Comm		२०-झा-श	300	181				
According   Control of the according and the a		_	_					
Secret Finds of color of the								
			13					
कर कांग्रह (पूर करात) (प्रताद करात करात कर							88	500
1-2							2	369
Section   Sect		২৯-জনকাৰ্ত	80	2.79				
Comment of the property of t		38.77		998				
*** The section of th		_						978
स्व के प्रति का का मांच्या के प्रति क						১৪-ইবরাহীম	80	63-9
स्वतान विद्या ने परित प्रतिकार मारण महाने विद्या है । अपने विद्या है । अ				693				
सहर पहला के प्रकार कर परिवार के प्रकार कर कर के प्रकार के प्रकार के प्रकार के प्रकार कर के प्रकार कर कर के प्रकार कर			68	800				
### Compare from the Compare of Types and Compare of Types of Ty								
स्त्री ह पंचार के प्राचन के प्राच							90	
स्कृत के प्रति के								483
A								485
*** The second of the copy of training of the following of the copy of the cop						২-বারুরো		
\$\\ \rightarrow\ \ \ \rightarrow\ \rightarrow\ \ \rightarrow\ \								
Proof of the motion will define of (minor)					লের (অন্তাহর পাত বেলে অসা অপেরনার্টিন নিয় কলাবর্যে লের)	৬-জান'জাম	804	600
### (1997) ### (1997					দোষ (নিজেনের জাহার করাতে কোন দোখ নেই)	<b>२8-नृत</b>	45	96.7
Part					লেছয়োপ নিজকে করতে কল্যন শয়তান অনুসরীকে (কিয়ানতে)	১৪-ইবরাহীম	રર	695
A					লৈনিক্তব্য কথা নিয়েকে বানেৰ সহল বাব প্ৰতিপালকক ভাকে	३५-वाहव		
जिल्हा के प्रतिकृति के प्रति के प्रतिकृति के प्रति के प्रतिकृति के प्रतिकृत					খোকা (মুনাঞ্চিকরা নিজকেই খোকা দেৱ)	২-বাস্থারা	8	
20   20   20   20   20   20   20   20					পালে (নিজেনেয়াক পালে করছে তারা মার কলম করে মিপুর কলছে)	৯-তাওবা	84	688
ভালত (ব সমাজ করে যে নিয়ার প্রচালের করে)  - ১০-বিশ্বনার করে নিয়ার প্রচালের করে ।  - ১০-বিশ্বনার করে নিয়ার করে নিয়ার করে ।  - ১০-বিশ্বনার করে নিয়ার করে ।  - ১০-বিশ্বনার করে নিয়ার করে ।  - ১০-বিশ্বনার করে ।  - ১০-বিশ্ব					খালে (কুরজান খোকে দুরে থোকে কমির নিজ্ঞাকে খালে করে)	৬-জান'জাম	26	690
करण ( ( प्रणाव) करण वाद विकास कर)					নবী নিজের মধ্যে যা গোপন করেন আগ্রাহ তার প্রকাশকরী	৩৩-আহ্বাৰ	99	504
					নবী নিজ খেকে কুরমান পরিবর্তনের অধিকার রাখেন না	২০-ইউনুস	32	966
सर्वेशन विकास के पहुंच कराव — — अन्याप्त के विकास विकास के प्राप्त के विकास के विकास के प्राप्त के विकास के प्राप्त के विकास के व						৫১-ঘরিক্লাত	52	৯২৬
1					দির্বেদ বানার, দিয়েকে (ইংরাইনের মিল্লাত থেকে অন্যাহী থঞি)	২-বাকুরো	300	474
हार्शिय पात्र प								
19   19   19   19   19   19   19   19					दर घीरान्द (XX)	9-61941	250	960
1					नवाने कर (मित्रहरू नवाने कहर, हा राष्ट्रण २, हर नवाने कहर हात)	8-5091	220	642
দৰ্শন (বিভাগত কি নিজৰ পৰিকালনে কি প্ৰতিষ্ঠা প্ৰতিষ্ঠা । ১৯-শুল ৪ । ১৮ বিভাগত কি নিজৰ পৰিকালনে কি নিজৰ পৰিকালন কি নিজৰ প্ৰতিষ্ঠা । ১৯-শুল ১ । ১৮ বিভাগত কি নিজৰ কি নি						৩-আলে ইমরাদ	68	685
প্ৰতি (Conte video de Conte Conte Conte de Con					পথিত্রতা (নিজেনের পথিত্রতা দাবী করা হাবে না)	৫৩-নাম্বয	02	hoo
ৰ্যাই (সিন্ধাৰ্শনীক্ষাৰ পৰিস্থান কৰিছে কৰিছিছ) ১৯-ছিল ১ হি পাই ।  ১৯-ছিল ১ হি প্ৰতি কৰিছে কৰিছ					পথিত্র মনে করা (নিজেদেরকে পথিত্র মনে করা)	৪-থিখা	85	690
ক্ষা নিজ্ঞানৰ ক্ষিত্ৰ বাহু কৰা আৰু পাছ কৰা আৰু পাছ কৰা আৰু কৰা					পহিতৰ করা নিজেকে (নিজেরই কল্যাণের ঋন্য)	৩৫-গাভিব	72	589
प्रता ( ) केरण के दिवा के प्रता के दिवा के प्रता के दिवा के प्रता के दिवा के दिवा के दिवा के दिवा के दिवा के द केरण कि (क्रिया के प्रता के दिवा के					পাপ (অর্মিড পাপ নিরেবই বিরুছে)	8-मिमा	222	693
কৰি (তিনাক কৰি কৰিছে বাব প্ৰকাশ প্ৰাৰ্থ কৰি কৰি । কৰি (ক্ৰিকেৰে কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি ) কৰি (ক্ৰিকেৰে কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি ) কৰি (ক্ৰিকেৰে কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি ) কৰি (ক্ৰিকেৰে কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি ) কৰি (ক্ৰিকেৰে কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি )								
পার (মান্তার পার ওপার পার পার পার পার পার পার পার পার পার								
ছতি (দিয়ের ক্ষতিকারীর স্বর্থন অন্যতে না) ৬-আন্'আম ২০ ৫৯৭ কনী ইসরাস্থিতে নিজেনের জন্ম বা অলা পাঠানো হয়েছে ৫-মার্টিলা ৮০ ৫৯০								
Cabboo furtise with Catalon-collect all a formal 30-1 5-10 and (S-dual total dataform around total actual bits.) 60-014414 6 3-10								
	Cathar (lating and catharasetts JCa sepp and 14504)	8-1991	209	440	anna (Satura Lant, Institute, app. (alle contact latter)	00-019814	9	a 10

নিচ নিজ

ন

नम विवद्य/धनम	जुड़ां नर छ नान	NEW Y	পৃষ্ঠ		স্থা নং ও নাম		
निक (पूर्व गृक्षे (बर्रक)				रका। (संनुष देशन ना जानात मानवत्त्रे पृशका न. व्यवस्था)	২৬-৬ জারা	۰	900
দিতৰ্ক (বিদ্যান্ত প্ৰভেক বাজি নিজেব পক্ষে বিভৰ্ক কবৰে)	১৬-নাহদ	222	475	হথ্য (নিজেলেকে হথ্য করতে মূদার সম্প্রদারকে নির্দেশ)	২-বাকুারা	68	200
বিক্তমে (মানুসের বাড়াবাড়ি মূলত তার নিজেনট বিক্তম)	১০-ইউনুস	20	625	হড়া (বনী ইসরাইল কর্তৃক নিজেনেরকে হড়া প্রসঙ্গ)	২-বাঝুরা	9.6	670
বিরত রাখে যে নিয়কে কুমার্ডি থেকে(আল্লাহর করে)	৭৯-নবি'আভ	80	2006	হুমা করের হাট্যের রাসূল গ. দিয়েরের (ফুবরিনর ঈথান না অন্যুপ)	29-suits	6	348
বিক্রের (কাফিবর খব বিদিয়রে নিজেসেরক বিক্রি করে থা নিকৃষ্ট)	২-বাকুারা	30	630	হিংলা (আহলে কিডাবের নিজেনের হিংলার কারণে)	২-বাকুরো	203	675
বিক্তর (জাবুর বিনিময়ে নিজেদেরকে বিক্তর)	২-বাকুরো	205	425	নিম্ন (দ্বীবন)			
বিক্রি (নিজেকে বিক্রি করে যে মানুব অস্তাব্য সম্বাচীয় উচ্চেলা)	২-বাকারা	209	650	মুক্তিবলেকে জীবন ও গন সম্পানর মাথে পরীকা করা হবে	৩-জালে ইমর	26/6	000
বের কর (নিজনের আবাসন্তের না করার অঙ্গীকার,বনী ইনরাইলের)	২-বাকারা	b8	609	भिव्रम			-
ভাগকাল নিজেনের জনাই (বনী ইমরাইল প্রদান)	১৭-ইস্রা	9	938	রতি (রাতের কসম বসম তা নিশ্বম হর)	৯০-দুহা	_	205
মুলিরে লিজেনে অন্তার নিজ্ঞানতে, ধারা অন্তারকে ভূগে গেডে	69-1044	29	243	नियंत्र निष्ठक	Borge	~	200
पूरा पाला (पुरात निर्मातामक्त्री निर्मात पूरा पाला उत्तर)	২-বাকুারা	88	606				-
মনে করা (মানুহ নিজেকে স্বয়ংসম্পূর্ণ মনে করে)	১৬-জালাক	9	2059.	বিকট শব্দে কাফির জনপদবানী নিথর নিজক হয়ে গোল	৩৬-ইয়াদীন	43	96
मनुस्क निकारन स्थानि बाह्य मनुस्क स्वाद गिरासन	১৬-মাহপ	92		নিদৰ্শন (আরো দেখুন জায়াত শব্দটি)			
अनुस्त्र निकाल प्रत्य श्रीक विश्वत गुर्वेड निश्वत वर्गा	४९-दामीम		4ob	অনুধাননকারী সম্প্রদায়ের জন্য মেঘমালার নিলর্শন ররেছে	২-বাকুারা	368	421
		44	960	অনুধানবারীসের জন্য নিদর্শন (রাড-নিনুপৃষ্টি/জীবন-মৃত্যু/বস্তুতে)	৪৫-জাছিয়া	¢	301
মানুষের নিজেদের মধ্য থেকে আদের জোড়া সৃষ্টি	৩০-রুম	47	950	অনুধাননবারীদের জন্য নিদর্শন (বিদুহে চমবালে ও বৃটি বর্ণণ)	00-WX	28	45
মানুবের নিজেদের মধ্য থেকে উপমা পেশ করেন আল্লাহ	৫০-রম	50	P-58	অনুধাকারবীদের জন্য নিদর্শন (ল্লেপ্ট্রোকর্ম্বার্ট্সনিদের মথে)	১৬-বাহ্ণ	34	90
मञ्ज निकारे स्थित अस्तित सन्त यस्ति (श्रीम्थनाम (१९३)	১৭-ইদরা	78	934	অনুধাননবালৈর জন্য নিমর্শন (গেছুর/আসুর থেকে মানক/রিভিত)	১৯-নার্প	69	901
মানুব নিজের বিরুদ্ধে নিজেই প্রত্যক্ষদর্শী	৭৫-কিয়ামাত্	78	220	অবমাননা (আপ্তাহর নিদর্শনসমূহ অবমাননা নিষেধ)	৫-মাছিলা	2	(th
মানুব নিজের কল্যাদের জন্যই সঠিক পথ অবলম্বন করে	১৭-ইস্রা	36	934	অবভীৰ্ণ (নিমৰ্শন অবভীৰ্ণ হয় না কেনঃ কাছিবদেৱ প্ৰশ্ন)	১০-রা'দ	٩	tivit
प्रभाविका निवकता गरंभ अंकृत म. अत किम्बास्त्रम मन्मर्स्ट राज्	৫৮-মুজাদালা	ь	960	অবতীৰ্ণ (রাসূল স. এর উপর নিমর্থন অবতীর্ণ হয় দা কেনঃ			
মু'মিনদের নিজেদের চেরে নবী অদের কাছে নিকটজন	৩৩-আহ্যাৰ	6	500	काफिन्नता वर्ग)	১০-রা'দ	49	99
মু"মিনদের নিজেদেরকে হত্যা করা নিধিদ্ধ	৪-বিদা	43	690	অবিশ্বাস (বিষয়মত হলে নিদর্শনে অবিশ্বাসীয় সামে এক জীনের কথা কণা)	২৭-নামল	45	70
মু'মিশদের নিজেদের মধ্য থেকে একজন রাসৃত্ত এসেছেন	৯-তাওবা	252	964	অধিক্রান(অল্লাহর নিদর্শন)কালাত অধিকাশী তার পার (থকে হতাশ)	২৯-আনকাৰ্ত	20	23.
মুমিনসের নিজেনে মধ্য থেকে বাসুল গোলা করেছেন জন্তাহ	৩-আলে ইমরা	798	662	অবিশ্বাস (অল্লাহর নিবর্ণন অবিশ্বাসের প্রতিফল স্বাহাল্রাম)	১৭-ইসরা	92	92
মুহাজিবরা নিজেদের উপর আশসারদেরকে অ্যাধিকার কের	৫৯-যাপর	ъ	366	অস্বীকার (আস্কাহর নিদর্শন অস্বীকারকারীয়া ফতিয়ান্ত)	৩৯-ছুমার	80	61
মুপরিকরা নিজেদের ব্যাপারে অহংকার করেছে	২৫-ফুরকান	43	° 6/8	অস্বীকার (আস্তাহত বেলে নিদর্শন অস্বীকার অনুনে মানুহ)	৪০-মুমিন	22	brbri
মুগরিকদের নিজেনের ব্যাপারে মিখ্যা বলা (কিল্লামতে)	৬-আন্'আম	28	699.	অধীয়ার (অস আঠি প্রতিপাশকের নির্বশন অধীয়ার করত)	33-चून	6.0	61
মু'মিলরা নিজেকের সম্পর্কে ভাল ধারণা করণ না কেন,	५8-नुब	25	992	অশ্বীকার (আল্লাহর নিদর্শন অশ্বীকার করত আন রাতি)	৪১-তুস্সিলাত	36	bb
মু'মিনদের বিপদ, উহুদ বুছে (নিজেদের কারণে)	৩-আলে ইমরা	296	202	অস্বীকার (ফির আউন বংশ নিমর্শন অস্বীকার করল)	28-कामार	84	201
মুনাফিকরা নিজেদের মাঝে কিছু বিষয় গোপন রাখে	০-আলে ইমরান		440	অধীনার (বিশ্বঅভিন কর্তন জুলুম/ক্ষান্তাকণ চন্দিন অধীনার)	২৭-লামল	28	p.o.
মুনাক্তিকরা নিরেদেরতে কিন্তনার কেলেছিল (পুনিরাতে)	৫৭-হাদীৰ	38	287	অধীকার (নিকর্পনাবলিকে জালিমরাই অধীকার করে)		85	250
पुनिवरंगर निरंतरावदक/अटक जनवटक एउटा र विश्वन द्वारा द्वारा	8-मिमा	95	262	অধীনার সমূল বেকে উমার পেরা, অকানার অধীনার করে)	২৯-আনকাবৃত	44	9-51
মুনবিবদের নিয়েকের ব্যাপরে মর্মাললী করা করার নির্চাশ (নবীকে)	8-सिमा	90	252	আইকাবাসীর পাত্তি মানুহের জন্ম নির্দেশসমূপ	৩১-লুকমান		
মূল আ, নিজের ও ভাইতের উপতে ছাত্রা অনুধর উপর ক্ষমতা রাচ্চন না	०-मातिमा	20	49.0	অহবাৰ থেকে অন্তাহ নিৰ্দৰ্শন অবস্তীৰ্ণ কৰাজন (তিনি ইন্ধা কৰাল)	২৬-জ'জারা	280	936
মৃত্যুকে নিম্মেদের থেকে প্রভিত্ত কক্ষক মুনাফিকরা	০-আলে ইমবা-		224	আকাশ থেকে অল্লার নিশান ব্যৱহান বিশ্বনার (বেন হছে করনে)	59-0,018L	8	991
রাসুল স, নিজের জন্যই পথন্তর (যদি পথন্তর হয়)	ব৪-সাবা	20	784	আকাশ-পৃথিবীর সকল সৃষ্টি মুন্তাবীদের জন্য নিদর্শনকরপ	22-8850	204	47
বাসুল স, এর নিজের উপবার বা কভির মালিক ভিনি নন	<b>न-व्या,शक्</b>	300	000		১০-ইউনুস	b	421
রানুশ স. এর নিজের জনাই তথু তাকে দায়ী করা হবে (জিহাপ প্রসাদ)	8-991	78	690	আকাশ-পূর্বির সর্বাচ্ছু নির্দর্শন, আনর জন্য যার বিধা করে	৪৫-জাছিয়া	30	200
রাসুল স, নিজের ভাল-মন্পেরও মালিক মন তিনি	১০-ইউনুস	85	600	আকাণ-পৃথিবীর সৃষ্টি আল্লাহর নিদর্শন	৪২-শ্বা	4,5	2.5
যন্তবন্ধ (অপরাধীরা নিজেনের বিরুদ্ধে যন্তবন্ধ করে)	৬-আন আম	250	Pop	আকাণ-পৃথিবীর সৃষ্টিতে মুমিলদের জন্য নিদর্শন আছে	২৯-আলতাবৃত	88	2.7
সমস্য (নিজেনে জন্য যা সমস্য করত যা দিয়ে দাগ দেরা হতে,)	৯-জাওবা	960	680	আকাশের নিবর্গন থেকে মানুষ মুখ ফিরিয়ে নের	২১-আধিরা	:03	92
সমর্শন (সংকর্মপরাস হয়ে অল্লাহর কাছে আরুসমর্শন উল্লম)	8-मिमा	248		আকাশের পথ ফেলার মধ্যে নিলগন (প্রকারতনিশীল বাদার জন্য)	ও৪-দাবা	b	b/8
गलनाराथ निकास प्राप्त या चारा या पहिन्दर्गन ना कराण	৮-আনকাল	40	699	অনুধ (বৃটির মাধ্যমে আনুধ উৎস্পে হংলা মিরাশীলনের জন্য নির্দ্দর্ন)	১৬-মাহল	22	900
সাহায্য (পরীকরা নিজেকেও সাহায্য করতে পারে না)	৭-আ'বাফ	2359		অসুর ও শেল্পর থেকে মাধন তৈরি ও উত্তম রিফিক গ্রহণ নিদর্শন	১৬-মাহুল	94	908
	৭-আ বাক		603	আৰু সম্প্ৰদায়ের ধ্বাংগের ঘটনা নিবর্ণন	২৯-০'জারা	200	934
সহাত ধর (পরিকর নিজেকেকে সহাত করতেও সক্ষম নর)		795	600	অপ (পূর্ববর্তীদের মত নিদর্শন জনার দাবী, রাসুল স. এর এডি)	२३-व्यक्तिया	6	921
পথ্যত (উপানার নিজেকেকেই সাহাত কবলে সকম না)	২১-অধিরা	80	920	আবোগ্য নিৰ্দশন (মধুতে মানুষের জন্য আবোগ্যের উপকরণ	১৬-মার্প	66	903
সাক্ষালন (নিজের নিকছে হলেও ন্যার সাক্ষ্য নাম করা)	৪-লিসা	705	6.18	शक्ती निमर्गन)			
সাক্ষ্য (কাফিররা নিজেবের বিক্তছে সাক্ষ্য নিরে)	৬-আগ্'আম	300	609	আৰুপে ও পৃথিবীর দাঁড়িয়ে থাকা অল্লাহর নিদর্শন	¢0-90	42	V.
শীনাশক্ষনকারী নিজের প্রতি (সাপ্রাহর দায় সেকে নিরাপ হয়েলা)	৩৯-মুমার	40	৮৭৫	আৰুপোর পুনো উত্তপ্ত পাৰি মুমিনসের জন্য নিদর্শন	১৬-লাত্ল	9.75	901
সূৰ্য্ করা (নিজকে সুদ্ধ করার জন্য করের উপমা)	२-बाकृावा	500	4-07	আগহাবে ভাহাডের ঘটনা আপ্রাহত নিলর্শন	29-4164	24	986
সুৰপহা (সানাজ যে করেছে সে নিজের জনাই সুৰ-পাহা)	40-93	88	255	অপ্তাহর নিদর্শনের বিরুদ্ধে শভূষপ্ত করে (মুশরিকরা)	১০-ইউপুস	٤٥	600
সৃষ্টি করেছেল আল্লাহ নিজেনেরকে (মানুখকে) জোড়ার জোড়ায়	৩৬-ইয়াগীন	09	P48	অপ্তাহর নিবর্ণনগহ মুগাকে প্রেরণ করা হয়	১৪-ইবরাহীম	2	886
রী নিজেকে প্রতীক্ষা করবে, পামীর মৃত্যু হলে (চার মান দশ)	২-বাকুারা	२७८	653	আপ্তাহর নিদর্শবাবদি অবিশ্বাস করে আহলে কিভাবর	০-আপে ইমরস	bν	280
মীরা নিজে থেকে বের হয়ে পেলে জপরাধ নেই সামী পক্ষের				অস্ত্রাহরই ইপঠিয়ারে (নিদর্শন মেয়ার ইবভিবার)	৬-জান'আম	lob	801
(খাদীর মৃত্যুর পার)	২-বাকুলা	280	654	অপ্তাহর নির্দশনার মূপ/যারদের বিরক্তিকার করে যাতার প্রদা	২০-ড়া-ছা	82	984
স্ত্ৰীৰ নিজেৰ বিয়েৰ সিদ্ধান্তে অপৰাধ নেই (ইন্দতের পর)	২-বাকারা	208	654	অস্তাহর নিদর্শন দেখানো (মানুহের তুরাপ্রবণতা প্রসন্ধ)	२३-व्यक्तिया	91	30
প্রচালপূর্ণ মনে করে মানুক (নিজেকে)	১৬-আনাক	9	2055	व्यक्तपुर निवर्णन चरा रिक्की यूटर मृत्रा, युक्तम ७ वस्त्रातीय	২৮-কাপাপ	02	b-3:

স্থান প্রদর্শন (অল্লাহর নির্দর্শনের সক্ষাপ্রদর্শন হলতের অঞ্চলর বেলে)	55-21m	95
আল্লাহরই নিজট নিদর্শন (অবভার্ণ করা প্রসঞ্চ)	২৯-আনবাৰ্ড	60
জ্ঞান (নিহুৰ্ণন আসলেও শান্তি না দেখা পৰ্যন্ত ইয়ান আনবে না)	১০-ইউনুস	24
আশা (অজ্ঞানৰ কাছে নিৰ্দেশন আলে না কেন ১)	২-বাকুরো	229
আহারের মাঝে বৃদ্ধিমানদের জন্য নিশর্শন আছে	20-31-1	48
ইবরাহীমের ঘটনা মুমিন সম্প্রদায়ের জন্য নিকর্ণন	২৯-আনহাৰ্ত	48
সমদন্যক্রমে জন্য নির্দ্দেশ (ইতিক-প্রসারিত করা ও পরিমাপ করার মথে)	৩০-রম	99
সমানদারদের জন্য নিদর্শন (এক ব্যক্তি থেকে মানুহ সৃষ্টি)	৬-আন্'আম	94
উয়ান (প্রতিপাদকের নিদর্শনে জাদুকরদের ঈমান)	৭-আরাক	250
উমান(অপ্লাহর নিদর্শনে উমানানাই মুসলিম ও ওর্বাং প্রকৃত প্রোভা)	২৭-ন্যমল	6-2
টানা আ,জগতের জন্য নিবর্গন(ওহ থেকে মারইরামের পুত্র টানার জন্ম প্রসঙ্গ)	২১-আধিয়া	97
ইস্য আ,ও ভার মারে নিবর্গন করেছেন আপ্রার্	২৫-মু'মিনুন	¢0
উল্লিম উদগত হওৱার মধ্যে নিমর্শন বরেছে	२७- <b>७</b> ,खाबा	7
উপসেশ প্রক্রেকারীদের জন্য নিমর্শন (নানান বছের সৃষ্টিভে)	১৬-নাংগ	30
উপেছা (নিদর্শন উপেছা করল হিন্তরবাদীরা)	১৫-হিম্মর	22
উপেন্ধা (কাভিত্তরা প্রতিপালকের নিমর্শন উপেক্স করতো)	৩৬-ইয়ানীন	86
উপস্থিত (নিসর্কা উপস্থিত কলে না বাস্থলান অস্তাহর ইয়ে হাড়া)	80-मुभिन	93/
উপস্থিত করা (নিদর্শন উপস্থিত করতে পারে না কোন রাস্থা)	১০-রা'দ	es.
ওপরাস (কাফিবরা আল্লাহর নিদর্শন দেখে উপহাস করে)	৩৭-সাক্কার	28
উপয়েস কেবিবার অস্তাহ্য নিদর্শনকবিকে উপহাস করার শক্তি)	84-मास्त्रि	00
উহাইর সমূহদর মন্য নিদর্শন(একশ বছর পর পুনর্জীবন প্রদর্শ)	২-বাকারা	425
উন্নী (আপ্লাহর নিদর্শন এক উন্নী, ছামুদ জাডির জন্য)	৭-আ'রাফ	70
ध्वी (মুদুদ জাতির জন্য নিদর্শনখরণ অল্লাহ সালিহকে দ্ব্রী দেন)	22-दूब	0.8
কাহত ও রাকীমের অধিবাসীরা আল্লাহর নিদর্শন	১৮-কার্ফ	ъ
কাজে না আসা ( নিদর্শন অধিশ্বাসীদের কাজে আদে না)	১০-ইউনুস	202
কুরায়ন সুস্পন্ত নির্দ্ধনাত্রশে অবভীর্থ(সঠিকপথ প্রদর্শন প্রদক্ষ)	22-EM	36
কুরবানীর পাচ আল্লাহর অন্যতম নিদর্শন	३३-शब्द	Ф6
কৃতক্ষের জন্য সমূদ্রে নৌয়ানের চলাচলে নিমর্শন রয়েছে	०)-जुक्यान	40
কৃতজ্ঞ ব্যক্তির জন্য নিদর্শন (সমুদ্র-পূর্তে নিকল স্নাহান্ধ)	8५- <b>गृं</b> दा	00
নেজুর পাছ (বৃটির মাধ্যমে গেল্পুর গাছ উৎপদ্র হওয়া নিদর্শন)	১৯-বার্প	22
বেছুর ও আছুর বেত্রক মালক তৈরি ও উত্তম রিফিকএখন নিক্রপন	29-416M	61
হস্ত্র (অনুধারনকারীদের জন্য চন্ত্র নিদর্শন)	79-128M	25
विश्वानीमहानद्र बान्य प्राच्चाद निष्मर्गन वर्षमा करहम	১০-ইউনুস	28
डिक्सनीमाञ्चल कम्। निमर्गन (वृष्टि चत्रा यमा-यमान वेरमञ्जा दशास)	79-41.Ed.	22
চিয়ালীগালের জন্য নিদর্শন আছে (মৃত্যু-ছুমে প্রাণহীন হওয়ার)	৩৯-বুমার	82
তিভাশীল সম্প্রদারের জন্য নিদর্শন (খ্রী-পুরুষ সৃষ্টির মধ্যে)	৫০-জম	45
চিত্তাবীল সংখ্যপারের জন্য নিদর্শন (মোমছির মধু প্রস্তুত প্রদাস)	১৬-নাহ্শ	65

विकालीक अन्यवस्थात प्रसार विकास कारणा (ग्रीपादिक काल रेजर्क अलग)

হিছালীল সম্প্রদায়ের কন্য নিমর্থন হয়েছে প্রেটিটা পর্বম নতর । হাচের কারির জন্য আলারর ভিতর্শন্তরূপ উল্লি পেরখ

হায়ৰ সম্প্ৰধান্তৰ পঞ্জিতে নিমৰ্থন (মানুষের জন্য)

ছবাতের ছন্যা নিজ্বন (মার্ট্টলাম ও তার পর মধ্য।

আহাত । পৰ্বত সমশ ভাষাত আমাহৰ নিদৰ্শন।

कीर-कार प्राताका Gov-fa

क्षारावर करा दिलाईस (सराव स्टीवा ५ शावन शतक)

कार क्रमा (बिल्प्सेंस राज्यान काशिक्तमा वाल विज्ञानिक आह)

कर कर (विशवहरूपार अधि प्राह्मक प्रारम्भ निमर्गन आग्रा

menterfrom four out? Surviy /Sur अधिकारणी प्रक्रिय नार

बार करार करा निरूप जार (इजार निरूप विशासित्स परिस्ता)

স্থলম করা (নিম্পূর্যে প্রতি কুলুম করার পরিশ্বম, বিরয়েটন প্রসাস)

ঞানী সম্প্রদায়ের কল দিলানি কর্ননা (ভারতা প্রসঙ্গ)

militure non Sarelo arrera (vent « arris čalkovi)

Gunletow

reserve Special Statistics where or common electric relative

Values and color ration frames off wheter Garda

Complete and sole cares

with were wear with returning filtration

99	5-58	দেখানো (আল্লাহই মানুষকে নিৰ্দান বেখান)	৪০-মূখিন	70	5930
94	906	দেখানো (মূনাকে বড় বড় নিদর্শন দেখানো প্রনঙ্গ)	২০-ড়া-ছা	20	182
259	640	দেখানে (বাসুল স. কে ব্যক্তাহর নিদর্শন দেখানে, মিরার প্রসঙ্গ)	১৭-ইস্রা	١	928
5-3	trob	দেবলৈ (অল্লাহ নির্দেশকালি দেবকেন, সম্রাকে সুন্দর্ভ করতে)	৪১-জুদ্দিলাভ	40	bao
-		দেখানো (আল্লাহ মানুঘকে শীমই নিধৰ্ণন দেখাবেন)	২৭-নামল	≥٥	Pod
97	150	দেখানো (আল্লাহ মানুযকে নিকৰ্ণন কেবাবেন)	২১-সাধিয়া	७९	924
¢o.	980	দেবলে (মনুছের অনুধাবনের জন্য আল্লাহ নিদর্শন দেবন)	২-বাৰুবো	90	403
7	966	দেখা (দিলাদ দেখে মনে হল ইউপুদকে সামজ্ঞিকর কল করেকছ)	24-ইউসুফ	06	90.0
20	908	দেহ নিল্পন (ফিল্লড়াউনের দেহ পরবর্তীকের অন্য নিল্পন)	১০-ইউনুদ	৯২	999
3/3	100	দেরা (বনী ইসরাউপদেরকে নিমর্শন দিয়েছেন আল্লাহ)	২-বাকুরো	522	020
88	brg8	দেবানো (ফিরঅন্টনকে অস্তাহর নিদর্শন দেবানো হয়েছিল)	२०-छा-श	69	988
93/	VV8	দেবা (অহংকারবারীর প্রতিটি নিদর্শন লেখলেও ইখনে অন্তেন)	৭-আ'রাফ	789	62¢
eş.	09-2	দেবা (কম্মিতের প্রতিটি নিকর্ণন দেবলেও ঈথনা আন্তে না)	৬-আন্'আম	2.0	930
28	563	বৈহলীয়তের ক্ষর সমূহে ভৌরতের চলচলে নিদর্শন বরেছে	৩১-লুকমান	407	6-576
00	Pos	বৈহনীৰ ও কৃত্যা বাজিৰ কৰু অপ্তাহৰ নিকালো নিদৰ্শন হয়প	১৪-ইবরাহীম	e	630
425	600	বৈশিক্ষান জন্য নিবৰ্ণন ব্যাহে (পাৰানাসীলে পৰিপথিতে)	৩৪-দাবা	22	785
70	655	দৈৰ্ঘশীল ব্যক্তির জন্য নিমূপন (সমুদ্র-পূর্চে নিশ্যল কাহাক)	৪২-প্রা	90	798
0.8	693	ধালে নিবর্ণন স্বরূপ (পূর্ববারী প্রজন্মের থানে ব্রন্তিমানকর জন্য নিবর্ণন)	২০-ড়া-হা	১২৮	185
ъ	128	ধানে নির্দান করণ (পূর্ববর্তী প্রকরের ধানে মনুবার জন্ম নির্দানকরণ)	৩২-গান্ধ্দা	રક	5005
202	999	निख चाना (मिक्नीन निक्ष चानन मृत्रा चा. मृत्यक्षे क्षमान शिनार)	২৮-কাদাদ	-06	3,22
36	469	নিম্নে আৰু (নিবৰ্ণন নিয়ে আন্যানও বাসুল স. এর বিকল অনুসমণ)	২-বাকুরো	286	629
Ф6	567	মিখ্যা অভিহিত করা (নিন্দর্শনকে মিখ্যা অভিহিত করেছিল	৮-আনফল	28	609
40	454	किरकांडेन वर्श छ)	3		
00	864	নিয়ে আনা (রাসূল স, নির্দর্শন নিয়ে আনলে কফিরবা কলংং)	৩০-ছম	62	749
22	200	নিয়ে অসা (গ্রসূদ স. সময় না কংগে নিদর্শন নিয়ে অসতে বশা)	ও-আন্'আম	-02	499
99	৭০৮	নৃহহর নৌধানকে নিগর্শন করে রেখেছেন আল্লাহ	৫৪-ব্যাহার	74	306
25	900	নূহ সম্প্রদায়কে নিদর্শন বানালেন আল্লাহ (মানবঞ্জতির জন্য)	২৫-ছবকান	99	964
2,8	96.9	নৃহের সম্প্রদারকে প্রাবনে নিমক্ষিত করার ঘটনা নিদর্শন	২৮-৪,প্রার্থ	252	128
22	900	নৃহের বন্যার নিসর্পন রবেছে	২০-মুখিনুন	00	969
85	৮৭৪	(নীয়নে জনোলে করনে জন্মানা নির্দান (বুকো বংগরকে)	৩৬-ইয়াসীন	87	148
42	250	বৌশ্বন নিমর্শন (কৃতভাইসেশীকের জন্য সমুস্ত নৌখনের চলচেল নির্দর্শন)	৩১-পুরুমান	47	149
65	Nor	পরপাণ্ডারন/উতুন/বাঙ্গারত বিরয়েটন সংখ্যারতে কর নিশান	৭.আ'রাফ	700	હર8
65	403	পত চরলোর মাঝে বৃদ্ধিমানদের জন্য নিবর্ণন আছে	২০-ফু-ছ	68	988
٠	90.0	পাকড়াও করার মধ্যে নিদর্শন বয়েছে (পুত-দম্প্রদায়কে)	১৫-হিন্দর	92	9,03
68	693	পাকত্বাও করার মধ্যে নিবর্শন হরেছে (ভার জন্য যে)	३३-इन	300	945
262	93/6	পানী নিকান (পারী কর মৃতভূমি জীপত ধরা প্রবংকারীয়ের কন্য নিকান)	১৬-মাহ্ল	62	9,00
34	9.76	পাৰি নিমৰ্থন (আকাশে উড়ন্ত পাখি মুমিনদের জন্য নিনৰ্থন) পৰিবীতে নিমৰ্থন বয়েছে, নিভিড বিশ্বাসীদের জন্য	১৬-নাহ্দ	%	909
92	926		৫১-ঘরিয়াত	40	346
3	3/05	পোশাক আপ্লাব্যে নিবৰ্শন	৭-সা'রফ	45	634
70	9.07	প্রতিপাগকের নিগর্শন কামনা করলেন যাকারিয়া	০-আলে ইমরান	83	680
200	9310	প্রতিগাধকের নিমর্শন উপোধা করত কাফিবরা,	৩৬-ইয়াদীন	86	b/28
65	928	্রেডিশাশরের নিশানিনার মুদ্রাগ্রহন বিদক্ষেত্রিনার করে যাওয়া প্রদাস	২০-ড়া-ছা	89	980
705	648	প্রতিপাপকের নিপর্মনাবলিতে ঈথান আনে যারা	২৩-মু"মিনূন	62	95%
59	pao	প্রতিপাবকের নিকট থেকে নিকর্ণন অবতীর্ণ করা প্রসঞ্চ প্রতিপাবকের পাড় থেকে রাচুল স. বে নিকর্ণন দিয়ে অসতে কণাপ্রদার	২≽-জানকাবৃত	<b>\$0</b>	250
700	644	প্রচলপ্রকার পার্ক হৈছের প্রচলপ্র (ও সলক্ষা মন্ত্রের আসতে কর্য প্রসাদ প্রতিশালকের নির্দেশ্য আসার অপেন্যা ! (ব্যক্তিবলের)	২০-ক্র-হা	700	48>
24	600	প্রতিপালকের নির্দেশন আসার অপেন্য ! (কাফবেসং) প্রতিপালকের নির্দেশন নিয়ে এসেছেন উপাতা দুবী উসকলিকের প্রতি	ও-জান আম ৩-জাল উমবাদ	327 83	63-2 680
33	200				

Resident

Single year Courts what were report of the 10th order.

militros mar Garda (star propetres etfor pre)

पालकार्वाक (न्यूप्रसंस्थानको प्रस्त क्या पालकार कि विकर्णन)

Gar organ prontro Garéa overs offertron eur

Siana Wivenamer/Mozea Retrus y gradulus Carés

কিন মহিনামৰ কৰা নিৰ্দেশ (একে জালোকপ্ৰদ বানানো প্ৰদাস)

forms finely at some present arrows present

দেশানা ভোলাত মানতক নিকৰ্পন দেখিতে থাকেন)

ক্রানীকের রক্ষে বস্ততান স্পর্ট নিমর্পন

क्रिन (फार्माटनवारीएमर क्रमा मिन विवर्णन)

नुसा गर च गाँव पार

408

auton)

930

No Street

১৭.নাম্ল 00

Valentini

Market Birth

30.3242

NO DITCH 50

১৭-ইসরা

80-X 8-P2 PP6

N INTERNITE

outre Spate 120

Consta निवर्णन

988

त्राम् स्त्रा च्याच नक

do.38 00

ee 200

50.83

MARKET 140

**33-इम** 148

Sh. Single

AA SUREN

48. attura ×

A 9 . 2000M

৪২-শরা

৭.জা'বাড

৪২-শরা 23

१-ला'राक

40-22

৬-আন'আম

১৯.৬'আরা Σov

261 ২৬-ড'আরা

ৰশন	19

नय विग्रह/श्रम	नुबां नर छ नाम	NSA P	ettr I	ব্য বিষয়/প্রস্থ	সুৱা নং ও নাম	TOTAL S	981
निमर्गन (गृर्व गृक्षे (स्ट्रफ)	Zar de la constant	-	2200	যমিনকের জন্য আকাশসমত ও পথিবতে নিদর্শন বর্যাছে	80-सार्क्स	0	300
প্রতিশাপকের নিমর্শন নিয়ে এসেছেন ঈসা	৩-আলে ইমবা	80	487	মদা বিরাক্তারের ঘটনা নির্দান (নীপনাং তেকে উভার ও নিজ্ঞান)	59-9,0151	69	955
প্রতিপাদকের নির্দান নির্দেশ রাধ্যে হারিকের করা প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে মধীর উপর নির্দান অবভীর্য প্রদাস				মুদার হাত উদ্ধান হওয়া নির্দেশনহরণ (কাল তথকে বের করা গ্রেস্ট	২০-ডা-ছ	44	984
	৬-আণ্'আম	তণ	499	মুগা-হাক্রনতে নিমর্শনসহ প্রেরণ (বিশ্বজাউনের কাছে)	২০-ইউন্থ	98	665
প্রতিপাদকের বড় বড় নিবর্ণন দেখেছিলেন বাগ্ল	৫৩-নাজম	22-	305	মূলা আ নিদর্শন নিয়ে আগলে পেল করের অংবান (বিদ্যালয়নৈর)	3046650	209	642
প্রেম (দির্দ্দদ প্রেম থেকে অল্পাহনে বিবন্ধ বাবে কেবল)	১৭-ইপ্রা	6.9	47.9				
(क्षरन (निवर्णन (क्षरन काइन चाइन) वैकि शमर्गामद बना)	১৭-ইস্বা	63	479	সুসা আ, ও হাঞ্চলকে নিদর্শনসহ প্রেরণ করলেন আল্লাহ,	২৩-মু'মিলুন	82	260
প্রস্থাবারীসর জন্য নির্দর্শন রয়েছে ইউসুক আ, ও ভার ভাইলের ঘটনার	३२-इंडेन्स	٩	ଓସମ	মৃগা আ. কে নিৰ্দাণসহ প্ৰেরণ করেছিলেন আল্লাহ	৪০-মুখিন	২৩	y-93
एन निर्मान (बृद्धित अवहात एन प्रेरपञ्च दश्ता डिस्टनीयहारा करा निर्मान)	১৬-নার্গ	22	900	মৃসা আ, ফিরঅভিনকে বড় নিদর্শন দেখাদেন	৭৯-নাধি ভাত	20	3000
বির'জা উদ সম্প্রদায়কে আল্লাহ বড় নিদর্শন দেখিয়েছেন	৪৩-যুধকুক	8b	2.77	মূদ্যকে নিদর্শন ও সুস্পার প্রমাণসহ ক্ষিপ্রাটনের নিবট পরিকো	১১-বুদ	৯১	598
মিরমার্ডিন সংগ্রেমার্ডের সেয়া নার্রাট নিমর্শন(থার উন্মূল হওয়াএগেঞ্চ)	২৭-নামল	32	boo	মূলকে নিদর্শনদহ প্রেরণ (বিদ্যাখ্য উন ও তার পরিবদ্যার কতে)	৪৩-মুখনুক	85	1 7.93
ফিরআউনের দেহ নিদর্শন (পরবর্তীদের জনা)	১০-ইউনুস	24	666	মৃসাকে নিদর্শনসহ প্রেরণ	৭ জা, মাঞ	700	653
वित प्रविक्त काल निर्माणात पूर्वा था. व श्वरूपत प्रवतात निर्माण	५७-७,बावा	26	ባታታ	शृंठ सुवितक बीतिर बद्धा या १४६क माना प्रेरपञ्च करवन व्यक्तार	৩১-ইয়াসীন	00	700
বড় নিদর্শন আল্লাহ ফির'আ উন সম্প্রদারকে দেখিরেছেন	৪৩-মুখ্রুক	80	666	মৌমাছির বাসা বৈধিবয়নু তৈনি প্রতিবাস মধ্যে নির্দশন বরেছে	১৬-মাহ্প	Gb	900
বভ বভ নিদর্শন মুসাকে লেখালো	২০-ডা-হা	20	982	মৌমাহির মধু গ্রন্তক প্রতিয়া চিঞালীল সম্প্রেলয়ের করা নিলানি	১৬-নাহ্শ	6p	900
বদর যুদ্ধে সমুখীৰ দু'টি দল মুমিলদের জন্য নিদর্শন	০-আলে ইমরা	30	203	ব্যাকুন (বৃত্তিতে ব্যৱকুন উৎপদ্ধ হওয়া চিৱাশীলকের কনা নিবৰ্শন)	১৬-নাহৰ	22	900
বনী ইসবাসগকে পরীক্ষাযন্ত্রপ নিমর্শন দেরা প্রসঙ্গ	৪৪-দুখান	90	300	যাকারিরার জন্য নিষর্থন (তিন রাত কথা নদতে পারবে না	১৯-মারইয়াম	30	906
वर्णना (दुक्तमुम्मह अण्डामाद्वत क्रमा निम्नीन वर्णना)	৬-আনু'আম	99.	900	ব্যক্তবিয়ার নিকর্ণন এই যে, তিন দিন কর্বা কনতে পারবে ল	৩-জালে ইমরান	83	€80
হর্ণনা (মানুহের বুঝার জন্য আল্লাহ নির্মানন বর্ণনা করেন)	৬-আন'আম	96	602	রও বেয়ারে সুরিতে উপদেশ গ্রহাকারীকের জন্য নিবর্ণন আছে	১৬-নার্গ	30	908
বৰ্ণনা (মু'মিনদের সুঝার জন্য নিদর্শন বর্ণনা করেন জাল্লাহ)	१९-वामीन	24	282	রতে নিদর্শন (অনুধাবনকারীদের জন্য রাজ নিদর্শন)	১৬-লাব্দ	32	900
	े-आक्षाक हर्मन्याम	24	979	ব্রত একটি নিমর্শন, তা থেকে দিন অপস্থারিত করেন অস্ত্রাহ	৩৬-ইয়াসীশ	09	748
र्याम् (मिनर्गम वर्गम वर्शम व्यक्तार् कृष्टक राष्ट्राभावत करा)				ব্যত ও পিন প্রাট নিমর্শন	১৭-ইসরা	25	934
কৰি কর (অক্সাই নির্দান কৰি করার প্রথ মূখ বিভিন্নে দেয়া প্রদাস)	৬-আন্'আম	85	600	ক্তর মুদ্দিরের জন্য নিমর্থন ( বিপ্রমের উপযোগী বাননে প্রসঙ্গ)	২৭-নামল	2.0	PO.
र्शन (निमर्गन क्ला च्यान च्यार, जनुश्वकार्वाद्रीका जन्द)	৫০-রুম	રુષ્ટ	978		১০-ইউনুস		90
বাৰু (সুসংবাদবাহী বাছু প্ৰেরণ আল্লাহর নিদর্শন)	৩০-জম	86	256	রাজ-নিদের পরিবর্তমে মুপ্তানীদের জন্য নিসর্গন বয়েছে		b	
বাসস্থাতে নিদর্শন রয়েছে (সাধার অধিবাদীলের বাসস্থা)	৩৪-সাবা	26	<b>₩8</b> ₹	রাত, দিন, চন্ত্র ও সূর্য আল্লাহর নিপর্শন	৪১-তুস্সিলাভ	99	303
বিদত হওয়া (নিবশানের প্রতি মানুহের যাত্ত নিনত হওয়া)	২৬-৩'আরা	8	966	হাতকে বিশ্বমের সময় ও নিশ্বক আলেকেক্সুল বানলের নির্দাদ	১০-ইউনুস	69	990
বিশ্বাস (বনী ইসরাইদের নেতারা নিবর্ণনে দৃঢ়বিশ্বাসী ছিল)	৩২-সাল্দা	₹8	500	রফুল স্পর্ট নির্দর্শনসম্ এক্রছিলেন (ধানেপ্রান্ধ প্রমানের করে)	১০-ইউকুপ	70	960
বিশ্বসীয়ের ক্ষর নিদর্শন (মন্ত্রহের সৃষ্টি ও ভীবজর ছড়িয়ে লেরব)	৪৫-জাছিবা	8	300	রফুলাগা নির্বলপুশ্রমাণ আনলেও গোকের ভাতে সমান আমেনি	১০-ইউনুস	9.8	603
বিশ্বরকর নিদর্শন (গুহা ও রাকীমের অধিবাসীরা প্রসঙ্গ)	১৮-কার্ফ	b	148	রাজত্বের নিদর্শন (তাসুতের রাজত্বের নিদর্শন)	২-বাকুরা	₹86	653
বিতর্ক (অল্লহর নির্দর্শন সম্পর্কে বিতর্ককারীদের নিষ্কৃতি দেই)	৪২-শ্বর	0.0	b/28	রাজের নিদর্শন চাদকে আলেন্টোন করেছেন আল্লাহ (চালের	১৭-ইসরা	32	934
বিভৰ্ক (আল্লাহৰ নিমৰ্শন সম্পৰ্কে বিভৰ্ক করা দুণ্য কাঞ্জ)	৪০-মু'মিদ	00	99.2	নিজের আলো নেই)		^	100
বৃদ্ধিমানদের জন্য নিশর্শন(আহার করা/পথ চরালোর মাথে)	২০-ক্লা-হা	28	988	बागृन म. এর ঝাছে निमर्भन फाएम ना रफन (पुगतिकरमत शर्दा)	১০-ইউনুস	20	966
বৃদ্ধিমান সম্প্রদায়ের জন্য নিমর্শন (লৃত জাতির থাংস)	২≽-আনকাবৃত	90	47.9	রাসুল স্. এর কড়ে নিদর্শন অসলে কাহিকর বলে (দিয়ান প্রসঙ্গ)	৬-আন্'আম	\$28	600
বৃদ্ধিমান্যার কর্ম নির্দেশ আছে (পূর্বকটা প্রকল্প পাছসের মধ্যে)	২০-জ-হা	325	983	বিভিন্ন প্রসাধিত ও পরিমাপ করার মতের মুদ্দিনের জন্য নিদর্শন অতহ	৩৯-যুমার	22	1990
পুরি ছরে ফল-ফলল উৎপুর ব্যৱস্থা উর্জানীলকের জলা নির্দান)	১৬-লহন	22	900	হিনিক (তাহার ও আপুর কেনে মালক তৈরি ও উত্তম বিভিন্নপ্রকাশ নিকশি)	১৬-নাহুদ	69	908
(यह त्या (शाल न, निवर्णन निहा खन्मान या (शहर (शहर निहर क्या)	৭-জা'রাক	200	903	পত সম্প্রদায়ের উপর বর্ষিত পাথরের বৃষ্টি নিদর্শনম্বরূপ	২৬-চ'আরা	398	950
বেৰণৰ (নিদৰ্শন সম্পৰ্কে বেৰণৰ ব্যক্তিৰ আপ্ৰয়ন্ত্ৰণ আগুল)	১০-ইউনুস	9	028	পূত সম্প্রদায়ের দাহসর মধ্যে নির্দান হয়েছে (তাসর জন্য ঘরা)	৫১-বারিকাঙ	-09	320
(राजना (अमुद्रास चान्यतमेरे चारुशास निर्मनन अन्नदर्ग (राजना)	১০-ইউনুদ	255	999	শপুরবৃত্তীর মাধ্যমে শপুর উৎপুর হওয়া ভিত্তাশীশক্ষর জন্য নির্দেশন)	১৬-দাহল	22	900
মধু হৈছি প্রক্রিয়ার মধ্যে চিস্তাশীলদের জন্য নির্দশন রয়েছে	১৬-নাহন	65	900	প্রস্তুক্তে ধাংস প্রস্তুর (চিন্তালীলমের জন্য নিদর্শন)	১০-ইউনুস	48	623
মানত নিশানির (বেছার/আনুর সেতে মানত তৈরি/উল্লেম রিভিত্য ক্রেপ নিশানি)	১৬-নার্শ	89	907	পদ্যক্ষেত্ৰ, বাধান ও রকমারি ফলের মধ্যে নিদর্শন রয়েছে	১৩-রা'ল	8	eyt
अनुरक्षा कर निर्माण करावन स्थाप (अदेशायात पुता देखांच विद्यारिक)	১৯-মারইরাম	43	902	তৰলো ভূমি (বৃষ্টি বৰ্ণণ করে তকলো ভূমি স্থীত করা একটি নিদৰ্শন)	83-युम्मिमार	00	1000
प्रमुख्य क्या प्रमाण कर्माण कर्माण सम्प्राप्त है नार्यास्त्र सम्प्राप्त साम्।	१६-७'वादा	229	9307	जुबचकारीहमत कन्ड निमर्गन (बाइडव पुत्र ७ निहमत)	30-XX	20	PR
	২৬-ত জারা ২১-আছিয়া			जुनगर्वादेशक कर निर्मान (वटन विनुद्रातिन वटनाटककृतः)	১০-ইউনুস	69	660
মাওইরাম কলতের জন্য নিদর্শন (সাঠীতু রক্ষা প্রসঙ্গ) মিধ্যা কল (আগ্রাড়র নিদর্শনকে মিধ্য কলার কর্ম বিচল হওয়া)		27	90%	প্রকার কর্মার কর কিশ্বর (মতে ত্রিমে) কর ক্রীবিত করা)	20-401/A	95	901
	৭-আ'রফ	784	650		৫-মার্থিলা		
মিধা অভিহতকারীলো বিরমেতে সমস্তেত করা হত্তর (নিপশ্বকে মিধা)	২৭-নামল	100	804	সমসাময়িক ও পাবাহীকে জন নির্দেশ হবে (গানা অবভাগ)		228	₹25
নিখা অভিত্তিকারী (আয়াতকে নিখা অভিত্তিকনরীয়ের নিকট,)	২৫-পুরকান	99	৭৮৫	সমুদ্রে চলমান পর্বত সদৃশ জাহাজ আল্লাহর নিমর্শন	৪২-শ্রা	-05	p.95
নিধা অভিহিত করা (নির্দশন্যক মিথা অভিহিত করার ফল)	१-वा'शक	786	650	সম্মান (অক্সাহর নির্দেশকে সম্মান প্রদর্শন অনরের ভাকওরা থেকে)	२२-श्रेष्ट	0.5	953
মিখ্যা অভিহিত করা, নিদর্শনকে (ফিরস্কাউন সম্প্রদারের)	৭-জা'রাফ	১০৮	628	সরিত্র দের (কর্মানেরে অহনেনননীক্রে নির্দেশ থেক সরিত্র দের)	d-90,000	789	950
নিবা অভিহিত করা (নিদর্শসকে নিখা অভিহিত/অব্যান করে কবিবরা)	০৯-মুমার	49	৮৭১	সাফা ও মারওয়া আল্লাহর নিদর্শন	২-বাকুলো	76.0	67.
দিখা অভিহিত করা,অস্থাহর নিদর্শনকে(পুরের সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	২১-মাধিয়া	99	100	সালিহকে নিষ্কান নিয়ে আসার দাবি (হামুদ সংখ্যদায়ের)	২৬-৬'জাৰা	>28	130
নিখা বাধিছিত করা (আল ধারা আকতু লা বংগাই নিলন্দাকে নিখা)	২৭-নামল	₩8	804	বিপুক আসার মধ্যে বৃষিনদের জন্য নিদর্শন রয়েছে	২-বাকুটো	₹85	455
মুখ ফিবলে (স্বান্ত খেকে মুখ ফিবলে কফিবলে ক্ষরাস)	৬-আন'জাম	8	690	সূর্য নিমর্শন (অনুধাননবারীলের জন্য সূর্য নিমর্শন)	26- <b>মার্ক</b>	32	900
मुक्तिएल क्या मिर्मान (बृष्टि बंदा यन-यगन अल्यु शुनन)	৬-আগ'আম	99	900	সৃত্তি নিমর্শন (নানান রতের সৃত্তিতে উপসেশ গ্রহণকারীদের	১৬-মাহল	30	908
মুমিনদের জন্য নিলপন (মঞ্চা বিজয় রাসস)	87-197615	30	979	कन्ड निवर्गन प्राट्श)	a-gentley.	١,٠٠	1 706
মুমিনদের জন্য নিদর্শন (ঈসার মুজেযাসমূহ)	৩-আলে ইমবা		₹8o	সৃষ্টি নিদর্শন (সন সৃষ্টির মধ্যে নিদর্শন রয়েছে মুরাব্দীদের জন্য)	১০-ইউনুস	ъ	628
भूखरीहरू क्रम्य निर्माम (श्राट-निहन्द गरिवर्टम ७ गृष्टिव श्राट)	১০-ইউন্স	4	968	न्नोर जिन्मीन (पुनाइक नार्डी) न्नोरे जिल्लीन निरंडाञ्च पाहार)	১৭-ইস্বা	303	920
মুমিনদের জন্য নিবর্গন (পুত-সংখ্যারের ধ্বংসের ঘটনার)	20-Ema	99	303	স্পন্ত নিজৰ্শনাবলি মাঝামে ইংরাহীয় আ.(বাঞ্চায় স্থাপিত থবে)	৩-আলে ইমরান		280
प्रिकास बस तह र कि निर्मातिकार वेन्द्रानी प्रकारका करें।	২৭-নামল	brb	ros	হুলি-টাই, বিৰ'জভিন সম্প্ৰদাৰ কঠক (হুসার নিদর্শন নিয়ে)	80-पुष्कुण	89	bas
THE STATE OF THE PROPERTY OF STATE OF S	< 1-4144	n.a	POW	and a second of section and an office fallow had better	-2.541.4	- 01	1 0 000

490	विवस्थान	न्त्र न् । न्य	2214	100	नव दिस्स/अन्न	न्द्रा वर ६ मान		
নিদ্রা (আরো দে	পুন মুম শক্ষটি)				ব্যক্তিরদেরত নির্বাচনত করতে পারেন অস্তাহ (ইয়া করণে)	৩৬-ইয়াদীন	80	96
অৱাহৰে নিপ্ৰা স	र्ल केंद्र न	২-বাকুরো	200	200	কুমারীর কারণে নিয়মিত করতে পানে অগ্রাহ (দুশরিবনেরকে)	১৭-ইন্র	630	93
প্ৰাণ হত্তৰ কৰেন আ	প্রেহ (মানুষের মৃদ্ধ ও নিপ্রার সময়)	৩৯-মুমার	83	¥98	থালিবরা নিয়ন্ধিক হবে (নুহের বন্যা প্রদর্ষ)	২৩-যুমিদ্দ	29	98
	ন্দ্রায় অভিবহিত করত ভুজনীর (দুনিয়তে)	৫১-বর্তিরাক	29	264	নুহের পুত্র নিয়ন্দ্রিত হয়েছিল (মহাপ্লাবনে)	33-8H	80	00
নিরাছপ	4	10	-	- 12	নুহের সম্প্রমারের সকলকে আল্লাহ নির্মান্তত করেন	२५-व्यक्तिया	99	9.0
	বনের কে উঠাল কিয়ামতে ১	৩৬-ইয়ানীন	43	ree	নুহের সম্প্রভারকে নিয়ম্মিক করলেন আপ্লাহ	২৫-যুৱকান	09	96
	artist for each brattering to	00-681414	64	1999	নুহ আ,সম্প্রদরের কালিখরা নিয়ক্ষিত হওয়া প্রসঙ্গ	33-EH	09	80
শিন্ত্রিত			_		नृद चा मध्यमाता नृद ७ वृभिन छ्वा मध्येश्व निर्माक्त करा	২৬-৫,প্রাব্য	250	92
	ন্ত্ৰিত (ৰদিও দেখলে মনে হতেঃ জপ্ৰতঃ)	77-4154	22	998	প্রধান করেলে নুর সম্প্রদারকে নির্মান্ত করা প্রস্তৃত্ব	92-75		
मि <b>र्वि</b> धान					বিশ্ব'জাউন ও তার সাধীদেবকৈ জাল্লাহ নিয়ন্ত্রিত করপেন		56	85
নিৰ্থিয়ায় জিজিয়া দে	ারা পর্যন্ত কাফিরদের বিকাছে যুদ্ধ	৯-তাধ্য	239	680		১৭-ইস্রা	200	9.9
निभावाडी					বিদ্ব'অটন সম্প্রধান্তকে আন্তাহ নির্মান্তক করেন	৪৩-মুখক্ফ	66	1/3
নিদাবারীর আনুগর	য় করা যাবে না	৬৮-বুলেন	22	392	বিরবাটন বংশকে আল্লাহ নির্মান্তর করলেন	৮-আনফাল	68	60
	ন্দাকারীর জন্য দুর্চোগ	३०8-इमाम	2	3000	বিশ্ব'আইন বাহিনী নিৰ্মন্তিত হবে (সমূত্ৰে)	৪৪-দুখান	48	) ho
निनिय	Trible of Agentin	144 (41	-	,,,,,	বিরঅভিনর সম্প্রদারকৈ অপ্তাহ সমুদ্রে নির্মানক করণেন	৭-আ'রফ	306	64
	প্তার নিকেশ করা হত যদি,	11. 700000	0.	299	ক্রিক্সটন বংশকে নির্মাঞ্জত করা প্রসঙ্গ (নীল নদে)	২-বাকুরো	60	20
		৬৮-কুলাম	82		মিখ্যা অভিহিত্তকারীদেরকে নির্মাঞ্চত করদেন সাপ্তাহ	৭-আ'রাড	<b>68</b>	63
	মৰস্থা বের হয়ে হেতে বললেন জাল্লাহ	৭-আ'রাক	20-	978	সকলকে নিৰ্মাঞ্জন করা (নৃহ আ,এবং ভার অনুসারী ব্যক্তিত)	৩৭-সাঞ্চাত	14	ъó
	দিশিত অবস্থার জাহান্ত্রামে প্রবেশ করবে	১৭-ইগ্র	29.	156	Pag .			
	বস্থায় (অপ্লাহন সহেন ইলাহ নিৰ্মানন কৰলে)	১ <b>৭-ইস্রা</b>	44	936	বলকের যুদ্ধে নিমু অঞ্চল থেকে শত্রু বাহিনী আসা প্রসঙ্গ	৩৩-আহ্যাৰ	30	bre
मिनीएम					REEN COLOR OF THE	On-Wifelie		-
প্রবিশেশ গ্রহণ ন্যাক্স	ব বরর পর পুর্কালীড়িত হলে অস্তাহর সাহায়	22-0m	90	980	সঞ্জতন সুপতিকরা ভাষাুরামের স্থানিত্র প্ররে বাকরে	- 6	-	Η.
প্রভিশোধ (দিপীভূচ	র সমপরিমাণ প্রতিশোধ গ্রহণ)	44-8 <b>7%</b>	60	950		৪-মিসা	786	6.0
নিপীভিত জোৱে	(পর্ন নির্বাভিত শব্দটি)			-	নিমুখ্নি			
	ন্মান পৰ পুৰ্ননিবিভিত হলে অস্তাহন সাহাত	22-07W	80	100	নিমুক্দির মহাভিকার মত, কাফিরপের কাজ	২৪-নূর	0.9	99
লিখিত	as it groups a report to a		-	104	নিমুশ্রেদী (অবন)			
					নিশ্ৰেণীর লোক নৃহকে অনুসরণ করেছে,সম্প্রদায়ের উঠি	২৬-৬'জারা	222	92
ইউয়েন একটি লিনি		৮৩-বৃথ্যকৃষিকী		7075	নুহ আ সম্প্রদায়ের দিন্ত প্রেণীয় পোকরা নুমের অনুসরী ছিল (বছৰা)	22-EH	29	60
	মা হল একটি লিবিভ কিভাব	५०-प्रवक्षिकी	ъ	7077	নিয়ক			
নিৰ্বৃদ্ধিতা বশতঃ				$\perp$	জপরাবীদের জনগদে নিযুক্ত করা হব (ধতুমন্ত করার জন্য)	৬-জান'জাম	250	60
নিবৃদ্ধিভাবশতঃ সম্ভ	ানপেরকে হত্যাকারীয়া ক্ষত্রিপ্ত	৬-জন্তাম	280	650	ইউপুৰ বা নিজেৰ ভিয়নে ধনবাছনে পৰিছে নিয়ত কৰতে কল	29- <b>2</b> 899	22	66
निवाद्यव					মৰুপুমের ৰুন্য অভিযাতত ও সাহায্যভাৱী নির্যন্তির সোৱা	8-निमा	90	45
আন্তন নিবারণ করচ	ত বলবে সূৰ্বলয়া অহংকাধীলেয়কে	80-दुमिन	87	244	মূলার পরিবারের মধ্য থেকে সাহায্যকারী নিবুভিত লোক্স	২০-ক্ল-হা	25	98
নিবিছ						२०-क्रा-श	2,5	48
State of Shirt are	অন্য অহিলের প্রতি, ইউসুমধ্যে	32-88 <b>3</b> 10	>	699	Fixes			
निविद्य किएम	11 110111111111111111111111111111111111	PC 10-41	-	4	चड्रार नर्र निर्मात	৫৯-হাপর	₹0	30
	Gar PAR চিত্তে প্রকণ	4 - 7000		348	Rege			
	24 M42 1958 244	६०-द्वाक	ত্য	949	আত্যপ-পৃথিবীর সকল বিষয় আল্লাহ নিয়ন্ত্রণ করেন	৩২-সাজ্লা	¢	50
নিৰ্ভ		-		_	আহাহ নিয়ন্ত্রণ করেন (সকগ বিষয়)	১৩-রাম	3	60
	তীয় <b>জ</b> ৰ্ম- কৰা থেকে সিবৃত্ত না হলে	৫-মারিদা	90	649	আপ্লাহই সকল বিষয় নিয়ন্ত্ৰণ করেন	১০-ইউনুস	40	62
	(बंदे कि दून वह अप्रयान (नन्त्रनाराक्षात्रक्त))	৪৬-সাম্কাফ	++	970	নৌরন (সমুদ্র পর্বচর মন উচু নৌরন প্রতিপাশকের নিয়েশে)	৫৫-রাহ্মান	28	≥8
	কালে জানত করে হর্মন (সংক্রের কর্তৃত)	<b>१७-०,ब्रा</b> श	229	138	সকল বিষয় কে নিয়ন্ত্ৰণ করেন্য (বুলচিকদের কাছে নবীয় প্রপ্র)	১০-ইউনুস	40	62
বনী ইসরাঈলকে নি	ণুঙ করেছিলেন আল্লাহ ঈসা আ,থেকে	৫-মায়িদা	220	698	Fices			-
ব্যতিভাৱীকে শালি লোচ	বেকে নিশ্বর ক্ষানা(তওক্সাহেশাকা করসে)	৪-দিয়া	36	997	অপ্রাং সক্তম স্বীব-৯৯৫ নিয়ন্ত		-	69
	বর্নরয়েকে অপ্লাব (মুফিনদের থেকে)	87-9765	30	979		27- <u>5</u> sk	24	
	সক্তম হলে মনে কলে (বাগলভালার)	৬৮-ব্যশান	2.0	295	প্রতিপাদকের ভাষারের নিরন্ত্রক কি অবিশ্বাসীরাইং	৫২-ভূর	69	24
	তাকে বহিচারের হুমকি (সম্প্রদারের)	50-0,465	269	426	निरङ्गकादी			
	না (অপরাধী সম্প্রদায়ের শান্তি)	৬-জান'আম	389	927	রাসূল স. নিয়ন্ত্রণকারী নন (একজন উপদেশলান্তা মাত্র)	৮৮-গশিয়াহ	રર	300
	इ निवृत्त कहा यात्र ना)	১২-ইউসুক	330	66-9	निरम			
	সর ব্যত পরশ্বর হেতে নিবত্ত করান অল্লাহ)	8५-मार्ड्स	48	227	উচ্চারে মনা কুরবানীর নিয়েম নির্ভারণ প্রসঙ্গ	২২-জন্ম	80	95
	প্লার এক সম্প্রাপয়ের (মুদ্দিনানর গেতে)	¢-महिना			প্রভাক উপাত্তর স্থন্য ইবাদকের নিয়ম নির্ভাৱন করা হয়েছে	44-KME	69	93
	Rick atta common (Special catca)	6-41241	22	40.7	হত্যার নিয়ম বানুন পেখিয়ে পেরার পোরা (ইব্যাহীয়- ইসমসিপ্রার)	২-বাকুরো	146	47
निरविभिद्या					मिडम-मैंडि		1.0	-
	সমবরদী (ভালের সাধীদের মন্য)	৫৬-গমকিয়াই	99	788	অপ্নাহর নিয়ম-নির্মিত বোন রূপান্তর নেই	৩৫-ফাডির	80	be
					অল্লাহর লক্সম-মানতে বেল প্রস্থান্তর নেই অল্লাহর নিক্সম-মানিতে ক্লোম পরিবর্তন নেই			
मिक्टिब (मर्बा				680	পর্বস্থাবে নির্দ্ধ-নাততে কোন পারকতন নেহ পূর্ববর্তীয়ের নির্দ্ধ-নীতির প্রতীক্ষা করে ৮ (দুর্শবিকরা)	৩৫-ফাডির ৩৫-ফাডির	80	34
निक्षित्व (मदा	চার কফিবরা (আল্লাহর আপো)	৯-জান্তব্য	क्य				80	34
নিভিৱে দেয়া বাংলা নিভিরে নিকে	চার কাফিবো (আল্লাহর আগো) হয়ে দিতে চার জাদিবরা (ফুঁ দিরে)	5-1041 63-200	p.	360		ag-diles	00	
নিষ্ঠিরে দেয়া বালো নিষ্ঠিরে নিষ্ঠে বাল্লাহর বালো নিষ্ঠি	হর দিকে চার জাদিমরা (ফুঁ দিরে)	65-সাফ্ক	b	alpo .	निवस्थिन		00	
নিষ্ঠিরে দেয়া আলো নিষ্ঠিরে নিজে আল্লাহর আলো নিষ্ঠি অক্লাহ নিষ্ঠির নিরেছে					নিয়মধীন চন্দ্ৰ ও সূৰ্বকে আল্লাহ নিয়মধীন কৰেছেন	০7-মুক্রমান ০৫-লোচন	425	bà
নিষ্ঠিরে দেয়া আলা নিষ্ঠিরে নিজে অস্তাহর আলো নির্বি অস্তাহ নির্ভিত নির্বাহন নিম্মিক্সক	হর দিকে চার জাদিমরা (ফুঁ দিরে)	65-সাফ্ক	b	alpo .	निवस्थिन			b-2

नेषः । विश्व विश्व विश्व ।	नुसंबद्ध व नाम	रकार	981	नम् विरा/धनम	সূরা নং ও নাম	यदार न	শৃষ্ঠা
নিয়ে আসা	-		-	পরিবারে সর্বাইকে দিয়ে আগতে করন্তন ইউনুফ আ (অইনেরক)	১২-ইউসুফ	>0	610
আধাত দিবে আগা (বহিত আনাতের ছলে উত্তম আরাত)	২-বাকুরে	Yok	625	প্রতিশ্রুত শান্তি নিয়ে আগতে বলগ আদ জাতি হুন আ. কে	৭-আ'রফ	90	923
খালো এনে নিবে কে (খাল্লাহ রাভকে অন্তরীন করপে)	২৮-কানাস	13	328	প্রতিপ্রত বিজ্ঞা দিয়ে আগম দাবী সম্প্রদায়ম (নুমের প্রতি)	22-64	65	99
খাল্লাহ নিয়ে আসবেন শান্তি, ইজ্ঞা করলে (নৃহ আপ্রনঙ্গ)	27-2st	00	999	প্রকা নিয়া অস (হন বেল-প্রকা নিয়া অচলনি সংক্রময়ে অচিকো)	১১-হুদ	60	31
আল্লাহ নিয়ে আসবেদ স্বাইতে বিভানতের দিশ	३-वक्षा ३-व्य	782	659	अक्रा निवा प्रधान व राजन र रावित अन्छना। (यह देनाद गण्यकी)	20-0150	32	93
आहारत (क्राथ निरा चानरूप (या गुरु शृष्ठे अनर्गन करात)	b-वास्तात र-पर्वता		900	टक्स निवा पात्र (शिकी-नगरात्त्व महाद्व टायामा १एक)	২-বারুবা	222	es
		29		্রমা দিয়ে অসা রাপুরার নার নার (অল্লাহর অনুমতি ছার)	38-देशसदीय	22	00
অল্লাহ তার নির্দেশ নিয়ে না আনা পর্যন্ত মার্জনা/উপেক্ষা	২-বাৰুৱো	209	625	ভব্দ সভা বলা অসুত্রমা স্থাপন (ব্যৱহার বসুধার ভার) ভব্দুস সিয়ে আসা হয় রিখিক সম্ভূপ (আল্লাহর পক্ষ থেকে)	২৮-ভাসাস	93	47
আল্লাহ এনে দিবেন গবই একরে (ইরাকুকের আশা)	১২-ইউসুফ	500	946	তেরপর নিরা জনর পবি কমিবাসে (বাসুন স. সমাবদী হলে)	26-gain	9	20
ইউনুক্তে নিয়ে আনতে বলল রাঞ্চা (করোণার থেকে)	১২-ইউসুফ	60	69-7		25-1604 25-1604		
ইউনুককে ভার কাছে নিয়ে আসতে বলল রাজা (নাৰীন)	১২-ইউসুফ	28	69-5	বৈনারের ভাইকে নিরে না আগলে (ইউসুফের নিকট)		60	99
কদ্যাণ নিয়ে আনা (যোগাকে কোথাও পঠালে সে কদ্যাণ	১৬-মাহল	96	90h	বড়ার বিষয়ে <u>পর্যন্ত নিজে আলনে বলে (হুল আ</u> কে ভার সম্প্রদার)	৪৬-আর্কাক	55	97
নিয়ে আসতে পারে না)	20-15.	10		অইনেত্ৰক নিয়ে আৰু (ইউনুৱান্য অইনেত্ৰক নিয়ে এসেত্ৰন প্ৰতিপালক)	३२-१७जूम	200	\$5
ব্যক্তির এমন বোদ দৃষ্টার দিয়ে আসে না যার সভা ও সুন্দর	২৫-সুরকান	00	99/8	ভাইকে দিয়ে আগতে বলগ ইউনুফ আ. (বৈমান্তের ভাইকে)	১২-ইউসুফ	4.9	99
জিতাৰ (ব্যক্তিবলেতে এফা ভিতাৰ দিয়ে আগতে বলা ব)	২৮-কাদ্যদ	82	3554	অলকান্ধ নিয়ে আগবে যে যার স্থান্য উত্তম প্রতিদান	২৮-কাসাস	78	2.7
বিয়ামতের দিন দিয়ে স্থাসনেন আল্লাহ সরাইতে	२-सङ्खा	785	679	ভাগকাৰ নিৱে আসলে কিয়ামতে উত্তম প্ৰতিধান আছে	২৭-নমল	1.9	30
কিয়ার নিয়ে আসার নিয়েশ (অপবাদ আয়োপকারীদেরকে)	৩৭-সাফ্কার	223	3:08	জল কাম নিয়ে আসলে তাকে দশগুণ প্রতিধান সেয়া হবে	৬-আন্'আম	360	65
কিয়াৰ দিয়ে এপ্ৰেম্বিলেন কাছিবদেৱ নিকট	৭-আ'রফ	65	933	ভাষা বাছুর নিয়ে আসলেন ইংবার্থীয় আ.(মেহমানদের জন্য)	77- <u>4</u> H	65	69
कुरवानी निर्ण चामात सन्। रामुन न, अर श्रीक देशनीरनत नार्वी	০-আলে ইমক	3300	000	মন্দৰাক দিয়ে আসলে আক্ৰৱ প্ৰতিক্তপ দেয়া হবে	২৮-কালাল	¥8	7.7
কুরঝন (নবাঁকে অন্য কুরঝান নিয়ে আগার দাবী ফুপরিবালের)	১০-ইউলুগ	36	990	বলবাহ বিত্র আবলে বিয়ামতে অংবারুখী বরে অভনে নিকেশ	২৭-নামণ	30	30
द्वार निश्च चान (चलाक द्वार निज तामा चलाक विकास)	৩-আলে ইমরা		985	ত্রক কাজ বিরে আসলে তাকে অনুরূপ প্রতিকল দেয়া হবে	৬-আন'আম	250	63
ধবর দিয়ে আসবে মূলা আ., পরিবার-পরিজনের জন্য	২৬-বাসাস	39	500	মানুম্য কওবকে সহিত্য জন্মনে দিয়ে অসতে অল্লাহ সকম	8-भिना	300	0.0
				হিন্তা কৰা কৰে নিয়ে এসেছে এক দল মুখিল (ইকক)	<b>२8-मृद</b>	22	90
बस मिता चामात कम चामाहत कामात्रक अवकारण गाहत दावर	79-4164	7.9	156	নিবার অধ্যানর করেছ এক সম্পানর (কুরমান ক্রের প্রদান)	২৫-যুৱকন	8	
যোড়াঙলো নিরে আদা হলো (সুলাইমনের ঘটনা)	৩৮-সেয়াস	00	3.02				95
জনসম্বুধে নিয়ে আসার দাবী (ইবরাহী/বে)	২১-অম্বিয়া	65	108	মুবাকে প্রতিশাধকের স্বপক্ষে ধনিল নিয়ে আগতে বলা	২১-৩'আরা	-07	
লাদু নিয়ে আসা (ভিন্নআউন কর্তৃক মূলার অনুরূপ লাদু নিরে	২০-ড়া-হা	q'y	188	ভূপার বিভাব নিরে আবা (মনুহের জন্য আলো/পর্যনির্দেশনাংরূপ)	৬-আন'আম	27	80
বাসার খোষণা)		L.,		রসুলনা করিংসাসকর মনো অঞ্চলনা বিপরীত কিছু বিয়ে অসা	২-বাকুরে	59	43
জাবু নিয়ে আসা (ফিরমাউদের জাসুকর প্রসঙ্গ)	৭-আগ্রাক	229	650	রাসূদ স, বিরে আবদের স্পট্ট প্রথাণ	92-MAA	6	86
জানুকবরা যা বিয়ে এসেছে ভা জাদু (মূলার উক্তি)	২০-ইউনুস	3.7	969	রাভ এনে দেবে কে (আগ্রাহ দিনকে অস্করীন করলে,)	২৮-জাসাস	35	9.5
স্থানুকরদের ভিরত্মাউনের নিকট নিয়ে আগার নির্দেশ	১০-ইউনুস	25	969	শান্তি নিয়ে আকা আহবন (বর্গাহ আ,প্রেরিড রানুল স, হার ধবলো)	৭-আ'রাফ	9.9	64
ধানুকরদের ফিরখাউনের কাছে নিয়ে আদা প্রদাস	৭-আগ্রহ	225	955	পঞ্জি দিয়ে আগর প্রার্থনা (কুরআন অধীকারকারীদের)	৮-আমহাল	<b>७२</b>	90
বাদুকা নিয়ে সাধ্যা বল শহরে গোক পরিলো (বিশাস্কটলের)	२७-व'वारा	-03	530	শানি দিয়ে আৰু প্ৰেতকে আন্নাম্ভ শানি দিয়ে আনকে কৰা, সম্পোধ কৰিব।	২৯-আনবাৰ্ড	2,5	3.3
ডাওরত নিয়ে আসার আহ্বান (বনী ইসরাস্থ্যসের প্রতি)	৩-বালে ইমরা	200	282	সংবদ দিয়ে অসলে বোদ পাপারতী (যা যাটেই করার নির্দেশ)	৪৯-হত্ত্ত্ত	b	33
দলিল নিয়ে আসা (কির'আউনের নিকট মূলা আ, কর্মুক				সংক্রম নিয়ে আঙ্গান্তনভূম কর্নক সুম্বাইখনের নিকট নাবর সংক্রম)	২৭-জন্মপ	55	bro
সুস্পাই দলিল)	২৬-৩'আরা	00	993	সমা নিয়ে আল (ইবরাহীয় আ কি সম্প্রদারের কাছে সম্	-		г
দতুন সৃষ্টি নিয়ে আসতে পায়েন অস্তাহ ইয়ে। করলে(মানুখকে সহিলে)	18-ইবরাহীন	29	650	দিয়ে এসেহে গ)	২১-আধিয়া	66	48
নতুন সৃষ্টি আস্থাই নিয়ে আসতে পারেন (মানুযের ছলে)	००-सहिद	36	281	সতা দিয়ে অসা (ৱাসূদ স, প্রতিপাসকের কাছ থেকে সতা	-		-
ন কুল পূর্বার আন্তর্ম (লয়ে আগতে পারেল (মানুসের হুলা) নবীকে সাদী হিসাবে নিয়ে আগ হলে (প্রফেক উত্থনের বিরক্তে)	8-R#I	83	665	निख शतास्त्र)	8-নিসা	390	49
নিবৰ্শন নিয়ে আগা (বাসল ল. লবর না করলে নিমর্শন নিয়ে	0-1775	0,	664	সম দিয়ে মূলর আল (কৌ ইলরেইলের গাড়ী চনাই প্রসাস)	२-राकावा	95	go
লন্দৰ নিয়ে আলা (রান্ধ ল, লবর না করলে নেদশন নিজে আসতে বলা)	৬-আনু অন	90	639	গত ও পুনর বাস্থা নিরে অসেন আরুর বাধিবলে উপনার	२,०-कुरुशन	00	93
				স্বাহিতে একই জনসংহীতে দিয়ে অসংকা অপ্তাহ (বিশ্বামতে)	১৭-ইল্রা		93
নিদৰ্শৰ দিয়ে এদেছেল ইলা আ,(প্ৰডিপালকের পক থেকে)	৩-আলে ইমরা		682		8-निमा	308	
নিদর্শন নিয়ে এগেছেন ঈদা আ বনী ইদরাঈশলের প্রতি	৩-অবে ইমর		680	সাকী নিয়া জ্বাসা হাম (প্রয়েক টকার হৈতে একলন করে)		87	4.9
নিলৰ্খন নিয়ে আনলেও বাসুল স. এর বিদলো অনুসরণ করেব না	२-वक्ता	786	67.0	সাকী নিয়ে আসর নবাঁ	<b>२8-मृद</b>	3.0	99
নিদর্শন নিয়ে আসলে পেশ করার আহ্বান (ফিরাআউনের)	१-का दाक	200	655	লবর রদীর বিহেনদ নিরে অনা প্রদাস(কুলাইমানের পরিকার্যার)	২৭-মামল	40	ρc
লিপন দিয়ে আসা, আৰু কৰাৰ জন্য (মুসাৰ নিৰুমে অভিযোগ)	৭-আ'রফ	205	648	গবর ক্রমির বিহলেন পুলইমানের পদত মেলার আগেই নিয়ে কাশ	२१-माप्तम	80	20
নিদর্শন নিয়ে অসা (মূসা আ বিরুজ্ঞতার নিবট যাওয়া প্রসাদ)	২০-ফ্ল-ফ	89	980	নাকী হিবাবে নব্যক্ত নিয়ে আনা হাব (প্রভোক উপাতন নিবছে)	৪-দিলা	82	20
দিনর্গন নিয়ে আসার লাবি (ছামূল সম্প্রদায়ের)	২৬-৩'আর	148	936	সাহনে নিয়ে আবার গবি (আল্লাহ ও ফেরেশভালেকে)	১৭-ইস্বা	24	93
নিদর্শন নিয়ে আসা (সুস্পরী প্রমাণ হিসাবে মূসা আ, নিদর্শন	AL WEST			সুক্ষবদ নিত্র অসল মেহমান (ফেলেভা), ইগরাধীমের জন্ম	22-ge	60	6
নিয়ে আসল মধন)	২৮-আগাস	06	3.77	সুস্পান্ত প্রকাশ নিয়ে ছলছে বা অসমে সুসরিমান আ, কর্তৃত পরির হুমতি	২৭-নামল	45	70
নিনৰ্শন নিৱে আলা (বাসল স. সৰৱ না কংলে নিবৰ্শন নিৱে				সুপট্মালে বালী দিয়ে অসাধার মোলাকার পঠি সবাবসীর দেই)	২৭-নামল	09	90
আসতে বলা)	৬-আন্'বাম	08	639	পূর নিয়ে আগতে কর্ম মুশবিকসেরক (কুরজনের মত মূর)	১০-ইউনুস	40	94
निमर्शन निरम्न थाना (राज्य न. निनर्शन निरम्न वाजरण का	৭-আ'বাক	200	603	সূরা দিরে আৰা নির্দেশ (অবতীর্ণ কুরআনে সংক্ষম থাওলে	३-वाकावा	40	20
থেকে বেছে নিয়েই খলা)		-		অনুপ্রণ ক্র)		1.0	L.
নিমৰ্শন দিয়ে জ্বলা (প্ৰতিপাদকেও পক্ষ থেকে বাসূদ স. কে	30-W-E	300	483	নিহে আসা (উদর)			
নিদর্শন নিয়ে আসতে বলা)		_	-	मुद्दिक मुर्न सिक त्यान निया चाम/केमा घोरान (चक्कार करेंड)	২-বাকুরো	300	20
পণ্ডমূল্য (অন্ত পণ্ডমূল্য নিয়ে এলেছে ইউসুফের ভাইয়েরা)	১২-ইউসুফ	bb	61-6	স্মৃত পরিমানিক ত্রেক মিত্র আন্তর্ভেক্তর বাইতে কল (ন্যকল্পাক)	५-सक्ता	100	20
পর্যবির্দেশনা নিয়ে কে এসেছে আল্লাহ তা জাসেন	২৮-কাপাস	99	P-77		7,000,00	100.00	100
পর্যবিদর্শিকা যা দলীবার দিয়ে আসেন, মুশরিক তা অধীকার করে	৪০-বৃৎক্রক	48	524	নিয়ে আসা (এনে দেয়া)			
পথনিদৌশকা দিয়ে এসেছে কে প্রতিপালক ভাল মানেন)	২৮-কাশান	346	924	সাৰার রাদীর কিংহাকন এনে কেয়ার আগ্রহ প্রদান কিনের।	३१-माधन	99	Tro

म निरा

भव विद्याध्या	नुष्यं नः ७ नार	HEER S.	96	শব্ বিষয়/প্রবাদ	सा क च नव	TOOK 4	-
निरम् स्मर्ग	- Contraction of the	-	adam.	নিবস্ত সংগ্রী মুখিনানর হোক, মুখিনার কামনা কর্মাল	৮-আনকাল	9	60
प्रश्लाद संदेश थ की बदायान सा निया नियह शायन	১৭-ইসরা	76	923	নিরানকাই (৯৬)		-	r
निया जावा शानाम नवः जामाकशास्त्रव जादव	३-राज्य <u>ा</u>	233	840	পুৰা (১৯ পুৰার মালিক ) পুৰার মালিকতে কথার পরার করেছে)	०৮-८नासान	20	৮৬
মটি থেকে বৃষ্টির পানি নিয়ে যেকে সক্ষম আল্লাহ	২৩-মুখিনুন	75	959	विवानमा	Op Company	40	0.0
मिख किरत यात्रा	५७-वृ । बर्गून	26	101	ক্ষরণেতা অল্লাহ নিরপর সিবেন ইয়ানদরসেরকে (ফরটারির পরিবর্তে)			-
		_	_		२8-नृत	20	4/7
পাল্লাব্য ক্রেব নিজ বিজে অংশ, বনী ইনরাইল প্রসঙ্গ	২-বকুরা	97	१०९	ইমান্যরক্তে জন্য নিরপত্ত (যার কুলুম্,শিরত মিপ্রিত করেনি)	৬-আন্আম	313	60
निस्त्र यां ब्रह्म				কুরাইশদেরকে আল্লাহ তর-ভাঁতি থেকে নিরাপন্তা দিরেছেন	১০৬-কুরাইণ	8	200
	১২-ইউসুক	3-2	694	তয়-জীভি থেকে নিৱাপতা দিরেছেন আল্লাহ (কুরাইশদের)	১০৬-কুরাইশ	8	>00
	১২-ইউসুফ	20	694	মুমিনদের কাছ থেকে নিরাপস্তা চাওরা (মুনাফিক প্রদাস)	8-নিদা	22	26
মারইরামকে প্রসব-বেদনা বেন্দুর গাছের কাছে নিয়ে গেল	১৯-মারইয়াম	20	902	সংবাদ (মূনফিকরা নিরাপঞ্জাজির সংবাদ প্রচার করে)	৪-শিলা	300	26
মুরান্টালরকে দলে ললে জান্ততে দিয়ে যাওয়া হবে	৩৯-মুনার	90	<b>৮</b> 99	সম্প্রদায়ের কাছ থেকে নিরাপরা চাওয়া (মুনাফিক প্রসঙ্গ)	৪-সিলা	97	26
बाज़न न, तक पनि जाह्याह निरंह यान चनु श्रीबेट्शांच निरंहन यात्रका	৪৩-ফুক্সেফ	85	brishtr.	হৰণার (নিরাপঞ্জর বেশি হবলার যে লগ, ইবরান্ট্রম ভা,প্রসঙ্গ)	৬-জান্ আম	2.7	80
নিরে যাওরা (চারপড়মিতে)				निराशवाद्यम			
	১৬-নাহণ	0.	100	অধ্যয়কে মানৰ অভিন জনে নিয়াপঞ্জাল কৰলে	২-ব্যক্তারা	242	621
निरवा <del>शि</del> न्छ	PO-1451	-	10.0	निद्रालन	4.0400	-	+
		-		অপ্তরের কৌলল বেকে নিরাম্প মান করা (ক্ষরিয়ের সংগ্রেরটের)	৭-জাবাধ	29	64
	৩১-পুকমান	20	psp	আপ্তাহকে অলা (নিয়াপদ অবস্থায় সাধাত আদায়)	2-310181		
কুরবানীর পতর গোপত ও বক্ত মানুষের কল্যাগে নিয়েছিত	55-8346	99	462	वा'ना महत्र अंदर्श करत (म दन निवासन	৩-মালুলা ৩-মালে ইমলা	২৫৯	28
কুরবানীর পত মানুষের কল্যানে দিরোজিত	২২-জন্ম	66	462				
১স্ত ও সূর্য মানুহের কল্যানো নিয়েজিক	>৯-বার্গ	25	Pop	ব্যক্তিয়ে বি নিয়ালন (পাবর বছনবারী কড় প্রেরণের বালারে)	৬৭-মূল্ক	24	24
চন্ত্র ও সূর্য মানুহের কলরতে নিয়েঞ্জিত	<b>১८-देन्डादी</b> म	00	ও৯৬	কিয়ামতের দিন যে নিরাপদ সেই উত্তম	৪১-ফুস্সিলাত	80	44
নিন ও রাভ মানুষের কল্যাগে নিয়েঞ্জিভ	১৬-নাবৃদ	25	100	ক্ষত্রিয়ের সম্প্রদায়ের নিরাপন মনে করা (অপ্তরহর বেইশন থেকে)	१-खां आप	99	95
নহরসমূহকে জাল্লাহ মানুষের কল্যাণে নিয়েঞ্জিভ করেছেন	১৪-ইখনাছীম	02	946	ঘর (নিরাশদ ঘর নির্মাণ করত হিজরবাসীরা পাহাড় কেটে)	76-विकट	5-5	90
	২২-ব্যক্ত	95	968	হেড়ে সোৱা (ছাবুল সাংগ্ৰেলায়ক নিৱাপন অবস্থায় পৃথিবীতে হেড়ে সোৱা)	<i>59-0,আ</i> গ্র	186	93
পর্বতকে স্বাপ্তাহ দাউদের সাথে নিরোজিত করেছেন	২১-কাথিয়া	95	920	জনপদ (নিৱাপৰ অংচ নেঃহাত অধীতারকারী জনপদের দৃষ্টার)	১৬-নাহন	334	93
পর্বভয়ালকে নিয়েজিত করেছেল আপ্রায় (পরিপ্রতা নোমগার)	৩৮-সোধাদ	72	৮৬৭	নগর (অস্তাহ নিরাশদ নগর/মন্তার কসম করেছেন)	৯৫-তীন	۰	303
পাথিকে আস্তাহ দাউদের সাথে নিয়োজিত করেছেন	২১-জাথিয়া	લક	920	নগর(মঞ্চাকে নিরাপদ নগর করার জন্য ইবরাই)মের লেয়া)	১৪-ইবরাহীম	-02	635
वर्षी निर्माक्षित (बाह्यार माम्ल-भिक्टन क्षरवी निर्माक्षित	6-			নগর (মঞ্চাকে নিরাপন নগরে পরিণত করার গোরা)	২-বাকারা	750	62
বরেন, গারেব প্রসঞ্চ)	१२-किन्	ર૧	29-4	পৌহা (নিরাপদে মন্তার পৌহে হক্ষের আগে ওমরা)	২-বাকারা	299	23
বাএসকে নিয়েজিত করেছিলেন আপ্লাহ (সুপাইমানের কলাগে)	৩৮-সোয়াপ	কচ	bob	প্রবেশ (নিরাপনে প্রবেশ করতের জন্য প্রতিশালকের নির্বাট প্রার্কর)	১৭-ইপুরা	po	12
মানুহের কল্যাণে আপ্রাহ সমুদ্রকে নিয়োজিত করেছেন	26-HIRM	28	908	রবেশ (ছারাতে রবেশ করবে মুরানীগণ নিরাপদে)	>2-विका	86	901
মানুহার কল্যানে নিরোজিত (চাতুশ্পদ জন্ত ও বানবাহন)	80-एएइए	30	bibb	(स्व कव जिस्तारात (सर कवार कवा अधिताकारस्य निस्धे अर्कतः)	১৭-ইসবা	po	92
	১৬-নাহল	25	900	ভন্ত-জীঠি খেকে নিৱালৰ থাকবে (ভাগৰাককারীগণ)	২৭-নামল	b/s	bo
	২২-হাজ	99	983	ছবি খনস/পাত্তি থেকে কি যভযন্তকারীরা নিরাপন হয়েছে।	১৬-নাহদ	84	90
	২২-থান্দ	62	968	ভ্রমা (নিয়াপ্ত দুশ্বমন খলপতে ভ্রমণ্ডে নির্চাশ, সাবাবাদীকে)	৩৪-সাৰা	36	₩8
	33-31W	95	953	মসন্ধিলে ব্যৱামে প্রবেশ নিরাপদ (আস্থায়র ইচ্ছায়)	৪৮-ছাত্ত	29	>>:
	७३-ल्डमान	30	PAP	মানুষ কি সর্বপ্রাসী শান্তি থেকে নিরাপদ মনে করে	24-28HP	209	69r
	১৪-ইবরাহীস	90	699	মিল্যা নিরাপাল প্রতেশ (উট্টলারের ভাই ও লিয়ায়ার প্রদর্শ)	24-88HM	301	67
	80-युरक्य			पुराकीयां निवालक क्षांत्र शाकाव	88-पुषान	47	201
		99	Valv	মুশবিকরা কি নিরাপদ মনে করছে যে আল্লাহ তাদেরকেসহ	00-5414	43	aoi
	8 <b>ए-मा</b> स्त्रि	70	909	ত্মিকে ধাসিত্তে	১৭-ইপ্রা	100	930
	২২-হাজ	95	908			-	
	৪৫-কাছিয়া	25	906	ম্না আ. নিরাগদ (আল্লাহ জানাদেন ম্বাকে)	২৮-কাসাস	407	9.74
	১৬-দার্শ	28	908	শান্তি থেকে নিরাপদ যদে করা (জনগদের অধিবাদী প্রসঙ্গ)	৭-আ'রাফ	24	65
	80-गुरक्ष	०२	484	শান্তি থেকে নিরাপদ মদে করা (জনপদের অধিবাসী প্রসঙ্গ)	९-व्य'ग्रस	94	643
নিরক্ষর (আরো দেপুন উশী শব্দটি)				শান্তি থেকে কেউ নিরাপদ নয় (প্রতিগালবের শান্তি থেকে)	৭০-মাজবিক	২৮	79.
खामनंद (निवासकारक खामानंद राजांद मात्र बाधासकार तरिः,	৩-আলে ইমরান	92		শান্তি/কৃমি খাস থেকে কি বড়যক্ষকারীরা নিরাপদ হয়েছে।	১৬-নাম্প	80	900
কভক পোৰের ধরনা	G-OIDI KASI	72	680	যভ্যস্তবারীরা কি ত্মি ধ্বস/শান্তি থেকে নিরাপন হরেছে।	১৬-নাব্ল	80	90
ইবুদীদের নিরক্ষর লোকদের কিতাবের জ্ঞান না থাকা প্রসঙ্গ	২-বারুরো	95	éob	সৃষ্টতে ককে নিরাপদে থাকবে লংকর্মশীলগণ	<b>68-मारा</b>	69	781
জিজাসা (নিরক্তরদের আন্ত্রসমর্পদ সম্পর্নে জিজাসা)	৩-আগে ইমবান	30	203	হানে রাখন (সুজ্ঞা পদিতে নির্দিষ্ট পরিক্ষাৎ পর্যন্ত নিরুপদ হানে রাখন)	৭৭-মুক্সালাভ	53	99.
নবী (উপী/নিরভর নবী মুহাগ্মলের অনুসরদাবারী সফল)	৭-আ'হাফ	264	659	হান (নিরাপন হানে বীর্য হাপন, মাড়গার্ডে মানুখ সৃষ্টি প্রদাস)	২৩-মুমিনূন	30	98
নবী (উপী,নিরক্তর নবীর প্রতি ঈমান আনার নির্দেশ)	१-व्या'वाप	754	629	'হারমে'লে নিরাপদ স্থান বানালের বিষয় কি মানুধ দেখে না ।	২৯-আনকাৰ্ড	31	25
	७२-क्यू'चा	2	3/52	হারাম (শিরাগর হারাম রাচিষ্ঠা করেছেন আল্লাহ)	২৮-কাসাস	6.1	33
मिद्रशसाविधाइक		$\rightarrow$		নিরাপন নগর (মকা)		_	Ė
	৫৯-ব্যশর	20	264	আপ্রাহ নিরাপদ নগর/মন্তার কলম করেছেন	৯৫-তীন		304
বারার দ্বাপরাধ্বরত নিরবিক্সিন্ন (আরো দেখন অধিরাম শব্দটি)	4 m-40-18	২৩	24 J	निहालन श्रादन	-4-01-1	ř	+
					The Name of Street	-	-
	১৬-শাব্দ	65	909	নিরাশনে প্রবেশ করানের জন্য প্রতিশালকের নিকট প্রার্থনা	১৭-ইস্মা	30	983
	३५-वृत	20%	998	নিরাপদ বোধ করা			
Fies		1.57	- "	নিরাক্তা বোধ করার পূর্বার নামান কারেম, যুদ্ধ প্রদান	8-9 <del>3</del> 1	300	

		Fi	রাপদ	निर्मन
শব্	जुड़ी गर ७ माम	ग्रह र	প্ৰা	44
নিরাপদ স্থান				মনবিল (উচ্চদর ন
নিরাপায়নে পৌত্র দেয়া, এপ্রয়োগী দুর্গতিবকে	৯-ডাওবা	6	680	মাস (হচ্ছের ম
নিরাপন হওয়া				সময় (চন্দ্ৰ-সৃথ
মনুর কি নিয়াপন হয়েছে (মানুখনর মন্ত্রীন ধানিরে দেয়ার ব্যাপারে)	94-Ziele	16	590	সময় (টাৰ ও
মূপরিকরা বি নিরাপন অন্তেতনার সমূদ্রে ফিরিকে দেয়ার গাপারে?	১৭-ইস্রা	69	920	সময় (নির্দিষ্ট/মৃত্
নিরাপদে বের করা				गरत (निर्मिष्ठ गर
নিরাপাল বের করার বাল্য প্রতিপাশকের নিবট প্রার্থন	১৭-ইসরা	ρο	923	সহার (মিনিট সং
নিরাময়/নিরাময়কারী (আরো দেখুন আরোগ্য শব্দটি)				সমর (নির্দিষ্ট :
কুরুমান মানুয়ের বহুকর বিষয়ের নিরাময়কারী	১০-ইউনুস	09	629	সময় (নিৰ্দিষ্ট সং
ছলাছকে নিয়ামৰ করতেন সদা আ,(আপ্রাহর ইচ্ছার)	৫-মারিদা	220	238	সময় (নিৰ্দিষ্ট :
প্রতিপালনের প্রদান কুরামান মানুনের ব্যাহ্মর বিষয়ের নির্বাহর করি হ	১০-ইউনুস	29	690	সময় (নির্নিষ্ট
ৰক্ষেত্ৰ বিষয়ের দিবামরকারী কুরআন (মানুবের জন্য)	১০-ইউলুস	29	690	সময় (দিশিউ সং
কুৱজান নিৱাময়কারী (বারা ইমান আনে ভালের জন্য)	৪১-জুন্মিলাভ	88	yya	সময়(নিনিষ্ট সমন
নিরাণ (আরো দেখুন হতাশ শব্দটি)		_		সময় (নিৰ্দিষ্ট
অধ্যয়ত পরা থেকে নিয়ল হওলা বাবেল (বিনি ক্ষমাশীল/লয়ল)	৩৯-দুমার	20	3-92	সময় (ভূমস্তকে
ইংলাহীয়তে ভিল্লাশ হতে নিচেধ করল অভিনি (ফেলেশতা)	>२-दिसव	00	900	সময় (কাকির
वर्त शुरू (अक्षांत का शुरू निवन शुन , अधित शुन (वर्ष)	75-5854	29	99.6	সময় (মল্লাহা
প্রতিপালকের লয়া থেকে নিয়াল হর কেবল পথনার্থনা	১৫-হিজর	00	900	সমস্বাহার :
ভাইছের মধ্য দিল্ল হল (সমানে ভাইছের মুক্তির বাশারে)	75-4654	P.O	998	সময় (আল্লাই
प्रामुद इंडान ७ विदान देश पूर्व पूर्वनी न्नान केंद्रात	৪১-ফুপ্সিলাত	8%	Pao	সমন্ত্র (শান্তির
प्रामुच इक्षाम छ लियान इस मुक्तम लिया कर्याल प्रामुच निवास इस्ताव सह जाहाई सृष्टि वर्धन बराल (सर्वा अन्तर)	82-711	35	briso	সময় (প্রভারে
	80-38	40	5-28	সমস্ত প্রেরিপান্য
হানুহ নিৱাশ হয় (অঞ্চল্যাণ আধাত কয়গে)	20-8F	00	997	নিৰ্দিষ্ট অবস্থ
পুর্যানর কি নিরশ হর্মন যে, যে অল্লাহ চাইলে স্কাইকে সচিক পাং	১২-ইউসুফ ১২-ইউসুফ		69-9	সূৰ্য চলাচল ক
প্রকৃষণে যথন নিয়াশ হল এবং মনে করল যে আনেরতে অধীকার	25-5844	220	OVY	অপ্লাহন দেব ব
মির্গত	L	-	358	व्याद्धादत वसा
মানুছ ডি নিৰ্গত বীৰ্যের একটি বিন্দু ছিল না ঃ	৭৫-বিবামাহ	তণ		ফিশ বাত (ফুপা
মেক্সত ও পাঁধরের মধ্য হতে নির্ণত পানি থেকে মানুঘ সৃষ্টি	৮৬-থারিক	٩	2029	হীনকে আপ্লাহ
निर्धन		_	_	পরিমাণ নির্বকা
ইউসুফের ভাইয়েরা নির্মনে পরামর্গ করণ	75-5234	po	99.8	निनिष्ठ लगर
নিজীব (মৃত)				অধ্যান (আৰু
উপাসার নির্মীব/মৃত (পুনরুখন সম্পর্কে অনুক্রব বরতে পারেবা)	১৯-নার্থ	52	908	অল্লাহ্য নিৰ্দিষ
मिर् <b>ग</b>				আগ (কোন ট
অংক্তাবল লিয়ে মধিক সঠিক দল (আসহাবে কাহাত গ্ৰা.)	79- <u>száa</u>	25	928	<b>क्रिक्ट्राइट विका</b>
ইমডের সংখ্যা নির্ণয়ের নির্দেশ (ভালাকের ক্ষেত্রে)	৬৫-ভালাক	2	999	क्षेत्रहरूत करा
ছেট-বড়ু সৰ কাম নিৰ্দয় করবে আনল নামা (বিন্যান্তন বিন)	7P-9255	68	154	এলিয়ে আনচ
লেরামতের সংখ্যা গদনা করে নির্দান করা যার দা আল্লাহর	১৬-মার্প	29-	908	ক্ৰীয় ক্ষাত
নিৰ্দয়				भागुम्ब सम्ब
ফেরেশরা (জায়ন্রাক্তার সারিত্বে থাকনে নির্দার সভাবের ফেরেশনা)	৬৬-ভাৰ্ত্তীম	0	590	নিকটকটা হলা
मिनिष्ठे ।				নিৰ্মাল ক্যা
অল্লাহ্য মন্য ক্ষাকে নিনিষ্ট করে আক্র(মনুষ্টকে করঙ্গ আছন্ত্র করণে)	৩১-পুৰুমান	05	P-52	পৌন্ত (নিৰ্মিচ
সমার (গদসাযোগ্য নির্বিত্ত সমাজের জন্য আল্লাম শারি বিশাধিত করেন)	77- <u>ई</u> स	208	945	পৌহা (নিৰ্দিষ্ট
চল্লিশ বাত মুদার জন্য নির্দিষ্ট করা (বাছব পূকা প্রদর্গে)	২-বাকুারা	62	600	পৌহরদর (বিদ্যা
প্রার জন্য আপ্রাহ যাকে ইচ্ছা নির্দিষ্ট করেন	२-राकृता	206	425	বিধান বা ইম্ব
দিন(ব্যক্তর সময় নির্দিষ্ট দিনগুলিতে জাল্লাহর নাম "মরণ)	55-20m	25	960	শর্মার প্রকাশের
দিন (নির্মিষ্ট নিনে ফির'জাউনের অপুনারসেরকে একত্র করা হল)	২৬-৩ <b>'জা</b> রা	Gb.	920	সামিবীর জন
দ্বিদ্যুত অস্ত্রাহর জন্ম নির্দিষ্ট গরে দৌখালে আরোইর বাকে ভাকে	২৯-আনকাবৃত	96	3.55	बीएनव निश्ति
দ্বীনতে আপ্তাহর জন্য নির্নিষ্ট করে তাঁকে ভাকরে নির্দেশ	৭-আগ্রাক	130	925	নির্সিষ্ট সময়
ভূমতে অন্তাহর মধ্য নির্দিষ্ট করে অনুন(মানুক্তক ভারস আন্তান্ত করলে)	৩১-লুকমান	0.5	542	শৌল (ইন্ডেন
ইনবে আল্লাহর জন্য নির্দিষ্ট করে তার ইবাদত করা	৩৯-মুমার	2	1492	নিৰ্দেশ (আ
হীলতে আল্লাহর জন্য নিৰ্দিষ্ট করা	৪০-মুখিল	00	644	অধীন (ভারত
বীনকে জাল্লাহর জন্য নির্দিষ্ট করে ইবাদত করার নির্দেশ	৩৯-যুমার	22	245	অধীন (চল্ল,
দ্বীলতে আল্লাহর জন্য নিসিম্ব করে নদী ইবাপত করেন	op-fats	38	192	অনতীৰ্ণ (সঞ্চ
হীনতে অস্তাহৰ জন্য নিৰ্দিষ্ট কৰে থাকে ভাকাৰ নিৰ্দেশ	৪০-মুখিন	38	৮৭৯	जनक दश्य
পরিমান প্রেয়েক ধ্বা নির্দিষ্ট পরিমান অবর্তীর্ন করেন অস্থার)	32-fema	43	600	অথাপ্য করতে
পরিমাণ পর্যন্ত (কুছে পানিকে রাখেন নিরাপন ছানে)	99-3071976		1979.	ज्यम (संदर्भ
शुक्रव(बह क्रमा निर्मिष्ठ (शरामि भएव (शरीद वाका संगर)	৬-আন আম	709		অগ্রীগতার দি
Swares and lates (colleg dos Colleg grant story)	0.00	1 200	1 3011	TPariotals

শব্ধ বিষয়/প্ৰসূত্	नुबानः ७ नाम	and a	wit
শৃক্ষ মন্তি (ইমের মন্তিশ্ বভা গাল ও সমা হিসকো জন)	বুছা শং ত শাৰ ১০-ইউনুস	0	968
মনকে (মদের মনকে, বছর পালা ও সমর হেলাকে জন্য) মাস (হক্ষের মাস নির্বিষ্ট কয়েকচি)	২-বার্থরা ২-বার্থরা	339	222
	২-বার্থন। ১৩-বা'ল	3 3	993
সময় (চন্দ্ৰ-সূৰ্থ নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত চলবে)	১৫-কাতির ৩৫-কাতির	30	984
সময় (টাৰ ও সূৰ্য পরিঞ্চান করে নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত)			
সংগ্ৰ (বিনীষ্ট্ৰপুত্ৰার সময়কে মানুহ তুলাখিত করতে পারবে না)	১৬-নাহ্প	65	90
সহল (নির্দিষ্ট সহল পর্যন্ত শান্তিকে নির্দেশ্য করলে করিক বলে)	১১-হুন	ъ	99
সমল (বিশিষ্ট সমল পর্মন্ন চন্দ্র-দূর্য প্রামেকে পরিভাগে করে)	৩৯-বুমার	0	24
সময় (নিৰ্মিষ্ট সময়ের দিন পর্যন্ত ইবলিসকে অববংশ)	১৫-হিজর	09	90
সংব (নির্দিষ্ট সময়ের কর্ন্য ভাকাশ-পূর্বের ও সমস্ক্রিয় সৃষ্টি)	৪৬-আহ্বাক	٥	hol
সময় (নিৰ্দিষ্ট সময়ের দিন পর্যন্ত ইবলিস অবকাশ প্রায়)	db-chilling	P.)	٧٩
সময় (নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত আপ্তাহ মানুদ্ধকে অবকাশ দেন)	৩৫-ফাডিৰ	80	þý
সময় (নিৰ্ভিট্ট সময় পৰ্যন্ত সংগৱ পেনালন লিখে ৱাৰাৱ বিধান)	५-शक्तवा	272	20
সময় দিবিট সময় পর্যন্ত প্রকাশির পত্রত মনুহার উপনের থকা প্রসং	22-0750	රාව	96
সময় (নিৰ্দিষ্ট সময়ের জন্য আকশে ও পথিবী সৃষ্টি)	\$0-8¥	¥	bà
সময় (মানাত আপ্রার নির্দিষ্ট সময়ের কলা প্রাণ বিধিয়ে দেন)	49-515	84	64
সময় (মুমারতে অল্লাহ দশক সকলে কণ্ডার দা নালনে তাশ) সময় (কাফিরদেরকে নির্মিষ্ট সময় পর্তন্ত অবকাশ)	১৪-ইবলবীম	20	69
সময় (কাকেরদেরকে নামর সময় পথ্য ওবকাশ) সময় (মাল্লাহর নির্বাহিত সময় আসলে বিলম্পিত করা হয় না)	29-5480V	8	95
	22-27%	0	9/2
সমান্ত্রাহর ইজার নির্দির সমার পর্যন্ত জনায়ুতে প্রদার অবস্থান)		4	49
সময় (আল্লাহ মৃত্যুর সময় নির্দিষ্ট করেছেন)	৬-আন্তাম		
সমন্ত্ৰ (শান্তিক সমন্ত্ৰ নিৰ্দিষ্ট না থাকলে তা এপেই ংগত)	২৯-আনকাবৃত	60	2.5
সমায় (প্রভাবের একটি নির্দিষ্ট সময়ের নিকে চলছে, চন্দ্র-সূর্য প্রদান)	৩১-লুকম্ম	430	45
সমগ্র (প্রতিশালকের সেরা নির্দিষ্ট সময় না থকলে শান্তি অপরিহর্গ হত)	২০-সু-হা	259	4.8
নিৰ্দিষ্ট অবস্থান			
সর্য চলাচল করে ভার নির্নিষ্ট অবছানে (একটি নিনর্শন)	৩৬-ইয়াদীন	40	brû
আপ্ৰায়ৰ জন্ম ছিল্মক বিনিষ্ট করে সমুক্তবাহীৰা ভাকে ভাকে	১০-ইউপুস	22	62
আলাক্তৰ জন্য প্ৰসা ও প্ৰাণি প্ৰচৰ আপে নিৰ্দিষ্ট কৰা	৬-আন' আম	206	80
মিশ ব্লাভ (মুগর বালা প্রতিপাগত কর্তৃত মিশ বাত নির্দিষ্ট করা এসম)	৭-আ'রাক	182	32
हैभाक खादावर कमा मिनिष्ठ करत ग्रमान्यातीया जाइन करन	১০-ইউনুস	44	94
পরিকার নির্ভিকা (জ্ঞার সর্ভান্তর জন্ম নির্দির পরিকার নির্ভিকা করেছেন)	৬৫-ডাল্ডক		20
मिनिष्ठ नमद	94	+	-
	২-বাকুরের	40	20
वनश्रम (वास्त्र-शास)मा सामा पृथ्वीए मिनि मारात वनश्रम)			63
खद्वारत निर्मेत्र मान खामानेहे(सञ्चारत मध्यार श्रमाणामी राजा)	২৯-আনকাবৃত		
আনা (বোন উত্থাতের বিনিট্ট সন্তা আসলে তা বিশক্ষিত হবে না)	५-व्याशक	-08	62
উচ্যানে নিমকে মৃগ্যাধিকআইলেং মানুং জনা নিৰ্দিষ্ট কৰা প্ৰাণপ	३०-छा-स -	62	9,8
উত্মন্তের জন্য নির্দিষ্ট সময় বয়েছে (প্রত্যেক উপতের)	৭-আরিক	-08	63
এলিয়ে আনতে পাএনে না কোন উত্থত ভার নির্দিষ্ট সময়	२०-मू"मिन्म	80	90
ক্ৰীয়ে অসতে ব বিশবৈত কৰতে পাত্ৰ না বেদৰ জাতি (নিৰ্বাহিত সমা)		6	69
গুলুসর ক্ষুণ্য নির্দিষ্ট করেছেন আল্লাহ (জালিমদের জনগদ)	29-015G	6.0	93
নিকটব্টী হুলা (নিৰ্কিট সময় নিকটব্টী হুলা সম্পর্কে লক্ষা করা)	৭-আ'রাফ	3002	60
নির্দারণ করা হবে না মনে করত ব্যক্তেররা (নির্দিষ্ট সময়)	29-silá	87	93
পৌছা (নিৰ্দিষ্ট সময়ে পৌছে যৰন, ভালাকপ্ৰাক্ত প্ৰীপণ)	২-বাৰুবো	202	25
পৌচা (নিৰ্দিষ্ট সময়ে পৌছে খ্ৰীর বিবের নিজার)	২-বাকুরো	208	23
লীয়াক (বিভাগতিন সম্প্ৰদায় নিৰ্দিত্ত সময় পৰ্যন্ত গৌতালা, পত্তি প্ৰ.)	৭-আ'রফ	200	1 35
विश्वास वा दिस्क निर्विष्ठ सद्भाव (स्थित सर्विष्ठ विश्वाद्भव सर्विष्ठ निर्वाद	২-বারুগরা	200	9:
পরি প্রকাশন নির্দিষ্ট সময় তেকে পালতে পরতে বা কালিমরা	29-4124	27	9
শারে এলালের দলের সময় থেকে পালাকে পালাক বা জাপমন্ত সাহিত্যিত জন্ম নির্দিষ্ট সময় থাকা যাত্র বাতিক্রম হাবলা	२०-प्रा-श	20	98
স্থামনত জন্য লোনত সমত থাকা বাব ব্যক্তিক ব্যক্তি ব্ৰীকেল নিমিট সমটে পৌষা (অলাকের পর)	२-वाक्तास -	507	Q.
	4-415181	1403	+ 4.
নির্সিষ্ট সময় (ইক্ত)		+-	١.
শৌষ্ণ (ইন্ডের জনা নির্বিষ্ট সময়ের শেষে পৌষ্ঠাল,তালক-প্রদর্ভ)	৬৫-ভালাক	1 4	8
নিৰ্দেশ (আয়ো দেখুন উপদেশ শব্দটি)		1	
অধীন (অরকারান্তি আল্লাহর নির্দেশের অধীন)	১৯-নার্প	125	9,
অধীন (চন্দ্ৰ, দূৰ্য ও ভাৱতা আল্লাহর নিৰ্দেশের অধীন)	৭-আ'রফ	28	8
অন্তর্তীর্ণ জ্যোহর নির্দেশ অবাহীর্ণ হয় পুর্বিশীতে, পতি/মান প্রসঞ্চ।	৬৫-ডালক	25	2
	৭-আ'রফ	199	10
অনাধ্য হওয়া (প্রতিপালকের নির্দেশের অধাধ্য হওয়া, যামুদ প্রসঙ্গ)	Ny-rates	3/4	
	১৮-কাহ্ফ ৬৬-খাহবীম	66	7

नम विस्तृत्राम	न्ब क व नाम	354	1138		न्त्रा मा च नवन		1.0
निवर्तन (नूर्व नृक्षा (श्राक)				আপ্রাহর নির্দেশে নৌযান সমূদ্রে চলাচল করে	১৪-ইবৰাহীম	.05	696
অপ্তীপ কাজের নির্দেশ দেন না আল্লাহ	৭-আরফ	২৮	926	অক্তাং যে নিৰ্দেশ বিভাগিলেন উপাকে বিনি ভাই বলেছেন	৫-মাছিলা	223	6.90
অসংকাজের নির্দেশ দের মুনাঞ্চিক নারী ও পুরুষ	১-কাগুবা	69	681	অস্ত্রান্ত আলো একবর মাত্র (প্রেচের এক পদক্রের মতো)	68-প্রামার	60	3/09
বংশকারীর নির্দেশ দিত দুর্বলচনাকে (আ্রায়কে অনিশ্বাস করতে)	৩৪-সাবা	00	788	অথা (অক্লাহর নির্দেশ আখলে প্রের জনপদ উন্টিরে দের হল)	22-2st	145	69
চুলে বাওয়া (আনমের জাল্লাহর নির্দেশ ভুলে ফাওরা প্রদক্ষ)	२०-झा-श	226	181	অসা (অক্সহর নির্দেশ আদর্থেই,থা কুরাম্বিত করতে চাওয়া চিও ন্যা)	১৬-শাহল	3	90
আপোনের জন্য নির্দেশ দানের মধ্যে কল্যাথ আছে	৪-নিসা	278	643	আহল বিদ্যাব্যানর নির্দেশ লেয় হর (ভারতীদ, নামাঞ্ বাকাত)	৯৮-বায়্যিনাহ	8	300
অক্সাহর নির্দেশ না আন পর্যন্ত অর্জন(জিপানা (আহর্জেকভারতে)	२-राज़रा	209	625	ইবরাহীম আ.এর প্রতি দ্বীন প্রতিষ্ঠার নির্মেশ	৪২-শ্বা	30	b/s
সাম্রাহর নির্দেশ কুরজন অবতীর্ণ	२-राज़ादा	24	627	ইবাদতের নির্দেশ দের অঞ্চরা (অপ্রাহ হাড়া অন্যের )	৩৯-দুমার	48	ba
সম্রোহ ওম নিদেশ (বহাঁ) অবন্তীর্ণ করেন (বর প্রতি ইচ্ছা)	80-इ'दिन	34	693	ইবাদতের নির্দেশ দেরা হর (আহলে কিডাবদের)	৯৮-বারিলাহ	1 e	201
সম্ভাহৰ নিৰ্দেশ/শান্তি আসলে হল/মুমিনকের শান্তি খেকে উভাব	33-24	0.F	0.93	দিয়ালের নির্দেশ নিকট (বনী ইসরাইলের দিয়ান প্রসঙ্গ)	২-বন্ধারা	30	23
অল্লাহর নির্দেশ বর্থন আসল,	80-वृद्धिन	400	778	দিপার প্রতি দ্বীন প্রতিষ্ঠার নির্দেশ	৪২-শ্বা	20	Pa
অস্ত্রাহর নির্দেশ (মীরাসের সম্পত্তি বর্তন প্রসঙ্গ)	8-निश	39	499	উত্তন উপদেশ প্রহানর নির্দেশ দানের হল্য মুসাকে নির্দেশ	৭-আ রাক	180	34
অপ্লাহর দির্লেশ (মুখিদ ও কাফিরের বিবাহ বিস্তোল সম্পর্কে)	७०-इमवर्डिंग	30	343	উভয়বিকটানের মতে সম্পদ বটন প্রস্কৃত অক্সচত নির্দেশ	8.सिल	22	20
আল্লাহ নিৰ্দেশ নিজেহেন ঘর (মসজিল) সমস্রত রাখতে	२8-नव	96	996	তথ্য (বালার প্রতি অনুহার নির্মেশর রেটায় (বারেশর অবর্তীর্য)	১৬-নাংশ	3	90
আহ্বাহ নির্দেশ নিয়েছেন (সম্পর্ত অক্সর রাখার জনা)	২০-রাশ	33	630	ওচ্চী করা (নির্দেশ ওচ্চী করেছেন আল্লাহ প্রত্যেত আকাশে)	৪১-ফুস্সিপাত	25	brb
স্বভারে নির্দেশ (নাক্ষরিত্র সমাচকা/ক্ষরীয়তে দান কর্ম।)	১৬-বাহণ	30	930	कुकरीय निर्मन सिर या विद्यादश्य मही	৩-মাদে ইম্বা-		08
মাপ্রাহর নির্দেশ পর্যন্ত অপেকার নির্দেশ, ভাচনবার যাবা	2-90690	38	489	কপান্তৰ নিৰ্দেশ কম বহুত যাৱ	৫৭-হাদীদ		
প্রচারর সির্বেশ শবর অনেখন স্বান্ধন, ব্রান্থনের বর্বা, প্রচারর সির্বেশ প্রবিদ্ধার করে রকাকারী (নই (নহ বা প্রচার প্রদার)				কুপানার নির্দেশ বাদ ববে বার কুপানার নির্দেশ বাদকারীর পরিবায়	৫৭-হালাল ৪-নিসা	28	82
অস্ত্রাহ্য নির্দেশ মত স্থালের নির্দ্ধে গাহন (মাসির প্রচার)	) <b>)</b> -रूम	80	666			69	66
	২-বাকুরো	555	656	গালী ক্ষবাই করার নির্দেশ (মৃদার সম্প্রদারকে)	২-বাকুরো	69	00
অস্কাহর নির্দেশ অনুসারে পদ এলের্নন (বনী ইসরাইলের নেতা প্রসঙ্গ)	৩২-সাঞ্পা	2,8	9-05	তালাক ও ইন্দত প্ৰদাক আল্লাহর নির্দেশ অবতীর্ণ	৬৫-ডাবাক	2	55
অন্তাহর নির্দেশ অনুসাবে কলে করে(ফেরেশভা/রাস্লগণ)	২১-অধিয়া	રવ	462	তাকভয়ার নির্দেশ দানকারী থাব্দা সম্পর্কে তেবে দেবা	৯৫-আগ্রহ	25	300
অল্লাবে নির্দেশের অধীন (ভারকারাজি)	১৬-নার্প	34	900	ঘাণ্ডনকে অহীকর করতে নির্দেশ (আহপেকিতাবকে)	8-स्थित	60	26
সম্ভাবন নির্দর্শন। ওটানহ ফেরেশন অনমীর্ণ(মনুমাকে নতর্ক ২৯(ত)	১৬-নাবৃদ	2	900	ভাকতরা অবসমনের উদ্দেশ্যে আপ্রাহর নির্মেশ দান	৬-আন্তাম	760	65
পদ্মাকা নির্সাপের জন্য প্রদিত (বিনাজনের বিষয়া, বাবুকসুছা)	৯-ভারধা	306	962	কাওইলের নির্দেশ দেরা হর (আহমে কিভাবদের)	৯৮-বার্য্যিনাহ	6	205
অস্কারন নির্দেশন নিকে বিধান না আলা পর্যন্ত যুক্তার আলেশ্	৪৯-বৃদ্ধাত	ъ	250	দানের নির্দেশ দেন জাপ্লাহ (জাত্রীয়-সঞ্চন্তে দান)	১৬-মাহ্ল	300	93
সম্ভাবন নির্দেশের বংশারে বিস্ফা। (ইংরাইটের স্থীর গর্ভবরূণ)	22-Ga	90	692	দান-ব্যবহাতের নির্দেশ দানের মধ্যে কল্যাণ আছে	৪-নিদা	338	29
अञ्चासन निर्माल बागून धार जानूगांस (बागून म. श्रासाना केलना)	8-5471	68	262	দাসতু না করার নির্দেশ	৩৬-ইয়াদীন	80	45
অন্তাহর নির্দেশে সমূদ্রে নৌবান চলচেল প্রসঙ্গ	৪৫-কাছিয়া	25	bod	দ্বীনে প্রতিষ্ঠার নির্দেশ ইবরাহীয/মূস্য/দ্বস্য/মৃহ্যুদ্বাক্ষরে	৪২-পুরা	30	69
অস্তাহকে তর করার নির্দেশ (মুখিন ও আহলে কিয়ার প্রদান)	8-PM	303	696	নামান প্রতিষ্ঠার নির্দেশ দেয়া হয় (সাহলে কিভাবদের)	১৮-বার্যিনাহ	Q	203
মন্তাহ নির্দেশ শিক্ষানে আরীজনার সম্পর্ক আতুনু রাধার	30-31'9	32	600	নামান্তের নির্দেশ দেরার আদেশ্যখ্যস্থ স্, এর পরিবারবর্ণকে)	২০-ছা-হা	203	98
अक्षाद निर्दाण निरवादन राजुन म. (व विद्यान ना काइठ (देशनीय वाल)	৩-আলে ইমরা-	3810	660	দির্লেশ (উত্তর ও কৈরাম্বরির দির্লেশ অনুসালা করে অস ক্রান্তি)	22-दम	45	49
সপ্তাহ নিৰ্চল বিভেচনে স্প্ৰীল বাজের (তার বলে ঘরা)	৭-আগ্রাক	36	634	निर्मा (विश्वाबद्धिक निर्मा वकुनका करन एउ गरिकार्ग)	১১-হদ	39	2.5
মাল্লাহ নির্দেশ নিয়েছেন বাকে ছাড়া ক্ষনা করে। উবাসত না কলাং	12-9579	80	6bro	नदस्त्र त्रिन हीन त्रविद्वार विदर्शन	৪২-শ্বা	30	b/a
স্বাপ্তাহ নিৰ্দেশ দিলে ইবলিনতে বাধা দিল বিচন	৭-আ'রাফ	33	630	নারের নির্দেশদাতাদের হত্যাকারীর শান্তি	ত-আলে ইমরান	92	00
স্বাস্থ্যহ উসাবে সালাত ও ঘাঝাতের নির্দেশ লিয়েছেন	३५-मार्ववेदाम	62	200	নাছবিচারের নির্দেশ দেন আল্লাহ (মানহতে)	১৬-নাহল	200	93
अक्षाक निर्मान सम्मारण पुन्तिकरूमर विश्वविति (जुलबुवानि नव जुनन)	৬-জান'আম	788	620	নার বিচারের নির্মেশবানকারী ও বোবা ব্যক্তির উপয়া	১৬-সাহস	99	90
অস্তাহর নির্দেশ দিনে বা বাতে আসল (পস্যক্ষেত স্বাহসের)	২০-ইউনস	48	909	পৃথ্য রাজ্য নির্চাপ (ইবাইম-ইস্মাইপত্ত বারাত্ম পৃথি রাশতে)	३-वाकाक्षा २-वाकाक्षा	256	631
वाह्यक्ष निर्मान अवधि निर्माक्षिक निर्माक्ष	৩৩-আহমান	Ch.	brob	পৰিবৰ পৰিক্ষাকে নিৰ্যাপ দিও ইসমাধন (সলাত ও ঘৰচুতেই)	25-साववेदास -	20	90
পঞ্জাহর নির্দেশ (শক্তি) আনলে অ'কাইনকে উদ্ধান করকেন আল্লাহ	77-24	38	038	পতর অন ছিন্তু করার নির্দেশ (শরতান কর্তৃত)	s.fire	229	
অপ্তাৰ নিৰ্দেশ (শক্তি) আনহা পৰ সন্দিহ আ ও মনিনালয়তে উভাৱ	22-2m	66	010	পদন করা ক্রিইমরেস্ট্রানর গাড়ী হারাই সম্পর্কে নির্ভাগ পালন করা।			00
অন্তাহর নির্দেশ সম্বাচত কর (কুরজন) প্রেরণ	३३-दून 8३-मुझ	00	0.62	পাপন করেনি মানক (আপ্রায়ত নির্দেশ)	২-বাকুরো ১০-আবালা	òЬ	
অক্সাহর নির্দেশ শপ্ত হল, সভা জাসার পর (অনুক মুদ্ধ প্রসঙ্গ)	০২-বৃদ্ধা ৯-জাধনা			गामा (कारामा व प्रमास मुझ क्षेत्र कर य सम्राह मिर्ज़न (सर)		২৩	300
অন্তান্ত দলেশ শার কর্ম গল জনার শার (অনুক বুক্ত প্রদান) আন্তান্তর নির্দেশ (হরুলারকে জামানত ক্ষেত্রত নিজে)		8br	680	শালা (কেন্তাশন ও জনামা পূজ এই করে যা জল্লাই সকল কেন) শিকামানার প্রতি সন্ধানবেশ্ব নির্দেশ	১৬-মাহ্ল	\$0	90
অপ্নাথৰ দেশে (ব্ৰুলাবকৈ আনামত কেবল দেকে) অপ্নাথৰ দিশোলুলাৰে মনুবাকে শতিকাৰ প্ৰদৰ্শন (ইসভাগইয়াকৰ, )	৪-নিগা	6.94	698		৩১-পুকমান	78	45
অপ্তাহন দিলেশপুনায়ে মনুষ্ঠত নাত্ৰকাৰ প্ৰদান (হনহান)হয়কুব) সাহাত্ৰৰ নিচৰ্পৰ কাৰ্যকাৰ হতেই ভালে	२)-वाचिता	90	928	পুনোর নির্দেশনানকারী নিজেকে হলে যায় (কর্মী ইনারালৈ এনাসে)	২-বাকুৰো	88	600
	৩৩-সাহবাৰ	99	90%	পুনত (অক্সাহর নির্দেশ্যানের পুনন কর হর সং প্রভানের বিশ্বঃ)	৪৪-দুখান	6	90
	৪২-প্র	62	2000	প্রতিপালক নির্দেশ দিয়েহেল (ন্যারবিয়ার করতে)	৭-আবাদ	રુ	63
	३३-दून	80	666	প্রতিশালক নির্দেশ পিরহেল (ক্ষর বাবে ইকারে ন করতে)	১৭-ইস্বা	2:0	934
মন্ত্রামা নির্দেশ আসা পর্যন্ত মুদাফিকভারকে প্রভারিত করেছিল	৫৭-হাদীৰ	38	787	প্রতিপালক প্রহালে নির্দেশ দিরে না নিকাবস্রান্ত মনুম (বেবেশার ৫)	৩-আলে ইমরান	300	28
মাল্লাহর নির্দেশ (উপদেশ গ্রহণের জন্য)	৬-জান্জাম	>02	622	প্রতিশাসকে নির্দেশ অসলে করা উপাস্থানেরের ভারা করের আসেনি	22-gH	202	39
	8-991	81	260	প্রতিশাশকের নির্দেশ ছাল্লা কেরেশতা অধভরণ করেন না	১৯-মার্ক্রাম	68	10
	<b>%-প্রমা</b> হ	25	999	প্রতিপাশকের নির্দেশন বাপারে অভ্যক্ত্ম করা (মৃদর সম্প্রদারের)	৭-আগ্রাঞ	260	53
	৬৫-ডাঙ্গাৰু	e	9694	প্রতিশাসকের নির্দেশে শারির বন্ধু সর্ববিদ্ধু খালে করেছিল (চুল জাতি)	85-खाङ्काक	2.0	22
	७७-छाड्डीय	0	590	প্রতিশাক্ষকে নির্দেশ নিয়ে কেন্তেশভাসের অবভার (বানর বাতে)	५९-व्सम्ब	8	204
	১৬-নাজ্ন	3	900	প্রতিশাব্দকের নির্দেশ্যে অবাধ্য হল্যা (ধ্যুদ সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	4-90,500	33	691
	50-9A		P-20	প্রতিশাসকের নির্দেশ এসে গেছে, লুভ সম্প্রমায়ের প্রতি	33-EH	9.6	693
अद्वादन निर्माल अधिकास्त्रहरू एका कर्जील प्रक्रिया (केल गुरु)	৩-বালে ইমধ্য		660	বিদ্যাত্বাইনের নির্দেশ স্থায়িক ছিল মা	22-5a	39	698
	२२-वीक	92	968	ক্ষেত্রত দানের নির্দেশ (হক্ষারকে আর্যানাড ক্ষেত্রত দান)	g-first	65	666

न

ব্য বিষয়/প্রস্ত	স্থানং ও নাম	CO E	481	नंप (देरद/देगक	সুৱা নং ও বার	200	108
নিৰ্দেশ(পূৰ্ব পূঠা থেকে)				নির্দোষ <u> </u>			L
বউনতারী (দির্দেশ বউনতারী ফেরেশভাদের কসম)	৫১-ঘরিয়ান	8	396	ইউসুক আ, নিৰ্দোহ যদে করে না নিজেকে	১২-ইউসুফ	60	6
বারবার্টিও/অপ্তাহর নির্দেশ বারবায়িত বাল শুরের লৌল খানে)	77- <u>E</u> M	88	669	পাপ/অপজন নির্দোধের প্রতি আরোপ করপে অপবাদ/পাপের	8-991	333	0
নিবতির নিচাল (অপ্তাহন সন্তিতে নিবতির নিচাল, শরাবান কর্তৃক)	8-निश	772	492	(बाबा बदन			L.
বিচ্যুত (নির্দেশ থেকে বিচ্যুত জিলের শান্তি, সুলাইমান আ.	৩৪-সাবা		182	निर्धादन			
প্রসঞ্)	08-4141	25	984	অংশ (অন্তাহ প্রশার রিভিকের অংশ মিধা উপার্টেশর জন্য নির্বারণ)	১৬-নাহল	60	9
বিলেখিতা (আল্লাহর নির্দেশের বিরোধিতাকারীরা যেন শান্তির			9013	অংকা (অল্লান নিষ্কা আংকা, রেমার রাজ বৌদ)	২-বাকুনরা	22.4	6
बालाख)	५८-मृत	90	10.2	অবস (অধিবাতের অবস তাসর জন্য নির্বাস কলে বর্বা)	২৮-আসাস	bro	t
বৃদ্ধিমস্তা কি কাজিবলেকে কুফরীর বিষয়ে নির্দেশ ক্ষেচ	৫২-রূর	95	300	অক্সাং নিষ্ঠাল করেছেন মূপন সম্প্রদারের ধনা পরির কৃমি	৫-মারিদা	45	6
মানুহকে অস্তাহর নির্দেশ (পিতামাতার প্রতি সলারবাদের)	৩১-লুকমান	78	1437	আপ্তাহ নিৰ্বাহণ কলেৰ বাত ও দিনের পরিমাণ	৭০-মূৰ্বাধিল	40	1
মানুহকে পিতা-মাতার প্রতি সন্তবহার করার নির্দেশ	২৯-জানবাৰ্ড	ъ	1/26	অক্সহ বা নির্বাচন করেছেল তা ছাত্র মুখিনাসংক্র আবাও করেনি	৯-জভার	62	Ī
মুদ্দিশলের প্রতি আল্লাহর নির্দেশ (হারামকত বিষয় সম্পর্কে)	৬-জাপ্তাম	242	627	আপ্লাহর নির্দেশ নির্দারিত নির্দারণ	৩৩-আহ্যাৰ	Q9.	D
মসার প্রতি শ্বীম প্রতিষ্ঠার নিচৰিশ	84-44	>0	1935	আপ্রারে জন্ম কন্যা সন্তান বিষ্যালা করে (মুপরিকরা)	১৬-পার্প	29	ī
মুপার নির্দেশ হাকুল কর্ত্তক অখান্য করা	२०-झ-स	90	989	অস্থাৰ সৰবিষ্ণুৰ ৰূপ্য নিৰ্দিষ্ট পৰিমাণ নিৰ্দালণ কলেছেৰ	৬৫-আপাক	ø	ī
যাবাভ বানের নির্দেশ দেৱা হয় (আবলে কিভাবনের)	১৮-বার্ডানহ	8	2059	অপ্তরের (সর্বাস্থার জন্ম অস্ত্রাহ নিমির পরিমাণ নির্বাসন ব্যায়েন)	৬৫-ডালাক	0	t
যুক্ত রাখার নির্দেশ(আল্লাহ যে সম্পর্ক যুক্ত রাখার নির্দেশ	-		-	ইকাতের নিয়ম নির্বাস করা হয়েছে (প্রথেক উপ্রথের কলা)	22-2796	99	t
দিয়েছৰ ডা ছিন্ন কৰা)	२-राङ्खा	5.6	608	ইলাহ (জন্তাহর সালে ইলাহ নির্বাহনে নিবেশালা)	১৭-ইস্রা	44	t
ল্লাস্পণৰ পিৰিভ নিৰ্দেশ্যৰণি (খাণুৱ)সৰ এসেছিলেন	৩৫-ফডির	3.0	785	ইপাহ (অপ্রায়র সামে ইপাহ নির্বাচন না করা ভট্টাবন প্রায়)	১৭-ইসরা	60	t
श्चनुसरम् लावक भारतमायम् (यानुस)नयः वाटमायामः शक्त त्र, निर्मात निरुप्त ग्रह्मतः कन्तु त्यत् यहर (दुर्माकिकाः बर्मा)	18-75	60	110	इनार निर्वाचन (जाहारत माहब कमा देनार निर्वाचन)	32-Reg	36	t
রপুণ ন, দঞ্জন পাতা বুজার জন্ম থের ৭৯৭ (কুমার্কনম নয়ন) রাস্তুপ স., এর নির্ফোশের ব্যাপারে মতবিরোধ করল মুমিনরা	৩-আলে ইমরান			হলাং দেবারণ (আপ্রার্থ্য বাবে তথা বদাব দেবারণ) কলা (ফুর্যারের অক্সার্থ্য জন্ম কনা সমান নির্বাস করে)	১৯-মহন	03	t
মন্দ স. মর দেশেশের ব্যাপারে মানাবারে কর্ম ভূমিশার রাস্প স. নির্মেশ দেশ যাতে সিঞ্জনা করতে কাভিত্রর ভাতে	২৫-কুরবনে	60	960	क्या (पुगरका व्यक्तात क्या (मृत्या-अस्ति क्या क्या) क्या मिर्वहरात त्यार, कृत्य (मृत्या-अस्ति क्या क्या)	१-आ <b>श</b> क	22%	t
রপুন স. সংসদ দেশ বাতে সিজনা করতে আকর্মা আতে শত পরিবায়তে যেবাম যেতে নির্দেশ দের হল সেবাস মলে মানে	76-2200	96	903	ক্রমে মবরুরে নিরার (ইবরাইসের বংশধরেশর কন্য)	২৯-আনকাবত	29	t
मूळ मात्रसङ्ख्या (एपा)मा (एट) मारामा एमा यह (रामा)मा एपा पाता महाद्राम निर्दाम (सह कडीमाठा व मान काटका	48-FT	57	332	कश्यानीय मित्रम मिर्चारण (श्राद्धात्म वेप्पाट्य कला)	\$\$-\$750 \$\$-\$750	08	+
		269	670.	কুমানর সাম সাধারণ (বাবে)ক তথ্যতের কাণ্) বাল সমন্ত্রী (পথিতৈর বাব সমন্ত্রী নির্বাস অন্তর্মণ অন্তর্মণ	৪১-কুস্সিতাত	30	t
শয়তান নির্দেশ দের মন্দ ও অল্লীল কাজের	২-থকুরা ৪-নিসা	2779	636		82-4414416	10	+
শয়তাদের নির্দেশ (গবদি পচর কান ছিন্তু করার)		272	690	জহান্ত্ৰম নিৰ্বাচিত করেন আল্লাহ কুনিয়ার কীংন	১৭-ইস্রা	36	ı
ও'অহিবকে তার সাগতে কি এই নির্দেশ দের বে	77- <u>á</u> a			ব্যহন্ত্তীর জ্য	২৯-আনতাবৃত	-	ł
সংকালের নির্দেশ কেয় মুমিনরা	৯-জাওয়া	93	589	মনুক্তর,বিভাবে নিবারণ (ইবরাইনের বংশগরদের জন্য)	৫৭-হাদীন		÷
সংকারের নির্দেশ দেরা উত্তম উত্মতের দায়িত্	০-জলে ইমল		486	নৰুক্তত নিৰ্বাহণ (মৃহ আ.ও ইবরাইয়েন বংশধরদের মধ্যে)		46	+
সংকাজের নির্দেশসানের নির্দেশ (রাসূল স. কে)	৭-আ'রফ	799	607	নির্বিষ্ট সমন্ত নির্বাহণ করা হবে না (কাফেরসের ধারণা)	29-sulfa	87	4
সংবাজের নির্দেশ দাদের মধ্যে কল্যাণ আছে	৪-বিশ	778	6.67	পরিমান নির্বাহণ (আল্লাহ সববিষ্কৃত্ব জন্য নির্বিট্ট পরিমাণ	৬৫-তালাক	0	١
সংবাজের নির্দেশ দিতে পুত্রকে লোকমানের উপজেশ	৩১-পুৰুমান	29	252	নিৰ্থায়ণ ক্ষেত্ৰেক)		-	4
সংবাজের নির্দেশ দেন উন্দী নধী	৭-আগ্রফ	২৫৭		পরিমাণ নির্বারণ (মাপুষের পরিমিত গঠন প্রদক্ষে)	৭৭-মুগুসাকাত	20	4
সংবাজের নির্দেশ দেয়ার জন্য একটি দল থাকা উচিত	৩-আলে ইমরাণ			বংশ নির্মায়ণ করশ, ৷ (জন্মায় ও মিনজভিয় মধ্যে)	৩৭-সাক্কাত	759	
সংক্রজের নির্দেশ দের স্বাহলে কিয়াবলের একদল	৩-আলে ইময়া			ত্ৰহাণৰ প্ৰচু নিৰ্বাৰণ কল্ল (বচকতমত্ৰ জনপদে)	৩৪-সাবা	334	4
সদর ব্যবহারের নির্দেশ মানুষকে (পিডা-মাভার প্রতি)	89-आवंदात	34	909	হৰ্ণাইল নিৰ্বাহণ (উাহের জন্য বিভিন্ন নিৰ্বাহণ মদাইল	৩৬-ইয়াসীন	65	ı
সদাচরণের নির্দেশ দেন আল্লাহ (মানুবকে)	১৬-মাহল	30	930	করেনে আল্লাহ)		_	4
সৰ্বহার করার নির্দেশ (মানুষকে পিতা-মাতার প্রতি)	২৯-আনতাবৃত	5	9,79	মহাপ্রভাগপালীর মির্হারণ ,দিবির অবস্থানে সূর্যের চলাচল	৩৬-ইরাসীন	40	4
সহল করকে জন্মার নির্দেশ্যে (সমানদার ও সংবর্মশীবাদের জনা)	३५-बाइक	P.F	9:02	মহাপ্রভাগপালী ও সর্বজ্ঞানীর নির্ভাগে (চন্দ্র-সূর্য ও রাড প্রসঞ্চ)	৬-অনুক্রম	9.9	1
দাবরে স্থানীর নির্দেশ (মূলাইমান আ, এর পত্র বিষয়ে)	২৭-নামণ	00	pos	মেরাদ নির্বাহন (প্রতিরাপত শান্তির মেরাদ কি প্রতিপালক	१२-किम्	40	
নীমুলকানজন্তিকে নির্দেশ্যে আলুগত্ত ন করা (ছায়ুল জাতি প্রদেশ)	২৬-৩'বারা	767	956	निर्दार कदरकरा)		_	1
দৃষ্টি ও নির্দেশ সবই আপ্লাহর	৭-আগ্রাক	48	62%	যোহৰ পিৰ্বাৰণেৰ পূৰ্বে স্তীকে ভাপাক দেয়া	২-ধাকুৰো	200	
হারুনের নির্দেশের আনুগত্য (বনী ইসরাঈল প্রসঙ্গ)	২০-ক্ল-ব্য	30	186	মোহর (নির্বারিড মোহরের অর্থেক দিকে হবে, যদি)	২-বাকুবরা	২৩৭	
मि <b>टर्ग</b> णक				মোহা (নির্বারিত মোহারা অর্থক নিজে হবে, যদি স্পর্ণ)	২-বাবুবরা	২৩৭	i
সূৰ্বকে নিৰ্দেশক বানিয়েছেন আন্তাহ	২৫-কুরবান	80	15-0	লুভের জীর বালারে নির্বাহন এই যে, সে লিছনে থেকে যাবে	১৫-হিন্দর	80	
मिर्फ्रश जानकारी	-	1		শূরের ব্রীকে অক্সাই শোহন থেকে যথের লোকসের মধ্যে নির্বাল করেন	২৭-নামৰ	29	
जरका(क्रव निर्माण जानकावी (प्रक्रिका)	3-1164	225	902	नमिया चापाना विराही कर् देवनित्रत बन्द मिर्वतर स्वा दर्श	३७-नार्न	258	4
নির্দেশ দানের অধিকারী (দায়িত্রশীপ)		1.0	12	শরীরত ও কর্মপদ্ম নির্ধারণ করে দিরেছেন অস্থাহ	৫-মারিদা	85	1
াদ্রদেশ সালের আবকার। (সালের বাংশ) যোরীয়ত করা, নির্মশ নামে অধিনারীনের (নিরাপর) বিভিন্ন সংগ্রাস)	8-971	ma	207	শ্রীক নির্বাহন কর (মুশ্বিকের স্থীনকে অস্ত্রাহ্য শরীক নির্বাহণ করে)	৬-আন্'আম	300	J
গোনাসূত করা, সভাশ দলের আধনবাদের (দারশার) আতর সংক্ষা) নির্দেশ দানের অধিকারীর আক্রানতা করার নির্দেশ	8-ANI 8-ANI	8.0	268	শ্বীক (অল্লাহর লাগে বহু শ্বীক নির্থকা করেছে কভিয়া)	১৩-রা'দ	00	1
	0-001	23	15,000	শরীক নির্বাহন (সৃত্ব সভান পাচের পর অস্ত্রাহর পরীক নির্বাহন)	৭-আ'রাক	290	,
নিৰ্দেশ (কয়সালা)	-	١.	1	সময় ও ছাম নির্বারণ করা (ভিরস্তাউপের জানুর জন্য)	২০-ড়া-হা	Q7	ī
অল্লাহ্মই (পূর্বের ও পত্তর নব নির্দেশ/কালাল অল্লাহাই)	00-9X	8	3.55	সমকক নিৰ্বাহন (অল্লাহন সমকক নিৰ্বাহন না কৰাৰ নিৰ্দেশ)	২-বাকুরো	22	
নিৰ্দেশ (শান্তি)			1	प्रवह विश्वीयत बाह्य काविकास करा	১৭-ইপরা	33	
প্রায়ীকা (অভিযান বি প্রতিপালকে নির্দেশ্যরির প্রতীক্ষা করছে)	১৬-বাব্দ	90		সময় প্ৰবাহত ব্যৱহে কাকবংক লগ সমক্ত নিৰ্বাহণ অল্লহন সমকক নিৰ্বাহণ কৰাৰ পৰিশাম আচশ		20	
প্রতিপাশকের নির্দেশ,শারির কল্য তি কাফিরা প্রতীক্ষা করছে ?	১৬-নাব্ৰ	90	900				_
मि <b>र्ज्ञशी</b> म			$\Gamma$	मर्राज्ञने चहारत निर्देश (जन्म १ १६ ७ वर रचनारचन)	৪১-ফুস্সিলার		
পাৰি মহাপুৰে নিৰ্দ্ৰশাধীন পাৰি মুখিনদেৱ জনা নিৰ্দৰ্শন	১৬-শহল	43	900	সহায় নির্ভাগ (অপ্রান্ত শাহলে জন সভন নির্ভাগ কর লে অপ্রান্ত)			
মেঘ নিৰ্মেশাখীন মেঘমাপার আল্লাহর নিলপন ব্যৱহে	३-वाइरबा	368	425	হাদ নির্বাহণ্ট করেই(মের জন্য মন্ত্র আ বার হাদ নির্বাহণ করা)	44-8798	20	. 1

1		Res	বৰ্ণকারী	Rfee			
त्रम् विस्तृत्यम	न्त्राता व नाम	1000	781	वय विस्तृश्यम	32 W S ATE	100	į,
निर्धातगकाती				নির্বেখনের কালের ফলে স্বাইকে খালে না করার পোরা মুগার	৭-আ রাজ	266	8
উত্তম নির্ধারণকারী,আল্লাহ (মানুহের পরিমিত গঠন প্রসঙ্গ)	11-রক্সলাত	20	225	নির্বোধনের হাতে সম্পদ প্রবাদ না করার নির্দেশ	8-मिम	0	0
নির্ধারণ		1.		মুমিনানেত্ৰক মুনাবিকৱা নিৰ্বোধ বাল (ইয়ান প্ৰেছ)	২-বাকুরে	20	0
শান্তি নির্ধারণ না করার ধারণা (ইউনুস আ, এর)	২১-জাখিয়া	149	925	মুনাকিকরা নির্বোধ, দিয়ানপারপণ নয়	২-বাকুবো	30	1
নিৰ্ধাৱিত	Shollasi	97	250	मिद्रीन	4-454	100	۲
অংশ (পরিয়োক সম্পান নামী-পুরুত্বার বন্য নির্ধারিত অংশ)	8,500	9	993	আৰুণ নিৰ্মাণ মানুখ গুৰিব চেয়ে কচিনতৰ	৭৯-নাথ জাত	29	5
জল (অপ্তাহন বন্ধান নিৰ্বাচিত অল্বাচ শাতান তাৰ জলাৱী কাছে।)	8-निमा	222		व्यासन् विके विद्यान करकात्रन कार करव	35-MIRA	0	1
অপিনার দির্ঘারত, সহাযাত্রার্থী ও বনিবারেন, যানুনা সম্পান	৭০-মাজবিক	78 52E	36-5	আৰুণ নিৰ্মণ করেছেন আল্লাহ (নিজ ক্মান্ত(মূল)	१३-यविद्याव	83	t
পাল্লাহর দরা সর্বাহিত করা (সমালার দুরানী/মালাকলাকর জন্য)	৭-জারাক	759		জন্মণ নির্মাণ করেছন আপ্রাহ	६०-संब	9	H.
অপ্তাহর নির্দেশ নির্দায়িত	००-सहस्त	200	1000	অবল নির্মণ (ব্যরটি সূদ্য অকাশ নির্মণ করেছেন আপ্রাহ)	१५-मावा	23	5
रेत्रसेर नर्जाना बन निर्वतिक श्राप्त चानवास तथा दान	8-तिश	253		ইমারত নির্মাণ (ব্যৱস্থাটন উঠু প্রাসাদ নির্মাণের নির্মেণ বিদ্যু	80-मामन	Øh.	ť
কিতাৰে নিৰ্বাধিত সময়ে প্ৰত্যেক জনপদ ধাংস কৰা হয়েছে	20-Sec	8	699	বিভিন্ন নিৰ্মাণ (ভিন্নানে অন্তৰ্গত বিভিন্ন নিৰ্মাণ অস সম্পদ্ধত্বে)	২৮-৫,প্রাথা	247	H
পিল (নির্মান্ত নিরে প্রতিষ্ঠেতি বাছবার্ত্তিত ববে)	20-14MS	8 00	1/80	গৃহনির্মাণ (পাহাড় কেটে ছারুণ সম্প্রদায়ের গৃহনির্মাণ)	২৬-ব কারা	789	t
দিন (নির্বাহিত নিদের নির্বাহিত সমত্রে সকলকে একটিত করা বুল)	৩৪-শাশ ৫৬-ওয়াকিয়াহ	00	284	पा निर्मन (सहस्राट पर निर्माणक करा विकासकेतन क्षीत स्मार)	৬৬-ভাইরীম	700	1
नित (मिर्वारक निर्देश मानिकार पुरेश मानि मान, श्रुप्त व्यक्तिक निर्देश)				पद्धा विकि निर्दारक सामा प्रमाणिकाल क्या गर्मक करने गर	৯-জাওবা		ŀ
সস (সাক্ষরত সামে পাসাহের ভক্কর সাম সাম, ছতুন জাতর সাক্ষর) নিবজ হংগ্রা নির্বাহিক ধাকলে মৃদ্ধাস্থানের উচ্চেন্ড (বর হুত	২৬-৫'বার	266		নৌকা নিৰ্মাণের কথা নৃত্যুক গুটী করালন আপ্রাহ		770	
দ্বত হংস্কা দৰাকে থকলে মৃত্যুক্তনের ডাগলে বের হত ফাসালরে দিন নির্বারিক রয়েছে (সকলের জন্য)	৩-আলে ইমরা-			লোকা লামাণের জন্য নৃহকে বহা করকোন আপ্রাহ লোকা নির্মাণের নির্দেশ (নূহের প্রাবন প্রদাস)	২৩-মুখিন্দ	29	Ŀ
পদসাপার দেন দেখারত রয়েছে (সকলের জন্য) মত্যা নির্বাহিত করে রেখেজেন আরাচ	88-मूरान	80	308	নোজ দৰাগের দাদেশ (নৃহের প্লাবন প্রদান) প্রান্তীর দির্ঘাণ, (কলকারনাইন ফর্মক)	77- <u>\$</u> H	তণ	ľ
	৫৬-ওয়াবিয়াত্	90	989	প্রভাব দেয়াব, (পুশবরবাহন কড়ক) প্রেবারক অস জাতি এতারে দির্ঘণ করে দেন ভার ভবে রাজী স্থাব	79-saida	26	Ŀ
সেবান (নির্বাহিত মেল্লান পূর্ণ হওবা, রাজ-দিন প্রসঙ্গ)	৬-আন্'কাম	00	602		২৬- <b>৩</b> ,প্ৰাধা	25%	1
বিকি নিৰ্বায়িত (আল্লাহর ৰাষ্টাইকৃত বান্দাদের জন্য)	৩৭-সাক্কাত	82	beb	প্রানাণ নির্মাণ কয়ত ভারুদ সম্প্রদার সমতল ভূমিতে	৭-জা'রাফ	9,8	Ŀ
শবি (নির্বাহিত শবি ভার দেশর আসল, পৃত সম্প্রভারের উপর)	28-WATE	₫br	303	প্রাপদ ও আন্বর্য নির্মাণ করত লিচেন্ডা (সুলাইমানের ইক্সা মত)	৩৪-সাবা	30	1
শতি নির্থাবিত হরে আছে (ছল বলল তার সম্প্রদারতে)	৭-আ'রফ	13	929	প্রাচীর নির্মাণ (কুলকারনাইন কর্তৃক)	১৮-কাহক	86	ŀ
শান্তির নির্মারিত সমর কিরামত (কাফিচনের ধন্য)	৫৪-কামার	85	906	বর্মীনার্শ শিক্ষা দাব দাউসকে (বৃচ্ছে মূরকার জন্য)	২১-অধিয়া	50	
পদা (অস্কাহ কৰ্তৃক নিৰ্মাণ্ডত সময়ে উপনীত হওৱা, বিশ্বামক প্ৰক্ৰা)	৬-অন্ অম	25%	6obr	সৌগ নিৰ্মাণের প্ৰস্তাব (আসহাবে কাহকের উপর)	72-száá	52	ŀ
পদা (অস্ক্রাহর করে একটি দির্মানত সমদ্যকিরামত বরেছে)	৬-জান্ অম	2	690	স্থাপনা নির্মাণ (ইংরাহীয়কে আগুনে নিক্ষেণের জন্য)	৩৭-সাড্যাত	24	þ
পমর (নির্ধারিত সময় পর্যন্ত পৌছে মানুষ)	৪০-মুখিন	61	b/b/8	দির্মাণকা <u>রী</u>			Γ
পায় (নিৰ্বাহিত সময় পত্তি মনুষ্ঠত অধ্যাপ চুমুক্ত অনাগৰ ক্ৰেছে)	8२-नुवा	38	1,95	প্রায়ন নির্মাণকরি শরক্ষানেরেক সুশাইমানের কবিন করে লোচ	৩৮-সোৱাদ	99	1
পমা (নির্বাহন সময় পর্যন্ত নেকলারকে উল্লয় ক্রোপোত্রী পদা)	77-fa	0	900	নির্মিত			
হান (প্রভোক ফেরেশভার জন্য স্থান নির্দিষ্ট)	৩৭-সাক্ষাভ	368	1-04	মুরাকীদের কল জান্তাতে বহু নির্মিত কক থাকবে	৩৯-বুমার	30	ь
নির্ধারিত অংশ (মোহরানা)				নিৰ্যাতন	-	-	Н
ব্যাতে নিৰ্বাহিত অংশ/মোহপ্ৰদা প্ৰদান প্ৰদান	8-निमा	28	¢60	পারিষদের (ফিরুমাউনের পারিয়দের নির্বারনের তরে কম		-	Н
নিৰ্বাৱিত সময়		1	100	শোকে ইয়ান)	১০-ইউনুস	300	1
পদ্ৰাৎ কৰ্তৃক নিৰ্বাহিত সময়ে উপনীত হওছে, কিলামত প্ৰসাৰ	Prath, atta	75/2	bolr	নিয়ম্মান নির্মান করত অধিবসীনের এক সমতে	alv. atente	8	,
পিটিত সময় পর্যন্ত উত্তম জেপালমন্ত্রী লন	22- <u>4</u> 4	0	994	ক্ষিত্রভাইনের নির্যালনের আশহার কম সোকই ঈমান আন	১০-ইউন্স	brd	1
ত্যেক সংবাদের জন্য নির্বাহিত সময় জাগ্রে	৬-আন'আম	69	605	বুদিনদেকতে নিৰ্যাতন কৰেছে যাৱা (আসৰ শান্তি জাহান্তাৰ)	30-58W	30	5
দ্বাসাধার দিন একটি নির্মারিত সময়	ও-আশ্ আম ও৮-মাঝা	29	2000	বুদ্দিনসৈতে নিৰ্ভাৱন ক্ৰেছেল (ভালৰ পান্ত জাহানুন) বুদ্দিনসৈত্তক নিৰ্ভাৱন ক্ৰেছেল (ভালৰ স্বিয়ানত কান্তাল	25-286 25-286	30	13
কর'বাউনের জানুকরনেরকৈ নির্বাহিত সময়ে একর করা	২৬-জ'আরা	24		নির্বাভিত (আরো দেখুন নিপাড়িত পদটি)	26-2-84	5	3
মিন্তা নির্যায়িত সমঙ্গে পৌছতে বার্থ হতো (বসরস্থায়)			920				L
্বাবন্যা নিৰামত সময়ে পোছতে ব্যব হতো (বনরবৃত্তে) পার কন্মপ্রতিপাত্তর নির্বাধিত সময়। প্রস্তুপ রাত পূর্ব হত্যাপ্রসঙ্গ	৮-আনকাল	8-5	600	অনুধাং (নিৰ্বাচিতদের প্ৰতি অনুধাং করতে চাইলেন অস্ক্রাহ)	২৮-কাদাদ	4	È
শার বাং প্রতিশানের সাক্ষাত সময় সঞ্জুশ রতি পুন হত্যাপ্রসাস সা আ, কর্ত্তক সন্তর জনকে নির্মানিত সমক্ষের জন্য	৭-জারক	785	656	অপ্তাহর পদে নির্বাচিত্ররে পাপ মোচন করবেন জন্তাহ	০-আলে ইমরান		6
	৭-আগ্রাক	766	959	নির্যাতিক সম্প্রভায়কে পৃথিবীর উত্তরাধিকারী করা প্রসঙ্	৭-আ'ৱাঞ্	309	è
না আ, নিৰ্বাধিক সময়ে উপদীত হওৱা প্ৰদক্ষ	৭-জারাক	780	950	নিৰ্বাভিত হয়ে হিভাবত,জিহান/ধৈৰ্যবাল কয়ল আপ্লাহ	১⁄৹-নাতৃদ	220	•
সা আ, নিৰ্বায়িত সময়ে এসে গৌছনো প্ৰসত	২০-ফুা-যা	80	980	বলী ইলাইনৰ নিৰ্বাচিত হয়েছিল (মূলর আগমনের আগে ও পরে)	৭-জা'রাফ	259	9
नेर्दश्न ( त्मकड़ काणी)				মুমিননের নির্যাতিক অবস্থার কথা "মরণ করার নির্মেশ	৮-আনকাল	20	0
	702-40684	0	2008	নিৰ্যাস			Г
নিৰ্বাপিত আগুন				কালায়াটির নির্যাপ থেকে মানুখ সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ	২০-মু'মিলুন	34	•
র্মিস্টান অবস্থা নির্বালিক আক্রনের মত হওছার পূর্ব পর্যন্ত			-1	কুছে পানির নির্যাপ ব্যক্ত মানব বংগধর সৃষ্টি	०२-आवमा	7	ь
rón:	২১-আধ্য়ি	26	962	<u> বিভয়তাদানকারী</u>	1		ŕ
मे <b>र्वा</b> जन			ш	অপরাবিদের নিভারতাবানকারী কে?	৬৮-জনাম	80	8
বাস্তাই নিৰ্বাসন লিখে দিয়েছেন কাফিবদের জন্য	43-254		300	िक्स	On - Erylle	00	-
ন্ধীদ্ধতা	4- 4/4	ŕ		পর্বত্তে দিয়াল মনে হলেও আ বিয়ামতে মেচার মত চলামন হতে	३९-स्ट्रम	244	
লবে নিবৃদ্ধিতার মধ্যে লেখতে পাছেঃ সম্প্রদারের লোকেরা	৭-আ'রাজ	6th	955	ন্ত্ৰত লক্ষ্য বল হলেও তা তেৱাৰ্ড হৈছেৰ ২৪ চনাইন হয়। সমুদ্ৰপত্তি নিকল বাঁডিয়ে থাকা ৰাহান্ত নিকৰ্ণনাম্বৰণ		bb	5
নকে নৰুক্ষতার মধ্যে লেখতে শান্তেছ সম্প্রদারের লোকের দের মাঝে নির্বাহ্বিতা নেষ্ট				বন্ধাপুতে নেকল গাড়ের থাকা জাহাজ নিলপনথকণ নিশ্চিত	৪২-পূর	23	b
নৈৰ মধ্যে নৰ্গত্বতা নেছ্ নিৰ্বোধ	৭-মারদ	67	929				
				ক্ষতিররা নিচিত নর (বিরামত হওয়ার ব্যাপারে)	৪৫-সাহিয়া	02	b
দহাবী ব্যক্তি নির্বেখ (ইনরাইমের মিল্লাক,শর্মানর্শ কেকে)	২-বাকুরো	300	626	কুরমান নিভিত সভ্য	<i>60-शका</i> र्	67	b
াল্লাহ সম্পর্কে নির্ধোধ জিনদের অবান্তর কথা প্রদক্ষ	१२-किन्	8	9AR	বীব্ৰ আহনের দহন বিভিত্ত সত্য	৫৬-ওয়াকিয়াব্	94	þ
প্রাহীতা নির্মেণ্/পূর্ণদ হলে অভিয়াবক লেখন বিষয় বলে নিরে	২-বাকুলো	२७२	6-08	নিষ্ঠিত যে ইছনীয়া মহাইয়াম পুত্র ঈপাকে হব্যা করেনি	8-নিসা	209	¢
ব্বেধি লোকেরা বলবে কিবলা পরিবর্তন প্রসঙ্গ	२-वाकास	284	659	হলহেন কৰ্মক সুলাইয়ানের কাছে সাবার নিশ্চিত সংবাদ আনা	২৭-নামপ	22	ÿ

विवर/दन्त	সুহা নং ও নাম	1017	161	नव दिरह/दनव	ज्बानः ७ नाम	4111 12	78
নিশ্চিত জ্ঞান	Set of the sea	- 1	2010	Grant street/on retentations were marrie former ment i			
াশাশ্চত জ্ঞান নিশ্চিত জ্ঞান জানগো মানুখ প্রাচুর্যের বিষয়ে মোহায়ন্ত্র হত না	১০২-ভাবাহুর	2	2005	হরেছে ভা থেকে)	8-निमा	42	697
		30%	9000		৫-মারিলা	95	250
রসুল স, দিভিত জ্ঞানে। ভিডিতে অফান করছেন (অল্লাংর নিকে)	<b>32-१७</b> नुस	300	001		১৬-মাব্ল	00	900
নিভিত বিশ্বাস		-	-		৫৯-হাপর	9	266
অধিয়তে দৃঢ় বিশ্বাস (মুগুকীলের বৈশিষ্ট্য)	५-राकृता	8	605		৫-মারিদা	60	Sp.
অধিৱতে নিচিত বিশাসী সংকর্মগরারণনের রাসন	৩১-বুরয়ান	8	৮২৭		20-18ms	90	200
প্রতিপাদকের লাগে নাকাতের বাপেরে নিষ্ঠিত বিশ্বাদ	১৩-রাপ	3	99.9		32-140H	40	694
বিধান (নিষ্ঠিত বিশ্বাস করে যে সম্প্রদার)	৫-মারিদা	60	60.9				
রসূল স, কে দেন উহিন্ন ল করে তার (বার নিভিত বিশ্বাসী দর)	৩০-জন	60	৮২৬		৯-তাওব	94	989
নিষ্ঠিত বিশ্বাসী					৬০-মুমতাইশ		h¢b
মিন্দ্ৰ (পৃথিবীতে নিশ্চিত বিশ্বাসীদের জন্য নিন্দন রয়েছে)	৫১-বারিয়াত	20	326		১৬-দার্শ	80	930
প্রতিপাশকের প্রতি নিভিত নিশ্বাদী হওয়া (বির'আউন প্রশাস)	২৮-ড'জরা	28	90%		8-निम	797	299
নিশ্চিত হওয়া					৬-আৰ্'আম	709	903
জন্তর নিশ্চিত হয়েছিল ফিরআইন/সম্প্রদারের(নিদর্শন প্রসঙ্গ)	২৭-ন্মল	38	bo3	निरुष्काती		_	
নিশ্বিত্ত			1	জসংকাল থেকে নিবেধকারী	৯-ভাওবা	225	955
াদা তও চলাচল (ফেরেশবার পুথিবতৈ দিখিয়ে চলাচল করত দলি তবে)	১৭-ইসরা	24	922	নিকৃতি (আরো দেখুন মুক্তি শব্দটি)			
জনপদ (নিশ্চিত্র করে দেয়ামত অস্থাবারবারী এব জনপদের দৃষ্টার)	১৬-মাহল	225	935	জায়াৰ হতে দিশ্বতির পথ আছে কিঃ (কাডিরদের প্রপ্ন)	80-मुक्तिम	22	৮ ৭৮
			308	নিস্পত্তি (আরো দেখুন মিটানো/আপোস শব্দটি)			
মুক্তবীরা নিচিত্তে ফলমূল আনতে বলবে জাল্লাতে	৪৪-দুখান	66	908		৪২-শ্বা	80	<b>₽≥8</b>
নিষ্টিয়			-		২৭-দামল	જર	pos
স্বাস্থ্যহ নিশ্চিফ করেন থা ইচ্ছা	১০-রাশ	43	495	নিশ্প্তভ			-
কাছিবদেরকে নিশ্চিহ্ন করবেন আল্লাহ	৩-আলে ইমরান	787	485		৩৬-ইয়াসীন	99	pos
অভিননের এক অংশকে নিশ্চিফ করা (বলর বৃদ্ধ রাসঙ্গ)	০-আলে ইমরান	254	6834		৭৭-মুরসালাত		
সুনকে আল্লাহ নিশ্চিক করেন	২-ৰাকুৰো	২৭৬	600		17-ৰুগ্ৰাগত	ъ	29.
নিহিছ/নিষেধ/নিষিদ্ধ করা (আরো দেপুন হারাম শব্দটি)				নিম্পাপ			_
'অনিক্লান' নিয়েল করেছে: (আনো অপ্তাহর পালো বার এবং কনতে)	৯-জভো	68	686		ऽ⊁-कार्य्यः 	9,8	900
অবধার (নিয়েগর অবধা হরমায় দৃশিত বনন হয়ে যাওয়া প্রদাস)	ন-মো,বাঞ	799	954	নিক্ষল (আরো দেখুন বাতিল শব্দটি)			_
অন্ত্রীলভা/অসংকাঞ্গীমালকল করতে জাল্লাহর নিংগণ করেছেল	১৬-নাহল	20	950		৪৭-মুহামান	ъ	275
অসংবালে নিমেধনবীদেয়কে সাম্রাই উদ্ধার করেন	৭-আ'রাক	368	659		8९-मूशपान	8	275
অসংবাজে নিয়েখ করে আহলে কিবেবনের এক দল	৩-আলে ইমরান	778	989		৪৭-মুহামান	3	225
অসংকাঞ্জে নিয়েখ করেন (উন্দী নবী)	৭-আ'রাফ	268	659		১০-ইউমুস	9.7	664
অসংক্রাঞ্চ থেকে নিয়েখ করে মুমিলরা	৯-জান্তবা	93	689	দুদিরার স্বীবনে কাভিরসেও প্রচেটা নিক্ষণ	7A-448&	708	900
অসংকাশ সেরে মানুহতে নিয়ার করতে পুরতে লোকমানের উপদেশ	৩১-পুকমান	23	454	<b>নিহত</b>		-	
অসমেন হতে পুনিন নিয়েগ করে (পুনিশীতে প্রতিষ্ঠিত হতে)	44-87W	82	988	অন্যায়ভাবে নিহত ব্যক্তির অভিযাবককে ক্ষমতা নিরেছেন অস্ত্রাছ	১৭-ইস্বা	00	93%
অসংকান্ধে নিবেধ করা উত্তম উপতের দারিত্ব	৩-আলে ইমবাং		980	অস্ত্রাহর পথে নিহতদের পাপ মোচন করবেন আরাহ	০-জালে ইমরান	296	999
জনৎ কাঞ্চে নিষেধ করার একটি দল থাকা উচিত	৩-মালে ইমরান	308	986	অপ্তাহর পথে নিহতদের অস্তাহ উৎকৃত্ত বিধিক নিতেন (জারতে)	২২-হাজ	Qb	955
আপ্রাহ নিহেখ করেন (অপ্রীলভা, অসংকাল ও সীমালক্ষন)	১৬-নাহল	30	930	অপ্তাহন পথে নিহতদেৱক মৃত বলা নিখেব	৩-আলে ইমরাম	265	424
অস্তাহ হাত্ৰ অন্যুদের ইবাদত নিবেধ	80-वृद्धिम	66	biro	অস্থাহর পথে নিহতদেরকে মৃত বলা নিষেধ,	২-বাকারা	368	239
ইবানত (অক্সাই ছাড়া অনেও ইবানত করা রাসুল স, এর জন্য নিমেশ)	৬-আন্'আম	6.0	803	অস্তাহর পথে নিহত বাজির কর্ম নিছল করবেন না আদ্রাহ	৪৭-মুহাম্মদ	8	354
উপাসনা (দালিত্ব আ, ডি নেবজার উপাসনা করতে নিবেধ করেনা)	77-āst	62	675	আল্লাহর পথে নিহত হলে আল্লাহর ক্ষমা ও দল্ল পতে	০-আলে ইমরাব	209	467
ভূরজান প্রবাহা নিবেধ করা (কাফির অন্যকে করে)	৬-আন্'আম	20	6.95	অস্ত্রাহর পথে বুদ্ধে নিহত ব্যক্তিকে মহাপ্রতিদান দেরা হবে	৪-মিসা	98	496
গরাদি পত ও ফেকের ফলল নিকিও (মুগতিবকার ইচ্ছানুকর্মী)	৬-আন'জাম	305	600		০-আলে ইমরাব	368	660
গোপনে কৰা বলতে নিৰেধ কৰাৰ পৰও খানা লে নিকে ছিলে যায়	৫৮-মুজানালা	b	960		৪-নিদা	38	200
গোপনে কৰা কল বেকে নিহেদ কৰাৰ পৰ পেনিকে বিবা যায় যায়	१४-मुकानामा	b	260		৩-আলে ইমরান	36%	224
কান্তাত নিষিত্ব (অপবাধীলের জন্য)	५१-एककान	22	968		৩-আলে ইমরাদ		994
জন্তুত নিৰেম্ব (জন্মান্ত্ৰেন জন্য) জন্তুত নিৰেম্ব ও নিবিদ্ধ (জন্মান্ত্ৰিনের জন্য)	২৫-যুরকান	44	958		৯-জাওবা	222	604
ধারীলেরকে দিখিছ করে দিলেল আল্লাহ (মূলার জন্য)	२४-कामान	25	you		৩-আলে ইমরান		203
ধ্যানেরকৈ নামক করে সন্তেশ অক্সাই (মৃশার জন্য) ধ্যুসপ্রাপ্ত জনপদবাদীর কিরে আদা নিবিদ্ধ (পৃথিবীতে)	२३-वारिया		909		০-আলে ইমবান		283
व्यक्तिक कर नगरानाम (एक जाना नगराक (पृथ्याक) व्यक्तिक (य मधाल निरम्भ गढ संग्रह म. कि कार्य गर्माकर)	১৯-জনাক	96	2059		৩-সালে ইমবান		203
	৫-মারিনা				৩-জালে ইমরান		660
পৰিত্ৰ কৃষি নিৰিক্ষ করা হল মূলাৰ সম্প্ৰদাৰেৰ জন্য		20	250	ত্তিক ব্যাহার অবভার বদকে সাতে বত বা (কুমাকলর কান) ত্তিবিক(আপ্তাহর পরে নিবতদের আপ্তাহ উব্লেড বিধিক	- 4001 44019	*40	4.00
পরিমাপ (বরুম) নিমের করা হরেছে, ইউসুফের ভাইলের জন্য	১২-ইউসুফ	60	99.5	विद्यम् काश्चरकं गर्थ स्थाप्यस्य जाहार् उर्वृत्व कार्ययः विद्यम् काश्चरतः)	২২-ছাল্ড	ψ'n	960
পুনরাবৃত্তি (কাঞ্চির নিবিভ কাজের পুনরাবৃত্তি করনে)	৬-আনু'আম	২৮	492			_	-
প্রতিপালক নিয়েখ করেছে গায়েও নিগটি যেছে এ কারণে যে	४-आ,राक	20	478	নীচতম		-	-
প্রতিপালক কি নিয়েখ করেননি আদম আ, ও তার প্রীকে,	গ-জারাফ	22	978	মানুখকে আল্লাহ নীচুনের নীচকম তরে কিরিয়ে আনেন	৯৫-তীন	2	205
ক্লমূল নিবিদ্ধ হবে না (সাপ্রাচেত)	৫৬-ওয়াকিয়াত্	90	288	मीप्र			_
জাসাদ নিৰেধ করব মত ওচপুদ্ধিসম্পদ্ধ লোক ছিল না	১১-ছুন	229		কর্মা দিচু করে দিলেন আল্লাহ (কাফিরনের কথা)	৯-তাবধা	80	688
ফিরে আসা নিষিদ্ধ (কাপেপ্রার জনপদবাসী প্রসঙ্গ)	২১-অধিরা	74	926	মৃহ সম্প্রধার থানেরকে নিচু ভাবে ভানের কল্যাথ প্রসন্থ	<b>33-ब्</b> म	0)	985
বছুতু করা নিষেধ করেন আল্লাহ তাদের সাথে থারা	<b>७०-मूबलाई</b> मा	>	545	স্তর (মানুহকে আপ্লাহ নীচুনের দীচকম করে চিবিয়ে আলেন)	৯৫-তীন	4	302

विकिल कास

अप विश्वसभाव	नुवानर व पान	water 2	-	প্রেম থাওয়া বিষয়/৫মখ	নুৱা নং ও নাম	4000 %	78
নীতি (সুনুত)	73171( 9 714	200.0	200	প্রমান (স্থান প্রমান করেনে অস্তার তথ্য সংগ্রাপরাম সিকট)	पुत्रा गर <b>०</b> गान	25	979
আল্লাহর সূত্রত নিতি (পূর্ববর্তী নবীলের প্রসঙ্গ)	৩৩-আহবাৰ	- Obr	brob.	প্রেরণ(নহতে সতর্করারীরূপে সম্প্রনায়ের কাছে প্রেরণ)	27-56	20	666
আলাহর সূত্রত শীভিত্তে পরিবর্তন পাওয়া যাবে না	৩৩-মাহবাব	68	100	বিক্রপ (নতের নৌজ তৈনির জন্য সম্প্রপার প্রধানর বিক্রপ করত।)	77-2m	05	999
আপ্রাহর নীতিতে কোন পরিবর্তন পাওয়া বাবে না	8५-वावद	20	979.	বিভৰ্ক (পৃথ আ, বেশি বিভৰ্ক কংগ্ৰেছ মৰ্মে সম্প্ৰাপন্তৰ অভিযোগ)			
				হলেশীত (পৃথক মনেশীত করেছন আল্লাহ)	77- <u>2</u> A	०२	660
আল্লাহর নীবিতে (সুন্নতে) কোন পরিবর্তন নেই	১৭-ইস্বা	22	150		০-আলে ইমরন		801
আল্লাহর নীতি বা পূর্বেই গত হলে পেছে	8५-व्हरू	50	979.	কিব্যাকদী কন(পৃথকে তার সম্প্রদার হিথাবাদী বপেছিল)	২২-হাজ	84	964
পূর্ববর্তীদের ব্যাপারে আল্লাহর সূত্রাত/নীতি	००-सार्थाव	9ર	9.09	বানুল (নুহ আ তার সংখ্যাবারের জন্ম বিশ্বার বানুল ছিলেন)	২৬-৩'আরা	100	230
পূর্ববর্তীদের সুন্নত,দীতি আল্লাহ প্রদর্শন করতে মন	৪-নিসা	₹6	690	শান্তি বর্ষিত হোক নূহ আ,এর উপর	৩৭-সাক্ষাত	45	pupe
नुरुख (मग्रा		_		नरकर (प्राप्तिकान्त न्यात स्टास नरकर गाउँव निर्दाण प्रकृत ग. (क)	১০-ইউনূস	42	997
রাসূল স. এর পিঠতে যে বোঝা নুইয়ে নিজিল তা আল্লাহ,	১৪-ইন্পিরহ	0	१८०६	সঙ্গী (নূর্যের সঙ্গীদের তার সংখ্যকই স্বয়ান এনেছিল)	३३-दूम	80	969
HD .				সঠিকপথ প্রদর্শন (আল্লাহ নৃহত্তক সঠিকপথ প্রদর্শন করেন)	৬-আন্'আম	78	806
অসীকার (নুহেন কাছ থেকে আল্লাহ নুণ অসীকার নেন)	০০-অহম্মৰ	9	500	সক্তৰভাৱীয়াশে নৃহকে সম্প্ৰদায়ের কাছে প্ৰেরণ	১১-বুল	56	999
जन्मा ब्राह्मम मा नुब	33-87	103	Solver	গতর্কমারী (সম্প্রদারের জন্য নৃত্ব আ, সুস্পাই নতর্কমারী ছিলুন)	67-52	2	306
অবকাশ (সম্প্রদায় কর্তৃক নৃহক্তে অবকাশ না দেয়া প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	93	969	সম্প্রদান (নুহেন সম্প্রদার জায়াক স্বাধীনার করেছিল)	8०-मुस्स	2	593
অবজ্ঞান (নৌকা থেকে অবজ্ঞানের নির্দেশ নুবকে শারি ও)	১১-ব্ৰ	81/	690	সংখ্যার (নুহার সংখ্যারে উপর পঞ্জি অপভিত হয়েছিল)	১১-ছুদ	bb	998
অবস্থান (নুমের অবস্থান যদি মাজির কয়ে লুসের যনে হয়)	১০-ইউনুস	93	999	সম্প্রদার (সুহার সম্প্রদার রাসুল স. কে মিথাবাসী ব্যক্তিশ)	২৬-৬'আরা	305	920
অধিকাস(নুবেজনভাত্মন প্রকৃতি জাতির বিসালতে অধিকাস)	18-देश्यदीय			সম্প্রদান (নহের সম্প্রদাহকে ধ্বংস করেছিলেন আস্তাহ)	২৫-যুৱকান	99	950
		3	668	সম্প্ৰদান (নুহেৰ সম্প্ৰদান জালিয় ও সীয়লজনকারী ছিল)	१७-नासम	65	3/08
অভিযোগ (সম্প্রনায়ের অমান্যভার অভিযোগ নূরের)	৭১-বৃদ্ধ	52	246	সন্তানা (নুম সন্তানাত্রর পরিবাটির সংক্রণ অনুসমি বি)	b-ভাওবা	90	685
অবোহন (আদমের বংশধরদেরকে নৃহের সাথে আরোহন)	১৯-गरदेशम	62	906	সপ্রকার (বুর সপ্রকারের পরে জন সম্পানরত রগেরিকৈ করনেসার)	n-ভাওব। ৭-আ'রাফ		
আনুগতা (নৃহের আনুগতা করার আহ্বান সম্প্রদারের প্রতি)	१३-मृद	0	39-8			99	977
ष्मद्रवर्श (मृद षा, यकं भीवाम चार्टाश कारत करंन कारत)	२७-यू मिन्न	妆	959	সম্প্ৰনাত্ৰ (নৃহত্বক ভাৱ সম্প্ৰনাত্ৰ মিধ্যাবাদী বলেছিল)	22-E796	84	9,63
আহবান (নৃহ আ. কর্তৃক সম্প্রান্যকে আল্লাহর কর করার আহবান)	२६-७'वाडा	300	920	সম্পান (নৃত্যে সম্পান উদুদ্দেরক বিধাবাদী বাদক্ষি)	৩৮-সেরাদ	25	3.90
আহ্বান (নৃহ আ. ডেকেছিলেন আল্লাহকে)	৩৭-সাক্কাভ	92	brbo	নশ্রনার (নৃহের সম্প্রনার ছিল পাপাচারী)	৫১-ঘরিয়াত	86	3-26
আহ্বান (নৃহ আ, সম্প্রদায়কে গোপনে আহ্বান করেন)	93-75	>	29-8	সম্প্রতার (পৃথকে আর সম্প্রতারের প্রতি রাস্পরণে প্রেরণ)	१३-न्इ	١.	95.8
বাহান (নুহ আ, সম্প্রনায়কে প্রকাশ্যে আহ্বান করেন)	15-75	br	358	সম্প্ৰদাৰ (নৃহকে তাৰ সম্প্ৰনায় বিশ্বাৰানী বলেছিল)	৩৪-কামার	>	200
অহ্বান (নুহ আ, নম্প্রনায়ক দিলেও রাক্তে আহ্বান করেছিল)	93-75	¢	39.8	সম্প্রদার (নূহ আ. প্রসঙ্গে তার সম্প্রদারের মন্তব্য)	77- <u>fe</u>	53	656
আহ্বান (পুরের সম্প্রাপার তার আহ্বানে কানে আছুল দের)	13-75	9	39.8	সম্প্রদার (নৃহ আ. কে সম্প্রদার বিদ্যাবাদী বলেছিল)	৩০-ঝুক	25	344
অস্তান্সংগত যেতে উদ্যালে কন বুকো আবোল অস্তান্ত সাম)	२३-वाश्रिता	99	900	সম্প্রদার (পৃচ্ছের সম্প্রদারের যড়যন্ত্র প্রসঙ্গ)	<i>१</i> >-र्न्ड	44	370
উদ্ধার (মহাসংকট থেকে নৃহ আ, ও তার পরিবারকে)	৩৭-গাইকার	99	1/00	সাহায্য (পৃহকে আপ্তাহ সাহায্য করেন)	২১-আধিয়া	99	920
উদ্ধাৰ (নৃহ আ, ও তার পরিবারকে মহাসংকট বতে উদ্ধার)	২১-অখিরা	90	900	প্রী (কাকিবলের জন্য নৃহ ও লৃত আ.এর প্রীর সুরীন্ত)	৬৬-ভাহরীন	30	247
উপদেশ (অল্লাহর অধ্যতের মাধ্যমে নুয়ের উপদেশ দান)	১০-ইউনুস	93	665	নেক			
ধহী (লোকদের ঈশ্বান না আনা প্রসঙ্গে নুহের প্রতি ধহী)	20-40-5-i	95	665	সন্ধান (নেক সন্ধানের জন্য যাকারিয়ার প্রার্থনা)	০-জালে ইমবান	100	ech
ওহা (দোকনের কর্মান না আন রান্তেন বৃহত্তে রাভ কর্) ওহা (নৃহকে ওধী কর্মান জন্তাহ দৌকা নির্মানের জন্য)							2011
वहाँ (मृद्दान वहा कारणन जाहार (माना मनाराज होगा) वहाँ (प्राह्मार मृद्द प्रा. व कार गरनकी न्वीरमारक वहीं कारहरू)	२७-वृ'पिन्न 8-भिन्नः	২৭	969	নেকড়ে (বাখ) উচ্চালনে নেজে বেজ ফেলাস ভাইজেরই ক্ষান্তার হাব	३२-१४-वृक	20	1.60
		290	644	বেলে কেলনে ইউস্ভতে নেকডে বাব (পিতাৰ আগৱা)		78	5°%
কৃতজ্ঞ বান্দা ছিলেন নূহ আ,	১৭-ইস্বা	0	928		১২-ইউস্ফ	30	696
ক্তিগ্ৰন্থ হবেন নুবং (আল্লাহ তাকে কমা/ দলা না কবলে)	<b>22-र्</b> ल	81	990	খেরে ফেলা ইউসুদকে নেবড়ে বাব (ভাইছের পিতাকে কলা)	১২-ইউসুফ	39	895
দর (নূমের দরে মুদ্দির ব্যব্ধ প্রবেশকারীলের জন্য কন্যপ্রার্থনা)	९५-न्द	₹br	364	নেকীর পাস্থ্য			
নাতি (নূহ আ, এর থাজির নার পুশিনের অপদা নিরেঅউন্যান উপর)	8०-पुणिन	402	990	অত্নী (নেকীর পাল্লা অত্নী হলে সম্ভন্ন জীবন লাচ প্রসঙ্গ)	১০১-কৃথিজা	ъ	300
মানা (নূহ আ, তার এতিপালককে তেকেছিল প্রক্রের ব্যাপারে)	27-Éd.	84	665	নেতা			
क्षका (भूग्रास्य मृद मा, काव भीनमा माध्यायन कराटा क्षतम)	77- <u>ई</u> स	82	669	অনুগতা(শেতানে অনুগতা করর কমিবনের পথাই হওয়)	००-आस्पर	69	ron
পোন্ন (কার্যদানের কাউকে ছেড়ে না সেরার জন্য নূমের লোয়)	१५-मृब्	₹6	346	ইয়াকুৰ আ, ও ইসহাককৈ আল্লাহ নেতা বানান	५५-जापिस	90	908
দ্বীন প্রতিষ্ঠার নির্দেশ ছিল (নূহ আ. এর প্রতি)	৪২-শ্বা	30	1/3/2	ইয়াহইরা আ, নেতা ও নারী বিদুধ ও নবী হাব,	৩-আলে ইমরান	G/a	280
নির্দেশ (যে খ্রীনের নির্দেশ নুহরে প্রতি ছিল মুখ্যকরকও তা)	৪২-শ্রা	20	1/3/2	ইসর্ক আ, ও ইয়াকুবকে আল্লাহ নেতা বাদাদ	२३-व्यक्ति	90	908
নৌকা (নুহের সাথে নৌকায় অহ্যোহণকারীদের বংশধর)	১৭-ইসরা	0	938	বনী ইসরাস্থানের হ্বতা থেকে অক্সাহ নেভা বানিরেছিলেন	৩২-সাজনা	28	700
শৌধানে ঝারোহণ করালেন সাল্লাহ (নূহ সা. কে)	<b>48-4199</b>	30	900	বার জন নেতা পাঠালেন আল্লাহ বনী ইসাইলাসের মধ্য থেকে	৫-মারিলা	25	645
পরিবার (নুমের পুরা করে পরিবারস্থাক নর মর্মে অক্সাহর থোকা)	77- <u>र</u> स	85	690	বানানো (নেডা বানাতে চাইসেন আল্লাহ নিৰ্যাভিতসেব(০)	২৮-বাসাস	0	brok
পরিবার (পূব জা. ও তার পরিবারকে মহাসংকট ব্যক্ত উদ্ধার)	২১-জাম্বা	96	900	কানে (শের বনিভঞ্জিন সপ্তাহ নির্বাস্থল সম্প্রদারে,)	২৮-অসস	83	9.00
পাধ্যের সামাত করার হুমতি (দাওয়াতী তাক থেকে নূহ		10					
আ, নিবৃত্ত না হলে)	२७-व'वारा	220	938	মানব জাতির নেতা বান্যবেদ আল্লাহ (ইবরাহীমকে)	২-অক্রো	358	678
পুত্র (মৃত্যুর পুত্র করে পরিবারস্থান নয় মর্মে আল্লাহর যোকণা)	22-3H	86	690	নেত্ৰগ/দায়িত্ৰীল			_
				গোলীভূত করা নেতৃগুল/দয়িতুলীকের (দিরাপন্ত) উচির সংবদ)	8-मिमा	50	269
পুত্ৰকে দূৰ আ, তাৰ নৌকায় আলোহন কৰতে ভাকলেন	22-4H	83	669	দেৰে থাপা			
প্রজনু (নুমের পরেও কত প্রজনু ঝাসে করেছেন আল্লাহ)	১৭-ইস্বা	2.5	950	যাবন শান্তি নেমে আসনে সভর্ককৃতদের অভিনায়	৩৭-সাফ্ফাড	399	5-62
क्षिणानकरक छाकरणन नृद जा. यनगा न्याय बन्य	48-41XE	70	900	নেমে যাওয়া			
প্রতিশালক (নৃহ খা, অন প্রতিশালবকে মেকেজিলন পুরের বালরে)	<b>33-वृ</b> न	84	663	ইবলিগতে নেমে বেতে বলুলেন আল্লাহ	৭-আ'রাড	30	530
রেরণ (নৃহ জা, কে তার সম্প্রদারের প্রতি প্রেরণ)	২০-মুমিদৃদ	20	989	জান্ত্রত থেকে নেমে যাওয়া (ডাগম আ, ও শরকান প্রদঙ্গ)	২০-জ্য-হা	320	185
প্রেরণ (নৃহতে ভার সম্প্রদারের নিকট প্রেরণ প্রদক্ষ)	২৯-আনবাৰ্ড	38	5.24	জাপ্তাত থেকে থেকে যাত্যা (আধম-হাওয়া ও শায়তানের)	২-বাকুরো	07	606
প্রেরণ (দৃহত্তে ভার সম্প্রদায়ের প্রতি রাস্পর্কেশ প্রেরণ)	१५-नइ	2	39.8	বার্রাত থেকে থেকে যাত্রার নির্দেশ (আলম-হার্রা/পরতানকে)			
প্রেরণ (নুরকে প্রেরণ করেছিলেন আল্লার)	৫৭-হানীদ	46	967	প্রতিপালক নেমে ঘার্ডার সংক্ষে (আন্ধ-হার্ডা(শর্ডা-বে) প্রতিপালক নেমে ঘেতে বদালেন (আনম আ, ও তার রীকে)	২-বাকুরা ৭-আ'রাফ	28	202
							628

	English	-	1224	নেশ	नुवा महत्व साथ	200	1951
रिराश/क्ष्मण	न्या क वनाव	Alla s	नुका				
নয়া (আরো দেখুন গ্রহণ শব্দটি)			$\perp$	জিঞ্জা (বিয়াহতে মানুহতে লোমত সদক্ষে জিজাস করা হবে)	১০২-ডাকাছুর	ъ	300
মসীবার দেয়া (বক্তপতি অধান থেকে বের না করার মসীবার)	২-বাকুরা	98	\$0b	দৌষান (আল্লাহর নেরামতে সমৃত্র নৌবান লোচল করে)	৩১-লুকয়ান	ಾ	252
মন্ত্ৰীতার নেয়া (শিবেদ)সম্ভবহার সম্পর্কে কবিইসরান্দিলের অধীকার)	২-বাকুারা	50	\$00	পরিবর্তন (আল্লাহর দেরামত পরিবর্তন)	২-বাফুরা	522	440
মুলীকার দেয়া (সামীর দিক্টা থেকে প্রীর অঙ্গীকার প্রহণ)	৪-দিসা	52	445	পরীক্ষাকরণ হলেও মানুগ দেরামতকে জ্ঞানসভ্ক নর্ভন ভাবে	৩৯-যুমার	82	490
মুলীকার (নবীদের থেকে আল্লাহ দৃঢ় অঙ্গীকার দেশ)	৩০-জাহ্যাব	1	500	পরিবর্জনারী (নেরমত পরিবর্জনারী নদ যা দান কংগ্রেল	৮-আনদাল	60	00
প্রস্তিকার কো (অক্সাহ বনী ইনরাইলের অসীকর নির্ভেছনে)	२-शंकाश	30	622	পুৰাৰানগৰ নেৱামকের মধ্যে থাকাং	৮২-ইনফিতার	20	203
অস্তীকার দেয়া (ইর্ছনিরা স্বাল্লাহ সম্পর্কে সভা বলার বিষয়ে	-		$\Box$	পুণাবালাণ লোমতের মধ্যে থাকবে (মান্নাতে)	৮৩-মুরাক্তিকীন	રર	202
মুখ্যকর সেরা)	৭-আ'এড	259	649	পূর্ণ কর (দেরমত পূর্ণ করকে প্রতিপালক ইউসুকের উপর ও)	75-4834	6	69
মালো নিতে চাবে মুনাফিকরা মুখিনদের থেকে (কিয়ামতে)	৫৭-হানীদ	30	282	পূর্ণ কর (ন্যোমত পূর্ণ করে নিকেন অস্তাহ মুখিবালে উপর)	०-माधिमा		Qb:
Half अबि मित त्यार मानद्वत देश्वादीम्हरू जाह्याचा निर्दान	২-বাকারা	5p0	600	পূৰ্ণ করা (নেয়ামত পূৰ্ণ করবেন আল্লাহ মুমিনাসের প্রতি)	২-বাকারা	750	67.
তুল স্বাটি নিয়ে আইউবের শ্রীকে সাধাত করার নির্দেশ	৩৮-সেরাদ	88	Yer	পূৰ্ব করা (নেয়ামত পূৰ্ব করকে চান আল্লাহ মুমিনদের উপর)	৫-মাধিদা	-	64.
কুল জাত দেয়ে আব্রুক্তের প্রাক্তে আবার করার দেবল পিন্তা অস্ক্রীজন নিয়েছেন (বৈমানের মাইকে ফিরিয়ে লেরার অস্ক্রীজন)	১২-ইউস্ক	bro.	968	পূৰ্ব (অপ্তাহ তাঁব নিৱামত পূৰ্ব করবেন রানুল স. এব উপর)	৪৮-ফাত্ত	2	850
পুরা অসমরা সরেজে (তেকারে তারতে বিসরে তেনা কর্মনার প্রতিকৃতি সেরামেরের কার থেকে বি ইর্নীর প্রতিকৃতি নির্ভাগ		pro.	609	পূৰ্ব করা (আল্লাহ মানুহের প্রতি নেয়ামত পূর্ব করেন,)	১৮-নাহল	9/3	90
	২-বাকুরো			প্রতিশালকের নেয়ামততে শুরুণ (যালবার্ডন আরোর্ণ প্রসঙ্গ)	80-युशकक	30	494
ফুনন্দিয়ের থেকে য লের হয়েছে তার ওয়ে বাল কিছু লেয়া	৮-আনকাশ	90	605				
প্রীকে প্রদন্ত সম্পদ দেয়ার উদ্দেশ্যে স্থাপাতস করা বাবে দা	8-मिना	7.9	669	প্রতিপাধকের দেরামত যে রাসুল স, পার্থণ নদ	৩৮-কুলম	3	200
ন্যামত				প্রতিপাদকের লোমত ন পৌছলে ইউনুন আ, তে নিকেশ কর হত্ত	০৮-কামাত্র -	85	20
অকৃতভাতা (আল্লাহর লেয়ামতে অকৃতভা হওয়া প্রদাস)	২৯-আনকাবৃত	89	25.0	প্রতিপাদকের লোমত বা থকলে জন্মতি বন্ধি লাইন্রামি হত	৩৭-সাক্ষাত	6.6	b/23
অপ্রকাশ্য দেয়ামত (আল্লাহ্ মালুবের প্রতি অপ্রকাশ্য				প্রতিদান (যে মান করে –করের লেয়ামতের প্রতিদান মরণ দয়)	১২-লাইল	39	305
দেৱামত পূৰ্ব করেছেন)	৩১-বুকমান	40	p-5p	প্রকাশ্য লেরমত (অপ্তর্যু মনুক্ষে প্রতি প্রকাশ্য লেরমত পূর্ণ করেছেন)	৩১-পুকমান	40	৮২া
অবিশ্বন (পাপ্তাহা লেরমভাত অবিশ্বনাদী-শীন্দা-বিবিত প্রদর)	১৬-মাহপ	92	969	প্রতিপালতের দেয়ামতে মুহাত্মদ স, গগত/পাগল নদ	१२-जून	43	20
অস্বীকার (আরাহর দেয়ামত অস্বীকার, বিদিক প্রসঙ্গ)	১৬-নাহল	93	900	ধনী ইসরাইনতে আল্লাহ প্রদার দেরামত স্মরণের নির্দেশ	২-বাকুরো	80	001
অধীকার (অধির অল্পাহর লেরামত চিলেও তা অধীকার করে)	16-MEN	20	909	বনী ইসৱাদিলতে আল্লাহ প্ৰদান দেৱামত স্মৱদেৱ নিৰ্দেশ	২-বাকারা	89	00
অপীকার (আপ্রাহর দেয়াখত অগ্নীকার করার পরিপতি)	১৬-মার্প	225	125	মানুহের পুত্রবার পর আকে পেরামত পাশ করলে সে ভুলে যার	৩৯-দুমার	br	159
অস্থানার (অক্সাংস দেয়ানত ও যাতার করার নামনাত) আনুগড়াকারীর উপর আল্লাহর দেরামত (অক্সাহ-রানুল স.	_	111	124	মানুহতে নেয়ামত দিলে মূখ কিবিয়ে দেয়	১৭-ইসরা	brò	92
	8-मिमा	èà	696	মুভানীরা দেরামতপূর্ব জন্মতের মধ্যে থাকবে	৫২-রুর	39	34
এর অনুগত) জাল্লাহ দেৱামত দান করেছেল (দবীদের প্রতি)	১৯-मार्वदेशाम	ev	989	ফুর্নিন্দেরত অন্তর লেয়ার দিয়েশে বল অনুসক বালা	৪-নিলা	94	g b
				মনকে নেয়মত নাম করেছেন প্রতিশালক	২৮-কাসাস	39	bro
আপ্তাৰ দেয়ামত দান করেছেন যাদের উপর	৫-মারিদা	20	63.0	হুলার সম্প্রদারের প্রতি আল্লাইর নেরামতকে মরণ করা	১৪-ইবরাইম	6	98
বস্তাবে (মনুকো করে যে লোমত আছে ভা অল্পাবর শব্দ থেকে)	১৬-নার্ছন	60	909				
আল্লাহর দেরামত অধীকার (রিবিক প্রদঙ্গ)	১৬-মার্ল	93	404	বাসুল স, বার উপর লোকত ব্যৱহেন (বারেল বিল হারেছার প্রশাস)	৩৩-আহ্যাব	ত্য	900
আক্লাহৰ দেয়ামত অপীকাৰ কমান্ত কুথা ও উটিং	26-MIN	225	425	সংখ্যা দিনির (মান্নামর কোমত সংখ্যা গণল বড়ে নির্ণিয় করা যায় ম)	১৬-মার্প	72	9,0
অল্লাহর দেয়ামত ও অনুহাহনহ মুমিনরা বিরে আলল (ভালে থেকে)	৩-আলে ইমরান		265	সংখ্যা নির্ণয় করা যাবেনা আল্লাহর নেরামক গণনা করলে	১৪-ইবরাহীম	€8	98
আল্লাহর দেয়ামত ও জনুগ্রহ পেরে শহীদরা আদন্দিত	৩-আলে ইমরাণ	242	202	সুশাইমদ ও তার শিক্ত-মানত প্রতি আপ্রাহন দেরমতের কৃতভাত	২৭-নামল	79	po
আল্লাহর দেয়ামত্ত্বে অভ্যত্তভার হারা প্রতিস্থাপন	28-देरदादीम	₹2/2	666	ছারী দেয়মত কল্লাতে	2-2104	52	68
प्रक्राञ्च त्याप्रव गान करण का गरबा निर्मा का परना	১৪-ইবরাইম	108	686	শ্বাস করনে (ফুলবেডি দিন'ডাইনে ন্যোনত শ্বাস করিয় নেয়…)	২৬-৩'আরা	22	95
আল্লাহর নেরামতে অকৃতভা হওয়া প্রসঙ্গ	২৯-আনতাবৃত	99	552	শ্বরণ (মেয়ামত শ্বরণ করার নির্দেশ মু'মিনদেরকে)	৩-আলে ইমরান	200	
আল্লাহর দেরামতের কৃতক্ষতা প্রকাশের নির্দেশ	১৬-মাহুল	278	125	শ্বলে (নেয়মত শ্বল কাতে বলচেন মূস্য আ, নিজ সন্তুদায়কে)	৫-মারিদা	20	26
अञ्चादा स्माप्टास कृष्टकारा क्ष्माना मार्ग्य स्थम करा स्मा	৪৬-আহ্তাক	26	gog	শ্বরুপ (স্বোহাত শ্বরুপ করা নির্দেশ, মু'মিনদের প্রতি)	৫-মারিদা	22	62
আপ্তাহর দেয়মতের জন্য ইবরাহীম আ, কৃত্যক্ষ ছিল	26-RIDE	343	930	শত্তৰ (মেল্লামত শত্তৰ করার নিচেপ্ৰ)	২-বাকুারা	507	65
অস্ত্রাহর দেয়ামতের সংখ্যা পদলা করে নির্বয় করা বাবে না	20-2004	35	908	শ্বন্ধ (নেয়ামত শ্বন্ধ করার আহ্বান মু'মিনকে)	৫-যারিদা	9	er
অপ্তাহর পথ তেনে মুমিননো জন্য নেরামত ( সঠিত পথ অবলয়ন)	৪৯-হতুরার	7	250	স্ফল (নেয়মত স্ফল করতে বলকেন অন্তাহ, দিসাকে)	৫-মহিদা	330	6.0
অস্ত্রাহর নিয়মত ছিল ইদা বা, এর প্রতি	৪৫-মুবকক	03	200	শহরণ (কর্মী ইসরাইলকে প্রদার দেরামত শত্রণের নির্দেশ)	২-বাকারা	255	67
অনুদ্ৰহ বাৰ উপৰ লোমত কলেছেন (ৰয়েন বিদ ব্যৱহাৰ প্ৰদান)	৩৩-আহম্বৰ	103	909	শ্বকা (মানবের প্রতি আপ্রাহর নেরামভরে শ্বর্থের নির্দেশ)	৩৫-ফাভির	0	1/8
অক্সাহ যথন পেয়ামত নাল করেল মানুষ কথল মুখ ফিবিয়ে লেয়	৪১-ফুস্সিলাভ	65	1/30	স্থান (মুহিন্দের এতি নামান স্থানের নির্মান, গলত মুদ্র প্রসাস)	১৩-আহ্বাব	5	300
আল্লাহর দেয়ামত (শৃত পরিবারকে শান্তি থেকে রক্ষা করা)	08-नामार	98	201	uses (-Elevaturation believe useful school ware 244 cluss)	001414414	a	90
আল্লাহর দেয়ামত (পূত শারারেরে শারে বেতে সম্প কর) আল্লাহর দেয়ামতে সমূত্রে দৌরান চলাচল করে	०7-थे <b>०</b> संस	92	259	নেয়ামতপূৰ্ব	-		_
		30	999	মান্রাত (নৈবটারান্ধদের জন্য ব্যাহে দেরামতপূর্ণ জান্নাত)	१७-असक्सिद	p.p	28
আধানন (মনুখতে নিয়মত আধানন করালে অহকরী/উল্লেক্স হয়)	77- <u>s</u> sk			জাব্রাত (সংকর্মনীল মুমিন নেরামতপূর্ণ জাব্রাত লাভ করবে)	১০-ইউনুস	ъ	62
মদা আ. এর প্রতি আল্লাহর লেক্সমত ছিল	৪৩-মুখকক	6.0	900	ভারাত (সংকর্মশীল মুমিনের জন্য বেরামত পূর্ব স্বাপ্তাত)	৩১-লুকমান	ъ	ps
বৈজন্য (ন্যোমদের ক্ষমশ দেব খনে ব্যৱস্থানিকে মুক্তবাস)	५०-मुसक्विके		3035	জন্ততে মুখোদুখি আগদে অসীন হবে (জান্নাতিরা)	৩৭-সাক্ষাভ	80	be
কুজ্জার (সুপরিমান/থর পিয়-মাঝান স্ক্রাড়র লোমনের কুজানা)		7.9	9:02	ৰাল্লাত দেৱামতপূৰ্ণ কাল্লাতে প্ৰবেশ কৰাবেদ আপ্লায়)	৫-মাছিলা	66	92
ব্যৱস্থার (সম্ভাবন লোমতো জনা ইন্যাইন আ, বৃত্তন ছিল)	১৬-দাব্দ	252	370	জাপ্লত (নেয়ামতপূর্ণ জাল্লাকের প্রতিশ্রুতি মুবাকীদের জন্য)	৬৮-কাশাম	98	39
ক্ষজন (অপ্তান দেয়েনে ক্ষজন প্ৰদান নাৰ্থা শতের দান)		32	303	জন্তাত (ব্যোহতপুৰ্ব জন্তাতে প্ৰবেশ কফিলের প্ৰভাগা)	৭০-মা'অবিক	OF.	37
কৃতজ্ঞতা (অপ্রাহর দেয়ামতের কৃতজ্ঞতা প্রকাশের নির্দেশ)	১৬-নাব্দ	228	125		to-et gelde.	100	+07
গদন (অল্লাহ্ন ল্যোমতের সংখ্য গণন করে নির্ণয় করা ববে ন)	১৮-নাবৃদ	234	908	জন্ত্রত (দেরামতপূর্ণ জন্তাতের উত্তরধিকারী করার জন্য	২৬-৬'জারা	PE	93
(চলা (কাফির আল্লাহর দেয়ামত চিনেও আ স্বাধীকর করে)	১৬-নাহন	310	900	ইব্যাইটের পের)		_	-
	%-मद्	10	299	ब्रह्माट (प्रेयानगर जयस्मीताम (महास्परपूर्व ब्रह्माट चंकर्व)	55- <u>6)@</u>	6.9	99
ধ্বভাৱে ভারালেই নেয়ামত ও বিশাপ থাজা দেখা বাবে							
জন্মতে ভাকালেই ন্যোমত ও বিশাপ থাজা দেখা যাবে জন্মত (নেরামতপূর্ণ জন্মতে থাকবে নৈকটাপ্রাক্তরা)	৫৬-৪য়বিবাহ	25	380	নেশা			1

4		CH.	শহরে	ন্যরবিসরকারী			
वस्त्र/दनम	স্বা বং ৩ বাৰ	च्या न	शृक्त	नेर रिस्त/धनन	जुड़ा नर ७ नाय	4004 5	78
নেশাগ্রন্ত				অপ্রাহর উপর নাস্ত (হিছারত করে মৃত্যুবরণকারীর	8-स्मि	200	240
বিদ্যমতেও দিন মানুদকে নেশাহজের মত দেখা যাবে যদিও	২২-যুক্ত	2	927	হরিসানের ভার)	0-111	200	6.00
নমান্ধ (নেশাপ্রক অবস্থায় সাধ্যত/নামান্ধ নিধিছ)	8-মিসা	80	6.95	न्यांया			
रेनक <b>ए</b> ।				সংবাদীবনেকে নাব প্রতিদান নিতে পুনরকান	১০-ইউনুস	8	968
জাপ্তাহর নৈকট্য লাডের উপায় তাঁর পরে বায় করা	৯-জগুৰা	86	980	ন্যাখ্যভাবে			
আপ্তাহৰ নৈকটা পাড়ের মর্থাদা বয়েছে দাউদের জন্য	0y-(21319	2.0	199	ওলন দেয়া (নামাভাবে পুরোপুরি ওজন দেয়ার নির্দেশ)	৬-জান'আম	202	633
জাল্লাহর নিতট লৈকটোর মর্থাল হয়েছে (সুলাইমানের জন্য)	৩৮-সেরাদ	80	909	পরিমাপ (ন্যাব্যক্তারে পরিমাপ করার নির্দেশ,)	66-MEM	h	300
অস্ত্রাহর নৈকটোর আশার ভূশবিকর উপাসের উপাসনা করে	৩৯-যুখার	0	593	করসাধা নাব্যভাবে করা হবে জালিমদের মাঝে (কিল্লমতে)	३०-विकेश	28	663
নৈকটাপ্ৰাপ্ত				न्।।इ/बन्।।इ			-
অৱৰতীয়াই লৈক্ট্যোপ্ত	৫৬-ওয়াকিরাহ্	22	280	ক্রানের কন্যালয়র (কন্যালয়র অঞ্জন করম শক্তি কভিয়ানে)	৪৬-আযুকাক	20	270
আল্লাহর নৈকটা প্রাক্তনের অন্তর্ভুক্ত ঈসা-মাসীহ	৩-আলে ইমরান		¢80	অংশন (মিকমান প্রমিত্যর মহার নামের নামে অংশতের নির্ভূপ)	৪৯-হতুরাত	b	240
ৰাপুৰবাৰ বিজয়ী বলে বিৰ'জউলো লৈন্টাপ্ৰায়লো অৱৰ্তুক বলে	২৬-চ'জরা	84	930	বিশ্বামতে নাথ বিচার করা হবে সকলের সাথে	৩৬-বৃমার	92	699
পাম করবে (সেকটাপ্রাপ্তরা ভাসনীমের ঝরনা বেকে)	yo-মুখ্যমন্ত্ৰীদ		3033	দুইজন নারপরাল সাকী রখা (মৃত্যুর সময় ওবিরত কলে)	৫-মারিপা	hon.	ghd.
প্রভাক করবে (নেরটাপ্রাপ্তরা আমপনামা প্রত্যক্ষ করবে)	৮০-মুহাক্তিকুল		3034	নৰীদেৰকে ন্যায়সকত কাৰণ ব্যতীত হত্যা কৰাৰ পাৰি	৩-আলে ইমরাণ		0.00
ফিরমাউনের নৈকটাপ্রাপ্ত হবে মানুকররা (বিজয়ী হলে)	4-छ, सक १० सँगर्थर	228	990	নৰীনেএক অন্যায়তাৰে হত্যাৰ কৰেলে লাইলা ও লাঞ্ছুলা,	৩-জালে ইমরান		080
(अरहन्त्व (अरहेशांड राह्यन्त्व सम्बद्धां मार्चानाम प्रजा न करा)	8-991	245	213	নবীদের ন্যায়নক্ষত কারণ হারা হত্যা করা (ইংলী প্রসঞ্চ)	৩-জালে ইমলন		000
सानुस यमि आद्वादय रेनक्जिक्षाक्ष्मम् अर्थाः नामकामा वर्गः नामका सानुस यमि आद्वादय रेनक्जिक्षाक्षम्य अण्यान दश	৫৬-ওয়াবিয়ার্			নির্দেশ (মার নির্দেশনাঞ্চানের হত্যাকারীর শক্তি)	৩-আলে ইমলন	50.2	
	60-0116816	77	284				6-00
নৈকটা লাভ		₩	$\perp$	কালাল (বিয়াহতে নায়ত্র নাতে কালাল কর হত কুলুহ করা হতে।)	৩৯-বুমার	49	599
ব্যস্তাহর নৈকট্যগান্ডের নির্দেশ রাসূল স. কে (সিজনার মাধ্যমে)	১৬-জালাক	7.9	7052	ফালের নারের সালে করা হয় মনুক্রর মারে (রুলুন স, আনর পর)	১০-ইউনুস	89	669
দৌকা				বড়বড়ি (পৃথিতৈ জন্মান্তর বড়বড়ি করা জন্ম শরি)	৪২-শ্বা	85	776
বারোধণ (মৃদ্য মা, ও থিকিরের)	77-4454	45	900	বিয়ন (নাম বিয়ন করকে রাসুল স. বিয়ন-করণালা করকে)	०-मधिम	85	6,040
ছিনিয়ে নিত রাজা (খিজির কর্তৃক নৌকা ছিদ্র প্র.)	72-aida	130	502	বিচার (ন্যারের সাথে বিচারের নির্দেশ)	8-निमा	6.5	966
ন্ধুনী পর্বতে নৌজা ছির হল (নূহেব প্লাবন শেব হলে)	22-4H	88	965	বিচার (সাউদের নিকট বিদানকারীদের ন্যারবিচার প্রার্থনা)	৩৮-সেরাদ	44	9.94
থৈরি (নৌঝ থৈরির জন্য সম্প্রদার প্রধানর নৃহত্তে বিকুশ করে।)	22- <u>द</u> न	ФУ	663	বিচার (দাউদকে মানুদের মারে ন্যার্হবিচার করার নির্দেশ)	৩৮-সোৱাদ	26	2.94
নিদৰ্শন (নুহের নৌকা স্কগতের জন্য নিদর্শন)	২৯-জনকৰ্ত	36	729	মাপ ও ওলন ন্যারসকল্ভাবে পূর্ণ করা	77-\$ec	ρĄ	৬৭৫
নির্মাণ (নূহ আ, কে নোকা নির্মাণের নির্মাণ)	३३-इम	09	666	মুদ্দিদের প্রতি (বিবদরণ মুদ্দিদের মারে শার্রবিমারের দির্দেশ)	৪৯-ছমুরত	>	>≥0
নির্মাণ (দৌবা নির্মাণের জন্য নৃহকে বহী করলেন আল্লাহ)	२०-मुफिन्म	29	959	সম্পানন (নাচেও সামে এক সম্পাননও কন্য হীয়ান ভাবতীৰ্ণ)	৫৭-হানীদ	5.0	250
নুহের নৌকার স্থিতি ও গতি আল্লাহর নামে	३३-इन	83	666	সক্ষরন (অল্লাংর উদেশে নায় সক্ষরনে অবিল প্রকার নির্দেশ)	8-নিসা	200	@ 9.8
নুহের নৌকার সাধীদের আল্লাহ উদ্ধার করেন	২৯-জনলবৃত	26	727	নাকালান (ন্যার লাকালানে অধ্যিক থাকার নির্দেশ্র)	৫-মারিদা	ъ	69.7
মিসকিনদের (থিধির কর্তৃক ছিদ্রকৃত নৌজাট)	১৮-কাহ্ফ	93	905	ন্যায়নীঙি			
সাধী (নুরের দৌকার সাধীনের অল্লাহ উদ্ধার করেন)	২৯-আনকাবৃত্ত	342	329	ইয়াভিম নারীদের ব্যাপারে নার্যনীতি কান্তম (বিয়ে প্রসঙ্গ)	8-मिश	256	640
নৌযান (স্বারো দেখুন জাহাজ শব্দটি)			$\Box$	প্রতিষ্ঠিত (ন্যারনীতিতে প্রতিষ্ঠিতরা সাকী- আল্লাহ ছাড়া	৩-আলে ইমরান	30	000
আয়োহন (নৃহতে নৌবানে আলোহন কলালন আল্লাহ)	৫৪-কামার	30	906	ইলাহ (নই)	Grade, Kedi	10	40-
व्यक्तकर्भ भागे त्रीया बाउदमात भव मुद्दाक होनेवान व्यवकार कताहन)	03-3981E	22	৯৭৮	<b>ন্যারপরারণ</b>			
আরোহণ করান অল্লাহ বোঝাই নৌবানে (নৃহের বংশধরকে)	৩৬-ইয়াসীন	83	b-08	কালল (নৃষ্ঠন ন্যালেরাল বৃত্তির কালল ইরেমে পচ হতা প্র.)	৫-মায়িলা	24	495
আরোহণ (নৌবানে আরোহণ ও সমুসুত্রমণের বিপদ প্রসঙ্গ)	३०-देखेनुस	44	566	নাকী (থালাকের কেরে দু'লন ন্যরপরায়ণ নাকী রাখা)	৬৫-ভালাক	3	369
আরোহন (নুহ জ. যান নৌরানে আরোহণ করাবে তান কলবে)	২৩-বু বিদ্যুদ	49	959	ন্যাহপরাহণতা	-		
আরেহণ (নৌধানে আরোহণ করে মানুষ আপ্রাহকে ভাকে)	২৯-আনলবৃত	96	555	পরিকুর্ণ (সভা ও নার পরমেন্ডর রভিপাদকের বাদী পরিকুর্ণ)	৬-আনু আম	326	601
উদ্ধর (অপ্তাহ নুর আ, ও তার নৌধ্যানর সঙ্গীলের উদ্ধার করচেল)	২০-ইউনুস	30	963	ন্যারবিচার	4	***	-
চলাচল (আস্তাহর দির্দেশে সমুদ্রে লৌযান চলাচল করে)	8१-स्रिश	25	906	পানি (রাসুদ স. মনুবের মারে নারবিরার করতে অনির হয়েছেন)	৪২-শ্রা	76	brib4
চলাচল (আস্তাহর লিসেশে গৌনান সমুদ্রে চলাচল করে)	)8-ইবরাহীম	93	505	ইয়াভিন নেয়ে প্রতি নার্রায়ার ন করে আগন্ত হলে, (মিরা প্রসাদ)	8-PH	36	
इनामा (मीयाम मिनर्यम	५-वक्ता	368	672	कर बनार (क्टाइन मात्र विशेष्ट्रभाव करो वना		-	669
হলাহল (দৌষান চলাচল করে, আপ্তাহর নির্দেশে)	40.45	86	646		৬-আণ্'আম	205	622
সিবলৈ (সমুদ্র নীবানের চন্দ্রাল বৃত্তকা/মধ্যীক্রম বন্য নির্লম)	৩১-বৃক্যান			নির্দেশ (নার বিয়য়ের নির্দেশনান্দারী ও বোধা বৃত্তির উপমা)	১৬-নাহ্শ	49	9,0 h
সিয়েশ্(সমূত্র পর্যক্ষে মত সুক্তি সৌধনসমূহ অক্সাহ নিয়াক্)		62	259	নিৰ্দেশ (ন্যায়বিচায়ের নির্দেশ নিয়েছেন প্রতিপালক)	৭-আ'বাদ	₹5	976
	৫৫-বাহ্মান ৭-জা'লাফ	2,8	380	নির্দেশ(আল্লাহ ন্যায়বিচার/সলাচরণ/লান করার নির্দেশ দেশ)	১৬-শাব্দ	90	450
নুহকে নৌবানে উউয়ে উহার করলেন আল্লাহ (সঙ্গীদেরসহ)		46	657	নিবেং নর (নার বিভার নিবেং করেন না অপ্তাহ অনুন্য পারে হার)	৬০-মুমতাইনা	7	969
পরিচালনা (প্রতিপালক সমুদ্রে নৌবান পরিচালনা করেন)	১৭-ইস্বা	ψò	479	থবৃতির অনুসরণ না করা (ন্যায়বিচারের ক্রেছে)	8-PH	202	498
বহন (নৌন্যানের উপর বহন করা হর মানুবকে)	২০-মুমিদুন	44	969	প্রয়েচিত (ন্যারবিচার না করতে প্রয়েচিত না কর)	৫-মারিল্য	ъ	247
ৰহন করা (মানুষকে দৌযানে বহন করা হয়)	৪০-মুমিন	βC	23.6	মানদঙ/মীবান (কিয়ামতে ন্যায়বিচারের মীবান/মানদভ	-		_
নোঝাই নৌবানে পৌছল ইউনুস (পলাচন করে)	৩৭-সাহ্চাত	780	9.90	স্থাপন করা হবে)	২১-জাধিয়া	89.	925
বোঝাই নৌবানে উঠিয়ে নূহ আ, ও মুমিনচন্য উদ্ধান করা হয়	59-0,215L	27.9	138	মুমিনাসমতে ন্যালৰিয়ার করার নিত্রনিং	g-प्राविका -	br	ON.
নমুন্তে পর্বতের মত সুউচ্চ দৌধানসমূহ আল্লাহর নিরন্তান	৫৫-রাব্যান	48	380	মূলর সম্প্রতার একটি উপাতের ন্যার্থনাত্র পার পথ লেকার	৭-আ'রাক	14%	627
সমুদ্রে নৌধান চলাচল করে (জন্তাহর নির্দেশে)	44-5 <b>m</b>	95	%68	সতা ধরা নারবিয়ারকারী উদ্ধান প্রসং	५-वा शर		
সমূদ্রে দৌয়ান চলাচল (মানুষের জন্য সমূদ্র সৃষ্টি প্রসঙ্গ)	79~4\$k	78	908		Coll and	29.2	643
সমুদ্রের বুকে দৌযান চলে (অল্লাহর অনুহাহ অনুসন্ধানে)	৩৫-ফাতির	25	784	ন্যায়বিচারুকারী			
সৃষ্টি (মানুদের আরোহণের জন্য নৌবানের সৃষ্টি)	৪০-মুখ্যুক	25	৮৯৬	অপ্নাহ শারবিয়াকারীদেরকে ভাগবাদেন	७०-मुमस्रहिना	br	969
माख				অক্সাহ ভালবাসেন, বিবনমান মুমিনদের মধ্যে নার্যবিধারবারীকে	৪৯-হত্ত্বাত	b	250
আপ্রাহর কাছেই নাম্ব কিরামতের আন	৪১-কুস্সিলাত	89	730	ন্যায় বিচারকারীকে পছক করেন আল্লার	e-माविभा	82	eve

निष्कृतिक स्थापन स्थापन के स्थापन के स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

্বতুলা ্বতুলা  ব্যক্তিলা  বিশ্বলা  বিশ	\$80 \$400 \$400 \$400 \$400 \$400 \$400 \$400 \$	926 908 920 328 927 926 908 927 908 947 947 949 949 949 949	प्रकार । वह का अब एका नव दूस्त नवान । वह नवान नवान अब एका नवान । वह प्रकार नवान । वह प्रकार नवान । वह नवा	৩৯-মুমার ২২-হাজ ৬৯-হাজাহ ১৭-ইপুরা	28 8 20 20 20 28 28	500 500 500 500 500 500 500
েবাসুবার  1- মুক্তাব্রাপ  1-	200 200 6 6 200 200 200 200 200 200 200	250 250 251 250 200 200 200 200 200 200 200	प्रकार पात का अन्य प्रकार पात पुराश प्राथम । प्रवार प्रकार । प्रवार प्रकार । प्रवार प्रकार का रित्य परित्य प्रवार प्रकार । प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार । प्रकार विद्यापत प्रकार माण्ड (१९६६ प्रकार । प्रकार । प्रकार । प्रकार का प्रकार प्रकार प्रकार । प्रकार । प्रकार का प्रकार । प्रकार । प्रकार का प्रकार । प्रकार । प्रकार । प्रकार का प्रकार । प्रकार । प्रकार । प्रकार । प्रकार । प्रकार । प्रकार । प्रकार । प्रकार । प्रकार । प्रकार । प्रकार ।	৭০-মা'অরিক ৬-আন্'জার ৬৬-মুখার ২২-হাজ ৬৬-হাজাদ্ ১৭-ইক্সা	8 20 25 25 28	503 632 590 963 595
	4) 400 6 2 400 400 400 400 400 400 400	328 621 120 669 900 621 978 608 627 627 627 640 690	প্ৰকাশে হাজাইক আনিবাহনত এক সিনেশ বাহিনে পাহিন পাহনা হাজাই বাহন পাইন পাইনে আন্তাহনি কৈছেলে পাইন সামানি বাহনাৰ আন্তাহনি কৈছেলে পাইন আন্তাহনাৰ পাইনি ভালেলে পাইনি আন্তাহনাৰ পাইনি আন্তাহনাৰ পাইনি আন্তাহনা কৰেলে পাইনি পাইনি আন্তাহনাৰ কৰা কৰা আন্তাহনাৰ আন্তাহনাৰ প্ৰকাশ কৰা কৰা কৰা জিয়াৰ প্ৰজ্ঞানৰ পাইনি আন্তাহনাৰ পাইনি প্ৰকাশ কৰা জিয়াৰ প্ৰজ্ঞানৰ পাইনি আন্তাহনাৰ পাইনি পাইনি আন্তাহনাৰ পাইনি প্ৰজ্ঞানৰ পাইনি আন্তাহনাৰ পাইনি আন্তাহনাৰ পাইনি	৭০-মা'অরিক ৬-আন্'জার ৬৬-মুখার ২২-হাজ ৬৬-হাজাদ্ ১৭-ইক্সা	8 20 25 25 28	963 596 963
েবাকুখো  ১ - ইপুরা  ১ - ইপুরা  ১ - ইপুরা  ১ - ইপুরা  ১ - বাকুরা	200 6 2 200 95 252 208 208 208 208 208 208 208 208 208 20	921 920 995 995 921 978 908 921 921 921 950 960	আছিলেন্তের এক সিন্তর বাজিন্ত বার্থিক পালা হাজার মার পার্বান-পার্বান জার্কটি বিজ্ঞান্তের পার্বান-পার্বান সমার্ক্ত বিশেষতা পার্বান-পার্বান কর্মিন পার্বান-পার্বান সমার্ক্ত বিশ্বন আহলে প্রাক্তি ক্রিক্তার প্রাক্তিক সম্পর্কীর পার্বান পার্বান পার্বান-	৬-আন্'আম ৬৬-মুনার ২২-মুজ্য ২৬-মুনার	28 07 70 70	934 596 983
৭-ইস্বা ১-নিসা ০০-সাংখ্যৰ ১-নাস্বা ০০-সাংখ্যৰ ১-নাস্বা ১০-মু নিস ২-নাস্বা ১-নাস্বা	00 6 2 200 95 252 208 206 283 282 280 280 280	126 005 906 021 998 021 021 021 020 050	प्रदेश-पहिलों कारकीर विज्ञासन क्षेत्र-मांत्र मण्याकी १४४४४४ परित्र मांत्र क्षेत्र मांत्रिक १४८८४४ वर्षा के विकास्त्राम कृष्णक प्रकार कर्मनी पहिलों कारमाण प्रदेश पहिलों कारमाण प्रदेश प्रदेश के स्थापक क्षेत्र मांत्र करना कारमाण भ्यापना द्वार क्षेत्र क्षाराक क्षार क्षार क्षार क्षित्र के प्रकार क्षार प्रदेश कर कर हर विभावक	৬-আন্'আম ৬৬-মুনার ২২-মুজ্য ২৬-মুনার	28 07 70 70	999 999
েনাদা ০০-আংঘাৰ ২-বাহুবার ১০-মু'মিন ২-বাহুবার ২-বাহুবার ২-বাহুবার ২-বাহুবার ২-বাহুবার ২-বাহুবার ২-বাহুবার ২-বাহুবার ২-বাহুবার ২-বাহুবার ২-বাহুবার	6 2 200 95 252 208 206 283 28 206 283 28 280 280 280	000 900 021 908 008 021 021 020 000	জনবাদি ভিয়াকে পঠন-গঠন সম্পূৰ্ত কেথক পঠিত/নাকাৰ্যক পঠিত কেবল পঠিত ভালকাৰ্য্য কুৰাজন অনবাদি পড়া জনবাশ খেকে পঞ্জ (পতিঅনবাটিকে উপন্য প্ৰস্কাপ আসমান অনবাদে বাছ বাছি জনকে বা পঠি কোকে আব জিবল ব জনাপন্য প্ৰায়ক্তিক পুনাৰ কৰা কৰে কিবলৈ জিবল ব জনাপন্য প্ৰায়ক্তিক পুনাৰ কৰা কৰে কিবলৈকে। কুৰাকা পঞ্জ কো সমাধ্যক্তিক সংক্ৰম প্ৰায়ক্তি সম্পূৰ্যক প্ৰস্তাৰ প্ৰস্কাৰ সম্ভাৱক সম্পূৰ্যক কৰিবলৈ কিবলৈ	৩৯-মুমার ২২-হাজ ৬৯-হাজাহ ১৭-ইপুরা	78 67 50	983
০০-সাংখ্যৰ ২-বাহুবো ১০-মুনিশ ২-বাহুবো	2 200 25 202 208 208 208 283 282 280 280	900 621 998 608 621 621 629 650 608	পঠিত/বারবার পঠিত বারবার পঠিত বারবার পঠিত বারবার বার্চিত কির্মান্তর ব্যবহান অবর্তীর্শ পাত্র বার্চিত বার্চিত কির্মান্তর বার্চিত ব্যবহান বার্চিত বার্দিত বার্চিত বার্চিত বার্দিত	৩৯-মুমার ২২-হাজ ৬৯-হাজাহ ১৭-ইপুরা	78 67 50	983
্নাড়ুরের ১০-ছুমিশ ংনাজুর ংনাজুর ংনাজুর ংনাজুর ংনাজুর ংনাজুর ংনাজুর ংনাজুর ংনাজুর ংনাজুর ংনাজুর	480 494 498 498 498 498 498 498 498	659 558 658 653 653 655 650 650	পঠিত/বারবার পঠিত বারবার পঠিত বারবার পঠিত বারবার বার্চিত কির্মান্তর ব্যবহান অবর্তীর্শ পাত্র বার্চিত বার্চিত কির্মান্তর বার্চিত ব্যবহান বার্চিত বার্দিত বার্চিত বার্চিত বার্দিত	২২-হাজ ১৯-হাজাহ ১৭-ইগ্র	78 79 07	980
১০-ছুমিশ ২-বাজুনা ২-বাজুনা ২-বাজুনা ২-বাজুনা ৪-মিসা ২-বাজুনা ২-বাজুনা ২-বাজুনা ২-বাজুনা ২-বাজুনা	15- 25-2 208 205 283 28- 20-2 20-2 28-0	918 908 949 949 949 960 968	বাংলার পাঁঠিক টিকালঝাশে কুরামাণ অববীন্টা পাঁড়া অভাপা ব্যোল পাঞ্জ (পরীক্ষকারীনের উপানা রাসাল) আলাপার অপান্ত প্রান্ত নাটিক ক্ষাক্র বা পাঞ্জ পোরে কারে ভিতরত বা আলালমো প্রায়েক্তার পাঞ্জক কার্যা বিশ্বনার স্থান কুরামাণ পাঞ্জ বার্মান প্রান্তার স্থান্ত বিশ্বনার স্থানী	২২-হাজ ১৯-হাজাহ ১৭-ইগ্র	78 79 07	980
১০-ছুমিশ ২-বাজুনা ২-বাজুনা ২-বাজুনা ২-বাজুনা ৪-মিসা ২-বাজুনা ২-বাজুনা ২-বাজুনা ২-বাজুনা ২-বাজুনা	15- 25-2 208 205 283 28- 20-2 20-2 28-0	918 908 949 949 949 960 968	পড়া অবংশ থেকে পড়া (শরীক্ষারীনের উপনা প্রসাদ) অবংশক্ষা প্রশাস্ত্রত প্রাই কি ক্যাকে বা পড়া পথকে কাবে কিবাব বা আহলমা প্রভাগত পড়াক বলা হবে (বিধানতে) কুবায়ান পড়া হোল মাধ্যাবেল সকলারে প্রথমার নির্মেশ	২২-হাজ ১৯-হাজাহ ১৭-ইগ্র	78 79 07	980
২-বাবুদরা ২-বাবুদরা ২-বাবুদরা ২-বাবুদরা ৪-কিলা ২-বাবুদরা ২-বাবুদরা ২৫-বুদরাল	454 408 406 483 48 404 480	@08 @49 @49 @49 @60 @08	অবল থেকে পড়া (পরীককারীদের উপনা রাগদ) আদাদানা অন্যাত প্রারু বাজি কদ্যাত তা পড়ে দেখত নগমে বিকার বা আদাদানা প্রভাবকে পড়াক বলা হাব (বিভানতে) কুরজন পড়া বাল মানাবোগ সহকারে প্রবাহর নির্দেশ	৬৯-হাজাহ ১৭-ইস্বা	78 7.P	39
২-বাকুমো ২-বাকুমো ২-বাকুমো ৪-কিসা ২-বাকুমো ২-বাকুমো ২২-বাকুমো	208 206 283 20 20 20 20 280	@49 @49 @49 @60 @68	আদেশম ভ্রুবার বার্চ বার্চি ক্যানে বা পার দেশত বলব বিবাহ বা আলেশম প্রভাবকে পড়কে বল হবে (বিভাগত) কুরআন পড়া হলে মনোযোগ সহকারে প্রবাহর বির্দেশ	৬৯-হাজাহ ১৭-ইস্বা	78 7.P	39
ং-বাবুগরা ২-বাবুগরা ৪-বিসা ২-বাবুগরা ২-বাবুগরা ২-বুবুবগর	206 283 282 202 280	650 660 668	জিলার বা আন্দেশমা প্রভোককে পড়তে বলা হবে (বিশ্বামতে) কুরজান পড়া হলে মনোযোগ সহকারে প্রবাদের নির্দেশ	১৭-ইপ্র	84	
২-বাকুরা ৪-কিসা ২-বাকুরো ২-বাকুরো ২-বাকুরো	383 32 352 380	64). 690 608	কুরজান পড়া হলে মনোযোগ সহকারে প্রবলের নির্দেশ			
৪-মিসা ২-বাকুরো ২-বাকুরো ২-বাকুরো	ર¢ ૨৮૨ ૨୫૦	668 668				
২-বাকুরো ২-বাকুরো ২৫-ফুরকাদ	२४२ २80	208				90
২-বাকুবো ২৫-সূত্রকাম	₹80			৭৫-কিরামাহ		99.
২৫-সুরকাশ				ও-আন্'আম	49	90
	O'T			99-8Ma		204
৬-আশ্'আম		99-9	প্রতিবাদতের মানে পড়া (প্রতিপাদক বড়ই মহানুচৰ)	১৬-আলাক	0	204
	757	622	পদ্ৰানো/পাঠ করানো			
		1 1		৮৭-আ'লা	6	202
						_
হয়-শাৰণ	24	400		5.782492	Vo.	96
	_	-		B-444		ř
২৮-কাশাস	63	330				bre
				ত্র-লাজ্লা	25	100
२-शकृत्वा	29-5	650				_
				২৬-৬ জারা	86	43
৭-জা'রাত	300	698	পড়িরে দেয়া			
28-কামার	9	200	ব্যৱস্থান পরিত্রে দেয়ার দায়িক প্রস্থা	৭৫-কিপ্রামাহ	74	22
	÷		পত্তে থাকা			
Vi- SERVE	N/A	203	টাৰত হাত আগ্ৰামাল পাত্ৰ জীল (ব'জাইং সংক্ৰাম্মান অনিকাশ গ্ৰেক্স	৭-জা'লফ	22	63
22.114		100		৯-জাওবা	85	68
	-					-
				-	_	+
				২২-হাজ	66	9.5
				11 1700	and.	90
						98
৩৯-যুমার	٩					
৪৮-সাব্বাফ	26					
₹0-\$7-£	209	187		०४-भारा	28	bi
২৭-সামল	7,9	po3				
<b>२8-मृद</b>	44	9310	ইউসুক্তে পথ্যমূপে দুকিয়ে রাখণ দারীদশ	১২-ইউসুদ	7.2	6
৩৭-সাফফাত	203	798	अन्तु भूगा			Т
			ব্ৰহ কাৰুল মিত প্ৰাৰম্ভ ভিন্তান কৰিবল (অধিকে নিকট)	34-89An	55	41
২-বাকুমা	788	626	হিছিলা লাভাল প্ৰতিক্ৰম মহল (তথ্য দিয়ে কল (ভামানেকে)	১২-ইউর্ফ	64	(6)
18.HT	33	996		50-88×0	40	93
						۰
					-	+-
				১২-ইউসুফ	94	18
					$\vdash$	+
					-	+
				307-Mig.al	- 8	120
					_	1
৫৬-ওয়কিরাছ	30	268	কাফিবদের প্রব্য শতন নির্থারিক	৪৭-মুহাম্বাস	V	b
৫২-খুর	33	300	জলিমনের পতন না হওরার ব্যাপারে অনের কসম	১৪-ইববাহীম	88	8
৯-কারণ	48	683	প্তনমূল			T
_	1	1		৫৬-জাকিয়াহ	9.0	1 3
an mount	-	2000			-	+=
CO-11/2/04	100	9.00		V/ Strong		19
	০০-তর্মানবার  ১-বার্লিক  ১-বার্ল		15-7687 32 Vol. 15-7687 12-768	নামাৰ কৰা হৈ ১৯০ ১৯১ ।  বিশ্ব স্থান কৰি কৰাই বিশ্ব স্থান কৰি কৰাই কৰাই কৰাই কৰাই কৰাই কৰাই কৰাই কৰাই		স্কুল প্ৰত্যা হৈ ১০০ ১০০ ১০০ ১০০ ১০০ ১০০ ১০০ ১০০ ১০০ ১০

ন্যায়সকত পত্নেনুখ

म

সুৱা নং ও নাম আৰু ব পৃষ্ঠা

भूम विश्व/हरम	T	γ-		COLUMN A ANNUAL A ANNUAL ANNUA			
পতিত	नुबा गर छ नाम	प्रशास के	783	अप			
				আল্লাহন পথে মুদ্ধ ও কৰি ইসৱন্ধিদ প্ৰসঙ্গ	২-বাকুরা	₹85	450
আঙনে পঠিত হবে অপরাধীরা (বিরামতের দিন),,	29-siźń.	60	923	আল্লাহর পথে বৃদ্ধ কর (মুনাফিকদেরক বলা হয়েছিল,)	৩-আলে ইমরনে		202
পেন্ধুরণাম(পর্কিত পেন্ধুর গাছের গোড়ার মত আন এর ধাংস প্রদাস)	69-5995	٩	৯৭৮	অন্তাহর পথে যুদ্ধ করার নির্দেশ	২-বাকুারা	₹88	654
দা পতিত অবস্থাৰ ৰাজা (জমূদ সম্প্ৰানয়ের ক্ষুপুনের বার্থে)	২৭-নামল	65	bro8	জারাহর পথে বৃদ্ধ করা (অসহায় নব-নারী-পিওর জন্য)	8-मिश	9.2	669
কাহান্লামের জাওনে পভিত হওয়া দব	৯-জাওবা	209	965	আল্লাহর পথে যুদ্ধ করার নির্দেশ (নবাঁকে)	8-PPIT	ъ8	663
তারকা বধন পতিত হর তার কসম	20-गासप	3	300	व्यक्तारत भारत नारमात्रात्रात (कर्षत मालाज निहल "मुक्तिन सार्व" क्या प्राप्त ना	8-Pint	38	469
পর্যত পত্তিত হবে মনে করা (বনী ইসরাইলের)	৭-আ'রাফ	393	955	আপ্লাৰত পৰে সম্পদ ব্যৱের উপমা	५-राङ्ग्या	265	0.07
পাধর আদ্রাহর তরে পতিত হয়	২-বাকারা	98	60h	আল্লাহর পরে সম্পদ ধ্যরের পর খোঁটা না দেরা	২-বাকারা	252	602
বিপর্যর পঞ্চিত হওয়ার পর্যেই দিপিবছ করেন জারাত	१९-श्मीम	44	900	আপ্লাব পৰে কিছু না সেয়ার কসম করা নিয়েখ	28-44	22	
দীয়ালকদের কারণে আন্তাহর রেখন আপতিত চলে সে	62-6404	44	MUD	আপ্তাৰ পৰে হাত কৰছিল মমিনামৰ লল (বনৰ দক্ষে)			198
পতিত ভব	২০-জ্ব-ব্য	64	285		৩-আলে ইমরান		603
				আল্লাহ পথে যুদ্ধ করতে চাইল বনী ইসরাইলয়া	২-বাকুরো	₹86	655
পতি (স্বামী)			1 1	আপ্রাহর পথকে উপহাস করলে দাস্কুনানারক শান্তি	৩১-পুতমান	0	254
শাবার (পরিকে দরকর দিবটো শেল অবিকরে দ্রী ও ইউসুঞ্)	১২-ইউসুফ	56	900	সান্তাহর পথচাত হবেন নবী (অধিকাপ্রেশর আনুগত্য করপে)	৬-আন্আম	229	808
প্র				সম্ভাবন পথ থেকে পথমন্ত করার উদ্দেশ্যে অক্সাহ সম্পর্কে বিভর্ক	২২-হাজ	>	90%
भूगविमान्त्रत भव भावत तमीर आह्र वर्णन (इन्ह्म गावि मात्रक्त)	২৭-নামদ	37	805	অস্ত্রাহর পথ থেকে পৰজ্ঞই করার উদ্দেশ্যে তাঁর সমধ্যক নির্ধারণ	১৪-ইবরাহীম	CO	000
সুশাইমানের পক্ষ বেকে সাবার রাশীকে সম্মানমানক পত্র		-		সাপ্তাহৰ পথ থেকে বিৱড রাখার যন্ত্রশাদারক শান্তি	22-87W	42	950
প্রেরণ প্রস্তুত্ব	<b>३९∗गांशन</b>	43	205	অন্তাহর পথে নিহত ব্যক্তির কর্ম নিছল করবেন না আহার	৪৭-মহামাদ	8	275
দুশাইমানের পফ খেকে সাধার স্থানীর নিকট পত্র প্রেরণ	২৭-নামল	60	803	অন্তাহর পথে নিহুত্তদেরকৈ মত বলা নিষ্কের	५-वाकास	268	433
পথ (আরো দেখুন সরদ পথ শব্দটি)	of January	00	000	আল্লাহর পথে নিধুকালরতে মত বলা নিকেব	৩-আলে ইমরান		
			-	অন্নাহর পথে নির্বাচিতদের পাপ মোচন করবেন আল্পাহ	৩-আলে ইম্বান		665
अस्तरात १४ अपूगारण मा करात निर्देश (दृजा का, व स्तराहर)	১০-ইউনুস	4.9	664	ज्ञाहार वर्ष महरूपमा ज्ञाहार प्रेयत विकास विकास (बाह्यहरू)	44-5700		464
অনুমারক্তেনর পথে পরিচলিত করার প্রার্থনা (অল্লান্ডা অনুমার)	১-ফাতিহা	6	607			62	960
অনুসরণ (অপ্তাহর দিকে প্রভাবর্তকরীর পথ অনুসরণের নির্দেশ)	৩১-পুরমান	76	トイト	আল্লাহর পথে কৃষ্ণা ক্লম্বি ও কুখা স্পর্শ করে মুমিনদেরকে	৯-জাওবা	250	950
অনুসরণ (আল্লাহর পথ অনুসরণকারীর জন্য ক্ষমা প্রার্কন)	8०-मू मिन	9	৮৭৮	আল্লাহর পথে কিহালের সমান নর মসজিলে হারামের আবান	৯-জাওবা	১৯	687
অনুসরণ (জুপঝরনাইনের)	79-4(44	34	900	আপ্লাহর পথে জিহাদের নির্দেশ	<b>ए-मान्रिमा</b>	00	648
অনুসরণ করল (জুলকার্মাইন)	১৮-কার্ফ	Vb	904	অল্লাহর পরে নিবাসের কন্য বের হওর (মজা বিভারের ভান্য)	৬০-বৃহত্যহিনা	3	404
অনুসরণ করলেন কুলঝারনাইন, ( এক পথ)	72-sida	70	302	আপ্তাৰৰ পৰে জিবলৈ (জীবন ও ধন-সম্পদ বিজে)	৯-জাওবা	40	684
प्रमुखने (प्रस्कानः १९ प्रमुखन म करार निर्द्रमान्ना/ शुक्त पा.क)	১০-ইউনুস	5-30	995	আপ্তাহর পথে জিহাদ করবে সেই সম্প্রদার বাদেরকে	৫-মারিদা	68	949
অনুসকা(মৌমাহিকে প্রতিপালকের সহজ পথ অনুসহথের নির্চাপ)	১৬-মাহদ	- ch	900	অস্ত্রাহ্য পরে জিহান করেছে যার ধদ-সম্পদ ও ছীনন নিয়ে	৮-আনকাল	92	600
অনুসরণ (বিভিন্ন পথ অনুসরণ না করার নির্দেশ)	৬-জান'জাম	200	622	অস্ত্রহর পথে জিহাদ করেছে যে সব ঈশ্লাদদার	b-Whate	98	600
অন্য পথ অনুসরণ করণে কাহান্ত্রাম (মুমিনদের পথ ছাড়া)	৪-দিসা	220	493	অস্তাহর পথে মিহান করে মমিলগা (ভাষন ও সম্পদ নিছে)	৪৯-ছলুবাত	24	247
अभवारीहम्ब भथ ज्लेड कवाद क्षमा आहार वर्गमा कहा	<b>%-आन'खा</b> श			অন্তাহর পথে মিহান অপেকা প্রিয় হলে- পিতা সন্তান ও	৯-জাওবা	38	684
অবিচল থাকা (জিল সত)পথে অবিচল খাকলে প্রচর পানি	ত-জন্তাম	6.5	607	অস্তাহর পথে জিহার উভম (বনি মুমিনরা স্কানে)	৯-জাওয়া	83	688
পান করলো হত)	९६-बिल	36	80-9	অপ্তাহর পথে জিহান করা	62-1700	22	
		-	_	অন্তাহর পথে অবক্রম্ব ফরীরকে দান করা প্রসঙ্গ			997
আল্লাহর পর্মে ব্যয় করার ফেরে তেওঁ কেউ ভূপণতা করে আকাশ (বন্ধপথ বিশিষ্ট আক্রেশর কনম)	৪৭-মুহাম্মদ	100	975	অন্তাহর পথে অপতিত বিপদে হাঁনবল হয়নি (নবী e)	২-বাকুারা ৩-আলে ইমরান	২৭৩	805
	৫১-ঘরিয়াত	٩	956				489
আব্যাদের পথে পৌহার ইয়া ক্রিঅউদের	80-मू'भिन	209	P.P.3	অস্তারে পদে ভিয়ন অপহল বরেন অস্তাহ (জনের বার)	৯-তাওয়	9.7	485
আকাশের পরে পৌথর ক্ষন্য প্রসান বানতে কলা ভিতমটন	৪০-মু"মিল	-05	644	অস্তাহন পদ হতে নিরত না রাঝ (ও'আইনের দান্তরাত প্রদাস)	৭-জা'রাফ	9.0	950
আনিবাতে অন্ধ ও অধিক পৰমন্ত দেই যে দুনিবাতে অন্ধ	১৭-ইপ্রা	9.4	9,20	प्रद्वारत १म १९२५न कर्ना एउ -ए। फीरा फेटमरण क्रिश्म(१९१३की करन	২৯-আনকাবৃত্ত	66	457
'অমি ভোমানেকে সঠিক পৰ দেখাছি' ক্বিবআউন বলল	৪০-মুখিন	2/0	bbo	আপ্তাহর পথ দেকে বিরত রাখত জালিমরা,	৭-জা'রাজ	84	624
আয়ার হতে নিজ্ঞতির পথ সভান করের কভিনার (ভিনামতে)	৪০-মুমিন	22	490	অস্তাহর পথ থেকে বিরত রাখ্যে ঈমানদারকে (আগ্রাল বিভাবরা)	৩-আলে ইমবান	66	989
আল্লাহর দিকে গ্রেডাযর্ককারীর পথ অনুসরগের নির্দেশ	৩১-পুকমান	3-2	444	সাপ্তাহর পথ থেকে বিরন্ত রাখে যাত্রা	৮-আনখাল	89	606
অল্লাহর পথ থেকে বিদ্যুত করার জন্য মানুম পিরত করে	৩৯-যুমার	Y	592	সাল্লাহর পথ থেকে বিহত রাধায় কাঞ্চিত্রের শান্তি	১৯-নাহদ	brbr	930
অস্ত্রারে পথ থেকে বিচ্নুত হলে কঠিন শান্তি (ভিয়ামতে)	७५-८गत्राम	45	5-59	আল্লাহর পথ থেকে মানুহকে বিহত রাখা (ভাফিবাসর কাঞ্জ)	৪৭-মহাম্মদ	3	224
অস্তাহর পথ বেকে বিচাত হবে (প্রবৃত্তির অনুসরণ করলে)	0y-C731H	20	5-69	অল্লাহন পৰ থেকে মানুষকে বিৱন্ত রাখন পরিসাম (ইঞ্জনিস্তা)	8-निम	360	299
আন্তাহর পথ থেকে বিভিন্ন করে (বিভিন্ন পথের অন্যারণ)	P-MA, MA	76-0	922	স্বান্ধানৰ পথ থেকে মানুষকে বিহুত বাবে (কাড়িনরা)	৪৭-মহাম্মদ	03	226
অক্সাহর পর থেকে বিবত রখন করেল মদ পরিবত্তি অধানন	১৯-নাহদ	36.0		অস্ত্রাহর পথ থেকে মানুষকে বিচত রাতে হার	8५-मृश्याम	08	976
অপ্তর্ভাব পর বেবে সেরকারের বিশ্বত প্রথম পরিত ও সংস্থাত্ত্ব			327	অস্ত্রাহর পৰ থেকে মানুহকে বিরত রাখে (মুনাজিকরা)	७५-वृश्याम ७०-मुनाशिक्त		
	১-ফাওবা	68	680	অন্তাহন পৰ থেকে যাবা বিব্ৰুত বাখে তাবা প্ৰদান		3	366
সাপ্রাধ্যক তর করণে সাপ্রাধ কর কর হরের পথ করে দেন	৬৫-তালাক	۹.	900		১৪-ইবরাহীম	۰	930
আন্নাব্য পৰে বিজয়তবাৰীৰে আল্লাহ উৎকৃষ্ট বিধিক নিৰ্বেদ	২২-হাজা	Qbr	950	অন্তাহর পথ থেকে যারা বিরস্ত রাখে তারা পথন্নই		299	644
অপ্তাহর পরে বিজয়ত না করা পর্যন্ত ফুর্বাইনয়ের সালে বছুতু নয়	8-બિગ	10	649	অন্তাহর পথে যুদ্ধ (কাফিরদের বিবৃদ্ধে)		730	442
অস্ত্রাহ্য পাদ হিনৱকজনী পৃথিবীতে অপ্রবন্ধল ওপ্রচুর্য পাবে	8-Fixt	200	669	অন্তাহর পরে যুদ্ধ করে ভূমিনদের এক নল (বারি জগলে প্রদাস)	१०-पूर्वाधिन	20	99.9
অপ্তাহর পথ থেকে বিরত রাখতে ধন-সম্পদ ধ্যয় বর্ত্তে কর্মিবর…	৮-আনফাল	100	906	আস্তাহর পৰে যুদ্ধ করে ধারা আল্লাহ ভালেরকে ভালবাসেন	৬১-সাক্ষ	0	7/80
আস্তাহর পথ থেকে বিরক্ত থাবে (আধিবতে অধিনাসী)	27-Sa	35	296	আপ্তাহর পথে ব্যর না করে বর্ণ-রৌপ্য সঞ্চয় করে বারা	৯-ছাববা	08	680
আল্লাহর পথ থেকে বিরস্ত রাখে মুশরিকখন	5-1876/ct	>	\$80	সাপ্তাহর পথে মুমিনর কুম করে	8-5191	9.6	669
আল্লাহর পথ খেতে বিরত রাখা অধিক চক্ততত্ত্ব	২-বাছবো		248	সাল্লাহর পথে ফুদ্ধ করে (পুশিষার জীবন বিক্রিকারী)	8-P0ff	98	699
আল্লাহর পথে জিহাদকারী ও বলে ধাকা দ্ববিদ সমান নত্ত	8-मित्रा		250	অস্তাহর পথে যুদ্ধ করে মুমিনরা		222	
অস্তাহৰ পদে জিহুসকারীরা প্রত্যাপা করে আপ্রাহত দল্লা	৪-লেল ২-লকুবা		238	অল্পাহর পথে নিংক হলে আল্লাহর ক্ষমা ও নরা লাভ			965
व्यक्ताद्व भव्यं गांकाड बाव	৯-জাওবা					249	667
	armont!	90	686	অস্তাহর পথে পরিচালনা করেন রাসূল স,	৪২-পূরা	60	3,945
						_	

পরিত

नंद कि विश्वश्रीयम	जुडा बर व गांवे	1817	न्धा	भय दिस्त/श्रमण ह	हो गर ७ नाय	100 F	शृक्षा
<b>नथ</b> (नृर्द नृक्ते। (बहरू)					০-রা'দ	00	997
অপ্তর্য পরে পরিচলিত হওাবে মন্ত্রাত (সংবাদশীল মুনিদকে)	22-87%	2,8	980	বিচ্নাত (ফিরম্বাউন ও তার পারিবদ মানুদ্ধকে আপ্লাইর পথ	০-ইউনুস	b.p.	662
আপ্রাহর পথে বের হওয়ার নির্দেশ (ঈমাননাওসের প্রতি)	<b>%-वातरा</b>	©b-	688	বেকে বিচাত করে)			
বাল্লারে পথে বায় করা	২-বাকারা	296	444		-ডাওবা	90	985
অস্তাহন পথে ব্যয় না করা প্রসঙ্গে বিজ্ঞাসা	৫৭-হাদীদ	30	282		-জারাদ	58€	955
व्यक्तक भाग बार करा या प्रीमना व्यक्तक वात भूतार्थन तथिनार	b-78747874	60	400	মন্ত্রী (কভক আহলেভিভাব চায় যে মুমিনরা পথনের ব্যেক) ৪-	-निमा	88	665
আলাহৰ পথে যতে দিহত ব্যক্তিকে মহাপ্ৰতিদান দেৱা হবে	g-9091	48	266	মধ্যপন্থ (কিরারাটে মধ্যপন্থ অংলখন) ১	৭-ইস্রা	220	920
खुश्चार नाम पुरस्क मार्चा पर्वत विकासिता पान कार्या वार्या	8-FORT	20	400	মহাপ্রমাপদালী ও অভি প্রশাসনীয় প্রতিশাশকের পানের দিকে ১১	৪-ইবরাহীন	2	93.0
दुनार के पद में क्या गांव के किया किया किया किया किया किया किया किया	২৫-কুরকান	39	950	মনুৰ বাতে পৰা পাত্ৰ ভাই আগ্ৰাহ পৃথিবীতে বহু পৰা ৰাশ্যমহেল । ৪	ত-বৃৎক্ষ	20	৮৯৬
অভিযান পর অনুসকলে আধান মুক্তিনের (পর্যাতা ভালান)	२%-खानकातृत	34	529		৮-মুকানলা	3.5	528
		98	998		-निमा	787	290
কাহিবরা প্রথিক পথনার	২৫-জুরকান		598	মুশরিকরা পথমার (গবাদিপতর চেমে এথিক) ২।	৫-কুরকান	88	9910
কে বিচ্যুতঃ (প্রতিপালক জানেন)	৬৮-কৃথ্যম	9			-মিলা	334	493
বৌদ্র (পর বুঁজত আবশের মনিবের নিকে জনও ইনাম পনসে)	১৭-ইস্রা	80	939		-निमा	20	dob
নৌঞ্জ (অনাধ্য স্ত্ৰী অনুশত হলে ভার নিক্তে পথ গোলা যানেনা)	৪-শিসা	48	692		২-ইউস্ক	305	69-9
এহন (অহংকারকারীয়া জুলপথকে পথ হিসাবে এহন করে )	न-आ,शक	789	658		०-एककान	29	958
গ্ৰহণ (মহাকারবার মঠিকপথকে পথ হিমানে গ্রহণ বক্তব)	4-20,300	78.9	64.0		-निमा	30	257
প্রহণ (প্রতিপালকের দিকে পথ গ্রহণ করার ভাষান)	२१-मृहस्स	49	946		-प्राप्तिना	36	400
গ্রহণ (রাস্গদের পথ ছাড়া বিল্ল পথ গ্রহণ প্রসঙ্গ)	8-निमा	340	295				
জনা (তে পথয়ই ডা মুশরিকরা জানতে পারবে)	২৫-জুরকনে	84	97.5		০-জ-হা	99	984
জহান্তামের পথ ছাড়া পথ না পাওরা (কাফির ও জালমদের)	8-निमा	399	291/		০-ফু-হা	90	988
ভূপুমতারী/বারুবার্কিকারীর বিরুদ্ধে ব্যবস্থাগ্রহণের পথ আছে	৪২-শূরা	84	V28		-আলে ইমরনে		282
তাত্ত্বের পথে কাহ্বিররা যুদ্ধ করে	8-निमा	96	699		११-पूरकान	b	974
দেশতে পেত না অপরাধীর (জন্তার রেখ নিজ্ঞাচ করে নির্দে)	৩৬-ইয়াসীন	199	1000		-আগ্রফ	186	656
লেখানো (আল্লাছই রাসুলগণকৈ পথ দেখিয়েছেন)	১৪-ইবরাহীম	34	698		-NH	292	645
দেখালে (ইংবাহীয় আ, দিয়াকে দালা-দাঠিক পথ দেখাকো)	১৯-মাবইরাম	80	969		০-মুখিন	40	227
দেখালো (বাছুর পথ দেখাতে পারে না)	न-आ,शक	586	656		৭-ইস্রা	₽8	442
নিজ্ঞ (ৰাষ্ট্ৰিয়াৰ করা নিজ্ঞ পথ)	24-5381	90	936	সঠিকপথে কাঞ্চিবরা রয়েছে। (মুমিনদের চেয়ে) 8	३-निजा	62	690
মিকুট পথ (পিতার স্ত্রীকে বিক্লে করা নিকৃষ্ট পথ ও ভূতা)	8-PINT	22	995	সঠিক পথে পরিসাধনার জন্য দাউলের নিকট প্রার্থনা 💢	১৮-সোয়াদ	44	569
প্ৰভাৱ জালিমের কোন পথ নেই	৪২-পুরা	85	paq	স্টিক পরে পরিমন্তিত অরেছিকের অপ্তাহ মুসা আ, ও হাকুনকে ত	ং-সাক্থাত	222	565
পরিপ্রতি করা (জালিম ও সহস্রোসরকে তীর আবদের পরে)	৩৭-সাঞ্জাত	20	pap	সঠিকপথের অধিকারী/সঠিকপথ অংলখনকারী সম্পর্কে জালা   ২	१०-ग्रा-वा	706	98≥
	৩৪-সাবা	40	987	সমিত পালে পরিচালিত করা হবে (অস্তাহ্মক নৃত্তাবে ধারণ করলে) । ও	-অংশ ইমরান	203	282
পরিচালিত করা (প্রভাগপালী অস্তাহর গাবে পরিচালিত করে)	8-निमा				-বাকুারা	0	805
পাঞ্জা (মন্ত্ৰাহ যাকে পঞ্চাই কালে কাৰ জন্য পৰ পাৰে না)		380	090		-ভাওবা	20	685
পাওয়া (আপ্রাহ কাউকে পথটো বন্ধানে তার জন্য পথ পাওয়া ঘরেন)	s-मिना	bb	4.90		্র-অধিয়া	40	902
পাওরা (পথ গাবে দা জাগিমরা)	১৭-ইস্রা	87	479.		১-লুহ	30	pp.5
পাওয়া (মারা হিজরতের পথ ও উপায় পারন্য)	৪-নিসা	92	599		7-5050	45	998
পৃথিবীতে অল্লাহ মানুষের চলার পথ তৈরী করেছেন	২০-ত্বা-হ্য	20	9.88		y-8150		940
পৃথিৱীতে পথ স্থাপন/সৃষ্টি (গঞ্জন্য পৌত্তর পথ হিসাবে)	५७-माङ्ग	26	908			90	
প্রকাশ্য পরের পাপে ধাংসক্রপ (পূর ও কমাইকের সম্প্রনারের)	১৫-হিন্দর	939	905		১৬-ইয়াসীন	97	1,66
<i>অভিশাদকের পথ থেকে ফিরমাইন ও ভার পারিফার</i> প	১০-ইউনুস	bb	952		/ং-বিজয়	87	900
মানুষকে বিচ্যুত করে		-			2-মারিদা	99	690
প্রতিপাদকের সহজ পথ অনুসাম করার নির্দেশ (মৌমছির প্রতি)	১৬-সার্প	66	401	সরল পথ থেকে বিচ্যুত (অখিরতে অধিশাসীরা) ২	२७-मू मिन्स	9,8	990
প্ৰদৰ্শন(আল্লাইট মানুষকে পথ প্ৰদৰ্শন কৰেন)	৭৬-দাহর	0	995	সরল পথ থেকে সর্বাধিক পথস্রই (পাপাচারীরা) থ	⊱-महिमा	90	522
প্রদর্শন (আল্লাহ সঠিকপথ প্রদর্শন করেন)	৩৩-আহ্বাব	8	9,00	সরল পথ দেখাবেন প্রতিপালক মুসাতে, মূলার আশা ২	(৮-তাসাস	44	brob
প্রতিপাদকের পথ ছেড়ে বিপদদামী হওরা	১৬-নাহল	256	930	সরণ পর্ব হারামো (ঈমান বিষ্ণে কুফরী বদল করলে)	-ৰাকুৱো	307	433
প্রতিপালকের পথ অবলগন (মানুদের ইচ্ছাধীন)	৭৬-দাহর	23	229		-माब्रिमा	34	973
প্রতিপালকের পর গ্রহণ করতে পাবে মানুম চাইলে	৭৩-মুখ্যাছিল	29	646		১০-মুমতাহিদা	3	360
প্ৰতিপালকের পৰা ছেডে কে পথত্তই হয় বা তিনি আনেন	৬-আপু আম	227	Pos		২২-হাজ	28	980
প্রতিষ্ঠিত এয়ার পশ্নেই বিদয়ান (পৃত্ত-সংগ্রেপারে অংসবংশ্যে)	১৫-বিজন	95	903		१७-पुश्तम् १७-पुश्तम्	80	100
প্রদর্শন (মুনাফিকনেরকে সরল-সঠিক পর প্রদর্শন)	8-मिला	60v	969				
প্রদর্শন (বারবার কুফ্টাকর্মীকে স্মন্তাহ সচিকপথ প্রদর্শন করেল না)	8-मिना	209	238		১৬-নাব্ল	46	409
প্রতিপালকের নিমেশিত সরগ-মঠিক পথ ইসলাম	৬-আগ'লাহ	259	bob		ু-মায়িদা	29	25-5
ডিবে যাবার পথ পুরুষে জাগিমরা	8२-नुबा	88	trisq		२8-मृद	86	993
ক্ষুত্র এতরর পৰ বুলনে জালমন্ত্র ক্ষুত্রার স্ক্রিকারীদের পর অনুসরম ন করর নির্দেশ ( গ্রহুবেল)	৭-আ'রফ	785	624		g-(4×1	96	606
	१-वा ग्रह १३-श्रदा	82	928	সরদ সরিক শব প্রার্থনা (আল্লাহর নিকট)	-কাতিহা	e	003
কলা এছনকটিকে নোৰ সেয়ার কোন পর নেউমুলুমের কলা)	१-व्यावाक	3/6	920		22-54	26	890
ষ্ঠেপ থাকা (বিশানসভাবে তথা দেখাতে পথে বলে না থাকা, গ'কাইব)	१३-ब्रिम	22	990		১৯-নাহল	343	930
বিচক্ত (জিনারা বিভিন্ন পাবে বিভক্ত থাকা প্রসঙ্গ)		33			৯ আণ্ডাম	365	939
বিচ্যুত (আপ্তাহ জানেল কে তাঁর পথ থেকে বিচ্যুত)	৫৩-মাছম		200		২৫-মু'মিশুল	90	990
বিহত প্রাথ (পরভান মানুষ্যুক সঠিক পথ থেকে বিহত প্রথে)	80-गुपरूक	109	9.99	reservations into another artist state of the features of the	40. X 1 miles	1 10	1.00

भक्ष विरा/धनव	স্থা বং ও বাম	423	**	नंद 🚐 रिस्स्/धनव	जुड़ी नर 8 नाम		
পথ (পূৰ্ব পূচা নেকে)				নিত্ৰ আন (পৰ নিৰ্দেশন নিত্ৰ এমেছে কে অপ্তাহ ভা ৰালেন)	২৮-কলেস	09	277
সংল পৰে পরিচালিত করা বাসুল স, কর্তক (কিতাব স্বরা)	৪২-শূরা	42	794	বড়ানে (পৰ নিৰ্দেশন বড়িয়ে দেন অপ্তাং ন্যানেংকে ধর)	১৯-মারইরাম	96	303
সরল পরের উপর প্রতিষ্ঠিত (রাস্ল মুখ্যব্দ স.)	৩৬-ইয়াসীন	8	9462	বাঢ়িরে দেন আল্লাহ (আনহাবে কাহকের মুমিন যুবকদের)	77-4450	30	120
সরল-সারিক পথ অনুসরণ করার নির্দেশ (আল্লাহর পথ)	80-गुन्तक	65	300	रिटर्क(जन्न प्रमुप नर्वनिर्शनमा ब्राह्मी प्रश्नाद गम्मार्क रिटर्क वटा)	२२-छक्	br	203
সরল-সঠিক পথ (আল্লাহর ইবাদত করা প্রসক)	8०-पृत्रसम्	168	300	বৃথিয়ানলের জন্য পদন্দির্বনার (মুদার উপর অবর্ত্তর্য কিতাব)	80-मु"मिन	68	bbs
সরদ-সটক পর (জান্তাহর ইবাদত ও রাসুল স, এর জানুগাতা)	৩-জলে ইমরাণ		682	বৃদ্ধি (মুমিনদের পর্বনির্দেশনা বৃদ্ধি করে দেন আল্লাহ)	৪৭-সুহামাদ	39	824
স্কৃপ-সঠিক পথ (আল্লহন্ সক্রণ-সঠিক পথকে অনুসক্ষা করা)	৬-বাদ'বাম	250	622	মানুহৰর জন্য পথনিয়েশিকা স্বৰূপ ছিল ভাওৱাত	৬-আপ্তাম	92	808
সরল-সাঠিক পথ (এক জাল্লাহর ইবানত করা)	३३-मार्थसाम	100	200	মনুদের কেউ কেউ পর্যনির্দেশন ছাড়াই আল্লাম্ সমসে বির্তক করে	৩১-লুকমান	20	548
সরক,সাঠিক পথ প্রদর্শন করনেন আল্লার (রাস্ক্রা স. কে)	85-MOS		956	পর্যনির্দেশনা (কুরআন)		-	- 0
সরল-সারিক শব্দ প্রদর্শন করেনে আন্তার (ভানুস ন. জে) সরল-সারিক শব্দ প্রদর্শন করেন আন্তার হুমিনসেবক	85-साट्ड	2		ম্মান (পর্ববির্দেশনা/কুরমান চান জিনানর ম্মান প্রসঙ্গ)	૧૨-ક્ષિય	30	391
		₹0	970.	শোনা (পথনির্দেশনা/কুরজন তনে জিননের ইমান প্রসঙ্গ)	12-189	30	391
সমল-সঠিক পাৰে সোজা হয়ে ভাল যে সেই কি সঠিক পথ প্ৰায়	৬৭-মূলক	55	200		74-1019	30	39%
সরল-সঠিকপথে রাখেন আল্লাহ (যাকে ইঞ্ছা)	৬-আপু আম	69	699	পথনিৰ্দেশনা (হেদায়াত)		_	-
সরল-সঠিক-পথে পরিচালিত কবেন আল্লাহ (বাকে ইচ্ছা)	२-शकृता	285	679	অন্তাহর পৰ নিৰ্দেশযা/হেলচাত খনা সমিকপৰ প্ৰদৰ্শন	৬-অপ্'অম	by	608
সরল-সঠিক পরে পরিচাপিত করেন জন্মাহ যাকে ইজা	২-বাকুবো	530	248	পথনিদেশিকা			
সরল-সঠিক পথে পরিচালিত (নবী/পিতৃপুরুষ/ভাই/বংশধর)	৩-আৰু আৰ	9.9	908	অনুসরণ(পর্যনির্দেশিকা অনুসরণকারীকের চর/বৃচিঞ্জা নেই)	২-বাকারা	40.	000
নরল-সঠিক পরে বলে থাকরে ইনলিস	৭-জারাক	36	979	অভুনা (অপ্নার পর্বনির্দিন অভুনা করে পর্যন্ত হলে)	২০-ফ্ল-ছ	340	983
দরল-সঠিক পথে মুখ্যখন সা, প্রতিষ্ঠিত	২২-হাজ	69	958	অধীকর (দবীগণ জনীত পথনিক্রেশিক মুপরিকের অধীকর)	৪০-বৃৰক্তফ	48	49,
সরল-সঠিক পথে পরিচালিত করেন আপ্লাহ (যাকে ইঞ্চা)	১০-ইউনুস	2.0	666	আরাত (প্রজামর কিতাকের আরাত সংকর্মপরারণাদের জন্য)	৩১-পুকমান	٥	45
দর্শ-শতিক পরে পরিমেশিত করে কুরআন (একদল জিলের উচি)	৪৬-আত্কাক	00	977	অল্পান্ত পর্কার্যশিক অনুনাম করলে পরাই অকনুপূর্বোগ শোহনেন	২০-জা-হা	140	987
সঞ্জ-সঠিক পথে পরিচালিভ করা (ঈমানসারকেরকে)	8-निग	296	443	আল্লাহর পর্যন্যেশিকাই হল গঠিঃকার পর্যন্যেশিকা	৩-আলে ইমরান		981
সহল করে নিরেছেন আল্লাহ (মানুবের পথ)	৮০-জবান্য	30		আপ্রাহর পথনিবেশিকাই প্রকৃত পথ নির্থেশিকা	২-বাকুরো	140	621
পথ অতিক্রমকারী (আরো দেখুন মুসাফির শব্দটি)		-		অপ্তাহর পদ থেকে পর্বান্যাপিকা আলকে (আনম-খন্তর প্রদাস)	২-বাবুদরা	40	200
ভারাণুর বারা পথ অভিক্রমকারী পবিত্রতা অর্কান প্রসঙ্গ	8-97	80	263	অসা (পঞ্জীদেশিকা অসাল মানুহতে দিবান থেকে বিবাহ বাবে)	১৭-ইপ্রা	38	94
नथं जनुमद्रव	84471	00	5.04	অপাং (পঞ্জি অপার অপোনা কফিলা ইয়ান অচাপা)	72-44.60 3-4-6-421	66	9.2
	A. Treater	-	2.2	ভিত্তব্যস্ত্র করি পর্কার নির্দেশ্য পর্বাপ্ত বিশ্বর	১৬-নাহল	prio	330
কাফিরর সঠিকপথ অনুসরণ করেনি (কুরআন রারা)	৪৬-আধ্বাদ	22	808	विकर (क्षण्य म् बर विभाव विकार करतेम् स्व ७ भवनिर्मानकारकः)	36-1154 36-1154		
পথ অবসমন		Ь.				48	900
দুংখ-দুর্দশা দূর করার পর মানুষ এমন পথ জবলদদ বতে দেন	১০-ইউনুস	ર્	966	ভূরজান পথ নির্দেশিকা (থারা ইমান আনে ভাসের জন্য)	৪১-তুন্দিলাত	88	p.p.)
পথ (গহীন গিরিপথ)				কুলআন মানুহের জন্য পথনিদেশিকাখনপ	8ए-माएग	22	900
গহীন গিরিপথ থেকে মানুষের হচ্ছে আনা প্রদক্ষ	২২-হাজ	29	960	কুলআন মুৱানীলের জন্য পর্যনির্দেশিকা	২-বাকুারা	4	Ø04
পথ চলা				কুলজন মুন্তানীলের জন্য পথনিয়েশিকা	৩-অদে ইমরদ		685
অধ্যেমুখী হয়ে পথ চলে যে সেই কি নৰচেয়ে নঠিক পথে	৬৭-মূপক	22	390	কুরজান মুমিবদের জন্য পথলিদেশিকা	২৭-দামল	4	proc
নক্ষরে সাহাত (মানুর পথ চলার ক্ষরে নক্ষরের সাহাত লো)	১৬-শাহল	28	908	ভূরতান মুমিনদের জন্য পর্যবিদেশিকা ও দয়	২৭-নামল	33	200
বিদ্যুত্তর আলোতে পথ চলা (মুনাফিকের উপমা প্রসঙ্গ)	२-गङ्गादा	120	600	কুরআন মুদলিমদের জন্য সূত্রবাদ ও পথনিদেশিকা	১৬-দাহল	305	423
োক্তা হয়ে হলে যে সেই সঠিক পদশ্ৰের না কি যে অক্তামুখী	७५-मूल्क	22	390	কুরআন পর নির্দেশিকা মুমিন দাশুলারের মান্য	১২-ইউসুফ	222	92
পথ দেখানো		-	-	কুলোন অপ্তাহর পর্যন্তিশিকা	৩৯-বুমার	২৩	890
অন্ধক্তে পথ দেখাতে পারেন না রাসুল প. (মুপরিক প্রসঙ্গ)	३०-१७नुर	80	969	ছপতসমূহের জন্য পর্বনির্দেশিকা বারুয়ে স্থাপিত প্রথম হর	৩-জালে ইমবান	9.9	@80
ইব্যাহিমকে সঠিকপথ দেখাবেদ প্রতিপালক	৩৭-সাক্ষাত	99	564	অভয়বহুৰ কৰী ইনৱাইচনা ছল পৰ্যবাসনিকা কৰাবে হয়	৩২-সাজ্পা	40	300
হবরতীম জা, পর দেবালেন পিনাকে (ভার অনুসরণ করলে)	১৯-মার্থকার	80	203	ভাওৱাত পথনিৰ্দেশিকাশ্বৰণ দান করা হয় (মৃত্যাকে)	৬-আৰ্'আম	528	633
ভিন্নজাউন তার জাভিকে কেবল সঠিক পথই দেখাছেল	80-मुश्रिम	29	ppo	বরা (পর্যন্তিপথিকা ও মরাস্থাপ কিতার নিয়ে একেছিলেন অস্তাহ)	৭-আ'রাফ	43	634
				নিয়ে আন (পদনির্দেশিক নিয়ে এচনত্র কে মার্প্রতিপালক মাচন)	২৮-কাদাদ	46	230
মানুষ্টা কি পথ দেখাবে? (বাসুল দ, আসলা আধিবয়া বলভ)	৬৪-ভাগাবুদ	9	200	প্রতিশালাকা পার বেকে পর্যনির্দেশিকা প্রসামে (কুরারার প্রসাম)	৬-জার'জাম	209	833
মুসাকে পথ দেখাবেন প্রতিপালক (মৃসার আশা)	২৮-কাসাস	44	209	প্রতিশালকের পক্ষ থেকে পর্যনির্মেশিকা এসেছে	৫৩-নাৰম	20	20
শরীকদেয়কে পথ না দেখালে পথ পায় না (আনুগতা প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	00	964	তলক ব্যৱহাৰ প্ৰতিপালকতে ভাৰতীয় জন্ম পৰ্যনিৰ্দেশৰ ও দায়	१-आवर	348	946
সত্য দ্বরা পথ দেখানো (মূসার সম্প্রদায়ের একদলের)	৭-মা'রাফ	75.9	641	जी देनविद्यात सन् व्यक्तवद्यः श्वर्कानीमा कार्या स	৩২-সঞ্জন		
সত্য হুৱা পথ প্রবর্ণনকারী উত্থক প্রসঙ্গ	৭-আ'রাফ	29-7	649		05-41041	40	3.05
পথনিৰ্দেশ				বিশ্বত বাৰা (পৰনিৰ্দেশিকা থেকে দুৰ্বলদেৱকে বিৱত বাৰা	<b>08-399</b>	જ	1 88
আল্লাহর পর্বনির্দেশ মাড়া প্রবৃত্তির অনুসরণ করে যে	২৮-কাসাস	20	P25	ও জনীকার প্রসঙ্গ)			1_
জালো ও পথনির্দেশ সত্তপ ঈসাকে ইনজীল দেয়া হয়েছে	৫-মারিদা	86	29°6	বিশ্বাদী সম্প্রদারের জনা কুরআন প্রনিবেশিকা ও দরা	৭-আ'রাফ	500	90
ইনজীল পথ নির্দেশ ও উপদেশ	৫-মারিদা	85	640	বিশ্বানীদের ঋন্য পথনির্দোশিকা ও নরায়রূপ (কুরঝান)	৪৫-লাছিয়া	50	300
কুরমান মুমিনদের মন্য পথনির্সেশ/দরাম্বরূপ	১০-ইউনুস	29	496	মনুহার জন্য পথ নির্দেশিক হরণ (কণ্ডরাত ও ইনজীল ফরতীর্ণ)	৩-জালে ইমরাব	8	200
ভাওরাক্ত রয়েছে পথনির্দেশ ও আপো	৫-মারিদা	88	250	যানুহের জন্য পর্যনিদৌশকাগরণ (মৃসার কিতাব)	২৮-কাসাস	80	P2:
রাসুল স. প্রেরণ করেছেন আল্লাছ পথনিক্রেরিশসহ	৪৮-ফারহ	46	277	মানুদের জন্য পর্যনির্মেশিকা (কুরজান)	২-বাকুরো	366	220
<b>लथनिएर्गनक</b>	-	1		ফুলিবলের জন্য বিভাবপুরবাসন পর্বন্যোশিকাররণ অবর্তির্থ	১৯-নাহল	bris	230
বৰী ইসৱাইলনের কথা পথ নিৰ্দেশক (মুসাকে কো কিয়াব)	১৭-ইসর	١.	010	মুম্যাসমনের জনা কুরজেন মুসংবাদ ও পর্যান্দেশিকা	১৬-বাহুল	205	92
	21-279	3	928	इंग्लिस बना श्रामित्रसम्बन कुन रा. वह केना निवार करवेरी			
পথনিৰ্দেশনা		-			১৬-মাত্ল	68	900
আশ্বনের নিকট মূলার পথনির্দেশনা পাওয়ার আশা	२०-ज़र-वर्ग	30	983	মুদ্দিনের কবা পর্যনির্দেশিকা (কুরজান)	২৭-নামল	2	pos
बाह्माद देश्य करान जरादेख नव निर्मानना मान कराउन	৩২-সান্ধ্ৰা	30	9-07	হুনিবদের জন্য পর্যবিদেশিকা (কুরজান)	२-राङ्गत	৯৭	67:
গোপৰ করা (অবতীর্ণ পর্যবির্দেশমা গোপন করা)	२-वनुस्ता	262	623	মুত্রকীদের জন্য কুরজেন পর্যবিদেশিকা	২-বাকারা	4	004

			<b>गर्थानरम्</b>	
19	বিষয়/প্রসদ	न्द्रा नः । भाग	4008 P	शृष्टी
	(नूर्व नृष्ठा त्यदक)			
মিনদের কন্য	কুরআন পথনিপেশিকা ও সরা	২৭-নামল	99	800
রুষা জা. কে	প্ৰতিনিধিকা দাল	80-मृथिम	6.0	244
নাগুল ম. কে পদ	নিয়েশিকা ও সভা বীনসহ প্রেরণ করেছন অস্তাহ	৯-ভাওবা	00	980
গত্য হীন ও প	র্থনদৌশকাসহ রাগুল স. প্রেরণ	65-शंक्ष	ъ	200
ণথ-পদ্ধতি				
	রামতে কণতে (পুলিরার অবস্থান ছিল একনিদের)	২০-ফ্লা-য	308	989
পথ পাওয়া				_
	ধ্যার জন্য ঈমান আন্যানের নির্দেশ)	২-বাকারা	29-6	420
	য়ে স্থল/সমূদ্রের অন্ধ্বারে পথ পাওয়া	৬-আন'আম	200	900
	य श्रीत (साक्षाद गाइक श्रथ श्रमर्थन करतम (म)	ও-আ-গ্রাক	242	029
	य याद्य शब शाव এ कन्ह नहत ও भर्र मृष्टि	১৬-নাব্দ	20	908
नुबराहरू भानु	व वाटक भव भाव दा बन्ध मस्त्रा व नर मुन्ह	80-244a	20	Vab
	যতে পথ পায় ভাই অস্তাহ বছ পথ বনিয়েহেল		30	989
	ভব্যের পথ পেতে পারে নে জন্য পথ সৃষি	২১-জাধিয়া		
পরীকংশংকে '	পথ না দেখালে পথ পার না (আনুগত্য ধাসঙ্গ)	১০-ইউনুস	06	629
	ছেকারে ডারকার মাধ্যমে পথ গাওয়া	৬-জান্'জাম	94	bod
<b>পথপ্রা</b> ত্ত				
ুপরিকর সঠিক	লাধ একাঃ (পিতৃপুরুক্তর অনুসরদানীর দাবী)	৪০-ফুক্স	રર	124
পথপ্ৰদৰ্শক				
काञ्चाद पाइक	প্রবার করেন তার প্রথমর্শক নেই	৩৯-বুমার	00	b98
	ধ্যার করেন ভার বেদন পদপ্রদর্শন নেই	৩৯-যুমার	20	2.50
अक्षाद पदम श	ম্মান্ত করেল ভার পথ প্রদর্শক দেই	৭-অব্যেক	2546	930
	ধপ্রদর্শক হিলেবে যথেট	২৫-জুরকাল	62	998
KUNTA NOR	দারের জন্য পথগ্রদর্শক আছে	১০-রা'দ	9	997
	শ্তপ্রদর্শক ও নরাম্বরণ ছিল	৪৬-আহ্বাক	34	308
water Gerater	(তাওরাত)পথ প্রবর্ণক ও নয়া বরূপ ছিল	77-44	29	663
	পথরেট করেন ভার পথরাদর্শক দেই	১৩-রাদ	00	883
	পথন্তই করেন ভার পথগ্রদর্শক দেই	৪০-মুমিল	90	Vivo
नथश्चमर्गन	HARD ACK I DIS THEFT TO CIT	00.41		
		২৭-নমেল	90	brog
	হ পথ প্রদর্শন করেল (ছল ও সমুদ্রের জন্ধনারে)	१६-सदर	90	334
	হতে পথ প্ৰদৰ্শন করেন (হেনারাক প্রসঙ্গ)		8	900
	त नव दानर्गन बद्धम (मठिकानव श्रमर्गन श्रमण)	১৬-নাহন		
	ৰ পথ প্ৰদৰ্শন কৰবেন থালেরকে যায়	৩-আলে ইমরান		288
	নৰ্শন কয়বে না জালিম সম্প্ৰদায়কে	৫-মাথিদা	6.7	251
	লর্শন করেছেন (সর্বনিশ্বকে)	৮৭-আলা	٥	2039
আস্থাৰ পথ প্ৰ	দর্শন করেন ভার আপোর দিকে (যাকে ইজ্ঞা)	২৪-নূর	-02	999
	নৰ্পন কৰেন না কাফিও সম্প্ৰদায়কে	৫-মারিশা	હવ	60.9
	র্শন করেন আক্ষেত্রে যার অনুদাসী হয় তাঁয়	৫-মারিশা	26	634
	পথ প্ৰদৰ্শন কংগেল সে সঠিকপৰ প্ৰাপ্ত	১৭-ইগ্র	94	455
	ন (আপ্তাহ যানে ইন্স সঠিকপথ প্ৰদৰ্শন করেন)	১৬-মার্প	90	422
	कर्मन करा दश -ए। जेत घेटनरमा सिद्ममध्यक्रमे करत	২৯-আনকাৰ্ত	69	143
	ত সঠিক পথ লেখাবে? (প্ৰবৃত্তি পূজানী প্ৰদক্ষ)	82-महिना	50	300
অক্সহা নিৰ্দেশ	मुनादा समुद्रात अधिकास असमिन(देगायक)देवाजुनः)	२५-आध्या	90	948
	অনুসারে পর প্রদর্শন (বনী ইসরামজের দেনা প্রদক্ষ)	৩২-সাজ্পা	₹8	100
	ত্ত্বে (সঠিকপৰ প্ৰদৰ্শন)	১২-লাইল	34	205
অস্তাহ সঠিকণ	ব প্রদর্শন করেন অনেকতে (রাসূদ স. পরিবের প্রসঙ্গ)	১৬-নার্থন	ob	908
অক্সাহ সঠিকল	প্রবাদর্শন করেন না(যাকে নিনি পথমার্ট করেন)	১৬-নাহ্দ	90	908
	পুন করাজন থেকারে সেকারে আপ্রাক্তক শক্ষা	২-ব্যক্তারা	299	423
আল্লাহ পৰ ব	প্রদর্শন করেন বাকে ইজা	৭৪-মুদ্দায়বির	92	363
	পুদর্শন করেন মা পাপায়ারী সংগ্রাগায়কে	65-लाक्क	8	200
क्रिक्सदीय व्या	ও ইনমাউলের বংশধ্যমেরকে পথ প্রদর্শন	১৯-মারইয়াদ	av	201
	প্রতিপালক পথ প্রকর্মন করেল	२७-छ'खांबा	93/	25
	ল অপ্তাহ সমিকালা প্রকশিন করেন না (জয়াতে ঈমান)	১৬-মাহল	308	
	चानुहरू प्रतिमात्रसङ्ग अधिक १९४ असमीन वरदान	১০-ইউনুস	200	0.01
	न व्यक्ति सेम्प्रांतरक नावक तत द्वारा सेम्प्रांतर क्ष	৪৯-হজুবার	39	32
	প্রপ্রেক্তন করে কর ত্যাহেল অগ্নাহ মুখনতায়ক দূল স. পথপ্রদর্শলে উৎসাধী হলেও ভা পারেন		_	+
		১৬-মাহ্শ	তণ	90
ভৎসাহা (বা না যদি আছ		১৬-মার্শ	01	

পহন্তই			<u> </u>
लिक दिस्द/श्रमक	সুৱা দং ৪ নাম	TOTAL PL	नुष्ठा
উত্তরাধিকারীলেয়কে পঞ্চালপান করা (পৃথিপীর উত্তরাধিকারী প্র.)	৭-আ'রাফ	200	655
কাঞ্চির সম্প্রভারকে আল্লাহ সঠিকপথ প্রভর্গন করেন না	১৬-মাহদ	209	932
কিতাবের হারা আল্লাহ যাকে ইঞা সঠিকপথ প্রদর্শন করেন	৪২-শ্বা	65	Vbc
কুরজনে পথ প্রদর্শন করে (সরল-সঠিক পথের দিকে)	১৭-ইস্রা	ъ	928
वृक्तीक्री(क प्रकृत गठिकार्थ अर्थन वराम म (स्वरात कृत्वीकर्ती)	৪-নিগা	209	698
কুরম্মান সঠিক পথ প্রদর্শন করে	९३-किन	3	hbrb
ছাযুদ জাতিকে পথ প্ৰদৰ্শন করলেন আল্লাহ	৪১-ফুস্সিলাভ	76	199
জালিম সম্প্রদারকে পথ প্রদর্শন করেন না অস্তাহ	ত-আলে ইমরাম	64	488
ঞালিম সম্প্রদারতে পথ প্রদর্শন করেন না আল্লাহ	২৮-কাদাস	ψo	<b>P34</b>
প্রালিম সম্প্রদারকে অন্তাহ সঠিকপথ প্রদর্শন করেন না	৬২-জুমু'জা	¢	৯৬২
জালিমদেৱকে সঠিকপৰ প্ৰদৰ্শন কৰেন না আল্লাহ	৪৬-আবৃদ্ধক	>o	3ctr
থাকুনর ঘটনার মাধ্যম পর্যালনির (পূর্ববর্তী প্রধানের থানে)	৫২-সাজ্পা	26	200
পৰ প্ৰদৰ্শমের পর শুসর বাঁকা করে না সেৱার জন্য প্রার্থনা	৩-আলে ইমরাণ	V	200
পৰ পাওয়া (আলুহে যাকে পৰ প্ৰদৰ্শন কৰেন সেই পথ পাৰ)	৭-আ'রাফ	392	649
পাশ্যচারী মুনাভিকদের আল্লাহ পথ প্রদর্শন করবেন দা	৬০-মুনাঞ্চিক্ন	6	368
প্রতিপালক প্রত্যেক বস্তুতে পথ প্রদর্শন করেছেন	२०-छा-श	20	988
ভিত্তভাতিৰকৈ পথ প্ৰদৰ্শন, আল্লাহত দিকে (মূপা আ. কৰ্মুক)	৭৯-নবি'আত	33	2008
মধ্যর উপমা তথা আল্লাহ অনেককে গঠিকপথ প্রদর্শন করেন	২-বাঞ্চারা	36	208
মানুষ্যকে আপ্তাইই পথ প্রদর্শন করেন (ছেলায়াত গ্রাসঙ্গ	१७-मास्त	0	996
মানুষকে আপ্তাৰ্থ পৰ প্ৰদশ্ন কৰেন (কোৱাত গ্ৰান্থ) মামুকে অগস্ততে আপ্তাৰ্থ সঠিক পৰ প্ৰদৰ্শন কৰেন	৬৪-তাগারুন	22	994
মুমিন্দর হুপরতে আপ্রার সাকে পর প্রদান করেন মুমিন্দরকে পর প্রদর্শন কর্মেন আপ্রার		00	995
	৪৭-মুখ্যাম্বল	4	834
মূমকে প্রতিপাদক পথ প্রদর্শন করবেদ (ফির'আউন বাহিনী থেকে বাফা প্রসঙ্গ)	২৬-৩'আরা	64	499
ত্ৰাসূল স, কে আল্লাহ নটিকপথ প্ৰকৰ্ণন কৰেন (পৰহাৰা অবস্থাৰ)	৯৩-দুখ্য	9	2026
স্কৃতিক পথ প্রস্থান করেতে ডাইল বুমিন ব্যক্তি নিজ সম্প্রাপরক	৪০-মুমিল	C.P.	993
সঠিক পথ প্রদর্শনের আবা (প্রতিপাদকের নিকট রাসুল স. এই)	১৮-কাব্দ	4.8	946
স্ট্রিক পথ প্রদর্শন করে কুরমান	৭২-জিল	3	hbrb
<u> </u>			
আল্লাহ বাকে পথপ্ৰট করেন তার কোন পথপ্ৰদৰ্শনকারী নেই	29-sept.	39	920
বিভাব (অধিক পঞ্চাবৰ্ণনক্ষী কিতাৰ আনতে বল)	২৮-কাসাস	83	235
রাসুদ্র স, পরপ্রধর্শনকারী নর (অছলেরকে পথরউরা থেকে)	00-5¥	60	bee
পথ-প্রান্তর			-
পথে-প্রান্তরে বিচরণ করার জন্য দমীনকে সুগম,	৬৭-রূপক	20	200
পর্যার		1	1000
प्रापृत म्, नक्ताच व्यक्तक (भूनतिकामा श्रमुचित प्रमुख्या कारण)	৬-জান্'আম	25	600
পথন্ত	0.411.414	+**	
অঞ্চলাথের জন্মই মানুম পথস্তই হব	১০-ইউদুস	204	958
क्रमार्थन समाह सामुच गमता एव क्रिक मन्त्रके (८० फाशास्त्र मिटरार्थ क्रमारक आरम)	85-आस्काव	200	bob
অনুসালা (পথনাই করেছে যে দংশ্রেকার জানের অনুসালা দিবেগ)	०-मासिना	99	690
जनसर्वे देशीयम राहमें नवाड कराइन (बादमुनीय स्टब्स)	২৬-৪,প্রায়	33	230
অধিকানজাত্তীয় পথাই (অল্লাহ/বাসুপ্/ক্লিবাব্/অনিবাত অধিকান)	8-मिम	200	638
	7A-4456	39	930
অভিভাবক নেই (আল্লাহ থাকে পথনাই করেন তার) অমানকারী (আল্লাহ ও রাসুল সং এর অমানকারীরা পথনাই)	৩৩-আহ্যাব	99	bros
जमानाकारा (व्यक्षार ७ राजून ज. यद व्यमनाकाराम वस्तर)		93	930
আবিরাতে অন্ধ ও অধিক পদম্বা সেই যে পুনিয়াতে অন্ধ	১ <i>৭-ই</i> ল্বা	98	bitro
আপ্তাহ পথন্তই করেন নীয়ালজনকারী ও সংশ্রবাদীলেরকে	৪০-মু'মিন ১৪-ইববাহীম	8	690
আপ্তাহ থাকে ইয়া (সন্মানটোও অধার প্রসূপ স. প্রকান করে) আপ্তাহ পর্বক্রী করেল বাকে ইয়ার	৭৪-মুখাছছিব	0)	990
আপ্তাহ পৰভাই কবলে থাকে হজা আপ্তাহ পৰভাই কবলে অভিভাবক পাওয়া বাবে না	১৭-ইসরা	24	922
আপ্তাহ পৰজা কৰলে আচডাৰক সংবাধা বাবে ন। অপ্তাহ পৰজা কৰেন লা কোন সম্প্ৰদায়কে পৰস্তাৰ্থনের পৰ…	9-2164I	226	544
	৯-ভালন ১৩-রা'দ	338	997
অস্ত্রাহ পথস্রট করেন বাকে ইচ্ছা		100	050
অপ্তাহ কাউকে পৰ্যন্ত করলে তার জন্য পথ পাওয়া বাবেনা	8-निगा ১ जॉक	9.0	099
আপ্তাহ যাকে পথস্রষ্ট করেন তার কোন পথস্রদর্শক নেই	১৩-রা'ন	90	570
আপ্তাহ ব্যক্ত পথনাই করেন তার তোল পথপ্রদর্শক নেই	৩৯-বুমার		548
আপ্তাহ থাকে পথান্ত করেন তার কোন পথগুলবিক নেই	৩৯-মুমাধ	00	
আপ্নাহ যাকে পথনাই করেন তার কেলে পথ নেই	৪২-পূর্ব	85	brad
অপ্নাহ থকে পৰাট কৰে আৰু সচিকপৰ প্ৰদৰ্শন কৰে কেং	00-02 0 flore	59	248
আল্লাহ যাকে পৰমন্ত করেন তার জন্য পর্য পাবেমা	8-WH	50	699

नेम विश्वास्त्रम	नुबा तर समाय	203	1987	नम दिवड/धनम	ज्वा नर छ नाम	WHEN TO	98
পথন্তট্ট (পূৰ্ব পূৰ্বা লেকে)				মানুৰ পথৰত হয় নিজের অকল্যাগের জন্য	১৭-ইসরা	>5	931
আপ্তাহ যাকে পথন্তই করেন তার কোন অভিভাবক নেই	8२-मृश	88	bad	মানুষ পথপ্ৰট হলে (ভার কবা উত্তঃ পানির আপ্যায়ন ও)	<b>८७-ध्याक्ति</b> व	32	58
আল্লাহ যাকে পৰঞ্জ করেন তার কোন সাহাত্যকারী নেই	১৬-মার্প	90	905	মানুদ নিজের অকলাদের জন্যই পথত্ত হয়	১০-ইউন্স	207	604
আপ্লাহর ইচ্ছাদীন (আপ্লাহ বাকে ইচ্ছা পদন্তই করেন)	১৬-ব্যক্ত	30	933	মানুদকে পদপ্রট করা (মৃতিগুলো বহু মানুদকে পদপ্রট করে)	28-ইবরাহীম	05	69
আল্লাহর ইফোধীন (বাকে ইঞ্জ্য আল্লাহ পদপ্রস্ত করেন)	৬-আন অম	40	669	মানুষকে পৰত্ৰী করার কবা আল্লাহ সময়ে মিখ্যা coনা	৬-জান'আম	388	634
আপ্তাহর পথ থেকে পথান্ত কথার উদ্দেশ্যে আপ্তাহ সম্পর্যে বিভর্ত	२२-शक	6	323	মানুষ পৰ্বমন্ত হয় নিজ অকল্যাগ্ৰেহ জন্য	৩৬-বুমার	85	200
আহার (পথস্তট অখীকরেকারীরা হারুর গাহ আহার করবে)	৫৬-ভয়াকিয়াছ	62	382	মানুয়ের পথান্ত হংগ্রার আগস্তা ও অবস্থানুহর বিধান কবিব প্রসঙ্গ	8-निमा	396	69
ইজ্ঞা (প্রতিশালন বাবে ইজ্ঞা লখন্তই করেন)	१-का तक	746	696	মুমিনর পথন্ত ছিল (আল্লাহ পথ দেখানোর পূর্বে)	২-বাকাল	299	64
ইবরাই(মর শিতা পৎত্রর (পিতার জন্য কমাপ্রার্থনা প্রসঙ্গ)	২৬-চ'জারা	80	934	মুমিনার পথন্ত ছিল (ইংডাপুরে)	৩-আলে ইমরান		
ইয়ানের পর কুকরী করেছে বারা ভারা পথপ্রট	৩-মালে ইময়ান		288	মুমিনার পথন্তই হোক(কতক আহুলেভিতার ভামনা করে)	8-शिमा	88	66
উপসকর নিজেরই পথস্তই হয়েছিল বিনা (অল্লাহর জিল্পাস)	२१-वृदकान	29	990	মুশরিকর পথতাই (গবানিপতর চেরে অধিক)	२०-युदकाम	88	60
উপস্থা পদন্তী করেছে বিল উপাসকদেবক (অল্লাহর জিজান)	२८-जूबनान	29	9910	মুদ্দিন্দ্রকে পথস্ট করার রামনা একস্প আহলে কিস্তাব			9,510
কচিবরা অধিক পথার				মুমিন্দেরকে পঞ্জন্ত বলত অপরাধীরা (মুমিরাতে)	৩-আলে ইমধান		48
	২৫-ফুরকান	'08	978		৮৩-মুজফুজিফীন		303
কাবিদানেকে কানের নেভা ও সম্রান্তরা পথন্তই করেছে কাবিদানকে আল্লাহ পথন্তই করেন	৩৩-আহ্বাব	69	prop	মূর্তিথলো বহু মানুখকে পথরাউ করে	১৪-ইবরাহীম	৩৬	994
	8०-मू मिन	48	558	মূপার সম্পানারের প্রমাট হতে দেখা এবং কমা/নয়া ভামনা	৭-আ'রফ	789	826
অধিবদেরনে পথন্তইকারী জিল ও মানুখনে পদালিক করার ইয়া	৪১-সুস্সিলাত	59	144	যাকে আল্লাহ পথন্তই করেন তার রেন্দে পথান্তর্পক নেই	৪০-মু'মিন	90	ppc
অফিরনেরে পথান্ট কর হর নানী বা হারম মান পিছির নিরে	৯-ডাওবা	তণ	688	বাকে ইন্ডা আল্লাহ পথপ্ৰট করেন	৩৫-ফাতির	b	989
কুরজান অস্বীকার করার চেত্রে বেশি পরস্কট জার কেঃ	৪১-রুস্সিলাত	44	P-9-0	রাস্ল স. পথন্ট হলে তার পরিধাম রাস্ল স. এর নিজের	৩৪-সাধা	60	P80
কতিগ্ৰন্ত (আল্লাহ থাকে পথন্তই কৰেন সে কভিন্নও)	৭-আ'রাফ	742	659	রাপুণ প. পথারী হবেন (দুশরিকদের প্রবৃত্তির অনুসরণ করপে)	৬-'আন্' আম	(t)	303
ক্তি করতে পারবে না পথস্কীরা সঠিকপরগ্রাপ্তদের	৫-মারিদা	205	250	প্রাসূল স. কে পথস্রই করতে চাওয়া প্রসঙ্গ (মুনাফিকদের)	8-निमा	330	093
চাওৱা (পয়তান আহুলেভিতাওকে পথমাই বৰতে চাৰ)	s-Ret	60	850	রাসূল (মৃত্যামন) স. পথপ্রট নন	१७-सक्य	3	3/24
জানা (কে পথক্ৰই মুশন্তিকরা জানতে পারবে)	২৫-ফুরবান	83	95-0	শরতান তার বছুদের পথপ্রট করে	২২-হাজ্য	8	901
জন (পথান্ত ও পর্যায়দের সম্পর্কে প্রতিপালন বেশী বর্তনা)	৬-জানু আম	229	609	শরীকমারী (মাল্লাহর সাথে শরীকরবৌ সুপুর পথমার)	8-निश	226	093
জন্ম (পৰ্যাই)পথপ্ৰায়নের সম্পর্কে প্রতিশালক বেলি জানো)	১৬-নার্প	320	920	সতৰ্বকারী (পৰস্কাইদের জন্য ৱাসুদ স, সতর্বকারী)	২৭-নামল	250	po.
নালিমদের পূর্ববর্তীদের অধিকাংশই পর্বন্তই হয়েছিল	৩৭-সাক্ষাত	93	brbo	সম্ভান হত্যাকারী ও আল্লাহ প্রদার বিশিবকৈ হারাম গণারারী পদন্তর	৬-জান'জাম	180	620
জালিমরা পথক্রই হয়ে গেছে (ফাই ভারা কোন পথ পারে না)	১৭-ইসরা	87	476	সম্প্রদারকে ফিরমেউন পথস্তর করেছিল	20-91-81	935	985
জাদিমরা প্রত্নী হলেছে	२०-पृथकान	ъ	952	সম্প্রার (ইনার্বিনের পথাই সম্প্রায়ের অর্কুক হরের অধন্য)	৬-জাণুজাম	99	600
জাশিমদেরকে পথমার করেছিল আনের বছ	२१-फुटकान	23	968	সম্প্রদার (পথএট সম্প্রদার হিল কাহান্নামীরা দুনিয়াতে)	२०-भू"भिन्न		994
জাদিমদেরকে আপ্রাহ পৰ্যাই করেন	28-देवदादीम	29	656	সম্প্রদার (পথনী সম্প্রদায়ে প্রপৃতির অনুসরণ করা নিবেধ)	হ-মারিদা	99	
জালিমরা অনেককে গণমার করেছে (নৃহের সম্প্রদার প্রসম)	17-44	28	9946	সরল পর থেকে পথ্যার হৈ সম্প্রদার	ত-মারিদা ত-মারিদা		6,90
দলকে (পরবাদ বহু দলকে পরস্তুর করেছিল)	৩৬-ইয়াসীন		244	পান্তি কর্তৃত কৰি ইনৱন্দিয়ত পথান্ত করা (বায়ুৱ পুন্ধ প্রদাস)		99	690
নিজ অকল্যাতার জনাই মানুহ পরন্তই হয়	৩৯-বুমার	83	544 548	সুস্পট পৰন্তট (বাস্থাহ-বাসুল স. এর অমানাকারী পথন্তট)	২০-জাহ্যাব ৩০-জাহ্যাব	70	485
দিয়েকেকে পৰ্যায় করে (থার রাপুল স, কে পদ্মান্ত করের চায়)	৪-নিসা	270		সুন্র পথমার (আল্লাহর সাথে শরীককারী সুনুর পথমার)		৩৬	200
নিজেনেকেই পৰাই করে আহলে কিবাবনের একন্দ	ত-সাধা ত-আলে ইমরান		৫৭১		8-शिश	336	635
নিরাশ হয় পথমাইরা (প্রতিপাদকের মহা (প্রতে)	১৫-ছিজর	69	482	মুন্র পথত্র (অল্লাহ/রাস্প্ কিতাব/আধিবাতে অবিশ্বাসভারী)	8-भिग	200	218
		46	900	পথ্যস্থলারী			
পৰ পাধায় (অস্ত্ৰাহ যকে পৰাই করেন হার মন্য পদ পাবে না)	8-Spit	780	646	নেই (স্বান্তাৎ নাকে হিলায়াত দেন ভার পথস্তুইকারী নেই)	৩৯-বুমার	09	5.48
পথ প্রদর্শক নেই (আদ্রাহ যাকে পথনত্ত করেন ভার)	৭-অ'রাফ	25-0	950	শয়তান প্ৰভাইকারী ও সুস্পষ্ট শঞ	২৮-কামান	25	hop
পথ (পথারীদের পথ থেকে বাঁচার প্রার্থনা)	১-কাতিহা	٩	602	সাহায়কারী হিসেবে গ্রহণ করেন নি আল্লাহ পদস্রইনেরকে	১৮-কাহ্ন	62	925
গৰ্কনিৰ্দিশন অনুসাম কলে পৰাই হকে (অস্তাহন পৰ্কনিনিক)	२०-इर-श	750	485	পথভাটতা			
পৰশ্ৰই (সৱল পথ থেকে সৰ্বাধিক প্ৰথম্ভই)	৫-মারিদা	90	59.9	অছদেরকে পথস্তইতা থেকে পথপ্রদর্শনকারী নর রাসূল	00-9¥	00	546
পক্ষা ক্রেরেও অধিক পঞ্চাই (যারা কান নিয়ে পোচনৰ চোৰ নিয়ে)	৭-আ'রফ	26%	959	অবকাশ (পৰএইদেয়কে প্ৰচুৱ অবকাশ দেয়ার প্রার্থনা)	১৯-মাবইরাম	92	90%
পাপের বোঝা (পথস্কটের পাপেরবোঝা পথস্কটবারীকেও	১৬-নাহন	32	908	অবধারিত (পথরষ্টতা অবধারিত হয়েছে এক নদের উপর)	৭-জা'লড	60	926
বহন করতে হংগ)		~	100	অবাধ্যয় পথন্তইতার ছিল (পরতান বলবে)	৫০-কাফ	39	250
পূৰ্ববৰ্তীয়া আমাদেৱকে পথজাই করেছিল (পরবর্তীয়া বলংব)	৭-আ'রাফ	40	656	আল্লাহর অরণ বিমূপ কঠিন হুবর ব্যক্তি পথস্কটভায় আছে	৩৯-যুমার	44	590
প্রবৃত্তির অনুসারী সর্বাধিক পথমার	২৮-কাসাদ	20	254	ইবলিসের বাংনী পদার্শকার মধ্যে থাকর নিবর দীকার করেব	২৬-৩'জারা	26	230
প্রবৃত্তি হারা পথত্রই করা প্রসঙ্গ (ঝানহীনভার কারণে)	৬-অনুকাম	222	rod	ক্রব্র (মুদাকিক সঠিক পথের বিনিময়ে পথমাইতা ক্রব্র করে)	২-বারুয়ে		500
প্ৰবৃত্তি প্ৰাৰীকে আল্লাহ জেনেবুকে পথন্তই কংবন	8৫-मादिश	20	800	ক্রম (আহলে কিভাবদের পর্বস্তইতা ক্রম্ম করা প্রসঙ্গ)	8-SINT	88	695
ফাসিকদের আল্লাহ পৰমন্ত করেন (মশার উপমা প্রদান)	২-বাকুরো	26	208	ক্রার (পথভারতা ক্রার সভিক পরের বিনিময়ে)			
বন্দ (অন্তাহ থাকে পৰাত্ৰী কথাত দেশ কৰে হক সংগীৰ্গ(বহুলৈ কলে)	৬-আনু আন	256	900	চৰম পৰ্বভাগতা (অভিযানের বাজের উপমা প্রসঙ্গ)	28-Fossilla		679
বনী ইসৱাদিশ বাছুর পূজার মাধ্যমে পঞ্চাষ্ট হওয়া প্রস্ত	২০-য়া-হা	24	181	তম পথানত (জ্যাতা পূচ বাংলা অংকা , পুনিছত প্রথম ভান )			994
বাণানওয়ালরা পথস্রই মনে করল নিজেনেরকে	৬৮-বুংলাম	26	240		১৪-ইবরাহীম		990
নাপ-নানানেরতে পথস্রাই পেয়েছিল জালিমত্রা	৩৭-সাধ্যাত		brbo	ভায়ুন আতি পৰতে হয়ে বাস মান কৰু (নবির অনুনাল করলো)	28-জামার		809
বালাদের পথপ্রট করবে (কাফিবলেরকে ছেডে নিলে)	12-75		946	কালিমরা সুস্পর পথস্তাবার ব্যাহে	৩১-পুক্মান		৮২৭
বালাদের পথপ্রট করার চ্যাপেক শ্রক্তানের				নিয়ের অন্তর্গণ রাগুল স, অধ্যর আনে মুন্পট পথন্তীভার মধ্যে ছিল	७२-व्युप्त जा	4	864
বিষ্ণকৰ্মনী পৰভাষ্ট (কথা অন্ত্ৰাহত পথ থেকে বিয়ন্ত সংখ ভাগ্ৰ)			645	বক্ৰতা অবেদণ, আপ্তাহৰ পৰ থেকে বিৱস্ত রাখা ও	১৪-ইবরাহীম		600
নক্তি তাৰ নিজের অবলাহের জনাই পরন্তই হয়			e ግ৮	দুশিয়াকে প্রাথান্য দান চরম পৰপ্রটকা		-	(m)
	১৭-ইস্রা	76	175	বাশ-দাদার প্রথমউভা (ইংরারীমের সম্প্রদায়ের বাপ-দানারা	२३-व्यक्ति		
মশার উপমা রারা জাল্লাহ অনেককে পথপ্রেট করেন	২-বাকুারা	50	809	সুস্পট পথস্টভায়)	43-MI481	68	960

		714	ত্রইতা	পৰিয			
শ্বন বিষয়/প্রস্ক	नुबा नर च नाम	1277	পৃষ্ঠা	শ্বদ্ধ - বিবয়/প্রসঞ্	जुडा ने१ ७ ताम	मधाः नः	পুঠা
পথ্যস্ত্ৰীতা (পূৰ্ব পূৰা থেকে)	-			বুদ্ধির যে পরর্থন হরেই পরার্থন করে তা কাহিবলের মন	৯-জাওবা	140	950
বৃদ্ধি (মালিমদের পরজন্মতা বৃদ্ধির জন্য নূহ আ, এর দোরা)	৭১-নৃষ	38	346	পছতি			
মুশবিকরা সুস্পর্ট পৰপ্রট জগবা মুমিনরা	৩৪-সাধা	3.8	580	বান্ধ করে প্রয়োকই (মিক পদ্ধতি অনুমারী)	১৭-ইস্কা	78	452
শিরত করা সুনুর পৰজ্ঞান (আল্লাহ দ্বারা কাউকে ভাবা)	22-07%	35	923	পঞ্জিত		- "	
সঠিকলৰ প্ৰদৰ্শন(পথএটনা গেতে অছতে সঠিকলৰ প্ৰদৰ্শন)	২৭-নমন	2.7	500	পুনিত ও সংগ্রহ নির্ম্বানিককে পুরিপানক আপ	>-1010/0T	60	680
সভা হওল (ক্যুল স, অসম পাত অনুবেদ উপা পথাটোল সধা হয়)	35-7069	06	905	বিচাৰ-কাৰসালা কৰাত পচিতপন (ইছমীদের)	৫-মায়িদা	88	62.9
স্তর্ভনারীরা বড় পথস্তাইতর রক্তেমে (জাহান্তানিরা বপত)	04-Eule	2	292	বুজনী ও পঠিকাশ নিজে করে না কেন পাশ কথা আঁকং	৫-মাধিনা	60	445
সুস্পষ্ট পঞ্চপ্ৰতীয়া দেখতে পাছে নুহৰে তাৰ সম্প্ৰনাৰ	१-का राक	63	929.	সংগ্ৰহ বিৱাৰী ও পড়িতৱা মানুহৰো সম্পদ ব্যক্তিশ পদ্ধায় কোশ কটো	৯-ভারবা	¢8	68€
মুন্দার পদপ্রকার দেবতে পাছের নারীরা (আমীদের ব্রীকে)	১২-ইউস্ফ	80	693	<b>गरि</b> ज		-	-
মুন্দর্ভ পদ্মের মারের (অপ্নারর নিকে সংবাদে প্রকাশনকানী)	৪৬-আহ্বাক	93	277	অভিকৃত্য ক্রম্যের পথিত ও মাকভারে অল্লাম্য পদ থেকে	२8-नृह	65	455
বুশার পর্যারকার হতেছে জালিমর। (বুলিরাকে)	১৯-মারইবাস	OF	906	व्यक्तिम विद्य (कार्य या, गृहिकार (कार्यकार केंकि)	२-राकृता	0.2	208
	20-caren	-	100	चहार नीव लिए (डिम सह रेगर तरे तथा रेक्ट्रा)	२५-व्यक्ति	24	920
সুসূত্র পথপ্রটার(আল্লাহ হাড়া কাউকে ভাকা যে অপকার/	22-EME	25	952				
উপকারে অক্তম)	৪-মিসা	(NO	698	অস্ত্রাহ পরিত্র (এটি এক ওজনতর অপনাদ ইফক প্রসঙ্গ)	২৪-দূর	36	990
সুদ্ধ পার্যন্তর (শারকান আহলেকিবানের সুদ্ধ পার্যন্তর চার)				আপ্রাহ পরিত্র ও ফেরেপভানের বস্থ	৩৪-সাব্য	82	₩88
সুস্পট্ট পথস্তইকার কে বয়েছে (মুসিনবা তা ভালতে পাববে)	৬৭-মুগ্রু	59	318	অক্সহ পরিয় ও পরীত বেকে উর্ম্বে	২৮-কাসস	৬৮	228
সুস্পষ্ট পথরটকার কে রয়েছে প্রতিপালক কা লাকেন	২৮-কাশ্যপ	b¢	25.4	অপ্তাহ পৰিত্ৰ ও শহীক থেকে উৰ্থে	৩৯-যুমার	৬৭	৮৭৭
মুস্পষ্ট পৰস্কারতার থাকা ব্যক্তিকে সঠিকপথে আনা যায় না	৪০-যুখকর	80	484	জন্মাহ পৰিত্ৰ (কন্যা সন্তান গ্ৰহণ প্ৰদেষ)	১৬-নাহ্প	68	909
মুল্লাই প্ৰৱন্ধতাৰ দেখৰে গাছে সম্প্ৰদাৰ নৃহত্তে	१-वा राम	60	472	অস্তাহ পৰিৱ ককেন (বাকে ইঞা)	8-निमा	85	<b>253</b>
শ্দর প্রস্তর্ভার ( আহর ও ভার সম্প্রনার)	৬-আন্'আম	98	600	অল্লাহ পৰিব (বগতের প্রতিপাদক স্বান্থ্যাহ পৰিব)	২৭-লম্প	'n	900
পথ (সঠিক পথ)				অল্লাহ পৰিত্ৰ (আন্লাতীলের বভাব্য 'হে আল্লাহ' কৃমি পৰিত্ৰ')	১০-ইউনুস	20	966
ফিরস্বাই-তে সঠিত পথ থেকে বিরক রাখা ব্যাছিল	৪০-মুমিন	6.6	992	অপ্তাহ পরির (তারা যাকে শরীক করে ডা থেকে)	১০-ইউনুস	72	966
মানুষ নিজের অধানের জনাই সঠিকপথ অবসমন করে	১০-ইউনুস	30br	968	অপ্রাহ পরির (মনুষ ঘা শরীক করে ডা থেকে)	১৬-নাত্ন	2	900
স্ত্রিকপদ দেকে শয়তান সাবাবাসীকে বিবত বাপে	২৭-শমল	₹8	\$ro2	আপ্রাহ পরিত্র (মুপরিকরা যা বংগ/সভান গ্রহণ থেকে)	80-वृष्ट्रक	3.4	207
স্ট্রিকপথ থেকে শয়জান আদ/ছামূদকে নিয়ত রেগেছিল	২৯-আনবাবৃত	Ob	27.79	আপ্রাহ পরিত্র (মুশরিকরা যা শরীক করে তা হতে)	৫২-তুর	80	303
পথহারা				স্বাপ্তাহ পৰিত্ৰ (যাত্ৰ হাতে বাহেছে প্ৰতিটি বিষয়েত কৰ্ম্বৃত্ব)	৩৬-ইয়াদীন	310	1000
মুনার প্রথমা অবস্থার দিশতি হত্যা প্রদাস	३७-७'वादा	20	45%	व्यक्तार अवेश विने वास्तरक मानुरक्ष अवेग्/क्रमारा तक व्यवस्त	৪৩-বৃথক্ত	20	6474
ব্যসূত্র শবহার কর্মকুর ক্ষেত্র হিলেন (আল্লাহ সঠিকপথ সেবান)	৯০-মূহা	9	3059	অন্তঃ পথিয় বিনি বাসুদা স. কে প্রমণ করিছেছেন (মেরাজ প্রদাস)	১৭-ইসরা	2	928
	30 70	-	100	আল্লহ পৰিব (গরীক থেকে)	৯-জাওবা	62	680
পদ	- water	3,60	652	আলুহ পৰিৱ (পত্নীক বেকে)	29-8281	80	353
দ্যুপদ বাৰাৰ প্ৰাৰ্থনা প্ৰতিপাদকের নিকট ভাদুত বাহিনীৰ	২-ধকুরা	460	6.49	অপ্তাহ পৰিৱ (পৰীক ব্যেক)	00-4X	80	500
পদচারী		_		चाहार नरित्र (गांतन (गांतन)	8-991	393	995
পাগৰী সংস্থায় সালাত আনেত হওৱাত আগমা	২-ববুরা	509	650.	खड़ार पांचा (नकन गर्न (मार्फ) खड़ार परिव (नकन गर्न (मार्फ)	२-वादुगडा	335	670
পদচিহ্		i		অপ্তাহ পৰিব (সমান গ্ৰহণ থেকে)	২০-ইউনুস	69/	990
ছিবাস্থান পদ্যদের এবনুষ্ট মটি নিয়ে সাম্প্রী কর্তৃক বছুর হৈছি	২০-জা-গ্ৰ	30-	181		১৯-মারইয়াম	96	900
বিয়ে এল মুগা আ, ও তার সমীরে (পদাহিত অনুসরণ করে।)	29-jatájá	58	900	আপ্রাহ পরির (সপ্তান গ্রহণ করা থেকে)	২১-আধিরা	3,5	923
প্ৰদাপিত				ব্যস্তাহ পৰিত্ৰ (সভান গ্ৰহণ থেকে)	२०-मुभिन्न		993
প্ৰভাৱকারীলেকক প্ৰদৰ্শিত কৰাৰ ইজা (কাফিবদের)	৪১-কুগুলিকাত	133	bbb	আপ্রাহ পথির (সন্তান গ্রহণ ও পরীক থেকে)		27	
মুম্মিন নর-নারীদের পদদলিত হওরার আশংকা (না কোনে)	৪৮-কাত্য	36	979	আপ্লাহ পৰিত্ৰ (সপ্তান গ্ৰহণ কেকে)	৩৭-সাক্ষাত	269	3/38
नमस्त्रनि (श्रानि)				আপ্লাহ পৰিব (সপ্তান গ্ৰহণ থেকে)	৩৬-বৃমার	8	৮৭১
বেন (পদৰ্শনী মৃত্যু ল্যামন্ত্ৰের লমনে কেন আব্যাম পোন যাবে ন)	२०-इंग-स	366	9837	অপ্তাহ মহাপ্রজানন, মহাপ্রতাপশালী পবিত্র ও মালিক	৩২-জুমু'জা	3	355
<b>शमक्षाम</b>		1		অপ্তাহ পৰিও (মুপতিসর অন্তাহর যে গুন বর্ণনা করে তা হতে)	৬-অন্জাম	200	909
রাসুল স্ এর পদক্ষানা ছাইয়ার কঞ্চকারি হলে নির্মেন্ডল (ভরী চেতে)	১৭-ইসরা	90	920	অন্তহ পৰিত্ৰ	১২-ইউসুফ	209.	979
	31-6-(11	1.0	100	ব্যস্তাহ পৰিত্ৰ	59-5148	20	25.0
পদান্ধ		-		অন্নহ পৰিৱ	०-माहिला	226	che
পিতৃপুরুষদের পদায় অনুসরণ করে মুপরিকরা	৪৩-ফুবরুক	50	৮৯৭	আল্লাহ পৰিত্ৰ (মুশৱিকলের পিরত থেকে আরপের অধিপতি	২১-আবিয়া	44	163
পিতৃপুরুষদের পরাত্ত জনুসরণ (মুশরিকদের)	৪০-মুখ্যাক	55	223	प्रक्रार परित्र)			1
ব্ৰপ্-দাদাদের পদান্ত অনুসরণে ধাবিত হয়েছিল জালিমবা	৩৭-সাক্কাভ	90	3490	অক্সাহ পৰিম (বিশি প্রত্যেককে কোড়ার কোন্তার সৃষ্টি করেছেন)	৩৬-ইয়াসীন	03	768
শহতদের প্রান্ত অনুসরণ না করার নির্দেশ	২-বাকুরো	200	670.	অপ্তান পৰিয়াত্ত কৰ্মন কলেন মৃদ্য আ, (মান দিয়ে পাণায়ার পর)	৭-জা'রাত	180	
শরতানের পরাম অনুসরণ করা নিমেব	২-বাকুরো	200	650	আল্লাহন পথিত্ৰতা বৰ্ণনা করবে উপাদারা	২৫-যুক্তান	725	9300
শরতানের প্রান্ধ অনুসরণ না করার নির্দেশ (আপ্রাহর)	৬-আন্তাম	785		আল্লাহর পবিক্রতা বর্ণনার নির্দেশ	56-Asses	54	49-5
শস্ত্রভাবের পদান্ধ অনুসরণ করবে যে	२8-स्व	57	992	অস্তাহর পরিক্রতা বর্তনার নির্চেশ (বিবালে ও সকালে)	20-82	39	755
শরতানের পদান্ত অনুসরণ করা নিষেধ (মু'মিননের জল্ড)	<b>५8-नृ</b> इ	52	992	আহার (হালাগ ও পবিরবদ্ধ আহার করার নির্দেশ)	২-বাকুরা	Yeb	679
পদাতিক				ইলাহ (অপ্তাহ যাত্ম ইলাহ নেই ডিনি পবিত্র, নেচা ইউনুস)	২১-আধিরা	7.4	923
অক্সরেই ও পদত্তিক বাহিনী হাকাবে ইবলিস	১৭-ইল্রা	86	47.9	উপপ্রাম (পৰিঃ পুডার উপজনার অপ্রাচ্য সামে মুসাং সক্ষম)	২০-জা-হা	35	983
পদার্থ বিজ্ঞান প্রসঙ্গ (দেখুন পরিশিট-৪)				উপভাব (পৰিয় উপভাব ফুলাম ফুলার ছেতে কণ্যাদ প্রতিপাল)	१५-नारि वाच	2.8	300
नमार्नन				কন্যাপদ পরিত্র (পুত সম্প্রদায়ের মন্দর্ভার প্রদাস)	22-ga	96	593
পুৰ্বা বিশ্ব ব্যৱস্থা প্ৰদৰ্শ করে বা কমিবলের মনে তেওঁকা	३-शास्त्र	340	620	ব্য'বাকে পৰিত্ৰ প্ৰাথৰ নিৰ্দেশ (ইবানককাৰীদেৰ জন্য)	22-57%	146	950
য়ে প্ৰহিত্ত মুহ্মনয়া পদাৰ্পণ কৰেনি কৰে উত্তৰাধিকাৰী কৰা	ত্ত-জাহবাব ত	33		গদিয়ত পৰিত্ৰ ও হালাপ	P-SENSIN	99	201
					১৮-বার্চ্চিন্নহ		305

মর (পবিত্র মর ক'বা মানুয়ে মর (পবিত্র মরের বারীদের								781
ঘর (পবিত্র ঘর কা'বা মানুয়ে ঘর (পবিত্র ঘরের বারীদের					প্রতিপাদকের পরিব্রতা ঘোষণার নির্দেশ (ভার প্রশংসাসহ)	১৫-হিজর	bbr	200
ষর (পবিত্র মরের বারীদের	পৰিব্ৰ ঘটের কাছে বসতি স্থাপন)	<b>18-३रबारीम</b>	99	696	প্রতিপাদকের পরিপ্রতা কর্ণনা করণ বাগানওয়ালারা	৬৮-কুলোম	33	399
	র জীবনধারণের উপকরবস্বরূপ)	৫-মারিদা	28	625	প্রতিপঙ্গাকের পথিরতা ঘোষণার নির্দেশ (বাতে ব সালাতের পরে)	१०-वृत्य	80	248
	खबप्रानमा निक्षभ)	৫-মাধিমা	3	@bro	প্রতিপাসকের পবিরায়ে কর্দনার নির্দেশ (সূর্যের উন্মা ও আরের পূর্বে)	१०-इस्म	030	248
নবী পরিবারকে আল্লাহ পরি	রে করতে চান	৩৩-বাহ্যাব	90	1000	প্রতিপালকের পরিবারা ঘোষণা (খুম থেকে ওঠার সময়)	65-64	85	207
পৰিত্ৰ নারীলের জন্য পৰিত্ৰ	<b>शक्</b> ववा	२8-मह	26	998	প্রতিশালকের (প্রতিশালকের পরিব্রয়ে খোষণা করে)	৪০-মুখিন	9	797
পৰিত্ৰ প্ৰক্ৰমনের জন্য পৰিত্ৰ	ह मात्रीवा	२8-नृत	26	998	<i>र्विभागावन अ</i> न्त्रभागः निवास (पास्प (माञ्चपतिस्म <i>वा</i> म)	১১০-নাসর		2000
পরিকল্প পেরিয়াও পরিকল্প	लक्षा स्थाननाद्रस्य क्ता)	২-বাকুরে	202	659	প্রতিপাপকের নামের পরিক্রতা খোষণার নির্দেশ	৮৭-আ'লা	3	2021
	দান করতে প্রতিশাপক রাস্প্…)	১৯-মার্ট্রাম	39	900	প্রতিপাদ্ধের নামের পরিয়ারা খোহণার নির্দেশ	१५-वसकियाद	18	386
প্রতিপালক পবিত্র	2 40	১৭-ইলরা	20	122	প্রতিপাশকের পরিক্রতা ঘোষণা/ভারেরা অন্তর্মিক হওয়ার পর)	१२-एव	8%	800
প্রতিপাদক পরিত্র (আকাশ	निविद्या शक्ति लक्षण)	৩-আলে ইমরান		228	প্রতিপালকের পরিস্রতা ঘোষণার নির্দেশ (রাজ্পকে)	৪০-মুমিন	66	703
প্ৰতিপালক (মুপরিকদের সং		৩৭-সাক্ষ্যত	Stro	504	প্ৰতিপাদকের প্ৰশংসাসহ পৰিত্ৰতা ঘোষণা (আৰাত থনে)	৩২-সাক্ষণা	30	bre?
প্রতিপাদকের পরিপ্রতা কর্ণন		১१-रेमबा	709	920	বাতে বেছবাপ্রতিপদানৰ পরিচাল বাতে বেছবার নির্ভাগ	१५-इंद	8%	302
	ন্ত সামে নিকৃত্ত সম্পদ কলা নিষেধ)	8-निमा		440	সবাদ-সদ্ধা পৰিপ্ৰতা কৰ্ণনাৰ জন্য ইপৰা কৰল যাকাবিয়া	25-M453IN		
याची (शक्तिक याची आहादर	Come DemoCore war.	৩৫-ফাডির	2		সৰাণ-সভাৱ স্বাপ্তাহৰ পৰিছাল হোৱাৰ ব	৪৮-ব্যক্তর	22	908
	লেকে ব্যৱসাধ ব্য	৫-মারিদা	30	784	পৰিত্ৰতা জৰ্জন	89-0165	9	৯১৪
মাটি পোনি না পেলে পৰিত্ৰ		द-माडणा श-स्थित	57	640				_
			80	१७२	অসবাদে পৰিপ্ৰতা অৰ্জনকে (ভাকধয়ার উপর ছাপিত	৯-জারবা	307	967
মাটি নিরে তারাস্থ্যের বিধা		৫-মারিদা	6	627	মগদিদের লোকেরা)		_	
মুবাকীয়া পৰিৱ থাকাবছায়		১৬-শার্প	45	900	মুমিলসেরকে পরিফ্রডা জর্মনের নির্দেশ (জগরিত্র হলে)	ए-प्राधिमा	6	6.5.7
বিধিক (আনম-সভানকে প		১৭-ইস্রা	90	930	পবিত্ৰতা অৰ্জনকারী			
রিথিত (অল্লাহ মনুদকে পৰিত্র		১৬-বার্গ	92	900	পৰিক্ৰতা অৰ্থনকাৰীদেৱকে আল্লাহ ভাগবাদেন	৯-ভাওৰা	Joy	503
	বের নির্দেশ ঈমানদারদেরকে)	২-ধকুৰা	235	47.9	পৰিব্ৰতা অৰ্জনকাৰীকে পছন্দ করেন আল্লাহ	২-বাস্থারা	222	030
বিধিক (পৰিম নিধিক ভাকে		৭-আ'রফ	95	950	পবিত্ৰতা ঘোষণা/বৰ্ণদা			
বিধিক (পৰিত্ৰ বিধিক দান ৰ		৪০-ৰূ'মিদ	68	PPO	অপ্তাহর পরিরভা ঘোষণা করে দল্ভ আকাশ পথিবী এবং	১৭-ইসরা	88	939
রিধিক (রিধিক থেকে পবিত্র		৭-আ'রাফ	360	७२१	অস্ত্রাহর পরিব্রতা ঘোষণা করে আকাশ-পৃথিবীর সবকিত্ব	65-2100	3	Noo
রিবিক (হালাল ও পবির রি		৫-মরিদা	w	497	जाकारक अभिन्नका त्यावना नाज नाइक गर्छन	১৩-বা'দ	30	Syn
রিবিক (কনী ইসরাইলকে গ		১০-ইউনুস	20	660	আল্লাহ্য পৰিব্ৰতা ঘোষণা (মুগা আ, ও হাৰুন প্ৰসূত্ৰ)	২০-জা-বা	00	183
বিবিক (ক্নী ইসরাইলকে অ	জ্বাহ পৰিত্ৰ বিধিক নিয়েছিলেন)	৪৫-লাছিয়া	36	806	আল্লাহর পৰিনতা খোদণা করে না এমনবিস্কু দেই	১৭-ইগর	88	939
মিনিক (বনী ইসরাইলকে প্রদার	পবির বিভিত অধ্যানে দির্চেশ)	২০-ছা-ছ	2.7	486	অপ্তাহর পরিমান যোকা করে সৃষ্টিবুল (মানুধ বুমতে পরে ন)	১৭-ইসরা	88	959
বিধিক (বনী ইসরাঈলকে প	বির রিখিক আহারের নির্দেশ)	२-भाकासा	29	800	আপ্রাচন পরিমান থোকা করত পর্বত ও পাথি।বাইল আ, প্রদর্ম)	२५-व्यक्ति	33	300
রিখিক (অল্লাহন দেরা বালাল ও	পরির রিখিক আহার ও কৃতক্ষেতা)	১৬-নাহল	228	333	আল্লাহন পৰিপ্ৰতা ঘোষণা কৰাছ ফোৱেশভাৱা	२३-व्यक्ति	50	923
পুত নিজেকে পৰিত্ৰ ৱাখতে		২৭-নামল	26	bo8	আপ্রাহর পরিপ্রতা ঘোষণা করতে আকলে-পথিবীর সর্ববিদ্ধ	28-79	87	9.97
সঙ্গী-সঙ্গিনী (জন্মতে মুখিন সং	व्यमिनातर शब्द त्रके त्रक्ति हो।	8-मित्रा	69	248	व्यक्तरं र्वकार्य (यक्त क्य सा नवल-नक्षा (प्रतिका)	२8-नव -	0.5	995
সুলী-সঙ্গিনী (ঈমানসার সং	कर्रनीएनव समा सासाटड भनिक			-	স্মান্ত্ৰাহৰ পৰিমানা ঘোষণা করে আঝাশ-পথিবীর মৰ্বাচন্ত	৫৯-বাশর	3	h00
সঙ্গী-সঙ্গিনী থাকবে)		২-বাকুরো	56	608	আপ্তাৰত পৰিপ্ৰতা খোলা করে (আবাদ-পৃথিবীর সৰ্বই)	৬২-জুমুঝা	3	
गमका शुक्रम निकास (क्रमन म	अंद्र माठा जात्रक क्या कारत शर्का	१४-स्वानाम	25	200	আপ্তাহর পবিজ্ঞান ঘোষণা করছে (আবাদ-পথিবীর সর্বাধিত্ব)	৬৪-আগারন	2	between the contract of the co
স্থী (পরিম সঙ্গী/সঙ্গিনীরা বচু	इक्ष राक्ता व्यवस्थानाती ।	৩-জালে ইমরান	26	803	আপ্তাহৰ পৰিস্তৱ্য বোহণা করে আকাশ-পথিনীর সব্ভিত্ত			
স্ত্ৰীরা পবিত্র হওয়া পর্যন্ত আ	जर भिक्रोवर्की मा इतका	३-वारवंदा	222	242	অপ্তাহর পরিক্রার বোহণার নির্দেশ (সকাল-স্থানায়)	৫৯-হাপর	38	264
স্ত্রীগণ পবিত্র হলে অনের নি		२-वाङ्गारा -	222	232	অন্তাহর পাবকর ব্যোকর নেনে (স্বান্ত স্থানির) অন্তাহর পরিকর ক্ষেপেরর ক্ষেত্র বর্তন (অন্যাহর সংগ্রিপ্রনার)	৩৩-সাহ্যাব	84	709
স্পৰ্শ (পৰিৱয়া বাতীত কেউ		৫৬-ওরাকিয়াহ	93	289	আপ্তাৰত পৰিক্ৰতা কৰিছ কৰাত বলুল মধ্যপদ্ধী ব্যক্তি	५-वाक्सरा	90	208
হালাল (পবিত্ৰবন্ধ হালাল ক		৫-মারিদা	8	Qbo		৬৮-কুলোম	২৮	200
পবিত্র করা/রাখা	a direct growing or	4-min-ii		400	জানা (নৃষ্টিকুল পবিক্ৰতা খোৰণার পদ্ধতি জেনে নিরেছে)	২৪-নূর	85	993
	বেবেন রানুল স. যাকারের মাধ্যমে	b-प्राक्ता			দিনের প্রাক্তসমূহে প্রতিপালকের পরিক্রতা ঘোষণা	২০-স্থা-হা	100	985
দিসাকে পৰিত্ৰ কৰকেন আছা		০-আলে ইমবান	200	967	নিদেও রাভে আক্সাহর পরিচার দোকর করে ব্রমন্ত লা হওয়া	২১-অধিয়া	20	467
পোশাক (বাসুল স. কে পোণ		ও-আলে হমবান ৭৪-মনাছবির		487	প্রতিপালকের নামের পবিস্কতা যোগণার নির্দেশ	७७-शकाद	45	920
মারইরামকে পবিত্র করেছেন			8	990	প্রতিপালকের পরিক্রতা খোষণা করে ফেরেশতারা	৪২-প্রা	Q	297
মুমিন্সেরকে পবিত্র করতে চ		০-জালে ইমরান		¢80	প্রতিপাশকের পরিক্রার ক্ষেত্রকর নির্দেশ নবিলে(সূর্যালয়)পৃথিকের পূর্বে)	২০-ফ্লা-ছ	300	985
		৫-মারিদা	6	647	প্রকিলাশকের পবিক্রতা থোকনা (রাহ্রিক দীর্থ সময়)	৭৬-লাহ্র	₹6	886
মুখিনাদাকে পৰিব করার জন্ম		৮-আনকাগ	22	900	প্রতিপাশকের পরিব্রতা ঘোষণা করছে ফেরেশন্য	৩৯-যুমার	92	699
হ্বলয় (হ্বলয় পবিত্র করতে চ	ानान जाल्लाद यादनद)	৫-মরিদা	87	646	প্রতিপাদারের পরিমান্ত যোকর করে যেতালকার (নিয়ে ও রাতে)	৪১-ফুস্সিপাত	Ob	973
পবিত্রতম					প্রতিপাদকের পরিপ্রতা বোষণা করে (ফেরেশভারা)	৭-জা'রাজ	509	603
নৰীপট্টানের অনয়ের জন্য প		৩৩-জাহ্যাৰ	60	9494	ফেরেশবাগণ (আল্লাহর পবিপ্রায় গোষণা করে)	৩৭-দাক্তাত	366	trae
মুমিনদের হৃদরের জন্য পরি	ত্রতম পধ্ন (পর্ন প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাৰ	60	pop	রাভের কিছু অংশে প্রতিপাদকের পরিয়াতা ঘোষণার নির্দেশ	২০-জা-ব্য	300	485
পৰিত্ৰতা					রতে ও দিনে অক্সাধ্য পরিক্রতা থেকর করে ক্লান্ত না করেয়	२५-प्राशिक्ष	20	923
	বে (আকাশ ও পৃথিবীর সবই)	৫৭-ব্যসীদ	2	387	নকাশ-সভার আল্লাহর পবিক্রতা বোহণা করে (পর্যত্যালা)	৩৮-দোরাদ	24	1009
	পৰিমানা উচ্চ সম্ভালনাতিমাপন )	১৮-কাহক	p.>	202	সকাল-সন্থ্যার আস্তাহর পরিবান্ত ঘোষণার নির্দেশ	৩৩-আহ্যাব	84	201
সান (ইয়াহইয়াকে পবিপ্ৰয়া।	দান করেছিলেন স্বাস্থ্যহ)	১৯-মারইয়াম	30	308	সৰাল-সন্ধা পৰিত্ৰতা খোহণাৰ নিৰ্দেশ (যাকাইরাকে)	০-জালে ইমবান		480
নামের পরিমতা ধোরণার নি	র্দেশ (মহান প্রতিপাদকের)	৫৬-বর্জিয়াহ	36	289	দূর্যক্রের পূর্বে প্রতিপাশকের পরিক্রার বোলগার দির্লেশ (রাঞ্জা স. কে)	২০-সা-যা	300	985
নিক্ষেনের পবিত্রতা দাবী কর	1 Picer	৫০-বছম	65	300	সূর্যোত্তর পূর্ব প্রতিক্ষাকর পরিকার কোকর নির্দেশ (কাল স. (৫)	২০-সা-য	200	985

erfora erfora ne

मप व विरह/दनमा ।	नुदा मा अ नाम	1950 P.	961	भूष विवद्/शतम	नुवा भर व साम	-	
পবিত্ৰ থাকতে চাওয়া	C. Galagoria	-	-	পরবাট্ট নীতি	9,10,000	-	-
পুত ও অন অনুসরীয় পনির থাবতে চাঙার ( সম্পারের উচি)	৭.আ'রাফ	24	930	pla	৪৯-হন্তুরাত	24	28
পবিত্ৰবন্ধ		-	9.11	পরশ্পর			-
গাপ্তাপন্ত ইচনিচনৰ কুলুমেৰ কৰেগে পৰিব বন্ধু হাৰাম কৰা হয়	8-निम	300	699	গীৰত (মুমিনদের খন্য পরস্পরের গীৰত করা নিথেধ)	৪৯-ছমুরাত	23	52
পৰিপ্ৰ ৰস্ত আহার করার জন্য রালুকদেহকে নির্দেশ	२०-मु"मिन्न	67	963	জালিমরা পরস্পরকে প্রকারণাপূর্ণ প্রতিরাধিত দের	৩৫-ফাতির	80	78
পৰিত্ৰ বস্তু ব্যৱ করার নিৰ্দেশ	২-বাকারা	289	203	দোৰ (মুমিনাসৰ জন্য পৰম্পাৱের লোখ অনুসন্ধান নিষেধ)	৪৯-হন্তব্যত	34	32
পৰিব্ৰ বন্ধ থেকে বিহিক দান মু'মিনদেৱকে	A-gladele 4-alfan	26	908	নেয় অনুসক্ষান (মুমিননের জন্য পরস্পত্তের নোম অনুসক্ষান নিবেশ)	৪৯-ছন্ত্ৰাত	34	35
রানুল স. মানুষের জন্য পরিম বস্তবে হালাল করে।	3-शासक	263	623	পরস্পর বিরোধী	89-54410	, ,	94
রানুধ স. মানুধের জন্য শাবম বস্তুকে হালাল করেন হারাম না করা (আস্ক্রাহ যে পরিত্রবস্তু হালাল করেছেন তা)	থ-আবাক ৫-মাবিদা	74	697				
				শরীকরা পরস্পর বিরোধী (দুই ব্যক্তির দৃষ্টার)	৩৯-বুমার	4,5	৮৭
হালাল করা হল পবিত্র বস্তু (মুমিনদের জন্য)	৫-মারিদা	6	627	পরাক্রমশাদী (আরো দেখুন প্রতাপশাদী শদটি)			L
পৰিত্ৰ বিধান		_		আল্লাং (এক ও পরাক্রমশালী আল্লাং অভি পবির)	৩৯-যুমার	8	59
পৃত্রির বিশ্বক্রম সম্মান করা আল্লাহর কাছে উত্তর পদ্য	44- <b>श</b> क	20	963	অক্সহর সমলে তের তার ফেনিন পরিবর্তিত করা তার জনসা -থনিবচে)	১৪-ইব্রাহীম	85	63
পবিত্র মদে করা		_	$\Box$	পারাধ মহা পরাক্রমশাদী	১০-আ'দ	36	80
নিজেদেরকে পবিত্র হনে করণেই পবিত্র !	৪-নিসা	68	690	আল্লহ মহাপরাক্রমশালী	৪০-মুখিন	36	59
পৰিত্ৰ রাখা				আল্লাহ্ মহান্তক্রমশালী	৩৮-দোরাদ	62	9.0
কাবা ঘর পরিত্র রাখার নির্দেশ (ইমরাহীম-ইসমাঈলকে)	২-বাকুরো	256	678	অল্লাহ (পর্জমনালী এক অল্লাহ উভ্য না বিভিন্ন প্রতিশালকা)	১২-ইউসুফ	Oh	69
প্রথাম (রিসালাত)				ফিরতাউন বনী উপরাইলের উপর পরাক্তমশালী	৭-আ'রাফ	રૂચ્ય	65
অক্সাহৰ প্ৰণাম/বিদালাত পৌছে দেৱা প্ৰদল	৩৩-আহ্বাৰ	60	৮৩৭	পরাজয়			
প্রতিপাদকের বিদ্যালার/পরপাম পৌষরলা (গালিং আ, বার্তৃক)	৭-আ'বাক	95	620	রোমানরা পরান্ধরের পর অচিবেই বিভগী হবে	00-W	٥	18
প্রতিপাল্ডের রিনালাত/পরদাম ও আইবের নম্প্রনায়কে পৌয়ানা	৭-'আ'রাক	20	623	পরাজিত			Т
মঢ়কীত কর (অক্সাহ পরশাম ধরা মূপকে মঢ়কীত করেছেন)	৭-জা'রাফ	388	646	কাণ্টিরতা পরাজিত হলে এবং (জারাল্লামে সমবেত করা হলে)	০-জালে ইমবান	25	00
পরকাপ (আরো দেখুন আখিরাত শব্দটি)				কাফিন্নর পরামিত হবে	৮-আন্দাল	৩৬	65
অল্লাহই পরকাশের মাসিক	৯২-লাইল	30	3056	ছোট দল পরাজিত করে হড় দলকে (আল্লাহর ইচ্ছার)	২-অব্ধর	₹85	23
ইহবাল ও পরকাল আল্লাহর	60-HIRM	42	3/00	অপুত বহিনীকে পর্যানত কলে তাপুত বাহিনী (মারাহর ইন্ধার)	২-খাকুরো	425	25
ভূমিয়া ও অধিবারে বিভাগ দায়ি নিজেন বাসুলকে পদক্ষান ঘট্টা	১৭-ইসরা	98	990	নল (কুরাইশাদের দল পরাজিত হবে এবং পৃষ্টপ্রদর্শন করবে)	৫৪-কামার	80	34
ন্দীর জন্ম ইহকালের চেত্রে পরকাল উত্তম	৯৩-দুখ্য	8	3059	ফিরঅট্টনের দলবল পর্যজিত ও অপনত হল (ছানু প্রবঙ্গ)	৭-জা'রাফ	222	63
পরকল সম্পর্তে হতাশ ভার থানের প্রতি আল্লাহ বুন্দ	৬০-মুমকাছিলা	20	323	বাহিনী (কফিবণের বাহিনী পরাঞ্জিত হবে)	৩৮-সোলস	22	70
नववारम व्यक्ताहर श्रन्था	২৮-কাসাস	90	978	(প্রামনের পরাজিত হল	৩০-ছম	3	64
প্রবালের অধ্য উল্লেখকেরর অংশদনক্ষীদের জন্য	১২-ইউসুক	20%	999	লটারীতে পরাজিত হলেন ইউনুস (পলারন পথে)	৩৭-সাক্ষাত	282	30
ভিৰত্তভাৰ প্ৰকাশের শান্তিতে পাকভাও	१३-मापि व्यक्	300	2008	পরানো			۲,
প্ৰকীয়া (উপপতি এহণ)	10-1114 -00-0	4.4	3000	বেড়ি পরিরেছেল জাল্লাছ (কাফিরলের পলায় চিবুক পর্যস্ত)	৩৬-ইয়াসীন	ъ	200
শ্বকার। (তশ্পাত অহুশ) হরিম নাসী গরবীয়ার লিপ্ত/উপপতি গ্রহণকারীনি হরেনা	8-981		450	नदा (नदिशन)	OG-KNI-II	-	-
	8-29	-24	060	অলম্বার পর (সমুদ্র থেকে অলম্বার/মুক্তা আহরণ রসেছ)	26-MIN		+-
পরখ					88-नुषान	38	9.0
কৃতকৰ্ম পরৰ করে নিবে প্রাফ্যেক ব্যক্তি (বিদ্যামতে)	১০-ইউনুস	00	629	মিহি ও পুরু রেশমী বন্ধ পরে মুখেমুখি বসলে (মুরঞ্জীরা)	৪৪-পুৰাণ	60	हेट
পরবর্তী			-	পরাভূত		-	١.,
অন্তাত ইভিহাস,দৃহাক্ত পরবর্তীদের জন্য (ফির'জ উদের ঘটনা)	৪৩-মুখরুক	Фъ	444	ফাদিরদেরকে পরাভূত করার পর বন্দী করা	৪৭-মৃহ্যুত্থান	8	20
অনুনামী কৰা পরবর্তীদেরকে (পূর্ববর্তীদের জন্য)	৭৭-মুর্মালাভ	29	224	শরকে গরসূত্র মা করে ফুহরন্দি করা উচিত দর (দবীর জন্য)	A-plaidul	99	80
অনেক সংবাক হাবে পরবর্তীদের মার্কে (মানের সাধী)	৫৬-ওয়ানিয়ার্	80	28¢	পরামর্শ		_	-
অবিশ্বাস(ন্থ/আদ/হায়ুদ/পায়ণ্ডী জাতির বিসম্পাতে অধিশ্বাস)	১৪-ইবরাহীম	>	698	कासक्टर्ज शतामर्थ करवत निर्माण वामून म. (क (पुनिनामत गाउर)	৩-আলে ইমরান		60
অল্পৰোত (পরবর্তীদের অল্পনংখ্যক হাবে দৈকটাপ্রাপ্ত)	৫৬-ভয়কিরাহ্	78	280	কাঞ্চ (মুমিনার পারস্পরিক পরামর্গের ডিবিতে কান্স করে)	8२-जुबा '	40.	3/2
আন্দোহার হরে পরবর্তী ও সমপ্রময়িত ও (খান্য জরবেশ)	৫-মাছিদা	278	6860	ভাগাৰপ্ৰাক্সৰ সাগে সন্তানের দূৰপান সম্পর্কে গরামর্শ	৬৫-ভালাক	b	24
ইব্যাহীমের স্কৃতি সরলীর রাখা (পরবর্তীদের মারে)	৩৭-সাড়কাত	70%	5-6-2	নির্নাদে পরামর্শ করণ ইউসুক আ,এর ভাইরেরা	১২-ইউসুফ	30	100
ইন্মাইমকে পানতীনের মধ্যে সভাপ্রজীমশে প্রতিষ্ঠিত করার জন নোয়া	২৬-জ'জারা	₽8	924	পরামর্শ ও সর্যাহিত্যকে দুখ প্রাকৃত্যতে অপরাধ দেই	২-বাকুারা	200	23
ইলইয়াসের শৃতি অব্যাহত রাখা (পরবর্তীদের মাঝে)	৩৭-সাক্কাভ	759	5-50	পরিয়নবর্গ পরামর্শ করণ মৃথ্য আ,কে হত্যা করার	২৮-কাগাস	50	pro
স্থানা (সন্ত্ৰাহ জনেদ গৰবৰ্তী আগমনকাৰীদেৱকে)	১৫-বিজর	₹8	666	ভিন্ন আউনকে প্রেক্তনর পরমর্শ দান (মূদর আমুদ্র জিবা প্রদাস)	२५-७'वाहा	-00	9,5
দৃষ্টাস্কৃতিকীয় ইভিকাশ পানাতীকের কলা (ফির'না উলোর ঘটনা)	80-2444	69	664	ফিরজাউনের পরামর্শ গ্রহণ (মূপার ব্যাপারে)	৭-আগ্ৰাফ	220	83
দুষ্টান্ত (বাদর হওয়ার ঘটনা পরবর্তী পোকনের জন্য দুটান্ত)	২-বাবুবরা	00	209	মুনক্বিকলের রাতের গোপন পরামর্শ আল্লাহ জানেন	8-निमा	209	Ģ.
নিদর্শন (ফিরুমাউনের নেত্র পরবর্তীকের জন্য নিদর্শন)	১০-ইউন্স	34	690	পরামর্শ (রাতে)			
নহের পরবর্তী নবীদেরকেও আল্লাহ ওহী করেন	s-Fort	360	299	ভূমবিকলের একলা রতে পরমর্শ করে (রাসুল স, এর করের বিপরীত)	৪-নিসা	2.7	66
প্রাক্তবান (পর্ববারী ও পরবারীদের পুনরুখান হবে বিনাম(ড)	৫৬-গুরাকিলহ	85	38¢	নিবে রাখা (মুদাহিত্যকর রাভের পরামর্শ অস্তাহ নিবে রাকো)	8-गिग	9.7	20
পূৰ্ববৰ্তীদের ব্যাপানে পরবর্তীরা প্রতিশাসককে বলবে	৭-আ বাক	QP.	939	পরান্ত	1		
পূর্বকর্তীরে শরুবরীলেকে জন্ম আমাসন উপর বেলোলের মর্থাপা	৭-আ'বাক	99	626	দুহু বা, তার সম্প্রদার কর্তৃক পরায়ুত হয়ে প্রতিপাধবকে ভারকেন	৫৪-কামার	30	20
र्जादर्मीठ (गतवरी श्रीरमुटि एका कामा, की देगताहम शाम)	১৭-ইসরা	9	328	পরাম্ভ করা	1	-	Ť
ক্রার বাদী হিসাবে পরবর্ত্তীক্রর জন্ম ইনরাহীর আ, প্রায়ের সেহন	80-2460	45	120	কথার (দুপার মলিককে কথার পরার করেছে ১৯টার মলিক)	৩৮-সোৱান	20	М
भारतीय करत (संक्रांस्त पृत्र e स्वयन मा तक श्वावकीयात मारत	৩৭-নাক্কাড	222	9.95	পরিচয			٠,
नक्षांत्र करत (स्ट्रांस) स्त्र च चवाना नात्र नात्रकारात्र मारक नक्षांत्र क्षां (स्ट्रांस) स्त्र नात्रकार्याः मारके नक्षांत्र करत तात्र)	৩৭-নাধ্যাত	338	pupo.	পারতর জান্তাতের পরিচর দিরে রেখেছেন আস্তাহ (পরীপদেরকে)	৪৭-মুহাখাল	6	33
পরবর্তী (দ্বিতীয় শিক্ষা ফুঁ)	a lankala	100	a cm)	পরিচাসক	ं राजूना सर्ग	- 9	100

गम विसद्धानिक	সুৱা কং ও নাম	1071	शुक्रा	नम विषय/शतक	न्त्रा नः छ नाम	1001 Y	नृका
<u> </u>			_	পরিণত বয়স্থা			
নগদ ব্যবসা পরিচাপনার দেনদেন দেখা জরুরী নয়	২-বাকাল	252		গাড়ী (এমন গাড়ী যা কুমারী নয় এবং পরিণত বয়স্কাও নর)	২-বালুৱা	60	409
নৌহান পরিচালনা করেন আল্লাহ (সমূত্রে)	১৭-ইস্বা	00	42%	পরিগতি			_
বাসুর পরিমালনার নিদর্শন রবেছে	২-ৰাকুাৱা	798	672	পূৰ্ববৰ্তীদেৱ পরিপত্তি দেখতে পৃথিবীতে ক্রমণ করা	৪০-মু'মিন	52	239
সকল বিধয় আল্লাহ পরিচালনা করেন	১০-ইউনুস	0	548	পরিধাম			
পরিচালনাকারী		_	$\perp$	অপরাধীদের পরিবাম লক্ষ্য করা (লৃত সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	৭-আ'রাক	₽8	840
আল্লাহ মুমিনদেরকে সরশ-সঠিক পথে পরিচালনাকারী	২২-হাজ	48	960	অপরবিদের (পৃথিবীতে অপরবিদের পরিশাম দেখার নির্দেশ)	২৭-নামশ	49	909
পরিচাশিত করা				অপেন্ধ (পরিয়নের জন অপেন্ধ করছে থরা ইনকে বেল-আনশ)	৭-আ ৱাক	20	624
আল্লাহই সত্যের নিকে পরিচালিকবারী (আনুগত্য প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	.00	966	অবিয়াতের তত পরিশ্রম বয়ধর জন্য (কফিবর জনতে পার্বে)	১০-রা'দ	84	884
অক্সাহ তার নিমে পরিচালিত করেন -যে তার অভিমুখী	৪২-পুরা	2.0	1225	অবিরাতের ৩ও পরিণাম করে জন্য তা আল্লাহ লাদেদ	২৮-কাশান	09	P22
আল্লাহর পথে পরিচালিত করে অকটার্থ সভ্য	৩৪-সাবা	6	184	অন্তন হবে পরিধান (বনু নারীর ও মুনাঞ্চিকলের)	৫৯-হাপর	24	268
আল্লাহ পৰিয়ালিত করেন যাকে ইচ্ছা (সৰল-সঠিক পথে)	২-বাবুদর্য	530	248	অবাস (৩৩ পরিণামের ভাষাস বুছিমানসের জন্য)	১৫-রা'দ	24	690
আল্লাহ পরিমাদিত করেন সঠিক পথে (যাকে ইজা)	२8-मृद	86	999	আনাদের তত পরিশাম কতই ন্য উত্তম। (জান্নার্টাদের)	১৫-রা'ন	28	690
অল্লাহ দিমের দিকে অকেই পরিমালত করেন যে তার অভিযুখী হয়	১৩-রা'দ	29	692	অক্সাহর ইপতিয়ারে (পরুপ কংগ্রের পরিণাম)	৩১-লুকমান	22	2.72
ইব্যাহ্যি আনে অস্তাহ সরদ-সঠিন পথে পরিচলিত ববেন্ধিলন	১৬-দার্শ	257	930	উৎকৃষ্ট পরিণাম (সঠিক পাস্কার ওজন করার পরিণাম উৎকৃষ্ট)	১৭-ইস্রা	46	478
জ্ঞালিম ও তার সহ্যবদেহকে তীব্র আঙ্গদের পথে পরিচালিত	৩৭-সাফ্ফাড	20	かせか	चेक्षे (अवस्थितमपूर्व रिसा व्यक्कात निरूप विसास परिचारा वेक्षेत्र)	৪-মিসা	63	698
প্রশাসনীয় অক্সহর পরে পরিমানিত হুড়োর সংমানীল মুনিদরে আন্তর্ভ	২২-হাজ	2,8	960	উত্তর (আল্লাহই উত্তর সংক্রজের পরিণার নির্ধারণে)	72-scida.	88	925
জল করের নিকে পরিচলিত হত্যার জন্তাত (সংকর্মশীল মুমিনকে)	55-0300	₹8	960	উত্তম (মতনিবোধপূর্ণ বিধার আল্লাহর নিকে বিধারের পরিবামে উত্তম)	8-Nिमा	Øb.	258
মেখমালাকে অক্সাহ মৃতভ্যির দিকে পরিচালিত করেন	তং-ঘতির	ъ	V85	কান্ধের পরিণাম আল্লাহর নিকট	২২-হাচ্ছ	82	962
মেথ পরিয়ালনা কবেন আপ্তার	२८-न्त	80	270	অফিনা পৃথিবী ভ্রমণ করেল পূর্ববর্তীলের পরিশ্বম লেখতে পেত	৪৩-মুখিন	2.5	500
মেখ পৰিচালিত কৰেন আল্লাহ মৃত ভূমির নিকে	৭ আ রাক	49	929	কাঞ্চিত্রদের পরিণাম আগুন	১৩-রা'দ	00	995
শরীকরা সত্যের দিকে পরিমালিত করে দা	২০-ইউনুস	66	649	কাঞ্চিরদের পরিণাম (পূর্ববর্তীদের মত ধ্বংস)	৪৭-মুহান্দান	20	975
শান্তির নিকে পরিয়ালিত করে (শয়তদে তার নছুদেরকে)	22-87 <b>%</b>	8	164	কিতাবকে মিখ্যাসভিহিতকারী	৪৩-যুগরুক	55	339
সঠিক পথে পরিচালনা করার জন্য দাউদের নিকট প্রার্থনা	ay-Catalad	રર	৮৬৭	কতি (নির্দেশ জন্মনাকারী জনপঢ়ার ব্যক্তর পরিশান চনুই কতি)	৬৫-রাগ্রক	ъ	299
সঞ্জীক পথে পরিমালিত করা হবে (আল্লাহকে দৃদন্তবে ধারণ করলে)	০-আলে ইমরান	202	282	ছামুন সম্প্রনারের যড়যন্তের পরিণাম ধাংন (দালিহ আ.কে	২৭-নামল	23	508
সংজ্ঞান নিকে পরিবলিক করে কুরামান (এবদলা ছিলের উচ্চি)	৪৬-আব্কাক	80	227	হত্যার বড়বস্ত)	1	1 43	908
সভ্যের দিকে পরিচালিককারী আল্লাহর আনুগত্য প্রসঙ্গ	২০-ইউদুস	46	668	ন্দালিমদের পরিণাম (ওহাঁকে মিখ্যা অভিহিত করার কারণে)	১०-३উन्म	o <sub>2</sub>	962
সভ্যের ভিকে পরিচালিত করে এমন কোল শরীক কি আছে?	২০-ইউযুপ	96	964	স্বালিমদের পরিণাম দেখার নির্দেশ	২৮-কাসাস	80	272
সরল-সঠিক পথে পরিমণিত করেন আল্লাহ (থাকে ইচ্ছা)	১০-ইউবুস	48	960	অঞ্চল্ডা অনুষ্ঠনকারীনের পরিবাম জান্নাত	১৩-রা'ন	-00	695
সরল-সঠিক পথে পরিচালিক করার প্রার্থনা (আল্লাহর নিকট)	১-ব্যক্তিহা	4	507	পরেরা কলে না অল্লাহ (ভায়ুদ কাতির দত্যেসর পরিবাদের)	92-MH5	14	2048
সক্ষ-সঠিক পথে আল্লাহ পরিচলিক ধরেছিলন (ইংরাহীন আ,কে)	১৬-নাহ্দ	252	470	পূৰ্ববৰ্তীদের পরিগাম (আল্লাহ ভালেরকে ধাংস করেছেল)	৪৭-মুখ্যন্দাদ	20	250
সরল পথে পরিচালিত করেন রাস্ল স. (কিভাব দারা)	৪২-শ্বা	25	999	পূর্ববর্তীদের পরিণাম (শ্রমণ করলে মুশরিকরা লক্ষ্য করত)	৩৫-ফাডির	88	260
সরল-সরিক পথে পরিচালিত করেন আল্লাহ (থাকে ইচ্ছা)	২-বাকুরো	285	670	পূৰ্ববৰ্তীদের পরিণাম দেখার ক্ষমা পৃথিবী প্রমণের নির্দেশ	90-2K	84	254
সংল-সঠিক পথে পঞ্জিলিত করেদ অক্সাহ আসেবক বস্ত্র	৫-মারিদা	3/5	62.5	পূর্ণীরানা পরিবাম কেমল হয়েছিল মানুষ কি তা লক্ষ্য করেনি?	১২-ইউসুফ	709	69.4
সঙ্গো-গঠিক পথে পরিবলিত করে কুবসান (একলা ছিলের উভি)	৪৬-আহ্বাক	вo	227	দ্যাপান পৃত্তিকারীদের পরিবাম শক্ষা করা (মানাচেনবাদী প্রদাস)	<b>্ব-জা,শা</b> ন্	518	640
সরল-সঠিক পথে পরিয়ালিত (মদোশীত দবীদেবকে)	৬-আশ্'ঝাম	2.4	608	ফ্যাসাদ সৃষ্টিকারীসের পরিণাম (বিস্বক্ষাউন প্রসঙ্গ)	৭-আ'রাফ	300	હરર
সরদ-সঠিক পথে পরিচাদিত করেছেন আল্লাহ (রাসুল স. কে)	৬-আন্'অম	3/83	925	ফ্যাসাদশ্টিকরীদের পরিণাম(ফিরঅফেন/সম্প্রদার প্রনঙ্গ)	२९-माधन	38	9-07
সরক-সঠিক পথে পরিচালিত করা (ইমাননারনেরকে)	8-निमा	235	293	মলকালে পরিয়াম হয়েছিল মন্দ (পূর্ববর্তাদের)	00-WX	30	४२२
পরিজন				মিখ্যা অভিহিতকারীদের পরিশাম লক্ষ্য করার আন্তাদ	০-আলে ইমরান	309	28≥
অইযুৰ আ, তে ভার পরিধার-পরিষদ ফেরড দান করণেন আল্লাহ	৩৮-মেরান	80	9-99-	মিখ্যা অভিহিতকারীদের পরিগাম দেবার জন্য পৃথিবী প্রমণ	১৬-মার্প	ФЪ	900
কতি (বিশ্বামতের দিন পরিকলের ফতিনাথনকারীই করিয়ের)	৪২-পৃথ্য	80	9.94	মিখ্যা অভিহতকারীদের পরিপাম লক্ষ্য করা	৬-আন্'আম	22	989
পরিণত				মুমানীদের জন্য ৩৬ পরিণাম (নবীকে থৈথিববংগর নির্দেশ)	১১-ছুল	83	690
'আলাকা'কে 'মূদদা'র পরিগত করা (মাদব সৃষ্টির প্রক্রিয়া)	২৩-মু'নিশুল	78	966	লক্ষা (পরিশাম লক্ষ্য বর্ত্তেনি তি মঞ্জার কাম্বিক্সর পূর্ববর্তীলের)	৩০-ছম	à	255
উৎপাটিত শলে পরিগত করেন অস্তাহ (কলল তরা কেতকে)	১০-ইউনুস	2.8	626	তত পরিবাম করে জন্য তা জানতে পারা (জালিম প্রসঙ্গ)	৬-আদ্'আম	305	609
উট্রিদশুণ্য ভূমিতে পরিণত হবে (অগ্যম)	১৮-করেক	80	939	সতর্বকৃতদের পরিদান দেখা (মৃহ আ. সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	১০-ইউমূল	90	497
উদ্ভিদপুদ্য অ্মিতে পরিগত করবেন আল্লাহ (পৃথিবীকে)	১৮-কাহ্ফ	b	948	সভৰ্কৃতনের পরিগাম লক্ষ্য করার নির্দেশ	৩৭-সাহফাত	90	9490
ব্যুকুটার পরিশত করতে পারেন আল্লার (ফসল)	৫৬-ওয়াবিবার্	98	>86	পরিণাম (তন্ত পরিণাম)			
পত্ত-কুটোর পরিগত তরেন স্বাস্থাব (সতেজ ফলসকে)	০৯-মুখাৰ	57	590	তাকওয়া/মুন্তাকীদের ঋদ্য শুত পরিণাম	২০-জা-ছা	305	985
চালান্ত্রিকে ধুসর আর্বজনার পরিণত করেন আল্লাহ	৮৭-আলা	Q	3036	পরিণাম (হয়ে যাওয়া)			_
পুলিকা (বিভিন্ন পুলিকার পরিণত করেন অন্তর্য অপর্যবিদর)	২৫-ফুরকান	20	91/8	আন ভাতির পরিধান থালে (বসতি হাড়া কিছুই ছিলনা)	৪৬-জাহতাক	20	970
নিরাপদ নগরে পরিশত করার দোরা (মরুকে)	২-বাকুলো	250	678	পরিতাপ (ঝারো দেখন আফসোস শব্দটি)	006014	-/4	
বীৰ্থকে 'আলাকা' বা দ্ৰংগ পরিপত করা	২০-সু'মিনুন	>8	966	পারতাপ (ঝারো দেখুন ঝাফসোস প্রশাচ) কর্মসমূহকে পরিভাগরণে সেখানের অস্তাহ		-	<u>-</u>
সভ্যে পরিণত করেছেন প্রতিপালক (আমার সপ্র)	३२-१४गुक	300	666		২-বাকারা	298	672
সাত আকাৰে পৰিগত কংগেল আপ্ৰাই (আৰম্পন্নভূলীকে)	৪১-ফুস্সিলাত	25	644	কুল্পমান পরিভাপের কারণ (কাফিরদের)	00-1940	00	99.0
পরিণত বয়স			_	দিন (পরিবাপের দিন সম্পর্কে ছালিমদেরকে সকর্ক করা)	১৯-মারইয়াম	69	900
জেলে থাকা অবস্থার ও পরিণত বয়সে কথা কাবে ইনা আ,	০-আলে ইমরান	85	¢80	পরিভূষ			
বোলে থাকতে ও পরিণত ধরসে কথা বলেছেন ঈসা আ	2-मविभा	220	498	চমবতেও কথার পরিসুধী হওয়া (অধিয়াকে অধিকাণীভার প্রদান)	৬-জান্জম	330	609
পৌছালে (মানুযের পরিগত বয়সে পৌছালো প্রসঙ্গ)	22-1706	2	980	প্রতিপাদক পরিসুট করেন (মানুখকে)	<b>१७-मास</b> म	85-	306
	111.11	-	1			-	- 70

পরিতপ্ত	পরিবার

শ্বৰ বিষয়/প্ৰসঙ্গ	স্রা লং ও লমে	WHEN I	761	ব্দ বিষয়/প্রসঙ্গ	त्वां नर ७ सम	ARK	
পরিকৃত্ত				ৰাণী (আল্লাহর বাণী পরিবর্তন করতে চার বেণুসদরা)	8५-वाट्ट	76	974
পুলিয়ার জীবনে সম্লষ্ট/কৃত ব্যক্তির আশুরস্থল আঙ্ক	১০-ইউনুস	9	968	থানীর বেনে পরিবর্তন দেই (মুখানীচনত্তক অন্তাহর সুসাবাদ প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	68	990
পরিত্যক				বাহুর পরিবর্তনে নিদর্শন আছে (অনুধারনকারীদের জন্য )	৪৫-জাছিলা	¢	hos
কুরামানকে পরিআরভাগে গ্রহণ করেছে রাসুল মা এর সংগ্রানার	২৫-ফুরকান	100	35/8	মুমিনরা অঙ্গীকরে পরিবর্তন করেনি (খন্দক যুদ্ধ প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাব	20	bron
কৃপ (পরিত্যাক কৃপ খাসে হওৱা নবীকে মিখ্যাবাদী বলায়)	22-57W	80	902	রাত দিলের পরিবর্তনে বৃদ্ধিমানদের জন্য নিদর্শন	৩-আলে ইমরন	350	021
মাইয়ম বলি পরিভাক হয়ে যেতা (মাইয়ামের আবসেপ)	29-X14641A	50	306	मण्डाना निकास अधिकर्तन ना कराना प्रश्लाद अधिकर्तन करवन ना	১৩-রা'দ	33	697
পরিত্যাগ (আরো দেখন বর্জন/ত্যাগ শব্দটি)	30 miles		102	সম্প্রদার পরিবর্তন দা করলে (নিজেদের মধ্যে যা আছে,)	৮-আনকাল	60	80
অধিয়াত্ত মানুধ পরিত্যাগ করে ও পুনিয়াতে ভাগবাসে	1/2-6031335	55	228	সৃষ্টিতে (আপ্লাহর সৃষ্টিতে কোন পরিবর্তন নেই)	00-8¥	00	154
আহাহ পরিত্যাগ করলে মুমিনসেরকে সাহায়্য করবে কেঃ	৩-জালে ইমরণ			পরিবর্তমকারী		-	_
ব্যৱহার পরতাপ করণে পুরুষদেশবরত সাধান্ত করণে (০) ইয়াউবাকে পরিস্তাপ ল করা (নুহ আ, সম্প্রলায়ের উপাসা প্রসঙ্গ)			662	অপ্তাহ পরিবর্তনকারী নন কোন নেরামতের যা গান করেছেন	৮-আন্দাল	es	80
	९३-सूद	20	99.6	আপ্তাহর বাদীর পরিবর্তমকারী মেই	৬-আনু আম	68	691
ইপ্লভায়ত পরিভাগ না করা (নুহ আ, সম্প্রনারের উপান্য প্রদাস)	৭১-লূহ	50	946	প্রতিপাদকের বাদীর পরিবর্তমকারী কেউ দেই	७-जान्'जाम उन्यान्'जाम	225	(40)
ইপান্য পরিকাচে। অসম্বর অন সম্প্রদার (স্থানর করে।)	১১-दून	60	690	যাণী (প্রতিপালকের বাদী পরিবর্তনারী কেট দেই)	2h-stás	332	92
উপসংস্কে পরিবাল প্রদার (মূদা আ, কর্তৃক বিশ্বমান্টেরে উপাদানের)	৭-আগ্রাক	১২৭	950	পরিবর্তিত করা	2010060	47	140
উপান্যনেরকে পরিব্যাদ মা করা (নৃহ আ, সম্প্রনার প্রনঙ্গ)	१५-सृद्	20	200			-	
ভারম্বক পরিয়াগ ন নরা (নূহ জ. সন্তান্যাের উপান্য গ্রনঙ্গ)	47-2 <u>4</u>	२०	39.6	যমীলকে জন্য ঘটানে এবং স্বাকাশসমূহকেও (কিয়ামতে)	১৪-ইবরাহীম	87	69.
কর-বিক্রর পরিত্যাগ (জুমার নামাঞ্চের আযান বঙ্গে)	৬২-ছুরু'থো	b	3/32	পরিবর্তে		L.	
প্রতিপালক মুখ্যন্দকে পরিকাশ করেননি	৯৩-পূথা	0	2059	সাস্তাহর পরিবর্তে (খাদ্যদেরকে অভিভাবক হিসেবে গ্রহণ)	११-वार्क	205	90
মুহাম্মকে প্রতিপালক পরিত্যাগ করেননি	৯৩-দুহা	0	3059	বর্তমান প্রতিবর পঞ্জিবর্তে উত্তম স্ত্রী নিবেন অল্পাহ নবীকে যদি	৬৬-ভাহরীম	2	89
সুওয়াঝকে পরিস্কাপ না করা (নূহ আ, সম্প্রদারের উপাদ্য প্রদর্গ)	93-75	30	29.6	ত্রীর পরিবর্তে রাসূল স, এর অন্য ত্রী গ্রহণ থৈব না হওয়া প্রসঙ্গ	৩৩-আহ্মব	45	brot
রী পরিবাশ করে পুরুষের মানে বৌনকর্ম (লৃত সম্প্রনারের)	২৬-৩'আর	399	936	পরিবার			1
প্রটাকে ত্যাদা কথে 'থা'আল'কে ভাকত ইলইরাস সম্প্রবার।	৩৭-সাফ্ফাড	254	1400	আইনুৰ আ,এন পরিবারকে আল্লাহ দরাস্বরপ কামে কিরিয়ে দেন	২১-জাপ্যা	78	190
পরিত্রাণ (আরো দেখুন উদ্ধার শব্দটি)				আৰু আহলের পরিবারের নিকট দল্পতারে ফিরে বাওয়া প্রসঙ্গ	৭৫-কিয়ামাণ্	00	200
সময় (অতীচের বহু জনগোরী পরিয়াদের সময় পারনি)	৩৮-শেরাদ	0	2000	আগীয়ের স্ত্রীর পরিবারের একজন সাকী সাক্ষাসান করল	১২-ইউস্ফ	25	69
পরিধান				ইবরাইনের পরিবারের উপর আপ্লাহর দলা ও বরুত্ত	১১-বুদ	90	69
অপংকর পরিধান (পরিধানের অগংকর আহলে সমুদ্র (ধাক)	০০-ফাতির	32	b89	উদ্ধান (আল্লাহ দৃত আ, এর পরিবারকে উদ্ধার করলেন)	২৬-ড'জারা	190	936
পোশক পরিবান করতে জন্মারীর (সবস্ক মিহি ও পরে রেশমের)	7P-5050	60	929	ক্ষরি (বিয়ামুখ্যে নিন পরিবারে ক্ষরিস্থানার্কীর ক্ষরিয়ার)	৪২-শ্র	8/2	786
পরিপত্ত	**,.		10.	পাঠাল আ, পরিবাহতে কাম করে। নির্দেশ (কঞ্চন্তহার সামে)	৩৪-সাবা	20	58
বাম শক্ত বাদের পরিপঞ্জর লাভ বিদর্শনগরন	৬-আন'আম	33	906	পালে (সন্মিয়ের শতিবায়ের পালে মানুল লক্ষানারের প্রায়ক করা প্রকাশ)	২৭-নামল	85	bot
पूर्व का. निर्माण करने काश्चार करने श्राम के कान तर करनेन	Strainter of the	28	pop	নামাজের আদেশ দান (বাসুল স, এর পরিবার প্রসঙ্গ)	30-W-W	300	983
কুল আ, নালক বুল অক্সাই তাকে প্রজা ও জান পুন কর্মেন পরিপর্ব	40-aists	28	trop	নিহতের পরিবারতে রক্তপথ প্রদান করা (যদি মায় না করে)	8-मित्रा	25	936
				নুহ আ. এর পরিবারকে উদ্ধার (মহাসন্ধট থেকে)	৩৭-সাক্কান্ত	98	90
অগ্নিশিগর আব্দশ পরিপূর্ণ থাকা সম্পর্তে জিলসের উচ্চি	૧૨-કિન્	ь	৯৮৬	নহ আ, এর পরিবারগুভ নর তার পর (আল্লাহর মোধনা)	22-RF	85	930
আছমে পরিপূর্ণ হরে যেত আসহাবে কাহাফদের দেখলে	79- <del>2164</del>	79-	952	নহ আ এর পরিবারকে মহাসহট থেকে উদ্ধার (আল্লাহর)	42-MIVII	98	10
প্ৰজ্ঞা (পৰিপূৰ্ণ প্ৰজ্ঞা বা কুৱজন কৰিছেলে উপলাৱে আচানি)	৫৪-কামার	e	909	নুহ আ এর পরিবারক্তক ছিসেবে দিক পুরুতে বন্ধার আরমন	22-5H	80	56
প্রবেশ (পরিকৃত্তিশে ইসলামে প্রবেশের নির্দেশ)	২-বাকুারা	500	650	विद्या चारा (चानु बाइन अधिवद्धा निकी ब्यूट्स विद्या चारा अनुमन	৭৫-কিরামাহ	00	306
বহিশালকের বাদী (সভা ও ন্যায় প্রায়নতার পরিপূর্ণ)	৬-আন্'আম	226	Post	থিবিরে দেয়া (দরাগরূপ আল্লাহ আইছুবের কাছে		- 00	- winc
পরিবর্তন				श्रीवाहरूक विशेष (संदर्भ प्राप्त	২১-আদিয়া	b-8	920
অলীকার পরিবর্তন করেনি মুমিনরা (কমক যুদ্ধ প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাব	20	2.05	বিবাহন পাহরে ব পরিবারে নিকট কাভিবর (বিবাহন হল)	০৮-ইয়াসীন	-	668
অন্তর ও দৃষ্টি পরিবর্তন করবেন অক্সাহ (মুপরিকদের)	৬-আন্'আম	220	909	বাসিকা (পরিবার মসন্ধিমে হারমের বাসিনা না হলে)	৩৩-২ছাশল ২-বাকারা	23/0	940
অপরাধীদের পরিবর্তন করতেন আল্লাহ ইচ্ছা কয়লে	৩৬-ইয়াসীন	98	100	থানাল (নামধার মনান্দরে ব্যাক্তের থানালা ন ব্যান্তর)	৬৬-ভাহরীম	6	3990
जक्षार भरिकर्रन राजन ग (राजन मन्ध्रमात्रात बराइ या खाइ चर)	১৩-বা'ল	22	99.99	কালে (ব্ৰুপ্তের সাধুশরকারতে তাতন থেকে বায়নের সভাপ) ক্রমা বা এর পরিবারকে অপেনার রেখে কুর পার্যন্তে যাওয়া একক	২০-জাহ্যাম	30	183
আপ্রাহর সুদ্ধতে পরিবর্তন পাওয়া বাবে না	৩৩-আহ্বাৰ	62	209	मृत्र जा, यस प्रकारक जानस्य त्या कृत पाद्याव राज्य त्या मान्य मृत्रा जा, यस त्रविशासक क्ष्मा जाकन/पत्रस जाना/कृत नर्गरक	40-81-6	30	10.
আল্লাহৰ নিৰ্ম-নীজিতে বেংন পৰিবৰ্ত্তন দেই	৩৫-ফার্ডির	80	960	মূলা আন্তর সাধনায়ের জন্য আছল/সবর অন্যত্তির প্রতে আল্লাহতে নর্পন)	২৭-নামল	٩	broo
উলান দুটি পরিবর্তন বরা নিসেন অপ্রায় (বিশ্বান ফল নিরে)	৩৪-সাবা	26	185	সাল্লাব্যক নগন। হুসা আ এর পরিবারের রেখে যাওয়া অবশির ব্যয়ন্তে নিশুকে			4
গুদিরত পরিবর্তনের পাপ বর্তাবে পরিবর্তনকরীয় উপর	२-वाकाश	23.7	250	ভূসা আ এর শারবারের রেখে যাওয়া অবশার ব্যবহার নিশুকে ভতপদ প্রদান করা নির্ভেচ পহিবারতে (যদি মাফ না করে)	২-বাঝুরা	487	65)
ওনিয়ত পরিবর্তনের পাপ (পরিবর্তনকারীর উপরেই বর্তাবে)	২-বাকুবো	24.5	250		৪-দিসা	35	6.00
কৰা পৰিবৰ্তন (ক্ৰী ইসৱাইন কৰা পৰিবৰ্তন কৰা। জন্মপ (২০০ পাঞ্জি)	7-00,000	3/64	029	राष्ट्रण ग. प्रिकारका नवाह रिप्ता जानात ना (१९५५नातूना धरारा)	৪৮-ফাত্র	24	974
কথা পরিবর্তন করায় বনী ইসরাইন জালিম হল	২-বাকুরো	23	809	লৃত আ,এর পরিবারকে উদ্ধার (পাধর বহনকারী ঝড় হতে)	28-কামার	08	700
কথা (আপ্ৰাহর কথার রদবদল হর মা)	৫০-বাফ	230	340	দৃত-পরিবারের নিকট আদল প্রেরিক কেরেশভারা	১৫-হিজর	62	903
কুরঝান পরিবর্তনের দাবী মুশরিকদের (মবীর প্রতি)	১০-ইউনুস	32	990	পৃত পরিবারের সর্বাইকে উদ্ধার করমেন ফেরেশজন্ত (ব্রী খাজীক)	১৫-হিন্দর	6.9	903
মান ও বামনিকে পাল পরিবর্তন (আসপ্তাবে করেছকে)	79-1016/0	32	120	পূতের পরিবারকে অস্ক্রাই শক্তি থেকে উদ্ধার করেন (ব্রী হাড়া)	২৭-নামপ	68	904
লিল ও বাংতর পরিবর্তনে নিলর্শন হরেছে (মুবার্কীদের জন্য)	১০-ইউনুস	0	968	দৃতের পরিবারকে উন্ধার করেছেন আল্লাহ (বৃদ্ধা স্ত্রী ব্যক্তীত)	৩৭-সাফ্ফাড	708	9.9
দিন বাতের পরিবর্তনে মারে পিছা ব্যাহে				লুতের পরিবারকে জনপদ থেকে নের করে দেয়ার দিয়াস্ত	২৭-মামল	69	troi
	28-99	88	995	গৃতের শরিবারকে রক্ষার ব্রার্কর (সম্পান্তরে অপর্কর্ম থেকে)	২৬-৫'আরা	299	936
ধীন পরিবর্জন করে দেবে মূসা আ, (কিরআউনের আশহা)	80-मृद्यिन	59	рьо	সমান (পরিবারের সমান নিশ মূসার বেন মূপার অপ্লাবগালের কল্য)	২৮-ব্যাসাস	25	40)
নিয়ামত পৰিবৰ্তন (আল্লাহৰ নিয়ামত পৰিবৰ্তন)	২-বাবুরো	522	৫২০	মালিয়ের পরিবার-পরিজনকে ছানুন সম্প্রদায়ের আন্তঃম্প প্রদান	২৭-নামল	85	Pol
		20	225	প্রীর পরিবার থেকে দালিশ নিয়েগে (বিরোধের আশার ধাকলে)	8-निमा	00	460
দীতিকে (অস্ত্রাহর নীতিকে কোন পরিবর্তন পাওয়া বাবে না)	৪৮-ফাঙ্হ						
নীছিতে (অল্লাহর নীভিতে কোন পরিবর্তন পাওয়া বাবে না) পাওয়া (অল্লাহর সূত্রতে পবিবর্তন পাওয়া বাবে না) পাপকে পবিবর্তন করে ভিকেন দুশ্য ধারা ভাদেরতে	४५-व्यव्ह	11	150	থানীর পরিবার তেকে সালিপ নির্মেণ (বিজ্ঞানের জিনিন নিশ্পতির জন্য)	8-मिला	-50	6.93

7		বার-প		পরিমাপ যন্ত্র			
अस दिसांध्यक	लूबो बर च गान	4243	981	नक्ष ।		प्रसाद	नृष्ठा
পরিবার-পরিজন				সর্ববিদ্ধার পরিবেটন করে আছেন প্রতিপাদক	৪১-ফুগুলিলাত	68	9,90
স্বৰস্থান করতে বলল ঘূলা আ, পরিবার পরিক্রণকে	২৮-কাদাদ	59	470	হুমান্ত পরিবেটন করবে (নিদাকরেঁ/সম্পদ জনাকারীকে)	<b>208-हमापा</b>	ъ	2000
ইউপুরু মা,এর প্রইলের পরিবর-পরিমানতে পুরুষ-রূপের স্পর্ণ বর্তমার	১২-ইউসুক	bb	69/2	পরিবেটনকারী			
ইউসুফ আ,এর ভাইরেরা পরিবারের কাছে ফিরে গিরে	১২-ইউসূক	98	907-2	আল্লাহ পরিবৌদ করে আহেন কাভিব্যানর কাজ	৩-আলে ইমরাণ	320	289
পণ্যমূল্য ফেরং দেখতে পাবে	24-4034	~	99.4	আল্লাহ পরিবেটনকারী (মুদাবিকদের কার্বক্রম)	8-मिमा	30%	6.67
ইয়াবুশ আএর পরিবর-পরিজনের উপর নিয়াখত পূর্ণ করকেন অক্সহ	25-5624	0	699	আপ্রাহ পরিবেটনকারী (তাদের কাম ফর)	৮-আনফাৰ	89	600
ইনমন্দির স্থা,এর পরিবার-পরিক্রান্তর সাধার ও করারের নির্দেশ নিত	১৯-মাবইরান	66	909	আপ্রাহ সবক্ষির পরিবেটনকারী (স্বাকাশ-পৃথিবীর)	8-নিসা	146	644
উপার (পূর্ব অ,এর পরিবার-পরিজনকে উন্নারের আশ্বাস কেরেশভার)	২৯-জনবার্ড	05	677	ছাহন্রন পরিবেটনকারী (কফিছনেরকে পরিবেটনকারী)	৯-জান্তব্য	83	882
ভাঠি (নিজ/পরিজনের কঠিনাখনকারীই প্রকৃত কডিছার)	०३-वृत्राव	34	493	দিং (সহাসী দিন্দে শারির অপনে শোরীর অ,এর সংস্থারের মন্)	22- <u>5</u> 4	b/8	890
খান্যসাম্প্ৰী এমে দিব আমানের পরিবার-পরিক্ষণকে	३२-१७५ए	96	6949	প্রতিপালক পরিবেটনকারী (মানইয়ানবাসীয়েনর কতকর্ম)	33- <del>2</del> 97	3-5	698
তের সের পরিক্রাকে তেরে সের পারের সময়তার পার বিচক্তিবালে,	৫-মারিসা	1/3	692	<b>नरिट्वी</b> ड		-	
যায়েটার পরিবর-পরিবাদের মধ্যে শব্দিত অবস্থার ছিল (দুনিরার)	65-24	2.5	200	তরঙ্গ হারা পরিবেটিত হওয়ার আশহা (সহাবারীদের)	১০-ইউনুস	44	626
নিয়ে আগতে বলালে ইউনুক (তাইলের পরিবার পরিজনতে)	১২-ইউসুক	20	99-2	পরিবহন (দেশন বহন শৃষ্টি)	30-4971	**	050
দুহ আ,এর পরিবার-পরিজনতে দৌবার উঠিরে দেরার নির্দেশ	২০-ৰামিশন	33	969				
দুহ আ. এর পরিবার পরিজনকে নৌকায় উঠালো	33-29	80	000	নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত চিদ ও সূৰ্য পৰিস্তমণ কৰে	৩৫-কাতির	70	684
বেশুসন্মানর পরিকার-পরিকান ভালেরকে বাস্ত রেখেরে	8५-व्यव्य	37	929	নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত চপ্ৰ-সূৰ্য প্ৰাট্যকে পৰিৱমণ কৰে	৩৯-যুমার	Ø.	242
মারইরাম আ, পরিবার-পরিজন থেকে পৃথক হরে পেল	১৯-মারবরাম	35	306	পহিমাণ			
				অণু পরিমাণ ভূলুমণ্ড আল্লাহ করেন না	8-निजा	80	665
মুদা আ.এর পরিবারের মধ্য থেকে সাহায্যকারী নিযুক্তির নোক্ত	२०-ड्रा-बा	59	182	অণু পরিয়াণ জিনিসও অগোন্য নয় আল্লাহর কাছে	৩৪-দাবা	0	987
মুগ্য আ. পরিবার-পরিজনসহ খ্যন্ত করল	২৮-আসাস	59	430	অণু পরিমাণ কিছুই আল্লাহর অণোচরে নর	১০-ইউদুস	65	900
য়াসূদ পরিবার পরিজন থেকে কোরে বের হলেন	৩-জলে ইমরন		489	অণু পরিমাণ ভাল আৰু করণেও মানুষ তা কিরামতে দেখাব	১৯-বিশ্বাদ	٩	3000
পৃত আ,তে পরিবার-পরিজনসহ রাতে বের হওরার নির্চেশ	32-दि <del>व</del> ा	96	102	অণু পরিমাণ মাল কাম করণ্যেও মানুহ তা বিরামতে দেখবে	১৯-বিশ্বাল	y	1000
পূব আ এর পরিবর-পরিমানকে অক্সাহ উদ্ধর করেন (ব্রীকে মারু)	৭-আর্ড	ho	650	অৰু পৰিমাণের মালিক নাম (ধারণাকৃত ইপাহণাণ)	68-200	44	b80
লৃতের পরিবার-পরিজনসং রাজে বের হওরার পরামর্শ	<b>77</b> -देल	1/3	690	জ্ঞানের (আল্লাহ বিদুখনের জ্ঞানের পরিমাণ)	৫৩-নাম্বর	tho.	No.
পরিবার প্রধান				দিব (অভিয়াতের এক বিধের পরিয়াব পঞ্চাপ হাজার বছর)	৭০-মা'ব্যবিদ	8	29.7
ছায়ন সম্প্রদায়ের নাজন পরিবারগোন করা সংখ্যাকা করতন	২৭-মান্স	8)r	9ro8	দিনের (_বে দিনের পরিমাণ মালমের গণলার হাজার বছর)	৩২-সাক্ষদা	0	breo
পরিবেশ				নিনিত্র পরিবাধ অর্থতীর্থ কালে আল্লাহ (প্রেক্টেক বন্ধ)	३१-विका	23	660
পরিবেশ নিপর্যন্ত (ক্ষাসান)	<b>00-क्रम</b>	83	364	নিৰ্বিষ্ট পৰিয়াণ পৰ্যন্ত কুছে গানিকে প্ৰাথেন (নিয়াপদ স্থানে)	৭৭-মুবসালাত	43	222
পরিবেশবিদ্যা রাসক (দেখুন পরিশিক্ট-৪)		-	1.02	দিবলা বেপ্তাহ সংবিদ্ধা হল নিশিঃ পরিখা নির্ভাগ করেলে।	৬৫-ভাল্যক		906
शिक्षान	-	-	-	ন্যায়াত্তাৰে পুৱোপুৰি পৰিমাণ ও ওঞ্জন দেয়াৰ নিৰ্দেশ	৬-জান'জাম	202	977
				পুনি (পরিকারত পুনি অবর্থির করেন অক্সাহ করেপ (ব্রুক)		39.	393
চিরকিশোরগণ জাল্লাতে পরিবেশন করবে	৭৬-পাহৰ	7.9	999		२०-वृषिम्न		
জন্নতে দূরে দূরে রৌপ্য পার ও স্বাধিক প্রান পরিবেশন করা হবে	৭৮-দাব্র	34	350	প্লাধিক (উপত্যকা পশিহাগৰত প্লাধিত হব বৃদ্ধিতে)	১৩-ছা'দ	39	630
পরিবেষ্টন		_		রিবিক (আল্লাহ যে পরিয়াণ ইয়া রিবিক অবকীর্ণ করেন)	৪২-শ্বা	29	5/8/0
অপরাধে পরিবেটিত ব্যক্তি জাওনের অধিবাসী হবে	২-বাকুরো	2.7	609	সরিবা দানার পরিমাণ কাঞ্চও কিল্লামতে উপস্থিত করা হবে	২১-অখিয়া	89	460
অব্যপ-পৃথিনীকে পরিনেটন করে আছে (আল্লাহর কুরনী)	২-বাকুরো	422	600	সহিত্যর দানা পরিমাণ খুদ্র বস্তুও জন্মাহ উপস্থিত করবেন	৩১-পুকমান	36	PSP
আস্তাহ পরিবেটন করে রেখেছেন কিছু দুখলন্দ্র সম্পদ	৪৮-ফাতহ	52	972	পরিমাপ (আরো দেখুন ওজন/মাপ শব্দটি)			
সম্ভাব পরিবেটন করে রেপেয়েন (রানুগদের কাছে বা কিছু আছে)	१२-किन्	₹/৮	29.4	অস্ত্রাহ পরিমাপ করেছেন সরবিছু	২৫-ফুরকান	2	965
আল্লাহ জান হবা পৰ্যকল্পকে পরিবেটন করে আছেন	৬৫-ছালাক	25	666	আল্লাহ যাতে ইয়া করেন বিধিক পরিয়াপ করে দেন	১০-রা'দ	26	697
কাফিরদেরতে পরিবেষ্টন করে আছেল আস্তাহ পেছল থেকে	৮৫-বৃদ্ধক	50	3036	ত্রী কোটে পরিকা (বর্জা) কৃষি করে দেবে (ইউনুফ জ্বান্য ভাইরের)	১২-ইউসুফ	62	600
অধিবদেরকে পরিবেটন করবে (বিয়ামত সম্পর্কে ঠাটা বিদুপ)	৪৫-কছিয়া	90	209	নিবিদ্ধ (পরিমাপ নিবিদ্ধ ইউসূচ জা,এর ভাইদের জন্য)	১২-ইউসুফ	60	925
ব্যক্তিয়দেবকে অল্লাহ পরিষেষ্টন করে রাখেন	২-বাকুরো	72	200	নির্বাহিত পরিয়পে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (সর্বাইছু)	৫৪-কামার	83	3000
কম্মিরকে পরিবটন করবে শস্তি (য নিয়ে ত্রীং-বিদ্রুপ করত)	22-E4	7	000	শাবাভাবে পরিমাপ করার নির্দেশ	৫৫-রাহ্মান	>	brob
কাঞ্চিবদের পরিবেষ্টদ করে আছে জাহাল্রাম	২৯-আনবার্ড	48	1490	পূৰ্ণ করা (পরিমাণ পূর্ণ করে দের ইউসুফ আ.)	১২-ইউসুফ	g'b	684
অধিয়ান্য পরিবাইন করণ যা নিয়ে তার ঠাটা নিকল করত	8०-वृद्यिम	310	VM2	পূৰ্ণ (পৰিমাপ পূৰ্ণ কৰে দিতে ৰঙ্গল ইউসুফের ভাইয়েয়)	১২-१६ नुष	brbr	946
ব্যক্তিবনের পরিবেষ্টন করণ জা-ই যা নিয়ে তারা ঠাটা করত	১৬-বাহল	08	900	ব্যাদ (পরিমাপ ব্যাহ থাবলে ল বৈদ্যালে ভাইকে নিয়ে ল জাললে)	३२-१६७५ए	90	65.5
খনর জুলভারনাইনের (আল্লাহ পরিবেটন করে আছেন)	29-444	92	904	ব্য (প্ৰত্যেত বয় আলমৰ নিকট নিনিষ্ট পৰিয়াল কাৰ্যমে)	১০-রা'দ	b	629
মালিয়ান পরিবটন করে (বা নিয়ে তার ঠার-ভিত্রণ করত	৩৯-বৃদ্ধর	Rbr	792	বুলনে পরিয়াপ রক্ষার নির্দেশ (বর্ম তৈরী প্রসঞ্চ)	৩৪-সাবা		p84
আদিমদের পরিবেইন করবে আধন	79-stda 29-fets	23	120	কুমনে পাচনাপ রক্ষার লেনেশ (বন তেনা প্রসঙ্গ) বৈশায়ের অইকে পর্যালকা জনুবান শিকাকে (পরিমাপ করম পেতে)		22	
ভাষান্ত্রাম কাফিরদের পরিক্টেম করে আছে	19-MAGG		340	মাপ পৰ্ব কয়। পৰিয়াপৰ সময়।	১২-ইউসুফ	90	925
আন হারা মানুহ অন্ত্রাহকে পরিকেটন করতে পারে না		48			১৭-ইস্রা	02	939
	২০-য়া-খ্য	770	187	বিধিক পরিমাপ করে দেন আল্লাহ থাকে ইঞ্ছা	২৮-লাসাস	કર	275
আনে (আল্লাহ দ্বকিছুকে আনে পরিবেটন করে রেখেছেন)	২০-য়া-যা	34	181	রিবিক পরিমাপ করে দেন আল্লাহ বাকে ইঞ্চা	৪২-পূলা	3-5	284
জানে পরিমেটন (প্রতিশাদন সর্বাধিয়ুরে জ্বানে পরিবেটন করেছেন)	৬-আন্তাম	9.0	600	রিবিক পরিমাশ করে দেন প্রতিপাদক যাকে ইচ্ছা	৩৪-সাধা	00	788
মায়-বিশেপস্থাতনঃ পরিবেউন বর্জেলে (য দিয়ে ঠাই-বিশ্রুপ বর্জেল)	৬-আৰ্'আম	30	690	বিধিক পরিমাপ ব্যব্ধ দেব আরাহ যাকে ইপ্নর	৩০-রম	69	৮২৪
দয়া ও আন (প্রতিপালকের নয়া ও আন নর্ববাাণী)	৪০-মুমিন	٩	745	রিলৈ পরিবাশ্যাসরিত করা মধ্য মহিনা জনু নির্দান আছ	৩৯-বৃদ্দার	45	690
পরিবেটন (প্রতিপালক সংবিদ্ধু চন্ধনে পরিবেটন করে জন্মেন)	৭-আরফ	9.9	957	রিখিক পরিয়াপ করে দেন প্রতিপাশক (ধার জন্য ইচ্ছা)	৩৪-সাবা	60	588
নিরপন্সবিস্থেতে পরিবেটন করে (বা নিয়ে বিরূপ করেছিল)	२১-वासिता	83	985	বিশিক পরিয়াপ করে দেব প্রতিপাদক বাবে ইক্সা			
মন্দকাকের ফুরক্সের উদ্যোজানেরকেই পরিবেটন করে	৩৫-ফাডির	80	940	ভিত্তিক (আল্লাহ বাকে ইক্স ভিত্তিক পরিমাপ করে সেন)	১৭-ইগ্রা	00	379
মানুহকে পরিবেউন করে আছেন প্রতিপাদক	১৭-ইগ্রা	80	47.9		২৯-আনকাবৃত	65	257
শান্তি পরিবেটন করণ মান্ত্রা-বিকুপকারী আদ জাতিকে	৪৬-আহ্বাক	26	770	পরিমাপ বছ (মীবান)			
সবকিছুকে পরিবেটন করে আছে (আল্লাহর দক্ষা)	৭-জ'রফ	326	623	হাপন (দরামর অপ্রাহ মীয়ান/পরিমাপ যন্ত প্রাপন করেছেন)	৫৫-রাহ্মান	9	bob
					_		_

+66×

वर्ष कर्म विवस्थान	স্থা বং ও বাম	-	501	चंप भारत विकास रिस्ताहरू	স্থা কং ও নাম	***	
পরিমিত				ব্যলিয়ানাত (মানবর্তীনেরক) পরীক্ষার দেশ (অস্তাহর পরীক্ষা)	৬৮-কুলাম	39	৯৭
আল্লাহ পরিমিত করে নিয়েছেন (সংকিছু)	৮৭-আপা		3039	গোপন বিষয় পরীক্ষা করা হবে (কিল্লামতে)	৮৬-জারিক	۵	20
পদি (সন্তাংই প্রকাশ থেকে পরিবিক পরিবারে পদি বর্জন করেন)	৪৩-মুখকক	77	1-79	ছাভূদ দশ্রদারকে পরীক্ষা (অনসন প্রদর)	২৭-নাথল	89	pro
ঘনুষকে সৃষ্টির পর পরিমিত করেছেন আল্লাহ	৮০-মানাসা	7.9	2009	ছাত্ৰদ মাতিকে পরীকা (উটনী প্রেরণ করে)	৫৪-তামার	રવ	১৩
পরিবন্ধ (স্বারো দেবুন সংশোধন শব্দটি)				অলিবদের জন্য পরীকাষত্বপ শ্রকুম বৃক্ত বানিরেছেন আল্লাহ	৩৭-সাহ্যাত	90	206
অন্ত ব্যক্তিট হয়তো পরিচত হত!	bro-জাৰাসা	0	2000	জিলদেরতে অপ্রাহর পরীক্ষা প্রসঙ্গ	92-189	39	bb
অপরাধ বিধারক্ষিত্রনা পরিচ্ছ কর্মান বাসুপ স্ থাবারের মাধ্যম	১-যাববা	300	662	অলুত বাহিনীকে পরীকা করবেন আগ্রাহ এক নহরে	২-বাকারা	28≥	22
অন্তাহ পরিচত্ত করতে পারেন ছদরের বিষয়	৩-জালে ইমান		880	পঞ্চিতে পরীক্ষা (আল্লাহর পক্ষ থেকে)	৩৮-মেরান	3,8	bits
অন্তাহ গাবেন্দ্ৰ কৰ্মতে গাবেল ক্ৰান্তেৰ বাৰা	৩-বালে ইমরান		280	নেয়াৰত পঠিপাণাৱল বিস্তা মানুষ একে দিল আলগড় অৰ্জন ভাবে	৩৯-বৃদার	85	290
আপ্তাহ পরিকল্প করেন বাকে ইয়হা			992	পারাণফার লোকতার করে পরীক্ষারবর্ণ (পারানের নিকেপ কর)	24-87W	60	90
আল্লাহ শাবেজৰ করেন ককে ব্যৱহ বিবারে গোপনবারীচারতে পরিজ্ঞ করেনে না আল্লাহ বিবাহতে	<b>२8-नृत</b>	47		পূর্ববর্তীদেরতে পরীকা করা হরেছিল (ইমান সম্পর্কে)	২৯-আনতাবৃত	0	22
	২-বাকুরা	748	672	প্রতিশালকের পক্ষ থেকে বনী ইসরাধ্যের জন্য	১৪-ইবরাহীম	8	839
নিজেকে পরিক্ষ করে মানুব নিজেরই কল্যাগের জন্য	৩৫-কান্তির	712	784		20-4431414	a	0.9
পৰিত্ৰ ও পত্ৰিতত্ব পদ্ম (ঈমাননাবদের জন্য)	২-বাকুরো	२०२	659	প্রতিপাবকের পরীক্ষা (মূরা আ,এর সম্প্রদায়কে ভূমিকপ্র	৭-আখান	320	64
প্রবিদান (পরিতভদের প্রবিদান হারী জন্মার)	২০-ফ্লা-য	96	180	वंडा कारत थे.)			_
ফিলস্মউদের পরিকর হওলার অপ্রেহ জানতে মূলা আংক নির্দেশ	%-নমি'ব্যাত	29-	2000	বিদা'অন্তিন সম্প্রদারকে পরীক্ষা করেছিলেন (অল্লাহ)	88-नृरान	24	90
মপুর নহর (জন্মতে রয়েহে পরিক্রম মপুর নহর)	৪৭-বুহাপাল	36	220	কী ইসরাইলের জনে পরীক্ষা (বিরক্ষাটন কর্তৃক পুর	২-বাকুারা	85	20
মুমিনসেরক পরিকল্প করবেন সাস্তাব	৩-জালে ইমরন	182	¢85	সন্তাদক্ষর করাই)		0.5	
মুমিদদেৱকে পরিকল্প করবেদ রামূল	৩-জালে ইমরন	268	662	থনী ইবরাইনকে পরীক্ষা করার জন্য (নিলর্শন দেরা)	৪৪-দুখান	00	90
মু মিন্দ্রা পরিতম্ব হতে পারত না (আল্লাহর অনুমধে না হলে)	48-मृत	32	998	বনী ইসরাম্বনকে বছুজের মাধ্যমে পরীক্ষা(হারন আ,এর মটি)	২০-জা-হা	90	48
রাস্প স, পরিবন্ধ করবেন (মানুদকে)	২-বাকুরে	252	678	বাধানওরাধ্যমের পরীক্ষার ফেবা (আল্লাহর পরীক্ষা)	৬৮-বুদশাম	39	29
রাসুল স. পরিচছ করবেন মানুখনেরকে	2-41988	262	628	করনে (পরীক্ষা বনিয়য়েন অল্পাহ পরশারের ধনা)	২৫-জুরবান	30	95
রাসুপ স, মানুহনেরকে পরিজন করেন	७२-सुनु वा	3	362	তাগ-মদ থার আদ্রাহ মানুহকে পরীক্ষা করেন	২১-আধিয়া	90	92
নকল (যে নিজেকে পৰিত্ৰ করে নেই সকল)	১১-শামূল	2	3048	বেরণ্যসামগ্রী হারা পরীক্ষা (দুনিয়ার জীবনের সামগ্রী)	২০-জা-যা	202	98
				মর্যান (পরীক্ষার মধ্য অপ্তাহ করবকে মর্যানার ভ্রিটিত করেছেন)	৬-অন অম	200	63
সকল (যে পরিতম্ভ হবে সেই সকল হবে)	৮৭-জালা	78	7072	মহাপরীকা (ক্নী ইলরাসংলর জনা প্রতিপালকের পরীকা)	५-व्याक्षाक	383	88
সম্পদ নাম (পরিচছ হওয়ার জন্য সম্পদ বাম)	১২-লাইল	79-	2056	মানুহের কতকের ধারা কডককে পরীক্ষা করা হয়	৬-জান'জম	60	80
বয়ংসম্পূৰ্ণ ব্যক্তি (হাসুদ স. এর কোন নাক্টিকু নেই)	৮০-আবাদা	٩	7000	মানুহতে পরিকার বল্য পৃথিবৈ নার্ববন্ধ নীক্ষাবন্ধপ বনিয়েছেল,	72-कार्डक	9	94
পরিবদ্ধ তম				মনুহতে পরীক্ষার জন্ম জীবন ও মৃত্যু সৃষ্টি			
খাস্য (পরিবন্ধতম বাদ্য দেখে দিরে আদা শহর বেকে)	72-4150	79	992	মনুহতে পরীকা করকে জন্মাহ ভয়-উচি দিয়ে	৬৭-মূল্ক	3	200
ফিরে যাওয়াই পবিত্রম পছা (ফিরে যেতে বলা হলে)	२८-मृष	52	995		२-वाकृावा	766	67.
মুক্তিদরের জন্য পরিত্রতম (দংঘত দৃষ্টি ও লক্ষ্যস্থানের হেবাজত)	<b>२8-मृ</b> व	00	995	অনুযাত পরিকা করের মন্য নৃতিপ্রকাশক্তিসম্পদ্ধ বনাতা হয়েছে	৭৬-দাহ্ব	2	88
পরিশোধ				নন্দকে পরিক্ষা কলে প্রতিপাশক (নিনিক সমূচিত করে নিয়ে)	৮৯-বার্ব	39	305
নিয়াত পরিশোধ করতে হবে (সঠিকভাবে)	২-বাকুরা	245	440	মানুবকে পরীক্ষা করেন প্রতিপাগক (অনুহাহ দান করে)	৮৯-ফাক্র	76	203
পরিলম	-	-	-	নানুবকে পরীক্ষা না করে হোড়ে সেরা হবে না (সিমান প্রদাস)	২৯-আনতাবৃত	2	6.7
মানুৰ পৃত্তি পৰিপ্ৰমেন মধ্যে	১০-বাশাস	8	2050	মুমিননের জন্য পরীক্ষাগত্রপ (সভাম-সভতি ও সম্পদ)	৬৪-জাগারুন	26	20
भविष्ठांव	autoring	l.	2000	প্রকিসেরকে পরীক্ষা করা হবে (তানো সম্পন ও জীবনো মধ্যে)	৩-জাদে ইমরান	2249	20
শাৰত্যৰ অনুমান পরিহার করার নির্দেশ (মুমিনদের প্রতি)		-	-	মুখিনদেয়ক পরীকা করা উরম পরীকা	৮-জানকান	24	60
	৪৯-ইপ্ট্রাড	75	\$52	যুদ্দিনদেৱকৈ আল্লাহর পরীকা (ইংরামে পিকার প্রদক্ষ)	৫-মারিদা	28	6.9
অপ্তাল কাম পরিহার (মুমিনের গুণ)	৪২-শ্রা	০৭	728	দুনাক্তিকদেৱকে আল্লাহ পরীকা করে জেনে নিকেন	৪৭-মুছাম্বাদ	٥٥.	333
উপদেশ বর্জন করে কেবল নূর্জাগারা	2-4-20,03	22	2022	দুর্নাক্তরভারে পরীক্ষা কেল হর প্রতি যার দুই একবর	৯-ডাওবা	326	96
বৰীয়া গুনাহ পরিহার (মুমিনের গুণ)	৪২-শূরা	09	298	দুনাকিকদের ধবরাদি আল্লাহ পরীক্ষা করাবন	৪৭-মুখ্যমান	40	221
কিজাব পরিহার করে মুখ ফিরিয়ে দিল এবদল	৩-অলে ইম্বান	₹0	@Obr	খুনিন নারীদের পরীক্ষা করা (হিঞ্জাত করে মুখিনদের কাছে		-	_
ভাপুত (রাসূপরা আল্লাহর ইথানত করতে/ভাগুত পরিহারের	১৬-নাহল	-00	900	वहनहरू)	৬০-মুমভাহিনা	20	he:
विद्य <del>ां</del> न (सन)	20-1051	~	100	দুপরিকদের জন্য পরীকা/জীবনোপ্রোগ প্রসঙ্গ	২১-আখিয়া	222	9,0
তাততের উপাসনা পরিহারকারী বন্দোদের জন্য সুসংবাদ	৩৯-যুমার	23	3-92	পুনি-চন্ত্ৰকে পৰীক্ষা করার জন্য (সবিয়ে দিলেন আল্লাছ)	৩-আলে ইমরান		20
বড় বড় পাপ পরিহার করা	৫০-নাজম	02	300	পুনি-দেরকে পরীক্ষা করা হয়েছিল (খনকের মুছে)	৩৩-জাত্যাৰ		va
মন স্বুরা মৃতিপুন্ধর বেনী বাণঃ নির্ময়ক বীর পরিহারের নির্দেশ	৫-মারিদা	30	697	মূল আকে আল্লহ পরীকার মত পরীকা করেন	२०-छा-श	32	98
পরীকা			$\Box$	মূল আএর সম্প্রদারকে পরীক্ষা (বাহুর পুরা প্রসঙ্গ)	40-31-41 40-31-41		
অন্তর (মুখ্যিনের অন্তরকে ভাকথমান জন্য আপ্রাহন পরীক্ষা)	৪৯-বৃদ্ধাত	0	340	ক্যা আ এর গণতগরকে পরকো (বছুর পুনা প্রদর) শনিবারবারীশাদেরকে পরীকা (ঝছ শিকার প্রদর)		2.6	9.8
অহরে বেশামারতের জন্য পরীক্ষাধরণ (পরভালের নিক্ষেপ করা)	২২-হাজ	¢0	960		৭-আ'রাফ	790	52)
আপ্লাহর (পপথের মাধ্যমে আপ্লাহ মানুবকে পরীকা করেন)	১৬-নাহল	25	920	পপাৰে মাধ্যমে আপ্তাহ মনুষকে পৰীকা কৰেন	১৬-শাহন	144	93
আপ্তাহ পরীক্ষা করতে চাদ মানুহকে বা নিচেহেল আ ধরা	20-শন্তা ৫-মারিলা			সংবদ (পাশ্যমন্ত্রী কর্তৃত আনিত সংবদ পরীক্ষা করার নির্দেশ ।	৪৯-হত্বত	ò	h4
		87/	@b/5	সন্তান-সন্ততি ও সম্পদ (বৃহিনদের জন্য পরীক্ষাখরপ)	৬৪-জাগাবুন	75	ঠর
এচাহ পরীক্ষা করতে পারেন বক্ষে যা আছে	০-আলে ইমরান		đđo	সন্তাদ-সন্ততি (মুখিনাবের সন্তাদ-সন্ততি পরীক্ষা পরপ)	৮-আন্দ্রম	49	60
ইবরহাঁম আ.কে পরীকা (প্রতিপাদকের করেওটি বাণী ধরা)	২-বাকুরো	758	478	সম্পদ ও সভাদ-সভাতি (মুখিদদের জন্য পরীক্ষাথরপ)	৬৪-জাগানুদ	25	30
ইবরাহীন আ. এর জন্য পরীকা (পুরা কুরবানীর আদেশ)	৩৭-সাক্ষাত	309	3465	স্থান দামতে পরিয়া করে নের। (পুরিন নও' করা বারেন)	8-निम	38	20
একজনকে অপর জনের হারা পরীক্ষা করেন আল্লাহ	৪৭-মুহামাদ	8	225				
কল্যে ও অবল্যাথ ধারা বদী ইসরাইপতে পরীক্ষা বরা হয়	৭-আর্থক	70%	65/4	কুশারকাকে অপ্রায়র পরীক্ষা (জন অসনে কেটি দেহ বেখে)	৩৮-সোরাণ	80	349
ব্যক্তে কে উন্নে তা পরীকার জন্য আকপে-পৃথিধী সৃত্তি	১১-ছুব	9	999	সুপইবানকে আন্তাহন পরীকা (কৃততা বা অকৃততা হওলার বাপারে)	২৭-নাথল	80	310
কাভিবনের জন্য পরীক্ষা (জাহান্তামের প্রহরীদের সংগ্রা)	৭৪-মুখ্যমুদ্ধির	0)	597	হাত্ৰক মাজক আপ্ৰাহর পাছ থেকে পরীক্ষা (জানু প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	304	45

विश्वक्षात्रक ज्ञानस्थात्र व्याप्त व्याप्त विश्वक्षात्र ज्ञानस्थात्र व्याप्त व्याप्त व्याप्त

MARKET LAND	73.0/6.30	न्द्रो नर छ नाम	2309 9	287	न्य	जुबा नर ७ मात्र	च्यात न	প্ৰা
পরীভাকারী	-				নিবল পৰ্বত বিভাগতে মেঘের যত চলমান হবে	২৭-মামল	44	409
জন্মহ পরীকাকারী (ক	বিদ্য সম্প্রদায়কে)	২৩-মুখিনুন	80	৭৬৭	নৌধান(সমূহে পর্বতের মত উচু দৌধান প্রতিপাশকের নিয়ন্ত্রণ)	৫৫-জন্মান	₹8	980
পরীক্ষা (ফিডনা)			1	1	পশ্স (মহাপ্রশাসে দিন পর্বক্রম্ম পুনিত পশ্মর মত হয়ে যাবে)	১০১-কৃত্রিজা	¢	7007
ক্রিনা/পরীকা আসলে	থিবার সাথে ইবাদতকারী মুখ কিরার	২২-হাজ	22	962	পৃথিবীতে সূত্র ও সুঠিত পর্বতমালা বানিয়েছেন জাল্লাহ	৭৭-মুর্সাল্ড	29	995
পরীক্ষার পাত্র					পৃথিনীতে জল্লাহ পৰ্যত স্থাপন করেছেন	২৭-দামল	65	206
অভিযোগৰ পৰীকাৰ পাত্ৰ দ	र चनात्मा बन्द (साथ (५गव सरित)	১০-ইউনুস	be	665	পৃথিবীতে পর্বত সৃষ্টি করা হয়েছে যাতে বা আন্দোলিত না হয়	২১-আধিরা	42	985
পরে			-	100	পৃথিবীতে পৰ্বত স্থাপন করা হয়েছে যেন তা আপোলত না হয়	১৬-নাত্স	34	908
	শ স, এর জাগমদের সুসংবাদ	७५-आइए	01	Selec	পেরেক (অক্সাহ পর্বতকে পেরেক বাশিয়েছেন)	৭৮-নাবা	٩	2000
Regarder stat eve t	লেল (ভারা দালতে নষ্ট করল ও)	३५-माडबैसाम	Q.b	906	প্রকাশন (পর্বত প্রকাশনত হবে বিশ্বামতের দিন)	৭৩-মুখুবানিদ	78	922
	পরে পঠিরেছেন আল্লাহ	०-व्यक्तित	88	200	অন্যানো (পৃথিনীতে পর্বত বানিয়েছেন জন্মাহ)	20-41 H	9	GAA
ধাকারিয়ার পরে উত্তর্গ		১৯-মার্ড্রনাম	2	908	থাপুকা (পৰ্বত বহুমান বাসুকার গরিণত হলে কিয়ামতে)	৭৩-মুখ্যাথিল	78	924
	পর অভিনর সমস্ট টিরে থকে	১৭-ইসর	95	930	বিশাল পর্বতের মত হল (বিষক্ত দীলনদের প্রভ্যেক তাগ)	২৬-৩'আরা	90	935
সূর্যের পর বর্থন চাল আ		97-AIXA	4	2048	মধ্যকটী স্থান পৰ্বতের দৌহৰত স্বৰূপ পূৰ্ব করা (কুলকারনাইলের)	29-4660	99	905
পৰ্না (আলো দেখুন আ		as-mg-1	<u> </u>	3040	সিম্বলা (পৰ্বত আল্লাহকে সিম্বলা করে)	5.5-£(m€	72-	969
	ভা অপ্লাহ মানুহতর লহে কর্ম বছন ন)	৪২-শ্রা	42	9/3/2	সিনাই পর্বতের কলম করেছেন আল্লাহ	৯৫-উদ	4	2049
GREENSHE WIT	graph agent agent and an approxy	<b>२8-नुव</b>	40	999	সিনাই পর্বতে এক প্রকার গাছ (যারতুন গাছ) উৎপন্ন হয়	২০-সুনিশ্ন	20	989
वाम क्षांत्रकर भन		28-98	40	999	প্রাপন (পর্বত বীভাবে স্থাপন করা হয়েছে সেনিকে নৃষ্টিপাত)	৮৮-গাশিরাহ	79	2050
क्रिक्रक दक्षा, वह शक्स	NOW WEST ( MIC DOVE)	৩০-আহ্যাব	23	340	হ্বপন (পর্বতমধা হাপন করেছেন আল্লাহ যদীনে)	৫০-কৃক	9	255
कर्ता सम्बद्ध दयद्वा १९५६	copy and ( or man)	৩০-গোহবাৰ	100	3000	ছালন (পৃথিবৈত্ত পৰ্বত স্থাপন কর হয়েছে যেন ভা আপোলত ল হয়)	১৯-মার্ল	3/2	908
एक करहार करा (शर्मक	(minet)	००-वाद्याव	90	900	হালন (পৃথিবী যাতে আন্দোলত না হয় সেজনা পৰ্বত হাপদ,)	৩১-পুকমান	70	254
চানর গায়ের উপর কুলিয়ে		৩০-আহ্যাব	6.9	900	পৰ্বত (ভূৱ)			1
CALLER COM COM AND SEC.	वर्गे निरम्पाल (शर्मान मुक्कीभ (अरम)	82-साहित	20	909	ক্ষম (তৃর পর্বতের কসম)	৫২-ডুর	3	259
	বিধাসীদের মাঝে পদা থাকবে	৭-আগ্রক	86	678	পৰ্বত্যাপা		$\overline{}$	
मृष्टि गर्यात क्रांची (शुक्रदशर)		28-74	90	335	ভাগৰীৰ্ত (পৰ্বভমাশ্যকে ভাগৰীত পাঠের নিৰ্দেশ)	ত৪-সাবা	30	V85
পৃত্তি সংগ্ৰহ প্ৰাপ (পৃত্তিক)		<b>५8-मुख</b>	97	999	প্রবিক্রমা ব্যোপনার জন্য আল্পার পরিমালাকে নিয়েজিক করেছেন	৩৮-মোয়ান	23.	969
ন্ত্ৰির পদি		28-98	92	222	স্থাপন (পর্বতমালা স্থাপন করেছেন আল্লাহ পৃথিবীতে)	30-18WG	35	600
गर्वेत शर्भ		৩৩-আহ্যাব	69	9402	স্থাপন (অস্তাহ পৃথিবীতে পর্বভয়ালাকে পৃথুজনে স্থাপন করেছেন,	৭৯-বাহি'জাত	05	3008
	হিল পৰ্বার পোলে গেকে মাইকে এবে)	৩০-সাহ্যাব	40	200	পৰ্বতমালা (মেৰ)		_	
	গ্রহ অবৈশ্বদী ও বাসুল স <sub>ং</sub> ধর মাঝে	১৭-ইসরা	80	933	निमार्गीते पर्वत (जानराम (घटक)	২৪-দূর	80	270
প্রক্রে পদ	ac desired on State of street	28-98	90	338	পৰ্বতসমূপ		_	
इक-इच्छाल्य भूम		48-94	80	900	টেউ (পৰ্বভাগুল টেউটের মধ্যে গৃহ আনের দৌরা চল্টে ধারল	22-ge	83	666
महनामान्त भूग		28-78	92	222	পর্যটক (ঘাইনিদ্র্য)		-	-
মাৰ্বার কাপচের কিছু মাংশ	also chercule victor belat	48-मृह	92	999	যানী/মুমিনের জন্য সমুদ্রের শিকার বাওয়া ব্যশাল	्-प्राणिना	24	695
	(পরিবার দেকে আধাল হণ্ডার জন্ম)	১৯-মারইয়াম	39	900	गर्राटक क			447
धंत्रत्र जात्व गर्न कवार श	क्षम (वर्षे (प्राप्तका)	48-99	407	999	আপ্তাহ পৰ্যবেক্ষক প্রোইটি প্রাণ যা অর্জন করে ভার উপর	১০-রা'দ	-00	699
যালে সামে লেখা করা কৈ		৩৩-আহমান	100	bot	আল্লাহ সৰ্ববিদ্যুৱ উপর পর্যবেক্ষক	৩৩-জাহ্মার	6.5	bristy
मामाजाना (एकाएट कहा		२८-मृत	100	998	অল্লেছ মানুদের উপর পর্যবেক্ষক	8-निया	3	225
मक्त्रशास्त्र द्रशायाः सना		28-99	65	999	আল্লাহই পৰ্যবেক্ষক মানুষের কাৰ্যকল্যাপর	्र-प्राविभा	227	696
সৌন্দর্যপ্রদর্শন না করাপ্রস		५8-मृत	65	999	প্রস্তুত (মানুসের করে সাধ্যক্ষণের জন্য একজন পর্যবেক্ষক প্রস্তুত)	৫০-কাফ	36	250
নৌশর্থ প্রদর্শনের সীমা		38-99	97	999	नर्धवरूप			
সৌলব্দ প্রকাশের উদ্দেশ্যে	गतबंदर भी में दश्ला	५8-मृत	02	222	সম্প্রদায়কে পর্যবেষণ করতে বলুলেন ও'আইব আ	22- <b>इ</b> ल	200	698
দৌশর্য প্রদর্শন করে না বে		৩৩-আৰ্থাৰ	00	5000	পৰ্যবেক্ষণকাৰী			-
পৰ্বত (আরো দেশুন প			_	-	নিদর্শন হয়েছে পর্যক্রেক্সকেন্দ্রীদের কন্য (পৃত জাতির ঘটনার)	26-1684	9,2	905
	পাৰ্য্যান্তৰ উপৰ অবস্তীৰ্ণ হত)	69-59-69	23	529	ত'বাইৰ খা, নিজেও পৰ্যকেলকার	22-64	30	598
	স্থাৰ-পৃথিত-পৰ্বতের অস্মতি প্ৰদাস)	৩৩-আহম্মৰ	92	b80	<b>वर्गायक्रदम</b>		10.0	0.00
	থেকে ধুন্দা পেটে পর্বরে আশ্রয় পের)	22-54	80	989	च्याहरू वर्धसङ्ख्य वराजन (कृतकानाक विश्वा वर्धार क्याहरू	৬৮-কুলাম	88	299
ভাচতায় পৰ্বত পৰ্যন্ত সে		১৭-ইসরা	09	939	ক্ষুতাৰ পৰ্যায়ক্তৰ অবটাৰ্গ (বাসল স. এব প্ৰতি)	৭৬-দাহর	90	999
	নুক বিনামকের দিন উঠালে হবে)	65-1997	78	396	পৃষ্টি (মানুগার্ড টিনা গর্মের অধ্যক্ষর পর্যায়ক্রম মানুধ সৃষ্টি)	०%-पुमाव	6	2-47
	ক্সছ সম্পূর্ণরূপে উপোটন করনে)	২০-ছা-হা	306	181	সৃষ্টি (আক্সাহ মানুবাক পর্যায়ক্রমে সৃষ্টি করেছেন)	१५-मृह	18	948
উৎপাটন করা হবে (কি		৭৭-মুর্নালাত	30	223	नार्थ	250.58	10	970
কসম (আল্লাহ সিনাই প		32-ER	1 3	2029	সাৰ অন্তাহকে শতা কথা (পাৰ্যের উপর পুরে)	৩-জালে ইমলা		
	চল্লমতে মেখের মত চলমান হবে)	২৭-নামল	WW	809	ক্তাহাৰে পৰেৰ কয়া (পাৰেৰ কৰা বুলে) কুৱ পৰ্বভেৱ পাশে ৱাপুল ভিলেন না (মুনাকে আহ্বানের নময়)	২৮-কাল		668
प्रमा (किसामाग्रह किस १	পতি প্ৰত পতিতে চলবে)	65-24	>0	849	ধাণ (কল্মশ পর্যার্থন ও পৃষ্ঠবেশ মাণ সেয় হবে অসেবেদ)	৯-ভাগো	86	980
	পর্বভাবে (বিরামভের দিন)	১৮-কাহ্ফ	89	939	মুন্নিলের পান্ধালন বিয়াল থেকে জলানা হয় (অহাজুন প্রদাস)	৩২-সাঞ্সা	3/0	980
	দিন পৰ্যভৱে চালিত কৰা হবে)	৮১-ভাকতীর	0	200tr	পাৰ্থবাৰ্থী	O.S. sallabal	20	803
	জ (শিঙ্গার কুঁ দেরার দিন)	৭৮-মাব্য	20	2002		- Divis		
চুৰ বিচুৰ হতে পৰ্যভয়াৰ		<b>१७-च्यांक्या</b> ६	0	280	দলী (পাৰ্থবাটী দলীন দাবে সহাবহারের নির্দেশ)	8-जिमा	05	667
	व्य नमाम ब्राच्याः व्यक्ताव्य नितर्गमः)	৪২-পুরা	100	¥28	সভাবহার (পার্থবারী সমীর সাথে সভবগ্রারে নির্নেশ) পদক	8-5्मा	99	6.67
	ত বৈশ যাওয়ার মাত অনুযোগ করল)	28-ইनब्राहीम	86	999			-	_
	লের উপরে পর্যন্তকে ভূলে ধরা)	3-20,500	393	625	চোবের এক প্রকের মত আল্লাহর আনের (মাই একবার	৫৪-কামার	60	300
	নিয়েজিত করেছেল সাপ্তাই				চোৰের পপকের মত বিবামত ব্যং তার চেয়ে নিকটবর্তী	১৬-নাহ্শ	99	90%
		২১-আধিয়া	23	100	পুশরিমানের পদক ফেলার পূর্বে সাধার রানীর সিংহাসন আনা প্রসা	২৭-নামল	80	900
	ডিকে আল্লাহ নিয়েঞ্জিত করেছেন	২১-আধিয়া	939	900	পদায়ৰ (ঝাৰো দেপুৰ পালালো পথাট)		1	
	পর্বত (কিয়ামতের সিন)	৭০-মা আরিল	>	99-7	আসহাবে কাহক থেকে পলায়ৰ (ভয়ে)	29-satésa	72	330
	যানে পৰ্বতসমূহ (মহাপ্ৰদয়েও দিশ)	३०३-कृति वा	6	2002	ইউনুদ আ. পলায়ন করে বোঝাই নৌযানে পৌছল	৩৭-সাঞ্ফাত	780	200
	पुरुष क्षेत्रसम्बद्ध स्थानस्थातः कथातः)	১৯-মারইয়াম	80	180	উপকারে দা অন্ধ(মৃত্যু/ইড়া) থেকে পলানদ থানক যুদ্ধ প্রসঙ্গ	০০-মাহয়াব	3.5	80%

	<b>9</b> 0 a21	
ı	48	

Characterism बहास समझ प्रकार को বিষয়/প্রয়ন नदा नर ७ नाम (बार्क्स) शक्त প্ৰায়ন (পূৰ্ব পূচা থেকে) efect fora artiferran electric (miseron artife musica score see) and the same ধারতের গাছটি পরিম নিকেরও নয় পর্ব নিকেরও নয় 38-88 perfective season with our 21.7mg/m জিনবা পথিবী কাল্ড পঞ্জিলত আলচাক ক্ষমত জালা লাল তা 23 Sec. অপরাধীদের মাধার বটি/পা ধরে পারুভাঙ তারা চার কক-বাহমান >85 WE HELDE HALL STEEL AND SOUTH à-535° অপহার্থনের পা পাচের সঙ্গে জড়িতে যাবে (বিষয়েত্রে 90 famate ভাই থেকে মান্য পালাবে (কিলমগ্ৰুত দিল L-L-WEIN कार्याः (ना वात प्रतिक्त कार्याः कार्याः विर्मन स्वितिः स्व (स्र) 20 Alv. Ottob प्रमाणिकता अभावन कराज *(प्राचिक (भावक सा*क) on Nivera কর্তন ক্ষিত্রন জনার প্রশূপকাল হ'ব-পু কর্বনের রুখির বিষয়েইসম 30.81.31 মুদ্ধ/ছবার উল্লেখনার উপরতে না আনা (বন্ধর বছ প্রকল ~~ Statte and the properties of the party 9,797'3700 মতা গেতে পশালে কাতে চাইক্ষর তা মানামে সামে সামান করত ৬২-বৃদু'আ वहें। जिर्देशका बस्तकाल शहर न क्रिकेट दिव काल गर्दे NA PUREN সমান কার পলারন উপরারে না আসা (গলার মুদ্ধ প্রসূত্র AA MESTIC অভিযানৰ পাত্ৰৰ দিয় ও উপৰ খেতে পাত্ৰি আছের করা >> 191mmne1 MMITTANA Compared at Only Comp. (Supplement on the supplement) str-orien 3163 ভিত্ত একে পদায়নক গৰাৰ নাম ভাৱ, যাৱ উপায়ক খেকে 10.TENNER চনা (দ পারে চনে বিক্ল ছবি)। 28.87 প্রাহম এবগ্র क्सा (प्रतिकास कि ना आहा को जिला ताला करना क 0.707,040 (48) भारत अपन्यस्थात नामान स्थापन हिंदी सामित (सामन स्थापन) জন্মনা (ভিয়মতে পাশীদের পা পাছের সাত ভঙ্গিয়ে যাস) 95.22 90 STRING 33 লা করে গেডিয়াসর ব্যবস্থান লয় করার আলাত। বন্ধি (নামে অম্বান সম্প্রদায়ের প্রশায়ন প্রবশরার বন্ধি বর্ত্তেজা मह करा (प्रविचानक शा मह करा समझार अर्थ SCREE b-वानकार দ্য (শা সূদ্য বাধার ক্ষম্য প্রার্থন্য ক্রামীন্সহ গরাদি পারে পশম/লেম্চারে মান্যার আস্থাবলারের উপকরণ 16-RI28 ০-ডালে ইমবান 483 citiz (et rittz sons Grade son even) দক্ষিত পৰায়ত হাত হাতে বাবে পর্বতসমূহ (মহালক্ষাহর জিল। ১০১-ব্যক্তিক o-प्रतिक Security Signature of the Security of the Secu পত (ভাবো দেখন জন্ম শৰ্মাট) o arrivo আট প্ৰকাৰ গ্ৰহ পালিত প্ৰচ নিয়োচন আলাত মানলাৰ বিলোনে। পা চির হতার পর বিলোনে (পপর্বত প্রবঞ্জন বন্যস) Vo-Rive লাবিত আৰু ব্যেপতিৰ গুৱাহাতে (আসায়ানে এইচাকৰ কৰব অধান পেননি পথতে মানুহের ক্ষম আহাতের বাংলা প্রস্তায়। 24-4820 20-9007 930 SECT (MAIN 4000 ENDED SHI SECTION FIRST STEEL coast Call comme on case with colored accesses were N-atem 38.22 ate (श्रमीनमञ्जू कर दिन कर्त नंद्राधान्य द्विशा दान अस्त য়ন্ত্ৰিল লাইব পাঞ্জালন মাধাৰ্যাল (পেনি) নাৰ ভিতৰ স্পাৰ্কত 8.500 Ac vourieur 242 स्त्रि (स्थानक प्रधानक स्थापन क्रि. त्यान अपि अधितय प्रकार आधारत (देशका का गांवत जातावातकाल प्राप्तत राजी का ) a trificat %-আৰ'আ যাকা দিবে পা (কিঃমেতে) হাদ্য প্রতম পেরাদিপক শস্য থেকে খান্য প্রহণ করে। 60-2799s 58.28 সাক্ষ্য বিৰে ভিকালায়ৰ দিল ( কামকৰ্ম সম্পৰ্যৰ্থ stress (startis stress time transactions statement) Acres 40 MARKS. ভিত্ত সমস্তার পর পা পিছসামের বিশবকৈ প্রকলম বান্যাস ক্ষেম্ম শেকার প্রাধিপত ক্ষোমা ক্ষেম্ম মার্ট করেছেন) 26-ATC# 82-50 अध्योद्दे (पाना अध्य ताराक व्यक्ति अध्यन्ते शंक क को त्यारी तथको करत शरीरच समाध्यासकीरपात ०-सास्त्रिक ৭-আ রাজ 20 विभिन्न साहत सहस्राहित एक स्थानक प्रति अस्यापन MHSI (WALK MHNII) en white MRI Bernara stage erre not Sovers (erre un ভারবাহী ও ছোট গবানি পক সৃষ্টি করেছেন জালার 582 8-Size েজান'জার 650 936 র্জালনার মেনাজনার মুদ্রাং থার বাইকে স্বরিবারকরণে পরেন প্ত (কৰবানীৰ) g. Sport গ্ৰাছ মালা প্রানো করবানীর পচ অভিযাৰত পাৰে না (আলাচ যাতে পথানী কৰেল যাত ৫.ঘবিদা Vr-201076 200 জীক্ষাধন্যতে উপধ্যা (ক্রারানির জন্ম প্রত্যির পাচ) অভিভাবক পাৰে না মুনাধিকরা (অক্সাহ হাড়া কাউকে 0.2752 An RESTA 39 নিদর্শন (করবানীর পত আল্লাহর অন্যতম নিদর্শন) অভিভাৰত পাৰেনা অহংকারীরা (আপ্রাহ ছাড়া কাউকে) g-Spe 11 1 96 विकारक ६ महासकती भार न करिन পকাৎ (আরো দেখুন পিছন শব্দটি) voc. State 207 brob অভিয়ত্ত ও সাহায়কারী পেত যা কফিংবা (৩৯ ববাল Nexus (village, villagues n'essentatus liccie etcos) SH-WEE vo.fime স্কৃতিভাৰত পাধুৱা বাবে না আলাত পথানী কথাৰ STREET, STREET 11,830 STREET SETTING MICHIEF STREET STREET चारक्रम चरवांव दास्ता स १७ (भोग Wests Wine self arms ৯০-বল vs.fame 999 অসমতি কোমানে অসমতি পাত্যে যেত আল্লাহ ছাত্ৰ করে ২লা 8-975 প্রভানগায়ী নক্ষর versible for the common property Durfalber areas forward. কাল-সোৱাৰ বস্ম (বালাই প্রদেশ্যমী নক্ষতের ক্সম কলেছন। ৮৯, যাক্ষীর অন্তৰ্যত কৰিছে প্ৰত্যে বিচিত্ৰপথিক বাংলা পাৰে বিচ্ছা প্ৰথম 92.89 MATE TO प्रदायमञ्जीत त्राचानी नाता यात त्रावानी ध्रा त्रा s.fipst वर्ती वैक्रांच्याका अच्छातात्र जनक विकासके व अस्ति 10-3344 আর্থে বিশবে ইন্টোনের প্রভা (জীবনের প্রতি বেশি আর্থে)। की देशवर्षणान् भगायास इस ताम विवासीसमाजि वार्तन ২-বাকার 30.72.27 985 जनपट्ट ज्लुहार राजरास्त्र शामी (निर्देश एक चारा दानक ২০-ডা-চা মন্ত্ৰ আ ও কৰে স্থিতিত পশ্চামক কৰা হ'ব বেশ্ম বেল হক্ষা 99.572 অল্লহতে তাওবা কবলকারী ও পরম দলল ভিসাবে পারহা 8-मिल মুদা আ,এর পক্ষাহাবন করা হবে জনিয়ে এই (বিশ্ব'আইল তাওঁত) 45-9 100 900 অন্যাত অন্তর্শীল ও ধরল হিচাবে পারের (কমা লার্ডন পারের a.Seat শ্বদ সম্প্রদারের পার্যায়খনে ইনকা না হওয়া (গুল-প্রদাস) 8.500 308 অল্লাহর নিকট পারের কারে যা অন্তিম প্রকাশ করার সিংক্রর ক্রম্য Gr. Tarritire প্রভানের (ক্রমন্ত অগ্রিশিখা প্রভানের পশ্চাভাবন করে 09,200072 আলার পারের না অধিবাংশ হার্যাকে মাজার বিহাস 0.701299 638 সর্বোধারকালে মসাধানী উপজ্জালের পশাভাবন (তিবাঁজাইন কর্মকা 50-0'00E 933 জন্মতে শাস কৰিবল আন্ত মনীবিকালে আৰু নিত্ৰ SR-FR অলাহর নিষ্টা পাবে (কলাপকঃ আরুর প্রতিসাম ২-ব্যক্তর দুৰ্বল (পক্ষাধাৰণকৃত ও পক্ষাধাৰণনারী উভয়েই দুৰ্বল, 33,27% 950 क्ष्मान्य विकारकारी गृशिहर जानत समुख्या ६ शहर्र गार 8.firz পশ্চিম 92-500 STATE AND A MALE DIVIDE DATE (TOTAL STREET) SPEED আল্লাহর (পর্ব-পশ্চিম সব দিক আলাভারী) ১,বাৰার STREET, CALL THE WATER STREET, STREET, SALES OF ৯-ডাওব 685 মিক পের্ব বা পশ্চিম ভিত্রে হার জিবাসনাত পদা নেট s.atata relate elected orbits to research struct provide Mr. dian while oil of our Confined many (all francismo). 1.00'00 অভন বিভাগন ক্ষেত্ৰেই পান্তৰ বাবে আনে সাহা পঞ্জন 928 ৩-আলে ইমরাল ১১২ 285 अधिनामात (सर्व १) सन्दित्यत अधिनामात आसार) ৭০-২ব্যাপ্তির 3344 ইপ্রতীন করন্তার রাসুল স. কে পেরে আল্লাহ অপ্রয় দান করেন >0.85 প্রতিপালত পের্ব-পশ্চিমের প্রতিপালারই মানামে প্রতিপালত 39/3 ইসমাসিল আ কে গৈইপীল পাৰেন পিতা (জনাই করার সময় প্ৰৱ পেশিত প্ৰায়ৰ ছিল্ম না বাজা ম তথ্যক নাট কৰাৰ সংক্ৰ No etata P24 ইয়নি প্রশানবালয়ক হালিয়াল প্রতি শাসমার কঠাজালে পাওর ०-शांपर 250 प्रातिक (अभिन्न भारति प्रातिक स्वाताः) ৰটোৰায় লেখতে পাছ যেন কাভিত্যা মহিনদের মাধে 2-666 3.8700 600 সৰ্যতে পশ্চিম নিত থেতে উল্য ঘটাতে কৰা (নমক্ষতেত) 5.45888 200 600 কালকারে নামনী বা পেলে রোখা রাখা (কসম কল প্রথম ৫-মাজিন 366

AND STREET	স্থা বং ও নাৰ	104 3	781	AL (\$44)455		400	<b>श्</b> का
পাওয়া (দেশতে পাওয়া) (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)				মুশ্ররিকনেকে থেবলে পালা যার হতার নির্দেশ (চুকি ভদ করস)	৯-তাওবা	2	680
কাকিবদের অধিকাংশকে লাপাচারী হিসাবে পাওয়া	৭-আগ্রহ	205	643	মূনবিকদের জন্য সাহস্যকারী পাওয়া বাবেন	8-मिमा	286	292
व्यक्तिकास व्यक्तिस्तातः श्रीकृति शक्तवसी दिनारा ना शाला	৭-আ'রফ	205	955	হুমিন দাস পাজা না গেলে একাধারে পু'মাস রোর (মুখিন বঁড়া গ্র.)	8-निमा	34	৫৬৮
ভাজিরদেরকে যেখানে পাওৱা (হতার নির্দেশ)	২-বাবুরো	292	657	যুৰ্ভির উপাদক হিসাবে ধাপ-দানাকে পাওয়া (ইবরাহীম জা.	२১-व्यक्तिया	20	920
কিছুই পায় না পিপাসার্ত ব্যক্তি মরীচিকার কাছে এলে	18-74	03	995	বার সম্প্রেররের)			94.0
করবানীর পথ পাওয়া না খেলে রোম্ম রাখতে হবে	২-বাকুরা	299	655	রাসুল স্' কে ইয়াতীয় অবস্থার পেয়ে আল্লাহ আলুর দান করেন	৯৩-দূৰ্য	b	305
মূরে কাউরো দা পাওয়া পেলে প্রবেশ নিমেব	<b>५8-नुब</b>	29	995	বাসুল স. কে অপ্তাহ পথছাৰ অবহুদ্য পান ও তাকে সভিকলৰ লেকা	৯৩-দূজ	9	205
ঘর (মুসলিমসের মাত্র একটি ঘর পেরোজিশ শৃত আ,এর		10	-	বিভিন্ন দেখতে পেতেন থাকাবিয়া আ, (মারইয়ামের ককে)	৩-আলে ইমরাল	90	6.09
	৫১-বরিয়ান	90	254	দ্রপান্তর গাবেনা মাধুর (স্বাল্লাহর নিরম-নীঠিতে)	৩৫-ফাভির	80	bec
সম্প্ৰদাৱের মাৰে)	77-2524	38	5916	লেকে পান্তা না গোল গগের ক্ষেত্র বছনীবন্ধ মাগত বাপ	২-বাকুারা	200	¢-88
প্ৰাপ (ইউসুক আ.এর দ্রাধ পাঞ্জেন পিতা ইয়াকুব আ.)	১৭-ইপুরা			লোক (একনল লোক পেল মৃত্য আ, যানইয়াচনা সূপের নিকট)	২৮-আসাস	30	3.70
তল্পাবধারক পাবে না মুশবিকরা		601	920	লেক (দৃষ্ণান পোনাকে লেখাত পেল মূপ্য আ, তারা সংযার্চ লিয়)	২৮-কাসান	34	hoy
তল্পাংখ্যক পাবেন না রাস্ত স. (আল্লাহ এবী নিয়ে নিলে)	১৭-ইন্র	l/b	452	সংকর্মশীল পাবে মুসা আ. মেয়ে লুটির পিতাকে	২৮-কানান	39	P20
দশমাংশ (পূর্ববর্তীয়ের শক্তি ও সম্পর্যার এক দশমাংশও পদনি	৩৪-সাবা	842	284	সহা বিশ্বান শোহার বি আনের অধিকারীর প্রতিশাসকের প্রতিপ্রতি	৭-আ'রাফ	88	634
নাস পার না যে, সে একাধারে রোজ্য রাখবে	৫৮-মুন্ধানলা	8	265		৭-জারাক	88	924
দু'লন দাবীকে দেখতে পেল মূসা আ. (পামানকে আগলে রাধ্যম)	২৮-কামান	20	9/20	সভ্য হিসাবে পেয়েছে স্বাস্ত্ৰাভিত্ৰা প্ৰতিপাশ্যকৰ প্ৰতিশ্ৰুতি	9-2064L	93	981
দৃষ্ট্ৰিপতি থিৱে পাৰেন পিকা (ইয়াকুব জা.)	১২-ইউবুক	30	6945	সদক্ষ করার জন্য কিছু পার না যারা (নিকের বান ছাড়া)			
এবাসার্য্যে ঘর আছে পেরেছি তার হুলে অন্যকে রাখলে আনর	75-5924	45	668	সম্প্রদার (আল্লহ বিশ্বাদী মধ্যে পাল্যা যাবে না যাবা)	৫৮-মুজানালা	44	948
দারী যা পার/অর্জন করে ভাতে ভার জংশ রয়েছে	8-निमा	105	6.97	প্রহার্থকারী পাওরা যাবেনা (মূনফিবদের জন্য)	8-निमा	784	990
দাসবাসেকে মুমিনানর প্রতি ফ্রানের সংক্রমে নিক্টনতী পারছা	৫-মারিনা	1/2	630	সংহালকারী পাওরা যাবে না (আক্লাহর লানকারারের জন্য)	8-निश	65	600
প্ৰায়ণ্য (দুৰাসাহটা খুলে আতে প্ৰায়ুণ্য দেখতে পাইল)	১২-ইউসুক	162	66r0	भारत्यकारी भारता करकारीय (ब्रह्मार शहः कांद्रेक)	৪-নিসা	290	493
পরিকে দরজার নিকটে গাইল (আর্থীফে রী ও ইউসুক আ.)	১২-ইউস্ক	32	693	সাপ্তথ্যকরী পাবে না মুনাকিকরা (অল্লাহ হাড়া কাউকে)	৩৩-আহ্বাৰ	24	50
পথ পাণ্ডয় (অক্সাহ থাকে পথান্ত করেন ভার ক্ষণ পথ পানে না)	৪-নিসা	280	698	সাহাত্যকারী পাবে না মুপরিকরা (আল্লাহ নিমক্ষিত করলে)	১৭-ইসরা	69	920
পথ পাওয়া বাবেনা (আল্লাহ যাকে গখন্তই করেন করে জন্য)	8-870	blv	669	প্রয়ক্তর্মী পরনি নৃহ অ: সংগ্রের (অরাহ ছারা কটকে)	१३-गृह	56	350
পথ পাওৱা (বারা হিজরতের পথ ও উপার পারনা)	s-Spri	30	669	সহায়কারী শেকেন না রাসুল স. (কামিছনো নিকে কুঁকে পদ্বাস)	১৭-ইগ্র	9.0	921
कविर्णनम् (जाराज्य निक्रे पृत्र चा.ता करियन्त कारा चना)	২০-ড়া-ব্য	30	483	সারার রাশী/সম্প্রদারতে সূর্থের সিজনারত অবস্থায় পাওয়া	২৭-নামদ	2.8	bro:
नवहार वसहार राज्य म् (क प्रहार भार व वार महिनाम (स्वार	30-F8	9	3096	সাধার ক্রীকে কুলুল পানি পেল (বিশবিদ্যার রাজ্যু-প্রদক্ষ)	২৭-নামল	20	tro:
পরিবর্তন পাওয়া যাবে না (আল্লাহ সুন্ততে পরিবর্তন)	১৭-ইসরা	99	930	नावपनी (प्रमाणकारी जहार छन्न करेत नावपनी गरना)	8-PH	250	29
	০০-ফানির	80	140	স্থান করা জিন পালা (বালু সং এর সাথ গোপন করা পা)	৫৮-মুজানাগ্য	34	hd:
পরিবর্তন পারেনা মানুষ (মাল্লাহর নিরম-নীতিতে )				হারম কিছু না পাওরা (পুকর/মৃত ক্ষর/প্রবাহিত বক ছাড়া)	৬-আন আম	284	634
र्नाहरूकी (अञ्चादा नैहिएड (सम प्रतिस्केन प्रथा) पान ग)	৪৮-ফাঙ্হ	50	970.	नीइसन		100	1
পরিবর্তন (আল্লাহর সূত্রতে পরিবর্তন পাওগা ঘবে না)	৩৩-আহ্থাৰ	65	9-09		75-4010		-
পালানের স্বারণা পারেনা মুপরিকরা (স্বাহান্নাম থেকে)	8-FP#	757	645	আমহাবে কাহুক এর সংখ্যা পীচন্ধন (খারো কারে ধারণা)	20-4654	22	92
পাঙ্গনোর পথ পাবে বা কাফিবরা (শান্তির নির্বারিত সমরে)	79-4485	6,2	452	गैं। राक्षि		-	-
পাপাচারী হিসাবে পাওয়া (কফিবনের অধিকাংশকে)	J-20, 52.6	205	655	শেপন কর (প্রত্যার্তিন গোপন করের ঘটনান থকেন অস্ত্রাহ)	৫৮-মূজাদালা	٩	36
প্রমপাত্র যাব ব্যাপে পাওরা যবে সে নিজেই ভার রভিয়ল	১২-ইউসুঞ্	92	69-8	পাঁচ হাজার			L
পৰি পাৰয়া না গেলে পৰিৱ মাটি ছাৱা তারাত্ম কৰা প্রসঙ্গ	8-निमा	80	495	মেলের (পাঁচ হাজর বিন্যুক্ত থেলের দিয়ে সাহায)	০-জালে ইমরান	1756	48
পানি না পেলে ভারাত্বমের বিধান (পরিপ্রতা অর্জনের জনা)	৫-মারিনা	6	60.7	পাঁজ <b>ৰ</b>			Т
পিতপুরুষকে যে ধর্মের উপর পায়, মুপবিক ভারই অনুসারী	৪৩-বৃৎক্ষ	20	Pes	মেজনত ও পাঁমারের মধ্য হাতে নির্গত পানি থেকে মানুর সৃষ্টি	৮৬-তারিক	9	303
পিতৃপুরুষকে যে ধর্মের উপর পার মুশরিক তারই অনুসারী	৪০-যুখকফ	44	164	পাৰুড়াও (আৰো দেখুন থৱা শব্দটি)		1	1
পিতৃপুরুষদেরকে মুশরিকরা যে ধর্মের উপর পার	৪৩-মুখকফ	2,8	1-24	অপরতের করেশ আস্তার প্রত্যেককৈ পাকভাও করেছেন	২৯-আনকাবৃত	80	6.2
পুরুষ হা পার/জর্জন করে তাতে তার অংশ ররেছে	8-निम	02	662	স্থাপায়তা ভারতে পাকভাও করালে স্মান্তার ভিত্তকালৈ বংশালে	৩-আলে ইমরা-		40
প্ৰতিশ্ৰুত উত্তম বিষয় যে পাবে, সে কি ভার মত থাকে	২৮-ক্ষমাস	65	7.70	অপরাধী সম্প্রদায়কে কঠোরচাবে পাকদ্বাত	৬৯-হাকাহ	20	39
প্রচুর্য (হিমারভানী পৃথিবীরে অনের অপ্রয়ন্থল ও প্রচুর্য পালে)	8-निम	300	000		৫৫-রাহমান	83	38
বাহন পাননি বাসল স, খাসের জন্য (ভাবুক ভুক প্রসাহ)	%-व्यवस	3-2	685	অপরাধীদের পাকড়াও করা হবে (মাধার টুটি ও পা ধরে)			
বাপ-সানাচনহতে পথপ্রত পেয়েছিল (জাদিমারা)	৩৭-সাফফাত	69	9490	অন্তৰ-অন্তৰ্না ও পুৰু কৰি বিয়ে পাকস্কাও (পূৰ্ববাটী উপজ্জেকাৰ)	৬-অন্আম	85	270
	१-आंबर	192	626	অইকারানীকে হারামর দিনের শক্তি পাকড়াও করেছিল	২৬-৩'আরা	30%	
বাপ-পাদ্যদেৱকে পেয়েছে এবই উপর (ভারা বলে ফরা)		740		আন সন্মান্তরকৈ পাকড়াও করম (বিকট শব্দ)	২৩-যু মিন্ন	87	96
বাপ-প্রদাদেরকে পেয়েছে মুপরিকরা (শিরকের উপরে)	২-राकृता	98	67.9	অপ্তাহর পাধবার সম্পর্কে পূত অ,এর সম্প্রনারকে সর্ভক কর	৫৪-ব্যাহার	06	190
রপ্সদাসেত্রক মৃতির উপাসক হিসাবে পাওয়া (ইনছাইন আ.)	२६-७'वाडा			অপ্তাহৰ পাকড়াও বছ্নবাদানক ও কঠিন	22-बूल	205	94
বাপ-সালসেরকে যর উপর পোরেছে তাই যথেষ্ট কাফিয়নের জন্য	৫-মারিদা	208		স্বাপ্তাহ পাকড়াও করবেন না অসার কলমের স্কন্য	२-राष्ट्रवडा	220	6.5
বাপ-সাসকে যার উপর পায় মুশরিক ভার অনুসরণ করে	৩১-পুকমান	57	252	আপ্তার পাকড়াও করবেন হলর যা অর্জন করেছে ভার জন্য	২-বাকুগরা	220	4:
বাপ-সলোকে বিদ্যাক্ষতিন যার উপর প্রেয়াছে মূল্য আ. কি ভা থেকে	১০-ইউপুস	95	992	অন্তর্ভার পাকভাও করেছিলেন অপরাধ্যে কার্যে (ফিক্সটন বংশকে)	৮-আন্দাল	65	60
বাপ নাধাকে মৃতির উপাসক হিগারে পাওয়া (ইনরাইটেরে সম্পানজেন)	२५-वाश्य	40	920	উৎকৃত্ৰ হওৱাৰ পৰ বল্লং পাকডাও (উপান্নশ বুলে যাওৱার)	৬-আন্তাম	88	92
র্যচারলয় পারে না অপরাধীরা (আছন থেকে)	72-4124	20	959	ক্ষেত্রতাবে পাকড়াও (ক্রিক্সাইন ও অপরাধী সম্প্রদায়কে)	%%-शाबाद	30	39
रান্দাকে (বিজির আ. এর সাথে মুসা আ.এর সাক্ষাং প্রসঙ্গ)	১৮-কার্ক	62	900	ক্রন্তের বাশ্বর (করে কপুনে রাপার অধ্বর পাকরত করেন ন)	৫-মারিদা	9.9	93
বিষ্ণের উপায়-উপকরণ পায় দা যে, সে বিয়ত থাকবে	२८-मृत	100	999			+	
ব্যয় করার মত কিছু পার না থারা, তাদের লোখ নেই	à-4764î	22	685	কাকিরদেরকে পাকড়াও করেছিলেন আল্লাং	30-डॉ <sup>-</sup> म	25	88
ব্যৱ করার মাত বিশ্বঃ ব্য পাওয়ার দুন্দিরা নিয়ে যিয়ে গেল যায়	১-বাধবা	34	685	কাজিরদেরকে পাকড়াও করা হবে নিকটবর্তী স্থান থেকে	৩৪-সাবা	62	1/8
মুন্যবিদয়েক্তকে সেখানেই পানায় দাবে সেখানেই ধরা একা	s-Stort	2.5	6.09	কবিদালেকে পাকত্মত কালে অস্তাহ প্ৰদানৰে (বিনামতে)	৪৪-দুখান	36	àc
			brob	অভিয়েশ্যতে অবজন দেয়ার গম পক্ষরত (নবাঁকে মিথাকনি পাত্র)	22-07%	88	96

<b>3</b> -	distinctive districtive distri	विस्त्र/दाराह	श्रीक अनेत	ALC: 4	鬼		সূহা সং ৩ নাম		
াকড়াব (	স্বারো দেখ	ন ধরা শব্দটি) (পূর্ব পৃষ্ঠা বেকে)				Set Renda to an activities and	५७-मार्ग	344	930
লভিত্যসভা	তে পাকডাও	করেছিলেন আল্লাহ	৩৫-ফডিব	২৬	৮৪৮	পাকাপোক			
		া পাকস্থাত কালেন আল্লাহ,	২০-মুখিনুন	95	990	শল্প পাকাপোন্ধ করার পর ভঙ্গ না করার নির্দেশ	১৬-গা <b>হল</b>	29	930
		ও করা হলে কেউ হেবাই পেত না	००-वर्गाहर	8¢	940	পাহারিশিষ্ট (আরো দেশুন ডানা শপটি)			
encerún n	NET PROPER YES	ক্যাও কয়ল শন্তি কুর্মেগত কয়তেন,	১৮-কার্ফ	Q'br	443	মেরেশর (অল্লাং পার্বারিশী মেরেশয়ের বর্ণীবাংক কলে)	৩৫-ফাঠির	3	788
		যভ্যস্ত্রতারীদেরকে শাক্ষাও করা	১৮-নাক্স	85	400	नारि		-	-
		করণ বস্তুপাত	<b>१५-गदिश</b> र	88	254		০-আলে ইমরান	8>	28
		পঞ্জি পাকড়াও করবে (ভরীতে বাই লিল)	20-0'WIST	369	930			220	494
		কর্মণ কলে (ভট্ট হন্তর কললে)	59-9, बाडा	349	930				230
			22-07W	87	969		৬-আন্'আম	49	
		র মনপারে জনমাশ (নামি পর)	৭-আরফ	266	646		৬-আন্'আম	40	¢'n
कालमानन	কে আল্লাব ব	মত্রীন শান্তি যারা পাঞ্চয়ত করেন		38	048	ক্সেয়াট নিৱে পাবির আকৃতি তৈরী করেন ঈসা আ.		270	29
ধ্ববিশ্বদের:	কে (মানইয়ান	ধসীকে) গাকড়াও করল গ্রাস্ত শব্দ	77- <u>2</u> 4			খ্যান্ত পৰি (মাধার বহন করা কটি থেকে জপর ফুবনের পশ্ল)	১২-ইউসুফ	05	66
		র পাকস্পত (নবী প্রেরিত জনপদকে)	৭-আ'রাফ	38	952	র্থেল (সুদাইখন ডা. কর্তৃক পার্থনের থেল নের ক্লক্রে এসাল)	२९-मामण	50	p.o
্ড় কসমে	র ব্যাপারে ত	াল্লাহ পাকড়াও কানেন	৫-মারদ	2.9	627	খোপত (আকাক্ষামত পাৰিব গোপত থাকবে জন্লাতে)	<b>८७-धराविका</b> र्	57	58
পূৰ্বকীলে:	হকে পাৰুকা	ঃ করেছেল আল্লাহ (অপনাধের জন্য)	৪০-বুৰিন	52	৮৭৯	চনটে পথি নিয়ে পেথ মাধ্যত ইনময়িম আনে অক্সাধ্য নির্দেশ	২-বারুদরা	260	60
		রেন জালিম জনপদকে	১১-বুল	205	946	ছে বায় পোথ ছে যেত্ৰে নিয়ে যার মুপরিকের উপম)	22-07M	402	96
্রতিশাসক	পাকরাও এ	মনই হয় (মানইয়ানবাসীনের ন্যার)	১১-বুল	305	969	বাঁকে বাঁকে পৰি প্ৰেরণ (হাতীওয়ালাদের প্রতি)	১০৫-ফীল	0	201
	হর প্রকল্পার		৮৫-বৃদ্ধন	25	2025	হাল বিশ্বারকারী পাবি আল্লাহর পথিতার ঘোষণা করে	<b>48-मृद</b>	82	91
ক্তিয় শব্দ প	1458'8 ক্রেন	হলিবদেয়ক (ডাফুল জডির শব্রি)	22- <u>4</u> -	69	692	शर्मीह (गावित श्रींच कार्मीह गाउँह गिर्मिण)	৩৪-সাবা	30	74
		পরবারে করেছিল (কুলুমের করেছে)	২৯-আশবাৰ্ত	78	339		३५-व्यक्तिया	93	90
		থীকে পাকয়াও কালেন অস্থাহ	৫১-ঘরিয়ার	80	249	গটন আ,এর বাবে পবি/পর্বতকে অল্পাহ নিয়েঞ্চিত করেছেন			
		কড়াও করলেন আল্লাহ	१8-काबाद	82	201	সৌত্রে অসা (ইনরাহীর আ.এর ভাকে মৃত পথি সৌত্রে অসবে)	২-বাকুল	260	
		ণন্তি হারা পাকড়াও	8०-इक्क	87	780	নিৰ্দেশবীন (মহাপুনে নিৰ্দেশবীন পৰিকের দেখা)	১৬-নাহ্ল	935	9,
		ত ও বল-ফল্যার কতি হর পাকরাও	৭-আ'রাফ	300		মিপ্রাঞ্জিত (পান্দিশর্বতকে আক্রাহ নাইদের সামে নিয়াজিত করেছেন)	২১-জাবিদ্বা	93	90
		ক পরিতে পাকড়াও করদেশ	৭৯-নবি অভ	32	2008	ভিন্দান (মহাপুচন নিচাপারীন পারি মুনিনাসের জন্য নিপেন)	১৬-নাহ্শ	935	9,
				36	birtr	ভাষা (সূলাইমান আ,কে পাখিং ভাষা পিক্ষা দেয়া হয়েছিল)	২৭-নামল	39	b
		কংগ্ৰেদ আপ্ৰাহ	१०-पूर्वाञ्ज	80	937	মানি নৈত্ৰ পৰি অক্সাধ্য ইছাৰ পৰি হয়ে যায় ইসা আ ঐ নিলে	৩-আলে ইমরাণ	88	0
		ইনীকে পাকজ্ঞও করলেন আল্লাহ	২৮-মাসাস			মধ বাবে পথি (ইউনুক জাতে আনস্পাধ, বাকে বুপনিত করা হাই)	১২-ইউসূত	83	80
		সম্প্রদায়কে কঠোরভাবে পাকড়াও	%)-शकाव्	30	৯৭৮	স্থাত্ত করা (পাখিলের ব্যাপারে তেবে দেখার জাহনান)	७९-मूल्क	25	20
		পাকরও (অল্লাহনে দেখতে সধানর)	২-বাকারা	22	609	লক্ষ্য করা (মহাপুনে নির্দেশবীন পাধিনের দেখা)	১৬-নাব্দ	90	9,
		অপরাধীকে শাকড়াও করেছিল	২৯-আনকাৰ্ত		229		৩৮-সোমান	72	1
		র্কু) পাকস্তাও করবে কাফিয়নেবকে	৩৬-ইয়াসীন	83	b28	সমানত পাধিরা আল্লাহর পরিত্রতা ঘোষণা করে	২৭-নামল	29	7
		কড়াও করেন জাল্লাব	২৩-মুমিনুন	68	990	সুলাইয়াৰ আ,এৰ জন্য জিন/মানুখ/পাৰি সমাৰত করা প্ৰসঙ্গ			
रञ्जभागि ।	श्रदा वनी रेन	রাইলকে পাকস্বাও (ভূপুমের কারণে)	8-921	200		ছির রাখা (মহাপুন্যে উত্তর পাধিনের আক্লাবই ছিব রাখেন)	३५-भार्न	9.8	9
संग्र-ग्रह	অবস্থার বড়া	দ্রকারীনের পাকদাও করতে পারেন অক্সহ	36-KIN	89	906	পৃথিৱ ভাষা			
		না করার প্রার্থনা (মুম্মিনদের)	২-বাকুরা	20%	605	সুদাইয়াদ আ,কে পাধির ভাষা শিক্ষা দেয়া হরেছিল	২৭-নমেল	39	b
काल गांव	বাম (উপলে	ণ ভূপে থাওবার আপ্তাহর পাকয়াও)	৬-আনু আম	88	699	नारम			1
क्षतिकाल १	ধরা শ্বয়ন সংব	চনায়কে পাকড়াও (অবাধান্তর করেন)	৭-জারাক	- 93	950	ভবি (পাছৰ কৰি বৰুত মুশৱিকহা হামূল স. কে)	৩৭-সাক্কার	00	b
referenced	পাসমার ক	রার ও'আইন আ, এর সম্প্রদার উপুরু		T.,	683	কুরজান যার উপর অবতীর্ণ কাহিবরা অকে পাগল বলে	১৫-হিজর	6	6
इटब नद			৭-জা'বাফ	37	663	মূহ আ,কে পাণল কলন তার সম্প্রানার	28-RIVIN	1 2	>
		ও (মূনা আ.এর সংগ্রদায়ের মনোনীক		1			45-34	270	1 2
লোকজন			৭-আগ্রাফ	201	650	মুহ্যক্তা স, পাণাল ধন (অস্তাহ্য অনুহাতে)	67-द्राशियाक	100	1 8
And in contract of	eur sauktraur	স্ট্রিপে পাকরও (নবীকে মিখাবদী কাম)	২৯-জনধাবৃদ	- 09	725	ভূগা আ,কে আনুকর কথকা পাণ্ণ বলল বির'আউন			
dina	AMEN WAS	ভাও (নবীদের মিধ্যাবাদী খলার)	4-20,522	30		রাসুদ অন্যালই ভাবে পাধা বা প্রায়ুকর ব্যাসার (পূর্ববর্তীর)	৫১-যারয়াত	65	18
144ilala	il dollalo.	য়ার করা (ফোনেই পাওরা যাবে)	৩৩-সাহবাব	63		রাসূল কে পাথল বলে কাকিবরা (উপনেশ প্রবর্গ করলে)	৬৮-কাশ্যম	67	19
Zel des	Cultification of Auto	গুৰুত্বত না কৰাৰ অনুবাস (পিজালে এতি)	79-926	90		ব্রস্থ এর পাণল না হওৱা প্রতিপানকের নেয়ামত	५५-कृत्साच	13	8
\$1 or co	o dass sed .	many complete (and all melitary)	৪০-মুখিন	0		ৱাসূল মূসকে কির'আউন কার্ত পাগল আখ্যা দান প্রপদ	২৬-৬ থারা	29	
बाज्यभ	Co alorico	করতে চেয়েছিল (পূর্ববর্তী জাতিরা)	३४-दिवाद	90		রাসুল পাণার নন	৮১-ভাকতীর	1 33	>
		ক্ষে পাঞ্জাও করেল এক বিবট শব্দ	26-stata	33		শরভাবের স্পর্বে পাগর হওয়া ব্যক্তির মত সাভাবে সুনবোর	২-বাকুার	290	1
4300 t	শকড়াও কর	তে প্রইল মূসা আ. (ঐতহের শত্রুতে)				'শিকপ্ৰেপ্ত পাণদ' বলেহে কাফিবরা (বানৃদ স. কে)	88-भूषान	28	15
শান্ত পা	ক্ষাও করবে	ছাৰুদ জাতিকে (আল্লাহৰ ইন্সীকে)	৭-জারাক	90		পাগৰ মনে করা		1	Т
পরি (উ	রৈ কতি করে	। খ্রন্স নাডিকে শক্তি পরকারে করনে)	27- <u>E</u> d	- 06			১২-ইউস্ফ	28	1
বড়খন্ত্ৰক	ব্যানেরকে প	কেন্ধণ করা (চলাফেরা করা অবস্থার)	১৬-নাংগ	84	900		11, 112,	+**	۳
হয়বস্থত	নীনেরকে উ	তি-সহত অবহার পাকড়াও করতে	১৬-বহল	84	900	শাগনামী		+-	+
পারেন (	আল্লাক)		30 14		1	নূহ জা এর মধ্যে পথকামী ররেছে (সম্প্রানরের প্রথনের বলস)		1/2	
সম্প্রদায়	কে (নৃহ জা, ও	অন্থান্য সংগ্রপায়কে অস্ত্রাহন পাকনেও)	৪০-মুখিন	4			৩৪-সাবা	88	
	কন্তার করেন		4-30,454	34	957	বাসুল এর মধ্যে পাগলামী হরেছে	৩৪-সাধা	Ъ	-
পাকানে				7	T	রাসূল এর মধ্যে পার্থলামী নেই	৭-আরিফ	2018	
		নীর গলার পানানো বশি থাকবে)	222-4151d	-	300		२०-मु"मिन्न	90	

नक्	नुबा मर्च मार	Sign 1	नका	THE REAL PROPERTY.	नहां कर च सब	_	761
পাঠ (আহো দেখুন কৈলাওয়াত শ্ৰটি)	A SOSTANDO	-	4	নুহার সংবাদ পাঠের নির্দেশ রামুণ স, কে (মুপরিবাসের বাছে)	70-59-bu	93	
অনুসরণ (কুমাজন পাঠের অনুসরণের নির্দেশ রাসুল স. এর প্রতি)	৭৫-কিরামাহ	35	250	পৰিত্ৰ গ্ৰন্থ পাঠ কলেন (আল্লাহর নিকট ব্যৱে জালা রাসুপ)	৯৮-বার্রানাহ	3	9059
স্তায়ত পাঠৰ কৰা ৰাজুল ও মানইয়ানকাসীৰ নিকট ছিলেন না	২৮-আসাস	80		প্রতিশাশকের আয়াত পঠ করে কনতে রাজ্য এসেকুল	৩৯-বুমার	33	599
আয়াত পঠ (রাসুল স, মানুসের ক্ষান্ত আপ্রান্তর আরাভ পঠ করেন)	७२-स्मृज	1 2	364	মুমিদলে দিবট যা পাঠ করা হয় যে ছাড়া গরানি পত হালাপ	ए-माविमा	3	290
আয়াত পাঠ করা সংবাধ কৃষ্ণবী	৩-আলে ইমরা			হথাহথভাবে বিভাব পঠকারীয়া এতে উমান আলে	২-বাকুমর	343	678
আয়াত পাঠ কবলে (পাপিষ্ঠরা বলে পূর্ববর্তীদের উপকথা)	<b>४०-मुसर्वाविक्ष</b>			विकर माझेक्ट (कारक्मास्त्रास भग्न	৫৭-সাক্ষাত	343	p.29
আয়াত পাঠ করার পর অভিবনের অহংকার	80-सहिता	63	3023	রাপুল স: কে পাঠ করার নির্দেশ (আন্ত্রের দুই পুরের সংবাদ)	e-माहिना		
অবাত পঠ কর হলে অবাত তল্পিস্কারীর সভাতে 'জার্ম' হল	৪৬-জাহ্বাত	3	boy	রাপুল স. পাঠ করকেন আল্লাহর আলাত (মানুকের মাত্রে)	২-বাকুরো	24	298
স্তায়াত পাঠ করা হলে ঈমান বৃদ্ধি পায় (মুমিনদের)	৮-আনকাল	3	800	বাসুল স. পরিম গ্রন্থ পাঠ করেন			674
স্বারাত পঠ করহেন স্বাল্লাহ রাসুল স. এর নিবট সভাসহ	৩-আলে ইমরা			करून ग. वर मिकी श्री क्वाइम अब्द्राह खड़ाव ७.५७४३३ वेश्वास	৯৮-বার্ট্যনাহ	1	2059
আয়াত পাঠ করবেন রাসুল স. মুমিনদের নিকট	০-জালে ইমরান			শ্বরুত্ব (সাইমানে জন্তুনাস শ্বরুত্ব ব পা বর্ত	৩-আলে ইমরান		687
व्यक्तक (श्रिकारका व्यक्तक शर्द्ध (श्रिकारक मुस्ति शहर पता)	১৯-মাধ্রীরাম			সংগ্রেম (প্রসূত্র মারে নিকট সভাস্থর সংগ্রেম পাঠ করেছেন আল্লাহ)	২-বাকুারা	305	675
অব্যাত (মুশবিকদের নিকট আবাত পাঠ করা বলে বলে)	১০-ইউন্স	27	96%		২৮-কাসাস	0	pop
অয়াত (অ্লারত পর ও অধিবলের স্বীমন না জনা এলক)		26	956	হারমেকৃত বিষয় রাসুল স, কর্তৃক পাঠ করে শোনানো হারাম জন্তুর বিধান পাঠ করা প্রসঙ্গ	৬-আন্ভাম	262	477
अक्षार (अक्षारत जातर नात र जारता, मा नाम मा जाना हाना) अक्षार (अक्षारत जातर नात रूप जरबात हम विश्वास)	৪৫-লাইম	6	905		<b>२२-दोव्ह</b>	00	465
अक्षार (अक्षार) जनार ने रहे रहे अक्षार किरायान का ना	৩১-পুকমান	13	255	পাঠ কংগ গোনাবো		_	
	৩-আলে ইম্বান			वर्षे शते कार वनात्मत कम जन्म म, (क द्वारम का स्टब्स	১৩-রাদ	100	997
আবাত/হিন্দাত পাঠ (নবীর খ্যা পাঠকুত আবাত/হিন্দাত প্রদাস)	৩৩-সাহধাৰ	<b>c8</b>	300	কিলব পাঠ করে পোনানে (ইয়ানিম নারী ও শিক্ষা ব্যাপারে)	8-P(2)	256	640
আয়াত (সুস্পট আয়াত পঠে করা হলে কাফিররা বলে)	১৯-মারইয়াম	90	900	কুরজন পাঠ করে চনালে হর রাসূদ ন, কে (কফিরস্র বঙ্গেং)	रद-मृत्रकान	0	952
আরাত পঠ করা হলে অধিবরা পিছলে সরে পড়ত	২০-মুমিশ্ৰ	69	990	কুলবারবাইন সম্পর্কে (প্রাসূদ স. কর্ত্ত)	১৮-কর্ড্ব	516	407
আরাত পঠে কর হলে কাফিরের বলে	৮-আনকাল	42	606	গংগল পটা করে পোলালে (অবাধার্যার হরে ভা থেকে বিচিন্ন বর্তিন)	৭-আ'রাফ	296	959
পারত পঠ করা হলে কমিছেনে মুখ্যখলে অধীকৃতি দেবা বার	<b>२२-श</b> ष्ट	92	958	পাঠকারী			
আয়াত পঠে করা হলে জাপিমরা বলত	৫৪-দাবা	80	784	অভ্যন্ত (অধিনর অরাত পঠনারতে অভ্যন্ত উদাত হয়)	২২-হাজ	92	958
অন্নাত পঠ করা হলে তার বিরুদ্ধে কফিবদের বেনে যুক্তি থাকে না	৪৫-নাছিয়া	42	904	অবাত পাঠকারীকে অফ্রমণে উপাত হয় (কাঞ্চিবরা)	২২-হাজ	92	968
আরাত পাঠ করা হলে মিখ্যা অভিহিত করত অভিনয়া	২৩-মু'নিদৃদ	706		Materi			
আরাত পাঠ করেল আল্লাহ রান্দ এর নিকট সভাসহ	২-বাকুরা	265		অপরাধীদেরতে পাঠানো হয়দি মু'মিন্দের সংরক্ষণকারী করে	৮৩-মুহাত্বিকীৰ	00	2024
জ্ঞৱাত পট্ট করে তনাকে রাসূল ন (জনপন বাহেনর আগে)	২৮-আসাস	6.0	930	আল্লাহ পাঠাকেন একটি কাক (মৃতদেহ গোপদ করা প্রসঙ্গ)	৫-মারিদা	(0)	25B
আয়াত পাঠ করে তদাংকন (রাস্প)	২-বাকুার্য	259	678	অল্পাহ পঠালন কনী ইনামেলার প্রতি (প্রচচ পতিকর বন্দ্যানেরকে)	১৭-ইস্রা	Q	928
স্মাহাৎর স্মানত পাঠ (সহকার থেকে আলোকে কের করর জন্য)	৬৫-ভালাক	22	969	ইউপুক আ এর নিতট পটোকে কল্স নিয়োক (মুক্তি পাওয়া ব্যক্তি)	24-8870	82	665
স্বস্তাহর স্বায়ত পঠ তলও সংক্ষেমী হয়ে তলৈ থকায় শত্তি	8ए-माब्दि	7	302	ইউসুফ আ.কে পাঠাকে কলে অইডের পিথাকে (খাদের গাসে)	১২-ইউসুফ	34	696
ইবরারীম আ এর সংবাদ পাঠ করে বন্ধাকরে দির্দেশ (রাসুল স. কে)	২৬-ত'জারা	69	497	দিসা আ, কে পঠিরেছেন অপ্লাহ	৫৭-হানীদ	29	963
কমিবার পর করনে (রাসুল জনাল থেকে ভিতার জনভূর্ণ করলে)	১৭-ইগ্রা	30	922	উদ্যানৰ মধ্যে (জন্মহ প্ৰয়োক উদ্যানৰ মধ্যে বানুল পঠিছেছেন)	১৬-দাহল	00	906
ক্তিবং (অফলনম) পঠ করবে (বাচনর ভ্রনহতে ভা নেরা হচে)	১৭-ইস্রা	42	930	ভেকে পঠাল আধীয়ের ছী (শহরের নাধীদেরকে)	১২-ইউসুফ	47	493
কিঅব/ওয়ী পাঠ করার নির্দেশ (রাসূল ন. কে)	২৯-জনকাৰ্ত	82	9.50	অপুতকে পাঠিয়েছেন আল্লাহ (বাদপাহ হিলাবে)	২-বাকুরে	289	654
কিতাৰ ঘৰামধন্তাৰে পাঠকাৰীয়া এতে ঈমান আনে	২-বাকুরো	757	628	দ্বীখনতে স্বাস্থাহ পাঠান (সুসংবাদনাতা/সতর্ককারীব্রাপ)	२-वाकृत्व	230	248
ক্ষিত্রৰ পাইবারীচাত্তক জিলাসকুরজন সম্পত্নে (পূর্ববর্তী ভিতার)	১০-ইউনুদ	98	660	গের (বার জন দেরা পরিক্রেন অক্সাহ বনী ইনরাইলানের বেকে)	৫-মারিদা	25	62.5
কিমার পাঠ (কুরবানের পূর্বে রানুল স. জেন বিভাব পাঠ বংলেনি)	২৯-আনবাবৃত	87	940	বানশাহ পঠোতে বললেন ধনী ইসরাইলরা, আনের নবীকে	২-বাকুয়া	286	237
বিন্তাৰ পাঠ (বনী ইপন্তাসল কৰ্তৃক আপ্ৰাহন কিয়াৰ পাঠ প্ৰসঞ্চ)	২-বাকুরো	88	606	বৈনায়ের ভাইকে পাঠানের জন্য কলা ভাইতের (পিরার নিবট)	১২-ইউসুফ	60	664
কিতাব পঠ (ইছদী-শাসরার কিতাব পঠ করের পরও বঢ়ং)	२-राकृता	770	670	বেৰতে মেখনেই পঠনে হা ফলান জনতে পারে ম (উপন)	১৬-দাহল	96	903
কিজাৰ পাঠ কৰাৰ নিৰ্দেশ (বাসুল স. জে)	77-sida	29	૧૨૪	অইকে (অনের পিরা পর্যাবে না ডান্সর ভাইকে প্রতিক্রিত প্রায়)	১২-ইউনুক	èè	300
কিতাৰ পাঠকাৰী আশা কলে এমন ব্যবসার যার ধানে নেই	৩৫-ফাভির	₹≽	78৮	মনুবৰে বালুল হিসেবে পঠিয়েছৰ সম্ভাহ (অভিনয়েন্দ্ৰ বিশ্বা)	১৭-ইস্র	≥8	944
কুবমান পাঠ (মাল্লাছর একজন সাকী বুবমান পাঠ করে)	33-हुन -	24	966	মূপা আৰে কিব'আউনের নিকট পাঠালেন অন্তাহ	22-34	20	998
কুৰমান পাঠ কবতেন না বাসুল স. (আল্লাহ যদি চাইতেন)	১০-ইউনুস	26	986	মৃশা আ.বে নিদর্শনমহ পঠানে (ফিরঝটলের নিবট)	৭-আ'রফ	200	644
কুরমান পঠ করনেন রাসূল স, মানুহের কাছে (থেমে থেমে)	১৭-ইগ্ৰা	200	950	রাসুল পারানো (আল্লাহ প্রয়োক উদ্বাহন মধ্যে রাসুল স		_	_
কুরআন অধ্যোজনের নিবট পঠ করলে (ভারা নিজনারনত জে)	১৭-ইস্বা	309	990	পরিরয়েন)	১৬-নাব্দ	09	906
বুরক্সন (রাসুল স. বুরক্সন থেকে যা-ই পর করুক জন্তার (সংক্রম)	১০-ইউনুস	97	990	রাসূদ পঠানে (দিরকরদের মধ্য থেকে একজনকে)	७२-स्पृ'का	2	3/62
কুরমান রাসুল স. কর্মুক পাঠ (সিনর্পন হিসাবে যথেউ)	२७-जामसङ्ह	62	950	বাসুল পরিলে (মূল আ এর পর পরিষ্ঠানে আরে রাসুল পরিলে হয়)	২-বাকারা	59	430
কুরমান পাঠ করা হলে উমান আনে পূর্ববর্তী উমাননাররা	২৮-ঝপাস	20	1475	বাসুল না পাঠানে পর্বত আল্লাহ পারি লেন দা	১৭-ইসরা	20	934
কুরমান পাঠ করা হলে কাছিরতা সিজনা করে না	৮৪-ইন্শিকাঞ্	57	2028	বাসুল পাঠানোর জনা ইবরাহীম বর, এর পোরা	২-বাকুারা	243	678
কুরস্বান পাঠ করার নির্নেশ মুখিনদেরকে (যা সংক্রসাধা)	৭০-মূব্বন্দিল	₹0	35.9	বাসুল কে প্রকান করেননি অল্লাহ (মানুসের ব্লাগধান হিসেবে)	১৭-ইসরা	68	925
ভূনজন পাঠ অন্তহেন জন্তাহ দীরে দীরে (রানূল স্. এর নিওট)	২৫-ফুরকান	<b>૦</b> ૨	91/8	বাসুলকাকে পাঠিকেনে আল্লাহ (নুহ ও ইনার্কীন আ এর পথ	_	_	
কুরজন পটনাল রানুল স. ও জনিশ্বাসীনের মারে পর্ন টেল চেন্	১৭-ইস্রা	84	727	428)	৫৭-হাদীদ	39	767
কুরআন পঠ (বাস্ল স. কে কুরজান গঠে করার নির্দেশ)	২৭-নামধ	25	504	রাসুল কে আল্লাহ রক্তক করে পঠাননি	৪২-শুরা	8b	৮৯৫
কুলকান পঠের করতে অস্থাহর নিউট অপুরা প্রেকন (পরায়ন ছেকে)	১৮-বর্জ	bly	422	রস্প করে পরিক্রেনে অল্লাহ এই ব্যক্তিকে (মঞ্চবাসীর বদে)	२०-वृत्यस्य	48	970
কুরজান গাঠের অনুসরণের নির্দেশ (রাস্থা স. এর রাজি)	५१-विशासह	39r	990	শহরে শহরে জাসুকর সভাবের জন্য লোক পারিয়ে দেরা	২৬-৩'মারা	Ф6	930
কুৰজাৰ পাঠেৰ নিৰ্দেশ রাসূল ম. কে (ভারতীলের সাথে)	৭৩-মুখ্যাশ্বিল	8	My	শহিকামী পাহল (বিয়াত পাঁৱ ইছিলের এফল্ডে শৃষ্টি 🕾)	৭-আ'রফ	259	959
তুরমান অলমী বৃত্তি পঠ করলেও অবব্যা বিশ্বাস করতন	২৬-ড'আরা	799	499	শান্তি (আল্লাই মনুমার পারের দিচ থেকে শান্তি পারৈতে সক্ষম)	৬-আন'আম	96	603
ব্রবানের ঘর্ট্টুকু সংক্ষপাধ্য তা পাঠ করার নির্দেশ	९०-ऱ्यराचित	30	99.9	সতর্কবারী পরিতেন অল্লাং প্রত্যেক জনগদে (ইজা করপে)	২৫-ফুরকান	62	91/6
ভাওরত পাঠ করার আহ্বান (বলী ইসরাইলচের প্রতি)	০-জলে ইম্বান	30	484	সঙ্গিল পঠানে (সামী-নীয় বিয়েখ নিশ্পপ্তির জন্ম উচ্চা পরিবার (ব্যক্ত)	8-मिना	200	265
			39			-4	- 03

48,000

প্রকোশা ভারতে বার্ব পান কলের

শ্বদ (বৃহ পৃষ্ঠা বেকে)	जुड़ा नर च नाम	asa.	न्धा	শ্বৰ বিষয়/শ্ৰমণ পানি পান	मुद्दा नर ७ नाम	TOTAL P	12
অমশ থেকে অস্থাহ পদি অবটার্ণ করেন (উল্লিখ উপ্প্রেপ্তাস্থ	২০-ফ্ল-মা	00	388		-	_	_
আৰাশ থেকে পদি অনতীৰ্ণ কৰে আন্তাহ কুমিকে জীবিত কৰেন	২৯-সানকাবৃত ব≎-জানকাবৃত			উম্পীর পাদি পাদের বাংপারে ছামুদ জাতিকে সতর্ক করা	৯১-শাম্স	70	303
আকাশ থেকে পানি অংশীর্থ করেন আপ্তার পরিমাণমত	২৩-র'মিন্ন	99	9.57	পানি পান করানো			1_
আকাশ থেকে পানি বর্ষণ ও পার্বিব জীবনের উপয়া			969	পক্ষের পদিশান করতে পারছে না নবীরা জনাপ মূলা আ.কে	২৮-কাসাস	50	123
আকাশ থেকে পানি/বৃষ্টি ক্রবর্তীর্ণ করেন আল্লাহ	১০-ইউনুস	48	626	পাচনেত্ৰত পৰি পান কথাতে দেৱল মূপা আ, একলল পোককে	২৮-কাসাস	20	3.5
আৰুণ থেকে ব্যক্তময় পদি অবহুণি করেন আপ্তাহ	৩৯-বুমার	52	740	পরিপ্রতিক (পালি পাল করানের পরিপ্রতিক নিতে মূলা জাকে	২৮-কালাদ	30	12:
	६०-देशक	9	254	SHORT)			Γ.
আরশ গানির উপর ছিল (আবাশ-পৃথিবী সৃষ্টির সমস)	27-fe	٩	999	মুসা জা, গাদিপান করাল গতদেরতে (নারীদের গক্ষ হরে)	২৮-কাসাস	₹8	93
উপ্তর পাদি পাদ করতে দেরা হবে (জাহান্রামীদেরকে)	৪৭-মূহাখান	25	270	হাজীলেরকে পানি পান করলো ঈমান আনার সমান দর	৯-জগুৰা	7.9	46
একই পদি থেকে সিম্বিত হয় (তিন্ন ভিন্ন বাগদ ও শসক্ষেত্র)	১৩-রাদ	8	664	পানি পানের স্থান			Г
কমে যাওয়া (দূৰের প্লাবনের পানি কমে যাওয়া)	३३-दूम	88	999	ट्याद्वार श्राम श्राम इस दिन (नट्या (की देशकोन्द्रमा वसीट ट्याद्वार)	৭-আ'রাফ	260	64
গভীর (পানি গভীরে চলে গোলে কে একে নেতে প্রধাহমান পানিও)	৬৭-মূলক	00	398	চিলে লেওয়া (বনী ইসরাধলের বারটি গোরের পানি পানের স্থান)	৭-আগ্রফ	160	64
গভীরে চলে যাবে থাগালের পানি (বাগালওয়ালার সাধীর আশহা)	79-এর্ক	87	928	ব্যব (বনী ইসরাসলের প্রয়োক গোর পানি পালের স্থান (জনুন নিবা)	২-বাকালা	60	20
গ্রাস করতে বলা হলে৷ পুথিবীকে (দূহের প্লাবদের পাণি)	১১-ছুল	88	665	नानि वार्यमा			т
চুবতে থকা (অপরাধীর জাহনুম,সুটর পানির মাথে চুবতে থকাে)		8.8	787	मुना जा.बद पानि शार्थना (बनी इनदाक्षेत्र(मद क्रमा)	২-বাকুরে	60	60
মুমতে থাকা (অপমাধীয়া কায়ন্ত্রাম,উল্লয় পানির মাঝে দুরতে থাকবে)	৫৫-রাহ্মান	88	285	গানি (প্লাবন)	44	-	+
জিন্দানর প্রচুর পালি পাল করালো হাত (সভাপারে অবিলো বাবলো)	१२-किन्	36	29.46	পদিগুরুত্বন থেকে রক্ষা পেতে পর্বতে অপুর নের মূহ আ এর পুর	33-EF	80	66
জীবিত বস্তুবে পানি থেকে সৃষ্টি করা প্রসঙ্গ	২১-আধিয়া	00	924	পানির জংশ	22-40	- 00	100
জীব (সকল জীব সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ পানি বা বীর্ছ থেকে)	28-98	84	995				-
্রেলে দিতে বলবে পানি (আছনের অধিবাদীরা বলবে জন্তাতীচনাকে)	৭-আগ্রফ	20	659	র্জীর জন্য পদির অংশ এবং মানুন সম্প্রদারের জন্য পাদির অংশ	২৬-৩'বারা	755	9;
দু'হ্যত পানির নিকে নম্পসারগকারীর দৃষ্টান্ত	১৩-বা'ল	78	56%	পানির প্রবাহ			١.
নিয়ে বাওয়া (বৃষ্টির পানি নিয়ে যেতেও সক্ষম আপ্রাহ)	২০-মুখিনুন	21-	969	বানালো (পানির প্রবাহ বানিয়ে দিয়েছেন প্রতিদাসক)	১৯-মারইরাম	4,8	9.
নিৰ্বাস (কুজ পানিব নিৰ্বাস হতে মানব বংশধা সৃষ্টি)	७२-माश्रमा	ъ	breo	গানি সংগ্রহকারী			1
নির্মল পানির নহর বয়েছে জান্নাতে (মুরাকীলের জন্য)	৪৭-মুহাম্বান	32	270	প্রেল (পানি সধ্যকোরী প্রেলে ও ইউসুয়কে কুল থেকে উল্লেলন)	३२-इंडेमुक	72	6
পান (সুপের পানি পান করিয়েছেন আল্লাহ (মাকুছকে)	११-पुरुगांशास्ट	29	220	পানীয়		_	Г
পানি (মানুষ যে পানি পান করে সে সম্পর্কে ডেনে লেখার আহরেন)	৫৬-বয়াকিয়াহ	69	386	আকাশের পানিতে পানীয় মানুহের জন্য বয়েছে	<b>४</b> ७- मार्ग	30	90
भारता (भाग मा (भाग रातापुरमा विधान- भविद्वारा सर्वातन क्रमा)	৫-মারিদা	6	6P.7	আখানন কংবে না বোন পানীয় ভায়াপ্রমে (সীমাণজনকারীরা)	१५-मोदा	48	20
পাওয়া (পানি না পেলে পৰিত্ৰ মাটি থাবা ভাষাপুত্ৰ কৰা)	8-मिमा	80	495	ইবরাহীর আ কে প্রতিপালক পানীয় দাদ করেন	२७-७'जारा	45	10
পুঁজের পালি পান করালে হলে জায়প্রামে (উক্তর পোরামের্নীকে)	১৪-ইবরাহীম	36	558	উত্তর গানীর ও হরণাদারক শান্তি অধিক্সানীর জল (গরবালে)	১০-ইউনুস	8	40
এবাহিত (উঞ্জিল্পুন ভূমিতে পান প্রবাহিত করে শস্য উৎপদ্ধ করে)	৩২-সাক্ষা	29	940	উপ্তর্থ পানীয় ও যন্ত্রপানায়ক শান্তি (কুঞ্জীর কারণে)	৬-আন'আম	90	40
अवस्थान शानि तक कान तनतर शानि गरीरत उतन तगतन	৬৭-মুল্ব	700	398	উবারের আ,এর পানীর একশ বছর পতও বাসী না হওয়া	২-বাকুরো	400	4
अवस्थान (स्मृतारः अवस्थान शनिरः धावरत जातव सर्विता)	৫৬-ধ্যাকিয়াব্	42	388	প্রাদিপতর মধ্যে পানীর (দুখ) রয়েছে মানুষের জন্য	৩৬-ইয়াসীন	90	be
তুটিস্ক তেলের ন্যার পানি স্কালিমদেরতে দেবা হবে	79-9000		926	ফেওয়া (ম্বান্নতে পানীধ চাবে মুবানীরা)	৩৮-সোরাদ	67	84
বুলর তেনের দারে বালে কাল্যন্তনাতে দেরা ব্যব্ধ বর্নন (পালারতম পলি বর্ণনা করা হবে ছাযুদ সম্প্রদারের হথে)		52		জান্ত্ৰাতে পুণাবালগণ আতৃত্ব মিশ্ৰিত পালীর পাল করবে	৭৯-পাহর	0	30
বর্ষন করেন আল্লাহ প্রচুর পরিমাপে	৮০-জাবাসা	59.	200	নিক্ট পানীয় সেয়া হবে (জালিমসেরকে),,	20-41EP	435	9,
		3,0	3009	বিতত্ব পানীর জন্রার্থানের পান করাবেন (প্রতিপালক)	৭৯-পাত্ত	43	
বিশুদ্ধ (পানি অবতীৰ্ণ কৰেন আল্লাহ আকাশ থেকে)	56-Aueta	85	99/6	পৃষ্টির পালিতে পানীর মানুহের জন্য এছেছে	১৬- নাহল	30	200
বেব করেছেন আল্লাহ (পৃথিবী থেকে)	৭৯-বাদি'আত	02	2008	মণু (রঙ বেরডের পানীয়) বের হয় মৌমাছির পেট থেকে	১৬-বাহন		90
বের হওরা (পাধর কেটে পানি কো হওরা বর্তন হলর প্রদাস)	२-राष्ट्राहा	9.8	20V	শীতশ গানীর (আইউব আ,এর রোগ মৃতি প্রদর্শ)		66	90
মনে করা (মরীচিকাকে পানি মনে তরে পিপাসার্ড ব্যক্তি)	২৪-নূব	09	992		৩৮-সেয়াদ	84	310
মানুষ সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ পানি (বীর্য) থেকে	২৫-ফুরবনে	48	96-5	পাপ (জারো দেপুন অপরাধ/গোনাহ পদটি)			_
মিলিত (সব পালি মিলিত হল অবধারিত বন্যার জন্য)	<b>68-स्टब्स्ट</b>	25	900	অনুমান (ফোন জোন অনুমান গাপ)	৪৯-হর্রাত	ર	8
মৃত ত্মিকে বৃষ্টির পালি হারা আল্লাহ সঞ্জীবিত করেন	৪০-মুখক্ত	22	1,349	অর্জন (পাপ অর্জন করে তা সির্দোকের প্রতি আরোপ করলে)	8-मिना	225	21
মেমমালা থেকে (অল্লাহ প্রচুর পানি অবর্তীর্ণ করেন)	৭৮-দাখ্য	78	2000	অর্ক্তন (পাপ অর্ক্তনকারী ব্যক্তি আগুলের অধিবানী)	২-বাকুরো	3-3	20
বকলো ক্মিতে বৃষ্টির পালি অবভীর্ণ হওয়া প্রসন্থ	২২-হাজ	Q	900	অৰ্জন (ব্যক্তি যে পাপ অৰ্জন করেছে তা তারই)	५८-मृत	22	99
নহাহে (প্রভাক নিদের পনি নগ্রাহ করে, হাযুদ জাতি প্রসঙ্গ)	48-MIN	45	3:09	অমিত পাপ নিজেরই বিকল্পে	8-निमा	222	21
সবেগে নিৰ্গত পানি থেকে মানুষকে সৃষ্টি করা হরেছে	৮৬-থাবিত	ъ	2029	আপোন-নিম্পতিবারীর কেল পাল হলে লা (প্রসিয়ত প্রদাস)	২-বাকুরো	325	4:
সমুদ্রের পানি (একটির পানি সুমিষ্ট ও অপরটির লোনা)	৩২-ফাভিব	25	b89	আরোপ (নির্দোবের প্রতি পাপ আরোপ করলে	8-मिमा		
नीम बहुमान (शानि नीमा बहुमाना शत नृष्ट चा.क होनका प्रेतान रहा)	७३-व्यकार्	22	395	অপবাদ/পাণের বোঝা বহন)	0~(77)	225	21
বুমিট ও লোনা (বু'টি সমুদ্রের পানি)	৩৫-ফাডির	25	789	অশর (পাপের অশরর বাবলে অসিরভারতীর পক বেক)	২-বাকুরো	26-5	e:
পানি (উন্নপ্ত)			i i	উদ্ধানন (শিরককারী মত্যপাল উদ্ধানন করে)	৪-নিসা	87	43
মাথায় উত্তর পাদি সাশ হবে (কফিব/অস্ক্রাহ সম্পর্কে বিভর্কভারীর)	44-8%	22	980	ওনিয়ত পরিবর্তনের পাপ বর্তাবে পরিবর্তনকারীর উপর	২-বাঞ্চারা	25-2	6:
নানি/কুপ (আরো দেখুন জলাদত্ব শক্ষটি)	11.04	-31	.56	কথা (পাশের কথা নিষেধ করে না কেন রকানী ও পরিচাপা)	৫-মারিদা	50	01
নাল্প্র (আলো সেরুন জনানত শ্রাত) মানইয়ানের পানির কুলের নিকট পৌছল ফান মুদা,	AL MERCE		-	কৰিলের পাশ বংল করুবে বাছিল (হাজিপারে ছংগ্রার বাছেপ)	হ-মান্তন	59	
	২৮-কাসাস	২৩	3-70	ক্ষম (ব্ৰুমিন অনুক্রমেন পাশ অপ্তাহ ক্ষম কর্মান বাল অপা কর)	२७-व'वाडा १-सामन		Q1
পানি চাওয়া						47	93
দৃশ আন্তর সংক্রাজে পদি মধ্যে ও পরি কর পথতে আঘাত প্রদক্ষ	৭-জা'থাক	360	629	খনা (গাপ ক্ষমা করার ধন্য আল্লাহর আহ্বান)	১৪-ইবরারীম	30	63
পানিতে ভাগা				ক্ষমা (নূহ আ. এর সম্প্রেরছ ইবানত করনে পাপ কমা করা হবে)	१३-नृद	8	35
মাছ পানিতে (৬ংস জাসা (পনিবারে মাছ শিকার প্রসঙ্গ)	न-स्रा'शक	790	95F	বেরে কেলা (ইরাভিমের সম্পদ থেরে ফেলা মহাপাপ)	8-मिग	3	60

तेष्	जुडा नर व नाव	422.5	100	विस्त्र/देशक	नुबा मः ७ मीम	\$320 S	76
পানি (মারো দেখুন মপরাধ/গোনাহ পথটি)(পূর্ব পূচা কে				नानरनड:			r
ক্ষাতর পাপ (মন ও প্রুরা ক্ষাতর পাপ)	২-বাবুবরা	579	292	केरार्ग (नानरनरः व्यक्तर श्रेष्ठ वनएक छेरार्ग कह नक श्रवर)	<b>७-छाम</b> 'खार	382	651
গোপনে কথা বলে বারা (পাপ বাজে)	৫৮-মুখাদালা	b	960	শাপ (সদীয়া ভনাহ)			
গোপানে কথা বলা নিখেব (পাপ আছে)	৫৮-মুজাদাদা	ъ	260	মোন (ক্ষীত্র ভাত্ত থেকে বিরত গুরুলে স্পীরা ভবর মোনে হরে)	8-निम	40	00
যোৰতর পাপ আৰু লেগে থাকত বামের সাধীরা	৫৬-বর্জাব্যাহ	85	38¢	শাশাচার	-	+	
জনে দাব (পাপ কলে সম্পর্বে মানুহকে জান নান)	১১-শাহস	b	3038	অপ্তির করেছেন আল্লাহ পাপাচারকে (মুমিনাসের মিকৌ)	৪৯-ছমুত্রত	9	24
সুকে পদ্ধ (পাপের নিকে কুকে না পছে ছারাম খেতে ৰাখ্য ২৫৭)	৫-মরিশা	0	@yo	অপুরহুণ (পাশামকারীর অপুরহুণ হবে আচুন)	৩২-সাজ্পা	30	50
অক্সিঅভিতে পাপ দেই (মিনার অবস্থান প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	300	650	অধিয়ান পাশচালে কালে পঞ্জাবনৰ পান্তি সোম হবে	88-वाइवाय	30	320
নাম (প্রমান আনার পর পাপ নামে ভাকা নিকেব)	৪৯-বৃদ্বাত	22	242	কলের ক্ষেত্রত ও সাক্ষ্যিক ক্ষান্ত্রিয়ার করা পাল্যার	३-वाङ्गहा -	292	201
পরিবর্তন (পাপতে পরিবর্তন করে নিবেন পুণ্য ছারা)	২৫-জুরকান	90	999	গুড়ার প্রশানার (জাল্লারর নমে প্রবার হাড়া ক্লাইকার প্রচ)	৬-আনু'আম	242	800
পরিশতি (পাপের পরিশতিতে নৃহ আ. এর সম্প্রানা	TEX		-	विका समाप्त तथा भितंता (क्षीर कार्र अपने नमास	e-माहिना	9	201
নিমজন/আগুন প্রনঙ্গ)	१३-स्ट	46	phá	বিক্তমানর পাশামারে লিও হর (অল্লাহ ধাংল করতে চাইলে)	ত-নামণা ১৭-ইসরা		934
পার (পালের পার হয়ে গোল মিখা সাক্ষা দিয়ে ওলিয়ত প্রদার)	৫-যরিগা	309	690	তৰিকাতেও পাপাচাৰ কৰাত চাৰ (মানুৰ)		3/6	200
প্রবাচিত (পাপে প্রবোচিত করে যাকে তার আত্রসন্থান,		906	650	পৰিবাংগুলাবানের পাপানর (মার শিকার প্রদাস)	৭৫-কিরামার্ ৭-আ'রাজ	4	
প্রতিফল (পাপ অর্জনভারীদের প্রতিক্রল নান প্রসঙ্গ)	৬-অস্বাম	340	609			340	693
প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য পাল বর্জনের নির্দেশ	৬-আন আম	340	609	শারি (মালিমধের পাপায়ারের করেনে কঠিন শারি)	৭-জা'রাফ	7/05	648
যত্ন পাপ/ কৰীয়া গুনাহ মুমিল পৰিয়ার কৰে	8২-পুরা	99	1998	শর্রির (পূর সম্প্রদারের পাশারের ভারতে অধ্যক্ষর পরি অপর্টার্য)	২৯-জানবাব্ত	48	P.75
হত (উপকারিতার চেরে পাপ বড়, মদ ও জুরা প্রমঙ্গ)	३-राङ्ग्स	529	252	শান্তি (বনী ইনৱাইলের পাপাচারের ব্যৱবে শান্তি ছবতীর্ব)	২-থাকারা	6.0	80
বর্জন (প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য লাপ বর্জনের নিচর্লন)	৬-বাপ'বাম		909	শান্তি (পাপানায়ের কারণে শান্তি স্পর্ণ করণে)	৬-আন্আম	82	600
বলা (ইবিদের বইসারের অপরান ও সুস্পর্ট পাপ বহন হয়ে)	৩০-বাহ্যার	320		হচ্ছে পাপায়র নিধিত্ব	২-বাকুরা	22.9	450
বিরত থাকা (বড় বড় পাপ পরিহার করা)	20-संबद	Q7r	9.09	ণাণাচারী (আরো দেখুন ফাসিক শব্দটি)			i
বিদ্যাপ পাল নেই (মিনার অবস্থান প্রসঙ্গ)		95	300	অনিবাশে (নৃহ ও ইংরাট্য জ:এর শশুরুমের অধিবাশেই পাশারী)	৫৭-হানীন	36	263
	२-शङ्ख	500	650	অধিবালে (বেরাণারাণ প্রবর্তনারীকের অধিবলেই পাশার্মী)	৫৭-হানীন	29	503
বৃদ্ধি (পাপ বৃদ্ধির জন্য কাফিরদেরকে অবকাপ দেরা হর) মহাপাপ উদ্ধানন করে (শিরককাবী)			660	অধিকংশ গাপানেটা (কফিয়নের প্রবাস)	৭-আরাক	205	62
	8-First	87	690	অধিকাংশ (পূর্বে কিয়ার প্রাক্তরে অধিকাংশই পাপায়রী)	৫৭-হানীন	36	581
মার্জনা (আপ্রাং ভার বান্দাদের পাপ মার্জনা করেন)	৪২-পুরা	-52	9,90	অপ্যদিত পোপানী ইংশীনের অপান্ধতিত করে জন্য বছের ক্ষেত্র	৫৯-হাশর	Q	300
মিখ্যা রচনা পাপ (আল্লাহ সম্পর্কে মিখ্যা রচনা স্পষ্ট পা		@p	690	অবতীৰ্ণ বিশ্বর থাবা বিয়ার করে না যারা ভারা পাপানারী	৫-মারিদা	89	250
মোচন (পথকর্মশীল মুমিনদের পাপ আল্লাহ মোচন করকে		9	999	অবিশ্বাস (পাপাডাটার্রাই কেবল আয়াত অবিশ্বাস করে)	২-বাকুরো	35	433
মোচন (মুফিনা বঁটি অওবা করলে অপ্তাহ পাপ মোচন করনে)		br	990	অভিযোগ উত্থাপনবারীরা পাপারারী	\$8-≅¥	8	998
মোচন (ব্যৱ স্থিমন এনেয়ে আল্লাহ ভানের পাপ মোচন করে লেনে		2	225	আপ্রাথকে ভূপে গেছে বার ধার পাপারেরী	03-45*Id	25	200
মোচন (পাপ মোচন করবেন আল্লাহ বনী ইসরাইললের)	৫-যরিদা	25	१४२	আহলে বিভাবনের অধিকাংশই পাপায়ারী	৫-মাছিদা	23	Qb.
যোলে (পাপ মোলে করে নিবেন আপ্রার্থ ঈমানবার্যানর যদি)	৮-জনকল	43	908	আহলে বিভাবনের অধিকাশে পাপার্যক্তী	০-আলে ইমরান	330	284
মোনে (পাপ মোনে করে দিবেন স্বাস্থ্যাহ দিবন এনে অকওয়া)	৫-মরিনা	95	44p	কক্ষী করে বারা বারা পাপারবী ক্ষতিত	२8-गत	99	900
মেচন (পাপ মোচনের জন্য প্রর্থনা প্রতিশাপকের নিকট)	৩-আলে ইমরান	770	666	কানে (পাপামত্রী দশ্রদারকেই জানে করা হবে)	৪৬-আহৰাফ	96	333
মেদে (মাল্লহ ইমানদার সংকর্মশীলের পাপ মোচন করকো)	২৯-আনবাবৃদ্ধ	9	b36	ধুহ বা,এর সম্প্রবার ছিল পাশারেরী	१५-पविवाद	86	250
মেচন (উল্লেখ্যক ভয় করবে যে, অল্লাহ ভার পাপ মোচন করতে	শ) ৬৫-ভালাক	2	269	শব বাদর্শন করবেন না আল্লাহ (পাপাচারী মূনাভিকচন্ত্র)	১০-মুগারিকন	0	308
মোচন (আপ্রাহ নানের বিনিময়ে পাপ মোচন করেন)	২-বাশুরো	293	203	পৰএই করা (আপ্লাই ফলিকদের পথন্তই করেন)	२-राज्यस	25	¢08
সোচন (সাল্লাহ মুমিন নর-নারীদের পাপ মোচন করে নিকেন)	৪৮-ফাত্র	2	220	গদী ইপার্যালয় অধিবালেই পাশামার (কাদিজে সামে বহুতু গ্র.)	e-মাছিল	73	g kc
মোচন করে দেন আল্লাহ ভার পাপ যে আল্লাহতে ভর কর	8 95-8540g	· e	369	বসন্থান (আপ্রাহ পাশারেরীনের বাসন্থান (নথাকে)	०-छ।,दाक ६-४॥कथ	380	650
মোচন (পাপ মোচন করবেন আল্লাহ যালের)	৩-আলে ইম্বান	726	222	सन्दर्भ (बद्धार जनामदास्य धनद्दन् (नवाहरू)	৫-মারিদা	830	650
সম্ভান হত্যা করা বড় অপরাধ	১৭-ইস্ল	93	935	মুখিলের সমান মর পাপায়ারী ব্যক্তি	ত্-মার্থা তথ্-সাজ্বা	36	503
সম্পদ পাপের সাথে গ্রাস করা (জেনে খলে)	२-सङ्ख्य	29.55	652	इन्तिकास व्यक्तित्तर नामात्र	১২-গাল্পা ৯-ভাগ্রহা	br br	
সহযোগিত (কী ইন্য়াইল গলে একে জগতকে সহযোগিতা কয়	<ul><li>३-राक्ता</li></ul>	7.5	670	রুপ কিরিত্তে নের বারা, কারা পাপারতী			880
সীমালভংন (পাশ ও সীমালজনে একে অপরতে সাহায্য			-	কুৰ বিষয়েও লেও বাবা, কান্তা পাশচায়ে কুমাজিকতা পাশচায়ী	৩-জালে ইমরান		688
করা নিষেধ	৫-মারিদা	2	6,40		৯-ভাওবা	99	889
শীমলক্ষন ও পাপ কাছেনুলত ধরিত হয় যাত্র ভূমত্রি গোপন	৫-মারিবা	62	glybr	মুণাজিকরা পাশায়ারী অবস্থার মৃত্যু বরণ করেছে	৯-তাওবা	78	682
মুস্পট পাপ হিসাবে প্রী থেকে সম্পন গ্রহণ অবৈধ	৪-নিসা	50	669	সংবাদ (পাপামারীর সংবাদ পরীক্ষা করার নির্দেশ)	৪৯-হতুরত	b	250
স্পষ্ট পাপ (অল্ল্যাহ সম্পর্কে মিখ্যা হয়না স্পষ্ট পাপ)	8-909	80	660	সম্প্রদারক (প্রশাসনী সম্প্রদারক সঠিক পথ প্রদর্শন বালে ম)	৫-মায়িদা	200	238
হারাম থাওয়ায় পাপ দেই (খেতে বাধা হলে)	२-राकावा	290	659	সম্প্রদার (পাশানী সম্প্রদারে অল্পার পথ প্রদর্শন করেন দ)	৬১-সাহ্ত	8	200
যমিলার পাপ বহন করতে কবিল (ছবিলতে হতাম করনে)	৫-মারিদা	45	628	সংখ্যার (পাশানী সংখ্যার হিন বিরাশ্বরণ ও তার পরিসনর্গ)	২৮-বাসাস	0.5	227
পাপ (কবীরা ভনাই)		-	200	সক্ষানা (পশামনী সম্প্রবারম প্রতি অল্লাহ সমূচ হতে ন)	৯-তাওবা	≽હ	960
নিয়ত থকা (কবির কবহ থেকে বিয়ত থকাল লগীয়া করমে মার হত	0 8.501	0)	403	সংখ্যার (কিরমেটনের সংখ্যার ছিল পাপায়ারী সংগ্রানর)	২৭-নাহজ	25	700
পাপ কাছ	9 0000	V3	6.67	সম্প্রদার (কির'আ উন সম্প্রদার পাপায়ারী ছিপ)	৪৩-সুখরুব্য	28	277
	-	_		সম্প্রদার (গৃড সম্প্রদার ছিল নিত্তী ও পাপায়ারী সম্প্রদার)	২১-সাধ্য	48	900
পদ্ধতে পাপকাল হবে না	৫২-তুর	50	300	শন্তানর (অক্সং পাণানী সন্তানরকে সচিক পথ প্রদর্শন করেন ন)	৯-তাগ্ৰধা	₹8	<b>88</b> ₹
কাৰে না (মান্নাহিত্ৰা জেন পাপ নাজেৰ ঘটনা কাৰে না )	৫৬-ধ্যাবিশ্বাহ	54	788	সপ্তেমা (পশামী সপ্তৰাজ্য সাথে সম্পর্বজন প্রর্থন মূপ জ.বাং)	৫-মার্মা	56	4 per
ভরম (পাপকার হারাম করেছেন প্রতিপালক)	৭-আন্তরফ	90	634	সম্পার (গপারী সমুদক্তে ব্যৱহার কালে ন জন্ত্রহ)	৯-জতবা	60	584
পা (পদ)				সম্পূৰ্বা (পাপান্ত্ৰী সম্পূৰ্বাহের জন্য দুৰে করতে নিমেধ	৫-মারিপা		
বর্ষণকর পদপদত করতে হতে পথস্টকারীচনতে (বিভাসতে)	৪১-ফুস্সিক্ষাত	52	355	মূস্য আ(ক)		20	200

- Average		-	Fig.	পালানের স্থান পাক্ত	नहां गर क माम	September 19	981
	স্থান খন্দ	1900	62	**************************************	An ac - man	100	3
वाभिष्ठ <u>े</u>			-		- Pitran	80	600
	৪-নিমা	204			১২-ইউনুফ	80	a.
	২-ৰাকুরো	২৭৬		অভিযান (সুলাইমান আ,এর পানের বিধারে সাধার রাশীর	২৭-দাহল	જ	yok
	২৬-ত'আরা	555		পরিষদবর্শের অভিমত)			1
	१०-अवद	24	2059		২৮-কাদাস	20	pop
দীনসকলবারী পশিকাই বিয়ন নিশ্ব মধ্য অভিহিত করে	১০-মূত্রপ্রিকীন	25	7077	বিদ্যাজাটন ও তার পরিবনবর্গের নিকট মূসা আংকে পাঠানো	३३-दूल	59	698
পাপী (আবো দেখুন অপরাধী শক্ষরি)				বিশ্বমান্ত্রীক ও তার পরিক্ষাবার্টার করে মূল মা, ও হারদাকে প্রয়োগ	২০-মুখিন্ন	86	988
অনুগত্ত (পশীর অনুগত্ত করতে নিষেধারে রাসুগ স. এর প্রতি)	५७-मास्त	48	999	তির আইনের পারিকনর্মের জন্মে মূপ আ,কে জামুকর আধ্যা দেবা	<b>२७-०</b> 'जावा	08	993
অনুগত (পাশীর অনুগত করা বাবে না)	৬৮-বুলাম	32	396	ক্তিক্সটনের পারিধনধর্গকে দুশিয়ার গৌন্দর্থ/সম্পদ নাম	১০-ইউপুস	2.5	664
प्रमुगक (गामक प्राप्तुगक प्रमाणक गा। प्रमान प्राम्तर ना शानीता (प्राक्तरत 4 गाँग गठा शहरू)	২০-ইউনুস	90	569	ক্তিরভাউনের পরিবদবর্শের কাহে মুসাকে প্রেরণ	৭-আ'রাফ	700	
	৮৩-মুরাক্রিকীন		2022	বিরাজে উনের পরিকাবর্গের নিমান মূল জা,(ন নির্দাদনর প্রেরণ)	8७-यूश्क्रक	86	
থন্য (পাপীর খান্য যাক্তম হক্ষ)	88-98R	88	3033	বিরক্তানের পরিকার নির্বাচনের করে কম লোক দিয়ান আনে	১০-ইউনুস	bro	664
খন্য (পাপার খান্য ব্যক্ত বৃষ্ঠ) চেহারা ধূলিমন্ত হবে (কিয়ামতের দিন)	১৮০-জাবসা	88	2009	বিশ্বাহ্যটন পরিবনর্গতে বলস	২৮-কাদাদ	@br	9.77
চেহারা খূলমন্ত হবে (কেরামতের দেশ) করুলন (কফিচনে হেড়ে নিসে তারা পার্শী/কফিনই কলু দিবে)	१०-वासभा	29	2004	ভিরম্ভাইনের পরিবাদের করে মৃত্যু হারুকে নির্পদান প্রথম	১০-ইউনুস	9/2	665
জন্মান (নাম্যাসের হেড়ে নিল তার পাশ্-আমাহ কর্ম লবে) জাতারামে থাকাবে পাশীরা	৭১-বৃহ ৮২-ইনফিতার	38	3070	বিশ্ব ব্যক্তির ও পরিক্ষরতার প্রতি দলিক প্রমান	২৮-কাসাস	04	933
				পাৰাৰ জনীৰ পাৱিষদৰপতে সুগাইমানের পত্ৰের সংবাদ দান	২৭-নামল	23	bod
দুর্জোগ (পাপী মিঝাবারীর জন্য দুর্জোগ)	82-साध्य	9	300	কার্যার প্রায়ের পারবর্তনাতে পুনার বাবের পারের পারের পার কার্যার প্রায়ের পারবর্তনার সাধার রাগির সিংহাসন হলে জানা প্রদার	३१-मादन	00	has
সমান নর (পাশীরা মুবাকীদের সমান নর)	৩৮-সেরাদ	2/6	969		47	-	*
সাক্ষ্য গোপন কালে পাপী হবে	৫-মাজিদা	206		পাৰ্থক্য	g.favr	203	298
হুনর পাপী (সাক্ষ্য খোলনকারীর হুনর পাপী, কব প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	5900	<b>€</b> 68	আপ্রাহ ও রাস্পানের মধ্যে পার্থকা না করা প্রসঙ্			
পারোর গোছা		C.		আল্লাহ ও হাস্প এর মধ্যে পার্থক্য করাও কুমন্ত্রী	8-(417) - 100-100	260	
উল্লোস (পরের গোড় উল্লোল করা হলে টেলি বিলামতে)	৬৮-কুলাম	84	244	মৰীচনৰ মধ্যে পাৰ্যবন্ধ দা কৰা	৩-আলে ইমরাণ		088
পায়ের নলা				মধী-প্রাস্থাব্যর মধ্যে পার্থক্য করে বা (মুমিনগণ)	২-বাকুরো	200	
গরের বানীর পারের মলা উল্লেচন (সূলাইমাণ না.এর		-	1	রাস্থানের হথে। পার্থকা করেনা (মুখিনগদ)	২-ধাঝারা	5/26	0.00
প্রামানতে জলানর (চবে)	২ণ-শামল	88	you	পাৰ্থক্যকারী		_	L
পারে হটি:		$\vdash$	$\vdash$	স্বিন্নলার্ভার্যক সভা-বিশ্বার পর্যক্তকরা শক্তি নিবন আল্লাহ	৮-স্থানফাল	2,30	66
পারে হাচা হক্ষ্ণে জাসা (পারে হেটে মানুয়ের হক্ষ্ণে আনা প্রনঙ্গ)	22-07%	29	950	কুরছেদ শার্থকাকারী (সভ্য ও মিখ্যার)	<b>३-शकृता</b>	22.6	230
	24-6-4		70-	শাৰ্থকা (সভ্য-মিখ্যার)		+	t
পাব করা	- 50mg	1	100	সভা-হিত্যার পার্যকোর নিন আল্লাহ যা নাখিল করেছেন	৮-জানসাল	83	80
বনী ইসবাইলতে আল্লাহ সমূত্র পার করালেন	20-ইউমূপ -	30	552	नामक नुवा	5-2	+-	H
সমূদ্ৰ পাৰ কৰা (আল্লাহ বলী ইনৰাইল্ডে সমূদ্ৰ পাৰ কৰাৰ)	৭-বা'রফ	207		পালক পুত্র : পুত্র নত্ত (আপ্রাহ পালক পুত্রকে আসল পুত্র বাবানদি)	৩৩-আহ্যাব	8	100
সমুদ্র (বনী ইসরাইলকে জাল্লাহ সমুদ্র পার করালেন)	১০-ইউদুগ	90	969	পূর নর (আল্লাহ পালক পুনকে আসল পুর বানানা) ব্রী (পালকপুরের ভালাকগ্রাক্স প্রীকে বিস্তু বৈধ হওলা প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্যাব	8 09	
পার পাওয়া					00-444-	1.	¥.
শব্রি থেকে পায় পারে মনে করা নিকেং (আহলে কিতান প্রদক্ষ)	৩-অলে ইম্বান	200	228	প্ৰত		100	١.,
পরে/মা পারা		Ε.		কাদিবনের যতে ত্রপার পালচ দান পার্থিব প্রচূর্য প্রসঙ্গ	৪০-যুধকক	-08	ps
অবিশ্বাসীরা তদতে গারে না (আবিরাতে অবিশ্বাসী)	22-필터	20	969	পালন করা/না করা			_
ইবলিস বাবে পারে প্ররেচিত করবে	১৭-ইস্রা	68	47.9	জ্ঞানেশ পালন কন্ততে কন্ততন ইসমাইল আ, পিতাকে	৩৭-সাত্কাভ	205	
চলচেল করতে না পাঞ্জ/অফমকেরকে লান প্রদান	<b>২-বর্</b> জ	290		দায়িত (ইৰৱাহাঁৰ জ, দায়িত পালন কৰেছিলেন)	৫৩-নাজম	69	
প্ৰেছতে পৰা মেনুহ প্ৰথম্ভ কটে প্ৰেছতে পাত এনৰ কৰে)	১৬-নাহল	9	900	নিচৰ্বন (আল্লাহর) পালন করেনি মানুব	৮০-আবলো	20	
রানুল পারলে আওপে সিভি/ফুগর্ডে সুক্তর বৌচ্ছ করা	৬-জন জম	'02	622	বৈপ্রপারত ব্যাহ্যভাবে পালন করেনি (সদার অনুসারীরা)	৫৭-হানীন	29	>0
রাপুল পারণে আকাশে লাকু/কৃগতে পুরুক খোল কর। রোধ (কাফিরুরা আওদ রোধ করতে পারবে না)	२५-व्यक्ति	80		পালনীয় (অবশ্য পালনীয়)	-		+
রেব (আক্রয়া আচন রোব বরতে শরবে ন্য) সহিত্রে দিতে পারবে না মুশবিকরা (শান্তি)	२१-वास्त्रा २)-वास्त्रा	779	960	অক্সাহত পক্ষ থেকে অবশ্য পালনীর বিধান (মীরাস প্রসঙ্গ)	8-निमा	33	66
সামরে দেকে পারবে লা মুশারকরা (শাক্ষ) সামনে চলতে পারত লা অপরাধীয়া (অকৃতি পরিবর্তন করলে)	২৫-যুক্তকান ৩৬-ইয়াসীন	94		ভোটাইর শক্ষ বেকে অবশ্য শাসনার বেবাদ (নারান এসদ) ভোটারল অবশ্য পালনীর হিসাবে প্রদান (সহবাসকল স্ত্রীকে)	8-निमा	38	
সমনে চলতে পাতে ল অপপ্রথম (অনুষত পাতেতন কলো) সূত্রা বচনার কলা যাতে পাত্রে ভাকুক চুলজিকর (অল্লাহ যান্ত)	৩৬-হর্মসান ১০-ইউব্রুগ	99		হ্রী/থানীদের বিশ্বন্ত মুখিনদের পাদনীর/আরশ্যিক বিশ্বন্ত	০০-সাহ্যাব	20	
	30-503-	Oy	964		00-444	4-	+
পারা (রক্ষা করতে)		4	4	গালানো (মারো দেখুন প্রায়ন শব্দটি)	- mag	+-	1
রক্ষা করতে পারবে না কেউ (আল্লাহর শান্তি থেকে)	৪৬-আব্কাক	'n	909.	ব্যক্তিররা পালতেও পারবে না (ডীত-বিজ্ঞল অবস্থায়)	c8-সাবা	62	
পারিশ্রমিক		_	1_	পিছল বিকে ভ্রম পশালে (পাঠ সাপেয় মত হেনিছুটি করার)	২৭-মহল	20	
ভাশবংশবারে সবংগ্রেড সঞ্জনকে বুংগান করনের পাল্রিমিক	৬৫-ডালাক	6	3/69	মুপরিবদের পাশাবার কোন উপায় দেই (বিভারতে)	৪১-ফুস্সিপাত		
সেৱাল টিক করে পরিশ্রমিক মা মেরার (মূপা আ.এর	79~stan	33	903	ফুর আ নিরাজারনের ভরে পলানে করদেন (বিশতি হত্য এলা	২৬-৫'জারা	43	45
কিজাসা বিভিন্ন আ.(ক)	79~stds	133	400	পালানোর স্বাহণা		L	1_
পদি পদ বনাবের পরিশ্রমিক বিতে মূল আক্রে ভবছেল নাইলের শিত্র	২৮-কাদাস	2,0	3:30	অহন্ধারীদের শালানোর ভারণা নেই (কিরামতে)	১৪-ইবরাহীম	152	
গ্রাপা (মাহরানা)			+	ষ্কাহান্ত্ৰাম থেকে পাধানোর ফারণা পাবেনা (মূপরিওরা)	8-मिम	757	
আশা (মোহরালা) জনত পাদনীর হিসাবে সহবাসকৃতাকে মোহরানা প্রদান	8-9/21	38	¢60	আংশ্রেক্সন (পূর্বর ধাংশ্রেক্সন পদানের মারণ ছিল ন)	६०-काक	00	
প্রবন্ধ পালনার হেসাবে সহবাসকৃতাকে মোহরানা প্রবান নামসক্ষাতে মোহরানা প্রবান করে মুহিন করিকে বিয়ে করা	8-991	28		বিভাইনাট্যাল প্ৰদানে জন্ম এই (অনুমান নিৰ্দাণ সম্পূৰ্ত বিভাই)		00	
	৪-াপসা ৫-মার্চিদা	26	640	नामाद्रमात नवं	94. (**	+	+
ব্ৰপদ (মেহরদা প্ৰথম করে সাংবিত্র ক্ষরিদেরতে বিরে কর)				পালানোর পব পাবে লা কভিতর (পিনিট সময়ে)	১৮-বাহক	g'y	9
প্রদান (মেমরানা প্রদান করে মুদ্দিন নারীলেক্সক বিশ্বে করা)	৬০-মুমকাহিনা	30	969		77-4166	4.71	+
প্ৰীকে (যে প্ৰীকে দৰী মেহবানা দিয়েছেন বা নবীৰ ধন্য	৩০-বাহবাৰ	ø0	1009	পালানোর ছান		_	1
হাল্যে)				কিয়ামতের দিন মানুধ বলবে 'পালানেকৈ স্থান কোগায়ঃ'	१७-किशामाद	3a	1.5

			199	পিচনে			প
भेष तीहरू दिवा, दिवा, दिवा, दिवा, कि ती कि त	সুৱা নং ও নাম	ext:	(64)	अप रिस्त/श्रमण	जुड़ा नः ७ माम	ALERS S	नृष्ठा
পালা	10000		2.5	শিক্তর থকানে ছি-বিছিল্ল করা, নগালে পারোচনা মাধ্যম	৮-আনফাল	69	809
নেত্রীর পাস্তা অধী হলে সম্ভন্ন জীবন লাভ করবে	১০১-কুর্নির জা	0	2002	পিটের পিছন নিক তেকে আমধনামা দেয়া হবে যাকে	৮৪-ই-পিবাব	30	2020
নেকীর পাল্লা গ্রালকা হলে যদিয়া লেখনে স্থান বংগ	১০১-কৃতি জ	è	2002	প্রবেশ (পিছন দিক ধেকে যত্রে প্রবেশে পুণ্য নেই)	২-বাকারা	25/20	443
প্ৰেয়ৰ পাল্লা ভাৰী হবে যাব কিলামতে	1-20,624	4	650	প্রামীর স্থাপন করেদ আল্লাহ (কাবিবাদের সামনে ও পিছনে)	০৬-ইয়াসীম	ъ	bes.
ভারী (নেনীর পাল্লা ভারী হলে সমুত্র জীবন লাভ করবে)	२०३-व्यक्तिक	6	3003	গ্রহনী (অল্পান সামান পিছন গ্রহনী নিয়ামিত করেন গরেব প্রথম)	<b>५</b> ३-क्रिम	29	579
ভাবী (পাছা ভাবী হবে বাদের ভাবা সকলভাম)	২০-মুখিনুদ	205	112	বিবে বাওয়া (পেছনে ফিরে বাবে বে)	০-আলে ইমবান		285
সঠিত পক্ষায় ওজন করার নির্দেশ	২০-রু মধ্য ১৭-ইসরা	204	929	विद्या चाला (महिन नव नन्ते कलात नव निवन विद्या चाला)	৪৭-রহামাদ	200	978
	१-आ राक	7	630	বিবে গেল (পিছনে ফিরে গেল মুমিনর ছনাইনের বুচ্ছ)	p-English	22	684
হান্ধা (পাল্লা হান্ধা হবে যার কিলামতে প্রের পাল্লা)				বিভিন্নে দেয়া (প্রথমেকে শিক্ষান্ত দিকে মিনিয়ে দেবার পূর্বে দিয়ান)	8-विमा	89	000
श्तमा (श्रद्धा श्रमक श्रम श्रमा, यस निकाल पवि न्यार)	২০-যুমিদৃদ	200	992	ক্ষিত্রিয়ে নেয়া (পোছনে ক্ষিত্রিয়ে নিবে ভূমিনানেয়কে কামিরগন)	০-আলে ইমরান		460
হালনে (দেনীর পদ্ধা হালনা হাল হবিয়া নোবনো হাল হবে)	১০১-কৃত্তি আ	b	7007	যিয়ে কথা (পাল নিক দিয়ে যাতা বিকা পরিবর্তনে পর)	২-বকারা		
ৰা <del>ৰ</del>		_		विद्या यांच्या (निव्हान विद्या द्वार निव्हान विद्या प्राप्त प्राप्त यांच्या	4-103191	780	629
তুর পর্যবে ভান পথে কট ইনরাইলতে অক্সহর প্রবিশ্রতি	২০-ফু-য	310	986		৫-মাছিদা	٤٥	évo
তৃর পর্বতের পাপে আগুন দেখতে পেল মূনা	২৮-কাদাদ	4,5	300	এর সম্প্রদারকে)			
সরে বার (মানুষ পাপে সরে যার অস্তাহ নেরামত দিলে)	১৭-ইস্রা	9.0	357	দিতা থালা (পিছন দিয়ে গেল মূল আ, পাঠিকে নাপের দর্বা)	২৮-কাসান	97	230
পাশ বোট থাকা				ক্ষিরে যাওয়া (পেছনে কিরে যাবে কি মুম্মিনরা যদি রান্দ…)	৩-আলে ইমরান		482
মৃত্যুবস্তুণা থেকে পাশ কেটে থাকে মানুখ	৫০-বৃক্তে	77	240	থিবির মোর (সঠিকশং প্রদানের পর পিছন নিকে নিবির মোর)	৬-আন্'আম	47	604
পাশ (বীর)		$\overline{}$	-	দ্বিরে ব্যওয়া (কিয়ামতে মানুধ পিছন ফিরে পালাভে সাবে)	৪০-যুমিন	00	ppo
সমুদ্রের পাশের জনপদ সম্পর্কে জিজানা (শনিবার প্রদর্গ)	৭-আ'রাক	360	687	বেলে অনা (অপ্লাহ প্ৰদত আ পিছনে বেলে আনা ফুপ্টাবিকসের)	৬-আন্'আম	86	600
श्रावापक्रमध		141	40	কেলেরভার নামনে ও পিছনে যা আরে দবই প্রতিপালকের	১৯-মারইরাম	68	9.86
পরীক্ষা (প্রার্থনার সিভির বন্ধ পারণঞ্জনা সোবচনা বলা পরীক্ষা)	as when	-	01.0	মানুবের পিছনে ও সামনে সংরক্ষণকারী কেরেশকা ব্যেছে	১৩-রাপ	22	69/2
	२२-शृष्ट	40	460	মানুবের পিছলের সব বিষয় আল্লাহ ঞানেন	২-বারুগের	420	@00
পাহাড় (আরো দেপুন পর্বত শখটি )		_	ш	মুন্যবিক্তানহাক পিছনে বিচার থেকে বলবে মুমিনর (আলোর নিচার)	৫৭-হাদীদ	30	282
অপ্রের (পাহাড়ের অপ্রের, মানুমের প্রতি আল্লাহর লেরামত)	১৬-বাংক	P-7	409	মুশরিকদের পিছনে ঘুরে রাস্ত্র স, নিজেকে ধ্যাসে!	১৮-বাহ্য	ъ	948
কাটা (পাহাড় কেটে ধৰ দিৰ্মাণ কৰত হিন্তবদাসীৰা)	३४-दिसर	કર	905	কৃত্যা পিছেন কর সংস্থার (ব্রুর পরাক্ত গমনে কৃত্যা অকুছের প্রাপত	২০-ড়া-হা	7.8	986
কটো (পাহাড় কেটে বাসগৃহ দির্মাণ করত ছামূল সম্প্রদার)	৭-আ'বাক	48	677	যুদ্ধ থেকে পিছিরে থাকা বেসুস্টনামের অস্থয়াও পেশ	89-19760	22	229
গৃহনির্মাণ (দক্ষতার সামে পাহড়ে কেটে স্বায়ুদ কাঠির গৃহনির্মাণ)	২৬-ব'বারা	782	9362	রাবা (আল্লহতে পিছনে ফেলে রেবেছে মানইয়ানবসীরা)	22-6H	3-2	598
সালিত করা (কুরঝান ঘারা যদি পাহাড় চালিত করা যেত)	১৩-রা'দ	42	997	রামলা এমেছিলেন সামনে থেকে ও পিছল থেকে	৪১-ফুসসিশাভ	28	709
জ্যেতির প্রকাশ প্রেতিপালক পাযাভূমিতে জ্যোতির প্রকাশ করচান)	৭-আর্থক	780	642	দিবে রাখেন অক্সাহ মানুহের পিছনে রেবে জালা কাঞ্চ	৩৬-ইয়াসীন	25	3457
পাৰ্গীর অংশগুলো পাহাড়ে রাখতে ইবরাহীর আ,তে নির্চেশ	২-বাকুরো	250	602	শহীনাম পিছন থকা এখন শহীন হালি যালে কন্ অনপিত	০-আলে ইমবান		203
বস (পায়ভূপাত্ম মান্তা বস বিশ্বত মৌমছির প্রতি ভই,ইপিত)	১৬-শহল	60	908	সূত্র পত্র পিছন সতে পত্রত ব্যক্তির অত্যত পঠ কর হলে।	২৩-মুখিনুদ	30	990
বিভিন্ন ব্যক্তর পাহাড় ব্যাহাছ (দাল, কালো ও নানা)	৩৫-ফারির	29	₩8₩	সরে পঢ়া (শর্মান সরে পঢ়প কাফিরসের (কার্যুটে)	৮-জানফাল	87	900
লক্ষ্য করা (মুদ্র আ,কে পাহাড়ের দিকে লফ্য করতে বলা)	৭-আগ্রহ	380	692	সাধান হয়ের অহবন ব্যাহ্য বিশ্বন বা আহ লে সম্পর্কে	০৬-ইলসীগ	80	768
পাহাতী পথ				मानव राजा पारवा गामा गामा व पार (१ गामा । मारा व निकास मानेक (गामीह का (पाडाहर माराजा)			
চলাচল পোহাতী পথে মানুদের চলাচলের জনা পৃথিবীকে)	93-75	30	295	বামনে ও পিছনের সংক্রিছ নিয়ে (৩১৭ (পরা	৪১-মুস্সিশাত ৫৪-সাবা	55	ppp
মানুখের গভরের পথ পাওয়ার জন্য পাহাড়ী পথ সৃষ্টি	২১-অথিয়া	62	983		CB-5/4/	'n	187
निमका	(J -4111)			পিছন ফিবানো		_	
উপন্তব্য (পিশুন্ধর উপন্তব্যর সুদ্যান্ত্রাথ বা, বহিনীর আগমণ)	২৭-নামল	35	৮০১	প্ৰাত কাৰৰ পৃষ্ঠ প্ৰদৰ্শৰ করে সে সময়ের কলম	१८-मुक्तइदित	00	227
তথ্য (পিশ্ৰয়ৰ কথাৰ সুদাইমানের মূদ হাসা)				পিছনে ভবস্থানকারী			
	২৭-নামল	77	505	লূত আ,এর শ্রী পিছনে অবছানকারী (শান্তি প্রসঙ্গ)	59-a,बाद्य	767	9395
খ্য (সুদাইমাচনা অধিনীর অধ্যয়তা পিপড়াচনা খ্যান্তব্যবদার নির্চেশ)	২৭-নামগ	29-	903	পূভ আ,এর ত্রী পিছনে অবস্থানকারী ছিল (উদ্ভাব করা হল মা)	৭-আগ্রাফ	90	950
বলা (একট পিশড়া অন্যদের যরে প্রবেশ করতে বলা)	২৭-নামশ	79-	9-07	পূর আ এর পিছনে অবস্থাননারী হৃত্য প্রতিক উভার নরেবলি অপ্সায	৩৭-সাত্কাত	200	৮৫০
পিছন (আরো দেখুন পকাৎ পদটি)	_			পিহনে ছুটা			
অধ্যান (নিয়ন সম্পন্ন হল দমনী যেতর পিছন অবহুন নিবে)	৪-দিশা	305	640	বিলাগ-গাম্মীর পেহনে চুটেছিল তারা, যারা ভূলুম তারেছিল	১১-ছুদ	229	696
অঞ্চান (পিছন থেকে রাসুল দ, আহ্বান করছিলেন ভূমিনসেরকে)	৩-জন্তে ইময়ন		660	পিছাৰ তাকাৰো			
কাফিরনেরতে পেছদ থেকে পরিবেটন করে আছেন জাল্লাহ	৮৫-বুৰজ	50	7079	বুনিদার শিক্তা অন্যন্তিশ ল উচ্চা দুছে (রাসুল স, এর আহালে)	৩-আলে ইময়ন	326	660
তাফিয়নের পেছন থেকে আন্ধনকে বিরও বরতে পারবে না	২১-সাধিনা	409	982	পিছনে খেকে যাওয়া		-	-
কুরজনের পিছ্ন থেকে ও সামনে থেকে বাভিল জাসতে পারে বা	৪১-যুস্সিব্যত	85	৮৮৯	উন্মান্ত বেং কল পিছন থেকে কৰা গোকের (মানুক যুদ্ধ প্রদাস)	h-ভারবা	9-2	687r
যায়ের পোহন থেকে যারে রাসুল স, কে ভারে জনুবাবন করে ন্য	৪৯-ছবুরাত	8	250	শিক্ষদে থেকে যাবে (পৃত্ব আ. এর প্রী)	১৫-ছিম্মর	80	903
জেন (পার্ট সংপর মত ছেটছুটি করার মূল জা,এর পিলে নিচে জেন)	২৭-নামল	30	900	বিভাগনা পিছনে থাবা গোতানর সাথে থাকারেই সম্ভান্ত	৯-ভারবা	20	48%
জ্বলা (পিছনে ও সামনে যা কিছু আছে যা আল্লাহ জানেন)	২১-অধিয়	47	923	(প্রেটার (প্রায় বিশ্বির থকা বেটুইর পরিক সংগ্রহকার করে)			
খ্যমার পিন ছিক্লে ক্ষেপের জাতিরে প্রী (ইউনুবেদর স্কামার পিছন)	১২-ইউবুক	2.0	695		৪৮-ফাৰ্হ	36	224
জমা পিছন দিক ছেঁড়া নেখল আর্থীয় (ইউপুকের জামা)	77-523.4	435	0.93	বেপুটন (পিছনে থাকা কেন্টনানেকে যুদ্ধে ভাবা হবে)	8५-व्यस्ट	3.5	274
জামার পিছন ছেড়া হলে ইউসুক সক্ষরাদী	25-इंडेन्ड्र	29	699	মূন্যবিদ্যালয়ক পিছনে থকা পোকদের সাথে বাস থকার নির্দেশ	৯-ভাগবা	20	68V
জালা (আল্লাহ মানুবের নামনে-পিছনের বিষয় জানেন)	₹o-¥t-4j	330	987	রাসুলের এর পিছনে থেকে যাওয়া সঙ্গত নয় (মনিনাবানী ও)	৯-ভাওবা	250	950
জানা (অপ্তাহ মানুহের সামনে-পিছনের সবই জানেন)	22-49KF	96	950	শূতে আ,এর তী পিছনে খেকে যাতরাদের অন্তর্গুক্ত হওয়া প্রদাস	২৯-আনকাবৃত	05	274
নিকেল (অন্তলেভিয়ের কর্তৃক অন্তাহর বিষয়র দিয়েল দিয়েল)	২-বাকুরো	303	627	পূভ আ,ধর স্থী পছনে থেকে যাওয়াদের অন্তর্গুক্ত হওয়া প্রদাস	২৯-আনকাৰ্ড	00	222
নিকেল (লিছনে নিকেল করল কিতাব আহলে কিতাবরা)	০-বালে ইম্বান	33/9	228	শৃত আ,এর প্রীকে আপ্লাহ পেছনে থেকে যাওয়া গোকদের	NA THOM		
পর্বার পেছন কেতে বিষ্ণু মাধ্যর (নবীর রীয় পাছে চাইলে যাস)	৩০-আহ্মান	20	lydly	प्रदेश विश्वेतन क्टबर	২৭-নামল	64	bro8
পিছাৰ জন্মত করে যেকেশমার কমিবনের মুদ্রা ঘটনের সময়	৮-অন্যাস	00	909	শক্তি সামর্থন কবিবারীর পিছে থানা লেকড়ন সাথে গুরুতেই,	৯-জাওবা	64	583
The second secon		,				-	_

পিছনে নিন্দাকারী পিতা-মাতা

১০৪- হ্ৰম্ম ৫৭- হাদীদ ২৮-কান্স ১৮-কাহ্ফ ৭৪- হুনাছ্ছির ৭৯-নামি আত	33 33 36 36 36 36	947 7000	ইউনুত্ব আন্তৰ অইত্যৱ শিকাৰ নিৰ্ভিত্ত আপন (পোনত নিৰ্দিত) ইউনুত্ব আন্তৰ অইত্যৱ শিকাৰ পাছে (পাৰে আনত ইউনুত্ব আন্তৰ শিক্ষাক শন্ত্ৰ প্ৰথমে কৰকেন ইউনুত্ব ইবাৰিছৰ আন্তৰ শিক্ষা আপনতে কে শিকাৰ সম্পূৰ্যৰ কিলাৰ কৰকেন, ইবাৰিছৰ আন্তৰ শিক্ষা আপনতে কে শিকাৰ সম্পূৰ্যৰ কৰিব শিক্ষাক কৰকেন, ইবাৰিছৰ আন্তৰ শিক্ষাক শাক্ষাক কৰু কোনা	১২-ইউসুফ ১২-ইউসুফ ১২-ইউসুফ ৩৭-সাত্যাত	36 60 8	696 686 699
৫৭-হাদীদ ২৮-কাসাস ১৮-কাহ্ফ ৭৪-মুমার্ছির	79. 27. 54	909	ইউয়ুক আএল পিআকে সপ্ত গ্রাগ্যের কলেনে ইউযুক্ত ইংরাহিম আ,ধার পিতাকে উপাসনা সম্পর্কে জিজানা করলেন. ইংরাহিম আ,ধার পিতা আযোকে সে শিকে সম্পর্কে বাসছিল	১২-ইউসুফ	8	
২৮-কাসাস ১৮-কার্ফ ৭৪-ডুমার্ডির	79. 27.	trotr	ইনৱাহিয় আ,এর পিতাকে উপাসনা সম্পর্কে জিজাসা করলেন,, ইনৱাহিয় আ,এর পিতা আয়োকে সে শিরক সম্পর্কে বলেছিল			599
২৮-কাসাস ১৮-কার্ফ ৭৪-ডুমার্ডির	79. 27.	trotr	ইনরহিন আ.এর শিতা আফাকে সে শিকে সম্পর্কে বঙ্গছিল	৩৭-সাত্তাত		
১৮-কাব্য ৭৪-মুখাছবির	34				46	3/63
১৮-কাব্য ৭৪-মুখাছবির	34		ইবরাইন আ,এর পিতাকে কমার কন্য লেয়া	৬-আন্'আম	98	800
১৮-কাব্য ৭৪-মুখাছবির	34			59-9'8TST	100	934
৭৪-মুখাছবির	২৩	-	ইবর্মীয় আ,এর পিতার কাছে ঘোষণা (দেবতার উপাদৰ প্রদাস)	80-एरक्क	34	yb9
৭৪-মুখাছবির	২৩	934	देनद्वदिम प्रदान निवास सन्। प्रभा शार्कन जननि श्रविकृति मध्य	৯-ভাবৰা	228	624
		202	ইব্য়হিদ আএর পিডার জনা ইব্যাহীদের ক্ষমা প্রার্থনা	৩০-মুমতাহিনা	8	323
18-414-410		2008	ইবরাহিন আ.এর পিতার মূর্তির উপাসনা প্রসঙ্গ	২৬-হ'জারা	90	933
		2000	ইবরাইন আ,এর পিতার শক্তির আশহা করল ইবরাইন আ,	১৯-মাবইয়াম	82	909
h mecons						920
9-0/041	220	96.4				
	-	$\vdash$				906
৭-আ রাক	24	628				900
		$\perp$				909
						980
						9-93
						6.57
৭৫-কিয়ামাণ্	30	990			00	25.9
				২৬-৩'জার	bib	924
৭-আ'রাফ	745	69.5	ঘর (পিতার ঘরে আহার করতে কোন দোদ নেই)	२8-जूब	65	93/2
			চেপ্তরা (শিতার চেব্যরার কামা রাখতে ধলগ ইউপুঞ্চ আ.)	<b>३२-हेंग्रेजुए</b>	30	650
৩-আলে ইমরান	9	600	দৃষ্টি (পিতার দৃষ্টি নিনিষ্ট করার চেন্টা ইবর্মাইন আন্যয় ভাইলের)	১২-ইউসুত	>	690
			নারীক্ষের পিতা মূপা আকে ভাকছেল (পারিপ্রামিক সেয়ার জন্য)	২৮-আসাস	2.0	930
১৬-নাহল	38	422	নাম (শিতার নাম মানা না খোল পালকপুত্রা উনি তাই/বড়ু)	৩৩-আহ্থাব	4	600
			দাবীরা পিতাকে বলগ মুসাকে মন্তব নিয়োগ করতে	২৮-জাসাস	2.5	830
৭০-মা'অবিদ্ধ	83	350	নির্বাচন (সপ্তান মাতি লিয়া উপকারের দিক থেকে নির্বাচন)	8-[470]		994
৫৬-ওয়াকিয়াহ				৩৩-আহ্বাব		brob
	-	-				200
৭৪.ডভার্মির	09	333				broc
		-	প্রয়ে পিরা ইয়াকরতে ভাতের জন করা প্রার্থন করতে ভাল	১১-রন্টসত		6916
১০-চিত্তর	N/v	655				690
	-	900				684
55 WW		440				678
22.5.1	90	0.00				683
0.0.37977777	10	220				699
						8730
						0.20
						690
						328
						906
						9.00
99-641-1914		3041				999
Williams						694
						903
				২-বাকুারা	200	650
			হে পিজ আপনা পুত্র চুমি নরেছে (ভাইরেরা পিতাকে কলা)	১২-ইউসূত	6.2	678
			পিতা-মাতা			
			অংশ (শিকা-মাধ্য অংশীদার হলে মাধ্য এক কৃতীয়াংশ পাবে যদি)	8-947	22	650
১২-হয়সূফ	98	69.6	জংগ (পিতা-যাতা প্ৰত্যেকন্ত জন্য এক-বৰ্ষাংগ যদি)	8-First	27	42.
১২-ইউসুফ	642	660	অনুহাং (শিক্ষ-মাকার প্রতি আল্লাহর ক্রান্তর ক্রজনা প্রকাশ)	৪৬-আহ্বাক	26	boh
-	-	$\vdash$	ইউসুক আ, তার পিতা-মাতাকে তার নিকটে অপুর দিল			65%
১২-ইউসূত	33	699				6676
_	-	-				900
১২-ইউসুফ	90	6643				400
	০ আদে ইংকা- ১৬ নাহন ৭০ আদি ইংকা- ১৬ নাহন ৭০ আদিক্ষা ২৬ - মুনান্ত্রিক ১০ - মুনান্ত্রিক ১০ - মুনান্তর্ক ১০ - মুনান্তর্ক ১০ - মুনান্তরক ১০ - মু			১৯০০ ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০ ১৯০	১৯০০ বি তার ব	১৯০০ত বা ১৯০ ৬৪১ বিজ্ঞান কর্মান কর

পিতা-মাতা

विषयं विषयं विषयं विषयं	त्रा नः छ नाव	SEE S.	्रका		भूता मर च नाव ने		1
পত্তা-মাক্তা (পূৰ্ব পূৰ্বা থেকে)		-		রী (পিতৃ-পুরুষের রীকে বিষে করা হারাম)	৪-মিলা	22	467
	২-বাকারা	700	650	স্পর্ন করা (পিতৃসুক্রজনেরকেও দূরব-কট ও সুবজেগ স্পর্ণ করেছে)	৭,আ'রফ	λ¢	643
	৩১-লুকথান	78	pep	স্করণ (পিতৃপুরুষদের ন্যার আল্লাহতে স্করণ করা)	২-বাকুারা	200	65
	১৪-ইবরারীয	82	69.9	পিতৃপুরুষহয়			
च्या (निरुप्ताचार सन् अविनान्द्रात साह न्य जा सा क्या अवेर)	47-46	27	25.0	ইউকুক আন্তর দুই পিকুপুরবের উপর নিয়ামত পূর্ণ ব্যব্রজ্ঞিপন আশ্রাহ	১২-ইউমুফ	6	39
বি আদ্বের পিতামানকে নাল্লাক থেকে বের করাছিল নামান	9-আ'dis	29	926	দিশাসার্ত (মারো দেখুন কৃষ্ণার্ত উট দম্মটি)		$\neg$	_
	85-आइसम	39	gog	অপরাধীচনাতে পিশাসার্ত অবস্থার কাব্যারান্যে নিতে হানিছে	১৯-মারইয়ম	bb	981
	২-বাকারা	576	248	জান্নতে বিশাসার্ত না হওয়া (আদম আ. গ্রাসক)	২০-ড়া-হা	229	481
	79-415A	No.	90)	মনে করে (লিগাগার্ত ব্যক্তি পানি মনে করে মর্বাচিকাকে)	५8-सूद	060	995
মুখিন ছিল (হত্ত্যাকৃত বালকের পিতা-মাজা)	30-SE,H	30	650	भिएव दण्मा		$\overline{}$	-
সংকর্মশীল পিতাযাতাও স্বান্নাতে প্রদেশ করবে	৩১-পুরুমান	28	P3P	সুনাইবাদ আ এর বাহিনী কর্তৃক অধান্তে শিশাধানুম পিনে ফেলার তর	২৭-সাম্প	72	ъo
সনাচরণ ( শিতামাতার প্রতি সনাচরদের নির্দেশ)	৪৯-আহ্বাফ	24	909			**	-
সদর ব্যবহার (শিরা-মাতার প্রতি সদর ব্যবহারের নির্দেশ)			300	পীড়িত	h more	**	68
সম্ভবন্তর (মনুদ্রকে পিরা-মাজর প্রতি সন্থবম্বর করার নির্দেশ)	২৯-আনকাব্ত ৪-নিসা	y		দোষ দেই পীড়িবদের (যুদ্ধে বা ঘাওয়ার)	৯-ভাওবা	97	90
সন্মবহার (দিতা-মাভার সাথে সন্মবহারের নির্দেশ)		৩৬	667	<b>न्</b> ष			<u>_</u>
সন্তবহুর (পিতা-মান্তর প্রতি সন্তবহুরে বনীইসরাইলের অসীতার)	২-বাকুল	20	609	আগদন করবে সীমালকানকারীরা (সাহার্যামে)	৭৮-নাৰা		200
সন্তব্যুর (শিক্স-মাভার প্রতি সন্তব্যুরের নির্দেশ)	৬-আনু আৰ	262	622	থান্য (ক্ষত নিপ্ৰেক পুঁজাই হবে কাহান্নামীদের খানা)	৬৯-হাজাহ	৩৬	24
সম্পদ (পিরামারার রেখে যাওয়া সম্পান পুসারে অংশ আছে)	৪-দিশা	٩	229	পনি (উন্নত দেহাচারীকে কাহান্তানে পুঁজের পনি পন করালে হবে)	১৪-ইবরাহীম	79	69
সম্প্রদান (পিত্রা-যাজন বিক্তম ব্যাগত নার সাক্ষা ধান করা)	৪-দিলা	205	498	খান গ্রহণ (সীমালংখনকারীরা পুঁজের খান গ্রহণ করবে)	৩৮-দোৱান	68	76
সুলাইখন আনতা শিতা-মাতার প্রতি আল্লাহর নেরামাতের কৃতভাতা	২৭-নামল	7.9	9007	পুঁজি (দেশুন মুলধন শব্দটি)			L
পিতা-মাতা/সভানহীন		_	_	পুর্বীয়ত			
চাইবোদ (সরা-(পিডামাডাইদের ভাইবোচনা মীরাদ প্রদঙ্গ)	৪-নিগা	25	664	মেন (আবাদের বাং তেন্তে পড়াস কাধির বলে এটা পুঞ্জীবৃত মেন)	৫২-তৃব	88	34
পিতপুঞ্জৰ	-	Ι.		মেদ পঞ্জীতৃত করেল আল্লাহ	২৪-নূর	80	90
জননে (আহলে কিজনের পিঙ্গুরুষের জন্তনা বিষয়ে শিক্ষা নান)	৬-আন্আম	27	608	পুণ্য কাম			
অনুসরণ (পিতৃপুক্তবাদের পথাছ অনুসরণ করে মুশরিকরা)	৪৩-ফুব্লেক	20	P89	বৃদ্ধি (পুণা কামাকে আপ্লাহ বছগুণ পৃথি করেন)	8-Fint	80	25
ইউস্কের পিরপুরুষ ইবরাহীয় আ. ইসন্তক আ, ও ইরাকুব	১২-ইউসুফ	'db'	690	श्रीवीन	-		+
ইবাদাত (আদ আতিঃ পিতৃপুক্তম যব ইবাণত করত)	৭-আ'রাফ	90	652		৬-আনু আম	p4	\$c
ইয়াপুরের পিয়পুরুষ (ইনরাইন,উসনাসিল,ইনায়াকর ইলার প্রসঙ্গ)	২-বাবুধো	300	676	ইয়াংইয়া আ, পুণাধাননের অন্তর্ভুক্ত হিলেন	৬-আন অম	bre	34
উপাস্য (পিরপুরুষ্টের উপাস্যানের উপাসনা থেকে বিরত বাবা প্রথম)	১৪-ইবরাহীম	20	986	ইনরাস আ. পুর্যবাদনের জন্ধর্তুক হিলেন	৬-আন আম	be	640
উলাসনা (পিতৃপুরুষদের মত উপাসনা করে মুশরিকরা)	<b>ऽऽ-इ</b> म	208	992	দ্বদা আ, পুথাবাদদের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন	५०-प्रस्कविके		20
উপাসনা (পিতৃপুরুষ যার উপাসনা করত সাদিহ আ. কি ভা		+		কিন্তাৰ (পুণাবানদের কিন্তাৰ/আমদনানা ইপ্লীয়ীনে থাকৰে)	১৩-মুভাক্তিকী		30
Rose econi)	22-8d	95	693	নেপ্লমতের মধ্যে থাকবে পৃশ্যবানগণ (স্বান্নতে)	५५-इनक्टिस	20	20
উপাসন (পিরপুরুজা যাসে উপাসন করে তা থেকে বিবত)	68-774T	80	₽8¢	নেরামতের মধ্যে থাকবে পূর্ব্যবানগর্ম	৬-জান'জাম	30	30
উপস্থিত (পিতৃপুরুষদের্ভক উপস্থিত করার দাবী কালিবলো)	৪৪-দুখাল	95	300	থাকারিয়া আ. পুণ্যবাদদের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন	ভ-আৰ্ আৰ	PQ	100
উপস্থিত করা (শিকুপুরুষ্টানা উপস্থিত করার দাবি করে কবিন)	82-व्यक्तिया	92	209	পুতে ফেলা	-		١.
উন্মত/ধর্ম (মুশরিকরা পিতৃপুরুষের উন্মত/ধর্মের অনুসারী)	৪৬-মুখকফ	20	759	কলা পিতকে মাটিতে জীংস্ক পুতে ফেলা প্রদাস	১৯-নাহ্প	6.9	91
অফিবানে পিতৃত্বকথ মাটি হংগার পর পুনরুপানে বিষয়ে সংগ্রহ	২৭-শামল	63/		পুত্র (ভারো দেখুন ছেলে পদটি)		_	_
স্থাব্যক্তির (উন্মান্তরপ্রিন্ত নালার স্থাবনিক্তির কাছে তথা)	२५-व्यक्तिया	88	900	আস্তাহর পুত্র বলে ইহুলীয়া উঘাইর আ, কে	৯-জাঙ্বা	40	66
জীক্তুবল্পজ্ঞা করার মুখেল (মুশবিকানে লিকুপুরুষ্টকেলে)	৪৩-চুখকদ	2,5		আল্লাহর জন্য পুত্র-কন্যা উত্তাবন (জনে ছাড়াই)	৬-আন্'আম	300	
জ্ঞান দেই মুশবিকদের পিতৃপুরুষদের যারা বলে আস্তাহ			-	অপ্তাহ কি পুরের পরিবর্তে কন্যা পছন্দ করলেনঃ	৩৭-সাক্ষাত	74.0	
সন্তান গ্ৰহণ করেছেশ।	29~015A	4	938	জন্মহর পুত্র বলে মাসারারা মাসীহতে	৯-জাওবা	100	04
ধর্ম/উমত (মুশরিকার পিতৃপুরুবের ধর্ম অনুসরণ করে)	80-2434	44	1884	জাল্লাহর পুত্র বলে নিজেদেরকে ইছনী ও নাসারারা	৫-মারিদা	79.	21
নৰীদের কমেকজন পিতৃপুঞ্জ সরগ-নঠিক পথে পরিচালিত	৬-আন'আম	89		ইউসুড় আকে পুরস্কাপে প্রহণ করতে পারে জাবীব	১২-ইউসুক	43	6
নাম প্রত্যেত্র নিজের ও পিরুপুরুষরা (বং নামের উপাদর বারে মানুম)	১২-ইউসুফ	80		इनसदिय पद यत शुक्रानत मृद्धि शृक्ष १४१४ मृद्ध संगत सन्। तासी	১৪-ইবরাহীম	'02	6
দিক্ষেপের ও পিতৃপুরুষদের রাখ নাম নিয়ে বিরুক্ত (আন সংগ্রদারের)	१-व्यादाय	93		ইয়াকুর আ, পুরসেরকে বদদেন- তোমরা এক দরবা নিয়ে	24- <u>\$@</u> 2#	69	16
পথ (মুপরিকাসের লিকুপুরুবেংং পাচনর চেয়ে উত্তন পথ বালার)	80-पुश्कक	28		প্রবেশ করো না			1
প্রতিশাসক (কির'আউলের পিতৃপুরুষদের প্রতিশাসক প্রসক)	২৬-৬'আরা	40		ইয়াকুৰ আ: পুঞ্জনেত্ৰকে বলগ- ভোমবা ইউসুফ ও কং	34- <del>ইউনুফ</del>	54	. 8
ভিত্ত অভিন সংস্থার পিতৃপক্ষমনের নিকট শোনেনি	২৮-কাসাস	- 00		ভাইরের সন্ধান কর		1	4
মাটিতে পরিশত পিতৃ-পূঞ্চমদের (কাক্বিরদের প্রান্থ)	২৭-নামগ	64		ইয়াকুৰ আ, পুত্ৰ ইউকুফ আ,কে বলচেন (সপ্ৰ সম্পৰ্কে)	১২-ইউসুফ	6	9
	77- <u>2</u> 4	74		ভিপনেশ পোকমান আ.এর পুঞ্জে(সংকান্ধের নির্দেশ	৩১-দুকমান	39	ъ
্বান্ত্র্যালয়নিক্তর পিরুপুরুষ্ঠান উপাদ্ধরে বর্জন করার নির্টেশ ক্রিয়া সম্পদ্ধ বিশ্বস্থালয়ন্ত্রতা ক্রেয়া স্বান্ত্রী করা (ক্রিয়ান্ত্র)	३१-कुद्रकाम	20		वामध्याया निवस्त		-	_
মুপরির ও জানের পিরুপুরুষদেরকে জেন্য নামটো গান (পুলিয়তে)	१०-मसम	20		কাকিবদের জন্য পুর আর আল্লাহর জন্য বন্যাঃ	<i>৩৭-সার্কার</i>	783	9
মুপরিক ও তাদের পিতৃপুরুষরা রচিমাদের নাম বেব্ছে	২১-আধিয়া	88		ধূবি করেছে আপনার পুত্র (ইউসুক আ.এব ভাইয়েরা	১২-ইউস্ক	3-3	6
पुन्तिकाल्य लिक्-पुक्चारक जोडार कीयानमारको करात गल	७-व्यम् व्यय	28		পিথাকে থলপ)		-	1
ফুর্মারকান পিতৃপুরুষ শিক্তা করত না (আল্লাহ ইম্মা করলে)		38		অনী পুর সরান ইসহাক আ,এর জন্মে সুসংখন (ইংরাইন আ,কে	) ৫১-দাবিবাড	27	b
ফুর্কিবনের পিতৃপুক্তরা শিক্ত করতন আহাহ চাইলে। (ঝিট যুকি)	১৬-লাহ্প				৪২-পুরা	85	1
মুখিনদের (পিতৃপুরুষকে জন্তাতে প্রথম করানোর প্রার্থনা) স্কীত করা (পিতৃপুরুষকে স্কীত করার বাবের বংশবরদেকে লগে।)	80-मुक्ति	29		men Contractor strater Prints werent on arter Physiology (ACC) 2072001	৪২-পুরা	60	ь
	৭-আ'রফ			নিবর্ণন (মারইরাম আ এর পুর ঈসা আ, জগতের জন্য নিবর্ণন)	২১-আধিয়া	82	. 9

পুর	পুনক্ষিত

The Strategical	श्वातर ७ नाम	1000	9 961	अप विश्व/दरम	नुबा नर 6 नाम	100.0	761
পুত্র (আরো দেখুন ছেলে শব্দটি) (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)			1	পুত্ৰধ	L. C. Constant	-	1.0
দুহের পুত্রকে তার পরিবারভুক্ত হিসেবে রক্ষার আবেদন	22-54	84	655	দিয়ে (পুরবধুকে নিয়ে করা হারাম)	8-निमा	10	0.00
দূরের পুরকে দৌকর অনেবলের করা অধ্যান (প্রকা প্রকা	22-get	84		श्रद्धान	8-1771	40	642
ন্বের পুর ডার থেকে বিভিন্ন ছিল (প্রাবন প্রসঞ্চ)	27-2a	84		ক্ষিয়ানাক ডি পুত্র সমানের হল্য মনেনীত করেছেল প্রচিপালত		-	-
পর্মা (নবীর স্ত্রীদের পুরুদের সাথে পর্না প্রথম)	৩৩-আহ্থাৰ	20				80	939
পালক পুত্র সন্তি(কার পুত্র নর (স্বাস্থ্যার বানাননি)				জনাই (পুরুষরান্যান্য জনাই করত বিশ্ব'আইন একন্স অভিযাসীর)	২৮-আসাস	8	9.09.
ভালবাসা (মুখিন ভালবাসে না অপ্রাহবিরোধী পুরকে)	৩৩-জাইবার	8	900	জনাই (ফিল্লাঅটন বংশ কর্তৃক দেই ইনভাগীসভা পুরসের জনাই)	২-বাকুারা	836	609
	৫৮-মুক্সদালা	22	958	পুত্রের স্ত্রী			
মর্থনাম আ,এর পুরা দিশ আ,বে প্রমাণ দান্তিবরাইল ভার সংহত্		84		বিয়ে (পুরের স্তাকে বিরে করা হরেম)	8-मित्रा	140	249
মার্করাম আন্তর পুর ঈশ আক্রে আপ্রাহ কালে বিরুদ্ধতে- 'সুমি বি		229	696	প্ৰঃপুৰঃ		-	
মারইরাম আএর পুর ঈদা আএর প্রার্থনা (আকাশ খেবে	०-म्यविमा	228	698	সাভটি আত্মত (পুন্যপুন্ধ পঠিত সাভটি অস্মত ব্যক্তা স. (ব দান)	১৫-ছিজ্জ	89	902
খদ্যপূর্ণ পাত্র)		_	_	পুনরাবৃত্তি	14.74.00	1.	147
মারইরাম আ.এর পুত্র দিনা আ.	১৯-মারইরাস	48	900	আপ্লাহ পুনরার অন্তিক নাম করবেদ	৮৫-বৃত্তম		
মার্ইয়াম আ.এর পুত্র দীলা ও লাউল আ. বার্ত্ত লানের	৫-মারিলা	96	490	रेएरक प्रोन्स पुमानी म कार निर्जन (पुरिन्सम श्रीष्ठ)		20	7076
(বদী ইসরাইলের কাফিরনের)		1 "	400	ক্ষমের পুনরাবৃত্তির করবে সান্ধীগণ (মিধ্যা সান্ধী দিছে)	₹8-98	29	990
মারইরাম আ.এর পুত্র ঈসা আ. আল্লাহর রাস্প স. (বনী	৬১-সাক্ত				৫-মারিদা	209	698
ইনরাঈলনের প্রতি)	armida	0	900	কাঞ্চিত্রবা কুক্ষরির পুনরাবৃত্তি করলে	৮-আন্দাল	৩৮	925
মাত্ৰইৰাম জা,এৰ পুত্ৰ দিশা আ,কে পৰে পাঠিছেছেন আল্লাহ	৫-মাছিলা	86	45.6	কাফিরদের কুফরার পুনরাবৃত্তি (পুনিয়ায় ফেরদো হলে)	৬-আন্'আম	59.	692
মার্কর্যাম ঝা,এর পুত্র ও তার মারে নিদর্শন করেছেন আল্লার	२०-वृ"मिन्न	20	955	প্রতিশোধ (মুখ্যীন অবহুতা পাচ হতার প্রপার্গত করলে প্রতিশোধ)	৫-মারিদা	96	695
মারইয়াম তা,এর পুর মানীহ আ,কে প্রতিপালক হিসাবে গ্রহণ	১-ভারবা	405	160	ব্যতিল গুনরাবৃত্তি করতে পারে না কোন কিছুই	৩৪-সাবা	85	284
মানুষ্যের জোড়া থেকে আল্লাহ তার পুত্র-পৌত্রাদি বানিরেছেন	১৬-নাহল	92	Yor	সুদ গাওয়ার পুনরাবৃত্তি করলে আছদের অধিবাসী হতে	২-বাকুরো	290	600
মনেইয়াম আনুনা পুরা মানীয়েক ধারা অন্তাহ খলে ভারা কুকরি করেছে	হ-মারিনা	33	29.3	স্ঠির পুলরাবৃত্তি আল্লাহ কিজাবে করেন তা ভেবে দেখা	২৯-আনকাবৃত	72	273
মারইরাম জা,এর পুর মাসীও রাসল হারা কিছু নত্ত	৫-মাছিনা	190	690	পৃষ্ঠির পুনরাবৃত্তি আল্লাহই করেন	২৭-নামল	58	bod
মানইয়াম আ এর পুর মানীয়কে ধানে করতে চাল যদি আপ্লাছ	ক-মায়িলা	33	200	সৃষ্টির পুনরাবৃত্তি করেন আল্লাহ	00-37X	33	255
মান্তইয়াম আ.এর পুর সভান কেমল করে জন্ম হলে?	১৯-মাবইরাম	30	200	স্ফির পুনরাবৃত্তি করকেন আল্লাহ	৩০-জন	29	b-28
মনইরম আনর পুর সম্ভান প্রদান করতে প্রতিপাদক রাগুল	29-XIKEEN			পুনরাবৃত্তি (সৃষ্টির)			-
মার্ক্টাম আন্তর পুর দিল আন্তর দুটার ও মুপরিবলের পোরসাল		79	300	আল্লাহ সৃত্তির পুদরাবৃত্তি করবেন (প্রতিদান ও শান্তির জন্য)	১০-ইউনুস	8	628
	৪৩-মুখ্যক	6.5	pap	স্তিৰ পুনৱাবৃতি ঘটানোৱ মত কোন পৰীক কি আছে?	১০-ইউনুস	<b>CB</b>	509
মাবইরাম আ এব পুত্র ইনা আ কে পাঠিরেছেন আস্থাহ	৫৭-হানীদ	રવ	967	সৃষ্টির পুনরাবৃত্তি ঘটাবেদ আল্লাহই	১০-ইউনুস	48	
भावदेशाभ जा, वत भूत भेना जा, स्थात वाह्याद नृत वजीकार रून	০০-আহ্যাব	9	1400	नुनदाव	30-6944	28	968
মানইয়াম আ.এর পুত্র (জাল্লাইই মারইয়ামের পুত্র মসীহ)	৫-মাধিদা	35	62.9			_	
মারইয়াম জা,এর পুরু দীসা জা,কে স্পর্ট প্রমাণ দান	২-বাকুরো	150	200	ক্ষাবানে (পুনার অবস্তোও বেনে ভাগন দেখকে প্রভার যাবে না)	৬৭-মূল্ক	۰	264
মারইয়াম জা,এর পুঞ্জ ঈসা আ, জগতের জন্য নিদর্শন	२५-जाल्या	22	946	প্রার্থনা (পুনরার প্রেরণের জনা প্রার্থনা প্রতিপাদকের নিকট)	২০-মু'মিনুন	99	992
মারইলাম জা.এর পুম ঈসা আ.কে আল্লাহ বললেন-	৫-মারিণা	220	698	পুনকথান			
দেরামত অরণ করতে		L	$\perp$	আপু (মৃত্যুর পর কাফিররা পুনরুখানকে সুস্পষ্ট আদু বলে)	১১-ছদ	9	999
মারইরাম আ এর পুর ঈসা আ, আল্লাবে নাণী ও ভার রাস্প	8-निमा	242	6.dp.	নিবন (পুনরস্থানের দিবন পর্যন্ত ইংলিসকে অবকাশ)	১৫-ছিজ্ব	95	977
মারইরাম আ.এর পুর ইলা-মদীহ	৩-আলে ইমরান		080	দিবস (পুনরুপান নিবস পর্যন্ত সামনে থাকরে ব্যরহার)	২০-মু'মিল্ল	200	992
মারইয়াম আ.এর পুর ঈদা আ. হাওয়ারীদেরকে বললেন	৬১-দাক্ক	78	997	দিবল (পুনরুষানের দিন পর্যন্ত মাহের পেটাই অবস্থান করত)	৩৭-সাফ্ফাড	388	b-68
মতাইয়ান আনের পুরা দিনাকে হত্যা করেছে মর্মে উপ্পিলের উচ্চি প্রদেষ	8-निमा	364	644	নিন (পুনরুষানের নিন অপমানিত না করার জন্য ইবরাইমের নোরা)	২৯-৩'জরা	29	4>5
মুশক্ষিকদের জন্য পুত্র সন্তান!	१०-मासभ	52	500	দিন (পুনরুখানের দিন এটাই কিয়ামতে বলা হবে)	40-9X	අර	540
মুশবিকদের জন্য পুত্র আর আল্লাহর জন্য কন্যা ৮	৫২-সূর	60	800	দিন (পুনরুখানের দিন পর্যন্ত ইবলিসের অবকাশ প্রার্থনা)	৩৮-মোয়াদ	9.5	¥90
মুশরিকলেরকে পুত্র সন্তান দাবা বিশেষয়িত করা হয়েছেঃ	80-पुरसम्प	29	864	দিন (পুনাল্ডাসর দিন পর্যন্ত অবস্থান অল্লাহর জিতাব অনুসারে)	00-9X	20	¥46
মু"মিন নারীদের পুত্রের নিকট দৌক্ষর্য প্রকালে লোয় নেই	২৪-পুর	403	999	দিন (পুনরুথিত করবেন যেদিন আল্লাহ সরাইকে)	৫৮-মুকাদালা	٠	hes
মুসার সাথে ঈমান আনমধ্বারীদের পুর সভানদের হত্যা	80-इप्रिय	92	990	বিৰট শব্দ (পুনক্ষান একটি বিকট শব্দ)	৩৭-সাফ্ফাত	23	b29
যাকভিয়া আ, পুত্র আন্তর বাপারে প্রতিপালবকে জিল্লানা করলেন	৩-আলে ইমরান		480	মরে যাওরার পর পুনরুখানে কাঞ্চিরাদের বিশ্বর	৩৭-সম্ফাত	36	be9
খনবিয়ার পুত্র সম্ভাস কি করে হতে (প্রতিপালতেকে জিজান)	১৯-মারইরাম	b	908	মরে শিরে হাড় ও মাটি হওরর পরও পুদক্ষবাদঃ	१५-ध्यक्तिया	89	284
যাকারিয়াকে পুত্র সন্তানের সুদংগাদ নিলেন প্রতিপালক	১৯-মারইয়াম	9	908	মানুকো গবাসের পুনরাধান একটি প্রচার পুনরাধানের জনুমাণ	৩১-লুকমান	36	200
পুরুষাদের পুরুষে উপদেশ লাম প্রসঙ্গ	৩১-পুৰুমান	36	959	সংখ্যা প্রদাসকলে মানুহতা সংখ্যা ও মানুহতা সৃত্তি প্রতিকা দিয়ে ভাষা)	২২-হাজ	6	900
পুরুষাদের পুরুষে পিরত দা করতে উপদেশ	৩১-বুকমান	30		পুনকথিত	44.40		7/20
লোকমানের পুত্রকে উপদেশ (সংবাজের নির্দেশ/জনতাতে	Carifornia	10	psp			_	
रांश(रेशर्यशावन)	৩১-বুকমান	39	828	প্রাহাহ পুনরুধিত করবেন না (মানুখ/জিনদের ধরণা)	৭২-জিদ্	٩	৯৮৬
মূসংবাদ (ইবরাতীয় আ,রে আদী পুরালান্ডের সুসংবাদ)			_	উপাস্যরা পুনরুখিত ইওয়া সম্পর্কে অনুধ্ব করতে পারেনা	১৬-পাছদ	43	908
মুদ্ধেদ (ইবরাহীর খা,কে পুরের সুসংবাদ)	३०-दिक्स	20	900	কব্যবাদীয়ের আল্লাহ পুনরুখিত কর্মকন	22-27mg	٩	924
	৩৭-সাহ্ঞাত	707	P-62	কাথিবরা পুনরূথিত হবে দা (ভালের ধারণা)	P-386, 20x	45	d'abr
গ্রী (পুরের স্তাকে বিজে করা হারাম)	৪-নিদা	50	667	কাঞ্চিরবা পুরুষিত হলে লা (কাফির প্রধানদের বভন্য)	২৩-সু'নিবৃদ	69	960
হত্যা (ক্ষিয়জাউন বর্তুক বনী ইসরাইলের পুরনেরকে হত্যা)	<b>न-क्रा</b> ,डा.क.	787	956	কাফিরের পুনরুখিত হওয়া নিয়ে সংশগ্র।	৪৬-আহুলাড়	39	806
হতর (বিরামটন কর্তৃত কী ইনরাইলের পুরনের হতা করার থেকা)	৭-আ'রফ	255	950	কাফিরনের পুনরুধিত করা হবেদা বলে অমূলক ধারণা	৬৪-জাগারুন	٩	996
হে বংল আমি সপ্লে নেৰি আমি জোমাকে জবাই করছি	৩৭–সাত্তাত	305	9-9-5	কাফিবদের অবশাই পুনক্ষিত করা ব্যব	৬৪-তাগারুব	9	999
পুত্র (পালক পুত্র)				চ্পবিচ্ব হওরার পর পুনকথান (নতুন সৃত্তিরপে)	১৭-ইস্রা	85	935
পুত্র দয় (অস্ত্রাহ পালক পুত্রকে আসল পুত্র বানাননি)	৩৩-আহ্বাৰ	8	3000	জীবিত পুনরুত্বিত হওরার দিন (ইয়াহইগ্রর উপর সাধাম)	১৯-মার্ড্রাম	32	902
						-	

19	বিনয়/প্রসঙ্গ	न्या कर क मान	er e	247		সুৱাৰং ক্ৰাম	100	i,
প্নকৃত্তিত (পূৰ্ব পৃষ্ঠা	(404)				পুরু রেপমীবর		-	
	প্রায়ে দিন ঈদা আ.এর রতি সালাম	১৯-মারইরাম	00	906	পতিবাদ (মৃত্যাকীরা জারাকে পুরু বেশম পরিধান করবে)	৪৪-দুখান	60	30
	নিল পর্যন্ত অনমাশ প্রাক্তির করনা ইংলিস	৭-আর্থ	78	628	<b>पुरुष</b>			
	দিন সবাইতে সম্বেত করা মবে)	१५-इकासमा	36	528	অল পিডারারর (ব্রের যালা সম্প্রান নরী-পুরবের অশে আছে)	8-निमा	9.	00
	ক্ষান (ফু-বিফুর্ণ হওয়ার পর)	১৭-ইসরা	blν	999	অংশ (পুলারে জন্য অংশ হয়েছে যা তার অর্জন করে আতে)	8-मिश	95	60
		২৩-মুমিনুন	36	200	অংশ (পুরুষের জন্য দুই নারীর অংশের সমান অংশ)	8-मिन्ह	22	20
त्रमुद्राक पूनवायक	ধরা হবে (বিবামতের দিন)	२०-वृत्रिन्त	24	113	অংশ (এক পুরুষ্টের অংশ দুই নারীর অন্তর্গর সমস্, কলকাই প্রদক্ষ)	8-जिला		¢
	হতার (বড় ও মটিতে পরিণত হতারর পর)		90	623	অন্যান্ত পুৰুত্ব- নাত্ৰ- শিক্তাৰ কৰা জন্মপুৰ লা ( হিনৱত প্ৰদাস)	8-बिमा		¢
্তদেরকে আল্লাহ	পুনর্জাহিত করবেন	৬-আৰ্'আৰ			delle des de come es delle se ( sous es des			0
ব্যু মনে করে শা	পুনরুখানকে (যারা ওছনে কম দের)	৮৩-মুজক্জিজীন	8	7077	কৰ্মশীল কোন পুরুষের কান্ধ বিনট করেন দা আগ্রাহ			a
ম্ময় (অঝশ-পৃথিবী	ব (৩উ বার পুনকবিত করার সময় বালেনা)	২৭-নামল	96	pot	বালাপার ভাই (পুরুষ)ও বেল থাবলে পুরুষের অংশ দুই নারীর সর্মান			
<b>न</b> र्गर्रम					গরণ (পৃত সংস্থার যৌধনামে পুরুষের নিবট গমন করত)		296	9
জ্ঞানত জ্ঞান্তা (মান	তের অস্তুতার জালেগ পুনর্ভিনে অস্তাহ নামন)	৭৫-বিলামাহ	8	220	গমন (পৃত লাক্ষানাত্রর বামনা চতিতার্থ করতে পুরুষের কাছে গমন)	৭-আর্থ	ъ>	9
PART / STREET THE	পর অগুরুদ পুনহিদ করতে অক্সহ সক্ষম)	গ্র-বিশ্বামাহ	8	990	পরির মত নর পুরুষ	৩-আলে ইমরান	96	0
नवीदन -					নারীদের উপর পুরুষদের মর্যানা হরেছে	২-বাকুরো	२२४	0
	×	৬৭-মূলক	>6	940	নারী ও পুরুষ আপ্তাহ সৃষ্টি করেছেন	<b>१०-नावर</b>	84	à
মন্ত্রহর নিকেই পু			80	949	নির্বাহী (গরানি পাচর পোটর বাচা ফুপচিত পুরুষদের জন্য নির্দিষ্ট করা)	৬-জান'জাম	200	6
লাশ (পুনঞ্চীবনের	আশা করে না মকাবাসীরা)	২৫-ফুরবান			প্রিক্রান (পুরুষর নারিলের পরিক্রান এ করনে মে আরাহ)	৪-মিলা	¢8	4
3 <b>ण्या (नूमकीरन मृ</b> ठ	ত্মিকে পদি ধর জীবিত করার মতই)	०१-वर्गाहर	2	989	পিডা (মুহাত্মন স. কোন পুক্তান্তর পিডা নন)	৩৩-আহ্যার	80	b
	ানিয়েছেন আল্লাহ (মানুকের জন্য)	২৫-যুদ্ধবান	89	946	প্রক্রিম (সংবাদির পুরিন নতি পুরুষতে উক্তা প্রক্রিম) ওমে বীন্দা	১৬-মাহুপ	24	i
নেপিক দর পুনজীব	লের (অন্য উপাস্যরা)	২৫-কুরকান	0	985	Charles (-consultation and forth and consultation about	১৬-ছকুরত ৪৯-ছকুরত	22	-
গুনর্বীবিত্ত					ব্যিক (পুরুষদের জন্য পরশারকে ব্যিপ করা নিয়েখ)	৪-বিসা	246	-
অবিশ্বান কোডিব	পুনক্ষিতকরণকে অধিশাস করে)	১৬-মার্গ	Obr	906	মার থানার (পুরুষ কলরণার মার সেলে সম্পদ বর্ধন প্রদাস)		240	9
are steers eat	নীবিত করেন (আল্লাছ)	6-804'80X	60	600	মুখ্নিৰ নাজীৱ টোন কামৰা বহিত পুৰুষদেৱ নিকট দৌপৰ্য	२.৪-मृत		
with Knowletters of	দুদলীবিত কৰা (কৃতজ্ঞতা প্ৰকাশ বসঙ্গ)	२-वाकृता	৫৬	600	মুমিন ও সংকর্মশীস পুরুষ (ভাস্তাতে প্রবেশ করবে)	৪০-মুখিন	80	Ŀ
entered and a	খন ইছে৷ পুনৰীবিত করকেন নৃত্যুত্ত পত্ৰ	৮০-মাবান্য	55	2009	যৌৰ কমেৰা চরিভাৰ্থ কয়তে পুরুষের কাছে গমন (সূত	২৭-নামণ	99	1
मानुबद्ध आझार ५	দেপ্তীবিত করেন (বৃষ্টির অপনি বার্য)	80-वृश्क्रम	22	999	আ,এর সংবেধান)			L
de dinte altre	( vialite actu (dias or in ser)		-00	300	সংবেশীৰ মুখিৎ নাই-পুৰুষ্টত উত্তম প্ৰতিপাদ্ ভিবাম জীবন নাম	১৬-মার্গ	24	П
দুকুৰে পৰ পুনলাং	হৈত হাবে না (কাঞ্চিত্ৰৱা বঙ্গে)	৪৪-দুখান	OQ	200	সংক্রালীক দুখিন পুরুষ ও মারীকে জান্তাতে প্রবেশ করনো হবে	8-निम	348	Г
नुंदरमा			_		সন্তাদ,পিতামাতাইন পুক্তাবৰ ভাইবোদের মীয়াস প্রসঙ্গ	8-निमा	34	Ī
নিপ্ৰতি (পুৰান বিভাগ	তৈ ব্যাহ্মণ পিন্ন ইয়াকুন অংএর পুনার কলা)	১২-ইউসুক	36	946	সম্বয়মিকা (পুত সম্প্রদায়ের পুরুষদের সমক্ষিতা প্রসঙ্গ)	২৯-আনবার্ত	48	T
মিখ্যাচার (কুরজা	দকে কাফিবরা পুরনো মিখ্যাসক বলে)	৪৬-আর্কাক	22	909	সাজী (বু'জন পুরুষ না পোল এক পুরুষ ও বু'নারী সাকী যাখা)	২-বাকুবো	252	
	দেখুন কর্মফল)/প্রতিদান শ্মটি)				And (2 and 2 and 4 colours days of a supply	३-राकृत्वा	242	t
MINNING MON	রে যে চার আপ্তাহ তাকে দেন	৩-বালে ইমরান	384	483	সাকী (থানে বেনদেনে দু'নন পুরুষকে সাকী রাখা)	৪৯-ছত্রাত	30	t
আপ্রাহর পুরকার		২৮-কাদাদ	Iro	364	সৃত্তি (এজনে মাত্রী ও একজন পুরুষ থেকে মানুদ সৃষ্টি করা হাঁ)	৩-আলে ইমরান		t
	কে পুৰস্বাৰ (কমা ও কাব্ৰাক)	৩-জনে ইমরণ		666	স্পূৰ্ণ কৰেনি কোম পূক্তৰ মহিয়ামকে			
	ম পুরদার দাতা সংবাজের)	29-30ES	88	929	স্পূৰ্ণ (যাৱইয়ামকে স্পূৰ্ণ করেনি কোন পূরুষ)	३७-मात्रदेशाम	50	Ļ
		১৯-মারইরাম	39	900	পুৰুষ পত		_	L
ভব্ন (পুরন্ধর ও	প্ৰতিদাৰ হিলাবে উত্তম স্থায়ী সংক্ৰাজ)			666	হারমে করা (উট ও গলের পুরুষ পথ হারমে করা প্রসঙ্গ)	৬-আনু আম	288	L
क्षक पुरकार राज	হছে আরাহর নিকট (খানের ছন্ড বারা)				হ্যারাদ করা (ভেড়া ও ছামদের পুরুষ পক হারাম করা প্রসঙ্গ)	৩-জান্তাম	280	Г
	েবা হল কি (কাখিবনেবকে)ঃ	৮৩-মুজজ্জিনীন		7075	পুরোপুরি		1	Г
ভারাত (সংকর্মণ	বায়ণচনতক পুরস্কারস্করণ জাল্লাত প্রদান)	৫-মারিলা	9.6	697	ওখন দেয়া (প্রায়েষ্টাবে পুরোপুরি ওখন পেয়ার নির্দেশ)	৬-আনু'আম	265	t
দান (অবিৱতের	উত্তম পুরস্কার দান করলেন আরাহ)	৩-জালে ইমরা-			লেয় (সম্পদ ব্যবহারীর রাজিদান পুরোপুরি দেয়া হবে)	2-899087	292	
দুদিবার পুরকার (	যে চায় আল্লাহ ভাবে দেন	৩-জলে ইমরান			পরিয়াব (নামার্কারে পুরাপুরি পরিমার ও ওজন দেরর নির্দেশ)	<b>७-व्यान्'व्याम</b>	242	
দুনিয়ার পুরস্কার দ	নৰ কয়বেন আল্লাহ রক্ষাদীদেশকে	৩-আলে ইমরান	185		প্রক্রিকার পুরার্ক্তি প্রদান কর্মকর মুন্দ্রাক্তার কর্মসমূহ (কর্মকে)	27-24 0-41-1-11	222	t
	পুরস্কার দিলেন আল্লাহ (মুম্মিলনেরকে)	8५-यावर	72	278	Cleans State chu retor fulletini anuit (anna)	৩-জালে ইমরান		
মিকট প্রকার গে	য়া হৰে মাদইবাদধাসীলেককে	22-gr	22	698	প্রতিধান পুরোপুরি নেরা হবে (বিবামকের দিন)		39.7	
Section express	দ্বপ ভাগবনর মন্ত্রতেই হুরীপ্রার থকবে	১১-বুন	300	698	প্রতিদান পুরোপুরি দেরা হবে প্রত্যেককে (বিচার নিমে)	২-বাকারা		
organiza ( CIII work	দ্ববে দেৱা হবে তা কত দিকৃষ্ট)	22-da.	33	698	প্রতিবাদ পুরোপুরি নিবেদ আল্লাহ ইমানদার সংবর্মশীলাদেরতে	ত-আগে ইমরস		4
An and for Jay	পুরস্কার প্রতিপাদকের নিবট	79-9IZG	86	359	প্রতিবাদ পুরোপুরি লেরা হবে (মাপ্রাহর পানে যা বার করে করে)	৮-সাগদাল	40	1
-indicate aga	former man(meatry)	79-9154	00	127	প্রাপ্য প্রতিষান পুরোপুরি নিবেন আল্লাহ	२8-मृद	22	1
	(মিলমের অন্য(কার্রাতে)	24-11/4	+ ~	1.0	প্রতিরান (অল্লাহ উমাদ ও লকেনেম পুরোপুরি প্রতিদান নিলে)	8-मिमा	730	ī
পুরস্কার (হওয়াব	)	-	1.	1	ফল (বিপ্রায়কে প্রয়োকর পুতকর্মের কল পুরোপুনি দেবা হলে)	১৬-নাহল	222	T
উল্লেখ প্রস্কার (স	বাদ ও তাকওয়ার মদ্য উত্তম পুরকার)	২-ধাকুরো	300		বাল (বিবাহত্তর দিন কমিবলের পালের কেনা পুরোপুরি বছন)	১৬-পার্থ	2,0	Ť
	ছপ্তান/পুরন্ধার মের তার তালা উচিত যে)	s.fort	208		ব্যক্তিতে পুরোপুরি দেয়া হবে যা বে অর্থন করেছে	৩-আলে ইমরা		Ť
মণ্ডয় (যে সুন্দির্ভার		8-Sort	308	648	dieda Ser Ser Ser our da di ci des acces	০-আলে ইমরা		
মণ্ডয় (যে সুন্দির্ভার	তের হওয়াৰ/পুরস্কার আল্লাহর কাছে		1		ব্যক্তিকে পুরো করে দেয়া হরে থা সে অর্জন করেছে	১৭-ইপরা ১৭-ইপরা		4
রওর (যে পুশ্রির দুশিয়া ও অধিবা	তের ছওয়াবাপুরকার অন্নোহর কাছে						0.0	
মণ্ডয় (যে পুশ্চিত পুনিয়া ও আখিয়া পুরস্কৃত		১৮-নাহৰ	0)	900	যাপ পুরোপুরি দেয়া (পরিমাপ করার সময়)		102	
মধ্যা (বে পুশ্চিব দুমিয়া ও অধিবা পুরস্কৃত মুক্তবিচনতে অধ্য	তের হওরবে পুরকার আল্লাহন কাবে হে যোলাদে পুরকৃত করেন (জল্লাক-রানক)	১৬-নাব্দ	0)	900	যাপ/তথ্য পুরোপুর দেরা মু'মিনের জন্য কল্যাপক		-	1
মন্ত্রা (বে পুশ্রিক পুনিয়া ও অধিবা পুরস্কৃত মুম্বারীসমতে অপ্র প্রারম	হে যেখনে পুরস্কৃত করেন (জন্নাত এচনক)			1	যাৰ/ভক্তৰ পুৰোপুৰি দেয়া মু'নিষের ক্ষণ্য কল্যাপক		9.0	-
রাধ্যা (বে পুনিগার নুনিয়া ও কাথিবা পুরস্কৃত মুক্তবিদেয়কে আন্ত পুরাক্তম ব্যক্তবিদ্যাক্তম ব্যক্তবিদ্যাক্তম		১৬-মাহল ৩৬-ইয়াসীন	0)	1	মাপ/ওজন পুরোপুরি দেয়া মুমিদের জন্য কল্যাপক (ত'আইব'আ, প্রবন্ধ)		-	1
চাবর (বে পুনির্বাচন পুনিরা ও আধিবা পুরস্কৃত মুক্তাইনেরত আর পুরাত্তম ধেবুর আলের অ পুরু রেশম	হে যেখনে পুরস্কৃত করেন (জন্নাত এচনক)			1	মাপ্তিজন পুরোপুরি দেরা মুনিবের জন্য কন্যাগক (ত'আইব আ প্রকার) অন্য পুরোপুরি বিভে চক্ষাইব আ,এর আহবান (আইকাবনীর এতি)	৭-আ'রফ	90	

THE PARTY NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE PARTY N	न्या मर ७ साम	O DITTO	4/3	পূর্ণ মারায় দেয়া	-		-
48	Selling Sec	100	न- भूगा-	প্রত্যাপ্ত (প্রাপ্তার মানুহের প্রতি নেরামত পূর্ব করেব)	नुबा मर छ नाम		
অন্তব্য পুট হয় বীজ দেকে দেৱ হওৱার পর (মুমিনসের দৃষ্টাম)	৪৮-ফাতহ	25	272	নেয়াখত (আপ্রাই মানুহের প্রতি প্রকাশ্য-অপ্রকাশ্য কেয়াখত	১৬-নাহল	2.7	903
জাহান্তামিদেরকে পৃষ্ট করণে না (ভাগের খাদা)	৮৮-গালিয়াহ	9	2029	र्ण कटराहान)	৩১-লৃকমাদ	40	৮২৮
পুত্তক (আরো দেখুন প্রস্কৃতিকার পদটি)	40. 11.11.2	۲,	3038	নেরামত পূর্ণ করতে চান জাস্তাহ মুখিনদের উপর	৫-মায়িল	6	647
বলেকটা (অওবতের ভারবছন করেনি যার পুরক্রাই) গাধার মত)	৬২-জন্ম'আ	10	295	নেরামত পূর্ণ করবেদ আপ্তাই (মুমিনদের প্রতি)	২-বার্থারা	320	623
প্ৰা	01 44 41	+	1000	নেয়ামত পূৰ্ব কৰে দিলেৰ আপ্ৰাহ ধৰিনদেৱ উপৱ	৫-মারিবা	0	69.0
पूर्वि कुष्म (भारत देखादीय च्या शत पुज्रास्त मुद्रा ताबात करन (भारा	38-वेदबारीय	90	690	পরিমাপ পূর্ণ করে দের ইউসুফ (আইদেরকে বলন)	<b>১</b> ২-३%गुरु	d'h	000
नुना	20-418404	-	080	পরিমাপ (নরাম) পূর্ব করে দিতে কলা ইউসুমের ভাইছোর	১২-विक्रमण	brb	6902
স্থান প্ৰকৃত পূচ (পূৰ্ব বা পচিমে মুখ করা পূচা নয়)	২-বাকুয়ো	399	0.72	পানপার রয়েছে জন্ত্রতে (মুন্তার্কীদের জন্য)	৭৮-নাবা	08	200
ालान क्या रना श्रीकाल	१५-मुकामाण	24	960	পূৰ্ণ (প্ৰতিশাদকের বাদী পূৰ্ণ হ্ৰেই)	33-इन	279	996
অঞ্চল্য (পূচ ও অঞ্চলম বাপানে একে অন্যত্ত সাহায় করা)	৫-মাধিনা	3	ago	পৃথককাটা (পূৰ্ণবাপে পৃথককাটাদের কসম)	৭৭-মুর্সালাত	8	333
चांकवडा (पुना रम चांकवडा कर्तन)	२-वादस्त	23/2	697	পেট (বাহুৰ গাহ থেকে পেট পূৰ্ণ করবে প্ৰভাইরা)	৫৬-ওয়াকিবাহ	60	380
নিৰ্দেশ (ক্ৰী ইসৱদিল ভৰ্তৃক মানুহকে পুচন্তর বিচৰ্গণ দামপ্রদাস)				প্রতিকান (জাহারাম পূর্ণ প্রতিদান ইবলিসের অনুসরীসের জন্ম)	১৭-ইল্রা	rivo.	32%
পাপকে পূথা বারা পরিবর্তন করে নিবেন আস্থাহ	<b>२-राव्यवा</b>	88	200	প্রতিদান (সংকর্মনীসনের অল্লাহ পূর্ণ প্রতিদান দিবেন)	००-महिन	100	b8b
প্রবেশ (মরে প্রবেশে পূশ্য নেই দিহন নিক থেকে)	২৫-কুরকান	90	929	গ্রয়েজন (গবানি গত ও দৌঘদ থেকে প্রয়েজন পূর্ব করা)	৪০-মুখিন	Ivo	244
पूत्र क्वितालाटक मृश्व (महे व महित्य)	২-বাকুারা	39.3	652	গ্রয়েজন (মনের প্রয়োজন পূর্ব করেছিল ইয়াকর আ)	১২-ইউস্ফ	Gar	0000
পাত (পুরু লাভ করা যাবে মা, অলবানার জিনিন হয়ে না করলে)	২-বাকারা	299	679	প্ৰতিকল (প্ৰভেষ্টাৰ পূৰ্ব প্ৰতিকল মানুধকে দেৱা হৰে)	१७-माक्षय	87	208
	৩-আলে ইময়ান	24	282	श्रीवस्त्रिक वृत्री कराव विदर्शन	১৭-ইসরা	68	959
भूगा काम				প্রতিশ্রুতি (মুমিনাসর আল্লাহর নামে কৃত প্রতিশ্রুতি পূর্ণ	-	00	434
বিত্তত (পূর্বজন্ম থেকে বিত্তত ধাবতে অস্ক্রাহন বসমকে চাপ)	२-वाकृता	228	242	করার নির্দেশ)	১৬-নাহল	55	930
পূৰাকান				হাভিমাতি পূর্ব করার নির্দেশ (আল্লাহর সাথে কৃত	-	-	
উত্তম (পূধাবানদের জন্য উত্তম আল্লাহর নিকট বা আছে)	৩-আপে ইমরান	791	444	विव्यक्ति)	৬-আপু আম	265	933
পানীর (পুনাকতাল জন্মতে কাকুর মিশ্রিত পানীর পান করবে)	৭৯-পাব্ৰ	4	350	ক্ষী পূৰ্ণ হতাঃ (কী ইসামলৈ সংগ্ৰহ প্ৰতিপদহেও কলাখন কৰি)	1-আ' বাজ	209	648
মৃত্যু (পুন্যবানদের সাথে মৃত্যু কাথনা)	০-আলে ইমরান	190	666	বিয়ারকারী (পূর্বভাগে বিস্তারকারীদের কল্য,)	৭৭-মুধুনালাভ	10	331
পূণ্যবানের বৈশিষ্ট্য				प्रधानमें हान मुद्दे शाहाइज (सीरका क्षत (प्रशासनारेन ल.)	79-415A	364	900
ইয়াতীন/সভাব্যাস/বনীবে বাদ্য বাংলালে,দান পুশুবালে লৈশীয়	৭৬-পাব্র	b	995	মানত পূর্ণ কর (নেক বাদার মানত পূর্ণ কর প্রদান)	%-দাহর	9	200
ৰাদ্য নান (পুশুবাণণা অভ্যব্যায়/ইয়াইয়েখনীকে ৰাদ্য নান বহে)	৭৬-থাব্র	ь	995	মানত পূর্ণ করা (হক্ষের সময় তাওয়াঞের পূর্বে)	44-89E	23	960
মানত পূৰ্ণ কৰা ও ক্ষত্তিৰ নিন/কিয়ানতকে তৰা কৰা প্ৰসঙ্	৭৬-দাব্র	9	295	মাপ ও বন্ধন পূর্ণ করার আহ্বান (শোরাইকের সম্প্রদায়কে)	22-8H	br2	698
পূতপৰিত্ৰ				মেরাদ (দুটি মেরাদের একটি পূর্ণ করবেদ মুসা)	২৮-কালাস	98	920
সহীকা (পৰিত্ৰ সহীকার কুমঝান দিপিবছ আছে)	tro-জাধানা	78	boot	মেরাদ পূর্ব করল বর্বন মূল্য আ	২৮-কালান	430	9/20
<del>पूर्व</del>		$\vdash$	П	মেয়াদ পূর্ণ হওয়া (প্রাক্ত-নিন প্রসহ)	৬-আন'আম	teo	990
অঙ্গীকার পূর্ণ করা (আপ্রাহন সাথে কৃত অঙ্গীকার)	০-জালে ইমবান	95	480	রোধা পূর্ণ করা রাত পর্যন্ত (ফলরের দাদা রেখা হতে)	২-বাকুারা	25-9	663
অসীতার পূর্ণ করার নির্দেশ (বনী ইসরাইলকে)	२-राकृत्वा	80	200	রৌণ্য নির্মিত ক্ষটিকে পূর্ণ করে রাধা হবে (জল্লাতে)	49-M24	36	200
অস্তীকার পূর্বকারীর ফল মহাপুরস্কার (আল্লাহ দিকেন)	৪৮-কবের	30	93/9	শকিপ্তার (হস্তিশ বছরে উপনিত পূর্ণপঞ্জিপ্তার মুদ্দিনের সোমা)	৪৬-আব্দাফ	20	bob
अञ्चार पूर्व कारका कर जारना (यंगेत कवितन जनक्म करत)	७३-आक्क	br	960	সংখ্যা পূৰ্ণ করতে হবে (কাজা রোয়ার সংখ্যা)	२-वाकाश	290	450
আপে (বিনামতে মুফিলনা আলা পূর্ণ করার জন্য লেগ্র করাল)	৬৬-ভাহরীম	ь	ore	হক্ষ পূর্ণ করার নির্দেশ (স্বাস্থ্যাহর উদ্বেশ্য)	4-statet	296	445
সম্ভাব সদীকার পূর্ণ করকে (গুলী ইসরাইলের অসীকার প্রসাস)	২-বারুরো	80	202	পূৰ্বকাৰী	7 04111	2100	444
উদৰ পূৰ্ণ কৰৰে জলিখনা (থাঞ্চ্য কৃষ্ণ বারা)	৩৭-সাক্ষাত	65	brbo	অধীকার পূর্যকারীয়া প্রকৃত গত্যবাদী ও মুজারী	২-বাকুরো	299	679
অন্ধ (আল্লাহ তার উপর তরসারবরীর রাজ পূর্ব করেন)	৬৫-ভালাক	9	200	अभीनाव गुर्वनाती एक चाएक चालावत १५०४ अधिक	P-6086	333	645
চল্লিশ রাভ পূর্ণ হওয়া (মুসা আ.এর জন্য প্রতিপালকের	৭-আ'রাক			পূৰ্বপূৰ্বা উট্ৰী	21-01049	333	06.4
নির্ধারিত সমর প্রসঙ্গ)	न-आ शक	785	050	উপেকা (বিবাহতে পূর্ণগঠা উদ্লীতে উপেকা হবে)	৮১-ভাৰতীৰ	8	
চুক্তিসমূহ পূর্ণ করার নির্দেশ (ঈমালনারসেরকে)	ए-मातिमा	2	6,00	वर्षता	9-3-ciacid	8	3009.
চুক্তি পূর্ণ করার নির্দেশ তালের সাথে যারা ক্রাট বাবেনি	৯-ভাগুৰা	8	680			_	_
জাহাল্লাদ পূর্ণ করা হবে (মানুখ ও ক্লিল দারা)	৩২-সাজদা	30	404	আন্দোর পূর্ণতা ছড়ো গর্বজিছু অদ্বীবার করেন আল্লাহ ইয়াজীমের পূর্ণতায় পৌছ্য পর্যন্ত ডামের ধন-সম্পদের	৯-তাধব	જર	980
কাহ্যপ্লাম পূর্ণ হয়েছে কিনা- (জিজ্ঞানা করবেন জন্তাহ)	६०-डाक	00	950	বর্মাকারের পুশবরে পোষ্ঠা গরস্ত বালের বন্দ্রনালগুলের উত্তরপদ্ধতি	১৭-ইপ্র	82	939
জাহ্যব্লাম পূৰ্ণ করবেন আস্তাহ ভাকে নিয়ে যে	৭-আ'রাঞ্	36	628				
কাহান্তাম পূর্ণ করবেন প্রতিপাদক (জিল ও মানুহ ছারা)	১১-ছুদ	22%	696	ইয়ানিম শক্তি ও বয়সে পূর্ণজার পৌছ (সম্পদ প্রদান প্রদান) পৌছা (ইউসুফ আ, যাখন বয়সের পূর্বভার পৌছল,)	৬-আন্'আম	765	627
ন্ধাহারাম পূর্ণ করা (ইবলিস ও তার অনুসারীদের নিছে)	৩৮-লোরান	big	790	পৌন্ধ (পূৰ্বভায় পৌছল যখন মুসা)	३५-इंडेगुरू	રર	942
মীবনকল পূর্ণ করেছে যুক্তিবাদর মধ্যে কেউ কেউ (ধনক প্রদাস)	৩০-জাহ্যাব	20	505	वर्षकालाइ	২৮-কাসাস	78	209
দশ বছর পূর্ণ করা মূসার ইচ্ছোমীন	২৮-বনসাস	29	230		- 6	_	
নশ রোবা পূর্ণ করা (হজ্জ প্রসঙ্গ)	<b>३-राकृश्वा</b>	799	244	চাঁপ (পূর্ণভারার চাঁতরে কসম)	৮৪-ইন্শিকাক্	29.	7078
লশ ধরা পূর্ণ করা ((রিশ রাজের সাথে অরো দশ ধরা পূর্ণ করা)	৭-আ'রাড	284	920	পূৰ্বতা (শক্তি ও বরসে)			
দুধ পান পূৰ্ণ করতে চাইলে (পূৰ্ণ দুই বছর দুধ পান করাবে)	২-বাকুরো	200	029	পৌন্ত (ইয়াতীন বালগৰর ব্যাহার হওার ইন্তে প্রতিপাশকের)	79-5120	24	407
দুই বছা (পূর্ণ দুই বছর মারের সন্তাদদেরকে দুখ পাল করাবে)	২-বাকুরো	200	650	পূৰ্ণ প্ৰতিফশ		7	
দ্বীনের পূর্ণতা দিলেন আস্তাহ আন্ধ (বিদায় হচ্চের দিন)	ए-मश्रिमा	0	étro	কান্ধের (আয়াহ প্রত্যেকের কান্ধের পূর্ণ প্রতিক্রম নিকেন)	৪৬-আংকাক	38	bob
নিয়ামত পূৰ্ণ কৰবেল আপ্তাহ (ৱাসুল স. এর প্রতি)	৪৮-ফাত্র	ą.	979	পুলিয়ার পূর্ণ প্রতিফল দেয়া হয় (পুলিয়া কাফারনারীয় কাজের)	77-KH	26	559
নিয়ামত পূৰ্ণ করবেন প্রতিপালক ইউসুফের উপর ও	১২-ইউসুফ	6	699	পূৰ্ব মাত্ৰায় দেয়া			-
নিয়ানত পূর্ণ করেছিলেন প্রতিপালক ইনারাইন আ, ও ইসায়াকের উপর	১২-ইউসুক	14	699	ওম্মন করে লেয়ার সময় পূর্বমারার নেয়া	৮৩-মুমার্কার্কদীন	2	3033

				পূৰ্ণাস	পূৰ্যবতী			•
মন্দ্ৰকৰ্মত ( कुले क (ज्यांक ) ( कुले का क्यांक) ( कुले का क्या	नव निवत/धनम	সূহা নং ও নাম	100	পুঠা	শ্বৰ বিষয়/প্ৰসূত্ৰ	<b>有射数 申明</b> 年	MERK	5.10
নাম্বাটি কৰা, বাংলালয়ক)  - তিন্তু কৰি নাম্বাটি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰ	<b>पृ</b> र्वात्र		-	and an		৪৬-আহ্বাফ	8	эов
स्व क्षण्या ( इर्प क्षण्य क क्षण्या	মানবাড়তি (পূর্ণাস মানবাড়তি ধারণ কলে জিবরাইল আ.)	১৯-মাবইরাম	24	900	কিতাৰ (কুরবান পূর্ববর্তী কিডাবের সভায়নকারী)	৪৬-আহকাফ	do	222
स्व क्षार्य ( पूर्व पर्व पर क्षण क्षारावार)   2-वृद्धार   3-14 (2)   स्व ( पूर्व पर्व प्रिक्ट प्रिक्ट पर्व प्रकार क्षण क्षारावार)   2-वृद्धार   3-14 (2)   स्व ( प्रकार क्षण क्षित क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण	স্থক্সীর জন্য পূর্ণাত করা (ভারবাক্সে)	৬-আন'আম	328	655	বিজ্ঞাৰ (কুরমান পূর্ববর্তী কিডাবের সভাবনকারী)	১০-ই'উনুস	09	625
च्याचार (प्रतिक के प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार के प्र		-	-		কিছাৰ (কুৱমান পূৰ্ববৰ্তী বিভাবের সভ্যায়নকারী)	৬-আন্'আম	3-5	608
ি প্রক্রিয়া কর্মন ক্রমন ক্র		o aterer	330	010	বিজাব (কুরমান পূর্ববর্তী কিভাবসমূহের সভ্যায়নকারী)	৩৫-ফাভিব	02	b86
सार (वर्षणांक बारण वर्षणां के वर्षणांक कारण)   5-वर्षणांक   5-by   5-								
ুক্তি বুলি পান্ধ কৰিবল আৰু কৰিবল আ					चनार्श्व वार्वना)	२-राक्तवा	59.9	0.00
ৰ্ভালনাথ (বৰ্ণ পৰিক্ৰম ৰভিন্নপৰ সন্তাহ্য)  - ১০-২ পাৰত প্ৰত্তি কৰি প্ৰতিক্ৰম কৰি প্ৰত্তি কৰি প্ৰতত্ত্ব কৰি প্ৰতেশ্ব কৰি প্ৰতত্ত্ব কৰি প্ৰতত্ত্ব কৰি প্ৰতত্ত্ব কৰি প্ৰতত্ত্ব কৰি প্ৰতত্ত্ব কৰি প্ৰতেশ্ব কৰি প্ৰতত্ত্ব কৰি প্ৰতত্ত্ব কৰি প্ৰতেশ্ব কৰি প্ৰতেশ্ব কৰি প্ৰতত্ত্ব কৰি প্ৰতেশ্ব কৰি প্ৰতেশ্ব কৰি প্ৰতেশ্ব কৰি প্ৰতত্ত্ব কৰি প্ৰতত্ত্ব কৰি প্ৰতেশ্ব কৰে প্ৰতেশ্ব কৰে প্ৰতেশ্ব কৰে প্ৰতেশ্ব কৰ প্ৰতেশ্ব কৰে প্ৰতেশ্ব কৰে প্ৰতেশ্ব কৰে প্ৰতেশ্ব কৰে প্ৰতেশ্ব কৰ প্ৰতেশ্ব কৰে প্ৰতেশ্ব কৰে প্ৰতেশ্ব কৰি প্ৰতেশ্ব কৰ প্ৰতেশ্ব কৰ প্ৰতেশ্ব কৰ প্ৰতেশ্ব কৰ প্ৰতেশ্ব কৰে প্ৰতেশ্ব কৰে প্ৰতেশ্ব কৰে প্					ক্ষনপদ (সমান না আনার কারনে পূর্ববারী জনপদ ধানে হওয়া)	২১-আধিয়া	6	1/20
स्त्र कर पहिल्क के प्रकार के प्रकार के प्रकार के प्रकार के प्रकार कर के प्रकार के प्रकार के प्रकार के प्रकार के प्रकार कर कर के प्रकार कर के प्रकार कर के प्रकार कर के प्रकार कर के प्रका								655
আৰাৰ পূৰ্ব কৰিব নামৰ নামৰ নামৰ কৰিব নামৰ নামৰ কৰিব নামৰ নামৰ কৰিব নামৰ নামৰ নামৰ নামৰ নামৰ নামৰ নামৰ নামৰ								490
सह महाने हरिक्त कर नहीं महाने हरिक्त कर नहीं हरिक								britio
ুৰ্ভিক পূৰ্বিদ্ধান কৰা সূত্ৰ কৰা পুৰুষ্ঠান কৰা								668
हार (हरिकार के पहर पूर्ण पर दार का सर्वाका के ) 32- अवस्थित के 19- 19- 19- 19- 19- 19- 19- 19- 19- 19-								p.yes
প্ৰতিকাৰ । প্ৰত্যালয় কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব								339
बेशकर विकास करण समर्थावर विकास करण करणे कार्य करणे कार्य करणे कार्य करणे करणे करणे करणे करणे करणे करणे करणे		29-HIDBBIH	20	402				bas
পূৰ্ব পৰত হ'ব জৰাৰ কৰা প্ৰকৃতি কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি			_					999
প্ৰত্য কৰা কৰা নাম কৰা		১০-ইউনুস	7.9	966				brê c
মান্ত্ৰ কৰিছে নাম কৰিছে নুকাৰ কৰিছে কৰিছ			L					923
ত্ৰুল্প বিশ্ব কৰা		৭৪-মুখাছছিব	₹8	292				975
কৰিবলৈ পৰিক্ৰম কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰে।  ত এই বিভাগ বিভাগ পৰিক্ৰম কৰিবলৈ কৰি								
प्रशेष (पूर्ण प्रशेष के प्रशेष प्रशेष प्रशेष के प्रशेष	ইপইয়াস সম্প্রদার ও পূর্বপুরুষদের প্রতিপালক আল্লাহ	৩৭-সাত্যাত	348	666				P/40
ৰাজনাৰ সুন্দিৰ্ভাগ কৰাৰ কৰাৰ নিৰ্দাৰ স্থানিক কৰাৰ নিৰ্দাৰ সুন্দিৰ্ভাগ কৰাৰ কৰাৰ নিৰ্দাৰ সুন্দিৰভাগ কৰাৰ কৰাৰ নিৰ্দাৰ সুদ্দিৰভাগ কৰাৰ কৰাৰ সুদ্দিৰভাগ কৰাৰ কৰাৰ সুদ্দিৰভাগ কৰাৰ কৰাৰ সুদ্দিৰভাগ কৰাৰ কৰাৰ সুদ্দিৰভাগ কৰাৰ সুদ	वेनक्या (नुनक्षाहन्द्र शक्तिक्षेत्रि भूर्व नुक्षाहन्द्र वेनक्या )	২৩-মু'মিলুন	bro	993				929
	কমিবলের পূর্যপুরুষদের নির্বাট যে কথা আসেনি এমন কথা বি	২৩-মু'মিনুন	69	990				636
	নৃহের সম্পদায় পূর্বপুরুষদের নিকট শোনেনি	২৩-মু'মিনুন	4.8	959				৮৭৯
प्रशेशन (परिवर्ध) के प्रशेश के प्रश	প্নক্তথান (পর্বপ্রক্রমণের প্রথানে কাফিবলের বিশ্বর)	৩৭-সাক্কাত	39	ben				béc
हार्स पहिल्हा पहिल्हा प्रकार प्रकार (प्रकार प्रकार प्रकार (प्रकार प्रकार (प्रकार प्रकार (प्रकार (प्र	পুনকথান (কাফিবসের ও আদের পর্বপুরুষদের পুনরুথান)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	87	586				636
দিশ্বমীতা বৰ্ণকৃতিক বিশ্বমান কৰিবলৈ কৰে।  ১৯ শাৰ্ষাৰ চিন্তু কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰে।  ১৯ শাৰ্ষাৰ চিন্তু কৰিবলৈ								222
पुरिक्ती विकास वर्ष कर प्रशास प्राथमिक वर्ष कर प्रशास कर प्रथमिक वर्ष कर प्र		২৬-ত'আরা	46	900				৮৫৭
ा के प्रशास के			-					384
আৰু নাম কৰিছে কৰিছে নাম		an auto	40	400				264
মানীয়া কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব								988
चित्र विकास क्षण्या कर्म क्षण्या कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म								627
কৰণৰ কোনৰ প্ৰকল্পত পুৰ্বভাৰ কৰা প্ৰকল্পত কৰা হৈছিল। ১৯ নহৰ্ষ্ট কৰা								939
करणता (परिवेद्धार के कारण प्रश्नीका के कारण कर कारण क								20
কৰণৰ (দুৰ্ভাগিত কৰণৰ প্ৰথম কৰাৰ কৰাৰিছে), ১০ বৃশ্বিপুৰ্ব প্ৰথম কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰা								385
के करण पुरस्कित के करण प्रकार के प्रकार कर							99	388
ৰুপদাৰ (প্ৰক্ৰিটাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ)  ১০ পুৰুপাৰ্কী কৰাৰ  ১০ পুৰুপ						২-বাস্থারা	200	220
ক কৰাৰ প্ৰত্যালয় কৰাৰ প্ৰকৃতি নাম কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰ						১০-ইউনুস	0%	960
কৰাৰ (শৈক্ষেত্ৰৰ কৰ্মণ					মুশ্ববিষয়ন পূর্ববর্তীরত এরশ করত (শিক্ষাব্য পাদে এটা মুক্তি এলস)	১৬-শাবৃশ	00	902
িজনেন্দ্ৰতি পাছতে বা ক্ষমণ কৰে বা কুলা কৰে			4	we	पुर्वादेशस्य गूर्ववर्वेतः मात्रि (तर्ग न करा गर्दतः मोदक विश्ववर्ति श्राम	৬-আন্'আম	181	633
करण (पहेंकी प्रदेश कर का का प्रवाद ) 3-144 पर 144		২৯-জানবাবৃত	29.	8.73	বাপুল (পূর্ববারী বাপুলানর মত নির্দেশন আনর আহবান মুখ্যকানর প্রতি)	২১-আধিয়া	2	920
কৰা বাহনত আছুল প্ৰকৰ্ষণীয়নকৰ বাছল কৰা হাত্য সং এই এন কৰা বাহনত আছুল প্ৰকৰ্ষণীয়ন কৰা হাত্য সং এই এন কৰা বাহনত আছুল প্ৰকৰ্ষণীয়ন কৰা হাত্য সং এই এন কৰা বাহনত আছুল প্ৰকৰ্ষণীয়ন কৰা বাহনত আছুল কৰা বাহনত আছুল বা		No. of the	0.0	904	राज्य (भरवरी राज्यागर य क्या एक प्रशंका म. (व क्या दश)	৪১-জনসিবাত	80	www
ত নী পূৰ্বভিচ্চ বা প্ৰকাশ কৰিব বা (পিৰক পান্ধাৰ্য কৰিব বা (প্ৰকাশ কৰিব কা (প্ৰকাশ কৰিব বা (প্ৰকাশ কৰিব কা (প্ৰকাশ কৰিব কা (ক্ষ) বা ())))) কৰেব বা (ক্ষ) বা (ক্ষ) বা ()) কৰেব বা (ক্য) বা ()) কৰেব বা ()) কৰেব বা () কৰেব বা () কৰেব বা ()) কৰেব বা () কৰেব ব							-	***
১৯ নামান কৰিব বুলি বাহন বুলি বাহন কৰিব বিশ্ব কৰে।  ১৯ নামান কৰিব বুলি বাহন বুলি বাহ						৫৩-মাঞ্জম	40	300
তাৰ (প্ৰবিধীয়া মুখ্যা কৰা কৰা মানতে ৰাজুলা, ) এ-বাবুল । ১৮ বছৰ						No Street	14	dab
कार्यको (हरकर रेतिकार केला सर्वेषणा कर) है। केलाएकर है। के क्षेत्रकर रेतिकार है। केला केला कर कार्यकार कर केला केला केला केला केला केला केला कर केला कर केला केला केला केला केला केला केला केला								
আজিয়াৰ পুৰ্বপ্ৰকৃতি কৰিব বাৰ আমিলি নাম কৰিব, ১০ বু ছিল্প । ১৮ 1 10 1 10 1 10 1 10 1 10 1 10 1 10 1								900
ৰাজিয়েন প্ৰবিদ্যাল পুৰাৰ অবছিল   ১০ এমা  ১০ এমা  ১০ ১৯ নাল  ১০							-	698
আৰাজন পুনিৰ্ভাৱ হুবা বেলাপাৰ্যক ৰাজনাৰ হৈছে। ৩০ 100 100 বালাখন পুনিৰ্ভাৱ হুবা বেলাপাৰ্যক ৰাজনাৰ হৈছে। ৩০ 100 100 বালাখন পুনিৰ্ভাৱ হুবা বিজ্ঞান পুনিৰ্ভাৱ হুবা বিজ্ঞান বুলি ব								2.75
अर्थाववा पुर्वक्ति कारावा प्रशासक करोबान कराइ) - 30 - हांच्यून । 30 - गाँउ अर्थाववा पुरवक्ति कराव कराव कराव । 30 - वर्ष्याच्या - 30 - वर्याच्या - 30 - वर्याच्या - 30 - वर्याच्या - 30 - वर्याच्या - 30 -						১৫-হিন্তর	30	699
নিবাহ (ক্ৰেম্ম কৰ্মনুৰ্বাৰ্থ ক্ৰিমান ক্ৰেম্ম কৰ্মনুৰ্বাৰ্থ ) ১৬-ক'ৰখন । ১০ ১৯৮ ১৯৮ ১৯৮ ১৯৮ ১৯৮ ১৯৮ ১৯৮ ১৯৮ ১৯৮ ১৯৮						P-6-20,64	39.	7075
জিবৰে (বুৰ্কজীৰ ক্ষিত্ৰে ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰে ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰে ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰে ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰে ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষেত্ৰ ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষেত্ৰ					সহীকা (রাসুল এর ব্যাপারে পূর্ববর্তী সহীকার উল্লেখিত			
স্থাবার (ক্ষেত্রনা ক্ষেত্র কর্মণ বার্থানার মান্য ব্যক্তর) — ১-ন্যবাদার ১৯৫৮ স্থাবার (ক্ষার ব্যক্তর মূর্য কর্মনার ব্যক্তর মূল্য কর্মনার স্থানার ব্যক্তর মূল্য কর্মনার কর্মনার কর্মনার স্থান ক্রমনার ব্যক্তর মূল্য কর্মনার ব্যক্তর মূল্য কর্মনার স্থান কর্মনার স্থানার স্থান কর্মনার স্থানার স্থান কর্মনার স্থানার স্থানার স্থান কর্মনার স্থানার স্থানার স্থানার স্থানার স্থানার স্থানার স্থান কর্মনার স্থানার						২০-ছা-ঘ	200	985
১০-ইউয়ুস ৯৪ ৩৬০ সূত্রেন্টি (আহার পূর্ববাটিলে সুনুত প্রদর্শন করতে চাল) ৪-দিন্সা ২৬ স্থাত (পূর্ববাটী করাবের সন্ত্যান্ত্রনার করিব করে না) ১৮-কার্যক প্রস্তান (পূর্ববাটী করাবের সন্ত্যান্ত্রনার করিব করে না) ১৮-কার্যক ও ৫০		৩৭-প্রক্ষাত	7994	9.05		br-Streeter	OV	600
সম্পর্কে) বিশ্বার (পূর্ববর্তী বিশ্বাবের স্বর্জানকারী দিসা আ. ) ৬১-সাফ্চ ৬ ৯৬০ স্থ্রাত (পূর্ববর্তী ব্যারত ন আমা পর্যন্ত অধিকরে দিয়ন আলে ন) ১৮-কাহফ ৫৫		১০-ইউনুস	286	999				690
								35%
ক্ষিতাং (পূর্ববর্তী ক্ষিতাণেও বিশ্বান আনামে না ক্ষিত্রা) ওও নামা ৩১ ৮৪৩ স্টি (পূর্ববর্তীসেরতেও সৃষ্টি করেনে আগ্রাহ) ২ নাড়ারা ২১ ক্ষিত্রাং (পূর্ববর্তী ক্ষিতানসমূহের সভ্যানাকর্ষী কুরজান) ১২ ইউসুফ ১১১ ৬৮৭ খভাব (পূর্ববর্তীদের খভাব, বুল আ.এর উপনেশ নাসাম) ২৬-ত আগ্রা ১০৭								956

<b>४</b> ९ ः शिव <b>/</b> महा	जुड़ों कर थे नाम	W24 1	প্টা	त्रक विरक्ष/देशक		4814	
পূৰ্ববিদ্বা				বঞ্চা (অপ্তাহ প্রথা আনশ-পৃথিতীয় সংস্কো অত অসুশ্চ নজনা)	২৭-নামন	96	p.06
ফিব্রির অন্য (মৃত্যুর পর পূর্ববার্থা) জনর বিষয়ে করিবলের অধিয়ান	৭৯-নাবি'আত	20	2000	অবু (অব্যাপের অবু পরিমাণের মাদিক নয় ধরণাকৃত ইলাংলা)	৩৪-সাৰা	સ્સ	<b>b80</b>
फिरव याचवा (देवतादीम का.धत मण्डानात्र পূर्ववद्दात्र किरव	२५-व्यक्ति	60	908	অণু পরিমাণ/এর চেনে ছেট/বড় বস্তুও (আল্লাহর পোচনীভূত)	১০-ইউনূস	92	990
গেল মূৰ্তি ভাৰা প্ৰদৰ্শ)	52-00440	OK	740	অপুশা বিষয়ের জ্ঞান জন্তাহরই (আসহারে কহেন্স প্রসঙ্গে)	79-कार्य	₹5	120
মুনাভিকলেরকে আল্লাহ পূর্বাবস্থার কিরিয়ে দিরেছেন	৪-নিসা	30	260	অদৃশ্য বিষয় (পৃথিবীর অনৃশ্য বিষয় আল্লাহ জানেন)	২-ৰাকুৱা	00	208
পুৰাহ্ন				অদৃশ্য বিষর (আল্লাহ অবগত)	৩৫-মাভির	O.	<b>V8</b> h
কনম (পূর্বাহের কমম)	৯০-পুছ	>	3020	অদৃশ্য (পৃথিবীর অনৃশ্য বিষয়ের জ্ঞান আল্লাহরই আছে)	১৬-সার্গ	99	Pop
শান্তি জানা (পূর্বাহে বেলার মন্ত্র থাকা অবস্থার শান্তি জানা প্রদাস)	৭-আ'রাক	hb.	652	অনুশ্য বিষর (ভারমণ-পৃথিধীর অনুশ্য বিষর অস্তাহ জানেন)	৪৯-হতুরত	22	250
সময়েত করা (পূর্বহের পোনবেরতে সময়েক করা, জন্মগ্রন্থেনির নিন)	২০-ত্যা-ব্য	45	488	অনুন্য (আনেশ-পুরিবীর সব অনুন্য বিষয় বুস্পর্ট বিভাবে সংরক্ষিত)	২৭-নামল	9,0	Po9
পূৰ্বে				অধিপতি (পৃথিবীর অধিপতি বরক্তমর আল্লাহ)	৪৩-বৃধক্ত	312	907
দিয়াল (নবীয় প্রতি অবতীর্ণ কুরুমান্যপূর্বে অবতীর্ণ বিভাবে দিয়াণ)	g-files	80	668	অধিবাসী (পৃথিবীতে যাত্ৰা আছে তাৱা আল্লাহন কাছেই চার)	৫৫-রাত্মান	5.9	980
উপত (পূৰ্ববাৰী উপৰস্কেত অন্তৰ-ক্ষণ্ট)পূচৰ-কৰ্ম দিয়ে পাৰয়েও)	৬-অনু আম	84	¢hb	অপরাধ (পৃথিবীতে অপরাধ না করার আহ্বান মানইরানবাসীকে)	<b>33-इ</b> ल	24	690
কুরুজানের পূর্বে রাসুল স, কোন বিভাব পাঠ করেননি	২৯-আনকাবৃত	84	P-50	অপরাধ (করি ইসরাসনতে পৃথিবীতে অপরাধ করতে নিধেধান্তা)	২-বাকুরের	90	600
গত (পূর্বে গত লোকনো ক্ষেত্রে ব্যক্তারে স্কুরাত, ফুর্নাটন প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্মাৰ	64	P-0/2	অবস্থান (আলম-হাওয়া ও শয়তানের পৃথিবীতে অবস্থান)	২-বাকুরে	00	000
গুলুমান কৰা কৰাৰ পূৰ্বে সালৰা কৰাৰ নিৰ্চাল (বাসুল স. এৰ সামে)	৫৮-মুকাদালা	34	1420	অবস্থান (পৃথিবীতে অবস্থানবাল দান্দর্যে পথ্যাইনেরকে জিমান)	২৩-মুমিন্ন	224	996
নগ (পূৰ্বৰ পু'টি সঙ্গের প্রতি কিফাৰ অবজীৰ্ণ হওৱা)	৬-অস' আম	366	675	অবস্থান (পৃথিবীতে অবস্থান ও জীবনোগডোগ হয়েছে)	৭-আ'বাফ	48	638
मंदी (शुर्वह स्वीतमह क्षाव वाहाहब मुन्नाव धनन)	৩৩-বাহ্যাব	200	brob	অবস্থা (প্রকাশকর পর পৃথিতি সমস্থা সম্পর্কে মনুসর গ্রন্থ)	১৯-বিপুর্যাল	0	300
	१-छा'दास			অভিযানত (পূর্ববিত্তে কাহিব ও মুনাক্ষিকান অভিযানত দেই)	৯-ডাওবা	9.8	485
বিভারতের অনুমায়র পূর্বে জাতুনরসের ইমান আনা	৭-আ বাফ ৫৭-হালীন	250	686	অপুলাত ব্যৱদি আৰুৰ ও পৃথিৱী (বিদ্বাজাইন নিৰ্মাজত হওয়ায়)	88-नृशान	45	500
নিজকের (মঞ্জা নিজকের পূর্বে ও পরে ফুছ ও কর্মকারের ভূপনা)		30		অসহায় (মুনাফিকদের পৃথিবীতে অসহায় ধারার অস্বহাত)	8-विमा	28	460
ধাসূপ স. এর পূর্বে মূসা আ.কে যেজবে প্রপ্ন করা হয়েছিল	২-বাবুদরা	303	625	অসম্বতি (অফাত বছনে জনাশ-পৃথিবী-পর্যনে অসমতি প্রসঞ্চ)	৩৩-আহ্বাৰ	92	780
क्षमुन १ का मात्र राज्या क्या कार पूर्व गम्बा क्या पदा	৫৮-মুক্ষাদালা	70	200	অহুবোর (পুথিছিত অহুবোরোরীয়ের নির্দান থেকে পরিয়ে সেয়া)	J-681,51:0	188	940
লিপিনছ (বিপর্য়ে পত্তিত হওয়ার পূর্বেই লিপিনছ করেন আগ্রাহ)	৫৭-হানীন	22	260	অহবার (বারু-(বিনারটে-)হামদ পুর্বিটিড সংক্রের করে)	২৯-জানতাকৃত	00	p.79
লুভ সম্প্রপারের পূর্বে কেউ করেনি এমন স্পরীশ কাম (সমকামিয়া প্র.)	৭-আ'রাফ	p.o	650	অহবের (পৃথিতি অহবের করা শার অধিবাদে লো মনে)	৪৬-বাহতাক	30	200
পৃথক (আরো দেখুন আলাদা শব্দটি)				অহংকার (পৃথিবীতে অহংকার করতে আদ জাতি)	৪১-জুস্সিলাভ	32	75
অপরাধীনেরকে পৃথক হকে নির্দেশ দিকে। আল্লাহ (বিসামতে)	৩৬-ইয়াসীন	4.0	254	অহুকার কাল পৃথিবীতে বিশ্ব'জাউন ও তার বাহিনী	३५-कामाम	ch	P32
আকাশ মঞ্জী ও পৃথিবীকে পৃথক (পরস্পর থেকে)	২১-জাধিয়া	60	165	অধ্যাপ ও পৃথিবীকে অসকে কাল্যাল অনুহাত (ইজার বা অনিজ্ঞার)	৪১-ফুস্সিলাভ	22	555
আল্লাহ পৃথক করবেন মন্দানেরকে ভাগনের থেকে	৮-আনফাল	9	902	আৰাশ পৰিবী ও উভয়ের মাথের রাজতু আল্লাহর	द-मात्रिमा	39	26:
অধ্যান বিভারনো অধিব,শৃপরিকা পূথক হতে প্রস্তুত ছিলনা	১৮-বার্যানাহ	٥	2059	আধাৰ ও পৃথিৱতৈ যা আছে ডা আল্লাহ জনেন	ত-মারণা ত-আলে ইমরান		205
ইংরাম্বীয় জা, পৃথক হচেছ (পিডা ও তার উপাশানের থেকে)	১৯-মারইয়াম	81	909	জ্ঞান ও পৃথিবতৈ যা আছে তা আদ্রাই জাতান জ্ঞান ও পৃথিবতৈ যা আছু আছে তা প্রতিপাদক অসততে জাতন	১৭-ইগুরা	22	935
ইবরারীম আ, পৃথক হরে গেল মুগরিকদের থেকে এবং	১৯-মারইয়াম	8%	201	আবাশ ও পৃথিবীর অনুশ্য বিষয়ের জ্ঞান আল্লাহরই	22-Sh		698
ক্ষিবসেরকে শাস্তি দিকেন অস্তাহ (মুনিনসের থেকে পূবক থাকলে)	89-19761	46	922	जारान ७ नृत्यात सन्। स्यद्धा सान आहारार	२८-नुद	350	999
কুবআন পৃথক করেছেন আল্লাহ (বিভিন্ন সংগ্ৰে)	১৭-ইস্রা	209	940		१-वा'डाक	28	626
নূহ আ এর পুর ভার থেকে পৃথক ছিল (প্রাবন প্রসঙ্গ)	55- <b>द्</b> म	84	969	আকাশ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ হক দিনে আকাশ-পৃথিবীতে কেউ নেই যে দরামতের বাদা হিসেবে উপস্থিত	১৯-মারইরাম ১৯-মারইরাম	28	986
প্ৰজামন বিষয় পূথক কৰা হয় (মোধানক বাৰ্ডে)	৪৪-দুখান	8	205				
বিরাজনৈ সম্প্রধারকে পৃথক বাকতে জঙ্গা মূপা আ, (বিশ্বাস না করসে)	88-मृशाग	57	200	আকাপ-পৃথিবী থানে হয়ে যেত বনি সভ্য	২৩-মু'মিকুন	47	990
ভাৱ বিশ্বাস কেনে পুৰুত ব্যৱপ্ৰাপ্ত ছিলৰ (আধ্যাস কিবান মুশ্চিক)	৯৮-शविताह	7	2059	আবাপ পৃথিবীর সবকিছু আল্লাহর পবিয়ানা ঘোষণা করে	<b>28-नृद</b>	87	991
মন্দকে কাল কোকে পৃথক না করা পর্যন্ত মুফিনদেরকে কেন্ডে	৩-আলে ইমরান	249	200	আকাশ-পৃথিবীর সবকিছুর প্রতিপাদক আল্লাহ	১৯-মার্ইরাম	96	906
মারহৈয়াম পুরবর্তী স্থানে পুৰুষ হয়ে গেল (সভান প্রসংগর কান্য)	১৯-মারইরাম	22	900	আকাশ-পৃথিবীর নবকিছু আল্লাহর পৰিবার্ডা ঘোষণা করে	৬১-সাফ্ফ	,	hipo
মারইয়াম পুৰক হয়ে গেল (পরিবার-পরিজন থেকে)	১৯-মারইরাম	36	900	জাকাশ-পৃথিবীর সবকিছু আল্লাহর পৰিত্রতা ঘোষণা করে	৫৯-হ্যশর	7	320
শ্রীক ও মুশরিককে পৃথক করা হবে (কিল্লামতের দিন)	১০-ইউনুস	২৮	196	অকাশমভাশী ও পৃথিবীর সংকিছু আল্লাহ জানেন	१४-मूझनाणा	٩	3/23
শ্বীক ও শ্বীকবারীদের থেকে পৃথক আগহাবে কার্যকর				অকশেসমূহ ও পৃথিবীর সমান জাল্লাকের প্রশক্ষকা	৩-আলে ইমরান		681
दवलवदा	72-412A	39	456	আকাশ-পৃথিবীর কিছুই আল্লাহর কাছে গোপন নয়	৩-আলে ইম্রান	6	600
ছাকে পৃথক নাৰা (বাসুদ স. এর ছী প্রসহ)	৩৩-আহ্বাব	67	৮৩৮	আনুগতঃ (পৃথিবীর অধিনাপ্রশার আনুগতঃ করাল দবী পথ্যুক্ত	৬-আন্'আম	336	604
প্রত্যের খেকে পৃথক থাকার নির্দেশ (মাসিক চলাকালে)	২-বাকুারা	444	656	EPF)	,		
খানী-প্রীকে উত্তমভাবে পৃথক করা (থালাক প্রসঙ্গ)	৬৫-তালাক	4	70/00	আন্দোলিত (পৃথিবীতে পর্বত স্থাপন যেন ভা আন্দোলিত না হর)	১৬-নাজুল	26	908
স্বামী-প্রী পুৰক হলে প্রত্যেককে আল্লাহ জলবহুক্ত করবেন	8-নিসা	300	690	অল্পাহ (আৰুপ-পৃথিবীতে তিনিই আল্লাহ)	৬ আন্আম	٥	694
नुधववाडी		_	1	অল্লাহর (অকাশ-পৃথিতি যারা আছে তারা আল্লাহর)	২১-অধিরা	29	90:
বসম (পূৰ্ণৱংশ পৃথককারীদের কলম)	৭৭-মুর্সালাভ	8	254	অন্তাহন (আকাল-পৃথিবীর দর্বতিত্ব আল্লাহর)	২-বাকুারা	২৮৪	000
नुषक्षात् प्रवस्तात् प्रवस्तात् करमः)	. 1-2/4-1-10	Ť	- a- (	অপ্তাহর (আনাপ-পৃথিবীর সবতিভূই আপ্তাহর)	৬-আপ্তাম	24	931
	10.77	4.5	967	অস্তাহর (অব্যদ-পৃথিবীতে যা আছে বা আপ্লাহরই)	১৯-মার্গ	44	90
আহার (পৃথকভাবে আহার করাকে কোন সোব নেই)	২৪-নূর	62	193	অল্লাহন (অন্সদ-পৃথিনীর সর্বাবিদ্ধু আল্লাহন)	8-मिश	209	990
পৃথিবী (আরো দেপুন জমিন শব্দটি)		_		অল্লাহর (অন্স-পৃথিধীর নবনিস্কৃত অল্লাহর)	১০-ইউনুস	69	999
অক্তম করতে পারে না কেউ পৃথিবীতে (আল্লাহর ইন্সাকে)	৪৬-আহ্কাক	95	277	আপ্তাহর (আতাশ-পৃথিবীর সরবিদ্ধুই আস্থাহর)	৪২-পূল	8	P.9.
অক্তম (মানুদ পৃথিবীতে আল্লাহকে অক্তম করতে গারবে না)	৪২-শ্র	47	644		8-PM		230
মধ্য কর (মনুন আল্লান্তক আমাশ পৃথিবীতে ভাষম করতে পাজের)	২৯-আনকাবৃত	23	933	আল্লাহন (জানংশ-পৃথিধীৰ সৰকিছু আল্লাহন)		707	
অক্স করা (জিনরা অস্ত্রান্ত্রক পৃথিবীতে জক্ষম করতে পারে না)	१२-किल्	25	১৯৫	অল্পাহর (আবংশ-পৃথিবীর সংই আল্পাহর)	8-निगा	230	498
অক্তম বরতে পারেনি পুনিবীতে আল্লাহকে (অনিশ্বাসী)	22-64	20	৬৬৭	অল্লাহর (আবাশ ও পৃথিধীর সর্বাহিছ অল্লাহর)	২২-হন্দ	48	160
অশ্যের নয় (পৃথিবীরেও বেল বিষ্ণু অশ্যের নয়, অক্সাহর কাছে)	<b>08-शादा</b>	0	787	আপ্তাহর (আনংশ-পৃথিবীর প্রভ্রেকে আপ্তাহর অনুগত)	২-বাকুবো	1336	220

শম্ বিবহ/গ্ৰসৰ	न्यानर ७ नाथ	437.4 8	नुका		न्या नर चनाव	100	13
পৃথিবী (আরো দেবুন জমিন শদটি) (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)		-		আন (পৃথিবীতে যা কিছু আছে দব জানেন আল্লাহ)	৪৯-হছুর'ড	38	5
আল্লাহর (আকপে-পৃথিবীর সর্বই আল্লাহর)	8-PH	242	496	হৈক থাকা (আকাশ-পৃথিয় যত দিন ধাক্তব দুৰ্জাণার আন্তনেই)	১১-ছদ	209	8
আল্লাহর (আকাশ-পৃথিবীমধাবর্তী/ভূগতের সম্বই আল্লাহর)	২০-ড়া-হা	6	487	নিকে থানা (আবাশ-পৃথিৱী যতনিন থাকৰে ভাগ্যবানৰ জন্মতে)	22-da	204	0
অন্তাহর (অকাশ-পৃথিবীতে বা কিছু আছে তা আল্লাহর)	১০-ইউনুস	44	969	्रिक्टवा (পृथिवे प्रेकटवा प्रेकटवा कवाव कारमञ्चा कृतकाम शहा)	১৩-রাম	0)	8
মাল্লাহর (আকাশ-পৃথিবীর সরকিছু আল্লাহর)	8-शिमा	146	493	দাঁড়িয়ে থাকা (পৃথিধীয় দাঁড়িয়ে থাকা আল্লাহর নিমর্পন)	60-5 <u>x</u>	48	6
আল্লাহর (অব্দশ ও পৃথিবীর সব বিষ্ণু আল্লাহর)	২-বাকুরো	566	600	দৃষ্টান্ত (আৰুল ও পৃথিবীকে সৰ্বোচ্চ দৃষ্টান্ত আল্লাহর)	<b>60-₹</b> ¥	29	6
আল্লাহরই (আকাশ-পৃথিবীর সবই আল্লাহরই)	৩১-ব্ৰমান	20	649	ধন-ভারের (আকাশ-পৃথিধীর ধন-ভাতার জাল্লাহরই)	৬০-মুশাফিকুল	9	18
আল্লাহর হাতের মুঠোর পাকবে পৃথিবী (কিবামতের দিন)	৩৯-বুমার	69	699	ধরে রাধেন অল্লাহ অন্যশ-পৃথিবীকে (বাতে স্থান্ধার না হয়)	৩৫-ফডিব	83	1
অল্লাহর (পৃথিবীর সর্ববিক্লই আল্লাহর)	১০-ইউনস	00	twiso	গারণকারিণী (পরিবীকে আল্লাহ ধারণকারিণী বানান)	৭৭-মুরুসালাভ	42	8
অস্ত্রাহর পথিবী সংকর্মশীল মস্তানীদের জন্য প্রশন্ত	৩৯-গ্ৰাগ	20	1493	भाग (भविषे भाग रहा एक वर्ग प्रकार शरिवन न करावन )	২-বাকুরো	443	0
অল্লাহকে অক্ষম করতে পারে না (আকাশ-পৃথিবীর কিছুই)	০৫-ফাতিৰ	88	man	ধ্বংস (পথিবীর সরাইকে ধ্বংস করতে চাল যদি ভারার )	०-मविमा	29	q
আপ্রাহর রাজত (আবাশসমহ ও পথিবীর রাজত)	৩-জালে ইমবান	29/2	228	নিজের অংশ তলে যাওয়া	২৮-জাসাস	99	8
মাল্লাহর পৰিয়ন ঘোষণা করে আকাশ-পৃথিবীর সংকিছ	23-1749	28	249	নিদর্শন (মুমিনাদের জন্য জাকশে-পৃথিবীতে নিদর্শন ব্যাছে)	80-साहिया	0	8
অধ্যয়ল (তিলভেকার পৃথিৱতে অচনে অধ্যয়ল ও প্রাহর্য পরে)	8-নিসা	200	269	নিৰ্যাঠিত পৰিবীতে নিৰ্যাঠিত ছিল যখন ম'মিনৱা	৮-आनकार	46	8
ইলার (অখন-পৃথিবীতে বা ইলাহ থানলে উচারটি মালে হয়ে (বাচ)	২১-জাধিয়া	55	903	নিদৰ্শন (অব্যাপ ও পৃথিবীতে কক্ত নিদৰ্শন ব্যৱহ্য)	১২-ইউস্থ	200	9
ইলাহ্ (পৃথিবীতে আপ্তাহই একমাত্র ইলাহ)	৪০-যুবকুক	V8	207	নিদৰ্শন (আকাশ-পৃথিবীর সৃষ্টি আয়ুহের নিদর্শন)	৪২-পরা	335	
সমানদারদেরতে পৃথিবীতে স্থলাধিখিক করবেন আপ্রার্	38-74	20	900	निवर्गन (श्रीवेदार निवर्गन सरहाइ निश्चर विद्यानीएक कन्द्र)	৪২-শ্ব। ৫১-যারিয়াভ	90	b
উংফুর (ব্যক্তিররা উংফুর অসত্য নিরে)				নিয়েশ (অগ্নাহ অকল-পূপরিয় সকল বিধা নিয়েশ করেন)			8
তংকুছ (বাংকরণ তংকুছ অসত) ।নরে,) উত্তর্জাবনটা (পূর্ববাটী অধিকানীয়ন্দ্র পত্নে পূর্ববিধ উত্তর্জাধিকানী হুংগ্রা)	৪০-মুমিশ	90	944	দায়াশ (গ্ৰেছাই ডাক্তৰ-পূথাৰত নকল লক্ষা লক্ষ্মণ কৰেন) নিৰ্মান্তৰ পুৰিবীতে বাচনকে নিৰ্মানন কৰা হ'ব বাচনকল)	৩২-সাজ্যা	2	6
	৭-আ'রফ	300	622		২৮-কাদাস	4	v
উভাগিনার (সন্তাহ মানুষকে পৃথিবীর উভাগিনারী খানগ)	২৭-নামল	65	trod	নিরোজিত (পৃথিবীর সববিত্ব মানুষের কল্যানে নিরোজিত)	२२-डॉब्ड	60	1
উজ্ঞাধিনার ( পৃনিধীর উজ্ঞাধিনতী কর অপ্লাহর ইচ্ছাধীন)	৭-আ'রক	252	650	নিরোজিভ (পৃথিবীর সর্বজন্ম মানুষের কল্যানে নিয়োজিত)	৩১-লুকমান	30	6
উত্তর্গিকার (আকাশ ও পৃথিবীর উত্তর্গথিকার আল্লাহরই)	৩-আদে ইমবান	29.0	660	পঞ্জ (আল্লাহই আঝগতে ছিব রাখেন ঘতে পৃথিবীর উপর না পড়ে)	२२- <i>श</i> ण्ड	60	1
উত্তরাধিকারী (বনী ইমরাঈশকে পৃথিবীর পূর্ব-পশ্চিমের	৭-আ'ব্যক	309	648	পৰ (অন্তাহ পৃথিবীতে বহু পথ বানিৱেছেন)	৪৩-যুধক্তফ	30	b
हेरतारिकारी करा)				পৰিয়ান যোগণ (পৃথিৱীন দৰ্বই আল্লাহন পৰিয়ান বোগণ করে)	৬২-জুরু'আ	2	15
উদশত হওয়া (পৃথিবীতে উৎগৃত্বী গরসের উদ্লিপ উদশত হওয়া)	২৬-৩'জারা	٩	100	পৰিয়াল যোকণ (পূৰ্বিহীয় সংই অক্সাহর পৰিত্রতা যোকণা করে)	৬৪-ভাগারুদ	2	15
উদ্বাৰক (পৃথিবীয় উদ্বাৰক আগ্নাহ)	২-ৰাকুাৱা	224	670	পৰিবাল ঘোষণা আল্লাহৰ (আকাশ ও পৃথিবীৰ সৰই)	৫৭-হানীন	3	a
উৱাৰত (পুৰিবীর উৱাৰক আল্লাহ)	৬-আনুস্থাম	202	606	পরিবেটন (আপ্রায়ে কুরসী আনাশ-পৃথিবিকে পরিবেটন বরে আছে)	২-বাকুরো	200	0
উদ্ধত ছিল ফিরাআউন (পৃথিবীতে)	১০-ইউনুস	P40	995	পর্বত (পৃথিবীতে পর্বত স্থাপন করা হরেছে ফোনা আন্দেলিত না হয়)	১৯-নাহল	26	9
উনুক্তরণে দেখবে পৃথিবীকে (বিদ্যামতের দিন)	১৮-করেক	89	925	পর্বত (পৃথিবী বাজে আমেলিক না হয় সেজনা পর্বতমানা স্থাপন করা )	৩১-লুকমান	30	ь
Sপাস্য এবল (পুৰিবী স্বেকে মুপরিকদের উপাস্য গ্রহণ প্রসঙ্গ)	२)-वाश्या	2,5	262	পৰ্বত সৃষ্টি (পৃথিবীতে পৰ্বত সৃষ্টি করা হয়েছে যাতে ভা			+
এনটাকাণ (অল্লাহ অনশ-পৃথিতি ও সকলকে একত্র করতে সকল)	৪২-পুরা	4.5	৮৯৩	অন্দোপিত না হয়)	২১-আখিরা	٥)	3
ওঁই প্রেরিপালক পৃথিবৈতে ওঁই করার বিমামতে খন্য দর্শনা করে।)	১৯-বিলয়ল	2	2000	পাপ কাম পোডনীয় করনে ইবলিন মানুহের ক্ষম (পৃথিবীয়ে)	১৫-হিমার	60	9
তঠ্য (মাল্লাহ ইনবারীয় আ কে আকাশ-পৃথিবীর কঠায় দেখান)	৬-আন'আম	90	000	পূৰ্ববৰ্তীয়া পুৰিবীতে প্ৰবশত্ব ছিল	80-भूभिन	45	b
মর্কুত্ব (আকাশ-পৃথিনীর কর্কুত্ব সম্পর্কে রক্ষ্য করা)	৭-আ'রাফ	360	(pito)	পূৰ্ববৰ্তীয়া পৃথিবীতে সংখ্যায় বেশি ছিল	80-मुभिन	200	2
কথা (আকাশ-পথিবীর সমস্ত কথা প্রতিপাদক জনেন)	২১-অধিয়া	8	900	পৃথক করা (আকাশ-পৃথিবীকে আল্লাহ্ পৃথক করগেন)	২১-আছিল	100	9
জ্যান (জনপদবাদীর ইয়েন জনতা পৃথিতির কল্যান উদুক্ত কর হত)	৭-আ'রাফ	36	653	ভাৰা (আতাশ ও পৰিবীৰ সৰভিছ দিয়ে তেবে সেবা)	৩৪-সাবা	b	4
চাকিররা পৃথিবীতে অক্ষম করতে পারতে না (আল্লাহকে)	48-99	99	990	বাজকু (আকাশ ও পৃথিবীতে আল্লাহর বাজকু)			
क्य अर्थन (नविमा जनिवनिकृत कम् एम्अन्यक्तः क्या अर्थन)	84-98	0	190	ফাল্যদ (পৃথিবীতে ফাল্যন স্বান্ধর প্রচেটা মলিয়েছে ই <b>ল্</b> পিরা)	२८-न्द	84	9
বৰুর (কিয়ামতের দিন পৃথিবী তার প্ররুদমূহ বর্ণনা করুবে)	৯৯-বিলয়াগ		3000		৫-মায়িশ্য	68	Q
পদ্ধা গছ ও ফলমূল আছে পৃথিৱতে (আন্তঃগুক্ত পেছুর গছ)	88-वाहताम स्थानगरिका	22	2000	প্রচুর্য (বিজ্ঞাননারী পৃথিবীতে অনেক আন্তর্যাহপ ও প্রচুর্য পাবে)	৪-শিশ	300	4
নামু পৃথিবীর সমস্ত গামু কলম মুগত অধুগ্রহার বাণী কেবা পেব মুক্তর)	৩১-প্ৰমান			প্রতিনিধি (অন্নাহ মানুদকে পৃথিবীর প্রতিনিধি বাদিরেছেন)	৬-আন্'আম	202	0
ক্ষাপুন নৱ (পৃথিবী ও আকাশের বিশ্বাই আল্লাহর কাছে গোপন নৱ)	১৪-ইবরাহীদ	থণ ৩৮	P-579	প্রতিনিধি (অল্লাহ মানুবকে পৃথিবীতে প্রতিনিধি করেছেন)	৩৫-ফার্ডির	40	b
গোপন বিষয় (পৃথিবীর গোপন বিষয় যিনি জানেন ডিনি)			696	প্রকম্পিত হবে পৃথিবী প্রবদতাবে (কিয়ামতে)	৫৬-ওয়কিয়াত্	8	×
লোপে থেবার (পূথেনার গোপন বিষয় বিশেষ প্রচান ভিনে) লো (পৃথিবীতে চলে রহমানের বান্দারা বিনয়ী হয়ে)	২৫-জুরকান	ь	445	প্রকম্পিত হবে পৃথিবী প্রকলভাবে (কিয়ামত প্রসঙ্গ)	৯৬-বিশ্বাল	3	30
	२०-पुन्नकाम	90	৭৮৬	প্রতিপালক (পৃথিবীর প্রতিপালক আগ্নাহ)	৩৭-সাঞ্চাত	6	v
লাল (পৃথিবতে লোল করতে না পর/জক্মনেরকে নান)	২-বাকুারা	560	605	প্রতিপালক (পৃথিবীর প্রতিপালক সম্ভান প্রহণ (খবে পবিত্র)	৪৫-মুখকুত	P-3	7
দবিকারি (আকাশ-পৃথিবীর চাবিকারি আল্লাহর কাছে)	৩৯-যুমার	90	499	প্রতিশালক (পরিবীয় প্রতিশালকই আসহারে বাহারের প্রতিশালক)	72-4150	38	9
দৰিকাঠি (আকাশ-পৃথিবীর চাবিকাঠি আল্লাহরই)	৪২-প্রা	25	2504	প্রতিপালক (পৃথিবীর প্রতিপালকট অগতের প্রতিপালক)	59-0,018.	38	9
পৰিচূৰ্ণ হবে পৃথিবী (কিয়ামতে)	৮৯-ফাজ্র		2055	ক্রতিশালন (পৃথিবীর ক্রেভিশালক অস্তাহর মধ্য মহল প্রশাস)	৪৫-জাছিয়া	06	9
ভিয়ে পরু (নামান সম্পন্ন হওয়ার পর পৃথিবীতে ছড়িয়ে পরু)	७२-वृद्ध वा	30	200	প্রতিপালক (পৃথিবীর প্রতিপালক দল্লামন্ত্র অন্তর্গ)	বু৮-মারা বু		
রে দিনে সৃষ্টি (আক্রাপ-পৃথিবী ও উচ্চরের মাঝের সংক্রিত্ব)	६०-विध्य	45	348				20
নানা (আকাশ ও পৃথিবীর সৰকিছু আপ্রাহ জানেন)	২৯-আনকাবৃত	22	450	প্রতিপত্তি (পৃথিতিত প্রতিপরিলাকের জন্ম মূল্যাহারন মানজ্যে)	১০-ইউনুস	96	b
দানা (মাকাশ-পৃথিবীর সংই আল্লাহ থালেন)	৬৪-ভাগাবুন	8	≽७७	প্রতিপালত (আতাশ-পৃথিতি প্রতিপালত কেঃ কফিয়ালতকে জিয়ালা)	১৬-রা'দ	29	0
দানা (স্বাকাশ-পৃথিবীতে থা আছে ভা আল্লাহ ব্যাদেন)	22-29es	90	958	প্রতিশালক (আনাশ-পৃথিবৈর প্রতিশালক ওলব অবতীর্গ করেছেন)	১৭-ইস্থা	204	Q.
মানা (আকাশ-পৃথিবীতে যা কিছু আছে থা আল্লাহ ভালেন)	৫-মারিদা	24	695	প্রতিশালক (অকাশ ও শৃথিবীর প্রতিশালকের কনম)	৫১-বাধিরাত	20	8
বিবছর (পৃথিতির জীব-ছার ও ফেলেমার অন্তাহরে নিজন করে)	১৬-শহল	85	909	প্রতিপালক (আঝন-পৃথিবীর প্রতিপালকই মানুহের প্রতিশালক)	২১-আছিয়া	45	9,
নীবিত করা (পৃথিবীকে জীবিত করেন আল্লাহ মতুনে পর)	50-6¥	29	550	প্রতিশালক (অপ্রাহ পৃথিবীর প্রতিশালক)	७৮-शिक्षाम	(ele	80
প্ৰবিত করা (মৃত পুৰিবীকে বৃষ্টি যাবা উঠিত করা নিস্পানসকুপ)	৪৫-লাহিয়া	9	906	প্ৰশংগা (আকাশ ও পুৰিবীতে আচুহৱাই প্ৰশংসা)	00-4%	24	6

Re PROPER	न्द्रानः १%न	-	श्रुवा			<b>311</b> %	পৃঠা
পিবী (আরো দেবুন ক্ষমিন শব্দটি) (পূর্ব পূঠা থেকে)				বিশ্বাৰ (অস্ত্ৰাহ মানুমের জন্য পৃথিবীকে বিশ্বান বনিয়েছেন)	८7-शृह		20.00
প্রশাসন ও পৃথিবীর প্রশাসনের মত করেতের প্রশাসন।	৫৭-হাদীদ	45	250		১৭-ইস্রা	8	846
পুঠিকৈ (পুনিহৈত প্রতিষ্ঠিত করতে চাইকেন নির্মিটভানেকে)	২৮-কাসাস	6	incir	বিপরি (পৃথিতৈ বিপর্যর পঠিত হংগার পূর্মেই লিপিবভ কর)	৫৭-হানীন	22	960
প্রতিষ্ঠিত পেথিবীতে প্রতিষ্ঠিত করেছেন আল্লাহ মানুদকে)	৭-আ'রাক	20	600	বিয়ার (পৃথিবীতে মানুহের বিস্তার ঘটিরেছেন অন্তাহ)	২০-মু'মিন্ন	95	993
পুরুষ্ঠত (পুরুষ্টিতে প্রথিষ্টিত অন্তর্হিতন অল্লন্ত ধানুদ ক্ষতিকে)	4-30,414	98	633	বিধান ঘটনে (পুর্ববিদে মানুহর বিধার ঘটিয়েলে অপ্রাই)	৬৭-মূল্ক	₹8	290
বিষ্টিত করা পেরবর্তী প্রকল্পকে প্রফলতার প্রবিক্তিত করা হল)	৬-জন জম	0	699	বিশ্বত কংগ্ৰেছন আপ্ৰাহ পৃথিবীকে	৩৯-নাথি আত	©0	200
প্রবিষ্ঠত করা (পূম্বদান পৃথিবতে প্রবিষ্ঠত করণে সালত)	22-20E	83	982	বিস্তান প্ৰতিবাদে বিস্তান করেছেন আল্লাহ)	३०-व्याप	375	883
Golgo od (An-ful Justice Golge and Justice !!)		98	903	বিষ্ণাত (পুরবী বীচারে বিশ্বত করা হয়েছে সেপিকে দৃষ্টিপত)	৮৮-গাশিরাহ	30	304
প্রতিষ্ঠিত করেন আপ্রাহ কুপকারনাইনকে (পৃথিবীতে)	১৮-কাব্ৰু			বিস্তুত (পৃথিবীকে বিস্তৃত করেছেন আল্লাহ)	১৩-রাদ	0	29.5
প্রতিনিধি (পাউদকে পৃথিবীতে অস্তাহর প্রতিনিধি বানানো)	৩৮-সেইস	25	1994	বিভিন্নত্ত (পুরো পৃথিকীটে যুক্তিশন হিসাবে নিকে চাবে মর্ক্তিম)	ch-1779	89	790
প্রতিনিধি (পৃথিবীতে ফেরেশতাকে প্রতিনিধি করা প্রনঙ্গ)	80-144a	90	900	বিন্দার (পুরুষ পৃথকার বুক্তপা মুগানে সাকে নাম করনে অপরস্থিত)	৭০-মা'জারিজ	38	No.
প্রতিনিধি বানানো (পৃথিবীতে মানুষ সৃষ্টি প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	00	608		৫৯-ব্যবিয়াত	84	951
প্রভাবপালী হিসেবে পৃথিবীতে ফিরজাউন বংশের রাজত্ব	80-मुसिन	રહ	940	বিছিয়ে নিয়েহন আন্তাহ পৃথিবীকে	63-2H6810	89	32
প্ৰশন্ত (আল্লাহৰ পৃথিধী প্ৰশন্ত সূতৱাং তাৱই ইবাসত কৰ)	২৯-জানকাবৃত	46	8-57	বিপর্যার (সংক্ষারের পর পৃথিবীতে বিপর্যায় সৃষ্টি না করার	৭-জা'বাক	46	62
প্রশন্ত (আপ্লাহর পৃথিবী প্রশন্ত হিন্দরভাতারীদের কল্ড)	৪-পিসা	29	669	নিৰ্দেশ ড'আইৰ আ.এই)		_	
ন্তিপালক (আল্লাহ পৃথিবীয় প্ৰতিপালক)	৪৪-সুখন	3	३०२	ধ্যে করা (বিয়ান্তরে দিন পৃথিতী তার বেখা বের করে নিগে)	১৯-বিশ্বাল		306
চলমূল ও আবরণযুক্ত বেমুর গাছ আছে পুৰিবীতে	৫৫-রাহ্মান	22	200	বোৰা (কিয়ামতের দিন পৃথিবী ভার বোষা কের করে নিমে)	৯৯-दिन्यान		200
জানান (পথিবীতে ভাসান সৃষ্টি করে যারা)	20-30'9	20	600	ব্যব্ত (পৃথিবীর সর্বাঙ্কু ব্যব করলেও হৃদক্ষের বছন সৃষ্টি)	৮-জাগভাগ	රුව	600
জাসাস (পৃথিবীতে জাসাস চাওৱা নিষেধ)	১৮-সাসস	99	b28	एउक्का परेना (विदास हार कारल-पृष्टीर अरु एउका परेना)	g-M,81&	354	90
জাস্যম (প্ৰবাহত কাসাল চাতৰা লেখেন) ভাস্যম সৃষ্টিকান্তী পৰিবীতে (ইয়াকুক মানুক )	79-464	38	909	ভার্ত পেরবাই ভার্তি পর্ব প্রহণ কর হলে না ভালে খেকে থাক)	৩-আলে ইমরান	55	68
কাসদ পৃষ্টকারে। পৃথিবাতে (বজাক্ত শাক্তম ) কিন্তন (পৃথিবীতে কিন্তন ও কাসালে সৃষ্টি বল বলি মুদ্দিনর	৮-আনকাল	20	969	ভীত হওয়া (শিক্ষায় ফুঁ লেৱার দিন পৃথিবীর সবাই জীত হবে)	২৭-নামল	44	PO
				ভৰত (পৃথিৱীতে পরস্পর সংলগ্ন ভূবত রয়েছে)	১০-রা'দ	8	ddy
ফির'জাউন পৃথিবীকে উদ্ধান হরেছিল	২৮-কানাস	8	p.op.	তেৰে দেখা (পৃথিৱতে উৎকট থয়নের মিঞ্লিন উল্পন্ন হথানা নিধা)	২৬-চ'জার	9	49
ষেধেৰতাৱা পৃথিবীতে যদি নিশ্চিমে চলচল কৰত তবে	১৭-ইস্রা	36	355	ক্রেলসামী (মিধা ভানকীকে প্রতীর ক্রেলসামী দদ)	১০-ইউন্স	90	88
ক্ষাসান (পৃথিবৈতে দ্যাসান পৃষ্টির কারণ ছাল্ল ঝাইকে হকা কয়)	৫-মরিপা	- ७२	€#8	তল (অপ্তর্নারের প্রদান পের কর পরি এমার দির্গণ)	২৭-নামণ	10	100
মানান (পৃথিতিকে মানান শৃত্তি/অপরাধ না করতে কমাইকো আহবান)	५७-व,बारा	7900	121	ভাল (প্ৰতিট্ৰিতে চাব মাল এমণেও অবকাশ মূপতিকলেকে)	৯-জাওবা	3	68
ফাসন (পৃথিবীতে ফাসদ সৃষ্টি বৰতে সৱল যাবা)	২৮-কাসাস	100	476	প্রমা (পৃথিবটেও তার মান অবদের ওবনান মুনাবতকেরেও) প্রমা (পৃথিবটিও ভানে করলে পূর্ববর্তীনের পরিনাম দেবতে পেত)	৪০-ম'মিন	43	29
হ্যাসদ (মূস আ. ও ক্ৰী ইগৰাইল কৰ্তৃক পৃথিবীতে	৭-আ'বাক	343	690	Stat (Appetro 974 onto Assettive Joseph Joseph Joseph	8.501	707	00
ক্যাসান সৃষ্টির জাপথা!)	1-41 414	1	040	ভ্ৰমা (পৃথিতৈ ভ্ৰমানত কৰোন দামাৰ কংগ্ৰেণাকৈৰ কৰা)		•	
ফ্যাদান (পৃথিবীতে ফ্যাসান সৃষ্টি নিথিছ)	৭-জা'রফ	46	629	ভ্ৰমণ (পৃথিবীতে ভ্ৰমণ কৰে না কি মন্তার কাফিররা)	00-8X	b	₽4
জাসান (পথিবীতে জাসান নিষেধ করার লোক ছিল না)	33-वृत	226	696	ত্রহার (পৃথিবীতে ত্রহার ও পূর্ববাহীদের পরিবাম দেখা)	৪৭-মুহাম্বাদ	20	27
মাসান (পথিবৈত্ত মাসালের প্রতের মালার যারা কালের প্রতিবল)	৫-মাহিদা	00	<b>₹</b> ₩8	ত্তমণ (পৃথিৱী ভ্ৰমণ করে সৃষ্টির সূচনা সম্পর্কে পক্ষা করা)	২৯-জনকাবৃত	30	62
ফ্যাপান (পথিবীতে ফ্যাপান সৃত্তির আশ্য মুনাফিকনের)	৪৭-মুখ্যমান	22	978	দ্রমণ (পৃথিবী ভ্রমণ করে পূর্ববর্তীদের পরিণাম দেখা)	80-भूभिन	Þ₹	ьь
জ্যাসান (প্রিবীতে জ্যাসান সৃষ্টি করতে চার যারা)	২-বাকারা	२००	450	প্রমা (পৃথিকী ভাগ বতা মিধা অভিহ্যবদীয়ার পরিশার লক্ষ্য কর)	<b>৫-আন্.আ</b> স	22	Ø3
ক্ষুস্তান (পৃথিতৈ ক্ষুস্তানক্ষীয় অনুসভা ন কর ছাতুন প্রসঙ্গ)	২৬-৫'জার	343	950	হল (পুৰিয়েত ভাহনা আহান ও নিবা অভিহিতনীয় পৰিশম)	৩-জালে ইমরান	200	48
ম্যাসান (পৃথবীতে ক্ষাসান সৃষ্টিতে নিচাবজন ছানুন সম্প্রদানকে)	্-ল'ব্ৰথ	48	622	ভ্ৰমণ (পৃথিৱতে ভ্ৰমণ ও পূৰ্বকীদের পবিণায)	৩০-জন	83	84
জ্বাসান (পৃথিবার ব্যালা সুক্রিকর্তার মত না মুদ্দিলা)	Ob-CRISS	30	169	প্রমা (পুরুষী প্রমা করেল ফুর্লিকর পূর্ববেরীসর পরিয়ার লক্ষ্য করত)	৩৫-ফাভিব	88	40
ফ্যানান সৃষ্টি (পৃথিবীতে জ্যাসাদ সৃষ্টি না করার নির্দেশ		1~	2.01	ভাল (পুৰিষ্ট ভাল বয়ে মিছা অভিহ্নিকারীলে পরিশম দেখা)	১৬-মাহ্শ	ФЪ	90
कामान गृह (गृहकार० कारगण गृहकार कमा राजार राजार ककाहेद या, कहेंक)	২৯-আনবাৰ্ত	99	2.29	ভাল (হাজ কি পদিবী ভাষা করেনি এবং গেকেনি পূর্ববার্তীসের,)	১২-ইউনুক	505	66
	२-राकृति -	22	605	ভ্ৰমণৱত (পৃথিৱীতে ভ্ৰমণৱত ভাইলেৱকে কফিবরা বলে)	৩-জালে ইমরান		20
কাসদ পৃষ্টি ন করা পৃথিবিতে (দুননিবকের উপেশের অক্সানর নির্দেশ)			808	মাদিক (আকাশ ও পৃথিবীর সববিষ্ণুর মাদিক আপ্রার্থ)	<b>00-छम</b>	26	b:
ফ্যাসাদ পৃষ্টি (পৃথিবীতে ফ্যাসাদ সৃষ্টিকরীরাই ক্ষতিহত্ত)	३-शङ्खा	56		মানিক (আকাশ-পৃথিতি মাৰে যা কিছু মাছে তাৰ মানিক স্বস্তাহ)	১৪-ইবরাহীম	3	20
বনী ইসয়ালৈকে পৃথিবীতে বহ উপব/নলে বিচন্ড কর প্রদক্ষ	৭-জ'রফ	706	959	মুদ্দির (আনাপ-পৃথিত সর্বাচনুৰ মাদিক আল্লাই)	৪২-পরা	20	100
ধর্ণনা (কিয়ামতের দিল পৃথিবী তার খবরসমূহ বর্ণনা করবে)	১৯-বিদ্যাল	8	3000		ত৪-সাবা		
বলা (পৃথিবীকে নৃহের প্লাবদের পানি প্লাস করতে বল্য)	27- <u>ई</u> si	88	969	মদিক (পৃথিবীতে বা কিছু আছে তাং মদিক জন্মই)		7	9.6
কার্যসমন্ত্র (পৃথিক্তিত বসবাশকারী কম্পিয়ানা হেড়ে ল লেজা লেজা	९५-न्द	20	346	মানিক (পৃথিবীর দর্যকরুর মালিক আল্লাহ)	৩-আলে ইমরান		98
বায়বার্ড (রিবিক বৃত্তি করলে বাপার পৃথিবীতে বাছাবাড়ি করত)	৪২-পূরা	29	9/3/0	যদিকান (অকাশ ও পৃথিৱীতে যা আছে তা গবই আল্লাহর)	৫০-নাজম	67	315
খানানো (পৃথিবীকে আল্লাহ সৃষ্ট জীবের জন্য বানিরেছেন)	৫৫-রন্মন	30	909	হাদিকানা (পৃথিবীয় মাদিকানা আল্লাহর)	৫৭-হানীদ	30	36
হাত্যায়ত্তি (বিপদম্ভিত্র পর পরিবীতে মানুষের বাভাবাতি)	১০-ইউনুস	20	959	মলিকান (পৃথিকৈ মলিকান করঃ কথিবদেরক জিজাসা)	২৫-সু"মিন্ন	₽8	9
হাত্তাহাট্ট (পৃথিবতৈ অনুস্ৰহাতে যানুবাঢ়ি কৰাৰ জন্য শাহি)	84-731	82	V38	য়াদিকানা আল্লাহর (পৃথিবীতে বা কিছু আছে)	৩-জালে ইময়ান	24%	01
বাইনী (পুৰিবীর বাইনীসমূহ আল্লাবৰ)	8५-मास्ट	3	999	হিবে বাকা (আকাশ-পৃথিতী ওতপ্রোভভাবে মিশে হিপ)	২১-অধিয়া	80	9
ব্যৱদা (প্ৰকাশ মন্ত্ৰী ও পথিবীৰ বাহিনীসমহ আল্লাৰৰই)	8५-मास्ट	8	335	पुण्डिकाल केवास भूमिकेट (प्रमानात वर्ग्यक्षत व्यवप)	৩৫-ফাডিব	80	100
বাস্থাপ্য করা (আল্লাহ পৃথিবীকে বাস্থোপ্য করেছেন)	২৭-নামল	63	bog	মুচিলন (পুৰিষ্টাঃ সৰ্বাস্থ্য মুক্তিলন নিয়ে শান্তি খেকে মুক্তি মেকো।)	১০-ইউনুস	28	60
বাসধোগ্য (অল্লাহ পৃথিবীকে বাসধোগ্য বানিবেছেন)	৪০-মামিন	68	MAG	মুনার সম্প্রদার পৃথিবীতে উদ্ভান্ত হয়ে ঘুরে বেড়াবে	৫-মাছিলা	26	25
বাসমোগ্য (জান্তাই পূজবাকে বাস্থেত বাস্থাতেশ) বিচৰুণ (পুনিষ্ঠীতে উছাজভাৱে বিচৰুণ নিজে গোৰমানপুত্ৰ প্ৰ.)	৩১-সুকমান	775	999	মূপ আ পৃথিবীতে জনজনতা সৃত্তি করে (বিদাস্পর্টনের স্পাশম)	৪০-মুখ্রিন	2.5	bi
Mark (America extraorie voga lacte Galeria (America)				ব্ৰজ্ঞান প্ৰতিষ্ঠা ব্ৰজ্ঞান কৰিবলৈ অনুসৰ্ভ কৰিবলৈ অনুসৰ্ভ বাস্প্ৰ	৭-আবাফ	254	6
বিদ্ৰোপীল জীব (পৃথিবতৈ বিদ্ৰোপীল সকল জীবের নিনিক)	ऽऽ <b>-रू</b> ल	6	666	ব্ৰহ্মত (আৰাশ-পৃথবার রাজ্যুর আবদার আয়তে সংখ্যু ব্রহ্মত (আৰাশহয়শী ও পৃথিবীর রাজ্যু আয়ারেই)	৪৮-ফাতহ	38	9
বিচরণ (পৃথিবীতে সমস্তরে বিচরণ নিবিদ্ধ)	১৭-ইস্বা	ত৭	939		৫-মারিদা		
হিচৰপৌণ জীব (পৃথিবীতে বিচন্দশীল জীবর একটি উপত)	৬-অন্তাম	-Cb-	677	এজত্ব (অকাপসমূহ ও পৃথিবীতে আল্লাবে রাজত্ব)		80	ď
বিশ্বলা (আল্লাহ পৃথিবীকে বিশ্বাদা বনিটেছেল)	৪৩-বৃধক্তক	30	936	রাজকু (আকাশসমূহ ও পুৰিবীর রাজকু সাল্লাবর)	৩৯-বুমার	88	p.
বিজ্ঞা (অল্লাহ পৃথিবীতে মানুহতা কর বিজ্ঞাপরপ বনিয়েছেন)	২-বাকুরো	32	600	রাজ্যু (আকাশ ও পৃথিবীর রাজ্যু আল্লাহর )	5-97693	229	64

			পৃথিবী	পৃষ্ঠ			
नंभ विषश्चनम	नुसा नद ७ नाम	4393	781	अप विवय/श्रंतम	नुशा मेर ७ नाम	439 4	1
পথিবী জোরো দেখন জয়িন শব্দটি) পর্ব পর্য থেকে)		-	-	দৃষ্টি (পৃথিবীয় নানান ব্যক্তর সৃষ্টিকে অস্ত্রাহ নিদর্শন বেখেছেন)	১৬-মাহল	30	9/
প্রজত (আবাদ-পৃথিবীর রাজত আপ্লাহরই)	২-বাকুরো	209	625	সৃষ্টি (পৃথিবীর স্ববিষ্ণু মানুহের জন্য সৃষ্টি করা হরেছে)	২-বাকুরা	25	00
ব্যজন্ত (আকাশ-পৃথিবীর রাজতু আল্লাহর)	84-98	8>	264		২৯-আনকাবৃত	45	63
রঞ্জুর (আক্রণ-পৃথিবীর রাজতু আল্লার্ডই)	80-वाश्या	39	Pod		२-वाक्राता	268	2:
রাম্বতু (আঞাশ ও পৃথিবীর রাম্বতু আল্লাহর)	০-মারিদা	250	696		২৭-নামল	(to)	bro.
রাজ্য (আকাশ ও পৃথিবীর রাজত্ব কি কাফিরদের?)	৩৮-সেরান				৪৬-জাহ্নাফ	9	20
		70	1/66		80-युवक्रम	b	100
রন্ধত্ব (আবাশ ও পৃথিবীর রাজত্ব আল্লাহর)	৮৫-বৃত্তব	2	3034		৪০০থুখনত ৩-আলে ইমরান		
রজত্ব (অবদশ ও পুৰিবীর রাজত্ব সাল্লাহর)	२०-पूर्वकान	4	945				20
রাজত্ব (আৰুশ ও পৃথিবীর রাজত্ব সাল্লাহর)	৫৭-হানীদ	2	1484		১২-ইউসুফ	207	66
রজত্ব (পৃথিবীর রজত্ব আগ্লাহর)	৫-মরিদা	29.	59.0		৩৫-ফাভির	3	ъ
রাজতু (পৃথিবীর রাজতু আল্লাহর)	৫৭-হাদীদ	6	>8₽		৪৬-আব্কাফ	00	33
রিবিক দান (আল্লাহ পৃথিবী থেকে রিঘিক দান করেন)	২৭-নামল	68	304		৪১-কুন্দিলাত	8	61
বিবিক (পুৰিবী থেকে) আল্লাহ হাড়া দেয়াৰ কেউ আহে কিঃ	৩৫-খাতির	0	186		৩১-ল্কমান	9.6	8
রিবিক (পৃথিবী থেকে মানুষকে কে বিথিক দেনঃ)	১০-ইউনুস	407	529	शृति (कारथ शृति करतानि काहार कारान नृष्टिये ও উक्छार)	১৫-হিজর	b/c	9,
রিবিক (পৃথিবী থেকে রিবিক দেন আল্লাহ)	৩৪-সাবা	48	1/80	সৃষ্টি (অন্তাপ ও পৃথিবী সৃষ্টি অন্তৰ্বক নৱ)	৩৮-সোম্বাদ	29	m
প্রিটক (পুর্বিশীর বিভিন্নের মালিক নর যাবা, ভাতের উপাসনা)	১৬-নাহল	90	90%	সৃষ্টি (আৰমণ ও পথিবী সৃষ্টি করেছেন আপ্লাহ)	৩০-জম	v	P.
গন্ধা করা (মারাশ-পৃথিবীতে কী আছে যা সক্ষা করার নির্দেশ)	১০-ইউনুস	303	960	সৃষ্টি (আকাশ ও পৃথিবীর সৃষ্টিকে নির্মান)	৩-আলে ইমরান	120	21
পুনার্বিত বন্ধ (পৃথিবীর পুনার্বিত বন্ধানে আল্লাহ কর করে আলে)	২৭-নামল	2.0	900		১০-ইউন্দ	6	00
পুরি (পুর্বর্ধারে পার নিতেন জন্তার কার্মিরচনতে বদি)	৫৯-য়পর	0	966		৪২-শরা	35	P.
						23	91
প্রেচতু (পৃথিবীতে আদ্রাহরই প্রেচতু)	৪৫-লাহ্যা	ত৭	809		২৫-জুরকান ৯-ভারবা		
সংবাদ (ভার কি পুর্বিধীর বেন্ন সংবাদ দের যা আপ্লাহর জন্মন)	১০-ইউনুস	29.	955			ক্ষ	8
সন্তুতিত (পৃথিবী সত্তুতিত হয়েছিল ভালের ছলা মাচনাকে পিছেন)	৯-ভাওৰা	228	622		\$0-3¥	22	ъ
সপ্রক্তিত (পৃথিনী সপ্রকৃতিত হয়ে এসেছিল মুদিনদের জন্য (হনাইনে)	৯-ভাওবা	24	68૨		३७-मार्ल	0	9
সংগদ (व्यक्तिता कि पृथ्वित ध्यम সংগদ দেয় य ब्यह्माद साराम नाः)	১৩-রা'দ	00	697		২১-আধিয়া	7.9	3
সংখ্যাইন হবে পৃথিবীর সকলে প্রথম শিক্ষার ফুঁতে	৩৯-মুমার	Obr	৮৭৭		৬৪-তাগাবুন	٥	8
সকলে (আল্লাহ ইঞ্ছা করলে পৃথিবীর সরাই দিয়নে আনভ)	১০-ইউনুস	99	999		১৪-ইববাহীস	39	8
সঙ্ক আকাশ পৃথিবী ও এফনুক্তানে সপবিত্ব আপ্রায়ন পরিচায়	১৭-ইসরা	88	939		72-9160	6.7	9
সরাই (পুরিবীর সমাই অকৃত্যক্ষ হলেও অল্লাহর কিছু এলে বার না)	১৪-ইবরাহীম	ъ	620		৩৯-যুমার	00	ъ
সববিষ্ণু (পৃথিবী/খু-পৃষ্টের সববিষ্ণুই ধ্বংসপীপ)	৫৫-রাহমান	46	580	সৃত্তি (পৃথিবীতে দেবতারা কী সৃত্তি করেছে ? কিছুই নয়)	৪৬-জাহুকাফ	8	b-
সবস্থিত (পৃথিক স্ববিদ্ধ ও খার সমপরিমানের বিশ্যার মুক্তি চাবে)	১৩-রা'দ	26	630	সৃত্তি (পৃথিবীতে পরীকরা কি সৃষ্টি করেছে ?)	৩৫-ফডির	80	ъ
সর্ববিদ্ধ (পৃথিবীয় সর্ববিদ্ধুর বিনিমটোও কাফিয়া যুক্তি পারে না	g-माविमा	-06	26.5	সৃত্তি (অবিশ্বাসীরা কি পৃথিবী সৃত্তি করেছে?)	22-90	100	8
সাধীকু (পৃথিবীয় সংবিদ্ধ আনুসমর্পন করেছে অস্ত্রাহর নিবট)	৩-আলে ইময়ান		288		১৮-বাহ্য	9	9
সৰ্ববিদ্ধ (মাধ্যম-পূৰ্বনীয় সৰ্ববিদ্ধ মনুহাম কলালে নিয়েজিত)	80-साविशा	30	bob		৭-অ'রাফ	245	8
সৰতিষ্কু (আকশে ও পৃথিবীর সব কিছুই আল্লাহব)	48-मृह	88	953		১০-ইউনুস	28	è
সনুমা-শামল হংরা (বৃষ্টির পানিকে পুনিবী সনুমা-শামল হয়ে ওঠে)	22-206	80	968		৬-জান'জাম	33	0
সমূল (পৃথিবীর সমূলুভলোকে এপি কমালেও আস্তাহর বাদী	44-404	90	700		₹0-¥7-05	8	98
लंब (प्राचना महावद्यास्य कार कर्माटा अञ्चल का	৩১-পুৰুমান	29	664		৬-আৰ্'আম	28	es
	22-10ME	-			৩৯-যুমার	86	b.
সিঞ্জনা (পৃথিবীর সংক্রিত্ব আল্লাহকে সিঞ্জনা করে) সিঞ্জনানত (অত্যাশ-পৃথিবীয় সংক্রিত্ব আল্লাহর প্রতি সিঞ্জনাকতে)	১৩-রা'দ	29-	969		১৪-ইবরাহীম	90	9
		24	666		১৯-হবরাহান ২৮-কাসাস		
সীয়া (আক্রপ-পৃথিবীর সীয়া অভিক্রমে মানুব/জিন অক্রম)	৫৫-রাহ্মান	00	180			29	'n
সীমালকনকারী (পৃথিবীতে সীমালকনকারী অনেক মানুব)	৫-মারিদা	.05	628		১৯-মারহয়াম	80	9,
সৃষ্টি (অল্লাহ সত্যদহ আতাশ-পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন)	২৯-আনকাৰ্ড	88	9.7%		৬-আন্'আম	4.5	ò
সৃষ্টি (আল্লাহই আকাশ-পৃথিৱী সৃষ্টি করেছেন)	১৪-ইবরাহীস	90	699		২-বাকুরে	7/66	9
সৃষ্টি (জঞ্জাহ সভানহ সভিন দক্ষে অন্তল-পৃথিবী নৃষ্টি করেছেন)	৬-অন্থাম	90	905	পৃথিবীৰাসী			
সৃষ্টিকর্তা (অবংশ-পৃথিধীর সৃষ্টিকর্তা আল্লাহ)	৪২-শ্বা	22	P.9-5		૧૨-જ્રિણ	20	100
সৃষ্টি (জকাশ-পৃথিৱী নৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	১৭-ইস্রা	22	922	क्या अर्थनः (मुक्कियनीरामा कनः रागरागरारात क्या अर्थन)	৪২-শ্রা	6	Ь
সৃষ্টি (আকাশ ও পৃথিবী হয় দিনে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	৫৭-হাদীন	8	586	মঙ্গ (প্রতিপাদক পৃথিবীবাসীর মঙ্গণ চাওয়া প্রসঙ্গ)	१२-विल	30	8
সৃষ্টি (আৰমণ ও পৃথিবী আল্লাহ খেলাছেলে সৃষ্টি করেননি)	88-नुशाम	40	boo	78			т
সৃষ্টি (আৰুশে ও পৃথিবী সৃষ্টি মানুগ সৃষ্টির চেয়ে বড় কাল)	৪০-মুশ্মন	29	550	কাফিছনের দল প্রপ্রধর্ণন করের (বলরমুক্ত প্রদক্ষ)	28-জামার	80	ъ
সৃষ্টি (জাকাশ-পৃথিবীতে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ হয় দিলে)	১১-জুন	9	666		5-31dal	00	8
সৃষ্টি (আৰাপ-পৃথিধী ও অন্যান্য সৰ কিছু হয় দিলে সৃষ্টি)	৩২-সারদা	8	proo.		৩৩-আহ্যাত	26	2
সৃষ্টি (অস্তাহ আৰুণ ও পৃথিনী সৃষ্টি করেছেন)	৬-অন'অম	2	699	angle care would more energible officines were use		_	+"
সৃষ্টি (অন্তাই অন্যান ও পৃথিবী ছব দিনে সৃষ্টি করেছেন)	১০-ইউন্স	0	628	প্রদর্শন (পৃষ্ঠ রাদর্শন কথকে পালাচারীরা মুমিনদের সাথে ফুছ করলে)	৩-আপে ইমরান	222	Q
সৃষ্টি (অস্তাই অন্যান ও পূৰ্বণ হয় দেশে পূচ করেছেন) সৃষ্টি (অস্তাই আকাশমন্ত্রণী ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন)	৩৬-ইয়াসীন	69	959				١.
					৫৯-হাশর	25	>
পুরি (ব্যব্রহ জবদের অনুরূপ সংখক পুর্বিবী সৃত্তী ব্যৱহান)	৬৫-ভালাক	34	909		৮-আনফাল	26	9
সৃষ্টি (আপ্লাহ আকাশসমূহ ও পৃথিবী সতাসহ সৃষ্টি করেছেন)	৩৯-বুমার	¢	292		৮-আনফাল	36	5
সৃষ্টি (সধার কৃতক্রমের প্রতিমান দিতে আকাশ-পৃথিবীর সৃষ্টি)	৪৫-কাছিয়া	22	506	সমূদপুঠে নিকল দাঁড়িরে থাকা আহাম নিদর্শনমরপ	৪২-পুরা	00	P.3

2	c	٩	×	R

*	<b>R</b> 2	50	ŧ.	

विष्युद्धात्रक	সূহা বং ও বাম	-	781	MY REPARE RELATE	বুৱা নং ও নাব	450.0	98
প্রধনশন				উপন্ন (নালকার্যন এক শহের উপন পেশ)	১৬-নাজ্স	98	309
অনিস্কৃতির পৃথিদর্শন করে একক প্রতিপালকের উল্লেখ করেছ	১৭-ইন্রা	86	935	উপমা পেশ (ন্যাপনিয়াকে নির্দেশকনকরী ও বেবার উপমা)	১৬-নাহল	9.6	903
ক্রফিংসের পদ পৃষ্ঠপ্রদর্শন করবে (বদরযুক্ত প্রদক্ষ)	৫৪-কামার	80	307	উপমা পেশ করছেল আল্লাহ (মানুহের জনা)	२,8-नृत	02	399
কাজিবরা প্রত প্রদর্শন করত মুসলমানদের সাথে বৃদ্ধ করলে	৪৮-ব্যাতহ	22	339	উপনা পেল করতে অস্তাহ লাভাবেদ করেনর (বৃষ্ণা ব্যবহ উপনা)	২-বাকুাবা	46	¢08
কঞ্চিত্রর পৃষ্ঠ প্রদর্শন করে তেপ যার (রানুল প. এর আহ্বানে)	७०-वर	65	959	উপন্য পেশ করেছে মানুষ আল্লাহ সম্পর্কে	৩৬-ইয়াসীন	97	৮৫৬
हरून युक्ता (शर्क अनर्थन करत हरून टाइन विशेषक टाम्मारन यहा ना)	২৭-শমল	310	906	উপন্ন পেশ করে জাগিমর	২৫-ফুরকান	5	964
বদী ইসরাইলরা পৃষ্ঠ প্রবর্গন করল (বুদ্ধ বিধিবদ্ধ করা হলে)	২-বাকার	285	249	উপমা পেশ করেন জন্তাহ মানুদের জন্য	৫৯-হাপর	43	329
वर्गा वर्गावरण्या नृष्ट वर्णनम् कारणं (वृक्ष (राज्यक क्या रहा) वृक्षप्रिकाः शृष्टे श्रममेन कारणं (कवित्रासहक गायाव कारणः)	59-648	25	96.9	উপমা পেশ করেন জন্তাহ (ডাল বাদী ডাল গাছের মত)	১৪-ইবরাহীম	48	620
				উপমা পেশ করেন অস্তাহ (মানুখের জন্য)	००-सम	26	P-38
पू"रिमवा शृष्ठे शमर्भन कदार ना (युक्त (वंदरु)	৮-আনকাশ	26	500	উপয়া পেশ করেল অস্তাহ (সত্য মিধ্যার)	১৩-রাম	39	930
মু'বিদয়া পৃষ্ঠ প্রদর্শন করবে না (যুদ্ধ থেকে)	৮-আনকাল	36	900		১৪-ইবরাহীম	98	
যুদ্ধে পৃষ্ঠ প্ৰদৰ্শনকাৰীর জন্য যন্ত্ৰণাদারক শান্তি	8५-व्यंत्र	24	27.6	উপয়া পেশ করেন অক্সাহ ( উপদেশ গ্রহণের জন্য)			990
ফুছ করলে পৃষ্ঠ প্রদর্শন করবে পাপচারীরা (মুমিনদের সাগে)	০-আলে ইমরান		€85	এক স্থানক প্রভুগ স্থানীন পুর্যারিক স্থানির স্থানার পেশ করেছেন	৩৯-মুমার	420	2.44
পরি (মুদ্রে পৃষ্ঠ প্রদর্শনকারীকে ফ্রানারক পরি নিবেন অস্তার)	৪৮-কাব্য	36	278	কুরবানী পেশ করল থকন আধ্যের দৃষ্ট পুত্র	৫-মারিদা	29	64.5
সম্ভ যেকে পৃষ্ঠ প্ৰদৰ্শন করেছে যে সেলিয়ান অগ্নিশিশ্ব ভাকে ভাকনে।	৭০-মা আবিক	29	39.7	স্বাহান্ত্রমের সামনে পেশ্-উপস্থিত করা হবে (জলিমসেরকে)	৪২-শ্বা	86	736
সম্বুখীন হওয়ার দিন পৃষ্ঠ প্রদর্শন (মুনাফিক প্রদক্ষ)	০-জালে ইমরান	266	662	নৃটান্ত (সু'ব্যক্তির ঈমান ও কুফরীর দৃষ্টান্ত প্রসংগ)	29-44£#	95	350
পেঁচালো কথা				পুরার (অপ্তাহ মুখিনদের জন্য নিরাস্তাইদের রীর পুরার দেন)	৬৬-তাহরীয়	22	945
ন্যার বিচারের ক্ষেত্রে পৌচানো কথা কথা প্রসম্	8-991	202	648	দৃষ্টান্ত শেশ করেছেন আল্লাহ কুরজানে (সব ধরণের দৃষ্টান্ত)	৩০-জন	Q.p.	440
পেরাজ		***	1 10	স্থাত পেশ জনপদের অধিবাসীদের (অধিবাসীদের নিকট)	৩৬-ইয়াদীন	30	203
				সুটান্ত পেশ করেন জাল্লাহ (মানুবের জন্য)	৪৭-মুহাত্মক		223
উপোদন (পোন্নৰ উপোননের জন্য বদী ইদারাইদের অনুরোধ)	২-বাকুরা	63	603	স্টান্ত গেপ কুরআনে (মানুহের উপকেশ গ্রহণর জন্য)	৩৯-বুমার	29	890
পেট		_		পৃথিত (অপ্তার কবিবলেরকে পূরের স্ত্রীপুতের স্ত্রীর দৃষ্টাত নিজেল)	৬৬-ভাংরীম	30	293
অন্তন (ইরাভিমের সম্পদ্ধান করা পেট্র আন্তন ভারে মত)	8-मिगा	30	663	নিম্পন পেশ করার আহবাদ বিশ্বজাইনের (মৃত্যা আ, নিম্পন		-	
উপলবে (ফুটর ভেলের মত পেটে উপলবে ভারান্রমিকের খাল)	৪৪-দুখান	82	806	निव्ह जारहर)	৭-আ'রাক	909	624
গ্রাদিপতর পেট থেকে আল্লাহ মানুবকে দুখ পান করান	২৩-মু'বিদ্দ	57	989	হ্মণ পেশ করা (শিরকের ভাগারে মুশ্বিকরা সম্ভবাদী হলে)	২৭-নামল	0.6	304
গথাদি পতর পেটে গোবর ও রজের মধ্য থেকে দুধ	১৬-মার্প	99	900				
গরনি পরে পেটার বাচা মুপনিক পুরুষদের জন্য নিনিষ্ট কর	৬-আৰ'আম	209	600	ক্ষেত্রপালাসর কাছে সর্বাসমূর নাম পেশ (আসম আ, কর্তৃক)	২-বাবুদরা	.07	€08
गमारा (केवर गानि व्यक्ति) रिकर्कसारित (गाउँचा नार्वकू गीमाउँ निर्म)	২২-হাজ	40	960	বিভাগে উদেশ্যে ইলা আএর দুটাত পেশ করে মুপরিকরা	80-यूर्वक्रम	24	boo
স্থধ (গৰাদি পাচৰ পোট গোৰৱ ও বচেত্ৰ মধ্য থেকে দুখ)	১৬-নাৰ্গ	66	900	বিচারকের নিতট সম্পদ পেশ করা (গ্রাস করার লক্ষ্যে)	२-वाक्तवा	29.0	653
পদির (মৌর্যাইর পেট গেতে ব্যৱসায়ের পদির/দপু বের বর)	১৬-নাৰ্গ	63	90kr	নালম পেনানীকে সুনিয়ার সম্পানে লোকে 'যুক্তিৰ নও' কৰা যাবে ৰ	৪-দিস্য	84	6.95
পূৰ্ব (মাক্সম গাছ থেকে পেট পূৰ্ব করবে পৰমট্টরা)	৫৬-৫য়াবিবার্	60	38¢	পোকা (আরো দেখুন গতস শব্দটি)			
তর (পেটে তর দিরে চলে কিছু জীব)	२८-न्द	82	110	মাতির পোকা দেখিয়ে দিল সুলাইমান আ.এর মৃত্যুর বিষয়	৩৪-নাবা	38	684
ভৰ্ত্তি (পেটো আন্তদ ভৰ্ত্তি করে- থাৰা কিবাবেৰ বিদিময়ে)	२-सक्ता -	398	437	শোকাশে			
মাছের পেটেই অবস্থান করতে ইউনুস অস্থাহর অসবীহ না	ব-বাসুবর। ৩৭-সাত্রাভ	288	619	ইংরাহীন আকে পেড়ানের দাবী (মৃতি ভালর কারণে)	২১-জাধিয়া	961	308
				পোড়ামাটি	-		_
মৌমাছির পেট থেকে রঞ্জবেরছের পানীর (মধু) বের ব্যব	১৬-শব্দ	69	9ob	পাৰর (হাতীধরাপাদের উপর পোড়ামাটর পাধর নিক্ষেপ)	১০৫-জীল	8	200
ণেট (গর্ম্ব)		_		প্রথম (প্রভাবনাথের তার প্রেক্তার্যার বাবে বিবেশ্য)	22-EH	P-5	696
ইমরানের স্ত্রী পেটের (গর্ডের) সন্তলে মালত করলেন	৩-জালে ইমরান	00	609	পাৰর (পোড়া মাটির পাবর বর্ধন লুক্ত সম্প্রমায়ের উপর)	32-Rma	98	903
পেতে থাকা				মানুধ সৃষ্টি (পোল্লা মানির মাত্রা করনো মাতি থেকে মানুধ সৃষ্টি)			
কান পাজ (ওহী শোনার জন্য শরতানরা কান পেতে থাকে)	২৬-৩'আরা	440	677		৫৫-রাহ্মান	78	3/00
পেয়ে খলা				পোশাক (আরো দেখুন আছোদন শব্দটি)		_	_
করুবা দেন পেরা দা বলে দু'মিনলেরকে (ব্যবিষ্যকের শক্তিবানে)	₹8-79	3	118	অপসরিত (পোশার অপসরিত করেছিল শরতান জাগম আ. ৫)	৭-জা'রাফ	29	656
পেচৰক	-	_		ভবতীৰ্ণ (পোশাক ভবতীৰ্ণ করেছেন আপ্তাহ)	<b>न-व्या</b> शास	24	434
ভক্তা ও পেরেক নির্মিত নৌযানে দুহকে আরোহণ করালো	<b>98-171205</b>	30	200	আছনের পোশার (বাফির ও আল্লার সম্পর্কে বিভর্করারীর জন্য)	২২-হাৰু	7.9	960
প্রতিমালাকে আল্লাহ পেরেক স্বরূপ বানিরেছেন	15-500	3		ইয়াভিমকে পোষাক-আশাক দেয়া (তার সম্পদ থেকে)	8-निमा	Q	666
	19 11/16	1	2000	পুলে রাখা (দুপুরে পোশাক পুলে রাখার সমস্র অনুমতি গ্রহণ)	२८-मृत	62	900
পেরেকভয়াসা		_		গোলাকে গোপাক হাড়ের উপর পরানে (উমারের আ, প্রদাস)	২-বাবুদরা	405	20
অধিপতি (বহু শিবিয়ের অধিপতি ছিল ফিরজেউন)	৩৮-সেরাদ	25	394	ৰাদ্রাতীদের সবুস্ক মিহি ও পুরু রেশমী পোশাক থাকরে	৭৬-সাহর	52	200
বিদ্যক্তিন (গেডেলভালে নিদ'অভিনয় নাগে প্রতিপাদকের আজে।)	४५-वास्त	30	2052	ৰাদ্ৰাতে সংকৰ্মশীল মুমিদের পোশাক হবে বেশমের	22-07th	30	980
পেশ (আরা দেখুন উপস্থাপন শব্দটি)				ভাকতভার পোশাক উল্লয	৭-আবাক	20	930
অন্ত্রাত পেশ (মানুবের অনুহাত পেশ কিনামত প্রসঙ্গ)	११-क्सिया	36	990	তাপ নিয়েখক পোবাক আল্লাহ বনিয়েছেন (নেয়ামত প্রসম)	১৬-নাহল	6.7	907
আমানত পেশ (আকাশ পৃথিবী ও পর্যভযালার প্রতি)	৩০-জাহ্বাব	42	780	পৰিত্ৰ বাধা (বাস্ত্ৰ স. কে পোশাক পৰিত্ৰ বাধাৰ নিৰ্দেশ)	৭৪-মুনাছছির	8	bbs
আমদনামা পেশ করা হবে সকলের (হাপর মাঠে)	৩৯-বৃদাৰ	83	299	পুরুষ পৌশাক সমূপ (স্ত্রীসের জন্ম)	२-राकृति २-राकृति	26-9	65
অন্সল্পর পেশ করা হলে অপরাধীদের জীত দেবা বাবে (বিয়ামতে)	72-4624	83	939				
ইসার দটার পেশ করা হলে মুশরিকরা শোরগোল করে	৪০-যুৎকক	29	259	প্রতিমান (দৈর্ঘদীলভার প্রতিমান প্রাক্তাও রেশমী গোণাক)	৭৬-পাত্র	25	2990
উপমা পেশ (আল্লাহ মানুষের কলা উপমা পেশ করেন)	২৯-জানকাবৃত	80	9.75	ব্রতির পোশাক (দেয়ামত অধীকারকারীদের ভূগা,ভিতির শঞ্জি	১৬-মার্শ	225	935
				হলা)		-	_
উপমা (রানুল স. সম্পর্কে কাহিবর কেন্সে উপনা পেশ করে)	১৭-ইস্রা	80	479-	বুদ্ধের পোথাক অপ্রাহ বাদিরেমেন (দেয়ামত প্রসঙ্গ)	১৬-দার্ল	2.7	901
উপ্মান্ত্ৰক (সম্ভাৱে জন্ত উপম্নিন্তক পেশ না কৱ)	১৬-শহ্প	98	900	রেশনী পোনাক (জন্তানীসের সমূক মিহিপুক রেশনী পোনাক থাকর)	৭১-দাহ্ব	52	839
উপর পেশ (মন্ত্রাম কাছে জন্ম উপান্যনের অকনার প্রদাস উপনা)	২২-হাজ	90	950	বেশনী পোশাক (বেশীগতার প্রতিদন জন্নাত ও রেশনী পোশাক)	१५-माद्द	25	299
উপন্ম পেশ (বিশিক পেয়েও লেয়মত অধীকারকারী জনপানের)	১৬-শব্দ	225		রেশমের পোশাক (জন্মাতের পোশাক হবে রেশমের)	৩৫-ফাডির	00	181
উপমা (জালিমকের উপমা পেশ করা)	18-देनवादीय	82	697	রেশমের পোশাক (সংকর্মশীল মুমিনের জন্য জান্নাতে)	२२-शब्द	20	960

শব্দ বিষয়/প্রসঞ্	न्दा ना ७ नाम	***	नुष्ठा	শব্দ বিষয়/প্রসঞ্	नुवा गर ७ नाम	ditta a	1981
পোশাক (আরো দেখুন আছোদন শব্দটি) (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)				বার্থকের পৌছেছেন যাকরিয়া আ. (তি করে সভান হবেঃ)	১৯-মারইরাম	ь	906
সবুজ পোশাক পরানো হবে (মুমনদেরকে জান্তাতে)	7P-9(5th	97	939	वर्ध्यम (पान-निशं क्यन जान्य व्यवस्थ वर्ध्यम वर्ध्यम (नेव्रून)	১৭-ইপ্রা	20	938
রীগণ পোশাক সদৃশ (পুরুষদের জন্য)	২-বাকারা	72-4	693	কৃতান্ত (সৈন্যবাহিনীর কৃতান্ত রাসুল স. এর নিকট পৌধ্য প্রসঙ্গ)	P-2-22.00	24	202
পোষৰ		-	-	কুজন্ত বাসুল স. এর কাছে (মুসা আ.এর)	৭৯-দাখি বাত	34	200
কাফিররা যা অন্তরে পোষদ করে আল্লাহ তা ভাল জাদেন	৮৪-ইন্শিকার	20	7078	মানইয়ানের গানির কুপের নিকট গৌছল কান মৃসা	২৮-কাসাস	10	830
মারের ভরণ-পোষণ সভানের পিতার নারিত	५-राज्यंत	200	658	মুক্ষর নিকট পৌছতে পারবে না কির'অভিন স্প্রানায়	২৮-কাদাদ	02	323
পোষ মাধানো	4-edim	400	441	মেহমানদের নিকট পৌছতে পারবে না (পৃত দংগ্রানায়)	১১-ছন	42	690
পৰি পেয় মাৰতে ইকাহীৰ আনে অপ্তাহত নিৰ্দেশ (মান্টী পৰি)		250		রক ও গোপত আল্লাহর কাছে গৌছে না (কুরবানীর গতর)	22-2500	09	983
Callet	২-বাকুরো	400	607	রাপন স, এর দারিত কেনদ পৌছে দেবা	०-माश्रम	26	gh4
		_		विधिक्य पदन लोग्रस सुनिवाद क्षेत्रस प्राप्त निक्ये पता	৭-আগ্রাক	09	63/6
অসীবার নালিমদের কাছে পৌছাবে না (আল্লাহর অসীবার)	২-বাকুরো	248	678	বিসালাত পৌছারনি বলে থবা হবে যদি	৫-মায়িদা	69	649
আবরণের পরে পৌহার মধ্য প্রাথণ বাধাতে বলন বিন্যজ্ঞান।	8०-दूभिन -	-06	943	রিদালাত পৌছে দেয়া প্রদক্ষ	৩৩-আহ্বাব	Gh.	brot
আন্তন (হুতানা/প্রজ্বলিত আন্তন অন্তর পর্যন্ত পৌছে যাবে)	३०८-एसाया	9	2000	বিদালত পৌহিবে দেন চল আ.	৭-আবাফ	169	623
অল্লাহর কাছে কুরবানীগাতার তাকওরা পৌছে	২২-হাজ	৩৭	965	বিসালাত পৌহালো, বাস্পু স, কঠক	९२-शिम	44	351
অল্লাহর অংশ শরীকনের কাছে গৌহে	৬-অন্তাম	206	909	বিসালাত ও'আইবের সম্প্রলাক্তের বাছে পৌছানো প্রসঙ্গ	৭-জা'বাফ	20	643
ইমত পাদদের শেষ সময়ে পৌহালে(তালাক প্রসঙ্গ)	৬৫-তালাক	4	369	দ্বিসাপাত (সালিহ আ, কৰ্তক প্ৰতিপাশকেৰ দ্বিসালাত/			
ইবাভিম পূৰ্ণভাষ দৌশু (পঞ্চি ও ন্যাসে) সম্পদ প্ৰদান প্ৰদান	৬-আনু আম	255	622	প্রণাম (শীহানো)	৭-জা'রাফ	59	650
ইয়াভিম বিরের ব্যাসে লৌজনো (সম্পন ফিরিরে নেরা প্রনঞ্চ)	8-निमा		669	শরীকলের জলে জন্মান্তর কাছে পৌছেনা	৬-আন্তাম	30%	608
ইরাভিমের বরসের পূর্ণভার পৌল (ইরাভীমের সম্পদ প্রসঙ্গ)	১৭-ইস্বা	-08	727	সভা (অস্তাহ সভা পৌঞ্চাও ভায়ন্ত্রমির সভা অপঞ্চলবারী ছিল)	80-पुश्कार	95	303
Bमसाऽ(ण (भीष्ट(णन (स्वाकादनाईन)	79-5050.	90	902	সংখ্যা (বিধানকারীদের সংখ্যান রাসুল স. এর নিকট পৌছা)	৩৮-সেরদ	43	5/84
উপদেশ পৌঞ্জনে (মূদ সম্পর্কে প্রতিক্ষাধ্যকর উপদেশ পৌঞ্জনো)	২-ৰাকারা	290	600	নংযোগহলে পৌহল (মৃনা আ. ও তার নঙ্গী)	29-4/24	62	942
ওহী (জুন আ, ওহীর বাদী সম্প্রদারের কাছে পৌছে দিরেছেন)	১১-ছন	27	693	সমেক্ষাল স্পেত্রৰ সমেক্ষালে ন সেঁছ পরি (মুসা আ বার্য ন)	2h-4058.	90	948
ওই)/জিতাব পৌছে দেন হুদ আ. (আদ জাতির কাছে)	৪৬-আহ্বাক	20	970	সুস্পর্ট প্রচার (বাসুল স, এর দায়িত)	28-99	08	998
কঠাগত (মৃত্যুকালে প্রাণ খবন মানুহের কঠাগত হয়)	৫৬-ওয়াবিদ্বাহ	50	289	সুস্পটভাবে পৌছে দেৱাই বাসুদ স, এর দারিত	১৯-নাহল	00	100
করা (কুরুআন) পৌত্রে দিরেছেন অস্তার (উপচেপা এছচার জন্য)	২৮-কানান	62	425	সুশ্বারতাবে শোহে দেয়ার রাস্থা স. এর পারতু সুশ্বারতাবে পৌরে দেরাই রাস্থা স. এর গারিতু	২৯-আনকাবৃত	26	934
বন্ধ (মানুহার পৌশ্বতে কর্ত্ত হয় এমন প্রাপ্ত গত তার বহন করে)	১৯-মার্ক	9	900	সুস্পিতাৰে পৌছে দেৱা বাসলগুণের দাবিত	29-3444 59-3444	20	900
কুৰবাদ ধৰ কাছে গৌছাৰে অকে এর মাধ্যমে সভৰ্ক করা	৬-অস'বাম	39	239	সূত্ৰে অস্তাহৰ লোহে দেৱা বাপুণগণের গাওড় সূৰ্যের অস্তাহৰে (জনকারনাইন পৌছল),,			
कुरवरीय नार वर वार तोखाल (हरसदा नार एतार समस्यात जनन)	e-মরিদা	20	695		29-suita	100	903
কুৰবাদীর পভা বক্ত ও গোপত অন্তাহর কাছে পৌছে না	22-85W	97	397	স্পটকাৰে পৌছে দেয়াই ৱাস্বাদের দাবিত্ব হীনকম বরদে (বার্থকো) পৌছানো হয় কোন কোন মানুষকে	৩৬-ইরাসীদ	23	965
কুরবানীর পক্ত নির্নিষ্ট স্থানে পৌহ্য পর্যন্ত মাধামূতন	२-वाकाश	290	655		১৬-নাহল	90	*ob
(ক্রাধ/লাঞ্জুলা পৌছবে (বাছুর পুঁজারীদের উপর)	9-30 at a	265	959	হীনতম/বৃদ্ধ বয়সে পৌহালো প্রসক (মানুবের জীবন প্রবাহ) পৌষে যাওয়া	२ <b>२-श</b> क	q	926
থাবারের দিকে পৌছে না মেছমানদের (ফেরেশালাদের) হাত	22-5st	90	693				₩.
ভাকওয়া আপ্ৰাহৰ কাছে লৌছে (বক/ গোপত পৌছে না)	55-21W	99	963	চুক্তিবন্ধ সম্প্রনারের কাছে পৌছে যাওয়া (যুদ্ধ প্রসঙ্গ)	8-निमा	90	d-pp
দরা জেল্লাহ দরা পৌতুদ তার প্রতি যাকে ইয়ন্ত করেন)	25-88850	26	99.5	মুমিনমের হুদর কটে পৌছে গিরেছিল (খপক যুছে)	৩৩-আহ্বাব	20	P-08
निवानमञ्जात ल्हेंक तमाव निर्दान (प्रधावक्षी पुनिवानक)	৯-ডাধ্য	4	580	পৌহৰার যোগ্য		_	Ь.
নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত লৌহানে (ফিরামান্টন সময় পর্যন্ত লোক)	9-আ'রাফ	200	648	বিতৰ্কবাৰীৰা আদেৱ অহংবাৰ পৰ্যন্ত পৌহৰাৰ যোগ্য নয়	৪০-মু'মিন	49	para
নিৰ্মিষ্ট সময় বা ইমত পৰ্যন্ত পেট্ডা পৰ্যন্ত বিবাস বছৰ .	২-বাকারা	505	227	পৌত্র			
নিৰ্দিষ্ট সময়ে পৌছে যাধন ভালাকপ্ৰাপ্তা স্ত্ৰীগাগ	२-वाकास व-नाकास	505	240	মানুদের জোড়া গেকে জাল্লাহ তার পুত্র-পৌন্রেদি বাশিরেছেন	১৬-নাবৃদ	13	909
নির্নিষ্ট সময়ে পৌছে বিষেত্র নিকান্ত নিতে পারবে স্ত্রী	३-वांकास वन्यकृतस	208	227	পৌত্ৰ (অতিবিক্ত)			
নিদিই সময়ে পৌষা (প্রীদেরকে ভাপাক দেয়ার পর)	২-বাকুরা	507	240	ইবরাহীমকে অভিরিজ/পৌরশ্বরূপ নান (ইয়াকুবকে)	২১-আধিয়া	92.	1/28
নিবারিক সময় পর্যন্ত পৌছে মানুহের জীবনকাদ	80-मृद्धिम	99	9446	গ্রকশ্ব			
দূহ আ, পৌছে দেৱ প্রতিপাদকের বিসালাত	<i>वे-खा</i> ,डाक	95	979	আকাশের (যেদিন আকাশ প্রবলচারে প্রকশিত হরে)	65-23	5	252
পূর্ব আ, গোরের দের প্রারণ লগেনের রাধানাত নেরামত (প্রতিপালকের নেরামত না পৌছলে ইউনুস আ,তে ,,,)	৩৮-ব্যুলাম ৩৮-ব্যুলাম		938	কিয়ামতের প্রকম্পন এক জীহণ খ্যাপার	22-5706	3	9,0%
প্ৰত্নত (ব্ৰাতশ্যতের সেয়ারত লা শোরতা ব্ৰস্তুন বাতে) প্ৰত্তি পৰ্যন্ত পৌহতে পাত্ৰৰে না মানুৱ উচ্চতাত্ত্ব নিত থেকে	১৭-ইদরা	68		প্রকল্পনকারী (প্রথম শিক্ষা ফুঁ)		_	-
পরিণত বয়সে পৌহালো প্রসঙ্গ (মানুবের জীবন প্রবাহ)		09	424	প্রকম্পিত করবে যে নিন (প্রথম শিঙ্গা কুঁ)	৭৯-নাথিজাত	b	2000
	২২-হাজ		968	palmiz	Marille allo		200
चानि (पूरूर चनि दर्ने बातार बन्तः चनित्र निरूप पूर्वाण अमहित चर्वा)	১৩-শ্বাদ	78	99/9	আক্সে প্রবাসমধ্যে প্রকম্পিত হবে যেদিন (বিস্তামতের দিন)	24-94	b	343
পানি মুখে পৌছতে না এমন মারণা থেকে পু'ব্রত প্রদায়ত করা	১৩-স্থা'দ	78	000	কালে হাৰ মনিকালে উলালাৰ প্ৰকশিত কথা হয়েছিল	৩৩-আহ্বাব ৩৩-আহ্বাব		349
পূর্ণময় (ইয়ানীন বালকার ব্যাঞ্জন্ধ হংগ্রার ইয়ে প্রতিশালকের)	১৮-বাহ্দ	bq	407	পূৰ্ববৰ্তীয়েৰকৈ প্ৰকশ্পিত কৰা হয়েছিল		778	
পূৰ্বভাৱ (ব্যৱসের পূৰ্বভাৱ পৌছল হখন ইউসূফ,)	১২-ইউসুফ	55	696		২-বাকুরা		658
পূৰ্যভাৱ (মূসা আ, যথন পূৰ্ণভাৱ পৌছল ও পৰিপক্ক হল)	২৮-কাসাস	78	pog	প্ৰিণী প্ৰৰণভাবে প্ৰকশ্পিত হবে (কিয়ামত প্ৰসঙ্গ)	৯১-বিপ্যাপ	3	200
পৌছে দেয়া স্বাস্থ্য স. এর দায়িত্	৫-মারিদা	99	695	পৃথিবী প্ৰকলভাবে প্ৰকল্পিত হবে (কিলামতে)	৫৬-ওয়াকিয়ার্ ৭৯-নার্থিস্মাত	8	284
পৌছে দেয়ার নির্দেশ যা অবস্থীর্গ করা হয়েছে	৫-মারিদা	69	649	প্রকম্পনকারী (প্রথম শিঙ্গা ফুঁ) যে দিন		b	200
প্রাপ্ত বরলে পৌছলে যরে প্রবেশে অনুমতি নিবে (সন্তানের)	५८-मृब	49	940	মুদ্দিনালয়ক পশকের মুদ্ধে জীকাতার প্রকশিত করা ধ্যেছিল	৩৩-'মাহবাব	22	2.08
প্রাঠীরের মথ্যকর্টী স্থানে (জুলকারনাইন)	১৮-কার্ফ	30	902	বমীন (পৃথিবী) প্রকশ্পিত হবে কিয়ামতের নিন প্রকার	৭৯-মুখ্যাখিল	78	99.0
বাদী দৌহনো রামূল ন, এর কাজ	8२-नृश	87	bad			_	
বাপী পৌছে দেয়া রামূপ ল, এর দারিড়	৬৪-ভাগাবুন	25	269	অট প্রকার গৃহপালিত পাচ অবতীর্শ ব্যৱহান আল্লাহ মানুহাক	০৯-মুমার	ò	V93
বাণী পৌছে দেয়া এসূল স. এর দায়িত্	৩-আলে ইমরান	20	600	দুই প্ৰকাৰ (জান্নতে প্ৰভেকে কলেব দুটি প্ৰকাৰ থাকৰে)	৫৫-সহমান	44	>82
বাধা (কুরবানীর পতকে হথাস্থানে পৌছতে বাধা প্রদান)	৪৮-ফাল্ড	20	975	প্রত্যেক প্রকারের উরিদ উবগত করেছেন জাপ্তাহ	६०-श्राप्त	٩	323
বার্থকো পৌছেছেন যাকারিয়া আ. (পুত্র হবে কিডাবে)	৩-মালে ইমবান	80	#8o	करणत श्रवस्त (साम्राटक श्रटकाक करणत मुठि श्रवस्त शाकरर)	৫৫-রাহমান	23	282

197	বিবর/প্রসম	न्द्रो सर ७ मात्र	ACM S	791	वस्य विस्तृहरू			नुका
প্রকাশ					আল্লাহ প্ৰকাশ্য	৫৭-হাদীদ	0	986
অনুশ্রের সকল বিষয়	আল্লাই কডিকে প্ৰকাশ কৰেন না	૧૨-શિન્	26	254	আল্লাহ জ্ঞানেল প্রকাশ্য ও গোপনীয় বিষয়	৮৭-আলা	9	2036
অভেনকে বিপ্রবাসীয়	দর জন্য প্রকাশ করা হবে (আবিরাছে)	২৬-৬'জারা	97	13-2	আপ্তাহকে প্রকাশ্যান্তবে দেখানোর দাবী (বনী ইসরাইলের)	8-मित्रा	250	295
	শ করলেন (স্তীর সাথে নদীর গোপনকর)	৬৬-ভাষ্ট্রীম	0	৯৭০	আহ্বান (নূহ আ, সম্প্রদারকে প্রকাশ্যে আহ্বান করেন)	93-75	ъ	39.8
	যা গোপন ও থকাপ কৰে)	১৪-ইবরাইম	c)	696	কথা (অন্তাহ মানুষের গোপন ও প্রকাশ্য কথা জানেন)	২১-আছিৱা	220	222
আস্থাৰ জন্মেন (মুশনি		৩৬-ইয়াগীন	96	766	অনা (মানুষ যা প্ৰবাশ করে ও যা গোপন বাগে বা অল্লাহ বাটেন)	৫-মারিদা	29	695
	হুন যেসৰ কথা (ইছুদীলের প্রসঙ্গ)	২-বাবুরো	98	203	জান (অস্ত্রাহ লাচুল মানুষ যা গোপন করে ও যা প্রকাশ করে)	<b>১</b> ১-द्ष	é	492
	দ্বল না প্ৰকৃত ব্যাপার	३५-इडमुक	99	698	ক্ষা (ব্যস্তাহ ইন্দ্রীনের গোপন ও প্রকাশ বিষয়বলি জনেন)	২-राकृता	33	20%
	গাপন করা আল্লাহর কাছে সমান	১০-রাদ	20	640	স্থানা (আল্লাহ মানুষের প্রকাশ্য বিষয় স্থানেন)	৬-অগ'আম	0	23/6
	বক্তৰ থ গোপন বক্তব, অস্তুমহ আ বক্তন)	৬৭-মূলক	30	390	জানা (আল্লাহ মানুবের গোপন ও প্রকাশ্য কথা কানেন)	২১-অধিরা	330	929
	লে কট হবে এমন প্রস্ন করা নিবেদ)	৫-মারিলা	202	690	জানা (প্রতিপালক মানুবের গোপন-প্রকাশ্য বিষয় জানেন)	২৭-সাম্প	9,8	bob
	অপে প্রকাশ করা (অহলে কিবার প্রদাস)	৬-আন'জাম	902	608	साना (प्रानुस्थत लाभन व श्रवाना विषय जाहार सारमन)	৩৩-আহ্বাব	28	700
					बाना (शनुरुव शानन-अवाना जनम विश्वा आहार बार्सन)	১৬-নাব্দ	29	908
	खुद्ध (क्वें श्रंकन क्वार शहर म	৭-জারফ	25.4	900	নানা (মানুহের গোপন-প্রকাশ্য সকল বিষয় আস্তাহ জানেন)			
	त्या क्षत्र कहा रहन या क्षत्रभ कहा	৫-মারিদা	202	490	माना (शाकुरवर शाकिन-दावरण नवन । ववर आद्यार <b>वा</b> रान) मान (शाकन-दावरण गणन शहन्त दाहिनम द्रवित्रमद्भव काइ)	১৬-নাত্স	40	908
গোপন বিষয় প্রকাশ		৬-আন্'আম	27	699		২-বাকুারা	₹98	005
	বেশ করার জন্য মুম্মান্য বিশ শয়তান	न-आ,राक	20	978	দেখা (ক্ৰী ইনপ্ৰদিশ কৰ্তৃক অপ্নাহকে প্ৰকাশ্য দেখন আকান)	২-বাঞ্চারা	66	606
	ন ও প্রকাশ্য বিষয় অপ্তাহ জানেন)	২৭-লমল	46	204	নেরামত (অক্সাহ্ মানুকের প্রতি প্রকাশ্য নেরামত পূর্ণ করেছেন)	৩১-স্কয়ান	40	252
	ন ও প্ৰকাশ্য সৰই আপ্তাহ জাদেন)	৬৪-তাগার্ন	8	ঠেও	পথ (গুৰুণ্ট পানো পানে লাভ ও কমাইব (মা)-এর বাঢ়বোর জনপা)	১৫-হিম্মর	%	903
	শ করে তা আল্লাহ স্নানেন)	২-বাকুরো	100	208	পাপ (প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য পাপ বর্মনের নির্দেশ)	৬-আন্'আম	340	609
काशिद्राय मन्दर्गकरम	হ কিয়ামতে প্রকাশ হরে পড়বে	৩৬-যুমার	81/	3/92	ৰায় (বিধিক থেকে পোপনে ও প্ৰকাশো বায়)	১৬-রা'দ	રર	690
তীব্ৰ আখন প্ৰকাশ ক	রা হবে (কিয়ামতের দিন)	৭৯-নাবি'লাভ	400	3008	ব্যর (পোপন ও প্রকাশ্যে বিধিক ব্যয়/দান করার নির্দেশ)	১৪-ইবরাহীম	67	ও৯৬
দধীর কাছে প্রকাশ (নবী	ৰ গোপনকৰ এক মী অন্য মীকে কণ)	৬৬-খাব্রীম	0	390	ব্যয় (খোপন ও প্রথান্যে ব্যয় আল্লাহ প্রদান রিখিক থেকে)	৩৫-ফাডির	436	585
পরিচর প্রকাশ করে বি	নত মনার মা যদি	২৮-জাসাস	30	you	বার (উত্তন রিভিকপ্রেম্ব ও গেমপন্টেকাশে ব্যর/দানকরির উপমা)	১৬-মাহ্ল	92	90%
বক্ষের বিষয় প্রকাশ ন	া গোপন বাই হোক আল্লাহ ডা জাদেন	৩-আলে ইমবান	230	\$0V	মানুষের গোপন-প্রকাশ্য সকল বিখ্যা আল্লাহ জানেন	३७-मार्ग	72	908
ৰক্ষের বিষয় প্রকাশ ন	ল্যা হবে (কিলামভে)	১০০-'অসিহাত	30	2000	মানুষের গোপন-প্রকাশ্য সকল বিষয় আল্লাহ স্নানেন	১৬-বাহ্দ	২০	908
वक से श्रवान करव	গোপন করে আপ্রাহ আ জানেশ	২৮-কাসাস	69	9.78	শক্র (পরতান মানুদের প্রকাশ্য শক্র)	১৭-ইস্রা	40	935
বিজেন প্রকাশ করে দি		৪৭-বৃহাধান	99	256	শান্তি (আল্লাহর শান্তি প্রকাশ্যে আদলে জালিমদের ধ্বংগ)	৬-আন্'আম	89	600
	(কাফিরদের মূখ থেকে)	০-জালে ইমরান	222	281	शंकामा दिञ्डल			
	ত্তের বিজেল একাশ করে নিকেন অস্তরাহ)	৪৭-মুখ্যখন	23	978	দিনেপ্রকাশে বিজ্ঞানারী ও রুড়ে আরুসালনারী আল্লাহ নিক্ট সরন	১৯-বা'ল	30	669
	মাঙ্গকে প্ৰকাশ কৰা হলে (আখিয়াতে)	59-0,000	200	134	alকs		-	
ভালকাম প্রকাশ ভাগ		8-निमा	789	295	কাতির (আল্লাহ-রাপুলানর অধিয়ান/পর্বকারারী প্রকৃত কবিব)	8-991	767	295
	ব্যৱহা হিসাব আল্লাহ নিবেন	২-বাকুরো	99/8	268	মু'মিন (প্ৰকৃত মু'মিন ভাৱাই থৱা সাগাত কানেম কৰে ৫)	৮-জানজন	8	902
	क्षाद समावानन ना (प्रमत्तुम बोहा गाँउर)	8-निया	785	639	মুমিন (প্ৰকৃত মুখিন ভাতাই বাব)	५-वानकन	98	909
	দিন কবিব্যানর মধ্যকাল প্রকাশ হবে)	80-माणिश	90	809	রাসুল স. এর স্বপ্ন প্রকৃতিই সত্যে পরিষত করবেন সাম্রাহ	८৮-व्यक्त	29	979
মানুৰ ধা প্ৰকাশ করে		२8-गृह	23	335	अर्थेव	20.4164	×1	9.20
	পরে গেলে (বসিরত প্রসহ)	१००७४	303	690				
	র (আল্লাহ ডা সবচেয়ে বেশি লাগেন)	७०-भूपणहिना	30 1	945	দৃষ্টিশক্তি (কিয়ামতে দৃষ্টিশক্তি প্রখর হবে, উলাসীন ব্যক্তির)	१०-वृष	22	950
	व विकू रिवड (डानून म. ८४ निक्छे)	৩-জলে ইমান	268	660			_	_
		ए-आहम एससम् ए-आहम			ৰড়ো হাওৱা (গ্ৰহণ কছে হাওৱা ছবা আন সংখ্যানকে থালে কৰা)	%-शकार्	ė	9.45
	তেন আহলে বিভাগনা যা গোপন করত ভল উচ্চত্রের করে (আদম তা, ও ভার রী)		26	62.5	প্রতিশোধ (সাল্লার প্রচণ প্রতিশোধ গ্রহণকারী)	১০-রা'দ	30	92.9
		৭-জা'রাফ	44	678	থানাসের ছাইকে উড়িয়ে নিয়ে যার (কাফিরসের কাজের উপমা)	১৪-ইবরাহীম	29.	43.6
	দম-হাওরা নিধিদ্ধ ফল থাওয়ার পর)	২০-জা-হা	242	986	শক্তি (সাধার্যসীরা প্রচছ শক্তির অধিকারী হওয়া প্রসদ)	২৭-নামগ	00	204
	বরাহীম আ, ও ভার সম্প্রদারের মাঝে	৬০-মুমতাহিনা	8	950	শক্তি (পোৱাতে প্রচণ্ড শক্তি ও বহু উপকারিতা রয়েছে)	৫৭-হানীন	3.0	h20
	নশ পেরেছে- আর্থীয়ের ব্রী বলুল)	১২-ইউসুফ	62	69.7	পরিশার (প্রাথ পরিশার বালানেরক প্রেরণ, বলী ইসক্রনিকার প্রতি)	১৭-ইস্বা	6	378
	ভালো তবে গোপনে করা বেশী ভালো	२-सङ्ग्रहा	547	405	শরিকর (প্রায়র শরিকরদের নিরাছে বৃছে ভাকা মূবে বেলুসিন্যানরকে)	৪৮-কার্ব	36	973
	वा (या व्यक्तिकरे श्रमान रहत পढ़ि)	२८-न्व	02	999	শীত ও রৌদ্র থাকবে না কাল্লাতে	৭৬-দাহর	70	994
সৌন্দৰ্য প্ৰকাশ কৰৰে	ना पूर्णिन नारीश	২৪-নূর	62	999	e(s)4			
প্রকাশকারী				1	আদিট বিষয় প্রচারের নির্দেশ (প্রানুস ন. কে)	১৫-হিজর	38	902
	বিষয় প্ৰকাশকারী (যায়েদ প্ৰদাস)	৩৩-আহ্বাব	99	9.00	আপ্তাহর পক্ষ থেকে প্রচারই রাস্পা স. এর দারিত্ব	৭২-জিন	20	379
	হত্যা সংক্রমন্ত গোপন বিষয় প্রধানকারী	২-বাকুয়ো	92	40%	দারিত (রাদৃশ্যের দারিত স্পর্বজ্ঞাবে পৌছে দেওয়া)	৩৬-ইয়াসীন	39	P65
কিয়ামত প্ৰকাশকাৰী	দেউ দেই (আপ্লাব খড়া)	৫০-নাজন	45	905	তীতির সংবাদ প্রয়ার (মূলফিকরা করে)	8-मिला	50	269
প্রকাশিত					রাপুল স. এর থারিত্ব হল প্রভার করা	১০-রাপ	80	604
बारियानय क्यानाती	চ বিষয় প্ৰকাশিত হবে কিয়ামতে	- १%-पुमान	83	732	et per		1	
দিন (দিনের কলম য		১২-লাইল	3	2050	ধন-সম্পদ ('আমি প্রচুব ধন-সম্পদ উদ্ভিষ্কেছি'- মানুষ বলে)	৯০-বালাদ	6	2030
	हुल थ महुत्रु (प्रमुख्य क्यक्ट्रिय कर)	৩০-জম	83	3044	ধন-সম্পদ ( আম প্রয়ুগ ধন-সম্পদ ডাড়রেছ - মানুধ বলে) পানি (মেথ থেকে অবতীর্থ করেন, অপ্রাহ)			
প্রকাশ্য (মারো দেং		00-44	133	-40		40-404	78	2000
	ल पान्द्रक नकार) बना पद्मीलसर निक्यवर्ती श्वास बदकत)		1		পদি (জিলা সভাপান জন্মল থানগে এচুব পদি পান কালে হত)	૧૨-જિમ	3/6	25.4
		৬-আন্'আগ	262	922	ক্ষমুদের মারে (জারাতিরা থাকবে)	<b>१७-वशक्ति</b>		886
অল্লাপথ (প্রকাশ্য জ	ব্লীপতা হারাম করেছেন প্রতিপালক)	৭-আখাক	00	926	মিনিক (যে জনপান প্ৰচুৱ মিনিক আগত, নোমত অধীকার প্রসঙ্গ)	১৬-শঙ্গ	225	475

প্রকাশ প্রচুর

	न्ता वर ध नाव	SEE S	783		পূৱা দং ও দাম	व्यक्त न	
প্রচুর (বৃষ্টি)				ইবরাহীস আ কে প্রজা দাব করার জন্য প্রতিপাদকের কাছে	২৬-৩'জারা	No.	93
বৰ্ষণ (আন সম্প্ৰদায় কডৰা করালে গ্ৰন্থর বৃত্তি কর্যদার আশ্বাস।)	22-इन	22	690	PRE			
প্রচেষ্টা (আরো দেখুন চেষ্টা শব্দটি)				ইসা আ, আগমন করেছিলেন (প্রঞা ও স্পন্ন প্রমাণসহ)	8०-मूच्यम	90	80
ক্ষাহ্য করা হবে না (সংকর্মশীল মুমিনের কর্মপ্রচেটা)	২১-আধিয়া	3.8	925	বহী করা (প্রাঞ্জ বহী করেছেল মাস্ত্রাহ রাসুল স, এর দিবট)	১৭-ইস্বা	:03	93
দেখানো (মানুবের প্রচেষ্টা দেখানো ভাকে হবে, ভিয়ামতে)	৫৩-বারম	80	308	দাউদ আ, কে আল্লাহ হাজা দাদ কয়েছেব	২১-অধিয়া	93	90
দিছল, কাঞ্চিবদের (দুনিয়ার স্বীবনে)	79-5058	308	900	পরিপূর্ণ প্রজা (কুরজান) কাফিরদের উপকারে আসেনি	৫৪-কামার	e	36
প্রক্রাযোগ্য (জন্মতীদের প্রচেটা প্রক্রাযোগ্য)	10-9757	22	250	প্রজ্ঞা দান করবেন আস্তাহ মুগাকে (পরিপঞ্চ হলে)	২৮-কাসাস	38	be
দ্যাসদ সৃষ্টির প্রচেটা চালিরেছে ইঞ্দীবা, পৃথিবীতে	१-गरिन	168	255	মূপা আ, কে প্রতিপাপক কর্তৃক প্রজা দান	২৬-৩,মোরা	43	98
ফাসনো প্রচেম রুলার বার পৃথিবৈত (আনো প্রতিবাশ)	৫-মধিন	00	g1r8	লুত আ, কে আপ্লাহ থাজা ও জান দেন	২১-আধিয়া	9,8	90
বিভিন্ন ধৰদের (মানুদের প্রচেটা)	১২-নাইল	8	2055	ফুলহিমান আ, কে আল্লাহ প্ৰজা দান করেছেন	২১-অধিকা	93	90
বাৰ্থ কৰাৰ (আল্লাহৰ সাধাতকে বাৰ্থ কৰাৰ প্ৰচেষ্টা)	48-200	0	1/83	ज्ञासम			+
বাৰ্থ কৰাৰ প্ৰচেষ্টা চাদাৰ ঘৰা (অল্লাহৰ আৰাভকে)	08-7FET	'Cbr	1/88	অল্লাহ মহাপ্ৰমানোৰ ও মহাপ্ৰমাণপালী	৬৪-ভাগাবুন	34	2
মানুধ যে প্রচেটা চালার ভাই পার	60-1183	00	308	আল্লাহ মহাপ্ৰজাবান (মানুহৰর প্রতি আল্লাহর দরা প্রসঙ্গ)	৩৫-ফাডির	2	6
मानुस्य व्यक्तमा विकिन् नवदन्त	১২-নাইল	8	3098	व्यक्तर मराश्रमाम	৫৯-জন্ম	3	200
मुम्मिनासन् अक्ति अन्दर्भायान्। (अन्तिशक्ति कन्द्र)	३१-देख्डा		9348	बद्धार मञ्जातमानी ७ मञ्जासका (राज्य (द्धारा क्षण)	8-निमा	200	
দুমিন ব্যক্তির প্রচেটা প্রশংসাধোণ্য	১৭-ইপরা	79	930	व्यक्तर मदाराजाननारी मदाराज्याता (मेना व्यः (र पुरान (न्या श्रामा)	8-निम	227	6,
मुम्मन वास्त्र कर्रास्त्र सम्बद्धाः समान्त्र वर्षास्त्र वर्षास्त्र वर्षास्त्र वर्षाः स्त्र मा	১৭-হন্র ২১-আধিরা	77		अञ्चार मश्कारान च मश्चाराननानी	৬২-জুমু'জা	0	20
		78	986	অপ্তাহ মহাপ্ৰজ্ঞান ও সৰ্বজ্ঞানী (পাপ প্ৰসঙ্গ)	8-991	222	6
মন্তুষ্ট (অনেক ভেহারার ভানের প্রভেষ্টার সাঞ্চল্যে মন্তুষ্ট হবে)	৮৮-গশিরাহ	2	7079	अद्वार महाद्यास्त्रम च महाद्यारम्मानी			
সংকর্মশীল মুমিনের কর্মপ্রচেটা অগ্রাহ্য করা হবে না	২১-সাধিরা	78	969		৪৫-জাছিয়া ৬৪-জাদাবুন	99	h
IMA		_	$\perp$	অল্লাহ মহারজ্ঞারন ও মহারজপদাদী		22	b
পর্ন (গ্রাহ্মা পর্ন টেল লেন জ্ঞান জনিয়াদী ও রামূল দ. এর মানে)	১৭-ইস্বা	86	424	অপ্নাহ মহাপ্ৰজাবন ও মহাধ্যমপদালী	৫-মারিণা	ত৮	21
প্রজ্ঞণিত				वाह्यार् महाक्षकारांन	৩-আলে ইম্যান		0
আহমে পোড়ানোর শান্তি (মুমিননের নির্যাতনকারীনের জনা)	৮৫-বুরুজ	30	2020	অপ্তাহ মহাক্ষাবন ও সর্বজনী (মুমিন হতার কাক্ষার প্রসঙ্গ)	8-मिग	24	6
বাহন (হুলমা হলে আল্লাহর প্রকৃতিত আর্থন)	১০৪-ছ্যাযা	9	2000	व्यक्षर शक्तवन	२8-मृत	20	9
লাহান্ত্রাম প্রকলিত করা হবে (কিলামতে)	৮১-তাকভীর	25	300b	আক্লাহ (প্ৰজাবান আল্লাহর শব্দ থেকে কিবাৰ অৰবায়ণ)	৪৬-আহ্কাক	- 3	b
এনীপটি প্রজ্বাপিত করা হয় (বরকতময় বায়তুন বারা)	<b>३8-मृव</b>	-00	999	व्यक्तर (अभावन व्यक्तर नवे-राष्ट्रगाला वेन्द्र वदी मरिन रहान)	৪২-পূরা		6
প্রজ্বদিত আচন (আরো দেখুন উদ্রৈ/জ্বল্ড আগুন/জারালুাম পদটি)	-			ञद्वार राज्यसम् ७ गर्रजामी	80-यूर्कक	94	>
শান্তি (কাফির প্রজ্বাদিত আৎসের শান্তি আখাদন করবে)	55-20m	55	960	व्यक्तर दशस्य	৯-ভাওবা	26	64
শান্তি (প্ৰজ্বদিত অঙ্নের শান্তি আখানন করবে ইহুনীরা)	৩-বলে ইমরস			বছাহ (অকশ ও পৃথিত্তির বহিনীসমূহ মহাক্রমধন বছারেই)	৪৮-ফাড্ছ	٩	>:
শরি (প্রস্কৃতিত আচনের শরি আগানদ করতে করা হতে)	৮-অনকল	¢0	909	वाद्वार (वाद्वार मशश्चलपान)	৪০-মু"মিন	ъ	7
শিক্ষা ও প্রজ্বলিত আওন রয়েছে আল্লাহর নিবট	৭০-বৃহয়বিদ	25	300	अद्यद शास्त्र	<b>३-अस्टान</b>	96	00
त्रसम् इसम्	ra-finer.	^	200	वाद्वार् श्रमायन	৮-আনকাল	89	30
অতীত হয়েছে বহু প্ৰজন্ম (পুনরুপানে অবিশ্বাসীর মন্তব্য)	86-व्यक्तप	24	2.5	অস্তাহ (পথ হলপন ও পথন্তত্তা)	১৪-ইব্রাহীম	8	8
भारत (जनवार्य कवार पृथ्यों शक्तपुरक थारत कवार्य)		0	909	আপ্রাহ প্রভূম্মর ও মহাপ্রজাবান (অভাব দূর করা প্রসঙ্গ)	৪-মিসা	200	0
भारत (बाजानक सम्राम् नेकरण सम्राम्य सारत करायान जाहार)	৬-অপ্'অম ২৮-কাসাস	95	554	वाह्यार प्रश दावाचचानी च प्रश्नद्रव्याचान	২্-বাকুরো	260	0
भारत (कामानाव द्वारा वयनगणनाय भारत कार्यामा आहार) भारत (कामा शक्ता भारत कार्या तमा कार्यानामा)	৩৮-সেরাদ	10	9.25	অপ্তাহ মহাপ্রচাপপালী ও মহাপ্রধানান	৩-জ্বলে ইমরান	ů	2
ধাংস করা (শক্তিতে প্রবল অনেক প্রধানকে ধাংস করেছেন	৫০-ব্যক	0	348	অপ্লাহ মহাপ্ৰভাপশালী ও মহাপ্ৰজাবান	১৬-বর্ল	80	90
alkie)	60-814	00	200	অল্লাহ মহাপ্ৰভাপপানী ও মহাপ্ৰজাৰান	8-निमा	24	60
	5-5-	$\vdash$		व्यक्तर मश्तुव्यवन	৫৭-হানীন	3	26
भरून करवादन जान्नार, वह शंकन्तर (यात्रा विरव जानात	৩৬-ইয়াসীন	402	1450	व्यक्तर मरावक्षांचन	৯-জাতবা	۶۹	80
위)	১৭-ইপরা	10	100.0	वाद्वार प्रशासनाथ । पर्वसानी	২৪-দূর	22	19
ধাংস (সূহের পরেও কত প্রস্কন্য ধ্বংস করেছেন আল্লাহ)		7.6	934	व्यक्तार भश्चेत्रसारान	৬১-সাহক	3	b
क्षरंभ (बुन्द्रस्त्र कात्रामं यह श्रीकानुस्क क्षरंभ कर्ता श्राहरू )	১০-ইউনুস	30	900	গাপ্তাং মহাপ্ৰমান্ত্ৰন	৯-জাওবা	300	6
ধংস (বহু প্রজন্ম ধাংস করেছেন আল্লাহ	২৫-কুরকান	Ob/	9942	चाह्रार भश्रदेशस्यन	৯-জভবা	330	
ধংগে (বহু গ্রন্থনূতে ধাংল করেছেন আল্লাই)	১৯-মারইরাম	98	909	অস্তাহ মহাপ্রজাবান	२८-मृत	27	9
ধংগে (খাপ্লার কত প্রকল্ ধাংগ করেছেন)	১৯-মাৰহুৱাৰ	99-	980	वाश्चार भराज्ञाबारान	75-इंड्रेज्यम	)ro	8
भरत (পূर्वरवी क्षकानाव भारत मानूरमव कना निमर्गनपक्षण)	৩২-প্রস্থান্য	59	1405	व्यक्तार् प्रशिक्षकारात	38-9il	63	31
भरत (পृर्ववर्षी श्रवास्त्रद भारम वृद्धिमानामव बना निनर्शन)	২০-জূা-য	252	183	অল্লাহ মহাপ্ৰজাবন	৮-আগবাদ	85	0
দানে (পূর্ববর্তী প্রজন্ম ধানে কালেন আল্লাহ, দির অভিন প্রদাস)	২৮-কাদ্যদ	80	277	विश्वाद महाश्रवकारान	69-5544	28	100
পূर्ववरी शकरमूत प्रवज्ञ कि शुरू? (फिन्नजाकेरमन बङ्ग)	২০-কূা-হা	62	188	वाद्वार मरावंशायन	২-বকুরা	226	4
পূৰ্বতী প্ৰজন্মসমূহে কচবুদ্দিসম্পন্ন লোক ছিল নাঃ	22-Est	779	696				
পূৰ্ববৰ্তী প্ৰকাশ (অইবাৰাসী/পূৰ্ববৰ্তী প্ৰকল্পেয় সৃত্তী অক্সাহকে ভন)	২৬-৩'বারা	39-8	223	वाद्वार् मध्यक्षायम	৮-জানফাপ	20	8
সৃষ্টি (অন্য প্রস্কন্ম সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ, আন নাভিত্র পরে)	২৩-সুমিনূন	82	966	व्यक्तर भश्तिकार्यन	৮-আনফাল	97	9
সৃষ্টি (অনেক প্রক্ষন্ম সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	২৮-কাশাস	82	9.25	অপ্তাহ (মহাপ্ৰাৰণ অপ্তাহৰ দিবট সেতে বিভাগুনুৰামণ অৰ্থনৈ)	80-स्तिका	2	8
দৃষ্টি (আল্লাহ অন্য এক প্রকল্ম পৃত্তি করপেন)	२७-वृग्निन्न	97	960	वाद्वार मर्ग्यकार्यन	৩৪-সাবা	૨૧	V
সৃষ্টি (আপ্রাহ পূর্ববার্টী প্রজন্ম গালে ববে অপর প্রজন্ম সৃষ্টি বরেছেল)	৬-আৰ্'আম	6	699	অস্তাহ মহাপ্রভাবন, মহাপ্রভাবপাণী, পরিত্র ও মালিক	৬২-শৃদ্'আ	2	>
প্রকা (আরো দেখুন হিকমত শব্দটি)				অল্লাহ মহাপ্ৰজাৱন (সংক্ৰেশীল মুমিনকে জন্নাত নান প্ৰদক্ষ)	৩১-লুকমান	a	b
ইউপুফ আ, কে প্রজা ও জান দান করলেন আল্লাই)	১২-ইউসুক	42	695	वाद्वार मध्यक्रातन	08-7HT	2	5

विवर/हरम	প্ৰভাগৰ ক্ষাম	William III	781	त्रव दिवकश्चरत	नुशामर श्रेमाम	100176	iji.
शकावाम (पूर्व पृष्ठी त्याव)	Acres a man	1000	Contract of the last	ইবরাহীয় আ, এর বলেধরকৈ কিতার ও হিকমাত দাব	8-992	28	490
	৪৮-ফারহ	8	970	কল্মাণ (যাকে হিংমতে দেয়া হয় তাকে বহু কল্মাণ দান করা হয়)	২-বাকুারা	465	200
আপ্রাহ মহাপ্রজাবান আপ্রাহ মহাপ্রজাবান ও মহাপ্রজাপশালী	৩-আলে ইমরান ত-আলে		685	মাধ্যাত (হিকমত/প্ৰজা ধারা আল্লাহর পতে লাওয়াত)	১৯-নার্শ	250	920
				দাৰ কোউকে বিকমত/থেকা দাৰ আগ্ৰাহৰ ইক্সাধীন)	५-राकाबा	468	00
प्राष्ट्राद प्रदाशकाराम ७ गर्गकारी	৬-আপু'আম	১৩৯	600	গাঠকত হিতমত সহল বাধার নির্দেশ (নবী পহিবারকে)	००-खाइयाव		500
আল্লাহ্ মহাপ্ৰজাবান ও সৰ্বজ	৬-আন্'আম	90	905		<b>००-वास्या</b> म	98	500
आहार् मद् <del>श्यका</del> रान	৫-মারিদা	221	6.95	প্রক্লতত্ত্ব বিদ্যা প্রসঙ্গ (দেখুন পরিশিষ্ট-৪)			
আল্লাহ (মহাপ্ৰজ্ঞাৰাৰ আল্লাহর পক্ষ থেকে অংতীৰ্ণ কিতাৰ)	০৯-মুখার	٥	8-47	প্রতাপশালী (আরো দেখুন পরাক্রমশালী শব্দটি)			L
আল্লাহ মহাপ্ৰজাবান ও মহাপ্ৰভাপনালী	২৯-আনকাত্ত	84	9.72	অন্তাহ দৰ্বজ্ঞানী ও মহাহাতাশশালী	২৭-নামল	93	90
আল্লাহ মহাপ্ৰজাবান ও মহাপ্ৰজাপশালী (তার বাণী প্ৰসঙ্গ)	৩১-পুকমান	59	65.0	আল্লাহ মহাপ্ৰজ্ঞাবাদ,মহাপ্ৰতাপশালী, পৰিত্ৰ ও মালিক	৬২-লুমু আ	٥	99
অল্লাহ মহাপ্ৰজাবাদ	৩০-জন	29	b-58	আল্লাহ প্ৰভাগণালী (ইহৰামে পত হত্যা প্ৰদৰ)	e-মারিদা	32	23
অপ্তাহ (মহাপ্ৰভাবন অস্তাহর নিবট থেকে বুনাজন অববীৰ্ণ)	৪১-ফুস্সিলাত	84	500	जाहार् व्यापनानी च मराव्यवागन	৮-জনদাশ	30	60
আল্লাহ্ মহাপ্ৰভাষান	২-বাকুরো	509	650	অস্ক্রাহ (প্রজাপনালী অস্ক্রাহর নিকট থেকে কিডাই/কুরামান অবস্তার্থ)	8१-काविता	3	30
जाहाद महाद्यावीन	০-জাল ইমরান	35	৫৩৭	অপ্তাহ (প্রকাশদলী অপ্তাহ নবী-বাসলানে উপর ধর্মী মাজিল করেন)	৪২-প্রা	9	νà
वाद्वाद महाद्यकानान	৯-জাওয়া	60	686	আল্লাহ (প্রভাপশালী আল্লাহর পক্ষ থেকে কিতাব অবভারণ)	৪৬-আহ্বাক	3	30
অপ্লাহ মহাপ্ৰভাগশালী ও মহাপ্ৰজাবান	২৭-নামশ	3	boo	অক্সহ প্রেরাপদালী অক্সাহর নিবট খেকে করজন অবস্থীর্ন)	৩৬-ইয়াসীন	2	7/2
আন্তাহ মহামানাপালী ও মহাপ্রজাবান	२-शक्ता	249	478	জাল্লার মহাপ্রভাপশালী	৫৯-যাশর	3	26
অক্সাহ মহাপ্ৰজ্ঞান (দেশেকানে জানে নীমানহতা প্ৰদাস)	২-বাকুরো	05	208	আন্তাহ মহারভাগনালী ও রডিলোধ এহবকারী	28-देववादीम	83	33
पाक्रार नर्वकामी व महाश्रकायाम	55-0306	65	990	जाहार महाश्रवाननाची । महानेकियर	22-2796	80	90
प्राष्ट्राह्म अञ्चल व श्रव्याचान	৪২-শ্রা	43	bad	वाहार मराहकानमनी	23-3744	38	70
वाद्याद प्रवंका ও महाशास्त्राचान	৬-জান'জাম	20	293	जाहार महाराजनामी उ महाराजानान	২৭-বামপ	b	bro
वाह्य अर्वकानी ७ महाद्यकाचान	8-RH	390	@9b	प्रक्रार मध्यकानभागि ७ मध्यक्कायाम (तंत्रुण म. धारम संगण)	8-97	260	29
वाह्यार नर्रकामी ७ महाद्रकाचान (मीवान क्षत्रक)	8-निम	22	009	व्यक्तर प्रशासका व प्रशासका (वर्षा में, प्रशासका)	y-जानकात	90	65
पाद्वार गर्दकामा च स्थायकाराम (स्थान यनम) पाद्वार गर्दकामी ७ प्रशासकाराम (सम्भ जरमान समन)	৪-লন। ৬৬-আইটান	33	290	আল্লাহ মহাপ্ৰতাপশালা আল্লাহ মহাপ্ৰতাপশালী ও মহাপ্ৰজালাল	৩-জাল ইম্রান ত-জাল ইম্রান	6	00
वाह्याद् गर्रकानी व महाज्ञकारान (जनम जरनान मनन)	००-वास्त्र	2	broc	আল্লাহ মহাপ্রতাশনালা ও মহাবেজ্ঞানাল আল্লাহ মহাপ্রতাশনালী ও পরম দ্যাল	02-31891	-	1.
	৪-নিসা					8	bre
व्यञ्चार गर्रकामी ও मराज्ञकाराम		-20	අතර	আল্লহ মহাপ্ৰসপশালী	৩৪-সাবা	29	₽8
जहार म्रांखनै ও महस्कायन (क्यूगर ও निर्माण तम्पन)	৪৯-বৃদ্ধাত	b	350	আল্লাহ মহাপ্ৰতাপশালী ও মহাপ্ৰজাবান	8-975	66	60
অস্থাহ সর্বজ্ঞানী ও মধ্য প্রজানান	৭৬-সাহর	50	999	पाद्वार मराशंकानभागी	৪৮-ফাত্ত	29	32
व्यक्तार गर्रकानी ७ मदाशकारान	३५-१४मुक	700	ওমণ্ড	पक्षार (मराज्ञयननानी पक्षार जनन-पृथिते गृष्टि करवारून)	৪০-বৃৎক্রক	b	p.y
আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজ্ঞাবান (তওবা কবুল প্রসঙ্গ)	8-निमा	74	450	অক্সাহ মহায়াজগণালী (সংক্ষেণীল মুমিনকে জন্মাত নান প্ৰদক্ষ)	৩১-পুকমান	b	2.5
আল্লাহ সৰ্বজ্ঞানী ও মহাপ্ৰজানান (বিয়ের বিখনে প্রসঙ্গ)	৪-দিশ	2.8	6,00	जाहार प्रशिक्षणनामी	৫৭-হাদীদ	2	58
আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও মহাধ্যজাবান (জিহান প্রণঙ্গ)	8-मित्रा	208	230	পাল্লাহ মহাপ্ৰজাবান ও মহাপ্ৰচাপশালী	७२-खूम्'व्या	0	9,9
কুলাৰান (মধ্যাকাৰানো পাদ হতে বানুদা ন, দে কুলাৰন দেৱা হয়েছে)	২৭-বামল	6	9000	আল্লাহ নহাথজাবান ও মহাথতাপশালী	৪৮-ফাব্র	٩	97
রতিপালক (আল্লাহ) মন্তপ্রজ্ঞানয় ও সর্বজ্ঞানী	१५-गरिवाण	20	3-26	আল্লাহ মহাপ্রকাপশালী	৩০-জম	ર૧	6.5
প্রতিপালক মহারাজাপশালী ও মহারাজাবান	২৯-আনকাবৃত	20	9.79.	স্বাস্থ্যাহ মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রজাবাদ	৫-মারিদা	ত৮	64
প্রতিপালক মহাপ্রজ্ঞাবান ও সর্বজ্ঞানী (মর্যাদা দান প্রসঙ্গে)	৬-আন্'আম	bro	600	আল্লাহ্ মহাপ্ৰকাপনালী	২-বাকারা	₹80	04
প্রতিপালক মহাপ্রজাবান ও সর্বজ্ঞানী	৩-আৰ্'জান	7-52	909	আল্লাহ মহাধ্যমালপালী	১-তাবৰা	92	68
প্রতিপাশক মহাগ্রজাবান ও সর্বজ্ঞানী	১২-ইউনুফ	0	699	আল্লাহ মহাপ্ৰভাগদালী ও মহাপ্ৰজানাৰ	৩৪-তাপাবুন	35	3/6
প্ৰতিপা <del>নত</del> মহাপ্ৰজাবান	৩০-মুমবাহিনা	6	964	আল্লাহ মহাপ্রভাগশালী ও প্রভিলোধ প্রহণকারী	৩৬-বুমার	109	59
ধর্ণনা (প্রজ্ঞাবদের পক্ষ থেকে বিয়রিত বর্ণনা, অলিক-লাম-রা)	77-2d	3	995	অক্সাহ (মহাপ্রজাপশালী অক্সাহর পক্ষ থেকে অবস্থীর্ণ কিতাব)	৩৯-বদার	2	6-4
মহাপ্রজামন (সারাহ মহাপ্রজাগন)	৩০-মুমবার্থনা	30	696	আহাহ মহাপ্রজ্ঞপদালী ও কমাশীল	৩৫-কাভির	95	5-8
क्षणायव		_		अद्याद महोश्रावानानी	b/2-768	lr.	203
जाताव श्रवामय	২-বাকুরো	480	046	অপ্তাহ (মহাপ্রতাপদালী আল্পাহর পক্ষ থেকে কিতাব)	৪০-মুমিন	3	b9
जाहार मर्थ्यकाराम	३-खावस	80	588	আল্লাহ মহাপ্রভাগশালী (মানুমের প্রতি আল্লাহর দরা প্রদর্গ	৩৫-ফাডির	3	58
जाहार मद्यसम्बद्धान	৯-বাধ্য	37	583	व्यक्तार मराश्रवाणनाना (मानुस्य दान जाहार्य नवा दनन)	3-2764	80	68
ज्ञाहार मराध्यासन	৯-জাওবা	93	989	असार मराध्वाननानी	৩-জাল ইমরন	65	28
व्यक्तित प्रविध्यक्तिम	३-वाकृता	220	434	प्राचार मराध्यापमानी ७ शकायम	২-বাকারা	408	44
व्यवाद प्रवासकामह	৪৮-ফাতহ	79	970	अद्याद महाम्यानमाती च महाम्राज्ञान	8৫-व्यक्ति	99	80
উপতৃল (প্রভাষে উপতৃল পঠ করতার অক্সাহ রাসুল স. এর নিবট)	৩-সালে ইমরন		587	व्यक्कर मध्यक्रमनामी, प्रवासकार (मिना वर, १० इटम (मार अगर))	8-Sept	260	6.3
বিভাব (বালিফ-শ্রম-রা ) এওলে প্রক্রমন্ত্র বিভাবে জন্মত)	३०-देखेनुज	3	648	जाहार प्रश्न श्रवाभनानी व प्रश्नश्रवाचान	३-शक्ता	360	20
				আল্লাহ (মহাপ্রতাপনালী ও পর্বজ্ঞানী আল্লাহর নির্বারণ)	৪১-ফুস্সিলাড	25	54
কিতাৰ (প্ৰজ্ঞাময় কিতাবের আয়াত)	৩১-লুকমান	4	৮২৭	वाहार महारामानानी	g-मात्रिमा -	326	93
কুলজাৰ (প্ৰঞ্জমন্ত কুলমালের কসম )	৩৬-ইয়াদীন	2	262	व्यक्तित प्रवास्थानमध्ये	६५-प्रकाशना	220	30
কুরঝান/উপুল কিতাব প্রজাময় ও সমূরত	80-पुरंकम	8	pas	অন্তাহ মধ্যপ্রকাশশী	२-सङ्ख्या २० सङ्ख्या	220	23
প্রতিপালক মহাপ্রজামর	১৫-হিম্মর	56	600	আছাৰ মহাপ্ৰকাশনা ও শক্তিশালী		-	-
বিদর (প্রজামর বিষয় পূথক করা হয়, মোবারক রাজে)	৪৪-দুখান	8	905		৪২-শূরা	29	p.9
প্রজা (হিক্মত)		1		আল্লাহ মহাপ্ৰতাপশালী ও মহাপ্ৰজাবান	২৯ আনকাবৃত	84	6.3

প্রতিদান

শৰ্	जुता नर च नाम	1011	नुहा	বৰ বিবয়/প্ৰসঙ্গ	ज्बा नः ७ नाव		
প্রকাপশালী (পূর্ব পূর্বা থেকে)		-	0.2	পাম্মী (প্রভারণার সাম্মী, দুনিয়ার জীবন)	৩-জালে ইমরান	72.6	668
আল্লাড মহাপ্তিখন ও মহাল্ডরাপ্শালী	22-87%	48	964	श्रुवावगार्थ			
আল্লার মহাপতিধন ও মন্যপ্রতাপশালী	৩৩-আহ্যাধ	20	5000	প্রতিক্রতি (মাদিমরা পরস্পরকে প্রতারণাপূর্ণ প্রতিক্রতি দেব)	৩৫-ফাভির	80	P83
আল্লাহ মহাপ্ৰতাপশালী (পথ প্ৰদৰ্শন ও পথএটভা প্ৰদাস)	১৪-ইবরাহীন	8	999	প্রকারিক			
वाद्यार (मराव्यंत्रनानी)	৪০-মাখিল	6	b-9.b	আহাত সম্পর্কে শহতান যেন প্রকারিত করতে না পারে	৩৫-ফাভির	0	P89
আহার মহাপ্রতাপশালী	5-414155	446	226	দৰিয়ার জীবন যেন মানুবকে প্রভাবিত করতে না পারে	৩৫-কাভির	0	588
অল্লাহ বহা প্ৰতাপশালী ও পরম ক্ষমাশীল	৩৯-যুমার	0	P42	দুনিয়ার জীবন মানুহতে	৩১-গুকমান	00	5-27
जाहार महास्रवाननानी ७ महास्रकारान	४७-मारम	80	909	দৰিয়াৰ ভীতৰ প্ৰকাৰিত কৰেছে কাঞ্চিবদেৱকে বাৰা	3-20,00A	62	65
जवार प्रसाधकारमानी	৮-জানকাল	88	609	দ্দিয়ার জীবন প্রকাশিত করে যাসেবকে তালের পরিশাম	৬-আন'আম	90	604
वाह्यार महाराजानानी	० १-शामीम	96	960	দনিয়ার স্কীবন কাম্বিরসেরতে প্রকারিত করেছিল	৪৫-জাইবা	02	90
जाह्यार मराश्राकाणमानी	62-200	2	360	দনিয়ার জীবন ব্যক্তিরসেরকে প্রভাবিত করেছিল	৬-জান'জাম	300	60
আহাহ মহাপ্রকাশশালী ও পরম সরাপ্র	88-मुपान	84	308	হীন প্রাক্তবিত করেছে (মুনাফিকরা মু'মিনলেরকে বলে)	৮-আন্থাল	8%	60
आहार प्रश्नायानमानी ७ महासम्बद्धान (स्रोद नागी श्रामण)	৩১-বৃত্যান	39	5-59	মধ্যপ্রত প্রকৃতি করেছিল মুন্যালকর (অক্সাহ সম্পর্কি)	৫৭-রাদীল	18	38
অপ্তাহ মহাপ্রতাশশাল ও মহাক্রমণান (তার খাণা খাণান) আপ্তাহ, মহাপ্রতাশশালী আপ্তাহর দিকে আহ্বান প্রদান	৪০-ম'মিন	84	2007	হানধ্যক প্রভাবিত করল ভিনের (প্রভিপালক সহছে)	५२-डेमिक्स	9	202
आहार, मरावरणनामा जाहार्य गरण जासान सनन जाहार मराधारानमामी	৮-জানকাল	69	909	মানুহতে প্রকাশিক কেন বিভাগ (প্রকশানক সংক্রম)	৩১-লকমান	90	243
অস্ত্রাহ মহাপ্রতাশশালা অসম্ভাত মহাপ্রতাশশালী	00-97	6	900	মনুষ্ঠে একানত যোগ পাল্য প্রকাশ (পালে) পদ্ধার সংগ্রেছ	৫৭-হাদীদ	78	283
	৫৯-হাপর	20	3429	कुमार्क्यकार कार्यक अन्य जाना प्रकारक नदावन (पुरन्तारक) राज्य (व (अन्यक्रीक न चटा (चाफिराना नगंदा विभाग)	ও-জালে ইমরান		20
আল্লাহ মন্তর্মকাপশালী	২-বাকরো	259		क्षण्य (क एक व्यवस्थित न करा (कार्यकार मारा स्थवन) क्षण्य (क एक व्यवस्थित न करा (कार्य कवित्रमा सिक्तः)	৪০-য়ামিন	8	59
স্বাল্লাহ্ মহাপ্রকাপদালী (ইবরাহীম স্বা, এর লোয়া প্রসহ)	৩-বাড়ারা ৩-আলে ইমরান		478		80-8 (MH	8	97
সাল্লাহ মহাপ্রভাপশালী ও মহাপ্রজাবান			682	शरिक्ता		_	_
অক্সাৎ মহ্য প্রভাপনালী	০-আলে ইমরান		603	সাধার রাদীর প্রতিক্রিবা লচ্চ্য করা (সুলাইমানের পর পেরে)	২৭-শমল	57.	po
সাল্লার্ মহাপ্রতাপশালী	৬৭-মূল্ব	3	265	afets			
অল্পাহ মহাপ্রকাপশালী ও প্রতিশোধ গ্রহণকারী	৩ জালে ইমরান		৫৩৬	নিদর্শন (কমিবর প্রবিটি নিনর্শন দেখাদর ঈথান আলবে দা)	৬-আৰ্'জাম	9.0	6.9
আহি শেরী দি আরার ৫য়া বেশি প্রমাণনদীঃ (র'মাইব আ.ওস্স)	३३-वृग	95	ษา8	নিদর্শন (অহাজরকারীর প্রতিটি নিদর্শন দেখলেও ইমান আন্বর্থনা)	৭-জা'লাফ	286	64
মিথারণ, মহাপ্রতাপনালীর (নির্দিষ্ট অবস্থানে সূর্যের লোচল)	৩৬-ইয়াসীন	107	p.68	পথ (ঈমানদারদের ভার দেখাতে প্রতিটি পথে বলে না থাকা)	<b>४-आ</b> .डाक	100	64
निर्वदर्, प्रदेशकानानी । अर्थकानीत निर्वदर्ग, हसु-मूर्ग श्रमण	৬-আন্'আম	3/6	606	পরিবর্তন করা (অপ্তর্যাত্তা দলা প্রতিটি জিনিসকে পরিবেটন করে আছে)	্-জা'রাফ	266	84
পথ (প্রতাপশালী আক্সাহর পথে পরিমাণিত করে)	ত৪–সাবা	6	987	প্রতিমান (আরো দেবুন কর্মফল/পুরস্কার/প্রতিক্রল শব্দটি)			Г
লাকদাও (মহাপ্রভাপনালীর নাম পাকদাও, ফির'আইন বংশকে)	৫৪-কামার	85	302	অভভাতার প্রতিদান (সাধাবাসী অকতভানের প্রসঙ্গ)	৩৪-সাব্য	39	5-8
প্রতিদারক মহাপ্রভাপশালী ও পরম নরালু	२७-७,छाडा -	9	ግንታ	অঞ্চলতার প্রতিদান (উল্যান পরিবর্তন প্রসূত্র)	৩৪-সাব্য	39	5/8
প্রতিপাদক মহাপ্রজাপশালী ও মহাপ্রকারান	২৯-আনবংৰ্ত	59	2.72	অঞ্চীকৰে পৰ্ববহাঁতে বিহাট প্ৰতিমান দিবেন আল্লাহ	৪৮-ফাডর	20	22
প্রতিপাদক মহাপ্রতাপশালী ও পরম সরাপু	২৬-ভ'আরা	727	939	অক্তরন্ত (মুমিন ও সংকর্মশীগদের জন্য অকুরন্ত প্রতিলান)	৪১-ফ্সনিলাভ	b	ьь
প্রতিসাদক মহাপ্রভাগনালী ও পরম দরালু	২৮-ষ'জ্যা	66	497	অফুরত প্রতিদান (উথানধার সংকর্মশীলদের জন্য)	৮৪-ইন্শিকাক	40	203
হ্রতিগাদক মহাপ্রজাপশালী ও পরম দরালু	२७- <b>७</b> जास	296	939	অভ্যন্ত প্রতিদান (সংকর্মশীল মধিনলের কল্য)	৯৫-খীন	6	203
প্রতিপালক মহাপ্রতাপশালী ও অতি প্রশংসনীয়	১৪-ইবরাহীম	3	080	व्यविवारक व्यक्तिमान त्यारे (व्यववार्विक दूरा विकासकारीय व्यक्तिमान)	১৬-মাহল	83	90
প্রতিপাদক মধ্যপ্রতাপনালী	৩৮-সোরাগ	99	১৭৯	অপোনকবিধ প্রতিবাদ দেয়ার দায়িক আল্লাহর (বারাবারির ক্ষেত্রে)	৪২-শরা	80	55
প্রতিপাদক মহাপ্রতাগশালী ও পরম দয়ালু	২৬-৪'আরা	780	932	আহলকারীসের প্রতিদান কর্তই না উরুম!	৩৯-হমার	98	6.4
প্রতিপাদক মধ্যশক্তিশালী (হামুদ ভাতির শান্তি প্রদঙ্গ)	33-दृष -	66	693	আলাচ ও বাসকের প্রতি উমানের প্রতিমান	8-निग	202	23
প্রতিপালক মহাপ্রকাশশলী ও পরম দরালু	২৬-৬ আরা	708	930	অল্লাহ মহাপ্ৰতিশান খেন (স্ববাদীতে)	৬৫-ভালাক	2	20
প্রতিপালক মহাপ্রবাপশালী ও পরম দরালু	<i>५५-७,व्या</i> डा	255	938	আলাচ মহাপ্ৰতিভাল ভিতৰ আগবঢ়ত বাৰা ভাতে ভৱ	৬৫-জালাক	0	365
প্রতিপাদক মহাপ্রভাপনালী ও পরম বরালু	50-9,6888	269	936	व्यक्षास्त्र निकी सद्धार महाश्रविमान	%-जातवा	37	98
প্রতিপালক মহাপ্রভাপদালী	৬০-মুমভাহিনা	Q	242	व्यक्ताद्ध निक्रो प्रशासिकान (मुफ्तिमान महान/गण्यान वानक)	৩৪-জাগাৰন	25	86
প্রতিশাল মহাপ্রভাপণালী	৩৮-খোৱাদ	8	৮৬৬	অল্লাহর নিকট মহাপ্রতিদান রয়েছে (মু'মিনসের জন্য)	N-MINUM	25	90
তরদার নির্দেশ মন্ত্রপ্রতাপশালী পরম নয়ালুর উপর	২৬-জ'আরা	429	936	व्यक्तां ने के देवा की बादन क्षेत्र प्रदेशका क्षेत्र हैं।	8-मिमा	80	66
ভ'আইব আ, প্রভাগদালী দর (ভার সম্প্রদারের উপর)	<b>33-दुन</b>	32	598	व्यक्तियान व्यक्ति व्यक्तियान व्यक्ति (इन क्षत्रक)	22- <u>E</u> M	67	89
awas.				আপ্তাহর কাতে নত আ, এর প্রতিকাশ (মাধুখের কাতে নম)	১১-ছল	23	86
প্রভাবিত মেল লা করে প্রভারত শেরজনা), (মানুষ্কার অ <b>প্রা</b> হ সম্পর্কে)	03-Maxie	00	5-230	আল্লাহর করে পূব আ, এর আন্তর্গন (মাপুরের করে দর) ইবরারীয় আ, কে লমিয়ারও প্রবিদান সেয়া হয়েছিল	২৯-জানকাবৃত্ত		69
প্রভাবিত করেছিল মলভিকসেরকে মহারকারক	० १-इस्मिम	28	282	হবলাহার আ: কে পুলভারত ব্যক্তনান সেরা হবোতন স্থানদার সংকর্মশীলদের প্রতিদান নিকেন আল্লাহ পুরোপুরি	৩-জালে ইমরান		98
প্রস্তাবিত করতে না পারে যেন শমতান (আল্লাহ সম্পর্কে)	৩৫-ফডিব	0	1784s	কমানদার সংকর্মশীলনের প্রতিদান দিবেন আল্লাহ পুরোপুর উমানদার সংকর্মশীলনের প্রতিদান দিবেন আল্লাহ	৩৪-সাধ্য	8	7.6
भट्टबार यस प्रदासकार प्रानुत्वत करा	२०-पुरस्त	23	37/8	स्थानमार्थ गरक्यमानाराथ शास्त्रमान ।मर्दन जन्नार स्थानमार्थ गरक्यीय अस्मिन अस्मिनाराय कार्य	5-si4isi	299	
		1 000	100	प्रसाममाध्यम् अधिमान (तर्म प्राचार (देवस्थित कार्याः)	২৩-র'মিনুন		
প্রভারণা (আরো দেখুন প্রবঞ্জনা সম্পর্টি) উবলিস প্রথমবাদ মধ্যমে অধ্যাতিক কলে আদম আ, ৩	৭-জারাত	35	658	স্থান্যবাদের প্রতিসাদ বিবেদ আল্লার (বেয়ের করেছে) স্থান্যবাদের প্রতিসাদ বিবেদ আল্লার বার করেছে থেকে	২৩-রুমেন্ন	222	
		22				84	9.5
কাফিবরা প্রভাবণার মধ্যে বরেছে	७४-मून्क	50	240	সমানবার ও সংকর্মশীলকের (উত্তম পুরস্কার )	2P-9153	by	90
প্রতিম্বতি (শ্যাতান যেপ্রতিম্বতি দের তা প্রতাকণা মারু পিছু দত্ত)	১৭-ইস্রা	68	479	ইমানবার ও সম্পদ ব্যাকারীর জন্য (মহাপ্রতিদান)	<u> १</u> ९-शमीम	9	36
প্রতিক্রতি (আল্লাম্ননীর প্রতিশ্রতিকে দুর্নাকিক কর্তৃক প্রতারণ বন্দা)	৩৩-জ্যুব্যাৰ	25	P-08	ইয়ান এনেছিল থাবা, ডালেবকে প্রতিদান দিরেছিলেন অস্তাহ	৫९-शमीम	29	20
শক্ষতদের প্রভারণা (শক্ষতদের প্রতিশ্রুতি তথুই প্রভারণা)	৪-নিগা	250	૯૧૨	ইমান ও সংকাজের জন্য বয়েছে ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান	৩৫-ফান্ডির	9	7.5
শারপ্রতাপ (মেনাপ্রদ কর্মার মাধ্যমে শারকালের প্রকারণা এলক)	৬-আণ্ অম	225	800	দিয়াৰ ও সংক্ষরের প্রতিবাদ (ইয়ানি,কৃস্টান ও সাক্ষ্যে প্রসঙ্গ)	২-বাকুন্যা	હર	80
সামন্ত্ৰী (পুনিয়ার জীবল প্রভারণার সামন্ত্ৰী)	৫৭-বার্নীর	30	200	ঈমাণ ও তাকওয়ার জন্য রয়েছে মহার্থাচন্দান	৩-জালে ইমরান	592	20

		Stodie	diodia	
त्रक विस्तृहत्त्व	বুলা নার কাম	100 a 100	THE REAL PROPERTY.	रियद/धनम
প্রতিদান (পূর্ব পূর্বা থেকে)			পরিকর্মনের ব্যক্তিন	ান ছাত্ৰী ৰান্ত্ৰাত
ইমান ও ডাফওয়ার প্রতিদান দিবেল আল্লাহ	৪৭-মুহাম্মন	966 996	পদি পদ করাকারের	क्लिन मिरक दूना ज्या (क जक्द्राल नवीतनः निया

त्रर निरह्भात	বুলা নয়ে ত নাম	100	981	नम् <u>रियर/श्र</u> मण	जुता वर च नाव	400.70	1981
প্রতিদান (পূর্ব পূর্বা থেকে)		_		পরিচদ্ধদের প্রতিদান স্থায়ী পাস্ত্রাত	২০-জা-হা	96	9.82
সমান ও ডাকওয়ার প্রতিদান দিবেল আল্লাহ	৪৭-মহাত্মদ	95	326	पति भाग कार्यानाः श्रीकंतन निरंत पृत्र पर, (रू प्रावसून नवीत्तर निर्दा	২৮-কান্যন	2.0	b\$0
দমানের প্রতিদান (ইছদিরা ঈমান আনহেগ)	8-निमा	269	299	পুরোপুরি প্রতিদান আল্লাহ লিবেদ (ঈমাদ ও সংক্রাঞ্চর)	8-निमा	390	273
সমানের প্রতিদান (আহলে কিবাবনের সমানের প্রতিদান)	৩-মালে ইম্যান		666	পুরক্তে প্রতিকান (মুদলিয়ামুমিন জন্মত পরাধানী বিনীক/কানীক)	००-व्यक्तार	08	brot
উল্লেখন ও ভারতার জনু মঞ্চর্ভালন (উল্লেখ্য এসাল)	০-বালে ইমরস		665	পুরোপুর (প্রতিধান পুরোপুরি দেয়া হবে, কিরামতের দিন)	৩-জালে ইমরান		000
উত্তর কাজের প্রতিকাশ উত্তর প্রস্কৃত নত্ত্ব	१९-राह्मा <del>ल</del>	tha		পূর্ব প্রতিপান (সংকর্মশীনসেরকে আল্লাহ নিবেন)	ত্র-ক্ষতির	300	
			284	ব্যবিকারি (মুনিশাসারে মহার্রাজনানে প্রতিকৃতি সিয়েছন আরহ)			b/8t
উত্তম কান্ধের প্রতিদান আস্থার দিবেন (মুমিনকে)	২৯-আনবাৰ্ড	٩	939		৪৮-ফাত্র	43	973
উত্তম প্রতিদান ও উত্তম/পবিত্র জীবন (সংকাজের করেছে)	১৬-মার্প	24	422	প্রতিশাশকের পক্ষ থেকে (মুরাকীদের জন্য জন্মতে)	৭৮-ন্যবা	05	200
উরম (প্রতিদান ও পুরস্কার হিসাবে স্থারী সংকাজ উত্তম)	১৯-মরইবান	95	109	প্রক্রিকারে নিউন্ বং এপ্রক্রিন (প্রক্রেপ্রকিপ্রক)	₹७- <b>७</b> ,खाश	209	980
উন্তম প্রতিদান (কর্মশীকলের জন্য)	৩-জালে ইমরন	206	689	প্রতিপাক্তকের নিকট প্রতিদান (অক্সাহর জন্য সমর্পনকারীর)	২-বাকুারা	225	474
উত্তম প্রতিবাদ দের হবে দৈর্ঘ ধারণের কল্য (কাজের চেয়ে উচ্চন)	১৬-মাহ্ল	99	922	প্রকিক্সকের নিকট পৃত আ, এর প্রতিকান (জগতের প্রতিপালক)	२७-घ'खारा	398	93%
উৱম প্ৰতিদন্দ দিবেদ জাল্লাহ তাদের বাজের যারা	২৪-সূত্র	09-	995	প্রকিক্ষাকের নিকট হুন বহু, এর প্রতিকাশ (জগতের প্রতিকালক)	২৬-৩'আরা	329	986
উপযুক্ত প্রতিদান সীমালকদেরারীদের জন্য (রাহান্রাহে)	৭৮-নাৰা	2.5	2002	প্রতিপাদকের নিকট গুজাইবের প্রতিদান (জুলাকর প্রতিপাদক)	२७-४'वारा	200	100
কক্ষ (মান্ত্রাত্তর কক্ষ প্রতিদান দেয়া হবে, দৈর্ঘধানকারীদেরকে)	২৫-যুৱকান	10	95-9	প্রতিপাদকের নিজ্ঞ সালিক্তর প্রতিশান (স্কারের প্রতিপাদক)	25-9, gast	28¢	934
কান্তের (কান্তাতিদের কান্তের প্রতিদান)	१५-७शक्याद्		388	প্রতিহাতি (মহার্যাকশানের প্রতিহাতি নিরেছেন অপ্রাহ মুহিদ,)	৫-মাছিলা	b	63.7
বিরামতের দিন কেট কারো গক্ষে প্রতিদান দিবেনা	२-राकृत्य	87	¢06	হল প্রবোককে লেয়া হবে (কিয়ামত প্রদক্ত)	80-इंबिम	29	2/92
বিনামতের দিন তেওঁ কারো পক্ষে প্রতিলাম দিবে দা	२-शक्त	340	228	বঢ় প্রতিমান (প্রতিপালককে না দেখে ডাঃ করার ছব্য)	৬৭-ছুপ্ত	32	200
ক্তমানেকে প্রতিদান দিবেন বাস্তাব (ব্যক্তিকেই)	৩-আলে ইমরন		489	বভু প্রতিবাদের ভূমানেস কোর কুরায়াল সংবাদিশ মুনিবাসের	১৭-ইসুরা	24	938
পুতক্ষদের প্রতিবাদ নিবেল আস্থার (আর্টারেই)	৩-জালে ইমরান			বেহিসার প্রতিধান সেয়া হবে (পৈর্যনীলালের(৩)			
			683		৩৯-যুমার	30	b93
কৃতক্ষ হাজির প্রতিদান দেন আল্লাহ	48-MINT	02	909	বেপুটনবেরক সুন্দর প্রতিবান নিবেন আল্লাহ,	৪৮-ভাত্ত	36	270
কৃতকর্মের প্রতিদান চিরস্থারী জান্নাক (মুমিশসের জন্য)	৪৬-আব্ধক	38	909	মনীবারনীদেরকে প্রতিদান দেরের জন্য দিখে রাখা হর আদের	৯-জাওবা	257	964
কৃতপর্মের (সবার কৃতবর্মের প্রতিদান দিতে আন্তব্দ-পুর্বিবীর সৃষ্টি)	৪৫-কাহিয়া	22	900	মহারতিশান (মায়াহর উপলেশ মানলে মাহার্যাওপন পন করা হত)	৪-নিসা	59	2.00
দমা (মুমিদাসের প্রতিদাদ প্রতিশাদকের কমা ও জারাত)	৩-আলে ইমরণ	306	689	মহা প্রতিদান (রাসৃগ স. এর সামলে কর্তন্তর দিচু করার)	৪৯-চ্ছুরত	0	3-20
লঙরা (বৃহ জা, সম্প্রদারের কাছে প্রতিদান চান না)	১০-ইউবুদ	92	665	মহান প্রতিদান (অধিম প্রেরাণ্ড)	৭০-মুব্যাদ্দিল	20	20.5
গওরা (মৃহ জা, সম্প্রদারের কাছে প্রতিষান চাম না)	१७-व.बारा	209	130	মালুবের রেইবে প্রতিদান পেয়া জন্য বিয়ামত আগবেই	২০-জা-হা	34	183
চাওরা (প্রতিদান চান না বাসুল)	३५-२७गुक	308	600	মাটিতে পরিণত হওরার পর স্বাধার প্রতিদান দেবা হবে।	৩৭-সাধ্ফাত	00	769
ময় না (যার প্রতিদান ময় না আমবকে অনুসরদের আহান,	৩৬-ইয়াসীন	57	৮৫২	মর্মবন্দরির প্রতিপদ সেরর দায়িত অপ্তাহর (বারুবার্ডির সেরে)	৪২-প্র	80	728
হাওয়া (রাসুল স, কাফিরসের নিকট যে প্রতিবাদ চান ডা)	৩৪-সাথা	89	780	মুবাকীকে আল্লাহ মহাপ্ৰতিদাৰ দেব	৬৫-বালক	q	300
त्रश्रेष (बन्न न कि इंडिनाम सम् चल्लाक नृत्र चालाह्य बना)	৬৮-কুলেম	86	222	মুবানীদের প্রতিদাধ (প্রায়ী অপ্রতে)	২৫-ফুরকান	34	950
চাওটা (বাসুল স. এতিদান চান না, সত্তর্ক করার জন্য)	২৫-জুরকান	23	100	ভূমিনামে জনা মহাপ্রতিকার অল্লাহর করে (সঞ্জন্ম সম্পদ প্রসঙ্গ)	৬৪-জাগাবন	20	39.
গ্রাবা (রাস্প স. মানুষের কাছে (কান প্রক্রিলান চান না)	৩৮-সেরাদ	brb.	270	মুমিনদের প্রতিকান আন্তাহ মার করেব না	৩-আলে ইমরন	393	663
त्रात्म (क्रान भ, समुख्य काइ श्रीकाम इस म, गरिकाल श्राप्त)	৬-জনজন	90	800	হুনিকান প্রতিকার (ব্যবহিত্যাল আরম ও সমুশালা হুনার)	8-सिमा	384	640
মতুল (মতুল ন: মতুকো নামে এতনা এন ন: নামেনা এনন) মতুলবানে বিথবী হংবাং প্রতিদান সম্পর্কে বিদ্যাব্যক্তিনক কয়	59-व,खाद्य ठ-लाचं तरब	83	1/20	वृत्तित्व कृष्णक्रिक एकु शीवनकारी श्रीवमान	তন্দ্ৰনা তথ্-সাস্থ্য		brah
মানুকরনের প্রতিদান প্রার্থনা (কির্মান্টনের নিওট)				वृत्तक्रिक्तार व्यक्त विकास विकास (पुत्रक्रिक्त क्रिया क्रियान्त्र)		21	
	1-জ'রগ	220	955		১৬-দাহ্দ	95	909
মন্ত্ৰাত (পৰিতদ্ধনেৰ ধৰিদান ছাত্ৰী মান্ত্ৰাত)	২০-정1-학	20	182	মুনিকা (মুনিক্সকর্মশীলানের প্রতিবাদ পুরত্তম -কৃত্রী মাল্লাত)	৯৮-বাধ্যিকার্	b	205
নান্রতে (মুমিন সংকর্মশীলগণের প্রতিদান -ছারী নান্নাত)	৯৮-বার্র্যানার্		2057	মুদিশ ও সংকর্মশীসনেরকে ন্যায় প্রতিমান দিতে পুনরম্পান	১০-ইউনুস	8	628
মন্ত্রাজীলের প্রতিদান প্রদক্ষ	<b>૧</b> ৬-মার্থ	55	999	মু'মিনাধের জন্য প্রবেছে প্রতিদান	৫৭-হালীৰ	39	320
নানত (বৈশীশভার হাতিদান হিনাবে আল্লাহ নান্নাত দিবেন)	৭৬-বার্ড	25	994	মু'নিবদের প্রন্ত (সুম্বর প্রতিদানের সুগংবাদ)	29-suita.	4	93,8
লায়ন্নান (ইবলিলের অনুসারীদের প্রতিদান ভারান্নান)	১৭-ইপ্রা	60	47.9	নুষ্ঠামরের প্রতিদান অক্লাহর দারিছে (বদি নৃত্যুও ঘট)	8-997	200	600
দলকারীর প্রতিদান প্রতিপালকের কাছে (কট/পেটা ল সিলে)	२-गाकृत्व	464	600	हानून ग. यद शक्तिम प्राह्मास्य निकी	৩৪-সাবা	89	785
গদের বিনিমরে দেককারণণ মানুদের আছে প্রতিকাদ চাল না	৭৬-বাহ্ব	>	224	রাদৃশ গ. এর ধনা অভুরত্ত প্রতিদাশ	৬৮-কুলোম		৯৭৪
নাদের প্রতিদান প্রতিপাদকের কাছে	২-বাকুরা	298	605	ज्ञानुन न, कि.श्रविमान सन हा व्यक्तिया चनानास नारासह नारा	৫২-ডুর	80	200
দ্বিরায়ও ইবরাহীম আ, কে প্রতিদান দেরা হরেছিল	२७-वानसङ्ख	29	le Ne	রানূল ন, প্রতিদান চান না (আত্রীরতার হলাতা হাড়া কিছু)	৪২-পুরা	20	pao
পুৰাৰ প্ৰতিদান দেৱা হবে আদেৱকৈ যায়া	২৮-কানান	48	1524	শ্বের প্রতিধান জগতের প্রতিশাস্ত্রের নিকট	২৬-৬'আরা	248	190
দুইবার জাল্লাহ ও রাসুল স, এর প্রতি অনুগত হয়ে	००-वाश्यव	4.	brob	তভাইৰের প্ৰতিদাৰ স্বাগ্যতন প্ৰতিদাদ্যকৰ নিকট	২৬-৩'আল	39.0	239
দ্বোক্তের জন্য প্রবিদান)	00-11/41	ಯ	000	প্রের (মারার্ডারত হয়ে বিভারতকারে অধিয়াকে প্রতিকান প্রের্চ)	১৬-নাহদ	83	908
ধর্ব ধারণ ও সংক্রাঞ্জের জন্য ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান	77-EH	22	666	প্রেটর (প্রতিমানর নির মিয়ে ভিরেমবারীসেরে প্রেটর মান)	8-निमा		
ধর্ব ধারণের প্রক্রিদাল (কামের চেরেও উত্তম দেয়া হবে)	३६-शहन	30	333	मत्वभीत प्रीप्त भति-नुक्यात छेता अधिनम्प्रेत सेथा मा		96	6.99
ম্বেশীপভার প্রতিকান হিসাবে আল্লাহ আল্লাহ নিবেন					১৬-মার্গ	24	422
ধ্বশালতার প্রতিশাল হেলাতে আল্লাত জাল্লাত লেখেল ধর্বশীলসেরকে বেতিয়াক প্রতিমান সেরা হবে	<b>%-সাহ্</b> র	25	996	লংকর্মশীবনের জনা (উত্তম পুরস্কার বিধেন প্রতিপালক)	0°0-मास्रय	0)	300
	৩৯-যুখার	30	৮৭২	সংক্রাজ্ঞ্বির্থ ধরবের জন্য ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান	77- <u>ई</u> स	22	999
র কলে না আল্লার (পিয়ালার ও সংকর্মশীলানর প্রতিধান)	79-scida	00	929	লবের্মপরারণখের আল্লার প্রতিধান দেব ফেলাক	৬-আন্'আম	p-8	806
বর্ত্তর প্রতিশান (মূপদিম/মুম্মিন্সকুশাত,গতাবাদী(বিনীজ,দানশীলা)	००-सहस्थ	-05	904	সংকর্মপরাজনাধার প্রতিদান দেব আল্লাছ	৩৭-সাক্ষত	252	2000
নহত বা বিষয়ীর প্রতিদান (আল্লাহর পথে যুক্তে)	8-RM	9,8	669	নবের্মপরারশনের জন্য প্রতিধান (নবীর স্ত্রীবের প্রসঙ্গ)	००-जाश्यर	45	500
্যহ আ. এর প্রতিদান আপ্রাহর কাছে	১০-ইউফুগ	92	662	সংকর্মনীলের (সংকর্মনীল/মুমিনের প্রতিধান -ছার্ট্রী ছাত্রাত)	৯৮-বারিলাহ	ъ	2042
হ আ, এর প্রতিদান জগতের প্রতিপাপকের নিকট	59-9,465	909	9310	সংক্রম/আপোন্ডে প্রতিবাদ (অল্লাচর সন্থারী বানেনার যা করা হার)	৪-নিসা	338	693
ए छ। (व अक्षान अधिन (लेपान चातक क्वित हैका)	१८-गमार	28	306	मदक्रमीनाला श्रवितान कवरे ना वेदम	17-28144416.6	27	P43
			2000	সংকর্মশীলনের বহুতব প্রতিবাদ (তাদের আমের জন্য)	ত৪-সাবা		988

প্রতিদান

হাতিদান প্রতিপালক

হোল ২৮ হোল ২৬ হোল ৬৯ হোল ৬৯ হোল ২৭ হোল ২৬ হোল ৩১ হোল ৩১ হোল ৩১ হোল ৩১ হোল ৩১ হোল ৩১ হোল ১০ হাল ১০	19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 1
মাল ৬৯  মাল ৬৯  মাল ৭৭  মাল ৬৬  মাল ৬৬  মাল ৬৬  মাল ৬২  মাল ৬	19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 1
তৈ তি বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র	19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 1
হাল ৭৭  হাল ৬৩  হাল ৬৩  হাল ৩২  হাল ৩২  হাল ৩২  হাল ৩২  হাল ৩২  হাল ১৩  হাল ১৩  হাল ১৩  হাল ১৩  হাল ১৩  হাল ১৩	19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 1
মেল    মেল    মেল    মেল    মেল    মেল    মেল     মেল      মেল	19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 1
No.	13 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19
200   200	13 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19
হান	19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 1
(A)	19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 1
হৈল ৪৭  হৈলে ৩২  হেলে ৩২  হেলে ৩৯  হেলে ৩৯  হেলে ৩৯  হেলে ৩৯  হেলে ৩৯  হেলে ৪২  হেলে ১০  হেল ১০  হেলে ১০  হেল ১০  হেলে	19 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14 14
৪৭ বিশ্ব বি	14 14 14 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15
হাল ৩২ (মাল ৫৯ (মাল ৫৯ (মাল ৪২ (মাল ৩০ (মাল ১০ (মাল ১০ (মাল ১০ (মাল ৪০ (মাল ২০ (মাল ২০	14 14 15 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16
হুমাল	12 10 10 10 10
মোল	12 10 10 10 10
हमान 8-2 हमान 50 हमान 50 हमान 50 हमान 8-2 हमान 8-2	14 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10
হুমান ৪২ হুমান ৩০ হুমান ১৩ হুমান ৪৫ হুমান ২০	10
হ্মান ৩০ হ্মান ১০ হ্মান ৪৫ হ্মান ২০	10
হ্মান ৩০ হ্মান ১০ হ্মান ৪৫ হ্মান ২০	10
(प्राप ) 0 (प्राप 82 (प्राप 20	10
্যান ১০ ্যান ৪৫ ্যান ২০	10
্যাল 82 ্যাল ২০	10
্যাল ৪৫ ্যান ২০	12
82 ह्यान २0	12
হুমান ২০ মোন	_
মান	
মান	
্মান ১০	۳.
01	,
হুমান ৫৫	
44	"
্মান ১০০	
-	-
গুমান ৭০	٠.
10	
হ্মান ৫১	,,
হুমান ত	564
	_
হ্যান ৪৯	
_	
হুমান ২১	25
	-
হুমান ত্রু	ov.
_	
\$17H 68	80
_	_
युगीम 🗽 👍 १	29
_	_
ह्मान 80	80
	_
<b>एमान</b> २८	22
_	-
रुमान १४	72
হ্মান ১৮	38
	-
	াহ্মান ;   াহ্মান ;   াহ্মান ;   াহ্মান ;   াহ্মান ;   াহ্মান ;   াহ্মান ;   াহ্মান ;   াহ্মান ;   াহ্মান ;   াহ্মান ;   াহ্মান ;   াহ্মান ;   াহ্মান ;

280

и	Pk	۰	m	

NA CANTAL	প্রা মং ও সাব	que.	981	The sales of Resident	नुबा कर स मान	400.4	<b>शृ</b> क्ष
প্রতিপালক (পূর্ব পূর্রা থেকে)				আবাশ, পৃথিবী ও উচত্তের মারের সংবিদ্ধার প্রতিপাদক (অস্তাহ)	৪৪-দুখান	9	905
অনুহত্ব (প্রতিপাশকের অনুহত্বে সম্পর্কে সম্পর্ক সামের পোকা)	৫৩-নাজম	00	bod	আবাশ, পৃথিবী ও উচ্চয়ের মারে সব বিশ্বুর প্রতিপালক (আল্লাহ)	90/-488	09	300
অনুহাহ (প্রতিপাশকের অনুহার আলে প্রতি যারা বিপাস)	২-বাকুরো	268	628	আনাশ-পৃথিবীর প্রচিপাদক কেঃ (কঞ্চিবদেরকে জিজানা)	১৩-রা'দ	20	69%
অনুহাহ (প্রতিপালকের অনুহাতে মুখ্যাখন সং গানাক/পুগাল নান)	৫২-ডুব	45	300	আকাশ-পৃথিবীর প্রতিপালকই মানুষের প্রতিপাদক	২১-আধিয়া	20	108
অভ্যহ (প্রতিশালকের অন্তর্ভের কর্ব কবির করার নির্দেশ)	১৩-দুহা	22	3059	আনাশ ও পৃথিবীর প্রচিত্মালকই (আসহারে কাহ্রকর পরিপালক)	১৮-কাহক	38	930
অনুমাহ (সুলাইমানকে প্রতিপালকের অনুমাহ,নারার সিংহানন	২৭-নামল	-	boo	আবংশ ও পৃথিধীর প্রতিপাদক আল্লাহ	০৭-সাক্তাত	2	700
জ্বল প্ৰদাৰ)		80		আচবণ (আন জাতির সাথে এডিপালবের আচবণ)	৮৯-জান্ত্র	8	205
অনুহার (মুখানীসেরকে শান্তি সেরে রক্ষা এতিশালকের অনুহার)	88-मृद्ध	6.8	806	আচরণ (হাজীওরালাদের সাথে প্রতিপালকের আচরণ,)	১০৫-দৌল	3	200
অনুমহনীল প্রেতিপালক মানুহের প্রতি অনুমহনীল, অখ্য	২৭-ন্যাল	-	bob	অসম আ, ও তার বী প্রতিপালককে বলল	৭-আ'বাক	30	928
মানুৰ অকৃত্তভা)		90		আদেশ (আবাশের প্রতিগাদকের আদেশ পাদন করবে)	৮৪-ইনশিকক		303
অনুমার্থীন (প্রতিপদক অনুমার্থীল ও দরালু, গও দৃষ্টি প্রদাস)	১৬-মহল	9	900	অচাপ (কার বাতে প্রতিশালকের নির্চাশসহ (করেশতা অবভাগ)	৯৭-কাদর	8	200
प्रमुम्बर्क (श्रविभागातम् प्रमुम्बर्कास्य गरवर्गी प्रमिम ब्राहाती स्ट्रा)	১৪-ইবরাহীস	20	696	আদেশ, প্রতিপালকের (অমান্য করল ইবলিন)	79-aida	Ø0	243
অনুমতি, প্রতিপালকের অনুমতিকে জিন কালা করত	৩৪-সাবা	34	b84	আদেশ (প্রতিপাশকো আদেশ পালন করবে পৃথিবী)	৮৪-ইনশিকাক		202
অনুমতি প্রতিপাশকের অনুমতিক্রমে উত্তম গছে কল দান লগে)	<b>38-देश्लादीय</b>	20	996	অনেশ (বহ প্রতিশালকের অনেশ)	১৭-ইসরা	ye	943
अभ्याक (श्रविभागदाना श्रवि अभूतक एउतात निर्दान, वामून न, (क)	৭৩-ব্ৰুমাণিল	br	99.5	অসমের প্রতিপালকের কার থেকে তওবার বাণী পেখা প্রসঙ্গ	२-सङ्ग्रहा	09.	204
স্থান (এত শতার এত বহুতে বর্তনা দতা ব, বহুতা (তা	৩২-সাজদা	25	500	অঞ্চলত কৰা (দল্প কল্পকেন্দ্ৰতিক্ষক নিয়েন্দ্ৰ মন্ত্ৰ অঞ্চলক কল্পেন্দ্ৰ)	<b>१-आंग,श्राम</b>	68	900
অবলপ প্রকার কালিয়ানে, প্রতিপালকের আছে	38-देखादीय	88	803	व्यक्ति (व्यक्तिका व्यक्ति हुन्ता न क्रम्पन निक्रम वर्षात व्यक्ति वर्षात वर्षात	২০-খা-খ	249	983
অবসাশ প্রবাধ আচনালের, প্রচলালারের বারে অবসাশ প্রবাধন (প্রতিশালাকো কাছে মুখ্র বেরুক অবসাশ প্রবিধা)	৪-লিপা	33	699	অন্তাত (প্ৰতিশাসকের আয়ত গথন ন জন্মন ক্ষেত্ৰত কর্ম্বার হ'ব।)	72-5450 40-51-51	64	933
অবদার (আনশা ও প্রতিশাসকে করে চুক্ত বেরুক করেল প্রকরণ) অবদার (আনশা ও প্রতিশীর সক্তর করা প্রতিশাসকের করণত)	২১-আছিলা	8	920	অধ্যত প্রতিশাসকের অধ্যত বর্তি আলম মুখ্ করার) অধ্যত প্রতিশাসকের অধ্যত বর্তিসারের করা মনুশাসকের পরি)	३१-स्स्कृत 8 <b>१-का</b> श्चि	22	348
অংশত (আনশা ও পৃথকার সমস্ত করা প্রচাশনকের অংশত) অংশত (প্রতিপালক মানুহার কিয়ো অংশত থাককে, বিয়ামতে)	২১-আগরা ১০০-'অসিয়ত			জ্ঞাত (প্ৰতিশাসকের জ্ঞাত ও বাবা উপদেশ দেয়া বলে		33	
		22	2000		৩২-সাজ্সা	22	3407
অবরীর্ণ(জনকণ্ণ(হ্যে প্রতিশালনর হতে কুরসান অবরীর্ণ)	৬৯-হাজাহ	80	29.0	মুখবিদরনো কুশুম)		-	-
অনতীর্ণ (প্রতিশালক যা অনতীর্ণ করেছেন আ অবাধ্যার বৃদ্ধি)	৫-মারিনা	694	249	আরাত প্রেডিপাদকের আয়াত শ্রমণ করিছে দিলে)	२१-मृदकान	90	m
অনতীৰ্ণ (প্ৰতিপালত থা জনতীৰ্ণ কয়েছেল আ নামে কৰা)	৫-মাঘিলা	60	20.9	আয়াত (প্রতিশালকের আরাত পঠি করে ফলতে রাসুল এসেছেন্স)	৩৯-বুমার	47	240
অনতীৰ্ণ (প্ৰতিপাল্যকৰ অনতীৰ্ণ কুৰজান্তে কাহিনৱ উপকৰ বলে)	১৬-দাবৃদ	₹8	Ros	আয়াত (প্ৰতিশালকের পাত থেকে বিভাবের অয়াত অবতীর্ণ)	১০-র'দ	3	ტატ
মনতীৰ্ণ (প্ৰতিপালকের পক চেকে অবতীৰ্ণ বিষয়ের অভূপান)	৭-আ'বাঞ্চ	0	930	আয়াত, এতিপাদানের পাক থেকে জানাদেই কাফিলনা মুখ বিধায়	%-बार्ग,बाज	8	234
অনতীৰ্ণ (প্ৰতিপালক যা অনতীৰ্ণ কয়েছেল আ কায়েন করত বদি)	৫-মায়িলা	66	ই৮৮	আরাত ও সাক্ষাং অধীকার, (কাফিয়দের)	21-salds	206	900
অনন্তর্গ (প্রতিপাশকের পাদ থেকে অংকীণ বিধার পৌরানো)	৫-মায়িলা	69	24.9	আরত (কবিন দুনিয়া বিশ্বসে প্রতিশালনে আয়তকে নিয়ে কলত ।)	৬-জান্জাম	રવ	@hb
অবন্তীৰ্ণ (প্ৰতিপাশকের পক্ষ থেকে অবন্তীৰ্ণ বিভাবে ঈমান)	২-বাস্থারা	546	¢08	আরশ (বিয়ামতে ৮ কেরেশতা প্রতিপালকের 'নারপ' বনে করনে)	৬৯-হাজার্	23	৯৭৮
অবর্ত্তার্থ (প্রতিশালনের অবর্ত্তার বিশ্বনের অনুসূচ্য)	ও৯-মুমার	44	749	पांडापनानैकात दार्पना दरिव्यानातम निवधे	৭-আ'গ্রফ	81	623
चरतीर्थ (श्रीतंत्रांतक महासमात चरतीर्थ रहातिहरू ( मुखरीत कार)	३७-मार्न	40	9.02	আলো (প্রতিপাদকের আলোতে অবস্থানকারী ব্যক্তি প্রদৃষ)	৩৯-বুমার	44	590
चरमह (प्रतिनामन अगृष् किरमा रिमारम बना परमा सहर)	৫৫-রাজ্যান	42	380	আলাকবর্তিকা (কুমারন প্রতিপাদকের পার থেকে প্রালাকবর্তিকা)	५-व्या शक	200	003
অবস্থান (প্রতিপাশনের অবস্থানকে ভারমধীর করা দু'টি জন্পত)	৫৫-রাজ্যাল	86	987	আলাকবর্তনা (প্রক্রিপাশকের পাছ থেকে আলাকবর্তনা আন)	৬-আণ্'আম	708	906
অবস্থান (প্রতিপাধানের অনস্থানকে ভন্ন করলে, অপ্রয়ন্থল বাধাত)	৭৯-বাদি'আত	80	2000	অপ্তাহ ইপইয়ান সংশ্ৰনায়েরও এজিশালক	৩৭-পাঞ্চাত	346	b-b-c
অবস্থানস্থল হবে প্রতিপশক্ষের নিবট (বিয়ামতের দিন)	৭৫-বিবামাহ	25	250	আল্লাহ (আল্লাহ মাগুখের প্রতিপাদক)	১৯-মারইরাম	96	900
অবশিষ্ট থাকরে (কেবল প্রকিপাশকের প্রবার/নপ্র)	৫৫-রাহ্মান	ર૧	280	নাপ্রাহ (মাপ্রাহ উপার প্রতিপাশক)	১৯-মাধইয়াম	95	905
অধিশ্বাস (প্রতিপালককে অধিশ্বাস করেছিল ছায়ুদ প্রতি)	<b>33-दूम</b>	69/	692	আল্লহ (প্রতিপাধন আল্লহর ইবাদত, দিশা আ, এর আহবান)	80-पृत्रकम	68	300
অবিশ্বাস (প্রতিশালককে অবিশ্বাস করার আন সম্প্রদারের খালে)	77- <u>र्</u> बंस	60	997	আল্লাহ প্রতিপাশক (তিনি সর্ববিষ্ণুর প্রতী)	৪০-মু'মিন	95	byc
অবিশ্বাদ (প্রকিশালনকে অবিশ্বাদনরির উপনা, বাধাসে বারু ধাই)	३८-ইरवादीम	724	654	আল্লাহ প্রতিপাশক (নবী ও অন্য সকলের)	৪২-পূল	26	9.94
অবিশ্বাস (হাজিপাধককে অধিয়াস করে বারা আকের পদার বেড়ি)	১৩-রা'দ	2	699	আল্লাহ প্রতিপাশক (মানুদের)	৪০-সুমিন	68	9.94
অবিশ্বানী (প্রতিশালনকে অবিশ্বাসনবির জন্য জাহনুদের শক্তি)	৬৭-মূল্ক	9	392	অল্লাহ প্রতিপাশক (সব মানুদের)	২০-সু'মিন্ন	65	988
অভিমুখী (প্রতিপাশানের নিকে প্রত্যোবর্তন ও আক্রসমর্পন কর)	৩৯-মুমার	48	b-96	আল্লাহ (স্বাক্তসমূহের প্রতিপালক আল্লাহর প্রশংসা)	১০-ইউনুস	30	620
অভিমুখী (প্ৰতিদাদকের অভিমুখী হল বাণাগওৱাল্যবা)	৬৮-কুলোন	95	399	অল্লাহই একমার প্রতিপালক এবং রক্তৃত্ব ভারই	৩৫-কাভির	70	₽8€
অভিযোগ, প্রতিপাদকের কাছে (রাসুদ স. দা পার্টিয়ে	২০-জা-হা	748	985	আল্লাহই প্রতিপাদক (মুমিল ও ইছদী-নানারাদের)	২-বাকুরো	709	676
অঞ্চিত্রকে ধাংস করা হলে)				আল্লাহই মানুষের দত্য প্রতিপালক	১০-ইউনুস	જર	66.
অমান্য (প্রটিলাকক ও বাস্ক এর অবাধ্যতার শান্তি)	৬৫-ডালাক	b	3/50	আক্সাহই মানুষের প্রতিপালক (তিনি হাড়া ইলাহ নেই)	৬-অন্ আম	205	606
অমান্য (প্রতিদাসককে অমান্য করলে দবীর শান্তির ভর)	১০-ইউগুস	>2	600	আল্লাহই মানুষের প্রতিপাদক (সুতরাং তার ইবানত কর)	২১-অধিয়া	24	926
অমান্য (প্রতিশাসককে সমান্য করলে শান্তির ভয়, নবাঁর)	09-2226	20	29.4	অপ্তাহকে প্রতিপালক কর্মা মূপা পো, কে হতার ক্র্যকি বিধাসকে	80-वृतिन	45	bbc
অমন্য (প্রতিপাশককে অমান্য করলে রাসুশও শারির তর করেন)	৬-আন্'আম	3/2	693	আল্লাহকে প্ৰতিপালক বলার মন্তার মুসলিমদেবকে বহিস্কার	22-EME	80	96%
ত্তমান্য করা (আনম আ, প্রতিপালককে অমান্য করল, নিজিছ গাই)	২০-ড়া-ব্য	252	985	অক্সাহত প্রতিপালক বলে ভাতে অধিলে ব্যতিনা দুনিভায়ের হবে না	৪৬-আছ্কাক	20	Bob
অমুখাপেজী (প্রতিশালক অমুখাপেজী ও নরাশীল)	৬-মান্'মাস	300	609	অস্ত্রাহ মানুহের প্রতিপাদক	১০-ইউনূস		668
অমুবাপেনী (প্রতিশানত অমুবাপেনী,মানুবের অভ্যক্তরে হেলে)	২৭-নামল	80	500	অপ্তাই মানুদের প্রতিপালক বিনি আরূপ ও পৃথিবী সৃষ্টি কয়েছেন	९-वा'त्रफ	68	635
অসহায় নর-মরী-শিকর জন্য আস্থাহর পরে যুদ্ধ করা	8-मिमा	92	266	আল্লাহ সৰ বিভূৱ প্ৰতিপাদক	७-वान् वाम	268	622
অগরাষ্ট (কাফিনের ভূফরী প্রতিপাদকের অসম্ভন্তি বৃদ্ধি করে)	৩৫-ফারির	ob.	789	অপ্রায় প্রার্কনা (প্রতিশালকের নিকটি, শক্ষতানের উপস্থিতি থেকে)	২৩-ৰুমিনুন	by	223
তাকাংশর প্রতিপালক সম্ভান গ্রহণ থেকে পদির	80-गुरंक्य	2.0	907	অপ্রের প্রার্থনা, প্রক্রিপালকের নিকট (মারইরামের ৫০৪)	৩-জালে ইমরন		0.00
ত্রকাংশর প্রতিপালক সমস্রাহর কন্য সকল প্রশংসা	৪৫-লাইয়া	00	Pos	অপ্রয় প্রর্থনা, প্রতিপালকের নিকট (পারতালের প্রয়োচনা থেকে)	২৩-মুমিনুল	59	994
স্ক্রবাশের প্রতিপালবাই স্কাণ্ডের প্রতিপালক (বিদ্যাস্মার্টন প্রদান)	२७-व व्यक्त	₹8	ባንኤ	আপুর প্রার্থনা (প্রতিপাশকের নিবট মুগ্য আ, এব অপুর প্রার্থনা)	88-मुभाग	20	bos
আকাশ-পৃথিবীর সংকিছুর প্রতিপাদক আল্লাহ	১৯-মারইরাম	60	405	পাশ্রর রার্থনা (মানুবের রাজিপালকের নিকট)	228-21FI	>	2000
ভাৰাণ ও পূৰ্ববীর প্ৰতিপালক এসৰ ভাৰতীৰ্ণ করেছেল	১৭-ইসরা	205	930	আসহাবে কাহফের (যিনি আকাশ ও পথিবীর প্রতিপালক)	১৮-কাহক	28	130

ত প্রতিপাদক

THE PARTY NAME OF THE PARTY NA	স্থানং ত নাম	m	781	तम् दिहर/दारक	স্থানং গ্ৰাম	965	
প্রতিশালক (পূর্ব পূর্বা থেকে)				ইন্ট্রাস সম্প্ররা ও পূর্বপুরুষদের প্রতিপালক আল্লাহ	৩৭-সাফ্চ্যান্ত	259	500
সামা (প্রতিপালক আমার জন্য কাফিরদের অংশকা 1)	৬-জন'কাম	Mile	633	ইহুদী-শ্ৰসাধ্যদের প্রতিপালক আল্লাহ	২-বাকুবো	১৩৯	650
কাৰ প্ৰতিপাদকের পাব থেকে মানুহার কাম শব্য এগেছে।	১০-ইউনুস	Job	668	ক্ষরণ (বিধাপাইনের বাদুকরেনর প্রতিপালকে ইয়ান আনর যোগা।)	२७-७'शस	81	930
রাস (প্রতিশালারের পার থেকে প্রথম (পার্কিরেশিকা/নার এসেয়ে)	১-মান <b>অ</b> ম	200	633	উত্থাননাররা বিভর্ক করুবে আহলি জিভাবনের সাম্পে	৩-জালে ইময়ান	90	281
রার (প্রতিপালকের শক্ত থেকে রাজান করার নির্দেশ বাসুল (ক)	২৮-কাসাস	361	920	चेवन तान्त्रिम श्रीरमाणुक्त श्रीते (काम्बाद संबद्धार प्रसन्ध)	72-4154	30	940
	88-मधीन	44	900	দিয়ান প্রেচিশালকের প্রতি ব্যানকরদের সমানের খোগণা)	50-81-8	90	981
অস্তান (প্রতিপালককে আহ্বান করে মুখ্য আ, বলগ)				स्थान (श्रीतन्त्राहरू श्रीत नेपन प्रान्त (प्रत्य अरू शर्मन)	৩৬-ইরাসীন	2.0	70
অস্থান (প্রতিশাসককে আহ্বান করবে ইবরারীন আ.)	১৯-মারহস্থাম	8br	959	দিয়ান (প্রতিপাদকের প্রতি সমানের আহ্বান)	৩-ব্যালে ইমরান	290	22
অস্থান (প্রতিপাদকের আহানে সাদ্ধা দেরা)	8২-শূরা	89	200	মন্ত্র (এত শুনুকো এত পর্যান্য আর্লা) মন্ত্র প্রতিপ্রস্তার প্রতি মন্ত্র অনার মন্ত্র রাজ্য স্, এর অস্থান)	१५-शमीन	b	281
অস্থান (গরু হাবাই প্রনঙ্গে প্রতিশালককে আহ্বান করার	২-বার্ধরা	100	@obr	মান প্রতিশাসকর প্রতি মনিসর করি জনাকে অশব্ধ (পই)	৭২-জিন	26	70.00
অনুরোধ, মৃদা আ. কে)		-	-		০-জনে ইমরান		00
আহ্বান (গল লবাই প্রসঙ্গে প্রতিপালককে কাহ্বান করার	২-বাবুদরা	60	@obr	দ্বাদ (প্রতিপালকের প্রতি ইয়ান)	৫-মারিলা ৫-মারিলা	26	
অধুরোধ, মূলা আ. কে)		_		দিয়ান (প্রতিপালকের প্রতি নামারানের সমান)			49
আহ্বাদ (গড় জবাই প্রসঙ্গে প্রতিপাদককে আহ্বাদ করার	२-राकृता	90	609.	ঈমান (হাঙ্ক-/মূদার প্রতিপালকের প্রতি জারুকরনের ঈমান)	২০-ছা-ব্য	90	98
অনুরোধ, মৃসা আ. কে)		10		ইসা জ্বার প্রতিপাদক আল্লাহ	৫-মাধিলা	224	65
মহবাদ (প্রতিপাশকের দিকে আহবাদের নির্দেশ, রানুল এব প্রতি)	২২-হঙ্গ	99	968	দিসা আ এর প্রতিপালক আল্লাহ	৩-জালে ইময়ন	62	28
স্বাহ্বান (মুমিনরা প্রতিপালকের আস্থানে গাড়া দের)	84-70	100	1/28	দিশ জা প্রতিশালকে নিকট প্রর্থন করসেন পানপূর্ণ পর…	৫-মাছিলা	278	29
रिहेम्स वर्षः प्रदार्शनिकात व्यक्तार (अंब्राजी e महत्त्वावन)	১২-ইউসুক	6	999	উপ্ত মার্যুন (মুন্নিনালন কলা প্রতিপালকের কাছে উপ্ত মর্যুন বছেছে)	১০-ইউনুস	5	60
ইউন্নয় আ, এর প্রতিশালক অক্সার কতি কমার্শীল ও পরম নরাপু	১২-ইউসুক	20	987-2	উল্লেটন কর (প্রতিশাসক পর্বজ্ঞাক সম্পূর্মিকে উল্লেটন করকে)	50-21-11	300	98
ইউস্থ আ, এর প্রতিপালক যা শিবিক্তেন (সংগ্রহ কাখ্যা	24-25344	-	98ro	, উল্লে (পরিত্র বিবানের স্থারন করা প্রতিপাশকের কাছে উচ্চম)	22-57 <b>%</b>	ರಿಂ	94
ভারই অন্তর্ক)		99		উত্তৰ (প্ৰতিশালকের নিকট উত্তৰ, স্থায়ী সংকাম)	১৯-মার্ট্রাম	95	90
ভারত অবস্থাত । উল্লেখ্য আ এর প্রতিপালক মপ্র সজে পরিশক করেছেল	77-5034	300	646	ভাল্প প্রভাগত জন্ম প্রতিশালকের নিবটা। (বাংলাভয়ালর )	75-9050	00	93
হয়তে স্থা প্ৰতিক্ষাক্তৰ কলা 'অপনি আয়ক বাধাহ পৰ কাৰেল'	25-5,934	303	696	উন্নাচন ও অভাচনের প্রতিপালকের কলম কর্মেন আপ্লাহ	৭০-মা'কাবিদ	80	35
होत्रका पर अधिनक्षत्रक कल (प्रापंत निको कारावेदों (मि जिए)	75-5924	90	693	উপস্থাসন্মহের প্রতিপাদক (অপ্রাহ)	৩৭-সাক্ষাত	0	ъ
ইনিত (পাথাভাগায়ে, নানা নামত মৌমছিলে প্রতিপাশালের ইনিত)	36-727	Ne	900	উদ্ধান (বাকে উভাবের লোৱা, প্রতিশাদাকের কাছে)	७७-छाइतीम	33	34
হারত (পাহারুপায়ে, এনা বনারে নেমাব্যুক আরুপান্যাকর বাতে। ইচার প্রেরিপালাকের ইয়ার মানুহকে অঞ্চলন কেনে বের করতে)	20-मान्न 28-देशक्रीम	2	690	উপস্থিত করা হবে মালুমকে, প্রতিপালাকে দিকট (সমিকভাসার)	79-9159	87	93
হান্ত (প্রতিপালক যা ইচ্ছা করেন তাই করেন)	77-5s. 19-6amou	309	998	উপন্নিত্ত (অপার্টের প্রয়ে প্রতিপাস্থাকা নিত্তী আদান লাপ্রের্টার)	२०-का-श	98	98
		204		উপস্থিত হাৰে প্ৰতিশাসক (বিয়ামতে)	bp-mad	22	30
ইক্সা (প্রতিপাদক ইচ্ছা করলে পৃথেই ঝংস করকে	৭-আইফ	300	686	ভুলাস্থত হাংল প্রতিপাশক (10 মান্তে) ভিতর প্রতিপাশকে পত হতে জন্ম নতন উপাদেশ কোমানে প্রতা	১১-জাছিল		
পাধতেন, মূসা আ, প্রসঙ্গ)		-	$\vdash$		4-20,000	2	90
हेक्स (अधिनामक पन्त देख न कहान, चानकात सहाराज्ये भारत)	<i>77-ई</i> ल	309		উপদেশ প্রতিশাসকের উপদেশ এসেছে এক বাজি উপর)		90	83
হৈছে প্রেতিপঞ্জনক ইয়েই করলে মনুষ্যুক্ত এক উৰত করতে পারতেন)	22-Ed	2234	999	উপদেশ (প্রতিপালকের পক্ষ থেকে উপদেশ আগ)	৭-জা'রাফ	99	43
ইঞ্জ (প্রতিপালক ইচ্ছা কর্বাল স্বাই ঈমান আনত)	১০-ইউনুস	99	960	উপদেশ (সুদ সম্পর্কে প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে উপদেশ)	২-ৰাকারা	290	
ইঞা (প্রতিশাসক অন্য ইঞ্জ না কথলে দুর্ভরা আছনেই পাকবে)	77- <u>\$</u> sk	309		উপদেশ (কুরআন মানুবের জন্য প্রতিপাশকের উপদেশ)	১০-ইউনুস	29	80
ইন্দ্ৰ্য (প্ৰতিপাশকের ইন্দ্ৰ্য ও শৱতানের প্ৰভাৱনা প্ৰদেশ)	৬-জন্'কম	225	Pos	व्यक्त (कृतमान अन्त म. यस अस्य-विश्वनातम् व्यक्त सरमः)	১৭-ইস্বা	84	93
ইয়া (প্রতিশালকের ইঙ্গার ফনল উৎপত্র হয়)	৭-জা'রাঞ	@r	472	একত্র করকেন প্রতিপালক (মুমিন ও মুশরিকদেরকে)	৩৪-সাবা	રક	148
ইচর (প্রতিপাদকের ইচর ছায়া কেন্ট ইগরাহীয় জা, এর	<b>७-व्यम्</b> व्यय	l bo	500	এক্টিড করকে প্রতিশাসক, মানুষ ও শরভান্দেরকে	১৯-মারইয়াম	99.	190
কতি করতে -া পানা)		100		একলি (প্রতিক্ষাকের একটি দিন মনুক্রের হারার বছরের স্মান)	২২-হাজ	89	90
ইচ্ছা (ইতিশালকের ইজ্ঞা হাড়া ড'আইব আ. এর	৭-জা'রক	170	653	এসে খার না কিছু প্রতিপাদকের (আকে না আকলৈ)	২৫-মূবকান	99	9
সদ্প্রদায়ের ধর্মে ফেরা জনস্বত)				ভাষা পেশ (প্রতিগালাকের বাছে ভাষা পেশ করম কর্ম উপলেশ দান ()	৭-আ'রাফ	368	6
ইবরাহীম আ, এর দোয়া প্রতিপালবের নিবট (মৃতি পূজা প্রদাস)	18-देनवदीय	00	999	তই করেন প্রতিশালক, কেলোজনের প্রতি (কনাড়ার প্রণস)	৮-আনফাল	24	64
ইনরাহীত্র আ, প্রতিপালানের নির্মান কথা প্রার্থনা কথানে (পিরার কন্য)	১৯-মারইরাম	89	909	বাঁই প্রেরিশাসন পৃথিতি কবি করে বিয়ামতে ধবা ক'না করে।	১৯-বিল্যাল	0	30
ইব্যাই'ম আ, প্রতিদাদকের নিকট উপস্থিত (বিকল্প চিত্রে)	৩৭-সাক্ষাত	7/8	66%	ন্ত্ৰী প্ৰেচিপদক্ষের পথ থেকে য'বই করা হর খার জনসকা।	न-आधार	200	9
ইবার্ট্রের অ, এর প্রতিশক্ষা বরেকটি বলী ছব তাকে পরিমা করেল।	২-বাকুরো	348	678	ওটা করকেন তামলগুলের প্রতি (জালিমদের ধ্বংস প্রসংস)	১৪-ইবরাহীম	30	0
ইকার্যম অ. এর সেয়া প্রতিশাসকে নিকট (বলেমচেন জন)	38-इरतादीय	99	999	ব্রী মতেন প্রতিবাদক বাসের স. কে (সঠিক পথ অনুসর্ভাধ ধন্দ)	৩৪-সাবা	20	8
इन्स्ट्रीय ज. जा (नार जीवनन्यरूग निवर्त (पृष्टि गुमा शान्त)	28-वेरवादीय	90	986	ব্রী পোন্ত গায়, বাদ করে মৌর্যাধন প্রচিপদানে ধরী ইপিত)	১৬-নাহল	66	9
হৈছুহৈ জ, এর অনুরোধ প্রতিপালনের কায়ে (নুজার জীবিত করতে)	२-शक्त	590		च्ये (दारम ग. (क अविश्वमात्त्वर व्येष्ट स्थानकः स्थात निर्दर्शः)	৬-আন'আম	206	
ইবারীম জা. এর প্রতিপালক জীবন-মত্যা দলে করেন	२-राकृत्व	225		বুটা (প্ৰাকৃত্য স. কে প্ৰতিশাসকলা বুটা জনুসালা কামা নিৰ্দেশ)	৩৩-আহ্বাব	1 4	V
ইঞ্জিত প্রতিপালকের কল্পে মানুহকে বিশ্ববাদী করার প্রতিমান করণ	30-1999	400	900	কটোর (প্রতিপাশক শাহিদাদে কটোর)	১৩-বা'দ	10	10
ইংলিস প্রতিপাল্ডের নিবট অবকাশ প্রার্থনা করল	३४-विवय	95	669	করা (প্রতিশালকের করা কাভিরদের বিক্তমে সক্ষা হবে)	৩৭-সাফ্যাস	103	4
হবাসস প্রতিশালকের (১৭০ অবকাশ প্রাথনা করণ উর্থনিস প্রতিশালকের নিকট অবকাশ প্রার্থনা করণ	७५-८राजान	93	1190	কথা (প্রাক্তপাল্ডের কথা কালেরেনের বিক্রমে কথা বলা) তথা কথা হেলা আ, এর সাথে প্রতিপাল্ডের কথা বলা)	4-M, বাঞ্ বি-সার্কাত	784	
	30-East	29					
ইবনত (প্রতিপদক্ষের ইবনত করম নির্দেশ, মৃত্যু আনা পরি)			902	কন্য প্রতিপাদকের কন্য, তার পুত্র কাহিবদের জন্য!	৩৭-সাত্তাত	782	
ইবানত (অক্সহাই মানুদের প্রতিপালক, মুকরাং করে ইবানত কর)	२५-खरिया	95		কল্মণ (মুদ্দিনের হতি হতিশালাকের কল্মণ ভারতীর্ণ হওয়া)	২-ব্যক্তরা	200	
ইবাদত (সংক্ষা হংগাৰ কণ্য প্ৰতিপালকেৰ ইবাদত্তৰ নিৰ্দেশ)	44-13M	99	900	কলম (কাভিদান প্ৰতিপালকের কলম করে বিষয়মতে কলবে)	<i>৪-আন্.আম</i>	100	
ইবাদত (মন্তা নগরীর প্রতিশাসকের ইবাদত করার নির্দেশ)	২৭-নামল	97	po4	কলম (প্ৰতিপাল্যকৰ কলম! পুনস্থান ও শান্তি অবশ্যই সভা)	১০-ইউনুস	60	
ইঞ্চত (প্রতিপাহারর ইবানত করে অঞ্চান, দিলা আ, এর)	80-दृदक्ष	68	900	কলম (প্রতিশালকের কলমণ মুনাবিকভান ঈশ্বনা আনা প্রশাস)	8-PH	42	0
ইবানত (প্রতিপালকের ইবানকের মাধ্যমে আকথার জনসংশ)	২-বাকুরো	57	600	কপম (প্রতিপাশকের কলম, কিয়ামত আগবে)	৩৪-সাবা		7
ইবানত (মেনেশতা প্রতিশালকের ইবানত থেকে নিতে থাকেনা)	৭-জ'রফ	200	663	কল্ম প্রতিশাসকের (কবিদয়ানা পীনুষ্ঠি, বিশাসত/শান্তির সভাতা)	৪৬-আহ্কাফ	¢8	b
ইমবানের বী প্রতিপালকের জন্য মানত করলেন	৩-জলে ইমর্ক	1 00	600	কল্ম প্রতিশালকের (কাভিতবা নিক্তম পুনরুখিত হবে)	৬৪-কাগাবুন	9	34
	৬-বাসে নৈত	90	200	কসম (আকাশ ও পৃথিবীর প্রতিপাল্যের কসম)	৫১-যাবিরাত	30	8

	সূত্র শং ভ নাম	-	201	শ্বদ ১ - বিষয়/হাসহ	बूद्रा वर् च नाम		-91
প্রতিপালত (পূর্ব পৃষ্ঠা কেন্ডে)				ক্ষম (জন্নতে প্রতিক্ষাকের পক তেতে ক্ষম, মুক্তরীনের জন্য)	৪৭-যুহামান	345	27
কাফিবালে প্রার্থন প্রতিপাশকের দিবতী (শান্তি দূর করার জন্য)	৪৪-দুপান	25	305	ক্ষমা করেছেন (হাবিব নাজ্মার নামক মুমিনকে)	৩৬-ইয়াসীন	29	50
অভিনয় প্রতিপালনকে নগানে 'বুর্জাণ্ড আমানের উপর বিভারী'	২০-মুখিল্ন	200	335	ক্ষমা (কিরাখতে প্রতিপাদকের কাছে মুখিনদের ক্ষমা প্রার্থনা)	৬৬-ভার্থীয	ν	39
কাফিনা প্রতিপালককে কলনে- পথন্টেকারীনেরতে দেখিরে দিন	৪১-কুস্সিলাও	435	bat	গৌন্ধ করা (আল্লাহ থান্য অন্য প্রতিশালক থৌন্ধ করা)	৬-জান্'আম	168	65
কাফিরো প্রতিপাদকের প্রতি বিশীত হল না	২৩-মু'মিনুন	93	990	গন্তব্যস্থল (প্রতিপাশকের নিকটই গন্তব্যস্থল)	२-वाङ्गदा	240	40
কবিবর প্রতিশালকের করে অপরাধ দীবার করবে (বিয়ানতে)	৪০-মুমিন	22	496	এহণ (অস্তাহকে বাদ দিয়ে প্রতিপাদক প্রবণ নয়)	৩-আলে ইমরান	68	98
কাফিবরা প্রতিপাশকের বিকাদে সাহায্য করে	२०-व्यक्तान	00	996	গ্রহণ (ফেরেশতা ও নবীদেরকে প্রতিপাদক প্রথণ প্রসঙ্গ)	৩-আলে ইমরান		98
ব্যমনা (প্রক্রিপালকের নিকট হিনাবের প্রেই প্রাপ্য ক্রমনা)	०४-८ग्राम	36	999	যোগণা (প্রতিপাদকের পূর্ব মোদণা হয়ে গেছে)	৪১-ফুস্সিলাত	80	60
বাফিলেরক কি প্রতিশালক পুর সপ্রাচন্ত জন্য মচানীত ব্যৱস্থানা	১৭-ইসরা	80	939	(याका (क्वलाहा न अक्वलाहा सभाव स्विभागांका (राका)	३८-३वतदीम	9	69
কাফিরদের প্রতিপালক (যিনি হল আ,এর প্রতিপালক)	३३-इन	26	890	বেকা, প্রতিপাশকের (বিষয়েত পর্যন্ত ইন্তবিদের একনাত্রক পাস্তি প্র.)	৭-আ'রাক	389	62
কমিতার প্রতিশালকে নিকট তালে জন্ম কলাগই ব্যৱস্থা	৪১-ফুস্নিলাত		930	চন্দ্ৰকে প্ৰতিপালক বলা (ইৰৱাহীয় খা, কৰ্মক)	৬-আন'আম		
অধিকার প্রতিশাসকে করে প্রদর্ভন (কেন্সেন বিচন শর্মির (নামা)	৩০-জাহ্বাব		P-00	নেওয়া (প্রতিপাদকের কাছে আকাশ-পৃথিবীর স্বাই)		99	90
विकास (व्यक्तिमाराका विकास मार्थ काम निर्मा कामून म्. (क)		99		চাওয়া (প্রতিশালকের নিবট জান্তার্থীরা যা চাবে তাই পারে)	৫৫-রাক্মান	4.8	8
	১৮-বংহুত	29	928		৪২-শ্বা	44	P.
কিতাব (প্রতিপালকের পক্ষ থেকে সন্তাসহ অবস্তীর্গ)	৬-আৰ্'আৰ	228	1009	নেইলেন (বালক দু'টি বয়ঃপ্রাপ্ত হোক)	১৮-কাইক	45	9
ভিতাব (প্রতিপাশকের ভিতাকের সভাতার সীকৃতিদান, মার্যজনের)	৬৬-তাব্রীম	25	247	নিপিরে দেয়া (বেঝা চাপিরে দেরা হতে প্রতিপালকের কাছে	২-বাকুারা	200	61
কিন্তাব (ক্ষায়ের প্রতিশালকের দিবট হতে কিতার ভারতকা)	৩২-সাজ্না	3	900	মুক্তি প্ৰাৰ্থনা)		~~	
কুরমান প্রতিশালকের পক্ষ থেকে সভ্য	২-বাকুারা	788	679	মিকৈত পাৰৰ, এতিপাশকের নিকট (দীয়া পদ্দানকবিলের জন্য)	৫১-দাবিরাত	*88	h:
কুরআন (মগতনম্হের প্রতিপালকর হতে কুরজান অবতীর্ণ)	৬৯-হাজাহ	80	290	মিকৈত (প্রতিশালকের মিকিত পাধর কৃত দপরসারের উপর বর্ষণ)	77-Jin	20	80
কুরজন, প্রতিশঙ্গানের কাছ যেকে ভিবরদিশ মারদের জনতীর্ণ	১৬-সাধ্য	205	477	মুখার অবন (নিন্যানতের) কেবল প্রতিপালকের বারেই বরেছে	৭৯-নানি'স্বাত	88	20
কুরস্মান, প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে সভ্য নিয়ে সবস্তীর্ণ	২-বারুদরা	182	679	ক্রেরানাল্ড(প্রতিপালনের ক্রেরাঝ্নপর্বাই কেবল অবশিষ্ট থাকনে)	৫৫-রাজ্মান	29	36
কুরমোনক প্রতিপাশকের পক্ষ কোকে সভা বলে বিশ্বাস করে	২৮-কাগান	do	435	ছুটো আনবে করে থেকে প্রতিপালকের নিকে (শিক্ষার ফুঁ নিলে)	৩৬-ইয়াসীন	67	100
ক্তজতা প্রকাশের সামর্থ্য কামনা (প্রতিপাল্কের নিকট)	৪৬-আব্কাফ	34	806	অগতসমূহের প্রতিপাশকের রামূল নূহ আ,	१-आंशक	63	63
মেন প্রকিপালকের, স্ক্রুর পুরুষীদের উপর পুনিয়ার জীবদে	৭-জ্যা'বাফ	202	698	জনতসমূহের প্রতিশালক আল্লাহর প্রশংসা	২০-ইউনুস	20	86
রেমধ (প্রতিপাশবেদ্য রেমধ্বনী ইনরাইক্রের বছর পূজর কার্যা)	२०-इंग-श	100	986	স্থাপসমূহের প্রতিশাসক আল্লাহকে তর করে শরকান	৫৯-ব্যশর	29	740
ক্ষমা (বিচার দিনে প্রতিপালকের ক্ষমা পাওয়ার প্রজ্ঞাশা,	१७-७,आध		3345	জগতসমূহের প্রতিপাশক আল্লাবর জন্য সকল প্রশংসা	84-माधिका	00	30
देवबादीम च्या. अत्र)	40-0 0101	b/s	1000	बारकमपुरस्य পुरित्यागक मान्यार्थ धानरा कीए (देनसरीहरूस अञ्च)	৩৭-সাফফাত	64	24
কম (মুনিন জাবুকরে প্রতিপাদকের কমা প্রতাশ করে)	২৬-চ'জারা	67	9300	কণকসমূহের প্রতিপাদক আচুহে বরক্তমন্ত	9-88,81A	28	63
ক্ষমা প্রার্থনা প্রেটিপালকের নিকট ক্ষমা প্রার্থনার নিচেপি)				কণকণমূহের প্রতিপালকের প্রতি আগ্রুসমর্পান আমিট রাসুল	व-जा शक् 80-मु'प्रिन		
ক্ষম প্রথম (প্রতিশাসকের কাছে নুহ জাতির ক্ষম প্রথম ওলাং)	77-Āei	ào	৬৭৪	ভগতসমূহের প্রতিশালক আপ্রাহতে তর করে ব্যক্তি	ao-ब्रासन c-माविमा	-66	ы
	१)-न्द	30	846			59	n
क्या आर्थना (उधनाक्षतीहरूत करा क्या आर्थना करत)	8०-मू*भिन	٩	b*1b*	बन्नवनपूरत व्यक्तिभाग व्यक्तर पूजा व्यः प्रकलमा (श्रेष (ब्यक)	২৮-কাসাস	00	b:
ক্ষম প্রার্থনা (প্রতিপাদকের নিকট দুহ ক্ষা, এর ক্ষমা প্রার্থনা)	१५-मृद	52	9946	জগৎসমূহের প্রক্রিপালকের নিকট হতে কিকাব অবছরণ	०५-मास्मा	2	bro
কম প্রর্থন (প্রতিপক্ষকা কাছে, ইকার্টন আ এছ নিজে জন)	1৪-ইবরাহীম	48	698	জগতসম্মের প্রতিপাশক আল্লাহর কন্য সকল প্রশংসা	১-ফাভিয়	2	20
ক্ষমা প্রার্থনা (প্রতিপালকের কাছে ক্ষমা প্রার্থনা)	১১-বৃদ	0	950	অগতসমূহের প্রতিপালক আল্লাহর জন্য সকল প্রশংসা	৬-অন্'আম	8¢	60
कम श्रार्कन (माद्यपानिसप्र कल श्रिक्तभावना निक्रो कम श्रार्कन)	১১০-দাস্ব	v	2000	জগতসমূহের প্রতিপালক আল্লাহর জনাই সকল প্রশংসা	৪০-মুখিন	60	100
ক্ষম (প্রতিপাশবেদ্য ক্ষমা ও জন্মেতের দিকে অর্রগামী হওয়ার নির্দেশ	৫৭-ব্যদীদ	57	320	অগতসমূহের ব্যক্তিপালক আল্লাহর জন্য সকল প্রশংসা	৩৯-যুমার	9.0	4
ক্ষমা (প্রতিপাদকের নিকট ক্ষমা প্রার্থনা)	৬০-মুমতাহিনা	0	25.0	লগতসমূহের প্রতিশাসকের পক্ষ থেকে অবতীর্ণ (কুরমোন)	৫৬-বর্জাক্রাত্	90	38
কমা (প্রতিপাদকের নিকট কমা প্রার্থক করে অক্সাহত্যালরে)	৩-জালে ইমরান	189	285	ৰূপতসমূহের প্রতিশাদকের পক্ষ থেকে কুরমান অবতীর্ণ	১০-ইউনুস	03	60
ক্ষমা (প্রতিপাদক ব্যাপক ক্ষমার মালিক)	৫৩-নাজম	65	300	অপতসমূহের প্রতিশাসকর হতে কুবেয়ান অবস্তীর্ণ	৬৯-হাজাহ	80	36
क्या (प्रविभागावात क्या व मता श्रावेना, प्रमा छा, व श्रावम छा, वश्र	१-जा'राक	343	69.6	নাগকসমূহের প্রতিপালক অস্তানের নিবট আক্রামপর্টার নির্ভাগ	৬-আন'আম	95	80
ক্ষমা প্রেতিপাদকের ক্ষমা ও জান্তাত মুমিনদের প্রতিদান)	৩-আলে ইময়ান	Sob	085	অপভসমূহের প্রতিশালক বীং (ফির অভিনের প্রপ্র)	২৬-৩'জারা	40	96
কমা (প্রতিপাদকের কমার নিকেন্দ্রত ধাবিত হওয়ার নির্দেশ)	০-জালে ইমরান	See	489	লগতসমূহের প্রতিদাসত জাপ্তাহ	৮১-ভাকজীর	30	20
ক্ষার জন্য প্রতিপাদকের নিকট প্রার্থন্য	२-राक्षवा	260	0.00	হাগতসমূহের প্রতিপাশত আল্লাহ	৪০-মুখিন	68	30
কমাশীল (প্রতিপালত মানুহের প্রতি কমাশীল)	১০-রাম	9	Shp	ৰাগতসমূহের প্রতিপাশক অক্সাহ	৩৭-সাত্কাত	29.5	9.0
ফ্যাণীল প্রতিপালক	৩৪-সাবা	26	b84	ক্ষাবতসমূহের প্রতিপাশকের শ্বমান নায়বে মাধুব (বিশ্বমতে)	७५-गाएका <b>उ</b>		
কমাশীল প্রতিপালত (অল্লভাবনত খরাপ কাল করলে		34		লগতসমূহের প্রতিপাসকের রাস্থ্য ভূদ জা,		6	30
चावमार्थीर शिक्ष	29-M64	222	930		৭-আরফ	७१	97
অনুনাৰ ব্যক্ত) অমুনীৰ (প্ৰতিপালক অতি অমুনীল ও দক্ষৰ, ব্যৱম খাণ্ডা এ;)		-	-	বাণকসমূহের প্রতিপাদকের রাস্ল ছিলেন মূসা জা,	৪৩-মুখকফ	86	78
কমশাল (প্রতিশালক আত কমশাল ও দল্পনু, র্ডম মার্ডল এ:) কমাশীল (প্রতিশালক অতি কমাশাল ও পর্ম দল্লালু)	৬-আনু আম	284	670	লগতের প্রতিপালকের প্রতি জানুকরদের সমান	৭-জা'রাফ	257	49
	৪-অন্.আম	794	৬১২	স্বাদ্যতর প্রতিশালক আল্লাহ পরিত্র	২৭-নামশ	b	bro
কমাৰীল (প্ৰতিপালত কমাৰীল এবং যম্বেদায়ত পাঞ্চিনাঞ)	৪১-মূপ্সিলাত	80	144	লগতের প্রতিপাদক আল্লাহর জন্য নালাত/কুরবাণী/ জীবন/	৬-জান্জাম	162	63
ছমানীৰ (প্ৰতিগালক ছমানীৰ ও দয়ৰ)	১২-ইউসুঞ্	46	99.9	म्बर्ग नगरे		_	
কমাশীল (প্রতিপালন পরম কমাশীল, মৃহ জাতির ক্ষম প্রার্কর)	१३-नृद	30	846	জন্মতন প্রতিপালক অস্তাহ স্বান্ন নথাই ইবরাহীর স্কে. এর শত্রু	২৬-৬'জারা	99	9)
কমাশীল (থৰ্ম)হিননত,জিবান করলে প্রতিপালক কমাশীল(ধরাসু)	১৬-নাহল	220	955	জগতের প্রতিপাশকের নিকট সালিহের প্রতিদান	५७-७,ब्रावा	184	9)
কমাশীল ও পরম নবালু প্রতিপালক (তওবাকারী জন্য)	৭-আ'রাফ	340	616	ৰূপতের প্রতিপালকের নিকট নৃহহর প্রতিধান	३५-७ जावा -	253	92
কমাশীল ও প্রতিদানদাতা (প্রতিপালক আল্লাহ্ )	०४-मारित	48	484	ক্ষণতের প্রতিপাধকের নিকট নুহের প্রতিধান	২৬-৬'আরা	303	93
কমাশীল ও পরম দরালু প্রতিপালক (নৃহের ৌঝারেছন প্রদার)	22-Est	48	963	ৰূপতেৰ প্ৰতিপাদকের নিকট ক্ষমাইংগ্র প্ৰক্ৰিসান	২৬-৬ আরা	200	93
কমাশীল ও গয়ালু (শান্তি কুরাম্বিত না করার ব্যাপারে)	79-416A	av.	993	স্ক্রপতের প্রতিপাধাকের নিকট সাধার বানীর আন্ত্রসমর্পন	২৭-নামল	88	arc.
কমা প্রার্থনার অস্তান প্রতিপাদকের কাছে (আন সংক্রারকে)	25-4154 25-44	25	990	অগতের প্রতিপালকের নিকট পৃতের প্রতিদান	২৬-হ'জরা	348	93
ক্ষমা প্রার্থনার নির্দেশ (প্রতিপালকের কাছে)	২০-মুখিনুন ২০-মুখিনুন	272	110	জনতের প্রতিশালকের নিকটি ইবরাইম আ: এর আন্তর্ভার্নণ			
dr. m	40-2 MA	1.07	110	are a man a reserve standa at da aldasan	২-বাঝুরা	707	67

THE BUILD	বিষয়/প্রসঙ্গ	Comple	नुवा नर च नाय	-	401	नम दिरहा/धनम	रुवा मेर कमान		
প্রতিপালক (পূর্ব পৃষ্ঠা ব	eca)					ভারা (রাসুল স. তথু প্রতিশালবংকই ভারেন: জন্য রাউরে নয়)	१२-किन्	30	àb
	পদ থেকে কুবজান অবর্থ	হাৰ্থ	59-9,488	725	456	ডেকে ধলদেন মৃগাকে, তুওয়া উপত্যকার	৭৯-নাথ আত	26	20
	জ সম্পূৰ্ক প্ৰতিপালক ৰে		59-6,685	724	939	ভর্ক (প্রতিশালকের বাপারে ইংরেট্রিয় আ. এর সারে ন্যাকসের ভর্ক)	२-राकृता	২৫৮	00
	যের সম্পর্কে আল জানেন		১৭-ইসরা	48	475	ভাসুত বাহিনী প্রতিপালকের নিকট ধৈর্য প্রার্থনা করণ	২-বাকুৰো	200	Q:
	যের গোলন-প্রকাশ্য বিষয়		২৭-সামশ	48	trob	ভাওবা কবুদকারী (প্রতিশাসক ভাওবা কবুদকারী)	১১০-নাসর	0	20
	মানুহার বক্তে যা গোপন বহ		২৮-বার্থস	83	P-78	অবাংশ (উজুল মুক্তিশিক বিভানতে প্রতিশালকের দিকে অবন্যা)	৭৫-কিবাবাহ	20	37
	त्रमुन यत नेतिया मानाव ए		৭৩-মুখবাধিল	30	20.2	ভাকওয়া অবসমনবারীর জন্ম প্রতিপালকের নিকট জান্তাত	০-আলে ইমরান	20	di
	क्रमा एक नवस्त्रितीयम् निरा		২৮-কাসাস	PAS.	P.75	দর্মান প্রেরণাকক ব্যাপক দয়ানীল বিস্তু অপরাধীনের পারি)	৬-আন'আম	189	0
	রীদের সম্পর্কে প্রতিপালক		২০-ইউনুস	80	600	দরালু (প্রতিশালক মহাত্রতাপশালী ও পরম দরালু)	২৬-৫'জারা	67	2
	সম্পর্কে প্রতিপাদক সনাক্রয়ে		৬-জান'আম	279	909	দরালু (প্রতিদালক মহাপ্রভাগণালী ও পরম দরালু)	২৬-চ'জারা	h	9
				220	669	দরাল (প্রতিশালক মহাপ্রতাপশালী ও পরম দয়ালু)	২৬-৬'জবা	280	13
	লৰ সামনে উপস্থিত করা য		22-वृत			দয়দীল (প্রতিপাদক অমুখাণেদ্ধী ও দয়ালীল)	৬-জান'জাম	200	10
	র সম্পর্কে প্রতিপালক বেশি ব		১৬-নার্শ	256	950	দয়ালু (প্রতিপালক পরম বয়ালু)	22-4W	30	0
	সের সম্পরে হাতিপালক বেশী	E deliberal)	৬-আন্'জাম	224	৬০৭	দর্যালু (প্রতিপালক মহাপ্রতাপালী ও পরম দরালু)	२७-व'वाडा		
জানেন (জাসহাবে কা			79-বার্ক	57	926		59-0 ald	246	9
জনেন (আসহাবে কা			<b>১৮-কার্</b> ফ	44	920	দয়াপু (প্রতিপালক মহাপ্রভাগণালী ও পরম দয়াপু)			9
	কৈ এর অবস্থাকাল সম্প		১৮-আইক	7.9	920	দরাপু (প্রতিপালক মহাপ্রতাপশালী ও পরম নয়াপু)	<b>২৯-৯</b> ,৪৪৪	308	9,
	ানেল মানুষের অস্করের বি		১৭-ইস্রা	42	936	দয়ালু (প্রতিপালক মহাপ্রভাপশালী ও পরম নয়ালু)	२७- <b>व</b> .ब्राह्म	759	9
	ल कारमम मोदीरमद बरूप		77-5224	фo	99-7	দরালু (প্রতিপালক মহাপ্রতাপশালী ও পরম দরালু)	<i>59-व,व्या</i> श	255	9
	রে বেশি ছালেন কে নঠিক °		১৭-ইস্রা	₩8	457	পরা করেন বাকে প্রতিপালক, তাকে স্বান্ধ ক্ষয়কে মন কুমরাণা পের	25-5930	60	8
	ানেন, কে ভাঁর পথ থেকে		৫৩-নামন	00	900	দর/কথ (প্রতিশালক নায়/কথা না করেশ কর্নী ইনরেইল ক্ষিয়ের হবে)	৭-আ'রাফ	789	8
প্রানেন (প্রতিপাদক না	নন কে বিয়ুহত আর কে সঠি	কণ্য গ্ৰাম্ব)	৬৮-বুংলাম	٩	96.9	দাা ছড়ির নিনে (গুরুর অনুমাহনকরী অনহাবে কহানের কণ)	১৮-বর্জ	39	9
	ও প্রকাশ করে প্রতিশালক ক		১৪-ইববাহীম	Qp.	086	দরা (প্রতিপালক ভার দরার মধ্যে প্রবেশ করাবেদ তাদেরকে	৪৫-মাহিয়া	van.	b
জানেন (বাসুলগৰ জন	পদবাদীদের নিকট প্রেরিয	व व्राज्ञाव्यः)	৩৬-ইয়াসীন	36	200	यात्रा श्रेमाग)			
কলিমেনেতে প্রতিশাস,	क्य गमारम प्रश्रहमान जरहार	(PH)T	৩৪-সাবা	40	180	দরা/দর্বত (প্রতিশাসকের দরা/দর্বত, নৃহ আ. এর প্রতি)	১১-সুন	26	10
	নিরট প্রার্জন করবে (আচন		২০-মু'মিলুল	209	992	দল্ল (প্রতিপালক দল্ল করনেন বনী ইনরাইনরে ক্ষুত্রর হলে)	১৭-ইস্রা	ь	9
জিলাৰ কালে প্ৰতিশা	न्तरूक देशाध्देश च्या (श्रम क	লেব বংশারে)	৩-জাঙ্গে ইমরান	80	480	দর্মা (প্রতিপাশকের ক্ষমা ও দরা প্রার্থনা, মূদা আ, ও হারাল আ. এর)	৭-আ'রাফ	747	6
क्रिकाम अक्रिशासकर	চ (পরিপতিসম্পন্নকৈ কিছ	THUE	२०-छा-छ		485	দরা, প্রতিপালকের (ভূলকারনাইনের প্রতি)	7h-4124	by	4
দৃষ্টিহীণ করার কারণ)				256		দরা (প্রতিপালকের নরা, যাকারিয়ার প্রতি)	১৯-মারইয়াম	2	1
লীবন দান প্রেডিপালন	: <b>जाहार सी</b> यन नाम रहत	F)	৪৪-দুবাদ	b	506	দামের প্রতিপালকই রানুল/বালর সহায়কুল (মুক্তরিক প্রদাস)	২১-আখিয়া	225	9
জনম করবেন না. প্রতি		.,	১৮-ব্যৱস	85	337	দরা (রাগুল এর প্রতি প্রতিপালকের দরা)	২৮-কাসাস	88	ь
জুকু কলে না প্রতিপাল			৪১-ফুস্সিলাত	86	bbb	দরাসু (প্রতিপালত পরম হোহশীল ও অপের দরাসু)	১৬-নার্প	83	19
	কছু আনে পরিবেটন করে	7007560	१-व्या'ताक	b'à	693	দরাসরণ, প্রতিপাদকের (ইরাতীন বাদকভরের প্রতি)	79-4150	24	1
	हर नर्वकडी अक्रान्ता करहार		30-91-07	65	188	দরালু (বৈর্যাহিকারে,বিয়ান করলে প্রতিপাদক করাপীন/দয়ালু)	১৬-নাহল	220	9
	বেৰ কাহে পোৱা কৰা নিৰ্দে		२०-डा-श	338	481	দাহাপুত্রতিপালক (ভারতারপাত সারাপ কার করে তাওবানারীর প্রতি)	১৬-নাহল	22%	19
অগী প্রতিপাদক মহ		(42127)	৬-আন'আম	250	90%	দয়স্থ (প্রতিপাদক অতি অনুচাহশীল ও পরম দরালু, পাকারি প্রদাস)	३७-मादन	9	9
	व्यवग ७ गर्ववसी, प्रयंश श	Contract of	%-वाम-वाम	tro	900	দরালু (প্রতিপালক অতি ক্ষমানীল ও পরম নরালু)	৬-জান'জাম	266	10
	কেবল প্রতিপাদকের কা		J-80,41.a.	28.4	600	দল্ল (প্রচিপালক অসীম দল্লাময়, বনী ইসরাইককে হাকণ)	30-W-W	30	13
	জ্যোতিতে দ্বনীন উদ্লাসি		৩৯-বুমার	63	600	দ্যা করাকে প্রতিপালক নিজের জন্য আবশ্যক করেছেন	৬-আন'লাম	98	0
	দক পাহাড়টিতে জোডিন প্রব		न-खा,शंक	380	690	দরা (প্রতিদানকের শক্ষ থেকে দয়া স্বরূপ রাস্প প্রেরুণ)	৪৪-দুখান	6	12
	দার্থ পার্যক্রমতে কেয়াকার ক্র দার্থা দেয়া থাকা, আইনর ক্র		১৩-রাদ	390	690	দর প্রতিক্ষাক্তর দর, রাস্থা এর প্রতি বিভাগ ক্ষাব্যরণ)	২৮-কানাস	910	Ъ
			১৬-মোরাদ ৩৮-মোরাদ	20	9/69	দায় (প্রতিপাশকের দায়ের উদ্দেশ্যে হলদার কেকে মুখ বিবাহের হলো)	১৭-ইনরা	27	6
	টে পড়ে প্রতিপালককে ভ		২১-আধিয়া			দল ( প্রতিপালকের নরা লাভের জন্য ওহাবাসীর প্রার্থনা)	29r-আর্জ	30	1
	আইয়ুৰ আ, প্ৰতিপালকলে (			bro	120	দায় প্রেডিপালকের নরা কি সভ্য অধীকরকারীরা বর্টন করে?)	80-7497	03	ъ
	পালবকে ভাবকোন কৰা ৫		28-समात	70	900		১৭-ইসরা	24	10
	পালাবকে ভেবেনিলা, পুনের দ		३३-दूम	84	969	দরা (প্রতিশালকের গরা ররেছে রাসুল প. এর প্রতি) নরা (প্রতিশালকের দরা তাতীত মানুর মততেন করতেই থাকবে)	31-स्न् <u>षा</u> 33-कृत	22%	
	ভাৰার নিচৰ্শ দ্বিভিত ভা		৭-জারাক	44	924	নর (প্রতশাসকের নর বাবত মানুর মততের করতের আবরে) নরা (প্রতিশাসকের নরা জাশা করে জনুগত সিন্ধনাকারী)	১১-ছুদ ৩৯-ঘমার	229	Ь
	क्र सनुष, मूल्य-मूर्तना न्यानं व		৩০-রম	90	V-48		०७-पुमाव ३-राकाता	399	0
	ভাৰঙ্গে জিনি সাদ্ধা নিবেন		৪০-মু'মিন	60	990	নরা (প্রতিপাদকের নয়া ও দহরের, কিসাস প্রসহ)			b
	ভেকে দুৰ্জাগা হননি, যাকা		১৯-মাবইরাম	8	908	দর (খানুগ বা ক্ষমা করে তার হেয়ে প্রতিপালাকর গরা উত্তম)	৪৩-মুখকন	05	
	দর্কন ভাকে কাদের বিকাদ্বিক		৬-আন্তাম	65	900	দর্শন (প্রতিপাল্যকর দর্শন হতে যদিত হবে পাশিষ্ঠর বিদ্যানতে)	१०-ग्रेडाएलिकी ० जिल्ला		13
	রতে ভাকা, অহাজুদ শ্রহ		৩২-সাঞ্গ	38	503	मनिकार्यक्षा (प्रमुख्य काहराजिन्त्रमात्रन ११४ (यात्र वासर वासार)	8-नित्रा	148	
	সংগোপনে ভাৰৰ থকারি		১৯-মাৰট্যাম	8	908	দাউদের প্রতিপালকের নিকট ক্ষমা প্রার্থনা	৩৮-সোমাদ	4.8	1
	ল্ল-সমার বারা ভাকে কানের		79-502620.	59.	926	দাঁত্ব করনের (কাফিরকে প্রতিপালকের সামনে দাঁড় করানো)	৬-জান্'আম	80	Ŀ
ভাকা (মানুবকে দুঃখ	স্পর্ণ করলে প্রতিবাদক্ত	क श्राटक)	৩৯-মুমার	ъ	৮৭২	দাতা (প্ৰতিশালক পথে নাতা)	৩-আলে ইমরন		1
	কলেন আনম আ, ও তাৰ		৭-জ্যান্ত্রাক	44	628	দান (প্ৰতিপাপকের দান সীমাবত নত্ত)	১৭-ইপ্রা	20	Ţ
ভাৰা (প্ৰতিপালক মুং	া আ, কে ভাকলেন, ফির'	আউলের	২৬-গ'আরা	١.	955	দান করেন (প্রতিপাধক প্রদান করেন তার দান থেকে)	১৭-ইগরা	20	I
বংছে থাওৱা প্রসঙ্গ)				30		দান করবেন, প্রতিপালক বাগালের হেয়ে উন্তম নিছু (বছুর বর্ষমন)	79-pida	80	T
	ভাকস ভার প্রতিপালকরে	1)	১৯-মারইরাম	0	908	দান (প্রতিপাশকের দানই উত্তম, রাস্প এর জন্য)	২০-মু"মিন্ন	94	ŀ
	পালককে ভেকেছিল, সরাম		২১-আধিয়া	N/A	986	পুন (প্রান্ত পুন করার ক্ষার প্রতিপাশকের কাছে ইন্মাইনের দেয়া)	২৬-হ'আরা	30	T

ē	প্রতিপাদক		
1	79	विश्व/द्धरत	STATE OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSO
7	বিদর্শন (প্রতিপাল্য	জ্য নিনশ্নে জানুকানের	ইয়াৰ)

নিদৰ্শন (প্ৰতিপালকেঃ) আগলে উপোৱা কৰলো কাভিতৰ

नुवा नर ७ नाम चल्का नुहा

85 568

like true

৩৭-সাফফাড

२०-इंग-श 200 985

00-07#F0 22 hbo

80-मधिन 1 1292

৭-প্রত 255 650

৩১-ইয়াসীন

প্রতিপাল

৯৩-দুখ

Minimum (est est cara)

जान (जानक एक अधिर पहारक्ता अञ्चल साम एवं विश्वी अवसेर करवार)

নিকর্ণন প্রেরিপালরের নির্বাই **প্রের** নির্দেশন এবর্তীর্য হত্যা প্রদেশ।

নিদর্শন প্রেটিশালকের নিমর্শনসহ মুসা আ, ও হারুল আ,

নিদৰ্শন (প্ৰতিপাদকেও বভ বভ নিদৰ্শন দেখেছিলেন রাসল)

এব জিবস্তাইনের কাছে বাংবা)

নান (মুবানীরা জান্ততে প্রতিপালকের দান উপজেগ করনে)	৫২-ছব	26	300	দিননি (প্রতিক্রয়কে পথ বেকে কলা কে দিননা নিয় ক্রয়ত কলা)	২০-জা-হা	200	983
দান (মুদা আ, কে প্রতিপালক কর্তুক প্রজ্ঞা দান)	२७-७'कारा	25	50-5	निर्मान (श्रीवेणकाका निर्मान देश्य र. यह बाह्य बाह्य मा (बना)	३०-१४ <b>ग</b> ×	₹0	500
পৃত্তি প্রস্থেন (প্রতিপাশক অবশাই সতর্ক দৃষ্টি রাখেন)	৮৯-পাছর	38	2052	নিদর্শন (প্রতিশাসকের নিদর্শন নিয়ে এসেহেন ইবা আ, ক্রাঁ)	০-আলে ইমরন	8>	284
দৃষ্টিবান (কাছিরদের উপর প্রতিপালক দৃষ্টি রাখছেন)	৮৪-ইনশিকাক		3020	দির্শন প্রেরিকার্ডন নির্দান করের করেনা বর্তমা বর্তমে অ	৩-আলে ইমরন	83	280
নেখা দেয়া (প্ৰতিপালককে দেখা নিতে অনুয়োধ মুদার)	৭-জা'রফ	380		নিয়েশ (সমুদ্রে পর্যক্রের মত সুটক্ত নৌয়ন্দানূহ আক্লাহর নিয়ন্তন)	৫৫-রাহ্মান	3.8	≥8<
দেখা (প্ৰতিপাল্যেকে দেখার দাবী, দ্বশবিকলের)	২৫-ফুরকনে	32	998	নিয়াবত (ৰহতা প্ৰতিপালকে নিয়াবত শকা করে পথার পোৱা)	৪৩-যুৎক্রফ	30	284
নের মের ব্রাকে অলাক নিগে আল্লাহ তাকে উরম ব্রা নিবেন)	७७-जास्त्रीय	6	390	নির্দেশ (ইবরেইয় আ তে প্রতিশালকের নিরট আক্রমর্শকার নির্দেশ)	২-বাকুরো	202	675
সেয়া (মনীলেয়ক প্রতিশালাকের পাক থেকে দেয়া বিষয়ে দিয়াও)	२-चन्नदा	200	676	নির্দেশ নিরেছেল প্রক্রিপালক (উন্ত করের ইবানত ন্য কর্ত্তে)	১৭-ইসর	20	320
দেশবরণ প্রেতিপালক নিচুলিত গরবোর নিকে ইনরাই(মার_)	२७-वानगर्ड	36	P.7F	নির্দেশ নিরেছেন প্রতিপালক (ন্যারবিচার করতে)	৭-আ'রাড	46	930
প্ৰেয় (মূপ আ, কেপ্ৰতিপাশ্বৰৰ নিউ) লোৱ কৰা কলুৱাখ)	্-জা'রক	208	548	নির্দেশ (প্রকিশাকক ও রাসুক এর অবাধ্যকার শান্তি)	৬৫-ডালাক	7	360
সেয়া, প্রতিপালকের করে (মরুকে নিরাপন সাথে বাধানের)	২-বাকারা	346		নির্দেশ (প্রতিশালকের চক্তমের জন্য (ধর্যধারনের আজ্ঞান)	১৮-ডালম	87	391
সার, প্রতিশালকের করে (মলা তা, এর মাতির মনিন্দালিমনের)	১০-ইউল্ল	340	699	নির্দেশ প্রেরিপালকের নির্দেশ আসাল অন্য উপাদ্যানেকে ভাষা)	३३-इन	707	690
८१६४, द्वाराज्यान्यस्य काद्य (वृत्रा चा. यत बारावर क्षमा(वृत्रात्रायस्य) ८९६१,व्यक्तिकारद्वार काद्य, नामक काद्याराज्ये समझार कार	३०-२७पूर ३८-१वत्रश्रीम			নিৰ্চাশ (প্ৰতিশালকের নিৰ্চাশের অবধ্য হওচ, ছায়ুন প্ৰদাস)	৭-জা'রাজ		
		80	694	দিলে (প্রকর্মানের দিলের বরুর হর মারিকে বাদে করেছে)		99	64
নেম (প্রকিশাশনের নিবট পূর্ববর্তীচনা ও নিমেনের জন্য নের)	62-25-2	30	269		৪৬-আত্কাক	46	92
দোরা (প্রবিপালকের কাছে ইবরাহীম-ইসমাসলের লোরা)	২-বাকুরো	250	678	নির্দেশ (প্রক্রিপালকের নির্দেশের মন্য বাসুল এর কৈবিবলং)	৫২-ভূর	87	ho:
দোর (ইংরাইম-ইগমালি রেফে কন্মানর ক্ষর প্রতিপাশরের নামে)	২-বাকুরা	254	678	নির্দেশ (প্রতিদাদকের নির্দেশের ব্যাপারে কাড়াছড়া করা,	१-ऋदिक	760	62
লয় (ইন্মাইন বা. এর বংগজনের জন প্রতিশালনের নিনট লোৱা)	১৪-ইব্যাহীন	09	696	মূসা আ. এর সম্প্রদারের)		-	
দুত (প্রতিপাদক শান্তিনানে দ্রুতে, বনী ইসরাইল প্রসঙ্গ)	৭-আরক	269	65F	নিবারিত সময় (মৃপা জা, এর ছন্ত প্রতিশাসকের নির্বারিত	৭-আ'রাফ	184	62)
ক্রুত (প্রতিপাদক শান্তি নানে প্রক্র)	৬-আন্ আম	366	625	সমস্ত/চল্লিপ রাত থ্.)	-		_
ন্ত্রা (প্রতিপালক সর্বন্তর)	২৫-ফুরকান	20	950	নির্মাণ (জান্তাতে যর নির্মাণের দোরা, প্রতিপাশকের কাছে)	৬৬-তাহরীম	22	39
ধরণ (প্রতিপাদক সম্পর্কে ভ্রান্ত ধাকা- ব্যস্তাহর স্ফান্ডের)	৪১-মূপ্সিলাত	30	254	নির্দেশ (প্রকিশালকের নির্দেশ জ্বার কেরেশকা অবক্রম করেন না)	১৯-মারইয়াম	48	20
ধৈৰ্যধাৰনেৰ শক্তি প্ৰাৰ্থনা, প্ৰতিপালকের কাছে (আদুকররা	৭-জা বাফ	326	650	নির্দেশ (অধিনার কি প্রতিশাসকের নির্দেশ/পার্রির প্রতীক্ষা করছে)	১৬-নাহল	ಾ	90
দ্যান আনার পর)		346		নিক্ষে করেছে প্রতিপাদক গড়ের নিকট থেকে, এ কারণে থে	৭-আগ্রফ	₹0	99
বাসে কর (জনপদক্ষীর জনবিত থকাকোর অক্সাহ, গাসে কলেন)	৬-আনু আন	202	600	নিহতর (শহীদরা) জীবিত (প্রতিপাল্যনের নিকট)	৩-জালে ইমরান	365	44
ধানে করা (প্রতিপালক কবি ইসরাস্ট্রাসর শত্রু ধানে করকো)	5-80'604	259	648	নূহ আ. এর প্রার্থনা (প্রতিপাশকের নিকট)	22- <u>a</u> os	89	69
ধ্বংস করেন না প্রতিশাসক কোন জনপন (জন্যাছভাবে)	33- <del>2</del> 9	223	999	কুবা নাপ্রতিশাবকরে তেকে কুবা, পুরুক বন্ধর মারেন্দ করে।	77- <u>\$e</u>	80	66
भारत बद्धान ना श्रवित्रामान राजन करत्यन, वानून ना श्रविदा	২৮-ব্যাসাস	69	7,70	নূহ আ. এর প্রতিশালকের নিবট দোরা প্রদাস	93-75	6	201
ধালে কয়কেন প্রতিশালক (ছানুদ জাভিতে, আনের পাশের কারণে)	১১-শামস	28	3038	न्त्र वर अध्यक्तिकार निर्मेश (अधा (अध्यक्ति कर्न्ड प्रिश्नवनि का)	২৬-ড'আরা	229	986
নক্ষরকে প্রতিপালক মনে করা (ইবরাহীম আ. প্রদঙ্গ)	৬-অনু অন	96	600	নৃত্ আ প্রতিশাসকের নির্কট বরকতমন্ত ভারতের। প্রার্থন করলেন	२०-भूभिनृन	45	96
-বীকে প্রতিপাপক উন্নয় স্ত্রী নিবেন (স্তীকে অসাক)	৬৬-আব্রীম	e	390	নূহ জা, প্রতিপালকের নিকট সাহাধ্য প্রার্থনা কলে	২০-মু'মিলুন	26	96
নবীর প্রতিপালক সাল্লাহ	৪২-শরা	30	1/3/2	কু আ প্রতিপালকে নিজ নেয়া বড়েন (সংগ্রেমার রাজন্যত প্রদার	15-48	43	hòri
দবীর প্রতিশাগকের উদ্দেশ্যে নামাঞ্চ/কুরবানীর নির্দেশ	Sep-ateass	1 2	3008	न्ह व्या श्रीतेनागरका निकी त्वारा (कपियत्ता (१८६ न नित्र)	৭১-বৃহ	₹6	300
নীলের প্রতিপা <b>লকের পক্ষ থেকে দেরা বিষয়ে</b> ন প্রতি ঈমান	৩-জাল ইমরস	118	288	নেরামত (প্রতিপালকের নেরামত হে, রামূল ম, পাগল নম)	৬৮-কুলোম	3	39
নাম (সকালে ও সন্ধার প্রতিপালকের নাম স্বরণ)	৭৮-দাবর	20	226	নোমত প্রতিশাদকে নোমত ন পৌছল ইউনুন আ কে)	৬৮-কুলাম	85	29.
নাম (প্রকিপালকের নামের পরিম্রতা ঘোষণার নির্দেশ)	৫৬-গরাবিয়ার	26	289	নেরমত না অন্যাস কাহার্রেনে উপস্থিত হত (অস্তার্তীর করে)	৩৭-সাঞ্জাত	49	201
নাম (প্রকিপাশকের নামে পড়ার নির্দেশ)	১৬-মানাক	2	304h	নোমত দান বংগ্ৰহণ প্ৰতিশাসক মুগাকে	২৮-কাবাস	29	pro:
নাম (প্রতিপালকের নামের পশিক্রতা গোষণার নির্দেশ)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	98	386	নৈবটো প্রতিপালকের নৈবটা লাভের উপার তালাপ করে	১৭-ইসরা	29	937
নাম (প্ৰতিপালকের নামের পৰিত্রতা থোষণা)	(b)-1(8)1	43	290	পৰ দেখানে প্ৰতিশব্দক হসা আ, কে (মসা আ, এর অশা)	২৮-জনাস	22	po
ন্ম (প্রতিপালকের নামের পথিপ্রতা থোহবার নির্দেশ)	৮৭-জালা	3	202F	পদ প্রেরিশালাকের পারে ভালা, প্রথম ও উল্লে উপানেশের মাধ্যমে)	১৬-নাহদ	256	934
মান (প্রতিপালকের নাম স্মরণ করবে যে, সে সফল হবে)	৮৭-আলা	342	707F	পৰ (প্ৰতিপাদকের ভিক্লে পৰ গ্ৰহণ করার আহ্বাস)	५१-कृदकान	29	95
न्य (द्ववित्रान्यस्य नय नरकदमा -विने परिव्यस(पर्यक्तकः)	११-राश्मान	99	384	পথ (প্রতিপালকের নির্দেশিত সংক্-সঠিত পথ ইসলাম)	৬-আন'আম	259	80
নাম (প্রতিশাসকো নাম স্কাশ করার নির্দেশ, রাসুল স, কে)	१०-হববজিব	79	301	পৰ (প্ৰতিপাদকের পৰ ভবদখন মানুহের ইক্ষাধীন)	৭৯-দাহর	23	33
ন্মিল্পত (প্রতিপালকের নামিল্লুত সকল বিষয়ে ইমান)	৩-জলে ইমলস		200	পৰ (প্ৰতিপাদকের পৰ এবন করতে পারে, মানুহ চাইলে)	१०-स्पर्याचन	79	35
নাধনকুত (এড শাস্তিম শাংলকুত সকল বিষয়ে সমস) নিকটবর্তী (প্রতিপালক মানুহের অতি নিকটবর্তী)	১১-বৃদ	93	933	পাং (প্রেরিকাশকের পাং তেকে ভিনাক্তিনাসেরী মনুমারক ভিনাত করে)	২০-ইউনুস	99	99
ন্তেপ করেন প্রক্রিপালক সভ্যক্তি সিহার উপর	33-पून 68-मारा	87	58¢	পথ (প্রতিপাশকের নহজ পথ অনুসরণ করার নির্দেশ, সৌমান্তিক)	১৬-নাব্দ	99	9.0
নকোশ করেন আ <b>ভেন্দান</b> ক সভাকে। মাধার ভগর নিমর্শন (প্রক্রিপা <b>লাভেন পাল</b> থেকে নবীর উপর নিমর্শন অবারীর্ণ প্রা	6-আন'আম	99		गर (अरुक्यंनहरूपान द्विशानाकर महिन गर्थ द्वाराह)	৩১-লুকমান	60	
নলপন (হাওপালাকের কাল তেকে দবর ভাগর নেলান অবজন হ:.) নলপন (হাঙিপালাকের নিলপন নিয়ে এলোডেন ইলা)			639	প্রথমপর হিসেবে প্রতিপালক যথেষ্ট	२१-मृदकान		25
	৩-জলে ইম্জন		487	পথনেশক হেবের প্রক্রমানক ব্যবস্থ পথনিশেকর এসেহে (প্রক্রিশাসকের পক্ষ থেকে)	२०-मृद्धकाम ००-मासम	02	9.5
নিপ্রদার (প্রতিপালকের নির্দেশন অসার কল্ব কবিনালের অপেন্স ।)	৬-আন্তাম	362	625	প্রকাশের অনেই (অতপাদকে পদ বেকে) প্রকাশন (বিধারটোরে প্রতিপদকের নিরে, মন স্ক্র কর্তনা)		૨૦	20
নিল্পি (প্রবিশলকের নির্দর্শনকে মিধা অভিনিত্ত করেছিল)	৮-আনকাল	28	609		৭৯-নাবি'জাত		200
নিদর্শন (প্রতিপাদকের নিদর্শন আসর পরের দিবন উপন্যারে ব আসা)	৬-আন্'আম	260	652	পদের উপর বারছে মুখ্রকীখন (প্রতিপাদকের)	২-বাকুরো	Q.	60
নিদৰ্শন (অস স্নাতি প্ৰতিপাদকের নিৰ্দশন স্বাধীকার কাত)	১১-বুদ	62	693	পচিত ও সংবার-বিরাধীদেরকে প্রতিপাদক রূপে এহন	৯-জান্তব্য	407	98
নিদর্শন (প্রতিপালকের ভরে ভীত-শব্বিত বারা)	২৩-ৰুমিন্দ	62	966	পৰিত্ৰ প্ৰতিপাশক পৰিত্ৰ)	১৭-ইগ্রা	20	94

२३-मानवारक १०

২০-ক্লা-য

৫৩-নাজম

পৰিত্ৰ (মুশৱিকনের সকল মিখ্যা বৰ্গনা খেকে পৰিত্ৰ)

প্ৰকাশ থোলা কে প্ৰতিপালকো পৰিক্ৰম আলাৰ দিৰ্চাল।

পৰিক্ৰয় যোগৰা প্ৰেছিপদাকৰ নামৰ পৰিক্ৰয় যোগা।

পথ্যিত যেকা (জ্বল বচনকটন প্রতিপ্রস্কৃত্র পরিকা\_)

প্রতিশালক

निया दिशा/धनन	नुशास्त्र चनाम	NIX.	981	नंच दिस्ड/दातन	गृद्रो नर छ गाम	-	В
	-	-		হতিশাবকের নিকে কিরে অসার আহান (প্রশাস আস্থাতে)	৮৯-ফাব্রুর	44	×
বতিপালক (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে) পুনিকের (পুন থেকে ওঠার সমদ নাম্পালন্দের 'ভানাক্র বেচলা)	৫২-সূত্র	81/	202	প্রতিপ্রতি সভা, প্রতিপাগকের (ইয়াক্র মাক্র প্রসহ)	১৮-কাত্য	95.	9
পরিমের (প্রতিপালকের পরিমেরা কটব করল বাগনভারলায়)	৬৮-ফুলোম	45	396	প্রতিষ্ঠিত করেন (কুলকারবাইনকে)	১৮-কাহ্য	96	9
पश्चिम (प्रविजनका पश्चिम) वास्त्रम (प्रदम्पता उस्त्र सः न)	৪১-ফুদ্দিলাক	40	7973	প্রধানর্ভন (বাসুকরে প্রতিশাসকে নিকে প্রধানর্ভন করে কর কল)	৭-জা'লফ	396	6
প্ৰতা (প্ৰতিপালকে। পৰিৱাৰা মোধনা কৰে কেবেশবাৰা)	84-481	8	564	প্রভাবর্তন (প্রতিপাশকের নিবট সকলের প্রভাবর্তন)	৪০-ফুর্ন্স্	58	14
প্রবিক্রার (প্রতিপাদকের পরিক্রার ঘোষণার নির্দেশ)	১৫-হিজর	Nb.	702	প্রভ্যাবর্তন (প্রতিশাসকের দিকে প্রভ্যাবর্তন, কির'আউদের	২৬-চ জারা	_	10
বিরয়ে প্রতিপালকের পরিক্রর ঘোরণার দেশের) বিরয়ে প্রতিপালকের পরিক্রর ঘোরণার নির্দেশ রাজা এর রাজি			298	याष्ट्रक्य दानक)	20	¢ο	Ι.
	৫০-কৃষ্ণ	09		ব্যস্থান ব্যাপ্ত ব্যস্তান্ত্র (ব্যক্তিশাসকের দিকেই মানুহের প্রভাবর্তন)	৯৬-আলাব	7	2
পৰিস্ৰতা (প্ৰতিপাদকের পৰিস্ৰতা ঘোষণার নিৰ্দেশ)	৪০-বু'মিন	66	244	প্রভাগতির করা হবে জলিয়তে (প্রতিশালকের নিকট)	১৮-বর্গন	79	1
পৰিমতা (প্ৰতিপাদকের পৰিমতা ঘোৰণা করছে কেৱেশতা)	৩৯-মুমার	98	499	প্রভাগ প্রতিশাসক সক্ষমশীকার সাধী করবে -এমা প্রভাগী	g-মারিদা	78	1
পৰিত্ৰতা (প্ৰতিপাদকের পৰিত্ৰতা বৰ্ণনা করে, আনত্ৰাভৱা)	১ <i>৭-ইস্</i> রা	709-	920	প্রভাগরারী (প্রভিশাসক মহাপ্রভাগনারী ও গরম নরাপ)	59-0,000	290	
প্রিয়ারা (মুমিন প্রতিপালাকের প্রশংলালহ পরিবারা ভোকবা করে)	৩২-সার্দা	26	P-07				1
পরবর্তীরা প্রতিপাদককে বদরে পূর্ববর্তীদের ব্যাপারে	৭-আ'রাক	-Obr	636	প্রভাগনালী (প্রভিশানক মহাপ্রভাগনালী ও পরম নয়াপু)	59-9,6581	727	
পরিক্রমন করেন (প্রতিপালক সমূত্রে দৌর্যন পরিক্রমন করেন)	১৭-ইস্রা	66	479	প্রভাগনালী (প্রভিশালক মহারামাপশালী ও পরম গরাসু)	59-व,ळाडा	244	ŀ
থিয়েলিত করা (প্রতিশালক নবীকে সরক্ষরিক পরে	৬-জন অন	363	634	প্রভাগদালী (প্রতিপালক মহারাজগদালী ও পরম নয়ালু)	<b>59-9,खा</b> श	780	
পরিতালিক করেছেন)		303		প্রতিপাদকের আনেশ অমান্য করন হামূদ জাতি	৫১-ঘরিয়াত	88	1
মির্মেলত কর (প্রতিপদাক মুফিত্রক সতিকাশ্যে পরিমেলিক করেন)	১০-ইউনুস	9	956	প্রতিপালকের বিদ্যালাত পৌছে দেন হল আ.	৭-জা'রফ	99	1
নরিকাণ (প্রতিপালক মুহাম্মন ন, কে পরিকাশ করেননি)	১৩-দুর্য্য		2050	প্রতিপ্রতি (প্রতিপালকের প্রতিপ্রতি সভ্য হিসাবে পেয়েছে কি)	৭-জা'রাফ	88	ŀ
বিবেটন (প্রতিপালর সংক্রিপ্তরে মানে পরিবেটন করে রেপেটেন)	৬-জগ'জন	bo	600	প্রতিক্রতি (প্রতিপাশকের প্রতিক্রতি, মৃত্যকীদের ঋণ্য)	২৫-যুৱকান	36	T
বিবেটন (মানবকে পরিবেটন করে আমেন প্রতিপালক)	১৭-ইগর	60	435	প্রতিক্রতি (বনী ইসরাইব্যুক প্রতিপাধ্যকর উদ্বন প্রতিক্রতি)	২০-সা-চা	94	Т
বিবেটন ব্যৱ আয়ুল্যবিশ্বলক (মানইয়ানগৌতুৰ কচকৰ্ম)	33-49	3-5	648	প্রতিশ্রুতি (প্রতিশালকের প্রতিশ্রুতি কার্যকর হতেই থাকে)	১৭-ইসরা	70%	†
शिक्ष करता (श्रीकृत्यक प्रान्यक करता, नाम कर नहींका करता)	১৯-মাজ্ব	32	2052	প্রবিজ্ঞান প্রেকিশালনের প্রতিক্রতি সহা হিপানে প্রেরছে জন্ত্রতির)	৭-জা'রাত	88	†
সাম করেন (প্রারশক্ষক মনুকলে করুয়াং নান করে শরকে করেন) স্বীকা (বিরক্তাইনের নির্যাতন প্রতিপালকের পরীকারকা ছিল)	28-रेनवरिम		590	প্রভাবর্তনত্বল (প্রতিশালকের দিকে সকলের প্রভাবর্তনত্বল)	৬-জান'আম	268	
		6		প্রভাবর্তনত্ত্বল (প্রতিশালারের নিরেই সকলের প্রভাবর্তনত্ত্বল)	৬-আন আম	200	
ব্রিক (ক্রী ইনরস্কার কর এজিশালনের পদ বেলে মরণানীক)	৭-আইছক	787	698	প্রভাগর্ভনত্বন প্রথম করুক প্রতিপাল্যকর দিকে (ধার ইক্সা)	গুদ-নাবা	030	t
বীক্ষ (ধনী ইসরাইলের জন্য প্রতিদাসকের পরীক্ষা)	২-বাকুরো	82	<b>₹</b> 06			2	ť
াকড়াও করেন প্রতিশালক (জালিন জনপদকে)	32 <b>-दू</b> ल	305	692	প্রভাগর্জন্ম (মানুনের প্রত্যাবর্তনত্বর প্রতিপাদকের দিবট) প্রভাকন্দী (প্রতিপাদক সর্ববিদ্যার প্রকাদস্থী)	৩৯-বুমার		
াকড়াও (প্রতিপালকের পাকড়াও বড়ই বর্ত্তীন)	<b>७-१-वृद्धम</b>	32	7076		87-जन्मिकार	60	1
কিয়াও না করার জন্য প্রতিপালকের কাছে প্রার্থনা	২-বাকুরে	২৮৬	6.05	প্রভিক্তাপন করনে (হয়াকৃত বাসকলি মেরে পরিম সরাদ_)	79-44£A	2.7	4
ান করনে (প্রতিপঙ্গক অন্তেতীনের বিতদ্ধ পানীয় পান করাকেন)	१७-स्टब्स	57	390	প্রদর্শন করবেন ( নির্বটকর সঠিক পথ)	79- <b>-</b> - <u>atia</u>	₹8	1
হয়পুরি প্রদান করকে। প্রক্রিপালক, মুপরিকলের কর্মসমূহ (বর্মবাল)	22-gH	222	990	গ্রনেশ করাকে (প্রতিপালক যাকে জন্মনে প্রালেশ করাকে।)	৩-জালে ইমরন		
(रक्षार (प्रजिन्तानहरूमा निको केल्प नुरकार हाती नगराहरूस कना)	79- <b>41</b> 44	86	120	গ্ৰহাতের হাতিশালকের নিকট আশ্রন্থ প্রবেষ্টা (অন্টির থেকে)	১১৩-ফালাক	2	1
র্ণ কর (প্রতিশালকের কাছে মুফিলনের জ্ঞানে পূর্ণ করের লেয়া)	৬৬-তাহরীম	5	390	ব্যঞা (কুরবার প্রতিশালকের পক্ষ বেকে স্পর্ট প্রমাণ)	55- <b>य</b> म	28	1
র্ব ও পশ্চিমের প্রতিশাসক (আল্লাহ) থাড়া ইলাহ দেই	৭০-মুখবাধিল	>	7944	প্ৰমাণ (প্ৰতিপাদকের প্ৰমাণ না দেখলে ইউসুফ জা.)	३३-१४मुक	28	Ι
র্বিযোগণা প্রেডিলাঙ্গরের পর্বধোষণা না থাকলে!)	১০-ইউনুস	72	666	প্ৰমাণ (প্ৰতিশাসকের প্ৰমাণ মানইয়ানবানীর নিকট আসা,	৭-আ'রাফ	re	1
র্ম-পতিমের প্রতিপালকী মানুসের প্রতিপালক (মিনাজাইন প্রদান)	২৬-৬'অব	21/2	955	৩'আইব আ, প্রসঙ্গ)	1	9.6	ı
প্রকারতার প্রতিপালক (বিদা'আলৈ নাতালাকে প্রকাশাক প্রদাস)	২৬-ড'অর	26	10/3	প্রমাণ (প্রতিপাল্ডের সুস্পট প্রমানের উপর রয়েছে (য)	৪৭-মুহাম্বাদ	28	T
থিবীর প্রতিপালক আল্লাহর জন্য সকল প্রশংসা	8१-व्यक्ति	00	ros	প্রমা (ফুর বাং প্রতিপাশকের নার থেকে প্রমাণনার স্বাপনা)	৭-আ'রাক	206	1
নিবীয় প্রতিশালক এই করম্ভ সে বিস্তামতে পদর কনি কলবে	১৯-বিল্যাল	0	3000	করা (সনিং আ মনিক্রতিশনকে সুস্পর্ট ক্রমানে উপর থকেন)	22-54	90	1
থিবীর প্রতিপালক সন্তান প্রবণ থেকে পরিপ্র	80-7484	343	302	প্রশাস (প্রথম প্রতিশালকের প্রশাসেক পরিক্রার ঘোষণা করে)	৩২-সাম্পা	>2	1
	১৭-ইসরা	00	939	প্রশাস (মুন মেরে ওঁরা সমর প্রতিশাসকের প্রশাস)পরিকার)	65-98	85	i
ক্ষা এই করেছেন রাসূদ এর প্রতিপালক ক্ষোবান (প্রতিপালক মহাপ্রজ্ঞাবান ও সর্বজ্ঞানী)	১৭-বৰ্ণন ৬-আন'কাৰ	256	909	প্রশংলা (স্বাক্তসমূহের প্রতিশালক অল্লাহর রাশলো)	30-88-91	30	t
				গ্রকার সেয়ায়, বিভাগ একে প্রতিশালকের প্রশাসন পরিক্রা (মার্কার)	১১০-শসর	0	t
रामाचन (श्रीकानाच मध्ययामाचन ७ मर्वमानी, मर्यान नाम श्राम)	<i>৪-রান্</i> রাম	940	900	প্রশাস্ত্র প্রেরিকালয়কর পাল বেলে প্রশাস্ত্র- কর্নী ইসরামিকর সিন্দুকে)	২-বাকুরো	285	
ব্যাপণালী (প্রতিপালত মহারাজপণালী, ছামুল জাতির পারি প্রদাস)	<b>33-कू</b> न	99	693	প্রসাধিত করে দেন প্রতিপালক, বিধিত (যাতে ইচ্ছা)	৩৪-সাবা	06	
ব্যাপশালী (প্রতিপাশক মহাপ্রভাপশ্বলী ও পরম দরাপু)	২৬-৬'জালা	269	426	প্রসায়ত করে লেগ প্রতিশাসক রিখিক (খারে ছক্য) প্রসায়িত করেন প্রতিশাসক রিখিক (খার ছক্য ইছো)	৩৪-শব	09	t
তোপশালী (প্রতিপালক মহাপ্রতাপশালী ও পরন বরাপু)	২৬-৬'জারা	96	627				
বৈলপদালী (প্রতিপালক মহাপ্রতাপশালী ও পরর দয়ালু)	২৬-৬ জারা	708	920	প্রার্থনা (প্রচিত্মকাকের নিকট প্রার্থনা করে কিছু মানুষ)	২-বাকারা	500	
হতাপণালী (প্রতিপালক মহাপ্রতাপণালী ও মহাপ্রভাবনে)	২≽-আনকাবৃত	26	27.5	প্রর্থন (প্রতিশালকে নিকট ইকারীম আ, এর নয়ান প্রর্থন)	৩৭-সাফ্জাত	200	
ভোপশালী (প্রতিপালক মহাপ্রভাপশালী ও পরম নরালু)	২৬-৩'আরা	2	999	প্রচলি (প্রতিশালকের নিকট বুমিনচের প্রচলি, অপরধ কমার)	০-আল ইমরণ	290	
র্যক্তিসাদ (আপ্লাহর জন্য সমর্পণকর্মীর প্রতিপালতের নিকট)	২-বাকুরো	225	670	প্রার্থনা (প্রতিপালকের নিকট প্রার্থনা, মালিমদের অন্তর্ভুক)	২৩-মু'মিনুন	28	ī
ঠিলাল (ইমানদার সংকর্মীর প্রতিলাল প্রতিপালকের কাছে)	२-रादुरबा	299	600	वर्षना (विकित्तानरुष्ट निको श्राधारीरुष्ट वर्षना)	৩-জালে ইমরান	00	1
বিদান (সমান ও দং কল্পের প্রকিনান প্রতিপাশকের কাছে)	२-वार्वस	62	604	প্রার্থনা প্রেক্তিশালাকের নিকট কল্যান প্রার্থনা, পুনিয়া ও)	२-शक्ता	202	
তিশান প্রতিপালকের করেছ	३-वाक्ता	202	602	कुर्वन (जीवन्त्रमात्रव निवयं अर्थन, अधिकार विवयं अर्थना वना)	৩-জলে ইমরন		
জিলান (দানের প্রতিদান প্রতিপালকের কাছে)	২-বাকারা	238	605				4
জিলা। (মানা/সংকর্মশীলানুন। পরস্কার প্রক্রিপাল্যাবর নিকট)	३५-व्यक्तिवर	7 10	2059	প্রার্থনা (প্রতিপালকের নিকট প্রার্থনার নির্দেশ রসুলকে)	১৭-ইস্বা	p.o.	4
ভিন্দ। প্রতিশাসকের নির্মন প্রতিসাস হয়েছে আচনা আনা আনা ।	৩-জনে ইমরদ		000	গ্রার্থনা (প্রতিপাদকের দিকট প্রার্থনা করার অনুরোধ)	80-धुँदिम	87	1
राजन्य (प्रावण्यासम् । नयः वर्षायन्य राजस्य चारम्य वर्षाः । रिवनम् प्रवित्तमस्यान् । नयः (स्वतं (प्रावनीतन्तं कमः बस्तार्थः)	१५-मध	280	2007	প্রর্থনা (প্রতিশাসকের বিকট প্রার্থনা, চতু শীতসকরী)	২৫-ফুরকান	98	1
প্রতাপন প্রতশাসকো শক্ষ থেকে (মুরেনাচনা কন্য বায়াকে) প্রতিপালককে নিশ্বাস ওপ্রায় প্রকৃষ ও মুমিনাচনকে বের করে লেয়া				दार्थन (इंडिनान्डस्थ निबंधे दार्थन, यूना थेख न कहार बना)	৩-মালে ইমরণ	b	Ť
	৬০-মুমভাইনা	3	360	প্রার্থন (প্রতিক্ষাকে নিক্টা পুনরা পৃথিতৈ প্রয়োগ প্রথম)	২০-মুমিণুল	200	t
র্মার্ডপালককে আহ্বান করে নূর্ভাগা হননি ইংরাহীয	১৯-মাবইবাম	81/	202				

প্রতিপালক

THE STATE OF THE PARTY OF THE P	न्यों नर ७ नाव	A50 4	198	न्त्र दिस्य/दरम	ल्डा क समय	पंत्रा र	98
প্রতিপালক (পূর্ব পূচা খেকে)				বিভাই (প্রতিপালত সম্পর্কে বিভাইনারীর জন্য আছনের পোশার)	22-57m	15	960
গ্রার্থনা (মুফিন্টান্ডার ক্রফিন্টানা ক্রিকার না বাবাচুত্রে প্রার্ভন)	७०-मुमलादेना	4	700	বিখান বলে পড়েছে, প্রতিপালকের (লৃত সম্প্রবারের)	22-59	96	693
প্রার্থনা প্রবণকারী প্রতিপালক (ইবরারীয় আ, প্রসঙ্গ)	১৪-ইবরাইম	65	659	বিশাসপুশ নিমে তা করে নেকারণের প্রেতিপাশ্যকে পথ বেকে)	৭৬-সাহর	30	336
প্রবিদা (সদান করার জন্য প্রতিশালারের জাতে ব্যবরাশ প্রবিদা)	५०-गुनक्किन	30	266	বিভিন্ন প্রতিপাশক উত্তম না এক আপ্রায়ণ	34-8699	03	Store
প্রার্থনা (মৃত্ব সন্তানের জন্য প্রতিপালকের কাছে আসম-	৭-আ'রাক	_	600	নিপরি (প্রতিপাশকের পক কোক নিপরি জন নিপ বাগালে উপর)	৬৮-কালাম	29	393
रंग्या जा. वर वार्यमा)		729	***	বেশবা নান (মানুহারা কৃত্তবার্ম সম্পর্কে প্রতিপাশক বেশবা দন)	৬-আন'আম	305	903
প্রার্থন (বিশ্বনা শান্তি দেয়ার মন্য প্রতিপালকের নিকট প্রার্থন)	dy-(NIRIN	63	464	(तबस्य नम् (अठित्राणक मानुस्तर सामार्थ्य अन्तर्रात (तबस्र) मर्ग)	২৭-নামণ	30	300
প্রেমিত (নালির আ, ভার প্রতিপালকের পায় থেকে প্রেমিত বাসুল)	१-व्यासय	92	533	(तक्य (कृत म् त्या श्रीविषक कवार्य मृत्यू हे (क्वस्त मा)			
মেনিত (বালিক আ, কার্যাক সকলে নত (বালে চোনক জনুন) মেনিত (যাকিপায়কের প্রেরিক সজের কনুসকল করে ঈরনেলকার)				বের করা (প্রতিপাদক জানম সন্তাসের পিট থেকে	27- <u>Z</u> ni	250	
প্রেরিক (মুর্যাক্ষর সূত্রের স্থানে কর্মনান করে কর্মনানান। প্রেরিক (মুর্যাক্ষর স্, এর প্রতি অবতীর্গ কুরুজান	৪৭-মুছাম্মন	0	275	वर्ष्णव्हास्त्र (वह काडम)	৭-আ'রাফ	392	953
আরত (মুখাখন স, এর প্রাত জনতাশ কুরজান প্রতিপাদকের (মারিত সত্য)	৪৭-মুহাম্মন	2	225			-	1
	_	_	$\perp$	তর (কেলেক)জন্মন নৃষ্টি প্রতিপাশককে ভা করে/ভার আলেশ মান)	১৬-দাব্দ	20	
ক্যাপনা (মতনিয়োগের বিষয়ে প্রতিপালক ক্যাপনা কর্মন)	8१-मधिया	24	900	তর (বুজানীরা প্রক্রিশাবককে না নেখেও ভয় করে)	২১-জাধিয়া	85	190
দৰদালা (সভ্যের পার্থে ধয়সালর জন্য আল্লাহর কাছে	২১-আধিয়া	225	963	তর (প্রতিশালককে কয়কটোর কন্য কাল্লতে বহু থকা আছে)	৩৯-বুদার	20	40
রাপ্ল স. এর লোরা)		"		তর (প্রতিশালককে ভরকারীর দেহ কুরাজন পাঠে র্কেপে বঠে)	৩৯-বুমার	20	44
দাসলা (প্রতিশাসক বিয়ামতে মতনিজ্ঞাধ্য নিবর কালেশ করনে)	৩২-সঞ্জন	-22	3105	তর (প্রতিপাশককে তরকারীর জন্য পথনিদেশিকা ও নয়া)	৭-আ'রাফ	208	199
<b>দরশাল (প্রতিশালক নৌ ইগরাইলের মততেনের কাগালা করকে</b> ।)	১০-ইউনুস	30	990	তর (প্রতিদাদকের তরে তীত-দক্ষিত যার)	২৩-মুমিনূন	@9.	95
ফারসালা (প্রতিপালকের ফারসালা হুড়াস্ক)	১৯-মারইয়াম	93	900	ভঙ্গ (প্রতিপালককে ভর করে, যারা ভানের জন্য জাল্লাভ)	৩-জালে ইমরান	795	200
কিংসার্টন নিমেকে সরোচ্চ প্রতিপালক ঘোষণা করল	৭৯-মার্মান্ডাত	28	3008	তা প্রতিশাসককে তা করলে তার সম্প্রতী ও পরস্কার -মন্ত্রের)	৯৮-বাছিলাহ	8	204
ফির'আউন সম্প্রনারের প্রতিপালক (জাল্লার প্রনক)	২৬-ত'জারা	₹6	933	च्या (अञ्चलकारूक च्या कर्तात करना मानाका श्रीत प्राक्षाका निर्दाण)	०)-जुक्दान	00	1943
ফিবিয়ে নেয়া (মৃত্যুর পর সকলকে প্রতিপালকের দিকে	०२-ज्यक्ता	_	brêo.	ভয় (খে প্রতিশালককে তথ্ করে তাকেই সতর্ক করা সমূব)	०१-वर्गावर	22	168
विश्वित्व (नवा ६८४)		22		তা (বার প্রতিশাসককে তর করে তারা মান্নাতে যাবে)	০৯-বুমার	90	10
বিশ্বিয়ে দেয়া (প্রকিশালনের দিকে স্বাইকে বিশ্বিরে দেয়া হবে)	84-स्टिश	36	doś	তা (অকাত দেবত দলে বাশার প্রতিশান অপ্রয়েক ভা)	५-राकृत्या	200	
থিয়ে ঘাণ্ডার (প্রতিশালকের নিবট ফিরে যান্ডার করে নান)	২৩-মামিনন	90	965	ভা কথা (প্রতিশাসককে না নেধে তর করা)	৬৭-মূলক	24	39
দিরে অস (প্রতিপালকের কাছ দিরে তাস, তনুতর হয়)	३३-इन	0	566	তর করতে প্রতিপাসককে (মুখিন্তের প্রতি নির্চাপ)	৩৯-বুমার	20	29
ক্ষিবিয়ে দেয়া হবে প্রতিপালকের কছেই (সংটেকে)	33-दुर 33-दर्ग	-08	900	তর (অধ্যক প্রকাস প্রতিপাদক অধ্যয়(ক ভা করার নির্দেশ)	৬৫-ভালাক		366
ফেবেশম সেরণ করকেন প্রতিপালকের ইন্সা করলে	৪১-যুসসিদাত	18	197	তর (প্রতিশালককে তর, কলের কেনদেন লিখে সেরা প্রসঙ্গ)		3	
স্থোপতালার প্রতিপানর করিব পরিক্রিপ্রতিনি করের প্রথম					২-বাকুরা	245	208
ফেলেক্সের প্রতিকাশক কর্তক পুরুত্তে প্রত্যেক করার প্রথমে ফেলেপ্রাদের প্রতিকাশকের নিকট মুখিনদের জন্য প্রার্থনা	২-বকুবো	00	809	তর (প্রতিশাধককে তর করার নির্দেশ, মানুংখন প্রতি)	8-मिमा	٥	200
	৪০-মুখিন	ъ	৮৭৮	ভাৰ কংগ (পুনিমানতা প্ৰতিশালককে তাৰ করে)	30-ST4	52	634
বনী ইসরাদিশসের প্রতিপাশক সাল্লাহ	৩-জ্ঞাল ইম্প্রন	62	487	ভার (প্রতিপাসাবকে ভার করার নির্দেশ, কিয়ামত প্রসঙ্গ)	২২-হাজ	>	901
বনী ইন্মাইনের প্রতিপালক ও মনীও এর প্রতিশালকর উল্লোহ	৫-মরিনা	92	63.9	করমা (নবী তার প্রতিপালক আল্লাহর উপরই চরসা করেন)	৪২-পূর	30	49;
ব্যক্তমন্ত প্রতিপালকো নাম: -দিনি মহিমামন্ত ও মর্যানাবাল	৫৫-রাম্মান	95	285	করমা (প্রতিশাশকের উপর হল আ, এর করসা)	22-ड्रूज	¢9	৬৭০
ন্দা (মামা-শিমার জন্ম প্রতিপালককে নদা- 'রে প্রতিপালক_	১৭-ইস্বা	₹8	936	ব্যার (প্রতিপাশ্রাম উপর ভরারকারী উপর পরাবাদের দেখার (বই)	১৬-নাঙ্গ	99	253
ক্ষা (ক্ষবিদ্ধা প্রতিপাদককে কাবে, নেতার তালে পথন্টে করেছে)	৩৩-সাহবাৰ	99	pupp	ভরমা (প্রতিপালকের উপর ভরসা করে মু'মিনগণ)	৮-জানফাল	2	600
বণী (মার্করাম প্রচিপালনের বাদীর সভাভার গীকৃতি নিরাছিল)	৬৬-তাব্রীম	25	947	অল (প্রচিশাহরের উপ্সা ভলেরবীর জন উল্লে (জনিস)	৪২-শুরা	20	b>8
বর্ণী (গুলী ইসরালৈ সম্পর্কে প্রতিপালকের কলালের বাণী)	৭-জ'বাফ	201	648	অলা (প্রতিশাসকের উপর করেনা, ইবরাইম আ, ও ওরে সাবীদের)	७०-मुभलादिना	8	303
ক্ৰণ (প্ৰতিপূদকের ক্ৰমী গত হয়ে ন থাকলে মীনালো হয়ে বেড)	33- <del>2</del> 4	220	695	ভরগাপ্রতিশাসকের উপর করণারাকীর পরস্কার প্রথম)	২৯-আনকাৰ্ড	69	643
বাণী (প্ৰতিপালকের বাণী পূৰ্ব হরেই)	33- <b>2</b> H	775	595	कार (अधिनुष्यका केना कागर कन्त्र, विश्वतकारीय अस्ति।न)	১৬-নাংশ	84	903
বাণী, প্রতিপাদকের (শেষ হবার নক, সমুদ্র কালি হলেও)	75-4624	200	900	ভারম প্রেরিশালকের নারে আরতের মালিক হলেও কাবিকর জ)	১৭-ইদর	200	924
বদী (প্রতিপদক্ষের বাদী সভা হয়েছে 'পালীর উমান আনবে না')	১০-ইউনুস	00	200	ভারার (প্রতিপাদকের ভারারের নিয়ন্ত্রক কি অবিশ্বাদীরেই)	44-98	09	300
বাণী প্রতিপালকের বাণী সত্যে পরিগত হরেছে বে)	8०-मुम्मिन	6	494	ভাগ না যাওয়া প্রেতিপাদক ভাগে যান না)	40-84-91	22	988
বণী (শক্তি সম্পর্কে অক্সবর বাদী গত না হলে শক্তি অপরিমূর্ব হত)	২০-ছা-হা	252	485	ভূল না করা (প্রতিপালক ভূল করেন না)	२०-झ-श		9.88
বাণী (সভা ও ল্যাভ্ৰপরাছনভার প্রতিপালকের বাণী পরিপর্ণ)	৬-আন'আন	274	609	ভূমে যান না প্রতিশাসক (কোন কিছু)	25-मात्रदेशम	22	9.03
वर्गे (मिर्मेड म्प्रदाद करकारमा दिवह श्रृतिमाहाक वर्गे गठ _)	৪২-পরা	78	194	বুলে ধন না প্রাচন্দ্রনত (জেল (বঙু) মঙ্গল চাওয়া (প্রতিশাসক পৃথিবীবাসীর মঙ্গল চাওয়া প্রসঙ্গ)		68	
বার্ণী (প্রতিপালকের বার্ণী সত্য হলেছে থাকের উপর)					৭২-কিন্	30	bord
	১০-ইউনুস	99	660	ম্যানিবেশ (প্রতিশাদাকের প্রতি মানানিবেশের নির্দেশ, নবিকে)	৯৪-ইন্শিরাহ্	b.	205
বানানো (আল্লাহ মানুষকে পৃথিবীৰ প্ৰতিনিধি বানিরেছেন)	৬-আন্'আম	360	652	মাননিত কালেন প্রতিশাকক মাহংগালা ইউনুস আ, কে (পুনাম)	৬৮-কৃষ্ণাম	ĝ0	200
বাদাসুবাদ করবে মানুষ বিশ্বামতে (প্রতিপাদকের সামনে)	०५-दूसर	42	390	মনেদীত করা (অল্লাহ অধমকে মনেদীত করকেন)	২০-জা-হা	255	9.8%
বাপাদের একদল প্রতিপালককে বলত- হে প্রতিপালক	২৩-মুফিদূন	209	994	মনেনীত করবেন ইউসুফ জা, কে (তার প্রতিপালক)	३२-३७मुक	0	699
বন্দার হতিপালকের জন্ম নিজনকনত অবস্থার প্রত অভিবাহিত করে	২৫-ফুরকান	68	999	মন্দ কাছ্চলো প্রতিপাসকের নিকট খুন্য	১৭-ইস্রা	৫৮	950
ব্যহিনী (প্রতিপাশকের বাহিনীর সংখ্যা কেউ জানে না)	৭৪-মুদায়নির	402	797	মর্থনা প্রেটিপাশকের মর্থার উর্চের, তিনি প্রী/সন্তান গ্রহণ করেননি)	१२-किन्	0	hors
বিচার (রতিপালক ভার ব্কুমানুযারী বনী ইসরাইলের মহের	২৭-নামল		906	মর্থানা (প্রতিপাধ্যকর নিকট মর্যাধা ব্যবহের ম'মিনদের)	৮-আনকাল	8	603
বিচার কর্মেন)		95		মর্ঘারনে প্রতিপাদকের চার্যার সর্বাই বেনল কর্বনীই থাকার	৫৫-বাহমান	29	384
মিনা (মতপর্কার/পদিবর বিষয়ে প্রতিপ্রণার বিষয়ের বিরয় করলে)	১৬-নাংগ	528	950	মৰ্থালাকন প্ৰেষ্টিলাকক মহিমামৰ ও মৰ্থাকাৰ্যন)	१०-वाश्यान	91/	h84
বিনিময় নিবেন প্রতিপালক, কালবারালাচারকে (উভ্য বিনিময়)	७५-व्यामास	95	270	দ্বীর বা প্রতিশাসক ও কী ইপর্যালয়ে প্রতিশাসক অ <b>স্তা</b> হ…	१-महिमा	93	27/3
বিপৰগামীরা প্রতিপালককে বলুবে	২৮-কাসাস	60	370	মানু বাং প্রতিকাশক ব কর ই মানুকর, পথ্যর নির্দেশ প্রসঙ্গ ।  মহানুকর (প্রতিকাশক বড়ই মানুকর, পথ্যর নির্দেশ প্রসঙ্গ )	৮৬-আবাক ১৬-আবাক		
रिमारनड (शुंडिजान्द्रका अ्डि विमारकाट पूर्वित ब्राह्मांट स्ट्रा)	33-39		669			۰	205
विवक श्रीरं, श्रीकेशांतरस्य क्या शाक्षित (श्रीकः)		50		মহান (প্রতিপাশকের নামের পরিপ্রতা থোধনার নির্দেশ)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	3/0	38
বিশ্বত বাবে, প্রাকশালকের কমা প্রাক্তন থেকে: বিশ্বত (মারণ মহনকর্ত্তী চেরেশভার প্রতিপালকতে বিশ্বত করে)	১৮-কাইক	66	459	মহিমানর (প্রতিপালক মহিমামর ও মর্যালাবান)	৫৫-রাহ্মান	99	384
	৪০-মুখিন	٩	৮৭৮	মহিমানে প্রতিপালকের (মহার)গরাই কেবল অবশিক্ত থাকরে	৫৫-রাধ্যান	29	h80
বিশ্বাসী (অপরাধীর প্রতিপালকের দৃচ বিশ্বাসী হেব ও সংক্রছে)	৩২-নাৰদা	24	504	মহারারাপশালী ও মহান দারা (প্রতিপাদক)	৩৮-সোরাম		700

শৰ বিষয়/ধনৰ	न्वा ना शतान	40.0	र्गुका	नम् दिशक्ष्यास	न्वा नः व मान		
প্রতিপালক (পূর্ব পূর্বা বেকে)				মুগা আ, প্রতিপাদকের নিকট প্রার্থনা করণ (উদ্ধারের গন্য)	২৮-কাসাস	43	be
মধ্যসভাপপালী ও পরম ক্ষমশীল (আনাপ-পৃথিধীর প্রতিপালক)	৩৮-সোম্বাদ	66	b/bh	মূপা আ, ও তার প্রতিপাদাককে বলল বুচন যেতে ((মূপার সম্প্রদার)	৫-মারিদা	3,8	₹6
মহাবিশ্বের প্রতিপালক আল্লাহ	৪১-ফুস্দিলাত	>	1449	মৃস্য আ, ও হারুনের প্রতিপাদকের নিবট আশহা প্রবংশ	২০-ড়া-হা	84	98
মহাপ্রজামর ও নর্বজানী প্রতিপাদক (সাল্লাহ)	<b>८५-प</b> तिब्राह	200	525	মূলা আ, ও হারণের প্রতিপালক কে ৫ (বিরবাটনের ছিজালা)	২০-কা-য	83	9,8
মহানুতৰ (প্ৰতিপালক মহানুতৰ, মানুখেন অকৃতকতা প্ৰসম)	২৭-নামল	80	900	মেয়ান (প্রতিষ্ণেত পান্তির মেয়ান কি প্রতিপালক নির্মানে কমকেনা)	९२-किम	2.0	30
এনুহতে প্রতিপালত পরীকা করেন (বিভিন্ন সমূচিত করে নিয়ে)	৮৯-ফাজ্ব	36	2052	যুমেট (বাল্যাদের অভিভাবক হিসেবে প্রতিপালক যুমেট)	১৭-ইস্র	62	9.
মানুষকে তার প্রতিপাদক সম্বন্ধে প্রতায়িত করণ কিলে?	৮২-ইনফিতার	6	2020	যুহার (বাদার অপরাধ্যে করে রাখার রাপারে প্রতিশাদক মহার)	১৭-ইপুরা	29	9
ধানুধ কার আক্রণালক মানুষ পৃত্তি করনে কালামাটি থেকে)	৩৮-সোয়াদ	93	690	যাকারিয়া আ, প্রতিপালকের নিকট প্রার্থনা করেন	३५-मात्रदेशाम	0	9
	১৫-হিন্তর	13	666	ঘ্যকারিয়া আ, এর প্রতিশাদ্যকর দিকট (নিদর্শন প্রার্থনা)	১৯-মার্হ্রাম	20	9
মানুৰ সৃষ্টির কৰা বললেন প্রতিপালক (কেরেশকানেরকে)		0	928	ঘ্রমারে আ, এর প্রতিপশকের নিক্তা প্রার্থনা (দেক সম্রাদের জন্য)	৩-আল ইমরদ	OF.	0
মানুদের প্রতিপালক অস্থাহই (যিনি আকাশ-পৃথিনীর শ্রই)	১০-ইউনুস			पुरुद्धि या. ५८ व्यक्तिमान्द्रक विको अञ्चलत कन कार्यालास	২১-আছিল	70	19
মানুদের প্রতিশাসক অন্তাহ	৫-মারিলা	224	494	यक्तिया या अविश्वनात्रव निर्मा कान्युक प्रदेश शिक्षण महान द्वार	১৯-মারইয়াম	ъ	9
মনুহের প্রতিপাদক আল্লাহরই রাজকু (তিনি একমান ইলাহ)	৩৯-বুমার	6	3.67	যাত্রা (প্রতিপালকের দিকে যাত্রার সময়, বিশ্বামত প্রসঙ্গ)	९৫-किशामाद्	00	18
মনুদের প্রতিদাদক (মানুহ প্রতিদাদকের প্রতি অকৃতঞ্জ)	১০০- অন্যাত	0	2000	পুরি প্রকাশ (ইন্টেনিসর নিকরে প্রকিশসকের কাম পুরি-প্রকাশ করে)	३-राज्या	96	19
মানুহের প্রতিপালক যথন মানুহকে অনুদ্রহ করে, তথন লে বলে	৮৯-দাস্ব	>6	2057				
মানুবের প্রতিপালক (যিনি আকাশ-পৃথিবীর প্রতিপালক)	২১-অম্বিরা	26	9,28	প্রতি-প্রমণ প্রক্রিপালনের দুটিতে অনর (ওঁরে সম্পর্কে বিভর্কবর্মনির)	8२-ण्डा	39	ъ
ব্যৱহায়ের প্রতিপালকের নিকট লহজ (মাইরামের পুত্র হওল)	১৯-মার্ট্য়াম	43	900	রক্ষা (প্রতিপালক মুরাঝীদের আগুন থেকে রক্ষা করবেন)	৫২-তৃত্ব	29	×
মানইয়ামের প্রতিপালক গানির প্রবাহ বানিষ্কে দিয়েছেন	১৯-মারেইরাম	4.8	900	রাস্ল (প্রতিপলকের রাস্ল, ল্ভের মেহমানগণ)	১১-যুদ	2.7	4
মারইয়াম প্রতিশাদকেকে বলল কিডাবে সম্ভান হবে অধ্যঃ	০-মালে ইমরান	89	¢80	প্রকৃষ প্রতিশালককে কানেন (মালিকান্য কুরামান মার্টার আপারে)	২৫-যুৱজন	00	Į.
মারইলম্বের প্রতিপাদক উত্তম মণে কবুল করদেন	৩-সেলে ইমরন	109	600	বাসূল (প্রতিপালকের রাস্লগণ নতানহ এগেছিলেন)	৭-আ'রাক	6.0	1
'মালিক' যেয়েশশুকে প্রতিপালকের কাছে সেয়া করতে কর	80-मुस्स्म	99	202	রাসুল(প্রতিপাদকের রাস্তা ম. কে আমন্য করার অপরাধীনের ধালে)	५३-शबार्	30	3
মিন্যারোপ (প্রতিপাদকের বিক্তম্ভে ঝালিমদের মিন্যারোপ)	33-4F	25	669	রচূল (প্রতিপাদকের রাসুল মিনেরসল, মারইয়াচনে নিকট)	১৯-মারইরাম	72	Ŀ
মীমাংগা (৩ জাইৰ/জাতিও মাথে মীমাংগার কণ্য	৭-জা'রার্ড		543	রাসূল প্রেরণ কবডেন যদি প্রতিপালক তবে	২৮-কালাস	89	1
প্রতিপালনের কাছে পোরা)	1	2.9		রাসুল (মুসা আ, রুগারের প্রতিপালারের পাফ থেকে রাসুল)	৭-আরাক	308	13
প্রতিক্রান্ত্রতার করের ক্রায়নুদ্ধী কালিনের (প্রতিপালকের নিবর্ট)	৩৫-ফাডির	03	180	রাপুদ পাঠানের জন্য প্রতিপাদকের নিকট সোয়া	২-বাকারা	239	١,
মুগরিকদের প্রতিপালক অস্থাবর নামে মিগ্যা কলম	৬-আপু আম	20	692	রাস্কান প্রতিপালকের পক্ষ থেকে সত্তাসহ এসেছিলেন	৭ আ রাত	80	١.
মুশারকদের প্রাকশালক অন্তর্যান্ত শবে (২৭)। তথ্য মন্ত্রাকীর প্রতিশালকের দেয়া সামগ্রী উপজেপ করবে	৫১-যবিয়াত		295	রপুল এর করে, প্রতিপালকের প্রতি (সম্প্রেনারের ঈরল প্রসল)	৪৩-বৃৎক্রফ	bb	1:
		29		समूल तात श्रीकेपालक धारम पान क्यारन एर डिमें मक्की रहरन	৯৩-দুহা	0	15
মুমিনদের প্রতিপালক আল্লাহ	২-বাকুবো	209	674	ব্ৰানুল এত প্ৰতিপালত নয়ানা অক্সাহ আনে স্বাস্থ্য কোন উপাহ নেই	১৩-রা'ল	00	ť
মুমিনদের রতিপালক সাল্লাহ	৪১-ছুস্সিলাত		444	ব্ৰুল এর প্রতিশাসক য অবস্থীর্ণ করেছেল আরু সভা	৩৪-সাধা	4	t
মুখ্যিনরেই প্রতিপালকের নিকট শহীন ও সিন্দিক	৫৭-হানীদ	39	100	any and armine of second equipment in the contract	५१-देशवा	930	ť.
মুম্ভাকীদের জন্য প্রতিপালকের নিকট অধিরাক	80-Metada	-00	P.SP.	ক্রালু এর প্রক্রিক্তান রাসুল কে মান্সমে মান্ত্রের করিউত করকেন	g-মারিদা	38	1
মুক্তরীলের জন্য কলেন প্রতিপালকের নিমট লেডামতপূর্ণ জন্ধাত	৬৮-কালাম	08	266	বসুল এর প্রতিশালকের শব্দ সেকে যা অবস্থীর্ণ হয়েছে তা	20-819	39	
ুপরিবলে প্রতিপদকের বায়ে শরীক সম্পর্কে অভিযোগ (নিয়ামতে)	১৬-নাব্দ	6.9	370	রাজ্য এর প্রতিশালকের পাক থেকে নির্দেশন আবর্তির হয় লা কেন			ł
মুহাম্বন স, এর প্রতিপালক আকে পরিত্যাগ করেননি	৯৩-দুখ্য	0	2059	রাসুল এর প্রতিপালকের পথ থেকে যা অবর্তীর্ণ থাকে সভ্য জান	30-419	7.9	
মুলা আ প্রতিপাদকের পাক বেকে সুস্পত্তি প্রমাণ দিয়ে এসেয়েন	80-मृदिम	137	privo	রাপুল এর প্রতিপালকের কসম (তিনি অবশাই গ্রার করবেন	30-Re-	32	П
'মুনা আ, তার প্রতিশালককে ভাকুষ' ফিবআউন বলল	৪০-মূখিন	140	550	কাফিরলেরকে)	-	-	4
মুসা আ, ও হারুন আ, এর প্রতিপালক প্রজ্ঞেক আর আকৃতি দান	२०-झ-स	00	988	রাসুদ এর প্রতিপাদকের পক থেকে নিদর্শন অবস্তীর্য হয় বা বেলয়	১৩-রা'দ	٩	1
PODE.		100		রসূল এর প্রতিপাদকের পক্ষ মেকে সুস্পর্ট প্রকাশনি এসেই	৪০-সু'মিন	95	
भूग प्रा. अर अञ्चलका स्थान एक नामिक्त निवा भागाव	হ⊁-জাসাস	01	222	নাস্প (মৃসা আ, ও হারদা আ, এর প্রতিশাদকের রাস্দ)	২০-জা-র	89	
মুনা আ, এর প্রতিপালক (তুর পাহাড়ে আক্লাহর সাথে মুনার	20-91-8	25	485	রাদৃল (মৃদা আ. ও হারদন আ. এর প্রতিশালকের নাদৃল,	<i>५७-७</i> ,ळाडा	36	Ш
সাক্ষাৎ প্রদক্ষ)		34		হিন্ন'জাউন প্রসঙ্গ)			_
মুদা আ, এর প্রতিশাদক পথ দেখাবেন (ফির'অভিন বাহিনী	२५-७'जाब	1	485	বাসুল তে প্রতিপালকের জন্য দৈর্থ্য ধারণ করার নির্দেশ	18-মুদ্দাছছির	٩	
(থ্যে রফা প্রদক্ত)		84	1	রাসূল তে তার প্রতিপালকখর থেকে বের করদেন	৮-জানকাশ	4	Ť
বুলা আ, প্রতিপালক যিনি, তিনিই ফির'অভিন্যনের প্রতিপালক	৪৪-দুখন	30	200	বাসুল কে যদি দেখান প্ৰতিপালক (প্ৰতিহণত শান্তি)	২৩-মুমিনুন	3/0	Ţ
মূলা আ: এর প্রতিপালকের উপর জানুকরণের সমান	্-জা'বাফ	322	650	হিনাল্যত (বানুল কর্তৃক প্রতিশালকের বিনাল্যত গৌহানে প্রদাস)	৭২-জিল	147	Т
মুসা আ, এর প্রতিপাদকের কাছে লোয়া(ফিরআউনের সম্পদ	১০-ইউনুস		662	রিসালাত প্রেতিপালকের বিদালাত ও'আইব আ, এব	৭-জা'রাফ		+
ধংস প্রসঙ্গ)		9.9		সম্প্রধায়কে গৌহালো)		20	н
মূল যো, এর প্রতিশাসকের করে কৃতিক প্রযোগ কল্ কাইবালর অনুরোধ	५-राज्यता	65	609	হিসালাত প্রেতিপালকের বিনালাত পৌছে নের নূহ আ.)	৭-আ'রাক	62	t
মূল আ, এর প্রতিশালাকের কাছে লোকর সমূত্রাম (বিশাসা ভন্যার্জির)	80-पूर्वक्रम	89	599				
	20-17-17	93	984	ব্রিটক (প্রতিপালক প্রদান অভিব্যাহর বিভিন্ন উত্তম ও চিবছার্টি)	२०-फ्रा-च	3/03	
कृत चा. <i>पत अ</i> विभागाला स्वाह राज शुभक्त कारा संस्थ शारा	50-8,2031 50-8-40			বিভিন্ন (প্রতিপাশকের বিভিন্ন আহর করের নির্চেশ, দাবাবাদিকে)	৩৪-সাৰা	25	
পো আ, এর প্রতিপালকের কাছে আদার প্রকাশ (বিশ্ব'জড়িন প্রসাস)		25	990	বিধিত প্রদারিত ও পরিমাপ করে দেন প্রতিপাশক	১৭-ইস্রা	00	
pa or, as अञ्चलनाराम भीना श्रेमन (महि च चरानून राष)	২৮-ঝদান	82	9.77	হিন্দাত (গলিহ আ, কর্তৃত প্রতিপালকের বিশলাভ পৌরনে)	৭-আ'রাফ	23	-1
pa चा, तब अञ्चलकारक मेनचे <b>चा</b> ता आर्थन (कारमधी पक्ति २८०)	80-मूँ मिन	29	2,00	স্ত বা, এর দোয়া (প্রতিপাদকের করের জাতির অপকর্ম	२७-७'खाद	T	ī
पूज जा, तहा श्रीरं नामाजन श्रीक कानुकारमा नेपन जनाव एवका	59-व,ब्रास	85		(शंदक शंकार क्या)		2.95	1
মূস্য আ. প্রতিপালককে নলল (এক নাক্তির হত্যার বিষয়)	१५-काशभ	00	227	শতিখান (প্রতিপালক সর্বশক্তিয়ান)	২৫-মূরকান	48	d
মূদা আ প্রতিপালককে কথালে- 'আমি ক্ষমতা রাদি না জামত ও)		3,0	62.0		22-54	99	
মূস্য আ, প্রতিপালকের নিকট আগ্রয় প্রার্থনা কবলেন	৪০-মুখিন	29	990	শতিশালী (প্রতিশালক মহাপতিশালী ও মহাপ্রবাপশালী, শতি দান)			
মূপ্য আ, প্রতিপালকের নিকট প্রার্থনা করণ	২৮-কামান	2,8	9.70	শয়তান প্রতিপাদকেকে বলবে-'আমি তাকে অবাধ্য করিনি'	६०-देशक	29	
মূল জা, প্রতিপালকের নিবট ক্যা প্রার্থনা করল (কুলুমের কন্য)	২৮-কাসাস	35	trob	শরীক বরে না বাউকে প্রক্রিপালকের সাথে (বাগানভ্যালার সার্থী)	১৮-কাহক	100	1

প		ef.	ঠপালক	হতিশ্লিত			
TT Resperse	理政士司	-	-	TR RUEN	नुवा सर्थ गांव	1009 1	781
ব্ৰতিপালক (পূৰ্ব পূৱা থেকে)				সাক্ষাত প্রেতিশালকের সাবে সাক্ষাকের ব্যাপারে সাক্ষার করিবলের।	83-क्युमिलार	<b>Q8</b>	730
শরীক না করার নির্দেশ, প্রতিপাদকের ইবানতে	72-9124	330	100	সক্ষাত (প্রতিশাসকের সাথে সাক্ষরের বালার মনুষ অধিক্রসী)	30-87	7	255
পরীক না করার ঘোষণা (প্রতিপালকের সাখে)	79-4154	Gb:	133	পাকাত (প্রতিপাদকের সাথে মাকারের ব্যাপারে দিয়ার)	৬-আন'আম	348	933
পরীত (প্রচিপাদকের সালে পরীত করে না যাবা)	২৩-মামিনন	0.5		সম্পাত (মানুষ প্রতিশাসকের মার্যাং লাভের জনা সাধার করে)	৮৪-ইনশিকাক	6	2020
শরীক প্রতিপাদকের সাথে শরীক করে একনদ মানুহ)	00-8¥	00		সাক্ষাত (মুদিনরা প্রতিশাসকের সাথে সাক্ষাত করতে)	३३-दून	23	detabr
শ্রীক (প্রতিপাশকো নাথে শ্রীক না করার ওয়াল, প্রতিন ছিলালে)	१३-सिन	3	3019	শক্ষা দেৱ (ব্যৱহ মনুজে প্রতিক্ষাত হল্ডা সম্পর্কে প্রথম দেৱ)	৭-আবাক	392	
শানিক করে জন্য অনুশোলে, প্রতিপাশকের সালে (কালেন্ডেলের)	79-side	83	997	শঞ্চলকরী (প্রতিশাসক সাড়ানানবারী, মানুহের ডাকে)			659
শক্তির মনুক মারকেন প্রতিপালক (ব্যান, মুদুল ও বিধা আইনলেপ্রত)	५५-वास्य	30		সায়া দিলে প্রতিশালত (ইউসুত আ, এর ড(০)	১১-ছুদ ১২-ইউস্ফ	63	395
শার (কলিবর কি প্রতিপদকে নির্দেশ, শারিব প্রতিশা কর্মান)				বাড়া বিকেন প্রত্যালক (২৬বুক জা, এর ভাকে) সাল্লা বিকেন প্রতিপালক মনিন্দের ভাকে		-08	6bro
	১৬-নাহল	00			্ৰাল ইন্প্ৰদ		666
শাস্ত্র (প্রতিপাদকের শাস্ত্রির কুমারর স্পর্ন করা জালিমানের পুর্যোগ) শাস্ত্রি (প্রতিপাদকের শাস্ত্রি ভয় করাত মস্ত্র)	২১-আধিরা	85	160	সাধানীদের প্রতিপদকের নিকট প্রার্থন	৩৪-সাবা	29	p85
	১৭-ইপ্রা	64		শদাম প্রতিপাদকের পথ থেকে (জারাতীদেরকে)	৩৬-ইয়াদীন	62	200
শান্তি (প্রতিপাদকের শান্তি তবশুই সংঘটিত হবে)	৫২-তৃত্ব	3	25/2	শহরে করনে প্রতিপাদক পাঁচ হাজর চিহপুক্ত ফেলোর দিয়ে	০-আলে ইমরন	256	28V
শান্তি (প্রতিপালকের শান্তি থেকে কেউ নিরাপদ নর)	৭০-মা অবিজ	147	29-5	সাক্ষাং (কাকিবরা প্রতিপাদকের সাক্ষাতকে স্বস্থীবার করে)	०२-मास्मा	20	proc
শন্তি (প্রতিপাদকের শন্তি সম্পর্কে তীক্ত-সক্সন্ত হারা)	ং০-মা'অবিক	29	29.5	নাহাত্য কড়েন প্রতিপালক ভিন জ্বাধার ফেলোজা নিজ্ঞ (করে ফুড়ে)	৩-আলে ইমরন	\$28	285
শরি প্রতিপদকের শরি নির্ধারিত হয়ে আছে, হন আ, কালেন,)	৭-জা'রাক	42	677	সহায় প্রতিপাশকের সাহায়্য প্রার্থনা করলেন হল আ.)	২৩-মুমিনুন	©b	965
শক্তির জনস (উপদেশ এংশবারীলো জন্ম প্রতিপদ্ধকের কছে)	৬-লাপু আম	249	606	নম্বন্ধ (প্রতিশালকে সাহায় প্রার্থন কর্মেল হক্ষা মুখিনার)	৮-जानकाव	3	603
শি'র নদকে প্রতিশালক (আল্লাহ)	CQ-MAK	83	308	নাহাত্য (প্রজিলকের সহাত্ত জাসলে মুনাফিক বলে)	২৯-জানকাবৃত্ত	30	736
শিরক (পুল-পুর্নশা পুর হলে মানুহ প্রতিপালকের সামে শিরক করে)	১৬-নার্প	68	909	শহার প্রার্থনা প্রেরিপাল্যকর কাহ পর বার পরবার প্রর্থনা।	২৯-জানকাবৃত	00	225
শেষ গভত প্রতিশাদকের নিবট (সবকিছুর)	60-HM4	84	308	স্থিত (প্রতিপালতকে সিজন করার নির্দেশ, মার্কারাকের প্রতি)	৩-মালে ইমরান		¢80
প্রেষ্ঠার (প্রতিশালকের প্রেষ্ঠার ব্যেক্ষার নির্মেশ, রানুল স. কে)	৭৪-বৃশাহতির	0	990	দুস্পর্ট প্রদান (প্রতিপাদকের দুস্পরি প্রদানের উপরে চার্কাইর জা, )	১১-ছুদ	77	690
প্রথবনারী (প্রতিশানক প্রার্থনা প্রবনতারী)	0-301 \$244		609	সুক্ষানী প্রতিপালক (ইউসুক আ, ও তার ভাইনের প্রন্য)	১২-ইউস্থ		
সংক্রেক (প্রতিশাসক সংক্রিক্তর সংগ্রেকত)		49		সুনবদ দিয়েল প্রতিপালক (বিফালক, বিজয়কবারী ও)	৯-জাধ্যা ১২-২৩পুঞ্	200	676
সংক্রমক (প্রতিশাসক সংক্রিয়ুর সংগ্রমক)	३५-दून		693			42	683
সংগ্ৰেক (আত্তপানক সংগ্ৰেক) সংগ্ৰেক প্ৰতিপানক আল্লাহ	৩৪-সাবা	57	280	ज़ारिकाच वार्यालकात सह कुळाव असाव गर्था शर्का	২৭-লয়ল	39	p.07
	৪২-শ্রা	745	295	সুবাইমান আ, এর প্রতিপালকের নিকট ক্ষমা প্রার্থন্য	৩৮-সোরাদ	00	MAN
সভম ব্ৰেন কি প্ৰতিপালক খাদ্যপূৰ্ণ পাত্ৰ অবভাৰ্ণ কৰতে	৫-মারিলা	225	¢%8	সূৰ্যকে ব্যৱসাসক বলা (ইংৱাহীয় আ, কৰ্তৃক)	৬-আন্ আম	96	900
স্ক্রিকাপ লেবকে ইন্মাইন জ, দে (ইন্মার্থন জ, এর প্রকাশ)	৩৭-সাক্কাত	99	3497	্কী নকেনি একিশক্ত, অন্তৰ ও পূথিবী (বাজিক হিসেপে)	৩-আলে ইময়ন	797	668
নঠিকপথ প্রদর্শন (ইবরাহীম আ. এব প্রতিপালক সঠিকপথ	৬-জান্'আম	99	600	পৃষ্টি করেন প্রতিপাদক যা ইক্সা	২৮-কাশস	60	P78
दमर्गभ करा थ.)	1	_		সৃষ্টি (প্রতিপালনের নামে পয়ার নির্দেশ -বিনি সৃষ্টি করেছেন)	১৬-জালাক	٥	3056
সংকর্মপরারণপথ প্রতিপাঙ্গবের নিবট যা চাবে ভাই পাবে	৩৯-মুমার	-08	798	সৃষ্টি (প্রতিশালে সৃষ্ট দর্মি পরিয়াণ করে পুরুষে সামে (উন্বর্য)	২৬-৬'জারা	366	936
সভা (অসুসাদ প্রতিপাদকের নাছ খেকে সতা দিয়ে এসেছেন)	8-RH	240	634	হুগাঠিবিক কর্মেন প্রতিগালক (আন প্রতির হুলে অন্যকে)	১১-ছুন	64	695
সত্য বলেহেন প্রতিপালক	৩৪-সবা	50	280	হ্রেংশীল (প্রতিপালক পরম হ্রেংশীল ও অপের সম্বাস্থ্য)	১/৬-নার্গ	89	906
সক্ত (প্রতিশাসকের পাফ থেকে আগত সভ্য, মশার উপমা প্রদাস)	২-বাকুরো	₹6	<b>€08</b>	হ্রেহশীল ও নয়ালু প্রতিপাধক	৫৯-জনর	30	70.00
সঙ্গ (প্রতিপালকের পক্ষ থেকে নত্ত্য)	৩-আল ইম্বান	60	682	শ্লের প্রথম (রানুল প্রতিশালকের শ্লের প্রথমের উপর প্রতিষ্ঠিত)	৬-আন্'আম	49	605
সত্য (কুমআন প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে আনা সভ্য)	২২-হাজ	28	950	শারী প্রমান (প্রতিপাল্যকর পান্য থেকে শারী প্রমান একেছে,)	৭-আ'বাফ	90	477
সজ (বিজন/বুৰামান প্ৰতিপাদকের নিমট থেকে আগত সজ্য)	৩২-সাজ্পা	0	3100	শ্বাস (প্রতিপালরকে সরাল-সন্থার হর ও কিয়ের নামে শ্বাস)	৭-আ'রফ	200	603
লভ্য (কুরআন) এলেহে প্রতিপালকের নিকট থেকে	३५-काद्य	230	946	"আন (প্রতিপদারকে স্থানা করার নির্চাল, করাবিয়া আ, কে)	৩-আলে ইমবান	83	680
দত্য (প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে রাগুল স, এর কাছে	১০-ইউনুস		990	অন (প্রতিশালকের অন্য থেকে সম্পদক্তে বেলি ভালবাস্য)	৩৮-সোয়াদ	03	prop
সব্য/কুরজানএসেছে)		58		'কাৰ্য (প্ৰতিশালকে 'অলক্ষিম্বৰ লোকে দুলেং পজিতে প্ৰকেশ)	৭২-জিন	39	29.48
সভ্য (প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে সভ্য, নাফ্রিকত কিডাব)	२-सङ्ग्रहा	389	659	খ্যবৰ কৰা, ব্যক্তিপালককে (ইন-শাজন্তাই কলতে স্থাল গোলে)	১৮-বাইফ	3,8	140
महाराज्यान (श्रीरंभागारच महाराज्यान दिन देश्यांन चर्)	১৯-মারইয়াম	92	909	"ধাল (কালিকার প্রতিশালকের "বাল কেকে মুখ বিশ্বিসে লেয়)	२५-व्यक्तिया	83	900
সম্ভষ্টি প্রতিপালকের সমূচির উচ্ছেন্দ্র টার্কারকা করে (বুছিয়ানার)	30-8fH	44	690	প্রটা (প্রতিপালক সর্বক্রির প্রটা ও মহাজ্ঞানী)	30-Ems	9.9	902
স্কৃত্তি (প্রতিপাশকের স্কৃতির লাকে অঞ্চত্যার, ফুলর কুর পর্বতে গানে)	40-91-17	78	186	হল বা ও দূৰ বা না প্ৰকিক্ষানে প্ৰতি জনুমানে বিধা	২০-জা-হা		
নমার (প্রতিপালকের নমারি অংখবদের উদ্দেশ্যে লাল)	১২-লাইল	30	3056	काम जा. अ अधिकामा अधिक सामुख्या में प्रेम जाना (जाना	२७-७'खावा २०-कं:-२।	90	982
সম্ভাৱ (প্রতিপাদকের সম্ভাৱ ও অনুধাই কামনা)	१-मतिमा	3	gtro	হাকল জা, এর প্রতিপালকের উপর জানুকালের স্বীয়ন		87	930
সমকক নির্বারণ (প্রতিপাদকের সমকক নির্বারণ প্রসঞ্চ)	৬-অন'অম					255	७२७
সমক্ত (ইনপিসকে প্রতিশাসকের সমকক্ষ গণ্য করা)		250	927	হারন্ত বিষ (প্রতিপালনে হারন্ত বিদ্যা রুপুল কর্তৃত পর)		767	927
সমক্ষ দিবলৈ (অভিনয় প্রতিশাসকের সমক্ষ নির্বাহ করে)	59-0,084		9360	হাত্রম করেছন প্রতিপাদক স্করীশতা	৭-জা'লফ	99	676
সমবেত করবেন প্রতিপালক (পূর্ববর্তী ও পরবর্তী সকলকে)	১-আণ্'আম	3	696	হিবাবের নারিত্ব রাজিপালকের উপর (মুম্মিন্সের হিসাব)		220	9360
	75-1584	56	666	হিনাৰ (প্ৰতিপাশকো কাছে তাৰ হিনাব যে কৰা উপান্যতে জ্বকে)	২০-মু'মিন্ন	224	990
সমবেত করা (প্রতিপাশকের নিকে স্বাক্সিকে সমবেত করা হবে) সমবেত করা (প্রতিপাশকের সামনে সমবেত হবার তর করে হারা)	৬-অন্'জাম	C)r	690	বকুম (প্রতিপালক ভার হকুমানুখারী ধনী ইসরাইলের মধ্যে	২৭-নামল		bob
	৬-আন্ গ্রাম	42	900	विशास कड्डाच्या)		400	
সম্প্রসায়িত করেন (প্রতিপালক ছারা সম্প্রসায়িত করেন)	২৫-ফুরকান	88	950	स्तुम (बाज़ा म. (क अधिनामा)का स्तुप्तका क्रमा रेवर्ड श्वरपता वेन्यामा)	৭৬-লহত	28	220
সরল-সঠীক পথে আছেন প্রতিপালক (ছনের প্রতিপালক)	22-És	46	690	হতিপালন (আরো দেখুন লালন-পালন পথটি)	5-		
সর্বপ্রোতা ও সর্বজ্ঞানী (প্রতিপালক)	88-2994	ò	304	ভিত্তিবের মত প্রতিশালন করেন আল্লাহ মানুহকে (বর্মীনে)	61 700		
সংক্রে (দয়ামন প্রতিপালকই রাস্ল/বাদার সংক্রেছন)	২১-জার্থয়	225	929	মার্ক্ট্রামকে প্রতিশাসন করলেন প্রতিশাসক (উর্মন্ত্রাপ)	৭১-বৃত্		200
নবল (প্রতিপাশকের কন্য নবল, অন্যতিয়া আ, কে সপ্রান কান)	১৯-মারইরাম	ъ	908		০-আলে ইমরন		602
সাক্ষাং (প্রতিপাশকের নাথে নাকাতের বাপেরে নিচিত বিশ্বাস)	১৩-রাদ	2	600	মাত্ত-পিত্তা প্ৰতিপালন কংগ্ৰহণ সন্তানকে (কৈবং)	১৭-ইস্ল	₹8	936
সাকাং (হতিপাশকের সাকাং প্রকাশীর জন্য সাহায্যপ্রতিন বাটিন নয়)	২-বাকুরা	85	606	হতিশাদিত			$\neg$
সাক্ষত (প্রতিপাশকের সাক্ষাত কারনা করেল সাক্ষার করাতে হলে,)	79-91 <u>2</u> 2	770	900	দৃশ আ আছার তেখা সমন প্রতিশনিত হরে (বিরক্ষানের যুর)	२०-वा-स	Ob	980
		_	-			_	

অত্তর্জের প্রতিফল (জাহাপ্লামের আওন)	৩৫-কভিব	00	P82	পুরোপুরি নিবেন আল্লাহ প্রাপা প্রতিকল	२8-मृह	5.0	229
অপরবী সম্প্রদারের প্রতিকল (আদ লাতি প্রদঙ্গ)	85-33554	20	270	প্ৰভোৰকে তাৰ কৃতকৰ্মেৰ প্ৰতিকল আল্লাহ দিবেন	১৪-ইবরাহীয	67	160
অপরাধী সম্প্রনায়তে আল্লাহ ধাবনের মাধ্যমে প্রতিকশ দেন	১০-ইউনুস	30	666	যদ্য থাজের বিনিমত্তে অনুরূপ প্রতিক্ষণ দেয়া হাবে	৬-আন্'আম	3/60	652
অপরাধীদের প্রতিকল দেন আল্লাছ	৭-আ'রক	80	635	মন্দ্ৰভাৱে প্ৰতিকল কাম অনুযায়ী দেয়া ব্ৰুপ	१०-गासम	-07	300

19,3781

6-SP(SE) 389 930

20

পরিকলে কোনো ভেরত কর্মারল/পরস্কার/পরিমান শক্ষি)

ग्रामानात काला डेब्बियन अस्तिका मंत्रि (वर्ड दावद कर र )

তবিশ্বাসের প্রতিকল জাহাপ্রামের কুলন্ত আগুন

effects

হ্বন ব্যাহ্রর প্রতিকৃদ দেয়া প্রসং

হল ভাৰের প্রতিকল ভাৰতণ হল (অপমান/মাচন...)

250 293

661

905

0143

043

evo

252

80 300

Val. Billion

37-20E

65-25

১৫-হিম্মর

অর্থনে প্রতিকল ধাবনুম (ততুকনুমে অনুহাত পেশকটিলে)	9-2584	36	000	হলকাঞ্চের প্রতিক্ষল (অধ্যেমুখী করে আতনে নিক্ষেপ)	২৭-নামশ	30	404
অৰ্ন্ধনের প্রতিক্রল বঙ্গল বেশি বেশি কালবে (মুনাঞ্চিকরা)	৯-বাধ্য	b2	587	হথ অ্যান্তর প্রতিহল অনুহণ মাদ	৪০-মুখিন	80	34.7
অর্থনের প্রতিকল (হাত কেটে দেয়া, চোর ও নারী চোরের)	৫-মাবিদা	Ob-	69-6	যুগের প্রতিক্ষম জনুহণ মন্দ	৪২-প্রা	80	P98
অবিয়াতের প্রতিকল উরুম (ইমানদার মুব্রাকীদের কণ্য)	১২-ইউস্ফ	69	68-2	মনুষ্ট্ৰেক ভাৰ প্ৰচেটাৰ পূৰ্ব প্ৰতিক্ষণ দেয়া যাব	৫৩-নক্ষ	83	306
থাতন (সাস্তাহর শত্রুদের প্রতিকল আওম)	৪১-যুসনিবাত	25	777	নিধাকীর (বাংকা মিথবদী হলে, তার প্রতিকল বি হথে)	১২-ইউদুক	9.8	9910
বাঙ্- (মাল্লাহর মারাত অখীকারের প্রতিকল বাঙ্ন)	৪১-কুস্নিলাত	20	199	হিখ্যা রচনার প্রতিকল (মুশরিকদের শান্তি পরাপ)	৬-আন্'আম	749.	bob
আরতে ইমান না আনক্রে প্রতিকল (পুরিহীন অবস্থায় বালন বান)	২০-ক্লা-য	229	989	মিধ্য অনকারীদের প্রতিফল (প্রতিশালালে (মেধ ও শাস্থনী)	৭-আরিফ	255	હરહ
ইয়ানের পর কুলীর প্রতিকল লা'নত (সান্ধার, কেনেশন্ত ও	৩-আল ইমরন	2.4	<b>¢88</b>	মুখ বিলানের (আল্লান আলাত খেকে মুখ বিধানের প্রতিকল)	<i>ল-আন্ আম</i>	264	925
বহিন শাস্তি (হত্যা/উল্লেখ-বিচ্ছানের বিত্তু আলে উন্মানের প্রতিকশ)	३-शकावा	24	670	মুপরিকদের প্রজিকল (থবানি পচন পেটের যাত্রা প্রদক্ষ)	৬-আপু আম	70>	609
কর্মের প্রতিকল দেবা হবে প্রত্যেককে (কিরামকের নিদ)	৩৮-ইয়াসীন	48	766	যুদ্ধের প্রতিক্তস হত্যা করা (মসন্ধিনে হারমের নিকট যুদ্ধ)	২-বাকুরা	727	657
কাজের পূর্ব প্রতিকল মুনিয়ায় দেয়া হয় (খুনিয়া কামনাক্ষরীকে)	33-4F	30	969	সুদ্ধ করার (আগ্রাহ রাপুল ন, এর বিসদ্ধে সুদ্ধ করার প্রতিক্ষপ)	৫-মারিনা	00	628
বাজের প্রতিকল ছারা ওলা বিভূমি কাছিবদেরতে লো হবে না	৩৪-সাবা	00	1/88	দীয়ালকানের প্রতিফল দৃষ্টিহীণ অংশ্বর যাশব	২০-কা-হা	253	98%
কালের প্রতিক্ষণ দেরা হলে আজ (কিরামতের দিন)	৪৫-লাইবা	20	209	হুরামারি প্রতিকল কান্ড্রান (মুদ্দিনকে ইছাকুকরার হকা)	৪-দিশ	>0	460
		-	_	-	1		

ধ্যমের প্রতিক্ষা দেরা হগে আজ (কিরামতের দিন)	৪৫-মাহিরা	52	Pos	হরারবলৈ প্রতিকল কান্যান (নুদিনকে ইচ্ছাকৃতকারে হরা)	L
কাজের প্রতিক্ষল দেরা হনে (মন্দ কাজ করলে)	২৮-ডাস্কস	1/8	254	विद्यमन	
কাজেব প্রতিকল পানে কাফিরগণ (কিয়ামতে)	৩৭-সংখ্যাত	03	b¢b	পঠ করে তথাকে, প্রসূত্র স. (পুত্রকারনাইন সম্পর্কে )	Γ
ক্ষে জুনাই প্রতিকা (নির্দেশ/অধিকারে সক্ষরত নিয়া কা হা)	৭-আ'এক	189	698	বভিবেশী	T
কলিয়েনা প্রতিবাদ শানুনাবারক শান্তি (আংলারের নামণ্ড)	৪৬-মাব্ৰাক	20	270	দূর প্রতিবেশীর সাথে সহাবহারের নির্দেশ	Ť
বাহিদ্যনের প্রতিকল (চুনাইনে করিয়ানের পরাময় প্রসঙ্গ)	১-বাংগ	20	580	নিকট প্রতিবেশীর সাবে সহাবহারের নির্দেশ	Ť
ক্রক্সিবলের ক্রক্সের প্রতিক্র বিয়ামতে দেয়া হবে	৬৬-তার্বীম	9	390	डकुर अध्यक्तिलीका पृत्रविका गयन गया वेकर (मीनार)	T
তুবর্ম করতে ভালার প্রতিবাদ নী হতে পরেং (অধীনের রী প্রদাস)	३२-१७मुक	22	693	ব্ৰতিমা (দেবুন মূৰ্তি প্ৰাট)	t
কুমবর্তার (বর্তিনাসন কুমবর্তার নির্কালয় প্রতিবাদ নিবেন আল্লাম)	৪১-কুপ্সিবার	સ્વ	959	श्रीकरमाणिका	t
কতবর্মো প্রতিবল দেয় হবে (অপ্লাহর নামের বিচুতি দ্যীলে)	৭-অ'ব্ৰড	250	643	क्रमानक नामन व्यक्तिप्राणिका विर्मन	t
	AL THE	0-	200		+

8-सिम 00 8.50 09 AL 1971172 ২-বারুরে 185 প্তকর্মের প্রতিফল প্রভোককে দেয়া হবে (কিরামতে) ওলাগ্যৰ কাজে প্ৰতিযোগিতাৰ দিৰ্দেশ ৫-মায়িপ 81 কুডকর্মের প্রতিকল মতে অস্ত্রাহ লোকসেবকে নিজে পারেন 80.0583 18 প্রভারত প্রতিবেশিয়া মানবকে মোরাছর করে রেখেট ১০২-অকাহৰ 00.70 প্রক্রিকেটানর প্রতিবেশিয় করা উঠিং (জন্মতের পর্নীর **শ**তে) ৮৩-রজার্মার্কনির ২৬ no-stan iros efixensi 10-3289 92 66-8 প্রিয়ের্কিয় কর উতি প্রমাণীতন (মারামের পরীয় লাভ भव्यक्रकारिय ३५ 69-579 369 প্রতিবেশ ৭-আ'রফ 929 বিষয়েতের দিন প্রতিযোগ করার নয় 00-07 e\_6xt 260

কৃতবর্দের প্রতিকাশস্থাপ ভাষান্তানে প্রবেশ (অধীকারবর্গীচনা) চত শীতনকারী প্রতিকল (মুমিদের ক্তকর্মের বিদিমরে) চুত্তির পোনপাত্র যার আছে পাওয়া যাবে তার প্রতিকল দে নিজেই। জারিখানর প্রতিকল (আগমে স্থায়ী হ'রচা) জালিয়ানের প্রতিফল সেন আহার প্রচারে (মহিনকে ইক্সকরভাবে হজাকারীর প্রতিকল কাহ্যাম) লি ক্রেটিয়ের লিক্টিয়ান আলত পূর্বই অক্সাহ্য মান সভা ৪২-প্র প্রয়োম (জানিম নিজকে ইলাহ লথী বনার প্রতিকল লাবারাম) ১১.জাইবা 23 হন্দকে ভাল হারা প্রতিবেশ করে (প্রথিমানবা ১৫-রাম 9390 ভাষান্তাম (কৃষ্ণৰী কৰাৰ প্ৰতিক্ৰপ) ১৮-ব্যাক 206 900 মন্দকে প্রতিব্রেখ করত আৰু ছারা (পূর্ববর্তী ইমাননাররা)। ১৮-বাসম 0.8 ছালায়ে (অধীয়াহুৱানীদের কার্ডার্মের প্রবিক্ষণ সভাগ ...) 49-89 256 মন্তাকে প্ৰতিযোগ কৰ নিজেদের থেকে (সভাবাদী হলে) ৩-জনে উম্বাদ ১৬৮ 000 হুপিয়ের প্রতিফল হাহান্লান (নিজকে ইলাহ দাবী করার) ২১-অধিয়া 23 923 र्राक्ष्यराधकारी

জালিমদের অর্জনের প্রতিক্ষাক্তপ হারী শান্তি নেরা হবে 30-3647 645 পারি প্রতিযোগ করার কেট নেট কোনিবলের জন্য ৭০-মা'জার্বে 246

> app. 60

> > 60:8 2000

98

শানি প্রেচিশাশকের শান্তি প্রতিযোধকারী কেই দেই)

স্কাহান্ত্ৰান প্ৰতিশ্ৰুত হ্বান (ইবলিসের অনুসারীদের জন্য)

প্রতিক্রত (মারো দেখুন সংকল্প শপটি)

নিকট প্রতিকলের সংবাদ দিবেন রাসুল স. গাপচারীসরকে

মিক বানে বালে পালোৱা পানায় বাবে সে নিয়েই তার প্রতিবাদী।

न्या नर उनाम का अ शृक्षा

প্রতিশ্রুত	<b>প্রতিক্র</b> তি
men of other	44

প্রতিক্রত (পূর্ব পূর্বা থেকে)		-	-	ক্ষমা ও মধ্যপ্রতিদানের প্রতিপ্রতি (সংকর্মশীল মুদ্দিন্টারকে)	৪৮-ফাড্ড	230	323
দিন প্রতিপ্রত দিনের সমূখীন হওয়া পর্যন্ত কাফিবর:)	৭০-মা'অবিষ	83	200	कमा शर्कन (भिष्टाव क्रान क्या शर्कन देनतारी) प्रत श्रीवेशकी)	৯-জাওবা	228	624
দিন প্রতিক্রত দিনের,ভিরার(তর কসম)	৮৫-বৃদ্ধ	2	3030	গোপন প্রতিশ্রুতি নিষিদ্ধ (বিধবা নারীর বিয়ে প্রসঙ্গ)	২-ৰাকাৰা	3.02	029
শন্তি প্রতিক্রত শন্তি প্রয়াক করেছে)	९३-सिम	2,8	248	ঘটনে ( কিয়ামত প্রসঙ্গে প্রদত্ত প্রতিশ্রুতি অবশাই ঘটিকে)	৭৭-মরসালাভ	1 3	339
व्यक्तिक श्राम			100	ৰাহান্ত্ৰামের (কাফিরসের প্রতি জন্ত্রাহর)	৩৬-ইরাসীন	60	200
আচন (তিত্তারে অবিশ্বাসকর্মীয় জনা আচনই প্রতিপ্রত ভান)	22-EN	29	669	অন্নাতের (মু'মিনচেনকে জান্নাতের প্রতিঞ্জতি)	80-मु"मिन	b	7.97
প্রতিক্রতি (আরো দেখুন অঙ্গীকার শব্দটি)	22.64	31	951	স্মান্ত্ৰাহতৰ প্ৰতিবৰ্গত ব্যৱহেছ মুখিনদেৰ জন্য (বিস্তামতে)	৪১-ফুদ্দিলাত	00	bos
আকলাত (আয়ো দেখুন অন্ধানার শব্দার) অসম্ভব (মৃত্যুর পর বের করে আনার প্রতিশ্রাতি অসম্ভব।			-	বাহাতের প্রক্রিকতি নিয়াছেল অস্তাহ (তার অভিনুদ্ধীলের জন্য)	१०-कृष	03	840
	२०-मु"मिन्न	30	966	महामाजव निकार शिक्सिक शाल करवा हुए हुए करवा हुए।	১৯-মাবইরাম	29	480
অৰুণে (যে প্ৰতিশ্ৰুতি দেৱা হয়েছে তা আকাশে বৰেছে)	৫১-বারিকাত	રર		मतामाहर शक्तिकारित श्राप्त करवाड कि वर्तन्त्रामीला	३७-मात्रदेशम	96	903
আবিরাতের প্রতিশ্রুতি আসংব যথন	১৭-ইস্লা	>08		দ্যানর প্রতিপ্রতি নিয়েছেন তার বাদ্যালয়কে (প্রায়ী ব্যন্তাতের)	35-HIGEGIA	62	
অভনের প্রতিপ্রতি (অল্লাহ কবিন্যানরকে অভ্যান প্রতিপ্রতি দেন)	55-£100	95	988	নরামর অন্তাহর প্রতিক্রতির প্রতিক্রপন (ছিতীয় শিলা কুঁ )	৩৬-ইয়ালীন	24	901
আক্রমে শরির প্রতিপ্রতি (কবিসনের আক্রমে শরি প্রত্যক হসেস)	৪৬-আহ্বাফ	95	227	দিন (প্রতিশ্রুত বিরামতের নিন এটাই)	৭০-২রাশাদ ৭০-মা'আরিক		700
अक्षाव शक्तिक निराद्यन पुणिन नव-निरात्तव (अप्राटका)	2-21641	92	681	मिन (व्यक्तिक मिन् (क्याब्यका मन्त्र वर्णान वर्णा) मिन (व्यक्तिक मिन् (क्याब्यका मन्त्रीन वर्णा)		88	300
আল্লাহ প্রতিপ্রপতি নিয়েছেন মু'মিলদেরকে	২৪-দূর	66	9tro		8७-यूरत्रय	20	yo.
অস্ত্রাহ প্রতিক্রতি নিরেছেন মুমিনদেরতে (বৃদ্ধসন্ধ সম্পলের)	৪৮-ফাতহ	20	332	দিন (মেতাশালন কণা, এ সেই দিন যার প্রতিশ্রেষিত দেয়ে হয়েছিল)	২১-আধিয়া	200	96
অক্সম প্রতিক্রতি নিজেন মুমিনচনতক (মুটনচনর একটির ব্যাপারে)	৮-জানফাল	9	664	দিনের যে প্রতিশ্রুতি দেরা হরেছে সে নিদকে অবিশ্বাস	৫১-ঘরিয়াভ	90	8-25
অস্ত্রাহ প্রতিশ্রপতি নিরেছেন সংকর্মনীল মুমিনদেবকে	०-मात्रिमा	3	973	দীর্ঘ হজা (কী ইসরাধানের নিকট অপ্রান্ত প্রতিক্রতি নীর্ঘ হজা)	২০-কা-হা	৮৬	184
আল্লাহ প্ৰতিশ্ৰমণিত নিয়েছেন মুনাফিক নারী-প্রকাশনেরতে	2-30841	60	689	নেশ্ব (প্ৰতিশ্ৰুতি দেখতে পাৰে যখন পদমাৰৈ)	১৯-মতইয়াম	92	903
বাস্থাহর প্রতিক্রাতি সভা	00-97	80	b59	দেবলে (প্রতিপ্রত শান্তি যদি দেবল প্রতিপাদন, রামূল স. বে)	২৩-মু"মিন্ন	20	333
আল্লাহর প্রতিক্ষতি সত্যে পরিশত করা (মুম্মিলদের সামে)	৩৯-বুদার	98	299	ননীর প্রতিশ্রতিকে মুলজিক তর্তৃত প্রভারতা বলা	৩৩-আহ্ঘাৰ	25	500
আপ্রাব্য ব্যক্তিকতি সভা (কমা ও জানাত প্রস্থা)				নিবটবর্তী (প্রবিশ্রত শান্তি নিবটবর্তী নচিব)	९२-सिन्	42	35
प्राष्ट्राद्य श्रीवक्षिति गता (किया च काह्य च दगम)	৪৬-আর্কাক	36	909	নিকটবরী হওয়া (প্রতিশ্রেতি/কিলামত নিকটবর্তী হলে	२३-धाषिश	29	120
	৩১-সুকমান	20	659	কাঞ্চিবের চোৰ ছিব)		94	
আল্লাহর প্রতিক্ষতি সভ্য	৪০-মুখিন	20	10.5	नृप्रत (नृर पा. कांवेरक (व श्रविकांवि (स्न या निता पानात नांवि)	22-54	৩২	668
আল্লাহর প্রতিশ্রুত সভ্য (কিয়ামত সম্পর্কে)	29-5/45	57	936	পর্যতী প্রতিশ্রতি যথন আসল, ধনী ইসরাইল প্রসঙ্গ	১৭-ইসরা	9	931
অস্তাহ্য প্রতিপ্রতি (অস্তাহ কবিবসেরকে অঞ্চলে প্রতিপ্রতি (দদ)	২২-ব্যক্ত	92	968	পুনক্ষানের প্রতিক্রতি (কমিবনেরকে ও জনের পূর্বপুরুষদেরতে)	২৭-নমন	66	уон
অস্ত্রাহ্য প্রতিশ্রতি আন পর্যন্ত বিপর্যনা আপত্তিত হতেই ধারবে	১৩-রা'দ	-03	997	পুনকর্মান প্রতিক্রতি কথা ব্যস্তব্যবিত মুখ্যে (কমিবসের প্রশ্র)	২৭-নামল	25	You
অপ্তাহন প্রবিশ্বতি (অপ্তাহ রানুল কে দের প্রতিশ্রতি ভক্ষারী নদ)	১৪-ইবরাহীম	89	659	পুনাল্যালা প্রতিক্রতিকে পূর্ববর্তীলের উপকর্য বাস (কাফিরা)	২৩-মুখিন্ন	tro	993
অল্লাহ্য প্রতিশ্রুতি আসনেই	১৯-মারইয়াম	63	905	পূৰ্ণ কৰা (সাল্লাহৰ দামে কন্ত প্ৰতিশ্ৰুতি পূৰ্ণ কৰাৰ নিৰ্দেশ)	38-मंदन	26	130
व्यक्तरत अस्तिक्षित (व्यक्तर अस्तिक्षित संविद्यम स्टान न, नहि अन्तर)	22-E/RF	89	952	পূৰ্ণ করা (আল্লাহর সাধে কত প্রতিশ্রুতি পূর্ণ করার নির্দেশ)	৬-আন'আম	323	653
আল্লাহর প্রতিশ্রুতিকে মুনাফিক কর্তৃক প্রভারণা বলা	৩৩-আহ্বাৰ	34	P-08	পূৰ্ব করা (ব্যতিহার্শতি পূর্ব করার নির্দেশ্)	১৭-ইসরা	08	934
আল্লাহর প্রতিপ্রতি (গদক যুদ্ধে শত্রু দল প্রসঞ্চ)	৩৩-জাহ্যাৰ	22	5004	প্রতিপাদকের উদ্ভয় প্রতিকৃতি (বলী ইসরাইলকে)	२०-छा-वा	818	980
অল্পাবে প্রতিশ্রতি (তুর পর্বতে বলী ইনর নিগতে অল্পাব্য প্রতিশ্রতি)	20-181-81	bo	986	প্ৰতিপ্ৰতি (আল্লাহৰ প্ৰতিশ্ৰুতি, বিস্নামত বাস্তবায়িত হবে)	९०-प्रमुपाधिल	35	39/3
আপ্রাধ্য প্রতিক্রতি (মুধানীদের জান্নাত দেয়ার বিষয়টি)	৩৯-মুমার	20	694	প্রপ্র (প্রতিশ্রুতি সম্পর্কে প্রপ্র করা ব্যব, কিলামতে)	১৭-ইসরা	08	935
আল্লাহর নামে কৃত প্রতিমাণতি পূর্ণ করার নির্দেশ	26-RISM	92	330	वस्ता (पदार्भवेत श्रीतमित्र पूर्वा एए । वस्तु (प्राप्त वर्ष)	৩৩-আহ্বাধ	24	State
আপ্লাহর নিদর্শনের বিষয়ে প্রতিক্রণতি বন্দ্রবাহীত হওয়া প্রদক্	२५-ऋष्टिश	100	923	প্রকারণাপূর্ব প্রতিশ্রুতি দের ( জানিমরা এতে অপরতে)	ত্ত-ফাভিব	80	782
अञ्चादत करतीय अध्यक्षित (गोरिक प्रशंदशाय विदेश प्रान्त अन्य)	২১-অধিয়া	308	929	প্রতিপালকে প্রতিশ্রুতি সত্য বিসাবে প্রেক্তে জানুতিবা	9-खा'बाक वर-कारक		
আপ্তাহৰ (আপ্তাহ মুদ্দিশনের ক্ষমা/অনুমাহের প্রতিকাতি (লন)	३-राकृता	200	6455	প্রতিশালকের প্রতিক্রতি (মুগ বা; ও ফ্রির'বা উন্সামী প্রতাস		88	924
আছার সত্য প্রতিশতি দিয়েছিলেন (পরতান বলবে)	28-विश्वादीय		592	প্রতিশাধ্যকের প্রতিশ্রুত বিদ্যা দান করার জন্য স্থানিকার প্রতিশ	৪৩-বৃধক্তক	8%	793
वाहार व का अधिकारिक विकासिक विद्यास (वाहार व विकास वाहार)		44			০-জলে ইমরান	798	660
অক্সাধ্য কেন আব্দেশ নি বছনার নতেছে (আচনের শাশ প্রনার) আস্তাহর প্রতিশ্রুতির বাতিক্রম নেই	२-राङ्गदा	pro	609	বাহিশাপকের প্রতিক্ষতি কার্যকর হয়েই থাকে	১৭-ইস্রা	30%	950
	৩০-রম	9	४२२	একিবাশনের কিবাতি অনুমারী পরি অপনারত তুল গো, তে অনুয়োগ	৭-আ'রাক	308	હર8
আল্লাহর প্রতিশ্রুতি সত্য (পুনরুখান সম্পর্কে)	১৬-নাহ্দ	৩৮	900	প্রতিশাশকে প্রক্রিয়তি দরা হিনার প্রেক্সে কি ভাতনে অধিবানীর	্-আরফ	88	924
আল্লাহ্য প্রতিক্রতি সত্য (পুনরুখান/শান্তি প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	20	959	প্রতিশাদকের প্রতিক্ষতি, মুরাতীদের জন্য	२७-पूर्वकाग	76	970
আল্লাহর প্রতিক্ষতি সত্য (নূহের প্লাংন প্রসঙ্গ)	22- <u>इ</u> न	80	999	প্রতিশ্রুতির কেরামতের (সময়), কাফিবরা জানতে চার	৩৬-ইয়াসীন	8₹	P48
আন্তাহর প্রতিক্রতি সভ্য (পুনরুখান প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	8	648	বনী ইসরাইলনের প্রথম প্রতিশ্রুতি বখন আসল	১৭-ইস্বা	é	978
আল্লাহর প্রতিক্রাতি(সভ্য প্রতিক্রাতি, জাল্লাভ দান প্রদন্ধ)	৩১-বুকমান	ъ	b-29	বক্তবানন প্রতিশ্রতি বস্তবদ্ধীত হবে কংল, মুপরিকর ব্যাপ)	৩৪-সাৰা	579	786
অপ্তাহর সামে কৃত প্রতিশ্রেতির বিনিমরে সামান্য মৃদ্য এহণ না করা	১৬-দার্থদ	342	477	ব্যতিক্রম (ইন্ট্রীলের মন্য অল্লাহর প্রতিক্রতি হার ব্যতিক্রম যুক্তর ()	২-বাকারা	70	609
অল্পাহর সামে কৃষ্ণ প্রতিশ্রমণ্ডি ও শপক্ষের বিনিমনে মৃদ্য গ্রহণ	৩-জলে ইমরদ	99	280	ব্যতিক্রম (প্রতিশ্রুতির ব্যতিক্রম করেন না সাল্লাহ)	00-5¥	6	b-2.5
আনা (মনুবকে যে প্রতিক্রতি দেরা হছেছ তা আসংবই)	৬-আন্'আম	>08	600	ব্যতিক্রম (প্রতিশ্রুতির ব্যতিক্রম করেন না আল্লাহ)	১৩-রা'দ	407	653
আমা (অপরাধীদের উপর প্রতিব্রুত শান্তি আমা)	২৬-হ'ব্যব্য	200	926	ব্যবিক্রম (প্রতিশ্রুতির ব্যবিক্রম করেন না প্রতিপালক)	৩-মালে ইমধান	ъ	000
ইবরাইন আ, প্রতিক্ষতি নিজেইলেন পিবারে (কমা প্রার্থনার)	2-101680	228	602	ব্যতিক্রম (প্রতিশ্রুতির ব্যতিক্রম করেন দা আল্লাহ)	৩-জালে ইময়ান	228	226
ইংলিস প্রতিঞ্জি দিবে আদমের বংশধরদেরকে	১৭-ইগরা	68	935	যাতিক্রম (আল্লাহ প্রতিশ্রুতির ব্যক্তিক্রম করেন দা)	०७-र्जार	50	7.00
উত্তম প্রতিক্রাতি (বদী ইসরেইলতে প্রতিপালতের উত্তম প্রতিক্রাতি)	२०-छा-छ	64	986	থজিনন (মপ্লাহ প্রতিমৃতির ব্যতিরাম করেন না, শরি প্রসদ)	২২-হাজ্ঞ	89	964
উত্তম প্ৰতিকাশ্য নিয়েছেন আল্লাহ থাকে সে ভা পাৰে	২৮-কাসাস	62	100	তঙ্গ (ক্ৰী ইনভাইলের প্ৰতিশ্ৰম্যি তক ক্ষেত্ৰায় নাম বছুৱ পূজা প্ৰদাস	30-81-41	57	98
क्यारात्र श्रीकारिक (विकास विद्यान विद्यान विद्यान प्रतिनामाहरू)	8 निमा			তঙ্গ (বনী উপরাসিলের প্রতিমতি তঙ্গ, বাছুর পুরা প্রদাস)	40-\$t-8f		
ক্ষাণের প্রতিক্রাত (মাহালকার ও বল ছাকা বুমনালয়কে) কল্যাণের প্রতিক্রাতি নির্মেশ্যের আল্লাহ ভালেরকে যাবা		3-2	469			516	9.84
	৫৭-হাদীদ	30	282	ভঙ্গ করেছিল শরতান (অনুনারীদেরকে দেরা প্রতিঞ্চতি)	১৪-ইবরাহীম	22	999
কার্যকর (আল্লাহর প্রতিক্রতি কার্যকর হরেই থাকে) কফিনেনকে নেয় প্রতিক্রতি রাস্প কে নেরতে সক্ষম আল্লাহ	२ १-देशंश	6	978	তঙ্গ (আল্লাহর নাবে কৃত প্রতিশ্রুতি ডমের পরিবাম)	২-বাকুরো	સ્વ	208
	২৩-মু'মিন্ন	þ¢	992	মিখ্যা নয় এমন প্রতিপ্রতি (হারণ জাতির শান্তি প্রসঙ্গ)	১১-বৃদ	62	693

नेषः विश्वद्यंत्राष	नुवा नर ध नाय.	439.4	get	नंप दिश्म/धनन	न्वां नर ७ नाम		
চ্চতিকাশক্তি (পূৰ্ব পূৰ্বা থেকে)				ইউসুক আ, কে প্রতিষ্ঠিত করপেন আল্লাহ মিসরে	<b>५५-१६</b> नुष	49	68/4
হ্রিন্যার অসীবার পূর্ণ করার দির্লেশ (অক্সারা সাহা কর প্রতিশ্রতি)	১৬-নাহল	92	330	ইংরাহীর আ, কে সভ্যক্ষরী হিসাবে প্রতিষ্ঠিত করার জন্য দেরে	<b>२७-७</b> 'खाश	78	935
प्रातीप्रव बाग बाह्यका शिक्सिंड	৪৭-মহামাদ	34	250	खूनकावनाईनरक व्यक्तिकेक करवन (पाद्वार )	79-4664	26	90
ম্বাকীদেরকে প্রতিশ্রুতি দেয়া হয়েছে (ছারী স্বান্ধারের)	30-years	34	950	জুলবংবনাইনতে,পৃথিবীতে (উপায়-উপকরণ যারা)	১৮-কাব্দ	78	903
मुख्येत्रकात् वर्तिकार बाह्यात्व विभागः तत निर निरा नवर	30-81°9	00	655	দীনকে প্রতিষ্ঠিত করবেন স্বাস্থাই সমানদারদের ক্ষন্য	२8-स्म	46	900
प्रीयास्त्रका तथा अधिकांत्र मत्त्रा परिचन कर्या (प्रेटन ग्राफ)	৩-জালে ইমবান		220	পুরুষ্টারে প্রতিষ্ঠিত স্থাকার নির্দেশ রাসুল (স্মিনের উপর)	৪২-শ্বা	32	199
इक्काकारी (प्रविनाग अधिकारि राज्यकारी)	২০-মু'মিনুন	b	966	স্কুল্ক-প্রতিষ্ঠিত করার নির্দেশ (ইনরাইয়া/ সম্পান্ত/ মুদার প্রতি)	৪২-পুরা	30	193
इक्ष (श्रृंकिक्षण्ड रामा करव गांता)	৭০-খা'আবিজ	03	79.5	केन (अधिके केन १९% जाहार पान जना गांवा देवानक न नवा)	১২-ইউসুত	80	650
इक्स (डाठकाठ १२म २८६ गामा) हाजन त्क व्यक्तिकठ दिशह (तथाता कथरा	৪০-মুমিন	99	PP8	নৰ্বাচনতত হুমীলে কক্ষিবদেৱ পৰ (আল্লাহ কৰ্মক)	১৪-ইবরারীম	28	636
প্রাপূল কে আভ্রমত বিষয় দেখালো অবধ… প্রামূল প্রক্রিক্সতি দের মুহার পরে পুলক্ষরদের (আন কাতি প্রবস্ত)	২৩-মু'মিলুল	00	966	নার্যনীতিতে প্রতিষ্ঠিতবা দাকী (আল্লাহ ছাতা ইলাহ দেই)	৩-জালে ইমরান	794	001
	००-छाइयार	25	900	পরবর্তী প্রক্রমতে পর্ববর্তীলের মত প্রতিষ্ঠিত করা হরলি (পৃথিবীতে)	৬-জান'জাম	6	030
রাদৃল এর প্রতিশ্রতি (খন্দক যুক্তে শত্রু দল প্রদাস)	8-निश		093	পর্কারী প্রজন্মক পরিবারে একাজার প্রতিষ্ঠিত করা হয় যা	৬-জান আম	6	¢ he
শয়কানের প্রতিশ্রুতি (মানুদকে শরতান প্রতিশ্রুতি দেয়)	8-मिना	340	093	পৰিবীতে প্ৰতিষ্ঠিত করেছেন আল্লাহ মানুষকে	৭-আ'রাফ	20	633
শয়তাদের প্রতিপ্রণতি তথুই প্রতারণা		150		পুরিবার প্রতিষ্ঠিত করতে মইলেন অস্ত্রত (নির্মান্তর্ভাত)	২৮-কালান	6	brob
শয়স্তান যে প্ৰডিঞ্চতি দেৱ তা প্ৰতাবনা ছাত্ৰা কিছু নয়	১৭-ইস্রা	48	47.9	পৃথিবীতে প্রতিটিত করেছিলেন আল্লাহ হামূল সম্প্রনায়কে	৭-আ'রাক	98	699
দারি (প্রতিক্রণত শারি নিয়ে আদতে কলা অন আঠি হল আ, কে)	৭-আবাক	90	929	পৃথিবীয়ে পৃথিবী প্ৰদানত এমানাস প্ৰতিষ্ঠিত কৰা হয় যা	৬-আন'আম	6	234
मान्नि (श्राव्यक्तक मान्नि निक्येनकी मा मूहकरी का बागून ग. साउनाना)	२५-व्यक्तिया	209	968	পুরবারে পুরবর প্রকল্পক এক তালে প্রভারত করা বর বালে পুরবারে পুরবারী প্রকল্পক পুরবারীসকা মত প্রতিটিত করা ব্যানি	ও-আন'আর	0	234
শক্তির প্রতিপ্রতি করে বক্তবারিক হরে? (কমিবাসের জিজাসা)	৬৭-মূল্ক	92	390	পুরবার পরবার জন্মার পুরবরতে মত প্রচারত করা বরণ প্রক্রিয়ারত পৃথিবীতে প্রতিষ্ঠিত করেন সপাত,ঘারার,সংকাম	22-87 <b>8</b> W	83	9,52
শক্তিৎ প্রতিশ্রমিত (অনুদ সম্প্রদায়কে যে শক্তিৎপ্রতিশ্রমিত দেরা হয়)	৭-আ'রাফ	99	650		१२-शक्त 80-काश्चिम	93	200
পরিব (মুশরিকদের জন্য তাল্লার যে শরিব প্রতিশ্রতি নিরেছেন.)	১০-ইউনুস	85	962	শরীয়কের উপর রাজুন স. কে প্রতিষ্ঠিত করা	१-जित्सास	222	
শান্তির যে প্রতিরাধির অপরাধিকের দেয়া হরেছে তা কবন আসবেঃ	১০-ইউনুস	8tr	96.9	সতা প্ৰতিষ্ঠিত হওৱা (মুখা ডা. এৰ লাঠি নিকেপ প্ৰসঙ্গ)			950
পারির প্রতিক্রতির অংশ বিশেষ রাসুল স, তে লেখাতে পারেন আল্লাহ	১৩-রা'ন	80	69-5	সভ্যকে প্ৰতিষ্ঠিত কৰতে চাইদেন আল্লাহ	৮-সানকাল	٩	90
শান্তির প্রতিক্রাতিকে ভয়কারীদের ঘর্মানে প্রতিষ্ঠিত করা হবে	১৪-ইংবারীম	38	698	সত্যকে প্রতিষ্ঠিত করবেন আল্লাহ	৮-জানকাল	ъ	80
म्हरार्ग्डर करावे ( <del>र्ज्जुकारि महरार्ग्ड</del> र कराते व्रिक्त रेग्यान थ.)	১৯-মারব্রাম	48	909	সত্যকে প্রতিষ্ঠিত করকেন আল্লাহ (ভার বাণী ছারা)	৪২-শ্রা	₹8	6.9
সতা (আল্লাহ সতা প্ৰতিহ্ৰতি নিৱেছিলেন,শরতান বলবে)	18-ইবরাহীম	144	650	সভ্যকে প্রতিষ্ঠিত করবেন আস্তাহ (তার বাণী বারা)	३०-१७गुम	145	65
সত্য (আপ্লাহর প্রতিশ্রুতি দত্তা, (কমা ও কান্ত্রাত প্রসক্	৪৬-আহকাক	36	305	अक्रवाचि दिगात क्रिकेट करार करा देखारीम 'ख. का लगा	২৬-৩ আরা	9.8	9.5
স্তা (আপ্লাহর প্রতিশৃতি সভা)	২৮-কামান	30	60%	<b>থ</b> চিত্রাপন			T
সভা (আধারর প্রতিশ্রুতি , বিরামত সম্পর্কে)	১৮-কাহক	42	936	আকতি (কাফিবদের চেরে উত্তর আকৃতি প্রতিস্থাপন করতে)	৭০-মা'জারিজ	83	300
সভা (আপ্রাব্য প্রতিক্রতি সভা পুনরুখান প্রস্তু)	20-इंडेन्स	8	628	আকতি (আপ্রাহর ইক্ষার মাধুখের আকতি প্রতিস্থাপন)	৭৬-লাহৰ	25	299
সহা (অল্লাহর প্রতিষ্ণতি সতা)	৩০-রম	610	br36:	আয়াত (এক আয়াতের স্থাপ জন্য জারাত প্রতিস্থাপন)	३७-मादल	203	933
সত্তা (আল্লাহর প্রতিক্রাতি সত্তা)	80-मुचिम	99	brb/8	উল্লে সম্ভান প্রতিপ্রাপন করকেন প্রতিপাদক (ব্যবাকৃত বাদকের ৫বে)	22-4159	77	90
সত্তা (আগ্রহের রাজ্ঞানত শতঃ) সত্তা (আগ্রহের রাজ্ঞানতি সত্যা, বিবাহত সম্পর্তে)	৪৫-জাহিয়া	03	209	কলাত প্রতিস্থাপন করেন আলার (অকলানের স্থানে)	৭-জাবাক	20	693
সভা (আপ্রাহর অভিযাত সভা, তিনামত সংগতে) সভা (আপ্রাহর এতিয়াতি সভা)	০১-মারিয়াত	0	244	হাছৱা প্ৰতিস্থাপন (অভিবের এক হাছৱা দথ হলে অন্যতি)	8-निग	26	269
	৩১-লকমান	99	P-52	शिवनाव अविकास वद्य मिदन वाह्य (नियानसंदरम् वास्त्र)	३8-गर	20	95
সভা (আল্লাহন প্ৰতিক্ৰতি সভা, কিয়ামত প্ৰসঙ্গ)	৪৬-আহতাক	24		নেয়ামতকে অকভন্মতার বাব্য প্রতিস্থাপনের পরিশাম	১৪-ইবরাধীন	29	65
মত্য (আস্তাহর প্রতিশ্রুতি সত্তা, পুনরুহান প্রসঙ্গ ) ১০০ (নিশ্বরত আধারত প্রতিশ্রুতি সত্তা)	৩৫-আইতাক	94	908 985	মন্ত্রাক্তর পর ভাগতার প্রতিস্থাপন করলে অস্থাবে কমা	৯৭-নামণ	-	200
	३५-स्थावय	39	925	(सन्धार पर)		22	1
নজ প্রতিমানি, বিনামত নিবটনতী হলে কমিবের মেণ ছিব যায় যানে	২১-জাপর। ৪-নিদা	343		যান্যাবৰ আৰক্তি প্ৰতিস্থাপন কৰাতে পাৰেন আল্লাহ	৫৯-ওবাহিয়ার	65	28
সক্ত প্রতিশ্রুতি (সম্মাহর সন্ত প্রতিশ্রুতি মুফিখনের মান্ত্রত দাসেশ)	77-54 8-HH	244	694	द्वित्व	40 000	-	100
সত্য প্রতিক্রতি, মিখ্যা নর (ছামুদ জাতির দান্তি রাদক)	22-54 2-2041	222		অন্ত্ৰাহ প্ৰতিহত না কাহকেন বলি কাহককে কাহকেৰ জনা ভাব	২-বাকারা	223	23
সত্য প্রতিমানতি যা আদ্বাহর পালনীয়				पहुंचा क्षित्र अन्य प्रमुख्य का	55-5000	80	
স্ত্যে পরিষত করা (অল্লাহ প্রতিশ্রতি স্থেয় পরিষত বংগ্রেছন)	२५-जास्स	2	980	प्रस्तुत व्यक्तियन कर्या (क्रिक्स स्रोता)	৪১-ফুসসিলাত		
সত্য (বিয়ামত প্র.)	১৮-কার্ক	95		মন্দ্রে প্রতহত করা (৬৩২ খবা) মন্দ্রে প্রতিহত করা উত্তম নিয়ে	২৩-মুশ্নশন	80	
সমতল বরে দিবে দ্বলকরনাইদের প্রামীব (ইয়াক্সম মাকুল প্র.)	३५-कार्क	37	905				
হিসাব নিদের জন্য (মুবার্কীদেরকে দেরা প্রতিশ্রুতি)	৩৮-লোরান	0.0	9499	যুদ্ধ অথবা প্রতিহত করার আহলে (মুনাফিকদেরকে)	৩-আল ইম্বান	1 294	1 22
প্রতিক্রতি (পালনকারী)		1		প্রতীক্ষমান		Ļ.,	+
व्यक्तिसम्बद्धाः विश्वविक्षाति भागनस्थि ना क्रास अन्त	৭-জা'রাক	200	554	কাভিরর প্রাইক্সেন্সন (কারসালার নিশের জন্য)	88-5624	6.9	
মির'জাইন দাখ্যদার প্রতিশ্রাতি তল বড়া	৪৩-বৃৎক্রফ	20	464	মুমিনবাও প্রতীক্ষমান (মুনাফিক/কাফিবনের শান্তির জন্য)	৯-জাওবা	65	. 148
ফেল্লট্রন সম্প্রনারের, শান্তির দর করলে	৭-আ,ব্যব্ধ	200	656	প্রতীকা			
क्रक्रिसर्गित (माखित)			-	कम्प्रापता सना अक्षेत्रस (पुणिनामत पुणि कम्प्रापता धक्केत कला)	৯-জাওরা	23	68
শান্তির প্রতিফ্রান্ট পূর্বেই নিরেছিলেন আস্তাব	60-81A	39	320	কাথিবরা বি শান্তি/মৃত্যুর ফেরেশতা আসার প্রতীক্ষা করছে?	7/8-MIRM	00	90
শান্তর প্রতিরূপির বর্ণনা	50-21-91	330		ক্রিয়ারে প্রতিক্ষা, (জনুল স. এর ব্যাপারে আলের বিবর্জন্ মৃত্যুক্ত)	65-64	03	36
		84		কাকিবলের প্রতীক্ষা (মুমিননের অকল্যাদের জন্য)	8-निमा	783	0.0
ভয় (শক্তির প্রতিপ্রতিকে মে ভর করে আরে উপাদেশ প্রদান)	40-414	184	948	কাঞ্চল/মুশবিকদের প্রতীক্ষা (নিলর্শন/কিলামত প্রসঙ্গ)	৬-জানু'আম	1201	/ 63
প্রতিষ্ঠা করা (আরো দেখুন কারেম শব্দটি)		1		অভিযানের প্রতীক্ষা বরতে বলা (সঠিকপথ/সচিতপথ	20-31-15	1	9,8
হারাম (নিরাপদ হারাম থকিন্ঠা করেছেন আল্লাহ,)	২৮-জাসাস	29	1,70	जनगपन दशक	1	200	2
প্রতিষ্ঠিত		1	1	বিদ্ধু সমার প্রতিকার করতে বলল (নৃহ আ, এর সম্প্রদারের প্রথমনাশ)	२७-मु'मिन्न	2.0	96
জ্ঞানাতি পরিষ্ঠিত চার্যালৈ এমন ক্ষেত্রে যে ক্ষেত্রে আর কেই বর্যান	৪৬-বাহুকাক	36	250	চার মান প্রতীকা (খ্রীনের সামে 'ইদা' করলে)	३-शकारा	225	
ইঙ্গুক আ, প্রতিষ্ঠিত হল (আর্থীয়ের নিকট)	১২-ইউগুক	28		ভালাকপ্ৰাক্তাৰা প্ৰতিক্ষা কৰকে ভিন মাসিক পৰ্যন্ত	३-सक्ता	346	
ইউসুক আ, বে প্রতিষ্ঠিত করলেন অল্লাহ বর্মীদে	25-26934	1 22		নিচৰ্দ্ৰের জ্বোহন নিচৰ্দ্ৰের প্রতীকা করুক তারা যাব্য	৯-জাওবা	48	

প্রচারর্জনমূল जुबा स्थ च मात्र वास्त्र वास्त्र । Bunkey. প্রতীক্ষা (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে) মাল্লাহ সৰকিছৰ উপৰ প্ৰত্যক্ষণ পূৰ্ববৰ্তীদের নিয়ম-নীচিব প্ৰতীক্ষা করে মুশরিকরা ১ 00-100kg স্বাস্তার সরবিদ্ধর উপর প্রস্তাক্তনপী an atm প্রভাবের প্রতীক্ষা করা দেখির লগ এবং সঠিবলার প্রবাহ্মন প্রায়ত্ত্ 20.381.81 আল্লাহ প্রকাকনশী (রাপুল ও মানুহের সব কালের) ১০-ইউনস 550 (अरक्षणात (व्यक्तिका प्रभाव (प्रत्यक्षणात प्रकारतमा स्वीता प्रता) 26-H49 আলাত প্রত্যাক্তনশী (সকল বিধার) 00 Ob-Satisfat বেদইনরা প্রতীক্ষা করে মহিনসের মন্দ অবস্থার জন্ম धारात जाराक्यनी (अवस विभाग) 5.02/97 মমিনদের কেউ কেউ প্রতীক্ষার বল্লেছে (কলক যাছ প্রমন্ত) ৩৩-জন্মান অস্তাহ গ্ৰন্থকেদশী (সৰবিক্ৰয়) o. शक्ति 230 মুমিলদের প্রতীক্ষা (মূলফিক/কফিবদের লান্তির জল্য) aftering times (soffmer marriage) S. Otherst ৪১-জ্পসিলাত इ-विकास अधीया (शामा म. यह साह निवर्णन प्राप्त अपन মানৰ নিজেৰ বিকাহে নিজেই প্ৰবাহনাৰ্থী 30-39W no famina হুলাকিব,কাদিয়ে প্রতীয়া করুক (মুখিলনের বন্দায়ার জন্য) >,- जा लग ментежн इन्हरिक्ट्य अधिका कार्याका प्रतिवास (प्रतिकास क्रांतरात क्रांतरात क्रांतरात AS MICH অভ্যান্তারীদের প্রভান্তর্ভনত্বশ সম্পূর্বে ভারা জান্ত্র ২৬-চ'আরা মতা কেরেশতার আগমদের প্রতীক্ষা (ভাচিত প্রসঙ্গা Manager. Perental Strait comments VA-SUR রাসল এর প্রক্রীকা (নিদর্শন ও মুশরিবসের প্রসূত্র) ১০-ইউলস ব্যক্তাংগ নিকেই প্রজাবর্তন করনে (যার মূখ বিবায় ও কুমনী করে) ৮৮-গশিবার রাসুল এর বাপারে কালের বিবর্তন/মৃত্যুর প্রক্রিকা,কাহিবচের 65.33 আল্লাহর কাছে প্রত্যাবর্তন (মপতিকসের প্রসঙ্গ) 0) 3/00 An. Billion वामक स प्रतिसामय आसीका (विसर्गत विसाधार सप्तक) প্রালারর দিকে প্রথমের্ডান বালা বে প্রদীক্ষা করার নির্চাশ (জালাপার নিসের জন্ম) SS.FYTH অস্তাহর দিকে প্রত্যেগর্জনকরিকে জন্মর 'রার দিকে পরিবাদিত করেন ৪২-শ্বা শান্তির (অভিবরা তি শান্তি আসার প্রতীক্ষা সংগ্রহণ 26-2227 আল্লাহর দিকে প্রভানের্ভন (সকল বিষয়ের) শ্বী প্রতীক্ষা করবে চার মাস দশ দিন গোমীর মাজ্য রচল আলাকৰ নিয়ত প্ৰস্তৱন্তৰ্ভনকাৰীতেৰ জন্য সসংবাদ ২-বাকুরে Ab. Trans अमेक्स कामी সাম্রাহর দিকে প্রভাবর্তকারীর পর অনুসর্ভার নির্দেশ राज्यात प्रभाव सन्त अभिन्याताची (क्षतिकाला अभिन्यात प्रमात पांक्रका निर्क शासामार्थन (प्रणा पर नाम कानाम शार्वन अनाम 00.00 3/20 9.390 3708 रासाइव सिर्फ अवसर्थनवारीहे सम केनावस अच्छा अस्त HORES ৪০-মু'মিদ ক্ষতিকর (পুনরুখানে অধিশাসীদের ছলা) স্বাদ্যলামা প্রভাক করনে (গৈকটাপ্রাপ্রতা) ৮০-সুরাগ্রিটার 95.erf@\*tern আহাত প্ৰত্যক্ত অতেও অভিনাস এনৰ আপুনি বিচৰতেও A DESCRIPTION OF THE PERSONS ASSESSMENT वर्तमात्रका राज्यावर्तन सीव साम्यका विना AS STREET 083 अहारत श्रेयाण प्रमुक्तान न्यू जा, ता तीवा रेसके निर्मन स्त्रमञ्ज्ञासन् अञ्चलकोत् (अस्त्रिक्तकानाम विरास) ৭,জা'ব্যয় আহাত দাইসমত প্রত্যক করেন ৬-আন'আম ৰাহান্ত্ৰামীদের প্ৰকাশৰ্তৰ থাকলে মন্ত্ৰিন চথকাত আক্ৰাৰ্ক্ত। 34.8/9stat कार (जनाक करा श्व भा जार समय) নাউদ আ, প্রতিপাদকের দিকে প্রত্যাবর্তন করদ **50-700** 38 र्थिकोरक अकदा श्रहां स्ट्रीटन प्राटका (पाक्रि शहरू बार) विकास कर अवस्था शहाक करा (मर्कण्या व निवास तक्षात काल) 33.87% 969 A%, যমার প্রতিপালকের দিবেট প্রভাবর্গন ব্ৰহান পাই (কমাতে ব্ৰহান পাই প্ৰথক বলা হয়) ১৭-ইসর ১৬-রাম physienes firmt stares excession ক্তকর্ম (মানুষ তার কতকর্ম প্রভাগ করুবে কিলামতে) ৭৮-মার Mulatera প্রতিপালকের নিকে প্রভাবর্তন ও খোজসমূর্ণর কর পরিসময় আহায়কে প্রতাক করতে পাবেনা ALISTO HER Mountain. নামে প্রত্যক্ত বা করা (সালিয়েক ছারদ সংখ্যানারের আক্রমণ প্রদাস) প্রতিপালতের দিকে প্রভাবর্তন করার কথা বলল জাদকররা 4-81,514 85 bro8 প্ৰকুষাৰ প্ৰত্যেক কৰবে কেবিৰাসীলা৷ 09.200022 effecteracy farm contravés sue V29 Sec. Waterfeet ফেরেম্ব্রামের নারীরপ সাহি তি ব্রালিকর প্রকল্প সর্ক্রেম afartering for a area of a factorism after mount ware. ৩৭-মাত্যুগড় 320 brish A4-19 (2010) 9360 বিচাৰ প্ৰব্যক্ষ করা (আল্লাহ দাউদ আ, ও সুপাইমান আ, এর officement finall purpos constanta ১১.জাছিল 80-0400 800 factor energy person. মানুদকে (আল্লাণ্ মানুদকে প্রজাবর্তন করতে সক্ষম) No. office রমজান মাদ প্রকাক করবে যে, দে বোজা রাখ্যে 5.20508 sulfree since marks our receives on non ৬৩-মূৰফিকৰ বাসল কে প্রত্যক্ষ করানো (আছাহবিমধ লোকনের শক্তি) সমর পরাচত প্রভাবর্তন (মতার পরের প্রভাবর্তন) 80-1991 85 do-3238 শন্তি প্রতাক করবে হথন ক্রম অনুবাপ গোপন করবে, 08-Rtm 688 असराज रूजकारी আলাতন দিকে প্ৰভাৱতনকাৰী হয়ে সালাত আনায়ের বিচুৰ্নল गरि (अधिकार गरि अस्ता करण ) ny faur 38 2019 संक्रि संकाफ असरत सरीकार्यीय প্রতিপক্ষাকর দিকে প্রত্যাবর্তনাকরি হয়ে মানুহ তাকে ভাকে (বিপাস) AN-MIRER 230 Ob-Wite শাবি প্রভাক্ত করার পর উল্লাভ জানা ৪০-মুমিন প্রতিপাশকের নিকে প্রত্যাবর্তনকারী মূত্র আকে মানুম, 20.87 শান্তি গ্রহাক করার পর ইমানের ঘোষণা উপরতের আসেনি ৪০-মুমিন शकार्यनमध्ये गमार कर एति देखानसभी ए देशामगरा vve ৫০-কৃত শাস্তি প্ৰত্যেক্ষ বন্ধৱ দিন কেবিনৱা যেনিন শাস্ত্ৰ সময়ত সময়ত वासा (अक्रार्यनश्रेष शस्तुव क्या विरुर्वन चाकाश्य का Q.A. WINNEY 00 156-3171 P83 শক্তি প্রভাগ বরে পথিবৈত একবার প্রভাবর্তনের কার্যক্রম part of manufactual part for the second same for first many कामार स्थाप ৫০-বাফ শামি প্ৰক্ৰম্ব লা কৱা পৰ্যন্ত জলৱাধীলের উন্নান না আল 55-85 (Street राजा जार्च स्थान भक्ति (बाहिसाटर मानि शक्तक सराज तातक प्राप्तिक) 998 অভ্যানবীদের প্রভাবর্তমন্ত্রণ সম্পর্কে ভারা জানতে ১৬,৩'ডারা স্কি (মূশবিকরা কি কেরেশভালের সৃষ্টি প্রভাক করেছে) 80-0400 আঙ্গ (সপরিকদের প্রত্যাবর্তমন্থল আগন) SE-BOOKS 0.366 शंक) ककारी আলাহত নিংকট হামানত প্ৰসালসকল 6-Statem আল্লাহ সংক্ষিত্ব উপৰ প্ৰকাককারী OA-NOTES 5-05 WINDS TOTAL STREET STREET, STR ১১-ছন 666 WALL COMPANY AND A STREET আলারর নিকট উত্তম প্রত্যাবর্তনস্থপ NO.336 2020 ু-আলে ইমর 38 alarms and an manne more makes (enlarme) telegraph for each process are a process of ০-মাবিদা b0-448 পালাহর কাছে সকলের প্রভাবর্তমন্ত্রন প্ৰভাক তথ্যবধান AN-Market contra fice statterines ৫-মার্যিনা अञ्चास अञ्चल क्षावस्थात नद चा, (० (नीका निर्वारात चाराना २०-४ विसम कार्ताकर निकी श्रुजावर्जनचन (काफिस्टन्द) where certains are, fall the extractions remain position optimize o).maxim 28-701RT0 व्यामारु विकड़े क्षतावर्तमञ्जू ৩.আলে ইমরন ৩০ 081 SERVICE SALTE PROTECTION (SIGN) ASSESSED IN ३०-१%ना হালার সরবিষ্ণর উপর প্রসাক্ষরালী **70-700** আহামর কাছে মানুখের প্রকল্পর্কনমূল AN-Mineter

উত্তৰ প্ৰকাৰৰ্ভনমূল বয়েছে মুধ্বানীদেৱ জন্য

উন্নয় প্ৰায়ানৰ্তনম্বল প্ৰয়েছে সংকৰ্মশীল মুখিলদের জন্য

৩৮-সোৰাং

683

No. at 6

A. PETER WANTED

Va-Billion

वाद्यार शरहाकानी (खाइटन किवाराध्य साम्बर)

আলাহ প্রভাকনশী (মুপরিকদের কাল সম্পর্কে)

Gan/exa

প্ৰথমবাৰ

TOTAL CARRY MANAGEMENT OF THE PARTY OF THE P	1000	-	-	ক্তৰ্থের প্রতিক্ল প্রক্রেককে দেয়া হবে (কিয়ামতে)	৩৬-যুবার	90	599
বত্যাৰ উনস্থল (পূৰ্ব পৃষ্ঠা কেছে)		_		গের (ধনী ইন্দর্যসূত্রে গ্রহেন্ড গোর পানি পানের স্থান রেনে নিশ্য)			209
ইত্তম প্রত্যাবর্তমন্থল সুলাইমান আ, এর জন্য	৩৮-সেরাদ		1494	গেন (ধনী ইন্দ্রাবিদ্যার প্রাক্তক গের পানি পানের স্থান বিদ্যা পোর্যা)			629
Sax প্রকাবর্তনত্বল (গাউদ আ, এর মদ্য আল্লাহর দিকট)	ব৮-সেরস	₹2	1994				b89
গুরান্নায় প্রজ্ঞাবর্তমস্থল (সীথালজনকারীবের ক্ষন্য)	৭৮-বংশ	45	7007	র্ত্তদ, দূর্য প্রক্রেকেই নির্দিষ্ট সমর পর্যন্ত পরিক্রমণ করে	১০-ইউন্স		623
মক্টতম প্ৰকাৰতনত্বল (গীখালকনকারীলের কন্য)	৩৮-সোরাদ	99	66%	ব্যক্তিয়ানা নামেনেই বুজিলা নিয়ে শক্তি থেকে বাসক চাইক।			
প্রতিপালকের নিকে প্রভারের্ডনছল গ্রহণ করুক (বার ইচ্ছা)	৭৮-নাবা	ಯ	2005	জনুকর (প্রায়ক বিজ জনুকরদেরক বিশাস্থাইনের কাছ নিয়ে কাশ)			હરર
প্রতিপালকের নিকেই সকলের প্রত্যাবর্তনস্থল	৬-অনুস্থান	You	600	প্রব্যেক উত্থন্তকে (কিয়ামতে)			20€
প্রতিপালকের নিবে সকলের প্রত্যাবর্তনছল	৬-জন'আম	368	625	নবী (প্রভাক নবীর জন্য শরতাধকে পক্র বানানো প্রদর্গ)			৬০৭
প্রতিপূল্যকর নিবটে উত্তম প্রবাধর্তনকুলের আশা: (বাংলনামালার)	79-51ÉB	96	929	কিন্দি (প্রভ্যেতটি নিংশন আস্থােও ইয়াদ আন্থে না)	১০-ইউনুস	24	690
যাপুষের প্রত্যাবর্তমন্ত্রণ প্রতিপাশকের নিবট	৩৯-বুবার	٩	695	পাহাড় (চারটি পারীর অংশকলো প্রত্যেক পাহাড়ে রাখা)	২-বাকুারা	290	507
মানুদের প্রত্যাবর্তনন্ত্রণ আল্লাহর কাছেই	১০-ইউপুস	20	606	পিত্য-মাতা প্রত্যোকের জন্য হয় তাগের এক তাগ যদি	8-मिग	22	661
বাসুল তে প্রত্যাবতসভূগে ভিনিত্তে জানবেন আক্রাহ	২৮-বাসাস	b¢	364	পুৱাৰৰে (প্ৰজ্যেক নবী পুৱাৰাৰকেঃ অন্তৰ্ভুক)	৬-আশ্ভাম	344	908
সকলের প্রভাবর্তনত্ত্ব অস্তাহর করে	২০-ইউবুস	8	508	পুরোপুরি প্রতিদান প্রত্যেককে দেয়া ব্যব (বিচার দিদে)	২-বাকুারা	52.7	600
	20-60-21		04.0	প্রতিকাশ (অপ্রয়ং-প্রায়েককে ভার কৃতকর্মের প্রতিকাশ দিবেশ)	১৪-ইবলাহীম	45	409
প্রত্যাবর্ত্তিত			-	প্রতিবাদ (প্রক্রেত্রে টেইর প্রতিবাদ দেয়া বল্য বিসামত)	২০-ছা-যা	36	985
আপ্তাহর নিকট ফিরিয়ে জাদা হবে অহংকারী বাকিবদেরকে	৪০-সূখিন	99	948	কল (জালাতে প্ৰত্যেক ক্ষেত্ৰ দৃষ্টি প্ৰকাৰ পাকৰে)	৫৫-রাহ্মান		282
মাল্লাহর দিকে প্রত্যেকেই প্রত্যাবর্তিক হবে	২১-আধিয়া	30	906	হাজির কৃতকর্মের প্রতিধান দিতে আকাশ-পৃথিবীর সৃষ্টি	৪৫-জাহিবা		206
মাল্লাহর দিবে প্রভাগর্ভিড (দব বিষয়)	৫৭-হাদীন	¢	982	ভাইরেনের প্রভাবে ১৬ জলে পরে (সম্রান/পরমারাইনের)	8-निमा		eev
অভিন পৃথিবীতে প্রজার্মার্ডত হলে নিবিদ্ধ নাজের পুন্যান্তি করেব	৬-আন্'আন	5/2	6.904	রাণ (নিচত নিচনের প্রত্যের তার নিকাশ পর্যার মত হর্নার)	२ <i>५-व</i> ,ब्रास	60	933
প্রতিপুষ্পতের নিকট প্রহাম জীত হলেও কবিবলের জলা জনাছে	৪১-ফুগ্লিকাত	¢0	1/90	জন (নাডড বালনের প্রত্যেত তার নালন পর্যাক্তর এত হতন।) তেবে বেপুরু প্রত্যেত্তি সে জানামী নিজে জন্য বী ভারীম পরিয়াছে	৫৯-হাশর		203
প্রতিপালকের দিকট প্রত্যাবর্তিত হবে (ব্যালম)	79-9(44	bq	902			205	909
প্রত্যাপা (আরো দেপুন আকাকা/আপা শব্দটি)				মর্যালা (প্রত্যেকের কৃতকর্ম অনুবায়ী মর্যালা রয়েছে)			
আ'বাফ্যাসীরা প্রত্যাশা করছে কাপ্রতে প্রবেশ্ব	৭-আইফ	86	952	মুক্তিৰ পান (এতেওৰ দৰীতে জগতেও উপৰে মুক্তিৰ পান কৰা হয়)	৬-আন্'আম	мя	608
अक्रायुक्त श्रामाना वरत हम चन्न चेत्रम आर्म्न श्राम्	60-युम्कदिना	6	196	শীৰ (হেয়েকটি শীৰ একশ শন্দানৰ উপন্ন কতে, গৰের উপনা)	২-ৰাকারা	567	603
অস্তাহর দিকত্বার প্রত্যাশ করে না বারা অনের প্রতি কয	8१-मारिया	28	doe	সংবাদ (প্রভোক সংবাদের জন্য নির্ধায়িত সময় আছে)	৬-আন্'আম	99	905
ইউসুক জা, এর ভাইরেরা পিকাকে ধলল- আর কি প্রকাশা	১২-ইউসুফ		660	সক্রিকশন প্রদর্শন (অল্লাহ প্রভাব নবীকে সঠিকশব প্রদর্শন বর্তান)	৬-আন্'আম	1/8	608
হত্তপুত্র বার, এর কর্মের । শতক্তি বসসাস আরু কে মাজার করতে পরি?	24.40%	98	00-	সমুদ্র (প্রজেকটি সমুদ্র ধান্য ও অলংকার পাওরা যার)	৩৫-ফাডির	34	V83
	৭০-যা'কারিক	Ø/	30-0	State			
থকিবদের প্রত্যাশা (জাল্লাতে প্রবেশের)	३५-७'वाडा	63	7300	দিনিট পালে পালি চান্ত-সূৰ্ব প্ৰাক্তাকে পৰিভাষণ কৰে	৩৯-যুমার	œ	5-95
ক্ষমর (মুনিন জনুকরের প্রতিপালকের ক্ষম প্রকাশ করে)	২৬-চ'জর	115	19-5	तुसंब			
হয়ত (ইকাহীয় জ. অভিয়তে প্রতিশাশনে কন্যং প্রভাশ ব্যঞ্জ)			194	অপ্রামী (প্রথম অসেমী মুর্যাঞ্চর ও অপনারসের প্রতি আল্লাই)	%-खाववा	200	200
ন্ধান (যুক্তিৰ প্ৰতিপাশককে বাতে ভাকে তথ্য ও প্ৰত্যাপান সালে)	৩২-সাম্পা	36		व्यक्तिसम्बद्धी (की देगतील दुस्त्राम्य अस्य व्यक्तिसम्बद्धी दशा)	२-मानुग्रत	85	202
নয়া প্রত্যাশা (অক্সাহর নয়া প্রত্যাশা করে নাল)	২-ধকুবো	576		व्यक्तार्शनको (स्ट्रान्डस सङ्ग्रह्मानारी हत वर्ति छ्राह्म)	৬-জন আম	28	239
মগর মুফিনের প্রভাশ (সংকর্মশীশালে দানী করা প্রদাস)	৫-মরিসা	₩8	697	আন সম্প্রবার (প্রথম জান সম্প্রবারকে ধাংস করা)	৫০-নাৰম	20	306
প্রতিপাধানে নয় প্রত্যাপ করে যাসেরকে ইকার মনে করা হর করা	১৭-ইস্থা	63	472		৫৭-হাদীন	0	383
প্রতিপালকের দরা প্রত্যাপা করে অনুগত নিজনাকারী	৩৯-মুমার	>	1995	चाहार तरम (वर्षार)	৪৩-যুগকক	22	30
বাড়িয়ে দেয়ার প্রত্যাশ্য করে ওয়ালিন বিন মুখীবার	৭৪-মুখ্যমুখ্যি	26	990	ইকাডকার (নার্যারের সরান থাবলে রানুল হ্রতন প্রথম উপাদক)	৩-জালে ইময়ন	30	480
বিন্যুং (ভর ও প্রত্যাশা গরুপ বিন্যুং দেখান ভাল্লাই)	৩০-রম	2,8	৮২৩	খর (মানবলাচির জন্য করম ঘর যা বারার হাণিক)			988
মুদ্দিলের প্রভাগ (ইছনির মুদ্দিলেরের বিশ্বাস করবে এ প্রভাগ)	২-বার্থরা	92	₫0b	ৰানু নিকেল (প্ৰানুক্তার প্ৰথম বানু নিকেল করবে)	२०-छा-श	95	
(गा मिला शंखाना करार खारका (व'स्वरित जा. कर्नृत मण्यानवर्त)	২৯-জনকাবৃত্ত	06	F22	দিল (প্ৰথম দিন বেকেই যে মনজিল অকল্যার উপর স্থাপিত)	৯-ভাওৰা	703	96;
সক্ষাং (অস্ত্রাহর সামাং প্রকাশ করির নির্দিষ্ট সময় অসকেই)	২৯-জনকাবৃত	ę	9.70	প্রথম প্রতিপ্রতি করে আলে (বনী ইসরাইশানে বিপর্যা সৃষ্টি)	১৭-ইস্রা	2	938
हुजानी -				বার (মনুদ্ধত প্রথমতা গৃতির মত অক্সাহর কাছে একাকী আল)	৬-আন্ আম	88	900
আপ্তাহৰ প্ৰতি প্ৰজালী থাকা	৯-জাত্তর	63	185	মুদ্দিন (মূলা আ: প্ৰথম মুদ্দিন হওৱাথ ঘোষনা সেন)	৭-জা'রাফ	780	950
श्रुवारं द्वार प्रवास सम्बद्धाः		1	1	বুমিন (প্রথম বুমিন হিশানে জনুদনানের কর্ম শানের প্রথমশা)	২৬-৬'জারা	67	930
প্রকাশের উপ্যানগর্মী সীমাসজনকারীদের দিকট খেকে প্রকাশ্যর	৪৩-মুখরুগ	e	735	মুদলিম (প্রথম মুদলিম প্রদান)	৬-জাগ্জাম	260	625
		2	980	মুদলিম (প্ৰথম মুদলিম ২ওয়ার নিৰ্দেশ ,নবাঁকে)	৩৯-যুদার	34	69
मत्र जानामन क्यांत्मंत गत्र का द्रावाधार कराण समूच प्रकृतका रहा	22- <u>8</u> 4	+*	100	দৃত্যু (পুৰিয়াৰ কীথনের দৃত্যু কান্ত আন দৃত্যু নেই জাল্লাতে)	৩৭-সাধ্যাত	ea.	500
Stoke		1	100	মুক্তা (প্রথম মুক্তা ছাতা আর কিছুই মঙ্গ)	৪৪-দূখান	0.0	90
সত্তর (প্রত্যেক সত্তরের প্রতিবদ ভারান্নামের আঙ্গ)	०१-वर्गक	06		मृद्धा (क्षण्य मृत्युव गत यात मृद्धा काशानन कद्यार न प्रत्यक्षित्र)	৪৪-দুখাদ	20	30
প্রচানমুক্ত করা (সামী প্রতিক প্রচালকাক অস্তার সভানমুক্ত কালো)	8-90%	300		তুম (প্রথমবার সুদ্ধ তরু করেছিল কান্তিরবাই)	৯-জারবা	30	88
অর্জন (প্রত্যেক যাজিব অর্জন তার উপরই বর্তার)	৬-অন্ অম	268	625	সমূহেল (প্ৰথম সমাধানী যে করে নিচন অল্পাহ কমিবনেবলৈ)	৫৯-হাশর	2	be
সাঞ্চলকা (প্ৰত্যেক ইক্টাৰ হাজাৰ মহবেৰ আৰুৰ আৰাক্ষা)	२-शकृत्वा	36	422	সৃষ্টি (প্রকারত বিন সৃষ্টি করেছেন, তিনিই পুনরকাশ কারেন)	১৭-ইপরা	62	1 22
		226	630	সুদ্ধিপ্ৰথম সুবিধ সূত্ৰৰ মত মিৰ্বাস্ত কৰা, আন্দৰ্শক কৰিলা প্ৰদেশ	२३-आधिवा	208	
	২-বাকুরো						38
আকাশ-পৃথিবীর প্রত্যেকে আল্লাহর অনুগত		254	809				100
আবাদ-পৃথিবীর প্রত্যেকে আস্থাবর অনুগর মধ্যে (মুক্তিনাণ ও বাসুদা স প্রত্যেকে নিমা আনে অস্তাহ, নিতাব)	5-50-6444	254		সৃষ্টি (প্ৰথম সৃষ্টি সম্পৰ্কে জামতে পেলেছে মানুখ)	१५-वसकियाद	-	
আকাশ-পৃথিধীও প্রত্যেকে আপ্লাহর অনুগত থকাং (পুলিকাশ ও বানুদান এতাকে দ্বৰণ আনে আক্লাই, নিতাব) উত্তর গোজাহারী বার্থ ও বানুদাগনের বিজয় কামনা	२-थवृत्ता १८-देवसरीय	30	698	अध्यस्य		_	Ļ.
আবাদ-দ্বিবীর প্রত্যেকে থারাবর অনুগত থক্স (প্রক্রিকাত ওরান্দ্র স্ এত্যেকে নিকা আরু আরু কিবন) উত্তর পোপ্তামারী বার্গ ও রানুগাণোর বিভাগ কামন উত্তর প্রেক্তাক উত্তরেক দিনিউ সমর আয়ে)	২-গ্রন্থরা ১৪-ইবরাধীন ১০-ইউনুস	30 83	696 696	প্রথমবার ইয়ান (মুশতিকাদের প্রথমবাত কুরুআনে ইয়ান বা আশা)	৬-আন্'আম	220	
আবাদ-পৃথিবীও প্রত্যেকে আপ্লাহত অনুশত কমে (পুনিকাম ও বাসুদ গ প্রক্রেছন নিকা আক্রম কিবান_) উত্তক কোপ্লাইটী বার্গ ও বাসুদাগনের বিজয় কমেন উত্তক কোপ্লাইটা বার্গ ও বাসুদাগনের বিজয় কমেন উত্তক (প্রক্রোক বিজয়াকের বিশিষ্ট সক্ষর আহে) উত্তক (প্রক্রোক বিজয়াকের বিশ্ব ক্ষিত্র করা ক্রমেন)	২-বার্থরা ১৪-ইবরাইন ১০-ইউনুল ৬-আপ্রাম	30 30 30	698 669 606	প্রথমবার ইয়ান (মুপরিকাসের প্রথমবার কুরআনে সিমান বা আগা) প্রকে (প্রকারের নার বিভিন্নত কি ইন্যাইল্যান ফরিসে প্রমণ)	৬-খান্'খাম ১৭-ইগ্রা	220	23
আবাদ-দ্বিবীর প্রত্যেকে থারাবর অনুগত থক্স (প্রক্রিকাত ওরান্দ্র স্ এত্যেকে নিকা আরু আরু কিবন) উত্তর পোপ্তামারী বার্গ ও রানুগাণোর বিভাগ কামন উত্তর প্রেক্তাক উত্তরেক দিনিউ সমর আয়ে)	২-গ্রন্থরা ১৪-ইবরাধীন ১০-ইউনুস	30 83	698 699 606 301	প্রথমবার ইয়ান (মুশতিকাদের প্রথমবাত কুরুআনে ইয়ান বা আশা)	৬-আন্'আম	220	90 93 88 68

<b>अप</b> विसर <i>ा</i> ट्यम	I was	4.00	10-40				
	नुरा मा थ मात्र	Ken	4 30	🕶 देशस्थानम	जुडी गर च साम	100	1
প্রথমবার (পূর্ব পূরা থেকে)				যাকত প্ৰদান কৰতে নিৰ্দেশ (মুখিনদেৱকে)	२२-वाळ	96	986
নৃষ্টি (মনুদকে প্রথমবার নৃষ্টির মত অল্লাহর কামে একারী আন)	৬-আণ্'আম	28	906	যাকাত প্ৰদান কথলে কৰী ইসৱাইবদেৱ পাপ ক্ষম	৫-মারিলা	25	ev:
मृष्टि (मिने अभागाः मृष्टि करकाइन पीत निरंगदे विश्वित (नात दर्श)	87-মুস্সিলাড		৮৮৭	ঘাৰতে প্ৰদাৰ করনে (মুগরিকদের তওল প্ৰদান)	৯-জাওবা	6	686
সৃষ্টি করার ন্যায় (উপস্থিত করবেন আল্লাহ, সকদকে)	79-41Étt	85	150	থাকাত প্রধান করা প্রকৃত পূদা করে	२-बाङ्गवा	399	1 033
পৃষ্টি করেছেন বিনি, ডিনিই পুনরার জীবিত তরবেন	০৬-ইয়াসীন	93	1020	যাকাভ প্রদান করার নির্দেশ (সু'মিদ্যাসর প্রচি)	৫৮-মুজানালা	100	32
গ্রথমভাপ				বাকাত প্ৰদান করার নির্দেশ (বৃদ্ধ ফরক্ষ প্রদাস)	৪-মিশ্য	33	266
নিজ্যে প্রথম ভাগে নিশ্বাস ও পেচঙালে ভবিস্কান করতে নগে	৩-ব্যাল ইম্মান	93	685	নাৰতে (সংকৰ্মপুৱায়ণতা কায়েম করে ও মাৰতে দেৱ)	৩১-বৃক্তমান	8	2.54
वाचमारम		-	1	যাকাত (মুপরিকরা যাকাত প্রদান করে মা)	8১-ফুসসিলাত	9	Pro-
বাতের প্রথমাংশে সালাত কারেম করার নির্দেশ	১১-ছুব	278	696	যাকাত প্রদানের বির্দেশ	২-বারুয়ো	330	
গ্রদক্ষিণ (আরো দেখুন তাওয়াঞ্চ শক্ষাট্র)	25.71	330	0.10	যাব্যত প্রধানের ব্যাপারে বনী ইসরাদিকের অস্থীকার	२-वाकावा	bot	80
সাক্ষা ও মাহওরা প্রদক্ষিণ করার কোন অপরাধ নেই	1 1000000			যাকত প্রবাদকারীরাই মসন্ধিদ স্বাকাদ করবে	৯-জাওবা	32	68
द्यनर्गन/द्यनर्गनकार्द्य/द्यनर्गिष	২-বার্ধরা	769	624	যাকাত প্ৰদান খেকে ছবিয়ে বাবে না বাদেকক বাবসায	<b>५8-नुद</b>	93	9.90
	_	L.		থাকাত প্রধানের জন্ম নবার প্রীদের প্রতি নির্দেশ	৩৩-আছ্যাব		
কাদির-লগিমদেরকে জাল্লাহ্ পথ প্রদর্শন করেন না	৪-দিসা	7.99	644	যুকাত প্ৰদানৰ নিৰ্দেশ (বনী ইসমান্তৰতে)		00	500
জাহিলী যুগের প্রদর্শনের মত প্রদর্শন না করা (নবীর স্থী প্রদাস)	৩৩-আহ্যাব	00	bros	ঘৰত প্ৰদান কয়ৰ নিৰ্দেশ (মনিনানৱক)	২-আকুবরা	80	200
নরা এনর্শন করেন না অক্লাহ (মাধানুমির মানুম্বীনের বাপারে কলত)	৭-আগ্রফ	8>	629	যাকাত এগান করার নির্দেশ (মুখনসেরকে)	৭৩-মুখ্যাথিল	50	95/3
পথ(নৱল-মঠিক পথ প্রদর্শন করতেন আপ্তাহ,রাসুদ স. কে)	৪৮-ফাত্ত	2	525		২৪-দূর	6.0	9340
পৰ প্ৰদৰ্শকাৰ দায়িত্ব অক্সাহন (মনুষ্যান সভিনাপৰ প্ৰদৰ্শন প্ৰদাস)	১৬-মাজুপ	ъ	900	রওপণ প্রদান করা, নিহতের পরিবাধকে (বলি মান্ত না করে)	8-विभा	25	6.99
পথ (আপ্রার্ট মানুষকো পথ প্রদর্শন করেন,)	৭৬-গাব্র	0	995	রাসূল স. যা দেশ তাই গ্রহণ করার নির্দেশ মুখিনদের প্রতি	৫৯-হাশর	٩	320
পর প্রদর্শন (কমির-মালিমানেরে স্বাস্থার পর প্রদর্শন করেন মা)	8-निमा	260	297	রাজত্ব প্রদান করেন আপ্রাহ বাকে ইজ্ঞা	৩-আলে ইমরান	26	0.00
পথ প্রদর্শন (আল্লাহ স্টিকপথ প্রদর্শন করেন)	৩৩-জ্যাহয়াৰ	8	boo	সংশাস নির্বোধনের হাতে প্রদান না করার নির্দেশ (ইরাভিয় প্র.)	8-बिंगा	¢	660
पृष्ठं अपनीत् तस्मर गुरु पुन्निकरास्त्र पृष्ठं अपनीत ना कहात सक्षित्वतः)	৩০-আহ্যাব	34	tros	সামান্য কিছু দান করার পর বন্ধ করে দেরা	৫০-নাম্বম	08	3:06
সরণ-সঠিক পথ প্রদর্শন (মুলাকিবদের প্রসঙ্গ)	8-मिमा	69	696	गामक शमान था (वागून ग. यह गास त्वापत कव कावर पूर्व)	৫৮-মুঞ্জানাল্য	30	500
সাল-সঠিক লব প্রদর্শন করেন আল্লাহ মুখিনলেবকে	8y-9763	30	975	সদন্দ প্ৰদালৰ বিৰ্দেশ (বাসুল স: এয় মাৰে বোপাল কৰা ৰক্ষা পূৰ্বে)	¢४-मुसानामा	25	364
সরল পরে পরিসালন করেছিলেন অস্তাহ (মূল জে, ও হাকনকে)	৩৭-মাড্ডাত	229-		সূচনা ডিডিতে যা প্রধান (বিনিয়োগ করা হয় তা পৃথি পার মা)	99-9¥	Oh	930
যুদ্ৰভ/নীতি প্ৰদৰ্শন কয়তে চাৰ স্বাপ্তাহ (পূৰ্ববৰ্তীদেৱ যুদ্ৰভ)	8-991	330	9.95	যাকাভ প্রদানকারী মুমিন ইছনিদেরতে মহাপ্রতিদান দান	8-500	262	094
সৌন্দর্য প্রদর্শনকারী না হওৱা অভিবিক্ত কাপত্ত বুলে			690	গ্ৰনীণ (আরো দেখুন আলোকবর্তিকা শব্দটি)/প্রদীণমালা			-
আল্লাহর প্রদাপিত পর্বই সমিক পর	२8-मृत	80	950	আকাশে প্রদীপ ধনিয়েছেন আল্লাহ	२१-एवकान	65	3300
अञ्चारक दमागाठ गवह मात्रक गव समाम/समामकाती	৬-অন্'আম	92	905	উল্কুল প্রদীপ (পূর্ব) বানিরেছেন আল্লাহ,	৭৮-নারা	30	200
		_	$\perp$	খাঁচৰ অন্যাস নাম এনটি প্ৰদীপ (অস্তাহ্য জালার উপঞ্চ)	28-98		
কলে (যালের সাবে অসীবার দৃদ্ধ হরেছে নালের কলে প্রদান)	৪-নিসা	00	6.02	দীঞ্জিখান প্ৰদীপ হিসাহে নবী প্ৰেয়ধ	৩০-বাহবাব	-02	990
অমুহাহ প্রদান করেন আল্লাহ থাকে ইচ্ছ	৩-মালে ইমারন	95	280	দীগাধারে মধ্যে প্রদীপ (অক্সাহর জাগের উপমা)		86	3009
ইয়াভিয়তে তার ধন-সম্পদ প্রদান করার সধ্যে সাধী রাখ্যত হবে	8-निमा	0	200	পুলিরর আরাশকে পুশোষত করেছেল অনুন্ত প্রতিপাল কর	२.8-मृष	96	999
ইয়াডিমদেরকে ভালের ধন-সম্পদ প্রবাদের নির্দেশ	8-विश	3	466	সূৰ্বতে আস্থাহ প্ৰদীপ বাধিয়েছেল	৪১-বুস্পলত	>3	550
কল্যাণ প্ৰদাদের জন্য প্ৰাৰ্থনা (দুনিয়া ও আধিবাতে)	২-বানুবো	403	422		৭১-পূড়	36	39.5
विन्यासक् प्रत्म अन्तर कहा हात्राह् खात्रत्व	০-জাল ইম্যান	30	୧୯৮	দুনিবার জবদশ আবদশ হানীগমালা ধরা	৬৭-খুলুক	2	935
ক্ষমতা প্রদান (আক্রমণাকরীয়ের বিক্রছে শেষ্ট ক্ষমতা প্রদান)	8-मिमा	27	245	র্থদের (গরেন্দ্রমিক)			
পনিত প্ৰদান (অচন্দ্ৰকে যালয় স্ত্ৰী মাণ পিয়েছে, মোহাৰু পৰিয়াণ)	५०-वृषदादिना	>>	696	ন্যায়সঙ্গ ভাবে পরিপ্রথিক দিয়ে সম্ভানকে দুখ পাদ করবো	২-বাকুরো	200	429
দুনিয়াতে প্রদান (ধুনিয়াতে কল্যাথ প্রদানের কল্য প্রার্থনা)	২-বাকাল	200	655	বধান			
धन-गणन देशियस्य शनन कहा (संशव-निर्माण पार्ति करा)	8-929	6	200	অহংকারকারী প্রধানদের হুমকি (ত'আইবের সম্প্রদায়ের)	৭-জা'বাফ	bh	643
ধন-সম্পদ ইয়াতিমতে প্রদান করার সময় সাক্ষী রাখতে হবে	8-शिवा	6	999	অফিয়দের প্রধান থাজিয়া দুহ আ, নালার্কে ব্যাল, ও ভো	२०-पु'मिन्न	38	969
প্রাপা /মোহরানা প্রদান (নবীর স্ত্রীদের প্রসম্ব)	৩৩-আহ্বাৰ	00	200	অফিবসের প্রধানবা বদল ক্রকে	৭-আগ্রেক	99	623
পুত্র (মারইবামকে পুত্র সন্তান প্রদান করতে প্রতিপরণক্ষেত্র)	১৯-মারইরাম	7.9	902	কলিব প্রথমের মধ্যে তুর (উলের বাপেরে ভিরম্ভার করুল)	h-Witer	25	483
মতিপদত প্রদান করেন (দুদিয়া ও আধিরতেকামী উচ্চক্রে)।	১৭-ইসর	90	936	ব্যক্তির প্রধানরা সরে পড়ল (ইলাহসের উপর ধৈর্বধারণ	ব৮-সোমাদ	^	brist
ক্ষমদের হক/উপর প্রদানের নিচুর্নপ (ক্ষমল সপ্রাহের নিন্ন)		787	650	করতে বলে)	41.41.81	8	100
মন্ত্রপ্রতিদান প্রদান করা হয় অস্ত্রাহর পাক থেকে (পুন্ন করেছর জন্য)	8-विभा			ভায়ুদ সম্প্রদারের অংকোরকারী প্রধানসের প্রস্থা প্রসঙ্গ	9-70" 870	90	
मुखीनादानादन थ शतन कदादा वामनावान (गतान वास वास्त्र)		80	495	আসুকরনের প্রধান আখ্যা দান(মুগারেক, কির'আউন বর্জুঙ)			419
	69-8344	>	250		২৬-৩'জারা	85	920
মোহরার প্রদান করে মুদিন দারীচন্তকে বিয়ে করচেচ লোহ দেই মোহরারা প্রদান করে সঞ্চতিয়া দারীদেরকে বিয়ে করা	৬০-মুমজাহিনা	20	969	ন্ধাসুকরনের প্রধান মলৈ করল ফিব্রজাউন (মূসাকে)	২০-ড়া-ছা	42	986
	৫-মরিনা	¢	642	দারিত্ব (অভিযোগ উত্তাপনের প্রথম দারিত্ব যে নিয়েছে তার ঋণা)	২৪-সূত্র	22	990
মেহবাৰ প্ৰদান (স্থাপে বুলি মনে মেহবান প্ৰদানৰ নিৰ্দেশ)	8-निमा	8	640	দিবঅটন সংখ্যব্যের প্রথনদের উচ্চ (মুগা বা, বিভ চাচুকর)	৭-জারাঞ্	205	622
মেহবল প্ৰদান অপনিহাৰ্য (সহবাদকৃত্য স্ত্ৰীকে)	8-निमा	₹8	අතර	ফিরমারন সম্প্রদায়ের প্রধানদের মন্তব্য (মৃদ্য আ, সম্পর্কে)	৭-জা'রাফ	229	650
যকাত প্রদানকারীর জন্য আল্লাহ দরা নির্দারিত করেন		140	629	বনী ইসরাইলের প্রধান্যভাকে দেখা	২-বাকার		655
যাকাত প্রদানকারীর প্রতিদান প্রতিপালকের নিকট		ર૧૧	000	ণ্ড'আইবের সম্প্রানারের কাফির প্রবান/লেডালের শুস্তি	৭-আ'রাজ		
যকার প্রদান করে মুখিনরা	2-60641	42	689			90	957
বাকাত প্রদান করে (মুদ্দিনরা পৃথিবীতে প্রতিষ্ঠিত হলে)	44-0°W	85	969	দত্যবার এবলাদ সত্যবারকে কাল (প্রবিত প্রসূদ স. সম্পর্ক)	২৩-মুখিন্দ	99	የፅ৮
বাজাত প্রদান করে যদি সুপরিকরা তওবা করার পর তবে	৯-জাওবা	33	683	সম্প্রধারের কাফির প্রধানরা দৃহকে বিভারাদী মনে করল	22-ब्रंस	29	660
वाकार शमान करा, वाबा नेवान करनाइ	৫-মরিদা	20	269	সংখ্যার প্রথমর নৃত্তে বিস্তুপ বরুত (নেজ নির্মণ করছ)	33- <del>द</del> ुन	OY	666
যাৰণত প্ৰদান কৰতে ইসহাৰ/ইয়াকুৰের প্রতি ওহী করা হয়	২১-আধিয়া	90	308	সম্প্রদায়ের প্রধানরা বলল নুহতে; নিভর নই পর্যায়তার	9-781°81°9	90	446

Marines declaration (225/2-78) in the case for	नुबाना व नाम	100	701	नम विद्यासम्ब			12
প্রকৃত্ন (আরো দেখুন আনন্দ শব্দটি)		Г		নহা প্রমাইত (পূর্ববারী প্রশানের কাতির নিতে নহার প্রবাহিত)	৬-অন্ভাম	8	694
(গ্ৰন্থৰা (কিছু চেহাৰা প্ৰকৃষ্ণ ববে বিয়ামতের দিন)	৮০-জাধাসা	69	2001	নহরসমূহ প্রবাহিত (জান্রতের নিচে)	৫৭-হাদীদ	25	583
প্রবঞ্জনা (আরো দেখুন প্রতারণা শব্দটি)		-	$\Box$	নহয়সমূহ প্রবহিত (ছাপ্রতের দীচ দিয়ে)	৪৮-কান্তর	23	521
मंभवद्ध श्रवक्रमात बन्ह वावदात कता वाटर ना	১৬-বংশ	348	130	नव्यक्तिमा कन बाह्यका निज्ञ नरत द्वारित बावरत)	১৯-নার্প	60	900
শপথকে প্রবঞ্জনা হিসাবে প্রহণ না করা (শক্তি প্রসঙ্গ)	35-FFF	38	133	নতা প্রমানিত সংমানীর মুখিলে কল জন্মতের নীচে নাও প্রথাতি।	22-8789	20	961
हवर्षन	20 151	1~	137	নহা প্রবাহিত হলে থেকা ও আপুরের বাগানে (কবিবলের দাবী)	১৭-ইসরা	83	933
হৈরপংখদ প্রবর্তন করেছিল ইসার অনুসারীরাই	৫৭-হানীদ	١	1.2	নহৰ প্ৰবাহিত হবে মুদিদের নীচে (জাল্লাতে)	79-4050	40	93
	6.4-64%	સ૧	962	নহর বাগানের দিচ দিয়ে প্রবাহিত (উপমা প্রসঙ্গ)	२-शकावा	200	20
হাবল/প্রবলতর/প্রবলভাবে		_	$\perp$	নহা প্ৰধাহিত (আল্লাহ পৃথিবীতে নহব প্ৰবাহিত কংগ্ৰহেন)	২৭-নামল	83	704
ধাৰমান (প্ৰবশভাবে ধাৰবাননের কসম)	११-१इसलाड	3	223	নহর প্রবল বেলে প্রবাহিত হওয়া (বনী ইসরাদিল প্রসঙ্গ)	২-খাকারা	98	000
পানি প্রথম পানি বর্ষণ, আঞ্চাপের দরতা উনুক্ত করে)	68-4004	22	909	নহৰ প্ৰধায়খন (ধারাতের মিচ দিয়ে)	৯-ভারবা	93	68
ধ্য-সম্পদের প্রতি মানুষের ভালবাসা প্রবলঃ	३००-'व्यव्यव		2000	भारत जनाविक (कांत्राटका मिठ निर्दर)	৩-জালে ইমবান	200	200
শক্তিতে প্রবল জনগোষ্ঠীকেও আল্লাহ খালে করেছেন	৪৩-যুবক্তক	b	9.99	নহর প্রবাহত, জাপ্রতের নিচে (সংকর্মশীল মুমিণ প্রসল)	22-57W	28	903
শক্তিতে প্রবশতর হিল পূর্ববর্তীরা (মরার কাঞ্চিরদের চেয়ে)	৩০-জন	٥	1455	নহর প্রবাহত, জন্মতের নতে (সংকরণাল মুনন প্রবল) নহর প্রবাহত (জাপ্রতের নীচে)	8-शिशा		
শক্তিধর (আল্লাহ প্রবল শক্তিপর ও শক্তি নামে কঠোর)	8-F(R)	1/8	698			30	201
শক্তিতে প্ৰবশ ছিল পূৰ্ববাটীবা	३-वाडरा	53	689	নহৰ প্ৰবাহিত (জন্মতের দিচ দিছে)	৯-ভারবা	200	960
শক্তিতে প্রবদ অনেক প্রকল্পকে ধ্বংস করেছেন আল্লাহ	50-30 <u>a</u>	100	328	নহৰ প্ৰবাহিত (স্বদ্ৰাহেতৰ নিঃ নিষ্কে)	৯-ভারবা	3.9	683
শবিহত প্রকা (কারণের চেরে শবিহত প্রকা প্রকর্ম গাহে)	২৮-কামান	92	932	নহর প্রবাহিত (জান্তাতের দিচ দিয়ে)	০-জালে ইমরণ		200
পর্তিতে সাপ্তাইই প্রবল, আদ জাতির বি তা তেবে দেখেনিঃ	৪১-ফুস্সিলাভ	30	293	নহর প্রবাহিত (জান্তাতের নিচ দিয়ে)	৫৮-মূজাদালা	22	268
শক্তিতে ও ক্টিতে প্ৰবদ ছিল পূৰ্ববৰ্তীয়া	80-इ'बिन	24	244	নহর প্রবাহিত, জন্ত্রতের নীচ নিয়ে	৫-মারিদা	229	6.94
পাঁজতে তে ভালের চেত্রে প্রবদঃ (আদ জাতি বলেছিল)	৪১-ফুস্সিলাভ	36	199	নহর প্রবাহিত (ছান্ত্রাতের নীচ দিয়ে)	৬১-সংক্ত	25	267
পাছিতে ও কীঠিতে প্রবলতর ছিল পূর্ববর্তীরা	৪০-রামিন	52	193	नदर अवस्थित, वस्तुद्धार नेटा (प्रधानमध अरवर्धनीनदास धना)	৪-দিশ	44	268
वरन पर्रभ	Do-gies	-	10.00	নহর প্রবাহিত (জন্ত্রাতের শীচ দিয়ে)	৪৮-ফাত্র	6	354
विक्रम रुग (वैंद्र चरित्र वागान अलग वर्षात विद्रम क्या मानद विजया)		260	-	নহর প্রবাহিত (অন্তাতের নিচ নিয়ে নহর প্রবাহিত)	২৯-আনবাৰ্ড	Q7	P-2
वर्षा क्या (क्यू कुंबर वर्गात क्या वर्षा (क्या क्या गणा क्या) वर्गाण शक्त वर्षा क्या क्या नामत केमच (क्या क्या वर्गाम)	२-स्कृता	260		নহর প্রবাহিত (জন্তাচনর নিচে)	২০-জা-হা	9.6	984
ধন্য কেনে বিজ্ঞানিক কৰা প্ৰত্যে কৰাৰ (ক্ৰু ক্ৰুবৰ ৰাখ্য) প্ৰবল্প বেংগ উৎলায়িক/প্ৰবাহিত	২-অকুরো	500	692	নহৰ প্ৰবাহিত (জন্তাতেৰ নিচ দিয়ে)	৩-জালে ইমরস	১৩৬	283
				নহর প্রবাহিত জান্তাতের দিও দিছে	্-আ'থ্যক	80	636
কর্ম(উচৰ জন্মতে প্রকল বেগে উৎলাপ্তিত লুটি কর্মা থাককে)	৫৫-রাহ্মান	55	285	নহর প্রবাহিত (জান্তাতের নিচে নহরসমূহ প্রবাহিত)	৫-মারিদা	70	695
কৰ্ম (ছাপ্লাটালের পান করার জন্য প্রবাদ কোন প্রবাহিত কর্ম প্রসাস)	৭৬-লাহ্ব	9	296	নহর প্রধাহিত জন্মতের নিচ দিয়ে	১৩-রা'ল	œ	994
প্ৰকম্পিত (পৃথিবী প্ৰবলভাৱে প্ৰকম্পিত হবে,কিয়ামতে)	১৯-বিল্যাল	>	2000	নহৰ (জান্তাকো ভঙ্গদেশে নহৰ প্ৰবাহিত থাকৰে)	७०-पुक्क	33	202
রবহমান <b>।</b>			1 1	নহর (ৰাপ্রাতের ভঙ্গদেশে নহর প্রবাহিত)	১৪-ইখলাহীম	20	884
বরণা (প্রধার্মন বরনা থাকরে জান্নাতে)	৮৮-গাশিকার্	25	2029	নহর (মাত্রাকের নিচ দিরে নহর প্রবাহিত)	৪৭-মুহাম্বাল	25	200
क्षं(बद्धारत जरहान्द्रक स्वकारीत शह्यदा अवस्थान कर्ग प्रदा)	৫৫-বাব্যান	80	982	নহর (জাপ্রাতের নিচ বিরে নহর প্রবাহিত হবে)	১০-ইউনুস	b	908
পদি (স্কান্তে প্রবাহমান পদিতে থাকরে ভানের সংখীরা)	৫৬-ওয়াকিয়াই	402	388	নহর (অগ্রহাতের নিচ নিয়ে নহর প্রবাহিত হবে)	७८-काशाकुम	b	200
পদি (প্রবাহমান পদি কে এনে নেবেং পদি গভীরে তেল গেলে)	৬৭-মূলক	00	248	নহর, উত্তর বাগালের জাতে জাতে (পূই ব্যক্তির উপান্না প্রসঙ্গ)	77-9/24	90	934
श्रीम			$\Box$	পান (উল্লাল্ড চুক্তির পানি প্রবাহিত করে পান ফিল্ড) করে)	०२-शक्षा	39	24
উৎপদ্ৰ (উচৰ সমূদ্ৰ খেকে প্ৰমাণ ও মুকা উৎপদ্ৰ হয়)	৫৫-রাহমান	55	380	প্ৰকা যেনে প্ৰবাহিত কৰ্যা থেকে অন্তাতীয়া পান কৰ্যে	৭৯-লছর	6	550
হুব (জাল্লাতের ম্মানত নহনা হুবগণ ইয়াকুত/প্রবাসের মত)	००-राष्ट्रमान	27	282	বনা প্রবাহিত করলেন আল্লাহ (সাবাবসীনের উপর)	৩৪-সাধা	2/0	784
श्रीवाद		-	-	বানাল প্রবাহিত হওল (মূলাইমানের আনেরে)	৩৮-গোৰা		
পনির প্রবাহ বের করলেন জাল্লাহ (নৃহেব বন্যা প্রসঙ্গ)	68-97276	25	200	ব্যৱহারীক হর ব্যবহার আনুস্কালন বাদেশে) ব্যৱহারীক হর ব্যবহার আনুস্কালন বাদেশে		06	3163
श्वाहिड	69-2/4/4	-	800	বছুপ্রবাহন হয় বাবকের অল্পজনার কের (কুল্লাইনের জানের) বল প্রবাহিত না কয়ার অক্টীরার (ক্র্মী ইসরাইন্সের)	২১-জাধিয়া	22	100
অকাশে পশ্চিক ভূমিকে বক্তাৰূপে প্ৰবাহিত কলে (অক্সহ)			-		২-বাকুয়া	₽8	603
ক্ষাবাদের পাদকে স্থানকে বক্তাবাদের ক্ষাবাদের বারল (আল্লাহ) আটা নিল বারো স্থাবাদ প্রবাহিত হয়েস্বাদ জাতির উপর।	৩৯-বুদার	57	190	বক (পূৰ্বের গোপত/মৃত জন্ত/প্রবাহিত রক্ত খাওয়া হরাম)	৬-আন্'আম	785	920
	<i>६७-शबाद</i>	٩	242	সমুদ্রতে (পরস্পর মিলিত দুই সমুদ্রতে অস্কাহ প্রবহিত করেছেন)	৫৫-রাহ্যান	75	≥8<
ন্ধান্নাতের শীচে নহর প্রবাহিত (সংকর্মশীস মুদিন প্রসঙ্গ)	२२-शम	78	925	সমুদ্র (দৃই সমুদ্র পাশাপাশি প্রবাহিত করেছেন জাল্লাহ)	र्श-कृदेशान	40	960
জান্নাতের দিচে সুস্কাকীদের জন্য দহর প্রবাহিত থাকবে	১৬-শাবৃদ	407	902	वर्षि		_	
জারাতের তলদেশে নদ-নদী প্রবাহিত (মুপ্তানীদের জন্য)	०७-मुम्राव	50	3-90	অনুসরণ (রাদৃধ মুশরিকদের প্রবৃত্তির অনুসরণ করেননা)	৬-আন্'জাম	6.0	907
জারাতের নিচ নিয়ে নহরসমূহ প্রবাহিত (মুমিনদের জনা)	66-सर्देश	r	310	'क्कुनरा' (क्कून (क प्रूनविक्टलर क्कूबर क्रूक्टर में करार मिर्ट्रान)	৪২-শ্রা	34	732
ন্ধান্তের নিচ নিজে নহরসমূহ প্রবাহিত হবে	৬৫-ভাল্বক	22	999	অনুদান (সভা বনি কৰিবলেং প্ৰবৃত্তি অনুদানা কৰত হৰে)	২৩-মুখিলূন	32	990
বড়ো হাওয়া শাণানের জটি দিন প্রবাহিত হয়(আন জাতির উপর)	65-शकार्	٩	942	অধুসরণ (ইছনী-পাসারাদের প্রবৃত্তির অনুসরণের পরিগাম)	২-বাকুরে	220	628
কৰ্ণা (জন্মানীয় প্ৰকা বেগে প্ৰবাহিত কৰ্ণা গেতে পান কৰে)	৭৬-দাব্য	6	394	অনুনাস (অধিয়তে ইয়ানহীনদের প্রবৃত্তির অনুসকা ন করা)	৬-জান'জাম	200	633
वर्ग (समत्र वर्ग अवस्थि करावितम जहार, नुमरिमाल्य करा)	es-সাবা	25	98₹	खनुमाल (दावति या ठाव धावहै खनुमावन करत इन्हिकदा)	6-0-man	40	300
নদ-নদী স্বান্ন্যতে প্রবাহিত(মুমিন/সংকর্মশীলগণের রূনা)	১৮-বরিনার্	b	2059	অনুসরণ (প্রবিদ্ধ অনসংগ করে যার)	৪৭-মুহাম্মাদ	36	350
নহর প্রবাহিত (জন্মতের নিচ দিরে)	৩-গলে ইমরন	32	203				
নহর প্রবাহিত (মিসরে ফির'আ উনের রাজতু প্রসঙ্গ)	80-पूरक्क	62	1755	জ্বলান (প্ৰয়ন্তি জ্বলানানী লে ফুলাক জিত রখতে ন পার)	২০-ড়া-হা	36	98:
নহর প্রবাহিত বাগান অনাতে পরেন আল্লাহ থালুল স. এর কলা	২৫-পুরবান	30	10-0	অনুসরণ (প্রবৃত্তির অনুসরণ করে কাভিনরা)	২৮-কাসাস	60	9.75
নহর প্রবাহিত (জাল্লাতের নিচ দিয়ো)	৫-মাধিনা	25	62.5	অনুসরণ (প্রবৃত্তির অনুসরণকারীই সর্বাধিক পথন্রই)	২৮-কাসাস	60	9.35
নহর প্রবাহিত থাকবে (জাল্লাভের দিচে)	8-নিমা	255	493	অনুগরণ (প্রবৃত্তির অনুগরণ করে, যারা জ্বুম করেছে)	৩০-জম	4,3	5-28
নহর প্রবাহিত থাকনে জন্মতের নিচ নিরে (ঈমাননার	২-বাকুরে	_	₫o8	অনুসরণ (প্রবৃত্তির অনুসরণ করেছে কাকিবরা)	68-বামার	٥	3/30
সংবর্মশীলের জন্য)		₹2	1	অনুসরণ (প্রবৃত্তির অনুসরণ করলে, জলিব হবেন রাসুল)	২-বাকুবো	384	230

1	3		_	
		ŧ	ä	
	ſ,			

water a sta le 15-21d5418

PARTELS.

৫-মারিমা

১.বাকারা

ক-মারিমা 20 800

১১-জাথিবা

২১-আধিয়া

৪২-শ্বা

75 647 25 7070

27 200

bris 900

Pt 900

644

অনুসরণ (প্রবৃত্তির অনুসারী ব্যক্তি তার মত নর হে)	৪৭-মুখ্যাপান	84	250	বায়েকে প্রবেশ করবে (আল্লাহ-রানূল ন, এর অনুগতাকারী)	8-मिमा	30	460
जमुनवन (श्वृत्तिह जमूगश्रनशरीत वेशमा, कृत्रतद मण)	৭-আ'রাফ	239	646	জন্মতে প্রবেশ করানে হরে (কাহিবাসের প্রক্রেকের প্রকাশ:)	৭০-মা'অরিম	৩৮	200
অনুনামারী (প্রবৃত্তির অনুসরণামারির অনুসরে না করার নির্দেশ)	79-4006	26	120	জান্নাতে প্রবেশ করানো হবে (সংকর্মশীল মুমিনলেরকে)	৪-নিশা	344	292
प्रमुख्या (व्यक्तिकान्त्र अनुस्ति प्रमुख्या ना कारण तमून (व निर्मन)	१-वाशिना	87	erro	অন্ত্রতে প্রতেশ করের বৃদ্ধিয়নের এবং নামের সংরয়নীল পিতামানার	১৩-রা'দ	20	600
অনুসরণ (পঞ্চিত্রক প্রপৃত্তির অনুসরণ করতে অস্তারর নিমেণ)	৩৮-সোরাদ	26	594	ৰান্নাতে প্ৰবেশ করবে (সংকর্মশীল মু'মিন সংনারীপণ)	৪০-মু'মিন	80	PA)
অনুসরণ (পথএই সম্প্রদায়ের প্রদৃতির অনুসরণ করা নিয়েখ)	৫-মাছিলা	99	690	স্বান্নাতে প্রবেশ করবে মুন্তার্কীয়া (আপ্লাহর পুরস্কারস্করণ)	১৬-মার্গ	62	902
जनुम्हान (मृत्र विश्वासर एकता अर्थकी जनुमका नमा भाग न)	8-991	200	298	নাহান্ত্ৰাহৰ প্ৰবেশ করবে (পুনিবা তামনাকারী)	১৭-ইপ্রা	۵'n	934
অনুসরণ (জন্ম লোকদের প্রবৃত্তির অনুসরণ করা যাবেনা)	80-साहिता	35	80%	ভাহান্লমে প্ৰবেশ কৰেে (সীমালক্ষনধারীরা)	৩৮-সোৱাদ	66	৮৬৯
ইলাহ (প্রবৃত্তিকে ইলাহরূপে এহণ করেছে যে)	২৫-ফুরুক্স	80	97.0	ন্ধাহান্ত্ৰমে প্ৰবেশ করবে (সীমালংখনকারী পাপিষ্টরা)	<b>५०-इसक्किल</b>	16	2023
ইলহ বনালে (এবৃত্তিকে ইলাহ বনালে অপ্তাহ ভাকে পথচাই বংগে)	80- <b>मा</b> च्या	20	80%	মানুহতে (মুমিনাসকতে মানুহত প্রকেশ করাজার কলা প্রার্থন)	৪০-মু'মিল	ъ	696
বর্তমানের প্রকৃতির অনুসরশ করলে রানুল স. এর বেলা অভিযানন ও	১৩-বা'ল	-09	999	জাল্লতে প্রবেশের কথা মদে করা (জিহাদ ও বৈর্থ ছাড়া)	৩-আলে ইমরান	384	¢8%
কাঞ্চিরদের প্রকৃতির অনুসরণ করা নিষেধ	৫-মারিশা	85	23/6	অন্ত্রেকে প্রবেশের নির্দেশ-প্রশান্ত আন্ত্রেকে	৮৯-কাৰ্ব	'00	303
কৰিলেৰ প্ৰকৃতি প্ৰয়েতিক কৰল যাৱ ভাই হাজিগতে হ'ল্য কৰতে	৫-মারিলা	00	27/8	অন্তাতে প্রমেশ (মুরানীসের কৃতকর্মের বিনিমরে কন্নাতে প্রমেশ)	১৬-নাহল	જ	900
পদার করা (মানইলেনর কারতে প্রবৃত্তি ছবা পদার্চ্চ করা প্রসঙ্গ)	৬-আন্'আম	229	809	অনুহত প্রকেশ (মায়তে বিশ্বাদী ফুর্মান্সের অনুহত প্রকেশ)	80-पुश्कक	90	300
মানুহের প্রবৃত্তি মানুহকে কি কুমন্ত্রণা নের আল্লাহ ভা জানেন	40-MA	20	340	স্বান্নাতে প্রবেশ করতে বলা হবে মুবাকীদের (স্থায়ীকবে)	৩৯-বুমার	90	b99
দাপনা (মানুহের প্রযুক্তিতে গালনা উপস্থিত করা হয়েছে)	8-निम	257	290	জানাতে প্রবেশ করতে বলা হবে আরাধবাদীদেরকে	৭-আগ্রফ	83	629
शतम	O THIS	250	4.40	ब्राह्माट्ड शरबन कराइवन व्याह्माइ राजनहरू	১-ব্যাল ইমরান		929
	Or making			জান্তাতে প্রবেশ করাবেন আল্লাহ মুমিনদেরকে	৫৮-মুম্বানালা	44	208
অনুহাহের মধ্যে প্রবেশ করাবেন আল্লাহ বাবে ইচ্ছা	89-कार्टर	56	270	জাল্লাতে প্ৰবেশ করতে বলা হল (এক মুমিনকে)	৩৬-ইয়াসীন	26	600
অনুমতি ছাড়া কেনে যৱে প্রবেশ দিকেখ	58-M	53	995	নান্নাতে প্ৰবেশ করতে বলা হবে মুনাবীদেরকে	3e-Swa	86	900
অন্তলে প্রনেশ করালো হাব (স্বন্ধুমবরণত সম্পন্ধ সাম্পন্ধ করাল)	৪-দিশা	00	6.07	জন্মতে প্রবেশ করতো হবে (সংকর্মশীল মুমিন পুরুষ ও নরীকে)	8-Pint	248	094
অঞ্চল প্রবেশ করালো হল (নূহ আ সংকাশারেও পাপের কারনে)	<i>ব</i> 7-র্ড	56	3812	জান্নতে প্ৰবেশ করানো হবে যাকে বে সঞ্চন	৩-আল ইমরন	39.6	028
অন্তনে প্রবেশ করানে হবে (সম্ভাহ-রাসুল প. এর অমান্যকর্মিকে)	8-निम	78	662	জান্নতে প্রবেশ করবেন আস্তাহ (ঈরানদার সংকর্মশীলদের)	22-096	28	169
আন্তনে প্ৰবেশ করাকেন বাকে প্ৰতিপাদক, ভাকে	৩-মাসে ইমরন	795	248	জান্ত্ৰতে প্ৰবেশ কথাবেন আল্লাহ উত্থান এনে আৰুওয়া	०-माविमा	96	Qub
আন্তমে প্রবেশ করবে উপদেশ বর্জনকরী দূর্ভাগারা	৮৭-আ'লা	25	2039	মধ্যতে প্রদেশ করালে অস্তাহ (সমানাম সংকর্মশীলানা)	8-निमा	01	0.08
অধ্যন প্ৰদেশ (জনাতে জনিশ্বসীলের মূলর জন্মন প্ৰদেশ)	8-নিগা	26	268	অনুহতে প্রকশ করাকে আপ্তার (অধ্যাহর পাল নিবরসভাবে)	৪৭-মুহাম্মদ	6	>>>
আন্তলে প্ৰবেশ কৰতে থলা হবে কাঞ্চিতসেৱকে	৭-আরাক	96	636	জান্তাত প্রবেশ করাবেল আল্লাহ বলী ইনরাইলনেরকে যদি	৫-মরিদা	34	694
আঙলে (নৃহ আ. ও লৃতের স্ত্রীদের আগুনে প্রবেশ প্রসঙ্গ)	৬৬-ভার্রীয	20	247	ধানুতে প্রবেশ করাবেন আল্লাহ (আনুগভারারীতে)	৪৮-ফাডব	29	224
আন্তনে প্রবেশ করাবে কির'অভিন ভার সম্প্রদারকে	77-54	3br	938	ন্ধানুতে প্রবেশ করবেন আস্তাহ (মুনিন নত-নারীদেরকে)	8५-कावर	2	200
আচনে প্রবেশ (রেম কুর্মাণা ছাড়া কেউ আধনে প্রবেশ করবে দা)	৯২-শাইপ	75	2055	মান্নাতে প্রবেশ করাবেশ অন্তাই (মুদ্দশ শহলারসভাবে)	81-ब्रायम	34	330
আ'রাফরাসীরা প্রবেশ করেনি জারাতে কিন্ত প্রত্যাশা করছে	৭-জা'বাক	89	924	ছানুহত প্রবেশ করাকে স্বাস্থার (তার পার বিবাসক্রীলের)	७३-माक्क	34	202
ইউস্ফের ভাইয়েরা প্রবেশ করল ইউসুছের নিকট	১২-ইউনুক	69	6949	জান্ত্রতে প্রবেশ করাবেন আন্তার্(সংকর্মশীল মুমিনদেরকে)	22-5/mg	40	950
ইউস্ফের ভাইরেরা আবীধের নিকট প্রবেশ করদ	১২-ইউসুক	pp	6946	জন্মতে (সংকর্মনীল মুদ্দিনের অল্পার জন্মতে প্রবেশ করকে)	৬৪-জাগাবুন	20	366
ইউসূত্রের নিকট প্রবেশ করল ভার ভাইরেরা	३२-१६५ए	20	99.5		১৪-ইববাহীম		686
ইউদূকের নিকট হবেশ করল (পিভামাভা ও ভাইরেরা)	25-88340	66	60-6	ৰাপ্ৰতে(সংকৰ্মশীল মুমিনাগাকে ৰাপ্ৰতে প্ৰকেশ কৰালে হবে) ৰাধ্যপ্ৰতেম প্ৰবেশ কৰাৰে মুনাফিকান	१५-मुक्तानामा	40	260
ইবরাহীমের দিবট প্রবেশ করদ অভিবি (কেরেশভা)	30-fema	25	900				
ইব্যাইটের নিবট প্রবেশ ববল সঞ্চলিত অভিনি (ফেলেন্ড)	१५-गरिकाच	56	950	ৰাহায়ুমের দক্ষা নিয়ে প্রবেশের নির্দেশ ক্ষাপিন কাবিদানের)	১৬-নার্প	28	900
ইনমাইলকে অস্তাহ ভার দরার মধ্যে প্রনেশ করিরেছিলেন	২১-আছিলা	54	966	জাহান্নামের দরজা দিয়ে প্রবেশ করতে বলা ক্রবে কাফিবকে	৩৮-মুনার ২১-জাধিরা	92	920
ইনলামে প্রবেশের নির্দেশ (ঈমানদাদেরকে)	২-বাকারা	50%	650	ব্যাহান্ত্রমে। (আপ্লাহ হাড়া অন্যরা ইলাহ হলে ভার্যপ্লমে	43-0114KI	32	45.
সমান (বেপুদিনদের ছদরে এখনো ঈমান প্রবেশ করেনি)	৪৯-ছবুরাত	28	952	প্রবেশ করত না)			
ক্টি (মুক্তর ছিলেনে উট প্রবেশের নাম অক্সব কটাকৈ প্রবেশ)	৭-অব্যক	80	970	ভাষায়ামে প্রবেশ করতে কলা হবে অহকোরী কামিরচেরকে	৪০-মুখিন	96	pps
উপ্তর জাগুনে প্রবেশ করবে (কিরামতের দিন)	৮৮-থাশিয়াহ	8	7077	ভাষারামে প্রবেশ করবে (ইবান্যনিমূপ অংকারীরা)	৪০-মুখিন	60	PPC
এক দরন্তা নিয়ে প্রবেশ করো না- ইরাকুম আ, পুরসেরকে বলচেন	<b>১</b> २-१७५ <del>४</del>	99	9949	ৰাহান্লামে প্ৰবেশকাৰীদেৰ জন্য আ নিকৃষ্ট ছায়ী অবস্থানস্থল	३८-१रवाशेम	43	696
করাগরে প্রবেশ করদ দুই যুবক ইউপুক্তের সাথে	১২-ইউসুফ	99	99.0	আহান্নামে প্ৰবেশ কর্মৰ (শ্বরীক-মূপরিক স্বাই)	২১-জাবিয়া	92	9.0%
কুলরি নিয়েই থাবেশ করেছে মুনাঞ্চিকরা	৫-মারিদা	45	244	আহন্তানে একেশ করালে হবে (মুক্তিনদের বিশক্তীত পথের করুপরিকে)	8-निग	225	293
গিরিপথে প্রবেশ করেনি (মানুষ)	১০-বালান	22	2050	জাহান্ত্ৰানে প্ৰবেশ করবে পাপীরা (বিচারের বিনে)	৮২-ইনজিতার	>2	207
খৰে প্ৰবেশের সময় সঞ্জনসেৱকে দালাম দেয়া	३8-मृत	65	443	জায়েরমে প্রবেশন নির্দেশ অধিনচন্দ্র প্রতি(বিশ্বামতের দিন)	৩৬-ইরাদীন	48	260
দরে প্রবেশে পূধ্য দেই, পিছন দিক থেকে	২-ব্যক্তরা	20.9	442	ভায়ন্নামে প্রবেশ (কৃতকর্মের প্রতিকল বরূপ)	৫২-ডুর	39	247
ঘরে প্রবেশ নিষেধ (কাউকে না পাওয়া গেলে)	<b>३8-मृद</b>	59.	996	ভাষ্ট্রামে প্রবেশর মর্যধিক উপযুক্ত কে (অক্সাহ য়া ছান্ডদা)	১৯-মারইরাম	9,0	9,03
ঘর প্রকেশ (নুহর ছরে মুদ্দিন হরে একেকানীকের ছন্য কনাপ্রার্কন)	13-73	59.	346	স্থানন্ত আহনে এবেশ করকে (ইরাভীয়ের সম্পদ গ্রাসকারী)	8-निश	20	66.0
ঘতা প্রবেশ করে যে সে নিরাপন (বাঞ্জার স্থাপিত কা'বা ঘরে)	৩-জালে ইমরান	24	989	স্থপন্ত আহনে প্রবেশ করণে ভারা, যালের আমলনামা	৮৪-ইন্শিকাক্		207
				same flore over strongs Code			

২৭-নামল

No. STERN

৬৫-ডালাক 22 365

৫০-কৃষ্ 90

১,বাকারা

৭-আগ্রহ

২-বাকুরো

জনসাস প্রক্রেশ করলে হাজানে সম্মানিকান্য অন্মানিক করে

क्षांबाटक लाजन कवाड वा (डेसमी-वाशवा काल (क्रि.))

क्षांतर अलग करता न करा पर। जगार १५० वरतार करा

জন্মতে প্রবেশ করবে ঈমাননাররা অভাব ও বিপদ স্পর্শ বারীরত

জানাত্র প্রবেশ করতে বলা হবে মহাকীদের

कारतार (प्रदेश क्षेट्रि कारता कारण कारतार आरण काराज हात)

क्षताटन (क्षाहादय अति नेपान व्यानाम क्षताटन वादान कराएन दार)

ভারবার,প্রথমণ করলেই বিজয়ী হবে মসার সম্পানার (মই ব্যক্তি কলে)

দরজা নিয়ে জনপদে প্রবেশের নির্দেশ (বন্দী ইনরাইলকে)

দরকা দিয়ে প্রবেশ করতে কালেন দুই ব্যক্তি মুদার সম্প্রদারক

দল্লার মধ্যে প্রচাল করিয়েছিলেন (উপরিস্কার আলাত )

গরার মধ্যে প্রবেশ করালে (ইসমাইল,ইগরিস/ফুর্কিকল্যক)

দায়ৰ মাণ্ড (আপ্তাহ যাকে ইঞা তাৰ দায়ৰ মাণ্ড প্ৰবেশ কৰাৰ)

want for son starte Street

विष्या/धनम	ज्याभर ७ नाम	leads.	100.00	न्य सरस्य अस्त	ज्ञान के करा	ASSE A	
अध्यम् (गृर्व गृष्ठेर (चंद्रक)				সাকারে (মাহানুমে) থ্যেশ করাবেন আল্লাহ ওয়ালিন বিন	१८-मूमाइकित	રક	993
দরার মধ্যে প্রবেশ করতে আল্লাহর কাছে মূপার প্রার্থনা	৭-আ'রফ	262	626	মুগীবাকে			1
দবার মধ্যে প্রবেশ করালো হর লৃভকে (আল্লাহর দরা)	২১-জাপরা	92	920	নিজদাবনত হলে দরকা নিয়ে প্রবেশ (খনী ইসরাইলের)	8-999	228	
লার মধে প্রবেশ করানে অস্তার (সংকর্মশীল যার ঈমান এনেছে)	৪৫-জহিবা	90	200	সিম্বাৰনত হয়ে দৱল নিয়ে প্ৰয়েশৰ নিৰ্দেশ, (বনী ইসৱাইলকে)	৭-আ'রাফ	262	64
নৱার মধ্যে প্রবেশ করানেন জান্তাই (তার পথে বারকারীকে)	৯-ভাতবা	22	600	হ্রিছারার প্রদেশ করাজন জন্তাহ (দিয়ানদার সংকর্মশীনদের)	8-मिश्रा	29	26
দরার (অন্তাহ বাকে ইঞ্জ দরার মধ্যে প্রবেশ করান)	৭৬-মার্ব	407	299	হারী ব্যব্রতে প্রবেশকারীদের স্বর্গ,মূক্তা ও বেশম	ত্ত-ফাডির	ಾ	₽8
দল (এবনল আছনে প্রবেশ করে জন্য নলকে ল'নত করেছে)	৭-আ'রাফ	107	67.9	প্রবেশকারী			}
দাউদের নিকট প্রবেশ করণ (দু'জন প্রতিশক্ত)	GP-CASIA	44	964	আচনে প্ৰবেশকারীই কেবল আপ্লাহ সম্পর্কে বিভ্রান্ত হবে	৩৭-সাফ্চাভ	360	16
দিনকে প্ৰবেশ কৰান আল্লাহ প্ৰাতেৰ ভিতৰ	৩-সালে ইমরন	સ્વ	640	আছেনে প্রনেশকরীনের সাথে নৃহ আ. ও লৃতের দ্রীর প্রনেশ প্রসঙ্গ	৬৬-ভার্বীম	30	59
দিনকে রাতে প্রবেশ করান (সাপ্তাহ)	৩১-পুৰুমান	23	654	ব্যহন্ত্রাম প্রবেশকারী (দীমাণকানকারীলের অনুসারী একলা)	৩৮-সোলান	65	NR
দিনকৈ রাতের মধ্যে আল্লাহ্ প্রবেশ করান	44-0)M	65	950	ৰহৈল্লাম প্ৰবেশ কহনে না (অধাধ্যক্তর মধ্যে প্ৰমন কেই দেই)	১৯-মার্ইয়াম	42	20
দিনকে রাভের মধ্যে প্রবেশ করান আল্লাহ	৫৭-ব্যদীন	6	285	মূদার লগুনার প্রবেশ করবে পরির কৃষিতে যদি আমাদিক	৫-মায়িলা	25	200
দিনের মধ্যে আল্লাহ রাজকে প্রবেশ করান	৩৫-ফবির	30	V87	প্রবেশমূপ		-	-
দুর্জগার প্রবেশ (রেম দুর্জগা ছাড়া কেউ আগ্রান প্রবেশ করবে না)	৯২-নাইল	36	2056	পা প্রসারিত করে রেখেছিল কুকুর (স্বাসহারে কাহাফ প্র.)	১৮-বাহক	337	93
নেম নেই প্রকেশ করতে সেই মতা যাতে বসবাস করা হয় ন	२8-नव	230	135	প্রবেশস্থপ		-	1.0
হীনে প্রবেশ করবে মানুহ (আল্লাহর সাহাব্য ও বিজয় এলে)	১১০-লমর	3	2006	নিকৃত প্ৰবেশহুল ঘেৰানে তাদেৱকে প্ৰবেশ করানো হবে	11.89	-	69
দবীৰ যৱে অনুমিত হাড়া প্ৰবেশ করা যাবে না	००-छात्रसव	20	Judge.	পদ্ধলা প্রদেশস্থান বেশানে করানো হার (পরিল ও মুর্যাঞ্জনের)	১১-জুদ ২২-হাজ্য	by	
নিকট প্রবেশস্থল যেবানে ভালেরকে প্রবেশ করানো হবে	22-E4	99.	378	পদ্মান করের মুনাবিদ্যাবার্থনা করে (পার্থন ও ব্যৱধারকার)	3-0764T	ep.	93
নিয়াপাল প্রবেশ করাচনর জন্ম প্রতিপালকের নিবট প্রার্থনা	১৭-ইসরা	bro	933		9-0/04	6.8	68
নুহের হতে মুমিন হতে প্রবেশকারীলের জন্য ক্ষমাপ্রার্থনা	35-55	30	200	প্ৰভাত (স্বারো দেখুন সকাল শব্দটি)		-	_
পুরুরে বাংল ব্যাসন বাংল বাংলাকার করা করারাকার। পায়কের প্রবেশস্থালে প্রবেশ করালো হরেশ্বরীল ও মুর্যনিবলের)	12-94	59	960	অভিক্রম (প্রক্ষাতে ও রাতে, পৃত জাতির ধ্বংসাবশেষ)		209	be
লিক্ষাকর মতে হলে বালে কিল্কে পুলাইনাকর বাহিনীর আগমান।	२५-साम्रम			আক্রমণ (প্রচাতে অভর্তিতে আক্রমণকারী মেড়ার কসম)	১০০-'অপিয়ত		300
		22	po)	কলম প্রভাতের (থবন আলোকোন্ধুল হয়)	৭৪-মুদাছ্ছির	08	bb.
পুরুর প্রবেশ করল দিয়া ইয়াকুর আ, যেতাবে আনেশ ব্যৱস্থিতন প্রান্যনে প্রবেশ (সুদাইম্যানের প্রান্যনে সাধার রাণীর প্রবেশ)	১২-ইউসুত	88	9949	ভাকা (বাণানওয়ালারা প্রজাতে একে অপরকে ভাকল)	৬৮-কুলোম	57	94
	३९-माम्ल		900	পূলা উল্লাচন (প্রভাবে আক্রমনাকরি/পূলা উল্লাচন যোৱন কলম)	১০০-'অনিবাস		300
ফিবআউন বংশকে প্রবেশ করালে হবে কঠিন পান্তিতে	৪০-ৰু'মিন	86	395	প্রতিশাসক (প্রভাতের প্রতিশালকের নিকট অপ্রন্থ সাওয়া)	<b>১৯০-কাশক</b>	2	200
তেরশ্রে প্রদেশ করে জন্মজীলে দিন্ট (প্রয়োক দারা দিয়া)	১৩-রা'দ	₹0	990	প্রতিশক্ষের জভারতে চুকে পড়া ঘোড়ার কসম(প্রভাতে)	১০০-'অধ্যাত	¢	300
বনী ইপরাইলের নরজা দিরে প্রবেশ (সিজসাবনত হয়ে)	৪-সিগা	758	699	থল কর্তন (প্রভাতে ফল কর্তন করতে থাপানারালানের বসম)	৬৮-সুংলাম	29	39
ৰদী ইসৱসিলের জনপদে প্রবেশ প্রসঙ্গ	২-বাকুরা	24	600	কসম প্রভাতের (কংল তা শ্বাস লেয়)	৮১-ভাকতীর	35	200
বাগালে প্রবেশ দিকের প্রতি বুলুদ্র করা অবস্থায় (বংগালয়েলার )	77-4148	06	353	সকর্কভূতদের প্রস্তাত কত মন্দ হবে (পান্তি লেমে আসলে)	৫৭-সাহ্চাত	399	b/b
ৰাগানে কোন মিনকিন যেন কিছুডেই প্ৰবেশ না করে	৬৮-কুলাম	2.8	240	গ্রহাত রশ্যি			т
ৰাগানে প্ৰবেশ, মাশা আল্লাহ না বলে (বাগানওয়ালা প্ৰদেষ)	১৮-কার্ক	ಯ	929	উত্তেহক (আপ্লাহই প্রস্কাত সন্থির উল্লেখক)	৬-অন্'আম	24	800
মিজ্য নাজ নিয়ে প্রদেশ নবাত বলদেন ইয়াবুন বা. (পুরলেরকে)	১২-ইউসুফ	69	69-0	श्रवाव	1	F	1
ক্মিতে (পনিত্র ক্মিতে প্রদেশ করতে লগদেন মুসা, সপ্রদারকে)	৫-মারিলা	57	৫৮৩	পঞ্চ কথা (আল্লাহর দয়ার প্রভাব লক্ষ্য করার আহ্বাম)	80-8¥	ĝ0	৮২
ক্ষিতে য কিছু প্ৰবেশ করে তা আল্লাহ জ্বানেন	৫৭-হাদীদ	8	387	श्रवायमानी			1
ममिल्न रावास निराशन श्रायन कराव (सूमिनवर्ग)	8৮-जार्ड	ર૧	979	পৃথিবীকে বিবজাউন বংশের রাজতু প্রভাবশালী হিসেবে	৪০-মু'মিল	376	bbn
মসজিলে প্রবেশ সঙ্গত নর, ভীত না হয়ে (জালিমদের)	২-বাকারা	278	620	প্রচ্ছ (আরো দেখুন প্রতিশাসক/রক্ষক পদটি)	80-2   44	4,9	291
মসন্ধিনে (কনী ইনবাইলনের মসন্ধিনে অস্তাব্য বাল্যানর প্রবেশ)	১৭-ইগ্রা	٩	378			١	
মিসরে প্রদেশ করতে কলা ইউসুক্ত আ. (পিতসাভা ও ভাউসেকে)	75-इंड्रमेक	35	68/6	খারাহ প্রস্থান্ত্রের	৯-ডাওবা	67	184
মুবাকীলের জান্নাতে প্রবেশ (কৃতকর্মের বিনিমরে)	১৬-নাজ্প	95	100	আন্তাংই সভা/প্ৰকৃত প্ৰকু (প্ৰভেক্তের প্ৰভাবর্তন ভার কছে)	১০-ইউনুস	\$0	96
মুবাকীরা জান্নতে প্রবেশ করবে (আল্লাহর পুরস্কারমন্তপ)	३६-मार्म	03	900	উত্তম প্রাপ্ত আপ্তার	>-আনকাধ	80	600
মুমিনদেরকে আপ্তাই দরা/অনুমাহের মধ্যে প্রবেশ করাবেন	৪-নিগা	298	493	অধিকদের প্রস্থ নেই (দুনিরা ও আবিধাতে)	৪৭-মুহামান	22	27:
মুসার সম্প্রনার প্রবেশ করতে না পরিত্র ভূমিতে	৫-মারিলা	₹8	6,40	দিয়ে থাজা (প্ৰকৃত্ব কাছে দিয়ে বেচে কাল ইউপুদ বা, ৰাজীবাংনকে)	১২-ইউসুদ	20	691
पूरात राष्ट्रानाव कारण- कबारा ना गविकाव राष्ट्रानाव (सव ना दाल	৫-মায়িদা	22	৫৮৩	বোধা (বোৰা বন্ধি-প্ৰভূৱ জন্ম বোধাৰত্বপূৰ্দু' বন্ধির উপন্স)	১৬-নাত্দ	36	903
র্যমিলে যা প্রবেশ করে ভা আল্লাহ জানেন	ব৪-সাবা	2	687	মুমিনদের বাস্থ আপ্রাহ	৩-আলে ইমরান		201
ঘকারিয়া আ, যথনই প্রবেশ করেন (মহিরামের কক্ষে)	৩-আলে ইমরান	ত্য	600	মূমিবদের প্রস্থ জাস্তাহ	৪৭-মুহাম্বাল	22	97:
তুলবিক্সকে আল্লাহ ভার নরার মধ্যে প্রবেশ করিরেছিলেন	२५-वाश्वित	5-0	920	মূ'মিনদের প্রস্থ আল্লাহ	৮-আনকান	80	600
রাডকে প্রবেশ করান আল্লাহ নিদের ভিতর	৩-আলে ইমরান		600	লভা প্ৰকৃ আল্লাহর দিকে বিবানো হয় সৰাইকে (মৃত্যুৱ পর)	ও-আন্'আম	હર	803
বাতের মধ্যে জাপ্তাহ দিনকে প্রচরণ করান	৩৫-ফডির	30	b89	নভা/গ্ৰুত গ্ৰন্থ আল্লাহই (গ্ৰাফেকের প্ৰভাবৰ্তন ভার কাছে)	১০-ইউনুস	co	60
হাতকে দিলের মধ্যে আল্লাহ প্রবেশ করান	22-07fe	65	980	প্ৰস্কু (আবীৰ)			
রাতকে দিনের মধ্যে প্রবেশ করান আপ্রাহ	৫৭-হাদীদ	6	'58br	ইউসুফের প্রত্ন আহীয় ভার আবাসের সুন্দর ব্যবস্থা করেছেন	১২-ইউপুঞ্চ	20	640
হাতকে দিনে প্রবেশ করান (আল্লাহ)	৩১-লুকমান	23	500	ইউসুয়ের করা প্রস্তুকে করতে স্থাপিরে নিল শারতন (মুক্ত ব্যক্তিকে)	১২-ইউসুফ	83	600
পৃত্তে আল্লাহর নরার মধ্যে প্রবেশ করালো হয়	২১-অধিয়া	92	326	গ্রন্থ (রক্ষক)			Г
লেলিহান আগুনে প্রথম করবে (আবু লাহাব)	222-41514	0	7006	অল্লাহ মুদ্দিনদের প্রস্থ (রক্ষক)	2-mignet	28%	400
শক্তর মনীনার প্রবেশ করণে বিপ্রেস্কে ভূমারিকালের সহযোগিতা প্রবেশ	৩৩-আহমান	38	2006	অপ্তাহ প্ৰস্থ/বছক (কসৰ ভবসৰ প্ৰসন্থ)	७७-जार्बीम	3	390
শহরে প্রবেশ করল মূসা আ (ফলা অধিনসীরা ছিল বেগবর)	২৮-কামাস	26	bop	অস্তাহই মানুবের প্রস্কৃতিক	22-27 <b>m</b>	10	380
		24	bos bbn	অন্ত্ৰাহ্ নবীর প্রাকৃ (নবীর শ্রেকন কথা এক দ্রী অলকে কলা প্রদাস)	৬৬-ভাহরীম	8	330
						8	1040
শহরে প্রবেশ করল বুনা আ, (বরলা জাকা সারা কেন (বরবর) শার্মিকে (প্রতিশালকো স্ফার্শনিমুগ সোকো দুলার শার্মিকে প্রবেশ) সম্মানজনক প্রচন প্রবেশ করবে মুমিন (বর্ণীরা গুলাই বর্মন করলে)	१२-सिन् 8-मिमा	92	003	ভূপ্তৰ অৰ্থন্তৰ (আহাচ)	22-27%	99	980

२-शक्स	200	අතර	П
১৮-বাহিদার্	2	2059	П
२०-का-च		485	П
	200		П
	707	655	
<b>३</b> ५-वाशिनार्	8	7059	
২-বকুরা	3.4	430	П
৪৩-যুধকক	60	300	ı
৫-মারিদা	220	698	ı
22-07%	25	168	ı
79-41GA	30	૧૨૯	ı
৪৪-দুর্থন	7.9	900	П
৩৫-ফাভির	80	282	Ιľ
২-বাকুরো	500	අතර	IF
২-বাকুরো	222	630	П
75-52340	28	619	۱ħ
৭-আ'রফ	9.6	950	۱ħ
22-Est.	4)=	900	۱ħ
22-4H	60	942	ı
33- <del>रू</del> म	23	669	П
80-मुमिन	66	9940	П
৬-আন্'আম	349	634	П
৭-আর্থ	705	644	Ιħ
২০-জু-ছা	35	984	۱ħ
8-मित्रा	750	£95	۱h
8०-वृधिन	୧୭	bbs	۱ŀ
১০-ইউনুস	994	990	۱ŀ
২৯-আনবাবৃত	40	9.79	ΙH
8-571	200	2%	Ιŀ
	১৮-বাহিলার ১০-বাহিলার	১৯-বালেকার ১ ১৯-বালকার ১ ১৯-বালেকার ১ ১৯-বালেকার ১ ১৯-বালেকার ১ ১৯-বালেকার ১ ১৯-বালকার ১ ১৯-বালেকার ১ ১৯-বালেকার ১ ১৯-বালেকার ১ ১৯-বালেকার ১ ১৯-বালকার ১ ১৯-বালেকার ১ ১৯-বা	10

सम (नरीक)

Decrees over प्राथमिकं (अस्तर प्राथमिकं स्थापना कि प्राथम जिल्लाक अस्त्र)

morths amortis cuttor man

OR THE WAR WAS TAKEN WHEN THE WAR WAS TO SEE WHEN THE WAY WAS TAKEN WHEN THE WAS TAKEN WHEN THE WAY WAS TAKEN WHEN WAS TAKEN WAS TAKEN WHEN WAS TAKEN WHEN WAS TAKEN WHEN WAS TAKEN WHEN WAS TAKEN WAS TAKEN WHEN WAS TAKEN WAS TAKEN WHEN WAS TAKEN WAS TAKEN WHEN WAS TAKEN WHEN WAS TAKEN

व्यक्तीर्थ (**प्रका**ड अस्त्रियात शास त्यान अपने प्रकारिय कारावीर्थ कारावीर्थ

roughly county sturner their well outer medici server.

ਅਮੀਰੀ (ਅਰੁਮ ਅਰਹਿੰਸੀ ਤਾਰਜੀ ਅਸਤ (ਹਸਤ ਜਾਂਦਰ ਗਾਂਜੀਤ )

व्यवस्थितं (अराधा कार्यास्ति अराधांचे कार्यात् अस्तित साम्यव

martin (anno martin arrange many Garage array)

সংখ্যালয়ৰ সম্পন্ন প্ৰয়াৰ বিসাৰে পাই কৰা হ'ল বাহিছ

retail (estima versia versia seria família).

ज्यारीचे (क्याच ज्यारीर्त जानारीर पालाव निवासन ज्यारीन)

प्रभावत मात्र क्या हैनाइ बावाद गएक अव्याप बावान (भएना निर्दान

বাসলাপ স্পষ্ট প্ৰয়াণসত ভাসলেও ক্ৰডিবৰা ভাগীকৰে বৰভ

রাজানের পক্তে প্রমাণ আনা অসমণ (আপ্রাধ্যে অসমটি মধ্য)

ময়মগ্রাহণার বাংশরে মধ্যবিধনের প্রমাণ নেই (সাম্রাহন সমান)

जन्मते स्टब्स (वर्ति देशसम्बद्धाः वर्ति सम्बद्धाः साम

সুস্পর্র প্রথণ উপস্থিত করুক (কবিবাসের গোপন প্রোর্থ রাজ্য

अस्पति अधार विश्वविद्य कवाच मार्चि प्रभविकामव (वास्त्रणान्य शाक्र)

সম্পর্নী প্রয়োগরাল আরাব্যক পঠ করা হলে কাহিবর আন্য কাম কল

সম্পর্ট প্রয়াণ ও নির্দানসহ মুলাকে বিশ্ব'আইনের নিকট পঠতন

সুস্পর প্রমাণসহ পূর্ববর্তী রাসুদান এসেছিলে

নুস্পর প্রমাণসহ মুসা আ, ও হাজনতে প্রেকা

স্পষ্ট প্রমাণসহ আল্লাহ মুসাকে প্রেরণ করেছিলেন

স্পষ্ট প্রমাণসহ মসাকে প্রেরণ (ফির'আটনের নিকটা।

प्लंड क्षप्रांप (प्रमा चा "प्लंड क्षप्रांपानि निरम क्रामहितनन

न्त्रसे स्टार (विकास विकास न्यति अपना कांत्रिकार राष्ट्राचन अस् )

CC184		
স্থানবারণে প্রয়োজন বেখ করে না	৫৯-হাশৰ	
ইরাকুবের মনের প্রয়োজন পূরণ করেছিল ইয়াকুব	১২-ইউসুথ	
পূৰ্ণ করা (গবলি পত থেকে মানুষ প্ৰৱোধন পূৰ্ণ কৰে)	৪০-মূমিন	
লার বাঠি ছারা জন্মান্য হায়োজন মেটানো প্রসঙ্গ	২০- ড্লা-ঘ্য	
যাক্রন প্রয়োজন শেষ করার পর তার প্রীর সাথে দর্বির বিয়ে প্রদাস	৩৩-জাহ্মাৰ	
হরোচনা/প্রবোচিত		
মার্থীকে স্ত্রী প্ররোচনা নিয়েছে ইউসুক্তকে (সৈহিক মিদলে)	১২-ইউসুফ	
ইন্যুততে প্রয়োন নির্ফেশ কর্মিতে দ্রী (ইউসুফ অ. কম্প)	১২-ইউসুফ	
ইউনুক্তে প্ররোচনা নিরেছিশ (নারীধা)	১২-ইউসুফ	
ইউপুক্তকে প্রয়োচিত করেছে বলে আহীফের প্রীর স্বীকৃতি	১২-ইউসুফ	
ইউপুক্তে প্ররোচিত করণ (যার ঘরে দে হিল সেই দারী)	25-ইউইঞ	
ইবলিস প্ররেচিত করবে আদমের বংশধরকে	১৭-ইস্বা	
নাগতে প্রয়োলা লের অধীতের স্ত্রী গৈহিক মিশনে (দারীরা কাশ)	३२-इंडेजूफ	
পূপ কান্ধে প্ররেচিত করে যাকে ভার আন্ত্রসন্দর্শন	২-ধাকুরো	
প্রবৃত্ত প্রয়াচিত করল কলিয়াক ভার আই হলিয়াক হথা করতে	৫-মায়িদা	
নিক্ষে কে প্রয়োজি ল করে মুক্তিকারক লাগবিসর ল করতে	৫-মায়িদা	
বিষেধ যেন সীমাগৰুলে প্ৰয়েচিত না কৰে মুমিনাসকৰে	৫-মায়িদা	
মন হাজেতিত বহুতেই ভোনাসনকে ইয়াকুল আ, পুরসেনকে নদাসন	১২-ইউসুক	
দন প্ররোচিত করেছে ইউপুক্ষের ভাইদেরকে এমন কারে	১২-ইউবুফ	
রাসুল স, কে শরাভানের প্রয়োচনা প্রয়োচিত করলে,	৭-আ'রাফ	
শ্বভান প্ররোচনা দের (মানুহের মাঝে বিকেন সৃষ্টির)	১৭-ইস্বা	
শস্থভাদ প্ররোচিত করে ভাদেরকে, যারা শিহনে কিরে যার	৪৭-মুহাম্মদ	
শ্বরতান প্ররোচিত করলে আল্লাহর নিকট আশ্বর প্রার্থনা	৪১-যুস্সিল্ডে	
শ্বভান যাকে হড়বৃদ্ধি করে প্ররেচিত করে (পৃথিবীতে)	৬-জাগমাম	
শ্রকানের প্রবোচনা (ইউসুফ আ, ও জার ভাইদের মার্কে)	১২-ইউসুক	
পরতাবের প্ররোচনা থেকে আল্লাকুর দিকট আশ্রন্থ প্রার্থনা	৪১-কুস্দিশত	
পয়ভাবের প্রয়েচনা থেকে আল্লাহর নিকট আশ্রহ প্রার্থনা	৭-আ'রক	
ব্যবহানে প্রবাহন বেকে প্রতিপদক্ষে নিক্ট অনুধ প্রথন	২৩-মুমিন্ন	
সম্প্ৰদান্তক কে প্ৰৱেতি ৰ করে (শোষাইনে সংগ বিরেখ)	<b>33-वृत</b>	
প্রমিট্রকে তার মন প্রয়োভিত করেছি ল (বছুরের মূর্তি কৈরি প্রকল)	২০-জ্ব-হা	
স্পর্ন (শারনের প্রক্রেন স্পর্ণ করেছ মূরকী অপ্রায়ক স্কল করে)	१-वा दाव	
द्दशाञ्चा (चरी)		
প্রভাগর উদ্দেশ্যে মেকারন কথার মাধ্যমে শরাক্রন ধরী করে	৬-আশ্ আম	
বিভৰ্ক কৰেত ভন্নীপ্ৰয়েচিত কৰে শৱসান (মুমিদলের সামে বিকর্ত)	৬-আন্তাহ	
গ্ৰহত্ত		
বিভা বলা (আদ ও ছামুদ মহাগ্রলয়কে মিথা বলেছিল)	৬৯-হাৰাহ্	
শ্ৰদ্ৰ		
ব্যক্তির হুবরের গোক নারীর কোমলকণ্ঠে গ্রন্থর হয়	৩৩-অহ্যব	
রশংস <b>ী</b> য়		
বাস্তাহ প্রশংসনীয়	৬০-মুমতাহিলা	
षद्वार दगरमीत	৮৫-বৃক্তক	
স্বাস্তাহ (প্রশংসদীয় স্বাস্তাহর দিক্ট থেকে কুরমান স্ববর্তীর্ণ)	৪১-জুস্দিলাভ	
দ্বাপ্তাহ প্রশংসনীয় এবং ডিনিই অভিভাবত	৪২-প্রা	
বাস্তাহ প্রশংসধীয় ও সমুমাপেকী	৩৫-ফাভিব	

चाला अन्यानीय व चार्यान्ती (प्रमाद्य चवादमारा अन्य)

অপ্রা অভিপ্রকর্মন ও মামের্যনারন (ইনর্যায়সর প্রকর্ম

আলাত আমি প্রকাসমীয় ও অতুবাপেনী (মত করা প্রমন্ত)

এলার বাহি সাধানীর ও বাছবোদোরারাও পরিবির মাই বালাহা।

বাতাঃ ব্যবহাপতী ও বহিসক্তমীয়

वातार व्यवस्थानिक व्यक्ति स्वराज्यीर

चारात्र व्यक्तिसम्बद्धीय व स्वतंत्रस्य

আপ্রব অতি প্রকাশবীয় ও জনাবমক

প্রশংসনীয

erote (atted)

wifer police

siretwe

जन्मदे अक्रथ निया इसहन जा चानान नगरियान चा, सर्वत

39-**ग**्रम 33

800

989

may

493

4.95

66trS

920

৮৪৭

968

307 003

05-99804

१४-वेजनावीय

G7\*6-EEE

55-89 30

8.निज

২-বাকার

22-2706

Ab. Filts 33

---20 200

১৬-বাহৰ 22

9,507678

11.35200

A TOWN ROOM 303

934

An. 83 200

9-30 000 20 632

২-ব্যক্র 202 029

33.575

No Street 4.0

2,313731

66-87072

18,39033

Vo. Piters

80-माहिया

16-वेनवडीस

65-53

22-89

02-9064 20 585

20.2 200

৪৬-আহকাক 300

45-zifezte Abr

80 F St

2-310101 22

s.fort

660

36

-

		প্রশ	সেনীয়	검험			9
नंद दिश्यश्रीम	न्द्रा नर छ माय	2004	962	वय विवस/दारक	जुडा मर ७ मात	NAME OF	91
ল্লপ্সনীয় (পূৰ্ব পুৱা থেকে)	1	-		ভাগৰাসা (প্ৰথমিত হতে জানবালে, আহলে কিতাৰ প্ৰদয়)	৩-জালে ইমরদ		998
পথ (প্রশংসনীয় আল্লাহর পথে পরিচাগিত করে)	08-8181	0	787	স্থান (মাকামে মাহ্যাসে প্রকৃত্ত স্ব. কে অধিক্রিত করকে। প্রতিপুলক)	১৭-ইপরা	330	930
পথামতি প্রশাসনীয়ার পরা পরিবলিত হওয়ায় সংকর্মশীকরে জানুত)	22-07W	28	960	রপম্ভ		-	1.72
প্রতিশাসক মহাপ্রতাপশালী ও স্বতি প্রশংসদীয়	১৪-ইবরারীয়	3	6310	নোধ প্রশমিত হলে মূলার ফলক ভূলে নেয়া প্রদান	৭-আ'বাক	208	626
ENDRI .		i -	40.0	গ্ৰশন্ত (আরো দেখুন বিস্তৃত শদটি)	1 40 10 1	200	000
ख्यारत अनाता -विने स्वासन-मृथिती ও सराध्यपुरस्य अधिमानक	82-व्यक्तिया	95	209	অস্তাহর পৃথিবী প্রশক্ত (সংকর্মশীল মুম্বাকীলের জন্য)	৩৯-যুমার		692
वाह्यसंदे अनरमा देवकाम व नववाल	২৮-কাসাস	90	P28	ইসগামের জনা আল্লাহ বার বন্ধকে প্রশাস করে (নন	৩৯-বুমার ৩৯-বুমার	30	699
अञ्चारत (जनन क्षणाल अञ्चारत अधिकाल प्राप्त क्षीर क्षण म)	১৬-বাহল	90	905	কুমনীর জন্য বাক প্রশাসকারীর উপর আল্লাহর (১৯৭১)	১৬-মাহল ১৬-মাহল	100	
वाहादर (जरुम क्षेत्ररण वाहादर, जिल्लीन (मर्चामा क्षेत्रक)	३९-मामन	30	Por	পৃথিবী প্রশার (বিভারতভারীদের জন্য অন্তারের পৃথিবী প্রশান্ত)	8-9int		
আপ্তাহৰ (বিনি ৰাধাৰ প্ৰতি কিতাৰ অৰতীৰ্ণ করেছেন)	79-9266	7	938	পৃথিবী (আল্লাহর পৃথিবী প্রশন্ত, সূতবাং ভারই ইবাদত কর)		59	699
আল্লাহর প্রশাসা মিনি প্রতিপ্রতি সত্ত্যে পরিশত করেছেন		98	b99		২৯-আনকাবৃত	46	252
আপ্লাহর প্রশংসা থেন প্রাক্তরণত সভো থারণত করেছেন আপ্লাহর (অধিরাতে সকল প্রশংসা আপ্লাহর)	৩৯-বৃদার			নক প্রশাস করা (যার নককে সম্প্রাহ উললানের জলাপ্রশাস করে চলা) নক্ষ (রাসুলা স, এর নককে আরাহ প্রশাস করেছেন)	৬-আন্'আম	254	400
আল্লাহর (আবর্তাতে নকল লগনে আল্লাহর) আল্লাহরই সকল প্রশংসা (অধিকালে কাহিবে তা জানে না)	৩৪-সাবা	3	P-87		৯৪-ইন্শিরাত্	3	305
	৩১-পুকমান	56	149	বন্ধ প্ৰশন্ত করার জন্য প্রতিশাসকের কাছে মুসার পোয়া	২০-ড়া-হা	40	483
पञ्चादावे नवन अभाग (अव/प्राप्तक अनुव प्रवित मुख्याव नृत्राक्ष)	৩৯-যুমার	59	2.60	মু'মিনদের জন্য এশন্ত করে দিকেন আল্লাছ	৫৮-মুক্ষানালা	22	200
সাস্তাহরই প্রশংসা আকাশ ও পৃথিবীতে	৩০-রম	22	৮২৩	বিনিক প্রশন্ত করেন আল্লাহ	২৮-কাদাদ	14	275
মস্ক্রাহ্য প্রশংল করার নির্দেশ নুহকে (সৌকার আরোহনের পর)	২০-সু"মিপৃন	₹₩	१७१	ছান প্রশন্ত করার নির্দেশ মু'মিনাদের প্রতি (মন্ধলিলে)	৫৮-মুজাদালা	22	1000
সাল্লাহ্য প্রশংসা (কাল্লাতীদের শেষ বন্ধন্য)	১০-ইউনুস	20	990	ছান গ্ৰপত করার নির্দেশ মন্ধলিলে (মুনিলের প্রতি)	৫৮-মুজাদালা	22	240
अञ्चादत श्रानश्न (मार्केन फ. ७ जुनाविमानदव मर्थाना नान बनाम)	২৭-নামপ	75	1007	পৃথিবী (হিন্দরভকারীদের জন্য আল্লাহর পৃথিবী প্রশন্ত)	8-निमा	20	6.09
অপ্তাহন প্রশংল (বর্ণালে ইন্মাইমকে সভান দলের কারণে)	১৪-ইবরাহীম	92	656	লশন্তকা			
আল্লাহর প্রশংসা বিনি আকাশ ও পৃথিবী সৃষ্টি বরেছেন	৬-অন্'আম	2	699	ন্ধান্তের প্রশন্ততা আকাশ ও পৃথিবীর প্রশন্তভার মত	৫৭-হাদীদ	33	260
অল্লাহর প্রদংসা যিনি আকাশ-পৃথিবীর সৃষ্টিকর্তা	৩৫-ফাডির	3	¥86	জান্নতের প্রণজতা (মাকাশসমূহ ও পথিবীর সমান)	৩-আলে ইমবান	200	487
আল্লাহর প্রশংসা বিনি নুঃখ দূর করেছেন (ন্ধান্নাভীরা বলবে)	৩৫-ফাভির	48	V83	জন ও দেবে প্রশাসনা বাছিয়ে নিয়েছেন আপ্রায় ভালাকক	২-বাকারা	289	237
অল্লাহ্য প্রশংসা (যদি সবল বিষয়ে কমন্তাবন, রঞ্জতু ভারই)	৬৪-ভাগারুদ	2	रेस्ट	দেহাকৃতির প্রশক্তম থড়িয়ে দিয়েছেন অক্সাহ আদ জাতির	৭-আবাক	68	625
অল্পাহর ভাবে লাড্রা দেরা, প্রশংলার লাখে (কিরামত প্রদাস)	১৭-ইস্বা	45	425	8478		-	-
অল্লাহর জন্য নক্ষে গ্রাপনো (খিন জ্যাতনপুহের প্রতিপালত)	৬-আন'আম	82	600	আত্মা ('প্ৰশান আত্ম' বলে বিয়ামতে অপ্সাহর আহ্যান)	৮৯-কাছ্য	29	2055
অন্তাহর মদ্য নকদ প্রথহনা	৭-আ'রাক	80	939	ইনরহামের ভ্রমকে এশস্ত কর(মৃততে পুনর্মীতত করা এমস)	২-বাকারা	200	607
वाहादर क्षमा गराम शंपरमा	১৭-ইপরা	222	920	দিয়ানে প্রশান্ত জনত কথা হয়ে কুকরী করকে শান্তি নেই	১৬-নাহল	909	
আল্লাহর জন্য দকল প্রশংসা যিনি জগতনমূহের প্রতিপালক	১-ফারিব্য	3	805	কল্যাণ আসলে প্রশাস্ত হয়(বিধার সাথে ইবালাভকারী প্রসঙ্গ)	২২-হাজ	32	90%
অস্ত্রাহর জন লবল প্রশালে (বৃত্তিবর্ত্তন ও কুমি জাবিত প্রশাস)	২৯-জানকাবৃত	40	25.5	বক প্রশান্ত করবেদ অপ্তাহ হয়িদদের	৯-ভারবা	28	987
অপ্তাহর জন্য সবল প্রাপনে (যিন জ্যাবসমূহের প্রতিপালক)	৩৯-বুমার	92	499	क्षमध द्याव करात करा (प्रत्मवाद भारता (पार्था	৩-জালে ইম্বান	249	682
আল্লাহর জনাই সকল প্রশংসা বিনি জগতসমূহের প্রতিপাসক	৪০-মুমিন	5/2	544	क्ला-शन्त प्रत व्यवस्थात (जन्म एएक वर्गार्य सम्बद्ध	०-मामिना	770	280 288
আল্লাহর জন্মই সব প্রশংসা বিনি ঋগতসমূহের প্রতিশাসত	৩৭-নাক্কাত	35-5	5-50	হুদর প্রশান্ত হয় অস্ত্রাহর অবগে (ধুমিনদের হুদর)	১৩-রাদ	330	660
আপ্রারর জন্মই সমস্ত প্রশংসা	৫৪-সাবা	3	484	क्ल (स्थान अनाह क्ल वर्ष रहा क्यों करता महि (से)	১৬-মাহল	700	425
আল্লাহর প্রশংসালহ পবিক্রন্ত ঘোষণা করেন ফেরেশভারা	५-राकृत्वा		809	প্রশান্তি (ভারো বেশুন শান্তি শক্তি)	30-1141	100	434
(আনম আ, সৃষ্টি প্রসঙ্গ)		00		অন্তর্ভা (আটো বৈশ্বন নাম নকাচ) অনত্ত্বি (প্রশাস্তি অবত্তীর্থ করেন জাল্লার রাস্তুল সং এর	1 700 400	_	
আল্লাহর প্রশংলালহ পরিব্রতা ঘোষণা করে না এমনকিছু দেই	১৭-ইসরা	88	223	विश्वत (द्याराक व्यवस्था प्रदेश वाल्यार संस्था न. यद विश्वत (देशांत अंत्रत्र)	৯-ছাঙ্বা	80	688
আপ্তাহর প্রশংসালহ পরিষ্কার বর্ণনা করে বক্সের গর্মন	১০-রাম	30	699	ভগর, (হল্পরত এগল) বাইয়াত গ্রহণকারীকের এটি প্রশান্তি অবস্তীর্ণ করেন আল্লাহ	81-9765		
আল্লাহর প্রশংসালয় পরিয়য়া বর্ণনা নির্দেশ	২৫-ছবতান	24	10rb	বহিনদের মুদ্দার্থারের ব্যক্ত বাদার অবরুণ করেন আল্লাহ	8४-वर्गस्य 8४-वर्गस्य	22	974
আপ্রাহর (সরল প্রশংসা আপ্রাহর)	২৭-মামল	69	bo8	ক্রমার প্রথম অবস্থিত কর্মান করেন আল্লাহ ক্রমার প্রথমিক অবস্থিত কর্মান আল্লাহ মুদ্রিনাচন উপর, চনাইনে)	P-MAN	8	979
দ্বাইন্/পুলাইমান তা, কাইন অস্তাহন প্ৰশালে (মৰ্থানা দান কৰায়)	২৭-নামণ	26	po)	কৰকৰ (প্ৰশাস্ত কৰকৰ কালেৰ বাছাত মুন্নবালৰ কৰা, চুনাহলে) অন্তৰ্যম প্ৰশাস্ত কৰকীৰ্থ কৰকেৰ (ৰানুধ্য স. ও মুন্নিন্তুনৰ কৰা)		20	482
প্রতিশালকের প্রশংসাগর পরিব্রতা থোষণা (আরাভ ব্যন্ত,)	०३-शक्ता	26	300		৪৮-ফাড্ছ	46	972
প্রতিশাদকের প্রশংসা করছে কেরেশতা (আবলের চারপালে)	৩৬-বুমার	90	499	আপ্রারে পক্ষ থেকে প্রশাস্থি বঙ্গপ মুখিলনেকক তল্পাছন্ত্র	৮-খানকাগ	22	900
প্রতিপালকের প্রশাসেক পথিকের থোকার নির্চাল(বাসুল স. (৪)	২০-ছা-হা	300	183	জোড়াব (বীর) নিতট প্রশান্তি পাবে মানুদ	90-92	47	450
প্রতিপালকের প্রশংসাসহ পরিপ্রতা ঘোষণা করে ক্ষেত্রেশভারা	84-991	200	100	তপ্ররণ প্রশারি অরতীর্ণ করতেন (র্দ্ধনানে উপব,উবল মুছে)	৩-জালে ইমরান	268	660
प्रविभागतान्य प्रभागम् भविद्यस्य (प्राक्षात्र निर्द्रान् (क्षात्रम् म् (क्ष)	20-सिम -	40	348	গোয়া (রাস্থ স. এর লোয়া প্রশান্তিনায়ক)	৯-ভারবা	200	962
প্রতিপালকের প্রশংসার সাথে পবিপ্রতা মোহণা	65-84	81/	200	নিন্দুকে প্রশাস্তি রয়েছে (প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে)	২-ৰাকারা	287	659
প্রতিপালকের প্রশংসাকর পথিকের ঘোষণার নির্দেশ	25-lossa 25-lossa			স্ত্রী/খামী/জোড়া থেকে প্রশান্তি লাভ (আনম-হাওরা প্রসম)	৭-আ'রাক	200	900
विकासका वनलानर गायका सामा सामा विकासका वनलानर भवता सामा (मारप/बेसर तहा)	250-Mas	99.	१०२	হৃপত্রের প্রশান্তির জন্য সাহায়ের নৃসংবাদ (বদরবুছে)	৮-মানকাল	20	905
वाकामात्रका वानामान्य भववात एवामा (मादवा, मासा वाका) अविभागात्रका अभागामान्य भविवास गर्नामा मिर्जन (सामृत म. (त)	৪০-মুখ্যিন ৪০-মুখ্য	9	2002	ফ্লয় এগান্তি লাভ করে (আল্লাহর স্মরণে)	১৩-রা'দ	રુષ્ટ	992
প্রভাগতের প্রশংসানহ পথরতা কলার লগেশ (বাল্ল ল. তে) প্রতিশালকের (প্রতিশালকের প্রশংসামহ পথিরতা ঘোষণা)		46	22.5	বহু (থারো দেখুন জিজানা দৰ্ঘট)			
	৪০-মুখিন	٩	545	অপরাধীদেরকে এপ্ল করা হবে না (অপরাধ সম্পর্কে)	২৮-কাসাস	વક	475
প্রশংসাকারী		_		আপ্লাহকে ভার কাঞ্জ সম্পর্কে প্রশ্ন করা হবে না	২১-আধিরা	₹0	103
মুমিনরা প্রশংসাকারী	৯-ডাধবা	225	965	ঈমানদারেদের জন্য এপ্ল করা নিষেধ (এমন বিষয়ে যা)	१-मदिना	303	690
প্রশংসাযোগ্য				কিয়ামতের দিন কথন হবে সে সম্পর্কে মানুহ প্রপ্ন করে	৭৫-বিস্নামার	8	200
রচেন্টা (অধিরাতের জন্য মুমিনদের প্রচেষ্টা প্রশংসাবোগ্য)	১৭-ইল্রা	25	276	কৃত্তকর্ম সম্পর্কে মানুদকে প্রশ্ন করা হবে	১৬-মাঙ্গ	30	933
রডেরা রশংসাযোগ্য (সান্নাতীদের প্রসদ)	৭৮-দাব্র	22	294	বিভিন্নতে প্ৰপ্ৰ কৰতে পাহতে লা (ভাতে অনুসাধ কৰতে হুগা)	79-4000	90	900
প্রশংসিত				বিভিন্নত মূলামা, প্ৰশ্ৰ কৰলে , মূলত মাপতি ভাৰতে না সমী না কৰলে	77-9166	36	903

· 1000000 - 1000000000000000000000000000	नुबा महाच गाउँ	100	200	RIGHT	नुवा नर च नाम	4847	Mail
श्रम् (नृत नृते (शरक)				শান্তির প্রস্তাব না দিলে আক্রমণকারী মূলাফিকদের বিসচে	8-निमा	97	699
व्यक्तिम स अक्टान्सरस्वरत्व अञ्च कता बहुत (स्वस्त्राहम (नवात नप्रत)	৩৭-সাক্ষাত	48	৮৫৮	গ্রন্থত (আধ্যে দেখুন তৈরি শব্দটি)			
স্কুলবারনাইন সম্পর্কে (রাসুল স. কে)	১৮-কাহক	৮৩	903	আঙ্ন প্ৰস্তুত হাখা হয়েছে (কাফিবদের জন্য)	৩-আলে ইমরান	202	286
সেই শান্তি সম্পর্কে যা সংখচিত হলে	৭০-মা জাবিদ্ধ	3	29.7	আচন একত করেছেন অপ্তাহ (কাপিমদের জন্য)	১৮-কাইক	22	926
প্রতিপালত অবশাই প্রপ্ন করবেন (কাফিবনের সকলকে)	३१-दिका	34	903	আঙ্ল প্রস্তুত (কফিয়নের ধল্য)	২-বাকারা	28	¢08
প্রতিক্রতি সম্পর্কে রামু করা হবে, বিদ্যাহত	১৭-ইপুর	08	229	আচন (স্থপত আচন প্রস্তুত রাখা হরেছে কবিবাদের জন্য)	৪৮-জাতহ	20	323
ৰদী ইসৱস্থিত প্ৰপ্ল করা (ফিরজাউন ও মুসার সম্পর্কে)	১৭-ইপরা	303	130	জাচন (কমিয়ানর লান্য অস্তার স্থাপত অসম এক্সত ওাবেছেন)	००-सहरार	68	bron.
মানুক্তি তার কাজ সম্পর্কে গ্রন্থ করা হবে বানা ব্যৱস্থানতে গ্রন্থ করা (ব্যৱস্থানত বৃদ্ধার না নাডে)	२३-वर्षा	30	903	অঞ্চল (জনুতক্ষের জন্ম শিক্স, বেট্নি ও আন্তল গ্রন্থার নামবিয়ারে)	৭৬-পাছর	8	bad
হিলা ক্লান সম্পৰ্কে অধিক্ৰকে বিশ্বাহতে প্ৰস্তু কৰা বৰে	২৯-জননবৃত		723	আমসলামা প্রস্তুত (সঙ্গী কেরেশতা বশবে বিরামতে)	eo-मृत्य	২৩	250
মিখ্যা রচনা সম্পর্কে ভ্রমক্তিকের অবশ্যই প্রস্ন করা ব্যব	১৬-নাহল	26	909	অপ্তাহ প্রস্তুত ব্যৱহেন কঠিন শক্তি (হুনফিকনের জন্য)	१५-मुझानाना	34	260
	১-বাধ্য			আসন (নারীসের জন্ম আসন প্রস্তুত করস, আবাদের প্রী)	১২-ইউসুক	0)	998
पुनविकासारक क्रियाना काइन करूद- कामा कनर्रक कर्य थ		62	686		৩৩-আহ্ঘৰ		
মুশরিকদের মিখ্যা রচনা সম্পর্কে অবশ্যই প্রপ্ন করা হবে	১৬-নাহ্গ	<b>৫</b> ৬	909	কফিবনের জন্য অপ্রাহ কুলড় অধন প্রস্তুত রেগেছেন		68	pok
মূলকে মেতাৰে প্ৰশ্ন করা ছয়েছিল লেকাবে রাসুল সং কে প্ৰশ্ন	২-বাকুরা	30%	625	কমা ও মহামতিবান আল্লাহ শ্ৰন্ত রেখেছেন যাবেং জন্য	৩৩-জাহণাৰ	96	200
ল্লস্ব স. তে প্রশ্ন (মহ সম্পর্কে)	১৭-ইপ্র	74	457	ৰাহান্ত্ৰম গ্ৰন্থক (অভ্নাহ সম্পৰ্কে মন্দ ধৰণাকারীদের জন্য)	8५-ए/व्ह	8	956
রসুল স, বে বিরামত সম্পর্কে হল্লে করা বেল ভিলি এর জ্ঞান রামেনা	৭-জা'ৱাক	72.4	600	ক্ষাহারান (এরত য়েখেছন আরাহ, কফিবদের কন্য)	১৮-ভার্ক	205	300
হাস্প স. এর কাছে প্রপ্ন করা(মৃসার নিকট প্রপ্ন করার মত)	২-বাকুারা	704	625	দ্বাপ্রাত গ্রন্থক করেছেন আপ্রাহ (মুহান্দির ও জনসার ও)	৯-তাওয়	200	900
সম্প্রদার (পূর্বে এক নশপ্রনার প্রশ্ন করেছিল)	৫-মঞ্জিদ	205	690	ছন্ত্রার প্রস্তুত অনুমান অক্সার (রানুল স. ও ঈরানসরসের জন্য)	৯-ভাওত্ত	44	683
প্রপুকারী				सञ्चार शक्षारं तार श्रावार (स्थाना सन् यहा नैमान ४१/यह)	৫৭-হাদীদ	રડ	260
निवर्णन बहुबहु शुरुपतिहान बान दिनुष था. ७ संद रावेहना चीनाह	32- <b>3</b> 970	3	955	জন্নার প্রস্তুত রাখা হরেছে মুন্তাকীদের জন্য	৩-জ্ঞাল ইমরান	200	685
এপ্র করদ প্রপ্লকারী (সেই শান্তি সম্পর্কে বা সংঘটিক হবে)	৭০-মা'বাবিদ	3	342	কুলর অঞ্চন প্রকৃত হেখেছেল অক্সাহ বিয়াহত অধীকারবারীর ঋণ্য	২৫-ফুরকান	77	900
সৃষ্টিভয় উপস্থাপন করছেন আল্লাহ প্রপ্লকারীদের জন্য	৪১-কুন্সিলাভ	30	3776	পর্যক্রেক (মনুহার কর সংক্রেমের জন একজন পর্যক্ষেক প্রস্তুত)	৫০-কৃষ্	39.	356
প্ৰশ্বাস (ধ্বনি)		-	-	পানপাত্ৰসমূহ প্ৰস্তুত থাকৰে জান্তাতে	৮৮-গাশিরাহ্	78	2023
অখ্যান (জান) স্বায়ানের প্রথম (স্বান) করে পরে (সাহারানে নিক্ষিতা)	৬৭-মুদ্র	9	392	र्जातमन् जनवर्षभक्षत्रात्मत्र सन्द्र च्याचार क्रीतमन श्वाप करवारम्)	७७-वाहपन	43	brad
WAS STATE (SEE) OF D. (SEEDING SEEDING	O In William	÷	10.0	বেড়ি ( অক্তরেজা জন্য শিকশ, বেড়ি ও আছন প্রস্তুত -অস্থিয়তে)	৭৬-পাছর	8	334
		-		মুসাকে আল্লাহ নিজের জন্য প্রস্তুত করা প্রসঙ্গ	২০-ড়া ব্য	85	380
ইমরাদের স্ত্রী প্রসন করল কন্যালন্তান	৩-জলে ইন্যান		609	যন্ত্ৰণামানত পান্তি প্ৰস্তুত (মথ্যকাঞ্চনারী/কাফিরের কণ্য)	8-निम	35	00%
কটোর পারে সম্ভান প্রস্থ করেন সন্তানের মা	৪৬-আবৃকাক	36	909	যন্ত্রণানারত শান্তি করিবলের জন্য প্রস্তুত রাখা আছে	৩৩-আহ্বাব	br	trac
ত্তালাকপ্রাক্তার জন্য গঠছ সন্তান প্রস্ব করা পর্যন্ত ব্যয়	৬৫-ডাপাক	0	969	বিভিন্ন প্ৰস্কৃত কল্লেছন আপ্ৰাহ (আপ্ৰাহৰ জনুপতদেৰ স্কন্য)	৩৩-আহ্বাব	92	bros
দারীর প্রদান আল্লাহর অন্ধাতদারে হর না	৩৫-ফাভির	22	784	শ্বক্ষাব্যক্ত পরি কমিরে জন্ম প্রস্তুর ক্রমন্থ ক্রমন্থ ক্রমন্থ	8-निमा	09	495
মারইছমকে প্রদাব করল কংল ইমরানের ব্রী	৩-জনে ইনরন		600	পঞ্জি প্রস্তুত করার নির্দেশ মুখ্যিনদেরকে, সাধ্যয়ত	৮-জানকাল	60	606
সন্তান প্ৰদৰ পৰ্যন্ত গৰ্ভবাতীৰ ইম্বত	৬৫-রাশাক	8	366	পরি (অপ্রাথ-রচুল স্ (০ এটনাতার জন্য লক্ষুন্তনাত্রত পরি প্রতে)	৩৩-আহ্বাব	09	000
প্রস্ব-বেদনা			ш	পাতি (কুলার আহনের পাতি প্রকৃত রাখা হয়েছে, শতাকান্যাত জন্য)	७९-प्रमुक	2	393
মারইরামকে প্রসব-বেদনা খেজুর গাছের কাছে নিয়ে গেল	১৯-মারইরাম	20	900	শারি (অনুনার্কার জন্ম আপ্রাহ কলৈ শারি প্রেক্ত করেলে)	৬৫-ভালাক	30	365
প্রসারিত (আরো দেবুন সম্প্রসারিত শব্দটি)				পরি (অনুম জনিমনের কর আশানকক পরি প্রান্ত তেখেলে)	৭৯-পাহর	93	355
ক্রথ প্রদায়িত ল করা দির্লেশ্, রানুল স. তে (জেলানামীপ্রয়োর প্রতি)	२०-वर-श	707	985	শান্তি প্রস্তুত (ইন্সেক্তরতারে মুখিনকে হতাকারীর স্বন্য)	8-SPH	300	299
দুটোৰ (রাসুদ্দ স, এর দুটোৰ প্রসারিত করা নিবেধ	১৫-হিমার	55	902	শান্তি প্ৰস্কৃত (ব্যক্তিকাৰ জন্ম লাষ্ট্ৰনালক শান্তি প্ৰস্কৃত)	8-PP1	205	290
কাভিবলের জোগানাম্বরীর বন্ধি)		92	1		8-निमा 8-निमा		
পা দু'টি বহার্যার প্রদারিত (আসহাবে কাহালের কুকুরের)	১৮-কাৰ্ক	35	132	শান্তি প্রস্তুত (কাফিরদের কন্য যন্ত্রণাদারক শান্তি প্রস্তুত)		792	299
রিহিক প্রদারিত করেন আল্লাছ বালে ইঞ্জ	००-वय	09	748	শান্তি প্রস্তুত (কাফিরনের জন্য লাস্থ্যনানরক শান্তি প্রস্তুত)	8-शिश	>52	298
							900
বিভিন্ন প্ৰমায়ত কৰেন প্ৰতিপালক (যাৰ কলা ইজা)	৩৪-সাবা			শান্তি প্রস্তুত হেপেইন আল্লাহ দ্বালিমদের মণ্ড	२१-क्ष्मान	৩৭	
ব্ৰিহিক প্ৰসায়ত কৰেন প্ৰতিপালক (যাৰ জন্য ইছে) বিভিন্ন (জালাচ যাকে ইছৰ বিভিন্ন প্ৰসায়িত কৰে দেব।	৩৪-সাবা ২৯-জনকাবত	65	788	শক্তি (ফ্রেশনের শক্তি প্রস্তুত, অভিনতে অভিনতির স্বত্য)	১৭-ইপুরা	30	934
ব্ৰিহত (অপ্তাহ যাকে ইচ্ছা বিধিক প্ৰসাৰিত কয়ে দেশ)	২৯-জানকাবৃত	09 64	F67)	শারি (আশানাক শারি প্রস্তুত, অধিবতে অধ্যাসীনের মধ্য) শিক্ষা ( অনুষ্ঠানের মন্য শিক্ষা, বেড়ি ও আছন প্রস্তুত প্রাধিকতে)	১৭-ইস্রা ৭৬-সাহ্ত	30	2000
প্লিবিক (অল্লাহ যাকে ইচ্ছা বিধিক প্রদায়িক করে দেশ) প্লিকিপ্রসারিক/পরিমাশ করে মধ্যে মুম্যার করা নির্দাদ আছে	২৯-আনকাবৃত ৩৯-যুমার	09 64 64	588 545 545	শক্তি (ফ্রেশনের শক্তি প্রস্তুত, অভিনতে অভিনতির স্বত্য)	১৭-ইপুরা	30	934 934
প্লিক্টক (অন্তাহ যাকে ইয়াই বিধিক এসাজিত করে দেন) প্লিক্টক প্রদারিক প্রথমণ করে মধ্যে মুন্দিয়া কর দিবনি আছে প্লিক্টক প্রসাধিক করকে বাদারা পৃথিবীকে বায়াবাড়ি করত	২৯-আনকাবৃত ৩৯-বুমার ৪২-পুরা	09 04 64 49	284 264 264 284	পরি (অলানকে পরি এমত, অধিবাতে অধ্যানীতে হণ্ড) দিবল (অভূতক্তের মন্য দিবল, বেড়ি ও আধা এমত - অধিবাতে) সাধানমত প্রতিদান আপ্রাহ মুনিন্দের মন্য ব্যক্তি (ব্যবহেন সম্বাদ্ধ প্রাত করত, ক্ষে হত্তার ইয়া করতে (অনুকার এসত	১৭-ইস্রা ৭৬-সাহ্ত	30	2000
প্রিকৈ (অগ্নাহ যাকে ইচ্ছে বিধিক প্রসাধিত করে দেশ) প্রিকৈ প্রসারিত পরিমাণ করর মধ্যে মুম্যায় কল দিশনি আছে প্রিকিত প্রসারিত করলে বালারা পৃথিবীতে বায়াবড়ি করত প্রিকিত প্রসারিত ও পরিমাণ করে দেশ প্রতিশালক	২৯-আনকাবৃত ৩৯-মুমার ৪২-পুরা ১৭-উপুরা	03 03 63 31 00	988 645 646 680 136	পান্তি (যালানাকে পত্তি প্ৰস্তুত, অধিকতে অধ্যানীদের কণ্ড) শিকা ( অকৃতক্ষেত্ৰ কন্ত শিক্ষ, খেড়ি ও অকন প্ৰস্তুত -অধিকতে) সম্মানাক প্ৰতিনাম অস্ত্ৰাহ বু'মিনদের কণ্ড প্ৰস্তুত হেখেছেন	১৭-ইপরা ৭৬-গাহর ৩৩-আহ্বাব	30 8 88	P/2/4
প্রিবিক (অব্লাহ যাকে ইচ্ছা বিধিক প্রসাধিত করে দেশ) প্রিবিক প্রসাধিত পরির স্থান করে মাত্র দ্বিন্দাক করে। প্রিবিক প্রসাধিত করলে কালারা পৃথিবিকে কালারিক করত। প্রিবিক প্রসাধিত করে পরিরাশ করে দেশ প্রতিশাকক। প্রিবিক প্রসাধিত করে দেশ প্রতিশাকক ব্যবিক প্রসাধিত করে দেশ প্রতিশাকক বিশ্বিক প্রসাধিত করে দেশ প্রত্যাধিত করে দেশ দিলাক করে দেশ দিলাক করে দেশ দিলাক বিশ্বিক স্থাবিক বিশ্বিক স্থাবিক দিলাক করে দেশ দিলাক বিশ্বিক স্থাবিক স্থাবিক দিলাক বিশ্বিক স্থাবিক স্থা	২৯-জনকাবৃত ৩৯-মুনার ৪২-পুরা ১৭-ইস্বা ৩৪-সাবা	09 93 43 33 60	588 542 546 580 126 588	শান্তি (যোগানতে শান্তি গ্ৰন্থত, আন্তরতে অবৈধানীনের ফণ্ড) দিকাল (অনুভারে জন) দিকল, থেড়িও আননা প্রাকৃত প্রতিবাধন সংখ্যালয়ত প্রতিবাদ আল্লাহ বুনিনাকের জন্য প্রস্তুত বেংগথেকা সংস্কৃতি প্র্যাপত করত, থের হংগ্রাম ইয়ার করতে (উত্পুকর্তুক বলস)	১৭-ইপরা ৭৬-গাহর ৩৩-আহ্বাব	30 8 88	P/2/4
মিন্টিক (সন্ত্ৰোহ খালে ইক্ষা নিন্টিক এসান্ত্ৰিক কৰে সেন) ক্ৰিকি প্ৰচাৰিক/ভিনাশ কৰা মাত দ্বানিক কৰা কৰিব কৰা ক্ৰিকি প্ৰচাৰিক কৰা কৰা কৰা ক্ৰিকিট ক্ৰায়াৰ্থিক ক্ৰায়াৰ্থিক ক্ৰায়াৰ্থিক ক্ৰায়্ব্ৰাৰ্থিক ক্ৰায়াৰ্থ্যক কৰা ক্ৰিকিচ প্ৰসাৰিক ক পৰিবাদ বাবে গেল প্ৰতিশাসক ক্ৰিকিচ প্ৰসাৰিক কৰা সোৰ বিশাসক (খাকে ইক্ষা) বিশিক প্ৰসাৰিক কৰে সেন বহিলাসক	২৯-আনবার্ত ৩৯-মুনার ৪২-পুরা ১গ-ইপুরা ৩৪-সাবা ২-বাঞ্চারা	03 03 23 23 00 05 282	588 545 540 550 136 588 645	পান্ন হেলেন্ডানে পান্ন প্রকাশ করে অধিবারে কার্যান্তর্গনে কার্যা দিকা ( কুল্ডানের মান দিকা, থেট্ড ও উল্লেখনে অধিবারে) সাংলালক প্রতিবাদ আন্তার বৃদ্ধিনাত্তর জন্য একত রেখেনেন সঞ্জাল প্রতিবাদ আন্তার ইয়ার করেল (কার্যানুর এবাস) প্রস্তৃতি ধারার্যাক প্রবাদিন অন্যাদ্যা না করে নদীর মারে প্রবেশ নিবেশ	১৭-ইস্রা ৭৮-সাহর ৩৩-আহ্বাব ৯-আওবা	30 8 88 86	984 984
মিন্তিক (সান্ত্ৰাহ বাচৰ ইছাৰ বিধিক বাসাধিক কৰে সেপ) ইনিক প্ৰচাৰিক্সপ্ৰিয়াল কৰাৰ আনুষ্ঠান কৰা কিপালিক আছে বিধিক প্ৰচাৰিক কৰে লাখানা পৃথিকীয়াল কৰাৰ কৰাৰ কিবিক প্ৰচাৰিক কৰে সোন বাহিলাক (বাহেলা ইছাৰ) বিধিক প্ৰচাৰিক কৰে সোন বাহিলাক (বাহেলা ইছাৰ) বিধিক প্ৰচাৰিক কৰে সোন কৰাৰ বিধিক প্ৰচাৰিক কৰে সান্ত্ৰাহ	২৯-জনবার্ত ৩৯-মুনার ৪২-পুরা ১গ-ইপুরা ৩৪-সাবা ২-বাঞ্চারা ১৩-রাপি	05 02 02 23 00 05 280 26	588 545 540 550 550 588 645 683	শান্ত (আগনাকৰ শান্ত আৰু, আগনাকে অপ্ৰদানিক চণ্ড) শিক্ষা( নাক্তাজন জন শিক্ষা, কেই ভাজনা প্ৰাপ্ত নাৰ্কিতাক) শান্ত নাৰ্কিতাক জন শিক্ষা, কেই ভাজনা প্ৰাপ্ত কৰে কেইবাৰে সক্ষাৰ প্ৰান্ত কৰাৰ, কেই বছালাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ আছি শান্তিক প্ৰাপ্ত কৰাৰ শান্তিক প্ৰাপ্ত কৰাৰ শান্তিক প্ৰাপ্ত কৰাৰ শান্তিক প্ৰাণ্ড কৰাৰ শান্ত ক	১৭-ইপুরা ৭৬-সাহর ৩৩-আহ্বাব ৯-ভাওবা	30 8 88 86 96	1000 1000 1000 1000
বিভিত্ত হোৱাই বাচন ইছাৰ বিভিত্ত এলাগাঁও কৰে লোগ উচ্চিত এলাইবালুনিয়াল কৰা মাত্ৰ মুখ্যিমন কৰা দিনলি আৰু বিভিত্ত এলাইবালুনিয়াল কৰা মাত্ৰ মুখ্যিমন বালুবাল্লি কৰে বিভিত্ত এলাইবাল কৰা পৰিমাণ কৰে লোগ প্ৰক্ৰিপালক বিভিত্ত এলাইবাল কৰে লোগাঁকিবালক (খালে ইছাম) বিভিত্ত এলাইবাল কৰে লোগাঁকিবালক (খালে ইছাম) বিভিত্ত এলাইবাল কৰে লোগাঁকিবালিয়ালৈয়া বিভিত্ত এলাইবালিয়ালৈ বিভিত্ত এলাইবালিয়ালৈয়া বিভালিয়ালৈয়া বিভিত্ত এলাইবালিয়ালৈয়া বিভিত্ত এলাইবালিয়ালৈয়া বিভ্তা কৰা কৰা কৰিব বিভিত্ত এলাইবালিয়ালৈয়া বিভালিয়ালৈয়া বিভালিয়া বিভালিয়ালৈয়া বিভালিয়া বিভালিয়া বিভালিয়ালৈয়া বিভালিয়া বিভালিয়ালৈয়া বিভালিয়া বিভালিয়া বিভালিয়া বিভাল	২৯-জনবার্ত ৩৯-মুনার ৪২-পুরা ১৫-ইপুরা ৩৪-সাবা ২-বাঞ্চারা ১৩-রাপ ৪২-পুরা	05 04 24 25 00 05 282 26	884 697 698 646 646 646 888	শার্থা ব্যোলাকার পরি প্রকার কর্মবারিকে অধ্যানীকের জাপুন শিক্ষা ( করুরারে ফার্লা শিক্ষা, কেন্টু ও ফাল্ডা প্রের্জন - মার্থিকারে স্থানাকার প্রতিবাদনা অনুরাম মূলিবারে জালা প্রাক্ত ক্রেমেরার সম্প্রকার করেব, থার মুখ্যার ইক্সা লক্ষ্য ( উল্লেখ্যার এলাগ প্রার্থাত ব্যাহার প্রকারিক অন্যান্ধা না করে নার্বির মারে বাবেশ স্থানার প্রস্তান ক্রেরার অন্যান্ধা না করে নার্বির মারে বাবেশ স্থানার প্রস্তানার থাকে প্রস্তান করার পর আন্তারকে শ্রাহার,	১৭-ইপুরা ৭৬-সাহর ৩৩-আহ্বাব ৯-ভাওবা ৩৩-আহ্বাব	8 88 86 90	PO4 984 PO4
বিধিকে (মানুনা খাকে হাছা বিধিক প্রশানিক করে দেশ। বিধিক প্রদানিক করে আন্তর্ভা বুলিক করিবলৈ বিধিক প্রদানিক করে কালার প্রতিবিধিক আনুনার্থার করেবলি বিধিক প্রদানিক করেবলি বিধিক প্রদানিক বা পরিবাদনা করে দেশ বিধিকক বিধিক প্রশানিক বা পরিবাদনা করে দেশ বিধিকক বিধিক প্রশানিক বাবে দেশ আনুনার্থার বিধিক প্রশানিক বাবে দেশ আনুনার্থার বিধিক প্রশানিক বাবে দেশ আনুনার্থার বিধিক করাকিব করেবল আনুনার্থার বিধিকক বাবিক বাবেল আনুনার্থার বিধিকক বাবিক বাবেল আনুনার্থার বিধিকক বাবিক বাবেল আনুনার্থার বাবেল বিধাকক বাবিক বাবেল আনুনার্থার বাবেল বিধাকক বাবিক বাবেল আনুনার্থার বাবেল বিধাকক বাবেল বাবিকক বাবিকক বাবিকক বাবেল বিধাকক বাবিকক বা	২৯-জনবার্ত ৩৯-মুনার ৪২-পুরা ১৭-ইস্রা ৩৪-সাবা ২-বার্কারা ১০-রা'দ ৪২-পুরা ৬০-মুমতাহিনা	09 92 23 29 90 90 28 29 25 24	988 542 540 420 420 588 645 682 584 584	পান্ধী যোগকাল পান্ধি প্ৰক্ৰান্ত পৰিবাহিতে কথা সিক্তা বুলায়েকা দলৈ প্ৰেট্ট কথা কৰা প্ৰক্ৰিয়েকা প্ৰতিয়াকা সংক্ৰান্ত প্ৰতিবাদ সামূহৰ হুমিনামাৰ কৰা প্ৰায়ৰ প্ৰেয়াকা প্ৰকাশ প্ৰায়ৰ কথা, যে হাজাৰ ইন্দ্ৰ মান্ধ্যা বিশ্ব কথা কথাকা প্ৰায়ৰ কথা, যে হাজাৰ ইন্দ্ৰ মান্ধ্যা মান্ধ্যা কথা কথাকা প্ৰভাৱত স্কল্প ল' কথাকি মান্ধ্য প্ৰায়ণ প্ৰস্তুত্ব প্ৰক্ৰান্ত প্ৰত্যা কথাকা কথাকা প্ৰস্তুত্বান্ত কথাকা কথাকা প্ৰস্তুত্বান্ত প্ৰকাশ প্ৰত্যাহ বুলা কথাকা প্ৰস্তুত্বান্ত	১৭-ইপুরা ৭৬-সাহর ৩৩-আহ্বাব ৯-ভাওবা ৩৩-আহ্বাব ২-বাঞ্বার ২-বাঞ্বার	20 20 20 20 20	900 984 900 900 900
विद्याल (प्राप्ता) पराय केवा विद्याल करतीय करता (१९९०) विद्याल करतीय करता करता प्राप्ता कुरण करतीय करता करता विद्याल करतीय करता करता करता प्राप्ता करता करता करता करता करता करता करता कर	২৯-আনকাবৃত ৩৯-মুনার ৪২-শুরা ১৭-ইসুরা ৩৪-সাবা ২-বাকুরো ১৩-বা'দ ৪২-শুরা ৬০-মুনকাবিদা ৫-মারিদা	03 04 24 29 00 03 482 46 34 4	988 942 940 930 930 988 849 983 984 984 984 984	পানী যোগকালে পানি প্ৰাৰ্থ, আনিবাৰ পৰিবাৰ্থিকে কথা । পিলা (বাৰুবাৰে পানিবাৰ্ত্তি এই কামান্ত নাৰিবাৰে) । শাবালেকে প্ৰতিবাদ আনুহাই হুনিবাৰে কথা প্ৰত্যাহ প্ৰত্যাহক । শাবালেকে কথা, বাং বাৰুবাৰ হিনামে কথা কথা (বাৰুবাৰু কোৰা) । প্ৰত্যাহক প্ৰত্যাহক অনুষ্ঠান বা মাত্ৰ নাৰিবাৰ কথা কথা কথা । কথাকো প্ৰত্যাহক অনুষ্ঠান বা মাত্ৰ নাৰিবাৰ কথা কথা কথা । অনুষ্ঠান বাৰুবাৰ কথা পৰা পৰা আনুষ্ঠানিকাৰ কথা । আনুষ্ঠানৰ প্ৰত্যাহক বাৰুবাৰ পৰা আনুষ্ঠানিকাৰ কথা ।	১৭-ইনুরা ৭৬-গাহর ৩৩-আহ্যাব ৯-ভারব  ৩৩-আহ্যাব ২-বাকুরা ২-বাকুরা ১-ইউসুফ	20 20 20 20 20 20 20	900 984 900 944 944
विरंक (प्राप्त पार के क्षेत्र विरंक अमित पत्र (मं) विरंक व्यवित्य में मान प्राप्त प्रश्निक कर किया माने प्राप्त विरंक व्यवित्य करना करणा पुर्वेशिक प्राप्त के क्ष्म विरंक व्यवित्य कर प्राप्त प्रदान के क्ष्म विरंक व्यवित्य के परिचान प्रदान प्रदान के क्ष्म विरंक व्यवित्य कर (मन विश्व माने क्ष्म विरंक व्यवित्य कर (मन व्यव्स माने क्ष्म विरंक व्यवित्य करणा क्षम् (प्राप्त के क्षम्) विरंक व्यवित्य करणा क्षम् (प्राप्त के क्षम) विरंक व्यवित्य करणा क्षम् (प्राप्त के क्षम) प्राप्त (क्षम) करणा क्षम् (प्राप्त के क्षम) प्राप्त (क्षम) करणा क्षम (प्राप्त के क्षम) प्राप्त (क्षम) करणा क्षम (प्राप्त के क्षम)	২৯- আনবাৰ্ত ৩৯- মুনার ৪২-পুরা ১৭-ইপুরা ৩৪-সাবা ২-বার্কারা ১৩-বাপি ৪২-পুরা ৬০-মুখকাইনা ৫-মার্কারা ৫-মার্কারা ৫-মার্কারা	03 04 24 29 00 06 482 48 26 34 4 68	988 543 540 580 588 245 683 584 509 699	পানী যোগনাল পানি প্ৰাৰণ, স্বাধান্ত পৰিবাহিতে কথা ক্ষিপ্ৰ (কুলাভাৰে পানিল, বৃদ্ধি ও কামান্ত নাৰিবাহে) ক্ষেত্ৰভাৱ প্ৰতিবাদ আনুমা হিন্দাৰ কৰা প্ৰাৰণ হৈছে । ক্ষেত্ৰভাৱ বাবল কৰা, বহু হাজাৰ কামান্ত (কুকুলুন প্ৰত্যা) আন্তৰ্ভাৱ বাবল কৰা কামান্ত কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা আন্তৰ্ভাৱ বাবল কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা আন্তৰ্ভাৱ বাবল কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা ক্ষামান্ত্ৰত ব্যৱহাৰ বাবল কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা ক্ষামান্ত্ৰত ব্যৱহাৰ বাবল কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা ক্ষামান্ত্ৰত ব্যৱহাৰ বাবল কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা ক্ষামান্ত্ৰত ব্যৱহাৰ বাবল কৰা	১৭-ইপুরা ৭৬-সাহর ৩৩-আহ্বাব ৯-ভাওবা ৩৩-আহ্বাব ২-বাঞ্বার ২-বাঞ্বার	20 20 20 20 20	900 984 900 944 944
ভিত্তিত হোৱা ঘাত ইয়া বিশিক কালিক কৰে।  ভিত্তিত হোৱা ঘাত ইয়া বিশিক কালিক কৰে।  ভিত্তিত কালিক কালিক কালা বুলিক কালিক কালা  ভিত্তিত কালিক কালা কালা  ভিত্তিত কালিক কালা  ভিত্তিত	২৯-আনবাৰ্ত ৩৯-মুনার ৪২-পুরা ১৭-ইপুরা ১৭-ইপুরা ১৪-সাব ২-বারুগরা ১০-রা'দ ৪২-পুরা ৩৬-সুমকাহিনা ৫-মারিদা ৫-মারিদা ১৭-ইস্যা	03 04 24 29 00 03 482 46 34 4	988 930 930 930 930 930 930 930 930	নাৰ্ব্য ভোগাল পাঁৱ লাং, ভাইতে পাঁৱনীয়াক লগা। স্থানা প্ৰকৃতি কাল পাঁৱন কৰিছে লগা। সংকাৰণ প্ৰকিল সামূহ হিপালে কৰা পাঁৱন বেছিছে। সংকাৰণ প্ৰকিল সামূহ হিপালে কৰা প্ৰকৃত বেছিছে ক্ষাৰ্থ্য কৰা, বে হুলাৰ কিবাৰ কৰা প্ৰকৃত বেছিছে ক্ষাৰ্থ্য কৰা	১৭-ইপুরা ৭৬-সাহর ৩৩-আহ্বাব ৯-তাবর  ৩৩-আহ্বাব ২-বাকুরা ২-বাকুরা ১২-ইউসুফ ৯-তাবর	88 88 86 20 235 235 385 55	900 900 900 900 900 900
विरंक (प्राप्त पार के क्षेत्र विरंक अमित पत्र (मं) विरंक व्यवित्य में मान प्राप्त प्रश्निक कर किया माने प्राप्त विरंक व्यवित्य करना करणा पुर्वेशिक प्राप्त के क्ष्म विरंक व्यवित्य कर प्राप्त प्रदान के क्ष्म विरंक व्यवित्य के परिचान प्रदान प्रदान के क्ष्म विरंक व्यवित्य कर (मन विश्व माने क्ष्म विरंक व्यवित्य कर (मन व्यव्स माने क्ष्म विरंक व्यवित्य करणा क्षम् (प्राप्त के क्षम्) विरंक व्यवित्य करणा क्षम् (प्राप्त के क्षम) विरंक व्यवित्य करणा क्षम् (प्राप्त के क्षम) प्राप्त (क्षम) करणा क्षम् (प्राप्त के क्षम) प्राप्त (क्षम) करणा क्षम (प्राप्त के क्षम) प्राप्त (क्षम) करणा क्षम (प्राप्त के क्षम)	২৯- আনবাৰ্ত ৩৯- মুনার ৪২-পুরা ১৭-ইপুরা ৩৪-সাবা ২-বার্কারা ১৩-বাপি ৪২-পুরা ৬০-মুখকাইনা ৫-মার্কারা ৫-মার্কারা ৫-মার্কারা	03 04 24 29 00 06 482 48 26 34 4 68	988 543 540 580 588 245 683 584 509 699	पड़ि (प्रशासन मंद्री तथा, प्रशासन पर्वाचिक कर्म क्षिम् (क्षास्त्रक क्षार्य, रहिन चर्चा प्रशासन अविद्राद्ध) क्षार्यक व्यक्तित प्रशास दृष्टिक्य कर्म व्यक्त द्वारायक्ष्म क्षार्यक द्वारा स्त्री एक्षा क्षार्य व्यक्ति प्रशासन व्यक्ति व्यक्त	১৭-ইসুরা ৭৬-গার্থ ৩৬-আহ্বাব ৯-জার্থা ৩৬-আহ্বাব ২-জার্থা ২-জার্থা ২-জার্থা ১২-ইউসুফ ৯-জার্থা	26 26 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28	900 684 900 900 900 900 900
ভিত্তিত হোৱা ঘাত ইয়া বিশিক কালিক কৰে।  ভিত্তিত হোৱা ঘাত ইয়া বিশিক কালিক কৰে।  ভিত্তিত কালিক কালিক কালা বুলিক কালিক কালা  ভিত্তিত কালিক কালা কালা  ভিত্তিত কালিক কালা  ভিত্তিত	২৯-আনবাৰ্ত ৩৯-মুনার ৪২-পুরা ১৭-ইপুরা ১৭-ইপুরা ১৪-সাব ২-বারুগরা ১০-রা'দ ৪২-পুরা ৩৬-সুমকাহিনা ৫-মারিদা ৫-মারিদা ১৭-ইস্যা	03 02 23 20 00 28 20 26 24 26 27 28 28 28	988 930 930 930 930 930 930 930 930	पड़ि (पानका नहीं जार, प्रीवेद्धार क्षेत्रीया कर । माना (व्हावाक माने, एवंद वर्षण प्रात्म नविष्या) माना वर्षण वर्षण प्रत्म पुरित्यक कर विष्या (माना क्षात्म वर्षण प्रत्म प्रतास प्रतिक्षण कर व्हाव प्रत्म प्रतास प्रतास वर्षण प्रतास कर व्हाव वर्षण प्रतास प्रतास वर्षण प्रतास वर्षण वर्षण प्रतास कर व्हाव प्रधानम प्रतास प्रतास वर्षण प्रतास वर्षण प्रतास वर्षण प्रतास वर्षण वर्षण प्रतास वर्षण वर्	১৭-ইপুরা ৭৬-গাব্রর ৩৩-আহ্বাব ৯-তাব্রব  ৩৩-আহ্বাব ২-বাব্রুবর ২-বাব্রুবর ২-বাব্রুবর ২-বাব্রুবর ১২-ইউপুফ ৯-ভাববর  ৭৪-মুন্দার্ছবির ৭২-বিন্তু	88 86 20 235 335 335 30 30	900 900 900 900 900 900 900 900 900 900
हिंदिन (प्राप्त पान के महिंदिन करावित माद्र तथा) हिंदिन करावित माद्रिया कर हिंदिन करावित माद्र तथा। हिंदिन करावित माद्रिया करावित करावित माद्रिया है। हिंदिन करावित माद्रिया करावित माद्र्या है। हिंदिन करावित माद्रिया करावित माद्रिया है। हिंदिन करावित माद्रिया करावित माद्रिया है। हिंदिन करावित माद्रिया करावित है। हिंदिन करावित माद्रिया है। हिंदिन करावित माद्रिया है। हिंदिन करावित माद्रिया है। हिंदिन करावित माद्रिया है। हर्ग (क्षात्वाच है) हर्ग (क्षात्वाच है) है। हर्ग (क्षात्वाच है) हर्ग (क्षात्वाच हे) हर्ग (क्षात्वाच है) हर्ग (क्षात्वाच है) हर्ग (क्	২৯-আনবাৰ্ত ৩৯-মুনার ৪২-পুরা ১৭-ইপুরা ১৭-ইপুরা ১৪-সাব ২-বারুগরা ১০-রা'দ ৪২-পুরা ৩৬-সুমকাহিনা ৫-মারিদা ৫-মারিদা ১৭-ইস্যা	03 02 23 20 00 28 20 26 24 26 27 28 28 28	988 930 930 930 930 930 930 930 930	নার্বা বেলাকার নার্বা এবং ক্রাইবার কার্বালীকার করা । সাংলা ব্যক্তারার কার্যনিক বেলাকার বার্বালিকার নার্বার্থকের নার্বার্থকের নার্বার্থকের নার্বার্থকের নার্বার্থকের নার্বার্থকের বার্বালিকার ব্যাহর ব্যাহর বিশ্বারার করা এবং করা বিশ্বারার নার্বার্থকের বার্বারার করা করা করা করা করা করা করা করা করা	১৭-ইসুরা ৭৬-গার্থ ৩৬-আহ্বাব ৯-জার্থা ৩৬-আহ্বাব ২-জার্থা ২-জার্থা ২-জার্থা ১২-ইউসুফ ৯-জার্থা	26 26 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28	900 684 900 900 900 900 900
विशेष द्वारा पर पर प्रेस (पेतर अपीक्ष र दार) विशेष अर्थव्यक्ति पर प्रथम पर प्रेस (पेतर प्रथम) विशेष अर्थव्यक्ति पर प्रथम प्रथ	২৯-জনধাৰ্ত ৩৯-মূনার ৪২-পুরা ১৭-উপুরা ১৭-উপুরা ১৪-সার ২-বাকুরা ১০-রান্দ ৪২-পুরা ৬০-মুমকাইনা ৫-মার্টিনা ৫-মার্টিনা ৫-মার্টিনা ৫-মার্টিনা ৫-মার্টিনা	09 02 21 21 00 00 382 26 26 27 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28	988 543 540 430 430 588 645 683 584 683 683 684 698 698 698	पड़ि (पानका नहीं जार, प्रीवेद्धार क्षेत्रीया कर । माना (व्हावाक माने, एवंद वर्षण प्रात्म नविष्या) माना वर्षण वर्षण प्रत्म पुरित्यक कर विष्या (माना क्षात्म वर्षण प्रत्म प्रतास प्रतिक्षण कर व्हाव प्रत्म प्रतास प्रतास वर्षण प्रतास कर व्हाव वर्षण प्रतास प्रतास वर्षण प्रतास वर्षण वर्षण प्रतास कर व्हाव प्रधानम प्रतास प्रतास वर्षण प्रतास वर्षण प्रतास वर्षण प्रतास वर्षण वर्षण प्रतास वर्षण वर्	১৭-ইপুরা ৭৬-গাব্রর ৩৩-আহ্বাব ৯-তাব্রব  ৩৩-আহ্বাব ২-বাব্রুবর ২-বাব্রুবর ২-বাব্রুবর ২-বাব্রুবর ১২-ইউপুফ ৯-ভাববর  ৭৪-মুন্দার্ছবির ৭২-বিন্তু	88 86 20 235 335 335 30 30	900 900 900 900 900 900 900 900 900 900
हिंदिन (प्राप्त पान के महिंदिन करावित माद्र तथा) हिंदिन करावित माद्रिया कर हिंदिन करावित माद्र तथा। हिंदिन करावित माद्रिया करावित करावित माद्रिया है। हिंदिन करावित माद्रिया करावित माद्र्या है। हिंदिन करावित माद्रिया करावित माद्रिया है। हिंदिन करावित माद्रिया करावित माद्रिया है। हिंदिन करावित माद्रिया करावित है। हिंदिन करावित माद्रिया है। हिंदिन करावित माद्रिया है। हिंदिन करावित माद्रिया है। हिंदिन करावित माद्रिया है। हर्ग (क्षात्वाच है) हर्ग (क्षात्वाच है) है। हर्ग (क्षात्वाच है) हर्ग (क्षात्वाच हे) हर्ग (क्षात्वाच है) हर्ग (क्षात्वाच है) हर्ग (क्	২৯-জনধাৰ্ত ৩৯-মূনার ৪২-পুরা ১৭-উপুরা ১৭-উপুরা ১৪-সার ২-বাকুরা ১০-রান্দ ৪২-পুরা ৬০-মুমকাইনা ৫-মার্টিনা ৫-মার্টিনা ৫-মার্টিনা ৫-মার্টিনা ৫-মার্টিনা	03 04 24 25 00 03 38 36 36 37 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4	988 543 540 430 430 588 645 683 584 683 683 684 698 698 698	নার্বা বেলাকার নার্বা এবং ক্রাইবার কার্বালীকার করা । সাংলা ব্যক্তারার কার্যনিক বেলাকার বার্বালিকার নার্বার্থকের নার্বার্থকের নার্বার্থকের নার্বার্থকের নার্বার্থকের নার্বার্থকের বার্বালিকার ব্যাহর ব্যাহর বিশ্বারার করা এবং করা বিশ্বারার নার্বার্থকের বার্বারার করা করা করা করা করা করা করা করা করা	১৭-ইপুরা ৭৬-জাহুর ৩৩-জাহুরার ৯-জারুরা ২-বাকুরা ২-বাকুরা ২-বাকুরা ২-বিকুত্ব ৪-১-বিকুত্ব ১৬-জাপাক	20 88 86 26 285 285 285 285 285 285 285 285 285 285	202 202 202 203 203 203 203 203 203 203

WHEN HE WE WITH

791 20 vi 317

STATE OF THE STATE

			প্রাস
CONTRACTOR AND AND ADDRESS OF THE PARTY OF T	NEW TOURSESSEE	-	THE OWNER WATER

4			শ্ৰাসাদ	CSING			-
THE PERSON NAMED IN	मुक्तिम् च नाव	-	***	MR RAWITH		400	
शाभाभ (पूर्व पृक्षा (भएक)				কী ইন্দ্রাইশকে মূল আ, ও ধ্রকনের সাথে প্রবাসার অনুরোধ	২৬-ড'আরা	39	466
নির্মাণ (ফিরজাউন উঁচু প্রাসাস নির্মাণের নির্দেশ দিশ)	৪০-মুমিন	99	p.p.?	বনী ইসরাধিপকে মূসার সাথে প্রেরগের আহবান	৭-আ রাফ	705	હરર
নির্মাণ (জিনেরা প্রদান নির্মাণ করত, পুলাইমানের ইয়ন্ত্র মাত)	৩৪-সাবা	70	884	বনী ইনপ্রটলকে পর্তসংশক্ষে মূলর সাথে প্রেরাণর আশ্বাস	৭ আ রাফ	>08	69,8
প্ৰবেশ (নলাইমানের প্ৰাসাদে সাবার বানীর প্রবেশ)	২৭-নামল	88	800	কী ইসাইলকে ফুবর সামে প্রেলা করে আবেন (নিমেন্টালে প্রতি)	২০-ফুৰ-য্য	89	980
স্থানারে (প্রাথান বানানোর নির্দেশ, হামানকে)	২৮-কাদান	100	9.22	বস্থু (গর্জনতারী বস্থু হেরহের বাপারে মুপরিকর কি নিরূপণ?)	১৭-ইস্বা	99	930
রাপুণ স, এর জন্য প্রালাস বাদাকে পারেল অস্তাহ ইচ্ছা করলে	२०-कृतकान	30	93-0	বাছু প্ৰেঞ্জন করেন আল্লাহ (মেঘ সম্বাদনের জন্য)	৩০-জন	87	259
সুঠাত প্রকাল থালে করা প্রকাশ ক্রুয়ার করেনে জনপালের প্রাধাপ)	22-07 <b>96</b>	82	982	ৰাছু প্ৰেৰণ কৰেন আপ্তাহ সুসংবাদৰূপে (বৃত্তীয় পূৰ্বে)	২৫-ফুরকান	87	348
रक् विक्रीरेड श्रमण्ड नवा की कामा सन (क्रुटिमाना)	২৭-নামল	88	brorb	বার প্রেরণ করেন জাপ্তাহ	৩০-রম	62	b-59
ক্ষিত্ৰ ভাষ্ট্ৰাম প্ৰানান্তৰ্ভ ক্ষুত্ৰিৰ উৎকেপ কৰবে)	৭৭-মুরসালাভ	63	200	বাস্ত্র প্রেরণ করেন আল্লাহ যা মেঘমালাকে সঞ্চালিত করে	৩৫-ফাডির	3	¥86
	11 44 0 00			বাজস প্রেরণ করেন জাল্লাহ সুসংবাদবাইব্রপে	৭-জা'বাফ	63	637
fera	3-5765	38	683	বাতাল (মেথ বছনকারী বাতাল প্রেরণ করেন আল্লাহ)	३८-दिकार	22	999
আল্লাহ ও রাসুল স. অন্ন প্রিয় হলে- পিরা, সভান ও	22-9520	400	699	ব্যায়ান (ব্যবিৰ প্ৰাঞ্জাল অপ্সাত সুসংবালম্মন্স ব্যায়ন প্ৰথম কৰেন)	২৭-নামল	640	Vo2
ইউনুক জা, ও তার ভাই বেশি প্রিয়া, পিতার নিবট (জনচান ৫০৫)				বাভাস ও ফেরেশতা প্রেঞ্চ (বন্দক যুদ্ধে মুমিনদের জনা)	৩৩-আহ্যাধ	b	3/08
সমানকে প্রিয়া করেছেন আপ্তার (সাহাবীদের নিকট)	৪৯-হন্তুরাত	٦	950	বাহিনী প্ৰেরণ করেননি (আপ্রাহ), আকাশ থেকে,	००-उसमीम	26	500
করোগার বেশি প্রিন্ন (ইউসুফো নিকট,)	<b>३२-१</b> चेत्रुए	93	৬৭৯	বহিনী গুলাগুল মহনার ছিল বা আল্লান্ড ,লংগোরের নিক্তম	৩৮-ইয়ানীন	34	540
<b>প্রিয়পাত্র</b>					৩০-ব্যানান	84	P-50
অস্থাহর হিয়পান বলে নিজেনেরকে ইছমা ও নানারারা	ए-मात्रिमा	29.	690	বাস্থু (সুদংগদবাহী বাস্থু প্রেরণ)			
CER				বৃষ্টি (আৰু সংখ্যার কথনা করনে প্রচুর বৃষ্টি গ্রেক(নর্মানা আন্ধানা)	27-34	44	690
আসভ (দানকে প্রেয়ে আসঞ্চ করেছে আর্থীবের স্ত্রী)	32- <b>269</b> 0	00	(49)6	বৃত্তি প্ৰেয়ণ (পূৰ্ববৰ্তীক্ষেত্ৰক জাকাশ থেকে প্ৰচুৰ বৃত্তি প্ৰেয়ণ)	৬-আন্'আম	b	6349
প্রেমিকা প্রহণ (ভারো দেখুন গোপন প্রেমিকা শব্দটি)			-	বস্তু হোরণ করেন ভাস্তাহ	১৩-রা'ল	30	699
	৫-মারিদা	8	68.5	বল্পাত প্রেরণ আবাশ থেকে ( বাগানে)	72-44£	80	929
গ্রহণ (গোপন প্রেমিকা গ্রহণ করা যাবে না)	Q-311841	4	68.2	মানুবকে নবা হিসাবে প্রেরণ ও ওহী জনতীর্ণ	২১-সাধিয়া	9	980
CASE				মানুৰ প্ৰেয়ন (মানুৰকেই রাসুল স. বান্যনে/ওই প্ৰেয়ন প্ৰসঙ্গ)	১৬-নাখ্প	80	906
অবল্যাগকর বাবু প্রেরণ (আদ সম্প্রদায়ের উপর)	৫১-বারিয়াত	82	કરવ	মানুষ (রাকুল ল. এর পূর্বেও মানুষ্যাকই অকুলঞ্চশ প্রচাল…)	১২-ইউনুক	bob	66.4
অন্ত্ৰিপৰ প্ৰয়েশ(মনুদ/ভিন সীমা অভিক্ৰম কৰতে মেইলে)	৫৫-রার্থান	0.0	280	হয়েকা সংক্ত জন্মতের জন্য হয়েত হয়প প্রেলা করা হয়েছে	२५-व्यक्तिया	209	909
অপক্লবি (পূত) সম্প্রদারের প্রতি দেরেশনার প্রবিত হরেছে	৫১-বাইয়াত	- છર	≽રવ	श्रुभारक (क्षंत्रन करवाञ्चन (निमर्गन ও "लडि दामानगर)	৪০-মুখিন	20	498
নিলর্গন প্রেরণ করেন আল্লাহ জীতি প্রদর্শনের স্বন্য	১৭-ইস্লা	65	475	মুলাকে প্রেরণ, স্পর প্রমাণসহ, ফির আউনের নিকট	৫১-বারিয়াত	- ab-	229
মন্ত্ৰকাল, এর পূর্বে প্রচাকর রাক্তানে কেরোত হতার সূত্রত নিতি	১৭-ইস্বা	99	920	प्रमुख निमर्थनम् (१९११ (विद्वावादेन/पाद नविश्वापत काळ)	80-पृथंकप	84	b/b/b
ইউনসলে প্ৰেৰণ এক লক্ষ বা তভোধিক গোকের প্ৰতি	৩৭-সার্কাত	589	844	মগ্র-হাজনকে নিকানসহ প্রেরণ (ফিরস্কাইনের কাছে)	১০-ইউনুস	94	663
ভূমী (অপ্নাহ উটনী প্রেরণ করকে, বায়ুল ক্ষতির পরীক্ষণরপ)	৫৪-কামার	29	309	मृत्रा जा, ६ शकुमारक (शकुम कहारान जाहार	२०-मुभिन्न	80	966
উপত্রর প্রেল (সুবাইমানে করে সাবর রনীর উপত্রর প্রেকা)	২৭-নামল	'02	Po5	स्त्रा प्रा. ७ व्यक्ताव प्रायत प्राचन प्राप्ता प्राप्ता । स्त्रावश्वत प्राप्ता क्षा स्त्राह श्रुवन न्(व्यक्ताव सन्)	২১-আখিয়া	209	
प्रकारक मा एक ब्रह्मा क्रमान प्रकार करते ब्रह्मा कराइका कराइका करना	43-व्यक्तिया	209	929	রাস্পলেরতে প্রেরণ করেছেন আরাহ স্থাকা শংলাক্ষাতের কল্য	८९-शरीन	301	300
থড়ো বাতাল প্ৰেৰণ (আল জাঠিয় বিলঙ্কে)	৪১-ফসসিলাভ		559		२०-म् मिन्न		
ঝড় (পথর বহনকরী করু প্রেরণের বাপারে কি বুশরিকর নিরাগন)	১৭-ইসরা	tehr	1930	অল ক্ষতির প্রতি বাসুদা স, প্রায়ন করলেন অক্সাহ		94	960
यम् (शब्द वहनकाती यम् श्वय, मृत गण्यमास्त्र वर्षि)	28-60ATM	108	209	রাসুল প্রেরণ (সুলংবাদদান্তা ও সকর্মকারী হিসেবে)	79-4150		928
বঙ্গু (পাৰ্ডর বর্ষকারা বড় বেরণ, পূত পান্ধগারের এতে) বঙ্গোরাঙ্গুস (জান সম্প্রনারের এতি বিরুদ্ধীন করেবার্ডাস রয়েশ)	28-RING	79	309	অসুল প্রেকা (নূর আ এর পর অনেক রানুল প্রেকা করা হর)	১০-ইউনুস	48	663
ব্যৱধারণ (বাদ পার্যারের হাত স্ক্রান্থণ করেশ তাপ।	59-Mindres		1129	অনুস প্রেরণ (পূর্ববর্তী উদ্মানর কাছে রাসুস প্রেরণ ও শয়কান প্রদেস)	১/৬-দাহল	90	905
	११०-वास्त्रान	90	380	बान्त म. दिमार्य श्रावन (भूशभाम म.रक मानूरस्व करा)	8-मिगा	4.5	₫%°
ধোরার কুলেরী প্রয়েপ্ মানুব জিন সীত্রা অভিন্যত্র করতে চাইলে)				রাকৃণ (পু'ঞ্জন রাবৃদ্দ স. গ্রেরথ জনপদনাসীদের নিকট)	৩৬-ইরাসীন	38	965
নৰীকে সাজী, বুলংগদগাতা ও সতৰ্কগৰীয়ণে প্ৰেয়ণ	৩৩-আহ্বাব	86	2004	ব্রাকৃষণ্যকে নুসংবাদদাতা ও সভর্কবারী হিসেবে প্রেরণ	৬-আন্'আম	89	600
নৰী প্ৰৱাশ (পূৰ্ববাৰ্তীয়েয় মাধ্যে আন্তাহ জনেক নৰী প্ৰৱাশ করেছেল	80-युवंक्रम	0	5,94	রাকুল (রাকুল কে সাক্ষীকরাপ প্রেরণ করেছেল আল্লাম)	९७-पूर्याधन	3/2	29.0
দৰী প্ৰচাৰ (জনপাস দৰি প্ৰচাৰ ও দুৰা-তই/কণ্ডৰ কর পকরেও হা.)	৭-আর্থ	38	652	ব্যকৃষ (পূর্বে যে রাকৃষ রেরণ করেছেন ভারাও শাবার পেড,)	২৫-ফুক্কান	20	96%
দবী (আল্লাহ্ যে দবী/রাসুক্ষ স. প্রেরণ করেছেন তালের	44-20m	22	360	বাসল হোৱন ও অন্য ইলাহের ইবাদকের অসাহতা প্রসল	85-युक्क्रफ	80	P-25
খাকাক্ষার শক্ষতান)			_	अनुम अपन (प्रकार संभ रेमार (नरे -व प्रवेगर बानुम (प्राप्त)	২১-আধিয়া	20	923
নিদর্শন প্রেরণ থেকে আল্লাহকে বিরত রাবে পূর্ববর্তীরা	১৭-ইগ্ৰা	63	475	রাসল প্রেরণ করতেব যদি প্রতিপাদক তথে	২৮-কানাৰ	89	633
দৃহ জা, ও ইবরাহীমকে গ্রেরণ করেছিলেন আল্লাহ	৫৭-হাদীৰ	26	267	রাসুল প্রেরণ করবেন না আল্লাহ ইউসুক আ, এর পরে	80-मुमिन	28	200
দৃহ বা, কে প্রেরণ (করে সম্প্রদারের প্রতি)	২৩-সু"মিনূন	20	969	বাসুল প্ৰেরণা করা ব্যাহিল খাসের প্রতি আসেরক মিমারশ	৭-আ'রাফ	14	634
নৃত্যুক তার সম্প্রদায়ের নিকট প্রেরণ প্রসদ	২৯-আনকাবৃত	38	239	संभूत दक्षण करवाहन ज्याहार (मंगुराव मार्थ, मनुष्याव र्थरण)	5-steller	267	
নৃহকে ভার সম্প্রদায়ের প্রতি খাসুদরূপে প্রেরণ	१५-ग्र	13	348	श्रम् १८४म वर्षाम् अक्टार्श् (मर्ट्स्स मेटर, मर्ट्स्स १८५५) श्रम्म १४४म वर्षाम् अक्टार्श् (मर्ट्स्समिता ७ महा मेरमा)	8५-मादद	30	975
নৃহতে প্রেরণ করেছেন আল্লাহ তার সম্প্রদারের নিকট	१-वा'वाप	93	655	वानम् शहरा वरहाता वाहार (नारामान व नारा नानार)	৭৫-মুব্যাথিক		labri.
ন্তকে সম্প্রদায়ের জন্য সতর্কবারীরূপে গ্রেরণ প্রসঙ্গ	22-4F	32	000			36	
প্রস্কৃত প্রাক্ত উরুল ব্যায় হাত নির্মাণ করেশ প্রাক্তা (বিরাজাইন এ.)		300	648	রাস্ল হোরণ করেছেন আপ্লাহ (মূহন্দন এর পূর্বে)	৪০-মু"মিন ১৩-রা'ল		
পুৰুত্ব বহুলাকী ৰুত্ব প্ৰেঞ্জাৰ বাগানে কৰিবলা কি নিৰ্মাণন	69-1997	39	330	রাস্ল প্রেরণ করেছেন জাল্লাহ রাস্ল এব পূর্বেও		05	6%
পতি সম্ভাৱনার করু প্রেরণ হিটারমতে বাল থেকে উল্লেখন এবস)	77-59×a	2%	945	রাসুল হোরণ করেছেন জাল্লাহ একের পর এক	২৩-মু'মিন্ন	88	986
	১০৫-জন			রাসুল প্রেরাণের পূর্বে কাফিবলের পারি বারা দালে করা বলে নাল	২০-ক্ল-হা	208	
পাৰি প্ৰকা (হাউভালালৰ বিৰুদ্ধে বাঁতে বাঁতে পাৰ্থ প্ৰকা)		0	2000	ब्राजून द्वांता ना करत रक्षम बल्लभ भारत करका ना श्रवित्राणक	২৮-কাদাদ	429	
পূর্ববর্তী উত্তরের কাছে রাসুল স. প্রেরণ প্রসল	৬-আন্'আম	84	622	হাসুল প্রেরণের উদ্দেশ্য (আল্লানে নির্দাশে তার আনুগান)	৪-শিশা	-68	266
প্রচন্ত্র শব্দ (ছামদ সম্প্রদারের থকি প্রচন্ত শব্দ প্রেরণ)	৫৪-কানার	107	৯৩৭	রাসুল প্রেরণ করেছেন আল্লাহ (বনী ইনরাসদদের নিকট)	৫-মারিখা	10	291
		90	663	রাকুল প্রেরণ করেছে। আল্লাহ পার্কার্যনিকা ও সারা ছিলাহ	3-87est	00	981
বিরয়েটনের পরিকালের করে মুগা/বরনাক নির্দশনার এরণ	১০-ইউনুস						
বির্বাহীনের পরিকালের আছে মুখ্যাবারনাকে নির্বাদনের প্রচাণ কারেশারর প্রবাহ হয়েছে অপরাধী সম্পোধের প্রতি	১০-হতনুস ১৫-হিজর	25	900	क्षण क्षा विकास विकास विकास विकास कर विकास व	97-Main	10	200

मंभ दिराह/दानम	न्द्रां नर ७ मान	100	न्हे	ाम दिस्स/धनम	ज्बा नर ७ नाम	4000	1 44
(श्रूप (पूर्व मुक्का त्यारक)				প্রেরিড (রাস্প)			
বাসুল কে এমন উদ্ধানের নিকট প্রেরণ বার পূর্বে বছ উদ্ধান গত	২৫-জ'দ	30	697	কবার (রাসুলানেরকে বি ধনার নিরেছিল, বিশ্বাহার কিমানো)	২৮-কাসাস	96	100
রসুল (ওহীবাংক কেরেশনা) প্রেরণের মাধ্যমে আল্লাহ গুরী করেন	৪২-শূরা	42	524	ভিজ্ঞান (প্রেরিড রান্লগণতে ভিজ্ঞানা করনে আল্লাহ)	৭-আ'রাক	9	65
রাসূল তে প্রেরণ করেছেন আল্লাহ মানবঞ্চান্তির জন্য	৩৪-সাবা	4/2	980	মিথাবাদী কল (খানুদ প্রতিও রাকুল কে মিথাবাদী বলেছিল)	২৬-৫'আরা	787	93
রাসূল কে প্রবেশ করেছেন অস্ত্রাছ সুসংগাদনাঝ ও সভর্গকরীরলে	২৫-কুরকান	66	976	সন্দিহ আ প্রেরিত ব্যক্ত হয়ে থকলে পরি আনর আহবান	৭-আ'রাফ	99	84
রাসুল কে প্রায়ণ করেছেন জন্মাৎ সুসাংগলনার ও সভর্গনারীরশে	১৭-ইপুরা	300	920	প্রাবন (আরো দেখুন বন্যা শব্দটি)		-	$\top$
রাসুল থে হোলে করেছেন অক্সাহ (সাগি, সভার্কনারী ৩)	৪৮-ফাড্য	ъ	336	নিমর্শনম্বল ক্রিমাটন সম্মনারের রতি প্রাংশ রেমণ	৭-জা'রাফ	200	94
वाकृत (क माजन्मक दिना(र प्रवेशन कहा रहानि (मानुराव करा)	8-971	bo	669	নৃহের প্লাবন (প্রবল গানি বর্ষাণের মাধ্যমে)	28-श्रादाव	32	ho
ৱানুদাৰ্গতে প্ৰেরণ (কিডাৰসহ)	80-इंबिन	90	178	পাৰুদ্ধাও (জুপুমের কারণে প্লাবন দূহ আ, এর সম্প্রদায়কে	২৯-জানবাৰ্ত		100
রাপুল (অক্সার লাত্মধারের ভাষার রাপুল রেচাশ করেছেন)	28-देरवारीय	8	590	পালড়াও করেছিল)		28	1.7
বাসুদা(আল্লাহ যে নবী/বাসুদ্দ প্রেরণ করেছেন ভালের	44-5786	-	960	বহন করা (প্রাবন কেনা বহন করে নিয়ে বার)	১৩-রা'ন	39	80
জ্বাক্তার শ্রতান)		65	100	রক্ষা (পানিপ্রাবন থেকে রক্ষা পোরে পর্বতে আপুর দের দুয়ের পুর)	27- <u>2</u> M	80	95
বাসুল (অনেক রাসুল প্রেরণ করেছেন আল্লাহ রাসুল এর পূর্বে)	00-9¥	89	৮২৫	পাৰিত	** (:	-	+
বহ (জিনামন্ত্ৰিক) প্ৰেল কালেন আল্লাহ মাবইলামের নিকট	३७-माबदेशम	39	900	ভাগত উপজ্ঞা প্লবিত হয় (আজাগ থেকে অবভীৰ্ণ পানি হায়)	১৩-রা'দ	39	63
শয়তান প্রেরণ করেন আল্লাহ কাক্বিরনের নিকট	३७-महदेशम	10	900		30-414	37	94
শহরে প্রেরণ বান্য কেনার জন্য(আনহাবে কাহাক প্র.)	১৮-বাহক	7.9	998	<b>र</b> क्तिक			
শরি প্রেল (ক্রী ইন্যাইল করা পরিবর্তন করার আবেশ থেকে শরি)	৭-আগ্রক	363	649	জভাত্মক (কলীয়নে জভাতমুক করে দিবেদ আল্লাহ)	२.8-मृह	02	99
সংগ্ৰেমীনেকত শহরে প্রেম (জানুতর সংগ্রহ তরর জন)	৭-ছা'ৱাৰ	377	622	'আপ্তাহ কৰিব ও আমত্তা অভাৰমুক্ত'-ইণ্ডনীত্তা বলে	৩-মালে ইম্মান	22-2	20
সংক্রেমার (মুলাকে ধরতে শহরে শহরে শহরে স্বরহেমারী(সলা প্রচাল)	26-0,200	60	920	আহাৰ কৰালে (দুয়ে ও কৰীয়কৈ আহাৰ কৰানেৰ নিৰ্দেশ)	44-DM	34	90
সংবেদনার (কৃথকে পাতে শব্দ শব্দ শব্দ শব্দ শব্দ শব্দ শব্দ শব্দ	৬-আনু অন্ম			দান (কৰীৰ/গৱীৰচনবকে গোপনে দান সৰচেয়ে ডাগো)	২-বাকুৰো	293	20
	৩৪-সাবা	97	603	নন (অনুমর্কনসম্পুর করীরতে নান, বাতে সঞ্জল মান হয়)	২-বাকুবো	290	20
সতর্বকারী প্রেরণ করবেই জনপদের বিশুবানরা বলভ		68	b88	নিকাজন (অস্থাহ ধনী-গরীব/কবীর সকলের নিকটজন)	8-निमा	200	25
সতর্ববারী প্রেরণ করা হরনি পূর্বে (মঞ্চার কাঞ্চিবচের রভি)	৩৪-সাবা	88	₽8¢	'কাই' এর সম্পদ কবীরদের জন্য	৫৯-হাশর	2	20
সভর্বভারী প্রেরণ (জনপলের বিভবানলের গোমরাহি প্রসঙ্গ)	৪৩-মুখ্যক	20	593	মনুহ করীর(আল্লাহর পথে বার প্রসঙ্গে)	৪৭-খ্যাপ্রস	200	82
সতর্করারী প্রেকা (পর্মাই পূর্বপুরুষদের জন্য)	৫৭-সাক্কাভ	12	9,90	যুৱাত কৰীবলের কল	%-व्यवस	30	88
সহাসহ বাসুল (০ প্লোলা (সুসংখননাহ(পাতৰ্কমানীক্সণ)	२-शक्रश	779	670	শক্তা করের অন্তর্মান সম্পন্ন কর্মারনের চিন্তে পারা	२-राकृतः	290	
সংপ্রদায়ের প্রতি প্রেরিত বাসূল মূলা আ, তে কির'আউন	50-9,465.	33	42.9	283	4-03(0)	410	100
কর্মক পাণল আখ্যা		_	-	অধির্ভন (কনা বাতে কমনুহা অধির্ভন পর্যন্ত শন্তি বর্গত হয়)	৯৭-কান্ত্র	-	١.
সালিহ আ. কে ছানুদ অভিন কাছে প্লোলা (ইবাদভেব নির্দেশনাং)	২৭-নামল	80	pog			6	30
সন্দিহকে যা সহ প্ৰেলে করা হয়েছে উত্তে বু'মিনানর বিশ্বাস	৭-জা'লফ	26	679	কল রেখ (ক্ষান্তের কল রেখ হতে দান রেখ স্পট হওছা)	২-বাকুরো	724	45
সুসংবাদগাতা ও সভর্ককারীরূপে রাসুল স, কে প্রেরণ	৩৫-ফাভির	4.8	787	কুরায়ন পাঠ (ব্যবহার কুরায়ান পাঠ বা ক্ষরহার সালাভের নির্দেশ)	১৭-ইন্রা	96	93
হাৰুলকে সাহায়(কারী হিসেবে প্রেরণের জন্য মূসার প্রার্থনা	২৮-কাসাস	8	277	কুৰজন পঠ (কন্মতের কুৰজন পঠ প্রব্যক্ষ করা হয়)	১৭-ইস্রা	9.6	93
ধকলে হতি তথ্য প্রকা (মূলর বিদ্যাব্যক্তিনর বাছে যালর হাকা)	<b>२५-७ जावा</b>	30	955	নালান (ক্ষান্তের নালানের পূর্বে ছার প্রবেশ উদুমতি নিবে)	२८-मृत	Qb	9,6
<b>রেরণকারী</b>				क् <b>व</b> वहा		_	1
নেই (মাল্লাহ যা আটকে রাখেন ডা প্রেরণ করার কেউ নেই)	৩৫-ফানির	3	189	ইয়াভিম নারীকে ব্যাপারে আল্লাহর ক'ভওয়া	8-मिश	256	
রস্প প্রেরণকারী আল্লাহ (মানইবানবাসী প্রসঙ্গ)	২৮-কাসাস	82	9.75	ইয়াতিম নারীনের ব্যাপারে মানুদ কতওয়া জানতে চায়	৪-নিসা	754	64
ব্যসূপ (অল্লাহ রাসূল প্রেরণকারী)	৪৪-দুখন	¢	204	বাশাশাহ সম্পর্তে আল্লাহ কডেরা নিষ্কেন	8-मिना	269	
মেরিক				जन्म नः या काम जननार/नता-निव-संवर्धन नन्पर्र	৪-নিসা	396	60
আশহল (প্ৰানিত হওয়া স্বশহল বংকা অস্তাহ ভানেবলে যাব)	9-204	86	682	ক্ষণা মণ্ডা			
বুটা/ভিতৰ (প্ৰায়ত বুটা/ভিতৰ জাতির কাছে পৌছে লেন ফুল আ.)	৪৬-আব্কাদ	20	950	করসালা (আরো দেখুন আপোস-নিস্পরি/মীমাংনা/			
কসম (ক্ল্যাণরূপে প্রেরিত্রের কসম)	৭৭-মুরুসালাত	2	224	বিচার-ফরদালা শপটি)		Ĺ	
কেনেশনা (প্রতিত কেনেশভার উদ্দেশ্য কী? ইকরাইফের প্রপ্র)	৫১-ঘরিরাড	402	254	অপ্রপূলকদের বিষয়ে আল্লাহ কিয়ামতে করসালা করবেন	২২-হাজ	24	94
বৃদ্ধ (রাসুদ্রানর জন্য অল্লাহর নাইটোর করা পুর্বনির্বারত)	৩৭-নাক্কাভ	242	566	अक्राह राज्य बाहरताना मा कहा गर्देश विमाद प्राप्त कहार मा रहा छाड़े	১২-ইউসুফ	310	66
মিখ্যাবাদী বলেছিল হিজহবাদীরা তালের রাজুল কে	১৫-হিজর	'nο	903	অল্পাহ বছৰাল না কর পর্যন্ত প্রসূপ স, কে বৈধিবহানে উপালে	১০-ইউনুস	209	86
মেহমান (ফেরেপতাগন) হেরিত (পূত সম্প্রনায়ের হতি)	३३-बुल	90	892	অল্লাহর করসালার জন্য দৈর্ঘধারণ ( ৩'আইন প্রসঙ্গ)	৭-জাবাফ	23	84
রাসুল তে কাজিবরা খলে 'কুমি প্রেরিত রাসুল নও'	30-874	80	695	অল্পাহর কালেল (মুদ্দি ও কবিয়ের বিবাহ বিয়েল সম্পর্কে)	৬০-মুমতাহিলা	٥٤	ho
বসুদ (পূর্বে প্রেরিত বসুদ্ধানা মত নির্দেশ আনাঃ আহবদ, নীয় প্রবিত)	२३-वारिया	e	920	অপ্তাহ থকা ব্যৱদালা করেন বোন বিছয়ের, তথা ব্যাসন 'হও'	১৯-মারইরাম	-00	90
বাসুদাপ যাসহ প্রেরিড ভানের জাতি তা অখীকার করদ	৪১-কুন্সিলাভ	38	293	ইহুদিনের বিবার আল্লাহ বিরাহতে ক্যুসালা বর্তন	22-1789	39	9,6
অসুলাল যা নিয়ে হেরিত ভাতে কবিস্কান (নুব/আন/অমুলএনক)	३८-इंन्सादीय	3	998	বিশ্বামতের দিন প্রতিশালক কয়সক্ষা করকেন (মতবিয়েরখের বিদ্যান)	৩২-সাঞ্লা	2.0	be.
वार्त (क्रमन्त्रवर्त्रीयाव निवर्ते क्षित्र कर वानून न, द्वावित वर्ष)	৩৬-ইয়াসীন	36	545	বিশ্বাহ্যকর দিন জ্যালালা করে দিকে আল্লাহ মানুদের মাকে	७०-मूबदादिन्ह	0	20
প্রসূপ স. (জনপদবার্গীকের নিওট চিন জন রাসুগ স. প্রার্থিক হয়)	०५-३व्रमीन	28	P22	গুটানানের বিষয়ে আল্লাহ বিয়ামতে কল্পালা করবেন	22-E/M	29	95
৬'আইব যা নিয়ে প্রেরিড ভার উপর ঈমান	৭-জারক	79	620	হুৱাৰ কালসালা (প্ৰতিপাহকের কালসালা হুৱাৰ)	১৯-মারইলম	95	30
সতর্বভারীগণ যা নিয়ে হোরিত মুশরিকর ভা অধীকার করে	৪৩-টুবরুক	48	239	জনতে চাওরা বিষয়ের ভারসালা হয়ে গেল,	১২-ইউসুক	48	Qb.
সভৰ্বভাৱী যা নিত্ৰে মেহিত ডা অনিশাস কৰত বিভনানৰা	৩৪-সাবা	08	b88	জিমাপ (বিজয়বিদ্যানত সম্পর্কে কমিবলের জিমাস)	৩২-সাজ্যা	26	ъ
সমিত্র আ, প্রতিশাসকের পাল থেকে প্রেরিক কিনা সে সম্পর্কে প্রস্থা	৭-আ'রাক	92	679	দিন (বিবাহত কারনালার দিন)	৩৭-সাফকাত	43	Pro-
মুস্বোদন্তা ও সতৰ্কভাৱীৰণে (বাদ্যাদ)	36-4154	66	933	নিন (কালেলার দিনের জন্য স্থানিত রাখা হরেছে যেসং)	৭৭-মুবুসালাত	20	83
কুল প্রেরিক ব্যায়নে য নিয়ে মা ক্ষামিকে পৌছরে নিরয়েন	77- <u>4</u> 4	49	973	দিন (ফালোলার দিন একটি নির্বাহিত সময়)	৭৮-নাবা	39	200
		4.2	1 2 13			80	30
প্রেরিত (ফেরেশতা)				দিন (ছারসাহার দিন সকলের জন্য নির্বারিত)	88-नृशंग		

ফ মনসাল ফান্ত্ৰ সাম সামাল সামাল সামাল কৰিছে সামাল কৰিছে সামাল সামাল কৰিছে সামাল সামাল সামাল সামাল সামাল সামাল সামাল সামাল সামাল

भव दिवद्धात्रक	न्दा कर कताव	-	901	REASTR	न्दा नः ७ मान	4304	
कदमाना (পূर्व भूते (चंदक)				ৰভন্ন (নৌৰাছ্যক বিভিন্ন ফল্যফুল থেকে বাংলার নির্দেশ, মুখুপ্রসঙ্গ)	১৬-বাহ্দ	69	90
দিন (ফারপার্যার দিন হিন্তা অভিনিতক্ষরীচনাকে একএ করনেন_)	11-মুকুমানাত	Ch.	992	খাওয়া (গাছ কলবান হলে ভার বল খাওয়া প্রদাস)	৬-আন্আম	787	65
দিন (ফ্যুসালার দিন সম্পর্কে জানানে)	৭৭-মুধুসালাত	38	293	বোহুর পাছের ফল নির্দর্শন (মানত তৈথি/জিন্তম বিধিত গ্রহণ প্রদঙ্গ)	১৬-নাহল	59	90
দুনিয়াকেই করু ফিরাক্সটন ফালালা করতে পারে (জনুকরানর উঠি)	২০-ডা-হা	12	180	থেতুর পাছের কল থেতে ঋণত তৈরি/উত্তম রিণ্ডিওংংল নিদর্শন	১৬-গাইল	59	90
নবীপদ ফায়নালা করকেন মানুষের মতপার্থক্যপূর্ণ বিষয়ের	२-शकृति	220	e28	জরাতীদের নাগালের মধ্যে থাকবে (দুই উদ্যানের ফল)	৫৫-রাহ্মান	68	36
নাচার সামে করনালা করা হবে কিয়ামতে, পুলুম করা হবেনা	৩৯-বুৰার	88	233	ছাব্রতীদের জন্য ফলফলানি থাকনে জান্তাত,	৩৬-ইয়াসীন	29	bro.
ন্যায়ের সামে ধনাকলা করা হয় মনুহার মারে (অনুলাল, আনার পর)	১০-ইউনুস	89	625	ছোড়াত খোড়াত ফল সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (পৃথিবীতে)	১৩-বা'দ	0	90
ন্যায়সন্থত ক্ষমালা করা হল, বখন আল্লাহর নির্দেশ আগল	80-वृधिन	932	P#8	দান করে ভাগ শাহু আল্লাহর ইচ্ছার (উত্তম কথীর উপমা)	১৪-ইব্যাহীম	2.0	83
भाइनवास्य मृ'राक्ति स्थानामा (देदहाटम गण वता अनम)	१-प्रक्रिम	24	695	মান, দুই বাগানই ফল দান করে (দুই ব্যক্তির উপন্না প্রসঙ্গ)	১৮-বর্জ	90	93
				ছিল কৰ (উ) কৃতিৰ ক্যানে প্ৰকল কৰিব ছিলা কৰা পানের উপত্ম)	২-বাকুারা	262	90
নাবাধাৰে ধ্যুসাপা কৰা হবে জাসিমদেৰ মধ্যে (কিলামতে)	১০-ইউনুস	<b>¢8</b>	94.9	নির্দান (বাই ব্যৱ কর্ম উৎপ্র হওয়া ভিত্ত কর্মন কর্ম কর্মন (বা	১৬-নাহল		91
প্রতিপালক কর্মী ইপরানিশের মতাকানে যাংলাশা করকে। (বিধানতে)	১০-ইউনুস	20	660	প্রক্রের কর্ম করে কেরিক্সিকে বিজ্ঞানিক প্রকর্ম নির্দেশ (মধ্যপ্রসাস)		27	90
হিল্পাইনের যা হলাপুলা করে তা কর (নিরাম্বাইনকে জানুনারে উঠি)	২০-ক্ল-গ	12	180		५५-नार्ग		
वर्षे (सहनामह क्ये पृर्वदावित ना धानदश मेमारता इहारे (ए०:)	85-481	57	৮৯৩	প্ৰকাৰ (জাল্লাতে প্ৰত্যেক ফলের দুটি প্ৰকাৰ থাকৰে)	৫৫-রাহ্মান	65	3
বিষয় (সকল বিষয় সায়সালার দিন সম্পর্কে সভর্ক করা)	১৯-মরইয়াম	-03-	906	বাগান ওয়ালার বাগানে (জনেক কল হল)	১৮-কাইক	08	3
বিহার কামের বদাসকার পরে শারতান কারে (প্রতিরাধি)কর্তৃত্বলিকত	18-१रदारीय	44	960	বিশ্বাদ ফল নিয়ে উদ্যাধ দুটির পরিবর্তন কয়ে নিজেন আল্লাহ	৩৪-সাবা	36	b
বিহুত্বের ফরসালা হরে যেও (ফেরেশভা নামিল করলে)	৬-আনু আম	Ъ	679	হর্মদা দান (কিছু ফলকে কিছু ফলের উপরে হর্মানা দান)	১৩-রা'দ	8	80
বিলাটো দোপাশা হয়েই যেও (বনি ডা বালুল স. এর কছে থকড)	৬-আন'কাম	₫b.	600)	বিধিক হিসেবে ফল দেয়া হবে স্বাধ্যাতীলের	২-বাকুরা	2.0	2
মতপার্থক্যের বিষয়ে ফরসাল্য করবেন আল্লাহ (বান্দর)	৩৯-বৃদ্ধর	85	7.35	লক্ষ্য করা (কলের দিকে যথন থা ফলবান হয়	৬-জানু আম	22	6
মহাবিয়েকে বিষয়ে প্রতিপক্ষক বিশ্বমতের দিন বয়সকা করনে	৩২-সাজনা	2.0	500	সাদৃশ্যপূর্ণ কল দের হবে মাঞ্রতে(দুনিয়ার ফলের সাদৃশপূর্ণ)	২-বাকুারা	2.0	0
মতপাৰ্থক্যকৃত বিষয়ের ফায়দালা করবেদ আল্লাহ বিয়ানতে	৩-সালে ইমরন		682	দ্বারী (জন্নাতের বন্ধসমূহ স্থারী)	১৩-রা'দ	02	6
মন্তবিপ্রাপ্তে বিষয়ে প্রতিশালক ফাসালা করবেন (বিয়ামটের দিন)	82-वादिया	29	909	चन्द			+
মুশরিকদের বিষয়ে আল্লাহ তিয়ামতে কর্মশালা করবেন	55-528	24	989	উপালে (ক্ষান্ত/আন্তাত মূপর জন্য সকল বিষয়ের উপালে)	৭-আ'বাক	384	6
মুখিননের বিষয়ে আল্লাহ কিয়াবতে কয়বালা করবেন মুখিননের বিষয়ে আল্লাহ কিয়াবতে কয়বালা করবেন	55-03M	29	589	তুলে নেয়া (মূলর কলক তুলে নেয়া প্রসং)	१-आंडांव	265	
রাফুলগরের ( উদ্ধন্ত স্বেধ্যানীর বার্থকার জন্য)	28-देवरादीय		558	তেলে নের (কুর আ কুর হয়ে ফাক কেলে দিল ও হরেন্দ্রে)	৭-আ'বাক	260	
	३३-एनए।३४	36		সংগ্রহণ করতে সম্মানত বুরআন সিণিবছ আছে	१९-दुक्क		20
নতের নাথে ফানালার জন্য আল্লাহর কাছে বাস্কা ন, এর	43-005491	225	929		16.584	44	120
নোয়া(ইলাহ প্রনাস)		-	-	ফনপ্রস্		_	╄
সবিষ্টাদের বিষয়ে আল্লাহ কিয়ামতে করসালা করবেন	44-17%	29	96.9	উপদেশ কলনসূ হলে উপদেশ দানের নির্দেশ	৮৭-আশা	b	20
হয়ে যাত্রা (অল্লাহ/মেতেশন অসলে করসাশা হত্রে যাত্রয়)	२-चङ्ग्या	530	650	कन-कन्त		_	
ফয়সালাকারী (জারো দেখুন মীমাংসাকারী শব্দটি)				ছতি (বিরস্কাইনের বংশকে বুর্তিক/কল-কল্যার কতি কর)	৭-আ'রাফ	300	6
অক্সং উত্তম কয়লাশ্যকারী	৬-অপ্তাৰ	63	603	বাংস (ফল-ফসল বাংস কন্তকে চার যার:)	২-বাকুরে	200	2
অক্সাহ উত্তম ফায়লালাকারী	১২-ইউসুফ	900	698	বিনষ্ট হয়ে গেল (কাফির বাগামওয়ালার)	১৮-বাহ্দ	83	9.
অক্সাহ উত্তম ফয়সালাকারী	১০-ইউনুস	203	608	ফশবাৰ			т
উভয় করসালাকারী আল্লার (ত'আইব প্রসঙ্গ)	१-सा'राक	2.4	950	গাহ কলবান হলে তার কল খাওয়া প্রসঙ্গ	৬-জদ'জাম	282	16
বাণ্ডিতা (ফবসালাকারী বাণ্ডিতা নাউদকে নিয়েছেন আল্লাই)	db-(78387	50	200	ফলের ফলবান হওয়া/পরিপঞ্জতা লাডো প্রতি লক্ষ্য করা	৬-জন'জম	66	6
<b>ক</b> ঃসাগাকৃত				यन (२५३न)		-	۲
নিষয় (মারইবাদের পুর হওরা একটি ফারলালাকুত নিষর)	३५-मदरेशम	42	900	কৃতবহর্মা (কাজিয়ানর কৃতবহর্মার মন্দর্শন (ভাগ)	৬৪-তাগাবুন	e	'n
ক্ষুসালার দিন		-	-		@e-ol-tiz-		- Pr
ইয়ন (ধারসালার দিন কবিবাসের উন্মন উপকারে আনরে না)	७३-माम्पा	43	305	ফলমূল		-	١.,
নিৰ্বাহিত সময় (ক্রমালার দিন একটি নির্বাহিত সময়)	97-200	24	3000	व्यक्तम् (व्यक्तितः एन-मृत्रतः मद्भ पृत्वसैतः प्रभदः सञ्चादः)	९९-पृत्रभाषाठ	84	9,
	1911940	21	2000	আহার (মানুধ আহার করে, বাধানের ফলমূল)	২০-মুখিন্ন	7.9	9
ফরদালা (হকুম)		-	ш	আহারের জন্য বাগান বানিয়েছেন অল্লাহ (মৃত ভূমিতে,,)	৩৬-ইয়াসীন	46	b
প্রতিপালকের প্রেম্/ক্যানালার জন্য রাকুল স. এর কৈবিরান	৫২-দূর	89	307	नेरश्च(क्ल्यून नेरश्च काव करा प्रह्मार श्रीन प्रतर्शेर्स करान)	১৪-ইববাহীন	ચ	8
ফর্ম (বিধিবন্ধ)				উপেন্ন করেন জন্মার (ঘর্মনে) ভোগ্যসামটারপে	৮০-জাধাসা	02	20
লখক অবেম মুমিননের উপর নির্বারিত করঞ্চ	8-निगा	200	490	উপস্থ (বৃটির পানিতে মানুদের রিধিকগরণ নব্দ-কুল উপস্থা হয়)	২-বাৰুৱো	22	10
মুদ্ধ কেন বিধিবন্ধ করা বালা ? (মুদ্ধ থেকে জবকাশ প্রার্কনা)	s-নিশা	99	499	<b>डिरन्द्र (वृत्रि वर्षन बात्रा व्यक्तार धनम्न डिरन्द्रा क</b> रतन)	৩৫-ব্যক্তির	29	8
যুদ্ধ করম করা হলে অনেকে মানুহকে তম পঞ্জিল	s-First	99	699	কর-কতি (কন-মূলের কর-কতি নিয়ে মানুদকে পরীকা)	২-বাকুৰো	266	10
एक वर्ड (कार्ड पहार एक वर्ड फारा, नाम्बंबीवहरू कर)	৩-জলে ইমরণ	39	282	গভাগ (ৰাপ্ৰতে কৰ গাবে মুক্তবীৱা)	৩৮-সোলদ	62	1
হত্যর বিশ্বন দরণ করা হাল (মুনাধিনকের একে অপহতে হত্যে এ)	8-निश	66	269	ब्राह्मास रुक्त्यून, रचेबुद ७ जानाद शकरव	৫৫-রাহ্মান	dir	b
<b>ক</b> রিহান				বান্নার্টাদেরকে পথ্নের ফলমূল সরবরাহ করা হবে	৫২-ডুব	22	1
সম্ভাগে কাছে মনুৰ কৰিয়ান করে (দুঃখ-দুৰ্ননা স্পৰ্শ করলে)	36-RRM	60	707	অগ্রতে প্রতুব কলভূপ থাবে ভুগ্রেকীরা	৪৩-যুধক্ষ	90	12
কাঁচনা কবিয়াদ করে (শস্তি স্বরা পাকড়াও করলে)	২০-মুখিনুন		110	অভিতে ব্যৱহে সৰ ধৰণে ফলভুল	৪৭-মুহাম্বান		2
কাজিরা কার্যাল করে (শার করা শাক্রাত করেন) কাজিরসেরতে করিয়াল করতে নিষেধ করছেল আচাহ		68		নাশালের মধ্যে থাকাব (জান্তাতের ফলমূল)	Op-state	34	
	२०-वृष्यिम्न	66	110			20	2
यम			ш	নাগাল কৰা (অগ্নতের বলনুল অগ্নাইসের নাগাল করে হবে)	९७-माव्य	78	þ
জ্ববলে থেকে বের হয় না বেনি ফল (অক্সাহর অভারনেরে)	৪১-কুস্সিবাভ	89	1,90	শহন্দ করা (কবনুদ থেকে শহন্দ করে নিবে স্বান্নাভিরা)	৫৬-ওয়াকিয়াহ		8
উৎপদ্ল (আল্লাহ বৃষ্টির পানির মাধ্যমে ফল উৎপদ্ল করেন)	১৬-নার্প	22	900	পৃথিবীকে ফলফুল ও আংরগমূক ধেঞ্ব গাছ আছে	৫৫-রাহ্মন	22	8
উদ্যানের ফল জাল্লাজীদের নাগালের মধ্যে থাকবে	৫৫-রাব্যান	48	787	প্রশাস্ত্রনিকে কলমূল আনতে বধাবে মুরাকীনা (লান্নাতে)	৪৪-দুখান	66	h
ব্যাপর মাল ফল প্রেল (ইহবামে পাচ হত্যার কাফফারা এলক)	৫-মারিলা	32	425	প্রভুর ফলমূলের মারে থাকরে ভানের সাধীকা (জান্নাতে)	৫৬-বহাবিয়াহ	04	>
ধৃতকর্মার মদন্যশ জেগ (অমান্যকারী কলপানো কৃতকর্মনা কল)	०११-१३मान	3	265	বাছাইকৃত বাদ্যদের জনা রয়েছে ঘল-মূল (ভিয়ামতে)	৩৭-সাফ্যাভ	84	1

विकाल (स्वासीका (N. Jacadislatell) Granting. সুৱা নং ও নাম আলেক পুঠা - विकास (अस्त्रकाता करते । THE PART OF WHITE PRINCE OF अस्त्रक (शर्व श्री । भग्न figurar (editor) বাগানে কলমল করেছে বা মানৰ আহার করে Le village আবাত জিতনার জেলাত চাম যাকে ভাব জন্ম বাসল স এব ৫-মাবিনা रवत कहा (क्ल...प्रस (राव करवन कासाइ शामि करायीर्थ करहा) construction of 9.mt'atte বিভিক্তরত নিয়ে আনা হয় (আল্লাহর পক্ষ থেকে) No. WEST we finance/finance/after wrone fines were 33-81W Plus floatiliseurs sergens falus erres netti Briedinger A. WESTER ইবাদতবাৰী মূৰ কিবাৰ) 410 Office (Sportfree anatories Officerores statement contra partie) 38-वेनवारीय क्रियात (संशीकात साम) प्रद वकाय वकायन (दाशासक मेशवा अपन्य) s.Witter रामान (प्रीम्पानदक सरिवा)न्य क्रम् विग्रम्म मा वामानाव अर्थनाः ৬০-মদভাহিত্য fixacat /firester আদিলানের জনল যে মন্ত্র আপ্তার তার ক্রমল বর্তিত ওক্তো a s when চনবিবার ভিতন করম (পদার পালে) ৩০-আচ্চাত 2008 Seen (1978) Stein St minion Sports 0.0010000 ferral (fertis) উৎপর (ঝর্পার পানি রারা আহ্বাহ ফসল উৎপর করেন) ah-swid नहीं देखारिकत पान मार्गिक प्राप्त विश्वांत राज ज A WHITE ma व्यक्तिक प्राप्तक प्रशिक्त तथ क्षेत्राचा विका स्था । प्राप्तिकारण विका स्थान प्रा 82.40 Secretar court সহি স্মেতিসামন কলে প্রায়েকারীর হতল ভারত বহি বাজে। 85.98 STRATE OUR DESCRIPTION OF CHEST WAS TRANSPORT o.out'atte 630 fivazoa envisionmental mass scarges our scottes contra eva-My-HPEN বালাচৰ ফিত্তৰাখন উপাৰ্থই হামাধ্য সমি May 300 748 **Garfiron** fee (man posted for partie on metter (min) a market min 282 630 acrist across see faidion facera reserve /Stransferrer AD STREET ৫৭-হাদীন काह क्षांगाम (इसक्रिक ५ व्यक्तिकास) 505 আপ্ৰায় বাসল সা কে যে 'কাই'' নিবেছেন জ 03-3040 प्राप्त प्राप्तव कावार किनिया (काव्य क्षत्रक ) a-grenet 433 प्राच्या वर्षा तथा व्यापालक प्राच्या २ (त. (१०)) व्यापालकी स्वरूप 05.7000 hoo সভয় ব্যক্তি ভিনিয়া নিবে (ভটের কাংগে রোঘা না রাখসে) ২-বকুর 298 650 म्बीरक कांग्रे विभाग शमत मानीरमव बिरव शमत na diagra foretenits. क्रमानिः विकासिका चन्यादित नार्वं क्षानस्त्रात्व निकार क्रमा a methodos years ours viet size vide fork VV-2020 wears for Grantition was exe Arte Military STATES OF क्रमानी (fina'सदिन समान a 'साजन वांक्री क्रिन क्रमानी' ১৮,বাস্থ ওহার কাঁকাস্থানে আনহাবে কাহাকের অবস্থান ১৮-কারক অমনা করল ভিত্তভাউন রাসুল (মুদা আ.) বে S-A. TOTAL FORM stra nira অৱস্থার করণ কির'আইন ও ডার বাহিনী (পথিবীতে) ১৮,বাসাস बागाला कोटर केटर नाज क्षत्रिक रक्तात्र नाने (व्यक्तिप्रान्त) ইক্ষত (বিশ্ব'ক্ষাইলের ইক্সেনের কলম্, বনুনবহুলর বিভাগী চংবার লেকে। ১৭-উসৱা 25 ২৬-৩'বারা 88 980 क्रेकर श्रीप्राणकानवादीएउ जवसंक क्रिवं वासिन wite 88.8% बाद्धारम कांग्रेस (महे (दाविदया दि प्रा सका दाद सा रेक्ट किल किल्कारिक (लिक्टीएक Vo. William 20-300 উঞ্চত (ফির'জাউন উক্ষত চারছিল পথিবীতে -উচ্চত (কিচ্ছাইনের মূলকার খেকে উদ্ধারের হল্ড প্রীর লেয়া) au work state rest) offic row mater (all) উত্তৰভিত্তৰ কৰিছ সময় প্ৰথম ⇒-वाकाश 9.8 ক্ৰেম্ব (জিব'আইনদের টোপ উলেকবারী মসার সঙ্গীরা) ১৮.৬'আরা william কোত জোলকতা উমান আনার কিব্রআইনের ছোড প্রকাশ) ২০-ভা-ছা 980 ਕਾਰਾਵ ਕਾਹਿੰਦ ਨਹਾਂ ਹਾਰ (ਨਿਸ਼ਾਕਾਨਰ ਨਿਰ) ৭৭-মুহসালাত মোলা, ভিন্ন'না উচন্ত ("মিগতের বারুত ভি স্কামার নরত") ব্যান কাটিরে পানির প্রবাহ কের করা (নাহর কন্যা প্রসঙ্গ) 80.5525 ৫৪-কাম্যর 3400 SUPPLY (Final Self-Street Construct states Street Selector Select ২৬-৩'জারা 100 सावित्र (प्राप्ता /प्रश्न शाशास्त्री सम्बद्धिः प्रात्नान तीव्याक्रिका प्रात्नातम् व्यवस्था वर्षेत्रनामः सन्दर्भ स्था। ১৬-৬'জার की देशवांत्रकाच व्यक्तिकानों कांग्रित (बाविरवट मान्य समय १९३३) ৫.মাছিল annagrad federations lead for word finds present (refers presenters after our make several transmit ১০-ইউনুস 664 485 ফাল্ডার (ভির'আউনের নিকট ভাল্ডার আনার ক্লব্য শহরে \*P-0,444 सारक्षा (सम्बद्ध अनील सम्बद्धि) ... central serimon. tice them (see theme your framethy bone wound Sec. Billion আশার (ক্রিয়েনর বিভাগর আশারার মারের মানের বিভাগর করা আর a fire tables seems (final-seritran selfs selfanement tables arrest). ३४∞कामाञ উদেশ্য (কিতন্য উদেশ্যে স্থাতাশাধিক আমারের পিছনে পেছে। A. PRITTY ROUTE contra nikusa meng fiterminana cat saran meng Sar No. Security বৈদেশ ক্রিকের উচ্চেশ্য মুটার্মট করে সম্প্রকারীর করে প্রেকিট 5-3094 480 অসমসার /ভিত্তঅভিন ধাংসপ্রাপ্ত, মসার ধারণা) ১৭,টসক क्यान विकास क्यान कर्नाहर भारत प्राची तथ देशक प्राच है S- etwart ২৯-অন্বলের Øħ. eagus official exists white output ১-বাকারা 008 নিৰ্মান্তৰ বিশ্ববিদ্ধান ও ধাৰ সাধীলেৱকে আল্লাৰ নিৰ্মাণ্ডৰ কল্পান 19-8HE Seramono ferzeta combian uniferza cufearra. ০৭, মানী 565 নির্বাচন।বিদ্যাকটিনের নির্বাচনের হয়ে কম গোক স্থান আনে) Vo. Billion **१८५ शक (किरमात १८५ अफ़ राज, यज अम्मिर राज**, Enforce (Supporting proposation with collect until Guide occur) No private अधिरात विकास । कामाञ्चल हात प्रश्लिमा अराज्याका राज मा शास b-STROPP 10 80%

2458

148.0

a Gron

৮-আনকাল

২-বাকারা

5, 32631

১-আন'আম

AN INTERNATION

a.grarat

विश्वाल (प्रमाणिकामारक विश्वालय मिट्टा विश्वालय दक्ता विश्व पात्र)

ত্তম ভিক্তিবার তথ্য করের নির্দেশ হা কেলা জালিবাদবারেই

प्रीक (विराध्य स प्राप्त प्रश्राम प्राप्त प्राप्त प्राप्त साध्य प्राप्त ताध्य प्राप्त ताध्य

মশরিকদের জিঙনা (আল্লাহর নামে থিখা। কলম প্রদাস)

মানুষের কিওনা,নির্বাতনকে মুনাফিক আল্লাহর পরি তারে

uteriors (Sever uteriors, vicina comit

ਹਨ ਸੰਭਾਵਜ ਜਾ ਵਾਰਾ ਅਰੰਘ ਵਲ ਨਗਰ ਜਿਸੰਦੀ

एक (चित्रना ना शाका नर्बन्न वक्त कतार निर्दर्गन)

Securit Series

সঠিক পথ পেৰাজ্ঞন নিজ সম্প্ৰদায়কে কিবছাইনের দাবী

firster dispositive expuses the expete finings firster files

first disavergose feste money man use referently

পদ্দাই করা ।ছিত্তবাদ্ধির কর্তক সম্প্রদায়কে পথন্তই করা।

পথাছাক। (বিরঞ্জনৈবার্ডনী কর্তত ক্রী ইনবাইম্বানর পারভারত)

পশ্চারন (ফিব্রুটেন কর্মের বনী উন্নাইক্তের পশ্চারন)

প্রকর্মন (বিরামটের ও ভার বার্টিনিকে প্রকর্মন করসেন আরম)

পারবার বালের সামার বিরোজানৈ ও চাল বাহিনীত

firme (feet writtens firme offer the ser-

eformation for the with one

80.2700

৪০-মুখিন 05

30-27-01

AN-ADRIN

২০-জ-ল

You Break

**८**५-पविवार

২৮-কাগাগ 80 498

984

984

565

33.09

১১-হদ

বির'বাউন কিরানো

भेष	न्तां सर व नाम	1013	763	त्रव रिस्त/दरम	जुड़ां नर ६ नाम	पहार न	781
ক্ষির'জাউন (পূর্ব পূর্বা থেকে)				म्हें जनकर में बहुत की के किए के किए के किए	১০-ইউনুস	90	992
পাক্তমণ্ড (ফিবুডাউনকে পাকডাণ্ড কালেন আল্লাই)	৭০-মুববাধিল	36	79.74	নীক্ষাক্রম্(বিরক্তালৈ নীক্ষাক্রল করার মূলতে তার করে (ছতে AUF*))	২০-ক্যা-য	₹8,6	182
পরিক (বিবজাইন/পরিকারে পুনিয়ার সৌনার্যসম্পদ ভাগ)	১০-ইউনুস	bb	662	সৈনাবাহিনী (ফিল্লডাটনের সৈনাবাহিনীর বাড়াবাড়ি)	১০-ইউনুস	90	995
পরিক (বিরক্তাইদের পরিকানের তরে কম লোকই উমান মানে)	১০-ইউনুস	bro.	995	ত্রী (নিরন্ধনীনের ত্রীর প্রাপিন সম্পানর থেকে উদ্ধানের লেয়া)	৬৬-তাহরীম	22	242
পরিয়ের (ফির'জা উচনত পরিক্ষনতের্গর দিবট মুসাকে প্রথম)।	80-वृशस्य	85	152	ফির'ঘাটন (গঞ)			
শেরের সোপা বিহা'অভিনয় প্রতি কি আন্তর্ম ব্যৱহান প্রতিপাদক	P2-9183	30	2052	মূপা আ, এর শাস ফিরামাটন কঠিত মূপা আ, কে পাগর	২০-জা-য	40	480
अधिनाम अर्थन (विभावेतमा स्थाप्त कानुस्थातना अधिनान आर्थन)	৭-অ'রক	220	644	বেকে উঠিয়ে নেয়া প্ৰসঙ্গ		03	
(स्थार (इन्सार) प्रवटक नवटक नवटक राज्यावसकी/राज्य (जारा)	২৬-চ'আরা	20	930	finantia			
প্রেরণ (ফিরজাউলের কাছে মুসা-মাজনতে নিদর্শনসহ প্রেরণ)	১০-ইউনস	90	665	ইয়ালারনের আপারন (ফিলেউসের উন্যামে)	7h-915A	209	900
প্রপ্র (থিব আইসের প্রপ্র, ক্রণতসমূহের প্রতিপাদক কীঃ)	২৬-ত আৱা	30	959	উত্তরাধিকারী (মামিনান বিশ্বদাউলের উত্তরাধিকারী)	২০-য় বিদ্ৰ	33	966
প্রাথমা প্রেরমের উপর বিরক্ষরিককে প্রাথমা না লোল, ব্যাক্তরমের)	২০-রা-য	93	980	विश्वास	4.1.5	-	
প্রেরণ (মুগাকে ফিরুমাউল/পরিয়নবর্গের কাছে প্রেরণ)	৭-আগ্রক	200	653	অৰুৱাত পেশবাৰীলেকে বিশ্বিয় দেৱ হলে বলৈ নিকট বিনি	৯-আওবা	38	620
জামান সহিবারী ভিল ভির'জাউন	২৮-কাস্যস	8	rob	প্রটারের করে বাবে পরিবার পরিকারের অক্সার বিভিন্ন দেন	২১-আবিয়া	78	920
হিত্তমানৈ বলে ও তার পূর্বকটীর নিদ্যা অভিহিত করেছিল	৮-জনকাল	08	609	चाला विशेषा निराम (नपाडे टा निरा किरा गाँव)	8-निमा	220	293
থিরে বাংরা (থিবজার দিয়ে শিল্প (টাশলসমূহ জমা কলা)	২০-ন্তা-হা	60	488	অপ্তাহৰ কাছে ভিনিত্তে দেৱা হবে (সকলকে)	২৮-কামান	224	3-20
ক্যাস্যুস সৃষ্টিবারী (ফিরুরাউন ক্যাস্যুস সৃষ্টিবারী ছিল)	10-784X	92	000	অস্ত্রাহার কাছে বিভালে নেয়া হলে (সভাতত) অস্ত্রাহার কাছে বিভালে নেয়া হলে স্বাহিকে	২০-ইউন্স	46	969
বাপ (ভিকল্পীন বংশলে নিয়ন্ত্রিত করা প্রসঙ্গ)	३-सङ्ख्य	80	dob.	অপ্নাহর করে বিভাগে হব স্বাহিকে (মতার পর)	৬-আন'আম	64	603
বলে (ভিত্তভালৈ বলেকে নিম্নজ্বিত ভবলেল আবার)	५-वानवान	08	600	प्रांत्यक निरंक विशेष्ट्रय तथा शत्य प्रांत्यक निरंक विशेष्ट्य तथा शत्य	১৮,বাসাস		601
বংশ (বিশ্ববার্ত্তন বংশকে নিমাক্ষত করণে অস্তার) বংশ (বিশ্ববার্ত্তন বংশ থেকে বলী ইসরাইলকে উদ্ধার)	9-401401	282	692	আপ্তাৰ দিকেই সকলকে বিভিন্ন নেয়া হবে	৩-আলে ইমরান	90	288
বংশ (বিদ্যালাটন বংশ থেকে বলা হসঞ্চলকে জন্ধার) বংশ (বিদ্যালাটন বংশ হতে বলী ইসবাদিশকে উদ্ধার)	५-वाक्स	282	606	আপ্তাহর সংকর্ত ক্ষরতা (নরা হবে আপ্তাহর দিকে ক্রিকে নেয়া ২বে (জাহানামিনেরকে)	৩-আলে হ্মরান ৪১-কসদিপাত	910	
বংশ (ফিলোডন বংশ হতে বনা হসরাস্থ্যকৈ কছার) কল (ফিলোডনের বংশকে দুর্জিকাকল-ফলালর কবি প্রবা পাক্ষাত)	१-वर्षातक	300	698		৯১-কুদাদলাত ৮-আন্টোল	57	559
বংশ (মন্তব্যৱনের বংশকে লুকজাকশ-কশক্তম কাত করা পাকরেত) বংশ (মিরুঅটন বাশুরে অভানের নায়, আরাত অধীনার)	५-वा सक ५-वासकान	300		আপ্রাহর দিকে বিভিন্নে দেয়া হবে সকল বিদয়		88	606
বংশ (ফিবজানৈ বংশের এক ব্যক্তির দীয়ার জানাত জানার) বংশ (ফিবজানৈ বংশের এক ব্যক্তির দীয়ার গোপন রাখা)		2h	tree tree	আপ্রাহর দিকে দিরিরে শেরা হবে (সকল বিষয়)	৩-আলে ইমরান	209	285
বংশ (ফেরজারন কংশের এক ব্যক্তর ধনান গোপন রাখ্য) তলে (ফিরাজারন বংশের নিকট সভনীকরণ এসেছিল)	৪০-মুমিল ৫৪-হায়ার	83	346A	আপ্রায়র নিতে বিভিন্নে নেরা হবে মানুবকে আপায়র নিকে বিভিন্ন নেয়া হবে (মানুবকে)	২-বাকুরো	≥8¢	220
বংশ (ফির'আউন বংশের নিকট সতকাকরণ এসেছল) বংশ (ফির'আউন বংশের লোকেরা মনাকে কভিত্রে নিল)	৫৪-কামার ১৮-কামার	82	livolr		GO-325	22	255
				আপ্রাহর নিকে সকলকে বিভিন্নে নেয়ার নিব	২-বাবুধরা	52.7	200
বলে (নিরম্বাটন বংশকে কটিন শর্মিকে প্রবেশ করালো হবে)	৪০-মুমিন ৭-জা'বাফ	85	325	আপ্রাহন দিকে মৃতদেরকে কিরিয়ে দেয়া হলে	৬-আন্'আম	06	6,99
কা (মূস আ, বঁর বিনালাত সম্পর্তে প্রতিশালবকে কা প্রসাস)		208	955	আল্লাহর দিকে মানুষ্ট্রক কিবিয়ে দেয়া বংগ	২৯-আনকাব্ড	39	P29
কা (জনুকরে নিজী হন্যার প্রতিন্য সম্পর্তে বিশ্ব ছাউন্তে কা)	५७-०,बास	83	9200	चक्कारत निरूप प्रमुख्य विविद्या तथा -विने मृत्रा-चन्द्रत्वर स्वानी	७२-स्मृज	¥	295
বৃষ্ণার (বিরক্ষাইন বাহিনীর বৃষ্ণার রাসুল স. এর নিনট গৌষা) মধ্য কারতে ভিত্তভাগুলের নিকট পোচনীয় করা ২ডেছিল	৮৫-বৃহত্ত	7/2	3036	আপ্রাহর বিকট মানুখকে বিরিয়ে নেয়া হাব	०५-गुगार	88	792
	৪০-মুখিন	99	99.7	আস্থাহর নিবট সকল বিষয় কিরিয়ে মোর হবে	২২-হাজ	96	9,52
হিথ্যবাদী বলেছিল ফিরমাউন	৫০-বৃথক	30	355	আল্লাহর নিবট বিভিন্নে নেয়া হবে সব মানুধকে	৩৬-ইয়াসীন	5-0	2.04
মৃসাকে ভির'আ উনের নিকট প্রেরণ (আল্লাহর নিদর্শনসহ)	৪৩-মুখ্যুক্ত	85	2,99	ইমানারদেরকে কাফির অবস্থার বিরিরে নিবে	৩-আলে ইমরান	300	484
ম্সাকে ফির'আউনের নিকট প্রেরণ (স্পর্ট প্ররাণসক)	৫১-দৰিবাত	₫b-	351	কৰা কিবিয়ে দিনে জালিমৱা পরস্পরতে (বাদানুবাদ করবে)	৩৪-সাবা	97	784
মূলকে বিদ্যাপারীকের নিকট পরিলে (সুস্পষ্ট প্রমাণ ও নির্দর্শনকর)	77-4si	24	698	ৰপ্ৰানত প্ৰান কিবাৰ লা কেন মানুৰ (সভাবানী হলে)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	2.0	
মুগা জা, কে হত্যার অভিগ্রায় ফিরমাউনের	80-मुमिन	26	Mro	অভিন অবস্থার কিরিবে নেরার বামনা (আহলে বিভাবদের)	২-বাকুনরা	209	625
মুসা ঝা, ও হারালকে বিরক্ষিত ও তার পরিকাবার্টর কারে প্রতেশ	২৩-মুমিস্ব	85	309	কাছিবদেৱকে আল্লাহ জোধনহ ফিরিয়ে দেন (থপকে)	৩৩-আহ্বাব	56	N.26
মূলকে দিরজাউনের নিকট প্রেরণ	৪০-মুখিন	58	3-73	কাফিরসেরকে ফিরিকে নেরা হবে কি (পুনিয়াতে)	৭-আ'রাভ	60	623
হুলা আ, কিৱকাউনের কাছে আলপ	১৭-ইস্রা	202	150	অফিয়ানয়ত দুনিয়ন নিয়মে নিলে আছাহতে মিথা বলতনা	৬-আন্'আম	29	595
মূসা আ, ফিব'কাউন ও তবে প্রীয় চকুশীভগৰবরী	২৮-কাদাস	۵	909	ভিৰণা খেকে ছিভিয়ে দিল ভিন্নে? (বিনালা পরিবর্তন প্রসহ)	২-বাকারা	384	629
যান্তর (মূসা আ. ও হারালকে থিনা আউলের নহছে যান্তরার নির্দেশ)	59-9,481	36	966	চেগুরা (রাস্প স. এর চেহারা আকাশের নিকে বিবাদো	২-বাকুারা	388	679
রাসূল (ফিরআউলের নিবট রাসূল প্রেরণ)	৭০-মূব্বাধিব	26	79.9.	আপ্তাহ দেবেক্তন)			
রাজত্ব (মিসরে ভির'না উপের রাজত্ব প্রসঙ্গ)	৪৩-বৃধক্ত	62	1-22	চেহারা ফিয়ানের নির্দেশ (মসজিলে হারামের নিকে)	২-বাড়ারা	788	
শিল্প-প্রাপন (আল্লাই বিদ্যাসভিত্যার শিল্প-প্রালান ধানে করেছেন)	৭-আরফ	209	648	তহর বিভিন্ন দিলে মন্ত্রার রাস্প এর শহর্মনীয় নিবলর বিকে	২-বাকারা	288	67.9
প্রেষ্ঠা (বিশ্ব'জ্ঞা উদ নিজকে মূলর প্রয়ে প্রেষ্ঠ বলে নারী করে)	80-पूर्वका	१२	5.99	্ৰেয়ার বিভিন্ন দেয় (গ্রাসুদ স, এর পছন্দিত কিবলর দিকে)	২-বাকারা	288	67.9
বভূত্য (ফিরমাউলের বভূত্য ব্যর্থ ব্যৱহিশ)	৪০-সুমিদ	99	24.7	চেহারা মদন্দিদে হারদের দিকে বিবাদের নির্দেশ	২-বাকুরো	260	
নবেদ (মিন'জাউদ ও মূদার সংবাদ পাঠ করছেল অস্তাহ)	২৮-আবাস	0	909	্রহারকে অকাশ-পৃথিতি দ্রান্তর দিকে কোনো (ইংরাইনের)	৬-আন্'আম	%	600
সম্প্রদায় (জিরজাউন বংশকে শান্তি যিরে কেলল)	80-वृद्यिन	80	34.83	চেহারকে শিহনের বিকে কিরিয়ে দেয়ার পূর্বে উমাদ	8-मिमा	81	690
সম্প্রদার (বিশ্বজ্ঞানীন বংশের অভাচনর নার কবিবলের অভাস)	৩-বালে ইম্বান		600	আপ্রানে নিরিয়ে নের দ্বান (কমির সেখন ছেকে বের মুক্ত মাইলে)	55-5MB	44	980
সম্প্রদার (কিরজাউন সম্প্রদার রাস্প্রদারকে নিবাবালী বার্গারল)	৩৮-সেরাদ	35	1700	দীৰ্যান্থ লাভকাৰীকে, পূৰ্ববস্থায় বিবিধে দেন আপ্লায	৩৬-ইরাসীন	ibbr	566
নন্দ্রনার (বিদাতারীন সন্ধানারকে পরীক্ষা করেছিলেন অস্তার)	৪৪-সুখন	24	205	मृत्रि (ब्युबार्ट्ड म्यूबेकविएस १९६० मृत्रि विविद्ध न (नवा)	72-91\$st	17.	926
মাজনার (বিশ্ব'জাউদের সাক্ষানারের নাছে মূসকে বেতে নির্দেশ)	२५-७'व्यक्त	77	444	দৃষ্টি বিবিক্তে দেয়া হবে যখন আ'প্লফযানীনের (আগুনের)	৭-আ রাধ	89	929
সংক্ষেম্ম (নিরম্বাটন সংপ্রদারের প্রথমর মূলতে বাসুকর কলে)	৭-আ'রাক	202	644	দৃত্তী (বার বার দৃত্তী বিদ্যালেও সৃত্তিতে বোন আন্দা দেবা যাবে না)	৬৭-মূলক	8	200
সপ্রদায় (বিরক্ষাউনের সম্প্রনারের প্রধাননের মন্তব্য)	৭-আ'রাফ	254	620	দ্বীন থেকে ফিরানো পর্যন্ত যুদ্ধ চালিছে যানে অফিবরা	२-शङ्गरा	229	
সন্দদ দেৱা (ধিরক্ষাটনরে পুনিয়র জীবনে সম্পদ দেৱা হরেছে)	১০-ইউনুস	bbr	995	কর্মনের্ব (অনুধানীকে শহরেক্সীনের ভর্তনর্বে মিজির লেয়র অংশনে)	79-gisa	40	920
সম্প্রদার মার্যানারকে বিরক্ষাউন সম্প্রদার নিকট শাস্তি দিক)	১৪-ইব্যাহীম	6	630	পণ্যসূপ্য থিবিবে দেয়া হয়েছে (ইউসুকের ভাইদেরকে)	১২-ইউদুক	96	6bro
							900
সীমাপ্ততেনর বারতো মৃদ্যাইরান্দরের বিদ্যাক্ষরীনের কাছে প্রারণ	২০-剪-町	80	980	পরিবার পরিষদতে আল্লাহ আইয়ুংবর কাছে ফিবিয়ে দেন	२५-व्यक्तिंग	b-8	
	২০-জা-হা ১০-ইউনুস ৭৯-নাথি আৰু	100	980 963 3000	পরিবার পরিষ্ণনতে আল্লাহ আইবুংবর কাছে ফিরিয়ে দেন পাপারবাঁতে আগুনে ফিরিয়ে বেরা হবে (পালাতে ফইলে) পিছন বিভিন্ন কো (সঠিকপথ প্রবর্গনের পর)	২১-আধিয়া ৩২-সাঞ্দা ৬-আদ'আম	50	903

শ্বৰ বিৰৱ/প্ৰসৰ	সুহা নং ৩ নাম	tite	श्री	नंस रिरह/इनक	नुबा सर् ४ नाम	30013	78
ফিবানো (পূৰ্ব পূৰ্বা থেকে)	1 2		1	ইউপুক্ষের আইরেরা কিরে আগতে পারে (ইউপুক্ষের কাছে)	১২-ইউসুক	63	dir.
পূর্ববর্তী অবস্থার সাপকে কিরিয়ে দেরা (মূলার দার্তি প্রসঙ্	) २०-इर-श	22	982	ইউপুক্তৰ ভাইতের যানে সাথে কিরে এসেছ আসবাক জিলাপ	३२-१३नुष	1/2	691
পেছনে (প্রাবস্থার) ভিডিয়ে নিবে কাজিবশা মুক্তিশালকে			650	ইনৱাহীমের উত্তরসূরীনের কিরে আসা (আপ্লাহর দিকে)	৪৩-মুখ্যক	27	N.P.
প্রতিশালকের কাছেই ফিরিয়ে লেয়া বংগ সনাইকে	22-4H	<b>cs</b>	960	'ইল' বেকে বিধে অসলে আল্লাহ কমাশীল	२-वदस्या	1446	
প্রতিশাসকের দিকে বিভিন্নে লের বলে সকলকে (মুকার পার)	ত্য-সালসা	22	broo	ইয়ানদাররা বাতে ভিবে আসে পূর্বর ধর্মে দেজনা	৩-জালে ইমরান		08
				কাৰিয়ের ধর্মানর্শে বিধে না আসনে রাস্পানাকে দেশাস্তর	১৪-ইবরাহীম	20	43
প্ৰতিপাদকের দিকে সবাইকে ভিনিত্তে লেয়া হবে	৪৫-লাইবা	26	909	ৰাকেলা কিবে এনে বিজ্ঞান কলে পোনাৰ কি হাতিয়েছঃ	28-548H4	95	85
প্রতিপাশকের নিকে বিভিন্নে নেওয়া হলে (বাশনওয়ালর আশং		99	151	কাকেশা করে বাসে বিজ্ঞান করণ কোনো ক হাররেছ? কাকিলো হাছের দিকে কিলে আসলে			
প্রাণক্ষার ভিত্তির তল নির্দির সমস্রের ধলা (ব্যাসাঃ সৃজ্যুর সিছার বর্না		82	b48		৮-আনকাপ	7.79	40
ক্বিডনার নিকে মুনাক্বিকদেরকে কিরানো হলে কিরে বায়	৪-নিদ্য	97	469	মালিয়নের বাসহার ও বিশাস-সামহীত দিকে কিরে আসা	২১-আধিয়া	30	92
ছিরিরে নেরা হবে আল্লাহর নির্বট সকল বিষর	২-বাকুরে	430	450	আন অর্থনের পর কিরে এনে সতর্ক করবে নিয়া সম্প্রদায়কে	৯-জ্যান্তব্য	245	
মন্তবিরোধপূর্ণ বিষয় আল্লাহ ও রাগুল স. এর দিকে ফিবিরে লেয়া	8-निमा	42	¢68	পুত নিবে আৰ্ ফুলাইমানের কাছে পারর রনীর টপায়র প্রশাস)	২৭-নামল	02	bo
মানুষকে যমীনে কিরিয়ে নিবেদ আল্লাহ (প্রতিপালনের পর	37-42	79.	29.6	ধৃত্তী বিজ্ঞা আগবে নত ও ব্লব্ধ হয়ে (পৃত্তিতে প্রস্তন দুঁলে পাবে না)	৬৭-মূপ্ক	8	59
মনুষ্ঠের বিশ্বিয়ে দেয়া হবে অনুশ্য ও গুলের আনী আল্লাহর নিকট	১-জাভবা	300	662	ধ্বংগলার লক্ষ্ম কিরে আগবে না ,কাফিরসের মার্ডে	৩৬-ইয়াসীন	02	20
মানুহকে বিরিরে নেরা হবে বেলিন (আল্লাহর কাছে)	48-73	58	99/3	থাংগরার জনপদবাদীর ফিরে আদা নিবিছ (পৃথিবীতে)	২১-জাপিয়া	342	94
মনুষ্ঠে আল্লাহরই দিকে কিবিয়ে নেয়া হবে	২-বাকুরো	49	¢08	নিৰ্দেশৰ দিকে (আপ্ৰাহৰ নিৰ্দেশৰ দিকে কিবে আগদে	৪৯-চ্ছুরাত		34
अनुस्तर काञ्चारत निरूप विशिद्ध त्या -विनि मृत्य-कानुत्पात कानी	৬২-রুমু আ	b	363	व्यवसायक निर्मान,)		>	1
দুখ বিশ্বানের বিশ্বনা, পরীয়ে আমাল বিশ্বর সাথে ইবালককরী মুখ বিশ		22	925	নির্বেশের নিকে (আল্লাহর নির্বেশের নিকে কিয়ে না আস	৪৯-হৰুৱাত	-	82
মুখ বিশ্বাবেন মুগজিলে হারামের দিকে যোগান থেকেই কেয়				পর্যন্ত ব্রহন্তর আদেশ)		8	1-
हुव (प्रमुख्य श्रीक व्यवसाय प्राप्त न विनासन वेनालन्, त्यारपानमूख्य	২-বন্ধ্রা	79.2	639	নির্বারত প্রথম (মুলা ভা, এবং তার সঙ্গী পদন্তিত ধরে জিরে জসল)	29-salda	68	95
				পরিবারে নিকট কিব্রত পার্যন বা কবিবরে (বিশ্বামত হলে)	০৬-ইরাসীল	60	bre
মুনক্তিকদেরকে কিন্তনার দিকে কিরানো হলে কিনে বার	৪-দিশ	92	6.094	পরীক্ষা (ক্রী ইসরুদ্ধিরে বিভিন্ন পরীক্ষা করা হয় সেল কিয়ে আসে)	৭-জা'বাক		
মুলফিকদেরকে কিনিয়ে দেয়া হবে মহাশান্তির দিলে	9-200	202	960	শিহন কেল ৱাৰ্য ভিনৱৰ যতে কিবে আস,	৯-জাওবা	250	
মুখ ফিরাদোতে পুণ্য দেই (পূর্ব ও পশ্চিমে)	२-समृत्या	244	679			222	92
মুসাকে মানের নিকট কিরীরে দেরা (চোপ ক্টুরাদোর জনা)		80	980	পিতার কাছে কিরে আদল (ইউসুকের ভাইছেরা)	১২-ইউসুক	90	65
মুসাকে ফিভিয়ে দিবেন জাল্লাহ তার মারের কাছে	২৮-কাসাস	9	pop	প্রতিশাশকের নিকে কিরে আনার আহ্বান (প্রশান্ত আন্তাকে)	৮৯-বাজ্য	34	30
মূসাকে থিরিয়ে দিলেল আল্লাহ্ মারের নিকট	২৮-কাদ্যদ	30	9.09	প্রতিশালকের নিকে কিরে আনার নির্দেশ (মানইয়ানবানীকে)	22-gu	No.	89
মৃত্যুর পর সকলকে প্রতিপাদকের দিকে কিরিয়ে দেয়া হলে	৩২-সাঞ্না	22	irdo	্রথন স্বামীর নিবাট কিরে জালতে জগরাধ কেই	২-বাকুৰো	500	
ব্যাদে (প্রতিপালদের পর আন্তাহ মানুককে ম্মীনে কিনিয়া নিকেন)	93-55	30	20.6	কিব'আ উৰ সম্প্ৰসায়ের ফিরে আসার উদেশ্যে শস্তি পাশ)	৪৩-মুখ্যুক	85	by
ব্মীদে (মৃত্যুর মাধ্যমে মানুধকে মাটিকে কিবিয়ে দেয়া)	२०-वा-वा	66	188	বিয়ে অন (অনুব্ধ হয় নিয়ে জনা প্রতিশাসনে নাছ)	১১-যুদ	0	66
পারি কিবানো হবে না -বেদিন কাকিবদের কাছে তা আসা		ъ	666	बड़ रृष्टिंग निरम बिरार व्यान; देनवर्षीय व्यः गर्नुन रृष्टि छान अन्तर)	২১-জাবিরা	62	92
শান্তির দিকে ফিন্তিরে দের। (বিশ্বামতের দিন বনী ইসরালিয়কে)	२-वक्त	34	650	কবি ইসরাইকরা যদি জাবার ক্রিরে আসে পাপ কাজে	১৭-ইস্রা	b	93
শ্বৰ-প্ৰত্নিশক্তি ভিত্তিক্ত দিতে পাঞ্জেল কেউ (অস্তাহ লেডে দিলে)	৬-জাপ'জাম	85	900	বাসস্থাৰ ও বিদাস-সাম্প্ৰীয় দিকে জাৰ্পিমদের ভিবে আসা	২১-জাধিয়া	30	92
দকল বিষয় আস্তাহর নিকেই কিরিয়ে নেয়া হবে	৩৫-জরির	8	585	বিশাস-সামশ্রী ও বাসছানের দিকে জালিমদের কিরে আদা	২১-আধিয়া	30	92
সমূহে পুলার মিরিয়ে লেয়ার বাপারে মুপরিকর বি লিয়াপদঃ	১৭-ইসরা	69	930	মানুদ্ধ ব্যৱহ বিজ্ঞা আলে গোলনা কৃতকর্মের বিষ্ণু আখানন করবেন	७०-वम	83	ba
পন্ধরে পুনরার লোক্তর সেরার খালকে প্রশাসকর কেলার লো প্রাক্তর স্কিরিয়ে লেরার জন্য সামীই অধিক হকলার	३-वक्स ३-वक्स	449	440	মুদিনর বিত্তা আললে অধুহাত পেশকারীর কলম করে কাবে	৯-জাওম্ব	be	62
	০৬-ইয়াসীল			ভূমিনার বিয়ে জনন অন্তর্জন লোমত ও অনুহানের (জুন দেকে)	০-জেলে ইমরান		66
अंदेश मिनने रिविद्धा (नवा बहुत ,कारे चीव वेतानक नवहात बहुत	00-25/4/4	-55	9450	মুদ্দির কিরে জ্ঞানে অধুবাত শেশ করে কর মরে বসহিল	৯-জাওবা	38	02
ফিরিয়ে ভানা		_		মুগার কিয়ে আনা পর্যন্ত বায়ুর পূকা (বনী ইনরাস্থিতে)	২০-ড়া-হা	97	98
অন্তাহৰ দিকে বিধিয়ে আনা ববে (প্ৰকোক প্ৰাণকে)	২৯-আনকাবৃত		25.4		1-21,51A	760	
অস্তাহর দিকেই মানুবকে কিরিয়ে আনা হবে	২৯-আনবাব্র	52	333	মূৰাৰ জিনো জানা (সংক্ৰমায়েৰ মাহে মুক্ত ও মনকুমু উপস্থায়)			
অল্লাহর নিকট হত্যেককেই কিনিয়ে আনা হবে	২১-আছিয়া	90	923	বিহার থেকে বিয়ে আনা (প্রীয় সাথে বিহার করার পর)	৫৮-মুজানালা	0	95
আপ্লাহর দিকে ফিরিয়ে নেক্স হবে সৰকিছু	১৯-মাধইরাম	80	900	হুছ হেচৰ বিয়ো আনহাৰ ৰাজুলা স, ও মুফিললে (বেলুফিয়াৰ ধক্ষা)	82-4462	25	52
ব্যস্তাহর ভাহে প্রয়োককে কিরিয়ে আন হবে(কিরামতে)	১০-ইউবুস	200	664	রান্দা স, এর সালে যারা কিয়ে এসেছে জনেরকেও অধ্যিদা	३३-दून	222	69
দ্বিন গলকে ফিরিয়ে জানা (কুবজান পাঠকারী,দ্বীর নিজে	৪৬-মহব্দক	52	577	থাকার নির্দেশ		_	╄-
পদ্ধনিসমূহত অধ্যাহর নিতট বিদিয়ের নেয়া ব্যব না (কায়া মনে করে		226	990	শান্তি জেনার মাধ্যমে বিভিয়ো অদতে পুলিয়াকটেট শান্তি লেক হয়	৩২-সাজ্বা	47	bro
পূর্বাবছার বিবিয়ে আনার বিষয়ে কাফিরদের কবিশ্বাস	৭৯-নবি'আত	30	2000	ত'আইবের (সম্প্রদায়ের ধর্মদর্শে কিরে সামার জন্য	৭-আ'রফ	P7	63
ক্তির'আউনসেধকে কিরিকে সেরা বচৰ না (কাবা মলে কবল		ob.	2.77	ত'জাইব্যক হাপ)		L.,	
রাসুল স: কে কিজিয়ে অন্যতন অস্তাহ প্রভাবর্তনস্থলে (বালুডুমিরে		24	255	সঠিক পথে কিরে আসংবেন মুনাকিকরা	২-বাৰুবো	39	Q:0
বসুল স. ৫০ বিভিয়ে আনেল যদি অস্থাহ (মুনবিদ্যালয় নিকটি)	>-91641	lv0	689	সুপাইবানের দিকে পদক কিব্রে অসার পূর্বে সাবর নিরোলন আন প্রদাস	২৭-নামপ	80	bro
সর্বীন্ম ভরে (মানুষকে ফিরিরে আনেন আপ্রাহ)	৯৫-জীন	00	2027	হচ্ছ থেকে বিবে এসে সাত দিন রোয়	২-ধাকুবরা	299	24
সৃষ্টিকে প্রথম সৃষ্টির সুলের মত বিভিন্নে আল্ আকাশকে জ্যালৈ প্রস		208	121	ফিরে আসা (অনুতর্গ হয়ে)			
	n) Qualitai	246	16.1	আল্লাহর নিকে কিরে আগার নির্দেশ (মু'মিন নরনারীকে)	২৪-শ্র	03	99
ফিরে আসা (আরো দেপুন প্রত্যাবর্তন শব্দটি)				থিরে আসা (ডাওবা)	-		
অপরাধীরা পিছনে ফিরে আসতনা (অকৃতি পরিবর্তন করলে		69	966	আদ সক্ষান্ত অনুসন্ধ হয়/জানে করে কিরে অসার সাহবাদ	27-gs	42	50
রপরাধীরা ভিরে আনত উচ্চের্র হরে আপনজনের নিবট	৮৩ বুংগ্রিপীন		3035	আপ্রায়র নিবে নিয়ে অপা (দ্বীর গোপনারর ও দুর স্থী প্রসাম)	১১-বুল ১৬-ভাহরীম	8	31
স্বায়ত বৰ্ণনা (জতে মদুগ কিব্ৰ আগতে পাত্ৰ…)	৪৬-আর্কাক	54	970	ন্দ্ৰীয়ে মতে নতা অগ (পাৰ গোপনতা ও কুং প্ৰাঞ্চল) নবীৰ স্থীলেৰ অপ্ৰায়ৰ দিকে ভাঙৰ/ কিয়ে আস	७७-छार्गाम ५७-छार्गाम		
আক্লন্ত কৰ্ননা (থাকে মানুষ কিৰে আসতে পাৰে)	৭-জা'রাক	218	959			8	20
আল্লাহ কিরে আসংকৰ শান্তি কিতে (যদি কাভিববা)	৮-জনধান	75	600	প্রতিশাদকের নিকে থিরে আবা (হাম্প কাতি প্রসং)	77- <u>ž</u> a	92	69
অপ্তাহ দিয়ে আসনে পরিতে (যদি বনী ইসমাইলর পাপ করে:	.) ১৭-ই <i>স্</i> রা	ъ	928	থিয়ে তাকানো	1	_	
অপ্তাহর দিকে কিয়ে আদরে ন কি তারা থারা কুকনী করেছে	৫-মাছিলা	18	25.9	শিক্তৰ বিজে ভাৰতে পা এবজনত (পৃত পরিবারের হলে যাওয়া)	১৫-হিন্দর	95	9,0
আস্তাহর দিকে কিরে আসপ (যে তথাবা করণ)	२१-मृहकार	13	73-7	মূলা আ বিয়ো আবাল বা (পাঠিকে সাপের লাম চুটিতে সেমে)	২৮-কাসাস	03	Y:

नम विश्व/हरम	স্রাসং ত বাম	-	767	भ <b>भ</b> दिराइ/शतक	नुवा नर ७ नाम	10011	981
কিবে পাওয়া				निष्ठा क्षण गुं-रठ मकल महाबदीन दत्त, विशेष गुंटर माझर	৩৯-যুম্বর	t/r	57
দৃষ্টিপতি থিয়ে শেল দিয়া (উউচুকের জান চেন্দ্ররার রাখার পর)	১২-ইউসুফ	26	696	निर्णात कुँ रमया दरन (भाक्रित शक्तिभक्ति मिन)	००-इस्स	20	32
किटर भागाचा		m	-	আওনে পোহা উপ্রক্ত করার জনঃ	১৮-বাহক	20	90
পিছনে নিয়ে পালতে জগল মূদা আ, (গাঠকে সংগ্রে নাথা দেখে)	২৮-কালাস	97	9.70	দিসা আ. ফুঁ দিলে পাৰি হয়ে যায় মাটিয় কৈয়ী পাৰি	৩-আলে ইমরন	85	¢80
किर्द्ध गावदा			0.00	শিংগার কুঁ দেরা হবে যথন (কিয়ামক্টের দিন)	৭৪-মুখ্যছবিব	b	200
অন্ত বিপশিত ডেবে বিহুর দেল বারা অনুন্য নেন নেই (অনুক বুছ)	৯-जावरा	24	485	শিক্ষার টু নেয়া হবে ফল, তথন আফ্রীয়ামার সংগঠ থাকারে না	২৩-মুমিল্ন	203	999
জাল্লাহর দিকে কিয়ে বেতে হবে	২-বাকুারা	760	624	শিলার ফুঁ দেরা হলে মানুর দলে দলে উপস্থিত হবে	৭৮-সাবা	72	300
खान्नास्त्र करह (मनन विषय जान्नास्त्र नातः किरव गार)	22-24 	250	595	कुंटक (भड़ा			
ইংমাইনের সংক্রপারের নিয়াক্তম নিকে বিবর বাংগ্রের (মূর্তি অঙ্গাঞ্জনসং)	२३-व्यक्ति	88	928	ত্রহ ভূঁকে দেয়া (মারইরাম ও তার পুর ঈলা আ, প্রদর্গ)	২১-আইয়া	22	9,00
ইয়ছবিবালীকের পদক বুরু থেকে কিন্তে যেকে বলা (ভুলাকিবচার)	৩৩-আহবাৰ	30	P-08	বাহ পূর্বক নিবেদ আপ্রাহ আধ্যমের ভিকরে	১৫-ছিজর	23	600
লপ্তমুক্ত ব্যক্তি দিয়ে যাবে লোকলের কাছে (সাচ্চের বাধা জনতে)	३२-१४ हुए	86	993	রহ ফুঁকে দেয়া (মারইয়াম প্রসঙ্গ)	৬৬-ভাহৰীম	34	393
কাক্ষিরহা কিরে যাবে মা, প্রতিশালকের নিকট (ভারা ভাবত)	ys-ইনশিকাক	28	2020	রহ ফুঁকে বিলেন আল্লাহ (মানির তৈরী আবদ্ধের ভিতরে)	৩৮-সোমাদ	9.2	3190
कांक्षित्रद्वा रिएड यात्र वार्ष बट्टा (वनर युक्त श्रामण)	৩-জালে ইমরণ	253	28y	ন্তহ তুঁকে ভেয়া (মানুষকে ভাস্তাহ নিয়েছেন)	৩২-সাজ্লা	ь	300
ছারার দিকে কিরে গেল মুখা	২৮-কাসাস	28	620	र्थू मानकाविगी			
জলিম হবে ভাষ্ট্রামীর (পুনিয়কে দিরে পিরে বুগদী করল)	२०-मृ'मिन्न	209	993	শিৰাৰ কু দানকাৰিণীৰ অনিট খেকে আশ্ৰয় প্ৰাৰ্থনা	১১০-ফালক	8	200
ম্ভবতে পরিবারের নিবট ফিরে যাওয়া(আবু জাহল রাসঙ্গ)	৭৫-কিয়ামাহ	00	338	708		Ť	-
দ্বত্যর সাবার রাশীর নিকট ক্রিয়ে বাওয়া প্রসঙ্গ	২৭-নামল	100	900	ক্ষর্থার পানি (ক্ষর্থার ফুটক্ত পানি পান করালো হতে)	৮৮-গাশিরাহ	2	202
দ্বীন থেকে কিরে যায় যারা কালের স্থলে আপ্রাহ আনবেন	०-मात्रिमा	28	299	কৃত্য তেল	55-1111115	-	30,
হীন থেকে ফিরে যাবে যারা (মুলজদ প্রসঙ্গ)	২-বাকারা	229	428	আবলে হাটার কেলের মত হবে (বিয়ামতের দিশ)	৭০-মা'মারিক	v	20.7
নিধিত বিষয়ের দিকে ফিরে বার বারা লিফেং করার পরেও	৫৮-মুখ্যমালা	b	340	উথলাবে (ফুটড জেলের উথলাবে জাহান্রামিলের খাল্য)	88-नूपीन	Bø	hos.
শুমনার যে মিতে বিত্য বার আল্লাহ লে মিতেই বিভিন্ন নিত্তন	8-901	226	493	পানীর (ফুটর তেপের ন্যার পানীর কাহান্নামীকে দেয়া হবে)	79-4425s	52	930
পথ গোড়ি দেখার পর জালিমরা ফিহে যাওয়ার পথ বঁজংগ)	84-50	88	lybe.	তৃটিছ পানি	24:4146	4.0	3.00
পরিবাহের নিকট দলভারে ভিরে যাওয়া (আরু মাহল প্রসঙ্গ)	৭৫-বিয়ামাহ	200	338	বিভারতে নিয়া অভিত্তিকারীলেকে উল্লাহ্র পদিতে ঐলে লয়	80-मुभिन		
পরিবারের বয়ের বিধার দিয়ে পদায়েশ্য দেশে ভিতর পারবে (চাইরেয়া)	১২-ইউনুক	68	66-2	তুরতে থাকবে (অপরাধীরা জাহান্ত্রাম/তুটত পানির মাকে)	৫৫-রাহমান	9.2	382
পিছনে কিয়ে বেকে চাইবে মানুধ (বিরামকেশান্তি থেকে)	8०-अ'विन	100	hrhro	কুংকার (আরো দেপুন কুঁ শদটি)	66-aldela	00	95.
পিছনে (কুমারিকে) বিবর যেকে নিরেগ বনালেন মুখা আ, সম্প্রদায়কে	e-मर्जिमा	52	650	একটি মাত্র ফুবলারের মাধ্যমে বিদ্যামত সংঘটন প্রসঙ্গ		-	-
পিছন দিকে ফিরে যায় কে (কিবলা পরিবর্তনের পর)	२-राकृति	280	67.9	থানত নাম কুনোরের মাধ্যমে বিয়ানত সংখ্যম প্রসাধ শক্তির দুখনের প্রেরিপাল্যকে শক্তির দুখনের স্পর্ন করে, কলিম্যান ।)	৬৯-হারাহ ২১-আধিয়া	20	3%
পিতার নিবট যিতে যেতে বলল বত তাই অন্যানেত্রক	25-8830	500	50-8	শারের দুগনের প্রেরণালয়ের শারের দুগনের শাণা কর, নালমানর) শারার একটি মতে ফুলেয়ের মাধ্যমে বিয়ামত সংঘটন প্রদান		86	9.00
পূৰ্ববস্থাৰ ভিবে ভিবে বাবে কাফিন্ননা (শাস্তি দূর করা হলে)	88-मृशन	36	200		৬৯-হাকার্	20	35.53
न्धंबद्दारा विद्या याच्या(देवसदी)आ मण्डानात, प्रतिकामात विद्या)	২১-আধিল	50	928	A.A.			-
পেছনে ফিরে যাবে কি মুমিনরা (মুহাম্বন স. মারা গেলে)	৩ বালে ইমরান	788	48b	কলা (মৃত্যুত্র কলাকে বিজে করা বৈথ)	৩৩-আহ্বাব	20	P-0/
लाइक फिरव थात कि मुस्लिक, तालन ल, माब त्याल	৩-জালে ইমরান	288	685	ঘর (ফুকুর ঘরে আহার করাতে কোন দোক নেই)	<b>५8-गृ</b> ह	-63	975
প্ৰতিপালকের নিকে কিরে যাবে -যারা এজপ মতন করে	२-राज्यवा	86	606	বিয়ে (কুকুকে বিয়ে করা হারাম)	৪-দিসা	20	203
প্রতিপালকের নিকট ফিরে যাওয়ার তরে নান করে যারা	২৩-মুখিনুন	80	955	यूरकान		<u> </u>	$\vdash$
প্রভূব কাছে ফিরে যেতে বলগ ইউসুফ আ. (বার্ত্রবাহককে)	১২-ইউসুফ	20	69-7	অবতীৰ্ণ (কুৰবান অবতীৰ্ণ করেছেন বরকতমন্ত্ৰ আল্লাহ)	২৫-মূলকান	2	apra
ফিব্ৰোউনের দলবল ফিরে গেল (পরাজিত ও অপমন্ত হয়ে)	৭-জা'বাফ	229	620	মূলা আ. ও হাক্তনকে কুবকান/ভাওৱাত দান	২১-আধিরা	86	100
ফিলজাউন ফিড়ে পিলে কৌশল/জানুসমূহ জমা কৰল	30-77-10	80	788	মূগাকে যুক্তকান পান (সঠিকপথ অংলখনের জন্য)	২-বাকুাবা	60	800
ফিন্তনার দিকে ফিরে বার (মুলাফিকদেরকে ফিরানো হলে)	৪-নিসা	22	605	অবতীৰ্ণ (সুৰকান অবতীৰ্ণ করেছেন আছ্নাহ)	৩-জালে ইমরান	8	600
মানুষ কিরে যাবে বেজাবে গৃষ্টির দুচনা করেছেন আল্লাহ	৭-আর্থ	2/2	632	ভূপকি (আগুনের)	- 0	_	-
মুমিনরা ফিরে গেল পিছন নিকে (ছনাইনের দিন)	৯-জাওবা	20	484	কুরাঘাতে আগুনের মুদকি থবানো ঘেড়ার কসয়	১০০- জানিয়াত	2	200
মু'মিনরা ক্রিরে বাবে যথন ক্রিরে ঘেতে বলা হয়	५8-मृत	36	998	কেটে পড়া			
ফুরফিবনেরক পিছন ফিরে ফেরে বলবে মুখিনর (আলার নিতে)	৫৭-হানীৰ	20	287	কার্যস্লান (ফেটে পড়ার উপক্রম হবে)	৬৭-মূল্ক	b	593
মুসা আ, জুজ/ মনস্থপ্ন হতে সম্প্রানামের কাছে ফিলে যাবয়া	২০-তা-হা		986	দেটে বাধ্যা			
(शहर गुमा)		140		আৰমণ কেটে বাবে ও তেলের মত লালচে হবে (কিয়ামতে)	৫৫-রাহ্মান	৩৭	280
ब्राजुन न, এর নিবট ছেলে যিয়ে गिয়ে পুর্বিধীতে ফাসান সৃষ্টি	২-বাকুরো	200	650	আলপ নেটে যাবে ও বিশিক্ষ হবে(মহাক্রেলয়ের,বিদ্যাময়ের নিন)	৬৯-হাজাহ	39	240
च अंदेशन (रुक्तनातम धर्म विद्या याचम च अप्रेशन कर अर्थेनिक)	৭-জা'বাফ	64	652	আবনণ কেটে বাবে মেদপুদ্ধনহ (বিয়ামতে)	২৫-যুক্তবাদ	42	975
সভর্বকারীয়পে দ্বিনরা সম্প্রদারের নিকট দ্বিরে গিরেছিল	৪৬-আহ্তাড	27	922	আব্দশ কেটে বাবে বধন (কিয়ামতের দিন)	৮৪-ইন্শিকাক্	2	303
সংক্রমারে ধর্ম/মিল্লাতে দিরে যাধার ও আইনের জন্য অর্থেভিক	৭-আ'রাক	1/2	643	চন্দ্র কেটে নিয়েছে	48-सम्बद	2	200
पक्रमाज्य निवचे मान्द्रभ विद्या गाउर कार्या, गांवा कान वाटक	৮৪-ইন্শিকাক	ъ	2020	যমীন কেটে যাওয়ার উপজেন হয় (কাম্পিরনের কথায়)	১৯-মারইরাম	90	980
পিছনে কিরে যাওয়া (সঠিক পথ স্পষ্ট হওয়ার পর)	৪৭-মুহাম্বাদ	2.0	846	হনীল (ঘটিল ফেটে খালে বিধানতে, বলর থেকে বের হওয়ার জন্য)	৫০-ব্যুক	88	25-4
কুঁ (আরো দেখুন ফুৎকার শব্দটি) ফুঁ দেয়া				त्क्रमां		_	_
দিসা আ, পূঁ নিতেন কান্যমাটির তৈবী পাৰির আকৃতিতে	৫-মারিদা	330	869	থাতু উত্তর করার সময় উৎস্পা দেবা (সতা মিখার দৃষ্টার বর্ণন:)	১৩-লাদ	24	650
শিকায় ওুঁ নেয়ার দিন রাজতু আল্লাহরই	৬-জন'জাম	20	808	বহন (কেনা বহন করে নিরে যার প্রাবন)	১৩-রাদ	23	690
শিঙ্গার বুঁ লেয়া ( বিয়ামতের বিদ)	72-925A	29	300	परिया यह (बृष्टि चानित त्यन परिया यहारा- गरावियार गृहेश्व)	১৩-রাদ	24	000
শিক্ষয় কু লেয়া ( কিয়াৰ্থকো লেন) শিক্ষয় কু দিলে কৰাৰ থেকে ছুটো আগবে, একিশালকো দিকে	৩৬-ইয়াসীন	67	H48	(कड़रू			1
লিক্ষা তু দেশে কৰা থেকে ছুচ্চ আনবে, হাতশালকের দকে শিক্ষার তু নেরার দিন স্বাকাশ-পৃথিবীয় সথাই ভীত হাব				অপরাধিদের দুনিরের ফেবং পাঠানের অধ্যক্ষণা (সংখ্যকর জন্য)	৫২-সাজ্পা	25	503
	২৭-শমল	29	Port	আমানত হক্দারকে ফেরড নিজে আল্লাহর নির্দেশ	৪-নিসা	Q.br	268
শিক্ষার কুঁ দেবার দিন (অপরাধীদের দৃষ্টিই)ন করে সমবেত করা হতে।	২০-ছা-বা	205	989	আমানত ফেরত গানের নির্দেশ	२-सङ्खा	900	208

	ज्दा तर ६ नाम	X3/4 ×	781	भ्य विषय/धनम् च विषय	न्दा नः ७ नाम		
ফেরড (পূর্ব পৃষ্ঠা খেতে)				প্রতিপালক (কেরেশকা ও নবীদেরকে প্রতিপালক গ্রহণ)	ত-আলে ইমনান	þο	28
এক দীনার আমানত কেবত দেয় না অনেক আহলে কিতাৰ	৩-জালে ইমাচন	26	980	প্রতিনিধি (পৃথিবীতে কেরেশখনে প্রতিনিধি করা প্রসঙ্গ)	৪০-মুখকক	60	30
मुनिवार रक्ताः लोगानव चाराकार, अलामीतनाः ( लाजाका वनाः)	৩২-সাজনা	25	507	প্রবেশ (ক্ষরেশতা প্রবেশ করবে, জাগ্রাতীদের নিকট)	১৩-রা'দ	20	53
বিপুল পরিমাণ আমানকও কোবে দের অসাক আহলে বিজ্ঞান	৩-ম্বালে ইমরান	9.0	280	প্রতীক্ষ (ব্যক্তিরে ডি মৃত্যুর যেরেশহর বাংখনর প্রতীক্ষ করচে)	১৬-নাহুল	00	90
दिक्काकारी मंदिरमाद्रम (१०१७ (स्ता चटन स प्रतिस दटन	५०-पुत्रश्रादेश	30	269	গ্ৰহাৰী (কেবেশভাসনাক অন্তলের প্রহারী বানিবাছন অস্তাহ)	৭৪-মুদাছবিব	0)	22
(क्टबन्ड)		-		প্ৰেক্তিত কেন্দেশভাৱা লুভ-পৰিবাৰের নিকট আসল	30-EMG	65	90
অনুহার প্রার্থনা(নবীর জন্য কেরোপতারা অনুহার প্রার্থনা করে)	৩৩-আহ্বাব	26	box.	ক্ষেত্রপতা ভাবল যাকরিয়াকে	৩-আলে ইমবান	035	28
	৩৩-আহ্বাব	80	209	কর (অস্তাহ কেন্দ্রেরায়নতে আনহ আ, গৃত্তি প্রনাস কালেন)	২-বাঞ্চারা	00	20
अनुप्रद अर्थन (भूभनामत बना (सराम्गावात अनुप्रद अर्थना वर्षा)		80	200	থলা (আপ্তাই কেবেশজনেরকে আদমের জন্য নিজনা করতে	২-বাকুারা		60
অবভার্ণ (সাম্লাভের সুসংবাদ নিয়ে কেরেশতা অবভার্ণ)	৪১-সুদ্দিলাত			निर्फाल (मन)		-08	1.
অবতীৰ্ণ (অল্লাহ থাকে ইচাৰ প্ৰদেশ কেৱেশতা অবতীৰ্ণ অন্তেন)	১৬-নাহ্ল	2	900	বহন করতে কেরেশভারা এক সিন্দুত (বনী ইসরাইল প্রসঙ্গ)	২-বাকুবো	285	65
प्रस्केर्न क्या (एएडक्ट प्रस्केर्न सम्बद्धन प्रश्लाव पर्याप्त प्रयोग क्या	২৫-কুরকান	2.0	968	বান্ধা (কেরেশজাগন নরামর আল্লাহর বান্ধা, কন্যা নর)	80-गुपक्क	35	25
অবস্তীৰ্ণ (কেৱেশতা অবতীৰ্ণ হওয়াৰ দাবী, অবিশ্বাসীদেৰ)	২৫-কুরকান	57	998	বার্তাবাহক(ফেরেশভার মধ্য থেকে আল্লাহ বার্তাবাহক	22-10789		
অবতীর্ণ (কেরেশতা অবতীর্ণ করলেও মুশরিকরা ইমান জনবে না)	৬-আন্'আম	222	609	श्लानीक बहान)	44.00	9/2	9/6
জমনীর্ন (কেরেশজ জমতীর্ণ নরা হলে কমিবলের সধ্দমণ লো: হর ন)।	৬-আন্তাম	ъ	6,949	বাণীবাহক (পাধবিশিষ্ট কেরেশভাদেরকে অস্তাহ করেছেন)	৩৫-ফবিব	>	lv8
অবতীৰ্ণ (কেৱেশতা অৰতীৰ্ণ কৰতেন, অল্লাহ ইজ্য কৰলে)	২৩-মুমিন্ন	48	969				08
অবজীর্ণ (ফেরেশকা ভারতীর্ণ হয় না কেন রাসূল স: এর সাথে)	২৫-পুরকান	9	982	মার্ব্রায়কে কেরেশভারা বললেন	০-আলে ইমরদ		
অবজন্ত্রণ (কলর রাজে ফেরেশজা/জহু অবজন্ত্রণ করে)	৯৭-কানর	8	2059	মাইরাম্ক কেরেশকর কল (মাল্লাহ অকে বুলবেদ নিজেন)	৩-আলে ইমরান	82	28
অবতীর্ণ (কাছিরদের কেরেশকা অবকীর্ণ করার নাবী)	6-(वर्षान् (वराज्य -	br	699	মৃত্যু ঘটার যধন ফেরেশভারা কাফিরদের	৮-জানতাপ	60	65
অধিকাস (ফেরেশতাকে অধিকাসকারী সূদ্র পথ্যাই হরেছে)	৪-শিসা	100	¢48	মূলর সমীয়ালে দেরেশবা ন পাঠানে ও কিব'লা উচনা উঠি	৪১-যুগকক	40	25
অনজীৰ্ত প্ৰেতিপালক ইয়ের করলে বেতেশতা অবজীৰ্ণ করতেন)	৪১-ফুপ্সিলাভ	38	bbn	মৃত্যু ঘটনে কেনেশকার দুর্শক্ষিককের চেবার ও পিঠে আখাত করে	৪৭-মুহাম্বাদ	રવ	27
আভাবের প্রত্তে থাকরে ব্যবেশভাগন(আরশ বহন রাসঙ্গ)	(c)-0)610	39	>97	মৃত্যুর (মুপ্তানীর পবির থাকাংগ্রায় কেরেশতা মৃত্যু ঘটার)	३७-साइन	0.5	90
জ্বাদ্যান (কমিনার কি মৃত্যুর কেরেশকার আগমনের প্রতীক্ষা করছের)	১৬-লাহণ	00	904	মৃত্যুর (কেলেশতা জালিমের মৃত্যু ঘটারের সময় জালিম বলে)	১৬-নাহল	২৮	90
জ্ঞান (মেধের আদ্বাল থেকে কেন্দেশতা আসবেদ!)	২-বার্থবা	230	430	মৃত্যুর বেবেশতা সকলের মৃত্যুর পর আল্লাহর দিকে বিভিন্নে নিবে	৩২-সাজ্সা	33	80
खान्य चा. ७ जार ही (सहरूमा का पान (देननिम्न शासका)	৭-আ'রাক	20	638	হাসূল হিসাবে ফেলেশভাবেই অবতীর্গ করতেন অক্সাহ যদি	১৭-ইস্রা	26	9,5
অপ্তাহ কেরেপআনেরে ক্যালন অনমতে নিজন করতে	১৭-ইপরা	93	335	क्षेत्रम कमान्त (एक्टामास्टर क्षान्त यनाता मानुष्यापरि वनाता एक)	ও-আন্'আম	9	6.9
অনুহত্ত প্ৰশংসা ও পৰিচাল ঘোষণা করছে কেরেশকা	৩৯-বুমার	76	599	रामृत भ, तक्ष भएष (बहुवन्य व्यामा मा (क्या) (व्यक्ति नात)	22-Esi	25	99
कुन म तह भारत कारानक प्रांतन मा तकार, कविन शत	22-39	25	999	লা'নত ফেরেশতাদের লা'নত, কাফির গবস্থার মৃত্যু	२-राकृत्वा	292	67
	৬-আন'আম	392	624	লা'নত (কেরেশতার লা'নত তানের উপর যার)	৩-জালে ইমরান	29	28
অসা (ফেরেশ্চা আমার জনা কবিবলের অপেক্ষা া)	১২-ইউসুফ		649	শত্ত (যে কেরেশেতার শত্ত আল্লাহ সেই কফিরের শঞ্	২-বাকারা	36	93
ইউসুখকে দেখে যেবেশকা মনে করপ (পহরের নারীয়া)		80	V88	সাক্ষা দিচ্ছে কেরেশবারা (আল্লাই ভাড়া ইলাহ দেই)	৩-জলে ইমরান	72-	20
ইধানত (কেন্তেগভাচন ইবানাত করত কিনা মুশনিকরা)	৩৪-খাবা			সাধার (জানুবারীর সাহের সাধার করে বেবেলারা করে, এ সেই দিন, )	২১-অধিয়া	200	94
দিয়ান (ক্ষেত্ৰেজানের উপর দিয়ান আনা প্রকৃত পুণা)	২-বাকুলা	299	67.9	সমান আৰু (কেনেশতাসমান সমান আনম দৰ্শি, কৰিবচন্দ্ৰ)	১৭-ইগরা	54	93
সমান (রাসুল স. ও মুফিলান কেরেশারার প্রতি সমান ওলেচে)	২-বাকারা	5,544		সারিবদ্ধ অবস্থার থাকরে কেরেশকাপন (কিরামতে)	b/h-शंकर	44	20
উর্ম্বগার্মী (ফেরেশভাগণ ও জিবরাঈল উর্ম্বগার্মী হয়)	৭০-মা'আরিক	8	99.7	সাহাতকারী (জিতাবিশ্ব সংকর্মী মুর্মন্ কেরেশজ নবীর সাহাতকারী)	৬৬-বাহরীয়	8	89
এক প্রকার কেরেশকা দাবা প্রতিপাশকের সাহায়্য (বনস্থাছে)	৮-আনকাল	b	955	সাধান্য (কেনেশতা থবা সাধান্য করেন সাস্তার কনর মুছে)	০-জলে ইম্প্রন		28
ওরী (কেরেশারানের প্রতি ওরী কররেন প্রতিশালক, নেরমুদ্ধ প্রসঙ্গ)	৮-মানকাল	25	600	স্থান্ত (পুনামান আঠনা বিভিন্ন কোনীয়ানি বিভান কোনোসামান সম্পা)	8-FPIT	266	49
কটোর ফেরেশকা (জাহান্নামের দাবিক্রে থাকবে)	৬৬-জাহ্রীম	6	200	সিজনা করণ কেবেশভার আনম্বে	১৫-ছিলর	co	08
কন্যা (কেরেপতাদেরকে কন্যান্তপে গ্রহণ: তরানক কথা)	১৭-ইস্রা	80	373		ত৮-সোমাস	90	61
প্রাক্সারের মেরেশনা "মলিক'কে চিকার করে তেকে লগনে ভারমুনীয়া	80-7559	33	907	সিম্পা করণ ফেরেশভার আনমকে	১৬-নাহল		
আহল্যমের নায়িতে থাকবে নির্নয় ও কঠোর কেরেশতা	৩৩-তাহৰীম	0	990	সিজন (অধ্যপ-পৃথিতির সর্বাই ও ফেরেশকার অন্তর্জ্বকে সিজন করে)		830	98
দাস্তাবে (কিয়ামতের দিন সারিবন্ধভাবে )	৭৮-নাবা	100	3004	निवासत मेंदर्शन (पास्त्रदाव निवास काइट (प्रदानकाना क्षेत्रि निवास)	২০-ফা-য		
লেবা (বেরেশজনেরকে দেখনে যখন অপরাধীরা, বিয়ামতের ভিন)	২৫-কুরকান	44	97/8	সিজনার নিচাপ ভেরেশজনেরকে (আনমকে সিজনার জন্য)	৭-আ'বাক	22	92
নবী ফেরেশভা নন (রাসূপ স, প্রনক)	৬-আন্'আম	60	900	সিজনার নির্দেশ ক্ষেত্রশঙ্কাদের প্রতি(আন্মের জন্য)	72-sids	00	9.9
কেরেশভাদেরতে নারীবাচক নাম দের, অফিশ্বাসীবা)	৫০-শক্ষ	29	3/00	সুপরিশ (কেরেশভার সুপরিশ কাজে আসবে না)	<u> </u>	₹8	30
নারী গণ্য করা (মুশবিকরা কেরেশভাকে নারী গণ্য করে)	৪০-যুগরুক	7.9	৮৯৭	হ্যক্তত-মাত্ৰত ফেৱেশভাৱ উপৰ অৰতীৰ্ণ বিষয় (জানু প্ৰসঙ্গ)	২-বাকুরো	705	65
নরী (অল্লহ বি ফেরেশরানেকে দারিছলে সৃষ্টি করেছে। १)	৩৭-সাক্কাড	140	768	য়ত বায়নের (অলিনের মৃত্যুর সময় কেরেশকা হাত বাড়িয়ে বলবে)	৬-অন্'আম	20	100
দিয়ে আনা (ফেবেশতা নিয়ে আনার দাবি কাছিরদের)	34-R#4	9	680	ফেরেশকা (বাস্ল)			
নির্মন্ন কেরেশতা (জাহাল্লামের দারিকে থাকবে)	৬৬-অহৰীম	0	340	অসা (কেবেশকা আদাত লৃত ডিব্রিক হর্মে পড়বেদ)	১১-ছুদ	99	100
নুহ জা, ক্লেৱেশভা হওৱার নাবী করেন নি (নৃহ জা, রাসঙ্গ)	27-&e	03	000	ইবরাহীমের নিকট গুসংবাদসহ ফেরেশতা আসা প্রসঙ্গ	২৯-আনতাবৃত্ত	97	ъ:
DIRECTOR CONTINUES TO SERVICE AND SERVICE	৪-দিসা	394		ইংরাইটের কাছে যেয়েশতা অসা (সঞ্চানন সুসংবাদ প্রদক্ষ)	22-Eu	66	80
পরিক্রম কলি (ফেরেশভারত তরে আল্লাহত পরিক্রম কলি করে)	১০-রা'দ	20	90°b	মৃত্যু ঘটারা (মৃত্যু আসলে রামূল/খেরেশভারা মৃত্যু ঘটার)	৬-আশ্'আম	44	160
পরিয়তা বেক্সা করে কেরেশভারা (প্রতিপালকের)	84-70	6	9.97	শিশুর প্রতেগ কেরেশকা (মুশরিকদের মন্ত্রমা)	১০-ইউনুস	43	40
भीत द्वारात विवास विद्या (कारानात निर्द्या नावाद काराना तरिमानात	৩-আলে ইমরা			লিপিবস্ক করে রাগুল/ফেরেশরাখন (মানুষের সবভিত্ন)	80-गृश्क्रक	bo	30
			922	পুত্ৰের বৰ্মতে বাসুপা(ফরেশারা আন্ধাংসন্তানারের পানে প্রানন)	২৯-আনবার্ব	00	3:
পৃথিবীতে কেন্দ্রেশতা যদি নিশিতে চলচল করত করে	১৭-ইপ্ৰা	96		কেশা	-	1	+
পেশ (জনম জা, ওপুঁক ফেরেশখানের বাছে স্পতিমূব নাম পেশ)	३-राकृता	92	608	আধ্বশ্যে ২৬ ফেলতে পাবেন আল্লাহ (ইঞ্জা কালো)	38-সাবা	>	51
श्च (खुन्यवरीएनवर्क मृहानाज्य नवा (वर्षानकान श् <u>च</u> व्यवन)	8-Fint	59		থ্যান্তবেশ্য যাত খেলাতে পাতেন আপ্তাহ (হাজ) কনলো) থ্যান্তবাশ খাচ খাচ করে বাহিদয়ানর উপর ফেলার স্কবি (বাশুল স. এব পাত্র		25	93
প্ৰেৰণ (কেৱেশতা প্ৰেৰণ ৰহৈন অল্লাহ সভাসহ)	70-2543	b	489				
প্রতিপালক কোরেশভাদের বললেন (মানুধ বৃত্তি প্রবাসে)	ও৮-সোমাদ	12	40	থেকুর ফেলবে মরিরখের জন্য (কাতে নাড়া দিলে)	১৯-মারইরাম	20	90
প্রতিপালক ক্লেবেশভামেরকে ধললেন (মানুষ সৃত্তির কথা)	30-f¢###	145	655	ণা ফেলবে না কোন নারী (সৌন্দর্য প্রকাশের জন্য)	<b>३</b> 8-नुब	-03	9

भेद विवह/शंत्रक काल काला	त्वा मर ७ माम	466.4	981	नेष विषय/धारम देशाकृतन्त्र नशुन्त्र देशाधिकाती शताब प्रकार प्रकारणी आर्थना	न्वां नर् ७ मात्र	1904	-
			$\vdash$		১৯-মারইরাম	٥	94
পিছনে কেলে আনা, মুশরিকনের (আল্লাহ গ্রগত বস্ত্র)	৬-আন্ আম	28	906	থালে (বংশ থালে কথ্যত হার হারা)	২-বাকারা	506	
কেলে দেয়া				ক্ষিত্রজাউনের বংশ থেকে মূসার সম্প্রসায়কে উদ্ধার	১৪-ইবরাহীম	6	6
আন্ধণের পড় নেয়েল দেয়া আইনানানীর উপর (কমেইন সভানানী হলে)	২৬-৩'আরা	22.9	9,59	ক্রিকাউনের বংশ হতে বনী ইগরাইলকে উদ্ধার	২-বাশুগরা	85	
ইউবুক্তে কুপে কেলে নেরার চিন্তা	24-8832	ъ	699	ফিরঅন্টেনের বশেকে দুর্তিক ও কল-ফল্যকর ফতি হারা পাকরেও	৭-আ'রফ	700	
গঠ (বিবামকের প্রকশ্পন নেখে গর্তবর্তী তার গর্ত মেলে নিয়ে)	২২-হাজ	3	963	ক্ষিরজাউন বংশ থেকে বনী ইন্সরজন্তে উদ্ধার	৭-আ'গ্রফ	787	6
ফলক খেলা সেয়া (মূপা আ, কুন্ধ হয়ে ফলত বেকা নিল ও হারলকে)	৭-জা'লফ	240	646	ফিরসভিন বংশের অভ্যাদের ন্যায় কাঞ্চিরদের অভ্যান	৩-জ্ঞাল ইমরান	22	0
মুসাকে সিম্পুকের মধ্যে ফেলে দেরার নির্দেশ (শৈশবে)	२०-इर-वर्ग	039	980	ফির'অভিন বংশের লোকেরা মূলাকে কুড়িয়ে নিল	২৮-কাসাস	3	Ъ
নিব্দুককে নাগরে কেলে দেরা (শিশু মুনার নিব্দুককে)	२०-छा-का	99	980	ফিরঅউন বহুপর এক মুমিন ব্যক্তি যে সমান গোপন রাখত	৪০-মুখিন	49	У
ফেলে রাখা		1		ফির'আইন বংশের নিকট লতর্ককারী এলেছিল	৫৪-কামার	82	36
ন্ত্ৰীকে কুলজের মক ফেলে রাখা যাখেলা	8-Pizt	143	090	লিনঅটন বহুণর অভ্যানের নাম (অক্সহর অন্নাত অধীকর)	৮-আনকাল	65	6
ফ্যাসাদ (আরো সেখুন বিশুজনা শন্নটি)		-	-	ফিরঅভিন বংগ বার্তিন পারিতে নিঞ্চিত্ত হবে (কিয়ামতে)	৪০-মু'মিন	86	Ъ
ব্যক্তের ভালার নৃষ্টি বহুতে মিসরে আসেনি	১২-ইউস্থ	90	6iro	ফিরঅটন বংশতে নিমক্ষিত করা প্রদাস	२-वाकृत्वा	60	0
ল্যাসাদ সৃষ্টি করতে চাওয়া নিষেধ, ফারুনের প্রতি	২৮-বাসাস	99	728	ফিরআটন বংশকে যিরে ফেলল (নিকৃট শান্তি)	80-मृ'मिन	80	ы
श्चान नन्द्रनादार यात्राम मृत्रिक्यों नवक्रम नश्चित द्वारान्द्रागत	২৭-সামল	81/	bo8	বংশ (থিরস্কাটন বংশ ও তার পূর্ববারীনের অন্তর্যুদর মত,)	৮-আন্তর্গল	28	60
নিমের (কাসাদ নিমের করার লোক ছিল না, পূর্ববের্তীনের মারে, ,)	22-54	226	696	সৃষ্টি (তুক্ত পালি হতে মানব বংশ সৃষ্টি)	৩২-সাজনা	b	bri
পৃথিবীতে জনাসাম সৃষ্টি করতে চারনা হারা ভালের জন্য	২৮-কাসাস	330	6.70	বংশগত সম্পর্ক		-	+
পৃথিবীতে জাসাস সৃষ্টির তারণ জল্পা কাউকে হত্যা করা	৫-মারিলা			বানানো (বংশগত সম্পর্ক বানিরেডেন আল্লাহ)	20-Wester	28	90
পৃথিবতে ক্যান্সন সৃষ্টির প্রচেষ্টা চালিয়েছে ইন্থনীরা	०-माविमा	02	278	বংশগতিবিদ্যা প্রসঙ্গ (দেখুন পরিশিষ্ট-৪)			+"
পৃথবতে কাল্যন পৃষ্ণৰ প্ৰচেষ্ঠ চাল্ডছে ব্ৰুনাৰ: পৃথিবতে কাল্যন সৃষ্টিতে নিম্বোজন, যায়ন সম্প্ৰনায়কে	৫-মারদা ৭-আরফ	9.8	294	वस्त्रमञ्		-	+
পূথবাতে কাম্পন সূত্রতে নিখেবজন, ভানুন সম্প্রদায়তে প্রবিতে কাজন সৃত্তি ল করম অহরন (মানইরসনর্স্তিত)			677			_	١.,
পুথৰতে থাকে- গৃত ৰ কাম জন্মন (মনজেনবস্তে) পথিৱতে কামান সৃষ্টি কালে চায় থাবা	22- <u>ई</u> स	Þ¢	690	আগমনারানের বংশকারনর আসের পিঠ থেকে বের করা প্রসন্ধ আলম, নহ, ইবরাহীম আ, ও ইমরান একে অপক্রের কংশকার	৭-আ'রাফ	285	
	২-বাঞ্যুৱা	500	650		৩-আলে ইমরান	-08	6
পৃথিবীতে স্থানাদ সৃষ্টি শ করার নির্মেশ (মুনাফিকনের উচ্ছেশ)	২-বাকুরো	22	605	আদমের বংশধরকে বদীকৃত করে ফেলবে ইবলিস	১৭-ইস্বা	95	9
পৃথিবীকে ফ্যাসাদ সৃষ্টির আশা (মুনাফিকদেব)	৪৭-মুহাম্বাদ	22	978	আনমের বংশধা দলীদের প্রতি নোমাত দান করেছেন আল্লাহ	১৯-মারইরাম	62	3
পৃথিবীতে জাসাদ সৃষ্টি নিবিদ্ধ	৭-আর্থাফ	46	972	আহ্রাহণ করান অল্লাহ, বেফাই দৌধাস (দুয়ের বলেনাকে)	৩৬-ইরাসীন	85	'n
পৃথিবীতে ফালাদ লৃষ্টি করে যারা	১৩-রা'ন	56	630	ইবরাহীদের বলেধরদের বসবাস শসাধীন উপত্যাবার	১৪-ইবরাহীম	09	00
পৃথিবীতে ফিতনা ও জ্যাসালের সৃষ্টি হবে, যদি মু'মিনৱা	৮-অস্টোল	90	909	ইবরাহীমের বংশধরদের জন্য কিতাব ও নবুয়ত নির্বারণ	২৯-আনকাবৃত	29	3.
পৃথিবীকে মানুৰ ফালান সৃষ্টি কৰনে (কেনেপঞ্চানৰ আশ্বান)	২-খাবুবরা	00	208	ইববাহীমের বংশধরকে মনোনীত করেছেন আল্লাহ	৩-আলে ইমরন	00	40
প্ৰিবীকে ফ্যাসান সৃষ্টিকারীরাই ক্ষত্রিয়ান্ত	২-বাকুগরা	54	208	ইনরাইমের বংশধরকে ভিজাব,হিকমাত ও রাক্ষত্ব নান	8-मिश	48	6.5
প্রকাশিক (স্বাসাদ প্রকাশিক হরেছে স্থলে ও সমুদ্রে)	৩০-জুম	85	254	ইনরাধীন আ, ও ইসমাদিশের বংশধরনেরকে পথ প্রদর্শন	১৯-মারইরাম	ψb	30
१९७वे (पृथ्वितः मानाञ्च १९७वे शमा यहः, जान्तः शक्यम्)	৫-মারিলা	00	<b>₫</b> ₩8	ইকাহীন আ, ও ইসহাকের নয়শ্র বিজু সং ও বিজু জুলুনবারী	৩৭-সাফ্ফাড	770	31
अनवादमन ना (आक्षाद छ।जान जनवादमन ना)	২-বাবুরো	500	440	ইবরাইনের বংশধরকে নামান্ত করেমকারী বানানের নোয়া	১৪-ইবলহীম	80	63
দৃদ/ক্ষী ইদরস্বাচন কাশনের আশহা (বিরআউন সম্প্রনরের)	৭-আ'রাফ	253	620	ইনমান্ত্ৰীয়-ইসমান্ত্ৰীলোৱ বংশধাৰ খেকে আন্ত্ৰসমৰ্শনাৰাৰী উপত	২-বাকার	752	
বন্ধি (কালান স্থির করেণে কাফিরদের পর্ডি)	১৬-বার্প	brbr	370	ইমবানের বংশধরকে মনোনীক করেছেন আল্লাহ	ত-আলে ইমরান	-00	Q.
ফ্যানান সৃষ্টিকারী				লেয় (ইব্যাহীমের বংশধ্যমে লন্য প্রতিপদক্ষের নিকট লোয়)	১৪-ইবরাহীন	99	45
बनुगस (गाञारतृष्टिकवीत बनुगस न नवाद वादवन, सपुनदर)	२७-छ'बाडा	345	934	থালে (পিতৃপুরুষর শরীক করের কাবলে বলেধ্যনেরকে ধানে।)	৭-আরাক	240	
रेताकुक-प्रा <del>क्</del> क (পृथिवीहरू)	79-वार्डक	58	952	নবীলের করেকজন বংশধর পরকা-সঠিক পথে পরিচালিত	৬-অন্কাম	3.8	80
ক্ষম (কালান সৃষ্টিকারীনের কান্ধ অস্ত্রাহ সংশোধন করেন না)	১০-ইউনুস	6.0	663	নূহের সাথে নৌকায় আলোহীদের বংশধর	১৭-ইপরা	٥	93
লানা (ফ্যান্সম সৃষ্টিকারীদের সম্পর্কে প্রতিপালক আনেন)	১০-ইউনুস	80	527	নুহের বংশধর অবশিষ্ট রেবেছেন আল্লাহ	৩৭-সাভ্যাত	99	34
লানা (ফ্যাসাদ বৃষ্টিকারীদেরকে আল্লাহ ভালেন)	৩-আলে ইমধান	90	685	দুটো বংশ্বাবে মথ বেকে যানেকে সঠিকত্ব প্রদর্শন কর হয়	৬-আন্'আম	78	80
नव ( शहरात काञान मुक्तिसंबीरन्त नव प्रमुखना मा कराव निर्दर्श)	१-ला'वाक	285	950	নুহ জা, ও ইৰৱাহীমেৰ বংশধ্যমের মধ্যে (নবুয়ন্ত নিৰ্বাৱন)	৫৭-হাদীদ	રેઠ	200
পরিয়াম স্থাসনপৃষ্টিকরিকের পরিয়াম, ফিরস্কার্রন্সসম্প্রকার প্রসূত্র।	২৭-নামল	28	600	মানবৈশ্বদের বংশবনের কন্য অপ্রয় প্রার্থন (প্রতিপালকের নিবই)	৩-আলে ইমরাদ	29	20
পরিশান (ফাসাল সুটিকার্ডিসের পরিশান শব্দ করা, বিশ্বকারিন গ্রে.)	৭-আ'রাফ	200	955	শয়তানের বংশধরকে (অভিযাবক হিলেবে গ্রহণঃ)	১৮-কাব্দ	20	9,5
বলৈম ( ফাঙ্গদ বৃত্তিমন্ত্ৰীলে পঞ্চিয়া লক্ষ্য করা, ড'আইব, এবছ)	৭-আগ্রাক	24	950	সম্প্রবারের বংশধর থেকে মানুষকে স্থ্যান্তিষ্টিক করা	৬-আন্'আম	300	èc
পুৰিবীতে আসাদ সৃষ্টিকারী হতে দিবেধ (ধনী ইস্বাইল্ডে)	২-বারুরো	60	209	বংশবিজ্ঞার			
পুথবীকে খালাল পুরিবারী ল হংগের আহবান (তথাইর কর্মত)	২৯-আনবাৰ্ড	95	644	মানুহের বংশবিক্তার আল্লাহ্ ঘটান	৪২-শ্র	22	78
পুথিবৈত ম্যাসান সৃষ্টিভালী ও সংবর্তনীল মুম্যালা সম্মান নয়	৩৮-সেয়াদ	45	203	वक्रव)			-
পূৰ্ববৈত্ত দোলন সুচিমারী হয়ে অপরাধ না কবাতে তথাইকের আহবান	\$6-0°aisi	3500	929	শেষ বক্তব্য, জন্মাজীলের সেকল প্রশংসা আপ্তারর জন্য)	১০-ইউনুস	20	42
থর'বাউন ফাসান সৃষ্টিকরী ছিল	২৮-জালান	8	brob	ব্ৰু করা		-	100
থবঅটন জাসান নৃষ্টিকারী ছিল	১০-ইউনুস	32	660	মুদর বক্র হরে যাওয়ার উপক্রম হরেছিল এক নলের	5-3068t	229	-
চালবালেন না আল্লাহ ফালান সঞ্জিববীনের	व-मक्तिम	68	ght.	42-01	10-010-11	**1	ce
अन्यक्तात्म ना व्यक्तार सम्मानकारीत्व	২৮-কাসাস	99	278 GAO	जारको (जाहादा ११४ वस्त्रा जारका ना करा, ४ जाहेर हा ।	o seriator	1.5	1.
লোকের কাস্যান সহিত্যারী (কিন্তু তারা অনস্তর করেন)		34	209		৭-আ'রাফ	Þφ	33
्वाक्वता कामान गृहकार (किस खारा चनुस्व कराता) ग्लानस्थानम् मृहिकोरी मल्लनस्य देतन्त्रः मुख्य नायप् लाक्षरः	২-থাকুরো ২৯-আনকাব্ত			অবেষণ (বঞ্চতা অবেষণ করত অধিনর)	৭-আধ্যক	84	63
	<i>২৬</i> -আনকব্রি	00	P.2F	অংকণ (২৫-র অংশকা বংল আল্লাংর পথ থেকে বিরম্ভ রাখা)	৩-আলে ইমরান	99	9.5
বংশ (মারো দেখুন উত্মত/জাতি শদটি)				অংকস্থার অল্লাহর পরে বক্রতা অংকলা করে তারা পরন্তই)	১৪-ইবরাহীম	•	58
মাল্লাহ ও জিনজাতির মধ্যে কংশ নির্দারণ করল,, !	৩৭-সাঞ্চাত	325	V68	অংশবৰণ (আৰিব্যক্তে অধিশাসীনের ৰক্ততা অনুসন্ধান)	77- <u>ई</u> स	29	88
মল্লাহ নিমঞ্জিত কংগেন বিভালাউন বংশকে	৮-আনকাল		901	কুরজানে কোন বক্তরা রাখেননি আস্থার কুরজানে বক্তরা নেই	০৮-রমার ১৮-ভার্যক	3	12

ককতা

- वित्रक्षक्रम	न्द्रा तर च नाव	1000	781
	नुबहात व नान	190.7	. (**)
प्रका (पूर्व मूक्त oece)			
মতলভূমিতে বক্ৰজ দেখা কৰে ল (পৰ্যবহন সমতল কৰাৰ পন)	২০-স্থা-যা	209	989
লয়ে ব্যালন আহে যানের আরা মুকাশনিক ভারতের পিছনে	৩-মালে ইমরন	٩	600
14			
হেরেন (অল্লাহর অরাত নিয়ে বিতর্কনারীর বন্দে জহলের)	৪০-মুখিন	৫৬	444
দেসপ্রথৎ বঞ্চে প্রয়োজন বোধ করে না	৫৯-হপর	>	260
बद्वार साल्य (प्रानुसर रफनमृदर या आह्र)	৩৫-ফার্ডর	Or	p:83
সলামের হল্য জাল্লাহ্ যার ৰক্ষকে প্রশন্ত করে দেন	৩৯-বুমার	22	3790
মানসারদের বন্ধ থেকে বিধেষ দূর করাবেদ আল্লাহ	৭-আছ'রক	80	636
হোন করা (অল্লাহ পথার করতে সাইলে ধক্ষ করেন করে লেন)	৬-জন জম	256	500
র্থকরে তালে বাসের ধরণা মত যে কোন বড় পুটি হয়ে থক	১৭-ইস্বা	62	935
ফ্রীর জন্য বন্ধ প্রশন্তকারীর উপর আল্লাহর ক্লোধ/শান্তি	১৬-মার্শ	200	934
গাপন (অফিররা বন্ধে যা গোপন করে তা আরও ভরতর)	৩-মালে ইমরণ	220	281
গ্ৰপন (বক্ষের গোপন বিষয় আল্লাহ জানেন)	80- <b>3</b> (44	29	793
লক্তসমূহের বংগর বিষয়েদি সম্পর্কে অপ্তারই মেশি জালেন	২৯-আনকাবত	30	925
লন্ম (বক্ষে বা আহে তা আপ্লাই আনেন)	৫-মারিনা	9	qu'
লন (বছে যা আছে সে সম্পর্কে আল্লার ভালভাবে ছালেন)	৪২-শূরা	₹8	930
शन (प्रमुख्य वर्ष या व्यक्ति वा वाहार कारण)	৩১-সুকমান	20	5-26
লল (মনুবের বড়ে বা আছে তা আল্লার ভালভাবে জানেন)	५८-कामाइन	8	266
পদা (মানুবের বড়ে বা আছে তা আল্লাহ তালতাবে জানেদ) পদ্মন (আল্লাহ মানুবের বন্ধস্থিত বিষয়াবলি জানেদ)	09-01/15/1	-	193
প্রকার (অস্তাহ মানুহের বন্ধান্ত বিবরাবাল জানেন) পুনা (একের বিষয় ডালজবে জানেন আপ্রাহ)	22-5a	0	950
ধনা (বংগর বিষয় জালজাবে জানেন আল্লাহ) ধনা (সাধ্রাহ মানুষের বক্ষের গোপন বিষয় জানেন)	২৭-শ্বন	48	bot
	২৭-বামণ ৫৭-বাদীদ	98	385
প্রাপ্তাহ বক্ষের বিষয় সম্পর্কে বালো জানেন)			
এনীর বজে কুবজান স্পট নিদর্শন	59-Stheolda	85	p-Sc
जानकारी (दूराप्रम प्रमूचन वरण्ड विराउत निवानकारी)	১০-ইউনুস	63	963
শেষ করবেন জাল্লাহ (মুমিননের বন্ধ)	১-জাধৰা	28	683
পান্ত (কুফনীর জন্য বাত প্রশন্তকারীর উপর আল্লাহ্য জেনং)	১৮-শহ্প	306	950
পেত্ত করা (বন্ধ প্রশন্ত করার জনা মূসার (নারা)	২০-ড়া-হা	56	983
পস্ত করা (যার বাককে সাপ্তার ইনেলামের জন্য প্রশক্ত করে দেন)	৬-আন্'আম	256	901
পেত করা (আপ্রাহ রাসূল স. এর বন্ধকে প্রশন্ত করেছেন)	১৪-ইন্পিরহ	2	205
বঁঘর (মানুষের বন্ধের মধ্যে যা আছে তা প্রকাশ করা হবে)	১০০-'অন্ত্যিক	30	200
বন্যমান (কাজিকত প্রয়োজন পূরণে গবাদিপক ও দৌবান)	৪০-মুখিন	p.o.	m
বাষেষ দৃর করে দিবেদ জাল্লাহ, জাল্লাভিডের বাফ বেকে	১৫-হিমর	89	901
বষয় (বন্দ বা অন্তরের বিষয় আল্লাহ ম্বানেন)	94- <u>Fal</u> a	30	37
दश्त (४कक् विषत्र शाराम आन्नाः)	৩-জাল ইমরন		664
ন্ধন (বড়ে বা আছে ডা পরীকা করতে পারেন আল্লাছ)	৩-জলে ইমরন		664
ব্যর (বক্ষের বিষয় আপ্লাহ স্বানেন)	৩-জলে ইমরন	279	¢8
ব্যর (বড়ের বিষয় গোপন করপেও জাপ্রাহ তা জানেন)	৩-জলে ইমরন	45	000
ব্যর (ব্যক্তর বিষয় সম্পর্কে আদী আল্লাহ)	৮-জনকল	80	60
ভাল (বন্ধ তাৰে বহুৰ ঘাৱা, ৱাসুল স. থেকে গোপন কৰাৰ জন্য)	১১-যুল	6	960
নুবুহার বাচা যা গোপন করে ও প্রথাপ করে জান্তার তা জানেন	২৮-বাদাস	60	ly38
প্রতান বাস প্রয়োসন্দর্শনারীর সনির বেকে সম্রোর প্রার্থনা	১১৪-বাস	2	300
লভিবনের বক্ষে মুমিলাণ বেশি আগুডানার (সঞ্জামন (সেরা	৫৯-হাপর	30	201
সর বহু স্মৃত্তিক হবের (বিদ'সউলের বাহে বাংল প্রসঙ্গ)	২৬-চ'জর	30	951
ক্রান স. এর বাকে ফেন সংবিদিকা না থাকে (কিবাজে খাপারে)	৭-আয়াক	2	634
হাসুল স, এর বঞ্চকে জাল্লাহ প্রশক্ত করেছেন	১৪-ইনুপিয়াহ	2	203
হুদুল স, এর বাদ সংগুলির হুরে: (কফিয়নের কথার ক্ষরণে)	33-37	24	99
ন্তুটিত (যানের কক মুমিনানের নিক্তের মুক্ত করতে সন্তেগিত হর)	8-971	30	69
মুকুতিত (ব্যাস বৰ বুলাকের নাক্তর বুলাকের বিদ্যালয় বক্তরে) মুকুতিত (ব্যাস স. এর অঞ্চর সংস্কৃতিক হর অধিসাদের বক্তরে)	১৫-হিজর	39	90
দুবার (মাসুনার পর্যার করের করের মেইলে কম সংবর্গন করে লেন)	6-वान वार	256	80
भूदेशन कहा (अञ्चार नव्यक्त क्यांज तथार नवर नवरन क्यांज तथा । भूदेशन दश्जा द्वार क्यां (अश्वांजावेदन्य कांद्र वशा अन्त्र)	३५-शंबादा	20	991
পদুক্তর হওরা,দুগার কর্ম (কর জারনের করের রতের এসন) দুদার (বজে অবস্থিত। ফুলর জন্ম হয়)	55-508	86	95
	44-4-4	-00	120
বগদ (বাছর দিকে)			-
দুসার বগদে হাত রাধার পর তা উজ্জুল হওয়া প্রদক্ষ	२०-इर-श	55	98
रास्त्र		1	
অবস্থান (করেক বছর মূসার মাদইরানে অবস্থান)	२०-इर-श	80	18
আট বছর কাজ কবলে এক মেটার সাচে মুসার বিটো নিকেন	২৮-কাসাস	21	153

वड़			ব
THE GREEKER	70 Rt 4 RE	ne n	र्जुवर
একশ বছর পর উভারেরকে পুনর্জাবিত করা প্রসঙ্গ	২-খব্দবা	20%	602
বল্লক ৰহন কানাপাত্ৰ অবস্থান কৰল ইউসুক	১২-ইউসুফ	82	600
করেক বছরের মধ্যেই রোমানার বিজয়ী হবে	৩০-জম	8	322
পৰুৱ (বছৰ ও সময় পদৰ্শনীবাহৰৰ জনা নিদেৱ মনবিশ)	১০-ইউনুস	e	628
চক্রিশ বছর নিষিদ্ধ, মুসার সম্প্রদায়ের জন্য, পথিত ভূমি	৫-মারিনা	46	dire
চক্রিশ বছরে উপনীত পূর্বপতিপ্রাপ্ত মুখিন দোৱা করে	৪৬-আহ্লফ	32	209
নীত্রবারেশ (বহু বছর দীর্থনাশরেশ করেলও তা করে ন আন)	২৬-ব'আর	200	936
তিলগত নর বছর (আসহাবে ব্যহ্মেব গুহায় অবস্থান)	১৮-কাহ্ফ	38	936
চুই একবা (বারুর দুই একবা পরীক্ষা দেশ হা মুপরিকলেকে)	৯-ভারবা	556	600
পুট বছরে সভানের দুখ ছায়ানো প্রস্ত	৩১-পুকমান	38	745
পঞ্জাপ বছর কম এক হাজার বছর নৃহের অবস্থান	২৯-আনবাবৃত	28	5739
পদ্মশ হাজার বছর (অধিব্যক্তের একদিনের পরিমাণ)	৭০-মা'আরিল	8	29.7
বহু বহর ওহর আনহাতে অহাতের আনে পর্য স্থাপন করেন ভক্সাত	77-9820	22	948
পুটার বারে (এমন এক করে আদরে যাকে মনুগুরু বৃটি পেরা ছবে)	১২-ইউসুফ	8>	92.7
ক্ষোক্তার (এর বার ক্ষেত্রকারী প্রদানর ক্রিকর, স্ট্রানেকে)	২-খাবারা	280	652
प्रश्लिक क बहुत्व १६ प्रामित स्वाप्त निक्ते जागत म	৯-জাওবা	50	684
মূল্য জীবনে বহু করা নির্মান্ত সম্প্রদায়ের মধ্যে কবছুস	২৬-৩'জারা	26	970
কুণার আবসের বহু বছর দেন জাতন সংস্থাতের মধ্যে কর্মছুল সংখ্যা (বছরের সংখ্যা ও হিসাব স্কানার স্কান্য চাঁদ সৃষ্টি)	29-ENE	24	926
সংখ্যা (কর্মের সংখ্যা ও দেশার জানার জন্য চাল সূত্রে) সংখ্যা (করু বছর পৃথিবীতে অবস্থান করেছে পথন্তরী)	২৩-মুমিকুল	224	990
		89	99.7
সাত বছৰ একাধানে চাম কবাৰ	77-ইকুমুর	01	5000
হারার বছলো সমান দিন (অন্নাচর করে নকল বিদ্যা উথিত প্রদেশ)	৩২-সাজ্পা	99	
হামার বছর আত্মর আকামনা (ইহনীদের)	২-বাকুারা		627
इचित रहत् नवरण रहत रूप यह शकात बहर नृहत् करहान)	২৯-আনকাৰ্ড	78	1179
হারার বহুতের সমান প্রতিপাদ্যকর একটি দিন (পরি প্রদর্শ)	२२- <b>श</b> व्ह	89	962
হালাল করে দের কোন বছর হারাথ মাসকে (কফিররা)	৯-ভাওবা	09	\$88
বজার রাখা			
দীমা বছার রাংকে পারবে মনে করা (ভাগাক প্রসছ)	২-বাকুরো	500	659
সীমা বঞ্জার রাখতে না পারার আশহ্ম করা (গামী ও প্রীর)	২-বাকুরো	55%	650
বছের গর্মন			
পৰিবাৰ বোলা (ব্যায়ৰ গৰ্মন আল্লাহর পৰিবাৰ বেকা কৰে)	২০-রাদ	20	600
মৃত্যুর ভর (বাছের গর্জনের করেশে মুনকিকের মৃত্যুর তর প্রশাস)	২-বাকুবো	39	600
ব্যৱস			
অধিকার (যঞ্চিত্যার অধিকার রয়েছে যাদের সম্পদে)	৭০-ম'জবিজ	2.0	33/3
অধিকার ররেছে বঞ্জিকদের (মুরার্কীদের ধন-সম্পদে)	०५-पश्चिम्	3%	959
প্রতিপাদকের দর্শন হতে বঞ্চিত হবে পাপিষ্ঠরা বিয়ামতে	৮৩-মূজগ্মিফীন	20	2023
বাগান যদিকরা বঞ্চিত	৬৮-রুলাম	29	240
মানুধ করেন 'আমর বজিত' (ফলল বড়-বুনীয় পরিণত হলে)	৫৬-ভরাকিরাহ্	69	>85
45			
অপরাধী (বড় অপরাধীদের হড়যন্ত করা প্রসম্ব)	৬-আন্'আম	250	600
আবিবাত বড় (সন্মাণ ও মর্থাদার দিব দিয়ে)	১৭-ইন্র	52	938
বলের পরিমান ছেট- বড় যা হোক তা লিখে রাখা প্রসঙ্	২-বাকুবর	272	608
আছাবঢ় দৃত্যি দৃষ্টি ভালর কাজ করেছে ইনরাইসের দুকি)	২১-জাধিয়া	40	908
কৃত আন (অপ্তাৰণ নিৰ্দেশ দিয়া বিকৰ্ম কৰা বহু দৃশ্য ধৰু)	৪০-মুমিন	00	227
তৃত বাছ (বাই তৃত বাছ ব্যৱহার বাহে- য বর না বা কা)	৬১-সাত্ত	0	hipo
চাওয়া (অহলে কিভাৰ মুদার কাছে বড় কিছু চেরেছিল)	8-मित्रा	320	295
হোট বড় গৰই লিপিবছ আছে (আমলনামায়)	৫৪-কামার	20	3:07
অনু (ভিরম্পটনের লভুনবানের বড় ববদের লভু নিরে আল)	৭-জারাফ	229	640
ভূপুর (শিরক অতি বড় ভূপুর)	৩১-পুকমান	20	640
দল (বন্ত দলকে পরজিত করে ভোট দল, আল্লাহর ইক্ষার)	২-বারুগরা	₹85	659
বিদর্শন (মুগ্রাকে যাত্ত বাত নিমর্শন দেখানো)	২০-জা-য	50	984
নিশ্বন (কথাৰা উল্পোট্ডিক অন্তঃহ বঙ নিশ্বন দেখিয়েছেন)	80-व्यक्त्रक	80	Val
লিপ্লি (ভিরম্বটিলকে মূস্য আ, বড় নিম্পীন দেখালেন)	৭৯-নাথ আড	20	2001
পদ্রেষ্টর (সতর্ববর্ত্তর বন্ধ পর্যার হয়েছে, প্রায়ন্ত্রনির বলত)	৬৭-মূলক	9	300
পাপ বড, উপকারিভার (চরে পাপ বড় (মন ও জুরা প্রসঙ্গ)	২-বাকুরা	233	0.10
পাপ (বড় পাপ/ কবীরা গুনাহ মুদিন পরিহার করে)	85-90	09	1788
পাপ (বড় পাপ) কথারা তথাই বুমিন সারহার করে) পাপ (সন্তান হত্যা করা বড় অপরাধ)	১৭-ইসর	03	938
পাপ (সভান ২কা করা বড় অগরার) প্রতিকান (বড় প্রতিকারে সুসরেন দের কুনজন সক্তম <sup>9</sup> নাসে)	১৭-ইসরা	9	928
Chouse (abronouses during the deale seems being)	3.446.681	- 0	1.128

विकारित	न्वा मध्य नाम	-	न्यं	শ্ব বিষয়/গ্ৰনত	नुवां गर च नाम	400	101
বড় (পূৰ্ব পূঞ্চা বেকে)				বনী ইসরাইলরা অন্ধ ও বধির হয়ে রইল	৫-মারিলা	93	263
প্রতিপালকের বড় বড় দিনশন দেখেছিলেন অসুল স. (মিয়াজে)	৫৩-দান্তম	79.	205	দিবা অভিহ্নিকারী বভিন্ন, বেব (আক্রভানে নিবারভিন্নিকারী)	৬-আন্ আম	ಯ	488
প্রতিদান (মহারেডিনাম, সমানধার ও সম্পদ ব্যবকারীর জন্য)	৫৭-স্থদীদ	٩	38V	ফুম্মনিকর পন্য (সুফরং অবা সচিক পথে দিরে আগবেন)	२-राकृावा	2h	600
দিয়ে জনা(ইকাইটের সম্প্রদার বড় মৃতির দিকে দিরে ভাস)	२५-वाश्यि	28	948	মুনাকিকলেরকে আল্লাহ বধির করেছেন	৪৭-মুহামাদ	20	328
বাদ নিবে না জেট-বড় বোন ধান্ধ (অপারবিদের আমালনার)	79-বার্ক	85	120	শোনানো যায় না বধিরকে (খাল কথা)	৪০-ছুৰকুত্ব	80	Vay
বিপন (সাব্যয় একটি বড় বিপদ)	৭৪-মুদাছবির	00	227	শেনলে (বাসুল স. কি বধিব/মুশরিককে শেনতে পরকেন)	১০-ইউনুস	82	020
ব্যার (জ্বেটা বা বাড় বায় লিখে রাখা হল, প্রতিবাদ নেয়ার জন্য)	>-8084I	252	000	শোনানো (মৃত ও বহিবকে আহবান শোনানো হায় না)	২৭-নামল	bo.	Pob
ভাই (বড় ভাই শিস্তার সামে কৃত অঙ্গীলারের কথা স্কাশ করিয়ে দিশ )	১২-ইউসুক	80	648	শোনানো (অধিয়তে আহ্বান শোনাতে পারবে না য়াসূপ)	৩০-রম	65	525
মূর্তি (বড় মূর্তিটি মূর্তি ভাগর বাঞ্চ ব্যৱহে, ইকরাইটের মুক্তি)	२५-व्यक्ति	00	928	সর্ভক করা (গধিয়কে সভর্ক করা হলে সভর্কবালী পোনে না)	২১-আধিকা	82	320
মূর্তি (ইবরাইীমের সম্প্রদার বড় মূর্তির দিকে ভিরে জাসা)	২১-অধিয়া	Qb	908	বৰিক্তা			
শান্তি (অপ্লাহ বড় শান্তি দিকেন, কুফর্র করলে ও দুখ কিরিয়ে নিলে)	৮৮-গাশিয়াত্	28	2050	বলে (অধিয়াদিলে বলে বভিন্নে হয়ের যতে করমান)	১৭-ইসরা	86	953
শান্তি (আহারামের বড় শান্তির পূর্বে দুনিয়ার স্কেট শান্তি আহালন কর)	৩২-সার্দা	23	202	কাকিবদের কলে বধিৱতা (ইমান না তানা প্রসঙ্গ)	৬-আন'আম	3.0	695
যন্তবন্ধ (বন্ধ বন্ধবন্ধ, নুহের সম্প্রদার প্রসঙ্গে)	15-75	55	246	গলে (অয়াত থেকে এজনে যুখ বিষয়হানে কলে বধিয়ায় আছে)	৩১-পুৰুমান	9	P39
সম্ভব্নি (সৰচেয়ে বড় জন্মাহ্য সম্ভব্নি)	৯-তহওবা	93	689	বাল (কাজানে দিয়াল আনে না বারা আনের বানে হরেছে কবিছার)	83-यूज्निकार	88	wh
সূৰ্য সংক্ৰমে বড় হওয়ায় ইংৱাহীয় ছে, কঠক প্ৰতিপালক কৰা	৬-আন'আম	934	600	বংলে (বধিবার তৈরী করে নিয়েছেল আল্লাহ জানিমানে ছন্যে)	১৮-বাইর ১৮-বাইর	29	922
সৃষ্টি (কাফিবচারতে ইচ্ছেমত যে কোন বড় সৃষ্টি হয়ে (মতে কল্প)	১৭-ইসরা	62	957	কালে বধিরতা (মুগরিকানের কালে বধিরকা)	87-क्रमेश्नाड	2	VVC
কম (বর ২কেন দিলে মানুকো প্রতি অপ্নার্হ মাপুল স: এর যোকা।)	৯-আওবা	0	680	বনি জানম (আরো নেখুন জানম-সন্তান শপটি)	and fallence		1000
বড় কান্ত	2-01041	ř	990	পোশাৰ অবভীৰ্ণ করেছেল আল্লাহ বনী আনমের জল্য	4-281,9528		ļ.,,
মানুধ সৃষ্টির চেতে বড় কাজ আকাশ ও পৃথিবী সৃষ্টি	80-मुसिन	40		वानुम जारम पनि वर्षी जानुस्त्र वाह्न ।		₹8	976
বড় পাপ (কবিয়া ভনাহ) (আরো দেখুন ছোট পাপ দখটি)	80mg 14m	29	550	শক্তান বেদ বনী আৰম্ভক ফিডনার না কেলে	৭-আগ্রাফ	96	979
		_			৭-জা'রাফ	54	926
বিরত থকা (করির ভালহ থেকে বিরত থকাল সদীর ভালহ মাত হবে)	8-निमा	407	6.02	সুস্পত্ত শত্ৰু, শৱতাৰ (বনী আদমের জন্য)	৩৬-ইয়াসীন	90	266
বড় বড় পাপ				দৌশর্য প্রয়োর নির্দেশ কর্মী আনমকে প্রয়োকবার দিবনার সময়	4-20,90.6	-07	925
পরিহার করলে (ছোট পাপ ক্ষমা করা হবে)	৫০-বালস	05	900	বলি ইসরাম্বল (খারো দেখুন ইছনি শব্দটি)			
বড় হয়ে বাওয়া				অসীকার (নদী ইসরাধিপদের থেকে অস্থীকার রহন)	৫-মারিদা	90	64.0
ইয়ানিম বড় হয়ে যাচেহ ও ভয়ে তার সম্পদ থেরে ফেলা যাবে পা	৪-নিসা	-6	260	অসীবন্ধ (পিরুণ/সম্ভবহার সম্পর্তে কবিইনরাসক্রের অসীবার)	২-বাকুারা	6.0	203
वर्णन				আবান্দ (বনী ইনাইলের জন্য ধ্বাধ্য অধান্দ্রম কর্ম্য)	১০-ইউনুস	20	650
অসক্ত পৌন মুপরিকদের- 'বলা অল্লাহর করে পুত্র ভাসের'	৫৩-মাক্স	55	200	দিনাল (বলী ইপরাইলের দিনানের মত স্থান বিদ্যাস্থানৈও আনে:)	২০-ইউনুস	90	695
कैरिका (पृथिताव कीनाम मानुरावा कैरिका वर्तम वरतम वरता वरता	৪৩-বৃথক্তক	93	464	সদকে কী ইন্যাইলয়ে প্রতি বাস্থারূপ প্রকা করকে অপ্তাহ	্-জনে ইমরান	85	280
ন্যা (প্রতিপাশকের দরা কি সভা আহীকারকারীয়ে বদ্দীন করেঃ)	৪৩-সুধক্ত	95	tratr	দিসা আ, বনী ইসভাদীশনের প্রতি আল্লাহর প্রাসূদ	65- <b>স</b> হ্	b	860
পানি বন্টন কৰা হবে পালাক্ৰমে (ছামুদ জাতির মধ্যে)	৫৪-কাথার	49	200	ঈদা আ. থেকে বদী ইদরাঈলকে নিবৃত করেছিলেন আল্লাছ	৫-মার্গিদা	220	¢ъ8
মীরাস বর্গদাবলে ওপস্থিত অনুমির/ইরাভিম/অব্যব্ধরের সম্পদ দান	8-Fort	4	661	উत्ततक्रिकाची कता दह वनी है <del>शतक्रियात (वर्मा/देशतम्</del>	২৬-ব'আয়া	02	የራን
<b>वस्मका</b> डी				ধন/জাকালীর হালের)			
দির্দেশ বউদকারী ফেরেশভালের কসম	৫১-বারিয়তে	8	250	উদ্ধার (ধনী ইপরাইলকে লাঞ্চনানায়ক শাস্তি হতে উদ্ধার)	৪৪-দুধান	00	800
বণ্ডিত			-	উদ্ধার (বনী ইলরাঈদকে শক্তর কংল থেকে উদ্ধার)	২০-ত্বা-ছা	310	985
অংশ বশ্চিত আছে (কাথানামের প্রত্যেক দরকার কল্য)	३०-विकास	88	900	এক কৰি ইস্মাদিল সাধীন প্ৰাক্তা, (কুজান জন্মাতের মত গুন্তী)	৪৬-আব্কাফ	20	902
रम्(मक्षाक्री				এক দল (ধনী ইসরাইলের এক দল ইয়ান আনল)	65-MAD	>8	992
আনুগত্য (বদক্ষেকাকী ব্যক্তির আনুগত্য করা যাবে না)	৬৮-কুলোম	20	296	কিডাবের উত্তরাধিকারী করা (বলী ইসরাঈলকে)	80-श्रुपिन	20	445
वसव	9- 4111		0.14	ভিজাসা (নদী ইসরাইসদেরকে জিলাসা করার দির্দেশ)	২-বাকারা	522	250
সাহাত্য (বনরযুক্ষে সাহাত্য করেছিরেন আল্লাহ মুমিনদেরকে)	৩-সংগ্ৰ ইমৱান	112	28b	আনী (বনী ইনরাইলের আনীদের কুম্মান সম্পর্কে জাবা ও	২৬-৫ জারা	339	495
व्यम	0-301 6464	140	490	নিদর্শন প্রসঙ্গ)		311	
ক্ষেত্রী বনলে নেরা (উমান নিয়ে)				আন ধনী ইসরাইলের তাছে আসরে পরই মততেদ করেছিল	১০-ইউনুদ	>0	999
	२-वाङ्ग्रहा	204	625	দান, ক্ষী ইনভাঈশকে (বিজ্ঞাৰ/বিধান, নতুহাত ও জনকেন প্ৰেচিত্ব)	৪৫-লাইয়া	3/0	300
পৰিত্ৰ বস্তুৱ সাথে নিকৃষ্ট বস্তু বদশ(ইয়াভিমের সম্পদ প্রসন্থ)	৪-নিসা	1	999	দাপ করতের (গদী ইসরাজ্পকে তিরাজাউন কর্তৃক দাস বান্ডনে)	<i>५७-७,७</i> सवा	22	91/2
বদ্লা				দ্রাত (বনী ইসরাইলের জন্য দ্যা আ, দূরাত হিলেদ)	৪৩-যুৰকৈদ	Ø>	900
অধিবাদের বেকে কলা নিতে পারতেন আল্লাহ (ইয়ের করলে)	৪৭-মূহ্যখ্যদ	8	256	লেন (বনী ইসামিসার মধ্য থেকে জন্মার নেনা বনিয়েছিলেন)	৩২-নাজ্দা	28	2005
প্রতিপাশকের নিকট খনলা দেয়ার জন্য দুয়ের প্রার্থন	৫৪-বৰমার	20	৯৩১	দেয়ামত (ক্ষী ইনৱাপদতে প্রনত্ত নেয়ামত স্মরণের নির্দেশ)	২-বাকুলা	>55	<b>238</b>
বদশাতে চাওয়া			ш	নের (কর্নী ইনরাঈশনের মধ্য থেকে বর্য রূপ দেরে পাঠানে)	৫-মারিদা	24	445
উত্তম খাদ্য দিয়ে দিকুট খাদ্য কলোতে দেওৱা (বদী ইনয়ানিল প্ৰদাস)	২-বাসুধ্যা	97	209	লেয়ামত দান (বনী ইনরা <b>ন্থলকে আল্লাহ</b> র দেয়ামত লাস)	২-বাকৃষো	80	œ6¢
অত্যাচনিত হওয়ার পর কল্পাপ্রতিশেষ দেয়া (কভিনের প্রসঙ্গ)	২৬-৩'জারা	২২৭	499	শেষামত দান (বনী ইন্যাইলকে আপ্লহর দেয়ামত দাশ)	২-বাকুারা	89	600
জুলুমের বদল্য নেয়া দূখণীয় মর	৪২-প্র	85	844	পর্যনিটেশিকা বাদানো হর বঁনী ইসারেন্সিলের জন্য (ফারেন্সের্টেন)	৩২-সাজ্দা	20	5005
বাড়াবাড়ির করলেই ভগু বদলা দের মুম্নিলয়	82.明日	৫৬	Y38	পর্যবিদেশক (ক্রী ইসম্লেইলের পথ নির্দেশক, মৃস্যতে দেয়া কিতাব)	১৭-ইস্রা	2	84.6
বন্ধমূপ করা				পার করা (আল্লাহ বনী ইমরাউল্লকে সমূদ্র পার করান)	৭-আ'বাঞ	305	648
মুনাকিনী বঙ্কাল করে নিয়েল আল্লাহ কবিব ও মুনাকিবচনর ফুল্যে	৯-জগ্র	13	685	বিদিবদ্ধ করা হল কর্মী ইসরাইলের উপর (হত্তর সম্পর্কিত বিধান)	৫-মার্থিদা	03	648
বধির				মতপর্বকা(কুরজন কর্নী ইসরাইকের মতপর্বকের বিষয়ে কর্মা বরে)	২৭-নমেল	98	bob
আক্রম দা করা বনিবের দার (জনাত শ্রমণ করিরে দিলে)	২৫-কুরকান	90	929	মধ্যকে (আদ আনার পরাই করি উপরাইল মাহ্যকের ব্যবহিন)	১০-ইউনুস	20	660
বনী ইনরাস্থলর বনির হবে রইল	०-माविभा	32	evs.	মানীহ বনী ইনৱাইণ্ডে এপেছিল অস্তাহর ইবাদত করতে	१-माविमा	99	200
সমব্যত করা হবে বনির করে বিবাহতে (পথাইলেয়কে)	১৭-ইসরা	31	922	মান্ত্র-পালভার (ক্রী ইসভাসলদের জন্য মান্ত্র-পালভার অবার্টর্য)	२०-प्रा-श	bro	385
উপমা (বাঁধর ও প্রদাশক্তিসম্পন্ন ব্যক্তির উপমা প্রসঞ্চ)	22-64	28	669	মূপার নাথে বনী ইলরাইলকে যেতে পেয়ার আহবান	৭-জ'রফ		
काफिस्सा स्थित, (रामा श कक	২-ব্যক্তারা	393	67.9	বিধিক (ক্ৰী ইসৱাধলকে প্ৰিচ বিধিক দান কৰা চ্যোছল)	২০ ইউনুস	304	હરર
निवंशे सीच हमेरे गय वर्षत व त्याचा पता सनुसारण वद्या ना	b-सामग्राम	22	608	লাগত (বলা হসরাস্থানে পাতর রোধত দান করা হয়েছল) লাগত (বলী ইসরাস্থানে কবিরর অয়ন্যন্তিরক্ষমন করা লাগত)		3/0	490
The same of the same of case and sales and address and all	6-20-614	45	208	ন্য নত (কৰ হণৱাগ্যায় ব্যাকপ্তর অমন/প্রমাক্ষন কর্ম্যা ব্যানত)	৫-মারীলা	95	¢3o

. . . .

नव विवयं विवयं विवयं	न्द्रों गर थ नाम	2054	oth	अप विश्व/देशक	সুৱা লং ও নাম	COLUMN TO	781
वनी देशवादेश (पूर्व पृक्षा (अट०)	for K = us	-	inger:	থেবেশখনের বন্ধু আল্লাহ	৩৪-সাবা		₩88
	. 33		995	মুবাকিবদেরকে বন্ধুরপে প্রহণ নিষিদ্ধ	8-निया	Va.	260
সমুদ্র পার (আল্লাহ কণী ইসবাইলকে সমুদ্র পার করালেন)	১০-ইউবুৰ	90		মুম্মিলনের বন্ধু আল্লাহ ও তাঁর বাসুল	৫-মবিদা		259
ম্মপ্রেনী ইসরাইপনে অল্পান্ত নেরামত অবগের নির্দেশ)	২-বাবুরো	81	600	দুমিনদের বন্ধু ফেরেশকার (পুনিয়া ও অধিবাতে)	8)-इ विकास		999
স্মরণ(বনী ইসরাঈশবে ভাল্লাহর দেখানত স্মরণের নির্দেশ)	২-বাবুরো	80	606	বুলিকার বস্তু কেরেলকার (বুলরা ও আন্দর্ভত) বুলিকার একে অপক্রের বস্তু	৯-ভাওবা	93	689
লোগ (বনী ইসরাইলের জন্ম সব বাবারই যালাল হিল)	৩-আল ইনারন	20	282	প্রকৃত্ত বং কে এর ইলাডে হেল করেল (মিধা বলতে শাবস)	১৭-ইপরা	90	130
वसी						3	960
এবলল শত্ৰকে মুসলিম বহিনী কৰ্তৃত কৰি করা(কু কুবারাল প্রদাস)	৩৩-জাহ্যাব	₹5	1000	শক্তকে বন্ধুবলোগ্রহন কর নিমেন (অক্সহত ও মুক্তিকার শক্তকে)	१०-पुराणीर्ग		
খাদ্য দাম (বন্দীকে খাদ্য খান্ডায়নে/দান পুশ্যবালের বৈশিন্ত)	৭৬-পার্ব	b	995	শার হবে (নিরামতের দিন বছর শার হবে, মুক্তনীরা হার)	৪৩-যুখঞ্চ	હવ	900
ঘুলিরিকদেরকে ধন্দী করার নির্দেশ (চুক্তি ভঙ্গ করলে)	৯-কাওবা	6	180	শরতাদের বন্ধু হতে যেতে পারে ইবরাইটেনং পিতা	<b>১</b> ৯-मात्रदेशाय	84	909
बाजून म्, रक दश्री कराद राज्याह करत कार्य पास कुमान्ति करताह	৮-আনকাশ	00	908	শল্পকালের বছুদের বিক্রছে যুদ্ধের নির্দেশ (মুমিনদের)	8-নিশা	96	266
रक				শাবাহনা ব্যুক্তন দে ধনী করে করে (ব্রফিলের সাহয় বিভর্ক করছে)	৬-আন্'আম	252	606
দরজ বন্ধ করে দিশ (আর্থায়ের প্রী)	১২-ইউসুক	20	699	পঞ্চাদ বন্ধনের তর দেখার দুমিদদেরকে	৩-জেলে ইময়দ	296	460
দান করা বন্ধ করে দেয়া (ওয়ালীল ইবনে মূর্ণীরা প্রসঙ্গ)	००-शस्य	08	208	হিৰৱকৰাত্ৰী ও সাহাধ্যকাত্ৰীয়া গৱস্পত্ৰে বস্থ	৮-আনকাল	94	600
বৰ্ষণ (জালাপকে বৰ্ষণ বন্ধ করতে বলা, দুহের প্লাবন প্ৰসাদ)	১১-জুদ	88	660	বছুত্ব			
रक्की रह		-	-	ব্যক্তিরদের সালে কবি ইসরাইলনের বছুত্ব প্রকৃষ	্ত-যাৱিদা	300	690
হত্তপত রাবা (কলের কেন্দ্রে বছতীবস্ক হত্তপত রাবা)	२-गर्मा	200	208	বিদ্যানতের দিন ক্রয়-বিক্রম ও বন্ধুকু থাকারে না(নাম/দামার্ক প্রসঙ্গ)	১৪-ইবরাহীম	407	699
	6.edim	400	600	বিস্মানতের দিন বন্ধুত্ব কাঞ্চে আসবে না	২-বাকুরো	₹68	600
বছন		-		নিকে (বুলিয়ার ক্রুড় নিকে, আনা সামা বাসর প্রতি <b>অহা</b> হ কুছ)	७०-प्रमर्थादेग	20	828
অপ্সাহর বছদের দারা বছদে কেউ নিগতে পারবে না (কিয়াখতে)	22-200g		2055	বুদ্দিশত বন্ধুক্ত নিজে অচনা সামে করা জ্বিনো বাপরে বৃদ্ধ করে	<b>७०-व्यव्यव्यक्ति</b>	ъ	826
হিবাহ বছনের সংকল্প করা নিধিত (ইম্বত চলা কালে)	২-বাবুরের	506		পুনিকের ব্যক্ত কর, তালে সাধে থানে প্রতি অপ্তাম ক্রম	৫৮-মুজাগালা	38	320
হিবাহ বন্ধন যাব হাতে সে পূৰ্ণ মোহর দিয়ে দিলে	২-বাবুরো	209	651	শ্বাকানের সাথে বস্থাকুবারী পথনাই হবে ও আগুনের শক্তি	২২-হাজ	8	925
মেঘের বছন বৃষ্টি করেল আল্লাহ	২৪-সূত্র	80	3.33	रष्-राधर			
বছন সৃষ্টি				অনুকৃত (ব্যার প্রতি মীরাসে অনুসূত্র করা বৈণ হওয়া প্রদেশ)	৩৩-আহ্যাব	6	bres
বু'দ্বিন্দের মাঝে বছন সৃত্তি করেছেন আল্লাহ	৮-জনকাশ	80	900	451	00-416414	·	000
শ্বদয়ে বন্ধন সৃষ্টি করে দিয়েছেল জন্মাই মু'মিনলের	৮-আনফাল	60	9091			20	
হুদরে বন্ধন পৃত্তি করে দিকেশ আল্লাহ (মুখিনদের হলরে)	०-वाम देसक	300	685	নন্দতি (আল্লাহ যে দন্দতিকে ইচ্ছা বন্ধ্যা করে দেন)	৪২-শ্রা		3/3/2
ধুনায়ের বন্ধন সৃষ্টি করতে পারতেও না বাসুল স. (পৃথিবীর	৮-আনধাল	1	909	ৰুছাৰ ৰছাৰ পুত্ৰ সন্তাৰ জন্মেৰ সুসংবাদ (ইৰৱাই)মো স্তীয়)	৫১-যারিয়াত	2,5	546
गर्यालकु वार)		60		দ্রী বন্ধা (থাকারিয়ার স্ত্রী বন্ধা, কি করে সন্তান হবে?)	১৯-মারইরাম	ъ	9.08
19		1		দ্রী বছা (থকরিয়ার ব্রী বছা)	১৯-মারইরাম	ę	908
অধ্যক্ত বন্ধু হয়ে মানে শক্ত বৃত্তি (মন্দতে উত্তম ধ্বানা প্ৰতিহত কৰাক)	৪১-ফুপুলিবত	08	555	রী (বাকরিরর হী বছর, পুর হবে বিকাবে)	৩-আলে ইমরান	80	280
অন্তঃস বছ বিশ্বামতে থাকবেনা (ইবলিলের বাহিনীর)	२७-व'बाब	303		বছ্যা (কিয়ামতের বিন)			
আপ্তাহ, রাসুল স, ও ঈমানদারদেরকে বন্ধুরূপে গ্রহণ	৫-বহিন্দ	95	643	দিন (বছা দিনের শান্তি আন্যা, কাকিবনের সন্দেহ প্রসঙ্গ)	২২-হাজ্ঞ	22	950
অস্ত্রাহর বন্ধু (উচ্চনীর নিজেনেকক অস্ত্রাহর বন্ধু মনে করে)	৬২-কুমুখ্য	0	362	दश्च			
আপ্তাহর বন্ধুদের কোন ভা/দুশ্ভিয়া নেই	১০-ইউপুস	63	990	একটিত করা (কিয়ামতে কন্যপতকে একপ্রিত করা হবে)	৮১-ভাকনীর	¢	200t
সাপ্তাহর (ইবরাহীমকে অন্তাহ দছুকলে এখন করেছেন)	8-निर्मा	250		ৰন্যা (আরো দেশুন প্লাবন পদটি)			
মাপ্তাহে মুপ্তবিলের বন্ধু আর জলিমনা একে সপরেন বন্ধু	80-मामिश	35	300	্যুবহিত (কর্ম প্রবৃহিত ক্যুসন অক্সম, সংবর্জীনের উপর)	৩৪-সাবা	26	784
ইবরাহীমকে আল্লাব বছুকপে প্রবণ করেছেন	8-92	250		वन्तर		_	
ইছুলী ও অসরাদেবকে বছুদ্ধপে প্রহণ করা নিষেধ	৫-বর্তিশ	65	929	বীজ বৰূপ সহছে তেবে দেখার আহ্বান	0%-व्यक्तिकार विकास	Ann.	≥84
ইহুলী ও নাসারে পরাপরে বস্থু ইহুলী ও নাসারা পরাপরে বস্থু	হ-মারসা	63	949	453	a do - can r in q	-	000
হরণা ও শাসার সভাসত পর্	ু-জাল ইমার			পরিশত বছস (মানুমের পরিশত বয়সে পৌছানো প্রসঙ্গ)	22-27W	6	907
কালে আসাবে লা কিরামতে (এক বছু অপর বছুর)	88-नृपन	87	308	হীনভৰ ব্যৱস্থাবাৰ্থকো শৌহনে হয় কেন কেন মানুহকে	26-FIZE	90	907
	8-99	303		বরত্ব ব্যক্তি (আরো দেবুল বৃদ্ধ শন্তি)	2000/1901	10	101
কাদিবকে বছুরূপে গ্রহণ, মুমিনকে রেখে (মুনাকিক প্রসং)	8-901						
ক্তিক্তে বস্থুবলে গ্ৰহণ নিৰেধ হওৱা প্ৰদাস (ক্ৰুমিনকে বাল নিত্ৰ)		788		অন্ত (কান্ধ গাড়ির অনু হাস-কৃতির নিবাটি নিতারে পিবিত)	৩৫-ফাতন	22	789
কভিন্ততে বসুস্কলেএহণ বন্ধকনা (কনি ইনমান্টচনা দিনান থাবলো)	৫-মহিদা	9.7	630	বয়ে যাওয়া		_	$\vdash$
কাছিবদেরতে বছুরূপে গ্রহণ করা নিষেধ	৫-মারিদা	09		অঞ্চলাদকর বাধু যার উপর দিরে বরে শিক্তিক ভাকেই	१५-गविव्राठ	8-2	329
কাফিবলেরকে বন্ধু হিসেবে এহণ করবে বা মুখিনরা	৩-মাল ইন্দ্রন		640	न्द्रकड			
কাফিররা পরস্পরে বছ	৮-আনকাল	90		অবভরত্ত ভারত বেশ্রামানত পুরক্তে দৌরা বেকে অবভরণের নির্দেশ)	১১-ছুন	87	690
বিশ্বামতে এক বছুর কাঞ্চে আসবে ন্য জন্য বছু	৪৪-সুখন	83	308	আল্লাহর বরকতমার ছামের উত্তরাধিকারী করা প্রসঙ্গ	৭-আ'রাফ	309	648
গ্রহণ (বন্ধু গ্রহণের কারণে জালিমনের নুর্কেগে)	२१-युद्धसम	5/2		ইবলটামের পরিবারের উপর আল্পাহর ন্যা ও বরকক	22-इम	95	694
গ্রহন (বহুরপেগ্রহণ করমে না ইফালরজন পিরাবেও যদি)	३-वादरा	50		ইবল্লান্তির আ, ও ইসপ্রকল্পে বরকার দান করেছেল আল্লাহ	৩৭-সাহকাত	220	800
প্রহণ (মুনাফিকনেরকে বছুদ্ধণে গ্রহণ নিবিদ্ধ)	৪-দিশ্ব	2.9		জন্মতা বাল ব্যাকভানা দেশে পুত্র উবর্ত্তিবকে নিয়ে যাতর	२३-व्यक्तिया	93	198
মরে (বন্ধুদের খনে জাহার করাতে কোন দেব দেই)	३८-मूद	62	40.7	অবশ্যার প্রতি বর্তত দাব্	৩৪-সাবা	29	V84
জাহান্নামীর অন্তরঙ্গ বন্ধু থাকবে না(বিচারের দিন)	99-31e13	-00		পৃথিৱৈত্ত ন্যাকত নিয়েছেৰ আপ্লাহ	৪১-চুস্সিলত		brbro
জালিমরা একে অপরের বন্ধু স্থার আল্লাহ মুবার্জীদের বন্ধু	৪৫-লাইয়া	29	900			20	900
দ্বিজ্ঞানা করবে না কোন বন্ধু ভার বন্ধুকে (বিয়াঘতে)	৭০-মা'ব্যধি	1 30	99-7	বন্ধীন (সুশাইনাংলা জানেশে বায়ু প্রবাহিত হয়ে ব্যক্তমন্ত থেত)	২১-জাখিয়া	6.2	1460
শ্বীনদের মানুধ বন্ধুদের করকের লাভবান হওয়া প্রকর	৬-বাশ্-বাম	259	909	रङ्कदरद	-	-	-
পালকপুহরা বন্ধু,শ্বিদি ভাই (পিত্ত-পরিচয় জানা না গেলে)	००-व्यव्योध	0	100	অধ্যক্ষাস্থল (ব্যৱহানা অবসংস্থলে নূহের অবকাশ প্রতিশ)	২৩-মুখিন্দ	5,5	365
শিক্ষ ও অইকে বন্ধুপ্রপে গ্রহণ করলে জলিম হতে যদি তার	a-etest	20	683	অভিবাদন (ব্যৱক্তমহা অভিবাদন আল্লাহর পক্ষ থেকে)	₹8-7%	69	937

ATT PROPERTY.	मुझा नर च नाव	-	98	The same of the sa	नुबान्द व नाम	400	28
বরকতমত্র (পূর্ব পূর্বা থেকে)				আহত কৰি (অপ্ৰয়ের বার্যাত কৰি যেন কুলা ক্তমায়ে প্রায়াপ করে)	৫-মার্চিলা	77	233
प्रकारका मार्थ/सार्थात्मा ज्ञानमा साम्यवसा (कृताः स्त्रीहाः अर्थः तुरुतः)	২৭-নাম্প	৮	9000	জারাত বর্ণনা করছেল আল্লাহ (মানুমের জন্য)	২-বারুধের	223	434
অপ্তাহ ব্যৱস্থা	२१-पृत्रकान	20	13-0	আরাত কবিনা করছেন আপ্লাহ (অনুধাব্যনর জন্য)	৩-জালে ইন্দ্রন	335	081
আল্লাহ বরক্তমর ও পর্বোভ্য শ্রের	২০-মুমিলুব	38	956	আরাত কর্না কর (অগরাবীদের পথ স্পষ্ট করার প্রথা)	৬-আন্'আম	00	600
আপ্লাহ ব্যুক্তমন্ত্ৰ ডিনি জগতসমূহের প্রতিপালক	৭-বা'রক	08	625	আগ্রান্ত বর্ণনা করেন আল্লাহ (চিক্কা করার জন্য)	২-বাকুৰো	522	030
वाद्वार वहक्षण्यत (याच शहर राष्ट्र)	৬৭-মূপক	3	245	জান্তাই বৰ্ণনা করেন (ধাংসগ্রাজদের কহিনী)	৭-জা'রাফ	9	630
আপ্লাহ ব্যাকতমন্ত হিনি জাকাশে পুরুক্ত বানিয়েছেন	২৫-বুরবান	92	996	অপ্তাহন কৰা কৰি কথানে বাসুল হ, আধুল কিছাবানৰ জন্য	৫-মারিদা	236	62.0
আল্লাহ ব্যুক্তমন্ত্ৰ বিদি আৰুশ-পৃথিবীর অবিপত্তি	80-१९४४	94	202	আল্লাহ স্পষ্টভাবে কৰিল ব্যৱন (কলোপাহ প্ৰসঙ্গ)	8-निम	246	293
আল্লাহ ব্যক্তমর বিদি লগতসমূহের প্রতিপাশক	৪০-বৃষ্	68	550	উপরা কানা করা হয়েছে সর্বাক্ত্যে (কুরমানে)	72-4650	28	943
আপ্তাৰ বৰকতমন্ত বিনি কুৱকান অবতীৰ্ণ কৰেছেন	10-99019	3	100	কাহিনী কৰ্বনা (চিন্তা করার জন্ম)	৭-আ'রাফ	396	943
উপদেশ (ব্রুক্তমর উপদেশ কর্তমন অভীকার প্রদক্ষ)	২১-অখিয়া	60	920	गरिने (गार्वतम महिने रुनि वन्त्रभ खन्नार वन्त्रन न, दह सिर्दे)	১২-ইউসুক	0	899
বিভাব (আল্লাহ বরকভমন্ন বিভাব অবস্তীর্ণ কল্লেছেন)	৬-সন'কম	300	922	বিভাব কৰিব কৰেছিলেন আপ্তাহ জেনে ক্ৰমে	৭-জা'ৰাফ	93	634
কিতাৰ (ৰাসুল স. এর প্রতি বরকতময় কিতাৰ অবজীন)	৩৮-সোধান	23	5-9-3	বিতার কবির সুবিবার্থ সম্পর্করে ভাষা অসুন স, প্রেরণ,	১৪-ইবরাহীম	8	680
বিভাব (ব্রক্তময় বিভাব/করমান অবস্তীর্ণ করা প্রসঙ্গ)	0-304/314	27	608	বিবাহনুপুরাজন কবিংশর্কনিন্দিক্ত/ন্যা পুসংক্রমত্বল অবস্তার্থ	১৬-নাহল	29	930
গছ (ব্যৱসভায় যায়সুদ গছ যা পূর্ব দিয়েরও দাঃ পশ্চিম)	38-73	00	993	कृषाद्वान कर दिया कांच काराया व्यक्तार (विनामन अस्तार कर्मा)	১৭-ইস্ক	82	
হর (বরকতমর হর হা মানবল্লতির জন্য প্রথম রাপিড)	৩-জেলে ইমরন		282	কুৰজান কৰি কৰে (কন ইনপ্লইদের মতপার্থকোর বিষয়ে)	২৭-দামল ২৭-দামল	95	939
श्रंदर्शन वहरूकम् क्रिक्ट वालाव (भ्रामित वालाव)	29-8788	200		'कृतवान रिनामात्वर रुप्ति कार्य वर्ति कार्यका वन्त्र वर्ति ।			205
स्यातिक्षणाका स्या स्थापना निर्मा प्रतिसारम् साम्यान			928	কুলাৰ বিভাগত কৰি (প্ৰত্যুক্ত বিভাগত)	৪১-ফুস্সিলাঙ	8.8	ppy
পদি (ব্যৱহার পদি অবর্ত্তার ব্যৱহার আরাত (হতে)	৫৫-রাহ্মান	95	384		১২-ইউসূচ	222	679
	৫০-বৃহত্ত	ъ	255	খবর (কিল্লামতের নিন পৃথিবী তার ঋবরসমূহ কবিং করবে)	৯৯-বৈশ্বাধ		300
প্রতিপাসকের নাম ব্রক্তমর -বিনি মহিমাময়/মর্থাদানার	৫৫-রাজ্যান	934	285	গাঁৱৰ খনে সম্পৰ্কে কৰি (মূৰৰ সম্প্ৰাপন্তৰ গৰু ক্ষৰই প্ৰনন্ধ)	২-বাকুলা	992	609
বননে (ব্যক্তনা বনিয়েনে সম্ভাহ নাইয়ামপুত্র উপকে)	১৯-মারইরাম	102	900	গানীর ধান সম্পর্কে কর্মা (মুনার সম্প্রধারের গরু মবাই প্রদাস)	২-বাকুলা	90	206
স্থান (বরকতময় স্থানে অবস্থিত তুর পর্বতের উপত্যকা)	২৮-কাস্যস	đo	9.70	গাড়ীর বাং কর্মনা করা প্রদার (মৃদারে বলী ইন্দ্রামালের জনুরোগ)	২-বাকুরা	99	600
বর্জন (আরো দেখুন পরিত্যাগ/ত্যাগ শব্দটি)				তপ কৰিব (আল্লাহ সদছে হিখ্যা তথ কৰিবৰ কাৰণে পূৰ্বোগ)	২১-আদিরা	20.	983
অপবিরতা বর্জন করার নির্দেশ (রাদৃশ স. কে)	৭৪-মুমাছ ছব	0	230	ঘটনা কৰিন করণ মূসা আ, (নারীবের পিতার নিবট)	২৮-কাসাস	50	9.70
অপবিত্রতা বর্ষন করার নির্দেশ (মৃতিপূজার অপবিত্রতা)	२२-शंक	-00	965	নয়ার কবিল (প্রতিপাদ্যকর দরার বর্ণনা, যাকরিয়ার প্রতি)	১৯-মারইরাম	3	3.08
অনৰ্শ (অনের অনৰ্শ বর্জন করচনে ইউসুফ জ. যাত্র জল্লাহকে)	24-3570	99	99.0	দ্যার বর্ণনা করেছিলেন আল্লাহ সকল প্রস্কান্তর জন্য	55-20004	55	960
ইবাহনের বর্জন করব পাণল কবির কবেয়ে (ফুর্শবৈকর কলত)	৩৭-সাক্কাত	96	৮৫৮	দ্টার বর্ণনা করেছেন আপ্তাহ মানুহের জন্য (কুরজানে)	১৭-ইস্ল	Vò	933
थेदै (ब्राप्तुन म. कि कार विभार <b>खर</b> ोंनी चरीत कि <u>त्र</u> वर्कन कहाकाः)	33- <del>2</del> H	25	999	দিনিদ কৰি (মনুহত্ত কৃত্তত দল অল্পাহ নিৰ্দিদ কৰি আন)	৬-আণ্'আম	60	603
ক্ষতিবদেৱকে বর্জন করার নির্দেশ (রাসুল স. কে)	৭০-মুবদানিক	30	307	বিদর্শন কর্মনা ( জানী সম্প্রদায়ের জন্য)	৬-জান পাম	24	000
পিরুপুরুষদের উপাদ্যানরকে বর্জানের নির্দেশ লোম	22-4st	319	690	নিদৰ্শন কৰিল কল্পেন আল্লাহ (অনুধাৰনকারীদের জন্য)	80- <b>3</b> 2	37	5-28
পাপ বর্মন (প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য পাপ বর্মনের নিচ্নিশ্)	৬-আন'আম	330	609	নিদৰ্শন কৰিব চিন্তালীলনের জন্য (গস্যক্ষেত সংসে প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	₹8	606
পিতাকে বর্মন করার জন্য ইবরারীমের প্রতি পিতার নির্দেশ	১৯-মরইয়াস	85	202	নিদৰ্শন কৰিব কৰেল আল্লাহ (মু'মিননের বুকার জন্য)	৫৭-জনীদ	29	385
পিচপুরুষ ক্ষা ইবারত করত তা বর্জন করন উন্নেশ্য ক্রম তা, এলেন্ডান	৭-আ'রাক	90	929	নিদর্শন বর্ণনা করেন আল্লাহ মানুহার জন্য	২-বারুরো	26.6	243
বিধান ধর্মন করতে খলে ইয়ুলী পরিতরে (পরিবর্জন করে না নিলে)	৫-মাছিল	83	03:0	বিলৰ্শন কৰিব করেন আল্লাহ (কডাড সম্প্রনারের জনা)	্-জা'লফ	25r	828
বিচ্যতিকারীকে বর্জন (আপ্রাহর নামের বিচাতিকারী)	৭-জা'লক	7940	600	নিদর্শন কর্মা (বর্ষসম্পন্ন সম্প্রদায়ের জনা)	৬-অন'আম	Nr.	302
মিখ্যা কথা বৰ্জন কৰাৰ নিৰ্মেশ (হজেৱ বিধান প্ৰসঞ্চ)	44-EM	do	963	নিক্ৰনি/অভ্যাত কৰিব কৰেব জালাত	১০-বা'ন	3	99.9
মর্ত্তিপঞ্জার অপবিন্যতা বর্জন করার নির্দেশ	53-E/W	00	953	নিদর্শন (অল্লহ নিদর্শন কর্মন করার পরও মুখ বিশ্বরে (নয়া)	৬-আন'আম	86	hoo
শ্যায় বৰ্জন (অবাধা স্ত্ৰীকে)	8-निम	08	667	নিদৰ্শন (অপ্তাহ আনীচনৰ ক্ষমা নিদৰ্শন কৰ্তনা কৰেন)	১০-ইউনুস	0	208
হৰ্ণ	0-01-0	-	403	প্রমাণনি বর্ণনা করেছেব আল্লাহ	২-বাকারা	32%	673
रिक्ति (क्षमा ७ पर्शव विक्रिय प्राष्ट्रावय विकर्णन)	00-39			প্রমাণাদি বর্ণনা করলে আল্লাহ করেবা কবুল করকেন	२-शकावा		672
বর্ণনা (আরো দেখুন ব্যাখ্যা পদটি)	00-164	55	250	প্রতিটি বিহত্তের স্পাই বর্ণনাম্বরূপ জিতাব/করজান ছেলটার্গ	১⁄০-নাহ্ <b>ল</b>	100	130
				ভাইনের কবিন ইউমত জা. সম্পর্কে	১২-ইউসুফ	25.	949
অনুমানে কৰা (প্ৰক্ৰিপাদকের অনুমানের কথা কৰিব করার নির্দেশ)	30- <u>F</u> G		7050	ভাইনের যা কৰিব করছে ইউসুক্ত আ সম্পর্তে, অক্সাহ তা ভাল ভারেন	34-8890	99	
আন্নত বৰ্ণদার নিকে লক্ষ্য করার কল্য অল্লাহর আঞ্চাব	৫-মারণা	90	490	কিয়া কৰি (ধালিমদের মিয়া আগ্রম সম্পর্ত হৈয়া কৰি মতুন)	১৬-মাহল		69.8
অমাত কৰি (ব্লীন ও মানুষকে বনুল স, কৰুঁক আন্তৰ কৰি)	৬-আন্'ব্যাস	200	609	विश्व कर्मन कटर पुनविकास किस्स (केस्स श्रीकेमार श्रीम)		228	470
অমাত কৰি (মিণ্ডিত বিশ্বাসী সম্প্ৰদান্তম জন্ম আৱত কৰি)	२-चनुरद्य	229.	670	পুশবিকালে সকল বিধা কবিল (ধাক আলাহ পবিত্র	১৬-মার্গ	94	909
আরাত বর্ণনা (মানুহের চিন্তার জন্য আল্লাহর আরাত বর্ণনা)	२-चनुस्म	₹66	605	ৰূপনিকলা য কৰি বহুত বা থেকে অল্লাহ পৰিত্ৰ	৩৭-সাক্ষাত	73.0	3.00
আয়াত বৰ্ণনা করেন আল্লাহ (মানুছের অনুধাবনের জন্ম)	২-বাকুরা	484	652		৩৭-সাক্কাত		5-98
ময়ত বর্ণন করেন মন্ত্রাহ সেই সম্প্রনারের জন্য থবা ভানে	৭-জারফ	02	956	দুর্গরিকনের কনিয়ে বিপরিতে প্রতিপালকই রানুল/বাধার সহস্কেদ	২১-আধিয়া	225	963
জায়াত বর্ণনা করেন জাপ্তার জানী সম্প্রদায়ের জন্য	35978-4	22	685	जन्म न, बार (ज्यानक जन्मात्रा कथा करिना काराहरू क्रम्बाद हानून न, (८)	৪০-মুখিন		9.84
মায়াত বৰ্ণদা করেশ আল্লাহ	২৪-পুর	92	495	শান্ত্য প্রতিপ্রতি বর্ণনা (কুরজানে)	২০-কা-ছা	220	986
মারাত বর্ণনা করেন আল্লাহ	२४-मृत	62	900	সংক্রম কৰিব (অল্লাহ, ক্রমশ্যাধ্য সংবাদ কৰিব করেন, স্টার্যন প্রসঙ্গ)	न-अं, बाक		622
সায়াত কর্না করেন আল্লাহ (বেন মানুধ কিরে আলে)	৪৬-বাহকাক	39	220	সংবদ কৰিব (অপ্তাহ দবীকে লিংত হওয়ে সংবদ কৰিব কৰেন)	50-21-21	66	989
মান্তাত বৰ্ণনা করেব নাপ্তার	२8-नव	양	900	সংক্রা কর্মা (পূর্বনার রকুলতার সংক্রা কর্মা রকুল স. এর বছে)	22-\$e.	250	৬৭৬
श्राचार वर्तना कटा यनि डाम्मा म. ताम (की शामद्रावा व्याद्रः)	৭-আর্ড	00	636	সংক্রণ (অসহাধে কাহমেন ফুকেনের, বাবা দীমান একছিল)	১৮-ব্যব্দ		455
স্বায়াভ্যান্ত কমি করেন স্বাস্থাই (মতে মানা সঠিক লয় পার)	০ অলে ইনরন	300	28b	গংবাদ (জনপদসমূহের সংবাদ রাসূদ্য স, এর নিকট বর্ণমা)	77-åsi	200	398
সারাজসমূহ বিভাবিত কর্ণনা করা হয়েছে (এই জিলাকের)	৪১-ফুসনিলাভ	000	640	সভ্য ও নিৰ্বায় বৰ্ণৰা দেন আন্তাহ	১৩-রাদ	24	650
अञ्चल वर्णन करवन आहार (शत्यत सन्)				महा वर्गन करहन पाहार	5-জান'জাম	23	603
সম্ভাত কৰা কৰেন আল্লাহ (মানুহের জনঃ) অপ্লাত কৰিব (আল্লাহ আম্লাতসমূহ বিপ্লায়িত কৰিব করেন)	58-ját	29.	992	সৰবিদ্ধ বিজ্ঞানিত ধৰ্মনা কৰেছেন আল্লাহ	১৭-ইসর	25	950
	1-95,614	748	659	স্ববিদ্যুর কর্ণনাগরুপ আওৱাত অবস্তীর্থ	ও-আন'আম	348	440
স্বাহত কৰি (সহাহ উপদেশ গ্ৰহণকবিচনা কৰ স্বাহত কৰি কলে)	৬-আন্'আৰ		603	শীয়া কর্বনা করেন আল্লাহ জানী সম্প্রদায়ের স্কন্য	২-বাকারা	350	024
	৬-আন্তান ৬-আন্তান ৬-আন্তান	706 259	600	সীমা বর্ণনা করেন আল্লাহ জানী সম্প্রদারের জন্য যন্ত্র বর্ণনা করতে নিধেন করদেন ইয়াকুব জা, ইউসুককে	২-বাকুরো ১২-ইউস্ফ		699

नम तिरह/देनम	जुरा कर वस	400.4	100	रेड रिस्स/द्धरूप	मुझा सर ७ माम		
বৰ্তমান				ইছনীর না ক্ষেত্রেই অস্ত্রাহ সম্পর্তে করা হলে (আচনের স্পর্ন প্রেসার)	২-বাকারা	pro	60)
রাঞ্জতু পৃথিবীতে বর্তমানে (মৃদা আ. ও কিরজাউন প্রদাস)	৪০-মুখিন	52	550	ইহবীর বলে- ভিথাইর আ, অল্লাহর পূর্ম ।	৯-ভাগৰা	00	889
বুৰ্ধিত কৰা			П	ইছ্দী-নাগাৱারা বঙ্গে (আল্লাহর সন্ধান গ্রহণ প্রদাস)	২-বাকারা	229	67
কল্যাথ বর্তিত করেন আল্লাহ (ভালথাকের অন্য)	৪২-পুরা	20	5/9/0	ইছ্নী-রগরের বলে (পরস্পরকে দেখারোপ করে)	২-বাকারা	220	62
দানকে আন্তাহ বৰ্ণিত কৰেন	২-বার্গার	295	600	ইছ্নী-নাগারাণণ বলে (জন্ত্রাতে প্রবেশ প্রসঙ্গে)	২-বাকুরা	222	67
ক্ষমল (অভিবাতের ক্ষমল চাইলে আল্লাহ তা বৰ্ষিত করেন)	85-48	30	120	ইয়া আ, যদি বলে থাকে নিষেকে ও তার মাকে ইলাই	৫-মারিদা	229	¢'n
वर्ष			$\overline{}$	ইসা আ, কি করে বশ্ববেদ, যে বিষয়ে অধিকার তাং শেই	৫-মারিদা	220	65
নির্মাণ (দাউদকে বর্মনির্মাণ শিক্ষা দান প্রসঙ্গ)	२५-वाचिता	bro	988	"উনপুক্তবা" থকার নির্দেশ (রাসূক্ষ স, কে ভাকা প্রবাস)	২-বাকুৰো	\$08	23
লোহা নিয়ে বৰ্ম তৈত্তিৰ নিয়ৰ্নশ (নাউদক্তে)	08-701	33	183	কৰা (সন্মানজনক কথা বলার নির্দেশ, স্বাচ্চা-পিতার সাথে)	১৭-ইস্রা	২৩	37
वर्ग	90-11	-	100	কৰিয়া এমন কিছু বলে যা ভাৱা কৰে দা	২৬-হ'অরা	446	925
থণ। নাপালে আনা (ইন্ডোম কবছার শিকার হাত,থর্শনা নাগালে আনা)	৫-মারিদা	78	695	কাহিব কুৱমান সম্পর্কে বলে (এটা এক পুরুষে মিখ্যাচার!)	৪৬-আহ্বাক	27	30
	6-41848	40	694	কাছিবরা যা বলে তাতে রাসূল স. এর জন্তর সংকৃষ্টিত হর	১৫-হিজর	98	90
বৰ্ষণ	-	-	1	ব্যক্তির বলে প্রতিক্রতি কথনঃ (কিয়ামত প্রসংখ)	৩৬-ইয়াসীদ	87	9.0
অব্যাদ থেকে বৃত্তি বৰ্তন কথকে অক্সাহ (দমা প্ৰাৰ্থনা কৰলে)	93- <del>र</del> ह	22	948	বাকিবর বলে ফেরেশতা নাবিদ্য হল না কেনা	৬-আন্'আম	ъ	Qh
পাধর (পোড়া মাটির গাখর বর্ষণ, লৃত সম্প্রনারের উপর)	১৫-হিৰব	98	903	কাকিবলা দুখিনদের বলে (রিথিক থেকে বার প্রসঙ্গে)	৩৬-ইয়াগীন	89	20
পাবর বর্ষণ করলেন আল্লাহ (সূত সম্প্রদারের উপর)	३३-बुन	14	690	কাভিয়নের বলা (কুরআনকে পূর্ববর্তীদের উপকথা বলা)	৬-অপ্সম	52	45
লাখনের বৃত্তি বর্মণ (লৃত সম্প্রদারের ধ্বংসের জন্য)	৭-জা'ব্যক	78	650	জন-বিপ্রবাদ সুদর মত বলা	২-বাকুবো	298	20
পানি বর্ষণ করেন আল্লাহ (প্রচুর পরিমাদে)	३०-आक्रम	₹.	2009	শোপন কথা খলে দেৱা প্ৰদান (নবীর এক স্ত্রী অন্য স্ত্রীকে)	৬৬-ভাত্রীম	9	24
পানি (আঞাশ থেকে পানি বর্থণ ও পার্থিব দ্বীবনের উপনা)	১০-ইউপূপ	-28	666	पुश नक (ध रदा थ थ का प्रद्वाश राष्ट्र कई पुश करें)	७७-आवय	0	24
প্রকা বর্তমে রাগানে জিলে কল নালের উপনে (তিরু কুনির বাগান)	২-বাবুদরা	262	607	তিন (কেউ বলে আসহাবে কহোফের সংখ্যা তিন)	১৮-বর্ডক	22	93
বৃষ্টি (অক্সাহ আবাশ গেকে বৃষ্টি বর্জা করনেন, কমপ্রার্জনা করনে)	१३-मृद	22	9846	বক্তা অনুযাই বুপরিকর বল (পথ ও গর্মদি পতা অলেগ্র.)	৬-আনু আম	205	80
মৃদ্দ পাধরে বর্ষণ (সানের পর খৌটা দেরার উপমা)	২-বাকুরো	₹68	602	থকা অসুয়ার ফুর্যবৈদের কর (পথ্যমেতের ফল খালো প্রদর্শ)	৬-আনু আম	706	60
লৃত সম্প্রনারের উপর পাধরের বৃত্তি বর্ষণ (পাক্তি বন্ধপ)	२७-व'वारा	240	929	নক্ষাত প্রতিবাদত বলা ইবরাহীয়ের	৬-জান'আম	96	60
পৃত্রের সমপ্রসায়ের উপর পাথরের নিকৃষ্ট বৃত্তি বর্ষণ	২৭-শমল	₫br	1r08	অভ্যতনের বলা (জীবন ও মৃত্যুসান প্রস্থ)	২-বাকুরো	₹8₽	Q.
হালকা বৰ্ষণেও উঁচু ভূমির বাগানে ফল হওয়ার উপনা	২-বাকুরে	266	602	শাঁচ (কেট বাল আসহাবে কাহাকের সংখ্যা পাঁচ)	79-93EB	22	93
ৰৰ্থিত				'তেরিড' বলেইল নিজেনেরকে, জনপনবাসীদের দিকট	৩৬-ইয়াসীন	38	50
বৃষ্টি (মিকৃষ্ট বৃষ্টি বর্ষিত হয়েছিল বাদের উপর)	২৫-কুরকান	80	10-2	বিশ্বপ্রটান্তর করা (মুগা জা, ও হারুনা জা, প্রতিপালকো রানুল)	26-9°0151	26	93
रमपूर्वक		$\overline{}$		কিরমাটন থা মনে ববে জাতিকে ভাই ক্সছে	৪০-মুখিন	23	91
Goalford) एला (मार्जन बीट देखानिको एला ग्रेस)	8-निमा	72	600	ক্ষেত্ৰেশকাৰ্যা আসম আ. সৃষ্টি সম্পৰ্কে আল্লাছকে বংগন	২-বাকারা	00	00
वनश्राम		1		ৰনী ইনৱাইল কৰ্তৃক মুগাকে বলা (গাড়ী জবাই প্ৰসঙ্গ)	২-বাকুরো	69	00
নৌঞা হিনিয়ে নিত রাজা , বল প্রয়োগ করে	72-5150	25	903	কৰি ইন্দ্ৰাইনেয় কৰা (এককেম বাসের উপ্স কৈছি বা ধনা প্ৰসূত্ৰ)	২-বাকারা	65	20
रन श्रद्धानकात्री				ৰনী ইসরাইল মুগাকে বলব (গল জবাই প্রসঙ্গ)	২-বাকারা	69	20
ন্যাস্থ্য স্থান্ত বাতারী নন (কাক্তিবলের উপর)	৫০-কৃত	8¢	248	ধনী ইসরাইল মুসাকে বছল (গাড়ী রাসাক)	২-বাকুরো	90	2
वस्त्र	40 411	100	100	ৰনী ইসৱাইলতে যা বলা হয়নি এমন কথা দায়া পথিবৰ্তন	২-বাকুরো	gb.	20
বিশ্বাসত পর্যন্ত বাসকং কোন অঞ্চিকার আছে কি (অপরাধীনো)	AL STREET	- 03	599	ব্যেক্টিনর বাল, তার স্বরুদ এখেছে প্রকৃত পক্ষে তার স্বরুদ মানেনিং	৪৯-ছবুরাত	28	18
	৬৮-কুলান	0.0	911	বুৱা (কেন্দ্ৰান্ত নিজের কর্ব বুজার না পার পরি নামান নিবিদ্ধ)	৪-নিগা	80	100
বলা	- 6	-	-	মাধ্য-শিতার জন্ম এ কথা বলা- হে সামার প্রতিপাসক,	১৭-ইগরা	28	93
অসহায় নর-দারী-শিবদের মুক্তির জন্য নশা	8-मिमा	98	935	'যাৰুহ ' ব্যক্তিৰ জনগণবাসীৱা(প্ৰেষ্টিত চিন ৱাসূল কে)	৩৬-ইরাসীশ	26	bre
'অথারীকাল করব' বলা নিষেধ (ইনশাআল্লাব গ্রানক)	३५-वर्दक	90		विशा (योदा श्रम श्राहार महान श्राहा वरहरून )	20-sits	0	9
পাপ্তাই কেরেশভালেরকে আদম আ, সৃষ্টি প্রসঙ্গে বলেশ	২-বাকুরো		208	দুৰাজিক ইহুনীয়া বলে (পরস্পারের সাথে সান্ধার হলে)	২-বাঞ্চরা	%	0
প্রস্তাহতে প্রতিপালত বলে যার তলৈ থকে আরা প্রতিভয়ের হবে না		30	209	মুখ্যকের ক্রেন্ড আনর জনকৈ করে ও ক্লের কির ছিলাম	b-আওবা ব্যৱস্থার	62	6
আল্লাহর বলা (গাড়ীর বর্ণনা প্রসঙ্গে)	২-বাকুরে	69	60%	ভূমিকর বল কলে গ না বিলক্ষানা সপরে (দিরদান মাম)	৫৮-মুন্নাদাশ্ব	b	3
অপ্লাহর মল(পন্মি ক্ষন্ম পথের মূলর পঠিব জন্মত প্রদেশ)	২-বাকুরো	69		বুলাককার কর (অনুগতা প্রস্তার)	৪-নিলা	2.2	01
জাহাহর বলা (বনী ইনরাইলের গাঙীর রং প্রসঙ্গ)	२-शकृता १-जा'राक	59	600r	মুন্তিকদের করা (অক্রান্ত প্রদান স্থান।)	২-বাকুরো	ly.	2
জাপ্লাহ সম্পর্কে এমন কিছু বলা যা মানুধ জানে না				দুবাকিকদের করা (মুনিন্দের প্রতি আল্লাহর অনুপ্রহ্ আনসে)	8-मिना	90	2
অপ্তাহ সম্পর্কে নতা ছায়া না কার নির্দেশ (আহলে বিভাগনে)	8-निमा	242		মুখ্যিকা কেন জ বলৈ যা ভাষা করে না	७५-शक्क	12	36
বাল্লাহর (আল্লাহ 'হও' বদলে হয়ে খার)	২-বাকুরো	223	630	ভূমিকর যা বলে সেখন অক্সং পরি দেন না কেনা (তারা বলে)	৫৮-মুম্বানালা	8	34
অসহাবে কাহাক বলল, আকাশ -পৃথিবীর প্রতিপালকই	72-4164	38	988	কুনাককা ও বাং সেকন ব্যস্তাং শান্ত সেশা কেনা (কান বাং) কুনার করা (জানিকে গান্তী করাই প্রসংগ বলা)	২-বাকুবল	69	21
ভাবের প্রতিশালক		-	-		২০-ফ্ল-ছ	80	2
इंडम्प्स्य कराव्या अप अप्राप्त स्थात स्थात स्था (त मृत नाम स्था)	১২-ইউসুফ	82	-bbro	মূলার যোগের কর্না (পিচ মূলার ভল্লারখানের ভার প্রসঙ্গ) মূলার সাধ্যালয় কর্কুক উপহাসের কর্মা কর্মা(এই জনই প্রসঙ্গ)	২০-জ-হা ২-বাকুরে	69	
ইনবাহীন আ, বলে ডাকা হর(ইবরাহীন আ, কর্কৃত মূর্তির	২১-সাধিয়া	80	928	ফুল্লা সম্প্রের নক্ত তপর্তের কর কর্ম (১৮৯ কর্ম ১৮৮) ফুল্ল আ, ও হারুল্যক ভিরে <b>মাউ</b> লের সাথে নমনীয় কর্ম করম নির্দেশ	২০-ফ্লা-য়া	88	2
নমাৰোচনা প্ৰসৰ)		-			২০-জা-ঘ ৬-আন্'আম	20	
ই্রাহ্যামের বলা (প্রতিপালক জীবন ও মৃত্যু দান করেন)	२-वाङ्गरा	564		রাসুল স. বাজনন বে, আধনাকে নাল্লাকা আচার আছে,			8
ইবপ্লান্তীয়ের বলা (মঞ্জাকে নিরাপন নগর বানবো রাসঙ্গে)	र-वर्कात	259		রানুদান কে আই করা বে খা পূর্ববর্তী প্রসূত্রকাকে যা করা হত	৪১-ফুস্সিলাব		
ইনরষ্টিমের কল (মৃতকে জীনিত করার পার্ভার লেখাতে কলা এপক)	३-स <b>्</b> वंद	200		রাজুল সা, এর বাল্পানেরে বসেম (সম্প্রান্ত দিবান না আনা প্রদাস	৪৩-যুৎকৃষ	) by	>
ইচ্লি-মাসারনের বলা (ইবরাহীম, ইনমাইল রানঙ্গ)	२-वंबात	380		"ৱাইনা" না বলাধ নিৰ্দেশ (ধাসূল স, কে দৃষ্টি আকৰ্মণ প্ৰসঙ্গ)	২-অনুদরা	308	
ইহুলীয়েৰ ৰণা (অঞ্চনের স্পর্শ প্রসঙ্গ)	२-शंकृता	bro		ব্ৰিহিক থেকে ব্যয় করতে ৰক্ষ্যে কাহিনরা মুখিনদের বলে	৩৬-ইয়াসীশ	81	b
ইতুদীদের বলা(শব্দের স্থান থেকে বিকৃত করে)	8-First	86	490	কুকু করতে কবা হলে, জুকু করে না, মিখ্যা অভিহিতকারীরা	৭৭-মুর্সাল্ড	85	3

THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IN COLUMN TO THE PERSON NAMED IN COLU	े नृत्रा नर ७ नुम	dies .	श्रीवा	विवय/करण	न्वा नर ७ गाव	1000	198
वमा(शृर्व गृष्ठी त्याक)				পথে না বসা (ঈমানদারদের তর দেখানোর জন্য)	৭-আ'রফ	৮৬	1001
পরীক প্রসংক মুপরিবাদেরকে বলা (বিবারতে)	৬-আন্'আম	44	৫৯৭	শিহনে থানা গোনসের সামে বাসে থানার নির্দেশ মুনাফিবনেরক	৯-জাধন্ম	tro	683
শিয়কের অসারতা সম্পর্কে কলা (জন্ম উপাস্থাকে আঝারাসক)	৪১-আর্কাফ	8	200	বসে থকা পোনতার সামে বসে থকতে কর্ম হয়েছে নাচনতে যার	≽-জাধবা	88	684
ত'আইব আ, যা বলে তা বুঝে না তার সম্প্রদার	22-दून	22	698	মর্যান (নিয়ানকটাকে মর্যানার বাস বানা মুখিনের উপর প্রেচ্ছ নান)	৪-নিসা	96	66
সঠিত কলনে (যে কথা কলন জনুমতি পাৰে, বিভানতের নিল)	৭৮-নাবা	Ob	2005	মূৰাদিকৰা যাবা দৰে বসেছিল ভাৱা যুক্তে নিহতকোৰ সম্পৰ্কে বলে	০-জালে ইমরান	260	2.0
সঠিক পথ প্ৰদৰ্শনের জ্বাশা করতে বলা (রাসুল স, কে)	७४-व्यक्त	48	૧૨૭	মুমিল (দৰে ৰঙ্গে থাকা মুমিল ও জিহাদকারী প্রদঙ্গ)	৪-নিস্য	348	28
সভ্য বলার অধীকার, ইঞ্চি থেকে (আন্তাহ সম্পর্বে)	৭-আ'রাক	300		মৃসার সম্প্রদার বসে থাকরে (মৃসারে বৃদ্ধ করতে বলে)	৫-মার্থিদা	₹8	26
সভ্য বলা (অল্পাহ সম্পর্কে মূসার সভ্য বলা প্রসঙ্গ)	৭-আ'রাক	206		দুদ্ধে দা থিরে বলে রইল থারা (ভবুকবৃদ্ধ প্রদান)	৯-তাধবা	90	683
সম্ভান এহণ। (মুপরিকরা কবে আল্লাহ সন্তান গ্রহণ করেছে ।)	7P-45\$B	8	958	সম্ভন্ন (বংস থাকডেই সম্ভন্ন ছিল মুলফিকরা, ততুক যু ছ)	৯-তাওবা	p-9	681
নালাম বলা হবে, প্রতিপালকের পক্ষ থেকে (স্বান্নাতীদের)	৩৬-ইয়াসীন	24	500	সমান নয় (আল্লাহর পথে জিহানকারী ও বলে থাকা মুমিন)	৪-শিশা	32	68
সাংখন হতে কর্ম হতে কফিরনেরকে ( ন্যাপ্রবিধ জন্য)	৩৬-ইয়াসীন	80	1/28	বদে থাকা লোক			
সাত ( কেট বলে আসহাবে কাহাফের সংখ্যা সাত )	79-4040	22	926	বলে থকার অনুমতি তার বলে থকা লোকনের সামে (মুছে না দিয়ে)	৯-জাওবা	৮৯	68
সুন্দর কথা কথার অসীজার, বলী ইসরাইলোর (মানুদের সাথে)	২-বাকুরা	50	209	বলে পাৰতে কলা মন্ত্ৰেছে বলে ধাৰা লোকলেং সামে, অনেপ্ৰাক যাৱ	৯-জাওবা	86	28
'হও' অল্পাহ বলেন আর তথনই  তা হতে যায়(বিদ্ধুর ইয়ার করলে)	১৬-দাহল	80	200	বস্তু (আরো দেখুন জিনিস শহ্মটি)			
'হও' আল্লাহ বলেন (কেনে কিছু বৰার ইছো করলে)	৩-সালে ইমরাল	89	280	আকৃতি দান (প্রত্যেক বস্তুকে আল্লাহ আকৃতি দান করেন)	২০-ডা-ছা	60	98
'হও' (আল্লাহ কোন বিষয়ে ' হও' বললে ভা হয়ে যার)	৩৬-ইয়াসীন	४२	500	কম না দেৱা (মানুখকে ভার প্রাপ্য বস্তু কম না দেৱার জাহ্বান)	33-EM	214	69
'হও' বললেই যেদিন বিশ্বাসত হয়ে যাবে	৬-আন্'জাম	90	808	পথ প্রদর্শন(প্রতিদালক প্রত্যেক বছকে পথপ্রদর্শন করেছেন)	২০-জা-ছা	60	98
'হও' বলদেন আল্লাহ (মাটি নিরে আনম আ, নৃষ্টি করে)	৩-জালে ইমরান	6.9	283	পরিমাণ (প্রভাক বস্তু অস্ত্রাহর নির্মাট নির্মিট পরিমাণে ররেছে)	<b>35-81</b> 'म	b	691
বশীস্বত				ভারসাম্যপূর্ণ বস্তু উৎপাদন করেছেন আল্লাহ পৃথিবীতে	১৫-চিজব	35	650
ইবলিস বশীস্থভ করে ফেলবে আদমের বংশধরকে	51-RMI	62	335	সৃষ্টি (প্রভাক বস্তু নিবারিত পরিমাপে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	68-91514	8>	20
গৰাদিপক্তক আল্লাহ কৰ্মীস্কৃত করে নিয়েছেন মানুষদের	৩৬-ইয়াসীল	93	800	সৃষ্টি (কোন বপ্ত থেকে মানুৰ সৃষ্টি করেছেন আল্লাক্?)	৮০-আবসা	32	200
গামী (বনী ইনরাইল কর্মক এমন গামী জনাই করা যা বলীভূত দাং)	२-चाकृत्वा	93	(cop.	গুমা (অক্সাহ সববিদ্যুর সুষ্টা)	20-4°	35	60
বসবাস		-	-	वड	-		-
আসম আ. ও ভার প্রীকে জান্নাতে বসবানের নির্দেশ	२-बङ्गत	00	909	আবৃত (পুরের আহ্বান হলে সম্প্রদার নিজকে বস্তাবৃত করে)	93-55	9	201
অসম অ. ৩ ভার প্রীকে কাবাস করতে কালেন অপ্তার, অন্তাতে	৭-আ'রাক	22	628	ফিভিন্তত ব্যালন (লাজন নিভিন্তত ব্যালন কল্পের কার্থনার)	१-मधिमा	Va	25
অধ্যসমূলে যেন বদৰান বৰ্ডেন (ড'আইডের সংগ্রনাডের ভূমিকম্পার্র)	৭-আ'এক	24	693	বস্থাপুত	C-ellan.	100	40.
আৰম্পন্নত লে ভাৰ কাৰ্যস্থী বল্লে (মান্ট্যানক্সীর পলিতি)	33-ङ्ग	24	618	রাসুল স: কে বপ্তাবৃত বলে সংখ্যাধন করেছেন অস্তাহ	৭৪-মুখ্যছব্দির	2	
ইবরট্রের বংশবদের কার্যর বর্ত্তে কর্মন্ত্রীন উপভাগত কার্যন	১৪-ইব্যাহীম	09	590	दश्न	19-5416.64	,	hàn
খনে (যে যাত্ৰ বসবাস কলা হয় লা ভাতে প্ৰাংশে দোখ নেই)	48-9T	23	998	অপবাদ বহল (খুমিলের কটালাতার অপবাদ বহন করে)		-	-
হাযুদ হাতি বেদ বসবাস করেনিং (জাসে প্রসম্ব)	33-39	69	693	অধীকার (আকাশ আমানত বহন করতে অধীকার করল)	৩৩-আহ্থাব	62	300
ছামূদ জাতিকে ঘটানে বসবাস করতে দিয়েছেন আল্লাছ	22-24	65	693	আদম-সভানকে স্থলে ও সমুদ্রে বছন করেছেন আল্লার	৩৩-জাহবাব ১৭-ইসরা	92	781
জনপদে বাস করার নির্দেশ (বনী ইসরাইলকে)	१-व्य'तय	363	629	আমানত বহন করতে সম্বত হল মানুহা (আল্লাহ্র আমানত)	৩৩-আহ্যাব	90	150
ন্ধান্নতে বদবাদের নির্দেশ (আনম আ. ও তার শ্রীকে)	২-বাকারা	90	202	আংশ বিহারতে আমিল বেকেনতা 'আক্রণ' বছল করে রাখান।	69-51815	92	br8c
ৰাল্লভেব যেখাদে ইক্ষা বসবাস করবে (ৰাল্লভীরা)	०%-गुमास	98	3793	আরশ (আরশ বহনকারী ফেরেশনাদের ক্ষমা প্রার্থন;)		29	395
ন্দরীতে (বার মদীন নদরীতে কারস করেছে, আনদার প্রদাস	৫৯-২/পর	>	966	ক্ষিত্র প্রনিক্তন অপরধ বহন করে না (যদিও আক্ষান দেয়)	৪০-মুখিন ২৯-আগকাণ্ড	9	5-91
বাংল (কাবলের বাংল শের প্রান্তের কুল বুজের নিবটো অবস্থিত)	৫৩-বাজ্য	34	305	কৰিল বহাৰ করবে নিজের ও হাবিলের পাপ	१३-कानकान्द १-शाहिका	24	2.74
যমীনে বসৰাস কৰতে ৰদদেন আল্লাছ (ধনী ইসৱাইলকে)	১৭-ইসরা	308	130	ভ্রম বহনকারী হাপরে কর্ম হবে		59	428
সৌধর্টের সারে বসবাসের নির্দেশ (ধুপরিক শিক্তমান্তর সাহে)	৩১-পুৰুমান	34	525	प्रशासका वर्गात कर्म प्रशासका वर्गात कर्मा वर्मा वर्मा वर्गात कर्मा वर्मा वरम वर्मा वर्मा वरम वर्मा वर्मा वर्मा वर्मा वरम वरम वर्मा वर्मा व	২০-মু-হা	222	986
বলবাসকারী		-	1 20	भीवारन (मोनुका वस्त करूम वर्ष कराइ क्रम्म गावत स्व भीवारन (मोनुका (मोनारन वस्त करा इन)	७२-वृद्धा	q	365
অফির (পৃথিবীতে বসবাসকারী কাহ্যিরদের হেড়ে না নেয়ার	-		-	পাণের বোরা (বিরামতে কাফিরলের পাণের বোরা বহন)	৪০-মূমিদ	p.o	ppo
দোৱা, দুহের)	47-46	২৬	2049	পালের বোরা (করারতে করকরের পালের বোরা বর্ম) পালের বোরা বহুন করার আন্ধান (তাফির কর্মক মুমিনসের)	১৬-নার্ল	40	908
शृष्टिक रनवनवारी व्यक्तितात (स्टब् मा (मात क्रम) मृद्रस (भारा	१५-गृह	26	200	গাগের বোরা বহন করার আশ্বাস (আকর কর্তক মুমাননের) গাগে বহন (মুমিনের কটনাভারা সুস্পট পাপ বহন করে)	২৯-আগকাৰ্ত	34	270
वसा	19-52	40	20.0		৩৩-আহ্বাব	Q.P.	P-00
আল্লাহকে শহুণ করা (বসা অবস্থার)	৩-জালে ইমরান	222	228	পুঞ্জক বংলকারী পাধার মত (বারা আওয়াতের দায়িত্ব বহল করেদি)	৬২-জুমু'জা	6	365
উপরিয়েশে কার পোরা (চলুম্পদ মার ও অনবাহনের উপর)	80-वृश्क्षण	20	998 996	ফেনা বহন করে নিরে যায় প্রাহন	১০-বা'দ	26	690
কবিবলে মার্লিলে বল নিবেধ (আরতে অধিবলে বিশ্বল	৪-নিসা	280	298	ফোপত্র বালে বরে আনুরে এক নিমূক (বনী ইনরালি এনস)	२-वाकृत्वा	২৪৮	653
জালিম সম্প্রদারের সাথে কলা বাসুল স, এর জন্য নিছেও	৬-জন'নাম			বাতাস বংগ করে ভারী মেধমাশ্য	৭-জা'রাফ	6.8	636
सिम्हान वर्गा,गरवंग (गामद सम्ह (प्रांकारमद विशेष्ठ प्रवक्का)	९२-विश	9	300	বোঝা (জনার বোঝা বহন করবে না কোন বহনজারী)	৫৩-দান্তম	Q3v	hos
ভাকা (মানুব বিপলে আল্লাহকে নাড়িরে,বলে ও তরে ভাকে)	৭২-জন্ ১০-ইউনুস			বোৰা (আহবান করা হলে কেউ অনের বোঝা বহুনে রাজী হলে ন)	००-पर्शस्य	20	784
ভাকা (মানুব বিশাস আল্লাব্যক নাজ্যর,বান ও বরে ভাকে) ভিরম্বার ব নির্ম্ব হরে বসে পর্যব (অপথার করলে)	১০-হডসুস ১৭-ইসরা	25	955	বোঝা বহল করবে না কেউ (অন্যের বোঝা)	ও-জাগ্'আম	798	634
দুজন তথ্য সহাহকার ফেলেখার মনুহর ভানে ও বামে উপরিষ্ট		49	93/6	বোকা বহল (কাভির নিখা জনার বোঝা বহন করবে)	২৯-আনকাবৃত	30	37.0
পু ধান কর্ম নাচারকার কেরেলকা মনুকো কলে ও বামে কলবর নিশিত অবস্থায় বসে পড়বে (অক্সাধ্য সাথে ইলাহ নির্বাস করেল)	50-51th	39	১২৩	বোকা কানে সামর্থ্য দেই এমন বোঝা না চাপানের প্রার্থনা	২-বাকুরো	200	200
শ্বাস বাবার করে শুরুর (অক্সারে নারে ব্যাহ সাধান করেন) শ্বাস (সাড়িয়ে, বসে ও করে আস্তার্যকে শ্বাসের নির্দেশ)	১৭-ইদ্রা ৪-নিসা	55	936	বোকা বহন (নিৰ্দোষ্টক জগবাদ দিলে আৱোদকারী দে	8-Sint	554	e 93
दान श्राका	0-170)	200	৫৭০	বোধা বহন করবে)			_
				বোধা বহন (নিনুত্তী বোধা বহন, আল্লাহর সাক্ষায়ক নিহা ৰন্দা।)	9-884, 98.5	92	450
ইবলিস বনে থাকবে (আল্লাহর সরল সঠিক পথে)	१-वा'शक	36	928	বোধা বহন কেউ কংবেদা বিশ্বামকে (অন্যের বোধা)	৩৫-লাভির	29.	984
উৎফুল্ল (বলে থাকতে উৎফুল্ল বোধ করল দারা, ভাবুক যুদ্ধ)	5-107090	9-2	486	বোৰা বহন কেট বনবেদা বিয়ামতে (অন্যের বোৰা)	৩৯-যুদ্ধার	9	393
ঘটিতে বলে থাকার নির্দেশ (মুশরিকনের জনা)	৯-তাওবা	¢	680	বেকা বহন (কুরমান থেকে মুখনিনালে বিলামতে পালের বোকা বহন)	২০-জা-খ	200	989

বলা বহন

			বহন	বাগান			3
ব্ৰু বিবয়/প্ৰসূত্ৰ	नुवा ना असाम	-	1869	नम विवस/दिनक	বুৱা দং তপাৰ	4014	**
द्भ (पूर्व गृक्षेत (बंदक)			-	ৰাচা			
রা বহন (মনুসের পৌরুতে বর্তী হয় এমন নগার পাচ ব্যরবহন করে)	১৬-নাহণ	٩	900	স্বাহ্যপ্রমে বাঁচকেও না বরকেও না (সূচাণা কঞি)	৮৭-আলা	30	2021
ানুষকে বহুদ করা হয় ৮০ুম্পন জন্তু এবং দৌবানের উপর	২৩-মু"মিলুল	22	969	প্রাহান্তমে মরবেও না বাঁচবেও না (অপরাধীরা)	२०-ग्र-श	48	184
र्वपद्भावास कीर-मञ्जू रिरिया बद्धन करत ना, जाह्या र विरिय (१००)	২৯-আনবার্ড	60	552	ভূমিয়ার বাঁচা মধ্যই মানুহার চুড়ার পরে; পরকাপ দেই (কাহিব বাল)	8१-सस्ति	4.8	200
নটি (দুই ভূত্বের অপরামন সম্রা দেবল, দে মাধার কটি বছন করছে)	১২-ইউমুফ	05	0bro	মর ও নাম কেবল পুনিরার জীবনেই (কাফির প্রথমবানর বরুবা)	২০-মূ"মিনূন	61	260
বস্তান বহন করে মারইয়াম সম্প্রদানের নিকট উপস্থিত হল	১৯-বারইরাম	29	900	बीहारमा			
रदनकाडी		_		আচন থেকে (মুমিনের নিজ/পরিকারে আচন থেকে বাসনের)	७७-जदरीय	0	590
दाक्षा बद्दमकारी जानाह (बाक्षा बदन कराद ना	১৭-ইদরা	34	934	बीहार नथ		-	-
বাঝা বহনকারীর কনম (মেখ বহনকারী)	१३-चांतहरू	3	254	আঙৰ থেকে বাঁচবেশৰ পাৰে না (অপনাধীয়া),,	79-40 <u>2</u> 0	20	933
হ্ৰকাৰীনি		r	11.74		20-4060	6.0	740
को रक्तकविमेक्स कार गर्दात है। जन्दान श्रास नवार	১১১-লাহাব	8	2000	বাধন পুলে দেৱা			-
	222-11-01	۱.	3004	সহস্কাবে প্ৰাবাদনের ভাষে (ফেরেশভারা)	৭৯-দার্থ আভ	2	200
বহন (বোঝা)				বাঁগভাসা		_	1_
ন্তৃত্ত (বিভাগতে কাচিত্র যে পাপের বোঝা নহন করবে ভা নিকৃষ্ট)	১১-নাহণ	56	908	বন্যা (বাধন্তস্ বন্যা প্রবাহিত বরলেন অল্লাহ শারাফার্টানের উপর	৩৪-সাব্য	7.9	1/8
বহিরাগত		_		रीधा .			
সন্ধিপুল হারমে অবস্থানকারী ও বহিরাগত সমান	77-£æ	5.0	100	কাঞ্চিরসেরকৈ টুড়ে পরাস্থত করার পর শব্দ করে বাঁধা	৪৭-মূহাম্মদ	8	333
বহিক্ত/বহিকার (আরো দেখুন উচ্ছেন শপটি)			$\Box$	কান (পাহাত্র/হাছেমারা বাদা ইখনে মৌমানির প্রতি ওই/ইছিক)	১৬-মার্প	69	901
মাবান থেকে বহিস্কৃতদের পাপ মোচন করবেন জাল্লাছ	৩-মালে ইময়ান		222	শিকলে বাধা অবস্থার অপরাধীদের দেখা যাবে(কিয়ামভে)	১৪-ইবরাহীম	85	65
ধন্নত বেকে বহিষ্কৃত হবে না (মুৱাকীয়া)	১৫-হিন্দর	81/	900	'পিছাৰ কৰতে বাবা দিল বিচ্য'-ইবলিস্কেণ	৩৮-সেরাদ	9.0	89
্যতে বহিছাৰের হুমকি সম্প্রদারের (গৃত নিবৃত্ত না হলে)	২৬-চ'পারা	269	92/6	বাক-বিত্তথা			
ন্নপুল স. কে গহিকারের মনস্থ করেছিল কাফিররা	১-খাওবা	70	687	বিবাসত সম্পূৰ্কে বাক-বিভিন্নকারীরা এট	81-78	22	brio.
re .				পাঞ্জাও করবে বিকট পথ (কাফিবদের যাক-বিভয়কালে)	৩৬-ইয়াসীন	85	P-61
ল (শরতান বনী আনমের বহু নলকে পথন্নট করেছিল)	৩৬-ইয়াসীল	65	566	মুগরিকদের (বাক-বিভকার উদেশ্যে দিসার দৃষ্টান্ত পেশ)	৪০-চুব্রুক	24	90
ননুম্ব (মৃতিভিংশা বহু মানুহকে পথগ্ৰট করে)	38-देवतादीम	90	699	বাকশক্তি প্রদান			9.0
1693				আপ্তাহ বাৰদান নিৰেদ বলে চোৰ ও ভূৰকে (কিয়ামতে)	৪১-কুস্সিলাভ		brbr
যপ্তাহ বহুওগ স্বাভিয়ে দিনেন তাকে উত্তম কৰ্ম নিলে	৫৭-হানীন	36	320		৪১-জুস্সিলাভ ৪১-জুস্সিলাভ	43	
ত্বে কর্তেন প্রতিদান বছগুণে বৃদ্ধি করবেন আল্লাহ	৫৭-হাদীদ	33	585	আল্লাহ ৰাৰপতি বিয়েছেন (সৰ্বনিভূকে)	97-64INUIO	43	pp
াদ বহুগুৰে বৃদ্ধি করেন মাল্লাছ (যাকে ইক্ষা)	२-शकृति	265	607	ৰাকী (আরো দেখুন অবশিষ্ট শব্দটি)		_	-
हिमान (मरवाध्मीनामत वहत्तन अधिनार वापन करका करा)	d8-Riel	99	₩88	আল্লাহ বাকি প্রথেননি (আদ মূহ আ. ও প্রযুদ সংগ্রেপরের কভিকে)	G-0-44651	6.2	90
লু (বঞ্জণ বুল বাওয়া নিষিদ্ধ)	৩-আলে ইমরান	300	484	সুদের অংশ ছেড়ে দেয়ার নির্দেশ (মুমিনালরকে)	২-বাৰুবৰা	542	60
रहरू वृद्धि		-		বাক্যালাপ (আরো দেখুন কালিযাজনু শব্দটি)			
হর্জে প্রসাধ (এর প্রতিমানকে) অপ্তাহ করতে বৃদ্ধি করকে।	৬৪-আপারুদ	39	2009	মনেনীত করা (মাল্লহ বাজালাপ দারা মৃদাকে মনেনীত বংগ্রেল)	४-आं,संद्र	388	62)
পূণ্য কলেকে আল্লাহ বছণ্ডণ বৃদ্ধি কাবেন	8-First	80	265	বাকা (মকা)			
वहविवाद		-		হাপিত (বা <b>ন্তা</b> র হাপিড মানবন্ধাঠির থল্য প্রথম থব)	৩-জনে ইমরদ	3/6	28
বৰ্মাৰণাৰ বৈধতা (পুই তিল খা চাৰ জনকে বিয়োকনার বৈধতা প্ৰদক্ষ)	8-निमा	0	226	বাগান (আরো দেখুন উদ্যান শব্দটি)			
रहमरचंक	011110	Ť	440	প্রান্তেরের বাগাল রয়েছে পৃথিবীতে	30-41°F	8	460
ব্রহারীদের মারে বহুসংগ্রক হবে (ভালের সাধী)	৫৬-ওয়াবিয়াহ	80	380	আছুর ও বেজুরের বালান বানিছেছেন আল্লাহ (মৃত কৃমিতে)	৩৬-ইরাদীন	08	20
र्वराज्यातम् वर्षमञ्जादः स्टब्स्य देवर्गातान	৫৬-বর্মাকরাহ		280	আস্থতের নাগান উৎপদ্ধ করেন আল্লাহ (বৃত্তি হারা)	৬-আনু আম	29	60
বুৰত দেৱ মাৰে বছনবোক হবে (একের সাধী)	१५-७वर्षिकार		288	আৰুৱের বাধান (দুই বাকি উপমা প্রদাস)	79-stán	04	94
	- O- Om agid	100	200	আদ সম্প্রদারতে আল্লাহ বাগাদের মাধ্যমে সাহায্য করেন	59-0,6UKL	206	93
বাইতুল্লাহ (দেপুন কা'বা ঘর শব্দটি)	-	-	-	আনন্দিত (বাগানে আনন্দিত হবে ঈশ্বাননার সংকর্মশীলগণ)	00-9¥	32	200
াইয়াত	AL MATTER		1.11	উচু গুমির অগানে প্রকাশ করিব জিলা ফলানের উপানা (নান প্রসাস)	২-বাকুরে	200	0.0
प्रदूष्णक निवर्धे वेश्वान वद्ध (र वजून म. এव निवर्धे वर्षेतान वद्ध	89-8125	20	970	উৎপদ্র করেন আল্লাহ (বমীনে) ভোগ্যসামগ্রীকপে	৮০-জাৰাস্য	30	200
ন্দুল স. কে বাইয়াত এইগের নির্দেশ (মুমিন নারীয়া	৩০-মুমভাহিলা	25	242	উৎপদ্র (অকালের পানির মাধ্যমে অস্ত্রাহ রগান উৎপদ্র করেন)	২৭-লমল	40	po
াইয়াতের জন আনদো)	৪৮-কার্ব	30	326	উত্তৰ (বাশ্বদের চেয়ে উত্তৰ নিছু বৰমনা (অস্তাহর নিগতি বসুত)	72-54.60	80	13
রসূল স: এর নিকট বাইকাত মূলত জন্ধানর নিকটাই বাইরোত		20		শেল্প ও আপুরের বাধানের উপমা	২-ৰাকুাৱা	200	00
ন্তসূল স, এর নিকট মুমিলনের বাইরাত গ্রহণ (গরের নিচে)।	৪৮-ফাত্র	100	274	তেনে দেয়া (ততুন সংগ্রাকাকে নিয়াপন অবস্থায়া বাগালে তেনে লেয়া)	২৬-চ'আরা	289	93
বাইবেল (দেখুন ইনজীল শব্দটি)	-	-	-	জাল্লাতের বাগালে থাকবে (সংকর্মশীল মুমিলগণ)	৪২-পূরা	22	ba
বাইরে চলে যাওয়া				দুটি আসুরের বাগান (দুই ব্যক্তির উপমা প্রদক্ষ)	72-scián	-00	93
পাকে অইরে হলে যেতে কাল শহর তেতে (কল্যানকামী ব্যক্তি)	২৮-কাসাস	50	604	দেশ (বাগান দেখল বৰন বাগানঙরাপার)	৬৮-কালাম	36	39
ৰাকা করা				পিছনে ফেলে রেখে খেল কত থাগান (থিরাউলের বছিলী)	88-मुधान	3.0	30
লহুবা বাঁবৰ করা (ইছ্দীরা ভিহৰা বাঁকা করে বলে)	8-निगा	86	690	প্রবেশ বাগানে মাশা আপ্রার না বলে (বামানবরালা প্রথম)	29-416A	03	13
লপ্তা কৰে কৰে কিতাৰ পাঠ কৰে আহলে কিতাবদেৰ এক দপ	০-ব্যালে ইমরান		680				
হুনর বাকা করে না দেরার প্রার্থনা (প্রতিপালকের নিকট)	০-আলে ইমরান		600	এবেশ কাল কার্যান্ত মলিক (সাজের প্রতি কুলুম করা অবহুমে)	2 <i>≻-वाइव</i>	0.0	93
হনর বাঁকা করে নিলেন আল্লাছ (মৃসার সম্প্রদারের)	५१-आएक	8	360	বসবাসের বাশন (মান্তাবুল মাধ্যা) শেষ প্রান্তের বুল কুমের নিবক্ট	৫৩-নাজম	26	20
বাঁকা পথ				বন্ধপাত প্রেরণ করতে পাবেন অস্থাহ বাগানে (বসুর আমন)	72-416±	80	95
গুলনিং (পথ প্রদর্শনের দর্শিকু মাল্লাহর বিষ্ণু বিজ্ঞা পথত আছে)	১৬-মার্প	3	900	মাচাযুক্ত ও মাচাৰিহীৰ গৃহুলতে সৰ্বাশত ৰাগান দৃষ্টি	৬-প্রান'প্রায়	787	63
বাঁকা পথ অবলয়ন				মানিক (বাগানওরাধানেরকে পরীক্ষার ফেলা)	৬৮-কুলোম	39	24
মুনার সম্প্রদার হারম বাঁকা পথ অবলম্বন কবল তর্থন,	65.NIRW	8	2000	মুস্ত্রকীরা বাগান ও ঝণীর মাঝে থাকবে	৪৪-দুখান	65	ho

बाजून ज्ञा, अब कन्य रागान ना श्रुवा शब्द कांक्वव प्रयान प्रान्ता न	১৭-হস্ত	92	452	444644 400)			1
রাকুণ স্থানে জন্য বাগান ওনাকে পাওন আল্লাহ ইব্রা করতা	২৫-ছবনৰ	30	95-0	বলবা (মুদ্দিন বাধ্ববাঢ়ির কালা/প্রতিশোধই চধু নেম্ব)	৪২-শুরা	Ob.	558
রাসুল স, এর জন্য বাগান হওরার দাবী (কাফিরদের)	३४-इनस्यम	4	95-2	মানুবের বাড়াবড়ি মূলত তার নিজেরই বিকছে	১০-ইউনুস	20	969
সৃত্তি (বাপাল সৃষ্টি করেছেল আল্লাহ বৃত্তির পানির মাধ্যমে)	২০-মুমিলন	330	202	মুমিনান্য একলা অপ্য নাগা বিষয়ে বাওবারি করাল কর্মীয় ,	৪৯-ছঙ্বাত	5	390
वागानवग्रामा	11.2.1	-	-	যুদ্ধ করার নির্দেশ বাভাবাড়ি করা দলের বিক্রছে যুক্তকণ দা,	৪৯-হতুরত	>	250
পরীক্ষায় ফেলা (বাগানগুয়ালানেরকে পরীক্ষার ফেলা)	৬৮-ব্যাপান	39	392	সৈনাবাহনীর (কিরম্লেউনের সৈন্যবাহনীর বাচাবাচি)	১০-ইউপুস	300	664
ৰাশ্বিকা	Oxidenta	27	972	বাভিয়ে সেয়া		-	
বাংশ্বত। ক্ষুদ্রদাকায়ী বাশ্বিক পউদকে নিয়েহেন আপ্রাহ	-			অনুবাই বাড়িরে দেন আল্লাহ (সংকর্মশীল মুমিনদের প্রতি)	82-78	26	৮৯৩
	৩৮-খেরস	40	1969	জন্মর বাহিয়ে লেন (সংবাদশিল মুখিনানর প্রতি অপ্রায়র )	8-निमा	390	
বাহাই		-	ш	অনুদ্ৰহ বাভিয়ে নিবেন আল্লাহ তালেবকে বাবা	२8-गृह	O'y	995
ইবরহিন ইসহাক আ. ও ইয়াকুবলে বছাই বরে নিটছিলেল অস্তাহ	৩৮-শেয়ান	85	9,99	অলাত (ভিচাৰ কাই মাল অপুন চাওৱাৰ তাৰ কৰাৰ বাবেও)	१३-क्रिम	6	370
বাহাইপূত				নেরারত আল্লাহ বড়িরে বেদ (কৃতজ্ঞের জন্য)	১৪-ইবরাহাম	3	690
বাছাইকৃত ৰাদা হতো কবিষয়া (পূৰ্বের মত কিতাব থাকল)	৩৭-সাঞ্জাত	260	561	প্রকাশন বাঞ্জির দেন অক্সাং (পঠন পং অকাংনরার্টানরতে)	28-4(SI4)*		
বন্দ (বায়াইকৃত বন্দাসর মার অন্যান্যতে শিশবগামী করবে ইঞ্জিল)	. 34-feed	80	100	পর্ববর্তনার বাহুরে দেন অল্লাহ (বারা সঠিক পথ অকাদন করে)		96	90%
বন্দা (বাছাইকৃত বন্দানের পথন্তই তরতে পারবে না ইবলিস)	৩৮-সোমাদ	50	190	প্রভাগের অনুত্র লে অল্লাহ (এর নাতে পর অকারন করে) প্রভিয়ান (আল্লাহ যানেরকে প্রতিসাম ব্যক্তিরে সিবেন)	৪৭-মুহাম্বদ	34	970
বন্দা (বাছাইকৃত বান্দারা জপবাদ অরোপ করে না)	৩৭-সাত্কাত	360	768		৩৫-ফাডির	ಶಂ	585
বান্দা (ইউসুফ আ, আল্লাহর বাদ্ধাইকৃত বান্দানের অন্তর্ভুক্ত)	75-5@3/4	2.8	610	প্রশক্তম বাঢ়িকে নিয়েছেল আপ্রার আপুনরে (আন ও সেরের)	২-বাকুরো	584	652
বাপা (বাপ্তাহর বাস্তাইকৃত বান্দারা শান্ধিযোগ্য নম)	৩৭-সাক্ষাত	80	bigbr	প্রপক্তমা বাড়িরে দিরেছেন দেহাকৃতিতে (আন জাতি প্রদর্গ)	৭-জারাফ	49	979
থালা (আল্লাহর বাস্তাইকৃত বালাদের পরিণাম খতন্ত)	৩৭-সাফ্ফান্ড	18	b/bo	প্রভাগ (সম্পন বহিন্তে লোর প্রভাগ মতে জালিন লি ফুর্বার)	৭৪-সুনাছান্ত্র	76	990
বন্দা (জন্মাহর বাছাইকৃত বাদারা শান্তিলার হবে না)	৩৭-সাফ্কাভ	259	1/60	রোগ (অল্লাহ মূনভিকদের ফনরে রোগ বাছিরে দেশ)	২-বাৰুৱো	30	205
মুনা আ, বাস্তইকৃত বাপা ছিল	১৯-মারইয়াম	62	909	লকর্মণরামনেতে অ্যানে অনুহর্ বৃদ্ধিবলীইনরাইল প্রসঙ্গ)	২-বাস্থারা	60.	609
बाहुत				সংবর্মপরারণাল্ডকে আল্লাহ বাড়িয়ে নিবেদ	্-জা'রফ	292	629
वामात्रका प्राप्त बहुत शन्दान प्रमात मन्द्रानदात	1-জা'রাখ	385	959	হেনারাভ বাঁদ্রির দেন অক্সাং (আনহারে কাহাদের চুবকনেরকে)	21-216A	30	356
উপাসাক্রপে গ্রহণ বাছুরকে (বদী ইসরাইলনের)	8-See	260		বারী-বর (মারো দেপুন ঘরবারি শব্দটি)			
উপাস্যারূপে প্রহণ বাছুরকে (বনী ইসরাইলনের)	২-বাকুরো	48	\$ob	ধাংগ (কবিদারা তানের বাড়ী-ঘর নিষ্কের্যাই ধাংস করণ)	৫৯-হাশর	1	955
উপাদ্যরূপে প্রহণ বাছুরকে (বদী ইসরাইলদের)	২-বাকুরো	62	dob.	বাণী (আরো দেপুন কালিমাহ/কথা শব্দটি)			
উপাদ্যৱপে গ্ৰহণ ৰাছবলে (বনী ইসরাইপদের)	৭-আ'রাক	303	696	অল্লান কৰি ( অল্লাহ দিছ কৰি বাব সভাতে প্ৰতিষ্ঠিত কাংলে)	৪২-পুরা	₹8	Pho
উপাস্যারণে বাছবকে রাহণ প্রসন্থ (উল্লীদের)	২-বাকুরা	342	630	অল্লাহ্য বাণী (ইদা আ, আল্লাহ্য বাণী ও তার রাসূদ)	8-शिश	292	294
হৈবি সোমিবী কঠক বাছুৱের অব্যব/মূর্তি তৈরি প্রসঙ্গ)	२०-झ-श	30	186	অপ্রাহর কবি গত হওয়া (নিনিট সমর পর্যন্ত অবজ্ঞান্তর কিয়ে)	৪২-পুরা	38	240
থকা বছৰ দিয়ে অসংসদ উৰৱাহিন জ, (মোনালালা ধলা)	33-gw	00	693	আল্লাহর বাণী বিকৃত করা (ইক্লীদের একনগ কর্তৃক)	২-বাকারা	90	609
জ্বী-পুরী পারুর (মরেল নিয়ে আগল ইংরাহীয় আ, (অভিনিয়নর জনা)	१५-चरिवाठ	36	950	অপ্রাহ্য করিং কোন পরিবর্তন নেই(মুক্তবীনের মুদ্দরেন প্রদরে)	১০-ইউনুস	<b>68</b>	990
बाह्य शैंकि	CF CITAL		100	আল্লাহর বাণী গত হয়েছে যে বসূদগণ সাহায়প্রাপ্ত হবে	ত৭-সাফ্চ্যাত	242	proc
বদী ইসরাইলের ২ুদরে বছর প্রীতি দিখিত হরেছিল	২-বাকুবো	20	622	অপ্তান্ত ক্ষতি দ্বান জনল রসুল স্ এর প্রতিও ঈরণ অনার নির্দেশ	৭-আর্থ	76.5	629
राजाद	d-other	- a	433	অল্পাহন ৰাণী ধানা সভাকে প্ৰতিষ্ঠিত কৰণেৰ	३०-१६मून	bes	995
			-	অপ্তাহৰ বাপীৰ সভ্যায়নকাৰী বুৰে ইয়াহইয়া	৩-জালে ইমবান	Oh	280
চলাফেরা (বাজারে চলাফেরা করত পূর্বে এরিত রাস্থলবংও)	২৫-ফুরতান	20	950	অস্তাহর বাণী পোনার উদ্দেশ্যে মুপরিকানেকে অপ্রয়ানন	৯-ভাগৰ	0	680
বাজে কথা		-		অল্লাহ ভার বাদী হারা সভ্যকে প্রতিষ্ঠিত করেন	<b>३-छानका</b> ल	3	833
তনৰে ল (জন্তুতিৰা বাবে কথা চনতে পাবে না জন্তুতে)	৫৬-৩য়বিবাহ	56	288	বারাণ বাদীর উপমা বারাণ পাছের মন্ত	১৪-ইবরাহীম	29	996
বাড়ালো		_		ভতৰর বার্থী পের প্রায়ল (প্রতিশাসকের বাছ থেকে আনমের)	২-বাকুরা	09	\$08
অবাধ্যভা (আল্লাহর জীতি প্রদর্শন মানুদের অবাধ্যতা বাড়রে)	১৭-ইস্বা	60	475	ভাওইদের বাদীর দিকে আহলে কিভাবদেয়কে আহলে	৩-জালে ইমরান	86	¢84
ফতি বাড়ার কুরজান জালিমদের জন্য	১৭-ইন্থা	6-5	457	ভাকওয়ার বার্ণাতে মুমিনাদরকে সূদ্ধ করদেন আল্লাহ	8५-एरहर	26	972
বিনয় বাড়িয়ে সেয় বিনয় (জ্ঞানগ্রাপ্তদর)	১৭-ইদ্রা	202	920	পৰিৱ বাণীসমূহ অস্ত্ৰাহৰ বিকে উত্তেপিত হয়	৩৫-ফাতির	30	789
রাজের এক-ভূতীয়াংশের চেয়ে বাড়ালো (নামাজের সময়)	৭০-মুব্বাদ্দিল	8	79.5	প্রীক্ষ (ব্যর্থাট কর্ম বার ক্ষার ইপার্টান্ত পরীক্ষ করে।	२-साक्रासा -	248	678
য়াত বাড়ালে (ভালিমের মৃত্যুর সমর খেরেশনে হাত বড়িরে কালে)	৬-অপ্ অম	90	906	পরিবর্তন করতে চায় বেনুদ্দিনরা আল্লাহর বাণী	৪৮-ফাতহ	20	229
শ্বত বড়ালের মনত্র করেছিল এক সংশ্রদার (মুদিদানর প্রতি)	৫-মরিদা	22	62.7	পরিবর্তনকারী দেই আস্থাবর বার্থীর	ও-আন্'আম	08	699
ৰাঞ্চাবাড়ি				পথিবর্তনার নেই (প্রতিপাস্কের বাণীর)	১৮-কাহক	29	946
জদার বাড়াবাড়ি হারাম করেছের প্রতিপালক	१-व्यासम	00	926	পরিবর্তন নেইঅক্সহর বার্ণীর (মুডাঞ্চীদের মুদার্যদ প্রদক্ষে)	১০-ইউনুস		
অভিভাবক (নিহত বাড়ির অভিভাবত যেন বাড়াবাড়ি না করে)	১৭-ইস্থা	00	936	পারবাদন পের আন্নারর বাপার (ভুরাকালের নুগরেল প্রদর্গের প্রার্থিত নার)		68	9990
কাফিবদের ৰাখ্যবাড়ি বশতঃ কিতাৰ স্বাধীকার	২-বাবুরের	30	630		ও-জান্'আম	276	609
ভার্যকলাপ (প্রবৃত্তির অনুসর্থকারীর কার্যকলাপ বাড়াবাড়ি)	১৮-কর্মেক	45	930	পরিপূর্ণ (সভ্য ও নাম পরাচনমার প্রতিপাদকের কর্ণী পরিপূর্ণ)	०-आम् जाम	274	609
ব্যক্তন বাড়বাড়ি করেছিল সম্প্রদায়ের উপর	২৮-কাদান	95	P78	পূৰ্ব হৰেই প্ৰতিপাদকের বাগী	27- <u>ई</u> स	222	696
কুফরিতে বাড়াবাড়ি (নাসী বা হারাম মাসকে পিছিলে সেরা)	৯-ফাডের	-09	688	প্রতিশাসকে পূর্ব ফেলা হয়ে খেছে (অবিশ্বসীমের বাশারে)	৪১-কুস্সিলাভ	84	229

ਕਰ (morefly and finanting of the Profiter

No. Blank

বাগান (পূৰ্ব প্ৰধা খেকে)

अपन्य पार कार देशका जा प्रत्ये शर्दक व्यक्तिका प्रेयान प्रान्तव को १५.डिजान

ইদি মান আসার পরও বাডাবাড় করে বনী ইসরাইল

ষ্টানের বাংশার অঞ্চলে বিভারকে বার্যাবাহি না করার নির্মাণ

ইনের বাপারে বাচবার্ডি কর নিমান (আহসে বিভাগানতে)।

প্রতীয়ে বারবারি করা –আলার তার কলানে বিভিন্ন কারল

পৰিবীতে মানুষ ৰাভাৰাতি করে (বিপদ থেকে উচ্চারের পর) | ১০-ইউল্

পথিবীতে অন্যায়ডাবে বাভাবাভি করার জন্য শান্তি

8.विका

৫-মারিণা

83-46

85,431

80-सर्वित

टिन्क्राका क्याप्ता की माँ इत्या (की इंश्वरंग सम्पर्क)

করনাশার বালী পূর্বমোধিত বা থাকলে মীমাংসা হয়েই থেত

প্রতিশাসকর বাদী (পরীনর্ববিত্র) না থকলে মীমানে হয়ে তেও

লেখা পেৰ হবে না আপ্ৰাহৰ বাণী (সৰ পাছ কলম/সাত

कार रानी ठान भारत पठ

সাধ্য কলি হলেও)

৭,আ'বাহ 309 848

১১-রুদ

৪২-প্র 22 440

১৪-ইবরাহীন

৩১-বৃক্মান 29 743

994

नच १८६० विस्तिवास	न्बा नः । मान	100	<b>पृ</b> क्षा	শ্বৰ বিষয়/প্ৰসৰ	न्द्रा नर ७ नाम		পৃষ্ঠা
वानी (পূर्व मुक्ते (च्हाक)		1		विटर्क (बॉर्जन विटर्क निव दिन पूर्णव भारतदाब राज्यनावरा)	৪০-মূমিদ	6	b 95
শান্তির বার্থী সভা হরেছে (কাফিবদের প্রতি)	०७-युगात	33	399	মিশ্রিত করা (সভাকে যাতিলের সামে মিশ্রিত না করার দির্চেশ)	२-वाङ्गरा	82	202
শান্তির বালী সভা হয়েছে যার উপর তাকে রকার কেউ দেই	৩৯-যুমার	7.79	3/92	नान तनवा			
मानि जन्मदर्भ जातास्य सभी गठ मा दाल गानि जनसिंदार्ग वाठ	২০-জু-হা	259	185	আপ্রা:কে খাদ দিয়ে শয়তানকে (অভিতারক হিসেবে গ্রহণঃ)	১৮-ব্যব্য	фo	935
শেষ হতে আ প্ৰতিপালকের বাগীত সমস্থার কালি শিষ হতে যাবে	३४-तरहरू	209	900	আপ্তাহতে বাদ দিয়ে যাদের ইবানাত করতো ভাচনহতে	৩৭-সাহ্গত	20	beb
সভ্য (প্ৰতিপাদকের বাদী সভ্যে পরিণত ব্যৱহে যে)	8०-इ'मिन	0	৮৭৮	বাদশাহ (আরো দেখুন রাজা শব্দটি)		-	
সহ্য হরেছে অল্লাহর বাদী 'পাদীরা ইমান অনবে না'	১০-ইউনুস	00	663	ভাপুতকে বানশাহ হিসাবে প্লেরণ (বনী ইসরাধিল প্লসঙ্গ)	২-বাস্থারা	289	655
সভা হরেছে থাদের উপর প্রতিশালকের বাণী	১০-ইউনুস	26	699	পাঠানে (ৰাদশ্য পাঠাতে বনল কৰি ইসৱাদিনো আনের দলীকে)	২-বাবুরো	286	450
সভাতার স্বীকৃতি নিরেছিল মারইয়াম প্রতিপালতের বাণীর	৬৬-মাহরীম	25	267	মানুবের মালিক/বাদশাহর নিকট আশুর প্রার্থনা	১১৪-দাস	4	3006
সুসংবাদ (একটি অশীর সুসংবাদ নিচেলে অক্সাহ মারইরামকে)	৩-মাজ ইমধান		480	বালানুবাৰ	330	-	3000
দ্বারী বাপী ইবরাইটেরর উত্তরসূমীলের জন্য (শিরক প্রনঙ্গ)	80-पश्कम	34	699	অভেলের অধিবাসীদের বাত্যসূধান কর।	৩৮-নোরাদ	ò8	triple
वागीवाहक	0.0	1.0		विश्वकाद्वारत वामानुवान गण्यात वामानुवान गण्या विश्वकाद्वारत वामानुवान गण्यात वामान गण्यात वामान विश्व गर्य	৩৮-শেরাদ	63	5°90
(মতাশন্ত (পাৰ্বাৰশিষ্ট মেতাশন্তকে <b>অল্লা</b> হ বাণীনাহক করেন)	৩৫-জাতির	3	b86		৩৪-লাবা	40	780
বাণীবাহক (রাসূপ)	04-41101	L.	900	ব্যক্তির ব্যবসূত্রন করতে (প্রতিপাশকের সামনে সম্ভয়ারন করছক)	৩৯-দাবা ৩৯-বুমার	97	৮৭০
	24 THE		014	প্রতিপালকের সামনে মানুষ বাধানুবান করবে (কিয়ামতে)			
মেনেশভার মধ্য থেকে অস্তাহ রাসুন/মার্কানাহক মনোলীত করেন	२२-श्रेक	92	964	यश्रीतास्य उद्भावयान् वसम्बानकाण समृत र, प्रेर्णकृत विक्रम म	৩-আলে ইমরান	88	<b>¢</b> 80
মানুক্ষা মধ্য থেকে অস্তাহ রাসুদ্/বার্তাবাকে মনেশীত বড়েল	২২-হান্দ	98	96/2	ৰাব্যগ্ৰন্থ			_
ৰাতাল (আরো দেখুন বায়ু শব্দটি)		_	-	হচ্ছ পান্যন বাধায়ত্ত হলে	২-বাকুবা	299	455
অনুক্ৰ বাজনে চলতে থাকা নৌবানে ভরসাঘাত	১০-ইউপুস	55	626	বাধা			
উদ্ভিৱে নিয়ে বায় (চূর্ণ-বিচূর্ণ ককলো উদ্ভিদ)	72-4124	84	925	অনভিক্রমা বাঁবা দৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (ধূই সমুস্তের মারে)	২৫-ফুরকান	60	44.0
থড়ো ধারাস প্রেরণ করে জান সম্প্রেনায়কে শান্তি দান	৫৪-বাহার	7.9	৯৩৭	ইবলিসকে বাধা দিল কিলেঃ (আনমতে সিজনা করতে)	৭ আ রাফ	34	650
খড়ো বাতাস প্ৰেরণ (আদ জাতির বিরুদ্ধে)	৪১-ছুস্সিলাত		৮৮৭	বিয়ে করতে বাধা দা দোয়া (ভালাকপ্রাপ্তা স্থীদেরকে)	২-বাকুরে	২৩২	659
কড়ের নিদের ধাতালে ওড়া ছাইয়ের মত (কাফিবের কাজ)	১৪-ইবরাইন	25	949	মসজিলে অন্তাহর নাম শরণে বাধা দানকারী জালিম	২-বাকুবরা	228	670
থামনে (সন্তাহ ইন্তর করণে বার্তাপকে থামিরে নিতে পারেন)	৪২-শূল	00	528	হারলতে বিসে বাধা নিল ৮ (বনী ইসরাইসের বছুর পূক্ত প্রসঙ্গ)	२०-ध्रा-श	24	989
মেথ বংশকারী বাতাস প্রেরণ করেন সাল্লাহ	১৫-হিজব	22	999	বাধাদানকারী			
শক্ত বাহিদীৰ বিক্ৰছে আল্লাহ বাবেস পাঠান (গলক মুছে)	৩৩-আহ্যাধ	>	b-08	কল্মপতৰ বাজে বাধাননকাৰীকে শান্তিতে নিকেপ কৰা হৰে)	५०-इस	2.0	950
শন্তি (যদ্রকারত শন্তি হিল বাতালে আদ জাতির শন্তি প্রদাস)	৪৬-আহ্বাড	₹8	970	কল্যাপতান্তে বাধানানকারী	৬৮-কুলাম	34	390
গুলাইমানের জন্য বাতাসকে নিরোজিত করা	৩৪-সাবা	25	৮৪২	যুদ্ধে ৰাধানানকারী মূনাভিক সম্পর্কে আল্লাহ জনেন	৩৩-আহ্ঘাব	35	br58
সুপাইমানের অধীন করে দিয়েছেলেন আল্লাহ বাতাসকে	৩৮-সেবাদ	00	100	ৰাধ্য করা/বাধ্য হওয়া			
সুসংবাদবাহীত্বপে বাতাস প্রেরণ করেন আল্লাহ	৭-জা'রাক	69	460	আহুদের শান্তিতে বাধা করা প্রদান (কাহ্বিদেরকে)	২-বাকুবরা	346	428
সুসংবাদস্বরূপ বাতাস প্রেরণ তরেল আল্লাহ (বৃষ্টির প্রাক্তালে)	২৭-নামল	ಅ	bod	ইয়ান আনতে বাধা কয়কো না নুহ সম্প্রানাক্তর অধিকাসকতে	33- <del>3</del> H	3,5	499
বাতিল (আরো দেখুন নিফল শব্দটি)				ক্ষমিরসেরকে শালি জেলে বাধা করা হতে জীবলেপজেলের পর)	৩১-পুকমান	48	523
অধুসরণ (ধারা কুকরী করে ভারা বাহিলের অনুসরণ করে)	৪৭-মুহাম্বাদ	0	225	কৃষ্ণীকে (সমনে প্রশার ফার বাধা হরে কৃষ্ণী করলে শারি নেই)	১৬-নাবুল	306	933
উল্লেদ (বাভিলকে উল্লেদ করবেন আল্লাহ)	৮-আনফাপ	b	ઉઉર	ক্ষমা (থান্ড হলে হারাম থেলে ক্ষমা করা হবে)	১৬-মাব্দ	226	933
উপাদ্য (অস্ত্রাহর পরিবর্তে যাদেরকে ভাকা হয় ভারা)	৩১-পুকমান	30	V25	আনুকরনের আনু করাত ভিরমেতিন কর্তক বাধ্য করা প্রসঙ্গ	₹0-187-187	90	98¢
কৃত্তমর্ম (দুনিরা কামদাবারীদের কৃতবর্ম আধিরতে বার্তিশ হলে)	22- <u>ই</u> 4	3/6	669	ব্যতিহারে বাধ্য করা নিষেধ (দাসীদেবকে)	२8-मृद	00	999
গ্ৰাস (ইহুদিনের বাতিল পদ্বার সম্পদ প্রাস করার পরিশাম)	8-भिन्त	365	299	ৰাভিয়ৱে বাধ্য করে হারা (দাসীদেরকে)	२८-नृष	00	222
বিত্রক কাঞ্চিবলের বাতিল থারা (সভাকে বার্থ করার জন্য)	77-4120	60	123	ব্যতিহারে বাধ্যক্ত দাসীদের প্রতি আল্লাহ ক্ষমানীল	48-44	00	333
ত্তেগ (ৰাতিল পছাৰ ডেগ করে মানুদের ধন-সম্পন পভিত ও)	৯-ভাওবা	48	680	মুদ্দিন হড়ে বাধা না করার নির্দেশ(কোন মানুমকে)	১০-ইউনুস	22	660
মৃতি পূজার কাল বাতিল হওয়া প্রদঙ্গ	৭-আগ্রেফ	702	64.0	শর্মন্ত মোটা বাত করা হবে কমিয়ালর (জীবলোপয়েটের পর)	৩১-পুকমান	48	649
সূচনা (বাঙিল সূচনা করতে পারে না কোন কিছুই)	৩৪-সাবা	82	984	হারান খেতে বাধ্য হলে (কুধার ভাতৃনায়)	৫-মাছিলা	0	¢50
সৃষ্টি (ব্যক্তিল হিসেবে সৃষ্টি ব্যৱসৰি প্ৰতিশালক জ্বৰূপ ও পৃথিবী)	৩-জালে ইমরন	727	998	হারাম থেকে খাধ্য হলে কোন শাপ দেই	২-খাবুবো	240	622
वाठिमकाती				হারাম খেতে বাধ্য হওয়া প্রসন্থ	৬-আপ্'আম	779	609
महमद् (वर्षिमवधीश नहभइ कहा हाभून न, हमश-मञ्ज कागरन)	২৯-আনকাৰ্ড	87	9.50	হাত্রম খাওয়া (সম্মেই/নিমলকলকারী লা হাত্র বাং বাং বাং	৬-আল্'আম	380	650
বাতিল (নট)				বাধ্যবাধকতা			
দান নই দা করার নির্দেশ (খেটা ও কট দিয়ে)	২-বাকুরা	248	507	ক্ষেত্রত গালে বাধাবধকতা নেই (দিরকরনের আমানত)	৩-আলে ইমরান	9,0	680
ৰাতিদ গছা				वानव			
সম্পদ প্রাস (ব্যতিক পস্থায় সম্পদ প্রাস করা নিকেব)	২-বাকুরে	36/2	243	ক্ষাত ক্ষম হওৱা (শনিবারের বিষয়ে দীয়ালকালকীয়ের প্রসঙ্গ)	২-খারুরো	94	603
সম্পদ করের বভিল পদ্ধার অপরের সম্পদ গাওরা করে না)	৪-দিমা	23	490	ঘূৰীত বানর হয়ে যাওয়া প্রসঙ্গ (নিহেমের জনাৎ্য হওয়াছ)	৭-জারাড	346	425
ব্যবিদ্যাস্থি			-	পাপালবীদেনকে বাদর ও খকর বানিয়েছেন আল্লাহ	৫-মারিনা	60	dap
বার্থ-শার্থ বার্প্র (রাতিলপন্থীনের বারের কারবে ধাংল রামল)	५- <b>छ।</b> 'डास	290	646	वामाह्ना	-	-	
অভিনান (বিভাগতে বাহিলপন্থীয়া কবিবাত হবে)	80-मू मिन	90/	VV8	অধিত ইতিহাস্পুনার পরবর্তীলের জন্য (মিরামা উলের ঘটনা)	86-पुरंकार	65	333
থাতিকার হবে থাতিলাপছিল (বিনামতে)	80-পাহিয়া	23	809	অন্তর (আল্লাহ মানবদেহে কান-চোৰ-অন্তর বানিক্রেছেন)	৩২-সাজনা	9	5.00
প্রাক্তার (বে বাতিশান হয় (কেরানতে) প্রায়ল স, তে বাতিশালী কাহে কাম্বিরা (নিলান দিয়ে আসলে)	NAME OF	Qb.	b-26	আকাশকে ছাদস্বৰূপ বাদিবেছেন আল্লাহ (মানুসের কল্য)	३-वाकृता	22	800
	00.34	120	0.40	আকাশকে আপ্রাং পুরক্তিত ছাদ বাদিছেছেন	२५-आपिया	03	942
বাডিল (মিখ্যা)	৪১-মুসমিলাভ	84	b49	অনুসর্ভাগতার উত্তর কার্যনার লের (ইনারীয়ের বলে থেকে)	২-বাকুরা	252	678
কুবস্তানের কাছে যদিল (মিবা) আগতে পারে বা	৪ <b>১-</b> পুর্মেলভ	22A 8-5	649	खुल (खुड़ार किसंबद काल संनिताल विनासक पर)	85-अंध	23	0.36
জাপুকরদের জানু বাহিল/মিখাা হয়ে যাওয়া প্রসন্থ				অলে (আল্লার চন্দ্রতে আলো বনিয়েছেন)	12-95	35	by a
ভাকা (মুশবিকরা যাকে ভাকে তা মিখ্যা/বাতিল)	২২-হান্দ্র	65	968	and a familiar of the service discretes.)	1 0		1.0€

शनात्ना

ৰ

ন্দ্	পুরানহ ও নাম	424.5	200	न्द्र	স্থা নং ও নাম	4554 41	78
बामारमा (भूवं भूकं (बदक)				পুটি বুনর বাধাননি উল্লেহ (মানুহের অভ্যন্তরে)	৩৩-আহ্যাব	8	p.o.
অংগ (অস্তাহ চন্ত্ৰ-সূৰ্যক হিছা ও উদ্ধান আলা ৰদিয়ানেশ)	১০-ইউনুস	e	528	দ্যান্ত বাধাৰে প্ৰাহিত দিল আ কে (কৰী ইনৱাইলের মন্য)	৪৩-বৃৎক্রফ	6.9	ho
মালো-অন্তর্জ আপ্রাহ বনিরেছেন	৬-বান'খাস	>	236	গুটার কর্মনে ( সমন্তর্গন ও পরবর্তীনের জন্য ক্রমন্ত প্রদাস)	২-বাকারা	96	60
আপ্লাহ বানানলি বাহীরা সাইবা ওরাসীলা ও হাম	৫-মারিলা	300	250	পৃত্রিক্ল/পঞ্জিত ইতিহাস প্রবেতীদের জন্য (মির'মা উন্নর ঘটনা)	৪৩-বৃথক্ত	69	93
पाद्धार वस्तिहरूम मनुरात पुरि द्वारा दावरि क्रिया तथा पुरि द्वीर	৯০-বাদাস	v	3020	প্রশারণপার (মালুরার পরিকার জন দৃষ্টিপরিসালার করেন হয়েছে)	৭৬-সাহর	2	35
আনর (আল্লাহ মানুষের জন্য পাহাড়ে আপ্রর বানিরেছেন)	১৬-নাহল	3/2	900	ক্ষালেক্স বাদাবেদ আল্লাহ (পরীক ও মুপরিকদের মারো)	১৮-কাহ্য	02	93
আসংবিপ্রের উপকরণ বাবারে (পতর পশ্ম/লোম/ফুরকে)	১৬-নাহৰ ১৬-নাহৰ	lino	900	ৰক্ষৱসময় সৃষ্টি (মানুষের অন্ধব্যরে পথ দেখার জন্য)	৬-আনু'আম	39	30
জানবাৰপঞ্জা ভগৰনৰ বাদ্যালে (গড়া গণন/চনাৰ/ক্লাচন) ইব্যাহীমত্তে যদিও জাতিব লেডা বাদ্যাল	২-বাকুরো	358	678	ৰধী বলিয়েছেৰ অল্লাহ (মারইয়াম পুত্র ইলাকে)	১৯-মারইরাম	00	9.0
		48	999	দৰী বাদিয়েকে জান্তাৰ মুখ্যৰ সম্প্ৰদাৰ থেকে	৫-মারিলা	30	m
ইমাম (মুৱাবীদের ইমাম বাবাদোর কল্য প্রার্থনা)	২৫-জুরকান			म्बर्ग क्यांक व्यक्ति कृति मानवात क्या (प्रमाधीक क्यां)	१५-नर	35	26
ইয়াকুব আ, ও ইসহাকরে দদী বাদাদেন	১৯-মারইরাম	82	909	न्यात सहरकति दुनाना (शह (देशाहेत स. ७ सम्बद्ध)	38-देवदादीम	80	53
ইলাহ (মন্ত্ৰীহন সতা ইলাহ বন্দাণে কঠিন শঞ্জিতে নিজৰ হলে)	৫০-বৃক্	20	950				
ইলহ (ইবানত পান্ডায় যোগ অন্য ইলাহ আল্লাহ বাবদৰ্শন)	৪৩-মুখরুক	82	239	কিন্দি বাবনে (উবারেবে তীন প্রসঙ্গ)	২-বাকুবর	525	00
ইলাহ থানিয়ে দেয়াৰ অনুৱোৰ মৃসাকে (বনী ইসরাসপের)	৭-আগ্রহ	709.	658	নিদর্শন বানানো (নূহের নৌজা ও প্রাকাকে)	২৯-জনকাকৃত		10.5
ইসা আ,কে দৃষ্টান্ত বানানো হয়েছিল (বনী ইসরাইলের জন্য)	৪৩-বৃৎক্রফ	6.0	200	বিদর্শন বাদাবেদ আল্লাহ (মাইয়ামের পূর হওরার বিষয়ট)	১৯-মার্ইরাম	57	95
উত্তম বিস্তু বানাতে পারেন আন্তাহ রাসূল স, এর জন্য	২৫-কুরবান	30	930	নির্দেশ করাজন অপ্রাহ নূত্রে সম্প্রদায়কে (মানকাজির ক্ষান্)	২৫-কুরবান	৩৭	93
ভ্রমাধিকারী বাদ্যতে চাইলেন আল্লাছ (নির্মান্তিভনেরক)	३५-कामाम	e	pop	নির্মাণিত ব্যাহানর মত বানহানর পূর্ব পর্যন্ত জালিমানে আর্থনাপ	২১-আধিরা	26	96
উত্তর্যধিকারী বানালে। পিতামাতা ও আব্রীয়-মজনেররেং				নিৰ্দেশক বানিবেছেন আন্তাহ সূৰ্যকে	২৫-ফুরকান	80	93
যাওৱা সম্পদের)	8-921	00	692	বেতা থাপাতে চাইলেন আল্লাহ (নির্বাচিতদেরকে)	২৮-আমাস	2	bo
উল্লেখ ব্যৱস্থান অগ্নাম নহ আ, সংক্রপারর জন্ত (ক্ষমার্রান্স করেন)	१३-मृद	32	398	লের ক্ষরধোরপ্রায় ইনয়ক আ, ওইয়াকুতে নের্না করন)	২১-আছিয়া	90	95
উপাস্য (আপ্লাহর সাথে অন্য উপাস্য বানানো নিবেব)	৫১-বাররাত	6.5	345	মেচা অনিয়েছিলেন অন্তাহ দিব'মাটন সম্প্রনারতে থবা	২৮-কাসাস	83	Y:
উপর্বে নিচ বাদ্যদেন আল্লাহ (সূত সম্প্রনারের জনসমতে)	77- <u>2</u> H	9.5	990	লের (ক্রী ইসরাধানের মধ্য থেকে আল্লাহ লেরে বনিরোইসেন)	৩২-সাজনা	48	ы
	৩৯-বুমার		240	পার (মানুহরর শান্তাহ্রের পার পাওরার জন্ম সমতন পার বানালে)	২১-আধিয়া	47	90
একটি প্রাণ/জ্ঞান্য জা, থেকে বাদালো হয়েছে তার স্ত্রীকে		9	3,27	ণার নির্চাপক (মৃত্যাক দেয়া কিয়াবকে পথ নির্চাপক বানালো)	১৭-ইস্রা	1	9
এক উপত (অপ্লাই ইচা কালে মনুবাক এক উপভয়ুক বানকেন)	৪২-প্রা			পর্তকৃতিক কথাৰ হয় কী ইলাইলের জন (মুল্য ভিয়াইত)	৩২-সাজুনা	20	2
কঠিত শলোর মত বাদাদোর পূর্ব পর্যন্ত জালিমবের আর্থনান	২১-আধিয়া	76	362	भीवात १८ (शिवास श्रीका श्रीका वा न वसामा कर (श्रीका	३०-१३मून	9.6	9
রান (আল্লাহ মানবদেহে কলে-চোর-অন্তর বাদিরেছেন)	৩২-সাজ্পা	>	100				9
অবদরতে মানব জড়ির মিলনকেন্দ্র ও নিরাপজন্বল বানানে	५-शकृत्व	255	678	পরীকা বনিরেনে আহাই (পরস্পাতে পরস্পরের কমা)	২৫-ফুরকাম	40	
কাহিনী বনিয়ে রেখেছেন জাল্লাহ অতীত উদ্দেহদেরকে	২৩-মুমিনূল	88	960	পৰ্বতমাণা বাদিয়েছেন অক্সাহ পৃথিবীকে ( কুণু ও সুউচ্চ )	৭৭-মুরুসালাত		91
কাহিনী বনিয়ে নিদেন অন্তাহ (সাবাবাসীদেবকে)	৩৪-সাবা	7.9	785	পর্বতমালা বনিয়েছেন অস্তার্	৪১-তুস্সিলাত		71
ক্তিবলা বাদাদো (মৃগা/তার অনুসারীদের ঘরকে)	১০-ইউনুস	59	669	পৰ্যত কনলে (পৃথিবীতে পৰ্যত কৰলে হয়েছে যতে আপপিত ন হয়)	২১ অধিয়া	02	9
কুরআনতে অধনি ভাষার বাদাদো হয়েছে অনুধাবদের লদ্য	৪৩-বৃৎক্রক	0	3/3/6	পর্বত (পৃথিবীতে পর্বত বানিরেছেন আল্লাহ)	১৩-রা'ন	0	엉
কুবোনীর পতকে জাল্লাহর জন্যতম নিদর্শন বানালো	55-20 <del>0</del>	06	995	পানি থেকে সকল জীবিত বস্তুকে আল্লাহ বসিয়েছেন	২১-অধিয়া	ತಿಂ	9
বুদারাদ (অল্লাহ ঘদি অনারবি কুরাজন বাদ্যক্রেন তবে তারা বলত)	৪১-মুপ্সিলাত	88	245	পালক পুত্ৰকে আল্লাহ আসল পুত্ৰ বানামনি	৩৩-আহ্বাব	8	'n
শ্বলিফা (মানুদ্ধকে সম্পানের থলিফা/মালিক বান্যানো)	৫৭-হার্শীদ	3	788	পাতা বাদাদো/দিপিবছ তয়া প্রদান (মূদার বিভাবকে)	৬-আন্'আম	3.5	18
থেক্স ও আসুরের বাগান বানিয়েছেন জাল্লাহ (মৃত ভূমিতে)	০৬-ইয়াসীন	08	5-20	পদির প্রবাহ বাদিয়ে নিয়েয়েল প্রকিপালক (মাইয়েয়ের নিয়ে)	১৯-মারহরাম	1 48	9
গবাদিপত বাদিয়েছেন আপ্লাহ আহোছণ ও চক্ষন করার জন্য	৪০-মুখিন	43	254	পুত্র (মনুকের জোর বেকে অস্তাহ পুত্র-পৌর্রাদ বর্নাব্যহন)	১৬-মার্গ	3.5	9
গরান পতর পশ্ম(লাম)চুলে মানুহের আনবাংশক্রের উপকংশ	১৬-নাহৰ	Fo	900	পৃথিবীকে বিহালাখন্তপ বানিরেছেন আল্লাহ (মানুবের মান্য)	২-বাকুরো	22	0
প্রের (মনুষ্ট্রের বিশ্বর প্রার বনিয়েছন বতে পরস্পরতে চিন্তর পর)	83-एक्टार	30	257	পৃথিবীকে আল্লাহ ধারণকারিনী খানান	৭৭-মুবুসালাভ	20	2
ঘর (আল্লাহ মানুদের জন্য ঘরকে বিল্লামের স্থান বানিরেছেন)	১৬-মার্প	) Pro	900	পৃথিবীকে আপ্লাহ সূত্ৰ জীবের জন্য বনিয়েছেন	৫৫-রাহ্মান	30	3
হন্য-সূত্তিক আল্লাহ গণনার জন্য বানিয়েছেন	৬-জাৰ'আন	20	906	পৃথিবীকে অস্তাহ মানুখের জন্য বিহানা বানিয়েছেন	95-95	25	3
স্থাতে আস্থাই আলো বনিয়েছে <sup>এ</sup>	12-51	36	2946	পৃথিবীকে আপ্রাহ মানুষের জন্য বিছানা থানিরেছেন	২০-ড়া-হা	100	9
সমূতে আদ্বাহ আলো বালায়েহেল ভালতে আদ্বাহ হিছে আলো বালিয়েহেল	20-8g/bi	9	968	শেশক (অপ্তাহ সুহ/এশ থেক নক্ষাকরি শেকক বনিয়েনে)	১৬-মাহল	3.3	9
इमनाका वामाना घटन विद्नास्त्र (विश्वास्त्र)				পৌর (মানুসের জোঞ্জ থেকে আল্লাক পুর-পৌরালি বলিয়েরেন)	১৯-মাহল	93	9
	१०-पूर्याचिन	39	944	तमा (बद्धार कर न्यों द्या कार करिय श्रास्त है)	8-निमा	288	
চোৰ (আপ্লাহ মানবদেহে কাদ-চোৰ-জন্ধৰ বাদিক্সছেল)	৩২-সাজ্বা	9	9000	প্রকাশ (অপ্রয়োজন "সমত্রমণ কর্মান করেনে ব্যুক্তর্থন ত.) প্রকাশ বানিয়েকে অস্থান (পর্যকে)			
ধ্বর (সৃথির মাধ্যমে দ্বারা বাদানে মনুমের প্রতি অল্পাহর লোমত)	36- <b>म</b> हरूप	2.7	90%		०?र-निद्	79	2
ম্বন (অধিবঢ়ের মন্য টোল্ডের ম্বন বাননো পর্মিব প্রচুর্য)	৪৩-যুধক্য	00	127	বলীগ বনিয়েহেল জন্নাহ ভাগাপে	২৫-ফুরকান	52	9
হাদ বান্যদা (আবার্শকে অস্তাহ সুরক্ষিত হাদ বনিরেহেন)	२५-वाषित्रा	०२	982	বাসান (ধ্যমানতে প্রাসাদ দানালোর নির্মেশ)	59-প্রমাস	30	15
মানি (মনুদান বিশ্বর কতি বনিয়েছের মতে পরস্পায়ক নিয়ত পরে)	৪৯-বৃদ্ধক	30	257	প্রাসাদ বানাতে পারেন আল্লাহ (রাসুলের জন্য)	২৫-সুরকাদ	30	9
<b>জাহান্নামকে বলিয়েহেন আল্লাহ্ কাহিবলের কারণার</b>	১৭-ইস্বা	b	338	প্রতিনিধি বন্যান (অক্সং মানুষ্যক পৃথিবিও প্রতিনিধি বনিয়েছেন)	৬-জাণ্জাম	395	18
জীবিত বস্তুকে আদ্বাহ পানি থেকে বানিয়েছেন	২১-অধিয়া	00	922	প্রভিনিধি বানারে ফেরেশমকে (পৃথিবীভেমাল্লাহ চাইলে)	85-गुप्तम्य	90	h
तमञ्ज (अनुरक्त निजारना १५१वर्षे ज्यात्तर अनुरक्त तमज्ञ वनिज्ञान)	১৬-লহেল	45	9ob	প্রতিনিধি বাদ্যনার ছেবণা (পৃথিবীতে মানুধ দৃষ্টি প্রসঙ্গ)	২-বাতৃধ্য	00	10
ক্লেয়া ক্লিয়েহেন সাল্লাহ (মানুবকে)	৩৫-ফান্টির	22	b89	প্ৰতিনিধি বাৰাশের মৌজিকতা (পৃথিবীতে মামুখ সৃষ্টি প্ৰসূত্ৰ)	২-বাবুররা	30	0
কোনে কাৰলে (জনম জ: খেকে ভার কোন্নাইবারাকে কাৰলে প্রদাস	৭-আগ্রহ	79-7	600	প্রতিনিধি বানিয়েছেদ আগ্রাহ দাউদকে (পৃথিবীতে)	৩৮-সেরাদ	36	Ъ
লোড়া বাদিরেছেল অল্লাহ (মানুষ ও জীবজন্তর)	৪২-শ্বা	33	3-3-3	প্রদীপ (উল্লুল প্রদীপ (পূর্ণ) বর্দিয়েছেন জাল্লাছ)	৭৮-মধ	30	3
চল (অল্লাহতে মল বানানে নিষেধ কলম প্ৰদক্ষ)	2-419501	228		কশ দৃষ্টি করেছেল আল্লাহ জোভার জোভার	30-gl/s	0	18
রাওয়ারকে বদী ইগরাইলের জন্য পথনিসেশিকা বানানো হয়	৩২-সাজনা	20	3-05	বিকাশ (খুলিবাংবাকে ব্যক্তিয়েনা জন্ম বিকাশ লাকালের প্রার্থনা)	৬০-মুমতাহিদ		1
মধুশ্বর (অপ্তার পাল চামনুর নিয়ে মানুরের বচ/বারু বনিয়েছে)	১৬-নাহল	Iro	900	বংশবর (ভুজা পানি হতে মানুহের বংশধর বালনো)	৩২-সাজনা	7	100
দিশকে আল্লাহ কর্মথ্যন্ত বনিবেছেন	১০-শার্ণ ৭৮-সার্থা			বছৰ বনিয়েনে অপ্ৰাং আবাশে			
		22	2000		₹१-केंद्रशस	92	٩
নিশকে আরাহ বানিরেছেন ওালোবোজ্ঞলরণে	১০-ইউনুস	69	990	বংকজনর বনিয়েনের আল্লাই মারইয়ামপুত্র উপাকে	১৯-মারহ্রাম	42	9

বানানো

শব্দ বিষয়/প্রসঙ্গ	नुबानः इनाम	433.5	न्धा	শ্বদ বিষয়/প্রসঙ্গ	नृज्ञा नर ७ नाम	464 5	78
रामारमा (पूर्व पृक्ष त्वरक)				অপরাধ (বন্দার অপরাধ সম্পর্কে বধর রাখ্যত প্রতিপাদক হার্মের)	১৭-ইস্রা	29	931
বহু ইলাহকে এক ইলাহ বাদানো আন্তর্ব ব্যাপার	৩৮-মেরাদ	4	5-00	জগরাধ (বান্দার জগরাধের ঘৰর রাখ্যতে জাল্লাহ বছেই)	२१-कृत्रकाम	62	96
বাদর ও ৩৬র বানিরেছেন আল্লাহ পাপাচারীলেবকে	৫-মরিদা	фo	Qp.	অধিচার (বাব্দার উপর এবিচার করেন না আপ্লাহ)	१०-कृत्य	23	24
বছুর বাননো (ফুগর সম্প্রদারের ক্ষাংকর ছবা বছুর বানলোপ্র.)	৭-আ'বাক	385	959	অভিভাৰক ! কাঞ্চিবদের ধানগা (আল্লাহর পরিবার্ত )	70-4125	203	90
বিহানা (আল্লাহ মানুষের জন্য পৃথিবীকে বিহানা বানিয়েছেন)	47-36	35	36-2	আইউৰ আ, তত উত্তম বান্দা ছিলেন	৩৮-লোৱাৰ	88	30
বিহুনো বাশিয়েছেন আল্লাহ বন্ধীনকে	৭৮-বাধা	0	3000	আন্দোস বাশালের জন্য (থারা রাসুলাকেকে ঠাটা করত)	৩৬-ইয়াগীন	¢0	70
বিছানা (অস্তাহ পৃথিবীকে বিছানা বানিয়েছেন)	৪৩-বৃৎক্ত	30	120	আয়ত ভারতীর্ণ বরেন অন্তরহ তার রাকা রাসুল স, এর উপর	৫৭-হাদীদ	ъ	36
বিশ্রাম বনিরেছেন আল্লাহ দুমকে	৭৮-মান্য	δ	2000	আন্তহৰই বান্ধা মানুহ (তিনি শান্তি নিলেও)	৫-মারিলা	222	63
বিশ্রমের স্থান (সাপ্রার মানুযোর জন্য থাকে বিশ্রমের স্থান বানিয়েছেন)	35-800	30	900	অপ্লাহ অব্দানের প্রতি পূর্ব দুর্নিবান	৩-আলে ইমরান		00
বুক্তক্ত (শক্ষত্ৰ) বালিব্ৰেছেন অল্লাহ আকাশে	३१-विका	36	650	प्राद्वार राष्प्रास्त शक्ति कुटुरकारी सम	৮-আনফাল	62	40
রেশাসম্রী (পার পশম্পোম)রূল মানুদের রেশাসম্রী রালনে)	১৬-বার্প	bro.	900	অল্লাহ বাস্বাহনর প্রতি পূর্ব দৃষ্টিবান	৩-অহন ইম্প্রন	30	00
মসন্ধিদ বাদাদোর প্রস্তাব করী (আসহাবে কাহুফের স্থাদে)	37-8000	52	936	অপ্লাহ বাপালের প্রতি অভান্ত প্রেহণীল	২-বাকুরে	209	03
মসজিল বাদিয়েছে থারা ক্ষতিসাধনের জল্য	৯-ভারব	209	967	অল্লাহ কলাকে বিচর ব্যব্র ফেলানে (অহকেরীর কারে)	৪০-মুখিদ	85	6.0
মানুষরপেই বাদলো হত (ফেরেশভাকে রাসূল স. বানালে)	৬-আন'জন	3	699	অপ্তাহ বাদানের বাাদারে অভ্যন্ত ল্লেহশীল	৩-মালে ইমহান		00
মানুগ্রে পরীক্ষার কর দৃষ্টিপ্রকাশভিসম্পন্ন বাধানে হয়েছে	৭৬-বাহর	3	226	আপ্লাহ ৰাম্যনের সম্পর্কে পূর্ব অবগড় ও পূর্ব দৃষ্টিবাদ	১৭-ইস্রা	8/6	93
মূলাকে বানুল বানাবেদ অস্তাহ	২৮-জনাস	9	pop	অপ্তাহ বাদার প্রতি মূলুম করতে চাদ না	৪০-মুখিদ	92	203
যানুম বৃক্ষ বাদিয়েহেন আল্লার কানিমদের কন্য পরীক্ষায়ত্রপ	৩৭-সাহকার	60	lrbo	আল্লাহ তার বান্দা সম্পর্তে পূর্ব অধবত ও পূর্ব দৃষ্টিধান	৪২-শূরা	29	ba
মুগল (বীর্থ থেকে জাপ্রার মুগল নর ও নারী বাদাল)	৭৫-বিরামাহ	00	228	আপ্রাহ ভার বান্দাদের প্রতি বিশেষভাবে দৃষ্টি রাখেন	৪০-মুখিন	88	bi
বাত ও দিন বানিয়েছেন ডাল্লাহ (পরস্পত্তের অনুযামী)	२८-वृद्धवाम	62	996	অপ্তাহ থয় কৰাৰ উপ্তাধ পৰিল ২০০০ন বন্ধযুক্তা নিল,	৮-জাপফাল	83	63
stoco সাপ্তার বানিবেছেল (বিপ্তানের জন্য)	३०-१६नुम	69	660	অপ্নাহ করে বান্দার প্রতি অতি দরাপু	85-98	35	60
ব্যক্তক আল্লাহ আবরণ থক্তপ বানিয়েছন	৭৮-নাবা	30	2000	অল্লাহর সন্মনিত বাদা (আল্লাহর সন্তান প্রহণ! প্রসদ)	২১-জাধিয়া	45	91
ব্যত ব্যক্তিয়েছেন জাপ্তার বিস্তামের জন্য	So-মুমিন	63	bho	অপ্রান্ত (কোলা দিচ মার আ নিজেক অপ্রান্ত থাকা কোলা কাল)	১৯-মার্হ্রাম	00	90
ধানুল ফেরেশতাকে এতালে মানুষকপেই বাতানো হত	৬-আন্'আম	2	699	व्यक्तास्त्र वन्त्रवर्षे रामात राम श्रह भार १०१० मितन म श्रह	৩৯-বুমার	60	b.
শ্বদ বানাবো (মানুখ/ড্বীন শয়তানকে সবীর শত্রু বানানো)	৬-বান্বাম	225	609	অল্লাহ্য নেক বান্দায় জন্মতের কর্ণা থেকে পান কর্ত্তর	৭৯-পাত্র	6	20
শাস (প্রত্যেক নবীর জন্য শাস বানালো)	২৫-ফুরকান	92	998	বস্তাহ্য এশ অইটন অ.	৩৮-সেয়াস	83	ы
শসক্ষেত্ৰ (বাগনেৰ মধ্যকৰীপ্তাৰ)	70-4154 51-52014	93	929	অপ্লাহর বান্দা ছিলেন ইসা আ, (মনুহাইপ্রাপ্ত বান্দা)	৪৩-যুখক্ত	69	200
প্রবাদক্তিসম্পন্ন (মানুষকে পরীকাব জন্য প্রবাদক্তিসম্পন্ন	10-4154	04	141	অপ্রায়ে সমেশীল বাদার ঘৌনো উর্রোগমার (জারত প্রদাস)	২১-অথিয়	200	90
वासारमा श्वास	৭৮-সংখ্য	2	996	আল্লাং বাশালের জন্ম সৌন্দর্য-সামগ্রী বের করেছেন	१-आ'शक ८३-आक्र	900	63
প্রথপতি (মাপ্তাই মানুদের প্রবদশকি বনিয়েছেন)	৬৭-মূলক	20	390	আপ্তাহ বাশালের প্রতি (মূলুমকারী নম)	৩-জাল ইমরান	205	0.
সংগ্রহণ (স্মান্ত্রাই রালুল স, কে ফুপরিকলেন সংগ্রহণক বানার্নন)	৬-আপ'আম	209	909	আল্লাহর এবনির্চ বাদ্য শচিপ্রার হবে না	৩৭-সাফয়াত	250	100
সঠিক (আনহাবে বাহ্যমের জন্ম কাজকে সঠিক বানালের লেরা)	79-sida	30	128	ব্যপ্তার বাদ্যান অন্তর্ভুত হতার নির্দেশ (প্রশার স্বান্থ্যতে)	29-6464	230	30
সংকর্মশীল(ইসহাক আ. ৫ ইয়াকুব আ. ওভরকেই আপ্লাহ			108	বাস্থাবৰ বাধানের উপরে শরতানের কোন কমতা নেই	১৭-ইসরা	96	
त्रराज्यानार्वणाच्याः च रहातूना याः चवतरावर याद्यार्थः त्ररहातील वानानः)	২১-অধিরা	42	928	অপ্তাহর অব্যাহর এক হল বলত হে প্রতিপালক	३१-२१॥ २७-मुभिन्न	900	9
সম্ভাগরাধন (উভাবিধনীকে স্থোগরাধন বানানের প্রার্থন)	১৯-মার্ক্ট্রম	0	908	অপ্তাহৰ ৰাশা মৃহতে হিথাবাদী বল্প ভাব সংগ্ৰমায়	৫৪-কামার	2011	200
সমাপে (অপ্তাহ সমাকৰ বাদলের নির্দেশ সিত্র অহবোরীর)	৩৪-সাবা	99	108	আল্লাহর বান্দানের মধ্যে যাকে ইচ্ছা অনুহার পাশ	১০-ইউমুগ	209	80
সম্পন্ত জীবন ধর্মের উপকলা বনিয়েকে এলার (মানুসর জনা)	8-SHI	e	000	व्यक्तरा राज्यस्य पात्र देश क्षेत्री हेस्स्त्रियाचे का हा	<i>ব-জা,বার</i> ১৮-বেন্ট্র	255	63
সাকী (মাল্লাহকে সাক্ষী বাদানো পপথ শুক্ত না করা প্রসঙ্গ)	১৬-শহল	27	920	অল্লাহর বান্দাদেরতে উল্লখ কথা কথার দির্দেশ	১৭-ইস্বা	00	93
সংখ্যাকারী বাদিরেছেন আল্লাহ ব্যবস্থার মুগার জন্য	२०-वृद्धकान	06	999	অপ্তান বৰ্ণালে নিত্ৰ দেৱ (দুগা আ এর নিবট কৰি ইন্যালিয়েনছেও)	88-मृश्रन		
সিভ (অধিবাসের মন্য রোপ্যের সিভি মানালে পর্বিব প্রচর্থ)	80-गुस्क्रक	90	339	অপ্রান্ত বন্দালে দিয়ে বাবে কেঃ হল্যার দির্দেশ (মুনা আ, কে)	88-मुधान	50	he he
সূর্বকে আল্লাহ প্রদীপ বানিরেছেল	47-Ag	36	2946	অপ্রায়ে বাদ্যানে মার বিনি ব্যক্ত ইয়া সম্ভিকার প্রদর্শন করেন	84-787	65	3/2
সূৰ্বতে আল্লাহ উজ্জুল আলো বানিকেছেন	১০-ইউবুস	ę	508	অল্লাহন সুন্তত বাপালে মধ্য চলে অসহে	8०-मुभिन	44	91
সৌশর্যকরণ বনিয়েনে পৃথিবীর সর্ববন্ধ মনুক্তে পরীকার ভাল্য	79-4050	9	928	আল্লাহর দুনিল বান্দ্যাদের জন্য পৃথিবী প্রশক্ত (ইবার্গত প্রসঙ্গ)	২৯-আনতাবৃত	26	P.
দ্বীকে আল্লাহ মাতা বাদাদনি (বিহার প্রসঙ্গ)	००-वाद्याव	8	3100	অল্পানে বালা দুবাদাৰ ল, অল্পান্থক ভাৰম কৰা পতাৰমান হওৱা	92-889	7.9	97
ছির (ছায়াকে ছির বাদাতে পরতেন অল্পাহ ইচ্ছা করলে)	३१-पृतकान	80	9942	অন্তাহৰ যাখা সম্পৰ্কে ভিনি পূৰ্ব অবসত ও সৰ্বন্ধীয়	৩৫-জাতির	93	75
মারক বানালে(পুরের প্রাথার ঘটনারে অল্পত্র মারক বানিপ্রেরেন)	०७-ग्रहार	25	399	অনুহাত বন্ধ হতাকৈ লৈছিলাই মেলনাত মাজানত হ'ল কলে	8-मिमा	292	21
বেজ্ঞানবী বানাদলি আল্লাৰ সদাকে	३५-माददेशाम	05	906	অস্ত্রাহ বার বালাদের যাদের প্রতি ইয়ার বৃদ্ধী আপত্তিত করেন	৩০-জম	83	34
বাদাদো (নিৰ্বায়ণ করা)	20-4186314	O.C.	100	অপ্তাহ তার কলা মুহাক্ষা গ. এর উপর মুববান কবটার্শ ব্যৱস্থান	२१-पृत्रकाम	2	93
			ш	অপ্তানে প্রায়ের পরিনর কলালেরতে করি ইলফৌলের প্রতি প্রেরণ	<u> </u>	q	93
মংশ (মান্তাহর বাদ্যালয় মধ্য থেকে তার মংশুলরাল সাধ্যয় করা)	80-पूरकक	30	324	দিয়া আ, আল্লাহর অনুয়োগ্রার বাব্দা হিসেন	85-पुश्क्रक	6.0	30
বানিয়ে বলা			$\Box$	উত্তম (সুলাইমান আ, কডই বা উত্তম বাপ্য)	৩৮-সেয়াদ	00	bre
অপ্তাহর করা রপুল স্বাধিকে কবলে অপ্তাহ ব্যবস্থা এহন করতেন।	65-शकार्	88	990	ंचे (ब्यूक्टर गरा (म बन्धर टॉफ डेक्स वर्ष बन्धर्म बर्कर)	5-818481	30	23
ৱাস্ন স, এর 'বানানো কথা'আব্যা দেরা (কুরআনকে!)	৫২-ভূব	00	900	তথ্য অবভাব করেন আল্লাহ যাস্থাদের মধ্যে যার প্রতি ইঞ্চা	৪০-মুখিন	26	be
क्षमा				वर्षे (व्यक्षंत्र व वंश्वर हेश्च वर्षे भर (व्यवस्थ वरहेर्न व्यक्त)	26-HIZH	30	90
অংশ (অক্সাহর বান্দার একটি অংশকে শরাবাদ ভার অনুসর্বি করেব)	8-991	229-	092	ওই করণেন আল্লাহ বান্দার (রাসুল স, এর প্রতি)	00-माक्ष्या उठ-माक्ष्या	30	30
অধিপতি (আপ্ৰাং আন্দাৰ উপৰ একজহ অধিপতি)	৬-বান্'বাৰ	79.	698	का गर्थक राष्ट्रदे कृतक दह	०८-भारा	30	9.6
অধিপতি (আল্লাহ ভার বাঞ্চাদের উপর একছেন অধিপতি)	৬-আন্'আম	63	600	বিভাব কর্মের্ট ব্যৱহান কল্পাহ (থানা মুক্তাকা স. এর প্রতি)	7P-9168	30	93
অনুতাহ (আপ্রাহ তার বাধ্যালর মধ্যে বাবে ইয়ার অনুতাহ দেন)	১০-ইউনুস	POC	608	কুমনী (বাশার কুমরী অস্তাহ পহন্দ করেন না)	৩৯-বুমার	4	59
ক্ষুপ্তর (অল্লহর বান্দলের মধ্যে থকে ইয়ার নিনি অলুহার করেন)	18-देक्स <b>्ट्रि</b> म	22	698	কৃতকর্ম (অপার কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ব দৃষ্টিবান)	৩৫-ফাভিব	80	24

** (488/400 · 656	সুৱা ৰং ৩ বাষ	di i	987	मध्य तिसा/दशक	সূহা বং গ দাব	1901 7	ূৰ্ণা
बाम्बा(मुर्द मुद्दा त्यदक)				বিভিক্(অক্সাহ বাপার রিখিক প্রসারণকারী ও পরিমাপকারী)	২৯-আনতাবৃত	હર	345
কৃত্তজ্ঞ বান্দা ছিলেন নৃহ আ.	১৭-ইসর	۰	128	মিনিক (অক্সাহ বন্ধার নিনিক প্রদানিক করণ মনুস বারুবার্ট্ন করণ)	৪২-পূর	29	9 ho
বিভিন্ন আ, (আল্লাহর এক বাব্দা হিলেন)	35-41EF	96	950	রিখিত দান (অপ্রাহ তার বাদার মধ্যে যাকে ইয়া রিখিত দান করেন)	82-75	25	995
স্কানানে (বন্ধাকে আন্তাহর কমা ও নয়া সম্পর্কে)	३१-विकास	83	100	রিনিত (বাদাদের নিনিত প্রশন্ত করে দেন অপ্তাহ যাতে ইয়া)	২৮-কাসাস	PS	625
জিজনা (বাদা জিজনা করে রাসুদা স. কে আপ্রাহ সম্পর্কে)	२-सम्बद्ध	20-0		রিনত (বন্দার রিনিক্যরণ সুটক্র থেকুর গতে ৩৯ ৩ম থেকুর)	१०-वार	22	255
ৰুপুন করেন না (প্রতিশালত বাশালের প্রতি বুলুন করেন না)	৪১-ফুস্সিল্ড	80	1773	নুত ও নুহ আ অপ্তাহর দুই লক্ষমশীল বাদা (প্রীয়ের পরি প্রদর্শ)	৬৬-ভাহরীম	30	292
ভূবুম (আল্লাহ বাদ্যর প্রতি স্থূপুমকারী নদ)	२२-श्राम	30	923	পতিপাণী ও সৃক্ষালী কথা (ইংমাইন ইসহাত ও ইয়াকুৰ সং.)	৩৮-সেয়াদ	84	5-56
দ্বাদী বাদারাই অস্থাহকে বর করে	৩৫-ফডির	4tr	b89	শক্তিশালী (আল্লাহর শক্তিশালী বান্দা ছিলেন দাউদ আ.)	৩৮-সেয়াদ	39	bog
তথবা (বাদ্যাদের তথবা করুল করেল আল্লাহ)	৯-জাব্দ	108	667	পরীকরাও মূপরিক্ষের মত বাদ্দ	्-वा'शक	338	603
হাকগুলাক বাপাসেরে ভারতের উভাগিতারী তাতেন অল্লাহ	25-XISĒSIK	60	906	পিবত (অল্লাহর বাশাকে অল্লাহর সংগ প্রবায় করা)	8०-ग्रेस्ट्रक	20	b/b/5
তথ্যত পৰিয়াৰকাৰী ৰান্ধানেককে সুসংবাদ দানের নির্দেশ	०७-व्याद	39	593	সঠিকার প্রদর্শন (অল্লায় যে বন্ধাকে ইয়া সঠিকার প্রদর্শন করেন)	৬-জান্'জাম	b.p.	608
থাওবা (অস্তাহ বাস্পর তাওবা কবুল করেন)	8२-मृदा	32	9.90	সংবর্মশীল বালরে মেইচন উত্তর্গনামী হবে (মান্ত্রাভ রাসঙ্গ)	২১-অখ্যি	300	925
দরামর বাদাদেরকে স্থারী স্বান্ধ্রতের প্রতিপ্রতি সিরেছেন	১৯-মারইরান	63	905	সংকর্মশীল বাখা লুভ ও মূহ আ. (ছীলের শান্তি প্রসঙ্গ)	<del>७७-डाइडी</del> म	30	20.5
দয়মহ আপ্তৰে বন্দা কেৱেশতাগ (বন্যা নৱ)	80-वृश्क्य	79	999	সরবাশীল বাদ্যানে অর্কুক করে লোর (সুগরিমান আ, এর)	২৭-নাম্প	25	bro)
দর্মহের বাদা হিসাবে উপস্থিত হবে না এমন কেট নেই	३७-माबदेशम	20	980	সম্মানিত নান্দা আল্লাহর (আল্লাহর সন্থান প্রহণ প্রসর)	२३-व्यक्ति	46	303
স্থতিকার হবে না ভিয়ামতে (মুক্তরী বান্দারা)	80-969-0		300	সাক্ষ্য (অপ্তারে কম্প বিভিন্ন আ, এর সাক্ষাত পেলেন মূস আ,)	३५-व्यद्ध	62	900
	৯৬-জনাত	6'r		মুনারের (সাক্রমশীর মুক্তির রূপানের জন্য বলাগে বৃদ্ধির মুনারের।)	82-781	20	bas
নমঞ্জ (বাধা/নবীর নমজে নিবেংকারী/জারু জাহল প্রসঙ্গ)		30	3052	दाना (प्रदायन)	94.50	40	400
मूद ७ णूट था. खाद्वारत मूदे जराव्यंनीन चन्न (डीटन्स नक्षि अनह)	७७-सङ्दीय	30	247		-		-
পম্মাই কর (কমিনামে ছেড়ে দিলে বন্দানের পথজা করনে)	47-56	29	क्रेक्ट	অবভীর্ণ (বাব্দার উপর অবভীর্ণ কুরআনে সংক্ষহকারীকে অধুরূপ সুরা আনার নির্দেশ)	২-বাকুারা	২৩	000
পাপ (আপ্রাহ তার বান্ধানের পাপ মার্কনা করেন)	৪২-পুরা	30	9,90				-
পদ করা (অপ্নাহর দেব বাশের জন্মাতের কর্ণা কেবে শদ করবে)	৭৬-বাহ্ব	9	996	বাপ-দানা		-	-
প্রয়োকর্টনশীন বন্ধর কর নির্দেশ (আবাংশর বহু ফেলার মধ্যে)	৩৪-সাবা	b	487	অভুনার (বাপ-সামার পারের অভুনারে তুপরিবাদের শিরক প্রদাস)	৩১-লুকমান	57	9.59
প্রভাবর্তনারের বন্দার জন্য উপসেশবরূপ ভূমির বিয়ার ও	६०-ब्राफ	5	355	ইবলহীয় জা, জারে বাপ-দাদাদের মূর্টির উপাসনা প্রসঙ্গ	২৬-ব'আরা	95	9203
মেহিত বান্দাগণ সাধাগ্ঞান্ত হবে (এ বান্ধা প্ৰতিব্যৱিত)	৩৭-সাত্যাভ	292	5-52	উপাসক (ইবরাহীম আর, এর সম্প্রদায়ের বাপ-দাদকে	२५-व्यक्तिया	60	100
র্যবিপাদক বান্দাদের যার জন্য ইজ্ঞা রিখিক প্রদারিত করেন	৩৪-সাবা	ಂಶಿ	588	মৃত্যির উপাদক হিপাবে)			_
প্রতিপাদক বান্দানের সম্পর্কে পূর্ণ জনগত ও পূর্ণ দৃষ্টিবান	১৭-ইস্ল	00	926	কবিবরা বাপ-সামানেরকে বার উপর পেরেছে ভাই যথেউ	৫-মায়িশ	208	@hd
ধরদাধা (থাপালের মতপার্বকোর কর্মদালা অল্লাহ করকো)	৩৯-যুদার	85	792	পথন্তই (জানিমরা বাপ-সাবাদেরকে প্রেরহিল পথএই)	৩৭-সাঞ্চাত	89	brec
ফেরেশহাংগ সম্ভাহর আন্ধা কন্যা নর	৪৩-চুধকত	72	৮৯৭	পথত্তিয়া (ইব্যাহীয় আ. এর সম্প্রদারের বাপ-দাদা সুস্পর	২১-অধিয়া	28	920
বার্থকৃত বন্দা হরে অধিবর (পূর্বর মত কিবাব গ্রহণ)	৩৭-সাহ্জাভ	269	5-94	পথন্তইবার)			
বহুটিত্ত বাশাবা (অল্লাহর প্রতি অপবাদ আয়োপ করে না)	৩৭-নাত্কাভ	360	9-68	অক্টাৰ ৰাজের উপর বাপ-বানাকে পাওৱা (কাকেরদের উচ্চি)	৭-আ'রাফ	47	974
বাহাইকৃত বান্ধানেরকে ইবলিস পথ্যার করতে পারে না	৩৮-মোরান	80	9-90	পালা (কণ-সন্ধানতে মূর্তির উপানত হিসাবে পালা ইবাহিন)	২৬-চ'জারা	98	9352
বাপ্তর্বকৃত (মাল্লাহর বাদাইকৃত বান্দারা শান্তিযোগ্য নর)	৩৭-সাক্ষাভ	80	92V	বিরঅভিন বাণ-নাবকে যার উপর পোরছে মূপা আ কি তা থেকে	30-ইছনুস	40-	997
বস্তাইকৃত (আল্লাহর বাহাইকৃত বান্দাকের পরিনাম খতস্ত্র)	৩৭-সাফ্ফাড	38	la po	মুশরিকর বাপ নানামবাক বার উপর পেরেছে ভার অনুসরত	২-বাবুববা	260	622
বয়ইকৃত (ইউনুক আ আন্তাহন বয়াইকৃত বন্দালে অৱস্থিত)	25-59350	-2,8	019	বাম/বাম দিক/বাম হাত			
ব্যাইকৃত কলানের হায়ে জনসেয়ক নিশাশামী করে ইন্সিস	३१-दिसर	80	900	অধীনারকারির (সাত্রত অধীকালাইর বাম দিকের লোক)	90-stabs	29	205
বিয়ার করব কমতা দেই শ্যাত্রদের (অল্লাহর বান্দাদের উপর)	३१-दिसर	85	900	আমদনমো ধার বাম হাতে দেয়া প্রবা পে বলবে	७३-शबार्	5.0	26.8
বের হওরা (অল্লাহর বান্দাদেরসহ মূলা আ, এব রাতে মিলয়	२०-झ-ध	33	180	উদ্যান (বাম দিকে দুটি উদ্যান স্বাবার অধিবাসীদের)	৩৪-সাৰা	36	984
থেকে বের হওয়া)		-		তথ্যর বামপাশ নেটে চলে যায় সূর্য থবন জন্ত যায়	72-4154	39	340
তর তরর নির্দেশ বাদার প্রতি (অল্লাহতে)	৩৯-বুমার	79	8-65	হলে শল্প (সৃষ্টির হারা ভাচে/বামে হলে গল্পে আল্লাহর প্রতি	১৬-নাহল	86	901
ভয় প্রধর্ণন করেন আল্লাহ বান্দালেরকে (আওনের মাধ্যমে)	৩৯-বুমার	26	892	সিহুপাহনত হয়)	_		_
ত্তমণ (আল্লাহ তাঁর বান্দাকে হামণ করিছেছেন মেরাজ প্রসঙ্গ)	১৭-ইস্ল	3	9,58	পরিবর্তন (আসহারে কাহাছতে বাম দিকে গাপ পরিবর্তন)	<b>35-कार्</b> क	72	140
মনেনীত বন্ধা (অল্লাহর মনেনীত বন্ধানের প্রতি নালম) মনুনীত বন্ধানেরে অল্লাহ কিয়াবের উল্লোখনেরী করেছেন	২৭-নমল	69	804	মানুহের বাম দিব থেকে আসবে ইবলিস	৭-আ'রাক	24	628
	৩৫-ফাভির ৩-জালে ইমরান	<b>०२</b>	782	মানুক্তর ভালে ও বামে উপন্তির আছে দুবিল নহাহকারী (যেবেশনা)	৫০-ফুক	29	250
মনুহকে নিজের বাশ হতে কাতে পাতে না (ননুহতাত প্রাক্ত মনুহা)		93	280	রাকুল দ, এর ভাল ও বাম দিক থেকে বলে বলে আলে অধিকরা	९०-मा आहिस	09	pp.
মুজৰী বন্ধার দুভিভগ্রন্ত হবে না (কিয়ামতে)	80-पूरक्ष	99.	900	লোক (আন্তাত অখীকরকারীরা বাম দিকের লোক)	১০-বালান	7.7	205
মুমিন বান্ধা (ইবরাহীম আ, ছিলেন একজন মুমিন বান্ধা)	৩৭-সাফ্লাড	322	9/62	নথী (ব্যাহর সাধী)	৫৬-খরাকিয়ার	83	h84
মুমিন বাব্দা হিলেন (ইলিয়াল আ.)	৩৭-সম্দাত	205	3160	স্থা (ব্যৱে স্থা)	৫৬-৩য়বিয়ঢ়	è	h8:0
মুমিন বাপা ছিলেন (মূসা ও ব্যক্তন আ.)	৩৭-সম্ভাত	255	3440	ৰায়ত্ব ম'মূৰ			_
মুখিন বান্ধানের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন নূহ আ. মুখিন বান্ধানের উপর মাউদ/মূলাইমান আ. কে মর্থাদা	৩৭-সাড্ফার্ড	3.7	Weo	কসম (ব্যৱসূদ মা'মুৱের কসম)	৫২-তৃত্ব	8	843
্বামন রাম্প্রের ওপর দারকানুলাহরান আ, তে নবানা দেয়ার জাল্লাহর প্রশাসন	২৭-নামণ	32	Po?	বারাপ (দেবতা)			
প্রেয়ার জান্তাবর প্রশংস। মুম্মিন বান্ধানের ন্যামাজ কারেম ও লানের নির্দেশ	18-ইবরাইন	93	600	ভাৰা ("বা'আৰ্ল' দেবতাকে ভাকে, ইলিয়াসের সম্প্রধায় )	৩৭-সাফ্চ্চত	256	bis
মুখ্রিন বাব্যাদের প্রথমি জন্তাহর ইবাদাত করার নির্দেশ		69	690	বাহু (আরো দেপুন বাতাস শব্দটি)			
মুখন বাব্যাদের প্রত অস্ত্রাহর হবাদাত করার দক্ষেশ মুখিন বাব্যাপ্রতি নির্দেশ (আল্লাহতে তথ করতে)	২৯-জানভাবৃত		P-63	অকল্যাপকর বাস্থু প্রেরদ (আদ সম্প্রদায়ের উপর)	६५-यरिवार	85	350
মুখন বালার হাও ৮েশে (অস্তাহতে তব তরতে) যুগেই (বালার হুল্য আপ্রাহই ব্যেই)	05-वृत्रात 45-वृत्रात	30	944 948	উদ্বিত্ত দেয়া (বসু সুপরিবকে পুরবর্তী প্রানে উদ্বিত্তা নিয়ে যাত্র)	22-57%i	0)	983
यस्तित जा. (जाद्वारत नामा गामस्तित अठि जाद्वारर मा)	৩৯-বুমার ১৯-মার্বইয়াম	-06	108	উদাম বারু সুবাইমানের আবেশে প্রবাহিত হ'ত	২১-আধিয়া	P.7	920
রহমনের জ. (পদ্রাধা ধশা ক্রমনার। প্রত পদ্রাধ্য গা।) রহমনের বাদ্যারা পৃথিবীতে বিদরী হয়ে চলে	26-RESERVE 20-RESERVE	30	996	र्शावर्रम (वश्रुव र्शावर्राम व्यापनावाद्यांतास सन्त निर्मान व्याप्त)	80-साहिता	0	306
রহমানের বান্দার। পৃথবনতে বিদ্যা হয়ে যেন রয়ে বের হংলা (বান্দানে নিয়ে মূপ আ, তে বাতে তেন হতে নির্দেশ)	২৫-পুরবান	65	996	পরিচালন (বাহুর পরিচালনার নিম্পন রয়েছে)	२-राङ्गवा	>664	675
White the street (resultant safe flat of the offer that offer when,)	40.0 44	24	130		Z-11/4191	-00	439

বন্দা বয়ু

भंग विस्तृ/द्वात	ज्वा वर ७ नाव	4814	र्का	শদ বিষয়/প্রসায	সূরা নং ও নাম		
राष् (नृर्व नृत्रेत (स्टक)				সামবিদুসারে নিজের মত ভালাবহাক্সকেও বাস করতে দেয়া	৬৫-তলাক	6	368
প্রেরণ (গর্জনকারী বাহু চপ্রকাধ ব্যাপারে মুশরিকরা কি নিরাপনঃ)	১৭-ইস্রা	66	930	সামাধ্য সংখ্যক লোকই বাস করেছে উদ্ধৃতদের বাসস্থানে	২৮-কাসাস	62	930
প্রেরণ (বাসু প্রেরণ করেন আল্লাহ)	00-88	67	Þ\$5	বাসগৃহ			
প্ৰেরণ (বাহু প্ৰেরণ করেন জাপ্তাহ থা মেখকে সঞ্চালিত করে)	৩৫-ফাভির	b	486	পাহ্যাড় কেটো বাসপৃহ নির্মাণ করত হামুদ সম্প্রদায়	৭-অ'রফ	38	537
প্রেরণ (বারু প্রেরণ করেন আল্লাহ মেঘ সঞ্চালনের জন্য)	৩০-জন	85	446	বাসভূমি (আরো দেশুন আবাসহুল শখটি)			
প্রেরণ (বায়ু প্রেরণ করেন আল্লাহ দৃসংবাদরণে বৃত্তির পূর্বে)	২৫-বৃত্তকাল	87	950	জালিমদের বাসভূমিতে বসবাসভাৱী মুমিনদের প্রসং	১৪-ইবরাহীম	82	48
শীলে বস্তু শুল ক্ষেত্রে আবাত করর লার ক্ষমিসনের বরের উপস	৩-জন্ম ইম্বাদ	224	283	নিমৰ্শন (বাসহ্বিতে নিমৰ্শন হয়েছে সাধার অধিবাসীদের)	c8-शावा	30	₽8-
সুসংবাদবাহী বায়ু প্ৰেক্ত	0c-ॡ¥	85	192	VINDOMS			
বারবার/বারবার পাঠ করা				পৃথিবীকে আল্লাহ বাসবোগ্য করেছেন	২৭-নামল	65	bros
দৃষ্টি (বার বার দৃষ্টি বিদ্যালেও দৃষ্টিভে কোন আঙ্গন দেখা যাবে না)	৬৭-মূল্ক	8	392	পৃথিবীকে বাসযোগ্য বনিয়েছেল অল্লাহ (মানুহেব জনা)	80-मृ°शिम	68	bb
সন্দেহ (ইউসুক আ, এর আনীত বিষয়ে ব্যৱধার সন্দেহ পোষণ)	৪০-মূমিদ	08	440	তুমি (বাদবোগ উন্তুমিতে দিল আ, ও ভার মাকে অপ্রয়নান)	২৩-মুমিনুদ	60	986
কিয়বে (বারবার পঠিত বিভাবভ্রপে কুরম্বাদ অবভীর্ণ)	৩৯-যুমার	₹0	740	বাসস্থান (আরো দেখুন জারাস শপটি)			
তাসৰীহ (পৰ্যতমালাকে বাব বাব তাসৰীহ পাঠেব নিৰ্দেশ)	৩৪-সাবা	30	785	অস জতির বাসন্থান হাড়া সর্বভিত্ন ধবংস হওয়া প্রসঙ্গ	8५-जाहराज	20	921
বারঘাধ (অন্তরাল)				वाम् व्यान व्यक्ति सम्बान स्थान सद्भव श्रमा यस यह	২৯-আনবাৰ্ড	0'y	333
गामक (यह मृद्धा चान शाक्ष जह नामक राज्या बारवान)	২০-মু'মিলুম	200	252	উংবর্ত্ত বাসস্থাস জাপ্রাত	२०-गुरकाम	%	99
41CRT				উত্তম বাসন্থান ব্যৱহে (চিবন্থায়ী মন্ত্ৰোভসমূহে)	৬১-সাহত	25	36
প্রের (মুদা আ, এর সম্প্রদারকে বারোটি গোরে বিক্তক করা)	৭-আগ্রাফ	1èo	639	উত্ত বাগৱালে প্রতিপ্রতি বিয়েলে অপ্তার রুলি দর-দর্বিধ্য	৯-ভাত্ত	93	68
বরুর (ক্রিইনরস্থলের বারো গোরের ক্রন্ বারোট করনা দান)	২-বাকুরে	60	609	উভত্তৰ বাসভানে সামান্ত বসবাস করেছে মানুধ	২৮-জাসাস	ev	53
কর্ণা (মুদা আ, এর গাঠির আঘাতে বারটি কর্ণা উৎসাবিত)	৭-আবেক	360	629	চলাফেরা (বাসস্থানে চলাফেরা করম এমন প্রথনা থংগ)	৫২-সাম্বলা	46	bo
লের (খারাজন নেরা পাঠালেন সমুহার বনী ইনরাফিলনের থেকে)	৫-মধিনা	25	645	নিকট অবস্থানস্থগ ভাষান্তাম	২৫-ফুরকান	66	92
প্রথমবার মুশবিবদের ঈমান না জানা (কুরজানে)	9-304,304	220	600	পাপাচাবীদের বাসস্থান দেখাবেদ আপ্রাহ	৭-জা'রায	380	621
পনিবারে মাছ পানিতে (তাসে আসত (মাছ শিকার প্রসঙ্গ)	9-30'670	360	959	्रका (कार्क्स कांश्र कांस शहा अपूर बाहुमा अस रहा कर)	২৯-আশকাৰ্ড	Ob	9-31
সংখ্যা (মাসের সংখ্যা বারোটি)	3-9769	99	380	হিছ (ৰাস্থান হিচা হাস- অন্তাহ বাসুদ স, ও জিপ্তন অপেছা)	৯-ভারহা	28	68
बार्डा				ফিরে জাসা (জালিমদের বাসস্থানের ছিকে ফিরে জাসা)	२५-खारम	20	92
কুরমান মানুষের জন্য বার্তা	১৪-ইব্যাহীন	65	686	বসস্থান গড়া		_	
शमुद्दात क्षमा ताफी (कुलकाम)	১৪-ইংবাহীয	43	689	ইউসুক জা, বাসস্থান গড়তে পারবেন মিসরের যেবানে ইচ্চা	১২-ইউস্ফ	26	Sr.
বার্তাবাহক (আরো দেখুন বাণীবাহক/রাসূল স, শঘটি)				431			
অসল (ইউসুও আ. এর নিবট বার্যবাহক আনলে বিনি বললেন)	22-2670	¢0	69-7	গছপাহায়ুমাচার বাদা বাধ্যক মোমাছির প্রতি ওহী/ইলিড	১৬-মাহদ	99	901
रार्थका				বালিকা (আরো দেশন অধিবাসী শৃষ্টি)	-		1
আন্তোম্ভ (বার্বকো আন্তোম্ভ ব্যক্তির দুর্বল সন্তান উপনা প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	২৬৬	605	ঘরের বাদিপানেরকে নালাম দিরে ঘরে প্রবেশ	₹8-41	29	99
পৌলু (মান্ত-পিত্ৰ স্বৰণ আনত্ৰ একজন বৰ্ণকো পৌৰুল)	১৭-ইদরা	20	936	মনজিনে হারামের বাসিদা না হলে (হক্ষ প্রদায়)	২-বারুরো	335	42
হানুহকে বাৰ্থকা দিবেছেন আল্লাহ (পক্তি লানের পথ)	00-4¥	48	7-20	ৰাসী		-	
যাকারিয়া সা, বার্থক্যে পৌছেছেন (পুত্র হবে কিডাবে)	৩-মালে ইমবদ	80	¢80	খাবার-পানীয় বাদী না হওয়া (উথায়ের আ. প্রদাস)	২-বাকুরা	223	00
হাকারিয়ার আ, এর বার্থক্য হোতু মাধার চুল সামা হয়ে গেছে	১৯-মারইরাম	8	908	ৰান্তবাহিত (আরো দেখুন কার্যকর শব্দটি)		-	1
শেষ প্রান্ত (বার্বক্যের শেষ গ্রান্তে পৌছেছে যাকারিয়া আ.)	১৯-বারইরান	br	908	अक्टारत निर्देश वास्त्रविक दान न्द्र जा. अत त्मेका सुनी गर्वटक चामन	১১-বৃদ	88	663
সম্ভান পান (ইব্যাহীম আ, এর বর্ষকো সন্তান নাম করার প্রশংসা)	১৪-ইবরাহীম	σb	689	বিশ্বাস্থ বাস্তবাস্থিত হাব	৭০-মূব্যাঞ্চিল	39.	35
শর্প করা (ইবরারীর মা, কে বার্থকা শর্প করেছে)	32-R93	¢8	900	বাহন	-	-	
বাপক				গ্রাদিশত (কিছু সংখ্যক গত মানুহের বাহন সকল)	৩৬-ইয়াসীন	94	P &
ইয়াতীম বাদকের প্রাচীর (বিভিন্ন এবং মূলা আ. প্রদাস)	১৮-কাহক	b3	903	बाह्न (महा		- 15	-
পিতা মাতা মুমিদ ছিল (বালকচিব)	১৮-কাহ্ফ	9.0	402	পারের (বাহন পাননি রাপুল স. বায়ের মধ্য থাবুক যুদ্ধ প্রসঙ্গ)	৯-ভাওবা	76-5	687
মুমিন নারীরা বালকের নিকট নৌসর্য প্রকাশে নেয় নেই	<b>२8-न्द</b>	۵5	999	चहिनी			-
হন্ত্যা করা (থিজির কর্তৃত বালককে)	১৮-কার্ক	98	980	অপরবি (কিঃ'অউল হামদ ও ডচ্চর বহিনী ছিল অপরবি)	২৮-জাসাস	ъ	bol
বালভি				অবস্থীর্ণ (বাহিনী অবস্থীর্ণ কর্মেন আল্লাহ চুনাইনের বছে)	৯-জাওবা	36	48
নমিয়ে লয় (কুপের ভিতর ঝলতি নমিয়ে দিল ইউসুক আ প্রদক্ত)	३५-१केनूच	23	699	অহমার তরল দির আউন ও তার বাহিনী	২৮-কান্যন	Ch.	73
वाना				অৰূপ ও পথিবৈ বাহিনী (অল্লাহ্য)	৪৮-ফাতহ	9	330
সমহত্ত (বর্তার বালা ও মুজ্য ধরে অন্তর্ভীনের অলত্যেত করা হরে)	২২-হাজ	20	960	অস্তাহৰ বহিনীবাই বিজয়ী হবে (এ কথা পূৰ্ব নিৰ্বাহিত)	৩৭-সাঞ্জাত	390	bibli
রৌপ্য নির্মিত বালা হারা জন্মানীরা অলংকৃত হবে	९७-माङ्द	43	999	আল্লাহরই (আবাশ ও পথিবীয় বাহিনীসমূহ আল্লাহরই)	89-1702	8	32
দর্গ নির্মিত বাধা (মান্লাফবাদীদের পরানো হবে)	৫৫-ফার্ডির	00	789	আনা (খপতে মুদ্দিননের বিজয়ে শত্রু বাহিনী আনা প্রসঙ্গ)	৩৩-সাহয়ৰ	ъ	brati
মূর্ণের বালা ও মূক্তা থারা আল্লাহাঁতের অলংকৃত করা হতে	২২-হাজ	40	930	ইবলিচার বাহনির সর্বাইকে আবাহুনী করে আহনে নিকেল করা হবে	২৬-৩'জাল	26	93
ঘর্টার বালা হারা ঋলক্ষেত্র করা হতে (সান্রাজীদের)	72-9148	407	929	উপস্থিত তথা হবে মান্ত ইপাহালেকে মুশ্চিকভের বহিনীপ্রপ	৩৬-ইয়াগীদ	3.0	70
বালা (বর্ণের)				অভিয়নের জেন বাহিনী নেই সাহায়ের ঋণ্য (সাপ্তাহ ধার্রা)	৬৭-মূপক	20	39
সোনর বলা মূসা আ. কে নের হল না কেন্য (ফির'রা এক্সে গ্রন্থ)	৪৩-চুমঞ্চ	60	939	মাপুত বাহিনীকে মোঝালোর পঞ্চি কেই, অপুত বাহিনী কলা	२-शक्ता	285	651
रानुका				রূপুত বাহিনীর বিরুদ্ধে বের হল হার্যন তালুত,	२-शकृत्वा	560	651
	৭৫-মুখ্যাদিশ	18	Strir	ত্তাপুত বাহিনীসহ কেঃ হলেন (জাপুতের বিলয়ে)	২-বাকুবরা	485	653
পর্বত বহুমান বালুকায় পরিবাত হতে কিয়ামতে							
পৰ্বত বহুমান বাপুকায় পরিগত হবে কিয়ানতে বাস করা/বাস করতে দেয়া	to grant			ভূষ্ঠন (বহিনী হিসাবে ভূষ্টনাকে পথন্তেইর ডা জাবতে পাবাৰ)	३%-मारहेशम	20	900

नेत्र विश्व दिशह विश्व	সুরা নং ৩ নাম	451.0	981	भेष विस् <b>त</b> /धेनम	সুৱা বং ৩ বাৰ	1201 1	78
वाहिमी (पूर्व पृक्षेत (बारक)				পছপাল (বিক্রিপ্ত পছপালের ন্যায় কাড়িবরা কবা থেকে)	∉8-स्तमाह	9	300
পরাজিত (কাফিরনের বাহিনী পরাজিত হবে)	৩৮-সেরাদ	22	৮৬৬	পতক (মহাপ্রদরের দিন মানুধ বিক্রিপ্ত পতকের মত হবে)	202-উর্জি-প্র	8	300
প্রতিপাদকের বাহিনীর সংখ্যা কেউ জানে না	৭৪-মুদাছছির	60	227	বহমান বালুকার পরিণত হবে পর্বত (কিরামতে)	৭০-মূদ্যাখিল	38	byt
প্রেরণ (খলকে ফেরেশনাদের বাহিনী গ্রেরণ প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাব	ъ	bc8	বিক্ষিত্রকারী		_	
ধেরণ করেন দি অস্ত্রাহ আকাশ থেকে কোন বহিনী	৩৬-ইয়াসীন	24	700	কসম (প্রবদ্ধাবে বিভিন্নকারীদের কসম)	<b>65-पविवा</b> र	2	320
ফিরমার্ডনের বাহিনী কর্তৃক মুসা/বর্নী ইরাসলের পভাভাবন	২০-সা-ঘ	96	488	বিগলিত		÷	1
ফির'আউন ও ভার বহিনীকে পাকড়াও করদেন আল্লাহ	২৮-কামান	80	222	অপ্রা বিশলিত রোধে মারা নিয়ে গেল তালের লেম নেই (তালুক মুদ্র)	b-0164I	32	983
ফিরাইনের বহিনী সমুদ্রে নিমক্ষিত হবার প্রসঙ্গ	88-नुशाम	38	200	হুনর (মু'মিল্যের হুনর বিগলিত হুওরার কি আসেনি?)	৫৭-হাদীদ	26	18
বৃজ্ঞার (টান্দাবাহিনীর বৃজ্ঞার রাপুল স. এর দিবন্ট পৌহা প্রদাস)	৮৫-বুজন	39	303/9	বিচক্ষণতা (আরো দেখুন বুদ্ধিনলা লম্মট)	d Andrew	20	aoc
সহায় (এনস বাহিনী দিয়ে মানুল স. তে সহায়ে যানেতে লেখা মার্য়ন)	৯-অববা	80	688			L.	1
সাক্ষা (বাংলা আকা সামে মাতুল স: তে সাক্ষা আসাতে চাৰা বাজা) সুলাইমালের জন্য জিন/মানুষ/পাধি সমধ্যেত করা প্রসঙ্গ	১৭-নামল ২৭-নামল	29	pro)	অসমতে অহাতের বিক্রপতা, (শধ্য সেতে দাল অধার সময়)	≯৮-বার্ফ	7.9	940
পুলাইমানের জন্য (জন)মানুখ/নাথ নমকেত করা প্রনর সুলাইমানের অফ্রিকে মোকাকোর শক্তি নাবাবানীকের না থাকা				বিচয়ণ		i	
	২৭-নামল	তণ	300	অবাস্থানিতে বিচনগৰারী পূর্ববারী একান্তকে ধানে করা প্রদান	২০-ড়া-বা	25%	98
সুলাইনালে বাহিনির জনমতা শিশবালের যতে প্রবেশর নির্তাশ	২্ণ-নামল	22	9.07	উদ্যান্ত হরে বিচরণের অবকাশ (সীমালংখনের ক্ষেত্রে)	১০-ইউনুস	22	96
नारित		_	$\perp$	উদ্ধানভাবে (পৃথিবীতে উদ্ধানভাবে বিয়ক্ত নিষেধ লোকমান প্রদাস)	৩১-লুকমান	35	720
প্রটিরের বাইরে ধানবে শারি (ফুলফিনদের মাঝে নির্মিত প্রটিরের)	৫৭-হানীন	20	h8h	কফিরদের (কফিরদের অবাধ বিচরণ রাদৃল ল, কে যেদ)	৪০-মুখিন	8	59
ৰাহীয়া				অভিবাসর দশরে বিচাল (রালুল স. কে যেন প্রায়রিক মা করে)	৩-মোলে ইমরস	23%	200
বানানো (আরাহ বাহীরা বানাননি)	৫-মারিদা	300	6,340	সম্ভাৱে (পৃথিবীতে সম্ভাৱে বিচরণ নিথিম)	১৭-ইস্বা	09	951
राह		_		পর্যে প্রায়রে বিচরণ করার জন্য বর্তীনকে সুগম করেছেন অস্ত্রাহ	७५-मूल्क	34	39
জড়িরে দেরা (বাহু জড়িয়ে নিতে বললেন আল্লাহ মুসালে)	২৮-জানাস	e३	9-22	বিচরণদাঁপ জীব/প্রাণী	****	-	1000
मेंद्र कहा (संगुल म. यह प्रमुखनकारी पुश्चिमान शकि बाद मेंद्र कहा)	२५-४'खाड	275	9,55	ছড়িরে দেরা (বিচরণশীল প্রাণী ছড়িরে দিয়েছেল আস্থাহ)	२-सवाब		
বিনয়ের বাছ অবনমিত করার নির্দেশ (মাজ্য-পিতার প্রতি)	১৭-ইসরা	38	936	পৃথিবীকে বিচৰুপাল জীবন একটি উত্তর		268	
রাণুল স, এর বাছ অবনমিত করার নির্দেশ (মুমিন্সের জনা)	১৫-হিলব	40	902		৬-জান'জাম	57/	420
	59-45M4			বিভিন্ন (পৃথিবীকে বিচলপুৰ্নাল জীবানৰ বিভিন্নৰ পৰিত্ব অন্তাহন)	77-40	٥	99
শক্তিশালী করা (মৃত্য জ্ঞা, এর বাহ্ শক্তিশালী করকে সন্ধাহ)	50-01414	06	9-22	বিচলিত		L.	
বাহ্যিক (আরো দেখুন প্রকাশ শব্দটি) .				অধ্যানীলের বির্দেশত হওরা ও বৈর্যধানণ উচ্চাই সমান (বিরামতে)	১৪-ইবরাহীম	52	984
কৰ (অল্লাহকে সংবদ দিতে প্ৰধ্যা কি কণিবলে বহিংক কৰা?)	১৩-রা'দ	00	997	মানুষ বিচলিত হয় (অবল্যাগ স্পর্ণ করলে)	৭০-মা'আরিক	20	36
দুনিয়ার জীবনের বাহ্যিক দিক জানে কাফিররা	30-6¥	٩	255	বিচার			
বাহ্যিক দৃষ্টি				অপরাধীর যা বিচার করছে (ভালের কলা কি ভাই বরেছে)ঃ	৬৮-সুবলাম	Oh	39
দ্মিশ্রুণী (বাধ্যক দৃষ্টিতে দিয়প্রেণীর গোকরা দৃষ্টের অনুসরী)	22-dei	29	994	স্ববীকার (কাফিররা বিচাব নিশকে স্ববীকার করে)	৮২-ইপঞ্চিতার	>	202
বিকট শব্দ				আল্লাহ বিচার করবেন (মুশরিকদের মততেদপূর্ণ বিষয়ে)	৩৯-গুমার	0	743
এপেক্ষা (কিটা শহের অপেক্ষা করছে যারা মিথাবাদী বলছিল)	৩৮-দোৱান	342	765	মপ্রাহ থানীত বাসেয়ক ভাকা হয় ভারা বিভার করতে পারে না	৪০-মু"মিল	20	79
উপস্থিত করা হবে সর্বাইকে আল্লাহর দিবট বিবট শক্ষের পর	৩৬-ইয়াসীন	60	200	আল্লাং বাদ্যাসন বিয়ের করে যেকাচনে (অহংকরীয়া কারে)	৪০-মুখিন	85	55:
নিবর নিজন্ধ হয়ে গেল (জনপদবাসী) বিকট এক শব্দে	৩৬-ইয়াদীন	435	৮৫৩	আল্লাহরই কর্তুত্বে সকল বিচার ফারসালা (কিরামতে)	৪০-মুখিন	32	5-42
পাকভার করবে জাফিরদেরকে (হার অপেক্ষা করছে ভারা)	৩৬-ইয়াসীন	85	V48	আস্তাহর (বিচার করার ক্ষমতা আস্তাহর)	২৮-কাসাস	44	230
গ্ৰহুৱাও (বিষট শব দাৱা পাৰুৱাও চানুদ কাঠিং বাবা জুনুম,)	33-89	69	992	আপ্তাৰই কৰ্মতে বিচাৰ	৬-আন'আম	64	000
পাবভাও (বিকট শব্দ পাকড়াও করণ আদ স্বাঠিকে)	২০-মুখিদুন	83	9.80	বাহ্যাদ (মু'মিন্দেরকে বিচারের জন্য আহ্বান করা হলে)	<b>३8-नद</b>	43	9.93
পুনরুগুন এক বিকট প্রথন ব্যাপার মাত (ছিঠীর শিক্ষা র্ডু)	৭৯-নবি'জাত	30	2000	অভিন্যুদৰ মাৰে আধাৰ বিচাল কৰ্বেৰ (ভিয়ামতের বিদ)	३२-डाळ	49	980
পুনরুম্বান একটি বিকট শব্দ	৩৭-নাঞ্ফাত	29	769	কিতাবের মাধ্যমে বিচার করার জন্য আহ্বাদ করা হলে	ত-সালে ইমবাদ	20	000
ক্ষাতে পাংলা (বিনট পদ ক্ষাতে পানে মনুগ বিনামকো বিন)	१०-कृष	83	348	विसाधारक जिस व्यक्ताच प्राचनार्थका/ नामवार विसाद विभाव कराइका	20-HIEH	348	930
বিকারগ্রন্থ	41 (1			কিয়ামতের দিন আল্লাহ বিচার করবেন (মুলাঞ্চক প্রসঞ্চ)	8-909	282	490
কে বিৰুদ্ধান্ত (বাসুল স. লেখকে এবং মুশ্চিবনাও লেখনে)	AND MORES		392	ক্ষেদ বিভাৰ করছে (অপনাধীয়া)	७४-दुरनाव	903	396
	৬৮-ফুলোম	6	30.402				
विकृष्ठ			-	জকা (বিচারের জন্য ভাকা হলে মূখ বিচারে দের, মূলকিকরা) নাউদ আ, ও সুলাইমান আ, এর করা বিচার(পাদ্যক্তেত	२८-नृष	87	992
আপ্লাহৰ বাণী বিকৃত করা (ইছদীদের একদল কর্তৃত)	२-वाकृत्वा	10	600	(তল্প হলে বাবর প্রসঙ্গ)	২১-অধিয়া	934	920
এব্যর বিশৃত করব পূর্বে ঈশন আনর আহবদ (আহলে বিভাবকে)	৪-নিসা	89	690			_	-
শম বিকৃত করে ইছনীয়া বলত (ছামিনা/আনাইনা প্রদক্ষ)	8-দিদা	85	එමර	দিন (ইবলিস্কে বিয়ব দিন পর্যন্ত আপ্লাহর অভিগাপ)	৩৮-সোমাণ	97	790
শথ বিকৃত বলে স্থানমূত করে (ইছদীলা)	৫-মায়িলা	87	49.4	দিন (বিচারের দিন অবশাই সংঘটিত ব্যে)	৫১-ঘবিৰাত	6	320
সুরির বিকৃতি (অপ্লাহর সুরিকে বিকৃতির নির্দেশ শারান বর্তৃক)	৪-লিসা	229	2%	নিন (বিয়ারের নিন্তে মিখ্যা অভিন্তিতবারীলের জন্য দুর্ভোগ)	po-ইত্যাধ্যক্ষ	22	307
विकार/विकि				নিম (বিয়ারের দিনকে নত্য বলে বিশ্বাদ করে যায়া)	৭০-মা'অবিজ	26	920
ইউনুফারে বিক্রয় করল যামীদল (শল্প মূল্যে)	১২-ইউসুক	40	695	নিম (বিয়ারের দিন সম্পর্কে কাফিরনের ব্বিজ্ঞানা)	৫১-যারিয়াত	25	356
অভিনয় নিজেনের বিক্রি করে যার বিনিময়ে ভা নিকৃষ্ট	২-বাবুংরা	20	230	দিন (বিভারের দিন সম্পর্কে কিসে স্বান্যবে রাসুল স. কেঃ)	৮২-ইনফিজার	34	202
দুনিবার শীবনতে আখিয়াকের বিনিময়ে বিক্রবের প্রতিদান	8-शिश	18	699	দিন (বিভারের দিন সম্পর্কে ডিসে জানাবে স্বাসূপ স. কেঃ)	৮২-ইনকিভার	74	202
নিজেকে বিক্রি করে যে মানুষ আল্লাহর সম্ভাবির জন্য	६-राङ्खा	209	650	দিন (পাপীরা বিচারের দিনে জাবছামে প্রবেশ করবে)	৮২-ইদফিভার	26	202
নভেনেত্ৰকে বিক্ৰম নিকৃষ্ট বিনিময়ে (পানু প্ৰসঙ্গ)	২-বাৰুৱো	303	234	দিন (বিচায়ের দিয়া কর্বীকারকারীদের ভাশাক্ষা, বাস্কুম গাছ)	৫৬-ওয়াবিয়াহ	26	38:
বিশিক		-	1	নিন (বিভার নিনকে মিখ্যা অভিহিত করত জাহান্যমিরা)	98-पुमाइक्ति	84	33
মাকাশ (বিধামধ্যের দিন আবাশ ফেটে যাবে ও বিকিন্ত হবে)	GP-Eleté	3-6	996	নিন (বিরুম দিলেপ্রতিপাশকের কমা পারেরে প্রকাশা ইবর্মীয় আ বর)	59-9,48191	24	935
প্ৰদিকনা (বিক্ৰিক্ত ধূলিকনা বন্ধানে অস্ত্ৰাহ অপমাধীনের কান্ধকে)	३४-वृदकान	30	72-8	দিন (বিচার নিগের মালিক স্বাপ্তাব্য কর্ন্য সকল প্রশংসা)	১-ফাভিছা		40
भूतिका (विकास भूतिकाम नक्तिक सूत्र नर्वस्थान किन्नाहरू)	क्ष-व्यक्तिमार्		280	निस्त्र (त्रामान्यात्मा ना कवित्रात्र कार्य वर्तात्र (त्रामा सिर्म)	৩৭-সাক্ষাত		
কুলকা (বেশক কুলকার শকাত হবে পর্বতনাল ক্রিয়ান্ত) পদারবাজি বিশিক্ষয়বে মধ্যে পদ্ধবে (বিয়ামতে)		ė				50	tret
	৮২-ইনকিভার	3	3030	निकृति विस्ता (प्राक्षांश्वक स्रस्थित पदन अस्त अस्त स्वीतन विराद)	২৯-জানবারত	8	6.29

भण to परिवर/धनक = 5	সূৱা দং ৩ বাম	THE	नुस	भेष विश्वः/दगत्र	जूडा नः ७ नाम	TES T	19
বিচার (পূর্ব পূর্বা থেকে)			20.00	Roya			Ť
भव्छ शिक्ष (प्रमच्यमिन ७ जन्ममिन पुम्लिस सीका/पृष्ट शन्त)	80-मस्ति	23	doé	অপন্ম হাওয়া আ, বে শরকান ভারাত থেকে বিচাত করপ	২-বাকুারা	00	¢0
নিবার নিয়ার (মশবিকদের বিয়ার কথেই না নিকাই)	৬-আন'আন	200	600	জালতে বিচাতি ঘটার বারা আরা আল্লাহর নিকট গোপন নয়	৪১-ফুস্সিলাভ		bb
দিনত্ত (মুশ্বিকের বিচার নিকটকন্যকে জীবন্ত পুতে কেলা প্রদাস)	১৬-মার্প	6.9	909	অপ্তারে পর্বস্থাত হলে নী (অধিকাশ্রের অলুগরা করলে)	৬-আন আম	336	60
মূল্য বিভাগ করার নির্দেশ দাউদকে (মানুবের মার্কে)	৩৮-সেরস	20	564	অপ্তাহর পথ থেকে বিহাত করার জন্য মানুধ শিরত করে	৩৯-বুমার	b	69
মানের সামে বিভার করা হবে (কিরামতে)	৩৯-বুমার	98	y33	অপ্তাহন পথ (২০০ বিয়ত করার উদ্দেশ্যে তার সমকক নির্বাস	১৪-ইবরাহীম	00	63
महाद्वात आहे विकासक निर्देश (मानुस्तर मारक)	8-First	ev.	955	चल्लास नर (यह बिहर सा यह जान्य सन् बर्धन नार्ध	৩৮-সোরাদ	46	50
				অপ্তাহর পর বেকে বিচাত করে প্রেরতির অনুসরণ)	০৮-সোমান	46	54
প্রথক ধন (অন্তাহ নউদ ও সুগম্মন আ, এর বিজ্ঞাপ্রভাক অন্তদ) প্রার্থন (পাউচুদর নিকট বিধানকারীদের নারবিয়ার প্রার্থনা)	২১-আখ্রা	99	900	অপ্তাহর পথ (বংগ নিয়ত করতে চিরিংসালক্ষ্যক কথা ক্রম	৩১-পুকমান	6	53
প্রাহন্য (স্বাচনের লকত বিধানকার্যনের ন্যায়াবয়র প্রাক্তর) প্রক্রিপুদক তার শুরুমানুমার করী ইসমানিকার মধ্যে বিয়র করবেন	৩৮-বোরান ২৭-নামল	22	864	ইসকার (বাক বিয়াত বালে (প্রমাণ আসার পর)	২-বাকুরে	403	4:
		93/	brob	ভান প্রেক্তিশাসক জানুনা (ক বিয়াত তার (ক সঠিকপথ প্রার্থ)			9.
মততেল/পুনক্ষথানের বিষয়ে বিচার আহ্রাহর নিকট	৪২-প্রা	30	F-97		৬৮-ঝুলাম ৩৩-জাহদাৰ	30	P.
মন্তপাৰ্থকোর বিষয়ে আস্তাহ বিমার করবেন (কিনামতে)	২-বাকুরো	220	670	বৃত্তি (সম্পন সুছে মুদিনদের দৃষ্টি বিহাুত হওয়া প্রসঙ্গ)			
মতপর্যকর বিমর বিশ্বমতের দিন করা হবে (ইবাল্যতন দিন্দ প্রদাস)	२२-शब्द	62	968	বৃত্তি বিয়াত মনে করলে ভাবয়ানীর যুক্তিবদেরকে সেবলৈ না সেপে	৩৮-সোৱাদ	40	31
মতপর্থক্য 'শনিবার' বিশ্বতা অল্লাহ বিশ্বামকের দিন বিভার কারেল	১৮-বাছ্প	258	450	নৃত্তিবিদ্যুতি ঘটেনি (স্নানূপ ন. এর)	৫৩-দারম	24	34
মানুহের মাথে ন্যারের সংখে বিচারের নির্দেশ	৪-দিসা	Øbr	268	নির্দেশ থেকে বিয়ুত জিনকে আধনের শস্তি (সুপাইমান আ, প্রসাস)	৩৪-সাৰা	25	78
মুপরিবলের নিচার্ নিয়ার। (অন্য ইলাহানর অনুগানা প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	-06	964	সংগ পথ থেকে বিচ্নান অংথরান অবিশ্বাদীরা	২০-মুমিপুল	9.8	9
যুপরিবহনর বেমন বিয়ব যে পুর ভালের জর কন্যা অল্লাহর।	৩৭-সাফ্ফার	>28	1168	পথ থেকে ভা বিচ্যুত প্ৰতিপাণক জানেন)	৫৩-নাম্ম	80	b
গা'নত (বিয়য়ের দিন পর্যন্ত ইবলিসের উপর লা'নত)	১৫-হিছাৰ	00	660	পিতৃপুরুরে পথ থেকে বিরক্ষালৈকে বিচ্চার করকে মূপা আ. এসেছে	১০-ইউদুস	97	8
শস্যক্ষেত্তে জেল্ল মলে যাজার বিরের (পার্টন)সুলাইমান আ. কর্তৃক)	২১-অখিয়া	*br	100	রালুল স, তে নেন বিচ্নান করতে না পারে অবর্তীর্ণ বিষয় থেকে	৫-মারিদা	85	21
সভাসহ (আল্লাহ সভাসহ বিভাৰ করেশ)	80-वृष्टिन	20	193	শব্দ বিচ্চুত করে থনী ইসরাইপরা (আল্লাহর কিডাবের)	হ-মারিদা	33	2
সুলাইমান ও দাউল আ, এর করা বিচার (শস্যক্ষেতে কেঞ্	২১-অধ্যি		900	বিচুচি ঘটানো			Г
पूर्ण योख्र शंत्रक)	52-011481	93/	466	নামের বিয়াতি ঘটানোর প্রতিবল (আল্লাহর নাম)	৭-আ'রাফ	300	3
विधाइक				মসজিপুদ হারামে বিযুক্তি ঘটালে যন্ত্রণাদায়ক শান্তি	33-206	30	9
আদ্রাহ সর্বশ্রেষ্ঠ বিয়ারক	৯৫-ধীন	7	3039	শরেম বিয়ারি ঘটতে চুরাছিল যানর (দুনল সমুখীন হওয়র দিন)	৩-আলে ইমরান	300	e
থেম করা (অপ্তাহ স্বার স্পাকে বিচারক স্বেজার সভারতা:)	৬-জন'অম	228	609	रिक्रित		_	H
পেন (বিয়েব্ৰকের নিকট পেল করা সম্পদ প্রাস করার পক্ষে)	\$-W\$R81	29-9-	657	অপ্রত প্রতে নিয়েতে বিভিন্নকর্মীয় সংখ্যা পঠ (আরামপ্রত হয়ে)	৭-আ'বাক	296	8
প্রষ্ঠ বিচারক (মাল্লাছ)	৯৫-তীন	ъ	3039	অল্লাহর পর থেকে বিভিন্ন করে (বিভিন্ন পথের অনুসরণ)	P-আন, আস শ্ৰেম	320	6
প্রের নেরার ( ব্যারার) প্রের (সকল বিয়েরবালর প্রের বিয়ারক অপ্রায় নারে। প্রাক্ত প্রাক্ত	32-QF	8¢	669	গোলার দিকে বিভিন্ন হরে থাওয়া (বাসুল স. কে রেখে)	১২-জুমু'আ	33	3
বিভার কাম (বিষয়)	22-27	-	-	প্রথিকাশ বিভিন্ন হলে পড়ত রাগুল স. বর্তন হলে	তংগ্রহ বা তংগ্রহণ ইমরাণ		
ব্ৰুৱার কাম (বেবর) কর্মানা (বংশ বিহরট/বিচার কাজ ক্রমানা হয়ে বাবেং)	18-ইবল <b>হী</b> ম			মুমকাল ব্যক্তির হলে পড়ত এপুর স. ব্যক্তব হলে হলে । বাস্বাস, কে রেখে বিজিন্ন হরে যাওয়া (সামাশার নিকে)	৬২-জুমু'জা	22	0
	78-548513	-55	634	क्षान्त म, १० (शर विश्वास १८४ योग्स (श्रमाना १५००) क्षान म, ब्रह्म का कार विश्वास १९३४ वर्षन महिन्दा कर नम्		33	
বিচার দিন/প্রার্থনা		-		कर्म म् यह का तरहार स्वाह्म व रखा गवड गवस्वाम सम्बन्धः भारतीम वदी तरम त्यां क विद्वित	৬৩-মূলফিকুল ২৬-৩'জারা		86
অবিশ্বাসী (মানুষকে বিভাৱ দিলে অবিশ্বাসী বানায় কিলেঃ)	34-सेन	9	3054			424	3
স্বৰ্ণানার (বিচার দিনকে স্বৰ্গীকারকারীকে কি এফুল ম. দেখেছেন্য)	১০৭-মাউন	,	2008	হাতৰ (এমৰ হাতৰ ধারণ যা বিচিন্ত করার নর)	২-বাকুৰা	500	ę
षम (विश्व निज्ञ और भगवान प्रमाण भाग राजार क्षांमा देखारी हरते)	१७-व,बारा	3.5	1395	रिराह्म			Ь.
ভাগুতের কাছে বিয়ার প্রার্থনা করতে হার (আহলে কিতাৰ)	8-FP1	රාර	668	শ্বামী-প্ৰীৰ মধ্যে বিচ্ছেদ (ছাদুৰ মাধ্যমে)	২-বাকুরো	205	4
বিচার-কয়সালা (আরো দেখুন আপোস-নিস্পরি/				বিহানা (আরো দেপুন পথ্যা পথটি)			
মীমাংলা/ করলালা শব্দটি)	1			অলান (বিছান থেকে দেহ অধান হওয় ভাহজুন প্রদর্গ)	৩২-সাজ্পা	36	3
অবটার্ল বিধান করা বিহার মীমালের নির্দেশ (মানুকো নাকে)	৫-বাবিদা	87	१५७	জাবারামে জাগুনের বিদ্যানা ব্যব্তেছে অপরাধীদের জন্য	৭-আ'রাক	85	6
অবটার্থ বিষয় নিয়ে বিচার কারসাল্য করার নির্দেশ	৫-মার্চিনা	85	erb	পৃথিবীকে বিদ্যান মন্ত্ৰণ বানিবেছেন আল্লাহ (মানুবের ক্ষন্য)	২-বাকুম্ব	44	0
प्राञ्चाक्य विश्वम क्या विश्वय प्रश्नामाना कटा न यात पाता वाला व्यक्तिय	তু-মাছিলা	86	6,43	পৃথিবীকে আপ্লাহ মানুহের জন্য বিশ্বনা বানিয়েছেণ	৭১-নুব	2.5	8
অপ্রহর অবর্ডির্ণ বিষর ধরা বিচার করে না যারা ভারা কলিক_	হ-মাজিবা	81	64.0	পৃথিবীকে আপ্লাহ বিভান বানিয়েছেন	৪০-চুবকুয়	20	v
प्रक्राइ स चर्कीर्प करवाल का निष्ठ विश्व जाउनाना करा न गवा	৫-মাহিদা	88	640	পৃথিবীকে আল্লাহ মানুহের জন্য বিহানা বানিয়েছেন	২০-জু-ছ	60	9
ইঞ্জিলর ব্যবহা তে ফালাল করে অপ্নার ভাতে থ অবভীর্ণ,	৫-মারিদা	89	000	ব্যাদকে অস্তাহ বিহানা বাদিরেছেণ	१५-नावा	6	àc
কিতাৰ হাত্ৰা মানুহেৰ মধ্যে বিচাহ-ফয়সালাৰ নিৰ্দেশ	8-991	300	490	লেকের অন্তর বিশিষ্ট বিভাগর হেলান নিমে কালে (পাঞ্জানীয়া)	৫৫-রাহ্মান	₫8	b
নৱীগণ বিহার স্বায়সালা করতেন তাওয়তের বিধান স্বায়া	৫-মাধিদা	88	616	(হলাগ নিয়ে কামে জানুচীয়া (বেশামের আন্তর বিশিষ্ট নিয়ালয়)	৫৫-রাহ্মান	08	b
রচুল স. বিশ্বর কালেশ করতে পরেন (মুনাবিকরা আন্যান)	৫-মারিদা	83	21/2	रिश्नानावी		1	1
बागुन म, विशव-कार्यमामा करण न्याव विशव करदवन	৫-মরিনা	83	212	कठरे ना देवप रिधानाराती (आद्वार)	৫১-বারিয়াক	83/	ъ
विहाद-विद्यक्रमा	4-40371	34	174	feecen/efece crui	**	- OF	i a
		-		श्रीका विद्वारण प्रकटन साहारत		-	ŀ.
व्यक्ताद अनुभारत विराद विराताना मान कराता गराव्य मह रह	৩-মালে ইমনান		680		৮৮-গাশয়াহ্	39	31
হৈছিলে বিজ্ঞানিকেন যাই (সম্পন্ন কর হতে লেন অংশ)	8-991	6	669	পৃথিবী বিছিয়ে দিয়েছেৰ বিনি আৰু কসম	97-बार्थत्र	9	30
পদ (ইয়াধ্টরা আ, কে বিচার-বিবেচনা দিয়েছেন আল্লাব লৈশাবে)	३५-मदरेग्रय	25	908	ভূপুর্বতে বিভিন্নে নিয়েছেন আল্লাহ	৫১-ঘরিয়ার	89	b
নবীদেরকে কিতাৰ/নবুয়ত/বিচার-বিবেচনা দান করা প্রকল	৬-আন্'আন	1.9	608	रिकड		1_	L
বনী ইসরাইলকে বিচার-বিবেচনা দাদ করেছিলেল আল্লাহ	82-वाश्चि	36	900	জনা (বৰন আগ্ৰাহর সাহাত ও বিষয় জাসবে)	770-41H	2	30
বিচারের ভার অর্পণ				নিবেদ (বিজয় নিবেদ আল্লাহ শীগুই মুমিদদেরকে)	৫-মাছিনা	23	2
ঝগড়া-বিবাদের বিচারের ভার রাসূল স. এর উপর অর্পন	s-First	96	202	নিকটবর্টী বিজয় (২০৫ বিজয়) দান করেন অপ্তাহ মুফিনসেরকে	87-आर्थ	29	3
(মুনাফিক প্রসঙ্গ)	0-1741	- SE	6.96	নিবটবটা বিজয় (মুমিনরা ভালবসে)	৬১-সাক্ষ	20	b
হাস্প স, কে বিয়ারের ভার অর্থণ করে	৫-মাছিল	80	676	নিকটবর্তী বিজয় পুরস্কার দিবেন আল্লাহ মুমিনদেরকে	89-10762	30	3

प्रका विकास करने पांच कार स्था न प्रश्लेखन कर प्रदास कार ০০-মানীয় offeren Sun was conferred retrust over the son with son e fire गण्ये विकास विकास प्रांता प्रांता सामा गा त्व (कांडिकिस प्रांति अल्ला) 81-19755 farmer service sufficiency finance theories services flower service ১.বাক্রে तामत म एक मण्डले जिल्ला (अन्यापन स्थापक (अन्योर्वेशियत प्रति अपन्य 8 V-2017KS विकरी (प्राप्ता (क्या करी शक्ति) ments (Death / Charles) spanning Scarter 1 2 2 mm व्यक्तावर शहर प्राप्त विकास साविकास प्रधानिकाल (प्राप्त सार o film जारात स पार राज्यामा विकास राज्या (कारात मिरा (कारातमा) 205 oly. Wathin काशास्त्र वाक्रिमीदाहै दिसबी वाद (এ रावा वर्ष निर्वादिक) AS STREET briss. बासाइट एसडे किसरी इरक ৫-মায়িলা একশত জন বিজয়ী হবে এক হাজার কাভিবের উপরে L DOSETTOR 50

81-117W 9.291 9775 20-87 STM

and the second frame and the second frame and the second season thank wants of knot moons for bellurar Gaussi क्रमन्त्रवर्ष विक्रये द्राम अभिनम प्रथाय गरी (फिराक्रांद्रेशय द्वान) SECURITY DESIGN PROSE STREET STREET STREET STREET STREET STREET STREET STREET ਜਰ (**ਸ਼ਲ**ਾਰ ਗਾਇਰਗ ਜਿਸਵਾਜਰਾਤ ਵਿਲਹੀ ਜਰ ਕਾਰ o B Jefata union fough sention contract their mestarithm were ২৩-ম'মিনন /Militia रिकासन विस्तरी अन्य मंद्रेशक सामाद द्वेशाय N-Whome A. 250

**CHARLESTA** 

विकास (अर्थ अर्थर rere

स्वाकारक अन अधिको किस्सी कर (त्यापात) প্রবিদান (আলাহর পথে রাম বিজয়ী এলে মহাপ্রভিনান) e floor भारतन अध्यक्षके जिसकी पान प्रथम गाँ। तथ अग्यक्षका (स्ट्री अस्ति अस्तर) A enfirm फिन् वाधिकार व्यानसञ्ज्ञ विवासी हान स्थानना व व्यानस्था नामा

all kontingers from server ween come frederic consom fredt ere vjen af refnanska væsten atekn affin conserv Anielle affin lendt am alters enforce Decr office's family are cash Supplement officers.

24-9/032 ५० डेच्या h-Mirons b. returning 65,2299 इकिन्स्स्य दिल्य विक्रमी इत्य न त्यदि (प्रामात भारता प्राप्ता) AUTO STATE sufficiency built wants appear or configuration sufficient. ম্মিনবাই চাব বিজয়ী (প্ৰক্ৰ ম্মিন চাল) - Tarres garage प्रतिकारों किस्सी काल On Water মুমিনদেবকে বিজ্ঞায়ী কলবন আলাচ (কাড়িবসের বিজ্ঞান্ত) N.981625 perfected femals and fig. a (region was as) AA reffber भाग था विक्रमी प्राप्त कल खालावन साम्यानी (बार लगा) 30.WI.81

মসা আ এর সম্প্রদায় বিজ্ঞাী হয়েছিল (আপ্রাহব সাহায়ে) A.S. TETTERET মস্য ও ব্যক্তন মো, আৰু ও আনের মধুনারীলা নিজনী মন্ত alv-dirith ৫৮-মজানলা VALSE'R

warms femalt arms participation floor विसर्वे দেখালে (অল্লাহ বিজলী দেখান মানুদকে তর ও আশাহরণ) ইউস্ফ ডা বিভ ও সংব্যারার AN. SCHOOL জানতর টেক'অটন বর্তক হলা আ, কে বিভা জালকর বলা ১৯-৬'জবা ਗਮਰਕ /ਰਿਜ਼ ਜ਼ਮਦਰ ਇਦ ਚਾਹਿਸਤ ਮਿਤੀ ਮਿਲ ਚਾਣਾ २७-७'जावा জানুকর (ফিরজাউন সম্প্রদারের প্রধানরা মদা জা, কে কিছে ০.সা'সম লাদকর বলস) terror risks assessment from their sure first more 9.201200 क्षान्त्र (विकासम्बद्धाः विकासक्षान् विकी विकासम्बद्धाः

विकास अग्रह (तस्त्रस सविभिन्ने क

বিকথা

Stratusti

प्राम्बक्ट मिल्लीन সম্পর্কে বিভর্ক (महिल अग्राप काका) 80-इंबिन মনবিকালে। বাক-বিভাগে উচ্চেপ্টে উসা আ, এর দাইস্তে পেশ। ৪৩-মুখকুক Stranger Press up.: Sometrelly town Count Commons g\_film प्राप्त अल्लंड जिल्लाकारी (अक्टू नीर्ज (तरक कार वर्षि)) ৩৬-ইয়াসীন

नवा नर च नाम व्यवस्था लहा मण्डाचा विम्नपुराधि भण्डानाहरू मार्ड कटा क्षत्र करावाः । मन्त्रमात (प्रस्तिकत तक जिल्हाकारी साल्याता) 505 मान्नी विश्ववासी (वैर्थ व्यान महित नव प्रान्त मान्नी विश्ववासी द्या

**जिक्कारिक** 

DESMINE

water with a restar

NV8

480

LL THERETO

O.A. STWEET

30-9444

ลก-มาร์จ

85.MB

1.20000

VA.38'5

AA White

0.200 WH

Vw. 2000

A. Daniel Room

०,ज्यान डेप्सन

SS INTONIOS 84

A STORE STORE 283

e. Darrow Woman

90. Thu 8

A-STATISTIC

a Scort

14-7059

22.87%

১১,চাক

33,7750

11.26

33.7096

SAME

80-इ'दिन

22-2106 3% 960

o filmen

84.WM

VA-HISH

until বিভাগে আন্তন আলার উপসেশ গ্রহণের জন্য বিতৰ্ক (আবো দেখন তৰ্ক শন্দটি) District Wild will as they arithmen forms William Gra (Wilston Water Sira Grand and star) names Sawie sympol freederstrop metrics where the

various anterna Reid-Apprenius Groot mount yourse finant were consul-জাহাত সম্পর্কে কতক মানুধ বিতর্ক করে (জনে ছাড়াই) NAMES STATES STATES STATE STATES STATES FOREIGN वास्त्र अन्यत् विकार्यकारीय सीवः स्थाव सेवा विकार प्रधान व्याचार अस्थानं विद्यवं (काम,कियाव/वर्धमार्ममाम बामांदे) Notice attended where will been one brook or you remover becames seeing assets found or more Forbia MERTY FOUNDERS STORE (OR FORCE TWO DATA STORE) retrout facutarium Graph (on Gover case men cubt) When the series series they were series force and series of Republic for any Street Corner Streeter Streeter

इन्सहीप्र का अन् नाभाग निसर्व (प्राप्ततः विकासकतः)

88

Sole

28

20

02

18

20

0.8

202 644

30-9848

930

me 983

Patement বিভৰ্ক করতে আহলে কিন্তাবলের সামে कार अक्ट निवार्क अल्पी तव (व्यक्ताव करो अवाह क्या) काकिका किस्ता कार प्रकार स्थापन स्थापन আভিযানর বিতর্ক (বাসল সা এর সাথে) 220 features for uniforms one on fored ages o 138 ক্রিয়ামাত প্রভাব ব্যক্তি নিজের প্রাফ বিভর্ত করবে 0.00 farmtatuta/वर्गवार्त्तकाः शामात्रे पालक प्रामार्थं विकास fital-registres was freel more firms আন অস্পত্ত বালক যান্য ব্যৱহাত সম্পত্তে বিবাৰ্ক কৰে स्थान/विकात/नप्रिनार्जनना घामांडे त्याला अञ्चलते जिल्ला officers surfliance over vilianus ferral 093 अर एक *ार्जन* विकर्त करवान प्रार्थ सालामात्रक प्रक्रियान

enforáeta fásera tuta sexió renen meros fesco

পেৰ বিষয়েত প্ৰত্যেত বাকি নিয়ের পাছ বিচর্ব করে। लामप्रतिहीत विकर्त करत प्राता (न्यालाक न्यालाक दिएक) পরিপানত মাপুর্কে বিতর্কমারীর জন্য আচনের পোলার যাতিল বিতৰে লিও ছিল (নৃহ আ, সম্প্ৰদায় ও প্ৰবৰ্তীৰা) (gen/efter stat fex 6 ara (arthur)

विवर्क श्रद

ৰিতাকৰ

বাসল স: যা নেবেছেন আ নিয়ে বিজয় ( টাকাল প্রসূত্র) वासक सं तता सामा जिल्ला (सामा विकास NEWS IN LAST STORY BOARD STORY OF THE PARTY SECOND SECOND SERVICE জনল সং এর মাথে বিভার্ত (বিভিন্ন উত্মানের ইবানভার নিয়ে নিয়ে) বাসল সং এর সাথে বিজর্জ (এক মহিলার সামী সম্পর্জে বিজর্জ) য়াসল স. এর মাথে যে বিক্তর্ব করে ছামে আসার পর লক্ত আ এর সম্পান্ত সম্পার্ক টবরাস্ট্রান্তর নিকর্ক সম্প্রদায়ের বিতর্ক (আল্লাহ সম্পন্নক ইবরাইম আ, এর সালে, मण्डलीय विकार कराई कर जो दान साथ द्वारा साथन नामान व

HING MADE INCOMESSED (Married wire what worse)

STATESTALLING SERVICES MAN STRATEGICAL STRATEGICA STRATEG

অল্লাহৰ সমুষ্টি কামনাকারীকে বিভান্তিত করা যাকেন

STAIR (STREET, CART) THROST AVAIL

80-म मिन rate times parame are per / paparame reference 55,39 ১৮-কাহত মহিলাক সামে বিভাগ করের পারেল বছসকতে ভাইলেকটিত করে ৬-জাপ আহ d-A-STROP

C 7010711976 क**्षाल है** इस्तान 22-50

o New Yorks 61-Smile O-SELECT STATE ৯- জান জাত 9, 00 378

Vr-9052

৩৭-মাত্তমত

e-ancara

800

25

Sob

३५-नाइक

-

नंप विश्व/द्यंत्र	तुत्रों वर च मान	1011	inter	No.	বিষয়/প্রসূত্র	পুৱা কং ও নাম	1961	नुश
বৈতাভিত (পূৰ্ব পুঠা সেকে)	fer 40 - 111	-95	46.6	निवारी		40000 1.000	-	13100
বিভাগ্নের (পূব পূরা কান্দে) ইবলিস বিভাগ্নির ব্যোছে আপ্লাহর নিবাট থেকে			৮৭০		হ মানুস বিপ্রোহী শহাতানের অনুসরণ করে	) ২২-০জ		965
	৩৮-সেরাদ ১৫-বিজর	99			আলাগতে পুৰক্ষা কল্পেন আগ্ৰাহ	ত্র-সাফ্টাড	9	yes.
ইবলিস বিভান্নিত হল (আদমকে দিলদা না করব)		-08	999		অবাধ্যত পুরস্থা ব্যয়েশে আরেং করা বিগ্রেয়ী শক্ষতানকে আকে)	৪-নিসা	229	293
ইবলিসকে বিঅগ্নিক অবস্থান কেন হয়ে থেকে বলচেন আল্লাহ	৭-আগ্রফ	70-	978		ted (652) 480/476 (100)	8-(1/4)	331	8.14
ভায়ন্ত্ৰামে নিশিশ্ব ধৰে বিভাগ্নিত অবস্থান (অন্য ইলাহ নিৰ্ভাগ কয়ল)	১৭-ইস্র	40	123	विदयव				₩
জলিম (অল্লাহর সম্ভবি ধামনাকারীকে বিজয়িক করলে জলিম)	৬-জান আম	६५	600		রক্ষপ্রর্গন (কৃদিনের রাপার কৃদিনের অন্ত		20	k@8
পুদিয়া ভামনাকারী নিশ্দিক অবস্থার আহাদ্রামে প্রবেশ বনবে	১৭-ইস্বা	75	934		দেৰ বিহেবৰণত মততেল (আন আসার :		78	3/35
ভূমি (অন্তসভূমি) দেকে বিজড়িত করা হবে আলেবকে যার	৫-মাধিদা	00	64.0		বিশ্বেরণত মতপার্থক্য করল	৩-জালে ইমরান	7.9	209
শক্তবান (বিভঞ্জিত শক্তবান হতে মানইবাম বংশের ফল্য অপ্রব)	৩-জালে ইমধান	00	60.0		ন্তব্যের কণ বেকে নিচের দূর করনেল সম্ভাই)	৭-আ'রাফ	80	67/9
পয়তান (বিঅক্টিত পয়তান থেকে আকাশকে সুরক্ষা)	১৫-হিমার	24	999	मृद (विद्यय मृ	া করে নিবেদ আল্লাহ জান্ত্রভিদের বফ দে	হক) ১৫-হিনার	89	900
শরতান (বুরুজন পাঠের সময় বিভাড়িত শরতান থেকে অপ্রয় সংগ্রা)	১৬-নাব্দ	30	933	न्द्रम विद्याद ना व	নহত বিহুৰে যেন প্ৰৱেচিত না ৰংব (মুখিনাসের	<ul><li>क) १-मासिना</li></ul>	ъ	62.7
শয়তান এর কথা দয় কুরজান	৮১-ডাকডীর	22	2009	একশ (শক্তর	6 বিজে প্ৰকাশ পেল ইবৰাইম আ. ও কাং)	৬০-মুমতাহিনা	8	250
বিতৃক্ষায় সন্মূচিত				প্রকাশ করে চ	বেন আল্লাহ (মানুবের বিবেষভাব)	৪৭-মুহাম্বদ	09	975
परिश्वनेतृत्व कृता रिज़्यात गृहतिज एत (जल्लाहर रूप वना धून)	৩৯-যুমার	80	398	প্ৰকাশ (মূল্যনি	কলের হনরের বিছেন প্রকাশ করকেন আরু	হে) ৪৭-মুহামাদ	230	358
বিস্তবান (আরো দেখুন ধনী/সম্পদের অধিকারী শব্দটি )		-	-		প্রকাশ শেরেছে কাভিবাদের মুখ থেকে)	্ৰাল ইমকদ	225	289
अनुप्रकि (विश्वान बहुत्वर वाला अनुप्रकि सब अनुक पुरः)	১-ছারবা	-	645		হেহবপত মতপাৰ্থকা বিভাবলাগ্ৰদের)	২-বাকুরো	230	248
		90	200		ল্লমে শরকান শরকা ও বিশ্বের ঘটাতে চা		22	697
অবর্তিত (ফাই যাতে নেকা নিভান্যানা মধ্যেই আর্বর্তিত না হয়	69-28-2				সম্বাদির করেছেন আল্লাহ ইন্ট্নিচন্দ মধ্যে	्-शाविमा	68	qub
জনপঢ়ের বিভয়নদের আনেশ করেন আল্লাহ (সংক্রান্তের)	১৭-ইস্রা	36	930		शकात व्यवस्था जाहाद नामातामत घाट		28	523
জনপঢ়ের বিশ্ববানরা সতর্বকারী প্রেরণ করলেই বলত	বঃ-সাধা	e8	984		নিক্ষা করেছে। আন্তর্ম নানারতের করে। নিক্ষা যেন সীমালকান প্রবাচিত না করে।	হ-মারিদা	3	200
হুনপঢ়ের হাডিনের গোমরাহি প্রনঙ্গ	৪৩-মুখরক	50	1999			5.40300		200
পাকস্তাও (বিশ্ববাদ কাফিবদের পাকড়াও করেন আপ্রাহ)	২০-মুমিশ্ন	68	990	বিধেৰ পোষ				-
হয় (অলাধণেক্সর বল্য বিরুদ্ধন বাভি সামর্থনুমারী বার ক্যাবে)	95-41400	3	202		স, এর প্রতি বিশ্বেষপোষণকারীরা নির্বংশ	) ১০৮-কাওছার	0	2001
সামর্থ (রাপরপ্রেক্সা ৫০) বিস্তব্য বাচি সামর্থনুমারী বার কাবে)	<b>05-এন্ডে</b>	٩	969		া দেখুন ছকুম/নিৰ্দেশ/আদেশ শণ্ডি)			
বিদার				खड़ास रिथ	ন প্রেছে ভাররাতে	৫-মারিনা	80	62.0
মনে করা (বিশ্বামবঙ্গে বিদায় মুখুর্ত মনে করা প্রদক্ষ)	৭৫-বিবামাহ	29	338	উন্তম (বিধান	শানে আপ্লাহৰ চেব্ৰে উত্তম কে আছে?)	৫-মারিনা	60	60.0
विमीर्ग -				কুরজেনে গরি	ত বিধি-বিধান থাকা প্ৰথ <del>ত্</del>	৯৮-বার্যানাহ	0	364)
ক্সহিন (বিদীর্গ কমিলের কসম)	৮৬-করিক	32	2029	কুরজন বিশ্ব	esপে অবস্তীর্ণ করেছেন অস্তাহ	১৩-রা'দ	109	634
পাঞ্ছত মিনীৰ্ণ হস্ত অপ্তাহন তথ্যে তান উপন কুনামদ নামিল বল্লা	49-4941	52	363	व्यक्तिमी पट्टा	বিখন কামনা করে (মুনাফিকরা)	৫-মারিদা	00	900
स्वीत्रस्य बाह्य विभिन्नं कहन स्थानंबर्त	৮০-অবস	36	2009		ল (জলাকের কেনে অনুসরণীর বিধাস)	১৫-ডালাক	3	365
	00-40-0	100	2001		ইনত নির্মিষ্ট সমস্রে পৌর পর্যন্ত বিবাহ না)	২-ৰাকুৱা	1300	22"
বিদ্যুৎ-চমক		-	-		जाहाद्य विधान	8-विम	28	260
কেন্তে নেরা (বিন্তুৎ-চমকে মুণাফিকের পৃত্তিপঞ্জি কেন্তে	২-বাসুবো	150	200		ভিসূত্তে নিজের কাছে রাধকে পরত না ইউসু	u ১২-ইউসূত	98	96.8
(নরার উপক্রম হর)			-		থেন (কুরজান প্রদক্ষে)	৯৮-বারিনাম	0	30%
मृद्रात का (विभूत-४५)व्य वादण पुनिष्टका पृथ्वत का राजन)	২-বাশুলা	79	600	বিধান (পথি		80.400.64	+-	100
বিদ্রিত করা		_			रेबाज्य मध्यम करा व्यक्तास्त्र काम छेल्प १९९१)	22-20%	œ.	963
শন্তি নিপুর্বত করার পর বিদ্যাতা উদ সম্প্রানয়ের রাজিপতি অস	৪৩-মুব্রেগ	60	277		repri ner ou equa ou ou son mi)	44.04		100
বিদ্যা (দেখুন জ্ঞান শব্দটি)				বিধান বৰ্ণনা		-	+-	l
বিদ্যমান					নঃ বিধান আপ্লাহ বৰ্ণনা করেছেন	৬৬-ভাহরীম	2	290
জনপদসমূহের কিছু এবলো বিদ্যান্য (কালোজানের)	77-£#	300	598	বিধান (পরী			_	1
প্রতিষ্ঠিত ৰক্ষার পার্শেই বিদ্যমান (পৃত আ, এব	0				বন্দানীয়কের উপর প্রতিষ্ঠিত করা (ছিলের বি	ব্যঃ) ৪৫-জাইয়া	36	900
সম্প্রদায়ের কাংগাবপের)	32-200	99	903	বিধিবছ				1
विमान		-		काद्वार विशेष	ছ করেছেন প্রাণের বদলে প্রাণ	৫-মায়িলা	84	624
কলক (বিদ্যুতের ঋলক দৃষ্টিপঞ্জি কেড়ে দেবার উপক্রম হয়)	<b>३8-मृत</b>	80	990	निव विभिन्न नि	পরিকর বয়েছে এর জনুমতি সপ্তাহ দেশি।	৪২-পুরা	45	brand
দেখানো (আল্লাহ বিদ্যুৎ দেখান তম ও প্রত্যাশা বরুপ)	৩০-রম	38	350	ইন (ভয়কা স	. दब कहा विशिक्ष मेन नव दिल पूर्वा/ रेमा प	r.) ৪২-শুরা	30	b/b-i
বিজ্ঞান (আরো নেবুন ঠাটা লম্বটি)		10	1.50		উপর বিভিন্ন করা (মানুষ হত্যা স <sup>্পর্কিত</sup> বি		102	ave
অন্তেপ (আন্তো দেবুন বাজা শপাত) অন্তেভ নিত্ৰে বিচল করা হলে বাজিবলো মর্জাননে বলা নিবেব	8-मित्रा	280	238		ছে ককেন্দ্ৰী অপ্তাহ (দিল জ, এৰ জ্ঞানবীকে উ		39	303
					কর (কটি ইসরাইলসের প্রতি)	২-বাকুবো	486	
অপ্নার বিদ্রুপ করেন আন্তর্ভাত হার সনবার বাংপরে বিদ্রুপ করে	৯-কাওবা	95			তরা হলে (বনী ইসরাঈশলের পৃষ্ঠপ্রদর্শন)		285	
ব্যফিররা হিন্তপ করছে (বাসুল স. কে)	৩৭-সাঞ্জাত	35	199		ন্য বিধিবছকুত (যমুদের পথার করা এস		8	901
মূহতে সম্প্ৰদাৰ প্ৰথমৱা বিশ্ৰুপ কৰে (নৌৰা নিৰ্মাণ প্ৰদাস)	১১-হুদ	00	969			-7 -24-0-4	10	141
মূহও বিক্রপ কথাকেন যেজকে তাকে নৌঝার জন্য করা হয়।	<b>33-र्</b> न	-Chr	969	विविद्यह (क			100	1
পরস্পরকে বিদ্রুপ করা মুমিনলের জন্য নিবেধ	৪৯-বৃদ্ধাত	22	952		দ্বৰা হতেছে (মৃক্তাণে সম্পদ্ধ বেগে গেগে)	২-বাকুার:	29.0	
সমব্যর ব্যাপারে বিদ্রুপ করে ঘাবা (মুমিননেরকে)	৯-জাভব	93	9831		ছে/দর্গ করা হারছে ঈমানদারদের উপর	২-বাকুবো	290	
বিদ্রাপকারী					করন্ধ করা হলে অনেকে মানুদকে কর পা		વવ	
পরিবেটন (ইটো-বিয়ুকের বিজ্ঞাপরি বিদ্রুপনার্থিকের পরিবেটন করে)	२५-वारिया	83	922	কুছ পেন বিধি	ছে,'করছ করা হালা t (ge সেকে অংকশ প্রা	লি) ৪-নিগা	60	660
হতেওঁ (আল্লাহ রাসুল স. এর জন্য হতেওঁ বিদ্রুপকারীলের নিকচে)	১৫-বিদর	300	902		করব করা হরেছে (অপছন্দনীর হলেও)	২-বাকুরো	238	021
			1		ৰবা হয়েছে ইয়ানবাৰদের উপর	২-ৰাকারা	350	63
বিদ্রোহারবর্ণ								

Cranition ज्या तर करात्र व्याप न नहीं ਵਿੱ*ਬਬ i*ਜ਼ਾਸਤ लेका का समाज अक्टर का नहीं etetore fails out our use their executively artist are 0. 100 E GG Gram 300 ব্যবহান সঠিক বিধি-বিধান থাকা প্রক যাকারিয়া ও উবার্ক্টবা আ আলাতর নিরুট নির্মীত ছিল Securificans as arrivat form / attein, one stress was will stres severe. atom in our atm following rains constrations are no 3.8888 ash 10 100 मधायार्थक स्थितित कन स्थित सा (भार्त न समापन समापन 00-A ATRICE চিত্রভারনার কেন্দ্রাহর সহিত্র হাল্য প্রতি বিধী ভাগতে সিল্লাকরত হয়। with most report in Editorian sensors on more core care AA RESTA No atom বিনীত নাবী/প্রকা ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান (বিনীত নারীর প্রত্যের জন্য) उद्योगान्य वेश्वासम्बद्धाः विकास क्षत्र / स्वातंक श्रीरेकतः सः कारणः oo-Steate 33,30% থালৈ সামার্কারকারিকে অব্যাহ বিধান হার (আগ্রাহ প্রতিকার বা করাস) 11.000 पानम कि निर्शत वीर्तात अवद्रति जिल्ह किल बार Finds Green and contents officers at more) on Sente 33.7776 hhi মুসজিল বিভাল হ'ত (আহাত প্রতিভাল না করলে) 33.2036 Farm গুৰোপকে নায়টি আৰু বিনাক কৰাবাছন জলাহ a. Wrighten 25 Gustran of the starts on their new MINISTER MINISTER MONTH ACCORD ০৯-মারি'জাত মমিলদেরতে বিদ্যুক্ত করা মুক্তের অবস্থালে (উচ্চল বৃদ্ধ প্রাসঙ্গ) e-Stree Street, NAV বিদয় (আরো দেখুদ কাকৃতি-মিনতি শক্ষাট) en (farma en magino aura linée sont feuta effe (Messenthine) to Suzi উদাসীন (বিলয়ণাভিত্যর উদাসীমরা ধ্যাস রোক) wellow our Run (summerous) \9.8**7 ∂\.**सक्तिर чене / обличения поме поиля на « бытая таки чен». a seriores 200 902 Gunnelli Services অনসরণ (কবিসের অনসরণ করে বিপদপামীলাই ১ ১৬-৩"ডারা अधिमानाया अधि विभागातामा प्रदिश कार्याचि भार 33-39 20 tenany (Maurica magnet auria filotogra 10-State আগন নিক্ষাপ (পিশুস্কুরীসের উচ্চার্কেই এবে আগন নিক্ষাপ ১৯.৩'জারা विकास (कारता (कारत प्राप्त अक्रिके वास्त्र (यम भारति सीहि दिस्सी १४ (शांवा स्वास्त्रास remains frequestifres our stens auc un (refenera) N. Witter 33 T786 0.8 আলাহৰ পতি বিনয়ী হয়ে ইমান আনে বেসৰ আহলে ভিভাৰ আছে বিশবসামী কথান ঘটাল উপামশ উপহাবে জাস না a Street Streets 335 000 11.TH Validaria Sandreill and addition from your years and annual DO-BREETE 6 191'-rre विश्वकार विश्वकारी कवार प्रांमसाक riferent of a South terr (territories application manufacture) No.Sime A selfent 08 काकिए व्यक्तात जिल्हातारी किल সাজ্যের প্রতি অন্তর খেন বিনরী হয় (যারা আনবান no morne 33.2796 08 merce foult oficers sowers প্রতিগালক বিপথগায়ী করল উপ্রদিসের (উপ্রদিসের এজর)। 10.fee ২৩-ম'মিলন states Geoetist acts pur References সভাবাদ বিন্তীদের জন্য (অজাচুর নাম্ম করবানী প্রকর্ম 33.X79E -0.0 No CHEST facility (famous) বামল (মহাম্ম স ) বিশ্বস্থায়ী নম 66.RT02 प्रकार कवाना रिनेही विवासकीक करकीर तांचर प्रवार कवाना strate mile Soverill and course con Glacustina n. 191" etcs SS-STRE 944 মনীকল বিপরগায়ী করেছিল 314-451252 विवर्षे (कारता (काव वर्षे अक्टी) সহচতাদবকে বিপরগামী করেছিল জালিম নেতারা ১৭-সাম্মার auforza ferit au et (Paranetriaria mora retrout) g o wsture अन्यदे विश्वकाची बन्न प्रता था (नागाजनवीरक) aw distr जाक विक्रोंने अपन्य का सामान त्यांक कर्वजीतमा ৩.ডালে ইয়বান 120 विश्रम क्ता, प्राप्त कारान्य (अस्तिकार्या अप और कार सरका) No. atem 82 935 ক্র**জ্বলে উম্বর্জন** ১৯৩ White / Green returns work officersoons they sould বিনাশ আপন্তিত সংখ্য (ক্ৰমকাৰ্য্যৰ কৰা বিপদ্ধ আপন্তিত চলচা 30-40202

পত আ, এর সম্প্রদারতে সহলে তিনাপ করা হবে (care) ১৫-ছিন্তব reporting Asserted reporting and Assert Goods transfers on or 48-ZIVECT 66mm Gute (fore north state) Gute area trai van Pers 2001 A. Star Pers 88 New Ridger Bross of Rosens (Attendablements Man) ৬৮-কালাম মহীমত করা (আস্তার বিপদ-আপদ দরীসত করেন) ১৭-নামল 88 ্যাপে (বিশ্বাহ্বতে সম্বাধিত দিসেও ডি বিনিয়াব্যক্রপ গ্রাচন করা চার না। A-आस' आप रेखर्च (विश्वास रेसर्चयाला मार ज्याचारामा ज्याचार श्रामान একে (বিনামতে কানো বিনিম্য পৃথিত হলে নকৰি ইসভালৈ প্ৰদাস ২-ব্যক্রর WAY WATER ١٩ 939 cetacotrara (Detroot) शहर (विवाहरण्य मिन कार्या विमिन्न शहर कर्वा हरव ना) 3. erecen মনাকিকদের বিপদ আসলে,...(কতকার্মার কারণে a fear one and tree at Marce street over the wifest named A DOTTON BETTER মমিলনের পরাজর কেন (উল্লেখ্যাক্ত) ০,ডালে টারবান साविद्यासन विभिन्नच चन्द्राफ सिकाई AN-MINISTER grant flow tree terrors are (manner meeter ) क प्रतिष water (fellow farm rate) mens areas ১-বাকারা SHE (BUSIN) त्सव (विशेषकार अविवेद जिल्ला पर विशेषकार तथा कर प्रत्यात ALTERNATION STATE hat was allown topped and between allowing and more early চক্রক্ষীলেয়কে বিনিময় গ্রহণ করে মক্তি দান 33.0786 00 265 89-अवाधान factor remove সভান দী ও সাইবের বিনিয়ার মানি ব্যায়ন করের অপরাধীর ৭০-মা'আবিল TORRESPONDE THE COLUMN OF THE PRESENCE OF THE PROPERTY OF THE ৪২-শরা fireax (aftern) bb8 আভাত ক্রিপদ-ভাপদ স্বয়াত করতে হার কলে পথিবীর সংবিদ্ধা বিনিময় দিয়েও মঞ্জি পাবে না কিয়ামতে যাবা ১.বার্কার ০-মারিদা प्रामय विश्वन, जास्त्रण स्टब्स्ट जास्त्रण प्राप्त ৩৯-ডমার পরিবার সরবিধ্ ও ভার সমপরিমাসের বিশিয়রে মৃতি চারে যার, VA-ST'R 800 মহিনাক্ত বিশ্ব-আপৰ আহলে মন্ট্রিকরা বাল 8-97 696 6 Stock (in-marrow আল্লাহর নিকট বিনীত ছিল (ইয়াহইয়া ও ঘাঝবিরা জা) əऽ-शा**श्रि**ण otist (reterm filmeetrees exces only carry जान (दिवादान्य प्रतादि व्यक्तादर विकी विकीय प्रधानन प्रधानन) 39-FFF 39.HTM films afficers Number o mortforn our reserver famil faithe fam-১১.আছিয়া ল্পূৰ্ণ (পৰ্ববৰ্তীসেৱকে ল্পূৰ্ণ কৰেছিল অৱাৰ, অন্যান ) উল্লেখ্য বিনীয় চার সাক্ষার আলম করে o.xtilist Ø1/9 ১.বাবাল 228 অফিরের বিনীত হলো না প্রেডিশালকের প্রতি। বিপদসমূল २०-४'विनम দিব ক্ষেত্ৰকাৰো প্ৰতিশাস্ত্ৰের শক্ষ থেকে বিপদস্কেল काको । विमीय त्यान काकाव भिर्माण अधिनालकाक। 9.797'4120 ৭৬ পাহর 220 দিনের ভন্ন করে) রূবা (বিপদ থেকে উদ্ধার প্রেডে বিশীরজারে আগ্রাহকে ভাষা) ০-আৰ'আম 088

den : .	The state of the s	word the se tribe	-	পরীত	বিভাও প্রমুদ্ধ বিষয়/প্রস্থ	नुबा नर स मात्र	-	erict
4000	रियद/धमन	সুরা সং ও দাম	TES O	Jer-		र्जुंबर वर ७ गांच	70.	Joi
বিপরীত					বিবাহে আবদ্ধ নারী			
	হ্বক বিপরীত নিও (৪)ত হাত-পা কারির হুনতি)	৭-আ'রাফ	258	৬২০	বিয়ে (অন্যের বিবাহে আবদ্ধ নারীকে বিয়ে করা হারাম)	৪-শিশ	2,8	660
	া বনুকর্মন হাত-প নিশ্বীত নিক থেকে কটা)	২৮-ব'আরা	85	9ho	বিষয়			
নিয়েৰের বিপরী	ত কিছু করতে চান না ত'আইব জা,	33- <del>द</del> ल	bb	690	অবস্তীৰ্ণ বিচডদের উপর (ভাগ্যাড-ইনজিন)	১৫-হিন্দর	bo	904
हिन्द्रा भ अह रह	ার বিপরীত (ফুনফিবলের রাজের পরামর্শ)	8-निम्ह	2.5	269	অপ্রাহর শতাবারক বিভিন্ন দলে বিভক্ত করা হলে (বিদ্যানতে)	৪১-তুদ্দিশত	7.9	22.
হ্যত ও পা বিপরী	ত দিক থেকে কেটো ফেল হবে ক্যাদের যার…	e-मसिमा	00	648	আহলে কিভাব বিভক্ত হয় (প্রমাণ আগার পরই)	৯৮-বার্য্যিনাহ	8	205
বিপৰীত দিক					কুরমানকে বিভন্ত করেছে আহলে কিকাবর (বিভিন্ন মন্তব্য বর্বের)	১৫-হিজর	52	903
	ত সিক খেলে কর্তনের হুমনি (ফিরআইনের)	২০-ড়া-ছ	33	984	ছিলদের বিভিন্ন পাথে বিভক্ত থাকা প্রদাস	૧૨-શિમ્	22	300
বিপর্বত্ব			-		ইনের বিষয়কে বিভন্ন কর (এক উত্তর/মাল্লাহ প্রতিপালক হলেও)	২১-জাধিকা	90	200
	অপতিত হতেই থাকনে কফিবদের উপা)	১০-রা'দ	-03	593	শ্বীন বিশুক্ত কারীলের বিদায়টি আল্লাহর নিকট	৬-আন'আম	100	624
	আপুতির হবে অনুসংখ্য নিয়েনিভানানীলের উপর)	३८-वर	60	993	দ্বীনতে বিচক করেছে যাবা তালের অন্তর্যুক্ত হওয়া নিষেধ	৩০-রম	02	748
	ত সৃষ্টি করতে বনী ইসরাইলয়া (পুইবার)	২৬-বৃদ ১৭-ইসরা	8	978	প্ৰমাণ অসমৰ পৰে বিভক হয়েছে যাৱা ভাসের মত ইওমা নিমেধ	৩-জালে ইমরান		281
					প্রমণ অসম্ভর পাই বিচার ব্য (আহুল বিভাগের বিভাগি প্রদাস)	৯৮-বাহিন্সাহ	8	204
	র পঠিত হওয়ার পূর্বেই দিপিবস্থ করা)	৫৭-হাদীদ	22	740	বছ উম্মত/দলে বিজ্ঞ করা হয় (কমি ইগরাফিলকে)	न-आ,शर्क	269	449
	বপর্যন্ন সৃষ্টি না করতে ও'আইবের আহবনে	৭-আ'রফ	br2	650	বারটি গোরে বিভাভ করা হেলা আ, এর সম্প্রালয়কে)	न-आ,शंक	3/50	954
द्यम (यगरन्द्र ह	পৰ বিপৰ্যৰ হাৰ নিগ প্ৰবিশালকের গ'ফ খেকে)	৬৮-বালমে	22	949		২৩-মু'মিনুন		
विभून				$\perp$	বিষয় (বিনের বিভিন্ন বিষয়কে বিভক্ত করে নিয়েছে মানুখ)		60	449
	আমানকও ফোরুর পোর অনেত আহলে বিজ্ঞান)	৩-আলে ইময়ন		689	মানুধ বিশুক্ত হবে কিয়ামতে (মুম্মিন ও কাফির)	00-WY	78	250
ধনদালন (মিশুণ	ধ্য-সম্পদ নিরেছেন অল্লাহ ভৌদ বিন ফুণীরকে)	৭৪-মুনাছছির	34	220	মানুস বিভক্ত হয়ে পড়বে বিরামতে (জান্নাতে ও নাহান্নাটে)	७०-इस	80	256
BREAK SHAME (	লুন যুদ্ধলন্ত সম্পদ নিসেন অপ্তাহ মুফিনেনকে)	৪৮-তাতহ	22	922	মানুধ (বিনামতের দিন মানুধ বিভক্ত হরে বেরা হবে)	১৯-বিল্যাল	6	300
বিশুল পরিমাণ					মিধ্য অভিহ্নিকারীকো নিয়ামতে বিভঙ্গ কর হবে (নিশ্পিতে নিয়া)	২৭-নামল	9-0	904
	র বিপুল পরিমাণ হলেও ফোল, লেরা যাবে ন্য	g-First	30	625	মুমিনদেরকে বিচক্ত না হওয়ার নির্দেশ	৩-মালে ইমরান	300	486
			-		সঞ্চম (আপ্লাহ মানুয়কে বিভিন্ন দলে বিভক্ত বৰতে সক্ষম)	৬-আন্'লাম	95	500
াবকণ (আরে	দেখুন বার্থ শগটি) ল হবে (দুনিরা কামনাকারীদের কাম)	22-6el	3/8	969	সমুদ্দিন নদকে বিতক্ত করা (মুসা আ: এর সম্প্রদায়ের জন্য)	২-বাকারা	00	600
	নর কর্ম বিকল করা আল্লাহর পক্ষে সংক্	৩৩-আহ্বাব	79	bros	সমুদ্ৰ/দীলনদ বিভক্ত হওৱা (মৃসা আ: এব লাঠিব আমাতে)	২১-৬'আর	60	433
	ভালের যারা কসম করে ধলত-	०-महिल	90	959	সুলাইমান আ, এর বহিনী (ছিল মানুষ ও পানির সমন্বরে পঠিত)	২৭-শামপ	24	Po:
	যার কর্মার সাক্ষ্য সের শিক্ষাকর নিকাস	<b>३-व्यव</b> न	39	987	fafter			
क्य विकल छात्र कर्म विकल (का		22-stáa 9-mai		900	অন্তর (মনাকিবদের অন্তর বিভিন্ন ঐক্যবদ্ধ মনে মলেও)	62-6144	38	hdi
	ক্রেপের) ক্রিন/অভিনাতের সাক্ষাতকে মিথাা বলায়)	20-6666	300		উল্লিয় (অন্যালয় পানি হার বিভিন্ন গরসম উল্লিন উৎপন্ন করা প্রামণ)	२०-झा-श	20	981
				689	কথা (মানুষ বিভিন্ন বক্তম কথা-বাৰ্তায় দিল্ল)	५५-पविद्याह	1	556
	বৈতীনের যারা জনর্থক কথার দিয় বাকত)	৯-যাল্য	63		বাহিবাসর বিভিন্ন শ্রেণীর প্রেশ-সম্পানে দিকে না ভারালে	३०-दिसद	55	90
	আয়ত অশীকারকারী ও নদী হত্যাকারীদের	৩-আল ইমরা-		60%	দক্ষম (বিভিন্ন দক্ষম নিয়ে প্রবেশ করতে বললেন ইয়াতুর			
	কান্ধির অবস্থার মারা দেলে (পুনিরা ও)	২-বাকুরা	524	658	वा, वा पुरास्त्रामः)	১২-ইউসূচ	94	961
	নতে অন্বীকার করে ধারা ভাগের কর্ম বিফল)	৫-মারিপা	6	62.7	প্রতিশালক (বিভিন্ন প্রতিশালক উত্তম না এক আল্লাহ)	১২-ইউস্ফ	-000	961
	ফিন্দের (ন্যার সামে উচ্চখরে পর্যা কথাপ)	৪৯-ছজুবাত	3	950	ल्यांति (मानुरमत ल्यांति विचित् मतानव)	৯২-পাইপ	8	200
	নমনাঞ্চারীদের কান্ধ আদিবাতে বিকল হবে)	22-रूम	39	966	হুসল (অনুহার পানি হারা বিভিন্ন প্রকার ফলল উৎপন্ন করেন)	৩৯-মুমার	52	23
	ব (শিৱককাৰীদেৱ)	৩৯-যুমার	94	৮৭৬	ত্ত (বৃষ্টি ধারা আল্লাহ বিভিন্ন ব্যক্তর ফলমূল উৎপন্ন করেন)	ত্ত-ফবিৰ	37	781
	ন্ব থান্ড আল্লাহ বিদ্বল করে নিবেন)	৪৭-মুহাম্মান	95	275	বঙ (পৃথিবীতে বিভিন্ন বডের পাথ্যক বসেছে)	ত্ত-ক্ষতির	29	bat
	(জন্মহ নষ্ট করে নিবেন)	৪৭-মুহাম্মাণ	ъ	225	বঙ (বিভিন্ন বচন মানুখনস্কণ্ডপ্ৰপালিত পত পৃষ্টি)	ত্ত-ভাতির	20	b/85
	হওয়া প্রদাস (শিরকের কারণে)	৬-আগ্'আম	by	608	শাস্ত্র (বিভিন্ন মতন শাস্ত্রি হতেছে ভারান্নামে)	৩৮-সোরাদ	25	5-80
মুনাজিকদের ব	র্ম বিকল করবেন আস্থাহ	8 ५-इक्स्प्राचन	59.	978	পাৰ (বিভিন্ন খানেৰ খানা পানা আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন)	৬-আন্'আম		
বিবর্তন (মৃত্যু	)					g-कान् जान	787	650
	পারে বাংলর বিষর্জন, যুদ্ধার অপেকা, অভিনয়নর	৫২-কুছ	00	200	বিজেন (আরো দেখুন মতপার্থক্য শব্দটি)		Ь.	-
	া দেখুন কগড়া শব্দটি)				কী ইনামন্ত্ৰের মতে বিচেল সৃষ্টির অভিযোগের অপান্ধ (বালে আ. এর)	২০-জ-হা	38	981
Buseren Status	বাপান্ত রালুল দ. এর সাথে জনার মেন নিকা নঃ পরে	55-0300	09	958	মসঞ্জিদ বানানো (কতিসাধন কুক্তরি ও বিজেন সৃষ্টির জন্য)	৯-ভাওবা	109	60
	পরে বিবাস করা নিবেধ	p-2014004	85	606	विखम			
	A I I I I I I I I I I I I I I I I I I I	F-141.141.1	100	000	ব্যক্তিবদের বিভয় (কেরেশভাকে রামূল স. বানানো প্রদক্ষ)	৬-আন্'আম	ъ	25
दिवामकाडी	বারীদের সংবাদ বাসুল স. কে পৌছাদে৷)	৩৮-সেয়ান	1	5-69	রাসূল স. এর বিবরে কাফিয়দের বিষয় প্রসঙ্গ	ও-আন্'আম	ъ	23
	দাসন্তর নথেবে রাপুল ব. ৫০ গোম্বাসের)	no-Falala	52	001	বিজ্ঞান্ত		1	
বিবাদমান				_	অনুবানবারীসারক ভিত্তর করে (পূর্ববারী কর্মিবাসক অনুকরণ)	৯-জারবা	60	-86
	বিবাদমান মু'টি দলে পরিগত হওয়া প্রসত	২৭-নামল	80	900	অপরাধীনেত্রক বিবাস্ত করা হক (প্রনিয়াকে)	50-87	99	74
বিবাহ (আরে	া দেখুন বিয়ে পদটি)		1		অধীকারনবাকৈ বিষয়ে করা হয় (আপ্লাহর আয়াত)	৪০-মু'মিন	60	50
	বাহ করা মুমিলদের জন্য বৈথ নর	৩৩-আহ্বাব	60	100	আপ্তাহর বিষয়ে মানুষ্ঠে কিন্তাবে বিস্তান্ত করা হঞে?	২৯-জানকার্ড		6.5
হছন (বিবাহ	দ্বন থার হাতে সে পূর্ব মোহর দিবে দিলে)	२-वाङ्गावा	209	654	আপ্তাহ সম্পর্কে বিভাগ্ত করতে পারবে না সুপরিকরা	৩৭-সাহ্চাত	362	200
বছন (বিবাহ	থেনের সংকল্প করা নিষিত্ব ইন্দক চলা কালে)	২-বাকুরা	202	229	व्यक्तित संदर्भ विवास गाउँ (अस्त्य)	80-पुश्क्रक	200	30
বিবাহ বছনে					ভিতাবে বিহার করা হচ্ছে মানুবলৈ?	<b>१-आम् आम</b>	24	80
	আৰক্ষ নে ভাবন দলিত ফোর শান্তি পর্বীন নতীর অর্থক)	8-991	30	260		६-आन् जाम १५-मविद्याह		
	A count about the same was a contract of contract	U-7+11	1 < 10	1.00	বিবাড (বিয়ামত সম্পর্কে বাকে বিশ্রাস্ত করা হয়)		- 2	25
বিবাহযোগ্য			1-	-	বিপ্ৰান্ত (কিয়ানত সম্পৰ্কে থাকে বিপ্ৰান্ত করা হয়েছে)	৫১-ছবিয়াত	in	25
	লে; না হওয়া পর্যন্ত যামই (সম্পন প্রবান প্রবাস)	8-FPH	6	669	সদৃদ কীপ্তৰে বিপ্ৰান্ত ২(মহ) (মাস্ট্ৰাহ(ক.নৃষ্টা দীকৰ করেও)	8 <b>०-पूर्वक</b>	31.8	100

Parameter Street, Co. St. Street, Co. St. St. St. St. St. St. St. St. St. St			19919	Free		,	
नव विश्वक्रम	न्द्रान्द्र व नाम	422.5	श्रुका	বিষয়/রবম	जुहा नर ७ माम	1001	पृक्षा
বিজ্ঞান্ত (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)		$\overline{}$		ব্যতিভাৱী বিৱে করবে কেবল ব্যতিভাৱিবীকে জখবা	₹8-79		118
मनुष किसान विसंत्र का जब्दा जादाव सद्धा विधियनका (नोरेट	৩৫-ফাতির	0	786	ব্যতিমারিশীকে বিয়ে করবে ব্যতিমারী ভারবা মূপরিক	३8-मृद	0	998
মানুৰ কিডাবে বিভান্ত হয় অথট আল্লাহ তাদের প্রতিপাদক	8०-मुस्मिन	62	550	ব্যভিজৱী-ব্যভিজৱীনীর বিয়ে	५8-नुद	0	118
মনুষ্যানাকে কিডাবে বিভাগ্ন করা হতে আ লক্ষ্য করার আধান	৫-মারিগা	98	690	মালিজনাধীন দাসীকে বিয়ে করার (ধেতা প্রসং	8-निमा	0	625
মুনাঞ্চিকরা কিলাবে বিস্তান্ত হচ্ছে!	৬৩-মুনাবিকুন	8	268	মাহরম (বাদেশ্রকে বিয়ে করা হারমে)	8-निमा	55	203
মুশবিকরা কিয়াবে বিভান্ত হতেঃ (শিবক প্রসঞ্চ)	১০-ইউনুস	08	190	মুক্তাকীদের বিজে নিকেন আল্লাহ থাপার নম্বনা ছয়দের সাথে	88-7414	28	2008
Ratife		-	-	যুৱানীকে অগকেনৰ চুৱানে সাথে বিয়ে দিকো অল্লাহ (सञ्जाए)	65-94	30	300
পিতা ইয়াকুৰ আ, সুস্পন্ন বিপ্লান্তিতে নয়েছেন (ইউসুক্ষ আ.		-		মুদ্দিন নার্টাকে বিজের পর স্পর্যুপর পূর্বে ভাগতে নিয়ে ইম্বত দেই	००-जास्यार	83	504
এর ভাইদের মন্তব্য)	১২-ইউনুক	b	944	মূপরিক নারীকে বিবে করা নিবিদ্ধ	২-বারুরো	443	455
পুথনো বিপ্ৰান্তিতে ব্যৱহান পিতা (ইয়াকুন আ, এর পুথনা খলপ)	১২-ইউস্ক	24	996	মূপত্তিক প্রকল্পকে বিশ্বে করা অধৈন	২-বাকারা	442	656
সন্দেহ (বিভান্তিকর সন্দেহের মধ্যে ছিল কাফিররা)	৩৪-সাবা	98	984	মুদ্দিন দাবীর অভিয়েশ্যের অনুমতিক্রমে দাবীকে বিয়ে করা থৈ	৪-মিশা	20	6,90
Raifees	00-444	6.9	0.95	দুলা আ, তে বিয়ে নিতে চাইলেল এক কলাও সাথে (কলান্তটের শিক্স)	২৮-ভাসাদ	39	9.70
সংগ্ৰহ (অহসে বিভাগর কুমান সম্পর্কে বিভারিকর সংগ্রহ আছে)	-		_	(RESERVED AND ADDRESS OF THE PROPERTY OF THE PERSON OF THE	৪-দিশ	8	
	8२-गृहा	78	9,355	CHEST	8-निमा		666
সপেহ (বিজ্ঞান্তিকর সপেরের মধ্যে হয়েছে, চুরজনে অবিশ্বাসীর)	৪১-চুস্সিল্যত		34.9	সমর্থ না ভাবনে		58	690
সন্দেহ (বিরাজিকর সন্দেহে ররেছে মুগরিকরা)	३५-दुन	220	992		३8-मृह	00	999
সম্পেহে (রাসুদগণের আহবান সম্পর্কে কাফিরবা )	<b>38-देखादीय</b>	>	998	যদ্দিন মুদ্দিন নারীকে বিয়ে করার পার্মেন থাকলে পার্দীকে বিয়ে	8-নিসং	56	660
সংগহ (ভাওইলের বিষয়ে সলিহ আ, এর মার্ডির বিপ্রান্তিকর সংগৎ)	22-gd	68	947	হারাম (পিতৃ-পুরুষের স্তীকে বিয়ে তরা হারাম)	৪-নিগা	22	669
বিহাতিমূলক				বিলা বিয়ে (প্রকৃত বিধানের অপপ্রয়েখ)	২-বাকরে	400	<b>१</b> २५
স্থিনা আ, তে হতার বিষয়টি বিজ্ঞান্তিমূলক (ইয়ুলি কর্তৃত জুলবিছাপ্র)	8-901	201	499	বিয়ের বিধান			
विमर्थ				বুদিশদের বিজের বিধান (বাদেরতে বিয়ে করা হালাল)	৩৩-জাহ্যাৎ	60	800
হ্যবানোর জন্য (কোন কিছু হারানোর জন্য বিমর্থ না হওয়া)	<b>४९-श</b> मीम	30	360	বিয়ডি (উহ)			
विश्व	_	÷	-	শিক্ষ মাজর প্রতি বিচারি প্রবাশ করিছেবং (দিয়ানর অহবুল প্রদাস	৪৬-আহ্বাফ	39	809
অপ্তাহর অলগিয়ার ব্যক্তির জন্য পরতান নিয়েজিত করা হয়	80-पुरक्ष	06	brbbr	fees		-	
অস্থাহর পথে ব্যস্ত করা হতে বিমুখ হলে	৪৭-মুহামান	Ob:	332	অপ্রীগ/মন্দর্কার থেকে নামান্ধ বিশ্বত হাবে	২৯-আনবার্ড	80	5-50
প্রতিপাদকের অনুপবিমুখ লোকের দুংসর শান্তিতে প্রবেশ	१३-सिन	39	374	অগার কথা থেকে বিরত থাকে (মুমিনংগ)	২৩-মুমিশুল	0	985
সভা বিদুখভার অলৈ (কাঞ্চিকা)	৬৭-মূপত	57	290	আচন প্রতিয়োগ করতে পারবে না কাধিকরা (মুখ ও পেছন গেকে)	ap-referen	O)	903
विद्यवा	01:410	40	910	আমাত থেকে ফেন বিয়ত না বাবে কাফিড্যা (হাসল স. কে)	২৮-কাসাস	20	35.4
ক্ষিত্ৰদের বিমুখকাই বৃদ্ধি কলগ কুলখানের কলিব	১৭-ইবর			আল্লাহর পথ থেকে বিরত রাখে (অধিয়াতে অবিশাসী)	22-EH	35	569
বৃদ্ধি (নত্ত্বীর আগমন মশ্বিকনের বিমধনাই বৃদ্ধি করল)		87	939	অন্তর্জন পথ থেকে বিশ্বত রাখন করেন মাদ্য পরিসতি আরানন	১৯-নারল	28	933
বৃদ্ধ (নথার আগমন মুখারবলের বেমুখারার বৃদ্ধ করণ) বৃদ্ধি (বিমুখনা বৃদ্ধি শাস অধিবলের রাহমানকে দিবলা না করার)	০৫-কাতির	82	3460	আল্লাহর পথ থেকে বিয়ত রাধার কাভিত্তের শান্তি	১৬-শহল	h-p-	930
	২৫-মুক্তাদ	80	99/6	আল্লাহর পথ থেকে বিবস বাবে হপতিকাণ	৯-জাওবা	>	880
বিয়ে (ঝারো দেখুন বিবাহ শথটি)			-	অল্লাহন পৰ হলে বিয়ন বা ৱাৰ্য (ত'বাহিব আ, এৰ প্ৰয়েক প্ৰসঙ্গ)	৭-আ'রাক	10	950
জন্ম প্রমাকে বিটো না করা পর্যন্ত আলাক প্রথম প্রী হালাল হবে না	২-বাকুরো	200	650	আল্লাহর পথ থেকে হারা বিরত রাখে তারা পথস্রই	১৪-ইবরাহীম	20	800
অভিযানকের অনুমতিক্রমে মুদ্দিন নালীকে বিয়ে করা বৈধ	8-নিসা	-52	@60	আল্লাহর পথ থেকে মানুছকে বিধক বাবে (২নাফিকরা)	৬৩-মনাঞ্চিতন	3	866
অপ্তিমদেৱকে বিজে দেৱার নির্দেশ	২৪-নূত	જ	111	আগ্রহর পথ বেকে যার বিশ্বত রাখে তারা পথস্রের	৪-নিমা	369	210
অপ (বিষ্ণুৱ অপ বাহে ন এনে বৃদ্ধা অভিনিক্ত ৰাণড় বুলে এবং)	২৪-নূর	00	Tro	অপ্রায়ে পথ থেকে মানুহকে নিকে প্রধার পরিসমে (ইপ্রসিলের)	৪-নিস	200	
অহলে কিতাৰ নারীকে বিয়ে করা প্রসঙ্গ	৫-মায়েদা	6	63.7	আপ্ৰাহৰ পৰ থেকে যানুহকে বিধাত প্ৰায়ে যায়	8९-मश्चान	08	644
ইমত পালন ও হিতীয় বিলে	২-বাকারা	505	650	আপ্ৰাহৰ পৰ থেকে বিয়ত প্ৰাথম মন্ত্ৰণালয়ক পান্ধি	২২-হাজ	₩ ₩	
ইরার্ডীর নারীদের বিলে (প্রাপ্য প্রদান ছাড়া)	৪-শিনা	254	640	অপ্তাহর পৰ থেকে বিয়ত প্রথম কাফিবর (মানুহকে)			960
ইয়ুদী ও খ্রিয়ন নারীকে বিয়ে করা প্রসন্থ	৫-মান্ত্রনা	¢	62.2	অক্সাহক বিরত প্রধার মত কেট নেই (কথা বানানো প্রসঙ্গ)	৪৭-মুহাখান ৬৬-হার্কাহ	89	976
উৎসাহ দান (বিয়ের প্রতি)	२८-मृत	95	999	অন্তর্ন বিষয় প্রেরমান বর্মনার বর তেও সের (করে বান্যাস) প্রস্থার			
উপার-উপকরণ (বিজ্ঞের উপার-উপকরণ পারা না যে)	२८-मृत	90	999	অপ্রায় ইকার থেকে অহন্যার বরে অন্য কেট বিচ্নত থাকে ন	৯-জাওবা	86	680
একমন নার্টকে থিয়ে করাই ভাল (সমস্তা রখন করতে না পাছলে)	8-5791	0	669	অপ্রাহর করত থেকে বিরক্ত রাখ্য (কটিবলের কান্ত)	২১-আছিরা	77	667
একাধিক বিভে	8-5PH	0	660		৪৭-খুহামান	2	250
কাঞ্চির (অবিশ্বাসী) নারীকে বিয়ে করা অবৈধ	৩০-মুমকাইনা	30	262	অপ্রান্তর পথ পরেক বিজ্ঞা রাধার ইমাননার্ত্তক (আহলে কিকারে) আপ্রাহর পথ থেকে বিজ্ঞা রাধার জানিয়ার	০-আলে ইমরান	99	484
প্রিষ্টান ও ইঙ্নী নারীকে বিশ্বে করা প্রসক	ए-मारक्ता	0	442		৭-আরাফ	82	623
চার জন নারীকে বিয়ে করার বৈখতা প্রসঙ্গ	8-मिना	0	225	আহলে কিবাৰের কেউ কেউ বিৱার ছিল (দিয়ান থেকে)	৪-মিসা	24	୧୯୬୫
ভাগরনার মুরদের সাথে বিরে (অল্লাহ মুরাবীদের দিবেন অল্লাভে)	৫২-বৃদ্	30	200	ইন্দ্ৰাইম আ, বিৱৰ না বাল পিতা আৰু পাৰৰ নিকেশ কৰেব	১৯-মারইলম	86	909
তিন স্থন নারীকে বিয়ে করার বৈধতা প্রসঙ্গ	8-50st	0	660	ইবানত থেকে বিৱন্ত থাকেনা (ফেলেডরা)	৭-আ'রাফ	₹00	907
ভালাক প্ৰাপ্তা মহিলার বিত্তে	২-বাধারা	202	496	ইন্মাইন আ, তে নিয়ত থকার নির্দেশ গৃত আ, এর সম্প্রদায়ের বংগারে	22- <u>5</u> 2	9.6	495
দাস-দাসীদের বিবে দেরা	38-78	03	999	ইয়াবিনের সম্পদ প্রকা থেকে বিরঙ থকা উঠিং (ধ্বী অভিভাগ্যকঃ)	8-1925	9	240
দুইন্ধন নারীকে বিত্রে করার বৈধকা প্রদান	s-fixe	0	669	দিবাদ আৰু থেকে মনুমতে বিয়ত হাবে তেবল এই যে- তাৱা ব্যস্ত্ৰ	১৭-ইস্রা	h8	922
লেখ নেই (মুমিন দারীলেয়কে নিয়ে করাকে লোম নেই)	২০-মুমবাহিনা		969	উপাসনা থেকে, পিতৃপুক্তারে উপাস্যনের	১৪-ইবরাহান	20	658
দৰী বিয়ে কৰাত চাইলে নিজেকে পদকাৰীন মুক্তিবালে কৰাত পাছন	००-व्यवस्थान	đo.	204	কনীয়া তথাহ থেকে বিয়ত থাকলে সাদীয়া গুনাহ মোচন তথা হলে	8-गिश	40	6.92
দৰীকে পালকপুত্ৰ যাছেদের প্ৰীর সাথে বিয়ে নেয়া প্ৰদক্ষ	००-जाइसम	09	into	বলাকাৰন (ইপাহ চিলাছন কৰা থেকে বিয়ন্ত থাকা কলাকবের)	8-NN	242	295
নিবিদ্ধ (বিব্ৰে নিবিদ্ধ হুপত্নিক মারীকে)	২-বাবুরে	552	454	অভিবল্প বিৰক হবে (উদেব খাপারে তিরন্ধার করতে)	৯-জার্থ্য	24	485
निविश्व/दास्त्र (पटनंतरक विटह करा दास्त्र)	৪-নিদা		000	কাভিত্তর বিরত হলে (আল্লাহ আনের কাজকর্ম দেখাবন)	५-कान्यस्य	Ob	902
পছ্পের বাধীনতা (নারীর)	2-304tat	505		কাফিবৰা বিৱত হলে ক্ষমা করা হবে তাকের সভীত	৮-জন্মাল	50r	502
পৰিৱ নারী-পুরুষের বিরে			650	কমিবর বিরত হলে_(ফর্জিলুল হারমে ফুর কর হেতে_)	२-वाद्रवस	286	652
	२८-स्व	48	110	কাঞ্চিত্রা বিপ্রত হলে (যুদ্ধ খেকে) কোন সীমালকান নেই		180	655
পিতৃ-পুরুষের ব্রীকে বিরে করা হারাম	8-PH	55	662	কাঞ্চিত্রা বিরত হলে- যুক্ত থেকে (তাদের জন্য কল্যাণকর)	৮-আনচাল	7.9	900
প্ৰভাব পামনো প্ৰদাস	২-বকরা		<b>૯૨૧</b>	বিবামতে বিশ্বাস থেকে যেন বিবত হাখতে না পারে (মসা		_	_
<b>श्र</b> विवाद	৪-দিসা	0	669	বা, প্ৰস্ব)	२०-झ-श	79	487
বাধা (বিয়ে কবতে বাধা না নেয়া ডাগাকপ্রাঞ্জা স্ত্রীলেরকে)	২-কব্বরা	202	659	বুলারি খেকে নিয়কে বিয়ত বাবে যে প্রেরিপক্ষাকের ভরো)	৭৯-নাৰ্য'জত	80	2006
			_				

বিবাত বিবাত

বিশেষ্যয়িত বিষয়/ধ্যস স্বাস্থ্য নাম বিষয়/প্রসঙ্গ नदा नः । नाम (चलकः) 251 अस्तर त कुल्ल में उन्न विद्वाधियां करवा व्यक्तियां (कारवाद) বিক্তম পোৰ্ব পাইছ কোনো স্থানত এ বাসল সা এর বিরোধিতা করার পাতি অস্টার 49-21-62 क्या टार्चन इट्ड विक्ड (महि मा वामा गर्वेड) 36-4624 আক্লহ ও য়াসূল স. এর বিলেধিকা কলে ন N. WILZER মার্কিরামতে নিতে ক্রাইত হয় ক্রমণ স. (পর্বিপালয়স। উপাস থেকে। AQ 1525 600 2-বাহিকদের পারস্পতিক বিরোধিকা জীবনত ৩৮-ইয়াসীন मारायक' १९१४ निवत ना श्राम बामान्य श्राम्बायका श्रामिक বাসৰ স. এর বিরোধিতা সেঠিত পথ পরিস্কার সংঘার পর। राज्यपुर्वात्वात्व प्रकृत त्याव विवास ताला भारतान (प्रमाणकार प्राप्तात ৪৭-মহাত্মদ e afau চিল্টা প্রসা থেক দিয়া প্রথ প্রেক্টানর চিল্ল ক্রিটক কর। 19.5325 মিকা থেক ভিতৰ প্ৰকাশ নিৰ্দেশ কোনা সংখ্য বিশ্বাস কৰে। আৰু 43.5552 লাসল সা এর পানন বিশ্বাধী মারা হারা আলাহার সার্ভ 205 (জালাচন পথ সেতে বিৱস্ত রাখ্য অধিক কক্ষমত পাপ) ২-বাক্তব প্ৰতিস্থিতিত থেকে দৰ্বসনেত্ৰকে বিক্ত কৰা ৩৪-সাফা ¥88 স্মারের সদক্ষে মানা বির্ত্তিত করে (মঞ্চন,তিস্থাম/পর্বনির্ভাগন প্রামার্ট ०) शकास পথ থেকে বৈষধ্যত পথ থেকে ভিত্তত বাপতে গুলালন্দ বাব । le stand আন্ত্রিভাগ পর্যবিচলিনা ছাত্রই আগ্রাহ সদক্ষে মানা। বির্ত্তক করে 03-50x14 পথ থেকে (পথখান মানুষকে সঠিক পথ থেকে বিচন আৰ 80-7997 नार (खालकर नार त्यात राज विकास बाज खालन पात ना बावान निर्देश) ৮-প্রকার বৈজ্ঞানীয় বা জিল্প করাজন না সাজা বাহব নিয়ে আসাত 33-89 প্রমান ক্রেরটিক গ্রন্থালী কেট ডিলিল প্রদাস বিত্তে খালে 309-118-(CARAMETER BELL) Grat rera विकल शाकरत (आपने मा शाकरन 28-74 লাগ (বিদাদে পাপ নেই মিনায় অবস্থান প্ৰমঙ্গ) ১,বাৰাব বদ্ধার নিবস্ত থাকা উন্তম (মারিবিক কাপড় পুলে রাখা থেকে ভিন্তা হ'ল সংক্ৰমিক লগত কোন বিভাগ হ'ল না 38.70 ्रा<sub>र</sub>्तावर ৫-মাজিদ aw feet ners fear award ferring হল নাম ও স্বাধীনতা ওচনা বিভাগ বাগনে আনার ইতিহত আ ও 10.7570 29 নিৰ্দিষ্ট সময়তে বিদাধিত কৰতে পাছৰে না কেই 30-20-0 600 নিদির/মৃত্যুর সময়কে মানুদ বিদক্ষিত করতে পায়বে -হস্তাভিত্য চালহ গেল্ড বিকাম থাকার ওলগানাকত শাস্তি 33.3706 980 ১৮-নার্গ 63 মসন্তিদুল হারাম হতে বিশ্বত রাখে কাবিদার। মহিলনেরকে AV.URE Files reactor sint feeting accordance of better with ১১-হল २७-भू बिनन মসন্ধিতে হারাম থেকে বিরত রাখা (বিষেক্তব্যত) হ-মারিপা নিৰ্ভিত্ত সমূহ্য বিশক্তিক কৰাত পাবাৰে লা (কোন উম্মন্ত) v-States 902 মস্পিত চাল্ড গোড গোডাদ্বলে বিবল বাধাৰ পাতি -08 নিৰ্বাহিত সমূহ বিশক্তি ভৱতে পাৰে মা কোন জাতি 32-Ses Transmi fermina wa rena faan randra (sulfa-pai ev-paratet মুক্তবাল বিলম্বিত বাবাত পাৰতে মা *লেভিড*ৰ দিন ৩৪-সাল Expecial faces on one news resist one relations room and NA-SENTS 24 য়ক বিকে যাবৰ্ত বিপশ্বিত হতে সংকোশ ভিন্নতেও নিৰ্দিষ্ট সময় a my'est 6120 ফ্রাফ্টের/ডেরে ব্যক্তিরে/ডেন রটনবর্নীয়া নিয়ত ন হলে শতি en, als di inth তালে স<sub>নাত</sub> বেচন প্ৰতিক বিপস্থিত কৰা বাসন স<sub>না</sub>বৰ উপ্তেশীন ~^-WINE bab প্ৰাৰম্ভাৱত বিশ্বত ৰাখে আপ্ৰাৰণ পথ খেকে পচিত ও সালায় >-W1681 10.5 680 শারি (নিনির সময় পর্যন্ত শারিতে জিপ্তিত করুল কমিও বল 22-EH 6600 WALKER COAL EASTER WHEN AT MITTER A PARK MAD PARK MAD PARK AND AND ADDRESS OF THE PARK AND ADDRESS OF RALDKISTO সময় (আলাহর নির্পানিত সময় বিসালে বিদক্তিক করা হয় না) 948 असम्बोत (प्रतिक मध्य भागा विका कर्ष (भागनीय कविकास करा) 30.30 665 Serv. Bears अधिक स्था त्याचा स्थानाम जाम/ब्राह्मत्रक विकास त्यास्त्रिक 35,300 Name (or our Surrous) water San name over Surhalisa BB. FYE স্থাতিল পথ rang প্ৰাক্তান সাধাৰাকীকে বিভান কোৰছিল ३९.साइव Gerry smooth size we are from our profes (formittees) 8०-वृद्धि ন্মিয়ার ছবিমে বিবাস-সাহগ্রী দান (ভাদ-সম্প্রনায় প্রসম্ ২৩-মুমিন সামার সমীক্ষ শানিকার সামা গোলে বিবার বোপটিল 39,2157 পিছনে ছুটা (খুকুমকারীয়া বিশাস সামগ্রীয় পিছনে ছুটেছিল) 698 মুদ্ধ হলত ভিত্তত ভাতিৰ বিভাগী আলাহৰ উপৰ সমৰ্পিত ২-বাকার 396 ३५-व्यक्ति ক্ৰিৰে আসা (জালিমদের বিপাস-সামগ্রীর দিকে ভিত্তে আসা) 920 दिमुद বাসল প্ৰেরণের বিরতির পর রাদ্দা সা এসেকেন 4.1759 Swit first treat (smale talens) ২১-আধিয় Sati অনুহার্ (আপ্রাহর পক্ষ থেকে মুমিনদের জন্য বিরাট অনুযার) হৈছিল বিশ্বজন বিজয়ী হয়ে নইপত বালের উপত্তে ×-800000 ক্রার (রানুদ দ, এর প্রতি প্রতিপদালের নির্মাই করাছে বরেছে। 19-378 ক্রম (বিহাট কসমুটা কী মানব যদি জানত। ०५-वसकियाद र्णकार कर्मन (विकास त अस्त्रल (क्रतंत्रव शर्वक्रतं सर्वतंत्र शिल्ल भवेत्रत (विकासकेवर विकास करें देशवास्त्रिया करा दिवारे भवेत्या) 18-देशकारीय পর্বত বিক্রায় নীলমানর প্রাক্তান দ্রুগ বিশাল পর্বতের মত হল 59-9, alist श्रीकाम (वर्षीका मुक्तिक्षित निर्धि श्रीवनन निरन जहार) Qiv. TSTR অভ্য (ভালতে ভাল্ডাপট সেৱানত ও বিশাস একা দেখা যাবে 93.5000 মান্তি (বিবাট শান্তি আকানন করাবেন আল্লাহ জালিম बासर (हेरबाडीटस्ट श्:नश्वाक विनान बासर मान) সাফল্য (মুনাভিতদের বিবাট সাফল্য লাভ করার আকাক विभिक्तिस (प्रांसद/क्रिम) General (grass mility front freezing einet enter 3.9.2020 তিসাধ (বিশিক্ষা) যালুকা নিয়ের হিনাকের করে অস্তার কালের হাকে। faars: 81a ক্ষাই দিন বিধারবীনভাবে থায়ে ছাত্রের বর জেন ভাতির উপর Fox /Swac Foru of inventors State Roseillo Fig. - or (INVIVI) na...eterere बार्यकाराम (आम मान्सन्याम अहि निवासीन नदक्षनादान (अल्) The Former Will Harrison control Montreals Montreal Wy\*SZIG বিক্সাচনণ ২৫-ব্যক্তান পতি টেক্স পরি অসমির করের জারাহ ভারতে বেকে অক্সত ও বাসুপ স, এর বিজয়াসহেশর পরিশতি ছোটা কাহ<u>েনা</u>ম 683 প্রতীক (স্থানের প্রধানীকের বিশ্বর পানীর পান করাকেন ৭৬-নাহর 200 स्थार व बांज्य प्र अव विक्रकाज्यकारीय गाक्रिक Air-Satatet 2018 হুদর (বিচছ হুদর দিয়ে আল্লাহর কাছে আনা ব্যক্তির সন্তান लामका विजयान्त्रपदावीत्रपटाव महिन्द्र करा इटर 3/4-10\*09Tot 432 ৫৮-মুজারালা स्थानक विकास का स्थानिक अस्तार अपने प्रवित शाला साथ स ৫৮-মুকানালা 208 Des and 8.500 erson or not florestrone starte actebuty উৰদত নিক্তম অনুয়ে অনুয়েই ইবদকের দির্দেশ আহসে কিবনকে ৯৮ বাহিলা Sex esta व्यक्तिकारक विकास प्रशासिकात तात देगा स জারাজীদেরতে বিভন্ন পানীয় পান করালো হবে ben attentioning বিশক্তবা ভোৱো দেখন জ্যাসাদ শৰ্মটি officerant floor our category are effect No. Hall বৃদ্ধি (ভিত্ৰ'আইনতা বিশবস্থানা বৃদ্ধি কৰেছিল নগৰে লগৰে। 55-919S বিরোধ Rent 9.31'818 স্বাসকা (সামী, সীত জিলাগের আশক্ষা থাবলে উত্তর পরিবার Gorary Green are more ਹਨ। ਅਤਿ ਕਿਵਿੰਦ ਹਨ। ਇਹਨ 926 a.Sort 00 693 cercas sefficients বিশেষক্ত (আরো দেখন গ্রেফণা- চিস্তা পদটি) ভিতাস (বিশেষভাতে জিলান করার নির্দেশ অল্লাহ সম্পর্কে) শোহাইর আ, এর সাহে বিরোপ ফো সম্প্রানাতে প্ররোচিত না করে 22-59 SOUTH CASE কিবোভিজা fer-entire. পত সভান ভার বিশেষিত কর হয়েছে। (মপরিকলেরকে) 80-पश्चप

25 1239

45.3143

remove of prices or your farmfunds above (removed with)

বিশ্রাম বিশ্বাসী

नेप निरा/धनक	न्द्रा मर ७ गाय	400	প্ৰা	भव विरा/धरण	স্রাদং ও দাস		
বিশ্রাম				কুরজানে (কেউ কুরজান বিশ্বাস করে আবার কেউ করে না)	১০-ইউনুস	80	42
পুমকে বিপ্রায় বানিয়েছেন জন্মহ	২৫-সুরকান	89	999	কুৰজানে (কেউ কুৰজান কিশ্বাস করে না আবার কেউ করে)	১০-ইউনুস	80	95
পাহরের উপর বিশ্রাম (মূসা প্রা, ও তথা সঙ্গীর)	79-কার্ফ	90	900	কুরআনে বিশ্বাল ও অন্যান্য প্রদক্ষ (মাকাশ-পৃথিবী)	৫২-তৃত	99	310
বিপ্রায় সরূপ বানিয়েছেন আল্লাহ	JA-MAI	ъ	2000	পুরব্যান বিশ্বাস করে না (যারা বাল কুরবান নবীর বানলো কথা)	৫২-তৃত	00	36
রাত (আল্লাহ মানুদের বিপ্রামের জন্য রাভ সৃষ্টি করেছেন)	৬-আন্'আম	36	906	ৰাজুকরমের বিশ্বাশ (মূদা আ. নত প্রতি বিশ্বাদ করার বিদ্যানাউলের ক্ষেত্র)	50-EL-22	35	9.8
বাতে (জন্মার রাত সৃষ্টি করেছেন বিপ্রামের জন্য)	३०-१%म्	69	660	লাপিমরা বিশ্বাস করে না (ফারসালার দিন সম্পর্কে)	১৯-মারইরাম	Ob	9,0
রাত সৃষ্টি (আরাহ কর্তৃক মানুহের বিপ্রামের জন্য)	३९-मायल	9.0	804	নিদের প্রথমজাল বিশ্বাস ও শেকজাল অধিশ্বাস করতে বলে	৩-জালে ইমরণ	92	28
রাত বিশ্রাম দেয়ার কন্য বাদিরেছেন আল্লাহ	২৮-বাদাদ	90	844	দ্বীদের অনুসরণ না করলে ভাকে বিশ্বাস করা নিষেধ	ত-জালে ইমবন	90	48
রাত (বিশ্রামের জন্ত রাত এমে দিবে কে?)	২৮-বামান	93	P78	নির্মান (বিয়ামত হলে নির্মানে অধিধানীর সাথে এক জীবের করা কর)	২৭-নামল	84	p.c
রাজের সৃষ্টি (আল্লাহ বিশ্রামের জন্য রাভ বানিরেছেন)	৪০-ছ'মিন	65	550	নিদর্শন (অক্সাহর নিদর্শন বিশ্বাস করে হারা তালেরকে)	৩০-জন	60	84
বিশ্রাময়ত (দুপুরে)		-		নুহ আ, কে বিশ্বাদে সম্প্রদায়ের খৌল্লা অক্সয়ত পেশ	২৬-হ'আরা	333	92
শান্তি (দুপুরে বিশ্রামরত অবস্থার শান্তি জনপদ ধ্বংগ প্রসঙ্গ)	৭-জা'রচ্চ	8	930	পিতা বিশ্বাস করছে না ইউপুক্তের ব্যাপারে ভার ভাইচেরতে	১২-ইউনুক	22	69
বিস্তামস্থল	1	Ť	020	শিক্ষ বিশ্বাস কর্মে ন (উভসুয়ের ভাইরের সভারাধী হলেও)	১২-ইউল্ব	29	69
উত্তেই বিশ্রামন্থল জান্তাত (ধৃথিন ও লংকমীদের জন্য)	29-100E/B	40	929	পুনকথানে বিশ্বাস স্থাপনের আহবান (সম্বাদের প্রতি)	৪৬-আহ্বাড	39	bo
অধ্যান নিকট বিশ্ৰামন্থল (সীমালংখনকাৰীলের জন্য)	৩৮-ব্যেক্তান			ফিবমাউন বিশ্বাস করে না (মুসা/হাকুল আ, জে)	২০-ইউনস	45	26
জানায়ন দিশুক দেৱানহুল গোনান্ডেনভারাকে জন্য) জীবের বিশ্রামন্থল আন্তাহ জানেন		69	9.09	নিয়ালে দিলে অধিবাসী বাজি হতে যাবা আ এর অনুস্থা প্রার্থন	৪০-মুখিন	39	brb
निवर्गन (प्रानुसद्द विश्वायञ्चन निवर्गनयञ्चल)	১১-ছুদ	0	999	বিচারের দিনকে সভা বলে বিশ্বাস করে হারা	৭০-মা করিজ	2.6	20
নিবল্প (মানুমের বেল্লামস্থল চনদনগঞ্জপ) নিবল্প বিশ্রমান্থল (কার্যারাম) জালিমদের জন্য	৬-আস্'আম	25.	902	মিব্যাতে বিশ্বাস ও আপ্রাহর দেয়ামততে অবিশ্বাস	३७-गद्ग	45	90
	29-5020	270	926	प्रक्रिकार पाट विक्रम कर पाटकारकारीत आर प्रक्रिकी (सम्बन्ध)	2-20, State	9.5	62
দিকুট বিশ্ৰমন্ত্ৰ করেল্লাম	১৩-রা'ন	794	650	पुणिनाराज्ञरक देवनीया विश्वान कराव श क्षणां (वर्षुन ३)	7-318681	9.0	60
নিক্ট বিশ্রামস্থল জাহারাম	৩-আলে ইমরান		608	যুক্তির বিশ্বাস করে না অনুহাত পেশকরিচনতে (অনুবায়ুক্ত প্রকার	১-জাতব ১-জাতব		
নিক্ট বিশ্রামস্থল কার্যানাম	৩-খালে ইমবন		444	মুম্বিলালের কিয়াল করেন নবী ল	৯-তার্থ	86	95
নিব্ট বিশ্রমত্ব কার্যায়	২-বাকুরা	200		মুলা/হারুন আ. কে বিশ্বাস করে না (ফিরআউন)		97	58
সুন্দৰ বিশ্ৰামন্থল জান্ধায়েৰ অধিবাসীনের	२१-पुण्डारम	₹8	968	भूगा वा: तव निर्मान विश्वन ना कहार (पिकायांकन) भूगो वा: तव निर्मान विश्वन ना कहार (पिकायांकन संस्थानावार)	১০-ইউনুস	27	88
বিশ্রামে ঝানা				মূপা আ, এর নালাল বন্ধান না করে হেবল (বিকারভান নার্কারর) মূপা আ, এর কথার কবিইসরাইলের বিধান না করা	৭-জা'বাক	205	64
গৰাদি পণ্ড পালকে বিশ্বামে আন্/চাৰণক্ষিতে নোৱা মধ্যে সৌন্দৰ্গ	১৬-নাহল	6	900	(আল্লাহকে নেবা প্ৰদাস)	२-सङ्खा	20	00
বিপ্রামের স্থান				(আপ্লাৰ্ডে দেখা প্ৰদাস) মুসা আ. কে বিশ্বাস করার ভয়াসাশন্তি অপসাতিত করলে		-	
মানুষের জন্য ঘরকে আল্লাহ বিশ্রাদের স্থান বানিয়েছেন	১৬-নাব্দ	tro	20%	ধূনা আ. কে বেখান করের ভয়ানাশ্যার অপন্যাহত করলে (ফিরজাউন প্রসম্ভ	৭-জা'রাফ	308	84
বিশক্ত				ব্যক্তাস কে বিশ্বাস না কহতে অপ্তাহ নির্দেশ নিয়েছেন (বিশ্বনীয় বাস)		_	-
ইউসুফ আ, বিশ্বস্ত হল (আর্থাবের নিকট)	১২-ইউনুক	48	66-5	स्त्रुप न एक स्वाप प कराव पाद्वार माना मात्रारम (स्व्याप पान) समृत म ७ व्यविश्वनीतार पात्र गर्न होता (स्वा (कृतका गार्ट व्यान)	৩-জলে ইম্যান ১৭-ইসবা		24
কল্যাংকামী ও বিশ্বস্ত (রুগ আ, প্রসঙ্গ)	৭ আ বাক	65	653	ক্ষুণ ন ও অবস্থাসচেও মধ্যে শব চচা দের (কুম্বেল পারে জনে) পরীক বিশ্বাস করত অভিনয় (ভিরমতে জাল্লার বলবেন)		80	93
ছিল (সাধার বাদীর সিংহাসন তুলে আনার বাপারে বিশ্বর ছিল,গ্রুসঙ্গ)	২৭-নামপ	40	boo	বিশ্বাস (অধিয়াস)	৪০-মু'মিন	25	100
বিশ্বস্ত বাসুল (হুন আ, প্রসঙ্গ)	२७-७'वारा	324	938			-	
মন্ত্র (পঞ্চিশালী ও বিশ্বর মন্ত্র উত্তম)	২৮-বাসাস	26	630	অবিরাতে অবিধানীর কাথকে আপ্রাহ গোচনীয় ব্রেছেন	২৭-নাখন	- 8	Vo
রাসূল (স্বত আ, এর সম্প্রদায়ের জন্য বিশ্বস্ত রাসুল ছিলেন)	२७-७'जावा	365	996	বিশ্বাসঘাতক	1		
बानुन (१३ था, यात मण्डामाञ्चत कमा विश्वत वानुन विश्वतः)	२७-७,खावा	309	3340	অধীকান (বিশ্বাসম্বাভক আয়াত অধীকার করে নাড্রা থেকে রক্ষা প্রকাশ)	৩১-পুরমান	જ	3/4
রাসুদ (মালিহ আ সম্প্রদারের জন বিশ্বর রাসুদ হিচেন)	२५-७'खावा	280		খড়দর সঞ্চল করেন না আল্লাহ (খেরানতকারীদের)	১২-ইউসুফ	45	66
রাসুল (বিশ্বত রাসুল মুলা আ.)	88-मृशान	25.	204	বিশ্বাস ঘাতকতা/বেল্লানত			
রাপুণ (কঞ্জাইব আ, সাধ্যানহার জন্য বিশ্বস্ত রাপুণ ছিলেন)	২৬-৩'আরা	396	23-7	ইউসুফ আ, খেরানত করেনি (আয়ীয়ের অনুপস্থিতিতে)	34-26AA	65	99.
ভাই (কুরজান নিয়ে বিশ্বস্ত জন/জিবনাটল আ, এর অবভরণ)	रंश-छ,खाडा -	2%0	468	বিশ্বাসভায়ন			
বিশ্বাস (আরো দেশুন ঈমান শব্দটি)	40-0 4181	240	1099	ক্ষিব্যাদিন জা, বিদ্যাসভাজন	৮১-ডাবভীর	52	200
অধিকাংশ মানুহ বিশ্বাস করে না যে কিয়ামত আসবে	8०-मृ'मिन	69	bbo	বিস্থাসী (আরো দেখুন ঈমানলার/মুমিন শব্দটি)		-	-
অধিকাংশ লোক বিশ্বাস করে না (কনী ইসরাইকের)	২-বাকুরো		627	অনিয়তে নিশ্চিত বিশ্বাসীর মধ্য কুয়আন পথনির্দৌশকা ও কুলবোল	৯৭-নামল		80
অধকাংশ লোক বিশ্বাস করে ন (কম হসরাসলের) অপরার্থিসের বিশ্বাস/দিয়ান প্রসঙ্গ (গান্তি আসার পর)		200		অন্তাহ ও অধিবানে বিশ্বাদী ইন্নদিনেরত মহাপ্রক্রিল লাল	8-901	364	49
অকাশে অন্তোহনতে বিশ্বাস করেব না অধিনতা (বিভাগ ভারতীর্ণ)	১০-ইউনুস	67	969	আপ্রাহর উপর বিশ্বাসী হলে ভাতে ভর করে চলার নির্দেশ	७०-सम्बद्धिः		
অবিহাতে নিশ্চিত বিশ্বাসী সংকর্মগরায়বলের প্রসঙ্গ	১৭-ইল্রা	20	922	আল্লাহর প্রতি বিশ্বাসী (তাতে ভর তরা প্রসঙ্গ)	৫-মারিলা	22	95
	৩১-বুকমান	8	৮২৭	ইবরাইমমা, কে নিশ্চিত বিশ্বাসী করতে আকাশ-পথিতীর	Q-4118M1	44	49
জাবিত্রতে নিভিত বিশ্বাস করা যুৱাকীদের বৈশিন্তঃ	২-বাকারা	8	605	কর্ম্বর দেখালো হয়	৬-জাণ্জাম	2.0	60
অধিকারতে বিশ্বাস করে না যারা তারা সরল পথ থেকে বিস্তৃত	२०-मुधिगृत	98	990				_
অধিয়তে বিশ্বাস করে না যার তেনের কলা ম্যাণালয়ত পারি	১৭-ইসুরা	30	930	ইন্তনি (অ্যাহ/অভিয়তে ভিশ্বতী ইন্তনিসেকে মহাপ্রতিদান দান)	8-मिमा	795	64
আধিবাতে বিশাল করে দা যারা ভারা ফেরেশভানেরক	\$0-20KA	સ્વ	3/00	কাফিননা বিশ্বাসী নৱ হুদ আ, এর উপর (আদ ভাতি প্রসঙ্গ)	२७-मू"मिन्न	৩৮	96
অক্সাহকে বিশ্বাস করে না যারা থাকর আদর্শ বর্জন করবেন ইউপুঞ্	১২-ইছসুফ	তথ	6910	বিবামতে বিশ্বাসীরা বিয়ামতকৈ তর করে	৪২-পূবা	74	νb
আল্লাহকে বিশ্বাস করার কারণে মুমিননেরকে নির্যাতন	৮৩-বৃহত্ত	br	7026	কিন্তাপুৰবালে বিয়াবী (যার স্পট প্রবাহার উপর প্রতিটিড)	77-£ei	26	66
অস্ত্রাহকে বিশ্বাস করে যে সম্প্রানার ভারা ভালবালে না	৫৮-মুকালালা	44	328	কুলমানে বিশ্বাসী হতনা আরক্ষা (আন্দরীর উপর অবর্তীর্গ করলেও)	२५-४'शास	7777	930
অস্ত্রাহতে বিশ্বাস করে না অধিকাশে মানুধ কাং থকা মুগতিক	১২-ইউসুক	200	6946	নিদর্শন নিচিত বিশ্বাসীচনে কর (মানুদ সৃষ্টিপ্রিবজর ছড়িয়ে সেরায়)	८९-मारिश	8	20
ইবরাইম মা, এর বিশ্বাস (মৃতকে জীবিত করা প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	260	600	পর্যনির্দেশকা ও দয়াখন্তপ কুরুমান (বিশ্বাসীদের জন্য)	८९-मारिश	30	80
ইয়াকুন আ, যেনা বিশ্বাস অন্তেহিলেন উউপুচেনা কেন্তে এববও বি	১২-ইউসুফ	68	92.5	প্রতিপাশকের প্রতি নিভিত বিশ্বাসী হওয়া (বিদাপ্তার্ভন প্রসঞ্চ)	২১-হ'বারা	₹8	20
বিবাহতে বিশ্বাস থেকে ফেন বিরত রাখতে না পারে (মূলা আ প্রসঙ্গ)	২০-ছা-হা	36	983	প্রতিপাদকের উপর নিষ্ঠিত বিস্থাসী	88-मृथान	2	ho
কিয়ামকে বিশ্বাদ করে লা খারা সারাই এর বাংপারে ভারত্তভা করে	৪২-পুর	29-	P24	মুদ্দিনকা বিশ্বাসী (পালিকজ, কে থা সহ চেরদ করা হয়েছে আতে)	৭-আ'লাত	32	833

र्मम	বিষয়/প্ৰসদ		সুহা নং ও নাম	acata a	. श्री	ৰত বিহয় <i>ত</i> সঙ্গ সৰা নং ও নাম খ		78
विद्यामी (পূर्व शक्रेस		-	A STOCK OF STOCK	-	- 4	সম্পন্ন (একটি বিষয় সম্পন্ন করবেন আল্লাহ যা ঘটার ছিল) ৮-আনফাল	88	60
	মতে) হিল জিনসের প্রতি (উপাসার	700	*6.3fat	48	₩88		86	90
	কো জন্মের হাত (জনানার প্রসাসের অন্তর্ভুক্ত	(,-1)	২৮-কালাস	20	bob		88	60
	ছেলালে অভত্ত ছেমী সম্প্রদায়ের জন্য পর্যনিয়া	Singer on years)	৭-আব্রাফ	200	600	পানার তারীর বিভাগে পরিস্কারণের অভিযুক্ত আহ্বান		_
	বিশ্বাদী সম্প্রদারের জন্য আ		२-वाकृति	229	670	(স্পাইমান আ, প্রসঙ্গ)	05	20
	াবস্থান। সম্প্রদারের জন্য অ। বিশ্বাসী নর আন সম্প্রদার	बारु वसना)		339			29	03
	বিশ্বাসা মন্ত আন গণপ্রদার		77- <u>ई</u> स	40	630		06	30
বিষপ্ন				_	_			00
	ধ হয় (হয়নে বিজয় ও আপতি	ত লেপ্ডদ)	৩-আলে ইমরস	740	660		00	bro
বিষয়						দ্বিকত (প্রতিটি বিষয় দ্বিকত) ৫৪-কামার	0	80
	প্তা যা ভীতির সংবাদের বিষয়ে		8-নিসা	50	ହଧ୍ୟ	विश्व (दीन)	~	-01
	হ্বন্য সৰ পানি মিলিত হল (	मृश्चा. धर	68-MINI	25	200		330	he
জমানার বন্যা)								-
	ক্লা দিয়েখ যে কোন বিষয়ে (ইন		3⊁ <i>-लद्</i> क	20	946		24	àc
অনুগত্য (অধিনাশ	বিষয়ে বাসূল স. মুমিনসের অন্য	ন্ত কর্মাে!.)	৪৯-ছরুরাত	9	340		20	9/
আল্লাহর মালিকান			১৩-রা'দ	0.3	997		NO.	90
আল্লাহন এপডিয়া			৩-আলে ইমরান	148	220	বিষয় (বিচারের কাজ)		
আল্লাহর নিমট যি	বিয়ে দেৱা হবে সকল বিষয়		২-বাকুরো	570	450		22	63
प्रक्रार (स्था निराह	লিয়ার নিলে বলেন 'হও' বাচ্যই	क्ट्र यद	৩-আলে ইমরান	89	280	বিস্তাব/বিস্তারকারী		
আপ্তাহ কোন বিধা	র 'হও' বললেই ভা হরে যা	3	৩৮-ইয়াসীন	84	940		29	9,
इक्ष्मुण वर, यस वि	হয়ে একমত হওয়ার সমস একুণ	ন, উপস্থিত	১২-ইউসুফ	100	non.	কসম (পূর্ণরূপে বিস্তান্তরারীলের) ৭৭-মুবুসালাভ	0	22
डिजन म			24-4034	304	00.0	পরা বিভার করেন আল্লাহ ৪২-শৃরা	20	M
সমান সামার বিধ	য় হারপালা হয়ে যাবে (আছ	R)	২-ধাকুরো	530	650		28	8
উদ্বিত (সকল বিষ	য় আল্লাহর কাছে একসিনে উ	খিত হয়)	০২-সাজ্পা	4	P400	মানুষের বিষ্যার ঘটিয়েছেন আল্লাহ পৃথিবীতে ২৩-মু'মিনুদ	23	3.
কর্মনু (প্রাথটি বি	বেৰ সৰ্বময় কর্তৃত আল্লাব্র	হাতে )	৩৬-ইরাসীন	bo	pap	বিভারিত		П
অধিবনের বিষয়ে	রাসুল স, এর কিছু করার স	iğ.	৩-জালে ইমরান	254	48b	বিভাব বিভাবিভাবে অবভীৰ্ণ ৬-আন্'আন	866	61
	হোটোর পালটোর মত বাং তার		১৬-নাহণ	99	905	व्यक्तप्रथ विक्रतित वर्गना करा क्ष्मप्र (शुक्रावम प्रश्नाका १०) ১১-६४	3	66
কোন কোন বিষয়ে	হ্যমিলকে অনুসরণ করে হুন	र्गाफ्डव!	৪৭-মুহাব্দদ	36	278		09	60
গুরুত্ব বিষয়ের চ	रटदावण करवाइ (काकिनदा,	.)	১৯-মারইয়াম	P.2	980		980	6
वरी (धारधात नव	प्रस्त भूठि तका विच्छा भागतिम नि	र्वाटमा १९४१।	১৮-কাহক	43	926	বিস্তৃত (আরো দেখুন প্রণন্ত গম্পটি)		
	क्ष्म विश्वद्व लाइनम)		৫৭-হাদীল	0	587		20	30
	ন-চাকওয়া অবলম্ম ও ধৈর্ট	(25)	ক আলে ইমরা	25%	008		4.0	68
	র বিষয়টি আন্ত্রাহর নিকট		ও-জাগ'জাম	269	655		226	60
নিক্ষণ (জালাচট	সকল বিধাঃ নিয়ন্ত্ৰণ কংলে)		১০-ইউনুস	03	629			20
	গ্রহ সকল বিদর নিরন্তণ করে	H)	১৩-রাম	2	677		29	6
	o जिस्सार निवास सुमाधिक/स्वारि		3-576W	do.	684	পুৰিবীকে বিক্লাক করেছেন অন্তাহ ২০-বা'ল		3
	পরিভারগতে সতা দিয়ে নিয়েলি		২৭-মামল	03	bos.	र्योगरक विक्रल करवादून साहाद १०-कृपक	9	2
	্ সকল বিহর পরিচাপনা কর		১০-ইউনুস	0	028	বিশ্বয়কর (খারো দেখুন আভর্য শব্দটি)		100
	हर मिक्ट जवन विश्वा श्रेजान		22-47%	95	980	কাছিলের বিশ্বনের কথা (মাটি হয়ে যাধার পর সভূম করে পুটাং) ১৩-র'স	e e	61
क्षकामग्र विषय श	ক করা হয় (মোবারক রাতে	)	৪৪-খুখাল	8	303	करवाम (अवसन विद्यात 'विश्ववन्त' करवान नुवर्ग द्यान्ता) १२-विन	2	21
	o Pointa attanta mese		৯৭-কাবর	8	2052	विश्वास (अवसम् आरम् । विश्ववस् कृतिया द्वारा सम्मा) । ५६-सम् विश्वासम्बद्धाः (६९) व वार्वद्रास्य वर्षियामीहम्य रहेना) ১৮-वर्ष	, b	3
প্ৰত্যাৰ্থিত (সৰ	বিধন আল্লাহর দিকে প্রজ্ঞাবর্ণ	र्डड स्र)	৫৭-হাদীদ	· e	à85r	পথ করে নিল মাছ বিশ্বাকরভাবে (সমূপ্র) ১৮-কাহক	(00)	91
প্রশ্ন কর (এমন বিং	তে প্ৰশ্ন কৰা নিষেধ যা প্ৰকাশ ক	# R0%)	৫-মাধিদা	303	690		94	9
	ল স, এর কাছে ধাবলো ভার ভার		৬-আন্'আম	98	609	কৃত্ব বাংসে সক্ষণ হওৱা বিশায়কর (ইংবাহীর আ, এর ব্রীন সক্ষণ) ১১-চুন সভর্ককর্মী অংসা বিশায়কর ন্যাপার (কামিবাসের নিকট) ৫০-কৃষ্ণে	44	9
কচ্মধা (ক্রেডেন্ড	অৰভীৰ্ণ কয়লে বিষয়ের কলদাল	च्छा (सर)	৬-অনুসাম	b	27/6		93	
থালোকত নিধা	মার্ক্টয়ামের পুত্র হওয়া স্বয়াপাণ	কৃত বিষয়)	১৯-মাবইরাম	52	902	সন্তান হওরা বিস্ফাবন (ত্তবরদে ইবরাইটা আ. এর স্ত্রীর) ১১-ছুদ বিস্ময়বোধ	44	8
ধ্যাসাল (বোদ বি	রের ফারসালা করতে অল্লাহ ব্য	লন 'হও')	১৯-মারইরাম	0.0	905			l.
মারদালা (জনমে	চাওয়া বিষয়ের ফারসালা হ	য়ে গেল)	১২-ইউসুফ	83	660	অপ্রাহর বাজে বিশ্বারোগ্য (ইনুমুঞ্জিম বহু, এর স্ত্রীর গর্ভধরণ) ১১-ভূল	90	8
	বিষয় কারসালার সিন সম্পরে		১৯-মারইরাম	40	90%	অভিযন্তের বিশ্বরবাধ (সতর্ককরী আদার কারণে) ৩৮-সোরাদ	8	b
ফিরে হাবে (নক	বিষয় আল্লাহর কাছে ফিরে	पाट्य)	১১-তুল	250	0%		25	Þ
ভিবিয়ে দেৱা হনে	সকল বিষয় (আল্লাহর দিকে	)	০-জলে ইমর	606 F	285	বিশ্বিত		L
ফিভিনে লেয়া হবে	সকল বিষয় আল্লাহর দিকে		৮-জানফাল	88	606	ব্যক্তিরর বিশ্বর (খাচনা থেকে ভাচনা নির্বট সভর্কনারী অসম) ৫০-কৃষ্ণ	3	b
	পথিতে অপ্লাহন দিনেই নিবিয়ে।		৩৫-ফাভিব	8	b85		Q5	b
মর্থবিরোধ স্থাসহারে	ৰাহ্যকে পুটি বসা বিষয়ে শহ	বেদীদের মধ্যে	39-015sk	47	926	রকুল স্ বিশ্বিত হলে (বিশ্বরের বাপার হল কবিবলের করে) ১৩-র'ন	ę	8
	ন্ম এপম্মার অহে কিং (ফুনফি		৩-আলে ইমরা	1 228	220	fengs		Ľ
যুদ্ধর বিষয়ে এখনি	লার আরহান সিহত হতাম না (মুন	মিকর বলে)	৩-আলে ইমরা	328	640	মান্তব্যাদ ধলি বিশ্বত হয়ে বেডা (নার্টব্যানের আফলোপ) ১৮-মার্ডেরাম	50	3
	বিবাস করত মু'মিনগণ যদি		৮-আনহাল	80	. 606	विकास	-	_
	ব আল্লাহ্ সর্বপঞ্জিমান		ত্ত-ফাডির	3	984	পানি (বিশ্বাদ পানির সমুদ্র প্রবাহিত ওরেছেন আল্লাই) ২৫-ফুবকান	20	9
	्रावर्थम <u>बाह्यस्य निर</u> ुव		৪২-প্রা	20	Pag.		26	b

9		विद	হ্নবিত	ৰূষা			
রম্ব বিষয়েশ্রম	স্বাৰং ৬ বাৰ	101	200	नप रिरहेश्य	जुबा नर धारात्र	1000	नुकी
বিক্ষোরিত		1		বৃদ্ধিমতা (আরো দেবুন বিচক্ষণতা প্রকটি)	N. Contraction		<u> </u>
সমুদ্র বিক্লোরিত হবে (বিরামত প্রসঙ্গ)	৮২-ইনবিভার		2020	নির্দেশ (বৃদ্ধিমার কি কাফিরদেরকে কুফরীর নির্দেশ দেব?)	65-68	-	hòo
वीक		1	2020	रहियान	44.68	02	acc
অন্তর (বীন অনুনিত হওয়ার পর বা পুট হওয়া মুম্মিনচনা দুটার)	83-9755	59		উত্তৰ কথা প্ৰথণকারী ও এর অনুসারীরা বৃদ্ধিমান		-	-
अमृद्रिकतार्थी (आहार्यर नील अमृद्रिकतार्थी)			979		০৯-যুদ্দর	33	293
	৬-অন্থাম	346	906	উপদেশ গ্রহণ করে কেবল বৃদ্ধিমান্যা	৩-জন্ম ইমধ্য		606
বপুন (বীন্ধ ৰপুন সম্বাদ জেবে দেখার আহ্বান)	१५-५शक्तिक	60	980	উপদেশ গ্রহণ করে বুদ্দিমানগ্রই	১০-রাদ	7.7	600
থী ব্ৰহ্ম		_		উপদেশ গ্রহণ (কেবল বুদ্ধিমানগ্রাই উপদেশ গ্রহণ করে)	২-বার্থয়া	485	405
দৃত আ, তার দত্যপারের অপকর্মের প্রতি বীতপ্রছ	59-0,468	360	996	উপালে (প্রথমেন্ডার জন্য উপালের হয়েছে আইউর আ, এর ঘটনার)	৩৮-সোলস	80	9.99
হীচৎস				উপলের রয়ের প্রক্রিমন্যার কর (ফলারে বিভিন্ন রপরতে)	৩৯-মুমার	52	590
জাহাল্লাদিরা বীতৎস চেহারার থাকবে	২০-যু ছিনুন	208	993	উপলেশ এবং (প্রস্থিমসন্তের উপলেশ এবংশর জন্য কুরামান অবস্তীর্ণ)	38-देशबादीय	65	65.9
शेर्थ				উপালে এখন (বুছিমননের উপালে এখনের ছন্য কিন্তার নাবিদ)	৩৮-সেয়াদ	43	890
'আলাকা' (বীৰ্যকে 'আলাকা' বা ভ্ৰগে পঞ্জিত কৱা)	২০-মুমিনুন	38	986	কসম ররেছে বৃদ্ধিমাননের জন্য (এ সকল বস্তুতে)	৮৯-ফাজ্ব	0	205
মিরাপন স্থানে বীর্য স্থাপন (মাতগর্তে মানুহ পত্তি প্রসঙ্গ)	२०-मुमिन्न	30	955	তাকভয় (বৃদ্ধিমানদের তাকভয়া অর্জনের জন্য কিসাস)	২-বাকুারা	3%	650
মিৰ্গত বীৰ্যবিদ্ধু থেকে মানুহ সৃত্তি	<b>८०-मासम</b>	86	308	নিবর্ণন রয়েছে বৃদ্ধিমানের জন্য (দিন রাক্তর অংক্র্রেন)	৩-জাল ইমরান		928
নিৰ্গত (মানুষ কি নিৰ্গত বীৰ্যের একটি বিন্দু ছিল নাঃ)	৭৫-বিবামাহ			নিদর্শন (পূর্ববর্তী প্রভারের ধাংস বৃদ্ধিমানলের জন্য নিদর্শন)	২০-ডা-হা	232	983
বিন্দু (মানুৰ কি নিৰ্দান বাবের একাচ বিন্দু হল নাঃ) বিন্দু (মানুৰ কি নিৰ্দান বাবের একাচ বিন্দু ছিল নাঃ)		99	978	নির্দেশ (আহার করালত চলচের মতে পুরিমানসের জন্য নির্দেশ)	২০-জা-হা	48	988
	৭৫-কিয়ামাড্	99	998	গৰ নিৰ্দেশ ও উপদেশ বৃদ্ধিমানদের কন্য (মৃসার কিস্তাব)	80-मु*मिन		
মানুধ সৃষ্টি (বীর্থ থেকে ভালাধ মানুধ সৃষ্টি করেছেন)	৩৬-ইয়াগীন	99	960	বৃদ্ধিমান লোক উপদেশ প্রহণ করে (আনী/আনই)ন প্রসঙ্গ)		48	pps
মানুহ সৃষ্টি (আপ্লাহ মানুহকে বীৰ্য থেকে সৃষ্টি করেছেন)	৩৫-ফাডির	22	589		৩৯-বুমার	2	P-9.3
সৃষ্টি (আপ্রাহ বীর্থবিপু থেকে মানুধ সৃষ্টি করেছেন)	৮০-আবাসা	7.7	3000	ভর করা (বৃদ্ধিয়ানর অস্তাহতে ভর করে)	6-मसिम	200	690
সৃষ্টি (মনুষকে বীর্য থেকে সৃষ্টির পর সে সুস্পর্ট বিজ্ঞানারী ব্রে)	১৬-নাহ্দ	8	900	তর করা (আল্লাখ্যক ভর করার নির্দেশ বৃদ্ধিমান্যধর প্রতি)	২-বাকুরা	229	655
রীর্যপাত্ত ব				মুমিলার বৃদ্ধিমান (তাদের আল্লাহকে ভর ধরার নির্দেশ)	৬৫-ডাপাক	20	29.99
ক্ষেবে দেখার আহানে (বীর্যপাত্র সম্পর্যে)	৫৬-রয়াইয়ার্	Q'r	382	শিক্ষা (বৃদ্ধিমানের মন্ত শিক্ষা রয়হে পূর্ববর্তীদের ঘটনাকলীতে)	১২-ইউসুফ	222	35-9
रीर्थविष्		-	-	यूनन			
মানুহকে নিৰ্বাধিন্দ থেকে সৃষ্টি করা হলেছে	৪০-মূমিশ	99	198	বর্ম কুমনে পরিমাপ রক্ষার নির্দেশ	৩৪-সাবা	22	b84
মানুদের দৃষ্টি বীর্থ থেকে	79-904A	01	929	বুকুজ (নক্ষপ্রপুঞ্জ)			
মানুষ বীর্মবিশু থেকে সৃষ্টি	१०-संबंध	86	308	আবাপে বৃক্তম বাদিরেছেন জাপ্রাহ	२१-पुन्तकान	63	10-6
সৃষ্টি প্রতিষ্ঠা প্রসঙ্গ (মটিবির্যপ্রশাবসূদর -এভাবে ক্রমাখন্ত)	22-27 <b>%</b>			বনানে (থাকাশে বুরুদ্ধ বা নক্ষত্র বাণিয়েছেন জাপ্রাহ)	১৫-হিজর	36	935
সৃষ্টি (মানুষকে সংমিশ্রিক ধীর্মবিপু থেকে সৃষ্টি করা হরেছে)		6	107	বৃক্ষ (আরো দেখুন গাছ শব্দটি)		-	-
	৭৬-দাব্র	2	996	অন্যকুলানকারী কৃষ্/অক্তর রাজ্য বিষয়ে আদ্য আ, কে	1	+-	-
বুখতে পারা		_		শরবাদের কুমন্তব্য	২০-জা-ম	750	187
পুরবাদ বুরতে না পারার জন্য ফনরে আবরণ	১৭-ইন্রা	85	935	নিতে (বৃচ্ছের নিতে মুখিনদের বাইরাত গ্রহণ)	৪৮-ফাত্য	25	223
তিনালন পুৰতে শেরেছিল নেন আপ্রয়ন্থল নেই আপ্লয়ন লেকে বঁচার	৯-ভারবা	272	965	যাব্রম বৃক্ষ (পাশীর খাদা)	88-मुचीन	80	208
নেশপুর অবস্থার নিজের কথা বুকরে না পরা পর্যন্ত নামার নিজিছ।	8-নিসা	80	605	বাঞ্জ এক উৎপদ্র হয় লাহান্তামের তপদেশে	৩৭-সাফ্যাত	68	bypo
অইরের বুকতে পারবে ন (ফল ইউসুফ আ অইনের এই কাছ)	১২-ইউসুক	26	945	যানুত্র বৃক্ষ উর্জন আপারেন না কি মানুতঃ	০৭-সাক্ষাত		
মনুগ বুগতে পারে না যে পৃতিকুল আন্তান্ত পন্মিতা থোকনা করে	১৭-ইদরা	88	939	সকুম কৃষ্ণ থেকে আঙল তৈত্ৰী কৰেন আল্লাহ,	৩৬-ইয়াসীন	bro.	9100
মুশরিকরা কুমতে পামনে বিদানতে যে পালাবার জেন উপায় নেই	৪১-ফুস্নিলাত	81/	190	वृष-नवा (बाइरिहीन)	00-420414	0.0	566
युका						-	-
অপ্তাহতে বুলা (ডিনি সর্বশক্তিমান/আর জন্ম সর্বাচয়ু পরিবেট্টার)	৬৫-সালাক	35	866	সূত্ৰী (মন্ত্ৰাং নাজবিলৈ বৃদ্ধান সম্বাচন বাগন সৃত্তী করেছেন)	৬-আন্ আম	787	৬১০
অসহাবে কাইফ সম্পর্কে বুরতে না নেরা (শহরবাসীনেরকে)	১৮-বার্ক	22	130	বৃক-লভা (মাচাবুক)			
কথা বুঝাত দা (দুই প্রাচীরের মধ্যবারী স্থানের সম্প্রদার)	79-4154	30	902	সৃষ্টি (সম্ভাহ মানত্ত্বক বৃদ্দশতা সম্পতি কাৰণ সৃষ্টি করেছেন)	৬-আন্'আম	385	650
কথ (মূল আ, এর কথা যাতে বিরুপ্তিল প্রকৃতে পারে লে জন্ম লেরা)	२०-वा-श	45	982	ৰ্বাভ			
কথা বুখতে লা পায়া (মুলাবিকর কেন কথা বুখতে পায়ে লাচ)	8-Pint	97	499	অভিনিয়নর (ইংল্লইয় জা, এর অভিন্যিনর বৃত্তান্ত রাসুদ স.	৫১-যারিয়াত		
কাকিবরা কুরামান বুঝতে পারে না (কুলয়ে আবরণ থাকার)	৬-জাল'আম	2.0	400	ধর নিক্ট জন্য)	63-die8 <u>jo</u>	₹8	259
কাফির সম্প্রবায় কিছু বুধে ন্য	৮-জনমান	942	909	জনা (বালুল ন, এর বাহে একেছে বিদ নর্যাদী বিশ্বামানে নুক্তর)	৮৮-গাশিকাহ	3	2022
কুরআন বুঝাতে পারেনা ঝালিমরা অ্নরের আবরণের কারণে	১৮∙কার্ <del>ক</del>	93	933	रून व्या तत नृत्यक्ष कि शङ्का भा तत काल श्रामक्षण (व्यक्तावर क्रिस्सम्)	২০-জা-হ	8	982
निमर्नम दर्गना (दुकमञ्जू जन्धना(हव कन्))	6-व्यम् व्यव	39		মূসা আ. এর বৃদ্ধান্ত রামুল স, এর কাছে পৌছা প্রসম্প্র	৭৯-নাথ আত		3000
निर्मान वर्गना (दुक्तान्य गन्द्रमासक्ष कर्ण) निर्मान वर्गना ठाइन आहार (एम मानुव दुक्टक नारक)	৩-জান জাম ৩-জান আন		900	সৈন্দৰাহিনীৰ বৃজন্ধ বাসুদ স, এর নিকট পৌহা প্রমঙ্গ	৮৫-বৃত্তক	24	3000
		96	602	বৃহ (আরো দেখুন বহুছ ব্যক্তি পদটি)	24-74M	24	2020
ব্যে থাকতেই সম্ভই বারা কারা বুকে না	৯-তাতব্য	39	685				_
মূলফিক সম্প্রনার বিত্র বুবে না	१-डास्स	254	960	ইব্যান্ত্রির আ. বৃদ্ধ বরলে সভাদের সুসংবাদ লাভ করেন	77- <u>\$</u> 6.	92	৬৭২
মুশক্তিকৰা এমন সম্প্ৰদান্ত যাবা কিছু বুকে না	62-5545	30	959	পিত (বৃদ্ধ শিকা বিজয়ী ইউসুমের ডাইড়েরা অটিয়েক জনাপ)	75-£gããa	97	658
মুনাকিকরা বলি বুকত যে লাহান্রামের আগুল অধিক উল্লা	১-হারবা	313	685	পিতা (নাবীনের পিতা অতি বৃদ্ধ নাবীরা মৃস্য আ, তে বলগ)	২৮-কাসাস	20	Þλο
ত'আইবের সম্প্রদার বুঝে না ভ'আইব আ, যা বলে	১১-জু	92	698	বৌষদের পর বৃদ্ধ হয় মানুধ	৪০-মুখিন	49	998
ধনর নিয়ে বোখেনা (ধাহান্নামী মানুষ ও দ্বিল)	न-सा राम	7.47	6%	বৃদ্ধ (বাৰ্থকে) আক্ৰান্ত)	-	-	
বুৰিয়ে দেয়া							-
পরিশ্রমিক বৃথিয়ে দিয়ে দুখ পান করানেকে অৱপাধ দেই	২-বকুরা	₹00	659	উপমা (বৃদ্ধ বাধান মাদিকের দুর্বব সন্তান উপমা প্রদাস)	২-বাকুরো	500	605
সুদাইমান আ. কে আল্লাহ মীমাংনার বিষয় বুকিরেছেন	২১-জাখ্যা	936	900	वृक्षा '			
বৃদ্ধি				ইমাহীন আ, এর বৃদ্ধা ও বদ্ধা স্ত্রীর পুত্র সর্ভাগ পাতের সুগবেন	৫১-যবিৱাত	430	326
উপদেশ প্রহণ করে কেবল বৃদ্ধিমানপ্রা	০ জল ইম্বন	٩	600	ইবছাইম আ. এর বৃদ্ধা স্ত্রীকে সন্তান পাচের সুসংবাদ দান	১১-ছন	92	692
		•		to <b>E</b>			- 11

भर विवह देनन -	न्द्रा वर व नाव	1212	781	THE REPORT AND THE	मुद्रा नः ७ मान	MET IS	1
बुधा (भूर्व भूते (शरक)		-		উপন্ন (জনাশ খেতে বাঁনিত মূকাশব্যে বৃষ্টি মূক্তিকের উপন্না প্রদাস)	২-বাৰুৱো	79	00
নারী (বৃদ্ধা নারী অভিবিক্ত কাপড় বুলে রাখার লোখ নেই)	48-4R	60	990	বর (সুমাধ্যে বৃত্তির কারণে নামান্তে বন্ত হলে অর রেখে দের)	8-मिश्र	205	Q.
পিছনে অংখ্যনকাৰী (পূত আ, এৰ বৃদ্ধা শ্ৰীৰ শান্তি প্ৰসঞ্চ)	২৬-চ'জর	393	936	নিৰ্ভ পাধানে ৰৃষ্টি (লৃত আ এন সম্প্ৰদানে উপন বৰ্ষিত হয়)	<i>\$5-व,वास</i>	390	93
দূত আ, এর বৃদ্ধা স্ত্রী স্বান্থ্য সধাইকে উদ্ধার করা	৩৭-সাক্ষার	206	760	দিৰুত্ত বৃত্তি বৰ্তিত হয়েছিল যাদের উপর	<b>३७-यूक्का</b>	80	9
<b>1</b> %		-		নিনুষ বৃষ্টি (পুত জা, এর সম্প্রানারের ঔপর পাধরের নিনুষ্ট বৃষ্টি বর্বণ)	২৭-নামল	e'r	8
মূপ অপবিক্রতা বৃদ্ধি করে ডালের যানের হনরে ব্যাধি স্তাহে	9-51641	256	600	পাথরের বৃটি বর্ষণ (পুত সম্প্রনায়ের ঝাংসের জন্য)	৭-আরফ	b8	6
অধাধ্যতা বৃদ্ধি করকে আহলে কিন্তবদের রাভিশালক থা	g-2000	intr	643	পাছতের বৃত্তি পুরুতর সম্প্রসারের উপর পাছতের নিতৃত বৃষ্টি বর্ষণ্	২৭-নামল	¢'r	ь
कर्माहि पृष्ट (अविशास दुस्सी अञ्चारत करताहि पृष्ट रहा)	৩৫-ফাভির	00	189	বারে (এমন এক বারে কাপ্যার যাক্তি মানুসকে বৃদ্ধি লোর যাও)	১২-ইউসুফ	8>	9
অস্ত্রাত বৃদ্ধ (অনসংখ্যার চুক্তর অক্সাক্তর ক্ষাত্রক বৃদ্ধ করে) আনুগান্তে বৃদ্ধি (ক্ষাকে শত্রু গেখে মুমিননের আনুগান্তা বৃদ্ধি)	००-व्यवस्य	55	304	বর্ষণ (মানুষ নিরাশ হওয়ার পর আল্লাহ বৃষ্টি বর্ষণ করেন)	৪২-প্রা	25	5
	00-MKG4	44	264	বৃষ্টি প্রেয়া (পূর্ববর্তী প্রজন্মকে আকাপ বেকে প্রয়ুর বৃদ্ধি প্রেরণ)	৬-আনু'আম	6	2
অপ্লাহর দিনট বৃদ্ধি পার না (সুনভিত্তিক মিন্ট্রোগকৃত সম্পন)		8		মেদ খেকে বৃত্তি বের হতে লেখা বাধ	२8-गइ	80	1
हराम (कृतिमाल्य नेपान बृक्तित सन्। शर्माति नाचिन व्यापन व्यापार)	৪৮-দেহহ		326	মেদ থেকে বৃত্তি কয় হয়ে আনতে লেখা যায়	- का-वय	87	1
জ্মান (কার উমান বৃদ্ধি করল জবতীর্ণ দূরা- কবিবরা বলে)	১-ফাংব	248		দৃত জা, এর সমপ্রদারের উপর পাধরের নিকট বৃটি বর্থণ	২৭-নামশ	Qb.	1
ইমান বৃদ্ধি পার মু'মিননের (আয়াত পাঠ করা হলে)	৮-আনকাশ	2	905	লৃত জ, এর সম্প্রলয়ের উপর পথরের বৃত্তী বর্ষণ (পরি পরণ)	५५-७'खासा	290	1
ইমান বৃদ্ধি করেছে অনের হারা ইমান এনেছে	৯-ডাধ্বা	258	950	रुवि (श्राप्त)	40-1 HIM	10	۰
সমান বৃদ্ধি (ৰালকে শঞ্চ লেখে মুমিননের সমান বৃদ্ধি)	৩৩-আহ্বাৰ	44	3406		11 77	-	١.
সমান বৃদ্ধি করণ মুমিনদের (উত্প মুছে লোকজন জমা হয়ে)	৩-মালে ইমরান		665	হর্মন (ডাল সম্প্রদার তথনা করলে প্রত্নর বৃটি কর্মনের <b>অপ্না</b> সং)	১১-ছুন	65	18
কর্মে হাসান (এর এডিনানকে) অক্সাহ বহুকো বৃদ্ধি করকো	৬৪-অগারুন	29	369	नृत्रि वर्शन			Ļ
কুডরী ও অবাধ্যতা বৃদ্ধি করতে ইহুদীনের যা ভবতীর্ণ	৫-মরিদা	68	6,44	পাথতের বৃষ্টি কর্মদার প্রার্থনা কুরাজান জম্বীকারকারীলের	৮-জানফাগ	01	3
ছড়ি (দলির অল্লাহর করাধ হলে তার পর্তিই তদু পৃদ্ধি পারে।)	22-बूल	60	693	মেঘ বৃটি বৰ্ষণ করবে বলে ধরণা (আন জাতির শান্তি প্রসাধ)	৪৬-আহ্কাফ	28	13
ভঙি বৃদ্ধি (কাফিবদের কুফরী আপের ক্ষতিই বৃদ্ধি করে)	৩৫-ফাভির	ರೆಪಿ	183	र्किशरी			L
ঋতি (নৃহ আ, এর সম্প্রদার অনুসরণ করে যার ধন/সন্ধান	13-75	23	20.0	জাঙাশ (বৃষ্টিবাহী আকাশের কলম)	৮৮-অবিক	22	3
ছতি বৃদ্ধি কৰে)	3-70	1	351	वृष्टिय शामि			П
स्राम वृष्टित क्या अधिभाग्याम स्टाइ (मारा काश निर्दाम (स्राप्ना म. ८०)	२०-इन-श	778	987	বাগান সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (বৃত্তীর গানির মাধ্যমে)	২০-মুখিনূন	7.9	Т
নুলম্ব আন্তন বৃদ্ধি কাকে। অস্তাহ (জাহন্তাম কেনই প্রিমিত হনে)	১৭-ইস্বা	39	932	<b>इ</b> र्दर			Г
ধন,সম্পদের মধ্যে বৃদ্ধি পাওরার জন্য সুদের ভিত্তিতে বিনিরোপ	90- <u>84</u>	00	354	মনুর এরে বৃহত্তর কোন বিদ্বাই অসাচর নর (মন্ত্রাহর কাছে)	৩৪-সাধা		1
ধংগে ছারুঃ আব কিছুই বৃদ্ধি করেনি	32- <del>ই</del> ਸ	303	692	অনুর চেরে বৃহত্ত(পুরুতর কিছু প্রতিপাদকের আগোচয়ে নয়	১০-ইউনুস	65	1
श्रारम (बानिप्राप्तव भारत वृष्टित कना नृद जा, এর দোরা)	95-48	₹9/	2012	বেইচ্ছত (দেশুন অপমান শব্দটি)		1	t
•ার বছর বৃদ্ধি করেছে আহলে কিতান (তিনশত বছরের (চতা)	১৮-কাহ্ৰ	2,0	926	(शेष्ठ शाका		+-	٠
পরার্ক্তর (অপিমানে পথভটন বৃদ্ধির ধনা নুহ ক্ষ, ধর পেরা)	93-4%	₹8	29.6	পাপ এক থেতে বেঁচে থাকার জ্বাম দান (মানুযকে)	92-483H	7	3
পরিমাপ (বরাখ) বৃদ্ধি করণ এক উট বোকাই (ইউসুক জা,	১২-ইউসুক	30			303114-1	1	۲
এর ভাই(মরা বলপ)	24-4044	- 002	9940	तस्य	AL WESTER	1.0	1
পৰায়ন প্ৰকাম বৃদ্ধি কৰে (নৃহ জা, এর জন্মান ভার সম্প্রানটোর)	12-18	ě	378	অধিবাসীরা বেশবর অবস্থার মুগা আ, শহরে প্রবেশ করলেন	২৮-কাসাস	>5	
পাপ বৃদ্ধি পারমার জন্য কফিবনেরকে জনকাশ দেয়া হয়	৩-ম্বলে ইনরা	1 295	000	অধিয়াও সম্পর্তে বেখনত অধিকংশ মানুস	৩০-জন	9	1
পুণা কাঞ্চকে প্রাপ্তাহ বহুকণ ধৃদ্ধি করেন	৪-দিশ	80	495	অস্তাহ বেববা নন মানুহৈর কান্ত সম্পূর্ক	২-থাকুরো	782	1
বহুঙগ বৃদ্ধি করে নিবেন আল্লাহ কর্মে হানানাকে	२-वाक्तत	282	659.	আপ্তাহ বেশবর নথ (আংগে কিতাবদের কান সম্পর্কে)	০-আলে ইমরা-		ľ
বিদুখনে বৃদ্ধি পার কমিবানের (রাহ্মানকে সিঞ্চপ দা করায়)	२१-कृतकान	90	120	আল্লাহ বেশ্বর নন (কিন্তাবপ্রাপ্তনের কাম সম্পর্তে)	২-বাবুরে:	288	Ľ
হিমুখনা (কমিবাংবা বিশ্বখনাই বৃদ্ধি কলা কুমায়াচনা কনি)	১৭-ইসল	83	959	আপ্তাহ বেধবর নন (অধিমনের কাম সম্পর্কে)	<b>38-देवसदी</b> भ	82	15
বিমুখ্যে বৃদ্ধি করণ মুশরিকদের (সতর্ককারীর আগমন )	৩৫-ফডির	83	bigo	অল্লাহ বেৰবর নন (মানুহের কর্মকাঃ সম্পর্কে)	২-বাকুরো	280	
বিশৃত্তকা বৃদ্ধি করেছিল ফির'আউনরা (নগরে নগরে)	AP-6484	32	3053	অপ্তাহ বেৰকা দন (কণী ইসরাইলের কান্ধ কর্ম প্রসঙ্গ)	২-ৰাকুৰো	4,8	1
মাদইরাদবাসীদের সংখ্যা বৃদ্ধি তরে নিয়েছেন আল্লাই	৭-আগ্রেক	9.9	640	অপ্তাহ বেশবর নন (ধনী ইসরাস্ট্রেলর তাজ সম্পর্কে)	২-ৰাকুৱো	34	1
মুক্তিবলৈ সমান পৃথিৱ জন্য (ভায়ন্তাকের প্রক্রীলের সংখ্যা উল্লেখ)	१८-पृत्राद्धिः	65	353	অভিনয় বিভায়ত সম্পর্কে বেখবর (বিভায়ত আসা প্রসহ)	২১-আধিয়া	28	T.
পঞ্জি বঞ্জির আন্ধান: (আন সম্প্রণার করেবা করে ফিরে এলে)	३३-इव	22	690	দুনিয়ার জীবনতে গ্রাথন্য দানকারী বেখবর	১৬-নাহুদ	209	1
শান্তি (নবীৰ নীনা অস্ত্ৰীলভাৱ লিঙ হলে শান্তি বৃদ্ধি)	৩৩-বাহবব	00	7:00	নিদর্শন সম্পর্যে (অনেক মনুদ আল্লাহর নির্দেশন সম্পর্যে বেশবর)	১০-ইউনুস	255	1
পত্নি বৃদ্ধি (মন্ত্ৰাহর পথ থেকে বিচাত রাখার কমিনের পত্তি বৃদ্ধি)	১৬-সাহল	74	230	নিদর্শন সম্পর্কে বেখবর থাকার পরিণাম আগুন	১০-ইউনুস	9	Ŀ
শান্তি (দীয়ালজনভারীদের শান্তি বৃদ্ধি কারেন আল্লাহ)	ণ্ড-নাথ্য	00	2002	নিদর্শন সম্পর্কে বেখবর (কিরজাউনের সম্প্রদার)	৭-আ'হাফ	206	
শান্তি (অনুস্তদের শান্তি বৃদ্ধির জন্য অনুসারীদের প্রার্থনা)	৩৮-সোরাদ	63	N/99	নিৰ্মান সম্পৰ্কে বেশ্ববর (অহংকারকারীয়া)	৭-আ'রাফ	286	
সর্কাশ বৃদ্ধি করত সন্দেহনারীর নের মাস (তাবুকাছুম প্রসঙ্গ)	৯-ন্যধ্বা	89.	684	পঠন-পঠন সম্পর্কে বেখনর (অবতীর্ণ কিভাবের)	৬-জান্'আম	750	
স্থানিত (আল্লাহ সৃষ্টিতে বা ইচ্ছা বৃদ্ধি করেন)	৩৫-ফাডির	3	986	পৰ্যন্ত ব্যক্তি বেখবত (দ্বিল ও মানুষ প্ৰসঙ্গ)	৭-আ'রাফ	7.09	
	- Filos	ť		পিতৃপুরুষরা বেখবর ছিল (সভর্ক না করার কার্মে)	৩৬-ইয়াসীন	6	Ŀ
বৃদ্ধিকারী	41.700	-	2.24	र्शक्तिकार (राष्ट्र म. यद श्रीकेनामार वृत्तवर्ध मन्मार्थ (रथस मा)	22-ga	250	Ŀ
সন্পদ বৃদ্ধিবারী যারাই যার অপ্তাহন সম্ভবির অন্য ফলাত নো	00-RT	co	29.0	প্রার্থনা সম্বাচ্চ দেবভারা বেথকা (শিরকের অসারভা প্রসঞ্চ)	8५-ऋद्वरण	¢	Г
বৃদ্ধিলাক		1		প্রতিপাণকের বিষয়ে বেধবর থাকার অঞ্চাত না থাকা	4-20,550.	392	Ţ,
ক্ষমত (এক উপত অন্য উপত খেতে বৃদ্ধিপ্ৰক হওৱাশপৰ তল প্ৰদাস)	79-yida	342	470	প্রতিপালক বেধকা নদ (মানুহের কাঞ্চবর্ম সম্পর্কে)	২৭-লম্প	30	T
वृष्टि				প্রতিপালক বেধকা নন (মানুহের কৃতকর্ম সম্পর্কে)	ও-আনু'জাম	205	1
অবতীর্ণ করেন অস্থাহ (গামের প্রসঙ্গ)	৩১-সুকথান	08	143	ভাইরেরা বেধবর থাবনে ইউসূফ জা. সম্পর্কে (পিতা ধলস)	১২-ইউস্ফ	30	T,
মানাপ (বৃষ্টিবাহী আকাশ্যে কসম)	৮৯-জার্ডিক	33	2029	মানুহ বেহুবর হয়ে হিসাব/জ্বাবনিহিতাকে উপেকা করছে	२)-वारिवा	3	t
জ্ঞানল খেকে জন্তাহ বৃষ্টি বৰ্ণল কাৰেন (ক্ষমা প্ৰাৰ্থনা কালে)	95-75	33	308	ব্ৰস্প স, বেশবর ছিলেন (সর্বোত্তম কাহিনী সম্পর্কে)	22.2530		t.
১পমা (প্ৰিয়ার জীবনের উপমা সেই বাটির নার বা)	09-शनीन	30	360	পরীকরা রেখবর (মুপরিকলের ইবানত সম্পর্কে)	১০-ইউনুস	23	t
auto (diusta autora auto (us disa ulta al"")	4 (-4)10	140	260	- inner feeter " 12 teachs design d(co)	20.000	1 < 20	J

(বখৰর

ব			্ৰ <b>খ</b> ৰৱ	(रत कता			
वंक विरहत्त्वक	সুমানং ও দায়	100	180	THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY AND ADDR	সুৱালং করার	100	181
(स्वयंत्रत (पूर्व गृद्धेर (बारक)			-	অঞ্চলত বেকে বের করে আল্লাহ আলোতে নিয়ে যান	২-বাকারা	309	200
সৃষ্টি সম্পর্কে বেখবর দদ জন্তাহ	২০-মুমিনুন	29	956	ভারতার বেকে মানুদ্রকে জালাতে বের করার জন্য কিবাবে ভারতীর্ণ	১৪-ইবরারীম	2	650
करात (क्रम्म न , दन (नगरा न करावित निर्दान व्यक्तादन पाना अन्तर)	৭-আ'রাফ ব্যাবু (মানুন	308	903	অপনানিতদের বের করবে সম্মানিতরা (মুনফিক প্রসঙ্গ)	७०-मूनाकिकृत	Y	268
देशक्षां क्षेत्र स्थाप के स्थाप क्षेत्र क्षेत्र स्थाप क्षेत्र स्थाप	२३-वरिवा	2	980	আহন থেকে বের করার জনা জাহান্রামীসের প্রার্থন	২৩-ৰ মিলন	209	992
	42-31-491	-	160	আচন থেকে যের করা হরে না কবিছনেত্রক (বিশ্বান্যকে দিন)	80-साविता	00	110
বেছে নেয়া		<u> </u>	$\vdash$	আন্দ-হাওয়াকে মান্তাভ খেকে কো করল শক্তান	২-বাকারা	00	806
নিদর্শন বেয়ে নেরার আহবান (রানুল স. কে নিজের পক থেকে)	৭-আ'রাফ	200	603	ज्ञादन (चार रखा ना बन्ना ज्ञानेता (वर्ग देखानेता शुभान)	২-বাড়ারা ২-বাড়ারা	78	609
সঠিক পথ (মুসলিম জিনরা সঠিক পথ বেছে নের)	৭২-বিদ্	28	99-4	অন্তৰ বেকে বালবাৰ তে কৰে দেয়া ইয়াই ,বাঠ, বাটনা কৰা কৰেন কেনে কো না কৰাই কৰাৰত (ধৰা কৰাৰত নেনাৰ)	59-5544	pro	800
বেজেক্		_	$\perp$	আবাদ খেতে অলারভাবে বের করা (মঞ্জার মুসলিমদের)	22-27%		
কসম (লোড় ও বেজেড়ের কসম)	२३-वार्बर	0	2057	অনুসাধ নিকে কো করা, জহুকার গোল (২পার সম্প্রনার প্রসাস	28-ইবরাহীম	80	964
কেতৃালো -				আলো দেকে বার বারে আনত অন্ধবারে নিয়ে বার		2	
একলনের কথা অন্যালনকে বলে বেড়ালো	ওচ-বুনদার	22	266	অপ্তাহ বের করেছেন সৌন্দর্য-সাম্ম্যী কালাদের জন্য	২-বাকুারা	229	200
CHE					৭-আ'রাফ	95	632
অক্তজ্ঞের জন্য শিকদ বেড়ি ও আগুন প্রস্তুত -অধিয়াতে	৭৬-দাহর	8	396	অপ্নাৰ কৰে কৰে দিয়েছেল আৰুত খোক (ক্যু দবীৰ প্ৰেয়কে)	৫৯-হাশর	2	966
গদার বেডি পরাবেদ আল্লাহ (কাফিরদের)	৩৪-সাবা	00	₩88	অপ্তাহ মানুবকে মাতৃপর্ত থেকে বের করেছেন	১৬-নাহল	পচ	903
গলায় বেডি পরিয়ে দেরা হলে কলবাদের (বা দিয়া কলাবা)	৩-জনে ইমরণ	350	660	ইউসুক আ, এর ভাইরের ব্যাগ থেকে পাদপারটি বের করক	১২-ইউস্ফ	98	846
গলার (ব্যক্তিরদের গলায় বেঞ্জি পরিরেছেন আল্লাছ)	৩৬-ইয়াসীন	b	965	(অন্য ভাইরের)			L
গলায় (অনের গলায় বেডি থাকবে থারা প্রতিশালাকে অবিশ্বাস করে)	১০-র'গ	0	690	উন্যানরাজী থেকে বের করে দেয়া (থির'আউন প্রদর্শ)	২৮-ড'জারা	44	497
গলয় বেড়ি ও শূজা থাকরে (কিয়াবকে মিখা অভিহিত্যারীলের)	8०-मुफिन	93	b/98	উপার তার করা (আচ্চাহ উপার তার করে দিকে ভালাক প্রদাস)	৬৫-খলাক	١	999
প্ররত (অভ্যতনের জন্য শিক্ষা বিভূ ও আচন প্ররত -আভিয়তে)	৭৮-দাবর	8	226	কবিচনবকে ভার করে লেরা (দুদ্দিননেরক থের করে দেরার)	২-বাঞ্চার	797	647
বেভি পরালো	to-rige	-	330	কবিষয় বের বরে নিরম্বিল বখন স্কাস্থ্য স. বে (বিজ্ঞাত প্রসঙ্গ)	৯-জাওবা	80	688
পানী/বাহাতে আনন্দর্যপ্রসাতে বেড়ি পরিয়ে জাবান্রামে নিচেল	-	-	-	কিতাৰ বা আফলনামা বের করা হবে কিয়ামতের দিন	১৭-ইস্ল	30	376
	५৯-शबार्	00	242	ভারশভূমি ও পানি বের করেছেন আল্লাহ (পৃথিবী থেকে)	৭৯-নাথি আড	0)	2008
বেড়ি (শৃভ্জন)			-	জনপদ বেতে অ'আইন আ,মু'মিনতনাকে বের করে নেয়ার কুর্মিক	৭-আ'রাক	44	655
অনু পাহরের স্তীর গলার পাবনের রনি (প্রেট্টিনিকট্) থাকরে	222-Mala	e	7006	ৰভাই থেকে যানুষকে শিকপ্রপে বের করা	22-27 <b>8</b> 6	¢	900
নমিরে লেরা (নদী মানুহের বোঝা ও বেড়ি/পুজল নমিটো লেন :)	৭-আ'রাফ	266	65.5	জান্নাত থেকে আগম আ. কে ইপলিস যেন বের করতে না	২০-জ্ঞা-হা	339	187
(मर्द्ध श्रहेर				পারে (সর্ভবাদী)	50-\$1-6	224	485
অলংকারের মধ্যে বেড়ে ওঠে কন্যা সভ্তান (শিরক প্রসঞ্চ)	80-गुरङ्ग	39.	5.94	ৰাপ্তত থেকে থের বর্জেছল শারান ক্রী জনকের পিরমায়কে	৭-আগ্রফ	29	956
কন্যা সম্ভান অলংকারের মধ্যে বেড়ে ওঠে (শিরক প্রসঙ্গ)	৪৩-যুগঞ্জয	70.	1996	ভালিম জনপদ হতে বের করার জন্য মজসুমের আর্তনাদ!	8-নিপা	98	666
বেড়ে যাওয়া				बीविट (राव क्या सूर्य मानुसरक मृत्युव १९३१ (मानुसार श्रम्))	১৯-মার্ট্রাম	66	907
কুমনীয়ে বেড়ে গোল আল্লাহ কমা কলে ল (বাববা কুমনীকারী)	8-निमा	209	638	জীবিত থেকে মৃত/মৃত থেকে জীবিত বের করেন (আল্লাহ)	৬-আন আম	26	808
কুফৰীতে বেড়ে গিয়েছে বাধা তাদের তওবা	৩-জলে ইমরান	80	288	নীবিভকে ব্যে করেন আল্লাহ মৃত থেকে	৩-জালে ইমরান	29	600
ceanete				ৰীবিত্তক বের করেন আপ্রাহ মত হতে	७०-वर	25	P50
অভিযোগ উপাপনকারীকে অনিষ্টি (অরায়াত (বাভিনার প্রদাস)	48-48	8	118	জীবিতকে মৃত বেকে আপ্লাহই বের করেন	১০-ইউনুস	02	549
অশিটি বেরাঘার (ব্যক্তিসরের অপবাদ মারাকে)	48-नव	8	998	व्यान (प्रान्तिकारना नाइर (बिन्दारका) व्यान चकरण (व्या नवार निर्दर्गण)	৬-অম' আম	18V	633
ব্যতিসাহিশী ও ব্যতিমারীকে একশভ বেক্সছাত	<b>२8-</b> नुव	3	998	ধর্না থেকে বের করে নেরা (ফির'জাউন প্রসঙ্গ)	59-9,4838	23	720
वमी	-	-		থলাবপ্রার প্রতি হয় থেকে বের শ কর (ইনত লোকাল)	৬৫-খালাক	3	bos
মবাই (বেনীতে জবাই করা পত হারাম)	৫-মরিধা		690	নিবালাক থেঃ করেছন অন্তাই	৭৯-নথি আত	35	2008
ধারিত (কেন্টার নিকে ধারিত ব্রুপ্তার ন্যার দ্রুত (ধর বলে মানুষ)	গ্ৰ-মা'জবিদ্ধ		200	লে থেক দল আ, জলু জর থের করতে সম্ব (গিল'কাউলের উঠিত)	59-0,000	40	999
বেদী (মুঠি পৃঞ্জার)	20-41-4124	-	1000	নিরপাদে বের করার জন্য প্রতিপাদকের নিকট প্রার্থনা		-	
শ্রমণ (মূত পুরুপ্ত) শ্রমণের কর (মণ কুরা মৃতিপুর্বর কৌ তাত নির্ভাৱ নীয়)	৫-মারিলা	20	433		১৭-ইপুৱা	310	943
	E-41241	20	697	নিরশান বের ব্যর জনার জন্য প্রতিশাদকের নিমট প্রার্থন	১৭-ইপ্রা	3.0	943
(वमू फ्रेंग				পতনের (রাধানরা পতদের ধের করে দা দিরে আমর)	২৮-কাসাস	20	9.70
অনুহাত পেশকারী বেদুইনরা আসল ভাবুকবৃদ্ধ প্রসঙ্গ	১-ফাওবা	30	682	পিঠ থেকে আনমসন্ধানের বংশধরনের বের করা প্রসঙ্গ	৭-আ বাক	235	62%
অনুহাত (বেশুসনদের যুদ্ধ থেকে পিছিরে থাকার অনুহাত)	8b-गर्द	22	30.9	পৃথিবী থেকেই বের করা হবে (বদী আদমকে)	৭-আর্জফ	22	628
অব্যাদ (মুদাবিদ্যকে ম্যাকৃমিতে ক্ষেত্রীকার পাথে করেনের কলন)	००-व्यवस्य	₹0	700	প্রাণ বের করতে বদকে জালিমদের (মৃত্যুর ফেরেশজা)	৬-আন'আম	310	900
দিয়ান আনে বেলুইনদের কেউ কেউ আল্লাহ ও আধিবাতে	৯-ফাল্বা	22	950	যুদ-মূদ বের করেন আপ্রায় পানি অবতীর্গ করে	৭-জা'থাক	23	626
সমান অনের দাবি কেন্টান্যার (প্রকৃত পক্ষে মারা ঈর্মান অনেনি)	৪৯-হতুরাত	78	957	কিয়অট্রনকে দেশ/বর্মীন থেকে বের করকে চার। (মূলা আ,)	৭-আ'রাক	220	955
গ্রহণ করে কেইনরা আল্লাহর পথের ব্যরকে (কর্থনভরূপে)	৯-জভব	99.	950	বিশ্বজ্ঞাইন বাহিনীকৈ মুদা আ. এর আদু বারা যমীদ থেকে	1	***	011
পিছনে পড়া বেনুষ্টনদেৱকে বল	85-64 <u>6</u> 4	36	824	বের করকে মাওয়া	২০-ড়া-ঘ	90	9.88
মনীনার চার পাশের বেনুইনদের জন্যও সংগত নর যে ভারা	৯-ভাওবা	750	960				_
पून्तकिनी थ कुफ्बीएठ राज्देनता करंतवस्य	৯-ফারবা	39	980	বিবাস্থানীতে মূলা আ, এর জানু প্ররা ঘটনালেশ থেকে তের করা।	২০-ছা-হা	49	488
মুনাফিক (বেলুইনলের মাজে মুনাফিক বরেছে)	১-ফাঙৰা	303	820	কল বেকে মূপা আ, এর হাত ধের করার পর আউন্ধুলা হবের প্রকল	২০-ড়া-য	44	984
বের করা				বলী ইসাহদিয়ার একে জন্মক জারান থেকে জ্বো করা হসক	২-ধাকুব্য	3/12	470
অন্তর (বীল অন্তর ধের করার পর তার পূর্যানা প্রচিত্ত দুটালয়ার দুটার)	85-56.65	25	272	বনী ইনজনিগনেরকে বের করে দেয়া (আবাস ৩)	२-राङ्गवा	286	657
অনুগামীদেরকে বের করে আনেন আপ্রাই অন্ধবার থেকে	৫-মারিদা	26	62.5	বছুত্তর পেন্তৃতি তৈরি (সামিটা কর্তৃক বছুতের মৃতি তৈরি প্রদাস)	২০-সা-খ	bb	186
মছকার থেকে অন্যোতে বের করার জন্য মারাত পাঠ	৬৫-রাশ্রক	22	909	বোৰা (কিলামতের দিন পথিবী তার বোধা বের করে দিবে)	১৯-বিল্বাল	3	2000
जन्मात (गटन जाराच निटन तथ कर्ता (मृत्राव मन्त्रुनाव क्रान्त)	38-शेववधीय	8	990	মটি হণ্ডার পর কমিবদের,পিতৃপুরুষদের বের কর/পুনরুষ্ধন	३१-गाम्ब	59	pog
प्रस्था रह प्राथम दिन का बना बना बना बनी	৫৭-হাসীস	-	387	মানুগর্ভ থেকে আল্লাহ মানুদকে বের করেছেন	১৩-নাহল	93/	900
ACTUAL TO THE PARTY OF SHIP WHEN	1 4 1-4/4/4	-	209	-1	20	1.0	108

नम (रिराह/द्यूप	সুহা নং ও নাম	1211	981	नेप - विस्त/हरूप	नुबा मा स माम	413 4	401
বের করা (পূর্ব পৃষ্ঠা পেতে)				অধ্যান থেকে কো ছার যালার (মৃদ্ধা গুয়ে কনি ইন্যাইলা প্রনাস)	২-বাকুরো	₹80	450
মাটি ও হাড়ে পরিদত্ত হওৱাব পর কের করে জানা	২০-মু"মিনুন	02	986	অপ্তাহন সমন্দ বের হবে মানুষ (কিন্তামান্ত)	১৪-ইবরাহীম	87	551
মানুখনে বের করা হবে বিয়ামতে (পৃথিতীকে জীপিত করার নাম)	৩০-জন	25	630	ইউসুক জা. কে নারীদের সমানে বের হাতে বলগ (আর্থীয়ের ব্রী)	১২-ইউসুফ	02	<b>৬</b> %
মানুষকে বের করা হর শিক্ষাপে (মাড়গর্ভ থেকে)	৪০-ৰূমিশ	89	998	ইন্স (বের হওরার ইন্স কর্মণ সংস্কৃত করত অনুকৃত্যুদ্ধ)	b-ভারবা	85	480
মনুষকে মনীন থেকে উল্লেক্ষয় গের করা (পুনরক্ষা প্রদাস)	२०-हा-ध	66	988	ইবলিসকে থের হয়ে যাওয়ার জন্য জাল্লাহর নির্দেশ	৩৮-শেরদ	99	140
মানুষ্ট্রে শিকরপে বের করা (মার্ডদর্ভ থেকে)	२२-श्रम	¢	920	ইর্যাপাকে বের হয়ে যেটে বপাশন আল্লাই	৭-আ'রফ	34	658
মানুবকে কন্য থেকে কের করা মৃত শুমিকে সন্ত্রীবিত্ত করার মত	80-वृश्यक	22	479	ইর্নপারক থের হয়ে যেতে কণালন অস্তাহ (সিমানা না বন্ধার)	26-2668	-08	422
मनुष्यत अक्षाद रजीन (बदन एवं कादक (कुनत्रधान ११७७)	92-75	35	246	ইবলিসকে বের হার যেটে বলপেন আল্লাহ	৭-আ'রাড	3.0	630
মানুবকে অঞ্চলম থেকে আলোকে বের কথার জন্য কিয়াব অবস্থীর্ণ	<b>18-देखादीम</b>	2	690	দিয়ালারলেরতে বের হওয়ার নির্দেশ (আল্লাহর পথে)	৯-জাগ্ৰা	Ør	<b>488</b>
মানুবের কল্যাপের জন্য বের করা ব্যেছে উত্তম উম্মত	০-মাল ইম্বান		48b	একসঙ্গে যুদ্ধে বের হওয়ার নির্দেশ (মুমিনসেরকে)	৪-নিদা	93	496
মুক্তিকারক বের করে দেয়া (পুরু আ: এর সম্প্রাপারের মধ্য থেকে)	१३-पश्चिम्	02	355	কবর থেকে বের হার অধ্যয় দিন (বিবট শব ক্ষায়ে পরে মানুব)	৫০-কুফ	84	328
মৃতকে মীৰিত হতে বের করেন আল্লাছ	चैठ-सम	22	540	কৰৰ খেকে প্ৰভ বেগে বেৰ হবে মানুক (বিদ্যামতে)	৭০-মা'অরিক	80	bbro
মৃতকে মারিত থেকে আল্লাছই নের করেন	১০-ইউনুস	92	629	কবর থেকে বের হাব কাফিবর (বিশিশ্ব শঙ্গপাদের মতো)	৫৪-কামার	9	hob
মুখ্যকে বের করভেন ইসা আ. (কবর থেকে জীবিভ করে)	१-मतिम	220		কারুল বের হল সম্প্রদারের সামনে (ছবিকামক সহকারে)	২৮-জাগাস	939	P34
ভূতকে বের করে আদরেন অক্সাহ	৭-আগ্রহ	49	635	কাভিতর বের হতে চাবে আগুন থেকে (কাভিতর)	৫-মারিপা	109	69.0
মৃত থেকে মাঁকিত/মাৰিত থেকে মৃত বের করেন (আল্লাহ)	৬-আন আন	202	900	কাকিবরা বের হরে যাবে মুমিনরা তা মনে করেনি	৫৯-হাশর	3	200
মৌল থেকে রাস্লগণকে (কফিরের ধর্মানর্গে না ফিরুল)	18-देखारीय	70	698	বিরাম্ভের নিমে মানুহ বের হাবে (কবর থেকে)	৪০-সুমিন	39	1/92
				ভাষাতি বৈকে প্ৰবাহিষক্ষর বের হওয়ার নির্দেশ প্রসন্থ	8-First	86	0.00
মৌন থেকে এক জীবনে কো করা ছার (কলামত জাপতিত হলে)	र्व-सम्बद्ध	3.5	909	জ্ঞান্তম থেকে কমিল কো যাত মহিলে লেকাম মিনিয়া লো যাব	22-20M	22	960
ম্মিন থেকে মানুখকে অত্যক্ষম থেন করা (পুনরুপানগ্রসঙ্গ)	२०-ग्र-श	66	988				
ম্মীন থেকে অপ্নাহ মানুষকে বের করকেন (পুনক্রমান প্রদাস)	१३-मृद्	39.	79.0	ভশবতাৰ প্ৰীৱ খ্য থেকে বেং না হবেং (ইম্ম্য লোকাল)	<u> ৬৫ - চালাক</u>	2	Make
রাসূল স, কে বের করে নিয়েছে রাস্থলের জনপন	৪৭-দুহাস্থান	70	970	প্রাপের মধ্যে বের হার নিকের করে মুন্যবিকরে (গতুক বুছ)	P-44641	P.7	<b>585</b>
রাপুল স. কে কো করে লেয়ার খানুন্দার করে ধারা যারা কুমনি করেছে।	৮-আন্দান	00	608	অপুত কের হাপন তার বাহিনীসহ (স্কালুভের বিরুদ্ধে)	২-বাকুৰো	₹85	45%
বাস্প স, কে বের করলেন প্রকিপালক (খর থেকে)	৮-অন্থান	¢	905	ভাপুত বাহিনী বের হল যথন প্রাপুত বাহিনীর উদ্দেশ্যে	২-বাকুবো	550	65%
বাস্প স. কে বের করার চেন্টা (কাফিবদের)	১৭-ইস্রা	96	920	বলে বিভক্ত হরে যুদ্ধে বের হওরার নির্দেশ (মুমিনদেবকে)	৪-মিশ	92	262
পুৰব্যতি আ (অন্যৰ্শ-পূথিবৈ পুৰব্যতি আকে অপ্তাহ নে বন্তৰ)	২৭-বাহপ	2,0	805	নালা একটি জল লোহন ন কেন ছীনের গভীর আন অর্জনে	৯-জালহা	255	500
পুত্র আ. এর/অনুসারীদেরকে জগপদ থেকে কর করে নিজে	৭-মারাক	b2	690	পদীয় (মৌমছির পেট থেকে মরেকান্তর পদীয় মন্ত্র কো হয়)	<b>১</b> ৪-শহুদ	69	909
দণ্প্রদায়ের উক্তি		_	-	শনি বের হয় পাধর থেকে (গনী ইসরাঈণ প্রসঙ্গ)	২-বাবুধরা	38	609
দূত আ, ধার পরিবারকে জনপদ থেকে বের করে নেয়ার দিছান্ত	২৭-শামণ	6.0	bro8	र्वेड तक सह तमर तथा <del>व</del>	२8-नृह	80	9.98
শকরপে স্বরায়ু থেকে নের করা (মানুষের গুলু প্রক্রিয়া)	২২-হাচ্চ	¢	925	ৰৃষ্টি বের হয়ে আমতে দেখা যায় (মেদ খেকে)	00-₹¥	85	254
হড়যন্ত্র (শহরবাদীপেরকে বের করার শ্বন্য শহরে বদে মূলা	1-78"(870	250	650	ভূমি থেকে যা কিছু বের বন্ধ আগ্রাহ তা জানেন	৫৭-জদীদ	8	h81
ह, अत सक्षत्र)		***	444	মানুৰ বিভক্ত হয়ে বের হবে (বিবামডের দিন)	৯৯-पिल्यान	b	200
ব্যব্যসীকে অপমানিত অবস্থায় বের করার ঘোষণা	২৭-নমদ	03	you	মুনাকিরাও ক্ষবিষ্যনের সাথে বের হরে যাবে বলে যদি	৫৯-হাশর	22	965
মুলাইমান আ, কর্তৃক)		٧.		দুর্নাহিকর কে হতে না (কবিদ্যানেত্রক কো করে দের হলেও)	৫৯-হাশর	25	26.0
বিনেক্তে বেং করে না কোন প্রসিত (সমীন মৃত্যুকলে)	२-वाकृतः	₹80	653.	মুনাফিকরা কো হরেছে কুমরি নিত্তে	৫-মারিবা	97	49.5
है(त देसर ज्यास्त्रत तस क्या यदन्य (पद्मीलसम्रा निव ना दाण)	৬৫-ভালাক	١,	902	মুগ বেবে বের ব্রুলা কর্ম, ঘারা বলে উল্লোহ সপ্তান গ্রহণ করেছেন।	22-916A	6	328
ধরম (ফীইনরসিক্তর একে অপরকে আবাদ থেকে বের করা)	২-বাকুরা	৮৫	670	বৃদ্দিনর বের না হলে শরি (অল্লাহর পথে বের হওর প্রদর্গ)	৯-ভাওবা	030	688
হাত কো করণে দেখতে পায় না (কফিবদের কাঞ্চের উপান)	২৪-দূর	80	996	মুম্নিদেৰ সৰাই জানাৰ্জনে বেৱ হওৱা স্ক্ৰব নৱ	৯-জভা	255	96.0
বের করা (পুনউন্থিত)				বুদিনদের ব্যে হওর (অক্সাহর পথে মিহন্সে মঞ্চা বিময় প্রণঙ্গ)	७०-दूबकारिना	2	94,5
প্রক্রিকে করর থেকে বের করার বিষয়ে সংশ্যা:	৪৫-জাহ্বাক	25	рор	कुर्वाधनपञ्चात (सर दांड निरम्प क्याका राजून न. ((प्रकार क्या)	৯-জারুবা	30	685
বের করে আলা				মূলা আ, এর হাত পবেট/বুকে রাখলে তা ৩৫-উচ্চুল হয়ে	২৭-নামল	33	roc
র্থমন্যন্ত্রত অপ্তাহ অভবন্য থেকে আগোচে করে বারে আচন	००-जास्यान	80	109	বের হওয়া এনক		Ľ	100
বের করে দেয়া				মুনা আ, বের হরে গেল ভীত শতর্ক অবস্থার (শহর থেকে)	২৮-কামান	43	pos
অভিযুদ্ধেকে কর করে দের হলেও (মুনফিন্ডরা কর হলে না)	৫৯-বাশর	24	200	নৃত্যক্রানে উদেশ্যে বের হব (নিহত হওয়ে নির্বাহিত থাকলে)	৩-আলে ইমরান	348	200
অভিযালয়ক বের করে দিলে মুদ্দবিক্ষাও সাথে বের বারে বাবে	৫৯-বাশর	22	300	यभैन (शरक तव बारा जानात मधुन (राजन खड़ार बाबरतन)	৩০-ব্য	2.0	354
মর্পমিতে ছারমের অধিবানীদেবকে বের করে কের বক্তর পাল	২-বকুরা	229	648	বনীন থেকে যা বের হয় তা আল্লাহ জানেদ	৩৪-সাধা	2	V83
ধুমিনালেকে বের করে দেশ্বর করে সাহায়ক্ষরীলের লাগে ক্ষুত্র	৬০-মুমতাইশ	9	969	বাকারিয়া আ, বের হয়ে গেল ভার সম্প্রদায়ের নিকট	১৯-মার্ইয়াম	22	108
ধুমিনদেরকে বের করে লেরনি যারা খালের লাগে সনভার	৬০-মুমতাহিনা	2	969	যুচনৰ জন্য বের হবে হাকুল স. নির্দেশ নিলে (মুনফিকরা বলে)	२8-मृत	60	998
্বিনদেরকে বের করে দিয়েছে যারা (আবাদ থেকে)	७०-व्यवस्थि	>	343	যুক্তে দের হত্যের জনুমতি চার যদি ভুগবিদার (রাপুদা স: এর নিবট)	৯-আববা	90	685
রপুল স. ও মুফিন্সেরকে করে করে নিরেছে সতে অনিস্থানীরা	७०-दूबश्रदिन	2	300	রতে বের হত্যার নির্দেশ মূসা আ, কে (অপ্তাহত বাধানের নিয়ে)	৪৪- দুখাল	20	hot
नद द्वा	40-7-4-4-	ŕ	~	जन्म म, एक दल जन गर्यत दुविनत देशवें शता कवाग विका दान	৪৯-ছত্বাত	é	840
	P-pain, pain,		0.00	खनुन न, राज्येन राहताई रख दन मनमितन कुछ्यता निरूप पुत्र विश्वासन	২-বাকুরো	787	674
		255	609	রানুল স, রেনিক থেকেই কের হাকেন মুখ বিয়াকেন বিবাশার দিকে	২-বাকারা	140	939
মাচন তথ্যত থেন হতে মাইলে পপামনীকে আচনে বিনালে হতা	<b>७२-आ</b> ल्ला	50	5-53	বালা স, এর নিকট থেকে ব্যে হয়ে যালা (কর্ম শোনার পর)		25	355
সাচন খেতে থে। হতে চাইলে পাপাননীকে আগুনে কিবানো হাব মাচন থেকে যের হতে চাকে কাফিবরা কিবানকৈ		২০ ৩৭	69-6 69-6	बंज़ २, जा निके खंत (सा द्या याता (क्य त्याना १४) र्गालक जन्मता (सा व द्या गर्जा गर्जा वस्त्रा व स्था स	৪৭-মুহাম্মদ	29	
রক্ষন কেনে থের হতে মইলে পাপামজীকে আগুনে কিবানো হাব আন্তন থেকে বের হতে চাত্তে কাফিবরা কিবানতে	<b>७२-आ</b> ल्ला	-		পরিদর সন্থানার কোনা হত্যা পরি প্রালে করনে ন মুসর জা এর	৪৭-মুহাম্মদ ৫-মঙ্গিদা	22	eve
মন্ধকার হাত যে কো হলার দল এখন ব্যক্তিক জিলার। বাচন কেনে কো হাত উইলে কামিকারীকে আচনা কিন্তান হাত্র আচনা কোকে কো বাকে চাকে কামিকারা কিনাবার্কার আচনা কোকে কা বাচনা কিনাবার্কার আচনা কোকে প্রতিকাশকের (ব্যক্তিকা সম্রক্ষাক ছিকাবারীরা) আনুশারর কোকে প্রতিকাশকের (ব্যক্তিকা)	৫২-সঞ্জা ৫-মারিল ২-বার্থবা ১৮-কাহক	٥٩	29-2	শক্তিক সম্প্রনার কোনা হতার পরি প্রচল করবেনা মুগর জা এব শক্তিকর (জামানিকা) সম্প্রনার কো হারে গেলে প্রচলে করবে	৪৭-মুহাম্মদ		eve
প্রচন কেতে থের হার মইলে পপায়নীকৈ আতনে ফিবলে হার মান্তন থেকে বের হাতে চাকে কাফিবরা কিবামটো মান্তন থেতে থের হারে পারতে ন (আন্তাহর সম্ফাক্ত ছিবকারীরা)	৫২-সঞ্জন ৫-মারিল ২-গব্দরা	59 369	674.	পরিদর সন্থানার কোনা হত্যা পরি প্রালে করনে ন মুসর জা এর	৪৭-মুহাম্মদ ৫-মঙ্গিদা	22	200 200 200

বের করা বের হাংলা

MM (HTM/COM	সুৱা কং ও বাম	20	2031	नव दिश्व अञ्च	मुद्दा नर क मान	-	-riks
বের হওয়া (পূর্ব পূর্বা কেতে)	Mary of Aut	200	1260	Page state	Same		-
বের ব্যৱহা (পুন পুন বেকে) স্থেত্তভাতীর ক্ষে হলে সর্বদশ বৃদ্ধি করত (ভাবুকযুক্ত প্রদাস)	১-মাধ্য	83	580	প্রবর্তন (বৈরোধানাদ প্রবর্তন করেছিল ঈশার অনুসারীয়াই)	৫৭-ছানীদ	29	262
মী ধ্যে হতে গেলে কেল কলপ্ৰথ হতে লা (মানিত মৃত্যুৰ প্ৰাণ)	3-404	480	45h	হোকা বাদালো	4100		1000
ক্লা কো ব্যৱ গোলা কোন কলাব বঢ়া বা (বানা কুবুৰ জ) মুদ্যকা কথা কমি বাবে কো বভাৱন নিৰ্দেশ (বিবাদের বলা)	১-বাধব	83	688	সম্প্রদায়ত বোকা বালিয়ে কলের অনুসংলোচ (দির'আ উলো)	৪৩-মুখ্যুক্ত	28	000
হিলাবের উদ্ধেশ্যে হর থেকে নের হয়ে মৃত্যুবরণ কালে	8-FAT	\$60	259	বোকামী (দেশুন নিযুদ্ধিতা শশ্চী)	00,3,5,4	100	D area
	0-11/1	300	609			-	-
বের হওয়া (পুনরূপান)				বোৰা		-	<u>.                                    </u>
মৃত পুনিকে জীবিত করার মতাই হবে পুনক্রখান	৫০-ডুাফ	22	844	অন্যের ব্যেকা বছন করবে না জেন বছনকারী	৫৩-গালম	৩৮	h/08
বের হওয়ার পর্ব		_	$\perp$	অপ্রের বোলা বহল করকে না কোন বোলা বহলকারী	১৭-ইস্র	26	952
অপ্নাহতে তর করসে অপ্নাহ তার বের হত্যের পথ করে লেন	১৫-ডালাক	2	pph	অন্যের বোধা কেউ বহন করকে না কিরামতে	৩৯-যুমার	٩	3-92
বের হরে জালা		_	$\perp$	অন্যে বোধা কেউ বহন করবে না	৬-আন্'আম	348	654
আল্লাহর সামকে সবাই (বিদ্যামতের দিন)	28-रेखारीय	43	999	অন্যের বোঝা কেউ বছন করবে দা কিল্লমতে	৩৫-ফাডির	77	₽84
ৰেশি				অলম্ভারের বোঝা মূনা আ, এর সম্প্রদারের উপর চাপানো	20-38-€	39	986
জংশ (পরিয়াত সম্পান নারী-পুরুষের জংশ; বাম বা বেশি হোত)	8-मिना	٩	229	(বছুর প্রা প্রত্র)		-	-
তাপ্রাহর অসম্রাষ্ট বেশি হবে (কিয়ামতে) কাফিয়দের চেয়ে	8c-मृतिब	30	৮৭৮	অভির বেস্কা বহন করবে (মিখ্যা রচনার করেনে)	২৯-আনকাৰ্ড	20	273
স্বাস্থ্যস্ক(ক বেশি বেশি স্করণ করার নির্দেশ (মুমিলগণকে)	৩৩-জাহমান	85	100	বিশ্বমতে কমির নিজের ব্যেকালহ আয়ে ব্যেকা বহন করবে	২৯-জানতাবৃত		279
বাঁনা (বেলি বাঁনবে মুনাফিকরা অখিয়াতে)	৯-ফারবা	14	983	র্যপত্ত গের (পুনর্বাচনতে রপিত্ত দের বেনা ছতে স্বরহতি প্রর্থন)	২-বাকারা	276	
ধনসম্পদে বছুর চেরে সমৃত্বশালী (বাগানওরাভার উক্তি)	79-21 <u>2</u> G	108	929	নামানে (রাস্ক প. এর বোলা আল্লাহ ধর্মিয়ে নিয়েছেন)	৯৪-ইন্শিরাহ	3	205
পবিত্রতা ঘোষণা (মুসা আ, ফর্টক বেশি দেশি আল্লাহর				নামিরে দেরা (মধী মানুষের ধোঞা ও বেছি নামিরে দেন ।)	৭-আস্থাড	209	62.
পৰিস্ৰভা খোষণা)	২০-য়া-খ্য	00	482	নিতৃত বোঝা (কিয়ামদের নিদের পাপের বোঝা)	২০-জা-ছা	502	989
পৰ্ববৰ্তী স্বনগোষ্ট সংখ্যায় ৰেশি ছিল,	৪০-মুমিদ	145	354	দিবুর রোধা বংশ (অধিবর অল্পাহর সংসাবকে মিথা বলার)	৬-আন্'আম	-03	236
विर्देश्वल्य (प्रामुष)	35-888B	48	993	পৃথিবীর (বিশ্বামতের দিন পৃথিবী তার বোঝা বের বরে দিবে)	১৯-বিদ্যাল	1 3	200
হিতৰ্ত (বেশি বিচৰ্ত করেছে নৃহ আ., সম্প্রদারের অভিযোগ)	22-45±	03	999	বছন (কুলারান বেকে হুপরিমানে ভিরমেতে পাপের বেবা বহন বরবে)	২০-ড়া-হা	300	9,89
स्त्र (अक्कारत स्था करत (एटाव अनुस्त्रत (मि स्त्रा का पुर (१०४)	8-मिना	99	<b>¢66</b>	বহন (দৈনুষ্ট বোঝা বনে অভিনয় অপ্তাহর সাক্ষাধকে নিখা বলায়)	৪-জান্-জায়	92	623
শ্বহিকাণ অল্পান্ত (হয়ে (বলি অভ্যান্তক (মুলাক্সকলে নিকট)	49-4PH	20	369	বহুৰকারী (মেয়ের বোকা বহুনকারীর কলম)	৫১-খরিয়াব	2	326
রাসল স কে বেশি করে দেখাতেল যদি ঝাফিবলের সংখ্যা	৮-জনগাল	85	606	বহুদ (এভিব মিখ্যা এচনার বোঝা বহুদ করবে)	২৯-জানকাবৃত	30	559
সংখ্যা কম হলেও অক্সাহ উপস্থিত (খোপন কল কলঃ সময়)	१५-पुकानमा	9	365	(বদুষ্টদারা পুর ৫মই উপার্শন্তি করে,,	৪৮-ফাত্ত	26	339
শ্বন (অল্পাহতে বেশি বেশি শ্বলা মূপ ও ধারণ আ প্রসাস)	২০-জ-খ	-08	484	ন্মে কর (কিরমেন্ডের দিন পৃথিবী তার বোবা ব্যে কন্ত দিবে)	১৯-হিল্যাল	2	300
শ্বন (অল্লাহ্যে বেশি বেশি শ্বলা করার মাধ্যমে সফল হওচা)	৬২-জুমুকা	30	360	লোব লোক মনিবের জন্য বেঝাছরপ (মৃ' ব্যক্তির উপন্ন)	১৬-মার্প	95	903
ন্ত্ৰণ (অলুহতে বেশি স্ত্ৰণকারীৰ জন্য ৰাসুল স. এর		-		রাসূল স, এর বোঝা জাল্লাহ নামিরে নিরেছেন	১৪-ইশ্পিবাহ	2	205
माना छत्य जाम <sup>न</sup> ।	००-आस्पर	52	900	বোধাই			1
শ্বরণ (আল্লাহতে বেশি শ্বরণ করা)	২-বাকুরা	200	655	क्षेत्र (अब क्षेत्र (सक्षोद्रे प्राण शत कम्त (स शामश्रक अस निर्दर)	১২-ইউপুঞ্	35	8015
শ্বরুণ (যে সব কবি আল্লাছকে বেশি বেশি শ্বরণ করে)	২৬-০'বারা	227	330	্লাকন (বেৰাই নৌখনে উঠিয়ে নুম্পুনিন্দের উভার করা হত)	२७-७''®ावा	229	338
শ্বান (বেশি করে শ্বান করার নির্দেশ অপ্রায়কে যুক্তার মরাপান)	५-कामध्य	80	909	নেয়িকে আরোহণ করান আপ্লাহ (নৃহের বংশধরকে)	৩৬-ইয়াসীদ	85	be8
বেশি পাওয়ার আশা				নৌধান (ইউনুস পলায়ন করে বোঝাই নৌধানে পৌছপ)	৫৭-সাফ্চাত	380	5-80
অনুধার (বেশি পাওয়ার আশার অনুধার করা নিকেশ)	৭৪-মুখ্যমূহির	0	390	व्यक्तावा			
বেইন		÷	-	রাজা স, তে বিচেন পুরুরে ৮ (মুপরিবায়ের সীমান না আনা সম্পর্কে)	৬-জানু'জাম	209	906
মেক্স মেক্স গাড় ভারা পরিবেউন (আসুরের বাশান)	29-80E#	οş	989	বোৰা (পাপের)	-	-	-
বেহেশত (দেশুন জানুতে শক্টি)	22-1151		12.1	পদ্মপ্রীর পরেয় বেরা পদ্মানীকরিকেও বহন করতে হবে (বিসমতে)	26-1759	42	908
	_	-	-	বহুব (বিভানতের দিন কবিবদের পাপের বোঝা বহুন)	১৬-সাহপ	44	908
বেহিপাব (আরো দেপুন অনেক শব্দটি)		-		(दाका दहन	20-14-1		100
প্রতিদান (দেইশীলনের বেহিলার প্রতিদান দেয়া হবে)	৩৯-বুদার	20	৮৭২	चामा वास विदे सम बहार म	১৭-ইসরা	>2	930
বিহিক (জাপ্লাতে বেহিসাব বিহিক দেয়া হবে)	৪০- মুমিদ	80	343	অন্তর বোজা কের বংশ করণে দা অন্তর বোজা কেই বহদ করণেশ বিয়ামতে	১৭-২গুরা ৩৫-কাতির	2/5	430
ব্রিহিক (বেছিসাব নিহিক নাম বরেন আল্লাহ ঘতে ইজা)	৩-মালে ইমরান		609	আনার বোঝা কেও বান করাবন কিয়ামতে	৩৯-বুমার	9	
বিষিক (বেছিলাৰ বিষিক দাল কল্পে আপ্লাহ যাকে ইচ্ছা)	२८-मृद	CP	995	অনের বোঝা কের বছন করবেনা কর্মানতে অপরক্রের রোভা বছন করবে নির্মেয়ক্ত প্রতি গাপ অবোপকটি)	৪-দিসা		643
বিষিক (বেহিলাৰ বিধিক দেল জাল্লাহ থাকে ইজা)	২-বাকুরা	222	650		0-17/1	225	64
ন্ধিবিক (বেছিসাব স্থিবিক দান করেন আল্লাহ যাকে ইচ্ছা)	৩-আলে ইন্দ্রন		60%	বোথা বহনকারী			-
সম্পদ বেহিপাৰ দান করা বা না করা সুনাইমান আ, এর ইআ	৩৮-সেয়াদ	co	Velv	অন্যের বোরা বহন করবে না (কোন বোধা বহনকারী)	৩-আশ্বাস	2/68	925
বৈশিষ্ট্য				বছৰ (থোনা বহনকারী অন্যের থোনা বহন করবে না)	৫৩-মান্নম	49.	NO.
পুণ্যবাদের বৈশিয় (অভাব্যার/ইঞ্জানীম/কনীকে পাদ্য দান প্রদর্গ)	৭৬-নাব্র	ìr	366	বহন নরকেনা বোঝা বহনকারী (অসের বোখা)	৩৫-ফাভির	72	b84
পুন্যবাদের বৈশিষ্ট্য (মানত পূর্ণ/কিলামভকে ভর করা প্রদাস)	৭৬-নাব্র	٩	266	বহন করবেনা যোজা বহনপারী (অন্যের বোজা)	৩৯-যুখার	9	25
পুশুবানের নৈশিয়া (ইনাউম/সলব্যায়/বনীকে খানা পানোনে/দান)	৭৬-সাব্র	ъ	266	বোধ করা			_
বৈচিত্র্য				প্রাক্তমন বেগ করে বা অনসকলে মুবনিক্রানেকে য নিয়েছে	69-2544	>	321
অহা ও বর্ণের বৈচিঞ্জ (জাল্লাহর নিসর্পন)	৩০-জন	22	৮২৩	(4)H			Т
বৈবাহিক সম্পর্ক				জল (জলতার এক রেন থকলে নে সম্পর্নের মর্থক মাল পরে)	8-Fm	395	49
গালনো (বৈবাহিক সম্পর্ক বনিয়েছেন আল্লাহ)	২৫-যুবকান	28	946	ধাপালাহর এক বোম বাধ্যন সে সম্পরের অর্থক পারে	৪-নিসা	398	
বৈমারের ভাই				ঘর (বোলের ঘরে আহার করাতে কোল দেখি দেই)	२8-मृत	63	937

শশ বিষয়েশ্রময়	न्द्री नर के साम	TES C	781	ME STATE REPORT	নুৱা নং ও নাম		
বোম (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)				জান্তার বাজির অনুসংগ করছে মানুষ (জালিমার বংগ)	২৫-পুরকান	У	952
ফুল আ, এর বেনকে তার মা কল্প (মূলর পিছলে পিছল বেতে)	২৮-কলেন	22	pop	নারী (নিৰু অর্থনের কন্য প্রফোক ব্যক্তি পরী)	৫২-ভূব	43	>50
মুসা আ, এর বোন শিশু মুসার তত্ত্বাবধানতারী সম্পর্কে বলা	30-91-11	80	980	দান্তিকু চাপিরে দেয়া থাবে না কাইকে (তার সাধ্যাতীত)	২-বাকুরো	২০০	<b>લર</b> ૧
থেৱে (বোলের মেয়েকে বিয়ে করা ধারাম)	8-मिमा	২৩	499	দারহান্ত (প্রজ্যেক ব্যক্তি নিফ কৃতকর্মের জন্য দারহান্ত)	৭৪-মুদ্দাছছির	©b*	225
হাজদের বোদ মার্যসাখ	১৯-মানইরান	27	986	দুই ব্যক্তির উপন্ন (ন্যার বিচারের নির্দেশপানকারী ও বোবা)	১৬-নাহন	95	90%
বোন (এক)		-	$\Box$	নেশ্বির লের (কবিনর পেশ্বির দিকে চার এক্স এক বর্তি)	৩৪-সাৰা	٩	785
হয় ভাগের একজন পাবে (এক বেদ/এক ভাই থাকলে)	8-500	25	96h	দৌছিরে আদল এক বাজি (শহরের প্রান্ত হতে)	২৮-কাদাণ	30	prop
ৰোন (পুইবোন)	-	-	-	দিম্পদ ব্যক্তি হত্তার বাশারে (বিনিয়কে মূপ জ. এর বিজ্ঞাসাবাদ)	১৮-কাহক	48	900
বিয়ে (দুইবোনকে একতে বিয়ো করা হারাম)	8-RPI	20	400	নুহ জ, এজা বচি যর যথে পালেনী মরেছে (সংগ্রেম কলা)	২০-দু"মিন্ন	₹0	959
বোদ (সুববোদ)	0111	-	142	পর্তনির্দেশন (মাল্লাহ মেইলে নকল ব্যক্তিকে পথ নির্দেশন সিতেশ)	৩২-সাজ্দা	30	505
ব্ধবেদতে বিয়ে করা হারাম	8-901	20	499	প্রজ্যেক ব্যক্তিকে পুরোপুরি প্রতিদান দেয়া হরে (বিগর পিনে)	২-বাকুারা	52.7	600
	0-1-1-1	40	469	প্রহেত বর্তি ও অর্জন করেছে বর প্রতিশন বাকে দেয়া হবে	৪০-সু'মিদ	39	243
বোদ (পূৰ্ববৰ্তী নিদৰ্শন)	A - POPE	41		প্রতিবাদ (প্রত্যেত অভিন চেউর প্রতিবাদ দেয়র স্বন্দ বিয়ামত)	২০-জা-ছা	3/2	983
নিমর্থনের বেন। (ভিন'জা উল্পোনীকে বড় নিমর্শন লেখনো)	৪৩-মুখ্যুক	80	1,99	প্রভাগে (অভিযানে প্রভাত ব্যক্তির প্রভাগে সমূহতে প্রথমের)	৭০-মা'আছিল	Gp.	924
বোনের পুত্র (আরো দেপুন ভাগ্নে শব্দটি)		_		প্রতিবাদ (ব্যক্তির কৃতকর্মের প্রতিদান নিতে অকাশ-পৃথিবীর সৃষ্টি)	৪৫-জাছিয়া	રર	80%
নৌন্দৰ্য প্ৰকাশে দোষ দেই যোগের পুত্ৰের নিকট	२८-मृत	-02	222	'মহান ব্যক্তিন' উপর কুরজেন কেন আদার নাঃ (বৃই জনপানের)	৪৩-মুখকণ	0)	785
বোদের মেয়ে			$\perp$	হিংত তাল বহুতে এই বাহি (বানুল সম্পর্কে আন বাহিক মন্তবা)	২৩-মু'নিবৃদ	Qp.	9.65
বিয়ে (বোদের মেরেকে বিরে করা হারাম)	৪-নিগা	50	669	মূপা আ ধে হতা করার বাপারে এক (মুখিন) যান্তির বভাষ	৪০-মুমিন	₹5	ppc
বোৰা		Ш.		মৃত্যুবৰণ কথাও পাৰে না কোন ব্যক্তি (আল্লাহর ইচ্ছা খ্যারা)	৩-আদে ইমরান	786	683
তম্ব বের ও বধিঃ করে সমূকেত করা হবে বিদানতে (পথএইলেকে)	১৭-ইস্বা	24	922	মৃত্যু (প্রয়োক বাতিই মৃত্যুর খাদ প্রহণ করনে)	২১-অধিয়া	00	9,23
উপনা (দ্যায় বিচারের নির্দেশনানকারী ও বোধা উপমা)	১৬-মাহল	95	900	মৃত্যু (প্রক্রেক ব্যক্তিই মৃত্যুর স্বাদ গ্রহণ করনে)	০-আলে ইমরান	23.05	208
কাফিরর বোবা বধির ও অন্ধ	२-वाकृत्य	747	472	মৃত্যুর সাম প্রহরকারী (প্রত্যেক প্রাথ)	২৯-আনকাবৃত	6.8	25
মিনুষ্ট জীব সেই সৰ বৰ্ণিয় ও বোৰা যাৱা অনুধাৰণ কৰে না	5-504094	55	608	যুক্তি (বিস্তানতে প্ৰত্যেক ব্যক্তি নিজের পক্ষে বিভৰ্ক করবে)	১৬-মার্ল	222	933
বোধা (বোধা মনিকো জন্য বোকাপরপ, সু'বাজিব উপমা)	১৬-নহেল	26	902	সংক্রমবারী প্রভোক ব্যক্তির উপর সংক্রমবারী আছে)	৮৬-জরিক	8	303
বিধা অভিহতকার বনির বোব (অরাক্তে নিধা অভিহতকার)	৬-বছৰ্থাম	95	477	স্ট্রকনপ্রের একজন ব্যক্তির ছিল না (পুরু সম্প্রেরমে মধ্য)	77-2s	937	693
মুখ্যফিনর বোবা (সুকরাং তার সচিক পথে ফিরে আগফের)	২-বাকৃত্য	7/2	600	সম্প্রবারের এক ব্যক্তির উপর প্রতিপাশকের উপনেশ	৭-আ'রাফ	65	922
ব্যক্ত				সম্প্রধারের এক ব্যান্তির উপর উপদেশ আসা	৭-আ'বাফ	68	933
মত্তী দ্বীর সাথে গোপন কথা সম্পর্কে কিছু ব্যক্ত করদেন	६६-शहरीय	0	390	সক্ষিত ব্যক্তিনেত্ৰত অপৰ্যনিত কর (সংধ্য এনিং অশবং)	২৭-মামল	08	bro-
ৰ্যক্তি		-		সংবাহীত (বাহিতে সংবাহীত দায়িত চপিয়া দেন না অপ্নার্য)	२०-मु"मिन्न	62	983
অনেক প্রভুৱ অধীন ব্যক্তির দৃষ্টান্ত আল্লাহ পেশ করেছেল	৩৯-বৃদ্ধব	25	790	সাহত বেজিৰ সাহতিও অভিতিত কেবা না চাপানের জন্য সেতা।	২-বাঞ্চরা	29%	250
অনুসহ (বে নাম করে -কোন ব্যক্তির দেয়ানতের প্রতিবাদকরণ পর)	১২-লাইল	25	3098	হত্যা (কৃপা আ, কর্তক এক খাডিকে হত্যা করা প্রদাস)	২০-কা-হা	80	989
প্রকার প্রেক্তাক ব্যক্তি যা আর্থন করে আক্রাছ তা জানেন)	30-674	83	693	হত্যা (কুলা আ, কে এক ব্যক্তিকে গতকাল হত্যা করেছে)	২৮-কাসাস	38	trol
অর্জন (প্রত্যেক ব্যক্তি যা অর্জন বংবাছে বা বাবই)	48-39	33	992	হজা করা (অধ্যায়ধারে কোন ব্যক্তিকে হত্যা করা হারাম)	৬-আনু আম	303	822
অর্থন (প্রভাক ব্যক্তির অর্থন তার উপপট বর্তার)	৬-জার'আম	258	653	হল্ম (বিশ্ব'বাটন সম্প্রশাস্ত এক ব্যক্তিকে হত্যা করেছে মূল আ.)	২৮-কাসাস	00	6.25
অর্জন (ব্যক্তি যু অর্জন করেছে আ তাকে পুরো করে লেটা মনে)	৩-মাল ইবরণ			হুলা (বনী ইসরাইলের এক ব্যক্তিকে শোপনে হুলা)	२-चक्रश	13	203
অৰ্জন (ব্যক্তি বা চৰ্জন করেছে তা পুরোপুরি দেয়া হবে)	৩-জলে ইবরন		646	হতা (বেল ব্যক্তিতে হতা কর হারাৎ নারসংগত কালে হার্র)	১৭-ইপরা	00	934
আমানত (তোল ব্যক্তি কালো নিকট আমানত রাখণে)	२-वाक्तव	2010		হতঃ (সারসক্ত বাজে খারা বোন বাজিতে হতঃ করে ন খারা)	২৫-ছবকান	66	95
আল্লাহ চাপিলে দেন দ্য কাউকে দাখ্যাবীক কোন দায়িত্ব	9-30'09	82	939	ব্যক্তি (একমন)		-	-
आवार गांकि व वाद स्मावन मांबनात बात्कन	५-गामकान	48	608	च्ये दक्कर (प्रकार प्रमुखाना नाथ जनकारना नगर वर्षे द्वारण)	\$0-\$\$ <del>4</del> ×	1 4	621
সমান (নিদৰ্শন জ্বাসার পর ব্যক্তির উমান উপকারে ন্য জানা)	১-আন'আৰ	2634	925	হাভি (কারো)		<u> </u>	+
উপন্ম (ম্যার বিচারের নির্দেশদানকারী/বোবা বাজির উপনা)	১৬-বাহুপ	95	900	ইয়াল আন্তর সাধ্য কালে গেই (আল্লাহর ইচ্ছা হারা)	১০-ইউবুন	200	66
উপস্থিত (প্ৰত্যেক ব্যক্তি উপস্থিত হাবে কিয়ামতে)	<b>१०-दाक</b>	52	250	ব্যক্তি (কেই)	So-delt.	*00	-
এক প্রকৃত্ব অধীন ব্যক্তির দৃষ্টান্ত আল্পার দেশ করেছেন	৩৯-তুমার	45	390	ব্যাক (কেও) বিবাহতের দিব কেউ বারো পকে প্রতিদান নিবেনা	३-वाकाबा	87	20
এক ব্যক্তি (আদম আ.) খেকে অল্পাহ মানুহ নৃত্তি করেছেন	৩৯-যুমার	0	5-93	যোগৰ বাখা প্ৰতিবাদ সম্পৰ্কে যুখিদ ব্যক্তি লামে না	৩২-সাহস্য	39	ro
এক ব্যক্তি থেকে মানুব সৃষ্টি	৭-আগ্রাফ	27.2	600	প্রতিবাদ (বিষয়েকের দিল কেউ কারে পাক প্রতিবাদ দিকের)	२-वाकाश	87	80
এক ব্যক্তি থেকে সকল মানুহ সৃষ্টি	৬-অনু অম	30	900		4-414-101	81	Q.O.
এত ব্যক্তি থেকে সকল মানুদ সৃত্তি (জাল্লাহ করেছেন)	8-501	15	660	ব্যক্তিক্রম		١.	١.
এক ব্যক্তির অনুভ্রপ (সকল মানুকের দৃষ্টি ও পুনরুখান)	৩১-লুকম্বদ	26	259	অহনেশ্য (অপ্তানে আসনের বিত্তাবিজ্ঞানীর দেন শান্তির বার্শার্ড)	২৪-খ্য	60	95
এত ব্যক্তির মনিবান্ধীন অনেত প্রভূগ জনীন ব্যক্তি সম্মন ন্যা	৩৯-তুমার	59	790	আপ্তানকারীর অনুসরণে ব্যতিক্রম হবে না (হাশরে)	२०-इत-श	304	
কাম (ব্যক্তি কর ভাগ ও মন আম উপস্থিত দেখতে পাব)	০-জলে ইবর্ডন		609	জিবলে বিস্কু সংখ্যা সংক্রমীল ও বিস্কু সংখ্যা এর যতিক্রম	૧૨-જિલ્	22	99.
স্বাভিবদের কোন ব্যক্তির মৃত্যু এসে পদ্ধলে বলে	২০-মুমিদুন	22		নিধিট সম্মান ব্যতিক্রম না ২ওয়া (সামিটা প্রদাস)	50-월1-K.	24	4,8
সামের (অপরাধিচার প্রায়েত ব্যক্তি উনুক্ত সহীক্ষা কমনা করে)	18-মুখ্যানুহর	63	225	নির্মীর সময়/ছালে ব্যক্তিয়ান্দ শ কর (বিদাক্ষতিনে জনু প্রদর্শনের)	২০-ফ্লা-ছা	62	18
ছটে জ্বাল নগৰিব প্ৰাপ্ত (বংক এক ব্যক্তি (বাস্পাচনে সমর্থনে)	৩৬-ইয়ানীৰ	30	7.65	প্রতিপ্রতিক্র ব্যতিক্রম করেন বা (মাল্লাহ)	৩৯-মুমার	50	200
জ্ঞানে বা (বেলন স্থানে সে মৃত্যুবরণ করকে)	०३-मुक्कान	108		প্রতিপ্রতির ব্যক্তিকম করেব দা আপ্রাহ	৩০-ক্য	6	2.0
কালিয় বাজিবা মুক্তিপদ দিয়ে শান্তি থেকে বাচতে চাইত!	১০-ইউনুস	48	690	প্রতিশ্রুতির বাতিক্রম করেন না আল্লাহ	১৬-রাশ	-07	6h
স্থানতে পাত্ৰৰ প্ৰত্যত বাজি সে তী উপস্থিত কৰেছে	১১-খকেন্ত্ৰ	28	3000	প্রতিপ্রতির ব্যক্তিজন করেন দা প্রতিপাদক	৩-জালে ইন্ডান		20
	৮২-ইনজিবার	0	3030	প্রতিপ্রতির ব্যক্তিরুম করেন না অস্তাহ	৩-অলে ইমরা	1798	020
জান্ত্রৰ প্রত্যেত ব্যক্তি জ্ঞানবে কী সে আলে পারিয়েছে,)							98

.

4		ৰ	তিক্ৰম	रहर			
NA PROPERTY	नवा कर क मान	100	to dili	नव विस्तृहत्त्व	जुडा वर संबंध	-	नुका
ব্যতিক্রম (পূর্ব পুটা লেখে)	- Carrier 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19	-	-	অস্তাহর পরে ধন-সম্পদ ব্যায়ের উপমা	২-বারুবো	265	607
ব্যহিষ্ণতির (ইহুদীদের জন্য অস্ত্রাহর প্রতিমাতি বাব		-		व्यक्तारत गांत्र वह करहा पर कि न तथहा कि तथ पहा	৯-জাওবা	34	683
ব্যতিক্রম হবে নাঃ)	২-বাকুরা	90	609	আপ্রাহর পাথে বার করা	২-বার্থারা	296	444
বৃদ্ধ কর্তনে ব্যক্তিক্রম না করার কলম	৩৮-কুলার	20	396	व्यक्तारत नाम का कार या प्रशिस्ता व्यक्तार कर नुप्रानक्षी लेकिन्छ,	৮-জনকাল	60	450
वावधान	00.51.04	-	9,0	আপ্রায়র পাবে বারতে তার নৈকটা লাজের উপান্ন হিসাবে একণ	h-18764f	33	620
मुद्दे बहुद्वार कम सुरक्त दिन (बिन्डामिन ও राजून म्. এह सहस्।		-		व्यक्तारा त्या बार श्रम कारण न व्यक्तार (ज्योगिक वर्षा वर्षा)	9-2104		682
	৫০-দক্ষ্ম	>	303	আপ্তাহর পথে বার করতে হারা কপথতা করে তারা	৪৭-মুহামান	60	975
रावमा		_		অস্তাহর গমে বার না করে হর্প-রৌপা সঞ্চর করে হারা	b-তাওর	108	
উত্তৰ দর (আল্লাহর কাছে যা আছে বা ব্যবসার চেরে উত্তৰ)	७२-स्पृष	22	9/90	खहारत गांच राह मा करा शमार खहारत किसाना	৫৭-হালীন		680
প্রবিষ্টে সেরা (মুন্দিসক্রেক এমন কাবলা প্রবিদ্ধে সেরা ব্য)	৬১-সাক্ক	30	960	क्रिया नार निर्धा-मांका व व्यक्ति-महाप्तर करा		30	886
দেখা (ব্যবদা দেখে লোকের রানূল ন, কে রেখে ছুটে বার)	৬২-বৃদুজা	22	999	ভবন বার পেতা-মাতা ও আগ্রের-স্বর্থনের জন্য কল্যাবের জন্য (ভক্তিবনের নিজের কল্যাবের জন্য অপ্রায়র পথে বর্ম)	২-বকুৰা	556	658
থালে দেই -এমন ব্যবসার প্রস্তাাশী (দানশীল নামাঞ্জীখণ)	৩৫-ফাভির	45	787		১৪-ভাগাবুন	36	264
নগদ ব্যবসা পিখে না রাখাতে লোম নেই	২-বাকুৰো	252		কবিবলের বাবের উপন্ন (হিনশীরূপ বাহু বা শহরেদন ধাংদ)	৩-জালে ইমরান		683
পরস্পরিক সম্ভবিতে ব্যবসা করা বৈধ	8-9H	45	£60	কাকিবলা যা ব্যব্ন করেছে (মুমিদ দারীদের মোহবানা স্বরূপ)	৬০-মুমতাহিনা		269
প্রির (বাৎসা প্রির হলে- অস্তাহ বাসুল স: ও জিহান অলেক্ষ)	৯-কার্ডবা	₹8	883	গোপন-প্রকাশ্যে সম্পদ করের প্রতিদান প্রতিপদকের কাছে	২-ব্যক্তারা	₹%8	6.05
খুলিয়ে রাগে না বানের ব্যকস ও বেচাকেনা (অপ্রাব্ধে স্কাশ থেকে)	२८-मृह	09	995	গোপন ও প্রকাশ্যে ব্যব্ধ (আল্লাহ প্রদক্ত রিবিক থেকে)	৩৫-ফাভির	43	<b>689</b>
মুনফিবদের ব্যবসা লাভজনক হয়নি (পথএটতা প্রসঙ্গ)	২-বাড়ারা	36	600	গোপনে ও প্রকাশ্যে ব্যৱকারীর উপমা (উল্লম রিবিক বেকে)	১৬-নাজুল	9.0	90%
रारहा				গ্ৰহন (মুনাফিক/কাভিয়ানর ব্যয় প্রহণ করা নিচেধ করেছে	h-জাওবা	28	482
অবস্থানের নিকৃষ্ট ব্যবস্থা করেছে অনুসূত্ররা অনুসরীলের জন্য	öy-⊘सस्त	èo	749	ভায়ের অধিধাস)	B-61041	4.0	685
অব্যা (ব্যবস্থিত। ক্রমে অব্যাহর ক্রমে ক্রমে ক্রমে অপ্তাহ)	79-91 <u>2</u> &	36	190	(क्षेप्रे व क्ष्म यह बार कर के निरंद सब इत श्रीक्रमन (महाद कर)	>-छान्दरा	252	969
ওয়ালিন বিন মাণীরার জন্য সবক্তিয়র ব্যবস্থা করেছেন আলাহ	৭৪-সুদাছবির	78	990	স্থানা (মানুকো বার সম্পর্কে আল্লাহ স্কানেস)	২-বাকারা	290	605
ভারতের সূত্রত কলের কছো কর হবে (স্থিমননর সংক্রান্ট্রান্ডরে)	19-3416168	98	945	জিজানা (বার বরা সম্পর্কে জিজান রাস্থ্য স, (ক)	২-বাকারা	255	232
জীবিতার ব্যবহা করেছেন আল্লাহ (মান্য ও সকল জীবের)	20-SH4			জিজানা (রানুল স, কে জিজানা বাহ করা প্রথকে)	২-বাঞ্চারা	326	228
শতিব ববস্থাকর দেবলৈ জন্ম জন শতি প্রতিন অন্সরীনের		20	666	বালাকপ্রভাব জন্য গর্ভস্থ সন্তান প্রদার করা পর্যন্ত ক্যা	৬৫-জন্মাক	2	bbir
সাম্বরী (ভাইদের জন্ম সাম্বরীর ব্যবস্থা করে দিল ইউন্তঃ)	৩৮-সোধাদ	93	3163	প্ৰাৰ প্ৰায়ৰ বল হয়ে যান্তাৰ আশকাৰ বস্তু স্থাপত কডিছা	১৭-ইসরা	200	944
	১২-ইউস্ফ	10	600	লেকালের জন্য সম্পদ ব্যর করের পরিদাম (মানুদ্ধক দেখালো)	8-991	Ob.	263
সম্মানি বাৰস্থা করে নিল ইউসুফ স্বা. (ভাইনেরকে)	১২-ইউসূঞ	49	99-5	ধ্য-সম্পদ বার আক্সোনের কারণ হবে (কবিবলের কন্য)	৮-জানজল	99	600
राजशानम		_		ক্ষা-সম্পদ ব্যৱ করে অভিনৱ (অপ্রায়র পথ (মতে বিত্তে রাখ্যার)	৮-वानकान	00	656
কর্ম ব্যবস্থাপনার নিয়েজিক ফেরেপকাদের কসম (রহ প্র.)	৭৯-নাথ আত	¢	2000	ধ্য-সম্পন্ন ব্যা (পুরুষের ধ্য-সম্পন্ন বৃত্তীর স্কল্ ব্যা বর্চত প্রথম)	৪-নিদা	08	262
रानदात				श्य-अभ्यत शहरत यह बड़े ६ (बीरी न हमझ	২-বাকার্য	202	605
ইয়ারীমনের সাথে রড় ব্যবহার নিবিদ্ধ	৯৩-দূর্য	>	2059	निरक्षान्त बनाइएव क्या गम्मन शह	২-বাকার	393	805
প্রবঞ্জন করার জন্য উন্মতের শপদের অপব্যবহার প্রসঙ্গ	১৬-নাহল	25	930	निवर्ते सङ्ग बदाव देखा ना कताव निवर्तन	২-বাকাল	359	405
ব্যবিচার				शरिद्ध का ताह कहार निर्मा	২-বার্থরা	269	0.04
অপস্থা (ব্যতিমান্তম অপস্থা থাকলে মুখিল নাসীকে নিয়া করা লৈং)	8-991	2.0	ébo	পাল্লা (বাহ করর মত কিছু পাহ না যার আনে নেম (নি)	9-81651 5-4-0-10	201	685
দানীর (বিবাহ বছনো আবছ দানীর হেনার শক্তি হাবীন ভারীর অর্থক)	8-991	40	@60	পৃথিবীর সংবিদ্ধ বাধ করলেও (ফুলাংগর বন্ধন সৃষ্টি)	b-ginnia	240	ප්රිර්
নিকটবর্তী (ব্যক্তিয়ারের নিকটবর্তী হওয়াও নিষেধ)	১৭-ইসরা	-05	120	প্রতিমান (সম্পদ বায়ের প্রতিমান প্রতিপাধকের বাছে)	5-ciétes 5-ciétes	398	409
বাধ্য করা (ব্যতিভাৱে বাধ্য করা নিষেধ দাসীদেরকে)	२8-नुव	00	999	বাহনান (সমান খানের আহলান আহলানাকর করে) বাহনে বা বার বর্জেন ভার জন্য হার চাপারুল ( বাধানগুলা)			
বাইয়াত (ব্যতিমের না করাও জন্য বাইয়াত এছল মুক্তিন নাইছেনা)	৬০-মুখতাহিশা	25	545	विकास पूर्व एक व वर्ष वहकारीय मध्य मध् प्रवर्शीय	79-alás	84	934
রহমানের ধালারা ব্যতিচার করে না	२१-वृदकान	99	39/3	বিজ্ঞান কে নামতি অনুকারী ভাগাবল্যারার জন্য বার করে	৫৭-হাদীদ	30	282
শান্তি (বিশ্বহ বছনে আবছ নাসীর ফোর শান্তি থাবীন নারীর অর্থক)	8-स्मि	2.0	600	বার করেন আরার যেতাবে ইয়ার বার করেন আরার যেতাবে ইয়ার	৬৪-ভাদার	٩	299
ব্যতিহার (অশ্রীশতা)					৫-মার্ক্সনা	86	622
দাব্দী কলব (মন্ত্রীলভা/বৃতিভার প্রমানে চারভান গাব্দী প্রদাস)	8-901	32	qqy	অপথসর মিনিদ বয় ন কর পর্যন্ত পূণ লভ কর মধে ন	৩-জলে ইন্যান	344	€8¢
ব্যক্তিবারী		-	***	মনীনাবানী ও ভালপান্তর বেলুক্টনার যা ব্যৱ করে তা দিখে রাধা হব	৯-তারবা	257	950
विद्या (व्यक्तिको मा बद्धा (प्राव्यानात किनाव्या विद्या करा देख)	8-নিসা	28	<b>2%0</b>	মহামতিদান (ঈর্মন আনলে ও সম্পন ব্যয় করলে)	৫৭-হাদীদ	٩	789
বিয়ে (ব্যক্তিয়ারী বিয়ে করবে ব্যক্তিচারিশী জগবা)	२८-एड	0	998	মানুবের বার সম্পর্কে অক্সাহ জানেন	২-বাকুারা	₹90	6:05
বেল্লখন্ড (ব্যতিচারিতে একশত বেল্লখন্ড)	48-78	3	998	মানুৰ যা ব্যয় করে আল্লাহ তা জানেন	৩-আল ইম্যান		686
মুমিলগণ ব্যক্তিচারী হবে না (মোহর দিয়ে বিয়ে করবে)	৫-মারিনা	0	Q110	মানুৰ যা ৰাম করে তার ক্ষতিপূরণ আল্লাহ নিবেন	৩৪-সব	039	788
वरिकारीमि	4-418-11	*	402	দৃদ্ধা জাসার পূর্বেই রিবিক থেকে বায়ের নির্দেশ	৬৩-মুনাফিকুন	30	ክቴቱ
দাসী (বিবাহিতা দাসী বাঙিচারীনি না হওৱা প্রসঙ্গ)	s-Sixt		-	মোহানে বার পদিনত থেকে প্রদান (যাসের স্থী কবিবাসের নিয়েঁ)	৬০-মুমভাহিনা	22	96.9
বিয়ে (ব্যক্তিরবিট্রে বিয়ে করতে ব্যক্তিরটা অবর)		42	260	মেছতাৰ বায় তথ্য দিবে অভিনৱ (মুখিন প্ৰীয়নর নিকট বেকে)	৬০-মুম্ভাই্না	20	696
भिद्रा (विशिक्षांनी राज्या याचिवांतिको निद्रा करात करवा)	२८-गृह	_	998	মেহতে ব্যঃ ফোড চারে ছুখিনান (কচিব প্রীদের নিকট)	৬০-যুমকহিন্য	70	969
ম্যে (অভ্যান তেকা ব্যাহচায়কে ম্যা কালে কবৰ হোমাক (ব্যাহচারিনীকে একশক ব্যোমাক)	58-52 5	۰	998	রাসুল স. এর সাহীতের জন্য ব্যব্র করতে নিবেব করে (ফুর্যভিকর)	৬৩-মূনফিকুন	٩	864
ব্যৱসাধ (ব্যৱসাধনকৈ মকশ্ব ব্যৱসাধন) মারইয়াম ব্যক্তির্বাধী মহ	રક્ષ-સ્થ	3	998	ভিন্তিৰ বাৰ (আল্লাহ প্ৰদান বিভিন্ন হোৱে বাৰ কৰা প্ৰসঙ্গ)	৪-শিসা	σ'n	695
মারহয়াম ব্যাহচারণা নর মারহয়াম মাতা ব্যক্তিয়ারিশী ছিল না	३५-माउदेशाम	40	900	রিহিক (গোপনে ও প্রকাশ্যে কর করার দির্দেশ)	১৪-ইবরাহীম	٥)	696
	25-पारदेखाय	44	906	রিফিক থেকে গোপান ও প্রকাশ্যে ব্যস্ত করে	১৩-রাদ	22	850
বায় (আরো দেখুন গরচ শক্তি)				বিধিক দেকে প্রকাশ্যে ও গোপনে ব্যৱকারীর উপনা	১৬-নাব্দ	98	903
অনিচ্ছাকৃতভাবে ব্যৱ করে অধিশ্বাসীরা (আল্লাহর পথে)	2-8164I	68	986	ব্রিথিক খেকে ব্যৱ করত পূর্ববর্তী ইত্মানদারর	২৮-কলেস	¢8	P25
অপচাঃ (ব্যয়ের ক্ষেত্রে অপচাঃ করে না এহমানের বান্ধরা)	২৫-ফুরকান	69	929	বিভিন্ন বেকে ব্যয় কয়কে কালে কাঞ্চিত্রে বলে	৩৬-ইয়াসীন	89	768
জন্মহর পথে সম্পদ বারের পর বেঁটা না দেয়া	২-বাকুরো	252	6-07	বিদিক থেকে বার করা মুম্বাকীদের বৈশিয়্য	२-वाङ्गदा	•	405
আপ্রাহর পথের বায়কে অর্থনগুরুপে গ্রহণ করে বেদুইনরা	7-8164	৯৮	820	বিনিক থেকে ব্যস্ত করে মুখিনগুণ	৩২-সাঞ্চল	38	507

190	(300m). (44)	( <b>4777</b> ym/d	স্কাৰং ও নাম	in.	पृक्षा	नंप रिवर/दश्य	সূজানং ও নাম	THE R	1
যায় (পূৰ্ব প	की (चंदक)					বাধি (বারো দেখুন রোগ শব্দটি)			
	ক ব্যৱহ নিৰ্দেশ (মূৰ্ণ	মনদের প্রতি।	২-বাৰুগ্ৰে	208	600	হনতে ব্যক্তিন্ত লোককে প্রপুদ্ধ হওৱা (নদীব খ্রী প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাব	०२	9
due non	সমৰ্থ ক্ষমনী দলৈ য	া করে (অপাবপ্রাক্তা কব্য)	৬৫-ভালাক	٩	200	হুনরে ব্যধি আছে মুনক্ষিকদের	<b>२-जामका</b> श	87	1
	ক ক্ষম করে মু'মিনগণ		৮-জনজন	0	604	হনতে ব্যবি আহে যাদের তাদের স্বপবিত্রতা বৃদ্ধি করে	৯-ভারবা	256	4
	ক ব্যয় করে বে মুনি		84-431	Ob	728	হণমে বাধি আহে হাদের তার মনে করে	৪৭-মুহাম্মন	২৯	ħ
	ক ব্যৱকারীনের কল্ড		22-2799	95	965	হনরের ব্যক্তিয়ের হলরের লোকনো উঠি খনকো হুদ্র প্রদাস)	৩৩-আহ্বাব	25	ħ
	ক ব্যৱ (মৃত্যু আসার		७०-मुनाकिकन	30	366	হৃদরে ব্যক্তিকের ভার্যন্তামের প্রথমী সম্পর্কে বলে	৭৪-মুদার্থর	403	t
	লোর জন্য সম্পদ ব্য		২-বাকুরা	368	202	হল্যে যাহিলের মুলক্ষা কীর হয় (যুহর দুরা করনীর্ম হলে)	৪৭-মুহামাল	30	t
	মূলত কলে সম্পদ্ধ বার স্বাস্থল অবস্থায় বার		৩-জাল ইম্বান		48y	হলতে অভিয়ের লোকনো নিক্তমে মানুল দ. এর আবস্থা এহল প্রাপদ	৩০-আহ্বদ	80	t
	স্থলাহল অবস্থার ব্যব নাই হায় করার নিচুলি		३-राकृत्य -	393		STIME	00-410-	-	۲
						অহা (প্রতিপারক ব্যাপক ভয়ার মানিক)	44 7790		ł
		ন্তুত্তি কামনার সম্পদ ব্যস্ত্র)	২-বাকুরা	495	607	কর: (প্রার্থনাক বাদক করার মাদক) করি (দের শব্দর এফা নিচর হয় বস্তু হয় করি হবে বাদক)	৫৩-নাক্য ৭৬-নাক্য	9	ł
	ৰ কৰা পৰ্যন্ত ভালাকঃ		৬৫-তদাক	b	300				
	করার প্রতিদান পুরো		২-বাকুরো	ર૧ર	405	স্মানীল (প্রতিশালক বাসক নরাবীল বিস্তু অপরাধীনের শারি)	৬-আন্'আম	289	H
	/নান সম্পর্কে আস্তাহ		२-शकृता	২৭৪	605	यानाव/विषय		_	Ļ
		ত ব্যস্ত করার নির্দেশ)	৫৭-হানীন	٩	387	জান্তৰ্য বাপার (বস্তু ইলাহতে এক ইলাহ বাদাদো)	৩৮-সোৱান	¢	l
छर्ष (बाद	রো দেখুন বিষণে শব্দ	(B)				ইবানতের নিয়মের ব্যাপারে রাসূল স. এর সাথে জনার্যা মেন	২২-হাজ	69	
	ব্যৰ্থ করা প্ৰয়েষ্টা চাল		৩৪-সাবা	Or	788	বিশ্বাপ না করে		_	Ł
মন্ত্ৰাক্তাৰ ব	নুৰ্ব কৰাৰ চেটা কৰিয় উ	ন্তু অচনের অধিবাদী হবে	55-20at	62	960	ছিলাস (নবিচনা পচ জাংল রখর বাপর জিলাস কল মূপ আ)	২৮-আসাস	140	Ī
মান্তাহর ড	ধায়াতকে বার্থ করার ৪	10%	¢8-90€	6	583	দৃহ সংবঞ্জর স্থাপর(সংব্যারর অনুদ্র অসমেরে বার ও বৈর্গধান)	৩১-লুকমান	29	I
	ছাচারীরাস্পগণের বিষ		18-रेजवादीय	36	698	দারীনের দাপার কি ছিল্য (ইউনুক আ, কেপ্ররোচিত করার সময়)	১২-ইউসুত	63	î
	शर्व दत्त किरत यात्र (न		৩-মালে ইমরন	329	€85	(ম্যুলেন্ডান্ম থাপার কীঃ (ইব্যাহ্রিম আ জিম্মান করপেন)	১৫-হিজর	49	Ī
	হিলো কাকের মত ব		g-মার্ডিলা	62	¢98	বিশ্বরতর ব্যাপর (কাফিরসের নিক্ট সতর্ককারী আসা)	৫০-কৃষ্	3	Ť
		র উদ্ধ অভ্যান অধিবাদী হয়ে)	२२-श <b>क</b>	45	980	মুমিন ব্যক্তিটি ভার ব্যাপার জাল্লাহর নিকট সমর্পন কলে	80-मु'बिन	88	t
	কাৰী হাশৰে বাৰ্থ হ		২০-জা-য	222	980	সময়িশত ব্যাপারে অনুমতি হাড়া চলে যার না মুখিনগণ	28-70	3-2	Ť
		র প্রতি মিখ্যা রচনা প্রসঙ্গ)	२०-छा-श	65	488	সমিটির বাপর সম্পর্ক হৃদ্য আ. এর জিয়াস (বছুর পুলারসঙ্গ)	२०-का-श	20	†
		বরদে (বনস্থা প্রসং)	५-कानकान	83	506	সিদ্ধান্ত (ফুশবৈকর কি কোন কিছে সুন্ধান্ত সিদ্ধান্ত শিক্ষান্ত স	80-ग्रहरू	45	t
	র্থ হরেছিল (ফিরস্রাইট		80-मूर्थिम	09	993	सानी	-		t
	ৰ হলেই (যারা মন্দ ৰ		৩৫-কানিব	20	589	खाता अर्थवाणे । अर्थवाणे	২-বাবুংরা	289	t
	ও হবেহ (বারা নব্দ ন র্বে করার জন্য মিথ্যা I		৪০-মুখিন	0	trettr	वाह्य रुवा प्रकार	Sodifical	401	+
	हर्ष करात क्षमा (रूपा)। हर्ष करात क्षमा विस्तर्क			29	933		-	-	4
	(र निरंत्रहरू कन्धिकः		১৮-কার্ড ১১-শামস	20	2048	হাজত-মাজতকে ব্যবিষদে প্রেবণ (জাদু অবভীর্ণ প্রসঙ্গ) বাজ	২-বাকুারা	205	1
	গে ।শজেকে কৰ্মাৰত	000	83-714A	20	3049				1
ব্যস্ত				-		প্রেরণ (আপ্লাহ বস্তু প্রেরণ করেন)	১৩-রা'ন	70	1
	: দিন প্রত্যেকে ব্যস্ত ৭		৮০-আবসা	09	3004	বছধান			l
(रभूत्रेमाल	ধ ব্যস্ত থাকার জন্মুহত	চ (বুছে না বাওয়া প্রসঞ্চ)	83-20.02	22	974	জন জভিব নাম বন্ধুঝনি হতে পরে (মুখ ফিরিরে নিশে)	৪১-ফুস্সিলার		Ι
	মারো দেখুন বর্ণনা শ	(415)				বাংল (অন্তথ্যনি ছবা ছামূদ সম্প্রদায়কে খাংস করা হয়েছিল)	99-6465	0	4
ভুৱআন ব	যাথ্যৰ দায়িত্ব প্ৰসদ্ন,		৭৫-বিবামাহ	29	998	প্রকল্পর (স্কুলুমর কারণে ধনী ইনরফ্রলকে বছুধানি হারা পর্কারণ)	8-521	200	П
		हर्ष मृत्रा चा. ५४ अम्पनाल)	72-side	25	903	পাকড়াও, বন্ধুখনি হারা (আপ্লাহকে দেখকে চাওয়ায়)	২-ধাকুবো	64	
জনা (খ্যা	খ্যা কানে না কেউ মুদ	গণবিহ অয়তো)	৩-জাল ইম্বান	9	6.09	মৃত্যুত্র কর (বন্ধুখনির কারনে মুনাফিকের মৃত্যুর কর প্রসম্প)	২-থাকুরো	33	T
		র উদ্দেশ্যে দেগে থাকা	৩-জলে ইবন্দ	9	609	শান্তির বন্ধুখানি ভারুদ প্রতিকে আঘাত করণ	৪১-ফুস্সিশ্ব	34	T
দ্বা আ. ৫	কে বিভিন্ন আ, এর ব্য	াধ্য (অলক হত্তা নৌকা	১৮-বংশ্বৰ	97	903	সভর্ক করে (মুখ মিনিয়ে নিলে বস্তুপর্যনির আপারে সভর্ক করা)	৪১-ফুস্সিলার	20	1
চিন্ন ও প্র	চার ঠিক করার)		Street	75	103	বছপাত			Ť
নুপর ব্যা	থ্যা নিয়ে আসেন আল্ল	হ (কবিবদের উপমার)	२११-कृतकाल	00	978	পাৰুত্ৰাও (বস্তুপাত পাৰুত্বাও বৰুল ছামূদ অভিকে)	१५-गरिकार	88	t
	াখ্যৰ আমৱা অভিজ		24-2524	88	69.7	প্রেরণ করতে পারেন আল্লাহ বাগানে (বস্থুর আগরা)	72-4124	80	+
		াহ (ইউসুফ জ: কে)	১২-ইউসুক	1 52	699			-	t
		পোলক (ইউস্ক আ. কে)	১২-ইউনুফ	9	999	উক্তৰ (আয়ো দেখুন উপজোধ/জোগ শদটি)			4
	ব্যা জানাতে চাইল মু		25-18500	80	99.7	অইবং কক্ষণ করে যারা কুকরি গোপন রাখে	৫-মাছিলা	હર	
মানের কাম	ধা করতে পরক্রে রাজা ব	রখা সদ পরিকার্যের নাজ	১২-ইউসুক	80	675	অহৈধ ভক্তন নিছেব করে না বেনা ব্রধানী ও পথিতগপ	♦-মারিদা	40	1
भागव वर्ग	খ্যা আনাচ্ছ বলগ কা	রাহনীয়া (ইউসুড ডা. কে)	34-2574	06	9010	গহরিশক ক্রমণ করে মানুষ	80-मुभिन	935	1
		া জানবে ইউসুদ আ.)	24-9979	99	900	ভক্তবারী			1
		ভিপালক ইউসুক আ, কে	25-5/5244	303		সংখ্য ক্ষমনকারী	৫-মাছিদা	84	
		स रेक्ट्रिक जा. यह स्ट्रास चांचा)	75-5824	300		ভঙ্		1	1
ব্যাপ	First Vacable of	mercal or on efficient	27.70.74	1200	100	অঙ্গীকার ভঙ্গ ও জন্মত অপরাধ প্রসঙ্গ (বনী ইসরাইফের)	8.Spri	320	
				-	1.0		9-5084I	99	
वक्ष मान		পঞ্জী ধো অল (ফন ভাইচের)	25-58356	96		অঙ্গীকার ভঙ্গ করেছিল মুনাধিকর (মাচাহর সাথে)	১০-রাম	30	
		মল (ইউনুফ আ, এর অইজের)	75-इंट्रब्रूक	96	618	অনীবার ভদ বরে হার (অক্লাহর সাবে অনীকার করার পথ)			
			১২-ইউস্ফ	68	694	অস্ত্রীকার জঙ্গের কারণে লাখিত কারেছেন জারাহ (বনী)	e-प्राप्तिमर	30	
অইলের ব	চাগসমূহে পণামূল্য রো	A MER CALL SERVE OF THE							
অইলের ব	গ্রাথসমূহে পণামূল্য রে চাইয়ের ব্যাপে পামপা	ত্র হেখে দিল ইউসুঞ্চ আ	১২-ইউসুফ	90	99-0	ুক্তি ভক্ত করে না (বৃদ্ধিমানরা) প্রতিশ্রুতি ভক্ত করেছিল শরখনে (অনুসারীকের সাথে)	১৫-র'দ ১৪-ইবরাহীম	20	

नव दिरा/धनव	ব্যাল বৰস	100	नुका	भर के विरद्धांकार के कि	नुबा नर च नाम	THE P	शुका
चन्न (नृर्व नृत्री (शहरू)			1	অস্ত্রাহকে ভয় করার আহবান (নৃহ আ, কাইক সম্প্রদায়কে)	३५-व'वाहा	306	120
বিদ্যাপাটন সংখ্যারের প্রতিক্রতি খল (শারি দূর হওরের পর)	80-1999	20	735	অল্লাহকে ডঃ করার জাহবান (হুদ জা, কঠক ভার সংগ্রাপায়কে)	২৬-ড'আর	348	986
কনী ইসরাইদের প্রতিক্রতি চঙ্গ করা (বাছুর পুঞা প্রসঙ্গ)	२०-छा-श	10	185	অস্থাহকে ভয় করার আহবান (পূত জা, ঝর্ডুর সম্প্রানায়কে)	২৮-চ'অরা	265	926
কী ইনরদিলের গেডায় জনীকার ভঙ্গ না করা (বছরে পুলা প্রদাস)	২০-ড়া-হা	79	186	অল্লাহ্যক তথ করার অহবন (চম্মইন মা, কর্তক সম্প্রদায়ক)	২৮-৫'বারা	399	939
বাইয়াত চক্ষ করে যে তার পরিশাম তার নিক্ষের উপরই	8५-सादर	30	950	অক্সহতে জা করার অস্তান (নুহ জা, কর্তুক তার সংগ্রেক্সক্তে)	২৬-হ'জর	220	9395
বাইরাভ তদের পরিণাম নিজের উপরাই বর্তাবে	৪৮-পাত্র	30	970	অপ্তাহ্যক জা করার অস্কান (নুহ আ কর্তক ভার সম্প্রদায়ক)	59-9'NST	305	9290
রাসুল স, এর সাথে চুক্তি তক করেছে যারা প্রভাকবার	৮-আনকাশ	26	909	অস্ত্রাহ্বক ভর করার আস্কান (তুল আ, বর্তৃক তার সম্প্রদারকে)	₹0-0, <b>व्या</b> व.	240	926
শপথ পাকাপোক্ত করার পর তথ না করার নির্দেশ	১৬-নাহ্দ	27	930	अञ्चारहरू कर करार कर गण्डनहार शहर कार्यन कर अन्य आस्त्र	59-0,0141	293	9309
শপথ তক্ত করণে হুশরিক প্রধাননের সাবে যুক্ত	৯-য়াব্যা	25	683	অক্সবঢ়ক তর করত জন্য পুরের সম্প্রদারর প্রতি পুর যে, এর অধ্যন	59-9,000	260	9345
পপথ ভাগবারী কাফিয়দের বিক্লছে মু'মিনদের বুছ যুছ	৯-জবৰা	30	683	আপ্রাহতে তর করার জন্য নবীর প্রীদের প্রতি নির্দেশ	৩০-জাহ্বাব	20	305
<b>उक्कारी</b>	B-41041	-	007	অপ্নাহক তা করার জন ছানুদ সম্প্রদায়ের প্রতি সমিত্রের অহাম	२७-४'वडा	200	920
প্রমিশুনি বাসকারী দল বাস্তাহ (রাসুদলেয়ক দেরা প্রবিশ্রুনি)	১৪-ইবরারীয			অল্পাহ্রত ভর করার নির্দেশ (পৃথিগদের প্রতি)	৪৯-ছত্মাত	360	820
	28-448414	84	986	অল্লাহকে ভর করার নির্দেশ (দিয়ানগরসের্চে)	৩-আলে ইমরান		
বহি	_	-		অল্লাহকে তর করার নির্দেশ মুমিনামের প্রতি			666
কৰার ভবিতে নিত্তে গারতেন রাসূল ল, (ফুনারে ব্যবিয়ালেনাকে)	৪৭-মুহাখান	œ.	978	व्यक्तिया वर्ष कार निर्मन	৫৯-হাশর	35	963
<b>क</b> विवास				অপ্তাৰ্থত তর করার নির্দেশ অপ্তাৰ্থতে তর করার নির্দেশ (মীরাস বর্ণনা ও ইয়ানিম প্রসঞ্চ)	৫-মাল্লিনা ৪-নিসা	8	@bro
ত্রনটি (বাসুল স, এর ভনিদ্ধতের ত্রনটি মার্জনা করকেন অন্তার)	8४-फॉर्ट्	1	979			9	229
পাপাচার (মানুষ ভবিষ্যতেও পাপাচার করতে চার)	৭৫-কিরামার্	2	750	অপ্তাহ্যত হতাসাত্য ভর করার নির্দেশ (মুমিনদের প্রতি)	৬৪-তাপাবূদ	26	369
ভয় (মারো দেখুন জীতি শব্দটি)				আপ্রাহ্মক হবাহর ভর করার নির্দেশ (উমানলবচের প্রতি)	৩-জালে ইমবান		484
অংশীদারিক্টের তম (দাস-দাসীকে অংশীদারিক্টের ভর)	00-8¥	25	b-28	অক্সাহকে যে ভর করে নেই উপদেশ প্রহণ করে	3-4-SI,41	20	3036
অন্যতম কর করে ফুর্নফিকর (অক্সাহ ও রাসুগ স. এর পক্ষ কেরে)	48-98	60	993	অক্টাহতে প্রাদৃশগণ ভর করেন	৩৩-আহ্বাব	ರಿಶಿ	6-09
অপরাধ নেই (অক্সাহতে তার কালে পূর্বের হারমে অপরাধ নেই মন প্র)	०-मालिन	20	695	অস্ত্রাহকে ভয় করে কেবল জনী বাপারাই	৩৫-ফান্টির	50	b/85
অবস্থান (প্রতিপাশকের অবস্থানকে তর করেল অনুসঞ্জল মান্রাত)	৭৯-নাথিজ্ঞাত	80	3000	আপ্রহত ভা ওরান এর (ঘরারসূপ স. এর সংস্কৃতি ভাশ করেছে)	৮-জানহাল	46	809
অধিরাতকে তর করে অনুগত ও বাতে সিম্পাকারীগণ	৩৯-বুমার	à	373	আপ্তাহকে তম করে যদি ইয়ানদাররা তবে	৮-জানফাল	25	608
আবিবাতের ভর করে না অপরাধীবা	৭৪-মুনাছছির	60	332	অক্সহতে ধর করে মত মতৃদ্ধক ভর করা (যুদ্ধ ধরন্ধ হলে)	৪-মিসা	99	499
আঙ্গকে তহু করার নির্দেশ (যা অফিবলের ক্ষয় প্রস্তুত)	৩-মালে ইময়ান		28¥	অস্ত্রাহকে তর করা (নীমালক্ষ্যনের ক্ষেত্র)	২-বাকারা	338	653
অক্তাতে ভা করার দির্নেশ কমিবলেরে (কুলজনে সংগ্রহ প্রসঞ্চ)				অপ্রায়ত ভর করে বছ বালিটি (ইন্দু উলে মকতুম প্রদর্গ)	৮০-জবাস	ъ	2006
আধীয়তার বন্ধন সম্পর্কে ভয়/সতর্কভার নির্দেশ	২-বাকুরা	28	₹58	অপ্তাহকে ৬র করে এমন ব্যক্তিনের দুইজনে বলগ	৫-মাইনা	20	250
	8-सिमा	2	66.9	আল্লাহকে ভরকারীর পাপ মোচন ও মহাপ্রতিদান	৬৫-তালাল	2	365
অপ অভিনে যা তা দেখনে থাছিল চুল আ, কে যা দিয়ে আনতে কৰা		55	970	আপ্রাইকে তর করে হারা ভারা মধুল	२8-मृह	23	993
অধ্যক্ষণীনের ভর নেই এবং তারা দুচিন্তায়ন্ত হবে না	৭-আর্থ	82	959	অস্তাহকে ৬র করে যে তার জন্য শিক্ষা ফিরআইনের ঘটনার	৭৯-নাবি'জাত		2008
অস্থাকে ভয় করার নির্দেশ	१-भविना	1 2	6,00	আল্লাহ্ডে ভরকারীর জন্য কুরজার স্মানকপঞ্জল	50-M-S	0	183
আপ্লাহ দ্বাদ্ধা কৰা কভিকে ভৱ করেন না (রাস্দশণ)	৩৩-আহ্বাব	co	5-04	আল্লাহতে তর করার নির্দেশ	৫-মায়িশা	88	250
পঞ্জাধ খুড়া কউকে ভর করে ন ধরা ভারত নগজিল ভাবাদ	৯-জাওবা	7/2	685	অপ্তাপ্তক কর করের নির্চাশ (মুক্তিন ও আহলে কিয়াব প্রদাস)	8-निम	202	490
অস্থাহকৈ ভয় কবলে অস্থাহ তাৰ এক সহজ করে দেন	৬৫-১াশাক	8	365	অস্তাহকে ভর করার নির্দেশ (মুহিনাসের প্রতি)	৩-জাল ইমরন	350	289
অস্ত্রাহরে ভার করলে অস্ত্রাহ তার দের হওয়ার পদা করে দেন	৬৫-ছালাক	2	200	আপ্লাহতে ভৰ কথাৰ নিৰ্দেশ	২-বাবুরো	26.9	657
সাল্লাহকে ভন্ন করতে বলগেন পূত স্বা, (তার সম্প্রদারকে)	27- <u>Z</u> et	95	692	আস্তাহকে বন্ধ করার নির্দেশ (ভালাক দেধার ক্ষেত্রে)	৬৫-জনার	20.0	200
আল্লাহকে ভয় ববতে বলা হলে	২-বাকুরে	২০৬	450	অল্পাহ্যে তর করার নির্দেশ (বৃদ্ধিমানদের প্রতি)	৯৫-ভালাক	30	365
অল্লাহ্যক তর তর/ভাকওর সবদদন (খামী-রী প্রসঞ্চ)	৪-নিসা	252	440	অল্পাহত হল করন দিয়াল (ইংলাম অবস্থায় শিক্তা প্রসঞ্জ	०-मासिना	30	254
অল্লাহকে তয় করা নির্দেশ (মুমিনদেরকে)	৮-জনফাল	69	605	অল্পাহ্যক ভর করার নির্দেশ	২-বাকুরে		
আপ্রাহক তর করা (মুমিনচন নিজেনের মধ্যে অপ্রোচন কেরে)	৪৯-হত্ত্বভ	30	257	আপ্তাহতে তর করার নির্দেশ (সকল হওপ্লার জন্য)	৩-আলে ইনরন	200	450
অস্থাহতে তথ্য করলে সফল হতে পারবে	৫-মারিদা	300	669	অস্তাহতে তর করার নির্দেশ (মুমিন্যানর প্রতি)			₫8b
আল্লাহতে তর করা (আমানত ফেরত গানের ব্যাপারে)	२-शहादाः	200	208	অস্তাহ্যত তর বরার নির্দেশ	৫-মার্ক্সা	22	\$P.7
আপ্রাহতে তথ্ করা (খন চুক্তি সম্পাদদে)	২-বৰুৱা	252	608	অস্তাহ্নত তর বহার সংগ্রেশ	৬০-মুমতাহিনা	22	969
জাল্লাহতে তথ্ করা ও দিলার অনুসরণ করার আহলেন	৩-আল ইনরান		683		৫-মাঞ্জিল	b	697
আন্তাহতে বন্ধ করার নির্দেশ (মু'মিলনের উল্লেশ্য)	৬-জন্জম	92	607	অস্তাহ্যক ভয় বৰাৰ নিৰ্দেশ অস্তাহ্যক ভয় কৰাৰ নিৰ্দেশ	২-বাকুৰো	507	<b>ઉરે</b> ઇ
অস্থাতে বর করার নির্দেশ (বান্দানের প্রতি)	৩৯-বুসার	36	992		২-বাকুরো	220	655
আপ্রাহকে তর করার নির্দেশ				অস্ত্রাহ্যক তর করার নির্দেশ (মুমিনদের প্রতি)	৫৭-হালীদ	₹7	252
वाहादार वर गांद निर्मन	২-বাবুদ্ধা ৪-নিসা	799	645	অস্তাহ্যক তথ্য করার নির্দেশ	৩০-রুম	407	p.58
আন্তর্তে তর করার নির্দেশ আন্তর্তে তর করার নির্দেশ ( শীবত ও অনুমান প্রমঙ্গে)		3	66.9	অক্সায়েকই কর করা (ভিনিই একমার ইলাহ জন ইলাহ (নই)	১/⊲-নাত্ৰ	67	909
আন্তাহতে ভর করার নির্দেশ ( পাবত ও অনুমান প্রস্তেস) আন্তাহতে ভর করার নির্দেশ	85-स्वृदाठ	25	957	আপ্রাহকে তা ও আশা নিয়ে ভাকার নিয়েশি	৭-জারাফ	6.0	939
	62-543	70	521	স্ক্রাহ্তের ভা করার নির্দেশ (ইংরাইম আ, কর্তৃক তার সংস্থাতের)	২৯-আনক্ত	3.5	273
স্বাস্থ্যব্বে ভয় করার নিচেশি (মুখিনচনবকে)	৫-মরিদা	0	₫₩0	আক্সহতে তর করার নির্দেশ ইমাননারদের প্রতি	৯-ভাওবা	222	965
আল্লাহতে ভগ্ন করার নির্দেশ	২-বাকুরে	740	429	অস্থাহকে ৬র করার নির্দেশ (বৃদ্ধিমানদের প্রতি)	<b>२-वानुगरा</b>	198	655
আল্লাহকে ভন্ন করার নির্দেশ (বাজেদের স্ত্রী প্রসঙ্গ)	৩৩-সাহ্বাব	কর	p-op	অস্তাহতে তর করার নির্দেশ	৫-মাছিলা	q	62.7
অক্সাহকে ভয় করার নির্দেশ	৫-মারিদা	308	428	অল্লাহতে ভৱ করার নির্দেশ (মুছলঙ্ক সম্পদ বর্তমে)	৮-আন্ফাল	2	905
অল্লাহকে তর করার নির্দেশ (মু'মিন ২লে)	৫-মারিদা	225	228	অক্সহকে তর করার নির্দেশ (রাস্ক স. এর প্রতি)	৩৩-আহ্যাব	3	500
আল্লাহকে কর করার নির্দেশ (মু'মিন হলে)	৫-মারিনা	69	¢49	অস্ত্রাহ্তে হর করার নির্দেশ	२-सामृतका	200	৫২৭
আল্লাহতে তর করার নির্দেশ (সকলের রাফি) আল্লাহতে তর করার নির্দেশ (হলোল রিবিক বাওয়া প্রসঞ্চ)	২০-মুমিনুদ	65	966	অল্পাহতে ভা করার নির্দেশ অল্পাহতে ভয় করার নির্দেশ	৫৯-হাশর	٦	250

नव .	সুয়ানং ৩ বাৰ	TO R	ingen.	पर विश्व/धनन	जुबा नर छ नाय	dige to	-
चर (पृर्द पृक्षा cबदक)				দাবিশ্রের তরে সন্তান হত্যা করা নিধিছ	১৭-ইস্রা	40	93
অস্ত্রাহতে তম করার নিচুলি ভালেনকে বাবা ঈমান এনেছে	৫-মারিদা	90	978	দারিপ্রের কর দেখার শরকান	২-বাকুরো	২৬৮	01
অস্ত্রাহ(ও তর করার নির্দেশ (নুহ আ, কর্তৃত ঠার দশপুনাছকে)	93-75	0	39/8	দানকারীর কর নেই (গোপনে ও প্রকাশ্যে দানকারীর)	২-বাকুবো	298	00
মাল্লাহাকে তথ্য কৰতে উপাৰ আহ্বান	86-7999	60	300	দানকারী জন্ন নেই (ধানের পর কট্ট/বেঁটা দা দিশে)	২-বাকুরা	262	60
अक्षांत्रक कर संबद्ध भीच हीराज निर्दान ('अरस्य मारा क्या अन्त्र)	৩৩-আহমান	93	V06	লাউদকে তর করতে নিষেধ করপেন প্রতিপক্ষ্	ব৮-সোম্বাদ	33	bri
মাল্লাহ্রের তর করের বিদ্যাসমূহের প্রতি মুগ্র আ, এর জন্মান প্রশস	%-নাম আৰ	22	2008	দিবক (দেব বাদার ওলে দিবক কর করে যার কঠি হতে বঙ্গেক)	৭৬-মহের	9	37
অল্লহণ্ডে তথ্য করতে ন্যোজাতদের প্রতি ধূপা আ তার প্রকাশ প্রপদ আল্লহণ্ডের তথ্য করার আহ্বান (আদ সম্প্রদারের প্রতি)	১৬-জারা ১৬-জার ব্যক্ত	303	936	দিয়াক (সেনিয়ন্য কর বেলিন সুপরিশ্ববিদিয়ে বাজে আসাবে মা)	২-বাজারঃ	350	2
আপ্তাহতে তর করার আজান (আন স-এনারের এতি) আপ্তাহতে তর করার আজান (আন জাতির প্রতি)	২৩-মুমিনুন	93	969	দুচিত্তা ও তর নেই আদের যারা ইয়ান এনে লংকারু করে	৫-মারিনা	Sch.	ď
প্রাপ্তাহকে তর করার আহান (আন জাতম প্রতে) প্রস্লোহকে তর করার আহান ক্ষমকোন শৃত আ, এর সম্প্রদায়ক	২০-রু মধ্যুদ ১৫-রিকর	99	902	ানী পরিয়া ভয় করেন (যদি বিনি প্রতিপালককে অমান্য করেন)	১০-ইউনুস	20	6
অক্সাংক তর করার আহান অসকেন পুত আ, এর সম্প্রদানক। অক্সাংক তর করার আহান (সলিহ জ, কর্তুক সম্প্রদানক)	50-0, <u>atal</u>		996	্ট্ৰে (অপ্ৰয়তে প্ৰতিপূদক বাস কৰে অধ্যিল ব্যক্তিক কৰ দেই)	86-जाइसक	30	b
		785		व्यक्तिमंत्रिका प्रत्यक्षकातीयक का त्यर	২-বাকুরা	Ob.	0
অল্লাহতে তর করার উদ্দেশ্যে উপদেশ প্রেরণ	৭-জারক	90	979.	প্রধানের পরের কলে ব অক্সং (হনের জনির ধান্তের পরিশ্রম)	৯১-শামস	24	20
ব্যপ্তাহকে জা করার প্রয়েও বেশি তার করা মনুখনে (মুদ্ধ ফালা ঘ্যা)	8-निमा	33	600	পুলক্তিত হওয়ের তথ্য দেই কাভিবসের	85-वाइकाक	39	2
অপ্লাহকে তর করার হুন্য হামুদ সম্প্রদায়ের প্রতি দালিহ	২৬-৩'বারা	388	5942		১-আন আম ১-আন আম		
অ, এর অহান				প্রতিশালকের সামনে সমধ্যে ইবার ভয় করে যারা		67	0
অস্ত্রাহরে হয় করম হল্য জন সম্প্রনায়ের প্রতি হুন আ, এর আম্বান	२५-७'वारा	302	936	প্রতিশালকের পরিকে কর করে যুদেবকে ইলাই মান করা হয় যায়	১৭-ইদ্রা	49	9
অল্লাহকে তম করার নির্দেশ (সূদ প্রসঙ্গে)	२-वकृता	295	600	প্রতিশালককে না দেখে ভয়কারীকে সতর্ক করা যায়	৩৫-ফাভির	24	7
আল্লাহতে ভয় কৰাং নিৰ্দেশ (মুদিনদের প্রতি)	৩৩-আহ্বাব	90	1/80	প্রতিশাশককে না দেখেও তথ্য করে (মুখ্যানীরা)	২১-আধিয়া	85	١٩
আল্লাহকে তম্ন কৰাৰ নিৰ্দেশ নিয়ে ফেবেশনা অৰতীৰ্ণ	১৬-নাহন	2	900	প্রতিশালককে ভর (কবের দেনদেন সিখে দেরা প্রসঙ্গ)	২-যাকারা	5.43	2
আল্লাহকে তয় করার নির্দেশ	২-বাকুরা	200	450	প্রতিপালককে তর বর্ষাস ভার সরুষ্টি ওপ্রতিদান কল্লাফ গাও	৯৮-বারিলাহ	ν	20
আপ্রাহর নিবট বাসলগণ তর পায় না (মুসা আ, প্রসঙ্গ)	২৭-নমন	30	500	প্রতিশালককে তর করা (না সেখে)	৬৭-মূলক	25	19
অন্তাহকে তথ্য কৰাৰ নিচৰ্লে (দেখাৰে তথ্য কৰা উচিত)	০-মালে ইমরান	303	484	প্রতিশালককে তর করার নির্দেশ (মানুদ্ধকে)	৩১-লুকমান	00	Ъ
অপ্রহার বাতে পাবর পাঁতত হয় (ক্রী উপরবিশ্রমা বর্তিন স্ক্রমা প্রদেশ)	২-বাকুরো	98	dob	প্ৰতিশালককে ভৱ করাৰ নিৰ্দেশ (সৃষ্টিকৰ্তা হিসেবে)	8-निमा	2	0
অন্তাহত হতে বিশীৰ্ণ হত পাহতে ভাৰ উপৰ কুৰাজন নামিল হতে	69-5543	32	349	প্ৰতিশালককে ভৱ করাৰ নিৰ্দেশ (মুমিনদেৱকে)	৩৯-বুমার	30	Ъ
আল্লাহর তরে জীত-সহস্ত (রাসদ/ফেরেশভারা)	২১-আধিরা	1/2	903	প্রতিশালককে তর করার নির্দেশ (কিয়ামত প্রসম)	২২-হাজ	3	9
আপ্রাহর বন্ধসের কেনে ভগ্ন/দুক্তিয়া নেই	30-3/8-PF	63	660	প্রক্রিশালক্ষক তর করে (আমাণ-পরিবির সর্বক্রে ও ক্রেরণার্কর)	26-मार्ग	60	9
মাপ্তাহর পঞ্চার কেন তর্গনু চক্ত করে । মাপ্তাহর পঞ্চতে ভয় দেখালোর জন্য (শক্তি প্রস্তুত করা)	৮-খানকাল	60	GOS	প্রতিপালককে তর করে (বৃদ্ধিমানরা)	১৩-রাদ	43	6
আল্লাহর পরিবর্তে কর বেশবের জন্য (শাক একত ভয়:) আল্লাহর পরিবর্তে অন্যদের তয় দেশানে (রাসুল স. কে)	৩৯-বদার	90	1/98	त्रविभागसद्व वह वटह यहां जात्मर कना साहार	৩-আল ইমরান		0
আপ্তাহর পরেবটে জন্যদের তয় দেখালো (য়াসূদ প. ভে) আপ্তাহর অবস্থানকে ভয়কারীদের হুমীনে প্রতিষ্ঠিত করা হবে	১৪-ইব্যাহীন	78	958	প্রতিপানককে তর করে বারা ভারা জায়াকে বাবে	०७-वमाद	90	b
	১৪-২ব্যহ্ম ২৩-র'নিদন		101	প্রতিপালককে ভরকারীর পুরস্কার (জাল্লাড)	৩৯-যুমার	20	8
আল্লাহতে ভয় করার জন্য সম্প্রদায়ের প্রতি দূহের আহ্বান		20		প্রতিশালককে ভারবারীর মেহ করামান পাঠে কেঁপে বঠে	৩৯-যুমার	20	9
ধাপ্লাহকে ভয় না করা (বিশ্ব আউনের সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	५७-व,बाद	22	100	প্রভিশালককে জ্যাকটোর দেহ কুরঝান শাঠে কেশে ওঠে	⊘क-दुसाव -	1 40	10
স্বাস্থ্যহতে ভয় পাওয়ার নির্দেশ	৩-জাল ইমান			व्या कर कर्मक)	२-व्या शस	308	9
স্বাস্থ্যহেকে না দেখেও কর (ইহরামে শিকার প্রসঙ্গ)	৫-মাছিদা	28	695	र्जा पान करण । र्जा केल महान्य के ता कहा करत करत होती महात्र है	৫৫-বাহমান	85	18
আল্লাহতে বি তম কৰৰে নাং (হল এর জিঞ্জানা সম্প্রদায়কে)	৭-জাত্রক	66	972				
অস্তাহনে (মনুহা কি অপ্তাৎ ক্ষম কন্যকে তৰ কয়ে কৰা অনুহাত:)	১৬-শংশ	45	909	প্রতিশাসকের হয়ে ত্রীত-শঞ্চিত যার	২০-মু'মিনুন	6.8	3
বাদ্ধাহকেই তর করার নির্দেশ (বদী ইসরাইলের প্রতি)	২-বাৰুৱো	82	202	বিক্তরতে তর করন নির্চাপ যা কেবল জলিমদেরকেই আঘাত	৮-মানকাল	48	0
আল্লাহতেই জঃ করার নির্দেশ (বনী ইসরাসলের প্রতি)	২-বাস্থার	80	606	विश्व व्यवेदना कर पूर्व का. यह शामार्थ (क्विक श्वा शामा)	59-9,44151	52	13
স্বাপ্তাহতে অধিক তথ করবে মুমিনগণ (পর্যানদার হলে)	৯-ভারবা	30	982	ক্রিকাটনকে চর ন করে জন্ত মূপ জ, এর প্রতি অল্লাহর নির্দেশ	২০-জু-ছা	85	19
বাসা (ভয়-বাঁঠি আসলে মুনাফিবলের বরুণ অবস্থা প্রসং)	००-ऋहसर	29	904	বিদ্যাক্ষরিন তর কারে পারে (মৃস্য আ, এর কথা পোনর পর)	২০-জু-হা	88	19
ইব্যাহীয় আ, এর কর দূর হওর (আগত কেরেশতালের বাপারে)	27- <u>4</u> 8	48	692	কেরেশভারা ভরে আপ্রাহর প্রশংসাসহ পরিক্রমে বর্ণনা করে	২০-রাম	30	8
ইব্যাহীয় আ, এর ভয় না করা(বেরেশব্রণয়ণার পরিচ্যা নান প্রসঞ্চ)	33-4F	90	592	ধনী অসমের ভর নেই তাকগুৱা অবসংগ করে সংশোধিত	৭-আ'রাফ	00	8
ইফার্ট্রম জ, কে ভয় করতে নিমেং করলেন অভিথি (করেনতা)	३४-दिसा	60	900	ধান্দাদেরতে ভর প্রদর্শন করেন আল্লাহ (আন্তনের মাধ্যমে)	৩৯-বুমার	3/6	9
ইংৱাহীম আ, কে 'ভর পাবেন না' বললেন (ফেরেশভারা)	४)-पविवास	39	346	বিলুং (ভয় ও প্রত্যাপা সমুগ বিলুং দেখান আল্লাহ)	00-8X	28	Þ
ইয়ডিমের বাপারে তর কর (দির সম্ভান অসহত্য থকা প্রনাস)	a-first	8	663	বিচারের মিনকে ভর করার নির্দেশ (মূব ও ঋণ প্রসঙ্গ)	২-বাকুৰো	59.7	0
विभाग जानाम ७ महामानम हाम वह (मह	৬-জন'জম	85	900	বিশ্বনাত্মক নিজে তর করে নেকবারণন (প্রতিশাক্ষকের পক বেকে)	৭৬-দাহর	30	8
ইয়াননার সংকর্মশীলগণের তথ্য নেই	২-বাকারা	69	809	কর করার মাধ্যমে পয়াল্লার হওয়া (সাল্লাব্যক ভয়)	৬-আলু'আম	300	0
উপসেশ (অস্ত্রাহতে ভয় করার জন্য)	1-01.00	268		তপ্রবাহ দিয়ের পারিব তর ব্যক্তা স্ব, এর (প্রতিপালককে অনুনা করলে)	৩৯-বুমার	30	ъ
উপসেশ সেয়া কর্তব্য যাতে জালিমরা অপ্তাহতে তথ্য করতে পাত্র	৬-জন জান	65	603	अवस्थित गाँवत एक राज्य करा यस दुध विविद्या त्या	১১-ছন	10	18
ক্যায়ের (অন্য সাঞ্চীদের ক্যায়ের জন্ম করবে সাক্ষীগণ)	०-माविमा	309		अल्यात का वर्डा स्थावत का कराव पर (एक कराब रहा)	8-First	99	0
কান্ত্রের (অন্য লাকানের কল্পের বর্ম কর্মের নাকানে) কাফ্যবুলেরতে ভর করে কি মুমিনরা	3-01001	30	587	अन्यदन का नावश निवन	०-मासिना	88	10
शक्तिकार्यक्र कर कर वर्ष राषिकार्यक्र कर मा कर्षा	१-माधिना	2	Ohn	মন্ত্ৰত ভৱৰত্বপ বিভাগী দেখন আন্তৰ্	70-SIA	25	10
ব্যাক্ষরদেরকে কর না কর। কিন্তাম্বান্তের দিলকে ভয় করে যেদিন দাউ ভলটপালট		09	999	মানুহতে ভারত্ত্বপু নিজন দেশন আচ্নাত্ত মামন সংকর্মশীল সালাভ ও হাজাত লডিভানারীর ভর নেই	2-ktatet	299	
করামতের স্নাকে তর করে যোদন দূত ভলতপালত কিয়ামতকে যে ভম করে রাসুল স. কেবল ভার সভর্কতারী	२8-नृत १७-निर'कार		3000	মুমন লক্ষেম্বাল নালাৰ ও ব্ৰক্ত প্ৰভাগৰাৰ বহু নেহ মুমিনানৰ ভৱ বাকৰে না মনজিনে হাৰামে প্ৰবেশকাপে	89-10755	54	1 8
চলে যাবকা (তথ্য চলে গেলে ভুননিকরা মুমিনচার নাবে নিশিত হয়)	००-व्यव्यक्त	7.9	3108	মুলজিকের মৃত্যুর জর (বিন্যুৎ,১৯ব ও বঙ্গুপাতের শব্দে)	২-বাৰুংৱা	29	0
ন্ধলিমদেরকে তম না করার নির্দেশ	২-বাকুরো	340		ফুল আ কে জান করে নির্দেশ্ববিধাসভাগের জনুমরানা জনুপেস)	२०-झ-श	92	4
ভাতা (মুদ্দিন প্রতিপালককে বাতে ভাকে ভার ওপ্রভাসীর সামে)	০২-সাক্ষা	36		মুশা আ. এর তর না পাওরার নির্দেশ (বনী ইসরাইলসহ	২০-ড়া-হ্য	99	١,
ভিয়েষ্কারকে ভয় পাবে না (মুবতানদের স্থলভিদিক নন্দ্রনায়)	৫-মরিদা	48	49.4	মিদর ভাগকাশে)			1
ন্যাময়কে যে ভয় করে ভগু অকেই রাসূল ন,লর্বক করবেল	৩৬-ইরাদীন	22	9:62	মুশবিকরা কি তথু আকওয়া জনগদন কংগে নাঃ	১০-ইউনুস	02	4
দরাময় আপ্রাথকে না দেবে ওয় করার পুরস্কার জান্নাত	৫০-বৃধ্	200	348	মুপ্তাকী বাপাদের ভয় পেই (বিয়াহতে)	80-एवर्फ	69	3

The Residence of the	न्वा नर् क मात्र	900	765	नव दिवह/दारम	न्या नर व नाव	HET R	पृक्षा
ভয় (পূৰ্ব পূৰ্বা থেকে) মসা আ, কে ভয় পেতে নিধেধ করকেন আল্লায়	-			তয়ানক		_	
মূল আ, কে কর পেকে নিষেধ করলেন আল্লাব মূল আ, কে কর পেকে নিষেধ করলেন নোরীনের পিডা)	২৮-বাসাস	47	9.70	কথা (ফেরেশন্যসেকে আল্লাহর কন্যা বলা ভয়ানত কথা)	১৭-ইস্লা	80	939
মূল্য আ, কে কর পেকে নেথের করলেন (নারানের পিকা) মূল্য আ, এর পেঠি সপের মত প্রেটার্কটি করার মনার কর প্রকল।	২৮-কাশস	5.0	9.70	খড়বর (নারীদের খড়বর ভরানক)	১২-ইউসূত	27	693
		30	pao	कद्रावर			
মূল আ, এর ভর (থিনজাউনের শান্তি তুরাখিত/দীমালামন প্রদাস		84	180	আন্তন (ভরাবহ আন্তনে প্রবেশ করবে দূর্ভাগারা)	৮৭-আলা	34	207
মূপা আ, এর মাকে ভয় ও দৃষ্ঠিস্তা করতে নিষেধ	২৮-কাসাস	٦	prop	কিয়ামত অভ্যন্ত ভয়াবহ ও ডিক্ট	৫৪-বামার	86	3/06
মূলা আ. কে ভয়ের কারণে বাই কড়িয়ে নিতে বলদেন আল্লাহ	২৮-কামাস	95	2-22	কিয়ামত (ভরাবহ কিয়ামতের নিকে কাফিরদেরকে আহ্বান)	৫৪-কামার	6	3/05
मृत्रुव का (बिनुष-स्थापन सन्तर मुनविशन मृत्युव का अन्तर)	২-বাকুরে	25	600	নিন (অস্ত্রাহকে অমান্য করলে রাসূল ল, ভরাবহ দিনের	৬-আনু আম	20	694
মৃত্যুতরে বের হরে যাওরা (বনী ইসরাঈশ প্রসঙ্গ)	২-বাকুরো	280	654	শান্তির তর করেন)	Grand and	14	684
যথাসাধ্য তর করার নির্দেশ মুমিনলের প্রতি (আল্লাহকে)	৬৪-তাগাবুন	36	৯৬৭	নিন (অন সম্প্রদায়ের উপর তয়বহ দিলের শান্তির আশব্য)	২৬-৩'আরা	302	936
যাকারিয়া জা, তর করছেন উন্তারধিকারীর ব্যাপারে	১৯-মারইরাম	\$	108	দিন (ভয়নহ দিলে উপস্থিতকালে কাফিয়নের বুর্জেশ বিষয়েতে)	১৯-মার্ব্রাম	ত্য	900
বোণ্য (করের যোণ্য অস্ত্রাহ)	৭৪-মুম্বাছবির	26	995	দিন (ত্যাবহ দিয়ের শান্তি আইকারানীকে পাকভাও করেছিল)	২৬-৬'জারা	377	930
ৱাবুলগণ আল্লাহর নিকট তর পান না (মূসা আ, প্রসঙ্গ)	২৭-নামল	30	300	দিন (জ্যাবহ দিনের শক্তির আগব্ধ করছেল মৃহ জা সম্প্রদায়ের বলা)	৭-আ'রাফ	23	625
দৃত আ, কে ভয় না করার আহ্বান (কেরেশতা কর্তৃক)	২৯-আনকাৰ্ত	00	9.79	দিন (বহুসকে অনুধাহ নিয়ত শারি পাকভাও করতে, উন্নীতে বর্ত্ত নিয়ে)	২১-৬'জারা	326	939
লোকভাবেক তর করছিলেন অসুল স. (ম্বয়নের প্রীকে বিরোগ্রনক)	৩৩-মাহ্বাব	09	500	শরি (सर्वित देशा मर्ववित्राम्य गरिव प्रान्तव स्था प्रा	৪৬-আহ্বাফ	43	350
পোরক্তরতে হয় করতে বলল মুনক্তিকরা মুমিনসেরকে (উচ্চা ত্রছে	৩-মোলে ইমঞ্চন	390	444	শান্তি (ভয়াবহ নিমের শান্তির তথ যাসুল স, এব	_		
শয়তান তর করে আল্লাহকে	৫৯-য়েশর	36	264	প্রতিশাপককে ভয়ান্য করলে)	৩৯-যুমার	20	245
পদ্মতান তথ্য দেখায় মানুখকে (পারিপ্রের তথ্য)	३-शकाम	369	405	wates few			-
শয়তান ভয় পায় আপ্লাহকে (বনহত্ত্বা প্ৰসঙ্গ)	৮-আনফাল	87	606	শান্তির তর (অমান্য বিষয়ে নধীর ভারবহ দিনের শান্তির তর)	১০-ইউনস	1	
শয়তান মুমিনাসেবকে ভার বন্ধসের ভার দেখায়	৩-আলে ইমরন	392	660	मात्र का (जनाना विवास नवाड कार्यय (महन्त्र नावाड का)	30-6944	75	966
ग्याकान्य स्थानकार एव ना स्थार जातान (प्रवितास अहि)	৩-আলে ইমরান		440	**			_
শ্বীক কৰতে ভৱ কৰে না (ইনৱাই(মার সম্প্রধার)	e-ate, and	200	600	পাঠিতে (মৃগার পাঠিতে মৃগা আ, তর দেবা প্রসন্ধ)	२०- <u>इ</u> र-ह	22	983
भौरदक देखदीम जा, जा न क्या (देखदीका मन्द्राना शतक)	6-904 904	9.7	thorn	ভরণ-পোহণ		L	
শ্রীক্তে ভর না করা (ইবরাহীর আ. এর)	9-464,00x	bro.	000	ইয়ানিমের ভাগ-পোষদের ব্যবহা করা (নামের সম্পন থেকে)	8-नित्रा	0	226
শহীগদের তর নেই এবং করা দুশিক্ষার্যন্তও হবে না	৩-জালে ইময়ান		665	মায়ের ভরণ-পোবণ সন্ধানের পিতার সায়িত্	২-বাকুরো	500	229
পরিকে (অভিয়তের পরিকে যে তা করে ভার জন্ম নির্দেশন_)	33-29	200	692	ভরসা			
শান্তি (রতিপাদকের শান্তি তয় করার মত)	33-54	29	935	অন্তাহর উপর ভরসা করতে বদল মূসা আ. এর সংপ্রদারকে	৫-মারিদা	30	640
শান্তিৰ প্ৰতিশ্ৰুতিৰ তথ্যকাৰীদেৱ ঘটালে প্ৰতিষ্ঠিত কৰা বলে	১৪-ইবরাহীর	28	658	অস্তাহর উপর ভরসা করদেন ইয়াকুর আ,	३३-३%न्य	69	800
শান্তির প্রতিপ্রতির তর্গকার্যনের বন্যানে প্রতিপ্রতি করা ব্যব শান্তির তর করেন রাসুল স, ভয়াবহ দিনের প্রতিপালককে	28-5481614	28	628	আল্লাহৰ উপৰ ভৱসা কৰা উচিত মুমিনদেব	৫৮-মন্ধানালা	30	200
पाडिय क्या करणा आर्था न, क्यापर महम्म (दाकरानस्टर-	৬-আপু আম	32	৫৯৭	আপ্তাহর উপর ভরসা করার জন্য দাবীর প্রতি নির্দেশ	8-भिना	6-2	903
भक्तित कर करत गांवा जारूत स्था निवर्णन (गांव स्था दव	-	-	$\vdash$	আল্লাহর উপর ভরগা করা উচিত (মু'মিশসের)	৬৪-জাপারন	20	300
শাস্ত্রত তর করে বারা তালের জন্য সালান (পুত আ, এর সম্প্রারাস্ট্রে জ্বাসে)	৫১-বারিয়াড	99	329	আল্লাহর উপর ভরতা করার জন্য রাস্প ত, কে নির্দেশ	৩৩-আহ্যার	0	P-00
भाष्ट्रिय कर (सरी ज. यन श्रविभागतक कराशः वर्ताः)	১০-ইউনুস	3/2	522	আল্লাহৰ উপৰ ভৱসা কৰাৰ নিৰ্দেশ (সন্ধি প্ৰসঙ্গ)	৮-জানকাল	63	905
मंत्रिय का वाज़ा ग. शत- पता हुन मिन्द्रिय त्या वात्रव करा	77-5A	0	996	আপ্ৰাহৰ উপৰ ভৱসা কৰা উচিত (ভৱসাকাৰীদেৱ)	১১-ইউসফ	69	Obro
महित क्षितिक्रिक दा का कहा जात है भागन समार निर्मा	50-30g	82	3-28	আহারে উপর ভরগা করার নির্দেশ রাসল সা কে	33-84	240	698
শত্তির (নহ'ব্য সংস্থাব্যার খ্যাপারক নিতর শত্তির ভা:)				আপ্তাহৰ উপৰ ভৱসা কৰাৰ জন্য বাসল স. কে নিচৰ্নল	৩৩-জারবার	84	500
শারত (বৃহ জ: বাংলারত আলাগারত সভার শারত ভা;) শোর বিচারের নিদকে জয় করার নির্দেশ (মান্যহতে)	১১-বুদ ৩১-লকমান	46	669.	আপ্তাৰত উপৰ ভৱসা কথাৰ নিৰ্দেশ (বাস্থা স. (ক)	৩-আলে ইমরান	202	667
সন্ধান অসহার বেশে মাবা যাওয়ার তম (ইরতিম প্রসঙ্গ)	৪-নিমা	99	2.59	গোলারর উপর ভরগা পোনাইর জা এর	33-EF	25.4	
সমাশ অনহার হৈবে মাধা বাতয়ার তর (হরাতম প্রনাস) সমাশকারীর ৬৫ নেই (জ্বরাহর জন্য নিজেকে সমাশাকারীর)		>	664	অপ্তাহৰ উপৰ ভৱনা (মূলা আ, এর মাহিন মুমিন/ মূললিমনের)	১০-ইউনুস		990
	২-বাবুংরা	224	620	আপ্রাহর উপর তরসা (কুসাঝা: এর জাতর মুখ্যেন গুণালমনের) আপ্রাহর উপর তরসা (তয়াইব আ: ও তার অননারীসের)		46	993
স-প্রদায়কে ভয় করার আহ্বান জন্মদেন ইনইয়াস আ,	৩৭-সাফ্যাত	258	5-5-5		৭-আবাফ	4.9	657
সাপকে ভয় করতে নিষ্কেৎ করদেন আল্লাহ (মূপা আ. কে)	২০-ড়া-হা	57	982	আস্তাহন উপর ভরনা করে (ভরসাকারীরা)	৩৯-যুমার	ap.	≥98
जानको क्षतान यह (ब्रापून ज. यह जाता त्यापान कथा बनाव पूर्व)	৫৮-মুকানালা	70	950	আপ্রাহর উপর ভরগাকারীর তিনিই যথেষ্ট	৩৫-তালাক	0	366
সেনিদের তর করা বেদিন বিনিমন্ব/সুপারিশ গৃহীত হবে না	२-चानूरवा	8≽	600	অল্লাহর উপর করবা না করার পঞ্চে কোন যুক্তি দেই	১৪-ইংবাহীন	25	598
অল (প্রতিশালককে সকল-সম্ভাত্র তর ও কিন্তের সাগে 'আল)	৭-জা'রাফ	202	907	অস্তাহর উপর ভরদা (নৃহ আ, এর)	১০-ইউনুস	47	667
নুষ্টাকে তয় করতে ততাইৰ জা, এর আহবান (আইকাবাদীকে)	২৬-ড'জারা	22.8	294	আল্লাহর উপর ভরদা করা উচিত মু'মিনদের	৫-মারিলা	22	52.7
হলার (মপ্রাইই রাসুদ স. এর ভয় পারের অধিন হলার)	৩৩-আহ্বব	৩৭	1000	আল্লাহর উপর ভরদা করার দির্দেশ (প্রাসূপ স. (ক)	২৭-নামল	9.5	700
ব্যবিদ ভয় করে আল্লাহতে বিনি জগতসমূহের প্রতিপালক	৫-মারিদা	26	69.8	অপ্রাজ্য উপর তরঙ্গা করার নির্চাপ মূপা আ, এর (মুখিন্ মুপলিয়কে)	১০-ইউনুস	b/8	964
হিসাৰতে (নিতৃষ্ট হিসাৰতে ভয় করে বুদ্ধিমানরা)	70-81,8	43	600	অল্লাহর উপর ভরদা করা উচিত মুমিনদের	৯-জাধনা	43	684
হ্বলার তেকে ভর দৃর করা হবে করন ভারন পরাশারকে বলাবে	08-7ERT	20	1/8/0	অপ্তাহর উপর ভরসা করে যে	৮-আনমাল	83	609
<b>'</b> एकारी				অস্ত্রাহর উপর ভরণা করে যেন মুম্মিনরা	৩-জালে ইমরান	280	207
কিয়ামতকে ভর করে (কিয়ামতে বিশ্বাসীয়া)	৪২-শ্বা	75	524	অপ্তাহৰ উপএই ভৱনা করেন (নবী)	8२-भूग	30	202
काहर परिना		-		আপ্ৰাহৰ উপৰই ৰমিনগণের জৱনা করা উচিত	১৪-ইবরাহীম	22	558
বিশ্বাসৰ হবে আকাশ-পথিনীর এক ভঞ্জর ঘটনা	9-/90'atte	23/2	900	অন্তাহর উপর ভরসা (ধন আ, এর)	22-EA	6.0	690
we. With		227	000	চিম্নীৰ অপ্ৰাহৰ উপৰ ভৱনা ববাব নিৰ্চেপ (কাভিবনেরকে)	३१-वृक्ताम	6.0	956
নিয়াপন (আল আঞ্চলারীপণ তর-জীতি বেকে নিরাপন বাকরে)।	২৭-নামল	h/h	-	महामद पोष्टारव जेनव करना करा	७१-इनक	439	
নিরণের (অন কার্কনরণে তর-তাতে থেকে নরপের বাবংং) নিরণেরা (কুরাইশলেরকে ভয়-ভীতি থেকে নিরাপরা দান)			Port	ব্যক্তিপাশ্বকর উপর ভরুগা ও বৈর্থক জন্য বিজ্ঞান্তকারীর প্রতিজ্ঞা	১৬-শহন		>48
পরিবর্তন (জয়-জীতির পরিবর্তে নিরাপরা নিবেন ভারার)	১০৬-কুরাইশ	8	2008	প্রতিশালকের উপর ভরগার ও থেকে জন্য ন্রেক্তর-কর্মার প্রতিপ্রদর্শন		82	900
পারবতন (গুরা-জাতির পারবতে নেরাপরা নিবেল জাল্লাহ) পরীক্ষা (গুরা-জীতি নিয়ে পরীক্ষা করনেন আল্লাহ মানবকে)	२८-भूग	46	প্রদত	প্রকর্মনার তথ্য ভরগারার হার পর পরবারে কর্ম্ম হৈছে প্রক্রিক্তবের উপর ভরগারারির জন্য টায়ে জিনিন জ্ঞানত বাচ্ছ	১৬-নাহ্ল	22	422
পরাক্ষা (তর-আত দেরে পরাক্ষা করবেন আল্লাই মানুবকে)	২-বাকুলো	746	673	্যেওপাগকের উপর ভরসানবারি জন্য উন্তন জিনিব অক্সাহর কাছে	৪২-শূরা	-06	bh8

ভরসা

শ্ব্ বিষয়/প্রসঙ্গ	लुका मा क गरंब	456.3 %	761	नप विषय/कारण	ज्वा गर ॥ मान		
हदमा (পूर्व भूके। (बरक)				निरम्ब र करिएक देखात छान्न वरनात देखा क्यान ब्राइन न पृथ जा.	৫-মারিদা	56	6.0
প্রতিপালকের উপর ভরসা ইবরাহীম আ. ও ভার সাধীদের	৬০-মুমকাহিনা	8	962	নিহডের আই কিছু মাফ থবে নিলে (রজলগ প্রসঙ্গ)	২-বাকুরা	242	4:
প্রতিপালকের উপর ভরসা করে মু'মিনগণ	৮-আনফাল	2	900	পর্না (পিজে, পুঞ, অইনের সাথে নবীর স্তীনের পর্না প্রসঞ্চ)	৩৩-মাহয়ব	64	bri
প্রতিপালকের উপর কর্মাকারীর পুরস্কার প্রসঙ্গ	২৯-আনবাৰ্ড	69	5-52	পদাৰদ (মানুহ ভার ভাই থেকে পালাবে কিয়ামতের দিন)	৮০-আবাদা	08	30
ভৱসা (রানুগ স. স্বরদা করেন প্রতিপালকের উপর)	১০-রাদ	90	695	পঠানে (কোনো ভাইকে পঠানের কন্য কলা ভাইরের পিনাকে)	১২-ইউন্ফ	60	-80
प्रदासकारणानी । अध्य महासूच प्रेमन कारात निर्दर्भ (बागुन न. (४))	१०-०,आस	259	499	প্রিয় (ভাই প্রিয় ব্যাস- অল্লাহ ব্যাস্থ্য স. ও নিবাদ অপেকা)	৯-খ্যাওবা	₹8	88
মুমিননের আল্লাহর উপরই তরসা করা উচিত	৬৪-ভাগারুন	30	204	বছরপে গ্রহণ করবে না ইমানদারগণ পিতাকেও যদি	৯-জাওবা	30	86
মুমননের অবুনা করা উঠিত আল্লাহর উপর	৩-জালে ইমধান		689	क्ष्मा (क्षूनांकिकता एकान कार्यक्रात्रक करण 'जामाराख नाज अरमा')	৩১-আহ্বাব	33/	bre
	9-21841	259	940	বিনিম্ন (ভাইছের বিনিম্নে মৃতি কামনা করবে অপরাধীরা)	৭০-মা'অবিজ	34	30
রাস্ত স, তরদা করেন আল্লাহর উপর	9-01041	240	950	ব্যৱহার ভাইকে নিয়ে আদাতে কলা ইউসুক আ, (ভাইসেয়াক)	১২-ইউবুক	6.0	65
হরদাঝারী				ব্যাগ (ইউপুক্ত ব্যা, এর ভাইরের ব্যাগ তেকে পার্রাট কের করণ)	24-2670	99	80
আল্লাহর উপর করনা করে (তরসাকারীরা)	৩৯-ছুম্যর	40	₽98	साम (इंडिक्ट्रेक चर यह स्वरं स्वरं प्रति एक नाम एक नाम एक प्रति ।)	৫৮-মুজাদাদা	44	80
আল্লাহর উপর ভরসা করা উচিত (ভরসাকারীদের)	১২-ইউপুক	89	99.0	ভাগৰাৰ (মৃ মন ভাগৰানে ও আল্লাহাৰালেৰ ভাহতে) ভ্ৰমণৰত অথবা বৃদ্ধৰত ভাইনেবকৈ কাফিলো বলে	৩-জালে ইমবান	300	
আল্লাহ তরপাবারীদেরকে ভালবাসেন	৩-ম্বোল ইম্বরন	742	447				
ভরুষা (ভরুষাঝরীদের আল্লাহর উপর ভরুষা করা উঠিত)	১৪-ইবরাহীম	34	698	মানইয়ানবানীয়ের আই অ'আইব আ, কে সম্প্রালয়ের করে প্রেরণ	৭-জা'রফ	45	4
र्कार्ड				মান্ট্যানৰানীলো আই হ'সাইবলৈ সন্দলকো প্ৰতি প্ৰেলা প্ৰসৰ	২৯-আনকাৰ্ড	06	¥.
আগুলে পেট ভর্তি করা হর (ইয়াডীমের সম্পদ গ্রাস করলে)	৪-নিসা	30	009	মাণ্ট্রানবাসীলের ভাই অ'ডাইন আ, বে আদের নিকট প্রেরণ	77- <u>ई</u> स	9.8	6
পৃথিৱী ভৰ্তি দৰ্গ গ্ৰহণ কৰা হবে না (ফানের থেকে থাবা)	৩-জালে উমরন	25	288	মুখিলদের (নিজেনের অইনের মধ্যে মুখিননেরকৈ আপোদ	৪৯-হত্ত্রত	30	b
চর্তি (আহার)				কররে নির্দেশ)	an effect		
জাঙন ভৰ্তি কৰে পেটে (যাৱা বিজ্ঞানের বিনিমকে)	. Incates	>98	679	মুমিন নারীলের ভাইরের নিকট দৌলর্য প্রকাশে দেখ নেই	<b>ર8-મૃદ</b>	92	90
	২-বাকুয়ো	3.19	639	মুদ্দিন জাইলের যুক্তে নিহত হওরা সম্পর্তে ফুর্নাফিবনা থাণ	৩-জালে ইমরান	197	00
<b>ह</b> चीक्ट		_		মুমিনর পরাপ্তা আই আই (বিববমান মুমিননের মধ্যে আপোন প্রসাদ)	৪৯-হন্তুরত	30	8
নাগান চন্দ্ৰীভূত হওয়া উপমা প্ৰদাহ (ধ্বিৰঞ্জের আবাহে)	২-বাকারা	200	805	মূসা আ. এর তাই হাজন আ. এর মাধ্যমে মূসা আ. কে			Ι.
চাই				শকিশালী করার দোয়া	50-81-81	30	ય
হতুবারী (ইমানে অংশনী ভাইদের হন্য পরবারীদের কমা প্রার্থন)	69-1044	20	966	দৃদ আ এর আই হামা আ বে করা মৃদ্য আ, তে বারু পরিশালী করা	২৮-কাসাস	-00	15
আন মাধিব প্রতি আনের প্রাই ভূপকে প্রোরণ করেছিলেন আয়াহ	৭-আ'রফ	66	979	पुना च्या तक्ष कोई श्रीमादन नेनी नदा (पुना च्या दन नवा नवारण जाहार)	১৯-মারইকাম	20	3
প্ৰাপ জাতিৰ কাছে আদেৱ ভাই ফুল আ, তে প্ৰেছণ	১১-বুল	20	690	कृत जा, यह करि श्राम छ, (रु मारापकरी समाज (प्रमार सन्))	২৫-কুরকান	00	9
জন সম্প্রনারের এর এই হুন আ. কে সমর্ককারীয়াল প্রেরণ	৪৬-আহ্তাক	25	970	मृत्रा का, यह भारे राजन का रक गण्डनाहार प्रत्य अविनिधन			+·
অপেন (মুহ্মিতন্ত্রক নিজেনের কাইনের মধের অপোজের নির্দেশ)	৪৯-হর্বাত	30	555	वहार का	৭-আ'রক	285	4:
ইউপুষ্ণের ভাইরের গেডেও ডি দিশ্বাস করতেন ইয়াধুল আ, গেনন	১২-ইউস্ফ	68	65-2	মুগা আ, এর বাই হাকন স্পটবার্থী	২৮-কালাল	-08	¥
ইউনুয়ের অইরের বাগ থেকে পালপার্য্যে রের কাল (জনা অইরের)	३२-इडिम्प	96	668	प्रभा प्रदे, तथा चार विकास प्रधानिया उदाव करा प्रभा प्रस्त तथा आहे।	৭ আ'রফ	262	
ইউপুথ আ, ও তার ভাইয়ের সন্ধান করতে বলগ ইরাকুর			-	प्रभा का, त्या कार वाकारण प्रधानका प्रधानका क्या क्या कर कर विकास प्रभा का, त्या कारे त प्रभा का, त्य निवर्णनावर विकासकेतना कार्य	1.01 50	203	10.
या. (शुरुप्तवर्क)	<b>১२-३७मुक</b>	৮৭	946	्या विश्वन	২০-জা-হা	82	91
ইউস্ফ আ, ৫ তাৰ ভাইলের মাঝে শরতানের প্রবাচনা	<u> १२-१७वय</u>	300	5015	মূল আ, এর জাই ও মূল আ, কে লম্প্রদারের মাল মিলরে মন		-	-
ইউস্ত আ ও এর ভট পিতার নিতট বেশি প্রিয়া (অন্যচনর চেতা)	১২-ইউসুফ	b	693	्राजिक विश्लेष	১০-ইউনুস	ÞЯ	100
ইউদুধ্বর সহোদর ভাইকে নিজেব কাছে আশ্রম নিল ইউদুক	75-8/33AA	80	2000			_	+
श्वेतुराम भारतमा चहितार विमान्यार भागाय (राज मिन	३३-३७नुक	90	800	মূপা আ, পর ভাই ও মূলার বিষয়টি প্রণিত রোধ লাণুকর	৭-বা'রাফ	222	10
ইউপুথ সংক্রম অর্থনে কো-বাংশ শাশার চেনে সাণ: ইউপুথ সংক্রম কাই ও ইউপুথ সংক্রম সাথে নৈরাকো স্কর্তনে স্কারণ	75-5246	tra-	946	সহাক্ষে উদ্যোগ			١.
	34-ESA4			মূলা আ এর ভাইকে মাথা/১ল ধরে টানা (মূলা বা, কর্তি)	৭-জা'ছাড়	260	0
हरिनुस्य का, ध्वत स्वेदीरम्य निवस्ते बद्धा वर्णना काराय निराम कारायन देशानुस		q	699	মূপা আ. এর ভাইয়ের বিষয় স্থপিত বেগে জামুকত্ব সংগ্রহের	২৬-৩'জাৰা	00	12
इंड्रमुक जा. यत स्वीराना नियम्ब बन्ना बन्ना कियान कारणना देशाकृत	३२-१४ वृक	9	699	হুন্য লোক পাঠানো		<u> </u>	-
ইউসুক আ, এর ভাই (বিন ইরামিন)	১২-ইউসুফ	80	6916	মূসা আ, ও ভার ভাই হাজনকে প্রেরণ করদেন জাল্লাহ,	২৩-মুখিন্দ	82	9
एकपुर जा, अत प्रदेशमा जनमा अना विश्वम चा, अत निवर्वे अरल नवान	75-5224	62	925	মৃত আল্লের গোপত খাওরার ন্যান্ম (দীবত)	৪৯-হন্ত্রত	25	b
ইউসুফ আ, সহোদর ভাইকে বলগ- আমি ভোমার ভাই	১২-ইউসুক	630	9949	মৃতদেহ (ভাইরের মৃতদেহ গোপন করতে ব্যর্থ হল কাবিল	৫-মর্রিদা	0)	21
ইউপুঞ্চ আ, তার ভাইকে নিজের কাছে রাধকে পার ভা	১২-ইউবুক	95	698	রক্ষণাবেকণ (আমরা আমাদের ভাইকে রক্ষণাবেক্ষণ করব)	১২-ইউসূত	95	61
(কৌশদ না বাবলে)		_		লুভ আ, এর অইরেরা মিখাবাদী বঙ্গেছিল	50-610	30	8
ইয়ারীমরা তাই (মুমিনদের)	২-বাক্রর	220	434	শরভাবের (অপনারকারী শয়তানের ভাই)	১৭-ইস্থা	29	13
এক ভাইয়ের নিরানকাই দুখা অপর জাইয়ের একটি	৩৮-লোয়ান	50	5-59	সক্ষরতার আই নর বার কর্তক সক্ষরতার অস্তরতার করা করার অবনান	59-9'0th	500	13
ব্যক্তির ভাইদেরকে বলে মুনাফিকরা	৫৯-জপৰ	22	950	সম্প্রধানে তাই পৃত বা, কর্তৃত সম্প্রদানে অল্লান্ড ভা করতে বল	59-9,648	797	
গোশত (মৃত ভারের গোশত খাওয়ার ন্যায়, গীবত)	৪৯-ছন্ত্রাত	25	247	লম্পানের কাই বুল আ, কর্তৃক অস্তাহকে কয় করার আহবান	59-9,688	248	
হৰ (ভাইলের হরে আহার করাতে কোন দোব নেই)	२8-गृह	65	5.45	হত্য (প্ৰাইকে হত্যা প্ৰৱেশ্বিক কৰল কলিককে ভাৰ প্ৰদৃতি)	৫-মারিদা	00	10
্বরি করেছিল ওর জাইও (ইউসুফ আ, এর সংখ্যনর সম্পর্কে		-			S-+(184)	00	18
चना साहेरन्य)	১২-ইউসুফ	99	9.49	ভাই		-	+
হ্যুদুদ জামির জাই সলিব আ, কে প্রেরণ (ইমানভের নির্দেশনহ)	2-9-F0140M	80	tros	শরঙালের আইরা ভুনপথে সাহাত্য করতে কমতি করেনা	4-91,814	२०२	
দ্ৰুদ্দ জাতির ভাই সালিহ আ, কে তাদের বাছে প্রেমণ	33-87	65	693	ছর আগের একজাগ পাবে(এক বোন/এক তাই থাকলে)	8-मिना	25	2
মুদ্র মানির তাই সালিং তা, কর্তৃত অচনাচ্চত অপ্নাহা কর করতে নগ	५५-७.ळाख २२-हें।	785		ভাই বোন			Т
প্রমুখ রাজ্য বাং সালহ বা, কংক অনুসায়ন অক্সার কা করে কর। প্রায়ণ সম্প্রসায়ের ভাই সালেহ বা, কে রানের নিকট প্রেরণ	৭-জা'রফ	304	626	কালালাহর তাই-বোন উভরই থকা অবস্থার সম্পদ কটন	8-Sixt	338	te
				মৃত ব্যক্তির ভাইবেল থাবলে মাঝাধ্য জালার এক জাগ পারে	8-जिल्हा	33	e
দেহ (ভাইরের দেহ গোপন করার উপায় দেখিছে দিল কাক)	৫-মারিদা	02	6p.8	वाडे वाडे		100	+
বুলি জাই (পিনু-পরিয়ে জানা না গোলে পালবপুরারা বঁলি জাই) বুলি জাই হবে মুদারিকরা যদি দিয়ান জানা সালাত কারেম ও	৩৩-বছর্থাব	5	500				+
	৯-ঘৰত্বা	33	683	সুস্থিনগৰ্প ভাই ভাই হয়ে গেল (আল্লাহর অনুপ্রহে)	৩-জালে ইমরান		10

			विद्यान	ভালবাসা	I was a second	,	
<b>N</b>	ल्या वर अ ताव	1	- 14	रिस्त/दग्रह	न्द्रा कः ७ नाथ	-	401
স্তাইবের পুর (আরো দেখুন ততিজা শক্ষী)				পাল্লা (পূপোর পাল্লা কর্মী হবে যার কিরামতে)	<b>ન-জা</b> ,বাঞ	ъ	626
নারীলের সৌন্দর্য প্রকাশে দোষ দেই ভাইয়ের পুতের দিবট	28-91	92	999	পাল্লা জানী হবে যাদের দারা সংলক্ষম	২৩-মু'মিনুন	305	992
ভাইছের মেয়ে				থাথাস ভারী মেখনালা বহন করে	৭-আ'ৱাড	63	636
বিয়ে (ভাইরের মেরেকে বিয়ে করা হারাম)	৪-দিবা	30	625	বের হওয়া (ভারিভাবে বের হওয়া, মিহাদের মন্য)	৯-জাগুর	85	688
éra		-		মেখ (ভারী মেখ সৃষ্টি করেন আল্লাহ)	২০-ল'দ	25	69'h
তক ভাক করে রাখে (নিজেকে নদীর করে গোপন করছে)	33-3्म	· e	900	ডাৰ			
814	25-51	1	·~	অক্সা দে কা কি মাত্র বুল কারন হয় বাচকতে প্রকরণ	৮-জানভাল	20	608
বিশ্বর নীরনদের প্রভাব অম বিশাস পর্বভের মত হওর।	59-0,4131	-		আহলে কিতাবদের জন্য ভাগ হত (খদি দিয়ান অসত)	৩-আলে ইমরণ		¢85
	49-0 at at	90	199	ইছনীদের জন্য তাল হলে (উনসুদের বললে)	৪-পিশা	86	665
তাপ্লে (আরো দেখুন বোনের পুত্র পদটি)		_		একটি ভাল কৰ্মী একটি ভাল গাছের মত (আল্লাহ প্রসত উপমা)	১৪-ইবরাহীম	4.8	696
পৰ্না (নবীর প্রীদের ভায়োর সাথে পর্না প্রসঞ্চ)	০০-আহ্মন	20	irdir	উপদেশ মাধ্য হথাকিবলের কম্য তাল ও মন্তবত হত	8-निमा	99	696
ভাগ্য			ш	কথা (ভাল কথার দিকে ভারা পরিচালিত হরেছিল)	২২-হাজ	28	960
অন্তর্হর দিন্ট) নিরশ্বনি সবর ভাগ্ (মূস আ ও নিরজনৈ প্রসেস)	৭-আ'রাক	202	648	কথ (ইয়ানিমের সাথে ভাল কথা বলার নির্দেশ)	৪-নিসা	Ø	669
জোগ (প্রাপ্য লোগ করেছে পূর্ববর্তীরা)	৯-জাওবা	65	181	কাৰ (ভাৰ ও মুখ আৰু উপত্তিত দেখতে পাবে প্ৰত্যেকেই)	৩-জাল ইয়বাল		
ভাগ্য নিৰ্ণায়ক তীৱ				আৰু (অনু প্ৰিয়ণ তল আৰু অৱস্থাত সেখতে পাৰে প্ৰতিক্ৰিয়া আৰু (অনু পৰিয়ণ তল আৰু অৱস্থাত মনুদ ভা ভিয়ামতে দেখাল	১৯-খিল্যল		6 cp
শ্বরতভূপ্ত কার (মল মুখ্র মুর্বিলুম্বর বেলী ফাড নির্বারক বীর)	৫-মারিদা	30	597	कांचित ଓ कुनांचिकरमत सम्म दान ग्रीम ग्रीस छ। व्याप्त करता		q	2001
ভাগ্য নির্ধারণ					৯-ডাগ্রা	9.8	685
তীয় নিকেশে ভাগ্য নিৰ্ধায়শ হারাম	०-प्राचित		gtro.	গোপনে দান সবচেয়ে ডালো (ফৰীব/গরীবসেরকে)	২-বাকুলা	547	605
<b>वागावा</b> न	4-435	Ť	400	ধালো (ভাগ ধালো করণ না কেন মৃ'হিনরা ইক্ক প্রস্ত)	₹8-78	25	9.92
মকেন মধ্যতাগ্যথান (দুনিয়ার জীবন প্রভ্যাশিসের ধারণা)	২৮-খানাস	95	F20	নিজের জনা ভাগ নিজু সহীম প্রেংগ করেল অক্সাহর নিকট পাবে	৭০-মুধ্যাধিল	20	99.3
জন্ত্রত (ভাগাবান প্রথম জবন এতা।শনের বরণা) জন্ত্রতে (ভাগাবানর জান্তাতে স্থানীভাবে থাজনে)				পরীকা (অস্তাহ মানুহতে ভাগ-মধ্য ধরা পরীকা করেন)	২১-আধিরা	50	963
	77- <u>ई</u> ल	709	692	প্ৰথাপে সৰুৱা কৰাও আলো তবে গোপদেবেশী ভালো	২-বাকুারা	567	605
মপ্তে প্ৰপ স্বায় প্ৰতিহত কৰাৰ যোগানাৰ অধিনাৰী মহাপ্ৰণাক্ত নাই মনুক্ষৰ মধ্যে কেউ হলে অপাধান আৱ কেউ দুৰ্ভাগ (অপিনাতে)	৪১-সুস্লিতাত		444	মন্দ্ৰে ভালর খেতে পৃথক করকেন আল্লাহ	৮-আনফাল	59	900
	22-64	200	978	হন্দ (তাশ ও হন্দ সহান হতে পারে না)	৪১-ফুস্সিদাত	08	999
ভাৰন		_		মন্দরে আগ থেকে পূর্বত না করা পর্যন্ত মুখিনাসেকে চেড়ে	০-জালে ইমরান	239	364
সৃষ্টিতে (আল্লাহর সৃষ্টিতে ভাঙ্গন দেখা যাবে না)	৬৭-মূল্ক	۰	264	হলকে ডাল ছার প্রতিরোধ করত (পূর্ববর্তী ইমাননাররা)	২৮-কাসাস	68	225
ভাষা				মন্দকে তাল ছারা প্রতিরোধ করে বৃদ্ধিমানরা	১৩-জাদ	22	980
चार्कात्म्य १६८ १४६८ शहरू । समित वर्ता और शुक्रीकृत (सप	৫২-ভূৱ	88	907	মূলকিকদের ফল আল ও মহাবুত হত (উপদেশ মানা)	8-जिला	65	090
ভালা				রাসুল স. এর নিজের তাল-মধ্যেত মালিক মন তিনি	১০-ইউনুস	85	959
বহুর (ইরাইন বা. বাধা বহুর বাদকে মেয়ানকর জন)	77-54	63	692	সমান নর (মন্দ ও ভাষ সমান দর)	৫-মারিদা	300	€≥0
<b>लावाड</b>				সুপরিশ (অন সুপরিশনারী তার অংশ পারে)	৪-সিলা	74	469
আল্লাহর কছে পর বস্তুর ভাগার	১৫-বিবর	42	620	इस्ता का क्षित्र पाठ पात की बारन प्रकार (पुनर्शनराता इत्या)	৮-জানফাল	9.0	800
সরর করের প্রেটিশালনের লয়ার ভারতের মালিক কমিওরা হলে_)	১৭-ইশরা	200	944	ভাৰকাছ			
প্রতিপাদকের অনুহারের ভাষার কি কাফিবলের নিকটার	৩৮-মেরান	>	1/86	ইচ্ছা (অলকালের ইচ্ছা করলে হোণা রাধাই উপ্তথ)	২-ৰাকাধা	298	030
প্রতিপাদকের ভারেরের নিয়ন্ত্রক কি অবিশাসীরাই?	65-24	93	505	উবৰ্ধই অৱশ অধিয়তে ও দলিয়ার (ভালআনের জন্য)	১৬-নাহল	Co	300
ভাতার রক্ত		-		উচৰ প্ৰতিমান(এশবাৰুবারীর হন্য উত্তম প্রতিমান রচেছে)	২৭-পামল	50	Pos
পনিব ভার্যর রক্ষাকারী নয় মানুব	30-See	22	000	কশাণ (অলকার করল দুনিয়ার কলাণ ও অধিপ্রতে উদ্যান্ত আবাদ)	১৮-নাহল	50	302
তাতিজা (বারো দেবুন ভাইয়ের পুত্র শব্দটি)	26-1644	-44	098	কলাণ (তাল কামের জন্য অস্তাহ কলাণ বাঢ়িরে দিবেন)	৪২-পুরা	20	790
পর্য (নার্বির প্রাক্তের তার্বিরার নাথে পর্না প্রনাস)			-	্যাপন (ভালধান্ধ প্রধান ভাবর (গাপন করা প্রদাস)	৪-নিসা	18%	230
পান (নবার প্রাধের আভেজার নাথে শানা প্রনত্ত) ভাষা	৩৩-আহ্বাৰ	ęę	iroir	জানা (ভাল কাম কর্মে তা জন্তাহ কামেন)	২-বাঞ্চারা	239	644
		_	$\vdash$	পুলিয়ার ভালকার করলে তার জন্য কল্যাণ আছে	৩৯-বুদার	30	244
ক্ষিয়া ডার্কো এনন দির বেকে শরি নিয়ে আসকলে অল্লাহ	(৯-জন্ম	2	396	দিরে ভাবা (ভাবকাছ দিয়ে আবলে উত্তম প্রতিবাস)	২৮-জারাস	78	775
ভার			$\Box$	নিজেনের জন্য ভালভাজ করা (বনী ইসমাইল প্রসঙ্গ)	১৭-ইপরা	9	928
খণভাৱে ন্বৰ্গবিড মিখ্যা অভিহিতকারীরাং	৩৮-তৃস্থাম	86	233	প্রকাশ (ভাগবাজ প্রবাধ বর্ডর (শ্রেপ্ করা প্রবাস)	8-निजा	484	646
বহুন (মানুহের পৌরতে বাই হয় এমন নগরে পত জরবহন করে)	১৬-নাব্ল	3	900	প্রতিদান (অপকারের প্রতিদান দিবেন অল্লাহ)	১-বাতারা	200	658
वादवादी १९७				প্রতিকার (ভালবাঞ্জর প্রতিকার কল্যানজন্ত্রত ও)	২০-ইউনুস		
আল্লাৰ ছোট ও ভারবারী পক সৃত্তি করেছেন	৬-জাপ্তাম	285	630	প্রতিকান (অব্যক্তরের প্রতিকান কর্না, থেকাপ্রতি ও)		₹6	95.9
ভারসাম্যপূর্ণ					৬-অস্থাম	3/80	925
প্রয়েক ধারণামপূর্ণ বস্ত্র উৎগদন ব্যৱহেন অল্লাহ পৃথিবতে	১৫-হিনর	72	660	প্রতিকাশন (প্রপ্রাক্তর পর অগকার প্রতিকাশন করেল অপ্রাক্তর কমাপীল)	২৭-নামল	22	200
মানুষ্টের ভারসামাপূর্ব করে সৃষ্টি করেছেন জাল্পার	৮২-ইপঞ্চিত্রর	9	2020	কণী ইসমেইলরা ভাল কাম করলে ভা (নিজেনের জন্য ভাল)	১৭-ইস্রা	٩	378
ভারাক্রান্ড (অজ্যিক)				অলকার মথককেকে মিটিরে দের	77-£4	228	6%
স্থানর তারে ভারারান্ত/জন্ধরিত তাবা (রাসুল ন. এর			-	বুৰিণদেৱকে থাকজন্ম করার নির্দেশ (সফলভার মন্য)	22-8700	99	9,52
श्विमाम एएका रामक)	৫২-ভূৱ	80	902	উত্তৰে সায় বল মীকৃতিসানকালৈ ছান্ত ভাগনান্তৰে সংখ্য কৰা হয়	৯২-দাইল	٩	2050
ভারাক্রান্ত ব্যক্তি	_	-	Н	ভালবানা			_
বিশ্বমতে কেউ ভাৰতেম্ব ব্যক্তির বোধা বহল কর্যালয়	०१-मान्त्र	29	783	অপ্তরকারীকে অপ্তাহ ভাগবাসেন না	৬-আনু'আম	787	830
अवि	04-41103	-	101	অবিধানীকে আল্লাহ ভাগৰবেদন না	२-पाक्रात	295	200
ভার। কথা (ভারী কথা অর্পথ করকেন বাস্তাহ রাসুল স. এর প্রতি)	৭০-মবধানিল		354	व्यक्षण्यक्रमा देशहाद्देश या, क्षत्रवाद्वरण ना	৬-আন'আম	98	800
কথা (জারা কথা অপন করাকো আল্লাহ রাসুল স. এর প্রতে) পর্ত ভারী হওয়া (আদম আ, ও যুওয়ার সন্ধান লাভ প্রসঙ্গ)				वश्वतिक्षत्र व्यक्तर अनुस्तान न	১৬-নাহল		
	৭-আগ্রাক	79.9	600			40	908
পাল্লা ডারী হলে সুধী নীবন লাভ করবে (নেতীর পাল্লা)	২০১-কৃত্তি ব্য		2002	অংশ্বাহিকে অন্ত্রাহ ভাগবাসেন ও (প্রয়োগতি প্রথমানের উপ্যাল)	৩১-লুকমান	35	727

ठानवामा (पूर्व पृक्षे (म्यक)				বাসুদাস, ভালবাসকাই আনে নঠিক পথ প্রদর্শন করতে পাকেন না	২৮-কালাল
অব্যাহর (অসকার অব্যাহর গেডনীয় কর হরেছ মানুহর কর)	৩-মালে ইমবান	38	409	সংকর্মপরায়নদেরতে ভালবাসেন আক্সাহ	৩-আলে ইমরন
বাস্থার উত্তত অহছারীকে ভাগবাসেন না (পুরো প্রতি				সংকর্মপরায়নদেরতে ভালবাদেন আপ্লাহ	৩-জালে ইমরন
লুকমানের উপলেশ )	৩১-লুকমান	39	2.52	সংকর্মপরারণাচনকে আল্লাহ কালবাসেন	২-বাকুরে
অন্তাহ অপনাপেন ন্যৱবিদ্যকারীদেরকে	৩০-মুমভাইনা	b	262	সম্পন্তে প্রতিপালকের অরণ থেকে বেশি ভাশবাসা	৩৮-সেরাদ
অস্ত্রাহ ভালবাসেন না কাছিওদেরকে	৩-জালে ইমধান	વર	203	সম্পানে ভালনাগ (সম্পানে প্রতি মানুষের জনবালা গ্রহণঃ)	১০০-'অদিয়ার
অল্লাহ ভাগৰাদেন না খিয়ানতকারীদেয়কে	৮-জানকাল	Q7	609	সম্পদের প্রতি ভলেবাসা সত্ত্বেও সম্পদ সাম করা গ্রন্থক পুণ্য	২-বাকারা
অল্লাহ ভালবাদেন পৰিৱতা অৰ্ধনকারীদেরকে	<b>%-व्यवस</b>	3ab	947	সম্পদের প্রতি মানুহের জলবাদা প্রবশ।	১০০-'আসক্রত
অল্লাহ ভাগৰাসেন ভাগাকারীদেয়কে	০-আলে ইমরান	769	663	সীয়ালকলবারিক আল্লাহ ডালবালেন না	৫-মারিদা
অল্লাহ ভালবালে মুভানীনেরকে	৯-জাওবা	8	880	সীমালজনবারীদেরকে ভালবাসেন না আল্লাহ	৭-জা'রাত
মাল্লার অসবংস্থে মুরাবীদেরকে	ও-তালে ইমরান	96	280	সীমালজনকারীদেরকে জাল্লাহ ভালবালেন না	২-শকৃবো
আল্লাহ ভালবাসকেন (রাসূল স. এর অনুসরণ করলো)	৩-আলে ইমরান	62	60%	পুরিমারেরিচনতে অল্লাহ জনবালে (পুনাসম মধ্যে আশেংগ্রনাস)	৪৯-হত্যাত
অল্পাহ ভালবাসকো সেই সম্প্রদায়কে বাসেকে দিয়া আনকে	৫-মায়িলা	28	673	সৃষ্টি (জলবাসা সৃষ্টি করখেন নয়ামর মুমিনদের জন্য)	১৯-মারইরাম
এল্লাহ ভালবাদেন ভাদেরকে থারা জল্লাহর পথে বৃদ্ধ করে	৬১-সাহ্য	0	3/50	ভাসভাবে	
মাল্লাহ ভালবালেন না (উদ্বাত ও অহংকারীকে)	৫৭-হাদীদ	30	320	ভরণ-পোষণ (ভালভাবে মারের ভরণ-পোষণ পিতার নারিত্ব)	২-বাকুবো
वाहाद समयराज ना वेश्वष्टात्मारक	২৮-জাসাস	90	778	ভাষা	
व्यक्षार समयदान पृश्वनीत्मवरम	৯-জাওবা	9	680	আরবি ভাষার অবস্তীর্ণ এ কুরুজানে বক্রতা দেই	৩৯-বুমার
অল্লাহ অলবাসেন সংকর্মপরায়নদেবকে	্ত-মাষিদা	30	645	আহবি ভাষার কুরুপ্রান অবস্তীর্গ (মুশনিকলের অপবাদ প্রদাস)	১৬-নাঙ্গ
জন্মত ভাগেদকারীদেশকে ভালবাসেন না	২৮-জাসাস	99	778	আর্রা ক্ষর্য কুরঅন অবতীর্গ	৪৬-আত্তাক
অক্সাহ সালবাদেন করেন নার বিভারকারীকে	g-प्राविमा	83	2002	আর্মর ভাষা (কুম্পন্ত আর্মর ভাষার কুরম্মান অবস্তীর্ণ)	२३-७'खाबा
অপ্তাহে জানাল (অনস্থানী পশ্চিকে অপ্তাহ অলবসেন ন)	২-বাকুৰো	270	200	ইদার ভাষার লা'মত করা (বদী ইপরাধিকের কাকিবনেরকে)	৫-মারিদা
অস্ত্রাথ্য ভালনান (অস্ত্রাথ উভত/অংশারীকে ভালনাসেন না)	8.5m	-06	699	কুরুম্বান আর্থবি জাধার প্রবর্তীর্থ (মুপবিকলের অপবাদ প্রসঙ্গ)	১৬-মাঙ্গ
অস্ত্রাহর (মন্দ কথা প্রকাশ করা আল্লাহ ভালবালেননা)	8-501	185	695	তীত্ব ভাষার বিদ্ধ করে মুনাঞ্চিকরা (মুমিনাসেরকে)	৩৩-জাহ্যাব
অপ্তাৰৰ বিসময়কাকারীকে অপবাসে এমন মুখিন পান্তা যাবে ন	৫৮-মুজানালা	22	248	নাইদের জাবর ল'নত কর (ক্নী ইপরদিক্তর কবিবসেরতে)	৫-মারিপা
অপ্তাহতে অসমানতে হলে বাসুল স, তে অনুসকা করতে হলে	৩-জালে ইমবল	40	9.00	পাৰিব ভাষা নুদাইমানকে শিক্ষা দেবা হয়েছিল	২৭-নামল
আল্লাহতে ভালনাসনে সেই সম্প্রদান আল্লাহ নাদেরতে	৫-মাধিনা	68	979	বৈচিত্ৰ (কাষা ও বৰ্ণের বৈচিত্ৰ) আল্লাহর নিদর্শন)	৩০-জম
অস্তাহর জলবাসা (আস্তাহ সংকর্মপরামণ্ডের জলবংসন)	৫-মাবিদা	20	425	রাসুল মা, এর আধার ভুরমান সহজ করেছেন আল্লাহ	১৯-খাবইবাম
স্বাস্থ্যই থিয়ানককাৰী/অধৃতভাকে ভালবালেন না	22-0798	07	495	শিক্ষামানবারীর (রাসুল স. কে কুরামান শিক্ষানানবারীর	
মাল্লাহ বিয়ানতকারী/গাণিষ্ঠতে আল্লাহ ভালবালেন না	8-92	309	490	ভাষা জাবৰি নতঃ)	১৬-নাত্ৰ
ইয়ানসংকা অক্সহতে অধিক পরিমানে কালবালে	२-वाकात	350		সভান্তামী হিসাবে প্রতিষ্ঠিত করার জন্য ইননারীমের দোরা	२४-व'वास
উদ্ধান্ত আপ্তার অসবাসেন না (পুরের প্রতি পুরুমানের উপদেশ)	৩১-লুকমান	36	949	সম্প্রনারের ভাষার রাসুল স. রোকা (বিদ্যাব কবিরা পুথিবার্থে)	১৪-ইবরাহীয
रिकारकार्वकार्वीरक व्यास संरक्षतर कार्यात्रकी (जीवर आ श.)	१-व्यापाय	935	620	সহজ অবার কুরজান অবতীর্ণ (উপদেশ প্রহলের জন্য)	৪৪-দুখন

अबा कर व साथ अस्त च पुर्वत अस्य

> > 29.00

585

900

678

962

201

503

809

৫৭-হামীন

১৮-ম্বল

h-181670

>-37690

৯-ভারের

59-HD#

Alv. Ottable

২-বাকুবো

२५-वामान

a v. axxistante

ভালাহ ভালথাসেন ভাদেবকৈ যাত্রা জাল্লাহর পথে বৃদ্ধ করে	92-M66	•	9/30	oluolid.		_	1
স্বাস্থ্যম ভাষরদেশ ল (উদ্বত ও সহকোটাকে)	৫৭-হাদীদ	20	950	ভরণ-পোষণ (ভালভাবে মারের ভরণ-পোষণ পিতার দারিত্ব)	২-বাকুবো	200	ı
आक्राद समयदान ना वेश्युक्तानाटन	২৮-জাসাস	%	278	ভাষা			1
আপ্তাহ ভালবাদেন মুবানীদেৱক	h-জাওবা	٩	680	আর্রবি ভাষার অবস্থীর্ণ এ কুরুজানে বক্রতা দেই	৩৯-নুমার	54	Ž
অস্তাহ ভাগবালেন সংকর্মপরায়নসেবকে	৫-মারিলা	30	695	আরবি ভাষার কুরঝান করবীর্গ (মুশভিকলের অপবাদ প্রদাস)	১৬-নার্শ	200	Ĭ
অস্থাই ফ্যানাদকারীদেশকে ভালবাসেন না	২৮-জাসাস	99	278	আর্রার ভাষার কুরুআন অবর্তীর্ণ	৪৬-আত্তাফ	25	ì
অপ্তাহ সালবাদেন করেন নার বিভারকারীকে	e-মাবিদা	84	200	আহবি ভাষা (সুস্পট্ট আহবি ভাষাৰ কুরজন অবস্তীর্ণ)	२५-७'@ास	796	1
ञ्चादर जनवान (जर्मचाने चन्त्रिंदर जाहार सम्बद्धन न)	२-वाकृतवा	240	200	ইদার ভাষার লা'নত করা (বদী ইপরামিলের অফিরদেরকে)	৫-মারিদা	"lbr	1
অপ্তান্ত ভাগনাল (অপ্তান উভত/কংমারীকে অপন্যসেন না)	8-5ला	-06	699	কুরআন আরবি ভাষার প্রবাহীর্ণ (মুপবিকলের অপবান প্রসাস)	১৬-মার্প	300	1
অল্লোহন (মন কথা প্ৰকাশ কৰা আল্লাহ ভালবালেননা)	৪-সিলা	187	699	তীত্ম ভাষার বিদ্ধ করে মুনাঞ্চিকরা (মুমিনদেরকে)	৩৩-আহ্যাৰ	29	1
অস্ত্রাহন বিরক্ষারবাকারীকে অপবাসে এমন মুখিন পান্তর বাবে ন	৫৮-মুজানালা	22	248	দাইদের জারার ল'নত কর (কনী ইসরদিকের কবিবাসেরক)	৫-মারিপা	27	1
অক্সাহতে অস্থানতে হলে বাসুল স, তে অনুসকা কারে হবে	৩-আলে ইমবান	40	600	পাধির ভাষা সুলইমানকে শিক্ষা দেবা হয়েছিল	২৭-নামপ	24	1
আহারতে ভালবাস্থ্যে সেই সম্প্রদান আহার বাসেরতে	্ব-মারিনা	68	623	বৈভিত্ৰ (কাষা ও বৰ্ণের বৈভিত্ৰ) আল্লাহর নিদর্শন)	৩০-জম	22	ĺ
আপ্তাহর জালবাসা (আপ্তাহ সংকর্মপরায়ণদের ভালবাসেন)	৫-মায়িদা	30	495	রাসুল সা, এর আহার কুরজান সহজ করেছেন আল্লাছ	১৯-খাবইবাম	39	1
স্বাস্থ্য বিশ্বমেকবাৰী/অক্তজ্ঞকে ভালবাসেন না	22-07W	07	465	শিক্ষামানবারীর (রাস্প স. কে কুরামান শিক্ষানানবারীর	১৬-বাংগ	305	
আল্লাহ বিয়ানতকারী/গাপিষ্ঠতে আল্লাহ ভালবালেন না	8-निश	309	490	ভাষা জ্ববৰি নৱ!)	20milys	200	J
ইয়ানপুৰুৱা আল্লাহতে অধিক পরিমানে কালবালে	২-বাকুবো	250	620	সভাজানী হিসাবে প্রতিষ্ঠিত করার জন্য ইগরাহীমের দোয়া	२५-व,वास	7.8	
উদ্ধানতে আল্লাহ ভালবাসেন না (পুরের প্রতি পুরুমানের উপদেশ)	৩১-লুকমান	36	949	সম্প্রনারের ভাষার রাসুল স. প্রেকা (বিচ্ছার কনিরা পুরিবার্টে)	১৪-ইবরাহীম	8	
উপ্যুক্তর-মার্ডিকে মানুন সংগ্রেন্য জানায়েনি (সালিই আ. গ্র.)	৭-আ'বাফ	935	620	সহজ্ঞ আহার কুরজান অবতীর্ণ (উপদেশ প্রহুনের জন্য)	88-मृशन	Q.p.	
কাছিন্তর মুমিনদেবকে ভালবালে না	৩-বালে ইম্প্রান	229	281	ভাগা		1	
কাভিবদেরকৈ ভালবাদেন না আল্লাছ	00-4K	86	3.55	পদিতে (ভাসে মাছ আনা (শনিবারওয়ালানের মাছ শিকার রানাল)	৭-আ'রফ	290	ē
কেও কেই জন্মান্ত সমক্ষাকে অল্লান্ত মক অপদানে	২-বাকুবো	200	679.	তান্ধৰ্য			
ক্ষতিকর হতে পারে জন্মবানার বিষয়ও	२-सकृता	239	658	নির্মাণ (জিলের ভান্ধর্য নির্মাণ করত সুলাইসানের ইছো মক)	৩৪-সাবা	30	
খালের প্রতি জলবার সচ্চের অঞ্চকারতে খালুসান (নেত বালা)	৭৯-সাহর	b	266	ভিচ্ছাপ্রার্থী (বিনয়ী)			
থিয়ানতকারী/পাশিষ্ঠকে আল্লাহ ভাগবাদেন ন্য	৪-দিশা	309	290	আহুর করনে(কিনী ভিতপ্রাধীকে কুরবনীর গোশত আহার করণে)	২২-জ্ব	00	
আলিমনেরকে আলবাদেন না আল্লাহ	৩-আলে ইমরন	380	¢85	ভিশারী			
থালিমদেরকে ভাগবাদেন না আল্লাহ	৩-আলে ইম্যান	68	485	বল্যানের ভিনরী মূল আ (প্রবিশালর যে কল্যনেই অবস্তীর্ণ করেন)	২৮-কানান	38	
ভওগকারীদেরকে আল্লাহ ভালকালেন	২-বাস্থার	444	656	fea		1	i
দুনিয়ার জীবন/দশদকে মানুহ আশবাদে	৭৫-বিরামার্	20	846	ছিলদের (বাগুল স, স্থালতে নাম্বাসে হিনদের ভিত্ব করা প্রসঙ্গ)	৭২-জিন	22	
দুদিয়াকে মানুধ অলবালে ও কঠিন দিনকে যেন্তে সেয়/উপেক্ষা করে	৭৬-দাহুর	29	999	Guerra	12.181	+	-

विवद

প্রতিরের জিতবে থাকবে দরা (মুনানিকসের মধ্যে নির্মিক প্রতিরের)

ইয়ালাক ক্ষেত্ৰকেইটাক ইয়ালাক ভিত্তি আছাঃ দলে কলে।

कारकारकारक स्थित करत या प्रशंकत त्यापित प्रतिक व्यवसाय

ভিন্নামতে সুবাই জীত হবে (যেনিন শিক্ষায় ফুঁ দেয়া থকে)

দাউদ আ, জীত হলেন (দু'ল্লন প্রতিপক্ষের প্রবেশ করার)

মর্গজনে জীত অবস্থায় প্রবেশ কর্মই সমত (জলিমনের প্রসম)

प्रविमाणकाक क्षेत्र मा इत्याप आद्यान (एकावनका कर्वक)

ব্যবহুত্বে ভিত্তি উল্লেখ্য (ইকাইয় বা, ব ইসমালৈ কৰ্তৃক)

ভাতত ভিত্তি স্থাপন পেডার উপক্রম পারাভের প্রান্তে

তের ডিনি ফ্রাফিবলের ফুল্র সন্দের হয়ে থাকরে

আক্রমার উপর যে মতের ভিত্তি সাপন করে

55-Wiles

১,বাকবো

২-বাকার 296

o.प्राधिना

৫৯-হাপ্র

20-31-91

ত-জালে ইম্বান 255 008

A SIGN BOOM SON

৩-জ্ঞান ইমরান ১১৯

০,আল ইয়বদা

१८-विद्यासक

589 28%

ex. revers train single trail

নগন/দুনিয়ার জীবনকে মান্য ভালবাকে

ofewer majoration meets reported

प्राथिक प्राप्त के विकास (स्वाप्त के विकास करें

প্ৰশংসিত হতে ভালবালে (আহলে বিজ্ঞাব প্ৰদক্ষ)

ক্রিনের সক্রমাস অভ্যানার উপর মালিত মসঞ্জিসর পোলের।

নাম লোক্তবালের জিনিস বার না করা পর্যন্ত পথা পার। mountained at 180min Spiritta affectations

ছতিবল জালবালে **আন্তাহ**র সাহার্য ও নিকাক**টা** বিজয়

ফার প্রতি ফিরঅভিসম আলবাস আল্লাহ ক্রেল কেন (শৈশবে)

মহিনারা প্রালবাসে কাভিবনেরকৈ কিছু তারা আগবাসেন না

र्यक्राल क कामराज्य का (विकास) उत्तरीप्रस्त गढ निर्दाल कामर काम

থৈৰ্ঘদীলনেওকে আক্ৰাহ আলবানেণ

প্রতিষ্ঠতে আহার আল্বাসেন না

भागम भागगाहमन मा प्रान्तात

A COUNTY OF THE PARTY OF THE PA	न्त्रों नर ७ नाम	121	10	क्षेत्र विश्वविद्यम	जुड़ी गर व गांव	dillo d	198
ভীত (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)				ভূপিৰে দেৱা			
মূসা আ, জীত সভৰ্ক অবছার বের হরে গেল (শহন থেকে)	২৮-আসাস	52	уор	আয়ত (অস্তাহ ফুলিয়ে লো আমাতের স্কুলে উরম আরাত আলে)	২-বাকুরে:	209	675
হ্মর জীত হয় মু'মিননের (আল্লাহকে শত্রণ করা বলে)	১-জানমাপ	1	605	অস্তাহ্য কর্ণ কুলিরে নিরোলৈ ভাষানুদ্দিনেরকে (ডাচনা ইটা)	২৩-ৰু'মিল্ল	220	993
হুনার (তাঁত হলুরে দান প্রতিপাশকের নিবট থিয়ে যাওয়ার হয়ে)	২০-মু মিল্ল	60	985	নিকেনেরক ভূপিরে দিয়েছেল অক্সাহ যারা আল্লাহকে মুলে সেয়ে	৫৯-হাশ্র	29	24.
क्षता(प्रक्षावर पराण पास्ता क्षता केव का काल्य करा दूशरान)	२२-शका	-02	497	শরতান তুলিরে নিরেছে মুনফিকদেরকে (আল্লাহর স্ফাপ)	৫৮-মুজানালা	79	948
তীত-বিহুবেশ				শরভাগ জুলিরে দিল মৃগার সলীকে (মাছের কথা)	79-কার্ক	90	900
কাফিবরা জীত-বিজ্ঞাপ অবস্থায় পালাভেও পারবে না	৩৪-সাবা	62	786	শয়তান ইউপুৰেৰ কৰা বলতে স্থলিৱে দিল মুক্ত ব্যক্তিতে	১২-ইউসুঞ্	84	690
মুখ্যবাল (উভ-বিস্তাল হবে অনের মুখ্যবাল বিরামনের দিন)	৮৮-গশিবাহ	3	2029	শরকারকুল স. নে পুলিরে নিসে (অরাক সধ্যক্ষ কর্মকর কর্মক্র.)	৬-অন্অম	46	603
জীত-শব্ধিত				ফুলিয়ে রাখা			
অপরাধীরা (আমলনামা পেশ করা হলে কিয়ামতের দিন)	79-505A	83	933	অপ্নাহর অস থেকে তুলিয়ে রখে না ভালের (বানসা d)	২৪-নূর	-09	993
লাদিমরা তীত সম্রন্ত থাকবে (কৃতকর্মের কারণে)	৪২-প্রা	22	790	ভূমিনতার সম্পদ্ধায়ান যেন অল্লাহর স্কল্য থেকে না ভোলার	৩০-মুনাফিকুন	ъ	3/50
প্ৰতিপাদকের তব্বে ডীত-পঞ্জিত ঘরা	২৩-রুমিনুদ	29	96%	সম্ভাদ/সম্পদ যেন মুদ্দিনদের অস্ক্রাব্য স্বরণ থেকে না জেলায়	৬৩-মুনাফিকুন	b	366
মুৱানীগণকিয়ামত সম্পর্বে চীতগঙ্কিত থাকে	২১-আখিয়া	83	920	ভূলে থাকা			
	Co-mitte	Uis	WO	আল্লাহ পুলে থাকবেদ কাফিরদেরকে (কিল্লামতের দিন)	80-पारिश	08	hos
ভীত-সম্ভন্ত আপ্লাহৰ ভতে ভীত-সম্ভন্ত (বাস্ল/ফেবেশভাৰা)	0-			সাক্ষাৎ (বিরামতের নিনের সাফারতে কাজিররা ভূলে ছিল)	80-मार्थम	08	ho
	২১-অধিরা	57	452	ভূলে পঠিত হওয়া			1
গাৰা (জীক-সঞ্জন্ত গাৰা যাৱা উপাদেশ থেকে মুখ ভিত্তিয়ে দেৱা)	৭৪-মুনাস্থির	20	895	আদম আ, নিধিভ ফল খাওৱার ছলে পঞ্চিত হয়	২০-ফ্ল-য্য	252	185
পাকড়াও (বাঢ়যোগারীলো ক্ষত-নামস্ত অবস্থার পাকড়াও)	১৬-নাত্রণ	84	9.00	फूटन वावडा	40-8-0	363	100
শান্তি সম্পর্কে (প্রতিপালকের শান্তি সম্পর্কে যারা উন্ধানয়ন্ত)	৭০-মা'আবিজ	29	39.5	স্থলে ব্যৱসা অংশ (প্রাপ্য অংশ ভূলে ব্যৱসা নিচেম্ব)	২৮-জাসাস	99	P78
জীতি (আরো দেখুন তয় শব্দটি)				অনুমাহ (পারস্পরিক অনুমাহের বিষয় ভূলে না যাওৱা,)			
ইনারহীমের মনে জীতির সঞ্জার হল (কেরেশতারা না গভারতে)	১১-জুদ	90	69ર		২-বাশুরো	209	450
কাঞ্চিরদের হৃদকে জীতি সঞ্চার করবেন অল্লাহ	৩-জালে ইমরস	323	000	আন্মের আল্লাহর নির্দেশ ভূলে যাওয়া প্রসঙ্গ	₹0-\$f-8J	276	985
ভাবা (অল্লাহকে অশা ও উঠির সাথে ভাষা থকরিয়া আ, প্রদক্ষ)	২১-জাধিয়া	30	266	আয়াত পুলে বাংগায় আপ্রাক্ত আন্ধৃতিয়ানতে থাসেয়কে ভূলে বাংল	२०-झ-ब	250	985
শোশক (নেয়মত অধীকারকারীলের উভিন্ন শোশক/পরি প্রনঙ্গ)	১৮-নাহল	225	932	আল্লাই কুলে গেছেন মনাফিকদেৱক	৯-জাওবা	69	684
মহাতীতি জান্নাতীদের পুশিস্কান্যন্ত করবে না (হাশর রামস)	২১-আধিয়া	300	929	আপ্লাহ তুলে যাবেন কিয়ামকের দিন কাকিবদেবকে	৭-জা'বাফ	42	639
মুসাব অন্তরে প্রতি অনুভব করা (জানু দেখে)	20-35-8	69	98¢	আন্তাহ কাছিবদের ভূলে থাকবেন বিশ্বাহতে (কারণ)	৩২-সাজ্না	78	3.07
সংবাদ (মুনাফিকরা নিরাপস্তা/জীতির সংবাদ প্রচার করে)	8-निमा	bro	৫৬৭	আল্লাহতে চুলে গেছে মুনাফিকরা	P-85641	69	68*
गवार (देनतारी(M मान क्षेत्रि भारत रम (सहसान मा चारता(क)	৫১-থবিয়াত	36	335	আপ্লাহকে স্থলে গেছে যবা তালের মত না হওয়ার আজান	৫৯-হাপর	35	324
সম্বার (কাফিবলের ছন্য়ে তীতি সম্বার করে নিলেন আল্লাহ)	69-3745	2	>24	ইনশাসপ্তাহ কাতে ধুনে সেলে অপ্তাহকে স্কান করার নির্দেশ	79- <u>gi</u> £#	48	956
স্পাব (সমতে শাহতে সাহায়কটি ক্রুবারাকা ক্রুয়ে উতি সবল)	৩৩-জাহ্যাব	46	brod	উপদেশ তুলে যাওয়ার অন্ধাহর শাকতাও	৬-আনু আম	88	699
धुन्द्र केंटि अक्षत क्या न्द्रिन खद्वाद कांप्रेकान्व (बन्तवुक)	y-strain	24	900	উপদেশ তুলে যাওয়ার কমিন শান্তি	৭-জা'বাফ	794	હરા
ষীতি প্ৰদৰ্শন			411	উপদেশ কুলে শিরেছিল মুশরিকরা দুনিরাতে	२৫-मृददान	39.	990
চ্চালনামানকে মুদ্র ক্যান্টার ক্ষম এবে বান বার (ব,সার্রগান)	৭-বা'বাক	b/s	520	উপদেশের জংশ বিশেষ ভূলে গেছে ধনী ইসরাইলরা	ए-मातिमा	30	62.5
নিৰ্দশন প্ৰেৰণ কৰেন আল্লাহ জীতি প্ৰদৰ্শনের জন্য	১৭-ইসরা	69	13%	উপদেশের একটি অংশ ফুলে গেছে নামারারা	०-माविभा	84	250
মানুষকে (আপ্লাহ মানুষকে তীতি প্ৰদৰ্শন কৰেন)	১৭-ইস্বা	90	93%	কাঞ্চিররা ভূলে দিয়েছিল (বিরামরের এই সাক্ষাৎ)	৭-আগ্রক	62	973
শক্তিব উতি প্রদর্শন (অন্তাৎ বিমূখনেরকে)	३१-५५% १७-४५कक	84	130	কৃতকর্ম স্কুলে পেছে পৰাই	৫৮-মুজাদালা	ò	245
	00-3484	04	040	কৃতকর্ম যে ভূলে যার সে বড় জালিম	79-scila	6.8	923
ধীকু				দুদ্ধপোন্ড শিককে ভূলে বাবে মা (বিশ্বামকের নিন)	২২-হাজ	2	263
সম্প্রদার (তীতু সম্প্রদার মুনাফিক/কাফিরর)	৯-জাওবা	26	685	নিজেনেবকে তুলে গিয়ে জনাকে পুণোর নিচর্লণ দেয়া প্রনঙ্গ	২-বাকারা	88	605
कीवन				পরিশাসের কথা মূলে গিরেছেল বারা ভালের পরিশাস থকা আলবে	৭-আধ্রক	6.0	624
প্রকল্পন (কিরামতের প্রকল্পন এক উহপ ব্যাপার)	44-27 <b>9</b> 8	١,	925	পাকরাও (মূলে যাত্যার করমে পাকরাও না করার জন্য প্রার্থনা)	২-বাকুরে	59.9	200
<b>डी</b> श्वलाद				প্রতিশালক স্কুলে যান না (মৃসা আ, ও ফিরআউন প্রসঙ্গ)	२०-छा-स	24	9,88
পুরে পঞ্জব্যানার অনুসামী হয়। অসেতে তাতে জীকাভাবে পুরে পঞ্জব)	৪-নিসা	ર૧	260	প্রতিশাসক ভূসে যান না	১৯-মাৰইয়াম	89	903
একন্দিত (বদক্ষের যুদ্ধে মুমিনসের ভীরবভাবে এবন্দিত করা হয়)	৩৩-আহ্বাৰ	22	3-08	মানুষ ভুলে যার (বুরবের সময় আল্লাহর অনুহার লাভের পর)	৩৯-যুমার	v	244
ভুল (আরো দেখুন ফ্রাট শব্দটি)				মাছের কথা কুলে শিরেছিল মুসার বাদেয	१४-सर्वरः	90	930
পথ (অহংকারকারীরা ভুলপথকে পথ হিলাবে গ্রহণ করে)	৭-আ'রাফ	384	640	মাহেৰ কথা বুলে পেল (মূসা আ, এবং তার বালেছ)	7.F-41£0	92	943
পকত্বাও না করার অনুবোধ বিভিবের প্রতি মুলার তুলের জন্য	<b>১৮-কার্</b> ড	90	900	মনুষকে নিরামতে তুলে যাওয়া হবে(ভায়াত তুলে যাওয়ার করেন) মুলা তার 'ইলাহ' বাছুরকে তুলে গেছে (সামিত্রীর উভি)	২০-ফ্রা-ছা	759	9.8%
পালক পুরকে ভাতার ব্যাপারে ভূব করলে ভা জপরাধ নয়	৩৩-আহ্যাব	4	broo	বাসুল ন, এই। ভুলে বাবেন না (আল্লাহ পাঠ কল্লাকেন বিধান)	২০-ড়া-হা ৮৭-আ'লা	6	186
পাকড়াও (তুলের জন্য পাকড়াও না করার জন্য প্রার্থনা)	২-বাকুরো	476	605	भवीकरनव करा कुल याच्या (समुद्रिकरनव)	৬-আন'জাম	83	2035
প্রতিপাদক তুল করেন মা (মুদা আ, ও ফিরমার্টন প্রসঙ্গ)	২০-জু-ব্য			লাকাভো কর্মা তুলে যাওয়া, কবিবের (তিয়ামনের নিচার সাকাং)	৩২-সালুসা	28	5.07
	40-8-40	65	988	সাক্ষী ভূপে গেলে একজন অন্তজনকৈ স্মরণ করিছে নিবে	५-बाक्सबर	25.5	208
<b>चून</b> ११४		_	_	সৃষ্টিকে (মানুধ ভার সৃষ্টিকে খুলে গেছে,)	৩৬-ইয়াসীন	907	500
সাহার (পারমানর অইবা ফুলপুরে নাহার করকে কর্মিট বর্তনে)	५-खा द्वाछ	202	607	হিসানের দিনকে ভুলে থাকরে জন্য কঠিন পান্তি (কিয়ামকে)	<b>৩৮-লোমা</b> দ	26	999
শপ্ত হওয়া (জুল পথ থেকে নঠিক পথ স্পষ্ট হয়েছে )	২-বারুবরা	200	අතර	\$400			
ভূল পথে পরিচালনা				নিকটবর্তী কুবছে রোমানরা পরান্ত্রিক হল	50-6X	•	744
	১০-ইউনুস	44	662	कुशर्व		-	
ধিরমাউনমানুষকে মাল্লাহর পথ থেকে ভূল পথে পরিমালনা করে						_	185
क्रम्पान							
	s-निमा	24	469	আল্লাহর (আকাশ-পৃথিবীয়ধ্যবারী/ভূগার্ডের সবই আল্লাহর) সুকুল বৌজ করা (রাপুণ স, কে কুগার্ডে সুকুল বৌজ করতে হলা)	২০-ড়া-হা ৬-জাল' জম	50	482

AND DESCRIPTION OF THE PARTY OF	1000000	Section.	-	वेष दिरहाद्वर ।	नवां मध् ७ माम		100
भन विषयं <b>,</b> ध्यत	न्ता नः ७ नाव	10.3	981		नुसान्द्र काला	Marie Control	200
<b>३</b> १ के				COCK KHOST			
স্কীব (পাকড়াও করা হলে ভূ-পৃষ্ঠের জেন জীব বাদ যেত না)	৩৫-ফাতিব	82	950	অকশ ভেষে যথে (কিয়মতে)	৮২-ইনফিয়ার	2	3030
কৃমি (আরো দেখুন কমি শব্দটি)				অব্যেশ ডেকে যাবে (তিয়ামতের দিন)	৭৩-মুব্যাদিল	224	20.2
অধিকারী (শুমির অধিকারী ফলল আহরণ/মোগে লক্ষম কাবেং)	১০-ইউনুস	38	625	CRIST KIS			
অকলীয় হতা (শুনি ঘন্ধা শোমধারণ করে/জনবাদীয় ব্যা)	১০-ইউনুস	48	666	হুমুদের বছনায়ের বোন ভেল ব্যাও সুস্পর্ট কিবারে বিপিন্নত	৬-জান'আম	49	603
উৎপাদন (কৃমি যা উৎপাদন করে তা পাবার লোৱা ক্রীইনরাইলের)	২-বাকুরা	63	809		V -11 ; -11 ·	-	000
উৎপদ্ধ (ভূমিতে উৎপদ্ধ ফলল থেকে পৰিয় বন্ধ নাচনা নিৰ্চল)	২-বাঞ্চল	359	605	(ME)			_
				গরু ও জেড়ার চর্বি ইছ্সীদের জন্য হারাম করা প্রসঙ্	৬-জান্'আর	286	650
উংকৃষ্ট কৃষির ফলল উৎপদ্র হয় আল্লাহর ইচ্ছার	৭-আরফ	6A	979.	দুই ধরনের জেড়া আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন(পুরুষ ও মাদী)	৬ আন্'আম	280	530
উন্নিদ (পানির সংমিশ্রণে কৃমিজাত উক্তিব সভেজ হয়)	79-4626	82	950	মূসার কেড়ার ৰূলা বাঠি দিয়ে পান্য ফেলা প্রসঙ্গ	২০-ড়া-হা	294	984
উল্লিম্প্না (পৃথিবী উল্লিখ্না খ্মিতে পরিগত করৰ)	72-446.6	7	128	শন্তব্যত ভেড়া প্রবেশ নিয়ে দাউন আ, ও সুশাইখানের করা বিধের	২১-অবিয়া	9.5	922
উদ্বিদপ্না (বাগানকে উদ্বিধপ্না খ্যিতে পবিগত করা)	79-44dis	80	121	ছেৰে দেখা			
উদ্ভিদশূন্য খুমিতে পানি প্ৰবাহিত করে শস্য উৎপন্ন করা	৩২-সাক্ষা	39	1405	জপরাধীদের তেখে দেখা (রাজ্যেদিনে শান্তি আদার বিষয়টি)	১০-ইউনুস	80	523
জীবিত কৰেন আল্লাহ মৃত ভূমিকে (খৃষ্টির পানি ছারা)	০৫-কান্তির	>	585	অমশ-পথিত সাঞ্জি মান ৰূপাণ বিয়ক্তি ত লেখ	৩১-লুকমান	30	250
জীবিত করা (অপ্তার স্বাব্যাপর পানি বার কুমিরে মীবিত বরেন)	২৯-আনবার্ড	60	265	আবাদ-পৃথিৱী সম্পূৰ্ক কাহিবলৈ হৈছে দেখা			
জীবিত করা ( মুমিতে জীবিত করেন আল্লাই মত্যুর পর)	৩০-জম	₹8	340		২১-অপিয়া	OO	985
জীবিত করা (স্থমিকে জীবিত করেন আল্লাহ মতুনর পর)	00-89	80	946	আন্তন বুলোনোর বিষয় কেবে দেখা	৫৬-ওরাকিরাহ	42	১৪১
ন্তবিত (কৃমিকে নিবিত করেছেন আল্লাহ আনাশ থেক পশি)	২-বাকুরে	268	63%	আনমতে ইবলিলের উপর সঞ্চলিত করার বিষয় চেবে লেখা	১৭-ইস্রা	64	377
ন্ত্ৰাবত (ক্ষত্তিক বুলি যাবা জীয়ত কৰা প্ৰকাশনীকে জন্ম নিৰ্দেশ।	১৯-মহন	900	907	আদ জাতি কি জেনে লেকেনি যে আল্লাহ খালের চেরে শক্তিতে প্রকণ	৪১-কুগুসিগাত	26	39.9
				অল্পাহ সম্পর্কে ভেবে দেব (অজগ-পৃথিবীর সৃষ্টি/মৃতকে জীকলান)	৪৬-আহ্বাফ	00	227
লোড়ার লোড়ার আল্লাব খুনি যা উৎপন্ন করে	৩৬-ইরাসীন	99	258	আল্লাহ সৰ জানেন- এ বিষয় চেবে দেখা	৫৮-মুঝানালা	3	7024
থরনা (আল্লাহ ক্ষিতে বরনায়ণে গানি প্রবাহিত করেন)	৩৯-বুখার	52	2.60	ইট্রালন্ডর শুমিতে পানির মাধ্যমে শাস উৎপদ্ধ করা ভোগে দেখা	৩২-সাজদা	29	5000
কৰ্ণা (কৃত্ৰি থেকে স্বৰ্ণা উৎসাধিত না কৰা পৰ্যন্ত কাছিবল	১৭-ইগরা	l ho	243	তয়ানিক বিদ মুখীরা আধার তেবে দেখল	৭৪-মুদাছছিব	45	353
ইমান আদৰে না)	21-0-14		170	(है) श्रेषकान गण्याते (कार तम्ब (यति का व्यक्तास वर्गी सर)	8%-जार्याप	30	boly
অসিয়ে সিতে পারেন আল্লাহ কৃমিকে (কাক্সিরসের নহ)	৩৪-সাবা	9	787				
ধনিয়ে দেরা(তুমিকে ধানিয়ে দিরে বাতক অপরাধীকে পাকড়াও)	২৯-আগবাৰ্ত	80	97.9	অমিনায়ন্য জেনে দেখান নির্দেশ (প্রকাশকি)পৃষ্টিশক্তি প্রদাস)	৬-আন্'আম	86	600
ধান (কৃমি ধান/পঞ্জি থেকে কি বড়ফাকারীর নিরাপদ বচেছে)	১৬-নার্প	86	90%	অফিরনের তেবে দেখা (অল্লাহর শান্ত/কিল্লাহত প্রদাস)	৬-আন্'আম	80	(pp
ধান (শ্বমি ধাসিয়ে দিলেন অল্লাহ কারন ও বার প্রানাকার)	২৮-আসাস	3-3	7-74	দ্বারা দশহাসারিক করের বিষয় হোবে লেখার আহানে (বাসুদা স. কে)	২৫-ফুরতান	84	979
পৰিত্ৰ কৃষিতে প্ৰদেশ কৰাতে কালেন মূলা আ, তাৰ সম্প্ৰদায়তে	৫-মরিনা	33	69.0	বালিমর তেবে দেবত বলি- যথম শন্তি দেবতে পাবে ভথম	২-বাকুরো	200	622
প্রবেদ (কৃথিতে যা কিছু প্রবেদ করে তা আল্লাহ জানেন)	৫৭-হানীন	8	387	জীবনপারেশ করে না আবা (বহু বহুর জীবনেপারেশ করেশও)	২৬-হ'লারা	200	9,55
মৃত ভূমিকে আপ্লাহ বৃত্তির পানি বারা সঞ্জীবিত করেন	৪০-বুধক্ত	22	799	অকওয়ার নির্দেশ দানকারী বান্দা সম্পর্কে ক্রেবে দেখা	১৬-অবাক	22	3033
মৃত ব্যাহক আছাত্ ব্যৱস্থানাল তথা সঞ্জাতত তথেল মৃতক্ষিকে বৃত্তি সিয়ে জীবিত করেন আছাত্				লেবভালো ক্ষমভার বিষয়ে কেনে লেব (শিয়কেন অনায়ার প্রদাস)	৪৮-আহলক	8	bob
	१०-कृष्	22	344	খালে (পূর্ববর্তী বছ প্রজন্মের খালে কি ভারা জেবে লেখেনিং)	৩৬-ইয়ানীন	63	bec
মূত বৃমিকে জীবিত করেন জাল্লাহ	৫৭-হানীদ	24	686	নুহ আ, সম্পর্কে তার সম্প্রদায়কে ছেবে দেখতে বদা প্রন্ত	33-3F	39	966
মৃত ভূমিকে জীবিত করে তা থেকে শদ্য উৎপদ্ধ এক নিদর্শন	৩৬-ইরাসীন	00	960				
মৃত ভূমিকে খুষ্টি বারা জীবিত করা প্রকানারীলের ক্ষায় নির্দাদ	39-114×	96	909	নৌখন (সমুত্র নৌখনের চলাচল ছেবে লেখার, নিবর্গন প্রসঙ্গ)	৩১-পুকমান	97	5-2%
মৃতভূমির দিকে আল্লাহ মেদমালাকে পরিচালিত করেন	৩৫-ফাভিব	ъ	986	পাধিদের ব্যাপারে চেবে দেখার আহ্বান	७९-मूल्क	7.7	290
মৃত ভূমির বিকে মেখ পরিচালিত করেল আল্লাহ	৭-আ'রফ	49	492	পানি গজীরে চলে যাওয়ার বিষয় ক্ষেবে দেখার আহ্বান	৬৭-যুক্ক	00	268
মৃত পুমি ভীবিত করেন আল্লাহ (বৃটি বর্থণ করে)	২৫-ফুরবান	85	9312	পনি (মনুহ যে পনি পন করে নে সম্পর্কে ছেবে দেশুর জ্বাহান)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	67	986
বকনো কৃমিতে বৃষ্টির পানি অবভীর্ণ হওরা প্রসঙ্গ	44-89W	é	120	পৃথিৱীর সরবিদ্ধু মানবৰুপালে নিয়েজিত থাকা সম্পর্কে তেনে দেখ	২২-হাজ	62	968
চত্যে। স্থান্তি বৃদ্ধি বর্ষণ করে স্থাতি করা একটি নিদর্শন	৪১-ফুস্সিলার	co	444	পৃথিবীর ব্যাপায়ে হোরে দেব (উৎপূর্ত্ত গরনের উল্লিপ উপণত,)	59-9,0US	9	900
শোচা (দূমি যথন শোভাধারণ করে ও আকর্ষনীয় হয়)	২০-ইউনুস	48	969	প্রভাবে কের দেশুক সে আগমী নিচৰা জন্য কী জাটম পাইবেছে	৫৯-হাপর	36	229
চুমি/উচু ছুমি (আবাস)		_		বীৰ্যলাত সম্পৰ্যে তেখে দেখাৱ আহ্বান	৫৬-ওমার্করাহ	95	380
বিমাড়িও (আকাশ্বুনি থেকে বিভান্নিত করা হলে তালেনকে দারা)	হু-মাজিদা	00	Q1/8	বৃত্তির পানিতে পৃথিধী সনুজ-পামল হয়ে ওঠা প্রদাক কেনে দেখা	22-37%F	80	168
হাৰান (প্ৰকাশ বৰ্মা উচ্চ প্ৰথম কাৰ্যনে বিচন কল লাভনা উপমা)	य-वाकाता व			মঞুম জি জেনে লেখেছে যে উপান্যত্তা অভি দুবা করতে পায়েনা	৩৯-যুমার	107	598
	4-419100	250	607	क्षान्त कि त्यांची (य जाहाद विकि अमेरिक काम प्रक हैका	00-9X		528
ভূমিকপ		_				99	
পাকরেও (অবাধ্যমের করেনে ছাতুন সাংক্রমারকে তুনিকাশ বার পাকরেও)	্-প্রাক	101	920	মানুদা (দিন রাজের জাবর্তন কেবে দেখা)	৩১-পুকথান	436	259
পর্বার তৃত্তিরূপ ধর(মদারানবাসীর নীরে নিবারলী করা)	২৯-জানকাৰ্ড	01	2.79	মানুদ। ভেবে দেখেনি (আকাশ-পৃথিবীর সৃষ্টিকর্তা নতুন সৃষ্টি	১৪-ইবরাহীম	536	684
পাৰুত্বাও (কৃমিকম্প পাৰুত্বাও ব্যায় ড'আইক্যে নাডি উপুড়	৭-আ'রাক	22	643	নিয়ে আগতে পারেন)		L	
হরে পড়াল)	7-91 514	1 00	00	মনুষ জেবে দেখেছে কি অক্সাহ রাভকে অক্সইন করে দিলে	২৮-আগাস	13	P28
পাকডাও (মুসার সম্প্রদারের মনোনীত গোকসের বৃথিকম্প		1		মিধ্যবদী বল ও মুখ ফিব্রনে বন্ডি/জনু জালে সম্পর্কে তেনে লেখ	৯৬-আলাক	30	2021
ৰাৱা পাৰুৱাও)	৭-আ'রাক	766	525	মুম্মিনালকে ভেবে দেখার আহ্বান	७९-प्रमुक	26	348
ধুমি (কুণহাঁন)				বুধ বিবানে ও নিধাবদী কা বভি/অনু মাহল সম্পর্তে তেনে নেব	৯৬-আলাক	30	2035
সুমন (সুশবাদ) সমতন কৃমিক্সদে আল্লাহ পর্বভকে তেখে দিখেন (কিয়ামতে)				মৃতির উপাদনা সম্পর্কে ইবরাইডের সম্প্রদারের ক্রেবে দেখ	২৬-৫,ঝাথ	92	934
	२०-झ-श	209	181	ब्रह्म क्यांना नामार स्थार्थ क्यांना क			909
কৃমি (ব্যান)					২৭-শমল	b/b	
वेस्त्रहरवारी करापुर्विन्दाना ग्रह सूचित वेस्तानिकारी काश्यमक अन्तर)	৩৩-সহ্যাব	54	30.5	রিখিক সম্পর্কে তেনে দেবা (হালাল রিখিক হারাম করা প্রদাস)	১০-ইউনুস	@h	860
ভূতা (মারো দেখুন চাকর শব্দটি)				'ব্যাড' ও 'উত্যা' সময়ে কেবে দেখার আহ্বান	50-xiaix	7.9	305
ইউপুত আ, ভূমানেয়কে কল্পা: পদ্যুপ্ত আইনের বাশসমূহে প্রবে দিতে	১২-ইউসুক	34	99.5	শ্রীকলের (দেবদেরী) বিধরে মানুহ ক্ষেবে দেখেকে কিঃ	৩৫-ফাল্সি	80	985
তেকে পড়া		T.		শান্তি সম্পর্কে জেবে দেখা (প্রাদিমদের ধানে করা প্রদর্গ)	৬-জাপ আম	83	800
আকাশ তেকে পদ্ধার উপক্রম বন্ধ (উপর থেকে)	৪২-শুরা	0	622	মঠিক পৰে থাকা কালা প্ৰমান্ত ছেবে দেখা	৯৬-জালাক	22	2059
নাকাশ (তলে শড়ার তশক্রন হয় (তশ্ব বেনে) নাকাশ তেলে পড়ার উপক্রম হয় (বাফিরনের কথার)	25-MITTER		980	সাবার বানীর তেবে দেখা (সুলাইমানের পরের বিষয়ে)	২৭-নামল	00	200
		300					

A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH	I was a second		দেশা	ব্যব্য শ্বৰ নিয়ে <u>ল</u>	বুৱা হয় ও নাম		- make
भव रिख/कार	व्याप्त । नाम	NO. o	1120	ছলমূল কুণলভা মানুহ ও গৰাদি গৰুৱ জেগা সামগ্ৰী (পানি		464.4	44
ভেবে দেখা (পূৰ্ব পূচা বেকে)		-		চারবন্ধনি পর্বত-পৃথিৱী)	৭৯-নাথি জাত	00	2001
সালিহ জা, সম্প্রদারতে রেনে লেখার আহানে (নযুরত প্রদাস)	77-ईस	60	947	নিবা রাম্বারীরেরে পৃথিবীতে বিছু ভোগ্যসম্রী দান	১০-ইউনুস		
পিছল প্রদাস তেবে দেব(সমবিদ্ধাই আল্লাহতে দিক্তন্য করে)	३३-शक	791	162	কুল্ডিবনের গেণ্ড সমর্থী নির্মাধিকন অক্সাং (পুনিরতে)		90	997
পুরির স্চল/পুনরাবৃধি পাল্লাম কিবানে করেন আ বেনে দেখা	২৯-আনবাৰ্ড		3.78	বুদ্ধকলেকে তেও শ্বমত সামস্থলে ব্যাহ (পুনরতে) ব্যারী/মুমিনাসর কন্য তেওাসামস্ত্রী (সমুদ্রের শিকার)	২৫-ফুরবান ৫-মায়িকা	20	99/0
পৃষ্টিধ দ্যাপান্ত জেন দেশ নে তারা আল্লাহন প্রতি নিরুষদেশত হয়	১৬-নাহল	81/	906	ব্যৱস্থা মনসের অন্য কোনোনার। (সন্তুর্বের নিনরে) ব্যক্তা স. এর ব্রীয়ের রোগলারটির কবরা (তার কুনিবর কীনা সহিস্থা)	৩০-আহ্যাব	3/6	495
ভোগ (আরো দেখুন উপতোগ/ডক্ষণ শব্দটি)		i.		রকৃত্য ব, মত্রেরাকে রেক্টেলমার ওবছ (তর কুনার কাল সংগ্রে) সামানা রেক্টে সামগ্রী দুনিয়াতে (কাবিবলের ক্ষম)		43	5100
অকৃতত্ত কর্কুর আল্লাহন দান ভোগ (মুশনিকদের প্রসঙ্গ)	১৬-নাব্দ	66	909	সামান্য তেখ্য সামগ্র পুনরাতে (কাকেরদের জন্য) সামন্ত্র (ইক্সমত ক্রাল-প্রাম করা সামান্ জেলসম্প্রী)	০-আলে ইমরন		466
কান্তির উত্মন্তকে আল্লাহ জীবনোপভোগ করতে দেন	১১-বৃদ	80	990		১৬-নাহ্ল	229	950
কাঞ্চিরসেরতে ভোগ করার জন্য অবকাশ লেয়া	১৫-হিজর	0	999	স্থাদেবংগ ভোগদামন্ত্রী দেৱা (ভালাকের পর)	২-বাকুারা	206	654
কৃতকর্মের মন্দর্যক জেগ করেছে বারা মুনাকিকলের উপমা	৫৯-হশর	3/2	96.0	ব্রীক্রেকে জেগুসামী দেরর ওপিরত (স্ত্রী রেখে মৃজুন্দশ)	২-বাকুরে	₹80	659
কৃতবর্ত্যের মন্দর্যল জেগ (কর্মনার্কারী জনপদের কৃতবর্ত্যের যাল)	৬৫-জালাক	2	262	হেন্দ্ৰ		$\perp$	
হ্বমূদ অভিবে তেগ বনার মন্য বলা ম্রেক্সি (নিন্টবনে গর্মন্ত)	৫১-ঘরিয়াত	80	256	আলল (তেতাে আলল নির্বাতির শাস্তি পূত সংখ্যপায়ের উপর)	58-sinis	Qp.	3.00
দান (অক্তান কর্তৃক আন্তাহর দান ভোগ মুশরিকদের প্রসং)	১৬-নাহল	66	909	প্রকল্পেণ্ড (তেনে কেশ্রর হিজরবাদীকে প্রকল্পেণ্ড করল বিবট শব্দ)	১৫-হিন্দর	90	900
ধন-সম্পদ ভোগ করে পভিত ও সংস্তার-বিরাপীর বাকিল পঞ্চায়	>-বার্থ্য	<b>cs</b>	080	দিনশ (গৃহ-সংগ্রহাকে জের কোর সমূসে বিনাপ করর হবে)	<b>32-दिसद</b>	66	903
ফল (কামের মন্দ ফল প্রেশ ইংল্লমে পাচ হতার বাকদার প্রসদ)	৫-মাছিলা	36	695	শরির (কের কোন্ন নির্বাচন শরির আদল পূব নাপ্রপারের উপরে)	৫৪-কামার	ঞ	3:07
অগ্য (ভোগ করেছে বাঞ্চির ও মুদাফিকরাও)	৯-ভারবা	00	981	ভোৱে বের হওয়া			
ভাগ্য ভোগ করেছে পূর্ববর্তীরা	৯-জাওবা	69	989	রাসূল স. ভোরে বের হলেন পরিষার-পরিস্কন থেকে	৩-মালে ইমরান	757	¢8*
ভাগ্য ভোগ কয়েছে পূর্ববর্তীরা	৯-জারবা	69	583	ক্রপরিধ্যা শ্রমঙ্গ (দেখুন পরিপিট-৪)			
মন্দ্রখন (কাফিরসের কৃতবর্তের মন্দ্রখন জোগ)	৬৪-জাগাবুন	2	366	ত্তমণ (আরো দেখুন সফর শব্দটি) .			-
মানুষকে ভোগ জনার সুযোগ দেন আল্লাহ	৩০-জম	<b>08</b>	1-28	গ্রীক্ষালীন ক্রমণে কুরাইগদের আগতি রয়েছে	১০৬-কুরাইশ	2	300
মুশরিকদের ভোগ করার অবতাশ (পার্থিব জীবদে)	১৪-ইবরাহীম	200	696	জনগদে জন্ম করার নির্দেশ (সাবাবাদী প্রদাস)	৩৪-সাবা	25	₩83
মুশরিকলের ভোগনিলালে মত্ত থাকা প্রদান	২৯-আনঠাবৃত্ত	66	P-57	ৰদগদে প্ৰমণের দূরত্ব নির্বারণ (সাহাবাসীদের ধন্য)	৩৪-সাবা	37	785
মুশবিকরা জেগ করবে বছণাদাকক শান্তি	৫৭-সাক্কাত	-Obr	100	লিন (ৰাপুৰ প্ৰথমের লিনে)ভূতিম ভাবস্থার আধান বালনা মান ওয়ে।	১৬-লহল	po	205
পাঞ্চনা জেপ (অখীতারতারী জালিমদের দুনিয়ার জীবনে)	৩৯-বুমার	26	3-30	পৃথিবীতে অমণ ও পূর্ববর্তীদের পরিবাম দেখা	৪৭-মৃত্যুদ্দ	30	975
শন্তি ভোগ (মারাত অনিশাসকারীদের শান্তি কোগ)	৪-দিশা	69	869	পৃথিবীতে প্রমণ করেল পূর্ববর্তীলের পরিবান লেকত (ক্রমিবরা)	৪০-মুখিন	45	692
শার্র রোগনা করা পর্যন্ত রাসুল স্. কে মিথারালী বাগছিল (মুপরিক)	৬-বাস্বাম	387	933	পৃথিবীতে জন্য করার নির্দেশ (অপরাধীসের পরিশাম দেখার কনা)	২৭-নামল	535	boo
শঙ্জি প্রেণা করতে কর্না হয়ে কম্পিরসেরতে (অর্জনের কার্যা)	৭-বা'রফ	03	656	পৃথিবীতে শুহণ করে না কি (মন্তাবাদী কাফিরো)?	00-87	ъ	622
সামান্য আহার ও ভোগের অবকাশ (অপরাধীকের পুনিয়ার )	11-যুৱসালাত	85	999	পুনিবিতে কলে করে নিধা অভিতিতকারীলের পরিশাম লেখন নির্দেশ	১৬-নাহ্দ	05	900
সমান্ত জীবনোগরকো বন্ধকে সেয়া হলেব্রেছ থেকে পদাকবকে)	००-स्थार्थ्य	26	b-08	পৃথিবীতে প্রমণ বহে সৃষ্টির সূচনা সম্পর্কে লক্ষ্য কবা	২৯-জানকাৰ্ত	30	2.24
সুখ-পত্তি উপজোগ করে কাফিররা (পুনিরার জীবনে)	85-स्टब्स्स	50	350	পৃথিতিত প্রমারত জবস্থার কন্য নামার (শরুর বিকন্যর আশবার)	8-मित्रा	707	490
ভোগ-বিলাস				পৃথিবীতে অমশবত ভাইদেশকে কাফিবরা বলে	০-জেলে ইমরান		46:
ইউনুস সম্প্রদায়কে জেগ-নিগালের সুযোগ (একটি সময় পর্যায়)	২০-ইউনুস	bir	660	পৃথিবী প্রমণ করলে মুশন্তিকর পূর্ববাহীনের পরিশাম শক্ষা করত	৩৫-ফাভির	88	brec
কাফিবরা ভোগ-বিদাস করছে	৪৭-মুহাত্মদ	33	220	পৃথিৱী জ্বৰণ করে পূৰ্ববৰ্তীদের পরিণাম দেখা	৪০-মুখিন	3.5	994
বামের বাহুর সাধীরা ভোগ-বিশানে মত্র ছিল (দুনিরাজে)	৫৬-বর্যাকরার	82	284	পৃথিবী ব্যৱনা করে নিয়ো অভিহিতকারীর পরিয়ান লক্ষ্য করার নির্দেশ	ও-আন্-আম	22	694
ভোগ (শান্তি)		$\vdash$		পৃথিবীতে প্রমানার আহলে (মিধা অভিহিততারীলের পরিনাম দেশতে	৩-আলে ইমরান		485
শান্তি (ভাগ করতে হবে কিল্লামতে (দীমালজনকারীদের)	৩৭-সাক্ষাত	03	V2V	পৃথিবীতে জমানের নির্দেশ (পূর্ববর্তী মুশরিকদের পরিশাম)	00-8¥	85	250
ভোগ্য সাম্ব্রী		-	100	পৃথিবীতে চার মান জমদের অবকাণ (মূপবিকদেরকে) পৃথিবী (মানুষ তি পৃথিবী প্রকা করেনি এক: দেকেনি পূর্ববর্তীদের)	৯-ভারবা		680
উন্নয় রোগুলামন্ত্রী নিবল অপ্তাহ কমার্যার্থনা করেল ও অনুকর	22-get	-	900	পুনার (মনুষা io পুনার প্রথম বর্ডেন এবং সেমেন পুনার সেরার। বুমিনাকের কেন্দ্র বর্জান প্রথম বর্ডেন (ব্যক্তাকর উদুরার সন্থানে)	১২-ইউসুফ ৭৩-মুখ্যামিল	509	66.
কাড়িবলের জোগ্য-সামশ্রীর সিকে রাসল স. এর চোপ				विदेश स्थान अवदार जनकरान पर दूसर त्यांचा पर वर्ग जांक	रर-शका (०-र्यंगा का	86	969
প্রমারিত করা নিষেধ	১৫-হিন্দর	32	902	শীতবাদীন প্রথম কুরাইশ্যাসর জাসতি রয়েছে	১০৮-কুরাইশ	3	200
কাড়িব্ৰেব্ৰকেও সামান্ত ভোগ্য সাম্ম্ৰী দান (দুনিয়াছ)	२-वाकुस्त	250	678	সমূপ্ত প্রমণ করন জন্মার (মানুহাক)	১০-ইউনুস	22	900
গ্রাদি পতর পশ্ম/লোম/চুলে মানুহের ভোগাসাম্মী	26-7097	bro	900	ছুলে জমণ কল্পন আল্লাহ (মানুমকে)	১০-ইউনুস	22	943
ভাগাৰপ্ৰাপ্তকে ভোগাসামনী দেয়া মুক্তাৰীদের কৰ্তব্য	२-शकावा	482	45h	ত্রমণ করলো	20.707.		041
তাদাবল্লাঝা স্থাতে বিদ্ধ ভোগাসাম্ম্যা দেয়ার নির্দেশ	০০-ব্যহ্থাৰ	85	503	রাসুল স. তে প্রথম করিয়াহেন অস্তাহ (মসনিয়াস হয়াম থেকে)	১৭-ইসরা	3	958
ভূমিরার জীবন (ভাগা-সামগ্রী মাত্র (আধিরাতের তুলনার)	১৩-রা'দ	26	692	स्थानारी	2 (-4-[4)	-	100
পুনিয়ার জীবাসর ভোগা-সামন্ত্রী (মারী সভান কাহ্যীল্য থোড়)	০-জলে ইমরন		203	ভিপকালী (জাখন প্ৰমণকালীদেৱ জন্য উপকালী)	৫৬-ওয়াকিরাহ	98	h80
দুনিৱার ভোগ্য-সাম্থ্রী দিরেছেন আল্লাহ বাকে	২৮-কানাস	90	320				
দুবিরার ভোগ্যসামন্ত্র নামান্য (ফুম করল হওরা প্রসঙ্গ)	8-501	99	255	मुक्तिता अभागाती	৯-ভারবা	225	955
দুনিরার শ্রীবন অস্থারী জোগোসাম্মী মান্র	৪০-মুখিদ	co	544	ব্ৰথকারীনি		_	
দুনিরার জীবনের ভোগসাম্মাী ও মানুষের বাড়াবাড়ি প্রসঙ্গ	১০-ইউনুস	50	000	ত্রী (অল্লাহ নবীকে স্তমণকারিণী স্ত্রী দান করতে পারেন)	৬৬-আব্রীম	2	590
দুনিয়ার জীবনের তোশ-সাম্বা (কমিনসের পার্কির প্রচুক্ত প্রসাদ)	80-पुरक्षक	90	bbb	ত্রমণ (হাতে ত্রমণ)		1.	
হুনিয়ার জীবনের ভোগ্য সামগ্রী (মানুষকে বা পেছা ইলেছে)	২৮-বাসাস	90	P-70	মূল্যা মিলা থেক তথ্য(তা হওয়া প্রদার ( কর্নী ইনারকৈলহ)	20-31-2	99	981
বুলবার জাবনের তেওঁ সাম্মা (মানুবার বা সেরা ব্যার্থ) মারুসঙ্গত (ভাগাসামী জলাকপ্রারা প্রীতে দিবে বামী	5-4544	500		ব্যাহা		-	1
পরীক্ষা থক্তপ পুনিরার জীবনের ভোগাসামগ্রী লেয়া হয়	२०-चा-श -	202	485	কাঞ্চিয়নের বচুবার প্রটাতার পর্ববসিধ হবেই	৪০-মুশ্মিন	3,0	bring
পরাকা বর্ত্তপ পুনরার জাবনের তোলানাক্রা দেয়া ব্য পার্থির জীবনের ভোগাসাক্ষরী	84-93	363	199	অপরাধীর রাইডা ও উন্মন্তরার মধ্যে সরোহ	१८-वामाव	89	3-5%
শাবের জনসের তোল্ডানাম্যা শ্বিনীতে ভোগ্ড নাম্যা রয়েছে (মিথ্যা রানাকারীদের জন্য)	১০-ইউনুল	90	563	কাভিবনের প্রার্থন কেবল এটারার পর্যবসিত হয়	৪০-মুখিন	60	by.
र्वाच्चार रूप व चानवा अध्यक्ष (जनवा अञ्चलक्ष अन्त)	20-(45/1	170	000	কাকলান বাবনা কেবল বছতার সংবাদত ইছ	लय-बू । बर्ग	40	D. D.

ro-আধ্য

বিশ্বাসক দাশার্ক নিক্তাবারী ক্রীকার অনেক দূরে চলে গেছে

৪২-শুরা 3b b2-3

শৃথিনীতে ভোগ্য সাম্মী বরেছে (মিখা রালাকারীদের জনা) চলমূল কৃথকরা মানুর ও গরাদি পরুর রোগ্য সামারী

3	×		

नभ विवश्धतक	ज्बा कर च नाव	etti	्रका	नंप दिस्त/दशक	जुडा मर ७ सार		
এটকা (পূৰ্ব পূৰ্বা দেকে)				মানুহের মত (নবী সাধারণ মানুহের মত একরন মানুহ)	২১-আগ্রা	0	921
মুম্মিনগদ ভটকার এরেছে (ব্যব প্রদলে কাবিবদের দাবি)	৩৬-ইয়াসীন	89	748	মতপার্থক্য (আরো দেখুন বিতেন শব্দটি)			П
সজ্যের পরে মাইবা হারা তী আছেঃ (মুগরিব প্রসঙ্গ)	30-85-PI	• १२	929	ইগাকে হতার ব্যাপারে মতপার্থকা ও অনুমান প্রসহ	8-PINT	268	09
সূৰ্ব জ্ঞাতার প্রেছে (আধিরাত বিশ্বাস করে না বারা)	08-RR	b	982	বাজির-মুশরিবনের মতশার্থকাপূর্ণ বিষয়ে অক্সাহ বিচয়ে কর্মেন	৩৯-যুমার	0	39
স্পর্ট প্রটারার পড়তে, (আল্লাহ হাড়া অনা ইলাহ গ্রহণ করলে)	৩৬-ইয়াসীন	48	100	কিতাৰ প্ৰাপ্তৱা মতপাৰ্যকা করেছে আন আসার পর,	৩-জ্বলে ইমরা-	29	00
শ্বন্ধী প্রক্রীআর নরেছে মুখিনগো (নার প্রসঙ্গে কাফিবলের বানি)	৩৬-ইয়াদীন	89	b48	কিতাৰ প্ৰাপ্তদেৰ মতপাৰ্থকা (বিহেমবপত)	২-বাকুরো	570	
হাতীওয়ালালের হত্বন্ত প্রতিপালক প্রউতায় পর্যবসিত করেন	३०१-योग	2	2000	কিচাবে সভপাৰ্থক্য করেছে যারা ভারা	২-বাকুরো	240	621
ল্র কুঁচকালো			$\perp$	কিবাৰে (মূদাৰ কিবাৰে মতপাৰ্থকা কৱা হয়েছিল)	22-दूब	220	
অছলোকটকে দেখে রামূল স. জ কুঁচকালেন	৮০-জারসা	2	3009	বানানে (মতগর্থক্যপূর্ণ বিষয়ে জল্পাহ সকলকে জানাবেন)	e-জান্ জাম	2/68	67:
सर्व				প্রমান আনার পর মধার্যার্থকা করেছে করা, তালো মত ইওয়া নিষ্ণে	৩-জালে ইমরা		
মাতৃগতে জণ রূপে ছিল মানুষ	৫৩-নাজন	03	200	প্রমাণ আন্তর পর পরশার মতপার্থক্য	২-বাকুারা	420	20
<u>ম</u> কুঞ্জিত				করপানা (বালাদের মহপার্থকোর কয়নালা আল্লাই করবেন)	৩৯-মুখার	86	3790
ওয়ালিল বিন মুগীরা ব্রুক্থিত করল	৭৪-মুম্বাকৃতির	25	292	বরবাশ অপ্তাহ করনে ধনী ইন্যান্টলের মন্তপর্যক্রের (তিয়ান্তে)	৪৫-জাইছা	24	3o
ম্বৰুষ				খলপা (নার্নিরাধ্যে বিয়র করসার করা হবে বিয়ানতে)	৩২-সাজ্পা	42	310
	to house			বাকালা (মতপর্যক্ষের বামালা করকে অক্সাহ বিরামতে)	৩-মালে ইমবাদ		28
ঘলদান করে ভাল গাছ আল্লাহর ইঞ্ছন্ত প্রবেচক যৌসুমে	<b>18-रेरदारीन</b>	32	650	ংশী ইসরাইশালে মকপার্থবেল্য বিষয়ে কুরুমান বর্ণনা করে	২৭-মামল	99	300
মক্তা/উন্মূল করা / নিরাপদ নগর		-	$\square$	ধ্নী লৈক্ষায়ের করে বঁলি জান কালর পরও মরপার্থক ও বারুবাড়ি	8१-काविस	39	300
উপরের (মঞ্চ উপরবার কড়ির ও মুফিয়ের হার নিবৃত রাখ)	8५-शव्द	₹8	22%	বিভার (ইংলী-নাগরালের মতপর্যবালের বিহার অপ্তাহ করকো)	২-বাস্থ্যরা	770	670
নিরাপন নগরে পরিগত করার দোয়া (মঞ্চাতে)	२-शकृत्ध	750	678	বিষয় করা (ইবলতো নিয়ম নিয়ে মতলার্থকের কিয়ের বিয়ামতে বিষয়)	২২-হাজ	440	986
সম্ভৰ্য কৰা (মঞ্জাৰ শেকদেৱ সম্ভৰ্ত কৰাৰ উদ্দেশ্যে কুমজান নাছিল)	8२-नृत	9	3/27	মহাসংবাদ (কিয়ামত) সম্পৰ্কে মতধিক্ষােশ লিঙ (মানুখ)	৭৮-নাবা	0	300
কসম (আল্লাহ নিরাপন নগর/মন্তার কসম করেছেন)	৯৫-তীদ	0	3058	মানুবের মতপার্থক্যের হারসাল্য করতেন নবীগন	২-বাকুরে	450	65)
মকাবাদী (অনপচনর মা)		Ь.		খনুদ থ নিয়ে মতপাৰ্থক্য করত তা জনিবে স্থো ছবে (বিশ্বমতে)	৫-মারিদা	85	6,00
সতর্ব করা (কুবঅন বার জনপানে ম/মরাবাদীনেকে সতর্ব করা)	৬-আন্'বাম	35	608	মীরালে(মতপর্যকোর বিষয়ে দীরালে যার কেচা পূর্ববেশা, .)	১০-ইউনুস	7.9	00
মকা (হারাম)				সঠিক পথ প্রকর্ণন (মরুপর্যক্ষের ক্ষেত্রে সঠিক পথ প্রদর্শন…)	২-বাবুদর্য	570	(2)
নিরাপদ ববা(আল্লাহ হারাম/মঞ্জাকে নিরাপদ করেছেন)	২৯-আনকাবৃত	69	7-57	স্পা করা (বিশ্বানার অল্লাহ মন্তরে মতপর্যক্রের বিদ্যা স্পর্ট করকে)	১৬-নাবেদ	26	934
মপু (আরো দেখুন মশকণ শব্দটি)				শ্পন্তী করা (মততেশের বিহরটি শ্পন্তী করতে ইবার আগমন)	৪৩-যুধরুফ	৬৩	300
মানন্দে মত্ন থাকৰে জান্নাতীয়া (কিনামতের দিন)	৩৬-ইয়াসীন	ee	৮৫৫	স্পট্ট (মতপার্যকোর বিষয় স্পষ্ট করতে রাসুদ স, এর উপর	১৬-নাহৰ	68	901
মঙ্গল (থারো দেখুন বল্যান শব্দটি)				किवार वरवेरी)	20		101
পৃথিবীবাসীর (প্রকিপালক পৃথিবীবাসীর মঙ্গল চাওয়া প্রসঙ্গ)	१३-किन	30	39/6	ষতবিরোধ (আরো দেখুন মততেও শপটি)			
প্রতিরোগ করতে পরে না কেউ অস্ত্রাহ মঙ্গল করত ইয়ের করতে	৪৮-জাতহ	22	223	ইন্দি-রনরশন মর্তব্যাসে নির বাকে (পর্যন বা জনা প্রনক্ষ)	২-বাকুরো	209	676
মজবুত (আরো দেখুন শক/সুদ্ধ শক্ষ্টি)				ইসা আ. সম্পর্কে সভবিরোধ করণ বিভিন্ন দল	১৯-মারইরাম	-09	90
ধুনাচিকলের জন্য ভাল ও মজনুত হত (উপদেশ মানা)	8-Fert	66	262	কাকির (মতবিরোধে গিঙ ররেছে কাভিবল)	৩৮-সেরাদ	3	ъ
দুখ্য মাজনুত করে পাকালের পর তা নউ করা (পাপন ভালের উপন্র)	১৬-শহৰ	342	930	কাকিরকের মতবিরোধের বিষয় সুস্পষ্ট করার জন্য পুনরুপ্রন	১৬-মার্শ	-00	901
হারল (এখারে অল্লাহর দিতে সমর্পনার্কী সমন্ত হারল খরে)	৩১-বৃকমান	22	war	কুৰবান নিয়ে মকবিরোধকারীই সবচেরে বেশি পঞ্চরী	৪১-ফুস্সিলাত	22	1730
হাতদ (ভাগতকে স্বাধীনারকারী মজবুত হাতদ ধারণ করদ)	२-राकृत्वा	220	\$00	ন্ধানিমরা সুদূর মতবিয়াবে দিঙ্ক আছে	22-20%	00	160
মজবুত (পুড়)				ক্ষিত্রআইনের নিজেদের করণীয় বিষয়ে মতবিয়োধ প্রসঙ্গ	২০-ফ্লা-হা	ધ્ય	181
অন্তর (প্রকৃত স, ধরা অন্তর দৃদ্ধ করার কল্য পরিষ্ঠানের কুরাজেল বর্তিল)	२१:पुरकान	02	998	নিবিয়ে দেব (নামবিয়াকপূর্ণ নিয়ে আল্লাহর দিকে বিভিন্ন দেৱা)	8-मिशा	৫৯	268
মজগিস		_	-	দুফিনর নতবিরোধ করল (রাসূল স. এর নির্দেশের বাপারে)	ত-জালে ইম্বান		200
গহিত আৰু (পূত সম্প্ৰদাৰ মঞ্চপিসে গহিত কাঞ্চ করা)	২৯-আনবাৰ্ড	32	b/3br	দু'ভিলাপ মতবিরোধ করত যুদ্ধের বিষয়ে যদি	৮-আনকান	80	600
সুদার (মার্কাস হিলাবে কোনটি অধিক সুদার কামিনার বলে_)	३७-संबर्धान	90	950	শরীকদের সম্পর্কে মতবিরোধ (বিরাধকে কাছিরদের প্রসঞ্চ)	<b>₩</b>	29	900
ছান প্রশন্ত করার নির্দেশ মন্ধলিলে (দুনিকের প্রতি)	৫৮-মুজনদা	22	360	শহরবাসীলের মধ্যে (অসহাবে কাহ্যুক্তর বিষয়ে মন্তবিরোধ)	79-std:ds	57	920
মজবুম (ঝারো দেখুন অত্যাচারিত শক্ষি)		-		সদূর মতবিরোধে ররেছে যারা কিতাবে মতপার্থক্য করেছে	২-ৰাকুৱে	396	675
মল কথা (মজলুম ছাড়া কেউ মাল কথা প্রকাশ করকেন)	8-নিসা	187	290	মততেদ (আরো দেখুন মতবিরোধ পদটি)			
मक्न		201	2.10	অর্হনবিদানত বিরন্ধনশত মত্যাল করে (আন বাসের পর)	৪২-প্রা	38	5.95
মানুষ যা মঞ্চল করে উলা আ, তা জানিরে দেন	০-খলে ইনরন	-	680	মান আনার গরই বনী ইনরাইল মততেল করেছিল	১০-ইউনুস	NO.	696
মন্ত্র মিরোগ করা	0.401 5401	00	680	দলের মততের (বনী ইসরাস্থারে বিভিন্ন দলের মততের)	৪৩-মুখ্যক	62	300
উত্তম (মনুর নিরোচার ক্ষেত্রে লে উত্তম যে শক্তিশালী ও নিয়র)	২৮-কালাস			দ্বীনে সকচেদ করা নিষেধ (বীন প্রতিষ্ঠা প্রসঙ্গ)	৪২-প্রা	30	9.95
ভব্ন (মনুহা সর্রোচন ক্ষেত্রে লে ভব্ন বে শাকশানা ও লেক্স) মূলাকে মঞ্চুর নিয়োগ করতে নারীরা পিতাকে বলল	২৮-জন্মন ২৮-জন্মন	59	930	ফানাল (কী ইন্তাইলের মহছেলের ফালল লিয়মতে)	১০-ইউনুস	he	690
মূলকে মঞ্চুৰ নিয়োগ কৰতে নাহাৰা প্ৰত্যকে বৰল মনিয়ুক্তা	AN-DIATE.	26	3,70	ধনী ইগরাইশ মতভেদ করেছিল (আন আসার পর)	১০-ইউনুস	ho	655
		-	-	বিজয় ("পনিবার" বিহার মত পার্থক্য বিয়ামতে বিচার কর্তনে)	১৬-নার্প	258	93/6
পিয়ান্বিশোর ভূজরা) হবে সুরক্ষিত মণি-মুজার যত জানাতে	४२-वृद	₹8	3:00	বিয়ার (মততেল/পুনকখানের বিষয়ে বিচার আল্লাহর নিকট)	৪২-শ্র	30	5/52
সুরক্ষিত মণি-মুকার মত গিলমান থাকবে জাল্লাতে	৫২-ভূম	₹8	300	মানুৰ মৰকেন কয়কেই থাকাৰ	১১-হুদ	22A	598
মত (অনুক:প)				মুপার বিকোরে মককেদ করা হরেছিল	৪১-ফুগুসিলাত	8¢	343
মান্তাহর সৃষ্টিক অনুস্তাপ কিছু কি পরীকরা সৃষ্টি করেছেঃ	২০-র'দ	36	616	শনিবারের বিষয়ে ইক্সিদের মতপার্থক্য প্রসঙ্গ	১৬-শহল	258	930
কমিনাসে মত হওয়া (সায়াত কমিন্ধাপৃতিপ্রশেষ পরও সামে বাংলা)	s-দিশা	780	648	সভাষত (ঝারো দেখুন অভিমত শৃক্ষী)			
কুবেডেন মত পূৰা বচৰ করে আনর চালেছ (কমিবচেনচে)	১১-বৃদ	30	666	ইউপুরেল নথানত বাশ্বরে মাইল করেন্তুক্ত ব্যক্তি (রাজ্যা হপ্স সম্পর্কে)	75-इंड्रेज्य	85	873
জনপদবাসীদের মতই রাস্লরা মানুব: (কাফিবদের উভি)	৩৬-ইবাসীন	36	1455	মন (ঝারো দেবুন যাদক শব্দটি)			
মানুহের মত এক একটি উন্মত (বিচরণশীল জীব ও পাখি)	৬-জন'বাম	d)r	663	বিজ্ঞান (মণ ও কুয়া সম্পর্কে জিন্তান)	২-বাকুরে		222

প্রথম বিষয় প্রথম	স্থা বং ও নাম	403.5	प्रका	अस् रिस्तु/शत्रत	ज्बा नर ७ नाम	बहर ड	78
जम (পূर्व भृते। (घटक)				মনাকুর			
নিংবানে (মদ নিংবাতে দেখন নিয়েকে দুই ফুবাকর একজন)	३२-इंडेन्ट्रक	96	680	ভূপ বা মনপুদ্র তা সক্রপান্ত। নাম দিয়ে ঘণ্ডা (ব্যুদ্ধ প্রধারণস)	২০-ড়া-হা	946	9.8
পুদ (প্রভাৱ মদপুন করবে ইউদুবের কার্যসঙ্গীয়তের একজন)	75-6234	83	(thro	ভূন আ, মানুদ্র হয়ে সম্প্রদারত বাহে বিত্র অস (ব্যুক্ত পৃঞ্জ প্রসাপ)	্-জা'রাক	750	64
শক্রতা (মন/জুয়ার মাধ্যমে শক্ষতান শঞ্জতা ও বিশ্বেষ দটাতে চায়)	৫-মরিদা	22	697	রকৃত্ব সং কে ফরবুলু বা হওছার নির্চাপ (অধিবচনর ঘড়যোগ)	২৭-নামণ	90	60
শ্যামানের করে (মদ স্থানা মৃতিপুদার কেনী এল্য নির্বাচক বীন)	৫-মরিলা	30	699	রাসুল স. (ব মধ্যকুর বা হতে নির্মেশ (বাড়মঞ্জর কাল)	১৬-শার্প	253	93
মধীলা	-			মনগড়া (ঝারো দেখুন ইচ্ছাকৃত শব্দটি)			
प्रभामी (स्नेनंत्र प्रश्वित्राम्य क्षेत्र (क्षेत्र पुनाकिमेट कन्द्र)	৯-জাধবা	202	960	কথা (ৱাসুল স. মনগড়া কথা বলেন মা)	৫৩-নাজম	0	30
অধিবাদী (মলিমার অধিবাদীয়ের জল্ সক্ষত নয় যে তার:)	৯-সাগ্রা	250	600	কথা (সুপরিকরা মনগঢ়া কথা বলে)	৬-আৰ্'আম	385	63
एकर क्रोमसभी (मनेनार एकर क्रोमसभीत नवेर शब्दरणी २(आ)	৩৩-আহবাৰ	640	p.op	विशा (तक देशाह तत बतना तक्की प्रतन्त्र विश्व करफाइन्य बहना)	৩৮-সেয়াল	9	918
तारा क्रिक्स (प्रमाधिका प्रस्तित तारा क्रिक्स कारण वन्यानिकार)	৬৩-যুবাধিকুব	b	208	प्रनदिन		r.	H
	Onthrota		500	রিলের জন্য বিভিন্ন বর্নলৈ নির্বারণ করেছেল আল্লাহ	৩৬-ইয়াসীন	db.	40
মধু				গ্রন্থের অন্যান নির্দিষ্ট (বছর গণল/সমর হিসাবের জন্য)	১০-ইউনুদ	0	66
নহর (মান্তাতে বয়েছে পরিকন্ধ মধুর নহর)	৪৭-বৃহ্যান্দন	76	970		30-6934	q	- 00
<b>34</b> 3		_	ш	प्रमङ्कदा			-
হেখের মধ্য থেকে বৃত্তি বের হয়ে আসকে দেখা যায়	৩০-রম	80	5-59	অধীয়ের দ্রী দলহু করেছিল (ইউপুনের সাথে গৈছিল মিলনের)	১২-ইউসুফ	48	91
মৰঃপত্				ইউসুক্ত মনত্ব করত তৈত্তিক মিলনের যদি	३२-१७मूर	48	69
মাল্যভের কিরায়াতে মধ্যপদ্ধ অবলম্ব	১৭-ইস্রা	220	৭২৩	প্ৰকল্পত কল্পত মনত্ব কৰেছিল প্ৰভাক উপৰ অনুধা স্থাপুন স, কে	80-मूरिम -	0	6.4
হেটে চৰায় মধ্যপদ্ধা অবলম্বনের উপনেশ (পোকমানপুরকে)	৩১-পুৰমাৰ	79	p5p.	বহিষ্ণারের মনত্ করেছিল কাম্পিরা রাসুল স. কে	৯-ভাগ্যা	70	86
মধ্যপন্থী				মুদাকিকরা ফন্ছ করেছিল (যা লাভ করতে পারেদি)	৯-ভাওবা	9.8	66
উল্লেখ্য পর্যস্তুদ তাক থেকে উদ্ধান পেরে বিছু লোক নগপঞ্জী বাট)	৩১-পুকমান	95	459	রাসূল স. কে পথন্রই করতে মনত্ব করা (মুনাফিকদের)	8-मिमा	270	6.
উল্লন্ত(মধ্যপত্নী উল্লন্ত বাশিরেছেল আপ্লার মুমিনলেরকে)	২-বকুর	380	425	থাত বাড়াপের মনস্থ করেছিল এক সম্প্রদার মুমিনদের প্রতি	৫-মরিদা	22	6.6
উমত (মধ্যপন্থী উম্বত রয়েছে আহলে কিভাবদের মধ্যে)	৫-মরিশা	96	Q145	মনিব/প্রকু			
কিয়বের করক উত্তর্গবৈদ্যবী মখাপদ্বী	৩৫-ফানির	02	V83	পান প্রস্তুকে মনপান করারে ইউসুমের ব্যৱসাধীয়ারও একমান)	১২-ইর্ডসূফ	83	86
বাশনবালনের মধপদী ব্যক্তি সকলকে অপ্তাহন পনিবাম	৬৮-বুলান	20	296	যদে করা	1		Т
বার করার ক্ষেত্রে মধ্যপদ্ধী (বহুমানের বান্দারা)	২৫-যুদ্ধবান	69	99-9	প্রভিতাবক মনে করে বান্দাকে (কাফির)	১৮-কার্থ	304	90
মধাবতী			Н	অপ্রায়ে শক্ষর যান বারে 'অপ্রায় কৃতবর্ম সংপার্ক জানন না'	৪১-জুস্সিলাত	22	100
সালতে (মধাৰতী সালাতের প্রতি বিশেষ যত্র লেবার নির্দেশ)	২-বাকারা	২০৮	429	অপ্তাহৰ বন্ধ (ইক্সীয়া নিজেলেয়কে আল্লাহর বন্ধু মনে করে)		6	34
अधार (वर्षावस नागारवस साथ न्यून वर्षा वनाय गर्या है	destan.	400	***	আপ্ৰাহ সাহাত্য করকেন না বলে যে মলে করে	২২-হাক	32	90
	_	-	ш	অপ্রেছতে বেধনর মনে না করা (জাগিমদের কাজ সম্পর্কে)	১৪-ইংরারীম	83	63
খাদা (মিসকিনকে মধান মানের খাদা দাদ হিসেবে কসম	৫-মারিশা	2.9	697	ইঃপীর নিমেনেরকে আল্লাহর বদ্ধ মনে করে	৬২-স্বদু'আ	6	1 20
ভ্রের কাথকারা)	-	-	$\vdash$	ইয়াকদারর কি মনে করে যে তারা জান্তাকে প্রবেশ	२-राकृता	228	03
<b>X</b> (4)				উন্তৰ (মন্দৰাপ্ৰকে পৰ্যন্তি ব্যক্তি উন্তৰ মান কৰে)	৩৫-জডিব	ъ	ы
আহতের মধ্যে লেখতে পরে জন্নতি বক্তি তার কবিব সগতে	৩৭-সাক্কাড	66	242	ক্সাজনকে ধন সম্পদ ও মন্ত্রানে কর মনে করে কানাজালা)	29-405th	03	93
মেখের মধ্য থেকে বৃত্তি নের হয়	२8-मृड	80	110	কাভিরা যেন মনে না করে তারা ছাড়িয়ে পেছে (সম্বাধ্যক)	৮-আনকাল	03	60
म्म		_	ш	অভিন্তপ্ত বেল মলে লা করে যে তালেরকে যে অবকাশ	৩-আলে ইনরা		
স্তাব্যবহা (মনের আবাক্ষার বিপরীত বিস্কু নিয়ে রাস্প)	৫-মরিনা	90	60.9	কাজিয়া মনে কৰাত (তাৰা আল্লাহৰ কাছে ফিবে যাবে না)	৮৪-ইনশিকাক		20
প্রকারম (ক্রী ইনরাইক্সর মনের আনাব্দার নিপরীত কিছু)	২-বকুরে	44	670	অভিনয় মূল কর্মেল বালে কুলি কাল্ডাবে কাল করব	69-6148	30	20
অন্তাহ্য হলে ডি অহে তা ইদা আ, ৰানে না	৫-মরিদা	229	696	কিন্তাৰে অংশ বান বাবে অধ্য তা কিন্তাৰে অংশ নয	৩-আলে ইমরান		01
ইউপুয়ের ভাইদের মন তানেরকে প্ররেচিত করেছে (এমন কাছে)	১২-ইউসুফ	22-	942	ক্ষিয়ারত সংঘটিত হবে বা (কাফিয়র মনে করে)	83-पुगमिनार		6
ইউসুফের মনে প্রকৃত ব্য়পার গোপন রাবল ইউসুফ	১২-ইউসুক	99	998	বিয়ারত সংঘটিত হবে মনে করে না( বাধারণ্ডালা)	29-aida 93-Xvinate	00	13
ইয়াকুবের মনের প্রয়োজন পূর্ণ করেছিল ইরাকুব	১২-ইউসুফ	th	9949		৩-জালে ইমরান		
ঈদার মনে যা আছে আল্লাহ ভা জালেদ	৫-মরিবা	229	269	কুলগার দেন মান না করে- জারাই বা সিয়েছেন যে কল্পেকর			
क्षप्रमा (ब्राह्मकेटिना पन या कापम राज्य वादे शास श्रीवास)	২১-জবিয়া	205	929	ছবিকর মনে না করা (ঐ ছুমিননেত্রকে যারা মিখ্যা)	<b>२8-मृद</b>	22	9
গোপন (মনে গোপন রাখার অপরাধ নেই (বিরের প্রভাব)	২-বকুরা	202	653	চিয়কিশোরপাকে ছড়াবো মুকা মনে করবে (নাল্লাকে)	৭৮-সাব্র	7.9	8
মণ্ডরা (ৰাল্লাতে মন যা চরে তার সবই আছে)	৪৯-মুখকফ	93	900	হয়নো মূলা মনে করবে (জাল্লাতের রিরকিশোরগণকে)	৭৯-দাব্র	7.9	36
জান্ততে মদ হা চার তার সবই আহে	৪০-মুখকক	93	300	ধপ্রত হলে করা (নিপ্রত অহাকবাসীলেরকে)	7A-4164	35	9.
জ্ঞাতীদের মন যা কামনা করবে তাই জেগ করবে (প্রাচ্চীজনে)	২১-মাধিয়া	305	989	মালুর্যন্ত মনে করল বিক্তজ্ঞিন মুস্যাকে	১৭-ইস্লা	707	9,
হিবা ধানা (প্রাসুল দ, এর নিয়াত্ত সম্পর্কে মুনাফিকদের মনে	. 0-			অল্রাতে প্রবেশের কথা মনে করা (জিয়াদ ও বৈর্থ ছাড়া)	৩-মাল ইম্মান		
दिश्च मा धावर)	৪-নিবা	95	696	জিল মনে করেছে যে আব্রাহ পুনক্ষতিত করবেন দা	१३-किल	٩	34
প্রভাবিত করেছে মোনাসকলে কোনাসক মন (ইয়াকুল ভা, কার্যান)	১২-ইউসুফ	300	09-8	ইাট্রা-বিশ্রুপের পাত্র মদে করত কাহান্ত্রামীতা (মুদিনদেরকে)	৩৮-সোৱাদ	60	ъ
মানুষের মধ্যে বিধর আল্লাহ বাদেন	২-বাকুরো	200	653	তাস হল পরিবটিত মনে করে সমুক্তমীয়া অপ্রাধ্যক ভাকে	১০-ইউনুস	22	9
মানুবের মন মন্দ কান্ধের কুমপ্রণা পের	24- <u>\$</u> 830	40	69-5	ক্ষংস হবে না (বাগান) মধে করণ বাগানগুৱালা	29-pubit	-02	9
মুহিনসের মন বা কামনা করবে ভাই দেরা হবে (কাপ্রতে)	৪১-ফুস্সিলার		355	পথতার দি খনে করে (তালেতে জনর্থক সৃষ্টি করা হয়েছেঃ)	২৩-মু"মিনূন	225	9
প্ৰতিবীয় মন তাকে প্ৰৱেচিত কৰেছিল (বস্তুতেৰ মূৰ্তি তৈৰি প্ৰসঙ্গ)	২০-জা-খ	36	989	পর্বভাকে নিক্তল মান করা(কিয়ামাত পর্বত চলখন হওয়া প্রসঙ্গ)	২৭-নামল	bb	bo
ক্ষাধ্বতিপ্ৰকাৰে সক্ষা-সভাৱ ভা-লৈকে নাম কলা কৰা কৰা	৭-আন্ত	200	900	পানি মনে করে নবীচিকাকে (পিপায়ার্ড ব্যক্তি)	28-94	100	9
							0

नंग विषद्म/श्रम	সূরা দং ও নাম	1001 4	नुकी	नंब दिवस/क्षत्रम	जुडा नर ७ नाम	WAR TO	नुहा
মনেকরা (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)				মূলার মনে হওয়া (কাপুৰবাদের কাপুর প্রভাবে পরি,পার্চি (লীড়াছে)	20-97-85	66	984
প্রতিপাপকের দিকে ফিরে যাবে -যারা এরপ মনে করে	২-ধকুরো	86	606	মনোকট			
প্রতিক্রতি ভঙ্গকারী মনে না করা (আল্লাহকে)	১৪-ইবরারীম	89	899	হতা (রগুল গ. নিজেকে হাজে হতা করে কেলবে মনেকটে)	১৮-কার্ক	0	148
ক্রি'অভিন্যা মনে করণ ভালেরকে কিরিয়ে নেরা হবে না	২৮-কামাদ	030	222	महनानिदवन		-	
ক্রিক্সাউন মনে করে- নৃগা আ, মিঝাবাদী	৪০-খুমিন	99	544	আকাশের নিকে মনোনিকেশ করেন আপ্লাহ	২-বাকাল	230	208
ক্রিপ্রাউন মনে করে সে মাডিকে নঠিক পথ দেখাঞ্জেন	৪০-মুখিন	230	ppo	আকাশের দিকে মনোনিবেশ করলেন আল্লাহ	৪১-তুস্সিলাত	22	bas
বনী ইসরাইলের মনে করা (পর্বত পতিত হবে)	१-व्या'शक	292	450	প্রতিশালকের প্রতি মনোনিবেশ করার নির্দেশ(নবীকে)	১৪-ইশশিকাহ	br	2029
বনী ইনরাসলরা মনে করেছিল জানের বিপর্যায় হবে মা	৫-মারিদা	42	649	মানুব বে কাজেই মনোনিবেশ করে আল্লাহ ভার প্রভাক্ষপর্নী	১০-ইউনুস	63	990
বিলায়মুম্বর্ত (কিয়ামভাকে বিলার মুম্বর্ত মাল করা প্রদাস)	৭৫-কিয়ামাহ	২৮	866	<b>कटमानी</b> क			
বিশ্বয়কর নিপর্শন মনে করেল বাসুদা স. (কাহকবাসীর ঘটনা)	79-462.0	ъ	948	অসমতে আহার মনোনীত করলেন	২০-জ-ব্য	244	985
মন্দর্বকারীয়া কি মনে করে যে সে অস্ত্রাহকে ছাড়িয়া ঘাবে ৮	২৯-আনকাবৃত	8	৮১৬	আল্লাহ মধ্যেশীত করেছেল আলম নৃহ আ, ও	৩-আলে ইম্বন		609
মানুধ মান করে আল্লাহ আলের মান্য কল্যাণ ভুরাছিত করছেল	२०-वृभिनुग	20	955	আল্লাহ মদেশিত করেন জন্মদের থেকে যাকে ইক্স	৩-আলে ইম্বান		660
মানুহ মনে করেছে যে আল্লাহ পুনরুখিত করবেন না	१३-सिम	9	abrb	आहार पटन पटन प्रत्ना प्रत्ना पटन	8२-भूवा	300	295
মানুষ কি মানে করে 'ঈমান এনেছি' কলচোই ছেতে দেয়া হবেঃ	২৯-আনকাবৃত		779	অপ্তাহ (বাবে ইয়া মানলীত কয়তেন সঞ্জন হলে কয়ত চাইলে)	০২-পুথ। ৩৯-মুমার		
মানুম কি মনে করে কেউ ভাকে দেখেনিঃ	১০-বালাদ	3	3000	ইউস্কল্ক মনোনীত কর্মের প্রতিপাদক		8	3.47
মানুষ বি মনে করে তার উপর কমতাবান কেউ দেই?	১০-বাদাদ	e	2050		১২-ইউস্ফ	6	699
মানুষ কি মান করে যে তার হাড়সমূহকে একরে করা হার লাং	१८-क्रिशमह	0	biso	ইবাহীয় ছে ও ইনমন্দিল বংশল থেকে মুক্তনীত করা ইবাহীয়কে আগ্রহ মনোনীত করেছিলেম	১৯-মারইরাম	62	9.86
মানুষ কি মলে করে যে তাকে এমনিকেই ছেড়ে দেয়া হলে।	৭৫-বিয়ামাণ্	00	298	ইবরাহীমকে (মাল্লাহ ইবরাহীমকে কমিল্লার মন্দেমীত করেন)	১৬-মর্ল	757	930
মিখ্যাবাদী মনে করে ফির'জাউল মুসাকে	২৮-কাসাস	GP.	9-22	ইপদাহকে মনোনীত করনে আল্লাহ ধীন হিসাবে	২-বাহুলে		676
মিখ্যাবাদী মনে করল দৃহ আ, কে (সম্প্রানারের লোকেরা)	22-Ed	29	969	বিশানতে মনোনাত করবেশ আল্লাই বানা হেলাবৈ বিশ্বাসের জন্য আল্লাই মুম্মিনসেরকে মনোনীত করেছেন	৫-মায়িলা	0	63.0
হিবাৰেনী মনে কৰা (চনাইবকে আইকানানী কৰ্তৃক মনে কৰা)	২৬-ত'অারা	79.9	259		22-27%F	4/2	950
মিহবোদী মনে করছে হুদকে তার সম্প্রদায়ের দোকেরা	৭-আগ্রহ	66	625	ভাপুতকে মনোনীত করেছেন আল্লাহ বাদগাহ হিলাবে সম্ভাৱ জন্ম মনোনীত করেন আল্লাহ বাকে ইয়া	২-বাকুরো	289	650
पुनविकास पान करविका (रा गात का 100 संस्थि कात शामक)	৩৩-আহ্মান	30	p-002	चैत्रक व्यक्ता संस्थान करान व्यक्ता वर्गा वर्गा	৩-আলে ইমন্ত্রন ২-বাকুরো	48	680
দুদাফিকরা মনে করে ভারা কোন কিছুর উপরে ররেছে	१५-भूगामाना	77	268	দবিদেবকে আপ্লাহ মনোনাত করেছেন দবীদেবকে আপ্লাহ মনোনীত করেছেন	६-वान्'वाव	५०२ ५९	626
যুদ্দিন জিলার মনে করাক (অস্তাহ সময়ে কেট মিথা কলকো)	१२-सिम्	4	200	श्रीवेत्रानक कि नार्थिकामारक भूच महात्मा कहा ग्रामनीय नरहारूम	১৭-ইস্ত	80	939
वृत्ताकिकामनाक जेकावक गाम करामच जारमव व्यक्त विश्वित	62-5543	28	hde	ক্ষী উপাটনাসকলে বিশ্ববাসীয় উপায় মানাদীত করেছিলেন আন্তাহ	88-9904	95	900
শুমিনরা মনে করেনি যে কাফিনরা বের হবে	65-1744 65-1744	3	266	বার্মনাহক মনোনীত করা (তেরেশতা/মানুমের মধ্য থেকে)	22-87%	92	950
মুশৱিকতা কি মান করেছ (গোপন কিয়ে আল্লাহর জানা প্রদাস)	80-पुर्वक्रम	bo	907	বন্দা (মলেমিত বন্দাসের কিতাবের উর্রোচকরি করা হয়ছে)	৩৫-ফডির	03	b85
মুখিলরা কি মনে করে যে তালেরকে মেডের লেয়া হবে	৯-ভাওবা	36	987	বান্দা (আপ্লাহর মনোনীত বান্দ্যদের প্রতি সালাম)	২৭-নামল	6.9	bro8
থুনামিকরা প্রতিটি শব্দকে নিজেনের বিরুদ্ধে মনে করে	७-५१५५ ५७-धुनाविकन	8	998	ইউনুদকে মানলিত কঞালন প্রতিপালক (পুনরার)	৬৮-কুলার	60	599
মৃত মানে করা নিবেশ (আল্লাহর পথে নিহতদেরকে)	৩-মালে ইমরান		465	মারইরামকে মনোনীত করেছেন জাল্লাহ নারীদের উপর	৩-আলে ইমরান	82	480
রামূলাণ বর্ণ মনে করল যে আন্তরতে জনীবার করা হবে	25-5534	220	69.4	যারইরাথকে মনোনীত করেছেন আপ্রাহ	০-জলে ইমরাগ	82	480
ব্ৰন্ত স, কি মনে করে যে মুশনিকার শোনে ও অনুপাল করে	३१-एकपूर	88	91/2	দৃগকে আল্লাহ মনোনীত করেছেন (মানুহার উপর)	৭-মা'লফ	288	656
গছকে নিজেনের বিক্লমে মনে করে (মুনাফিকরা)	৩৩-মুদাবিদ্বন	8	368	মৃগকে আল্লাহ মমেনীত করেছেন (ওবী প্রেরণ প্রনঙ্গ)	২০-ড্বা-য	30	183
শন্তি থেকে পর পারে মনে ধরা নিমেল উচ্চত বাপারে বাধ্য	৩/জনে ইমরন		228	মুগার সংগ্রাগারের সক্তরেন গোককে মনোনীত করা প্রনত্ত প্রেষ্ঠঞন মনোনীত (ইবরাহীম ইসহাক আ, ও ইয়াকুব)	৭-আ'রাফ ৩৮-সেরাদ	256	698
শান্তি থেকে পার পারে মান করা দিয়েব (আহলে বিকান প্রসঞ্চ)	ত-জালে ইমারন		228	মনোবিভান প্রদান (দেখুন পরিপিট-৪)	03-04914	89	broks
সক্ষম মূল করা বুমির মালিককে (কলল আর্থা/(ভাগো)		48	966			_	-
সক্ষম মান করা কুমার বাসকাকে (কলম আর্থান(কেন্টো) সাহল মান করা (জমার বেদন ফলীবলৈ সচল মান করে)	১০-ইউনুস ২-বাবুগরা			NOTICE 14		_	_
সঠিক পদাৰ (জনায় তেপৰ কৰাকে পদাৰ নাম কৰা) সঠিক পদাৰ মাস কৰা নিজক (মন্ত্ৰাহ্য সক্ষাবিদ্ধ সোৰজ		290	805	আসূল স. এর মনোযোগ (স্বয়ংসম্পূর্ণ ব্যক্তির প্রতি।)	৮০-অবাদা	è	7009
মৃত্যুক নাম্যাক্ত প্ৰত্য কৰে (প্ৰজ্ঞ নাজভাপকৈ অভিস্থানক প্ৰত্যা প্ৰৱেশ্ব মৃত্যুক নাম্যাক্ত প্ৰত্য কৰে (প্ৰজ্ঞান (প্ৰজ্ঞানত অভিস্থানক স্থান। প্ৰৱেশ্ব	१-व्य'वाक १-व्य'वाक	90	989	কুল্পমান পড়া হলে মসোযোগ সহকারে প্রবলের নির্দেশ	৭-আ'রফ	₹08	907
সতঃ মলে করে দা পুদক্রখাদকে (বারা ওলনে কম দেয়)	৮৩-মুজার্বিটান ৮৩-মুজার্বিটান		926	यत्नावय			_
সুন্দর করে করছে মনে করে কাভিররা।	22-stáa	308	900	উট্টিদ (মনোরম উট্টিদ উপণত করেছেল জাল্লাহ)	৫০-কৃক	٩	955
त्रकार प्राप्त कर्ता (अस्तवासील ७ लदक्ष्मील प्राप्तिक श्रीका/पृष्टु(क)	80-सम्ब	23	306	বারন (বারবাশের পর্নির মাধ্যম বার্রের মনেরম বাংল উপস্থা বড়েন)	२९-माध्य	60	pos
গাধার রানী সুলাইমানের প্রাদানকে জলাপর মনে করা	২৭-নামল	88	bod	মন্দ (মারো দেখুন নিকৃষ্ট শব্দটি)			
সংখ্যাতের কথা মনে করে ধারা (আল্লাহর সাথে)	२-वादुवस	483	459	প্রতিফল (মন্দের প্রতিফল জনুরূপ মন্দ)	৪২-শ্বা	80	498
लावान अकाम प्रमुख पदन करना मुद्दान (नान्यनंद्वाद वर्गानव)	22-24	49	666	আঘাত (মন্দ অবস্থা আঘাত কথাৰ বাবে আপদা করে ভারা)	৫-মারিদা	22	249
পাৰী-প্ৰী মনে কৰে যদি ভাৰা দীমা বক্সার রাখতে পারবে		300	436	অবিবা (মন্দের অবিকা মুখ্য করণেও মন্দ ও ভাগ সমাস নায়)	৫-মারিদা	300	690
	২-বাকুরা			আপ্তাহ যাকে মন্দ (পান্তি) থেকে বন্ধা কবংবন আক	8०-मूर्गिम	2	242
স্বয়ংসম্পূর্ণ মদে করে মানুধ (নিক্ষেকে)	১৬ আলাক	٩	2059	আখানন (অক্সাহর পথ থেকে নিয়ত রাখার মন্দ পরিবতি আখানন)	১৬-মাঙ্গ	98	422
মিসারের সম্বুধীন হলে হবে মনে করা(অভিবাতে জবার্বসর্থি এসঙ্গ)	৬৯-হালাহ	50	949	ইউপুক আ, সম্পর্কে মধ্য কিছু জানে না (নারীরা কানলো রাজকে)	১২-ইউসুফ	62	99.7
क्षभ्यत्र शार्थि जाहरू यादमय भारत मदन कदय	৪৭-মৃহ্যখান	59	>28	উপোধা (মাৰ বান উপোধা করেন আল্লাহ সংকর্মনীল মুফ্সিনের)	৪৮-আইগার	36	уор
भरन इंशा				কুপুনার (নিয়নে উপ্র কুপুনার সংগ্রের উপন কর্মন মদ।)	৭-জা'রাফ	299	959
निर्मान (महत्र पान दल देवेनुपरान निष्कु मयस्त्र कार नवस्त्र) कार्यो	১২-ইউসুফ	02	600	উপৰা (থৱা অধিয়তে ঈখান আলে না আলে জন্ম মন্দ উপনা)	১৬-দাহল	40	909
			_				-

মনেকরা

संप दिवस/दाग	সরা নং ও মাম	later -	297	नम् रिवर्डान्तरम	नवा नः ६ मात्र	MIN W	98
	January and Street	1000	100	অঞ্চাবশত মন্দর্ভারতারীর তওক আপ্লাই করুল করেন	8-मिग	39	eab
२० (शृर्द गृहेर (बदन)	২৬-র'বারা		936	অঞ্চলকে মান কাজে পর করে/সংগ্রামন করেল অস্তাহর কর	ও-জান'জাম	68	dege
জ্জীকে মন্দ বার স্পর্শ/বাতি করলে শার্রি (বাবুল জাতির প্রতি)		169		অধীকার (মৃত্যুকালে জানিমরা মন্দ কলে অধীকার করবে)	১৬-নাহল	26	900
কথা (মজসুম হাড়া কেউ মন্দ কথা প্ৰকাশ করবেনা)	8-मिगा	785	698	অনুক্রির (মূপ নাজকে প্রতিষ্ঠার করে লের মহাত্যে যার করা)	89-मुदापाम	28	920
কল্ম শিক্ষা মন্ত্ৰের কারনে সম্প্রদায় তেকে মুদরিকের আন্তরণাদন	১৬-নাহৰ	4.9	909	আকৰ্ষণীৰ (মন্দ্ৰকাঞ্জ লংগ্ৰেছক বাছে উত্তৰ ও আকৰ্ষণীৰ)	ত্র-ক্রাত্র	28	
বাজ (জনু পরিমাণ মন্দ কাজ কল্পেও মনুগ তা বিজ্ঞানতে দেশবে)	৯৯-বিশ্বাল	V	2000			-	P84
বাম্ব (ফিরবাইনের নিকট সন্পরাজকে আকংশীর করা)	৪০-সুমিন	99	P.P.2	আতৃত্যু ৰন্দৰাজনবীয় তথনা কবুল হস্কন	৪-নিস্য	22	663
বান্ধ (মপ বংজ আকৰ্ষণীয় করা হলেছে কাফিয়দের জন্য)	৯-জ্যান্তব্য	७१	488	কাঞ্চিত্ৰদের মন্দর্কাল প্রকাশ হবে (কিয়ামতের নিন)	82-व्यक्ति	00	904
বাল (মন্স কলে আকর্ষণীর করা হয়েছে যার জন্য সে)	৪৭-মুহাখাদ	20	970	कृमञ्जन्ता (मन्त कांत्कत कृमञ्जना त्मन मानूरवय मन)	३५-१६नुस	40	99:
ভাস্ক (মন্দকান্তের লাখে সংকাজকে বিশালো)	৯-ভারবা	>05	982	ক্ষম প্রার্থনা (জুলুম/ফলকারের পর)	8-निमा	220	64
অন্ত (মন্দব্যক বরে তওবা করলে প্রতিশালকের কনা ও নরা)	৭-আর্বাফ	750	659	হাড়িয়ে যাওৱা (মপকজেকারী কি মদে করে যে সে	২৯-আনকাবৃত	8	5-34
রাজ (মন্দকার প্রতিপাদকের নিকট যুণ্য)	১৭-ইস্রা	৩৮	939	আল্লাহকে হাড়িয়ে থাবে)			_
কাঞ্জ (মন্দ কাঞ্জ যা করেছে তাও উপস্থিত দেখতে পাবে)	৩-আলে ইম্বান	00	609	জালিমের অর্থিত মন্দকজনমূহ কিয়ামতে প্রকাশিত হবে	৩৯-যুমার	84	৮৭
কারা (মন্দ বান্দের প্রতিফল অনুরূপ নন্দ)	৪০-দু'বিদ	80	244	অলিমদের (মৃত্যুকালে জলিমরা মঞ্চ কাঞ্চ অধীকার করবে)	১৬-ন্যজ্ন	52	900
कुरुक्टर्स्ट क्रमा मानुक्टल मन्द्रिनान जापाड नवरन रन जक्तक एर	৪২-শ্রা	85	9/3/2	বালিয়দের অর্মিত মন্দকার তাদেরকে আঘাত করেছিল	৩৯-যুমার	62	399
কৃতকর্ম (মুনাফিকদের কৃতকর্ম বভাই না মন্দ।)	৬৩-বুনাফিকুন	2	368	লালিমদের অর্মিত মন্ধবান তাদেরকে অংথত বরবে	৩৯-যুদার	67	790
কৃতকর্ম (মুনাধিকদের কৃতকর্ম মন্দ)	৫৮-মুকাদালা	25	240	নিজেপের (দন্দ করে নিজেদের জনাই বনী ইসরাইল প্রদাস)	১৭-ইস্রা	٩	931
গন্তব্যস্থল (জাহান্নাম মন্দ গন্তব্যস্থল)	8-निमा	225	642	নির্দেশ (মন্দকান্ধের নির্দেশ নের শয়ত্তন)	२८-मृह	57	99
গছ (মন্স বাণীর উপমা মন্স গছের মত)	১৪-ইবরারীস	રેઇ	692	নিকেপ (মন্দবাজনাত্রিকে বিষয়মতে অধ্যযুখী ববে অতনে নিকেপ)	২৭-নামপ	90	po.
ধারণা (রায়ল স. ও মুমিনদের সম্পর্কে ক্রেইনদের মল ধানে)	৪৮-ফাডেহ	25	276	নিয়ে আসা (মলকাঞ্চ নিয়ে আসলে মন্দ প্রতিকল)	২৮-কাশস	b/8	931
ধানে (মাস্কার সম্পর্কে মাদ ধরণাকারীকে শারি দিনে অস্তাহ)	৪৮-হাতহ	8	336	নিবেধ করা (ইন্ট্রীয়া নাশকান্ত থেকে পরস্পরকে নিবেধ করত না)	৫-মরিদা	9.5	6.54
পরীকা (আল্লাহ্ মানুবকে ভাল-মন্দ ধারা পরীক্ষা করেন)	২১-অপিয়া	-00	923	পরিবাম (মন্দকাঞ্চে পরিবাম মন্দ)	O0-87	30	2.5
প্রতিবোধ (সম্পক্ত ভাল হারা প্রতিবোধ করে বৃদ্ধিমানরা)	১০-রা দ	22	690	প্রতিক্তা (মন্দর্কান্ধের প্রতিকৃত্ত মন্দর্ভগনান/আভন)	১০-ইউনুস	રવ	95.
প্রতিক্ষা মন্দরাক্ষের প্রতিক্ষা অনুরণ মন্দ অগমান/আচন)	১০-ইউন্স	29	529	প্রতিকল (মন্দ কাজের প্রতিকলভোগ করতে হবে)	8-First	250	09
প্রতিকল (মন্দের প্রতিকল অনুত্রণ মন্দ)	৪২-পুরা	80	1/3/8	প্রতিকল (মন্দ কাম করলে ভার প্রতিকল দেয়া হবে)	২৮-আসাস	78	630
প্রতিহত (মন্দরে উত্তম নিষ্কে প্রতিহত করা)	२७-म्'मिनन	36	993	প্রতিফল (মন্দ কাঞ্জ করলে অনুক্রণ প্রতিফল দেয়া হবে)	ও-আন্'আম	160	634
প্রতিহত করা (মন্দকে উভ্য থবা প্রতিহত করা)	৪১-ফুসসিলার	98	399	প্রতিদান (মন্দকান্ধের প্রতিদান কল্পে অনুমারী দেয়া হবে)	१०-माक्य	107	ho
প্রভাত (তার মান হরেছিল সাতর্গকুরণের প্রভাত)	৩৭-সাফয়াত	299	100	প্রতিব্রাপন (মাধনয়েকর পর আলকাজ প্রতিব্রাপন করলে জারাকা কমা)	२५-मध्य	22	bot
বালী (হন্দ বালীর উপমা হন্দ গাছের মত)	১৪-ইংলাহীন	26	596	খল (মন্দ বাজের দার তারই যে মন্দ্রবাজ করে)	৪১-ফুস্সিলাত	88	100
বেশুইনদের উপরেই মন্স অবস্থা আসবে	5-50est	labr	920	বিরত (মন্দ কাঞ্জ থেকে বিরত রাখেন আল্লাহ ইউসুককে)	১২-ইউসূত	₹8	993
ভাল হৈতে মালকে পৃথক দা করা পরি মুখিনাসবাক হৈছে	৩-আল ইমানে	393	000	বিরত রাবা (নামাজ মন্দ কাজ খেকে বিরত রাখে)	২৯-জনকাৰ্ত	80	751
ভালদের থেকে মন্দলেরকে পৃথক করবেন আল্লাহ	৮-জনম্বাল	09	900	মিটিয়ে দেয় (ভালকজে মন্দকান্তকে মিটিয়ে দেয়)	35-EW	228	69
ভাল খারা মন্দরে প্রতিরোধ করত (পূর্ববারী ঈমানদাররা)	২৮-জাসাস	28	254	মুপরিকলের সম্পর্কারের সভয়েরের কারণে ঔদ্ধত্য প্রকাশ	৩৫-ফাঠির	80	bec
ভাল ও মন্দ্ৰ সমান নত	৪১-ফুসসিলাভ		bbb	খড়ারে (মাধবাজের বড়ায়ে করলে তানের জন্য কর্মন শরি)	०१-गाठिव	30	b/8*
মমিনকে নাল (শঞ্জি) তেকে কমার জন্য তেকেশভাচনা প্রার্থন	৪০-ম'নিদ	2	b-9b	বয়সার (মালবারের সভায়ে এর উপোক্ষাসবার্থই পরিবর্তন বর্বে)	০৫-জাতির	80	bee
হাসল স, এর নিজের ভাল-মন্দেরত মালিক নন তিনি	১০-ইউনুস	83-	693	गमान नह -टा मणनाक नरत छ <i>दा गरानक नरत छाला जीका</i> ,पृट्टा	৪৫-জাছিয়া	45	808
লোক (মারইয়ামের পিডা মন্দ লোক ছিল না)	১৯-মার্ট্রাম	59	906	সংজ্ঞ করা হয় মন্দরাজ্যকটিনতে (উল্লয়কে অধীকারকারীর জন্ম)	১২-বাইল	30	200
লোক (মাহমেনীয়া মুনিয়তে মন্দ লোক গণ্ড করত ঘলেতে)	OP-CHIEDA	62	5-60	পুতের সম্প্রকার মন্দ্রকারে (সমকামিতার) অভ্যন্ত ছিল	55-EF	90	69
প্ৰভান হল ও অগ্ৰাহ কাজের নিৰ্দেশ সের	5-615681	200	67F	মূল কুল		-	-
লবোৰ (ব্যক্তিয়নের জন্য আওনের মাল সংবাদ প্রসঙ্গ)	55-024	95	908	কামের মন্দ কল তেগে (ইহরামে পত হতার কাক্ষারা প্রদর্গ)	৫-মবিদা	20	¢h-
সংবাদ (বান্ডেপ্তেমৰ জন্য আগুলের দল নংখন অনস্থ) সমী (শহতান কতাই না মন্দ সমী।)	8-विश	95	499	কমিবলের বাজের মধ্যক্ষ বালেরত আবাত করেছিল শক্তি প্রসঙ্গ	<u>১৯-মাহল</u>	48	901
সজা (শ্রজন কর্ম নামল পরা) সহান নর (মৃক্ষ ও ভাল সমান নর)	৪-লেন। ৫-মায়িকা	200	690			-	_
	৫-মারশা ৪-শিলা	1		কৃতকর্মের নক্ষদেশ তেশ করেছে যারা ফুর্যুফিকরা ভালের মত	৫৯-হাপর	26	30
সুপরিশ (মন্দ সুপরিশকারীর ততে দার-দারিত্ব থাকবে)	৪-ানদা ৮-আনম্বাল	10	494	कृञ्चर्यात प्रमणन (क्षण (क्षप्रश्नकोती क्षणप्ताद कृञ्चर्यात क्षण)	৬৫-তালাক	ъ	900
স্তুপীকৃত (মন্দ্ৰদেৱকে স্তুপীকৃত কর্মনে আল্লাম)		09	600	प्रचा			1
স্পর্ন (মন্স হার: স্পর্ন করা নিহেধ আক্লাহর ইব্রী গ্রসঙ্গ)	৭-জাবাক	93	979	ব্যবসার মধ্যর আগহা	৯-জাওবা	4,8	684
প্পৰ্ণ (স্বযুগ জানির উন্নীতে ২ল হয়া স্পর্ণ না করতে নির্দেশ)	३३-वृम	68	693	মৰতা			
বেলুইনদের উপরেই আসবে মন্দ অবহা	৯-ডাওবা	24	660	যাত্য-পিডার প্রতি মন্দ্রভাবশে বিনয়ের বাহু অবনমিত করা	১৭-ইসরা	48	93/
মাল অবস্থা মুনাফিলদের জন্য	৪৮-ফার্ড	0	976	महामान	2.1.7/80	0	-
মুম্মিনদের মন্স অবস্থার জন্য বেলুইনরা প্রতীক্ষা করে	৯-খাবধা	92	960			-	_
অভিবল মন্দ কথা কলতে কাতে পিছনে শত্তে যেত (আয়াত পঠ)	२०-मुक्तिम	69	990	উপস্থিত হবে (পুনরুখানে অবিশ্বাদীর) হাশ্যার থোপা ন্যানানে	৭৯-নাবি আত	78	200
সমান নর মন্দর্কর্মশীল ও সংকর্মশীল মুমিলের জীবন ও মৃত্যু	৪৫-দাছিয়া	57	pop	মরণশীল			
				with a most story modellier			

নবী ও সকল মানুব মহণশীল

ত৯-বুমার ত০ ৮৭৩

৩৯-বুমার ৩০ ৮৭৩

মন্দ কাজ (ঝারো দেখুন মসংকাজ শদটি)

অকলাণ (মন্স কামের অকলাণ মানুষ নিমেই ভোগ করবে) ৪৫-লাহিয়া

640	100	र्गाव:	

नव विद्यादिक	मुद्रा नर ७ नाम	930.0	781	न्य दिवड/श्रेनन	न्यां गरं च नाम	Mary To	7
म्या		-		উন্নীত (মর্যানায় উন্নীত করবেন আল্লাহ তাদেরকে বাদেরকে	<b>८५-मुसामा</b> ला	22	>2
কাভিবরা মঞ্চক মুমিনদের প্রতি ক্রোধের কারণে	্জালে ইমরন	33%	683	wit)	€७-वृत्तानाला -	"	-
লহাল্লামে মরণেও না বাঁচবেও না (পূর্তাপা ব্যক্তি)	৮৭-মো'লা	30	7075	উন্নীত করা (আল্লাহ থাকে ইজ্যে মর্থাদার উন্নীত করেন)	৬-আন্'আম	bro	60
লাহান্তামে মৰবেও না বাঁচবেও না (অপরাধীরা)	২০-ডা-হা	98	980	উপান্যরা মুপরিকদেরকে মর্যাদার আল্লাহর নৈওটা দিবে	৩৯-যুমার	۰	Þ
পুনিরার মরা-বাঁচাই মানুষের মুদ্ধান্ত পতিঃ পরকাপ গেই				এক দলের উপর জন্য দলের মর্থান্য দান লক্ষ্য করা	১৭-ইস্রা	42	9
(কাটিব ৰগে)	৪৫-কাছিবা	3,8	Pos	কভক রসূদকে আল্লাহ মর্থাদার উদ্লীক করেছেন	२-राकृता	580	2
বঁচা ও ময় কেবল পুনিয়ার জীবনেই (কণ্ডিব প্রখানদের	-		$\vdash$	কাজ অনুসারে মর্যালা (আল্লাহ প্রজ্যেককে দিবেন)	৪৬-আহ্বাক	22	>
रकरा)	২৩-মুখিন্দ	09	955	कृष्ठकर्व प्रमुपाती প্রভাবের মর্যাল রয়েছে	৬-আন্তাম	705	ь
হত্ত আটি (মরে পিরে হত্ত ও মাটি হওরার পর পুনরশবানঃ)	৫৬-ওরাকিয়াহ্	89	38¢	চাওরা (নৃহ আ. সম্প্রদারের উপর মর্যাদা চাত্রের প্রথমরা বলদা)	২০-সু'মিন্ন	₹8	9
मंत्रिका				অগডসমূহের উপর দরীদেরকে মর্যাদা দান প্রসঙ্গ	৬-জাণ্'আম	'nŝ	0
হুদরে সীমালজ্ঞানভারীদের কৃতকর্মের কারণে হুদরে		-	$\vdash$	জিহানবারীদের মর্বাদা বসে থাকা পোকদের চেত্রে বেশি	8-निमा	96	5
मिका)	bo-इदममेरिन	78	2022	লাউসকে মুখিন বান্দানের উপর মর্থালা দেরার আল্লাহর প্রশংসা	২৭-নামশ	>0	ь
মরীচিকা				দ্বীদের কতককে ততকের উপর মর্ম্বদা পান করেছেন		$\vdash$	H
লক (প্রতিকার মত আন্ত কাবিবলের)	২৪-দূর	¢.	995	वाद्यद	১৭-ইপ্রা	44	٩
প্ৰতিসমূহ মন্ত্ৰীচিকার মত হবে (শিকার স্থূ পেয়ার বিন)	৭৮-দাবা	50	2002	নিৰ্ত্ত (পথস্টৱা মৰ্থানার নিক্ট)	২৫-ছুবকান	98	9
ng-				নিকৃত্ত (পথন্ৰইৱা যা কানতে পাৱৰে মৰ্যাপাৰ নিকৃত্ত কে)ঃ	১৯-দরেইয়াম	92	9
৪উসুক্তের ভাইসেরকে মরু অঞ্চল থেকে নিরে এলেছেন। -	১২-ইউসুক	300	696	নিক্ট (মৰ্থাদার নিক্ট পাপাচারীয়া)	৫-মারিবা	80	2
इडिमानव		-	$\vdash$	নুহের মর্থানা দেবতে পেলনা নিজেদের উপরে (কাফিক		H	$^{+}$
ধকবৃমিতে অবস্থান				(नकावा)	22-बूम	ર૧	4
মুনাফিবলের মরুক্তিতে বেশুইগলের সাথে অবস্থানের। ব্যয়না	৩৩-আহ্যাৰ	20	304	পুরুষদের মর্যানা ব্যৱহে নারীদের উপর পুরুষের মর্যানা নারীদের উপর আল্লাহ নিরেছেন (কর্মুডু	২-অকুৰো	২২৮	q
হের যাওয়া				পুরুবের মধানা নারদের ভগর আল্লাহ নিরেছেন (কড়ড় প্রসঞ্জ)	8-मिम	*08	0
চফিরদের মরে বাওয়ার পর পুনক্ষথানে বিশ্বর	৩৭-সাঞ্চাত	36	৮৫৭	থ্ৰবাদ) পূৰ্ববাহীদের উপর পরবাহীদের কোন মর্মানা দেই	৭-আ'রাফ	Oh:	9
পুনরুখান (মাটি ও হাড়ে পরিণত হওরার পর কি পুনরুখান		-		পূৰকভাসের ভগর পরবভাসের কোন মধালা নেহ প্রতিলাক্ষ্যকের নিকট মর্থালা রয়েছে কাসের যারা			-
8(47)	৩৭-সাফ্যাত	20	br@ h		৮-আন্ফাল	8	6
নী ইসরাসগদেরকে মরে যেতে বলদেন আপ্রাহ	২-বাকুরো	280	654	প্রতিশালকের মর্যাসা অনেক উধের্য (ন্ত্রী/সম্ভান গ্রহণ না করা	৭২-জিল্	۰	2
নাট (মৃত্যুর পর মাটিতে পরিণত হওয়া)	৫০-কাক	0	254	থ্নৰ)		-	ļ.
নারইরাম যদি মতে বেক। (মারইরামের আফসোপ)	১৯-মাৰইৱাম	20	900	বলকে (তিছু বলকে বিছু বলের উপরে মর্বাহা দান)	১৩-বা'দ	8	6
aximin .				বন্ধ (অধিয়াত সন্মান ও মর্মানার নিক নিয়ে বড়)	১৭-ইল্রা	57	9
কথা (মুনফিকটেব প্রতি মর্মস্পর্নী কথা বদতে রাস্প স. কে দির্ফেশ)	8-F011	00	202	বনী ইসরাউপকে মর্থাণা নিয়েছিলেন আস্ত্রাহ (চাণতের মধ্যে)	৪৫-জাছিয়া	36	,
হর্মান (আরো দেখুন ইজাত/সম্বাদ শঞ্চী)		-	-	বনী ইলরাইলকে জগত/মানবগোষ্ঠীর উপর মর্বাদা দান	২-বাকারা	89	2
মবাদা (আরোদেখুন হজাত/গন্ধান শন্দার) স্বান্ধীয়তা ও চুক্তির মর্ঘাদা দেয় না মুশবিকরা (মুমিনদের		-	-	বনী ইসরাঈশকে জগতের উপর মর্যাপা সান	২-বাকুরো	255	
ALCA)	9-80481	30	685	বনী ইনরাইণকে জগতের উপর মর্থাখা দান প্রসঙ্গ	৭-আ'রাফ	280	-
অন্ত্ৰীয়তা ও চক্তিৰ মৰ্যাদা দিবে না মুপৰিকৰ অন্ত্ৰী হলে	5-90st	br	580	মর্থাগাধানকে অক্সাহ মর্থাগা দান করবেন	77-\$m	0	19
ল্লাম আ, সন্তানকে মুর্বাদা দান (অধিকাপে সৃত্তির উপরে)	১৭-ইসরা	90	930	মানুদের মর্থাপা এমন নর যে আল্লাহ তালের সাথে কথা বলবেন	৪২-পূরা	23	1
অল্লাহর মর্যাদা না কেয়ার পঞ্চে নূহ আ, সম্প্রদায়ের কী	93-98	30	348	মানুষের বিভিন্ন মর্যাদা রয়েছে (আল্লাবন নিকট)	৩-জাল ইময়া-	Ven	10
gler money	13-78	30	390	হাসুলগণের এক জনের উপর অন্যঞ্জনের মর্যালা	২-বাকুরো	950	
প্রস্তাহ একজনের উপর অপর জনের মর্বানা দান করেছেন	8-निमा	95	607	বিভিন্নে যাকে মৰ্যালা কোহৰ সে লাগকে এডটা বিভিন্ন			۲
য়েছে ফর্মাল (সংকর্মশীল সুমিন্দের জন্য উচ্চ মর্যাল। জয়েতে)	২০-খ্বা-হ্য	92	984	(भव मा	১৯-নাহল	95	1
৪৯৯ মর্ঘাদা মুখিনদের জন্য (প্রতিপালকের নিকট)	১০-ইউনুস	2	968	বিধিকের ক্ষেত্রে আল্লাহ কটিকে কারো উপর মর্বাদা দেন	১৬-নার্গ	93	1
উত্তৰ (পু'দলেও কোনটি সৰ্থাদায় উত্তৰং কাফিবরা বুমিনচেনকে বঙ্গে)	১৯-মাবইরাদ	90	900	প্রেষ্ঠ মর্বাদা আল্লাহর নিকট থাসের জন্য যাবা শ্রেষ্ঠ মর্বাদা আদের বারা মন্ধা বিজ্ঞারর আগে মুদ্ধ ও ব্যঙ্গ	৯-জণ্ডনা ৫৭-হানীদ	50	8
উন্নীত (সাল্লাহ কতককে মৰ্বালায় জন্মদের উপর উন্নীত করেন)	80-यूर्वक्रम	02	brashr	করেছে প্রেচড় (মর্থানার দিক দিরে কিয়েলকারীদেরকে শ্রেচড়	8-मिमा	36	
কটোত (আল্লাহ মৰ্যাল উৰ্ট্নীত কৰেন যাতে ইঞা কৰে)	১২-ইউসুফ	95	99/8	थान)	6-m4l	100	19
ভট্টত কৰা (আল্লাহ কভককে কভকের উপর মর্যাপার উদ্রীত		-	-	সর্বোচ্চ মর্যাদার অধিকারী আস্তাহ	৪০-যুখিন	34	ь
	৬-আগ'আম	796	652	সূপষ্টিমানকে মুখিন বালসের উপর মর্থাল দেয়ার আল্লাহর প্রশংস	২৭-নামল	20	1

25,499

য়ৰ্গাল

मन	বুরা বং ও বাম	4314	र्श	मंप दिस्त/दनन	ব্রানং ও দাব	वाहाद न	78
मर्वाभा পূर्व				মহা			
কুরমান সম্বানিত (সংরক্ষিত কলকে লিপিবছ)	9-5-4em	57	3036	অনুহাহ (সংকর্মশীল মুখিনদেও প্রতি আল্লাহর বড় অধুয়হ)	৪২-প্রা	44	p.365
কুরমান (মর্থাদাপূর্ণ কুরমানের কসম)	<b>१०-वृत्य</b>	2	2555	অনুহংশীল (আল্লাহ মহাঅনুহংশীল)	২-বাকুার	300	675
মৰ্বালাব্যন		П		পরীক্ষ(প্রতিপাশকের পথ থেকে করি ইপরাধ্যালর জন্য মহাপরীকা)	২-বাকুরে	85	200
प्रक्षार प्रिंट क्षण्यानीय ও मध्यपंत्राचन (देनवरीटमा क्षण्य)	22-gr	90	692	প্রীক্ষ (কী নৈক্ষেত্র কর প্রতিশাসকে পদ থেকে মহাপরিক্ষা)	৭-আ'রফ	787	520
অন্তাহ সম্মানিত	৮৫-বৃক্তম	34	2020	পাপ (শিরককারী মহাপাপ উদ্ধাক্ত ৬(৫)	৪-নিনা	87	Ø50
দুনিয়া ও আধিরতে মর্যাদাবান (ঈদা আ, ইবনে মাবইরাম)	৩-জালে ইমরন		480	প্রতিশান (প্রতিশালককে না লেকে তয় করার জন্য, মহা প্রতিশান)	৬৭-মূলক	34	393
প্রতিপাসক মর্যালবাদ ও মহিমামর	৫৫-রার্মান	934	384	প্রতিশন (মহার্যাল্যানের দিক নিয়ে ভিছেদকারীসেয়কে প্রেষ্টর গান)	৪-নিলা	24	6.99
প্রতিপালক (মর্থানাথন প্রতিপালকের সন্তাই কেবল অনশিষ্ট থাকার)	৫৫-বাহ্যান	29	380	প্রতিসদ (অল্লাহর শহর কুছ নিহত বা বিন্ধায়ী যাতির মহর্যেউবান)	৪-নিসা	98	200
মৰ্থানা (প্ৰত্যেক মৰ্থানাবানকে আল্লাহ মৰ্থানা লান করবেন)	३३-इन	0	966	হতিলা (অপ্রবার উপালে মান্যাস মহার্যালেন বান কর হত)	8-निवा	49	690
মুদা আ, আল্লাহর নিকট মর্থালাবান	৩৩-আহ্বাব	69	600	হতিদান (অপ্নাহন সভুরি বামনার সরেমর কলে মহাপ্রতিদান)	8-मिश	228	293
प्रदीलाजण्य <u>ेल</u>	99-11(11)	-	0.00	প্রতিসান (ফুনফিবনের ব্যক্তর ও সপ্রেশখনের বান্য মহাপ্রতিসান)	8-PH	386	090
জিবরাইল মর্যাদাসম্পন্ন (আরশের মালিকের নিকট)	५३-वाकवीद	30	2009	প্রতিদান (আধিয়তের মুমিন ইচুলিলেয়তে মহাপ্রতিদান দান)	8-921	264	
সহীয়ার (মর্থানাপনি সহীয়াসমূহে বুরজান নিশিবভ আছে)				প্রতিবাদ (ব্যাহ্যাতের প্রথম বর্ত্তার্থারের মন্তর্ভারনার নাম)	8-(44)	365	299
	৫০-আবাদা	30	3006	चारनात (शाकृत न, यह नामान वक्षपद त्रकू वर्रद यह। चारनद समा अधिमान)	8≽-इक्टार		320
মদিন/মদিনতা		L.	$\perp$			-	
মুৰমঞ্জন মদিন হবে কাফিরদের (কিরামক নিকটে দেৰে)	৬৭-মূল্ক	29	348	মুদ্দিবদৰ জন্য মহাসাক্ষা (আনিৱাতের শাস্ত্রি হতে কমা)	৪০-ডুমিন	ъ	795
আছের করবে কাফিবের চেহারা (কিয়ামকের দিন)	৮০-জাবাসা	82	2009	भक्ति (अञ्चास नाम पदार कथ भागवतित क्षण कदास भक्ति)	২-বাঞ্চরা	228	674
'মাঞ্জা বরা (তাল কামবারের এখারা মালিনার আঞ্জা করবে না)	১০-ইউনুস	₹6	600	শান্তি (মুমিনানে ইক্ষাকৃতভাবে হত্যাকারীর মন্য মহাশান্তি)	8-भिमा	≥0	6.95
মণ্ডল (ঝারো দেখুন মপ্র শব্দটি)				সকলা (মুখিনদের জনা মহা সাকলা, জান্রামে ছারী হওয়া)	৫৭-হাদীন	25	382
কথাবাকীর মশগুল না হওরার নির্দেশ (রাসুল স. এর ঘরে)	৩৩-জাহ্ছার	20	p-co-	গাকলা (জান্তাত লাভ মহাগাফলা )	৩৭-সাত্তাত	60	503
মগুলিপ	-	-	-	সাফল্য (আল্লাব্য কাছে মুমিননের মহাসাফল্য)	৪৮-ফাডহ	0	255
অবাদ (মনজিদ আবাদ করে তারাই থরা বিশ্বাস কর অল্লাহ,)	5-8764f	35	583	मशावनुद्रव			
আবাদ (মসঞ্জিল আবাদ মলভিকদের অধিকার নয়)	3-5794T	29	683	স্ক্রান্ত মহাস্থাহ (কিবলে বেণ্ড উত্তাধিকটারে প্রতি)	৩৫-জভির	25	b/83
खद्वारत (प्रार्थकमञ्जूर खद्वारतरे, क्या गाँउ० धावा यहत ना)	92-784	35	202	মহাকাল (আবো দেখুন যুগ/দমহ/কাল শন্দটি)		-	-
এাল্লাহর মসন্ধিস তার নাম শহলে বাধা সানকারীর শান্তি	3-181 3-181	228	670	সত্তে (মন্ত্ৰাকাল মধ্য (থকে এমা সময় অভিবহিত হওয় কৰা )	१६-माइर	-	290
ইভিকাক (মসন্ধিনে ইভিকাক অবস্থায় সংবাস নিচেধ)				25/4	10-114	ŕ	mora
প্রবেশ (মসন্ধিনে হারামে নিরাপনে প্রবেশ করবে মুমিনগণ)	২-বাবুধবা ৪৮-ফাডব্	2919	667		৪-নিমা		-
প্রবেশ (বলী ইনরাইলকে মদজিন অস্ত্রাহর বলাকে প্রবেশ)		29	272	অনুহাহ (নবীর প্রতি আল্লাহর অনুহাহ মহান)		220	645
প্রংশ (কা ফার্ডলমের মনজনে অল্লাকা কলমের প্রংশ) বানারের (মসজিক বানিয়েছে বারা কলিসাধনের জন্য)	2-d-golds		938	জরণ (মহান সারণ এর অবিপত্তি আল্লাহ)	২৭-নামল	રહ	pos
	3-50st	209	962	অরশ (মহান ভারণের অধিপতি সম্পর্কে ছিল্লাসা)	२०-मुमिन्न	brb	993
বাননে (আগহানে কাহানের অনুয়ন্ত্রল মসজিল বনভাবর প্রয়াব)	79-915 <u>tk</u>	57	459	অরশ (মহান রাজপের অধিপতি অল্লাহ)	৯-ডাওব	75%	964
বিরত রাঝ (মসজিলে হারাম থেকে মুক্তিন্যানরকে বিরত বাঝা)	8५-सा५्ड	₹.	970-	অল্লাহ মহান	२०-भू मिन्न	229	995
বিদার হত্যা (আল্লাহ প্রতিহত না করলে মগজিল বিদার হত)	55-20 <b>2</b>	80	962	অল্লহ্মহন অল্লহর ঈরন ন রখ্যা কাহ্যানের কলি শক্তি)	५५-शंबार्	00	249
ভিত্তি (যে মসন্ধিলের ভিত্তি ভাকভার সেটিই অধিক হকলত (য_)	৯-থাবদা	209	947	व्यक्तार भश्न	80-मुक्तिम	34	2.43
হারাম (মগজিনে হারামের দিকে চেহারা ফিরানোর নির্দেশ)	२-शकृता	288	670	भावार पर्गन	৩৪-সাবা	20	180
মসজিদুল হারাম	ŀ			আল্লাহ মহান ও সর্বোচ্চ	৩১-লুকমান	60	743
আবাদ (মসজিবে হারামকে আবাদ করা ঈমানের সমান নয়)	৯-सदरा	7.9	685	আল্লাহ মহান ও প্ৰকৃত মালিক	२०-झ-श	338	985
চুকি (মসন্ধিৰে হারামের কাহে চুকি সম্পাদন)	৯-জাওবা	٦	080	আক্লাই মহান ও শ্রেষ্ঠ (নারীর উপর পুরুদ্ধের মর্যাপা প্রসঞ্চ)	8-PH	08	243
দিক (মগজিলে হারামের দিকে চেবারা ফিরালো)	২-বাকুারা	300	239	অল্লাহ মহান ও দৰ্বেজি মৰ্বাদাধান	১৩-রাম	>	669
দিকে (মসজিলে হারামের দিকে চেহারা ফিরানের নির্দেশ)	২-বাকুর	\$88	650	আল্লাহ সুমহান (তিনিই সত্য, পরীকরা মিখ্যা)	22-27%	કર	988
দিকে (মসন্ধিলে হারামের দিকে মুখ ফিরানোর নিচর্না)	২-বাকাল	283	459	আল্লাহ সুউচ্চ ও সুমহান (আয়াতুল কুরসী)	২-বাস্থারা	200	600
নিকটে অসবে দা মুপরিকরা (মসজিলে হারমের)	১-জবে	২৮	684	ইউপুন্ততে লেখে তাতে মহান মহন করল নারীয়া এবং কলা	১২-ইউনুক	40	698
প্রবেশ (দিরাপদে প্রবেশ করবে মুমিদগণ মসজিলুল হারামে)	৪৮-ফাতহ	39	272	কুবাৰ্মন (মহান কুবাৰ্মন বা দাৱ গাভিয়া দিয়েছেল আল্লার বাকুল স্ (গ)	১৫-ছিজর	79	903
বাসিন্দা (মসজিলে হারামের বাসিন্দা না হঙ্গে, হজ্ঞ প্রসঙ্গ)	२-शकुरश	299	444	চত্তিত্র (রাসুল স. মহান চত্তিত্রের অধিকারী)	৬৮-বুলোম	8	390
বিৰম্ভ হাথা (মনজিলে হারাম থেকে লোকসেরকে)	৮-অন্যাল	08	600	প্রতিশালত (মহা-প্রতিশহতের নামের পথিয়ের বেরলার নির্দেশ)	৫৮-গরকিয়াহ	No.	384
বিরত রাখা(মপঞ্জিল ব্যরমে বেকে বিরত রাখার ব্যাপালয়ক শারী)	44-47%	32	980	হতিশালক (মহান প্রতিশালকের নামের পঞ্জিরে গোলার নির্দেশ)			
বিহত বাৰা (মপজিল হাত্তম কেকে বিহত বাৰা, বিশ্লেষ বৰ্ণত)	<-पाविता व-माविता	3	gtro	প্রতিশালক (মহান প্রতিশালকের সম্ভবি অংশহরে উল্লেখ্য পান)	৫৬-বয়কিয়াৰ্	98	284
নিতত কাৰা (মানিক্সে ব্যৱস তেতে মুমিনসেনতে নিতত বাৰা)	8४-ए/हर	40	972 640	ক্রাক্রালন (মক্রাক্রাক্রাক্রাক্রাক্রাক্রাক্রাক্রাক্রা	৯২-লাইল	50	305
বের করে দেরা অধিক গুরুত্বর (মসন্ধিদে হারাম থেকে)					৭৫-মুখ্যাখিল	20	36.5
	২-বাসুদরা	578	e28	প্রতিপালক(মহান প্রতিপালকের নামের পবিত্রতা ঘোষণা)	৬৯-হালার্	24	pp.c
ভান (মাজিলে ব্যৱস বেলে মাজিলে ব্যৱসা ভানা, মোজা প্রদান)	74-5253	,	478	থজি (বুলজন কেন 'মহান হাভিয়ের' উপর 'ফর্নৌর্ন হল নাঃ)	৪০-যুখকক	ು	9.25
যুদ্ধ (মসন্ধিপুল হারায়ে যুদ্ধ করা নিবেধ)	५-राकृत्स	797	652	मशनुबर			
মসজিনে আকসা (আরো দেওুন আকসা শব্দটি)				প্রতিপালক জন্মার মহানুক্তর	৮২-ইনফিভার	٥	202
মনজিলে ব্যৱস থেকে মনজিলে জাকলা পৰ্যন্ত বাসুল স, এর প্রমণ	১৭-ইস্রা	3	928	প্রতিশালক মহানুচন (মানুহের ভক্তজভা প্রসঙ্গ)	২৭-নামপ	80	work
মসজিলে দাবাৰ				প্রতিশাসক বড়ই মাণুচন (পড়ার নির্দেশ রসছ)	৯৬-আলাক	0	204
ক্ষতিসাধনের জন্য মদক্ষিদ (মসক্ষিদে লবার প্রসক্ত্রত)	১-জারবা	309	603	মহাপ্ৰদা			_
प्रभूव				কিয়ামত প্রদাক জিজাল (মহাপ্রদার কী হ)	১০১-কৃত্তি আ	٠.	200
দান করে পৌন (মণুণা পাধরে কর্মা, বান করে পৌন দেরার উপন্ন)	२-राक्तश	208	803	কিরামত প্রদাস (এটি মহাপ্রদারস্করণ)	১০১-কৃতি আ		200
পাধরকে মনুশ কবছার রোগে যাওরা (লোক চাবাচের মানের উপস্থা)	২-বাকুরো		503	बानाम (प्रदेशका विश्वापत मन्त्राई राज्य म् (क किए क्रावारा)		0	~~

শ্ <b>ষ বিষয়/প্রসদ</b> 🔠	न्द्रा सर्व राज	stre e	र्वो	नक्ष्ये विश्तर/धनमः स्टूट	সুরা মং ও নাম	बहुद्ध रहे	প্তা
মহা&তি				মানে (থারো দেখুন গোপত পথাট)			_
প্ৰিডাগ্ৰন্থ কবৰে না জান্নাতীদের(ব্যশরের মহাজীতি)	২১-জাধিয়া	200	929	বস্তুহে মানু অনের নামে লবাইকৃত পানা মানে যাঁওয়া হয়ায়	১৬-বার্প	276	950
xzirife				পুৰৱের মানে থাওরা হারাব	১৬-নাহ্দ	275	950
প্রাপ্তারব পথ থেকে বিরক্ত রাখার কারণে মহাশান্তি	70-408 <sub>44</sub>	28	422	হাকড়সা			
প্রসূত্রের কর্না(আরস্করে উপজ্জের বিষয় কেবলের কর্না মহাশত্রি)		30	300	উপর্যাক্ষার বাচ ক্রাক্ত অভিযালে প্রস্তার উপর, মাবভূপর মত	২৯-আনকাৰ্ত	83	2.21
মুদ্দিরদের জন্য মহাপত্তি (হুদর ও কানে মেহর প্রসাদ)	২-বাকুয়ো	9	803	দ্ব (বাকড়গার ঘরই দুর্বশতম দ্বর)	২৯-আনকাৰ্ত	85	2.22
	১৬-বাংল	306	933	মাবামে ইবরাইম			
कुछरीत ( श्यास्त्र का कुछरीत छन्। आहारत (तार/यशकांव)	2-2020	202	660	নির্দেশ (স্পর্ড নির্দেশকর্ণী অধ্যম ইংরাইখ, মন্তার স্থাপিত যতে)	৩-আলে ইমরান	28	₫81
মুনাঞ্চিত্ৰদেৱকে মহাপান্তির দিকে কিবিয়ে লেয়া হবে	48-79	28	998	গলাতের ছান হিমাবে গ্রহণ (যাকামে ইবরারীমকে)	২-বাকার	320	621
ল্পৰ্প (মুখিনদেয়কে ল্পৰ্শ করত মহাশান্তি খনি)	48-44	28	446		Z-112120	***	1
মহাসংকট		_	ш	যাক্যমে মাহমুদ	১৭-ইপুরা	9,5	94
উদ্ধার (নৃহ/তার পরিবারকে মহাসংকট হতে উদ্ধার)	২১-জাধিয়া	95	988	রাসূল স. কে মাধ্যমে মাহমুদে অভিষ্ঠিত কংকেন প্রতিপাসক	3,2-4,241	7,0	740
<b>प्रका</b> म		_	$\perp$	মাধপুকাত (দেবুন জীব শব্দটি)			⊢
কিয়ামত সংঘটন এক মহাসংবাদ	৩৮-সেরস	99	5-55	যাভা/মাচাবিহীল/মাচাত্ত			╙
মহাসাক্ষ্য				কৰ (পৰ্যন্তশন্তহ কৰে কৰ ৰূপত মৌৰ্মান প্ৰতি ভই(ইসিছ)	১৬-মার্ল	66	90
অস্কারে বস্থু,বুমিন-মুক্তনিয়ের ফন্য মহাস্থাকত (ক্যাপুতিবা দেই)	১০-ইউনুস	68	660	ক্ষান (মামত্বক ও মামবিহীন বৃক্ষাতা সমলিত যাগন সৃষ্টি)	৬-আন্'আম	787	65
জান্ততে প্রবেশ ও স্থায়ী হওয়াই মহাসাদল্য	৬৪-অগাবুদ	>	266	বাগান (মানযুক্ত ও মানবিহীণ বৃক্ষণতা সম্বলিত বাগান সৃষ্টি)	৬-আন্'আম	787	62
জান্নতে প্রবেশ মহাসাক্ষর	৬১-সাক্ষ	25	262	মাহ			
ভালুতে প্ৰদেশ কৰচিই মহাস্মফল্য	8-विमा	30	202	নিলে ফেলন (ইউনুসকে এক মাছ নিলে ফেলন)	৩৭-সাফ্যাত	182	50
জন্মত লাভ মহাসাধন্য (মুমিন ও সংবর্মশীলনের জন্য)	54-55E	22	2030	জুলে যাওয়া (মাছের কথা জুলে গেল মুসার সঙ্গী)	79-5045A	60	90
প্রতিশাল্পের অনুমার লাভ করা মহানাকল্য	৪৪-দুখন	69	308	রাসুল স. (ত মাহতারালার (ইউন্তোল) মত আহর্তা না বতারা নির্দেশ	SU-SIMIT	82	39
প্রতিশানতের অনুমার নাত করা মহানাফল্য) পরি হতে রক্ষা (অধিবাতে মুখিননের জন্য মহানাফল্য)	৪০-মুখিন	5	14916	পনিবাৰে মাছ আনা (পনিবারওয়াদানের মাছ পিবার প্রসঙ্গ)	৭-আ'রাঞ্	190	188
	৫-মার্থনা	222	626	সমুদ্রে বেনে দেল মাছ (বিশ্বক্রকরভাবে)	79-alás	90	95
পতাবাদীনের মহাসাফল্য (ঝারাতে হামী হওয়া)	Q-40991	338	636	সমুদ্র চলে লেল মছ	7h-আর্ঞ	46	93
মহিমা		-	-	রানুল স. (ত আংগ্রালের (ইউনুসের) মত অটার্য না হংগার নির্দেশ	৬৮-কুলাম	85	30
নারীরা বলল 'মহিমা আল্লাহর' আমবা ইউসুক্ত আ, সম্পর্কে	১২-ইউসুক	(2)	695		4	-	+-
মধ্য কিছু জানি না		-	_	মাছ (গোপত)	১৬-নাহল	28	90
নারীরা আল্লাহর মহিমা থোকণা করল (ইউসুযকে দেবে)	75-इंड्रिक	97	693	আহার (সমুদ্র থেকে ভালা গোপত/খাহ আহার প্রসঙ্গ)	30-HIQH	78	90
ब्रह्मात प्रदेश (प्रदर्भकत (प्रका क्टान (बान्य वा. नृष्टि शनन)	২-বাকুরো	90	¢08	ভাৰা গোশত/মাং আহার প্রদক্ষ (সমূদ্র থেকে)	20-4964	30	70
মহিমাসিত				xfe		-	+-
জাল্লাহ মহিমাখিত	১৭-ইস্রা	80	474	হিনিরে নেরাখাঁহ কিছু ডিনিরে নিপে তা উল্লায়েও উপান্যরা অঞ্চন)	२२-ड <del>ाक</del>	90	95
অস্তাহ মহিমাধিত	৫৯-হাপর	20	264	<b>্পৃত্তি (জন্মান্য উপাদ্যরা মহি সৃত্তিতেও সক্ষম নত্র)</b>	55-8Lat	90	98
प्रहिमाभग्र				মা (জনপদের মা মঞ্চা)		_	Ш.
প্রতিপালক মহিমাময় ও মর্যাপাধান	११-सम्बान	92	285	'কলপুচনা ম'/মহার পোকনের সতর্ক করার কন্য কুরাক্ষন নাবিপ	৪২-শ্ব	9	193
র্যালনার(মহিতার প্রতিশাসকে সম্ভই কেল কর্মশী করে)	৫৫-বাহমান	29	380	মান্ত্ৰ		П	Т
মা (আরো দেপুন মাতা শব্দটি)		1	+	পুলে নের (নিরামতের পূর্বে ইরানুক্ত অনুকাকে পুলে সেরা এপক)	২১-আধিয়া	3/6	91
মা (আরো দেখুন মাতা শ্বাত) ইসা আ, ও তার মাফে নিদর্শন করেছেন আপ্রাহ	২০-মুখিদুন	20	100	কাৰ্যণ সৃষ্টিকাৰী, ইয়াধুন-মানুধ (পৃথিবীতে)	১৮-কাহ্য	748	9
মুসা আ, ও তার মধ্যে সদস্য পর্যায়ত অরথকরার নির্দেশ	৫-মারিদা	220		মান্ত্ৰস (দেশুন অগ্নিপুত্ৰক শব্দটি)			1
		220		মাৰামাৰি		+	+
ষ্টানা আ, নিজেকে ও জন্ম মানে ইলাহ হিলাবে এছন কৰাক বাংগছিল কিয়	२-बाक्सा -	320		গান্ত (কুমার এবং পরিশত ব্যক্তর মধ্যামার্কি বয়সের গান্ত)	২-বাকুারা	W	01
কট্ট (মাকে কট দেয়া বাবে না সন্ধানের কল্ড)		03		200	d-order.	-	+-
গর্ভ (মানুধ মাকৃগর্ভে অংশ রূপে ছিল)	৫৩-নজন		303			lv0	1
গর্ভধারণ (সন্তানকে মা কটের সামে গর্ভে ধারণ করেন)	89-व्यक्टिय	34		আৰুণ-পৃথিধীয় মধ্যৰতী সৰ বিশ্বুৰ অধিপতি আধ্যাহ	8७-वृश्क्ष	09	
গর্ভধারণ করেছে কটের পর করি বরণ করে, মা	৩১-পূতমান	78		আভাপ-পৃথিবীয় মাধ্যে সৰ ভিছুত্ত প্ৰতিপালক (স্বাস্তাহ)	৭৮-লবা	04	30
গৰ্ত্ত (আল্লাহ মানুষকে মাকৃগৰ্ক থেকে বেৰ করেছেন)	১৬-বাহ্ব	95		মাট		-	$\perp$
ছেল (ছালদের ময়ের ছেল/লয়েদর মূলর কছে অনুরেখ)	৬-আ,থাক	200		আগবঢ়ে যাট বেকে দৃটি করেকে আপ্লাহ	১৭-ইস্রা	67	9
স্কনপদের মা/মস্কাবাসীদেরকে ব্রুজন যাত্র সতর্ক করা	৬-জাগ্ডাম	24		আনম্ভে মাট খেকে সৃষ্টি করেছেন আল্লাছ	৩-আদে ইমরা		
জন্মান করেছেন বিনি কিনিই মা	৫৮-মুজাপালা	1 3	342	অসমতে মাট থেকে নৃষ্টি করেছেন আল্লাছ	৭-আ'রাফ	12	
দূধ পান করাবে মায়েরা সম্ভানদেরকে পূর্ণ দুই বছর	২-অবুলো	200		কাভির মাট হওয়ার আকাজা করবে (ভিয়ামতের দিন)	৭৮-ন্যবা	80	
তরগ-পোষণ মোয়ের তরণ-পোষণ সঞ্জানের পিতার নামিত্ব	्र-राष्ट्राह	500	0 429	অভিযানে পিরপুরুর মাটি হংরার পর পুনক্ষরনের বিবয়ে সংশহ	5 <i>व</i> -संग्रब	169	1
ঘানীহ এর মারে ধাংল করতে চান যদি জল্লাহ	৫-মারিদা	39	48.5	क्ष करा (पार्टि पुरस्ताहर क्लोक क्षा करा खड़ार का महन्म)	৫০-কার্ফ	8	b
মালীছ এর মা সভাবাদী (মারইরাম)	৫-ঘরিদা	92	420	দ্বৰ (মানি নিচৰ সাম্বেধ ধৰা পৰিমাণ্ড অল্লাহ উপস্থিত কৰাকে)	৩১-লুকমান	39	b
ম্মিন্দের মা (দবীর স্তীগদ মুক্তিনের মা)	००-व्यवस्थान	- 6	troo	পৰিত্ৰ মাটি ছাৱা ভাষাপুম কল্ল (পানি নং পোল)	8-भिमा	80	e
মুলার মান্তর নির্বাই আরু বিধিয়ে দেয়া (প্রাৰ কুমুলের কন্)	২০-জা-হা	80	180	পৰিত্ৰ মাটি দিয়ে কায়াপুৰ (পাদি না পেলে)	৫-মায়িলা	6	0
মুগার মারের নিজট ভিরিত্তে ভিলেন আল্লাহ মূপাতে	২৮-কাসাস	30		প্রিক (মূর মাহিত পরিতে হওরর পর প্রতিবাদ (দর হলে)	৩৭-দাক্ষক	64	
মুগার মারের অন্তর শূণা ব্যম পড়ল	২৮-কাসাস	130		পঞ্জিত হওয়া (মাটিতে পরিণত হওয়ারপর পুনক্ষানা),		-	1
ক্রিয়া মাজে প্রতির মির বিশ্বর মিন্দ্রর মিন্দ্রর জন)	२५-कामाम	1 9	brob	वाविवास्त रियात)	৩৭-সাম্ফাত	3/6	. 6
	৫৮-মুখ্যনাশ			পরিবত (থাত ও মটি হওয়ার পর পুনরুখানঃ)	৫৬-৬য়বিবাহ	89	1 2
স্ত্রীরা মা হয়ে হার না (বিহার করপেই)							. 4

হল*নী*তি মাটি

	न्द्रामः ७ मार	462	201	<b>नव</b> विरश् <i>धानम</i>	সুৱা দং ও দাম	1001	13
মাটি (পূৰ্ব পৃষ্ঠা বেকে)		Т		উপরে (মার্থন উপরে কটি বহন করতে দেশল স্বপ্রে)	১২-ইউসুক	99	697
পাধরের উপত্রের মাট বর্জনে ধুরে যাওয়া (লোক রেবামো রান)	২-ৰাকুাৱা	268	607	ভট্ট (মাধান কটোর কারনে মাধায়ুভন করে ফেললে (কুছা,এসাল)	২-বাকুরে	199	42
পাৰি (ৰাদামাটি নিৱে পাৰিৱ আকৃতি তৈরী কংচন ঈসা)	৫-মারিদা	330	258	ৰাওয়া পোৰি মাধা থাবে তবে, যাকে কুশবিদ্ধ করা হবে)	১২-ইউনুফ	83	691
পুতে কেলা (কলা শিককে মাটকে জীবস্ত পুতে কেলা প্ৰসন্থ)	১৬-মাহল	45	909	জালিমবা মাথা উপরে উঠিয়ে দৌড়াতে থাকবে(কিয়ামতে)	১৪-ইবরাহীম	80	
পোড়ামাটির পাধর নিক্ষেপ (হাজীবরালাদের উপর)	202-सीन	8	2000	আকৃদি (রাসুল স. এর কাছে আসতে বললে মুখাফিকরা মাথ		100	+
পোনা (মাটির পোনা দেখিরে দিল সুলাইমাদের মৃত্যুর বিবয়)	৩৪-সাবা	78	b84	बाकुनि (भव)	৬৩-মূলাফিকুন	0	35
মরে মাটি হঙ্গে যাওয়ার পর প্রত্যাবর্তন (বিস্ফারনর ব্যাপার)	<b>₹0-38</b> ¥	0	255	নত (অপরবিধা বিষয়য়ত প্রতিশঙ্গবের নামনে মাধা নত করুবে)		-	+-
মানুব লৃষ্টি (আস্কাহ মানুবকে মাটি থেকে সৃষ্টি করেছেন)	৩৫-ফাডির	133	V89	নাড়ালো (কাফিবরা মাথা মাড়াবে, পুনরুম্বান কবিশ্বাস করে)	৩২-সাঞ্ধা	25	bro
মানুধ গৃক্তি করেছেন আপ্লাহ আঠালো মাটি খেতে	৩৭-নাক্কাড	22	1007	गावारण (कारकात बादा माझार, गुमक्रवान कारबात करहा)	১৭-ইদ্রা	67	47.
मनुष तृति शानाम् भागि, तीर् व्यानास पुरत्य - शासास क्रमा एता)	२२-शब्द	8		পাপীনের মাধার উপর উক্তর পানি চেলে নেয়া হতে	88-भूबान	85	No.
মানুগ সৃষ্টি, মাটি থেকে (সুই ব্যক্তির দুজত্ব প্র.)			422	মাসের (মাথা সলেহ বরার নির্দেশ, অনু প্রসঙ্গ)	৫-মারিদা	9	62
मानुस गृष्टि, साथ देशस (पूर शास्त्र गृहास दा.)	22-462A	তণ	929	মুক্তন (মাধা মুক্তন মা করা, হচ্চে বাধায়ক্ত হলে)	২-বাকুারা	7949	24
	৩০-রম	50	250	যুক্তিত (মাধা যুক্তিত অবহুত্ত মাজিলে হারামে প্রদেশ করের মুফিলান	8 <i>४-फार्ट्</i>	29	333
মনুদ মাটি হয়ে যাওলর পর নতুন করে সৃষ্টিতে কাফিলের নিক্স	১৩-রাদ	4	944	गत्रकारमत योधीव मात्र याकृम भुरक्तत स्वाधा	৩৭-সাত্তাভ	92	50
মানুছকে মাটি থেকে দৃত্তি করেছেন আপ্তাহ	80-गुभिम	169	944	নানা (মাধার চুল দানা হয়ে গেছে, যাকারিয়ার রা: নোয়া)	১৯-যারইয়াম	8	90
মিশে বাভয়া (কিয়ানতে কাজিন মাটন সাহৰ মিশে যেতে কামল কংলে)	৪-লিসা	82	495	মাথা (চুপ)	20. 3040	+-	1.00
মৃত্যুর পর মাটিতে পরিণত হওরার পর বের করে আন্য	২৩-মুমিনুদ	-02	968	হাজনের চুল দা ধরার অনুরোধ (মুসাকে)	No. 207 207		
শৃষ্টি (মাটি থেকে মানুষ শৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	40-HMH	95	1000	যাৰদের মাধ্য/চুল ধরে টেলে জানা (মূলার)	२०-इर-स	86	9,8
পৃষ্টি প্রতিয়া প্রদাস(মাট,বীর্থ,আলকা,ফুলা –এখনে জনাছয়ে)	44-20M	6	9.23/		৭-আ'রাক	760	640
পৃত্তি (মানুষকে মাট থেকে দৃষ্টি করা ২(ছছে)	৬-জাপ'আম	1 2	699	মাধাঝাধা			
থ্যসূত্র মাটিতে পরিবত হওয়ার পর পুনরুবাদ	২৩-মুখিনুন	12	993	ৰান্নতিদের মাধাব্যাধা হবে লা (সুৱা পাদ করে)	৫৬-ওয়াবিবার	7.7	184
পৃত্তি (মানুধ পৃত্তির সূচশা কাগায়টি থেকে)	৩২-সাঞ্চলা	9	1000	মাধার ভাগড়			-
মানুগ সৃষ্টি (পোড়া মাটন মনে তবলে মাট থেকে মানুগ সৃষ্টি)	৫৫-রাহ্মান	78	909	থেলে রাব্র (মাবার কাপড় ফেলে রাধ্যে গলদেশে পর্ন প্রসক)	28-9₹	607	991
সৃষ্টি (আল্লাহ মানুবকে মাটি থেকে সৃষ্টি করেছেব, প্রমূদ প্রদান)	77-54	63	693	মাধার খুঁটি	-	-	1
মাটি (বৰুনো মাটি)	22.61	103	013	অপরাধীদের মাধার বুটি/পা ধরে পাকড়াও করা হবে	৫৫-রাহ্মান	83	28
মনুৰ সৃষ্টি (প্ৰেয় মটিন মতে কৰলে মাট খেলে মনুৰ সৃষ্টি)		-	-	मावि	diff-stability	100	200
	৫৫-রাত্মান	78	200	ক্ষেত্র গাছের কুলন্ত কানি বৃত্তির মাধ্যমে উৎপন্ন করা	-		+-
মাঠ (দেপুন ময়দান গৰুটি)		_		भागवेद्यान	৬-আন্তাম	86	800
মাতা (আরো দেখুন মা শব্দটি)		1	1				
জংশ (মৃত ব্যক্তি নিঃসন্তান হলে মাডা এক তৃতীয়াংশ পাৰে)	8-मिगा	22	663	অধিবাসী (মাদইয়ানবাসীয়ের নিবট রাসূল স্. উপস্থিত ছিলেন মা)	২৮-কাসাস	82	3.75
অংশ (মৃত বাজিন ভাইবেন ধাবলে মাতা এক ঘটালে পাৰে)	8-मिमा	32	209	অধিবাসী(মানবামের অধিবাদীর ওচনা নবীকে বিধারনী বালছিল)	২২-হাজ	88	9,63
ঈলার মাডার প্রতি সদর বানিয়েছেন আল্লাহ ঈলাকে	১৯-মারইয়াম	03	905	অধিবাসী (মানইয়ানের অধিবাসীদের সংবাদ আসেনি কি)	৯-ডাওবা	90	684
বর (মাডার ঘরে আহার করাতে বেচন লোগ দেই)	२8-मृत	60	90/3	অবস্থান (কয়েক বছর মূলার মানইরাকে অবস্থান)	२०-ग्रा-श	80	986
পলায়ন, মাতা থেকে সম্ভাবের (শেষ বিচারের দিলে)	৮০-আবাসা	00	2009	অভিযুখে (মাদইয়া অভিযুখে হাত্র করল মৃগ্য)	२४-करमाम	44	bos
বিয়ে (মাভাকে বিয়ে কল হালান)	8-निमा	30	003	ধাংস (মানইয়ানবাসী ধংগে হলো ছামুন জাতির ন্যায়)	३३-इम	þ¢	698
মারইরামের মাখ্য ব্যতিভারিশী ছিল না	১৯-মারইরাম	20	905	পানির কুপ (মানইয়ানের কুপের নিকট পৌছল ঘরন মূলা)	२५-वागाम	30	2,70
মূলর মানে অপ্নারর বাই (পেশার বিদাসাইনের যার প্রতিপদ্দা প্রদাস)	२०-ग्रा-श	Ob	980	ভ'আইবকে মানইয়ানে চেরণ	27-gs	58	690
স্ত্ৰীতে আল্লাহ মাতা বাদাৰ্গন (যিহার প্ৰসঙ্গ)	০০-আহমান	8	P00	ত'আইবকে মানইয়ানবাসীদের কাছে প্রেরণ	3-M, হাঞ্		
মাতা (দুধমাতা)	CONTRACTOR	l °	000	তথ্যবিধনে মানইয়ানবাসীদের কাছে প্রেরণ প্রমন্ত		44	950
বিয়ে (পুখমাতাকে বিৱে করা হারাম)	- 6	-			২৯-আনকাৰ্ড	06	p.pp
মাতা-পিত্র	8-निमा	50	66.9	মাদক (ঝারো দেখুন মদ শব্দটি)			
				অস্থ্র/বেন্ধুর থেকে মানক/উল্লম বিধিক গ্রহণ নিদর্শন	১৬-দাব্দ	69	900
जर्र्भ(निस्त-मस जर्रीनात राज भारत এक वृत्तीशार्त्स शास समि)	8-1479	22	229	मामी नव			
অংশ (পিডা-মাডা প্রভ্যেকের জন্য এক-ষঠাংশ যদি)	৪-দিসা	22	229	পর্ত (মাদী পতর গর্তের বাচ্চাত কি হারাম ?)	৬-আন'আম	280	620
অনুহাৰ (পিঞ্জ-মান্তার প্রতি আল্লাহর অনুহাহের বৃত্তভান্ত প্রকাশ)	৪৬-সাহকাক	342	909	গর্ভ (মাদী পতর গর্তের বাছাও কি হারাম ?)	৬-আন'আম	388	670
निर्वाठ दसन् (नद्य-मध्यद श्रीड कपिएतः। (प्रेयाला जदवन)	৪৬-জাত্কাক	29	909	হারম কর (উট ও গরুর মুদ্দী পতও বি হারম কর মুরছে ৪)	৬-জান'আম	388	
নদর ব্যবহার (পিতা-মাতার প্রতি নদর ব্যবহারের নিচ্পি)	৪৯-আহ্বাফ	26	606	হ্যাম করা (তেরা ও ছাগালে মানী পক্তর কি হ্যাম করা হয়েছে হ)			670
নছবহার (পিতা-মাতার সাথে সন্তবহারের নির্দেশ)	৪-বিসা	ტგ	499		৬-আশ্ আম	780	670
পদাৰত্ত্ব (মাজ-পিতার সহুগ সন্থাবহার করা অল্লাহর ভালেশ)	১৭-ইসরা	20	936	मांगड			
	৪-বিদা	9	229	জনা (মানুহের মানত সম্পর্কে আল্লাহ জ্ঞানেন)	২-বাকারা	290	605
মাতাপ		-		পূর্ণ কর (দের বাপারা আসর মানত পূর্ণ বরে, জ্যান্তত প্রসঙ্গ)	৭৬-দাহর	٩	294
জারাতিরা মাতাল হবে দা (মূরা পান করে)	৩৭-সাক্ষাত			পূৰ্ণ কৰা (হচ্ছের সময় তাওৱাড়ের পূর্বে মানত পূর্ব করা)	২২-জন্ম	35	940
		89	247	প্রতিপাশবের অন্য মানত করপেন (ইমরানের স্ত্রী)	৩-বহুলে ইমহান	02	40%
माञ्चलको याकाम वर्षमा (तृक्ष मान करक) माञ्चलके	৫৬-ভরাবিরাত্	7.9	>8≎	মাণুবের মানত সম্পর্কে আস্থাই আলেব	२-वाकास		605
				বেলা রাক্ত বা করা করা তথক বিবাহ থাকর মানত (মাইয়ামের)	३৯-भावदेशम		
অন্ধৰাৰ (মাতৃপৰ্কের ফিন ধরনের অন্ধকাৰে মানুখের সৃষ্টি)	৩৯-বৃদ্ধর		2-47	মানদ্ৰ (মীখান)	AOLAINS BIN	46	900
	৩-আলে ইমরান	4	600				
লান (মাতৃগতে কী আছে ডা অস্থাহ জানেন)	৩১-পুৰুমান	68	454	ন্যারবিংবের মীধান/মানদক স্থাপন করা হবে (বিনামতে)	২১-অধিয়া	89	920
সর করা (জাল্লাহ মানুষকে মাতৃগর্ভ থেকে দের করেছেন)	১৬-লাব্দ	901	905	হাপদ (বিদ্যানতে নারবিয়রের মীয়ানুখালকে স্থাপন কর হবে)	২১-আছিবা	89	900
	৫৩-নাম্ম	02	800	মানৰ (আরো দেখুন মানুষ শব্দটি)		_	_
प्राचा		-1		জিবরাইশ মানবাকৃতি ধারণ করল (মারইরামের নিকট)	১৯-মারইয়াম	39	902
টক্ত পশি মাধার মেলা বহুব (কাফিয়/অল্লাহ দৃস্পর্কে বিতর্কনারীর)	22-27m	2.9	980	সৃষ্টি (মানৰ সৃষ্টির সূচনা কলেমাটি থেকে)	৩২-সাজনা		brão

			গোটা	মানুষ				- 4
अभ विरत/शाम	স্রা নং ও নাম	प्रसम् अ	181		दिवद/धनक	नुवा गर ७ गाम	46.4	
মানবগোরী (জগত)					অকুহায়কে অধীক্ষর করবে চিল্/মনুষ:)	৫৫-বাহ্মান	6.0	987
মর্থানা নান(বনী ইসরাস্থাকে জগত/খনবগোর্টার উপর মর্থানা দান)	২-বাবুগরা	89	609		অনুহায়কে অধীকার করবে ছিল/মানুষ ()	৫৫-রাহ্মান	00	280
মানৰ জাতি					অনুমায়কে অধীকৰ কয়কে চিল/মানুধা)	৫৫-বাহ্যাদ	8h	787
कुडव्यान प्रामयक्षारिक क्षमा न्यांडे वर्षमा	৩-আলে ইমরান	300	485		অকুমহাকে অম্বীকার করেবে জিল/মানুষ')	৫৫-রাত্যান	OF	380
पद (प्रामरकारित क्षम्) श्रथम पत या राजात/पद्धा श्राणिरु)	৩-আলে ইমরান	86	989		অনুহায়কে অধীকার করকে জিল/মনুখা)	৫৫-রাত্মান	30	3103
निनर्गन (प्रामवसार्थित सन्। निप्तर्गन रानात्मन आद्वार, नृश का.				অধীকার্প্রতিপালকের কোন	অনুমায়কে অধীকার করকে জিল্/মানুষা)	৫৫-রাক্মান	08	380
সম্প্রবারকে)	২৫-ফুরকান	99	90.6	অধীকার(প্রতিশাদানের কোন	অন্তাহতে অধীকার কংবে জিন্মানুহ:)	৫৫-রাহ্মান	05	280
নিরাপরাস্থপ (ভারাধর মানবন্ধাভির জন্য নিরাপরাস্থপ)	২-वाकृता	256	678	অধীকারপ্রেডিশালকের কোন	অনুহারকে অধীকার করবে জিন্মানুর ()	৫৫-রাহ্মান	63	>8≥
পেতা (অপ্ৰাহ কৰ্তন ইব্যাহীয়কে মানব মাজিব লেতা বাললে)	२-शङ्गरा	258	678	অধীকার প্রতিপালকের কোন।	অনুহাত্তক অধীকার করবে মিল্/মানুবা)	৫৫-রাহ্মান	62	>8≥
প্রতিহত করা অল্পাহ মনুদ্ধকে প্রতিহত দা করলে ধর্মীর স্থান স্বাসে ছত)	22-8788	Ro	962	অধীকরপ্রতিপালকের কোন।	অনুহাহকে অধীকার করবে মিল/মানুমা)	৫৫-রাহমান	84	≥85
মাটি হতে সৃষ্ট মালৰ জাতি হড়িয়ে আহে পৃথিবী স্বুড়ে	৩০-রম	20	250		অনুপ্রহতে অধীকর করে জিন্(মনুদ:)		84	186
মিলম্ভেন্ত (কাৰায়ৰ মানবজ্ঞাতিৰ জন্য হিলম্ভেন্ত)	২-বকুরো	256	678		অনুমায়ক অধীকার করবে চিল(মানুকা)		89	287
সম্রা মানবঞ্জতির জন্য রাসুল স: কে প্রেরণ	०८-गारा	366	980		अनुद्राहरूक अक्षेत्रस्य करात क्रिन्/मानुवः)		69	384
নাজী (মুমিনগৰ্গ নাজী হতে মানবলাতির উপর)					अनुप्रदान जनीतम् करात किन्द्रमञ्जा		89	384
	২-বাকুরো	789	670		জুয়াহকে অধীকার করবে জিন্\মানুষ:)		99	384
নাজী (মুমিনগণ মানবজাতির জন্য সাক্ষীবন্ধণ)	२२-शृष्क	97	952		জুৱাহাকে অধীনতা কথেৰ ভিন্যমনুষ্		20	800
মাৰা					স্কুলহতে স্বধীবনে করে ভিন্ <b>মা</b> নুস।)			584
মুনঞ্চিকরা কারো কথা মানবে না (কাঞ্চিরদের লাগে বের হয়ে	03-8149	22	260		স্কুয়াহলে অধীনার করনে জিন্মানুর।) স্কুয়াহলে অধীনার করনে জিন্মানুর।)		96	
याववार)					জুয়ায়কে অধীকর করের ভিন্দারকুর।) জুয়ায়কে অধীকর করের ভিন্দারকুর।)		90	584
मानाड			_				80	287
তৃতীর প্রতিমা 'মানাত' সম্পর্কে চেবে দেখার আহ্বান	৫৩-নামম	20	3/02		অনুহারকে অধীকরে করবে জিলামানুর ()	৫৫-রাহ্মান	2.0	580
भागानगर्					অক্সাহকে অস্থীকরে করনে জিল/মানুবা)	৫৫-রাজ্যান	২০	380
मृत्रद्र अन्य सम्मानदे ( क्षाह्रद्र रुप्पदर्त मृत्रद त्रव्ह बना क्षत्रत्र)	৭-আগ্ৰাফ	302	683		অনুয়াহকে অস্বীৰাৰ করৰে জিন্দানুবা)	৫৫-রাহ্মান	24	282
माना/ना माना		-			অনুয়াহকে অধীকাৎ করবে জিল্মানুবা)	৫৫-বাহ্মান	39	909
স্বপর্মী জিয়ার্ক্টাকে মান যারে মা (রাসুল স. এর প্রতি নির্চাণ)	৯৬-আগ্রক	72	7056		<u>অকুচাহকে অধীকরে করবে জিন্/আনুমা)</u>	৫৫-রাহ্মান	93	285
মিখামরী অপরবিকে মানা থাবে না (রাসুল স. এর প্রতি নির্দেশ)	३6-खालाक वर्ण-सानाक	72	2056		অনুহাহকে অধীকর করবে জিল্/মানুষ:)	৫৫-রাহ্মান	24	909
	NO-MINET		2040		অনুহাহকে অধীননৰ কৰকে জিল্/অনুবং)	৫৫-রাহ্মান	67	585
মানানে/পোডা পাওৱা	. back	-		অধীকার(প্রতিশাশকের কোন)	অনুহাহকে অধীকার করবে ভিন্দখানুব।)	৫৫-রাহ্মান	9/2	584
রাদৃল স, এর মান্য মানার না (কবিতা শিখা)	৩৬-ইয়াসীন	99	940	ভাষীকার(প্রতিপাপকের কেন	অনুচাহকে অস্থীকার করবে জিল/মানুবা)	৫৫-রাহ্মান	29	\$85
শরতানের পঞ্চে কুরআন অবর্তীর্দের কাজ মানার না	২৬-৩,প্রায়া	577	૧૪૯	অধীনাধ্যতিপালনের বেলা	অনুৱাহকে অধীকক করবে জিন্মানুষ:)	৫৫-বাহ্মান	৩২	380
মানুষ (মাবো দেখুন মানব শদটি)		<u></u> .		অধীকানগ্রেতিপালকের কোন	অনুচাহকে অধীকৰ কথকে জিল/আনুষ:)	৫৫-রাহ্মান	60	584
অফল্যান (মানুহের অফল্যানাকে আল্লাহ যদি কুরাছিত করকেনা)	১০-ইউনুস	22	964	অধীকার(প্রতিপাদ)কর কেন্দ্র	অপ্তাহ্যক অধীকার করবে জিল্মানুষ্য)	৫৫-বাহমান	43	580
व्यकृतक स्त्र वसूर (नता व्यक्तासन नत शतकारत करात)	77- <u>ई</u> a	>	999	অধীকরে করল অধিকাংশ :	মানুৰ (কুকৰী হাড়া সৰকিছু)	১৭-ইস্বা	va	933
অকৃত্য (মানুৰ অকৃত্য অথবা কৃত্য হবে,হেদায়াত প্ৰসঙ্গ)	৭৬-পার্ব	0	226		পর দিরামত আখাদন করলো)	33-gH	30	868
অকৃতন্ত (মানুধ অবশ্যই অভি অকৃতন্ত)	২২-হাজ	66	968	আকাৰকা (মান্য যা প্ৰাক্য	ক্ষা কৰে তাৰ সৰ পাৰ লা)	৫০-শক্ষ	2.8	300
অকৃতঞ (মাধুগ ভার প্রতিপাদকের প্রতি সকৃতজ্ঞ)	১০০-'অপিরাভ	6	7000	আকৃতি (আল্লাহ মানুবের ও		৬৪-তাগাবুন	0	999
অকৃতভা (পার্থ বড়ই অকৃতভা)	১৭-ইস্লা	৬৭	479		ৰ মানুৰ বালে ইছ্নীলেব জনা হয়:	২-বাৰুৱো	28	622
অভ্যতন (থানুখ সুস্পর অভ্যতন,শিরক প্রসঙ্গ)	80-पूर्वस्य	36	৮৯৭		इस बीयान्य शकि (यनि व्यास्त्रि)	২-ববুগরা	345	422
অকৃততা (কৃতকর্মের জন্য মন্বিপদ আনগুগ মানুধ অকৃততা হয়)	৪২-শ্রা	85	bild		প্রদের অনুকার পুনর্যানে অল্লার সমান)	92-विवासह	8	2000
অকৃত্যত (অপ্তাহ অক্টাহনীল বিস্তু অধিবাংশ মনুহ অকৃত্যত)	১০-ইউনুস	60	660		ন্যাল ক্ষিত্ৰত হলে, ক্ষিত্ৰত কলল)	২৩-মুমিশুন	♥8	969
जकम(जारान-र्गपरीह शेस प्रवित्तरम सनुद/क्षिम प्रकम)	৫৫-রাহ্মান	99	580	जाटभाष-निष्पति (मानुस्थ		২-বাকুরো	228	242
অঞ্চতে পেশ(মানুহের অঞ্চতে পেশ, বিক্সমত প্রসঙ্গ)	৭৫-বিবামাহ	26	250		व्य सन्त प्रमुक्ता प्रदश प्रदलक मिल्लिक)	8-PH	228	643
परिवाल प्रकृति स्थान मा हा निवास्त्रका व्यक्त तकल प्रश्लाका नाइ	৭-জার্ম	25.8	600		ব্যাহন আৰপে আৰ্ড কৰৰে)	৪৪-দূখান	22	808
অধিকাংশ মানুষ বিশ্বাস করে দা মে বিয়ামত আসবে	80-सुधिन	63	Wes	অভ্যত (মানুহের জনা আর		२-राष्ट्रावा		
অনুমার্যনিল(আয়ার মানুষের প্রতি অতি অনুমার্যনিল ও পরম দবাপু)	22-0700	96	968	আবোগ্য (মণুতে মানুকের ব		১৬-নাহ্দ	223	6/5
অনুহাহশীল (আল্লাহ মানুংখর প্রতি অনুহাহশীল)	১০-ইউনুস	60	660	অলোকভিল (কুরজন মনু		३७-गार्ग 8৫-साहिता	66	40%
অনুহত্ত, প্রেতিপালক মনুসের প্রতি অনুরাহনীল ক্ষেক্ত মনুধ কলকর।)	২৭-নামল	90	bob				50	806
অনুহাই (মালুকের প্রতি আস্থাইর অনুহাই মিল্লাতে ইবরাহীম)	১২-ইউসুফ	Ob	900	অংশ (ভাওরত মানুবের		৬ অস্অম		
অনুসংগ(কতক মানুৰ বিলোহী পয়ভানের অনুসংগ করে)	২২-ব্যক্ত	0	927		আশেকবর্তিকা, মূদার কিতাব)	২৮-কাদাদ	80	P22
অনুসাল (মানুধার অনুসাল করতে ছাছুদ সংখ্যনকের অপতি)	48-কামার	48	209	অল্লাহ যানুষ্যো প্রতি অনুয		২-বাকারা	480	652
অনুগামী (মানুবাকে বুলি শরভানদের অনুগামী করা প্রদাস)	৬-আন'আম	259	909	অন্তাহ মানুষের প্রতি প্লেছ		২-বাঝুৱা	780	670
অপরাধ(সেলিন মানুহের অপরাধ সম্পর্কে জিঞ্জাসা করা হবে না)	৫৫-রাহ্মান	00	282	আল্লাহ মানুদের প্রতি অনুহা		৪০-ৰুমিন	92	pps
অবর্ত্তি (অক্সাহ অনুভার ওপর বিদ্ধু অবর্ত্তির ব্যবসানি ইনুনিসর লখি)	৬-আন্'আম	27	903		াল্লাংর দাবকে স্বর্জন নির্দেশ)	৩৫-ফাভিব	0	684
অবিশ্বাস(আপ্রাহর নির্মানে মানুহের নিষ্ঠিত বিশ্বাস না থাবা)	৬-আন আৰ ২৭-নামল			অল্লাহ মানুৰকে থেনিল ভা		১৭-ইস্বা	42	950
অবিশ্বাসী (মানুষকে বিচার দিলে অবিশ্বাসী বানাম বিলে)		PS	Pop	অপুর মধ্যে (বিদু মধুব নিচ	ন্য কাছে অপ্রয় মেওয়ার জন্মর পৃথি)	૧૨-લિમ્	9	yp.
	৯৫-টোন	9	2054	আন্তর্গন বিধার মানুচার জনা (	ভূমাকা স. এর প্রতি ভবী প্রকা)	১০-ইউনুস	2	896
অবিশ্বাসী (মানুব প্রতিশালকের সাথে সাক্ষাক্তর বাগেরে কবিশ্বাসী)	৩০-জম	br	255	আদা প্রেডিপালকের পদ থেচ		১০-ইউনুস	Sob	998
অভ্যন্তর (মানুসের অভ্যন্তরে অল্পাহ দৃতি জনর বাধাবনি)	৩৩-আহ্যাব	8	proo		হাখানন করালে অহন্তরি/উৎফুল্ল ২ড়া)	33-W	30	999
বর্জন (মানুকো বর্জনের জন্য কাসান প্রবাশিত, স্থাস ও সমুপ্র)	৫০-ইম	87	255					
অধীৰনৰ (মানুষ অধীকার করণ সৰ কিছুই- কুফরী ছাড়া)	২৫-মূৰকান	60	100	আখানন (দরা আখানন ক	MILLI VIETA ABANG GER)	১০-ইউনুস	52	960

হানবাগালী হানধ

अस् रिरा/दारम	जुबा तर छ नाय	1954 5	नुका	नच विवद/श्रमक	ल्बा मर् ७ मात्र	पक्षा र	पृक्ष
মানুষ (আরো দেখুন মানব শব্দটি) (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)				ৰমন্তির (সৃষ্টির পর মানুমের মধ্যে তেউ কাড়ির হর)	৬৪-আগারুন	3	3/55
জ্ঞান্তার (প্রমিক্ষাত উল্লিদ মানুক/গরালিপত আহার করে)	১০-ইউনুস	28	626	কমে (মনুগ বিভক্ত হরে বের হরে –যাকে তালের কাল দেখানো যার)	৯৯-বিল্যাল	6	1000
জ্ঞান্তর (মানুবকে আহার করার দির্দেশ, হাপাপ ও পরিম বস্ত্র)	२-वाङ्ग्या	200	469	কিভাব (মানুৰের কাজ ভার পলার কুপিরে দেরা হবে)	১৭-ইস্রা	20	920
ইউসুককে দেবে নারীরা বলল 'এ তো মানুব দয়)	77-52340	05	693	क्रियार (प्राप्तार मानुसर बाना गरागर क्रियार परिहर्त (१८४४)	৩৬-যুখার	85	ν98
ইছন (মানুধ ও পথর আবনের ইছন, সুরা (তথির চালের প্রসদ্	२-शहरता	48	608	কিজাব (আপ্লাহ ওয়ালা মানুষের বৈশিক্ত)	৩-আলে ইমবান	93	280
ইন্ধন (মানুয় ও পাথর জাহালুমের আছনের ইন্ধন)	৩৬-ভাৰৱীম	6	290	কুরমান পাঠ মানুহার করে করবেন রাসুল স. (থেমে থেমে)	১৭-ইপ্রা	906	940
ইবরাইম আ, মানুষের পক্ষে তানের অধিক নিকটভর বারা	GO SIGNI	×	15 10	कृतकातन वसूत्रण वामारत शावान मा जिम रा मानून अन्या १८४०	১৭-ইপরা	bb	933
তার অনুসরণ করেছে	৩-আলে ইমরান	W	282	কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে না অধিকাংশ মানুহ (আল্লাহর প্রতি)	৪০-ছুমিন	83	bye
	11 March	22	90%	ক্তজ্ঞতা প্রকাশ করে না অধিকাংশ মানুষ	२-वाकावा	280	635
ইবাদত (অনেক মানুৰ বিধার সাথে আল্লাহর ইবাদত করে)	২২-হাজ			কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে না অধিকাংশ মানুধ	১২-ইউসুফ	99	690
ইবানত (মানুৰকে প্ৰতিপালকের ইবানত করার নির্দেশ)	২-বাকুরো	57	000		১৭-ইসরা		
ইলাহ/উপাস্য(মানুবের ইলাহ/উপাস্যের কাছে আপ্রর চাওরা)	১১৪-নাস	0	2009	কৃপণ (মানুৰ অঠি কৃপণ)		200	924
ইছদী ও নাসারারাও মানুষ বাদেরকে জাল্লাহ সৃষ্টি করেছেন	৫-মারিদা	39	৫৮৩	কৃপণতার নির্দেশ (মনুষ্টকে কৃপণতার নির্দেশ থানকরীর পরিদাম)	8-निमा	ত৭	699
ইমন (অধিকাপে মানুৰ কিভাবে/কুরজানে বিশ্বাস করে না)	১১-ছুল	39	909	তৃতজ্ঞ (মানুদ্ম অকৃতজ্ঞ অধবা কৃতজ্ঞ হবে,হেনারাত প্রদর্গ)	৭৬-লাহর	0	295
ইমান জন থেকে মনুদ্ধক বিরত রাখে কেবল এই যে- জরা বলে	১৭-ইস্বা	3-8	944	ক্লান্ত হর না (কল্যাণ প্রার্থনার মানুষ ক্লান্ত হর না)	৪১-ফুস্সিলাভ	8%	psc
দ্বৰ্মান আন্দ্ৰে না অধিকাংশ মানুষ (অস্তীৰ্ণ সভ্যের উপর)	১৩-বা'ল	١	99.0	ক্ষতি (নিশুরই মানুব ক্ষতির মধ্যে আছে)	১০৩-আস্র	2	200
দ্বমান (মানুবের/মুনাফিকের সমান আনার মিথ্যা নাবী)	২৯-আনহার্ত	20	776	ক্ষমাপীল (মানুষের প্রতি ক্ষমাপীল, মুমিনগণ)	৩-জালে ইমরান	>08	682
ঈমান (মানুধকে ঈমানের আহ্বান)	8-मिला	390	29b	গঠন (অল্লাহ মানুষতে সুন্দরতম গঠনে সৃত্তি করেছেন)	৯৫-তীন	8	205.
সমানের পরীকা (আল্লাহ মানুহের ঈমান পরীক্ষা করবেন)	২৯-আনবার্ত	2	27.50	শোলৰ (মুৰাভিকরা মাধুখের কাছে গোপন করতে চার)	8-न्सिम	704	645
ইয়ান (কতক মানুৰ/মুনাফিক ঈমানের মিথ্যা খোষণা পেয়.)	२-शकावा	b	\$05	গ্ৰহণ কৰে মানুহ আল্লাহৰ সমকক (আল্লাহকে ছাড়া)	২-বাকুরো	796	672
দিনা আ, মানুবের নাথে কথা বলেছেন, কোলে থাকতে	व-माविता	330	849	त्यक्त (समुख्य तकि त्यका, जहार त राष्ट्रा म. दत ११० (भ(क)	৯-জাওবা	0	680
মূল আ তি মানবাত বাসকিল, আমাতে এবং আমার মাতে ইলাব_)	্-মবিদা	336	292	চলা (মানুবের মধ্যে চলার জন্য আলোপ্রান্ত ব্যক্তির উপমা)	৬-জান'জাম	344	600
উঠান (উপোটিত পেলুর শহের মত আদ আভিকে উঠার নিকেশ)	৫৪-কামার	30	309	হাণরা (আনুমর্যানার কাবণে থারা মানুসের কাছে চায় না)	২-বারুবরা	290	0.53
উৎফুল হয় মানুৰ (পুচুহৰ পৰ নিয়মত আথানদ কবালে)	33- <b>ए</b> न	30	999	চিন্তা (মাপুৰের চিন্তা করার জন্য কুরমোন ও ওহী অবজীপ)	১৬-নাহল	88	904
क्ष्माम् (जाहास्त नवा जानामन कर्ताजा स्ट्रण मानुस क्षेत्राम् स्ता)	84-70	87	7.95	জনসম্ভূবে (ইবরাহীমতে মানুখের চোবের দামনে জনসমূহে			-
উলসীম (অনেক মানুষ আল্লাহর নিদর্শন সম্পর্কে উনাসীন)	১০-ইউনুস	34	990	নিয়ে থাসার দাবী)	২১-জাধিয়া	97	458
ভিপনে (পাতার মানুষের জনা উপনেশ)	৭৪-মুদ্দাহছির	407	999	ছেড়ে দেৱা (মানুহকে এমনিতেই ছেড়ে দেৱা হবে ল)	৭৫-কিয়ামাহ	05	338
			992	জানু শিক্ষা দেয়া (শাহতান্যা মানুদকে জানু শিক্ষা দিত)	३-वाक्सवा	205	424
केन्द्रा कर्पान्त्रस बाह्र कर विश्वनातः जनसङ्ग्राम केन्द्रा सः)	২২-হাজ	90		ছালে না অধিকাংশ মানুৰ (সঠিক হীন সম্পর্কে)	द०-क्रम र-व्यक्त	90	5-28
BMART (प्रमुख्य BMART मामी मित मागत एक लोगम)	২-বাকারা	3/68	679.	জালের অধিকাপে মানুর (রিফিক প্রদান প্রদক্ত)	৩৪-সাবা	96	b88
উপরারী (মানুহার জন্য উপরারী অংশ কমিতে থেকে যায়)	১৩-রা'দ	24	690	ब्राटन न प्रश्विताल मानुष (प्राचिक द्वारा दानक)	७०-वम	6	944
উপকারিতা (মানুযের জন্য উপকারিতা এরেছে মুদ ও জুরার)	২-বাকারা	579	252	बद्धान न परिवरण प्रापुत्र (पद्धार निक्र राख राष्ट्राना विक्री)	24-8824	42	695
উপকারিতা (লোহাতে মানুহের জন্ম বহু উপকারিতা বলেছে)	৫৭-হানীন	20	960	ব্যানে না (বিস্তামত সম্পূর্ব (অস্তাহ লার কার্ম সম্পূর্বন নিবার কানে না (বিস্তামত সম্পূর্বে অধিকাংশ মানুষ কানে না)	80-साहिता -	40	
উপদেশ (কুবমান মাধুমের জন্য প্রতিপালকের উপদেশ)	১০-ইউনুস	49	543		ত৪-সাবা		309
উপমা (মাধুহের জন্য উপমা পেশ করেন আল্লাহ)	49-4144	57	109	জানে না (অধিকাশে মানুষ জানে না বাসুল (গ.) সুসংবাদ দাতা)		52	₩85
উপমা (মানুষের জনা উপমা পেশ করছেন আল্লাহ)	२८-मृत	4	999	ছালের(অধিনাপে মানুষ্টে জানে না মে পুনরন্দানের প্রতিপ্রতি সভা)	५७-नार्ग	07	900
উপেন্ধ (মানুদ বেধকা হরে হিনাব/করনদিহিকে উপেন্ধ করনে)	২১-আধিয়া	2	920	ন্ধানে না (অধিবংশে মানুৰ জানে না প্ৰতিষ্ঠিত দ্বীন সম্পৰ্কে)	১২-ইউসুক	80	96.0
Gभारतमध्यसम्बद्धान् सम्बद्धान्य राजनं वरतम अञ्चाद समुख्या सम्ब	১৪-ইবরাহীয	56	692	বাদে না (অধিবংশে মানুখ জানে না, ইয়াকুব সম্পর্কে)	১২-ইউসুফ	8r	9910
উপদেশ গ্রহণ মানুষ বেন করে সেজনা কুরআনে দৃরীন্ত পেশ	৩৯-বুমার	29	5.40	জনে না (মানুষ জানে না যে জাকাণ-পৃথিৱী সৃত্তি)	৪০-মুমিল	64	ppc
উপমা পেশ (আল্লাহ মানুবের জন্য উপমা পেশ করেন)	২৯-জানবাৰ্ড	80	2.79	বালিম (মানুৰ অভ্যক্ত বালিম ও খুবই অকৃতন্ধ)	১৪-ইবরাহীম	08	090
উত্তৰ (পূৰ্বে অফান মানুষ উত্তৰে উপৰ অপ্তাহৰ কৰা সভ্য হয়েছে)	৪১-ফুস্সিলাভ	2.0	bbb	অব্যন্নাম পূর্ণ করা হবে (মানুষ ও স্থিল রারা)	৩২-নাম্পা	30	207
উদ্মত (মানুবের মধ্যে যে সব উদ্মত অধীত হরেছে)	৪৬-আহ্বাফ	35	hoh	জিন ও মানুষ দাবা জাহান্রাম পূর্ণ করবেদ প্রতিপলক	77- <u>ई</u> स	22%	690
উল্লেখনোয় বিস্থ ছিল লা মানুষ (এমন সময় কি অভিবাছিত ছয়েছে?)	৭৬-দাহর	3	395	জিঞ্জনা (দেদিন মনুদ্ধজিলো অপরাধ সম্পর্কে জিজ্ঞানা করা হরে ন)	৫৫-রাহ্মান	039	885
এক জাতিত্বক ছিল মানুহ (মতপাৰ্থকের পূৰ্ব পর্যন্ত)	১০-ইউনুস	35	626	বিজ্ঞান (বিশ্রমতে মনুখকে নেয়মত নদক্ষে বিজ্ঞান করা হবে)	১০২-স্বাকাছ্য	¥	300
এক উক্সর বালতে পারতেন মানুষকে (প্রতিপালক ইচ্ছে করাল)	22-वृत	222	696	জিলার (বিরয়েত কলে ঘটরে সে সম্পর্কে মানুহার জিলার)	৩৩-আহ্বাব	660	5-09
এক উপত (মানুধ একই উপতে)	२-सङ्ख्या	230	658	জীবন হাড়া (সব মানুহের জীবন ব্রক্ষা করপ, যে একজনের			-
এক উপত হওয়ার সাপক্ষা, মানুহের (সত্য প্রত্যাখ্যানে)	80-545-0	00	999	জীবন প্রথম করন)	হ-মারিদা	- ૦૨	648
একপ্রিত (মানুদকে একপ্রিত করার দিন আধিরাক)	३३-वृत	300	590	ভীৰদাৰপোৰ উপকলা (ক'বা/গুৱাম মাস, মানুহাৰ ভাল)	৫-মার্থিদা	24	27-4
কথা বলা (সন্তামর অপ্তাই মানুহতে কথা বলা শিক্ষা নিরেছেন)		8	200	কুৰুম (আল্লাহ মানুহার প্রতি কুনুম করেন না)	১০-ইউনুস	88	925
	৫৫-রাহ্মান			জুপুন (মানুখের উপর জুপুমকরীর জন্য পারি)	8३-श्वा	84	728
কথা (মানুখের কথা রানুল স. কে মুখ্র করে)	২-বাশুরা	₹08	650	स्त्रम् (आहम्स प्रमुख स्थान प्रह्माई व्यक्षप्रदर्भ वन (आहम विहार कराट)	৩১-পুরুমান	6	200
কর (মনুদের সারে করা কারে চিসা তা, রোলে বাল অবস্থায় ব)	৩-আলে ইমরান		280	জিল-মালুবের দলের মাধে আশুনে প্রদেশ করতে বলা হবে	े-खा,शंक ११-था,शंक	49	970
क्य (प्रमुख्य ग्रह्म त्रूपन क्य क्यार क्ष्मीकार, श्री हेमामिला)	२-शादुरश	300	609			87	995
কৰা (কুৰমাদ মানুষের কথা, ওয়ালীন ইবনে মুণীয়ার উঠি)	৭৪-মুদ্দাছছিব	2.0	997	ভাবা (বিগন-আগনে গড়লে মানুষ আল্লাহকে আকে)	৩৬-যুমার		
কথ কল (থকারিয়া আ, মানুহার সাথে কথা কাকে পারেবে না)	১৯-মারইয়াম	30	908	ভাকা (মানুৰ বিপাসে আস্তাহকে নাঁড়িয়ে,বসে ও খবে ভাকে)	১০-ইউনুস	25	600
कवा कर्ना (अञ्चलक भारत कवा क्लाट भारत न गावस्ति।)	্-আলে ইমরান	82	680	ভূৱা প্ৰথ (মানুধ ভূৱাপ্ৰথণ)	১৭-ইস্বা	22	930
কম দেয়া (মানুষকে ওজনে কম দেয়ার ব্যাপারে নিষেধাজা)	১১-বৃদ	ν¢	690	তুরা প্রবণতা দিরে মানুষকে দৃষ্টি করা হরেছে	২১-জবিয়া	59	465
কর্তনা (ক'বায়ারর হক্ষ্য করা মানুহার উপর অবন্য কর্তন্য,)	৩-জালে ইমবান	24	989	দরা (আল্লাহ মাদুরকে গরা বরলে আটবানোর কেউ দেই)	৩৫-ফাডির	2	780
	৩-আলে ইমবান		486	দলিল প্রকার্ম (মারুমে বারেপ্রতিশালকে পাদ থেকেপ্রকা এসের)	8-निगा	298	443
কল্যাণে (মানুহৰত কল্যাণে বের করা হয়েছে উত্তম উপকে) কলম (মানুহৰত এবং বিনি আকে বুকিনক্ত কল্যেছন তাল কল্ম)				দল (ব্রীন ও মন্ত্রেরে নলকে রঞ্জ স. এর আগনে সম্পর্কে জিজাসা)	৬-আন্'আম	100	çoà
	৯১-শামল	9	3038	দিনসমূহের আবর্তন মানুষের মাঝে (আপ্লাহ ঘটান)	৩-আলে ইমবান		485

মানক মানুৰ

		-	rain.	अस् । विद्या <i>न</i> िक	wei 20 4 2	200 %	-
<del>१विश्व । ४ वे विश्व (धनह</del>	স্যানঃ ধৰাম	etta e	500		সুৱা বং ও দাব		
মানুষ (আরো নেখান মানব শব্দটি) (পূর্ব পূর্বা থেকে)				প্রতিপাদকের ভয় করার নির্দেশ (মানুলের প্রতি নির্দেশ)	8-निमा	٥	26
পুৰিয়ার জীবন যেন মানুহকে প্রভারিত না করে	৩৫-কাভির	4	986	রাভ্যক্ষণশী (মানুর নিজের বিক্তছে নিজেই প্রভাকদশী)	१४-विमामार्	78	১১
দুৰ্বল (মানুষকে দুৰ্বল করে সৃষ্টি করা হয়েছে)	8-নিসা	4h	660	প্রতিশালন (অপ্রাং মানুহাত উদ্ভিনের হত ফৌনেপ্রতিশালন করেন)	47-14	29	99.
চুক্ত দুর্মশায় মানুষ আল্লাহকে সাঁড়িয়ে,বসে ও হারে ভাকে	১০-ইউনুস	25	955	প্রভিত্মলকের সামনে দাঁড়াবে মানুষ (বিরামভের নিন)	५०-प्रवर्शक्षीय	. 6	303
রাম্ভ পেশ করেন স্বাপ্তার মানুবের জন্য	89-इक्टबर	0	225	প্রবেশ (সহাধ্যবিষয় এল অনুষ দলে দলে ছনে প্রবেশ করবে)	১১০-নাস্র	2	201
টান্ত পেশ করেছেন আল্লাহ মানুবের জনা (কুরআনে)	<b>७०-वय</b>	20	995	প্রমাণদি ও পথ নির্দেশন বর্ণনা করেছেন জাল্লাহ (কিতানে)	২-বাঞ্চারা	20%	65
রার (মানুহার করা প্রক্রেক দুরীত কর্মন করা হয়েছে কুরুছানে )	১৮-বাহক	68	935	প্রয়োজনবর্তার (অনুসর মধ্য থেকে ও জিবনের মধ্য থেকে)	228-8IF	0	Soi
স্বালে (সুনাধিকের নামান্ত মানুহকে দেখানোর জন্য)	৪-নিয়া	183	999	প্রভাক্ষ করবে নিজের কৃতকর্ম (কিরামতের দিন)	৭৮-বাবা	80	30
সম্বাদে (মনুম বিকাশ হয়ে মো ছাব –যাতে তার করে লেখালে যার)	১৯-বিসম্মদ	à	1000	প্রতিহত (মানুবতে প্রতিহত না করতেন যদি আল্লাহ কবে)	২-বাকুরো	425	03
লয় (অনুসামত ব্যৱস্থার সমল্য তলেও মালুলতে লিলো)	8-PM	60	690	প্রভাবর্তন (মানুধ্বক প্রভাবর্তন করাতে সক্ষম আল্লাই)	৮৬-ডার্মক		30
সন্ধলে (মানুবকে বৃটি পথ সেবিয়েছেন আপ্লাহ)	১০-বাদান	30	2050	প্ৰকাশ্য শক্ত (মানুহাৰ প্ৰকাশ্য শক্ত শৱভান)	১৭-ইসরা	20	93
	৪-নিসা			প্রতিশাসক অনুমের নিবর সম্পর্কে অবগত থাককে (বিরামকে)	১০০-'অস্থ্যিত		200
দৰ্শকে (মনুহকে দেখানের জন্য ধন-সম্পূল বর্জ করার ফল)		407	6.95		২০-অ'দ	99	\$0
পৰা উপি মানুহান (বিৰ্ণ থেকে ভাকে দৃত্তী করেছেন আল্লাই)	৩৬-ইয়াসীন	99	৮৫৬	প্রতিশালক মানুকের প্রতি কমাপীল		-	-
লথ্য (মানুধ দেখলে মাধাইরাম বলবে)	১৯-মারইয়াস	₹6	900	প্রতিপালক (মানুহের প্রতিপালকের নিকট অপ্রক্র সংবল)	778-zási	2	20
ন-সম্প (মনুহের ধন-সম্প বৃতিদ শহরে প্রেল বছে)	৯-বাধবা	<b>CS</b>	680	প্রতিপালকতে ভাকে মানুহ (মুঃখ-দুর্মন্য স্পর্ণ করলে)	৩০-জন	00	34
ন-সন্দন (মনুহার সন্দদ বৃদ্ধির ক্ষয় কুন্টারিক বিনিয়োগ)	৩০-রম	69	254	द्रावन (बानुन म. यह पूर्वत यनुन्यतमें वानुनावरण द्वारग)	১২-ইউসুফ	202	66
লংগ হোক (সে মানুৰ কভইনা অকৃতভা)	৮০-খাবামা	29	2000	হেৰণ (ব্ৰহুদ স. হিৰুৱে মন্ত্ৰুৱেই হেৰণ/এই হেৰণ প্ৰদৰ)	১৬-মাধ্প	80	90
में अबस्य श्रम्भन प्रमुष(प्रश्नेष्म म. गल्पर्ट सनियाना विक)	২১-জবিরা	0	920	প্রতিপালক সম্বন্ধে মানুষকে প্রভাবিত করল কিসে?	৮২-ইনফিয়ার	8	20
ন্বাম্য (কুবজান মানুহের বক্ষের বিষয়ের নিরামরকারী)	১০-ইউনুস	69	662	ফালার (মানুবের মাধ্য বিচরে ফালালর জন্য ভিত্তন জনতির্গ)	8-भिना	200	6.
বর্দেশ (মানুষকে কুপথতার নিচলি দান করে যারা)	৫৭-হাদীদ	28	à@o	বিবাদিন সংগ্রেপারের নার পু'ঞ্জন মানুহ মুনা আ ও হাঞ্চন	২৩-মুমিন্দ	89	98
বর্দেশ (মানুষকে ন্যায় নির্দেশ দের বারা ভালেরকে হত্যা)	৩-আলে ইমধ্যৰ	52	d-Obr	থিবির অন (অল্লাহ মনুহকে নীয়ক্ত ভরে বিভিন্ন অনুনা)	৯৫-তীন	0	30
বৰ্লেশ্য মানুৰকে পিতা-মাতার সাথে সধ্যবহার করার নির্দেশ)	২৯-জানবারত	7	3/26	ক্ষেত্ৰপাল্যক মানুষ্ণপ্ৰশেই পাল্লানা হড (ভাকে বানুল স. বানাল)	৬-আন্'আম	5	01
হর্নণ (মানুহকে পিডামাডার প্রতি সলচরদের নির্দেশ)	৩১-পুকরান	28	31237	ব্যাখনতার এক প্রয়োলনানবারীর অনিষ্ট থেকে অধ্যুর প্রর্থনা)	328-HH	e	20
ক্ষের প্রতি মানুম কুলুম করে (আল্লাহ কুলুম করেন না)	১০-ইউনুস	88	9634	বন্ধ (স্থীবনের মাণুর বন্ধনের কারকের গাচবান হওয়া প্রসঞ্চ)	৬-আন্'আম	256	6:
स्टेस्टी (अनुरक्ष सन् सहना दिनव निर्मावर्ती रहाह, वर्षाः)	২১-অথিয়া	2	920	বন্ধ (বনুমো মধ্যে কেল হৈনিবাই অনুবাৰে বন্ধু -এখন ধাৰণা)	৬২-কৃমুজা	- 6	24
हर्तन (की हेमश्रीका कर्डक प्रमुख्य प्राप्त निर्दान नाम जनक)		88	400	र्णन (याद्यक कन विकार गुण्डोकार सर्गना स्त्रीतार)	৩-জালে ইমরান		00
	২-বাকারা			नृश्चि (तका तकामान्य नद समूच कार नृश्चित के कार)	bb-शिमराम	0	20
দৈশ্য (মানুষের জন্য নিদর্শন বর্ণনা করেন জাল্লাহ)	২-বাকুরা	35-9	657	বহন (মানুহ আল্লাহর আমানত বহুদে সম্বত হওৱা প্রসঙ্গ)	৩৩-জাহ্যাৰ	92	81
मन्त्रन (समूरका बना भिन्न्त्रन, क्षेत्रारहरात गर्डेना क्षत्रक)	২-বকুরা	56.9	602	বাভাবাভি (বিপদ থেকে উদ্ধান্তৰ পৰ মানুৰ বাভাবাভি করে)	১০-ইউপুস	30	96
দৈৰ্শন (মানুষের ঞ্জ দিংশন, মাইয়ামের পুত্র হওয়া)	३५-मददेशम	52	902		৩-মতপুণ ৩-আলে ইমরান		
হে আ, কে সাধারণ মানুব মনে করণ (সম্প্রদায়)	35- <b>र्</b> म	21	994	বন্দ (মূহত বিজ্ঞা বন্দ হত কা সংগ্ৰুত না ক্ষে স্থুজ্জে)			3.5
হকে কানের মতই মানুষ ধলল, (সম্প্রদায়ের লোকেরা)	২৩-গুমিন্দ	-2,8	969	ৰখা করা (মানুহকে মুখিন হাত বাধা না করার নির্দেশ)	১০-ইউনুস	99	86
ন্যামত (মানুখতে নেরামত ভিলে মূল কিরিয়ে লেয়)	১৭-ইস্বা	100	452	ৰভিবংগ(যানুমের দণ্ড থেকে অল্লাহ বার্টাবাকে মার্লেটত করেন)	२२-शुळ	92	98
নশাগুন্তের মত হয়ে যাবে মানুষ (কিনামতের দিন)	55-50ME	3	৭৫৮	रांश (मानूक्त सन कुत्रवन ८० राजी)	১৪-ইংবাহীম	65	99
য়ারের সাথে কাজ সম্পাননের জন্য মীয়ান অবভীর্ণ	৫৭-হানীদ	2.0	360	বিক্রি করে যে মানুহ বিভেকে আপ্রাহর সম্ভবির কথা	২-বাকুারা	209	18
প্রভারকরী মানুস ও জিলানেকে দেখিকে দেয়ার প্রার্থনা (ব্যক্তিবদের)	৪১-কুন্সিলাভ	52	555	বিতৰ্ব্যাপুৰ আৰ্ কিতাৰ/পৰ্যনিৰ্দেশন ছাত্ৰাই আল্লাৰ সমকে	৩১-লৃতমান	20	50
পথন্তই কংব(মৃতিপ্রলো বহু মানুষকে পথনাই করে)	18-रेस्तरीय	105	656	বিৰ্ভক করে)	-		Ŀ
গুরুষ্টা করা (মানুষ্যকে পথন্তর করতে অস্ত্রাহ সকলে মিখ্য বচনা)	৬-আন্ আম	788	630	বিভৰ্কপ্ৰবৰ্ণ (মানুষ সবচেয়ে বেশী বিভৰ্ক প্ৰবৰ্ণ)	77-4125	@8	94
প্রনির্দেশিক (মানুসের জন্য পথ নিয়নিকা স্বরূপ কান্তর্যাত ও)	৩-আলে ইমরান	8	400	নিশান বাবুধ অক্সান্তক ভাকে ও অনুহার লাভের পর যুগে বার	৩৯-যুমার	b	34
প্ৰতিপ্ৰাৰ (ভাল্ডাত মনুহয় জন্য পৰ্যনিৰ্ভাশন হয়প ছিব)	৬-আন'আম	22	608	বিভিন্ন বহের মানুধ আল্লাহ দৃষ্টি করেছেন	৩৫-ফার্কির	47	78
অনিমেশিকা (কুরজান মানুষের জন্য পথনিমেশিকা)	२-राङ्गदा	29.6	650	বিচার (পাউনকে মানুছের মধ্যে নার বিচারের নির্দেশ)	৩৮-সোরান	46	34
থে প্ৰদৰ্শন (আহাৰেই মানুৰতে পৰ প্ৰদৰ্শন কৰেন)	৭৬-মাহর	0	224	নিশ্বস করে ধা অধিয়াশে মনুষ বরং তার নির্দেশ উপোষ্ণ	১২-ইউসুফ	306	(6)
থ লেকাৰ (রাসল স্. আসলে কাবিকার কাত, মানুনাই কি পথ লেকাং।)	৬৪-ডাগাবুল	6	366	বিশুক্ত (ভিয়ামতের দিন মানুধ বিশুক্ত হয়ে বের হবে)	১৯-বিল্যাল	6	30
ক্ষিয়া প্রেরিপাদক মানুষকে পরীক্ষা করেদ, জকুহে লল করে।	b≽-पा <del>ल्</del> व	26	2092	বিভাক (মানুষ তিন প্রেনীতে বিভাক হবে, কিয়ামতে)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	9	36
ক্টিকা (অন্তাহ মানুষের ঈমান পরীকা করবেন)	২৯-আনবাবৃত	3	97.0	মিতর্জ্বকর মূল পর্যবিদ্যাল প্রস্তুই অল্লাহ সম্পর্তে বিতর্ক বরে)	22-20m	b	96
ত ক। (আগ্রাহ ধারুবের সমান গরাকা করকে।) ব্রিকা (মনুবার পরীকার জন্য নৃত্তি/পুকাশভিনাম্পন্ন করের হয়েয়ে)	৭৯-বাহর	4	220	বিভর্ম করক অনুদ বয়ন হাত্তাই অক্সায় সম্পূর্তে বিভর্ম বর্তে)	२२-राष		91
				বিচার (মালুকের মারে ন্যাকের লাখে বিচারের নির্দেশ)	8-निमा	ov	0
বিন্ধা(মনুমের পরিকা/নির্যান্তনকে মুন্দর্যকক সম্ভোহর পরি ভাবে)	२३-वानकार्ड	30	9.79	থিভিত প্রক্রের মত হবে, মানুহ (মহাপ্রক্রের দিমে)	১০১-কুবরি জা	8	20
প্তিকা (মানুকের পরিকার জন্য বাসূল দ. কে বস্ত্র নেবলো এবং	১৭-ইস্রা	90	477			66	9
মিৰেটন (মানুষকে পরিনেটন করে আছেন প্রভিশালক)	১৭-ইস্রা	60	47.7	বিরত থাকে করা প্রার্থনা থেকে(শান্তি আদা পর্যন্ত)	79-státa		
কেরও করা হলে কৃতনার্মের জন্য (বেলন মানুধ নাদ মেতলা)	৩৫-ফাভির	84	100	বিশ্বত বাবে ইয়ান থেতে (শান্তির আনা পর্বন্ত)	29-912A	66	9
লোবার স্থান বুঁজনে মানুষ (কিয়ামতের দিন)	৭৫-কিবাখাহ	30	220	দীর্থ বিন্দু থেকে খানুহার সৃষ্টি প্রদাস	৭৫-বিরামাধ্	09	20
গলাবে (কিয়ামভের নিন নিঞ্চ ভাই থেকে)	৮০-জাধানা	'08	2009	বীর্গ (মানুদ্ধকে বীর্গ থেকে সৃষ্টির পর সে সুস্পরী নিভারকারী হর)	১১-মাহ্প	8	9
গপাচার (মানুঘ ভবিষাকেও পাপাচার করতে চার)	10-69000	ė	330	বৃত্তি পোর প্রশাসক, এফা এক বছর আসং (বর্তিন সাভ বছর পর)	75-इंड्रगुक	85	8
গুপারারী (অধিকাংশ মানুষ পালাচারী)	৫-মধিনা	83	640	বের হওয়া (কিয়ামভের নিন মানুষ বিচক্ত হয়ে বের হবে)	১৯-বিশ্বাদ	8	20
ড়েজ্য (মানুষের প্রচেন্টা বিভিন্ন ধরমেন)	১২-পরিদ	8	3090	লো কর্মানুলাকে অঞ্চলন গেকে অলোভে থের করার মন্ত কিতাব)	১৪-ইবরাই ন	2	60
(ডেটা (মানুষ যে প্রচেষ্টা চালার ভাই পার)	৫৩-বাজম	Ch.	208	বেশবর (মানুল বেশবর হয়ে হিন্দুব্যক্তরার্থনিইকে এলেফা করছে)	२५-व्यक्तिया	3	90
	११-वदमान	00	380	ভবিষ্যত (মানুষ ভার ভবিষ্যকেও পাপায়র করতে মার)	৭৫-বিরামাহ	e	53
(१९४९) प्रमुख मीमा प्रस्तितम्म कराज्य सदित्य प्रशित्तिम्(१४)सः (१९४९)							

क्ष विस्तृहात	न्त्रामः इत्य	EC.	1	ाव । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	न्द्रों कर क नाय	464.4	781
মানুহ (আরো দেখুন মানব শক্টি) (পূর্ব পৃঞ্চা খেকে)		_		শিখনে (কেটি মনুৰ প্ৰকৃত্য স. কে কুবজন শিখ্য হৰ্মে জপৰদ)	১৬-নাহল	300	933
তহ্ব(প্রতিপালককে তর করার নির্দেশ, কিরামত প্রসঞ্চ)	3.2-10 <b>16</b>	3	961	শিক্ষান(মন্ত্ৰাহ মনুধকে শিক্ষা নিজেনে -য সে জনত ন)	৯৬-আগক		203
ভর (মানুষকে ভর পাওরা নিষেধ)	৫-মাছিদা	88	640	শিক্ষ দাং (দামনা বস্তাহ মনুদাত কর কর্ণ শিক্ষ নিয়েছে)	৫৫-বাহমান	8	3400
তর করার বির্দেশ মানুষের প্রতি (প্রতিশালক/কিরামন্তকে)	৩১-বৃত্তমান	90	P-2b	গুজাইৰ অইনেবালীৰ মত সপাৰেৰ মনুগ (স্বাইনেবালীৰ উচ্চি)	59- <b>द</b> ,बाब	29/6	934
ভালবাসা (ধন-সম্পদের প্রতি মানুবের ভালবাসা প্রবল।)	১০০-'অনিয়াক		2000	শোচনীর করা হয়েছে মানুহের জন্য (ভালহাগার আর্থাক্টা)	৩-আলে ইমরান		20
प्रकलवंश (प्रमुख प्रकलवंशिश सक्तान क्यांक महीला)			¢48	সংবাদ (বিবামতে মানুহার পূর্বপর বাবা সম্পর্কে সংবাদ পেরা হবে)	१०-किशामार्	20	20
	২-ধাকুরো	२५०		স্ক্রিক পর প্রদর্শন করতে পানে আপ্রাহ সর মানুমকে (ইচ্ছা করতে)	১৩-রা'দ		
মনে করা (মনুৰ কি যনে করে পার জানুসমূহ একরে করা হবে ন')	৭৫-বিয়ামাহ	0	220			02	99
भूत करा (भूका कि भूत करा ता जात अमिराकी उद्यक्त तता करत)	৭৫-কিরামান্	99	978	নভৰ্কানী (মুহাৰন না, মনুহাৰ নান্য কেলা শ্ৰেষ্ট নভৰ্কানী)	২২-হাক	85	969
মনে কৰা (মানুছ নিজেকে স্বয়ংসম্পূৰ্ণ মনে করে)	৯৬-জালাক	٦	२०२५	সভৰ্ক কৰা (মালুমতে সভৰ্ক কৰাৰ জন্ম বানুস স, এব প্ৰতি ভাই)	১০-ইউনুস	3	96
মনে করা(মানুষ মনে ধরে সিমান এনেছি' নপলেই ছেছে লোম বংগ)	২৯-জানকাৰ্ত	5	9,70	সতৰ্ক করা (শান্তি আসার দিব সম্পর্কে মানুষ্ককে সতর্ক করা)	১৪-ইবরাহীম	88	89
মনেশিত করা (অপ্তাহ মূপানে মানুকের উপর মনোশীত করেছেন)	৭-আরফ	788	956	সতর্কারী (সাকার মাধুকের ছন্য সতর্ককারী)	৭৪-মুদ্দাকৃতির	06	27
মর্যাদা,মানুবের (একটা নয় যে আল্লাহ কথা বলবেদ)	৪২-শূরা	62	920	নদর ব্যবহারের নির্দেশ মানুষকে (মাধ্য-পিতার প্রভি)	85-वार्कार	30	90
মানুম অকল্যান প্রার্থনা করে কল্যান প্রার্থনা করার মত	১৭-ইসরা	22	930	সন্দেহ (রাসূল স. জানীত দীনে মানুছের সন্দেহ থাকলে)	১০-ইউনুস	308	96
মাতুহ উৎকুদ্র হয় (দরা আখাদন করালে)	00-8¥	99	¥48	गरकर (कुलक्यान सनुरक्त गरकर च सनुरक्त मृति दक्षिमा नित छव)	55-01ml	2	9.01
মানুবের জন্য দৃষ্টান্ত বর্ণনা করেছেন আল্লাহ (কুরজানে)	১৭-ইস্বা	b/b	455	সমানত করা (সুপাইমানের জন্য জিনু মনুমুপারি সমানত করা এলম)	২৭-নামল	39	Po
মাধিক(মানুহের মাধিক/বদশাহর নিকট আপ্রর প্রার্থনা)	১১৪-নাস	3	300b	সমর নির্দেশক (যানুবের জনা সমর নির্দেশক, মতুন র্যাস)	২-বাকুগরা	36%	63
মারইরাম মানুষের নাথে কথা বলবে না, ঈনার জন্ম প্রনঙ্গ	১৯-নাবইবান	26	900	সম্পন (মানুহের সম্পন বাহিদ গছার গ্রাস করার পরিণাম)	8-मित्रा	262	23
মানুম বিৰবী হতে পরবে ন আৰু কবিবানের উপর (করযুদ্ধ প্রদক্ষ)	৮-আনজল	81	900	সম্পন (অনুক্রের সম্পন্ধপ্রস করের জন্য বিভার্ত্তর নিকট পেশ)	২-বাকুারা	366	65
মানুহকে সমবেতভাৱী প্রতিপালক (কিরামতের দিন)	৩-আলে ইমরন	2	600	নমানন (পান্ধি ভাব শিক্ষ নের প্রদাস মনুখনে কুপট্নিয়ানর সমানন)	২৭-সামপ	3/6	p.c
মিপ্তা কৰা (মানুহ অক্সাহ সকলে নিকা কৰলে – জিনালে ৰালো)	१२-क्रिन	e	38%	সজাৰ (অক্সাং মনুক্ষা কতককে সন্ধিয় জনানো জনতে গছম)	8-विमा	300	29
				গাধনা বত (মনুন প্রতিপদ্ধের সক্ষাতের জন্ত সংগ্রন্থ রত)	৮৪-ইশশিব্যব	9	203
মুখ দা বিবাহে মানুমের দিকে অহমারভার (পুরকে উপদেশ)	৩১-দূরহান	79.	hsp	সাকী (মানুক নিকেই তার জন্তজ্ঞতার সাকী)	১০০- অপিরত	9	
মুখালেকী (মানুৰ আল্লাহৰ মুখালেকী)	তণ্ড-কাতির	26	189		59-0,000.		200
মুখিনসেরক ধরে দিয়ে যাবে মানুব, এমন আপক্স মুখিনকের)	৮-আৰম্বল	₹9	908	সালিহ আ, অন্যানর মতই মানুষ (ছামুদ সম্প্রদারের উঞ্জি)		268	9,5
মুখিন হতে মানুখকে বাধ্য না করার নির্দেশ	১০-ইউদুস	99	660	সিজনা (অনেত মানুৰ অল্লাহতে সিজনা করে)	২২-হাজ	79.	9/2
মুদ্দিল (সৃষ্টির পর মানুষের মধ্যে কেউ মুদ্দিল হয়)	৩৪-জনাকুৰ	2	999	নীমাগৰূদ (মানুধ দীমাগৰুদ বলে থাকে)	৯৬-আলাক	6	203
মূখ ফিরিছে দের মানুষ (আল্লাহ অনুমাহ করলে)	৪১-কুপ্সিকাত	62	9/30	সীমালকদ (মনুমের সীমালকালে শারি দুনিরাভেই দের হল)	১৬-সাহৃপ	હડ	90
মুমিন নয় অধিকাংশ মানুব (ৱাসূল স. অহাতী বলেও)	১২-ইউসুক	200	696	সুখরিত করছেন মানুখকে আল্লাহ (সৃষ্টির পর)	26-এাই <u>ক</u>	09	94
মৃত্যুর পর মানুষকে স্কীবিত বের করা হবেং (মানুষের গ্রাপ্ন)	३७-मातदेखाम	66	906	সুগঠিত করা (অস্তাহ মানুহকে সুগঠিত করেছেন)	৩২-সাজ্গা	<b>b</b>	80
মৃত্যু (মানুক্ষা মৃত্যুর পর ফেরেশরা দবলকে অস্থানে দিকে মিরিছে.)	৩২-সাম্পা	22	P-80	সুপরত্ব গানে ব্যস্তাহ মানুহকে সৃত্তি করেছেদ	৯৫-খন	8	204
মোহতেন্ন প্রেচুর্যার প্রতিযোগিতা মানুবাকে মোহার্যন্ত করেছে)	১০২-ডাকার্ব	2	2002	সৃত্তি (মানুষ সৃত্তির প্রয়ে বড় কাম আকাশ ও পৃথিবী সৃষ্টি)	৪০-মুমিন	64	55
বুক্তি-প্রমাণ (রাস্প স. আসার পর আল্লাহর বিরুদ্ধে মানুবের				সৃত্তি (মানুৰ সৃত্তি করেছেল আপ্লাহ, কিতরতের উপরে)	৩০-ছম	60	34
যুক্তি না থাকা)	8-निमा	395	295	সৃত্তি (মানুৰ সৃত্তি করেছেল আল্লাহ কাগামাটির নির্যাস থেকে)	২৩-মু'মিলুদ	34	95
सनि (अनुराज सनि क्षान प्रायान विकासमा राजामंद्रे शाला)	৩-অলে ইমরাদ	225	680	तृति (रानुव तृति गरहास्य धाद्वार)	২৫-ফুরকান	8h	930
রসুল স. (মুর্যারাদ সাকে মানুহার জন্য রাসুল স. হিসাবে প্রেরণ)	8-991	49	693	সুত্তী (মনুদ সুত্তী করেছেন অস্ত্রাহ কাপমানির অসনে খচ থেকে)	১৫-হিজর	00	65
রাসূদ স, একজন মানুষ ছাড়া কিছু নর (জালিমরা বলত)	াদ্য-৪৩	80	784	গুরি (মানুখ গুরি করেছেল আল্লাহ থখন গে কিছুই ছিল মা)	১৮-মারইরাম	69	90
প্রকৃপ স. (সাধানা একজন মানুধ, তবে তার নিতট ভরী আসে)	79-91EA	220	900	সৃষ্টি (মানুৰ সৃষ্টি পৰিপ্ৰমের মধ্যে)	৯০-বাশান	8	204
রাসুশ স, মানুহ মাত্র	১৭-ইগরা	200	922	গৃত্তি (মানুহ সৃত্তির করা কালেন প্রতিশালক, (মতেশাধ্যমেরক)	১৫-হিন্দর	25	68
		6	144	দৃত্তি (মানুৰ দৃত্তি করেছেন আল্লাহ পানি বা বীৰ্য থেকে)	५१-कुदकान	08	930
রাস্ল স, মানুখ (জন্ম মানুখের মত)	৪১-যুস্সিগ্রন্ত			সৃত্তি (মানুধ সৃত্তি করা হারছে অন্তর্জনিকরপে)	৭০-মাজবিক		
রাসূপ স. হিসেবে মানুবকে পঠিয়েছেন অস্ত্রাহ (কাফিয়নের বিশর)	১৭-ইস্রা	38	922			79	99.
	১৪-ইবরাইম	30	628	সৃতি (আল্লাহ মানুৰ সৃতি করেছেল কানামাট থেকে)	৩৮-গোলাণ	42	89
রানুল স. অনের মতেই মানুব (আন ব্যাতি কলে, রাসুল স. সম্পর্কে)	২৩-যুমিনূন	00	956	সৃষ্টি (এক পরী ও এক পুরুষ মেকে মানুষ সৃষ্টি করেন আল্লাহ )	8%-इंक्ट्राय	70	344
রামূলতা অনপনবাদীদের মত মানুব (কাঞ্চিরদের উচ্চি)	৩১-ইরাসীন	36	৮৫২	সৃষ্টি (অনক ব্লিল ও মালুবকে জাহরুমের কল সৃষ্টি করা হয়েছে)	৭-আ'রফ	749	64
রাস্প স, (মৃথান্দাস স, সকল মানুবের প্রতি আল্লাহর রাস্ল)	१-वा'राक्	264	629	সৃষ্টি (নাকুমান অক্সাহ এনলভাবে সৃষ্টি করতে পারেন যা সে কালে না)	৫৬-ওয়াকরাহ	63	8≼
রাসৃদ স, কে মানুধ থেকে রক্ষা করবেন আল্লাহ	৫-মারিদা	69	64.9	সৃষ্টি (মানুদাক নীৰ্য বেকে সৃষ্টির পর সে মুস্পার বিজয়কারী হর)	36-HQ#	8	90
রাস্থপণও মানুৰ কবে ভারা আল্লাহর বিশেষ অনুগ্রহণাক্ত	১৪-ইবরাহীস	22	698	সৃষ্টি (মানুহকে ভুৱা প্রবণতা দিয়ে সৃষ্টি করা হয়েছে)	২১-আছিয়া	99	90
পক্ষ্য করা উচিত মানুবের ,তার খাদ্যের প্রতি	৮০-জাবসা	2,8	Poot	সৃত্তি (মানুষকে অস্ত্রাহ সৃত্তি করেছেন)	৫০-কৃষ্ণ	36	33
পদ্ধ করুক মানুহ (বাঁ থেকে ভাকে সৃষ্টি করা হয়েছে)	৮৬-নাবিক	¢	9404	সৃত্তি (পোড়া মানির মতো তককো মানি থেকে মানুধ সৃত্তি)	৫৫-রাহ্মান	38	20
ল'নত (মানুহের লা'নত ভানের উপর যারা)	৩-আলে ইমবান	59	288	সৃত্তি (বীর্য বিন্দু থেকে মানুহের সৃত্তি প্রসঙ্গ)	৭৫-কিয়ামাহ	09	23
লা'নত (সৰ মানুৰের লা'নত, কাজির অবছার মৃত্যু)	२-राकृश	262	672	সৃত্তি (ভুজ্ঞ পানির নির্মান হতে মানব বংগধর সৃত্তি)	৩২-সাঞ্চনা	ъ	50
শক্তি ও সাহায্যকারী থাকবে না মানুধের (কিয়ামকের নিন)	৮৬-ভারিক	30	2029	সৃষ্টি (জিল ও মানুধ সৃষ্টি করেছেল অক্সাহ থার ইবাধাকের জন্য)	৫১-বারিরাড	60	33
শক্র (ভিয়ামতের দিন দেবভারা মানুবের শক্র হবে)	৪৬-আব্ৰাক	9	jog 1	সৃত্তি (অনুজ্যে সৃত্তিতে নিশ্চিত নিশ্বালীনের জন্য নিদর্শন আছে)	8१-सावित	8	30
শুক্র (মানুয়ের কুম্পর্ট শক্ত শরতান)	১২-ইউসুক	e	993	সৃত্তি (কালা মানির ভকনো ২৬ থেকে মানুব সৃষ্টি)	३०-दिसर	25	00
भारत (मानूरका यू नेव नाम नावकान) भारत (मानूरका मध्य देवति मुनविवदै ग्रुमिनानाः शति मानवात वर्धात)	১২-২০ <i>৭</i> ০ ৫-মারিদা		630	পুরি (অসীন ধর্মার আপ্রাহ মানুহ পুরি করেছেন)	৫৫-রাহ্মান	-0	200
		25			৫৫-রাব্মান ৯৫-জীন		
শরতান মানুহকে বলে 'কুকরি কর'	৫৯-ব্যশ্ব	36	954	পৃত্তি (পার্যাহ মানুবাক সুপরতম গঠনে সৃত্তি করেছেন)		8	205
শরতান (মানুখ/স্ক্রীন শরতানকে নবীর শক্ত বানানো)	৬-আৰ্'আম	775	909	সৃত্তি (আল্লাহ মানুবান আলান থেকে সৃত্তি করেছেন)	৯৬-আলাক	2	203
<b>अक्र</b> ान मानुद्वत <b>ब</b> ना <i>थक</i> प्रशासनक	২৫-কুরকান	52	45-8	পৃত্তি (আপ্রাহ মানুবকে পর্যক্রমেনে সৃত্তি করেছেন)	१)-मृर्	28	95.
শান্তি (মানুবের সীমাপচ্মনের শান্তি গুনিরারেই দেরা হলে)	১৬-নাহল	63	1001	ছারীত (আল্লাহ মানুষকে ছারীত/অমরত দেননি)	२५-व्यक्ति	08	90

44	বিষয়/ধ্নদ	স্থা নং ও লাস	939 e	शुक्रा	नेप रिवा/श्रम त्वानाः श	मान चक	1
	নাবো লেখুন মানব শৃথটি) (পূর্ব পৃষ্ঠা পেকে)				মা (ফুল)		
अवर्थ प्रकृत	ग्पर्भ वर्राम - अपन जानड महाना सूद शावरत सहाहरू)	৫৫-রাজ্যান	26	286	কিতাবের মা/ফুল (কুরজেন মূল কিতাব/উত্থল কিতাবে রক্ষিত) ৪৩-যুবরু	7 8	93
স্পূৰ্ণ যানুহ	স্পর্শ করেনি এফন আনত নয়না হর থককে জন্তেতে)	৫৫-রাত্যান	98	882	মায়া (দেপুন মমতা শব্দটি)		Т
	নুর্ণল পর্ণা করার পর মানুষকে নিয়ামত নিপে)	77- <u>ई</u> स	30	666	<b>মারইয়াম</b>		T
×68 কর	(মনুদের জন্ম স্পর্তী করতে বুরাজন ও ওই) অবজীর্ণ)	১৬-মাধূপ	88	908	অনুগত (মারইরামকে প্রতিপালকের অনুগত হওরার নির্দেশ) ৩-আলে ই	মরান ৪০	0 08
স্মরণ কর	বে (মানুখ স্মরণ করবে, কিরামতে)	৮৯-ফাল্র	20	2055	অনুগত (মাবইরাম প্রতিপাদকের প্রতি অনুগত বান্দা ছিল) ১৬১-তাইর	W 54	2 2
প্রকাশ কর	বে বে চেটা মানুষ দুনিয়াতে করেছিল	৭৯-নাবি'আত	-00	2008	অপরাদ (মারইরামের বিরুদ্ধে কর্মী ইস্মান্ট্রেনর অপরাদ প্রসঙ্গ) ৪-নিসা	26	0 00
শক্ষা (মানু	হ ক্ষম করে না যে অল্লাহ কাকে দৃষ্টি করেয়েল)	১৯-দারইরান	69	900	অৰ্পন (দিলা আ, আপ্লাহৰ কালিমাহ যা তিলি বাৰইবামের ৪-দিলা		
<b>গরংসাপু</b>	মিনে করে মানুখ (নিজেকে)	৯৬-আলাক	٩	2059.	প্রতি অর্পণ করেন)	29	17 00
द्राप्ता (च	मा(देशाविमान मनुरक्षा मान दशका त्यामा निरंत निर्रात)	২২-ব্যক্ত	ર૧	950	আপ্রর রার্থনা, মারইয়ামের জন্য (প্রতিপালকের নিকট) ৩-আলে ই	ময়ান ৩	5 40
হতাশ হয়	মানুষ (দয়া আখাদদের পর প্রত্যাহার করলে)	77-gH	٥	৬৬৮	জিআসা (মারইয়ামকে বিধিক সম্পর্কে জিআসা) ৩-আলে ই	মলন ৫	9 00
হত্তা (সর	बनुष्टक एम एका रूपन् (र. अस्थन्तर एका स्थल_)	৫-মাধিলা	જ	648	ভত্নাবধান (মারইয়ামের তল্পাবধানের ব্যাপারে কলম নিকেপ)  ৩-আলে ই	মরাশ ৪	8 28
হত্যা (মা	নুষ হজ্যার মত কারণ হাড়া কডিকে হত্যা করা)	৫-মায়িনা	95	¢78	জন্তাবধান (মারইয়ামের জন্তাবধান <i>কংলেন</i> যাকারিয়া) ৩-মালে ই	মরাবা ও	9 00
হত্যা (মা	দুব হত্যা, হত্যা বা ফ্যাসাল পৃত্তির মত কবেণ ছড়ো)	৫-মায়িদা	95	6.48	নাম (মারইয়াম নাম রাবল ইমরানের স্ত্রী, সন্তানের) ৩-আলে ই	भवन ०	6 60
মৃত (মনুচ	মর হারকে সংখ্যা করিয়েছেল আল্লাহ যুদ্দিনানর থেকে)	৪৮-ফাব্ছ	20	466	পুর (আল্লাহই মারইরামের পুর মগীহ) ৫-মার্রিদা	9	
व्यक्तारमञ्	নবপাশের মানুব ছিনভাইরের শিকার হওয়া প্রসঙ্	২৯-আনবাৰ্ড	69	5-52	लक्ष (जर्मी वेजनावेत्रस्य साधिस्तास्य प्रात्रवेत्रात्रस्य कर वेजार		_
হড় (মানু	ৰ কি মনে করে তার হান্তসমূহ একন্স করা হবে মা)	१०-निमासङ्	0	990	ভাষায় পা'নত) ৫-মারিদা	91	45
হিসক্রিশ	টালন্ নিনুধ জিলের হিসাবের জন্য অস্ত্রাহ অবসর হতেন।	৫৫-রহমন	92	380	পুত্র (মারইয়মের পুত্র ঈদাকে পারিয়েছেন আল্লাহ) ৫৭-হানীন	1.3	9 80
	হের জন্য তাহের হিনাব নিকটবর্তী হরেছে, অবচ)	২১-আধিয়া	2	920	পুত্র (মার্কারমের পুত্র মার্শান্তক ধালে করতে চল যদি অস্তার) ৫-মারিদা	31	9 01
হিলা (মান	দলে দেয়া অল্পাহর অনুহাত্তে আহলে নিভাবের হিলো)	8-निमा	68	690	পুত্র (মার্যবিষ্যান্যর পুত্র দিপারের অধ্যার কপালেন (নয়মত স্কাশ) ৫-মারিদা	22	0 27
	হতে দৰী হিসাবে প্ৰেরণ ও ওহী অবতীৰ্ণ)	২১-আধিয়া	9	920	পুত্র (মারইরায়ের পুত্র ঈসা আ, হাওরারীনেরকে বদলেন) ৬১-সাত্য	24	8   80
	ৰ পৃত্তিৰ সূচলা কালামাটি (পকে)	৩২-সাজদা	9	broo	পুত্র (মারইরামের পুত্র মাসীহকে প্রতিশালক হিসাবে গ্রহণ) ১-তাওবা	0	
	ৰ সৃষ্টিৰ বিভিন্ন ধাপ)	२०-मु"मिनृन	34	955	পুত্র (মরাইয়ান পুত্র দিল আ, থেকে আল্লাহ মৃদ্ধ অস্থীকার দেশ) ৩৩-আৰ্থ		
मानुव (			-		পুত্র (আইয়াবপুত্র উপক্রে আগ্রাহ করবেদ বিমাধকে: 'সুমি কি') । ৫-মারিদা	22	
	(দাক দেখানো নাদের উপযা)	২-বাকুরো	268	(0)	পুত্র (মারইরামের পুত্র ঈদা আ: মাদীহ আল্লাহর রানুল) ৪-দিদা	39	
	লাকসমতে প্ৰাশ্যবন্ধ বন্ধ ল দিতে ওড়াইবের ভাইনান)	२५-७'लाहा	350	959	পুত্র (মরাইরামের পুত্র ও করে মধ্যে নিগর্পন করেছেন অস্ত্রাই) ২৩-মু'মির		
	আরল হারম থেকে গোলের প্রস্তুল, অনুষ্ঠালিকতা শেমে)	২-বাকারা	233	222	পুত্র (মাইয়ানের পুত্র ইপার গৃহীস্ত ও চুপরিকানর গোরসাল) ৪৩-চুপর্ক		
मानू।	the contract of the contract o	- ngini	2.70	***	পুত্র (মাবইরামের পুত্র ঈদাকে পরে পারিয়েছেন আল্লাহ) ৫-মারিলা	8	
	<ul> <li>स्था है जवामें (जब जना माता थ जान थ्या करकीर्ग)</li> </ul>	৭-আ'রাক	160	629	बार (प्रांतरिवारक बार केल या जो देशवाध्यासक स्वीत	-	
	হনী ইসরাইদের উপর মান্না অবভীগ)	२-राकृता	29	200	पाद्वावर राजुन)		3 30
	लिग्द्रन क्या महा-जनवर्ग करवीर्प	২০-জা-হা	bo	486	পুত্র (মারইরামের পুত্র দিনা-মনীয) ৩-আলে চ	मबास 8	2 28
		40.31.0	00	100	পুত্র (অর্থান্তাহনর পুত্র ইলার প্রার্থনা (জাবাদ ওয়েক খানাপূর্ণ) ৫ - মারিলা	22	
মান্য ক					পুত্র (মার্কারমের পুত্র মার্লাবকে বার আল্লাব বল করে কুকরি) ৫-মারিকা	2.	
	শোনা ও মান্য করা (আল্লাহর সাথে কৃত জনীকরে)	৫-মর্বিদা	9	49.7	পুত্ৰ (মান্টব্ৰানের পুত্র ইনাকে প্রথম দান্) জিনারটল বক্স নাহাব) ২-বসুবো	Y	
	ল (আতা'লা)	. 6		-	পুর (মরইয়ামর পুর ঈদা আ. ) ১৯-মারই		
	নীনের মান্য করলাম/আভা'ন্য বলা প্রসঙ্গ)	8-मिमा	85	490	পুত্র (মারইয়ামের পুত্র ঈসারে স্পর্ট প্রমাণ নান) ২-বাহুবর	3.0	
মান্যবর		-	_		पुद्ध (पारतिकारमा पुत्र सेमाटक राजा फटलार पटमें देशनिजना प्रतिक) 8-निमा	3/2	
	মান্যবয় ও বিশ্বাসভাজন	৮১-তাকভীর	57	2009	পুত্র (মাধবীলামের পুত্র মাসীর ভাসুল স. ছাড়া কিছু নয়) ৫-মায়িলা	9	
	ারো দেখুন ওজন/পরিমাণ শৃক্টি)		_		প্রদৰ করল মারইরামনে ইমরানের র্ত্তী ৩-আপে	মরান ত	
	ণ কম লা দেয়ার আহ্বান, মাদইয়ানবাসীকে)	22-5d	₽8	690	ক্ষেত্রপত্তর মারইয়ামকে বলপেন ৩-আপে ই		
	মাপনেরার নির্দেশ (গু'আইব সম্প্রদারকে)	৭-আ'রাক	26	620	মারইরামের পরিবার থেকে পৃথক স্থানে আপ্রয় গ্রহণ ১৯-মারই	शम अ	6 90
	দেৱা (মাপ পুরোপুথি দেরার নির্দেশ)	১৭-ইস্রা	95	939	রহ কুঁকে লেরা (মারইরামের মধ্যে আল্লাছর রুব ফুঁকে লেরা) ১৬-আর্থ		
	না (মাণে পুরোপুর্য দিলে আইনাবাদীনে তথাইবের আহবদ)	২৬-৩'আরা	23-2	959	লভার্যন্ নরইরানের লভারান্পাটার সূর্বভিত রাব প্রতঞ্চ) ২১-আখি		
	পূর্ণ কল্পর আহ্বান, শোল্লাইবের সম্প্রদারকে)	77-44	9.6	690	সতীত্ব(মাবইডানের লক্ষাস্থান/সতীত্ব পুরন্দিত বাদা প্রসঙ্গ) ২১-মাধি		
	ম দানকাবী		_		সতীত কম (মার্যায়মে পঞ্চায়ান সুক্রম/পরীত ক্রমার্যানস) ৩৬-তাহ্বী	H 3:	2 3
অইকারদ	কে মাপে কম লালনারী বা হতে ততাইবের আহলান	২৬-৩'জারা	72.7	959	সন্দোধার মারইয়ামকে বলল- 'কুমি এক সম্ভত কান্ত করেছ') ১৯-মারই	र्गम २	9 9
মা (প্রথ				L.J	সুসংবাদ (মারইয়ামকে সুদংবাদ নিজেন আল্লাহ,) ৩-আলে ই	মরান ৪	0 08
কলপদ (গ্র	धन करणाम राजून म. १५३०१ नो करत यो भारम)	২৮-কাসাস	49	P70	সূত্রভিত প্রবাধনাইয়ানের লক্ষাস্থান/সভীত দুর্ভভিত রাখা প্রসঙ্গ) ২১-আখি	t b	3 9
भाग्र (व	ারো দেখুন ক্ষমা শব্দটি)				দীবৃতি (ধারইয়াদ আল্লাহর কিবাব/ধাণীর সবাভার দীবৃতি সেং) ৬৬-আবৃত্তি	N 3	5 8
তাই মাফ	করে দিলে (রক্তপণ মাক করে দেয়া)	২-राकृता	742	220	মারইরাম-পুর (ঈগা)	-	_
মাফ (স	দকা)				দৃষ্টার (ভারইয়ান পুন উপার দৃষ্টার ও মুপরিবদের পোরকোল) ৪৩-যুখক	4 6	9 50
	লক(মাফ করতে পারে (নিহতের পরিবার)	s-Rn	3-2	\$6b	माज्ञक्या		1
RIRI			1	-	নিলপীন (সাফা ও মারগ্রো আপ্রাহন নিলপীন) ২-বার্ডারা	26	· 4
	us autra fire aut viene)	००-सार्थम	20	৮৩৭	माडा		+
	মার কন্যাকে বিষ্ণে করা হালাপ)						+
	র খরে আহার করাতে কোল দোঘ লেই)	২৪-न्ब	47	41-7	গ্রবৃক্ত (পরিজ মার্ক মারলেন অস্তাহ আন, মার্ক ও বিশ্ব আউন) ১/৯- কাজ	1 2	\$ 70
	বাইতুল)		_		মারান্ত্রক		
কসম (ব	রতুল মা'মূরের কলম)	৫২-ভূব	8	959	ফিতনা মারাত্মক (হত্যার চেয়ে) ২-বাঞ্চার	7.5	2) 6

মারা যাওয়া মাস

विषय/क्षां	त्वा वर्ड गार	4611	787	नक दिस्स/क्ष्मक	বুৱা দং ৩ দাম	1000	98
प्रांता गांवसा				ক্ষতির মালিক নদ বাস্প স. (নিজের উপকার বা ক্ষতির)	৭-জা'রফ	১৮৮	500
ইউপুক জে, মারা বাওয়ার পর কাক্বিরা বলল	৪০-মু"মিল	108	Wro	ক্ষতির মালিক নর উপাসারা (নিক্ষেদের ক্ষতির)	২৫-ফুরকান	0	95:
কালালাহ/নিঃসন্তান পুরুষের মৃত্যু হলে সম্পদ ধন্টন প্রসঙ্গ	8-Fixt	7.59	653	চাৰিঃ মাদিক (ঘটেঃ) গুৱে থাকলে আহার করাতে লোহ নেই	২৪-পূর	65	950
নিঃসঞ্জান/আলালাহ পুরুবের মৃত্যু হলে সম্পদ কটন প্রসঙ্গ	8-निश	390	619	ভানহাত যদিক হানের (দাস-পাসী)	50-4X	₹6	7-28
ফিরে পিরে (খীন থেকে ফিরে দিরে মারা বাওরা)	२-वक्त	259	458	ভানহাত মালিক বানের (পালীনের লাখে যৌনাচার প্রসঙ্গ)	২০-মু'মিনুগ	b	950
মুম্বন্দল স, বলি মারা বার অথবা নিহত হয়	৩-মলে ইমরন	288	683	ভানহাত খার মাধিক হয়েছে/দাস-দাসীকে বিভিন্ন দান প্রসঙ্গ	১৬-বাহল	92	9,01
HING .			-	তান হাত মানিক বালের তালের মুক্তির ক্রমত নিষিত্র চুক্তি চাইলে	२8-गृह	00	99
ক্লেখেন্ডা (হান্তত-মান্তত কেলেশভাকে ব্যবিলনে প্রেরণ)	२-राष्ट्राट	102	655	ভান হাত থানের মার্লিক (লক্ষাস্থানের হেফান্সত প্রসংস)	৭০-মা'আরিল	00	hb:
मार्जना	2 114100	100		দুলা দূর করের মানিক নত, বাদেরকে উপাহধরতা করে হয়েছে)	১৭-ইপুৱা	26	938
অসহায়সেবকৈ আন্নাহ মার্কনা করবেন (বিজ্ঞাত প্রসঙ্গ)	8-First	-		দৃষ্টি/প্রবংশক্তির মালিক জাপ্লাহ (মুশরিকদের স্বীকৃতি)	३०-१४-पुन	407	42
		99	699	দুর্জিপরিক মানিক কেং (মূপরিকচের নিকট রামূল স. এর প্রপ্র)	১০-ইউনুস	60)	42
व्यक्षित-प्रक्रम्, रम्भेड व प्रिमसिन्द्रसादक प्रार्थना नवात नदर्मन	<b>२8-मृड</b>	55	995	বিচার দিনের মালিক অল্লাহর কন্ম সকল প্রশাসা	১-ক্তিহা	0	60
वाह्माय मानूरार अप्रक विष्कृष्टे मार्कण राज्ञ तस	৪২-প্রা	o.	278	মৃত্যু ও ছীবনের মানিক নর (মন্য উপাস্তরা)	২৫-জুবুকান	0	935
অস্তাহ মার্কনা বরেছেন (উহল ফুছে পৃত্ত প্রদর্শনবারীকে)	৩-আলে ইমরান		442	হাসুল স. নিজের জল-মণেরও মলিত নয	২০-ইউনুস		
আল্লাহ্ মার্ক্সনা করেছেন (রোমার রাভে বৌনসঞ্জাপ প্রদক্ষ)	२-सङ्ख	25-9	657			85	95
আল্লাহ মার্ছনা করেছেন (ইহরাম অবস্থার দিকার প্রদাস)	৫-মারিদা	302	625	রামন্থের মানিক অল্লাহ	৩-জালে ইমরান	₹5	20
আল্লাহ মার্কনা করেছেন মুমিননেবকে	৩-আলে ইময়ন	265	440	বিভিন্নের মালিক অল্পাহ, মৃতিবা নয়	২৯-আনকাৰ্ড	24	2.7
আল্লাহ মার্কানা করেছেন অভীতে প্রস্নু করার বিবর	৫-মারিদা	207	650	রিয়েকর (অব্যাহর রিয়িকর মধিত নয় খ্যান করে উপাদন)	১৬-নাহল	90	901
আল্লাহ্ মার্কানা করেছেন রাসূল স. কে (করুকবৃদ্ধ বাসস)	2-8764	80	688	প্রকাশভির মানিক বেং (দুশরিকানে নিকট রাজুল স. এর প্রপ্ন)	১০-ইউনূস	40.7	96
অল্লাহ মার্কনা করেন (অনেককিছুই)	৪২-শুরা	<b>es</b>	F28	গঠিকতানে (মনুহার গঠিকতা নেরর মলিক রাস্ক্র স. নন)	१३-किन्	53	99.
আহলে ভিভাবদেৱকে মাৰ্কনা করার নির্দেশ	२-रावृत्वा	309	625	সন্তিখো (মহাপঞ্জিমান মালিকের সন্তিখ্যে থাকবে মুগ্রাকীবা)	৫৪-তামার	66	20
অকওয়া (মার্কনা ভাকওয়ার নিকটবর্তী, মোহর প্রসঙ্গ)	২-বাকুরা	209	229	মালকানাধীন			
क्षी (क्षण न, वह करित व प्रतिवृहत क्षी पर्कन रुवाल क्षात्र)	Sb-कारड	3	336	এক ব্যক্তির মানিবানাবীন/মনেক প্রভূর জনিন ব্যক্তি সমান ন্য	৩৯-গুমার	45	29
দোষ মার্জন প্রসঙ্গ (আল্লাহ মার্জনাকারী ও সর্বপঞ্জিমাদ)	s-Stat	285	639	গাসী (মালিকানাধীন মুমিন গাসীকে বিয়ে করার বৈধকা)	8-निमा	2.0	26
নাপ (আপ্তার তার বান্দানের পাপ মার্কার করেন)	82-70	30	1/30	লাস (আপ্লাহ মালিকাগাধীন এক লালের উপায়া পেপ করেন)	১৬-নাহল	90	90
প্রতিপালকের কাছে মার্জনার জন্য প্রার্থনা (মুমিনাদের)	२-सङ्ग्रहा वर्ष	200	606	পায়েরের মেলের মধিকতে দেয়া করতে কর্ জন্মান্য	80-युरक्ष	99	30
প্ৰতিক্ৰ (ৰাম্বৰহ্নিত কেন্তে মৰ্কৰ কালে প্ৰতিক্ৰ অল্লাহন কৰে)	84-98	80	P28	বাগানের মালিকদেরকে (পরীকার ফেলা)	৬৮-বুললাম	39	39
নৌ ইগাইলদেরকে মার্জনা ও উপেক্ষা করার নির্দেশ	৫-মারিদা	30	49-5	মানুহের মাধিক/বাদশাহর নিকট আপুর প্রার্থনা	558-नाम	3	200
বনী ইনপ্রইলকে মার্মনা (বানুর পূজা প্রবাস)	8-निमा	300	496	আগ্রায়ের (প্রতিশাশকের নথার জাগ্রাহর মালিক হত বনি কবিবরর)	১৭-ইসরা	300	140
বনী ইনরাসলকে মার্কন (আপ্লাহর কুক্তমতার উদ্দেশ্যে)	২-বার্থরা	45	20b	যালকানাধীন (দাস-দাসী)			1
	্-বাবুল্লা ত-আলে ইমবান			পৰ্বা (কবিও প্ৰীকের বাবে বাক-দাবীদের পর্বা প্রবন্ধ)	৩৩-আহবাব	ee.	bros
মু'মিনদেরকে মার্জনা করার জন্য বাসুল স. কে নির্দেশ			662	সম্বাহার (মনিকারকীন লাম লাসীর প্রতি সমূরবারের সির্নেশ)	8-मित्रा	99	
মুনাফিকদের একন্দাকে মার্কান করণে কন্য নদকে শান্তি	৯-ছাত্ৰৰ	96	886	স্থান্যর (বালক্ষরণ বাদনাব্যার স্থান্থরের সংগ্রা মালিকানাদ্বীন দাসী	8-1441	99	24
ক্লী-সম্ভাগতে মার্চনা করলে অস্তাহত তাও জন্য কমানীল ও লালু	১৪-কাগাবুন	38	261				_
প্তী মার্কন করে দিলে (মোহরে প্রাপ্য অংশ মার্কনা প্রদক্ষ)	२-राङ्गरा	২০৭	૯૨૧	বিয়ে(মালিকারাধীন দাসীকে বিয়ে করার বৈধবা প্রসাধ)	8-PM	۰	90
প্রমী মর্মন করলে (পূর্ণ মোহর দিয়ে দেয়া, স্পর্ণ না করা রীকে)	২-বাড়ারা	২০৭	৫২৭	বিজ্ঞামনিকারবীন দাবীকে বিজে করার বাপারে পালনীর বিভাগ	৩৩-জাহ্যাব	50	800
मार्जनाकारी			ш	নিরে (মালিকারখীন দালীকে নিরে করা সবীর জনা বৈধ হওয়া প্রদাস)	৩৩-আহ্ঘাব	60	900
আল্লাহ মাৰ্জনকাৰী	৫৮-মুখ্যদাদা	1	265	রাসুল প. এর জন্য মালিকানাধীন নানী হালাল হওয়া প্রদাস	৩৩-আহ্বাব	65	5-00
আল্লাহ মার্কনকারী ও অভি কমাবীল	55-20 <b>2</b>	90	950	মালিকানাধীন (যুদ্ধ বন্ধিনী)			
আল্লাহ মার্কলকারী ও কমাশীল (হিজরতে স্বক্ষমদের প্রতি)	8-501	99	669	বিরে (মলিকানধীন কুচবন্দিনীর সংবা হলেও বিয়ে বতা বৈশ)	8-मिमा	₹8	000
অল্পাহ মার্কলকারী ও কমার্শাল (কাগ্যানুম প্রসঙ্গ)	8-50er	80	605	মাপ্ৰাঞ্প হারাম			
অপ্তাহ মার্ছনাকারী ও সর্বশক্তিমান (সোধ মার্জনা প্রসঙ্গ)	8-RM	782	643	অপ্তাধ্যক শ্বল (মাশজাকৰ হাৰামের কাছে)	২-বাকুরো	799	42
মালপত্র				श-श-प्राधार			1
শুইনের মালপক্রের নিকট ইউসুখনে প্রেপ নৌর প্রতিযোগিকার সেল	১২-ইউসুফ	24	69r	কলা (বাণানে প্রবেশের সমর মা-শ্য-আপ্রাহ বলা)	১৮-বাহক	40	921
মাধিক		-	-	NA	20.0154	- OW	14
অপু পরিমাণের মালিক নয় (ধারণাকৃত ইলাহগণ)	৩৪-সাধা	22	180				
অন্তর্গারনালের নালক লয় (ব্যরণাকৃত ব্যাহণাণ) অন্তর্যানের নালিক আল্লাহ (বুই অন্তাহলের নালিক)	08-गापा 00-बाइमान	29	909	ান মান ১০ নিন প্রতীক্ষা নবনে স্ত্রী, স্বামীর মৃত্যু হলে ভার মান প্রতিক্ষা (স্ত্রীনের সাধে 'ইলা' কর্তে…)	২-বাকুরো	₹88	45
অন্তাহদের মালক আল্লাহ (পূহ অন্তাহদের মালক) আল্লাহ মহাপ্রজ্ঞাবাদ, মহাপ্রভাপশালী, পবিত্র ও মালিক					২-বাকুরা	446	450
অল্লাহ মহাপ্ৰকাশ-মহাপ্ৰভাগশাল, শাবন ও মালক আল্লাহ হাত্ৰা জন্য ইলাহৱা কিন্তুত্ব মালিক নয়	৬২-রূদু'আ	2	265	নৱ মাস তম্বের অবঅংশ, মুপরিকসেরকে)	৯-ভাবন	3	48
	৩৯-বুবার	80	399	দিনখন (বন্দ্রানের স্ফাবন পেন ২রাছে এনে প্রীসের ইপত)	৬৫-ডামাক	8	3/68
অল্পাহ আকাশ-পৃথিনীর সংক্রিয়র মালিক	৪২-শ্র	60	344	রিশ নাস (গতেঁ থাকা ও দুধনানের সময় রিশ মাস)	8५-आव्याप	26	909
অপ্রাহ মালিক	২৩-মুমিপুদ	220	190	পু'মাপ একাশ্বরে রোখা পাদন (মুমিন হত্যার কাঞ্চনারা)	8-मिना	કર	6.91
অল্পাহ মাদিক	69-5545	₹0	264	ব্যক্ষর মাস (ব্যক্ষর মাস নির্দিষ্ট)	২-বাকুরের	324	45
অল্পাহ মদিক ও দরে (রানুল দ. এর উপর ওই(কুরামান প্রচলপ্রলাম)	২০-ফ্ল-খ্য	278	187	প্রভাক করা (নেজন মাস প্রভাক কালে যে সে রেজা রাধনে)	২-বাকুৰো	7244	65
অন্তাহ (দৃষ্টিপঞ্জি ও প্ৰবৰণজিব মালিক আপ্লাহ)	১০-ইউনুস	02	664	রমরান মানে কুরজন জবতীর্ণ করা হয়েছে	২-বাকুরো	2944	65
উনায়াচণের মালিক আল্লাহ (নুই উনয়াচলের মালিক)	৫৫-রাজ্যান	24	200	নংখ্য (থাসের সংখ্যা বারটি)	৯-তাকব	99	86
উপকারের মালিক নন বাসূল স. (নিজের উপকার বা ক্তির)	৭-জান্তিক	29.84	ල්ලිය	সমাস এক মাজে পথ অভিতম করত বারাগ (কুটেমন আ প্রকার)	ত৪-সাধা	25	₽8
অবস্তান মণিককের ইবানত করতে নির্দেশ (কুরাইশ্যানর প্রতি)	১০৬-কুরাইশ	0	2008	হারাম মাস অভিবাহিত হলে মুশ্বরিকদেয়কে হত্যার নির্দেশ	৯-তাধ্যা	0	680
কঠি বা সঠিকপথ দেয়ার মাধিক রাস্প স. নন	12-84	52	39-7	হারাম মাশ মাণুহের জীবনধারদের উপকরণখন্তপ	৫-মার্চিনা	23	25
ক্ষতি বা উপকারের মালিক নয় বারা ভারের ইবাদাভ	৫-মাখিলা	10	630	ধ্যরম মাস সম্পর্কে রাসল স. কে জিল্লাস্য	২-বাকারা	229	038

=

NIG.	5,900	র্বার্গ্রহ

		-2005	- dell	NY 1218/679	ৰুৱা নং ভ নাম	-	1
কি বিষয়/প্ৰসৰ ক্	जूबा गर ७ नाम	40.4	201		১৯-আনকাবৃত		b:
राज (त्र्व र्वा व्यव्य)		_	_		Bo-मू मिन		bt
্যরাম মাসের অবমাননা নিকেব	৫-মারিপা	٦.	640		২১-অধিয়া	30	90
প্তরাম মাসের বদলে হারাম মান (মুদ্ধ প্রানশ)	২-বাকুরা	798	<b>૯૨૨</b>		३३-व्यक्ति	23.	3:
চজার মাসের চেরে কদর রাত উত্তম	7-4444		2057		77-2h	96	6
त्रय (वसप्रात गुरै यम (त्रय ताथ, रिवारत सफ्काव अनम)	৫৮-মুখাপাশা	8	324			394	9
হাসিক (মারো দেখুন বক্তম্রাব শবটি)					77- <u>ई</u> स		
ম্বজানা (মাসিক বন্ধপ্রাব সম্পর্কে রাসুল স. কে জিআসঃ)	২-বাকুরো	444	656		77-\$et	39.	6
ঠন মাসিক পর্যন্ত প্রতীক্ষা করবে, তালাকপ্রাঞ্চারা	২-বাকুরো	449	246		२२-शब्द	00	9
ব্লীর (এখনো মাপিক হয়নি এমন ব্লীর ইক্ত তিলমাপ)	৬৫-ডালাক	8	869		১৬-নাহ্গ	220	9
গ্রানের মাসিক চলাবালে তাদের থেকে পুথক বাবার নির্দেশ	५-बाङ्गदा		242		১৬-নাহদ	64	9
তোপ (মুনিক হবার বালারে হতাপ স্ত্রীলের ইন্সক তিন মান)	৬৫-ভাগাক	8	bbb	কৰি৷ (সভা ও মিকাধ কৰি৷ দেন আল্লাহ)	১৩-রাম	39	è
	95-21-14	-			३४-वाङ्ग	0	9
াদীহ		-	-	বিভৰ্ক কাফিয়দের মিখার বারা (সভাকে বার্থ করার কন্য)	३५-वाइक	26	9
অস্তাহই মানইজমের পুত্র মনির'- চুখারি করেছে কনি ইলভাইল	৫-মারিপা	92	52.9		১৬-নাহল	94	9
মনা আ, মনীহ অল্লাহর বানূল স. ও তার কালিনাহ	8.मित्रा		११४		২১-আখিল	26	-
লো-মালীহ ইবলে মারইরাম	৩-আলে ইমরন		€80		৪২-প্রা	48	ь
নানারারা মানীহকে আস্তাহর পুত্র বলে	৯-কাওবা	00	480		১২-ইউপুত	35	4
পুত্র (যাবইয়ামের পুত্র মাসীহতে প্রতিপালক হিসাবে গ্রহণ)	৯-ভাওৰা	ಯ			50-21-2	62	1
নী ইসবাসদকে মাসীহ বলেছিল আল্লাহর ইবাসত করতে	६-पत्रिम	12	643	ত্তম (অপ্তাহ সম্প্ৰত হিবা ব্যাসকারী সর্বাধিক জালিম)	৬১-সাধ্য	9	2
বাল (মসীহ অস্তাহর বাল হওয়াকে শক্ষাক্ষণত মনে বংলে ল)	8-निमा	245	649	জানা (জান্তার সালাহে ব্যবহার জানাবার নামার জ্ঞানর)	১৯-নাহুপ	226	ŀ
बरदेशायस १६६ मानेश्रक वता व्यक्तर राज करा कुरस्ति काराज	৫-মারিদা	24	62.5				
লংইরামের পুরু মাসীহতে জালে করতে চান যদি আল্লাহ	৫-মারিদা	26	64.5		১০-ইউনুস	60	Ľ
লাওইরামের পুত্র মাসীত রাসূত্র স, ছাড়া কিছু নর	কু-মাছিলা	9.0	630	ব্ৰদ্ৰ (অক্সহ সম্পূৰ্ব হিখা হানাকারী ছালিম)	৬-আন্'আম	52	1
হুৱা: (এই ইনপ্ৰটাৰ উপান্ধ, মনীজত হুৱা কয়েছে ওল কৰি কৰা)	8-SHT	349		বলে (আপ্তাহ সম্পর্কে থিখা। রচনাকারীরা সফল হবে না)	১০-ইউনুস	65	Ŀ
	0.1.0	-	2	বানা (আপ্লাহ সম্পর্কে মিখাা রচনাকারী বড় জালিম)	১০-ইউনুস	23	Ŀ
cione	৫-মধিন	-	992	রানা (অন্তাহ সম্পর্কে মিখা বচনা করে বারা ভারা জালিম)	৩-আলে ইমরাণ		1
বাৰা সংসহ করার নির্দেশ (অন্ধু প্রসঙ্গ)		6		রনে (ক্রাক হানে শিক্ষা ইছনেত কর্ণ অক্সাং সম্পর্কে বিধা কর্ণ)	১৬-নাংল	229	Ŀ
মুখ্যচল মানেহ করা (ভাষাপুথ প্রসঙ্গ)	৫-মরিদা		49.7	বালা (যে অপ্তাহর আয়তে দিখল আনে ল দেই নিবা বালা করে)	১৬-নাংশ	205	Ι
মুখ্যন্তৰ মানেহ কৰা, মাতি ধানা (তায়ানুম প্ৰদাৰ)	8-Flore	80	265	রচনা (রাস্প স, মিখ্যা এচনা করেছে, কাঞ্চিবরা বংশ)	৩৪-সাবা	b	T
aje মনেহ করা, মাট ধরা (ভারান্ত্ম প্রনঙ্গ)	8-SH1	80	695	হচনা (মানুষকে পৰ্যন্ত করতে আল্লাহ সম্বাদ নিখ্যা বচনা)	৬-আন্আম	188	T
शः (कृति)		L	-	জনা (বিধা গুলা করেছে কফিবর, আল্লাহ সম্পর্কে)	৫-মারিদা	300	T
ঞ্জিয়া দোবৰ (নেকীং পঞ্জা হুলকা হলে তার ম/ছন হবিবা)	১০১-কৃরি আ	>	3003	হ্যনা (মিখা হ্যানকারী অধিক জালিম, আল্লাহ সম্পর্কে)	্-আ'বাফ	01	T
মিটানো (আরো দেখুন দিশপত্তি শব্দটি)				রচন্য (আপ্লাহ সময়ে মিখ্যা রচনাকারী জাদিম)	৬-আন'আম	200	Ť
কুধা মিটাবে না (জাহান্লামিদের খান্য)	৮৮-গাশিরাব্	3	2029	হচনা (আস্থাহ সম্পর্কে মিখ্যা রচনা স্পর্ট পাপ)	৪-পিশা	60	t
মিটিয়ে দেয়া				রচনা (কুরমান হিখা রচনা, কফিবরা বঙ্গে)	20-BESS	8	t
অলকান্ত মিটিয়ে দের মন্সকাঞ্চকে	১১-ছুদ	228	695	ভাগ (পুরুষণ হিলা সান, বাব্যার বিদ্যা ভাগুর না মুরাকীর কোন হিলা কথা (মান্রাকে)	৭৮-নাবা	90	t
श्रिश्रावामी वना	11. 4	-	-	हरवराही (विशा दर्शकारी)	৫-মরিদা	83	Ť
	२०-पृतकान	72	99:0	हरन्त्वरी (इंड्मीवा विश्वा हरनकारी)	৫-মারিদা	83	t
মুশরিকদেরকে মিখ্যাবাদী ধলবে তাদের উপান্ডরা	45,54411	-	10.0	সভাকে মিখার পাবে মিশ্রিত করে আহলি কিতাধর	০-আলে ইম্বা-		ť
মিধ্যা (মারো দেপুন অসত্য শপটি)		٠.				13	ť
অবভারণা (মিখ্যার অবভারণা করেছে এক সম্বাসায়)	২৫-সুদ্বকান	8	982	সক্ষ্য (মিখ্যা সক্ষ্য দের না বার)	২৫-ফুরকান	1.4	+
আক্সাহর প্রতি মিধ্যারেশ (সম্প্রদারের ধর্মে হ'কাইন নিয়ে গোলা)	৭-আ'রফ	3.9	657	दिशा प्रक्रिरेड	-	-	4
আল্লাহ সধকে মিখ্যা বচনা (মানুবকে পৰপ্ৰট কৰতে)	৬-আন্'আৰ	788		অস্মত পাঠ করা হলে মিখ্যা অভিহিত করত কাফিরয়া	২৩-মুখিদ্দ	200	
অস্ত্রাহ সংখ্যে মনুদ্ধবিদ নিখা কাকে। (মুফিন জিনানে খালা)	৭২-জিদ্	6	99.0	আয়াতকে বিজ্ঞা অভিহিতকারীর উপমা	৭-আ'রাড	299	
আল্লাহ সথমে নিখ্যা রচদাকারী জালিম	৬-আশ্'আৰ	90	900	অ্যান্তকে নিংগ্র অভিহিত করতনা অধিনর (অবার নুনিয়ার পঠিলে)	৬-আন্'আম	29	1
আপ্লাহ সম্পৰ্কে মিধ্যাব্যানাকারী (সবচেয়ে বড় বালিম)	১৮-কার্ড	30	920	অব্যক্তসমূহতে নিখ্য অভিহিত করত (সীমালজনকারীয়া)	৭৮-নাঝ	37	1
আহ্বাহ্ সম্পর্কে নিব্যা বলৈ আহলে কিতাবরা (জনেবুকে)	৩-আলে ইমরা	92	680	অন্নত (অল্লাহর অন্নত অধীকারকার্ত্তর তীপ্র আংকর অধিবার্শ)	৫৭-হাদীৰ	7.9	I
আল্লাহ সম্পর্কে মিখ্যা বলে যে সে সবচেরে বড় জালিম	৩৯-বুমার	0.5	b*18	আয়াতকে মিখ্যা অভিহিত করার পরিশাম সাঞ্চনাদায়ক শান্তি	22-EM	29	٦
আল্লাহ সম্পর্কে বিধ্যা বলে, জেনে বুঝে (আহলে কিভাবরা)	৩-আলে ইমরা	95	280	আয়াহতে নিয়া অভিহৈতকারী কবিছ কোনা, অভনারে নিয়মিক	৬-জান্'আম	035	I
অস্ত্রাহ সম্পর্কে মিখ্যা রচনাকারীরা সফল হবে না	১০-ইউনুস	100	662	আহাত্তে বিধ্যা অভিহিতকারীর কালিম	৬-আন্'আম	1 43	Т
অনুস্থার সম্পর্কে বিশ্বারোপকারীর ক্রতার কালো বাবে (কিনামতে)	৩৯-বুনার	90	796	আবাহতে নিখন অভিছিত করেছে বারা ভাসেবকে শান্তিতে	৩০-জম	26	T
	২০-মুহিনুন	Cir	9/58	আয়াব্যক বিধ্যা অধিহিত করেছিল পূর্ববর্তীরা	৩০-৯ম	30	T
সম্বাদ্য সংগঠ বিদ্যা করা করের চন ছা. (নামিবসের অপনান)	৩৭-সাক্ষাত	100		আয়াতকৈ মিধ্য অভিহৈত করেছিল যারা	৭-আ'রাক	80	
		69		অন্তান্তকে বিধা অভিহিতকারী ও কফির আঙ্গের অধিবাসী	২-বাকারা	ob.	
ইপাহ (মিৰা) ইপাহ চাওয়া, অন্তাহৰ পৰিবৰ্তে) ঈশ্বান (তথে কি মানুখ মিৰায়তেই ঈশ্বান আনৰে !)	২৯-আনবাৰ্ড				o well-trive		
ইলাহ (মিব্যা ইলাহ চাওয়া, আপ্রাহণ পরিবর্তে) ইয়ান (বংগ তি মানুষ মিখ্যাতেই ঈয়ান আগবে :) উন্নাধিত মিখ্যা থকত জালিমবা কুমবানিকে	২৯-আনমানুত ৩৪-সাবা	80	P84	পারতকে কিয়া অভিতির কর্মেল যার (মাদ সম্প্রনার প্রদাস)	৭-আগ্রাফ	92	Ц
ইলার (মিলা ইলাই চাওয়া, আপ্রাহর গরিবর্তে) ঈয়ান (বাবে ওি মানুদ মিলায়েক্ট ঈয়ান আগবে :) উদ্ধাবিত বিখাং ক্ষক্ত জালিকর কুলবান্তেও কথা (স্ত্রীত সামে বিহার এক প্রকান মিলা কলা)	২৯-আনবাৰুত ৩৪-সাধা ৩৮-মুদ্ধাদাশা	80	986 965	আরাতকে নিবা অভিহিতকারীর প্রবৃত্তির অনুসংগ না করতে		-	Ť
ইপার (মিধা ইলার চাওয়া, আরাহার পথিবর্তে) স্থামন (বাবে তি মানুদ্র হিমানেকট্র ঈর্মান আসবে :) উদ্বাধিক বিধান কাক জালিমবা কুবামনকে কাবা (স্তীয় সাথে বিহার এক প্রধান বিধান কথা) কসম (মিধানা কলক করে কুনাফিকার, জেনেবুকো)	২৯-আনবাৰ্ড ৩৪-সাবা ৫৮-মুজানাবা ৫৮-মুজানাবা	80 3 38	965 965		৭-আগ্ৰাফ ৬-আগ্ৰাম	200	Ť
ইলার (মিলা ইলাই চাওয়া, আপ্রাহর গরিবর্তে) ঈয়ান (বাবে ওি মানুদ মিলায়েক্ট ঈয়ান আগবে :) উদ্ধাবিত বিখাং ক্ষক্ত জালিকর কুলবান্তেও কথা (স্ত্রীত সামে বিহার এক প্রকান মিলা কলা)	২৯-আনবাৰুত ৩৪-সাধা ৩৮-মুদ্ধাদাশা	76; 78 78	965 965	আরাতকে নিবা অভিহিতকারীর প্রবৃত্তির অনুসংগ না করতে		300	,

নিব্য/হসস	नुबास करान	-	78	विषय (देश)	বুৱা নং ও নাম	MEN'N	1961
মিধ্যা অভিহ্নিত (পূৰ্ব পূৰ্বা বেচাৰ)		-	-	দুর্ভোগ ব্যাহ্রে মিখ্যা অভিহ্নিকার্ট্রনের (ফরদালার দিন)	<b>र्थ-मेर्थ्याका</b> क	26	223
পায়ত্যত দিয়া অভিতৈ করম অভিন তীর সময়েন সভিনালী হয়ে	2-মবিদা	5-0	697	দুৰ্ভেগ ব্যৱহে মিখ্যা অভিভিতৰাবীদেৱ (কয়সালার দিন)	৭৭-মুরুসালাত	80	222
আয়াতকে মিখ্যা অভিবিতনারীর উপমা কুকুরের উপমার মত	৭-আগ্রাক	395		দুর্ভোগ বর্ষেছে নিখ্যা অভিহিতকারীদের (ক্রমালার দিন)	৭৭-মুৱসালাত	85	277
স্বাহাতকে মিখ্যা অভিবিত করেছে বারা	৭-আগ্রক	09	656	দুর্ভোগ রয়েছে মিখ্যা অভিতিতবারীদের (করসালার দিন)	৭৭-মুৱসালাত	37	306
স্বাধারতে মিখ্যা অভিভিত্ত করেছে বাল্য	৭-আ'রক	00	959	দুর্ভোগ ব্রয়েছে মিখ্যা অভিত্তিকবারীয়ের (কয়সালার নিন)	৭৭-মুনুসাপাত	83	202
আয়াত্ত্বে মিথা অভিতিতনারী সম্পূর্ণত্তের উপায় করই না নিবট	৬২-কৃত্যু আ	0	362	পরিবাদ (নিবা অভিতিকারীলের পরিবাদ লক্ষা করতে আরান)	৩-আলে ইমধান		
আয়াতকে মিখ্যা অভিহিত করার শান্তি	৬-অন'আম	83	600	পরিবাম (মানা বরে নিখা অভিত্তিকারীর পরিবাম লক্ষ্য করা)	<b>%-আন,প্রার</b>	22	239
অস্ত্রতে মধ্য অভিতিকারী কবির অস্ত্রতে অধিবাদী হবে	৬৪-জাগার্থ	30	369	পরিবাম (পুরুষী জন্য করে বিধা অভিত্তিকর্মীদের পরিবাম (পর্ব)	১৯-শাহল	05	906
আরাভকে মিখ্যা অভিহিত করেছে বারা	৫-মারিমা	30	683	পরিবাদ (বিভাবতে বিশ্বাহারিছিতকারীর পরিবাদ প্রসঙ্গ)	80-युवस्य	34	527
অস্তাহর নিদর্শনকে মিধা অভিহিত করা (নুহের সংস্থাপায় প্রসঙ্গ)	২১-অধিয়া	99	900	মনুন নিবা অভিবিতনারী হলে (উল্লেখনির অপ্যাতন ব)	৫৬-ওরাকিয়াহ	25	389
আল্লাহর আনাতকে মিখ্যা অভিতিতকালী সৰচেত্তে হয় জালিম	৬-আন আম	349	625	विशा वाना	40-oalitand	194	90 1
ইমান (গুৰুণ আনর পাও বিধা অভিত্তিকুত,বিধার ইয়ান ন আন)	৭-আগ্রক	707	955	নিবন্ধর ইহুলীদের বিধা আশা (বিভাব প্রসঙ্গ)	২-বাকুবো	-	-
উত্তর্থক মিখ্যা অভিহিতকারীর জন্ম মন্দর্ভে সহজ্ঞ করা হয়	৯২-বাইল	9	3056	প্রতানের মিধ্যা আশা (গরানিপতর কান ছিন্ন করা প্রসঙ্গ)		4p.	609
উপদেশক মিধ্যা অভিহিত করা (কমিবদের নিটা-বিদ্রুপ প্রদক্ষ)	३७-वं व्यक्त	9	3046		৪-নিসা	222	645
ওপ্তিকে মিখ্যা অভিহিত করা হরেছিল পূর্বেও (জ্ঞান ছাত্রাই)				শরকানের (অন্যানেরকে শরকান মিধ্যা আশা দেয়)	৪-নিস্ম	250	215
অভিনা মিখ্য অভিহিত তথ্য হাজাৰণ পূপত (জ্ঞান ৰাঞ্ছৰ) অভিনয় মিখ্য অভিহিত তথ্য দিল প্ৰয়েছে	১০-ইউনুস	ರು	968	विश्वाप्तर		_	_
ব্যক্তির বিশ্বা বার্তিক করে (কুরআন্তে)	9-2-44m	77	3036	নিজ বাসক্র (নবিব দ্বী সম্পর্কে বিধানে নিজ এসেরে একক মুমিন)	<b>२8-मृ</b> र	22	992
	৮৪-ইন্শিকাক্	22	3038	পুরনো মিখ্যাচার (কুরজান সম্পর্কে কাফিরদের মন্তব্য)	৪৬-আহ্বাত	22	909
কিতাবকে মিখ্যা অভিহিত করার পরিণাম জানতে পারহে	8०-मू दिन	90	25.8	দুর্গমিনের নিয়ানর (মাছারে সমিক্ষাতের জন জন ইপার্থকা)	8५-व्याद्वार	22	970
কুরজানকে মিধ্যা অভিহিত করা (জ্ঞান আছর নং করেই)	১০-ইউনুস	02	964	সুস্পট বিশ্বাহনে দলল না কেল মুখিনরা (ইফকের ঘটনাকে)	५8-न्द	24	9.92
কুমঝনকে হার নিধা অভিহিত করে (আপ্রাহ তালেকে ধাকে)	৬৮-কুলেনে	88	399	হিখ্যালয়ী			
নির্দশনকে নিধ্য অভিথিত করায় সমূস্তে নিমজন (বিসাজালৈ প্র.)	৭-আরফ	200	648	চুলের গোচ্চ থরে মিজামনী ও অপরাধীকে হেঁডড়িরে নিরে	৯৬-আলাক		
নিৰ্দাশকে মিখ্যা অভিহিত কৰাৰ ফল	৭-আগ্রেফ	789	956	যাওয়া হবে (সোবপে)	86-01410	34	2052
নিদর্শনাথলিকে ফিরুলাউন মিখ্যা অভিহিত করেছিল	२०-झ-श	46	188	নগাঁ-সাৰী (মিৰ্যানটা/অগরাধী সদী-সাৰীকে আহবান ককেঃ)	১৬-আলাক	29	2054
নিমন্ত্রিত (মধ্য অভিহিতনারিসেরকে নিমন্ত্রিত করদেন অপ্তার)	৭-আ'রাক	68	972	মিখ্যা প্রতিপন্নকারী			
নিদর্শনকে মিখ্যা অভিহিত করা (আদ হারা আরত্ব বা করেই)	২৭-নামল	₩8	৮০৭	অয়াতকে মিখ্যপ্রতিপন্নকারী সবচেয়ে গড় জাপিম	১০-ইউনুস	39	956
নিদর্শনতে মিখ্যা অভিহিত করেছিল ক্রিকাউন বংশ ও	৮-জানকাশ	48	909	মিখ্যা বলা			
নিপনিকে বিধা পভিত্তিকারীকো বিয়ামতে সমলেত করা ছবে	২৭-নামল	90	৮০৭	অতর (রানুদ স. এর অতর মিখ্যা খলেনি, যা সে লেখেছে)	৫৩-নাজম	22	3/04
নিদর্শনকে মিখ্যা অভিহিত করেছিল কাফিররা	৩৯-বুমার	4.9	৮৭৬	আনের(মহাপ্রদারকে আন ও ছামুদ মিখ্যা বলেছিল)	৬৯-হাজাব্	8	264
পরিশাম (মিখ্যা অতিহিত করার পরিশাম, আবু জার্ল প্রসঙ্গ)	৭৫-কিরামাত্	95	778	আয়াতকে নিখ্যা বদলে করিপ্রের হতে হবে	20- <u>\$</u> @kpr	ъ¢	990
পৃথিকটাপন কৰ্তৃত নিৰ্দেশনতে মিখ্যা অভিবিত করাই বাস্তাহতে	১৭-ইস্রা	6.0	477	আরাতকে যিখ্যা বলেছিল (নৃহ আ, সম্প্রলার)	১০-ইউদুস	90	663
ক্ষমদার দিনকে থিখ্যা অভিহিতকারীদের শান্তি	৭৭-মুৰ্সাল্ড	રક	294	অক্সাহ ও বাসুল স. এর সাবে মিথ্যা বলেছিল যারা	৯-ডাওবা	No :	68h
বিচার দিনকে মিখ্যা অভিহিত কয়ত স্বাহ্যপ্লমিয়া	৭৪-মুম্বাঞ্ছির	85	334	অস্তাব্য সন্দাত্তে নিয়া আখ্যা গামকারী করিছের	১০-ইউনুস	82	668
বিচার দিদকে মিখ্যা অভিহিত্ত করে পাপিত সীমালকানকারীরা	৮০-মুতাক্তিকীপ	75	7077	বালির প্রথমর নিবা বলগ (আবিরাকের সাক্ষাধ্যে)	২০-মুখিন্দ	90	969
বিচারদিনকে মিথ্যা অভিহিতকারীকের জন্য বুর্জেগ	৮০-মুরাক্তিকীন	22	2022	ভিয়াসকলে বিধা খলে ব্যক্তিকা	५१-युक्तकरम	22	900
রাসুদদের নিদর্শন্\প্রমাণকে মিখ্যা বলে অভিহিত করা হর	১০-ইউনুস	48	665	হাদুকে(মহাপ্রদাকে আদ ও হামুদ মিখ্যা বলেছিল)	५५-वासाद	8	935
শান্তি (মিখ্যা অভিহিত করার স্কন্য আসরে অপরিহার্য শান্তি)	২৫-জুরকান	99	979	আমার পিছন ছেঁচা হলে স্ত্রীপোকটি বিখ্যা বলেছে	১২-ইউসুক	39	933
শান্তিকে (আন্তনের শান্তিকে মিখ্যা অভিহিত করত জালিমরা)	৩৪-সাবা	82	b88	নিপৰ্বন/অধিয়তের সাফাতকে বিষয় কলায় কর্ম বিফল	৭-আ'রাক	389	950
শান্তি (আয়াতকে মিখ্যা অভিহিত করার লাজুনানারক শান্তি)	२२-शक	41	950	ক্রিকাটন (সুসা আ, এর নির্দেশ্যক মিব্যা ব্যব্ছিল)	৭৯-নাই আত		3008
সভাবে মিখ্যা অভিহিত করে (অফিবরা)	৬-আন্'আম	¢	699	মহাপ্ৰদায়কে আন ও ছাত্ৰণ সম্প্ৰদায় মিখ্যা বলেছিল	०३-शहार	8	2008
সভ্য আসার পর তার্কে মিখ্যা অভিত্রিককারী বড় জালিম	২৯-আনকাৰ্ড	60*	2.57	দুশরিকরা তবু নিবাই খাল ও অনুমানের অনুসরণ করে	২০-ইউনুস		
নত্য/কুরআনকে মিখ্যা অভিহিত করা (সম্প্রদার কর্তৃক)	৬-আন্'আম	66	603	হুনাকিকনা নিব্যা বলত (অসীবার তম তথ্য প্রদৃষ্ট)	9-2084 2046	ප්ර	990
সক্ৰবীকংগ মিখ্যা অভিহিত কৰেছিল দৃত সম্প্ৰদাৱ	৫৪-কামার	00	209	মুশ্বরিকলের নিজেলের আশারে মিধ্যা বলা (কিরামতে)	১-আপুজাম ১-আপুজাম	99	685
সত্তবীকরণকে মিখ্যা অভিহিত করেছিল ছামুদ সম্প্রদার	৫৪-কামার	20	१०४	রাসূপরা মিখ্যা বলহে। (জনস্বতাসী কাফিরনের অভিযোগ)	৩৯-ইয়াসীন		6%6
সংস্পায় (মিধ্য অভিহিতকারী সংখ্যারের দিবট মূসা আ. ৩)	২৫-যুদ্ধকান	00	946	শান্তি (মিশা বলার জনে মুনাফিবনের পান্তি)		26	P65
স্পন্ন প্রমাণকে মুশবিকরা মিখ্যা অভিছিত করে	৬-আন'আম	27	600	শান্ত (নালা কণার জানো কুনাককলের শান্ত) শান্তকে (কাশানী যে আফান শান্তকে নিয়া করে তা কো করে)	२-राङ्गवा		605
মিধ্যা মতিভিতকারী			ш	সভাকে বিশ্বা বলে গে সে সহচেয়ে বড় জনিম	৩২-সাজ্পা		9-07
আনুগতা (মিখ্যা অভিহিতকারীলের আনুগতা করা নিষেধ)	৬৮-কুশোম	ъ	392	শক্তাকে বিভাগ বিশ্ব বৈ সে প্রভাৱে বড় জান্য শক্তাক (বল্ল অল্লান্ড সক্ষাত্ত বিভাগ বিশ্ব বাদ্য তার ক্ষরিয়ের)	৩৯-বুমার		₽98
অস্তাহ ও মিধ্যা অধিহিতকরিসেয়ক হেছে সেয়া (শরিব নাপারে)	৭৩-মুখ্যাবিদ	22	365	নিখ্যা (ব্যক্তিশ)	৬-আন্'আম	02	699
বিদ্যাবকে মিধ্যক্ষিবিভাননীয় পরিশাম ও অস্তাহা প্রতিশোধ	৪০-বৃথক্ত	96	559			_	-
কুরবান নম্পর্কে মিধ্যাব্যক্তিকেন্সী কেউ কেউ(ব্যক্তাহ জনে)	65-समाद्	85	360	অপুকরনের ভাপু বাভিশ্যমিখ্য হয়ে যাওয়া প্রস্থ		229	650
দুর্ভোগ বিবামককৈ মিখ্যা অভিহিতকারীনের জন্য	৮৩-বুলাক্ষিকীন	30	2022	থাকা (মুশরিকরা বাবে ভাকে তা মিখা/বাতিশ)	২২-হাজ		968
দুর্ভোগ এরছে মিখন অভিহিতকারীদের (ফরাসলার দিন)	৭৭-মুকুসালাত	28	305	মিপ্রিক করা (সতাকে মিখ্যার পাগে মিপ্রিক দা ধরার নির্দেশ)	২-বাকুারা	82	606
দুর্ভোগ ব্যাহে মিখ্যা অভিহিতকারীদের (করসালার দিন)	৭৭-মুবসালাড	48	226	विश्वासनी			_7
দুর্ভোগ রয়েছে মিখ্যা অভিক্রিকারীদের (কয়সালার দিন)	৭৭-মুরুসালাত	82	222	আয়তে অবিশ্বাসকারীই মিখাবাদী (অপ্রাহর জার্যাত)		200	925
দুর্ভোগ (সে দিন দুর্ভোগ মিখ্যা অভিছিতকারীদের জন্য)	64-54	27	252	আন্তাহ জানেন তারা নিখ্যাখালী (খানা কসম করে কছছে)	2-8184L	84	988
দুর্ভোগ রয়েছে মিখ্যা অভিতিতভারীদের (ফরসালার নিন)	৫২-তুব ৭৭-মুরসাম্বাস্ত	22		আপ্রাহর নিকট মিখ্যাবানী (অভিযোগ উত্থাপনকারীরা)	३८-नृद	30	990
দুর্ভোগ রয়েছে মিখ্যা অভিহিতকারীদের (ভর্তনালার দিন)			999	অপ্লাহ মিখ্যবাদীদের সাঠক পরে পরিচাদিত করেন না	৪০-মুখিন	54	ppo
यूरवान प्रकार । स्था। आवास्त्रकादासद (श्वानामात मिन)	৭৭-মুর্সালাভ	29	999	ইউসুক আ. বিব্যাবাদী (কামার সামদে হেঁড়া হলে)	১২-ইউসুঞ্চ	36	693

नम् विवद्य/खन्न ।	न्दा नर के नाय	TEAR	187	नव दिस्द/दनव	तुवा गर छ नाम	454.8	नुहा
মিখ্যাৰাদী (পূৰ্ব পূচা খেকে)	C		1	মুহন্দ স কে নিবাবাদী বলা হয়েছে প্রবর্তীদের মত	৩৫-ফাভির	3.0	787
উপত নিধানদী বলেছে তেল বাসুল স, আসলেই (অত্তীতে)	२०-वृचित्रन	88	986	মুগাকে আর সম্প্রদার মিথাকালী বলেছিব	22-EPM	88	162
কহিল দেশ জনতে পারে যে সে নিবাবাদী এ করা পুনাবাদ	১৬-বাহল	20	906	নুসাকে বিভাবাদী কাবে ভির'আটন (খুদার আশছা)	২৮-কাসাস	08	527
কাহিদুৱা মিখ্যুবাদী	२०-वृधिनुत	30	993	নুসাকে ক্ষিত্ৰ'আউন সম্প্ৰদায় কৰ্তৃক বিখ্যাবাদী বলা	59-0,044	33	999
ক্ষেত্ররা মিখ্যবাদী (নিষ্টিছ কাজের পুনরাবৃত্তিকরণ প্র.)	৬-অনু অম	1/2	477	রাস্থ্যান বিধাবদী বাগাছ (ইবার্যায়ের উম্বরের পূর্ববর্তীর)	২৯-আনকাৰত	34	274
কাফিররা মিধ্যাবাদী (মুনিনের পাণের রোঝা বহন প্রসঙ্গ)	২৯-আনবারত	22	429	অনুদরের বিখাবাদী বলন (বৃহ আ. সম্প্রধার)	२१-कृत्रकाम	09	966
তে মিধ্যবাদী মাদইরানবাদীরা তাও জানতে পারবে	22-44 22-44	30	038	ত্রাসম্পর্কে মিকাবালী করা হয়েছিল	৬-আনু'আম	08	665
(क्रान क्रमा (क्रियायमिकारक (क्रान मिरान समून, क्रमुक्त अन्तर)	১১-রুপ ৯-রাওবা	80	088	রাসুবদেরতে বিষয়াবাদী বলেছিল পূর্বের বই জাতি	৩৮-পোরাদ	25	240
চেনে নেয়(সভাবাদী ও নিধাবাদী কে তা অপ্তার চেনে নিয়াল)		0	V26	অসুলাধার বিধা অসমিল মনার কাফিরাসর পূর্বকীরাও	৩৪-লবা	84	P82
সমূত ও মিধারলী তে, তা আগমীকল জনতে জ্বনুদ সম্প্রদার	२%-जानशान्त १४-गामा	26	200	वानुस्तर्गक वृक्षाचन अह मुद्रवेत विद्यावामी वना सुद्रक्ति	৩৫-লান্ড	8	989
সমুক্ত ও মন্ত্রাবন কে, ও জানানকা জনকে বহুল সংহালয় সূর্বোগ (পাণী মিধ্যাবাদীর জন্য সূর্বোগ)	৪৫-লাইয়া			त्रज्ञानकार वृद्ध वर्ष यह पूर्व विद्यावाचा वर्षा द्वावाचा त्रज्ञानकार विद्यावाची दालवित पुर था, गण्डनाइ ८	80-मुभिन		
মূহ আ, কে মিখাবাদী মনে কবল (সম্প্রভাৱের লোকেরা)		٩	bod	রসুবণ্যকে মিধ্যবাদী বলেছিল (অনেক সম্প্রদার)	৪৮-নেরাদ	é	b-9b
	??- <u>ई</u> व	10	666	अनुनगर विद्यायम् प्राह्म (प्राप्त न-द्वनार) अनुनगर विद्यायम् यत्नीहरू (हिसद्वनीदा)	১৫-হৈন্তৰ	28	pulso.
প্রতিকল কি হবে (কাফেলা মিথাবাদী হলে)	३२-१७नुक	98	6910			pro	903
মনে করা (ক্ষিত্রজাউন মূলকে মিখাবোদী মনে করে)	৪০-মুখিন	তণ	947	রসূপণকে পূর্ববর্তীয়াও মিধ্যাবাদী ব্যাহিদ	৩৫-জাতির	42	989
ফলতা মন্তব্যবাধীৰ বাবা বাস, আল্লাহ সন্তান লবু নিয়েছেল	৩৭-সহ্জত	265	768	রাসুসকাকে আ'ৰ সম্প্রদার কর্তৃক মিধ্যাবাদী কলা প্রসঙ্গ আসুস কে নিব্যাবাদী কলায় জাদিমদের শান্তি প্রসঙ্গ	२७-७ <b>,</b> छाडा	250	9%8
মস্থিতে লায়র নির্মাণকারীয়া বিখ্যাবালী	৯-তাধৰা	209	967		১৬-শাহল	770	932
মুনাফিকরা নিব্যাবাদী (আল্লাহ সাক্ষা নিক্লেন)	43-45M4	22	366	রাসুল কে নিব্যাবাদী বংশহিল (প্তের সম্প্রদার)	২৬-৫'আরা	390	৭৯৬
ভূনবিকরা বিধাবলী (খাল্লাই সাক্ষ্য নিজেন, রাসুল স. প্রসঙ্গ)	৬৩-যুৰাফিকৃন	,	366	রাসূল কে বিধ্যাবাধী বলেছিল (হাতুল স্বাফি)	২৬-ত'আৱা	787	9342
মুলাফিকরাই দিব্যাবাদী	৫৮-মুম্বানাসা	36	>48	রানুদা স. তে মিধাবাদী করা মূলত অস্ত্রাহর অব্যাহকে অধীনের	৬-জান্'জাম	93	6.99
মুশরিকলের মিধ্যাবাদী বলবে শরীকরা (কিরামতে)	১৬-শাহল	10	930	ह्मान्न न, (क विश्वासमी बना (देहनी कर्ट्क)	৬-আৰ্'আম	283	922
দ্সা আ, বিধ্যাৰাদী হলে সে জন্য দ্সাই নারী হবে	৪০-মুখিন	श्रेष्ट	ppo	ত্রসূপ স. তে নিখাবাদী বাসহিল (ভূকা সংস্পার ও অহিনাংবাদী)	৫০-কুন্দ	78	255
মুসাকে মিখ্যামাদী মদে করে ফিরাটদ	২৮-কাসাস	dir	3.77	ৱাস্ব স. কে শৃহ আ. সম্প্ৰধাৰ মিখ্যাধাৰী বৰেছিল	২৬-৩"বারা	704	920
মূসা আ. কে মিখ্যাবাদী বলল (ফিরডাউল, ব্যবাল ও করেন)	৪০-মুমিল	2,8	1.29	রাসূলদের একলকে মিখাবাদী হলা (ধনী ইসরাইল কর্তৃক)	২-বাৰুগরা	ьd	670
বাসুলগণকে মিঝাবাদী বলা হয়েছে (বাসুল স. এর পূর্বেও)	৩-আলে ইমরাব	29/8	668	ৱাসূদ স. কে যদি বিখ্যাবাদী বলে (ইহুদীৱা)	৩-আলে ইমরান	72-8	228
রাসুদ স, কে কাফিররা মিখ্যাবদী আদুকর বলে	৩৮-লেয়ান	8	1/66	রাসূল স. কে যদি বিখ্যাবাদী বললে ভাদেরকে বলতে হবে	১০-ইউনুস	87	425
রাপুণ্ডলবকে মিধ্যাবাদী বপেছিল পূর্ববারীবা	ব৪-সাবা	82	WSC.	শান্তি (নিখ্যা বলার শান্তি কেম্ব হিল, পূর্ববর্তীদের)	৬৭-মুদ্রক	36	290
লা'নড (মিথাবাদীর উপর অস্ত্রাহর লা'নত)	৩-আলে ইম্যান		683	শান্তি (পূর্ববাটী জালিমরা মিথাবাদী বলার শান্তি দেরা হর)	৩৯-যুখার	3.0	690
শয়ক্তন অবভীর্ণ হয় (মিখ্যাবাদী ও পালীটের উপর)	২৬-ত'বারা	222	933	শান্তি ( রাসুদ স. কে মিণ্ডবাদী বদার কারনে শান্তি)	২০-জ-হা	85	180
नग्रजान्यम्य अधिकाश्यदे विचातानी	২৬-চ'আরা	220	422	র'অইতক নিধাবদী করে ক্ষিত্ত (মদইরানবানী প্রনঙ্গ)	৭-আ হাফ	24	623
ভমাইবকে মিগাবাদী মনে করা (আইকাবাদী কর্তৃক)	২৬-ছ'বারা	29-6	929	র'আইবকে নিথাবাদী বলার পরিনতি (ভূমিকম্প প্রসঙ্গ)	৭-আ'রফ	24	653
সঠিক পথ প্রদর্শন করেননা আল্লাহ (মিখ্যাবাদী কাফিবকে)	৩৯-বৃদ্ধর	0	b42	অন্নাইবকে আইকাবাদীরা মিথাবাদী কথার শান্তি	২৬-৩"আরা	223	3203
সালিহতে দায়িক মিধ্যাবাদী বলল (ছামুদ সম্প্রদার)	৫৪-কামার	20	209	অইবত নিধাবদী করে ভূতিকশ ছব মনবৈদ্যবিদ্যা প্রভাৱ	২৯-আনকাবৃত	-09	450
স্বামী বিশ্ববাদী মূল আপ্রায়ে লানিত (সীয় ব্যক্তিয়ে প্রদক্ষ )	५८-मृत	9	998	সমর্কনারীকে থিখাবাদী বলেছিল জাহান্রাথির (দুনিরাকে)	৬৭-মূলক	>	393
স্বামীকে মিথাবাদী বলে সাক্ষ্য দিবে গ্রী	₹8-91	è	998	কৃত্যক বিধানদী কাল্য অপ্তাহ আদ সম্প্রদায়ক ধালে করেন	২৬-৩'আরা	30%	126
হুনহুন মিধাবলী লবি সম্ভবলী আ সুলাইমান আ, কৰ্তৃক যাত্ৰই	২৭-নামল	39	305	হুদ আকে বিখ্যাবাদী বদায় প্রতিপাদকের সাহায্য প্রার্থনা	২৩-যুহিনুদ	00	966
হুনকে মিৰাবালী মনে করছে তার সম্প্রদায়ের লোকেরা	৭-জা'রাফ	00	655	विश्वा क्रमा			
হিখ্যবাদী বলা		-	-	আহাতে অবিশ্বাসকারীই মিখ্যা বাস্থা করে (আল্লাহর আবার)	১৬-নাঙ্গ	200	932
আইকাবাসীরা রাপুল/ ততাইবকে যিখ্যাবালী বলেছিল	২৬-৩'বারা	299	33-3	অল্লাহৰ প্ৰতি বিখ্যা কৰা শা করা আহবাদ (ফিরআউন্কে)	২০-খা-য	83	988
আদ সম্প্রদায় বিধ্যবাদী বলেছিল (হলকে)	१८-सम्बद	34	309	অক্সায়ে প্রতি বিশ্বা বাসাকবিশের পরি মার ধালে (বিশ্বামান্টান প্রদাস)	২০-ছা-ছা	63	488
ইবরাইনের জাতি কর্ত্তর ইবরাইনিকে মিখ্যাবাদী বলা	২৯-জনবার্ত		824	অস্ত্রহা সম্পর্কে বিদ্যা ক্রমা (বুলাগ-হরেম বিক্রেক্তা ইক্সমত করা)	১৬-নাহল	23/6	930
ইপিরাস্কে মিথাবালী বলল তার সম্প্রদার	৩৭-মাক্কাত	294	991	অপ্তাহ সম্পর্কে হিখা ক্রমাকারীর সকল হবে মা	১৬-নাহল	226	930
হালরাসকে ।ধর্মাবানা বলল তার সম্প্রদার অফিন্তর রাসুল স্ তে নিধাবাদী বাল ও প্রবৃত্তির জনুসালা বরে	৫৪-বাম্ব	9	900	অপ্তাৰ সম্পৰ্কে হিৰাপ্তচনাকালী (সৰচেত্তে বড় জালিম)	20-4(da	250	140
ব্যক্তর রকুন ন, তে নিবারনা বলে ও এবুবর বনুনান করে। সুর্বাপ (যে মাসুল ন, তে নিবারনী বলে ও মুখ নিবিয়ে লো নে সুর্বাণ)		36	3000	অক্সাহ সম্পর্কে বিশ্বা ক্রমা করার অপবাদ (রাসুদ স.কে)	84-जुडा	38	246
বৈধিবল (পূৰ্বতী ব্ৰসুন্দানকৈ নিয়বলী বলাৱ পাত বৈধিবলা)	১২-লাইল ৬-আন'আম	-08	699	অস্তাহর বিক্তমে নিখা বলাদের চেটা (রাসুল স. কে বারা)	১৭-ইপ্রা	90	940
দৃহ আ, কে তার সম্প্রভার মিঝাবাদী বলেছিল				অল্লহ সম্পর্কে হিখা ব্যালকারী বন্ধ জাদিয	২৯-জানবাৰ্ড	69	140
	১০-ইউদুস	90	667	खड़ार नन्तर्य विश्वा राज्यकारी यह कारिय	২০-ইউনুস	24	
নুহকে বিব্যাধানী বলার (প্রতিপালকের সাহাঘ্য প্রার্থনা)	২০-মুমিশ্ন	₹6	101				966
দূহতে নিঝাবাদী বলেছিল তার সম্প্রদায়	৭-আ'এড	68	979-	অন্তাহ সম্পর্কে মিধা জনা (হাপাল রিভিবকে হারম করা প্রসাগ)	১০-ইউন্স	6.9	990
মূহকে সম্প্ৰদাৰ কৰ্তৃক মিখাবাদী বলা (নুহেব লোচা)	50-0,008	224	138	আল্লাহ সম্পর্কে হিখ্যা রচনা করে (মুশরিকরা)	৬-জান্'আম	180	930
পাকত্বও (অর্ধন/দরীদের বিখ্যাবাদী বলার পাকরাও)	৭-আগ্রেক	36	957	प्रद्वार् गण्यार्थ विश्व राज्य (सर्वार्व्यका प्रद्वारत मध फरा म करा म	৬-অল্জাম	704	409
পূৰ্ববৰ্তী মুপৰিকৱা ৱাস্ল স, কে মিখ্যাবাদী বলেছিল	৬-আন্'আম	784	922	উথাও (দিখা বছদা উথাও হরে যাবে, কিরামকে)	২৮-কাসাস	98	278
পূৰ্ববন্ধী রাস্পদেরকে নিখানাদী বলা(আল,ছান্দ)	২২-হাজ	85	%%	উথাও (নিধ্যা রচনা উধাও হরে যাবে কিরামতে, কাঞ্চিরদের)	৭-আ'রাফ	60	924
ফিরারন সম্পানায় নিঝাবাদী বলল মৃসা আ, ও প্রকলকে	২০-সুমিন্দ	8 <b>b</b> r	955	উর্জণ হওরা (দুর্শরবদের বিধার রাল বিয়াবতে উর্জণ হবে)	৬-আপ্ আম	₹8	592
বদী ইসরাপদরা মিগ্যাবাদী বলেছে রাস্লগণের একালকে	৫-মারিদা	90	62.9	উপাও হবে (মুপরিকের বিশ্বা রচনা কিরামতে উবাও হবে)	১৬-দাহুদ	59	720
তেবে দেখা (মুগ ফিবানো ও নিধাবাদী কণা আৰু ৰাহল সম্পৰ্কে)	১৬-আলাক	30	3035	উপ্তও হরে বাবে মিখ্যা রান্য (কিরামধ্যের দিন)	55- <del>दू</del> न	52	991
विद्यानने राजदिन (नृद जा. च छपूराना गण्डमात अरः राजुवानी)	৫০-বৃক্ত	25	255	কৰিবলের নিধা হালে সম্পর্কে বিয়াখনের দিন প্রপ্র করা হবে	২৯-আনতাবৃত	3/3	274
মুহত্তৰ সা, কে মিখ্যাবাদী বলা (মকাবাসী কৰ্ম্ক)	২২-হাজ	82	962	ত্যের বেরা (নিবর্তা রান্যাকারীকেয়কে তেন্তে দেরার নির্দেশ নবিকে)	৬-আন্তাম	225	৬০৭
মুখ্যবাদ স্কৃতি বিধাবাদী দল (পূর্ববারীদেরতেও বলা হরেছিল)	৩৫-ফাভির	8	b85	হেড়ে পেয়া (মিখা বচনার উপর মুপরিকলেরকে ছেড়ে দেয়া)	৬-অস্'আম	209	dob

মিধ্যা রচনা (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)		-		মিশ্রিত			
দ্বীলের খ্যাপারে মিধ্যা বচনা খোকা কেলে রেখেছে	৩-আলে ইমরান	₹8	4:09	স্বিমানের সামে জুলুম্ শিবক মিট্রিড না করার কারণে নিরাপত্ত	৬-আন্'আম	W.	800
প্রতিকল (মুশরিকদের মিখ্যা রচনার প্রতিফল)	৬-আন্ আম	707	600	ধীনকে শিরকের সাথে মিশ্রিত করা (সন্তান হত্যা প্রসঙ্গ)	৬-জান আৰ	209	90%
প্রপ্র (মুশরিকদের নিয়া রামা সম্পর্কে অবশাই প্রপ্র করা হবে)	১৬-নাহ্প	Фъ	202	সভাকে যিখ্যার সাথে যিশ্রিভ করে আছলি কিভাবরা	৩-আলে ইমরান	92	484
প্রপ্র (কামিরনো মিখা রালা গাশর্কে বিয়ামানের দিন প্রপ্ন করা হবে)	২৯-আনকাবৃত	70	123	সভ্যকে মিখ্যার সাথে মিশ্রিড না করার নির্দেশ	২-বাকারা	83	400
মুশবিকলের যিখ্যা রচনা সম্পর্কে অবশাই প্রপ্ন করা হবে	১৬-নাহল	26	Pop	विशिष्ठ			Т
হারিয়ে বাবে (মুণব্রিকের উল্লাবিত মিখ্য/পরীক, কিয়ামতে)	১০-ইউনুস	30	663	সুপের মিষ্টি পানির সমূদ্র প্রথহিত করেছেন আল্লাহ	২৫-ফুরবান	60	900
হালল-হায়ম নিজেনের ইছেমার বলা আল্লাহ সম্পর্কে বিশ্বর রচনা	১৯-মার্প	33/6	470	14সক		-	-
भिशा वहनाकारी		$\overline{}$		সিল হবে মিসকের (জান্ততের পানীয়ের সিল)	৮৩-মুতাক্বিকীন	26	2023
অদ সম্প্রদার বিখ্যা রচনাকারী।	27-£4	фo	990	মিসাঁকন (আরো দেখুন অভাবগ্রন্ত শব্দটি)	TT KINGE	-10	2021
প্রতিকল (মিখ্যা ব্যালক্ষরিকের প্রতিকল প্রতিকলকের (মান্সালা)	९-छा'द्राप	202	626	ইয়াতীয়, মিস্কীন ও মুসাফিরের জন্য গনিমত	৮-আনহাল	85	808
রাকুল ল, বে মিখা রচনকারী বলে চুপরিকরা (জায়াত মানসুখ এসল)	79-MIEM	202	955	খানার (মিসকিমকে খানার খাওয়ালো, রোজার ফিনিয়া)	५-वाक्तवा	29.8	240
বিশ্বন্তকল্প				খন্য পান, মিসকিনকে (ইহলমে পণ্ড হত্যার কাতকারা)	৫-মায়িলা	300	240
কাবাৰর মানবজাতির জন্য মিলনকেন্দ্র	২-বাকারা	298	678	খাদ্যপান, মিসকিন্তে (ইইনেমে পত ইডার কার্ডকার) খাদ্যপান (মিসকিন্তে খাদ্য নাম করত না জাহান্তমিরা)	ণ্ড-মাগণা ণ্ড-মুদা <b>হছি</b> ব	88	354
হিলাইল	- ugia		100		৭৪-এখান্তছব ৫-থায়িলা		
সমি-প্রীর মধ্যে অপ্রাহ মিলমিশ করে নিকেন (সালিশ এসল)	8-972	00	262	খার দান (দশক্ষা নিসনিদকে খান্/খন্ত পান, বাসমের বাফ্যারা)		byp	697
	8-(4/2)	00	5.02	খান্ত দানে উপোহ দেৱন বিরোদিনের স্ববীনারকারী (নিসনীনকে)	১০৭-যাউদ	٥	2008
विशासना <u>विशासना</u>				খান্য দান (মিনজিনাকে খান্য গানে পরম্পরকে উলাহিত না করা)	৮৮-ফান্সর	30	205
সংখ্যা মিলিয়ে নেয় ভাফিন্নর ব্যলাগ মাসকে ব্যবাম করে	৯-ভারবা	99	688	থানানা (থানের হতি ভাগরার সম্ভেড মিসমীনকে খানানা)	१७-शक्द	7	bhq
মিশিত		_	ш	খানান(সামান্ত্র)নিস্কানকে থাবাননে উপোহ ন পোর শরি)	৬৯-হাকাহ	©8	249
ইয়ানদারদের সাবে মিলিভ হলে বলে 'জামরা ঈমান এনেছি'	০-আলে ইমরান	229	287	থান্ডারনো (থানিখন নিগবিন থান্ডারে বিহরকারী, রোঝ না রাধ্যা)	৫৮-মুকাদালা	8	965
মাল্লতে যুদ্দিন পিতা-মাতার সাথে সমান-সম্বতির মিপিত হবে	৫২-ভূব	52	900	দান (মিসজিনকে দান করা প্রকৃত প্রা)	২-বাকুরো	299	679
নলের সাথে মিলিত হওয়ার জন্য পৃষ্ঠ প্রদর্শন (ফুরু ক্ষেত্রে)	৮-আনকাল	36	600	দুৰ্দশহান্ত মিসকিলকে থান্য দান- গিবিপথ অৰ্থ	৯০-খলান	3/5	2050
দিবের অরহানে অনান্য থর এখনে মিশিত হানি (রকুশ শ. এবস)	७२-चुम्'वा	0	294	দেয়া (মিগবদিকে কিছু খা দেয়কে কসম)	28-7€	22	996
পানি (সৰ পানি মিলিত হল অবধারিত বন্যা ঘটানোর জন্য)	৫৪-কামার	25	900	লৌকা (বিজিৱ কৰ্তৃক ছিন্তুক্ত দৌকাটি ছিল মিসবিলদের)	79-stán	770	307
মুনক্ষিকের বিদ্ধা অধ্যসহ মুনফিকনা মুখিনানর সামে মিলিত বে)	৩৩-আহ্মাৰ	79	p-08	প্রবেশ (বাধানে মিসকিন প্রবেশ করতে দা দেরা)	৬৮-বুললাম	2.8	396
ফুর্যুনিকর শরভান সন্দীনের সামে মিশিত হলে বলে, অনের তেমানের	২-বাকাৰা	38	\$00	প্রাপ্ত দিরে দেয়ার নির্দেশ (মিসবীনকে)	১৭-ইস্বা	₹5	136
মূলফিক/ইন্থনীয়া নির্মানে মিলিত হলে পরস্পত্তে বলে	২-বাকুারা	96	409	'ফাই' নিগকিনদের জন্য	৫৯-ব্যশর	9	256
শহীনদের সাথে এখনো মিলিত হোনি যারা ভাদের জন্য আনশিত	০-আলে ইময়ান	290	222	বার (মিসকিনদের জন্য ব্যস্ত করা উত্তম)	২-বাকুরা	254	228
সংকর্মশীলনের সাথে মিলিভ করার জন্য ইবরাহীমের দোয়া	২৬-৩'জারা	bro	9365	মিগকিনের হক বা অধিকার নিয়ে দেয়ার নির্দেশ	00-38¥	40	450
সংকর্মশীলনের সাথে মিলিভ করার জন্য ইউসুংগর প্রার্থনা	১২-ইউসুঞ্	202	040	যাকাত মিলকীনদের জন্য	৯-ভাওবা	60	585
সমুদ্র (পরম্পর মিশিও দুই সমুদ্রকে আল্লাহ প্রবহিত করেছেন)	<b>११-वार्</b> मान	22	280	সম্বন্ধান (নিসনিনের প্রতি সম্বন্ধারে বলীইসরাইলের অস্ট্রীকার)	২-বাকুলা	bro	203
পামী-স্ত্রী মিলিক হওয়া (ভাগ্যক প্রসঙ্গে)	৪-নিগা	43	662	সন্থাৰত্যৰ (নিসৰিদের প্ৰতি সন্থাৰত্বারে নির্দেশ)	8-निमा	00	265
মিন্তাত (ধর্মাদর্শ)				মিদর			
ইবরাহীমের মিপ্রাত জনুসরণ করার নির্দেশ	৩-আপে ইমবান	36	282	এক থাকি (মিসরের এক ব্যক্তি ইউসুচকে ক্রয় করণ)	১২-ইউস্ক	23	695
हे बढाहिएक बिहार (फार्न फानवहार निर्मन (बाला म. ८४ शकि)	১৬-বাহল	250	930	ঘর তৈরি (মৃদা/অনুদারীদের জন্য মিদার ঘর তৈরির নির্দেশ)	১০-ইউনুস	59	960
ইনপ্রাইমের নিপ্রাক/আর্থন অনুসরণকরি উত্তন (স্কিনের নিক থেকে)	a-निगा	256	093	প্রবেশ (মিসরে প্রবেশ করতে বলগ ইউনুক আ, (পিতামাতা			
ইবরাহীমের মিল্লাভ/ধর্মাদর্শই একডুবাদী মিল্লাভ/ধর্মাদর্শ	২-বাকুরো	705	674	ব ভাই(নেরকে)	১২-ইউসুফ	99	99.6
ইংরাহীমের মিল্লার/ধর্মাদর্শ থেকে অনামারী ব্যক্তি নির্বোধ	২-বাকুরো	3/50	674	রাজন (মিসবে ফির'মা উনের বাজন্য প্রসঙ্গ)	80-पृत्रक्य	23	200
ইংরাহীমের মিয়াত (মুসলিম জাতি)	22-KIMI	95	300	মিহি রেশম			1.00
ইবরাইট্রের আন-পিঞ্জাত একটি সঠিক দীন	৬-জান আম	3/63	652	পোশাত (জন্তাভবাসীয়া পরিধান করবে)	১৮-বাহ্য	03	929
ইছদী-দাসাধাদের মিল্লাড/ধর্মাদর্শ অনুসরণ দা করা পর্যন্ত				মিহি জেশমী বস্ত	20-1151	0,3	100.1
তারা সম্ভাই হলে পা	३-शकृता	250	678	পরিধান (মুজেনীরা প্রান্থাতে মিহি রেশম পরিধান করবে)		-	
মিরে অস (ড'অইবলে সম্প্রসামার ধর্মন-(মিরাতে মিরে অসর মণ)	৭-জা'রাঞ্	bb	643	নারবান (মূরকোরা জান্নতে নোহ রেশন শারবান করবে) মীকাসন	৪৪-দুখান	60	308
विद्रा मा कामा व्यक्तिक विद्वादा, कमा म. ता पविम त्याव तथा करा	১৪-ইবরারীম	30	844				_
থিয়ে যাওয়া (ড'আইব সম্প্রালয়ের মিল্লাকে থিয়ে যাওয়া অর্থেডিক)	৭-আ'রাক	64	643	শক্র (যে রাসূল ন, এর শক্র সাল্লার সেই কাফিরেরও শক্র)	২-বাকুমা	hir	627
विशास	1 10 411	-	100	মীমাংলা (আরো দেপুদ আপোদ-নিস্পত্তি/বিচার-			
সংবাদকে মাল কাজের সালে মিলিয়েছে ফেলেছে যারা	৯-জাওবা	>04	982	ফরসালা/ফরসালা শব্দটি)			í
Ren eres	310,04	200	923	এলে গেছে মীমালো (বদরবুছে মুগলমাদদের বি <b>জ</b> য়)	৮-আনহাল	23	600
মংশ থাকা অভ্যশ-পৃথিয় কমপ্রাক্তাকে মিশে ছিল, পরে পৃথক করা হয়		-		सानियास्य यदव येथाला रहारे (एउ: (ध्यानानाः रानी ना धावरून)	৪২-পুরা	42	9/3/5
	২১-জন্বিয়া	do	902	দৃহ আ. ও তার লম্প্রনারের মধ্যে মীমাংশ্য করার স্কন্য দোয়া	২৬-ত'জারা	229	938
		484	630	নুহ'লা, ও থার সম্প্রদারের মধ্যে চুবুক্ত মীমানো করার জন্য দোৱা	46-9°8f8f	229.	938
হাত্বের সাথে মিশে থাকা চর্বি ইঞ্নীদের জন্য হারাম ছিলনা	৬-আন্'আম						
হাড়ের সাথে মিশে থাকা চর্বি ইক্সীদের জন্য হারাম ছিলনা মিশে যাওয়া					৩৪-সাবা	340	
হাত্ত্বে সাথে মিশে থাকা চৰ্বি ইহুদীদের জন্য হারাম ছিলনা মিশে যাওৱা মাতির সাথে মিশে যেতে কামনা করতে কিয়ামতে (কাছির)	৬-আন্'আম ৪-নিনা	84	6.65	প্রতিশাপক মীমাংগ্রা করবেন (মুমিন ও মুশরিকদের মাঝে)	৩৪-সাবা ১০-ইউনস	26	
হাজের সাথে মিশে থাকা চর্বি ইক্সীদের জন্য হারাম ছিলনা মিশে যাওরা যাটির সাথে মিশে থেতে কামনা করবে কিয়ামতে (কাছির) মিশ্রব				প্রতিপাপক মীমাংগা করবেন (মুমিন ও মুশরিকদের মাঝে) মতপর্যক্রের বিধার মীমাংগা হরেই যেতে মুপুর্যবোদ্যা না ধাবলো)	১০-ইউনুস	79	606
হাত্ত্বে সাথে মিশে থাকা চৰ্বি ইহুদীদের জন্য হারাম ছিলনা মিশে যাওৱা মাতির সাথে মিশে যেতে কামনা করতে কিয়ামতে (কাছির)				প্রতিশাপন মীমাংগ তরবেন (মুমিন ও মুশরিকদের মাথে) মতপর্যক্রের বিশুর মীঝাল ব্যুরই বেড়া(পূর্বযোক্ষা ন থাবলে) মততেলক্ষরিকের মাথে মীঝালে হয়ে যেত (তাবলেশ যা থাবলে)	১০-ইউনূস ৪২-পূরা	78	600
হাজের সাথে মিশে থাকা চর্বি ইক্সীদের জন্য হারাম ছিলনা মিশে যাওরা যাটির সাথে মিশে থেতে কামনা করবে কিয়ামতে (কাছির) মিশ্রধ	৪-বিশা	8-2	695	প্রতিপাপক মীমাংগা করকে (মুমিল ও মুপরিকালর মাথে) মতপর্যকের বিয়ক্ত নীজনো হরেই বেড।পূর্বকোনা ল থকলো) সত্যভগন্তরীকো মাথে মীনাংগা এর বেড (প্রকলণ না থকলো) সত্যভগন্তরীকো মাথে মীনাংগা এরে বেড (পূর্ব শিকান্ত না থাকলো)	১০-ইউনুস ৪২-শূরা ৪১-কুস্নিশাভ	38 8¢	606 552 553
হাজের সাথে থিশে পাবা চর্বি ইক্সীনের জন্য হারাথ ছিলএ দিশে যাওরা যাটির সাথে বিশে থেতে ভামনা করতে ভিয়ামতে (কাফির) হিন্তা আদার হিশ্রাম্বয়ক্ত পানশামে জান্নাভীনের দেরা যবে	8-দিনা ৭৬-নাহ্য	82	695	প্রতিশাপন মীমাংগ তরবেন (মুমিন ও মুশরিকদের মাথে) মতপর্যক্রের বিশুর মীঝাল ব্যুরই বেড়া(পূর্বযোক্ষা ন থাবলে) মততেলক্ষরিকের মাথে মীঝালে হয়ে যেত (তাবলেশ যা থাবলে)	১০-ইউনূস ৪২-পূরা	78	586 566 566 576 576

মিখ্যা রচনা মীমাংসা
বিবযুধ্যমক সুৱা সংখ্যাম আছে পুরুষ

न्वा सर ७ मात्र चक्क व गृक्षा

মীমংসাকারী মুখ ফিরানো শ্বিদ্ধান্ত বিষয়ে বিষয় বিষ

আল্লহ শীমাংলাকারী

४८० में मारमकारी (क्यादरे ४८० में मारमकारी, क'कारेन अला)	৭-জাধাক	80	663	বালিমের মুখ (মুঁ) দিয়া আল্লাক্য অপো নিভিয়ে নিতে গ্রায়	৬১-সাক্ক	¥	365
মীমাংসা চাওয়া		-		নিকেশ (মন্দরকার্যারিক বিরাহতে অংগারুদী করে আছান নিকেশ)	२१-भागम	30	po.
কান্দিররা মীমাংশা সাইলে (মীমাংলা কো এসেই পেছে)	৮-জনকল	20	600	পথাইনেত্রক আগাড়ুখী সংখ্যা এছ, বোঝা ও বন্ধির করে সমনেত,	54-हेल् <i>व</i> ी	28	94
<b>भी</b> यान		-		পদি মূবে পৌথানের ৰুদা পদির দিকে মুখ্যত প্রদারিত করা	১০-রা'দ	28	993
ব্যব্যান অবতীৰ্ণ (আল্লাহ শ্ৰীয়ান অবস্থাৰ্ণ করেয়েন)	৫৭-হানীদ	32	320	লিয়ানে (সংক্ষাণ্ডর মনুহার দিকে দুব ন বিশ্বতে পুরুতে উপানে)	৩১-লুকমান	25	430
কম্ব নেরা (মীঝনে কম্ম না নেরার নির্নেশ)	११-वस्य	9	909	নিয়ার গোছবিতনা শরীকা জনতে ভিয়া সামে ইবানকেরী মুধ বিরার)	২২-হজ	22	901
ন্যায়বিচারের মীমান/মানসভ স্থাপন করা হবে (কিয়ামতে)	२५-वारिक			কিয়ানে (মুখ কিয়ানেতে পূর্ব নেই পূর্ব ও পরিছে)	২-বাকুরে	299	625
		81	920	তু (মুখ্য তু দিয়ে নিউয়ে দিতে চার অধিকর অপ্রাহত অসে)	৯-জাওবা	65	680
সীমালমন (মীধান/পরিমাণ ব্যাহ শীমালমন না করে নির্দেশ)	৫৫-রহ্মন	b	909	বেদুদিনর মূখে যা বলে তানের হলরে তা দেই	৪৮-ফাত্ত	27	27
হাপন (বিয়ামতে ন্যাবিসক্রের বীবন/খনসভ হাপন করা হবে)	২১-জাবিল	81	%20	कुमिनका पूर्ण गुरु प्रशास करों ये कांत्रस व्यक्त हुने	৩-আলে ইমরন		20:
স্থাপন (দরামর আল্লাহ মীবান/গরিমাপ বস্ত স্থাপন করেছেন)	৫৫-রাম্মান	٦	909	মুশরিকরা মূপে সম্ভব্ন করে মুখিলদেরকে	৯-অধবা	¥	680
মীরাস (আরো নেখুন অংশ শব্দটি)		L.	ш	মোহর মেরে দেরা হবে মুখে, অপরাধীদের(কিরামতের দিশ)	৩৬-ইয়াসীন	62	P.21
ঝলালায়্য দীয়াল সংক্রান্ত বিধান	8-मित्रा	2.46	e9b	হাত হাৰা(মালুগান প্ৰহানহ এল অভিয়া দুলে হাত প্ৰচা কাত)	28-देवबादीय	à	684
₹ø				श्कार (पुर पुर श्कार विकास प्राप्त (प्रकार प्राप्त)	48-PF	34	99
অন্তরের কার্পন্য থেকে যুক্ত ব্যক্তিগদই সঞ্চলকাম	৬৪-ভাগারুম	26	294	पुर विशास	40-74	,4	7.9
করোগার থেকে মুক্ত করেছেন প্রতিপালক ইউসুক্ততে	27-58344	300	69r6				-
ধর্মণ্য ৩০০ (মরতের ফর্মণ্য ৩০০ যুক্ত নাজিকাই সকলকাম)	৬৪-ছাপার্য	36	264	অছলোকটিকে নেৰে প্ৰানূল বা মুখ কিবিৰে নিগেন	৮০-আবাসা		200
দাস মুক্তকরণ (গিরি পদ অর্থ)	১৫-খাশান	20	3050	অপরাধী অবস্থার মুখ কিরাতে নিষেধ (আন সম্প্রনায়কে)	३३-दुन		690
দাসমুক কৰা (প্ৰীৰ সাথে বিধ্যৱের কাককারা)	৫৮-মুখানালা	0	342	আকাশের মিনর্শন থেকে মানুব মুখ কিরিয়ে নের	২১-জাধিয়া	જ	92
মুমিন পাস মৃক্ত করা (ভুলবপত মুমিন হত্যার জন্য)	8-मिना	34	26b	অনুগত্ত থেকে (অপ্নাহ ও বাকুল স. এর অনুগত্ত থেকে মুখ বিদ্যালয়)	৬৪-জাগাবুন	25	99
সচ্চয়িত্রখনরা ভা থেকে মুক্ত মিখ্যাবাসীরা বা বলে	<b>२8-नुद</b>	26	998	অনুশতি বেকে মুখ নিয়াল লেনে রাব ( অপ্তাহ-রাপুল স. এর অনুশান)	৫-মারিলা	25	6.9-
সম্প্ৰদায় থেকে দায়মুক ইবৰাহীৰ স্বা, ও তাৰ সাধীবা	५०-पुरुवदिना	8	262	বাসুগত্য থেকে মুখ কিবিবে মিলে	৩-আলে ইম্বান	ত২	60
¥⊕1	CO-Second	-		জারাত বেকে এমনভাবে মূপ কিরানো মেদ তা কনতে পায়নি	৩১-সুকর্মান	٩	45
মুক্ত। অলক্ষেত্র(স্বর্গার বালা ও মুক্তা ছার জান্ত্রাভিনের অলক্ষেত করা হলে।				আয়াত থেকে মূখ কিবায় (সবচেয়ে বড় বাসিম বাঞ্চি)	১৮-কার্ফ	29	923
	55-81mi	50	960	অব্রান থেকে মুখ কিবানোর প্রতিকল (পিতৃষ্ট পঞ্জি)	৬-জান্'জাম	263	65
উৎপদ্ম (উচৰ সমুদ্ৰ থেকে প্ৰবাদ ও মুকা উৎপদ্ম হয়)	৫৫-রাজ্যান	55	h8c	অরোড থেকে মুখ কিরানো (কাকিবলের প্রদাস)	৬-জান্জম	8	6.00
হত্যানে মুক্তার মত চিবকিশোরগণ জান্নাতে পরিবেশন করনে	৭৬-পার্ব	79	999	আল্লাহ অনালেও মুখ কিরিয়ে নিভ ভার বারা বলে,	৮-আনকাল	50	901
জল্লাতীয়া মুক্তা ও বৰ্গ বারা অলংকৃত হবে	৩৫-কাভিব	00	1/83	আপ্লাহর স্থাপ থেকে মুখ কিরাপে কিয়ামতের দিন অঞ্চ	২০-ড়া-হা	298	187
সুরক্ষিত (সুরক্ষিত মুক্তার মত জাল্লাতের হরগণ)	৫৬-ওয়কিয়ার্	50	288	वरकृत गम्दरत श्रद	40.81.41	348	367
আহরণ (সমুদ্র থেকে অলমার/মূচন আহরণ প্রদাস)	১৬-নহন	78	908	অস্ত্রাহর শরণ থেকে মুখ কিরার (পুনিরর জীবন কামনকারী)	৫৩-নার্ম্ম	5.5	200
মুক্তি (আরো দেখুন নিছৃতি শব্দটি)	i	_	1	অস্তাহর জরাতকে থেকে মুখ কিবিরে নিয়ে তার বড় জলিম	৬-জান্'জাম	368	65
কালাম থেকে মুক্তি পাওয়ার ধানা কাল বার বাপাতা (ইউসুক)	১২-ইউসুক	85	9940	আপ্লাহর আনুগতা খেকে মুখ কিবাৰো	৫৩-নাছয	90	200
ধারাগার থেকে মুক্তি পাওয়া ব্যক্তি স্মরণ করল ইউনুক্তক	১২-ইউসুক	82	99-7	আল্লাহ খেকে সুধ কিবিয়ে লেয়া নিমেধ মু'মিনদের জন্য	৮-জানকাল	20	600
কাকিবরা যুক্তি পাবে না ,আল্লাহ নিমজ্ঞিত করলে	৩৬-ইয়াদীন	80	894	আহ্বান থেকে মুখ কিবিয়ে নের বার	০-আলে ইমবান	38	68
			985	ইংরাহীনের আনর্শ থেকে মূপ কিরার বে			260
बाद्यसाम (चट्ठ पुक्रिय क्रमा कांकियता विश्वतय कराइन	৩৫-ফাভির	09			৬০-মুমস্বাইনা	- 5	
মাহান্নাম থেকে যুক্তির জন্য কাজিরনা নিংকার করবে আশাক্ষরাক্তাকে সুন্দরভাবে যুক্তি/বিদায় দেয়া প্রসঙ্গ	৩৫-ফাডির ৩৩-জাহ্যাব	89	204	ইয়াকুন জ, মুখ বিভিন্নে নিচেন (পুঞ্জাবর থেকে)	১০-মুমজাহনা ১২-ইউসুফ	b8	350
							650
তালাৰপ্ৰাঞ্জকে সুপৰভাবে সুক্তি/বিদায় দেয়া প্ৰসঙ্গ	৩৩-জহম্মৰ	85	204	ইয়াকুণ জ. মুখ বিভিন্নে নিদেশ (পুত্ৰানত্ব থেকে)	১২-ইউসুফ	₩8	
তালাৰবাঝাকে সুন্দৰভাবে মুক্তি/বিনায় নেয়া প্ৰসঙ্গ দাস মুক্তি (নৃ) কসম ভক্ষের কাককারা নশজন দাসমুক্তি)	০৩-অহ্যৰ ৫-মাইদা	85 179	201 669	ইয়াকুণ জ. মুগ ছিবিয়ে নিদেশ (পুত্রদের থেকে) ইছনি-নালারখন সমান থেকে মুখ ছিবালে	३२-१४ <b>न्य</b> २-सङ्ग्रहा	9-8 2-0-9	670
তালাৰ্থ্যাথ্যকৈ সুক্ৰভাৱে মুক্তি/বিনায় নেয়া প্ৰসঙ্গ নাস মুক্তি (নৃঃ কামৰ ভক্তে কাফকায়া নশজন দাসমুক্তি) দুঃখ থেকে মূলকে মুক্তি নাল (মানুখ হভাঃ প্ৰদঙ্গ)	৩০-জহমাৰ ৫-মাছিলা ২০-ড়া-মা	85 80	904 280 180	ইয়াকুৰ জ. মুখ বিধিয়ে নিদেশ (গুঞ্জানর থেকে) ইস্কৃতি-নালারাখন ইয়ান থেকে মুখ বিধ্যালে স্বয়ন্তে থেকো প্রয়ার পত্র মুখ বিদ্যালে বিদ্যালিক)	३२-१६/गुष २-राकृत्वा २८-पृष	98 209 89	991
তাশাৰুৱাঝাতে সুন্দরভাবে মুক্তি/বিদায় দেয়া প্রসাধ দাস মুক্তি (মুদ্দ কাম ডক্ষের ভাকজার দশন্তন দাসমুক্তি) দুঃখ থেকে মুগাতে মুক্তি দাশ (মানুষ হত্যা প্রদাস) দবীর ব্রীচনে মুক্তাঝাতে মুক্তি পেয়া (মুন্দিয়ার মার্কটনা মাইলো)	৩০-অব্যাব ৫-মারিদা ২০-ড়া-য় ৩৩-অব্যাব	85 80 37	201 180 180	ইয়াকুণ জ. হুখ বিভিন্নে নিশেশ (পুত্রসার থেকে) ইয়ানি-বালারাপত বিবাং থেকে হুখ বিবাসে ইয়াকে থেকা পার পা হুখ বিভিন্ন কিব কেলা (কুপবিশ্ব) উপ্যাপশ (কুলামান) থেকে হুখ বিভিন্নত কো কাকিবরা উপ্যাপশ (কুলামান) থেকে হুখ বিভিন্নত কো কাকিবরা উপ্যাপশ থেকে হুখ বিভিন্নত কো যারা	১২-ইউসুফ ২-বাকুনো ২৪-দূর ২৩-দু"মিদূদ ৭৪-মুকার্ছাইর	84 904 89 93 43	991
ত্রালাৰ্ক্যাঝাকে সুন্দারকারে বুক্তি/বিদায় দেয়া প্রসাদ দাস বুকি (মৃত্যু ক্রমান্ত ক্রের কার্যকারা নদারকা দাসপুক্তি) দুংখা থেকে মুখ্যাকে মুক্তি লাল (মানুষ বালা প্রদাস প্রকার ইটামে বুলাংগ্রমে বুক্তি কো (মুন্দিয়ার মার্কালা মাইলো) পুর্ববিদ্ধা সর্ববিদ্ধা বিশ্বমান্ত ঝাল ক্রমান্তিকার দুক্তিগল করতে।	০০-সহয়ৰ ৫-মাটিল ২০-জু-মা ০০-সহয়ৰ ৭০-মা'সবিজ	85 80 37 45 38	901 295 180 502 365	ইয়াকে বাং হ্বণ বিশ্বরার বিদেশ (পুরাক্তর থেকে) ইর্ক্সি-নাগালেন ইয়াকে হুল বিজ্ঞান বিশ্বর হার্কিন বিশ্বর বি	১২-ইউসুফ ২-বাকুন্যা ২৪-দূর ২৩-দুশিসুন	98 309 89 93 93 88	9 91 9 91 9 96 8 96 9 96
ফাশাক্ষামাতে সুপ্তভাবে বুকি/বিদায় দেয়া প্রকার নাম বুকি (নুগ কাম ভঙ্কের বাংকারা দশাকা দানাপুকি) মুখ্য থেকে দুয়াতে ফুটি দান (মুম্মুখ এটা প্রসাধ) নবিঃ ইচিন্য সুপারাকে বুকি কো (মুশ্যিয় মর্পান্তন হারিল) পুনিষ্টা মর্পান্তন বুকি কো (মুশ্যিয় মর্পান্তন হারিল) পুনিষ্টা মর্পান্তন ক্রিকার কিলা ক্রান্তন ক্রিকার বিজিন কুলাকে মুখ্য বাংকা বুকি নিক মান্তন্তন হারিল বিজিন কুলাকে মুখ্য বাংকা বুকি নিক (মানুহুৰ হুবা। প্রসাধ)	৩৩-জহম্মৰ ৫-মাধিলা ২০-সা-মা ৩৩-জহম্মৰ ৭০-মা'অবিজ্ঞা ৪০-মুমিন	85 80 37 38 38	901 (69) (60) (46) (46)	ইয়াকুণ জ. হুখ বিভিন্নে নিশেশ (পুত্রসার থেকে) ইয়ানি-বালারাপত বিবাং থেকে হুখ বিবাসে ইয়াকে থেকা পার পা হুখ বিভিন্ন কিব কেলা (কুপবিশ্ব) উপ্যাপশ (কুলামান) থেকে হুখ বিভিন্নত কো কাকিবরা উপ্যাপশ (কুলামান) থেকে হুখ বিভিন্নত কো কাকিবরা উপ্যাপশ থেকে হুখ বিভিন্নত কো যারা	১২-ইউসুফ ২-বাকুলা ২৪-দূর ২৩-মুখিদুদ ৭৪-মুখাইছির ২৬-চ'পোরা	84 904 89 93 43	991 991 994 994 999
আন্দর্ভনায়তে সুপ্তাহাত্ত্ব হুটিংনিলার নেয়া প্রকাশ সাম সুঠি (সু) কমা হয়েক বাথকারে দশকা দানাপুঞ্জি) মুখ্য তেওে মুখানত মুক্তি নাম (মারুল্ল হুনা প্রকাশ) প্রতি হাতিক সুন্দর্ভাব মুক্তি কাল (মারুল হুনা প্রকাশ হাতিক) পুনির সার্বিক্ত বিভিন্ন হুলা কাল কাল কাল কাল কাল কাল বিজ্ঞানি সম্মান্তর্ভাব কাল কাল কাল কাল কাল কাল মুখ্যানে মুখ্য বাহেল মুক্তি নাম (মারুল হুলা। প্রকাশ) মুখ্যানে সুন্ধার মুক্তি পাল কালে	০০-জহম্মৰ  ৫-মঞ্জিল  ২০-মূ-হা  ০০-জহম্মৰ  ৭০-মা'অবিজ্ঞ  ৪০-মু'বিদ  ২০-মুন্তম  ০০-জহম্মৰ	85 80 37 38 83 83	901 935 980 900 365 365 963	ইয়াকুৰ বছ, হপ নির্বাচ বিশ্বন (প্রকাশ বেকে) ইয়া-নাগালেশ ইয়াক বেকে হুব নির্বাচন, ইয়া-নাগালেশ ইয়াক বেকে হুব নির্বাচন, ইয়ানে বেকে গোলা মতু হুব নির্বাচন নির্বাচন (কুবনিক) উল্লেখ্য (কুবনিক) বেকে হুব নির্বাচন কো কানিকরা উল্লেখ্য বিশ্বন কো বাহিকরা উল্লেখ্য বিশ্বন কো বাহিকরা উল্লেখ্য বিশ্বন কো বাহিকরা উল্লেখ্য বিশ্বন কো বাহিকরা উল্লেখ্য বেকে হুব নির্বাচন কুবুল (ব্যৱহার বাহিক বেকে সুক্তি নির্বাচন করিক) উল্লেখ্য বেকে হুব নির্বাচন কুবুল (ব্যৱহার বাহিক বিশ্বন করিক) বিশ্বন বেকে সুক্ত নির্বাচন কলা প্রকাশ করিক। ক্লামিনিকর	১২.ইউসুক ২-বাকুরো ২৪-বৃহ ২৩-বৃশিনুদ ৭৪-কুনাকুছির ২৬-ত'জারা ৩২-সাঞ্চল	84 PCL P8 CP G8 G8 F5 PS	990 990 990 990 990
बानकर्तावाक प्रभाववाद बुंकि/मांता तमा तमा मात्र विक (मुः कमा का वाक्यावा तमा मात्राविक) मूत्र (देक प्रभाव बुंकि मात्र (ब्रह्म वाक्या वामा) महत्त्र (देक प्रभाव बुंकि मात्र (ब्रह्म वामा वामा) महत्त्र विकास प्रभाववाद बुंकि तमा, प्रभाववाद स्थित। मृत्यीक समिक्का विकास विकास (बुंकिन विकास प्रभाव मात्रावाद बुंकि निक साध्या वाक्यात (बुंकिन विकास प्रभाव का प्रभाववाद के का प्रभाववाद वाक्यात वाक्य	০০-জহুঘৰ  ৫-বাছিল ২০-সা-২া ০০-জহুঘৰ ৭০-মা'অবিজ ৪০-মু'বিদ ২০-সুহুঘ্য ০০-জহুঘৰ ০০-জহুঘৰ ০০-জহুঘৰ	85 80 80 37 38 83 80 80	900 900 900 900 900 900 900 900	ইয়াৰুল আ হ্বা বিভিন্ন বিশেষ (ব্যক্তৰ যোগ) ইয়া-নালাকণ কৰে কৰে হুব বিভাগে নালাকণ কৰে কেন্ত্ৰ হুব বিভাগে নালাকণ কৰে পানু হুব বিভিন্ন কৰা কৰে (প্ৰকৰ্মণ) ইয়ানাল (হুবাহন) হোকা বুবা বিভিন্ন কৰা কৰিব ইয়ানাল (হুবাহন) হোকা বুবা বিভিন্ন কৰা কৰিব ইয়ানাল (হুবাহন) হোকা বুবা বিভাগে কৰা কৰিব ইয়ানাল কৰা কৰিব কৰা কৰিব ইয়ানাল কৰা কৰিব কৰা কৰিব কৰা কৰিব কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰিব কৰা কৰিব কৰাৰ কৰা কৰিব হুবাই বিভাগে কৰা কোন্ত্ৰ কৰা কৰে কোন্ত্ৰ কৰিব কৰা কুমাৰিক কৰা কোন্ত্ৰ কৰিব কৰা বিভাগে	১২.ইউসুফ ২-বাকারা ২৪-দৃত্ত ২৩-রুমিনুদদ ৭৪-কুদার্থাইর ২৬-ত'আরা ৩২-সাঞ্চল ১১-মূল ১-জারবা	98 209 89 93 88 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8	991 991 995 995 991 988
যালকোনাত পুনাৰবাৰে বৃথিচিলালা লোলা প্ৰশাল সাম বৃথিচ (দুল কলাৰ বাৰে বাৰে বাৰে নাম কৰিব দুল দুলা থেকে দুলাকে বুলিচ লোলা প্ৰদান কৰিব সামাল প্ৰশীৰ চীক্ষা সুনাধাৰে বুলিচ লোলা প্ৰদান কৰিব সামাল প্ৰশীৰ চাইছা বুলিচ আৰু প্ৰশালী কৰিব কৰিব কৰিব সামালা কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব সুনাধাৰে বুলিচ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কুলাকো বুলিচ কৰিব কৰিব সুনাধাৰে বুলিচ কৰিব কৰিব সুনাধাৰে বুলিচ কৰিব কৰিব	০০-জহমার  ৫-বাছিল  ২০-সা-২া  ০০-জহমার  ৭০-মা'অবিজ্ঞ  ৪০-মু'ভিন  ২০-মু'ভিন  ২০-মু'ভিন  ২০-জহমার  ০০-জহমার  ০০-জহমার  ২০-জহমার  ১০-জহমার  ১০-জহমার  ১০-জহমার	85 80 37 38 83 80 80 68 47 428	907 180 180 902 365 965 968 968 968	ইয়াকুল আং বাং বিচারি দিশের (বুলার নেকে) ইয়ান-লোলাকে বিচার বিচার নেকে ব্যবহার বিচার ক্রান্তর নেকে বাং বাং বাং বিচার ক্রান্তর নেকে বাং	১২.ইউসুফ ২-বারুগরা ২৪-বৃত্ত ২০-বু'মিনুল ৩৪-মুমাফুইর ২৬-ত'গোরা ৩২-সাঞ্চল ১১-ফুল ১-জারবা ৯-জারবা	89 309 89 93 88 8 88 82 83 89 96	991 991 993 993 993 993 688
যালকোয়াক সুন্ধভাবে বৃদ্ধিনিয়া লোন বলা কা বৃদ্ধিন গুলা কৰা কৰা কথাৰা প্ৰশাসন লোকাইছি মূল তেকে বৃদ্ধানক বৃদ্ধিক লোকা ব্যৱহাৰ কথা কথা কুলা তেকে বৃদ্ধানক বৃদ্ধানক বৃদ্ধানক বৃদ্ধানক কথা কুলা কৰা কৰা কৰা কৰা কথাকো বৃদ্ধানক কথাকা কুলাক বৃদ্ধানক বৃদ্	০০-জহমার  ৫-মাজিল  ২০-জু-২া  ০০-জহমার  ৭০-মা অবিজ্ঞ  ৪০-মুন্তিন  ২০-জুন-হা  ০০-জহমার  ০৩-জহমার  ২-নাজারা  ২-নাজারা  ২-নাজারা	85 80 80 38 83 80 80 80 49 423 403	909 900 900 900 900 900 900 900 900 900	ইয়াৰু লা. হুব পিছিলে বিশ্বন (বুলাক বেল্ছ) ইন্দ্ৰি-নালালেক বিশ্বন বিশ্বন বেল্ছা হুব বিশ্বনা কলেক বেলা বুলা কৰিছে	১২.ইউসুফ  ২-বাকুবা  ২৪-বৃহ  ২০-বু দিনুদ  ৩৪-মুমাছাইর  ২৬-ত গোরা  ৩২-সাঞ্চল  ১১-ছুল  ৯-জারবা  ৯-জারবা ৪৬-আছ্বাঞ্চ	88 904 93 43 48 48 49 95 96 98	991 991 993 993 991 688 800
व्यानस्थात्र प्रश्नात्र प्रश्नात्र विकित्त्र विकास वि	০০-অব্যাদ ৫-মন্ত্রিল ২০-মুন-জ ৩০-অব্যাদ ৭০-মান্দ্রিল ৪০-মুন্দিল ২০-জুম্বাদ ৩০-জুম্বাদ ৩০-জুম্বাদ ৩০-জুম্বাদ ২০-জুম্বাদ ৩০-জুম্বাদ ১০-জুম্বাদ ১০-জুম্বাদ ১০-জুম্বাদ ১০-জুম্বাদ ১০-জুম্বাদ ১০-জুম্বাদ ১০-জুম্বাদ	85 80 80 80 83 80 80 80 80 27 203 203	909, 265 208 208 208 208 208 208 208 208 208 208	হিচাপ মা হা পৰিবাৰ দিশা (ব্ৰহাণ কলে) বিশ্বনিপ্ৰালয় দিশা বৰু দিলিবলৈ কলে বুলিক কলা কলা কলা বুলিক। কলা কলা কলা বুলিক। কলা কলা কলা বুলিক। কলা কলা বুলিক। ক	১২.ইউসুফ ২-বাকুলা ২৪.পুত ২০.ছামিপুল ৪৯.কুমাইছের ২৬.পুত জারা ৩২.সাজ্পর ১৯.পুত ৯-জারুবা ৪৬-জাতুবা	88 89 89 93 88 8 88 8 84 87 96 98	990 990 990 990 990 686 866 866
व्यान्तवाद्वार क्रमान्वाद वृक्ति (नेवाद तथा तथा तथा कर्म वृक्ति (दूर क्षण क्रमान्वाद क्षणां व्यान्तवा मानवृक्ति) पूत्र १००० वृक्ताद वृक्ति वृक्ता (वृक्त्व १००० व्यान्तवा) क्षण क्षण क्षणां वृक्ति व्यान्तवाद वृक्ताद व्यान्तवाद क्षणां व्यान्त्र कृतिक वृक्ताद क्षणां वृक्ताद व्यान्तवाद वृक्ताद व्यान्तवाद क्षणां वृक्ताद व्यान्तवाद वृक्ताद व्यान्तवाद वृक्ताद व्यान्तवाद क्षणां वृक्ताद वृक्ताद व्यान्तवाद वृक्ताद व्यान्तवाद वृक्ताद व्यान्तवाद वृक्ताद विक्ताद वृक्ताद वृक्ताद वृक्ताद वृक्ताद वृक्ताद वृक्ताद विक्ताद वृक्	০০-জহমার  ৫-মাজিল  ২০-জু-২া  ০০-জহমার  ৭০-মা অবিজ্ঞ  ৪০-মুন্তিন  ২০-জুন-হা  ০০-জহমার  ০৩-জহমার  ২-নাজারা  ২-নাজারা  ২-নাজারা	85 80 80 38 83 80 80 80 49 423 403	909 900 900 900 900 900 900 900 900 900	হিচাপে বাং বার্পিবার বিশ্বার (ব্যাহার বেলা) ব্রিক্তিন নারবার পাটন করে বাং বিশ্বার বি	১২. ইউসুফ ২-বাকুবা ২৪. পুত ২০. মুনিমূল ১৪. মুনিমূল ১৪. মুনিমূল ১৯. মুনিমূল ১২. মুনিমূল ১২. মুনিমূল ১২. মুনিমূল ১২. মুনিমূল ১৯. মুনিমূল	88 89 81 83 83 83 84 84 95 96 98 9	930 991 990 991 688 500 500 730
ভাৰতকৰাকে প্ৰকাৰতে বুলি/তিয়া লোগ বেলা কাৰ বুলি () পুৰাৰত হ'বলা কোনাৰ লোগুলি) মূল বুলি কাৰ বুলি কাৰ বুলি বুলি বুলি বুলি মূল বুলি বুলি বুলি বুলি বুলি বুলি বুলি বুল	০০-অংঘৰ e-মন্ত্ৰিল ২০-সূ-২ ০০-অংঘৰ ৭০-ম'অবিজ ৪০-মু-ব ০০-অংঘৰ ০০-অংঘৰ ০০-অংঘৰ ২-বাকুল ২-বাকুল ২-বাকুল ২-বাকুল	80 80 80 80 80 80 80 80 80 80 80 80 80 8	909, 180 180 902 908 908 908 908 908 908 908 908 908	हिल्ला मा रहा सिर्देश किया (प्रकार उपन) हिल्ला मा रहा सिर्देश किया एक रहा किया.  प्रदार उपरथ नामा पड़ सिर्देश किया कामा पूर्वकर्ण किया प्रकार प्रकार कर प्रकार कर प्	১২-ইউসুক ২-বারুগরা ২৪-পুর ২৪-পুর ২৪-পুর ২৬-পুনার্ছাইর ২৬-পুনার্ছাইর ২৬-পুনার ১১-স্কুল ১১-জারবা ৯-জারবা ৯-জারবা ৮-জারবা	88 209 89 93 88 8 8 2 24 29 95 98 0 9 47 80	930 931 930 931 981 981 981 981 981 981 981 981 981 98
व्यास्त्रवाद्वाध्य प्रमाणा प्रश्निक्तिका त्या तथा तथा कर कर कर कि हिंदी हुमा कर वाद्य कर मानिक हुमा हुमा हुमा हुमा हुमा हुमा हुमा हुमा	০০-তাহম্যর  ৫-মন্ত্রিল  ২০-মু-ন্য  ৩০-আহম্যর  ৭০-মু-তা  ১০-মু-তা  ১০-মু-তা  ৩০-জহম্যর  ২-নাকুরা  ২-নাকুরা  ২-নাকুরা  ৩০-জহম্যর  ২-নাকুরা  ৩০-জহম্যর  ১-নাকুরা  ৩০-জহম্যর  ১-নাকুরা  ৩০-মুন্যর	85 80 80 27 28 83 80 80 80 42 423 423 423 83 83	909, 180 902, 365, 908, 908, 908, 908, 908, 908, 908, 908	হিচাপ বা হোজিবা বিশ্ব (ব্ৰুক্তা বিশ্ব )  ইয়া প্ৰত্ন কৰা বিশ্ব ক	১২.ইউসুক ২-বার্থনা ২৪-বৃহ ২৪-বৃহ ২৫-বু মিনুল ২৪-বৃহ ১৫-ত আরা ১২-সঞ্জন ১১-বৃহ ১৯-তারবা ১৯-তারবা ১৮-আর্বা ৮-আর্বা ৮-আর্বা ৮-আর্বা ৮-আর্বা ৮-আর্বা ত-আর্বা	88 209 89 93 88 8 8 8 8 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9	930 931 950 951 688 800 930 930 930 930 930 930 930 930 930 9
व्यास्त्रकार प्रकार प्रक्रितिकार वा तथा तथा कर्म (१८) व्यास्त्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार क्रिक्त प्रकार के प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार क्रिक्त प्रकार के प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार क्रिक्त प्रकार के प्रकार प्रकार प्रकार के प्रकार क्रिक्त प्रकार प्रकार के प्रकार प्रकार प्रकार के प्रकार क्रिक्त प्रकार प्रकार के प्रकार प्रकार के प्रकार प्रकार के प्रकार क्रिक्त प्रकार प्रकार के प्रकार के प्रकार प्रकार के प्रकार प्रकार के प	০০-তাহমার  ৫-মাজিল  ২০-জা-হা  ০০-তাহমার  ৭০-মাজিরিজ  ৪০-মুনিল  ২০-জা-হা  ০০-তাহমার  ০০-তাহমার  ২-নাজারা  ২-নাজারা  ১০-জান্তা  ০০-তাহমার  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা	85 80 80 87 80 80 80 80 80 47 425 83 83 84 85 80 86 87 88	907 295 180 902 365 905 906 906 906 907 907 906 906	क्षित्रम् वर ए सिर्फार जिला (व्याप्त एटन) वर्षित-नावारण केला एक पूर्व स्थित्या, वर्ष्या एकता आग पर्व प्रसिद्धा मां काला पूर्व स्था प्रमाण (व्याप्त एटन प्रसिद्धा प्रमाण कर्मा पूर्व स्था प्रमाण (व्याप्त एटन प्रसिद्धा प्रमाण कर्मा प्रमाण कर्मा केला एटन प्रमाण कर्मा क्षा प्रमाण कर्मा प्रमाण कर्मा पूर्व एटन प्रमाण कर्मा क्षा प्रमाण कर्मा प्रमाण कर्मा प्रमाण कर्मा कराम कर्मा कर्मा कर्मा कराम कराम कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कराम कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कराम कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कराम कर्मा कर्मा कराम कराम कर्मा कर्मा कराम कराम कराम कराम कराम कराम कराम कर	১২-ইউসুক ২-বার্গনা ২৪-বৃদ ২৪-বৃদ ২৪-বৃদ ২৪-বৃদ ২৪-বৃদ ২৪-বৃদ্ ১৯-বৃদ ১৯-বার্গন ১৯-বার	98 209 89 93 88 88 88 82 29 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98	634 991 991 985 985 986 986 986 986 986 986 986 986 986 986
व्यास्त्रकार के क्षिति के व्यास्त्र के क्षिति के व्यास्त्र के व्यास्त्र के विकास के व्यास्त्र के व्यस्त्र	০০-তাহম্যর  ৫-মন্ত্রিল  ২০-মু-ন্য  ৩০-আহম্যর  ৭০-মু-তা  ১০-মু-তা  ১০-মু-তা  ৩০-জহম্যর  ২-নাকুরা  ২-নাকুরা  ২-নাকুরা  ৩০-জহম্যর  ২-নাকুরা  ৩০-জহম্যর  ১-নাকুরা  ৩০-জহম্যর  ১-নাকুরা  ৩০-মুন্যর	85 80 80 27 28 83 80 80 80 42 423 423 423 83 83	909, 180 902, 365, 908, 908, 908, 908, 908, 908, 908, 908	হিচাপ বা হোজিবা বিশ্ব (ব্ৰুক্তা বিশ্ব )  ইয়া প্ৰত্ন কৰা বিশ্ব ক	১২.ইউসুক ২-বার্থনা ২৪-বৃহ ২৪-বৃহ ২৫-বু মিনুল ২৪-বৃহ ১৫-ত আরা ১২-সঞ্জন ১১-বৃহ ১৯-তারবা ১৯-তারবা ১৮-আর্বা ৮-আর্বা ৮-আর্বা ৮-আর্বা ৮-আর্বা ৮-আর্বা ত-আর্বা	88 209 89 93 88 8 8 8 8 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9	634 991 991 985 985 986 986 986 986 986 986 986 986 986 986
ानस्वाराध्य क्ष्मांच्या इंग्रेस्टियां वा ता तथा कर्म (देश हो साम प्रतिक्र के प्रतिक्रम क्ष्मांच्या कर्मा कर्म कर्म (देश हो साम प्रतिक्र क्षमांच्या कर्मा कर्मा क्ष्मांच्या कर्मा क्ष्मांच्या कर्मा कर्मा क्ष्मांच्या कर्मा क्ष्मांच्या कर्मा क्ष्मांच्या कर्मा क्ष्मांच्या कर्मा क्ष्मांच्या इंग्रेस क्ष्मांच्या कर्मा क्ष्मांच्या इंग्रेस क्ष्मा क्ष्मांच्या इंग्रेस क्ष्मांच्या क्ष्मांच्या क्ष्मांच्या इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्मांच्या इंग्रेस क्ष्मांच्या इंग्रेस क्ष्मांच्या इंग्रेस क्ष्मांच्या इंग्रेस क्ष्मांच्या इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्मा इंग्रेस इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्माच इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्माच्या इंग्रेस क्ष्माच इंग्रेस इंग्रेस क्ष्माच इंग्रेस इंग्रेस इंग्रेस क्ष्माच इंग्या इंग्रेस इंग्रे	০০-তাহমার  ৫-মাজিল  ২০-জা-হা  ০০-তাহমার  ৭০-মাজিরিজ  ৪০-মুনিল  ২০-জা-হা  ০০-তাহমার  ০০-তাহমার  ২-নাজারা  ২-নাজারা  ১০-জান্তা  ০০-তাহমার  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা  ১০-জান্তা	85 80 80 87 80 80 80 80 80 47 425 83 83 84 85 80 86 87 88	907 295 180 902 365 905 906 906 906 907 907 906 906	क्षित्रम् वर ए सिर्फार जिला (व्याप्त एटन) वर्षित-नावारण केला एक पूर्व स्थित्या, वर्ष्या एकता आग पर्व प्रसिद्धा मां काला पूर्व स्था प्रमाण (व्याप्त एटन प्रसिद्धा प्रमाण कर्मा पूर्व स्था प्रमाण (व्याप्त एटन प्रसिद्धा प्रमाण कर्मा प्रमाण कर्मा केला एटन प्रमाण कर्मा क्षा प्रमाण कर्मा प्रमाण कर्मा पूर्व एटन प्रमाण कर्मा क्षा प्रमाण कर्मा प्रमाण कर्मा प्रमाण कर्मा कराम कर्मा कर्मा कर्मा कराम कराम कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कराम कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कराम कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कराम कर्मा कर्मा कराम कराम कर्मा कर्मा कराम कराम कराम कराम कराम कराम कराम कर	১২.ইউসুক ২-বাৰুগা ২৫-বুলিবা ২৫-বুলিস্ক ২৫-বুলিস্ক ২৫-বুলিস্ক ২৫-বুলিস্ক ১১-ফুল ১-বাৰুগা	98 209 89 93 88 88 88 82 29 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98	674 688 800 800 800 800 800 800 800 800 800
ভাৰত প্ৰকাশ কৰি চিনাৰ কৰা কলা কলা কৰা বুলি চুল কৰা বুলি বুলি বুলি বুলি বুলি বুলি বুলি বুলি	০০-কাহবৰ  ৫-বাজিল  ২০-জা-বা  ০০-কাহবৰ  ৭০-মা আজিল  ৪০-ছা-না  ০০-কাহবৰ  ২০-ছা-বা  ০০-কাহবৰ  ২০-ছা-বা  ০০-কাহবৰ  ২-বাজুলা  ২-বাজুলা  ১-বাজুলা  ১-বাজুলা	85 80 80 87 80 80 80 80 80 47 425 83 83 84 85 80 86 87 88	907. 293. 180. 180. 294. 280. 204. 205. 206.	হিচাপে বাং দাৰ্গবিধা বিশ্বন (ব্ৰুক্তাৰ তেল) বিশ্বনি-নাৰোগণ বিশ্বন এবং দুৰ্ঘ বিশ্বনে। বিশ্বনি-নাৰোগণ বিশ্বন এবং দুৰ্ঘ বিশ্বনে। বিশ্বনি-নাৰোগণ বিশ্বন এবং দুৰ্ঘ বিশ্বনিত বাং কাৰণে বিশ্বনিত এবং কাৰণে বাং দুৰ্ঘ বিশ্বনিত বাং কাৰণে বিশ্বনিত এবং ক	১২.ইউনুক ২-বার্থা ২-বার্থা ২৪-দুর ২০-দুর্মিন্ ২৪-দুর ১০-দুর্মিন্ ১১-দুর ১০-দার্থা ১১-দার্থা ১১-দুর্থা ১১-দুর্থা ১১-দুর্থা	98 209 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98	930 930 930 930 930 930 930 930 930 930
व्यास्त्रकार के क्षिति के व्यास्त्र के क्षिति के व्यास्त्र के व्यास्त्र के विकास के व्यास्त्र के व्यस्त्र	০০-কংবার  ৫-বাছিল  ২০-ভূম-ত্ব  ৩০-আহবার  ৩০-আহবার  ৩০-আহবার  ৩০-আহবার  ৩০-আহবার  ৩০-আহবার  ২-বাছার  ৩০-আহবার  ২-বাছার  ৩০-আহবার  ১-বাছার  ৩০-আহবার  ১-বাছার  ৩০-আহবার  ১-বাছার  ১-বাছার  ১-বাছার  ১-বাছার  ১-বাছার  ১-বাছার  ১-বাছার  ১-বাছার  ১-বাছার	85 80 80 38 80 80 80 80 27 203 203 203 203 203 203 203 203 203 203	909, 180 900 900, 900, 900, 900, 900, 900, 900,	हिरमु का इर सिर्फेट्टर मिन्न (इनाम दरान) प्रित्त नाम प्रत्त नाम प्रत्त नाम प्रत्य नाम	১২.ইউসুক ২-বার্গনা ১৪-পুর ১০-রুমিনুন ২০-রুমিনুন ৩৪-কুমার্ডক ৩২-কার্জন ১১-জুন ১-বার্গনা ১০-বার্গনা	98 209 98 93 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98 98	991

भय दिगड/धनम	ज्वानः च मात्र	-	501	निषद्भारतम् ।	जुड़ा नर ७ नाम		
मूच कितारमा (পूर्व शृंते त्यरक)			$\Box$	মুশরিকথের মুখনাল কালে হয় (কন্যার জনু সংবাদে)	৪০-বৃধ্যক	74	6.7
দুর্ভাপ (যে ঝাদুল স, কে মিথাবাদী বলে ও মুখ বিভিন্নে লেম সে কুর্ভাগ)	৯২-লাইল	36	3026	প্ৰান হওৱা (কিয়ামতে কাহিবদেৱ মূখ্যখন প্ৰান হবে)	९४-किन्नामार्	₹8	25
নিদর্শন ধর্ণনা করার পরও কাক্ষিরদের মূপ ক্ষিরিয়ে নেরা	৬-জন্জন	85	800	সিলদার ডিফ (রাসূল সা ও কার সাধীদের মুখমন্ডলে)	৪৮-ফাত্র	২৯	193
নিদর্শন সেবে বুখ ফিরিয়ে দেয় (কাফিরয়া)	৫৪-কামার	3	306	জ্বাচন (কৰিবলা মুখ্যাতা থেকে আচনকে বিলৰ কৰাৰ পাৰ্যৰ না)	২১-আধ্যা	03	90
পূহ আ, জাতি মুখ বিভাগে(পূহ আ, তালো কাছে প্রতিকাদ ভালো)	১০-ইউনুস	93	665	মুখ (মুখে মখে)			Т
পরিণাম (মুখ ফিয়নের পরিণাম, আরু লাহল প্রসং)	৭৫-কিয়ামাহ	०२	228	কর (মুফিনা মুখে কাছিল যে, এ স্থাপারে তালের জন দেই)	२८-मृष	30	9
পাপানারী (মুখ ব্যবিক্তে নের বারা ভারা ফাসিক)	৩-আলে ইমরান		288	युवारगरी/बयुवारगर्भी			T
পূৰ্ব-পশ্চিত্ৰ যে নিকে মুখ ক্ষিত্ৰালো হয় সে নিকেই আল্লাছ	२-वाकादा	224	620	व्यक्तर प्रशासकी मन समुख्य	৩৯-বৃমার	4	ь
প্রতিকল (জায়াত থেকে মুখ ফিরাদোর গ্রতিকল হরণ)	৬-আৰ' আম	201	935	মানুৰ অপ্লাহন মুৰাপেন্দী	०१-मधिव	26	b.
	৫১-বারিয়াভ	46 t	329		05-4404	36	۳
ফির'অটেন মুখ ফিডিয়ে নিল নলবলসহ				मूरशमूथि			╄
কী ইন্মাইলের হুখ বিবালে (অদ্রাহা সাগে তৃত অধীনার গেকে)	২-বাকুরা	949	අපම	আসন (মুখেমুবি আসনে জাসীন হবে ৰাছাইকৃত বান্দারা)	৩৭-নাক্কাভ	88	ь
বলী উল্পেইক্সের মূখ কিন্নতন(অল্লাহর অনুমাহ ও নরার পরও)	২-বাকুরা	68	608	কাৰে (বায়াতিয়া কৰ্ণজনিত আদাদ হেলাদ মুখোমুদি দিয়ে কাৰে)	৫৬-ওরাকিরাহ	36	b
বস্তুজানির ব্যাপারে সভর্ক করছেন রাসুল (মুখ ফিরিনে শিলে)	৪১-কুস্সিলাভ	20	594	মুম্রাকীরা মুখ্যমুখি থাকবে জন্মতে	৪৪-দূখাদ	60	8
তেবে দেখা (মুখ কিয়নো ও মিথাকালী দলা আৰু জালো সম্পর্কে)	৯৬-আলাক	70	7053	সমসিদ (মুখেমুখী সমসিদ হলে মুক্তনীক্ষা অপ্রতের জনসে)	३१-दिसर	89	19
মানুষ মধি কিরিরে নের (আল্লাহ যকন নেয়ামত দেন)	১৭-ইস্বা	949	465	76			
মানুষ যদি মুখ বিভিন্নে মের (রাসূল স. থেকে)	৯-ভাওবা	259	960	মুপরিক নারী মুখ্র করলেও মুখিন দাসী উন্তম (বিয়ে প্রসঙ্গ)	২-বাস্থ্যবা	442	0
যানুষ মুখ ফিরিছে নের (নুঃখ-নুর্নন্য থেকে উভারের পর)	১৭-ইস্বা	99	47.9	মুপত্তিক পুজৰ মুদ্ধ করলেও মুমিন দাস উত্তম (বিত্তে প্রসঙ্গ)	২-বারুরো	223	0
মনুধ মুখ বিভিন্নে লের, অক্সাহ যথন তার প্রতি নেরামত পান করেন	৪১-সুস্থিলাত	65	990	জনুগ স, কে হৃদ্ধ করে (মানুষের কথা!)	২-বাকুরো	208	
মুনাফিকদের অহমার করে মুখ ফিরানো (রাসুল স. এর				রাসুল স্. কে নারীর সৌন্দর্য সুদ্ধ করলে ও যাসের বিরে করা হালাল নর	৩৩/জাহ্যাব	43	Ь
ক্ষমপ্রার্থনা প্রবঙ্গ)	৬৩-মুনাঞ্চিত্ন	4	366	সংখ্যাধিকঃ মুদ্ধ করেছিল মুখিলদেরকে (স্থলাইলের দিন)	৯-ভাৰৰা	32	6
মুনাঞ্চিকরা যদি মুখ ভিত্তিকে দেব 'কবে	৫-মধিদা	85	640		র-ভাতথা ৫৭-হাদীদ		
মুনাকিকরা মুখ ভিরিয়ে নিলে (দারানরিত্ব তানের)	२8-मृत	28	225	কৃষকানেকে মুদ্ধ করে বৃষ্টিতে উপদ্ধা কলল (দুলিয়ার জীবন প্রসঙ্গ)		20	>
মুশ্ববিকরা মুখ ভিত্তির নিল	৫-মরিদ	80	62.5	মন্দের অধিকা মুখ্য করনেও মধ্য ও ভাল সমান লয়	৫-মায়িদা	300	
	8-501	3/9	694	রসূস স. কে যেন মুদ্ধ শ করে অধিক্রসীলের ধন-সম্পদ ৫	৯-ভাওবা	66	13
মুনক্ষিকতের (হিজ্ঞাত করা থেকে মুনাধিকরা মুখ নিবাল)				রসূল স. কে যেন মুখ্র না করে মুনকিবছের ধন-সম্পদ ও সম্ভান	৯-তাওয	46	1
মুশরিকরা যদি মুখ কিবিয়ে লেয় ভবে জেলে রাবুক কে	১-অংশ	٥	980	মুছে দেৱা			П
বারা মুখ ফিরিয়ো দেয়	৫৭-হাদীদ	2.8	960	মিখ্যাকে মুছে দেশ আপ্লাহ	৪২-পূরা	4,8	ь
বৃদ্ধ থেকে মূৰ বিধিয়ে দিয়ে ব্যাস্থল সৃত্তির আশা (মুলফিবদের)	৪৭-মুহাপাদ	55	978	মুজাহিদ (আরো দেখুন জিহাদকারী শব্দটি)			Т
ब्रापूर्ण भ. (मदक पूर्व विश्वासन् (ब्रापूर्ण म. मानूसक गरावणक नम)	8-9781	3.0	263	কমানীল প্রেটিশালক কৈনীল মুহাজির মুম্বাহিনের প্রতি কমানীল)	১৬-নাহল	220	1
রাস্ক স, থেকে মূখ কিবাদোর করেনে শক্তি কোগ	৬৪-ভাশাবুন	b	300	রেনে নিবেন (অক্সার মুম্বারিননেবকে পরীক্ষা করে (বানে নিকো)	৪৭-মূহামান	0)	1
রাস্প স. থেকে মূখ কিবিয়ে নিরেছে কাকিবরা	৪৪-সুখান	28	305	প্রেষ্ট্রত প্রেটিনানের দিক দিয়ে যুক্তবিদ্যালয়ক প্রেষ্ট্রত দান)	8-शिश	95	0
बाजून ज. अब व्यवस्थन त्यारक पूर्व विश्वतंत्र राज सन्त बाजून ज. महापूर्व	১৬-শব্দ	315	9ob	मुक्तिया		-	۲
পাস্তি (মুখ ফিবালে লোকনো জনা মহদিনের শান্তির কর)	<b>33-वून</b>	٥	996		ত-জালে ইমরান	83	10
শক্তি (যে মূখ চিনিয়ো দেয় ও কুননী করে, ধার কল বড় শব্দি)	৮৮-গাশিরাব্	50	2050	Res पुलियं नम्ट्ड रर्गम	G-OILE GYBIA	8.6	100
শান্তি (কুফরী ও মূখ ফিরানোর কারণে শান্তি কোগ)	৬৪-জগাবুন	à	999	मुक्ती	_	_	╄
শান্তি (রাসূলে আংবান থেকে মুখ ফিরানের কারণে শান্তি)	२०-झ-श	80	980	অল্লাহর হতের মুঠার থাকবে পৃথিবী (কিরামভের নিন)	৩৮-যুমার	9.5	9
হ'আইবের মুব ফিরানো (শিক্ষ সম্প্রদারখেকে)	৭-আগ্রক	20	643	यूक्न		_	
সভা থেকে মুখ ফিরার যারা (ভারা কাসোদ সৃষ্টিকারী)	৩-আলে ইমরান		685	মাধা মুচ্চিত জবস্থার মসজিনে হারামে প্রবেশ করবে মুখিনগণ	8৮-कार्	29	12
সত্য থেকে মুখ বিষয়িয়েছে যে পেশিয়াণ কণ্টিশিয়া আৰু ভাৰতে	৭০-মা'অরিক	39	29.7	মার (থান্ধ মারমুক্তন না করা, বভালন না কুরবালীর পাচ)	২-বাঞারা	230	12
সাবাবাসীরা মুখ কিরিয়ে দিশ (কৃতজ্ঞতা প্রকাশ খেকে)	৩৪-সাবা	36	584	<b>मृ</b> ठानाविद्			Т
	৭-অ'রভ	2	620	আয়াত (বুভাপনির আয়াতের পিন্তান লোগ থাকে, যাতার ভারে)	৩-আলে ইমরান	9	0
সাদিহ আ, এর চুব বিদানে (স্বযুদ সংক্রমানে নিকট বেকে)	२३-वाश्चि			অক্সত (কুরআনের কিছু আরাত মুতাশাধিত)	৩-আলে ইমরান		0
ন্মরণ থেকে মুখ ফিরামো (প্রতিপাশকের স্মরণ)	42-41I43II	84	920		0	÷.	÷۲
মূখ বিকৃত করা		_	$\perp$	মুৱাকী (আরো দেখুন আরাহ ওয়ালা/রব্বানী শদ্দি)		-	₽
ওয়ালিন বিদ মুগীরা মুখ বিকৃত করল	१४-पूकाकृष्टिक	44	997	অধিরাত (মূপ্রকীদের জন্য অধিরাত,আল্লাহর নিকট)	৪৩-যুৰক্ত	02	ь
মুখমঞ্জ				জনাস (অখিয়াতে মৃত্বানীসের জন্য উপ্তম আবাস)	১৬-নাহ্দ	80	1
वर्तिकृष्टि(बार्स्सर गर्छ राज कविद्याला पृथ्यपाल वर्तिकृष्टि गर्क रुप)	२२-राष्ट्	92	968	অলো (মৃত্যানীলের দ্বন্য ভাওয়াত আলোমন্ত্রণ হিল)	২১-আধিয়া	85	1
উদ্ধান হওয়া (ভিয়াহতের ভিন মুখিনদের মুখ্যাকা উদ্ধান হবে)	৭৫-বিশ্বামায	44	338	অপ্তাহ মুৱাৰীদেৱকে ছানেন	৩-আলে ইমরান		
উচ্চি দেৱা (থাকিবদের মুখমখল আবনে উপ্টে নেয়া ব্বে)	৩৩-বাহবাব	66	brob	অপ্তাহ মুখানীদের সাথে আছেন	২-বাকুারা	778	4
অপিএজন (নী ইন্ডাইলচন চুন্মকা অপিএজন কর)	১৭-ইগ্রা	3	128	অপ্তাহ মুবাবীদের সাথে আছেন	৯-ডাওবা	240	1
অসা হওৱা (কন্যার জন্ম সংবাদে ফুপরিবচনর মুখনকো কালো হর)	১৬-মাহৰ	¢¥	909	গণ্ডাহ মুখানীদের সাথে আছেন	৯-ভাওবা	৩৬	19
বাহিৰা বিনা (ক্ৰয়া কৰু গৰেল বুশাৰকের বুশাৰক পটা বহু। বাহিৰামৰ মুখ্যখনে সাধীকৃতি লক্ষ্য কৰা ধৰা (আমাক পটা বহুণ)	२२-शंक	93	968	ইয়াম (মুজাৰীদের ইয়াম বানালের জন্য প্রার্থনা)	২৫-কুরকান	98	1
			398	উভ্নম (অধিব্যাতের আবাস মুবাকীদের জন্য উভ্নম)	৬-আন'আম	03	4
ব্যক্তিরদের মুখমঞ্চা মধিন হবে (কিয়ামত নিকটে নেৰে)	৬৭-যুক্ত	49		উরুম (অধিবাতের আবাদ মুরাকীদের জন্য উরুম)	৭-আবাক	200	
চাপড়ানো (মুখনগুল চাপড়িয়ে বলল ইবরাহীমে গ্রী)	৫১-ঘরিক্সভ	59	346	উল্লম (মুখ্যাকীদের জন্য অধিয়াত উল্লম, জিহাদ প্রদাস)	8-निमा	99	1
	২০-মুখিদুদ	208		উদ্ধার (মুক্তাকালের আপ্রাহ কিরামতের দিন উদ্ধার করবেন)	৩৯-যুমার	63	9
র্বলসে সেবে (আঙন বলসে সেবে বাহান্রমিসের মুধমকো)							
ন্ধলনে দেবে (আচন কালনে দেবে নাহান্নমিনের মুখনকণ) গৌত (মুখনকা খৌড করার নির্দেশ, অকুডে)	৫-মরিনা	8	63.7				٠.
	৫-মারিপা ২৭-মমদ ৪-মিসা	30 80	899 999	টারাখ্যুদ সংক্রমতে দের শার্ম থেকে মুখিন মুর্জ্বজীলে উভার) উপদেশ্ শনিবারে নীমালয়দের ঘটনা মুক্তবিদের বাল উপদেশ)	२९-मामन २-राकृता	60	6

মুখ ফিরানো সুরাকী

तम् 🔆 🔑 विरश्धनम	সুরা বং ও নাম	9013	181	पर्य विवर/देशक	नुहा नर ७ नाम		
মুবাকী (ঝারো দেখুন আন্তাহ ওয়ালা/রব্বানী শব্দটি)				হাড় ("মুদগাকে হাড়ে পরিবত করা)	২০-মু"মিশ্ন	78	9.86
(भूर्व भृक्ते (बरक)				यूष			
উপদেশ (মুবার্কীদের জন্য তাওরাত উপদেশখরণ ছিল)	২১-আধিয়া	85	920	আসহাবে কাহাফের একজনকৈ মুদ্রসহ শহরে প্রেরণ (বাদ্য			1
কবুল (মুবানীর পক্ষ থেকে কবুল তরেন আপ্লাহ)	৫-মারিপা	29	648	(কনার জন্য)	३४-सद्य	270	920
কঠন্য (মুম্বাকীদের কর্ডন্য- ওসিয়ত করে যাওয়া)	২-বাকুারা	250	@20	যুনাফিক		-	1
कर्डन (पुराक्षामा कर्डन, जनावशाखरू राजधानायी (ना)	২-বাবুরো	482	02V	অংল্যর (মুনাকিকরা অহন্তার করে মুব বিবিয়ে দেয়)	৬৩-বুনাঞ্চিকুন	e	1468
কুরজান পর্যনির্দেশনা ও উপদেশ (মুল্লাকীদের জনা)	৩-আলে ইমরান	206	485	प्रकृतका (वान्त म, वह शहर पुनाविद्वत प्राप्त का नवाब मिर्ना)	৩৩-আহ্বাব	86	50
দ্ববা ও কর্ণার মধ্যে থাকবে (জাল্লাতে মুম্বাকীর)	৭৭-মুহসাধ্যত	83	दहर	অনুগত (আঁকা,ভুলাইকের অনুগত) না করতে নবীকে নির্দাশ)	৩৩-আহ্থাব	3	50
জালিমদের হিনাবের কিছুই মুপ্তাকীদের উপর নয়	৬-আন্'আম	65	602	जन्म (प्रतिकता जन्म क्या त्या त्या प्रतिकता जन्म	৯-জভবা	68	68
बाह्मास्ट व निवासस्टब मध्य धावस्य (मुखांकीमप)	१२-वृत	24	959		৬৩-মুনাফিকুন		200
জানা (মুবারীদেবকে জাদেন আল্লাই)	৯-ডাঙ্বা	88	688	प्रभा (प्रमधिकात करून गः च्या काळ प्रान्ता कान, पूर्वि प्रकारक करून)		3	
बाह्यास्य वर्गामपुरस्य मास्य धाकरत मुखाकीपन	১৫-হিজব	84	900	উপস্থাি বতা না মুকলিকর (জাবাশ-পৃথিবীর ধন-জভার অল্লাহর)	৬৩-মুনাফিকুন		3/6/
बाह्यारक मध्द्रव पाटक मुखाकीया धाकरत	৫৪-কামার	28	906	উপেন্দ (ভূপতিন্দান প্রসূদাস, এর সিকে জনতে নদাস উপেনা করে)	8-मिमा	49	261
জ্বন্ধতে নিবে যাওৱা হবে মুক্তাকীলেরকে (দলে দলে)	৩৯-মুম্বর	90	299	উহ্দয়ুছে মুনাফিকলের অবস্থা	৩-আলে ইমরান		200
জন্নত (মুন্তারির মন্ত্রেমে বর্তমে প্রবেশ করে, আন্তর্মন পুরস্কারম্বরণ)	১৬-দাহল	40	900	এমন কর (অপ্তাহ কালির-মুনাদিবকে জায়ন্ত্রামে একর করকে)	8-भिमा	280	291
জন্নত মুক্তবিদের নিকটে আনা হবে (কিয়ামতে)		92		কমিবানে ও মুম্মিকানে নিবছে জিবল নগার নির্দেশ বাসুগ স, নে	2-2164	90	48
	৫০-বৃহক্ত ৩-আলে ইমরান		320	কুকরীর নিকটবতী মুনক্ষিকরা দিয়ানের চেয়ে	৫-জলে ইমরান		66:
জন্নাত মুখাকীদের জন্য গ্রন্থত রাখা হরেছে		200	485	काराह्मम (मुमाफिकता भाशसास्यत भरीनम् अत धारु(र)	8-भिभा	785	29
জন্নাত ও কথাধারার মাতে মুবাকীরা থাকবে	৫১-বারিরাক	76	256	স্থানেনা (যুনকিকরা ভালে না যে সংখ্যন আল্লাহরই স্কনা)	৬৩-মুনাঞ্চিকুন	V	76-58
তল্পাবধরক (মুবাকীরাই অক্সাবধারক মসন্ধিপে হারামের)	৮-আনফাপ	08	606	জানা (আল্লাহ মুনাফিকদেরকে ঝানেন)	২৯-আনকাবৃত	>>	6.70
দরা (মূল্রাকীদের জন্য আল্লাহ দরা নির্ধারিত করেন)	৭-আগ্রেক	266	659	জিহাদ (নবীকে মুনাক্ষিকদের বিৰুদ্ধে জিহাদ করার নির্দেশ)	५७-डाइरीय	ъ	593
দূরে রাধা (মুক্তকীতে লাহান্নাচন্য আছন থেকে দূরে রাধা হবে)	১২-লাইল	74	7056	জেনে নিবেন আন্তাহ মুনাঞ্চিকনেরকে	৩-আলে ইমরান	369	20
নিরামতের মধ্যে থাকরে মুস্তানীগণ ( জান্নাতে)	৫২-ভূর	24	250	তাওর কবুল (ভূনবিংকের তাওর কবুল/শারি অস্ত্রাহর ইয়াবীন)	৩৩-আহ্যাব	28	bet
নিরাপন স্থানে থাকবে (মুন্তাকীরা)	৪৪-পুখান	62	308	দেখা (মুনাঞ্চিকদেরকে দেখা, যায়া কাঞ্চিরদেরকে বলে)	৫৯-হাশর	22	32
निमर्गन (निम ও वाइटद পরিবর্তম মুক্তানীদের কব্য নিবর্ণন)	১০-ইউনুস	0	628	থোকা (মূলকিকরা আল্লাহকে থোকা নেয় বলে কাবে)	8-मिमा	384	291
নিবটো আন (অপিরতে জন্নাতকে মুরাবীলে নিবটো আন ২০ে)	২৬-খ'আরা	90	93-2	পাপানরী (মুনফিবরা পাপানরী)	৯-তাতন	89	68
দেয়ামতপূর্ণ জাল্লাত মুবাবীদের জন্য (প্রতিপাদকের নিবট)	৬৮-বুংলাম	68	246	প্রতিবেশীয়ণে দুনবিকর রাসূল ন. এর পালে নামান্য সমস থাকা	৩৩-জাহয়র	80	600
পর্যবিদেশিকা (কুরমান মুবাকীদের জন্য পথনিদেশিকা)	২-বাকারা	2	202	থিবির সের (অল্লাহ ফুর্যফিবদেরক পূর্ববস্থার মিবিরে নিরেছেন)	8-मित्रा	99	666
नर्यनार्रन (पृक्षकीऽस्त सन्त नर्यमिर्जन ও উপদেশ दिन देखीन)	৫-মারিদা	86	200	का (व्यक्तांश्रास्त्रम मा श्रास्त्रांस्त्रस्य प्रचीवन वर्गन अवस्था का)	৩৩-আহ্যাধ	34	P-04
পাপীদের মত করবেন না আল্লাহ মুম্রাকীদেরকে	৩৮-দোয়ান	49	৮৬৭	বেদুইলদের মাঝে মুনাঞ্চিক রয়েছে	৯-ডাভব	303	62
পাপ মোচন ও মহাপ্রতিদান (মুম্বার্কীর জন্য)	৬৫-খালাক	æ	bob	বৈশিক্ত (স্থান আনার দাবীকারী মুনাঞ্চকের বৈশিক্ত)	২-বাকুরা		do.
পুরস্কার (আল্লাহ মুব্রাকীনের যেজারে পুরস্কৃত করেনআল্লাভ				विश्वाराणी (वाष्ट्राद माफा निराह्न रह युनाक्करा विश्वराणी)	৬৩-মুলফিবুল ১৩-মুলফিবুল	ь	
शुगत)	১৬-নাহল	-02	900	য়াবা(বানা (আহার নাক) দেয়ের যে মুনাককর। ফরাবানা) মুক্তিনার লগড়েন না এবং কবিবানে দলচুক্ত নয় (মুনাককর)		3	30
প্রতিশ্রুতি দেরা হরেছে দুরুকীলেরকে (ছারী রাদ্রাতের)	২৫-ফুরকান	34	9310		৫৮-মুজাদালা	38	
প্রতিশ্রুতি (জন্মতের প্রতিশ্রুতি দেরা হয়েছে দুরালীদেরকে)	৪৭-মুহামান	34	520	মুমিদ (মুনাকিক/কাফিররা মুমিদ বলে নিজেনেরকে)	৯-ভারব	66	68
প্রতিশ্রুত (মুন্তাকীদেরকে প্রতিশ্রুত জন্তাতের উপমা)	20-KLA	00	650	पृद्धका (प्राधिकत पृद्धका करण गाम्ब भन्न तर्थन करा निर्मा)	৯-ভাগবা	1/8	683
প্রভাবর্তনস্থল (উত্তম প্রত্যাবর্তনস্থল মুক্তাকীদের কল্য)	৩৮-সোন্তান	85	694	শাক (সুনাঞ্চিকরাই মুমিনদের শাফ)	৬৩-মুনাঞ্জুন	8	3/34
বন্ধু (মাল্লাহ মুবাকীদের বন্ধু)	8ए-वाच्या	77	bob	শপৰ (মুনফিকনা শপথকে তাল হিসাবে প্ৰহণ করে)	৬৩-মূনবিবৃদ	3	999
বছু (কিয়ামতে মুবাকী ছাড়া সকল বছু শত্ৰু ২(ব)	80-पुश्कक	69	200	শন্তি (ফুর্যাক্তনের অধনা করুণ/শন্তি প্রদান আল্লাহর ইচ্ছবিশ)	৩৩-আহ্বান	2,8	bros
বৈশিষ্ট্য (অধিরাতে দৃঢ় বিশ্বাস, মুন্তাবীদের বৈশিষ্ট্য)	২-বাকাবা	8	805	শারী (বাংগর সুক্ষরির কারণে ফুর্নাটকদের কল ফ্রেপানারক শারী)	৪-দিদা	704	6.48
বৈশিষ্ট্য (ঈমান/সালাতমুন্তানীদের বৈশিষ্ট্য)	२-वाकाता	0	805	সাক্ষা (মুবানিকর মৌথিত সাক্ষা দের যে মুহাক্ষা দ, আল্লাহর রাসূল)	৬৩-মুনাঞ্চিকুন	2	3/04
ভালবাদা (মুখ্যনীলেরকে অপবাদেশ সাপ্তার)	b-परवरा व	8	080	হ্বনর (মুনাকিকদের হ্বনরে ব্যাথি আছে)	৮-আনফাল	83	40
ভালবানা (আল্লাহ মুক্তকীদেবলে ভালবানেন)	>-परधवा	9	680	दंस्सा (निवादस्ता १९४ कृषकी कवान प्रस्तिकदा दशात (प्रदेश पंता)	৫৩-মুনাঞ্চিকৃন	0	300
ভাৰবাদেন আপ্লাহ মুৱাকীদেৱকে	৩-আলে ইমরাল		980	মুনাঞ্চিক নারী			
যে সন্ধানিক এসেছে/যে সভাকে সভা বাস মেনেছে তথা মুক্তানী	৩৯-যুমার	00	b98	প্রতিপ্রতি নিয়েছেন আল্লাহ ভুনজিক নারী ও পুরুষদেরকে	৯-জাওবা	69	68
ত্তর পরিশাম মুরাকীনের জন্য	২৮-কানাস	900	25.70	মুখ্যিদলেকে অপেকা করতে বলাবে দুলাকিক নদীয়া (বিশ্বাহতে)	৫৭-হাদীন	30	38
তও পহিপাম মুক্তাবীয়ের জন্য (মুলার সম্পন্নার রাসল)	৭-আবাক	250	920	মুনাজিক পুরুষ ও মুনাজিক নারী পরস্পরের অংশ	৯-জাওবা	89	48
		85	090	শান্তি নিবেদ আল্লাহ (মুদাফিক নারীদেরকে)	৪৮-ফার্ড	6	32
ছত পরিণাম মুব্রাকীলের জন্য (সবীকো বৈর্যধারণের নির্দেশ)	১১-ছুন			শান্তি (ফুনাকিক নার্বীদেরকে আল্লাহ শান্তি নিধেন)	৩৩-জাহ্যাৰ	90	b/84
তত্ত পরিশাম আকওয়া/মুজালীদের জল্ড	২০-জা-য	205	483	মনাকিক পুরুষ			_
লঙ্গৰাদী ও মুৱাৰী ভাৱাই যাৱা	২-বাকুরো	399	67.9	প্রতিক্রতি নিয়েকে আপ্তার মুবাফিক পুরুষ ও নারীদেরকে	৯-ডাওবা	60	48
সমলেত (মুবালীদেরতে সমবেত করবেন আল্লাহ)	১৯-মারইরাম	put	980		৫৭-হাদীদ	30	38
সাঞ্চল্য বয়েছে মুক্তাকীনের জন্ত (আবিবাতে)	থ্য-নাবা	-03	7007	বুলিয়ানাকে জাপতা ভাতে তথ্য কুম্বাভিক পুৰুষৰা (ভিয়ানতে)	৯-ভাওৰা	89	48
সাধী (জাপ্তাহ মুৱানীদের সাথে আছেন)	১৬-নাব্দ	255	93/0	মুনাফিক নাৰী ও মুনাফিক পুক্তৰ পরস্পাৰের অংশ			
সুসংবাদ (মুক্তারীচনাত্রক সুসংবাদ দেরার জন্য কুরার্মান সহায়)	১৯-মাবহরাম	39	980	পান্তি (মুনাফিক পুরুষদেরকে আল্লাহ পান্তি নিবেন)	৩৩-জাহ্বাব	90	b-8
শ্বারক (কুরম্বান মুবাকীদের জন্য "মারক)	69-55855	86	99.0	পান্তি দিবেল আগ্রাহ মুনাজিক পুরুষদেরকে	৪৮-কাত্য	6	22
হওয়া (আপ্লাহ সঠিকলখ প্রদর্শন করলে মুক্তাকী হভামং)	৩৯-বৃষার	29	P49	<b>मूनाफिकी</b>			
<b>भूम</b> शा				অলড় (মনীলার অধিবাদীদের কেউ কেউ মুদাকিকীতে অনড়)	৯-ভাওবা	202	50
'আলাকা'কে 'ফুনগা'র পরিগত করা	২৩-মুনিবূৰ	78	966	কটোরভর (মূলকিবী ও কুকরীতে কটোরভর, বেদুইনরা)	১-অধনা	94	600
भूति अदिस्ता अगम्(मारि, वीर्थ, प्रभावर पुरुषाप्रथारत सम्बादरा)	52-87mi	6	900	বছুল (ভুনজিনী বভুল করে থিলেন অপ্তাই ফুরফিবনের জ্বলে)	৯-ভারবা	99	688

মনাফিব্যুব বৈশিষ্ট্য ম'মিন

नेष दिवस्थानम्	न्दां गर ७ मान	Will Po	981	नप विषय्/धनक	नुवां नर ७ नाव	404.4	र्श्व
মুনাঞ্চিকের বৈশিষ্ট্য				দীমান (ৱাস্প স. ও মুমিনগণ দীমান এমেছে কিভাবের প্রতি)	২-বাকুার	500	648
লোকলেবলে বান্ধ ফুর্নাফকের বৈশিয় (উলাদীন নামানী প্রদাস)	১০৭-মাউন	0	2008	উঠানো (মুমিনদেরকে নৃহের দৌকায় উঠালোর নির্দেশ)	22-49	80	550
মুবাহাপাহ				উৎকুন্ত (মুখিনগণ উৎকুন্ত হবে, রোমানরা বিজয়ী হলে)	<b>00-ऋ</b> ष	8	455
নাসায়দের প্রতি মুবাহালার আহ্বান (রাস্ল স. কর্তৃক)	৩-আলে ইমধান	65	482	উরস (মুনিদ্যদেরকের জন্য উর্বন আপ্লাহর নিকট বা আছে)	৪২-শ্রা	05	528
মুখিন		-		উত্তৰ (আল্লাহৰ দেৱা অধশিষ্টই উত্তম মুমিনদেৰ জন্য)	३३-दुन	5-5	690
অধীনের (গপনে মুক্তিয়া অস্ত্রাহর মতে কৃত অধীনর পুনা বক্তমিল)	৩৩-সাহ্যাব	30	5000	উত্তম সৃষ্টি (ভারাই বারা ঈমান এনেছে ও সংকর্ম করেছে)	১৮-বার্যিনাত্	9	2057
অভিনয় করতে পরতৰ মুদ্দির ক্রিক্সের(কুলঅনে ইয়ান প্রদার	85-आइकाक			উদ্ধান (পুর্মিনসমূতে উদ্ধান করেন আল্লাহ, ইউনুদা প্রদান)	২১-আধিয়া	bb	926
		22	909	উদ্ধাৰ (মুমিন্যসৰকে আল্লাহ উদ্ধাৰ কৰা আপ্লাৰৰ পৰিতৃ)	३०-१६वम	300	668
व्यविकारण मानूच बू'सिन नव (बृजा-विकाव्यविकार पॉन्स)	59-9,9081	હવ	৭৯১	উদ্ধান (মহাপ্রাকন কেলে উদ্ধারের জন্য নুহের কোয়া)	২৬-৩'জারা	339	988
অধিকংশ মানুষ মু'মিন নয় (উল্লিন এর মধ্যে নিদর্শন প্রসঙ্গ)	২৬-৩'আরা	br	999	উপুদ্ধ করা (মুখিদদেরকে যুগ্ধে উপুদ্ধ করার দির্দেশ, রাপুদরে)	8-मिना	P-8	Ø89
অধিকাংশ মানুষ মুমিন নর (হামুন সম্প্রনার প্রসঙ্)	২৬-৩'আরা	254	936	উদ্ধান (স্বাধুণ সংখ্যালয়কে দেৱা শাস্তি খেকে মুমিল-মুম্বানীদের উদ্ধার)	২৭-নামল	60	bro8
অধিবাংশ মানুদ মুমিন নয় (আইকাবানী প্রসঙ্গ)	২৬-খ'আরা	790	939	উপায়েশ (মুখিনটোর জন্ম উপায়েশ স্বরূপ বিভারের অকলেম)			
অধিকাশে মানুৰ মুখিদ দৱ (লুতের সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	২৬-৩'আরা	248	929		৭-আ'রাক	1	970
অধিবংশে মানুব মুমিল নয় (আন সংখ্যনার প্রনঙ্গ)	২৬-জ'আরা	700	196	উপদেশ মু মিনচের প্রতি (ইফকের ঘটনার পুনরবৃত্তি না করব)	२८-मृत	24	990
অনুসরণ (মুমিন্সেরতে অনুসরণ করে বলি ভালের সন্তালেরা	৫২-ডুব	43		উপদেশ ও সাবধান বাধী এসেছে (মুম্মিলনের জন্য)	22-वृत	250	৬৭৬
ইয়ানের সাথে)	a du Sa	1 40	3/00	উপকারে জালে (উপদেশ মুমিনদের জন্য উপকারে জাসে)	৫১-ঘবিরাভ	22	250
जनुमारा (भारतास्य जनुमारा निरिष्य)	২৪-নূত্র	43	110	পথের দেনদেন বিষয়ে মুমিনদেরকে নিক নির্দেশনা	২-বাকুরো	২৮২	6:08
অনুপ্রত্ন (মুখিনদের প্রতি আল্লাহর অনুপ্রত্ন, ডাদের ঈমান)	৪-মিশা	38	665	এক মুখিন ব্যক্তির বক্তব্য (মৃদাকে হত্যা করা প্রদক্ষে)	৪০-মুমিন	25	britro
অনুমান পরিবার করার নির্দেশ মুমিনদেশ্বকে	৪৯-বৃত্যাত	25	252	কথা (মু'মিনদের কথা হবে বনদাম ও আনুগতা করলাম)	<b>३8-</b> न्व	62	993
অনুহাত্ত প্ৰাৰ্থনা (নবীর অন্য অনুহাত্ত প্ৰাৰ্থনার নির্দেশ, মুমিনসেরকে)	००-व्यवस्थान	26	909	কল্মানকর (মুখিনের জন্য কল্মানকর ওজন পুরোপুরি সেরা)	৭-জা'বাত	1/2	630
অন্তর (মুদ্দিশ্যের অন্তরে মুদ্দিশ্যনর বাপারে বিধের দা রাধার প্রার্থনা)	৫৯-হাপর	30	249	কটমাতা (মুখিনের কটনাতারা সুস্পষ্ট পাপ বহন করে)	<b>७</b> ०-जास्यार	24	6.00
অন্তরণ বহু (অল্লাহ, রাসুণ ও মুখিন প্রায়া অন্তরণ বহু)	৯-জান্তবা	36	687	কাজিবদের মুখিন হওরার আকাজন (বুনিয়ায় ফিরিরে নিলে)	৬-আন'আম	39	₫ kbr
অপরাধ নেই (মুমিনদের অপরাধ নেই পূর্বে যে মন থেরেছে)	৫-মারিদা	30	695	কাঞ্চিররা মুমিদদেরকে বলে (সুস্পটি আরাত পাঠ করা হলে)	১৯-মারইরাম	90	900
অপরাধীর মুমিনদের নিয়ে হাসি-ঠাটা করত (দুনিরার)	৫-নাজন। ৮৩-মুতাক্জিজীন			কাঞ্চিত্ররা মুখিল বলবে নিজেলেরকে (কিলামতে)	88-भूगाम	34	203
			7075	কিভাবপ্রাপ্তরা এবং মুখিবরা দেন সন্দেহ পোষণ না করে	৭৪-মুখাহছির	407	292
এপেছা করতে বদবে মুনফিকরা মুখিনসেরকে (কিরামতে)	৫৭-হাদীন	20	282	কুৰজান মুমিনদের জন্য আরোগ্য ও দহাখনপ	১৭-ইস্বা	P-2	933
অবিভাবক (মুমিনদের অভিভাবক আল্লাহ)	০-আলে ইমরান		685	কৃতকর্ম (মুমিনের কৃতবংশ্লের বিনিময়ে জান্তাভূল মাওরা)	৩২-সাঞ্গা		
অবিচল থকা (নার নাক্ষাননে অবিচল থকার নির্চাশ মুমিনচারতে)	8-निमा	706	୧୩୫	ক্ষতি (মানুষ কতির মধ্যে -মুমিল হায়া সকলেই)		29	P-07
অক্রীলয়ে (মুম্মিতনর মারে অক্রীলভার বিজ্ঞার পছল করে যারা)	২৪-নূব	79	235		১০৩-আস্র		2000
অসুবিধা (পালকপুরের স্ত্রীকে বিয়েতে অসুবিধা না হয়)	৩৩-আহ্বাৰ	তণ	9004	षमा (पुनिमातन शांके फावन निर्मान, यात जाहाका निरमत)	৪৫-জাছিয়া	78	206
আঘাত (মুম্পিচেন্মকে আঘাত করেছিল আল্লাহর ইচ্ছেডেই, উন্নলে)	৩-জালে ইমরান	799	665	ক্ষমা (রাসুল স. কে মুখিননের জন্য ক্ষমা প্রার্থনার নির্দেশ)	৪৭-মুখ্যখন	29	>>0
আজীয়তা (মুমিনসের সালে আজীয়তার মর্থনা সের না মুশরিকরা)	৯-ভাওৰা	30	682	ক্ষমতা (পরতানের কোন ক্ষমতা নেই মুমিনদের উপর)	১৬-নাহ্ল	2/2	422
আদ সম্প্রদায় মু'মিন ছিল	৭-আ'রফ	12	629	क्या शार्यना (देवडाविद्यात, क्या शार्यना प्रतिमानत क्या )	<b>১৪-ইবরাহী</b> ম	48	694
আদেশ (ৱানুল মু'মিন হওৱার আদেশ, ৱানুল ম. কে)	১০-ইউনুস	308	968	ক্ষমা (ঈমান ও সংক্ষক্তের প্রতিদান)	৪৮-কাত্য	₹>>	979
অনুশবের নির্দেশ দুর্ঘিনদেরক (অল্লাহ ও রগুলর)	৮-আনকাল	3	506	ক্ষমা (সংকর্মশীল মুমিনের জন্য ক্ষমা ও সম্মানজনক রিবিক)	२२-शक	¢0	9,60
আপায়ন (মুমিনদেরকে আপায়ন নান্নাকুল মাওয়া দিয়ে)	৩২-সাজ্পা	79	tos	ক্ষমা প্রার্থনা (মুমিনদের কন্য নূহ আ, এর ক্ষমা প্রার্থনা)	१५-नृद	59	9946
আল্লাহ ও লাগুলে ঈমান আলে যারা ভারাই মু'মিন	38-98	62	30-2	ক্ষমান্তর্থনা করে কেরেশভার (মুখিনলের মন্য)	80-मृभिन	٩	৮৭৮
স্বাস্থ্যহন্ত উপর মু'মিনদের ভরদা করা উচিত	৫৮-মুজাদালা	>o	260	গোপনে কৰা বলা (রাসূল স. এর সাথে মুফিবনের)	৫৮-মুজাদালা	25	200
আলো স্থাপন করবেন আপ্রাহ (মু'মিনদের জনা)	৫৭-হাদীদ	26	862	গোপদে কর্মা কর্মা (মুফিনসের গোপদে কর্মা কর্মা প্রসঙ্গে)	৫৮-মুজাদালা	>	200
স্বাল্লাহকে তর করতে হবে (মুমিন হরে গাকলে)	৩-জালে ইমধ্যৰ		660	চেত্রের নিবেদ না আল্লাহ মুফিনসেরকে তালের অবস্থার উপর	৩-আলে ইমরান	392	220
আপ্লাই, নাসুল স. ও মুমিলগণ দেখবেল মানুষের কাজ-কম	b-प्रावदा व	306	967	ब्यहार त्यापरपूर्व ब्यहार धारात रेपानस्य मध्यप्रेमेश्वर	২২-হাজ	24	960
আপ্তাহকে তর করার নির্দেশ, মুখিন হলে	१-शरिमा	93	249	আহান্নামীদের মুমিন হওয়ার আকাকন (প্রত্যাকর্তন থাকলে)	59-9,644	204	9390
আপ্তাহতে তেৰি সভাৰ সংগ্ৰাম সিৰ্চাল, বুৰিনা হলে আপ্তাহতে তেৰি সভাৰ ভাৱৰ সিৰ্চাল, বুৰিনাককে				सद्भाव शक्षक (स्कृत्व सन्द्र पति नेधन वाम्हरू)	৫৭-হানীস	33	hệo
	৩৩-আহ্বাব	82	904	অপ্রয়ে প্রবেশ করারে হবে সংকর্মশীল প্রমিনাসক্রক	8-निगा	255	645
আল্লাহ মুলিদের প্রতি অনুমাহ করেছেন	৩-আলে ইমরান		662	লল্লেড (সংকর্মশীল মুমিদকে অস্তাহ জন্মতে প্রবেশ করকেন)	२२-शक	78	900
অল্পাহ মুদ্দিশনের উপর সম্ভন্ন (ভিয়নের বাইরাত এহলে)	8⊁-वाद्द	7/2	224	बहुत्य अपन कहान बहुद्द अवसीन प्रतिमाहत			
আল্লাহ মুমিনদের সাথে আছেন	৮-আনকাল	7.7	900	बाह्यत नाव स्थापन वाह्या नवस्थित प्राप्ति	२२-शंक	20	960
আল্লাহ মুমিলদের প্রতি অনুপ্রহর্ণীল	৩-জনে ইময়ন	205	220		১০-ইউনুস	h	958
অপ্তাহর আন্তান মুদ্দিশনেকে (পঞ্জকে বছুমপে গ্রহণের বাপারে)	७०-धूमजाईमा	2	262	নান্নাত (সংকর্মশীস মুহিনের জন্য জান্নাত)	৪২-পূৰা	22	P.P.O
অশব্দ (পূর্নিশ অশব্দ বনাহেল মু'মিন বাজি লিজ সম্প্রলায়ের করু)	৪০-মু'মিন	do	ppo	ন্মান্নাত (সংকর্মশীল মুমিন পুরুষ ও নারীর নাল্লাতে প্রবেশ)	৪-দিশ্য	258	645
জপঞ্জ (কভির জাশতা দেই হাসরে সংযোদীন মুমিদের)	২০-জু-যা	225	985	ন্ধান্ততে প্ৰবেশ করাবেদ আপ্তাহ (সংকর্মশীল মুমিদদেরকে)	৪৭-মুহাম্বাদ	25	270
পাছলৈ কিভাবনের মাথে কিছু মুখিন পাছে	৩-আলে ইমরান	220	286	ন্ধান্নতে বাবে (সংকর্মশীল মু'মিন নব-ন্যরীগণ)	৪০-মুমিন	80	99.7
স্বাহবান (নথকর্মশীল মুমিনদের আহবানে আল্লাহ সাড়া লেল)	৪২-পুরা	20	880	আলিমরা সহচ্যমেরকে বগবে জ্যেমরা মুমিন ছিলে দা	৩৭-সাক্জাত	45	969
ইবানতের নির্দেশ, মুমিনদের প্রতি (সঞ্চলতার জন্য)	२२-शक्ष	13	362	ন্ধীবন (মুমিনদের নীবন ক্রব করে নিবেছেন আল্লাহ)	১-ভাওৰা	222	623
ইবল্লাহীয় আ, ছিলেদ একজন মুমিদ বাখা	৩৭-সাক্ষাত	222	1000	স্থামত্তর নামাজে থবিত হওয়ার নির্দেশ (আমান হলে)	৬২-জুমু'জা	ъ	364
ইড়নীদের সমান প্রদাস	२-वाकृश्व	300	677	ক্ষেদে দিবেদ আপ্লাহ প্ৰকৃত মুমিদদেৱকে	৩-জালে ইমরাদ	266	242
ইকুদিনের মধ্যকার মুমিনদের ঈমান ও প্রতিলান প্রদাস)	8-Prat	265	633	আলাক/বিয়ে সংক্রান্ত বিধান (মুমিনদের জন্য)	৩৩-মাহ্যাব	8b	209
ষ্টারন আনর নির্দেশ, মুম্মিস্টারতে (অপ্তাহ, রালুল বিভাবত)	8-পিয়া	300	418	আড়ানো (মুদিনদের অড়িয়ে দেরা নৃহ আ. এর কাজ নর)	22-64	35	995
	৪-লব্য ৫৭-হাদীদ	300	486	আড়িয়ে দেয়া (মুমিনদের আড়িয়ে দেবা নৃহের কাঞ্চ নয়)	২৬-খ'আরা	778	958
সমান আনার অসীকার গ্রহণ মুমিনদের থেকে							

-61

1794	2724
 	2

नेव विविधानकातिस्त्र/धनम	ज्बा नर च नाम	TEL	न्धा	नंब (देस्स/श्रेत्रज्ञ	ज्बा नः ७ नाम	4304.4	नुश
মু'মিন (পূৰ্ব পূচা থেকে)				প্ৰচেটা (মুদিৰ ব্যক্তিৰ প্ৰচেটা প্ৰশংসাযোগ্য)	১৭-ইস্রা	7.9	950
নয়৷ (কুরমান নয়৷ ও পর্যনির্দেশিকা, মুমিনসের জন্য)	২৭-বামল	11	pop	প্রতিদান (মুদ্দিন সংকর্মশীলগানের প্রতিদান –স্থানী জান্রাত)	৯৮-বার্ত্তানাহ	ь	2059
নরা (মুখিনকুর জন্ম নরাক্ত্মণ রাসুক্রর উপর জিতান)	১৮-পার্প	58	"lob"	প্রতিকল (যারা ঈর্যান এনেছে তাদের উত্তয় প্রতিকল)	24-8g3a	6.8	99/5
সমুদ্রের মহিনাসের জন্য ভালবাসা সমি করবেন (কিলামতে)	১৯-মার্বইয়াম	20	480	প্রথম দুখিন হওয়ার ভোকনা মৃত্যার (ভূর প্রত্তক)	৭-জা'বাক	380	950
দর্মণু (আল্লাই পরম দয়াপু মুমিন্দের প্রতি)	००-व्यवस्थ	80	W03	প্রথম মু'মিন হিলাবে প্রাদুকরদের ক্ষমালাভের প্রক্রাশ্)	২৬-৩'জারা	63	9,30
নল (মুখ্যিনদের একদল অপায়ন করছিল, তর হেবে বের হওয়)	৮-আনফাপ	0	902	প্রভাক্ত করবে একনল মুখিন (ব্যতিময়ের শক্তি)	३8-मृत	3	998
দল (ব্ৰমিশ্যুন্ধ একল ছাত্ৰ সাবাবাদী সৰাই ইনপিয়ন্ত_)	08-HIST	30	980	श्रातम (नुप्रत पार श्रातमकारी पुरिभागत कन् प्रमाणांका)	%-75	₹₩	200
সাস (মুমিল সাস উত্তৰ মূশবিক পুৰুবের চেয়ে)	३-राकृता	333	655	প্রদারি (র্যমিশানা উপর প্রদারি দাবিদ, ছবাইনে)	৯-ভাওৰা	25	682
দাসী (মুহিদ দাসী উল্লয়, মুপরিক লারীর (চরে)	३-वाङ्गादा	333	656	প্রশান্তি অবতীর্ণ করেন অল্লাহ মুমিনদের উপর (স্থলয়নিয়া)	৪৮-লাভ্য	- 25	৯১৮
সাস (মুখিন পাস মুক্ত বলা কুর বশত মুখিন হতারে অফলনা)	৪-বিসা	3-2	900	প্রয়ের (সংকর্মশীন মুনিনের কর্মপ্রয়েরী অপ্রায়্য করা হবে না)	২১-অধিক	28	920
দুর্বলরা মুমিন হব অহংকারীরা না থাকলে (দুর্বলরা বলবে)	08-7141	60	180	প্রকত মুখ্যিন ভারাই হার	৮-জানকাল	9.8	606
দ্য করা (মুমিনদের দৃঢ় করার জন্য কুরজান অবভীর্ণ)	১৬-নাহল	205	422	প্রকৃত দুর্মিন তারাই যারা সালাত কার্যের করে ও	৮-জানকাল	8	505
দেখা (পাল সেখে মুখিনসের ইমান বৃত্তি, খলতে,)	००-वास्पव	33	9:00	প্রতিদান (অভয়ার প্রতিলান সমানদার সংকর্মশীলনের)	৮৪-ইমশিবার	30	2028
প্ৰথম কো (প্ৰথম সেবে প্ৰথম কো ব্ৰং ব্ৰংগতে)	63-NIE	30	360	প্রতিদাল (অক্সাহ মুখিপালেকে অভিবেই প্রতিদাল দিবেদ)	8-निमा	289	292
চাৰতে কো (মুক্তিকে চাৰতে সোৰত কো বাকে বাকে বাকে বাকে বাকে বাকে বাকে বাকে	9-91641 03-4164	222	965	প্রতিকান (ভূমিনামের প্রতিকান সেয়ার জন্য পুশক্ষথান)	১০-ইউনুস	8	508
				প্রতিমান (মুহিল ও সংকর্মশীদানের ফল্য অফুরস্ত প্রতিমান)	৪১-ফুস্সিলাভ	7	brists
ধোকা (মুনফিকরা ধোকা নিতে চায় মুমিননেওকে)	२-शङ्गदा	2	605	প্রতিনাম (মুনিম্মের প্রতিবাম নাই করেন না অস্থাত)	৩-আলে ইমরান		665
मरी दसा (रेक्नीत पूर्ण्य राज भीग्न रजा भारतिन (क्या)	२-शङ्कारा	97	470		৫৭-হাসীন	29	323
নবী মু'মিনদেরকে উমুদ্ধ করকেন মুদ্ধের জন্দ	p-gintsin	96	ბმხ	প্রতিবাদ নির্মান্তিকার আক্রম (স্থানসংক্রমেত)	4-21,614 6-(-6)414	9.0	952
নমন্ধ (দেশচাত কবছর মুখিনচার নামার ও পরিবার বর্জন এলা)	৪-দিশা	80	695	প্রপ্র (লারনের প্রশ্ন সন্দিহ আ, এরে সম্প্রনারের ব্লুমিনসেরক) প্রতিকাদ (সংকর্মশীল খুমিদ নারী-পুরুষকে উরুম প্রতিকাদ)	৭-আ রাফ ১৬-নাহল	9.0	679
দারী (মুম্মিনদের নারীদের চাদর ঝুলিয়ে পদা করা প্রদক্ষ)	००-वाश्यार	62	P-09				
নমী (মুখিল দানী নিজকে দান কবলে নদী ডাইলে থিয়ে কবলে পান্তল)	৩০-আহ্থাব	¢0	৮৩৭	প্রতিমাধ (সংকর্মশীদ দুফিবদের কব্য অযুবন্ধ প্রতিমান)	৯৫-তীন	è	3029
নারী (সংবেদীন মুখন নারী-পুরুষকে উর্বাম প্রতিনান)	১৬-দাবৃশ	24	422	প্রকাশ (মুহিদর প্রভাশ করে অপ্রান্ত দরা)	২-বাকুরা	529	658
নিদর্শন (মুমিনদের জন্য নিদর্শন রয়েছে ভাকাশ-পৃথিবীতে)	৪৫-লছিয়া	0	300	প্রবেশ (মরীর ঘরে প্রবেশের বিধান মুমিনানের জন্য)	৩৩-জাহ্যাৰ	60	200
নিনৰ্গন(মুমিননের জন্য নিনৰ্গন বাত ও নিব)	২৭-শমপ	5-6	৮০খ	করবাল (মুদ্দিনানে বিয়া ধরবাল করেন বস্তাহ, বিয়ায়ত	२२-शृष्ट	20	92%
নিনৰ্গন মুখ্যনৰ প্ৰন্য (বিহিত প্ৰস্ৰৱিত ও পৰিমাপ কৰা)	৩৯-যুখার	65	790	করন (মুমিনদের উপর নির্বাহিত করক দামাঞ্চ কারেম)	৪-দিলা	200	640
নিদর্শন (মুখ্যিনদের জন্য নিদর্শন, ঈসার বুজেখাসমূহ)	৩-আলে ইমরাৰ	83-	¢80	কিরে আনবে না রাসূদ স. ও মুমিনগণ (কেনুসনদের ধারণা)	8A-ALCE	25	375
নিদর্শন (দুফিবদের জন্ম নিদর্শন, পৃত-জাতির ধাংগ)	১৫-বিজৰ	11	103	বিরক্ষটন বহুগর এক ভূমিনের আধান, নিম লক্ষাগরকে	৪০-মুমিল	07	9.9.7
भिनर्गन (पूपिनापत बना नितर्गन, तमी हेश्राप्रेशपत तिष्कु	২-শকৃবো	₹87	659	বছুগ্রহণ (মুমিনদের জন্য কাফিরকে বছুগ্রহণ নিমেধ)	8-SPIT	288	0.50
নিবেধ (ব্ৰাসূদ স. কে 'এইনা' নিবেধ, মুফিবদেরকে)	২-বাকুবো	208	625	বছু (কাফিয়কে বছু বাদানো, মুনাফিক প্রবন্ধ)	g.Spg	209	238
নিদর্শনে ঈহান প্রসঙ্গ (মানুহের অধিকাংশই মুমিন নর)	२७-व'व्हारा	200	120	বন্ধু (মুদ্দিরা বন্ধু মপে:এহন করবে না মুদ্দিনসের প্রান্ত)	৩-আলে ইমরান		0.00
নিমর্শন (মহাপুলে উত্তর পাবি নিমর্শন মুমিয়ের জনা)	১৬-মাধুপ	120	90%	বন্ধু (মুমিনরা বন্ধু হিসেবে গ্রহণ করবে না কাফিরদেরকে)	৩-আদে ইমরান	59	0.00
নিদর্শন (বৃষ্টি হারা ফল-ফাল উৎস্তা করা নির্দেশ মুফিয়াবর করা)	৬-অন্ভান	99	900	বছুকু (মুখিনদের বছুকু নিবেধ, তাদের সাথে যাসের)	৬০-মুমতাহিল	20	959
দিকটজন (নবী যুদ্দিনদের নিকটজন নিজেদের চেরেও)	৩০-বাহবাৰ	6	1000	ৰছুৱপে গ্ৰহণ কথৰে ফোৰ মুখিন ইছুদী ও নানাৱাদেৱকে	৫-মার্রিদা	6.7	6.8.3
দিনর্শন (ইবরাহীয় আ, এর ঘটনা মুমিবলের জন্য নিদর্শন)	২৯-জাগবাৰ্ত	-2,8	525	কর (মুখিনান বিরাহ্যের জানিহানর ছতি সম্পর্কে বলবে)	৪২-পুরা	84	9.94
নিদর্শন (যুহুলত্ত্ব সম্পণ্ডের প্রতিপ্রতি, বুমিনাসর কথা নির্দেশ)	৪৮-ফার্ড	₹0	972	বলা (মুমিনরা কেন খা বলে যা থারা করে না)	৬১-পাস্ফ	2	3/50
নিৰ্যাতন (মুমিনদের নিৰ্যাতন প্ৰভাক করা)	1-2-566	1 9	2024	কর (মুক্তিয়ারতে জেট নিরে বল কাইবরে, বম প্রকল)	৩৬-ইয়াসীন	89	968
নিমানের (বন্ধ সম্পর্কীয় অধীয় মীরাসে নিমৌনা মুক্তিব্যুক্তির হতে)	००-सहस्रव	0	500	বনে থাকা বুদ্দিনের উপর জিহাদকারীকে প্রেষ্ঠত সাম	৪-বিশ	3.2	269
নিদর্শন (আবংশ-পথিবীর সৃষ্টিতে দুমিল্যুল্য জন্য নিদর্শন)	২৯-জাপকাণ্ড	88	27.79	বানা (মুখিন বান্যানেরকে বায়ান্স কারেম ও লামের নির্দেশ)	১৪-ইবরাহীম	03	999
সিয়াশ (মুমিদর বি এই খাপরে নিয়াশ বর্মনি যে অল্লাহ ভাইসে)	২০-রাদ	92	693	বান্ধ করা (অনুষ্ঠকে মুখিন হতে বান্ড মা করার নির্দেশ)	১০-ইউপুস	99	690
মূহ সম্প্রদায়ের অধিকাংশই মুমিন দর (প্লাবন প্রদাস)	২৬-৬'আর	252	938	বাছ অধননিত করার নির্দেশ রাস্প স. কে যুখিনদের জন্য	১৫-ছিজর	brbr	902
নেৱামত (স্মধ্যের নিচৰিব মুখিনচের প্রতি)	৩৩-আহ্বাব	2	904	বাগা (মুমিন বাগানের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন নৃহ আ. )	৩৭-সাফ্ফাত	2.7	mbo
পর্যনির্দেশিকা (কুরজাদ মুম্মিননের জন্য পথনির্দেশিকা)	২-বাকুরা	24	622	বালা (মুমিন বালার উপর লডিব্ সুপরিমানকে মর্যাপ সেরার)	र ४-भाग्रव	20	Soa
শহনিচনিকা (ভারতান মুমিকান্য জন্য পর্যনিচনিকা ৩)	২৭-নামল	99	pop	বাধা (বুহিদ বাধা ছিল মূখা আ, ও হালে)	৩৭-সাত্তাত	255	চণ্ডত
পথনিবেশিকা (কুরজান মুমিননের জন্য পথনিবেশিকা)	২৭-নামল	3	900	বাদা (ইপিরাস অগ্রাহর বুমিশ বাদা হিশ)	৩৭-সাহ্যাত	200	760
প্রতির্দেশ ও নির্ময়কারী কুরমান (মুমিননের জন্য)	৪১-তুন্দিশাত	88	747	বিন্দ্ৰী (মুনিয়ালা প্ৰতি বিন্দ্ৰী হবে সেই সম্প্ৰদায় যাসেহকে)	হ-মারিদা	48	269
পথনির্দেশ (ক্রমেন মুমিননের জন্য পথনির্দেশ/নরবেরপ)	১০-ইউনুদ	43	969	বিচেদ (মুদিদের মধ্যে বিচেদ সৃষ্টির জন্য মসজিল বাদানো)	৯-ডাওবা	209	967
পথ প্ৰাৰ্থ (অপ্তৰ্ভ কুমিনসৰ নিক্তা অধিকানৰ পৰ বাচকৰি)	30-२क्पून 8-निमा	282	292	বিজ্ঞবী করা (মুখ্যিসবাকে বিজ্ঞবী করবেদ আল্লাই)	৯-ভাৱৰা	28	487
পথ (যক্রিয়ার পথ কর্মা কর্মা পথ অনুসারণ করেন নাইরোম)	8-निमा	220	093	বিমন্ত্রী (মুমিলরাই বিজয়ী হবে, প্রকার মুমিল হলে)	৩-আলে ইমরান		283
পথ (মুদ্দিনাসর ক্ষেত্র কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান) পথ (মুদ্দিনাসর চেরে সচিকপথে বরেছে কাঞ্চিবরা)	8-RNI	336	250	বিদান (মুফিলদেবকে বিদান করছিলেন বাসুল, উত্ত যুক্ত)	৩-আলে ইমরা-		289
পথ প্রমান্তর (তের সারকাশকে ব্যৱহার কার্যব্যক্ত) পথ প্রমান্তর (সংবর্ষণীল মুদ্রিবরে স্ক্রিকার প্রদান করা হবে)	১০-ইউবুল ১০-ইউবুল	2	528	বিশ্বাস (মুখিলসেরকে বিশ্বাস করেন দবী স.)	৯-জাওবা	63	686
न्द्र शास्त्र (अश्वयम् वृद्यम् । अहन्य विद्यार कार्डम् (प्रक्रिक्त कार्	36-REM	58	908	বুছিয়ান –থার দীরান রাখ্যে (অচনা অপ্রাথকে তর করার দির্দেশ)	৬৫-ডাগ্যক	30	200
				বের করা (মুফিশসের অছকার থেকে আলোতে বের করা)	04-রামাঞ্ ০1-রামাঞ্	22	200
পরিশ্বর করার নির্দেশ মুক্তিশারকে (ফা, স্থানা, সৃতি, কেনী ও তীর)	৫-মারিদা	90	497	(জা করা (বৃত্ত সম্প্রদারের মধ্য থেকে মুমিন্যুন্ততে তে করা)	१३-यविद्यात	06	25.6
পরীক্ষা (মুহিনদেরকে পরীক্ষা করা, উত্তম পরীকা)	৮-জানকাগ	74	600	(श्र वचा (क्षुण गन्द्रमात्रक मद व्यक्त क्रूप ना मर वृत्रिन्द्रमा)	P-8164	255	
পরীক্ষা (সন্ধানের মূচ্ছে মুফিনমেরতে পরীক্ষা করা হয়)	৩৩-আহ্যাব	22	P-08	বার (মুখিলালর প্রতি পবিত্র বস্তু করার নির্দেশ)		289	
পরীক্ষা (ইংরমে শিকার ধরা মুখিনদেরকে আল্লাব্র পরীক্ষা)		98	695	বার (মুম্মনানর প্রাত পাবর বর বার করার দার্গেশ) বার (মুম্মনানর রিথিক থেকে ব্যর করার দির্গেশ)	২-বাকুরো ২-বাকুরো	209	
পরিকদ্ধ (বৃষিদদেরকে পরিকদ্ধ করবেন আল্লাহ)	৩ বালে ইম্যান				9-616st	20	982
পুরুষ (সংক্রমণীল মুখিন নাই-পুরুষকে উত্তন প্রথিনান/উতন জীবন)	১৬-নাংল	৯৭	322	ভর (ছ্মিনগণ তর করবে আগ্রাহকে, সর্বাধিক পরিমান)	19-01041	1 30	1 997

ম'মিল ম'মিল (নারী)

नंप क्षा विवा/देश	नुवा मर ६ मात्र	1000	101	न्य निवर्शकान	नुवा नर ७ नाव	<b>400 3</b>	781
মুশ্মন (পূৰ্ব পৃষ্ঠা বেকে)	- American	200	200	সকল (মুখিনগৰ সকল হবে জন্মহত নিকট ডিৱে আসলে)	28-सूद	40	999
ভা (অল্লাহকে ভা কৰাৰ নিৰ্দেশ মুখিনদেৰ প্ৰতি)	৫৯-হাপর	35	264	সফল (মুমিনাল সঞ্চল হয়েছে)	২৩-মুমিনুদ	2	966
ভয় করা (মুমিনদের প্রতি প্রতিপালককে ভয় করার নির্দেশ)	৩৯-বুমার	20	592	সমল হত্যায় কৰা সুমিদাসৰ মদ/জুৱা/মূৰ্তিকেনি/জীৱ পৰিয়াৰ করা	৫-মারিলা	30	497
ভন্ন করবে সুমিনদণ অস্তাহকে	৫-মারিদা	225	678	সমান নয় (পাপাচারী মুমিনের সমান নয়)	৩২-সাজুলা	36	500
ভরসা করবে মুমিনরা আল্লাহর উপর	०-मासिमा	22	643	সম্মন আগ্রাহ, রাগুল স. ও মুখিনদের জন্য	৬৩-মুনাফিকুন	b	3/68
ভরণা করে যেন মুমিনরা আল্লাহর উপত্ব	৩-আলে ইমরান		667	সম্পদ্/সঞ্জন ফল মুমিলদের আপ্লাহর স্ফল থেকে ছুলিরে না রাখে	৬৩-মুনাফিকুন	3	306
ভরদা (মুমিনদের ভরদা করা উচ্চিত আল্লাহর উপর)	৩-জালে ইমরান		089	সম্পদ (মুমিনানের পক্তে আন্তর সম্পদ বারিল পদ্বায়ন্তহণ বৈধ নয়)	8-निमा	23	660
তবসা (মুমিনরা তরসা করবে আল্লাহর উপর)	9-21041	62	680	লম্প্রদার মুদ্দির হাত, রাপুল প্রেরল করলে (সম্প্রদার বলবে)	২৮-আসাস	83	9.25
ভরসা (মুমিনরা ফেন জাল্লাহর উপরেই ভরসা করে)	28-देखादीम	22	698	লম্পানর (মুখন সম্প্রানরের জন্য কুরাজন নরা ও উপনেশস্বরূপ)	২৯-আনকাবৃত্ত	62	20
তরসা (মুমিন্দের অস্থাইর উপরই তরসা করা উচিত)	<u>७८-स्थान</u>	20	369	সম্প্রদার (মুমিন সম্প্রদারের জন্ম কুরমেন পর্ববিদ্যালয় ও দরা)	३२-१४गुरू	777	970
তাই তাই (মুমিনগণ পরক্ষার তাই তাই, আপোয় প্রচার)				সম্প্রবার (মুমিন সম্প্রবারের বন্ধ প্রবার করবেন অল্লাহ)	৯-জাওবা	28	683
মর্থনার উদ্ভিত করকে আল্লাই মুফিলনেরত এবং বলেরক	৪৯-র্জুরাত	70	957	সাল পথ (অপ্লাহ বুনিয়াবাকে সাল-সঠিক পথে পরিয়ালনকারী)	২২-হাজ		
মর্থানা (সংকর্মশীল মুমিলনের জন্য উচ্চ মর্থানা, জন্মতে)	৫৮-মুলানাদ্য	22	200	नावार (प्रकार प्राप्त कार्य नावार रहत प्रकार कार्य कार्य कार्य नावार कार्य कार्य	२-राकृता	28	960
মার-শিক্ত মুনিদ মূল (বিজির কর্তৃত হয়েকৃত বলকের শিক্তা)	২০-ফ্ল-হা	9.2	980	সক্ষাং (কুমিনানে সাথে কুমানিক ইচ্ছালের সক্ষাং হলে বলে)		78	200
মানুধ (অধিবাংশ মানুধ মুমিন নর, রাসুল স. আহাই হলেও)	১৮-বার্ক	p.o	407	সাধ্যমনভাৱে 'মুখিন নও' বলা যাবে না (পরীক্ষা করতে হবে)	২-বাকারা	9.5	609
	১২-ইউসুক	200	৬৮৬		8-निश	78	699
মা (মতীর শ্রীপণ বৃমিনদের মা)	००-खाइसस	8	9400	সাহাত্ত (আপ্লাহ মু'মিনদেরকে সাহাত্য করবেন)	80-मृथिम -	42	225
মানুষকে মুখিল হতে বাধ্য লা করার নির্দেশ	১০-ইউনুস	29	৬৬৩	সাধারকার (জিনারাল ও সংকর্মশীল মুখ্যিন নবির সাহায়কারী)	৬৬-অব্রীম	8	9.40
মানুদের মধ্যে কেট মুমিন জাবার কেট কাছিব	৬৪-ডাগাবুন	3	166	পাহাবা (মুমিনদেরকে সাহাব্য করা আগ্নাহর দায়িত্ব)	৩০-জন	89	255
মুনাফিকরা মুমিনদের নক্ত নর	৫৮-মুজানালা	78	100	শহার (মুনিনারকে মহার করদেন আল্লাহ শরার বিরছে)	97-Mán	78	967
মুশাকিকরা মুমিল নয়	ए-मासिमा	80	646	গাহারকারী (বুনিনাগরকে অল্লাহর সাহারকারী হত্যার জন্মাণ)	92-MAA	78	992
মুন্দাক্ষিক/কাফিরবা মুমিন বলে নিজেনেরকে	৯-জ্যন্তবা	୧୪	686	সুদার প্রতিদান (সংকর্মশীল মুমিনসের)	72-sq44.	3	948
মুনাফিক/কাফিররা মুমিন নয়	৯-ভাওৰা	ହଧ	686	সুগরেদ (মুফিয়েরকে সুগরেদ বাদের দির্দেশ, রাসুল স. কে)	<i>७७-</i> आकंक	20	999
মূখ ফিরিতে নিল বারা ভারা মু"মিন নর (মূনাঞ্চিক)	२.६-मृत	81	239	সুসংবাদ (মুমিনদেরকে সুসংবাধ দাদের দির্মেন)	৯-জাওবা	225	965
মুমিন নারীর হিমারত করে মুমিনদের করে আগগে আনেরকে	৬০-মুমভাহিলা	20	696	সুসংবাদ (মুসা/হাঞ্ল/বনী ইসরাইল এর মুমিনসের প্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	b-9.	995
মুহরিম অবহার মুমিন কর্তৃক শিকার হত্যার কাক্সারা	৫-মারিদা	95	જ્ય	সুপাধান (মুদিদনেয়ক সুসংবাদ দায়ের নির্দেশ, রাসুণ স. কে)	২-বাকুরে	440	656
মূদার সম্প্রদার মুদিন হলে অল্লাহর প্রতি তরলা করতে বলা হল	e-मधिमा	২৩	ano	সুসংবাদ (মুখিনদের প্রতি আগ্লাহর অনুহাছের সুসংবাদ)	৩৩-আহ্যাব	89	৮০৭
बर्चड (मूप्रिनगर नरीड कना बरुड)	৮-জাধকাল	68	600	जुनरनाम (कृतवान মুফিনদের জন্য সুসংবাদ)	২৭-শাহল	2	900
যথেষ্ট (যুদ্ধে মুমিনদের কন্য আল্লাহই যথেষ্ট)	৩৩-আহ্বাৰ	2/2	5000	সুদ ছাড়া (মুমিলদেরকে সুদের বাবী ছেড়ে দেরার নির্দেশ)	২-বাকুারা	296	0.00
যুক্তে লিপ্ত (মু'মিনরা পরাম্পরে যুক্তে লিপ্ত বলে অপোলের নির্দেশ)	৪৯-হস্কুরাত	ъ	250	সুসংবাদদাভা (রাস্ল স. মু'মিন সম্প্রদায়ের জন্য সতর্বকারী	৭-সা'বাদ	355	600
দৃদ্ধ (মুমিনরা আল্লাহর পথে দৃদ্ধ করে)	8-শিশা	98	266	७ मृत्रस्थानमध्ये)		***	
রুখন (স্বাস্থার মুমিনদেরকে রক্ষা করেন)	২২-ব্যক্ত	103	363	রী (মুমিলদের রীদের দাথে জীবনবাপন সংক্রান্ত বিধান)	৪-পিসা	7.9	669
রক্ষা (মুমিন্যের জাল্লার্ রক্ষা করণেন)	৪১-মুস্সিদাত	201	2010	রী ও সন্ধানদের কেট কেট মুমিনদের শক্ত	৬৪-ভাগাবুদ	38	359
রকা (সক্ষা কাণিবলেরেক মুমিনদের থেকে রকা, মুনাভিকলো)	৪-শিশ	787	292	হারী মূলিনদেররের জন্য (আল্লাহর দিওট বা আছে)	৪২-শ্বা	-06	b/h8
রাসৃদ স. কে মু'মিনদের জরা সাহাত্য করেছেন আল্লাহ	৮-জানকার	65	606	থতাত্র্ত দানবারী মুখিনসেরকে লোবারোপ (সমবার বাপারে)	৯-ভারধা	9.5	485
রাসৃদ স. কে মুমিন হওয়ার জন্য আদেশ করা হয়েছে	১০-ইউনুস	708	668	হত্যা (ভুলবশত মুখিল হত্যাধ ৰক্ষকাধা)	৪-নিগা	3-5	49pt
রাসৃদ স. ও মুমিননেতকে বেব করে দিরেছে অবিশ্বাসীরা	৬০-মুমস্কাইনা	2	32V	হত্যা (মুমিন হত্যা সঙ্গত নয় ভুলবপত হাঞ্চা)	৪-মিগা	24	46b
রাসৃদ স. এর অনুসরগকারী মুমিনদের প্রতি বছে নিচু করা	২৬-৩'আরা	576	422	হত্যা (ইচ্ছাকৃতভাবে মুমিদকে হত্যা করার পরিণাম)	8-निमा	740	269
রাসুদ স. বুমিনদের প্রতি এহশীল	৯-জান্তর	250	520	হ্যত (খুমিনদের হাতে কফিরনের ঘরবাড়ি ধ্বংস)	৫৯-হাশ্ব	2	922
স্তাপুল স, মুম্মিরালয়ক অস্ত্রাহর সাহাজের আশ্বাস দিলেন (করমুছে)	ও-আলে ইম্বান	348	Q85	হাপাপ (খুমিন্যুদর জন্য হালাপ- কিতাবলান্তদের পান্য)	१-मात्रिण	6	693
প্রিটিক (সংগঠনীল মুনিলের জন্য কথা ও সম্মানজনক রিটিক)	২২-হাজ্ঞ	60	960	হারাম (মু'মিনদের জন্য হারাম, ব্যতিচারিণীকে বিক্লে করা)	২৪-দূর	0	118
শালার (মনুহতর মতে ইবুলি-ফুর্নারতই দুফিতন্য প্রতি শালার কঠোর)	৫-মারিদা	24	680	হারাম না করে ফেন মুমিনরা (আল্লাহ বা হালাল করেছেন)	৫-মারিদা	3-9	CHD.
শত্রু সম্প্রদারের মুমিদ ব্যক্তি হত্যার কাঞ্চলার	৪-বিদা	26	6.99	হাসি-ঠাটা করবে মুমিনগণ তাফিরদেরকে নিয়ে (কিরামতে)	४०-५ लपायपीय	-08	2025
সঙ্গী (তওয়কারী মুলাফিকরা মুমিলদের সঙ্গী হবে)	8-991	386	030	হনাকা (মুমিনদের প্রতি নাসায়া পাদ্রীদের হন্যতা প্রসঙ্গ)	৫-মারদা	24	080
লঙ্গত নয় (মুমিনের মান্য মুমিল হত্যা নঙ্গত লয়)	8-मिशा	24	6.09	হনর জীত হয় মু'মিনদের (আল্লাহতে অরণ করা হলে)	৮-আৰফাল	4	684
সঠিক কথা কণা (অপ্নাহর ভয়/সঠিক কথা কলার দির্চাল, মুমিনচন্দ্রতে)	००-प्राह्मार	90	b80	হনরে (মুমিদের হনরে প্রশান্তি অবতীর্থ করেন আল্লাহ)	৪৮-ফাহ্ছ	8	97.0
সংকাম (আল্লাহ মুমিদের সংকালের লিপিবভকারী)	43-MKW	86	925	হলর (মুমিদনের হনর প্রশাস্ত হয় আল্লাহর স্মরণে)	70-81,h	49	6%)
সংবাদ (সংবাদ করলে মুমিদ দারী-পুরুষকে উল্লয় জীবন)	১৬-বার্গ	34	422	হৃদয় (মু'মিলদের হৃদর বিশ্বলিত হওয়ার সমন্ত কি আপেনিং)	৫৭-ছানীন	36	585
লকেন্দ্রীল মুমিনানর কন্য ব্যবহার আনল ও উত্তম প্রায়েবর্তনকুল	১০-য়া'দ	270	697	মু'হিল দাসী			-
गरकर्यनील पुणिमारमञ्जामा बाहरण साम्राह	৮৫-বুজারা ব	33	2022	বিয়ে (স্বাধীন মুমিন নারী দা পেলে মুমিল লাসীকে বিজে বৈধ)	8-54241	2,0	diso
সংকর্মশীল মুমিদদেবকে বুরজান নুসংবাদ দেৱ	১৭-ইসমা	3	158	মু'মিল লৱ (মুনাঞ্চিক)		-14	- 00
সভর্কবারী (রাবৃদ স. মুখিন সম্প্রদারের জন্য সভর্কবারী ও		_		নর (ঈমান আনার দাবী করণেও মুমিল গয় মুলক্তিকরা)	> prater		4-1
পুসংবাদনাতা)	৭-জা'রাফ	29.94	900	মুখিন (নারী)	২-বাঞ্চারা	ν	605
সক্তবিত্তাহল (মুখিনদের সক্তবিত্তাহল(ব্যবন্ধণ, বৃদ্ধ প্রসঙ্গ)	8-50t	42	262			-	-
সদক্তা (পৌটা নিয়ে মুমিলনের দান-সনতা বাহিল গা করা)	২-বাকারা	208	607	আল (মুনিল নটার নবীর নিবট বাইরাফের জন্য জনদে)	৬০-মুমঝহিনা	25	969
সম্ভান (মুখিনদের সম্ভান উন্মানের সাথে আনের অনুসঞ্জা করেল)	६२-वृत	57	200	বটনার (মুমিন নরীর বটনারে অপরান/সুস্পর্ট পাপ বলে করে)	৩৩-জাত্যাব	Q.b	৮৩৯
সম্ভৱ করবে মুমিনাগ বেবল আল্লাহকে	৮-জ্ব	63	986	ক্ষমা ও মহাপ্ৰতিদান (মুমিন নারীদের জন্য)	৩৩-আহ্বাব	00	400
সন্তান (স্থাঁ ও সন্তানদের কেট কেট মুমিলদের শক্ত <sub></sub> )	৯-থাবনা ৩৪-আগাবুন	28	296	ক্ষমা প্রার্থনা (মুমিদ নারীদের জনা নৃহ আ, এর ক্ষমা প্রার্থনা)	१५-मृष्	49	300
- ren (et o - et or e ce e designe ent)	00-01-1124	28	Pon	क्या शार्कन (ग्राम्न म. (क प्रतिन नार्वित्र कना क्या शर्मनार निर्मन)	৪৭-মুহাম্বান	7.9	970

ाष	সুয়া নং গ্ৰহাৰ	KC2.5	POST	HY RUCH	नुशान्त के साथ	MARK IN	IN
पुँचिम (नाडी) (शृर्व शृक्षा (शरक)	4	-	660	কামলা (সুশবিকরা মুহিলদের কল্যাণ কামনা করে না)	२-सन्स्वा	206	675
পুরার (পারা) (পুর পুর বেকে) পুরার (পুরির নারীদেরকে জান্তাকের প্রতিক্রতি নিরয়েল আস্তাহ	৯-খাববা	92	689	ক্ষমতা (শাহতাদের কর্তৃত্ব/ক্ষমতা মুশরিকদের উপর)	১৬-নাহল	200	
	৪৮-ফাড্র	e e	336	ক্ষমা প্রার্থনা (কুদরিকদের কন্য ক্ষমা প্রার্থনা সংগত দায়)	৯-জাওবা	330	
क्षात्र (पुर्वम महिद्र न्नर्शन प्रति क्षात्र (पुर्वम महिद्रमा (महे )	०० व्यादयस	85	200	চুক্তি (মুশরিকানর লাবে চুক্তিতে আবদ্ধ হওয়া)	৯-জাওধা	8	1681
		30	180	इक्टिन्य प्रमुक्तिकार जाल जन्मक्ट्राइस ट्यापन	5-8164	3	68
	৩৩-আহ্যাৰ ৩৩-আহ্যাৰ		1000		৯৮-বায়্যিনাহ		203
ক (মুক্তিৰ দাবী নিজকে দান কৱলে নাৰী বিত্তে কথাকে পাত্ৰেন)		40		ৰাহাপ্ৰয়ের আচনে ভিকাশ থাবনে (আহসে কিবানে মুশনিক)		b	
নৃষ্টি (মু'মিন নারীরা নৃষ্টি সংযক্ত রাখনে)	५८-मृत	97	999	থান্তা (সুপরিকরা কলম করে বলবে যে তারা মুপরিক ছিল না)	৬-আন্'আম	২৩	6.91
নর্যাতন (বুদিন লবীদের নির্যাতনের শাবি জাহান্নাম)	৮৫-বৃত্তর	20	2074	দুৰ্বহ (রাসুল স. এর আহলে মুশ্রবিবদের করে দুর্বহ)	৪২-শ্রা	20	μŅ
ণস্তুপর অবমাশ মুফিন নারীর নেই (সম্বাহ-রাসূল স. শিকার নিগে)	৩৩-আহ্যাব	95	1400	দুর্চোগ মুশরিকদের জন্য (গুহী অশ্বীকার করার কারণে)	৪১-মুপ্সিলাত	ė	pp
	81-46.64	56	979.	নের (পত্রিবকে নেধে যুগরিক বলবে, আমি একেই ভাকনামা)	১৬-দার্গ	5.0	37
ক্ষু (মুমিন নারীরা একে অপরের বস্থ)	৯-জাওবা	47	889	নিৰ্জীতম সৃত্তি (আহলে কিতানের কাফির/মূপরিকরা)	৯৮-বার্যিনাহ	6	303
চাক গারণ্য (মুখ্যিন নারীয়া ডাল ধারণা করল না কেন,)	२८-नृष	25	398	পূৰ্ববৰ্তীদের অধিকাশেই ছিল মুশবিক	৩০-জম	83	50
বুকিতের বাহে বুদিন নারীর বিশ্বরত করে আসলে আনেকে	<b>७०-यूमरु</b> दिना	20	96.9	পুৰক হতে প্ৰমাত ছিল না (আহলে কিআৰের কাকিব/ মুশবিকবা)	৯৮-বার্যিনার্	>	504
পঞ্চরিত্র দু'মিদ নারীর বিরুদ্ধে ব্যক্তিমরের অভিযোগ	<b>५</b> 8-नृब	20	995	কাম্পুল (স্বাপ্তাই বিবাহনতে ফুর্নারিকনের বিদ্যার ফরলালা করকেন)	২২-হাজ	39	9.0
পচ্চতিত্রা নুমিদ নারী বিরে করা হালাল (মুমিদদের ক্ষন্য)	৫-মারিণা	6	69.7	কল (কিয়ায়াত মুশারিকসেয়াক শবীক উপস্থিত কথাত কল হবে)	৬-আন্'আম	44	49
নামৰে ও ডালে আলো দৌড়াবে যেদিন (মু'মিন নারীদের)	৫৭-হাদীদ	25	989	বলা (সুশরিকরা বঙ্গে-প্রথম মৃত্যু স্থায়া মৃত্যু দেই)	৪৪-নুখান	08	30
র্র (অক্সহর পথে হ্রমাকার্নি রী নবাকে দদ করতে পরেদ)	৬৬-ভাৰ্বীদ	¢	590	কৰা (পুশতিকৰা নলে যে আল্লাহ ইচ্ছা কৰলে কাৰা শিৱক কৰক না)	৬-আনু'আম	387	162
হাধান মর (মুমিন নারী হালাল দর কাফিরদের জন্য)	५०-मूपठादिना	30	525	বাহিচারী অথবা মুশরিক ছাড়া কেউ ব্যক্তিচারিশীকে বিয়ে করবে দা	२8-मृद	0	99
হালাল মর (কাঞ্চিররা হালাল নর মুখিন নারীলের জন্য)	৬০-মুমভাহিনা	30	525	মসন্ধিন আবাদ মুশরিকদের অধিকার নয়	৯-জনৰা	39	08
देशकारमधी मंत्रीय प्रिम्य दान जातनारम तमान तना पात मा	৩০-মুমভাহিনা	30	525	মানুহতে মুপরিক না হওয়ার নির্দেশ	৩০-রম	03	34
মুখিন নারী (স্বাধীন)					৯-জাওবা	9	68
হৈছে (খাৰিন মুখিন নাৰীকে বিয়ে কমতে না পামলে লগীকে বিয়া)	8-मिश	20	060	মুপরিবচন্য মৃতি থকরে বিভাবে (মাল্লাহ ও বাসুল স. এর সামে)			
मुमिन (शृहर)		- 14	100	মুদ্দিদ নাগ মুশরিক পুরুষের চেরে উক্তম (বিয়ে প্রসঙ্গ)	२-शक्ता	557	
ছুমা ও মহাপ্রতিদান (মুমিল পুরুষের জন্য)	৩৩-সাহ্বাব	-02	brob	মুফিলাণ মুপরিক হবে (শরতাদকে অনুলয়ণ করলে)	৬-আনু'আয	257	90
ক্ষা ও মধ্যাতনাৰ (ভূমল পুলবের জন্য) জান্তাতে প্রবেশ করাবেল আস্তাই (মুখিল পুলবলেরকে)	८७-सार्याय ८४-सार्	4	979	মুমিদগণ মূপরিকদের থেকে কটদায়ক কথা তলতে পাবে	৩-আলে ইমরান		
লগ্নতে মাৰ্থণ ক্লাপে আক্লাৰ (জুমন সুনৰ্ভাৰতে) লগ্নত (মুমিন পুল্পানেরকে জাল্লাতের প্রতিশ্রতি)	৯-মার্থ ১৮-বার্থ	9.2	589	যুদ্ধ (মুপরিকদের বিরুদ্ধে যুদ্ধের নির্দেশ, নর্বাহ্যকভাবে)	৯-জাওবা	එර්	68
		90	980	যুক্তি (শিরবের গলে ফুর্ববিজ্ঞান উক্রট যুক্তি। অস্তাহ ইচন করস)	১৬-শাব্দ	-00	90
তাওবা (মুমিল দারী-পুরুষের ভারবা আল্লাহ কর্ল করবেন)	৩৩-আহ্যাব	90	980	রাসুল স. মুশরিক দদ	১২-ইউসুফ	209.	80
বৃষ্টি সংঘত রাধ্বে মু'মিল পুরুষরা	<b>२8-</b> मृत			হাসুল স. কে মুপরিকদের অন্তর্ভুক্ত হতে নিবেধ	২৮-কাসাস	3.6	6.5
নির্মাতন (মুমিল পুরুষদের নির্মাননের শান্তি কাহান্নাম)	৮৫-বুরুজ	>0	2024	नामक (प्रमुक्ता पक्ष वेदनि-पुन्तिको प्रक्रिकात शक्ति नामका करोता)	৫-মারিলা	34	63
পছন্দের জনবাশ মুদ্দিদ পুরবের দেই (অক্সাহ ও রাসুদ্দ ন, সিরার নিসে)	৩৩-আহ্মাব	09	9000	শোচনীয় করা (সন্তান হত্যাকে করেছে শোচনীয় করেছে	৬-আন্'আম	209	60
প্ৰদলিত হওৱার আশহা, অজনে মুনিন পুক্ত (মডা বিজয়)	৪৮-লাত্র	58	979	পরীক মুপরিকাদের কাছে)	ल-कान जाम	204	91
বছু (দুমিন পুরুষরা একে অপরের বছু)	৯-জ্যন্তব্য	93	689	হতা (ফুর্মনেনেরকে হতার নির্দেশ, হারম মাস অভিনাইত হলে)	৯-ভাওবা	¢	41
লল ধারণা (মু'মিন পুরুষরা তাল ধারণা করল না কেন)	২৪-দূর	25	992	মুশরিক (নারী)			$^{+}$
সমাস ও ভালে আলো গৌড়াবে মেদিন (মুখিন পুরুষদের)	৫৭-হালীন	25	486	বিয়ে (মুগরিক নার্বীকে বিয়ে করা নিবেশ)	২-वाकावा	445	e:
মু"মিনের গুণাবলি			ш	বিত্তে (মুগরিক নারীকে বিত্তে করকে ব্যক্তিচারী অথবা)	48-77	0	9
ভরস্/গোনাহ-অগ্রীলঞ্জবর্জন,ক্ষমা,নামাল, গরামর্গ/বার	৪২-পুরা	00	864	থিরে (মুলারিক নারী বিরে করা নিমেশ)	২-বাঞ্চারা	557	
মুক্তবিন (দেখুন অভিভাৰক শব্দটি)				মুদ্দিন দালী মুশরিক নারীর চেরে উত্তম	२-वाकारा	442	
भूगोत <i>द</i>				শান্তি (মূশরিক নারীদেরকে আল্লাহ শান্তি দিবেন)	৩৩-আহ্যাব	90	b/8
মরুর্তুক (মুপরিকতনর অরুর্তুক না হওয়ার নির্চাপ রাসুল গ. কে)	১০-ইউনুস	206	958		8४-कार्ट	6	
মুশুল (মুশরিকরা অপায়ল করলেও অল্লাহ নতে ঘীনকে নারী)	65-সাক্ষ	ъ	860	শান্তি দিবেদ আল্লাহ মুশন্তিক দাবীদেরকে	90-4164	9	97
রপহন (মুশরিকরা অপহুদ করে সভা দীনের বিজয়)	৯-ভাতব	00	685	মূশরিক পুরুষ		_	┺
মূপথিত্র (তুপরিকরা অগবিত্র)	৯-হোতধা	32	683	শান্তি নিবেন আল্লাহ, মুপরিক পুরুষদেরকে	৪৮-ফাত্র	- 6	95
মন্ত্রন (শরীক ও ফুর্লারবকে সপ্তানে অবস্থানের নির্দেশ, যাশতে)	১০-ইউনুস	24	629	শান্তি (ভূপরিক পুরুষদেরকে আল্লাহ শান্তি দিবেন)	৩৩-আহ্বাব	90	108
অপ্রের (ইন্টেনা ফুর্নবিবদের চেয়েও জীবনের প্রতি নেশি অপ্রার্থী)	২-বাকুরো	35	422	মুসলিম (আরো দেখুন আত্মসমর্পগঞ্জারী শব্দটি)			1
মাল্লাহ মুশবিকদের থেকে দায়িত্বযুক্ত	৯-জাঙ্বা	0	680	আদিট (পূহ আ, মুগলিমদের অন্তর্ভুক্ত হতে আনিট হরেছেন)	১০-ইউনুস	92	6
व्यापा शर्मन (प्रमतिका व्यापा शर्मना कराम व्यापा मान)	৯-জাভবা	-6	680	আল্লাহর প্রতি আত্মসমর্পথকারী/মুসলিম (উদ্যতে মুহাদ্দনী)	২-বাকার	305	2
वासून किरादार पुर्वतिका कार्युत्तामा चावान विशास पांचान	১৮-বাহ্যিনাহ	6	2059	আল্লাহর নিদর্শনে ঈমাননারই মুসলিম ও ওহাঁর প্রকৃত শ্রোতা	২৭-নাম্প	3-3	30
ইৰৱাহীন আ. দুশৱিক ছিলেন না	ত-আলে ইমবান		282	ইরাকুবের সন্তানগণ ইদাহের নতি মুসলিম হিল	২-বাকুলো	300	0
ইকাৰীয় আ, ফুৰতিক ছিল না (আৰ জানশ জনুসবলোৰ নিৰ্চাশ)	১৬-নাংল	330	930	একত্বাদী মুসলিম ছিলেন	৩-মালে ইমরান	69	21
ইববাহীয় আ. মুশনিকদের অন্তর্ভুক্ত ছিল না	২-বাকুরো	300	675	ওয়ী (এক ইলাহ প্রসাস গুড়ী দাখিল ও মান্দ্রধ্য মুসলিম হওয়া)	২১-জাধিবা	100	
হব্যাহার আ. হুগালেকের ব্যৱস্থাক কেন্দ্র হব্যাহায় আ. মুগরিক হিসেন না, তিনি একত্ববাদী হিসেন	৬-আন'আম	363	625	কাড়িবরা মুসলির হওয়ার কামনা করকে একনিদ	32-Ewa	3	9
হবরাহীয় আ. সুপরিক ছিলেন না	৩-আলে ইমরান		683	কাভিরদেরকে মুসলিম হওরার আহ্বান (কুরআন প্রসঙ্গ)	22-get	28	10
হংরাহান আ. বুশারক হিলেন । ইক্রাহ্মির জ, মুশরিক হিল ন (একতুবাদী আদর্শ হিল)	১৬-মাহুল	320	120	কিভাব প্রাক্তর পূর্বেও মুগলিম ছিল	২৮-কানান	40	10
	১৬-শাধূপ ৬-আস্'আম	340	900		০-জালে ইমরান		
ইবরাহীন আ, মুশরিক হিলেন না	३८-दिश्वत			কুফরীর নির্দেশ নিবে না মুসলিমকে (কিতাবপ্রাপ্ত নবী)			21
		28	103	কুরআন মুসলিমের জন্য কুসংবাদ, দরা, পথনির্দেশিকা	১৯-মার্ল	70	13
উপেঞ্চা (সুপরিবচনতে উপেক্ষা করে চলার নির্চোশ, রাকুল ব. বে) উপেক্ষা (স্বাকুল বা. এর প্রতি ফুশরিবচনতে উপেক্ষা করার নির্চোশ)	৬-আন'আম	306	606	গণ্য করবেন না আল্লাহ মুদলিয়দেরকে (অপরাধীনের ২ত)	৬৮-কুলাম	06	8

and first	मुङ्ग्डं <del>काल</del>	
THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY.	100 CO 212 PM 622 BBB	86

	AND ALTER	जुड़ा तर क नाम	2000	761	नेष	न्या तर छ नाव	1001	99
মুদলিম (আরো দেখুন আ	ন্মসমর্পদকরী শব্দটি) (পূর্ব পৃষ্ঠা বেকে)				অপ্তর্জ মুখ্যানকে আল্লাহ ধনী করেন	৯৩-দুখ্য	b	300
যোগণা (নিজেকে মুসলিম		৪১-মুপ্রিলাত	00	999	पद्भवस्था (मनुष विकास कारत मानवर्ड पूर्वका न. वाक्स्टर)	২৬-৩'জারা	0	99-6
জন্মতে প্রবেশ করবে (মু	সলিম ও মু'মিনরা)	৪৩-যুখকফ	65	200	অপ্লাহর রাসুল মুখাখন ল. (অপ্লাহ লাদেন, মুনাধিক প্রদাস)	৬৩-মুনাঞ্চিক্ন	2	3/68
জিন (জিনানের কতক মূস	লিম ও বতক অন্যায়ৰাবী)	१२-किन्	78	29.4	আল্লাহর রাসূল মুহাব্দন স. (মুনাঞ্চিকদের লাক্ষা)	৬৩-মুনাঞ্চিকুন	3	368
ন্মকরণ (ইবরারীয় মো,	মুসলিম নামকরণ করেছেন)	২২-হাজ	95	980	অপ্রের দান (মুহাম্ফাকে আল্লাহ অপ্রের দান করেন)	৯০-বুহা	0	302
পর্বনির্দেশিক (কুনজন মুক্তি	म्प्रास्त क्या <del>गर्कार्शनिया ५ तुनस्त्रम</del> )	১৬-গাহল	305	433	ইবানত (কাথির যার ইবানত করে মুহাকন স্, তার ইবানতকাটি নন)	১০৯-কাফিরন	8	300
প্রথম মুখলিম (ইরারীম প্র	PIR)	৬-আনু আম	360	655	হবানত (কাবির যার ইবানত করে মুহাব্দা গ্রু তার ইবানত করে। ন)	১০৯-বাফিন্স	3	200
প্রথম মুখলিম হওরার দিয়ে	ৰ্মণ (নৰীকে)	৩৯-বুমার	32	692	ইবানত (মুখন্ডন গ, যার ইবানত ব্যৱন কান্দির ভার ইবানতকারী নায়)	১০৯-কাঞ্চিত্রন	4	200
বিদরস্কতন নিয়েছক ভুগলিম ও	খোলা দিল (যংগ ভূবকে লাগন)	১০-ইউনুস	200	662	ইবাদত (মুখন্স গ. ঘর ইবাদত করেন কাভির ভার ইবাদকাবী দর)	১০৯-কাঞ্চিমন	0	200
বিশ্বাস (আল্লাহৰ আরাত্য	ক ঘৰা বিশ্বাস করে ভারা মুসলিম)	৫০-রম	20	৮২৬	ইরাজীন মুহাম্মনকে আল্লাহ অপ্রের দান করেন	৯০-দুহা	0	204
তরপ (মুদার অভিনে অস্তার	চুত তালা কাচত বলা-মুসলিম হলে)	১০-ইউনুল	₽8	662	উত্তম (মুখ্যামদ ল, এর জন্য ইহুকালের চেয়ে পরকাল উত্তম)	90-52	8	204
	হয়ে মুজ্যুৰৱণ করতে নিবেধ	৩-জালে ইমরান		989	উপদেশ (কুরজেন মুখ্যকর স. ও তার সম্প্রদারের জন্য উপদেশ)	80-पूर्वकृष	88	7/30
	হ মুমিদের মুসলিম হংগ্রা গ্রেলস)	৪৬-আহ্বাক	26	hob	উল্লেখ (রাসুল স. এর উল্লেখকে আল্লাহ সমূল্যত করেছেন)	৯৪-ইণুশিবাহ	8	204
মৃত্যুবরণ (মুসলিম না হয়ে		५-राकृता	203		কবি (মুহাত্মন স. একজন কবি, কুরাম্বান রচনা সম্পর্কে			-
মৃত্যু (জানুকরণের মুসলিম		৭-জা'রাক	256		কাফিরের জপবাব)	২১-আধিরা	4	94
মৃত্যু (মুপলিমরপে মৃত্যু, ইউ		১২-ইউসুক	202		কাওছার (মুহাম্বনকৈ কাওছার দান করেছেন আল্লাছ)	১০৮-কাঞ্চর	3	300
	শহিমদের করে অসার আহরদ	২৭-সামল	03	Pos	কুমবাদী (মুখ্যাকাকে প্রতিপালকের উদেশ্যে কুরবাদীর নির্দেশ)	১০৮-ব্যবস্থার	2	300
	া সুলাইমানের কাছে আসার পূর্বে			$\overline{}$	গণক ও পাগল নন, মুহাখন স. (প্রতিদালকের অনুচাহে)	৫২-জর	43	30
য়ানীর নিংহানন আন্ত		২৭-নামল	- ७४	100	নিজা (কুলানে। ফুল্ডা করার করে মুখ্যাকা স, এর বিহুলে সমাস্যালেনাস)	৭৫-বিব্যামাহ	3/6	hh
সাবার রানী ও তার সম্পূদ	নর মদলিম হওয়া প্রদাস	২৭-নামল	83	boo	দান (মুখ্যাক সংকে অক্সাহর এমন নান যে তিনি সম্ভাই হরেন)	35-04	4	203
	(সঙ্গিমদের ব্যাপারে সাকী)	০-মালে ইমরান		283	ট্টন (মুখ্যক্ষ-এর জন্ত তাঁর দীন ও কাহিবছের জন্য আনর ছীন)	১০৯-কাঞ্চিত্রন	6	300
	র বন্ধর পর্যনিচলিকা ও সুসংবাদ)	১৮-নাহল	205		নামান (মুক্তকাকেপ্রতিপালাকে উদ্দেশ্য নামাক ও কুরবানীর নির্মাণ)	১০৮-কাওছার	3	300
	अन्य जुगरतान, महा, शवनिवर्गशिवर)	১৬-শহল	6.9	930	পথহার মুহাখন ন.কে সোল্লাহ নটিকপথ দেখান	৯৩-দুখ্য	9	204
হাওয়ারীরা মুসলিম (দিসা		৩-আলে ইমরান	44	487	পরিজ্ঞাপ (মৃহাক্ষাকে প্রতিপালক পরিজ্ঞাপ করেন নি)	3ro-98)	0	203
হাওয়ারীরা মুদলিম (এ বা		৫-মারিদা	222	258	পার্থন ও গণক নন, মুহাখন স. (প্রতিগালকের অনুহারে)	৫২-ডব	43	30
মুসলিয় (মারী)				1	পাপলামী দেই (কুৱাইশদের সহচর ও মুহামদের মাঝে)	৭-আ'রফ	22-8	45
ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান (মুবা	निध गरीएर बना)	৩৩-আহ্বাব	02	brots	পিঠ (মৃত্যুত্মদ স.এর পিঠকে যে মোবা নুইরে নিছিল)	১৪-ইন্শিরাব্		300
শ্বী (আল্লাহ্ নবীকে মুসলি		৬৬-ভার্রীম	4	370	প্রতিপালত (মুখ্যান্স স. কেপ্রতিপালকেপ্রেতি মচার্কিবেশার নির্চল)	১৪-ইন্শিরত্	ъ	200
মুদলিম (পুরুষ)		oe arçan	<u>`</u>	9.00	প্রতিপালক (মুহামন ল, ধর প্রতিপালক তার প্রতি বিরপ নন)	১০-সুহা	.0	205
ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান (মুগা	feu exerce sur)	৩৩-আহ্বাৰ	02	ხობს	প্রশার করা (আল্লাহ মুদ্রাব্দন স. এর বছকে প্রশাস করেছেন)	১৪-ইনশিয়াত	>	203
মুসপ্তী (নামাজী)		00-416414	Oq	000	প্রতিক্ষা (কাফিরনের লাগে মুবাঞ্চন ল. ও মৃত্যুর প্রতিক্ষা করেন)	৫২-জন	40	ho.
কপৰ হয় বা মুসল্লীগণ (ক	water moof warren	৭০-মা'আরিক	44	35-3	প্রতিশালকের অনুয়হের কথা কনির করার নির্ভাল (মুব্রজ্বন্তক)	৯৩-দুখ	22	300
कार्यक्षिया प्रभक्षी (नामार		৭৪-ফুনাম্মির	80	225	বক্ষ (মুহামল স. এর বক্ষকে উল্লোহ প্রশান্ত করেছেন)	১৪-ইনশিরাহ	3	300
দুর্ভোগ (উদাসীন মুসঞ্চিদে		১০৭-মাউদ	8	2008	ৰোধা (মুহাত্মৰ স. এর বোধা আল্লাহ নামিরে দিরেছেন)	৯৪-ইনৃশিবাহ	2	503
	পথ অভিক্রমকারী শব্দটি)	20 (-4/4)	-	1000	মানেনিবেশ (মুখ্যাকরে প্রতিশালকের প্রতি মানেনিবেশের নির্চাশ)	৯৪-ইনৃশিরাহ্	ъ	300
			-		মানুষ (মুহামদ স. সাধারণ মানুষের মত একজন মানুষ)	২১-আধিয়া	0	921
ইয়াতীম, মিলকীন ও মুলা পান (মুলাফিরকে দান কর	IPCSS RPS NIHEB	৮-জানকলে	87	606	মিথাবাদী করা (মুহত্মদ সা, কে মিথাবাদী বলা প্রসঙ্গ)	२२-शक	84	95
		२-राङ्ग्रहा	244	67.9	রহাত (মুহাক্ষা স,কে জনকের জন্য রহাতকম্বল পরিচার হারচে)	২১-অথিয়া	209	90
রাপ্য দিয়ে দেয়ার দির্দেশ	সাফিরের পবিয়াতা অর্জন প্রসঙ্গ)	৪-শিলা	80	605	বাসূল (মুহাখন স. আল্লাহর রাসূল)	৪৮-ফাত্র	25	27
		১৭-ইস্রা	3.5	936	রাসূল (মুহাম্বন স, একজন রাসূল স, ছাড়া কিছু নয়)	৩-আলে ইমধ্যন		483
'কাই' সম্পন্তীন মুসাফিকে		৫৯-ব্যশর	٩	766	গ্রন্থল (মুবার্থন স. অপ্রাহর বাকুল: কোন পুরুষর পিতা দন)	৩৩-আহ্বাব	80	re
ব্যর (মুশক্তিরে জন্য ব্যর		২-বাঞ্বরা	576	658	শিবলে (রালুল স, কে ভূরজন শিবর একজন মনুধ অপবাদ)	১৬-দাহল	300	95
হ্লাফিরের হক বা অধিকা		৩০-ছম	69	256	শেব নবী (মুহামান স. শেষ নবী ও জাল্লাহর বাসুল)	৩৩-আহ্বাব	80	50
যাকাত মুগাড়িৱের জন্য ব		৯-জাওবা	90	686	সঠিকপথ প্ৰদৰ্শন (মুহাখন স,কে আল্লাহ সঠিকপথ দেখান)	৯০-বৃহা	9	204
সহাৰহার (মুসাফিরের সা		8-मिना	99	492	স্ফ্রেড করা (রানুল স. এর উল্লেখকে অল্লার সমূহত করেছেন)	১৪-ইন্শিবাহ	8	204
মুলিবত (লেখুন বিপদ শ	रमाई)			Ш	সরল-সঠিক গথে মুহামান সা. প্রতিষ্ঠিত	২২-হাজ	69	9,68
মুহকাম					386		-	100
আরাত (কুরআনের কিছু ৎ	মারাভ মুক্কাম)	০-আলে ইমরান	9	609	জনচুদ (এক মৃতুর্ব অবস্থান করেছে দুনিরাকে, অপরাধীর করেছে)	৩০-জম	66	bet.
मुद्दिम					অবস্থান (মুম্বর্তনালা অবস্থান ছিল পুর্বিছীতে, বিদ্যানতে কর্মিনা ভারতে)	৪৬-আহ্লাক	96	92
শিকার হত্যা (মুম্বরিম অবছার	মুদ্দি কৰ্তৃক শিবরে হজার কাক্সার)	৫-মারিদা	96	695	কুমাছিত (নিৰ্দিষ্ট সময়কে মনুৰ এক মুহূৰ্ত কুমাছিত কথাত পাধাৰে দা)	३७-माहल	63	90
মুহাজির (আরো দেপুন)					তুরা (নিনিষ্ট সময়কে এক মুহুর্তও তুরাখিত করা হার না)	১০-ইউনুস	83	001
তথৰ দেবী, মুম্বজির ও আন	পৰ্যানৰ তথাৰ্বা কপুল কৰেন আগ্ৰাহ)	৯-জাওবা	224	002	নিৰ্দিষ্ট সময় এক মুম্বৰ্তত বিশ্ববিত বা কুৱাবিত হবে না	१-वा'डाक	08	920
	বন্ধ সম্পর্নীয় আত্নীর মীরানে নির্ভাচন)	৩৩-আহ্বাৰ	6	500	বিলম্ব (নিনিষ্ট সময়কে এক মুমুৰ্তত বিলম্বিত কৰা যায় না)	১০-ইউপুস	83	001
প্রথম অগ্রগামী মুহজির ও	আনপাৰদের প্রতি আল্লাহ সম্ভন্ত	৯-জাওবা	300	000	নিশক্তিক (নিনিষ্ট সময়তে মনুষ এক মুহুর্ত বিলক্তিত করতে পারে না)	১৬-বহুল	62	90
'দাই' এর সম্পদ মুর্যজির		৫৯-হাশব	ъ	260	महर्खनान	2 Qualitari	99	10
মুহাম্বদ দ, (আরো দেখু				1		1 - William		ļ.,
	র পেলেই ইবানতের নির্দেশ)	১৪-ইণুশিবাহ	q	2029	নিলে মুমুর্জনাল অবস্থান ছিল পৃথিবীতে (বিস্তামতে মুম্পরিক কাংবে) ভিত্তবিক কেল্ডবিক বিশ্বনিক কালত কালত কাল্ডবিক কাল্ডবি	১০-ইউনুস	82	626
	অবতীর্ণ কিডাবে ঈমান)	৪৭-মুখ্যখন	2	225	নিশক্তি (মুমুর্জনাল নিশক্তি করতে পারনে না, প্রতিপ্রেক দিন)	৩৪-সাবা	00	686

भेप विषय्भागम	নুৱা বং ৩ বাৰ	-	281	49 RR/678	नुबा कर क नाम	Mart 70	1/8
মুহিত	Jan 16 a 114	290.0	1000	অপ্তাহতে কথাকা মুদ্যায়ন করেনি (আহাদ কিতাবো)	৬-আনু আম	97	bol
পূর্বত মৃত্যুত্তে মুর্বিত বাজির নাম আবায় মুক্তবিকরা (মুনের নির্দেশ বলে)	৪৭-হতাবাদ	30	330	অপ্তাহতে ভার ফলায়র মূল্যায়ন করেনি মানুষ	22-27m	98	960
মুকুতের মুক্তির ধরিব মত দুর্ভাবিক আনর (মুক্তে সামান তা)	००-खाइसर	79	208	হৰাহৰ (আল্লাহকে) মূল্যায়ন কবেনি আহলে কিচাৰ	৬-আন'আম	27	40
मुक्तिक स्थाप पावन गण क्रमण जन्म (१८४) मर्कि	On Miletan	100	9.00	মুশা			+-
	-			ব্যৱহান করা বাং (বিশ্বতি হত্যা প্রগতে বিদ্যারাজ্যার উচিত)	২৬-৩'জারা	530	20
ইলাহ হিসাবে মৃতিকে এবণ (ইবরাইটের পিতা আবর প্রদঙ্গ)		98	999	অঙ্গীকার (মুদার কছে থেকে আপ্রাহ দৃদ অঙ্গীকার নেন)	৩৩-আহ্বাব	3	50
উপাসনা (মৃতির উপাসনা ইবাহীমের পিতা কর্তৃক)	২৬-৩'জারা	47		व्यनुद्धार (पृत्राव शक्ति व्यक्तार व्यनुद्धार करवाहम)	৩৭-সাহফাত	338	30
উপাসনা (ইবরাইয়ের সম্প্রনারের মূর্তির উপাসনা প্রবন্ধ)	২৯-আনবাৰ্ড	24	224	অনুহার (পুনার এক আরার অনুহার করেছেন) অনুহার, ভূপার প্রকি (সেশার নিরক্ষারনার ধার প্রকিশালন প্রকল)	50-DI-EL	99	98
বধা ফাা (মূর্তি কথা নলতে পারে লা, ইবরাধীম আ. প্রসঙ্গ)	२५-जिपिश	96	1/28	অবস্থাস (কুলা করে ক্রিমেনিলে অবিশ্বস, অপ্নয়কে দেব)	२-वाक्राश	00	đρ
রৌশন অন্যানন (মুর্তার নিয়মে ইনার্যানের তৌশন অন্যানন)	२५-व्यक्ति	6.8	928	অচর দান ভূপতে, অস্ত্রাহ কর্ত্বক (পাঠি সাপের মত কর)	२९-संबर्ग	20	20
এখে (অল্লাহ্য পরিবর্ত মৃতিকে উপান্যরণে এবদের পরিদান)	২৯-আনকাবৃত	56	3.79.				
চূৰ্ণ-বিচূৰ্ণ( ইৰৱাহীম আ. কৰ্কুক মূৰ্তিকে চূৰ্ণ বিচূৰ্ণ করা)	২১-আছর	20r	928	অচন দেব (ত্ব পর্যন্ত ভূপর আচন দেব, আল্লাহ্যুত দর্শন প্রদাস) আপদ্ধা (ভূপার আশদ্ধা, কির'আউন তাকে বিধ্যাবাদী বলবে)	२९-माम्स २८-अपसम	34	937
রিমাস্য (মুঠিয়ঙ্গা সম্পর্কে মুর্তিনেরকে জিল্লাস্য করা)	२५-जरिय	90	928		২৬-৬'আরা	34	
পূমা (মূর্তি পূমা থেকে ইংরাইনের পুত্রনো দূরে রাখন জন্য দোরা)	18-देनवादीय	-00	696	অসা (মৃপা আ, সুস্পার্ক প্রমানাদি নিরে এসেক্টিসেন)	२-वाकृावा	84	62
বড় মূর্তির দিকে ফিরে জাসা (ইবরাইামের সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	২১-আধিয়া	42	948	অসা (মৃপা জা. এরেছিল স্পট প্রমাণসং কারুন/থিবজ্ঞাইন)	২৯-জানকাবৃত	o <sub>b</sub>	7.5
দেশে থাকা (মৃতিদের উপাসনার সেগে থাকা ভাতি প্রসঙ্গ)	৭-আর্থক	70%	698	হামনের করে)	-	-	-
দেশে থকা মৃতিরপ্রতি দেশে থকা (ইনরাইটের শিকাও সম্প্রনারের)	২১-জাপরা	65	920	অহবন (দূলর প্রতিক্ষাবনের নামে ভূমিল দ্রব্য কংবাদের অনুযোগ)	২-বাকারা	63	00
মৃতিপূজা				অহবান (মূপার আহ্বান চিরআইনের প্রতি আগ্রাহর প্রতি	২০-ছা-ছা	65	98
অপবিয়তা (মৃতিপুদার অপবিয়তা বর্জন করার নির্দেশ)	55-37%	00	465	দিব্যা রহন্য না করতে, ফিরসাইনকে)			
দূরে রাখ (পুরদের মৃতিপূজা থেকে দূরে রাখতে ইনরাইামের দোরা)	১৪-ইবরাইন	-02	696	ইলাং (মুবাৰ ইলাহকে দেখতে চাত্ত ফিরাজাটন)	২৮-আমান	40	47
মৃতিপূজার বেদী				ইলাহ (মূপার ইলাহকে দেখার বাদনা বিরজ্ঞাউলের)	80-मु'बिन	69.	pp
পরায়ান্য কার (মদ, বুরা, মৃতিপুরার কৌ, রুণ্ড নির্দারক তীর)	৫-মারিপা	90	695	ইলাহ (সমিবী কর্তৃক বাছুরকে মূলার ইলাহ কলা)	২০-জু-হা	W	9.8
युग			1	ইয়ান (মূদাকে নেরা বিষয়ের উপর ইয়ান)	৩-আলে ইমরান		68
কটো (জাদিম সম্প্রদায়ের মূল কেটে লেয়া প্রসঙ্গ)	৬-আন'আম	84	600	প্রবাদ (মূপান প্রতি প্রবাদ বালে করে সম্প্রবালের বছর লোকই)	১০-ইউনুস	20	96
কিন্তাৰ (মৃদ কিতাৰ আল্লাহন নিকট)	30-479	00	694	উঠি (মূপার উঠি, জাদুকররা যা নিয়ে এসেছে তা লাদু')	১০-ইউনুস	3-7	55
কেটে নিবেন (মূল কেটে নিবেন আল্লাহ কাফিবদের)	y-804004	1	902	উঠ, মূলা (মনুনে অকৃতভাৱ/মন্তাহর অনুবাদক্ষিয় সম্পর্কে)	১৪-ইবরাহীম	v	88
থেন্তুর গাছের মূপের উপর থেছলো ছির রেমেছে মুমিনরা	69-404H	0	966	উদ্ধার (আল্লাহ মূলাকে ও তার সঙ্গীলেরকে উদ্ধার করেন)	५७-०, श्रादा	96	93
ন্ধালিম সম্প্রনারের মূল কেটে লেয়া প্রসঙ্গ	৬-অন অম	82	600	উপনীত হংগ্রা (বুল আ নির্মাতি সময়ে উপনীত হংগা প্রসম)	৭-আ'রাফ	780	6-5
দিনাপ (সমূলে বিনাপ করা হবে ভোরে, পৃত-সম্প্রদারকে)	১৫-বিজয়	00	903	উল্লেখ (ভিতাবে মূপার কথা উল্লেখ করার নির্দেশ)	३५-मात्रदेशम	67	9,0
মূল কেটে নিজন আপ্তাহ কুন সম্প্রনারের	1-91'079	13	929	তহ (ক্ষী ইসপ্লেমপতে নিজ্ঞ বিদ্যা কাহণ্য ক্ষম মূখ্য প্রতি বর্তী)	२०-इर-श	99	98
সুমৃত্ (ভাগ বাণী ভাল গাছের মত যার মূল সুসুদ)	<b>18-देरतारी</b> य	48	654	বহী করা (মূপা আ. কে বহী করার সময় রাস্ল স. ছিলেন ন)	২৮-অসাস	88	6.2
মূপ কিতাৰ	10 (100)	1	100	च्ये (श्राद्य गाउँ बडा खचन स्थार बन रून गा. ४८ और वर्षे)	৭-জা'রফ	790	64
কুল কেতাৰ কুমুম্বান মূল বিভাবে বঞ্চিত (আল্লাহর নিকট)	80-मूरकम	8	190	ব্রই (ছমিতের নিরে প্রতে নিমা তাশ করতে মূপর প্রতি গুরী)	২৬-৩'জারা	65	13
कृत्यान कृत (कार्याच्या (कार्याच्या (कार्याच्या) कृत्यम	80-710-4	-	100	বাই, মূপার প্রতি (পাঠির জাবাতে দীন নদে পং সৃষ্টি)	২৬-৩'বারা	90	92
		210	600	ভট (মূদার লাট নিকেশ করার ধন্য আপ্রাহর ওই )	্-জ্ব,থ্যক	223	64
অভবান্ধানীর জন্য মূলখন প্রথম বৈধ (পুন থেকে তথার কথলে)	২-বকুরা	4.00	600	ভন্নী (মূল কালা আ নোপ্ৰতি বাই নিসায়ে গং তৈনি ও সালাত নায়স)	১০-ইউনুস	ъq	66
भून (भा)	- man house	١.	1	কথা কথা (ফুলার লাখে আল্লাহ সংবাদরি কথা বলোহন)	৪-দিশ	798	60
কিকানের মূল (মুংকাম আরাতগুলো)	৩-আলে ইমরা	1 1	600	কট (মূলকে কট দানকারীর মত না হওয়ার নির্দেশ)	৩৩-জাহ্বাব	69	3.4
भूगा		_	ш	কিতাৰ (মুগার কিতাৰ পথপ্রদর্শক ও দরাযন্ত্রপ ছিল)	86- <b>वा</b> द्वरर	35	ho
গ্রহণ (সামান্য মূল্য গ্রহণ, কিজাবের বিনিমরে)	২-বাকুরো	248		কিতাৰ (মৃদ্যৰ কিতাৰ পৰ প্ৰদৰ্শক ও দয়াসকপ হিশ)	27-Zol	23	66
প্রহণ (খরচিককে আল্লাহর কিবাব বলে সামান্য মূল্য এছব)	२-राष्ट्राबा	45	609	কিজাৰ নিয়েছেৰ আপ্ৰাহ মূপাকে	२१-क्षुत्रकान	-02	1/2
अस्य (मृत्यअस्य ना व्यास सम्प्रः, अमित्रका मामानान अगम)	৫-ঘরিশা	309		বিজ্ঞান নান (পথনিন্দেশিকা,শত্রাগরপভূপাকে বিভাব/তাওরত দান)	৬-আন্'আম	268	69
সমান্য মূল্য গ্রহণ নিবেশ (আরাতের বিনিমরে)	৫-মরিদা	88	50.0	ক্তিতাৰ নাম(সঠিকলৰ অংলখনের জন্য মুসাকে কিতাৰ নাম)	২-বাস্থার	60	₫¢
সামান্য মৃদ্য গ্রহণ (সর্বাচককে আল্লাহর কিবাব বলে)	२-वङ्ख	430	509	বিভাগ দান (মূলা আ, কে বিভাগ নিয়েছিলেন আল্লাই)	৪১-কুশ্নিশাত	82	pp
সামান্য মূল্য প্ৰহণ দা কৰা (সাবাতের বিনিমরে)	৩-আলে ইনরং			কিতাৰ দান (ফুৰা আ, কে ডাওৱাত কিতাৰ দান প্ৰদাস)	২-বাকুারা	ъч	43
প্রধান্য মূল্য প্রহণ (আল্লাহর আল্লাকের বিনিময়ে)	9-2105	9	860	কিবাৰ (মূপা আ, কে নিয়েছেন আল্লাহ)	১৭-ইস্বা	2	93
সামদ্য মুখ্য-হেশ (সম্ভোহন সামে কৃত অসীকর ও স্পাচনা বিনিমটো)	৩-আলে ইমরা		680	কিবাৰ (মুদাকে কিবাৰ নিয়েছিলেন আল্লাম)	২৮-কাদাদ	80	7.7
পমান্য মৃষ্য এহণ (আল্লাহর নঙ্গে বৃত অসীকারের বিদিমরে)		345	422	বিভাব (মূল্যকেও আল্লাহ কিহাব/ভাওয়ত দেন)	৩২-সাঞ্দা	10	20
সামান্ত মূল্য গ্ৰহণ কিবাৰের বিদিয়ার (আহলে কিবাৰর)	০-আলে ইমরা			কিচাৰ (মৃত্যকে কিচাৰ নিয়েছিলেন স্বাস্থ্যাই)	२०-म्"मिन्न	83	98
সামান্য মূল্য এহল না করা (জারাকের বিনিয়রে)	२-रानुसर्व	82	606	বিভাব (মূলাকে বিভাব নিয়েছেন আল্লাহ)	১১-ছুদ	220	69
স্বল্প মুল্যে বিক্রয় করল বারীনল (ইউসুফকে)	১২-ইউসুচ্চ	20	944	বিবার (কারের কর আলা ও পর্কতিপনংখন মুনর বিবার জন)	৬-আনু'আম	65	80
पूना श्रद्भ				কুড়িয়ে নিল মূপা আ. কে (ফির'ডাউন বংগের পোরেনা)	২৮-কারাস	V	bro
পারতের নিন্মার মূদ্যগ্রহণ করে না ফোব আহলে কিবাব	০-আলে ইময়			কুলখন মনে করা (মূসা আ. ও তার সঙ্গীদেরকে)	৭-আ'বাফ	202	93
নিতৃষ্ট মূল্য এইন করত আহলে কিজাবর (কিজাবের নিনিমার)	৩-অলে ইমরা						+-
সাক্ষাসনের বিদিন্তর মূল্যবাহণ না করার কলম (প্রসিয়ক প্রদাস)	৫-মর্বিদা	306		ক্রেম্ব (কৃষার ক্রেম্ব প্রশমিত হলে ফলক কুলে নেরা প্রসঙ্গ)	্-জা,ধাক	208	95
সামান্য মূল্য এংল করে যারা (প্রক্রিক্ষতি ও শপাংর কিন্মরে)	৩-আলে ইমরা		680	কম (প্রতিশাসকে কম ও লা প্রর্থন, মূল ও বরুন মা. এর)	৭-আ'রাক	262	6
সামান্য মূল্য গ্রহণ করে মুপরিকরা আয়াতের বিনিমরে	?-atest	2	680	র্থা মারল দৃদ্য আ, (শরদ্ধদের গোকটিকে)	২৮-কাশস	25	)VC
সামান মূল এংশ কলে কিডানে বিনিমন্ত (আংল কিডানর)	৩-আলে ইমরা	1 25-1	668	রাওরা (আহলে কিতাব মূপার কাছে বড় বিছু চেরেছিল)	8-PiN	760	6.
मुनाग्रन			T-	চাওয়া (মূল আ,এর চাওয়া আল্লাহ কর্তৃক করুণ)	২০-ড়া-হা	106	9,8
আল্লাহর যথাকা মূল্যারন তারা করেনি (ডিনি পবিত্র ও মহান)		+	399	ass ont (ভূম আ তে বছড় দিল আন্দ(তিশান পরিবাসে অশব্য		253	83

4			মূসা	মূস			
AND THE PROPERTY OF	न्द्रानः धनाम	-	781		नृक्ष होरे छ नाम	44	1
म्मा (পूर्व भूके (स्थरक)				গ্রেরণ (মৃসাকে ফির'আউনের নিকট প্রেরণের মধ্যে নিদর্শন)	৫১-যরিক্সভ	35	825
জানুকামের প্রধান আখ্যা নান, মৃত্যু আ, কে (বিদ্যাজ্ঞাইন কর্তৃক)	২৬-৩'বারা	85	130	প্রেরণ (মূপাকে ফিরজাউন ও পরিষদবর্গের বাছে প্রেরণ)	৭.আ'রাফ	200	653
समूक्त (वित्र'वार्डेन कर्ज़क मृत्र वा. (व विस्न सामूक्त रक्तः)	२७-७ जारा	08	23.9	প্রতিশাসক (মূপা ও হারনের প্রতিশাসক কের মিনজেইনের প্রশ্ন)	২০-ড়া-হা	82	480
জ্ঞদুকরনের প্রধান মূস্য আ, (ফিরঝাউন মনে করল)	২০-ফ্ল-যা	93	186	প্রতিপাদকের নিবট জাপুর প্রার্থনা করলেন মূপা জা,	৪০-মুখিন	29	Piro
অনুকর (মৃগা আ. কে বিঞ জাগুরুর বসদ কিরুডাউনরা)	৭-আগ্রহ	209	655	বিত্রে যাব্রা (কুর ও মন্তুল্ল হত্ত সম্প্রদায়ের বাছে ফুগর বিত্ত যাব্রা)	২০-ফ্ল-যা	56	988
অনুহান্ত (মুসা আ, বে জানুহান্ত মনে করল ফিরজাউন)	२०-इज्ल	303	920	निर्मा प्रोजन ब्रोज क्षेत्राच्या केवल प्रमादन करता व्यक्ति	২৬-৩'জারা	43	93/2
জাদু নিকেশ করতে কাল মূপা আ, (বিরক্ষাউনের আনুকরনের)	३०-१६५म	90	662	বিশ্বজাউন মূসাকে হজার থেকেনা নিস	৪০-মুখিন	26	brire
ভানু নিকেপ করতে বলল (মুদা আ, বিরাআউলের ভানুকরদেরকে)	२५-७'जारा	80	930	কিবজাউনকে মুখা আ, বলৰ, 'প্ৰায়ুকৱৱা সফল হয় মা'	১০-ইউনুস	99	663
बानु निरुष्ण (पूना यह शास्त्र कानु निरुष्ण कहाड कान वानुकाहानहरू)	২০-ফ্ল-জ	96	188	নিয়ে অল (কুদ্র ও মনকুন্র) হয়ে সংগ্রেমরের কাম মুসার বিয়ে আলা।	৭-আ'রফ	250	440
মান (মুলা আ, এর মানে হারা বিশ্বআইনকে যামীন (থকে কো করা))	२०-ठा-स	29	188	ক্ষিত্তিয়ে দিলেন আপ্তাহ মুগাকে তার মাজের নিকট	২৮-কাসাব	20	brok
জিল্লান্য (মৃন্য জিল্লান্য বিভিন্নকে) বালক হত্যার ব্যাপারে	३४-सर्य	98	900	জিরিক্তে নিবেল আল্লাহ মূল্যকে ভার মারের কাছে	২৮-কাসাস	9	bob
ভাকা (মুসাকে গাছ থেকে ভাকলেন অস্ত্রাছ)	২৮-কান্যন	00	P20	विदा संस्था न पृत्र च्या (गाँठिक नाटका नाम प्रवेदक (१८४)	২৮-বাসাস	0)	9.30
ভাকা (মুসাকে ভাকছেন নারীদের পিতা, পারিপ্রমিক নিতে)	২৮-কান্যন	22	100	বিরে আলা (মূলা আ, না বেরা পর্যন্ত কর্নী ইনরান্ট্রসর বছরা পূজা)	২০-ছা-ছা	20	989
ভাল (অপ্তাহ মুস্তানে ভালেন ভূর পাহাটো আচন আনতে গোল)	30-31-31	22	983	কুরকান/বাওরাত প্রদান (মূল্য ও হারুন আ, (ক)	২১-আখিবা	85	920
स्वत (श्रीक्षण वर्डन प्रथा पर १९३५ वर्डन वर्डन पर १९३५) स्वत (श्रीक्षण वर्डन प्रथा (त्याव विशेष्णेश्रा बाह्र प्रवास त्या	59-2,25t		966	কুরবাদ বান (সঠিকার জনসংখ্যা মন্ মুসারক দুয়বাদ বান)	२-राकृता	60	609
		30		रनी हेन्द्राञ्चनद्वा मृत्राद चार चाराद श्रव महीहरू दक्तन			
তপ্তাবধন (মূপা আ, এর তপ্তাবধনের জন্য এক পরিবানের সঞ্চল)	২৮-জনান	32	pop		২-বাকুরা	₹86	65)
মারুছর (সম্প্রনারের বিষয়ে মূলার মারুছর, ভূর পর্বত প্রদাস)	२०-छ्र-घ	90	186	খনা (গাতীর কনি প্রবাস মূস্য আ, তার সম্প্রদায়কে খনল)	২-বাকুরো	66	50)
থামবেন না (দুই সমূদ্রের সংযোগছলে না লৌহা পর্যন্ত)	১৮-কার্ক	90	459	কা (সূপ আ তথ্য সম্প্ৰদাৰ্থক অপ্নাধ্য আহু সহায় চাইতে কল)	৭-জা'ৱাক	755	640
দুধশান করানো (মূলাকে দুধ পাল করাতে মারের প্রতি ভই)	২৮-বাসাস	٩	pop	বিষয়ী (মূদা আ, বিষয়ী হবেন বলে আল্লাহন অভৱবাদী)	২০-ফ্ল-ছা	60	980
দুখপান করালো (মূলাকে দুখপান করাতে মারের প্রতি বরী)	২৮-ব্যসাস	٩	Iroh	বৃত্তাত (মূব্যার বৃত্ততে রাকুণ ব, এর কাছে পৌছা প্রবন্ধ)	৭৯-নার্যজাত	76	200
দেৱা (মূলাকে দেৱা বিষয়ের প্রতি ঈমান)	২-বাকুবো	200	676	বৃত্তর (মৃত্যা সংকা বি রসুল স্ এর কাছে এলেছে; অক্সাংর জিআল)	২০-ফ্লা-ছা	9	382
নেরা (মূলাকে যেরপ নেরা হরেছিল রাকুল স. বে সেরপ)	২৮-কাদাদ	85	255	(सर कहा (पृत्रा छा, स्वान् सहा (तन (बहर दरत रहहर होत्,	২৬-হ'জারা		
দোৱা (মুসাকে প্ৰতিপাদকেৰ নিকট দোৱা কৰাৰ অনুবোধ)	৭-আগ্রাক	308	698	কিৰ'বাউদেহ উচি)	59-9 WISI	06	39.5
সোৱা (ফিব্ৰুৱাউড়ের সম্পদ খ্যান্তসর <del>জ</del> ন্য মুসার সোৱা)	২০-ইউনুস	W	662	অই (ভূপর অইরের নিবা হুপিত রেখে জনুকর সহারে পোক পঠানে)	<b>२</b> ७-७'आव	99	930
দ্বীন প্রতিষ্ঠার নির্দেশ ছিল (মসা আ. এর প্রতি)	84-788	20	1/34	चेति चनुष्ठम (बानु (गार्थ पृत्रा चाः चाहात छैति कनुष्ठम कार्ग)	20-31-6	63	9.84
নিৰ্দিষ্ট কৰা (মুপাৰ জন্য চন্ত্ৰিশ প্ৰাত নিৰ্দিষ্ট কৰা প্ৰসঙ্গ)	২-বাবুরো	62	¢0b	ভুল খীবার কংগ্রেন হসা আ, (বিজিয়কে প্রস্না করার ৪ন্য)	১৮-কাহক	20	100
নিন্তি কর (মূল্য বলা প্রতিপালক কর্মক বিশ রাক নিন্তি করা প্রদার)	৭-বা'রাক	285	592	মন্ত্র (মৃসাকে মন্তব নিয়োগ করতে নারীরা লিভাকে বলস)	২৮-কাসাস	24	1.30
निर्मन (दा मीरना निर्मन प्रमाद श्रांत क्षिम प्रवाचनकार च्या )	82-70	20	1/342	ম্বানীর কর (মূল আ কর্তুর সভা জন গোরতে ম্বানীর কর প্র	৭-জা'রার্চ	200	636
मिक्रम (प्रश्न का, कर्डन निक्रम, विश्वक्रोद्धात क्षानकार अल्ह)	৭-আগ্রক	324	690	মান্টোত করা (অপ্তাহ মুদ্দানে মনুহরে উপ্স মান্টোত অন্তয়েন)	৭-আ'এক	388	620
मिट्रकम (प्रमादक माध्य मिट्रकटना मिट्रकेन, (काम खन्माद कराहर)	২৮-কাস্যস	336	Jeole Jeole	য়া (মূপার মাজের অন্তর তথ্য হল্লে পঞ্জপ)	১৮-কাসাস	20	brob
निवर्गन (मृत्याक निवासम् व्याप्ताः निवर्गनः (स्था जानक प्रवासः) निवर्गन (मृत्यास्त्र मिरासम् जान्नास्त्र नागरि न्यासे निवर्गनः)				বিশ্বাবাদী বল(মুগাতে তার সম্প্রদার মিধাবাদী বলেছিল)	22-01%	88	
	১ <i>৭-ইস্</i> র	707	150	রপাধান কর্মানুলাকে তার সম্প্রার বিধাবাদী বলোহন) রসার সম্প্রদার ক্ষত্রিয়ার হরে পড়বে (পিছনে ফিরে পেলে)	৫-মারিনা		969
निख जाना (मिनर्गन निख जनम मृता चा. ग्रूप्पके श्रमण दिनात)	২৮-কাদাদ	05	P-22	ন্ধান পাত্ৰান স্বাত্ত্বার হয়ে পড়বে (গছনে নেবে গেলে) মেরাদ পূর্ব করবেদ মুখ্য বছ, (গুটি মেরাসের একটি)		સર	enc
পথ্যারা অবস্থার মূসা আ, কর্তুক কিবতি হত্যা প্রসঞ্	19-৯,ঝারা	₹0	29/3		২৮-কাশস	52	630
পথনিসেশিকা (মুলাকে পথনিসেশ মান)	৪০-মুখিন	60	545	বাংলা (নিদর্শনাহ মুগতে বিবাহাটনের কাছে (বতং নির্দেশ)	২০-ড়া-ছা	84	986
পরে (মূপর পরে স্বরতীর্ণ কিরাব/ভূরজান পাঠ পোনা, দ্বিদানের)	৪৬-আত্কাক	00	977	রাসুদ স. (মৃসা ও ব্যক্তন আ. এর প্রতিশাদকের রাসুদ)	র্ড-জ,আর	36	970
পরিবার (মূলার পরিবারের রেখে যাওয়া অবলিষ্ট)	২-ব্যকুরো	₹85	699	রকুল (মূলা আ, রাগতের প্রতিপালকের পক বেকে রকুল)	৭-জা'রফ	208	523
পাঠানো (মূসাকে ফির'আউনের নিকট পাঠালেন আল্লাহ)	३३-वृत	30	618	রাপুদ (মূদাকে রাসুদ বানাবেন অল্লাহ)	২৮-কাসাস	9	9.09
পনি প্রার্থনা (বনী ইসরাইপের জন্য মুসার গানি প্রার্থনা)	২-বাকুরো	60	809	রকুন (মৃণা আ. জনামসমূহর প্রতিপালকের রকুন ছিলেন)	৪৩-মুধ্যক	86	blay
পিছনে (মূলর পিছনে পিছনে তার বেদকে বেক্তে কালেন মা)	২৮-কানাস	22	pop	লাকন-পালন (মূপ্রতে পৈপরে বির'স্কেটন বর্তৃকা লাকন-পালন)	২৬-৩'আরা	32	90%
পুর (দুপাকে পুর হিসেবে এহন করতে রাইল বিদ্যাপ্তাইনের রাঁ)	২৮-বাসাস	8	yoy.	লাট (মূখার লাট নিকেশ করতে জাল্লাক্ত নির্দেশ)	২৭-শামল	30	poc
পূর্ব করল মুখা আ, (মেরাদ)	২৮-কাদাদ	270	kyo	গার্টি (মৃদার গার্টি নিকেশ করতে আল্লাহর নির্দেশ)	২০-ড়া-ছা	35	484
পৌহানো (মুসা আ, নির্বাহিত সমত্তে একে পৌহানো প্রসঙ্গ)	২০-য়া-হা	80	180	বারি (মঙ্গর বারির আহতে নীব নাস পথ সম্ভি)	२७-७'जावा	9:0	935
প্ৰজ্ঞা দান (মুখাকে প্ৰজ্ঞা দান কৰেন প্ৰতিপালক)	২৬-হ'আরা	52	9648	বাটি নিকেশ (হলর পাটি নিকেশ ও অঞ্চল্যর পরিবত)	৭-আ'রাড	209	655
প্ৰজা ও আদ নাদ কবলেদ আল্লাহ মূসাকে (পরিপক্ক হলে)	২৮-অসস	38	irok	নাঠি নিকেশ (মূলর লাঠি নিকেশ ও জানুন সাশাবেশ্বরে বাবের প্রসঙ্গ)	২৬-হ'জার	82	190
প্রতিপালক (হারুল ও মুসার প্রতিশালকের প্রতি জানুকরনের উম্মন)	२०-झ-श	90	180	পঠি (দুলা আ পাঠ নিকেশ করান্দর্ভের বা জনগুৱা পরিষত হল)	59-0,000	04	95%
প্ৰতিপালককে মূলা আ, বঙ্গল (এক ব্যক্তির হত্যার বিষয়)	২৮-কাদ্যৰ	90	195	শাল বৃক্তি মুসাকে কলন বুমি কি আমাকে হ'ব্য কয়েক চাওং	২৮-জাসাস	44	boy
প্রতাপাক্তে মূল আ, বলল (অত ব্যক্তির ব্যার ব্যবর) প্রমাণ নাম (মুলাকে সুস্পরী প্রমাণ নাম করা হয়)	৪-সিব্য	260	6.39	শাভি বৰ্ষিত হোক (মুসা ও হাস্তন আ, এব প্ৰতি)	৩৭-সাফকাত	250	5-09
श्रञ्ज (पुन्तरक राजान ग्रञ्ज क्या दाविक राजार वानून न. (कश्रञ्ज)	৪-লেন্ড ২-বাকুরো	260	625	শিকা গ্রহণ করকে চাইলেন (বিধির থেকে)	72-9120	66	900
এয় (কৃষ্ণতে তেনেতা বায় করা ব্যক্তর সেবারে রাপুল বা তেনায়) প্রস্তুত করা (মুলাকে আস্থার নিজের জন্য প্রস্তুত করা প্রদাস)				সংখ্যাহীন হওয়া (মুখা আ, তুর পর্বতে সংখ্যাহীন হওয়া)			
	२०-झ रा	83	980		৭-জারাফ		642
প্রেরণ (নিদর্শন ও স্পট্ট প্রমাণসহ মূলাকে প্রেরণ)	৪০-মূমিন	50	৮৭৯	সংখ্যা (মূল আ ও বিধাপাইনো সংখ্যা পঠা করালে অস্তাহ)	২৮-কানাস		202
	৪৩-যুধক্রক	85	499	সঙ্গী (আল্লাহ মূলার সঙ্গীদেরকে উদ্ধার করেন)	२७-७'जारा	95	497
হেবল (ফির'জ উন ও ভার পরিকালের কাছে মূলাকে প্রয়ল)		92	665	সঙ্গীকে সকলের থাবার জনতে বলঙ্গেন মূখা আ,	72-कार्यक	હર	900
প্রকা (বিষক্ষেইনের আছে মূপা ও বাছন আ, (ক নির্দাদনার প্রকো)	১০-ইউনুস					65 3	200
প্রকা (নিরক্ষেটনের কাম মূল ও হারন জ, (ন নির্দাদনর প্রকা) প্রবিশানক (মূলারপ্রবিশালক পর নেরারন, নির্মাক্ষাটন বেকে হকার)	२७-व'वादा	62	935	নদী (মূলর নদীদের ধরা পড়ার আগন্ম প্রকাশ)	২৬-৪'আরা	93	
প্রকা (নিরক্ষেত্রনে অন্ত মূপ ও বাছন জ, কে দিল্লানর প্রকা) প্রতিপানক (মূদার প্রবিশালক গথ নেবাহন, নির্মাজনিন থেকে বজায়) রাতিশালক (মূদার প্রতিশালকের রাতি জাতুকরদের ঈমান)			130 130	সদী (কেরশনতে ভূমর সদী না কর ও ফির'জউলে উচি)	৪৩-যুধক্ষ	0.0	199
প্রকা (নিরক্ষেটনের কাম মূল ও হারন জ, (ন নির্দাদনর প্রকা) প্রবিশানক (মূলারপ্রবিশালক পর নেরারন, নির্মাক্ষাটন বেকে হকার)	२७-व'वादा	62					5/8/8 (508)
প্রকা (বিষক্ষেত্রতা করে মূল ও বাছন জা, কে দিল্লালয় প্রকা) প্রতিশালক (মূলারপ্রবিশালকে গথ নেবাংক, তিনাপ্রতিন থেকে বাছায়) রাতিশালাক (মূলার প্রতিশালকের রাতি জামুকরদের সীমান)	२७-व'वादा २७-व'वादा	62 87	130	সদী (কেরশনতে ভূমর সদী না কর ও ফির'জউলে উচি)	৪৩-যুধক্ষ	60	
প্রকা (নিজেন্টেনে আছ মূল ও বাদ্ধা জ, (ক নিলন্টানর প্রকা) প্রতিপালক (মূলর প্রতিপালক গব নেবাংনা, বিনাআটন থেকে ভাষা) প্রতিপালক (মূলার প্রতিপালকের রাতি ব্যানুকরদের সীমান) প্রতিপালক (মূলার প্রতিপালকের উপর স্কানুকরদের সীমান)	২৬-র জারা ২৬-র জারা ৭-রা রফ	62 87 322	গ্ৰহত চ২ত	সন্ত্ৰী (কেৱেশনতে নূবৰ সন্ত্ৰী না কৱা ও নিৰ'জাইনো উচি) সঠিকশং নদৰ্শন (অল্লাহ মূলাকে সঠিকশং প্ৰদৰ্শন কৰেন)	৪৩-যুগরুফ ৬-আন্'আম	0-8 0-8	908
প্রকা (নিজেইনের অন্ত মূল ও বারন জং কে নির্লালনার প্রকা) প্রকারনার মুক্তর প্রকালনার পর কোরনে, সিনাম্বানিন প্রকে রক্ষা) মণিপালক (মূলার প্রকিশালকের রাকি জাতুকরনের কীমান প্রকিশালক (মূলার প্রকিশালকের উপর জাতুকরনের কীমান) প্রকিশালক (মূলার প্রকিশালকে জান্তম কে কানির্বালন দিয়ে প্রক্রো)	২৬-চ'বারা ২৬-চ'বারা ৭-বা'রফ ২৮-কাশ্মন	62 8¥ 342 09	950 950 430	সনী (কেরপায়তে মুখ্য সনী না করা ও মির'জাইনের মিউ) সঠিকশব প্রদর্শন (আগ্রাহ মুগাতে সঠিকশব প্রদর্শন করেন) সংস্কার (মুখ্য সংযোগাকে অগ্রাহর লেয়ামত অহবের অহবেন)	৪৩-যুবকুফ ৬-জাপৃ'আম ১৪-ইবরাইীম	00 98 9	908 980

ষ্যা ম্যা

মূহ

नम विश्व/देशक	স্থানঃ ও নাম	422.3	25	नंभ दिस्य/दनम		-	
मूजा (शृर्व शृक्षेत (बदक)	1700	_	-	ভূমি (মৃত ভূমির নিকে মেখ পরিচালিক কংগে আপ্রাই)	৭-জা'বাক	68	927
সংগ্রুত (মুম্মর সংগ্রুত এবটি দল্প নার্মক্রের দরা কং)	৭-জা'লাগ	269	621	ভূমি (মৃতভূমির নিকে মেখনালা পরিচালিত করেন সাল্লাম)	৩৫-ফাডির	b	¥84
সম্প্রসাহক মুসার বলা (বাছুর পুঞ্জা প্রসালে)	२-शहरत	48	¢ob	ছবি (মৃত পুনি জীবিত করেন জন্মাং, বৃষ্টি বর্ছণ করে)	२०-कुदराम	85	200
সম্প্রনার মুদ্রা আ, ও তার প্রতিগলককে বলল যুদ্ধে যেতে	৫-মারিদা	48	esre.	যানুৰ মৃত/প্ৰাণহীৰ ছিল (এ৫ পৱ অল্লাহ জীবন সিয়েছেন)	২-বাকুবো	435	20
সপ্রদার (মুদার সপ্রদার মুদ্দিন হলে অক্সহত পরি ভাল)	৫-বাছিদা	3,8	¢iro	শোনানে (মত ও বহিনকে আহবান শোনানো যার না)	২৭-পামল	tro	900
সম্প্রদায়তে বল্লান মুগা আ, আপ্রাহর নেরামত স্থাপ করতে	৫-বাছিলা	20	6,40	শেনানে (মতকে পোনতে পাহরে না রামূল)	DO-87	22	100
সম্প্রভাবে দ্বার নির্দেশ (আপ্রাহর উপর ভরতা করতে)	১০-ইউনুস	118	662	হারার (মতপত হারাম করা হয়েছে, মুমিনদের লন্য)	২-বাকারা	290	675
अवस्था (अवस्था सुनाव सिर्मान (अवस्था स्थानात्रानानी व सक्षात्रात्राना	২৭-নমল	2	boo	হারার (মৃত পত হারাম)	১৯-নার্গ	326	22:
সমেনে (মূলকে অক্সান্ত সমেনে, অক্সাহ নব্যাক্রণালন ও নব্যাক্রণাল) সহীয়া (মূলর সহীষ্ণার অধিয়াতের উৎকৃত্তিতা বর্ণিত আছে)	৮৭-জালা	72	3039	যত (জন্তু)			-
	१९-मासम् १९-मासम्		3039	হারম (মৃত রান্ত, শূরুরের গেশত ওপ্রবাহিত রল থালো হারম)	৬-জাদ'জাম	284	650
সহীকা (মূদার সহীকা সম্পর্কে সংবাদ দেয়া)		06			0.417.414	200	0,5
সাহাদ্যপ্ৰাথীকে মূসা আ. ৰদল (তুমি সুস্পই ৰিপৰগামী)	২৮-কাশাস	79.	9.09	मृत्यमर	৫-মার্মিনা	407	
নিপুকে রেখে পিও মুসাকে নাগরে ফেলে দেয়া প্রনঙ্গ	২০-ফু-য	09	180	গোপন কয় (মৃতদেহ গোপন করা- বাক দেখিয়ে দিশ)			69.1
ছণিত রাখা (মুসা ও হারুদের বিষয়ট ছণিত তেখে জানুকর লয়ে <b>ই</b> )	৭-আগ্রফ	222	955	বোপন (মৃতনেই বোপন করতে পালে না কবিল, কালের নাম)	৫-মারিনা	৩১	40
হত্যা (মুসাকে হত্যা করতে নিষেধ করল ফির'আইনের খ্রী)	২৮-কাদাদ	ъ	pop	মৃত (নির্মাব)			_
হত্যা (মুসাকে হত্যার পরামর্শ করে পরিয়দবর্গ)	২৮-বাসাস	50	800	উপাদ্যর মৃত (পুদক্ষরদ সম্পর্কে অনুভব করতে পারেনা)	১৬-নাহ্স	43	9.00
হতে (মুসর ভান হাতের দাতি দম্পর্কে আল্লাহর প্রপ্ন)	২০-ফু-য	24	482	মৃত পক			
হাত (মুসার হাত টেনে বের করলে কন্ত্র-উচ্চুল দেখালো)	२७-७,व्यादा	00	952	হারাম (মৃত পথ হারাম)	৫-মারিদা	0	60
ইন! (মূদ্যতে হীন ও নিজকে প্রেষ্ঠ বলে দাবী বয়ে থিব'জভিন)	৪৩-বৃৎক্রক	45	199	স্থ			
মুদা আ, ও হাকুন				আনাজা (হেনীর মৃত্যুর আঞ্চল করক), মপ্রাহর বস্তু প্রসাদ)	৬২-জুমু'আ	6	29
किसी (पूर्ण ७ काम वा. रिजरी शहर जहारत निवर्णन शहर)	২৮-কাদাদ	-00	9-22	আকাৰণ (ইছনীয়া সভাবাদী হলে মৃত্যুৱ আবাৰচা কলক)	২-বাকারা	38	62
মুলার মা				ভাষাকা (কভাৰ্মাৰ কামণ ইন্দীর মৃত্যুর অকানম করে ন)	৩২-জন'জা	9	20
কুশান ব স্বস্তুত (মুসার মারের অন্তর পুন্য হলে পঞ্চপ)	২৮-কাদাস	30	yok	আঞ্চলন (সুসুর বা শাহানতের আকাব্দা)	৩-জালে ইমরান		08
ধহী করলেন আল্লাহ মূলার মাজের প্রতি (মূলাকে দুখপান)	২৮-ধাস্ত্র	9	)roly	व्यक्ति संभूत्रस मृहा परिन	22-57%	55	24
মুদ্ধকে মারের কাছে ফিরিয়ে দিবেল জাল্লাহ	২৮-কাসাস	9	brob	অপ্রাংই মৃত্যু ঘটন ও জীবিত করেন	१-ला'डाक	200	84
মূলতে মারের কাছে নোবারে লাগেশ আল্লাম হুলর (মুপার মারের হুলর দুঢ় করে নিলেন আল্লাম)	২৮-বাসাস	30	909	অপ্রহার মৃত্যু ঘানা ও জাবের করেন অপ্রহার পথে মৃত্যু বন্ধ করেল অপ্রহার ক্ষমা ও নাম লাড্য,,	৩-আলে ইমরান		22
	Charles	20	100	ব্যস্তার পরে বৃদ্ধা বন কালে ব্যস্তার কমা ও নাম পাব ব্যস্তার ক্ষম (সাধার, কুরবানী, জীবন ও মাধা নাই সম্ভারন)	১-আন'আম	205	63
ia .							
অস্ত্রাহর পথে নিহতদেরকে মৃত মনে করা নিষেধ	৩-আলে ইমরান		665	অক্সাহ মৃত্যু ঘটাৰ ও জীবন দান করেন	১০-ইউনুস	60	95
কথা কলা (মৃতরা কনা কললেও মুপরিকরা ঈনান আনবে না)	৬-আন্ আম	222	609	অস্তাহ মৃত্যু নির্বাধিত করে রেম্বেছন	৫৬-বন্ধাকিয়াব্	90	38
কথা নগানে (মৃতকে কথা কপানের আনাক্ষা; কুবাজন ছার)	১৩-রাদ	93	697	জালা (মৃত্যু জাললে রানূল (ফেরেশবারা) মৃত্যু খটার	৬-জান্'আখ	97	60
अञ्चारनामीता जात मृष्ट दर्ज न (माश पारन ना)	৩৭-সাক্ষাত	6A	9.69	জানা (মৃত্যু আনার পূর্বেই আল্লাহর পাধে বার করার নির্দেশ)	७०-मृनाशिकृम	30	3/50
জাঁবিত করা (মৃতকে জীবিত করার পদ্ধতি দেখাতে বলা, ইংরাইটার)	২-বাকুরো	260	502	অন (সৃত্যু আন পর্বর বিচার নিবেয়ক অধীনার করত ভায়ের্নিনা)	१८-मुसाइदित	89	22
জীবিত করা (ক্যী ইসঞ্জাদিশের মৃত ব্যক্তিকে জীবিত করা)	२-शक्ता	90	@ob	আগ্ৰ (উছত আছোচারীর কছে মৃত্যু আগবে কিন্তু মরবে না)	<b>১৪-ইবরাহী</b> ম	39	691
মীবিত করেন স্বাস্তাহ মৃতকে (নিদর্শন প্রসঙ্গে)	৩৬-ইয়াসীন	32	147	অক্সনন (মৃত্যু অক্সন্স করনে না ক্যান্তির প্রথম মৃত্যুর গর)	৪৪-দুখান	6.0	300
নিনিত করা (মৃত্যুর পর বাকে আপ্লাহ জীবিত করেছেন তার উপন্ম)	৬-জন্জাম	255	607	আগানন (মুক্তাকীরা মৃত্যু আমানন করবে না পাঞ্জাকে)	৪৪-দুখান	6.0	30
র্মীবিত করা (আল্লাহ মৃতকে জীবিত করেন)	55-20ml	0	167	আহলে কিতাবের মৃত্যুর পূর্বে ঈসার উপর ঈয়ান আনা প্রসঙ্গ	8-निमा	26.9	29
স্ত্ৰীবিত কৰা (অল্লাহ মূৰকে নীবিত কহতে সক্ষম)	৪৬-আব্বাক	90	777	ইয়াবুৰের মৃত্যুর সময় উপস্থিত হলে সঞ্জানচনর প্রতি ওলিয়াত	২-বাকুৰো	300	
জীবিত (আচাহ কি মৃতকে জীবিত করতে সক্ষম নন ১)	৭৫-বিবামান্	80	778	ইয়াহইয়াৰ সৃত্যুৰ নিন (ভার প্রতি সালাম)	১৯-মারইরাম	34	90
জীবিত্তর স্থান নয় দৃত (উপমা)	৩৫-কবির	55	181	উদ্বত ক্ষেত্ৰানৱী বাহাদ্ৰাহে মববে না (মৃত্যু আসলেও)	১৪-ইবরাহীম	28	630
নীবিত (মুখ্যনে জীবিত করেন আল্লাহ)	৩০-রম	60	9.59	উপস্থিত (মৃত্যু উপস্থিত হংমের পর তথেব করলে করুল হবে মা)	8-নিশা	22	20
জীবিত (মৃতকে জীবিত করেন ঈদা আ, আল্লাহর ইঞ্জান)	৩-জালে ইমরা-	85	<b>480</b>	উপস্থিত (মৃত্যু উপস্থিত হলে ওসিরতের সময় সাক্ষী বাবা)	৫-মার্মিদা	508	28
জীবিত করেন আল্লাহ (নৃতকে)	৪২-শুরা	8	992	উপস্থিত (সূত্র উপস্থিত হলে ওসিরতের বিধান)	২-বাকুরা	720	24
ভীবিতকে মৃত হতে বের করেন আল্লাহ	৩০-জন	29	550	উল্লেখ্যতে একশ বছাবে জনা মন্তা দান প্ৰসন্থ	২-বাকুরো	425	90
জীবিতকে মৃত থেলে বের করেন আল্লাহ	৩-আলে ইমরান	29	9:5br	কাভিবদের মৃত্যু জুবুমরত অবস্থার (ফেলেখা ঘটার)	১৬-লহদ	24	90
জীবিত থেকে হতকে বের করেন আল্লাহ	৩-আলে ইমরা		Q-Cbr	অভিয়নের কোন ব্যক্তির মৃত্যু এসে পড়লে অস	২৩-ৰুমিনুন	86	99
জীবনদানভাৱী (মৃত্তে জীবনদানভাৱী ভিনিই বিদি)	৪১-কুপুনিশাত	030	799	कवित जन्मा गुरा स्थानकीत्मार बद्धार क्या कारक म	৪৭-মুহামাদ	08	28
शवनकाशि, मुकानद्र (गुण्यि)	৭৭-যুবসালাত	36	335	ক্রতির অবস্থার মৃত্যু বর্ণে করে হারা ভাগের উপর লা'নভ	২-বাকুরো	262	42
নিহত (আল্লাহর পথে নিহতদেশকে মৃত বলা নিহেব)	২-বাকারা	348		কবির অবছরে মৃত্যুবরণ করেছে থবা	৩-আলে ইমবান	46	28
পুনকৃথিত করা (আল্লাই মৃতদেরতে পুনকৃথিত করকেন)	৬-অস'অম	06	439	যালে (মৃত্যু দালৈ হল চুমানর প্রনারহার পর জাত রখা হর)	০৮-যুম্বর	84	109
ব্যৱস্থিত করে (পার্রাই বৃত্তাক্তের সুন্দর্শক স্থানিক) ব্যৱস্থা (পারর মৃত ব্যর্জর অপৌনর হুরোর ভূপ ধারা, সুন্দরিকানা)	৬-জন আন	303		Seele क्षाप्त पर मृद्ध त्ये कर देश्य करण करार निर्दर	२४-वृदकान	g'y	93
(नंद कहा (मृक्टक ट्रन कटर जानदन्न जाहार)	৭-আব্রহ	23	939	कल्पान्स प्रदेशित तम क्रिकेट क्यू होत्तर क्या होता (क्रिकेटावर प्रदेश)	३-वाकुगडा	2.03	
(सद कहा (मृक्टक (रह कहा का का आधार) (सद कहा (म्कटक (सद कहा का केंग्र, कहा हाइक लेकिट कार)	৫-মারিদা	220		साहाह्याच मृद्धा रहर मा (ककिर ७ जक्कारात)	००-व्यक्ति	00	58
	১০-ইউনুস	330	963		৩৭-সাহফাত	60	20
বের করা (মৃত সেকে কে জীবিতকে বের করেন?)				মান্ত্ৰাক বৃহত্ত বেষ্ট্ৰ	১৯-নাহল	47	190
ক্ষে করা (জীবিত থেকে মৃতকে কে বের করেন?)	30-86-pq	102	669	কুলুবৰত অৰহাত ফেতেশতা কাফিবদের মৃত্যু খটার	১৬-বাহণ ৮-বাহণণ		
পের করা (সম্প্রাহ জীবিত থেকে মৃত ও মৃত গ্রেক জীবিত কর করেন)	৬-আন্ আম	96	906	অভিন্ত লো হাজ মৃত্যুৰ নিকে আনবাক ধার নিকর্ব করছে,		9	90
ভারের গোপত থাওবার মত অপহন্দনীর, গীবত	৪৯-বৃদ্ধাত	35	957	দুখন মৃত্যু নিয়েকে হতিপালত (বিয়ামতে কমিয়া কাৰে)	৪০-মূমিদ	22	p.
ধূমিকে জীবিত করে ডা থেকে শস্য উৎপন্ন, এক নিদর্শন	৩৬-ইয়াসীন	00	140	দূৰ্যেও মৃত্যু মানুষের নাগাল পাবে	8-নিগা	95	00
বুমি (বৃষ্টির পানি হারা আল্লাহ মৃত ত্মিকে সঞ্জীবিত করেন)	80-पृथक्ष	22	1/20	নহক্ষ সৃষ্ট্যোলে সক্ষম ববে লাবী করব	২-বাকুরো	559	
ভূমি (মৃতত্মিকে বৃটি দিয়ে জীবিক করেন আল্লাহ)	<b>१०-११क</b>	22	255	পদায়ন (মনুষ মৃত্যু থেকে পদায়ন করতে চাইলেও ডা আন্তর্গ)	৬২-প্র'জ	b	8/6

निव रिवाहरूम	न्द्रां वर व मान	dia.	781	नंप दिरेत/धनम	न्त्रा मर ७ मान	VOICE !	1
मुक्ता (পूर्व পृक्षा (भारक)				অন্তাহ মৃত্যু পটান	50-Tawa	20	533
পলারন (মৃত্যুর ভয়ে পদায়ন উপবারে আসবে না, খন্দক প্রসাস)	৩৩-আহ্যাব	36	PG8	আল্লাহ মৃত্যু ঘটান	৯-জাওবা	336	500
পুনরুথান (মৃত্যুর পর পুনরুথানে কাকিবলের অবিশ্বাস)	১১-জুদ	9	655	ইবরাহীমের মৃত্যু ঘটনে প্রতিপাগক	২৬-ত'আরা	22	936
পুনর্মীরিত করা (কাহিল বলে, আল্লাহ মৃত্যুর পর পুনরুবিত করভেনন)	১৬-নার্প	Q)r	906	वाक्तित्रामव मृत्यू चीराव यथन त्यन्त्रशासा	৮-আনফাল	¢0	60
পৃথিবীর মৃত্যুর পলে বৃষ্টি ধরা জীবিত করার মধ্যে নিদর্শন	৪৫-জাছিয়া	0	904	প্রতিপাশক (আল্লাহ) মৃত্যু ঘটান	৪৪-দুখান	V	hos
পৃথিবীকে মতুরর পর জীবিত করেন আল্লাহ	90-38¥	77	140	ফেরেশতা মৃত্যু ঘটানোর সময় বদবে তানেরকে বারা	৭-আবদ	03	937
মানুষকে মৃত্যু দান করেন প্রতিপালক	২-বাকারা	200	000	বেরেশকা সকলের মৃত্যু ঘটানের পন অল্পাবর নিকে বিভিন্ন নিবে	৩২-সাম্দা	33	701
প্রথম মৃত্যু অন্তা আরু কিছুই নর (কাফিররা বলে)	৪৪-দুখান	90	200	মানুকের মৃত্যু ঘটনা আপ্তাহ (নির্দিষ্ট জীবনের পর)	৮০-আবাস্য	33	200
প্রতিহত (মৃত্যুকে প্রতিযোধ করক মুন্যবিকরা, নিজেনের স্থেক)	৩-আলে ইমরান		223	মানুকের মত্তা ঘটাবেন আল্লাহ	CO-574	80	540
ফেরেশতা (মৃত্যুর ফেরেশতা সকলের মৃত্যুর পর অল্পাহর নিকে)	৩২-সাজনা	22	3100	ফুর্নাক্সকরে মৃদ্ধা ঘটনে কেন্দেরতা ক্রেয়ের ও পিঠে জাধার করে	৪৭-মুহাম্বাদ	39	356
বনী ইসরাইলকে মৃত্যুর পর পুনর্জীবিত করা প্রসঙ্গ	২-বাকুবো	60	600	রাসুন স. এর মৃত্যু ঘটাকে পারেন অল্লাহ (পরি নেখানের আগে)	১০-রাদ	80	65
ৰাৰ্থক্যের পূৰ্বে কাউকে কাউকে মৃত্যু লেয়া হয়	২২-হাজ্য'	0	925	রাস্ল স. এর মৃত্যু ঘটালো (গান্তি নেখানোর পূরে)	৪০-মুখিন	99	b b s
বিপদ (মৃত্যুর বিপদ স্বর আক্রমত হলে, সহয়েতে অংকুছ)	৫-মারিদা	306	690	मुद्रा मान	4	1.5	100
বৃদ্ধ হওগার পূর্বেও মৃত্যু হর অনেতের	৪০-মুখিন	69	5,04	আপ্লাহই মৃত্যু দান করেন	a. whe	bb	
ব্যক্তিবারীনিকে আমৃত্যু ঘরে আবদ্ধ করে রাখা	8-API	30	660	व्यक्तार पृथ्य पान पर्यान व्यक्तार यथन मृद्धानान कदानन त्रेमा प्रा. (क	৪০-মুখিন ৫-মারিদা		75
তা মুক্তার তথ্য মুখ্য মুখ্যকিবদের (বস্তুপাত্তর শংক)	২-বকুরা	33				226	
का (मृद्युक्ता त्वव दात माधा, वनी देशवांशन क्षणा)	২-বাকুবো ২-বাকুবো	280	600	जातार सुद्दा भग्नेन	হণ-হানীন	13	288
তর (মৃত্যুত্তরে দেখি বংগে বাতরং, বনা বনরালন বানল) তর (মৃত্যুত্তরে মৃথিত বাতির মত মুনাধিও)			652	ইগার মৃত্যুনানকারী আল্লাহ	৩-আলে ইমরান		983
কুমির মৃত্যুবর পর অক্সাহ আকাশের পানি ধার ভাবে জীবিত করেন	৩৩-জহমার	29	৮৩৪	কুপুনবারীনেরকে মৃত্যুদানের সময় ফেলেকালগ এপ্র করেন	৪-নিসা	24	6.95
	২৯-জানকাবৃত	90	252	भृगवागरण्य गरंच भृत्यु काम्म	৩-জালে ইমরা-		
ভূমির মৃত্যুর পর ভূমিকে বৃষ্টির মাধ্যমে জীবিত করা নিদর্শন	১৬-নাহল	95	4or	সুসলিমগ্রশে মৃত্যু (প্রতিশালকের নিকট ইউনুফের কমেন)	25-8830	207	679
ত্মির মৃত্যুর পর তাকে জীবিত করেন আল্লাহ,	২-বাকুারা	368	672	<b>মৃত্যুৰৱৰ্ণ</b>			1
ভূমির মৃত্যুর পর তাকে জীবিত করেন ঝাল্লাহ (বৃষ্টি ধারা)	৩৫-ফাফির	5	₩86	আল্লাহর পথে মৃত্যুবরশকারীকে ভিনি উৎকৃত্ত রিহিক দিবেন	22-EIN	6p	366
ক্মিকে মৃত্যুর পর জীবিত করেন আপ্লাহ	৫৭-হাণীদ	23	989	কাঞ্চিররা মৃত্যুবরণ করবে কাঞ্চির অবস্থার	৯-জবেশ	256	100
ভূমিকে মত্যুত্ত পৰ জীবিত করেল আল্লাহ	00-8¥	₹8	250	কাঞ্চির অবস্থায় মৃত্যুবরণকারীর তাওবা কর্ক হবে না	8-নিসা	22	243
ক্ষিকে মত্যুর পর স্বীবিত করেন আগ্রাহ	৩০-রম	¢о	946	দিলে (মৃত্যুর দিনে উদার প্রতি সাধার্ম)	১৯-মারইরাম	00	900
মানুহের (আল্লাহ মানুহের মৃত্যু পটান)	८०-भाषिता	46	Pos	পাপাচারী অবস্থার মৃত্যু বরণ করেছে মুনাফিতরা	৯-জাওয়া	br8	685
মানুষের মৃত্যু আল্লাইই ঘটাবেন (জীবন দানের পর)	২-বাকুগরা	₹9	208	পুনরুখান (মৃত্যুরে পর পুনরুখান অঘীকার)	२०-मु जिल्ला	45	193
মানুষের মৃত্যু ঘটান আল্লাহ,	১০-ইউনুস	208	998	পৃথিবীতেই মৃত্যুবরণ করবে বনী আনম	৭-জা'রাজ	20	658
মানুষকে সৃষ্টি করার পর আল্লাহ তার মৃত্যু ছটাবেন	১৬-নাহ্ল	90	900	ব্যক্তি মৃত্যুৰকা করতে পারে না অল্লাহর ইছো ছায়া	৫-জালে ইমরান	184	283
মালিক নর মৃত্যু ও জীবনের (অনঃ উপাদারা)	২৫-মুরকান	۰	924	মানুহকে মৃত্যুর পর লীবিত বের করা হবে? (মানুষের গ্রন্থ)	১৯-মারইয়াম	66	900
মুনবিকরা মৃত্যুত্তরে জীত বার্ডির নার তাকার (বুছের কথা চন্টা)	৪৭-মৃহত্যাদ	20	970	মাটি (মৃত্যুর পর মাহিত পরিণত হওয়ার পর বের করে জনা)	২৩-মু'মিলুন	'02	986
মুবাকীদের মৃত্যু পৰিত অবস্থায় হওয়া প্রসঙ্গ	১৬-নাহ্ল	95	900	মানুধ সুবাধরণ কারে	২৩-মুমিনুন	36	986
মুদলিমত্রণে মুকুর কামনা (ভাদুকরদের)	৭-জা'রফ	326	690	মুসলিম না হরে মৃত্যুবরণ করতে নিচেধ (মুখিননেরতে)	০-জালে ইমরান	205	080
মুসলিম লা হয়ে মৃত্যুবৰণ লা করা (ইবরাহীমের ওসিয়ত)	২-বকুরো	205	675	মুলাধিকৰা মৃত্যুৰকা কবলে ভালের জন্য প্রার্থনা করা নিছেব	৯-ভারনা	78	887
বরণা (মৃত্যুবরণা সভ্য নিরে আসনে)	৫০-কৃষ্	7.9	250	মুমিনরা মন্ত্রাবরণ করলে আল্লাহর কাছেই সমবেত করা হবে	৩-আলে ইমরান	32b	667
বঞ্গা (জালিমদের মৃত্যু বন্ধণা প্রসঙ্গ)	৬-জানু আম	30	906	রী রেবে মৃত্যুবরণ করলে ওসিয়ত করনে (ম্বীদের জনা)	২-বাকারা	₹80	659
যুদ্ধ অপ্যালকজীৱ মৃত্যুবকা করত না (কমিব্যুস্ত সাথে পাবলৈ)	৩-আলে ইমরান	325	667	স্থান মৃত্যুবরণ করবে কেনে স্থানে তা কেউ জ্বানে না)	७५-मृबदान	48	bah
রাতে মানুষের মৃত্যু ঘটান জাল্লাহ (খুম প্রসঙ্গ)	৬-আন আম	60	603	স্বামীর মৃত্যুবরণ প্রী বেখে	২-বাকুারা	208	653
রাসুল (ফেরেশতারা) মৃত্যু ফ্টার (মৃত্যুর সমর আসলে)	৬-জানু অম	69	600	(মৃত্যু) বিবর্তন		140	-
त्रभूष म. का भूग पहेल (पुर्णावेक्स्ता व्यक्ताका लाह राजावर्जन)	১০-ইউনুদ	85	490	রাস্থা স. এর ব্যাপারে কালের বিবর্তনের (মৃত্যুর) অপেকা,		-	⊢
রাসূল স, এর মৃত্যু (মানুব অমর না হওয়া প্রসঞ্চ)	২১-আধিয়া	98	942	काश्विद्यान	৫২-জুর	đo.	200
সময় (আল্লাহ মানুষের মৃত্যু/যুদের সময় প্রাণহরণ করেন)	৩৯-গুমার	83	≽98	मुकुरवक्षा		-	⊢
সমান নয় -যে মন্দকাঞ্চ করে ও যে লক্ষোত্তা করে আনের জীবন/মৃত্যু	80-साहिता	52	806			_	1
সমৰ (মৃত্যুৰ সমৰ কিতাৰে নিৰ্বাহিত আছে)	০-সালে ইমরণ	384	283	মৃত্যুবন্তগা সভ্য নিৱে আসংব	৩০-কার্	7.9	250
লমার (মৃত্যুর লমার ব্যালি মার তার প্রমের লমার প্রথমেলা)	৩৬-যুমার	83	b98	मृङ्ग (नमद)		_	_
নাকাৎ (মৃত্যুর নাথে সাক্ষাত্তের পূর্বে মৃত্যু কামনা)	৩-জালে ইমরান	380	485	আনা (মৃত্যুর সমর এনে থেলে আল্লাহ কাউকে অকলাল নিকেন মা)	৬৩-মুদাঝিকুন	22	996
লক্ষাৎ (মনুৰ মৃত্যু কেকে পালতে চাইলেও জা লাৰক,)	७२-वृद्धं द्वा	p.	364	म्युग्धान			
পুলাইমানের মৃত্যু ঘটালেন যথন অল্লাহ	७६-मारा	28	984 V84	মুদাবিদারা মৃত্যুদ্রানা দিকে বের হত (দিকে ছঙার নির্দাধিক)	৩-আলে ইমরান	368	660
পুলাইমানের মৃত্যুর বিষয়টি দেখিয়ে দিল মাটির পোকা	৩৪-সাৰা	28	785	<b>पृ</b> श्चमभ			
দৃষ্টি (জীবন ও মৃত্যু সৃষ্টি, মানুদকে পরীকা করার জন্য)	৬৭-মূপক		392	বাজান মৃদুদান গতিতে প্রবাহিত হতো (সুনাইবালের আদেশে)	৩৮-সোমাদ	95	bribb
বাদ (মৃত্যুর স্থান প্রথম করবে রাজ্যেক ব্যক্তি)	৩৭-মূপ্ক ৩-মালে ইমরান	2006		EWY			
বান (মৃত্যুদ্ধ বাল এবং করনে প্রক্রোক ব্যক্তি) বান (মৃত্যুদ্ধ বাল এবং করনে) প্রক্রোক ব্যক্তি			899	অ্যানান নেজাশ আৰ জড়ির উপর শান্তি পঠানে মুমেছিল	৪৬-আত্তাক	₹8	920
খান (কৃত্যু খান এইন কন্দ্ৰে) প্ৰত্যেক প্ৰাণ	६५-व्यक्ति	002	922	আকাশ মেখপুঞ্জনহ কেটে যাবে (বিদ্যানতে)	২৫-তুরকান	2.0	99/8
	২৯-লানকাবৃত	29	252	চলমান (নিচল পৰ্বত চলমান হবে কিবামতে মেলেব মত)	২ণ-নামল	99	700
হৈল্পরকারীর মৃত্যু হলে প্রতিদানের ভার আল্লাহর উপর	8-निमा	200	660	ছারা (উপর মেখের ছারা দান) বনী ইসরাইলাদের	९-वा'राक	280	629
मृकुा चंगारमा	- 0			নির্দেশবীন মেথমালার আল্লাহর নির্দেশন রয়েছে			
वाद्वाद मृत्रा कील	২৩-মু'মিনুন	po.	447		২-বাকুারা	298	672
সাল্লম মৃত্যু মটাল	০-আলে ইমৱাশ	326	667	পরিচালনা (মেদ পরিচাদনা করেন আল্লাহ)	২৪-নূর	80	995
আল্লাহই মৃত্যু ঘটান সকলের	৫০-বাক	80	3-48	পনি (মেম্ব থেকে পানি জনজীর্ব করেন আল্লাহ)	৫৬-ব্যাকিয়াত্	69	886
সাল্লাব্ট দৃত্যু ঘটান (মানুধকে)	৫৩-দান্তম	88	3/08	পানি (মেম থেকে প্রচুর পানি অবর্তীর্ণ করেন আল্লাহ)	१५-मास	28	2000

মত্য মেঘ

মেগ

भेप के अधिक के विषय/श्रम	न्त्रा नः असात	1971	পৃষ্ঠা	পদ্দ নিষয়/প্রস্থ	সুদ্ধানং ও নাম	and a	
(माथ (পূर्व পृष्ठी (बारक)				পাপ মোচন করবেন আপ্তাহ বনী ইসরাইপদের	९-मन्द्रिम	25	25
পুঞ্জীকৃত মেখ বলে কবিদর (আকাশের খন্ড চেত্রে পড়তে দেখলে)	৫২-তুর	88	500	পাপ যোস করা হবে (অপ্তাহর প্রতি ঈয়দদার সংকর্মশীলনে)	৬৪-তাগাৰুন	à	86
বহন (ভারী মেদমালা বহন করে বাতাস)	৭-জা'রাফ	63	925	পাপ যোচন করে নিবেন স্বাস্থ্যক ঈম্মনদারদের যদি	৮-আনফাল	₹8	80
বৃষ্টি বর্থপকারী মেম্ব বলে থাকা। করল আন মাডি, শান্তি দেখে	৪৬-আহ্কাক	₹8	970	পাপ মোচন করে নিবেন আল্লাহ ইমান এনে ফাকজো অবলম্বন	৫-মারিদা	95	25
মেবের আড়াল থেকে আল্লাহ আসকেন!	২-বাকারা	520	250	পাপ মোচন করে নিবেন আল্লাহ (মুখিন নর-নারীদের)	8y-सम्बद्	2	22
সঞ্জলিত (বাছ দ্বারা মেখকে চঞ্চালিত করেন) আল্লাহ	৩৫-কাতির	>	b86	পাপ মোচন করে দেবেন আল্লাহ (দিয়ানদারদের)	৪৭-মুহাম্মদ	2	82
সৃষ্টি (মেঘ সৃষ্টি করেন আল্লাহ)	১০-রাম	25	699	পাপ মোচন ও মহাপ্রতিবান (স্বরাকীর জনা)	৬৫-ডালাক	8	886
(मध वहनकाती		-	-	পাপ মোচন (আল্লাহ ইয়াননার সংকর্মশীলের পাপ মোচন করকেন)	২৯-আনকাবভ	9	65
ৰাতাদ (মেঘ বহনকারী বাতাদ প্রেরণ করেন আল্লাই)	১৫-বিবার	22	640	পাপ যোচন (গানের বিনিময়ে পাপ মোচন করেন স্বাস্থাহ)	২-বাকারা	293	20
(मधमाना	25-14/45		CUPA	পাপ (ব্ৰহ্মিনা বঁটি ভাওৰা কৰলে অস্ত্ৰাহ পাপ মোচন কৰকে)	৬৬-তাহরীম	b	39
অন্তর্মার সমুদ্রতে মেখাছেল করা (কাফিরদের কাজের উপমা)	५8-मृत	80	995	স্থীরা খনাহ মোচন করা হবে (কবীরা খনাহ বর্জন করলে)	৪-নিসা	40	60
श्रात नम् (वर्षी देशतविशास ज्ञात (कार्यामार श्रात तम कर्ता दर)		29		CHIEF	0.111		100
	২-বাঞ্চারা		200			-	١.
সঞ্চাধিত (মেঘ সঞ্চাধিত করেন আল্লাহ বাস্থু প্রেরণ করে)	৩০-ছম	81/	250	অকুম বৃক্ষের যোগা বেদ পরতানের মাথা	৩৭-সাক্ষাত	94	56
মেনে চলা				মেটাভালা			_
উপদেশ মেনে চলা ব্যক্তিকেই রাফুল সা, সক্তর্ক করবেন	৩৬-ইরাসীন	22	3452	গাঁও (সাক্রী নোটারাজ গাঁওকে হেয়ে ফেলল সাক্রী শীর্ণনার গাঁও)	25-ggMa	80	60
CRICH CHRIS				গাওঁ (পার্যটি মেটাভাল গাওঁকে খেমে ফেলল সামটি শীর্ণকার গাওঁ)	১২-ইউসুক	86	60
ৱাসুদ স, এর সিদ্ধান্ত বা বিচারকে সম্পূর্ণজপে মেনে নেয়া	8-मिमा	96	295	মোৰারক		_	
(बटल (महा			-	রাত (মোবারক রাতে কিভাব (কুরআন) অবভীর্ণ	৪৪-দুখান	0	bo:
লোকজনকে মেশে দেয়ার সময় কম দেয়া	৮৩-খুরাম্বিদীন	0	2022	মোহর		_	
CHICH CHET		r i		অপরাধীদের মূখে মোহর মেবে দেরা হবে, (কিরামতে)	৩৬-ইয়াসীন	66	bret
	৮৩-খুগ্রক্তিবীন	3	2022	অন্তরে (মেহর মেহেছেল জাল্লাহ যাসের জন্তরে)	৪৭-মুখ্যান্ত্রদ	36	20
মানুবদের থেকে পূর্ণমারার মেপে দেয়া	anderdam.	Α.	3033	আল্লাব মোহৰ মোহৰ নিজেছেল ভালের অনুদের যারা পিছলে	৯-জাওবা	ho	48
(महाम		_					
ক্ষিতাৎ (প্ৰত্যেক মেন্নাদের জন্য একটি কিতাৰ নৱেছে)	১৩-রা'দ	@b	895	আল্লাহ ঘোষৰ মেৰে নিয়েছেন ভানেৰ ছদরে যারা জানে না	G0-9X	6.9	24
চুতির মেরান পূর্ণ করার নির্দেশ (ঋচনর লাখে যার এটি করেনি)	৯-কাওবা	8	680	प्राष्ट्राष्ट्र (पारवर्षिक करान (पार्ट्सिटी व देशकारी शक्ति पानवर्ग)	৪০-মুখিন	06	bb
দীৰ্য (মুশৱিকদের পিতৃ-পুরুষদের মেরাদ দীর্য করা হয়)	২১-অপিয়া	88	96-0	অঞ্চিবদের হৃদরে ও কানে আল্লাহ মোহর মেরছেন	২-বাকুৰো	٩	60
দীর্থ (মেয়ানকাল দীর্থ হরেছিল, বিভিন্ন প্রস্কল্যের)	২৮-কাদাদ	82	1275	কাফিরের হনরে আল্লাহ মোহর মেবে দেন	৭-আ'রাফ	707	64
নির্ধারিত মেরাদ পূর্ণ হওয়া (রাজ-দিন গ্রসঙ্গ)	৬-জান্'জ্যম	60	907	কানে মেহৰ (পুনিবার জীবনকে গ্রাধান্য দানকার্বীর কালে)	১৬-নাব্দ	209.	925
পূৰ্ব কৰল (মেয়ান পূৰ্ণ কৰল যখন মূলা)	২৮-কাম্যস	45	3.70	কালে (কাফিবনের ভ্রনরে ও কানে জাল্লাহ মোহর মেরেছেন)	২-বাৰুবৰা	9	60-
প্রতিক্রত শান্তির মেয়ান কি প্রতিপালক নির্মারণ করকেনঃ	१२-सिग्	90	846	অল ও ফারে মেরর মেরে নিরেছেন সক্ষাহ (প্রবৃত্তি পূজনীর)	82-बादिया	30	300
মানুহের মেয়াদ শেষ হত! (ভকল্যাশকে ভরাধিত করা হলে)	১০-ইউনুস	22	956	কুকরীর কারণে যোহর যার্য প্রসঙ্গ (বনী ইসরাসলের হৃদরে)	8-भिभा	756	64
মেয়াদ (দৃটি মেয়াল)				চোৰে যেহৰ (দুনিয়াৰ জীবনকে প্ৰাথানা নানকারীর চোখে)	১৬-নার্ল	20p	935
পূৰ্ব করা (পূটি মেরাদের একটি পূর্ণ করবেন মূস্য)	২৮-কাসাস	46	170	নবীর হুনরেমেহের মেরে দিতে পারেন (আল্লাহ ইচ্ছা করলে)	৪২-শ্রা	₹8	Par-
মেরে (আরো দেখুন কন্যা শদটি)	C		.,,	ভূমবিকের হলতে ঘেহর মার হয়েছে (ঈশ্বরের পর কুকরী করম)	৬৩-মুনাফিকুন	0	868
বোদের মেরেকে বিত্তে করা হারাম	৪-দিসা	20	469	সীয়ালক্ষনকারীকের ক্রমন্তে আল্লাহ মোহর মেরে দেন	২০-ইউনুস	9.8	60
বোনের মেরেকে বিরে করা ব্যবাদ ভাইয়ের মেরেকে বিরে করা হারাম	8-PPT		223	জনলে (কফিবদের জনরে ও কানে মোহর মেরছেন সাল্লাই)	২-বাকুরা	9	00
	8-991	২০	448	হ্বলয়, কাশ ও রেখে ফেহন (পুলিয়ার জীবনকে প্রথমের পানকারীর)	১৬-নাহল	200	93
মেরা (পুটি মেরো)		_	$\perp$	क्ष्मत (बारव कहा श्वाद (कुर्नाच्य नेपानन भर कृपयी कहा)	৬৩-মুনাঞ্চিকুন	0	356
একজন (পুটি মেরের একজনের সামে ফুনর বিরে নিতে মইলেন)	২৮-আমাস	29	3/30	হৃদরের উপর মোহর মারা (অপরাধী প্রদক্ত)	৭-মা'রফ		
CASTAG				क्तरवय जनन (मारत मान (क्नावाय जनन) क्रमण (मारत (मात हाता हाता क्राव्य क्राव्य क्राव्य क्राव्य क्राव्य क्राव्य	ম-আগ্রহ ৯-জাওবা	200	62
পাঁজর ও মেক্সনঞ্জে মধ্য হতে নির্গত পানি থেকে মানুধ সৃষ্টি	৮৬-থারিক	9	2029				681
মেক্রদণ্ডভাকা আড্রন				ফারে মেহর (পীয়ালমনকরিনের ফারে আপ্রাহ মেহর মেরে দেন)	১০-ইউনুস	9.8	66
অপভিত (মেরনভত্তল আরবং আপভিত হওরার ধারণা, বিরামতে)	92-कियाबाद	36	999	হ্বদরে ও কালে মোহর মেরে নিয়েছেন স্কল্পার (প্রকৃতি পুর্বারীর)	৪৫-জছিবা	২০	80
ধাকা (মেন্সব্যালয় আধাক আপভিত হুলার ধাকা, বিনামতে)	৭৫-কিয়ামাহ	22	358	স্বপরে আপ্রাহ মেহর মারলে কেউ ফিবিরে দিতে পারে না	৬-আন্'আম	85	90
মেহমান (আরো দেখুন অতিথি শপটি)		-	-	মোজান			
লুকের মেহমান্দেরকে দাবী করল সম্প্রদারের লোকেরা	৫৪-কামার	109	yor.	পুলীমনে মোহরানা রমান করতে আল্লাছর নির্দেশ	8-निम	8	64
প্রের মেহবানসের বাপারে ভাবে বাপারনিও না করার আঞ্চান	22-da	937	ક્લર	মোহবালা			
মেহমানদারী (মারো দেখুন আতিখেয়তা শব্দটি)	22. 51			नाइमक्टकाद त्याच्यान काम करत प्रीम्म मामेरक दिए करा	৪-শিসা	2.0	66
				সহবাসকৃত স্ত্ৰীকে মোহবানা প্ৰদান (স্বৰণ্য পালনীয়)	8-मिना	3.8	260
ক্ষাপন্দানীর মেফেনরী করতে অগীবার করণ (মৃণা আ ও বিভিন্নত)	30-4164	99	402	স্ত্রীকে (থে স্ত্রীকে নবী এছের দিয়েছেন তা নবীর ক্ষর হালাগ)	৩৩-আহ্যাব	20	ь
(XESTS			$\square$	CHIEFE			Ť
দাউদের মেহরাবের প্রাচীর ভিত্তিয়ে আনল বিবাদকারীরা	৩৮-সেরাদ	52	৮৬৭	মানুহতে মোহাজনু করে রেখেহে প্রচুর্যের প্রতিযোগিতা	১০২-ডাকাছুর	3	200
যাবারিরা আ, মেহরাগ হতে কে। হরে গেল (সম্প্রদারের নিবট)	১৯-মারইরাম	22	908				
সালাত (মেহাবে দালাতে লডারখন অবস্থায় বাকারিয়াবে ভাক)	৩-আলে ইমরাণ	60	680	মানুবকে মোহাজন্ন করে রেখেছে প্রচুর্যের প্রতিযোগিতা	১০২-ভাকাছুর	3	300
মোকাবেলা				বিখ্যা আশা মোহাক্ষ্ম করে রেখেছে (কাফিবদের)	১৫-হিন্দর	۰	69.
ক্ষবিদলের মোকবিশার সময় আনের ঘাতে আঘাত করার নির্দেশ	৪৭-মুখ্যখাদ	8	275	সৌমাছি			
লুলাইমানে বালিকে মেধ্বলের শতি নেই সাববসীচের	২৭-নামল	109	100	ওই) মৌমাছিকে প্রতিপাদকের ওই)	১৬-গাবৃদ	167	90
CRIDH				পদীয় (টোমছির পেট বেকে বয়কেয়ের পদীর (মধু) বের হয়)	५७-मार्न	634	90
নিকট কাল মোচন কবাৰেন আল্লাহ (মুবাকীদের)	৩৯-বুদার	-02	৮৭৪	পেট (মৌথাছির পেট থেকে বধকোপ্রার পানীর (মন্ত্র) বের হার)	১৬-নাহ্দ	65	90
পূপ মোহনের জন্য প্রার্থনা (প্রতিশাদকের নিকট)	৩-আলে ইমরান		999	বাল (পাহার, গতে ও মানের বালা বাঁপতে নৌমাছির নাতি ওটা	3/6-Htter	607	90
नान (ब्रांडन कार्सन साम्राह पानव	৩-আলে ইম্রান		646	মধু (নৌমান্তির পেট থেকে বারকেররের পানীয় (বধু) বের হর)	240-HEPT	60	90

	বল্পাদারক	
भव विषय्वितात्र म्यान्य व स्था न्यान्य प्राप्त पृथी	त्रम विश्वकृतिक मुख्य मार का व पृथ	Ħ

	2000		1000	Control of the Contro			1 4-
TH.				প্রতিপাদক যামৌ (সর্বিবার প্রভারনশী হিসেবে)	৪১-ফুপ্সিলাভ	20	69
মুখমখন প্রান হবে কিয়ামতের দিন (কাফিরদের প্রদক্ষ)	१७-विसमाद	₹8	846	वान्तव समा लाहाव्हे ग्रह्भडे	৩৯-যুদার	-06	2.0
य द्ववान				মুমিনাসর জন্য কি বাবেট নয়, তিন হাজার ফেরেশমার সাহায্য	৩-আলে ইমরান	258	28
ন্মান্তের ব্যাপারে যত্রবাদদের কুরআন ছারা সভর্ক করা	- montanto			থুমিনাধর জন্য আল্লাইই বার্থেট (বুদ্ধ ক্ষেত্রে)	৩৩-আহ্বাব	4.0	100
ন্দ্রমান্তের ব্যাপারে বছুবানালর কুরজান দ্বারা সক্তর করে। মুলার কর্মার প্রতি বছুনাল না হওয়ার অভিযোগের অপক্ষা (হাজনো)	৬-আন্'আম	3-2	989	সাহাধ্যকারী হিসেবে আল্লাহই যথেট (মৃমিনসের জন্য)	8-निम	84	6.0
	২০-ত্রা-ছা	98		সান্ধী হিসেবে অল্লাহই কথেই (মুশরিক,শরীক ও ইবাদত প্রদঙ্গ)	১০-ইউনুস	43	62
সাধাত আধরে যত্রবাদ (মু'মিনগুণ)	২০-মূ"মিনূন	>	966	নান্ধী হিসেবে অস্তাহ ববেষ্ট (মানুখ ও রাদৃদ স. এর মাঝে)	২৯-আনকাবৃত	45	45
সালতের প্রতি বন্ধবান হওয়ার নির্দেশ	২-বাকারা	२७५	જરવ	সাব্দী হিসেবে অক্তাহই যথেট (প্রাসূদ স. প্রেরণ প্রসঙ্গ)	8-मिशा	935	20
यथायथ			1 1	সাকী হিসাবে জাল্লাহই যথেট (করমান অবতীর্ণ প্রসঙ্গ)	৪-নিগা	366	29
অনুসরণ (বথাবথভাবে অনুসরণ করতে হবে, নিয়াত প্রদর্গ)	২-বাকারা	7.65	420	হিসাব প্রহণকারী হিসেবে আল্লাহ যথেট (ইরাতিম প্রসঙ্গ)	8-NN	6	20
আবাসন (বনী ইসরাসলের জন্য বধারথ আবাসনের ব্যবস্থা)	১০-ইউনুস	90	666	हिमाब्धरमकार्वी हिटमान प्राष्ट्रार पाश्रहे	३५-व्यक्तिया	81	9.0
কথা (হধ্যবর্থ কথা বলার জন্য নবীর খ্রীলেরকে নির্দেশ)	७७-सादवान	65	brob	হিলাব গ্রহণকারী হিলেবে মানুষ নিমেই যথের (আমালামা লেখে)	১৭-ইপরা	28	93
জিহাদ (আ্লাহর জন্য হথাহথ জিহাদের নির্দেশ)	২২-হাজ	96	962	वश्रना	4.4.4.1		1
পালন (তৈয়াণ্যবাদও কথাববাছকে পালন কড়েনি ঈসার অনুসারীরা)	৫৭-হাপীদ	29	767	ক্ষমিনার আশা বেদ করে মুদিনাদর আশার মত (বছদ কুম প্রদাস)	৪-নিসা		١.,
পঠ (স্বান্ন কথাকথাৰে বিভাগ পঠ করে ভারাই একে ঈমান আনে)	২-বাকারা	252	238			308	
মুল্যৱন (আল্লাহকে ফরাহথ মুল্যায়ন করেনি আহলে কিতাৰ)	৬-আৰ'লাম	97	608	প্রনিবাসন আগর মত কম্পিরাও আগে বেখ করে (ওলেওপেন)	৪-শিসা	308	40
मधामधारम	Orney min	17.3	1000	মৃত্যুবক্তপা সভ্য নিয়ে আসবে	৫০-কুন্দ	7.9	9:
দব।বৰতাবে সাক্ষ্য সেৱা (বধাৰথতাবে সাক্ষ্য দেৱার নিবটবর গছতি)	৫-মারিদা	2.00	238	মৃত্যু বন্ধণা (লালিমদের মৃত্যু বন্ধণা প্রদান)	৬-আন্'আম	90	60
	6-411841	702	640	যপ্তগাকাতর			
यशायथ मृग्ताहरू		_	-	স্বাহান্ত্রমে বছণাকাতর কাফির সেখান থেকে বের হতে	২২-ব্যক্ত	22	98
আল্লাহকে ভার যথাকা মূল্যায়ন করেনি মাপুদ	२२-डाव्य	98	902	চাইলে বিদ্যালো হলে	66-600	**	10
<b>पशार्थ</b>				যন্ত্ৰাদায়ক			г
উপহার প্রেতিপালকের পক্ষ থেকে ক্বার্থ উপহার (মুবারীদের জন্য)	৭৮-নাবা	99	2002	দিল (জালিমদের জন্য যন্ত্রণাদারক দিনের শান্তির দুর্ভোগ)	80-गुनंकम	140	30
সৃষ্টি (আল্লাহ টাৰ-সূৰ্বকে বথাৰ্থ কারণে সৃষ্টি করেন)	১০-ইউনুস	4	628	দিন (বছণালারক দিনের শান্তির তম নৃহ সম্প্রদারের)	27-SM	20	66
यशामान्।				পাকভাও (আল্লাহর পাকভাও বন্ধুখানারক ও করিন)	33-EF	203	69
মু'মিনসেরকে বধাদাধ্য শক্তি প্রস্তুতের নির্দেশ	৮-আনকাল	60	600	রাক্ষণতে ব্যাধারত পরির চর্মান	৩৬-ইয়াদীন	36	90
ग्रंबह		-	-	শান্তি (বঙ্কণালায়ক শান্তি ব্যৱহে জাহান্ত্ৰামে)	৭৩-মুখ্যাফিল	20	33
আপ্নাহ মনেট তপ্তাবদায়ক হিসাবে	৩৩-আহ্বাব	81	501	শান্তি (আল্লাহর সাক্ষাতে অবিশ্বাসীর জন্য যন্ত্রণাদয়ত পঞ্জি)	২৯-জানকাবৃত্ত	30	93
জান্তাহ যুগেই তল্পাবধায়ক হিলেবে	৩৩-আহ্বাব	0	500	শান্তি (আল্লাহর আল্লাতে ইমান না আনলে বন্ধণানারক শান্তি)	১৬-নাহল	308	23
অল্লাহই হতেই অভিভাবক হিসাবে (মুমিনদের জন্য)	8-निमा	82	265	শান্তি (অক্সাহর শান্তি বস্ত্রশাদারক)	১৫-হিন্দর	80	90
আপ্লাহই যথের নটি জন্ম (ইছদি-নাসারদের মুকাবিদার)	২-বাকুলো	301	676	শানি (অনুসংগ্ৰান পানি আসর কলা বালা নাসুল স্ (ক কট সের)	9-21441	62	68
স্বাল্লাই হথেট (জন্লাবধারক হিনাবে)	8-मित्रा	200	490	শান্তি (যন্ত্রণালারক শান্তি প্রার্থনা, কুরআন অধীকারকারীদের)	৮-আনফাল	03	
जाहादर यद्यक (कहादपात्रक (दगदर) जाहादरे यद्यके (वाजून न, धर कना)	০৮-ব্যার	104	b-18	শান্তিবাতা (প্রতিপালক বন্ধশাদায়ক শান্তিদাতা)	৪১-ফুসসিপত	80	(ne
आहारहर यत्यक (कानुना ना. कार सन्ता) अक्टाबरेट यत्यते, गर्ककानी दिहारत (जानुन्तरासत श्रीवना श्रामक)	8-निमा	90	295	শারি (দ্বিশ্বর প্রথম আনলে যাক্রণানারক শারি থেকে কমা করা হবে)	৪৬-আহ্বাফ		23
আপ্তাৰ্থ যথেষ্ঠ গোৰ্কী হিসালে)	৪৮-ফারহ			শান্তি (জারাত অধীবরেকারীর কণ্য নিকট যন্ত্রণালায়ক শান্তি)	82-वादिना	-07	
		201	979	শান্ত (আনত বাংলবের বাংলবের স্থান বাংলবার কর্মান বাংলবের বাংলবে		22	ào
স্বাপ্তাহ মধ্যে (য়াদৃগ স. এর সাকী হিসাবে)	১৩-রা'দ	80	695	শান্ত (আৰু মাতেকে পাতেশে আকালে আলিবালনাক শান্ত হল) শান্তি (আকালেক শান্তি স্পৰ্গ করেক কমিবালন্তক)	৪৬-আব্কাক	₹8	97
আস্তাহ বংগ্ট (হাসুল স. এর জন্য)	১-খাওবা	252	620		৫-मात्रिमा	90	20
আপ্লাহ ব্যুপট (আপ্লাহৰ উপর ভরগাকারীর জনা)	৬৫-জনাক	0	9/99.	শারি (জ্ঞাপন্যাক শারি ধালাগ-হারাম সম্পর্কে নিখা রাক্তরাধীর)	১৬-শার্প	224	93
সাপ্তাহ বাবেউ (উত্তল মুক্তে আহত মুমিলরা বলন)	৩-আলে ইমরান		445	শারি (আপাদারক শারির সুসংবাদ, নবীসের হংনাকারীর জনা)	৩-আলে ইমবান		60
আপ্লাহ যথেষ্ট (গৰিমত ৰণ্টন প্ৰদাৰ)	৯-ভারবা	6.9	686	শান্তি (ব্যৱশালক শান্তি প্রস্তুত রেখেছেন আল্লাহ, জালিমদের জন্য)	২৫-সুরকান	ত্	10
ন্ধল্লাহ মথেউ (ভল্লাবধারক হিসাবে)	8-निमा	242	9.60	শান্তি (মন্ত্রশালয়ক শান্তি দান করবেন আপ্লাই কাফিব ও)	৯-জখন	9,8	68
আল্লাহ মধের (বান্দার অপরাধের ধবর রাধকে)	২৫-মুক্তবাদ	62	900	শান্তি (অপানাত্ত শান্তি নিজে মুফিন্টানতে (অক্সাহ্য পাচা হেব)	৯-তাওবা	409	68
আল্লাহ যথের (রাপূল স.এর বিষরে সান্ধী হিলেবে)	৪৬-আহ্নাফ	ъ	906	শান্তি (মন্দকাৰকারী/কাফিরের জন্য বছপাদারক শান্তি)	৪-নিগা	23.	00
प्राद्वाद शरपंडे (दामून न. तद करा)	৮-আশফাল	65	900	শান্তি(মদব্যিশুল করম থেকে বিকত রাশার মাধ্যানারক শান্তি)	55-6\at	3,0	98
আল্লাহ যথেউ রাসৃদ স. এর জন্য (বিদ্রুপকারীদের বিরুদ্ধে)	34- <b>হিল</b> র	242	902	শান্তি (বছণাদারক শান্তি আঘাত করবে কাফিরসেরকে)	৯-তাওবা	ko	68
আল্লাহ হিসাব্যাহণকারী হিসেবে বর্মেট	২১-জাধিয়া	89	900	শারি (ব্যাধানাক শারি তাতের জন্য, যার বিভাব গোপদ)	২-বাস্থারা	398	23
ন্ধাল্লহ হিদাবহহণকারী হিদাবে বথেষ্ট	৩৩-সাহদাৰ	40	৮৩৭	শান্তি (যন্ত্রণারারক শান্তি তোগ করবে মুশরিকরা)	৩৭-সাড্ডাত	40	30
আল্লাহ সাফী হিসাবে যথেট (বাসুল স. ও কফিবলের মাঝে)	১৭-ইগরা	3/0	944	শান্তি (বন্ধণাবারক শান্তি আপতিক হবে বাদের উপর)	५8-नव	90	300
ক্ষতিবলের জলা আই বারেট বার উপর বাপ-পানালেরক পেরেছে	৫-মারিদা	308	690	শামি (আগালায়ক শামি তাহনা ক্ষান্ত করা কুবালী তার করে)	০-আলে ইমরান		99
রাসলের করাজান পাঠ কি বছেন্ট ময় (নিবর্গন হিসেবে)	২৯-আনকাবত	47	650	শারি (অপান্তত শারি তালের মদ্য করা কাটির সংস্থার,)	৩-মালে ইমবান		68
জাহান্তাম বংশই (কুলাভ আগুল হিসাবে ধ্বাব্যস্তামই বংশই)	8-Pint	00	698	পার্ত্ত (যোক্ষাবায়ক শান্তি পাককাও করবে হায়ুব স্বাধিকে)	৭-আ'রাড	90	45
জাহান্ত্রম বর্ষেষ্ট ভার জন্য বাকে ভার আত্মসমান পালে	২-বাসুদর্য	200	450	শান্ত (আশানাক শান্ত তাসর কর কর কর বিশ্বপ তরে মুর্নিস্করত)	৯-জবনা	9.5	88
জাহাল্রম যথেষ্ট, মুনাফিক ও কাফিবদের জন্য	৯-জারবা	69	689	পান্তি (যন্ত্রণাপারক শান্তির সুসংবাদ, ডাদের মান্য বারা)	৯-জাওয়	08	68
জাংল্লেম গুপেট (মুনাজিকদের শান্তির জন্য)	१४-प्रकाशना	b	950	শান্তি (বছণাপারক শান্তি বহেছে মুনাফিকদের জন্য)	৫৯-হাপর	26	95
ভুৱবধায়ক হিসাবে আল্লাহই যথেট (রাসুল স. প্রসঙ্গ)	৪-নিলা	42	469	শান্তি (যক্তপা লায়ক শান্তি, কিতাবের বিনিময় গ্রহণের জন্য)	৩-জালে ইমরাল		64
महीर क्या दश्वेष (श्वाहाद र प्रायमान)	৮-আনহাল	68	900	শানি (মার্কানার শানি আনে জন্ম হার অপ্রশানে বিয়ার)	२८-मृत	29.9	95
পাপ হিমেবে বর্ষেষ্ট (অস্তাহ কম্পর্কে মিথা রচনা)	8-निमा			শান্ত (অক্সান্ত লাভ তালে কৰা ব্যৱস্থাত কৰা কলে (ক্যা)			
		¢0	690		৬৭-মূপক	34	9.
রতিশালক যথেট (পথ প্রদর্শক ও সাহাধ্যকারী হিসেবে)	২৫-ফুরকান	-07	99-8	শানি (আপালাক শানি থেকে মুন্নিনামাকে কমা করবে যে বাকা)	७३-आएक	20	34
প্রতিপাশক যথেষ্ট (বান্দর অপরাধ সম্পর্কে ধন্য রাধ্বতে)	১৭-ইস্রা ১৭-ইসরা	59 62	476	শান্তি (ম্মাণানান শান্তি কামির উপত্যান্ত কন্য, নৃত্ আ, প্রণাল) শান্তি (শুক্তে পূর্ত প্রদর্শনকারীনের কল্য মন্ত্রণালয়ক শান্তি)	১১-ছুদ	85	89
প্রভিশালক যথেট্ট (বান্দালের অভিভাবক হিসেবে)					৪৮-ফাতহ	3/5	35

	ষ্মুপা		मार्थमा	
न्द्रों कर च मान	100	261	भव विस्तिहरू	
			প্রতিষ্ঠিত (ইউসুফকে ঘর্মানে প্রতিষ্ঠিত করলেন অস্তাহ)	i
8৮-ग/रुद्	32	229	প্রবেশ (র্যামনে বা প্রবেশ করে তা আল্লাহ জানেন)	

নুৱা নং ৪ নাম ভাল ন পুঠা ল অভান ১২-ইউন্দ ২১ ৩৭৮

এ৪-মারা 52 649

মন্ত ELSE

বিষয়/প্রসঙ্গ

যন্ত্রপাদারক (পূর্ব পূর্বা থেকে) পান্তি (মুখ্যে পূর্ব প্রদর্শনকারীদের জন্ম)

পরি (বর শার্মাক অভিয়ক্ত কর্নার মনের কর অপলয়ত পরি)	১৬-নাহল	60	905	ক্ষাটের (যদীন ক্ষাটিও পদির প্রবাহ কর বর, নুমের কর)	৫৪-কামার	25	200
শান্তি (বছণানারক শান্তির নুসংবাদ)	3-3764	0	880	মিনিয়ে লেয় (প্রতিপালনে পর সম্প্রায় অনুসরে মনীনে মিনিয়া নিমেন)	१५-वृद्	23.	800
শব্দি (স্মাণানায়ক শব্দি না সেখে বিভাগতিন উমান জানার না)	20-86-08	20	662	(क्ट्रे चला (वर्षेन (क्ट्रे चलात हेन्द्रम श, वरियास करत)	১৯-মারইরাম	90	480
শাস্তি (বছপাদায়ক শান্তি না দেখা পৰ্যন্ত ঈমান আনৱে না)	১০-ইউনুস	29	990	কেটে বাবে (কমীন কেটে বাবে কিরামকের দিন)	৫০-কৃষ্	88	250
শান্তি (বছণাদায়ক শান্তি ভাগের কলা বারা)	৩-অলে ইম্রান	99	280	বলকা (কী ইন্মানিলয়ে বাহিন বসকা কাৰে লগদেন অস্থাহ)	১৭-ইস্রা	308	92
শান্তি (বছুণালয়ৰ শন্তি ভালের জন্য যারা; কুমরি করেছে)	৫-মাছিলা	0%	67.6	বিছাৰ (আল্লাহ ঘটীনকে বিছানা বানিছেছেন)	৭৮-নাবা	9	\$00
শর্মি (যালালয়ন শর্মি প্রয়াক না করা পর্যন্ত কুরমানে অবিশ্বান)	২৬-চ'জরা	502	497	বিছাল (আল্লাহ ঘর্মীনকে মানুবের জন্য বিছালা বানিরেছেন)	২০-ড়া-হা	20	9,81
পারি (বছপারারক শান্তি ররেছে কাফিরসের জন্য)	৫৮-মুখালাল্য	8	323	বিদীৰ্ণ (যমীনে বিদীৰ্ণ করেন জারাহ বধাৰ্থভাগে)	৮০-আধানা	₹6	200
শব্রি (যুক্তাদারক শব্রির হয় করে যায়া আমের জনু নির্মণন_)	৫১-বারিরাভ	99	256	বিকৃত করা (ধর্মীনকে বিকৃত করেছেন আল্লাহ)	<b>१०-दशक</b>	3	82
শান্তি (বছপাপায়ক শান্তি তাদের জন্য যারা)	৩৪-সাবা	0	P83	বের কর (দুলর স্বাস্থ্র ছর বিরেসভিন্তার মন্দি থেকে কর করকে সংযো)	২০-ড়া-হা	66	9,81
শান্তি (বছণাসায়ক শান্তি, নীমালক্ষদকারীর জন্য)	২-বাকুরা	245	640	বের করা (মূলার আসু ছারা বিশ্বজাইনকে বর্মীল বেকে বের করা:)	২০-ড্রা-হা	29	9.88
শতি (দীমালক্ষনভাৱীর জন্য যত্রণালয়ক শতি)	৫-মারিলা	36	545	বের হওয়া (মানুবকে যমীন থেকে বের হওয়ার আহ্বাদ)	60-9X	26	74
শ্বরি (বরবার কুমনীর বাবলে কুমনিবলের জন্য যাক্রণাব্যক শরি)	a-Ster	205	238	তদৰ (ব্যাদে তদৰ, আল্লাহ্য অনুগ্ৰহ অংশবৰ্ণ)	९०-पुरुवस्थित	20	20.
गृष्टि (मह ज, खंदित काड़ प्रकुषनाय गाड़ि जानव गुर्ज नटर्ज करा)	१३-नव	2	hb/8	ত্রমণ্ডরীয়ন মায়নর মাধ্যমে অনুধায়নর হলর ও পোনর বান অর্থনা)	22-07M	84	96
শামি (কিলমতের দিন কাজিবদের জন্য বছুগালায়ক শামি)	88-स्थान	22	905	মানুহতে হয়ীন থেকে সৃষ্টি করা হারছে (পুনকথান প্রসঙ্গ)	২০-ম্ব-হ্য	66	988
শন্তি (কুণবীর করতা বন্ধণাদারক শন্তি ও উত্তর পানীর)	ও-জান'আম	90	905	বাসুল স, কে বনীন খেকে উৎপাতের চেটা (কাছিরদের)	১৭-ইসরা	98	920
শান্ত (কুলমা করণে ব্রশানারক শান্ত ত তত্ত নালত) শান্ত (জালিমানর জন্য ব্যৱসাধ্যক শান্তি	8२-मुख	47	b'ad	शहा धका (क्रीज शहा धका प्रकारत गर (स्त शहर करन)	৯-জাতব্য	20	686
শান্ত (জালমদের জন্য বন্ধশালয়ক শান্ত শান্তি ( জালিমদের জন্য বন্ধশালয়ক শান্তি রয়েছে)	४८-देखादीम	43	560	শানকে মহিলে পরায়ত ন করে বুদর্শন রাম উচিত নয় (নিবা চ্ছাত্র)	৮-জাগফাল	69	903
শাস্ত ( জানমদের করা বছণানারক শাস্ত নরেছে) শাস্তি (জাভিবনের জন্য বছণানারক শাস্তি)	३४-२स्त्राद्य ३०-१६नम	8	958	সম্ভাগত (মানি সংগ্ৰহত করে জনতেন জন্তাই কানিবলৈ জন)	70-SLA	85	693
শাস্ত (আক্রনের জন) বছণাশারক শাস্ত) শাস্তি (অফিরনের জন) বছণাশারক শাস্তি প্রস্তুত রাখা আছে)	৩৩-জার্থার	- B	900	সংস্কৃতিত (বাহীনতে মুশ্বিকদের জন্য সংস্কৃতিত করা)	२५-जाएस	88	92
শান্ত (কাফবদের জন্য বছণালায়ক শান্ত প্রস্তুত হাখা আছে) শান্তি (কাফিবদের জন্য বছণালায়ক শান্তি, ইতুদি প্রদক্ষ)	৪-নিসা			সভর (বহীনে সফর রত অবস্থার মৃত্যু উপস্থিত হলে)	৫-মার্মিলা	205	230
শাস্ত (আফানের জন্য বছণালায়ক শাস্ত, বহুল প্রদাস) শাস্তি (আফিরনের জন্ম বছণালায়ক শাস্তি)		363		সম্প্রমানিত (ক্রীন্ত্র সম্প্রমানিত করা হবে) বিধারতে	৮৪-ইনশিকাক	0	202
	২-বাকুরর ৪-নিসা	368	625	কুল্ম (ব্যানিকে কুল্ম করেছেন আল্লাহ)	७५-प्रनुक जन-स्मृत्यान	26	303
শন্তি (ইবাদতকে লক্ষাজনক ভাবার কারণে গারণানাকে শন্তি)				বুলন (বনানকৈ বুলন করেছেন আল্লাহ) হরিয়ে বাজা (বনীনে ছবিয়ে বাজাং গং গুনরুখন প্রদক্ষ	৬৭-মূল্ক ৩২-সাঞ্চলা	26	24
শরি (কণিবসেরে জ্বশানাত শরি দিকে অপ্তাহ বদি)	৪৮-কাক্হ	50	272		<i>ज्यान्</i> यम्	10	1000
শন্তি (কাফিরদের কৃতকর্মের মন্দক্ষণ বস্ত্রণালায়ক শন্তি)	১৪-আগাবুন	6	969	হর্মন (মঞ্চল)		L.	
শতি (কম্পিলেবকৈ বস্থানায়ক শতিব সুসংখ্যাস)	৮৪-ইন্পিক্সক	48	2028	ব্যক্তের মানীলে বারু প্রবহিত হয়ে সেত (সুপাইমানের আগেশে)	२५-व्यक्तिश	5.2	921
পরি (ইউসুদকে মাধানায়ক পরি প্রদানের দবি, স্বাবীধের দ্বীর)	১২-ইউসুফ	3/2	693	হমীন (ভাবাসভূমি)		_	_
শরি (অহমর করে জ্বরান থেকে মুখ ফিরাপে ব্যালাগক শরি)	৩১-পুকরান	3	254	প্রতিষ্ঠিত করা (অধিনামে পর যদীনে ন্বীগপারু প্রতিষ্ঠিত করা)	১৪-ইবরাহীম	78	691
শরি (অন্যান্তারে বাড়বাড়ি ও মুশুনের জন্য আপলয়ত শরি)	৪২-শুরা	8-5	5,98	বের করার ঘোষণা (রাস্থাপাকে যমীন থেকে , কাকিরদের)	১৪-ইবরাইন	30	691
मानि (प्राप्तात् समित्रामा सन्त प्राप्तानगरः गानि शासन (उपराप्ता)	१७-सम्ब	0.5	999	হরীন (দেশ)		L	╚
শান্তি (অন্তর্জ বলেও অংকারী ব্যব্র জীল থকার ব্যাশালকে শন্তি)	৪৫-মাহ্যি	br	906	ব্যক্তমন্ত (ব্যানে নিয়ে যান সম্ভাহ পূত ও ইওয়াইমকে)	२১-जारिया	93	928
শন্তি (অধিরত অধিরাসীলের জন্য যালালয়ক শন্তি প্রস্তুত)	১৭-ইস্বা	30	936	বের করা (মৃদা আ কিরআজনকে দেশ থেকে বের করকে চার!)	৭-আ'রাফ	250	623
যন্ত্ৰণানায়ক শান্তি				বের করা (মূপা আ, জাবু ছারা বেশ থেকে থের করতে চার,	২৬-৩'জ্বো	50	337
মিঝামারের জন্যে বন্ধগালারক শক্তি (মূলাকিকদের প্রসঙ্গ)	২-বাকুরে	30	६०५	বিদ্ব'আউ(নৰ উচি-)	70.0 oth	~	L"
যমীন		_		বৰ্মীন (মাটি)		_	
অনুসকলে (যমীনে অনুসক্ষান করছিল কাক, কিচাংব গোপন করছে)		02	648	সৃষ্টি (অপ্তাহ মনুষ্ঠাক মটি থেকে সৃষ্টি করেছেন, ঋতুল গ্রসদ)	22-ga	62	693
অঞ্জার (ঘর্মীনের অঞ্জারের শদ্যাদানা, চেলা ও ওছ বস্তুও	৬-জন'আম	40	4	ঘর্মীন (মিসর)			
দিতাৰে ভাঙে)	o-जान् आव	69	603	ইউসুক্তক মিসরে- ব্যানে প্রতিষ্ঠিত করলেন জাল্লাহ	১২-ইউস্ক	26	664
অল্পাহর ঘটনে জীকে হতে থেকে সেয়ার নির্দেশ (স্বানুল জাতিকে)	77- <u>5</u> 4	68	6.67	ভাল (মিদার ভালা করের দা বড় ভাই, পিতার অনুমতি ক্রুড়া)	১২-ইউস্ক	po	2016
অপ্তাহন মনীনে চনে থাখান জন্য জীবন চেচ্ছে দেয়ন নিৰ্দেশ	৭-জ'রাক	90	660	ধনজন্তর (ইউপুর আ, মিশরের ধনসঞ্জরের দরিয়ে নিযুক)	14-2870	64	67
অপ্তারে মন্ত্রিকে তর পেতে লেনর নির্দেশ স্থামূদ জাতিকে (উল্লীকে)	33- <del>2</del> 4	88	693	ফালান (মিনরে ফালান সৃষ্টি করতে আসেনি কাফেলা)	22-8gAn	30	801
উঠানে (পর্বতমালা ও মৌনকে বিকামকের দিন উঠানে হবে)	७७-ग्रॅमार्	38	945	হমীদ (হাপ্তের মাই)	X*	100	1
উপেটিত (বর্মীন থেকে উপোটিত খরাপ পয়ের মত খরাপ বর্ণী)	১৪-ইবরাহীম	26	696	হরান (হাণায়ের মার) উল্লাসিত হবে ঘর্মীন প্রতিশাল্যকর ক্রোভিতে (কিরাইতে)	09-222	88	799
উচ্চাধিনাই(স্থামনীল বাদার ঘনীয়ের উন্তাধিকারী হওয় এলঙ্গ)	२३-वाण्डा		929	stem of one decision representation	on-f-ca	- 00	21
কলম পৰিবাঁৰ	৯১-পামস	4	2038	বাতর। ইউনদের চলে যাওরা, নিজ জনপদ থেকে	২১-আছিয়া		920
ক্রিয়ামতে ঘরীদ পরিবর্তিত হয়ে জন্য বমীন হবে	১৪-ইবরাহীন	87	969		২১-আখ্য়া ১৭-ইদ্রা	চণ ৬৩	
হাম (ম্ম্মীন চাৰ করত পূর্ববর্তীয়া, মঞ্জাবেশীয়েম হোয়ে বেশি)	00-8¥	3	544	ইথনিসকে চলে যেতে বলালন আপ্তাহ ইউন্তাসক চলে যাওৱা, নিজ জনগদ থেকে	১৭-২শুর। ২১-জাখিলা		951
ছিত্তে অলানা (বর্মীন ছিড়ে জালাল করতে পারবে না মানুছ)	১৭-ইসরা	89	939		२३-साध्या ८৮-वादर	20	350
মান্ত্রা আলাল (বর্মন হিন্তু আলাল করতে নাহকে না মানুন) মান্ত্রাতের মন্সীলের উত্তরাধিকারী করা হবে (মুক্তাকীলের)	৩৯-বুমার	18	599	গনিমত প্রহণ করতে গেলে বেশুদিনর মুমিনদেরতে বলবে			
র্জন (মৌল থেকে স্বাপ্তাহ এক "জীব" কো কংকো, নিয়ালত স্বাসলে)	২৭-নামদ	543	bob	ঋদুর কাছে (দেখেবনে মাদুর কাছে যাওয়া, দবা প্রসঙ্গ)	২১-আছিৱা	0	92
शेर तक्ष (प्रोप्त केंद्र क्षार का श्रेष एट ने प्रमुक्त करान श्रेष्ट )	३५-संश्र	63	909	নৌত্ব প্রতিযোগিতার গেল ভাইমেরা (ইউসুক্তে রেখে)	১২-ইউসুফ	74	691
ক্ষাব-মার (ব্যৱস্থার জাত-মারাক্রের ক্ষার্থ হত শ্রমার্থার জাতাশ-এশস) ক্ষেত্রিয়া বিদায় কয়বে মানিন থেকে সাহিকাশন অনুসকা করলে	২৮-কাসাস	63	101	मूद्धा कर बिद्धा याचार नमा अन्त्रभाग श्रवस्था रिक्टन करण	22-fa	39	660
ব্যাস্থ্য কোন কালে বন্ধন ব্যক্ত শুন্তকণৰ ক্ৰুত্তৰ কলে ধানিত্ৰে সেয়া (সমীন কালিয়ে সেয়া মানুখনই)	৬৭-মুল্ক	36	990	পিত্ৰয় নিকট জাম নিত্ৰ বেচৰ ক্ষাপেন ইউনুক আ (প্ৰইম্বকে)	১২-ইউসুক	90	990
ধ্যাসরে সেরা (বমান ধ্যাসরে সেরা মানুষসহ) লক্ষর্পবৃত্রনিক্তন এমন ভূমির উত্তর্বিকারী করা বাতে পদার্শন করেনি)	৩৩-আহ্মার	30	304	পুঞ্জালেকে যেতে ধললেন ইয়াধুন আ. (ইউদুফ আ. ও ভার	১২-ইউস্ত	53	Gard
	28-वेनलदीय			ভাইবের সন্থানে)			
পরিবার্ডত (বিয়ামতে বর্মীন পরিবর্তিত হয়ে জন্য বনীল হবে)		85	698	পृथक श्रात राज मृति निज्ञ, क्या देशाह चंतरण	২০-সু"মিন্ন	32	993
প্রকম্পিত (দমীন প্রকম্পিত হবে বিয়ামডের দিন)	৭৩-মুব্যাধিল	28	99.2	বিদাজাইলো কাছে মূল আ, কে ও হারল আ, কে যাওয়ার নির্দেশ	২৬-ছ'জার	26	93/1
প্রতিপালন (অপ্তাহ মানুহকে উঞ্জিলে মত দ্বীনে প্রতিপালন করেন)	92-48	2.4	39.6	মিনামাটনের বাচে মূল ও হারদের বাংচা (প্রতিপালারের নির্দ্দিনার)	২০-ড়া-হা	89	981

099

याख्या	বিবি
al on	NE

THE STREET STREET, STR	नुवा तर ७ माम	1000	101	नव निवत/श्रमण	जुड़ा नर च नाम		
वासवा (नूर्व नृक्ते त्वरक)		_		তল্পাবধান করণেন যাকারিরা আ. মারইরামের	৩-আলে ইমরান	96	0.00
ভিত্নআউনের নিকট মৃশাকে থাওয়ার নির্দেশ	৭৯-নাথি আত	24	2000	দান (ইয়াইইরা আ, বাকারিরার প্রতি আল্লাহর দানস্বরূপ)	২১-আদিরা	90	46
क्रित्रकांकेलव कराइ पानवात निर्दाल, मृत्यान यहान या, एक	২৬-৩'আরা	25	966	মিলন্টা (স্বাক্তিয়ার নিদর্শন এই যে, ভিন নিন কর্মা কর্মাভ)	৩-জালে ইমরান	82	68
বিরক্তানের কাছে নৃপকে মেতে নির্দেশ (শীমালকানের করণে)	২০-ড়া-ছা	₹8	982	পূণ্যবান (বাকারিরা আ, পূণ্যবানদের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন)	৬-জানু আম	76	60
ভিরক্তাউনের কাছে যাওয়ার নির্দেশ (মসা ও হারুনকে)	২০-ডা-ছা	80	280	প্রবেশ করেন ঘকারিয়া সা, মারইয়ামের কক্ষে	৩-জালে ইমরান	09	20
মুগা ও যুৱনাকে বিকাশাউলের কাছে যেতে যাওয়ার	২০-জা-হা	84	980	প্রার্থনা (যাকরিয়ার প্রার্থনা, দেক সন্তাদের জন্য)	৩-জালে ইমবান	¢b.	20
মুমিনদের নিকট নিয়ে যাওবার সময় উপারা করত কাঞ্চিতর	৮০-মুভাক্তিকীন	-00	2025	সালাতে লন্তান্নমান বাকরিরাকে ফেরেপডানের আহ্বান	৩-আলে ইমরান	035	28
মন আ ও অৱপ্রতিশঙ্করকে যেতে কলা তার সম্প্রকার হয় করতে	৫-মায়িবা	28	200	সূসংবাদ (ভাকবিভাকে সুসংবাদ নিয়েন প্রতিপালক, পুত্র সরাদের)	১৯-মারইয়াম	٩	90
মূপ ও প্রাঞ্জন আ তে থেতে কল্মেল মিধা অভিতিকক্ষীদের নিকট	३७-यनकाम	06	966	প্রত্নী (মানারিয়াকে পত্নি করেছেন প্রতিপালক, মধন সে বিশ্বাই ছিল না)	১৯-मावदेशाम	'n	90
মুলর বারহার জন্য প্রতিপালকের দির্দেশ (বিদা'বাভিনের করে)	২৬-৩ জারা	30	966	সসংবাদ (বাজরিরাকে সসংবাদ, ইয়াহইরার মদ্যের)	৩-আলে ইমবান	03	08
ব্যবহা ধার বারির পদির মেনা কবিয়ে প্রবস্তান সম্প্রমিধার দায়ক:)	১৩-রাখ	33	990	ही (पाकविश्वत होएक प्रसाद प्रसान बंदान्य सना प्रश्नापन करवन)	২১-অপিয়া	20	90
सिक्ष विक्रों (प्राप्त देवहाँदेव का (क्रिक्शिक क्षाव्यक करा)	१३-वरिवास	36	345	বাকে জন্ম দিয়েছে	-		1 "
ক্সমানত (বিল্লা ক্ষেত্ৰ আ (আনবান আন্তর্ভার কান) স্থীনের নিকট বাবুলা (পরিত্র বর্ত্তমার পর, মাসিক প্রসঞ্চ)	२-वाकास -	222	090	ক্সম (থাকে ৰূপ্য কিছেছে ভার)	১০-বাশ্যদ	0	20
প্রতের দাবত বাওর। (শাবর ব্যবাধ শধ, মাসক এগব। ভুলভুদের বাওর। (সুপাইমানের পরসং সাবার বাণীর দিবট)	२ <i>१-ना</i> कृत्य	27	0.05	वाक्रम	BUNNER		30
	२५-लदग	27	0.05				-
যাকাড (সদকা)		_		গছ (যাত্মদ গছ আহার করবে পর্বীকরকারী পথমটরা)	৫৬-ধরানিরাহ	65	56
সন্তাহ্য স্মানির বল্ড যে থকাত দেয়া হয় কা বৃদ্ধি পায়	CO-35T	49	254	र्क (संक्रूप र्फ डेटम काशावन, न कि सहारु?)	০৭-দাক্কাভ	άŘ	ы
Gen (कनामर क्रमहादर्ग)	৬-আনআম	787	650	বৃক্ষ (ব্যক্সম গৃক পাপীর খান্য)	৪৪-দুখান	80	bo
বার (থানার প্রসালের পার ৮ টি)	৯-ডাধন্য	60	685	याशरे			П
গ্ৰহণ (বাৰুত গ্ৰহণের মাধ্যমে বাৰুতনাতাদের পবিক্রকরণ)	৯-তাওবা	700	665	ইয়াভিমতে যানেই করা (সম্পদ ভার হাতে প্রদান করার আগে)	8-मिमा	ò	20
হুল (সদকা গ্রহণ করেন আল্লাহ বাদাদের)	৯-ডাওবা	308	667	यादा क्वा			
প্রা (খাঙ্গার-প্রদানকারীর বল্য আপ্রাহ দরা নির্দারিত করেন)	৭-আ'রাড	306	629	পরিবার-পরিকানসহ যাত্রা করণ মুসা	২৮-বাসাস	35	ъ:
নর (বাবার প্রদানকরিকে অস্তাহ দর্য করকে।)	৯-ডারেল	93	689	शादाह असर			+-
त्रदा (मदवर्शनवादण्डा दावाड (मद)	৩১-লকমান	8	644	প্রতিপাদকের দিকে হারার সময় (বিশ্বামত প্রসঙ্গ)	৭৫-কিয়ামাৰ	võn.	20
দেল্ল (থাকাত থেকে দেলা হলে সম্ভন্ন বহু)	৯-ডার্বন	o'r	686	Ang.	16 stables	-	100
সেয় (আহলে ক্ষিত্রবসের ক্ষরত দেরার আসেশ দান করা হয়)	১৮-বাহ্যনাহ	0	5039	पवित्र प्राप्त सर्वीगाव संबद्धांमा निर्वर	৫, রাবিনা		١
নিৰ্চাল (ইলমান্টল আ, পত্ৰিবার-পত্নিজনকে যাকাডের নিৰ্চাল নিজেন)	১৯-মারইরাম	00	909	পাৰত্ৰ মন্তের মাত্রাদের অবমাননা নেবেব হাত্রীদল	৫-মারলা	2	6.0
মূৰ্নেগ (উপাৰে যাকাড আনায়ের নিৰ্দেশ নিয়েছেন আল্লাহ)	১৯-মার্বীয়াম	403	9.00				1
পৰিত্ৰ ও পৰিকল্প কৰা ব্যৱস্থাতৰ মাধ্যমে	P-25A81	200	100	আসল (যাত্রীনান আসল, ইউসুয়রে বুল থেকে উরোনন প্রসঙ্গ)	১২-ইউসূত	7.9	6
প্রদান (হাকাত প্রদান করার নির্দেশ, মু'মিননের প্রতি)	१५-इवामामा	200	950	বুর্দ্ধিয়ে নিবে ফার্টানলের কেউ (ইউনুক্তে বুংগ নিকেশ গ্রানম)	১২-ইউসুফ	70	6
প্রদান (থাকাত প্রদান করার নিশোন, বু নেন্দের আত) প্রদান (থাকাত প্রদান করকে ইনহাক/ইয়াক্বের প্রতি ওহী)	২১-অধিরা	90	328	প্রস্থান (ভাট্রানল প্রস্থান করল মিলর থেকে, ইউনুক্ত আ: প্রদাস)	১২-ইউসুফ	3-8	61
द्वमान (पाकार श्रमान क्यांक एनप्राक)रज्ञ कूरवर शास वर्ग) द्वभान (पाकार श्रमान क्यांक, स्मेद्रिकटनंद्र केश्वा श्रमक)	১-জাওবা	0	680	হালাল (ঘার্ত্রীদের জন্য হালাল সমুদ্রের শিকার খাওরা)	৫-মাছিদা	30	2
প্রদান (মাকাত প্রদান করেন, মুশার্মকটার করবা প্রদান) প্রদান (মাকাত প্রদান করে, যারা ইমান এনেছে)	०-शविमा	99	640	যানজাবিদ (আদা)			Т
हमान (पानाच जनान करत, पात्रा स्थान बरम्यक) हमान (पानाच जनान कराव निर्दर्भ)	28-FF	44	1Pro	মিপুণ (আৰা ও বানজবিচার মিপুণযুক্ত পালার বন্ধানীকার করা হবে)	৭৬-পাহর	24	8
প্রদান (থাকাভ প্রদান করার দেশেন) প্রদান (থাকাভ প্রদানকারীরাই মসঞ্চিদ আবান করবে)		25		यांमबोद्दम चारहाद्दमब त्माडा		_	
প্রদান (থাকার প্রদানকার্যার মনাঞ্চল আবাল কথান) প্রদান (থাকার প্রদানকারীর জন্ম রাজ্ঞান পর্যন্তিশিকা ও সংখ্যান)	৯-ভাওৰা ২৭-নাম্ল	29	885 Ivon	সোধা (ধানবাহনে আরোহনের সোধা)	80-युवकप	20	1v
				यावद	2.2.		۰
द्यान (पान्नड द्यान क्यांब निर्फ्न, युद्ध क्याब द्यान)	8-निमा	99	266	অবভীৰ্ণ (আল্লাহ মানুবের উপর থবের অবভীর্ণ করেন)	১৯-মাহদ	88	9
প্রদান (বাবার প্রদান করে যদি মুশ্রবিকরা, তওবা করার পর)	৯-ভাওৰা	22	987	দাইনকে বাবর কিয়ার দান করেছেন আপ্রায়	8-9M	260	8
প্রদান (যাকাত প্রদান করে মুখিনরা)	%-डावश	1.5	989	দাউদক্তে বাবুর দিয়েছেন আল্লাহ	১৭-ইসরা ১৭-ইসরা		
প্রদান (যাকাত প্রদান করলে ধনী ইপক্ষসিলকের পাপ করা)	৫-मतिल	25	202	প্রকারে বাবুর সেরেরে বাস্থার প্রকার (বিভার বিজ্ঞার বিজ্ঞার বিভাগ করে নিয়েরে মানুর)	২০-ছ'মিনুন	66	9
প্রনান (থাকাড রাদান করার নির্দেশ, মুমিনলেরকে)	৭৩-মুখ্যামিল	20	99.9		২০-র ।মণুণ	60	9
প্রদান (থাকার্ড প্রদানের নির্দেশ)	५-शकावा	220	670	যাবুর (আমলনামা)		_	L
প্রদান (যাকান্ত প্রদানের জন্য বনী ইসরাইলকে নির্দোশ)	२-शङ्गवा	80	202	কৃতকর্ম আমলনামার সংরক্ষিত আছে (সকল কৃতকর্ম)	৫৪-কামার	44	b
লেনন (যাকাত প্রদান করা প্রকৃত পূথ্য কা <b>জ</b> )	২-বাকুরো	299	672	যাবুর (পিখিত কিতাব)			Т
প্রদান (যাকাত প্রধান থেকে খুলিয়ে রাগে না যাদেরকে ব্যবদা ও)	५8-नृव	৩৭	995	কুরুজান সংক্ষে যাবুর (লিবিভ কিভাবে) উল্লেখ আছে	২৬-হ'আরা	33/6	47
প্রদান (ঝাকার প্রদানের ব্যাপারে বনী ইনরসিলের সামীকার)	५-राकृत्वा	50	809	রাসুদান বাবুর (লিখিড নির্দোধারণি) মহ এসেছিলেন	७१-कारित	3.0	61
প্রধান (ঘাঞ্চাত প্রদানের জন্য নবীর রীদের প্রতি নির্দেশ)	৩০-সাহযাৰ	00	500	রাদৃলগণ বাবুর (দিখিত কিতাবসহ এনেছিলেন	৩-আলে ইমরান	228	20
প্রকারমী (বর্মত প্রকালমারী মুখিন ইক্টেপ্রকারে মহাপ্রতিবাদ দেয়)	৪-মিগা	262	299	লেৰ (যবুৰে লেৰ আছে, সংকাশীল বন্দাৱ ঘটানের উন্নর্জনার্বা)	२১-वाशिया	202	90
লোনকরি (বাকাত প্রদানকরির প্রতিদান প্রতিশাসকের নির্মাণ	২-বাবুদরা	299	400	माद्यपुन		_	۲
প্রদান (মুদ্দিনরা পুলিবীতে এডিরীত হলে যাকাত প্রদান করে)	22-E/06	83	962	উৎপদ্ধ (মায়ত্বন উৎপদ্ধ করেন আপ্তাহ জোণ্য সাম্বাটিকলে	৮০-আবাসা	45	20
প্রথম (মুশরিকরা যাকাত প্রথম করে না)	৪১-জুস্সিলাভ	9	440	উৎপদ্ধ (আপ্লাহ বর্ত্তির পাশির মাধ্যমে বার্ত্তন উৎপদ্ধ করেন)।	26-HISM	33	19
ক্ষার-মিগরিকের জন্য বাধাত	৯-অধ্ব	фo	086	फिरन्स (वाहार रहि पाता याहरून फेरन्स कडान)	৬-আন'আম	35	10
কুসলের যাবাত (উপর/হক)	৯-জানজাম	282	930	ক্তম্ম (যালকুন ও তীন এর ক্তম্ম করেছেন আল্লাছ)	৯৫-তীৰ	2	150
ম্মিনসেৱকে বাজাত প্ৰদান করার নির্দে <del>শ</del>	22-15mg	33	3142	গাছ (ব্যৱত্ত্ত্ত্ত্য যায়তুন গাছ যা পূৰ্ব নিকেশ্বত নয় পশ্চিম)	28-78	92	19
निष्ठ (पाबार न (महाद कांदर्ग)	৯-জারবা	002	580	निवर्णन (वृद्धि पात पातुका केरन्तु एतम् विद्यानीनकतः सन्त निवर्णनः)	১৬-মাহদ ১৬-মাহদ	27	19
পঞ্জির (যাকাত প্রদানে পঞ্জির, রুমিনগণ)	२०-मृभिनुम	8	986	স্বাটি (আল্লাহ সৃষ্টি করেছেল বায়তুল, আনার ও)	৬-আন'আম	287	
শশন বৃদ্ধি করে যাজাত	00-38	000	100	বৃত্ত (আছাই বৃত্ত করেছেন বারতুন, আনার ও) যাইজন গাঁহ	ত-আপু প্রায়	197	10
ক্ৰ-ভৌগোৱ বাকাত না দিয়ে পুঞ্জিছত করার শান্তি	5-81est		980				1
	o-सव्या	<b>CB</b>	980	উৎপন্ন (যারতুন গাছ উৎপন্ন হয় সিনাই পর্বতে)	২০-মুখিন্ন	50	9
गरूरिया		L_	$\perp$	যাছিদ প্রয়োজন শেষ করে (মাঁর সামে উচ্চেনর প্রয়োজন পের করা এসক)	৩৩-আহ্বাব	09	1
সাপ্তাহর বাব্দা যাকনিয়ার প্রতি স্বাপ্তাহর দয়	১৯-মারইরাম	1	908	বিভিন্ন (মারো দেখন স্বরণ পদটি)	000-016414	94	12
डांका (रफ्टबन्नका खावन पाकाविद्यादक)	৩-আলে ইময়ন	67	¢80	ব্যবহা এক ছিল কৰিবলৈ চোৰ (বিকর ক্রমেন ক্রমে)	১৮-করেক	202	9
खन (यनवित्र ज्ञ. श्रीरंगानस्य (स्टारिंग, न्यान श्रापंत श्रापं							

Manhaba.	বিষয়/প্রসঙ্গ	न्वानः व गार	5133	701	THE STATE OF THE S	সুৱা নং ও বাম	-	981
বিকির (করমান)	Jacob & Consultation of the	-	-	-	কাক্তির বৃদ্ধ করলে পৃষ্ঠ প্রদর্শন করত (হুনারবিরা প্রদাস)	8৮-कार्ड	22	330
	ব্য প্রতি, বাকে 'প্রদর্গ বল কবিজ্ঞা)	20-25mg	0	999	কাজিরবা সুদ্ধানত মুসলিম ভাইলেরকে বলে	৩-জলে ইমরন	266	667
অসতীর্ণ (অক্সাম মুখ্যিনল	र और विवर/कृतकान कार्योर्ग बराइन्)	02-5HP	30	365	কান্টিবরা সুদ্ধ কবলে (মসজিলে হারামের পিকট)	২-বাকুরা	292	453
কাফিররা প্রভ্যাখ্যান ব		৪১-ফুস্সিলাভ	87	1/9/3	কান্দিরদের নাজ সর্বাহ্যক যুদ্ধের নির্দেশ (মুর্মিনদেরকে)	৯-ভারবা	06	680
	ল্লাং বিকিন্/কুরঝান কম করেছেন)	২০-ড়া-ছ	22	989	কালির প্রথনদের সামে কুছ (ইনের বাপেরে নিরন্ধর করপে)	৯-ভাওবা	25	685
	বিভিন্ন/কুরুমান অবভীর্ণ করেছেন	৬৫-ভালাক	30	702	बहुका पुष्ट अन्य	८५-कारुट	75	922
সবেকণভারী (বিকর ন	া কুরজানের সংরক্ষণকারী আল্লাহ)	76-1545	9	460	AMERICAN SE	৩৩-আহমার	3-850	105-90
যিকিরধারী					যোকা (সূত্ৰৰ বিক্ৰছে বৃছ, জাৱাহ ও ৱাসূপ এর পদ থেকে)	২-বাকুারা	5.67	200
	ल्द रूप्पर्व पिन्स्सरिक्त बाद्ध विधान)	<b>১৬-শার্প</b>	80	909	চালরে যাওয়া (হুছ চালিরে যাবে কাফিররা বভন্নন ন)	২-বাকুারা	524	248
থিনা (ব্যবিচার)					বানা (বৃদ্ধ হবে বানলে অনুসরণ করতাম মুনাকিকরা বাস)	৩-জালে ইমরন	764	565
	টবটী হওয়াও দিবেশ)	১৭-ইস্রা	95	936	attach Mercous	৪৮-ফাত্র ৯-তরব	57	988
বিহার					ভাগত সুদ্ধান্ত কর ভাগত সুদ্ধান্ত কর	৯-তর্ব	259	626
	রা প্রদাস (রীরা মাতার মত নর:)	৩৩-সাহ্বাব	8	9.00	দ্বীনের মুদ্ধ (অনেক উল্লেহওয়ালাও যানের সাধী ছিল)	৩-আলে ইমরান	786	283
	বলেই স্বীয়া মা হয়ে যার না	৫৮-বুজাদালা	2	365	নালে পালা (মুক্ত নায়াস পাইস সভ কৰ্মবাসমক)	५-जामकान	250	202
প্ৰীয় সাথে বিহাৰ কৰে	यंत्रा	৫৮-মুঝানালা	0	345	পৃষ্ঠ প্ৰদৰ্শন (মুদ্ধ কৌপন হিপাৰে পৃষ্ঠ প্ৰদৰ্শন করা)	P-MADO	36	900
বুক করা					শেষক (হছের সময় রক্ষাকারী পোধাক আপ্রাহ			_
	বেলে পরস্পরকে যুক্ত করা হবে	৬-জন অম	259	400	व्यन्तिहरूरम्)	<b>४७-नार्</b> ण	2-7	90%
	ত্যনকে ভালেককে দেখিকে সেয়ার নির্দেশ	৩৪-সাবা	21	5/80	প্রথণ আগর পরও যুক্ত লৈর হও না পরবর্তীর (অল্লাহ মহিলে)	২-বাকার	220	200
বুক্তি				$\perp$	ক্রিনা না থাকা পর্যন্ত ভুক্ত করার নির্দেশ	২-বাকুটো	72.0	655
	(অয়ার্ট শত কর হলে তর বিশক্ষে)	৪৫-জাহ্যা	3/2	204	भी वरिनुवार पुष्ट अन्त	ত-আলে ইমরান	25	809
বুক্তিতর্ক			Ь.	-	भी नेरिका कुछ दशक	৫৯-হাশ্ব	3	200
	থে কোন বুক্তি-ভর্ক নেই (দীন প্রদাস)	৪২-পূর	76	1.95	क्ला हुंब	৮-জানফাল	2	605
ৰ্ডি-প্ৰমাণ					रम <u>ज</u> ्ह	ও-আলে ইমরান	250	885
	বিভক্কবীৰ মুক্তি-প্ৰমাণ অসাৰ)	82-75	39	9.95	বল্য বৃদ্ধ	৮-আনহাল	2	905
	किथाओं ने चेस्र (बन्न म् द्वामाश्रम)	৪-সিসা ৬-অস'বাম	296	6.334	বারবেট্নিনিটানে নিউছে গ্রহণ দির্দেশ গতকণ না থিয়ে আসে.	৪৯-হতুরাত	b	250
	এমেন কেন (সংক্ষেত্রের মুক্তবিশর)	৬-অনু আন ২-বাকারা	96	600	বিনিজ্ঞ নিজন (কুম কোবিনিজ্ঞ করা হলে, একল মনুদের প্রপ্র)	৪-গিসা	33	600
	না সেয়া, মুফিলের প্রতিশালকের করে: গ্রহরই (সঠিকপথ প্রদর্শন প্রসঙ্গ)	হ-বাকুরে। ৪-আন'আম	762	609	বিনাৰ/কলন (মুদ্ধ বিনাল্য করা হলে অনুক্তে ভর পরিছিল)	৪-নিসা	33	266
ACRES ALE STEEL TO SE	म, ज्युक्तक विकास (तम्भ म. १८४म १८४म)	8-AH	350	645	বিধিবছ যুদ্ধ অথান্য করা (কটি ইসরাইন প্রসঙ্গ) বিধিবছ (সুদ্ধ বিধিবছ করা হয়েছে, অপহত্যনীর হলেও)	২-বাকুরি	589	254
contained while county	খেন না থাকে (মুমিনদের বিকংগ্র)	২-বাকুরো	360	673	বিধিবছ (যুদ্ধ বিধিবছ করা, কনী ইনরাজনদের প্রতি)	২-বাকুবো	539	248
হুগ (আরো দেখুন ক		c.cba	260	421	বিধিবছ (বৃদ্ধ বিধিবছ করা হল কর্মী ইনারস্থানের প্রতি প্রদর্শন)	২-বাকারা ২-বাকারা	286 286	034
	হুপু পরে কার্যুরামে অবস্থান	15-मेरी	20	2002	म्बर्ग विवासक पुरर्व गांत कुछ करताह	হ-বারুগর ৫৭-হার্শীদ	586	589
	মূপ জ. (সমুদ্রের সহফোরুকর উদেশ্য)		80	993	प्रशिक्षण द्वाराव निर्दा गृह करा निरूप	২-বাকারা	292	657
বুগল (আরো দেখুন		20-4154	-	100	মুখিনবেরকে যুদ্ধ করার নির্দেশ (হতক্ষণ না ফিডনা থাকে)	y-আনহাল -	40	905
नव-नार्वीत क्षाका मृष्टि		%-বিয়ামাহ	40	278	মুক্তিয়ানাকে ব্যৱহা নির্দেশ থানের বিকল্পে বাবা স্থিমন আন্দৌ)	৯-ভাওবা	35	980
24	(	IL III II	-	-	মুনাকিকরা মুনলিমদের সাধী হলেও সামানাই বৃদ্ধ করত	-	_	_
Wester Challes and	ছ সমন্ত্র অপ নের, বনক প্রনার)	৩৩-গ্রহার	30	Y-08	(ব্দক প্রসং)	৩৩-জাহ্যাব	50	3.05
	ভি পেরা হরেছে আক্রান্তদেরকে)	22-07%	Ole .	992	মনিন দপটি বছ করালৈ আপ্রাহর পথে	৩-আলে ইমরান	20	203
	Visignato fores out, Gen 178)	৩-জলে ইমরন	352	283	यूनाभिकता लोकारकाशस्य यूथिनस्मत विकटक युक्त केवस्य ना	৫৯-হাশর	>8	260
	বার কুলিয়েছে ইনুলানা, অনুসার তা)	৫-মার্চিমা	168	622	पुर्वनात्रभा विकास पुत्र ने कवान स्थान विकास (तक्त करहा नह	8-1991	80	260
আপ্লাহর পথে মুদ্ধ কর	जन्महार महन्मती-चित्र बन्ह	8-500	30	669	মুমিনদের বিকল্পে বৃদ্ধ করতে থালের বন্ধ সংকৃতিত হয়	8-निमा	≥0	690
আপ্তাহ তার রাসূল স.	এব বিকল্পে মুখ্য করার প্রতিয়াল	৫-মারিবা	00	628	মুদিননের বিক্রছে বৃদ্ধ করত (মান্তাই ইয়া করদে)	8-14%	20	500
আপ্তাহৰ পৰে মুক্ত ও ব	নী ইসরটন প্রক	২-বাকুরা	285	650.	মুদ্দিনালর সালে বৃদ্ধ করেছে ধারা ভালের সালে বছুতু নিচেব	৬০-মুখতাহিনা	>	16.0
আস্ত্রাহর পরে মুদ্ধ করেছে	যার উল্লের পাপ মোস করকে। উল্লেছ	৩-আলে ইমরল	226	666	মুদ্দিনদের সাবে কৃষ্ক করনে পৃষ্ট প্রদর্শন করবে পাপামরীরা	ত-আলে ইমৱন	222	28%
আস্লাহর পথে সুদ্ধ কর	ৰে সংখ্য	২-বাকুরো	488	65%	বুলিবদের সামে বৃদ্ধ করেনি হারা কাচ্ছের সামে সম্পানর বুলারকদের নিকলে বুল্লের নিকেশ (সর্বাক্তবারে)	৬০-মুমতাহ্ন ৯-তাধৰা	7	116.9
আস্তাহর পথে বৃদ্ধ কর	व (महस्य (मवाहक)	8-bind	78	694	मुंबरकर यह वाह्याद्व ग्राप्त (नरायकवाद्व)		06	680
আপ্রাহর পথে বৃদ্ধ কর	(অসহার নর-নারী-শিকর জন্য)	৪-মিসা	94	666	কুলাকে বুক্ত আল্লাহর শাবে কুলাজা, ও ভার প্রতিশালককে কুক্ত করেত কলে (মুসার সম্প্রদার)	ह-विशेष व अविश्व	9,6 2,8	250
	(মুনাঞ্চিকদেরকে বলা হয়েছিল) ত চাইল বনী ইসরাঈলরা	৩-মালে ইমরান	269	665	বুণা আ, ও অভাতাতশাককে দুহ করতে কাশ (কুনর সম্প্রদর) বংগার (বৃক্তে মুখিলনের জন্য আল্লাহই বংগার্ড)	ত-মারণ। তত-আহ্বাব	32	500
	ত গ্ৰহণ থলা হলবাসলয়… ং (পুনিবার জীবন বিক্রিকারী)	२-वॉक्स 8-56ओ	286	450	রক্ষা (যুক্তের সমর প্রকারনার পোলক আল্লাহ বানিয়েছেন)	১৬-নাহল	45	303
CALBRIDA MIN THE ACT	(ব্যুদ্যার ভাবন (নাঞ্চন্ত) যোৱা, আল্লাহ আদেরকে ভালবাসেন	97-3520	18	260	न्देक्त सहित रिक्टर एक कर्त (काकुनरान्त मा कर्त नर्वत)	80-0162	3/6	923
	भित्रह धरा मन (डॉड कानडा उनत्र)	१०-दृद्वरियत	30	393	শক্রের বিক্রান্ত কুল্ক করতে নিজেগ করবেন হাস্প স			_
आहारत गरन हुन गरन ह	A REPORT OF THE PROPERTY OF TH	<u>১</u> -বার্থা	777	965	इनाविकासदाव	৯-ভাওবা	5-0	685
আপ্লাহর পথে বৃদ্ধ (কা		২-বাকারা	220	657	শালবাদের বন্ধানর বিজ্ঞান বৃহত্তর নির্দেশ (মুম্মিনসের)	৪-বিদ্য	96	240
	করেছে যার জনের ঘটি সরশ মনক্ষন	>-3164I	309	963	শেষ (যুদ্ধ শেষ মা হওয়া পর্যন্ত যুদ্ধবন্দীদেয়কে থেখে রাখা)	৪৭-মুহাম্বাদ	8	254
	থেকে মুদ্ধ যোজনা (সুদ্দ বৰ্জন না কংগ্ৰেছ)		243	600	সম্প্রদায়ের বিজ্ঞান্ত মুখ্য করতে থালের বন্ধ সংস্কৃতিত হয়	a-निमा	30	200
	র নির্দেশ (নিকটবর্তী কাফিরসের বিরুদ্ধে)		250	600	সুরক্তি করা (মুদ্ধে সুরক্তিত করার জন্য দাউদক্তে	২১-আধিয়া	bro	9.00
Зерна учестви		৩-মালে ইমারণ		489	বর্থনির্মাণ শিক্ষা দান)			
विद्यास पुष्ट-१९ मा		৩-খালে ইমরান		639-650	ক্ৰিয়া হৃদ	৯-কণ্ডবা	42	084
GOOD SHOOM		৩-জালে ইমহান	7,90	658	হারাম মানে বৃদ্ধ করা ভক্তমর পাপ	২-বাকুয়া	576	248
উবুদ্ধ করা (বুদ্ধের জন	্যুমিনদেবকে উপুদ্ধ করবেন নবী)	৮-জানকাল	96	6ah	হারাম মানে বৃদ্ধ প্রদক্ষে রাদূর স. কে জিজাসা	২-বাকুরো	576	248
উল্লেখ (মৃক্ষের উল্লেখ	হ সূত্র অবতীর্ণ হওরার আকাব্যা)	৪৭-মুখ্যখান	20	220	হ্মান কলেণ্ডার	৩-আলে ইমরান	3858	000-00
কাভিরসেরকে বুছে সা	হাব্য করবে বলে সুনাকিকরা	62-643	77	346	বৃদ্ধ কৌশল			
কাহিদানের বুদ্ধ ভাগুড়	EN MON	8-1441	10	600	পৃষ্ঠ প্রদর্শন (যুদ্ধ কৌশল হিনাবে পৃষ্ঠ প্রদর্শন করা)	y-आस <b>का</b> न	3/6	500
কাঞ্চিরদের মুদ্ধ (মুনি-	লেব বিবৃত্যে)	২-বাকুৰো	750	6.67	<b>इक्</b> र्राम		-	-
কাফিবনের নিকছে যুট	ছব নিচেশ	৯-অভব	38	687	থানা (বৃদ্ধবিধনের হলরে তাব কিছু আহে জানদে)	৮-জানকাপ	90	৬০৯
কাথিবদের বিকল্পে মুনিন	সের মুদ্ধ (শপথ ভারবারী কর্মিব:)	<b>३-संस्त</b>	30	682	কানা (বুদ্ধবাদনের হলরে তাল চেব্রু আহে জনলে) নইর জন্ম কুমুর্বদ রার উচিত নর (শক্তে পরাস্থত না করে)	P-ginistal R-ginistal	99	
	ব্ৰ হলে (মুৰ্বাটকৰা সাহায় কলৰে না)	69-5)-04	25	959				30%

विकित्र १७५४कि

Rva/exv	লুৱা লং ৫ নাম	10		अभ विवस्थान	नुश्च के क मान	-	1981
	SHIP OF THE		301	নিম্পান্তরণ বিভাগতিন সম্প্রাহেত প্রতি তক প্রেরণ	4-20,300	200	628
যুদ্ধ বন্দিনী (মাদিকানাধীন)				अवस्थित कहा (तक अवस्थित में कहार व्यक्तिकार, मेंने देशक्रीकार)	२-वाकास २-वाकास	300	609
বিরে (মালিকাববিদ মুদ্ধবন্দিনীয়া সদারা হলেও বিরো করা লৈং)	৪-নিদা	28	640	প্ৰবাহিত বন্ধ পাওৱা হাৱাম		284	
বুদ্ধবলী					৬-আন্'আম		630
মৃক্তিপণ (যুদ্ধ বন্দী থেকে বনী ইমরাউলের মৃক্তিপণ আদর)	২-বাকুরো	৮৫	470	বিধা বন্ধ শাদিরে নির খাসল ভাইরের (ইউসুফের ক্ষমার)	১২-ইউসুফ	30	695
বৃদ্ধপদ্ধ সম্পদ (আরো দেখুন গনীমত শব্দটি)			l. I	রক হ্যবাদ	৫-মাথিদা	0	\$tro
অস্ত্রাহ ও রাসুদের (ফুচনর সম্পদ অস্ত্রাহ ও রাসুল স: এব)	৮-আনকাশ	2	905	ব্যৱাস (বক গাওয়া হারাস, প্রবাহিত বক)	১৬-নাহ্প	226	375
গ্ৰহণ (মুমিনগণ ফুৰুপদ্ধ সম্পদ গ্ৰহণ কৰবে)	87-19755	50	972	হ্যরাম (মৃতপত হারাম করা হয়েছে, মুমিনদের জন্য)	২-বাকুারা	190	679
গ্রহণ (মুদ্ধদার সম্পদ গ্রহণ করতে গোলে বেপুন্টানর কাবে)	৪৮-ফাত্র	76	274	হারান (পুরবের গোপন,মূর জন্ত/প্রাহিত রক্ত গণ্ডর হারান)	৬-আন্'আম	184	930
জিআসা (যুদ্ধান্ত সম্পদ সম্পর্কে রাসূল স. কে জিআসা)	৮-আনহাল	7	900	রক্তপণ			1
বিপুল ফুম্বলন্ত সম্পদ পুরস্কার প্রদান	৪৮-ফাত্য	38	972	নিহতের পরিবারকে রক্তপপ প্রদান (মাফ না করলে)	৪-নিসা	8-5	692
বুদ্ধ শেষ	-			প্রদান (নিহতের পরিবারকে রক্তপন প্রদান, মাক না করলে)	8-मिगा	34	502
বন্দি মুক্তির বিধান (বৃদ্ধ শেষে )	৪৭-মুহ্যম্মদ	8	225	রভগাত			
যুক্তর ময়দান	-1,00.	-		পৃথিবীতে মানুষ রক্তপাত করবে (ফেরেশআদের আগমা)	২-বাঞ্চারা	60	208
কাভিরদের সাথে বুছের ময়দানে দাখ্যাৎ হলে	৮-আনহাদ	26	900	বড়-সম্পর্ক			
मुद्ध शिक्ष देवश	3.004644	24	900	ইয়ানদারদের রক্তসম্পরীর আত্রীর পরস্পর নিকটভর,	৮-আনতাল	92	90%
		-		রক-সম্পর্কীয় আন্ত্রীয়		-	-
মুই বলের (প্র' কল মুফিন পরশার মুক্ত দিয়ে হলে আপোচনা নির্চাল, )	৪৯-বৃৰুৱাত	8	250	ইয়ানদারদের হস্তসম্পর্কীর আন্ত্রীর পরস্পর নিকটভর	৮-আনফাল	92	663
মুমিনামের দুই লল পরস্পার হুছে লিড বলৈ আপোনের নির্দেশ	৪৯-বৃত্রাত	>	950	নিকটকর (মুমিন ও মুহাজির হতে রক্ত সম্পর্কীয় আত্রীয়	S. rofferful	72	000
যুন-নূন (আরো দেখুন ইউলুস শব্দটি)					৩৬-আহ্যাব	6	500
উষ্ধার (অক্সাহ চুন-নূলকে দুক্তিরা/মাজের পেট থেকে উদ্ধার করেন)	২১-আধিয়া	pp	926	মীনাদে নিকটতন)		-	-
কুমা হলা (বুল-লূন্ ইউনুস কুমা হয়ে দেশ থেকে চলে যালা)	২১-অধিয়া	14	926	রকপ্রাব (ঝারো দেবুন মাসিক শব্দটি)		-	
। इस वास्त्रा(दुन-नुन्दिकेनुन कु <b>क</b> बद्धा तम्म दर्शक इता वार्म व्यक्त	२५-व्यक्तिया	24	926	রীর (এখনো রক্তন্তাব হরনি এমন স্ত্রীর ইম্বড ডিন মাস)	৬৫-ভালাক	8	pply
ধারণ, বুল-মৃত্যুর (রাণ করে দেশব্যাগের জল শাস্তি না দেরার থাকা)	२५-लारिया	2.1	126	হুৱাশ (রজন্তর হবর বাপারে হুতাশ প্রীয়ন্তর ইমত ভিন মাপ)	৬৫-ভাশাক	8	992
युवक				রক্ষক (আরো দেখুন প্রতিপালক/গ্রন্থ শব্দটি)			
ইব্যাহীয় নামক যুৱক কৰ্মুক মুৰ্তির সমালোচনা প্ৰসন্থ	२५-व्यक्तिया	80	328	অল্লাহ প্রস্ (কসম অবসান প্রসঙ্গ)	৬৬-অব্বীম	3	390
দিয়াদ এনেছিল (আসহাবে কাহাফের বুবকরা)	79-915A	20	990	অপ্তাংই মানুদের প্রস্	২২-হাজ	95	900
ওহায় অপ্রয় নেয়ার পর (আসহাবে কাহফের সোরা)	३५-वाद्य	30	338	অন্ত্ৰাহ নবীর রক্ষক (নবীর যোগন কথে এক দ্রী অন্যক্তে কগ…)	৬৬-অহ্বীম	8	390
প্রবেশ (দুই ফুরক ইউপুফের সাবে কালগারে প্রবেশ কলে)	১২-ইউপুঞ	99	thro	অস্ত্রাহ মুখিদদের বাড় (রক্ষক)	২-ৰাকাবা	200	202
সমালোচনা (ইংনাহীম নামক যুগক কৰ্তৃত মূৰ্তিন সমালোচনা প্ৰদাস)	२५-व्यक्तिया	50	928	উত্তম প্রস্থ (ব্যাল্লাহ)	২২-হাজ	96	962
<b>गुव</b> की	Q# 1011111	-0-	14.0	নবির রক্তক অপ্তাহ (নবির গোপন কথা এক দ্রী অন্যতে সপা)	৬৬-কাহরীম	8	200
সুমবয়নী নবা ধুবতী রয়েছে জান্নাতে (মুবাকীদের জন্য)	৭৮-মাবা	00	2002	নিকৃষ্ট প্রস্তু (আব্রাহ ছাড়া অন্য উপাস্য প্রসঙ্গ)	22-57 <b>m</b>	30	323
	(D-404)	90	3007	রক্ষণাবেক্ষণ			_
दूल कियन		-		জাকাশ-পৃথিবীর রক্ষণাবেক্ষণ অস্ত্রাহকে ক্লান্ত করে না	২-বাকুরো	900	400
উল্লেখ (বুল বিফলতে উল্লেখ করমে নির্দেশ রাসুল স. এর প্রতি)	৩৮-সেরাদ	89	9.99	ভাইকে (আমরা সামানের ভাইকে রন্ধণাবেশণ করব)	১২-ইউস্ফ	92	600
ধৈবলীল (বুলকিফল দৈবলীলাখন অন্তৰ্ভুক্ত ছিলেন)	২১-জাধিয়া	brê:	166	<u>কেণাবেক্ণকারী</u>			
সংকর্মশীল (বুলকিকল সংকর্মশীল ছিলেদ)	২১-আধিয়া	ъь	922	আল্লাহ উত্তয় বক্ষণাবেক্ষণকারী	<b>১</b> ২-१६नुम	68	66-5
যোগ্য				অন্তাহ পানবাদ্ধিকার ক্রমানেকারর ভিন্ন (সুবাইনান আ.এসার)	২১-আপিবা	24	900
আনুগভালানের অধিক যোগ্য আল্লাহ (সভ্যের গথ নির্দেশক)	১০-ইউনুস	90	953	ভাইরের রক্তাবেকানার ইউসুকের (ভাইরের পিরতে কলা)	১২-ইউসুক	25	0%
অক্সাই অনুগতাগতের অধিক যোগ্য (সংলের পথনির্দেশত)	১০-ইউনুস	.05	629	सहित्या तक्यात्कामकावै (कार्याद्वा गरितक कार्या	24-4670 24-4620		
তরের যোগ্য আপ্রাহ	৭৪-মুনাছছির	60	225	পর্যান্তর রক্ষারেকানের হিলেন অক্সাহ (কুলাইমান আ, এপছ)	२५-व्यक्ति	60	00.5
রাসৃদ স. ৫ মুখিনগণ প্রশান্তির জন্য অধিকতর যোগ্য	৪৮-ফাত্র	20	972		52-001401	2.5	922
যৌধভাবে থাকা		Г		হকা		_	-
ইয়াঠীমনের লাখে বৌধভাবে থাকা	২-বাকুরো	220	929	অকম (জন উপসোৱা নিজকে ও অনুক্তে কমা করতে অকম)	২১-আধিরা	80	960
যৌনকামনা বহিত পুরুষ				অগ্রিশিবা থেকে রক্ষা করবে না যে হারা (নিন্দা অভিনিক্তবারীয়েনরকে)	৭৭-মুবুসালাত	40)	220
पुरिन नहीं व (वेन सरमा बर्क्स्ट्रामा निक्ये (नोमर्थ अन्तन्	28-7F	0)	999	অমঙ্গল থেকে কেউ রক্ষা করতে পারে না (আল্লাহ চাইলে)	৩৩-আহ্বাৰ	28	1428
যৌলসম্ভাগ	70.50		1111	জাওলের শান্তি থেকে রক্ষা করার জন্য প্রার্থনা	২-বাকুারা	507	655
শ্রীদের সাথে যৌনসম্ভাগের অনুমতি (রোধার রাভে)	২-বাবুলা	23/3	243	আঙদের মধ্যে যে আছে তাকে রক্ষা করার কেউ দেই	৩৯-বুমার	72	৮৭২
হতে যৌদসভাগ দিবক				আত্রহকা করতে পাবেনি হামুদ জাতি (বঞ্জপাত থেকে)	৫১-বারিয়াত	80	254
হালা (যৌননামণ হালাল করা হরেছে, রোবার রাডে)	२-वाद्यवा २-वाद्यवा	29.9	443	ন্ধামানত ও প্রতিশ্রুতি রক্ষা করে যারা	৭০-মা'আরিল	७२	39.5
स्रीदन		301		আল্লাহর পাত্তি থেকে রক্ষা করতে পারেনি অনুনারীদেরকে অহঙ্কারীরা কিয়ামতে।	<b>১</b> ৪-देरबादीम	43	695
মানুৰ বৌবনে উপনীত হয় (সৃষ্টির এক পর্বায়ে)	৪০-মুমিন	89	944	অস্তাহর শান্তি থেকে মলকর্মশীলদের রক্ষা করারকেউ নেই	১০-ইউদুস	33	629
वि१ (४%)		Г		অক্সহার পরিষ্ঠ থেকে বাসুল স্ যে কেউ রামা করতে পরবে না (পরিষ্ঠ নিয়া)	१३-किन	44	259
		-		অক্সাহর শক্তি থেকে প্রীকে রক্ষা করতে পারেলি নৃহ আ, ও পৃত আ,	৬৬-ভাহনীম	20	292
পাল্লহর বং ধারণ করে মুমিনরা	२-वाङ्गवा	200	676	आश्चार अन्य नदश्चर मुस्मित्तवहरू	৮-জানফাপ	80	600
আল্লাহর বং নবচেয়ে নুন্দর (ইবাদককারীদের প্রনঙ্গ)	২-বাকুরা	300	475	আন্তাহ রক্ষা করবেদ প্রায়ল স. কে (মানুবালর থেকে)	৫-মারিদ্য	69	62.9
গালীর বং সম্পর্কে মুসাকে বলী ইসরাইলের জিজাসা	২-বাশুরো	69	600	ইউস্থিক আ, রক্ষা করেছে নিজেকে	24-इंड्रेग्रेक	-01	693
হৰুদ বজের গাড়ী কবাই করতে বদী ইসরাইলকে নির্দেশ	২-বাকুরো	63	Çob	strict one streets and son store the county	02-2044 03-2044	95	545

22-4799

১৬-নার্গ

রক

কুলবানীর পতর রক্ত ও গোশক আল্লাহর কাছে পৌছে দা

গৰালি পতৰ বক্ত ও গোৰাৰেৰ মধ্য থেকে দুখ থৈকি

কাৰ্পণ্য থেকে যাদেৱকে রক্ষা করা হয়েছে ভারা সঞ্চলকাম

কাভিবদেৱকে প্ৰকা কৰাৰ কে? (যাপ্ৰশাসায়ক লাম্বি ভেকে)

পতি খেতে (সমূহার নেকনমূহে বিয়ামতের ক্ষতি থেতে ক্ষমা করলো)

৫৯-ছাপ্য

७२-जूनक

960-HT00

5 505 20 598

22 29.0

	Town or an		120	वर्षः दिसः/दमः	Tames and the same	EC. JE.	Harfs
A State of the Sta	न्या वर व तर	CER	(Set	राजा ।१९९१/वर्गर	স্রা বং ও নাম	100	129/
दक्का (भूर्व भूका त्यरक)	A) milion	-	202	জন্ম সম্পর্কে মিধা জনাকারীরা সঞ্চপ হবে না	১৬-পার্ল	226	930
দ্বামুদ্দ সম্প্রদায়ের মুমিন ও মুব্রাকীদের আল্লাহ রক্তা স্বাহাল্রামের শব্বি হতে আল্লাহ রক্ষা করবেন (মুবাকীদের)	৪১-মুপ্সিলাভ ৫২-ভর	22-	300	खहार नन्द्रण त्या धानावाद्या गणन द्रार ना खहार नन्द्रण विश्वा कनावाद्याता गणन स्ट्र ना	১০-ইউনুস	Gh	965
ভাগ দেৱে বজার উপযোগী পোষাক আল্লাহ বনিজ্ঞানে	৫২-ছব ১৮-মাহল	30	900	অপ্তাহ সম্পর্কে বিখ্যা রচনা করার অপরাদ (রাসুল স. কে)	84-78	28	9.90
				चाह्यार मन्त्रात विश्वा कामा कराव चनवान (वानून न. (क) चाह्यार मन्त्रात किया कामा (वानून महाका निवासना देखागर नात)	20-45a		
উব্ৰ জাঙন থেকে রক্ষা করবেন আল্লাহ (মুন্তাকীদেবকে)	৪৪-সুখান	69	806			226	930
নেকৰাত্তক কম কাৰেল অপ্তাহ বিভায়তের নিৰের ক্ষতি থেকে	৭৬-দাব্র	22	366	ভট্টকে নবীৰ বচনা বগে (কাবিবৰা)	১১-হুন	05	666
প্লাৰন থেকে সন্ধান জন্য পৰ্বতে আশ্ৰন্ন (দুবের প্ৰয়ের)	22-दून	80	999	কুরমান রচনার অপবাদ! (রাসূদ স. এর প্রচি)	২১-আছর	2	920
ব্যানকে ধাসে থেকে রক্ষা করতে পারশ না মালিকর	79-atáa	80	925	ভূরমান ব্রাসূপ সা, এর হচনা নার (যদিও মুপরিকরা বলে)	১০-ইউনুস	034	600
বিদ্রুপভারীদেরকে আল্লাহর আমার হতে রক্ষা করবে তেঃ	२५-पालिश	85	960	কুরমান রচনা করেছে রাসূল স. (কাফিররা বলে)	২৫-ফুরকান	8	965
মন্দ (শান্তি) দেকে আল্লাহ্ যাকে রক্ষা করবেদ তাকে	৪০-মুমিন	7	544	কুরমান রামার অগবাদ। (রাসুদ সু. এর প্রচি)	৪৬-জার্কাফ	γ	300
মুবার্কীদের লাহস্রাদের শান্তি হতে রক্ষা করবেন আল্লাহ	৫২-যুব	234	300	কুরজ্ঞান এমন নার যে অক্সাম স্থান্ত কেউ তা বালে করতে পারে	১০-ইউনুস	01	660
মুমিনসেরকে রক্ষা করবে যে ব্যবসা (মন্ত্রণালয়ক শান্তি খেকে)	৬১-সংক্ক	30	990	কুরস্কান এমন কথা নর যা হান্য করা হরেছে	३२-१४नुए	222	66.
মুম্মিসেরক রাজ করদেন উল্লাহ (উত্তেলে গটের প্রান্ত গেতে)	৩-জালে ইমরাদ		285	দবী যদি ওহাঁ বছনা করেন তবে এর দায় ভাব উপর বর্তাবে	<b>३</b> ५-हुल	00	666
মুমিশনেরকে আল্লাহ রক্ষা করেব	55-到極	Ob:	965	মিখ্যা বচনা (আল্লাহ সম্পর্কে মিখ্যা বচনা স্পষ্ট পাপ)	8-निमा	20	200
মুন্নিন্যান্যকে উন্ন জন্তন থেকে রক্ষার জন্য প্রার্থনা	৪০-মূমিন	3	15-415-	মিব্যা বচৰা (আল্লাহ সম্পর্কে মিধ্যা বচৰাকারী স্বালিম)	৬-অন্'আম	52	694
মুন্দিন ব্ভিতে রক্ষা করলেন অপ্তাহ (বিবজানৈর বালী হতে)	৪০-মুমিন	80	992	মিখ্যা বচৰা (আল্লাহ সম্পৰ্কে মিখ্যা ৰচনাকারী যত্ন জালিম)	২৯-জানতাব্ত	92	255
মুমিনদের হাত থেকে কাফিয়নের রক্ষার গাবী (মুনাফিকদের)	8-FM	787	292	মিধ্য রচনা (আল্লাহ সম্পর্কে মিধ্যা রচনাকারী বত্ব জালিম)	১০-ইউনুস	28	960
যুদ্ধের সময় রক্ষাকারী পোখার আপ্রাহ বাশিরেছেন	১৬-নহবুপ	1.7	903	মিবা জনা (অল্লাহ লগতে যাব মিবা জনা করে তার জনিম) মিবা জনা (আল্লাহ লগতে মিবা জনাকারী জানিম)	৩-আগে ইম্যান		₹84
ব্যুমানের শক্তি থেকে কাফিবলের রক্ষা করবে লে ?	২১-অধিয়া	83	980		৬-আন্আম	30	900
রাসুদ স, কে কেউ রক্ষা করতে পরবে না (অপ্রাহ পান্তি দিলে)	92-194	22	29.4	মিখ্যা বচনা (প্ৰফিপাগতের বিক্তমে আনিমনের মিখ্যা বচনা)	27- <u>\$</u> st	25	69.
নু মাধ্যার শতি থেকে আপ্লাহ মান্লাভীদের রক্ষা করেছেন	१२-एव	22	300	নিখা জনা (মানুখ্যক পথন্তই করতে অক্সাহ সময়ে নিখা রানা) নিখা জনা করেছে এই বাজি (রাসুন স, সন্পর্কে জন জতির মন্তব্য)	৬-আন্'আম ২০-মু'মিন্ন	788	350
শান্তি থেকে রক্ষার কন্য প্রার্থনা (আঙ্কানর শান্তি থেকে)	৩-বালে ইমবান	292	228		৩৪-সাবা		184
শান্তি (পু হাওয়ার শান্তি সেকে জালুটোনের রক্ষা)	१२-जृब	29	200	নিয়া জনা কয়েছেন জনুম স, অস্ত্ৰাহ সন্পৰ্তে (অধিবার বল) বিধায় জনা করেছে কবিবার। (আন্তঃহ সন্পর্তে)	०-मार्थम	200	
শান্তি থেকে মু'মিননেবকে রক্ষা করার প্রার্থনা ফেরেপভালের	৪০-ৰুমিৰ	>	y-ty	মিধা বালা করে (যে অপ্রান্ত অর্থাতে ইমান আনে ন সে)	ত-নাহল ১⁄০-নাহল	300	934
শান্তি হৈকে বন্ধার ক্ষন্য ক্ষমা প্রার্থনা (মুরাকীনের)	ত-বালে ইমরান	30	207	বিদ্যা বচৰকাৰী অধিক জালিম (সাপ্তাহ সম্পৰ্কে)	5-001,00.0	09	828
শান্তি থকে রক্ষা করবেন আল্লাহ (জ্বিনরা ঈর্মান আনলে)	৪৬-আত্থাক	-03	922	মিধ্যা বচনা কম্পর্কে মুগরিকনের অবশাই প্রপু করা হবে	১৬-নাহণ	46	909
পত্তি হতে অল্লাহ রক্ষা করবেন (মুরানীদের)	৫২-দূর	2h	300	মিখা (আল্লাহ সম্পর্কে মিখা রালাকারী সর্বাধিক জালিম)	63-नाक्य	9	200
সমুদ্রের বিশুল থেকে অস্ত্রাহ রক্ষা করলে কৃতিত হংগার ধানানা	১০-ইউনুস	43	969	রাকুব ব. এর রানা বলা (কুরমানকে)	৩২-সঞ্জ		500
স্ত্ৰীকে (মৃত ও পূত আ স্ত্ৰীকে অন্তৰ্জন শাৱি খেকে কমা কৰতে পাৰ্চেল)	৬৬-ভাইটার	30	242	রাসুল স. এর রচনা কুরজান। কাফিরনের জনবাদ।	৪৬-জার্কার	7	300
রক্ষা করতে পারা		-	m	बाजून न, वह बडना नह कुढ़कान (चनिक पूनविकदा रहन)	১০-ইউনুস	Ob.	000
শন্তি (মপ্তাহর শন্তি মেক কেউ রক্ষা করতে পারবে না)	৪৯-আহ্বাক	b	bob	রানুল স, এর প্রতি কুরুমান রচনার মাণবার!	২১-আখিরা	2	920
डकाकारी -	50-45111	÷	300	সূরা (কাভিরদেরকে কুরজাদের মত সূরা রচনার চ্যালেঞ্চ)	১১-ছুদ	30	986
জামানত ও প্রতিশ্রুতি রক্ষাকরী (মুমিনগুণ)	২৩-মুখিনুদ	Ъ	166	दिव	22-4-1	~	000
জায়নত ও প্রতিহাতে রক্ষাকরে (পু. নিশান) জায়ন থেকে রক্ষাকারী থাকবে না (কিরামতের দিন)	२०-मृथिन 8०-मृथिन	00	bbo			-	-
অক্সহার নির্দেশ, প্রবন থেকে রক্ষাকারী নেই (নুর আ: পুরুর)		80		স্বা (কাধিবদেৱকে গরচিত দশটি স্বা আনার চ্যালেঞ্চ)	১১-ङ्ग	70	999
অস্ত্রহার সভাপ, প্রতম বেজে রক্ষাকার নের (নূর আ. প্রচ্ছা) অস্ত্রহারর পাকরেও থেকে রক্ষাকারী ছিল না (পূর্ববর্তীনো)	77-54		969	र्कना		_	L.,
	৪০-মূমিন	57		অপ্তাহ সম্পর্তে বিধা বচনকটিলে থকা কী/কিয়মত সম্পর্কে)	১০-ইউনুস	40	990
কাকিবদেরকে রক্ষা করবে আসের দুর্গ (আপ্লাহ থেকে)	৫৯-হাপর	3	966	রদকারী		_	
কাহিবদের রক্ষকারী কেউ নেই (আপ্রাহর শান্তি গেকে)	30-30'H	68	625	হুবুম (অল্লাহর হুবুম এদকারী কেট পেই)	১০-রাদ	83	600
আপ্রহন্ত নির্দেশ, প্রথম থেকে রামধানী দেই (নূহ আ. পুরুছা)	22-इन	80	999	রব (আরো দেখুন প্রতিশাসক/প্রভূ শব্দটি)			
ब्राप्तान, तथ कर (यन ब्रयन चयर) न स्वतिवास स्थाना नवार।	30-सम	०१	694	নয় র্যন্তর দিলে (বহুল অনুযাহানকী অসহারে অহামের বানা)	29-41£0	36	920
পরতান রক্ষাকারী, কাফিরনের জন্য (বনরমুদ্ধ প্রদাস)	৮-আনকাগ	85	606	রব্বানী (আরো দেখুন আল্লাহ ওরালা শব্দটি)			
রক্ষা/পূর্ণ করা		_		নবীদের স্বাধী হিল অনেক বকানী/অল্লাহ ওয়ালা (তুভাক্তরে)	৩-আলে ইমরান	186	283
অষ্টব্যর (অল্লাহ্য সহে বৃত অষ্টব্যর হাদা বরে চুদ্ধিনাল্য)	১৩-ছাজন	२०	990	পরিত ও হরানিকা নিমে করে ন কেন পাশ করা ছবিছ	०-प्रक्रिमा	60	en
রক্ষা (সাহায্য)				বিভার-কাল্যসাপ্য করত রক্তানীপন (ইক্সীদের)	৫-মারিদা	88	200
অপ্নাহ হতে পলিহকে রক্ষা করবে কে, জীকে অমান্য করলেঃ	১১-रून	60	693	মনুদ্ৰক ক্ৰমানী হওৱের অহনে জনাংশ (বিভাইপ্ৰায় হলে)	০-আলে ইমরাশ		280
নৃহকে আল্লাহ হতে বক্ষাকারী কেউ দেই যদি	১১-বুদ	00	966	इस्यान			1
রক্ষী (আরো দেখুন প্রহরী শব্দটি)				যাস (রমজান মাসে কুরজান নাগিল করা হরেছে)	২-বাকুরো	39.6	240
জান্ত্রাত্তর রক্ষীরা মুব্রাকীদের সালাম ও সম্ভাবণ জানাবে	৩১-বুমার	90	399	বাপ (ভাৰতাৰ বাবে পুনজন শাংগ পথা বছেছে) বলি (আরো দেপুন বড়ি শপটি)	4-1491	.50	1440
ভার্যন্নামের রজীরা কাফিবদেরকে গ্রন্থ করবে	৩৯-বুমার	42	3:99	রাশ (আরো দেবুন নাড় শবাত) অপ্তার বলি হারা আহলে বিভাবনের বেখানেই পাত্যা আহে	a nerror become	222	400
জাহান্তামের রক্ষীরা জিঞ্জাসা করবে ভারান্তামে নিকিবলেরতে	৬৭-মূল্ক	ъ	292	অল্পাহ বল জন্ম কাহলে কথনতানা বেবনেহ পান্যা বাবে অল্পাহর মণি আঁকড়ে ধরার নির্দেশ	৩-আলে ইমরান		
76 (31)				आहारक तम जाकर ५ रताव जानम प्रमुख (खाकारण निरंत जन प्रेमिस च (क्ये राम्न, उपभारतमा)	০-আলে ইমরান ২২-হাজ্জ		
নাল রচের পার্নীয় পের ২য় মৌরাছির পেট থেকে	১৬-ৰাহ্ণ	69	905			75	903
मिर्म्स (क्व ब्रह्म नृद्धित विश्वन अस्तिकार का निर्मान प्राप्त)	১৬-মাহপ	30	908	नकाल तनि (वस् नावास्थ होर नमा नवान रनि चकर)	777-MISI4	6	200
বিভিন্ন বচের মানুব, জন্ত, গৃহপালিত পত (আল্লাহর বৃষ্টি)	৩৫-ফান্টির	30	108 1/81/	মনুকের এশি ছার আহল কিন্তব্যস্থ বেঝান্ট পাঙ্গের বাবে)	০-আদে ইমরাণ	225	288
				রদায়ন বিজ্ঞান প্রসঙ্গ (দেখুন পরিশিষ্ট-৪)		_	-
বিভিন্ন ব্যাচন কলমূল আপ্লাহ উৎপন্ন করেন	৩৫-ফতির	54	1/81/	রসিকতা			1
বিভিন্ন বছের পাহাড় রয়েছে (লাল, কালো ও নালা)	৩৫-ফডির	২৭	181	কুরমান বলিকতা নর	৮৬-ভারিক	38	707
বিভিন্ন বঙ্গরের কলল উৎপন্ন করেন আপ্রাথ (পৃত্তির নাগ্যমে)	09- <u>Z</u> EE	₹2	৮৭০	दश्न			Г
সৃষ্টি (পৃথিবির কালদ মাজের সৃষ্টিতে আল্লাহ নিদর্শন রেখেয়েল)	১৬-নাহ্ব	30	908	উংগাদন (রসুদ উৎপাদনের জন্য বনী ইনরাইলের অনুরোধ)	1 Secretary	68	209

বহুমত	রাজা

अप दिश्व/क्षत्रव	न्द्राना वनाव	185	101	नव विवद्/दनम	न्द्रा गर ६ मान	1000	70
রহমত (আরো দেখুন করুণা/দয়া শব্দটি)				রাধাদ			
মুখ্যামান সংক্রে জগতের জন্য বহুমতামারপ প্রেরণ করা হয়েছে	২১-অধিয়া	203	161	পত্যার প্রথপর পত্তার বেং না করণে আহর পত্যারক	২৮-কাদাদ	20	7/20
बुरमान			-	রাজ্ব		Ė	-
অপোচৰ (কবিনরা ব্যবস এর অপোচনার অধিকৃত্যী)	২১-অধিয়া	05	902	অল (অহুসে বিভাগনের রাজ্যুরর বোন অল নেরা হানি,,,)	g.921	20	250
কাড়িবরা বহুমান সম্পর্কে বলে 'বহুমান' কিঃ	২৫-কুরকান	90	95%	আকাশফলী ও পথিবীর রাজত আপ্রারব	85-9789	28	831
हाका (इंदरामहरू घांका)	১৭-ইসরা	270	930	আকাশসমহ ও পথিবীর রাজত আপ্রাহর	an-वार्य वन-वामीम	8	281
বালা (এহমানের বাদারা পৃথিবীতে বিনম্বী হয়ে ৮৫৭)	२१-एउकान	60	900	वाकानमञ्ज्य च निवसित राष्ट्र वाहादर	०५-यमङ	88	P90
রক্ষা (রহমানের শক্তি থেকে তাফিরদের রক্ষা করবে কে ১)	२५-जारिया	83	100	जानगन्दर ए ग्यरत सम्बद्ध जाहाहर जानगन्द्रभीत सम्बद्ध जाहाहर			
সিঞ্জনা (বাহমানের জন্য সিঞ্জনা করতে বলা, কফিরনেরকে)	২৫-কুরকান	60	966	আকাশ-পৃথবীর রাজত আছারওট	৪২-প্র	83	py
बह्मान (महामह)	46-53004	90	100		२-सङ्ग्रहा	309	62
বহুনান (পথানত) ভালার বহুমান (আরপে সমাসীন হয়েছেন)		-		আকাশ-পৃথিবীর রাজত্ব আপ্তাহরর	५-आ'डाक	252	65
	২৫-মুম্বকান	43	৭৮৬	আকাশ ও পৃথিবীর রাজকু অক্সাহর	29-शमीम	2	38
রহিত				স্বাকাশ ও পৃথিবীর রাজত্ব কি কাফিরনের?	৩৮-সেয়াদ	30	৮৬
অয়ত (বহিত নায়তো হলে নদুৱল অয়ত তালে অস্তাহ)	২-বাকারা	209	675	জাকাশ ও পৃথিবীয় রাজতু আল্লাহর	১-ভাওবা	229	62
শ্যাপ্তানে নিক্ষিত্ব ব্যৱ আন্তাহ বহিত নডেন (নবী-বাসুশ্যানা আনক্ষম,)	২২-হাজ	45	৭৬৩	আকাশ ও পৃথিবীর রাজত্ব আল্লাহর	৮৫-বৃত্তজ	ò	203
শান্তি (প্ৰীর শান্তি বহিত করা হবে যদি জী দাক্ষ্য দেয়)	<b>२8-मृ</b> द	b	998	व्याद्राद्व राट्ड वासकृ	৬৭-মুল্ক	2	39
রাইনা (থামুন)				অপ্লাহর (আকাশ, পৃথিবী ও উগ্যন্তর মধ্যের রাজত্ব অপ্লাহর)	৫-মারিদা	34	Q.p.
क्ला (राजून म. तर मृष्टि प्यारम्बंदार करा बादेना मा बनार निर्दान)	२-राक्ता	208	625	আপ্লাহর (আঝগ-পৃথিবীর রাজতু আল্লাহরেই)	৪৫-জ্ঞাছিয়া	39	30
ধলা (ইছনীদের রাইনা/খাযুদ বলা প্রসঙ্গ)	8-निमा	86	090	আপ্লাহৰ (আকাশ ও পৃথিবীৰ বাজতু আল্লাহৰ)	৫-মাছিলা	250	93
রাকীম		Ė	-	আস্তাহর (আকাশ ও পৃথিবীর রাজতু আস্তাহর)	৭-জা'রাড	254	62
অধিবাসীর (রাক্ত্যের অধিবাসীরা বিশ্বরকর নিদর্শন অস্ত্রাহর)	77-4120	>	128	আহাব্য রাজত, আকাশ ও পথিবীতে	३०-एन्डक्टन	1 3	93
and	27	-	1.40	আপ্লাহর রাজত, আবাস ও পথিবীতে	48-49	85	13
অবশিষ্ট রাখদেন আল্লাহ নহের বংশগরকে	৩৭-সাক্ষাত	99	l/bo	আহাবৰ বাজ্যু (আকাশ ও পৰিবীতে)	ए-भाषिण	334	02
व्यक्तमञ्ज्ञ त्राच्यान व्यक्तार प्रदेश वरणवर्षाय व्यक्तमञ्ज्ञ त्राच्य तथ्य (प्रदेशक व्यवहार नोवाल व्यवहार समझ)	৪-নিসা	205	440	আপ্লাহর রাজ্য (মাকাশ ও পৃথিবীতে)	84-981	85	bib
অক্স-মান নাতা রাখ (মুক্তাত অবছার নাবাল আগরের নাব্য) উপস্থানীয়ের স্বাধি স্বর্থনীয় রাখা (পরস্থানিক মার্ডে)	ত্র-সাক্ষাত		564	আপ্রাহর রাজতু, আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে	ए-माहिला	80	45
ইব্রাহানের পূত করণার রাবা (পরবর্তীদের মাঝে) ইব্রহ্মানের স্মৃতি অব্যাহত রাবা (পরবর্তীদের মাঝে)	৩৭-সাক্ষাত	20%	prints	আপ্তাহৰ বাজ্যু (কিয়াখতের দিনেও)	22-07%	6.0	98
ভূপর রাখনে আল্লাহ (সদার অনুসরণকারীনেরকে)	৩-মাত্বাত ৩-মালে ইমরান			আপ্রাহর (রাজতু নিরকুশভাবে একমার আপ্রাহরই)	৩৫-ফাডির	30	b-8
ভগরে রাম্বংন আল্লাহ (দলার অনুসরণকারানেরকে) একটি দেহ নুলহিমানের আসনে রেখে তাকে পরীকা	৩-জলে হ্মলদ ৩৮-লোৱান		487	व्यक्तिक राज्य (श्रीव्यक्त स्थापा च अन्त्रा (त वाहादवरें)	५८-चागावन	30	36
রকার দেহ বুলাহমানের আনসে রেখে তাকে পরাক। এককারে প্রসে অনক্ষত্রর রাখনে আমর জনিম হয়ে বাব	79-5834A	68	pupp	আপ্রাহর রাজ্য (শিক্ষার ফ নেরার দিন রাজ্য আলারেই)	৬-জান'জাম	70	80
		৭৯	69/8	আপ্তাৰৰ বাজ্যক (আবাশ ও পথিবীয়)	ত-আণ্ আম ত-আলে ইমবান		00
লামা রাথতে বলল ইউনুফের গিতার চেহারার	১২-ইউসুক ৪-নিসা	20	946	আপ্তাৰৰ বাজ্য (বাবাশ ও শ্ৰেৰার) আপ্তাৰৰই ৰাজ্য বিনি মানুহের প্রতিপাশক (একমাত্র ইলাচ)	৩৮-মুমার ৩৮-মুমার	26/26	
ৰূপাণ এৰা (নাত্ৰা অপছন্দের দীর মধ্যেও অপ্তাহ ৰুপাণ রামে)		29	699	আপ্তাৰণৰ ৰাজতু যাল মানুহের প্রাতশাপক (একমার বলাছ) ইবরাইয়ের বংশধরনেরকে আপ্তার রাজত দান করে ভিলেন	৪-নিসা		89
পেকুর গাছ (ইছনীয়ের যেগর পেকুর গাছ রেগে নিরেছে মুদ্দিনর)	৫৯-হাশর	¢	>20			68	₹b
জামা (পিতা ইয়াকুৰের চেহারা ইউস্ফের জামা বাৰপ)	১২-ইউস্ফ	90	৬৮৬	কিয়ামতের দিনের প্রায়ত্ব একমান আপ্লাহর	৪০-ফুমিন	39	b93
রানৃদ স. কে নাঁড়ানো অবস্থার রেখে মুনল্লিনের ছুটে যাওয়া	৬২-কুমু'আ	22	300	কেন্দ্ৰে নেয়া (রাজস্থ কেন্দ্ৰে নেন আল্লাহ যার থেকে ইচ্ছা)	০-জালে ইমবাদ		60
নিপর্নন রাম আছে অনুধাননকবিলের জন্য (পূত জাতির ধার্চেস)	২৯-আখনাৰ্ড	02	279	ভাগুতের রাজত্ব হবে কি করে (বনী ইসরউলরা বলল)	২-বাকুরো	281	65
নিরাপন ছানে রাখা (ছুচ্ছ পানি, নির্নিষ্ট পরিমাণ পর্যন্ত)	৭৭-মুহসাধাত	57	777	দান (রাজত্ব ও বিকমত দান করলেন আল্লাহ দাউদকে)	২-বাকুবো	562	45
নিদর্শন রেখেছেন আল্লাহ (পৃত সম্প্রদায়ের ধাংসের মধ্যে)	৫১-বারিয়াত	পথ	253	দান (রাজপু দান করেছেন প্রতিপালক ইউসূথকে)	<b>५२-इंडेश्र्</b> क	202	610
নৌবান (নৃহের নৌবানকে নিনর্শন করে রেখেছেন আল্লার)	৫৪-কামার	342	300	দান (রাজত্ব দান করেন আল্লাহ্ যাকে ইচ্ছা)	২-বাকুরো	289	651
পদমূল্য অইনো ব্যালমূহে (মধে দিতে কলা কুবানেকে (ইইপুঞ্)	75-6934	62	60%	নমন্তদকে জাপ্তাহ রাজত্ব নিয়েছিলেন	২-বাকুারা	₹26	201
পম রাব (আল্লাহ মুক্তিয়ের বিষক্তে কবিবানের পথ রাকেনি)	8-निमा	787	646	নারীর রাজত্ব (দাবার রানী বিলকিস প্রসঙ্গ)	২৭-নাম্প	₹0	bo.
পথ রাখা (পরিপ্রয়ার দানকরিলের নিরছে অস্ক্রাহ কেন পথ রাকেনি)	8-निमा	90	469	নিদর্শন (তাপুতের রাজ্যকুর নিদর্শন)	২-বাকুরো	₹8৮	65
পরবর্তীদের মাথে দৃহ আ. কে শরণীর করে রাখ্য	৩৭-নাত্যাত	42	5-50	পৃথিনী ও আকাশের রাজত্ব আপ্রার্থ	৪২-পূর	85	1990
গাখীর অংশগুলো গাছাড়ে রাখতে ইবরারীয়কে নির্দেশ	২-বাবুদর	260	407	প্রদান (রাজতু প্রদান করেন অক্সাহ থাকে ইচ্ছা)	০-জালে ইমরান	₹8	20
বক্রবা ( কুরআনে বোন বক্রবা রাখেননি আল্লাহ )	79-বার্ক	2	128	বিদ্যামান্তন সম্প্রদারের রাজত্ব (পৃথিবীতে প্রভাবশালী হিসেনে)	৪০-সুমিদ	3.5	bb
কাংল হাত রাধার পর বের করলে তা উল্পুল হওয়া(মূদা তা প্রদাস)	২০-ড়া-হা	22	984	যদিক (রামত্বের মধিক আল্লাহ)	৩-আলে ইমরান	26	20
বিষে (মুন্দিকর অহরে বিষয় ন বাধার প্রর্থন মুন্দিকর বাপারে)	৫৯-ব্যশর	30	325	মিসবের ব্যক্তর (মিসবে ফির'আ উনের রাজত প্রসঙ্গ)	৪৩-বংকক	6.5	b≽
আইলে (জন এন ভাইনে রাম্বর অনুরোধ ইউসুমের ভাইলে ছলে)	32-267 <del>4</del>	96	944	পরীক নেই (আল্লাহর রাজত্বে কোন পরীক নেই)	১৭-ইসরা	333	92
অইকে নিজের কাছে রাখতে পারত না ইউনুক আ, (আল্লাহ	১২-ইউসুফ			পরীক (রামতে পরীক দেই, সাল্লাহর)	২৫-কুরকান	1 3	977
(কলৈদ না করলে)	34-40-74	10	698	সভিক্রের রাজতু দরমের স্বাস্থ্যকর (ভিরম্বেড)	২৫-ফুরকান	26	93
মূপ আ, ও যাঞ্চলকে পরবর্তীকের মধ্যে শর্মেনির করে যেকাছেব	৫৭-সাত্কাত	333	564	সাবার নারীর হাজত (সাবার রানী বিগকিস প্রসঙ্গ)	২৭-সামপ	20	γo
রাসূল ল, কে নারুদো অবস্থার রেখে মুসপ্তিদের মুটে যাওয়া	৩২-জুমুজ্য	22	3/3/0	সুদাইমানের রাজকুবলে শয়তানর বা শার করত (জাব)	২-বাকারা	203	45
বিসালাত রামার স্থান সম্পর্কে আল্লাহই বেশি স্বাদেন	৬-আন্'আম	338	605	হক্ষার (রাজতের বেশি হক্ষার প্রধান ব্যক্তিগণ)	३-शकावा	289	233
নম্পদ নিজের কাছে রেখে দেবা বা দান করা দুলাইমানের ইচ্ছা	GP-CHIEDA	600	bristr	বাজা (জাবো দেশুন বাদশাহ শব্দটি)	Z-nighter	407	240
সরল-সঠিকপথে রাখেন জাল্লাহ (থাকে ইচ্ছা)	৬-আন'আম	45	669	ইউনককে ভার কাছে নিয়ে আগতে বলল বাজা (আগীয়)	১২-ইউস্ফ		١
হাত (বানুদানা গ্রামানসহ এলা কাফিরাা মুখে ব্যত রেখে বলত)	১৪-ইবরারীম	>	608			28	93
ৱাখা জৌৰিত বাখা)		ΙĆ	1200	ইউনুক্তক নিকে আনতে বলল রাজা (কারাগার থেকে)	১২-ইউসূত	60	67
সাৰুত্ব জীবিতও বাখনে না আবার মকও ছেডে দেবে না	৭৪-মুদ্দাছবির	24	292	হিনিয়ে নিত নৌকা (বল প্রয়োগ করে)	7h-4)20	93	90
वाचा (स्टब्स करांचा)	10-2 udies	10	443	পালপার (রাজার পালপার হরিয়েছে বঙ্গে জনাপ ভারা, কাফেলাকে)	<b>?२-इंडिज्</b> स	૧૨	665
		-	-	প্রবেশ (রাজানা ফলপান প্রবেশ করলে সার্জনিবটেনর অপার্যনিত করে)	২৭-নামগ	C8	300
মূলর হাত প্রেটী রাধার পর তা অন্য উঞ্জুল হওয়	২৭-নামল	25	3,00	মিখন (রাজন নিখনে ভাইকে নিজের নম্ছে রাখতে পারত না ইউনুক)	<b>১२-देखेनुष</b>	98	-abr
হাত (জানার পদার (তথ্যে হাত রাখ্যে কালেন উল্লেহ মুদারে)	২৮-কাশ্যপ	03	2-22	সংগ্ৰ দেবৰ থাকা, সাতটি মেটাভালা গাড়ী	১২-ইউস্ফ	80	865

₹1C.0	5 का	82	47	44	阇

<b>१थ</b> ∕ - ~ ु .	न्द्रा मर अ नाव	1001 5	्र हो	नव विश्व रिस्ड/देशक	न्ता नः अनाम		
atfer		1		সিন (রাত-নিদের আবর্তন আল্লাহর অধিকারে)	२०-प्रौप्रमृग	9.0	99
বিধিয়োজাকের রাজি হয়ে বিয়ে করনে ত্রীপণ সামীদেরকে	২-বারুরো	202	446	দিন ব্যক্তর পরিবর্তনের মারে শিক্ষা বরেছে	28j¢	88	99
ৰান্ধী কৰামোৰ চেষ্টা	1	-	-	নিংশন (অনুধাননকারীদের জন্য রাত নিংশন)	১৬-নাহ্দ	25	9,0
প্ৰভাৱে ব্যক্তি কৰালোৱ চেষ্টা কৰকে (ইউপ্ৰেচৰ বৈমানের		-	-	নিদর্শন (রাভ থেকে দিন অপুনারিত করে অঞ্চকারাক্ষত্র করা)	৩৬-ইৱাসীন	93	50
	১২-ইউসুফ	65	95-5	দিল্পি (বাতের দিল্পি চীন্তে বিসূত্র বা আলোহীন করা)	১৭-ইসুরা	25	9:
ভাইকে আনাৰ জন্য)	-	-	$\vdash$	নিয়েজিত (দিন প্রত্তে অল্পাহ মনুহত। কশানে নিয়েজিত করেছেও)	১৬-নাহল	25	30
इ195		_	$\perp$	শিরেজিত (রাত মানুষের কল্যানা শিরেজিত)	১৪-ইবরাহীম	00	8
অক্ষর রাজ্যের বিষয়ে আনমকে শরতানের কুমন্ত্রণা	২০-জু-হা	750	981	নিভুম হওৱা (ব্যাতের কলম ঘর্ষন তা নিভুম হও)	ho-761		20
জাদ্ৰাতে অঞ্চলেই দেৱামত ও বিশাল ৱাজ্য দেখা যাবে	৭৯-দাব্য	30	999	নিল্পন (রাত আল্লাহর নিল্পন)	৪১-কুস্সিলাত	09	5
লাউদের বাজ্যকে সদৃয় করেছিলেন আপ্রাহ	৩৮-সোম্বাদ	40	264	নিদৰ্শন (ৱাত ও নিন ৰু'টি নিদৰ্শন)	১৭-ইসরা	25	9
প্রর্থনা (প্রতিপালকের নিকট সুলাইমানের রাজ্য প্রার্থনা)	৩৮-সেরাদ	-00	101	পরিক্রা ঘোষণা (নিনে ও রাক্তে আপ্রাহর পরিক্রা ঘোষণা)	২১-অধিয়া	30	
রাজ্যাথিপত্তি							9
রাজ্যার পাত বদকে (রাজবিশতি বনিরেছেন অল্লাহ মুসার সম্প্রদার থেকে)	৫-মারিলা	30	45.0	পথ্যিত (রাজ-নিন পরিত্রত যোজা করেও ক্লার নর ফেরেপারের)	৪১-জুস্সিলাভ	40	۲
	d-sile-li	40	400	পরিত্রে ঘেকা (ছতের দির্ঘ সময় প্রতিপাশনের পরিমার ঘেকা)	৭৬-দাহর	₹ક	b
রাত		_	$\vdash$	পরিত্রতা থোকনা (রাতের একাংশে প্রতিপাদকের পথিপ্রতা)	৫০-কৃষ	80	b
অংশ (রাজের এক অংশে শৃতকে সপরিবারে বের হওবার নির্দেশ)	১৫-হিজর	96	903	পরিক্রা থেকা (রাজে বিদ্ধু অশে প্রতিপদক্ষের পরিক্রা যেকা)	<b>२०-क-ग</b>	700	9
মলে (হাজে সমান অল নিম্নর অভিবাহিত করত মুক্তবীয়া)	৫১-বাহিয়াত	24	955	পবিত্ৰতা ঘোষণা (হাতে আপ্লাহৰ পবিত্ৰতা ঘোষণার নিৰ্দেশ)	৫২-ছব	8>	9
অভিক্রম প্রস্তাতে ও রাতে পৃত সম্প্রদায়ের ঋংসাবশেষ)	৩৭-সাক্ষত	309		परिवर्तन (राज निरुप्त परिवर्तर) पुरिनरान्य कना निर्मान व्यास)	১০-ইউনুস	6	10
অন্তর্হীন (রাজকে অন্তর্হীন করে দেন যদি আল্লাহ)	২৮-কানান	93	928	পত্রিবর্জন (ত্রাক্ত নিমের পত্রিবর্তনে বুদ্ধিমানকের জন্য নিদর্শন)	৩-আলে ইম্বান	270	0
অস্থকার (রাজকে আল্লাহ অস্ককার করেছেন)	৭৯-মারি'বাত	139	3008	পঠ কর (রচের দেশ আরার পঠ করে একদল আহল কিয়াও)	৩-আলে ইমরান	220	Q
বছকার (রাজের বছকারে সাধাত কারেমের নির্দেশ)	১৭-ইস্বা	क्ष	950	প্ৰথমণে (বাকের প্ৰথমণ্ডেশ সালাত কারেম করার নির্দেশ)	22-Sei	228	6
অধনার (রাজ্যে অধনারের আন্তর্যা আন্তর্নিত পালী (১বার)	১০-ইউনুস	29	629	প্রবেশ (আল্লাহ রাজকে প্রবেশ করান নিমের মধ্যে)	৩০-ক্রতির	20	Ъ
অবস্থান (বাত-দিনে যা অবস্থান করে সনই আগ্রাহর)	৬-আনু আন	30	999	প্রবেশ কল্পন আল্লহ দিনকে রাজে	৩১-পুকমান	23	10
অর্থক (প্রত্যে অর্থক সময় সঁড়িয়ে রাঞ্চা স. এর সাদাত আগায়)	৭০-ব্যব্যক্তিৰ	30	30'8	রবেশ কর্মন আপ্রায় রাতকে দিনের চিতর	৩-আলে ইমরান		0
	१-वांबर		97.9				
আহোদিত করেন আল্লাহ রাতকে দিন বারা		48		প্রবেশ করান আল্লাহ রাভকে দিনে	৩১-লুকমান	59	3
ব্যস্তাপানী (বহু অস্ক্রাপনারী ও বিন্যুক্তা বিক্রানী)		30	69/3	প্রবেশ করানো (বিনকে রাকের মধ্যে প্রবেশ করান আল্লাহ)	৫৭-হাদীদ	ė	1
ঋন (রাড এনে সেবে কে? স্বল্লাহ নিনকে স্বর্জন করল)	২৮-কাশস	35	328	হালে করানে (অক্সাহ রাতকে নিদ্যেনিনকে রাতে প্রবেশ করান)	২২-হাজ	92	9
খাবর্জন (নিন-রাক্তর অবর্জন অনুধাবনমারীনের জন্য দিন-নি)	৪৫-জাছিয়া	¢	204	প্রবেশ করনো (রাডকে নিনের মধ্যে প্রবেশ করাণ সাপ্লাই)	৫৭-হাদীদ		3
ভাবরণ (রাচকে আপ্রার আবরণ সভপ বানিরেছেন)	৭৮-নাবা	30	2000	বিশ্রাম (আল্লাহ বাত সৃষ্টি করেছেন বিশ্রামের জন্য)	১০-ইউনুস	69	6
আবৰণ বানিয়েছেন আপ্লাহ বাজকে (মানুবের ক্ষন্য)	২৫-কুরকান	89	10:0	বিশ্বমের জন্য অস্ত্রাহ রাত সৃষ্টি করেছেন	৬-আন্'আম	3/0	6
আল্লাহর নির্দেশ বিদে/রাতে জাগল (পদ্যক্ষেত ধাংসের)	২০-ইউনুস	28	606	বিপ্রানের জন্য রাজ বানিরেছেন আল্লাহ	8o-मृ*मिन	65	Ь
আহ্বান (নূহ আ, সম্প্রদারকে দিনে ও রতে আহ্বান করেছিল)	१३-सूद	0	398	বিশাসের জনা রাত বানিরেছেন আপ্রাহ	২৮-কাসাস	30	ъ
উত্তম (কদরের রাজ হাজার মানের চেরে উত্তম)	৯৭-কানর	ì	2059	বিশ্রামের জন্য বাত সৃষ্টি করার মারে মুমিন্দের জন্য নিদর্শন	২৭-নামল	ьр	5
কদরের রাজ সম্পর্কে রাসুল স, কে জানানো প্রসঙ্গ	৯৭-কানর	3	2052	বের হওরা (পুরুকে রাজে বের হরে যাওয়ার পরামর্শ)	22-54	3.3	1
কণ্ডের রাত বালার মাদের চেক্তে উত্তম	20-993	1	2059	ব্ৰহণ (প্ৰকলিন লুশাহ্বন জনপান ক্ৰমণেঃ নিৰ্দেশ, সাবাৰাসীকে)	৩৪-সাবা	20	1
কল্পের রাতে বালার নালের চেত্রে তত্ত্ব কল্পের রাতে বালার কুরবান ববতীর্থ করেছেন	31-499	3	2049	ত্তমণ (রাপুল স. কে রাতে প্রমণ করালে, মেরাজ প্রসদ)	১৭-ইসরা	3	13
	93-MAS	1 8	3057	হসতে বাতে বের হওরর নির্দেশ (আল্লাহর বান্দানের নিয়ে)	88-7574	20	1
কসম (রাজ ঘর্ণন গত হতে থাকে তার কলম)				मूजारक बारत एक एका मान्यम (जाइराइ पामानक सर्व)	৬-আন'আম	(40	100
কলম (প্রতের কসম বংশ তা নিখুন হয়)	৯৩-দুখ্য	1	2059				
কপম রাতের	৭৪-মুন্দাছছিল	00	997	মেবারক রাজে কুরআন অবজীর্ণ	88-नृशन	0	18
কসম (অন্ধর্বারাজন্ম রাকের কসম)	৮৪-ইশূপকাক্	23	2030	রক্ষা করা (জনেন যোক দিনে ও রচে ক্ষমিখনের কে রখা করবে १)	২১-আধিরা	83	9
কসম রাতের (যখন তা আচ্ছাদিত ব্যা)	১১-শাম্স	8	3048	রোবার রাকে যৌলসম্ভাগ হালাল করা হয়েছে	२-शक्तवः	22.4	
ক্সম নারের বর্ধন তা আঞ্চলিত করে	৯২-পাইল	3	2055	রোহা (রাত পর্যন্ত রোহা পূর্ণ করা, ফক্সর থেকে)	২-বাকুরো	35.8	
কসম হাতের (বংল তার অবসান হয়)	৮১-ভাক্তীর	39	2003	শান্তি অনা (অগরাধীদের উপর বাতে/দিনে শান্তি আসা)	১০-ইউনূস	60	0
মুম (থাতের বেলার মুম আপ্রাহর নিদর্শন)	\$0-7X	20	990	শান্তি আলা (রাতের বেলা ভুমন্ত অবস্থার শান্তি আলা প্রদাস)	৭-আ'রাফ	39	6
চল্লিশ রাত (মুলার ফল্য নির্ধারিত সমর চল্লিশ রাত পূর্ণ হওয়া)	৭-আ'রাক	284		শান্তি (রাতে শান্তি এসেছে, জনপদ ভাগসের জন্য)	৭-আগ্রাফ	8	1
মুদ্রিশ রাত মুসার জন্য নির্দিষ্ট করা (বাছুর পুরা রাসকে)	২-বাকুরো	62	ega	বরুত্তে (অহাক্রিটানে প্রাত-শিক্তর বরুত্তে পুর্বশাসকার কবিব)	৩৪-সাধা	200	1
ভাহাজুল (থাতে ভাহাজুল আদারের নির্দেশ, রাসুল স. কে)	১৭-ইপুল	43	930	সময় (ব্যাহ্যর সময় ইবালান্তের দিক থেকে অধিক কার্যকর)	৭৬-মুব্যশ্বিদ	ò	1
ভাহতজুন (মাতে ভাহতজুন আনারের নিসেন, মানুন না তে) ডিমরেজ কথা নদতে পারবে না বাকারিয়া	25-410\$314	20	908	লাক বাত বিশ্বমন্ত্ৰীলয়েৰ কৰে হাত্তা বৰ (আন অভিন উপর)	६७-शहाद	9	13
				সিভাল (ছতে নিজনকরী ও অস্ত্রাহর নাম প্রকাশীর মর্থাল)	৩৯-মুমার	b	ь
ত্ৰিশ বাত (মূদার জন্য প্রতিপাদক কর্তৃক ত্রিশ রাত নির্দিট্ট করা)		284		নিজনালত (বাতের বিশ্ব অনুশ অস্ত্রাহর এতি নিজনালনত ২০০৫)	৭৯-দাবর	26	13
নশ রাজের কাসম	P.P-41642	1	7057	সৃষ্টি (ঋল্লাহ নিন-হাত ও চন্দ্ৰ -সূৰ্ব সৃষ্টি করেছেন)	२३-व्यक्ति	00	10
দীয়তা (মতে দীয়তনর নির্চাণ মালুব স. তে, নামাচার ফল)	৭০-মুব্যাবিদ	3	92.5		Se	-	۲
দান (দিনে(য়াতে সম্পন দানের প্রতিধান প্রতিপাদকের কছে)	২-বাপুরা	₹98		ৱাত অভিবাহিত করা	No. Woman	1.0	+.
নিশকে বাতের ভিতর প্রবেশ করান আপ্লাহ	৩-আলে ইমরণ	29	602	বান্দারা রাত অভিবাহিত করে সিম্নপাধনত অবস্থায়	२१-वृष्टकान	48	19
নিনকে ন্নান্ত ব্যৱা আহ্বাদিত করার মধ্যে নিদর্শন ররেছে	১০-হা'ন	0	(p)rbr	রাত (অন্ধকার)	1	_	⊥
নিনকে আহানিত করেন আল্লাহ বাত হাবা	৩৯-যুম্বার	e	6.47	অনিউ (অন্ধবার রাবের অনিউ হাতে আশ্রর চাওয়)	১১৩-ফালাক	0	3
নিন্দে অভিক্রম করা য়াতের পক্ষে সম্ভব নর	৩৬-ইবাসীন	80	768	बाठ (श्रवंश श्रवंश)			٢
দিন দারা রাজকে আঞ্চাদিক করেন (সাপ্তার)	৩৯-যুমার	4	793	আদা (ইউদূডকে কুরার ফেলে দিরে রাতে আদল ভাইরেরা)	১২-ইউস্ফ	34	10
मिरमह प्रत्या व्यक्ति वाक्टक क्षत्यम् क्यान	৩৫-কাতির	30	583		-	+-	۲
নিনের মধ্যে অস্তাহ যাতকে বাংলা কথাল নিন (স্থান্ত ও মিন বানিয়েছেন আপ্রাত, পরম্পারের অনুসামী)	३१-प्रकान	63	996	রাতে আত্মধ্যপানারী			1
নিন (ব্যক্ত ও দিন বানহৈছেন আন্তাহ, শরাশায়ের অনুগানা) দিন (ব্যক্ত নিমের আবর্তনের মাধ্যে নিমর্শন রয়েছে)		268		ক্রমম (রাতে আন্তর্ভাগশকারী উদ্ধান ভারকার কনম)	১/৬-তারিক	- >	>
	২-বন্ধরা	1,206		কিলে জানাবে ব্ৰালুক স. কে ব্ৰাকে আন্তৰ্ভকাশকাৰী সম্পৰ্কেই	1	2	15

রাতে পরামর্শ

अप विषयं स्था	न्दानः धनःत	100	701	नव नेसर/दशक	नुसामा अमान	400 6	10
রাতে প্রামর্শ		1		আঞ্চাকন (নবী-রাস্থাদের আন্তাকন ও শরকানের)	22-E/06	22	960
মুনাঞ্চিকদের রাতের গোপন পরামর্শ আল্লাহ জানা প্রদাস	8-निश	30%	642	জাগান (স্পর্ট প্রকাশন রক্তানে জাগান)	১৪-ইবরাহীন	b	658
দিবে রাখ (মুদাফিবলের ব্যক্তর পরামর্শ অস্ত্রাহ দিবে রাখেন)	8-First	3.5	669	আনৰ্শ (আল্লাহতে স্বলাবারীর কন্য রাস্থা স্, এর মধ্যে			
etco cee post	-	-	-	উত্তম আদৰ্শ)	৩০-আহ্যাধ	52	500
মসা আ,কে ওহী (মমিন্যানর নিয়ে রাতে বের হওয়ার জন্য	২৬-চ'বারা	45	430	অপাল (রাক্স স্. এর অনুগায় ন করে কবিয়ুনে জনমাণ)	००-मास्मान	366	pres
गृड पर, (रु वट्ड (सा दशका निर्मुन (निर्मात निरम्भागा)	77-44	6.0	690	অনুসাল (প্রান্তবে অনুসাল করা মুগত অনুসালট অনুসালা করা)	৪-শিশা	tro	200
পুত্ৰকে ব্যক্তের জেল এক জন্তেশ সপরিবারে বের হওয়ার নির্দেশ	10-500	90	902	অনুগত (রাস্ত্রের অনুগতা করসে কর্মন্ত্রুস কর মূরে ব)	8%-एक्टाच	38	343
attag tan	NE-IGHE	- 04	103	অনুগত কলা দ, এর অনুগত করার নির্দেশ (ইম্ফানরচেন্য প্রতি)	89-907904	90	220
				অনুসাম (রনুসার অনুসাম, মনুঞ্জুরা থেকে নিচত থকা প্রদাস)	¢-प्रतिना	24	695
অমাত পঠ করে রাজ্যে কেনার, আহলে কিবাবনের এক দল)	৩-মালে ইমরান	330	681	অনুসার (অপ্রার ও রুপুদ স্ব এর অনুসার করেশ করেছে প্রয়েকে)	৪-নিবা	20	200
রাতের বেলা বাওরং	_		-	আনুগতা (আল্লাহ ও রাসুল স, এর আনুগতাকারীর উপর			
শস্ত্রেকে রঙের কেনা চেন্না হলা বাংলার বিজয় (দাউন/পুশাইবন:)	২১-আখিয়া	101	322	व्यक्तिस् (नवासर)	৪-মিসা	839	490
रावि				व्यक्तांक (व्यक्ताः राजा न ता वज्रासमये प्रश्नवण्य गठ वर्त्तर)	oo-Birtis	95	b/80
আছেন্ন করা (ইবরান্ট্রীমকে রামির অছকার আছেন্ন করা)	৬-আন্'অম	95	900	আনাম (অল্লহ ও রাজা স. এর আনগদ্ধ করার নির্দেশ)	৮-जानकान	86	606
রাত্রি জাগরণ (দেশুন তাহাজ্জুল শব্দটি)				वालास (बाहार ० ताला म. ८८ व्यतना वाद प्रीम ना नवीत)	>-86441	13	889
রাষ্ট্র (দেখুন রাজ্য ও দেশ শব্দটি)		_	-	অনুনার (অন্তাহ ও রাবদ স. এর আন্তাহের নির্দেশ)	৫৮-মুক্তমালা ৫৮-মুক্তমালা		
রাম (কপ)		$\vdash$	Н	অনুগত (অপ্তাই ও চাবুল ন, এর অনুগতের দাদেশ) অনুগতে (অপ্তাই ও চাবুল স, এর অনুগত করার নির্দেশ)		20	70.00
অধিবাসী রোল এর অধিবাসীলের বিধ্যাবাদী বলেছিল)	৫০-বাফ	32	256		৮-আনফাৰ	2	900
'রাস' এর অধিবাসীকে কংস করেছেন আল্লাহ	২৫-কুরকান ২৫-কুরকান	24	१५५	আকুগজ্য (আল্লাহ ও বাসূদ দ, এর আনুদক্ত করার নির্দেশ)	৩-জালে ইমরণ		ech
बामवामी	44-7-444	-00	100	অনুগত (অক্সাহ ও অসুগ স. এর অনুগত্য করার নির্দেশ)	৬৪-জাগারুন	25	200
	4 - 74700			অনুগম (অল্লাহ ও অসুগ স. এর অনুগতাব্যবীকে জন্তাতে)	৪৮-ফাত্ত	24	270
	৫০-কৃষ্	25	254	অনুগত্ত (রাসুগ দ, এর অনুগত্তা করতে মুদ্দিরানা প্রতি নির্দেশ)	8-9×1	63	268
বাসুল স. (আরো দেখুন বার্গীবাহক/বার্তাবাহক শঞ্চী)			ш	আনুগতা (রাস্ব স. এর আনুগত্য করার নির্দেশ)	২৪-দূর	28	993
অবলাধ্যে 'রাকুল ন, এর গাছ থেকে' বলা (ফুরফিক প্রনাস)	8-निमा	92	୧୯୯	অনুনার (পরির প্রীমেরক অস্তাহ-রাসুদা স. এর অনুনারের নির্দেশ)	৩৩-অহ্যাব	00	209
অনুশ্র বিষয়ের বিস্থা আন অক্সাহ তার সমোগতাকন রাসুশ স, কে সেন	९२-किन्	23	39-3	অব্যাত কৰি (দুটান ও মানুদ্ধক ব্যক্তা গ, কর্তৃক আৱাত কৰি)	৬-জান্'জাম	240	909
অধিবালী (রালুব ব. মঞ্চা লগরের অধিবালী)	১৩-বালনে	2	2050	আলাত গোনান লকুল ন, এবং কিফাব ও হিকমত শিক্ষা দেন	৩-আলে ইমরান		667
অনুসরণ (রাস্ল স, কাথিবদের প্রবৃত্তির অনুসরণ করলে)	১০-রাপ	9	995	অল্লাহ ও তাঁর রাজুল ল, মুমিননের বন্ধু	৫-মার্থদা	65	27.0
অনুসরণ (রাস্বাদেরকে অনুসরণ করার আহ্বান, এক ব্যক্তির)	৩৬-ইয়াসীন	50	245	অপ্তাহ ও তার রাসৃদ স. এর বিক্রছে যুছের প্রতিফল	৫-মারিদা	00	Ø₩8
অনুসরণ (রাসূল ন. এর অনুসরণ, বিৰদা পরিবর্তন প্রসঙ্গ)	২-বব্দের	780	676	আল্লাই ও রাসুদ স, অনরে করবেন (মূনাফিকনের <b>ভাগরা</b> )	২৪-সূর	фo	993
অনুসরণ (রাসুল স. এর অনুসরণকারী সক্তল)	৭-জা'রাফ	364	653	অল্লাহ ও অসুগ স: অজবাধুক কয়েছেন কৰিব ও ফুবকিবলেয়ক	৯-ভাওৰা	9.8	685
অনুসরণ (রাসুসের অনুসরণ করেছে হাওরারীরা)	৩-আলে ইময়ন	60	487	অক্সহ ও রাসুদ স. অপেকা হির হলে- পিতা, সম্ভান ও	৯-জাওবা	2,8	684
च्यून्सरा (संजून ज. এर च्यूनरा करव यन परियट निस्पेनरी इड)	১-কার্থনা	82	688	অপ্তার ও অসুগতে তে সাহায় করে অস্তার জ প্রেস নিকে	৫৭-হার্নান	2.0	hệc
অনুমতি (রাসুল স. এর অনুমতি প্রার্থনা করে যদি মুলাভিকরা)	৯-ভারবা	70	68b	আস্তাহ ও রাকুল ন. কে সম্ভট্ট করাক হবে	৯-জভবা	64	886
जनुमक्षर (क्वनियहा समून म्. ४४ जनुमकार क्वा करवान (स्टेटर)	३४-१रदारीय	88	969	আল্লাই ও রাসূল স. কে সাড়া দেরা, থবম অবস্থার	৩-আলে ইমর্ম	392	202
অনুহাই (রানুগ স. এর প্রতি প্রতিপালকের বির্ত্তা অনুহাই)	১৭-ইসরা	24	455	আল্লাই ও রাসুদা ন, গারিত্বযুক্ত (মুদারিকদের থেকে)	৯-জ্যাধন্য	0	680
অনুগত (অল্লাহ ও বাসুদের অনুগত হয়ে সংবাজ করলে)	৩০-আহ্বাব	47	60%	আপ্রাহ ও রাসুল স, যা নিরেছেন আতে সম্ভর্ন থাকা	৯-ভাওবা	¢'n.	686
অন্তর (রাসুল ল, এর অন্তর সংকৃতিত হর কাফিরনের কথার)	३१-दिकर	24	902	আল্লাহ ও রাসুসগণের প্রতি মিয়ান জানার জাহবান	ত-আলে ইমরান	29%	200
खरहीर्थ (इंग्लिन मृ. कि 'खरहीर्थ (व्हेंद किंद्र वर्कन कहाउना)	22- <u>Zei</u>	34	666	অপ্তাহ ও হালে দেখালে অস্তহাত পেশকটোনা কর্তকলপ	৯-জাওব	28	000
অংশীর্ণ (রাসুল স, এর প্রতি অবতীর্ণ আছাত অনু		-	-	व्यक्कार ७ जन्म न, य (भग करूड धर्म मुक्के शक्क करा यह	৯-জাওৱ	ep.	686
নাস্বাহান্ত জ্ঞাসকল ব্রুৱা)	৫-মরিগা	940	699	अक्टर ७ जन्म २. ५७ श्रीय यस विधानात कराते क्रामित एए	५8-मृद	66	93/3
অবস্তীর্ণ (রাক্স ল, এর উপর অবস্তীর্ণ বিবর্ধনে স্বিদ্ধান আনর নির্চাল)	8-निग	20h	098	ख्यार ७ सम्भान, तम विश्वकारकोत्तर समानुन समानुन्यः भारत्यः,	৫৮-মুমানালা	44	268
অবর্তীর্ণ (প্রাপুল সং এর উপর অবর্তীর্ণ বিবাসে বিভালাক্রমার উল্পুল্ল)	১৫,বা'ল	ob.	653	অস্ত্রহ ও প্রধানে বিশ্বছ যত্ন করেছে যথা ভালে ঘটি	> wheet	309	667
चनकीर्प (शामन म. यह देनर या चनकीर्प वामाक का नका)	১৯-র'ল	2	66/6	অপ্রাহ ও রাসল স, এর জন্য গণিমতের এক পঞ্চরাংশ	৮-আন্টোল	87	909
অধিকাৰী ও বাৰুল স, এর মধ্যে পদী টোল দেয়া কেজন পট অংশ।	24-g>st	80	222	অপ্তাহ ও প্রকল স. এর দিকে আহান করা হলে মানিনার কলকে	<b>♦8-नव</b>	67	393
অধিয়ান (অস্তাহ ও বাবল স. বে অধিয়ান করেছে ভানিকর)	3-8183 4	b8	683	অক্সা ও রাসুল স, এর সিকে ভাষা ভাল রূপ বিভিন্নে দেয়	<b>५8-नव</b>	Bbr	1120
অধিকাস (অপ্তাহ ও একণ স. তে অধিকাসকাটাই প্ৰকল কৰিব)	s-Set	3/20	639	অক্সম ও রাক্তা স, এর পাছ থেকে থোকা (বত হাজের নিজ)	3-W168E	2	480
অধিশান (রাসলগণ্যে অধিশানভারীরা নদর পথন্ত)	৪-নিশ্ব	30b	018	ज्याहर ७ वर्गा न ता क्यामक्यों पूर्वन व मीववास तुनर तुन्हें	h-2004	207	58%
অবিশ্বাস (অসুলা নাতে আবস্থানাকার্যনা পুনুত নভাতে) অবিশ্বাস (অসুলা স. এর প্রতি অবিশ্বাসীনের ব্যৱপ্রতা নিচেম)	9-sted 9-sted	200	552	অল্লাহ ও হাসপ স, এর আছানে সায়া ক্ষোর নির্দেশ	h-আনকাল	28	908
অসম্বান (অনুস ন, তথ্য প্ৰাত অসম্বানকো ব্যৱহান সংক্ৰে) অভিযানৰ (প্ৰকাশ ন, কে অভিযানৰ জনায় মন্ত্ৰিকয়া এমন জাতে)	৫৮-মুক্তানালা	gs h	950	অস্ত্রাহ ও রাসুল স, এর আনুগত্য করে বারা ভারা সঞ্চল	28-78	93	395
অভিনব (মৃত্যুগদ স. কোনো অভিনব রাসুল নন)	তে-নুজাদাদা ৪৬-আহককে	2	9050	অল্লাহ ও রাসুল স, এর অনুগতোর নির্দেশ, মুমিনদেরক	৮-আন্দোল	20	600
অধনা (মুখ্যমন ন, সেন্দের আকার রাপুণ নন) অধনা (স্তান্দ ন, কে অমনা করার রাপারে গোপনে করা করা)				অস্ত্রাহ ও প্রদূপ স, এর সাথে মুখরিকনের চুক্তি প্রদৃষ্	5-787637	40	680
জনসা (রাসুগ গ: কে অন্দর্শ করে বালারে গোলনে করা করা) অন্দর্শ (রাসুগ গ: কে অন্দর্শ করে বালারে গোলনে করা বর্গা নিজে)	৫৮-মুজানালা	¥	96.0	च्यार ७ अनुन न. यह नारन चुनाइकरना प्राप्त दुनाव च्यार ७ अनुन न. यह नारन कुमति कथा कबान न ख्राहार	9-21041	Po.	686
	৫৮-মুন্দানালা	>	960	আহার ও রামল সা এর সামে বিভাগত করা নিকেব	b-বাধকাল জ-তার্থন	39	959
অমদ্য (প্রতিশালকের রাজূদকে অমদ্য করার অপরাধীনের ধাংগ)	৬৯-হালার্	70	244	অপ্তাহ, বাসল স. ও হবিশণ দেখাবন মানুহের বাজ-বর্থ	7-2041	200	403
অমান্য (রাস্পকে জনান্যের পরিণান পাহান্নামের আঙন)	१२-बिन्	50	35-9	অক্সাহ, প্রকাশ ব. ও বাধনসেবকে ছাতা অন্তরে বন্ধ প্রকাশ	2-61041 2-61041	36	483
অধন (কলুকে অধনকৰী মতি সাগে দিশে যেত অধন কৰাং)	8-9 <del>71</del>	84	665	আপ্রাহ, বাসুল স. ও প্রথানগরদেরকে বন্ধুরূপে গ্রহণ	৫-মারিদা	26	67.3
অবাস্থ (রসুপ সংকে অবাদ না করের বাইরাকএছণ, বুলিন নারীনের)	৬০-মুমভাহিনা	25	969	আল্লাহর বাসূর আসা (ধর্নীইসরাদলের বাছে)	২-বাকুরো	202	622
ক্ষনৰ (মন্ত্ৰাহ-ক্ৰপুণ স. এর সকলক্ষরিকে স্বত্যত-প্রকেশ করতে। ছবে)	s-সিশা	78	ব্রুদ	আপ্রহর রাসূদ সদা আ. (বনী ইরাদলদের প্রতি)	৬১-সাফ্ফ	ò	200
অমান্য (আদ সম্প্রদার বাসূলনেরকে অমান্য করেছিল)	১১-বুল	62	693	অক্সাহর বাসুৰ ও তার কালিয়াহ (সিলা)	8-PM	2.47	634
অহান্যকারী (আল্লাহ ও রাস্কে অহান্যকারী পথন্ট)	৩৩-জিহ্মার	46	906	আপ্রাধ্য থাসূপ স. পবিত্র গ্রন্থ পাঠ করেন আপ্রাধ্য থাসূদ মুখ্যামল স. বেচন পুরুদ্ধের পিতা নম	৯৮-বাহ্যিনাহ ৩৩-আহবাব		2052
অমান্য (প্রতিশালক ও রাস্ত্রের অবাধাভার শল্পি)	62-8769	7	969	पाद्वारत सन्त प्राप्त में, (शन पूजरक (गया मन पाद्वारत सन्त प्राप्त में, (शनकिरास मान))	৩৩-জনফিকন ১৩-জনফিকন	20	203

स्थापन में (पार ) व्यक्त के प्रतिक्ष के प्रतिक के प्रतिक्ष के प्रतिक के प्रत	वय वयस्थान	त्रुवा मर् व माम (बस्त के पूर्व)			न्य दिरश्रद्धतक त्या वर वंगार व्यवस्					
पर पी हो करता.		A. Isaaca	W.70.	400	ইমান (রাসল স. ও মমিনগণ রাসলদের প্রতি ঈমান এলেছে)	२-राकावा	27.5	20		
बहुबार वह मा त्या कर पार कर कि मिह प्रवाद के 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10							27.0	20		
बहुत के हुन के		৬৬-মন্ফিকন	2	208	ইমান (আপ্তাহ ও বাস্থ দ, এব প্রতি ইমান বাংশ যাবা)	৫৭-হানীদ	52	20		
মাহতৰ হাপুন ব, বে সামাত কথাৰ দি হাপুন বিশ্বন কৰিছিল। বিশ্বনাৰ কৰিছিল। ব	মালায়ত বালে সা এর অবলান জোন বাবার নির্মণ মহিদাসর প্রতি							20		
स्था हा पह ता ते हमें प्राचित के तिर्माण के ति के ति विकास का विकास का विकास का	মালাহর বাসল সা এর সামতে কঠাখন নিচ করে যায়া					92-आक्रक	22	34		
মান্তৰ হাল্য নে বা পাৰত কৰা নামত নি কৰা	मानार जामन म तह ता 'शाहे' विन्हाता (हेनमीरसव (शाह)		-			Riv. WEEF		32		
আছৰ বাস্ত্ৰণ , বে কাৰণ কৰাৰ পান্ধ কৰে.  1 1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-								20		
स्वस्त पूर्ण र ते कर का प्रकार (व्यक्त के प्रकार (विकार के प्रकार के प्र						av.arex		201		
হ্বাহ্য বা প্ৰত্যালয় কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব								8		
মাছল আপুলা না কৰা কৰা চাৰতিৰ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰ								2		
स्कार सहन है. यह पूर्ण कर प्रकार के प्रकार								2		
মাহন হাকুল, a. বা পুনৰ হাকুল বাবে কাৰ্যালয় — ১০-বাৰ' — ৩০-১০ কৰ' — ৩০	वाह्मार वार्यन न, एक बाबना करवादन (कर्यपूर्व सनन)							0		
स्कृत ह निहास के पहिल्ल के प्रताद के पहिल्ल के प्रताद								2		
बहुद कहाने के विकास के विकास की किए के किए हैं. 15-15 का की किए की की किए क								8		
আছুল আমুলিনিক প্রকাশ কর্মান										
बहुत कहा है के हिंदि है के हिंदी है के								b		
আছুৰ বা প্ৰদান কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব								0		
আৰু বা পুল ন কৰি কৰি কৰি বা পুল বা পুল কৰি কৰিছে পাছ কৰি কৰি কৰি বা পুল বা পুল কৰি কৰিছে কৰি বা পুল বা পুল কৰি কৰিছে কৰি বা পুল বা প										
আছে না বাদ কৰি কৰি কৰি না বাদ কৰি								9		
মান্তৰ মানুন ন প্ৰচিন্ন কৰিছেল মানুন নি কৰিছেল নি কৰিছ								Q.		
ৰহা (পৰি কাৰণ কুলান কৰ্মান প্ৰতিষ্ঠান নিৰ্দিষ্ট কৰিছিল নিৰ্দিষ্ট কৰিছিল নিৰ্দাৰ কৰিছিল নিলে নিৰ্দাৰ কৰিছিল নিৰ্দাৰ কৰিছিল নিৰ্দাৰ কৰিছিল নিৰ্দাৰ কৰিছিল নি								9		
ৰাম (প্ৰকাশ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব								9		
আৰু নামৰ কিছিল স্থানি কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি								4		
মাৰ (জাল ক্ষুণ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰা								y		
কৰা (হাল সংবাদ কৰিছে) নিৰ্দেশ্য কৰিছে নিৰ্দেশ্য কৰেছে নিৰ্দেশ্য কৰেছে নিৰ্দেশ্য কৰিছে নিৰ্দে								¢		
কৰা (বাদ কৰে কোন সমতেৰ নিৰ্ভাগত কৰে কোন কৰে কিছিল) ১ এইবাৰ কৰা কোন কৰা কিছিল কৰা								ь		
কৰা ( (हान हर करी के दार क्षण पहार कर								ъ		
কৰা (হাজুলা কৰা বিশ্ব কৰা								31		
কৰা (বাহুলান পৰিক্ৰা কৰা কৰিছ হ'ব) - ১ বৰ্ণনিৰ বি কৰা (কুলান পৰিক্ৰা কৰা কৰিছ কৰিছ হ'ব) - ১ বৰ্ণনিৰ বি কৰা (কুলান পৰিক্ৰা কৰা কৰিছ কৰিছ হ'ব) - ১ বৰ্ণনিৰ বি কৰা (কুলান পৰিক্ৰা কৰিছ বাহুলা কৰা কৰেছ কৰিছ কৰিছ কৰিছ কৰিছ কৰিছ কৰিছ কৰিছ কৰি								b		
কৰা (কুলান কৰি একাল কৰে) কৰি একাল কৰে একাল কৰি একাল কৰে								¢		
बहु के कुछ है । अर्थ के विकास का क्षेत्र के	জালা (বাসূলদদ যথনই এসেছেন, এমন বিচর নিরে য:)							9		
ৰ বিশ্ব নিৰ্ভিক্ত কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব			6				80	3		
কৰা (নালনোৰ নাৰখন বাবা বাপুন প্ৰকেশ) ১০ ১ইনা বা ১০ ১ই			245	685		৭৩-মুখ্যাথিল	٩	8		
কৰা বুলা কৰা বাবে বাবেল কৰা পাছৰ কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰ			62	268				6		
কৰা (কুলা কৰা কৰা কুলা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰ								ъ		
জন ( eight and find find find find find find find fi		৫১-খরিরাত	22	820			49	9		
কৰ হোৱা কৰিব পূৰ্ব বিভাগ কৰিব পূৰ্ব কৰিব পূৰ্ব কৰিব পূৰ্ব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰি			89	600			22	3		
কৰা (হাম্যুল এবাৰ্ডিল স্পাৰ্থন কৰিছে) ১-১০০ৰ প্ৰথম কৰিছে (হাম্যুল এবাৰ্ডিল স্থান কৰিছে ক		৭ আরফ	-06	97.0		৯-তাওবা	8b	18		
কৰিবাৰ (হ্ৰমণ্ডাত বিশ্বনাৰ পৰি পৰি নাৰ বাবে প্ৰাৰ্থা কৰিবাৰ কৰি	আনা (রানুল এনেছিল পূর্ববর্তীনের নিবট সুস্পর নিদর্শবাদীনার)		9					0		
আয়ৰ কৰাই সৈদ্ধিক স্থানিক স্	আসা (রাসূল এসেছিলেন পূর্ববার্তী সম্প্রদারের নিকট)	৯-জাওবা	90	689	কাভিত্তরা কি তাদের রাসূল স, কে চিনেনিঃ	২০-মু"মিনুন	69	9		
আন্ত কৰা হাল প্ৰ- (পৰিচাৰে নিশ্বন)  - ১০- বৃষ্ণান কৰা প্ৰ- কৰা প্ৰ- বৃদ্ধান কৰা ব			78	1166				'n		
জ্ঞান বাহিন্দ কৰা দুৰ্বা হ (ইচান্তন), বিহুল ব্যৱস্থা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰ		২৩-মুখিনুন	67	965			0	2		
জ্বাক্ষণ বা নাৰ প্ৰত্ন প্ৰত্ন (প্ৰতিপাৰৰ দিয়া প্ৰত্ন কৰি । ১৯ এই বা নাৰ প্ৰত্ন কৰি । ১৯ এই বা		२१-यूनकान	9	962	কুরমান রাসূদ গ, এর প্রতি পর্যারক্রমে অবতীন	৭৬-নাহর	20	1		
আছে (কুলং না ৰাজ্যক (ইনিক মান্ত্ৰ কৰা সামান্ত হৈ এই প্ৰত্ন কৰা			750	220			0	h		
ৰাজন (কুলা না পাৰ্যা কৰি আৰু পাৰ্য	আহ্বান করেন রাসুল স. (প্রতিশাল্যবের উপর সিমান জনার জন্য)	৫৭-হাদীল	ъ	885	ক্ষমপ্রান্তর (রাপুশত যদি মুনাফিবদের কর্য ক্ষমপ্রান্তন বর্তন)	8-দিসা	98	10		
হিন্দুৰ বালুগ বিজ্ঞান কৰিবলৈ প্ৰায়ন কৰিবলৈ কৰিবল	আহান (ক্রপুণ স: এর অব্যাদকে ভূমিনালো অব্যাদক পার পার কর)	২৪-নূৰ	90	473	বিশ্বানত (প্রাসূদ স, এর সাথে বিশ্বানত করতে চার যদি)	৮-আনকাশ	93	0		
নিশান বাহানে প্ৰেটা বাহান বিশাস বি	অস্থান (রাসুল স. দরল পরের নিকে আহান বরেন, কমিরচেরকে)	২৩-মুমিনুদ	90	990			884	0		
হাজনীৰ বাহুল কৰি বিশ্ব স্থা বিশ্ব কৰি কৰি বাহুল বাহুল বিশ্ব কৰি	ইউনুস রাসুল হিলেন (আল্লাহ মেরিক)	৩৭-সার্কাড	209	00व	গত হরেছে অনেক মাসুদ্দ- মাসীয় এর পূর্বে	৫-মারিদা	90	10		
কৰা (বাহুৰ বা বুলাগা কৰিব কাৰণ কৰা কৰিব। এই নাৰ্বাহি । ১৯৯ টুকা কৰিব কাৰণ কৰিব। এই নাৰ্বাহি । ১৯৯ টুকা কৰিব কৰিব। এই নাৰ্বাহ্মৰ বা বুলাগা হ'ব । ১৯৯ টুকা কৰেব কৰা এই নাৰ্বাহ্মৰ বা বুলাগা হ'ব । ১৯৯ টুকা কৰেব কৰা এই নাৰ্বাহ্মৰ বা বুলাগা হ'ব । ১৯৯ টুকা কৰেব কৰা কৰা কৰিব। ১৯৯ টুকা কৰা এই নাৰ্বাহ্মৰ বা বুলাগা হ'ব । ১৯৯ টুকা কৰা কৰা কৰিব। ১৯৯ টুকা কৰিব। ১৯৯ টুকা কৰা কৰিব। ১৯৯ টুকা কৰিব। ১৯৯ ট	ইলিরাস আল্লাহ প্রেরিত রাস্স ছিলেন	৩৭-সাক্ষাভ	250	5460	গোজীত্ত করা (নিরাপরা/ জিনির সংখ্যা রাসুল স, এর গোজীত্ত করা)	৪-নিলা	316	10		
তে (আৰু ব বাসুন্দাৰ বিশি চিয়া পাহলা আ )  4 3 243  - 347	ইসমানিল ৱাকুল ও নবী ছিল	১৯-মারইয়ান	28	909		৫৮-মূজাদালা	25	18		
কৰে (আছিব হুপান কৰিবল কেবল, কুৰিককাৰ) এন কুৰ । বা 190 । তা কুৰুত নু কৰা দাবিক কৰা কৰিবল	দিয়ান (অক্সাই ও রাপুলের রাতি দিয়ান আনতে ব্যবরাধীদের)	৫-মারিদা	222	698		8-मिना	348	4		
কৰাৰ (মাহাৰ, নাশ্ৰণ ও কুৰামে দিখা কৰা) এক আমুখ্য ১৮ ১৯৬১ । চালাৰ (শ্ৰেক হিছি আছা, মাহাৰ, মাহাৰ কৰিছ হিছি আছি এই	দ্যান (স্বাল্লাহ ও রাসুপের প্রতি ইমান আনরন করা)	<b>१४-मुसानामा</b>	8	542	भोन्त क्षेत्र (क्षित्र श्रमुक्ता भोना व्यक्तार क्षेत्र करवली)	8-9 <del>71</del>	V68	14		
ভালমাৰ ও বালুল লাকনে (মাহারে নাবার্য ক'ল.) ১-বাল্য ১৯ ৪২৪ । ইন্দ্র ক্লোক কিন্তু কিন	দিয়ান (অক্সাহ ও অনুসের প্রতি ঈমানের বোধনা, মুনাফিনদের)	₹8-74	89	995	তা (বাসুদাস, এর জন্য বর্তার সাজ-সম্মা বিশিক্ত মা নাই, কমিবলো)	১৭-ইস্লা	%०	t		
कारणान व प्रमुग नामान (प्रमुख नामाय मन्या) - अन्याम अ.८ १२४४ व्यक्त व्यक्त नामान एक	দিয়ান (সাল্লাহ, রাল্লা ও কুরুবানে সমান আনা)	৬৪-আগারুন	br	3/8/6	চাওয়া (মবীর বীরা আল্লাহ, বাসুল ও আবিরাত চাইলেন)	৩৩-স্বাহ্যাব	25	E		
উনাদ (হাসুদ স, এর প্রতি ইয়ান আনার দির্দেশ) ৫৭-এগীন ৭ ১৯৮ জারাল (হাসুদ স, এর প্রতি ইয়ান আনার দির্দেশ) ৭-আন রাজ ১৫৮ ৬২৭ জানালে (হাসুদ স, তে কে কানবে সাকার কী) ৭৪-মুনাছাইর ২৭		২-বাকার	238	658		৬৮-কালাম	67	1		
উনাদ (হাসুদ স, এর প্রতি ইয়ান আনার দির্দেশ) ৫৭-এগীন ৭ ১৯৮ জারাল (হাসুদ স, এর প্রতি ইয়ান আনার দির্দেশ) ৭-আন রাজ ১৫৮ ৬২৭ জানালে (হাসুদ স, তে কে কানবে সাকার কী) ৭৪-মুনাছাইর ২৭	विकास (ब्रांग्या ग. यह शांदि विकास प्रानात मिर्ह्सम्, विकासतातात्रकारका)	৫৭-হাদীদ	35	323	জ্ঞানানো (কিলে জানাবে বাসুখ স. কে, গিরিপথ কীঃ)	৯০-বাধান	25	5		
ইয়াহ (রাজুল স. এর প্রতি ইন্সাং আন ও উর্জে অনুসরকার নির্দেশ) ৭-আ রাড ১৫৮ ৬২৭ আনালে (রাসুল স. তে কে জানানে সাকার কী) ৭৪-মুম্মার্থির ২৭							13	34		
								15		
							280			

The Sales of the S	Complete States of		1	রাসূল স.	Section of the last	BESS.	46
<b>种类性</b>	CARGO WA	400.0	781	नव विश्वप्रदेशक	नहां स्ट्रनाय	die A	
রাসুল স. (আরো দেখুন বাধীবাহক/বার্তাবাহক পথটি)				পর্যবিচ্যুত হবেন রাসূল স. (অধিবংশের আনুগতা করলে)	৬-আন্'আম	27.9	90
(भूर्व भूके (मारक)		_		পর (রাসুদ স. এর পথগ্রহানা করার অভিন্যার অবসেস, বিরামতে)	২৫-ফুরকান	29	951
জিজ্ঞানা (রাসুদ্দ স, কে জিজ্ঞানা, যানিক রকস্রাব সম্পর্কে)	২-বাকারা	444	456	পথ প্রদর্শন (রাকুমকে সরগা-সঠিক পথ প্রদর্শন করনেন অক্সাথ)	৪৮-ফাতর	2	520
জিজাসা (রাসুল স. কে জিজাসা, হরেম মাস সম্পর্কে)	২-বাকুরো	574	@28	পথ লেবলো (রাসুল কি আছা,মুশরিককে পথ লেবকে পারকোঃ)	১০-ইউনুস	80	961
মিমান (রাস্থ্যকে নিজান, কি কি হালল করা হরেছে?)	৫-মারিদা	8	640	পাঠ (অঞ্চলার তেকে বের করার জন্য রাসুল আরাত পাঠ করেন)	৬৫-ডালাক	22	90
জিমানা (রানুল স. কে জিজানা, ইরাতীম সম্পর্কে)	২-বাকুরো	220	454	প্রথম (প্রক্রাহ ও রাসুদ স. এর মধ্যে পর্যকর ও কুমরী)	৪-শিশা	750	49
জিল্পানা (রাসুল স. কে জিল্পানা, নতুন চান সম্পর্কে)	২-ৰাকুাৱা	29.9	657	পার্থনর (মুমিনগণ রাসুক্ষদের মধ্যে পার্থন্য করে না)	২-বাব্ধরা	596	40
ছিল্মানা (রাসুদকে ব্যর করা সম্পর্কে)	২-বাকুরো	577	656	পাৰভাগ (রাস্থানেরকে পাৰভাগে করতে উপভাগের বভ্যস্ত)	৪০-মুখিন	6	49
জিহান করেছে রাসৃষ্য স. ও ইয়াননারণণ ধন-সম্পদ ও	১-ভারবা	W	685	পাঠ করানো (রাসূল স. কে ওটা পাঠ করাবেন আল্লাহ)	b-d-∰,ঝা	6	202
জিআসা (ৱাসুদ স. কে জিআসা, ব্যৱ করা প্রসংখ)	২-বাকুবরা	574	658	পরিলে (মূলর পর পর্বরাজনে জনেক রাসুল পরিলে)	২-বাকুল	21	62
জিজাসা (রাসূল স. কে জিজাসা, মন ও জুয়া সম্পর্কে)	২-বাবুদরা	579	656	পরিমে (অস্তাহ প্রকোক উচ্ছানের মধ্যে স্বন্যুল পরিবাছন)	३५-मार्ग	06	90
ন্ধিবান (রাসুল স. এর সাথে ন্ধিবান করার নির্দেশ নিয়ে সূরা)	৯-ডাওবা	৮৬	489	পরিয়েছন অস্ত্রাহ অনেল রামূপ (মূহ আ. বা ইবরাইটের পরে)	৫৭-হাদীদ	39	30
জীবন (রাসুল স, এর জীবনের তেরে নিজ্ঞোনরক বেশি পাংশ কর)	৯-ডাওবা	330	620	পাঠানো (রাপুল করে পাঠিয়েছেন আল্লাহ এই বাক্তিকে)	২৫-ফুরকান	83	95
মন্ত্রা-বিদ্রুপ করেছিল রাসুল স, কে (পূর্ববর্তী জাভিসমূহ)	১৫-হিন্দর	22	465	भारेराना (वाजन ना भारेराना भर्यक खाद्यार माक्षि (नन ना)	১৭-ইপরা	26	93
ঠাটা-বিদ্রুপ (বাসুসদেরকে ঠাটা-বিদ্রুপ করা হরেছিল)	২১-আধ্যা	82	922	পাঠানে (রাজা পাঠানের জন্য ইবরাইম ও ইপমানিকার (পারা)	२-शक्ता	143	23
ঠাটা-বিদ্রপ করত বাসলসেরকে (সম্প্রদায়ের লোকেরা)	৩৬-ইয়াসীন	100	3100	পাগল নন বাসুল স, (এটা প্রতিপালকের নেরামত)	৬৮-কাশাম	3	39
মট্টা-বিদ্রুপ করা হয়েছে পূর্বের রাসুলগণকেও	১৩-রা'দ	95	685	পালে (বালা মনাতে বিবাজালৈ কর্তত পালা আবা দান প্রদর্গ)	২৬-জ'জারা	21	97
মান-বিদুপ (অতীতেও রাকুমসেরকে মান-বিদুপ করা হরেছে)	৬-আন'জাম	30	699	পাঠ (আপ্লাহর রাসুল স. পরিম হাস্ত পাঠ করেন)	৯৮-বার্যানাহ	3	30
ঠাই। (আছাৰৰ সাধে ঠাই। কৰে মনাকিকৰা)	৯-জান্তব্য	50	686	विद्धा (क्षण म. का विद्धा (द्धार पाठव महा मार नव, प्रतिस्थाने स)	৯-তাল্যা	250	62
ভন্তাবধায়ক দল বাসল স. (মানুষের পথস্রইতা প্রসঙ্গ)	১০-ইউন্স	709	999	পূৰ্ববৰ্তী ৱাসুলগণকে যা বলা হস্ত ৱাসুল স, কে তাই বলা হয়	৪১-ছসসিলাত	80	378
'ডোমানের কাছে বাসল আসেনির' প্রারহীদের জিঞ্জাসা)	৪০-হামিশ	20	995	পোনাক (বাসুল স, কে পোনাক পৰিত্ৰ বাধার নির্দেশ)	৭৪-মুখ্যছবিব	8	99
ক্রচি (বাসল স, কে ক্রচির জন্য ক্ষমা প্রার্থনার নির্চেশ)	8१-इस्टब्स	29	220	পৌচে নেয়ার নির্দেশ রানুল স. কে, যা অবজীপ করা হারছে,	৫-মাহিনা	99	24
ক্রটি (রানুদের অতীত ও তবিষ্যুতের ক্রটি মার্লনা)	89-0105	3	320	পৌরে সেরা প্রশেষভারে পৌরে সেরাই বাবদ ব, এর দারিছা	২৯-আনকাৰত	35	5.0
দল (বাসুল স, এর সারে এবদল বাবে দক্তির সালাত আনার	२०-४्युयश्चित	20	29.5	গৌরুলে (অনুসাহার পরিত্র কেলা সুস্পর্ভিন্তর প্রেটিছ (নরা)	३७-गर्म	20	90
নারিত (সাল্টভাবে পৌরে নেরাই রাসল ল. এর নারিত)	३५-वानकावड	7.5	854	পৌহালে (অধু সম্পরিকারে পৌহে (ধরাই বাস্তব্যাহর দায়িত্র)	১৬-শহন	90	90
নামিত (আল্লাহর বাবল ন, এর নামিত কেবল লৌহে লোম)	৫-মারিদা	348	625	প্রতিপালক রাসুল ল, কে মাকামে মাহমুদে অধিষ্ঠিত করমেন	20-ENS	4.6	93
নাজড় (আন্তাহৰ মাতৃত্ব না এর নাজড় কেবন গোহে গোচা নাজিড় (রাসুলগণের নাজিড় কেবল সুস্পিইচারে পৌহে দেরা)	26-HIST	3/3	900	প্রতিশালক (বাসল স. এর জন্য প্রতিশালকের মানই উত্তম)		9.5	
নাজড় (রাকুলানের নাজড় বেরলা ব্ শারতারে লোবে লোন। নাজিয়ক (রাকুলতে অমানাকারীর বিষয়ে নাজিয়কুক)	39-6 alai	579	936	প্রতিশালক (বানুল ন, এর জন্য প্রতিশালকের দানের ভরত) প্রতিশালক বোনল ন, এর প্রতিশালকের বের্ছার (আকার নির্যাশ)	২৩-মু'মিন্ন		99
নারচুত্ত (য়াকুলত অন্যাধনার ক্রম নারচুত্ত) দারিচ্ছ (রানুল ন, এর দারিচ্ছ কেবল পৌছে দেরা)	৫-মারিদা	530	499		৭৪-মুদাছছির	٥	7/2
নামত (বাসুল ন. এর নামত কেবল পোছে (নরা) নামত (বাসুল ন. এর নামিত কেবল অক্সাহর বার্গী পৌছে নেয়া)				প্রতিশালক রাসুদা স. এর মাধ্যমে যে প্রতিরাধিত নিরেছেন আ লান	৩-আলে ইমরান		20
	৬৪-ডাপাবুন	25	264	প্রতিপাশকের অয়াত ভারতে ও সভর্ত করতে রাসুল স্ব এসেছেন্য	৩৯-মুমার	42	20
নারিত্ব (রাসুল স. এর নারিত্ব কেবল পৌছে নেরা) দুবিজ্ঞা (রানুলতে ফেন দুবিজ্ঞার না ফেল, খরা কুমরির নিতে দুখ্য)	২৪-পূৰ ৫-মারিদা	28	998	প্রক্রিকারকে রুপুর ন, কালে (প্রক্রিয়ার কুরকেন উল্লেখ যাপরে)	২৫-সূরকান	00	9/2
		87	545	প্রজারিত (রাসুপারে যেল প্রজারিত না করে, লগনে কাফিরসের)	৪০-মূমিদ	8	29
দুশিকাতে (রাসুশতে দেশ পুশিকারের লা করে, ভারা যার)	০-জালে ইমরস		260	প্রশারি অবর্তন বিজন অক্সাহ রুপুশ স. ও মুলিনানে উপর (কুরানিয়া)	৪৮-খাত্য	₹5	97
পূলেক্ষেপণন্ধ রাসুশগদের মত গৈর্ঘধারদের নির্দেশ, রাসুশকে	৪৬-আর্কাক	06	922	शनवि (बारून न. धा वेना शनवि मध्या नत्राम व्हार, एनरिस)	৯-ফাৰবা	২১	68
লের (রানুদকে দেনে উপহালের পার হিসেবে, মরাবাদীরা)	২৫-কুরকান	83	960	প্রত্যিতি (রকুমনো সামে কৃত প্রতিক্রতি জনমানী নন জন্মাই)	<b>28-देश्डादीम</b>	89	65
তাবা (কফিবরা রাসুশকে দেকে উপবাস হিসাবে এখন করে)	২১-অধিকা	06	902	প্রজ্যিত (রাজুল স. না প্রজ্যিতিকে ফুরাটক কর্তৃক প্রজ্ঞানা কল)	৩৩-জাহ্বাৰ	25	3.4
নেশনে (প্রতিশ্রত শরির নিমু অংশ রাসুদরে নেশানা)	১০-জ'দ	80	695	প্রত্যেক উপতের ঋন্য রাসুল থাকা গ্রসঙ্গ	১০-ইউনুস	89	62
নেরা (রাসূল ন, যা দেন ভা গ্রহণ কর)	\$3-\$P\$S	٩	200	প্রতিপাশকের জন্য রাসূল স. কে দৈর্ঘধারণের নির্দেশ	৭৪-মুমাকৃছির	٩	3%
সোর (রাসুদ স. এর সোরা শান্ডের উপার উল্লোহর পথে ব্যব	১-হাত্যা	99	960	প্রতিপ্রতি (অপ্নাহ ও রাপুশ ল. নর প্রতিপ্রতি, গলত বুদ্ধ প্রদাস)	৩৩-জাহ্বাব	રર	300
লেখনে (রাসুগ স. কে আল্লাহর নির্দেশন সেখানো, মেরাজে)	১৭-ইস্বা	2	478	প্রশ্ন (মূলাকে গ্রন্থ করার ন্যার রাকুল ন, কে প্রশ্ন)	২-বাকারা	704	67
লোলে (স্কুমান্ত লোলো পৰ সমুসাত্ৰ মরাপানা করকো রসুন)	৪-নিসা	306	290	গ্রন্থ (রাসুদ স. কে রহ সম্পর্কে গ্রন্ন)	১৭-ইল্বা	PG	92
সেখানে (রাসুদতে দেখানেন যদি কমিবদের নংখ্যা বেশি করে)	৮-আনকাল	80	900	বেরণ (নৃহ আ, এর পর জনেক রাস্ল রেরণ করা হয়)	১০-ইউনুস	98	350
লোঝরোল (রাসুল স. বে লোঝরোল, যাবাত বাটনের বিষয়ে)	১-ভাতবা	(b)	686	প্রেরণ (অনেক রাপুল প্রেরণ করেছেন জন্তাহ রাপুল এর পূর্বে)	৩০-রম	89	14
দ্বীন (রাসূদ স, আনীত দীনে সন্দেহ থাকলে)	১০-ইউনুস	208	968	প্ৰেক্তা (আদ জাতির প্ৰতি রাদৃশ প্ৰেরণ করলেন আল্লাহ)	২৩-মু'মিনুন	65	26
ধন-ভাষার (রাসুল স. কে ধন-ভাষার দেরা হলো না কেন!)	১১-ছুদ	25	999	द्रांका (कियान कोन्या मुरिवार्ज मन्त्रमाद्रात जवात वामून द्रांका)	১৪-ইবরাহীম	8	00
বৈর্ববরুন (পূর্ববর্তী রাসুলাদারে মিহারবর্তী বলার পরও বৈর্ববরুন)	৬-আন্'আম	68	422	द्रांश (क्ष्मून द्रावणात शूर्व कवितास्त्र मान्ति बता मारत करा सून)	২০-ফা-ছা	768	98
नमक (वर्ग म. का गांत क्रिकान नमक्तिकारून गांक)	৪-বিশা	205	290	क्ष्मण (क्षेत्रण क्ष्मण क्षिपण), प्रद्वाद्य निर्मल यस प्रमुगया)	8-शिम	68	26
নিরক্ষরতার মধ্য থেকে একজনকৈ রাজুল ল, হিলাবে পঠালো	७२-सूत्र'ला	2	294	द्राजन (समुन द्राजन नरकारन प्राञ्चार बागुन न, पार पूर्वक)	১০-রা'ন	-Ob-	00
নিদর্শনসহ রাসুল এসেছিল (ফাসেয়ার প্রজন্মের বাছে )	১০-ইউনুস	30	620	প্রেকা (রাগুল প্রেকা করেছেন জাল্লাহ সাক্ষীসরূপ)	৭৩-মুখ্যাশ্বিদ	20	35
নিদর্শন উপস্থিত করতে পারে না কোন রাস্প্	30-st'4	σy	994	প্রেরণ (রাগল প্রেরণ করতেন যদি প্রতিপালক তবে)	২৮-তাসাস	89	37
निवर्गन प्रदान न राज्य तात्रण ग्र. यह स्वाप्त (प्रश्वितकात श्रह)	১০-ইউনুস	30	626	दर्जन (दोन्न दर्जन नरक्रम प्रकृत प्रोत्तार प्रतिनक्षत महन्।)	৩-আলে ইমরান	268	20
নিরস্থাকারী নন (বাসুল স, কাফিরনের নিরস্থাকারী নন)	৮৮-গণিয়াহ	33	2020	প্রেরণ (রাসুল প্রেরণ করেছেন জাল্লাড, মানুষের মাঝে)	২-ৰাকারা	262	67
নিয়ে ক্ষান্য রোকল স. প্রতিপালকের ব্যক্ত থেকে সভ্য নিয়ে এসেকেন)	8-9 <del>2</del> 21	290	\$9y	প্রেরণ (রাসল প্রেরণ করেনেন আলার একের পর এক)	২৩-সু'মিলুন	88	96
নিৰ্দেশ (প্ৰতিপালক ও ৱাকল স. এর অবাধারার শন্তি)	64-3341A	240	200	द्वार (प्राप्त द्वार पद्वार पद्वार वाहार वर्षण गर वर्ष) द्वार (द्वार द्वार वरवाम व्यवह वर्षण्य वर्षण	৯-জাওবা	100	168
Florin (approvage and Floring to Florin case allugare)	৬-আন'বাম	248	pop	ट्रांस (द्वारम द्वारम न नदा (कान क्षतम भएन करका म	১৮-বাসাস	23	97
and the state of t	Oraci otal	-40	400	ment (miles ment in selectional metals and added at "")	Kanalala.	4.9	10.5

द्धारा (द्वारम न. १० द्धारम गरदाक्षा उद्धार मानस्वतित सन्।)

द्राक्ष (क्रून न. दन द्राका क्राइस कुन्त्कलाय व नकांवविद्या)

टोको (बोगुन ग. (क टोको करकारन व्यक्तीय गुगरकनगढ छ...)

ह्राज्ञ (क्रिक्र न. तर नाम विकास मिन्छे ह्राज्ञ पत्र पूर्व वह विका)

১০-রা'দ 00 693

৩৪-সাব্য

২৫-ফুরকান

১৭ ইপৰা

25 950 25 950 202 920

৬-আন আন 148 60b % bb8

৪০-সুমিন

১২-ইউসুক

২৫-ফুরকান ৭-আ'রফ

নিদর্শন আনা রান্দ্র স. এর আজ নর (আল্লাহর ইঞ্জা জড়া) নিরাশ (রান্দ্রাকা ফল নিরাশ হল এবং মনে বরল যে আনেরতে...)

নুধ্ সম্প্রদার রাস্পদেরকে মিধ্যাবাদী বলপ

নূহ আ, রানুল প্রতিপালকের

वंप विवय/शतम	त्वा वर च नाम	-	পূচা	THE SHAPETH		Jan.	尹
রাদৃল স. (আরো দেখুন বাণীবাহ/বার্তাবাহক শব্দটি)				ভাষা (বাসুল স. এর ভাষার কুরজান সংল করেছেন আগ্রাহ)	১৯-মাবইরাম	24	9,80
পূৰ্ব পূঠা থেকে)				মর্যান দান (অপ্নাহ কতক মুদ্দকে আনের উপর মর্থাপ দান করেছেণ)	২-বাকুারা	420	201
প্রেরণ (রাপুল স. কে মানুহরর জন্য নতাক্ষকরণে প্রেরণ করা বর্জন)	৪-নিশা	pro	693	মহান চরিত্রের অধিকারী রাস্ল স	৬৮-কুলাম	8	3%
ওরণ (রাসুদাসমনে তালা বরেছেন অক্সাহ স্পর্ন প্রদার্থনিসাং)	৫৭-হাদীদ	-50	950	মানুষকে বানুষ্য বিসেবে পাঠিয়েছেন সম্ভাহ (কবিনাদের বিসম)	১৭-ইপ্রা	38	944
প্রারণ (রাপুল প্রেরণ ও অন্য ইলাহকে ইবান্যনে অলারন)	8 <b>७-युवंक्र</b> म	84	9.99	মানুবের জন্য রাসুদ হিসাবে প্রেরণ (মুহাম্মান সা. কে)	8-निजा	25	29,
প্রেরণ (রসুল প্রেরণ করেছেন অক্সাহ, পর্কেরণিনার ও সার্য ছিনদার)	৩১-সাক্ষ	b	9/90	মানুষ (ক্লাসুদাণ মানুষই তবে আল্লাহর বিশেষ অনুহাহপ্রাপ্ত)	১৪-ইবরাহীম	22	034
হুপ্রদা (রাগুল প্রেরাণ বরেছেল অস্তাহ, ধনী ইনরাদিশনের)	०-शविमा	90	6,43	মানুষ (প্রাপুল স. মানুষ মাত্র)	১৭-ইপ্রা	30	940
প্রেরুল (পূর্বে যে ছালুল প্রেরুল করেছেল ভারাও থাবার থেক)	২৫-কুরকান	40	9300	মারইয়ামের পুত্র মাদীহ রাসুল ছান্তা কিছু দর	৫-মধিদা	92	@bo
क्षांना (शर्वन्यनिशंका ७ नाम शिमार वामून व्यवन वरवासन व्यक्तार)	৪৮-ফার্হ	59.	979	মিবাবদী বলা (রসুলনেরতে মিবাবাদী বলেছিল বহু সম্প্রনায়)	৩৮-সেরান	25	2000
প্রেরণ (ফিরজাউনের নিকট রাসুদ স. প্রেরণ)	৭৩-বৃহবাধিল	34	952	মিধ্যাবাদী (অসুল স. কে যদি মিধ্যাবাদী বঙ্গে, ইছদীরা)	৩-আলে ইময়ন	328	228
প্রায়ণ (অল্লাহ হাড়া ইলাহ দেই -এ ওইলাহ নালুল প্রেরণ)	২১-অধিয়া	42	967	মিধ্যাবদী (রাসুলদেরকে মিধ্যাবাদী বলেছিল পূর্ববভীয়া)	৩৪-সাবা	82	784
প্রেরণ (ইউলুফের মৃত্যুর পর রাকুল পাঠালো হবে না!)	৪০-মু'মিণ	48	ppo	মিয়ার্কন কর (পূর্ববর্তী রাসুদাদাকে মিয়ার্কনী করে পরও বৈর্ঘরকা)	৬-জন্জাম	48	693
প্রতিপাদকের রাস্করে অমান্য করার অপরাধীনের ধাংস	१७-सम्बद्ध	30	395	মিধ্যাবাদী কলা (পূৰ্ববাহী অসুলভাকেও মিধ্যাবাদী কলা হয়েছিল)	৩৫-ফাডির	8	784
প্ৰতিপাদকের বাসন জিববাদিশ (মারইরামের নিবট)	১৯-মার্ট্রাম	77	902	বিধার্যনী ব্যবহিন ব্যক্তাগতে (আইকারদী ও তুবা সংখ্যার)	<b>१०-वृश्य</b>	28	34
প্রতিশাদকের রাসুল (হুন প্রতিপালকের রাসুল)	৭-আর্থ	69	628	থিখ্যাবদী কর্ম হরেছে রাসুলগণকে (রাসুল স. এর পূর্বেও)	০-জালে ইমবান	72-8	228
প্রচার করা রাসূল এর নারিত্ব	30-854	80	995	মিব্যাবাদী থলা (রাসুল স, কে মিবাবাদী মলার শান্তি)	১৬-সাহল	330	934
প্ৰায়ে (রাকুল স. এর নারিত্ব কেবল অস্ত্রাহর বাণী পৌচে লেরা)	৬৪-ডাগাবুন	25	369	নিধা বল (অপ্তাই ও য়ালুল স, এর সাথে নিধা যালছিল ধনা)	%-'व्यावशा	No.	887
প্রতিশালক বের করলেন রালুল ন, কে (ঘর বেকে)	৮-আনকাল	0	605	মুহামদ স, একজন রাসুল	৩৬-ইয়াসীন	0	P6:
প্রেরিড (রাসুক্রণ যা নিয়ে প্রেরিড আরু মিধা অভিহিত করা)	৪০-সু'মিন	90	748	त्रवाचन त्र, जाहादव वातृत	89-19761	33	973
প্রেরণ (মুহম্মদ স, এর পূর্বেও মনেক রাস্প প্রেরণ)	৪০-মুমিন	30	bp8	(মুহাম্মন ন, একম্মন রাসুল ছারা কিছু নয়)	৩-জালে ইমরান	388	083
श्रह्म (श्रमून न, अत्र श्रह्मातम नत्र केरपुद्ध स्वार नवन)	৯-জাতবা	1/2	987	মহাম্মন স, আপ্তাহর রাসুল (কোন পুরুষ্টের পিতা নদ)	৩০-আহ্বাব	80	be
'कारे' वाक्षादव त्रांतृत म. दव क्या	69-0144	3	966	স্বয়াধন স, আপ্তাবর বাসুল (মুনাফিকদের সাজা)	৬০-মুনাক্তিক	2	36
विश्वित खुरूम पनि जातार वानुमा नः (ठ (पुनाविन्दरना निवर्धे)	3-V0631	20	687	মুখ্যকা স, আপ্রাহর রানুল (আপ্রাহ জানেন, মুদ্দাবিক গ্রেসস)	ও০-মুনাঞ্চরন	5	3/6/
ভিন্তত পাবৰে না বাসুল, যুদ্ধ থেকে (বেসুঈনদের ধারণা)	83/-1978/E	25	929	वृक्ष (त्रांशृक्ष म. एक वृक्ष करत, मानुष्टत कथाः)	३-सङ्ग्रहा उज्लेखा	208	65
	२०-भगविषम			মুখ্য (প্রসূত্র সং কে মুখ্য নার করে, ফুরাফিরসের ধন-সম্পদ ও সম্ভান	h-बास्त	342	683
বিশ্বঅউন রানুল (মুসা আ. ) কে অমান্য কবল		36	999		80-17080	84	001
ফেরেপভাকে রাস্ল বানালে মানুষরপেই বানানো হত	৬-আন্'আম	5		মূবা আ রাসুল হিলেন (প্রথমবাদুহরে প্রতিপালকো রাসুল)			
মেরেশভাবেই রাসুল হিসাবে অবভীগ বনালে আল্লাহ যদি	১৭-ইপ্র	94	155	ম্পা থা,কে বাস্বদের অভর্ত করা	২৮-ড'আরা	9	96
মেরেশতা অসা (রাসুল স. এর সামে মেরেশতা আলল না কেনা)	77-र्म	25	666	মূপা আ,কে রাসূল বাধাবেন আল্লাহ	২৮-বাসাস		brot
বন্ধ (রাসুল স, এর বন্ধে দেন সংবীর্ণতা না থাকে, বিভাগের বাংশার)	৭-আগ্রাক	2	670	ম্পা ও হাকল আ. আল্লাহর রাসুক (খিনআউন প্রপক্ষ)	২০-ফ্ল-ব্য	89	98
रक (र्वाप्रवाता कथन सन्नात बन्ना न, ध्व नक कि अञ्चिति हाता)	77- <u>f</u> st	25	666	মূসা আ, ৱাসুল ছিল	১৯-মারইরাম	42	90
কী ইসমস্থান মনের আক্রমনার বিপরীক বিছু দিয়ে বাসুলান আসা	২-বাবুরো	3.4	670	ম্না আ, প্রতিশালকের রাসুল (ফির'সাউন প্রসম্	59-9,881	34	900
বৰ্মনা (রসুল স. এর নিগতি সর্বোরম কার্চনী কনি করছেন জন্তাহ)	75-5934	۰	599	মূপা আ, আল্লাইর রাগুল (ফিরমাউনকে দাওয়াত প্রনঞ্চ)	৭-আ'রাফ	208	64
বৰ্জন (ৰাপুল স. কি ভাৱ উপন্ন আনতীৰ্ণ প্ৰতীয় বিজু বৰ্জন কয়কেং)	77- <b>Z</b> ei	25	666	মূৰা আ, আল্লাহর রাবুল (মূৰার বস্মানার আ লামে)	७३-आएए	8	990
বল প্ররোগবারী নন রাসূল স. (কুরাইশদের উপর)	50-31A	84	3-58	ৰ্জু ঘটানো (রাস্প স. এর মৃত্যু ঘটাতে পারেন আল্লাহ)	১০-রা'দ	80	99
কৰা (বাসুল স. এর কৰা/কথার কনম সম্প্রদায়ের ঈমান প্রলঙ্গ)	८०-युवेक्क	W	907	দৃদ্ধ (রাক্ল গ. এর মৃত্যু, মানুব অমর না হওরা গ্রসঙ্গ)	২১-অধিরা	48	10:
বলেছিলেন (আল্লাহ সম্পর্কে কি ভোমানের কোল সন্দেহ।)	১৪-ইবরাহীম	20	698	যুদ্ধের নির্দেশ (রাসূল স. কে সম্ক্রাহর পাবে তুম্ব করার নির্দেশ)	৪-সিলা	₩8	25
বহিস্কান (মাসুল স. কে বহিস্কারের মনস্থ করেছিল কাফিরনা)	৯-জাওবা	70	987	হুছ থোকা (বুলের নিক্তমে আপ্লাহ ও রাসুল স. হুছ থোকা)	২-বাকুারা	29%	
यदेशक (तमून म. तत निर्धे बरेशांड मूनांड प्रद्वाका निर्धे बरेशांड)	8৮-वाव्द	30	97.0	पुक्ति-अपन (त्रमुण पाणात १६ प्राह्मास्त्र शिक्षक मनुस्त्रा पुक्ति न चला)	8-शिम	796	498
বিক্রাচন্দ্র (অক্সাহ ও রাসুল স. এর বিরক্ষাসালের পরিদর্ভি)	৯-ভারবা	60	686	যুদ্ধর সম্পর আল্লাহ ও রাস্ক স, এর	৮-আনকাল	>	60
বিক্ষালেন (সম্ভাই ও রাসুল স্, এর নিক্ষালেনানাটার কান্ত্রিত)	৫৮-মুরাদাবা	40	958	রক্ষা করবেন আল্লাহ রাসূদ স. কে (মানুহদের থেকে)	৫-মারিদা	હર	200
বিরতির পর রাস্ল গ্রেরণ (আহলে কিভাবনের মাঝে)	৫-মর্ম্বিদা	7.9	690	রচনা (কুবজনকে রাস্ল স, এর রচনা ফল্য)	৩২-সাঞ্দা	0	200
বিজয়ী (আল্লাহ ও নানূদগণ বিজয়ী, আল্লাহ দিপে রেপেছেন)		52	968	রলো (কবিডরা কুরম্মনকে রাসুধ স. এর রচনা আব্যা নেয়)	১১-ছুল	70	99
বিশ্বপ্ত রাসুল হিলেন (পূহ আ.)	59-0,08151	309	930	রাস্পের কিতাব বর্ণনা, পর্যনির্দেশিকা ও	১৬-নাত্ৰ	9.9	92
বিশ্বন্ত বাসুল (মূলা আ.)	88-नूशन	294	205	হাসুল দ. কে ফো প্রমারত না করে (কফিয়দের নগরে বিসরণ)	৩-আলে ইমলন	799	220
বিশ্বাস (রাকুমধে বিশ্বাস না করতে অক্সাধ্য নির্দেশ (ইন্ট্রিরা নাস)	৩-জালে ইমরান	29.0	660	হাসুদ স. কে জিআসা (গুছলঙ্ক সম্পন সম্পর্কে)	৮-আনকাল	۵	80
নিরেদিতা করে কবিকার রাসুদের (সঠিক পথ স্পরী হওরার পরও)	8 १ - ब्रायान	45	926	রানূল (হুল আ, তার সংখ্যানরের জার বিশ্বস্ত রানূল ছিলেন)	५७-७,खाबा	255	9.3
বিরোধিয়া (আল্লাহ ও রাসুল স. এর বিরোধিতা করে যে)	৮-জানফাল	30	600	বাসুব মুহাখন স. নিবেলেহে রাসুসদের অন্তর্কৃত	২-বাকুরো	222	24
বিরোধিতা (সাল্লাহ ও রাসুল স. নার বিরোধিতা করেছে কবিদরর)	৮-আনকাল	20	600	রাকুল স. নিয়ন্দেহে রাকুল	২-राकृत्वा	555	65
বিপ্রদিয়ে (অল্প্রহ ও রাসুদের বিরোধিকার কারণে, অপিরতের পারি)	৫৯-হাপর	8	266	রাসুলগণ স্পষ্ট প্রমানাদিসহ ওসেছিল (মানুষের নিকট)	৫-মারিপা	23	69.
বিক্রমানা (রাসুল স, এর বিক্রমানাকরীদেরকে পাঞ্চিত করা হার)	৫৮-মুকাথালা	0	865	রাস্থনের প্রতি ঈরান জনলে পাপ করা করবেন জাল্লাহ	৫-মারিদা	25	24
বিক্রমানে (রপুল স. এর বিক্রমারণকারির কর কাছেনে)	8-मिना	332	647	রাপুণ প্রকা করেছেন অক্সাহ (পূর্ববারী সম্প্রনাক্তর করে)	<b>১৫-হিজ</b> র	20	92
বিষয়ের তার অর্থন (বিবাচনা বিষয়ের তার বাসুলাস, এর উপর অর্থনা)	৪-দিশা	96	202	মানুল স, এর প্রতি ভারী কথা অর্পণ করকেন জান্তার	१०-पूपपश्चित	2	86
বিহারের তার রাসুলের উপর অর্পণ	৫-মারিদা	80	262	ব্রানুদ স. এর আনুগতা করার নির্দেশ	৩-আলে ইমরান	205	68
বিশ্বাস (অক্সাহ ও রাসুলে ঈখান আনে বারা আরই মু'মিন)	५8-नुव	693	400	বাবুল বা, এর আনুগান্ত করার নির্দেশ	<b>२8-नृव</b>	24	95
বিতৰ্ক (প্ৰাণুল স, এয় সাহে যে বিতৰ্ক করে জ্ঞান আগার পর)	৩-আলে ইমরান		485	লৃত আ, রানুলনের একজন হিলেন	৩৭-সাহ্হাড	300	
বিজয় দান (প্রাপুল স. কে সুস্পন্ত বিজয় দান করেছেন আল্লাহ)	৪৮-ফ্রান্ডের	3	970	शृष्ट च्या, जाव जन्द्रमाराय कना विश्वच वाजून ज, विरुगन	২৬-৬'আৱা	368	
বের করে নিরেছে রাসুল স, কে তাঁর জনপদ থেকে	89-मुद्युष्ट्रम	20	970	শত্রু (বে রাসূল ল, এর শত্রু আল্লাহ সেই কাফিরের শত্রু)	২-বাকুবো	85	65
বের করে নিয়েছে রালুল ল. ও মুমিনদেরকে অবিশ্বাসীরা	৩০-মুমতাহিনা	3	964	শিক্ষা সেৱা (অক্সাহ বাসুল স. কে অভানা বিদয় শিকা নিয়েছেন)	8-मिना	220	49
ত্বে করে লেকার কর্মান মাসুলানার (কাহিবের ধর্মনর্লে না বিভাগে)	১৪-ইবরাহীম	30	658	ভজাইৰ ভার সম্প্রদারের ধন্য বিশ্বস্ত রালুল ছিলেন	২৬-৩'ভারা	230	930

র	इंग्लि

					न्धा भर व भाग		
রাস্প স. (আরো দেখুন বাণীবাহ/বার্তাবাহক শক্টি)				রাস্ব স. (আল্লাংর বাদা)			Т
(नृर्ग नृष्ठा त्यारक)				পভারমন হওয়া (রাপুসের দভারমন হওয়া অপ্রায়কে ভারার কল্)	৭২-জিল্	22	ы
সংখ্যন (পূর্ববারী রাস্থাগমের সংবাদ কলিভ রাস্থান সং এর কাছে)	<b>22-र्म</b> ल		979	রাসুল (জিবরাইল)			Т
সংবাদ (নবীর কাছে পূর্ববর্তী রাস্গদের সংবাদ এসেছে)	৬-আপ্'আম	-08	699	ক্টিছ (জিবাইলের ক্টিছের একদুরি মাটি নিরে	d		$^{+}$
সদী (মুদ্দবিক অক্সাধ্য রসুলার সদীর জন ধার করতে নিকেং করে)	৬৩-মুনাজিকুন	9	268	শমিগ্র বায়র হৈবি)	২০-খা-হা	96	95
স্কৃতিক পথ প্ৰদৰ্শন কয়তে পাত্ৰে না বাসুল স. (কাউকে জনবাসচেই)	২৮-বাস্থ্য	66	770	রাসুল রেরণ	_	-	+
সম্ভাৰতী (বাসুল স্ একজন সভৰ্কতাৰী মাত্ৰ)	30-8174	9	69-91			_	+
স্তৰ্বকারী (রানুল দ. কেবল একজন স্তৰ্বকারী)	১১-ছদ	35	900	উদ্ধানে বাছে (পূৰ্ববৰ্তী উদ্ধানে বাছ ব্ৰনুষ প্ৰেমা ও শ্যান্তম)	১৬-লাহুপ	90	9
সভায়নকারী (রাসুল স. সভায়নকারী, পূর্বকতী কিভাবের)	৩-জালে ইমরান		288	রাসূল (প্রেরিড)			П
সম্য (রানুল স, তে সম্য বলে নাম্ম দেয়ার পর করা কুমনী করে)	৩-মালে ইমরান		088	নিখাবনী বল (নুহের সম্প্রধার রাসুদরে নিখাবনী বলছিল)	২৬-৬'আরা	308	
সভাসহ এসেইলেন রাসুলগণ (কিয়ামতে কাছিরা বলবে)	3-আয়াক	60	623	মিবারনি কা (অইনারদীর রুদূরে মিবারদী ব্যক্তিশ)	২৬-ড'আরা	398	9
সম্ভাবিত অনুসাধন ক্রিয়ার সম্পর্ক (অধিকার করে বিয়ারে)	৩৬-ইবাসীন			নিবারনী কর (রকুমের অ'ন সম্প্রধার মিবারনী বলে)	२५-व'वास	320	1
		65	994	বিধারদী কা (পুতের সম্পান বাস্পাক বিধারদী বাদছিল)	২৬-৬'জার	260	
সভ্য বলা (অস্ত্রাহ ও রাসুল স. সভা বলেছেন, বন্দক যুদ্ধ প্রসঞ্চ)	৩৩-আহ্বাব	55	9.05	বালিং আ, প্রেরিত বালা হয়ে থকলে শারি জনমে আবেন	1-00'00	23	1
সভ্য নিয়ে এসেছেন এবং পূর্বের রাসূদদের খীকার করেছেন	৩৭-সাম্মাত	তণ	962	शांत्रम् (क्ट्रबन्डा)	1100 610	-11	+
गरुर्वक्री (नुनरवननाथ ७ नव्यंक्री दिन्दन ब्रम्स द्वारा)	৪-নিশ্ব	360	6.85			_	Ц
मठर्जकारी (अमृत प्रामथकारित श्रींत अकान मतर्कवारी)	৩৫-কাভির	50	b8b	আনা (রাসুল ব মৃত্যুর কেরেশনা আনা পর্যন্ত রিবিক পৌছের)	৭-আ বাফ	09	3
সতৰ্বদায়ী (রাসুল স. সভৰ্বকারী, মানন প্রতির জন্য)	27- <u>\$e</u>	3	666	ইন্দরিয়ের কাছে ফেলেন্স আব (সর্রানের সুকরেদ প্রকাশ)	১১-বুল	635	K
সতৰ্কভাৱী (প্ৰানুল স. ভো কেবল একজন নভৰ্কভাৱী)	৪৬-আহ্বাক	2	909.	ইবরাহীমের নিকট সুসংবাদসহ রাস্গ/ফেরেশতা জাসা	২৯-জনকাৰুত	02	13
স্তৰ্বজাৱী (রাসুল স. মানুদের জন্য কেবল "পট সতৰ্বভাৱী)	२२-राज	83-	96-2	প্রেরণ (অল্লাহ তথ্য প্রেরণ করেন তথ্য বহক ফেরেশনের মাধ্যম)	84-197	62	ь
নভর্কনারী (রানুল স. সুস্পন্ত সতর্কনারী মাত্র)	৫১-ব্যবিষ্ণক	62	254	প্রতিশাসকে রকুর (পুরের মেহনাগন প্রতিশাসকে রকুর)	33-इन	2.7	1
সভৰ্কনারী (রাসুল স. সুস্পট সতৰ্ককারী মাত্র)	94-5als	20	348	पृत्त कीष राज्यत	৬-জাপু জাম	62	ť
নতবঁকারী (রাপুল ন, সুস্পর সতবঁকারী মার)	१)-यहिशान	60	945	পিশিক্ষ করে রাসূল/ফেরেশতাগণ (মানুহের সর্ববিষ্ণু)	৪০-ফুর্বকুন্		
						pro	Į.
ন্মেনতানন (আহান্ত নমোনজনন রানুদানে অনুদোর নিয়ু জন নদ)	৭২-জিল	₹9	99.4	শিৰে বাৰে ফেবেশুৱাগন (মুশবিক্ষদের ঘড়মন্ত্র)	১০-ইউনুস	43	Ŀ
সংশ্বং (কুমানন প্রাক্তির বাপেরে রাসুল সং এর সংশ্বং না করা প্রসাস)	৩২-সাজ্পা	50	3105	পুতের করে বসুস্বারেশের অস্থাসেশ্রেমরের অবে এসম)	₹ <b>৮-আ</b> নকাৰ্ত	00	Ŀ
নবার গ্রতি আল্লাহর রাসুল (মুহান্মদ না.)	৭-জ'রফ	762	629	হাসূদ (বাণীবাহক)			į.
নমর নির্বারণ করা হবে রানুকলের (কিরামটের নিন)	৭৭-মুর্নাশ্যত	22	228	মেলোভার মধ্য থেকে আল্লাহ রাসুল মানেনীত বর্তমা	২২-হাজ	92	T.
নম্পর্কজেন (রাসূপ স. এর সম্পর্কজেন, মুপরিকসের সাগে)	≽-ख6 <b>या</b>	>	080	তেরেশতা (পার্যার্থনির ক্রেরেশতাকে আল্লার বাসুল করেছেন)	०१-एडिस	3	t
मञ्जूदर (क्रमूम न. এর সমুহের অহানী ना হতারর নির্চাল, ব্রমিনহানারে)	8৯-বৃদ্বাত	2	250	মানুহার মধ্য থেকে অক্সাহ রাজুল মানেনিত করেন	44-E/96	9.0	t
সম্মান অল্পাহ ও ভার রাসুল স. এর জন্য	५०-मुनाकिकृत	b.	366	হাসুল (সাকী)		-	+
সম্মানিত রাসুগ জিবরাইল	৮১-ডাক্চীর	29	2009				+
সহল করে নিবেন আল্লাহ সহজ পথ (রাসূল স. কে)	৮৭-আ'লা	b	2020	অল্লাহ্য একরন সাজী (হাস্ক্রের) কুরম্বন পাঠ কারা	३५-बूल	24	1
সালাত (রাসুল স. এর সালাত আনার, রাতে সাঁড়িয়ে)	৭০-মুববাধিল	30	392				T
পর্বি (রঙ্গা দ. এর পর্বার কমিবনের প্রতি করের, নিজনের প্রতি)	৪৮-ফারেহ	23	275	তেন্তে লের (অরা তেন্তে লেরর দির্লেশ, মুপরিকর তওব করলে)	P-201941	6	10
পশ্চিত্ত সং (সাপ্তাহর অনুল সালিহ আ উল্লিয় বাপেরে সতর্ভ করনে)	১১-শামস	>0	3048	রাহাজানি			Т
বাদ্ধ্য (রাসুল স. শিরকের সাক্ষ্য দেশল)	৬-জন'লাম	79	269	পুত সম্প্রবাছের রাহ্যজনি ও সমকামিতা প্রসম্	২৯-আনকাৰত	270	ħ
মন্ত্ৰী, সম্বৰ্জনী ও সুসংবাদনাতা	89-28762	70	336	রিবা (দেপুন সুদ পথটি)		_	t
সংখী (রাসুল ল, মুমিনসের জন্য লাকীবরুপ)	55-50at			হিথিক (আহো দেখুন জীবনধারণের উপকরণ পথটি)	_	-	+
প্রকা (রাপুল ন, ব্যামন্যক জন্ম নাকাবয়ন) পাকী (রাপুল ন, সাকী হবেন, মুম্মিননের উপর)		95-	966	অংশীদার (পাল-দাসী রিখিকে সমান অংশীদার প্রসঙ্গ)	-		+
	र-सम्बद्धाः	780	659		00-8¥	২৮	1
সালাম (পান্ধি) ধৰিত হোক (বাসুলগগের প্রতি)	৩৭-সাক্ষাক	29.7	344	অল (স্ক্লাহগ্ৰান বিবিদ্ধে অল মিবা উপালের মন নির্বাস)	১৬-মহেল	69	ľ
পহাধ্য (রাসূল স. কে সাহাধ্য না করে মনি মুদ্দিনরা ভবে)	৯-জাওবা	80	\$88	অবতীর্ণ (আকাশ থেকে রিবিক অবতীর্ণ করেন আল্লাহ)	80-वृ"बिग	20	1
পাহাধ্য (রাসুল ল. কে সাহাধ্য করবেন জাল্লাহ)	৪৮-ফাতহ	0	970	আকাশ-পৃথিবী থেকে আল্লাহই বিধিক দেন	১০-ইউনুস	40	13
শহাব্য (রাসুল ন. কে নাহাব্য করেছে জন্য এক সম্প্রদার)	২৫-সুরকান	8	93/2	আকাশ-পথিবী থেকে বিধিক আল্লাহ মান্তা কেট দেৱ দা	৩৫-ফাডির	9	b
নহাধ্য (আল্লাহ ও প্রাকৃষ স. কে সাহায্য করে গরিব মুহাজিলান)	49-43-44	'n	200	আৰুণ বেকে অপ্তাহই বিদিক দান সংক্ৰ	২৭-নামল	68	ti
বাহায় (অস্তাহ রাসুলচন্ত্রকে সাহায়্য করালে)	৪০-মুমিন	62	200	অকাশ খেকে হিবিক দেল আল্লাহ	৩৪-সাব্য	3.8	ť.
নালিহ আ, সম্প্রনারের জন্য বিশ্বক রাসুল ছিলেন	२७-व'वारा	780	9542	আৰাশ থেকে বিধিক (বন্ধি) অৱতীৰ্ণ করেন আল্লাহ	৪৫-লাছিয়া		
নামনে (রাকুল স. এর নামনে কণ্ঠার দিচু করে যার, নামর প্রতিদান)	৪৯-বৃদ্বাত	0	250	আকাশ থেকে ভাৰক (গুজ) অবকাশ করেন আছাহ আকাশে (মানুহার ছিবিক আকাশে)	82-साक्ता १३-यविग्राठ	8	Į:
न्यात (प्रक्राय-वान्त म् नियात निज वृद्यन्त्रता देशीयात शहर न)	००-वहस्यर	96	909			22	4
কুবাৰে (হাসুল স. আসাৰ সুসংবাদলাতা দীসা আ. )	৬১-সাকক	6	360	আকাশের রিখিকের মাধ্যিক নর এমন কারে উপাসনা	<b>১৯-নার্গ</b>	20	1
পুশরের (মানুনা না, আনার পুনরেরনারার নানা আ, ) বুশ্পর প্রমাণ ও বিভাবসহ পূর্বের রাসুলান এলেছিলেন	৩৫-ফডির	30	181	আনুর ও বেজুর থেকে মাদক ও উত্তম বিধিক গ্রহণ নিদর্শন	১৬-নাহ্দ	69	Ι
পুরত (পূর্ববর্তী রাক্সপদের সূত্রত গত হরেছে)	24-5481			স্বাস্থ্যহ বিধিক দেন বেহিপাৰ (থাকে ইঞ্জা)	৩-আবে ইমরান	03	Ī
		11	150	আল্লাহ বিধিক দেন বেহিসাব (থাকে ইক্সা)	২-বাকুরো	525	Ť.
পেট রাসুল স. এসেছেন (মুশচিকনেন পরকরী প্রকারের কছে )	৪৩-মুখ্যুক্ত	522	VbV	আল্লাহ বিধিক দেন (পরানদেরকে ও ভৌমাদেরকে)	১৭-ইপ্রা	403	Ť
সংগ্রনদাতা ও সতর্ককারী হিসেবে রাসুলগণকে প্রেরণ	৬-আন্'আম	85	600	আপ্রহাই সকলকে বিভিন্ন দেন	২৯-জানকারত	60	t
সংবাদনাতা (রাসুল স. সুসংবাদ নাভা, মানব লাভির জন্য)	३३-दून	2	995	আপ্তাৰ্ট বিধিক দান কৰেন (আকাশ ও পৃথিবী থেকে)	२९-मामन	68	t
সংগদনার (মুসংবদনাতা ও সতর্কনারী ছিসরে রালুল প্রেরণ)	৪-দিসা	795	48.0	আল্লাই বিধিক দেন মানুদ্ধক (মাকাশ ও পৃথিৱী থেকে)	১০-ইউনুস		
শুপাই হাসূদ এসেছে অফিবসের নিকট	৪৪-সুখ্যন	30	305	खहार विके विकि शर्मा	৫-মারিদা	05	1
প্ল (রাসুদ স. এর স্বপ্ল সভ্যে পরিণত করেছেন আল্লাহ)	৪৮-বার্ব	29	272			778	ŀ
	১৬-নাহল	220	122	অপ্তাহকে তা কথলে ধানানীত উৎস সেকে বিভিন্ন সেন	৬৫-তালাক	0	Ŀ
ফ্লোড থেকে বাদুল আনলেও ডাকে মিথাবাদা বলা		80	906	গান্তাহ শিত্র মাত্র ও সম্ভাগনের মিধিক দেন (সম্ভাশ হরের প্র.)	৬-আন্সোম	762	,
							14
মপ্রে সেধিরালে সম্ভাব বাসুদকে (কণিবানর সংগ্যা সম্ভ)	৮-জনম্মান ২০-মান্যা			অস্ত্রাধা পো রিবিক থেকে দিতে করের আগুনের অধিবাদীর	৭-আর্থ	Ø0	
হস্কাঠি থেকে প্রাসূদ আললেও ডাকে মিথাবানী বলা কল্লে গোঁধিজনে জন্তুয়াৰ বাসুগতে (নার্থিকনের ন্যান্য জঙ্গ) যাকন ও বুনা আ আগ্রাহের রানুল (বিশ্বজাইন বাসঙ্গ) যাকন প্রতিপালকের রাসুল (বিশ্বজাইন প্রসঞ্চ)	৮-জানকাশ ২০-ড্রা-হা ২৬-চ'জারা	81	180	অক্সাহর পেরা নিবক থেকে সৈতে কলকে আন্তর্গর আক্সাহর আক্সাহর পক্ষ থেকে বিভিন্নতন্ত্রপ ফলমুল নিবে আন্য	৭-আ'রাফ ১৮-কাসাস	64	10

विश्वीक प्रभाव प्रश्ना प्रभाव गर्धा

মাহার (ক্টেইসরাঈলকে পবিত্র বিধিক আহারের নির্দেশ)	২-বাকারা	63	\$0b	ক্ষল (জান্তাতে বিধিক হিসেবে কল থেকে দেয়া হবে)	২-বাকার	56	608
মাহার (হালাল ও পবিত্র রিখিক আহার করার নির্দেশ)	১৬- নাহৰ	778	125		২-বাবুগরা	42	000
মধ্যে (পরিমেক্স অহানে নির্দেশ অন্তাহন দেয় রিখিক থেকে)	৭-আগ্রক	360	કરવ	কলমূল বিধিকস্কল দেয়ার দোয়া (ইংরাহীন আ. কর্তৃক)	২-বাকুবা	246	528
উদাই বিভিন্ন অস্ত্রাহ দিলে (অস্ত্রাহর পথে দিশে ও বিষয়সামীরের)	55-50m	62	390	ফল্যুল (বিবিকশ্বল ফল্যুল উৎপদ্র করার জন্য পানি)	১৪-ইবরাহীম	65	656
উল্লে বিদিক (বেছুর ও আছুর বেকে উল্লে বিধিক একা নিদর্শন)	১৬-বাহল	69	9obr	বলী ইসমাইলকে প্ৰদন্ত পৰিত্ৰ বিধিক আহাবের নির্দেশ	२०-क्र-श	9.7	986
ভ্ৰমত বিষিক্ত থেকে পৰাপে। ও গোপনে ব্যৱকারীর উপমা	১১-নাবল	92	900	বনী ইসরাইব্যকে পরিএ বিধিক দান	১০-ইউনুস	90	666
উত্তৰ কৰা (আপ্লাৰ স্বান্নাতীদের বিধিক উত্তৰ করেছেন)	52-SMF	22	999	বহন (অনেক জীব-জন্ত বিধিক বহন কয়ে না, অল্লাহ বিধিক দেন)	২৯-আনকাবৃত	60	345
Best (আধিয়াকের বিধিক উভার ও সিরক্তানী)	২০-চা-যা	202	985	বান্দানের রিধিকসমূল সু উচ্চ থেকুর গাছে ওছে ওছে বেকুর	৫০-কার	22	324
উত্তম বিষিক দাদ, ত'আইবঢ়ক (প্রতিপালকের পক্ষ থেকে)	22-4H	39	690	বাধ্যকে (অপ্তার তার বাধার মধ্যে মধ্যে ইয়া বিধিক দান করেন)	৪২-পূরা	22	499
কাফিবলের বিধিক কে লেবে (আল্লাহ বিধিক গরে রাখলে)	৬৭-মূলক	52	290	বেহিসাৰ বিধিক দান কলে আগ্নাহ থাকে ইয়া	৩-আদে ইমরান	29	(+cb
লাখনা (আল্লাহর কাছেই রিবিক কামদার পির্লেশ)	২৯-জানকাবৃত	39	F29	বেহিতাৰ বিধিক বাদ কয়েন আল্লাহ ব্যক্তে ইচ্ছা	28-79	07	995
বাওয়া (আল্লাহ্য প্রান্তর রিবিক গাওয়ার নির্দেশ)	৬-জন জম	285	630	(বহিসাব বিধিক দেয়া হবে (কান্নাতে)	80 - सुभिन	80	993
বাওৱা (আক্লাই প্ৰদেশ বাৰণ বাতমান্ত নিৰ্দেশ) বাধানা (আন্তাহৰ বিধিক থেকে বাওমান নিৰ্দেশ)	৬৭-মূলক	30	250	বৃদ্ধি (ব্ৰিথিক বৃদ্ধি প্ৰদেশ্য কৰেন অস্ত্ৰাহ)	২৮-আসাস	25	730
বৈত্তর (আক্রাইর নিবিক বৈত্তক বিত্তর নিসেশ) বৈত্তর ও আক্রুর থেকে উত্তম রিবিক গ্রহণ নিসর্পন	১৬-নাহণ	99	900	বৃদ্ধি (বাকে ইঞা আল্লাহ বিধিক বৃদ্ধি/প্রসাধিত করেন)	৪২-পুরা	25	754
বেকুর ও আকুর থেকে ভরন।রাথক গ্রহণ দেশশন চত্তশ্প ভাস্ততে মানুষের জনা বিধিক, আল্লাহর দান প্রসঙ্গ	20-204	91 3k	950	বায় নিষ্টিক কোক প্রকাশে ও গোপান ব্যক্তেরীর উপান)	১৬-নাছল	92	908
				ব্যর (মৃত্যু আবার পুরেই রিফিক থেকে বারের নির্দেশ)	৬৩-মুনাফিকুন	20	200
চচুম্পদ ৰুদ্ধ যা অপ্তাহ বিধিক্তবন্ধণ দিয়েছেন তা কুৰবানী করা	22-27 <b>9</b> 8	-08	497	বাহু বিশ্বিত খেকে গোপনে ও প্রকাশ্যে ব্যয়)	20-31'H	44	990
চাওয়া (আল্লাহ রাসূল স. এর কাছে রিবিক সম না)	২০-জা-ব্য	205	485	ব্যস্থ (বিভিন্ন থেকে ব্যস্ত করত পূর্ববর্তী ঈথানদাররা)	২৮-ভাসাস	08	P34
চাওরা (বিফিক চান না আল্লাহ মানুষের কাছে)	৫১-ঘরিয়াত	49	253.	বাছ (বিভিন্ন থেকে ব্যয় করতে ববলে কাফিররা থল)	৩৬-ইয়াসীন	83	VOE
প্রপ্লাতে বিধিক হিসেবে কল দেয়া হবে	২-বকুরো	26	608	বার (রিধিক থেকে বার করে ম'নিবদার্থ)	৮-আনকাল		303
জীবে (পৃথিবীতে বিচয়াশীল জীবদের নিবিকো নতিত্ব অপ্তাবন)	১১-বুদ	ъ	666	ব্যয় (বিভিন্ন স্থেকে ব্যয় করা মুবানীসের বৈশিরঃ)	২-বাকারা	9	203
তকেন্য়ে অসমধ্য করেল অস্তাহ ধানাত্তিত উত্স হেকে মিনিক দেন	৬৫-ভাষাক		269	বার (রিধিক বার, কিরামতের দিন আসার পূর্বে)			
একরের অবসন্দ করলে অকশ-পৃথিবীর বাদ্যাশ উপুক্ত	৭-আ'রাক	99	652		২-বাকুবো	428	600
দায়ত্ব (পৃথিবীতে শিক্ষাশীল জীখনের বিভিন্নে নায়ত্ব অপ্তাহন)	22-4F	6	666	ৰার (বিবিক হতে মুমিনগণ ৰাম করে)	৩২-সাজ্পা	39	P03
নস-লস্ট্রিক কেট এডটা বিদিক নেয় ল বাতে ভার সমান হয়	১৬-সাব্দ	22	notr	বার (তালকপ্রভার জন পরিস্তুর রিখিক থেকে সামর্থ জনুমারী বার)	৬৫-ভাগাৰ	٩	963
নেয়া (ইন্যাই)তের বংশগুরুরে বিবিকগরণ ফলমল দেয়ার লোয়া)	১৪-ইবরাইম	99	696	বায় (আপ্তাহ প্ৰদান বিভিন্ন খেকে গোপনে ও প্ৰকাশ্যে ব্যয়)	৩৫-ফাচির	4,5	789
ধরে রাখা (অস্ত্রার ধরে রাখলে কবিনাসের রিখিত তে দেবেঃ)	৬৭-মূলক	57	390	বায় (আপ্লাহ প্রদত বিধিক থেকে বায় করে যে মুদিন)	৪২-পুরা	Ob.	728
ধারণাতীত উৎস থেকে বিধিক দান (আল্লাহকে কয় করলে)	৩৫-খালাক	0	996	ব্যস্ত (আপ্রাহ প্রদন্ত বিধিক খেকে ব্যয় করা প্রদান)	8-निगा	99	665
নিহতদেৱকে (পৰীলদেৱকে, বিধিক্ষণ্ড দেবা হচ্ছে)	ত-আলে ইমরান	388	003	ব্যা (অপ্নাথ প্ৰদান মিধিক গেকে ব্যৱসমীলের ৰূপে কুলংবিপ)	22-E/W	-00	963
নিদর্শন (বেক্সর ও আনুরা থেকে উত্তম প্রিথিক গ্রহণ নিদর্শন)	১৬-নাংল	69	90èr	ব্যস্ত (গোপন ও প্ৰকাশ্যে বিধিক ব্যস্ত বা দান কৰাৰ নিৰ্দেশ)	১৪-ইবরাহীম	٥)	634
নিয়ে আসা (আসহাবে কাহফ প্রসঙ্গ)	১৮-কাহক	230	138	মর্তদা দান (প্রিন্তিকর ক্ষেত্রে অক্সাহ কভিকে কারে উপর মর্বাল দেন)	১৬-মার্শ	42	Sof
নিৰ্বাহিত (বিধিক নিৰ্বাহিত, ৰাছাইকত থাপানের জন্য)	৩৭-সাক্তাত	83	bet	মানুষ বিশ্ববন্ধ কালিয়ার পরিবার্ত বিশ্ববলাতকে স্বাধীকর করে	१७-धराविताद्	44	284
পৰিত্ৰ বিধিক দান কৰেছেন আল্লাহ (মানুবকে)	৪০-মুখিশ	0.8	Mrs	মানুষকে বিধিক বিয়েছেন আল্লাহ	৩০-র্ম	80	1450
পঠিত বিভিন্ন দান (কমী উসৱাইনতে)	১০-ইউনস	30	660	মালিক (মৃতি রিবিকের মালিক নয়; আল্লাব্ট মালিক)	২৯-আনকাবৃত	39	P24
প্রিয়ার বিশ্বর বেলিক বিশ্বর বিশ্বর অব্যান্তর নির্দেশ।	১-বাকারা	01	date	মীলস বৰ্ণনভালে আট্ৰান/ইয়াডিম/জভাৰণ্ডেকে বিবিক দান	৪-শিসা	ъ	200
প্ৰতিয় বিভিন্ন ভাগের কলা থারা উমান ওলেকে	৭-আগ্রক	95	634	মুন্নিমের ছল নিদর্শন (প্রিবিক প্রসন্তিত ও পরিমাপ করা)	৩৯-বুমার	22	790
পাৰত বিধিক দান করেন আল্লাহ (আলম-সঞ্জানকে)	7-4-544	90	930	মুন্তাকীদের আপ্রাহ ধরবাতীত উৎস থেকে বিধিক দেন	৬৫-ভাগাক	0	260
পাৰত বাবৰ দান কৰেন আস্তাই (আনম-নজনকে) দক্ষিত বিভিন্ন জ্বেল্ডাই বনী ইসৱাধিপতে পবিত্ৰ বিভিন্ন দান জক্ৰা)	३५-स्नुबा 82-माबिसा	36	906	প্রাসুদ স, কে আপ্রাহ রিবিক দেন	<b>२०-</b> ष्टा-बा	205	182
পারে (রায়ত (স্বাস্থাত বন হস্যাদশতে পানর রায়ত দান তরেন) পরিত্র বিধিত আহার করার নির্দেশ, ঈমানদারদেককে				শহীদগ্ৰহে উহৰত্ত বিধিক দান প্ৰদক্ষ	22-21m	20	9,64
পাওএ রোধক আহরে করার নেপেশ, সমানপারসেককে পতিত্র বিধিক আহাতের নির্দেশ (বলী ইসরাইলকে)	২-বাকুরো	245	677	পেব হবে না (জান্ততে মুজাকীদের মিবিক পেষ হবে না)	০৮-লোমাস	68	5-00
	২০-জা-ছা	9.7	985	সকাদ-সন্থ্যা বিধিক দেয়া হবে স্বাল্লান্তীদেয়কে	১৮-মারইয়াম	64	901
পৰিবৰে (অপ্তাহন দেনা নিবিক থেকে পৰিবৰত্ব অন্যৱেন নিৰ্দেশ)	৭-আরাক	300	654	স্কুটাত (প্রিটিক সম্ভূমিত করে মানুয়াক পরীক্ষা করেন প্রতিপালক)	৮৯-ফাজ্ব	36	203
পৰিয় বস্তু গেকে আল্লাহ মানুষকে রিবিক দান করেছেন	১৬-মার্শ	92	900	সংকর্মশীল মহিলের জন্য ক্ষমা ও সংঘদজনক বিধিক	22-27W	20	964
পৰিত্ৰ বস্তু থেকে বিধিক নিয়েছেন আল্লাহ মু'মিনানেরকে	৮-আনকাশ	₹6	608	সন্তাদকের বিভিন্নত আল্লাহ দেন (সভান হত্যা প্রসঙ্গ)	৬-আন'আম	267	653
পৰিত্ৰ ও হালাল বিধিক আহার করার নিৰ্দেশ	১৬- নাহল	778	935	সম্বাদ্যক বিশ্বর হয়ের রফিনের কন্য	৮-আন্দাল	8	600
পথিমাপ (বাকে ইচ্ছা আপ্লাহ বিবিক পরিমাপ করে বেল)	৪২-পুরা	25	284	সম্মানজনক ব্ৰিটিক (সংকৰ্মশীৰ মহিলের জন্য ক্ষমা ও		_	
পরিমাপ (আল্লাহ বাকে ইঙ্গা রিবিক পরিমাপ করে দেম)	২৯-আনবাবৃত	65	2.52	अन्द्रगक्रमक द्विरिक)	55-01m	60	980
পাওর (মিনিক লেখতে পেতেল বাকরিনা, মানইবানের কক্ষে)	৩-আলে ইমরান		609	স্থানজনক বিভিক (ঋনুগত সংকর্মপরামণ্ডের ঋন্য)	৩৩-আহবাব	62	brot
পাৰহাৰ (অপ্তাহন বিধিত পাৰহতের নির্দেশ, বনীইগরাসলতে)	২-বাকুরো	60	203	সম্মানক্ষনত বিধিক ব্যয়েহে উধানদায় সংকর্মশীলনের জন্য	৩৪-সাবা	8	₩8;
পিতা-মাতার রিবিকণ্ড স্বাপ্লাহ দেন (সম্বান হত্যা প্রসঙ্গ)	৬-আলু আম	262	927	সম্প্রকাশক বিভিন্ন হয়েছে সমানদারনের মন্য	৮-জানফাপ	98	60
পুৰিবীৰ বিভিক্তেৰ মাশিক নয় যাত্ৰা ভালের ইবানত	১৬-নাব্দ	90	109	সন্মানকাণক প্রিথিক হয়েছে (সঞ্চাহিত্রশাননের জন্য)	২৪-দূর	46	996
পৃথিবী থেকে আল্লাহট রিখিক দান করেন	২৭-নামল	68	hos	সাদৰাপৰ্ব কৰ দেয়া হবে জাল্লাকীদেৱ বিভিন্ন ছিলাৰে			-
প্রতিপালকের মিনিক আহর করার দির্দেশ (সাধাবাসীচেরকে)	08-MIKI	>0	785	(पुनिवात करनत भक्ष)	২-ৰাস্থাৱা	42	608
প্রশন্ত (রিয়িক গ্রশন্ত করেল আগ্রাহ)	২৮-কাদান	145	926	প্রতী প্রতিপালক প্রদান আবিহারের রিখিক উল্লেখ ও নিয়ারি।	20-31-41	303	787
গ্ৰসাৱত (গালার মিনিক অস্তাহ প্রদারিক করলে বারুবারি করত)	৪২-পুরা	29	1/3/0	হালাল প্রিকিন্ত্রক হারাম করতে অস্তাহ কি অনুমতি নিয়েছেল	১০-ইউনুস	49	665
প্ৰসাৱিত (বাকে ইচ্ছা আছাহ বিধিক প্ৰসাৱিত কৰেন)	82-70	32	193	হাৰাপ ও পৰিত্ৰ বিভিন্ন অভয়ত দিৰ্দেশ	g-मार्डिमा	W	69
লসাবিত (বিভিন্ন প্রসাহিত করেল আল্লাহ বাকে ইচ্ছা)	00-8X	-01	3-28				
প্রসন্তিত (ভিত্তিক প্রসন্তিত করেন প্রতিশালক, যার বাল উল্লে)	e8.85tl	63	¥88	হাপাল ও পৰিব বিধিক আহার করার নির্দেশ	১৬- নাংল	278	924
প্ৰসায়িত করেন (আল্লাহ মিনিক প্ৰদায়িত করেন)	১০-রাদ	59	695	হাপাল করা (ভিকিবলৈ হালাল ও হারাম করা)	১০-ইউনুস	6.0	361
				হারম কর (আছা প্রদার রিভিয়তে হারম পদক্রির পথার)	৬-আন্তাম	280	634
প্রসারিত করে দেন বিধিক প্রতিপাদক বাকে ইচ্ছা)	ব্ধ-সাবা	100	M88				

রিবিক

বিধিৰ (বাবো দেবুন বীবনধানণের উপকংশ শগাট) পূর্ব পুর্বাঞ্জক আহার (সতুস্পদ ক্ষরতে প্রদান বিধিক আহার করা প্রদান) ২২-ডক্ষ

২৮ ৭৯০ প্রতার বাবে হজা ধান্তে প্রসারত করে সেন) ২৯-জানক প্রবার্থিক সক্তিও থেকে জান্তার নেয়াত জনিকার করার পারি ১৬-নাইস

রিযিকদাতা

	मुझे ने( ध नाम	-	- Part	नियम्भागम	नुहा भर ७ मान	4000	100
রিবিকদাতা				দাড়াবে (রহ ও ফেরেশতা কিরামতের দিন নারিবছভাবে)	৭৮-নাৰা	-06-	200
আল্লাহ বিবিক্সাতা	৫১-খরিয়াত	Q.	456	নিচাশ (বহু প্রতিপাদকের নিচাশ)	১৭-ইসর	þré	92
অস্ত্রাহ উত্তম বিবিক্ষাতা	55-8aE	Q.b.	750	প্রপ্ন (রহ সম্পর্কে রাস্থা স. কে প্রপ্ন)	১৭-ইদ্র	'nė	92
অস্ত্রাহ উত্তন বিধিকশক্তা	७२-सप्र'ला	22	990	পূঁকে দেয়া (মানুষকে অস্তাহ বহ ফুঁকে দিয়েছেন)	৩২-সাজ্লা	b	50
भाद्वार् केसम विधिनन्ताका	२०-वृ'भिनृन	92	110	র্ভূতে দেয়া (মারইয়ামের প্রতি রহ র্ভূতে দেয়া)	৬৬-তাহরীম	35	20
অন্তাহ উত্তম বিধিকদকো	৩৪-সাৰা	60	b/88	কুঁকে দেয়া (মার্কাইরামের নাথে এহ ফুঁকে দেয়া, দিলা আ, প্রদঙ্গ)	২১-আধিয়া	66	3.0
আল্লাহ উত্তথ বিধিকদাতা	৫-মার্মিদা	228	869	পূঁকে নেয়া (ঝহ পূঁকে দিলেন আল্লাহ, আদমের চিতরে)	১৫-বিজয়	33	89
অন্তাহ উত্তদ বিধিকশান্তা	৬২-জ্যু'আ	22	360	পূঁকে দেয়া (আগমের ভিতরে হুহ পূঁকে দেয়া)	৩৮-সোমাপ	14	219
আল্লাহ উত্তম বিধিকভাজা	২২-ব্যক্ত	ev.	990	বিশ্বস্ত ভ্রহ/জিবরাইলের কুরআন নিয়ে অবতরণ	२७-४'वास	380	93
মানুদ রিবিক্সাতা নর	34-fema	30	668	সাহাত (আল্লাহ মু'মিনদেরকে ক্লব হারা সাহাত্য করেছেন)	<b>८५-इस्रामाग्य</b>	44	34
রিসালাত (পরগাম)				রহ (ওই)	-	-	т
আল্লাহর বিসালাত পৌহানো বাসুল স, এর নারিত	৭২-বিশ	30	294	অবর্ত্তর্গ (অল্লাহ বাকে ইয়া বহুদহ দেয়েশতা অবর্ত্তর্গ করেন)	১৬-নাহল	2	90
জায়ান্তৰ বিসালাক পৌতে দেয়া প্ৰসঙ্গ	৩৩-আহ্বাব	03	909	বহ (ক্রমান)		Ť	۳
পৌছালে ( বাসুল স, কর্তক প্রতিপাশকের বিসম্পাত পৌছালে প্রসঙ্গ)	१३-सिन	35	৯৮৭	প্রেরণ (নবীর কাছে অস্তাহর নির্দেশ সংগিত রহ,পুরুজন প্রেরণ)	৪২-শ্বা	65	25
পৌছিরে নেয়া (রিসালাক পৌছিরে দেন হল আ.)	৭-আ'রাক	er.	659	क्रद (क्रियवाण्य)	04-74	**	0.0
পৌরে দেয়া (আল্লাহর বিশালাক পৌরে দেয়া প্রসঙ্গ)	००-खास्याव	60	bron.	অবতরণ (কদর বাতে বহু/জিবরাইল অবতরণ করে)	৯৭-জান্তর	8	+
श्रीक्षणमञ्ज्ञ विमानक व व्यवस्था मन्त्रमास्य स्थीतान	8-30,51&	20	655	উর্মণানী (ফরেশঅগণ ও মিবরাইল উর্মণানী হয়)	১৭-কাশর ৭০-মা'আরিজ		30
शिक्षणमञ्जूक विकास । त्रांका में द्रावित के स्थाप । शिक्षणमञ्जूक विकास । त्रांका में द्रावित के स्थाप ।	৫-মাছিল	69	60.9	ভবণানা (ফেলেকজন ও জবরাসল ভবগানা হয়) ভ্রচণ কল্ম (ভিববাসল)	२०-भा जावेक	8	89
প্রতিশালকের রিমালাক/ পৌরানো (মালির আ, কর্তক)	4-81f8t#	120	640			_	1
প্রতিশালকের বিসালাত গৌরে দের নহ	1-01410	65	975	ইবাকে ক্রছণ কুমুন (জিবরাইল) ধরা নাহাব্য করা হর	২-বাকুরা	23	6.5
প্ৰতিশালকের বিদালাত শোহে দেৱ পূব প্ৰতিপালকের বিদালাত পৌছানো প্ৰদান ( বাসুল স, কৰ্বক)	१२-विभ	29	976	ইপাকে রহল কুমন নিয়ে সাহাব্য করেছেন আল্লাহ	৫-মারিদা	270	62
যাত্রপালকের বিশালাত পোজালো প্রসাধ ( বাসুল প. কর্ক) মলেকীত করা (মাল্লাহ রিগালাত ধরা মূলাকে মলেকীত করেছেন)				কুমার্যান এছল কুমুন্যমিনেরাইল কর্তৃত জ্ঞানিত (জ্ঞানান্তা কছে (২০০০)	১৬-লঙ্গ	205	93
মহানাত করা (অল্লাহ চাংগাত করা মৃত্যতে মহানাত ব্যৱহৃত। রাকা (বিশাসার কোবার রাক্তেন আ আল্লাহাই বেশি মহানা)	৭-আ'বাফ ৬-আন'আম	788	હર્	cक्रमा			Г
ক্সৰ (জনাপত কোনা অবলো অ আক্সাহ্ বেশ নালেন) ক্সৰ	<b>छ-व्यान् व्याप्त</b>	348	totr	সালা রেখা স্পট্ট হওয়া পর্যন্ত পানাহারের অনুমতি	২-বাকুরা	72.3	6.5
		_	ш	বেশে দেৱা			Γ
মারইয়ামকে ককু করার নির্দেশ (প্রতিশালকের জনা)	৩-আলে ইমরান		480	অস্ত্র রেশে সেরা (বোদাসের অসুস্থতার ক্ষেত্রতা সতর্কতা রাসঙ্গ)	8-निमा	205	2"
মিপাা অভিহিতকারীয়া ককু করে না, ককু করতে বলা হলে	৭৭-মুব্যালাত	81/	727	কন্যা শিহতে জীবন্ত বেখে দেৱা/মাটিতে পুতে ফেলা প্রসন্থ	১৯-দাব্দ	25	90
विशा प्रविदेशकारिकारक तकु कराड तमा राग, कबू करा ना	৭৭-মুধ্যালাত	81/	727	অলিয়ানেকে ভারাব্রামে রেখে নিবেন জন্তাহ (নকজনু জনপ্রায়)	১৯-মারইরাম	93	90
রাপুগ স. এর সাধীগণ রুকু ও সিজদাকারী	৪৮-ফার্হ	২৯	222	পর্বতকে আল্লাহ সমতল ভৃথিছপে রেখে দিবেন (ভিনামতে)	২০-ড়া-ঘ	306	98
কুকারীদের সাথে কুকু করার নির্দেশ (ধনী ইনরাম্বনকে)	২-বাকুারা	80	606	আলভাবে রেখে দেরা স্ত্রীদেরকে (ভালাক দেরা প্রসঙ্গ)	২-বাকারা	225	23
পক্ষা হওয়ার জন্য করু করার নির্দেশ	55-83ab	99	960	শন্য কটোর পর শীষদহ রেখে দেবে	১২-ইউস্ফ	83	86
কুকারী কুকারী				সুন্দর ভাবে রেখে কোর স্ত্রীদেরকে (রেমরী ভাগাকের পর)	২-ৰাকারা	203	23
পবিত্র রাখা (কবো ঘর ককুকারীদের জন্য পবিত্র রাখা)	২-বাকুরো	256	678	দ্রীকে ইমত পেবে উপ্তথসাবে রেখে দেয়া (তালাক প্রদর)	৬৫-জালাক	2	20
পৰিৱ বাৰা (বাংবাকে কবুকারীকের ক্ষন্ত পৰিৱ বাৰার নির্দেশ)	২২-বাদ্দ	46	900	(दानं गांवदा			Ε.
মুমিশরা ককুকারী	৯-ডাওবা	225	625	স্বর্বনার (মূল মে, ও ব্যক্তন পরিবারের (ব্যাব যাবের অবন্দির)	২-বাকারা	487	40
ক্তব্ন করার নির্দেশ বনী ইসরাইলকে (মুসলিমদের সাপে)	২-বাকুরো	80	606	অসহার সম্ভান রেখে মৃত্যুর কথা ভাবা (ইবাভিম প্রসঙ্গ)	g-Por	>	40
করু করার নির্দেশ মারইরামকে (করুকারীদের সাথে)	৩-আপে ইমরান	80	680	আরীর-মন্ধনের রেখে যাওয়া সম্পাসর উল্লাধিকারী	8-999	00	25
क्ष्मुकाकि/वारी				ইউপক্ষকে রেখে দৌড প্রক্রিয়েণিভার গেল (ভাইছেরা বলল)	১২-ইউস্ত	39	69
माय (मेरे क्रप्र राक्षित	২৪-দূর	65	42.7	ধন-সম্পত্তি বেখে গেলে মত্যকলে ওলিয়কের বিধান	২-বাড়ারা	300	44
क्रि				গাওৱকে মন্ত্ৰণ অৰঞ্জায় তেখে যাওয়া (লোক দেখালে দালের উপামা)	২-বাকুরা	208	20
বহন (মাঝর উপরে রাটি বহন করতে নেঞ্চা মাপ্রে, অপরাজন)	১২-ইউসুঞ্	00	800	পিতাখাতার রেখে যাওয়া সম্পদের উত্তরাধিকারী	8-निमा	00	20
ত্বৰুণ কুণুণ (জিবৱাইণ)			$\neg$	মৃত ব্যক্তির হেবে ব্যক্তয়া সম্পদ কটন (কলোলাহ প্রদাস)	a-Fest	396	09
নাহাত (রহন কুনুন এর মাণ্ডমে দিনা (আ.)-কে নাহাথ্য)	२-वाक्वता	200	200	সম্পদ (মত ব্যক্তির হেবে যাওয়া সম্পদ বর্ণীন প্রসঙ্গ)	a-First	22	20
জ্য (আলো দেশুন করোর শক্তি)				श्री तारन पानीत मृद्युनस्य	५-वाक्स्या	248	65
রাজা স, রত ও বাটন ভারের হলে রবিনাগ বিভিন্ন হরে পভত	৩-আলে ইমবান	105	662	দ্বী রেখে মত্যবরণ করলে ওসিয়ত করবে (প্রীদের স্বান্য)	<b>३-वाक्तवा</b>	280	23
SE CIACIA	C-GC CASP	260	443	মীর রেখে বাওয়া সম্পরের ১/৪ সামী পাবে (সম্ভান থাকলে)	8-मिना	25	20
ইয়াতীয়দের সাথে ক্যু ব্যবহার নিষ্ঠিত্ব	১৩-দহা	>	2030	প্রীয় রেগে যাওয়া সম্পর্যনা অর্থক শারী পারে (সন্তাম বা থাবলে)	8-मिना	34	20
क्षां अन्य विश्व विष्य	av-24)		2050	इस्त्रे येथे दिनात चेनान्त्रीका कर देनातीय प्र. ताल तालन	80-7477	34	6.6
হাপ/রকম শান্তি (জাহান্তামে বিভিন্ন রকম শান্তি হরেছে)			$\perp$	যামীর রেখে ব্যবহার সম্পানর ১/৪ পারে স্ত্রী (মঞ্চন না ধারণে)	8-9pt	34	20
	৩৮-স্থেয়াদ	av	464	খামীর রেখে যাওয়া সম্পদের ১/৮পাবে ত্রী (সন্তান থাকলে)	8-PM 8-PM	24	20
জপকার				(अवस्थ प्राच्या (अञ्चल)	A-1-11	12	26
আপ্তাহ ক্লকার	49-5344	2.8	964	व्यक्ति-प्रकार (तन्त्राम)	8-विश	<u>-</u>	-
বাশান্তর				অন্তৰ-বন্ধলো বেৰে যাবয় সম্পান নায়-পুক্তার কলে আছে পিকায়াকার বেশে যাবয়া সম্পান নায়ী-পুক্তার কলে আছে	8-PM 8-PM	3	20
আপ্লাহর নিয়ম-নীতিতে কোন রূপান্তর নেই	৩হ-ফাচির	80	091		8-14HI	3	22
<b>9</b> 其				ােশয			_
पनविर्ग (स्क्रुवार पारन देखा वरुगा/ब्दीगर (गरानाथ पनविर्ग करका)	১৬-নাহুল	2	900	আহল (কান্ত্ৰতে বেশকের আন্তর্জনিক নিয়নার কেলান নিয়ে কানে)	৫৫-রাহ্মান	48	28
আন্তাহ বাকে ইচ্ছা ভার প্রতি ভ্রম (ভরী) অবভীর্ণ করেন	8०-विन		694	মান্নাতের পোশাক হবে রেশম ধারা প্রস্তৃত	৩৫-ফার্ডির	00	₽8
ইয়া আ, আল্লাহর পক্ষ থেকে কহ	g.Sixt		234	গোশাক (রেপদের গোশাক পরিধান করবে জান্নাকবাসীরা)	১৮-বংগ্য	42	44
नवा जा. आझारहा वाल स्वरत्व प्रदेश	8-(1/1)	247	6.44	পোশার (পারেরে সংকর্মশীল মনিনের পোশারু হবে রেশমের)	२२-इंग्ल	30	93

			রেশম	शकास्त्रह			3
রেশম (পুরু)		Т	Г	ক্ষান্ত্ৰতে মেলুক্লিট না হওয়া (মানম মা, প্ৰসঙ্গ)	২০-ডা-হা	222	985
জান্নার্টালের উপর সবুজ মিহি ও পুরু রেশমী পোশাক থাকবে	৭৯-মাহর	52	2000	রৌপা			
বৰ্ম (মিছি)		1	-	দ্বাদ (বৌপ্যের দ্বাদ, কাঞ্চিরদের পার্থিব প্রচুর্য প্রসঙ্গ)	৪৩-যুধক্তফ	00	3/30
পায়ক (জানুষ্টিদের সভুম্ব বিহি/পুরু রেপনী পোশাক থাকবে)	৭৯-দাহর	42	25%	পান (ছান্তাতে ক্ষতিক প্রাস ও বৌশ্য পার পরিবেশন করা হবে)	৭৯-দাবৰ	36	29
রশমী পোশাক	14	1-1-		বালা (রৌপ্য নির্মিত বালা ছারা নাল্লাতীরা অলংক্ত ২বে)	৭৬-দাবর	43	55
জনার গোলাক বিশীলভার প্রতিনাম রেশমী পোশাক ও জাপ্রত	৭৯-দহিব	25	552	শোচনীয় করা হয়েছে স্বাধীকৃত স্বৰ্থ-রৌপা মানুহের জনা	০-আলে ইমবান	28	20
वर्षाद	10:4148	134	0.92	भक्ता (वर्ग-सीभा मक्ता करत यात, ब्युद्धादत भाग वात ना करत)	৯-ডাওবা	-08	28
	৩৫-কাডির	842	bito	সিড়ি (রৌগোর সিড়ি, কাঞ্চরদের পার্থিব গাচুর্য প্রসঙ্গ)	৪০-যুখকফ	00	Va
কেউ বেবাই পেত্ৰ না (কৃতকর্মের জন্য পাকড়াও করা হলে)	26-41198	84	PAO	ক্ষটিক (রৌণ্য নির্মিত ক্ষটিকে পূর্ণ করে রাখা জন্তাতে)	৭৬-দাহৰ	34	290
বেহাই/মৃত্তি		-					-
মুগা মা, মুক্তি পেয়েছে জালম সম্প্রদায় থেকে	২৮-কাদাস	34	A70	नक्ष			
রোগ (আরো দেখুন ব্যাধি শব্দটি)				অপরাধীদের শক্ষণ হরা তাদেরকে চেনা বাবে (কিয়ামতে)	৫৫-রাহ্মান	85	38
অন্তরে রোগনেরতার জন্য পরীকাস্বরূপ (পয়তভার নিকেপ করা)	<b>२२-श</b> व्य	60	960	কিরামতের লক্ষণসমূহ এগৈ পঞ্জে	৪৭-মুহাম্বাদ	29.	27
দুলঞ্চিকদের অনতে যোগ বাড়িতে দেন আল্লাহ	২-বাকুয়ে	30	805	ভিনতে পারা (অহমর্যাদাসম্পন্ন ফরীরসের পার্যন্ত দেখে চেনা)	২-বাবুগরা	290	60
মুলাঞ্চিকলের অ্বতে বোগ রয়েছে	২-বাকুরে	30	605	হদরে ব্যধিপ্রজনের শক্ষণ সেখে চিনতে পরিবেন রাফ্ল	৪৭-মুহাম্মাদ	'00	27
হুনয়ে বোগ আছে যানের, ভারা দ্রুত ধাবিত হয়	৫-মার্যনা	65	694	गका			
বুদরে রোগ আছে (মূলফিকদের)	২৪-মূল	60	992	আকাশের নিকে বি লক্ষ্য করে না কাঞ্চিবরা	१०-कृत्य	6	32
রোগাক্রান্ত (দেশুন অসুত্ব শব্দটি)				পরিবাদ পকা করের আজান (মিধ্যা আর্চাইডকারীলের পরিবাদ)	৩-আলে ইমরান	209	¢81
ৰোগী				দক্ষ্য করা			-
লোৰ দেই রোগার (যুদ্ধে অংশ না নিলে)	৪৮-ফাত্র	29	273	অপরাবীদের পরিণাম লক্ষ্য করা (গৃত সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	৭-আ'রাক	ъ8	621
one		+		অভিশাসীরা কেমন উপমা পেশ করে ডা লক করার নির্দেশ		_	_
ছায়ার সমান নয় রোল (উপমা)	<b>७०-कांटित</b>	43	78A	(श्रामृत् (ग.)-टक)	১৭-ইদ্রা	85	935
SER AND DE CENT (STATE)	-4-31004	+~	700	অধীকৃতি (আগ্ৰত পাঠ জুল কাৰ্যনাচনা মুখ্যমাচল অধীকৃতি)	২২-হাজ	93	984
জ্বাব জ্বন্ধন রোধ করতে পারবে না (কাঞ্চিররা)	२५-वाशिया	80	923	আকাশ-পৃথিবীর কর্তৃত্ব সম্পর্কে লক্ষ্য করা	৭-আবাক	20.6	60
জায়ন (রাথ করতে পারংব না (কাকেরর) ইন্ধা (অক্সাই ক্ষতির ইন্ধা করলে তা রোধ করার কেউ দেই)	২০-বা'দ	90	922	আকাশের সৃষ্টি সম্পর্কে লক্ষ্য করা (প্ররে প্রবে আকাশ সৃষ্টি)	12-90	20.0	by
ংজ্ঞ (অক্সাং ক্ষতের হয়ের করলে তা রোগ করার কেট নেই। কল্যাল/মনুপ্রের আস্লার ডাইলে ভা রোগ করার কেট নেই।	১০-ইউনুস	309	99.6	আকাৰ-পৃথিবীতে কী আছে ডা লক্ষ্য করার নির্দেশ	১০-ইউনস	202	40
ভালিমনের শক্তি রোধ করার কেট থাকরে না (বিভামতে)	৪২-পুরা	89	trisé	আয়াত বৰ্ণনার নিকে লক্ষ্য করার জন্য আল্লাহর আহ্বান	৫-মায়িদা	9/2	ga.
	8र-7्वा	84	0.86	আপ্তাহ মসার সম্প্রদায়ের বংক্ত ককা করবেন	৭-আবাক	24%	62
রামান		-		অন্তাহর উপনা পেশ সম্পর্কে কক্ষা করা (উন্তয় বাদীর উপনা)	১৪-ইবরাহীম	48	63
পরজিত (রোমানরা পরাজিত হল)	৩০-রম	1	255	উটোর লিকে দৃষ্টিপাতের উপচূপে (ক্রিডারে ভাকে সৃষ্টি করা হয়েছে)	৮৮-পাশিয়ার	39	202
अध्य				কাক্তরা কি লক্ষ্য করে না- আকাপ পৃথিবী বিনি সৃষ্টি	১৭-ইদরা	22	93
अनुष्ठात द्वांचा	২-বাকারা	7/48	650	ৰাবার-পানীরের দিকে ককা করা (উর্যায়ের প্রসঙ্গ)	২-বাকুারা	30%	40
উত্তম (রোজা রাখা উত্তম, সক্ষম ব্যক্তির জন্য)	২-বাকুগো	29-8	650	বাদের প্রতি শক্ষা করা উঠিও (মানুসের)	৮০-আৰাসা	48	300
উদেশ্য (রোঘরা উদ্দেশ্য তকেওয়া)	২-বাকারা	79-40	650	গ্রাপিপত্র নিতে লক্ষ্য করে নাঃ (অবিশাসীরা)	৫০-খাদান ৩৬-ইয়াসীন	93	300
একাশ্বরে দুই মান রোবা রাখবে, দান না পরিলে (বিহার প্রনঙ্গ)	৫৮-বুজাদালা	8	255	গাধার হাছের বিকে লাখ্য করা (উথারের প্রসঙ্গ)	2-416141	30h	00
কসম ভঙ্গে ঝাড়জারা হিসেবে রোয়া	হ-মায়েনা	P.9	622	নাবার হাড়ের বেকে পান্য করা (কর্বারের রগেস) নারীর লাখ্য করা (আল্লার জেনেরের প্রবর্ধি পঞ্চারীকে পথচারী করেন)	१८-माहिता १८-माहिता	400	30
কাঞ্চার (বুলিন হতার কাফটার একাবরে দু'নাগ রোধা পালন)	8-14172	35	665	नवर मध्य कर्या (पश्चाव (स्थान(क श्रृष्टा शृक्षाव(क श्रृष्टाक करका) विकर्णन वर्षनांव श्रीके मध्या कराव निर्दर्श	৬-আন'আম ৬-আন'আম		
কাফফরোপরূপ সমসলোক নোয়া (মুব্যরিমের শিকার প্রসঙ্গ)	৫-মার্রনা	342	695	নিমর্শন বর্ণনার প্রতে শক্ষা করার নেমেশ নিমর্শন বর্ণনার বিষয়টি লক্ষ্য করা	৬-আনুআৰ ৬-আনুআম	86	800
কুরবানীর পক পাওয়া না গেলে রোধা রাবতে হবে	২-বাকুারা	790	655	প্রথম লক্ষ কর (ফাসন পৃষ্টিকরিসর পরিম, ফিরম্মটনত)	१-वा तक	94	60
খাবার ও পানিও থেকে রোয়া অবস্থার বিরত থাকা	২-বাকারা	27-8	657	পরিশান পাকা কর (কাসেন পুরুজারটের পারান, করমানার) পরিশান পাকা করেনি ভি মন্তবে কাঞ্চিবরা (পূর্ববর্তীনের)	৩০-জন	200	62
পর্ভবর্তীর রোঘা	২-বাকারা	29.8	652	পরিবাদ লক্ষ্য করা (ভবীকে মিখ্যা আঁচাইত করার পরিবাদ)	১০-ইউনুস	9	501
ভিদ দিন বোঘা ৱাখা (তসম ভঙ্গের ব্যক্তভারা)	৫-মাহিদা	p.ye	4.97				
দুখাস রোয়ে (যুদ্দিন হতার কাফফার একসারে দু'মাস রোয় পালন)	8-1420	82	699.	পঞ্জিয়ে (পূৰ্ববৰ্তীনের পঞ্জিয় দেবার জন্য পৃথিবী মন্ত্ৰণার নিৰ্চাপ) পরিবাস ক্লম্ভ করা (মিধা অভিনিত কবিংসর পঞ্জিয়ার কম্বাং করা)	৩০-রম ১৬-নাহপ	83	90
পূর্ণ (রোয় পূর্ণ করা, কন্ধর থেকে রাত পর্যন্ত রোয়া পূর্ণ করা)	২-বাকারা	22.4	652		22-4164	29	99
क्तर (रहाकान्य केन्द्र साथ करा कहा बहुकार (रावन कहर)	২-বাকারা	2000	650	পরিস্কর্ভেম খান্য লক্ষ্য করা শহরে (আসহাবে কাহাত প্র.)			
किनियो (झाराव माश्राट्य किनिया मिरठ दरन, दराव्य बनि)	২-বাকুরো	790	455	পাঁহাদ্বের দিকে লক্ষ্য করতে বলা (মৃপ্যকে)	৭-আরাফ ৩৫-ফাঠির	380	65
ক্রনিরা (কটে রোখা রাগতে না পারলে)	২-বাকারা	2500	650	প্ৰবাহীদের পরিপাম লক্ষ্য করত মুশরিকরা (রুমণ করলে)		88	100
বিধিবছ (রোহা বিধিবছ করা হয়েছে ঈমানদারদের উপর)	২-বাকারা	2000	650	पूर्वतर्देशमा परिवास गण्ड वयाः अधिकातं (पूर्ववीदाः सम्प स्वाम)	80-भूगिन	57	8.6
মুলত রোজা বা কমা কণা থেকে বিরও থাকার মালত (মারইয়ামের)	১৯-মার্ট্রাম	20	900	পূৰ্ববৰ্তীদেৱ পাইবাম শক্ষা করা (পূৰ্ববীতে ক্রমণ করে)	৪৭-মুহামান	30	27:
यावदेशस्य श्राप	১≽-प्रक्रिसम	26	900	প্রতিটারে শব্দ করা (কুশহিমনের পরে পেয়ে সাধর রানির প্রতিটান্য)	২৭-নামল	27	20
ঘকারিয়া কথা বলা তেকে বিরঙখাকার রোধা (মারইয়ামের)	<b>১%-श</b> िहराम	26	306	প্ৰভাৰ (আল্লাহৰ দথাৰ প্ৰভাব পক্ষ্য কৰাৰ আহ্বাদ)	90-2X	40	23
বিহার এর কাফফারায় হোধা (২ মাস)	<b>৫৮-মুজদালা</b>	8	265	ফলের ফলবান হওয়া/পরিপঞ্চতা লাচের প্রতি লক্ষ্য করা	৬-আন্'আম ৭-আ'বাঞ	99	600
এমজানে রোজা রাধ্বে যে এ মান প্রত্যক্ষ করবে	২-বাকারা		650	দ্যাসাদ সৃষ্টিকারীদের পরিপান কছা করা (ড'অইব, প্রসঙ্গ)		100	62
ৱাত (হোগার বাতে যৌনসঞ্জোগ হালাল করা হয়েছে)	২-বাকারা		457	মর্যার দান করে নরার আহাদ (এক দলের উপর অন্য দলের)	১৭-ইস্বা	57	42:
নময়নীমা (ফলর মেকে রাত পর্যন্ত)	২-ব্যক্তরা	79.4	652	মানুধ দক্ষা করুক ভাকে কী থেকে সৃষ্টি করা হয়েছে	৮৬-ডারিক	4	707
সফলে রোমার বিধান	২-বাকারা	398	220	মানুব কি লক্ষ্য করেনি পূর্ববর্তীদের পরিবাদ কেমন হয়েছিলঃ	১২-ইউস্ফ ৬-জান আম	709	67
নক্ষরে রোমার বিধান	२-शकावा	346	650	কৈরে অভিনৈত্তবারীর পরিয়াম লক্ষ্য করার নির্দেশ (পৃথিতী ক্রকণ করে)		22	62
умсна сптт	২-ব্যকারা	39/8	223	নিখা বলোকারীলেরক শক্ষা করা (মস্ত্রাহ সম্পর্কে মিধা বচনা)	8-निमा	60	60
मुखे मानवादी माद्यव व्यापा	২-ব্যক্তারা	358	423	মুশ্যিকদের মিথাচার নবী কড়ক লক্ষ্য করা (কিয়ামত প্র.)	৬-আন্তাম	48	45
ষ্ট্ৰী সংখ্যস (বোধার রাতে)	২-বাকারা	26.8	233	সতৰ্জকানেৰ পৰিশাস লক্ষ্য কৰাৰ নিৰ্দেশ	৩৭-সাক্কাত	90	80
হক্ষের সময় রোধা (কুরবাদী না করলে)	२-राकावा	750	433	সাহিনীর ইলাহ/উপাদ্য/বাছুরের প্রতি কক্ষা করা প্রথক	২০-ডা-ছা	20	98
বোষা পাগনকাৰী নাৰী		1	1	স্ক্রির স্থলা আপ্তরে কিডাবে করেছেল তা লক্ষ্য করা	২৯-আনবাবৃত	20	2.2
ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান (রোজা শালনকারী নারীর জন্য)	00-002224	00	ხობ				
ह्याया शास्त्रकारी शुक्रम	00 -000	1.00	- 50	ব্যক্তের দিকে লক্ষ্য করা (উবারেরের পাবা প্রদাস)	২-বাকুারা	452	20
রোবা শালনকার: শুক্তব কমা ও মহাপ্রতিদান (রোজা পালনকারী পুরুষের জন্য)	৩৩-আহ্বাব	00	lr05	লক্ষা করা (উনমূরনা)		1	1
	OO-HIGHN	100	3.36	বলা (ইহুদীদের 'লক্ষ্য কর'/উনযুৱনা বলা প্রসঙ্গ)	a-Sixt	86	26
refia		1		পকারট		-	1
জন্মতে বেসি ও প্রচন্ত শীত থাকবে না বৌসুক্লিষ্ট	৭১-দাব্ব	30	266	শক্তারত আহ্বান (কাফিরদের আহ্বান লক্ষ্যরত হয়)	) - melon	100	1
					30-8FF	28	807

Martin Reality Services	न्द्रा नर ७ नाम	400	नुस	बर्ग विराज्ञ/दाराम	भूग नः ७ नाम		
गरून			-	শান্তি (আল্লাহ সম্পর্কে অসত্য কথা বলায় শাস্কৃনার শান্তি)	৬-আন্'আম	90	906
সীমা লক্ষদ করে যে (আল্লাহর সীমা) আল্লাহর	২-বাকুারা	25%		লা <b>ত্</b> নাদায়ক			
দীমা লক্ষন্ অপ্লাহন দেয় দীমা লক্ষদের শান্তি, মীনাস প্রদান)	8-मिश	28	661	ব্যক্তিয়নের জন্য লাঙ্গানারক শান্তি	৩-আলে ইমরান		644
সীমা গঞ্জন না কৰাৰ নিৰ্দেশ (জন্মাহৰ সীমা)	২-বাকুারা	223		শান্তি (আন্তাহ-বাসুদা সং এর অন্যানারীর জন্য দানুদকারত শান্তি)	8-मिश	28	242
দীমালজন (তালাবের ক্ষেত্রে আস্তাহর সীমানজন জুলুম)	৬৫-তালাক	١	999	শারি (অয়াতনে উপয়সের নিয়া করনের জন্য লাকুনবরত শারি)	80-माश्रिम	>	206
नुकालन्				শান্তি (কাফিবদের জন্য নাস্কুনদেরক শান্তি প্রস্তুত)	৪-শিসা	242	098
ইবাদততে যে লক্ষকেশক মনে করে তার পরিণাম	8-निश	292	683	শাস্তি (কাফিব্ৰদের জন্য লাস্কুলনেরক শাস্তি)	২-বাকুারা	30	430
বাদা হরোবে ঈদা আ লক্ষাজনৰ মনে বরেন না (অল্লাহর বাদা)	৪-নিস্ম	295	660	শ্বন্তি (কাফিরদের জন্য লাস্ত্রনাধারক শান্তি প্রস্তুত)	s-मित्रा	305	
यन्त्र श्वतद्वत (पदानकात्र नव्यक्तिमा स्ट्रा वदा म (व्यक्तिका यन्त्र)	8-मित्रा	245	645	শান্তি (পাঞ্নানারক শান্তি বরেছে মুনাকিকসের জন্য)	৫৮-মুজাদাদা	26	328
লক্ষ্যজনক মনে করা				শান্তি (পাঞ্ছলারত শান্তিতে অবস্থান করত না জিনের যদি)	৩৪-লাবা	38	485
ইবালতকে লক্ষান্তনক মনে করার কারণে যত্রণানারক শান্তি	8-निमा	290	693	শান্তি (পাঞ্নানারক শান্তি ররেছে কাফিরদের জন্য)	৫৮-মুর্রাদালা	0	965
শক্তাবোধ				পরি (অয়াতকে মিথা অভিহিত করায় দানুশদারক পরি)	২২-হাজ	64	990
আপ্তাহ লক্ষাবোধ করেন না (সত্যের বিহরে)	৩৩-জাহুদার	00	bob	শারি (অন্তাহ ও অনুগ দ. কে বউগাজন জন্ম শাকুনদাকে শারি প্রস্তুত)	৩৩-আহ্বাব	64	brob
আল্লাহ লক্ষাবোধ করেন না (কৃছে জিনিসের উপমা নিতে)	২-বার্থরা	26	208	শান্তি (আল্লহর পথকে উপহাস কংগে লাঙ্কুনাদায়ক শান্তি)	৩১-সুকমান	Ġ	529
রাকা স, লক্ষ্মকোর বাজেন (সাক্ষমিনেরার খার বেরে বলে যেতে কল্ডে)	৩০-প্রাহ্যাব	00	Indir	শান্তি (গাঞ্চানারক শান্তি ব্যক্তিরের কর প্রস্তুত)	8-मिमा	109	400
সক্ষা/পান্তক		-	1111	শান্তি (বাঞ্চলাধানক শান্তি হয়ে কবিদালের অংকারের প্রতিক্ষণ)	৪৬-আহ্বাফ	20	330
পুরে (গান্তুক পারে দুক্তন নারীর এবজন মুগার নিবট আলগ)	২৮-কাদান	20	νλο	শান্তি (বনী ইগরাইলকে লাস্কুনানায়ক শান্তি হতে উদ্ধার)	৪৪-দূখান	00	200
महात्र (शाकुक नाइत द्वाल संदेश करणान कुमार सरक जानन) महात्रामां	Kh-Analia	4U	0.30	পাঞ্জিত			
লক্ষাস্থান স্তাবত করা (লক্ষাস্থান ভাবত করার জন্য পোশাক অবতীর্ণ)	৭-আ'রাক	-		আন্তাহ পঞ্জিত করলে তার কোন সম্মানদাতা নেই	12-276	224	92%
	9-30'919	26	976	वैकारतिका प्रश्लावीय शक्ति वात स्वयुक्ताम तहरू करूर	৪০-ম'মিন	80	270
লেকাৰে (সক্ষান্ত্ৰান লেকাৰের কল পোলাক অপনাকা, আনম আ. ৬) প্ৰকাশ (সক্ষান্ত্ৰান প্ৰকাশ করার জন্য শাস্ত্ৰানে কমন্ত্ৰণা নিস্	4-00 000	ર૧	634	কাকিবলের এক অংশকে দান্তিত করা (বদর হন্দ প্রদাস)	৩-আলে ইমরান	229	287
	৭-আ'বাফ	20	628	কাব্যিররা লাঞ্চিত হবার পূর্বে আরাত মেনে চলত।	২০-ড়া-হা	208	18%
আদম আ. ও) প্রকাশ ক্ষেত্রায়ন প্রকাশ হয়ে পরনা আন্য কা ও আর প্রীয়)	n-atters		-	কমিবর পান্তিত হবে বিশ্বাহতে (পুনক্ষরণ অধীবার করার)	৩৭-সাক্ষাত	25	203
প্রকাশ (শক্ষাস্থান প্রকাশ হয়ে শর্কা আনন আ ও আর প্রথ…) প্রকাশ (মিকিন কল ভারতায় আনন ও হাওয়ার লক্ষ্যয়ান প্রকাশ)		55	840 181	পর্ববর্তীদের ন্যায় লাক্ষিত করা হবে বিক্লছাচরণকারীদেরকে	৫৮-মুম্বানালা	0	344
	২০-ড়া-হা			প্রতিপঞ্জাক অপমানিত ব্যয়েনে (বিধিক সংক্রতিত হলে মানুহ বলে)	৮৯-ফাকর	26	2093
মুবজিক বাৰা (মাবইৰামেৰ লক্ষাহ্বান পুৱক্তিব)পত্নীচু বন্ধা এগৰ)	৬৬-ভার্থীম	25	247	বিক্লাচরাকারীলেয়কে পরিস্থা করা হবে (পূর্ববর্তীলের নাম)	৫৮-ম্পানানা	0	245
হেকারতবারী (মুমিনগণ লক্ষাস্ক্রান হেফাকতবারী)	২০-মুমিন্ন	6	966	স্থানী (কিয়ামতে স্থানী হৰে পাঞ্জিত অবস্থান, ঘৰা,)	२०-क्वकाम	80	959
হেফারত (পজ্ঞাস্থান হেফারত করনে মু'মিন পুরুষরা) হেফারতমরি (পজ্ঞায়ন হেফারতমরী নবী-পুরুষে প্রতিকা)	२८-मृष	100	196	with	4- A	+	12.
	००-खाइराव	-00	3/00	মনার পাঠি হারা পাথরে আহাত করাত বরনা তৈবি	২-বাকারা	80	209
হেফান্তত (গজাস্থান হেফান্তত করে ঘারা)	৭০-মা'জবিজ	35	99.5	আখাত মেশার লাঠি থারা পাধরে আখাত করার থবনা তৈবি)	২-বাকুরো	80	209
হেফাক্সত (পক্ষাস্থান হেফাকত করনে মুদ্দিল নারীরা)	२८-मृत	407	111	আৰাত (মূপার পানির আবাতে নীল নানে পথ সৃষ্টি হওমে প্রসঙ্গ)	২৬-৩'জারা	90	933
লক্ষাস্থান (নতীত্ব)			$\vdash$	অখ্যত (মুগার লাচির আখ্যতে বারটি কর্ণা উৎসাধিত)	9-181°da	280	349
মারইয়ামের লজাস্থান/সতীত সুরক্ষিত রাখ্য প্রসঙ্গ	২১-অধিয়	97	160	খাওয়া (পাঠি থাছিল মাটির পোকা, সুপাইমানের লাঠি)	৩৪-সাধ্য	28	983
সুৰক্ষিত বাৰ্থ (মান্টব্যমেন লক্ষ্মহান/সভীত সুৰ্যন্দিত বাৰ্থ প্ৰসৰ)	২১-জবিবা	97	160	জাদুর লাঠি দৌরালে (জানুকরদের জানুর প্রভাবে)	২০-জা-তা	90	984
দটারীতে অংশ প্রহণ		_	$\perp$	নিকেশ (জানুকবল জানুর শাঠি নিকেশ কলে)	34-9'Will	88	9390
ইউদুস গটারীতে অংশ নিজেন (নৌকার)	৩৭-সাহ্যাত	787	৮৬৩	নিকেল (মুমার সাঠি নিকেল ও স্বরুগরে পরিশত ব্রুপ্তা এলক)	4-81,614	203	999
লতাপাতাযুক গাছ				বিকেশ (মানু আ সাঠি বিকেশ করামাঠে তা অভাগরে পরিবত হল)	36-9'9191	40	90/0
উপতে (অভাপাতাত্ত গাছ উদগত করা, ইউনুদ প্রদাস)	৩৭-সাহ্নাত	789	364	নিকেশ (নাটি নিকেশ করতে বললের আপ্তাহ মুলাকে)	২৮-বাসাস	0)	270
পৰণাক				মসার গাঠি সাপের মন্ত ভোটাছটি করা ও মসার ভব্ন প্রসঙ্গ	১৭-নামল	30	You
পানি (আল্লাহ ইজ্ঞা করণে পানি লবণাক্ত করতে পারেন)	৫৬-ওমাকিবার,	90	886	মুসার সাঠি নিকেশ ও অঞ্চল্যবে পরিশত হওয়া প্রসঙ্গ	न-आ,दाक	209	844
দাইদাতুল কদর				মুসার লাঠি নিজেশ ও জানুর সালকলোকে দিলে ফেলা প্রসঙ্গ	২৬-৬'জারা	80	930
উত্তম (পাইলাতুল কলর হাজার মালের চেরে উত্তম)	৯৭-কাদর	0	४०२७	মুসার লাঠি নিকেল করমোত্রই তা অঞ্চগ্যর পরিণত ২ল	২৬-৩'জারা	44	93/2
তথুজান অবতীৰ্ণ (লাইলাকুল বলর বা বদরের রাতে)	৯৭-কালৰ	3	2029	प्रभाव माठि निरूपन कराव सन्। जासाहर वर्षे	৭-আগ্রাফ	229	646
माशिक्ष (मण		-		भूमात गाठिएक भूमा च्या एवं तमा श्रमण	২০-জু-হা	337	983
দারিলা লাগিরে দেরা হয়েতে আহলে বিভাবদের লাখে	৩-আলে ইমরাদ	225	<b>Q84</b>	माळ	doubled.	27	104
ধনী ইসরাসিলার সাবে শাস্ত্রুলা ও নারিদ্রকে শাসিরে নেরা প্রদাস	২-বাকারা	63	009	'উয়্যা' ও 'লাভ' সম্পর্কে তেনে দেখার আহ্বান	20-FINA	25	3/64
লম্পনা লাগিয়ে দেৱা হয়েছে আহলে কিভাবলের সাথে	৩-জালে ইমরান	225	Ø84s	লা'নত (আরো সেখন অভিশাপ শক্ষাট)	CO-WAY	2.9	802
नाप्ट			-			_	-
শান্তি লাখৰ করার জন্য প্রার্থনা করার অন্যবোধ	৪০-মুখিন	85	544	অনুগামী (পা'নত অনুগামী করকেন আল্লাহ কির'ডাউন ও) অভিযোগকারীদের উপর লা'নত (সঞ্চতির নারীর নিকত্রে)	২৮-কাসাস	82	3,77
শান্তি লাঘৰ করার জাত হোৱনা করার অনুমোধ… শান্তি লাঘৰ করা হবে না (জাহান্তামিলের)	8७-युरस्य	9/2	207		28-9F	40	996
ALIEN AND AND AND AND AND AND AND AND AND AN	- 2-3-4-4.	<del>–</del> "		আদ জাতির জন্য শানত (দুনিয়া ও বিবাহতে)	27-Kei	40	947
গাছুন। অপরাধীদের যঞ্চারের কারণে লাস্কুনা ও কঠোর শাস্তি	৬-আন'আম	248	409	আল্লাহর লা'নত, কাকির অবছার মৃত্যু বরণকারীর উপর	২-বাকুল	797	672
অপরবাদের বর্গনারের কারণে পার্কুশা ও করের শান্ত তথ্য জন্মের রাজে। পার্কুশ (কথা লিখনে মহিতে জীবর পুতে কেল_)	৬-আনু আন ১৬-নারল	348	909	'অপ্তাহর বা'নত ক্ষলিয়নের উপর' এক যোকাকারী বোদনা করবে	৭-আরাক	88	97.6
প্রতিপালকের পথ থেকে সাঞ্চনা (বাছর প্রভারীদের উপর)	১৬-শার্প ৭-আর্থ	265	698	আল্লাহ লা'নত করেছেন (মুনাফিক ও মুণবিকনেরকে)	৪৮-কাত্ত	6	979
প্রারশালকের পক্ষ থেকে লাস্থুনা (বাছুর প্রারাদের ভগর) কী ইসরেইকের সাথে লাস্থুনা ও নহিন্দকে লাগিয়ে দেয়া প্রদাস				আপ্তাহ লা'নত করেছেন মুনাফিক ও কাফিরদেরকে	৯-ভাওবা	42	481
	২-বাবুদরা	97	603	আপ্ৰাৰ্থ লা'নত কৰেছেল যাদেৱকে	৫-মারিলা	φo	244
জেগ (অধীকারকারী জাগিয়ানে দুনিয়ার জীবনে শাঞ্চুল জোগ) লাগির নের গোলন লাগির নের হয়েছে আহলে কিকাধ্যন নাগে।	৩৯-মুমার	50	৮৭০	আল্লাহ-রাসূল স. কে কটনাতাকে আল্লাহ লামত করেন	৩৩-আহ্যাব	69	৮৩৮
	৩-জালে ইমরান	332	¢86	আন্তাহর লা'নত ভালের উপর হারা প্রমাধানি গোপন করে	২-বার্থবা	325	939

ਜਲ	পুটিয়ে	어당

र्मण दिवड/धनन	न्धानः अनाम	404 6	পুৰা	भप दिवड/शाम	বুৱা নং ও নাম		
লা'মত (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)				ভাওরত ও ইনজীলে নিবিত (হাখন না. এর কথা)	৭-আবাক	264	44
অল্লাহর ল'নত ধনী ইসংইলনের উপরে ধরা অলীকার ভক	৫-মারিদা	740	ave	বলকে (আওরাতে) লিখিক বিষয়ের মধ্যে পথনিয়লিকা ও দল্প	৭-আরাফ	768	43
আল্লাহর লা'নত মানইয়ানবাসীর পিছে লাগিয়ে দেয়া হল	১১-ছদ	22	698	সংবাদ পিবিত হয় মুমিনদের মাল তার পরিবর্তে যা শাহ থেকে	৯-ভাওবা	340	100
আল্লাহৰ লা'নত, মিখ্যাৰানীর উপর (মূৰাহালাহ প্রসঙ্গ)	৩-আলে ইমরান	63	487	লিখিত কিতাৰ (মাৰুৱ)			
আপ্লাহর লা'নত যেসৰ আহলে কিতাবদের উপর	8-निमा	42	460	উড্ডানিনারী প্রশাস বনুর (পিনিত ভিতার) আছে (সংবর্মশীল বাদা,)	५५-व्यक्ति	500	2/
আল্লাহ্ থাকে লা'নত করেন ভার সাহাব্যকারী নেই	8-निमा	23	660	কুরমান সদক্ষে যাবুর (দিখিত জিতারে) উল্লেখ আছে	२७-७ जारा	376	92
আহলে কিডাবকে গালত (কুরআনে ঈমান না আনলে)	8-निमा	89	690	লিখিত চুক্তি		-	۳
ইবলিনের উপর লা'নত (শেষ বিচারের নিন পর্যন্ত)	১৫-ছিবর	02	599	দাপ-দাসী মু'ডিব জন্য দিখিত চুক্তি চাইলে চুক্তি কর	২৪-নুর	00	-
ইকুনীদের প্রতি লা'নত করা হলেছে	०-मतिमा	68	625		40.44	-00	9.
এক নল লাশত করবে অন্য দলকে (আতনে প্রবেশ করে)	৭-আগ্রাক	69	636	দিখে দেয়া	-		-
ভামনা (আল্লাহর লা'নত ভামনা করবে খানী, পঞ্চমবার)	48-9g	9	998	কথের লেনদেন সিখে দিবে (কোন লেখক)	২-বাকুরো	545	20
অভিযান প্রতি অল্পাহর গাঁনত (তিতাবে অবিশ্বাসের বারসে)	২-বাকারা	ba	670	ক্ষণের লেনদেন পিনে দিনে (আল্লাহ যেতানে পিনিয়েছেন)	২-বাকুরে:	27.5	20
অভিযুদ্ধের অল্পার দানত করেছেন				ন্যায়সকজনে দিখে দেয়া (খণের দেনদেন প্রসঙ্গ)	২-বাকারা	29.5	2
	০৩-আহ্বাব	68	brob	সিখে দেয়া			L
ব্যক্তিরহা শা'নত কামদা করবে কাঞ্চিরদের দেবাদের জন্য	৩৩-আহ্যাৰ	80	dord	কুরআন লিবে নিরেছে রান্দ দ. (অন্য জাতি থেকে)	২৫-ফুরকান	6	9,5
বিরামতের দিন একে জপরকে লা'নত (মৃতিপৃঞ্জা প্রসঙ্গ)	২৯-আনবার্ড	20	272	লিখে রাখা	(	Ī	Г
কুফরীর কারণে লা'নত (ইংলীদের উপর)	২-বাকুারা	bb	670	অগ্রিম এবং পিছলে রেখে জাসা কাঞ্চ (পিখে রাখেন আপ্রায়)	৩৬-ইয়াসীন	25	be
কুকরীর অরণে লামত (ইহনীদের প্রদর্গ)	8-निमा	86	690	অন্তাহ দিবে রাখবেন (অধিকাসীরা যা বলে)	১৯-মারইয়াম	9.5	9,0
অলিমনের উপর আল্লাহর লা'মত (আল্লাহ সম্পর্কে মিথা)	77-2d	35	959	আল্লাহ দিৰে নাগৰেন ইছনীদের অসমত কৰা ও নবীহত্যা	০-জালে ইমবা		20
নেতাদের জন্য কাফিররা ল'নত কামনা করবে	৩৩-আহ্ঘাৰ	66	400	অক্সার দিলে এবেছেল (অক্সার ও তার রসুলন্দা বিজয়ী হবেন)	৫৮-মুন্নানালা	43	24
প্রতিকল (উমানের পর কুফরীর প্রতিকল লা'নত,)	৩-আলে ইমরান	bA	288	ষ্ট্ৰযন্ত লিখে বাবে ফেরেশভারা (মূশবিভারে)	১০-ইউনুস	133	04
লৌ ইপরাধিশকে পশিত করা হয় (অমান্টেনিমালকান করায়)	৫-মায়িনা	70	690	विशिवद	20-405-	14	100
মূলকিবলেরকে আল্লাহ পা'লত করেছেন	৪৭-মুখ্যমাদ	20	278				1
লা'নতকারীদের লা'নত (প্রমাণ গোপনকারীদের উপর)	২-বাস্থ্যধা	262	678	সমান লিপিবছ করে দেয়া হয়েছে (মুখিনদের হনয়ে)	৫৮-মুকাদালা	22	36
পৰিবাৰ ওয়ালালের উপর যেমন লানত করা হয়েছিল	8-मित्रा	89	260	কলম (বা কিছু লিপিবদ্ধ করে তার কলম)	৬৮-কৃষ্ণাম	3	20
পয়তাপকে সাল্লাহন লা'নত করা প্রসদ	8-निमा	225	293	কিয়াবে (আল্লাহর কিতাবে শিপিবড, বনুর প্রতি আনুরূপা প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাণ	6	bre
সম্পর্ক ছিব্রকারী ও ফাসাদ সঞ্জিকারীর প্রতি ক্য'মত	১০-র'দ	56	600	কিভাবে/আমলনামায় মানুছের কান্ধ গিপিবত্ব করেন আল্লাহ	৪৫-জাছিয়া	3.9	30
হতাক্ষিব এতি অক্সহা পাশত (ইমানুসভালে মুক্তিকে হতার জন)	৪-মিলা	30	253	কিজান লিপিনছ করেদনি রাস্ক্ স. (কুরজান লায়িলের পূর্বে)	২৯-আনকাণুত	87/	3
ना'न्यवारी	o mi	80	6.0%	কিজাবে লিপিবছ আহে জনপদ ধ্বংস বা শক্তির বিষয়	১৭-ইস্রা	ar	93
				ছেট বড় সৰবিভূ দিলিবদ্ধ আছে (আমলনামায়)	28-কামার	00	3/0
শানত (শানতক্ষিত্রে শানত প্রমাণ কোপনক্ষরিকর উপর)	<b>२-राक्</b> रत	75.9	674	বিপর্যর পতিত হওয়ার পূর্বেই দিলিবছ করে থাকেন আল্লাহ	৫৭-হালীন	22	30
লাভ করা			$\Box$	সাক্ষ্য লিশিবছ করা হবে (যারা ফেরেশভাকে নারী বলে)	80-वृदक्ष	230	2.5
কলাল লাভ (কাফিরা কলাল লাভ করেনি, থক্ক যুদ্ধ প্রদার)	৩৩-সাহ্য্যৰ	55	0.00	লিপিবছকারী <u> </u>			-
পুন লাড করা যাবে লা (জলবাদার জিনিস বার না করা পর্যন্ত)	৩-জালে ইমরান	84	282	আপ্তাহ হয়িনের সংবাজের লিপিবছকারী	২১-অধিবা	>8	96
বলী পাত (প্রতিপাশকের কাছ থেকে আনমের তওবার বাদী পাত)	২-বাকুরো	93	202	সংকাজের লিপিবছকারী আল্লাহ (দুমিনের সংকাম)	२३-व्यक्ति	38	36
ধুনিনর ঘই শাত করে শালর পক্ষ থেকে তার পরিবর্তে সংক্রছ…	>-8081	750	950	Pre		-	10
মুনাঞ্চিকরা লাভ করতে পারেনি বা মনস্থ করেছিল	৯-জভো	18	485	অন্য কথায় দিয় না হলে থাকিবরা সাথে বসা নিকেং	8-1497	10-	١.,
পাতজনক				অপরাধে লিও ছিল ফিরুমাটন (খাংস রাসম)		380	6.0
ব্যবসা লাজজনক হরনি মুনাফিকলের (পথএটডা প্রদাস)	२-राकृता	3/5	600	অপন্যানে লিভ নিশ বিকর্তান (কালে রাপস) অক্সিলমার লিভ লা হলে ইমানের মধ্যে স্ত্রীকে কো করা যাবে না	৬৯-হাকাহ	>	24
माठरा <b>न</b>		-	-		৬৫-তালাক	٥	240
দ্বীনদের কতক মানুব বছুব লাজবান হওয়া	৬-আন'আম	246	406	অপ্নীলতার শিক্ত ("পট অপ্নীলতার লিক নারী/বী প্রসং)	8-मिश्र	29	44
লাড (সাঞ্চল্য)	O-mi ma	340	000	অপ্লীলভার শিক্ত হলে নবীর প্রীদের ছিচণ পার্নির	৩০-আহ্বাব	00	20
				ব্যতিহাবে শিক্ত থাকিলেয়নে কট দেয়া প্ৰদান	8-मिग	36	64
মহানকৰ লাভ বৰ্ডমে (আগ্ৰহ ও প্ৰসূত্ৰ ন. এর অভুনজাবনী)	৩৩-মাহ্ৰাৰ	93	p80	ব্যক্তিয়ার শিক্ত হলে বিবাহিতা দানীর শক্তি পারীদ সারীর অর্থেব	8-मिना	2.0	24
नान			$\Box$	মু'মিনর যতে শিক্ত ছিল তাতে মহাশান্তি স্পর্ণ করত	२८-मृद	28	19
পাহার (পাহারের মধ্যে করক লাল বচের রলেছে)	৩৫-ফাতির	સ૧	984	সূত্যান			
नानट				উপদেশ (পুৰুমানের পুমকে পিরক না করতে উপদেশ)	<b>७५-जुक्</b> मान	30	30
আকাশ লালতে কেলের মন্ত লাল হবে (কিপ্লামতের দিন)	৫৫-রাজ্মান	09	380	গৃতক্ষতা (পুক্ষানকে অক্সাহর প্রতি কৃতক্ষতা প্রকাশের নির্চাশ)	৩১-লুকমান	33	44
দালন-পাদন (আরো দেখুন প্রতিপালন শব্দটি)				দান (সাপ্তাহ পুকমানকে প্রজা দান করেছেন)	७५-जुक्यान	34	23
মূসাকে শৈশৰে ভিৰুত্ৰাউন কৰ্তৃক সালন-পালন প্ৰসঙ্গ	59-9,9041	35	200	পুত্র (পুক্রানের পুত্রকে পিরক না করতে উপদেশ)	७५-जुक्यान	20	34
नानमा		_	-	পুকাহিত		-	H
গ্দ-সম্পর্তন লালসায় মুনাধিকরা মুমিনকর সাথে মিলিক হয়	০০-সাহয়াব	55	904	আৰাশ-পৃথিবীর লুকায়িত বস্তবে আল্লাহ কের করে আদেন	५९-माप्टल	2.0	ъс
প্ৰবৃত্তিতে লালসা উপস্থিত করা হয়েছে (মানুখের)	8-991	254	290		Z 7	-44	30
রবৃত্তিত শালনা তশাহত করা ব্যাহে (নাশুকের) মুমিনদের প্রতি মুনাঞ্চিতদের লাখনা প্রসঙ্				বৃক্তিরে রাখা (ঝারো দেখুন গোপন শব্দটি)			
	৩৩-সাহ্যান	79	908	ইউস্ফকে পুনিয়ে রাখন বারীদল (গণ্যরূপে)	১২-ইউস্ফ	79	6
লালিত পালিত				পুটিরে পড়া			
কন্য (খ্যে শলিত পলিত স্ত্ৰীর পূর্বপানীর কন্মকে বিয়ে হারম)	8-मिशा	50	662	দাউন আ: নত হয়ে প্রতির পড়ল (আল্লাহর পরীক্ষা ধুবতে পেরে)	৩৮-শেরাদ	₹,8	300
Price				নিজনার পুনিয়ে পড়ল আদুকররা (প্রতিপালকের প্রতি উদ্দল বলে)	২০-কা-হা	90	98
ৰাণান্ধ (আনাশকে বিদ্যামতে দিবিত আগজের মত বটালো ব্যুগ)	২১-আধিয়া	208	909	বিকাশার পুটিয়ে পড়ল ঞাতুকররা (পরামিত হওয়ার পরে)	৭-আ'রফ	750	62
কিতাৰ (পিখিত কিতাবের কসম)	৫২-ক্র	2	325	সেঞ্চলার সুটিয়ে পড়ত থারা (গরাময়ের আয়াত পাঠে)	১৯-মারইয়াম	Фъ	90

1		লু ব	্র ওয়া
नम विषय/धारण	न्या कर च नाव	TETT	781
न् राज्या			-
পুরি (গৃ হাওয়ার শান্তি থেকে রক্ষা, জান্তান্তীদের)	৫২-চুৱ	21	200
পূত (মা.)		-	-
বুত (জা.) স্বাহ্বকা (পুত মা, কর্তৃক সম্প্রদায়কে সম্মান্তকে তর করার আহকা)	२७-व'काश	365	330
ইয়ান (ইন্যাই)মের প্রতি লৃত আ, ইমান)	২৯-জনবার্ড	26	444
ছিলুর (পুর জা, ও তার পরিবারকে দান্তি থেকে উদ্ধার)	৫৪-কামার	98	201
ভ্রমা (পূর অ: ৩ তার পরিবারের উদ্ধারের আশ্বাস, সেরেশারর)	২৯-আনবার্ড	93	30
ভদ্ম (পৃত জ: ৩ তার পরিকারে সাক্ষার উদ্ধান করেন, রীকে স্বাভ)	৭-আরক	100	640
উদ্ধার (মহা সংকট থেকে লৃতকে উদ্ধার)	৩৭-মাক্ষাত	308	5-50
ভদ্ধার (অপ্রভিত্ন কামানারী (সমানারী) জনপদ থেকে শৃত্যকে উদ্ধার)	२५-वाश्व	98	925
উদ্ধার (ইংরাহীম ও পুত আকে আল্লাহ উদ্ধার করেন)	২১-আধিরা	93	948
জ্ঞান দান (আল্লাহ গৃত আকে প্ৰজা ও জ্ঞান দেন)	२५-व्यक्ति	48	900
পথা (পৃত আ,-কে আল্লাহর নরার মধ্যে প্রবেশ করালো হর)	২১-জখিয়া	98	100
নিৰ্ত্ত না হলে সৃত্ত আ.–কে বহিষকের হমতি (সম্প্রালাকের)	₹७- <b>०,</b> खास	>61	190
পরিবার (পূত আ,-এর পরিবারকে উদ্ধার কাবেল ফেরেশনার)	30-E98	93	903
পরিবার (পুর আ,-এর পরিবারেন শারি থেকে উভার করণেল আল্লার)	৫৪-কামার	48	303
পরিবার (পূত-পরিবারের নিকট আসল প্রেরিত কেরেশভারা)	३०-दिश्रद	62	903
পরিবার (পুরের পরিবারকে জলপন থেকে কর করে দেয়ার নিজার)	২৭-নামল	Ø6	100
প্রমা দন (আল্লাই পূত আকে প্রজা ও জান দেন)	२५-व्यक्ति	48	900
ফেনেনার স্কের নিকট আসার ভিনি চিক্তিক হরে পঞ্চলন	২৯-আনকাৰ্ত	00	5-26
ক্ষেত্রনতা (নতের কারে কেবেন্ডার রান্ত্রন)	77-24 49-41-41-4	33	939
কোলের (পৃথকা আরু কেনেশনার আনআ) কোকর (জনসন কের গৃত মা, এর কোনার মিনে সম্প্রারের মিনি)	१-व्यास्य	24	950
অই (পুত আএর ডাইরেরা মিথানাদী বপেছিণ)	६०-बंदक	30	244
মর্থদা দাদ (লৃতকে স্কগতের উপর মর্যানা গাদ করা হয়)	৬-আ-শ্বাস	340	908
মিধ্যাবাদী বলা (পৃতকে ভার সম্প্রদার মিধ্যাবাদী বলেছিল)	22- <b>27%</b>	80	967
রাস্ল ছিলেন (পৃত আ.)	৩৭-সাক্কাভ	300	Hyd
রফুলান (মেরেশারর) পৃত্ আ কে কল- 'আনর প্রতিকাশের বঞুগ')	33- <b>द</b> म	6-2	690
স্ত্রমণীল (পৃত আ, সংকর্মণীল ছিলেন)	२५-वाशिवा	92	900
সপুনার (শৃত সম্প্রানার কর্তৃক দেখে-খনে সঙ্কীল কাল করা)	২৭-নামল	<b>¢8</b>	lro8
সম্প্রদায় (গৃত- সম্প্রদার কর্তৃত রাস্প্রদায়ক মিয়াবাদী কব)	৩৮-সোরাদ	30	200
সম্প্রদায় (ল্ড আ -কে ভার সম্মানার মিখ্যাবাদী বংশহিদ)	55-62m	80	953
সম্প্রদার (পুরু- সম্প্রদার মানইরানাদের থেকে দূরে নর)	77-£8.	2.9	698
সংপ্রদায় (লুডের সম্প্রদার সম্পর্কে ইবরাহীমের বিতর্ক)	১১-জুন	18	613
সম্প্রদার (গৃত- সম্প্রদারের অপবির ক্ষম/সংক্রমিভা প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাৰ্ড	200	2.77
সম্প্রনার (লৃত- সম্প্রনারের শান্তির জন্য কেরেশতা প্রেরণ)	22- <u>4</u> 64	90	093
সম্প্রদায় (গৃত- সংক্রান্ত সভর্তীকরণকে বিধা অভিহত করেছিল)	৫৪-নামার	20	304
সম্প্রনার (পূরের সম্প্রদায় রাসুল স. কে মিখাগানী গগেছিল)	50-p_@@	300	124
নম্প্রদার (পৃত্তের সম্প্রদার নৌড়িরে আসল পৃতের নিকট)	22-4s	96	693
শ্বী (পৃত আ:-এর শ্রীর দ্রীন্ত বর্ণনার নিদেশ)	৩৩-ভাৰ্ত্তীম	20	943
দেশক		_	_
স্থাপের দলিল লেখক পাওরা না গেলে বছকীবন্ধ হয়েগত বাবা	२-यन्स	5900	208
গণের লেখক মেন ন্যায়লকভাবে লেখার বিষয় বলে নের	২-বার্ধরা	59-5	0.08
ক্ষত্রিয়ের করা (স্থানে সেখক ও লাক্ষ্যকে ক্ষত্রিয়ের করা পাপচার)	<b>३-राक्सा</b>	29-2	208
লিমে সেরা (খণ্ডার বিষয় ক্রাথক ন্যারলকভারে নিখে দিনে)	২-বাকুরো	29-2	208
সম্মানিত লেখক ফেরেশতাগদ নিখে রাখেন মানুব যা করে ব্যক্ত (সম্মানিত লেখকদের হাতে লিখিত কুরবান)	৮২-ইনফিয়ার	22	303
	১০-প্রবেদ্য	36	300
লেখা অনুশ্য নিয়ে লেখা (কমিয়ানা অনুশ্য নিয়ানা অনা না থকা এলল)		83	
अनुना विश्वत त्यार (कारकात जन्म विश्वत का न चन राजा) अनुना विश्वत निषद्ध (पिथा चर्चिश्वकारीया)	৫২-বৃদ্ধ ৬৮-বৃদ্ধান	89	391
স্থানের লেনদেন লিখে রাখার বিধান	२-शक्ता राज्या	25-5	@ CE
ষ্ট্রের দেনদেন লবে রাখার নির্দেশ (পরস্পরের মধ্যে)	२-वाक्तवा २-वाक्तवा	292	600
কিন্তাৰ নিজ হাতে দিখে ভাকে আল্লাহ্য কিন্তাৰ বলা	२-वाकृता	93	600
(शंधे वा रक्ष रहा अवर विशवाका प्रतिक्रम निष्य दाचा दश	>-सस्य	257	954
দুৰ্ভোগ (নিজে কিতাৰ সিংখ আল্লাহর কিতাৰ বলাল দুৰ্ভোগ)	२-राक्ता	130	¢o?
নগদ ব্যবসার ক্ষেত্রে লেনদেন লেখা ক্ষকরী নর	২-বাঞ্রো	25-2	608
নির্বাসন পিখে দিয়েছেন আল্লাহ কাফিরদের ৰুদ্য	৫৯-হাপর	0	200
ফলকে (ডাওরাকে) দিখা আছে সকল বিষয়ের বিয়ারিত বর্ণনা	৭-আর্থ	380	630

	গোক			
ñ	नपु रिश्व/देश	उड़ा ग्रंथ गाय	100	्रका
1	ক্ষেত্রপথ্য সিধে রাধে (মানুহের সংক্ষিচ্ন )	৪৩-যুগকত	pro	cos
d	যাহুরে লেখা (সংকর্মশীল বাধারা হমীধের উত্তর্গধিকাধী)	२५-व्यक्ति	506	909
4	অন্তর্জন নিবে প্রকেন (মুন্তবিদ্যালর রাজ্যে পরামর্শ)	৪-নিগা	6.0	663
	রাদূন (ফেরেশমা) লিপিবছ করে (মানুষের সংকিছু )	৪০-যুধকত	μo	802
1	দেখার বিষয় বলা			-
1	অভিভাবক কৰেও বিষয় বলে দিবে (কন্যাহীতা দূৰ্বপ হলে)	২-বাকারা	272	<b>₹</b> 58
1	লেখককে লেখার বিষয় বলে দেয়া (কলের লেনদেন প্রসঙ্গ)	২-বাকুারা	২৮২	\$08
1	লেগে থাকা			
7	গুণনার (তেরতর গুণ জারা সেগে থকত, ব্যাম সাধীর)	१७-सम्बद्ध	86	≥8¢
1	পিঠ ও অন্তর সাথে দেশে থকা চর্বি ইন্ট্নীলের জন্য হার্থাল	৬-জান্'জম	286	930
đ	ব্যুক্তর প্রতি কর্ন ইলরান্দ্রনের সেলে খবন (মূল জে, ন ফের পর্যার)	২০-ড়া-হা	97	989
1	মূর্বিনের উপাগনার লেগে থাকা জাতি প্রসঙ্গ	৭-আ'রফ	700	648
1	মূর্তির প্রতি লেশে থকা ( ইংকারীমের শিল্প ও তার সম্প্রদায়)	২১-জাধিয়া	65	960
7	বমীনে লেগে থাকা (আল্লাহর পাধে বের হাত বলার পর)	৯-ভারবা	40	988
П	সামিরীর বাছুরের প্রতি দেশে থাকা প্রদক্ষ	২০-ড়া-হা	৯৭	9,89
]	দেশে যাওয়া			
•	অচ্বত করতে থাকা উভয়ের ক্ষমস্থান (জন্মতের পাতা নিছে)	৭-আ'রাক	44	978
	লেপে যাওৱা (ইবাদতে)			
0	ইবানতে যোগ যাওৱার নির্দেশ অবসর পোলই	১৪-ইন্শিবাহ	٩	305
1	ক্ষেত্ৰদেন (ঋণ)			
Ł	অংগর যোনচান বিধে রাখার নির্দেশ (পরস্পরের মধ্যে)	২-বাকুারা	262	008
2	লেনদেন (ক্ৰয়-বিক্ৰয়)			
Ц	সাকী রাখা (ক্রর-বিক্রয় বা লেনদেনে সাকী রাখার নির্দেশ)	২-বাঝারা	272	208
Ц	পেনিহান			
L	আচন (আৰু শাহাৰ দেশিহান আচনে প্ৰবেশ কৰাৰ)	222-आवास 222-आवास	0	2000
2	অভন (আল্লাহ দেলিহান আধন সম্পর্কে সতর্ক করেন)	৯২-লাইল	38	2050
2	দেশিয়ান অপ্রিশিথা			
1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	ধান্তাম এক পেনিহান অগ্নিশিব (পাৰা একটি কান্তামের নাম)	৭০-মা'জাবিজ	34	99.7
4	দেশিহান শিখা		$\overline{}$	
1	পরিবেটন করবে দেখিহান অগ্রিশিখা নালিমদেরকে	2p-suida	23	948
Н	গোৰ			
Н	অপরিচিত লোক মান করল লৃত ক্ষেপ্রেলভাসেরকে	১৫-হিম্মর	94	903
Η	অপরিচিত লোক মনে হল সম্বানিত অভিস্থিনেরকে	৫১-যবিয়াত	20	326
Н	আ'থ্যকে বিছু লোক থাকৰে	৭-আ রাফ	86	629
H	इंड्मीब क्य शाबरमद (পविस्तर) क्य द्ववनकारी	৫-মারিগা	83	69.0
d	ইকে। (মুক্তিন ক্লেকেনা মত ইবল জনার আহবল, মূলফিবলেরকে)	২-বাকুরে	70	600
Ħ	একল লোক পেল মূপা, মাদইয়ানের বৃপের নিষ্ট	২৮-কাপাপ	20	9.90
7	ৰত লো (গোৰনো প্ৰাণ ব্যা কম ন দিতে চ'আইকো অহবন)	৭-আরাক	46	620
7	রেন (লোকনের রেকালেনে জনু করণ) বিরুষ্টেনের জনুকরর	৭-জা'রাত	776	620
ī	ব্যবস্থানের গোলকে ভিনতে পরার অবানবাদীর (ভিন্ন বরাং)	৭-আ'রাড	85	678
8 8 8 0 0	থকতার উপ্ত প্রশিত মসন্ধিনে গেকের অসরসে পরিতে	৯-তাওবা	202	662
3	নির্যেধ লোকেরা বলবে (কিবলা পরিবর্তন প্রসঙ্গ)	২-বাকুরে	285	470
в	পৰিত্ৰ থাকতে চার এমদ গোক (কৃত ও ভার অনুদারী প্রসঙ্গ)	৭-জারাফ	24	620
이	প্রতিরদ (গোকান: কৃতকর্মের প্রতিবাদ দিতে পারেন স্কল্পাত)	৪৫-জাহ্যা	78	306
6	ভূমিয়ে রাখে না বে লোকদেরকে (বাবদা ও রুক্স বিরুদ্ধ)	২৪-স্র	09	995
-1	হন্দ লোক গণ্য করত থানেরকে (মাহান্নামীর সুনিয়াতে)	৩৮-সেয়াদ	અર	3763
2	মন্দ্ৰ গোক (মারইয়ামের শিক্ষা মন্দ্ৰ গোক ছিল গা)	১৯-মারইরাম	27	9.00
٩	যুদ্দিনেত্রক প্রয়কর কল 'ব্যেমানের বিক্তম প্রাক্তমণ ধার')	৩-আলে ইমবান	290	203
8	যুক্ত-প্রমাণ (পোকমের কোন যুক্তি-প্রমাণ না থাকা)	২-বাকুবো	250	674
2 8 8 9 9 8 8	রক্ষা (পোকালে রক্ষা করতে পুতকে নির্থধ করল আর সংগ্রেপর)	26- <u>(6</u> 848	90	903
٥	লৃত- পরিবার এমন বোক যারা নিজেদের পরিত্র চাখতে চার	২৭-নামল	26	bo8
٥	শোক দেখানোর ঋন্য আবাস থেকে বের হরেছে যারা	৮-জানফাল	83	905
١	ক্ষ প্রের বার ইন্সুনের অইরের (ইন্সুনের হবা করব)	১২-ইউসুফ	8	999
ď	সভাৰ জন পোককে মনোনীত কৰা (মৃত্যু আ. কৰ্তৃক)	उ-व्यासक	266	648
1	সমবেত হওয়ার জন্ম পোকসেরকে বলা (ফরাউনের জানু)	২৬-হ'লর	950	930
3	Define down and translates del (sellative ail.")	Kon alsi	22	1580

THE CONTRACTOR OF PARTIES	न्ता नर ७ नाम	20.5	Sac	मण विस्तृ/देशक कविवासन्त गाँक साहार वर्ष कदारम	সুরা মং ও দার্ম ৪-নিসা	iv8	60
গোত (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)			$\vdash$	ব্যাকরনের শাক্ত আল্লাহ খব করকে। বর্ব করা (শক্তি বর্ব করকে) আল্লাহ ভাতিরনের	8-विश		
সম্ভাবত (প্ৰাৰম্ভেক সম্ভাবত কৰা বিৰুপ্তিভূমা জনু প্ৰদৰ্শনের দিনে)	২০-ফু-হা	42	488	বৰ করা (শাক্ত বৰ করনে) আল্লাহ ক্যান্ডনের ব্যক্তবারনাইনকে (পাক্তি নিয়ে সাহায়্য করা, প্রাচীর নির্মাণে)	72-415호 유기43리	9.6	66
সমান (মপজিতুল হারামে উন্ফোলকারী ও বহিরাগত লোক সমান)	२२-शृष्ट	5/2	960	থাপত বাহিনীর শক্তি নেই (জালুতের মতাবিলা করার)		96	98
লোৰ (ৰেণ্ট)		_	$\perp$		২-বাকুরে	2,8%	65
আকসেদ করবে কেউ (অক্সাহর প্রতি কর্মব্যে অধ্যক্ষের জন্য)	৩৯-যুমার	69	9.49	পাস শক্তিবাকের জেন বিশ্বর উপর এমন সালের উপর পূর্ববর্তীরা শক্তি ও কীর্তিতে অধিক প্রথম ছিল			_
লোকম্মন					80-मू मिन	2.5	55
রাথ (পোঞ্জন মাম হয়েছে মুদ্দিনলে বিষয়ে-মুদাবিকরা কল)	৩-অলে ইমরান	730	665	প্ৰচক্ত পঞ্জিপৰ বাপ্যানেৱক বনী ইসৱস্থানের প্রকি প্রেরণ	১৭-ইদ্রা	¢	93
ভা ( রাদৃশ স. গোবন্ধনকে তার করছিলেন, পালক পুত্রেরা জীংসেক)	৩৩-ব্যহ্থার	-09	9409	প্রস্তাত (পাক্তি প্রস্তান্তের নির্দেশ মুখিনদেরকে, ঘর্থাসাথ্য)	৮-আনদাল	90	90
মেশে দেয়া (লোকজন থেকে পূর্ণ মাত্রায় দেয়া মেশে দেয়া)	ino-	2	3033	একা (পঞ্জিতে আয়ানে তরে একা কে আছে) আং মাতি ব্যাহিন)	83-कुम्मिनार	76	20
caci cua (cuivari cace (i anala cua caci caci)	<b>ब्रुराक्षियी</b> न	1	1033	প্রকা (পজিতে প্রকা জনের প্রমন্ ধারে, কারনের চেরে)	২৮-কাসাস	97	22
লোক (মু'জন লোক)				একা (পজিতেএকা আনন এজন্তার ধানে করেনে জন্তার)	१०-इस्क	100	24
পান্যা (পু'বল পোৰকে দেখতে পেল মূপা আ, তারা সংখ্যা লিছ)	২৮-বাদান	34	909	প্ৰকল (পঞ্জিতে প্ৰকল আপ্লাহ, যিদি আদেনকে সৃষ্টি কৰেছেল)	৪১-ফুস্সিশাত	>6	76
onto casicat		_		প্রকল (পঞ্চিতে প্রকল ছিল পূর্ববারীর)	১-ভারবা	63	68
মাতের ও লোক দেখাযোর জন্য আবান থেকে ধের হওয়া	৮-অন্মাদ	89	666	প্রকাত (পজিতে প্রকাত। ছিল পূর্ববর্তীর, মধাবাশীসের চেরে)	৩০-জম	>	45
শমান্ধ (নুদার্কিকের শমান্ধ লোক দেখাদোর জন্য)	৪-নিদা	284	292	প্ৰবেশনৰ (পঞ্জিতে প্ৰবেশনৰ ছিল পূৰ্ববাৰীয়া)	80-सूचिम	43	29
CALIE CHALCHE AUG			-	প্ৰবল শক্তিকা জনগোচীকেও আল্লাই কাংস করেছেন	৪০-যুগরুফ	b	Va
नामाल केनमेनरा शाम (शाम उन्हाल कार प्रमावरका केनिका)	२०१-स्टेन	-	2008	বোরার কোন কিছুর উপরই শক্তি থাকে না (উপন্য প্রসঙ্গ)	১৬-নাহ্শ	96	90
মন্বিকের বৈশিয় (প্রাব্যাগরনে কাম, উনাদীন নামার্কী প্রদাস)	২০৭-মাউন	9	3008	মানুহের কোন শক্তি থাকবে না (কিয়ামটের দিন)	৮৬-অবিক		303
লোক (মানুৰ)		Ť	1000	মানুষকে শক্তি নামের পর আবার দুর্বপতা নিরেছেন	CO-904	28	34
মন্তর (মানুকের অন্তর ইক্যাইনের বংশকানের প্রতি অনুরাণী করা)	১৪-ইবরাহীম	09	996	মানুবকে শক্তি নিয়েছেল আল্লাহ (দুর্বলভার পর)	৩০-জম	28	24
ফিরে যেবে লোককের করে করেনুক বৃক্তি (সম্ভের বাংখা জনতে)	১২-ইউসভ	85	9873	মূখিনাদর শক্তি চলে যাবে পরস্পরে বিবাদ করলে	৮-আন্থান	86	60
(सांव (सम्धनाव)	34-4024	60	96.7	শৃত আ, এর শক্তি বাকত যদি সম্প্রদারের উপর	১১-হুদ	tro .	69
	- min			লোহতে প্ৰচণ্ড পজি ও বহু উপকাৰিতা হতেছে	৫৭-হাদীন	92	>0
দুর্বল মনে করা (লতাপারের লোকেরা হারনা আ-কে চুর্বল মনে করা) লোকা	৭-জা'রাক	140	656	मंक्रिट्ड दश्म			П
			ш	মুশরিকদের চেয়ে শক্তিতে প্রবল ছিল পূর্ববর্তীয়া	৩৫-ফাভির	88	vo
পানি (একটি সমুদ্রের পানি লোলা)	৩৫-ফার্কির	25	৮৪৭	र्शकरर			г
বিষান (সোনা নিষান পানির সমুদ্র প্রবাহিত বয়েছেন সম্ভাহ)	২৫-কুরকান	60	999	আল্লাহ প্রবদ শক্তিবর ও শক্তিবনে কঠোর	৪-পিনা	78	24
লোপ				অস্তাহ মহাপঞ্জিকা ও শান্তিবানে কঠোৱ	৪০-মু'মিল	22	70
নৃষ্টিশক্তি লোপ করে নিলেন আল্লাহ (পৃত- সম্প্রদারের)	৫৪-ক্ষেত্র	44	909	অক্সাহ মহাপাজিবর ও পাজিবানে কঠোর	৮-আন্দাল	43	40
OUR				অন্তাহ মহাপজিগর ও মহাপ্রজাপদালী	22-076	80	94
গরাদি পতর পদম্বাসম্বাহ্নের অনুবার জনবারপরের উপকরণ	১৬-মাহল	300	900	সংগ্রহ মহাপঞ্জিব	৫৮-মুজানালা	52	30
লোহা				पाद्धार परामिश्य	৫৯-ব্যশর	20	32
অবতীর্ণ (লোহ্য অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ)	৫৭-হাদীদ	24	340	पाद्वार मरापश्चित	৫৭-হাদীন	35	32
কাঞ্চিরসেরকে পাধর স্বধনা পোহা হয়ে যেতে নদা	১৭-ইস্বা	é0	475	আপ্রাহ নহাপজিখন ও নহাপ্রজাপশালী	৩৩-আহ্যাব	28	ье
দরম করা (পোহাকে নরম করা, দাউদের জনা)	08-75VT	30	785	আপ্লাহ মহাপশ্চিমা ও মহাপ্ৰজগপালী	55-07W	98	98
যাতুদ্ধি (দোহার যাতুদ্ধি ধাকরে আল্লাহ সম্পর্কে বিতর্কতারী)	44-27 <b>%</b>	52	900	মানি (শঞ্চিতা মানির নিকছে বুছে ভাকা হতে, ক্রেইনচনকে)	৪৮-ফার্ড	3/6	82
লৌহৰভ		$\overline{}$		মানি প্রেকে শক্তির মানির বিকল্পে ভাকা হবে কেন্টননেরকে।	৪৮-ফাৰহ	3/5	97
কুলকারবাইন দৌহরত আনতে নগলেন (ইয়াজুর মাজুর প্রসার)	১৮-মরেফ	36	902	প্রতিশাসক মহাপরিকালী ও মহাপ্রধাসকলী (ভালে জানির স্থান্ত)	22-54	66	69
শীক (ঝারো দেখুন মজবুত/দ্য শক্ষাট)				সম্প্রবার (পঞ্জিবর এক সম্প্রবার হয়েছে পরিপ্র ছমিতে)	৫-মারিদা	22	23
		_	ш	Yisats		-	-
অনুবিত সৰা পাছ শব্দ ও পুট হওৱা (মুমিনদের দৃটান্ত)	৪৮-ফার্হ		979	যদিন (প্রেরণ বছরে উপদীত পূর্ণ পরিস্তার যদিনর লোয়)	৪৬-আহ্কাফ	34	90
কৌপদ (আল্লাহর কৌশল অভান্ত শক্ষ)	৬৮-কুলাম	84	299	Missir		-	-
কৌশদ (আল্লাহৰ কৌশদ অত্যক্ত শক্ত)	৭-আর্থ	7940	600	অস্ত্রাহ সর্বপৃত্তিহাব	৯-অভবা	45	- 68
বৃঁটি (শুক্ত বৃঁটির অপ্রের প্রক্রাপা করকেন লৃত আ.)	77- <u>2</u> 4	po	990	অহার সর্বশক্তিয়ান	b-शामकाम	82	50
ধরা (কিন্তাব শব্দকাৰে ধরার নির্দোপ, ইরাহইয়াকে)	১৯-মাবইবাস	33	908	वाहार गर्रन्थियान	৫-মারিদা	39	65
ধকা (অল্পাহ কর্নিইসরসিশকে যা দিয়েছেন থা পক্তবাবে ধকা)	২-বাকুরো	>0	622	অস্ত্রাহ সর্বপঞ্জিয়ান	৩-আলে ইমরান		00
শক করা				অন্তাহ সর্ববভিমান (সকল বিষয়ে)	৩-আলে ইমরন		00
ৰোমৰ শব্দ কৰাৰ জন্য মূপাৰ দোৱা (ভাই ব্যক্তনকে দিয়ে)	২০-জু-ব্য	42	982	व्यक्तर गर्वनिकार (ज्ञान विश्वर)	৩-আলে ইমরান		64
শভ করে						-	
ধরণ (অওরতের বিধন শক করে ধরণ, বনী ইনরাইল প্রনঙ্গ)	২-বাকুরো	90	१०७	আল্লাহ সর্বপঞ্জিমান (সংবিশ্বর উপর)	৩০-রুম	60	2.5
শক্তাবে				অপ্তাহ সর্বপঞ্জিমান	৩-আলে ইমরান		60
ধরা (ফলক/ভাওরাডকে শঞ্চভাবে ধরার নির্দেশ)	৭-অ'রফ	384	658	অপ্তাহ সর্বশক্তিমান	৫-মারিনা	80	6,4
শক্তি			1	অক্সং সর্বশক্তিয়ান	৬০-মুমভাহিনা	٩	20
অধিক শক্তিশালী জনপদ থালে (বাসূল স, এর জনপানের এয়ো)	৪৭-মুহামান	20	930	অক্সাহ নৰ্বপঞ্জিমান (আকাশ-পৃথিবী নৃষ্টি প্ৰদৰ)	৬৫-জলাত	34	24
মান সম্প্রনায়ের শক্তির সাথে শক্তি বৃদ্ধি। (তওবা করছে)	22-Ed.	45	990	অল্লাহ সর্বশক্তিয়ান (কিয়াখন ও অনুশ্য বিষয়)	১৬-নাত্ৰ	99	90
আল্লাহ হারা তোদ শক্তি নেই (দুই ব্যক্তির দৃষ্টাত প্রদক্ষ)	77-41ER	99	929	অন্তাহ সর্বপঞ্জিমান (ভারই রাজত ও প্রশংসা)	७८-व्यापादम	,,	36
আল্লাহ বাবা তেল শাক সেহ (পূহ গোকর স্থাত এলক) আল্লাহর (শক্তি সবই আল্লাহর, শান্তি দেশে জালিমরা বুকবে)			450	অন্তাহ সৰ্বশক্তিয়াৰ (তিনি মৃত্যুক্ত কৰিত কংলো)			
	২-বাশুরে	766		অল্লাহ সংশাক্ষমণ (তেন মৃতকে কাৰত কৰেন) আল্লাহ সৰ্বপঞ্জিমান (তাঁৱট দিকে প্ৰভাৱৰ্তন প্ৰসন্থ)	২২-হাজ	6	92
আগদন (মানুষের এক দশকে অপরের শক্তি আগদন)	৬-আন্'আৰ	60	905	আহ্রাহ সংগতিমান (ভারহ দিকে প্রভারতন প্রসঙ্গ)	22- <u>\$</u> el	8	66

আল্লাহ সর্বপঞ্জিমান (সর্ববিষয়ে)	২-বাবুরো	785	670	4870
আপ্তাহ সর্বশক্তিমান (মুখিননের ভাওবা ও অন্যান্য প্রদঙ্গ)	৬৬-ভাহরীম	b	390	नवी
আল্লাহ সৰ্বপঞ্জিমান (সৰ্ব বিষয়ে)	৪৮-ফাড্ছ	52	279.	निक
অল্লাহ নৰ্বপঞ্জিমান (সন্তান দান করেন)	85-78	20	V3-2	পাৰ
क्षाताइ प्रदेशांमी त अर्दगक्तियामा यानामत शहि ७ मछा।	১৬-নাহৰ	90	908	श्रक

AND THE REAL PROPERTY.

PRINTER STRATEGY

without (set site core)

ग्यानात अर्लनक्रियात (अपि अशक

mente videficoro (silà eran)

mente vollenz Dozz volufianza

ভাষাত সৰ্ববিদ্ধা উপর সর্বশক্ষিমান

সালার সর্বাহিত্রর উপর সর্বশক্ষিয়ান

প্ৰাধাত সংক্ৰিয়ৰ উপৱ সৰ্বসন্ধিয়ান

প্রতিপালক সর্বশক্ষিণার

लाग मस्तिव व्यविवादी (आगामधीना

আলাচ শক্তিশালী ও মডাপ্রসালনালী

जरायात प्रतासिकाली शक

foresten effective

भविक्रशासी करा

-

winerall cufferaurra)

শক্তি-সামর্থের অধিকারী

See स्टेस अधिनकारण अधिकारी

white whenth

witness

লালার সর্বাহ্যের উপর পরিয়ার (ছারতে জীবল সাত পালা)।

enancia (menfactrum una enante fisaltalla aresta)

पालिस (प्रशासिकास प्राणिका स्रोतिका स्राचन प्रसारीता

statement and when wheth your and

ভ্ৰমবাদ নাৰীৰ হেয়ে শকিশাদী (বাগানভয়ালার উচ্চি)

ভিক্র ভেতিভালী ব্লিল বলল বিস্তৃতিসভের সিহোলন তলে আন...

प्रम (मक्तिमानी प्राप्ताद शास्त्रक दर्शमध्य क्रिम स्वकारक हानि नदन

ner (nerve where represent of tradition of court

ज्ञात (१४ मधीय हिजात हर ५ देशका दिवस प्रक्रिक्स राज्य

क्रिक्ट विश्वतका वाज्या हा (व (व्यक्तिकारी क्रव हारा)

বার মাধার বার পঞ্জিশালী করবেন আল্লাহ যাকভারে থাক

प्रक्रियामदाक मिक्रमाली कावहम खालाए (काव्रिकामक छेनक)

অনুসলি চার শক্তি,সামার্থর অধিকারীরা (বাছে না যাধারার)

আহানত বহুনে শক্তিত হল (আকাশ, পৃথিবী ও পর্বত)

জানার্বীতা শক্তিত ছিল পরিবার পরিজনের মধ্যে

হাজার (এক পাঁ হাজার পোকের প্রতি ইউনুসকে প্রেকা)

several dia stat Raffett (States cuttof).

साम्य क्या न कार की तक देवकिय सरकार साम

আন্ম আ ও তাৰ জীৱ শক্ত ইবলিস (আন্মাৰৰ ঘোষণা)

বার্লাজন ক্রমা পেলে আনন্দিত হয় গায়ন কলে না ব্যা)

neuron and filozoftu film union mino ceres tiffere

আন্ত আ ও ইবলিম প্রশ্বরে শক্ত

মাল্লাকে শক্রনের প্রতিকল আঙ্ন

আভাতৰ কৰু উত্তৰাধীনেৰ পিকা

আলাহত শক্ত (অফিব প্রসঙ্গ)

कार्यक (क्लिक्ट्रेसी कार्यक कारण कारण करणाव (दारा)

services and a service of earths are as North

जाका (क्षारिक पर किरम्बर अज्ञास महिमानी जामा

THE OWNER OF THE PERSON NAMED IN COLUMN

en-stelle 300 AL SEPTEM Ab-Interators A.A. SERVICE

लेको नर च नाम चरत म श्रीत

4- 77

as velicere

AA STARTS

48-37E3

১৫-জরকান

08. STREET

No Prese

39.8008

0 N 3071

৪১-ফুন্সিলাত

Va-167533 48

A 9 - Miller

89-समाधान

Live manage

০৯-ইয়াহীৰ

No DEPARTM

ch./FRISH

dw./7030H

Av. athth

51x-385858

৮-জিল্পুল

en-www

on made

ng.atoota MAS

২০-ডা-ঘ

20-101-11

emetre.e 58 6/18

২০-ডা-হা

9,011'878 Mo 624

No. Tel. mt

5.787695

5-404041

৪১-ফুস্সিপাত

44-89

Vo Bazz

as well-one

wiference at a littleto brbr> व्यक्तिकां प्रतिकारक व्यक्ति संस

ভিৰমটালৰ শ্বন থালাচনৰ শ্বন Goodfores when come what Rife commence with the Commence from व करत (क्यी देशकांद्राचन बांक भारत काराबद अधिनासक) র শক্ত বানামো (হামর ও জীব শক্তানাক) ত বাজি পঞ্চ প্ৰেছৰ মহিল বাজি হাল বাফচাৰ ক্ষাত (তিনাৰৰ শক্তাক পাকনোও কৰাক মাইল মুগা'

marrier wine (agency vegation contact plan)

Suph

900

how

600

₩8c

285

986

लाग्रामा भारत (भारत्यान प्राचायत अर्थामा भारत िकार के किया कर कार का का प्रतिकार का का तर साम प्रका contravata was unintered with of the state of th

বনী আনমের সুস্পষ্ট শক্ত শরতান water wise your Gameria (maroffed street morres) जाताचा (अरफाव सरीव सन्त ग्रह रामामा ভিচতে প্রেক্তর বিচতে অভিনাসকে লাহার করদেল আরাক্ত

UNITED SPORT NEW STREET ত্রিরাইনের হার আল্লারত হার যুদ্ধিনাসকলে পাল চবে যাবে মঞার কবিকার (নাপালে পরিলে) variances affaired was

whomas (it a surema cell cell oftense was प्रतिकार सामान तथा तथाना पाठ सामा क्या साथ लेकियार्थ जातासा মহিনৱা পরস্পত্তে শক্ত ভিল ঘরন তথন আলাত বছন না दिवासर भागात गर ताशामार समा मन्ति शक्षक वर्ग মমিনাসর শক্ষানের সম্পর্কে আল্লাহ সবচেয়ে বেলি জানে মহিলাসৰ শক্তাক নিকোনৰ বছৰূপে গ্ৰহণ কৰা নিষেধ THE SHARES FOR THE SHARE SHARE SHARE THE SHARES ASSESSED AND মনার শক্তমালর লোকটির বিক্তমে সাকাল পার্থনা

MAN ADDRESS OF THE STREET wheretor blook (altaretor totaretor torred) along). अक्रमध्य प्रत्यक्षेत्रे आस (प्रांतरहर)

water (A) is manufact cost cost of thereon when

पालक्ष्मि करेला (अजावांस प्रान्तवीर वांच्य पर वांचवारीकारी)

रेक्ट्रि-प्रकाशिकारका सामगारि स्थापना स्थापन (प्रतिस्थान अस्रि)

বছক (ধার সাথে শক্তরা চিল সে চবে অম্বর্জ বছ)

रिकाल साथ गाल्य कि गाल्य जात्म प्राप्त साथ स्थात औ

পঞ্চতা ও বিজে সম্বাধিত করেছেল আশ্রাহ ইয়ানীচনর মাথে .

सक्तम (मान्या अ विकास शराम (शत देवतारीय का १० कार )।

হফিলসৰ প্ৰতি শক্ষণৰে উভনি-মূপবিক্যাই সংক্ৰেছে কল্পের

পরবাদ পঞ্চতা ও বিয়েছ ঘটাতে চার মন ও স্বরার মাধ্যমে

সম্ভৱ (শাস্তুতা সম্ভাৱ বহোছেন আপ্তাই মাসাবাদের মার্ম্ব)

जन्महे कल (भवतान सनायद जन्महे कल)

न्य अन्य व्यक्तिकता (प्रतिमासन्

-

Stations.

merca waruara mercan filmi muran aar sre

আপার পরেরে তর মেরানোর ক্রমা শক্তি পঞ্চল করা

mention at more officerum manager stand more fibrate.

প্রতিমানত শক্তে উত্তলির ও আন সংগদন

টববাটিয়ের শত্রু (আপ্রাহ ছাড়া অন্য স্থাই...)

← TOTATER 8-fer ৬০-মমভাতিম ২৮-কাসাম য়াবর শার বিভাগারিন শিক যুগারে সাগর কোক উঠিয়ে নেয়া প্রসক ತಿಣ್ಯಹಕ್ಕೆ ಕಾ क्ष (श्राप्तक विकास एक विकास कराउन द्वारान में प्राथिक कराउन 5.7000 শক্তমন সম্পন্ন শক্ত (মান্যখন) जानसम्बद्धाः जान विकास अपन कराव मिर्माण (प्रांजकार) CHESTRY NOTHERN ACTOR SECTION ACTOR FOR WHITE OF STREET नारामात (जिल्लावे संवाधान प्रांताचव संवाध)

১-বাকার ১-বাক্র ১,বাকার 0.7977979 A-600000 an refire AS THE PERSON 80-एश्वरण अभ-काशास o fire

০ মারিদা

o प्राणिका

० जातिका

ক-মাজিকা

०-शामिल 38 645

0.05 hh 638 270 ৬০-বুমহারিনা hon 82-173(F)RTIX ৬০-মমতাহিনা

695

kok

52

मक्र मेर क नाम (कारण प्री

৪১-ফুস্সিলাত 10

৬০-মহতারিল

L. DETATREE 60 è-ce-

N. SING

Service Service

A VIDEOU

s atata

১,-বারার

OA MINISTER

A 2002/2010

8.6821

Vi. Sergre

10.30mt

A. 2019/2011

31c.W1212

a-शकावा

on-वेशारीक

BA-IDREI

30-DESER

63-NI00

52-86×0

১,বারাবা

७०-ममकाविम

৬০-মুনজিকন Select

A. STEE EAST

৬৪-তাগাক

- market

a filma

28-5 363 ≥br 811

	_		

CONTRACTOR OF A CONTRACTOR OF THE CONTRACTOR OF	STREET, ST.	-	19915	The Contract of the			761
नव विरा/धार	जुड़ा मर ७ माम	अक्ष क	প্তা	नम दिरह/धनम	जुवा नर ७ माम		
*सिवाद		$\vdash$	$\perp$	উপমা (মুনাঞ্চিকদের উপমা শহরেদের উপমার মত)	৫৯-হাপর	79	954
মতপাৰ্থক্য (পনিবারের বিষয়ে ইছ্দিদের মতপার্থক্য প্রসঙ্গ)	১৬-শার্প	258		যকুদেরকে এই করে শহুতান মুমিনদের সাথে বিভর্ক করতে	৬-আন্'আম	252	800
মাহ শনিবারে পানিতে তেনে আসত	৭-আগ্রাফ	360	957	কথা নয় (কুলতান শহতানের কথা নয়)	৮১-তাকভীর	55	200
মাহ আৰা (গদিবার স্বায়্য অধ্যতিৎ মাহ ল আনা, মাহ শিবার প্র.)	৭-জা'রাফ	260	655	কট ও শক্তিতে ফেলেছে শয়তান (আইউব আ, কে)	৩৮-সোমাদ	85	3769
দীয়ালয়ন (পনিবরে দীয়ালয়নে ক্রী ইসরালয়ক নিমেরাজ্ঞ প্র	৪-লিসা	168	296	কাল (শয়তাদের কাল, মুদার অণিক্ষাকৃত হত্যা)	২৮-কাদাদ	>5	9.03
দীঘালকন (গনিবাবে মাছ শিকারের বিষয়ে সীমালকন)	৭-আ'রাফ	360	957	কান্ধ (পয়তানের কাজ মদ, জুয়া, মৃতিপুজার বেদীও)	৫-মারিশা	30	203
मैभनका (बनवास विषय मैभनकावसीका पूर्णिक बाज रहार)	২-বাকারা	62	209	কুকরী (গরতানরা কুকরী করেছে, সুলাইমান আ, করেনি)	২-বঙ্গরা	204	234
পনিবার ওয়ালা				কুমপ্রণা (আদমকে শরতাবের কুমপ্রণা)	২০-ড়া-ছা	250	985
লা'নত (শনিবার ওয়ালাসের উপর দানত প্রসঙ্গ)	8-निगा	89	090	কুমহাণা দিল গরভান (আগম আ, ও হাওয়াকে)	৭-আ'বাফ	30	638
	Q-(-(-))	- (	400	ক্ষমতা (মুমিনদের উপর পরতানের কোন ক্ষমতা দেই,)	১৬-মার্শ	55	933
শপথ (আরো দেপুন কসম শদটি)				ক্ষমতা (শরতাদের কর্তৃত/ক্ষমতা মুণরিকদের উপয়)	১৬-বাহল	200	933
অফিএনের কোন শপথ দেই	৯-জভনা	34	683	খনতা (অপ্রাহর বাদ্যানর উপরে শরতানের তোন খনতা দেই)	১৭-ইসরা	96	933
চাল (পাপৰকে চাল হিলেৰে প্ৰহুণ করে মুনাফিকরা)	৬৩-মুনাঞ্চিত্ন	2	3/68	গোপনে কথা বলা শরভানের শক্ষ থেকে হয়ে থাকে	৫৮-মুমানালা	20	954
দৃঢ়ভার সাথে পথথ করত মুপরিকরা (হেলরাত প্রসঙ্গে)	৩৫-ফাতির	83	250	চাওয়া (শয়তান মন্ত্ৰ আহলেভিভাবকে গৎমন্ত করতে)	8-निर्मा	60	200
গ্রেকলা (পপথ্যে প্রকলন হিসারে এইন দা করা, পাঞ্জি প্রসঙ্গ)	১৯-মার্ল	98	422	চাতার (শারতান শারুতা ও বিমেশ ঘটাতে সার মন্/পুরার মাধ্যমে)	०-माधिना		
প্রবঞ্চনা করার জন্য উন্মতের শপথের অপন্যনহার প্রসঙ্গ	১৯-বার্ল	કર	920			27	900
তঙ্গ (চুক্তির পর শপন তম করলে কবিন এখনখনর সাথে যুদ্ধ)	৯-অবনা	24	685	ভূবুৰী (পয়তান/জীন সুপাইমানের জন্য ভূবুৰীর আৰু করত)	২১-আধিয়া		
তঙ্গ (পপথ ভঙ্গকারী কাফিবলের বিজ্বছে মুমিললের মুদ্ধ)	৯-ছারগা	30	685	দল (শহুতানের নলই ফডিগ্রস্ত)	৫৮-মুন্ধানালা	79	968
তঙ্গ (পপথ পাকালোক করার পর তঙ্গ দা করার নির্দেশ)	১৬-মার্প	55	950	দগ (পরতানের দল মুনাধিকরা)	৫৮-মুক্ষানালা	7>	968
মুনাফিকরা শপথকে চাল হিসাবে গ্রহণ করে	७०-पूनाविक्न	2	86%	দাসতু না করার নির্দেশ (বনী আদমতে, শহুতানের)	৩৬-ইয়াসীল	60	260
মূল্য (পপথের সামান্য মূল্য গ্রহণ,)	৩-জালে ইমরান	99	680	নিকৃষ্ট সহচর শক্ষতান (বিচার নিনে মানুদ বদাবে)	৪৩-যুধকক	40	5.99
শবে কদর			-	দিবিশ্ব বস্তু (শহাতালা নিবিশ্ব বস্তু পার্যাবদায় গোবতুর কন্য পরীকা)	২২-হাজ	60	390
উত্তম (পাবে কদর হাজার মাসের চোয়ে উত্তম)	৯৭-কান্য		2052	নিকেপের উপকরণ বানানো শহতাবের জন্য (প্রনীপমালাকে)	৬৭-মূল্ক	6	245
কুরমান অবস্থীর্ণ (শবে বদর বা কনরের রাতে)	৯৭-কানর	2	2059	নিকেপ (নবী-রাসুবনের আক্ষমনা শহতানের নিকেপ করা)	২২-হাজ	65	260
	9 Irelia	-	2048	নির্দেশ (শরতান মানুযকে অপ্রীলভার নির্দেশ দেয়)	২-বঙ্গরা	200	203
শদ (আরো দেখুন আওয়ান্ধ শৃথটি)		١.	-	शमक्षणन प्रिटिवर्कन भग्नजन (शृष्ठं अनर्भनकाविद्गाद, अक्ष्म कुछ)	ও আলে ইমরান	256	22
অপরাধীনের ককককে বিকট শব্দ দিয়ে পাকস্কৃত করা হয়	২৯-আনকাবৃত	80	2.79	পদান্ত (পরতাদের পদান্ত অনুসরণ না করার নির্দেশ)	৬-আন্তাম	384	930
লাহান্রামের দীর্ঘদ্ধানের স্বীগতম শব্দও জারাতীরা তথ্যে না	২১-আধিয়া	305	929	পদান্ত (পরতানের পদান্ত অনুসরণ না করার নির্দেশ)	২-বকুরা	Yab	679
পাৰফাও (বিকট শব্দ বিজ্ঞবোসীকে পাৰুড়াও করপ)	১৫-বিশ্বর	500	902	পদাৰ (শৱতানের পদাৰ অনুদরণ করা নিষেধ)	५-बङ्ग्रा	206	230
পাকস্কাও (জানিমসেবকে বিকট শব্দ পাকত্বাও করণ)	22-å4	38	618	পদাৰ (শরভানের পদাৰ অন্সরণ করবে যে)	५8-नव	53	990
পারস্কাণ্ড করণ শৃত সম্প্রসায়কে এক বিৰট শব্দ	३१-विवाद	90	405	পদাৰ (শরতানের পদাৰ অনসরণ নিষেধ, মু'মিননের জন্য)	५८-नुब	53	990
লেকা (ছাবুদ সন্প্ৰদায়ের প্ৰতি প্ৰচন্ত শব্দ প্ৰেরণ)	৫৪-কামার	0)	৯৩৭	গঠ (শয়তানরা সুদাইমানের রাজতুকালে যা গঠ করত)	२-वाकुरवा	205	234
প্রকট শব্দ পাকড়াও করল (ছাম্ন জাতির গুলুমকারীদেরকে)	<b>33-कून</b>	69	હવર	শিক্তন পাতা শরকান (তায়াত তেকে নিজেকে নিজিন্তাকায়ীর শিক্তন)	৭-জা'লফ	236	959
বাছুরের 'হলে' শব্দ (সামিরীর তৈরি করা বাছুর প্রদঙ্গ)	২০-জ্বা-হা	PP	985	शिक्षार्थित (नगरान (प्रजीवनीय (नग्र व्याजनाय क्षेत्र विद्य नग्र)	১৭-ইসল	98	333
নিয়ত (পথ নিয়ত করে বলী ইগরাইলরা, অস্তাহর কিবাবের)	৫-মারিদা	30	695	शिक्तिक (भागाता श्रीक्तिक कर्षे शासका)	8-निमा	250	293
বিকৃতি (ইচ্নীদের বিষ্ণুপোকের শব্দ বিকৃতি)	8-মিসা	80	690	প্রবোচনা দের শরতান (মানুষের মাঝে বিবেদ সৃষ্টির)	১৭-ইস্রা	340	936
হিকট শব্দ (পুনকথান একটি বিকট শব্দ)	৩৭-সাঞ্চাত	29	b29	श्रीकामा (महर्गामा श्रीकामा (भाव व्यक्तिक व्यक्तिक श्रीका)	৭-অ'রফ	200	300
বিকৃত (শব্দ বিকৃত করে ইছদীরা স্থানচ্যত করে)	৫-মহিদা	87	646				
বিষয়ে মান করা (ফুর্মাফকর সম শব্দকে তালের বিষয়ের মান করে)	৬৩-মুনাঞ্চিত্ন	8	366	প্রবোচনা (শারকানের প্রবোচনা থেকে অপ্রের প্রার্থনার নির্দেশ…)	২৩-মু'মিশুন	39	993
শেল (কাহ্যানের নির্বিশ্বানের ক্ষীণতম গণও কাচ্যার্টার কারে ল)	২১-আধিরা	303	929	ররোচন (শরতানের রয়েচন থেকে অস্তাহর নিকট অশ্রের রার্চন)	৪১-ফুস্সিগ্রহ	-06	999
শয্যা (আরো দেপুন বিছানা শপটি)		-	-	প্রয়োচনা (শরকানের প্রয়োচনা ইউসুফ আ, ও ভাইনের মার্কে)	১২-ইউপুঞ্	200	60%
বর্জন (অবাধ্য খ্রীকে শব্যায় বর্জন করা যাবে)	8-मिगा	08	4:03	প্রকাশ্য শত্রু (শরভাব মানুষের প্রকাশ্য শত্রু)	১৭-ইস্ল	60	47.9
সুউচ্চ শব্যা থাকবে (জন্নাকে)	৫৬-ব্যক্তিরাত্	48	388	প্রেরণ (পরতাদ প্রেরণ করেন আস্তার কাফিরদের নিকট)	১৯-মারইয়াম	900	900
	£0-0x1+HÇ	- 00	1800	প্রয়েচিত করা (মাকে শয়তান পৃথিবীতে প্রয়েচিত করে)	৬-আন্'আম	42	600
শয়তান (আরো নেখুন ইবলিস শম্টি)				প্ৰয়োল (পালালপ্ৰয়োল স্পৰ্ন কয়ত মুক্তৰী সন্ধান্তত সভা করে)	৭-আ'রক	507	80
অকৃতন্ত (পরবাদ রাহিপাদকের প্রতি অকৃতন্ত)	১৭-ইস্বা	29	93/9	প্ররেচিত করে শরতাদ ভালেরতে, যারা পিছলে কিয়ে যায়	৪৭-মুহাম্মদ	56	366
অনুসরণ (অপ্লাহর দথা না ধানলে মানুন শহতাদের অনুসরণ করত)	৪-দিসা	500	264	প্রভারক (পরতাদ মানুষের জন্য এক মহাপ্রভারক)	২৫-কুরকাদ	45	93/8
অনুসরণ(কতক মানুষ বিদ্রোহী শরভানের অনুসরণ করে)	44-Em	٥	927	প্রদান নির্মাণকারী ও ভুবুরী শরভানরাও নুগাইমানের অধীন	৩৮-শোরাদ	09	bribb
অপবিত্ৰতা (পছতাদের অপবিত্ৰতা দূৰ কৰা, বদরবৃদ্ধ প্রদক্ষ)	৮-আদকাল	22	900	विश्वनाव दक्षण (महावान दक्त विश्वनाव मा दक्षण भी ज्वानवदक)	৭-আ'রাক	29	936
স্তৰভীৰ্ণ (পদ্মভান কুৱবান নিয়ে অংডীৰ্ণ হ্যানি)	২৬-৩'আয়	450	395		১৯-মারইলম		
अवदेशं रुखा (मिश्रायमे ७ श्राणेत निक्री भारतान करतेर्ग शा)	५७-७'आस	557	935	বন্ধু (শয়ভালের বন্ধু হয়ে যেতে পারে ইবরারীমের পিতা)		80	909
অধাধ্য (পরভান দরাময়ের অধাধ্য)	১৯-मानदेसम	88	909	বছু (মুমিনানেরকে শরকানের বছুদের বিরুদ্ধে যুক্তের নির্দেশ)	৪-সিসা	96	696
অভিভাবক বনিয়েছেল আগ্নাহ শয়কাশকে আনের জন্য থকা	৭-আ'রাফ	29	652	বলবে অনুনারীদেরকে (যথম ফরললা হয়ে যাবে)	১৪-ইবরাহীম	22	690
অভিভাৰক (মুশবিকদের অভিভাবক শহুভান)	১৬-নাত্ৰ	40	900	বিলোহী শলতাদকে ভাকে (মুশরিকরা)	8-मिमा	226	29
অভিযানত (শারমানতে অভিযানত হিসেবে-গ্রহণ করেছে এক দল)	৭-আ রাফ	80	652	বিদ্রোহী শহতান থেকে আনাশকে সুরক্ষা করেছেন আল্লাহ	৩৭-সাড্যাত	3	70
অভিযানত গ্রহণ (পয়জনতে অভিযানক মুণে গ্রহণকারী ক্ষতিয়ার)	8-जिला	279	692	বিজ্ঞান্তিক শক্ষম থেকে আশুর চাংলা (কুরামাল পাঠের সময়)	79-stea	)abr	933
আল্লাহ্য অনুস্বিদুৰ ব্যক্তির জন্য শহতান নিয়েঞ্জিত করা	80-मुच्छम	00	৮৯৮				
আশুর প্রার্থনা (বিভাত্বিত শহতান থেকে ভুরজন পাঠের সমন)	১৬-শহদ	37	433	নিকট্রিক শারনান হতে আশ্রয় প্রার্থনা (মারট্রেরানের বংশবরের জন্য)	৩-জালে ইমবান		203
আজান (কুলঙ আওনের শক্তির দিকে শরতানের আহবান)	৩১-লুকমান	93	PAP	বিভাড়িত শরতান থেকে আঝাশকে সুরক্ষা করেছেন আল্লাহ	১৫-হিব্দর	24	099
ইবানত (শাতানে ইবানত করতে শিতাকে নিখেং কর্মা ইকার্য্য)	১৯-মারইরাম	88	909	বিচ্যুত করল শরভান (জান্লাত থেকে আনম-হাওয়াকে)	২-বাঞ্যা	95	202
KALIN ( MONTH KALIN LAND LIBER LIPER AND KARRIN)	******	100	107			-	_

सम : दिश्राध्यम	नुवा नर ७ नाव	400	701	नम विवय/दान	द्वा स् व सम	1021 0	<b>对</b> 自
শহতান (পূর্ব পূর্বা থেকে)		200	1	অপ্তাহর সাবে কটেতে পরীক না করার নির্দেশ	8-मिश	96	463
विकट जाना (महाराम म्यामनान (५६० विकट जानाक मा भारत)	80-345-6	62	300	অল্লাহর সারে পিরুর করতে করেন পিরা মারার অনুগর না কর	২৯-আনকাৰত	ъ	635
বিবত প্ৰাৰ সেঠিকপথ থেকে শৱতান নাৰাবাদীকে বিবত হাৰে)	২৭-নামল	48	Pod	আল্লাহর সাথে পরীক না করার জন্য রাসূল স, আনিষ্ট	১৩-রা'ন	06	654
ভয় দেখালো (শরভান মানুষকে দারিনের ভর দেখার)	২-বারুরো	466	203	অন্ত্রাহর সহার দরীক না করাহ আহান (আহলি কিতাবচারকে)	৩-জালে ইমরান	68	685
ভয় দেখার (পরতান মুমিনমেরকৈ তার বন্ধুদের ভয় দেখায়)	৩-আলে ইমরান		200	অল্লাহন স্থান পৰ্বাক না কৰাৰ জন্য ৰাইবাক (দুমিন নাইচেব)	৩০-মুমকাহিনা	25	343
ভাই (জপবারকারী শরসাদের অই)	১৭-ইগরা	29	936	আল্লাহর সাথে শরীক না করতে উপদেশ (পুক্তমানের পুরকে)	৩১-পুকমান	20	726
দুদিয়ে দিল শহুতান, মুক্ত ব্যক্তিকে (ইউসুকের কথা বলতে)	24-26HP	84	Giro	আপ্রাহর সাবে শরীক না করার নির্দেশ	৬-অনুবাম	323	
ভুলিয়ে নিয়েছে পরতান মুলাফিকদেরকে (আপ্লাবক আবশ)	१५-एकपुर	22	268	অল্লাহর মধ্যে শরীক করা	১০-বা'ন	36	677
ভূলিয়ে নিয়েছিল শরতান মাছের কথা (মুনার সঙ্গীকে)	১৮-বাহক ১৮-বাহক	90	900	অল্লাহর সতে পরীক করণ যে তার জন্য জাল্লাক হারাম	৫-মবিদ্য	94	473
				অল্পাহর মাজে শরীক মতে (যদিও মিনি দুখে খেকে উদ্ধান বারেন)	৬-আন্,আম	68	303
ছুলিয়ে নের (শংকন রমূল স. কে ছুলিয়ে নিলে আন্তর প্রদাস)	৬-আন'জাম ৪-নিসা	99.	905	অন্ত্রান্তা নাম পরিক করে উপনা প্রদার (অবলং থেকে পরু)	44-276	00	993
মন্দ সঙ্গী (শয়তাৰ কৰই বা মন্দ সঙ্গী।)			665	অস্ত্রাব্য সাথে শরীক করতে আল্লাহ করা করেল না	8-मिना		
মানুহ ও শয়কানদেরকে একমি করবেন প্রতিপাদক	১৯-মারইয়াম	901	404	অপ্তাহর সাথে শরীক করা মহাপাপ উদ্ধাবন	8-PP	220	
মানুবের নৃশ্যের শক্তান	১২-ইউসুফ	6	999	অস্ত্ৰাহৰ সাথে শৰ্মক কয়া মহাশাপ ভয়াৰদ অস্ত্ৰাহৰ সাথে শৰ্মক কয়া সমীচীৰ নয় (ইউস্ফ বা, ও তাব)		87	690
মাধা (বাকুম বৃক্ষের মোচা বেন শরতানের মাধা)	৩৭-নাক্ফাড	94	3400		১২-ইউসূত	Gp.	600
মিলত হওৱা (মুলফিকরা শরকান নঙ্গীদের নামে মিলিত হলে বলে)	২-অব্ধরা	28	200	অক্সাহর বাবে পরীক করে না মুখিনতা	२8-मूड	66	93/0
বহিত করা (শরতান যা নিজেগ করে আল্লাহ বা রহিত করেন)	২২-হাজ	22	960	আপ্রাহ পৰিত্র (ভূপরিকরা যা শরীক করে আ হতে)	৫২-জুৱ	80	102
শক্ত থানানে (মানুধ ও স্থীন সম্বভানকে নবীর শক্ত থানানে)	৬-আন্ আম	225	609	অন্তাহ শরীক থেকে উর্বো	২৮-কাসাস	67	A78
শক্ত (পরভানকে মানুষের শক্ত হিলাবে ধহণ করকে হবে)	তণ্ড-ফাডির	ь	188	আল্লাহ পরীক খেকে উপ্লে	৩০-ব্রু	80	250
শঞ (পরতান মানুবের সুস্পর্ট শঞ)	80-युर्द <b>रूय</b>	64	300	অন্তাহর কোণ শরীক দেই	৬-আশ্ আম	790	925
শক্র (শরতান সুস্পর্ট শক্র)	২-বাবুদরা	206	220	ইংলিস শরীক হবে (আনমের বংশধরের ধন-সম্পদে)	১৭-ইস্বা	68	333
শক্র (শরতান সুস্পর্ট শক্র ও পথমাইকারী)	২৮-কালাল	26	рор	ইৰদেতে শয়িক না বভাৱ নিৰ্দেশ (অপ্ৰাহত সামাত কামল কৰলে)	১৮-বার্ফ	220	900
শক্র (পরতান সুস্পর্ট শক্র, মানুষের)	৭-আগ্রাফ	22	628	ইংরাহীমকে শরীক না করার নির্দেশ (আপ্রাহর সাথে শরীক)	22-0706	₹6	980
শেষনীয় করা (সাবাবাসীদের কাছকে শরকান শেকনীয় করেছিল)	২৭-বামল	28	Post	ইন্মরিমের সম্প্রবায় কর্তৃক বাকে শরীক করা হয় তার ভয় প্রদক্ষ	৬-জান্'আম	47	900
শেকদীয় করা (কথিকের মন্দর্শকরের শহকেন শেকদীয় করে)	৬-আন'ম্বাস	80	669	উদ্ধান্ন পাওরার পর নৌবালের আরোহীয়া শরীক করে	২৯-আনকাৰ্ড	94	9.53
(नाक्नीय क्या (प्रनाविकास्तः काश्वकार्यक नायकार (नाक्नीय करत)	১৩-দাহল	90	907	উপস্থিত করা (শরীকনেরকে উপস্থিত করুক অপরাধীরা)	৬৮-কুলাম	87	299
শোষ্ট্রনীয় করেছিল শয়ধান কফিবলের কাছ (কাবচুছ প্রদাস)	৮-অন্যাল	85	606	উপাদ্যকে শরীক করা যেকে হৃদ আ, মৃক্ত (সংশ্রেপায় যাকে শরীক বতা)	১১-ছুদ	48	090
শোষনীয় করা (মান্/ব্যুক্তর কায়কে শারেন শোচনীয় করেছিন)	২৯-আনকাবৃত	'O'r	47.9	উদর্ধে (পরীকদের থেকে আল্লাহ অনেক উর্থে)	২৭-নামল	66	Pos
यहरात्र (नग्रकात्मव शङ्गात मूर्गम)	৪-পিলা	96	266	উধ্বের্য (মানুর বা পরীক করে তা থেকে আল্লাহ উপ্পে)	১৬-মাহুল		900
স্পর্ণ (সুন্তর্বার শারস্কালের স্পর্নে পাগল হওর ব্যক্তির মত দারেবে)	২-বাবুধরা	298	600	উধের্য (মানুর যা পরীক করে ডা থেকে আল্লাহ পরিয়া)	১৬-মাহল	3	900
হতপুত্তি কর (মানে শারেন পৃথিতিত হতপুত্তি করে নোপ্রার্থানত করে)	৬-আন আম	93	500	উদ্রের্ছ (অল্লাহর সাথে যা শরীক করা হয় তিনি তার উপ্রে)	৩৮-যুখার	89	399
नवडान/बाह्यम	4		-	উদ্র্যন্ত (ভারা বাকে পরীক করে আল্লাহর ভার উদ্র্যন্ত)	১০-ইউনুস	35	800
प्रश्नित (अञ्चानमानवर्धी गत्रशास्त्र व्यक्ति (शतः प्राणुद शताः)	338-RDR	8	პირგ	উদৰ্ভ (ভাৱা বা পৱীক করে ভা থেকে আল্লাহ অনেক উপে)	1-81'81'9	250	900
MEGIN (SIGNA)	220-11-1	-	3000	ভিয়ামতে কাভিবলেরকে কলা হবে শরীকরা কোখায়	৪০-মুমিন	90	708
প্রভান (এতার্যক) প্রভারিত করতে না পারে দেন পরতান (আল্লাহ সম্পর্কে)	००-माणि	ė	b85	ক্ষমা (শরীক করার পাপ আল্লাহ ক্ষমা করেন না)	8-मिमा	86	260
	CG-41/04	· e	0.6.0	ন্দের (কমিয়ানা শরীক লম্পর্কে বিদ্যাদকে নৌর লেয় হবে)	১৮-নাহল	29	900
শ্বভাবের বন্ধু		-	-	স্থীনদেৱকে অস্থাহর শরীক নির্ধারণ করে (মুপরিকরা)	७-वान्'वाम	300	500
তর মা পাওরা (পারতানের বছুদেরকে ভয় না পাওয়া)	৩-আলে ইমরান	2.05	660	ভাকা (বারা আল্লাহ ছাড়া অন্যকে পরীকরণে ভাকে)	১০-ইউনুস	66	-550
শ্বন করানো		_		ভাৰা (পরীক্তে (নাথে মুপঞ্জিক বলাবে, আমি এবেই ভাকজমা)	১৬-নাহল	76	920
পুঞ্জে কপাদের উপর (উপুড় করে) শহদ নদাল ইবল্পহীম আ	৩৭-সাক্ষাত	700	5-6-5	ভাকা (পরীকাদেরকে ভাকা, রাদৃপ স, এর বিক্রভে যানুমন্ত্র প্রদাস)	৭-আ'রফ	294	603
শৰীক (থারো দেপুন সংগীদার শব্দি)				ভাৰা (পৰীৰদেৱকে ভাৰতে বলা হবে কিল্লামতে)	২৮-কাশাল	98	530
অংশ (আল্লাহর অংশ শরীকদের কাছে পৌছে)	৬-আৰ'আম	209	609	ভাৰৰ (পৰীবহুদৰতে ভাৰতেল আগ্ৰহ, কিপ্লামতের দিল)	45-MAIN	98	6.74
অংশ (পরীকাদের জন্য শস্য ও গবাদি পাতর অংশ নির্বারণ)	৬-আৰ'আম	300	60%	ভাৰা (পৰীক্ষেত্ৰত ভাকবেল আন্তাহ, কিয়ামকে লেন)	২৮-কাদাদ	44	
অক্সম (সৃষ্টির সূচদা ও পুদরাবৃত্তিতে শরীকরা অক্সম)	১০-ইউনুস	08	923	ভেকে আনতে বলবেন আল্লাহ পরীক্ষেত্রক	১৮-কাহক	65	948
অপরাধীরা শরীকদের প্রতি অবিশ্বাসী হবে (কিয়ামতে)	৩০-জন	30	5.50	পরিচুত্বক (মুপরিকানে পরিক কর থেকে রানুল ন, সমিচুত্বক)		29	
অবস্থান (শরীক ও মুশরিককে সম্ভানে অবস্থানের নির্দেশ, হাশরে)	১০-ইউনুস	3,6	424		৬-আন্'আম		494
অস্থানত করবে শরীকরা, দুশরিকলের ইবানতকে (কিয়ামতে)	১০-ইউনুস	25	529	লাস-নামী অংশীসার না হওৱা প্রসম	\$0- <b>2</b> ¥	2,5	25.4
অস্ট্রীকর (বিশ্বামতে শরীকর মুশরিকের উপাদন অস্ট্রীকর করবে)	১৬-নাহল	b/b	930	দীল বিভিনন্ধ বি পত্নীকরা করেছে -তার অনুমধি আল্লাহ দেশনির	৪২-প্রা	57	pages
অবীভার (শান্তি প্রত্যাক্ষ করার পর পরীকলেরকে প্রত্যাব্যান)	8०-मुभिन	b/8	pad	মুশরিকরা (পরীবকে সেনে বলবে, অমি একেই অকভামা)	১৬-গাহল	V6	930
আপ্লাহ ইক্ষ্য কবলে মূশবিকরা শরীক করত না।	৬-আনু আম	209	606	ধারণা করা (দুপরিকদের শরীক ধারণা করা প্রদাস)	৬-আন'আম	86	800
আপ্রাহ পরীর থেকে উপ্রে	২০-মু'মিশুন	30	193	ধরণা করা (সুশবিকরা যাসেকে শবীক ধরণা করত তার কেথবা)	৬-'আন্'আম	44	690
অপ্তাহন শরীকলের কেউ পারে কি সৃত্তী কমতে, মতুল ঘটাতে ও)	40-414 40-414	80	254	নিকট (আল্লাহ উত্তম ও শরীক নিকৃষ্ট হওয়া প্রদাস)	২৭-নামল		broi
व्यक्तारा नीकानाव अधिया जात निर्मन (दुर्गहेन्यत शिर्छ)	৩৪-সাবা	39	b80			69	-
खहारत न्यायकारक कार्यात क्रिया मध्यन (क्रुगावकार (क्रिया क्रुगावकार (क्रिया क्रुगावकार (क्रिया क्रुगावकार (क्रिया क्रुगावकार क्रिया क्रिया (क्रिया क्रुगावकार क्रिया क्रय क्रिया क्रिय क्रिया क्रिय क्रिया क	৪১-কুদ্দিলাত	89	pao	নির্বাল (মুখ্ সমান লাভের পর অক্সাহর সামে শরীক নির্বাল)	१-ठा वाय	290	600
खहारत न्याकास मन्याद पुन्धकारता जातामा (कार्यादक) खहारत करण दर महीकारता क्षेत्र रहा दश दशका मन्यादक संस्थ	৪১-কুল্যলাত ৩৫-কাতির	80	p.89	নির্বাংগ (অক্সহর সাথে বহু শরীক নির্বারণ করেছে কবিবরা)	১৩-রা'দ	00	655
				পূহ সম্প্রদায়ের শরীক্ষের সাথে নিয়ে করণীয় দ্বির করতে বলা	১০-ইউনুস	45	663
আপ্তাহর সাথে শিরক করা হারান করেছেল প্রতিশাদক আপ্তাহর সাথে যাদেরকে দরীক করে আ থেকে চিনি পবিত্র	৭ আগ্রফ	00	634	পরিমেশিত করা (সামের দিকে পরিমেশিককটা কোন শীক কি আছে)	১০-ইউনুস	02	60
	৯-ভারবা	407	660			-	
আপ্তাৰৰ সামে যে পৰীক কৰে প্ৰভাৱনৰ কৰ্ম্বত ভাৰ উপৰ	১৬-বাংশ	200	333	পিতৃপুরুষরা শরীক করার কারণে নপেধরদেরকে ঋাসে !	1-30" 000	1390	642

मंच	जुड़ी नेए च नाम	TOT R	762	শব্দ বিষয়/প্রসঞ্	न्वां नर व नावः	NA 3	<b>शृं</b> की
শরীক (পূর্ব পৃষ্ঠা বেকে)	September 1	-	10000	উল্পোন (অকাশ ছেকে পনি অবটার্য করে মধ্যাননা উল্পোন)	60-àtá	9	255
প্রতিপাদকের সাথে শরীক করে একদল মানুষ	50-87i	20	৮২৪	উৎপদ্ধ করেন আল্লাহ মৃত কৃষি থেকে শস্যালানা	৩৬-ইবাসীন	00	2020
পুতিপালকের মাথে শিক্ষক করা (সুগে-পূর্ণশা কুর হংগ্রার পর)	১৬-সাহপ	28	202	উৎপদ্ধ (পদ্য দান উৎপদ্ধের জন্য পদি অবতীর্ণ করেন আগ্রাহ)	৭৮-মাবা	24	2000
প্রতিশাসকের মধ্যে কভিবে পরীক না করার ওমান (মুমিন জিনচের)	१२-किन	3	labria	উৎপদ্ধ করেন আল্লাহ শসাদানা জোগাসাম্বর্টীরূপে	৮০-জাবাসা	49	2009
প্রতিশালকের সাথে কাউকে শরীক করে ল (বাগাল বায়ালর সাধীর)	79-416A	100	121	উপমা (আল্লাহর পথে গানের উপমা, শব্যাগানার মত)	২-বাকুরো	592	403
প্রতিপালকের সাথে শরীক করে না যারা	২০-মুমিনুদ	69	2600	একশত শ্যানানা প্রতি শীঘে (আল্লাহর পথে নানের উপমা)	২-বাকুবরা	599	203
প্রতিশালকের সাহে পরিক করার (বাগারনভারলার অনুশোলা)	১৮-কার্ফ	82	939	ৰোসা বিশিষ্ট শস্যসানা ও দুগৰ গুলু আছে পৃথিবীতে	৫৫-রাহ্মান	34	3/05
প্ৰতিপালকের সঙ্গে কাউকে শরীক করেন না (রাসুপ)	१२-बिल	30	254	খন সন্নিবিষ্ট শস্যদানা উৎপন্ন করা (বৃষ্টি ছারা)	৬-আনু আম	22	600
প্রস্তুত পরীক আছে ধর দে দেই ব্যক্তির মত দর ধর প্রস্তু একজন	৩৯-বুমার	23	790	যমীনের অন্ধরত্বের শসাদানা ও সুস্পর্ট কিতাবে লিপিবছ	৬-আনু'আম	¢'n.	609
প্রমাণ (পরীকলের পক্তে প্রমাণ অবস্তীর্ণ করেছেন বি আক্রার)	का-व्य	-02	b>8	পস্যহীন			
বিশ্বাস (কাভিয়রা শরীক বিশ্বাস করত)	80-मृश्मिम	24	V920	উপন্যাল (ইবাট্টোটার বংশগরনের শদ্যাইন উপন্যাক্ষর কনবাস)	১৪-ইবরাহীম	09	686
বিফল (পরীক করার করেগে কৃতকর্ম বিফল হওয়া)	৬-আন'আম	20	908	<b>भट्ट</b> व		Ė	1
ভর (পরীকদেরকে ইবরাহীম তর করে না)	৬-আন'আন	6.0	800	উপদীত (পহরে সকলে উপদীত হল মুসা)	২৮-কামাদ	75	ros
তর (পরীক্ষদেরকে ইংরাহীম আ, তর না করা প্রসঙ্গ)	৬-আন আম	Jvo.	Perst	জানুকর সংগ্রহের জন্য শহরে শহরে লোক পারিরে দেয়া	২৬-৬'আরা	05	oap
হীতি সঞ্চার (শরীক করার কারণে হসরে উঠি সঞ্চার)	৩-আলে ইমরান	242	220	নারী (শহরের নারীরা কল্প-ক্ষরিয়ের স্থী দাসকে লৈভিক নিশহন)	১২-ইউসুক	80	699
হলে যাওয়া (মুশরিকদের পরীকদের কথা স্থলে যাওয়া)	৬-আন'আম	83	660	রোকা (আসহালে কাহাদের একজনকে শহরে প্রেকা)	३४-कारक	22	940
মতবিজেব (যে পরীক সম্পর্কে কাভিত্তর মতবিজ্ঞাধ করত		-	-	शुरुम (महरूत शुरुम कवन प्रत्र था, यका व्यवस्त्रीत (क्यरत)	২৮-খাসাস	26	Rod
क्विग्रहरू)	১৯-নাতৃণ	ર૧	900	প্রাপ্ত (পহরের প্রাপ্ত হতে এক ন্যক্তি সৌভিয়ে আসল)	২৮-কাদাদ	20	209
মুপরিকরা পরীক করত না। (আল্লাহ ইচ্ছা করলে)	७-वार वाप	385	655	প্রথন (ভারতর শহরে ফাসন সৃষ্টিকারী নরজন পরিবর প্রথন প্রথম)	২৭-নামল	8b	708
রজড়ে পরীক নেই (আল্লাহর)	২৫-ফুরকান	3	994	বালক (শহরের দুই ইয়াতীম বালকের প্রাচীর)	79-1416/8	24	900
রজড়ে (আল্লাংর রাজড়ে কোন শরীক নেই)	১৭-ইসরা	222	920	থভূমর (শহরবানীদেরকে বের করার যন্ত্রন্ত করেছে মুগা,	-	_	
শ্বাহানক দুনিয়ার শত্রীক করার কবা শ্বাহানে অধীকার করেং	১৪-ইবরাহীয	44	696	फिल्पांडेन रागा)	৭-আ'রাফ	250	640
लाक्ष्मेश (महान प्रश्नात आक्ष्मेश कडाड, ग्रीतन), शाक्तिरास कडा)	৬-অসংখ্যম	303	රගර	गरावनी एका (एनएक नाटर गराव महात नरावनी रेग्न एका)	২৬-হ'বারা	00	930
সম্প্রদায়ের শরীক করা থেকে মুক্ত (ইগরাহীম আ. প্রসং)	৬-অপ'বাম	95	600	সংহাহকারীলেরকে শহরে পঠালে (জানুকর সংহাহ করার জন্য)	৭-অ'রাফ	222	699
স্পাহিশকারী হবে না পরীকলের কেউ (কিলামভে)	00-WX	30	200	नश्य (यभीना)	1-4-41		-
স্টবন্ধকে স্টার সাংগ শবীক করা	J-30,40a	797	900	ভক্তর রটনাকারী (শহরে ভক্তর রটনাকারীরা দবীর প্রতিবেশী		_	-
হারাম (আল্লাহর সাথে পরীক করা হারাম)	৬-জান'আম	242	633	श्वमा)	৩৩-আহ্বাব	60	৮৩৯
হুকুমে (নিম্ন হুকুমে কাউকে শরীক করেন না আল্লাহ)	72-4164	26	936	শ্বীদ	_		+
শ্রীকভারী	20, 1151	- 10	110	স্থান স্থান (পট্টানসের মর্যান ও পুরস্কার)	৩-জালে ইমরান	26%	002
মান্তাহর সাথে শরীককারী না হয়ে মিখ্যা বর্জন (হচ্ছ প্রসঙ্গ)	44-17%	93	965	अभिनादि गरिन ७ मिन्दिन रहत शाह (श्रृष्टिशायहरूद निर्दर)	८९-शनीम	709	940
বাহ্যক সাথে সাধান্য সা বলে দেওা বলন (বলে এনান) প্রীয়ক	44-64	-00	103	মমিনদের থেকে পরীদরণে প্রথণ করতে পারেন আল্লাহ	৩-আলে ইমরান		
শরারত নির্বারণ (পরীয়ত ও কর্মপন্থা নির্বারণ করে নিরেছেন আল্লার)	৫-মারিদা	81/	ave	সৃষ্ট্রী (উরুম সৃষ্ট্রী নবী, সভাবাদী, শহীদ ও সংকর্মপরারণগণ)	8-विमा	99	496
নবারণ (বিধান) শরীরত (বিধান)	d-william	80	400	সনা (ওচন সনা নথা, গভাখানা, শহান ও গংকন সামাশা) শাক-সবছি	8 4 7 7 1	08	0.00
শবারত (বেখাশ) প্রভূপ স্ তে শবীরতের বিধানের উপর প্রতিষ্ঠিত করা (উনের নিয়ন্ত)	82-वादिया	37	300	উংপদ্ধ করেন আল্লাহ (ভোগ্যসামগ্রীরূপে শাক-সবলি)	tro-WRIPI	4b	2000
क्षमून २, ८० मधावरण्य अवस्था प्रमाणाकाक करा (वरम्य तवस्य)। मामा	85-401641	31/	aou	উপোন (পাক-সর্বান্ধ উপোন্যান অনুরোধ, ক্রী ইসরাসিসর)	২-ৰাকারা	65	909
			1	भावा	4-414181	03	ray
উৎপাসন (পপা উৎপাদনের জন্য নদী ইসরাইলের অনুরোধ)	২-বাকুরো	97	209		১৪-ইবরাহীম		l
শস্য			_	আঞ্জল (উত্তম নদী উত্তম গছের মত যার শাবা আকাশে বিকৃত) ভিন পাথা বিশিষ্ট ছারার দিকে চপ্যা, মিখ্যা অভিহিতকারীদের		28	696
অংশ (শরীক্ষের জন্য শন্য ও গবানি পঢ়র অংশ নিবারণ)	৬-আন্'আম	709	609	শাৰা বিশিষ্ট	৭৭-মূর্সালাভ	40	995
উৎপন্ন (আল্লাহ বৃত্তির পানির মাধ্যমে শস্য উৎপন্ন করেন)	১৬-শার্প	>>	900			-	-
উপন্ম (উক্লিক্ট্ন কুমিতে পানি প্ৰবাহিত করে শত্য উপন্যা করা)	৩২-সাজ্পা	54	200	বেজুর পাহ (গাববিশির বেজুর গাহ রয়েছে, পৃথিবীতে)	30-RTW	8	690
উৎপাটিত শলের পরিশত করেল আস্ত্রাহ (ফলল ভরা ক্ষেত্রতে)	১০-ইউনুস	2,8	969	শাখা বিহীন		Ь.	$\vdash$
উল্লেখ্য (অৰুণ থেকে গদি অবহীৰ্ণ করে শসানন উপোদন)	৫০-ডারু	9	255	বেজুর গাহ (পাৰাবিহীন খেজুর গাহ রয়েছে, পৃথিনীতে)	১০-মা'দ	8	497
কঠিত পদেৱে মত অবস্থা হয়েয়ে পূৰ্ব পৰ্মন্ত জলিমদেৱ আৰ্কতন	২১-আধিয়া	26	982	শান্তি (আরো দেপুন গ্রশান্তি গদটি)		_	↓_
भिनर्गत (मृष्टि श्रव मञ्ज प्रेरुद्ध दश्या विवासीमदान्य कन्त्र निमर्मन)	५७-मार्न	22	900	অঞ্চনকে ইবরাহীমের জন্য শীতদ ও শান্তি হওয়ার নির্দেশ	২১-আধিয়া	65	9.08
শস্যকটো	-			অবাদ (উপায়াল গ্রহণকারীর ক্ষত প্রতিপাদাকের করের শরিক আবাদ)	৬-আন্'আম	756	
দীৰসহ রেখে দেবে শন্য কটার পর (ইউনুক রসেস)	১২-ইউসুফ	89	997	আবান (অল্লাহ শান্তির আবানের নিকে আহবান করেন)	১০-ইউনুস	56	960
শস্ত্তেভ				অপ্রাহ শান্তি	৫৯-হ্যশর	20	১৫৭
গমন (পদ্যক্ষেত্রে গমন, যেলাবে ইচ্ছা, প্রীসহবাস প্রসঙ্গ)	২-ৰাকুলো	২২৩		ইবরাবীমের উপর পান্তি বর্ষিত হোক (আল্লাহ বপেছেন)	৩৭-নাত্কাড	209	
মুদ্র সম্প্রদারকে নিরাপন অন্যায় পৃথিবীর শসক্তেতে তেনে দেয়া	২৬-৪'আরা	285	930	ইবরাবীমের জন্য আন্তনকে শান্তি হওয়ার নির্দেশ	২১-আধিক	99	968
দুই বাগাদের সধাৰতী স্থানকে (দুই ব্যক্তি উপনা প্রদাস)	29~505A	45	929	ইলরাসীনের উপর নালাম বর্ষিত হোক	৩৭-সাধ্যাত	200	
পিছনে রেখে গেল কও শস্য ক্ষেত (ফির'মাউন সম্প্রনার)	88-नूरान	26	200	কনর হাতে শান্তি বর্ষিত হর (কলরের আবির্তাব পর্যন্ত)	৯৭-কাদর	6	2053
পৃথিবীতে শসক্ষেত্র ররেছে	১০-রা'দ	8	99.95	ক্ষান্তত পান্তির সাথে নিরাপাদ প্রবেশ করতে কর্ণা হবে মুন্তানীচেনাক	३७-व्या	84	200
বাস্থ্য অপাতে শণ্য ক্ষেত্র নট হওরা, কবিবাদের বারের উপমা)	৩-আলে ইমরান		281	বুঁকে শান্তির জন্য কুঁকে যদি কাফিবরা, (সন্ধি প্রসদ)	৮-আনকাল	62	907
বিচার (পদাক্ষেত সম্পর্কে দাউদ আ. ও সুপাইমাদের বিচার)	২১-জমিয়া	Th	124	নৃহ আ. এর প্রতি শান্তি ধর্ষিত হোক	৩৭-সাক্ফাড	93	brèc
রীলা শসকের বরণ	২-বাকুবো	220	49.0	পথ (পান্তির পথ প্রদর্শন করেন আল্লাহ ভালেরকে যারা)	৫-মারিদা	36	62.5
र्गमाना		1		প্রস্তাব (মুনাফিকরা শান্তির প্রস্তাব দা দিলে)	8-शिश	92	665
অম্বরিকেক্ট্রী (অস্তাহই শস্পান অম্বরিককারী)	৬-আন'আম	26	600	প্রপ্রাব (শক্তিপ্রস্তাব দানবারীদের বিক্রছে আল্লাহ কেন পথ রাকেনি)	8-विश	200	669

विषय विश्व विश्व विश्व विश्व	न्यानः व नाम	in a	100	नव विमानिक	<b>可能</b> 京 8 司基	wa s	46
শঙ্গি (সাময়)	Contract of	100	1000	यक्तर मंत्रि शहर रकार बना शर्भन	০-জালে ইমবান		208
অনুভাগ (পঞ্জি/সাপায়নহ নহতে দৌতা গেতে অনুভাগের নির্চাপ)	১১-জুদ	85	tifo.	আছনের শান্তি বহেছে কভিবনের জন্য (ভাবিবাতে)	69-2244	0	300
तम्बर शहि (प्राचारव प्रजनीत वमाज्य शहि जानाव भवि)	২৭-ন্যা	65	bro8	আগুনের শাস্তি বাহেছে, কাঞ্চিরনের জন্য	৮-আনফাল	38	800
হ্বিন্দের উপর সাধ্যম/শান্তি বর্গিত হোক	৬-জনজন	28	900	আহনের শান্তির দিকে পরিমধিত করে (শক্তান তার বন্ধকে)	44-57%	8	9.0%
श्वाकीकृत शहात नमा (करतमदाना मात्रि (नामाम) सामाद	36-RIEM	95	900	আধানৰ শান্তি বৈতে একা করার করা প্রতিব	২-বাকুরো	402	033
স্কৃতিকাৰ অনুবাৰ্যনীনে প্ৰতি পদ্মি পাৰ্যন (মূপ আ প্ৰকাশ	२०-वा-श	89	980	আগদের শান্তি থেকে রক্ষার ক্ষন্য প্রার্থন্য (মন্তারীলের)	৩-আলে ইমরান		201
भावित	40-31-0	01	100	অন্তন্ম শত্তি অখন করে কবিবর	22-27%	22	960
		-	-	আধাত (আগ্রহ বাতে ইয়া শক্তি ধারা আঘাত করেন)	१-वा शक	256	
মানী পতর গর্ভ যা শামিল করে/গর্ভস্থ বাজা প্রদান	৬-অন্কাম	788	సిం	আজনু করা (কাফিরনের তাঙ্গের করে শারি আছনু করেং)	২৯-জানকাব্ত	25.0	950
শাবড়ি		_		অহিত কথা (পাঞ্জি নির্দান হল কাট্য বলে (ত জাইত (৫/২০০)		b	846
বিলে (বাতড়ীকে বিলে করা হারাম)	8-502	50	669	আপতিত হবে শান্তি (আনেশের বিরোধিতাকারীদের উপর)	১১-ছুদ		
শান্তি				অপতিত (বিৰক্ষতিৰ সংস্থাৰের উপং শক্তি আপতিত হলে)	२४-गृह	90	960
অংশীনর (শরকা ও অপ্রার্থবিদ্বর পোক শরিতে অংশীনর)	৪৩-বৃৰক্ষ	49	939.	অন্যতে (ক্ষেত্রতা সাহার্যরের চার: শাস্ত আন্তর্ভ হলে) আরাতে দ্বিয়ান না অন্যান হস্ত্রণানরক শাস্ত্রি	৭-আ-ব্যক	304	558
অংশীনার (শান্তির অংশীদার হবে জালিম নেডা ও সহাররা)	৩৭-নাক্লাভ	00	b@br		১৬-নাহল	308	952
ষতর্কিতে শান্তি আসার পূর্বে আল্লাহর বিধান অনুসরণ করা	०३-युमार	66	596	আরাত অবিদ্যানকারীদের শান্তি (চায়ন্ত পঞ্চ হওয়া)	8-निमा	6.0	606
अनुस्त (अञ्चादत शांक्षे अनुस्त काव शत सामियदात शायान)	২১-আছিয়া	32	920	আল্লহ ইয়া কলে জগবাধে শন্তি দিকে পাৰেন	৭-আ'রাড়	200	644
অপবাসন (কৃতিনৌর) শব্ধি	48-78	8	338	আপ্তাহর পথ থেকে বিয়ত রাধার কারণে মহাপান্তি	১৬-নাজ্প	28	952
অপরবিদের (অপরাধীর জাহনুদের পরিতে নির্মানী হরে)	80-गुनक्क	38	202	অস্তাব শক্তিবনে কটোর	৮-জানফাপ	87	900
অপর্যাধীনের উপর রাজেনিতা পান্তি অলার নিমাটি তেনে লেখ	১০-ইউনুস	60	626	অল্লাহ শারিদানে মটোর	৮-আনফাশ	24	904
অপমানিভবারী শান্তি আসবে (রাসল স, এর সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	৩৯-বুমার	80	b98	অপ্তাহ শারিদানে কঠান	৪০-মু"ৰিন	22	3-45
অপসারণ (নির্নিষ্ট সমন্ত্র শান্তি অপসারণ, ফিরজাউন প্রসঙ্গ)	৭-আর্থ	200	648	আল্লাহ শান্তি দান করবেন কাফির ও মুনাফিকদেরকে	৯-ভাতৰা	9,8	683
অপন্যত্ম (শক্তি অপসাধিত করেশ মুনাকে বিশ্বান করে ওয়ানা)	৭-আবিক	308	648	আপ্লাহ পান্তিদান করেন বাকে ইছে:	৩-আলে ইমরান	259	285
অপরাধের তারণে শান্তি দিরে চান জাল্লার (অনাক্ষিকলোর্ডে)	१-मसिना	83	649	অন্তহ পরি নিতে পানে সেই ভিনমনতে যার তবৃৎসূত্রে যারনি	৯-জাওবা	300	423
অপরাধের কারণে আল্লাহ প্রভোককে শান্তি নিরেছেন	३५-व्यास्त्रुट	80	47.9	অস্ত্রাহর শান্তি বেকে অহমারীদের অনুসারীরা রক্ষা চাইবে	১৪-ইবরাহীম	43	634
অপমানজনক শান্তি আসকে (নৃহ আ, সম্প্রসার প্রসঙ্গ)	27- <u>fa</u>	00	999	অন্তাহর শাস্তি নিগুত করা যার শা	३२-देवेतुष	220	66
অপ্রসামনত শান্ত আগতে (পূর্ব আ: পান্যাগর বাগর) অপ্রসামনত শান্তি গর (ইউলুসের সম্প্রপার দিবাস আগর)	১০-ইউনুস	30	999	অল্লাহর শাক্তি (নৃহ সম্প্রদারের প্রতি অল্লাহর শান্তি)	৫৪-কামার	26	hee
অপমানক্ষক শক্তির বস্তুপনি হারদ জাতিকে আহাত করদ	৪১-মুস্সিবাভ	23	399	অন্তাহর শান্তি (যন্তবাদারক শান্তি)	>१-विकार	20	900
অবস্থান পোরেরে বস্তুজান হারুণ জাতকে আহাত করণ অবস্থান (পারিতে অবস্থান করত না জিনেরা অনুশ্য জানাশ)	৪৯-পূপ্নথাত ৩৪-সাবা	24	994	অস্ত্রাহন শর্রিন নাম শরি কেট নিতে পরনে ন (নিয়ামতে)	৮৯-থাকর	98	204
অবস্থান (শাস্ত্রতে অবস্থান করতে না বেনেরা অনুশ্র জানলে) অবস্থান্তর বাংলা ইচনীলের প্রতিফল (চর্বি হারম করা প্র.)				অল্লাহর পাত্তি (আ'ন কাতির প্রতি অল্লাহর পাত্তি)	৫৪-তামার	45	300
	৬-আপু জান	786	630	অপ্রাহর পারি আসলে জাদিম সম্প্রদারকে ধাংগ করা হবে	৬-জাগ'আম	89	800
অবিশ্বালীর শক্তি ভাষাগ্রাম	৬৭-মূশক	6	264	অক্সাইর শান্তি আসলে সাহায্য করের কে?	80-व'मिन	35	ybro
অবিশ্বাদীদের জন্য কঠিন শক্তি (আরাত অবিশ্বাদকারী)	৩-আলে ইমরান		600	व्यक्ताल नीते काल बन्द यद वाल्य दाला म (व विश्व बने)	80-स्'बिन	0	b*93
অবিশ্বাসীনের শাস্তি দীর্ঘায়িত করবেন আল্লাহ	১৯-মারইপ্রাম	939	900	অস্ত্ৰাহৰ শাক্তি কেমল ছিলঃ (আ'ন সম্প্ৰনাহেৰ প্ৰতি)	৫৪-জামাধ	33	300
অভিযোগ উত্থাপনকারীলের জন্য মহাশান্তি	२४-मृद	50	996	অস্থাহর শাস্তি কেমন হয়েছিল (কফিবনের স্কন্য)	১৩-বা'ল	03	652
অভিযোগ উত্থাপনের প্রথম সারিত্ব নিরেছেমে তার জন্য মহাপারি	<b>२</b> 8-नृत	22	992	অপ্তাহর শান্তি এসে পড়লে আপ্তাহতে ভাষা প্রসঙ্গ	৬-জান'জাম	80	699
অমান্ত্রবীর জন্য আপ্রাহ কটোর শান্তি প্রস্তুত রেখেছেন	৩৫-ডাপাত	30	969	ব্যপ্তাহর শক্তি কঠোর (হাত্মদ ভর্যটির প্রসঞ্চ)	♦8-कामाव	40	300
অগ্রীপতার (নবীর স্ত্রীরা অগ্রীপতার লিঙ হলে বিঙণ শান্তি)	৩০-সাহয়ৰ	00	300	অপ্তাহৰ শক্তি কমেনা (প্ৰতে দিকট সমক্ষমীদের)	59-20146042	35	30.
অধীকারকারীসের শক্তি এফনভাবে এসেছিল যে কারা টের পার্যান	৩৯-মুম্বর	₹2	3.40	অস্থ্যাহা পারি ভাগে মাপুনো নির্যালনার (ফুরাফিবরা)	59-Minetida 59-Minetida	20	920
আইবাৰাসীকে স্থৱামৰ দিনের শান্তি পাকড়াও করেছিল	२७- <b>७</b> जारा	20.9	223	অপ্তাহ শারি নিংকা কৃতীর করতে (গুলুপুর্ণ পার অবচির্ণ,)	হ-মারিদা	226	250
আর্ডনঞ্চ নাঞ্জি আপন্তিত হবেই (মূসা জা, সভ্যবাসী হলে)	৪০-মুমিল	২৮	9,940	অস্তাহ পত্তি দিলে তুলাই কয়ত (খলুপাঁ পত্তা জাউণ্)	০-মাবিদা	220	
অবস্থিত শক্তি অসার নিয়নে যনুমন্তবাধীরা বি নিরাপন হয়েছে?	১৬-নব্দে	8¢	906	অস্তাৰ শক্তি নিৰেন (খলপুৰ্ণ পৰা কৰেবলৈ পৰ কুৰ্মনী কৰলে)	৫-মারদা ৫-মারিদা	224	494
আকস্মিকভাবে শান্তি আসবে (কাফিরের ওপর):	২৯-আনবাৰ্ড	60	140	অস্ত্রাহ পরি নিজে মা রাস্প স, আচার মারে বারা অবস্থার	P-SENDIN		679
আবাশ থেকে বনী ইসরাইলের উপর শান্তি অবতীর্থ	२-रावृरदा	63	209			00	600
অব্দেশ থেকে শাস্তি অবটার্য (পৃত সম্পানারের পালামরের বার্মে)	২৯-আনকাবৃত	-08	P-77P	আল্লাহ পান্তি দিবেন না কেন হবন ভারা বিবন্ধ রেবেছে,	৮-আনকাৰ	88	600
বাবাণ থেকে শান্তি গ্ৰেবণ (কৰ্মী ইসৱাঈল জুনুম কৰাৰ)	৭-আগ্রহ	368	629	অপ্তাহ পারি নিবেন (মুনফিক ও মুপরিকদের)	৩৩-আহ্যাব	90	b8c
আবিরতে বিরাট শান্তি কাফিরদের জন্য	৩-আলে ইমরান	296	000	অপ্তাহ ও রাসুল স. এর অবাধ্য জনপদের শান্তি)	৬৫-ডালাক	ь	909
আবিয়াতে মহাশান্তি তাদের জন্য যাবা আন্তাহর	৫-মরিদা	90	¢1/8	অপ্তাহ পান্তি দিবেন থাকে ইন্স্য	৫-মারিলা	29.	6,000
অবিরতে মহাশান্তি তানের জন্য বানেরকে	৫-যরিশ	83	29:2	অল্লাহ শান্তি নিবেন থকে ইছেঃ	৫-মায়িনা	80	640
অবিধাতে মধ্যপত্তি (মদজিদ ধাংকের চেটাকারীন)	२-संबंध	228	630	অপ্তাহ শারি লো ব কেন্, তানো কথার জন্য (ফুরফিবর বাস)	৫৮-মুম্বানাশ্য	b	320
অপিয়াতের শক্তি কঠিনতম ও চিনস্থায়ী	२०-群-町	253	185	অপ্তাহ শান্তি দেন (থাকে ইমহ)	৪৮-ফাড্হ	78	251
স্বাধিরতের শান্তি কটোর (অভিযানের লন্য)	30-8FF	08	995	অপ্রাহ বলি শার্রি দেন মনুস্থাক তবে তার বের অস্ত্রাহনই বন্দা	৫-মারিনা	229-	Q'he
আধিয়াতের শক্তিকে তর যে করে, তরে জন। নিদর্শন	১১-ছদ	200	972	আল্লাহর ইজাধীন (আল্লাহ বাকে ইচ্ছা শান্তি নিবেন)	২-বাকুরো	2018	0.08
অপিয়াভের শক্তি সম্পর্কে জাগিমরা যদি জানত:	a≽-गुशाव	25	190	অন্তাহর পক্ষ থেকে শান্তি (চোর ও দাবী মেরের হাত কাটা)	ए-मात्रिना	40	@bro
আধিবাতে অধিধানীলের শক্তি বিশুল করা বলে	33-84 33-84	30	969	অশারে (পরিত আধারে কর্তুল চ'আইং, মানীরনবাদীর জন্য)	77-Sec	b-8	696
আখোরের শক্তি কঠিনতর	০০-ব্যানার ১৯-ব্যা	00	396	আপদা (পারির আপধা করছেন নহ,সম্প্রদায়ের জন্য)	৭-জা'রাফ	65	627
অধিয়তে শক্তিতে থাকবে বারা ঈমান আনে না	08-2FR	7	3487	অসা (শক্তি অসার পর জনশংসর আর্তন্যস)	৭-আ'রাফ	¢	430
অভিয়তে শাস্ত্রতে বাবেলে বারা স্থান বাতে বা অভিয়তের শাস্ত্র হবে অনিকতা লক্ষ্ণালয়ক (আন জতির জন্য)	৪১-মুসসিদাত	20	544	অন (পরি বাং উপ্র অসকে মাইরানসীর বা রাস্ট্রে পরতে)	77- <u>4</u> ±	bo bo	618
আন্তনের শক্তি (আপ্রাহ সম্পর্কে বিভর্করারীর জন্ম)	55-55#E	30	100	আনা (পান্ধি আনার পর্বে প্রতিপাদকের নিকট আত্রসমর্পণ)	৩৯-যুম্বর	28	998 984
আন্তনের শাস্ত (আল্লাহ দশ্দকে বিভক্তারার জন্য) আন্তনের শাস্তি আশাদন করতে বলা হবে (পাপায়রীকে)	२२-शक्त ७२-ग्राह्मग			আনা (শান্তি আনার পূথে প্রাণ্ডপাগরের নেকত স্বান্থস্থলার) আনা (শান্তি এসেহে রতে, জনপদ স্বাপ্তসর জন্য…)			
आवर्ष्य नाव जा राजा कारण बना देख (जानास्त्राहर)	०५-जब्स	20	100	কানা (নাজ লগেনে মাতে, জনপুর জাইসার <b>জ</b> ন?)	৭-জা'রাফ	8	656

AN GREEN	নৱা নং ও নাম	22.0	and to	THE RESIDENT	স্থান্ত বাস	-	787
	न्द्रा मर व नाक	100	200				
শান্তি (পূৰ্ব পূৱা গেকে)	-			কটিন শান্তিভে নিক্ষিত্র হবে (আল্লাহর সাথে ইলাহ বানালে)	१०-वृष्टि १०-मृ'दिन		
মাস (নুহ সম্প্রদারের কাছ শারি অসার পূর্বে অহনা সভর্ত করা)	93-75	2	8166	কটিন পরিতে প্রবেশ করানো হবে ফিরজাইন বংশকে			694
ম্বাসা (অনিবার্য শান্তি স্বাসংগ পূত সম্প্রদারের নিকট)	22-ईल	95	692	বটিন (অল্লাহর শাস্তি অভি কটিন, বিবামত প্রসঙ্গ)	২২-ছন্দ	3	926
মাধানন (পাপামবীরে আবদের শান্তি বাগানন করতে করা হবে)	৩২-সাক্দা	50	2-07	কটিন পান্তি (অল্লাহ সম্পর্কে বিভর্ককারীনের জন্য)	৪২-শ্রা	39	524
আখাদন (শান্তি আখাদন করতে কলা হবে কুফরির করেশে)	৮-জানকাল	-05	906	কটিনতম শান্তি (আধিবানের শান্তি কটিনতম ও চিবস্থারী)	২০-ড়া-হা	254	185
থাখানন (শান্তি আখানন করাবেন আল্লাহ জালিমকে)	২৫-কুরকান	7.7	99/0	ৰউ ও শক্তিতে কেলেহে শরতান আইউবকে	০৮-সোমাদ	82	5-99
আশ্বাদন (পূত সম্প্রদায়কে দান্তি আশ্বাদন করার নির্দেশ)	৫৪-কমোর	98	20%	অনুষ্ঠ নিৰ্বাট (পান্ধি আসংগও পূৰ্ববৰ্তীয় কাকুৰি-নিৰ্বাট কৰেনি)	৬-জান্'জাম	80	299
আসাদন (গৃত সম্প্রদারতে শান্তি আসাদনের নির্দেশ)	৫৪-বামার	09	906	অভিযানের কৃতবর্মের হন্দকণ (বছুগাদারক শান্তি)	৬৪-অগারুন	6	2000
আৰান্য (পত্নি আৰান্য করকে, নির্দেশ থেকে বিয়েত জিলকে)	18 PKF-80	25	b82	অভিযুদ্ধের কূপনভার জন্য লাঞ্দ্রনায়ক শক্তি প্রস্তুত	8-मिश	109	260
অস্থানন (ব্যক্তির প্রস্কৃতিত অন্যনের শক্তি আসানন করেব)	44-5700	44	980	অফিরদেরতে অঙ্গে শাস্তি দেয়া হবে (বিচারের দিন)	৫১-বারিয়াত	30	340
আখানন (সাহাত্ৰায়ে কফিবনের শান্তি আখানন)	৩৫-ফারির	93	583	অক্টিব্রেরতে শাস্ত্র নিতেন অস্ত্রাহ বলি পূথক হত (মন্ত্রা নিবার)	৪৮-ফাত্হ	4.2	25
অসমন (কাম্বর বিয়াহতে কুম্বরি শরি অসলন করে)	৬-আনু আম	do	(2) br	কাজিবদেয়কে শাস্তি দান করতে পারেন আল্লাহ	৩-জালে ইমরন	254	683
আশানন (কুমরী করার কারণে শক্তি আশানন)	৪৬-আন্বাক	-08	222	ব্যক্তিরনেরতে পান্তি নিলেন আল্লাহ (ক্নাইনের যুক্তে)	৯-ভাওবা	46	684
আস্থানন (কুড়বীর কারণে শান্তি আস্থানন করাবেন আস্থার)	৩-জালে ইমরান	306	28b	ব্যক্তিয়ালয়কে পান্ধি বিবেদ আল্লাহ	৯-ভাওবা	28	683
অস্থান (কুমেন অগ্নীমরে শক্তি অস্থান বরেনি কম্পির)	८५-(असम	7	1466	ব্যক্তিয়ানর জনো শাস্থানানায়ক শাস্ত্রি নির্বাহিত	২-বাকুারা	30	670
অকান (মঠার দারি অকান করনে অস্তাহ কবিবলেতে)	৪১-যুগুলিপাত	20	pao	অভিযানৰ জন্য কঠিন শাবি বাহাছে	৩৫-ফাভির	9	p-84
इक्रियर्ट रहणानवर शक्ति क्षाटन गरी (वार्येट्व जेंद्र)	১২-ইউসুফ	30	690	ব্যক্তিবাদের জন্য (কঠিন শক্তির দূর্ভোগ)	১৪-ইবরাহীম	3	650
ইউন্সের সম্প্রদায়ের শাস্তি প্রদাসক শাক্ত (আন্তরে জাস)	১০-ইউনুস	267	940	কাকিত্রে শান্তি বৃদ্ধি (আল্লাহর পথ থেকে বিরত রাখার)	১৬-নার্গ	bb	930
ইজ্বাদীন (মানুষকে শাস্তি লোগ ও নরা করা অস্তাহর ইজ্বাদীন)	২৯-আনবার্ড	33	723	কভিয়ানা শালি, ক্ষাকাশ লোৱা প্য (নবীকে নিবাধনী কলাচ)	22-2006	88	953
देखात्वन (रानुबद्ध नाल त्या त्या च नवा च्या प्याप्ता राज्यान) देखी च नजावज्ञाद्व गाँड विद्यम ताल वाश्रादः गति वार्ताः	৫-মারিলা	35	6340	व्यक्तिका नहि एक्टन वच कहा दल कैरानाग्रहागर गर	৩১-পুৰুমান	28	6-93
	8-RN	389	636	ক্ষতিবলোকে পারি আখানন করানো হবে, বিচারের দিন	e>-पविचार	28	950
ন্ধমানদার ও কৃতভাতে শান্তি দিরে আল্লাহ কি নববেন?				ক্রিকেন্দ্রত পরি নির্মেক্তিক মানুহ	৩৫-ফারিব	1 22	b/81
উত্তর পানি মাধার মেলে শান্তি লেরা হবে গাপীকে	৪৪-সুখন	85	308	কভিয়নের কভকর্মের কারণে স্থায়ী শান্তি চোণ	৩২-সাজ্পা	38	370
উপপ্রসেপ শর্রির (অস্ত্রাহর পথকে উপহান করেল পান্তু-কার্যক শর্রি)	৩১-পুৰমান	0	৮২৭	ক্ষেত্ৰকের কৃত্তব্যর করে। ক্ষা নাম তেন	ত-আলে ইমরান -	20	28
উপহাসের পরির (আরান্তের উপহাসের বিবর-প্রশোধারণ করার করে)	৪৫-ধাছিয়া	30	30¢	काविकास्था करिन नावि निरम पाद्वार (कुठकार्य बना)	৪১-ফুস্সিপাত	29	brat
উপর্যান পরি (অবাধ্যক উপর্যান বিজ্ঞানে এবং করে কর।	৪৫-লাইয়া	>	300		83-नदा	34	730
উপস্থিত (শান্তিতে উপস্থিত করা হবে কাফিরদেরকে)	do-₹¥	36	1-50	কালিবলের জন্য রয়েছে কঠিন শান্তি	8-विश्व 8-विश्व	567	230
উপস্থিত (শান্তিতে উপস্থিত করা হবে অনেবকে যাবা)	৫৪-পথা	Qp.	₽88	কাহিবদের ধন্য লক্ষ্ণদারক শান্ধি প্রয়ত	8-941	305	830
কঠোৰ (জাপ্তাহ শান্তিদানে কঠোর)	२-शर्रश	259	455	কাহিবদের অন্য পাঞ্চনগায়ক পাছি			
ষঠোর (আল্লাহ শান্তিনানে কঠোর)	69-3348	8	>00	কাহিবদের কল্য মহাপান্তি (হনর ও কানে মেহর প্রশঙ্গ)	২-বাকুারা	9	20
কটোৰ (জন্তাহ শন্ধিদানে কটোর)	৫৯-ব্যপর	3	>00	কাভিয়াসর জন্য যত্রবানাহক শক্তি প্রস্তুত রাখ্য আছে	৩৩-আহ্বাব	ъ	30
কঠোৰ (প্ৰতিপালক শান্তিদানে কঠোৰ)	১৩-রা'দ	6	69.7	কফিব্ৰদের ধন্য যন্ত্রণানায়ক শক্তি প্রস্তুত	8-(9:36	262	63.
কঠোর (পারিসানে কঠোর, আল্লাই)	२-शक्तर	577	650	ব্যক্তিরচের জন্য যন্ত্রশানায়ক শক্তির ব্যবস্থা	২-বাকারা	208	62:
কঠোর শান্তি দিবেন আল্লাহ (মিখ্যারটনাকারীলেরকে)	১০-ইউনুস	90	665	ব্যক্তির ও মুনাফিবদেবকে শান্তি দান করবেন আল্লাহ	১-জাঙৰা	9.8	681
কঠেন শক্তি (অপপ্ৰবিদের অনুবাসের কান্তান লাকুনা ও অঠান শক্তি)	৬-আন্'আম	258	pop	কিরামতের নিদের শাস্তির তর করেন নবী (অবাধান্যপ্রসঙ্গ)	১০-ইউনুস	242	921
ৰঠো। পার্রি (অপ্তাহ বাচনা কঠার পরি নিজে আলো উপালে কণা)	৭-জ'লফ	368	697	কুকবিৰ পান্ধি আখানন	৬-জান্'জাম	00	691
কঠোর শান্তি দাকা আল্লাহ	২-বাকুরো	350	679.	কৃষ্ণীৰ কলে অধনেৰ শাচি	२-शङ्गता	259	
কঠোর শান্তিয়াতা আপ্লাহ	৩-জালে ইমরা-	37	600	কুক্তীর কারণে বস্তবাদারক শান্তি	55-0346	56	100
কঠোর (আল্লাহ শান্তিদানে কঠোর)	৫-মরিদা	13	elvo	ভূকবীর জন্মে অল্পাহ বিশ্ববলিনকারীকে কঠার শান্তি সিংক	১০-ইউনুস	90	99
কঠিন শান্তি সম্পর্কে সভক করার জন্য কুরজেন নাবিল	79~-stás	2	958	কুকরির (স্বয়ন্তর পর কুকরির জন্য অল্লাহর রেমধ্য মহাপার্ক্ত)	১৬-নাহ্শ	306	
হঠিন শান্তির পূর্বে রাসূল স, একছন সতর্কবারী	98-NEG	86	784	কুফরীর শান্তি (যুটত পানীর ও যন্ত্রপানরক শান্তি)	১০-ছম্পুস	8	621
কঠিন শান্তি বৰেছে অধিবাতে	৫৭-হাদীদ	50	200	ক্তর (কমার বিনিময়ে শান্তি ক্রব করেছে ভারাই বারা)	২-বাসুবর	246	
কঠিন পান্তি হুনহুনকে দুলাইমান আ, কৰ্মক দেৱাৰ হুমকি	২৭-মামল	57	607	খেলর মন্ত্র থকা অবস্থার শান্তি আসা থেকে নিরাপদ মনে করা	৭-আ'রাফ	199.	64
ক্ররিম শাল্পি (বিচার দিনকে ভূলে গেলে)	৩৮-সেরাস	20	209	চুবির শাস্তি	৫-মারোণা	400	Øm
বঞ্জি পারি প্রেটা বাধ্য কর হলে কবিবাসনাত (জীবনেশ্যাসালে পর)	৩১-পুরুহান	28	৮২৯	গ্রপুত (পর্যন্তির গ্রপুত মাধ্যসেন অক্সাহ বিশ্ব'আইন, অদা ও অনুল)	১৯-ফাজ্ব	>0	200
বঠিন শাব্রি (মন্দ কান্ধের বড়বছ করলে)	৩৫-ফাভিৰ	30	789	ছালামত্র দিনের শাস্তি আইকাবাদীকে পাকত্বাও করেছিল	÷9-9,छोडा	29.9	93
কটিন পান্ধি থেকে চুল বা, ও মুমিলনেরকে আল্লাহ উদ্ধার করেন	33- <b>ए</b> न	Qb	942	ছাত্রদ সম্প্রদায়কে শাস্তি পাকদ্বাও কবল (ছিব্লী হতার কারণে)	২১-ড'আরা	759.	939
বর্তন পরি দিলে অল্লাহ অধিয়ানেকে পুলির ও অধিবাতে	৩-জালে ইমরা		483	তেট শতি (নাহন্রচেন বর শতিব পূর্বে পুলিয়ার ছেট শতি দেয়)	৩২-নাৰ্দা	43	300
ৰঠিন পদ্ধি প্ৰস্তুত বেখেছেন আপ্ৰাই ছনক্ষিকদেৰ জন্য	৫৮-মুখানলা	34	260	ছলপদকে বটোর শান্তি নিকেন কথবা ধাংস করবেন অস্তাহ	১৭-ইস্ল	62	933
ब्रह्मात्र (कालार माखिमारम करोगर)	8-971	1/8	269	আদিমদের অর্ধনের প্রতিফলস্বরূপ স্থায়ী শাস্তি দেয়া হবে	১০-ইউনুস	65	96
क्ट्राट (जाहार नावनाज जडार)	৮-জনজন	30	600	স্বাসিমনের জন্য বস্তুবানাকক পান্তি হয়েছে	১৪-ইবরাহীম	42	88
क्ट्रेश (साम्राद नावनारन क्ट्रांस)	৮-জনখন	34	508	জালিয়দের ঋন্য (ঘরণানক্তক দিলের শান্তি)	80-पृथ्यक	62	80
कटाल (जाहार नाक्रमान कटाल) कटाल (जाहार नाक्रमान कटाल)	৪০-মুখিন	-00	y9y	বালিকার কণ্য শত্তি আছে (বিদ্ধা অধিকাশ অধিম বানে না)	65-64	89	30
कट्ठात (आहार माख मारू कट्ठात) कट्ठात (आहार माखिमारू कट्ठात)	৫-মারিদা	38	695	বাধিমদের জন্য অস্ত্রাহ যন্ত্রণানারক শান্তি প্রস্তুত বেখেছেন	৭৬-দাহর	93	33
	(१-माइना (११-श्रीमान	30°	200	श्रामिक्यास्य मान्नि श्रामका कर्ता शर न (क्रिक्रोबर्ट)	১৬-নার্গ	66	93
কঠিন শান্তি (অপ্তাহ ও বাসূল স. এর জবাধানার জন্য)	১৪-ইব্যাহীন	39	1558	জালিখনে পাতি এভাবেই নিয়ে থাকে	३२-इंग्रेगुए	36	69
বঠিন শার্ত্ত (উত্তক পেছেমেরীর সামলে আছে বঠিন শার্ত্ত, জাহতানে)				ৰাজনানের শাস্ত এভাবেই দেৱে খাকে ৰাজান্তম (অপত্রাধীরা ৰাজ্যনানের শাস্ত্রিতে ভিবস্থানী হবে)	80-3684 80-3684	98	90
ক্ষ্টিন দান্তি (উপায়ল বুলে যাওয়ার ক্ষ্টিন দান্তি)	৭-আরিক	360	95%				

विद्याद्य	न्दां नर च नाम	THE	曹	त्रेषः दिस्ह/दश्य		400	
मासि (मूर्व मृक्षेर त्यदक)	1			পূর্ববর্তীদেরতে দেয়া শাস্তি কেমন হয়েছিল	৩৪-সাবা	80	b80
কার্যন্নামের শক্তি (মুমিনদের নির্যাতনকারীদের জন্য)	৮৫-বুরুজ	20	2024	পৃথিতিটেই শাব্রি নিচনে অক্সাং কবিবানতে বলি নির্বাসন	৫৯-হাপর		320
ম্বালিমনেরকে শরি প্রান করে (রাকুল ল, কে মিগরেকনী করার)	79-stás	770	939	পৃষ্ঠ প্রদর্শন (বৃদ্ধে পৃষ্ঠ প্রদর্শনভারীকে যন্ত্রপাদারক শান্তি)	81-19751	36	274
ন্ধালিমদেরকে শান্তি আহাদন করতে বলবেন আল্লাহ	08-NN	82	V88	পোয়ানোর শান্তি (মুমিনদেরকে নির্যাচনকারীদের জন্য)	৮৫-বৃদ্ধক	30	202
অদিমকে শান্তি দিবেন (জুলকারনাইন)	79-3129	23	902	প্রথম (পরি প্রথম করে পুরিবৈতে একবর কেরর জকলয়)	৩৯-যুখার	27	590
জাপিমকে শাস্তি দিবেদ প্রতিপালক	79-4164	24	902	রাজক (গান্তি রাজক করবে শরীককারীরা)	২৮-বাসাস	28	734
মুসুমের শক্তির ক্ষন্য মুক্তিপন নিতে হেনে জলিম (বিশ্রামতে)	৩৯-মুমরে	89	v9e	প্রভাক্ত গোরি প্রভাক্ষ করার পর সমান উপকারে আসেনি)	৪০-মুখিন	70	ppo
মুপুমের শান্তি (মানুবের উপর মুপুম করার জন্য শান্তি)	৪২-শুরা	80	1/38	প্রভাক (শান্তি প্রভাক করার পর ইমানের যোগণা)	৪০-মুখিন	lv8	bec
মূলর আচনের শারির নিকে শারমানের আহবান (মুশরিক প্রসাদ)	०)-मुख्यान	57	PSV	প্রকাশ (পরি প্রথম করে কল কল অনুরাগ গোপন করতে)	৩৪-সাবা	00	781
অভাততি শক্তি পেতে চাওয়া (অপরাধীনের)	२७-७'जारा	208	930	গ্রেক (শরকারের কর, কুল্র অন্তরের শরি প্রেক্ত রখা হরছে)	৬৭-মূল্ক	e	898
তান্তবাদ্ধি করতে কল (কাফিডা শাস্ত্রি কাল্যতাদ্ধি করতে বচন)	২৯-জাসবাপুত		190	রজ্বলিক আধনের শক্তি আখাদন করবে ইকুনীয়া	৩-জালে ইমরাণ		201
অভারতি (শাস্তি অভারতি করতে বলে কবিনরা, রাসুগরে)	২৯-জানবাবৃত্ত	20	940	প্রস্কৃতিত আছদের শাস্ত্রি আসদন করতে করা হার অধিয়ানাতে	৮-জানকাপ	80	60
অহামার্ড (আহাহর শবি অহামার্ডি পেতে চার অধিবরা)	৫৭-সাক্ষাত		940	র্ত্তিশালকের শাস্তি এমনই হয় (বাগানভয়ালাদের মত)	৬৮-কুলাম	00	39
উবু আছনের শক্তি থেকে রক্ষা করনের অক্সার (মুক্তারীনর)	৪৪-দুখন	210 26	308	ব্যতিশালক শাস্তি লিকেন মানুক্ত (ইংছা করলে)	১৭-ইসরা	08	931
বিশ্ব অন্তর্গের শার্রি থেকে বু মিন্যানকে রামর জন্ম প্রার্থনা,	৪০-মুখন	9	308 3137	প্রতিশালকে শান্তি থেকে কেট নিরাপন নর	१०-मा अधिक	9h	931
ভূরাখিত (কাফিররা রাস্পতে শান্তি ভূরাখিত করতে বলে)				প্রতিশাশকো শান্তি কটোর (অক্তানের জন্য)	১৪-ইবরাহীম	40	
পুরাম্বর (পান্ত ভরম্বির করনে অস্তাহ পাকরার)	55-20mg	81	962	প্রতিশাংকর শরিকে ভা করে, বাসেকে ইপাই মনে করা হর করে	১৭-ইসরা		634
	79-5050.	64	459			29	471
দুরার (কঠিন শান্তির পুরার বুলে নিলেন আল্লাহ)	२७-मूमिन्न	99	990	প্রতিশাসকের শান্তি সম্পর্কে তীত-সন্তন্ত যাবা	৭০-মা'আরিক	29	92.
দুইবার শক্তি নিবেন জাল্লাহ মুনাফিকনেরকে	৯-জাওবা	707	950	প্রতিশাব্যকর শান্তি ভর করার হত	১৭-ইস্রা	64	42)
পুনিরার শীবনে শান্তি রবেছে (কাফিবনের জন্য)	১৩-রান	c8	695	প্রতিপালকের পরিব ফুবেরর স্পর্ণ করে (আনিমনের পুরর্বন প্রসঙ্গ)	২১-আধিয়া	89	92
বুচাহ শরি (অপ্তাহর স্ফাবিদুর সোরের বুচাহ শরিতে প্রবেশ)	92-RF	39	924	প্রভিয়েথকারী কেউ দেই (প্রভিপাশকের শক্তির)	৫২-ভূর	ъ	953
পূরে রাখা (দীর্ঘায়ু শন্তি থেকে দূরে রাখতে পারবে না)	২-বাকুরো	36	622	প্রতিশ্রুত শান্তি জববা কিয়ামত দেববে যথন পরস্কটায়	১৯-মারইরাম	92	900
দূর (শক্তি দূর করার জন্য কিয়ামতে কাফিবদের প্রার্থনা)	৪৪-পুরান	34	205	প্রতিশাপকের শান্তি অবশাই সংঘটিত হবে	৫২-তুর	٩	25
দূর (শপ্তি দূর করা হলে পূর্ববস্থার ফিরে ঘাবে কাছিবরা)	৪৪-সুবাদ	36	304	প্রতিশাসকো প্রান্থ নির্বাচিত হয়ে আছে, হুল আ, লগতেন তথ্য প্রতিতে	१-जा'वाम	95	622
দূর (সমান আনার ইউনুদের সম্প্রদারের বুনিরার শান্তি নূর)	১০-ইউনূস	90.	990	গ্ৰন্থত (অনুনামের কর অপ্রাহ বর্মীন শক্তি গ্রন্থক ব্যেকানে)	৬৫-ডাগাক	30	360
দেখা (শান্তি না দেখা পর্যন্ত ঈমান আনবে না কিরআউন)	১০-ইউনুস	bb	665	গ্রপ্ন (শান্তি সম্পর্কে প্রপ্রকারীর প্রপ্র,, কাকিবানের শান্তি)	৭০-মা'অরিজ	3	ab:
দেশ (শারি দেশম পর বুপরিকর জনতে পারবে কে পথটো)	২৫-ফুরকান	84	950	প্ৰৱন্ত (স্থালিমদের জন্য শান্তি প্ৰস্তুত (বংশছেন অস্ত্ৰাহ)	২৫-ফুরকান	09	950
দেখা (শক্তি দেখার পর জালিমরা ফিরে যাওরার পথ পুঁজরে)	৪২-পুরা	88	1964	ব্রটায়ের ঘটরে থাকরে শরি (মুস্কবিকলের মাকে নির্মিত প্রামীরের)	৫৭-হাদীদ	20	289
দেখা (শান্তি দেখে স্বালিমরা অনুমাণ গোপন করবে)	১০-ইউনুস	28	636	কিবানে হবে না শান্তি যেদিন কাফিয়নের কাছে আগবে	১১-ছুদ	ъ	999
দেব (শাস্তি না দেব পর্যন্ত ঈমান আনবে না, নিদর্শন আনকেও)	১০-ইউনুস	24	960	বিশ্ব'ন্দ্র উন সম্প্রবারের শারি দূর হংগার পর <i>প্রতিপ্রতি তম</i>	8 <i>७-यूश्क्र</i> क	20	233
সেখা (শান্তি দেখতে পাৰে যখন জালিমনা)	২-বকুরো	366	452	কির'আ উনগোরীকে শক্তি দারা পাকড়াও	৪৩-বৃৎক্ষ	87	1-22
লেখ (পঞ্জি লেখতে পেয়ে অনুসূত্রর অনুসরণকারীলের থেকে)	২-বাকুরো	366	672.	কিরঅউনের শান্তি, জাদুকরদেরকে (ইমানের কারণে)	৭-জা'রাফ	146	620
দ্রুত (প্রতিপালক শান্ধিদানে দ্রুত)	৬-আৰ্'আন	366	634	বিশ্বস্থানৈর শক্তির করৈরম সম্পর্কে জানুকরর জনতে পরবেং	২০-ফ্ল-জ	67	980
দ্রুত (প্রতিপালক শান্তিদানে দ্রুত, বদী ইনরাইল প্রদর)	৭-আ'ব্যক	303	633/	বিৰক্ষাটনকে ইহতাৰ-পরবাদের শক্তিতে পাকড়াও	৭৯-নাথি'জাত	20	300
থিওণ করা হবে শান্তি (আবিয়াতে অবিশ্বাদীদের)	22-정무	50	997	पुण्या (प्रीम्पण्यास्य पश्चित पुण्याः प्राप्ते कर् व्यक्तिपास पूर्वतः)	২১-আধিয়া	86	200
বিবার (অনুসকলে পরি বিবার বুলির করা অনুসরিসের প্রার্থন)	৩৮-সেরাদ	63	500	ক্যাপাদ সৃষ্টির করেলে কাফিরদের পান্তি বৃদ্ধি	১৬-নাহ্দ	44	930
বিহুণ শক্তি হবে কিয়ামতে, তালের খাল্ল	২৫-কুরকান	65	969	বড় শারি (ব্যবহ্রানের বড় শারির পূর্বে দুনিয়ার স্কৌ শারি দেয়)	৩২-সাজ্পা	43	503
হিছণ শক্তি দাবি (নেডাদের জনা, অনুসারী আটার কর্তক)	००-व्यवस्य	69/	60%	বহু শার্র দিকে অক্সং বাবে, যে কুমনী করে ও সুধ থিছিছে লয়	৮৮-গাশিরাহ	48	205
বিশুন শক্তি (নদীর প্রীরা অল্লীলভার পিত হলে বিশুন শক্তি)	००-जाइसर	90	301	কৰি ইসমেখনে উপন বিভাগনৈ বালেন পঞ্জি (পুত্ৰ কৰাই)	২-বাকারা	83	dot
বিশ্বণ শক্তি প্রার্থনা করবে পরবর্তীরা পূর্ববর্তীদের জন্য	৭-সা'রফ	Obr	636	भी देखनिया गाँउ न विक विवायकेला श्री के क्या प्रकान	২০-জ-ছ	89	980
ধানে (রাসুল প্রয়োগে পূর্বে কমিবনের শক্তি করে ধানে করা হল)	30-38-8	308	983	বছা নিনের শান্তি আবা(কুফরীকারীদের নাগেহ প্রবস)	२२-शंक	66	960
নিবর করা হর না (অপরাধী সম্প্রদার হতে আল্লাহর শক্তি)	৬-অন অম	389	627	বুদী (পান্তব বুদী সত্ত হয়েছে বৃহ উপর ভাবে কমার (বুট চুন্ই)	৩৯-বুমার	29	744
নিদর্শন অবমাননার কারণে শান্তি (স্তানুদ জাতিকে)	22- <u>\$</u> dd		647	বার করাজীয়নাপ্রয়োর পর কর্মিয়ানা পরি (হোল কয় ধরা মুর্ব)	৩১-লুকমান	48	bak
দিয়ে আৰু (শাব্রি দিয়ে আনবেন অস্তাহ, ইন্স্ কংলে, নৃহ আ প্রসং)	22- <u>8</u> 4		666	ক্ষণী (কাকিয়নের প্রতি শান্তির ক্ষণী সত্য হয়েছে)	৩৯-যুমার	47	244
নিকট শাস্তি (আবিবাতে অবিশাসীদের জন্য নিকট শাস্তি)	২৭-নমল		boo	বায়াবাড়ির পাত্তি (পৃথিবীতে অন্যক্ষভাবে বাড়াবাড়ির জন্য)	৪২-পুরা	84	b38
নিক্ট শক্তি (জারাত খেলে হব ফিরানোর প্রতিফলখন্তণ)	৬-জন জন		925	ব্যক্তিয়ারীর শাস্তি একশ (ব্যাহাত	48-मृब	4	998
নিকট পারি চাপিয়ে দিত জিলমাউন (মুসার সম্প্রানায়কে)	38-देखारीय		000	विस्त्रायस्य गावि	०-मारकमा	90	278
নিষ্ণাই শক্তি চাপিরে নিত (বনী ইসরাইলকে ভিরম্ভার্টন বংশ)	9-5000		692	বিশক্তি (নিনিট সময় পরি শরি বিশক্তি করুপ ক্রমিন ব্যস্ত্র্	३३-इन	p.	999
নিকৃষ্ট শাস্তি হোৱার নিকে ঠেকাকে জালিমরা কিয়ামতের দিন	०३-पुश्रव		390	বিভাগবাদির অনুহত্ত সংগঠন বিভাগবাদির প্রাক্তির অবস্থান পরিব	22-54	b	900
নির্ব শরিদানকর লোকতার শরিতা (একলা ইক্লির প্রতি)	१-व्ह-द्राप राज्याच्या		959	বৃদ্ধি (আল্লাহর পথ থেকে বিরত স্থাপত অভিবের শক্তি বৃদ্ধি)	১৬-মার্ল	hrhr	
নিবট্ট শান্তি প্রদান (ফিরজার্টন সম্প্রদায়কে)	৪০-মুখিন		944				930
নিকৃষ্ট শান্তি, বনী ইসরাইলের উপর (ফিরজার্টন বংশের)	২-বাকুরো			বৃদ্ধি করবেন অপ্রাহ সীমালকানজারীদের	৭৮-নাবা	ಅಂ	700;
गणुक गांक, यंग वंशवास्त्रमध्य वन्त्र ((क्वावाक्य रहागड) भरीक (ममुख्य निर्वाजनक कुनकित व्यक्तावा गांकि वहत)			600	ব্যক্তিয়বের শাস্তি দাসীর ক্ষেত্রে স্বাধীন নারীর অর্থক	৪-শিপা	56	240
পরকো (মানুকো দক্তেলকে মুনাকক অক্সাকা পারে তারে) পাকরেও (বাফিয়াসারে শাস্ত্রি রার পাকরেও কয়লেন অন্তাহ)	২৯-আনকাব্ত		P36	ব্যক্তিয়ন্তের শক্তি প্রত্যাক করবে একনণ মুখিন	५८-मृत	3	998
	২০-মুমিদূৰ		990	ভর (অমাধ্য বিষয়ে নবী তরাবহ নিনের শান্তির ভর করেন)	১০-ইউনুস	26	500
পাৰুৱাও (ফির'আ উনগোর্নীকে শক্তি দারা পাকড়াও)	৪০-মুখকফ		199	তা (শাস্ত্রির তা ২০া বার, আনে কর নির্দেশ, দৃত সম্ভার)	१५-पविद्यात	09	253
পর পাজা (পারি থেকে পার পাজা, কারলে কিবাব-প্রদাস)	৩-আলে ইমরান		899			_	
পাপাচারের কারণে শাক্তি স্পর্শ করবে	৬-আন্'অম		900	তর (মূর্ব ফিরানো লোকদের জন্য মহাদিনের শক্তির ভর)	22-दू <del>न</del>	٠	996
পাকরণ (পারি ধরা পাকরণ করেন সম্ভাহ নিকান কলিবলে)	२०-द्रमिन्न	68	990	তর (নৃহ আ. সম্প্রনারের যন্ত্রথানারক দিনের শান্তির তর)	<u> </u>	46	666

Ban Sugar	विवड/धराम	स्वा गर च नाय	-	981	नेष (देवर/श्रमक	नुवा गर छ माम		न्धा
শান্তি (পূৰ্ব পূঞ্চা থেকে)				-	যন্ত্রণাধারক শান্তি নিবেন আল্লাহ (যুদ্ধে পৃষ্ঠ প্রদর্শনকারীকে)	8५-माठ्र	39	275
	শেষা (আন সম্প্রদারের উপর)	<b>২</b> %-৯,ঞারা	705	920	যন্ত্ৰণালয়ক শান্তি - 'ধোৱাছনু আকাশ মানুবকে আবৃত করা'	৪৪-দুখান	22	205
	নে ব্যকুর ন (প্রতিশালকে অন্যা করসে)	৬-জাগ'জাম	75	969	যন্ত্রবাদারক শান্তি না দেখা পর্যন্ত ফিরজেউন ঈমান জানবে না	১০-ইউনুস	w	664
	ভিকে পাঞ্চলত করবে (জ্ঞীকে বন্ধ দিলে)	19-9,8141	325	93/5	ব্যাবাদ্যক শাক্তি দিয়ে আগাং প্রার্থক (কুরামান মার্থানারকারীদের)	৮-আনফাল	65	600
	কোবাসীকে পাকড়াও করেছিল	50-0,खावा	200	252	যাপানারও শাস্তি নৃহ আ সংগ্রেপারের কাছে আসার পূর্বে সতর্ক করা	93-75	2	208
	হ কাঞ্চিরদেরকে পাকড়াও করেন	७५-महिन	26	V8V	বস্ত্রশানায়ক শাস্ত্রি পাকড়াও করবে ছায়ুল জাতিকে	৭-আ'রাড	90	655
	त्र पुत्रविकता भवेतन विश्वापनि ग्राम)	৬-আন্'সাম	785	627	যন্ত্রশানারক পান্তি প্রদানের ক্মকি রাস্পানেরকে (কাফিবদের)	৩৬-ইরাসীন	72	545
			78	P-52	যন্ত্রশানাত্তর শান্তি প্রস্তুত (আধিরাতে অবিশানীদের জন্ত)	১৭-ইসরা	20	950
	বিবহনৰ শক্তি তেগে ৰখা কৰা হবে)	৩১-লুকমান			যন্ত্রণানারক শক্তি প্রস্তুত (মন্দর্যজ্ঞকারী/কাফিরের জন্য)	8-991	24.	669
	করবে যন্ত্রশাদারক শান্তি)	৩৭-সাফ্চাত	40	páp	যন্ত্ৰণানৱক দিনের পার্ত্তিব দুর্ভোগ (জাপিমদের জন্য)	80-पुरस्य	96	hoo
	চ বলা হবে, অর্জনের বারণে)	৭-আগ্রাফ	60	679	যুদ্ধানৱক শান্তি (জানিমদের জন্য)	৪২-শ্বা	43	3/3/0
	হয়েছে যার তালে জন্য মহাশব্দি	৩-আলে ইমরান	204	489	যন্ত্রণাদায়ক নিকৃত্ত পারি তানের জন্য যাবা	৩৪-সাবা	ę.	P82
	হুদ্য যন্ত্ৰণদারক শান্তি প্রস্তুত	৪-নিদা	39.	449			84	b98
	ন্দ করার যন্ত্রশালারক শান্তি	55-20m	56	980	ব্যাপারক শান্তি (অন্যারভাবে বাড়াবাড়ি ও ভূপুনের জনা)	৪২-প্ৰা		
	'মিননেরকে যদি… (ইফকের ঘটনা)	२8-मृत	38	990	যন্ত্ৰপদাৰক শাস্তি আখাত কৰলে কাইবলেয়কে	৯-সাওবা	90	685
মহানিলো শান্তির তর করেন	রসুল স. (মুখ ফিরনে প্রেমবান কর)	३३-इम	0	696	যন্ত্রপানারক শান্তি (আরাভ অম্বীকরেকারীর জন্য)	8१-साहिया	22	906
प्रस्कृतिका महिन का राष्ट्र	স. এর (প্রতিশালককে অমান্য করলে)	৩৯-মুমার	70	695	হরণাধ্যক শরি (অয়ত তনেও অহনের হয়ে অলৈ থকণ)	৪৫-জাছিল	þ	906
प्रक्रिक्ट्रात (व्यक्ति वेश्व प	র্ক্তিয়ের শরিব অশংল হল আ. এর)	৪৬-আর্কার্	52	970	যপ্তশাধারক শান্তি (জারাত থেকে অহছার করে মুখ ফিরালে)	৩১-বুকমান	٩	256
	ান্তি দুনিয়াতেই নেয়া হলে	১৬-পার্প	49	909	दक्षपात्रक गाँउ कामत करा यादा कवित कन्हाय मृत्रुस्वनः	৩-আলে ইমরান		288
	কারণে শরি (মৃদা/ব্যক্ত প্রদাস)	২০-ড়া-হা	81/	180	বস্ত্রশাবাহক শান্তি তালের কল্ড খারা কৃষ্ণরী ক্রন করে	৩-আলে ইমরান	755	660
মিহ্যাচারের কল্যে শাস্তি		২-বাকুরো	30	808	যন্ত্রশানারক শান্তি তালের কল্য বারা রাসুল স. কে কট দেয়	৯-তাওবা	97	686
মিখ্যা বলার শক্তি কেমন		৬৭-মুখক	24	290	যুস্তানত শাস্ত্র আনে জন্য থকা বিদ্রূপ করে মুফিনসেরক	৯-জাওবা	930	<b>685</b>
	শান্তি (নবীকে মিথাবাদী কলার)	२२-वाक	88	962	যন্ত্ৰণাপায়ক শান্তি আদের বান্য, যাবা কিভাব গোপন কৰে	५-सङ्ख	248	679
	দ্বর দাসে (অক্সহ সম্পর্কে সিধা ক্রন্য)	২০-সা-য	65	988	যন্ত্রপানারক পারি (আল্লাহর নিদর্শন/সাক্ষাতে অবিশ্বাসীনের)	২৯-আনকাৰ্ড	20	273
			223	270	যন্ত্ৰণাদায়ক শান্তি (আল্লাহৰ পথ থেকে বিভত বাখায়)	22-07NF	44	960
	ত্তি (হালাল ও হারাম প্রসঙ্গ)	১৬-নাব্দ		225	হয়পাদারক শান্তি (আল্লাহর শান্তি)	১৫-ছিম্মর	60	900
	ग (क विश्वकी क्या <b>नवि</b> )	५७-मार्न	770		যুদ্ধান্তক পত্রি (ইবানহকে লক্ষাদ্ধান মহা করার নাজুগ)	8-निमा	290	293
	ধ্ব দিকে ফিরিয়ে দেয়া ধ্বে	৯-ডাওবা	707	520	যুস্পাদারক শান্তি ও উত্তর পার্নীর (কুফরীর কারণে)	৬-আন'আম	90	905
	द न विश्रमण्ड, यथा कुमति करवार)	৫-মবিদা	86	6,046	যুদ্রশারক শান্তি (কাধির উত্তর্গের জন্য, নৃহ আ, প্রসঙ্গ)	১১-জুন	85	are
	ন সরাদ, সী ও আইরের বিনিমটো)	৭০-মা'আবিজ	22	29.7	যন্ত্ৰকাৰক শক্তি কাভিয়নের জন্য প্ৰস্তুত হাথা আছে	৩৩-ভাহৰাৰ	br	brea
মুনাঞ্চিকদেরকে আল্লাহ	शिक्ष मिर्दम	৩৩-আহ্বাৰ	90	₽80		৬৪-জাগাবুন	-	2000
মুনাধিকদেব এক দলং		2-6164	66	686	বস্ত্রবাধরক গান্তি (কাফিরদের কৃতকর্মের মন্দক্ষণ)		4	-
	-নারীকে শান্তি দিবেন আল্লাহ	৪৮-ফাংহ	9	979	যন্ত্ৰণাধারক শান্তি (কাফিবদের জন্য যন্ত্ৰণাদারক শান্তি)	২-বক্ষর	208	625
	র নিতে নদ আল্লাহ (দুনিয়ার নীবনে)	2-8164	66	084	ব্যাবারক শার্র (কবিবালে কর্ন ব্যাবারক শার্র প্রচাত)	৪-শিশা	2/92	499
মূলভিক/কাবিবদেরকে	শান্তি নিরে আধাত ধনবেন আল্লাহ	৯-ভাওবা	65	984	অনুদানক শাস্ত্র বিরামতে (থাচন জন্য থানা কুমনি করেছে)	৫-মারিশা	৩৬	434
	ন/ভারবা করুল আল্লাহর ইক্ষাবীন	৩৩-আহ্বাৰ	58	2005	বন্ধবাদায়ক পান্ধি (কিফাকের বিনিময় প্রবাদের কন্য)	৩-আলে ইমরাদ		468
মুলাকিকলের শান্তি যন্ত্রণ	ানায়ক (বাববাৰ কৃষ্ণৱীৰ কারণে)	8-मित्रा	200	238	রকা (মুম্রকীচার অক্সাহ আগদের শাস্তি থেকে ককা করবেন)	45-54	23.	3100
	হত হান জন্মাৰ দুনিবাতে	<i>P-৪</i> 164	mè	685	রক্ষা (পু হাওরার শান্তি থেকে অস্ত্রাহ্ অস্ত্রাইনের করা করেছেন)	45-64	59	900
মুখিনলেরকে শাস্তি নিবে	ন আপ্রাহর পথে বের না হলে	১-জাওবা	40	688	ৱহিত (স্ত্ৰীর শান্তি রহিত করা হবে যদি স্ত্ৰী সাক্ষ্য দেব হে)	<b>२8-गृ</b> ष	ъ	998
মূশরিকদেরকে আল্লাহ	ণান্তি দিবেদ	৩৩-আহ্বাব	90	p.80	আনের বেলা ভুমন্ত কবছার শান্তি আসা থেকে নিরাপন মনে করা প্রদাস	৭-আগ্রাফ	28	653
যন্ত্রপাদারক শান্তি (সীম	শুক্তনকারীর অন্য)	২-বাকুরে	300	650	লচ্চান্তনত তারার যাপ্রবাধারক শার্রির (ইবালতকে লক্ষান্তনত তার)	8-मिग	240	6.63
অপানকে শাস্ত্র (রূপান-	हत्वर अन्तर्क विश्वा राज्य क्षमण्)	১৯-নাহণ	229	930	নাঞ্নানারক শান্তি হরে কবিনাসের প্রতিফল (কংকোচের করণে)	৪৬-আহ্বাফ	40	970
মাধ্যমানত পালি (যাবা পা	ভালতে অভিভাবক বালয় অনের জন্য)	১৯-নাহল	60	908	লামুনানায়ক শক্তি বয়েছে মুনাফিকদের জন্য	৫৮-মুন্নাদালা	36	h48
বস্তুগালাক শক্তি ব্যৱহ		৫৯-হাপর	24	326	লাপুনানায়ক শাস্তি হরেছে (কাফিবদের জন্য)	৫৮-মুকাদাগা	Q	322
যুদ্ধপায়ক শান্তি ব্রেচ		৭৩-মুখ্যামিল	20	900	ব্যস্থলাদারক শান্তি (কাফিবলের কল্ড)	8-निमा	305	680
	। কর পর্যন্ত অপরাধীর দীয়ান না জন	২৬-৩'আরা	303	936	শাস্থুন্যানায়ক শাস্তি থেকে উদ্ধার (বনীইসরাদিশকে)	88-मूचम	60	300
	াভাস ও মেঘ (জান জাতির উপর)	৪৬-আহকাফ	28	330	দাস্থনাদায়ক শাস্তি প্রস্তুত (কাফিবলের জন্য)	8-निमा	242	096
	ক্তিনের বারবার কুম্বরীর কারণে)	8-मिमा	>56	238	নাপ্তনানারক শাস্তি কাঞ্চিরদের জন্যে	২-বাকুরো	30	230
				200	নাস্থলার পাস্তি (আপ্লাহ সম্পর্কে অসত্য কথা নলাম)	৬-আন্'আম	310	900
যন্ত্রখানারক শাব্রি রয়ের		१४-यूसामाना ५-सरका	8	680	নামৰ (স্বাহ্যপ্ৰামিদের শান্তি লাখৰ করা হবে না)	৪৩-যুধকৃষ	9.0	hol
যপ্রধানায়ক শান্তির সুস		৯-ডাওবা			লাঘৰ (শান্তি লাঘৰ করার জন্য প্রার্থনা করার অনুরোধ)	৪০-মুমিন	85	703
	বোল, তালের জন্য যারা	৯-ভাওবা	-08	686	লানুনানারক শাস্ত্রি (আল্লাহ্-রাসূপ স. কে বউদারার জন্য)	৩৩-আহ্বাব	23	3163
হপ্রণাদায়ক শান্তি (দীম		৫-মারিনা	58	625	লাঞ্চলাক শাস্ত্ৰ (আন্তাহন কুল দ কৰিবে, দুন্দান)	83-क्रुमिशाङ	36	200
যন্ত্ৰণাদায়ৰ পান্তি ভালে		০-আলে ইমরা		480		২২-হাজ	23	966
	ा पदा <b>प</b> द्धीनशंत विद्यार शक्स वटर	২৪-নূর	77	990	লান্ত্ৰপাৰত পৰি (কাটৰ আহাতকে মিথা অভিতি কৰায়)	8-मिगा	28	220
	থা করকে অস্তাহ (দ্বিলর ঈনান আনলে)	৪৬-আহ্বাক	67	222	শঙ্কুলনাত শঙ্কি (স্ক্লাহ-বাসূদ স. এর অবলবারির কর)			640
যপ্ৰণাধ্যক শান্তি থেবে	কাথিবদেৱকে কে রক্ষা করবেং	৬৭-মূল্ফ	57	238	শাস্থনাদায়ক শান্তি (আল্লাহর পথকে উপহাস কালে)	৩১-পুকমান	6	
	মিনলেকে রক্ষা করবে যে ব্যবসা	७५-माक्क	30	360	প্রস্থলানারক শান্তি (কাফিরদের কন্ট)	৩-আলে ইমরা		
ব্যাদায়ক শাস্তি দান কর	কে আপ্রাহ কবির ও ফুর্নফিকনেকে	৯-ভাঙৰা	28	68%	পু ব্যওয়ার শান্তি থেকে আল্লাহ জান্নাতীদের রক্ষা করেছেন	৫২-ভূর	29	3/00
	মিনসেরক (অস্তাহর পরে কে না হলে)	>-8764f	03	688	লৃত সম্প্রদায়ের উপর তোর বেলার নির্বাধিত শান্তি আসল	৫৪-কামার	40	arco

to and	<b>781.00 414</b>	454	100	· Section Strates	可知 秋 東河北	100	100
भाषि (पूर्व गृक्षेत त्यदम)				বিভয়নর শান্তিযোগ্য নর (তার কাত)	৩৪-সাবা	90	₩88
শ্যাক্তানকে যার অভিজ্ঞানক করে জ্যান্ত জন্য যাবালকে শক্তি	১৬-বহন	90	900	শান্তির প্রতিশ্রুতি			_
শরভানসের জন্য রয়েছে অধিরাম শান্তি রয়েছে	ত্র-সাক্ষাত	3	1009	কুরামানে শারির প্রতিশ্রুতি বর্ণন্য	২০-জা-হা	220	187
मानि न्मर्ग कर्युत व्यक्तिप्रामहरू मित्रक (बंदक निर्देश में शत	०-महिमा	30	evo	নিন (শারির প্রতিশ্রুতির নিন শিখার ফুঁ নেরা হবে)	0° कारण	30	340
বড়বপ্তের করেণে বাস্থনা ও কঠোর শক্তি (অপরাধীদের)	৬-জন'বাম	348		তম (শাস্ত্রির প্রনিশ্রেনির ত্যাকারীদের ক্রীদে প্রতিষ্ঠিত করা হলে)	১৪-ইববাহীম	28	698
ক্ষমান্ত্রীসের শরি এমনভাবে এসঞ্জিল যে তারা টার পাচনি	১৬-বাহল	20	900	গত হাছেল শান্তির প্রতিপ্রতি (আইবারনী ও ভুবালের প্রতি)	¢०-वाव	38	255
বভ্যস্তবরীদের কাছে আকম্মিক শান্তি আসা প্রসম্	26-RIN	80	906	শিং এর আহাতে মৃত	en-Ma	100	344
সংঘটিত হবেই (প্রতিপালকের শান্তি)		9	252	পত (শিং এর জায়তে মৃত পত হারাম)		-	-
সংবাদ (কাফিরসেরকে শক্তি সেরার সুসংবাদ)	৫২-জুর ৮৪-ইন্সিবক				৫-মায়িনা	۰	200
সক্ষম (অপ্তাই মনুসম উপন্পোলে দিও বেংও পরি পরিতে সক্ষম)			3038	निक्य		_	-
	৬-আন্'আম	62	905	অকৃতক্ষের জন্য শিকস, বেড়ি ও আচন প্রস্তুত -আবিরতে	৭৬-দাহর	8	995
সভবীতরণ (বিরামতের নিবটবতী শান্তির ব্যাশারে)	१५-मारा	80	2005	আবছ (পিবলে আবছ অনেক জিন সুপাইমানের অধীন)	৩৮-লেক্সদ	66	767
পৰ্য হওয়া (অনেকের উপর শক্তি সভ্য হতেছে)	२२-शंक	72-	25.9	আপ্তাহর নিকট শিকল ও প্রস্কৃতিত আগুন রয়েছে	৭৩-মুখ্যাফিল	25	300
সভ্য (রাসুলগদকে মিথ্যাবাদী বলার শান্তি সভ্য হরেছিল)	৩৮-সেয়াদ	28	1499	প্রেরার ( অক্তরের মান শিক্স, বেটি ও আচন প্রস্তুত -অধিরতে)	१৬-বাহ্ব	8	2000
সঙ্কি করা (পান্তি আসার দিন সম্পর্কে মানুধকে সকর্ক করা)	১৪-ইবরান্ট্রম	88	828	বার (বিয়ামতে অপরাবীনের শিবলে বার্থা কর্মছার পেরা হারে)	১৪-ইবরাহীম	83	693
সম্মুখীন (গান্তির সম্মুখীন হবে ব্যরা)	২৫-যুৱকান	901	93/9	শৃক্ষলিত করা হবে জাহান্লামীকে (সভর হাত দীর্ঘ শিকলে)	৩৯-হাজার্	0.5	200
সন্ধিরে দেয়া (শান্তি সরিয়ে দেয়ার প্রার্থনা, রহমাদের অব্যাদের)	২৫-কুরকান	96	99/9	সভা হাত দীর্ঘ শিক্ষে শৃঙ্গদিত করা হবে স্বাহন্তেমীকে	৬৯-ব্যক্তাব্	65	393
गर्दनाना (काराह्मारस्य गांकि गर्दनाना)	২৫-ফুরকান	96	969	শিকস বাধা			
সর্বগ্রাসী শান্তি থেকে কি মানুষ নিরাপদ মনে করে	३३-देखेनुक	309	69/9	निरक्त (निरम केंद्र अस्तुत निरक्त रूद शुर कुराइ व्यक्त)	২৫-ফুব্রকনে	30	970
সমনাসামনি জাসা পর্যন্ত (ইমান জনা চেচুক নির্বত, কফিবচের)	79-465.0	92	933	Prote			1
সম্প্রমার্ভে (কুলভারনাইন ইচ্ছা তরলে শাস্ত্রি)	১৮-কাইক	brb	902	ইহরাম থেকে হালাল হওয়ার পর শিকার করা বৈধ	৫-মারিদা	4	\$tro
নীমাশঅনের শক্তি মানুখনে পুনিরাকেই দেরা বলে	১৯-নাহল	95	909	ইহরান কবছার শিকার হালাল মান না করা	৫-মারিনা	3	620
क्रारका (पश्चित क्रारका भवे । मध्यत्रकात राजनीकात समा)	০-মালে উমন্ত		6-09-	পরীকা (ইংরামে শিকর ছারা মুখিনচনকে আল্লাহর পরীকা)	৫-মার্মনা	38	695
শ্বারী (বনী ইসরাসলের অফিররা শান্তির মধ্যে স্থারী হবে)	৫-মারিদা	200	6,90	সমূহর শিকার বাওয়া হালাল (থারী/মমিনাসর জন্য)	৫-মার্কনা	260	
দ্বাধী পান্ধি(আধিবাতের পান্ধি কটিপতম ও অধিক দ্বারী)	20-33-33	229	983	স্থলের শিকার থাওয়া হারাম (উহুরাম সংস্থার)	ए-मात्रिमा ए-मात्रिमा	90	695
				হত্যা (ইংরাম অবস্থার শিকার হত্যার কাকজারা প্রসঙ্গ)	৫-মারিদা ৫-মারিদা		
হার্মী শান্তি আগতিত হবে (রাসূল স. এর সম্প্রনার প্রসঙ্গ) স্থার্মী শান্তি সেরা হবে জানিমদের অর্জুনর প্রতিফলস্বরূপ	৩৯-বুমার	80	b98	रिकारी शारी	G-418641	Þ¢	695
	১০-ইউনুস	65	6677		-	<u> </u>	_
ছাত্ৰী পাঞ্জি (নূহ আ, সম্প্ৰদান্তৰ বিস্তুপেৰ কৰেণে)	33- <del>रू</del> म	400	669	শিক্ষা দেয়া, শিকারী প্রাথিদেরকে (আক্লাহর শিক্ষা অনুযায়ী)	৫-মারিদা	8	640
স্থারী শান্তি ভোগ করবে জালিমরা	8२-जूब	80	364	পিকা			1
ছাত্ৰী শাবি জোগ (সাধির বিনামতের লাক্ষাতকে ভুলে থাকার)	<b>७५-आवं</b> स	78	9-07	অধান নিয়ের অস্তাহ যানুহত শিক্ষা নিয়েছেন (মনুমো জলানা)	১৬-আধাক	Q	2059
হারী শক্তি রয়েছে তানের জন্য নারা কুকরি করেছে	৫-মারিদা	ত৭	29.5	অন্তৰ-পৃত্তিসম্পন্তদের প্রতি শিক্ষা গ্রহণের আহলেন	৫৯-হাপর	2	966
ছারী শান্তি ররেছে (মুনাফিক ও কাঞ্চিরদের জন্য)	৯-জাধ্য	961	989	অসমকে আগ্রাহ বৰ কিছুৱ দাম শিক্ষা ধান বাবেন	২-বাকুরো	407	208
স্পূৰ্ণ (পান্তি স্পূৰ্ণ করত মুমিনদেরকে যদি)	৮-জানজাল	981	(c0)r	অস্তাহ শিক্ষানান করেছিলেন ইয়াকুনকে	১২-ইউসূচ	69	670
স্পর্ণ (পার্ক্তি স্পাপ করতে পারে ইবরাহীমের পিডাকে)	১৯-মাৰইয়াম	82	909	অস্ক্রাহ শিক্ষা নিরেছেন যেতাবে (নিরাপন অবস্থার দাগাত)	২-বাকুারা	২৩৯	65%
"বংশবিদুখন শারি (আপ্রাংন "বংশবিদুর্গ লেকের কল দুলেহ শারি)	१२-किल्	24	200	অস্ত্রহের শিক্ষা অনুধায়ী শিকারী প্রাণিদেরকে শিক্ষা দেয়া	৫-মারিদা	8	@bo
হুমানটা দের শান্তি প্রস্তুত (ইয়াকুলবারে মুনিবলে হুনার মান্ত)	8-নিসা	30	669	আল্লাহ যেডাবে শিক্ষা দিল্লেছেন সেডাবে দেখা (গণ প্রসঙ্গ)	২-বাকারা	454	¢08
হাপকা (পান্ধি থাপকা করা হবে না, কাফিবানের)	২-বাকারা	300	450	আস্থাৰ মানুৰকে শিক্ষা দান করেন (ৰূপ দেনদেন প্ৰসঙ্গ)	২-বাকারা	434	0.08
যুশকা করা হলে না (অনিবাহের নিনিমরে দুনিরা ভারবারীর শক্তি)	২-বাকুরো	30	630	ইউসুফরে শিক্ষা বিধেন তার প্রকিপাদক (বণ্ণের ব্যাখ্যা)	\$2-869 <b>0</b>	6	699
হাপকা করা হতে না (কিয়াহতে জাদিহাদের পান্তি)	১৮-নাহল	be	930	ইউসুককে শিক্ষা বিক্লেন জন্তাহ (ব্যস্তের খ্যাখ্যা)	১২-ইউনুক	42	690
হাপন্য করা হবে না (জাহারামে তাতির/অক্তঞ্জনের পান্তি)	৩৫-কাভির	95	684	ইলামী শিক্ষা ভূমীনি	৯৬-জালাক	2	2037
হুলর তর হবে না শক্তি, তাচনা গেকে যার উমচনা পর	৩-আলে ইমরান	77	¢88	ইপাকে শিক্ষাধান করেছেন আল্লাহ কিয়াব ও হিকমাত	৫-মারিদা	220	678
হুদহুদকে সুলাইমান আ, কর্তুক কঠিন পান্তি সেয়ার হুমকি			1,50	দিবতে শিক্ষা নিকো অল্পাহ বিজ্ঞাৎ, হিবাহাত, তাভাৱত ও ইনজিব	৩-জালে ইমধান		680
(অনুশস্থিতির জন্য)	২৭-নামল	52	504	কৰ্ম কৰ্ম (নামৰ জন্মাঃ মনুস্থক কৰ্ম কৰ্ম শিল নিয়েছন)	৫৫-রাহমান	8	505
শান্তি দাতা		-	$\vdash$	কশ্যের নাহাত্যে আল্লাহ মানুদকে শিক্ষা নিয়েছেন	১৬-আল্ব	8	2052
আল্লাহ শন্তিলাতা নন (মানুষের ক্ষমা প্রার্থনা অবস্থার)		-	-	কিতাৰ ও প্ৰজ্ঞা শিক্ষা দান করেন (গ্ৰাস্প)	৬২-জুমু'জা	3	365
	৮-আনবাল	00	902	কিতাৰ শিক্ষা দেৱাৰ কাবণে ৱাকানী হওয়াৰ আহ্বান	৩-আলে ইমরান		680
বর্মের শার্রি নিজে সন কলপদকে কবর ধাসে করনে কল্পাহ	১৭-ইস্রা	Q)r	47.9	विवास निकास (ट्रांडिट अनुग न, कईक क्रिक्ट निकास)	২-বাকুরো	759	678
ন্রতিপাশক যন্ত্রণানায়ক শক্তিগাতা	৪১-কুন্সিকাভ	80	944	কিতাৰ শিকা বিধেন প্ৰানুধ সং মুমিনানেপ্ৰক	৩-জালে ইমরান		
শান্তিদানকারী		L		কুরজনের মাধ্যমে অঞ্চল বিষয়ে শিকা নেরা প্রসঙ্গ	৩-আশে হণরাশ ৬-আশ'আম		662
আপ্তাহ শন্তি দেন না বাসূপ স. না পাঠানো পর্যন্ত	১৭-ইস্তা	76	130	কুরজন (জনীর সরামর জন্তাহ কুরজন শিক্ষা নিয়েছেন)		97	608
শান্তি (নির্দেশ)				কুমানা (জনার নামার আগ্রাহ কুতবান লক্ষা সংরেছন) কুমানা শিক্ষ কের একট মনুম (রাকুল স্ এর প্রতি অপকা)	११-सद्मान	2	9.09
প্রতীক্ষ (অধিয়ের কিপ্রতিপালকের নির্দেশ পরিবা প্রতীক্ষা করছে)	১৬-মাহল	00	900	গ্রহান লাম তের থকে নতুর (জুলুর স্ এরপ্রেড জনকর) গরাদিপত গরাদিপততে শিক্ষা রয়েছে মানুবের জন্য	>6-H\$M	300	422
প্রতিপাশকের নির্দেশ/শারির জন্য কি কাভিকর প্রতীক্ষা করছে চ	১৬-বাহল	00	900		২০-সুমিন্ন	57	989
শান্তি নিৰ্বাৰণ		Ė		গবাদি পচর মধ্যে শিকা রয়েছে (মানুফের কন্য)	১৬-নাংগ	66	900
ইউনুস এর শান্তি নির্ধারণ না করার ধারণা	২১-অধিয়া	29	926	বাহু (চুক-ই বাহুসজনা বাহু শিক্ষ দিয়েছে মর্মে দিনাকালের করিকো)	२५-व'वास	85	9300
भाविकार	4,5~61431	94	726	ঋপু শিকা নিত শইকানর (মানুক্সেরকে)	২-বার্গর	205	425
	· · · · · · · ·			লন্তু শিক্ষা (মৃত্য-ই জনুকালের জনু শিক্ষা নিয়েছ, বিনামান্টেয়ে উঠি)	२०-झ-श	47	98¢
জান সম্প্রদার শান্তিলাক হবার নর (সম্প্রদারের উক্তি)	২৬-৫'জরা	703	926	মনে শিকা নিয়েহেন জন্মাহ (বিজিয়কে)	১৮-কার্ফ	96	900
নবী শারিমার হবেন (আল্লাহর সাথে অন্য ইলাহতে ভাকলে)	২৬-চ'জরা	570	399	নাটসকে পিকা বিলেন অক্সহ যা ইছে৷ বৰলেন	২-বার্থরা	567	653
শানিযোগ্য			. 1	দাউদকে বৰ্মদিয়াৰ্থ শিক্ষা দান (যুদ্ধে নুৱক্ষার জন্য)	২১-জাখিয়া	yo	922

अप ः विश्वश्वता	नुदा नर व साम	100	शुक्रा	শুভ বিদ্যা/হসস	স্থান্য কলাই	-	9
শিক্ষা (পূৰ্ব পূৰ্ৱা বেকে)	Art is said	1000	- March	শিরক (জলম)		_	_
লক্ষা (পূব পূচা থেকে) নষ্টি সম্পন্নদের জন্য শিক্ষা বরেছে (বনরের যুক্তে)	৩-আলে ইমরান	20	209	হিশ্রুণ (দিয়নের সামে জুলুমুনিরত মিপ্রিত না করার করাচা নিরাপর)	৬-আন'আম	be	80
		88		শিশুক (শরীক)	0 111 111	<del></del>	-
পৃষ্টিস-পদ্মদের জন্য শিক্ষা বয়েছে (রাভ দিনের পরিবর্তনে)	২৪-লূম		991/		-1 1000		١.,
नाम निका नाम (जानमाहरू जान्नाव अर निकृत नाम निका नाम गरहाम)	২-বাকুরো	47	208	পতি (শিরকভারীর কাজ বিফল হবে ও লে ক্ষমিরাস্ত)	৩৯-যুমার	52	4
পত্ন ব্যোমার প্রতিশালকের নামে বিনি সৃষ্টি করেছেন	১৬-আলাক	2	2052	শি'ৱা (ভারকা)			_
পাৰির ভাষা (সুলাইমানতে পাধির ক্ষমা শিক্ষা দেয়া হরেছিল)	২৭-মামদ	36	9.07	শি'রা ভারকার প্রতিপালক (আল্লাহ)	৫০-দালম	83	20
প্রতিপালক ইউসুদরে যা শিবিয়েছেন (সংগ্রের ব্যাব্য ভারই সভর্তুক)	25-3626	99	690	शिला			
প্ৰজ্ঞা ও বিভাব শিক্ষা দান কৰেন (ৱামূল)	७२-सुमू'वा	3	363	বর্ষণ (জারাণ থেকে শিলাবৃত্তি বর্ষণ)	₹8-9₹	80	99
প্ৰজ্ঞা শিক্ষাদান (প্ৰেষ্টিত বাসূল স, কৰ্তৃত্ব প্ৰজ্ঞা শিক্ষাদান)	২-বাকারা	259	678	निवासर्व		_	H
ফিরঅভিনের ঘটনার , বে আল্লাহকে তর করে তার ঋণ্য	৭৯-নার্যান্তাত	2.6	3008	ন্দৰ (শিক্ষাৰ্ডের সমিয়ন নাৰ পরিমণ্ড অল্লাহ উপস্থিত করকো)	৩১-বৃত্তমান	26	bi
বেবেশহাসেতে অপ্তাহ বা শিক্ষা দেন তা ছাত্মা তথা বিন্দু কালেনা	२-शकावा	02	¢08		endam.		0
ব্যদিয়ার্থ শিক্ষা দান, গাউদকে (যুদ্ধে সুরক্ষার জন্য)	২১-অধিয়া	yo	920	দিক		_	╙
বৃদ্ধিমানদের জন্য শিক্ষা হয়েছে পূর্ববর্তীদের ঘটনাবলীতে	३३-३७१क	222	699	অসহার নর-মারী-শিশুর প্রতিপাদকের কাছে মুক্তির প্রার্থনা	8-सिमा	98	6.5
মনুষ্ট্রের (অল্লাহ মানুষ্ট্রের শিক্ষা নিরেছেন -যা সে জানত না)	১৬-আলাক	4	3036	অসহার শিক্ষদের আপারে দ্যারনীতি কারেম (বিয়ে প্রসঙ্গ)	8-দিসা	349	29
	১৬-আধাক	2	2050	অনহার নিক-পুরুত্ব-নার্বাদের জন্য জাহানুত্র নর ( হিজারত প্রসঙ্গ)	8-নিদা	95	40
মূলনীতি (ইংলামী শিক্ষার মূলনীকি)				জেলো শিষ্ঠা সাথে কিন্তাবে কথা বলাবে, সম্প্রমায়	১৯-মাবইয়াম	270	90
রাসূল স. শিক্ষা দান করেন (প্রজ্ঞা ও কিয়েব)	৬২-ৰুমু'আ	3	3/6%	ছবার খেতে মানুহকে শিকত্রণে কের করা	22-1796	0	90
রাকৃত স. শিক্ষা দিবেন মানুষদেরকে, যা ভারা জানত না	২-বাকুৰো	252	673	বের করা (জরারু থেতে মানুহতে শিশুরূপে বের করা)	44-0766	8	95
য়াসুল স, বিকা দিবেন মানুৰকে বা থাবা জানাত না	২-বারুধো	252	674	তুলা থানা (জনানটো ভিয়ামকে পুন্ধপোধা শিক্ষক তুলে থাকে)	44-19%	1	95
ৱাসুল স, কে শিক্ষা দিয়েছেন (অভিশক্তিপালী এক সভা)	৫৩-নাজ্য	2	205		৪০-মুখিন		
রাপুল স, তে আল্লাহ জঙ্গানা বিষয় শিক্ষা নিরেছেন	8-मिमा	27.0	293	মানুষকে শিক্ষাপে বের করেন আল্লাহ (মাতৃসার্চ থেকে)		69	bt
নিকরী প্রথিনেরকে নিক্ষা দেয়া (অপ্তাহর নিক্ষা অনুযায়ী)	৫-মারিদা	8	atro	মুগাকে বিও হিগাৰে ফির'আউন কর্তৃক লালন-পালন	५७-७,ब्रावा	72	93
শিকারী প্রাণিসেরকে শিক্ষা দেরা (আগ্রাহর শিক্ষা অনুযারী)	৫-মারিলা	8	@tro	Fern			L
সঠিক বিচায়-বিনোচনা (শিবতে মাইলেন মূলা আ, বিজিতের কামে)	35-step	99	900	কর্মাদি (শিস ও করডামিই কাফিরনের সালাড)	৮-মানহাল	100	80
সঠিক বিচার-বিবোলা ( শিবিয়েছেন আল্লাছ বিজিবকে)	১৮-বাহ্	66	900	শীত			Г
দুয়ার দৃষ্টিক্ষমতা থেকে শিক্ষা এগে প্রদক্	১৬-নাহল	29	908	জাপ্রতে বৌদু ও প্রচছ শীত থাকবে না	৭৬-দাহর	30	33
বল্লের ব্যাহ্য শিক্ষা দিয়েছেন প্রতিপালক ইউসুক্তক	১২-ইউসুফ	202	600	मी उठाली म		<u> </u>	1
প্রকৃত প্রকৃত শিক্ষা সেয়ার অসে কুমবী করতে নিমের করত		205	625		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	٠.	
	২-বাকুরো	304	624	অমণ (কুরাইপদের শীতকালীন স্রমণে আগতি রয়েছে)	১০৬-বুরাইশ	2	20
শিক্ষাপ্ৰাপ্ত				শীত নিবারক উপকরণ (উঞ্চতা)			
পাগল ('শিক্ষাপ্রাপ্ত পাগল'- রাসূল স. কে বলেছে কাফিবরা)	৪৪-দুখান	78	205	গরানি পাছতে মানুলো জনা শীত নিজ্ঞত উপক্রম/উজ্ঞানা আছে	১৬-নার্প	4	90
শিখ্য/অপ্লিশিখা				শীকল (আৰো দেখুৰ ঠাণ্ডা শক্ষ্যি)			Г
অপেক্ষমা অনুনিধ (জিনা অধ্যান্ত সংবদ শোনা টেই কলে)	৭২-বিংশ	5	30%	আচনকে ইবরাই[মের জনা শীতল ও শান্তি হওয়ার নির্দেশ	২১-অধিয়া	600	96
আকাশ অন্তিশিখার পরিপূর্ণ থাকা সম্পর্কে জিনাদের উভি	৭২-জিল	*	90.0	ইব্যাহীমের জন্য আঙ্গাকে শীতল হওবার নির্দেশ	২১-আমিকা	630	95
কুলম শিবা শিদ্ধ থানার করে তাকে যে চুবি করে ক্ষাতে চায়	32-fear	35	622	চকু শীতল করার জন্য মুগাকে মারের ভিরিয়ে দেয়া প্রদাস	২০-ড়া-হা	80	98
Frances		-	-	চফু শীতল হওয়া (বাসুল স. এর স্ত্রীণড়ের চফু শীতল হওয়া এপক)	००-माद्दाव	42	bre
কবিভা (ৱাসুল স, কে কবিজ লিখাননি আল্লাহ)	৩৬-ইয়াসীন	69	100	চকু পারের চকু শীরল করার জন্ম মূপাকে মারের নিকট কেবন।	২৮-কামান	30	be
	OSIRSIMI	96	040		১৯-মারইয়াম	20	90
भित्रा		-		চোৰ (মরিয়মের চন্দু শীতল করা)		40	33
ফুঁ সেয়া (শিক্ষায় ফুঁ দেৱার দিন রাজত্ব আস্লাহরই)	৬-আন্'আম	90	605	ছ্যা (তিন পাৰা বিশিষ্ট গুৱা শীৱদ নয়)	৭৭-মুহ্দালাভ		
র্ফু দেয়া হবে (কিয়ামতের দিন)	79-sién	22	900	ছবা (শীনন না বাসো বেরাধ খায়, বামন সমীচার বলা)	৫৬-গ্যাকিয়াহ	88	34
র্ছ্ (শিংগর ফুঁ দেয়া হবে, শান্তির প্রতিশ্রুতির দিন)	१०-कृष	20	320	পানীয় (আইউবের রোগ মৃতির বানা শীকল গানীয়)	Ob-CHIMIS	84	25
র্কু (শিক্ষর প্রথম র্কু-তে সংক্ষরীন ও বিভীক্ষার লক্ষরদান হবে)	৩৯-বুমার	90	244	পীতগকারী			
ফুঁ (শিক্ষা ফুঁ নেয়া হবে ফৰ্ক, ডব্দা আঞ্জিয়নার সম্পর্ত থাববে দা)	২৩-মু'মিলুন	202	992	एकु भीरमसारी महान-महर्रिय बना दाविभागरस्य निस्पे दार्थना	২৫-ফুরকান	9.8	91
র্ছু (শিঙ্গার র্কু দেয়ার দিন আকাশ-পৃথিবীর সধাই জীত হংং)	२९-नामन	3-9	800	চক্তু শীতপৰাবী প্ৰতিদান (মুমিদের ক্তক্মেই,)	৩২-সাজ্পা	24	74
র্ড (শিসার হিতীর ফুঁ দিলে, কবর থেকে বুটে আদবে)	৩৬-ইয়াসীন	67	b98	<b>শীর্থকার</b>			T
কুঁ (শিলার কুঁ দেয়া হলে মানুব দলে দলে উপস্থিত হলে)	१५-मारा	72	3003	शरी (माफ्री मेर्नास्त्र श्री माफ्री (फ्रांसब श्रीकेट (बार रामम)	১২-ইউসুফ	86	8
র্তু (শিক্ষর কুঁ সেরার নিশ্ববিজ্ঞান্ত অপরাধিকে। পুরিবিদ করা এসক)	২০-সা-যা	204	989	वृत्ती (अपकी नेशंका वृत्ते अपकी क्रांत्रका वर्तेक (वत्र (क्ला))	77-8954	80	8
কুমার দিয়ার একটি মার ফুমারের মাধ্যমে বিয়ামত লগৌল)	७५-वासाद	30	390		24.40.74	-	10
शिलास के त्या द्दार यथन, विज्ञासकत निम	५८-मुबाइधिय		200	नीय	-		+
Person	10.5414144	-	mac	উৎপদ্ৰ (একটি দীন একশ শশালাৰ উৎপদ্ৰ করে,নদের উপস্থা)	২-বাকারা	4:05	
		-		শস্য শীগসহ রেখে দিবে (খাওরার ঝন্য কল্প কিছু ব্যতীত)	75-5934	89	6
অপ্তান্ত পৰিমান মোলনা শিক্ষা হয় ন (অন্যশ-পৃথিতি কণ্য কেই)	২১-আছিল	20	923	সবুজ (সাত্তি সবুজ দীধ, স্বপ্নে কেবলেন রাজ্য)	১২-ইউসুস	86	8
অস্ত্রহর স্কলে শিক্ষি না হতারে নির্দেশ (মূপা আ, ও যাকনকে)	২০-জু-হা	83	980	সাধাট সনুন্ধ শীৰ ও সাধাট কৰনে শীৰ মন্ত্ৰে নেৰাক্ষন বাজা	১২-ইউসুক	80	4
শিরক				প্রভটি শীধ উৎপত্র করে একটি শস্যদানা (দানের উপমা)	২-বাকারা	460	Q
অশ্বীকার করবে (কিয়ামতের দিন শরীকরা শিরকের বিষয়টি)	৩৫-ফাতির	38	<b>b89</b>	ত'বাউৰ			Т
অস্ত্রাহও সহের পিতামাত্র নিরক করতে জের করলে মানা খবে না	৩১-লুকমান	30	PSA	অনুসক্তা (অম্প্রিক্তার অনুসক্তা করলে আনহারে হতে, গোনালের ক্ষেকি)	৭-অ'রাক	20	6
ক্ষম (স্বাস্থ্যক সামে নিবক করাকে আল্লাহ ক্ষমা করেননা)	8-9791	336	092	আহবান (অঅটন কর্তৃক সংক্রেরয়ার্ড অগ্রাহ্রেক ভয় করার আহবান)	২৬-৬'বার	399	
স্কুলুম (শিরক অতি বড় স্কুলুম)	৩১-পুৰুমান	30	bab	উদ্ধার (ড'আইবকে শান্তি থেকে উদ্ধার করলেন আল্লাহ)	<b>১</b> ১-ছून	38	6
	৫৯-বাশর	20	369	প্রেরুর (ড'আইবকে মানইয়ানবাদীদের নিকট রেরণ)	১১-ছুদ	9.8	6
মানুধ যে শিবক করে আল্লাহ তা খেকে পৰিত্র	49-49 N	1 40	1990	বের করে দেরার হুর্জান (ও'জাইব্/মু'মিনচন্ত্রকে জনপদ থেকে)	৭-আ'রাঞ্	25	ð
শিরক্কারী			_	মানইয়ানবানীলের ভাই ও'আইবরে সংখ্যানারে প্রতি প্রেকা প্রদান	২৯-আনকাব্ত	66	b
মাণুগ (অধিকাংশ মানুঘ শিরক করে)	३२-३७५४	306	6946	মাপইয়ানবাদীলের কাছে আলের আই ত'আইবকে প্রেরণ	৭-আ'রফ	9.4	0

`আইব	CHES	করা

नम अ	न्यां नर च साम	-	901	वर्ष ्रिश्च <b>/व</b> रक	न्यामः ७ माव	4017	200
৩'আইব (পূৰ্ব পূর্ৱা থেকে)		1		মূপর বাঁক উন্মূল হংয়ে নির্দেশিকরণ (কলে তথকে বের কর এলক)	২০-ড়া-হা	22	983
মিধাবাদী কর্পাক্ষাইবলে মিধাবাদী কর্পায় সম্প্রদায়কে পাকড়াও)	২৯-আনকাবৃত্ত	109	P39	সুরা (অন-উজ্জুল সুরা মুমিনদেরকে পরিবেশন করা হবে)	৩৭-সাফ্কাভ	88	263
মিধাবলী কল (ড'আইব্রেড মিধাবলী কলার পরিপতি ভূমিকম্প্রে)	৭-আ'রাফ	24	643	হাত (মূলার হাত টেলে বের করলে খন্ত-উজ্জল দেখালো)	২৬-৩ আরা	00	93/3
মিথাবাদী বলা (ড'আইবকে মিথাবাদী বলার কডিপ্রস্ত)	৭-আ'বাঞ্	25	653	হাত গড়-উজ্বল হয়ে বের হবে (দৃপার হাত)	২৮-কাসাস	03	5.22
সংস্থার র'বাইবার বলগ- যোমার সালাত কি নির্দেশ দেয়	১১-ছুন	64	690	হাত দৰ্শকের দৃষ্টিতে গুল্ল উল্কুল হওয়া (মুসার হাত)	৭-আ'রাফ	Sob	955
সক্রবর (শেরাইড়ের সক্রবর বুরে ন ত'বাইং আ, ব বুল)	22-ga	22	698	25			
সম্প্রদারের উপর সংরক্ষক নন ও'আইব আ,	22-det	5-5	690	দুদ্ধ তরু করেছিল কাফিররাই প্রথম	৯-জন্তবা	30	683
र्वेह (माक)		-	1	<b>०</b> क करा	010.0	100	002
দাণিয়ে দেৱা (আপ্তাহ উড় বা নাক নাগিয়ে দিয়ে দিবেন)	৬৮-কুলোম	3/9	396	অনুত করতে তার করা (জান্তুতে আলাম কারে পারা দিয়ে তারত করা)	২০-ছা-ছ	242	986
<b>पुक्</b> टमा	-		-	তপ্রাদি (নিমেনের বাশ দল্পাদি থক কলে, ইউনুকের ভাইরের)	১২-ইউস্ফ	96	668
পথ (মুসর পঠির অন্তর্যে করি ইসক্রমিশর করে সমূরে করকে পথ)	20-37-47	33	180	वह वह	10000	10	000
ফেনা (বৃটি পালির ফেনা অবিক্তে যাওয়া- সত্তা মিছার দুউন্তে)	১৩-রা'দ	29	680	যানীদের অঞ্চলাতের বেলা আছ বন্ধও সুস্পন্ত বিদ্যান্ত দিশিবছ	. mediane	2.	L.
ভূমি(ভকলো ভূমি বৃত্তির পানিতে সহুজ-শ্যমল হওৱা প্রসঙ্গ)	22-0m	0	969		ও-আন্'আম	¢5	605
कृति (करुमा कृति पृष्टि नर्वाण कोण रहा)	৪১-কুস্সিলাভ			<b>मृ</b> वत्		_	Ь.
नीव (राज्ये करना नीव, यद्ध (नवलन शक्त)		400	ppp	গেশত (পৃত্যের গোণত/মৃত জন্ত/গোহিত হাত খান্তর হারাম)	৬-আন্'আম	784	
	३२-१७५४	80	99-7	মাংল (পুৰয়ের মাংল থাওয়া হারাম)	১৬-নাবৃপ	776	932
পীৰ (সাভটি ভৰনো শীৰ, যথে দেবলেন রা <b>জা</b> )	१५-इंडिग्रेक	88	99-7	বারান (পুকরের পোশব/মৃত কর/প্রবাহিত রক্ত থাতার হার্যন)	৬-আণু আম	284	670
<b>कवान-</b> जूर्य			$\perp$	হারান (প্রকরের মাংগ গাওয়া হারাম)	36-2EQM	225	952
উল্লিন , পদির সাবে সার্টপুলের পর( উড়িরে নিরে ধার বার্যান)	2P-6058	82	150	<b>भृ</b> न्स			
বৰুনো মাটি				অন্তর তন্য হরে পড়ল (মৃদার মারের অন্তর)	२४-कामाम	30	broar
१निठ कामामान्ति एकरना ४७ (४१०० मानुष मृत्रि करा <b>रा</b> क्न प्रा <u>क</u> ्षार	३०-विषय	00	655	ব্যালিমদের অন্তর হবে আশাপুন্য(কিরামতে)	১৪-ইবরাহীম	80	999
গশিত কলেমাটির গুরুনো খণ্ড থেকে মানুষ সৃষ্টি	১৫-বিমর	26	625	<b>मना</b> पर्वे	-	-	-
মানুহ (গণিত কানা মাটির গুকনো বঙ থেকে মানুহ সৃষ্টি)	১৫-হিমার	26	699	পৃথিৱী অনাপৰ্ত হৰে (কিয়ামান্তৱ দিন)	৮৪-ইনশিকক	8	2020
মানুষ সৃষ্টি (পোঞ্জ মানির মধ্যে করনো মানি থেকে মানুখ সৃষ্টি)	66-816814	28	305	পুন্য (মহাপুন্য)	100000	٠ <u>-</u>	,,,,,
943				আমাশ্রে শুনে নির্দেশধীন উত্তর পানি মুখ্যিনর জন্য নির্দেশ	১৬-শহদ	45	0.1
গোশত (খকরের গোশত হারাম)	৫-মারিদা		@ho	শৃত্যাগ (বেড়ি)	201141	7.0	90%
শেশর (অবরের শেশর হারাম করা হয়েছে, মুমিনচার জন্য)	q-etetet	390	679	गमिता तथा (गरी मानुस्ता ताना ও तर्वद्व/गुन्नम नविद्या तला ।)		_	<u> </u>
বাদর ও ককর বাশিরেছেন আল্লাছ পাশামরীদেরকে	৫-মাছিলা	80	200		৭-আ'রাফ	209	હ્ર્સ
क्कारमा			200	বেটা ও শূলা থানৰে (ভিনেয়ক মিধা অভিহিতমায়িতৰ পদায়)	80-वृश्विम	47	944
ফলল অকিয়ে ছলনে হয়,এরলর বন্ধ-কুটোয় পরিবত হয়	०१-देशक	45	৮৭০	প্ৰাণিত			_
विदेश गांच्या	OB-Zera	4.0	9 10	আহন্তামীকে সম্ভৱ হাত দীর্ঘ শিকলে শৃঞ্চলিত করা হবে	99-50604	ঞ	৯৭৯
ভাকতে থাওৱা ভক্তিৰ ভবিয়ে গভ-কুটাৰ পঞ্চিত হওৱা পুনিয়াৰ জীবনের উপন্য	৫৭-হাদীদ			গন্তর হাত দীর্ঘ শিক্ষে শৃত্তদিত করা হবে ছাহন্লামীকে	৬৯-গ্ৰহাৰ	e	262
	११५-व्यामान	50	960	হতে শৃক্ষপিত ইহুদীদের	৫-মারিদা	68	440
কনতে চাওৱা		_		হাত প্ৰাণিত করে রাখা বা কুপণতা করে নিবেধ	১৭-ইস্বা	436	93/6
জিনৱ আলপের সংবাদ করতে মইলে গাবে অপেন্ধরণ করিবিবা	१२-सिन्	>	৯৮৬	শেকড় কাটা (নিৰ্বংশ)			
কনতে পাওয়া				বিমেশপাধানারীরাই পেকড় কনি (নবার রাচি বিমেশোকারারী)	১০৮-কাওএর	0	20:08
ক্ষীণ শব্দ (বাংল্যোক্ত প্রকল্পের ক্ষীণ শব্দ ক্ষাতে পান কি রাজুলা)	১৯-মারইয়াম	79.	280	শেশা			
মুমিনার খনতে পাবে কটনায়ক কথা (আহলে কিতাব ও)	৩-আলে ইমর্ম		268	জাদ্ শেখা যা ৬৬ৄ কঠিই করতে পারে	২-বাকুারা	205	625
ক্ষাতে পরে (বিবট শব্দ করতে পাবে মানুষ, বিস্তামতর নিন)	৫০-কাঞ	84	348	রাসুল দ, এর আরাড শেখা (অন্য কারো কাছ ছেকো)	৬-আনু'আম	302	600
তনবার লোক				হাকত-মাকত তথ্যে জানু লিখত আগায়ী-প্ৰীয় বিচ্ছেল ঘটাটো	২-বাকুারা	305	
যুদ্দিনের করা তলে ফেশবে এমন পোক আছে আনের মাথে বার	৯-ভাগ্ৰৰা	89	680	শেষ	C-11Aim	200	434
कनाइमा			$\Box$				Ь.
অপ্তাহ যদি শেলতেল তবে তারা যুব ফিরিরে নিত যার বলে	৮-আনম্বাপ	20	658	আপ্তাহ শেষ (অনস্ত)	৫৭-হাদীদ	۰	484
অক্সাহ শোনাকেন ভালেরকে যদি জানকেন ভালের মধ্যে	৮-আপ্রাপ	20	908	সম্ভাবন কৰা দেখা শেষ হাদেৱ (নাত নাগৰকে কলি বাৰলেও)	৩১-বৃক্যান	29	45%
রপুর স, তদাতে পারতে অসেরকে যার আপ্রাহর নিদর্শন বিশ্বাদী	CO-WH	00	৮২৬	ধর্মানর্শ (শের ধর্মারশেও এক ইপ্যাহর করা ছলেনি করিবর)	৩৮-সেরাদ	٩	500
জনুন		-		নৰী (মুহামদ স. পেহ নবী ও আল্লাহর রাসুদ)	৩০-জাহ্যাৰ	80	<b>५</b> ७९
ৰদা (ইছ্নীদের খনুন বলা প্রসঙ্গ)	৪-নিমা	85	690	श्रीवेणानासम्बन्धी नितन तथा करा यहत मा, स्त्रीन तथा सहस्र यहत	72-40£@	209	900
তত পাইপাম			100	ফলমূল পেৰ হবে না (জান্তাতে)	१५-छप्रक्रिया	90	h88
জান (তত পরিশার কার জন্য তা জানা, জালিম প্রসঙ্গ)	৬-আন্'আম	300	tob	বকর (মারাজিনা শেষ বকর, সকল এশানা অস্থাহর মধ্য)	১০-ইউনুস	_	
মুবারীদের জন্য তত পরিশাম (মুসার সম্পদ্রার প্রসঙ্গ)	ও-আন্থান ৭-আগ্রাফ	259.	950			20	966
বুর্ত্তবাদের জন্য তত গারণান (বুনার সম্প্রার রবস) মুর্ত্তবিদের জন্য তত গরিগাম	২৮-কাসান	259		বনী (সার বাগরের কলি যানাসেও অপ্নাক্তর কটা দেব পেন হবে ন্য)	৩১-পুকরান	29	250
মুন্তাকালের জন্য করু গামশান মুন্তাকীলের জন্য করু গামিশাম (নবীকে বৈশ্বধারণের নির্দেশ)		85	P34	মানুষের সম্পন শেষ হয়ে খানে (আল্লাহর সম্পন ছায়ী)	১৬-নাক্প	99	677
	77-gh	89	৬৭০	মেয়ান শেষ হ'ত মানুমেয়া (অকম্পানকে ভবাধিত করা হলে)	১০-ইউনুস	22	966
অনুদ্রি				যুদ্ধ শেষে ৰঞ্জি মৃতিয় বিধান	৪৭-মুহাম্বাদ	8	223
লোক (পূর্ববর্তী প্রজন্মমূহে করবৃদ্ধিস্পন্ন লোক ছিল না)	22-gu	229	696	রিভিক পের ব্যব না (জয়াতে মুখ্রনীদের রিভিক পের ব্যব না)	क्ष-त्रावाम	<b>QB</b>	brish
কভাকান্ত্ৰী (থাৱো দেখুন কল্যাগঞ্জামী পথটি)				(ris aut	99-2-1999	40	¥ 0.5
ইউসুফের তভাকাকদী বলে জানাল পিতাকে (ভাইরেরা)	১২-ইউসুফ	22	699				
ত্ম-উজ্ঞপ				পাশ কপুনার প্রয়োজন শেষ করম পর ব্যালর রীর সাথে নিরে প্রশাস	৩৩-আহ্যাৰ	01	brob
মুলর হাত পরেট/বুকে রাধার পর তা অত-উদ্ধাল করের প্রদাস	২৭-নামল	35	proo	যাবেদ প্রয়োজন পের করার পর তার স্ত্রীয় সারে দবীর হিবে প্রসঙ্গ	৩৩-আহ্যাব	29	P-OF

ৰম্ম বিষয়/প্ৰসদ	স্বাৰং ও নাৰ	1	400	नव रिसा/दरम	ज्या तर ७ नाम		
শেষ (গন্ধব্য)				বাংলেমে কাড়িব/বাদির দীর্ঘদান হায়া বিচুই চন্যবন	২১-আধিরা	200	92
প্রতিপালকের নিকট শেষ গভান্য (সংক্রিয়ুর)	৫৩-বাৰম	82	308	রিনচের (সংবাদ শোরর জন্য জিনচের বিচিন্ন ব্যবহাসে বসা)	<b>९२-सिन्</b>	ъ	22
শেষ দিন				ভাক পোনা (কাকিবনের ভাক শোনার উপমা পচর ন্যায়)	২-বাকারা	747	67
প্রাশ (श'वर्षेर चा वर्ज़क সংগ্রদায়ত শেখ নিমা প্রভাশার আহকা)	২৯-আনবার্ড	95	723	নির্বাহন করের করিব ছাল্য নির্বাহন ছার ক্রিই কবলে)	২১-আধিয়া	200	90
শেষ্ট্রন	-			নিদর্শনের কথা গোনা (পূর্ববর্তী প্রজন্মের ক্ষাসে প্রসঙ্গ)	৩২-সাজ্পা	₹6	310
ক্ষম প্ৰাৰ্থন (বাজের পেব প্ৰবৃত্ত মুক্তানীৰা ক্ষম প্ৰাৰ্থনা কৰে)	१५-वर्तिश्रक	2)v	256	নুহের সম্প্রদার শোমেনি পূর্বপুরুষদের কাছে	২৩-মু'মিদুদ	₹8	98
শেখনার	A major	-	- (4	পথ নির্দেশনা (পর্যনির্দেশনা ধুরামান হলে ছিলানে পরান প্রসঙ্গ)	१२-सिन्	3.0	bè
্রাধ্যাও বুলগার (শেষ প্রান্তের কুল গায়ের নিজ্ঞী রাসূল স. জিবরালিকে)	৫০-বাজ্য	38	206	পলালি মাত্র লামহার সামল বেন শব্দ শেল বাবে ল (স্বশ্বরে লি)	২০-জ-শ্ব	700	9;
	5 Outline	24	-	পূর্বপুরুষদের নিষ্ঠ প্রেলেনি কির'আউন সম্প্রদায়	২৮-কাসাস	80	b:
শেষপ্ৰান্ত (বাৰ্থক্যের)	15 magana	-	240	বন্দী ইসরাইল শোধার পর জমান্য করা (অল্লাহর নির্দেশ)	२-वाङ्गदा	90	¢
বর্তমের শেষপ্রাক্তে গৌছেছে থক্সিয়া আ. (কি করে সরাল হবেং)	३७-मावर्ग्याय	b	908	राट्स करा छन्दर मा (ब्रह्माटर)	৮৮-পাশিরাহ	22	۵c
শেষভাগ			-	বামে কবা কবাৰ দা প্ৰস্লোভ (প্ৰস্লাভিবা)	৫৬-ত্যাবিরাহ্	20	b
নিচর পেয় জন্যে অধিয়াস করতে বলে প্রথমভাগে নিশ্বাস করে	৩-জালে ইমরন	45	685	মানুহের ভাক উপাস্যর ভবলেও সাড়া দিবে না	৩৫-কাভির	78	br
শেষ রাত			ш	মানুহের ভাক উপান্তর কনকেম ও সাড়া নিবে দা	৩৫-কাভির	78	b
উদ্ধার (পৃত পরিবারকে শেব রাতে উদ্ধার করেন আল্লাহ)	৫৪-কামার	<b>cs</b>	309	মানুষ কি শোনে না	২৮-কানাস	67	4
ক্ষম প্রার্থনা (শেষ রাতে ক্ষমা গ্রার্থনা করে মুরাঞ্চীরা)	০-জালে ইমরাশ	28	୧୦୨	দুর্মিনার করের পর কেন কল থকা করল না (নিজেনের সম্পর্কে)	२८-मृद	25	9
শৈথিল্য (আরো দেখুন অবহেলা শব্দটি)			Ш	মুমিনদের খোনা ও আনুগত্য থেরখন (রস্পদের প্রতি)	২-বাকারা	450	4
সালতে দৈদিল্যের সাথে উপস্থিত হয় অবিশ্বাসীরা	9-5544	48	680	মুনাহিকদের কথা পোনা (রাসুল স. এব)	৬৩-মুনাঞ্কুন	8	b
टेमनव				মুম্মিনরা তদে কেন বলব না 'এটা গুরুতর অপবান')	২৪-নূত	3/6	9
ইবাহইয়াকে শৈশধে বিচার-বিবেচনার আন দান	১৯-মারইয়ান	25	908	মুশ্চিকর শ্রের ও জনুরখন করে ( রানুল স. ডি এমন মাস কলে)	२৫-वृतकान	88	9
সম্ভানকে শৈশবে প্রতিপালন করেছেন পিতা-মাতা	১৭-ইস্বা	2,8	136	ত্র জিবলা বলাবে আহ্বল তলগাম ও আনুগত্য করবাম	५8-मृत	67	3
শোৰ				মৰ্ভিরা কি উপাসকলের কথা পোনেঃ(ইবরাহীমের প্রশ্ন)	২৬-৩'জারা	92	١٩
ইউদুফের পোকে ইরাকুবের দুই গ্রোপ সাদা হয়ে গেল	<b>३२-देवेनुक</b>	1/8	99/2	যে পোনে না ভার উপানৰ সম্পর্কে ইংরাহীম আ, পিরেকে কলে	১৯-মার্ট্রাম	84	19
শোনা (আরো দেখুন প্রবণ শব্দটি)		-	-	রাগল স, এর নিকে কান পেতে শোনে (মুনরিকরা)	১০-ইউনুস	84	10
অঙ্গীকারের বিষয় শোনা ও মান্য করা প্রদঙ্গ	৫-মরিগা	3	643	শত্ৰীৰুৱা ভদৰে লা (সঠিকপথের নিকে ভাকলেও)	৭-আ'বাড	799	4
অবিশ্বাদীর চনত ল পৃথিগীতে (অখিনাতে অবিশ্বাদী)	77-2n	40	997	অনুদাম বলে পোনে লা যাবার আদের মত হওয়া নিমেব	৮-জানহাল	43	10
অসার কথা ও কোন মিখ্যা কননে লা মুরাকীবা (জন্লাতে)	৭৮-নবা	92	2002	সক্তম হিল বা, চলতে (দুনিয়াতে কাফিবর)	25-41EE	303	13
অসার বাজ্য কন্তব দা পাল্লাত	১৯-মারইরাম	63	900	সভর্করাণী (ধথিয়কে সভর্ক করা হলে সভর্কবাণী শোনে না)	২১-আধিয়া	82	1
অধীক্ষের স্ত্রী কলম থকা (নারীদের সভ্যান্তর কথা)	75-5834	9	693	সভৰ্বৰাবীৰ কথা তথ্যস স্থুপদ্ধ আঙলের অধিবাদী হস না	৬৭-রুপ্র	30	18
জায়াজের বা কনল ববন (নাবালের বড়বাজের কনা) জান্তুত ক্রবিশ্বাস্থিত্বল করতে কেলে মুফিলর প্রান কাল করবে	3-4-40-24 8-HH	180	638	সম্ভোগ করত শেশ(ইংগ্রহিম আ কর্মক মূর্বির সময়োচনা প্রদাস)	২১-অপিরা	60	19
জায়ত জনস্কান্ত্ৰেশ কয়তে কথা বুনন্দা হল তাণ ন্দান জায়ত থেকে এমনস্তাবে মূৰ ফিলানো যেল তা তনতে পায়নি		9	399	সম্প্ৰান্ত (প্ৰকাৰটা সম্প্ৰদায়ের জন্য নিদৰ্শন বাত/নিদে)	২০-ইউনুপ	69	10
আয়তে থেকে ব্যৱসভাবে মূব কোনো বেদ বা তদতে সাৱাদ আয়াত শোনার পরও অহংকারী হয়ে জটদ গাকার শান্তি	82-मासित	1	300	্রেইচুত্র কর ক্লা হে লি অনুসার্থী নিটা গ্রেড অহনে করে	৫০-সাফ	82	b
	৫৮-মুখাদালা	3	300	(माना (११४ बारा)	-	-	t
অপ্তাহ ব্যাহার (বাসুল স. ও নিতর্বনারী মহিলার করোপালাল)	ত-মালে ইমরা-			লোপন বিবন্ধ আল্লাহ কথাতে পাৰ (মুৰ্শবিকদেৱ)	৪৩-মুখ্যুক্য	tro	18
মাপ্তাহ বনেজন মাসর কবা যার খলে- "মাপ্তাহ মন্দির ও)		303	965	Catalou	90.348.4	90	+°
प्राष्ट्राद्र गूज्याद्रश करा क्या (र शमीत दालात त्रामृत न , नव नार्च	৫৮-মুজানলা ২০-য়া-হা	86	180		১০-ইউলুগ	84	0
আল্লাহ পোনেন (মূস্য, হাক্লন ও ফিরআউন প্রসঙ্গ)	१०-इा-श 80-इॉस्स	30	140	ক্ষাত্ৰক কি বাসুদা সংগোৰতে পাইকোর (সে অনুধানে না করেশত)	३०-एक्यून ३०-एक्यून	80	
আপ্লাহ শোলেন সৰ্বাক্তি আপ্লাহৰ বাৰ্থী শোলত উদ্দেশ্যে মুপরিকলেবকে জ্ঞারসান	9-81641 80-4 144	40	080	ৰখিবকে পোনানে যায় না (সঠিক পথে পরিচাদনা এসক)	২৭-নামল	bo.	Ъ
	9-01041			বধির ও মৃতকে আহবান শোনামে যায় না	७०-व्य	65	
আপ্তাহৰ নিৰ্দেশ পোনার পর মূখ ফিরিয়ে দেয়া নিষেধ	৩-মালে ইমরা-	50	900	বধিয়কে আহমে শোনাতে পারবে না অসুপ	২৭-মামপ	9.7	Ъ
আহ্বান (ইমানের দিকে আহ্বান ওনেছেন মুফিনগণ)	३३-वास्त्र	90	908	মুমিনকেই বাসুল বা পোনাতে পাবাৰন	২৭-নামল	po	Ъ
ইংপ্রাইম্বে মৃতির সমলোচনা করতে পোন(মৃতি ভাগ প্রসক্ষ)				মৃত ও বধিবকে জহবাদ শোধানো যায় না			
ইহুদীদের না শোনার মত করে অনুন বলা	8-নিমা	86	690	মৃততে শোনাতে পালৰে বা বাসুগ	৩০-জন	65	10
এক ইলাহ এর ধারণা আগো তনিনি (কাফিবরা বলে)	৩৮-সোরাদ	9	Map	শোলনো যাহনা কোন কবববাসীকে (উপমা)	৩৫-ফাভির	44	Þ
কথা শোদার আহ্বাদ, দিল সম্প্রদায়কে (মুমিদ ব্যক্তির)	৩৬-ইয়াদীন	22	9450	শেলা (মনোযোগ দিয়ে)	-	$\vdash$	+
কাভিবরা বলে 'আমরা তলপাম' (আরাত পাঠ করা হলে)	৮-আনকাশ	-02	900	केटन कर्य मानापणना (तान्। क्यूनार करा दृष्टिमाना करा	৩৬-যুমার	72	5
কাঞ্চিব্ৰয়া কভাইনা অনৰে (নিৰামভেৰ দিন)	३५-मावदेशन	40)	900	শোহনীয়		1	1
কনে থাবলেও না শোনা (ভায়ন্নামী মানুষ ও স্থিন হানক)	৭-আগ্রাক	249		ইথানকে পোডনীয় করেছেন অস্তাহ (মুমিনদের হলয়ে)	৪৯-হর্বাভ	9	3
কান (মৃতিদের কি কান আছে যা নিয়ে কারা পোনে ৫)	<i>ব-মা</i> , ব্যক	794		কাছকৰ্মকে শাবনান পোচনীয় করে দেখার (মুপরিকানে নাজনর্ম)	১৬-মাহ্শ	60	
विच्यास्थ्य गाउँ (भाग (अञ्चल क्षित्स्य सर्वेत काळ जाग शाम)	৪৬-আর্কাক	100	227	কান্তকর্মক শোচনীর করা হয়েছে (প্রত্যেধ উপ্ততের কাছে)	৬-আন্'আম	209	
কুল্লোন তলে নামারাদের চোৰ অঞ্চলজন ইওয়া প্রসং	৫-মারিদা	940		কামকে পদ্রত্যব গোচনীর করেছিগ(গাবাবাদীদের প্রদাস)	र्व-माप्रम्	28	E
ভূরমান গোনা (একদল দ্বিল নবাঁর ভূরজান গাঠ তনেছিল)	৪৬-আহ্গাক	43		নামকে বাস্তাহ শোকনীয় কয়েছে (অপিয়াকে অবিশ্বাসীয় কাম)	২৭-নামল	8	1
কুরমান (অধিকাণে মানুহাই কুরমান গোলে না)	৪১-কুন্দিবার	8	91916	বাজকে প্রভাব পোচনীয় করেছিল(আদ ও হামুদ প্রদর্গ)	২৯-আনকাৰ্ড	05	1
গর্জন (ধুলার আবনের গর্জন করেত পানে বিধায়ত নারীকারকারীর	২৫-জুরবান	24		কৃতকৰ্মকে সীমালকাপকাৰীৰ কাছে পোচনীৰ কৰা হয়েছে	২০-ইউনুস	25	
চুমি করে জনতে চায় যে আকাশের সংবাদ	১৫-হিজর	79.	689	কভকর্মক জাল্লাছ শোভনীয় করেছেন (কাঞ্চিবদের)	৬-আন্'আম	255	2 6
ষ্টে মেরে শোমার চেটা করা (উর্চ্চাঞ্চপতের কথা)	৩৭-সাক্ষাত	30	254	চন্দ্ৰকে শোভনীয় ধনা হয়েছে কাকিবদের নিকট	১৩-রা'দ	00	1
জান্তান্ত্রামের দীর্ঘন্নামের জীগতম শব্দও জান্ত্রতীরা তদকে সা	২১-অধিয়া	303	929	পাপ বাছ গোচনীয় করনে ইবলৈন পৃথিবীতে (মানুক্যে কণা)	১৫-হিমার	, ch	
ক্ষাংল্লামের রাশ্বাস (পদি) তদতে পারে (ক্ষাব্রলামে নিজিবরা)	৬৭-রুপ্ত	1	312	ব্যেক্তিকার কারে শোলনীর কর হর্তেকা (রুকুল স. এর বিরে না আন)	৪৮-ফাত্ত	35	

পোতা

No. Carriero	जुडिनर व गान	-cuti	4 4 61	<b>गर</b> दिरक्षध्या	कुंबर मर्क साम		1
শোতনীয় (পূৰ্ব পৃষ্ঠা দেকে)				মিখ্যা প্রবণকারী অতি ইহুদীয়া	৫-মারিদা	85	en
মন্দ কাৰকে শোভদীয় করে দেয়া হয়েছে যার ধন্য সে	৪৭-সুহাত্মদ	28	220	সংখ্যারর (কৃমিকে জীবিত করা প্রকারনত্তী সংখ্যাররের জন্য নির্দান)	১৬-নাহ্দ	60	900
মন্দকাঞ্জকে পোচনীয় করে দেখানো হয়েছে যার জন্য	৩৫-ফার্ডির	ъ	780	শাড়া দেৱা (প্ৰকাকারীরাই রাসূল স. এর ভাকে সাড়া দেৱ)	৬-আণ্জম	00	230
মন্দকান্ধ শোকনীয় করা হয়েছিল (ফিরআউলের নিকট)	৪০-মু'মিন	01	993	লুবণ (ছামি'না)			
মানুষের জন্য পোডদীয় করা হরেছে (ভালবাসার আকাৰকং)	৩-জালে ইমরান	18	603	বলা (ইছনীদের প্রবণ করদাম/ছামি'না বলা প্রসঙ্গ)	8-निमा	85	000
মুশরিকদের বান্ধকর্মকে শরতান পোচনীয় করে দেখার	১৬-নার্গ	60	900	প্রবণ (মনোযোগসহ)			1
শরতান শোগুনীয় করে (কাঞ্চিত্রের মন্দর্কার্কে)	৬-আৰ'আম	80	669	উপমা প্রবলের নির্দেশ (অন্যান্য উপাদ্যনের অকমতা প্রদাস)	২২-হাজ	90	986
শরতন শেষনর করেছিল অধিয়ান্য কল (বন্যযুদ্ধ প্রবঙ্গ)	৮-জানকাল	87	605	জিনদের মনোবোগ সহকারে কুরমান প্রকা প্রসঙ্গ	৭২-জিনু	3	200
সন্তান গ্রহণ শোভনীয় দর (দরামর আল্লাহর জন্য)	১৯-বারইরান	26	980	প্রবণশভি		÷	+
সন্তান হত্যাকে শরীকরা মুশরিকদের আছে শোভনীর বরেছে	৬-অব্ভাম	309	60%	কৃত্যার প্রবাশের কর মনুদ্ধক দৃষ্টিপতি/ প্রবাপতি/বছর দাব	১৬-দাহ্দ	93	900
স্বীনালকানভাৱীয় কাছ নিজ কৃতকর্মকে শোহনীয় করা হয়েছে	১০-ইউনুস	34	955	रच्या तमा (व्यक्तार वेत्रम् कराण प्रमाणिकारमा प्रमाणीक (करा निराजन)	২-বাসারা	40	40
শোভা				তেরে লোর (অক্সায় প্রকার পরিপত্তির কেরে দিলে কেট দিরে পারে মা)	৬-আদু'আম	86	60
ৰচ্চর (শোতা ও বাহদ হিসাবে খোড়া, ৰচ্চর ও গাধা সৃষ্টি)	১৬-দাহল	ъ	900	বানালো (সাল্লাহ বানিলেছেন প্ৰবৰণভি)	७९-इन्ड	40	39
গাধা (শোজ ও বাহন হিসাবে ঘোড়া, বচ্চর ও গাধা সৃষ্টি)	১৬-দাহল	ъ	900	মানুবের প্রবণপঞ্জিও অন্তর দান (কৃতজ্ঞতা প্রকাশের জন্য)	১৬-নাৰ্ল	95	90
যোদ্ধা (শোকা ও বাহন হিসাবে ঘোড়া, থাচর ও গাখা লৃষ্টি)	১৬-দাহল	br	900	মন্দিক প্রেকাশতির মন্দির কেঃ ফুর্লরবিক্তার করে মধীর প্রের)	১০-ইউনুস	97	92
ভূমি বৰন শোকা ধারণ করে/আকর্ষণীর হয় (বৃত্তির পর)	১০-ইউনুস	2.8	000	श्चवनम्बिमान्त्रन्	20-405-1	100	92
CHIRI		- 11		উপমা (বধির ও প্রবণশক্তিসম্পন্ন ব্যক্তির উপমা প্রসঙ্গ)	11 200	10	96
ভাকা (মানুধ বিপলে আল্লাহকে নাঁডিয়ে,বলে ও খনে ভাকে)	২০-ইউনুস	25	966	পরীক্ষার জন্ম মানুয়কে প্রথমতিনাম্পন্ন বানানো হয়েছে	১১-বুল ৭৬-দাহর	<b>28</b>	994
শ্বল (নিডিয়ে, বলে ও অয়ে আল্লাব্ৰকে শ্বলোর নিচলি)	s-Fint	200	290	মানুহকে প্রবণশক্তিসম্পন্ন বানানো হয়েছে (পরীক্ষার জল্য)	৭৯-পাব্র		
পোরবেশ	0.111	200	4 10	THE STATE OF THE PROPERTY OF STATE (THE PARTY OF STATE )	19-4164	3	220
কুরঝান পাঠ কালে শোরণোল সৃষ্টি করতে বলে কাক্রিরর	৪১-কুন্সিলাভ	-					-
মুশরিকনের শোরগোপ (মারইয়াম পুত্র ঈসার দৃষ্টান্ত কলে)	৪৩-বুধরক ৪৩-বুধরক	49	bbb bbb	সদকা (শ্রম ছড়ো সদকার জন্য কিছু পার না যারা)	১-জাওবা	9.5	681
श्रीठानाव (सामराम (सामराम पूर्व समात मुक्क प्रथम)	90-7484	Q.J	744	Sig.			_
অসং (শৌচাবার তাকে আসচা পরিক্রমা অর্মান, আরাপুত্র প্রসাস)	s-Stort			মূৰ্যক্ষ (গ্ৰন্থ হবে জনেক মূৰ্যভল, কিয়ায়ভের দিন)	৮৮-গাশিরার্		707
	৪-দেশ। ৫-মারিদা	80	265	শ্ৰেণী		_	_
জাসা (শৌহাগার থেকে এসে ভাগ্নাত্মন- গাদি না পেলে) শ্রবণ (আরো দেখুন শোনা শক্ষটি)	G-MINNI	0	52.7	তিস শ্রেণীতে বিজ্ঞ হবে মানুধ (কিয়ামতে)	२७-७शक्सि	٩	h84
			-	মানুকো বিবিদ্ধ শ্রেপীকে অস্কাহর লো দুনিয়ার নদৃদ্ধি পরীক্ষাদরপ	২০-জা-ম	707	983
ন্ধপরাধীর প্রস্তাত ওপ্রকা করার পর বিশ্বাস করবে (বিলামতে)	৩২-সাজ্দা	25	3407	শ্রেষ্ঠ (ঝারো দেখুন উত্তয় শব্দটি)		L	
জপরাধীরা প্রবণ করেনা (হদরে মোহরের ভারণে)	१-जा'शक	200	655	আল্লাহ মহান ও প্রেষ্ঠ (নারীর উপর পুরুষের মর্যানা প্রদাস)	8-निमा	08	26
অসিয়ত প্রথণ করের পর তা পরিবর্তন করার পাপ বর্তাবে	২-বাকুরো	79-7	650	আপ্রাহর স্মরথই সর্বপ্রেষ্ঠ	২৯-আনকাকৃত	82	3.50
জনার কথা কনলে উপেক্ষা করত পূর্ববর্তী ইমাননাররা জায়াত প্রবেশবরে পরও অহংকারী হতে আটল গারার শব্রি	২৮-কাদাস ৪৫-মাছিলা	66	220	উত্তর উত্তর মুরিনগণ (মানবঞ্জাতির কল্যাণের জন্য)	৩-আলে ইমরান	220	280
আপ্তাত প্রথমকরের পরত অবংকার বরে অনুন বাকার শাস্ত্র আপ্তাহ প্রবন করান (বাকে ইয়র করেন)	৩৫-জাছর ৩৫-জাছির	ь	906	পথ (অনুসাধীদের পথকে ফিরআউন কর্তৃক শ্রেষ্ট পথ বলা)	২০-জ্বা-হা	40	188
আল্লাহ প্ৰথা কৰাৰ (বাকে হচ্ছ কৰেন) আল্লাহৰ কৰা প্ৰথা কৰাৰ নিৰ্দেশ…	৫-মারিনা	44	484	প্রতিকা (মতাজীত হয় জিবতনধীর অধিরতের প্রতিকা প্রেট)	১৬-নাহ্দ	83	900
অল্লাহর কথা প্রথার পর্যাপ (বিজের কল্যাগের জন্য)	৫-মারদা ৬৪-মারদা	20%	869	ফির'আ উদ নিজকে মূপার চেয়ে শ্রেষ্ঠ বলে দাবী করে	8 <b>०-पुनक्</b> य	65	499
আপ্তাহর কথা প্রথমত নিদেশ (নিজের কথানের জন্য) আপ্তাহর বালী প্রথম কয়ার পর তা বিকৃত করা( ইছদী কর্তৃক)				মর্যানা (প্রেট মর্যানা আল্লাহর নিকট তাদের জন্য যারা)	৯-আওবা	20	684
व्यक्तार वा निराणक का अवर करात निर्मा	२-वाक्षता २-वाक्षता	92 20	60p	মর্ঘনা (শ্রেষ্ঠ মর্ঘনা আন্না যার মঞ্চা নিজনের আগে যুদ্ধ ও)	৫৭-হাদীদ	20	285
উপনেশ (বুরুআন) প্রকা করলে অধিনার বালুল স, তে পালল বলে	৩৮-ব্রুলাম	62	233	শ্রেষ্ঠজন		_	
উপচাপ (প্রতিশাসকের পাক হতে আগা নতুন উপচাল কোজায়ুল প্রকা)	२५-व्यक्तिया	3	700	ইসমাউদ, আদ ইয়াসা আ, ও বুল-কিয়াল ছিলেন প্রেষ্টজন	০৮-সেয়াদ	85	6.00
ওহী মনোযোগসহ প্ৰকণ করার নির্দেশ (মুসার প্রতি)	२०-वा-वा	30	185	মনোনীত শ্ৰেষ্ঠজন (ইংরাহীম, ইনহাক আ. ও ইয়াকুৰ)	৩৮-সেয়দ	89	9.00
কান (প্রকণ করার মত কান থাকা, জালিমদের প্রসঙ্গ)	44-10m	84	102	শ্ৰেষ্			
কুরজান প্রবণ (একদল জিনের কুরজান প্রবণ প্রদান)	१३-विन	2	8948	অপ্তাহর প্রেক্টকু ঘোষণা (সঠিকপথ প্রদর্শন করায়)	২২-হাজা	99	963
কুরআন প্রবণ করতে নিষেধ করে কাফিরো	৪১-ফুস্সিলাভ	26	444	অস্তাহর শ্রেষ্টতু খোষণার নির্দেশ	১৭-ইস্রা	222	940
বেলাক্সেল প্রবণ (প্রতিপালকের পক্ষ ব্যক্ত আন্য নতুন উপলেশ)	२५-व्यक्ति	3	100	অক্সাহরই প্রেচ্ছ (আমাশ ও পৃথিনীতে)	৪৫-জাছিয়া	৩৭	900
নিবিষ্ট চিত্তে ধালেগ্ৰান্ত জাতির ঘটনা প্রবণ	१०-वाक	09	3-28	বোষণা(আল্লাহ সঠিকপথ প্রদর্শন করায় তার প্রেক্তর ঘোষণা)	44-17 <b>0</b> 0	09	963
প্রতিপালক সম্পর্কে মুসার মরপাশের শোকনের প্রবণ	রও-জ'জারা বত-মুক	32	969	জিয়াদকারীকে বলে থাকা মুমিদের উপর শ্রেকন্থ দান	8-निमा	96	663
বিচিন্তা (শয়তাদ ওহী প্ৰবণ বেকে বিচিন্তা)	50-9,0USI	575	933	প্রক্রিমানের দিক নিয়ে মুক্সবিদলেরকে শ্রেকত্ব দান	৪-দিসা	96	669
মনোবোগ নহকারে প্রবলের নির্দেশ (কুরজান পড়া হলে)	৭-জা'রাফ	208	607	শ্ৰেষ্ঠত্ব বোৰণা			
মুম্মিনদেরতে প্রবাদের নির্দেশ (রাসুল স, এর কথা প্রসল)	২-ৰাকাথা	208	625	আল্লাহন প্রেচড় ঘোষণা (আল্লাহর নির্দেশিত পরে)	২-বাকারা	724	230
শরতান প্রবর্গ করতে পারে না (উর্ফা জগতের ভিছুই)	৩৭-সাক্ষাত	300	200	প্রতিশালকের প্রেষ্ঠত ঘোষণার নির্দেশ, বাসুল স. কে	৭৪-মুদাক্তির	٥	286
সম্প্রদার (প্রকারারী সম্প্রদারের জন্য নিসর্গন, রক্তর যুদ্ধ ও)	৩০-রম	30	540	द्धांत्रं मशान्			$\neg$
পিছিতে প্রয়োহণ করে প্রকা করার মত প্রোক্তা কি কালের আছে:	৫২-ভূম	40	507	প্রতিপালক সর্বস্রেষ্ঠ দরালু (মূসার প্রার্থনা)	৭-আ'রাফ	242	626
প্রধকারী				প্রতিশাসক সর্বশ্রেষ্ঠ দয়ালু (আইয়ুবের দোরা প্রসঙ্গ)	২১-আছিল	Into	900
व्यक्तात् जुल्लको (प्रभ)युक्तात्व विशेषादेशस्य साहः प्रकातः)	২৮.ড'আরা	36	955				16.0
इंस्मीया कमारमारकार (श्रीवकारत) क्या संवयकाती	হ-মারিলা	87	200	শ্ৰেষ্ঠ বিচারক			
প্রতিপালত প্রকারারী (প্রার্থনা)	৩-আলে ইমরান	03	600	অস্ত্রাহ সকল বিমাকদনের প্রেষ্ঠ বিমারক (সূহের পুরস্থাবন প্রদাস)	77- <u>g</u> é	82	669
প্রতিপাদক প্রার্থনা প্রধানারী	28-देनवादीम	09	809	প্ৰোৰা			
विचा तककारी	৫-মাছিলা	84	202	আপ্রাহ সর্বপ্রাতা	५8-मृत	the	900
and the second second	s Sincil	9.4	*0.0			~-	

(513)	সংবটে পড়া

নম্ব বিষয়/প্রবন্ধ	न्बां नर ७ नात	च्याप न	製	भव दिरद/दगर	न्वा नः ७ नाम	Men 4	
প্ৰোত্তা (পূৰ্ব পূঞ্চা থেকে)				ছালিমরা হর্মন্ত করণ	১৪-ইবরাহীম	85	63
মাল্লাহ সৰ্বন্যোকা	२८-मृत	57	992	জালিমতা পৰ্বত টলে যাওৱার মত বড়বছ করল	১৪-ইবরাহীম	85	63
মান্তাহ সর্বশ্রোকা	३-शकुक	228	656	ধালে করা (অক্সাহ যারুদ্রাকারীয়ের ইমারকের চিবি ধালে করেন)	১৬-নাহল	২৬	90
মাপ্তার সর্বল্রোকা	৩-জালে ইমবান	252	489	নাইনের বাদ্যার কল অবীং (ইউপুকের বিকতে দ্রীন অভিযোগকে)	১২-ইউবুফ	45	90
वाहार गर्रताय	৮-জনখাল	40	603	নারীদের বয়ুবন্ত ভয়ানক (আবীধ বলল স্মীকে)	75-58356	27	69
वासार गर्दछान	২-বাঞ্চারা	225	240	নারীদের বছরত সম্পর্কে প্রতিপালক ভাগ নানেন	১২-ইউসুক	60	63
	২-বকুরা	29.2	650	নারীদের হড়বজের কথা (আর্থীবের স্ত্রী তল্প বংশ)	25-8834	02	ė.
অক্সহ সৰ্বস্থোতা	হ-বাহুতে। মু-জানকাল		909	দিকেনের বিকল্পে যান্তবন্ধ করে (অপরাধীরা)	৬-অন'আম	330	30
আদ্রাহ সর্বপ্রোতা		82		নিদর্শনের বিরুদ্ধে যাত্রর (মুপরিকলেরকে দরা করার পর)	১০-ইউন্দ	57	60
অন্তাহ সর্বপ্রোকা	३-व्यवस	700	647		93-95	44	20
জন্মাৎ সৰ্বপ্ৰোৱা	৮-আনহাল	63	ලවර	দুহের সম্প্রদায়ের বড়বছ প্রসং			
সাল্লাহ সর্বন্তরী ও সর্বস্রোজ	२२-शृष्ट	67	960	পরিনাম্ছেমুন সম্প্রবারে সমিয়কে হংগ্রে বড়মারে পরিনাম)	২৭-নামল	62	ъ
অল্লাহ সর্বপ্রেজ ও সর্ব্রের (ফলুম-জীব-জন্মণ-পৃথিবীর সৃত্রি)	৪২-প্রা	22	3/3/5	পর্বত টলে বাওয়ার মত বরুমছ (জলিমদের)	১৪-ইবরাহীম	86	6
আল্লাহ নৰ্বপ্ৰাকা ও সৰ্ব্ৰেটা	১৭-ইস্বা	2	928	বিরজাউদের যত্ত্বপ্র থেকে এক মুখিনকে রকা	8०-वृद्धिन	82	3
মাল্লাহ সৰ্বপ্ৰোৱা ও সৰ্বজ্ঞানী	১০-ইউনুস	96	990	বড় বড়বন্ত (নুহের সম্প্রনায় প্রসঙ্গে)	१५-मृद्	22	b
আল্লাহ সৰ্বপ্ৰোকা ও সৰ্বন্ধটা	55-50m	92	196	বানী ইসৱাদিশরা যঞ্চার করল (মিশাকে হত্যা করার)	৩-আপে ইমরাণ	28	6
অস্ত্রার সর্বস্থোর ও সর্বভালি (আরমণ-পৃথিতির সর করা চিলি জানে)	২১-অধিয়া	8	920	ক্ষে করা দানত (শহরেকীচনতক ক্ষে করার মন্য ফুবর বাদুরো)	৭-আ'রাফ	250	0
আন্তাহ নৰ্বশ্ৰোতা ও সৰ্বন্তমা (ছণ্ডমাৰ প্ৰসঞ্চ)	৪-দিসা	208	698	বার্থ (ভিরুমাউদের যত্ত্বর বার্থ হয়েছিল)	৪০-মুখিন	09	ъ
বাহার নবলোডা ও নব্রেরা (ব্রুয়ার অনান) বাহার নবলোডা ও নর্বজানী	২-বাকুরো	288	652	বাৰ্থ হাবে (মাল কাছেনৰ বয়সন্ত্ৰ বাৰ্থ হলেট)	৩৫-ফাডির	30	b
জাপ্তাই নৰপ্ৰোভা ও নৰজ্ঞান। আপ্তাই নৰ্বপ্ৰোভা ও নৰ্বজ্ঞানী	হ-মান্তম	99	650	গাইতের সভাপু করনে ইউপুনের নিক্তর	22-58346	0	10
		70	690	অইনের বর্তম্ব করনে ব্যক্তান নির্মান নির্মান করিল নির্মান মা)	77-5834	305	0
বাস্থাৎ সর্বপ্রোক্তা ও সর্বজ্ঞানী	৯-ভাওবা			আহনে (ব্যক্তানে বাচনে বচুমার দনর রক্তান, মচেন ন) আহমে পরিনিত বচনা প্রতিপালত (হারীভালাসের যানুমা)	১০৫-খীল	304	21
মান্তাহ সৰ্বপ্ৰোতা	৩৪-সাব্য	20	784				
মাল্লাহ দৰ্বশ্ৰোকা	৫৮-মুক্ষাদালা	>	>65	মতন্ত্রা (ধরুমানে বর্তমে মন্যক্স না হতে নির্দেশ, রাসুণ স. কে)	১৬-নাহল	254	
ৰাল্লাহ সৰ্বপ্ৰোজ	০-আলে ইমরান	<b>CS</b>	6.09	মন্দর্বাক্সের বড়যার করলে তালের জন্য করিন শান্তি	৩৫-কাতির	30	ь
বারাং সর্বপ্রোক্ত	৩-জালে ইমরান	00	600	মন্দরাক্তের বন্ধবন্তের উদ্যোজনেরকেই পরিবেটন করে	৩৫-ফাচির	80	þ
অল্লাং সর্বপ্রোতা (আবীবের স্ত্রীর যতুবন্ধ প্রসঙ্গ)	১২-ইউসুক	08	660	মঞ্চলাঞ্জের সন্ধান্তের কাবলৈ মুশরিকনা ঔচ্চত্য প্রকাশ করে	৩৫-ফাভির	80	T
মালাহ দৰ্বশোকা ও মহাজ্ঞানী	৮-আনকাশ	39	600	মুশ্রিকদের হছয়ের ফেরেশভাগন লিখে রাখেন	১০-ইউনুস	52	13
অস্ত্রাহ বতাই না সুন্দর প্রোভা (আসহাবে কাহাক প্রসঙ্গে)	১৮-কাহক	26	920	রপুণ স্থ এর বিক্রছে বছরের করণ আহবান (মৃত্তিদের পাহার্য নির্বে)	१-छा'शक	296	1
আরাহ কর্মের ও সর্বনিষ্টা(মানব নষ্টি ও প্রকর্মান প্রক্রি	৩১-প্ৰমাণ	20	140	সিহের রাখা (মুশরিকদের বাচুবছ কেরেপতা দিবে রাখেন)	১০-ইউন্প	32	t
অন্তাহ সংযোগ ও সম্প্রভা(মান্য বৃহত ও সুনসমান এসন) অন্তাহ সর্বজ্ঞানী ও সর্বপ্রোতা (বিধিক দান প্রসঙ্গে)	२३-व्यानशत्त्र	30	P-57	भारतात्व स्थापन पूर्वन	8-मिमा	98	+
		rith.	907	महि (क्षणकीपुर सहराहर कारा) सक्षम ६ स्ट्रांस महि)	৬-আন্তাম	228	
প্রমাণ উপস্থিত কঙ্গক প্রোকারা (কাছিনসের প্রোকা প্রসঙ্গ)	৫২-সূব	09	500	শান্ত (জন্মবাসের ব্যৱস্থার কাল্যে পান্তুর ও করের শান্ত) শান্তি (বীন ষভয়ন্তের শান্তি হুমি কাল্য ও অকম্মিক শান্তি)		80	13
শতর		_			১৬-শব্দ ৩৭-সাক্ষাত	क्ष	+
মুখিন নারীদের শ্ববরের নিকট দৌশর্য প্রকাশে লোব দেই	२8-मृष	92	999	সম্প্রদারের রাচ্যন্ত (ইবরাইটেরে বিক্সছে ভার)			
শ্বাস				সহিত্তে নেয়া (বড়বস্ত সহিয়ে নেয়ার প্রার্থনা করল ইউসুফ)	३३-१४गुरू	-00	1
স্বাদ বেলার শপথ (যখন তা শ্বাস দের)	৮১-তাকভীর	201	2007	সরিত্র দির্দেশ প্রেতিশালক ইউসুক আ, থেকে বড়মার সমিতা নিশেন)	३२-१६नुरू	-08	J
শাসলোগে মৃত				সঙ্গিয় বাং এর নিকারে ছানুন সম্প্রদারের যাকুয়ে(হরর প্রভারী)	২৭-নামল	ĝ0	3
পত (শ্বাসংবাদ করে মৃত্ত পত হারাম)	৫-মবিদা	۰	eyo	হাজীওয়ালানের যান্তবন্ত প্রতিশালক এইতার পর্যবসিত করেন	३०१-मीन	2	١
	6-415-11	ř	410	ইন বয়বন্তের পান্তি (পৃথি ঋস ও অঞ্চমিক শান্তি)	১৬-নাহ্প	82	Т
বিভ্ৰম (আৰো দেখুন চক্ৰান্ত শব্দটি)				হুপ জ, এর বিরুদ্ধে যন্তব্যর করা (সম্প্রদায়কে হুণ)	১১-বুল	66	1
অপরাধীনের হন্তবন্ধের কারণে লাক্স্না ও করোর শান্তি	৬-জাপ আৰ	228	900	হত্তবন্ধ্রে শিকার			t
জনরাধীনের বড়বছ করার জন্য জনপঞ্জ লিযুক্ত করা হয়	৬-মান'আম	320	607	কাম্বরর অনুবাহের শিকার হবে (র্থনি মন্তবন্ত করে)	24-99	83	t
অহ্বেদরীলের খড়বস্ত (দুর্বপদেরকে অবিশ্বাল করালো)	৩৪-সাথ	00	788		44.54		۴
আল্লাহর ইঞ্জাধীন (সকল ঘতনত্ত্র)	20-8FR	84	995	यहं		-	4
অল্লাহর হজাবাদ (পদল বর্তমন্ত্র) ইন্তর (ইনরাইমের বিস্তুদ্ধে সম্প্রাপারের যতমন্ত্রের ইন্সা)	३५-वाशिय	90	928	কুকুর (আসহাবে অহাকের কারো কারো ধারণা)	2>-4(20.	22	1
		90	128	হচন্দ্ৰ থাকেন অপ্তাহ (পাঁচ মানের গোপন কথার)	৫৮-মুব্যানাগা	9	15
ইবরাই)দের বিজ্ঞান সম্প্রদায়ের স্কৃত্যাের ইচ্ছা	२)-वारिया			যাট			Т
কাঞ্চে না আসা (যেদিন দড়বত্র কাজে আসবে না)	१२-इड	84	907	মিলভিন (ব্যাহ্রন মিলভিন প্রবাহনে বিহারনত্তী, রেখ না রাখলে)	৫৮-মুজাদালা	8	1
কাঞ্চিম্বরা কি বড়বন্ত করকে চার?	৫২-ভূম	84	202			-	+
कावित्रता यहण्ड करत	৮-অনক্ষ	100	908	<b>7</b> (45	1		П
ব্যক্তিরদের পূর্ববভীরাও বড়বন্ত করেছিল	১০-রা'ল	84	695	উদ্ধার (মৃদ্যা আ, ও হাজদকে মহাদাবেট থেকে উদ্ধার)	৩৭-সাড়ফাত	275	
ব্যক্তিবাদর যত্নায় মুদ্দিনাসর ক্ষতি করতে পরক্ষে না যদি	৩-আলে ইমরান	340	¢89.	উদ্ধাৰ (মৃত্য ও তাৰ পৰিবাৰকৈ মহাসংকট হাতে উদ্ধাৰ)	২১-অধিয়া	9.64	+
व्यक्तिकास बहुन्यस स्रापुण ग. तम मन्द्रपुर्ध ना बस्त्रास निर्दाण	২৭-মামধ	90	क्रेट्स	উছার (নুহ আ. ও তার পরিবারকে মহাপকেট থেকে উছার)	৩৭-সাত্যাত	96	+
অফিবরা ভীষণ দচ্চত্ত করে	৮৬-জার্ডর	34	2029			1	
লাছিবদের বহুতার দুর্বল করে দেন আল্লাহ	৮-মানকাল	30	600	এসে পঞ্বে যথন মানুষ স্থাপ করবে (নিজের প্রচেটা)	৭৯-নামি*জাত	-08	
অভিননের বহুতার এটাতার পর্ববসিত মনেই	৪০-বুদিন	32	ppo	জল (সংবট কালে নবীকে জনুসরণ করেছে যাবা)	১-ডাওব	224	١
জাভরদের বন্ধবন্ধ -বঙ্গতার শবণাশত খণেখ ককরি করেছে যাবা ভারা রচমত্র করে রাসুল শ. এর বিকছে	৮-জানফাল	90	900	পৃত জা, দংকটে পঙ্গেন (কেরেশকাদের নিয়ে)	22-4H	99	
		43	900			+	+
মেয়ানতকারীনের যদ্ধ্যন্ত সকল করেন না আল্লাহ	३२-३७नुक			সংবটপূর্ণ		+	1
ধ্বনুন সংস্তারের যন্ত্রপ্রের পরিশ্বন ধালে(সলিয়তে হতার বরুয়া)	২৭-নারশ	63	tro8	সংক্ষেপুর্ণ দিন, শৃতের নিবট কেরেশর আগমদার দিন	22-Ee	99	
হাধুন সম্প্রভাৱের হড়দঙ্ক ( সালিহকে হডাবে প্রচেন্টা)	২৭-নামল	80	30rd	সংবটে পড়া	-	1	Ť
बहुक्काम नेकाराञ्चल विकारी काकी स्थाप (विरायक्तिना महना)	৭-আ'রফ	250			২৯-জানতাবৃত	- 00	1
ভাগিমদের বড়বছ আল্লাহর জানা আছে	১৪-ইবরাহীম	85	989	লৃত সংকটে পড়া (কেরেশকা আদা গ্রাসল)	- Alueilée	1 00	-11

বিষয়/হনক	বুৱা বং ও নাৰ	101	787	भव दिरह्र/देशक	বুলা নং ৩ নাম		101
সংকর (আরো নেখুন প্রতিক্রত শব্দটি)				কিয়ামত সংঘটিত হবে বেদিন (সেদিন মানুহ বিচক্ত হবে)	৩০-ক্রম	28	520
তালাকের সংকর ('ইলা' হারা ভালাকের সংকর করলে,)	२-राकृता	221	656	অপিনাম উপা তঃ-জিট ও পরি সংগ্রীত হরে (কৃতবর্তের মন)	৪২-শ্বা	22	770
বিবাহ বছনের সংকল্প কবা নিবিদ্ধ (ইন্দত চলা কালে)	২-বাকুরা	505	653	নিচাৰের নিন জবপাই সংঘটিত হবে	৫১-যারিয়াত	4	254
সংবীৰ্ণ		Γ.		মহাবটনা সংগটিত হবে (কিয়ামত প্রসঙ্গ)	<b>65-शका</b> र	34	932
বন্দকে স্কৌর্ণ ও কটিন করা (অল্লাহ্ যাকে পথান্ত করতে চান)	৬-জানু জম	240	bob	শবি (रा শবি সংগীত হয় छ <u>राज्यित</u> र काम (क्यें (गरें)	৭০-মা'আরিজ	2	927
সংবীৰ্ণ প্ৰায়ে নিক্ষেপ করা হতে, বিয়ামত অগীকরবারীকে	२१-पुरस्म	30	9310	শান্তি (প্রতিশাশকের শান্তি ভরশ্যই সংঘটিত হবে)	৫২-ভূত	9	959
সংকীৰ্ণতা				সংঘৰ্ষ			
কিতাবের আগারে বেনা সংক্রীর্বারা না থাকে (রাসুল স্, এর খাক)	্-জ'রফ	1.	620	দু'ৰুন লোককে সংখ্যৰ্থ লিপ্ক দেখতে পেল মূস্য	২৮-কাদাস	36	pop
<b>अरका</b> जन		_	-	সংখ্যাহীৰ			
মিনিক সম্ভাৱতল করেল কাল এতিশালক, তথল মানুধ বলে	3-9-4163	3/6	2047	শিক্তর প্রথম কুঁতত সকলে সন্তর্মাইন মতে, দিতীরটার পাঞ্জাত	०५-इमार	30	799
নংকিও (কনর)			100	সংস্কাহীন হবর দিন পর্যন্ত কবিবসের ছাত্র/ভবরূপ দেয়া	65-68	84	3:03
দ্মান (কলিচেন কিলর অপত্র নমাল কন্মুসক্রির করা বরে)	8-मित्रा	303	690	মূলা আ, তুর পর্বতে সংজ্ঞাধীন হরে পড়ে বাংলা প্রসঙ্গ	৭-জারাদ	380	648
नर्शक	9-1-1-1	202	6.10	गरदहर			-
বংশ্বর আনহাবে কাহুছের কানে পর্না স্থাপন করেন অস্তাহ				মুদ্দিবাদর হাত সংবর্গার নির্দেশ, যুদ্ধ করাল হওার আগ্রে	8-দিলা	99	669
	७५-बार्ड्स	22	948	হাত সংবহণ না করলে মুনাভিকদেরকে প্রেফরার ও হত্যা	8-দিশ	202	269
मस्था	-	_	ш	गरवरणकादी		100	200
व्यक्तवर्तित म्हण्य व्यव (व्यक्तवन्त्रम् मः ध्वा व्यक्तवर्ति)	१३-बिल्	48	25-9	ত্রেব সংবরণকর্মীতে অক্সাহ ভাগবাসেন	৩-আলে ইমরান	240	28b
<b>व्या (गांव १४८४ व्याध</b> -वामून म्. ४४ व्यवस्थातीत मरबा व्याप	१३-बिल्	48	259	MARKET	O-MAIN KANN	200	403
অসম্ভবে নাম্বনে সংখ্য (প্রতিশানর সধ্যায়ে বেলি মানেন মানেন)	১৮-কাব্ৰু	42	925	অনুবাত পেশকারীদের সংবাদ জানিয়ে সিরেছনা অনুবাহ	b-Wheet	38	
গণনা (আল্লাহ প্রতিটি জিনিস সংখ্যার গণনা করে রাখেন)	१३-सिन्	护	359	जनुर्वात जनम तन्त्र र (व वर्षे स्थापन व्यक्तर (श्रीकृप वर तन्त्र)	34-१७गुक		960
পূর্ব করা (সংখ্যা পূর্ব করতে হবে, কাজা রোবার সংখ্যা)	२-शक्स	7946	650	অনুশোৰ সংখ্যৰ কৰী কৰছেন আল্লাহ (বাসুল স. এর প্রতি)	৩-আলে ইমরান	205	8018
पूर्व करा (সমরকাশ पूर्व कराद्य जाना निरुन रामकारम जा <u>रू</u> ह)	२-वा <b>नं</b> गस	7246	650	অপ্যাত্ত সংখ্যৰ কথা কথাকে আল্লাহ (রাপুল ন, এর প্রাচ) অপুলোর সংখ্যৰ বাহীর মাধ্যমে নবীকে আল্লাহ জ্ঞানান	৩-আলে হমরা <del>।</del> ১১-মুদ		280
ফেরেশভাসের সংখ্যা উল্লেখ (কাফিবদের পরীক্ষা স্বৰূপ)	৭৪-মুম্বাছছির	-02	997	অপ্ত (সকল সংখ্যা অপ্ত হয়ে যাবে কিয়ায়তে)	২৮-কাসাস	88	930
বছরের সংখ্যা ও হিসাব জানার জন্য চাঁদ সৃষ্টি	১৭-ইস্রা	25	476	जनन-नृष्टित जन्म कि जहां काल ये जहांका जकता			
বছরের সংখ্যা (কর বছর পৃথিবীতে অবস্থান করেছে পথস্টেরা)	২৩-মুখিনুন	225	110	क्यार प्राप्त गर्वन के यह कार्य व व्यक्ति व व्यक्ति व	১০-ইউনুস ৫-মাবিদা	7.5	966
মানের সংখ্যা বারটি	৯-জাওবা	00	980	व्यवस्था वृद्ध पुराम गराम गराम (१५७ १. १८:११०) व्यव (व्यवस्थान निको जनसम्बनी जननिव जनम ४११३)	৫৪-কামার ৫৪-কামার	29	40% 20%
রোখার সংখ্যা অন্য সময় পূর্ব করবে (অসুস্থ ও মুসাফির)	५-राङ्गरा	35-8	450	कार्यात कारणा प्रत्यक प्रत्यक (यह कार्य कार्य प्रत्यक )	28-कामाद ১৮-कादरम	3/0	
হারাম মাসের সংখ্যা মিলানো হালাল মাসকে হারাম করে	7-शस्त्र	01	588	देशवरीयन करान गाँउ वरत करातात निर्मा (वाक्ष करा रू. (क)	२७-व\व्यादा ३४-कार्यक	50	93.0
সংখ্যাগরিষ্ঠ		_	ш	উত্তম সংবাদ ভাকভৱা অবসম্বনকারীর কল্য (কারাত)	৩-আলে ইমরান		009
ক্ষী ইবইপলেয়কে সংখাদনিষ্ঠ কথাসন জন্তাহ (বিপর্যক্তর পর)	১৭-ইস্বা	٥	128	कना नवान सन्द्राद्रास्त माराज पुनिकार पुनिकार स्थान का	Se-stem	20	909
সংখ্যাধিক্য		_	ш	কন্যার জন্ম সংবাদে মুপরিকদের মুধ্যকাল কালো হয়ে যার	80-गुनक्ष	29	694
সংব্যাধিক্য মুদ্ধ করেছিল মুমিনক্লেয়কে, ছনাইনের দিন	৯-জাওবা	₹2	<b>68</b> 2	কাকিবদের সংবাদ কি রানুল স, এর কাছে এসেছে ?	৩৪-তাপাবুল	0	366
সংখ্যা নির্ণয়				কাভিয়নের ঠাটা-বিদ্যুপর বিষয়ে সংখ্যন আসংধ	59-9,885	6	999
অপ্তাহন লোমতের সংগ্র গণন করে নিবি করা যার ন	১৬-নাবুল	Σbr	908	বিয়ামত সংঘীন এক মহাসংখ্যাদ	৩৮-খোল	89	0.00
তাপ্রাহ সংখ্যা নির্ণয় করে রেখেছেন (মুশরিকদের)	১৯-মারইরাম	78	980	কুরজানের সংবাদ (বিশ্বসময় পর স্থানা থাবে)	৩৮-সেরাদ	bb	990
স্বাস্থ্যাহ সংখ্যা নির্ণন্ন করে রেখেছেন (সরার কৃতকর্মের)	৫৮-বুঞ্চানালা	6	200	ক্ষতিত হওয়ার সংবাদ (কাধিবদের সংবাদ (দওয়া)	79-कारक	200	900
ইন্দতের সংখ্যা নির্দরের নির্দেশ (ভালাকের ক্ষেত্রে)	৬৫-বেশাক	2	Meh	गढ काम महाम ज्ञाहर कर इन्त्र ग, यह निकी करन कहान	२०-छ-स	35	989
নেয়মতের সংখ্য নির্দিয় করা বারে না (সাক্ষাধ্য নেয়ামত পানা করে)	<b>১8-देरतादी</b> न	08	626	অনপাৰেও সংবাদ বৰ্ণনা করেন আল্লাহ (ইমান প্ৰসঙ্গ)	4-28,35A	202	644
সংগোপনে				জনপদসমূহের বাংবাদ রানুগ স, এর নিরট বর্ণনা	77- <u>2</u> 4	300	698
সংগোপনে ভাকৰ যাকারিয়া, তার প্রতিপালককে	১৯-মারইয়াম	0	908	কিজালাবাদ মহাল্যবাদ (কিল্লামড) সম্পর্কে পরম্পর্কে	१५-मदा	300	3000
সংগ্রহ (আরো দেখুন আহরণ শব্দটি)				সিহিত সংখ্য (ছাছ্য কর্তৃক সাময় নিহিত সংখ্য জনা প্রদাস)	২৭-নমল	44	bo)
প্রত্যেক দিয়ের পানি সহায়ে করা হতে, মাত্রুণ জাতি প্রসঙ্গ	৫৪-কামার	₹ं≭	३०१	्य जन्म सङ्गा शाहर साधित गायन कि दशका गा अब करता प्राप्तित	28-देवहादीम	5	698
মানুহৰৰ আন্যান কৰা সপ্ৰাহ কৰে দু'জন সপ্ৰাহকাৰী (কেনেশত্ৰ)	৫০-ড়াফ	39	250	দূহের সংবাদ পাঠের নির্দেশ রাসূদ স, কে (মুপরিকানের কাছে)	২০-ইউনুস	93	989
<b>সংগ্রহকারী</b>				পরীক্ষা করা (পাশ্যমের সংবাদ পরীক্ষার নির্দেশ মুদ্দিনালয়কে)	৪৯-হত্ত্বাভ	6	250
জাদুকর সংগ্রহকারী পাঠালো (শহরে শহরে)	२७-व'वाद	06	920	প্রট (সংগ্রহ পট করমেন অক্সাহ প্রসূল স, এর নিবট, সভাসম্)	২৮-লদাস	0	pop
ম্বাপুনর সহার করার জন্য সংগ্রহক্ষরীসেরকে শহরে প্রেরণ	৭-আ'রাক	222	644	পাশার্মনৈ সাবেদ পরীক্ষা করে লেখার নির্দেশ মুক্রিনেমারে	8>-एक्शक	6	200
মূলাকে ধরতে শহরে শহরে সপ্তাহকারী/সৈন্য প্রেরণ	২৬-৫'জারা	60	9300	পঠ (আয়াভশ্ৰম্ভ হয়ে তা থেকে বিভিন্ন ব্যক্তির সংবাদ পঠ)	ও-আরাফ জ্য-র্ব্যাত	290	648
সপ্তাম-সংকটে ধৈৰ্বশীলৱা সভাবাদী ও মুস্তাকী	२-राकृत्व	299		र्शन (पूर्वकी बनुनादाव महान क्रीन- डानून म. वह काछ)	77-2k	250	895
সংঘটন				विवानकविताः नातम राष्ट्रग ग. (व लोकान (नांत्रम वा राजन)	৩৮-গোরাদ	23	৮৬৭
বিদ্যানত সংঘটিত হলে বিদ্যাপটনৱা কঠিন শক্তিতে নিখিও হতে	৪০-মুখিল	85	392	মুদ্দ সংবাদ (কাভিয়নের জন্য আঙ্গের সংবাদ প্রসাদ)	২২-হাজ	93	948
ঘটনা (কিয়ামত) সংঘটনে কোন মিখ্যা নেই	৫৬-ভরাভিয়ার্	3	380	মহাসংখ্যার (কার্যান্ড জন্ম আর্ডানের সংখ্যার এবছ) মহাসংখ্যার (কিল্লামত) সম্পর্কে পরস্পরকে জিল্লাসংখ্যার	২২-হজ %-নবা		
সংঘটিত		r		মনুহতে তার পূর্বাপর কাল সম্পূর্ত সংগ্রাস সেরা হরে (বিলামতে)	৭৫-বিশ্বামাহ	30	2000
বিয়ামত সংঘটিত হওৱার দিন	00-8X	25	144	কুমান কর পুনার করা গশালে প্রকার করার (বন্ধক প্রদার)	৩৩-জিহ্মুব		
তিয়ামত সংঘটিত হওৱার দিন বাতিলপছিল ক্ষতিপ্রে ছবে	80-मार्चेश	39	204			20	P-00
কিয়ামত সংঘটিত হবেলা মনে করে (বাগানগুৱালা)	70-9250 97-4050	06	939	ফ্রাখালকে শরিব সংবাদ (অবাদ খনে মুখ বিপ্রানের করণে) রাসুলগণের সংবাদ মুহান্দর স. এর কাছে এসেছে	৩১-পুকমান ৬-জান'জাম	٩	৮২৭
কিয়ামত সংঘটিত হবে না (কাক্বিরা মনে করে)	83-प्रशिवाद	80	141	সংবাদ (পূর্ববর্তীনের পরিবৃত্তির সংবাদ কি আমেনিং)	৬-জাণ্ডাম ৯-জাঙ্গা	-08	677
কিলামত সংঘটিত হবে থেলিন	00-84	66	946	সংবাদ (পুৰণভাগের পারপাতর গংবদ কি আমোনা) সাবার সংবাদ (হুলহুদ কর্তৃক সাবার সংবাদ আনা প্রসঙ্গ)	৯-জারল ২৭-নামল	90	689
	20.74		140	ात्मक गरमा (स्वारत पर्नेक शावाद ग्रह्म जाना द्यमक)	47-1148	24	903

স

भव रिवड/धनम	সুৰা ৰংগ্ৰ নাৰ	रहा र	985	শৃষ্ বিষয়/প্ৰসম	পুৱা সংগ্ৰহাৰ	Might It.	नुश
সংবাদ (বিদ্যামত)				সংরক্ষণের দায়িত্ব দেয়া			
য নিরে মান্ত্রী-বিকুল করত সে বিদ্যানতের সংবাদ আলা	৬-আনু আম	e	696	কিভাব সংক্রমণের দায়িত্ব দেয়া হয়েছিল বালেয়কে	৫-মরিদা	88	6,540
স্বোদ (ঘটনা)				সংগদিত			
প্রত্যেক সংবাদের জন্য নির্বাধিক সমস্ত আছে	৬-জন জন	69	603	অল্লাহর নিকট বরেছে এক সংবঞ্চিত বিভাব	৫০-কৃষ্	8	344
भरताम (महा		-	-	লপ্তক্ষিত ফলকে লিপিবভ আহে কুমমান	৮৫-বৃক্তল	22	2026
অস্ত্রহাত্ত বি এমন সংগ্রাস লো কবিদরা পৃথিবীয় এমন বিষয়ে	30-8FF	00	697	সংগ্র			
নতুন সৃষ্টিতে পরিগত হবার সংবাদ দেব যে ব্যক্তি	৩৪-সাবা	9	787	পরস্পর সংগগ্ন ভূকত ররেছে পৃথিবীকে	১০-রাপ	8	455
ভাইনের এই বাজের সংবাদ আক্ষাকে কশ্যের ইউপুন্দ জা, (ভালিবরে)	১২-ইউসুক	34	693/	সংশ্বর			
পয়তান অবউপি হওরার বিষয়ে সংবাদ (নিধাবালী/পালী গ্রাসাল)	10-0'988	333	925	কাজিবরা সংশ্রে বয়ে গেছে (আগত স্তোর খাপারে)	१०-कृत्य	e	300
স্থাদ বিবন ডি বানুল স, নিবন্ত বিষয়ের (পাশচারীসেরকে)	৫-মায়িশা	90	Q'b'b'	ग्रामक्यामी	4.1	-	
महिम्म	Ç-40.0	-	1	স্পারবর্গনেরের গর্ভার করেন আল্লার	80-मृभिन	-08	ppc
প্রথম বাবে আকাশের পানির সংমিশ্রন ও জীবনের উপমা	২০-ইউনুস	28	969	সংশোধন (আয়ো দেখুন পরিকর্ম শব্যটি)	BU-GIA-	00	000
উদ্ভিদের পরি সাহে (পুনিরার জীবনের উপমা)	35-0124 35-0124	80	939	অভিযোগ উত্থাপনকারীয়া যদি তওবা করে, তবে		¢	998
	10-4154	96	149		২৪-সূর		
সংমিশ্রিত	-	١.		ইমাননারদের অবস্থা সংশোধন করে বিবেদ আহাত্	৪৭-মুহাখাদ ৩৩-আহ্বাব	3	999
মানুহকে সংখিত্তিক বীর্যবিন্দু থেকে সৃত্তি করা হরেছে	৭৬-পাৰ্ব	1	296	বান্ধ সংখ্যেপ করবেন অস্তাহ (মৃত্যালীসের)	২৭-নামশ	47	1vo8
সংযক		-	ш	ছন্দ সক্ষরতার ব্যঞ্জন পরিবার্যকা হার সংশাক্ত কাল্পে		89	
নৃষ্টি সংগ্র রাখনে মুখিন পুরুষরা	18-72	00	995	কুপুমের পর নিজেকে সংশোধন করে ও তওবা করে যারা	৫-মারিপা		424
দৃষ্টি সংঘট বাশ্বৰে মু'মিন নারীয়া	28-7g	92	222	ভঙ্গা ববে সংশোধন হলে আল্লাহ ভঙ্গা বনুল কালেন	২-বাকুবা ৩-আলে ইমবা-	790	688
সংযুক্ত				ভভৰা করে সংশোধন হলে আল্লাহ ক্ষমাশীল ও সন্তামন্ত	১৬-নাহল ১৬-নাহল	229	
হুদর সংযুক্ত থালের ভালের জন্য মাকার ব্যব	৯-জধৰা	60	686	তত্ত্বৰ প্ৰবাপনি নিয়কে সংগ্ৰহন (অন্তৰ্যবৰ্ণত মন্দ্ৰ কৰা কৰাস)			470
সংযুক্ত রাখা				অঞ্চন্তা জনবদ্ধন করে সংশোধিত হর যদি ধনী আদম	৭-আ'রাঞ্	-00	979
আস্তাহ যে সম্পর্ক সংযুক্ত রাধার নির্দেশ দিরেছেল তা ছিব্র করা	२-शकृता	29	¢08	নিজকে সংশোধন ও তাওবা (অভ্যত্তবণ্ড মন্দ কাম কংগে)	১৬-দাবুদ	229	934
সংযোগভূল				কারণ সুটারবীদের কাছ ব্যৱহাং সংশোধন কলে ন	১০-ইউনুস ৪-নিসা	9.7	864
সমূপ্রের সংগোগছলে , মূলা আ. ও নঙ্গী	১৮-কব্ৰেফ	65	123	ব্যক্তিয়ে সন্মোধন ও তওবা করলে করণীয় প্রসম		36	203
সমূরের সংযোগত্বলে না পৌছ্য পর্যন্ত (থামবেন না মূবা আ.)	১৬-কাব্দ	80	459	তর নেই (নিয়েবেরকে সংশোধন করণে ভ্যা/দুচিরা নেই)	৬-আন্'আম	87	900
সংযোজিত				হল বামের পর ততবা/সংশোধন করণে আল্লাহর ক্যা	৬-আন্আম	68	ბიი
আন্তাসমূহ সংযোজিত করা হবে (ভিয়ামতে)	৮১-ভাক্ষীর	9	200b	মুনাভিকরা নিজেনেরকে সংশাধন করলে মুমিনাদের সঙ্গী হাব	৪-নিসা	386	
সংক্ৰেক		-	-	দুমিনদের অবহা সংশোধন করে বিবেশ জন্তাৎ	৪৭-মুহাম্বাদ	4	975
অক্সং সন্তাকক (বিকে প্রার অন্যকে অভিযাসক গ্রেলনেরির নাচন)	83-707	6	1-92	খ্যকবিয়ার বীকে অপ্তাহ সম্ভান থাতের জন্য স্থান্থাকন করেন	২১-অধিয়া	90	100
ইউসুত আ, সংবদ্ধণকারী ও বিঞ	22-2894	00	66/4	ত'বাইং আ, চান সম্প্রদায়ের সংশোধন	22-gH	pp	ওপ্র
পূৰ্ববৰ্তী বিভাবের সংগ্ৰহণ কুবজান	৫-মারিদা	8b	640	সপ্তান-সভাতিকের সন্তশাধন করার জন্য মুনিদের লোৱা	৪৬-জাত্কাক	75	909
প্রতিপালক সবকিছুর সারক্ষক (রুল জা, প্রসঙ্গ)	22- <u>5</u> 4	69	693	সম্প্রদায়কে সংশোধন করতে ম্যার নির্দেশ (হারনকে)	৭-জা'বাক	785	62.0
বাসুল স, কে সংক্রমক হিসাবে প্রকো করা ভানি (মানুমের জন্য)	8-निम	bo	469	নিয়াসমনমানীর পৃথিতিত সমুশাধন করেব, হয়সাদ সৃষ্টি করে	২৬-৩'জারা ৪-মিসা	265	930
अमृत न, भागुरुद मध्यक्त नन	৬-আন্'আৰ	208	800	হীর খাপারে নিজনেরকে সংগোধন (সমধ্য রক্ষা প্রসঙ্গ)	8-(64)	240	16.40
রানুল ন, মানুহার সভাক্তর নদ (তার ঝান্ড তথু পাঁডাটার পৌঁছানো)	৪২-পুরা	87	Vac	সংশোধনকারী			+
রাসুল ন, কে মুপরিকাসের সংবাকক বানাননি (আল্লাই)	৬-অনুবাৰ	201	606	জনতন বৰ্ণবাদী সপোধনাৰী হল আনৱৰ	১১-বুদ	224	
ও'অইব আ, সম্প্রদারের সংরক্তন নন	22- <u>5</u> 4	b.p.	690	খুনাফিকর সংশোধনকারী (মুনাফিকসের পাবী)	২-বাসুধরা	22	203
সংবঞ্জণ		-		মূম আ, সন্তেশধনকারী হতে চার না (পঞ্চ তক্তি বসপ)	২৮-কালাল	29	3.05
ভান বেন গরেকণ করতে পারে(নৃহ আ. এর প্লাবণ প্রসঞ্চ)	५७-शकार	35	245	সংশোধনকারীদের কর্মকল আল্লাহ নাই করেন না	৭-জা'রাজ	240	645
বিবাৰে নীমালকাননীকো স্পতিত্ব সভাকা করে প্রক্রেক আল্লাহ	%-নাবা	122	3003	সংসাধবিরাখী		-	٠.
প্রয়োক জিনিস বিভাবে সারাক্ষা করে রেখেছেন অক্সাহ	৩৬-ইরাসীন	33	2-67	পঠিত ও সংগ্রম-নিরাশীর মনুহক্ত গশস্য কবিল গছত তোগ করে	৯-ভাওবা	-08	980
মানুক্তক সংবাদন ব্যৱ সংবাদনকারী মেরেশনে (অক্সমন আসংশ)	30-3E'H	22	699	পরিত ও সংগ্রহ-বিরুপীসেরের প্রতিপাদক রূপ	৯-বাধবা	-02	984
মানুষ সারক্ষা করতে পারে ল বার্ডসিসের পরিমাণ	৭০-মুব্ববিদ	130	29.2	হুদিবাৰে প্ৰতি নাৰায় প্ৰভাৱতিটোৱে হস্তান প্ৰসা	৫-মারিদা	24	¢ac.
সন্তাহ্বদ করা অন্ত বিস্তু শন্য স্বান্ধ বানী সব খেলে ফেশতে	১২-ইউসুক	89	695	সংসারবিরাগীদের আশ্রম	-	-	-
সংক্রেক্বরারী		1	$\overline{}$	অক্সহ প্রতিহত না করলে লগেরবিরাণীদের অপ্রম বিধান্ত হত	52- <b>訂</b> 樹	80	9%
অনুশোর সংক্রমণকারী নয়, ইউসুদের ভাইরেরা	34-26-54	1/2	99/8	সংস্থার			
	10-		-	পৃথিৱী সংস্কারের পর আন্তে ফ্যানান নৃষ্টি নিবিছ	৭-জা'বাফ	60	477
অপরাধীরা সংরক্ষণকারী নয় মুমিনদের জন্য	बुबाइकियेश	00	3025	সংখ্যালে গা নিপর্বা সৃষ্টি না করে হ'বাইকো আহবান	৭-জা'রাফ	25	650
অক্সাহ বাধার ভামসনামার সভাবদাকারী প্রেয়ণ করেন	% वार्ग वार	63	603	সৰল			L
प्राह्माद्द मीमा मस्त्रभगकारी, पृथिनता	৯-জাতবা	333		উপস্থিত কথা হবে সকলকে আল্লাহর নিকট	৩৬-ইয়াসীন	02	260
প্রতিপালক সর্ববিদ্ধুর সংক্ষেক	৩৪-সাবা	33		নৰযুক্ত পাচ (সকল নৰযুক্ত পাচ ইহুপীদেৱ জন্ম হারাম ছিপ)	৬-আন্'আম	584	930
প্ৰভোক ব্যক্তিৰ উপৰ সংৰক্ষণকাৰী আছে	৮৬-খারিক	8	2029	নিৰ্বাহত কৰা অক্সাহ নৃত্যে সম্প্ৰদক্ষেৎ সকলকে নিৰ্মাছন কৰেন)	২১-আধ্য়	99	90
प्रामुख्य देशव गर्डक्शवाती निवासिक रहारह	৮২-ইনফিয়ার			পাপ (আল্লাহ সকল জপরাধকমা করেন ডাই নিরাশ হবেনা)	০৮-বুমার	60	29
प्रमुख्य कर महत्रभागवि (महान्य सहस्र (मारत स निहत)	30-31°F	33		প্রভাবর্তন (সকলের প্রভাবর্তন আল্লাহর কাছে)	১০-ইউকুৰ	8	96
হৈবর বা কুলমানের সংগ্রহণকর্মী আল্লাহ নিমেই	30-R#R	1 2	584	বিবল (পৰুল বিবয়ের উপর আল্লাহ সর্বশক্তিমান)	००-महिंद	3	78
	69-10611	33		ৱাসুদ স. (মুহাম্মদ স. দকৰা মানুহের প্রতি আল্লাহত রাসুদ)	৭-জা'বাত	325	95

স

नेम विस्त/शनन	न्दा नर च नाम	466.5	न्हा			901	20
সকল (পূৰ্ব পূঠা থেকে)				অপ্তাহ সক্ষম (অধিবাদের তেয়ে উত্তম আকৃতি প্রতিস্থাপন করতে)	৭০-মা'অরিজ	80	350
শরীক-মুশরিক সকলকে আল্লাহ একরিত করবেন(কিয়ামতে)	১০-ইউনুস	2,6	923	আল্লাহ সক্ষম (পৃত্তির পানি নিয়ে মেতে)	২৩-মু'মিদুন	71-	95
সমবেত করা (সকলকে সমবেত করার দিন, বিদ্বাসত প্রসঙ্গ)	৬-জান'জাম	25%	bolv	আল্লাহ মানুবের আলুলের ওপ্রভাগ পুনর্গঠন করতে সক্ষম	৭৫-কিবামাহ	8	200
সমবেত করা (সকলকে সমবেত করার দিন/তিরামধ প্রসঙ্গ)	৬-আন'আম	44	269	আপ্লাহ মৃতকে জীবিত করতে সক্ষম	৪৬-আহ্বাড	00	35
সমূত্রত কর (মহানের ও ইন্যানত্ত্বে শার্ডজনক ভিন্নজনী সম্পর্ক)	8-First	392	695	উপাস্তরা নিজেদেরকেই সাহায্য করতে সক্ষম নৱ	২১-আধিয়া	80	20
সম্মান (সকল সম্মান একমাত্র আল্লাহর)	৩৫-ফবির	30	P89	উপকার (নিজেনের উপকার করতে সক্ষম নয় ধারা,)	১০-রাদ	34	991
স্পারিক (অল্লাইই সকল স্পারিকের মালিক)	৩৯-ব্যাব	88	798	একজন অন্য লনের জন্য বিশ্ব করতে নকম হবে না বিশ্বামতে	৮২-ইনফিতার	36	202
সকল বিহয়		-	- 10	কাম্পিতা সক্ষম হলে দ্বীন কেকে কিবিয়ে নেমে প্রমিন্যানয়ক	২-ৰাকুৰো	229	231
উপদেশ (ফ্লেক্ডের্ডেরডের মুনর জন্য নবল বিষয়ের উপদেশ)	7-781'6745	284	996	ক্তাশিমরা সক্ষম হবে না (পথ পোতে)	১৭-ইসরা	80	935
সকল (সবাই)	1.00 0.0	304	944	বিদা অভিয়নে সক্ষম হলে আনগ-পৃথিবৈ সীত্র অভিয়ন কলক।	৫৫-রাহ্মান	99	h8:
ইবলিলের বহিনীর স্বাইকে অংগতুরী করে আচলে নিকেশ করা হবে	২৬-৩'জারা	-		তীবিত বন্ধতে আপ্তাহ কি সক্ষম দল ? (মৃতকে)	৭৫-কিরামাহ	80	299
উদ্ধার (আপ্লাহ পৃত/পরিবারের সরাইকে উদ্ধার করলেন)		34	9350	ব্যবিত করত (অপ্তার বি মৃত্যুক ক্ষীবিত করতে সক্ষম দল গু)	৭৫-কিয়ামাহ	80	291
	২৬-৩'আবা	240	926	দায়াতে সক্ষম হয়নি ছায়ন জাতি (পাকড়াও করার ফলে)	१५-राविग्राठ	80	82
উদ্ধার (অল্লাহ মূলা অ. ও তার সঙ্গী -সবাইকে উদ্ধার করেন)	২৬-৩'আরা	96	497	দেশকে লক্ষ্ম অনুহত্ বাল্প দ. তে (কবিবাদেরত লেয় প্রতিশ্রমিত,)	২০-মু'মিনুদ	96	993
মাপুকরদের সবাইকে মুশবিদ্ধ করার ঘোষণা (ঈমান আনার)	২৬-৩'ঝারা	89	৭৯০	रेश्व शादण नकम किन ना मना का, विकास एव नव कारक	১৮-কাহক	93/	
ক্ষির'আ উন সম্প্রদায়ের সবাইকে আল্লাহ নিমন্দিত করেন	80-7464	66	9.99	বৈৰ্থধান্য কৰতে সক্ষম হলে না মুসা আ, (বিজিয়ের আপক্ষা)	72-aida	69	90
সকাল (আরো দেখুন প্রভাত শব্দটি)	L			रेश्वरात्त कराइड अक्टर करून मा प्रभा जा. (विकासन जाएक)			900
অবস্থান (এক সকলে সমান মনে হবে (বিশ্বামতপূর্ব সময়কে)	৭৯-নাথি আত	86	2000	বেষবারণ করতে সক্ষম হবে না মুসা আ, (স্বান্ধরের সাথে)  সিধুত করতে সক্ষম হবে মনে করল, ব্যানন্যালরে (মনবিন্ধনেরক)	১৮-কার্ক	9.0	90
ভাল (প্রতিপাশককে যারা সকলে ভাকে তাসের বিঅভিত কর যালো)	e-abitatx	44	600		৬৮-ফুলাম	92	24
ভাকা (প্রতিপালককে সকলে-সন্ধার ভাকে বারা)	29~stdsi	₹₩	926	পথ পেতে সক্ষম হবে না আধিমরা	২৫-ফুরকান	2	96:
পৰিয়তা ঘোষণা (নাউন আ. এর সাথে পর্যতমালার)	৩৮-মোরাদ	7/2	৮৬৭	পৰ ব্যৱত সক্ষম থাতিৰ জনা কা'বা ঘৱের হজ্ঞ করা ফরজ	৩-আলে ইমরান		280
পরিক্রম কর্মন (সক্ষাপে ও বিকালে আস্ত্রাহর পরিক্রম বর্থনর নিদেশ)	৩০-রম	39	200	প্রতিশালক বি দক্ষর আমাশ থেকে খাদ্যপূর্ণ পত্রে অবতীর্ণ করতে!	৫-মারিদা	225	276
পবিত্ৰতা ঘোষণা (সকাল-সন্ধ্যায় আল্লাহর পবিস্ততা ঘোষণা)	৩৩-আহ্বাৰ	83	৮০৭	প্রত্যাবর্তন (অল্লাহ মানুবকে প্রত্যাবর্তন করাতে সক্ষম)	৮৬-ডারিক	ъ	202
পরিরার থেকা (সকল ও সধ্যয় আল্লাহর পরিরার থোকা)	৪৮-কাত্ত্	2	279	বের হতে গক্ষ হলে অবশ্যই বের হত (তাবুকযুদ্ধ প্রমণ)	৯-জাওবা	84	981
পরিক্রর বেষণা (সমাদ-সন্থায় মসন্ধিদে অস্থাবন পরিক্রো_)	38-FF	95	996	গুমির অধিকারী নিজকে কলল আহরণ/রোগে নক্ষম মনে করে:	১০-ইউনুস	₹8	964
ফিবজাউদ বংশকে সকাল-সন্থ্যা আওনের সামনে উপস্থিত	80-मू मिन	86	P9-5	মনে করা (কুমির অধিকারীগণ ফলল আহরণ/জোগে সক্ষমা)	১০-ইউনুস	₹8	964
ব্যস্তাস সকলে এক মানুদা পথ অভিনেম করত (সলইমান আ, এসার)	৩৪-সাধা	35	b84	সাপুর অভিনয়ে নহুন হলে আনাশ-পূর্বির নীমা অভিতম বন্ধক:	৫৫-রাহ্মান	00	38€
সন্ম্যা (সকাল-সন্ধার প্রতিপালকের পরিবার বর্ণনার উপচেপ)	8o-मुमिन	99	PP4	ভূমিনা শারি নিকে সক্ষম হংগ্রার পূর্বেই জাদাদ সৃষ্টিকরীর করে	৫-মারিদা	<b>G8</b>	62.5
সন্ধ্যা (সঞ্চল-সন্ধার পরিয়তা ঘোষণার নির্দেশ, যালারিয়াকে)	৩-আলে ইমরান	87	Ø80	মূলা থা. (ধৈর্যধারণ করতে সক্ষম নর, বিক্তিরের সাথে)	১৮-काङ्क	92	900
সন্ধ্যা (সকাল-সন্ধ্যার বিফিক দেরা হবে জান্তারীদেরকে)	১৯-মারইরাম	63	905	রোধা রাবতে সক্ষম হয়েও বারা রাধবে না ভারা,	২-বাকুরা	39.8	220
সম্ভা (বুলামান সকল সমায়ে পঠ করে কোনো হর, রাসুল ম. (বং)	३१-एनस्स	0	96-5	শারতান কুরআন বহনে সক্ষম নর	২৬-ভ'জারা	522	325
সন্ধ্যা (সকল-সন্ধ্যার পরিয়তা বর্ণনার জন্য ইপারা)	১৯-মাবইরাম	22	908	শরীকরা সক্ষম নর(রিথিক দানে)	১৬-নাহল	90	903
সিজসাক্তে (বস্তুর ছারাও সকাল সন্ধার সিজ্ঞদাবনত এই )	১৩-রাম	26	696	শরীকরা সাহাত্ত করতে সক্ষম নর (কটেকে)	৭.আর্বাফ	725	600
মুরণ (সকালে ও সম্বায় প্রতিপালকের নাম মুরণ)	৭৯-পাৰৰ	90	220	শরীকরা সাহাত্য করতে সক্ষম নর (কাউকে)	৭-আরাক	239	40
গুৱা (প্রতিপালকটে সমাল-সন্ধান তর ও বিনয়ের সথে গুৱা)	৭-আ'রফ	202	607	খনতে সক্ষম হিল্লা কাফিররা, দুনিয়তে	১৮-কাব্য	303	900
সকলে উপনীত		104	003	সন্ধান পেতে , পানির (সক্ষম হবে না বাগানের মালিক)	১৮-কাহ্য	87	933
শহরে সকলে উপনীত লে মুসা আ (ভাঁত ও সকর্ক অবস্থার)	२४-वस्थात	201	bop	সমতা বন্ধার সক্ষম লা হওয়া (একাধিক প্রীর মধ্যে)	8-मिश	143	090
সকালে গমন	SESSION	20	Pos	সংঘাধন করতে সক্ষম (অল্লাহকে, কিরামতে)	१५-मावा	09	\$00
		_	-	সাহায্য করতে সক্ষম নয় আন্ত ইলাহরা উপাসকদেরকে	৩৬-ইরাসীন	90	700
কুসল কঠনের ২৮৪ সকলে কেতে গমন	৬৮-কুলোম	44	949	শিক্ষণা করতে সক্ষম হবে না কিরামতের দিন (অপরাধীরা)	৬৮-কালাম	84	391
বাগানভ্যালারা সকালে গমন করল বাগানে	৬৮-কুলোম	₹4	986	দীয়া অভিত্রতা লক্ষম হলে মনুদ্ধজিল করকর(আকাশ-পুনিবীর দীয়া)	৫৫-রাহ্মান	00	380
সকাপের থাবার				স্পীৱা শুনার		-	-
সর্বীকে সকালের থাবার জানতে বক্ষেন মূলা	79-बार्क	64	900	কৰীৱা গুনাহ থেকে বিৱত থাকলে স্থাীৱা গুনাহ মোচন হবে	g.fker	407	₫b3
সক্ষতা				সম্ভটে ফেলা	0.11.0	- 03	40.
আহলে কিতাবদের সক্ষমতা নেই (আল্লাহর অনুহারের উপর)	৫৭-হাদীদ	23	9522	তালাকপ্রথমের সম্বটে ফেলার কন্য উল্লেক করা যাবে না	৬৫-ডালাক	64	
नक्ष्म नद				महावित	05-2440	9	769
কাফিররা সক্ষম নর, তালের অর্ধন ধরে রাধতে	<b>18-</b> देववादीय	24	240				-
নুদা আ, দক্ষম নত্ৰ, ধৈৰ্যধারণে(বিভিয়ের নাথে)	39-4164	24	905	অন্তর (রানৃদ্দ স. এর অন্তর সঙ্গুচিত হর কাফিরসের কথার)	১৫-ছিজব	৯৭	903
সক্ষম হওয়া/না হওয়া		÷		ব্যরস্থ যা সন্থাতিত করে আল্লাহ তা কালেন	১৫-বা'দ	br	99.3
অভিত্রম ও ভিপ্র করতে সক্ষম ইপনা না ইয়াজুল - মাজুল	79-41EA	৯৭	902	দীবিদা সন্তুতিত করা হর (অল্লাহর "ফেক্সিড্রার ব্যক্তির দীবিদা)	২০-ড়া-হা	258	9,83
অমিতি ধনের উপর কিছু কর্তেও মানুর সক্ষম নর	३-वाङ्ग्दा ३-वाङ्ग्दा	268	607	পৃথিবী সন্তুমিক হয়েছিল আনার জনা আনারকে পিছনে যেকো বাধা	৯-জাওবা	222	965
অক্সাহ কি মতকে জীবিত তথ্যে সক্ষম ননঃ	१८-विद्यामार	80	202	পৃথিবী সন্তুটোত হয়ে এটোছিল মুমিনটার জন্য (ছনবিটনা নিন)	৯-জাওবা	2,0	884
বাহার মঞ্চন্তর সাধার্য করতে সক্ষম	42-1091414 42-1091414	20	964	ধক্ষ সমূচিত (বাচনা বন্ধ মুদ্দিনতার বিষক্তে দুভ করতে সন্তেচিত হয়)	8-निमा	90	699
আল্লাহ নিদৰ্শন অবস্থান নাত্ৰত সক্ষম	७-व्यान्'व्याम <i>५५</i> न्द्राच्य	109	404	বন্দ সন্মুখ্যিত হতার (মুগার বিদা অভিনের কাছে যাওয়া প্রদাস)	২৬-৩'আৰা	20	252
वाहार मध्य (शांत निरंह, विक्रक कर्याट व गाँक खाशान कर्यात)	७-वान् वाम ७-वान् वाम			যমীন সন্থায়িত করে আনছেন আল্লাহ কাফিরনের জন্য	১৬-রা'দ	48	893
অস্তাহ সক্ষম (মানুহের কভকতে সভিয়ে অন্যতের আহতে)	8-મિત્રા	60	605	যমীনকে মুশরিকদের জন্য সম্কৃতিত করা	২১-আধিয়া	88	300
	৪-াদলা ১৭-ইসরা	700	290	রাসূদ স, এর বন্ধ সমুক্তিত হবে। (কাফিরদের কথার কারণে)	77-ÉA	25	666
আল্লাহ সক্ষম অনুবৰ্গ সৃষ্টি করতে আল্লাহ সক্ষম (আকাশ-পূথিবী ও নীব-জন্ততে একটোকরণে)		99	455	র্বিধিক সঙ্গুচিত করে দেন আল্লাহ	২-বাৰুৱো	₹8¢	650
	83-70	રુ	200	হলা বিভাগার সন্তর্ভিত হয় অন্তর্ভের কথায় (অধিবাতে অধিৱাসীর)	৩৯-যমার	86	790

नंप निषद्यंद्रनज	न्तां नः चनान	411 6	741	पंप दिस्र/देशक	সূরা নং ও বাম	A615	প্র
সঞ্জত				চোৰ অপ্ৰসামন হওৱা (ত্ৰাসূদ স, এর প্ৰতি অংতীৰ্ণ কুৰাআন	৫-মাছিলা	tro	695
ইহুদিলের জন্য বঙ্গত হতো (উন্যুবনা বললে)	৪-শিশা	86	660	অনে নাপার্যদের)		-	_
মুমিনের জন্য নকত নর (জুলবশত হাড়া মুমিন হজা করা)	8-भिना	255	590.	नवद			
সঙ্গী				অঞ্চল (কাল অঞ্চল করতে বল হবে বিশ্বমতে অসহকে)	৯-ভাওবা	02	980
खनूराडाकवित्रकार त्रमी नवी, मठायानी, गरीम ६ मध्वर्यनातामान	8-मित्रा	65	494	পেরে দেশা (মাত বছরের সময় থেরে ফেলরে বর্তিন মাত বছর)	১২-ইউসুফ	81-	69.7
কুরাইপদের সঙ্গী (মুহাম্মদ) পথস্রত্ত নদ	৫৩-নাজম	3	205	নিয়নে বল য সভা করে তা নিয়ে বিদাহত কপালে ও	৯-জাওবা	05	680
কুরাইপদের সঙ্গী (মুহামদ) বিপর্বগামীও নদ	৫৩-নাজম	2	>05	ক্ৰ-ব্ৰেশ্য সঞ্চল কৰে যাবা (জাল্লাহৰ পৰে ব্যৰ না কৰে)	৯-অভবা	48	680
স্বামূদ সম্প্রদায়ের এক সঙ্গী উটনীকে হত্যা করণ	৫৪-কামার	59	201	সঞ্জাৱ			
মঞ্জার্টা বাজিব পুনিরের জীবনের কবিনা সদী প্রসাক্ত আলোচনা	৩৭-সাক্ষাত	62	চন্দ্রক	কর্মার্থনের হনরে সমার করে অল্লাহ (রানুদরেনেনে প্রিপ কর)	১৫-বিজর	25	699
मरीर मन्नी (प्राक्षाद-दानून म. এর আনুগরাকারীগণ	8-Pint	60	999	অপরবৈদের হলরে অবিশ্বাদ সভার (কুরসান অধীরতা প্রদাস)	২৬-চ'জার	200	935
পার্থবর্তী সঙ্গীর সাবে সভবজ্যরের নির্দেশ	8-504	06	692	উঠি(বদকে শাসকে সাহারকারী কুলুবারকার হলমে উঠি সাধার)	৩৩-আহ্বাব	46	brog
কেরেশতাকে মূসার সঙ্গী না করা প্রসঙ্গে কির'আ উপের উক্তি	80-पुरक्ष	60	9.99	বঁটির সঞ্চার করে নিলেন আক্রাহ কাফিয়নের ওপরে	৫৯-হাব্র	2	320
মুন্দ স্বাধী (শরতান কর্তই না মুন্দ সঙ্গীণ)	৪-নিশা	40	665	জীবৈ (তেলোমার না করার ইন্দ্রেইয়ের মনে জীবির সক্ষর হেশ)	১১-জুপ	90	694
মনুদ্রে সঙ্গী (কেরেশতা) বিয়ামতে আফানামা উপস্থাপন করবে	१०-वृद्ध	30	250	তীতি সঞ্চার করকে আল্লাহ কাফিরদের হৃপটে	৩-আলে ইমরা	252	460
মূসার সালীদেরকে বুলাক্ষণ মতা করা (বিরোজনৈর কলুবারীকো)	৭-জারফ	202	528	উচি সমার বরে নিংল অল্পাহ কবিবাসর হলরে (কায়েছ)	৮-আনফাপ	25	600
মূসার সঙ্গীব্রপে কেরেশজ না পঠানো ও বিদাপো উলের উত্তি	৪৩-বৃধক্তফ	60	666	শক্রম ও বিজ্ঞা সম্মালত করেছেন অক্সাহ ইছনীলের মাথে	৫-মারিলা	68	Q b b
মুসার সঙ্গীদের ধরা পড়ার আশদ্ধা প্রকাশ	२५-७ जरा	63	697	শক্রতা সঞ্চার করেছেন অস্ত্রাহ নাসারাদের মারে	६-माहिमा	84	400
শয়তাৰ কতই না মন্দ সঙ্গী!	8-নিশা	Obr	663	সঞ্চলন			
শহীনগণের সন্ধী (আল্লাহ-রাসূল স. এর আনুগতাকারীগণ)	8-দিসা	63	606	জিল্ল (কুমান কুন্তা করা জন মুহান্দা স্ এর ভিবে সম্পান প্রদান	৭৫-কিয়ামাহ	30	320
मध्यपंत्राक्रणात्रात्र मन्ने (अक्षाद-बानुन न. এর অনুনাজনাক্রীলা)	৪-নিসা	53	696	স্থাপিত			$\overline{}$
সভ্যবাসীর সন্ধী (আপ্লাহ-রাসুল স. এর অনুগত্যকারীগব)	8-9-71	60	696	মেথ সঞ্চালিত করেন আল্লাহ (বাস্থু প্রেরণ করে)	00-97	87	746
ਸਭੀਵਰ				মেঘনালকে সঞ্চলিত করেন অস্তাহ (বাসুপ্রবাহ ধরা)	৩৫-ফাভিব	ъ	y85
করোগারের সঙ্গীহয়কে খপ্লের ব্যাখ্যা বললেন ইউসুফ	32-86 <del>3</del> 79	85	(Mro	жДа		-	-
কারাগারের নাসীছাকে বদল ইউনুক্	১২-ইউসুফ	030	thro	অনুসকা স্মেটকভাবে অনুসক্ত প্রথম অ্যাপামী মুহানির ও	h-27681	200	600
নঙ্গী-সঙ্গিনী		-	-	'আহি ভোহানেত্রকে স্থাকি পথ দেখাছি' ফিলআটন বদল	৪০-মুখিন	37	bpo
পৰিত্ৰ নঙ্গী-সঙ্গীনী থাকৰে অন্তাতে (মুমিল সংকৰ্মশীলালেঃ)	8-900	03	298	কৰা (মুমিনাধ্যকে শঠিক কৰা বলাব নিৰ্দেশ)	০০-মাহ্যাৰ	90	980
পৰিত্ৰ সঙ্গী-পঞ্জিৰী মান্তাতে থাককে (মুখিন সংকৰ্মশীলালে জন্য)	२-शकारा	24	608	কৰা (সচিক কৰা কৰা, মিৱাস বণ্টদ ও ইয়াভিম প্ৰসঙ্গ)	8-मित्रा	9	209
পৰিত্ৰ দাসী/দাসিধীয়া মহোছে জন্তাতে (অকওয়া অংশখনকারী)	৩-জালে ইমরান		201	কান্ধ (সঠিক কান্ধ নয় নৃহের জন্য পুত্রকে রন্ধার জন্য দেখা)	33-बुन	86	990
अमी-जारी	0.461446	-		কাজকে সঠিক বানাগের জন্য (আসহাবে কাহফের সোরা)	29-sales	30	948
নপা-নাথা অপরখী/মিখ্যায়ারী ভার সঙ্গী-সাথীকে আহবান করুক।	১৬-জনাক	29	3059	জিতাৰ অবস্তীৰ্ণ ব্যৱহেন অক্সাহ (সতৰ্ক কথাৰ জন্য)	১৮-কাছক	3	938
ननी (नाहावी)		-	20.0	ব্যৱস্থা (সঠত বিভিন্নপ্তর বন্ধান্য নির্দেশ আইকাবানীকে প্রভাইর)	২৬-৩'ভারা	245	239
পলা (পাহ)ব।) বুলুল স, এর সহবিদেরীয়ের জন বয় করতে নিবেশ করে (বুলফিকর)	৬০-মুদাছিত্ব	3	366	चैम (मरीक चैम,)	৯-ভাগো	0%	680
अविभी	on finales	1	800	ইন (কেল অপ্নান্তর ইবদত্রশমাধ্য থকাত এটাই সঠিক বঁশ)	৯৮-বাধ্যিনার	6	2031
সাক্ষনা আপ্রাহর কোন সন্ধিনী নেই (সন্ধান কিন্ডাবে হবে ১)	৬-অন'ব্যম	303	606	দ্বীন (ইংবাহীমের আন-(মিল্লাত একটি সঠিত হীন)	৬-আন্'আম	262	634
	ত-আশ্বাধ	303	900	দ্বীন (সঠিক দ্বীন সম্পর্কে অধিকাংশ মানুধ জানে না)	৫০-রম	00	b48
নকে রাখা		-		নির্দেশ (বিদ্বাআইনের নির্দেশ সঠিক ছিল মা)	33- <del>3</del> म	59	698
বিজ্ঞানে সর্যে না রাখ্যাস মূসর আপরি থাককো (আবরও প্রস্ন করসে)	28-6/56	95	903	नव श्रमर्थानत वाना (पाद्वास्त निरूपे)	১৮-কার্ফ	48	9,46
मक्तंत्र			L-	পৰ (নিজ সংক্রোয়কে সঠিক পৰ নেবাতে মইলেন, মুখিন থাকি)	80-मू मिन	cb	277
ফিলজাউন সচেউ হল (মূলা আ.এর বিক্রমে বড়বল্ল করতে)	৭৯-মধিবাত	45	3008	পৰ (সঠিক পৰে পরিচাধনার জন্য দাউদের দিকট প্রার্থনা)	०৮-शासम	44	209
সক্তরিত্রবান				পর সঠিকত্বর অভিযানী সঠিকত অবস্থানারী সম্পূর্ক জনা)	20-SI-SI	300	185
সঞ্চারিত্রবাদ থাকার উদ্বেশ্যে বিরে করা প্রদান	৪-নিবা	₹8	6,90	পৰ (অহংকারনারীরা সঠিকপরকে পর হিসাবে গ্রহণ করেনা)	৭-জারাফ	386	820
সভ্তত্তিবান থেকে মোহয়ানা প্রদান করে বিয়ে করা	৫-মরিনা	0	68.7	পদ্ৰা (সঠিক পান্ধার ওঞ্চন করার নির্দেশ)	১৭-ইস্বা	02	939
সক্তরিরা		_		ক্লা(যে অপ্তাহর অনুমতি পাবে সে বিদ্যমতে সঠিক বদাবে)	१५-नावा	07	300
নান্নতে সচ্চত্ৰিৱা মুদ্দবীপৰ থাকবে	৫৫-রাব্যান	90	985	বিধান (কুরতানে সঠিক বিধি-বিধান বাবা প্রসঙ্গ)	১৮-বাধ্যিনার	0	300
দলীর সম্ভবিত্র পাকতে মেইলে (ধার্যমারে বাধ্য করা নিমেগ)	२८-न्द	00	999	স্তিকভাবে রক্তপণ পরিশোধ করতে হবে	২-বাকুরে	242	650
ব্যতিচারের অভিযোগ (সম্মবিম নারীর নিক্তমে)	२८-मृद	₹0	116	সাক্ষোর ছল্য সঠিক (গণের মেরান ঠিক করা প্রসঙ্গ)	২-বাকুরে	262	
মুমিন স্বাধীন সঞ্চরিয়া নারী না পেলে দাসীকে বিজে বৈধ	8-FP1	-52	@bo	সঠিক পথ			
মুমিন দালী সক্তরিয়া হবে (বিলে প্রসঙ্গ)	8-FM	-58	@bo	অভূমনা স্মীত পশুৰ অভূমনা কয়ত কেটিয়ে বিনায় কয়েং	২৮-কানান	69	630
সক্তরিত্রা নারী				অনুদান (পঠিবলন অনুদানবাদীর প্রতি শবিংয়ল অ. গ্রেক)	२०-इर्ग-हर	89	986
নিবাৰলের সামন্ত্রির নদী বিয়ে করা বুলল (মুখিনতার কল)	৫-মারিদা	¢	42.2	অনুদান (নিজেন সঠিকাৰ অনুদান করতে বাকুল স. কে নির্দেশ)	৬-আৰ'জাম	200	806
ব্যক্তিয়ারের অপবাদ উত্থাপন (সচ্চবিত্রা নারী সম্পর্কে)	18-44	8	118	व्यक्तास देशकीन (व्यक्तार गांज देशां गरिकनंत श्रेनर्गन करून)	26-HISH	30	333
মুমিন সচ্চত্তিরা নারী বিষ্ণে করা হালাল (মুমিনদের জনা)	৫-মারিদা	6	40.7	অপ্রায়ে প্রদর্শিত পথ্য স্থাতি পথ	৬-আন্'আম	33	604
সঙ্গল				ইবরাইনকে আপ্লাহ বাচিক পথ দির্মেছিলেন	২১-আধিরা	63	900
ফ্রীর্কে সঞ্জল মনে করা (আঙুমর্যাদার কারণে)	২-বাকুটো	290	403	ইচুনী,শাসার হলে সঠিক পথ পাবে ৷ (তারা বলে)	२-बाक्रावा	706	626
সঞ্জলতা				ইয়ান আনলে ইর্নেন নামারণে সঠিক পথ পাবে	২-বাড়ারা	309	626
কণ্যান্তীতার সঞ্জবতা আসা পর্যন্ত অবকাশ দান	২-বাকুরো	200	200	একর কর (অপ্রাং ইছা করলে সংহিত্বে সঠিবপাল একর করতেন)	৬-আন আম	06	420
अवन	4	100	1220	क्यां (राज्य निर्मा क्यां व सार्थ महिला प्राप्त क्यां क्या	১০-ইউনুস	305	558
				Author (although author agent agent actual act)	20.4624	100	1000

. .

	नृहा सर च नाय	NUS 2	701	শ্বৰ বিহত্ত/প্ৰস্থ প্ৰতিশালক সমিকশৰ দেখাৰেন (ইনবাটায়েন প্ৰত্যাশ)	সুধান্ত এবাব ৩৭-সাফফাত	200	
সঠিক পথ (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)							9-67
কাফিরের অধিক সঠিকপথে বরেছে। (মুমিননের চেরে)	8-নিগা	67	250	মানুহাই কি স্মীকলৰ দেবাংগ ( রাসুল স. আবাদ কফিবা কাত)	৬৪-আগারুম	ь	Mee
কুরঝানের মাধ্যমে সম্মানারের সঠিক পথ পাওয়া	৩২-সাঞ্গা	٥	3100	সঠিক পথ পাওয়া			
কে সঠিক পথে বয়েছে প্রতিপালক জানেন	১৭-ইস্প্র	1/8	457	অব্যাতসমূহ বৰ্ণনা কৰেন অন্তাহ সঠিক পৰ পাওৱার জন্য	৩-আলে ইমরণ	300	689
গমাশীল (অংশকানীপৰ্যাকলৰ অনন্দলনাইৰ প্ৰতি অন্তৰ্হ কথাশীল)	२०-इ-श	W	986	ইমানদারণণ গঠিকপথ পেত না (জল্লাহ না দেখালে)	৭-আ'রাফ	80	63
হামুদ লাভি সঠিক পৰের ছলে তুলপাবকে প্রাধান্য দিল	৪১-কুস্সিবাভ	24	৮৮৭	বিভারতাররা ও নিরন্ধরতা সচিত পথ পেতেছে যদি আব্রুপ্রপিত্র	৩-আদে ইমরান	20	00
জানা (আল্লাহ স্নানেন, কে সঠিক পথপ্ৰান্ত)	৫০-নাৰ্ম	to	200	स्राणिय कन्द्राना गरिक तथ त्यादर ना राज्ये स्राज्य रहा गरिकत्याप	72-4450	99	92
জাদিম সংগ্ৰদায়কে জান্তাৰ স্তিকপথ প্ৰদৰ্শন কয়েন না	२-राष्ट्राश	২৫৮	200	বনী ইসরাইলের সঠিক পথ পাওয়া (গাড়ী প্রসঙ্গে)	২-বাড়ারা	90	80
মান্স (মালিম কৰ্মনা সঠিক পথ পালে না শতই ভানা হয় সঠিকপালে)	১৮-কার্ড	23	930	মুসাকে কিতাৰ দান (সঠিক পথ পাওৱার ক্ষা)	২৩-মুমিনুন	85	96
হাকা সেঠিকপথের নিকে ভারসেও পরীক্ষয় অনুসরণ করনে না)	৭-আ'রফ	290	900	রাসুল স, এর অনুসরগে সঠিক পথ পাওয়া	৭-জা'বাফ	200	63
ভাকা (সম্ভিকপথের নিকে ভাকদেও পরীকরা তদৰে না)	৭-জা'বাফ	799	903	হাসুল স, এর অনুগত্য করলে সঠিক পথ পাবে	२८-गृह	28	99
পথন্তত (সচিক পথের বিদিমত্বে পথন্ততা ক্রম)	२-सङ्ग्रहा	290	67.9	जन्म हमेर मीव नव नाट्य (निवानका व्यक्ति नीवर्वन्याना)	২৭-নামত	85	80
প্রমান (কুরআন সঠিক পাথের স্পর্ট প্রমান)	২-বাকুরা	72.6	१२०	সাধাৰাসীরা সঠিকপথ না পাওছা(পছতান বিরত রাখাছ)	২৭-নামশ	28	tro
প্রতিপাদকের সঠিক পথে থাকা সংকর্মপরারণগদ সকল	৩১-সুকমান	ę	256	স্তিক পথ প্রদর্শন			L
প্ৰদৰ্শন (ৰামবাম কুমারীকারীকে অল্লাহ সঠিকলৰ প্ৰদৰ্শন কলেন না)	8-निमा	209	¢98	অংকরির, অনুসরিদেরকে। অপ্তাহ নটকপথ লেকলে কানেকে।	১৪-ইবরাহীম	43	80
বান্দা (সঠিক পৰে থাকা বান্দা প্ৰসঙ্গে ডেবে দেখা)	৯৬-আলাক	22	304h	অইবৃহতে আপ্রাহ সচিকপথ প্রদর্শন করেন	৬-আন্আম	78	80
বেছে নেরা (মুসলিম জিনরা সত্রিক পথ বেছে নের)	१२-किन्	78	26.6	আনমতে আল্লাহ সঠিকপথ প্ৰদৰ্শন কংগ্ৰেন	২০-ড়া-ছ	255	28
মাপিক (মানুদকে সঠিকপথ দেয়ার মালিক বাসূল স. মন)	१३-सिन्	43	25.5	অন্তান্ত নির্দেশনুসার মনুদ্রক সঠিকাপ প্রদর্শন ইনারক ইয়াকুর)	২১-আধিবা	90	90
মুমিননেরকে জাল্লাহ সঠিক পথে পরিচালিত করেন	১০-ইউনুস	8	968	प्राह्मास निर्मन प्रमुखात महिकाना जनमा (हेम्सामेनी (नारा जनम)	৩২-সাজনা	2.8	bre
ফ্রাফ্ট্রেম্বাস্ট্রিক পরের বিনিম্না মুনাচিক পদক্রটার ক্রম করে।	२-सङ्ख्य	30	200	অপ্তাহন নাৰিছে (খানুষ্যক সঠিকপথ প্ৰদৰ্শনের বিষয়টি)	১৬-নাহল	8	90
মন্তারীগুণ প্রতিশালকের পক্ষ পেকে সঠিকপথে রয়েছে	२-शक्ता	0	605	অপ্তাহৰ দায়িত্বে (সঠিকণৰ প্ৰদৰ্শন)	৯২-লাইপ	32	200
মমিনরা সঠিক গবে আছে অধবা মুপবিকরা	08-9761	2,8	180	অস্ত্রাহর ইন্ত্রবীন (মানুদ্ধক সচিক পথ প্রদর্শন করা)	৩৫-ফাভির	b	78
যার সঠিক পথ বেকে পিছতা ভিরে ধার, শারনে ভালেতে	৪৭-মুহামান	32	978	অন্তাহর ইন্তাবন (নাসুখ্যক গঠিক পর প্রদর্শন করা) অন্তাহর ইন্তাবীন (সরাইকে সঠিকপর প্রদর্শন করা)	৬-জানজাম	28%	65
পয়তালের সহচর 'সঠিকপথে' ভবেক ।	৬-আন আম	93					
সংকর্মপরায়ণগণ প্রতিপালকের সঠিক পথে বারছে			905	অস্ত্রাহ যাতে পথাট্ট করনে যাতে সঠিকপথ প্রদর্শন করে কেঃ	৩০-ক্ষ	52	3.5
	৩১-পুরুমান	4	৮২৭	অল্লাহ যাকে সঠিকপথ প্রদর্শন করেন ভার পথপ্রউকারী নেই	৩৯-বুমার	৩৭	ъ.
সম্প্রদায়ের সঠিক পথ পাওয়ার উদ্দেশ্যে কুরআন অবর্তীর্ণ	৩২-সাজ্সা	٥	PO0	আল্লাং যাকে সঠিক পথ প্রদর্শন করেন সেই সঠিক পথ প্রাপ্ত	১৮-কাহক	39	93
শ্পষ্ট (সঠিক পদ স্পষ্ট হওয়ার পরও রাসূল ন, এর বিরোধিনা)	৪৭-মুখ্যবাদ	03	274	অল্লাহ সঠিক পথ প্ৰদৰ্শন করেন	২৮-কাদান	26	62
স্পষ্ট হওয়া (মূল পথ থেকে সঠিক পথ স্পষ্ট হয়েছে )	২-বাকুরো	206	200	অক্সহ সঠিকলৰ প্ৰদৰ্শন কৰলে মৃত্যকী হয়ম। (কেট কণ্যং)	৩৯-বুমার	29	74
স্পষ্ট হওয়া (সঠিকপথ স্পষ্ট হওয়ার পর রাসূল স. এর	8-निम	226	693	जङ्गार् गरिकन्त्र शनर्पम करून य गैपानारूनकरी प्रशासीहरू	৪০-মুমিন	২৮	bb
বিরুদ্ধাচরণ করার শান্তি)	W-Print			আল্লাহ সঠিকপথ প্রদর্শন করার খার প্রেষ্ঠার ঘোষণা	22-27%	09	95
সঠিক পথ অনুসরণ				অপ্তাহ স্টিক পথানপথিনা পর পথার করেন না রোন সম্প্রধার	৯-জাওবা	226	00
কবিবরা সঠিকপৰ অনুসৰণ করেনি (কুবজন ধারা)	৪৯-জহলগ	22	ace.	আপ্রাহ সঠিক পথ প্রদর্শন করেন না কাঞ্চির সম্প্রদায়কে	৯-জাঙ্কা	209	68
রাসুল স, স্টিক পথ অনুসরণ করলে তা এ জনা যে	৩৪-সাবা	ĝ0	782	আপ্রাহ সঠিক পরবেদর্শন করেন না জালির সম্প্রদায়কে	5-81641	202	62
শ্বীককাট্টরা যদি সঠিক পথ জনুসরণ করত (আজ্সোস)	২৮-খসেস	86	200	অপ্তাহ স্ক্রীকলম প্রদর্শন অনে নাম্মাক বিনি পঞ্চাই মধ্যে।	১৬-নাহ্শ	200	90
	40 -40-to	00	0,20	च्छाद श्रीमानवात्त्रनांना कराम च्यानवरण ( अनुन २, नर्ववातात्रनात्र)			
সঠিক পথ অনুসারী		-		অন্তর্য প্রকলন করেল করেল ( করুল ও শতান প্রকলন) অন্তর্যাহ সাহিক পথ প্রকর্মন করেল	১৬-শাহুল	06	90
জনা (সঠিক পৰ অনুসৰণকাৰীকে আপ্তাহ ভাগ জালেন)	২৮-ক্সোস	50	270		৭-আ,থ্যর	80	65
সঠিক পথ অবসম্বন				আপ্তাহ সঠিক পৰ প্ৰদৰ্শন কয়েছেন যাদেবকে	২-বাস্থারা	280	67
বলাগ (মানুধ নিজের বলাগের জন্মই গঠিকলর অবস্থন করে)	১০-ইউনুস	200	900	অন্তাহ সঠিক পৰ প্ৰদৰ্শন করেছেন ইমাননারদেয়ক	২-বাকুারা	430	65
क्थाम (निव्य चनादणत कन्नेद्र प्रमुख महिकानच करणस्य करा	৩৯-বুমার	85	b18	অন্তাহ সঠিক পৰ প্ৰদৰ্শন করেছেন (মানুখকে)	২-বাকুারা	2246	65
किटार, पुचर्वातात माध्यम गठिरुतने खरनस्व(मृता खा. अनन)	২-বাজুরা	60	ĉоъ	অপ্তাহ সঠিক পৰ প্ৰদৰ্শন কৰেন না পাপাচারী সম্প্রদায়কে	৫-মারিদা	209	69
নিজের কল্যাণেই মানুখ সঠিকপথ অবলখন করে	২৭-নমন	26	Pos	আল্লাহ সঠিকপথ প্রদর্শন করতে চাইলে বন্ধ প্রশপ্ত করে সেন	৬-আন্'আম	256	80
নিজের কল্যাণেই সঠিক পৰ অবস্থন করে মানুষ	১৭-ইপরা	36	930	অস্তাহ সঠিকপথ প্রদর্শনের পরও বিপরে যাওয়া প্রদক্ষ	৬-আন্'আম	93	80
পম্মাররা সঠিকপথ অবলয়নকারীদের ক্ষত্তি করতে পাববে না	৫-মারিদা		690	আপ্রাহ নঠিকপথ প্রদর্শন করেন (ইনহাক আ, ও ইয়াকুবকে)	৬-আদু আম	78	80
পৰ নিৰ্দেশনা ৰাউয়ে দেন অনুমাহ সঠিক পৰ অবলয়ন কয়লে	৪৭-মুহাম্বাদ	29	970	বাস্তাহ সঠিকপৰ প্ৰদৰ্শন যা কয়ল	৭-আ রাক	80	65
প্ৰতিপ্ৰপান বহিছে দেন অপ্ৰাহ সঠিক পৰ অবসংনক্ষয়িলেকে	১৯-মারইয়াম		109	অস্ত্ৰাহ গঠিক শৰ প্ৰদৰ্শন কৰেন না কালিম সম্প্ৰদায়কে	৯-ভাওবা	230	98
		10		অস্ত্ৰাহ সঠিক পৰ প্ৰদৰ্শন কৰেন না পাপাচাৰী সম্প্ৰমায়কে	৯-ভাওব		68
চিদ্রাম্ম উন্মোষ্ট্রীয় দক্তিকাথ অনসংল। (মূল আ, নোরা করলে)	৪০-যুধ্যাদ	89	237			48	
মুমিনাসের সঞ্জিক পথ অবলবাদর জন্য দেরামত পূর্ণ করবেন	২-বাকুরো	760	623	আপ্রাহ ব্যক্ত ইন্তা (সাধানারের ভাষার রাসুল স. প্রকো করে)	১৪-ইবরাহীম	8	83
য়ে ব্যক্তি সঠিক পথ অবলংন করে লে নিমের কল্যানেই করে	১৭-ইস্ফা	34	930	সপ্তাহর ইপ্রথিন্সপ্তাহ যতে ইপ্রা স্টিকপর এপর্নন বড়েন)	55-5000	3/6	9,2
সঠিক পথ অবলম্দকারী				ইউস্কাকে আল্লাহ সমিকপথ প্ৰদৰ্শন কালে	৬-জান্'জাম	1/8.	80
हुक्तितान गरिक भर करनप्रभावती (वानून ग. धार कानूनावा राजाक)	৪৯-হত্ত্রভে	9	250	ইঙ্কা (প্রতিশালক যাকে ইঙ্কা সম্ভিকপথ প্রদর্শন করেন)	৭-জা'রার্ছ	766	65
সঠিক পথচাত	-			ইংরাহীমের প্রতিশালক সম্ভিকশব প্রদর্শন করা প্রনাষ	৬-আন্'আম	99	800
সাবার মদির সঠিক পথ না শাওমা(শিয়েসভের আবৃত্তি পরিসভিন এলক)	39,2728	83	bo0	ইয়াকুবকে আপ্রাহ সঠিকপথ প্রদর্শন করেন	৬-আন'জাম	b/8	60
	Z	- 03	-30	ইসহাততে অস্তাহ স্টিকপথ প্রদর্শন করেন	৬-আন্'আম	b-8	40
সঠিক পথ দেখানো		-		প্রমান না আনালে অপ্তাহ সঠিকলব প্রদর্শন করেন না (মারাতে ইমান)	১৬-নাংল	308	
স্বাস্ত্রাহ কর্তৃক ইনরাধীমকে সঠিক পথ দেখানে প্রসন্ধ	৬-জান্'জাম	pic	900				93
ইন্মারীমকে সঠিক পথ দেখানো প্রসঙ্গ (আল্লাহ কর্তৃক)	9-814,81X	p.c	900	উভারী (বনুল স সচিক পথ প্রদর্শনে উভারী ছালও যা পরেন ন, যদি)	১৬-নাত্ৰ	ত৭	90
ইন্যাহীমকে স্বাস্থ্যহ শীপ্তই সঠিক পথ দেখাবেন	৪০-যুদক্ষ	29	200	উত্তম কৰাও অনুসায়ীকে আল্লাহ সঠিক পথ প্ৰদৰ্শন কৰেন	৩৯-যুখার	22	3.8
थाएमा पीना । कि मनुष्ठक नव उनवानिः (नुर्ववर्धे अवानुब थाएन)	२०-का-वा	25/2	485	কাৰিব সম্প্ৰদায়কে জন্মহ সঠিকপথ প্ৰদৰ্শন করেন না	১৬-শহপ	309	93

সম্	স্থা বং ও নাম	BULL.	761	ৰম্ব বিষয়/প্ৰসৰ	স্রা নং ও নাম	व्यक्त न	
সঠিক পথ প্রদর্শন (পূর্ব পৃষ্টা বেকে)				অপ্তাহর ইক্ষাবীন (মানুষকে সঠিক পথে পরিচাদনা করা)	২-বাকুারা	5.65	20
কাফিরনেরকে আপ্রাহ সঠিকপথ প্রদর্শন করেন না	২-বাকুরো	268	507	পথপ্ৰতৈ সঠিকপথে পৰিচাপিত কৰা যাৱনা	80-युरक्रफ	80	1/37
বিভাবের ধারা আপ্লাহ থাকে ইজা সন্তিকপথ প্রদর্শন করেন	8२ <i>-म्</i> व	65	36V	রাঙ্গা স্, এর দরিত্ব নর (যানুষকে সঠিক পরে পরিসালনা করা)	২-বাকুরা	ર૧ર	20
করবান ধারা আপ্রাহ যাকে ইঞা সঠিকপথ প্রদর্শন করেন	৩৯-বুদার	20	3-90	সঠিক পথের অধিকারী			
sess (অপ্তাহ কর্তক পথ্যার ধৃতিকে সঠিকপথ প্রদর্শন করতে সেতার)	8-निमा	W	600	ধ্বনা প্রতিকশার অভিনাই পরিকার অক্তর্থনারী সাশর্কে জনা)	২০-ত্ন-য	302	483
জুলিম সম্প্রদারকে আল্লাহ সরিকপথ প্রদর্শন করেন না	৬-অন আৰ	288	630	সঠিক বিচার-বিবেচনা			
জানিম সমপ্রদায়কে আপ্তাহ সঠিকপথ প্রদর্শন করেন না	৬২-নুমু'আ	0	363	निका निराद्यस्य काष्ट्राव (चिक्रिक्टक)	23-sc\$0.	60	90
অধিমদেরতে সঠিকপথ প্রদর্শন করেন না আল্লাব	৪৬-মাহবাক	30	роу	স্তিৰভাবে			
জালিম সম্প্রলায়কে সঠিক প্রথমপুন করেন না আল্লাহ	৬১-প্রক	9	360	বস্তুকে অস্ত্রাহ সচিকভাবে সৃষ্টি করেছেন	২৭-গাম্প	55	80
সলকে (স্ট্রিক পথ প্রদর্শন করেছেন আল্লাহ এক নগকে)	१-वा'दाक	200	976	সভা (আমদান বিভাগে সঠকজন সভা নিয়েকৰা বৰ্ণনে)	82-मास्यि	35	90
সমকে (পায়ক শৰ একশন করেকে আদ্রাব কর নশ্যক) সাইসক্তে জন্ত্রাহ সভিবপথ প্রদর্শন করেন	৬-জন'জম	78	008	महिलाहरूप विकास	96-ellen	4,0	au
সাঙ্জনকৈ আন্তাহ সভিকাশ প্রদান করেছিলেন মতিসেরকে আন্তাহ সভিকাশ প্রদর্শন করেছিলেন	6-জন জন	30	008			-	-
	6-আন'আম	78	908	পৃত্তি (অল্লাহ প্ৰভাবে পৃত্তিকে পঠিকজপে পৃত্তি করেছেল)	৩২-লাক্লা	٩	800
মূহকে নঠিকণৰ প্ৰদৰ্শন করা হয়				সঠিক লক্ষ্য			
পাপামরী মুনাফিকদের আল্লাহ পথ প্রদর্শন করবেন না	৬৩-মুনাফিকুন	9	366	সুত্রী (অল্লাং সভাসহ/মতিক বংকা আনসং-পৃথিবী সৃত্তী করেছেন)	৪৫-কাহিব্য	22	90
প্রবৃত্তি পূর্বারীকে কে নঠিক পথ দেখাবে?	82-मास्त्रि	₹0	300	সক্রিক লক্ষ্য (সভা)			
ফিল্লম্বাউন লম্প্রনায়কে সঠিকপথ প্রদর্শন করেনি	২০-ফ্ল-হ্য	435	986	সুত্ৰী (অপ্তাহ জনাপ-পৃথিতী সভাসহ/পঠিক লাখ্যে সৃত্তি করেছেন)	7/9-1418/94	0	90
বান্দাদের মধ্যে যাকে ইচ্ছা আল্লাহ সঠিকপৰ প্রদর্শন করেন	৬-আন্কাৰ	bb	608	সচিত/সভা			
স্পৃথ্যৰ সঠিক পৰ প্ৰদৰ্শন কয়তে পাকেন অপ্তাৎ ইন্সৰ কথাল	১৩-রা'ন	92	697	অ্বরূপ ও পৃথিবী সৃত্তি করেছেল অপ্তর্যাহ স্তিক লক্ষের (অবধা নার)	১৫-ছিম্মর	7.5	90
মিখ্যবাদী কাফিবকে আল্লাহ সঠিক পৰ প্ৰদৰ্শন করেনদা	৩৯-বৃদ্ধর	0	5-93	পর প্রদর্শন (কুরমান সঠিক পথ প্রদর্শন করে)	94-569	3	bir
মুমিদের জন্মকে আপ্তাহ সঠিক পথ প্রদর্শন করেন	৩৪-তাপাপুন	22	269	अप्रिक-मदान	14-14-1	-	100
মুনাকে আপ্ৰাহ সঠিকপথ প্ৰদৰ্শন করেন	৬-জানুজার	b/8	806				٠.
ব্যক্তা স্প্রতিক পদ প্রদর্শন করতে পারে ন (কাইকে কালবাস্থানাই)	২৮-কাশস	60	770	গৰ (মুহম্মন সা, সাল-সঠিক পৰেই আছেন)	80-5444	85	brit
রচ্যুদা স. কে আপ্রার সঠিকপথ প্রদর্শন করেন (পথহার কংস্থার)	১৩-বৃহা	9	3038	পথে পরিবেদনা করেছেন আপ্লাহ মূলা আ. ও হারুদকে	৩৭-সাঞ্চাত	272	24
সঠিক পথ প্রদর্শন করেন না আল্লাহ কানিক সম্প্রনায়কে	<b>३-छोडरा</b>	bo	tyStr	পৰ (সংগ্ৰ-সত্তিক পথ অনুদানে করার নির্দেশ)	৪৩-মুখকক	62	30
নুষাইমানকে অস্তাহ সঠিকপৰ প্ৰদৰ্শন করেন	৬-বাদ'বাম	78	800	পথ (অপ্তাহর ইবাদত করাই সরগ-সাঁচিক পথ, ঈশা আ, বাসগ)	80-मेश्स्य	68	30
হ্রকণ্ডে অনুধ্র পঠিকলথ প্রদর্শন করেন	৬-জান'জান	5-8	tho8	अर			
	0.41.41	170	000	ইখাননার সংকর্মশীলাপ সুইচ্চ কচ্ছে নিরাপনে থাকাং	৩৪-সাবা	09	₽8
সহিক পথ প্রদর্শনকারী				কৰ্ম (সংকৰ্মশীল মুমিনদেৱকে কুৱামান সুসংবাদ দেব)	১৭-ইস্রা	b	93
हानून ग. चन्द्राव भीत्रकान जनर्मनवाही नगः(त्रवाहोधाँ (वाक)	২৭-নামল	2.7	trob	কান্ত (সংকাল করার নির্দেশ, দাউন আ: ও তার উপাতের প্রতি)	৩৪-সাবা	22	₽8
দঠিক পৎপ্রাপ্ত		_		বাহা (দুবিন সংখ্যার করেল আপ্তাই বাকে অস্তাতে প্রথেশ করালে)	৪৭-মুহামান	34	33
অধ্যেদুৰী সঠিক পথ প্ৰাপ্ত না কি যে লোকা হয়ে চলেঃ	৬৭-মূল্ক	55	240	কাম (মুদলিমের সংকাম ও আল্লাহর দিকে আবাদ প্রদাস)	৪১-কুন্দিলাত	00	ъ
আল্লাহ বিশ্বাসীরা সঠিক পথ প্রাপ্ত	৯-জাবধা	75	683	কান (ইয়ানের পর সংকাজ করলে পাপ মোচন করা হবে)	৪৭-মুহামাদ	1	33
আল্লাহ থাকে সঠিক পথ প্রদর্শন করেন	79-stán	24	932	বান (সংবাদের প্রদিশন অকরত)	৮৪ ইনশিকাক	22	20
কাঞ্চিত্ৰদের বাপ-দানারা সঠিকপথ প্রাপ্ত নয়	৫-মারিদা	308	690	আন্ত (সংকাম যে করে সে নিজের কল্যালের জনাই করে)	৪১-ফুস্সিলার	86	P.F
কিতাৰ অবতীৰ্ণ হলে সম্ভিকপৰপ্ৰান্ত হক (কাফিবদের নাসক)	৩-আশ্'আৰ	309	975	कास (जरवास राज्यास्थ्याती च मुक्तिकादी जमान नार)	80-मृ'दिन	ev.	ba
ধান (সঠিক পথপ্রাঞ্জনতে সময়তে বেশি লালেন প্রতিশালক)	৬৮-কুলাম	9	292	কাম (পুৰিন সংক্ৰম কল্পণ প্ৰপ্ৰতে প্ৰবেশ কল্প)	৪০-মুখিন	80	bi
জন্য (সম্ভিক পথগ্ৰান্তদের সম্পর্কে প্রতিশালক বেশি জানেন)	১৬-নাহল	246	930	প্ৰভিত্যৰ (স্থাননাৰ কালে পালুচে প্ৰতিশ্ন পিৰে আল্লাহ)	৩৪-সাব্	8	78
ম্বনা (পংপ্রান্ত ও পর্যায়নের সম্পর্কে প্রতিপালক (বশী ম্বানেন)	৬-আনু আম	224	609	व्यक्तिन (संसमाध नरकरात्रामा दाकान तिरूप पांचर)	৮০-জাবসা		
(ধালীপর সচিবলর প্রায়, যার বাস- কান্যা আল্লাহর এবং)	২-বাকুরো	363	623	লেখক (সং লেখকদের হাতে সিখিত উপদেশ/কুরআন)		36	20
নুহ আ, ও ইংরেইটুমের বংশপরচনর মধ্যে কিছু লোক সঠিক শবসার	৫৭-হানীল	-50	562	লেভ (ক্স.লেভ হয়ে যথে ইউপুমের অইয়ের, ইউপুয়কে)	১২-ইউসুক	- 8	61
য়ান্ত (সঠিকপালার এক বাজিও ছিল না পুরু সংস্ক্রনারের মার্চ)	22-gk	95	692	সংকর্ম (আরো দেখুন লংকাল শব্দটি)	-	-	4
তথা (অপ্তাৰ্থ সমানিযুধ লোক নিজকে সঠিক পৰপ্ৰান্ত ভাবে)	80-7164	09	464	অপরাধ নেই (মুক্তি লকার্য করলে পূর্বের হারকে অপরাধ দেই, মল গ্রা,	৫-মায়না	20	65
মুখ কর (পঠিক পথশ্রের মান করে নিজেনেকে করা পরাক্রাক্ত)	1-90,010	00	626	যাপ্র স্বিয়ান আনে ও লংকর্ম করে তরা জুলুম করে না	৩৮-লোয়াল	28	24
বিশ্বঃ আশ্বা দানমাত্ৰী দঠিকপৰ প্ৰেক্ত ছিল ল (সম্ভাৱন লাক্ষাত্তে)	১০-ইউনুস	8¢	669	সংকর্মপরায়শ		_	1
দুনাফিকল সঠিকপথলাত নর	২-বাকুরের	36	200	व्यक्तरान्त्रं (जरार्यनवारा श्राद ब्रह्माश कार ब्राह्मनार्गन क्रिका)	8-निम	256	6.
মুশাক্তিক প্রতিক পর্যাপ্ত হওরার মিখ্যা কসম	৩৫-ফাডির	84	960	আবীয়কে সংকর্মপরায়ণ দেখতে পাছে ইউসুফের ভাইরেরা	১২-ইউবুফ	90	80
	३-वाकृता	390		অপ্তাহর দিকে যে সমর্পণ করে নিক্ষের চেহারা	৩১-বৃক্তমান	44	300
মূপরিকদের বাপ-লামারা সঠিকপথ প্রাপ্ত নার				ইউসুক্তে সংগঞ্জন দেখতে পাছে (কারাবন্দী দুই যুবক)	22-2570	00	80
মুপরিকরা নঠিকপথ প্রাপ্ত। (পিতৃপুরুষের অনুসরপরীর দার্থা)	৪০-বৃৎক্ত	44		ইবরাহীর আ, ও ইসহাকের করিপার বংশধর সংকর্মপরারণ	৩৭-সহফাত	330	
য়ারা প্রতিদান চার না আসেরকে অনুসরপের সাহবান	৩৬-ইয়াদীন	52	1000	কর্মকল (সংকর্মপরাজানের কর্মফল আল্লাহ মট করেন মা)	৯-ভারবা	340	
শিংকমুক্ত ইমানদারণণ সঠিকপথলাক	৬-আন্'আৰ	2.54	800	কর্মকল (সংকর্মপরাধননের কর্মকল আল্লাহ নট করেন না)	১২-৪উসুত	30	
भक्तन दरस्वकी प्रदेश अन्त स्थितहरू एका गाउँकी गाँउणस्थात ना	७-वर्ग वस	380		কর্মকন (প্রকর্মপরায়নদের কর্মকন আল্লাই নট করেন না)	১২-ইউস্ক	49	
সেই সঠিক পথপ্ৰাপ্ত যাকে আল্লাহ পথ প্ৰদৰ্শন করেন	১৭-ইস্রা	39	455	কর্মকর (ব্যক্তির সংকর্মপরায়ন্ত্রের কর্মকর মট করেন ন)	34-द् <b>य</b>	275	
মঠিক পথ হারা		1				200	
ৱাসুদ স, সঠিকপথ হাবা ছিলেন (আল্লাহ সঠিকপথ নেবান)	১৩-শুহা	1	2050	কর্তম্য (সংকর্মগরায়গদের কর্তম্য- ভালাকপ্রারা জীকে)	২-বাকুবো		
সঠিক পথে থাকা				দর্ভা প্রভায়ের বিদ্যানের অর্যাত করেনাশরকালের জন্য দর্যাধরণ)	৩১-পুৰুমান	0	v
বান্ধ্য (সঠিক পথে পাঙা বান্দা প্রসঙ্গে থেবে দেবা)	১৬-জাগাক	77	3039	নিকটবর্তী (অল্লাহর দার নিকটবর্তী সংকর্মপরায়নদের)	৭-জা'ৱাফ	60	
মঠিক পথে পৰিচালশা	1	1	1	পর্বেশিক, সর্বেপরাসনে জন্মেরার কিয়নে জনত	৩১-লুকমান	0	b
	৪০-চুব্রুক	80	120	পৰ সেই সংকর্মপরায়নদের বিকল্পে ব্যবস্থা প্রবৃদ্ধের	৯-ভাওৰ	33	8

विराज्ञ, खना	न्त्रा तर च नाम	-	707		मूर्य क् ७ नाम	4004.5	नृ61
সংকর্মপরণাণ (পূর্ব পৃষ্ঠা ছেকে)				মহত্যাল উভূমতে সক্ষেত্রীলানে অন্তর্ভুক্ত করলেন প্রতিশালক	৬৮-বৃংলাম	80	293
পুরস্কৃত করেন আল্লাহ (ইলইরাসীন আ. প্রনঙ্গ)	৩৭-সাক্ষাত	202	3160	খানুষ সংকর্মশীল হলে (আল্লাহ ক্ষমাশীল)	১৭-ইস্রা	રશ	136
পূর্ণাঙ্গ করা (ভাওরাজকৈ সংকর্মপরারণের জন্য পূর্ণাঙ্গ করা)	৬-জাপুজাম	>28	653	বিশিত কর (সংকর্মশীলানে সাবে বিশিত করের প্রার্থন, ইউসুযোর)	১২-ইউসুঞ্	303	36/3
প্রতিদান (সাল্লাহ সংকর্মপরায়নসেরকে প্রতিদান দেন)	৩৭-সাক্ষাভ	bro.	Уво	বিশিত (সংক্রেপিয়ান সাথে বিশিৎ করের জন ইংবাইয়ের লোচ)	২৬-চ'জার	bro	9343
প্রতিদান (আল্লাহ সংকর্মপরাধনদের প্রতিদান দেন)	৩৭-সাক্কাভ	252	760	যুবিদ (সংকর্মশীল মুমিনগণ ফ্যান্সাদ সৃষ্টিকারীদের মত নয়)	৩৮-সোয়ান	24	1009
প্রতিদান (সংকর্মপরায়পড়ের প্রতিদান দেন আল্লাহ)	৩৭-সাক্কাভ	306	1465	তুলকিংক সংকর্মশীল ছিলেন	২১-আছিয়া	10	920
প্রতিদান (সংকর্মপরায়ণাদের প্রতিদান দেন আল্লাহ)	২৮-কাসাস	78	brob	লৃত সংকর্মশীল ছিলেন	২১-আছিল	92	920
প্রতিদান (সংকর্মপরায়ণদের প্রতিদান জাল্লাভ)	৫-ঘরিনা	46	695	(প্রাটেন্ডে সংঘদীন পাবে মুনা আ, অপ্রায় ইয়া করলে)	২৮-কাসাস	29	670
श्रीकान (गरवर्षाश्राकारान्त्र योद्धार श्रीकान राम राखार)	৬-অন'অম	¥8	608	স্থানপ্রতিন করালা ইবাহীন আ (বার প্রতিক্ষরের নির্মা)	৩৭-সাক্কাত	300	9/63
প্রতিদান (সংকর্মপরায়ণের প্রতিদান প্রতিশালকের নিকট)	२-राकृता	225	620	স্কর্ত্ত (নামর মুক্তিয়ের সংক্রমীপানে সমী হওছে প্রকাশ)	৫-মায়িলা	b/8	499
প্রতিদান (সংকর্মপরায়নদের প্রতিদান দেন অস্ত্রাহ)	৩৭-সাঞ্চলত	220	5-6-2	ग्रहणकरी (विकास ७ जारमीना/मेमरीर ग्रहणकरी)	৬৬-ভাহরীম	8	290
প্রতিসাদা সংকর্মশর মাধ্যমের অন্য আন্তাহ প্রতিসাদ প্রস্তুত করেছে।)	৩৩-আহবাৰ	23	900	সংবর্মশীল প্রী		-	-
প্রতিদান (সংকর্মপরার্থনের প্রতিদান দেন আল্লাহ)	১২-ইউসুঞ	33	496	অনুগত (সংকর্মশীল প্রীগণ অনুগত ও সক্ষরিত্রা)	8-मिमा	08	6.93
প্রতিদান সংবর্তপরার-চনারক, বেহেশকে (দক্ষির সাথে পানায়র,)	৭৭-মূর্ব্যক্ষত	88	222	সংকাঞ্চ (আরো দেশুন সংকর্ম শক্ষ্যি)	g-co-ii	08	0.00
প্রতিমান (সংকর্মপরাক্ষণাপ অস্থ্যাহর কাছে যা চারে তাই পারে)	৩৯-যুম্বর	08	b/98	অপরাধ নেই (মুলিন সকলর করলে পূর্বের মুবারে অপরাধ (নই, মন প্র)	৫-মহিদা		
বভিয়ে দেয়া (আস্থার সংকর্মপরায়ণদেরকে বাভিয়ে দিবেন)	৭-জা রাজ	363	629	चन्द्रानीतम् मदशस्य कहाः चारास्थः (विद्याद्य(वेद निम)		20	695
বাছিয়ে সেয়া সক্ষমশবাক্ষাভাৱে অপ্তার অনুহর বাছিয়ে দিবন)	२-वनुष्ता	45	eob.	অনেশ্বপুলিয়া পৃথিবৈ প্রতিষ্ঠিত হলে সংক্ষাক্ত আলে বিবে	৩২-সাঞ্জ ২২-হাজ	25	P-07
ভালাবসা (সংকর্মপরাফালেরকে ভালবাসেন জাপ্রার)	व-मास्रम	30	\$45	অনে (সংখ্যার নির্দেশ লোম কর একটি লা থকা উচিত)			962
ভালবাদেন জন্তাহ সংকর্মপরাক্রনেরকে	৩-বালে ইম্বান		200	অন্ত্রাহর সাক্ষাত কামনাকারীকে (সংকালের নির্দেশ)	৩-আলে ইমরান		285
ভালবাস (সংকর্মপরাজানেরকে আল্লাহ ভালবাসেন)	२-राष्ट्राव	296	655	অন্তর্গন পার্যাত কার্যাকারতে (প্রকারের (নগেশ)	7P-565-0	220	900
ভালবাদেন আল্লাহ সংকর্মপরাধনদেরকে	৩-বালে ইমরান		487		৪২-পুর	26	990
ভাগবাসঃ (আল্লাহ সংকর্মপরারপ্রসের ভাগবাসেন)	৫-বারিদা			ইয়ানদার থারা সংকাল করে আদের জন্য আল্লাহর প্রতিপ্রতি	হ-মারিদা	ъ	62.7
খুৱাৰীয়া ছিল সংবর্মপরায়ণ (দুনিয়ার জীবনে)	৫-বারনা ৫১-যরিবাত	36	295	ইয়ান এনে সংকাজ করে যারা তাদের তথ্য লেই	৫-মর্থিদা	69	200
সৃষ্ট্যাকার্যা (ক্রান্ট্রার জাবনে) সৃষ্ট্যা (নবী, সভাবাদী, শহীস ও সংকর্মপরাঞ্চাল উল্লয় সৃষ্ট্যী)	8-Pet			স্থানের পর সংকাল করে হারা ভারাতে প্রবেশ করবে	১৯-মাবইয়াম	60	905
সাধী (আল্লাহ সংকর্মপরায়ধনের সাগে আছেন)		59	295	ইয়ান আনার পর সংকাজ করেছে যার	4-ম্রা,রাঞ	84	979
त्राची (अध्ययं अध्ययं वाद्यां वाद्यां वाद्यां) त्राची (अध्ययं वाद्यां वाद्यां वाद्यां वाद्यां)	১৬-শব্দ	759.	470	विका करत ना मकाब कारण, जान्य नान (मान्न कर पूर	৪৭-মুহামান	2	275
	২৯-জানকাবৃত	69	1457	ইয়ান আনার পর সংবাজ করলে পাপ মোলে করা হবে	২৯-জনবাধৃত	٩	279
সুসংবাদ সংকর্মপর্যাপদের জন্য (কুরবানী প্রসঙ্গে)	55-£at	98	965	ইয়ালনার সংকর্মশীলগে সূউচ্চ কক্ষে নিরাপদে ধাকরে	৩৪-সাবা	9.	₩88
সুসংবাদ (সংকর্মপরায়ণদের জন্য কুরজান সূসংবাদক্ষরণ)	৪৬-আব্ৰাফ	25	202	विकासन नारविश्वापनाहरू कथा । प्राप्ताहरूमाला अधिकारि	89-25102	45	272
হণ্ডা (শঞ্চি প্রযাকনবিনের সমর্থপরাল হণ্ডার জালাকা) সংকর্মশীল	৩৯-বুদার	@Y	9.46	ইয়ানার সমেনীপানে জন্ম হয়েছে পরম জনদ ও টক্স	১৩-রা'দ	52	597
		_	ш	ইমাননার সংকর্মশীলনেয়কে আল্লাহর প্রতিশ্রুতি)	२8-न्द	66	980
অন্তর্ভ(ঈমানসাধকে সংকর্মশীলনের অন্তর্ভুক্ত করা হলে)	২৯-আনবাব্ত	>	939	ইয়ালার সংকর্মীলনেরকে আল্লাহর প্রতিশ্রুতি	२८-सूत	6.5	900
অবলাশ পেলে সংকর্মশীল হওরার ইচ্ছা (কিরামতে)	৬৩-মুনফিবৃদ	30	366	ইখন এনে সংকাল করে যারা (তওবা করার পর)	২৫-সুরকান	90	959
অভিজনকত্ব (অস্কাহ সনবেশীগনে অভিজনকত্ব করে বাকেন)	৭-অগ্নেফ	799	907	ষ্টার্যন এনে সংকাশ করেছে যার তানের প্রতিদান পুরোপুরি	৩-আলে ইমরান	୧୨	485
আপন্না নেই (স্ফেমনীল পুনিনের য়প্তা কতির আপন্না নেই)	২০-জু-হা	225	986	ইবান অনে ও নংকাজ করে যারা তারা জন্মতে আর্থপিত	-00-3EV	30	250
আহলে কিন্তাননের একদল সংকর্মশীল	৩-অলে ইন্যান		489	উৎকৃষ্টতম (যারা ঈখান এনেছে ও সংকাজ করেছে)	১৬-বায়ানাহ	٩	2059
ইনরিস সংকর্মশীল হিলেন	২১-আধিরা	ър	922	উত্তৰ, প্ৰতিপাদকের কাছে (পুৰস্কার ছিসেমে)	29-sajás	86	456
ইবরাহীম বা, বাশিয়তে সংকর্মশীদদের অন্তর্ভুক্ত হবে	২-বাকুরো	300	476	উন্নীত করে সংকাজ পবিএবাদীকে, (ব্যস্তাহর নিকট)	৩৫-ফাডির	30	b89
ইবরাহীম জ্বা, জাপিরতে সংকর্মশীলদের জন্তর্ভুক্ত হবে	১৬-নাব্শ	255	930	কবিচনর সংকাঞ্চ (উন্মাননার কবিচনর প্রসঙ্গ)	২৬-৩'আরা	રર૧	199
ইবরাহীম আ, আধিরতে সংকর্মশীলনের অন্তর্ভুক্ত থাকবেন	২৯-আনকাৰ্ড	ર૧	9.72	ৰূপন্নণ (স্বাস্থাহন সন্ধৃত্তি কামনাত্ৰ সংকাৰ করার মারে)	8-নিসা	278	647
ইয়কুৰ আ, ও ইনগ্ৰন আ উচ্চাকেই তাল্লাহ সংৰক্ষণীল কান্দ	২১-জাধিয়া	92	108	কল্যাণ (সংবাজের কল্যাণ যানুব নিজেই জোগ করবে)	৪৫-কাহিয়া	242	hob
ইসমান্তন সংকর্মশীল ছিলেন	২১-সাধিয়া	b	100	ক্ষাপীৰ (ভাওঅৰারী/সংকর্মণীদের প্রতি আল্লাহ ক্ষাপীৰ)	২০-জা-ছ	2.5	9.8%
ইসহাৰ আ, ও ইয়াকুৰ আ, উচ্চাকেই অল্লাহ লানেনলীল বানান	२५-जानिया	92	968	ক্ষতিহান্ত নর (যারা ইমান এনে সংকার করে)	১০৩-জাস্ত	0	2005
ইসহাক আ, দবী ও সংবর্মসরয়ন হরেন (ইংরাইয়েকে নুসংবাদ)	৩৭-সাত্কাত	225	9:65	ক্ষম (সম্ভাৱ ও সমনের বিনম্ময় কমাও সঞ্চলকার বিধিক)	२२-श <b>ाळ</b>	20	960
ঈলা বা, হবে সংকর্মশীলনের অন্তর্ভুক্ত	৩-জালে ইমরান	86	<b>280</b>	ক্ষম্ম ও মহাপ্ৰতিবাদ (সিমাদ ও সংকাক্ষের জন্য ব্যাহছে)	৩৫-ফাডির	٩	<b>984</b>
কাঠিব ও মুদাক্তিকদেবকৈ বদি আল্লাহ অনুগ্ৰহ দান কৰেন	৯-জাঙ্গা	98	68¥	रहत् येवा मत्त्रात करात करा पुनरात द्वारापा करा शार्थन	२०-म्'पिनुन	200	992
স্বান্ধানে প্রবেশ করানো হবে (সংকর্মশীল মুমিনকে)	৬৫-জন্মক	22	366	নামারন থেকে বুলিম মান্য কবিজ্ঞা সকোনো প্রতিকৃতি সিধে	०१-एक्टिइ	09	78x
জিনসের বিষ্ণু সংখ্যক সক্ষমশীল ও বিষ্ণু সংখ্যক এর ব্যতিক্রম	৭২-জিল্	>>	946	মন্ত্রের সারোম ও স্বর্থনের বিনিহতে জন্মতে প্রবেশ করালে হলে।	55-21at	28	94%
দাস-নানী (সংকর্মশীল দাস-নানীর বিয়ে নেয়া)	२८-मृष	•२	999	অপ্তৰ্জন কৰিছে কৰে অন্তৰ্জ কৰাতে প্ৰকেশ কৰাকে।)	২২-হাজ	30	900
नवी (भरकर्तनील नवी शूद इंग्राइडेग्रा)	৩-জালে ইময়ান	40	¢80	আপ্রত (সংকর্মশীল মুমিন নিরামতপূর্ণ জাপ্লাত লাভ করবে)	১০-ইউনুস	2	528
পিঠা, দুই ইয়াতিম বালকের (মৃসা আ. ও বিজির প্রসঙ্গ)	79-5020	3-5	505	মান্ত্রাত (সংকর্মশীল মুমিনের জন্ত নেরামত পূর্ণ অন্ত্রাত)	৩১-লুকমান	b	649
পুরস্কার (মুদ্দিন সংকর্মশীলগণের প্রতিমান -ছার্মী জান্নাত)	১৮-বর্ষালয়	br	2059	আপ্রাত (দিয়ানগারের সংকালের পুরস্কার জান্নাত)	8-First	69	958
প্রতিদান (সংকর্মশীগনের ন্যান্য প্রতিদান দিতে পুনক্সধান)	১০-ইউনুস	8	628	আপ্রাত (ঈমান ও সংকাজের বিদিয়ে ভাল্লাত)	२-वाक्स्य	44	600
প্রবেশ (সংকর্মশীল মুক্তিনকে জাল্লাকে প্রবেশ করানো হবে)	৬৫-তালাক	22	999	আপ্রতি (ঈরান ও সংকাজের বিনিধরে জান্নত দেয়া হবে)	৬৫-ভালাক	27	200
কণি ইসমাধিশের একটি দল সংকাশীল ও বিছু বার ব্যক্তিভাগ	9-76"679	3691	649	ब्रह्मक (श्यान व नारसंस्था विनेधा (नार्यकर्ण ब्रह्मक थाक)	22-27%	86	950
বন্দা (দুই সমার্থশীল বাদার অধীন থকলেও নৃত্র আ. ও পুরুর দ্বীরা_)	७७-सद्दीय	30	292	মান্ত্রাও (স্থান ও সংকালের পুরস্কার)	১৪-ইবরাহীম	30	5969
বল (জ্ঞান সংখ্যীণ বলর মহৈল উল্লেখনেই জন্মত প্রদর্গ)	२३-वाश्चि	300	903	মাপ্রত (বুলিল পুরুষ ও নারীর সংক্ষরের ক্রন্য আরুতে প্রবেশ)	8-591	338	635
বাপ (সংক্রমণীল বাপার অন্তর্ভুক্ত করার জন্য বুলাইরভার (বাজ)	২৭-নামল	79	ko)	অপ্রত (ক্রিনামে সময়ের জনা করতে প্রবেশ কর্মন হবে)	8-विमा	255	073

nori			স
THE PERSON NAMED OF THE PE	न्द्रों तर ह नाव	No. of	781
अबन नता -्य अवकास करत ७ एर प्रमानकत करत कारमर सीन-(अपूरा	৪৫-জাছিবা	43	806
সমান নয় (সংকর্মশীল ও দুস্কৃতিকারী সমান নয়)	৪০-যুখিন	27	bpo
নামর্থা (সংকাজের সামর্থ্য দানের জন্য সুদাইমানের দোরা)	২৭-নামল	25	407
ন্মফন্ (সভানা ভালে সামল্য,প্রতিপালকো নরার মতে প্রবেশ)	৪৫-কাছিয়া	00	209
পুগরেদ (ধারা সংক্ষান্ত করে ও সীমান আনে আচনা ক্ষান্ত বুসংবাদ)	৪২-পুরা	50	594
সংবাদ (সংবালের কারণে জান্নাকের সুনংবাদ)	২-বাকুলা	3.0	208
ারী সংক্রম পুরস্কার ও প্রতিদান হিসাবে উত্তর	১৯-মার্ইয়াম	96	90%
নতৰ্ক (আহো দেখুন সাৰধান শদ্যী)			
সন্মাহতিক ও নামাল কারেমকারীকে সতর্ক করা সম্ভব	৩৫-ফাডির	36	b89
সাম্বাহনক ও নামার ভারমন্তর্যাক নতক করা নরব সাহবাফবাসীলের ( হুন আ, বর্তৃক)	86-आइवाव	22	970
ल्ह्यम (महर्कक्र विवादक विन्यम दिलाद शहर बरद ,वारिक )	22-sci2s	6.0	343
भारत (गठनम्ब स्वाद्ध के चार चार चार चार का प्राप्त के स्वादक) भारतम्ब द्वारत् तमा वृद्धितवेदै ( बामून न, नकर्व करायन)	৩৬-ইয়াসীদ	22	169
বিচাৰ হৈলে কৰা ব্যাক্তিক ( ধাৰ্ক ন, নকত ক্ষাৰেন) হুই ধাৰাই বাসুল স, মানুহকে সত্তৰ্ক কৰেন	২১-অপিয়া	80	900
		9	405
থিবদের সম্ভর্ত করা না করা সমান (তারা উমান আনকো)	২-বাৰুৱো	9	
ক্ষিত্রদের (সভর্না করার পর কাফিবরা ভা গেকে মুখ নিবিয়ে গেম)	৪৬-আহ্বাফ		909.
व्यक्तिहरूत्वा गावर्थ क्या या गा क्या गावन, रिमान प्रान्ता न	৩৬-ইয়াদীন	20	9.67
आग्रह मण्यत्वे गढर्व करा ( सामून न, कर्चुन)	৬-জান্'আম	700	609
<del>উয়ামতের দিন সম্পর্কে সকর্ক করার নির্দেশ রাসুল ন. কে</del>	৪০-মুমিন	23.	262
ব্যামতের দিনের নাকাত সম্পর্কে রাসুপ স. কর্তৃক সর্তক করা	৩৯-যুমার	93	৮৭৭
লামত/ একত্র হন্তার দিন' দম্পর্কে সকর্ব করা (কুরজন ধরা)	৪২-শ্বা	٩	9.97
ব্ৰহান ধান্ত মানুধকে সভৰ্ক করতে নিৰ্দেশ	৬-আন্'জাম	39	693
ক্তমন খর সতর্ক কর (নথাকের ন্যাপারে যক্লান মুফিনদের)	৬-আন্'আম	85	806
ব্ৰআন ধারা সতর্ক করা (আকওয়া অবলমনের জন্য)	৬-আন্'আম	62	900
বজানের মাধ্যমে মানুষকে সতর্ক করা	১৪-ইবরাহীম	45	53.9
বলিমদেরকে সকর্ক করার নির্দেশ (বাসুদা স. এর প্রতি)	১৯-মারইরাম	99	905
লিমদেরকে কুরআদের মাধ্যমে সতর্ক ধনা প্রসঙ্গ	৪৬-আহ্তাক	25	909
बैर्निकाम्ब गठर्व बद्धाठ श्रापुण ग. यह श्रीठ वृत्राञ्चम जनवीर्ष स्ता	৩৬-ইয়াসীন	90	460
ল (কিন'জাউনের সৈদ্য দল সভর্ক দল, বির'জাউলের উভি)	২৬-৩'জারা	60	930
কটাজীয়নেকে সত্তর্ক করার নির্দেশ (নবীর প্রতি)	২৬-৩'বারা	528	988
বিগাম (সতর্ককৃত/নূহ আ, সম্প্রদায়ের পরিণাম)	১০-ইউনুস	30	997
াকড়াও সম্পর্কে সভর্ক করা (নৃত সম্প্রদায়কে)	<b>28-क्स्प्रांत</b>	06	204
নভুপুরুষকে সতর্ক করা হয়নি (যে সম্প্রদায়ের)	৩৬-ইয়াসীন	b	2452
তাত কর মন্দ হরেছিল (যাদেরকে সতর্ক করা হয়েছিল)	৩৭-সাফ্ফাড	244	3/62
ধিরকে সত্তর্ক করা হলে সতর্কবাণী পোনে না	২১-আধিয়া	84	9,00
ব্যোধিতাকারীরা যেন সভর্ক থাকে (শান্তির ব্যাপারে)	२.8-मृह	90	99-3
ক্ষেত্রকারী সংখ্যপদ্ধকে সতর্ক করার ক্ষয় করারল সহার করা	১৯-মারইরাম	39	9,80
টাত সতৰ্ক অবস্থার মূলা আ, বের হলে গেল (শবর থেকে)	২৮-কাদাদ	42	Pop
জ্ববাসী ও এর চারশাসের গোনসেরকে তুরামান স্বরা শতর্ক করা	৪২-শ্রা	٩	993
ন্দুৰকে সভৰ্ক কৰাৰ জন্য বাসুদ স, এই প্ৰতি ভাই প্ৰেৰণ	২০-ইউনুগ	3	628
ন্দুবকে শান্তি আনার নিদ সম্পর্কে মানুবকে সতর্ক করা	১৪-ইবরাহীম	88	639
নুষ্কে নতর্ব বরার জন্য কুরআন অবর্তীর্থ	১৪-ইবরাইম	43	639
ন্দুখতে সভৰ্ক করার জন্য বাসুল স. কে ওঠার নির্দেশ	৭৪-মুদ্দাছছির	1 3	990
মানুহকে সভৰ্ক করার নির্দেশ নিয়ে কেবেশকা অবতীর্থ	১৬-লহুদ	1 2	900
দুনাফিকনের সম্পর্কে সকর্ক হতে নির্দেশ (রাসুল স. কে)	৬৩-মুলাফিকুন	8	368
শরিকদেরকে, যারা বলে জন্মাহ সন্ধান এহণ করেছে ।	३५-वाइक	8	948
্বিনহেবর সক্তর্ক থাকার নির্দেশ। (ছী ও সন্তানদের ব্যাপাবে)	৬৪-ভাগাবুন	78	200
মিন্টার সতর্ব হওয়া (আপ্লাহ-বাসুল স. এর আনুগড়া প্রসঙ্গ)	०-मात्रिमा	24	495
মুসা আ, জীত ও সভাৰ অবস্থায় শহরে উপনীত হল	২৮-কালাল	34	rox
াকুল স, সতর্ভা করছেন সম্ভূজনির আপারে (মূখ ফিরিয়ে দিলে)	83-ছপুসিলাত	30	444
	७०-धुनाकिक्न	8	346
	्र-शविभा १-शविभा	830	650
ৱসুদ স, বে সভৰ্ক হন্তান নিৰ্চাশ (অননীৰ্ণ নিষ্যা ছেকে বিচ্চত)			650
ঞ্জুল স, বে লঙক হওয়ার নির্দেশ (অন্তর্মির্ন নিয়া থেকে বিচ্চুক্ত) রাসুল সন্তর্জ কর্ত্তেন কিবাকের যারা	१-आ'सम	1	
গ্রন্থান সংক্রম করেন নির্মাণ (অবর্ত্তীর্থ নিয়ন থেকে বিচ্যুক…) গ্রাহুল সভর্ত করবেন ভিতাবের যাবা দৃত সম্প্রদারতে সভর্ত করা(পাধ্যকে বৃত্তি বর্তীয় প্রমাণ্ড)	৭-আরঞ্ ২৭-নামস	64	bro8
গ্ৰন্থৰ স. তে সভৰ্ক হজেৱ দিৰ্চেশ (অনকীৰ্থ নিম্বা থেকে বিচ্চাত) গ্ৰানুগ সভৰ্ক কৰ্মনেন ভিতাহৈকে বাবা লুত সম্প্ৰদাৰতে সভৰ্ক কৰ্ম(পাথকেকে বৃটি ধৰ্মণ প্ৰসঙ্গ) পেলিস্কান আচল সম্পৰ্কে আল্লাহ মানুধকে সভৰ্ক কৰেন	१-आ'सम		bro8
ন্তমূল স. তে মূলজিকদের সম্পর্কে নতার্ক হতে নির্দেশ অকুল স. তে সগর্কা হাজার মির্চিল (অবার্কি নিয়র থেকে নিয়ক) ন্তামূল সতার্ক কবনে। ভিতাবের ছারা দৃশ্ব সম্প্রভারতে সতার্ক করা(পাবারের বৃত্তি বর্ধনা প্রকাশ পেনিয়কে নিয়ক্তন সম্পর্কে জন্তার মানুবারক সতার্ক করেনা শারির (নিয়ামতের নির্কেশনার্কি আগ্রাহ মানুবারক সতার্ক করেনা শারির (নিয়ামতের নির্কেশনার্কি শারির বালারে)	৭-আরঞ্ ২৭-নামস	64	2000 2000

-1			71 g/g	78			
रीय (रेपड्या)	त्रा वर के साथ	BILL	1	नम (रेरस्थ्यात	ज्ञा मर ७ मात्र	255	100
সতৰ্ব (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)				রাসূদাণকে সুদংবাদদাতা ও সতর্ককারী হিসেবে প্রেরণ	৬-আণ্ আম	87	600
সন্তান ও স্ত্ৰীর ব্যাপারে মুমিনদের সতর্ক থাকা।	৬৪-জগার্ন	18	264	রস্বাদাকে মুদংবানদাতা ও সভর্করারী হিসেবে প্রেরণ	8-जिला	260	6 89
সমপ্রনায়কে সঙর্ক করার জন্য রাসুদ্ধ প্রেরিত হন	৩৬-ইয়াসীন	b	7457	রসূল স, স্পষ্ট সভর্করারী, ভিনি খাগদ না	৭-আ'রাফ	36-8	400
সংগ্ৰেমহত সতৰ্ক কর (পূর্বে হাসের মারে সতর্ককারী আসেনি)	৩২-সাক্ষা	0	5000	রাসূল স, স্পর্ট সতর্কভারী মাত্র	৩৮-সোরান	90	৮৭০
সপুদার যতে সকর্ব হতে পারে সে জন্ম কালেকে সকর্ব কালে	৯-জাধ্য	255	960	রাসূদ স, সুস্পর সভর্কবারী মাত্র	৫১-যারিয়াত	62	250
সম্পূর্ণায়কে সকর্ক করনে স্বীনের আন ভার্মনের পর বিত্রে এলে	3-81631	255	960	রাসুল স, সুস্পরি সভর্করারী মাত্র	৫১-ঘরিয়াত	40	325
সম্প্রধারকে সকর্ক করার জন্য উপদেশ আসা	৭-জাব্রাক	60	659	হাস্প স, সতৰ্কচাৰী হাত্ৰ	৩৮-মোরান	52	brak
স্বত্সপ্তকে (এমন স্বত্সপ্তকে সম্ভর্ক করা বাচন্ত নিষ্ঠে)	২৮-কাসাস	85	125	বাদ্ৰৰ স, পথ্যইলের জন্য সত্তর্ববারী	२९-नामन	25	bro*
সম্প্রদারকে সতর্ক করার নির্দেশ (নৃহ আ. এর প্রতি)	93-78	3	308	राज्य म, दक्कम मदर्बकारी मात	১৩-বা'দ	9	63.0
সম্প্রদারকে সকর্ব করার জন্য উপদেশ (এক ব্যক্তির উপর)	१-वा'राव	90	635	রসুদ প, প্রকাশ্য সতর্ককরী	ऽट-दिसद	29	303
সাক্ষাতের দিন সম্পর্কে সত্তর্ক করার স্কন্য ওবী অবভরণ	80-मुप्तिन	36	775	রপুন স, তো কেবল একছন স্পর্ট সতর্ককরী মার	৪৬-আহ্কাক	9	kos
ন্ত্ৰী ও সন্তাদদের ব্যাপারে মুম্মিনদের সত্তর্ক থাকা।				রসুল স. একঞ্জন স্তর্ককারী মার (মানবন্ধান্তির প্রতি)	৩৫-কাতির		
	৬৪-তাগাবুন	28	294	সক্ত উদ্ধানৰ মাৰে সকৰ্বনাৰী প্ৰেৰিড হ'বছে		20	585
সত্ৰ-কারী	-				৩৫-কাতির	₹8	b/89
আগমন (সতৰ্বকারীর আগমনে মুশরিকনের বিমুখতা থৃদ্ধি)	৩৫-ফাতির	84	950	সুস্পর (রান্দা ন, সুস্পর সতর্ককারী মাত্র)	৬૧-মূপুক	26	৯৭৪
অপন্নন (সতর্কবারীর আগনন ও মুশরিকলের হেলারত প্রদার	৩৫-ফার্কির	84	240	হুল আকে আন সম্প্রনারের মন্য সতর্ককারীরূপে প্রেরণ	86-व्याद्वराय	52	270
জাল্পাহ সতৰ্ককারী (কুরজান দাখিলের মাখ্যমে)	৪৪-পুখান	0	305	সত <b>্তি</b> ত			
অস (সতর্বকরী অস অধিবলো নিবট নিশাকর বাশার)	৫০-কৃষ্	1	244	পরিদান (সতর্বকৃতদের পরিদান লক্ষ্য করার নির্দেশ)	৩৭-সাফ্ফাড	90	bee
আস (সম্প্রসায়ক সতর্ব করা বচনা মধ্যে সতর্ককারী আচুর্কান)	०२-ग्राक्त	0	500	পাধ্যের বৃষ্টি বর্থন (সভর্ককৃত লুক সম্প্রদায়ের উপর)	<b>२७-व</b> 'वाडा	390	934
জাসা (স্তৰ্ককারী জাসায় কফিবলের বিশ্বর)	৩৮-সেরাদ	8	5-64	সতৰ্বতা			
অসা সেতর্কনী অসা সম্পর্কে জাহুরাহিসারক রাজীয়না জিলাসা)	৬৭-যুগ্ত	7	392	উপদেশ অর্পর (সতর্কতাছরপ)	৭৭-মুরুসাধাত	6	2024
আসা (সতর্বকারী আসা সম্পর্কে জাহান্তমিসের স্বীকারোজি)	৬৭-মূল্ক	>	392	গ্রহণ/জন্মন (বুলিনাংগ সতর্কতা গ্রহণ/জনসংশ, যুদ্ধ প্রসঙ্গ)	8-निम	93	6.00
অস (সকর্মনারী আমেনি এমন সংযোগকে সকর্ম করকো রাসুল)	২৮-কাসাস	86	254	তুহুকোত্র সতর্কতা অবসংগ (মাহাল আবার প্রবঙ্গ)	8-971	203	230
কাভিবলের নিকট সতর্ককারী এসেছিল (পুনিয়াতে)	৩৫-কাজির	99	789	যেভালে অনুস্থার ক্ষেত্রেও সতর্ভত (আর প্রেম প্রেম প্রদার)	8-PH		
কুৰজান সভৰ্কনারী (সেই সম্প্রদায়ের জন্য বারা জানে)	৪১-ফুস্সিলাভ	8	lelenh	সতৰ্ব সৃষ্টি	8-1441	305	290
হণতসমূহের জন্য সতর্ককারী (রাসুস স.)		2	999				
জনপদে সতর্ববারী প্রেরণ (বিত্তবান দের পোমরাহি প্রসঙ্গ)	২৫-ফুরকান			প্রতিপালক অবশাই সভর্ক নৃত্তি রাখেন	b%-श्राक्तंड	78	205
	৪০-যুগরুফ	50	396	স্তৰ্গ-প্ৰস্তুত			_
দ্বিলরা সতর্ককারীজনে সম্প্রদায়ের দিকট দিরে দিরেছিল	৪৬-আবৃপায	₹39	977	সমাননারেবকে বুছের জন্য সতর্ক-প্রস্তুত থাকার নির্দেশ	৩-আলে ইমরান	200	200
নবীগণকে সভর্ককারীয়ণে প্রেরণ	२-राकृत्व	570		স্ত্ৰীকরণ			
নবীকে গতর্কভারী হিনাবে আল্লাহ গারিয়েছেন	००-साद्याच	80	709	অধীনার (সভনীকাশ নিয়া অভিতি বড়েছিল লুক সম্প্রদার)	৫৪-কামার	00	809
নুহকে সম্প্রদায়ের জন্য সকর্ককারীক্রপে প্রেরণ প্রদান	३३-दून	100	9607	আদ সন্তাপন্থকে সক্ৰমীকৰণ কেমন ছিল।	৫৪-কামার	22-	209
নুহ আ, সুস্পট্ট সভর্ককারী (সম্প্রদারের প্রক্রি)	২৬-৩'আরা	226	1268	আদ সম্প্রদায়কে সভকীকরণ (পান্তির ব্যাপারে)	৫৪-কামার	4,5	৯০৭
নুহ জা, তার সম্প্রদারের জন্য সুস্পর সতর্ককারী ছিলেন	१३-मृद	13	358	আনা (বির'আউন বল্লের নিকট সকর্তীকরণ এসেছিল)	৫৪-কামার	83	300
পঠানে (সকর্বনধী না পঠিয়ে জন্তাহ জনপদ ধাংল বড়েন না)	২৬-৩'আরা	200	9367	আছানন (শৃত সম্প্রনায়কে সত্তরীকরণ আধাননের নির্নেশ)	৫৪-কামার	45	hrob-
পাঠানো (সতর্ককরী পাঠাতেন আক্লাহ ইজ্ঞা করলে)	২৫-যুদ্ধান	62	95%	আছাল (পুত লম্প্রলায়কে সভাবীকাশ আধানা করার নির্চুল)	৫৪-কামার	09	brob
প্রেরণ (সভর্বকরী প্রেরণ করা হরনি পূর্বে, মঞ্জর কথিবলের প্রতি)	৩৪-সাবা	88	782	কাবিবলেরকে সভকীকরণ তালের কোন উপকারে আসেমি)	৫৪-কামার	0	200
প্রকা (সর্বকারী প্রকা করলেই জনপদের বিক্রবদর্য বলত)	c8-সাবা	108	788	কামে না আনা (সক্তবিকাশ অধিশ্বাসীদের কাঞ্চে আলে না)	১০-ইউনুস	202	950
প্ৰেরণ (পথমন্ত পূৰ্বপুরুষদের জন্য দত্তর্কভারী প্রেরণ)	৩৭-সাফ্ফাত	93	760	ধ্যুৰ সম্প্ৰদায়কে অন্তাহন সকলীকল	28-WING	203	2000
ফেরেশতা সতর্বকারীরূপে রানুল স. এর সাথে থাকার দাবী	২৫-ফুরফান	3	959	ছাৰুদ সম্প্ৰদান সভাজীকলতে নিব্যা অভিহিত কৰেছিল			-
মানুষের জন্য (সাকার মানুষের জন্য সক্তর্করারী)	৭৪-মুদাছছির	Ob	566	ভানতে পাহতে অভিয়া (তেমন হিল সভকীকরণ)	68-প্রায়ার	20	300
মানুষের জন্য মুহাম্বান সা. কেবল স্পর সভর্ততারী	44-EM	830	952	ন্ত্ৰ শত্ৰে আৰম (কেন মূল সভকাৰন) নূহৰ সম্প্ৰাহ্তে সভকীতল	৬৭-রুল্ক	24	390
মুহামদ সা, মানুসের জন্য কেবল শ্লেষ্ট সভর্বভারী	44-87%	83	962		৫৪-কামার	26	200
মুখ্যন স, সকৰ্বনৰী (মানব জাতির জন্য)	77-Shi	3	999	পূर्वरही महत्वीकादानंद मात्र महत्वीकवन	৫৩-মাজ্য	6.9	3000
মুহাম্মন স. কেবল একজন সভর্কতারী (কাফিবনের প্রসঞ্জ)  -	77-å4 22-å-	32	999	সামের (সভর্মীকরণ সম্পর্কে লৃত সম্প্রদারের সাধ্যে পোষাণ)	৫৪-কামার	49	300
ৱন্দ স, কে সতৰ্কৰাৰীৰণে প্ৰেৰণ	২-বাঞ্জা	229	670	সঙ্য (অনিবাৰ্য)			
রসুদ স, বে সতর্কনারীরপ্রেরণা করেছেন স্বাস্থ্রাহ				ক্ষানানে (অনিবাৰ্য সক্ষা বিয়ামত সম্পৰ্কে কে জানাৰে?)	७৯-शकार्	0	৯৭৮
রপুণ স. বে সককলার্মসেরাণ করেছে বারাহ বসুদ স. কে সককলার্মসের প্রবেশ করেছে। বারাহ	২৫-বৃদ্ধকান	60	120	মহাপ্ৰদায় অনিধাৰ্য সভ্য (কিছামাত প্ৰসঙ্গ)	<b>५</b> ৯-शकार्	2	395
	১৭-ইস্বা	706	450	মহাপ্ৰদৰ অনিবাৰ্য সভা (কিয়ামাত প্ৰসৰ)	৬৯-হাকাহ	3	৯৭৮
রাস্প স. কে সতর্কারী রূপে প্রেরণ করেছেন অস্তাহ	৪৮-ফার্হ	b	779	সতীত্ব প্ৰকা			-
রাস্ব স. কে সতর্কবারীরূপে প্রেরণ করেছেন নাপ্তার	৩৫-ফাতির	48	784	মানইয়ামের লক্ষাস্থান সুধভিত রাখা/পতীত রক্ষা প্রসঙ্গ	৬৬-ভাহরীম	34	237
রাদৃদ (কেবল তার যে কিরামতকে ভর করে)	%-মহি'ব্যত		2000	সভীত (পজাছান)			- 17
ব্ৰানুল স. কেবল একজন নুস্পত্ত নতৰ্কারী	২৯-জানকাবৃত	60	950	মানইয়ানের ক্ষান্তম্পতীক সুরক্ষিত রাখা প্রসন্থ	as meriorer		
রসৃদ স. আসেদি সভর্করারী হিসাবে	৫-মরিদা	7.9	61-0		২১-আধিয়া	27	450
রানুল দ, সতর্কারী ও মুদাবোনসাতা (মুমিন সংখ্যদারের জন্য)	৭-জারফ	29.94	600	সভা (আরো দেখুন হক/অধিকার শব্দটি)			
রাপুদ স. সকর্বকারী (কঠির শান্তির পূর্বে)	08-मना	80	786	অনিবাৰ্য সভা মহাপ্ৰদার (কিলামাত প্ৰদাৰ)	৬৯-হাজাহ	2	৯৭৮
রাসুল স, সভর্কবারী হিসাবে এসেছেন,	৫-মারিদা	25	62.0	অনিবার্য সভ্য মহাপ্রদক্ত (বিরামাত প্রদক্ষ)	৬৯-হারাহ্	٥	৯৭৮
রাসুল স. কে সতর্কবারীয়ণে প্রেরণ (মানবলাচির জন্য)	08-791	30	1/80	অনুসানা (সজ বলি অনুসানা করত কবিদানের প্রদৃষ্টি ভরে)	২৩-মুমিন্ন	93	990
				অনুসরণ (যারা সিরান এনেছে ভারা মাডের অনুসরণ করে)	৪৭-মুহাম্মান		275
রাসুল স, বাতে সতর্কনারী হতে পারেন (কুলবান অনজীর্দের করেন) রাসুলগণ প্রেরিক হন (সকর্বকারীক্রপে)	২৮-কাব্য ১৮-কাব্য	298	130	অনুমান (সংক্রের মুকাবিলার অনুমান কান্ধে আসবে না)	৫০-নাজম	26	300
		66	992				

ARA/CXX	नुबासर ७ गाव	-	्राच्य	नम् विरह/दतन	সূহা বং ও দাম		
H ST (शृंद श्रीत (श्रीत )	Samuel Cale			কথা (সত্য কথা এই যে, উসা আ, মারইরামের পুন)	১৯-মারইরাম		905
মবন্তীর্ণ (সূত্রা অবক্রীর্ণ হওয়ার অন্তর বিগলিত হওয়া)	৫৭-হানীদ	36	886	কথা (কাফিরদের বিকছে শান্তির কথা যেন সতা হয়)	৩৬-ইরাসীন	90	960
মবন্তীৰ্ণ (সভাসহ বিজ্ঞান অবন্তীৰ্ণ কৰেছেল আল্লাক)	০-জালে ইমরান		600	কৰা (কাফিবদের বিক্রছে প্রতিপাদকের কথা সত্য হওয়া)	০৭-সাড্ফাত	٥٥	762
बरकार (नवानर सरकार वरकार परकारन पाछार) बरकीर्य (समूल न, এत छल्द या चनकीर्य दलाइ चा नका)	১৬-রাম	3	69.0	কথা (আপ্রাহন শতেনের উপর বিয়ামতে এই কথা সতা হবে যে)	৪১-কুস্সিলাভ	56	שלע
অবিশ্বাস (সাত্রা অবিশ্বাসকারীদের সাথে বছুড়)	৬০-বুমতাহিলা	3	954	বাবে করে (সভার নিপরীতে অনুমান মুশরিকের বাবে আসেন)	১০-ইউনুস	99	663
	ও৪-সাবা	80	y84	কিয়ামুক্তর দিন প্রত্য	৭৮-নাবা	60	2005
অবিশাসীরা সত্য কুরজানকে বলে 'সুস্পট আদু'	8-निमा		230	বিশ্বাহত বি পত্য নয় গ্রেকাফিরদেরকে প্রশ্ন করা হবে)	৬-আনু আম	00	695
অবস্তীর্ণ (মানুহের মধ্যে মন্তানলার জন্য নত্যসহ কিবাৰ অবতীর্ণ)		206	₽40 ₽48	ভিতাৰ (সভ্যসহ বিভাৰ অবৰ্তীৰ্ণ কৰেছেন আল্লাই)	৫-মারিদা		erre
অস্বীকার (সভ্যানে অস্বীভারভারী নবচেরে বড় জালিম)	৩৯-ডুমার	02	2.49	বিভাব (সভাসহ ভিতাৰ অবভীৰ্ণ করেছেল আল্লাহ)	২-বাকারা	398	679
অধীকার (দুপরিবলের কাছে সজ/পুরব্যান আগার পর অ)	80-पुरक्रफ	00		বিজ্ঞাব (প্রসূপ স. এর প্রতি যে কিবাস ওহী করা হল তা সজা)	৩৫-ফাডিব	40	<b>V8</b> V
অখীকার (কাঞ্চিরহা সত্য অখীকার করেছে)	৫০-কৃক	0	955	ক্রিয়ার সভাসত্ত অবতীর্থ করেছেন অল্লাহ (রাসুল স. এর এডি)	৩৯-বুমার	3	293
আকাশনমূহ ও পৃথিনীকে আল্লাহ সভাসহ সৃষ্টি করেছেন	৩৯-বুমার	¢	2.47	কিতাৰ সভাসহ অবস্থীৰ্ণ (প্ৰতিশালকের শব্দ থেকে)	৬-আন'আম	228	809
আঙ্গের শান্তি সভ্য (কিয়ামতে অফিরলের স্বীকৃতি)	৪৬-আহ্কাফ	98	927	ক্রিতাব সভাসহ অবস্তীর্ণ করেনেন আল্লাহ (মানুবের জন্য)	৩৯-বুমার	83	738
আরাত সভাসহ পাঠ করেন আল্লাহ রাসূল স. এর নিকট	২-বাকুারা	222	659	ভিতার সভাসহ অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ (আনুনের জন্য)	২-বাকারা	470	048
আত্মত সভ্যসহ পাঠ কংছেন আল্লাহ বাসুগ স. এর নিৰট	৩-আলে ইমরা		285		২-বাকারা	27	670
আরাহ মহান, মালিক ও সভা	২০-জ্ব-হা	228	185	কুরঝান সভ্য হওয়া সঞ্জেও ইছনীদের অবিশ্বান প্রনঙ্গ			
আপ্তাহর প্রতিমাতি সত্য (নুহের পুত্র ও প্লাবন প্রসঙ্গ)	27- <u>4</u> id	80	999	কুরজান সভ্য হলে পাধরের বৃত্তি প্রার্থনা (কাফিরনের)	৮-আনকাল	65	900
অপ্তাহর প্রতিশ্রতি সম্র (কিয়মত সংগঠিত হওয়ার বাপারে)	৪৫-মাহিনা	७३	hon	কুরজান সভাসহ অবভার্গ (প্রতিপাদকের কছে থেকে)	১৬-নব্দ	205	477
খালুবের প্রতিশ্রেতি সভ্য	৫১-মারিয়াত	20	525	কুরজন সভাসহ অবর্তীর্ণ হয়েছে	১৭-ইস্লা	706	१२७
অস্থান্ত প্রতিশ্রতি সভা (পুনকথান/পাতি প্রনঙ্গ)	১০-ইউনুস	00	625	কুরজন সন্তা নিয়ে অবজীর্ণ (প্রতিপালকের পাচ থেকে)	५-सङ्ग्रहा	787	679
বাস্তাহ (সকল কর্ম্বুড় ডাঁরই)	291-40ED	88	927	কুরজন সভা, প্রজিশালকের শব্দ থেকে (ভাতাবপ্রাক্তর কালে)	২-বাৰুবো	788	679
खद्वाद नवा	২৩-সুমিনুন	33/5	990	পুরজন সন্ত বলে স্পর্ন হরেরর জন্ম নিদর্শন লেখনেন অস্তাহ	৪১-পুস্সিগাত	60	9,90
অল্লাহ সত্য ও সর্বপঞ্জিমান (বিনি মৃতকে মীবিত করেন)	22-07%	6	965	কুরুয়ান সন্তাসহ অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ	১৭-ইস্রা	204	920
জন্মত সম্পূৰ্কে মুসার সভ্য ধলা প্ৰসূত্	৭-আ'রাড	300	622	কুরজানকে সভ্য বলে বিশ্বাস করে পূর্ববজী ঈমানদাররা	২৮-কাগাস	60	235
আপ্তাহ সম্পৰ্কে সত্য বলার নির্দেশ (আহলে কিজাবদের)	8-निमा	292	645	কুরবান নিশিত সত্য	৬৯-হাৰাহ	42	byo
बाह्यदेव (गटा हेगाद स्ताद व्यक्तिकार बाह्यदेवरे)	২৮-কালাল	30	77.58	করআন প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে আসা সত্য	22-24	24	666
আল্লাহর (গত হণার হণার আবদান আল্লাহর আল্লাহর রাভিক্রান্ত (পুনরুখানের বিষয়ে)	86-misety	33	808	লোপন (সভ্যকে জেনে-বুকে গোপন না করার নির্দেশ)	২-বাকুৰো	82	202
	80-मुक्तिन	66	p-p-5	গোপন (সভা গোপন করে আহলি কিবাবার, জেনেবুকে)	৩-আলে ইমরা-	25	282
আল্লাহন প্রতিক্রণিত সত্য	৩৫-ফারির	0	186	গোপন (সভ্য গোপন করে কিফাবগ্রারদের একটি দল)	২-বাকুরা	386	674
আস্থাবৰ প্ৰতিশ্ৰুতি নিক্ষা সত্যা (সং/অসং কাজের প্ৰতিদান)	79-4152	52	126	খ্টনা (সত্য খটনা, উদা আ. প্রসঙ্গ)	৩-আদে ইমরা	65	285
অস্তাহর প্রতিশ্রুতি (বিরামত প্রসঙ্গে)	৩২-সাজ্প		1407	ম্মানালে (অনিবাৰ্থ সভ্য কিয়ামত সম্পর্তে কে জনাবে १)	Ob-State	0	240
व्यक्तास्त्र तथा त्रस्य (प्रमुच ७ किम वता क्षत्रह्मात्र पूर्ण कर्या द्वराण )		20	2402	অধন (কুমেন্তুন করে নাকরটোর সক্ষ করে ও অকুসকল ইওল এ)	৫-মারিদা	bro	923
অস্ত্রাহর কথাই নত্য	৬-আন্'জান	৭০		জ্ঞান (রাঙ্গল স. এর প্রতি অবর্ত্তীর্ণ বিষয়কে সভা বলে জানা)	70-SI,A	23	630
আল্লাহর এ বাদী সভ্য হয়েছে,'গাপীরা ঈমান আলবে না'	১০-ইউপুস	00	661	জাপু (সভা আমার পর তাকে জাপু আখ্যা দের দিরমাউন)	১০-ইউন্স	95	353
আল্লাহই সত্য (অন্য উপাস্যরা বিখ্যা)	৩১-পুকথান	100	9-52	बान (भारता बांग न एकार संदर्भ वर्षिकाल प्रश्निक दिल्ला करा)	২১-জাধিয়া	28	903
আপ্লাহই সভা, মুশনিকরা হাকে ভাকে তা মিথা/বাজিপ	২২-ব্যক্ত	65	958	मीन (मद्रा मीनमर् वाम्म म. १९४५ काराइन जाडार)	८४-एगळ६	37	250
আনা (সত্ত্য আসলে আল্লাহর নির্দেশ স্পন্ন হল)	৯-জাওবা	87	488	দ্বীন (সভ্য দ্বীন অনুসরণ করে না বাবা ভালের বিক্তমে মুছ)	2-atest	23	980
আসা (সভা আমতা সম্প্রভাগ কলল- ফুগতে তেমুপ দেৱা হারছিল)	২৮-কামাস	85	225	ন্তান (সত্য দ্বান অনুসরণ করে না থাবা আলে। নকমে মুখ) ন্তিন (সজ্ঞান্তিন ও পর্যনিভাগিকা ও সক্ষা দিনসহ বাসুদা স. প্রেক্স)	67-MAA	9	200
ভাগ (গত্য আনত্র পর অবে নিধা অভিহতকরী বড় অলিম)	২৯-জানকাবৃত		255		9-91641	00	680
জাসা (দত্য এলেহে মিখ্যা চলে ঘৰে)	১৭-ইস্বা	33	933	দ্বীন (গত্য বীনসহ প্ৰেৰণ কৰেছেন আপ্ৰাহ আনুল স. কে)	২১-আধিরা	00	924
আলা (সভ্য এসেছে বাস্পে কাছে)	কু-মারিলা	80	200	भिताचाम (देशवरीय चा. कि अच्छानावा बाव, गर्म निव्ह बागाव १)		93	920
অ্যা (প্রতিপালকের পাক থেকে মানুকের কাছে সভা এলেছে)	১০-ইউনুস	205	968	নিয়ে আমা (গাড়ী ভবাই প্রদক্ষে মুনার সকা নিয়ে আমা)	২-বাকারা ২১-অধিকা	775	
আসা (ধাপুণ স. এর আছে প্রকিপন্যকের পাক থেকে সভ্য এসেছে)	১০-ইউনুস	798	666	নিকেল (সভাবে মিধ্যার উপর নিকেল মিধ্যার ধালে প্রসঙ্গ)			96:
আলা (হুপরিকদের কাছে রাসুল স. ও সত্য আলস)	80-वृश्कम	43	6.99	নিক্ষেপ করেন প্রতিপালক সভাকে মিঝার উপর	৩৪-সাবা	87	₹80
আসা (কাভিবনের নিকট আসা সভাকে তথা কাসু বলে)	৪৬-আহ্বক	٩	you	নিয়ে জনা (প্তের নিবট সভ্য নিয়ে এসেছে ফেরেশভারা)	১৫-হিকার	48	90
অসন (মুবার্তীয় জন্মতে মহার্শার্ডনান মনিকের লান্ত্রিয়ে থাকলে)	৫৪-কামার	00	200	দিয়ে অচনা (সভা ও সুন্দর ব্যাব্যা দিয়ে জালা, কাফিবনের উপানর)	২৫-ফুরকান	00	958
জাল (যে লক্তা দিয়ে এলেডে/খে লক্তা বলে মেলেডে কানা মুকানী	৩৯-বুমার	00	7.48		8-নিসা	390	
আল (অপ্তাহর পক্ষ গেকে সত্তা আলর পর অনু আবং সেরাং)	১০-ইউন্থৰ	199	992	নিভিত সভ্য (তব্র জাওদের দহন)	৫৬-ওকাকিয়াহ	100	284
আহ্বান (সভোর আহ্বান আল্লাহর কণ্যই)	১৩-রাদ	38	66-3	পৰ দেখালো (মূলার সম্প্রনায়ের একটি উদ্মতের সভা ঘরা	৭-আরফ	26.9	62
স্থান (সংখ্যা আধান আচাতে মতেং) স্থান (আগত সভ্যের প্রতি নাসারাদের ইমান আনা প্রসঙ্গ)	्र-प्राधिना	1/8		<b>अब अब्ब</b> (मा)			
টুল্লেল (স্কোর উপ্লেখনানারীপ্ত কবির মধ্যে সেই)	>००- <b>वाला</b>	0	200	পর দেবলে (একট দল সভা ছবা পর দেবস/দার বিচার করে)	৭-আ বাক	22.2	
ভূপভূমিবার্টার সাক্ষা (সরা উপপঞ্জি/মাফা শ্রেনা/বুশারিশ)	80-पुबक्रम	310		পরিচেপরকারী (সভার নিকে পরিচাপনকারী অস্থাকো অনুকরা)	১০-ইউনুস	0.5	62
ভুপান্ত বিভাগ করে পর স্থান আলা করে (মুদ্রিলাশ বসে)	২-বাকুারা	30		পরিচালিত করা (সভ্যের দিকে পরিচালিত করেন এমন কোন	১০-ইউনুস	00	60
এটাই সত্তা (ইবলিস ও অনুসারীদের দিরে জাহারাম পৃতি)	৩৮-বোরাদ	5/6		শরীক কি আছে?)	-	٠.	-
				প্রবাহালনা (ভূরজন সভ্যের নিকে পরিচালত করে)	৪৬-আর্কাঞ্	100	
রনে সেয়া (সভ্য রনে নিয়েছেন আল্লাব, কফিবনের নিউ)		ac		alitizat (sast or etit Josephora otto-linitee at a un Jul Jul Jul	৬-আন্'আম	226	
अटमट्स (मवा अटमट्स)	৩৪-সাবা	82			৪৫-লাইন	0	200
এলেহে (সভ্য এদেছে, রাসুদ স. এর কাছে)	27-gla	25	0 69	পৌছলে (অপ্লাহ সভ্য পৌছলেও ভায়ন্ত্ৰমির অপহন্দকরী ছিপ)	80-पुषकृष	98	30
গুজন সভা, ভিরামতে পাপ-পুগোর ওজন প্রসঙ্গ	৭-জা'বাক	ъ	630	প্রভূ (মৃত্যুর পর সভ্য প্রভূ আল্লাহর দিকে কিবানো হয়)	৬-আন্'আম	62	60
কৰা নলা (সভা কৰা বলং বিকাৰ বা আমলনামা)	২৩-মুখিনুন	65	961		১০-ইউন্তৰ	do	96

স	No.	2005
My Grains	व्यास्त्र स्थार एक वर्षा	277

Ara dra			সভ্য	সভ্যব্যদিতা		
	त्यां स्ट व बार	-	120	नेप दिरह/दरह जुबाब: ७व	-	198
সত্য (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)				মিনাপে (তাত্মহিন ও সম্প্রপারর মারে সভাসহ মীনাপের জন্ত লোৱা) । ৭-আ'রাফ	ps	643
প্রতিমান্তি (প্রতিশালকের প্রতিমান্তি দল ছিলনে পেরেছে জার্মান্তর)	৭-আরফ	88		মীথালো (সাম্যের সাথে মীয়ালো কংকো প্রচিপাপক) ৩৪-সবা	20	180
প্ৰকাশ (এখন সভা প্ৰভাশ পেরেছে- স্বাধীখের ব্রী বলল)	3२-देक्ट्रक	62	69.7	ৰুহাম্মনৰ প্ৰতি বা অবতীৰ্ণ কৱা হয়েছে তা (কুরআন) সত্য   ৪৭-মুহাম্মন	1 2	325
প্রতিশালক (আল্লাহই মানুষের সত্য/প্রকৃত প্রতিশালক)	১০-ইউনুস	05	629	মূপা আ, সভাপহ কিবআউনের নিবট আগদেন ৪০-মুখিন	4.0	trino
প্রতিপাশক সত্য বলেছেন	৩৪-সাৰা	50	1/80	পুরুষরণা সভ্য নিরে অসংধ	2.9	320
প্রতিষ্ঠিত (সভাবে প্রতিষ্ঠিত করতে চাইপেন আল্লাহ)	৮-আনকাল	3	600	রাসুল স. তে সামা বাদা সাক্ষা দেরার পথ থবা কুকলী করে, ৩-বাস্থ্যে ইয়া	ন ৮৬	088
প্রতিষ্ঠিত (সতাকে প্রতিষ্ঠিত করবেন আস্থাহ)	৮-আনফাল	b	560	রাসূপ স. কে সভাসহ প্রেরণ করেছেন আপ্রাহ ৩৫-ফাভির	28	b86
প্রতিষ্ঠিত হওম (মুদার দার্চি নিকেশ ও সক্ত প্রতিষ্ঠিত হওম প্রদক্ষ)	J-20,556	229	640	রাসূল ন, কে নাভাসাহ বের করারেন প্রতিশালাক (ঘর থেকে) ৮-আনফাল	2	603
अधिकारिक्ष महा अधिकारिक्ष निवासक निवासिक है। यहन व्यक्तिक हाव विद्	43-Miles	39	965	য়াসুল লভা নিয়ে এসেহেল ৩৭-সাফচ্চার	09	505
প্রতিশ্রেতি সত্য, অল্লাহর (কমা ও অন্তত প্রসূত)	৪৬-জহলক	36	909	রাসুল "পট নতের উপর প্রতিষ্ঠিত ২৭-নমল	9%	brot
প্রতিশ্রুতি সত্য হিসাবে পেয়েছে কি আন্তন্মের অধিবাসীয়া	৭-জ'লফ	88	639	অসুসাম সত্ৰ ব্যাহ্ৰল বিষয়ত সম্পূৰ্ত (ব্যক্তিয়েল্য স্টাব্ৰয়) ৩১-টয়াসীদ	63	200
প্ৰতিষ্ঠিত (আল্লাহ তাৰ বাদী বাবা সভাকে প্ৰতিষ্ঠিত তথ্যক)	84-198	38	990	রাসুলবদ সভাসহ এসেছিদেন (কিয়ামতে কাকিয়া বলবে) ৭-জা'বাক	00	639
প্রতিষ্ঠা (অপরামীর অলহন্দ করসেও আপ্রাহ দত্তা প্রতিষ্ঠা বড়ান)	১০-ইউনুস	243	669	রাসুলগদ সভাসহ এসেঞ্জিলন (প্রতিশাস্থাকর পক্ষ থেকে) ৭-জা'রাজ	80	636
প্রতিক্রমত (সভা প্রতিক্রমতি বা আলাহত পালনীত)	৯-বাধৰা	222		স্থাসূদ স, সভ্য নিয়ে এসেছেন ২৩-মুন্নিদ্দ	90	990
প্রতিক্রতি, অল্লাহর (ইয়াকুল মাকুল প্রসূত্র)	79-4164	307	902	বাসুল স, এর প্রতি যা জবতীর্থ করা হয়েছে জা সভা ৩৪-সারা	90	770
প্রতিক্রতি (আপ্রাহর প্রতিক্রতি সভা)	39-5000	30	brob	শব্দাবোধ(সভার বিষয়ে আল্লাহ লক্ষাবোধ করেন না)	0.0	brob
প্রতিশতি (আল্লাবে প্রতিশতি সতা, অভিবনের শক্তি )	80-মানিল	99	558 558	A P P P P P P P P P P P P P P P P P P P		
প্রমিলত (বাপ্রাহর প্রতিক্রতি নতা)	50-4 IAM				67	599
প্রক্রিক্তি (আল্লাহর প্রতিক্রতি সভা)	००-छम १>-परिवाह	60	b-5p		7.9	245
প্রতিক্রতি আরাহর প্রতিক্রতি সভ্যা জানার দান প্রসঙ্গ		6	342		78	\$100
	৩১-সুকমান	9	329	শান্তিপুনলঝন অবশাই সায় (বালিয়াসবাকে রাপুল স্ বালন) ১০-ইউনুস	60	60%
প্রতিপ্রতি (আল্লাহর প্রতিশ্রতি সত্ত্য, পুনরুবান সম্পর্বে)	১৬-সাধ্য	400	906	ক্ৰকে পাওৱা (সভিটে ক্ৰকে পাৰে মানুষ ভিতত পথ) ৫০-ফুফ	85	3-28
প্রবিশ্রবির (মায়াম সভা প্রবিশ্রবির দিয়াছিলেন,শারকন কলনে)	<b>18-३वरादी</b> त्र	55	960	সংবাদ (সজসহ সংবাদ পাত্ৰ কথাছেন আল্লাছ, রাসুদ স, এর নিকট) ২৮-কাসাস	0	pop
এতিবার্গতি (সম্মান্তর শত্য প্রতিপ্রতি, মুখিনদের করেতে পালের)	8-FPE	755		সংখ্যা সভাগ্য পঠ করার নির্মেশ (অন্যাহ্য দুই পুত্রের সংখ্যা) ৫-মারিকা	29	628
হাজিকাতি (আপ্তাহর হাজিকাতি সভ্য)	১০-ইউমুস	8	628	সঠিক পৰ প্ৰদৰ্শন (সভোৱ ব্যাপারে সঠিক পথ প্ৰদৰ্শন) ২-বাধুবো	430	¢28
প্রতিহাতি (আপ্রাংর প্রতিহাতি সত্য, কিয়ামত প্রদাস)	৩১-পুকরান	90	250	নাক্ষাদান অধিকতর সভা (পূর্বের সাক্ষীয়রের চেরে) ৫-মাছিলা	209	670
প্রতিপাদকের বাণী সভ্য হয়েছে যাদের উপর	১০-ইউনুস	36	660	সুস্পর হওরা (সত্তা সুস্পর হওরার পরও আহলে কিতাব) ২-বাকুরো	209	234
প্রতিপাদকের বাদী (কাছিবদের ক্ষেত্রে সত্য হরেছে)	৪০-মুখিন	0	9.39	ব্রুপরী (অপ্রাহ সুস্পরী লড়া, বিরামতে মনুষ জনতে পাথবে) ২৪-মূর	-56	996
প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে সভ্য	ত-আলে ইমরান	00	687	সুসংবাদ (সত্য সুসংবাদ ইংরাহীমকে, সন্ধান লাভ প্রসঙ্গে) ১৫-ছিন্তর	44	100
প্রতিপাশকের পাক হতে (যার ইন্সা দিয়ান অনুক/কুকরী ককত)	১৮-বার্ক	59	126	পৃত্তী (অপ্তাহ সভাসহ সঠিক শক্ষো আকাশ-পৃথিৱী সৃত্তি করেছেল) ও আন্ আম	90	905
প্রতিশাসকের শক্ষ থেকে সত্য (নার্থিসকৃত কিতার)	২-বাকুরো	389	670	সৃত্তি (অল্লাং সভাসহ আবাশ-পৃথিৱী সৃত্তি করেছেন) ২৯-অনবাস্	88	P\$9
প্রতিশাদকের শক্ষ থেকে আনা মত্য (কুমোন)	22-07 <b>%</b>	48	100	সৃত্তি (সভাসহ আকাশ ও পৃথিৱী সৃত্তি করেছেন আল্লাহ) ৩০-ক্সম	8	444
প্রতিপাদকের পার থেকে রাসুল স্. এর আছে সভ্যাতুরাক্সন এসেছে	১০-ইঞ্জ	38	666	সৃষ্টি, সভাসর (জ্বাহে কারাপ-পৃথিবী সমসেহ সৃষ্টি করেছেন) ৩৪-তাগাকুন	0	366
প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে মানুষের কাছে সভ্য এনেছে	১০-ইউনুস	209	668	দৃষ্টি (আল্লাহ আকাশ-পৃথিৱী সভ্যাগহ সৃষ্টি করেছেন) ১৪-ইবলারীয়	29	530
প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে আসা সত্য (কুরআন)	77- <u>6</u> 4	23	969	সত্য অপছনকারী		_
প্রতিপাদকের নিতট থেকে স্বাগত সত্য (কুরআন প্রসঙ্গ)	৩২-সাক্ষা	0	1/00	বাহান্ত্রমিদের অধিকাপেই সতা অপছপকারী ছিল ৪০-যুখনায	30	203
প্রেরণ (রাসুল ম, কে মন্ডামহ প্রেরণ)	২-বাকুমো	229	650	Noted	+ "	100
মানাল (গতের পার কালের কর স্কারে বাছ কলে ব বা লোৱা)	২১-আধিরা	225	123	অপ্তাহ সভ্য কৰাই বলেন ৩০-আহবাৰ	8	Into
কেরেশকা প্রথম করেন আপ্রাহ সন্তাসহ	১৫-বিশ্বর	b	030	Neist 00-digit	8	1000
বর্ণনা (সভা ও মিখ্যার বর্ণনা দেন আল্লাহ)	30-81'H	39	630		-	_
বর্ণনা (অসহাবে করেফের ভবকলের সাধাদ)	১৮-বাহক	30	990		25	696
বর্ণনা (আল্লাহ সত্য বর্ণনা করেন)	৬-আন'আম	29	907	ক্রান (ব্যক্তার কর্মন সমাজন বীকৃতি দদ কর্মেল মন্টেরম) ৬৬-ডাহ্রীম সভাপথ	25	967
বলা (আল্লাহ সম্পূৰ্কে সভা বলার অসীকরে, ইঞ্জিদের)	৭-আগ্রহ	265	646			
বশ্য (আল্লাহ সত্যাই বলেন)	৩৮-শেরাদ	7/8	190	অভিস (মিন সমপ্রাম অভিস ধারতে প্রায় পানী পান করতে হত) ৭২-মিন্	26	25.8
বাণী (প্ৰতিপাদকের বাদী সত্য হয়েছে বানের উপর)	to-Pipper	36	660	সত্য প্ৰমাণ		
বাদানুবাদ (আগুদের অধিবাসীকের বাদানুবাদ সজ্ঞা)	৩৮-সেবাস	98	769	ইবলিস সত্য প্রমাণ করদ তার ধরনা (স্থাবাসীদের উপর) ৩৪-সারা	20	b80
বিতৰ্ক (নত্য দিয়ে বিতৰ্ক, ৱানুল স্, এর সাথে)	৮-জানতাল	99	904	সভ্য বদা		
বিচ্যুক (সভ্য বিচ্যুক হঙ্গে এটকা ছাত্ৰা আৰু বী আছে?)	১০-ইউনুস	0	964	অক্সম ও জনুল স, সত্ৰ আগতেল (বন্ধতের শত্রু মল প্রসঞ্চ) ৩০-আহ্বাস্থ	44	poe
বিৰট শব্দ সহিচ্ছে পাকভাও কলা আৰু জাভিতে	২৩-মামিলন	83		আল্লাহ সভা থলেছেল ৩-জালে ইয়ত		282
বিশ্বর (জাহান্তামিকের অধিকাংশই সভা অপভানকারী ছিল)			960	ছল আ সভ ব্যাহন, হালাইর জনতে শহরে (অবলা বের কন) ৫-মাছিলা	330	238
ববুৰ (কাহারামদের বাবকাশের সভ্য অপস্থলভারা ছেল) বার্থ করা (সতাকে বার্থ করার জন্য বিভ্রন্ত:)	৪৫-মুক্কক	45	907	উত্তৰকে (যা উত্তৰ ভাকে সভ্য বাল দীক্তি লেয়া) ১২-লাইল	9	2090
বাৰ কল (পত্তকে কৰ কলাৰ জন্য বিজ্ঞান) বাৰ্থ কলৰ জন্য কাছিকল বিজ্ঞান চিঞা বালা	৪০-যুমিন	¢	৮৭৮	লামার সামনে হেঁরে হলে ব্রীলোকটি সভ্য খালছে ১২-ইউসুঞ্চ	20	699
	১৮-বার্ড	60	૧૨৯	কোন লো (পিবলো নাপার কে সভ্য বল জ চ্ছার (জন নিকো) ১১-জানভাবত	0	V16
মধ (সঙ্গাধাৰী ছিলানে প্ৰতিষ্ঠিত কনার জন্য ইংলাইমের লোৱা)	২৬-ব'ব্যরা	148	43%	হতে পা বাওছার বাংপারে বারা সভা কলতে (তরকাত প্রসাল) ১,আনবা	80	688
মিখ্যা অভিহিত করা (সত্য আসার পর মিখ্যা অভিহিত করা)	৬-জানু আন	¢	490	হ্বেল সক্ৰ অসাহে নকি বিধাৰণী ও সুবাইখন জ্ব, কৰ্মক আই ২৭,নামল		
মিখ্যা অভিহিত করা (সভ্য/কুরআনতে, সম্প্রদার ভর্তত)	৬-জান'আম	66	609	महा बाम प्राप्त	53	305
মিশ্রিত না করা(সভাবে মিধ্যার সচুধ মিশ্রিত না করার নির্চাপ)	a-efetet	83	202		_	
			406	সভাকে পতা বলে মেনেহে যারা ভারাই মুবাকী ৩৯-যুমার	00	798
মিশ্বিত (সভাৱে মিখার সালে মিশ্বিত করে জ্ঞালি জিলাবর)	০-মালে ইমরান	93	483	Marafikat		

5:4	46	71.5	13.4	સારો

TO CHARLES AND A CONTROL OF THE CONT	স্রাক্ ওনাম	449.4	्रका व	**	नृहा नर ७ नाम		
সত্যবাদিতা (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)				মূলা আ. সভ্যবাদী হয়ে থাকলে নিদৰ্শন পেশের আহবাদ	৭-আব্যক	20%	653
<b>श्रीमाम्</b> (गढायनिकाः भग यक्षाकाः श्रीकेशम्, वसकः श्रमणः)	৩৩-আহ্বাব	₹8	204	রকুল দ, সভাবদী হতার (পুনাস্বলোপ্রতিপ্রতি বয়বানে হতার প্রসা)	২৭-লমল	32	500
সভাবাদীদের সভাবাদিতা উপকারে আনবে (কিয়ামতে)	হ-মধিদা	27.9	695	রাসুগ স, সভাবাদী হাস, (মাল্লাহর প্রতিপ্রতি কবন বরুবরিত হবে)	২১-জাধিরা	40	92
সভ্যবাদী				রাসুগ গ, সাভাবাদী হলে পূর্ব পুরুষদ্রসায়ক উপস্থিত করার দাবী	৪৪-দুখান	99	300
খণবদ অরোগনরীর সক্তবদী হলে কিবার দিয়ে আনুক	৩৭-সাক্কাভ	263	768	রাস্থা দ. লাভবাদী হল (ফেরেশার নিয়ে আনার দাবি, অধিবংশ্ব)	>१-रिकर	٦	633
অয়াত পঠনারী সভাবাদী হলে পিরুপুরুষকো হাস্মি করার নাবি	8१-मधित	3.0	Pos	ল্ডের লভাবাদী হওয়ার ব্যাপারে চ্যালেঞ্চ (সম্প্রদায় কর্তৃক)	২৯-জানকাৰ্ত	43	5.23
আপ্লাহ (কথার আপ্লাহর চেয়ে কে অধিক সভাবাদী ৫)	8-निमा	74	200	শরীকদেরকে উপস্থিত করুক অপরাধীর (সভাবাদী হলে)	৬৮-ফুলাম	83	29
অন্তাহ ও ৱাসুল স, এর সাহাফকারীরা সভাবালী	৫৯-হাশর	ъ	200	শিরবের বিষয়ে সহাবাদী হলে তার পক্ষে প্রমাণ আনার চালেঞ্চ	৪৬-আহ্তাক	8	801
অপ্তাহর সাথে সভাবদী হংগ্রাই মুদাফিকসের জন্য কল্যানকর হত	৪৭-মুহাম্মন	43	978	কমাইৰ সভাবদী হলে আইকাৰজীয় উপর আন্দর্শের খড ফেল্য	২৬-৫,প্রার্	22.4	930
অপ্তাহ অবশ্বই সমাধানী (ব্বেলীসেয়ক অবাধানম প্রতিফল প্র.)	৬-আনু'আম	78¢	930	নদী (নবী, নজাবাদী, শহীৰ ও সংকর্মপরায়ণগণ উত্তম সদী)	8-নিগা	69	6.00
অন্তাহর চেয়ে কে অধিক নত্তবোদীং (কথার)	৪-দিল	244	293	সভ্যথনিতা সভ্যবাদীদের উপকারে আসবে (কিরামতে)	৫-মারিলা	229	C.he
ইউসুফের ডাইরেরা সভাবাদী	১২-ইউসুক	24	658	সাক্ষ্য (সভ্যবাসীভার সাক্ষ্য নিবে স্বামী, চারবার)	২৪-সৃদ্ধ	6	9,91
ইউপুদের অইয়েরা সভাবদী হলেও (পিতা বিশ্বাস করনে না)	১২-ইউস্ফ	39	৬%	সলিহ অ. সভাবাদী হলে নিলৰ্গন নিয়ে অসার অহবাদ (ছাযুলের)	২৮-চ'জারা	268	936
ইউপুথৰে কাৰ্য্যক্ত থকি কল- 'হে সভাৰদী মডাভম লণ্ড)	১২-ইউসুফ	86	99.7	দানী সভাবাদী হলে প্রীর উপর আল্লাহর ফ্রোখ	२8-मृद	ъ	991
ইউপুড় আ, পত্যবাদী (আবীয়ের গ্রী স্বীকরে করল)	১২-ইউসুক	65	69.7	হুদ সহাবলী হাস জাঃ অভিনে দেখানে অনুপারি নিয়ে আগতে বল	৪৬-আহ্কাফ	44	330
ইউসুড ডা, সহাৰাদী (জামার পিছন হেঁড়া হলে)	১২-ইউস্ক	33	693	হুণ সহাবাদী হলে প্রতিক্রত পরি দিয়ে আসতে বলল কার মাতি	৭-আহাক	90	653
ইদরিস সভাবাদী দবী ছিল	১৯-মারইয়াম	69	909	সভাবাদী নারী			
ইবরাহীম ঝা, সভাবাদী দবী ছিল	३५-मारदेशस	85	986	থমা ও মহারতিদান (সভাবাদী নারীর জন্য)	৩৩-আহ্যাৰ	-02	bot
ইংলীর স্বাধীতে সভাবলী তাল সূত্রনা আকাক্ষা (আল্লাহর বস্থু)	७२-वृद् वा	6	362	মতাৰাদী পুঞ্ৰ		-	+
ইহুদী-দাসারাগণ সভ্যবদী হলে প্রমাণ দিয়ে আসার নিদেশ	২-বাকুরা	222	630	ক্ষম ও মহাপ্রতিদান (সভাবাদী পুরুগের জন্য)	৩৩-আহ্বাৰ	02	p-ox
ইহুদীরা সভাবাদী হলে (রাসুলদেরকে কেন হত্যা করেছিলঃ)	০-মালে ইমরান		660	সতা/বাছৰ			100
ইহুদীরা সভাবাদী হলে মৃত্যুর জাকাকদা করুক	২-বাকুরা	38	627	যন্ত্র সরো পরিবর করেছেন প্রতিপালক (ইউপুঞ্চর যন্ত্র)	১২-ইউসুক	300	80%
ইমানবারদেরকে সভাবাদীদের সঙ্গী হররার নির্দেশ	৯-কাণ্ডবা	277	602	সভালাই	24-4024	300	69.
স্থিতন অধ্যা পর বার অন্তাহর পূস ছিবাদ করে ব্রীকা ও সম্পদ দিয়ে	৪৯-ব্যুরাক	34	247	ইব্যাহীমকে সভাভাষী হিলাবে প্রতিষ্ঠিত কয়ত্ব লগ্য গোৱা	২৬-ছ'জারা	₩8	
দ্বীয়ান আনার পর শ্রম্ম সংগত প্রেক্ষা না করে অস্ক্রারের পারে জিবান করে	85-वृष्ट्राठ	34	267	সহা (বধার্থ)	40-0 atas	0.0	334
কথার অপ্রাহর চেয়ে কে অধিক সভাবাদীঃ	৪-নিশ	64	669		. 85-	-	-
কবিবা সহাবাদী হলে পুনাজনের অনুরাশ করা উপস্থিত করাক	৫২-বর	08	303	সৃষ্টি (অল্লাহ ন্ন-সূৰ্থকে দথাৰ্থ কাবলে সৃষ্টি করেন) সভা (সঠিক লক্ষ্য)	১০-ইউনুস	6	968
কাহিব সভাবাদী হলে সশচি সুৱা বচনা কৰে নিয়ে আসুক:	22-र्ब्स -	30	666			_	_
অফিরবা সভাবাদী হলে (অল্লাহর শক্তি/কিরামত প্রসঙ্গ)	৬-অনুভাৰ	80	699	সৃষ্ট (আপ্রাং অকাশ-পৃথিবী সভানহ)গঠিক দক্ষেয় সৃষ্টি করেছেন) সাধ্য	३७-सङ्ग	٥	200
অফিবরা সত্যবাদী হলে (অধিক পথ প্রদর্শনজারী কিভাব)	২৮-কাসাস	83	625	,		_	_
কবিনর সহারদী মল কুমসানে সভুরণ সুরা হৈছির চালের	২-বাকুরে	20	200	শান্তি/পুন্দেশ্বন কি সহিচ্য(উলুল স, এর কাছে অধিমদের প্রপ্র)	১০-ইউনুস	60	601
क्षप्राप्त ना परिवादावाना महावाने मधि(मनियान माराभा उत्तर)	২৭-মামল	85	bro8	সঙ্গেহ		_	_
জিআসা (সভাবাদীদেরকে সভাবাদিতা সম্পর্কে জিআসা)	००-वास्थान	br	3:00	অববীর্ণ (আল্লাহ সভাসহ বিভাব অববীর্ণ করেছেন)	৪২-প্রা	24	29:
নবীগণ (বিদ্যামতের প্রতিশ্রুতি সম্পর্কে)	৩৬-ইয়াসীন	87	7º28	সৃষ্টি (আকাশ-পৃথিবীর সংবিদ্ধু সভ্যসহ সৃষ্টি করা হয়েছে)	৪১-আর্কাক		300
মবীরা সম্ভাবদী হলে প্রতিকৃত পরির সময় জনানের দবি	১০-ইউনুস	87	600	পুটি (অপ্তাহ সক্রমহ)প্রতিক পক্ষো আরূপ-পূর্বিটি পুটি করেছেন)	84-व्यक्ति	રર	300
নুহ আ, সমাবাদী খাল আজিকে প্রদন্ত প্রতিষ্ঠানি নিয়ে আলার দাবী	22-Zei	•२	501	সভ্যসহ (সঠিব)			
প্রতিদান (সভাবাদীদেরকে আল্লাহর প্রতিদান, থক্ষক প্রসঙ্গ)	৩৫-মাহবাৰ	48	200	বিচার (আপ্লাহ সঠিক বিচার করকো)	৪০-মুখিদ	20	3.00
মায়পাল (বিহামত) সম্পর্কে সক্রবাদী হলে আ কথন হরে	৩২-নাখ্যা	45	५०५	সত্য বাঁকার করা		Ш	
ফেরেশভাগন সভাবাসী হলে সবকিছুর নাম বলার নির্দেশ				প্রতিবাদ নিবসকে সভ্য ত্রীকার করা নিয়ে মুখিদ ও অভিযোগ,	০৭-সাক্লাত	24	263
(আদম আ. বৃটি প্রবঙ্গ)	২-বাকুরা	47	€68	সত্য হওয়া			
(ফরেশতারা সভ্যবাধী (শুভকে জানাল ফেরেশতারা)	১৫-হিন্তর	68	903	কথা (শান্তির কথা সত্য হরেছে যাদের প্রতি, তারা কাবে)	২৮-কাসাস	60	320
যদী ইসরাঈণ সহাবাদী হলে আওরাত পাঠ করুক	৩-আলে ইম্বান	>0	282	কথা (শান্তির কথা লত্য হরেছে যাদের উপর)	৪৬-আহ্বাক	72	808
মাৰ্লীছ এর মা সভ্যবাদী (মাবইরাম)	৫-মরিলা	92	\$30	কথা (অধিকাংশের উপর শান্তির কথাট সভ্য হরেছে)	৩৬-ইরাসীন	٩	26;
মানুহ সভাবাদী হলে কটাগত প্রাথ ফিরায় বা কেবঃ	৫৬-বর্মাকরার্	9-9	389	পথটার (রাসুদ স, অসর পরও অন্যান্ত উপর পরটোর সম হয়)	১৬-নাহ্দ	৩৬	900
মুপরিকরা সভ্যবাদী হলে সূরা রচনার জন্য পরীকলের তাত্ত্ক	১০-ইউদুস	Obr	963	শান্তির কর্ম সজ হর জনপদবর্গীর উপর (পশ্চাহ্রের নার্চা)	১৭-ইস্বা	3/6	926
মুপরিকরা সভাবাদী হলে শিরকের পক্ষে প্রমাণ হাজির প্রসঙ্গ	২৭-ব্যবস	98	502	শান্তি সভ্য হয়েহিল (আইবাবাসী ও তুক্কা সম্প্রদায়ের প্রতি)	৫০-কাঞ	28	244
মুমিনার সভাবানী হলে (প্রতিপ্রতি করে বায়ারিত হরে ভা)	৬৭-মূল্ক	40	240	সভ্যন্ত্ৰন			
		52	780	পূৰ্ববৰ্ত্তী বিভাবের সভ্যায়নকারী (কুরমান)	১২-ইউসুফ	222	67
মুমিন্যা সভাবদী হলে বলুক (প্রতিশ্রুতি কথন ব্যক্তবায়িত হবে)	৩৪-সাবা					<b>68</b>	P.73
মুদিনার সহারদী হলে কবুক (প্রতিপ্রতি কংল বারবায়িত হবে) মুদিনারতে সমানের সিতে পথাকর্ণন করে ধন করেছেন অপ্রাহ	৩৪-সাবা ৪৯-হড়ুয়ার	29	257	মূলার সভ্যভা খীকার করার হ্বন্য হারন্ত্রকে প্রেরণের প্রার্থনা	২৮-জাসাস		
মুটানসেরে উন্নতের লিকে পথ্যক্রশন করে ধন করেছেন অপ্তাহ মুবার্কী ও সহাবাদী আরাই থার	৪৯-হন্ত্রার ২-বার্থরা	399 299	672	সভ্যাহনকারী	২৮-জাসাস	-	
মুদ্দিসমূহক উন্নয়ে সিবে পশুক্রানি করে ধন করেছেন অস্তাহ, মুক্তাকী ও সহাবাদী আত্মই থাব মূক্তাকীয়া সন্তাসাদী	৪৯-হড়ুয়ার ২-বাড়ুয়ো ৩-অলে ইম্যান	399 299	672		২৮-কাসাস ৩১-সাঞ্ফ	6	
মুদ্রিনস্থাতে টারান্স দিতে পশুকর্শন করে ধর করেছেল অপ্তাহ— মুরাকী ও সহাবাদী ভারাই থার… মুরাকীর সভাবাদী মুদ্রিকাণ্, থার দিবল আদার পাসংগ্রেকন না করেছিবল করে…	৪৯-হন্ত্রার ২-বার্থরা	399 299	672	সভ্যাহনকারী			20
মুদ্দিসমূহক উন্নয়ে সিবে পশুক্রানি করে ধন করেছেন অস্তাহ, মুক্তাকী ও সহাবাদী আত্মই থাব মূক্তাকীয়া সন্তাসাদী	৪৯-হড়ুয়ার ২-বাড়ুয়ো ৩-অলে ইম্যান	76 74 746 74	672	সভ্যায়নকারী ঈশ্ব আ, সভ্যায়নকারী পূর্ববর্তী কিতাব অওরাতের	७३-आएक	6	230
মুদ্রিনস্থাতে টারান্স দিতে পশুকর্শন করে ধর করেছেল অপ্তাহ— মুরাকী ও সহাবাদী ভারাই থার… মুরাকীর সভাবাদী মুদ্রিকাণ্, থার দিবল আদার পাসংগ্রেকন না করেছিবল করে…	৪৯-হন্ত্রার ২-বার্থর ৩-আদে ইমরান ৪৯-হন্ত্রাক	76 74 746 74	672 692 756	সভায়েশকারী উপা আ, সভায়েশকারী পূর্ববাহী বিভাব অওরাকের বিভাবের সভায়েশকারী (কুবাক্স অংবাক ইনারীপের সভায়েশকারী) বিভাবের সভায়েশকারী কুবার্ক্স (বাহাস বিভাবের বিভাবের)	৬১-সাক্ষ ২-বাকুরা ৪-নিসা	6 bh	230
মুটনস্থাতে উন্নতম্ব নিতে পংশুক্রানি করে কর করেছেন আপ্রাথ মুকারী ও সভাবাদী আরহ হার মুকারীয় সভাবাদী মুটনাল্য হার কিন্দু ক্ষেত্র সামান্ত সেক্ষান করেছিবল করে. মুকাফিবনা সভাবাদী হাস মুক্তাকে প্রভিত্তত কছক	৪৯-হড়ুরার ২-বার্গর ৩-আলে ইমরান ৪৯-হজুরাত ৩-আলে ইমরান	96 96 24 26 26 26	235 287 543 288	সভ্যায়শকারী ছব্য আ, সব্যায়শকারী পূর্ববাহী কিতার আওরাক্তর কিতাকে সমাসনকারী (কুবাকা আওয়াত ইনারীকের সমাসনকারী)	৬১-সাঞ্ফ ২-বাকুরা	6 5% 83	620
ছুৰিল্যান্তাৰ নিজ্ঞান দিবে পথতাৰ্থন কৰা কৰা কৰা আছেন আছাত্ৰ মুখ্যাকী ব সংখ্যাপী ভাইৰ বান মুখ্যাকীয় সংখ্যাপী মুক্তিৰ কোনাৰা মুক্তিৰ কোনাৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা মুক্তিৰ সংখ্যাপী বল মুখ্যাকৰ কৰা কৰা কৰা কৰা মুক্তিৰ সংখ্যাপী বল আন্তাহ্বকে কৰাইক কৰা কৰিবল	৪৯-হন্ত্রার ২-বাহুরো ৩-কালে ইমরান ৪১-হন্ত্রাত ৩-কালে ইমরান ৩-কাল্'বান	26 26 26 26 26 26 26 26 26	672 667 247 665 695	সভ্যায়নকারী দিবা আ, সভ্যাননকারী পূর্ববর্তী কিতাব আওবাতের কিবাবে সহায়নকারী (সুবাবন আবোত ইনারীস্থান সংগ্রাননকীর কিবাবে সহায়নকারী বুবারান (জারু) কিবাবেল কিবাবেল) কিবাবের সভ্যাননকারী রাসুল স, (পূর্ববর্তী কিবাবের)	৬১-সাক্ষ ২-বাকুরা ৪-দিসা ২-বাকুরা	6 64 89 202	\$909 627 627 690 630

সভাাহনকারী

विवासीय विवास	নৱা নং ও দায়	व्यवस्थ	नुष्ठा	नुष विवर/धंगम	मुद्दा थर च मान	100	96
गठारमवारी (पूर्व पृक्षे (MCP)		-	-	রহণ (থাকাত গ্রহণ, তাদের থেকে যারা অপরাধ শীকার)	১-ডার্থ	500	967
কুলুমান পূৰ্ববৰ্তী কিবাৰসমূহের স্বায়নকারী	৩৫-ফাতির	42	484	দেয়া (থাকাত থেকে দেয়া হলে সম্ভই বয়)	৯-ভাওবা	20	686
কুরজন পূর্বতী কিডাবচশোর সভাবনকারী	३-राज्यता	39	622	अंधर	-	-	_
कृत्याम प्रश्नि विचारक महादनमधी	১০-ইউনুস	09	954	শিকা মাজার প্রতি সদর ছিল ইয়াবইয়া	১৯-মারইরাম	38	900
कृत्वाम प्रश्ने विकायमपुर्व महाविमकावै	৬-জাণ আম	32	908	মাভার প্রতি সদয় বানিরেছেন অস্থাৎ ঈসাকে	১৯-মারইরাম	02	900
कृत्याम गृहराज । कार्यर म्ह्राद्ध गर्वा प्रमणका कृत्याम ग्रहाइनकारी (वार्याण-देनलीएन)	২-বাকুরো	97	670	সম্প্রদায়ের প্রতি (সনর হতে পারেন, স্থানব্যরনাইন)	22-sitta	20	903
কুরুঝান সভারনকারী (তার্ডার্ড-ব্লেজানের) করুঝান সভারনকারী (পূর্ববভী কিতাবের)	৩-আলে ইমরান	9	200	असर शतकात	21 -1151	1.0	100
		83		বানার ব্যবহার ব্যবহার (মানুহকে শিক্ত-মাজর প্রতি সদয় ব্যবহারের নির্দেশ)	A. Districtor	>5	
কুরমোন সভ্যায়নকারী হ্রগা প্রসঙ্গ (ভাওরত ও ইনজীলের)	<b>३-राकृ</b> रवा		687	ন্ত্ৰাক্তৰ (মানুক্তক পেবং-মাজার প্ৰান্ত সময় ব্যবহারের সংস্থ	৪৬-আহ্কাফ	26	hob
তাওয়াতের সভারনকারী ঈসা আ.	৩-আলে ইমরান					-	
ভাওরাতের সভ্যাহনকারী রূপে উসাকে গ্রেরণ	৫-মায়িদা	86	৫৮৬	নিৰ্চাণ (অন্তাহ নামকিয়ে/সনচন্দা/লন কৰাৰ নিৰ্চাণ সেন)	১৬-শাংশ	30	930
ভাওরাত-ইনজীলের সত্যায়নকারী (কুরআন)	२-सङ्गता	97	670	সদাচার (আরো দেখুন ইহসান শক্ষী)			
পূৰ্ববৰ্ত্তী বিভাবের সভাবনকারী (কুরসান)	৪৬-আর্কাফ	:00	>>>	নিষেধ ন্যা (সন্যামের নিষেধ করেন না আল্লাহ, আনের সাথে আরা)	৬০-মুমতাহিশ	ъ	945
বাদী (সদা) এর সক্তারলকারী হবে ইরাহইরা	৩-আলে ইমরান		280	সদুপদেশ	1		
রাসুস স. সভ্যায়নকারী (পূর্ববর্তী কিভাবের)	৩-আলে ইমরান	P.7	288	ফুর্মফিবসেরকে সনুগদেশ দেরার নির্দেশ (বাসুল স. এর প্রতি)	৪-নিদা	90	266
সবিত্য				ন্ত্ৰীকে সনুগদেশ দাস করতে হবে (অবাধ্য হপে)	8-निमा	'08	493
শব্রি/পুনক্ষা কি দরিস(বালুল স. এর কাছে ব্যলিফার গ্রাহ্র)	১০-ইউপুস	60	629	সন্মৰহার (আরো সেখুন ইহসান/সদাচার শব্দটি)	1		
সক্ত্যিকার				অভাব্যক্তর সাথে সম্ভব্যক্তের নির্দেশ	g-Size	O/a	693
নাজতু (সভিবেবে রাজতু দরামর আল্লাহর, কিরামতে)	২৫-ফুরবান	26	998	প্রাপ্তির বাবে সভ্যবহারের নির্দেশ	8-900	99	463
স্তো পৰিপত কৰা			-	আপ্তার-বন্ধনের সাবে সভাবতারের সালেন আপ্তার-বন্ধনের প্রতি সন্ধারতারে বনীইসরাইলের অসীকার	३-वाकावा	bra	000
অঙ্গীকার সতেঃ পরিণত করেছে মুমিনরা (বন্দক প্রসূত্র)	৩৩-জাহ্দাব	10	P66	विश्वतिकारम् आस्य अस्यविद्यास्य निर्दर्भ	8-निमा	-	263
প্রতিক্রতি আল্লাহ সত্যে পরিশত করেছেন	২১-অধিবা	9	920			06	
		78	511	ইরাতিমের প্রতি সন্মবহারে ক্ষীইসরাইলের জঙ্গীকার	२-राङ्गवा	70	603
প্ৰতিক্ৰতি সভ্যে পৰিণত কৰেছেল আল্লাহ (প্ৰশংগা আৰ)	৩৯-যুখার			দাস-দাসীদের সাথে সন্থবহারের নির্দেশ	৪-শিদা	06	263
প্রতিক্রতি সতে পরিণত করেছিলেন আল্লাহ (মুখিনদের বাছি)	০-আলে ইমরান		440	নিৰ্দেশ (মানুষকে শিতা-মাতার প্রতি সন্থবহারের নির্দেশ)	৪৬-আব্কাক	26	303
রাসুল স, এর দপ্র মজ্যে পরিগত করেন আরাহ	89-MGK	29	979	নিৰ্দেশ(মানুৰকে পিতা-মাতার পাথে সন্থাবহার করার নিৰ্দেশ)	২৯-আনকাবৃত	ъ	630
স্থাকে সত্যে পরিণত করলেন ইংরাহীম	৩৭-সাধ্যাত	204	244	পিতা-মাতার সাবে সভবহার করার নির্দেশ (মানুদকে)	২৯-আনকাবৃত	ь	2.70
সভ্যেপরিণভকারী		_		পিতামাতার সাবে সভবহরের নির্দেশ	8-निमा	06	66
প্রতিরাপতি সভ্যোপরিশতকারী ছিলেন ইসমাসল	১৯-মারইয়াস	68	909	পিতামাতার সাথে সন্তবহার করা আগ্রাহর আদেশ	১৭-ইস্রা	30	934
সত্যের স্বীকৃতি				পিতা-মাজার প্রতি সন্থাবহারের নির্দেশ	৬-আন্'আম	767	623
বিরত (সভোর স্বীকৃতি দালে বিরত থাকার পরিণাম প্রসঙ্গ)	৭৫-কিয়ামাছ	07	866	পিডা-মাতার চ্রতি সন্মবহারে কর্নীইসরাইলের অঙ্গীকার	২-বাকুারা	100	000
সভ্তর				প্রতিবেশীর সাথে সারবহারের নির্দেশ (দুর্ব,পিনট প্রতিবেশীর)	8-मिमा	95	24
ক্ষমা প্রার্থন (সভার বার ক্ষমা প্রার্থনা কমলেও মুনাফিকনেরকে)	P-21651	po	68₹	মাতাশিতার প্রতি সন্থবহারের নির্দেশ	২৯-আনকাবৃত	y	7.7
লোক মনোনীত করা (মুগা আ, কর্তৃক সম্ভৱ কৰ লোককৈ				মিসকিলের হাতি সম্বাৰহাৱে কবিইগৰাইলের অসীকার	২-বাকারা	9.0	000
भ(नानीक करा)	্-আ'রাঞ্	266	659	মুসাফিরের সাবে সভাবত্যরের নির্দেশ	8-मिगा	- 05	26
যুত (ৰাহানুমীকে সভা যুত দীৰ্ঘ শিবলে শৃন্ধলিত করা হবে)	৬৯-হারাহ	65	595	সঙ্গীর সাথে সভাবহারের নির্দেশ	8-निगी	499	25
সরা (চেহারা)		_		সন্তৰ্গণে গমন		-	т
অবশিষ্ট থাকবে (কেনল প্রতিপালকের চেহারা/সভা)	৫৫-রাহ্মান	29	380	ইবরাহীয় আ, সন্তর্পণে গমণ করলেন (ইলাহদের নিকট)	৩৭-সাত্তাত	22	146
প্রতিপালকের চেয়র/সভাই কেনল অনশিষ্ট থাকবে	৫৫-রাব্যান	29	280	Heil		1	+
সদকা (ঝারো দেখুন দান শব্দটি)	44-104-11	1,	900	মুমিনদের সম্ভন্তি জন্য কলম করনে (অকুবাত পেশকারীরা)	৯-জাওবা	35	60
				সম্বাচ		100	100
অবকাশ পেলে দান-সদকা করার ইচ্ছা (কিয়ামতে)	৬৩-মুনাঞ্চিত্ন	30	996	পভাত অল্লাহর সম্ভাটির অনুগামী হর যারা ডাসেরকে পথ প্রদর্শন	৫-মাছিলা	36	25
আবীৰকে সদৰৰ কৰাতে বলপেৰ ইউসুক্তের ভাইবেরা	३२-इंडेगुक	pp	69/4		৫-মায়িলা ৫-মায়িলা		
উত্তম (অতাবী ৰণমগ্ৰীতাকে সদকা/মাত করাই উত্তম)	২-বাকুরো	200		প্রতিপাদকের সম্বৃত্তি ও অনুহাত কামনা	(Z-411970)	1 2	69.
হিলান সদক্ষ (কমা) করে নিলে তা কমারারীর জন্য কাক্সার	৫-মারিদা	84	evo	সন্তান		+-	$\perp$
দট মা করা (গ্ৰম-সলকার পর কউ/কৌন নিয়ে তা নট না করা)	५-राक्शवा	268	647	অভুনরণ (মুমিনসের নামান উন্নানের লাখে অনুসরণ করলে)	१२-एव	57	20
প্রকাশ্যে সদকা করাও ভালো গোপনে সদকা বেশী অলো	২-বাস্থ্যা	537	505	অসম্রের সম্ভাল তেখে মার গেলে কেনল হক আ কবা (ইয়াভিম প্রসেপ)	8-मिना	8	64
क्षमा (अनुग म. अर मात्र गोणान क्या कार्रमूर्व गामकाक्षमा कर)		20	360	আন্ম-সঞ্জানকে সন্মানিত করেছেন আল্লাহ	১৭-ইস্রা	90	
क्षान (मानवाक्षान कर्रा, प्रमूत म. अत मात्र राज्यान कर्षा कर्मात पूर्व)	৫৮-মুম্বাণালা	25	560	অনেমসম্ভানের বংশধরদের আনো দিঠ থেকে বের করা প্রদাস	৭-জা'রাফ	292	
বিদিয়া (সদকার মাধ্যমে বিশিয়া নিতে হবে, হক্তে যদি)	২-বাকুরা	299		আন সম্প্রধারকে আল্লাহ সন্তানের মাধ্যমে সাহাস্য করেছেন	59-9,2ilst	300	
স্বাহাস্থ্রত নানকবী মুমিননোকে সদকর বাগারে সোধারেপ	৯-ভাওর	93	687	আস্থাহ পৰিম (গৰান গ্ৰহণ কৰা থেকে)	১৯-মারইয়াম	002	90
সদক্ষেত্রী		L	L	আল্লাহর সম্ভান বিকারে হবেঃ (তার বেনন সন্ধিনী নেই)	৬-আন্'আম	203	
প্রতিদাশ (সদক্ষারীদের প্রতিদান দেন আল্লাহ)	77-58234	bb	946	আল্লাহর সন্ধান গাহণের অপবাধ	২-বাকুবা	27/9	67
সমকা দেৱা			T	আপ্লাহ সম্ভান গ্ৰহণ থেকে পৰিত্ৰ	২১-আদিয়া	59	9.0
वर्शित व भूगिकवा मानल करात यनि प्राप्तार प्रमुख गान	৯-জাববা	92	681/	স্মাপ্তাহ সন্তান গ্ৰহণ থেকে পৰিয়ে	৩৯-বুমার	8	29
সদকা (মাঞ্চ)		1	1	আপ্তাহ সন্ধান হত্যা থেকে পবিত্ৰ	8-मिमा	393	
	8-First	3-2	46.0	ইবরাহীনের সন্ধানদের মধ্য থেকে নেতা বানানো প্রসন্থ	३-शकृत्वा	558	
ক্তপণ সনক/মাক করতে পারে (মিহুকের পরিবার) সদকা (যাকাত)	8-1441	100	400	ইবরাহীমের সম্বাদ্যনর প্রতি তার ওপিয়ত	২-বাকুরো	303	6.0

<b>नप</b> े क के - विश्वश्यक	স্মানং ও বাম	THE	787	नप रिस्त्राधनम जुडासर		THE P.	118
সন্তান (পূৰ্ব পৃষ্ঠা কেকে)				হলা (স্কান হল্যাতে শত্তীকরা মুশ্চিকচেন্য কাছে পোচনীয় করেচে)   ৬-আন্	ia 👚	209	903
হ্যাকুবের সম্ভানদের প্রতি ভার ওসিয়ান (মৃত্যুবালে)	২-বস্থার	300	474	इसा (महान इसा न कहार समा वरेतार धरन, पूपिन महिएस) ५०-पूप	दिना	32	265
ইয়াকুবের সন্ধানদের প্রতি ভার ওশিরত	২-বাকুরো	300	676	সরান (থংশ)	-		
ইয়াকুবের সন্তাননের উপর অবতীর্ণ কিভাবে ঈমান	২-বাকুরো	206	474	অপ্রাহন অংশ/ব্যান বননো (অপ্রাহন বন্দায়ন করবকে) ৪০-যুখ	σ	36	৮৯৭
উপকারে আনবে না পুনরুখানের দিন (সম্ভান ও কম্পন)	२७-७'वाडा	44	924	সন্তান (ঈসা)		_	
ওসিয়ত (ইবরাইট্মের সন্তানদের প্রতি ভার প্রসিরভ)	३-वदुरंडा	300	636	মাবইরাম ঈসাতে বহন করে সমপ্রনারের নিকট উপস্থিত হল ১৯-মার	ativ.	29	106
ওদিরত (ইয়াকুবের সন্ধাননের প্রতি ভার ওদিয়ত)	२-बाङ्ग्डा	705	676		417	*1	105
মে(বাপানজ্ঞালার সেরে কার সাধীর, বাগালভারালা মনে করে )	79-9150	00	929	সন্তান (গৰ্জছ)	_	_	
কিন্তাবপ্রাক্তর সম্ভাননের ন্যার চিলে কিবলা পরিবর্তনতে	३-गङ्ख	789	479	প্রদর (গর্ভবারীর ইন্দর লক্ষান প্রদর পর্যন্ত) ৬৫-তার		8	১৬১
করি (সুহর সংক্রমর অনুসরণ করে, যর ধন্গরান করি বৃত্তি করে)				প্ৰদৰ (সন্ধান প্ৰদৰ কৱা পৰ্যন্ত ভালাকপ্ৰান্তার জন্য বাছ) ৬৫-ভাল	6	b	http
থাত (মুক্তা গ ভালা অনুসাম অন্তং আ প্রশাসনাল পাত বৃথব অন্ত) অবিপুরুষকারী (বিয়ারের সম্ভাস শিকার পক্ষে অভিসূত্রকারী হয়ে ল)	१)-मृद	57	300	সন্তান জন্মান			
	৩১-বৃক্যান	00	2-57	বৃদ্ধাবহুৰে সন্তান জন্মনান (ইনরাইমের চীর) ১১-হুদ		92	893
কতিপুরণ (বিরয়নতে স্কানের পক্ষে পিথা কবিপুরণ নিবে ন)	৩১-বৃক্মান	00	9-59	সন্তান/পিতা-মাতাহীন			
ংহণ (আল্লাহকে নঞ্জান গ্রহণের অপবাদ দের মুশরিকরা)	১০-ইউবুদ	(g)r	990	ভাইবোদ (সন্ধাদ/পিত্যমাতাহীদের ভাইবোদের মীরাস প্রসঙ্গ)   ৪-দিসা		25	200
গ্ৰহণ (আপ্লাহ সন্ধান গ্ৰহণ কৰেনদি)	২০-যুখিদ্ৰ	77	212	সপ্তানপ্ৰসৰ			
প্রবেণ: (আল্লাহকে লক্ষাদ প্রহণের অপবাদ,মুশরিকদের)	79-9166	8	128	সঙ্কান প্ৰসৰ করে না কোন নারী (আল্লাহর জঞাতসারে) ৪১-মূস্	लाक	89	bbc
এংগ (দল্পমন্থ সম্ভান এংগ করেছেন, কাফিররা বলে)	১৯-মারইরাম	44	180	সন্ধানসন্তবি	-	-	
গ্রহণ (প্রতিপালক স্ত্রী/সন্ধান প্রহণ করেননি, জিল প্রসঙ্গ)	૧૨-જિલ	0	946	অধিত সন্ধান-সম্ভাতির অধিকারী (বিশুবাদরে বলত) ৫৪-সাব		100	788
গ্রহুণ (সঞ্চানগ্রহণ করা পোভনীর লয়, দক্ষামর অন্তাহর জলা)	১৯-মারাইরান	કર	180	আসমের বংশবরের সন্তান-সন্ততিতে পরীক হবে ইবলিস ১৭-ইস্	-	68	477
প্রহণ (সম্ভান প্রহণ করেদনি আল্লাহ)	১৭-ইস্থা	222	150	ইয়াকবের সন্তাম-সন্তবিদেরকে অস্ত্রাহ এইা করেন ৪-মিসা	-		
হাহণ (সঞ্জান প্রহণ করেননি আল্লাহ)	২৫-ভূবকাৰ	2	1312		_	790	499
চেব (ভিতাবপ্রাক্তরা কুরামানকে নিজ সঞ্চানের মত (চলে)	৬-জান'কাম	₹0	693	উপস্থিত সন্ধান-সন্ধৃতি নিৰেহেন আল্লাহ গুলীস বিন মুখীবাকে ৭৪-মুখা		30	220
ভাকা (সঞ্চানদেরকে ভাকতে আহ্বান, মুবাহালার জন্য)	৩-মালে ইমরান	65	487	উপথাৰে আসৰে না সন্ধাৰ-সন্ধতি (কিয়ামতের সিন) ৬০-মুমা		۰	26.0
থক (কুটান্ডনা স্মান্টন্যতে ভাকতে আহান, বুবাহাশ্য জন)	৩-মালে ইমরান	65	485	আছে আসাৰে বা (মূৰ্যজিকানে ধন-সম্পদ কোন কাছে আসাৰে না)   ৫৮-মূজ		24	hQE
নৱামর অল্লাহ্ব নৱান আছে বলে দাবী (মুপরিকদের)	১৯-মারইরাম	27	980	বাচ অসং ন বাহিবলে স্থান-স্থাতি (পঞ্জিব বিপর্বতে) ৩-তালে		229	289
मसमञ्ज्ञ महान शंकाण जानूग म. शहरून स्ति क्षेत्रम हैरोगर स्वती।	৪৩-মুখ্যুক	7.7	202	বাছে আগবে বা অধিবদের সন্তাদ-সন্ততি (ভিয়ামতে) ৩-আগে		20	609
मन (महान नरान्य समा चन्नतिहार शार्थना, श्रीरंभागरका नियर)	৩-আলে ইম্যান	Ob-	600	চকু শীতনবারী সরাধ-সরাভির কর্ম প্রতিপাশকের নিবট প্রতিবা ২ং- মুক	×	28	100
দুধ পান (সন্ধানকে দুধ পান করানো, পরিপুমিক দিয়ে)	২-বাকুৰো	200	659	নেরা (অবিশ্বাসীকে সন্ধান-সন্ধতি দেয়া হবে, পুরুষান হলে) 🕽 ১৯-মার্থ		33	30%
দির্দেশ (সঞ্জানকের মধ্যে মীরাল বউন সম্পর্কে আল্লাহর নির্দেশ)	8-FH	22	001	ধৰ-সম্পদ ও সন্ধাৰ-সন্ধতির অধিকারী ব্যক্তি ৩৮-ফুফ	7	28	b92
নিবটকা (সম্ভান নকি পিতা উপজন্তের নিক গেকে নিবটকা)	8-RM	22	001	পূৰ্ববাহীনে সাজ্ঞান-সঞ্জতি অনিব ছিল (মুদাবিদ্দানে (১৫৪) ১-বাংগ		65	68.0
পরীক্ষা মাত্র (মুমিনদের সন্ধান ও ধন-সম্পন)	68-ভাগাবুৰ	30	201	প্ৰাক্ত বৰ্জ সন্ধান সন্ধতি ঘৰে প্ৰধেশকালে অধুমতি নিবে ২৪-নুৱ		65	900
পদারন, সন্ধান থেকে পিয়া-মাতার (কিরামতের নিনে)	৮০-আবাগ			বৰী ইসমাদিসদেৱকে সন্ধাধ-সন্ধতি থেকে ধের করে দেৱা ২-বাঞ্চা		286	223
			2009	বৰ্ণী ইসৱাইশকে ধনসম্পদ দিয়ে পুনৱায় বিজয়ী করা ১৭-ইস্ব		8	938
পিয়েকে সন্তানের জন্য কট দেয়া যাবে না	২-বকুরা	500	459	বিনিময় (সন্তানের বিনিময়ে মৃতি কামল্য করবে জপবাধীরা) ৭০-মা	दिक	22	86/5
পুনরপানের দিন সন্তান ও সম্পদ কোন উপকারে আসবে ন্য	२६-७'वाडा	74	9243	মানুহের সন্তান-সন্তাট ভাকে আল্রাহর নিকটবর্তী করে দা ৩৪-সাব		9	<b>∀88</b>
পুরুষের সম্ভান না থাকাবছার মৃত্যু হলে সম্পন কটন প্রবাস	8-निमा	749	442	মুনাভিক/আভিয়ালে সম্ভাপ-সম্ভাতি যেদ রাসুণ স: তে মুদ্ধ-বা করে 🔝 জাওব		22	984
প্রতিদালক প্রী/সন্ধান গ্রহণ করেনদি (জিনদের প্রসঙ্গ)	1२-किन	0	9949	মু'মিনদের সম্ভান-সম্ভতি পরীক্ষা হতপ ৮-আনং	न	36	608
शित (भित्र शित दाग- प्रद्वाद, अनून म. ७ सियम प्रताबर)	৯-ভাওবা	58	682	মুদ্দিবানৰ সক্ষাধ্যাপপান কেন আপ্ৰাহৰ স্কাশ বেকে ভূলিক্স না বাবে । ৬৩-মুদা		5	1000
বৃদ্ধ বাগান মালিকের দুর্বল সন্ধান (উপমা প্রলঙ্গ)	२-राङ्ग्रा	200	605	মূপর সম্প্রবাচের বিভূ সম্রানসমতি ছায়ে কেউ দিয়ান আনুনি ১০-ইউ		20	960
মাকে সন্ধানের খন্য কট দেয়া বাবে ন	২-বাকুল্ল	500	৫২৭	অপ্রসংগ্রেক স্ত্রী ও সন্ধান-সন্ধতি নিরেছেন আল্লাহ ১০-বাদি	_	Obr	999
মারইয়ানের সম্ভান হবে নিজাবে তথ্য বেদন পুরুষ ভাবে স্পর্ণ	৩-আলে ইমরান	89	480	লাচ (দুনিয়ার জীবন সন্ধান-সন্ধতি লাচের প্রতিযোগিতা) ৫৭-হার্দ		50	360
মায়েরা সম্ভাননেরকে দুধ পাদ করাকে পূর্ব দুই বছর	২-বাকুরে	200	656	শোচনীয় (নঞ্জান-নঞ্জনি শোচনীয় করা হয়েছে মনুছের জন্য) ৩- আগে		38	209
মিপিত করা হবে (বুমিশ পিতা-মাতার সাপে সম্ভাশ-সম্ভতির)	৫২-ভূর	57	200	সম্প্রকার (সম্ভাল-সম্ভাবিত প্রেরকার করা ব্যৱহার মন্ত্রের জন্য) ৩-আর্থ সম্প্রকাল (সম্ভাল-সম্ভাবিতার সম্ভাবিকার করার জন্য মুম্মিনের প্রেয়া) ৪৬-আর্		26	808
মুনফিবদের সঞ্জাপ-সম্ভতি ঘেল রাসুল স. কে মুদ্ধ লা করে	৯-ভারবা	946	685			34	
মুমিদদের সস্তাদ-সম্ভতির মধ্যে কেউ কেউ শক্র	৬৪-তাশাবুৰ	28	266				5-95
মুমিদকের সম্ভান ঈমাদের সাথে তালেরকে অনুসরণ করলে	৫২-ফুর	52	200	সংকর্মশীণ সন্তাম-সন্ততিও জন্মতে প্রবেশ কর্ববে ১৩-রাখ	_	২৩	990
মুমিনদের লক্ষান ও ধন-সম্পদ পরীকা মাত্র	৬৪-তাগাবুদ	34:	264	সহার (অল্লাং স্কান-স্কৃতি নিয়ে সহায় করনে মনুদা মনে করে) ২৩-মু নি		66	963
মুলাকে লক্কাল হিলাবে গ্রাহণ করতে চাইল ফির'আইনের স্ত্রী	২৮-কালাল	>	pop	সৌন্দৰ্য বন্ধপ (দুনিয়ার জীবনের) ১৮-কাহ		86	140
মৃত ব্যক্তির সম্ভান ও পিতা-মাজ না থাকলে সম্পান বর্তন প্রসঙ্গ	8-State	396	693	সন্ধানহীন (কালাথাহ)			
মৃত ব্যক্তির সন্ধান থাকলে পিতা-মাতার জন্য এক বঠাংশ	8-Spt	>>	003	করবর (অক্সং সঞ্জনহঁলের সম্পন বন্দন সম্পর্ক করবর দিয়েল) ৪-নিসা		266	493
মূত ব্যক্তিৰ সঞ্চল দা থাবলে পিতা-মাতার জন্য এক ভৃতীয়াংশ	8-Size	22	001	সম্ভানের পিডা			
সমুখ্য (কথাপ্ৰকাশ কথাল অপ্নাহ সন্তান দিয়ে সমূত কথাল)	93-25	25	358	দারিত্ব (সম্ভানের পিতার দায়িতু মারের ভরণ-পোষণ) ২-বাকুর		200	229
প্তার সম্ভান উত্তরাধিকারীকলে থাকলে স্বামী ১/৪ অংশ পাবে	s-RM	×	665	गहरे			
প্রথ সন্ধান উত্তরাধিকারীরূপে না থাকলে সামী কর্থেক পাথে	8-971	×	dan	SHOW AS THE WAY AND THAT THE PARTY OF THE PA	-		_
				कियु स्थान तम	1	53	20.0
প্রমীর সন্ধান উত্তর্থিকারীরূপে থাকলে খ্রী ১/৪ অংশ পাবে	8-RM	25	66p	অক্সহ যাব প্রতি সম্ভাই, আর জন্য সুপরিশ ৫০-শত	-	26	bot
শ্বামীন সম্বান উজাধিকারীরূপে না থাকলে রী ১/৪ পাবে	8-निमा	25	<b>ecr</b>	ख्द्रार का तीव न्यूडों (क्रमुदारातांव क्यू का क्वा मुनश्चित करा) २.५-पानि		57	303
হত্যা (দরিস্রোর কারণে সন্ধান হত্যা করা হারাম)	৬-জন জম	262	922		-	52	
হত্যা (দাহিদ্যের করে সন্ধান হত্যা করা নিবিদ্ধ)	১৭-ইপুরা	93	936		-		888
হতাা (নিবৃদ্ধিভাৰশকঃ সন্ধাননেত্ৰকে হত্যাঅতীয়া কবিয়ন্ত)	৬-জান'আম	380	630	অপ্তাহ ও প্রসূদান যা লেন বাতে নম্প্রট থকত বনি করে বার ৯-তাওব অপ্তাহ সম্ক্রট প্রথম অপ্রথমি মুহানিক, আননার ও বারা ৯-ভাওব		6.9	686
				আল্লাহ সম্ভাই প্রথম অগ্রণামী মুহানিব, আনদার ও বারা ১-ভাওব		200	800

স			সমূদ্র	সংশ্বহ			
म्प्य विवट/दासम	जुड़ी नर व नाम			<b>च्या रिवड/दांत्रथं</b>	সূহা দং ও দাব	100 T	श्रुका
সম্ভট্ট (পূৰ্ব পূচা কোক)	- Control of the Control		-	খ্যৰসা (পাৰস্পত্তিক সম্ভাৱতে ব্যবসা কৰা বৈধ)	8-विश	43	690
আল্লাহ সম্ভষ্ট (বাইজাত প্ৰহণকাৰী সুমিনদেৰ উপৰ)	৪৮-ব্যক্তর	Str	223	প্ৰীৱ সম্ভন্নির জন্য নধী কর্তৃক হালালকে হারাম করা	ও৬-ভাৰ্থীয	3	390
জাপ্তার্য সম্ভাই (মুমিন ও সংকর্মশীলসের প্রতি)	bb-वावित्रनाङ्	b	4600	সম্ভুষ্টি লাভ			_
অপ্লাহ সম্ভষ্ট (মু'মিনদের প্রতি)	৫৮-মুকাদালা	33	248	অপ্রাহ্য স্ক্রটি লাভ করে না (তার ধরণা পোচাম্মটীর)	৪১-ফুস্সিলাভ	28	200
অস্ত্রাহ সম্ভূমী হরেন না পাগারেরী সম্প্রদারের প্রতি (অবুক-প্রস্তেপ	%-कास्त	36	620	সম্ভব্নিলাডের সুযোগ		-	-
देखी-अनस्ता अक्षेत्र दार न (नरी जातत को खुलता न करान)	२-राष्ट्रश	250	678	কাক্তিরদের সম্ভবিদাকের পুষোগ দেরা হবে না (কিয়ামতে)	১৬-নাহণ	78	950
্ৰেষ্ঠাৰ সাধ্যাল সম্ভৱ হবে অনেক চেহানা (বিৰামতে)	১৮-গাৰিয়াত্	b	4404	अ(खास्टावन			
क्रेंशन याजन(अन्याद्व रिस्टान्याकाम महत्रे क्रेंशन-याजा रुवार)	<b>७३-इकार</b>	57	242	উত্তরাধিকারীকে সভ্যোথতাঞ্জন থানানোর ফার্কবিয়ার প্রার্থনা	১৯-মারইয়াম	4	908
জীবন (দেৱীৰ পাল্লা ভাৱী হলে সম্ভষ্ট জীবন লাভ করবে)	२०१-वृत्तिःखा	9	2002	প্রতিপালকের সন্তোবভারন ছিল ইসমার্টন	३%-मात्रदेशाम	66	909
मानकारी मश्रेष्ठ शर (प्रतिस्तिरे)	১২-পাইল	57	2056	প্রতিপালকের সংখ্যাবভালন হল বস্থাসন প্রতিপালকের নিবট হৈছে আসার আহবান (সম্ভোধভালন হটে)	৮৯-থাক্র	25	
	১০-ইউনুস	3	508		0.9-male	40	3055
দুনিয়ার জীবনে সম্ভই/তৃত্ব ব্যক্তির আশ্রমন্থল আকন নেববৈ পাল্লা ভারী হলে সম্ভই জীবন লাভ তরবে	३०३-लाह जा	9	2007	সম্ভ		-	
				হলর সম্রন্ত ববে যেদিন (কিয়ামভের দিন)	৭৯-নাৰ্বি'জাত	ъ	2000
পিছে থেকে বাওয়াদের সাথে থাকতেই সম্ভন্ত (সামর্থবাদরা)	৯-জান্তব্য	319	68 h	সপ্তাস (দেখুন ফ্যাসাদ, বিশৃঞ্জন্মা, বাহাজনি ও হিনতাই শব্দটি)			1
প্রতিপারকের নিকট ফিরে আসার আহ্বান (সম্ভুট হরে)	৮৯-ফাদ্যর	59.	2055	সন্দিহান			
বলে ধাৰতেই সম্ভই ছিল মুনফিকনা (তাবুক যুদ্ধ)	৯-ডাওবা	500	685	উপদেশ সম্পর্কে (কুরজন সম্পর্কে) কঞ্চিবরা সন্দিহান	৩৮-সোয়াদ	b	3.00
বিশুবাদ হয়েও নম্কট পিছনে থাকা লোকদের সামে থাকতে	৯-ভাওবা	30	683	কুরুমানের ব্যাপারে সন্দিখ্যন না হওয়ার নির্মেশ (দবীকে)	77-fee	29	৬৬৭
মুখ্যজিব ও জানসারগণ সম্ভষ্ট আল্লাহর উপর	৯-জাওবা	300	620	त्ररभव			
মুমিনলেবকে সম্ভষ্ট করা ছল্য আল্লাহর কসম করা	৯-ভাওৰা	65	686	অহংকারীদের আল্লাহ ভাকবাসেন না -এ বিষয়ে সাপের দেই	১৯-নাহল	20	908
মুখ দিরে সপ্তট করে সুপরিকরা মুমিলদেরকে	৯-জাতৰা	5	680	আধিবাত সম্পর্কে সন্দেহ (কাফির/ভূপরিকদের)	<b>২</b> ৭-শামন	66	505
মুম্মিন ও সংকর্মশীলগণ সম্ভন্ন (মাল্লাহর প্রতি)	১৮-বার্ডিনার্	b	४०२५	অমিত্রতে সংশাহতাবীকার কেকে স্থিতনা মাধ্যমত কোনে কোনে কোন	08-PDM	1 53	580
মু'মিনরা সম্ভন্ন আল্লাহর প্রতি	৫৮-মুজানলো	22	958	জান্ত্রাহ সম্পর্কে! (মুশরিকদেব)	38- <b>ऐनवादी</b> म	30	658
মুখিনরা সম্ভন্ন হলেও আল্লাহ সম্ভন্ন হবেন না (ভাতুক প্রসঙ্গ)	৯-জান্তবা	345	960	ইউস্ক আ, কর্তৃক আনীত বিষয়ে সন্দেহ অব্যাহত এখা	৪০-মুখিন	108	yyo
মুমিনরা কি সন্তুর্ত্ত, পুনিয়ার জীবন নিরেঃ (আল্লাহর জিজাসা)	>-107(ref	400	988	ইছত সম্পর্কে সংগত, (রজনাকের স্থাকনারীন স্তীর ইছাত)	৬৫-ডালাক	8	200
যাক্ত দেয়া হলে সম্ভুষ্ট হর (মূখে ঈমানের নাবি করে যারা)	≽-ভাগো	Q.p.	686	ইমা আ, হুডার ব্যাপারে সন্দেহের মধ্যে ছিল (উচ্চিয়া)	8-मिमा	229	299
রসুল স, এর সম্ভাই হওয়া (প্রতিপালকের পরিয়ারা কোমণা প্রসাধ)	২০-ত্বা-হা	700	48>	बद्धात टक्स्प्र महत्त्व कर कर कर किया मिटन समय निर्मन	২-বকুরা	252	208
রসূল স, সম্ভষ্ট হবেন (প্রতিপালকের দালে)	≽ত-পুবা	0	20%	একটোকরণে (কিয়ানতে সকলের একটাকরণে সন্দেহ নেই)	8-निमा	100	665
স্থ্রমনীলগণ ও মুমিন সম্ভাই (আল্লাহর প্রতি)	৯৮-বাগ্রিনাহ্	ъ	7059	'একমিত হওৱাও বিগ বিষয়মত সম্পর্কে সম্পেহ নেই	৪২-শুরা	9	527
সভাবাদীরা সম্ভাই অন্যাহর প্রতি	৫-মারিদা	772	695	গুরী/কুরমানের বিষয়ে রাস্প স. সংশহে পড়গো	১০-ইউনুস	38	660
দ্বী (নবী যা দেন আতে নবীর প্রীরা সম্ভন্ন থাকা প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্থাব	62	Map	অভিনয়ের সংখ্য (বছা) বিসের শান্তি আসা প্রদাস)	২২-হাজ	00	950
সমুষ্ট হওয়া				অভিবর সংশ্বর (বারণ করত পুনরুধানের ব্যাপারে	88-94H	00	308
আল্লাহ সম্ভাই হয়েছেন সভাবাদীদের প্রতি	৫-মারিদা	779	6.94		88-नुवान	3	300
সমূষ্টি			_	অফিন্তা সংশ্রের বশ্বর হৈর বেলার মা (কুসমানের রাপরে) ভিতার প্রাক্তরা এবং মুখিনরা বেন সংশ্রহ পোরণ না করে	৭৪-মুমাছছির	02	862
অনুসরণ (অপ্তাহর স্মৃতি অনুসরণ করে যে গে তার মত দর)	৩-আলে ইমরান	162	1995	কিয়ামত/নির্ধারিত সময় সম্পর্কে সম্প্রে	৬-আনুজাম		
আল্লাহর সম্ভব্নি অনুসংগ করেছিল মুমিনগদ, উত্তদ প্রসঙ্গ	৩-জালে ইমরান			ভিয়াসত সম্পর্ক সময় সম্পর্কে সংগ্রহ ভিয়াসত সম্পর্কে সম্পেহ নেই (আসহারে কাহাক গ্র.)	29-কার্ক জ-আনু আম	1 3	120
আপ্লাহৰ সন্তুষ্টি কামনার নিজেকে বিক্রি	২-ধাৰাবা	301		ভিয়ামত সংশাকে গলেহ নেহ (আনহাকে আহক আ.) ভিয়ামত সংঘটনের ব্যাপারে সন্দেহ দেই	84-साध्य	42	204
জাল্লাহর সম্বাট্ট কামনার সম্পদ থকের উপমা	২-বাকুরো	200		ভিয়ামত নাথানের ব্যাপারে নাপের নের ভিয়ামতের ব্যাপারে সম্পের না করার নির্দেশ			
অপ্তাহর সমুষ্টি কামনত্র সংক্ষাত্ত করেল অপ্তাহ প্রতিদান লিমেন	8-निमा	278			৪৩-ছুধ্রুক	47	300
আপ্তাহর সম্ভন্তি অনুসন্ধান করে রাসুল স. ও তবি সাধীগণ	8५-कास्ट	35	272	বিষয়মন্তের নিমের ব্যাপারে কেনে সন্দেহ নেই	০-জালে ইমরা ৩-জালে ইমরা		502
আল্লাহর সম্ভাই অপহন্দ করে মুনাফিকরা	৪৭-মুধ্যমাদ	27	P78	কিয়ামতের দিনের ব্যাপায়ে কেনে সন্দেহ নেই			600
আপ্রাহ্ন সম্ভাই সবচেরে বড়	9-81641	92	689	ক্ষিয়াথত আমা সম্পর্কে কোন সন্দেহ নেই	২২-হাজ	٩	920
আপ্রাহন সম্ভাচিত সংক্রমের বিভিন্ত প্রাপন করে যে	9-01041	209		বিরামত আগার ব্যাপারে কোন সম্পেহ দেই	৪০-মুমিন	6.9	900
অন্তাহর সম্ভান্ত ভগর বহুবা তাত হাগণ করে যে অন্তাহর সম্ভান্ত তেয়ে যাকাত লোমা হলে তা বৃদ্ধি পায়	20-27	200	25.5	বিভাবে সংকর নেই (প্রতিপালকের নিকট হাতে অবভরণ প্রদাস)	৩২-সাজ্সা	1 3	3460
অস্ত্রাহর সম্ভান তেরে বাকাত বেলা বলৈ তা পূবে শার অস্ত্রাহর সম্ভানি তামনা করে পরিব মুখানিরপণ	৫৯-ব্যশর	l V	34%	বিবামতে কোন সম্পেহ নেই	৪৫-কাছিরা	₹6	200
অস্ত্ৰাহত সম্ভাৱ কামণা কয়ে শাৰণ মুখ্যালয়ণণ অস্ত্ৰাহত সম্ভাৱ চাইলে অধিকাৰ দিয়ে দেয়া উত্তম	७०-कम	100	1440	কিয়ামতে সক্ষরহৈকে একপ্রিত করার বিষয়ে সন্দেহ সেই	৬-আন্'আম	99	989
	80-कम 80-मादिका	100	808	কুরম্বানে কোন গলেহ নেই (কুরমান আল্লাহরই রচনা)	১০-ইউনুস	99	000
অন্তাহর সম্ভাই লাভের সুযোগ কামিবলের লেরা হবে না (তিয়ামতে)	४१-शास्त्रा ४९-शमीम	31	963	কুরঝান আল্লাহর কিতাব হওয়ার ব্যাপারে কোন সন্দেহ নেই কুরঝান প্রাধির ব্যাপারে রাসূল ন, এর সন্দেহ না করা প্রসঙ্গ	২-বাকুরো ৫১ সাম্পর্য	30	
অপ্তাহ্য স্ক্রাটার উদ্দেশ্যে নৈয়াগ্যবাদ বিধিকত করেছিল মানার					৩২-সাঞ্গা	140	205
অপ্রান্ত স্মার্ট বরেছে ভারতে (ভারতর বাংলানবরিচার জন্য)	৩-অলে ইমরা		201	কুরঝানের ব্যাপারে কাভিরদের সন্দেহ থাকলে অনুরূপ সূরা তৈরির চ্যালেঞ্চ	২-বাকারা	20	₹o\$
অপ্তাহন সম্ভবি বরেছে আধিবাকে	৫৭-হাজীদ	20		ভুরমান সম্পর্কে আহলিভিতাবর বিপ্লান্তিকর সম্পরে আছে	৪২-পুরা	78	585
আপ্তাহ সম্বাচীর উদ্দেশ্যে জিবালে বের হওয়া	৬০-মুখভাইনা	3	par	ক্রমান নাশকে আহালাকভাবরা বিয়াজকর নাশহে আছে ক্রেমা সঙ্গেছ নেই যে	80-मृतिम	80	200
অক্সভা স্কারির কর্তা নিস্কীন্যকর্কী ইয়াতিমকে খাদ্য খাত্যালো,দান	৭৬-পার্থ	7	295	ক্ষাল নামের দের তে: ক্ষারতে সন্দেহ নেই (অধিরাতে অধিধাসীদের প্রসঙ্গ)	22-Ea	22	959
আপ্রাহ্ব সম্বাধির জন্মই গ্যয় করার নির্দেশ	২-বাকুরো	293		ক্ষতিয়ে হবে এতে সংগ্ৰহ নেই (পুলিয়ক প্ৰথন পলবাৰী)	১/০-নাত্স	203	
প্রতিপালকের সম্ভন্তি অবেষণের উদ্দেশ্যে দান	৯২-লাইল	20	2056	भावतः वतः वतः नामवः (सरः (तुनावाः वायमः गमनकः) भीतः (दानुष्यं न, व्यत्येषः गीतः मत्यवः चकत्तः)	১০-ইউনুস	208	
প্রতিপাদকের সম্ভন্তি কামনাকারীকে বিভাড়িত করা যাবেনা	৬-আন্'আম	45	600	দিবানাথ (সংশোহন বিধারণে মহেছে তার ধারা ইমান আনেনি)	৯-জান্তবা	80	684
প্রতিপাশকের সম্রাটি, দায় ও জন্মানের কুলবোদ আকরকে যারা	১-জাওবা	57	684	নিৰ্বাভিত সময়ের ব্যাপারে সন্দেহ নেই (কাঞ্চিবদের জন্য)	১৭-ইপ্ৰা	66	355
লচিপাপকের সম্ভারির উদ্দেশ্যে ধৈর্যধারণ করে (বৃদ্ধিমানরা)	30-31°F	22	650	भूमारका मानुवार भागा । व मानुवार निर्मा (पार विभाग । पार व	24-5ime	2	926
প্রতিপালকের সম্ভাবির লাক্ষ্য মূলর আড়াজ্যে (ভূর পর্বতে গমন প্রদাস)	২০-ড়া-খ	₽8	986	পুনৱায় সৃষ্টির বিষয়ে সংশেহ (কাফিবলের)	६०-आक	25	320
প্রতিশালকের সম্রাচিত্র উদ্দেশ্যে যারা তাঁকে ভাকে সকাল-সম্ভাৱ	79-4164	150	126	প্রতিপালকের লাখে সাক্ষাতে লক্ষেহ (কাফিরদের)	৪১-ফুস্সিলাত		9/80
	1	-	-	86	I Tohouse	1 40	1-80

		_ 3	स्मर	2664			-
मध्-प्रकृतिक रिवड्/समा	नुवा नः च नाम	121 4	100	विषर्/क्षण	जुड़ा गर ७ माम	<b>1984</b> 3.	1.
সন্দেহ (পূर्व गृक्षे (बदक)				সফর (আরো দেবুন ভ্রমণ শব্দটি)			
প্রতিগালকের অনুয়াহ সম্পর্কে সম্পেহ গোহন প্রসঙ্গ	৫৩-নাজম	44	200	অস্ত্রাহা পার সক্ষেত্রলৈ কেট সালাম দিলে 'মুনিন নত' বল	8-मिना	≽8	0
বভিলক্ষরির কুরজনে সংখ্য করত ( রাসুল স, লেখা-পড়া ভানলে)	২৯-আনকাবৃত	85	F20	মতাং লেবক পাওৱা না গোল সকরে বছকীয়ের হয়গত এবা	২-বাকুরো	200	¢
বিজ্ঞান্তিকর সন্দেহ (ভাগ্যাঁটের বিদ্যাে সন্দিহ আ, এর বাডির)	33- <b>ह</b> म	63	693	রাজ হার পঞ্জান মূপা বা, সকরে (মূপা বা, ও বিজির বা, প্রথম)	১৮-তাহ্ত	64	9
বিপ্রস্তিকর সম্পেধে রঙ্গেছে (মুশরিকরা)	३३-इन	220	698	তারাপুর (সকরে তারাপুরের মাধ্যমে পবিত্রতা অর্জন প্রসঙ্গ)	৪-নিশা	80	0
বিশ্রন্তিকর সম্পেরের মধ্যে ররেছে (সবিশ্বাসীরা)	৪১-কুগ্সিলাভ	82	byo	ভারাত্ম (সভর কংহার ভারাত্ম- পানি না পেলে)	०-मात्रिमा	ò	2
বিঅভিকর সপেহের মধ্যে ছিল কঞ্চিনরা	৩৪-সাবা	48	78¢	সূত্রে (সক্তরে সূত্রে বৃদ্ধির প্রার্থনা, সাধাবাসীসের)	৩৪-সাব্য	27	5
হুনাকিকরা সংগ্রহ পোহণ করেছিল সুনিয়াতে	৫৭-হানীৰ	38	282	ঘনীনে সক্ষর রত অবস্থার মৃত্যু উপস্থিত হলে	৫-মায়িলা	506	10
মুনাজিকরা সম্পেহ প্রবর্ণ	₹8-91	¢0	993	রোবা (সকরের রোঘা অন্য সময় পূর্ণ করা)	২-বাসুরা	20.05	4
दुर्गादेकादे हा मना जाता जाता मिना गुरू गाउँ गाउँ हा ती	১৬-শবুল	94	909	রোখা (সকরের রোখা পরবর্তী সময়ে আনার)	২-বাকুরো	27.8	
মুমিনয়া (ইমান আনার পর এবং জিহাল করে)	৪৯-রক্রাত	24	957	সহজ (সকর সহজ হলে রানুল স, এর অনুসরণ করক)	৯-জাওবা	84	13
রুসুলাপুনর অহবান সম্পর্কে কবিবরে বিয়ন্ত্রিকর সম্প্রের অহ	38-ऐनवादीय	à	998	NEW		-	۲
রকুল স্ (মে সক্ষেত্র না করেন (মুশরিকদের উপাস্ত্র নাশার্ত)	३३-दुन	30p	692	অভ্যন্তে কার্পন্য থেকে মৃক্ত ব্যক্তিগণ সকলকম	৬৪-তাশার্দ	26	+
	১০-ইউনুস	38	990	অপরাধীর সঞ্চল হরনা (আক্রাহ সম্পর্কে মিদ্যা রচনা প্রসঙ্গ)	३०-१६नुम	39	1
রাসুল ন. ওরী/কুরজানের বিষয়ে সন্দেহে পড়লো			900				
নৃত সম্প্রদার সলেহ পোষণ করত (গান্তি প্রসঙ্গে)	১৫-বিন্দর	60		আদ জাতি সকল হতে পারে (আল্লাহর অনুমাহ আরণ করলে)	৭-অ'রাক	99	1
নম্ভৰ্কবাণী সম্পৰ্কে পুত সম্প্ৰদায়ের সন্দেহ পোষণ	৫৪-কামার	106	204	আলে/কুরঅন অনুসকাকারীরাই সকল	৭-আ'রাধ	754	ŀ
ৰত্য কথার সন্দেহ পোহপ করে (ত্রিস্টানরা)	১৯-মারইয়াম	68	906	অক্সাহর শরবের মাধ্যমে সকল হওরা (বেশি বেশি শরব)	७२-सम्'वा	30	1
নাষ্ট্যদের ব্যাপারে সন্দেহ হলে কনম দেয়া, ওসিয়ত প্রদর্গ)	৫-মারিদা	309	620	অস্তাহর সম্ভান্ন হার তারা সকল	৩০-রম	Øy	ľ
হুদরে সন্দেহ আছে যাদের ভারাই অনুমতি প্রার্থনা করে	৯-জভর	80	684	অনহার কাহত সকল হার না (শহরবাসীর জনতে পারলে)	⊁⊁-কার্ক	20	1
হলতা সম্পের থেকে থানে (ফুনফিবলের দর নির্মালের করণে)	৯-ভার্বর	330	:952	ইমাননারার সক্ষম হওয়ার জন্য অস্ক্রাহর পথে জিহাদ	হ-মারিদা	-05	1
সন্দেহকারী				ইমানার, হিন্দরভবারী ও জিহারকারীরা সক্ষ	৯-ভাধৰা	30	ľ
নবীর সম্পেহকারী না হওয়া (কিভাবের প্রভি)	৬-অন্'লম	228	106	স্মানলরে নক্ষরম (মটা-বিদ্রুপের উপর থৈকে করেছ)	২০-মু'মিল্ন	222	Ι
সভোর ব্যাপারে সন্দেহকারী না হওয়ার নির্দেশ	২-বাকুারা	289	670	ইমানদারর গকল হওয়ার জন্য আল্লাহ্যক তর করা	৩-জ্ঞাল ইমরান	200	1
ন্তোর ব্যাপারে সন্দেহকারী না হওয়ার আঞ্চান	৩-আলে ইমরান	00	(8)	কাকিবরা সকল হয় না	২৮-কাসাস	45	Ţ
সন্দেহ পোষণকারী				কাকিবরা সকল হয় না	২৩-সু"মিন্ন	224	Ī
কুরজনের প্রতি সংশবকারী না হওয়ার নির্দেশ (রাসুল স. তে)	১০-ইউনুস	38	990	বিরামতে কল সেই ব্যক্তি থাকে ঋগ্রাতে প্রবেশ করালো হবে	৩-জালে ইমরান	22.6	1
কুল স, রে সামাহবারীদের অন্তর্ভুক্ত না হরেয়র দির্চাল (কুরাজন একাল)	১০-ইউনুস	38	660	কিয়ামতে সকল হবে (যার পুনোর পাক্স ভাবী হবে)	৭-জা'রাক	7	Ť
শন্তিতে নিকেপ করা হবে (সন্দেহ পোংগকারীকে)	৫০-কৃষ্ণ	36	250	রানুকরনের মধ্য মন্ত্রী ব্যক্তিই সবল (বিশ্বস্থাইলো সালুকর প্রসাদ)	২০-ড়া-ছা	68	1
NS IN	411		-	ভাতুকরর সকল হকের (মূসার নিদর্শন/শারির সামনে)	২০-ড়া-ছা	66	Ť
মালো সম্ভান করতে বলা হতে মুনাফিবলেরকে (পিছনে শিক্তা)	৫৭-হাদীৰ	30	383	सामुकाता नक्त इत ना (विश्ववादिनाक मृता वा. रत्ता)	১০-ইউনুস	99	Ť
পরিবারের সন্থান দিতে চাইল মুসার বোল (মুসার	41000		300	স্থালিমরা সকল হবে না (আল্লাহ সম্পর্কে মিখ্যা রচনা প্রসঙ্গ)	৬-জান আম	52	1
महिनाहरू महाम ।मध्य अस्म युगाल स्थान (बुगाल सङ्घारशामा क्रम्स)	২৮-কাসাস	32	picpi	জলিমরা সকল হয় না	৬-জান'জাম	>00	1
প্রতির সন্ধান পেতে (সক্ষম হলে না বাগানের মালিক)	72-9160	83	935	অদিমর সক্ষ হয় ন	২৮-কাসাস	99	1
পানত সভান পেতে (সভান হলে না বাবালের মালক) সন্ধি	20-0160	0,	149	ল্লিমবা সক্ষ হয় ন (ইউসুক্ষে বক্তথ্য)	24-89An	50	1
		_	_	মান্রাভবসীর স্বল্বায়	৫৯-হাপর	30	t
প্রধান (কালিবাসের প্রতি মুখিনাসের সন্ধির প্রধান না করার নির্দেশ)	৪৭-মুখ্যখন	96	226	তার সক্ষা বাসেরেক উদ্ধানে কর্মণ্ড কোক একা করা হাজহে	৫৯-খাশর	>	t
সম্বা		L.	_	দল (বাস্তাহর দল স্বল্কাম)	৫৮-মুকাদালা	33	+
অবস্থান (এক সন্ধান সমান মনে হবে কিরামভণুর্ব সময়কে)	৭৯-শবি অভ		2000	ला (जाकाका काला व जनर नाम निरम्पनी का नवन)	৩-আলে ইমরান		
अस्य (प्रिरम्भनरक एवा नक्तात आरू आस्त्र निर्वाहित क्या यात म)	৬-আৰ্'আম	22	600	পরিকল্প (সেই সকল হবে যে পরিকল্প হবে)	মন-আমা জন্মানে ব্যক্ত	28	+
ভাকা (প্রতিপাদককে নকাল সন্ধান্ত, ভার সম্রান্তর কল্ড)	<b>20-নাব্র</b>	435	926	পাছতক (নের সকল ব্যান যে পাছতক ব্যান পৃথিমানরা সকল হতে পারে (আল্লাহতে তর করার মাধ্যমে)	্ত-মারিপা	300	
পবিত্রতা ঘোষণা (সকলে-সন্ধ্যার আক্লাহর পবিত্রতা ঘোষণা)	৩০-জাহ্যাৰ	82	৮০৭			200	+
পৰিৱল ঘোষনা (সকাদ-সন্থায় মসজিলে অল্লাহর পৰিৱল)	२८-मृक	06	997	ভর করে হারা ও সাবধান থাকে যারা তারা সকল	२8-मृह		4
পৰিত্ৰতা ঘোষণা (দাউদ আ. এর সাথে পৰ্বতমালার)	০৮-সোরাদ	35	704	মানুহ সকল হতে পারে (অল্লাহকে তর করলে)	২-ৰাকুল	23.3	
পৰিবাৰে যেকৰা (সকলে ও সহায়ে অক্সাহৰ পৰিবাৰ থোকা)	৪৮-কাত্য	b	976	মিধা জনাকরী সকল হোল (অক্সং কলকে মিধা জনাকরী)	১৬-নাহুদ	229	
পৰিক্ৰম কৰিব (সম্ভাৱ ও মুপুৱে অপ্সাহর পৰিক্ৰতা কৰিবৰ নিচাপ)	00-विम	32	500	মুনিলাণ সকল হতে চাইলে মল/কুর/মূর্নিবেলী/ভীর পরিহার করাব	৫-মারিদা	90	4
বারাল সহারুল এক মানুসর পথ অভিনেম করত (সুপরিমাল আ, প্রসার)	৩৪-সাৰা	34	784	মুদিলানে সাল হতার জন্ম প্রকিশালাকর ইবাদকে নির্দেশ	২২-হাজ	99	4
সকাল-সন্মা কুরআন পাঠ করে অনানো হর (রাসূল স. কেং)	২৫-কুরকান	0	494	মুমিনগণ নৰুল হবে (অল্লাহর নিকট কিরে আসলে)	२८-मृद	62	4
স্কাল-সন্ম্যা ফিবজাউন বংশকে আগুনের সামনে উপস্থিত	80-मूमिन	86	393	মুদ্দিশাশ বাবল হয়েছে	২৩-মু"মিদূল	2	1
স্কাল-সন্ম্যা পৰিত্ৰতা ঘোষণার নিৰ্দেশ (যাকারিয়াকে)	৩-আলে ইমরান		280	মুন্তারীদা নক্ষা যর প্রতিশাসকের পক্ষ থেকে স্টারিপটো আছে	২-ৰাকারা	2	-
ব্যাল-সন্থ্যা প্রতিপালকের পবিত্রতা বর্ণনার উপদেশ	8०-मूमिन	66	39.5	মুমিনদের সকল হওয়ার জন্য অস্ত্রাহ্যক ভর করা	৩-আলে ইমরা		4
সঞ্চল-সন্থ্য বিধিক সেয়া হবে স্বান্নাকীদেরকে	১৯-মাবইয়ান	62	907	মুমিশরা সকল (থারা খনে ও আনুগত্য করে)	२८-मृत	62	1
স্কাল-সন্ধা পৰিতেও বৰ্ণনার জন্য ইপাত্ত করল যাকারিয়	77-जादद्शास	22	908	মুমিনরা সকল হবে (জাপ্তাহকে বেশি করে "বরণ করলে)	৮-জানকাশ	8/2	1
সঞ্জন্মনত (এছর ম্বরাও সকাল সম্ভার সিঞ্চলকনত হয় )	১০-রাপ	30	60%	রাস্ক স, ও কুরজন এর জনুসরশকারীরাই সকক	৭-আ'রাক	329	ij
সুলাইমানের সামনে সন্ধার উৎকট খোড়া উপস্থাপন	01-011 01-0131 01-0131 01-0131 01-0131	40	5-95	ধাসূল স, ও ইয়ানদারগণই সকল	৯-জাবধা	bb	٦
সুলাহমানের নামনে নকার ভংকুর খোরা ভণছাণণ শারণ (সভালে ও সন্ধার প্রতিশালকের নাম শারণ)	99-(4)914	46	330	সংবর্তপরক্রাণন সকল (থর প্রবিশালনের স্করিক শাব আছে)	৩১-জুকমান	0	1
পরেল (স্বকালে ও সন্ধার হাতপালতের পান সরণ) পরেল (প্রতিপালককে নকাল-সন্ধার কর ও নিবরের সালে স্কলা)	१-जा'शक	400		সেই সকল, যে নিজেকে পরিত্র করে	৯১-শামস	b	t
		406	403			+ "	+
সভ্যাকালীন লাগিমা				288 861			

-1			<i>स</i> काश				
ATT ACCOUNT OF THE PARTY OF THE	खानः वनाव	400 7	পুঠা	49 REL/C22 CE DESIGNATION	जुड़ां मर द मान	100	100
সঞ্গ্ৰাথ				ब्ला का (बहार जीवर-मृत्तीक मर्वहरू बाध्रास अवर कहान)	8-शिश	280	298
আশা করা বাই সঞ্চলকাম হবে হোৱা, যারা ভওবা করে	২৮-কাদাস	93	b28	ত্র≁বিদ্ধ করাঃ হুনকি (বিধাসটেন কর্তক জানুকর)না সংহিকে)	৭-জারফ	398	630
পাল্লা ভারী হবে যানের ভারা সক্ষকাম	২০-মুখিন্ন	205		জাল্লাকের সংবাইকে বের করা (আদয়-প্রথমা ও শরতানকে)	২-বারণরা	Ob	200
সফলতা		-		(न्द्रम याजा (कान्यूनी थ देखीन अन्द्रे ब्यूट्राट (ब्यूट (न्द्रम याज्य)	২০-ক্লা-হা	320	982
মুবারীদের সঞ্জাতার করিবে আল্লাহ তাদের উদ্ধার করবেন	०५-गुमार	95	¥ %	পতার্লন (স্কার ইছ করে সাইকে স্টারলর প্রার্লন করেনা)	३७-मार्ग	>	900
	OB-Zels	07	9 10	পরিবারে স্বাধিক দিয়ে আসতে কালেন ইউপুর্য (আইলেরকে)	১২-ইউস্ক	30	600
সম্প নয় (ব্যর্থ)		-	$\vdash$	পৃথিবীর সরাই ঈয়ান আনত (অক্সাহ ইয়ে) করলে)	১০-ইউনুস	22	666
भिश्रा राज्यकरीता मण्डम दरा न (खद्वाद मान्यार्ज दिवा राज्यकरी)	১০-ইউনুস	69	967	পৃথিবীর সরাই জকুজন্ম হলেও আপ্লাহর কিছু এলে যায় না	<b>38-देवबादीय</b>	br	63/5
সৰ				्रव्यात गर्वार वर्षण्या रागा वाहारश वह राग या ग	১৪-ইবরাহীম	57	650
কদ্যান-অকল্যান সবই আল্লাহর শক্ষ থেকে	৪-নিসা	95	200	সঠিবলৰ প্ৰদৰ্শন করা আল্লাহর ইছেবিন (সরাইছে)	১৯-হবরাহান ৬-জান'জাম		
দেরা (মানুষ যা কিছু চেরেছে আল্লাহ করে দবই দিরেছেন)	১৪-ইবরাহীম	<b>c8</b>	696		છ-ભાગુલાય	782	627
श्वरतनीन (नृषिती/यू-नृष्टेश नवदे श्वरतनीन)	৫৫-রাহ্মান	₹6	380	স্বাই (একত্র)			
নাম (আনমকে আল্লাহ সব কিছুর নাম শিক্ষা নান করেন)	২-বাস্থারা	42	608	আল্লাহ সংই একতে এনে দিবেন (ইয়াধুবের আশা)	১২-ইউসুফ	940	99.8
সংকিছু			$\Box$	সবাই (সকল)	1		
আকাশ-পৃথিবীর সবকিছু আল্লাহর	8-SOT	326	492	ছাকৃ সম্পান্তর স্বাইকে খালে কর হছ্ ফুব্রের কালে)	২৭-নামল	62	₩08
মরা (অক্সাহ বৃষ্টির পানিতে সববিস্কুর মরা উৎপদ্র করেন)	৬-আন'আম	22	600	সবৃত			
জানা (গ্রাহার সরবিস্থ জানেন, সৃষ্টি প্রসঙ্গ)	৬-আন আম	202	600	र्गाम (मनुष्का श्रमि,शाणिताह देश्या सन्द्रातील द्रम्पाम मित्रा सम्द्रात)	৫৫-রাহ্মান	9.6	184
জানা (আল্লাহ সববিত্ব সম্পর্কে ভালভাবে জানেন)	২-বাকুরে	42	¢08	ৰাদ্ৰাত (খন সবৃদ্ধ জাল্লাত দু'টি)	৫৫-বাহ্মান	68	384
মানা (আল্লাহ সংকিছু সম্পর্কে ভালভাবে মানেন)	४-पप्ता 8-निम	03	699	পোশক পরানে হবে জান্নাতে (মিহি ও পুরো রেশমের)	29-suits.	93	939
স্থানা (আল্লাহ সংক্রিয় সম্পর্কে অলভাবে স্থানেন)	৫-লথ ৫-মবিদা	93	6.02	বৃক (সবুজ বৃক খেকে জাচন তৈনী করেন জাল্লাহ)	৩৬-ইয়াসীন	bro.	500
प्राक्षाद नविष्कृ सारम् (कालानाद श्रमक)	8-991			লেম (জন্তানীনের স্কুজ বিহিন্দুক বেশনী লোগার বারবে)	৭৮-দাহর	33	386
অস্তাহ সবাকৰু ৰাদেন (কলালাহ প্ৰসঙ্গ) তপ্তবেধায়ত (আল্লাহ সবকিছুর তপ্তাবধায়ক)		749	642	শীব (সাজী সধুন্ধ শীব, যন্ত্ৰে দেখলেন রামা)	১২-ইউসুঞ্চ	86	99.7
	৩৯-যুখার	62	৮৭১	শীব (সাজী সবুন্ধ শীব, মলে দেখালন রাজা)	১২-ইউসুক	80	99.7
তপ্রবধারক (অল্লাংই সংক্ষিত্ব তপ্পবধারক)	৬-আন্'আন	305	606	সরুর (উদ্লিদ)	34-4074	80	96.7
তপ্লাবধায়ক (সংবিষ্কৃত্ব উপর তপ্লাবধারক আল্লাহ)	27- <u>\$</u> éé	24	666			_	_
দরজা (সবকিছু/প্রাচুর্যের দরজা উত্তক করার পর পাকফুাও)	৬-অশ্বাধ	88	699	উৎপত্ন (আপ্রাহ বৃটি ছারা সবৃষ্ধ উদ্ভিদ উৎপত্ন করেন)	৬ আন্আম	22	900
ধালে বর্জেল শরির বায়ু হুন জানির নবনিজু (আল্লাহর নির্দেশে)	86-सार्काक	56	970	সৰুজ-প্ৰায়ল		<u></u>	
নিদর্শন ও মানুহের কল্মানে নিয়েজিক (আকাশ-পৃথিবীর সংক্রিছু)	8१-मधिया	30	909	প্ৰিৰী বৃটির পানিতে সবুজ-পান্নৰ হয়ে ওঠা প্ৰসঙ্গ	२२-श <b>क</b>	40	966
পরিবেটন (প্রতিপালক সমস্থিত্বক জন্মনে পরিবেটন করে রেখেছেন)	৬-জান্'জাম	lino.	900	সবেশে নিৰ্গত			1
পরিবেউন (সাক্ষাহ জান বারা সববিষ্কৃতে পরিবেউন করে সাহেল)	৬৫-খালাক	×	365	পানি (সবেশে নির্গত পানি থেকে মানুহকে সৃষ্টি করা হয়েছে)	৮৬-ভারিক	٥	2021
পরিমাণ (অক্সাহ দববিষ্কুর জন্য নির্দিষ্ট পরিমাণ নির্বারণ করেছেন)	96-State		466	সবর (দেখুন হৈর্য শৃথটি)			
পৃথিবীর সবকিছুই মানুখের জন্য দৃটি করা হরেছে	२-शक्स	5,9	809	সবর (দেশুন ধৈর্য শব্দটি)	0	0	0
প্রতিপালক (আল্লাহ সবকিছুর প্রতিপালক)	৬-জান আম	208	925	স্থতক			i i
বর্ণনা (সবকিছুর বর্ণনামন্ত্রপ ভাওরাত অবভীর্ণ)	৬-জান্'আম	258	633	অপ্তাহর সমকক গ্রহণ করে মানুগ, অপ্তাহকে ছাত্রা	২-বাকারা	262	675
বিনিময়ক্তপে সবকিছু নিলেও ভা কিরামতে গ্রহণ করা হবেনা	৬-জান'জাম	90	905	অক্সাহর সমকক দাঁতু করার মানুহ (অনুস্তহ দাতের পর)	৩৯-যুমার	5	433
পঞ্জিমান (আল্লাহ সবকিছুর উপর সর্বপরিমান)	8-मिमा	9.5	693	অপ্তাহর সমকক দাঁত করার (মুশরিকরা)	৪১-কুদ্দিলাত	>	bring
শক্তিমান (আল্লাহ সনকিছুর উপর সর্বশক্তিমান)	२-राकृता	₹69	600	অস্তাহৰ সমকক নিৰ্দাৰণ কৰাৰ পৰিবাদ জ্বাধন	১৪-ইবরাহীম	00	096
পজিমান আল্লাহ (সববিষ্ণুর উপর)	79-915A	82	150	वाह्यस्य नातकः निर्वतः स करात् निर्दान	২-বাকুরে:	44	600
পর্কিমান (আল্লাহ্ সবকিছুর উপর সর্বপঞ্জিমান)	৬-আনু আম	29	297	প্রচিপাল্ডের সমক্ত গণ্য কর (ইংসিল্ডে)	59-9'खाडा र-नाकास		
পজিমান (জাল্লাহ সবকিছুর উপর সর্বপজিমান)	33- <del>यू</del> न	8	960	कार्य (क्कूब शास्त्र कार्या मिर्ट्स कि वार्या है)	৩৪-সাবা	95	120
সময়েত কর (সংবিদ্ধু সময়েত করেলও মুশরিকর স্বিদ্ধা আনরে না)	৬-আন আম	222	go9		00-4141	00	088
সর্বপঞ্জিমান (আল্লাহ সবকিছুর উপর সর্বপঞ্জিমান)	২-বাকুরা	Sap	625	সমকজ (উপমা)		_	_
সৃষ্টি (আস্ত্রাহ সববিজু সৃষ্টি করেছেন)	৬-আন কাম	202	600	বাস্তাহর জন্য সমকক/উপমা পেশ না করা	১৬-নার্গ	18	90%
এটা (আপ্তাহ সৰ্বনিক্স এটা)	०३-पुत्रात	62	b*16	সমকক নিৰ্বারণ			
প্ৰয়া (আল্লাহই সৰ্ববিদ্ধা প্ৰয়া)	৬-জন'জম	205	909	অল্লাংর সনকক নির্বাস করা (মিনি এক ইলাহ হওয়া সক্রেও)	২৭-নামল	90	Pot
হিসাব প্রথকারী (আপ্লাহ সংক্রিছর হিসাব গ্রহণকারী)	8-मित्रा	brb.	693	প্রতিশালকের সমকক নির্বাহন প্রদার	৬-আন্'আম	320	655
	Galantia.	-0	109	প্রতিশাসকের সমকক নির্বাহণ করে কালিবয়া	৬-আন্'আম	۵	696
সংগণিক সৃত্যু ভিত্তত বেচ্ছামীয় কছে সমনিক থেকে মুখ্যু আসনে বিস্ত্ৰ…)	vo Prod			সমকামিতা			
	38-इंस्तारीय	١٩	536	পুতের সম্প্রধার সমকামিকার অভ্যন্ত ছিল	३३-दुम	20	693
<b>স</b> বধরনের			$\Box$	শৃত সংগ্রের অপ্রীলকাজ/সমক্ষিতা প্রদাস	২৯-আনকাৰ্ড	45	P35
দৃষ্টান্ত (সবধরনের দৃষ্টান্ত পেশ করা হলেছে কুরজানে)	०७-युपान	ર૧	৮৭০	স্মকাগীন লোক		-	1.20
দৰ্বোক্ত				मुक्केक (बन्स देशांत फोन्द अक्साचीन (मानदान क्रम्ब मृतिक)	২-বাকুরা	00	209
পাল্লাহ দৰ্শেচ	8०-मूपिन	25	492	সম্ভাগ সম্পন্ন	4-112/21	96	404
কথা (আল্লাহর কথা সর্বোচ্চ)	৯-ভাগৰ	80	688	অস্তাহর সম্প্রসম্পন্ন কেট আছে বলে রাসুল স. ধানেন না	11 222		
দুরান্ত (সরোচ্চ দুরান্ত আল্লাহর, আকাশ ও পৃথিবীক্তে)	<b>00-ĕ</b> ¥	29	¥28	অস্ত্রাহর সম্ভণসম্পন্ন ক্রেড আছে বলে আবৃদ স. জানেন না সম্ভা	১৫-মারহ্রাম	96	309
স্বোরম			-				<u> </u>
কাহিনী (সর্বোধন কাহিনী ক'না করায়েন অস্তাহ রাসুল স্, এর নিবট)	32-वेंग्रेजन		911	মানবজাতি (সংখ্যা মানবজাতির জন্য রাসুল স. কে প্রেরণ)	৩৪-সাবা	54	784
भवान (शिक्रमानक गर्याक्य समान)				সমতণ			
	२०-मुमिन्न	202	112	পৰ (সমতল পৰে মানুষের চলাচলের জন্য পৃথিবীকে)	१५-ल्ह	₹0	394
স্বাট				প্ৰতিকে সমতল করা হবে কিয়ামতে (এক গ্ৰভাৱ)	७७-शंबार	38	396

74 Marian - Mary 278	मुबा न् ७ मान	1917	नका	अस्तिकातः विश्वा/धनम	नुवा गर ७ माम	NOT N	98
अप्रका (श्र्व श्री (श्रुक)	ger is a ne		.42.	মনার্কীদেরকে বেদিন সমকেত করকেন আল্লাছ (দল ছিলাবে)	১৯-মার্ট্রাম	pro	38
নমারল (মুন মূল কেন্দে) পরান্ত্রক নমারল করা (প্রতিশালকের জ্বেতির প্রকাশ প্রদাস)	৭-আ'রাফ	280	646	মণ্ডিকদেরকে লমবেত করবেন আল্লাহ (ভিয়ামতে)	৩৪-সাবা	Ba	781
পথিৱী প্ৰবিচৰ্গ হবে (বিভাগতে)	79-1780 79-1780	300	2055	লোকসেরতে সময়েত হওয়ার জন্য বলা (ক্রিরাটনের জাপ)	২৬-৩'জারা	60	939
পূলবা দুশাবদুশ হবে (কোমতে) প্রাচীর সমতল করে নিবেন প্রতিপালক (প্রতিক্ষক সময়ে)	23-4026 39-6440	43	3055	সঞ্চাতে সমূত্রত করার নিন/কিয়ামত প্রসঙ্গ	৬-আন'আম	43	6.9
প্রায়ের সমাতল করে লাকে প্রত্যালক (প্রাক্তেক সমরে) এটা ক্রেক্সাং কিরামতে পর্বত্তক সমকল ক্রমিরণে রেখে পিকে)	50-81-8]	204	181	সকলকে সমবেত করার দিন (কিরামত প্রবঙ্গ)	6-জান'জাম	240	80
ভূম (অক্সং করামতে শততকে নমকল ভূমকলে তেনে লেকে) ভূমীনতে সমস্তল করা হবে কিয়ামতে (এক থাকার)	59-886 50-61-61	38	707	সবকিছ সমূৰেত করলেও ঈশ্বান আন্ত্রে না মূৰ্যবিক্রা	৬-আৰ'আম	222	80
				সুশাইমানের জন্য জিন, মানুষ ও গাবিসের সমধেক করা	২৭-নামণ	29	80
ছান (ফিরমাউনের জাধুর জন্য বহুতল ছান নির্ধারণ)	২০-ফু-য	62	988	मुमारकार्थी	4 (10)(4)	27	00
সমতল পথ							
মানুবের গতবোর পথ পাওরার জন্য সমতল পথ সৃষ্টি	২১-আধিয়া	42	922	মানুষ্কে সমবেতভারী প্রতিপাক্ত (কিয়ামতের নিন)	৩-আলে ইমরান	à	60
সমতল ত্মি				সময়না			_
প্রাদান (নামকন ক্ষমিকে গ্রাসান নির্মাণ করত ক্ষমুদ সম্প্রদায়)	९-जा'शक	98	679	কাফিবলের সময়দানের ক্ষেত্রেও অন্তরাল করা হরেছিল	৩৪-সাৰা	89	78
সম্ভা				সময় (আরো দেখুন কাল/যুগ শব্দটি)			
ছীলের মধ্যে লমকা রক্ষা প্রশঙ্গ	8-নিসা	54%	099	অভিযাহিত (এমন সমত অভিযাহিত হওৱা যখন মানুখ	৭৬-দাহর	١.	22
প্ৰভাৱকা				উল্লেখযোগ্য হিলানা)	10-1149	١,	0.0
হীলের মধ্যে সমতা রক্ষা করতে না পার্রর আশব্দা থাকলে		_	-	অবকাশ (আল্লাহ মানুবকে নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত অবকাশ দেশ)	১৬-নাহুল	43	90
श्रुव विद्य	8-निमा	٥	669	আল (নিৰ্দিষ্ট সংব্ৰ আন্তৰ্গ বা বিশ্ববিদ্য/মূৰ্বান্বিত কৰা বাহ দ)	১০-ইউনুস	68	60
সমন্ধ্য	_	-	-	আৰা (নিৰ্নিট সময় অসলে মানুধ কুৱাছিক/নিদাধিক বন্ধকে পায়ে না)	১৬-নাত্ৰ	65	90
প্রমন্ত্রণ। আল্লাহর সমস্কল্য কেউ নেই	১১২-ইপলাস	8	2006	উপেকা করা কাফিবসেরকে, কিছু সময়ের জন্য	৩৭-সাত্দাত	3%	50
বাল্লাহের সমস্থল্য কেত দেহ আন্তাহর সমস্তল্য কিছাই দেই (সৃষ্টি প্রসঙ্গ)	324-64403	33	5000	উপেক্ষা )কাফিবদেবকে বিস্কৃত্যমন্ত উপেক্ষা করার নির্দেশ )	৩৭-সাক্ষাত	298	bis
	94-54	33	444	উপনীত হওৱা (অল্লাহ নির্দাহিত সময়ে উপনীত হওৱা, বিবাহত প্র.)	৬-জান আম	349	40
সমপরিমাণ				উত্তের জন্য (প্রব্যেক উত্তের নির্নিষ্ট সমস্থ আছে)	১০-ইউনুস	83	60
পুথবীর সমপরিমাণ সম্পদ মুক্তিপণ দিতে চারে জলিম	৩৯-বুখার	89	28.4	বস্ম (সময়ের কসম)	১০৩-আসর	3	Sar
পূর্ববীর সরবিদ্ধু ও কার সমপরিদালের বিনিনরে দুক্তি চালে করা	३०-शाभ	7.	680	কিন্তামতের সময় আপ্তার ছাড়া কেউ প্রকাশ করতে পারবে না	৭-আ'রাড	25-9	00
সমৰয়সী				বিশ্ব সময় পর সকা কলে মুক্তি পাঁৱর বৃক্তি (ইউসুয়ের কথা)	১২-ইউলক	80	Q.
্বতী নারী রয়েছে (মুবাকীদের কণ্য জন্ত্রতে)	१४-मरा	00	4004	জীবনে ডোলের সুযোগ বিস্কৃতাল (উউলুসের উন্মারনের)	৩৭-সাক্ষাত	286	M
য়ী (সমবর্তনী শ্রীগণ জন্নাতে থাকবে মুরাকীদের ধন্য)	৩৮-পোয়াদ	65	249	কুরাধিত (পিনির সময় আন্মান মানুধ তা কুরাধিত করতে পারে না)	১৬-নারশ	65	90
চুরণন সমবরসী হবে (ডানের সাধীদের জন্য)	०७-धरावित्राड्	09	988	ভবাধিত/বৈদ্ধিত করতে পাধ্বে না (৬৬ (নিনিট্ট সময়কে)	১০-ইউনস	85	30
সমবেত				দীর্ঘ সময় অভিবাহিত হয়েছিল (কিভাব প্রাপ্তদের উপর)	৫৭-হাদীদ	36	28
রপরাধীনের নৃষ্টিইন করে সময়েত করার দিন (কিরামকের দিন)	२०-पर-श	205	181	निकीवर्की गामा नर्वत्र जनकान शार्थना (गुष्ट (चंद्रक)	a_filat	99	24
আল্লার দিকেই সমবেত করা হবে মানুষকে	৮-জনহাল	2,8	908	सिक्टीवर्जी त्राव गर्थक खरवान अहित कानिमता	0.111		44
আল্লাহর শক্রদেরকে সমধ্যেত করা হবে (আওনের নিকট)	৪১-ফুস্সিলাভ	55	PVC	(femine)	38-देवतादीम	88	98
অপ্তাহ সমাবত করকে (থরা ইবসবাকে শক্ষাঞ্চনক মান করে)	8-निश	245	ens	निक्रीवर्की नवाइस कर। युगुकाल क्षर्यन (सम्भाववर्ष क्षत्रक)	৬৩-মুনাঞ্চিকন	30	86
আল্লাহর কাছে সকলকে সম্বেতক করা হবে	৫-মারিদা	3/5	695	নির্বিত সময় পর্যন্ত উত্তম কোনোমুলী আনহাকে নিবেন যাব	22-8F	0	86
আল্লাহর দিকে সকলকে সমাৰত করা হবে	৬-জান'জাহ	42	600	निर्मित्र मधाराव मिन लाग विवस्तिमान करनान	20-fews	alv	30
আল্লাহর নিকট সমনেত হলে মানুস	৬৭-মূলক	28	590	निर्विष्ठ नवाक तथा तथा करात स्थलान (हावम सांकिक)	०३-वातिसार	86	24
অস্ত্রাহর নিকট সমবেত করা মৃত্যুর পর (মুমিনদেরকে)	৩-আলে ইমরা	325	023	নিবিটা সময় পরির কার ক্ষেত্রতা করলে তা লিখে রাখার বিধান	২-বাকার্য	25/2	20
উপাসক ও উপাস্যদেরকে সমূবেত করবেন থেমিন আল্লাহ	20-360404	29	3000	নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত কাছিবলেৱক অবকাশ	১৪-वेरवारीम	30	63
কাঞ্চিত্ৰচন্দ্ৰকে সমবেত করা হবে (জাহান্তামে)	৮-জানকাল	06	944	নিনিট সমগ্র পর্যন্ত করবেনীর পশু থেকে মানুয়ের উপকার		30	Ø1
ভিৱামতের দিন ভালেরসেরতে সমূতের কর্তন আল্লাহ	27-3045	89	955	প্রহণ প্রসঙ্গ	২২-হান্দ	00	98
বেপন পরামর্শ (সীমালক্ষন ও রাজা স. কে জনান্য করার আশরে)	৫৮-মুজামালা	9	960	অংশ প্রশাস নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত চাল ও সূর্যা পরিশ্রমণ করে	৩৫-ফাডির	30	7.5
ভাদ প্রদর্শনের দিলে পোকসেরতে সময়েত করা		-		নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত চাৰ ও বুৰ পাৰপ্ৰমণ কৰে নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত প্ৰৱোধে (চন্দ্ৰ-সূৰ্য) পৰিক্ৰমণ কৰে	৩৯-তুমার	9	5-4
(মুনা/ফিরমাউনের জানু)	২০-জ-হা	6.9	988	मिनिक नम्बर नवक शरकारण (क्यू-न्व) नाम्यमा नवस मिनिक नम्बर नवक शरकारण अरुगर अरुगर (अर्थ्याम (अर्थ्याम)	২২-হাক	0	190
লাহান্তাবে সমবেত করা হবে কাফিরসেরকে (কিরামতে)	৩-আলে ইম্যা	25	009	সক্ষার সময় করে জনাযুক্ত ক্রকের অবস্থান (আল্লারর রয়েন্ড) নির্ভন্ন সময় আসলে কেই নির্দাধক/কুরা ক্রিক করতে পারবে না	২২-হাজ ১০-ইউন্স	83	660
জালিমদেরকে যে দিন সমবেত করা হবে(মুশরিক প্রসঙ্গ)	২০-ইউন্স	82	957		৩৫-কাভির		
লপিম ও সামেনের সমাধ্য করে কার্যন্তামে প্রস্তাপর নির্দেশ	৩৭-সাফফাড	22	beb	নিৰ্দিষ্ট সমন্ত ভাসলে(ভাত্ৰাহ বান্দার ব্যাপারে পূর্ণ দৃষ্টিবান)		84	bd
প্রিটান অনুসাম সমূহত করার কালা প্রক্রিপালককে বিভাল	২০-ডা-ঘ	240		নিৰ্যান্ত্ৰিত সময়ের দিন পৰ্যন্ত ইবলিসক অবকাশ প্ৰাপ্ত	৩৮-লোৱান	9.2	Ъ,
নুমন্ত্রীন অবস্থার সমাবেত হবে বিয়ামতে (অল্লাহর "অশবিদ্ধুন বাঞ্চি)	২০-ডা-ঘ	348		দির্ভারিক সময় পর্যন্ত অবকাশ (মানুহার মানে চুয়ের ফালাশা প্রকাশ)	৪২-পূরা	28	bi
প্রচার অবস্থা নামকে কর করকে আস্তাহ আগায়ুল অক্সায়… পথ্যস্ত্রালেকে সম্ভাবত করকে আস্তাহ আগায়ুলী অবস্থায়…	১৭-ইসরা	24	199	নিৰ্বাহিত সময় পৰ্যন্ত পৌছে (অনুধানন করার মন্য)	৪০-দু'মিন	હવ	bi
পথপ্ৰস্কাপেরকে সমধ্যে করবেশ আক্সাহ অবস্থাপ্র আৰক্ষায় পথপ্ৰস্কাদেরকে সমধ্যেক করা হবে স্কাহান্তানে (অধ্যানুষ্টী করে)	২৫-ফুরকান	82	144	নির্দারিত (সময় নির্দারিত ররেছে কবিবলের ঋন্য)	১৭-ইপ্ৰা	99	1
প্ৰভাৱনেরকে সমলেক করা করে জাহান্তানে (জাবানুকা করে)। পাকি (সময়েক পাকিরাও আল্লাই অভিযুক্তী)	दश-द्रवकान दश-द्रमञ्जाम	79	200	নিনিষ্ট সময় না থাবলে শাস্তি অপরিহার্য হত	50- <u>21-£</u>	249	
	20-Ems			নিৰ্নিষ্ট সময় (চন্দ্ৰ-সূৰ্ব নিৰ্নিষ্ট সময় পৰ্যন্ত চলগে)	১০-রা'দ	3	60
প্রতিগালক সমবেত করবেন (পূর্ববর্তী ও পরবর্তী সকলকে)		20	689	নিষ্ঠায় সমগ্র পর্যন্ত অববাশ (নূহ আ, সম্প্রানারের ইবানত প্রসাদ)	<b>७</b> १-मृद्	8	21
প্রতিপালকের দামনে সমবেক হবার তথ্য করে যারা	ও-জানু আম	57	600	নিৰিষ্ট সময় পৰ্যন্ত আল্লাহ মানুষকে অধকাশ দেন	১৬-মাহ্ল	65	۹,
প্রতিলাঙ্গতের নিতে সংক্রিছকে সমবেত করা হবে	৬-জান'জাম	06	699	নিৰ্দিষ্ট সময় পৰ্যন্ত আল্লাহ মানুষকে অংকাশ দেন	৩৫-ফারিব	80	v
নানুষকে সমৰেত করার দিন সুপরিক ও দেবতাদের অবস্থা	৪৬-আহ্কাফ	8	aov	নিৰ্নিষ্ট সময়েৰ জন্য সৃষ্টি (আকাশ-পৃথিবী ও সৰবিদ্ধু )	৪৬-আহ্বাফ	0	34
মানুষকে সমাৰেত কৰা হৰে সাল্লাহৰ নিকট	२०-मुमिग्न	93	447	নিনিষ্ট সময়ের নিকে চলমে প্রকারক (চন্দ্র-সর্ব প্রসঙ্গ)	৩১-পুরুমান	33	b
যানুষ্কে সম্বেত করা হবে সাল্লাহর নিকট	২-বাকুারা	२०६		নিনিষ্ট সময়ের লকে চলমে তাজেকে (চন্দ্র-পূথ তালস) নিনিষ্ট সময়ের জন্য আস্তাহ ঘমন্ত জীবের প্রাণ ফিরিয়ে সেন	৩৯-ব্যার	84	P.
যানুষ ও পরতানলেরকে সমবেত করবেন জাহান্নামের কাছে	১৯-মারইয়াম	901	40%				
ভিত্ত অভিনিত্তকালৈর কিন্তানত সমূলত করা প্রবেদিক্পিত্র নিবা)	২৭-শাম্প	bro	Pod	निर्निष्ठ गमारहद बना (आकान ७ পথিবী সৃষ্টি)	৩০-জম	b	100

नव विस्तृह्यम	नुशास असम	925 6	767	77 . SH/AT	THE R WHE	100	नुका
সময় (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)	DAMAS	-	-	সমীগ্র	DESCRIPTION NAMED IN	-	11600
নিৰ্নিষ্ট সময় পৰ্যন্ত শান্তিতে বিশব্দিত কৱলে আফির বলে	22- <u>6</u> 4	ъ	966	বাশার (সম্বীশত বাশার অনুমতি ছার তেল বার দা দুমিনাগা)	<b>२8-मृद</b>	95	39-3
পরিপ্রশের সময় পায়নি (অতীতের বছ স্কনগোরী)	৩৮-সেরাদ		brbb	সমসংখ্যক	20.6	-	
পৃথিবীতে একটি সময় অবস্থান ও জীবনোপ্রচাগ বল্লেছে	1-20,000	28	638	রোব (কাবন্সরাধারণ সমসংখক রোব, মুর্যারামা শিকার প্র)	৫-মার্চিনা	267	625
বিশক্তি করা হর না (আল্লাহর নির্ধারিত সময় আসলে,)	13-99	8	39/8	সমসামত্তিক	4-405-0	94	ga-
বিলম্বিত/ভুৱান্বিত করতে পারবে না তেওঁ (নির্মিষ্ট সমন্ত্রে)	১০-ইউদুস	85	690	অন্যান্ত্রত অনুষ্ঠান হব সমার্থকৈ ও পর্যাইনে জন (খন আরম্ভা,)	৫-মাছিল		
বিগলিত (নিন্দির সময় আসলে মানুষ তা বিগলিত করতে পারে লা)	১৬-নহল	63	909	SERRE	6-4064	228	678
বেৰুৱা (বা সামা অধিবাসীর কোনর তথ্য দুসা আ, পহার প্রবেশ_)	২৮-কাশ্যন	34	505		1	_	-
(अनुसार्यो, दस्की नवास बना (नवा ननव्(लावहूल)	১৬-নাহৰ	bro	90%	ইক্ষত (নিচয় সময় ইক্ষত আপ্লাহৰ কব্য)	১০-ইউনুস	94	990
(জগ-নিশ্বদের সুযোগ, এবটি সময় পর্যন্ত(ইউনুস সংগ্রহণবঙ্গে)	১০-ইউনুস	99-	990	ইন্দত (গনা ইন্দত,গনান অস্তান্ত, অভিনতে বস্তু বনলৈ গ্ৰেগ্ৰ	8-निग	20%	648
রাসুলগণের সময় দিবারণ করা হবে (কিয়ামভের দিন)	৭৭-মুরুনালাভ	32	331	সূত্র-কর্ত্ত (সমস্ত সূত্র-কর্ত্ত থেকে আল্লাহ উদ্ধার করেন)	৬-আন্'আম	48	907
রাতের সময় ইবাদাতের দিক খেকে অধিক কার্যকর	৭৫-মুদ্বাধিল	0	birtr	সমান		L.,	
শান্তির সময় নির্দিষ্ট না থাকলে তা এনেই যেত	২৯-জানকানত	60	950	অংশীলর (পাস-গাসী রিবিকে সমান অংশীলার প্রসঙ্ক)	20- <u>2</u> 2	રુષ્ટ	₽₹8
সময় (দিব্যক্তি দিলের দিব্যক্তিত সময়ে সকলকে একব্রিত করা হতে)	৫৬-ওয়বিয়াহ	60	384	অন্ধ ও চকুম্মন সমান ন্য (উপমা)	৩৫-ফাভির	37	784
সমূর আসা	ec-oatras,	40	1004	অস্থকার ও আলো সম্বাদ নয়	<b>३०-हा</b> म	36	99.9
মুখ্যমন্ত্ৰের হলর বিগলিত হওরার সময় কি আসেনিঃ	৫৭-হাদীদ		282	আঙনের অধিবাসী ও জান্নাতের অধিবাসী সমান নর	৫৯-জন্ম	₹0	363
সময় (৪৮৫)	¥1-4999	20	300	অস্তারে নিত্ত সমন ন্য ইবন জনা ও হার্মদের পনি পন,,	৯-জাওৰা	7.9	489
প্রায় (ইক্তের জন্য নিনিষ্ট সময়ের প্রের পৌজ্লে,		-	$\vdash$	জন্মহর কাছে সমান (কথা গোপন করা বা প্রকাশ করা)	১৩-রা'দ	30	20.0
তাৰা (হৰতের জন্য নামত সময়ের সেবে শোহালে,	৬৫-আপার	1	560	আহলে কিভাৰৱা সকলে সমান মত্ৰ	৩-আলে ইমরান	770	683
	_	_	ш	উপমা সমান নত, পু'নদের (পৃষ্টিশন্তি ও শ্রবণশক্তি প্রসঙ্গ)	১১-যুদ	48	664
সময় (কাল)			ш	উপদেশ নেয়/ম দেয়া আদ জাতির জন্যসমান (বুদের উপদেশ)	५७-७,खाध	709	9342
লীবনোপজেগ (বিছু সময়/কাশের ঋন্য মানুহের লীবনোপজেগ)	২১-অধিয়া	222	929	এক পুরুষ/পুত্রের জপে দুই নারী/কন্যার জন্মপর সমান	৪-মিসা	22	429
धारम करता ("मध्यदि यनुषदक धारम करत' -व्यक्तियस्त धारमा)	৪৫-দাহ্যি	2,8	200	কাষির ও দুমিন সমান হয়ে যাওয়া (কাফিরদের কামনা)	৪-মিলা	bp	Ø66
সমন্ন (বিশ্বাহত)		_	ш	ক্ষমা প্রার্থনা করা বা না করা মূল্যকিবলের জন্য সমস	৬৩-মূশ্যফিকুন	6	366
নির্বাহিত সময়/কিয়ামত আল্লাহর কাছে বরেছে	৬-আৰ্'আম	1	6,89	স্থান্য স্থান স্থান (কিনান প্ৰসূত্ৰ)	৫-মাছিল	80	200
সময় (নিটেট সময়)	L			স্থানানো (রাপুদ ব. সকলকে সমানকাবে জানিরেছেন,	২১-অধিয়া	203	929
জাসু প্রদর্শনের নির্নিষ্ট সময়/ছাদ নির্থারভার জন্য	२०-झ-स	gy	988	বিসলাত/পারি হসঙ্গ)		***	
ফিরজাউদের জাহবাদ	do-bi-d	69	1,00	ছিহানকারী ও বনে থাকা মুখিদ সমাদ নর	8-দিলা	96	660
সময় নিৰ্দেশক				ছীবন/মৃত্যু সমান নয় (মত্যকাশীল ও সংকর্মনীল মুমিনের)	8ए-साहेश	٤٥	909
নতুন চলৈ সমন্ত নিৰ্দেশক	২-বাকুরে	729	657	জীবিত ও মৃত ব্যক্তি সমান নর (উপমা)	৩৫-ফাতির	44	784
সময় নির্ধারণ	1			ভাৰা বা চুপ থাকা সমান (পরীকনেরকে)	৭-আগ্রাক	790	600
যুদ্ধের সময় নির্দারণ করত বনি মুমিনরা (বনরবৃদ্ধ প্রসঙ্গ)	৮-আনকাশ	84	600	দাস ৫ উত্তম বিধিকতাঙ্ক ব্যক্তি সমাম নয় (উপমা প্রসঙ্গ)	১৬-মাহুগ	%	909
রাসুলগণের সময় নির্ধারণ করা হবে (কিয়ামতের নিন)	৭৭-যুহ্দালাভ	22	225	দানকারী ও মানিকানাধীন দাস সমাম নর (উপমা প্রসঙ্গ)	১৬-দাহল	90	40%
সময় নিধারিত				দুটি বহুদ্র সমান নর (একটি সুমিষ্ট ও একটি লোমা)	৩৫-ফাডির	34	784
ফরজ (নামান্স কারেন মুমিশদের উপর নির্বারিত ফরক)	৪-নিলা	200	290	দৃষ্টিহীন ৫ দৃষ্টি সম্পদ্ধ সমান না হওয়া প্ৰসঙ্গ	৬-আন্'আম	60	900
সময় (নিধারিত সময়)		-	-	দৃষ্টিবীন ও দৃষ্টিসম্পন্ন সমান নর	8०-मु"भिन	62	500
একর কর (বিশ'ক্ষাইসম জনকরসমূল নির্মানত সমূত্র একর কর)	২৬-হ'মারা	45	4300	দৃষ্টি সম্পদ্ধ ও দৃষ্টিহীন সমান শা হওয়া প্রসঙ্গ	৬-আন্'আম	ψo	800
প্রত্যেক সংবাদের ক্ষম্য নির্মারিত সময় আছে	৬-আন'আম	99	902	দর (এক/জনেক প্রকৃত কবীন মু'ব্যক্তি কি নয়ানঃ)	৩৯-যুমার	રક	240
সময় (মৃত্যু)		-	-	শারবিসংখ্য নির্দেশনাকারী ও বোবা সমান মর (উপমা)	১৬-নাজ্য	95	90%
আন্ত (মৃত্যুর সময় এসে শেলে আন্তাহ কাইকে অবকাশ দিকে ন)	৬০-ফুবফিকুন	22	366	পাপাচরী ভূমিকের সমান নর	৩২-সাঞ্চন	29.	5007
নির্নিষ্ট করা (আপ্রাহ মৃত্যুর সময় নির্নিষ্ট করেছেন)	৬-জাল'কাম	3	699	বলী (বাতহাঁলে বলী ফুলিম ও আংলি কিজবলের মধ্যে সমস)	৩-আলে ইমরান	68	₹83
भवा (पुढाव)	9 -11/1004	1	100	বিশ্বরের পূর্বে বৃদ্ধ করা আর বিশ্বরের পরে কৃষ্ণ করা এক সমান নর	৫৭-হসৌদ	20	782
বিভাবে নির্বাহিত আছে মৃত্যুর সমগ্র	৩-জালে ইমরান	150	402	ব্যিলাক হল্মে ও বৈর্যধারণ উভাই সমান (অহছারিদের জন্য)	১৪-ইবরাহীম	52	6542
	U-41/4 84914	262	693	বোৰা ও ন্যায়বিচারের নির্দেশনানকারী সম্বাদ নয় (উপমা)	১৬-শহুল	95	900
সমর্থ আল্লাহ দৃতদের অনুরূপ সৃষ্টি করতে সমর্থ…	৩৬-ইবাসীন		-	অব ও মদ সমান নয়	৪১-ফুগুসিলাভ	48	ppp
প্রস্তাহ ধৃতদের অধুক্রণ পূত্র করতে নমধ্য প্রসিয়ত করতে সমর্থ হবে না, কিয়ামতে (কাকিবরা)			969	বন্দ ও তাপ সমান নর (মন্দের অধিক্য মৃদ্ধ করলেও)	৫-মান্ত্ৰিশ	200	690
	৩৬-ইয়াসীৰ	Go	b/28	মবজিতুৰ হারামে কংছানকারী ও বহিত্রগত সমান	২২-হাজা	20	960
সমর্থন (পরস্পরকে)				বুরিদের সর্বাদ দর (পাপামরী)	৩২-সাঞ্জা	75	507
একে অপরকে সমর্থন করে (ভাওরাত ও কুরআন)	5P-9000	87	9.25	মুমফিকবের জন্য সহান (ক্ষয় প্রর্থনা করা বা না করা)	৬৩-মূলফিকুল	9	358
সমর্পণ (ঝারো দেখুন হসলাম/মুসলিম/ঝাঞ্চসমর্পণ পঞ্চাট)				মৃত্যু/জীবন গন্মন নয় (মালকর্মশীল ও সংকর্মশীল মুখিনের)	৪৫-জাছিয়া	52	pop
অস্ত্রাধ্য নিকে তেথাতে সমর্শনকরী সমপুত হাতদ ধরদ বত্তা	৩১-সুকমান	45	からか	যারা লাদে ও যারা জাদে না যারা সমান নয়	৩৯-বৃমার	ъ	৮৭২
সাপ্তাহর নিকট নিজেকে সমর্শগকারীর প্রতিদান	২-বাকুরে		670	র্মিত্রক সমান হয়ে থাবে -এতনি রিখিক দাস-সাসীকে কেই দেৱস	১৬-শহণ	93	107
সাপ্তাহর নিকট সমর্গন করল (মু'মিন বাকি ভার ব্যাপার)	৪০-মূমিদ	88	בינים	সতর্ব করা (কাহিবদের সতর্ব করা মা করা সমাম)	২-বারুবো	6	603
তেথার (দিক্ষকে) সমর্শণ করেছে ব্যস্তুল স. ও তার অনুসারীর	৩-জনে ইম্যান	২০	१०९	সতর্ব করা বা না করা সমান (কাছিত্রা ইমাণ আগ্রেব পা)	০৬-ইয়াসীদ	30	267
এখনতে অপ্তাহর দিবে নার্যপন্তারী মন্তব্যুত ব্যবদা ধরণ করে	৩১-পুতমান	44	464	সম্ভব না (পৃথিতীৰ ও পৃথিসম্পন্ন সমাৰ ময়)			
নিষ্ণেকে আপ্রাহর নিকট সমর্পণকারীর প্রতিমান	২-বাকুলো	225	670		30-81°H	39	99/9
সমষ্টি				সহ্য করা বা বা করা সমান (স্বাহান্ত্রামীদের)	१२-ज्व	36	252
একই জনসময়িতে দিয়ে জাসকেন অল্পাহ সবাইকে (বিনামতে)	১৭-ইসরা	308	Q.hm	হারান বিষয়সনূহ সন্মন সমাস	২-বাকুরো	328	655

সময় সমাদ

मक	न्यां कः अनाव	alta s	781	THE STREET, ST	ज्हां कर इ बाय	<b>100</b> 1	
সমান (অনুক্রপ)			Г.	পুল (সমুহার পারের জনগদ সম্পর্ক জিঞাস, মাছ শিবার প্রসাল)	৭-জা'বাক	300	626
দুই নারীর অংশের সমান (অনুরূপ) পাবে এক পুরুষ	৪-নিলা	295	4%	পৃষ্ঠ (সমুদ্রের্ড নিখন পাড়িয়ে থাকা জায়জ নিবৰ্ণনম্বৰূপ)	৪২-শ্রা	00	776
PIETS				প্রবহিত (পরস্পর মিশত পুর সমুদ্রতে অপ্তাহ প্রবহিত করেছেন)	৫৫-বাহ্যান	7.9	≥8€
কুরাজন পাঠ সমান্ত হলে জুনার সম্প্রাপরের নিমট ফিয়ে শেল	8५-जाइनाव	325	>>>	প্রবাদ উৎপদ্র হয় (উচর সমূল থেকে)	৫৫-রাহ্যান	55	≥8<
ন্মান সমায় হলে নিভিন্তে, থসে ও গতে আল্লাহকে স্পানের নির্দেশ	8-991		290	কালান (ছলে ও সমুদ্রে ফালার প্রকাশিত হরেছে)	৩০-জুম	87	2.50
	0.1001	200	Ø 10	ফেলে নেয়া (নিও মুগর সিন্দুককে প্রণরে ফেলে দোরা)	২০-ড়া-ঘ	030	480
সমাবেশ		-		বন্দ (আনম-গরান্ত হলে ও সমুদ্র বন্দ করেছেন আন্ত্রাহ) বিজ্ঞোতিত হবে সমুদ্র (তিয়ামত তল হলে)	১৭-ইস্রা ৮২-ইনফিভার	90	450
প্রথম সমারেশেই থের করে দিলেন আল্লাহ (কাফিরদেরকে)	৫৯–হাশর	2	200		30-59-54		203
गदक (राष्ट्राव्ह १८४ अस्ट, विमायस्थ्य और प्रयानपारम पोरान)	৫০-কৃফ	88	348	ত্রপ (আল্লাই মানুধকে সমুদ্র ও ছলে ত্রমণ করান) মাহ সমুদ্র চলে যাওয়া (আচর্বজনকভাবে)	?৮-বার্ফ 30-ব্রক্ট্র	90	986
সমালোচনা (উল্লেখ)				মাহ সমূপ্র হলে বাওয়া (আচনবদনতাং)	39-015A	62	943
ইবরাহীর আ, কর্তৃক মৃতির সমালোচনা এসস	২১-জবিরা	90	928	इक्र वेश्व हर (केंक्र न्यून (श्रंक)	००-डाइबान	33	38:
উপাস্তাের সমালােচন/উল্লেখ ( রানুল ন. রাসঙ্গ)	২১-আছিল	00	922	পিকার (উর্বাম অবস্থার সমূপ্রে শিকার বাওরা হাপাস)	৫-মাইল	100	69:
पृथ्वित नवालाञ्च (देखादीय चा. कईक मृथ्वित नवालाञ्च (१५१४)	২১-অধিক	èc	928	সংযোগভূলে না পৌছা পর্বন্ত মুলা আ, ধামবে না (মুলা আ.	-	100	
সমানীন (আরো দেখুন উপবিট শগটি)				6 विक्रिय क्ष्मण	३४-वाद्य	90	943
আরপে (আল্লাহ ভারপে সমাসীন)	११-शरीन	8	367	সমুদ্রের(মৃই সমুদ্র তাদের অভ্যার অভিক্রম করতে পারে মা)	৫৫-রাধ্যান	20	380
আরপে সমাসীদ হল আল্লাহ (আকাশ-পৃথিবী সৃষ্টির পর)	২০-ইউবুস	0	628	সার (সার সমুদ্রতে অলি বনালেও অধ্যাহর বলী লেখা পেব হরে ম)	৩১-পূক্মান	29	5/31
আরপে সমাসীন হল আপ্রাই (আতাশ-পৃথিনী সৃষ্টির পর)	৩২-সার্ল	8	200	হিব (সমূদ্ৰকে হিব থাকতে দিতে আল্লাহ বলদেন মুসাকে)	৪৪-সুখান	₹8	800
		45	996	স্থীত করা হবে সমুদ্র (যধন বিরায়ত শুরু হবে)	৮১-ভাকভীর	6	200
আরপে সমাসীন হরেছেন আল্লাহ (আকাশ পৃথিবী সৃষ্টির পর)	২৫-যুৱকান	68		সমূপ্র (দুই সমূপ)			_
আরশে সমাসীন হরেছেল আল্রাহ	৭-মা'রফ		672	প্রবাহিত (দুই সমুদ্র প্রবাহিত করেছেল আল্লাহ, পাশাপাশি)	২৫-ফুরকাশ	6.0	950
আরশে সমাসীন হরেছেন (দরামর আল্লাহ)	২০-জা-যা	2	483	সমূল (মীগ মদ)			
নারশে নমানীন হরেছেন আল্লাহ	20-4174	1 2	677	বিভক্ত করা (মুদার সমপ্রদারের জন্য সমুদ্রনীল নদকে বিজক্ত করা)	২-বাকারা	60	20
সমূদ্র	1			সমূত্র	1		_
নদকার (সমুদ্রের অন্ধকার থেকে অস্তাহ উদ্ধার করেন)	৬-জার'জাম	60	602	আপ্রাহ সমূলত ও প্রমায়ত্ত	82-70	63	73
অন্ধর্মর (সমুদ্রের অন্ধর্মারে কারকার মাধ্যমে পথ পাওয়া)	৬-জান্তাম	31	906	আল্লাহ সমুদ্রত ও সুমহান (আকাশ-পৃথিবীর সববিদ্ধুই তার)	8२-जुड़ा	8	773
অঞ্চৰাত্ৰ (গভীৰ সমূহ্যের অঞ্চকারের মত কাফিবাসের কাঞ্চ)	28-44	80	995	বৰুৱান/উত্থল বিভাবে প্ৰভাৱেই ও সমূৰ্যত	80-गुपरूप	8	73
জন্ধকার (সমৃত্যুর অন্ধকারে আল্লাহ পথ প্রদর্শন করেন)	২৭-বাহল	60	pos	থর (মর্গজন) সমুদ্রত বাধার নির্দেশ নিরেছন আল্লাহ	২৪-দূর	00	99
অন্তরান(দুই সমুদ্রের মারে আল্লাহ অন্তরাল স্থাপন করেছেন)	২৭-বামল	95	3ord	রাসূদ স. এর উদ্রেখকে আল্লাহ সমুদ্রত করেছেন	১৪-ইন্পিরাহ	8	204
অপস্থার (সমুদ্র থেকে অপস্থার/মুক্তা আহরণ রাগক)	১৬-বাইল	28	108	সহীকা (সমুদ্রত সহীক্ষর কুরঝার লিপিবছ আছে)	৮০-জাবাসা	78	200
অথাত (গাঠির আঘাতে সমুদ্র/নীলননে পথ হওরা প্রসঙ্গ)	२७-व' <b>वा</b> व	90	393	अपूर्व			
অধ্যর (সমুদ্র থেকে ভাষা গোপদ/মাহ আহার প্রসঙ্গ)	১৬-মাহুদ	38	308	ক্ষাপ্রার্থনা করলে আস্তাহ সন্তান/সম্পদ কিয়ে সমৃত্ব করকে	<b>१</b> ১-मृद	38	2018
ক্ষম্ম (স্থাত সমুদ্রের কমম)	१२-इद	9	959	(বৃহ আ, প্রসঙ্গ)		34	
				মূহ জা, সম্প্রবাহক জন্তাহ সমৃদ্ধ করলে (ক্ষমপ্রার্থনা করল)	१५-मृद्	25	29.0
মাদি (পৃথিধীৰ সমূলপ্ৰায়কে মাদি কৰালেও স্ক্ৰাহৰ কৰা শেষ হ'ব ন)	৩১-পুকরান	5.8	1457	সম্পত্তি			
লালি হলেও (রবের বাণী লেখা শেষ হবে না)	79-4456	309	900	ক্ষে কর (অবস ও সম্পরি থেকে বাদেকে কর করে পেরা হয়েছে	৫৯-হাশর	b	he
ককে ভরত থিসকিলরা (নৌকার সাহায্যে, সমূদ্রে).	79-4455	95	903	Marelit			
চন্দ্রম (সমুদ্রে লোমন পর্বত সমান জাহান সম্ভাতর নির্দেশ।	82-70	05	984	অধিকার (যানের সম্পাদ অধিকার ব্যয়েছে সাহায্যপ্রামী ও বর্ধানকা)	৭০-মা অধিক	₹8	35:
জানা (ছলে ও সমূলে বা আছে ওা আপ্লাছই জাতেন)	৩-আগ'নাম	6.9	607	অমর করে (সম্পদ অমর করবে বলে জন্মাকরির ধরণা)	১০৪-ছমব্য	0	700
দুঃধ-দুৰ্নশা সমুদ্ৰে যখন মানুদকে শপৰ্শ কৰে	১৭-ইস্রা	59	472	অপ্নাহর পাবে সম্পদ ও জীবন দিয়ে জিহাদ ওয়ে মুখিদর্গণ	৪৯-হন্দ্রত	76	25
দু'টি সমুদ্র সমান দল (একটির পানি সুমিট ও অপরটি গোনা)	৩৫-কভির	25	789	ইরাতিমনের সম্পদ থেয়ে না ফেলার নির্দেশ	8-मिश्र	1	22
নিছেপ (সমূপ্র সিজেপ, ফির'জাউন ও তার বাহিনীকে)	৫১-বারিয়াত	80	254	ইয়াভিমের সম্পদ প্রান করা গেটে আন্তন ভরার মর্ভ	৪-সিস্	20	22
নিজেল (শিশু মূদার দিন্দুককে সমূদ্র বীরে নিজেল করবে)	২০-ফু-য	63	9,80	ইয়ানবারদের সম্পদ চান মা জান্তাহ	৪৭-মূল্যাদ	60	824
দিকেল (মূলতে সমুদ্রে নিকেশের নির্দেশ, কেন আশার করলে)	২৮-বাস্যম	9	уюу	GIRCHE SAME	১৮-কাদাদ	96	9-21
নিকেপ (থির'আউন ও তার বাইনীকে সমূত্রে নিকেপ)	হ'⊁-হাসাস	80	9-22	গমনা (সম্পদ ছয়া ও গৰনা করার পরিণতি দূর্ভোগ) ভয়া (সম্পদ ছয়া ও গমনা করার পরিণতি দূর্ভোগ)	३०8-इमाच ३०8-इमाच	2	200
দিয়োজিত করা (আল্লাহ সমূল্যকে মানুষের কল্যানে		1		জিহাৰ (অপ্তাহর গাবে সম্পদ নিয়ে ভিয়াৰ বয়ে মুখিনক()	308-Q4INI 83-005IN	26	300
নিয়েরিক করেছেন)	১৬-নাহুগ	78	908	श्रीहरू राष्ट्राच्य जेनारा शन्नात (प्रमुक्त क्या कुमाना))	৪-নিসা	96	44
নিয়েজিত (অপ্তাহ সমূহকে মনুকের কলালে নিয়েজিত করাছেন)	80-व्यक्तिया	32	bod	সাব (পরিকল্প ইওয়ার জন্য সম্পদ্ধ সাম)	৯২-লাইল	30	203
নিমক্ষন (নিৰ্বপনতে মিখ্যা অভিহিত করার সমূদ্রে নিমক্ষন)	৭-আ'বাক	300	648	ক্ষম (সম্পদ্ধ ধন প্রকৃত পূন্য, সম্পদ্ধের প্রতি অপবাশ সম্ভোগ)	২-বাকুারা	299	23
নিমজিত করা (সমুদ্র কর্তৃত ফিরজাউনবাহিনীকে)	२०-व्हा-व्ह	99	186	সুনিয়ার সম্পদ চার মুহিনরা, যুদ্ধবন্ধির বিনিমরে	<b>৮-জানকান</b>	49	60
দি৷শেহ হলে, তবে প্রতিলালকের বাণী লিখা শেষ হবে না	३४-वाइक	270	900	দুনিয়ার সম্পাদের সোহত সাধারকারীতে 'মুখিন দত' করা যাকের	8-1421	36	20
लोक्स (१८७०)रेशनीकस कम नक्ष्म (नेपान्य जनका निर्माय)	०५-वृदयन	93	5-59	সেরা (আপ্রাহর দেরা সম্পর্গ থেকে সাসংগঠক পেরা)	२8-मृद	00	99
		60	958	ধ্বংস্ক্রিরজাইনের সম্পদ ধাপ্তসর জন্য মুসার দোরা)	১০-ইউনুস	bb	65
र्रोग्रम इन्राज्य(ब्राह्माका मिर्जाल ज्लेखन महास इन्हान वदा)	22-27%			ঘটার জংগ (সম্পদে)	8-5271	33-33	00
মৌধান (সমুদ্রে নৌধান পরিচালানা করেন প্রক্রিপালক)	১৭-ইস্রা	99	479	নরীর জংশ (সম্পাসে)	8-50%	7.69	
নেয়ন (সমুদ্র পর্যতের মত সুউচ্চ লেখনসমূহ সক্ষাহর নিজেন)	৫৫-রাহ্মান	2,8	180	পৰিত্ৰ ও পত্নিকদ্ধ করে সম্পদ্ধক থাকাভ	১-তারধা	200	60
নৌবান (সমূলের বুক চিয়ে নৌবান চলাচল প্রদান)	১৬-নাহৰ	78	968	পরীকা মাত্র (মুমিলালর সন্তান ও ধন-সম্পন)	৬৪-খাগাবুন	3/2	86
নৌষাম (আল্লাহর নির্দেশে নৌহান সমুদ্রে চনাচন করে)	১৪-ইবরাহীম	- ७२	696	পাহ্যভূ-পর্বন্তের মধ্যে বকেত (সম্পর্ন)	83-8-50 Piers	30	bb
পৰ পাৰৱা (ছপ/সমুদ্ৰের অন্ধনতা ভারকার মাধ্যমে পথ পাৰৱা)	৬-আৰ্'আৰ	20	906	প্রির (সম্পদ প্রির হলে- অল্লাহ, রাসূল স. ও মিহান অপেনা)	৯-তাওবা	₹8	86
পৰ তৈনি (মুসাৰ পাঠিৰ আঘাতে নদী ইসৱাদিশের জন্ম সমূদ্র পথ)	২০-ফ্ল-হা	99	980	ডিরজাটনতে বুনিয়ার স্বীবনের সৌন্ধর্য/সম্পদ দাস	১০-ইউনুস	44	35
পর করাংব (অপ্তাহ কর্নি ইন্যাইলকে সমুদ্র পর করালেন)	১০-ইউনুস	bo	669	ফিরঅভিনের সম্পদ ধাংগের জন্য মৃপার গোয়া	২০-ইউনুস	pp	65
পার করা (আল্লাহ বদী ইসরাসলকে সমুদ্র পার করান)	৭-আবাক	307	628				

The second second	नुबा नर च नाम	Sec.	781	1413.44	नुबान्द्र च पान	200	£#
मण्यम (भृषं भृष्टा (शरक)				অদ সম্প্রদায়কে নর্যুত সম্পর্কে অনুধানন করার আহবান	33-5 <del>4</del>	67	390
বেশী ধনসন্দদ বন্ধুর চেরা (বাধানওরালার উঠি)	79-बार्ड्ड	08	121	আদ সম্প্রদায়কে অস্ত্রাহর ইবাবকের নির্দেশ দেন হুদ	22-gw	60	691
ব্যর (সম্পদ ব্যয়/দান সম্পর্কে আল্লাহ জানেন)	২-বার্গরা	290	605	অন সংহাদরের প্রকাশ ব্যক্তিশন কলে (প্রেরিড রানুল ন, সম্পূর্তে)	২০-মুখিনুন	00	960
ব্যর (নিক্ষেদের কল্যাণের জনাই সম্পদ ব্যব)	२-शकृत	293	१०२	আদ সম্প্রদায়ের উপর সাত রাত আট দিন অধিরাম ঝড় বয়	৬৯-হাঞাহ	9	59
বৃদ্ধি (সম্পদ রন্ধি করে যাকাত)	00-57	60	b-28	অদ সম্প্রদারের ধংসে (প্রতিশালককে অধিবাদ করায়)	22-EH	60	69
জন্মান (প্রতিপালকে। সম্রান ক্ষেত্র সম্পন্নক (ধনি জনবান)	৩৮-সোৱাদ	०२	760	আবাবের সম্প্রদার স্পর্ট পর্যন্তরার (শিরক প্রসৃষ)	৬-জানু'আম	9.8	00
ভাদবালা (ধন-সম্পদের প্রতি মানুষের ভালবালা প্রবলা)	২০০-'অপিয়ার		2000	আর্থার পুরজ্ঞান অবভরণ এমন সম্প্রদায়ের জন্য থারা জানে	৪১-ফুসুসিলাত	0	44
মদইয়ানবাসীরে সম্পদশলী দেখতে পাছেন হ'ডাইব	33-2F	78	990	সম্ভাব যে সম্প্রদারের প্রতি ক্রম, তানের সামে বস্তুত নিয়েব	৬০-মুম্তাহনা	20	ye
মুমিনসের সম্ভান/সম্পদ কেন অক্সাহর সমল থেকে ভূমিয়ে বা বাবে	७०-इनकिकृत	9	396	जहार निवाने नाधनात्म महत्र वस्त शास पात न पत्र)	१५-भूषानाना	33	24
মুমিনদের সন্ধান ও ংল-সম্পদ পরীক্ষা মাত্র	७८-समापुन	36	204	অসহার নাহালা (বার অল্পাহ বারীত বহু ইলাহ এলে করেছিল)	३५-वाइक	30	
যান্তত (সম্পানে) সেখুন যান্তত পদটি	00-01-37-1	**	M9.1	অস্থান (সম্প্রান্ত এতি নুহত অস্তান, অক্সাহত ইবালা,তা ভান)			93
यसार अञ्चल निर्मन योगा मन्त्रन एएड यहा यनहार शिवाह	7596-7			ইউনুসের সম্প্রদার ইয়ান আনার শান্তি পুর করা হয়	২৩-মুখিনুদ ২০-ইউদুস	40	9/8
শালনাপানারীর সম্পানে সারে ইয়াভিত্রের সম্পান থেয়ে না ফো	8-9/04 8-9/81		962			ab	66
	8-1441	2	260	ইব্রাইনের সম্প্রানারের মুকাবিলার আল্লাহ যুক্তি-প্রমাণ দেন	৬-আন্'আম	3.0	90
সম্পদ (পরিব্যান্ড)		1	ш	ইংরাহীদের সম্প্রদায়ের মৃতির উপাসনা প্রসঙ্গ	২৬-৬'আরা	90	93
উভয়ধিকারীকের মধ্যে মৃত ব্যক্তির সম্পদ বউন প্রসঙ্গ	৪-নিসা	35	663	ইবরাইনের সম্প্রদার তাকে মিখ্যাবাদী বঙ্গেছিল	55-52m	80	96
সম্পদ (রেখে যাওয়া বস্ত)				ইবসতের নির্দেশ (স্থায়ুস সম্প্রভারতে সম্প্রাহর ইবসতের নির্দেশ)	22- <u>ई</u> ल	62	69
পিতামান্তর রেখে বাওয়া সম্পলে নারী-পুরুষের জংশ ভাছে	8-PH	9	449	ইংরাইন আ. ও ভার দাধীর ভাসের সম্প্রদায়কে বলগ	७०-ग्रमकादिमा	8	26
সম্পদের অধিকারী (আরো দেখুন ধনী/বিস্তবান শব্দটি)				देशनवनी गरानावा सन् व्यक्त (अवस्थित क्षीएस क्षेत्रक्रीत)	২১-অধিরা	300	9/2
মিখ্যা অভিতিকারী সম্পদশালীকে মেন্ডে লেরা (শান্তর জন্য)	৭৩-মুব্বাধিল	22	Mrtr	ইবরাইদের সম্প্রদারের কাছে ঘোষণা (ক্ষেরভাপুদ্ধা প্রসঙ্গ)	80-युश्क्रम	46	bra
अम्लम	12 25			ইন্মহিনে সম্প্রদানে টকা (ইন্মহিনকে হত্য/ কুলানে প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাৰ্ড	₹8	80
নামান্ধ (নামান্ধ সম্পন্ন হলে পৃথিবীতে হছিমে লঙা)	६२-सुमु वा	20		ইবরাইমের সম্প্রদায়কে উপাসনা সম্পর্কে জিঞ্জাসা	৩৭-সাক্ষাত	be	376
পরীক্ষা সম্পন্ন করা (ইবরাইমের পরীক্ষা)			350	ইবরাইমের সম্প্রদায় মূর্তির সেগে থাখা প্রসঙ্গ	২১-আধিরা	45	32
अक्ष्यं क्या	২-বাকুরা	248	478	ইগরান্ট্রের সম্প্রদারকে আল্লাহর ইবাসভ ও তথের নির্দেশ	২৯-আগবার্ড	36	63
				ইপইয়াসের সাহালায়কে সাবধান কর্বেন ইপইরাস	৩৭-সাহফার	228	70
অনুষ্ঠান (হচ্ছের অনুষ্ঠান সম্পদ্ধ করার পর)	२-राकृता	500	655	দিয়ান আনে না যে সম্প্রদার ভালের জন্য ধ্যংস	২০-য়ুখিলন	88	98
জাল্লাহ সম্পন্ন করনেন একটি বিষয় যা ঘটার ছিল	৮-জনজ্জ	88	909	ইমান আনে যে সম্প্রদায় ভালের জন্য কিথাব	৭ জা রাজ	23	63
অপ্তাহ সম্পন্ন করলেন এমন এক বিষয় যা খাইর ছিল	৮-অনেজল	8-2	909	ইমানদার সম্প্রদারের জন্য দরা ও প্রথমির্মেনিকা (করআন)	১৬-নাহল	88	30
সম্প্রদার (আরো দেখুন গোর শব্দটি)				স্থিয়ালয় সম্প্রদারের জন্য নিদর্শন (বিভিত্ত প্রস্থাবিত করা ৩)	७०-इम	তণ	20
জনান (সম্প্ৰনাত্ৰম জনান বিদ্যা ওঠন সধ্যমে নবিকে জনাবে)	<b>33-इन</b>	82	৬৭০	প্রমানবার সম্প্রানারের জন্য (সভাগ্য সংবাদ পাঠ,)	২৮-ববেশন	10	40
অঞ্চ সম্প্রদায় (বনী ইলরাঈল এক জন্ধ সম্প্রদায়)	৭-আগ্রহ	7494	648	স্থিয়াল পর কুলী করে যে সম্প্রদার অল্পার কিবানে অনেবাক	৩-আলে ইমরান		28
জন সপ্রদায় (আদ সম্প্রদায়ের শরি প্রসঙ্গে যুদ আ, এর উঠি)	৪৬-আহ্লাক	₹0	970	উল্ল (ইবাহীয়তে হবর) কুলানে প্রথম সম্প্রদায়র উল্ল।	২৯-আনকাবৃত	48	154
অনুধাৰনকারী সম্প্রদায়ের জন্য নিদর্শন(পৃত জাতির খাংস)	২৯-আনকাবৃত	00	725	উত্তাহিকার (জন্ম সম্প্রদারকের বিশাস্তাইনের উর্জ্বাধিকার করা)			
वमुश्तरनवर्षी गण्डमादा करा निर्मात (डाठ, कि।/सेरन-मृत्यु)	82-वाविता	e	hod	তপ্রাপার (জারাত্র বিধা অভিত্রিকারী সম্প্রসারের উপ্রাণ	৪৪-সুবান ৭-জা'রাফ	7.69	30
অনুধাবনকারী সম্প্রদাবের জন্য নিসর্পন (খেজুব/আসুর হতে				छन्म (जातावर विदा अशाननारी मध्यमात निर्मे छन्म)	०२-छन्नुका		65)
মাদক/রিথিক)	১৬-শব্দ	69	906	তপন (অন্তর্জন মধ্য আধাননকর সভসারের দন্ত ভগন) তপলে (কুরায়ন মুদ্রাক্ষা স ও তার সম্ভাগরের মন্য উপলে)		·	3/6
অনুধাবনকারী সম্প্রদায়ের জন্য নিদর্শন রয়েছে	30-RT'H	8	99.p	তশ্যাল (পুনারল বুলাল ব'ত বার নপ্রসারের রুদ্ধ রপানশ) তপ্যাল প্রসারকী সম্প্রসারে রুদ্ধ নির্দান (ব্যব্র বার্রের স্ক্রিরে)	৪৫-মুখ্যুক	88	58
অনুধাবনকারী সম্প্রদারের জন্য নিদর্শন			-		১৬-মাহ্দ	20	90
(চন্দ্র/পূর্য/ভারকা/রাভ/বিন)	১৬-নাক্শ	25	900	উপদেশ এহনকারী সম্প্রদায়ের জন্য আয়াত বর্ণনা	৬-আন্'আম	259	80
অনুধাৰনকারী সম্প্রদায়ের জন্য নিসর্শন করিন করেন আল্লাহ	00-9¥	2/r	5-28	উপদেশ (এফা সম্প্রদায়তে উপদেশ যালেকে ধালে কর হবে)	৭-আগ্রাক	\$64	હરા
अनुवरूपायो गण्डामदार बन्द निर्मात (तिमृत अवस्था व)	<b>\$</b> 0-सम		150	কারণ নাত্রনারের নামনে ধের হল (ক্রিক্ছমক সংকারে)	২৮-কাশ্বন	45	27
অনু জাতিকে ছুলাডিবিক করকে। (বার করা হতে নিচুবা হতুণ)	8९-मुश्रापान	Ob	324	কাফির সংগ্রদার এর জন্তর্ভুক্ত ছিল (সাধার রানী)	২৭-মামল	80	po
অন্ধ সম্প্রদার ছিল নুহের সম্প্রদার	৭-জাগ্রহ	<b>68</b>	635	কাকির সম্প্রদায়কে আল্লাহ সঠিকপথ প্রদর্শন করেন না	১৬-নাহল	309	95
সণরার্থ (বিভাসাইটার সম্প্রদার ছিল এক অপরাধী সম্প্রদার)	১০-ইউনুস	92	999	কৰিব সম্প্ৰদায়ের বিক্লছে আল্লাহর কাছে সাহায্য প্ৰাৰ্থনা	২-বাকুরে	২৮৬	60
সপরাধী (পৃত্র) সম্প্রদায়ের প্রতি ফেলেকাসর প্রেরণ করা ব্যক্তর	৫১-ব্যবিয়াক			কাকির সম্প্রদায়ের বিজয়ে সাহায্য প্রার্থনা (রজানীকের)	৩-আলে ইমরান	289	28
जनान (५०) न-दन्तात दार (नवानकात दार) ना रहार कनार्व मन्द्रमा संगित (वाहार नाद्रेश ना वाहरत वहा)		જ	254	কবিব সম্প্রদারের বিহাতে সাহায্য প্রার্থন (প্রতিপাদকের নির্মট)	২-বাকুরো	200	22
	8ए-कारिश		Pos	কবির সম্প্রদারকেও জবম স্পর্শ করেছে (বসর হছে)	০-আলে ইমরান		Q8:
অপরাধী সম্প্রদারকে আল্লাহ অন্তেমর মাধ্যমে প্রতিদান দেন	১০-ইউনুস	30	955	কবির কার্যনারকে আল্লাহ সঠিকপথ প্রদর্শন করেন ন্য	২-বাকুবো		20
অপরবী সম্মানারক অস্তাহ যেরবে প্রতিফল দেন (আন অতি)	৪৬-আব্বাফ		970	কমির সম্প্রদার হায়ে কেই অস্তাহর দর থেকে নিরাশ হয় না	১২-ইউসুফ	59	650
জপৰাখী সম্প্ৰদায়ের প্ৰতি ফেরেশতার প্লেরিত হরেছে	১৫-হিজর	27	900	কৰিব সম্প্ৰদান খেকে উন্ধানের দেৱা (মুসার স্কাতির মুফিন্ট্যার)	১০-ইউনুস	3rle	999
অপরাধী সম্প্রদায় মুনফিবরা	৯-জাঙ্বা		986	কাৰ্ডির সম্প্রাপায়ের জন্য চ'আইব দুয়ব না করা	3-381,818.	90	641
অপরবী সম্প্রদার থেকে (সম্মানর শক্তি নিগৃত করা যার না)	३५-२४ तुक		469	বিভাগ, ন্যুৱার, বিভাগ বিশ্বসভাগ পরিতে কাংগুরুত্বক অর্থন প্রকল	৬-জন জম		60
বগরাধী সম্প্রদার(ফিরমাউনের সম্প্রদার)	৭-আগ্রাক	200	648	কৃত্তক্ষ সম্প্রদায়ের জন্য নিদর্শন বর্গনা করেন আল্লাহ	৭-জা'রাফ		931
বপরাধী সম্প্রদার হতে আল্লাহর শান্তি নিবৃত্ত করা হতনা	৬-অস্তাম	189	622	ক্ষতি (আল্লাহ কোন সম্প্রদারের কতির ইচ্ছা করলে)	১৩-রা'দ		60
মবিশ্বসী সম্প্রদায়ের কাজে আসে না নির্দেদ	১০-ইউনুস	303	660	ক্ষতিয়ে সম্প্রদারের নিরাপদ মনে করা (অল্লাহর ভৌপদ বেকে)	৭-আ'রাক	46	94
ব্যস্থান (সম্প্রদায়ের অবস্থান অনুসারে কান্ধ করা প্রসঙ্গ)	৬-জনুজাম		600	কভিন্নের করা হবে সম্প্রদায়কে , সংবাদ পরীক্ষা না করলে	৪৯-হতুরাত	6	24
वयम्बस्य (गण्डमाद्रात विकास व्यवस्थाता व्यक्तियम्, मृद्रात)	93-48		246	বিয়ানত (বেদন সম্প্রালয়ের বিয়াগত বা চুক্তিবক্তমের আগন্ধ)	৮-জানফাদ		60
মান্ত্রসাপন (কন্য করের সংগ্রাস সম্পাদর থেকে আন্তরণন)	26-REER		909	তা (সম্প্রদারের ক্ষন্য নিদরে দা তৈনির নির্দেশ মুস/হারুন্বর)	১০-ইউনুস	59	90
অবর্ণ (সেই সংখ্যানরে অসর্শ বর্মন করলন ইউপুত বা, কর_)	34- <b>2</b> 570		8000	চিত্তাশীশ সম্প্রদারের মন্য নির্দেশন এরেছে	১৩-রা'দ		691
সাদ সম্প্রদার আদের রাসুদা স. কে মিথ্যাবাদী বলেছিল	34-405A			চিরাপীল সংখ্যারের জন্য নির্মান (মৃত্যু-মুমে প্রাথহীন হওর)	৩৯-ফুনার		চণা
The second state of the se	५५-शक	82	962	চিন্তাশীল সম্প্রমায়ের জন্য নির্দিন ইয়েছে (মৌমাহি প্রস্তু)	১৬-শাহল	65	400

नम् विरा/धमन	সূরা নহ ও নাম	1000	9ुका	পদ বিষয়/প্রসৰ		ক্ষমৰ ব	
সম্প্রদায় (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)				ধানে(অকৃতভার ধর সম্পোরকে ধাহসর অবাসে নানিয়ে অনা)	১৪-ইবরাহীম	₹6	63
ডিপ্রালীল সম্প্রদারের জন্য নির্দান (স্ত্রী-পুরুষ সৃষ্টির মধ্যে)	৩০-রম	43	৮২৩	নিজ সম্প্রদায়ের জনা দূর্দিন আশক্ষা করছেন মু'মিন ব্যক্তি	80-मूँ मिन	00	bb
চন্তালীল সম্প্রলায়ের জন্য আল্লাহ নির্দান বর্ণনা করেন	১০-ইউনুস	2,8	646	নিজ সম্প্ৰদায়েৰ জনা দুৰ্দিনের আশহা মুমিন বাঞ্চির	৪০-মূ"মিন	02	bb
saidin সন্দেশয়ের বন্য নির্দর্শন (বৃষ্টিতে ফল-ফলল উৎস্থা হওচা)	70-HEM	22	200	নিরালরা হাওয়া (মুমিনদের ও নিজ সম্প্রদায়ের কাহ থেকে)	8-নিসা	66	6.0
ভাগীল সম্প্রদায়ের জন্য নিদর্শন (আমাশ-পৃথিবীর সর্ববিদ্ধ)	80-महिश	30	200	নির্মানত সংগ্রেক্সক পৃথিত উজ্জেভিনতী কর (কী ইসরালান্ড)	र-ाक्षा,दाक	309	82
ভিবৰ সম্প্ৰদায়ের যুমিনকে হত্যা করলে রক্তপথ প্রদান	8-1491	24	649	নিভিত বিশ্বাসী সম্প্রদায়ের জন্য আয়ত বর্ণনা	২-বাকুরো	222	67
ক্তিকত্ব সংগ্রদায়ের কাছে লৌহে নাওয়া (দুদ্ধ প্রসঙ্গ)	8-निमा	80	267	নিদর্শন (শ্রকাকারী সম্প্রদারের জন্য, রাত-দিনের সৃষ্টিতে)	১০-ইউনুস	69	66
তিবর সপ্রদারের বিহতে সাহায় করা বাবে না মুখিনকোকে	৮-আনকাল	92	605	নিশ্ব সম্প্রদায়ের জন্য আর্চনাদ দিনের আগস্কা	৪০-মুমিন	७२	40
হামৰ সম্প্ৰদায়ের প্ৰতি নাবেহকে হেরণ	१-ऋ'राक	98	625	নিয়া সংস্থানতে সঠিকশন অনুসরসের আহরণে (এক মুনিনের)	৪০-মুখিন	40	bb
চুমুদ সম্প্রদায়ের জন্য সমিহকে প্রেরণ	22-&s	92	693	নিয়া সম্প্রদায়ক উপাসেশ দিল (বিরুম্বাউন বছেশর এক মুম্মিন)	৪০-মুখিল	60	80
হানুৰ সম্প্ৰকারতে পরীক্ষা (অমঙ্গৰ প্ৰদৰ)	২৭-নামল	83	bro8	নির্ব সম্প্রবার দৃত সম্প্রবার ছিল নির্ব ও পাশাররী সম্প্রবার)	<b>६५-जारिया</b>	9.8	9,0
হামূল সম্প্ৰকাৰ কালের রাসূল স. কে মিঝাবাদী বলেছিল	55-1006	84	982	নিকৃষ্ট সম্প্রদায়(দূহের আ. এর সম্প্রদার)	২১-আধিরা	99	90
যুদ্ধ সম্প্রকারক সন্ধোধন করে সাধিত আ, বলন	१-वा'सक	93	690	পুর আ, সম্প্রসায়ের প্রথমনা দৌবর তৈরির লগ্য ভাকে বিব্রুপ করে।	77-gw	07	66
গুৰুৰ সম্প্ৰকাৰেক সংখ্যক তাৰ সামত আ, তাল গুৰুৰ সম্প্ৰকাৰেৰ অহংকাৰকাৰী প্ৰথমদেৰ প্ৰশ্ন প্ৰসৰ	৭-আ'রাক নিলা লাক	10	979	नृद्द च्या नन्यानादात अध्या कप्तिता सन्त्र, च द्या प्राम्यास्य मण्डे,	२०-म् मिन्न	28	98
हरून मन्द्रमादात कमारांद्र गुर्द करनारां वाद्रावदि राद्रव जस्स	२१-नामण	85	bo8	নূহ আ, সম্প্রকারের শরীকতের সাথে নিরে কর্মশীয় ছিব করতে কণা	১০-ইউনুস	9.5	3
		67	bos.	নূহ আ, সম্প্রদায়ের গোকসের অল্প সংখ্যক ঈরান আন্দ্র প্রসল	<b>33-छून</b>	05	6
হবুল সম্প্রানারে মতুরনের পরিবাদ খালে(নালিয়কে মতারা বভূমা)	২৭-নামল ৭-জা'রাজ	253	640	नृदश्च श्रञ्जनात्र प्रका	33-ह <b>न</b>	45	6
চেত্ৰে লোচ (মূলত সম্প্ৰদায়কে তেন্তে দিলে কালাক্তিশাল কালেন শাম)	৭-আগ্রফ	341	620	নুহের সম্প্রমায় কর্তৃত রাস্কাংগরকে হিথ্যাবাদী থলেছিল	১৮-সোৱাদ	25	'n
হবৰ (পৃথ্যুত্ত জনপদ থেকে ধের বার প্রদান সম্প্রসায়ের কবন)	97-MAA	9	200	দুহের সম্প্রদাধ অকে মিথাবালী বলেছিল	22-2006	84	9
জাদিন সম্প্ৰদায়কে সঠিক পঞ্চাদৰ্শন কৰেন না আপ্ৰাৰ্	২৮-কালাস	00	225	পুরের সংখ্যাপন্ন কর্তৃক ভাকে বিধাবাদী বলা (বাবের কাছে পোরা)	২৬-৩'জাবা	339	9
মালিম সংখ্যপায়কে পথ প্রদর্শন করেন না আছাহ	৩৬-ইয়ানীল		9.00	নুহের সম্প্রধার ছিল পাপাচারী	৫১-যবিষ্যত	86	8
জনা (সম্প্রদার যদি জনত যুদিন বক্তির পুরস্কার সম্পর্কে !)	৭-আগ্রফ	રહ		নুহের সম্প্রদায়কে ধাংস করেছিপেন আল্লাহ	<b>३</b> १-युन्द्रकाम	09	9
লানা (যে সম্প্ৰদায় জানে আছের জন্য আগ্রাত বর্ণনা)		95	676	নুহার সম্প্রদারকে সিনে ও রাভে আছান প্রসঙ্গ (নৃহ আ, কর্তৃক)	१३-मृद	0	8
<del>জনুধার সংখ্যার কানে অপরাধীর নিজেন্ডেনে (আবাশে উঠান)</del>	১৫-হিমব		999	নুহের সম্প্রকারকে ধ্বংগ (পাপাচারের ফলে)	৫১-বারিরাভ	86	2
জালিম সম্প্রদায় থেকে যুক্তি পেয়েছে মৃসা	২৮-কামাস	56		নূহ আ. এর সম্প্রধার (উপদেশ প্রহণের আহ্বান)	77- <u>5a</u>	00	8
জালিম সম্প্রদার থেকে উদ্ধার প্রার্থনা করল মূসা	২৮-কাদাদ	57	prop	নৃহ আ, এর সম্প্রদার (নৃহকে অশ্বীকার করা প্রসঙ্গ)	22-SA	36	4
লালিম সম্প্রদায় থেকে উদ্ধারের দোয়া (ফিরজাউনের স্বীর)	৬৬-ভার্রীম	22	247	নুহ আ. এর সম্প্রদায়ের কাছে তিনি সম্পর মাননি	27-84	28	
লুলিম সম্মানার থেকে (নৃহকে উভার করলেন অপ্তাহ)	২৩-মু'মিনুন	27	959	मृद् चा. वत अण्यांनाहरू महत्त्व (मृद् चा. श्रामण)	22-64	33	ě
লালিম সম্প্রদায়ের অন্তর্ভুক না করার জন্য প্রার্থনা	২৩-মুখিনুন	98	192	নূহ আ. সম্প্রদায়ের পরে আন সম্প্রদায়কে স্থলাভিষিক করা	্জারত	69	ě
জানিম সম্প্রদারের নামে যেতে মুসাকে নির্দেশ (প্রতিপাশকের)	२७-छ'वाडा	20	ব্যাদ্র	নৃহের সম্প্রদার জলির হিল (প্রাক্ত রবা পাকড়াও প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাবৃত		1
असिम गलुमाद्वत भरी न कवार बन प्रवापनागितन शर्यन्त	৭-জা'রফ	89	924	নূহ আ. কে ভাৰ সম্প্ৰদায়ের প্রতি প্রেরণ	২৩-মু'মিনুন	20	19
ब्रांनिय गण्यानात्रक जबार गठिवल्य शार्मन वदना में प्रावाद	৪৬-আর্কাফ	20	909	নুহ আৰু ছায়ুৰ সম্প্ৰদায়ের সংবাদ কি মুখ্যবাসের কাছে আসেনি।	১৪-ইবরাহীম	7	10
ভালিম সম্প্রদারকে আল্লাহ সঠিকপথ প্রদর্শন করেন না	৬-আগ্'আম	788	970	्र व्या त्राव मण्डामा (मर्कानसीसाम मृद्धा द्वाराम दामा)	22-SA	30	6
জ্ঞাদিয় সংখ্যদারকে অস্তাহ স্ত্রিকপথ প্রদর্শন করেন না	७२-ब्रेड्-वा	6	995	নুহ আ: এর সম্প্রদায়কে সতর্ক করার নির্দেশ (নুহের প্রতি)	93-45	13	8
জালিম সম্প্রদারকে জন্তাহ সঠিকপথ প্রদর্শন করেন না	২-বাঝুরা	552	600	নুহ আ, তরে সম্প্রদায়কে আস্তাবর ইবাদত করতে বদাদেন	१ आ वाव	6.0	0
অলিম সম্প্রধায়কে ধালে করা হনে (মাল্লাহর পঞ্জি আনজা)	৬-আন্'আম	89	900	নুহকে ভার সম্প্রদায়ের নিকট প্রেরণ করেছেন আগ্রাহ	৭-আ'রাফ	69	18
জালিয় সম্প্রদায়কে গথ প্রদর্শন করেন না আল্লাহ	৩-আলে ইমরা		<b>¢88</b>	নুহের সম্প্রধার নুহকে দেখতে পাছেছ সুম্পন্ত পছরাইকার	न-आ,राक	69	8
ঋষিম সম্প্রধারের শস্য ক্ষেত্রে হিমনীতল বাস্থ্র আঘাত	৩-আলে ইমরা			নুহের সম্প্রদায়ের জন্য নুহ খা, সুম্পর্ট সতর্বকারী ছিলেন	92-48	3	18
জালিম নম্ম্রলায়ের সধী না করা (হারুলকে)	৭-আ'ব্যক	240		মূহের সম্প্রদায়ের উপর পান্তি আপত্তিত হবেছিল	77-SA	1/8	8
ভালিত্র সংখ্যারের সাথে বস্য রাসুদ্দ স. এর জন্য নিহেধ	৬-আপু আম	40	905	নুহের সম্প্রদার রাসুল স. কে মিধ্যাবাদী বলেছিল	59-0,वास 59-0	200	19
জালিম সম্প্রদারের জন্য থাংস (মাল সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	২৩-মু'ৰিন্ন	82	900	নুহের সম্প্রদার বিখ্যাবাদী বলেছিল	40-366	24	8
জল্মি সংখ্যাকে পরিকার পত্র না বানানের নেরা (মূবর জড়ির)	১০-ইউনুস	he	662	নুহের সম্প্রদার জাপিম ও অবাধ্য ছিল	१०-मासम	63	8
অলিম সম্প্রদারের মূল কেটে লেয়া প্রদাস	৬-আগ্তাম	86	900	নুহের সম্প্রদার জাবন ও অথাত হেল নুহের সম্প্রদার বিভাগেদী বলেছিল (রাসূলগণতে)	৪০-দুমিন	4	b
खुनुस्तर्को अच्छमराज जेमस करदेन समा (निकास वेशव सुनूस)	৭-জা'রাফ	244		मृद्ध गण्डमात्र विधानमा राज्य मृद्दक	१८-कामाव	8	18
জ্ঞানী সম্প্রদায়ের দ্বন্য আয়াত বর্ণনা করেন আস্কাহ	9-2104I	22	487	প্রকাশক (প্রত্যেক সম্প্রদায়ের ক্ল্যু প্রপ্রকর্শক আছে)	১০-বা'ল	9	10
कामी राज्यमारात्र कना जाहार जाप्राठ वर्गमा करतम	৬-জান্'জাম	206		প্ৰহাৰণৰ (এতেৰ সম্প্ৰান্তের জন্ত শ্ৰুৱন্ত্ৰণ নাছে)	২৩-মু'মিনুন	200	
আনী সম্প্রদায়ের জন্য শীমা বর্ণনা করেন আরহে	२-वाङ्गादा	200		প্ৰৱন্ত গাল্ডবার ক্ষিত্র কার্যার আপদা (ইগরাইনের)	৬-জানাস্তাম	99	10
कामी शण्दाशरवत करा बाह्यार निवर्णन वर्षना करवन	১০-ইউনুস	0	548	প্ৰিয়া (প্ৰদুৰ এন সংগ্ৰাম যাত্ৰ পৰিয়া কৰা হয়ে অফল কৰে)	২৭-নামল	89	1
धार्मी সম্প্রদায়ের জন্য নির্দশন বর্ণনা	৬-আন্'জাম	24	905		২০-রাখ	33	9
মনী সম্মানরের জন্য নিদর্শন (ম্বায়ুস সম্মানরের শান্তির মধ্যে)	২৭-নামপ	65	Po8	পরিবর্তন (অস্তাহ পরিবর্তন করেন দা কেন সম্প্রাপ্তরে কছে)	5-30-10PF	50	9
ক্লিনরা সকর্বকারীরূপে সম্প্রদারের নিকট কিরে গেল	89-आईकाक	43	222	পরিবর্তন (সম্পুদার পরিবর্তন দা করলে)  ক্রমানারী সক্রমান (বিদ্যালয় তিন্ত সাল্যাকরী)	80-पुषक्रक	48	1
দ্বিন সম্প্রদায়কে আহান (নবির কাছে কুরমান প্রকারারী দ্বিন্যাব)	৪৬-আত্কাক	00		পালামরী সম্প্রদায় (ফির'আ উন সম্প্রদায় হিল পালামরী)		0.5	18
দ্ধিন সম্প্রদায়ের দিওট ঈয়ান জানার জাহ্বান	৪৬-আইবার	62	922	লালায়ারী সম্প্রদায় হিল ফির'আউন ও ভার পারিবদবর্গ	২৮-কালান	8	+3
ভূকা সম্প্রদায় (রাস্ন স. কে অস্বীকর করেছিল)	৫০-ব্যুক	28	344	পালায়নী সম্প্রবায়কে আল্লাহ পথ প্রদর্শন করেন না	৬১-সাহ্চ	+-	
ভুকা ও ভার পূর্ববর্তী সম্প্রদায় (অপরাধী ছিল)	৪৪-সুখান	তণ		পাপাচারী সম্প্রদায়কেই খাদে করা হবে	86-आवंकाक	-05	13
দুঃসহ (মূহের অবস্থান সম্প্রদায়ের কাছে দুঃসহ মনে হলে)	১০-ইউনুস	42	997	পদি প্রার্থনা (সম্প্রদায়ের জন্য মূদ্যর পদি প্রার্থনা প্রসঙ্গ)	২-বাকুরে	40	1
भारत (स्त्रितिक राज्यानायस भारत संप्रता, तृहस्य प्राचन योगन)	27-da.	88	665	পশামী সপ্রধানে সামে সন্দর্বক্রেমের প্রর্থনা করনে মৃথ	৫-মাছিলা	44	9
থানেমুখী (বেদুদনরা ছিল এক থানেমুখী সম্প্রদার)	87-9769	25	229	পাপাচারী সম্প্রদায়ের জন্য দূরে করা নিষেধ মৃসাকে	৫-মারিদা	₹6	1

NAME OF

লগাবান (পূৰ্ণ কৰে)  ক্ষাত্ৰী কৰিব কৰে কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব	10.	रितर/धमन	ĕ
भागाती न्यान्याद्वाप्तीव्यक्त स्वाहा स्वीत के न रायन स्वार्धी न्यान्याद्वाप्तीव्यक्त स्वाहा स्वीत क्षेत्र न रायन स्वार्ध्या मृत्यी न्यान्याद्वाप्ती स्वार्धित स्वार्ध्या स्वार्धी म्यान्याद्वा स्वार्ध्या म्यान्याद्वा स्वार्ध्या स्वार्ध्य स्वार्ध्या स्वार्ध्या स्वार्ध्य स्वार्ध्या स्वार्ध्य स्वार्ध्या स्वार्ध्य स्वार्थ्य स्वार्धित स्वार्ध्य स्वार्ध्य स्वार्धित स्वार्ध्य स्वार्धित	সম্প্রদ	हा (पूर्व पृक्ते (सदक)	_
কামী সভাগাৰে সভাগ কি পিন্ধ ও সভালী সভাগ পুঁলি সভাগে কৰা এই সূত্ৰে সামান্ত কৰা আনু কৰা শৈক্ষা হিচিত্ৰপাল কিবলৈ ও সাধানিক সভাগাৰে সৌত কাম হিচ্চা সভাগাৰে কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কাম হিচ্চা সভাগাৰ কৰা কৰা কৰা কৰা কাম হিচ্চা সভাগাৰ কৰা কুলা কৰা কৰা কাম হিচ্চা সভাগাৰ কৰা কুলা কুলা কৰা কিবল কাম হিচ্চা সভাগাৰ কৰা কুলা কুলা কৰা কিবল কাম হিচ্চা সভাগাৰ কৰা কুলা কিবল কামিল কৰা কিবলৈ কিবল সভাগাৰ কৰা কিবল কামিল কৰা কিবলৈ কিবল সভাগাৰ কৰা কৰা কিবল কাম কিবল কিবল কিবল সভাগাৰ কৰা কৰা কিবল কাম কিবল কিবল কিবল সভাগাৰ কৰা কিবল কাম কিবল কিবল কিবল সভাগাৰ কৰা কিবল কাম কিবল কিবল কিবল কিবল কাম কিবল কাম কিবল কিবল কিবল কিবল কাম কিবল কাম কিবল কিবল কিবল কিবল কাম কিবল	পাপাচ	রী সম্প্রদায়(কিরফাউনের সম্প্রদার পাপাচারী হি	m
পূৰ্বানী স্পৰ্বান্ত কৰে। ব্ৰন্ধান্ত নামান নামা	পাপাচ	ী সম্প্রদায়/মুনাফিককে আদ্রাহ সঠিক পথ সেব।	7
ীকুল (বিশালকে চিন্দাৰক বিশালক লক্তাত্ত্বত কৰু এই কৰিছে কৰু কৰিছে কৰু কৰিছে কৰু কৰিছে কৰু কৰিছে	পূপান	সম্প্রদায়(পূত সম্প্রদায় ছিল নিকৃষ্ট ও প্রাপারেরী সাক্ষ	×
কালে (বুলি পালাকে আন্তালকাৰী কালে এই কোলা) কালে (পালাকে বালাক বুলিক লালা) কালিকে কালাকী বুলি কালা বুলিক লালা। কালিকে কালাকী বুলি কালাকাৰ বুলিক লালাকাৰী কালিক কালাকাৰ বুলিক কালাকাৰী কালাকাৰ কালাকাৰী কালাকাৰ কালাকাৰী কালাকাৰী কালাকাৰী কালাকালাকা কালাকালাকা কালাকালাকা কালাকালা	7998	সম্মানকো কছে ( বসুপ স. প্রেরণ করেছে। অস্তাহ)	_
কৰে। বিশ্ববাহৰ ৰাখনা বৃহত্তে কাল্য বাহিনিক কৰাকী হ্বানে শতাশাল্য কুমানকানি প্ৰদা বাহিনিক কৰাকী হ্বানে শতাশাল্য ক্ষানকানিক কৰা কিছা আহিলে শতাশাল্য কৰাকী কৰাকী কৰাকী কিছা আহিলে শতাশাল্য কৰাকী কৰাকী কৰাকী মিন্দ্ৰ আহিল শতাশাল্য কৰাকী হিছু বহু প্ৰতিক্ষাৰ কৰাকী মিন্দ্ৰ কৰাকী কৰাকী কৰাকী কৰাকী কৰাকী কৰাকী কৰাকী কৰাকী কৰাকী কৰাকী কৰাকী	পেকা	(প্রতিপাশকের বিসাধাত অ'আইবের সম্প্রদায়কে পৌছ	80
প্ৰতিয়াৰ অথকাঁ ছাগেৰ লগানা গ্ৰুপালা কাৰ্যান প্ৰতিয়াৰ কৰিছিল কৰা (চনা কৰিছিল কৰা) কৰিছিল কৰা (চনা কৰিছিল কৰা) কিবল কৰা কৰিছিল কৰা (চনা কৰিছিল কৰা) কিবল কৰা কৰিছিল কৰা কৰিছিল কৰা কৰিছিল কৰা কৰা কৰা কৰিছিল কৰা কৰা কৰা কৰা কৰিছিল কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰিছিল কৰা	व्यक्त (	(पुन गण्डमाद्रात व्यक्तवासी अथनामा वक्ष वनक)	_
প্রতিনিদ্ধিত কর (১৮ব সম্পুরার হারমের প্রতিনিদ্ধিত কর) কিবা মার্টিয়েন সম্পুরার হারমের প্রতিনিদ্ধিত করা কিবাসি ইয়ার সম্পুরার করা কিবাসি ইয়ার সম্পুরার করা কিবাসি ইয়ার সম্পুরার করা কিবাসিকার সম্পুরার (১৯ বছর এই ইনাক্তর মার্ট্র) কিবাসিকার সম্পুরার বিশ্বর এই ইনাক্তর মার্ট্র কিবাসিকার প্রত্তার সম্পুরার করা কিবাসিকার করা কিবাসিকার বার্ক্তর করা কিবাসিকার বার্ক্তর করা	হাধান :	নম্প্রনারের প্রধানরা নৃহকে বলগ)	_
ভিত্ত সভাইনের সম্প্রশাস্থাকে (পরীক্ষা করেছিলেন আল্লাহ) বিদ্যান্ত উচ্চত সম্প্রশাস্থাকে করে নিজের রাজ্যু নিজ্ঞান্ত করের নায়; বিদ্যান্ত উচ্চত সম্প্রশাস্থাকে করে নিজের রাজ্যু নিজ্ঞান্ত করের নায়; বিদ্যান্ত করের নিজ্ঞান্ত করের করের নিজ্ঞান্ত করের নায়; বিক্তা মানা বিদ্যান্ত করের নিজ্ঞান্ত করের নায়; বিদ্যান্ত করের নিজ্ঞান্ত করের সম্প্রশাস্থাকর নায়; বিদ্যান্ত করের নায় করের নিজ্ঞান্ত করের নায়; বিদ্যান্ত করের নায় করের নিজ্ঞান্ত করের নায়; বিদ্যান্ত করের নায় করের নায় করের নায় করের নায়। বিদ্যান্ত করের নায় করে	প্রচীরে	মধ্যকর্মী স্থানের সম্প্রদায়(ভূগকারনাইন প্রসঙ্গ	,
বিনাপি উঠান সম্প্ৰদানতে কলা, নিশাৱত নামতু কি আনত নামু । বিশ্ব প্ৰথমৈ সম্প্ৰদানত আগবাৰী (সুলা আ, বহিলাপুৰতে কলা) বিশ্ব প্ৰথম (কুমু-মন্ত্ৰুল আন সম্প্ৰদানত পাছে সুলা বিশ্ব কলা) বিশ্ব প্ৰথম (কুমু-মন্ত্ৰুল আন সম্প্ৰদানত পাছে সুলা বিশ্ব কলা) বিশ্ব সামীত ও তাৰে পাহিলাপুৰণ ছিলা উম্পূৰণ সম্প্ৰদানত বিশ্ব সামীত ও তাৰে পাহিলাপুৰণ ছিলা উম্পূৰণ সম্প্ৰদানত বিশ্ব সামীত সমীত সম্প্ৰদানত বিশ্ব সামীত সমীত সমীত সমীত সমীত সমীত সমীত সমীত স	প্রবিদা	ङ् क्या (भूगर मन्ध्रमाता यावतना <i>श्रीविमित</i> ङ् करा)	_
কিই আইনাম সাক্ষার কান্ধারী (মূল আ, প্রতিশান্তকে কান্য) কির একর (কুলা, নানুন্ধা হয় সাক্ষারকার কান্ধা, কুলা নিরে থকা কিরে অসা (কুলা-কান্ধা হয় সাক্ষারকার সূচ্য কিরে কান্য) বিদ্যারকার ও তার পারিকারণা ছিলা উন্ধান্ত সাক্ষান্তর বিদ্যারকার ও তার পারিকারণা ছিলা উন্ধান্ত সাক্ষান্তর বিদ্যাবারীক ও তার পারিকারণা ছিলা উন্ধান্ত সাক্ষান্তর	কিব'ত	উনের সম্প্রদায়কে (পরীক্ষা করেছিলেন আল্লাহ)	_
নিয়ে ঘণ্ডা (কুন্ধু নানুদ্ধ হয় সম্প্রদায়ে নাম দুবার নিয়ে ঘণ্ডা বির অস (কুন্ধুনন্দুর হয়ে সম্প্রদায়ে নাম দুবার নিয়ে অস) ফিরমারিন ও তার পারিফার্ব্য ছিল উদ্ধৃত সম্প্রদার ফির'ঘা উন সম্প্রদায় ছিল পাশায়রৌ সম্প্রদায়	বিপ'স	Syn সম্প্রদারতে করা, মিসরের রাজতু কি আমার নয়;	r
বিরে অল (কুঝুন্দুর হয় সম্পাতন করে মূল্র বিরে অল) ফিরমার্টন ও ভার পারিফার্না ছিল উক্তত সম্প্রদায় ফির'আ উন সম্প্রদায় ছিল পাপাচারী সম্প্রদায়	रिव व	দের সম্পদর অপরাধী (মূলা আ, প্রতিপাণ্ডতে নকল	)
ফিরমার্টন ও তার পারিফার্ন্য ছিল উদ্ধৃত সংগ্রাদর ফির'মা উন সংখ্যার ছিল পাপায়রী সংখ্যার	विद्या य	য়া (কুম) মনসূত্র হয়ে সংক্ষায়ের করে মুগার বিবর যাব	a ,
ফির'আ উন সম্প্রদার ছিল পাপাচারী সম্প্রদার	FACE OF	র (বুজ, ধনকুর) হয়ে সংক্রমধ্যের করে মূপর হিরে কাল।	i
	फिन्नवा	ম ও তার পারিষদর্যা ছিল উদ্ধৃত সংগ্রদার	_
বিরুপ্তিন সম্প্রদায়কে মুক্তির দিকে আহলন (মুমিন ব্যক্তির)	ক্রিপ্র'অ	উন সম্প্রদার ছিল পাপাচারী সম্প্রদার	_
	चेन्द्रकार	ন সম্প্রবায়কে মুক্তির দিকে অহরান (মুমিন ব্যক্তির)	

A 1817 WITE GO WALL SALTYPE 00 000 30.97 X 9,007 410 20-272-80-F RE 0.78572531 ফিল্ডাটন সম্প্রদারের (এর ম'মিন ব্যক্তির বজরা Soulfie Surreits seventrum enganer (1861 / top on Gas memor). 6.707200 ফিবস্টেমের সম্প্রদায় ভিল পালায়েরী সম্প্রদায় 39,8128 Spariet Green preventures come finalism bloom retents SA TYPE 24-9'8121 6.70°20s

ভিত্ত'আউমের সম্প্রদায়ের বাতে মসালে বেতে নির্দেশ Quantitives anotherns from a come serve exam माञान अधिवादी जन्द्रभाष्ट्रद विकास नासद नाहांस आर्थन 25.THERE WHERE PART SOMETHING WINDOW STORY TELEFOR THE PERTS WORLD L 195/18PV বছর করা এমন সম্প্রমাকের সাথে যানের প্রতি আলার সভ O'V. VICTOR বহিনী প্রেরণ বহুন নি আল্লার ,সম্প্রদায়ের বিরুদ্ধে as Breits विरुद्ध (प्रामाण गण्यार्थ हैरवादीरप्रद माध्य मन्त्रामास्य विरुद्ध 6. RW/ NO বিশাসী সম্প্রদারের জন্য কর্মান পথনিয়ানিকা ও জা a Torara रिथानी नण्डानादव बामा कवात्राम नश्कीतमिका ५ म्यापकल 84-100 विश्वानी माध्यमस्त्रास कर मान्य । सीर-समय महिष्य विकास रक्षा

OA BEGIN विकासी मार्गायात मार्ग कार बना क्यान मान का VA-2005701 বিজ্ঞানতী সম্প্রদার (আরবের মুশ্রিকলের প্রস্তুত্র) 80-0400 रक्षात में शर्म (प्रमाणित मारामात (कर राज वर्कात स्थात में र 8.See satureed trendering our Code of 6-314°315 cated / heroveriors' favorations contact towards' transit week recently जाना अध्यापा (विकास दिया अर्थात स्थानसम्बद्धात समान स्थानस 80-7490 ভাষ প্রেরের রঙ্গাই তার সম্প্রদারের ভারর প্রেরিত চয়েছেল 10 Roomits ভেত্র (কেন্টে সম্পর্কারের ভেত্র সংক্রম মারীনাম্পর্কীয়ানর কর বিহন) 23,000/900

মিখ্যা অভিক্রিত করা (সভা/কর্ম্বানতে সম্প্রমার বার্মক)। V-88, 85 Save Wilder auer arms province reasons Stanform States ३३-अश्वि tive whenevel (margos tive measured more) ७२-स्पृ'क মিধা অভিতিভাগী সম্প্রদায়ে উপন (আরুত্বে মিধা অভিত্তিত তথ্ a 10th area মিশ্বর অভিনিত্তনারী সম্প্রাপতের নিবটে যোগ্র কালেন মান আ ও ২৫-যুৱকান प्रताबी अण्डासद्वात क्रम्य मिनर्गम (निम दादवद नविवर्वदम् ) 30-3947 মার্শন্তিক সম্প্রাপত প্রসাস (একরা আমারের সমার্ক্ত নির্বারন করে) 31,8729 মণবিক সম্প্রদার কিছু জানে না ৯-ব্যৱহ AS THE

মান্তিকাম সম্পর্কালের নির্মাই উপস্থিত চরু (সংক্রম নির্মা

মন্ত্রিকরা এমন সম্প্রদার ধারা কিছ বাবে ন মনজিকরা এমন সম্প্রদায় বারা কিছু অনুধানে করে ন মুখিন সম্প্রদারের জন্য সভর্ককারী ও সুনাবেক্ষামে (রাক্রা Side proviet and men therefore every core or farme when प्रदेश अन्द्रभारता करा निवर्णन (बढ़ि क्रंड करा राजन दिला। उदा) प्रदित मण्डासम्बद्ध कता जिल्लीत (देशसमीरपार स्रोधर) মুদ্দিন সম্প্রদারের জন্য নিদর্শন (মহাপুনে নির্দেশবীন উত্তর পাবি)

त्स म ६८३ सार शहे।

20.00

N milen

Va.filer

a morare

1.781'272

n 191'stre

Nr.-4052

989 48

17.008/10

৫৯-মাপ্র

9.70" 2010

৬-জান'জাম

১৬-নাহৰ

মন্ত্ৰিন সংগ্ৰহণতে কৰা কৰমত কাহিবলৈক ব মহাৰ্থক হয়িত সক্ষমান্ত কৰে নিৰ্মান বিভিন্ন প্ৰাৰ্থিত প্ৰাৰ্থিত প্ৰতিয়াপ কৰে। 192 America de maio maior minis Tanalina management operation (Prints after more) क्रमा मण्डामाच्य क्रांची नेपाला नावनिसद्देशक प्रत न्य लक्षम प्रमेश मार्गामाका सन्त प्रियान पर निर्मात प्रेरेश प्रियम (200 (1996) THE HOSEING DEC MAD WITH HAVE ONE BOARD AND AND THE PARTY OF THE PARTY इसर जन्मनाव (शहर नक्त नजर) THE SUSPENSION FOR STATE হসার সম্প্রদায়কে পরীকা (বাছর পঞ্চা প্রসম) श्रीर मच्छावार वार श्री गणार्थ प्रतास वर्ग्य विवास श्री THE WHAT THE BOTH WHEN WHEN THE SHARKS AND HOST WATER AND মান সম্প্রদানে পরি চান্ত ও লটি যার পরত আয়ার প্রক মশার সম্প্রধারের স্বরক্ষন গোরুরে মনোরীয় কল প্রক UNIG RESIDENCES SING STATUTE (NEURS WAT) নার সম্প্রনারের বিভাগে ভার ভারাক্তরাভার পর্বত প্রস্তুত

THE STREET

tiful programs and allers and Decembers

EST DE IN ENGINEE SPONSE PROFILE DESCRIPTION WAS इत्रा का व प्रकारत तप्त्रमायात प्रशासको त्याव विधान sons sentence therese stress (bride (visitor) হুসার সম্প্রদারতে অন্তরত পোত আলোম পর রুপে জালা and american number control money news হসার সম্প্রমারতে আলাহত উপর ভরসের নির্দেশ and the way production were. Detect and a ANI DI DIE AMBRICA SERVA (S DISSE MANNES THE RESIDENCE AND ADDRESS OF THE PARTY OF TH

राकेदिरा का जाद जन्मानारक मिश्री तक प्राप्त तक ক্স (সম্প্রদারের বিকারে তার করতে আলর কন্স সংকর্মিত হয় 8.विश STATE OF THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY. PERSONAL PRODUCTION PROPERTY AND PRINTER PARKS NAMED WAS ADDRESS OF THE PARKS NAMED WAS ADDRESS. राज्ये ज चंद जन्मनागाद दियान सा खाला अजन STORY OF STREET, WHITE STREET, STORY OF STREET, STORY ch-5313 বামল সংগ্রেক (মাহর প্রবর্তী সম্প্রাপর রাজ टाम्बरणा कि जिस मन्द्रम्यात यहा हाला बरहामा प्रकार 80.8 गर्द संपर्धनाव प्रांत्रदेशानास्त्र त्याक साथ स्ट 33-39 লত যাঁৱ সম্প্রদায়কে বলকেন- 'এয়া স্বাহার কন্যা এয सद सन्त्रभागात क्रमेल क्राब्ध लक्त লয় সভাৰতে উল্লেখনে পৰিবল্প জনপদ নাক তে কর গ্রেক 59.RT29

BIS SWEETING WINES BOT OUTSIDE /4000 मान्य मान्यमात्रा होन साम्य प्रतिवर्ध कराव भक्तार साम्र हाथ শতের সম্প্রমাতে উল্লেখ্য (সমুদ্রান্তিসের শাস্তি সংক) PTRE STREET, STOR II 12 FOLLOWS STUDIOS দত সম্প্রদার সমস্কীরত। অগ্নীরতে কর্মান ex americ for Dail a eventil warms শতের সংখ্যার কর্মক বাসলামকার বিভাগেরী কর erus moreum artique maria baselinia facia नावत मण्डांनार प्राप्त विशासकी शासकि

AA MINE ব্যানে সম্প্রকার কৌটারে আসল প্রতের নিজা 33.28 দত্ত সম্প্রমায় কর্মক মেশু-মান ফ্রনীর মার সংগ ३९-नामग সোপ থাবা টেবরাইটের পিন্তা/পশ্রমান মর্থির প্রতি 25. or five म्बर्क जण्डाबारकर प्रवित शक्ति प्रपाल कामाना o film नक राज्यसम्बद्ध नकाद्वायान होन्छन या हत्या (तहस हासह) 8,68 পূৰ্বৰ মূলকাৰী ক্ৰাচিকাৰক বিভাগৰ ক্ৰ N 27/620 भित्रक (अपन्यास्त्रात मित्रक कहा तहक देशकीय पर अस्तिहरूक Autoritians

ত'আইবের সম্প্রদায়ের প্রধানসের প্রমক্তি (বের করে দেরার)

AL REWA 222 9879 40.000 0.5 \ Tree 481 80-100mg o mercano Vo. William No. Bilen (40) ২-বাকার 08 90 b28 30-87-88 98/ 30,07,81 ಎ.ರ<del>ಾವ</del>ನ 6 30,500 9.781'81%

Sh. billioners 42 650

ज्या के स्टब्स कर ने

601 9-001'818 a Per atra 30.70.20 984 ২৩-ম মিনন 940 v19-2010117 a Brises SE SAME 28-डेरवाडी**य** (-but 20-38×2 78 66 ২৮-আসাহ 778 ৬১-সাক্ত 8 65,700 Select VP-SINGNIE 906

An-HESSE Oh-Set/Fu SA TRICKE 225 Vo. Print 965 0.701\*2173 22-09 a 9 Justice ১৯-জানতাত্ত No. PRODUCTION ১৯.৬'জারা **48-** कामां 33-Miles 9,8 300

> > 643

9-781'819

rear Cartaria 30 Infel-

33,2H

শোরাইবের সম্প্রদারকে মাপ ও ওঞ্জন পূর্ব করার আহলেন	11 70	1.0		গাপাচারী সম্প্রকারকে আস্তাহ সঠিক পথ প্রদর্শন করেন না	৫-মায়িবা	A - 2 -	69
	77-£4	9.6	9.90	পাপাচারী সম্প্রধান্তর বার এইব করবেদ না আস্কার	৯-জাওবা ১-জাওবা	305	
শেষগোল (দিনার দুইান্ত যনে সম্প্রলায়ের গোকলের)	80-3484	23	9.99	चाचारते नाजनाउत्र श्रीर वस्त कार्यन में व्यक्तर चाचारते नाजनाउत्र श्रीर व्यक्तर नाज श्रीरम न (स्तुक श्रीरम)		60	
প্রকামরী সম্প্রকারে জন্য নির্দেশ (বৃত্তি ছবা স্থান্তর জীনত করা)	১৬-নাব্দ	96	909		৯-জাওবা	9/9	60
প্রবণকারী সম্প্রকারের জন্য রাত-সিদের সৃত্তিতে নিদর্শন	১০-ইউনুৰ	69	960	পাপানত্তী সম্প্রদায়কে আল্লাহ দঠিক পথ প্রদর্শন করেন না	৯-জগুৰা	48	68
সম্ভিকপথ প্রদর্শন করেনি সম্প্রদায়কে (ফিরস্কাউন)	২০-ড়া-হা	95	486	প্ৰশ্ন কৰেছিল এক সম্প্ৰদায়, কলে অধিৰাদী হয়ে পিৰেছিল	१-मात्रिमा	305	
সংবর্মশীল সংখ্যবারের সাধী হওয়ার প্রয়োশ (নাসারা মুদ্দিনের)	৫-মাছিল	58	697	অসিক সম্প্রবাহকে সঠিক পথ প্রদর্শন করেন না আল্লাহ	১-ভাগৰা	pro	681
गढर्व करा (गण्यानावार गढर्व करात निर्माण,नृद जा. श्रा.श्रहि)	१३-मूद	2	348	বিজন (কোন সম্প্রদায়ের প্রতি বিজেৎ ফো প্ররেচিত না করে)	৫-মরিসা	b	Q.p.
সভৰ্ক কৰা (সম্প্ৰদায়কে সভৰ্ক কৰা যালেন মধ্যে সভৰ্ককৰী আসেনি)	৩২-সাঞ্দা	0	5000	বিজ্ঞা (কেন সম্প্রদারের প্রতি বিজ্ঞা কেন সীমালকনে প্ররেলিড)	৫-মারিল্য	1	6,50
সভৰ্ক কৰাৰ জন্ম সংখ্যালয়কে ( বাসুল স. (সা.) প্ৰেমিত হল)	৩৬-ইয়াসীন	0	9.67	তীত্ সম্প্রধান মুনাফন/কাফিররা	h-জাওবা	66	68
সতৰ্ক কৰা (এমন সম্প্ৰদায়কে সতৰ্ক কৰা যাদেৱ নিকট)	২৮-বাসাস	85	1775	স্পার্য নর্বাহিশ এক সম্মানর মুদিনালর বান্তি হাত বায়ানের	৫-মারিদা	77	Q4
সাহায্য (এক সম্প্রদায় সাহাত্ত করেছে রাস্থ স. কে)	২৫-ফুরকান	8	982	মূরবাধ্যার হলে এফা এক সম্প্রদার নিয়ে আগকেন অস্ত্রাহ্	হ-মারিদা	68	62
সাহায় (নৃহতে এমন সম্প্রদারের বিক্রছে সংঘয় করা হয় যার)	২১-অধিরা	99	922	তুনবিক্তর এহন সম্প্রদার বাব্র কিছু বুকে না	৯-জংগ্ৰ	253	62
সাবার রানী ও তার সম্প্রালয় কর্তৃক সূর্যকে নিজনা করা হ্রদক্ষ	২৭-নামল	₹8	204	কৃপা আ, সপ্রেপায়কে কালেন অক্সাহর নেরামত স্থলা করতে	৫-মাছিদা	50	600
সালিহ আ, এর সম্প্রদায়ের ভেবে দেখা (নবুরভ প্রসঙ্গ)	32- <del>६</del> म	60	693	মূপা আ তার সম্প্রদারতে প্রথপে কয়তে কর্মদন পরির ভূমিতে	৫-মারিদা	43	690
সালিহ আ. এর সম্প্রদারের নিবট অস্ক্রাহর নিদর্শনাম্বল ইক্টি এরকা	১১-বুন	68	947	নৃত সম্প্রবারের পরিবত্তির সংবাদ আসেনি কিঃ	৯-ভাগ্ৰহ	90	68
সলেহ আ, সম্প্রদারের উপর শান্তি আপভিত হয়েছিল	77- <u>2</u> d.	2.2	698	শক্তিবর এক সম্প্রধার রয়েছে পবিত্র ভূমিতে	৫-মাৰিদা	22	en
সীয়ালক্ষাকরী সম্প্রদার (জলিম নেজর সহারদেরকে করে)	৩৭-সাক্তাভ	80	৮৫৮	ত'বাইৰ বা, তার সম্প্রদায়ত বাস্থাহা ইবাসত করতে বলগ	১১-যুদ	9.4	69
সীমলক্ষ্যকারী সম্প্রদার থেকে উপলেশবাণী প্রভ্যাহার	so-বুংকক	0	hap	नुव्यवादी मन्द्रवादात बाग निवर्णन (बारवर पुत्र 6 मिलव)	P0-97	20	25
নীমালমনকারী (রাগুল স. কে অমঙ্গলের কালে মনে করে থরা)	৩৬-ইয়াসীন	25	৮৫২	नकर्व (सिंह गल्लुनाइक मध्ये कहार है। स खन खर्का स)	৯-ভারবা	255	62
সীমালন্দনকারী সম্প্রদার (পুত সম্প্রদায়)	৭-আ'রাক	3.5	650	সমূৰ			1
দীমালব্দনকারী সম্প্রদার (রাসুল স. কে যারা কবি বলে)	৫২-ডব	<b>છ</b> ર	900	নাগৰ পাতা (বিদের নাগৰ পাতর স্কাধ ন্য, সূর্যের পাতে)	৩৬-ইয়াসীন	80	be
নীমাকজনকারী সম্প্রদার (পুত সম্প্রদার)	২৬-৬'জর	300		ব্যান্ত		-	-
দীমাক্ষনতারী সম্প্রদার (কাক্বিরা)	৫১-বাইবাড	90	456	অনুগত (স্থানতাৰ অনুগত কার কমিয়াল পথার হত্যে)	৩৩-আহ্বাব	69	ь
সূর্যের সম্ভাবনে (স্কুলকারনাইন এক সম্প্রদায়কে পেলেন)	79-9058	3-5	205	जन्मर्ड	00.4(41)	10.	100
সূর্বোদয় দেখতে পেলেন স্কুলকারনাইন (সম্প্রদায়ের উপর)	77-9058	30	702	ছি (দশর্ক ছি হয় যাবে জ্পুত ও জ্পুরিলের মধ্য)	২-বাকার	222	411
হুপাঠিবিক (আন এর হুলে আন সম্মানায়ক প্রশানিবিক কর)	77-ईव	64	693	स्त्रा (नामान स्त्रा यह यह यह क्यून व क्यून वहन स्त्रा स्त्रा) स्त्रा द्वर (नामारा नामान स्त्रा द्वर निराम, स्त्रीय नदिश्य महार)	७०-मुक्स्ताहिना	299	
হুপাতিবিক কাৰেন আন সম্প্ৰদানকে (কর করা বতে বিদুৰ বলে)	89-मुश्रापान	93	274		७०-सूबकास्य	20	501
হাক্সমের সম্প্রদায়কে পরীক্ষা (ৰাছুৱের মাধ্যমে)	২০-ফ্লা-ছ	30	985	जन्म <b>र्दछ</b> म		+-	-
হুদের সম্প্রদায়/আদক্তে অপরাধী না হওরার আহবান	27-2d.	65	390	অপ্তাহ ও রাসুল স, এর পক থেকে মুশবিকদের সাথে সম্পর্কাঞ্জন	৯-তাওবা	3	681
एम এর সম্প্রদারের কাকর প্রধানরা কলন্	৭-আগ্রহ	99	646	হৃত আ, সালবিয়ালের প্রার্থন করদেন পাশারী সম্প্রদারের সামে	৫-মারিলা	56	200
ছুপ তার সম্প্রদায়কে বলল- 'আমার মাঝে নিবৃদ্ধিতা নেই'	१-आश्रम	93	929	कृत च्या ७ विकास मात्र (कृतस तेर्या श्वास न श्वास कारण)	১৮-কাহ্ব	૧૪	90
হুল তার সম্প্রদায়কে আল্লাহর ইবাদাত করতে বলল	৭-জাবার্থ	96	650	সম্পৰ্ক ধৰে বাখা		_	_
হুদ সম্প্রদায়ের উপর শান্তি আপতিত হয়েছিল	77- <u>5</u> 4	44	998	প্ৰীৰ সাৰে সম্পৰ্ক থকে প্ৰথকে নবীৰ পৰামৰ্শ (যায়েল প্ৰসেষ)	৩৩-আহ্বাব	09	300
হুল আ, এর সম্প্রদারকে সত্তবিকরণ	৪৬-জাহতাক	52	930	गण्यवदीम			
সম্প্ৰসাৱগৰাৱী	00.405111	~	920	ইবরাহীয় আ. দেবলেবার উপাদনা থেকে সম্পর্কহীন	8 <b>०-पृ</b> षंक्रम	২১	29.
অস্তাহ অকাশের সম্প্রসারণকারী	৫১-ঘাইজত	89	3-28	त्रव्यासन			
পু'হাত (পানির দিকে পু'হাত সম্প্রসারপকারীর দুটাত)	30-31'F	38	9072	অবিহাতে অবিশ্বানীকের পাপ সম্পাদন করা প্রসঙ্গ	৬-আন্'আম	770	80
	20-ss 4	30	97.6	দায় বিচয় সম্প্রদার কর বীয়দ কর্মের করেছে অস্তাহ	৫৭-হাদীদ	20	300
সম্প্ৰসাৰিত (আরো দেখুন প্ৰসায়িত শগটি)				গাপ সম্পাদন করা (অধিহাতে অধিস্থানীদের প্রসঙ্গ)	१-आर्थ, आंत्र	220	60
দ্বরা সম্প্রদারিত করেন প্রতিপালক	২৫-কুরকান	84	974	গাগ (সম্পাদনকৃত গাগের প্রতিফল দেয়া প্রসদ)	৬-জানু'জান	140	60
ছারা (সম্প্রদারিত ছারার থাকবে, ভানসিকের সাবীরা)	৫৬-গরাকরাব্	00	288	প্রতির্বাচি সম্পাদন করে পর তল কর(অন্নাতা সংগ করপ্রতির্বাচি)	२-शाङ्गवा	29	201
পৃথিবীকে সম্প্রধারিত করা হবে (কিয়ামতে)	৮৪-ইন্শিকক্	0	3030	স্পাদ্ন (ভাবকান্ত)			$\Box$
সম্প্রীতি				ভাৰতাৰ সম্পাদনভাৱীর কল্যাণ আল্লাহ বৃদ্ধি করেন	৪২-পুরা	20	VW
চাওর (মুনফিবদের কলাশ ও সম্বীতি চাওয়ার মিধা কসম)	8-9PE	69	668	Street	-	-	1
সম্প্রদায় (আরো দেখুন গোত্র শব্দটি)				च्चै गम्पूर्ग २६६ पूर्व ठूबाबनपाठ जानस्त्र न का (बागून म. तर)	২০-ড়া-ছা	228	181
অনুধাবনকারী সম্প্রদারের জন্য নিজপন ররেছে	২-বাকুরে	368	679.	ইন সম্পৃতিশে অঞ্চার হার থানো পর্যন্ত মুক্ত করার নির্দেশ…	५-वानसन	00	600
অনুধাবন করে না সে সম্প্রধায় যারা শীনকে ঠাটা	৫-মারিদা	q4	66.0		a-mi-dia	99	1000
ইবরাহীন আ, এর সম্প্রদারের সংবাদ আসেদি কিঃ	১-স্বাবৰা	90	689	সম্পূর্ণরূপে ঝুঁকে পড়া			
কাহির সম্প্রদায়ের কত দুলে করা নিষেধ	৫-মরিনা	ear	643	এবর্ডনার তীর মধ্যে একজনো এতি সম্পৃতিরপ বুঁকে পার যানেন	8-मिना	259	2%

नव	विवय/दानक	স্ভান্য ওসরে	rire v	981	नम् विषश्चित्रकः सामाना	नुसामा चनार		
সম্মত			1		লেখক (সম্বাদিত লেখকদের হাতে লিখিত ভূরমান)	৮০-জাবাসা	36	200
পত্ৰ-পত্ৰী প্যস্পা সম্বত	रशा राभन (स्माधाना रामानम भन)	৪-মিসা	₹8	600	লেবক (মানুহের উপর নিযুক্ত রয়েছে সন্মানিত লেবক)	৮২-ইনফিতার	33	202
সাক্ষীর ব্যাপারে পরস্প	ৰ সংখ্য হওৱা (ম্বানের ক্ষেত্রে)	২-বাকুরো	25/2	648	হাবিৰ নাম্বায়কে সম্মানিখনের অন্তর্ভুক্ত করেছেন প্রতিশালক	৩৬-ইয়াসীন	ર૧	264
সম্বতি					সম্মানিত করা		Π.	-
প্রায়র্গ ও সাক্তিরেন্ত্র দ	দুধ হাড়ানোতে অপরাধ দেই	২-বাকুবো	200	653	থানম-সন্তানকে সন্থানিত করেছেন ছোপ্তাব	১৭-ইপরা	90	121
	ইক্ষত/মর্যাদা শগটি)		1		আদৰ আ, কে সম্মানিত কৰা (ইবলিসের উপর)	১৭-ইসরা	62	957
	वे जहार विधा गाँच (बंदर नविश)	৩৭-সাফফাভ	200	1/62	সন্মূৰ			
व्यक्तिकाल संदान । प्रती		১৭-ইসরা	32	934	অক্সাহ ও প্রকৃষ স, এর সম্ভাগ আগী না হংলার বির্চাশ (মুন্দির্ভনারে)	৪৯-চ্ছবাত	>	250
	ন প্রদর্শন অন্যার ভাকওয়া থেকে	22-81M2	93	963	মুশ্রিকদের সম্ভাব সংবিদ্ধ সমধ্যের করলেও তারা ঈরান আন্তোল	৬-আন' আম	222	60
	দ অক্সাধন, কমিবকৈ বছ বান্যব্য প্র.)	৪-নিসা	709	698	अन्यवं (प्रवंशकर)	0.41,414		-
আপ্রাধ্ গ্রস্থ ন, ও মুর্		७-१९२। ५७-पूनक्षिकृत	300	268	অঞ্চন (কবিনুৱা মুখ্যমঙ্গ থেকে অঞ্চনকে বিয়ত করতে পরবে না)	২১-অধিয়	03	90
আপ্রাথ, রাপুশ গ, ও রু) আপ্রাথর জনাই সকল স		৩০-বৃদ্যাকভূদ	20	784 F84	সম্বীন	43-Miles	0/9	76.
উহাতিমতে সম্বাদ করে		PS-6684	29	2092			-	_
	না মানুখ মধুনার কাছে ইক্ষাব্যসকান চার ১)	8-न्या १४-न्या			স্বিয়ানবালাপ লক্ষ্মীন হয় থকা কোন দলের (যুক্তর মঞ্চনালে)	৮-আনকাশ	82	900
			709	6.18	বিষয়মাজ্ঞা নিদের সন্থানি হওয়া সম্পর্কে রাস্থালা কর্তৃক বানানে	৬-অন্'আম	300	901
	জনে রাসুক,সম্বান ৩৭ আল্লাডর)	৩৫-হাতির	30	181	বিষয়েতের বিদের সমুখীন না হওয়া পর্যন্ত সুপরিবকে জনবাশ	৪৩-দূৰকক	500	80
	অক্সাহর করে উত্তম গণ্ড(বন্ধু এলক)	55-5000	00	392	দিন (পরস্পরে সম্বান হওয়ার দিন পৃষ্ঠ প্রদর্শন)	৩-আলে ইমরন	766	00
	লক, যথন অকে অনুহহে করে	৮৯-ফাছ্র	75	7057	দুই দল বস্মুখীন হওয়ার দিন (বনরযুদ্ধ প্রবঙ্গ)	৮-আনফাল	83	900
মুমিন, রান্দ স. ও আরু		৬৩-মুনাফিকুন	V	268	পু'লব সম্বাধীন হয়েছিল বেলিন উচ্চন যুক্তে (বুদিন ও কবিবঃ)	০-আপে ইমরন	169	66
বাস্প, আল্লাহ ও মুমিনঃ		৬৩-বুনাফিত্ন	V	268	গুটি দল (সপুর্বীন গুটি দল মুফিননের জন্য দিবর্ণন (বদর যুদ্ধ)	০-আপে ইমরস		60
ৱাসুল স. কে সম্মন কর		8५-साएइ	2	279	দুটি দল সম্মুখীন হল বধন (বদরযুদ্ধ প্রসঙ্গ)	৮-আনফাল	87	900
ৱাসুল স. কে সম্মনকার	রা স্কুস	৭-জা'রাক	349	659	প্রতিশ্রুত নিদের সম্বুরীন হওরা পর্যন্ত কাফিরা	৭০-মা'অরিক	84	200
সন্দানজনক					মু'মিনরা মুখোমুখি হরেছিল কাফিরদের (বদরবুছে)	৮-আনকাল	88	600
	নদানজনক আবালের ব্যবস্থা)	১২-ইউসুফ	52	691	শান্তির সম্মুখীন হবে যারা	২৫-তুরকান	69	95
কথা (মাতা-পিতা নাথে	সমানকাশক কথা বলার নির্দেশ)	১৭-ইপুরা	20	93/6	সংস্কেহীণ হথার সিদের সমুখীণ হওয়ে পর্যন্ত অফিব্রাফ জনবাশ	१२-ज्य	80	30
পত্র (কুলাইমানের পান বেচ	ত সাৰাত্ৰ জনীকে সম্বল্যকলক পত্ৰ চোকা)	২৭-নামল	435	bos	হিসাবের সন্থানীন হওয়ার ধারণা(আভিয়াতে কথার্কনির প্রসঙ্গ)	৬৬-ছাক্সব্	20	593
প্রতিনান (আল্লাহকে কর	দানের সমানজনক প্রতিদান)	৫৭-ঘাদীন	22	585	সম্মেছিত			
এডিনামের বুসবোল (স	ভর্মবাদী বিশ্বাসীলের জন)	৩৬-ইয়াসীন	22	5.62	ক্ষকিবৰা সম্বেধিত ব্যক্ত্ কীমাৰেঃ	২০-মুখিদুন	brie	99
প্রতিবাদ (সম্মান্তক প্রতিবা	প্রস্তার মুখিনদের জন্য প্রস্তুত করেছে।)	০০-সাহয়ার	88	rod	দুরি সংস্কৃতিত করা হয়েছে (সপরাধী বা কালে আকংশ উঠার পর,)	50-fewa	34	889
	नन, जाहादादन छेत्रम कर्ण मारुक)	৫৭-বাদীন	35	200	त्रस्थापन	PC-12-1	-	000
ত্তিবিক সেম্বনজনক বিধিক	ব্যাহ্য দিয়ালনার সংকর্মশীলালের জন্য)	৩৪-সাবা	8	P82	অঞ্চরা সংখ্যাধন করলে রহমানের বান্দারা বলে 'সালাম'	২৫-জবকান	60	991
	ত্ব করেছে সমানদারদের জন্যা)	৮-আন্দাল	98	909	অঞ্চল সংখ্যক করকে নহস্মানের বাসারা বলে সালার আল্লাহতে সংখ্যক করকে নহস্মা, এর প্রতি নিষেধারা	रद-केंवकास	60	יעד
	থক ব্যৱহে ম'মিলদেবজন্য)	৮-আনকাশ	8	965	আল্লাহকে গ্ৰেহন করতে নূহ আ, এর প্রাক্ত নিবেশনা (আলিমসের ব্যাপারে)	২৩-মু'মিল্ল	29	96
	वेक बदहरह, जळविज्ञवानरमङ सना)	५8-मृद	26	995	মহ আ, নালমণ্ডের অভ্যনকারীদের ব্যাপারে তপারিপ		$\vdash$	-
	কলু কমা ও সম্বানকলক বিভিন্ন)	44-096	00	960		১১-ছুদ	109	669
	অনুগত সংবর্তীর জন্ম সক্ষাক্ষার বিভিন্ন)	৩০-আহ্যাব	40	3100	(সংখ্যক) না করা সক্ষম হবে না কেই আল্লাহকে সংখ্যকের (বিয়ামতে)	-	-	-
সম্মানজনক স্থান	agreement of the second	00 400	0,	100		৭৮-নামা	9.9	300
	(লে ফার্ট্রের (কবিরা করার নর্জন কর্মেন)	8-SM	407	6.97	সরঞ্জাম			1
भूकात स्थानकार हरून स्थानकार्का	Co., eath (eath out and adds)	a-M41	67	6.07	প্ৰেৰত (শৱক্ষাৰ প্ৰেৰত কৰত, তেই হতাৰে ইচাই কৰলে, ভাবুকত্মৰ)	৯-জাওবা	86	<b>%8</b> 1
			-	_	সরবরাহ			
	ার কোন সম্বানদাতা নেই	२२-छ%	20-	469	ফলফুল ও গোশত সরবরাহ করা হবে(জান্তাতীদেরকে)	৫২-তৃর	22	1001
সম্মান বজার রাখা			$\perp$		স্থল	1	-	
	মন করে, অসার কথার পাশ দিয়ে)	২৫-যুৱকান	૧૨	42.4	পথ ( রাসল স. মহাখন স. সরল পথের উপর প্রতিষ্ঠিত )	৩৬-ইয়াসীন	8	p.s.
সন্মানিত					পথ (ইমান নিয়ে কুকরী বদল করলে সরলপথ হারাবে)	১-বাকারা	307	67:
	नवदित्र च्या, अत निवधे शहरूर काल)	e>-पविवाठ	28	959	পথ (সরল পথ থেকে সর্বাধিক পথএর, পালাচারীরা)	e-xifiter	90	6A1
	ৰাশিত ব্যক্তিনেৱকে অপমানিত করে)	২৭-নামশ	98	tros	পথ (সরক পথ দেবাবেন প্রতিপাকর মুসারক, মুসার আশা)	২৮-কাসাস	35	Po.
সারশ (সন্ধানিত আরশে		২৩-মু'মিনূন	336	170	नव (अवन नव राज्यान दावनानक क्रांटक, क्रांव जाना) नव (अवन नव राज्यात रू. (र जब्बाक अरव उपनी करत)	০-মারিদা	24	67
কাঞ্চিত্রতা ((দুনিয়াতে ক	ফিররা হিল লক্ষনিত)	৪৪-দুখান	85	308	गर (गर्म गर विकास है), हा जहारह गर कुमा करने) गर (श्रम गर विकास है, हा जहारह गरक स्थान	৬০-মুমকাহিনা	24	
কুরআন (সন্মানিত কুরুত	লে এক বিরাট কলম)	৫৬-ওয়াকিয়াত্	99	285	পৰ (মাল পৰ বামায়েই সে, যে অল্লাহৰ প্ৰকাশ সাহে) পৰ (মাল্লাহৰ ইবানত কৰাই নৱল পৰ)	৬০-মুমজাহনা ৩৬-ইয়াসীন		hợi
জান্নাতে সন্মানিত হবে চ	डावां यांवा	৭০-মা'আরিম	02	29.5			67	464
ভাৰতবাধান (অধিক ভা	কওয়াবান আল্লাহর নিকট)	৪৯-ছদরাত	20	252	পথ (আল্লাহর নিবট পৌহার জন্য এটাই সরল পথ)	১৫-বিজর	82	3,01
	ল আমাতে (অনুপ্ৰয় পেলে মানুল বলে)	৮৯-থান্তর	34	2052	পথনাই (সরক্ষ পথ থেকে পথনাই যে সম্প্রদায়)	হ-মারিদা	33	691
	व्य मान करण नविश्व १६नुमस्य (माम)	১২-ইউসুফ	02	079	সরল পথ (আরো দেখুন পথ শব্দটি)			
	मा, प्राच्चारश महाम श्रदश श्रमण)	a 3-काश्या	20	367	কিতাৰ ধারা সঞ্জল পথে পরিচালিত করা (রাসুল স. কর্তৃক)	৪২-পূরা	45	P-30
	া আল্লাহর নিকট কথানিত হবে)	৩৭-সাক্ষাত	82	lug b	সরল-সঠিক			
	मिठा जन्मनिकास (सा कार्य)	১৩-মুনাঞ্চিক্স	b	208	বীন (গঠিক বীনের জন্য চেহারা ছাপন করার নির্দেশ)	00-8¥	80	1/20
वात्रम म, (जितवात्रम म		৮১-ছাক্টীর	230	2009	পৰ (সাল-সঠিত পৰ, অস্থাতা ইবাণত ও বাসুল স্, এর অনুগতা)	৩-আলে ইমরান	43	68
	একেডিলে কিব'ক্তিন সক্ষরতার বাছে)	88-मधन	3.9	2009	পৰ (সংগ্ৰ-সঠিক পৰে পৰিচলিত কৰেন অন্তাহ, যুকে ইছা)	২-বাকারা	284	676
	এক বসুদা স. এর বাহিত কথা)	১৯-হাৰাহ	80	900	পথ (সংগ-সঠিক পথ, এক আল্লাহর ইবাদার করা)	১৯-মার্ট্রাম	9%	300
		00-046	00	*10		P	-0	1 .00

সরদ-সটক সর্বজনী

नवः रिना/धनव	नुबा नः । नान	1217	्का	नम् रिस्क/सनम	সুহা গং ও বাব		
সরল-সঠিক (পূর্ব পূচা খেকে)				যক্তম সভিত্র নোর প্রর্থন করু ইউস্ফ প্রতিপশকের নিকট	১২-ইউসুক	00	69
পুৰ (সরল-সঠিক পুৰ দেখাবেন ইবৱাহীয় আ, পিতাকে)	১৯-মারইয়াম	80	909	সন্য থেকে বীজ্ঞান সহিত্তে লেৱা হয়েছে (মুশৱিকদের প্রদাস)	১০-ইউনুস	હર	96
গ (সঞ্চা-সঠিক পানে পরিচালিত করেন স্বস্তাহ আনেকে)	৫-মাছিলা	36	62.5	সবিয়ে বাখা			
পং (সরল-সঠিক পার পরিচলিত কালে স্বস্তাহ বাকে ইন্স)	78-ME	85	993	শ্বরি থেকে নিক্সয়ের দিন যাকে সরিক্ত এবং হংগ থেকে নর করা হংগ	৬-আন্আম	36	69
পথ (সংশ-সঠিক পথে ৰসে থাকাৰে ইবলিস)	4-90,016	36	628	সরিধা			
পথ (সরক্ষ-সঠিক পরে সোজা হয়ে চলে যে সেই সঠিক পথ প্রাক্ত)	94-54ks	સર	290	বাল (পঠিয়া দলও পঠিমণ আছাও বিয়ামতে উপস্থিত করা হতে)	২১-আধিয়া	89	9,0
পর (অস্তাহর নিবট সরশ-সঠিক পথ প্রার্থনা)	5-95/643	8	603	দান (স্থান্তর দান পরিমণ স্থল বস্তুত অল্পাহ উপস্থিত কর্মেন)	৩)-পুৰুমান	36	80
পৰ (আল্লাহর ইবানত করাই সরক্ষ-সঠিক পথ, দিসা আ, প্রসঙ্গ)	80-पुश्कप	48	900	সূৰে থাকা			-
পৰ (নৰী/পিতা/ভাই/বংশধৰ সৱল-সঠিক পথে পৰিচালিত)	৬-ডার'ডার	59	608	হল্ম পর্যথ্য সরে থকা রানীকে সুপাইমানের পত্র দেরার পর)	২৭-দামল	45	50
পথ (সক্রা পাঠর সেকে আহ্বাদ করেন রাকুদ, করিবাশাকে)	२०-स्'विकृत	90	990	সরে পঠা		-	-
পথ (সরল-সত্তিক পথ অনুসরণ করার নির্দেশ)	৪০-যুগকফ	65	300	আঞ্চাদ খেলে সরে পড়ে যারা আল্লাহ তাদেরকে জাদেশ	२8-गृह	60	93
পথে পরিচালনা করেছেন আল্লাহ মূসা আ. ও ব্যক্তনকে	৩৭-সাক্ষাভ	229.	3495	উচ্চুক্ত হয়ে সরে পড়ে মুলফিক/কফিরর (রাসুল স. এর	40.70	-	۳
পথ (ইবয়াইম আ. কে অল্লাহ নাজ-নাটক পথে পরিমেলিভ করেন)	১৬-নাহন	252	920	অঞ্চলাপ হলে)	৯-জাওবা	60	166
পূথ (আল্লাহর সরশ-সঠিক পথকে অনুসরণ করা)	৬-অনু আন	320	927	অভিযাপনা সাম পড়া (লোহানা উপয় গৈৰেলা কাতে বাস)	৩৮-সোৱাদ	6	bre
পথ (অল্লাহ রাসুল স. কে সরল-সঠিক পার্য পরিচলিক করেছেন)	৬-আন'আম	363	655	শিহনে সরে পড়ত করিবর, জারাত পাঠ করা হলে	২৩-মু'বিদুদ	66	90
পথ (কুবজান সম্বদ-সৃত্তিক পথে পথিচালিত করে)	৪৯-আহ্বাক	00	227	শিশ্বৰ পৰে পড়ৰ পাচাৰ্যৰ (বনহায়ুছে)	৮-জানফাল	87	100
পথ (প্রতিপালকের নির্দেশিত সরল-সঠিক পথ ইসলাম)	৬-আন'আম	259	bob	ভূমিবাদের থেকে সত্তে পরে পুরান্তিকতা সূরা দায়িল হলে	৯-ভারবা	249	96
পথ (রাসুল স. বে সালা-সটিক পথ প্রদর্শন করকের আল্লাহ)	৪৮-খাতহ	3	979	সরে যাওয়া	9-9/4/	241	-00
পথ (সঠিব পাস পরিচলিত করা হবে, অস্তাহ্বের ধরণা করলে)	০-আলে ইমরাধ		282		as mofe-ex	-	١.
পথ (মুহম্মন সা, সংক্ষা-সঠিক পথেই আছেন)	80-पृत्रकण	80	1,39	পূত্র সরে থার মানুগ (আন্তান্ত তার প্রতি দেয়ামত পান করলে)	৪১-ফুস্সিলাভ	62	n
পথ (মমিনসেরকে সরক-সচিক পথ প্রদর্শন করেন জাল্লার)	৪৮-ফাতহ	30	972	পাপে সরে বার মানুষ (আল্লাহ নেরামত সিলে)	১৭-ইস্বা	pro	93
পথ (সুনায়িকদেনকে সৰল-সঠিক পথ প্ৰদৰ্শন)	8-971	00	6.06	মুফিনবের কাছ থেকে সরে যাওরা (যুদ্ধ প্রসঙ্গ)	8-FPRT	90	20
পথ প্রদর্শন (কুরমান সরল-সঠিক পথ প্রদর্শন করে)	১৭-ইসল	9	938	মুক্তিবাদের থেকে মুব্যফিকরা সরে না গেলে(যুদ্ধ প্রসঙ্গ)	8- <del>[iN]</del>	22	20
লব (অক্সাহ দিয়ালনাহলেকে সমল-সঠিক পথে পরিচলিত করেন)	8-RRI	392	645	সর্ব্বাসী	_	_	╙
পথ (অক্সাহ বাকে ইচ্ছা সৱল-সঠিকপথে বাবেন)	৬-আন'আম	co	699	বৃত্তর (রাসুল শ, এর কাম এসেম্ন কিমর্পর্যাসী বিসাধনো বৃত্তর)	৮৮-পাশিরাহ	,	30
পরিচালিত করেন অল্পাহ সংল-সঠিক পথে, বাকে ইজ্ঞা	২-বাকুয়ো	450	458	শান্তি (সর্জ্ঞানী শান্তি থেকে কি মানুধ নিরূপন মনে করে)	১২-ইউসুফ	209	88
সরল-সঠিক পথ	C 114140	-	440	সর্বজ			
ব্যবা-নাডক শব অনুসর্থ করার নির্দেশ (আল্লাহর পথ/সরল-সঠিক পথ)	৪০-মুখকফ	65	300	আপ্লাই (গারেকের মনে প্রথম)	৩১-সুকমান	*8	65
মালুহর ইবাদত করাই সরক-সঠিক পথ (ঈসা আ, প্রসঙ্গ)	80-पूर्वक	0.8	300	আপ্লাহ দৰ্বজ্ঞ ও মহাপ্ৰজাবাদ	৬-আন্'আম	72	Q:
লা (বে সাল পথে লোকে গায় কুমাজন তাম জন্ম উপটেশ)	৮১-ভাৰতীৰ	2hr	2009	আল্লাহ পর্বন্ধ (বাদার অপরাধ সম্পর্কে)	২৫-ফুরকান	Q.A.	93
सुरा विशेषक निर्माणनकारी श्राम-गरिक प्रश्. (चनाव ट्रान्ट)	১৬-বাহুল	96	900	व्यक्षं र नर्वस ७ नृष्ट्रमणी	৬-আন্'আম	200	6
প্রিচালিত (ইবরাহীম আ, কে আল্লাহ সংল-সঠিক পথে	20-1051	10	100	আপ্লাহ সর্বন্ধ (নবী ও বার শ্লীর গোপন কথা প্রসঙ্গ)	৬৬-ভাহরীম	0	24
निवासिक (१९५४) प्रविश्वासिक करवम)	১৬-নাব্ৰ	252	920	আপ্লাহ সবল বিধরে	৩১-পুৰুমান	36	P-3
र्शकानको (प्रहार प्रीम्कवार नक्त-र्कृत गर गरिकानको)	২২-হাজ	48	950	আপ্লাহ মহারক্ষাবাদ ও শর্বন্ধ	৬-আন্'আম	90	80
প্রিকেশ (অক্সহ ব্যৱে ইচ্ছা সাল পথে পরিচলিত করেন)	১০-ইউনুস	26	969	আল্লাহ (মানুহের কর্ম ও ভাকওয়া সম্পর্কে)	৪৯-র্কুরাত	30	9
প্রতিপালক সরল-সঠিক পথে আন্তেন(কুল আ এর প্রতিপালক)	३३-दूल	46	690	প্রতিপাদক সর্বজ্ঞ (বাদ্যর অপরাধ সম্পর্কে)	১৭-ইদ্রা	24	93
বৃহাত্মন সা, সরল-সঠিক পথে প্রতিষ্ঠিত	44-17m	59	958	কৰি (দৰ্যক্ৰে পৰ তেবে বিপ্তবিত কৰি, অণিক-পাম-বা)	३ <b>३-द्र</b> म	3	60
বুর্মন সা, সরগ-সঠিক পথেই আছেল	80-JASen	80	464	সংবাদ (সর্বন্ধ আল্লাহর মত কেউ মানুষকে দিকে পারেন্য)	०६-कारित	38	78
Nation:	2.44		- 200	সকল বিবরে (আল্লাহ সকল বিবরে সর্বন্ধ)	৩৪-গাবা	>	48
গরালে। মদুদকে সরিয়ে আল্লাহ দতুন সৃষ্টি আনতে পারেল (ইচ্ছা করলে)	১৪-वेरवादीय	72	6348	দৰ্বজাতা			
সরাসরি কথা বলা	20-4-E994	-0	1000	प्राष्ट्राद नर्रकामी च शकायम	৪৩-মুখকুথ	9.8	21
সরাদার কথা বল। মুসার সাথে আল্লাই সরাসত্তি কথা বলেছেন	8-971	368	440	সর্বজানী		L	1
মূলর লাগে আল্লাহ সরালার কথা বলেছেন সরিত্তে লেয়া	0-17/1	308	6.49	আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও পরম সহনশীল (মীরাস প্রসঙ্গ)	৪-পিশা	24	20
			-	अञ्चर् अर्वव्यक्षी त नवम अर्वजीन	৩৩-জাহ্যাৰ	62	310
আল্লাহ সবিবে দেশ তাদের হলরকে	৯-জালো	254	960	অস্ত্রহ সর্বজনী ও মহাপ্রজনান (মুখিন হতার কাফদারা প্রদক্ষ)	8-991	84	64
প্রতিশাসক মেইবাস সভিয়ে সিতে পরাল (জনকে কুমার্চিনিক নতা এ:)	৩-জন্মান	>00		व्यक्तार मर्वकानी ও मराधकारान (कमम व्यवमन धमन)	৬৬-ভাহরীম	2	3
মানুৰকে সবিয়ে দিয়ে আল্লাৰ নতুন সৃষ্টি আদতে পাৰেন	०१-वास्ति	>6	784	ञ्ज्ञार (गर्वसानी ও মহাপ্রধাণশালী ञ्राह्मस्त्र निर्धदन)	৪১-তুস্নিলাভ	25	P
মানুহের কতককে সহিত্তে আল্লাহ অন্যদের আনতে নক্ষম	8-দিসা	>00	640	चाद्वार गर्रबामी ও महातबाराम (शार श्रमश)	8-मिमा	222	Q.
বুর্নিশ্রনেরেন সহিত্তে দিরান অক্সাহ (উন্তরে মুমিনটার গরান্ধর)	৩-অলে ইম্যান		660	অক্সাহ সর্বজনী (ফেরেপথানের জানের সীমাবছার এপকে)	২-বাকুবো	65	00
পণ্ডি সভিয়ে লেমার প্রার্থনা (রহমানের বান্দানের)	২৫-ফুরকনে	60	93/9	অস্তাহ সৰ্বআশী (হুলাইবিয়ার সন্ধি প্রসন্ধ)	8५-मार्ट्ड	8	8
পঞ্জি সহিয়ে নিতে পারবে না মুপরিকরা	২৫-ফুরকান	79	93/0	অস্ত্রহে সর্বজ্ঞানী (সন্তান দাব প্রসাম)	৪২-শূরা	¢0	bi
পিলাবৃটি সরিজে দেন আল্লাহ (খার থেকে ইঞা)	२८-मृत	80	999	আল্লাহ সৰ্বজ্ঞানী ও মহাপ্ৰজ্ঞানাৰ (উওৱা কবুল প্ৰসঙ্গ)	8-लिश	24	00
বন্ধবন্ধ সন্ধিয়ে দিলেন প্রতিপালক (ইউসুক বেকে)	১২-ইউসুফ	108	thro	আদ্রাহ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজাবান (মীরাস প্রসঙ্গ)	৪-নিদা	22	00
সবিয়ে নেয়া				जहार गर्रकानी ७ मराहकारान (किरान हानक)	8-मिगा	308	0
অহংকারকারীদের আল্লাহর নিদর্শন সেকে সরিয়ে দেবা	৭-আ'রাক	180	950	जहार गर्दरानी	৩-আলে ইমরান	90	08
প্রায়ত দিয়ে বিভর্কসারীদেয়কে সভা থেকে সমিয়ে লেয়া হয়	৪০-মুমিন	63	998	चहार रशतबारान र अर्रबानी	ও-আন'জায	200	60
		6	7-93	खड़ार नरब दक्षिश्चनरास च गर्रबामी	8-विमा	589	6.0
মানুষকে সভ্য/ইলাহ থেকে কিঙাবে সরিবে নেরা হচেছঃ	৩৯-বুমার						

স		36	र्वकानी	সহজ			
PROPERTY.	西水油群	-	201	TO RIGHTS	700年10月1	-	1981
সৰ্বজ্ঞানী (পূৰ্ব পূচা থেকে)				অল্লাহ সৰ্বশক্তিমান (ভারই রাজত্ব ও প্রশংসা)	৬৪-ভাগাবুন	2	200
प्राष्ट्राव नर्बद्धाचा ७ नर्बछानी	২-মকুরো	301	949	আল্লাহ সর্বশক্তিয়ান (জীবন ও মৃত্যুদান প্রসঙ্গে)	৫৭-হানীন	2	885
আপ্তাৰ সৰ্বশ্ৰোতা ও সৰ্বজ্ঞানী	२-चन्द्रादा	200		আল্লাহ সর্বশক্তিয়ান (আকাশ ও পৃথিবী সৃষ্টি প্রসঙ্গ)	৬৫-ডালাক	32	868
অন্তাহ সর্বশ্রোতা ও সর্বঞ্জানী (মন্দ কথা প্রকাশ প্রসাদ)	a-Size	383r	2%	অস্তাহ সর্বশঙ্গিনান (অস্তাহ নবীও কন্যাণ করা প্রসহ)	৬-জান আম	23	259
অস্ত্রাহ সর্বপ্রোতা ও সর্বজ্ঞানী (পরতানের প্রয়োচনা প্রসঙ্গ)	ე-জা'ব্যক	200		অল্লাহ সর্বশক্তিয়ান (অবাধ্য জ্ঞাতির শান্তি প্রদান প্রসাদ)	০৫-ফাভিব	88	800
আপ্তাহ সর্বজানী (পর্ববর্তী অবাধ্য জাতির শক্তি দান প্রসঙ্গ)	০৫-ব্যতির	88	) PEO	অস্তাহ সর্বশক্তিয়ান (সর্ববিদ্ধুর উপর)	২-বাকারা	209	425
আপ্তাহ সর্বজ্ঞানী (শ্বমিনমের কতকর্ম সম্পর্কে)	१५-दबदाड	3	340	অস্ত্ৰাহ সৰ্ববিশ্বৰ উপৰ সৰ্বপৃতিয়াৰ	২-ধারারা	20	606
पाद्वाद नर्वकानी व नर्वशानी	২-বাঞ্চারা	226	630	অহায় সংবিদ্ধা উপৰ সৰ্বপৃত্তিয়াৰ	২-সংক্রারা	298	0.08
আন্নাহ সর্বজ্ঞানী ও সর্বপ্রোতা	२५-व'वाडा	220	325	ব্যহার সর্ববিদ্ধ উপর সর্বপঞ্জিয়ার	২-বারুরো	269	402
আছাৰ সৰ্বজ্ঞানী (পয়ভাবেৰ প্ৰয়োচনা প্ৰসঙ্গ)	৪১-ফ্সনিবাত	100	757	অস্ত্রাহ সর্ববিদ্ধর উপর সর্বপৃতিয়ান	২-বার্থবা	306	233
प्राप्तार गर्रकामी व गर्रतनावा	১০-ইউন্স	96	990	অস্ত্ৰাহ সৰ্ববিদ্ধৰ উপৰ সৰ্বপঞ্জিমান	8-विमा	70	469
प्रकृति गर्दकारी व गर्दक (शिव ग्राप्य मंत्रिव ताला कवा तमक)	30-40 T	*	390	অস্তাহ সৰল বিষয়ে সৰ্বশক্তিয়ান	82-70	>	P92
সান্তাহ সর্বন্ধানী ও সর্বব্যাপী	३-वाकाता	365	607	অস্তাহ যাৰ্ক্তবাকাতী ও সৰ্বশক্তিয়ান (দোষ মাৰ্ক্তবা প্ৰসঙ্গ)	৪-বিশা	28%	290
पाद्याद नर्वकानी ও गर्वराष्ट्री	२-वा <b>रा</b> श	59P.	603	অক্সাহ দর্বপঞ্জিমান (মুমিনদের বাঙবা ও অন্যান্য প্রবঙ্গ)	66-सर्वेप	b	290
प्राप्ता वर्गकानी (प्राप्ताव नामार शनतन)	59-8048542 4-48681	400	172h	অপ্তার সর্বশক্তিমান (বাজত প্রদাস)	৬৭-মুক্ত	3	234
प्रकार अवस्था (अक्षारंत नामार दन्दर) प्रकार अवस्था (विश्वतीय क्ष. ५ वेजम्मीतात कार्त निर्देश उनक)	२-शक्तर इ-सक्तर			मर्गट्यां	0 1.4.14	-	014
प्राक्षाद नव्यक्षमा (६०६६६२ व्ह. च दनमानदात कार्य समाग्र जनन) प्राप्तात नवंश्वसमी च नकम निमाद प्रवृत्ति		254	678		-	-	_
আপ্তাই নৰজানা ও সঞ্জ বিষয়ে অবাহত আপ্তাই নৰজানী ও সৰ্বশক্তিয়াৰ	8-নিশা	00	692	সাক্ত (অক্সাইই কর্মনুষ্ঠ সাক্ষা, রাস্ক ব. এসছ)	৬-আন্'আম	7.79	624
	১৬-নাহ্ল	90	40%	সৰ্বশ্ৰেষ্ঠ বিচাৰক			<u> </u>
আস্থাহ (সর্বজ্ঞানী আস্থাহর পক্ষ থেকে কিন্তবের অবন্যবদ)	৪০-মুমিন	3	1994	অস্তাৰ (অস্তাৰ সৰ্বশ্ৰেষ্ঠ বিচাৰক)	৯৫-তীন	b	3029
আপ্তাহ (নৰ্বজ্ঞানী আল্লাহ আকাশ-পৃথিবী নৃষ্টি করেছেন)	৪৩-যুধকক	>	930	সৰ্বপ্ৰোৱা	1	}	
पाद्वाद वर्षकामी	৩৪-সাব্য	26	780	আক্সাহ নৰ্বস্ৰোচন ও নৰ্বভুৱা (নানে বিচার প্ৰদাস)	৪-নিদা	Q.p.	268
নির্ধারণ, নর্বন্ধানীর (সূর্বের চলচেল তার নির্দিষ্ট অবস্থানে)	৩৬-ইয়াদীন	৩৮	b48	আল্লাহ পর্যন্ত্রোয়ে ও সর্বজ্ঞানী	২-বাকুরো	₹26	600
নির্বরণ (মহারাজপশালী ও সর্বজ্ঞানীর নির্বরণ,চন্দ্র-সূর্ব-রাসস)	৬-আন্'আম	99	906	অক্সাহ সর্বস্রোতা ও সর্বজ্ঞানী	২-অকুরো	309	675
প্রতিপাদক (আহার) মহাপ্রকামর ও সর্বঞ্জানী	৫১-বরিরাত	00	3-26	অস্তাহ সর্বপ্রোজ ও সর্বজ্ঞানী (মন্দ কথা প্রকাশ প্রসঙ্গ)	৪-নিসা	784	496
প্রতিশালক সর্বজ্ঞানী (কুরআন অবতীর্ণ প্রসঙ্গে)	88-দূৰ্যন	9	905	আক্সাহ সর্বপ্রোভা ও সর্বজ্ঞানী (চন্দ্র-সূর্ব-সক্ষয় প্রসঙ্গ)	৬-জান্'আম	20	696
প্রতিপাদক সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজ্ঞাবাদ	24- <u>\$</u> 8 <b>3</b> 79	ъ	944	অক্সাহ সৰ্বস্থোত (ইংরাইয় জ. ও ইসমস্বিসার করে নির্মণ প্রসঙ্গ)	২-বাকারা	249	849
হতিপাসক সর্বজ্ঞানী	১৫-ছিজর	₹2	680	অক্সর সর্বপ্রোর (আক্সরর সাকাৎ প্রসঙ্গ)	২৯-আমতাবৃত	0	736
প্রতিপাদক সর্বশ্রেকা ও সর্বঞ্জানী	৬-আৰু আৰ	226		অক্সহ সর্বপ্রোম ও সন্দ্রীয়	80-इ"सिम	66	445
প্ৰতিপাশক মহাপ্ৰজ্ঞাবাদ ও সৰ্বজ্ঞানী (মৰ্মানা দাদ প্ৰসঙ্গে)	৬-আৰ্'জাম	310	900	আল্লাহ সর্বশ্রোতা ও সর্বজ্ঞানী (পরতানের প্রয়োচনা প্রসঙ্গ)	৭-জা'রাফ	200	403
প্ৰতিপাশক মহাপ্ৰজাবাদ ও সৰ্বজ্ঞানী	৬-আন্'আম	254	5chr	অল্লাহ সর্বশ্রেন্ডা (মুমিনদের কৃতকর্ম সম্পর্কে)	৪৯-ইস্কুরাত	- 3	340
মহেরপশালী অস্তাহ , যিন সূর্যের চলচল নির্ধান্ত বরেন	৩৬-ইয়াসীন	Cp.	35st	আল্লাহ সর্বপ্রোক্ত (পরাক্তানের প্রয়োচনা প্রসাষ)	৪১-ছুসুসিলাত	08	YYY
সর্বদা				আপ্লাহ সৰ্বজ্ঞানী ও সৰ্বস্থোৱা	২৬-৬'জারা	220	933
বিল্লানত (সর্বদা বিল্লানত দেখা যাবে সর্বদা বনী	৫-মাছিলা	>0	eve	প্রতিপাশক সর্বস্রোয়া ও সর্বজ্ঞানী	৬-অদ'জম	334	809
देनवादेनाम्य भारमः)	(2-4)(84)	100	644	প্রতিশাসক নর্যস্রোধা (কুরস্কান স্ববর্তীর্ণ প্রসঙ্গে)	৪৪-নুখান	6	808
সৰ্বপ্ৰয়া				সর্বাস্থ্যক			
আপ্তার সর্বপ্রোদা ও সর্বদুটা	৪০-মুমিন	20	999	বছ (বৃশ্ববিদ্যান বিকল্পে সর্বাহ্যক হাছের নির্দেশ)	৯-জাতবা	40	680
সাস্থার সর্বনুটা (মুসা আ, ও হারুন প্রসঙ্গ)	২০-ডা-খ্য	00	182	কুম (কমিবাসের নার সর্বাস্থ্যত হয়ের জন্য মুক্তিনাসমূতে নির্দেশ)	৯-জাওবা	95	980
অস্ত্রাহ সর্বন্তা ও সর্বলোকে (মানুধ-জীব-আকাশ-পৃথিবীর সৃত্তি)	৪২-প্র	22	25.0	30(1)6			
আল্লাহ সৰ্বলোডা ও নৰ্বনৃষ্টা(মানব সৃষ্টি ও পুনরুখান প্রসঙ্গ)	৩১-দ্ৰমান	২৮	854	অপ্তাহ সূৰ্যেত্ৰ মৰ্থাপাৰণ	১৩-রাম	>	6678
স্মাল্লার সর্বসমী ও সর্বপ্রেক্তা (ন্যায় বিচার প্রসঙ্গ)	8-971	ar	298	উপমা (অপ্তাহর কল সুর্যাচ্চ উপমা)	১৯-নাহল	60	909
প্রতিপালক সর্বনটা (বান্দার অপরাধ সম্পর্কে)	১৭-ইপরা	29	920	প্রতিশাসক থোলো করম, বিশ্বআইন নিজেকে	৭৯-নাথ জাত	48	2008
प्रवंतान .			-	ম্বালা (আপ্লাহ সর্বোচ্চ মর্বালার অধিকারী)	80-मुपिन	76	1008
विक् (मर्कसन विके कराव महम्मदकवीत क्या द्वार, चावरवाक अन्त्र)	2-8/64	81	180	अद्गीतव	00-7147	36	e-4h
प्रधिनद्भाव गर्वमार्थ कदाज क्षणी कदा मा (काविवता)	ত-মালে ইমরান		981	সমাভৰ সুষ্টা আল্লাহতে পৰিভাগ কৰে 'বা'আপ দেবছাকে ভাকা	-		_
अर्दशाना		***	100		৩৭-নাক্জাত	254	3,00
শতি (মার্লামের শতি সর্বনাশা)	২৫-করকান	62	93-9	সংগ্র			_
गर्वतानी	45-53404	Q5	191	কুৱাইশদের সহচর/মুহামদের মাঝে পাগলায়ী দেই	৭-আ'রফ	2248	900
স্বব্যাপা আহায় সর্বজ্ঞানী ও সর্বব্যাপী			L	অসিম ও তার সহারলেকে সমানত বলে আন্তর্ভারে প্রেকা	৩৭-সাফ্সাভ	22	562
आहार मरकाना ७ नववाणा आहार मर्ववाणी	২-বাকুরো ০-জালে ইমবান	563		নিকৃষ্ট সহচর (আল্লাহ ছাত্রা অন্য উপাসারা নিকৃষ্ট সহচর)	২২-হাজ	7.0	969
जाहार मरनामा जाहार मर्ननामी ७ मरासामी		90	480	নিকৃত সহচর শহাতান (বিচার বিশে মানুধ বলবে)	৪০-যুগক্ষ	40	9,99
	৫-মবিদা	68	43.43	দিবাস (মাক্লান্য শাসনো জন্ম পথান নির্দাস করে দেশ মাক্লাম)	৪১-মূপ্সিশাত	20	999
		224	630	মানুহত্য সহার শায়না করে- 'আমি মানুদকে জনাধ্য করেনি'	50-ājá	રવ	250
पाद्वार गर्वशानी ७ गर्वश्वानी	২-বাকুবো						
पाद्यार गर्वशाणी ও गर्वश्वामी पाद्यार गर्वशाणी ও गर्वश्वामी	২৪-দূর	વર	111	শরকান সহার হর (পাস্তাহর অরমধিমূপ ব্যক্তির)	৪৩-যুগরুয়	99	737
আল্লাহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী আল্লাহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী আল্লাহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী			111	পরতাবের সহস্রবের পথে আসার আহবান	৪০-যুখক্ষ ৬-আন্'আম	95	905
আয়াহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী আয়াহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী আয়াহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী সর্বদক্ষিমান	২৪-সূত্র ২-বকুরো	02 209	१७२	পরতাদের সহচরদের গথে আহার আহ্থান সহজ	৬-আৰ্'আম		
অল্লাহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী আল্লাহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী আল্লাহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী আল্লাহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী সর্বাদি আল্লাহ সর্বাদি আল্লাহ সর্বাদি বাদ	২৪-পূর ২-বাকুরো ৪৬-বাকুরাক	02 269 00	977 605	পরতাদের সংকরদের গথে আসার আহবান সহজ্ঞ আধান পোড়াবো সহজ (জাল্লাহর জন্য)			
আয়াহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী আয়াহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী আয়াহ সর্ববাদী ও সর্বজ্ঞানী সর্বদক্ষিমান	২৪-সূত্র ২-বকুরো	02 209	१७२	পরতাদের সহচরদের গথে আহার আহ্থান সহজ	৬-আৰ্'আম	42	905

			755	200			2
नवः विश्वद्वतत्र	नुबास चनान	100	i di k	निष दिश्द/धंदर्भ	<b>丹町市(地南京</b> )	Market No.	290
সহজ (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)	-	-	-	স্বাল্লার পরম সংবর্শীল	৫-আলে ইমরান	>20	203
অস্তাহর জন্য সহজ (মানুষ সৃষ্টি ও তার আরু,রাস-বৃদ্ধি)	००-मधित	22	281	আপ্লাহ পথম সহবাদীপ	৫-মারিদা	202	230
সাল্লাহর জন্য সরজ (সৃষ্টির সূচনা ও পুনরাবৃত্তি করা)	২৯-আনকাবৃত	22	5539	অপ্তাহ পরে সহদশীল	२-शक्ता	220	454
সাল্লাহন পক্ষে সহজ (মুনাফিকদের কৃতকর্ম বিকল করা)	००-मध्यप	29	b-08	ইংবাহীন আ, হিসেন জভার সহনশীস	৯-ভাগ্য	338	622
সাল্লাংর অন্য সহজ (আন্যশ-পূথিবীর স্ববিদ্ধ কিতাবে	-	_		ইবরাইম জা, হিলেন সংনশীগ ও কোমদ শ্রনর	১১-বুদ	9.0	694
দিশিবভ করা)	55-8Jak	90	968	পুত্র (ইবরাহীয় জা. কে সহনশীল পুত্রের সংসংবাদ দান)	০৭-সাহ্যাত	303	167
प्रमुक्त कर गरम ( क्यिक मानियान मानुकान १५ अस्मित)	৪-নিগা	262	998	ত'জাইব আ. সহনশীল ও সুবোধ (সম্প্রদায়ের লোকেরা	1		
অন্তাহর স্বন্য সহজ (অপ্রীলভার জন্য হিছণ শান্তি দেরা)	००-व्यवस्थ	80	proé	হৰপ)	22-दूग	24	690
অল্লাহর মন্য নহম্ব (আছনে পোড়ানো)	৪-নিদা	80	695	সহবাস			
উত্তমকে সভ্য বলে শীকৃতিদানকারীর জন্য সহজ করা হর	১২-লাইল	9	3096	ই'ভিকাত অবস্থার সহবাস নিষ্ণেধ	২-বাকুরো	35-9	643
কঠিনকে সহজ করা হয় (উত্তরকে অখীক্ষরকারীর জন্য)	১২-শাইল	30	3098	স্ত্রীসংবাদ (সংবাস্থার স্ত্রীকে মোজের প্রকাশ অবশ্য পাদনীর)	8-PP1	28	deo
কথা বলা (হকদারদের সাথে সহজ্ঞ কথা বলা)	১৭-ইসল	2/2	920	ছীসহবাসের পর ভারাপুর হারা পরিয়াতা অর্হান প্রসঙ্গ	8-9PH	80	495
কাঞ্চিবদের অন্য সহক্ষ নয় (কিয়ামতের দিন)	18-মুখ্যমূহিব	30	390	দ্বীর সাথে সহবাস করা হলে তার পূর্বস্থামীর কন্যাকে বিস্তে	-	-	404
কাজ সহজ করার জন্য মুসার লোরা	२०-झ-श	26	984	यस	8-मिमा	20	669
কুমবান সহজ করেছেন বাস্তাহ (উপদেশ এহনের জন্য)	৫৪-কামার	55	309	প্রিয়া সহবাস করা না হলে তার পূর্বকারীর কন্যাকে বিস্তু বৈদ	8-9741	20	669
कृतवान नश्य करतास्त्र वाष्ट्राव (विनातन तावान बन्त)	৫৪-কামার	29	305	সহযোগিতা	8-77-11	40	440
क्रमान गरेस स्टब्स्ट जाड़ार (क्रमान सर्वात स्टब्स्ट) इनाइनवरती (न्दरस इनाइनकारी (नियालत क्रमा)				কণী ইগরাইলের সহযোগিতা (পাপ ও সীমালকানে)		-	⊢
সাচৰকাৰ (শহলে সাচৰকাৰ নোবানের কন্ম) মির্দেশ (সংকর্মশীল ঈমাননারনের ক্ষত)	৫১-যবিষ্কান	٥	354		২-বাকুরো	2.6	670
	১৮-কাব্ৰু	bb	902	রাস্ত্রনারক সহযোগিত করলে পাপ করা করাক। অস্তাহ	৫-মারিশা	25	62.5
পথ (মৌমাজিকে প্রতিপাশকের সকলে পথ অনুসরতার নির্চাল)	১৬-শহল	62	40%	সহবোগী		_	_
পথ (সহল করে দিরেছেন আপ্রাহ মানুহের পথ)	৮০-আবদা	50	2009	কমিয়ানে সহযোগী খাকলে কৰে ভেকে দূৱ কৈনিব ভালেছ	২-বাকুরো	₹≎	600
পুনরাবৃত্তি (সৃষ্টির পুনরাবৃত্তি করবেন আল্লাহ)	৫০-ইম	29	P-58	সংশূর্ত <b>শী</b> ল			
মধ্য (কুরখন সহর ভবর অবর্তন, উপদেশগ্রহণের জন)	৪৪-দুখান	er-	806	রপুল গ. ও তাঁর সাধীগদ সহানুভূতিনীক (তানের নিজেনের মধ্যে)	৪৮-ফাত্হ	270	979
মানুদের প্রতি সহন্ত করতে চান আল্লাহ (রোবা প্রসঙ্গ)	২-বাকুরা	79.6	650	সংগ্ৰ			
মাইরামের পুত্র হওয়া নহন্দ (প্রতিপালকের নিকট)	১৯-মারইয়াস	52	405	অবিশাসীনের সহার হওয়ার জন্য বহু ইশাহ প্রহণ করেছে	১৯-মারইরাম	5.4	906
মুপ্তাকীদের কাল আপ্তাহ সহল করে দেন	৬৫-ভালাক	8	994	সহায়প্তল			_
বাকবিকাকে সন্তান দান (প্রতিপালকের জন্য সহজ্ঞ)	১৯-মারইরাস	2	908	দল্লমর প্রতিশালকই প্রাপুশ্বরন্দার সহায়সুদা(মুন্দরিক প্রদাস)	২১-জাধিয়া	225	202
अंतृत ग. ५४ कन गरम (ब्रीएस्य मृद्य/क्षात्र झून (स्वा श्राम)	০০-সাহ্ধাৰ	62	brob	সাহাস্য		***	
সম্ভৱ সহজ হলে রাসূল স, এর অনুসরন করত	৯-ভাওৰা	85	588	ভেহারা (কিছু ভেহারা সহাস্য হবে কিলামতের দিন),,,,)	৮০-আৰাসা	o's	2009
সমাবেশ (বিরামধের সমাবেশকরণ আল্লাহর জন্য সহজ)	২০-কৃক	88	3-28	সহীকা	0.0-084941	OB	2004
সৃষ্টির সূচনা/পুনরাবৃতি করা সহল (আল্লাহর জন্য)	২৯–আনকাৰ্ড	29	274			-	Ь.
হিলব সহজ হবে ভার বার ভাল হাতে আফলনামা লেয়া হবে	৮৪-ইন্পিকাক	b	2020	ইবর্মীয় আ ও মৃত্যাঃ সহীক্ষা অনিবাতের উপুন্দান বর্ণীত	৮৭-আ'লা	7.9	7079
সহজ করা				উৰুক্ত সহীয়া কামণা করে প্ৰত্যেক অপরাধী	৭৪-বৃদাধ্যির	45	225
কুরমান সংল করেছেন মাল্লাহ (উপদেশ প্রহণের জন্য)	৫৪-কামার	80	300	পৰিত্ৰ বাছ পাঠ কৰেন (আল্লাহৰ নিকট হতে আনা রাসূপ)	১৮-বরিচনাহ	3	20-59
কুরমান সংক্ষ করেছেন আল্লাহ রাস্কুলের ভাষার	১৯-মার্ট্রাম	23	180	পূৰ্ববৰ্তীদের সহীকার অধিয়াকের উচ্চুক্টভার বর্ণনা রয়েছে	৮৭-আপো	792	3035
কুরমান সহজ্ঞ করেছেন আপ্লাহ উপদেশ প্রহণের জন্য	৫৪-কামার	જ	201	এমাণ (রাসূল স. এর ব্যাপারে পূর্ববর্তী সহীকার উল্লেখিড	২০-জা-হা	100	183
সহল্প পথ সহল করে দিকেন আল্লাহ (রাসূপ স. কে)	৮৭-আলা	ъ	7075	রমাণ আনা রদক)			
সহজ পথ				মর্থানাস-পঞ্জ নহীকানমূহে কুরমান গিপিবর আছে	৮০-আবাসা	30	2009
সহজ করে দিবেদ আল্লাহ সহজ্ঞ পথ (রাসুল স. কে)	৮৭-আপা	b	プロプト	মূলর সহীক্ষ সম্পর্যে জনিয়ে দেয় (গুলীন ইবনে মুগীর প্রসম)	৫৩-নাজম	00	3:08
সহজ্ঞতাবে		÷	1111	সহীকা (আমলনামা)			
বহিন বুলে দের পুত্রবানদের মধ্যে (ক্ষেত্রপাতারা )	৭৯-শবি'আর			উন্মোচন (বিস্মানতে সহিক্য/স্নামলনামা উন্মোচন করা হবে)	৮১-তাকতীর	30	2009
সহল (ভাল কাজ)	13-114 914	3	7000	<b>স</b> ধ্য			
	-		$\vdash$	ভাষান্তামীদের সহ্য করা বা না করা সমান	१२-वृद	36	545
উন্তমকে সভ্য বলৈ খীৰ্তিদানকারীর জন্য সহজ্ঞ করা হয়	১২-দাইল	٩	7056	সাইবা			-
সহয়লত)		$\perp$		থবংৰ (অপ্নাহ বাহীয়া বাবাৰ্শন)	g-शर्विमा -	200	6,940
কুরবানীর পাচ (সহজ্ঞগত্য পাচ কুরবানী করবে)	২-বাকুরা	799	455	সাংগতিক	E	300	4100
পত (সহক্ষপত্য পত ভূরবাদী করা, হক্ষে বাধায়ত হলে)	২-বাকুয়ো	299	455	ৰূপ (অপ্তাহ সন্ধান গ্ৰহণ কৰেছেন বশাঃ)	11 meteor	0	
<b>সহজ্ঞসাধ্য</b>				श्रीहाद राज्य वर्ग नव्यक्त वर्गाः) श्रीहाद	১৮-কার্ফ	ď	948
কুরজানের যতটুকু নহন্ধদাধ্য ডা পাঠ করার নির্দেশ	৭০-মুব্যাপিল	₹0	92.9		N-6-	-	
বুরজানের যা নহজাপথ বা পঠ করার নির্দেশ (মুদ্দিনভারেন)	৭০-মুখ্যাখিল	50	92.9	কৰণাৰে মাতাৰ কাইছে, চাঁপ ও সূৰ্ব	৩৬-ইয়াসীন	80	768
সহনশীল				কন্ধপাৰে সাঁতার কাটে (সূর্য ও চপ্র)	২১-আধিয়া	-00	9.02
<b>जातार गर्वकामी ७ गराम गरमगीन</b>	২২-হান্দ	63	960	ফেরেশভারা, আকাশের নিকে (ক্বহ নিকে)	৭৯-শবি'আত	*	1000
আল্লাহ নৰ্বজ্ঞানী ও পরম সহদশীল (মীরান প্রদর্গ)	8-निमा	25	997	গাকার (জাহান্ত্রাম)			
আপ্তাহ পরম সহদশীল ও সর্বজ্ঞানী	৩০-আহ্বাব	62	bob	উনিশ জন ফেরেশতা সাকারের দায়িতে বয়েছে	৭৪-মুদাছছির	00	166
আল্লাহ পরম সহনশীল (কর্জে হাসানা প্রসঙ্গ)	৬৪-খাপারুন	24	369	ভানানে (সাকার সম্পর্কে রাস্প স. কে কে ভানারে)	৭৪-মুদাছছিব	২৭	892
আপ্রাহ পরম সহনশীল ও অভাবমুক্ত	२-शक्ता	280	607	দিকেল (স্থানার দিকেল করা বিসে, পালীলেরক জিলানা)	৭৪-মুদাক্তির	82	266
আল্লাহ পৰম সহনশীল ও অতি কমাশীল	১৭-ইপুরা	88	959	প্রবেশ করনে (বাক্তর প্রবেশ করনে অক্সহ ভ্যেলির বিদ)	৭৪-মুদ্দাস্থলির	46	297
অপ্তাহ পথম সহনশীল ও অতি কমাশীল	०१-शाधिय	83	bigo.	বিশন (সাব্যর একটি বড় বিশন)	৭৪-মুদাক্ষির	02	297
अखाद शब्द मदननीन	२-राकृत्य	505	651	শৰ্প (সৰহেল শৰ্প অঞ্চল করান হতে, স্বপর্যবিদরতে)	28-लामाव	87	40%

71			সাক্ষ্যৎ	সাক্ষ্য			
The Reality	সুৱা সং ৩ দাব	100	治理	विषय् विषय्	न्या वर ७ मात्र	-	
সক্ষোৎ				অল্লাহ সাকী বিসেবে যথেষ্ট, বাসুল স. ও কাহিবদের মাঝে	১৭-ইস্রা	৯৬	922
প্ৰদীবার (প্রতিপাদকের সাক্ষাতকে কাধিবার অধীকার করে)	০২-সার্দা	30	9.00	অস্ত্রাহ নাদী হিসেবে যথেট (কবির ও রাসুল স: এর মারে)	১৩-রা'প	80	694
অধীকার (অধিরাতের সাক্ষাতকে অধীকার করে করা,)	৩০-রম	36	750	আহলি ভিতাবরা সান্ধী (মুসলিমদের ব্যাপারে)	৩-আদে ইমবান	86	€84
অধিয়াতের সঞ্চাতকে স্বর্গীকার করে যারা	৩০-রুম	29	200	আহলে কিভাবরা সাক্ষী হওয়া সভেও আল্লাহর পথ থেকে	৩-জালে ইমরান	66	284
অবিরাতের সক্ষাধ্যক নিধার বলল (কাফির প্রধানরা)	২০-মু"মিনূল	00	955	ইকাইন আ নাক্ষ্যিয়ের জনাপ-পৃথিবৈ প্রফিশালন্তার)	২১-আধিবা	6.0	9,08
অভিনাতের সম্পাতকে মিখ্যা বলায় কর্ম বিকাশ হওয়া	৭-আগ্রাফ	289	950	ইক্সভিয়ের সম্পদ ভাবে প্রদান করার সময় সাম্পী রাখ্যত হবে	8-निमा	6	646
আস্তাহর সাক্ষাং অগ্নীকারকারীরা সঠিকপথ প্রাপ্ত ছিল না	১০-ইউনুস	84	962	মূলা আ, লাক্ষী (হাওয়ারীরা মূললিম হওয়ার ব্যালারে)	৩-আলে ইমরান	65	483
अक्टावर माक्स राजानी (करन बाकुक मिनिड मध्य आनामें)	২৯-জানবাৰ্ড	¢	114	দিলা আ, লাকী ছিলেন মানুসের ইবাদায়ের (দিনি মঞ্চলিন ছিলেন)	৫-মারিদা	224	232
অপ্তাহর সামাত ও নিদর্শনে অভিয়াসকারীরা তার নরা থেকে হতাশ	২৯-জানবংরত	50	279	উপস্থিত (ভারমন সামী উপস্থিত করা, বভিতারের অপবাদ)	<b>२8-मृद</b>	8	998
আল্লাহর সাক্ষাতকে বারা বিখ্যা বলেছে তারা ক্ষতিহান্ত	৬-আগ'আম	60	469	উপস্থিত করা (মুশরিলেরকে সাক্ষী উপস্থিত করার নির্দেশ)	৬-আনু আম	200	922
অপ্তাহর সাক্ষাতের আশা করেন যারা ভাসের আশাস্থাল তাতন	১০-ইউনুস	9	968	উম্মতগণ সাকী (অসীকারের ব্যাপারে)	৩-আলে ইমরান	3.7	¢88
व्यक्तिम अकारण वान् वर्दम यह स्थानर वर्दम मन	১০-ইউনুস	22	966	উপ্তের নিয়েলের মধ্য (পকে লানী উপ্তিত হাস্ত্রকিরামতে)	১৬-নাহল	b/b	950
অপ্তাহর সাক্ষাতের আশা করেনা যারা (কুরাজন কলপাতে চার)	১০-ইউনুস	26	966	অপের লেনদেনে দু'জন পুরুষ সাম্বী রাধার বিধান	২-থকোৱা	252	208
অপ্তাহর সাক্ষাতের নিশ করেন থকা (মুক্তবান কলাতে তার) অপ্তাহর সাক্ষাতের দিন মুমিনসের প্রতি অভিবানন হবে সালাম	৩৩-আহ্বাব	88	900	কিয়ামতে প্রত্যেকর সাথে একজন সাক্ষী উপস্থিত করা হবে	৫০-কাক	45	200
আলাহর সাথে সাকাতের কথা মনে করে বারা থারা বলল		283	243	विकास कर प्रकार के पाठ (भारत स्वकार आणी के विकास कर प्रहा	১৬-নাহপ	b/8	920
	২-বাকারা			বিশ্বামতে উপস্থিত করা হবে সাক্ষী ও মধীগথকে	৩৯-মুমার	69	799
আপ্লাহর সাথে সাক্ষাতের বিষয় জেনে রাধার নির্দেশ	২-বাকারা	২২৩	222	ক্ষরিয়ার করা ক্ষেত্রত করা ব্যব্দ নাক্ষা ও নার্থনতে ক্ষরিয়ার করা ক্ষেত্রত ক্ষরিত ক্ষরিয়ার করা পালার।	২-বাকাবা		
সমাননারে সাক্ষাং করনে যাল কমিনচান সাথে (মুদ্ধের মালানে)	P-silelated	26	600			२४२	@08
বিশ্বমতের দিনের সাক্ষাভাগে ভুগে কান্ধা কভিত্তম মুগ্রী শান্তি বেগা	৩২-সান্দা	38	1407	চারন্ধন সাকী উপস্থিত করার শর্ত (ইফত প্রসঙ্গ)	28-7€	20	992
বিষয়হতের নিজের সাক্ষাত সম্পর্কে রাসুল স, কর্তৃত সর্তক করা	৩৬-যুমার	42	৮৭৭	মের জন নাক্ষী উপস্থিত না করায় (অভিযোকনীরাই নিথাবানী)	58-मूड	70	992
কিরামতের নিনের সাক্ষাভবে কাফিররা ভূগে ছিগ	৪৫-কাহিয়া	*08	200	টেলে কোকো অপ্তাহ একজন গান্ধী, প্রয়েক উক্ষত থেকে .	২৮-কাসাস	92	P78
কুক্রের শান্তির সাক্ষাত লাভ করবে (কামনার অনুসারীরা)	১৯-মারইয়াম	63	909	অপানের ক্ষেত্রে দু'জন ন্যায়পরায়ণ লোককে সাকী রাখা	৬৫-ভালাক	1 2	299
দিন (সাক্ষাতের দিন পর্কম মুনাকিকী বন্ধমূল করে সেয়া	৯-ভাওবা	99	686	ভারবাতের সান্দী হিল (সংবাদংগর দারিভূপ্রান্তরা)	१-प्राविमा	88	2pre
দিন (সাক্ষাতের দিন সম্পর্কে সভার্ক করার ক্ষার বাই কবালমা)	৪০-মুখিন	26	5.39	দুই জন ন্যারপরারণ লোক সাকী রাখা (ভালাক প্রসঙ্গে)	৬৫-ভালকে	2	355
দিন (সাক্ষাদের বিনের কথা চুলে গিয়েছিল কাফিবরা)	१-ला'बाक	67	957	দৃশ্বল পুরুষ সাধী রাধার বিধান (অধ্যের সেনামনের ক্ষেত্রে)	২-বাকুবো	274	648
প্রতিশালকের নাথে সাক্ষাতে কাফিনদের সন্দেহ	৪১-ফুপলিখাত	₹8	trao	দভারমান (সাকী দভারমান হবে বেনিন)	80-मु'बिन	62	1000
প্রতিশাসকের সাধে সাক্ষাতের ব্যাগারে মানুহ অবিশ্বাসী	২০-ক্স	ъ	444	নবীকে সাকী হিসাবে আপ্তাহ পাঠিরেছেন	৩৩-জাহ্যাব	82	2009
প্রতিশালকের সাঞ্চাৎ লাভের সাধনায় বস্ত মানুহ	৮৪-ইনশিক্ষক	6	2020	নবীকে প্রভাক উত্থানে বিক্তম পানী হিপাবে দিয়ে আপ হবে	8-999	8>	665
প্রতিশালকের সাথে সাক্ষাভের ব্যালারে নিভিত বিশ্বাস	১৩-বা'দ	3	dartr	নারপরায়ণ দুই জন পোত সান্ধী রাখা (ভাগাক প্রসংগ)	942-781PTB	3	ክላሃ
প্রতিপার্কর সাথে সাকার করতে হলে এরা এরণ মনে করে	২-বাকুয়ো	86	202	প্রভাক উত্মত থেকে একজন করে সাকী নিয়ে আসা ধনে	8-PM	85	6.93
लुक्तिमालका मूच्य मान्यादक सामाद्व देवान (शतकार शमा)	৬-আন'আম	268	477	বনী ইনপ্রস্থানের এক নামীর সাম্বা (কুরআন আগুরাভো মত গাই)	86-Steate	30	bob
প্রতিপাদকের সাথে সাক্ষাতের বালায়ে কথান (ভারতে হানক) প্রতিপাদকের সাথে সাক্ষাৎ করনে (মুমিনরা)	३५-दूस ३५-दूस	350	999	মানুহ নিজেই তার অনুভঞ্জতার সাকী	১০০-'জানিয়াত	3	300
প্রতিশাসকের সাধার সাকার করেন (মুক্তনা) প্রতিশাসকের সাকার আশা করে না বারা			91/8	মিখ্যা ক্রান্সবাধীলের বিক্তমে সাকীলের উভি	33-QH	35	007
	२१-पृक्कान	57		হমিলার সাড়ী হবে মানবলাতির উপর	३-सङ्ग्रता -	180	676
প্রতিশাপকের (সাক্ষাত অখীকারকারীর আমল নিফল হবে)	১৮-কাব্দ	704	900	মুমিলাণ সাম হবে নানবলাতের তব্দ মুমিলাণ মানব জাতির জন্য সামী	२२-शक्त	46	
প্রতিগাপকের সাক্ষাতকে কাঞ্চিররা অশীকার করে	७२-माभ्मा	20	9/00		8-AM		900
প্রতিপাশকের সাক্ষাত কালে করেল সংবাজ করা ও শরীক না করা	১৮-কাব্ফ	770	900	याचे (नाकी शिजान प्राप्तारहे पाची, समून ज. टावर टानन)		930	694
ফেলেকার (জান্নাতীর সাথে লাক্ষাৎ করে ফেরেশভা	२३-व्यक्तिम	200	929	স্কর্প স. দে অপ্তাহ উপাতের নিরছে পানী হিলাবে জনবেন !	১৮-নাহল	29	950
বলবে,এ সেই দিশ)				রাস্প স, মুমিনদের জন্য সাকী	22-SIME	97	900
বালকের সাথে (দিজির ও ম্পার)	১৮-কার্ফ	98	900	ৱাসূদ দ, সাব্দী হবেদ (মূমিনদের উপর)	২-বাকারা	78.0	635
মুম্মিনদের সাথে মুনাফিকদের সাক্ষাৎ প্রদক্ষ	২-বাকারা	95	609	রাসুল ল, কে সাকী রূপে প্রেরণ করেছেন আল্লাহ	৪৮-ফাড্য	7	333
দুমিনাচার সামে সাক্ষাৎ হলে ফুর্নজিকরা বলে,(দিমানপ্রসাষ)	২-বাকুরো	78	400	হাসুদ স. তে সাকীস্বরূপ প্রেরণ করেছেন আল্লাহ	৭০-মুখ্যামিল	34	99.5
মৃত্যু সাঞ্চাৎ করবেই (মানুষ তা থেকে পালাতে চাইলেও)	७२-खुम्'व्या	ъ	365	গেনসেনের ক্ষেত্রে সন্দেহ দূর করতে সাক্ষী রাধার নির্সেশ	২-অকুৰো	252	608
মৃত্যুর সাথে সক্ষাতের পূর্বে মৃত্যু কামনা	৩-আলে ইমরান	780	483	সম্প্রদায়কে সাক্ষী হতে সাহবান (হদের)	১১-ছুল	₹8	890
সাকী				লৰ্কান ভিত্তিতে নত্তী/পুনৰতে লক্ষ্মী নাৰা (কলের পেনালের ক্ষেত্রে)	২-বাকারা	434	6.08
অকতভাৱে সাকী (মানুধ নিজেই তার অকৃতভাতার সাকী)	১০০-'অদিয়াত	9	2000	দাক্ষা দানকরদ (আয়ীয়ের স্থীর পরিবারের একরন নাঞ্চী)	১২-ইউসুফ	26	692
অভিযোগ উদ্বাশনবারীর সাক্ষী দা থাকলে (ম্বী সম্পর্কে)	28-FF		998	সৃষ্টির (আল্লাহ কাউকে সাখী বাদাদ দি)	7A-415A	23	925
অধীকার সেক্ষা দিতে ভাতা হলে লাক্ষার মেল অধীকার লা করে।	২-বাকারা	202	208	হাওয়ারীয় দাক্ষী হবে, ঈদা আ. এর দত্যবাদীতার	৫-মারিদা	220	¢28
আপ্লাহতে সান্ধী বানানো (শপথ ভঙ্গ না করা প্রসঙ্গ)	১৬-নাহল	204	930	নাঞ্চী তলব			-
				চাৰজন সাকী তপৰ (ব্যতিচাৰীনিৱ শান্তি প্ৰসঙ্গ)	8-निमा	32	000
আল্লহতে সাকী বানার কিছু লোক (জন্ধবের ব্যাপারে)	২-বাঞ্চারা	208	650		- cm	~	4.20
আল্লাহতে নাকী করদেন হুন (সম্প্রদায়ের বিক্তমে)	27-ईस	68	940	সাঞ্চী রাখা	-	-	<u></u>
অক্সাপ্তত সাকী ধাবতে কলা হাজায়ীয়া (মানের উন্নানের বাশারে)	৫-মারিদা	227	698	থসিয়তের সময় সাঞ্চী রাখবে ঈমানদারণণ, মৃত্যু কালে	৫-মারিদা	209	6,940
আল্লাহই সাক্ষ্য (ৱাসূল স. ও সুপঞ্জিবদের মাৰে)	৬-আন্'আম	7.9	694	দান্ধী (রাস্ল)		_	L
আল্লাহই সান্ধী হিনাবে যথেট (কুবজন অবতীর্ণ প্রসঙ্গ)	8-निश	200	270r	কুরমেন পাঠ (ম্বাস্থাহর একন্ধন সান্ধী কুরমান পাঠ করে)	33- <b>द</b> म	24	663
আপ্লাহই সাক্ষী হিলেবে যথেষ্ট (নবী ও মানুবের মধ্যে)	২৯-আনবারত	02	140	সাঞ্চা			
প্রাপ্তারট সাক্ষী হিসেবে যথেষ্ট	৪৮-ফাতহ	25	272	আপ্রাহর উদ্দেশ্যে নাম্ব সাক্ষ্যদানে অবিচল থাকার নির্দেশ	8-Pm	200	@98
प्रक्राव्हें माची विद्यार पासी (इनकिस-वीत/देशना शुना)	১০-ইউনুস	430	961	আপ্তাহ সাফা নিমেন যে, আপ্তাহ যাত্ৰা ইলাহ নেই	০-আলে ইমরান	20	209
प्रकार (क्रम म. यह विश्वत मंत्री विश्वत प्रकार पर्वत ।	86-जारकरण	b	3oy	पाद्वार नाका (मृत्यस्त एर, पाद्वार शक्त रतार एर पाद्वारत नाका (मृत्यक्तिता विधारामी, तन्म न. शनन)	७०-प्रतिकृत ७७-प्रतिकृत	20	268
আপ্রার (অসুনানের দেবর নামা নির্দেশ সভাবে (বর্তম) আপ্রার সাম্মী (পর্বকর্মীনের অসীকারের ব্যাপারে)	৩-আলে ইমরান	14.2	488	আপ্তাহর জন্য পরিক সাক্ষ্য নেয়া (ভাগাক প্রস্কার)	৩৫-বাল্যক	3	
							369

जिल्ला प्रणा प्रेमण के प्रणा पहिल्ला प्रणा के प्रणा प्रकृतिक प्रणा प्	नंप रियव/धनक	नुसामः । नाम	Titte	781	শব্দ বিষয়/প্রসঙ্গ	সুৰালং ও নাম	15.00 p	1987
변경 보고 있는 아무슨	भाका (पूर्व पृक्षा त्याक)			1			1	
Proceedings   Process		8-मित्रा	365	496	চলমান (নাগরে চলমান নৌযান নিদর্শন)	५-राकृता	248	679
ভাষা পৰা যে বাইপাৰ বি ্, সাহাচ্যৰ স্বাস্থ্য ১ - ১০০০ চিচ্চা । ১০০০ চিচ্চা   ১০০০ চিচ্চা । ১০০০ চিচ্চা   ১০০০ চি		8-निमा	762	৫৭৭		২০-ড়া-হা	24	181
		০-মাধিদা	303	030		se Swar	20	455
্ৰন্ধকাৰ সিধান কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব								
						40-44414	90	030
Control (market)   Control (ma						-	-	_
ত্ৰপাৰ প্ৰভাৱপূৰ্ণ লগত ৰাজ্যন্ত প্ৰস্তিত্ব কৰা প্ৰস্তু নিজ্ব কৰা প্ৰস্তু নিজ্ব কৰা প্ৰস্তু কৰা প্ৰস						80-पूर्वाप	05	292
Control (motion or mail man, different series)							_	
Section   Sect								9,00
हाल (क्रिकेट) प्रिकेश प्रकार क्रिकेट						০-আলে ইমরান	292	200
1987   1987						৮-আনকাদ	48	908
Section of the Comment of the Comm					স্বাস্ত্রাহর আহ্বানে পাড়া গেয়ার নির্দেশ (বান্সানেরকে)	২-বাকুারা	390	650
जिल्ला हा (पहारोव) प्राप्त कर कर (८)					আহ্বানে সাড়া সেন আল্লাহ (বান্দার আহ্বানে)	২-বাকুরে	30%	220
Search Feed and Policy (1999)					অংগ্রানকরীর ভাতে সাড়া (অল্লাহর দিতে আহবানকরী দ্বিনা প্রদাস)	৪৬-আহ্বার	40	855
Control Rection with rection of the control					আহ্বান (প্রতিপাদকের আহ্বানে নাডা দেয়ার নির্দেশ)	৪২-শ্বা	89	792
Control of the cont					ইউনুসের ভাকে আপ্রাহ সাভা সেনা মাচনা পেট গেকে উল্লান প্রদাস)	२५-व्यक्तिया	bb	9.0%
Transfer   Compared and management of the control			200	600		77-84	38	04944
ৰ নামত বিশ্ব পুৰুষৰ লগতে (সামান্ত্ৰক হাৰ্যা প্ৰত্ন কৰিছে কৰেছে কৰিছে কৰেছে কৰিছে কৰেছে কৰিছে কৰেছে কৰিছে কৰেছে কৰিছে কৰেছে কৰিছে			292	659				
ত্ৰিকালয় বিশ্ব			95	934		80-21 See	90	
ত্ৰভাগত কৰাৰ বুলিকাৰ বাদ্যাল কৰাৰ বুলিকাৰ বাদ্যাল কৰাৰ বুলিকাৰ কৰাৰ বুলিকাৰ বাদ্যাল কৰাৰ বুলিকাৰ বাদ্যাল কৰাৰ বুলিকাৰ বুলিকাৰ কৰাৰ বুলিকাৰ বুলিকাক বুলিকাৰ বুলিকাৰ বুলিকাক বুলিকাক বুলিকাৰ বুলিকাক বুলিকাৰ বুলিকাক বুলিকাক বুলিকাক বুলিকাক	প্রতিপদকের নিয়ন্ত (সম্প্রাহ মনুমের প্রতিপাদক হওলা দাশর্ডের দাফা)	न-आ,शक	245	659				
से हमार्थिक कर कर (क्राज क्षेत्र कर कर (क्राज कर	ফেরেশমানের সাক্ষা (কুরাআন ভারনের মিডিকে অবজীর্নার বিশ্বরে)	৪-নিদা	300	29r				
Present Continue (Continue (Continue (Continue Continue	<নী ইসরাঈলের সাক্ষ্য (কৃত অঙ্গীকারের বিষয়ে)	২-বাকুরো	br8	609				
	মুনাফিবলের মৌথিক সাক্ষ্য (দিশুরাই মুয়াক্ষা স. আপ্রাহর রাগুল)	৬৩-মুনাঞ্চিকন	3	266				
ত্ৰপ না পাৰত পৰি (প্ৰথম কৰি পৰি সুৰ্বাজ্ঞক কৰি সামান্ত ) - কৰিব পৰি সুৰ্বাজ্ঞক কৰি সামান্ত (প্ৰথম কৰি পৰি সুৰ্বাজ্ঞক কৰি সু		৬-আন'আম	77	259				
कुर में देश ने पह जी कर के क्या के के किया है कि	बाजून ग. गांका ने एसा (क्षतंत्र कर्ता विकास पुर्णाकववन गांकी मित्रात)	৬-আনু'আম	360	622				
हुन में पहिल्ल क्षाप्त करण कर	বালে স. কে পতা বলে সাফা দেবার পর যার কমনী করে	০-মালে ইমরান	brb	488				
18   18   18   18   18   18   18   18		৬-আন'আম						
দৰ্শীৰ পৰি ক্ষেপ্ত বিশ্ব কৰা								
ा के प्रशास प्रशास प्रशास के प्रश	স্মিত্র সাক্ষা সেয়া আলাহর জন্য (আলার প্রস্তুত)							
সম্প্ৰচাৰ পৰি প্ৰকাশ কৰিব পৰি সামান্ত কৰিব পৰি সামান্ত কৰিব পৰি সামান্ত কৰিব সাম								
हैं करण कि जावन बहुत है, वह वह जाव करण कि जाव के कारण कि जाव के								
है जा कर के प्रकार के प								
स्त कर कर कर प्रश्निक प्रभ्निक प्रश्निक प्रस्निक प्रस्निक प्रस्निक प्रस्निक प्रस्निक प्रस्निक प्रस्निक प्रस्निक प्रम्य प्रस्निक प्रस्नि								
ভাৰত ৰা প্ৰতিয়াৰ প্ৰতিয়াৰ পৰিচৰ পৰিচৰ পৰিচৰ পৰিচৰ পৰিচৰ পৰিচৰ পৰিচৰ প্ৰতিয়াৰ পৰিচৰ প								
সংখ্যালয় কৰা কৰিবলৈ কৰিবলৈ নিৰ্দেশ কৰিবলৈ নিৰ্দ্দ কৰিবলৈ নিৰ্দ								
\$\\ Section on the description of the desc		Grand Min	250	933				
शरणवार कोण वाद) चभाषतिब व के पत्र अपन्याप विकास वाद्य प्रदेश के चचित्र चचित्र		O) Transferance	0.0	13.				
ভাল (শাল্য কৰিব বাহ-)  - ক্ষেত্ৰ কৰিব কৰিব বাহ- কৰিব		03-84/44/4	0.1	080			વર	94%
দান পাৰ্যালয় বৰ্ণনাৰ পাৰ্যালয় বিপাৰ কৰিব বিভাল কৰ			<u> </u>	$\vdash$	সংকর্মশীল মুমিনদের আহবানে আল্লাহ সাড়া দেন	৪২-শ্র	₹6	9,940
প্ৰকাশ কৰাৰ কৰাৰ বিশ্ব বিশ্								
TO THE TOTAL THE THE TOTAL THE TO					প্রতিপালক সাড়া নিলেন (ইউকুমের ভাকে)	১২-ইউসুক	68	89.0
क्षतिकृति व परिकारिक प्रकारिक प्रकार प्रकारिक प्रकार		३२-२७वृक	59	949	সাভাদানকারী			
sewage or (দেশনান্ধান কৰি নিৰ্দ্দেশ কৰি নিৰ্দাৰ কৰি					অস্ত্রাহ কতই না উত্তন সংযোগদক্ষরী (দুহ আ, এর আহ্বান প্রদাস)	৩৭-সাহুদাত	92	700
च्या प्रकार प्रकार प्रकार के प्रक						১১-ছন	65	893
प्रशास पदार पर प्रशास विद्या पर प्रशास	তালিকা (পাক্ষালনকারিনের তালিকাকুক করার প্রার্থনা, বাংলার্যানের)	৩-আদে ইমরান	0.0	687	N/S	-		-
च्याचे के प्रति के						934-20181	10	1000
बहुत पत्र प्राथम ( प्राथम ( प्राथम ( प्राथम ( प्राथम ( प्राथम ( प्रायम ( ( ( प्रायम ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( ( (		২৪-নূৰ	0	118				
তি নিয়ম । ১৯ বিজ্ঞান বিভাগের । ১৯ বিজ্ঞান বিভাগের । ১৯ বিজ্ঞান বিজ্	प्रक्रार गामा निक्रम (ए, 'क्रांत विश्वावनी, प्रगन्तित मावव अन्त्र)	\$-'80'6RT	Pot	925				
Conference   Con	খাল্লাহ সাক্য নিচছন যে মুনাঞ্চিকরা মিখ্যাবাদী	৫৯-ব্যশর	22	346				
देशवीर पर , तर बातांकर नाके (जा (होंचे कहा राज)   3-माँचा   50   54     किराम दिक्त मार्च कहा कहा कहा कहा कहा कहा   3-माँचा   50   54     किराम दिक्त मार्च कहा कहा कहा कहा   3-माँचा   50   54     किराम दिक्त मार्च कहा   3-माँचा   5-माँचा   5-म	ইউদুক্তের ভাইরেরা সাক্ষ্য দিয়েছ্ যা ভারা জানতে পেরেছে	22-88AA	22	66r8				
िवदाना विश्वास प्राप्त विश्वास प्राप्त विश्वास प्राप्त विश्वास कर्मा निवास क्षेत्र के विश्वास क्षेत्र						४२-मूंब	26	29.8
के ने प्रस्तेव्य कर वर्षाच्या पर (क्षणाव कर प्रस्ता कर					অব্যাপ (সর আবাশ, পৃথিবী ও একসুমরের সংক্রিত্ন পরিবার)	১৭-ইপ্রা	88	939
নাজিয়াকে নিয়ন হ'ব কৰাৰ সম্পান লোৱা কৰা । এই বাব । কিবা লাখ্য কোৰ বাব । এই স্বৰুপৰ । বাব । বাব । এই বাব ।					আকাশ (সাত আবাশের অধিগতি সম্পর্কে জিজাসা)	২০-মু"মিলন	74	995
মিজা সাম্যা দের বা হরা ১২.মুখবান ৭২ খন । পুন বা বার্তির করিব নার								
হথাতে সাজ্য সেরার নিউচর পদ্ধতি ৫-মারিসা ১০৮ ৫১৪ গান্তী (রামা যাত্র বেখন, সাম্কটি মেটাকামা পার্টী) ১২-ইউন্ত ৪০ ৩৮১								
862	ented also that then st using"	ए-वाउम	70%	_		-4-4034	80	.00.2

PURE PURE

5	স	18	উল	¥	भ	뭐

সাত (পূৰ্ব পূৰ্বা থেকে)				ফল (বৃটি দ্বারা সাদৃশপূর্ণ ও সাদৃশাহীন ফল উৎপদ্র প্রসল)	৬-আন্আম	99	906
দরজা (জাহান্রামের সামটি দরজা)	১৫-হিম্মর	88	900	সাধনা			
পুন্যপুন পঠিত সাভটি অস্তাত ও মহান কুরআন দান (রানুল স. বে)	১৫-বিজয়	2.4	202	মানুষ সাধন করে (প্রতিপাদকের সাকাত লাতের জন্য)	৮৪-ইন্শিকাক্	b	2020
বছর (কটিন সাত বছর আদরে, প্রথম সাত বছর পর)	১২-ইউসুফ	81/	69/3	সাধ্য		Γ.	
ব্ৰহাজন জড়িন উপর অধিয়ান লাভ বাত আট দিন কড় বয়)	१७-शंबार	9	399	অমাল বৃদ্ধি সংঘাত প্রেমাসারী দিবে (ব্রীকে, অমাকের পর)	২-বাকুরো	205	433
রোধা (পাত ভিন রোধা, হক্ষ থেকে কিরে রঙ্গে)	२-संकृता	326	044	আল্লাহ নাধ্যাতীক দায়িত্ব চালিয়ে দেন না	৭-জা'লফ	84	979
শীহ (এমটি পদানৰ সাতটি শীহ উৎপদ্ধ করে, দানের উপমা)	২-বাকুরো	265	667	য়ণিরে নেয় (সাধারীর বিছু অল্লাহ কাইকে চলিরেলেন ন)	৬-আন' আম	265	922
শীয় (সাতটি সৰুত্ব শীখ, যপ্লে দেখলেন বাজা)	১২-ইউসুক	80	99-2	দারিত (সাধ্যাতীত দারিত চালিরে দেরা যাবে দা কাইকে)	২-বারুবো	200	020
সমুদ্ৰ (সাত সমুদ্ৰকে কলি বনাসেও অক্সময় কৰি গোৰ গোম মানো)	০১-প্ৰমান	29	144	ব্যক্তিকে তার নাখাতীত দারিত চালিরে নেন না আল্লাই	২৩-মুখিলুব	64	988
সাত বছর একাথারে চাম করবে	32-38 <b>9</b> 0	89	69/3	ত'বাইব আ, সাধানত সংশোধন চার	22-gw	bb	630
তর (সাত তব বা আকাশ সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ,)	২৩-ম'মিনন	39	955	শোরাইকো কোন সাধ্য নেই আছাৰ ছাতা	33-gr	bb	634
সাঙ্গ্ৰন	-	-		সমল বৃঞ্জি সাধ্যমত প্রেণ্যসামী দিবে (স্ত্রীকে, অলাকের পর)	২-বাবুদরা	200	230
আসহাবে কাহ্য এর সংখ্যা সাত কব (কারো কারো ধারণা)	79-926.8	22	928	সাধ্যাতীত			-
সাঙ্গটি	20.0164	44	140	(ৰাখা (নাখানীত বোঝা আল্লাহ কাইকে চাপান না)	২-বাকুরো	২৮৬	000
	300	-			d-other	200	0.00
গাঁও (লাজী মোনজন গাঁওতে থেনে ফোলা সাম্মী শীৰ্ণনার গাঁও)	14- <b>१</b> ७गुरू	86	60.7	সাধ্যানুষায়ী (মধাসাধ্য)		_	_
লীয় (সাতটি সবৃদ্ধ শীষ, সংগ্ৰ লেবলেন রাজা) শীৰ্ণনায় সভটি গামী নাবটি মেটাজনা গামীকে খেনে ফেলল	३५-१७नुष	86	(97)	তর (নিজের বেশাসের কল অস্তাহকে সংগ্রনুধারী তর করা)	৬৪-ভাগাবৃদ	39	30,
	३५-१४नुक	88	69/3	সানব্দে		_	_
সাধী				কাফিরর সামপেই ছিল গুনিয়তে (সঞ্চনদের মধ্যে)	৮৪-ইন্শিকাক্	30	707
অংশ (সাধীনের দ্যার জালিমদেরও শান্তির অংশ রয়েছে)	৫১-ঘরিরাস্ত	45	254	স্বান্নাতে সাদলে প্রবেশ (আয়াতে বিশ্বাসী মুসলিমের)	80-पृष्कुण	40	300
আঙন সাধী হবে কাফির ও মুদাফিকদের (কিরামতে)	৫৭-হাদীদ	25	486	বিরে যাবে বঞ্চনদের নিবট সান্ধল বিরে যাবে তারা যার	৮৪-ইন্শিক্ত	ъ	207
ইংরাহীয় আ, ও তার নারীদের মাঝে ররেছে উত্তম অদর্শ	ও০-মুমতাহিনা	8	254	সান্নিধ্য			
কংগাপকথন বাধানের বলিকের তার সাধীর সাধে	১৮-কার্ক	08	939	অস্ক্রাহর পঞ্জির লাতের জন্ত তাকে প্রদান অন্যকে ইলাহরলে একাং	৪৬-আত্কাক	19	930
কাফিরদের সাধী (বাসুদ স. পাণল দদ)	৮১-ডাকডার	22	2009	সাপ			
ভাদের সাধী	৫৬-ওয়াকিয়ার্	b	380	পূৰ্ববৰ্তী অবস্থার সাপকে ফিবিয়ে দেয়া (মূসার লাঠি প্রসঙ্গ)	২০-জ্বা-হা	43	983
ভালের সাধী বীঃ	৫৬-ওরাবিরাহ্	ъ	380	মুসার পাঠি সাপ হয়ে দৌড়ানো প্রসঙ্গ	২০-জা-যা	30	483
ভালে স্থাটনে জড় প্রজেক বভি শহরের (কৃতবর্টের জন)	৭৪-মুখ্যছবিত	60	384	মুলার শাঠি লাপের মত ছোটাছুটি করা ও মুলার কয় প্রদাস	২৭-নামল	30	troc
ভালের সাধীদের জন্য সমবয়ন্ধা বুর থাকবে (জান্তাতে)	৫৬-ওরাবিরাহ্	100	388	দারিকে সংশব ন্যার চুটোচ্চুটি করতে দেখল মূস্য	২৮-কালাল	62	470
ভানের সাধীর জন্য রয়েছে শান্তি (জাল্লাতে)	৫৬-ওয়াকিয়ার্	85	389	त्राक्ता			
আন (মানুহ বাদি ভালের লাখী হর তবে তার জন্য হতেছে শক্তি)	৫৬-ওয়াকিয়াহ্	85	389	আনুগত্যকারীর (আল্লাহ-রাসুদ স, এর আনুগত্যকারীর		-	-
দ্রাদ নিকের দাধীরা	৫৬-ওয়াকিয়াত	29	388	यहनावन्छ)	৩৩-জাহ্যাৰ	93	5-8
দ্বাদ নিকের সাধীরা নীঃ	৫৬-ওয়াকিরাহ	29	388	অল্লাহর বন্ধু/মুমিদ-মুম্বাকীবের জন্য মহালাফল্য (ভয়/			
(নিজা সাধিদের অল্লাহ উদ্ধার করেন(মূহ আ. এর প্লাবণ প্রসাল)	২৯-জাধকাবৃত	34	254	मिक्स (मह)	১০-ইউনুস	68	966
পাগলামী দেই মন্তাবালীদের লাখী বাসুল প. এর মধ্যে	৩৪-সানা	85	784	অভিযানের সাফল্য হলে মুনজিকরা বলে	8-निमा	787	090
বামের গাখী	৫৬-ওয়াকিয়ার্	>	380	काहरण शरी दशा महानापना	৯-জাওবা	200	600
वास्त्र नांची की?	৫৬-ওয়াকিয়াত্	>	380	साहर इंडी २७३१ मर्गाएक सहर इंडी २७३१ मर्गाएक	9-20041	300	682
বাম নিকের সাধী জী?	৫৬-ওয়াকিয়াহ	83	384	জানতে প্রবেশ ও ছারী হওয়াই মহাগাকণ্ড	68-311134	8	3/88
বাগানওয়ালার সুমিদ নাবীর উক্তি (দুই ব্যক্তির দুরান্ত প্র)	29-915A	09	929	स्त्राहरू शर्यम् च हात्रा रचत्रार भश्यात्मः स्त्राहरू शर्यम् मश्रामायमः	৬১-সাক্ষ	34	365
ব্ৰাসুল স, এর সাধীরা কাঞ্চিরদের প্রতি কঠোর,নিজেদের		-		জানুতে প্রবেশ করারাই মহানাকল্য	8-मित्रा	34	961
প্রতি সম্পুর্বতিশীল	87-8666	43	272				
शानुन न, च जेव नाव बाव च्या च्या च्या प्रशास पनि च्यानार न भारत गा	৬৭-মূলক	45	538	ৰান্নত ৰাত মহাসাক্ষা	৩৭-সাফ্ফাড	90	943
মুক্তা সং স্থানীতে কলকেন-'দুবিজ্ঞা করে না' (বিজ্ঞাক প্রকাস)	P-speat	80	688	স্বান্নাত লাত মহাগাকলা (মুমিন ও সংকর্মশীলদের জন্য)	৮৫-বুরুগ	77	202
সাধী (কির'আউনের)		100	000	প্রতিপাদকের অনুগ্রহ দান্ত করা মহাসাফল্য	৪৪-দুখান	29	306
নাথা (কের আঙলের) ভিত্তমাউন ও তার নার্থীদেরকে আল্লাহ নিমজ্ঞিত করলেন	১৭-ইসরা	200	320	বিরাট সাফল্য শাত করার আকাক্ষা মুনাফিকদের	8-मिना	9.0	250
	* Lacaba	1200	149	মহাসাকল্য জান্তুত লাভ	৩৭-সাক্ষাত	90	965
সালা	as vehicy	-		মুনাজিকদের বিরটে সাফল্য লাভ করার আভাজ্ঞা	8-मित्रा	90	26
পাহাত (পাহাড়ের মধ্যে কবক সানা রডের এনেছে)	তহ-ফাডির	29	b8b	দুৱাবীদের জন্য সাফশ্য (আবিরাতে)	1৮-দাধা	-07	200
রেবা (সালা ব্যেবা শ্পটি হওয়া পর্মন্ত পালায়রের অনুমতি)	২-বাকুৰো	35-9	443	বু'নিনদের জন্য বড় সাফলা (জান্নাতে হারী হওয়া)	৫৭-হাদীদ	25	7/81
সাদা হওয়া	-	-	-	মু'মিনদের মহাবাদল্য	৪৮-ফাত্র	6	974
মেৰ (ইরাকুর ঝা, এর দুই মেৰ শেকে দানা হয়ে গেদ)	১২-ইউপুক	1/8	6946	মুখিনদের মহাপাদল্য (সাপ্তাহর সাথে কর-বিক্রয়)	>-ভাওখ	222	96
মাধার চুল সাদা হরে গেছে (থাকারিয়ার)	১৯-মারইরান	8	908	মুমিদদের মহাপাদলা (জান্নাতে আল্লাহর সম্রাচ্চ)	≽-ভাওবা	92	68
সাদৃ-চপুৰ্ণ		_		শান্তি হতে রক্ষা (আধিরাতে মুখিনদের জন্য মহাসাকল্য)	8०-मृथिम	>	59
কিতাৰ (দানৃশ্যপূৰ্ণ কিতাৰব্ৰপে কুৱখান অবতীৰ্ণ)	৩৬-মুমার	20	৮৭৩	সভাবাদীদের মহানাকশ্য (স্থান্নতে স্থায়ী হওয়া)	৫-মারিদা	772	€>0
গাঠী সানৃশ্যপূর্ণ হওয়া (যদী ইসরাইলের নিকট)	২-বাকুরা	10	€op.	সুস্পরি নাকদ্য (বিরামতে শক্তি থেকে মাক পাওয়া প্রবঙ্গ)	৬-আন্'আম	76	69.
ফল (জাল্লাজীনের দুনিয়ার সাদৃশ্যপূর্ণ ফল থেতে দেয়া হলে)	২-বাস্থারা	9.6	¢08	সুস্পর্ট সাক্ষয় (প্রতিশালকের দধার মধ্যে মুখিনের প্রবেশ)	৪৫-সাহিয়া	00	po.
ফল (বৃত্তি থারা সাদৃশপূর্ণ ও সাদৃশাহীল ফল উৎপল্ল প্রসহ)	৬-আৰ্'আম	22	600	সাঞা			
ফল-ফলল (অক্সাহ সাদৃশ্যপূর্ণ(সাদৃশাহীন ফল-ফলল নৃষ্টি করেছেন)	৬-আন আম	787	650	সাফা ও মারওয়া অন্তাহর নিবর্ণন	२-अकृता	262	67,
जानुगा <b>री</b> न		1		সাৰ্ভল মাসানী	-	-	-
নাপুশাহান ফল-ফলা (অক্সাহ নাপুশাসুদিনাগুলান্তিন ফল-ফলা সৃষ্টি করেছেন)							

			TRACK.	স্মান্			
म्म रिया/समा	সূহা বং ৩ বাস	-	100	नव दिश्इ/धनम	न्दां नः ७ नात		
সাবধান (আরো দেখুন সতর্ক শব্দটি)		_		মুখিনদের শামনে ও তালে আলো দৌড়াবে কিয়ামতে	৬৬-ভাহরীয	b	390
प्रश्लास्त प्रमाणस्य निष्टा यस अस्थन जस अपन	२८-मृद	45	443	মুখিন নর নারীর সামনে ও তামে আলো দৌড়াতে থাকবে	৫৭-হাদীদ	ર	382
সামনে ও পিছনের বিষয় সম্পর্কে সাবধান হওয়ার আহবান	৩৬-ইরাসীন	84	b@8	শারী (উভত থেজানীর পায়স ব্যৱস্থে কলি শার্তি, স্বাহরুমে)	১৪-ইবরাহীম	39	1636
সাবধান করা				স্বাব্দন হংলার অম্বাদ স্থানে ও পিছনে যা আছে সে সম্পর্কে.	৩৬-ইয়াসীন	82	br28
আল্লাহ সাৰধান করছেল মুমিননেরকে (নিজের ব্যাপারে)	৩-আলে ইমরান		@0br	সুক্ষরিবানে সামান জিন আছ করত (প্রতিপাদাকের অনুমধিকে)	০৪-সাবা	25	785
আল্লাহ সাবধান করছেল নিজের খ্যাপারে	৩ অলে ইন্যান	90	600	সামনে আসা			
সাৰধানতা				ইবারীন আ এর পদান জনল যার প্রী (চিমের করতে করতে)	৫১-ঘরিয়াত	43	354
বছু গ্রহণে সাবধনতা অবলয়ন (কাছিরলের সাবে)	৩-আলে ইময়ন	3/2	(cop.	ন্যাকে নামনে জামতে ধলদেন ভাপ্তাহ	২৮-কাসাস	0)	p.yc
সাবধানবাণী				সামনে নিম্বাঝারী			
মুমিনদের জন্য উপলেশ ও সাবধানবাদী এসেহে	<b>33-द्</b> ल	250	696	দুর্জেগ সামদে নিপাকারীর ক্ষন্য	১০৪-ছমাঘা	3	200
गरधनवर्गी गर्भनव गरवन दागाह व्यक्तिपत निका	৫৪-কামাৰ	8	3/06	নামনে (পূৰ্ববৰ্তী)			-
দ্যব্য		-		কিতাৰ (কুলজন পূৰ্ববৰ্ত্তী বিভাৰঞ্চলোৱ সভ্যায়নকারী)	২-বাকারা	20	673
সাবার অধিকানীয়ের জন্য নির্দেশিশ, তায়ের বসন্থেমিতে	08-RM	>2	1/84	সামনের দিক		-	1
সাবা থেকে বুনবুন কৰ্তৃক সংবাদ আলা প্ৰসঙ্	২৭-বামল	55	po4	মানুবের শামনের দিক থেকে আসবে ইম্বশিস	५-छा'दास	39	658
शक्ति	£100001	44	903	मार्का	7101314	37	.030
অপ্তাহ বিয়ামতে সাধিবী, তার বিষয়ে হয়সালা করতেন		-	-	ক্তঞ্জা প্রকাশের সামর্থা দালের জন্য দোরা (ইংলাই)(মর)		-	-
বিশ্বাস করে যেগৰ সাংবহী আপ্তাহ ও অধিবাতে	২২-হান্দ ৫-মাছিল	24	923	स्विक्तिका प्रकार नाम्या नाम्या भारत क्रमा (स्वास)(मा)	৪৬-সাহকাক	26	909
বশ্বাস করে যেগৰ সাবেরা আল্লাহ ও আৰবাতে সাবেরীদের ঈঘান ও সং আন্লের প্রতিদান		69	645	चर्माकनायस गावसानुगात समावसाबाहरू बाग कराउ (मार्स चर्माम इतिन महीदन विजय गावरी ना धावसा महीदन विज	৬৫-ডামার ৪-লিমা	8	200
সাবের্যাদের সমান ও নং কান্ধের প্রভানন সাবের্যাদের সমান ও সং কান্ধের প্রভিনান	5-ståtet	65	203			56	6,90
	२-शकृत्वा	62	209	বিভবন যেন নামর্থ্য অনুবারী ভাষাকপ্রাপ্তার জন্য খ্যম করে	৬৫-ভালাক	٩	360
সামলী (আরো দেখুন উপকরণ শব্দটি)				যতির সামর্থন অনিভিচ্ন কেলা না চাপানের জলা নোয়	২-বাবুংরা	500	0.00
গনিয়তে সামী নিউনটা হাগ ভূপকিবা বুনিয়ান জ্ভানা কাত_	>-অংগ	કર	688	বার নিজ্ঞান সামর্থ অনুবারী বাধাবপ্রাক্তার জন্য বার করেব	৬৫-ডালাক	٩	3-50
দুনিৱার সামগ্রী অস্বদর্গে দাসীনেরকে ব্যক্তিয়ারে বাল্ড করা	२८-मृष	00	999	বার পার্বরানুরারে নিজের মত ভালাবল্রো <b>রা</b> কেও বাস বরতে সেয়া	<b>05-রামার</b>	6	366
দুনিরাং জীবনের জেগ্য-সামট্ট দামান (অধিয়ানের দুক্ষনা)	৯-ভারনা	40.	688	পৃত বামর্থের বংকটে পঞ্জেন (ফেরেশনামের রকার)	३३-दुम	99	693
প্রভারণার সাম্মী (ধুনিরার জীবন)	৫৭-হাপীদ	₹0	960	সংবাজের সামর্থ্য গানের জন্য সূপাইমানের নোরা	২৭-নামল	29	002
রভারণার সামনী (পুনিরার জীবন)	০-জালে ইমরান	2946	668	সামর্থ্যবাদ			
কাহা নয়ে দিশ ইউপুক (মাইনের জন্ম গ্রেজনীয় সামটিন)	১২-ইউসুঞ	6.9	99-5	অল্লাহ সামর্থবাদ (চনাহ, আওবা ও শান্তি প্রদাস)	৪০-মু'মিন		2.45
ব্যবস্থা (ভাইদের জন্য সাম্ম্যীর ব্যবস্থা করে নিল ইউসুক)	১২-ইউসুফ	10	600	সামাণ (গরংসম্পূর্ণ সভা)			
সামনা সামনি				অপ্নাহ সামাদ (শ্বহসম্পূর্ব সভা)	১১২-ইপ্লাস	2	300
অপ্রতির একে সপ্রতে সামবাসামি হয় জিল্পাস করে (অরীত)	৫২-নূত্র	32	300	সাথান্য (আরো দেখুন তৃঞ্জ শব্দটি)		-	
জান্নাতবাসীদের পরস্পরের মধ্যে সামনা সামনি হয়ে	৩৭-নাক্ষাত	ĝ0	691	जल्दाका(प्रतिकत ग्राह गारागरे जल (सर. केक अगर)	৩৩-আহমাৰ	20	p-08
জিআসাবাদ করতে জালিমবা একে অপরকে	৩৭-মাক্কডে	29	bet	অপেনা প্রতিকর সামান্ট অপেনা করত বনক বৃদ্ধ প্রদর্গ।	৩৩-আহবাব	18	708
ৰাগানওয়ালারা সামধা সামলি হল পরশ্বরকে ডিরাছার	৬৮-কুলোম	00	295	অবস্থান (করতে সামান্য অবস্থান করেছে, যদিনদের ধারণা)	১৭-ইসরা	45	335
শারি অসার অপেকার (দিনার আনা কেকে বিরাত, কার্কিরচের)	১৮-কাহক	44	435	অংকাশ কাঞ্চিত্ৰসেংকে সামান্য অংকাশ সেয়ার নির্সেশ	৭৩-মুখ্যাদ্বিল	33	300
সামনে (আরো দেখুন এরে থাকা/আংগ শব্দটি)				অবস্থান (গাবাল লয়তার অবস্থান পৃথিবৈতে, পারেইলের)	২০-দু"নিদ্দ	338	995
আপো (মুখিনসের সামনে ও জানে আলো নৌায়াবে বিয়ামতে)	৬৬-ভার্মীন	b.	390	আনৰ আ, এৰ বংশখনে গাহানা সংৰাক বাতীত সৰাইকে		_	
অপ্রাধ্য শাসনে সামনে ও পিরনো নাবির শোচনীর করা	৪১-গুস্সিল্যত	36	Mar	বশীস্তুত করে ফেলনে ইবলিস	১৭-ইপ্রা	65	479
ইনন্দীণ তার সামনে বিদামান ভারনাডের সভারনকারী	৫-মারিদা	85	62-9	আহার ও মেগ (অপরাবীদের জনা , দুনিরার )	৭৭-মুর্সালাত	86	200
দিল ছে, ছিলে তাঁঃ সমলে বিৰুক্তৰ অভ্যৱতৰ সভ্যক্তৰক্ষী	৫-বারিদা	86	ghrb.	দিয়ান (মানুখ বুর সামানাই দিয়ান আনে, তুরজান প্রসঙ্গ)	৩৯-হাস্কাহ	83	hiro
वर्षम मिम (बानुव एता माब्दम्ब वर्षम मिनदव १०६५ (मा/बेटणबा बद्ध)	৭৬-বাহর	39	336	দিবাদ (কৰি উপৱাদিকৰ পাত্ৰন্য সংখ্যক লোকৰ স্থান আনে)	২-বাকার	bb	630
বিদ্যান (সামানার বা পূর্বনারী বিদ্যাবের সভারানভারী কুরজেন, )	৫-বারিদা	8hr	dish	উপদেশ গ্রহণ (সামান্যই উপদেশ গ্রহণ করে মানুষ)	৭-আগ্রাক	0	930
বৰঝানের সামনে থেকে বাহিল/মিখ্যা আগতে পাতে পা	৪১-ফুসসিলাত	83	599	উপদেশ গ্রহণ (মানুষ সামান্যই উপদেশ গ্রহণ করে)	২৭-মাম্প	65	brog
দেতে পরত না অপরাধীর ,আল্লাহ অনৃতি পরিবর্তন করলে	০৬-ইয়াসীন	69	996	উপালে(যানুম পুন সামনাই উপালে এহল করে, কুরজন এলঙ্গ)	৬৯-হাঞাহ	84	9300
লানা (আপ্রাহ মানুবের সামদে-পিছনের বিবর জানেন)	২০-সা-য	220	180	কথ (ব্যানের অর্থেকের সামান্য কম সময় দাভিয়ে ব্যমাঞ্জ)	९०-गुयुवाधिन	0	hirt
জামা (আল্লাহ মানুহের সামনে-শিক্তনের সবাই জানেন)	55-50M	30	300	কৰাৰে (বাতে কৰিত খেতে সম্ভান কম সমা ধ্যাছে প্ৰথমে)	९०-ध्ययाधिन	3	200
জাতির সাম্যান ও পিছন থেকে তালের রাসকাশ এসেরিলেন	৪১-দুস্সিলাভ	10	357	কৃতজ্ঞান (মানুধ শাখানাই কৃতজ্ঞান প্ৰকাশ কৰে)	৬৭-মূপক	20	390
লান(পিছনে ও সামনে যা বিছু আছে তা আপ্তাই লামেন)	২১-অথিয়া	30	903	কৃতভাল (মানুব সামনাই কৃতভালা প্রকাশ করে)	২৩-মুখিদ্দ	95	992
দামরে নামনে ঠেনে বলে প্রতিপাকটি সভা বলেছে	১২-ইউস্ফ	49	949	कारकार ((३१४/वरन (महार नदेश मान्य गामान्दे	40-21474	10	117
ভায়ন্ত্রার (অধিয়তে মূলরিকসের সামলে ভারান্ত্রার থাকবে)	8-२-व्यक्तिय	20	bod.	ক্ষমনা প্রবাশ করে)	৫২-সাজ্না	ъ	brac
লায়ন্নাৰ (উত্তৰ স্বেল্ডানীর সাহলে লাহান্নাৰ)	३८-देश्बदीय	26	906	बीवनगरायाथ कविकास गावना क्षेत्रानगरातास रहतार नाग	৩7-রীক্র্যান	28	bes
নির অন্য (অক্সর ও মেরেশজনের সাধ্যে নির অসার নার)	১৫-হৰমধ্য ১৭-ইসৱা	35	133	জীবনোগ্রোগায়ুছ থেকে প্রাত্তক ব্যক্তি সামান্যই			-
প্রামীর স্থাপন করেল আল্লাহ (কাফিবলের সামনে ও পিছনে)	১৭-২পুছা ৩৬-ইরাসীন			ৰীবলোপজেপ করতে পারবে)	००-ऋष्यान	79	bog.
প্রায়ের স্থাপন করেন আল্লাই (কার্যেনারের নামনে ও পেছনে) প্রথমী (আল্লাহ সমনে-পিছনে প্রথমী নির্মোধন করেন, গরেব প্রদান)	০৬-ংগ্যসান ৭২-জিন	9	942	আগ (পামাল আগ দেয়া হয়েছে মানুহকে)	১৭-ইসরা	ьę	993
গ্ৰহৰ (পান্তাহ সমদে-শাহন গ্ৰহৰ লগোলত কলে, গৱেব-গ্ৰদাৰ) ফেলেশঅসৰ সামস্য ও পিছনে য'বাছে সংগ্ৰহণটিপালনের	৭২-জন্ ১৯-মারইয়ান	29	364	विक चेत्र (करिस्त नकारे दिन चेकर कन र (क प्रेस्तुसर १९)	১৭-ছদরা ১৭-ছদরা		
		68	40%	দান (পাৰ্যন্ম দান করার পর বছ করে (দারা)		95	150
ৰাজিৰ সামনে ৰচেছে জন্তবাল (যাৰ মৃত্য এসে গেছে)	২০-মু'মিন্ন ০৪-সাবা	300	992	লন (সাক্ষন্ম ধাৰ করার পর বন্ধ করে দেরা) দূর্বিয়ার ডোগাসাম্বর্তী সাধান্য (বৃদ্ধ করম হওয়া প্রসঙ্গ)	৫৩-গজম	48	708
		>	P82		8-Sext	99	265
চেবে দেবা (সামান ও পিছলো স্বৰ্ধিছু নিয়ে চেবে দেবা) মানুচের সামান ও পিছলে সংরক্ষাকারী ফেরেশতা ব্যৱহে	১০-রা'দ	27	99.7	দুশিয়ার জীবন সামান্য (অধিবা;তর সুসনার)	৯-জাওবা	934	688

मान्य मा भाग मा विस्तित	वाना चनाव	-	34
	১-লকমান	39	7-27
	-জাওবা	28	884
	3- <b>₹</b> ₩	278	89
	-নিগা	300	63
	0-409	60x-	200
	২-ত্বর	85-	30
	-আ'বাক	084	68
	-খিসা	202	09
	্-বাকারা	299	00
	০০-আহ্যাধ	00	500
	-জা'রফ	290	62
	১৯-আনকাবৃত	80	73
	०५-जुक्यान	8	3-3
	হতাকৈ-৩৫	36	78
	হ-প্র	00	73
	००-व्यक्ति	2%	78
	३५-व्यक्तिया	90	90
DRIGOR (NIE(IV) 19-41/41 (FF 820)	১৮-বার্যনাহ		
	-যার্থনা -যার্থনা	35	200
(H)			
ও পুতুম করা হবে ল) ৪-নিলা ১২৪ ৫৭২ জাটোম (সাল্যান্ত করেমে করা) ২০	(8-सूर्व	66	96
at (state-feats) 8-last   pg   phg   ottos (regio order order record)	00-4X	97	14
	-তাতবা	47	0.8
	-আৰ্'আম	92	90
স্কল্পত তাল লাজন । ও নিজৰ     ৪৯   ০৬৩ । আছেম (স্থানাত আল্লেম করার নির্দেশ, যুক্ত করার প্রসাল) ৪-১	-मिमा	99	6.9
ব্যাহ্রন (সালাত/ভানার্য কার্টেমের নিসেশ) ২-	ং-বাৰুগৰা	220	62
	-অন্তল	90	96
व्यक्ति (अन्य व्यक्ति	৯-ভাওবা	6	68
	৭০-মুখ্যাখিল	30	
হাল (সাম্ভবন সালাভের পর্বার কেনে লেকে) বর	१८-जूब	82	99
e yet and a company of the control o	৬২-সুমু'আ	b	346
	-মার্বনা	€br	40
জ্ঞাল (সামাত শামাত পাহণার প্রথম প্রসার) ৭৫	१८-किश्रासाय	02	66
হেলান দিয়ে বসংগ্ৰ ৩০ ৯৫০ আহাজ্বল (দেখুন বাংসভূন শহাটি)			
	१-माबिमा	6	6.0
भंड कड़ (म्हर्मा कड़ कड़ा बंद्रमां व वर्गातम कड़ायुक्ता)	৯-মারইয়ান	6.9	94
	১০৭-মাউন	8	20
	১১-রুপ	278	190
	১৬-জাপার্ক	30	30
	ऽऽ-४्म в-निना		à
	8-1नमा 8-निमा	300	
	৪-নেশা ৪-নেশা	80	20
	২৭-শামশ ২-বাকুলা	299	20
	र-वाकृत्या ह-निमा	269	
	চ-লেশা ২-বাকুরিয়	299	
	১০৮-কবিছার	1 3	20
	28-74	ov	91
	২০০ন্ত ৪-মিসা	200	
	२-राक्सदा	80	20
	20-8'H	22	100
(4) Control of Control	०-मासिना	52	100
	২৯-আনকাবৃত	84	1
विकास (कार्या क्रिक्स कार्या क्रिक्स क	২৩-ছ"মিলুল	13	90
		_	
জুন শব্দটি) যাসেরক ব্যবহার ও ক্রর-বিকার)	२८-नृद	09	9
হুমের <del>অর্থি</del> রর পের)  ২-বাকুরো   ৮৩  ৫০৯   হুখাবারী সালাতের প্রতি বিশেষ যত্ন গেরার বিদেশ   ২-	২-বাকুরো	209	
र्थक बारात मेर्टिन) २०-वृत्त-द्या ३७२ १३७ प्रश्नकरक/ बङ्गीनवाट्यंटक विश्वव सारण २	২৯-আনবাবৃত		18
২৯-আৰম্ভত ৪৫ ৮২০ মুদান্তৰ আবাদ কৰৰে দাদাত কারেমজারীরাই ১-	৯-জাওবা	30.	186
সমষ্ট্র অব্যাহর কন্যা ১৮ জার্ল কাম ১৮১ ১১১ সুম্রাকীনের বৈশিবলোলাত কারেম করা ২-	২-বাকুবা	0	21
e larier ১০০ মা. হা ১৪ ৭৪১ মুখ্যকৈক্সের সাধ্যক (পোন দেখালো) ৪-	৪-বিশ	384	
	১৪-ইবরাহী <b>ন</b>	-07	18
	৮-আগফাল	0	9
ু মুন্দান নাল্ড কারেম করে	৫-মারিদা	66	18
	৫৮-মুন্ধাদালা	70	3
	২২-হাজ	6394	9
	২২-হান্স	87	9
	५०-गुएराभिन	20	9
হেন ব্যস্তাহ ১১-মাধহরাদ ৩১ ৭৩৬ খুপ্টাফরা যদি তাওবা পর সালাত কার্যের করে ৯ পিছদের জন্য দুর্ভোপ) ১০৭-মার্টন ও ১০৩৪	%-कालरी	22	0
কুর্যাত গ্রহণ	২২-থান্দ ৭৩-মুখ্যাখিল ৯-ভাওবা	12	0

483/634	সুয়া সং ও নমে	406.9	न्हर	नम् विस्त्र/शतम	मुबा नर छ नाम	1001	4.98
সালাত (পূৰ্ব পূৰ্বা থেকে)	২৯-আনকাবৃত	84	140	মূসা আ, ও ব্যক্তনের উপর সালাম হোক	৩৭-সাহ্যাত	340	763
ম্নাকে নাল্যত কারেমের নির্দেশ	১০-ইউনুস	৮৭	995	রাগূলগদের (সালাম) পান্তি বর্ষিত হোক	৩৭-সাত্জত	25-7	752
মুসল্লীগণ সালাত আদায়ে তৎপর	৭০-মা'আরিক	30	295	সঠিকপথ অনুসক্ষরবিচনে এতি শক্তি/সাধ্যম (দুনা আ, প্রসঙ্গ)	२०-छा-च	89	980
বছুবান (গাশানের বাশারে বছুবান্যান্য কুরজন ধরা সতর্ক করা)	৬-আনু আম	24	608	সক্ষরবালে কেউ সালাম নিলে তাকে 'দুমিন নও' কল যাকেন	৪-নিগা	h8	400
বন্ধবান (মু'মিনগণ নাশ্যত আনারে বন্ধবান)	२०-मु"मिन्न	>	200	স্বৰনদেৱকে সাজ্যম দেয়া (খবে প্ৰবেশের সময়)	২৪-নূব	63	977
বল্পবান (সালাতের প্রতি বতুবান হওরার নির্দেশ)	২-বাকারা	20b	654	সালাম আর সালাম	-		
ক্ষান্তিক সলাত (সলতে দক্তকদা ক্ষান্তিক) তেলোলালে অক্ত			080	ক্ষাবে (ব্যক্তিতে কেবল সম্পন্ন করে সাধ্যম ক্ষাবে, ব্যক্তিরা)	<b>१७-वर्गाक्त्रा</b> व्	26	386
তুভাবস্থায় সালাত কাল্লেম (সালাভুগ খাতক প্রসঙ্গ)	8-मित्रा	205	630	সালিশ	gorosin-siq	40	600
বোদ্ধাদের এক দলের নামাকে অংশ্যাহণ (সশস্ত অবস্থার)	8-निमा	205	290	ত্তীর পরিবার থেকে সালিদ নিরোগ (বিচ্যোগর অশুয়া থাকলে)	. 6	_	_
বোষ্টাসর একনসের রাসুল স, এর সাথে সালাত আলারের নির্টেশ	8-निमा	205	290		8-90F	05	692
রাসূদ স, এর দোরা লাতের উপায় আল্লাহর পথের ব্যয়	9-2021	99		স্বামীর পরিবার থেকে সালিপ নিরোগ (বিরোধের অপন্য থাবলে)	৪-মিসা	05	6.07
कड़ र निक्रमा			960	সালিহ			
প্রাক্তবাদের নামার (মুনারিকের নামার প্রাক্তবাদেরে ছান্য)	8-14M	99	952	অগ্যাহন (ন্যুবনের পূর্বে সলিহ আ, সম্প্রনায়ের অপাছন ছিলন)	27- <u>ई</u> स	64	947
ন্দল (নালাত পড়বে যে, সে সফল হবে)		785	292	অহনে (মাহি আ, কর্তৃক সম্প্রদায়ক অল্লান্ত্রক চর করে অহনে)	২১-ড'আরা	284	934
	৮৭-জালা	76	2039	উদ্ধার (সালিহ আ. কে উদ্ধার করেন আস্তাহ, দরা করে)	77-ån	95	693
শমার (সালাত শমার হলে নিভিন্নে, খনে ও করে আল্লাহতে স্ফার্ন)	৪-পিস্থ	200	490	অমৃদ জাতির ভাই পশ্চিত আ, কে প্রারম(ইবানকের নির্দেশনর)	২৭-নামল	80	boa
সম্পন্ন (নামাঞ্চ সম্পন্ন হওরার পর পৃথিবীকে ছড়িয়ে পড়া)	৬২-জুমু'আ	30	200	য়ামূল আডির ভাই সালিহ খো. কে তাদের কাছে প্রেরণ	77-\$et	83	693
বুসংবাদ (সালাভ/নামাম কারেমকারীদের জন্য সুসংবাদ)	২২-ব্যক্ত	1042	467	ছাযুদ সম্প্ৰদায়ের প্ৰতি সাধিহ আ, কে চেরেদ	9-30'010	90	979
দুৰ্থ হেলে পড়লে সালাত কারেমের নির্দেশ	১৭-ইস্বা	9.5	920	প্রতিপাশকের পক্ষ থেকে সালিছ আ, প্রেরিক কিনা সে সম্পর্কে প্রস্ত	J-281, SLA.	98	679
বাশকনকোমনারী ধালে দেই এমন ব্যবসার প্রকাশী	তও-ফাভিৰ	3.5	b8b	প্রেরিত প্রানুল হয়ে থাকলে সাধিহ আ কে শত্তি আনার আহবান	৭-আ'রাত		
বন্ধী দুৰুলতে দালাতের পরে অপেক্ষমণ রাখতে হবে	৫-মাছিলা	208	050	কা (ছাত্ৰন সংখ্যাকে সংগ্ৰহণ করে সন্দিহ আ কল্য)		99	950
পাহ্যযাহার্থনা (থৈষ্ঠ ও সালাতের মাধ্যমে করার নির্দেশ)	२-वाक्तवा	80	909		५-आ'शक	প্রচ	950
মঞ্ছে প্রার্থন (সর্য ও সালাতের মাধ্যে সাহায় প্রার্থনর নির্চাল)	२-राज्या	260	939	লতানার (নালেহ আ সন্ধানানের উপর পারি আপড়িত হরেছিল)	22-Kd	N.P	698
मेक्स व क्रव	44-10Mi	99	260	সাহস হারানো			
হর উচু বা নিচু করা প্রসঙ্গ (সালচেচ)	১৭-ইসরা	220	930	মুখিলরা সাহস হারালো (উর্গ যুদ্ধে)	৩-জালে ইমরান	265	460
হতাৰত (সাধাত হেডাঞ্চত করে যারা )	৭০-মা'কাবিল	08		মুখ্যিনগণ সাহস হারাবে পরস্পরে বিবাদ করলে	৮-খোনদাগ	86	600
শ্লাতের স্থান	Jo-vi attidet	08	29.5	মুন্দিবসের দুই দল সাংগ ধারতোর উপক্রম হয়েছিল, উল্লে যুক্ত	৩-আলে ইমরান	244	489
				সহল হারত মুসলমানর কবিনাদের সংখ্যা বেশি করে দেখালে	५-व्यानकान	80	606
াকামে ইবং 'ইম কে সালাতের স্থান হিসাবে গ্রহণ	২-বাকুারা	250	478	সাহাবী (সঙ্গী)			
ালাম (আরো দেখুন অভিবাদন শব্দটি)				দুনাকিক বাকি হাসুল স. এর গাহারী/সঙ্গীর ঋনা বায়	-	_	_
মডিমি সালাম জানালো (ইবরাহীম আ, এর প্রতি)	32-fèma	22	900	করতে নিষেধ করে	৬৩-মুনাফিবৃদ	٩	366
মনুমতি গ্রহণ ও সালাম দিয়ে ঘরে প্রবেশ	२8-मूल	29	996	সাহায়া		-	_
स्टब्स (महिनानाम्मर नुर वर. (मीक त्यान व्यवस्थात सिर्दान)	77-ået	85	690		-		_
মভিবানন (মান্তাতে সংকর্মশীল মুমিনগগের অভিবাসন বুরে সালাম)	১৪-ইবরান্ট্রম	20	696	অনুপারীদের সাহার্যা করতে পরভান অক্তম	১৪-ইবরাহীম	44	995
(তিবাদন (জাল্লতে মুমিনদের অভিনাদন হবে সালাম)	১০-ইউনুস	3o	926	আদ সম্প্রদাকে আল্লাহর সাহাত প্রদান	২৬-৩'জারা	300	958
পরিবাসন হবে সালাম(আল্লাহর সামে পুমিনচনর সাক্ষাতের নিন্)	৩৩-আহ্থান	88	203	আদ ভাতিকে সাহাব্য করা হবে না (আবিরাডে)	৪১-ফুগ্সিলাত	3/6	444
নমধ্যে আ: 'নালম' বল অভিবানন মানকোন অভিভিনেত্তক	१५-गरियाङ	42	346	আল্লাহকে সাহাত্য করলে ভিনিও সাহাত্য করকেন	৪৭-মুখ্যখাদ	1	256
বরাহীন আ, পিতাকে বলল- আপনার প্রতি 'সালাম'	79-4448814	81	909	আল্লাহকে সাহায্য করে গঠিব মুহাজিবগণ	৫৯-হাপর	br	740
ব্যাহীম আ, কে 'দালাম' বলে জবাৰ দিলেন অভিবিহন	०३-चविसाठ			অপ্রাং ও রাপুল স. কে সাধার করে আপ্রাং তা জেনে নিরেন	৫৭-হানীন	22	960
		54	256	অস্তাহ নিজ সাহাত্য থারা রাসূল ন, কে সাহাত্য করেছেন	৮-আনফাল	64	600
ব্যাহীন আ, কে ফেরেশকাদের সালান (সরাচার সুসংবাদ রগেছ)	১১-বুদ	69	995	অল্পাহ নিৰ্দ্ধ সাহায্য হাবা সাহায্য করেছেন মুখিনদেরকে	৮-জানফাল	36	608
রাহইরার উপর নালাম (জন্ম, মৃত্যু ও কিয়ামতের দিন)	১৯-মারইরাম	76	305	অক্সাহর পথে সাধান্য করেছে যাধা	৮-আনকাল	93	600
মানবররা সালাম বলে অন্যনেরকে উপেক্ষা করত	২৮-কানাস	22	270	আক্সাহ সাহাব্য করবেন রাসূল স. ও মু'মিনচেরকে	৪০-মুখিন	62	pp.
লৈ আ. এর প্রতি লক্ষাম (ক্ষার, মৃত্যু এবং পুনর্জীবিত হওচার দিন)	১৯-নারইয়ান	20	906	আল্লাহ সাহায্য করবেন (যে ভারে সাহায্য করে)	<b>२२-शब्द</b>	80	984
লোকে (অভিযানৰ ও সাধান আনাকে যুবে অনেন্ত্ৰত থাৱ)	२१-क्ट्रबरन	9.0	969	অপ্তাহ সাহায় করলে কেউ নিন্দাী হলে না (পু নিন্দান উপর)		2/80	667
লোলে (সালাম জনালো হলে ভার এরে সুদার বা অনুরূপ জনাব)	৪-নিসা	9.9	969	আপ্তাৰ নাহাত্য কৰলেন মু'মিনদেৱকে (পঞ্চৰ বিক্তমে)	५३-नाष्य		
মন্লাতে 'সালাম' বা পাস্তির ব্যক্ত হাড়া কিছু কন্তে না	১৯-মার্ইয়াম	94	906	আন্তাহ সাহাত্য করেন (বাকে ইচ্ছা)	০-আলে ইমরান	28	997
ন্মেতের অধিবাদীদেয়কে 'দালাম…' বগবে আ'রাকবাদীয়	१-ऋ'सप	88	629	प्राह्मद माराच करायन समृत्र म, एक		70	१७१
aggidionaco 'কোমানের উপর সালাম' কালে যেবেশালার	১৩-জাদ	4.8	060	আল্লাহ সাহাত্য করেছেল মুমিলসেরতে বিভিন্ন ছালে	৮-আনকাপ	હર	907
দ্রোতে মুমিনলের অভিবাদন হবে সালাম	২০-ইউনুস	30	988		৯-ভারবা	42	683
াদের সাধীদের জন্য রয়েছে দালাম শান্তি (জাল্লতে)	৫৬-ওয়াকিয়াব্	22	389		३३-शब्द	90	৭৬৩
বীর প্রতি সালাম আনামোর জন্য মুমিনসের প্রতি নির্সেশ	০০-সাহব্যব	46	404	আহাহর সাহায় আসল তথ্য রাস্ত্রণর মনে করল যে		220	69.4
তিশাশকের পঞ্চ থেকে বলা হবে সাধাম(জান্তাভীনের)	৩৬-ইয়াসীন			আল্লাহৰ সাধ্যয়া ও নিকটকটী বিজয় (মুমিনৱা ভালৰাসে)	७३-शस्य	30	292
লে (শত্তিসং অধ্যতে এলে করতে কর হবে মুক্তরীয়নতে)		av ac	200	আল্লাহর সাধার্য্য ওখন আসলে (রাসূদ স. ও)		578	248
	60-এান্	-08	248	অক্সাহর সাহায্য যবন আসবে	১১০-নাস্থ		2000
বেশবাচনকে ইণাবীন আ এর সম্পান (সম্রাচনর বুনারান প্রদান)	55-वृत	634	692	আয়ান্ত শহাবে ভোদনর বিক্রাী হলে মুফিনা উপ্তম্ম হবে	ও০-জম	6	255
ল (পলম বস চস যার বছমানের বাধার, আহরে সমেন। করেল)		90	વાન્ક	অক্সাধন সাধান না আনা পর্যন্ত রাসুলাগতে কট দেয়া হরেছিল	৬-আন্'আম		¢'n
দার প্রতি সঙ্গাম (অক্সাহর মনেনীত বাদানের প্রতি সঞ্গাম/পরি)		43	bo8		২২-হাজ	26	989
वानीरामा मृक्षाय गमा रागवन्त्रयात नाक्षि (शानाम) बानारत	১৬-নাংগ	05	30¢		५-जावस	80	688
মনদের উপর সালাম/শান্তি বর্ষিত হোক	৬-আৰু আম	68	900	আল্লাহ সক্ষম (মন্তবুমতে পাহান্য করতে)	২২-হাজ	60	295
শরিকদেরকে নালাম কলা/এড়িয়ে চলার নির্দেশ (রাসূল স. কে)	८०-पूर्वज्ञय	P.9	500	আল্লাহর পক্ষ থেকেই সাধান্য হয় (বনরফুচ প্রসঙ্গ)	৮-আন্দাল	30	७७२
(বাকীদের সালাম ও সম্ভাষণ জাগাবে (জান্নাতের রক্ষী)	०७-व्याद	30	৮৭৭	আহলে কিতাৰ কৰ্তৃত থদকে শত্ৰুকে সাহায্য করা প্রসন্ত	৩৩-জাহ্বাব	26	504

সালাভ Delta a sea man al rest | was

			विथा	সাহায্যকারী	नुसामा । नाम	80.7
नपः विरय/दात	সূৱা বং ও বাম	प्रशास	भुका			
नादाया (न्र्र नृक्षे (अरक)	১৯-আনকাবৃত	82	3/50			750
	৪৬-আহ্কাফ	45	970			790
ইলাহদের থেকে সাহ্যবাহান্তির আশা ৷ (কাকিবদের )	৩৬-ইয়াদীশ	18	ኮድዕ	মু'মিনদেরকে সাহাত করেছেন আল্লাহ (কং ধারা)	৫৮-মুম্বাদালা	22
	৯-জাভবা	8	880	মূসার সম্প্রদায়কে সাধাব্য করেছিলেন আল্লাহ	৩৭-সাফ্চাত	229
প্রমাননারনেরকে সাহাত করেছে যারা	৮-আনফাল	9.8	600	ৱাপুল স. কে নাহান্ড করার ব্যাপারে অঙ্গীকার প্রহণ	০-আলে ইমরান	22
ইলা আ, কে সাধাৰা করেছেন আল্লাহ রহল কুনস	৫-মারিলা	330	¢28	রাপুল স. কে আল্লাহ সাহায্য করেছেন (অভাবনীয় সাহায্য)	৪৮-ফাড্ছ	0
(জিবরাইলকে) এর মাধ্যমে	G-WINNI	330	ony	রাসুল স, কে সাহায্য করা মুমিনদের কর্মন্য	৪৮-ফাত্হ	'n
দিসা আ, কে থাছের (কিবরাইলের) মাধ্যমে সাবাধ্য	২-বাকুরো	৮৭	670	প্রসূপ সং কে সাহায়্য করেছে করা এক সংগ্রেপর (কুরাজন রচনার)	२१-यून्त्रकाम	8
	২-বাকারা	২৫৩	200	রাসূদ স. কে সাহায়কারীয়া সকল	৭-আ'রাফ	263
	২১-জাধিয়া	69	908	डांगृन न. (क जावाचा ना करद यमि भूमिनडा करत	≽-ভাধবা	80
Sপাদার বি সাধ্যয় করতে পরের (অস্তাহ বাদে অন্য উপাসা)	२७-७'खास	30	932	ল্ডকে সাহাত্ত করার জন্য দোরা(সম্প্রদায়ের বিরুদ্ধে)	২৯-জানকাবৃত	60
মাজিকলো লাহায়ের কলা বেল বাহিনী দেই ( <b>সাপ্তা</b> ম ঘান)	৬৭-মূল্ক	₹0	260	শক্তি নিয়ে সাহার্যা করার অনুরোধ (জ্পকারনাইনকে)	১৮-বার্ফ	95
লাফির সম্প্রদারের বিরুদ্ধে আল্লাহর কাছে সাহায্য প্রার্থনা	২-বাকুরো	400	606	শরতানকে সাহায্য করতে অনুসারীরা অকম (আবিরাতে)	১৪-ইবরাহীম	22
হাকিবলেরকে বাহাখ্য করা ববে না (কারাল্লামে)	২১-জবিয়া	60	983	শান্তি আসার পর সাহায্য করা হবে না (কালিমানেরকে)	৩৯-যুমার	₫8
হাকিবলেরকে নাহাত্য করা হবে না	03-074d	25	326	শান্তি আদাদ কে সাহায্য করবেং (মৃত্যিন বাচিত্র প্রশ্ন)	৪০-মুখিন	59
অঞ্চনতে সাহায্য করার কোন দল ছিল না	২৮-কাসাস	4.7	256	বড়বছকারীদেরকে সাহাধ্য করা হবে না (কিরামডের সিন)	৫২-তৃত্ব	89
ক্যামতের দিন সাহাব্য করা হবে না (বনী ইসরাদিন প্রনঙ্গ)	২-বাকুরো	250	478	সক্ষম নৱ (পরীকরা কোন সাহাব্য করতে সক্ষম নর)	৭-আ'রাক	33-2
বিশ্বামতের নিন কতিকে সাহায়্য করা হবে দা (বনী ইনমাদিল প্রেস)	३-वाकास -	85	200	সক্তম নর (পরীকরা কোন সহায়া করতে সক্তম নয়)	৭-আ'রাক	159
বিস্তানতে সাধাৰ্যপ্ৰাপ্ত মৰে না কৰা	88-नुवान	87	308	সক্ষম নয় ভ্রান্ত ইলাহরা, উপাসকদেরকে লাহায্য করতে	৩৬-ইশ্বাদীন	9.0
	59-2,0181	200	926	নক্ষম (আপ্রাহ মঞ্জুমকে সাহাব্য করতে সক্ষম)	২২-হাজ	03
গ্রাদিশার মাধ্যমে অধ্যাহ জন সম্প্রদায়কে সাহায্য করেছেন		300	926	সম্ভান-সম্ভাবন মাধ্যমে তাল সম্প্রদায়কে অস্ক্রাহ সাহায় করেছেল	59-9,000	100
ভাষিমদেরকে সাহায্য। (ফুটস্ক তেদের দ্যার পানি ধারা)	79-41615			সুধাইমানতে ভা-সম্পদ নিয়ে সাহায়্য (সাধার রানীর উপহার প্রসঙ্গ)	২৭-নামশ	00
প্রতিমানে সাহার করার মত অভিয়াকক থাকনে না (সাল্লাহ মান্ত)	৪২-শ্বর	85	698	সাহায্যকারী		1
লাদিমদের দিকে পুঁকে পড়লে তাকে সাহাব্য করা হবে না	<b>33-वृत</b>	220		অপরাধীর সাহাযাকারী হবে না মূপা	২৮-লাদাদ	39
তুলিরর দ্বীবদ ক্ররবারিকে সহায় করা হবে না (অনিয়াকে)	२-वाक्रवा	p.g	670	অধ্যাত্তর শাহার্যকার থাব দা ব্য অহ্রেরীয়া শাহার্যকারী পাবেলা (আল্লার ছড়া কাউকে)	৪-সিশা	290
ধ্য-লম্পদ, সম্ভাগ-সম্ভতি নিয়ে সাহাত্য করতে মানুব মনে করে	২০-মু মিলুন	66	955	वाह्यार्दे नारायानारी (वाहार शक् नारायानारी (नरे)	২-বাৰুবৰা	309
নবীর বিরুদ্ধে ভার বু'রী পরস্পরকে সাহাব্য করা প্রসং	৬৬-ভাৰ্বীম	8	390	सङ्ख्यार स्वाव (साम नायस्वरको भागि (जुर मध्यमा अन्त्र)	ने7-र्थेड र-न-प्रेश	56
(গোপ্সকথা প্ৰসঙ্গ)					<b>12-প্রনকার্থত</b>	
নিজেদেরকেও সাহায্য করতে পারে না শরীকরা	१-व्य'श्रक	224	607	অল্লাহ খড়া কোন গাহাবাকারী পেই	৩৩-আহ্বাৰ	39
নিক্ষেদ্ৰেকেও সাধাধ্য কৰতে পাৰে না শৰীকৰা	৭-আ'রাক	295	900	অন্তাহ হড়া সাহাধ্যকারী পাবে না (মূনাফিক প্রসঙ্গ)		226
নিম্বকে (উপাদ্যরা নিম্নেদেরকেও দাহাঘ্য করতে পারে না)	২১-আছিৱা	80	900	পঞ্জাহ হাড়া সাহাধ্যকারী দেই	৯-ফাঙ্গা	330
নুহ আ, কে অল্লাহ তার সম্প্রসায়ের বিরুদ্ধে সাহাত্ত করেন	২১-জাধিয়া	99	900	পাল্লাহ্ হাড়া সাহাধ্যকারী পাবেনা (মলকাজকারী)	৪-নিলা	
নূহ আ, সাহায্য প্রার্থনা করল (প্রতিপাদকের নিকট)	২০-মু'মিন্ন	146	969	জারাহ উর্বন নাহাব্যকারী	22-E/M	935
পরস্পরকে সাধ্যয় দা করার ব্যাপারে প্রশ্ন করা হবে	৩৭-সাড্ডাত	42	765	পাপ্তাহ উরম সাহাত্যকারী	৩-আলে ইমরাণ	
পাপ ও সীমালজনে একে অগরকে সাহাব্য করা নিবেধ	৫-মাছিলা	1 2	6300	গ্রাপ্তাক্ট মুদিনদের সাহ্যবাকারী হিসাবে বংগ্র	8-निग	86
পাপায়রীয় সাহায্যপ্রাপ্ত হবে না	৩-আলে ইমরা		689	আপ্লাহর সাহায্যকারী হওয়ার আহ্বান মুমিনদেরকে	७७-अस्य	38
পূণ্য ও ডাকওয়ার ব্যাপারে একে অন্যকে সাহায্য করা	৫-মাছিলা	1 2	6,00	অপ্নাহন সাহাণ্যকারী (হাওয়ারীখন)	৩-স্বালে ইময়া	
প্রতিপালক সাহায়র করাংল একথাজার মেরেশনা মারা (বনরযুচ্ছে)	৮-আনফলে	9	905	অস্ত্রাহর কেন সাধায়কজিও নেই (ধরনাকৃত ইলাহনের মধ্যে)	৩৪-সাবা	44
প্রতিপালকের নিকট সাহায্য প্রার্থনা (কাঞ্চিরদের বিক্রছে)	২-বাকুনো	560	649	ইসা আ, এর সাধাধাকারী কে হবেঃ (ইসা আ, এর জিঞাসা	92-MAM	18
অভিন সম্প্রদারের বিক্রমে সাহায্য প্রার্কন, রন্মানীদের	৩-আলে ইমরা	186	483	হাওরারীদেরকে)		-
প্রতিপাদকের সাহায্য প্রার্থনা করলেন হন আ.	২৩-দু"মিদূন	cp.	965	ন্বসা আ, এর সাহাব্যকারী কে আছে (আল্লাহর নিকে)।	০-আলে ইমরান	
প্রতিপালকের সাহায্য আসলে মুমিনদের দলে (মুনাফিক)	২৯-আনকাবৃত		9.70	উন্তম সাহাতকারী জাল্লাব	৮-আনজন	80
প্রতিশালক সাহায় করবেল পাঁচ হাজার চিংযুক্ত ফেলেশ্বার মাধ্যমে	০-আলে ইমরা	1 250	28V	উত্তম সাহাফকরী আপ্রাহ	২২-হাজ	9৮
প্রতিপালক সাধার বড়ানা তিন বাজার বেতাশকার মধ্যানে (কার যুক্তে)	০-জালে ইমকা	3 248	48₽	কাভিয়নের কোন সাহায্যকারী থাকনে না (কিয়ামডের দিন)	৪৫-কাছিয়া	-08
প্রকৃত পার্যান্য আল্লাহর পক্ষ থেকেই হয়	০-আলে ইমরা	4 259	48₹	ব্যক্তিরা দাহাত করে (প্রতিপাদকের বিক্তমে)	২৫-ফুরুকান	66
বিশ্ব'জাউদ ও তার বহিনীকে সাহাধ্য করা হবে না (বিসামতে)	২৮-কাসাগ	85	227	কাফিব্রয় সাহায্যকারী পাবে না অবিবাতে	৩৩-আহ্বাৰ	96
বাদ্যনাধানে সভায় করম কোন দল ছিল না (অক্সাহ ছাত্র )	>>- <i>4164</i>	80	927	কবিছয়া সাধারকায়ী পেত না, যুদ্ধ কালে (ছলামিয়া প্রসঙ্গ)	৪৮-ফার্হ	44
বের করে দিতে সাহাত্য (মুমিনদেরকে বের করে নিতে		١.		কাধির অবছার মৃত্যুবরণকারীর সাহাখ্যকারী নেই	৩-আলে ইমরা	4 97
সাহায্য করেছে বারা)	৩০-মুমতাহিণা	Ъ	959	কাফিরদের সাহাধ্যকারী হওয়া নিষেধ (রাসুল স. কে)	২৮-কানান	bre.
ভূগপথে সাহাত করতে কর্মতি করেনা (শরতানের ভাইরা)	৭-জা প্রক	202	603	কণিবঢ়না প্রহাণকারী থাকরে না , অপ্রাক্ত নির্মান্তত করলে	৩৬-ইরাসীন	80
মঞ্জুমকে সাহাত করতে আপ্তার সক্ষম	২২-হাজ	60	982	কাফিরদের সাহাধ্যকারী থাকবে না	৩-আলে ইমরা	9 48
মুন্তিকর অধিয়াক্তকে শধায় করণেও পৃষ্ট প্রদর্শন করবে	62-5343	35	146	ব্যক্তির ও মুনাকিকদের নাহায্যকারী দেই পৃথিবীতে	৯-ভাওৰা	9.8
মুনাকিকরা কাফিয়দেরকে বৃদ্ধে পাহাখ্য করবে	৫৯-জন্ম	22	200	ক্ষমতা (পায়ায়কারী ক্ষমতা প্রার্থনা, প্রতিক্ষমতার নিকট কেকে)	১৭-ইগৰা	bro
মুশরিকরা সাহাত্য পাবে মা (কিয়ামতে)	২৫-লুৱকান	77	9bro	গ্রহণ (মুনাঞ্চকদেরকে শাহ্যযাকারীরণে গ্রহণ নিভিছ)	8-मिना	92
মুমিন্দের নরিত্ব, সাধার করা, স্বীদের বংশারে সাধার প্রার্থনা	৮-আনকাল	93	609	অনপদের (ধাংসপ্রাপ্ত জনপদের সাহাব্যকারী কেউ ছিল মা)	৪৭-মুধ্যমান	38
ফুনবিব্যা সহায় করনে না (কবিবনের সামে চুক্ত করা হলে)	৫৯-হাপর	38	300	জাপিমদের গাহায়কারী নেই	२-शक्रात	29
মু'মিননেরকে সাহাত্য করা অন্তাহর দায়িত্	60-3E	89	35.4	অপিমনের সাহায্যকরী দেই	GO-984	32

			হ্যকার	(NSW)			
শ্ৰম বিষয়/প্ৰসৰ	সূতা বং ও বার	454	বৃষ্ঠা	भाषा ।	न्द्रा नर र गाय	ALC: N	न्हा
সাহায্যকারী (পূর্ব পূর্বা থেকে)	২৯-আনকাৰ্ড	80	3450	সাবার রানীর বিরাট সিংহাসন থাকা প্রসঙ্গ	<b>र्व-भा</b> त्रस	20	207
ন্ধাশিখনের সাধ্যযাকারী নেই	৩-জালে ইমরান	795	228	সাধার রানীকে ভার সিংহাসন সম্পর্কে জিঞ্জাস্য	২৭-মামৰ	83	ros
অলিখনের সাব্যবাকারী নেই (জাবান্নানে)	৩৫-ফাডির	99	P89	সূপাইবালে পরিকর্তার সাবার রাখির সিয়েসন নিয়ে আসা এসক	২৭-বাহৰ	40	bros
ক্ষাপিমদের সাধাব্যকারী ও অবিভাবক নেই	৪২-শুরা	7	522	FRE			
জলিমদের কোন গাহাব্যকারী নেই	22-27%	45	108	অঞ্চল সিভি বৌধ করতে কর (রসুল স. সবর না করলে)	১-অনু'আৰ	100	699
মিধ্যুসপ্, সংকর্মশীল মুমিন ও ফেরেশরা নবীর নার্যক্তারী	৬৬-তার্রীম	8	290	(মিশের সিভি কানিবারে সিতেন আন্তার (পার্থির প্রচুর্য প্রসঙ্গ)	80-पुबंकक	00	9.99
দুনিৱা ও অধিৱাতে সাহাৰ্কেৱী নেই যাদেৱ	০-জালে ইমরান		209	প্রোকাদের (আরোহন করে প্রথম করার মত সিদ্ধি	00-3444	-	9.00
দুৰ্বল সাহায়কারী কে তা শান্তি জাসলে জানা যাবে	५३-जिल	48	309	প্রতিষ্ঠের জন্য)	৫২-তৃর	·Øy	303
न्वीर महाचानी (प्राटमांट, मार्क्सीम द्वीन व किवानेन)	५५-जरतीय	8				-	
			390	निकृतपृत्रस वरिकारी वाद्यार	৭০-মা'আরিজ	۰	89.5
নিবৃত্তি (মক্ষতুমের অন্য সাহায্যকারী নিবৃত্তির লোৱা)	৪-দিলা	92	666	সিভির অধিকারী		_	_
পথাইসেয়ক সাহায়কারী হিসেবে গ্রহণ করেন না (অপ্লাহ)	১৮-কার্ক	62	452	वद्वार निकिनम्दर वरिवादी	৭০-মা'জাইজ	0	hb:
পথপ্রক্রের সাহাফকারী নেই(আল্লাহ যাকে পথনাই করেন)	<b>১</b> ৬-নাখ্য	69	900	সিজ্ঞীন			
গরশারে সাহায়কারী হলেও কুরমানের অনুরণ অনতে গায়ন ন	১৭-ইস্বা	9.4	452	শাশীলের কিবাব/আমদন্যমা শিক্ষিলে আছে	৮৩-মুহাফ্টিফ্টান	9	203
পাওর (সহয়বন্ধী শেনেল না রাসূপ, কবিবনের দিকে টুকে পদ্দেল)	১৭-ইস্বা	92	450	রাসূদ স, কে সিঞ্জীন সম্পর্কে জাধাবে কিসেঃ	৮৩-মুম্মত্তিপ্রদ	ъ	303
প্রতিপালক নাব্যবাকারী হিসেবে বংগ্ট	২৫-কুরকান	92	93/8	সিছদা			
দেরেশর, সংকর্মশীল মুমিন ও ভিনরাইল নবীর সাহায়কারী	৬৬-তাহরীম	8	390	অপন্যক নিজনা করল কেরেশতারা (ইবলিন ছারা)	১৮-কাহক	ĝ0	925
মানুদের দাহায্যকারী থাকবে না (কিরামতের দিন)	৮৬-ডারিক	20	2029	অকাশের সংক্রির অপ্রাহকে সিক্ষণা করে	22-27W	75	927
মুনাফিকদের জন্য সাহাজকারী নেই (জাধান্নাম প্রসঙ্গ)	8-921	184	292	আৰম আ, কে নিজৰা করতে বিসে ধাধা বিল ইবলিসকে	৭-আ'রাক	25	630
মুপরিকরা সাহাব্যকারী পাবে না (অল্লাহ নিমক্ষিত করপে)	১৭-ইপ্রা	55	930	আৰম আ, কৈ নিজৰা করতে কেরেশভাদের প্রতি নির্দেশ		339	
মুগার সংখ্যকারী বাদানের দোরা(পরিবারের মধ্য থেকে)	২০-জা-ছা	45	983	আনম আ, কে নিজমা করল সব কেরেশনা (ইবলিস ছান্তা)	২০-ফ্ল-য		985
মুসার সাহাফকারী বানিয়েছেন আল্লার হাকলকে	২৫-কুরকান	00	964		79-44da	80	921
মূর্তিপঞ্জানিমর সাধাযাকারী থাকবে না (কিরামতের নিন)	१७-वानकावृत	20	725	আদম বা. কে নিজনা করার জন্য কেরেপডালেরকে নির্দেশ	৭-আ'ৱাক	22	924
बनुग म, दार महाचन्मी बनदर न (दिनी-मनवार क्यूना कहा)	২-বাকুরে		478	আদম আ. কে নিজমা করার নির্দেশ (ফেরেশচাসের প্রতি)	৭-আবাদ	22	974
লা নতপ্ৰায়েৰ জন্য খোন সাহাখ্যকাৰী পাঙৰা বাবে না	8-999	250		আন্ম বা, কে নিমানা নির্দেশ (কেন্তেশারনের প্রতি অক্সাহর নির্দেশ)	২-বাৰুগৱা	-08	000
		कर	¢60	আসম আ. কে সিঞ্জনার নির্দেশ (কেরেশভাসের প্রতি)	১৭-ইস্রা	62	325
সংম্পৌল মুমিন, ভিনমানিল ও কেনোলান নবীর সাহাত্যকারী	৬৬-থাব্রীম	8	390	অপ্তাহর শিক্ষা থেকে সাববাদীকে শারমন কর্তৃক বিরুত রাধ	২৭-নামল	55	box
श्वातीस प्राद्वास्य नास्त्राक्स्सी	৩১-সাক্ষ	78	263	অল্লাহর প্রতি সিম্পদাবনত (আকংশ পৃথিবীয় সর্বাকর্ত্ব)	১৩-রাম	36	69%
হাৰদকে সাব্যধ্যকারী হিসেবে প্রেরণের জন্য মূপার রার্থন্য	২৮-কাসাস	<b>cs</b>	3-77	অপ্লাহক নিজন করে নির্দেশ (বিনি ৮৪-সূর্য সৃষ্টি করেছেন)	৪১-ফুস্সিলভ	69	292
সাহায্য চাওয়া				আপ্রাহকে শিক্ষণা করার নির্দেশ	৫০-বাজ্য	69	300
অপিনর পর্বার চাইলে দেওরা হলে ফুটর ভেলের নার পদি লেয়া হরে	<b>১৮-का</b> र्क	45	936	অল্পাহক সিমান করে বার নৈকট্যশক্তের নির্দেশ (রানুল স. কে)	৯৬-জাপাক	28	2028
মৃগার সাহান্য চেরেছিল যে ব্যক্তি (গরকাল)	২৮-কাদাস	72-	500	আপ্লাহকে নিজনা করে আকাশ ও পৃথিবীর সর্বভিত্নই	22-10W	35	923
সাহায্য প্ৰাপ্ত				অপ্তাহক সিমান করে (অব্দেশ-পৃথিবির সর্বাই ও ফেরেশমার)	১৬-নাংশ	8%	909
স্বাপ্তাহর প্রেরিত বাব্দাগণ (রাসূলগণ) সাহায্যপ্রাঞ্চ হবে	৩৭-সাক্ষাভ	392	5-94	বাহাৰ কিহাৰ্পত্ একনৰ নিজৰাও করে	০-জালে ইমরান	220	289
কফিবরা সাহায্য প্রাপ্ত হবে না (আল্লাহর শক্ষ থেকে)	২০-মুমিনুন	60	990	অধ্যান (নিজার জন্য বাধান কর হত অপ্যাধীক্ষাক, মুখু করেছে)	৬৮-কালাম	80	299
নিহতব্যক্তির অভিজবক সাহায্যপ্রাপ্ত হবে	১৭-ইসরা	00	936	অধ্যন (নিজন করঃ জন্ম অধ্যন কর ছাং, জনমনিদেরেক)	७४-वृत्याम् ।	84	299
नाहाय;शार्थमा		-		ইউসুফো প্রতি সেজগাবনত হল, তারা সকলে)	25-84340	200	3643
আল্লাহরই কাছে সাধ্যয় প্রার্থনা ও বপু ভারই ইবালভ	১-ফাভিব্য	8	603	ইবলিন বলল- 'বাকে নিজন করে থকে মটি (থকে সৃষ্টি,,,)	১৭-ইসল	93	
অপ্তাহন পাই পাইবা নাক্ষা ও বহু নামহ বৰ্ণান্ত অপ্তাহন নাই পাইবা হোকন (মুল্য বা, সম্প্ৰনায়ক উপলো লিং)				ইবলিস নিজন করবে না কালমাটি থেকে সৃষ্ট আগমকে			932
বীনের ব্যাপারে সাহাত্য প্রার্থনা করলে মু'মিননের ব্যবিত্ব	৭-আ'রফ	24%	950	কবিবর সিজন করে না কুরজন গাঠ করা হলে	३१-दिवर	00	693
থৈৰ্য ও সাধ্যক্ষে সাধ্যক্ষ প্ৰাৰণা কৰণে বু ক্ৰেন্তে গাঙ্কছ থৈৰ্য ও সাধ্যক্ষে সাধ্যক্ষ সাধ্যক্ষ প্ৰাৰ্থনাত্ব নিৰ্দেশ	৮-জানকাশ	92	909		৮৪-ইন্শিকাক্	52	20%
	২-বনুধরা	80	606	অভিনয় দি তাকে নিজৰ কৰাৰ মানুল সংখ্যক নিজৰ কৰাক বাব	২৫-ফুরকান	90	৭৮৬
থৈৰ্থ ও সালাভের মাধ্যম সাহাব্য প্ৰাৰ্থনাৰ নিৰ্দেশ	२-शङ्गदा	76.0	67.4	গাছ-পালা ও ভূগলতা সংগই সিঞ্চলারত	৫৫-রাত্যান	4	909
প্রতিপাশকের সাহাব্য প্রার্থনা করেছিল ঘর্ষন মুখিনরা	৮-আন্দাশ	9	900	গাহপালা আল্লাহকে নিজনা করে	২২-হাজ	76	903
ম্নার নিকট সাহাত্য প্রার্থনা করল তার নলের লোক	২৮-কাসাস	36	pop	চন্দ্ৰ-সূৰ্যকে সিজৰা না করাছ নিৰ্দেশ	৪১-ফুপ্লিলাভ	७९	445
সালাত ও থৈৰ্যের মাধ্যমে সাহাব্য প্রার্থনার নির্দেশ	२-राष्ट्रावा	82	202	চন্দ্ৰ অপ্ৰাহকে নিজৰা করে	২২-হাজ	39.	943
সাহাক্য প্রার্থী				চিক (মুমিনদের মুখমখনে সিজনার চিক দেখা খার)	8५-वावंद	2.5	229
সহাব্যার্থি ও বভিজে অধিনর হতেছে (মুক্তনীটার ধন-সম্পান)	৫১-ঘরিয়ার	7.7	956	বাদ্কররা নিজদার সুনিয়ে পড়ল (পরাঞ্জিত হওয়ার পরে)	৭-আ'রাক	250	620
সহাক্ষাবীকে জনিবৰ ব্যৱহ বাসে সম্পাদ	৭০-মা'বারিল	42	30-5	ছানুকরে নিজনর নৃতিরে পড়ন (প্রতিপালকের প্রতি ঈরান এসে)	२०-इर-श	90	984
সাহ্যস্থানীকে ধনক না দেৱার নির্দেশ	৯৩-বৃহ্য	30	3056	খীব-শ্ৰদ্ধ আল্লাহকে নিজনা কয়ে	২২-হান্স	334	943
নাহাব্য (রক্ষা)			-	অন্তোপ্তর সিক্ষাংগত হয় (কুরস্কান পাঠ করা হলে)	১৭-ইস্র	209	930
ज्याद शहर महिन्द जा, एक माश्रम कहार (क, चीटक कहार कहार)	22-gr	60	992	ভারকা উপ্রোক্তর নিজ্ঞা করে	২২-হাজ	274	969
নুহ আ, কে আপ্তাহ হতে সহায়/প্রকারারী কেউ নেই খনি	22-gr	00	997	ভূমপতা ও গাছ-পাশা সবাই সিম্নদারত	৫৫-রাহ্মান	6	203
	** 7.	100	-009	পড়া (আরাত হারা উপদেশ খনে মুখিন সিঞ্চপার পড়ে খার)	৩২-সাজদা	26	7.07
সাহাব্যস্থপ		-	-				
অল্লাহ ইরাপুৰ আ. এর নাহাযাস্থ্য	১২-ইউসুফ	79.	995	পৰ্বত অস্ত্ৰাহ্যক সিকলা কৰে	২২-হাজ	23.	967
मिश् <b>र</b>				পৃথিবীর সংক্রিছ আপ্লাহকে নিজনা করে	২২-হাজ	214	965
পদায়নগৰ গাৰ্থ (সিহে থেকে পদায়নগৰ গাৰ্থৰ নাম বাৰা যাত্ৰ	৭৪-মুখ্যমুদ্ধির	62	304	প্রতিশালককে সিক্ষরা করে (কেরেশভারা)	৭-আ'রাফ	২০৬	403
উপদেশ/কুমাজন থেকে মুখ বিশ্বরত্ত)	10-2-10/61	43	met C	রতিপালককে সিজনা করার নির্দেশ (মারইরামের প্রতি)	৩-আলে ইমরান	86	<b>Q8</b> c
সিংহাসন				কেরেশনর অন্য অ, কে সিরুল করণ(ইবলিন ছাত্র নকলেই)	২০-জ্ব-হা	229	985
স্তাপতি পরিবর্তন (সারম রানীর সিংহাসকুরা আকৃতি পরিবর্তন)	২৭-নামল	85	300	ক্ষেপ্ৰতাৱা দিজলা করল আদম আ, কে ইবদিস ব্যতীত	১৭-ইস্রা	465	938

স্থান খনন	-	*				
২৯-জানকাব্ড	82	840			30	997
১৫-বিজয়	90	666				997
২-বরুরো	48	606				الاد
৩৮-সেরাদ	90	brilo		৪-নিগা	95	œ'e
22-EW	Str	969				
৪-দিশা	205	089	বু নিনামই নিষ্কিক ও শহীদ হতে পাত্র (প্রতিশাসকের নিংট)	৫৭-হাদীদ	29	320
২৫-কুরকান	68	999	त्रिना <b>र</b>			
২৫-কুরকান	60	996	অস্ত্রাহ নিবাই পর্বতের কলম করেছেন	৯৫-তীশ	2	300
৪৮-ফান্ডই	45	272	পৰ্বত নিৰ্মাই পৰ্বতে এক প্ৰকাশ গাহ (ঘাহুৰ গাহ) উৎপদ্ধ হয়	২০-দু'বিদৃদ	20	961
১৯-মারইয়াম	Qbr	906	সিনাই পৰ্বত			
२२-शृष्ट	99	950	ব্যৱহাৰ পাছ সিনাই পৰ্বতে উৎপদ্ধ হয়	२०-मू मिन्न	20	93
३४-दिकार	53	622	fires			
२२-शृष्ध	75.	965		২-বাকারা	486	44
২৭-বাংল	₹8	3005			000	98
	_			(0. Et . C		10
৭,আবাত	22	200		La Matafaille	**	203
				20-3erdiami	40	203
				PO-ZOIGIGGE	5.0	203
					_	_
						>8
						38
						20
26-1680	-	100				65
n. 0000	-	2000				342
						6.5
						200
						65
						24
						42
						96
						22
10-194	40	800				62
						28
4-36,414	262	659				24
	_					20
৩৯-বুদার	>	1445		৬৫-ভালাক	3	3/3
	L.		শীখা ছাড়ালো			1 .
৭-আ'রাক	45	956	পুনি সীয়া প্রয়োলয় পর নুয় প্রা কে লৌয়ালে স্বারোলা করলে হয়	१७-डाकार	22	20
৭-আরাক	407	694	दानून न. ५६ मृष्टि नीमा शक्तिक राष्ट्रीम	৫৩-দাজন	39	345
			সীমানা			П
৫০-বৃংক	80	328	হয়ীনতে সীখানা থেকে হপতিকলের জন্য সংকৃতিত করা	২১-অধিবা	88	92
					-	
১৩-রা'দ	8	69/9/		19,370	30	93
২-বাকুরো	30	622		****	+	+
				A Street Brights		21
_	-					98
৫৩-নাম্বৰ	78	205	উত্তন্ত হলে বিচরণের জববাপ (সীমালংখনের ক্ষেত্র)	১০-ইউনুস	22	66
			কাফিবো সীমালক্ষম করলে মুমিনবাও সীমালক্ষ্য করবে	२-सङ्ग्रह	778	2:
০.ডালে উল্লেখ	82	28c	আধ্বরা যতটা শীহালক্ষ্মন করবে মুখিনরাও তভটা	२-वाकुरस	3886	
						6
ao-धू स्वर	69	998	গোপনে কথা বস্থা নিমের (সামার্যক্ষনে) গোপনে কথা বলে যার্য (সীমার্যক্ষনের ক্ষেত্রে)	৫৮-বুজাদালা ৫৮-বুজাদালা	b	- ac
00-7873374	95	500				
০০-মাংবাৰ ৫-মারিলা	05 03	899	জানিয়নের বালারে নীয়ালকন (মর্গজনৈ রারামে মুছ) তীর জারুর জানায়নুল নীয়ালকারকারীর	২-বাকুরে ৭৯-নাথি আড	99	30
	\$2-548. \$2-548	25-5889   00	Substitute	১৯ - কান্তব্য বি	১৯-কল্পের বি প্র ১০০  - বিশ্বর বি প্র কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান ব্যক্তির বিশ্বর বর্গার কর্মান ক	১৯-কল্পের বি র ১০০ বি র ১০০ বি র বি

नव विषय/धनव	नुवा नर ७ नाम	NEED	1981	न्य विषय/धनम	স্থানং ও দাম	WEST PO	1 1/8
नीपालकान (पूर्व पृक्त (बंदक)	২৯-জানকাবৃত	84	250	সম্প্রদার (কাফররা সীমালকানকারী সম্প্রদায়)	৫১-ঘরিরাড	20	24
পাপ ও সীমালকানে লুক্ত ধারিত হয়, যারা কুকরি গোপন	ए-पाविमा	52	499	সংসার (সীক্ষাকলবারী সংখ্যার হেকে উপদেশবারী প্রবাধার)	৪৩-মুখ্যুক	ę	2.5
প্রবেচিত (শীমাক্ষালে যেল প্রবেচিত না করে ফুমিন্য্রেলরক)	৫-মারিদা	3	400	সম্প্রদায় (পৃত সম্প্রদায় সীমালকানকারী সম্প্রদায় ছিল)	৭-আ'রক	P3	63
প্রতিমূল্য সীমালকলের প্রতিমূল দৃষ্টিহীন অবস্থার হাণার হবে)	২০-কা-হা	249	985	সংক্রম (রচুল স, তে কর করি বাস তার শীক্ষাকর্মনী সংগ্রেমর)	৫২-ডব	<b>છર</b>	26
ফিরমার্ডনো সীমালজন (বনী ইনরাস্ক্রের পাড়ারাকা প্রদাস)	३०-१क्ट्रम	30	995	সম্প্রাধার (রাসুল স, কে অমলপের করেণ মধ্যে করে বাবা)	৩৬-ইয়াসীন	3%	bo
ক্রিক্টেনে স্থিতকানে জনু মূল আ, ও বাস-তে প্রেল	২০-ড়া-হা	80	980	দীমালজনকারীতে জাহান্নাবের শান্তিতে নিক্ষেপ করা হবে	<b>00-मुख्य</b>	99	34
				ही व गरी युक्ति प्रमूख (संब काद यह जरा नेपालकारकी	৭০-মা'অধিক	03	31
ফিরঅউবের পদ থেকে গীমাশব্দনের তর (মূলার)	২০-ড়া-ঘ	8-2	980	इक्षम प्रारंश (नीमलामनस्त्री न रहा कार प्रनटन शह प्रवहत)	३७-माइन	224	93
ফিলোটন সীমালকান করেছিল নগবে নগবে	৮৯-ফাজ্ব	22	2052	श्वाम एकन राया (अक्षारी व नीमानकानकारी ना श्रह)	৬-আন্'আম		
ক্রিজাইনের বীমালকানের কারণে মূপতে তার কাছে যেতে নির্দেশ	২০-ড়া-হা	₹8	૧કર			786	6
ভিরক্তভিনের সীমালজনের কারণে মূপাকে প্রেরণ	१५-मार्थ वारू	28	2000	হ্যরাম খাওরার নীমালক্ষদকারী না হলে পাপ দেই	২-বাকুরা	290	2
বনী ইসরাইলের সীমালজনের পরিণত্তি	২-বাকুরো	69	209	ফুর (শীর্ষাপঞ্চনসরীলে ফুরে অপ্তার মোহর মেরে লেন)	১০-ইউনুস	98	6
মানুষ সীমালজন করে থাকে (আল্লাহর সতর্কবাণী)	৯৬-আলক	6	2054	<b>গীমালজন</b>			
মাপের ক্ষেত্রে যন্ত্রে গীমাকজন না করার নির্দেশ প্রসক্তে	৫৫-রাছ্মান	7	808	মানুহকে দীমালক্ষনের কারনে পারি দিলে বদীনে	১৬-নাহ্ল	97	91
ফুলফিবনের দীয়ালকমে নিশেহার হয়ে পুরো কেয়ানের অংকশ	২-বাকুৰো	34	200	গীমিত করা			П
মুদ্দিরার সীমালজন করবে, কাঞ্চিররা সীমালজন করলে	२-राकृत्वा	258	655	অপ্তাহ যার বিধিক নিমিত করেন সে সামর্থ্য মত ব্যৱ করতে	৬৫-জালাক	9	36
যুশরিকদের সীমালক্ষদ করে গালি সেরা (আল্লাহকে)	ও-আন্'আম	20%	806	সীসাঢ়াসা		-	H
মুদার ব্যাপারে নীমালকনে করা ফারে না (১টি মেরান পূর্ণ করচে)	২৮-ব্যাসাস	27	950	সীসামেলা প্রাচীধের দ্যায় আক্লাহর পথে যুদ্ধ করা	92-Mina	0	24
যুক্তে সীমালকান নিবিদ্ধ	২-বাৰুৰো	290	657	अंद्रेश्च	44144	- ·	91
হাসুল স. ও ভার সাধীদেবকে সীমালক্ষম মা করার নির্দেশ	77-SA	275	393			-	١.
পানত (বনী ইন্মালিল অনান,পিনলমনে করার ল'নত করা হয়)	৫-মারিদা			অল্লাহ সুউচ্চ ও মহান	৩১-পুকমান	00	5
ना नव (पन्न इन्तावन) प्रवाह नावनाम (पाइ निवाद शनक) चनिवादका विवाद नीमानकाम (पाइ निवाद शनक)		934	6,90	कुषुण्या कारण कम्लाजन गुवेक तानान बारन क्या दर	২২-হাজ	84	9
	৭-আ'রাফ	160	959	ভানহাতে কিফাবপ্রাপ্তদের সুউচ্চ জান্রাকে সম্ভষ্ট জীবন যাগন	৬৯-থালাহ	22	9,
শনিবাহের বিশ্বর সীমালকানকবিদের যুগতি বাদর হওয়া প্রসঞ্চ	२-वाङ्गवा	98	209	পর্বতমালা পৃথিবীতে বানিরেছেন (আল্লাহ )	৭৭-মুবুসালাত	39	33
শনিবানে বিষয়ে শীমাশকানে নিমেকানে (বনী ইনার্কল প্রনাদ)	8-निमा	248	৫৭১	সুউচ্চ আতাশের দুরীর পক্ষ বেকে কুরাজনের অবভারণ	২০-ফ্ল-য	8	9)
শান্তি (সীমালজনকারীর জন্য যত্রথানারক শান্তি)	২-বাব্দরা	244	650	সৃষ্টার বেশ্বরগাহ যাতে আছে গুড়ে গুড়া বেশ্বর	৫০-কৃব্	30	>
শরি (দীর্ঘাশক্ষন করে সম্পদ্ধান/হত্তা করলে আচনের শরি)	৪-শিপা	\$0	692	সৃষ্টপ্ত হ্যাদের কলম	৫২-ভূর	¢	3
শান্তি (সীমালজনকারীর জন্য যত্রণাদারক শান্তি)	৫-মারিল	38	6.95	সুউচ্চ জাপ্লাতে থাকবে, অনেক মুখমঙল	৮৮-পশিরাহ	30	30
সম্বোধির (কী ইস্রাইল প্যাপরতে দীয়ালবনে সম্বোধির করত)	২-বাকুরো	66	470	সৃষ্ট্যন্ত শহায় থাকৰে জাল্লাতে	৫৬-ওয়াভিয়াহ	108	>1
সাহাথ্য দা করা (পাপ ও সীমালক্ষানে একে অপরকে)	<b>¢-प्रति</b> मा	1 2	&po	সুভয়াঝা		-	F
সাকীয়া সীমালন্দন করেনি (প্রসিয়ত প্রসঙ্গ)	৫-মায়িনা	209	6,50	মূহ আ, সংক্রমানে উপান প্রবাহ্মকে পরিবাশ বা করা	45-48	30	31
সৈনুবাহিনীর সীমালকদ (কনি ইসমাধিল ও চিবক্ষেউদ প্রসাধ)	১০-৫%গুল	30	662		(3-28	40	-01
হালালকে হারাম করা প্রসালে সীমালকান না করার নির্দেশ	৫-মারিদা	29	495	<b>मूचव</b> र		-	+
হারাম আহার প্রসন্ধানীমালকান না করে, বাধ্য হয়ে কওলে)	১৬-শার্প	332	425	নী সুনবং: (ইউসুন্ধতে কুল বেকে উঠিয়ে বলল পালি সঞ্চাবনারী)	১২-ইউসূচ	7.9	0
সীমাসজ্ঞনকারী		1		সুখভোগ			
বাৰ্যালক্ষ্ম হাত্ৰ আনুষ্ঠের অভিনাসী সীমালক্ষ্মকারীরা	৪০-মুখিন	80	brbr2	স্পর্ণ (পিতৃপুরস্কানরকেও ব্যার-কট ও সুদ্ধারাণ স্পর্ণ করেছে)	न-व्यादाक	94	8
				সুধশব্যা			
আনুগতঃ (গীমাশজনকারীর আনুগতঃ করা বাবে লা)	৬৮-জুলাম	25	25.6	निरक्षत्र कमा मूचनया। तस्म करतरह (य भरकास करतरह)	৩০-রম	88	b.
अञ्चल (नीवनकामधीला अञ्चल न नता अध्यन, अञ्चल)	२७-०'डाबा	262	396	সূথ-পান্তি		_	Т
আল্লাহ্ দীমালজনকারীকে সঠিক পথে পরিচালিত করেন না	৪০-মূ"ম্ম	52	ppo	অভিনয়নর সুক-শক্তি তারা দুনিরার জেগ ও নিংশধ করেছে	৪৬-আহ্কাক	30	3
ইবরাহীম আ. কে জালিম/সীমালক্ষদকারী বলে অভিযোগ	২১-আখ্যা	25	928	সূথ (যান্ত)		<u> </u>	т
(মৃতি ভালা প্রসল)				করের পর আল্লাহ পুর নিবেন (ভালাবলেরের জন্য বার প্রসাস)	৬৫-ভাগাৰু		b
কৃতকর্মকে দীমালকানকারীর কাছে শোতদীয় করা হরেছে	১০-ইউনুস	25	956	मुची	04-0-41	-	
হিহ্নত পথর, শীক্ষাবলকবিলের কন্য (প্রতিপাশকের নিবট)	৫১-বারিয়াত	୧୫	254				-
জন (নীকামনভাটনের সাশর্কেপ্রতিশালক সবচেরে বেশী ব্যক্তের)	৩-অন্'আৰ	22%	609	নান্নাঠীদের পুণী হতে বলবে (মান্নাতের রক্ষীরা)	৩৯-বুনার	90	8
বুর্তেশ দীঝনক্ষকরীলে কন বুর্তেগ (বর্ণানভাল প্রদাস)	৬৮-বুলোন	.07	398	সুগঠিত		-	╙
পথন্তই (জাপ্লার দীমালবদকারীদেরকে পথন্তই করেন)	Bo-मूमिन	46	ppo	আসম আ, কে সুগঠিত করলেন আল্লাহ	১৫-বিজৰ	43	18
পশিষ্ঠ দীয়ালকনকারীরাই নিয়হদিনকে নিখা অভিহিত করে	yo-पुराक् <b>वि</b> भीम	24	2033	আনম আ, কে সুগঠিত কৰলেন আস্থাছ	৩৮-সেবাদ	૧૨	¥
পুর্বিষ্ঠিতে দীর্ঘালকানমেরী অনেক মানুহ (শ্পেট প্রমানার পরও)	৫-মরিসা	92	6.45	মানুষকে আল্লাহ আকৃতি দেন ও সুগঠিত বংরন (গর্ভপ্রসঞ্চ )	৭৫-কিরামাহ	40	93
প্রভাবর্তনপুল (ভারত্রাম শিমালক্ষমনারীদের প্রভাবর্তনস্থল)	৭৮-দাবা	24	4004	মানুষকে আল্লাহ সুগঠিত করছেন (বীর্থ থেকে লৃন্টির পর)	73-41 <u>2</u> 4	9.0	9
क्षात्र क्षेत्र (निवृष्टे क्षात्र क्षेत्र क्षा निवन्त्रकार विवन	৩৮-লোৱাৰ	66	9169	মানুৰকে আল্লাহ সুগঠিত করেছেন (কৃতজ্ঞতা প্ৰদাস)	०२-गावना	ъ	b
ভির'মাউন উদ্ধান শীমালকানকারীদের অন্তর্গুক	88-मुक्तम	65	300	মানুষকে সুগঠিত করেছেন আল্লাহ	৮২-ইনফিখ্যৰ	٩	20
ভিত্তমাউন সীমাগব্দনকারীদের অন্তর্ভুক্ত ছিল	১০-ইউনুস	bro	994	সুপদ			Г
ভালবাসন না (সিমালজনজানিকতে আদ্রাহ ভালবাসন না)	१-व्या'संस	00	926	লৈকটাপ্রাপ্তনের ক্ষন্য এরেছে সুগন্ধ কল্ম (জান্নাতে)	<b>७७-वडाकिस</b> ङ्	bb	b
ভালবাসেন না (সমালজনভারাসেরতে জন্তাহ ভালবাসেন না) ভালবাসেন না (অল্লাহ সীমালজনঅবীসেরতে ভালবাসেন না)		290	635	त्रवह वर्ष		1	۳
	২-বাঝারা				AA PERSE	133	12
ভালবাসেন লা (মাল্লাহ সীমালন্ধনকারীকে অলবাসেন না)	৫-মারিদা	84	697	পৃথিবীতে সুগছ গুল্ম সৃষ্টি (সৃষ্ট জীবের জনা)	৫৫-রাত্মান	25	100
मूर्णक्रम नीमाणसन्दर्भी	৯-জাঙৰা	30	987	সূপ্য	L	l	١.
পৃত সম্প্রনায় শীমালকনকারী সম্প্রনায়	২৬-৩'জারা	166	9390	হমীনকে সুগম করেছেন জাল্লাহ	৬৭-মূল্ক	25	3
লোক (সীমালজনকবৌ ভারাই যারা গ্রী ও দাসী ছাড়া)	২৩-রু বিদ্দ	9	166	가장**			

नम	ब्दासः चन्द्र	***	781	न्य रिरश्चाकनक	報報 大阪	4000	78
राम	Name of the last	-	-	মার্কেল হিলাবে কোনট সুন্দর (কাভিতর মুখিনসেয়ক বলে)	১৯-मावश्याम	90	900
ইঞ্দিদের সুদ গ্রহণের পরিণাম	8-5PE	363	699	রং (অপ্রাহর জং কথচেরে কুপর)	<b>२-वाकृत्वा</b>	১৩৮	676
ক্রম-বিক্রব (তা সুদের মত ! (কাফিরদের উচ্চি)	३-राकाश	392	600	সুপর করা			***
চরনৃদ্ধি (হিচণ-বহুত্বে) সুগ হরাম	ত-বাদে ইয়ক।	200	@87	অবাসের ব্যবস্থা সুন্ধর ব্যৱহেন আর্থীয় ইউসুফের ছন্য	\$2- <b>2</b> 670		695
					25-5646	20	646
হেড়ে সেরা (মুদের ববেরা হেড়ে দেরার নির্দেশ)	২-ব্যকারা	২্পদ	600	সৃশ্ধ কাজ			
মিকিফ করেন আল্লাহ সুদতে, পৃদ্ধি করেন দান/থাকাতকে	২-বাকারা	२%	6.00	মণে করে কাফিররা , নিক্ষের কাছকে ।	72-44dá	308	900
পুনরাবৃত্তি (সুব বাওয়ার পুনরাবৃত্তিকারী আওনের অধিবাসী)	২-ব্যক্তরা	₹92	600	<b>मुक्द</b> डम			
বৃদ্ধি পায় না সুদ, বৃদ্ধি পার যাকাত	००-वय	03	354	গঠন (আল্লাহ মানুষকে সুন্দরতম গঠনে সৃষ্টি করেছেন)	৯৫-জীন	8	204
বর্জন (সুদ বর্জনকারীর অভীতের গোনাহ ক্ষমা করা				নাম (সুপরতম নামসমূহ আল্লাহরই)	৭-আ'বাক	3brp	643
অল্লহের ইপতিয়ারে	২-বাকারা	292	600	नाम (जुणवरूम नामनपुर पाद्यास्त्ररें)	১৭-ইপুরা	220	920
মূলধনের অভিনিক্ত গ্রহণ ও সুদ প্রসঙ্গ	২-ব্যব্যব্য	295	600	নাম (পুন্দরতম নামসমূহ জন্মাহরট)	৫৯-ছাশ্ম	₹8	300
যুদ্ধর (ধানা, অস্তাহ– রাস্তা পক গেকে (সুদ পরিভাগ না করসে)	२-शकाश	210	600	সুন্তভাবে	211-011	-00	15%
শ্বতান স্পর্শ হারা সুনধোরকে পাগল করা প্রদাস	२-रावाद्य	292	000				-
সুদ ছেছে দিলে মূলগৰ পাৰে, জুলুম নেই	२-शंवात	293	600	तकः (जुन्दावातः तकः राज्यकासकैदः श्रीतमः गर्ने वदना ना वक्कारः	<b>&gt;&gt;-কার্ফ</b>	60	931
পুদ হারাম ও ক্রব-বিক্রম বাদাল	५-राकाता	292	600	পরমর্গ (সুদ্দরভাবে পরমর্গ, অশাবহাঞ্জর সাথে সঞ্চানের দুংপান)	৬৫-তালাক	6	1960
				পুথক করা (প্রীয়েরকে ভূপরারেরে পুথক করা, মালাক প্রদাস)	৬৫-ভালাক	2	940
হারাম (আপ্নাহ সুদকে হারাম করেছেন)	২-বাকারা	292	600	মুক্তি,বিবর( অপাবসামানে সুন্দরভাবে মুক্তি,বিবার সের প্রসম্	৩০-জাহবাব	835	100
সুদীর্থ				মৃক্তি (সুন্দরভাবে প্রীদেরকে মৃক্তি দেয়া, জাইকে না রেখে)	২-বাকুরা	507	220
অহ (নিন্দুৎ)পশান রামারমানে হুওমা সুদীর্ঘ ক্রম্র পরিবর্তন করবে)	<b>३०8-६सस</b>	9	3000	বুলি পের (কুনির চাইলে নবার রীমের সুন্দরভাবে মুক্তি সের প্রকল)	৩০-আহ্বাব	27	500
<b>मृ</b> म्ब				রাধা (র্ত্তীদেরতে সুন্দরভাবে রাধা, ভালাক প্রসঞ্চ)	৬৫-ভালাক	3	300
	৯-জাধ্য	85	688	রেবে দেরা (সুন্দরভাবে রেবে দেরা, ভালবে প্রবন্ধ)	২-বাকুরো	445	230
পথ্যট্টা (পরভান আহপেকিভাবের সুদ্ধ পথএটভা চার)	8-978	60	268	(बाल तना (मुम्बानात शितकार (बाल तना, अवसी जम्मातका नर)	২-বাকুরো	507	640
প্ৰভ্ৰম জোলাই মাভা কাইকে ভাকা যে				রেখে দেরা (স্ত্রীদেরকে সুক্ষরভাবে রেখে দেরা)	২-বাকারা	227	44
জনতার/উপন্যার অক্তম)	२२-शृष्ट	25	959	नुष्पत्री	d-cilian	440	440
न्यदर्वे (अक्षर्शतन्त्र(केटम्/अस्तिहरू अस्त्रिमको) मूना नग्दर्वे )	৪-নিশ্ব	200	298				-
পথন্ত (আল্লাহর সাথে শরীককারী সুদ্ধ পথন্ত)	৪-নিমা			জন্মতে সম্পরিয়া সুপরীখন থাকাবে	৫৫-রাহ্মান	90	38
		229	445	সূত্রত (রাডিনাতি)			
বিক্লছাচরণ (কুরজানের সূত্র সতবিরোধে পিত বারা)	৪১-সুস্সিব্যাত	થર	7,90	অভিনার (স্প্রত অভিনার হয়েক্স পূর্ববর্তী অভিনাধে ব্যপারে)	৮-জানকাল	031	800
রষ্টম (দে কুদুর মন্ত্রভার ছিল-শরতান কবনে মুশরিকদের সম্পর্কে)	৫০-বৃংক	રવ	950	অস্ত্রহর সুদ্রতে পরিবর্তন পাওয়া যাবে না	৩৩-আহ্বাব	64	3.03
क्षेत्रस (दून्त क्षेत्रसा बहराइ, जबिहाठ विश्वान करत ना पता)	৩৪-সাবা	ъ	P87	অল্লাহর নীতি যা পূর্বেই গত হয়ে গেছে	৪৮-কার্থ	30	838
মানবিরোপ (সমূর মানবিরোপ চচ্চেছ্ যারা নিবানে মতপার্বন্য)	২-বাকুরো	7.60	679	অপ্তাহ সম্ভাৱন পরিবর্তন পাওয়া যাবে না	১৭-ইবরা	99	92
মতবিরোধ (জালমরা বুদ্র মতবিরোবে লিও আছে)	२२-राज	60	960	অপ্নাহর কুন্তুর বান্দানের মধ্যে চলে আনহে	80-मुनिम	be	bbc
সুদুর দূরত্ব কামনা করবে প্রত্যেক ব্যক্তি (মন্দ কান্ধ লেখে)	৩-আলে ইমরান	100	609	আপ্তাহর সুদ্রাত/নীতি (পূর্ববাটী নবীদের প্রসঙ্গ)	৩৩-জাহ্যাৰ	db.	bro
বুদুৱপরাহত				অপ্তাহর নীচিতে কোন পরিবর্তন পাওয়া বাবে দা	৪৮-ফারহ	30	323
প্রভাবর্তন (মতা ঘরম গর প্রভাবর্তন এক সদুর পরাহত)	৫০-কৃত্	0	254	গত (পূৰ্বৰাইনের ইতি গত হয়েছে, ইয়ান না আনৱ বাপারে)	३१-दिसव	30	933
বুদুড় (আরো দেখুন মঞ্জবুত/শক্ত শব্দটি)	_	-	-	গত হাছেছে বহু সন্ত্ৰাত (অপৱাধীদেৱ পাত্তি মানের নীতি)	ত-জালে ইমরান	309	281
গঠন (আল্লাহ মানুবের গঠনকে সুদৃড় করেছেন)	96-9588	₹9/	335	পর্ববর্তীবে ব্যাপারে অস্তাহর স্কার-নিধি	৩৩-আহবাব	64	201
ভেগ (সুদ্ধ ভেগ নির্মাণ করত জিলের, সুলাইমানের ইচ্ছা মত)	৩৪-সাবা	20	785				
				প্ৰবিতীক্ষে সুন্নত না আগা পৰ্যন্ত ( দীমান আনৱন না কৰা)	72-516A	66	92
অকল্যার যাতে <u>সূপ্</u> য করদেন স্বপ্তাহ মুদ্দিনক্ষেত (ব্যবহিন্য)	৪৮-ফাত্র	₹0	974	পূৰ্ববৰ্তীৰের সুগ্রভ/নিচি আল্লাহ প্রবর্তন করতে মন	৪-শিশা	₹9	600
পা সুদৃঢ় রাধার জন্য প্রার্থনা (রকানীকের)	৩ অলে ইমরান		489	রালৃগদের সুন্রত (নীডি) গত হয়েছে রানুদ স. এর পূর্বে	১ <i>৭-ইস্</i> রা	99	931
পূৰ্বনীতে সুস্যু পৰ্যত বানালে ময়েমে বাতে তা আন্দেশিত না হয়	२५-वाश्रित	407	985	সুপারিশ			
পৃথিবীতে বাশিৰেছেল অস্তাহ,.	৭৭-মূর্বাল্যত	ર૧	999.	অলে (ভাগ সুবাহিনকারী ভার অলে পাবে)	8-सिना	9.6	20
রাক্য (আল্লাহ দাউদের রাজ্যকে সদৃয় করেছিলেন)	৩৮-সেরাদ	50	100	অভিযাত্ত (পুশারিশের অভিয়াত্তী হলে না কোলা লে ছাড়া (য্)	১৯-মাতইয়াম	319	980
সাভটি সুদৃড় আকাশ নির্মাণ করেছেন জন্তাহ	৭৮বর্গ	25	2000	অক্সহ ব্যৱস্থাতি নামে (বালুগুড়েলোর চনু সর জন পুশারিশ কর)	২১-আধিয়া	24	42
शुभन (सृभूतंत्रं मृत्युः नर्वक्रमाना नानित्यत्त्वः वाद्वादः)	৪১-কুদ্দিশাত	30	396	অপ্তাহৰ অনুমতি ভাৱা সুপাৰিশ কৰাৰ কেউ নেই	২০-ইউনুস	0	521
সুনাম-সুখ্যাতি				অপ্রাহর ইয়া ছাত্র সুপরিশ করা কারো পক্ষে সম্ভব নর	২-বাকুরো	200	00
উচ্চ সুনাম-সুঝাতি বিলেন অন্তাহ ইংবাহীম আ., ইয়াকুৰ		-	-	উপবারে না আনা (বিশ্বাহতে কারে সুপারিশ উপবারে আগবে না)	২-বাকারা	250	671
মা, ও ইসহাক মা, কে	১৯-মারইরান	20	909	ভাগতে আগবে না সুপরিশ (জাহান্ত্রমিকের জন্য)	५-पाकृत्या १८-दृष्णकृत्यि	340	
मुस्ता	-	-	-		৩৪-সাবা		22:
বুলন আকৃতি (মানুগের আকৃতি সুন্দর করেছেন আল্লাহ)	৪০-মুখিন	68		উপথারে আগবে না কারো সুপারিণ (আল্লাহর নিবট)		50	b-84
			9,940	উপতারে আলবে না (ইলাংগের সুপারিশ)	৩৬-ইয়াসীন	50	20
বাকৃতি (আল্লাহ মানুখের আকৃতিকে সুন্দর করেছেন)	৬৪-আগার্ন	0	366	কামে আগবে না কারো দুপারিশ (আল্লাহর অনুমতি ছাড়া)	৫৩-নাক্ষম	₹6	940
কা (মনুহল পাং সুন্দা কর কার কর্মকার, কী ইন্মাইট্রায়)	২-বাকুয়ো	310	609	কান্ধে না আধা (আল্লাহর পছন্দনীর বাভি ছাড়া সুপারিশ	२०-क्र-श		
মঞ্জ (সুপর কান্ধের পুরস্কার আল্লাহ মুবাকীসের দিবেন)	৩৯-মুমার	-05	5-98	काळ जानार था)	10-Miles	209	98
ণালিচা (প্রান্নাতে সুন্দর ণালিচার উপর হেলান নিয়ে ৰসৰে)	৫৫-রাত্মান	95	785	কিরাবভের দিন সুপরিশ কামে আবংধ না	২-বাকুরা	328	00
মবাব (বালান মানানে হলে বার চেরে সুদর বা অনুরূপ মবাব)	8-নিশা	140	664	বিয়াহতে বারো কুপরিশ গৃহীত হবে না (বনী ইনামদিল প্রদর্ম)	২-বাকারা	81	Ø0
নাম (সুন্দর্ভম নামলমূহ আল্লাহর)	२०-हर-य	b	983	ক্ষমতা (সুপরিশের ক্ষমতা দেব-দেবী ও উপাসাদের নেই)			
পুরস্কার জান্নাতে (মুমিন-লংকমীলের জন্য)	১৮-কাবৃক	93	929		৪৩-মুখ্যুদ্	b.p	30
প্রতিবান (যুদ্ধে আনুগত্য করলে কুলর প্রতিবান)	Sh-मास्ट	36	224	এল (নিয়ামত নামে প্রবালে গৃতিত ছবে গ্লেকী ইন্যালিব বেলা)	২-বাকুরো	87	¢0
প্রতিসান (সংকর্মশীল মুমিনসের জন্য সুস্পর প্রতিসান)	79-std:h	3	928	অন সুণারিশকারীর ভাতে অংশ থকাবে	8-मिमा	ps	60
বিশ্রামন্থল (সুন্দর বিশ্রামন্থল, জাল্লাতের অধিবাসীলের)	२१-युप्तसम	28	148	হন্দ কুপরিশকারীর ভাতে দার-দারিত থাকবে	৪-শিসা	5.6	26
	২৫-পুরবল ১৬-নাহল	754	930	মাৰিক (আপ্ৰা২ই সকল সুপাহিশেয় মাৰিক)	৩৯-বুমার	88	640
বিভর্ম (অপ্তাহ দিকে দাওয়াভের কেন্দ্রে সুন্দর পদ্ধায় ভর্ম/বিভর্ক করা)							

স

नप विषय/धनम	ज्डान, धनाव	-	शृष्ठी	नम् दिवस/काम	न्द्रा नः । नाम		
মূপারিশকারী				আদেশ (সুগাইমানের আদেশে উভাম বায়ু প্রবাহিত হ'ত)	২১-আধিয়া	P.7	256
অল্পাহর বছছে সুপরিশবারী হবে কন্য উপাল(মুপরিকরা ভবে)	১০-ইউনুস	75.	626	উত্তরাধিকারী (সুদাইখান দাউলের উত্তরাধিকারী ব্রেছিলেন)	২৭-নামল	39	207
प्राक्षार काल गुणविश्वकवी धाकरत ना (काणिप्राप्तर)	৬-আন আম	90	ઉલ્લ	ওবী করা (আল্লাহ সুলাইমানকে ওবী করেছেন)	8-सिमा	১৬০	644
खद्वार शस नुभविषकती धारणना	৬-আনু আম	62	900	কুফরী ( সুদাইমান কুফরী করেনি, জাদু রানাঙ্গে)	২-বাকুরো	205	475
অস্তাহ হাতা অন্য কাউকে বুপারিশকারী হিসাবে এবল	৩৯-গুমার	80	b-9/2	আন দান (আপ্রাহ সুলাইমানকে আন খান করেছেন)	২৭-নামল	26	505
অক্সহ হাড়া দুপবিশক্ষরী দেই (মানুধের)	০২-সাজ্পা	8	broo	আন দান (আল্লাহ সুগাইমানকে জ্ঞান দান করেন)	२५-आधिक	93	920
ব্রবাদ্ধির বাইনীয় কেন দুপরিশকারী থাককো (বিয়ামতে)	₹७- <b>०,</b> खाथा	200	9360	ভুবুরী (পরতান/স্থানি সুলাইমানের জনা ভুবুরীর কান্স করত)	২১-আছিয়া	14	920
व्यक्तिया सन्द शूर्णांकावये जार विश्वविद्यात विस्तर्भः)	৭-আ'রাফ	60	939	मार्केटमर समा पुरुक्तान पुनाबमानाक मान	৩৮-সোরাদ	400	yby
स्त्रिकारण सन्दर्भावनाम्य जारा । तत्त्रिकारण (स्त्राकारण) स्त्रिकारण सन्दर्भारतम् जुन्दिनस्त्री शस्त्र न (स्त्रिकारण)	৪০-মুমিন	20	3/930	দৃত দুলাইমানের নিবট আসা (সাবার রাদীর উপহারসহ)	২৭-নামল	05	505
		38	900	সোৱা (সংক্রমের সামর্থ্য দানের জনা সুলাইমানের পোরা)	২৭-নামল	35	407
মুশ্রিকদের সুশারিশকারীদের না দেখা (কিরামতে)	৬-আন্'আম			পঞ্জাপ্তাথৰ নামে, নাৰাৰ বানীৰ কাছে কুলাইমানেৰ পঞ	২৭-নামল	00	305
পরীকাদ সুপরিশক্ষরী হবে না কিরামতে	30-≅¥	70	250	পরীক্ষা সুলাইমানকে (তার আসনে একটি নেহ রেখে)	৩৮-সোরাদ	'08	5.00
সুপারিশ (সুপারিশকারীর সুপারিশ উপকারে আসবে না)	৭৪-মুদাছছির	81/	295	পৰিত থেক (পুলাইমান কৰ্তৃত পাৰিত থেক নেয়া, হলহল প্ৰদাস)	২৭-নামপ	40	300
সূপের		_	$\perp$				
পানি (সুপের মিটি পানির সমূল প্রবাহিত করেছেন আল্লাহ)	২৫-মুরবান	20	90%	পিয়ে বেলা (ফুলাইমানের বালি সমান্তে পিল্,রসমানে পিয়ে বেলার ভাই)	३१-नामन	39.	p.o.;
পানি (একটি সমূল্রের পানি সুপেন্ন)	৩৫-ফাডির	25	889	প্রজ্ঞা নান (আল্লাহ সুদারিমানকে প্রজ্ঞা দান করেন)	২১-সাধিয়া	93	9/20
পানি পান করিয়েছেন আল্লাহ্ মানুষকে (পৃথিবীতে )	৭৭-মুরুনাধ্যত	29	999	বাতাগকে সুশাইমানের ছন্য নিরোজিত করা	৫৪-দাবা	25	184
সুবিচার (দেপুন ন্যায়বিচার শপটি)	1			বাহু সূলাইমানের আলেশে প্রবাহিত হত	২১-জাধিয়া	5.7	920
সুবিন্যপ্ত করা				বিচার(শগ্যক্তেত সম্পর্কে দাউন ও সুপাইমানের বিচার)	২১-জাধিয়া	97	920
মানুবকে পুলিনান্ত করেছেন যিনি ভার কলম	৯১-শামস	9	3038	বুৰাখে(অল্লাহ সুদাইমানকে মীমাংদার বিষয় বুকিরেছেন)	२५-आस्मि	45	920
	৮৭-আপা	3	2020	প্রমত্বরূপ (সুপাইমানের রাজভুকালে শারতানরা যা পাঠ করত)	২-বাকুবো	205	675
সৃষ্টি (সৃষ্টি করার পর ভা সুধিনক্ত করেছেন আল্লাহ)	P4-at at	1	2020	স্ঠিকলৰ প্ৰকৰ্ণন (অল্লাহ সুদাইমানকে সঠিকলৰ প্ৰদৰ্শন করেন)	৬-আন্'আম	1/8	608
সুবোধ		<u> </u>		সময়েত করা (পুলাইমানের জন্য ছিল/মানুম/পাধি সময়েত করা প্রসঙ্গ)	২৭-শমল	24	No:
ত'মাইন আ, সহল্পীল ও সুবোধ (সংগ্রেলয়ের লেকেনা কলন)	১১-रूम	bq	949	সুশোভিত (আরো দেখুন চাকচিক্য পদটি)			
সুমহান	1			দুনিবার আকাশ সুপোটিত (প্রাধীপমাণা থবা)	৪১-কুদ্দিলাত	34	960
আপ্তাহ সুমহান ও সমুদ্রত (আবংশ-পৃথিবীর সরক্ষিষ্ট তরে)	৪২-পুরা	8	9.92		A K F T T	-	-
প্রতিপালক (সুমহান প্রতিপালকের নামের পবিপ্রতা)	৮৭-আলা	3	2029	সূসংবাদ	and Market		
সুমিষ্ট		-		অপরাধীদের জন্য কোন সুসংবাদ থাকবে না (কিয়ামতে)	২৫-সুবকান	22	951
পানি (একটি সমূপ্রের পানি সুমিষ্ট)	ত্ত-কাহিত	32	b89	আপ্লাহৰ বস্থানৰ জন্য সুসংখ্যা (মুদিয়া ও আবিবাতে)	১০-ইউনুস	48	990
श्रामा (मसा		1	1	ইবরহীন আ. কে পুত সংগ্রেপটার খারদের দুনবেদ (থেরেশকালে)	২৯-আনকাৰ্ত	-07	9.73
	- TT		৮২৬	ইৰৱাহীৰ আ. কে সন্ধান গালের সুসংবাদ (বার্থকা সত্ত্বেও)	১৫-বিজয়	28	900
ন্তুপুৰ করেছে থকা আনেয়কে সুখোগ পোৱা হলে লা (বিবামতে)	00-20H	29	940	देश्वदियाचा, (क गुनाराम (कारी चून देशदाक जा. था कानुस गुनाराम)	৫১-ঘরিরাভ	₹1/	255
भूरपाश <b>शा</b> त				ইবরবিদ আ. কে সুসারেদ দিশ ফেরেশরা (জাদী পুর সম্ভানের)	১৫-বিজয়	40	900
অস্থাহৰ সম্ভব্নি পাত করবে না (প্রান্ত ধারণা পোহণকারীরা)	৪১-ফুস্সিলাত	28	1/1/9	ইব্যবিদ আ, নাম প্রিকে সুসহরাদ সাদ (ইনায়ন আ:ও তার পার	55-4PF	93	69
সুরক্ষা/সুরক্ষিত		_		(0.00)	22-61	1,	01
জ্ঞানকে বিদ্রোহী শ্যাতান থেকে সুরক্ষা করেছেল আপ্লাহ	৩৭-সাক্কাড	9	৮৫৭	ইবল্লহীন ব্যা. এর সম্রানের সুদাবেদ (ফেরেপন্সানের মাধ্যমে)	22-Es.	65	693
অধাপকে সুরক্ষা করেছেন অপ্তাহ (বিবেড়ির শয়তান থেকে)	<b>32-दिसार</b>	7.8	999	ইনপ্রতিদ আ, কে কী সুলবেদ নিচেং ফেরেশঞ্চরাং (বর্গনদ সঞ্জেও)	১৫-হিন্দর	48	900
উপাদ্যাদের আগ্রাহর ঝাছ থেকে সুরক্ষিত করা হবেদা	২১-অধিয়া	80	960	ইসহাক আ, এর বাঢ়ের সুগবোদ (ইবরাহীমকে)	৩৭-সাঞ্ফাত	224	76
কিতাৰ (সম্মানিত কুৰবান একটি সুৱন্ধিত কিতাৰ)	৫৬-ওয়াকিয়াহ	93	286	কলা কলের সুসংবাসে মুশরিককের মুখ কালো হয়ে যায়	৪০-যুৰক্ত	39	22.
দ্বদ (আল্লাহ আকাশকে পূর্বাঞ্চত ত্বদ বানিয়েছেন)	২১-জাখিয়া	०२	922	कन्। सत्त्वत गुनश्याम मुनविकासत मुनमकन कारणा एव	১৬-নাহদ	62	90
জনপদ (পুর্বাক্তিত জনপানের ভিতরে জড়া মুনাবিকরা কুম করবে দা)	৫৯-খণ্ড	28	940	কাজিবদেরকে সুসংবাদ দেয়ার নির্দেশ (বছণাপারক শান্তির)	৯-ভাওবা	0	68
ভিম (জাল্লাতের হ্রগণ দেন সুরক্ষিত ভিম)	৩৭-সাফ্সাভ	85	pulp	কিয়াব/কুরমান মুসলিমদের জন্য সুসংবাদস্কপ অবতীর্ণ	১৯-নাহদ	bъ	934
দুনিরার আকাশকে সুরক্ষিত ও সুগোঠিত	85-কুস্সিমাত	25	by	কুরুমান সুসংবার দের সংকর্মশীল মুমিনসেরকে	১৭-ইস্রা	>	93
মণি-মুক্তা (পুরক্তিত মণি-মুক্তার মত ভিলমান থাকরে জন্তাতে)	45-54	28	300	কুলমান মুনলিমদের জন্য সুনংবাৰ ও পর্যনির্দেশিকা	১৬-লহন	204	
মারইরামের লক্ষান্তান/ক্ষীত্র বুরাফিত রাখা প্রসঙ্গ	২১-আথিয়া	97	926	कृत्रसाम प्रिमालय सम्य युगरसान संग्रापनानम	২৭-নামল	3	10
	१५-७वाक्स	20	388		৯-ভাওবা	222	90
মুন্তা (সুরক্ষিত মুক্তার মত জাল্লাতের মুন্নগণ)	২১-আছিলা	910	986	ক্রম-বিক্রয়ের সুলংবাদ গ্রাহণের আহলন (মুমিনদেরকে)		222	95
ভুক্তে যুৱস্থিত করার জন্য দাউলকে অনির্মাণ শিক্ষা দান করা হয়				ক্ষম ও নক্ষালন প্রতিষ্ঠান বুনকো (সার্ভাকী নির্দ্ধানে জন)	৩৬-ইয়াদীদ		
লক্ষ্যান্ মাইবানে লক্ষ্যানুলভীত সুৰক্ষিত বাৰ এনস)	২১-আছিরা	32	960	ডাঙত থেকে বিয়ত বাগাদেয়কে সুনংবাদ নানের নির্দেশ	৩৯-মুমার	24	84
পঞ্জাহান সুরক্ষিত রাখা/সতীত্ব রক্ষা প্রসং (মারইয়ানের)	৬৬-তাহ্বীম	25	247	ভাগত পরিয়রকারী বালাদের জন্য সুসংবাদ	৩৬-যুমার	24	89
দুর্গঞ্চতা			-	ধৈৰ্ঘদীলনের জন্য সুক্ষোদ (বিপদে ধৈৰ্ঘদীলনের জন্ত)	২-বাকারা	754	
তাবুতে সুরক্ষিতা হ্রমাকবে নান্নাতে	৫৫-বাহুমান	92		পুনের সুসংবাদ দিলেন আল্লাহ ইবলাবীম আ. কে	৩৭-সাঞ্চাত	207	
হুর (জন্ত্রাতে তীবুতে সুরক্ষিতা হুর থাকনে)	৫৫-রাহ্মান	92	584	প্রতিশালক সুসংবাদ নিছেন ঈমাননার, হিমক্তকারী ও	৯-জবৰা	57	68
বুরা		1		যামান (বুলির প্রাঞ্জাল অক্সাহ সুনাবালয়স্ত্রপ বামান প্রেরণ করেন)	২ <b>⊲-মার্যন</b>	90	90
নহা (জন্মতে সুগাপু সুবার নহা হারছে, গানকবিচার কন)	৪৭-মুন্তামাপ	32	270	বিশরীকের জন্য সুসংবাদ (আস্তাহর নামে কুরবানী প্রসঙ্গ)	২২-ছক্ষ	-08	96
সুরাহি			1	মার্হেরমানে পুলবেদ নিয়েনে অস্তার (ইলা আ এর কলু প্রদাস)	৩-জালে ইমরা-	82	28
পুনা। চিব্ৰ কিলোৱেরা পানপাত্র নিয়ে মুবাছিরা করবে	৫৬-ভরাতিমার্	75	580	ফুর্যুটারকেরতে দেশালয়ক শর্মার ভূলবেল (বারবার বুলনীর করচ)	৪-শিলা	20%	29
	To calloud	+"	1.00	भू'विन नव-नादी <b>रम</b> व कना गुजरवान	৫৭-ব্যদীল	35	38
সুলাইযান	+	+	+-	মুমিণদের জন্য সুসংবাদ (কুরআন)	২৭-নামল	13	po
আজুসমর্পণ (পানার জানীর আল্লাহর কারে আহাসমর্পণ	২৭-শমল	88	brow	মুমিনদের জন্য সুসংবাদ (কুরুমান)	২-বাস্থারা	39	

স্পূম্বেদ

Thought an	र्शनः ७ सह	-	901	नम दिवड/धगम	<b>有图形电影</b>	201	
সুসংবাদ (পূৰ্ব পূঞ্চা বেকে)			1	সূহ/সূহ সভান			<u> </u>
মুদ্দিনকের ক্ষার সুসাবোদ স্বরূপ কেরেশারের সাধ্যক্রের বেকার	৩-আলে ইমরান		48h	দুনিয়তে সুস্থ অবস্থা নিজনা জন্য আহান কর হত, অপরবিচায়ক	৬৮-কুলাম	80	944
মুমিনদের প্রতি আল্লাহর জনুহাহের সুসংবাদ	৩৩-আহ্যাব	89	৮৩৭	ব্যক্ষরিয়া সূত্র থেকেও তিন রাত কথা বলতে পারবে না	১৯-মাবইরাম	30	908
মুমিনদের জন্য সুসংবাদ (সুদর প্রতিধানের)	79-stán	1	9-28	পান (সূত্র সরান দান করার পর অক্সাহর সাথে পরিক করা প্রসাস)	৭-আ'রাক	290	600
মুরানীলেনে সুসংবাদ দেয়ার জন্য কুরজান সংক্ষা করা হরেছে	১৯-মারইরাম	24	980	প্রর্থন (বুছ সরাচম জন প্রতিশাদনের বাছে আন্ম-হারোর প্রর্থন)	৭-আ'রাজ	27.9	600
মুমিনদেরকে সুনবোদ দানের নির্দেশ (রাস্প স. কে)	53-माव्य	30	১৬১	Andi			
মুমিনদেরকে সুনংবাদ দানের নির্দেশ (রাস্কুল স. কে)	২-বাকুরা	250	242	অকৃতক্ষ (মানুষ সুস্পষ্ট অকৃতক্ষ, শিৱক প্রসঙ্গ)	৪৩-মুখ্যম	36	524
মুমিনসেরকে সুসংবাদ খানের নির্দেশ	>-खवा	225	965	অধ্যার (মূলা আ পাঠ নিজেশ করামাটে সুস্পর্ট অরুণার হল)	२७-७'जाबा	03	90%
মুদ্দিব্যবহাক সুনাবেদ (মূলা আ, ও হারদের সম্প্রান্তরের মুফিনচের)	১০-ইউনুস	7.9	662	অনুমার (পুশাইমানের প্রতি অক্সামর অনুমার পরিবা ভার শিক্ষাকার পরি	२९-मामन	36	403
মুমিন সংকর্মশীলদের জন্য বুদংবাদ (জান্নাচের সুসংবাদ)	২-বাকুরো	24	208	অয়াত (অপ্লাহ তাঁর স্বান্ধার প্রতি সুস্পন্ট জন্মত জবতীর্ণ করেন)	৫৭-হানীৰ	>	285
মুসলিমদের জন্য সুসংবাদখন্তপ কিতাং/কুরজান অবভীর্ণ	১৬-নাহন	b/b	930	আয়াত (কামিবলের নিকট সুস্পরি আয়াত পঠ করা যুগ)	8ए-साहिद्रा	42	809
মুসলিমদের জন্য কুরস্তান সুসংবাদ ও পথনিবেশিকা	১৬-মাহল	205	933	আয়ত (সুস্পর্টকারী আয়ত পর্ত, মুফিন্সের অছকার হেকে)	৬৫-আগাত	22	868
ভূমিনাম্বানে সুসংখন দিতে হাসুদা স. এর প্রতি তথ্	১০-ইউনুস	2	628	অভাত (সুস্পর আরাত অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ)	<b>२8-नृत</b>	3	998
মহানারক শরির কুম্বেন। (অরামধ্যির অহনেরীর ধন্য)	৪৫-জাছিয়া	b	906	প্রবাদ (সুস্পর পারাত অরতীর্ণ করেছেন অস্তাহ)			
বস্ত্রপাদারক শান্তির নুসবোদ (কাবিদ্যাদেরকে)	৮৪-ইপুশিকাক	28	3038	আরাত (সুস্পর আরাত পাঠ করা হলে মুপরিকরা বলে)	৫৮-মুজাদাদা	6	255
যালানাত শক্তির সুসলোদ (আয়ত খনে হুব বিনানের কালে)	०५-शुक्रमान	9	5030	আরাত (সুন্দার আরাত গাত করা হলে কাফিররা বলে)	১০-ইউনুস	25	624
যাৰাবিয়াকে সুসংবাদ দিছেল আপ্তাৰ (ইয়াইয়াৰ জড়ার)	৩-আলে ইমরান	40	680		১৯-মারইয়াম	90	900
যাৰাবিয়াকে পুত্ৰ সন্তাদের সুসংবাদ দিলেন প্রতিপাদক	১৯-মারইয়াম	9	908	আর্মন (কুরজন সুস্পরী আর্মন ভাষার অবটার্য, অপরান প্রনঙ্গ)	১৬-সাবৃদ	200	422
শান্তির নুমবোদ (দবী ও সংফ্রোকসের হত্যাকারীদের জন্য)				আৰবি ভাষা (সুস্পাই আববি ভাষাত্ৰ কুৱমান অকঠাৰ্থ)	২৬-৬'জারা	7,945	936
	৩-আলে ইমবান	52	500	কিনাৰ (নীকো নীবিক/অবস্থানের বিষয়টি কুম্পট কিনানে আছে)	22-du	ò	666
শান্তির (যন্ত্রণানায়ক শান্তির সুক্রোদ, তাদের জন্য থারা)	৯-জাতবা	08	680	কিন্তৰ (বেয়া-শীন-মীন, ওপ্ৰলো সুন্দাই কিন্তাৰে জয়াত)	২৭-নামল	2	200
त्ररकर्मनीशास्त्र कमा मृतरवान (कृतवामी अत्रात्र)	55-80m	109	993	বিষয়ৰ (অনু পরিনাশ/ছেট/বড় বস্তুও সুস্পষ্ট বিভাবে আছে)	३०-१६मुन	65	990
লংগ্ৰামীল মুহিন ৰাশাসের কর কর্য সুসংক্ষা (কলান বৃদ্ধি প্রসান)	8२-ण्डा	20	paro	বিষয়ে (আমাণ-পৃথিবীর লব সমূল্য বিষয় সুস্পর্য বিজ্ঞার সংক্রকিও)	২৭-নামল	90	bos
সংকর্মপরায়ণদের জন্য কুসংবাদস্বরূপ (কুরআন)	৪৬-আত্কাক	25	pop	নিয়ান (মৌলের অহনোত্তর দান/তেন/জ জ্ব সুস্পর্ট কিবলে জাছে)	৬-জান্'আম	¢5	603
সভ্য সুসংবাদ ইবরাহীম আ, কে (সম্ভান লাভের সুসংবাদ)	১৫-বিজন	66	900	কিতাৰ (সুস্পট কিতাৰ/পুরসাদের তসম করছেন আল্লাহ)	৪৪-পুখান	3	205
সম্ভাননাতের সুসংবাদ ইবরাহীম আ. কে (বৃদ্ধ বরলে)	১১-ছুদ	98	હતક	কিআৰ (বুস্পট্ট কিয়াবের আরাড, হস্ককে সুবারাড)	২৮-কাসাস	2	pop
নাম্বানের সুনবেদ কেবল জনরের প্রশাস্তির জন্য (বদরমুদ্ধ প্রদাস)	৮-আনকাল	20	905	কিয়াৰ (প্ৰশাসী বিভাবে শিশিক্ষ আছে, স্মূলুকর ও বৃহত্তর সববিদ্ধ)	৩৪-সাবা		P82
সুসবোদপ্রশে বাস্তু প্রেরণ করেন আল্লাহ (বৃষ্টির পূর্বে)	২৫-ফুরকান	85	3316	কিন্দাৰ (সুস্পন্ত কিন্দাবের আহ্রাড আলিক-লাম-রা)	১২-ইউসুফ	3	699
সুন্দর প্রতিখানের সুসংবাদ (সংকর্মশীল মুমিনদের জন্য)	১৮-করেক	2	928	কিভাব (সুস্পন্ত কিভাবের আর্যন্ত)	59-9,9041	4	966
সুসংবাদদাতা/সুসংবাদ দানকারী				কিভাব (সুস্পন্ত কিফাবের কসম)	৪০-যুগক্ত	3	736
কুরামন সুসংবাদ দানকারী (সেই সম্প্রান্তরের জন্য থরা জানে)	৪১-কুস্সিলাত	8	946	কিআৰ (মূপা আ. ও হাঞ্চনকে সুস্পষ্ট কিতাৰ দান)	৩৭-সাফ্যাত	229	1460
নবীকে সুসংখদদাভা হিসেবে আল্লাহ পাঠিবেছেন	৩৩-আহ্মাধ	80	Pord	কুরআন সুস্পর উপদেশ (কবিমা নর)	৩৬-ইয়াসীন	66	940
নৰীগণকে সুসংবাসদাভাৰণে প্ৰেরণ	২-বাবুদরা	570	228	কুৰবান (পুশ্লাই কুরবানের আরাত আগিত-লাম-রা)	১৫-হিজন	>	699
मृद्याचर न. नूनाताननाव्य (भागत कावित कन्छ)	77- <u>\$</u> A	2	960	ক্ষতি (অপ্লাহ খানা অনের ইবানত করার ক্ষতিই সুস্পন্ত ক্ষতি)	০৯-মুমার	>2	592
রাসুদ স. এসেছেন সুসংবাদদাতা ও সাতর্বকারী হিসাবে	৫-মায়িলা	29	600	ক্ষতি (ইবাৰত বেলে মুখ নিবালে বুলিয়া ও আধিয়াতে লুপ্টা ক্ষতি)	২২-ব্যক্ত	22	905
ৱাবুল স, জারোনি সুসংবাদ দাতা ও সতর্ককারী হিসাবে	१-मात्रिमा	22	¢bro	অনু (সভ্যকে শাই আদু বলদ, ফিব্রঅন্টেনের সম্প্রদার)	১০-ইউনুস	96	665
রাসূদ্রপণ (সুনবোদদাতা রূপে প্রেরিড)	79-91g#	Øb.	923	অপু (সুন্দাই অসু কাল, রসুল বা এর দিয়ে আবা সুন্দাই প্রকারে)	65-2166	8	hèo
রাসূপপকে সুসংবাদদাতা ও সভর্ককারী হিসেবে প্রেরণ	৬-আন্'আম	81	800	আদু (সুন্দাই আৰু বলগ কফিবণান, সুন্দাই প্ৰমাণকে)	৫-মারিদা	330	258
রস্বপথকে বৃস্বোদদাতা ও সতর্করারী হিসেবে প্রেরণ	৪-নিশা	700	295	জাদু (সুস্পট জাধু বদদ জাদিমরা, নতঃ কুরঝানকে)	৩৪-সাবা	80	584
য়ানুল ল, কে লুলংবাদদাভারণে প্রেরণ (মানবজাতির জন্য)	৩৪-সাবা	২৮	b80	আৰু (নিদৰ্শন/আৱাত দেবে কাহ্চিত্ৰতা বলে সুস্পষ্ট আৰু)	৩৭-সাক্কাড	>2	464
बाकुन ग. गठकंक्सी च मुनारकस्माठा (प्रविन मन्द्रामाझा करा)	৭-আ'রাক	366	900	অপুনর (স্থাবদ ন. কে কমিবর, "সুস্পরী আযুক্তর" বলে)	১০-ইউনুস	3	628
রাসূল ল. এর আগমদের সুলংবাদ দাতা দ্বীশা আ.	৬১-নাক্ক	0	260	জাবু (কিতাৰ নিজ হাতে "পৰ্শ করদেও কাফির তাকে		-	OQU
বাসুল স. তে সুসংবাদদাতা জাপ প্রেরণ করেছেন আল্লাহ	৪৮-থাকা	4	979	সুস্পষ্ট 'জাদু' বলে)	৬-আন্'আম	٩	৫৯৬
বাসুল স. কে সুসংবাদদাভারণে গ্রেরণ করেছেন আল্লাহ	৩৫-ফাতির	48	V8V	দলিল (ফির'অউলের নিবট মূল্য আ, বার্টক সুস্পার বলিল আন)	২৬-৬'জাল	00	99%
ৱাবুল স, কে সুসংবাদদাতা ও সতর্কজারীরণে প্রেরণ	১৭-ইপরা	305	920	দলিল-প্রমাণ আছে কিঃ (অল্লাহর সন্তমে গ্রহণ প্রসাস)	৩৭-সাফ্ফাত	26.9	1768
হাসুল স, তে সুসংবাদদাতাপ্ৰপেপ্ৰেরণ করেছেন আগ্নাহ	২৫-কুরকান	40	95%	থের (সুস্পট থেরর স্বাহ্ম) হয়ে তাসরে অধ্যক, বিধাহতে)	88-नूपान	30	
য়াসুল ল, কে সুসংবাদদাভারণে প্রেরণ	২-বাকুরে	777	670	निर्मात (प्रवासन गुण्डे निर्मानकाण स्वर देवी, गरिकाम्ब तावर्गन राज्या)	২২-হাজ		804
সুসংবাদ বাহক	Z-rigini	720	430	নিদর্শন (বনী ইন্যাইন্যান্ডতে পরীকা কন্য সুস্পর্ট নিদর্শন দ্বন্য)		79	92%
আসল (ইউনুফের স্থামা নিয়ে সুলংগদ বাহক আসল)	11 Street		43.4	निमर्नन (फिराबांड्याय क्षति मुल्लाई आह्नाकक्षम निमर्नन	88-मूर्वान	00	200
	<b>&gt;२-१४</b> तृष	36	69-6	আপলে আৰু বলা)	29-HXM	30	po)
সুসংবাদবাহী	_	_				-	
बाङ् (जूनस्थानवादी बाङ् (१९६२५)	৩০-রুম	86	500	ণঝাইন্ড (অপ্তাহর নিকে ভাকে পাড়া না নিলে সুশারী পর্বভারত)	৪৬-আহ্কাক	જ	977
খালসকে সুসংবোদবাহীব্ৰপে প্ৰেৰণ কৰেন আগ্লাহ	৭-জা'বাফ	29	67F	গরাজীয় (রাসুনা, আনা আসে নিবের আরম্ভার পুনারী পরাজীয়)	৬২-জুমু'আ	2	295
সুসঞ্জিত				পথাইতার (সুস্পট পথাইতার ব্যাহতে অলিনর, পুনিরতে)	১৯-মাবইরাম	Oy	900
জাভাশতে সুসন্ধিত করেছেন আপ্লাহ	৫০-ঝুক	8	344	পথক্ৰম (ইংপিলো বহিনী সুস্পী পঞ্চাইমার ছিল মর্মে ক্রীড়ডি নিমে)	२७-व'काश	20	9300
আক্রপ (ধূনিরার বাকাশকে সুসন্ধিত করেছেন আস্তাহ)	৩৭-সাত্কাভ	6	৮৫৭	वक्किय (शुन्नी वक्किया तबार नाम मानुना मृद् वा (०)	৭-আ'রাফ	80	979
নীবন সুসন্ধিত (কাফিবলের পুনিয়ার জীবন কাফিলের)	২-বাঞ্চরা	२५२	650	পথটোর (সুস্পা পথটোরে দেবছ নারীর, অধিয়ের রীকে)	३५-१६नुष	00	693
বুরুল্কা বা নাক্তরের সুশোভিত করেছেন আস্তার (দর্শকলের জন্য)	১৫-বিজন	3/0	699	পথানীর (সুপরী পথারীয়ার কে, মুমিনর তা জারত পারবে) পথারীয়া (সুপরী পথানীয়ার থাকা ব্যক্তিকে সঠিকপথে)	৬৭-মূল্ক	48	948
মুদক্ষিত ((মুনিয়ার আকাশ নুদক্ষিত প্রদীপমালা ছারা)	৬৭-মূল্ক				৪৩-জুখ্যুক		

विषय्त्रीतम	नुको ल्ला का नाम	WHIS R	1965	ARRICAN:	उद्यो नर् कन्सम	dige of	10
	Touchan	2330	- You	প্রতিলালকের সুস্পর প্রমাণের উপরে রারছেন ও'মাইব আ.	77-5st	bb	490
मुन्नाहे (मूर्व मुक्ते (बदव)	২৮-কাসাস	bnfr	254	প্রতিশাপকের মুস্পর প্রমাণের উপর প্রতিষ্ঠিত বৃত্তি কি তার মত যে	৪৭-মুহামাণ	28	220
পথাটার (সুস্পষ্ট পথাটারার কে রয়ের প্রতিপালক কালে)	৩৪-সাবা		P80	মূলা আ, সুন্দাই প্ৰমাণ নিয়ে এসেছেন- এক ব্যক্তির বক্তব্য	৪০-মুখিন	20	bibe
পথন্তই (সুস্পষ্ট পথন্তই মুশরিকরা অথবা মুমিনরা।)		28		রাসুলগন সুস্পই প্রমাণসহ এসেছিলেন	००-पश्चित	20	5/81
পরীকা (পুএ কুরবনীর আদেশ ইবরাহীয় আ, এর বল্য পরীকা)	৩৭-সাম্মাত	200	945		06-41-4	-70	-
পাপ (বৃথিকের কটনাভারা সুস্পট পাশ বহন করে)	৩৩-আহ্যাব	62	9-09	সুস্পারভাবে	৫-মারিনা	70%	23-
পাপ (সুস্পষ্ট পাদ হিসাবে স্ত্রী থেকে সম্পন গ্রহণ অবৈধ)	৪-বিসা	40	66.9	প্ৰেছে লো (সুপট্নান্তৰ প্ৰেছে নেয়াই কেল বাসুল স. এন দানিত্ৰ)	2-311941	75-5	23
পৌছে দেয়া (প্রশাইকানে পৌছে দেয়াই রাফুল দ, এর দারিত্ব)	২৯-আনকাবৃত	26	224	<b>मुकान्</b>			
পৌঞ্জনে (তথু সুস্পটজনে পৌছে দেৱাই রাফুচনর দক্ষিয়)	১৬-মার্প	0.6	908	দুধ (পানকারীদের জন্য গবাদি পতর ওদানের দুধ সুখানু)	১৬-নাহ্গ	99	90
পৌঞ্জনে (রামুলগণের দারিত্ব কেবল দ্বস্পটভাবে পৌরে দেয়া)	১৬-সার্শ	2.5	90%	পানকারীদের জন্ম গবাদি পথর ওপানের দুখ সুখাবু	১৬-নাত্প	৬৬	90
প্ৰকাশ্য সভৰ্কৰারী (বাসুদ স.)	১৫-হিজর	9.9	902	সূত্র (ব্যক্তাতে সুখারু সূত্রর নহর রয়েহে, পাশকরিকের জন্য)	৪৭-মুহাম্বাল	36	77
প্রমে (ছার্ন সুস্পী প্রমান ন অনলে সুপাইমন কর্তৃক শান্তর হর্নক)	২৭-নামল	52	\$ro2	সুবা (সুখাদু সুৱা পরিবেশন করা হবে পানকারীদেরকে)	৩৭-সাত্দাত	84	70
প্রমান (নুস্পরি প্রমানরশে জারাজনাঠ করা হলে কামির তা 'কার্ডু 'বলে)	৪৬-আহ্কাফ	9	308	সৃত্বদর্শী			
প্রমাণ (সুস্পট্ট প্রমাণসহ মূস্য আ. ও হারুদকে প্রেরণ)	২০-মুমিলুন	84	998	আল্লাহ সুস্থাননী ও সকল বিষয়ে অবগত	৩৩-আহ্বাৰ	08	po
প্রয়া (সুস্কার প্রথম উপস্থিত করকেন মূল আ, ক্রী ইনরাপ্রদার নিবট)	৪৪-দুখান	22	900	আপ্ৰাহ সুন্ধানৰ্শী ও সকল বিষয়ে অবগত	২২-হাজ্য	ଓଡ	96
প্রমাণ (সুস্পর্ট প্রমাণসহ মূলকে বিস্ক'আইনের নিকট পঠেলে)	১১-ছুদ	26	648	অল্লাহ সুন্ধদৰ্শী (স্থুপ্ৰাতিস্থপ্ৰ বস্ত প্ৰশদ)	০০ - প্রকলান	36	PS
প্রমাণ সুস্পর প্রমাণ উপস্থিত করার দাবি, রাস্থাপালের কাছে)	>8-हेरदादीम	30	658	'अहार गुक्रमणी व गर्वस	৬-আন্'আম	300	60
প্রমান (কাফিবলের গোলন প্রোভা সুস্পরি প্রমান উপস্থিত করক)	৫২-ভূম	Ob	507	প্রতিপাদক সুন্ধানশী (ইউনুফ ও তার ভাইদের প্রসঙ্গ)	১২-ইউসুক	200	by
প্রচার (রাসুল স, এর নারিতু কেবল সুস্পরী প্রচার)	२8-नृब	¢8	993	সৃষ্টকর্মা (আপ্লাহ) সৃষ্ণসশী ও সর্বজ	৬৭-মূলক	78	59
বিত্তর্ক সুস্তি না কন্য সভান (আল্লাহ্য কন্য সাধার করা)	৪৩-বৃৎক্ত	35	799		0 (-5.1+	30	12 1
বিজয় (হাসুল স, কে সুস্পট বিজয় নিরেছেন আপ্লাহ )	৪৮-ফাড্ড	3	970	मृष्		-	_
	১৬-শার্প	8	900	সূচের হিনুপথে উট প্রবেশের ন্যায় অসম্ভব কফিবদের	৭-আ'রাফ	80	65
रिक्रकास्त्री (वैर्थ (श्वर मृतिह १६ मानून मुन्नते रिक्रकारी दर)	৩৬-ইশ্বাসীন	111	৮৫৬	অস্তাতে প্ৰবেশ কথা	-	-	_
বিভপ্তকারী (সুস্পই বিভঙাকারী মানুৰ)	২৮-কাসাস	35	pop	সূচনা			_
বিপথগারী (সুস্পট বিপথগারী বলল মূনা)	১২-ইউস্ক		899	পাপ্তাহ প্রথম অন্তিত্ব দান করেন	৮৫-বুরজ	70	203
বিপ্ৰান্তিতে (পিতা ইয়াকুৰ আ, সুন্দাই বিমান্তিতে বৰেছেন!)		4		বভিল সূচনা করতে পারে না কোন কিছুই	৩৪-সাধা	83	248
মহার্কারের (অভিনয়ন মহাবিরাহের বিষয় সুস্পী করতে পুনরবাদ)	১৬-দার্শ	03	906	মানুষ সৃষ্টির সূচনা খেচাবে করছেন আল্লাহ দেচাবেই ফিরে	৭-জা'রাফ	435	93
নিবারের (সুম্পট্ট মিধ্যানর কলে না কেন মুফ্টিনরা, ইয়কের ঘটনাতে)	२८-न्व	25	992	স্টীর স্থান (অস্তার কিডাবে স্টীর স্থান করেন ডা ডেবে লেখা)	২৯-আনকাৰ্ত	7%	3/2
মুমিনাসর বাছে সুস্পর্ট (জলিমনের সাথে আগ্রহর আবেশ প্রসঙ্গ)	১৪-ইংরান্টম	86	694	সৃষ্টির সূচনা করার মত কোন শরীক কি আছে?	১০-ইউনুস	-08	90
রাসুদ স. (সুস্পট রাস্ল স. এসেছে কাফিরদের নিকট)	৪৪-নুখান	20	305	সৃষ্টির সূচনা আপ্লাহ কিভাবে করেছেন তা লক্ষ্য করা	২৯-আনকাৰ্ড	20	82
রাসূপ স. (ধুপরিবদের কছে সুস্পট রাসূদ/মুয়াকন ন. এর আনা)	८०-पूरकप	২৯	brab	সৃষ্টির সুচনা আল্লাহ করেন	২৭-শহল	68	bo
শত্রু (মানুষের সুস্পষ্ট শত্রু শত্রতান)	১২-ইউসুফ	6	৬৭৭	সৃষ্টির সূচনা করেন আপ্লাহ	৩০-জম	22	100
শক্ত (পয়তান সুস্পষ্ট শক্ত ও পথন্তইকারী)	২৮-কাসাস	76	pop	স্ত্রীর সূচনা করেন জাল্লাবাই	১০-ইউনুস	₹8	62
পরু (পরতান সুস্পষ্ট শত্রু, মানুষের)	৭-আ'রফ	55	978	সৃষ্টির সূচনা করেন জান্তাব	১০-ইউনুস	8	62
শত্রু (শহতান সুম্পরি শত্রু)	२-राकृता	502	650	সৃষ্টির সুচলা করেন আপ্রাহ	৩০-রম	29	34
শক্র (পয়ভান মানুষের প্রকাশ্য শক্রু)	<b>9-জান্জম</b>	785	930	সৃষ্টির সূচনা (মানুদ্ব সৃষ্টির ল্চনা কলোয়াট থেকে)	৩২-সাজ্পা	9	300
শক্র (পরভান মানুষের সুস্পর্ট পঞ্)	৪৩-বৃৎক্রফ	62	300	সৃষ্টিরপ্রেম সৃষ্টির সূচনার মত বিভিন্নে আন্ আকাশকে ভটবে এসল)	২১-আধিরা	308	90
শক্ত (সুস্পর শক্ত শরতান, মানুহের জন্য)	২-বাকারা	189	679-	সূতা			1
নভ্য (রাসুল স্পষ্ট স্তেরে উপর প্রভিষ্টিড)	২৭-নামপ	95	bob	পাধানো (সূত্র পাধানের পর তা নাই করা, কল্ম ভঙ্গের উপমা)	১৬-নাহদ	25	92
সভৰ্কবারী (রাসুদ স. সুস্পন্ত সভৰ্কবারী মাত্র)	৫১-ব্যবিষ্ঠাত	60	250		30-14-	100	۲.
সতর্বকারী (রাসুগ স. সুস্পষ্ট সতর্বকারী মাত্র)	৫১-বর্ষিয়াত	23	466	সূতা পরিমাণ (সামান্য)	and the same	-	٠.
সভৰ্বকাৰী (বাসুদ স. সুস্পষ্ট সভৰ্বকারী মাত্র)	ও৭-মূলক	20	598	জুপুম (সূত্য পরিমাণ জুপুম করা হবে না)	১৭-ইগ্রা	42	93
সভা (আপ্লাই সুস্পষ্ট সভা, কিরামতে মানুব জালতে পারবে)	<b>२8-मृद</b>	2.0	1996	স্রা	1		_
সতৰ্কারী (নৃহ আ, সম্প্রদরের প্রতি সুস্পর সতর্বকারী)	59-0,000	226	938	অবভীৰ্ণ (সুৱা অবভীৰ্ণ হলে কাছিবৱা মুমিনদেৱকে বলে-)	৯-জাওবা	148	90
সতৰ্কারী (দুহ আ. সম্প্রদারের জন্য সুস্পন্ত সতর্কারী)	77-Zei	2.0	999	অবর্ত্তর্ম (সূরা অবর্ত্তর্শ হলে অক্সহলে নিশ্বল ও জিয়ানে)	৯-জাওবা	100	68
স্থল্য (ভিনামতে শাল্পি থেকে মাফ পাঙ্যা কুল্টা সাফল্য)	৬-আন্'আম	36	499	অৰভীৰ্ণ (সূত্ৰা অৰভীৰ্ণ কৰেছেন জন্মাহ)	২৪-সূব	2	99
সঞ্জে প্রতিশালকের নরার মধ্যে মুমিলে গ্রহণে সুস্পট সফল্য)	৪৫-জাছিয়া	90	309	व्यवदेशं (भूव व्यवदेशं श्रम प्रमाणिका थारू व्यवदात निरू संन्या)	৯-ডাঙৰা	256	90
সুস্পই বিভাব ও আলো এনেছে আল্লাহর পক্ষ থেকে	৫-মারিদা	26	202	অৰতীৰ্ণ (যুদ্ধের উল্লেখনত নূৱা অবতীৰ্ণ হওৱার আকাঞা,)	৪৭-মুহামাদ	20	>>
	S-course.	-	400	क्वरीर्न (प्रका विदायगर नृत प्रवरीर्न दान प्रगरिकत थला)	৪৭-মুহ্যব্যাদ	20	>:
মৃল্পট করা	1 N WOOD	10-	960	অবতীর্ণ (এমন সূরা অবতীর্ণের আশঙ্কা মুনাফিকনের, যা)		68	6
আরাত সুস্পর করা(আপ্লাহ তার আরাতকে সুস্পরী করেন)	55-5lat	65		অন্য (কমতা থাকলে মুশবিকরা কুরআলের মত সূত্রা অনুক)	১০-ইউনুস	তাদ	66
আরাভসমূহ মুস্পষ্ট করা হয়েছে (কুবজনের আরাভ)	३३-वृत	3	998	কুরজনে মত সূর্য নিয়ে অসুক মুপরিকর (কমন্তা থকলে)	১০-ইউনুস	40	66
মানুহৰৰ সৃষ্টি প্ৰক্ৰিয়া মুস্পট করা প্ৰসঙ্গ	55-50#6	4	969	कृतवारमा व्यक्तन नृत कर्म करा वामा प्राप्तक (कविकास्त्रक)	77-£e.	20	66
সুস্পরকারী		1_		তৈনি (কমিবাসের সহযোগী থাবলে ভাকে (চাকে সূত্রা তৈনির চালেক্স)	২-বাকারা	20	2
আয়াত (সুস্টেকারী আয়াত অবভীর্ণ করেছেন আল্লাহ)	২৪-নূর	86	995	দশটি সুৱা বহনার কল কাফিরদের প্রতি চালেঞ্চ	১১-ছুদ	10	8
जुन्नहें समा <b>ण</b>		1		রচনা (দশটি সুরা রচনার জন্য কফিরদের প্রতি চ্যালেঞ্চ)	১১-ছদ	30	8
অস্তাত্ত সুস্পষ্ট প্রথান্ধণে পঠ কর হলে জলিমর বলক	ত৪-সাবা	80	b8¢	अर्थ	1	1.	Ť
		9	206		৩৫-ফাডির	30	71
অন্তাতসমূহ সুপাই প্রমাণজনে গঠ করা হলে কবিব ভাবে কারু বলে আন (সুস্পাই প্রমাণ অসাধ পথেই অবলি ভিতান নিচক হয়া)	৪৬-আক্থাক			অনুগত (টাদ ও সূর্বকে আল্লাহ অনুগত করেছেন)			91
	৯৮-বার্যনাত্		\$059	অনুগত (আল্লাহ চন্দ্ৰ-সূৰ্বকে অনুগত করেছেন)	৩৯-বুমার	2	

And the second	न्द्रकेत्र च नाम	100	1	अप दिसा/शत	कृतिका के बाव	-	
मूर्य (पूर्व पृक्त cucu)				আকাশ ও পৃথিবী সৃষ্টি মানুছ সৃষ্টির চেয়ে বড় কাজ	৪০-মু"মিন	63	print
ক্ষম (নবীকে সূর্যজ্ঞার পূর্বে প্রেটিপালকের পরিয়ানা থোকনার নির্চাল)		300	985	আকাশ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেল আল্লাহ হয় দিলে	২৫-ফুরকান	29	93%
উজ্জুল আলো (আল্লাহ সূর্যকে উজ্জুল আলো বনিয়েছেন)	১০-ইউনুস	6	628	আকাশ ও পৃথিবীর সৃষ্টির দিন বেকে মাস বার্রট	৯-জাওয়	00	686
উদয়াচলে (পৌছলেন কুশবনেবিন)	77-4(24	30	902	অব্যব-পূর্বনী ও মধুনতী সাই সৃষ্টি (সংস্থা, নির্দির সমস্তের জন)	৪৮-আর্কাড	0	hob
উপিত হওৱা (সূর্যকে উপিত হতে দেবে ইংগ্রাহীর আ প্রতিপাদক কক্ষ)	৬-জন'জম	90	600	আকাশ-পৃথিবী ও উচয়ের মারের সবকিছু হর দিলে সৃষ্টি	१०-काक	C)	348
উনা (নীকে সূর্যান্ডার পূর্ব প্রতিশালকে শবিরার বোলার নির্দেশ)	২০-ফ্ল-হ্য	300	485	অঅশ্, পৃথিবী ও উভয়ের মধ্যের বেল বিষ্কৃত্ব অববা লৃষ্টি নয়	30-fewa	be	909
একত্র করা হবে কিয়ামতে (সূর্ব ও চস্তুকে)	৭৫-বিবামার্	2	770	অকলে, পৃথিবী ও জন্য সৰ কিছু হয় দিনে সৃষ্টি	৩২-সাজনা	8	700
ক্সম (সূর্য ও ভার ভিরণের কসম)	১১-শাহ্স	2	3098	অকল-পূথিনী জন্মার সৃষ্টি করেছেন (ইবরাহীম জা, প্রসঙ্গ)	২১-আর্থিয়া	26	928
গণনার জন্য জাল্লাব্ চন্দ্র-সূর্যকে বানিরেছেন	৬-জানু অম	36	900	प्रधान-पृथ्वी पञ्चार मुझै करदारून (महामद महिक गएक)	৬-আৰ্'আম	90	604
গুটিয়ে দেয়া (বিরামতে সূর্যকে গুটিয়ে দেয়া হবে)	৮১-তাকতীর	2	2003	অঅপ-পূৰ্বৰী (অপ্নাং অধ্যপ-পূৰ্বিটা কোজনে দৃষ্টি অফ্ৰেনি)	২১-জাধিয়া	26	903
চন্ত্র ও সূর্বকে নিয়নাধীন করেছেন আল্লাহ	১৩-রা'ব	1	600	অন্যান-পূর্ববিধ সুষ্টীকরিব নিকে ইকার্যান আ এর চেইচাকে চেরচের	৬-জানু'আম	93	600
চলাচল করে ভার নিনিষ্ট অবস্থানে (একটি নিদর্শন)	০৬-ইয়াসীন	-06	5-28	অবাপ-পৃথিবীর সৃষ্টি অক্সাহর নিমর্শন	84-441	43	190
হাঁদের দাগাল পাওৱা সূর্যের পক্ষে সম্ভব নয়	০৬-ইয়াসীন	80	b-28	আকাশ-পৃথিবীর সকল সৃষ্টি মুন্তানীনের জন্য নিদর্শনগরূপ	১০-ইউনুস	6	968
ভান পাশ দিয়ে উনিত হয় ও বাম পাশ দিয়ে আন্ত বায়	১৮-কার্ক	29	990	অন্তাপ-পৃথিবী কে নৃত্তী কয়েছেন জিয়ালো কয়লে কথাৰে 'অপ্তাহ'	২৯-আনকাবৃত	63	245
নিয়েজিত (সূর্ব মানুদের কল্যাণে নিয়েজিত)	38-इंब्साईप	00	696	তাকাশ সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (গ্রম্ম ছাঞ্জাই)	৩১-লুকমান	30	230
নির্দিষ্ট সময়ের জন্ত চলছে চল্ল-নূর্ব	১৩-রাদ	3	977	আকাশ সৃষ্টি করেছেল ভারার গুরে গুরে	54-2 <b>M</b> &	0	392
নিয়ে আসা (আপ্লাহ সূৰ্যকে পূৰ্ব দিক থেকে নিয়ে আসেন)	২-বাৰবো	200	600	আকাশ সৃষ্টির মধ্যে নিদর্শন প্রয়েছে	२-राक्षव	268	0.7P
নিরমাধীন (আল্লাহ চন্দ্র ও নূর্বকে নিরমাধীন করেছেন)	৩১-প্রথমন	45	1459	জাকাশমচনী ও পুৰিবী সৃষ্টি করেছেন আপ্তাহ	৩৬-ইয়াসীন	3/3	600
নিৰ্দেশক (সৰ্বকে নিৰ্দেশক বানিবেছেন অন্তাহ)	২৫-কুরকান	84	10-2	অন্সানকৰী ও পৰিবী হয় দিনে সাই করেছেন	৫৭-হাদীস	8	285
নিয়েজিত (চন্দ্র-সূর্যতে অস্ত্রাহ মানুহার কলালে নিয়েজিত করেছেন)	১৮-নাহল	38	900	আকাশহতশী ও পৃথিৱী অহতা সৃষ্টি করেননি আল্লাহ	৪৪-লখান	000	208
নিদর্শন (অনুধাবনকারীদের জন্য সূর্য নিদর্শন)	১৬-নাহল	2	900	আৰুণ (সাত অকাশ সৃষ্টি কংগ্ৰেন অস্ত্ৰাহ স্বৰে স্বৰে)	৬৭-মূল্ক	0.0	399
निमर्गन (मृर्व खाद्यास्त निमर्गन)	৪১-ফুস্সিপাত	09	393	আনশবনুহ ও পুথিবীর কে সৃষ্টি কচেছেন্য (আপ্রাহ)	৩৮-ব্যার	96	544 1448
নিদর্শন সক্রপ(চলাচল করে ভার নিনিষ্ট অবস্থানে)	০৬-ইয়াদীন	Ol.	b@8	অৰুশসমূহ ও পৃথিবী কি অবিশ্বানীদেৱ সৃষ্টিঃ	65-84	96	3/03
নিরমাধীনকারী (চন্দ্র-সর্থকে নিরমাধীনকারী আপ্রার)	২৯-আনবার্ড	63	1452	অৰুণসমূহ ও পুৰিবীকে অস্তাহ সভাসহ সৃষ্টি কয়েছেন	০৯-বুমার	2	5-93
নির্দেশ্যধীন (সর্য আপ্রাহর নির্দেশের অধীন)	4-90,414 4-90,414	48	675	অকাশ কে দৃত্তি করেছেন প্রশ্ন করলে কবিব বলে, আল্লাহ'	०३-नुकशन	40	P-22
প্রদীপ (আল্লাহ সর্বকে প্রদীপ বনিরেজন)	13-7 <u>15</u>	26	994	কাকাশ-পৃথিধী সুটিতে আল্লাহ ক্ৰান্তি ধোধ কলেনি	৪৬-মাহবার	44	977
সাঁতার কটা (সূর্ব ও চন্দ্র নিম্ন কক্ষপথে সাঁতার কটিছে)	२३-वाश्वा	30	922	অক্স-পূথনী সৃষ্টি ক্রেছেল অক্সাইট	১৪-টবরারীয়		
সিঞ্জনা (সূৰ্ব আপ্ৰাহতে সিঞ্জনা করে)	22-20W	25	929	অভ্যব-পৃথিৱী সুট্ট করেছেল অল্লাহ (হর দিলে)	77- <u>fet</u> 79-6481614	02	656
निक्रमा (गर्वाक निक्रमा ना कार प्रकाश के किस्सा करात मिर्ह्स)	৪১-কুস্বিলাভ	99	729	व्यान्तर-पृथिती मृत्रि कटक व्यक्षाह (इत निटन)	১০-ইউনুস ১০-ইউনুস	9	666
निकार (गरार क्ये र अंद मण्डामा ठर्डूक मृद्ध मिलन का.com)	২৭-বামণ	48	504	वाजन-नृवेश नृत्र वर्द्धन वाद्धार (६४ लटन) वाजन-नृवेश नृत्र वर्द्धारन वाद्धार	১০-হচনুস ৬-জান'জাম	۰	608
সূর্যের উপর ও অন্তের পূর্বে প্রতিশাসকের পরিক্রতা কলিয়ে নির্দেশ	৫০-কাক	40	348	আকাশত পৃথিবীত সৃষ্টি নিয়ে চিকা করা	৩-আশ্ আন ৩-আলে ইমরান	2	690
স্থোপানত (চন্দ্র-সূর্য ও এশর লাভা ইউপুরের প্রতি সঞ্চলভাত)	১২-ইউসুফ	8	999	অকাশ ও পৃথিবীর সৃষ্টি আল্লাহর নিংশন	৩০-জম ৩০-জম	797	998
হিপাব অনুমারী চলছে (চন্দ্র ও নূর্ব)	৫৫-রাহমান	8	200	অবল পৃথিৱী সৃষ্টি বংগ্ৰেন অক্সাহ (সঠিক লক্ষ্যে)	00-91 00-91	22	250
হেলে পড়া (সূর্ব হেলে পড়লে সালাত কারেতের নির্চাল)	১৭-ইস্থা ১৭-ইস্থা	98		व्यवन-नृषयी मुझ करवाहर वाहार (मारक गर्छा) व्यवन-नृषयी मुझ करवाहर (मारकने व प्रशासनगरी व्यहार)	৪৩-জুখনক ৪৩-জুখনক	b	933
त्रहाभयकात्र	24-6481	49	920	च्यानन पुरित्व गृहि सरायान च्याप्त (अरामा प्रश्निक महास)	৪৫-কুব্রুক ৪৫-কাছিয়া	9	bas
প্রমানর কান পরামান (পূর্যানরকাল মুস/কী ইসরাধানর পদায়াক)		-		আৰাপ-পৃথিৱ সভাসহ সঠিত সক্ষেত্ৰ জন্ত্ৰাহ সৃষ্টি কৰেছেন	७१-नशक्ता ५८-जाशासन	55	306
পাৰভাগ (পূৰ্যেনৰকালে নৃত্য/কৰ হস্যাধানৰ পদ্মভাল) পাৰভাগ (পূৰ্যোদৰকালে লভ সম্প্ৰানায়কে পাৰভাগ)	২৬-চ'জার ১৫-চিজর	90	477	অবংশ-পূথৰা প্ৰভাগই পাতে পথেছা অপ্তাই সূত্ৰ কৰেছেন অবংশ-পূথিৰী সভাগই সৃত্তী কৰেছেন অপ্তাই	৬৪-ডাপাবৃন ১৪-ইবরাহীম		8/66
সম্ভ	25-1664	90	903	व्यवस्था गुर्वेशको व्यक्तार गण त्यार व्यवस्था वर्गातः		79	6340
				আকাশের সুক্তীকারী আল্লাহ পরীকলের তেয়ে উপ্তম	২০-ফ্ল-হা	8	983
উপাস্যরা শিক্ষেরাই সৃষ্ট	২৫-যুরকান	0	999	আকাংশন পুরুষধার আস্তার শরাকানর চেয়ে ভারত আম ব্যাহিক অক্সার পৃত্তী করেছেল, বিশি ভারনে চেয়ে পরিবার প্রকা	২৭-নামল	60	3,05
विभागका मृत्रे -म्बह्मार सञ्ज चारकारण क्रमा रहा चारवा अगर	১৬-নাবৃদ	२०	908		৪১-ফুস্সিলাত	26	554
শরীক করা (সৃষ্ট বস্তুকে প্রক্রীর সাথে শরীক করা)	৭-জা'রাক	292	600	আলম আ, কে লৃষ্টি করেছেল আপ্লাহ মাটি থেকে	০৮-সোৱাদ	90	290
नुष्ठ जीव -				আদন আ. কে বৃট্টি করেছেন আক্লাহ নিজ হাতে	৩৮-সেরাদ	92	440
বানলো (পৃথিবীকে সন্তাহ সৃষ্ট জীবের জন্য বানিরেছেন)	৫৫-রাজ্যাল	20	707	অপন জ. তে পৃষ্ট করেছেল অক্সাহ নাটি থেকে	৩-আলে ইমরান	63	487
সৃষ্টি				অলম আ. কে দৃষ্টি করেছেল অক্সাহ মাটি থেকে	৭-আগ্রাক	25	930
प्रस्कर मृत्री (प्रकार ध्यम करना निष्ट्र मृत्री वरतन सं यन्त्व बारन म)	১৬-নাক্ল	r	900	অসম আ, কে দৃষ্টি (গলিত কলমানির চকনো খণ্ড থেকে)	১৫-হিজর	00	699
জনর্থক (জাল্লাহ জনর্থক সৃষ্টি করেননি, পথপ্রউলেরকে)	২৩-মু'মিনুন	226	990	मातकात भूति पाद्वाश्यरे गतिङ्	৫০-নাজ্ম	89	306
অনর্থক দৃষ্টি করেননি আল্লাহ (কোন কিছুই)	৩৮-সোরাদ	29	200	অধ্যক থেকে (বালুখকে অপ্তাহ অধ্যক থেকে সৃষ্টি কয়েছেন)	১৬-আপাক	2	2050
অনুরূপ নৃষ্টি করতে আল্লাহ্ লক্ষম	১৭-ইপরা	29	933	অপ্তাৰ হুৰান্ত সৃষ্টি কয়বেন (সৃষ্টির সূচনা করার পর)	২৯-আনকাবৃত	₹0	229
অনুরূপ (আল্লাহ মৃতদের অনুরূপ লৃষ্টি করতে সমর্থ)	০৬-ইয়ালীন	5.2	760	पक्कार सहस्र बंदनवार स्था रहा राजा विश्व गृती बराबन, राजार गृत	১৬-নার্গ	20	908
অনিষ্ট (সৃষ্টির অনিষ্ট থেকে আশ্রন্থ প্রার্থনা)	১১৩-ফাল্ডক	3	3000	আল্লাহ সৃষ্টি করেছেল আকাশ ও পৃথিবী (ছর দিলে)	५-आधार	@8	635
व्यस्तान (ताम गृति चंतरम या त्मवरनात तारमक (प्राक्षाद क्षेत्र)	৩১-পুরুমান	22	529	আল্লাহ পৃষ্টি করেছেন স্বর্থনমূ	২৫-ফুরকান	3	952
অরঞ্জকতা সৃষ্টি করবে মুসা- ফিরআউনের আশহা	80-मुस्मि	36	bho	অক্সং সৃষ্টি কয়েলে কমিবলেরক (ওা থেকে থা তারা জালে দা)	৭০-মা আরিক	60	3000
অইকানসী ও পূর্ববর্তী প্রকল্পকে নৃষ্টিকারী আপ্রাহকে ভয়	₹७- <b>व.बा</b> श	298	999		०५-वमाद	8	26.4
স্বাঝান (সাল্লাই স্বনে স্বরে সাত স্বাঝান সৃষ্টি করেছেন)	95-75	32	398	वाद्वाद मृत्री गम्मदर्व तत्त्रस्य नन	২০-মুখিনুন	29	966
আকাশ (আল্লাহ্ লাভ আকাশ ও পুৰিনী সৃষ্টি করেছেল)	৬৫-ডালাক	25	969	অল্লাহ দুটি বড়েন বা ইছ্যা বড়েন	০-জালে উমধান	89	280
অকাশ (অপ্নাহ আকাশ-পূর্বিই সমসহ/পঠিত দক্ষে সৃষ্টি করেছেন)	১৬-বাংল	0	900	पाद्रार मृति वरहन या देख्य करहन	৫-মার্থিদা	39	940

সৃষ্টি সৃষ্টি

भव विषय/दशक	न्तां मः ७ नाम	Biox	501		म्बातर अनाम		
मृष्टि (गृर्द गृक्ते। (बाटक)				জাতি (ইরামের সমতুলা ক্ষাতি কোবাও সৃষ্টি করা হরনি)	৮৯-কাজ্ব	ъ	205
আপ্রাহ সৃষ্টি করেছেন (আকশে-পৃথিবীকে)	৪৩-যুখকফ	>	৮৯৬	অপুৰবানে এইবে উপর ইমান (ফিরমজিনকে প্রথন না লো প্রনঙ্গ)	২০-ড়া-হা	૧૨	981
	১১-বুদ	9	666	জানা (সৃষ্টি সম্পর্কে ডিনি জানেন যিনি সৃষ্টি করেছেন)	৬৭-মূলক	78	59
অল্পাহ সৃষ্টি করেছেন মানুষ এক মানুষ যা (কেন্টা)করে ভাও	৩৭-সাফ্ফাড	26	1997	জানা ( আপ্রাহ প্রত্যেক সৃষ্টি সম্বাহ ভারত্রবে জানেন)	০৬-ইয়াসীদা	۹>	20
স্বাস্তাহ দৃষ্টি করেছেন, ডাই তার ইবাদত করাই যৌতিক	৩৬-ইরাসীন	22	500	ছাহান্নামের জন্য সৃষ্টি (অনেক দ্বিদা ও মানুধকে)	৭-জা'রাফ	249	62
	৪১-ফুস্সিদাত	109	bba	মিন দৃষ্টি করেছেন আন্তাহ কলনে দেয়া আতন থেকে	১৫-হিন্দব	29	655
আগ্রাহ সৃষ্টি করেন (বা ইজা করেন)	৩০-ছম	08	250	মিল সৃষ্টি(মিলতে অপ্তাহ ধৌমাধীন আচল থেকে)	৫৫-রাজ্মান	76	900
व्यक्तार गृह करतन या रेक्स	২৪-দূর	84	993	জিল ও মানুব সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (ইবানাতের জন্য)	৫১-বারিয়াত	66	25
वाद्वादर (मृष्टि व निर्मन पाद्वादर)	৭-আ'লাড	98	979	জীৰ সৃষ্টি করেছেন আপ্লাহ পানি থেকে	২৪-দূর	84	99
অল্লাহর দৃষ্টি থেকে কন্যা সন্তান এহণ/শিরক প্রসত	80-548.6	3/6	P24	জীবজন্ত ও মানুৰ দৃষ্টি করেছেন আল্লাহ	২৫-ভূরকান	83	95
অল্লাহর সৃষ্টি মানুহ ইকুনী ও নাসারারা (জল্লাহর পুত্র নর)	৫-মারিদা	37	200	ছোড়া পুরুষ-নারী আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন	৫৩-নাজম	82	20
অন্তাহন সৃষ্টি সম্পর্কে লক্ষ্য করা	व-वा,शक	79.6	900	ছোড়া (আল্লাহ দব ধরদের জোড়া দৃষ্টি করেছেন)	৪৩-যুৰঞ্জ	25	23
আপ্রাহর সৃষ্টির অধিকাপ্রশার উপরে আদম সন্তানকে মর্থাদা দান	১৭-ইসরা	90	920	জোড়ার জোড়ার সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (মানুবকে)	৭৮-মাবা	v	30
অপ্তাহ্য সৃষ্টির মত শরীকরা কি কিছু সৃষ্টি করেছে কিঃ	১৬-রাদ	36	666	জ্যোদার জোদার সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ সংকিছুকে	৫১-पविद्यांठ	85	34
	৭-আরফ	29.7	949	জোড়ার জোড়ার পৃত্তী করেছেন আল্লাহ প্রভ্যেককে	৩৬-ইয়াগীন	05	50
অপ্তাহের সৃষ্টির মধ্যে একটি উত্মতের সত্য হবা পথ সেখানো	৬-অনুপাম		909	জোড়া সৃষ্টি (আপ্রাহ মানুধের জোড়া সৃষ্টি করেছেন)	8-शिश	3	92
আপ্লাহ সৰ্বাচিত্ৰ সৃষ্টি করেছেন		202		জোড়া সৃষ্টি (মানুষের মধ্য থেকে)	48-00	45	50
व्यञ्चादर व्यनाजन गृष्टि दरक की प्रामृत शृक्षि करा करिनवन?	०१-मास्याह	77	৮৫৭ ৮২৭	দ্বীনচেরকে আপ্রাহ সৃষ্টি করেছেন (পরীক করা প্রদাস)	৬-আন'আম	300	60
অপ্রাহন (কালস-পৃথিবী-পর্যক্র নার নির্মণ -এবলে অপ্রাহন সৃষ্টি)	৩১-লুকমান	22	446	দিন সৃষ্টি (আল্লাহ নিনা-রাজ ও চপ্র -পূর্য সৃষ্টি করেছেন)	২১-জাখিয়া	00	90
অল্লাহ বা সৃষ্টি করেছেন ভালকপ্রাক্তর গর্জে (কা গোপন করা)	२-राकृति	550		দুৰ্বল সৃষ্টি (মানুগতে দুৰ্বল করে সৃষ্টি করা হরেছে)	8-निम	35	23
অন্তাহ একাকী শৃষ্টি করেছেন যাতে (ওলাদ বিন মুগীবা)	৭৪-মুখাছছির	22	990	নতুন করে সৃষ্টির ব্যাপারে কাঞ্চিররা সন্দেহের মধ্যে রয়েছে	६०-वाक	34	>
জন্মহন যা ইংহা শৃষ্টি করেন	৪২-প্রা	85	p.945	ন্তুন সৃষ্টি আনতে পালেন অস্ত্রাহ, ইচ্চ কালে	১৪-ইবরারীম	25	80
জাপ্তাহ মানুদ সৃষ্টি করেছেন (মানুহ তা স্বীকার করে না)	৫৬-ওরাকিরাহ		985	নতুন সৃষ্টি (হিন্নতিব্ৰ হওৱাৰ পৰ নতুন সৃষ্টি)	08-200	9	7
ইবলিস সৃষ্টি (আওন থেকে )	৩৮-সোমাণ	96	p.do	নতুন সৃষ্টিপ্ৰণে পুনরুধান (ছডিডতে পরিণত হওয়ার পর)	১৭-ইপর	30	19
ইবরাহীর জা, কে দৃষ্টিকারী আল্লাহই তাকে পথ দেখাবেন	৪০-যুধকৃষ	59	ppd	नदून मृष्टिद्वान भूनक्रमान ६(व) (काविदानंत क्रिकामा)	24-gast	85	1 9
ইবরাহীর জা, কে সৃষ্টিকারী আল্লাহ খড়া সধাই তার শত্রু	২৬-গ'আরা	937	৭৯২	নতুন সৃষ্টি নিয়ে আসতে পারেন আল্লাহ (মানুয়ের স্থাস)	००-मधित	36	br
ইবলিসকে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ আন্তন থেকে	৭-আরাক	25	650	नकुन गृति (मृत्युव गत नकुन गृति कविन्याना निकरि विश्वास्त्र)	১৩-রা'দ	6	6
স্থানা আ, সৃষ্টি কৰেন কানামাটি দিৱে পাৰিব আকৃতি	৩-আলে ইমরান		480	নতুন সুক্তীরূপে পুনক্ষরনে কবিবরে সংগ্র (মটিতে মেশর পর)	৩২-সাজ্পা	30	10
উট পৃষ্টি কীয়েবে করা হয়েছে (সেনিকে দৃষ্টিপাডের উপালশ)	৮৮-পশিয়াত্	39	2029	নৱ ও নারীকে থিনি সৃষ্টি করেছেন তার কলম	৯২-লাইল	0	30
উত্তর সৃষ্টি (ঈরাননার ও সংকর্মশীলগণ)	১৮-বারিলের	٩	2059	নারী ও নরকে যিনি সৃষ্টি করেছেন তার কলম	৯২-লাইল		30
উপদেশ সৃষ্টি (কুরমানের মাধ্যমে উপদেশ সৃষ্টি প্রসঙ্গ)	২০-জা-খ	770	484	নিকটকম সৃষ্টি (আহলে ভিতাবের কাকিব/মূপরিকরা)	৯৮-বারিনার	6	20
উপাসারা কিছুই সৃষ্টি করতে পারে না	২৫-ফুরকান	0	42.5	নিব্র হারর (নিয়েল সৃষ্টি নিয়ে পূবক হয়ে বেক, কল্য ইপাই)	২৩-মু'মিন্ন	35	9
এক ব্যক্তি থেকে মানুষ সৃষ্টি	৬-আন্'আম	99.	906	নিম্পন ব্যৱহে আকাশ ও পৃথিধীর সৃষ্টিতে	০-জালে ইমবান		
কটিলতর (মানুম সৃষ্টি কঠিনতর নাকি আন্মশ?)	৭৯-নাথি আত		7008		३०-१%म्	0	9
কটেনতঃ সৃষ্টি কোনটিঃ (মানুৰ না অন্য সনকিছু)	७५-माक्षार	>>	1464	किर्मा (प्रकार पृथ्वेत जनन शृत्रे प्रवर्वेतन कर निर्मारक्ष)	३७-शहन	30	19
কলপা ও দরা সৃষ্টি করেছিলেন আপ্রাহ (ঈসা আ, এর	० १-शमीम	29	262	হিন্দুর্গন (করা ব্যব্রর স্থাইতে উপালেশ্যাক্রারবিদ্যার করা নিদুর্গন আছে)	28-40114	85	1
অনুসারীদের হনটো)				নির্বারিত পরিমাপে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (সবকিছু)	80-प्रशंकप	24	5
তানা মাটি থেকে আপ্লাহ মানুষ সৃষ্টি করেছেন	৬-আনু'আম	2	490	নোধানের সৃষ্টি (মানুহের আরোহণের জন্য)	६०-व्य	90	6
বান, চোপ ও অন্তর শৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (মানুবের ক্না)	২০-মুখ্মিন্ন	90	993	পরিবর্তন (সৃষ্টিতে কোন পরিবর্তন নেই)		38	2
ভাফিরদেরকে মনমত বড় কোন সৃষ্টি হরে যেতে বলা	১৭-ইস্রা	47	479.	পর্যায়ঞ্জনে (অল্লাহ মানুদকে পর্যায়ক্রমে সৃষ্টি করেছেন)	५५-स्इ	30	2
ক্লান্তি ৰোধ করেননি আল্লাহ (আকাশ-পৃথিবী সৃষ্টিতে)	৪৯-আহ্বাক	00	222	পানি থেকে (ভূচ্ছ পানি থেকে মানুষ সৃষ্টি করেন আল্লাহ)	৭৭-মূর্দালাত ২৭-নামল	68	7
ৰচ্চর (শোভা ও বাহন হিসাবে ঘোড়া, ৰচ্চর ও গাধা সৃষ্টি)	১৬-লঙ্গ	b	900	পুনরাবৃত্তি (জারাহাই সৃষ্টির পুনরাবৃত্তি করেন)	১০-ইউনুস	68	9
খেলাছলে (অস্তাহ অবাপ-পৃথিৱ খেলাছলে সৃত্তী বরেনলি)	২১-জাধিয়া	3/5	923	পুনরাবৃত্তি (আরাহই সৃষ্টির পুনরাবৃত্তি ঘটাবেন)	২৯-আনতাবৃত	79	6
গবাদিপত সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ মানুবের জন্য	৩৬-ইয়াসীন	43	469	পুনরাবৃত্তি (আল্লাহ বিকর্মের সৃষ্টির পুনরাবৃত্তি করেন কা তেবে গেখা)		8	9
গবাদি পথ সৃষ্টি করেছেল জন্মহ (মানুয়ের উপকারার্থে)	১৬-দার্শ	8	900	পুনরবৃত্তি (আল্লাহ পৃষ্টির পুনরাবৃত্তি করবেন,প্রতিদান দিকে)			
গাছ (মানুব দৃষ্টি করতে পারে না জাতন স্থালাদোর গাছ)	৫৬-ওয়াকিয়াহ		989	পৃথিবীর গব কিছু মানুবের জন্যসৃষ্টি করা হরেছে	২-বাৰুৱো	270	0
গাধা (শেষ্ঠা ও বাহন হিসাবে মোড়া, বক্তর ও গাধা সৃষ্টি)	১৬-দাহল	ъ	900	পৃথিবীর মাধ্যন রচের সুক্তীতে আল্লাহ নিমর্শন রেখেছেন	১৬-নাহুদ	7.0	
গৃহ (আল্লাহ সৃষ্টি করেন জাঙন স্থালানোর গাছ)	৫৬-ওয়াবিয়াত্	92	>84	পৃথিবীয় সৃষ্টি আপ্লাহর নিবর্ণন	৪২-শ্বা	230	5
যোড়া (শোড়া ও বাহন হিসাবে খোড়া, খ্যন্তর ও গাধা সৃষ্টি)	১৯-মার্প	b	900	পৃথিবীর সৃষ্টিকারী আল্লাহ শরীকদের চেয়ে উত্তম	২৭-নামল	90	6
চতুম্পদ জন্তব সৃষ্টি (মানুহের আরোহণের জন্য)	৪৩-মুখকক	32	290	পৃথিবীর সৃষ্টিকারী আপ্লাহর পক্ষ থেকে তুরজানের অবভারণ		8	1
চন্দ্র সৃষ্টি (আল্লাহ নিন-বাত ও চান-সূর্য সৃষ্টি করেছেন)	২১-অথিয়া	00		পৃথিবী দৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (ধূই নিলে)	৪১-ছুস্সিলাত	2	1
মুদ্ধান্ত সৃষ্টি করা (আল্লাহ চ্যুবান্ত সৃষ্টি করবেন)	২৯-আনকাব্য	20	274	পৃথিবী (আপ্লাহ আবাদ-পৃথিবী সভাসমানিটিক লক্ষ্যে সৃষ্টি করেছেণ)	১৬-নাত্প		1
হর নিলে সৃষ্টি করেল আল্লাহ (আকাশ-পৃথিবী)	১০-ইউনুস	0	628	পৃথিবী, আকাশ ও অন্য সৰ কিছু হয় দিলে সৃষ্টি	৩২-সাঞ্না	8	1,5
হুমদিনে (আল্লাহ আকাশ-পৃথিধী হন্ন দিনে সৃষ্টি করেছেন)	22- <u>द</u> म	1	666	পৃথিবী কে সৃষ্টি করেছেল প্রশ্ন করলে কাফির বলে, 'অপ্রাহ'	০7-পুৰুষাল	2.2	
হয় দিনে সৃষ্টি (আকাশ, পৃথিবী ও জন্যান্য সৰ্বাঞ্চিত্ৰ)	৩২-সান্দা	8	5000	পৃথিৱী ও আনাশ সাহাসহ সঠিক শক্ষো নাপ্তাম সৃষ্টি করেছেন	७८-छाशानून	0	12
ছয় দিনে আকাশমচলী ও পৃথিবী সৃষ্টি)	৫৭-হাদীন	8	385	পৃথিবী ও আকাশসমূহ কি কৰিশাসীদেৱ সৃষ্টিঃ	৫২-তৃৰ	05	
ছারা (সৃষ্টির মাধ্যমে ছারা দান, মানুহের লভি আপ্লাছর লেরামত)	১৬-নাহল	53	90%	পৃথিবী ও আকাশ ও সৃষ্টির সাকী বানান নি আস্থাই কাউবে	79-4(da	67	
জাতি (অপিমদের থাংনের পর কল জাতি সৃষ্টি প্রস্থ)	২১-আথিয়া	22		পৃথিবী (আল্লাহ সাত আকাশ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন)	৬৫-ভালাক	34	. 3

স			अधि	সৃষ্টি			
Trespore	7型機 多明	ADDRESS.		194 A REPORT	COMPANY OF THE	No.	961
मृष्टि (मूर्व मुक्का cetce)			-	মানুহকে তুরা প্রকাতা নিয়ে সৃষ্টি করা হরেছে	২১-অধিবা	99	923
পুনিবী ও জন্মশ অল্লাহ সৃষ্টি করেছেন (ইবরাহীম জা, প্রসঙ্গ)	২১-সাধিয়া	98	948	মানুহকে (ক্ষমীস দরামর জাপ্তাহ মানুহ সৃষ্টি করেছেন)	৫৫-রাহ্মান	0	365
পুর্বিহাতে দেবতার বী সৃষ্টি করেছে ৮ (শিতকের ক্ষপারতা প্রসঞ্চ)	৪৬-আত্তাক	8	408	মানুষ (আল্লাহ মানুব সৃষ্টি কছেন কানা মাটি থেকে)	৩৮-সোনাদ	93	690
পৃথিবীতে পরীকরা কি সৃষ্টি করেছে? (কিছুই করেনি)	৩৫-ফাডির	80	b85	মানুষ (কানা মাতির তকনো থক থেকে মানুষ সৃষ্টি)	३०-विकर	20	699
প্রথমবার যিনি লৃষ্টি করেছেন, তিনিই জীবিত কর্পেন,	৩৬-ইরাসীন	45	760	মানুষ বীৰ্য সৃষ্টি করে না (আল্লাহ সৃষ্টি করেন)	৫৬-৩য়াকিয়াত্	42	386
প্ৰথমৰার খিনি সৃষ্টি করেছেন (ডিনিই পুনরুখান করকেন)	১৭-ইপরা	62	435	মানুষ (মানুষকে আল্লাহ আলাক থেকে সৃষ্টি করেছেন)	১৬-জনাক	3	2059
প্রথমবার সৃষ্টি করেই কি আল্লাহ ক্লান্ত হয়ে পড়েছেনঃ	\$0-\$10F	24	250	মানুহকে সংমিশ্রিত বীর্থবিদ্ধ থেকে সৃষ্টি করা হয়েছে	95-9095	1	3000
প্রথমবার সৃষ্টি করেছেল অস্তান্ত এবং অরই নিকে	৪১-ফুপুনিদ্যাত	57	222	মানুহকে সৃষ্টির পর সে মুখিন বা কাভির হব	৬৪-খাগারুন	1 3	366
গ্রন্থন (অনেক প্রজন্ম সৃষ্টি করেছেন আপ্রাহ)	২৮-বংগাস	80	2554	মানুগকে দৃষ্টি করা ব্যাহে সবেশে নির্গত পানি থেকে	৮৬-তারিক	6	2029
প্রজন্ম (আল্লাহ অন্য এক প্রজন্ম সৃষ্টি করলেন)	২০-মু'মিনুল	40	955	মানুদকে পৃষ্টি করা হরেছে মাটি থেকে	৪০-মূখিন	89	568
প্রমানু (মার প্রমানু সৃষ্টি করেছেন স্মারাহ, স্বাস জাভিন পরে)	২৩-মুখিনুন	84	900	মানুষকে সৃত্তি করেছেন আপ্লাহ	GO-सम	80	200
প্রদান সৃষ্টি (অপরাধী প্রদান্তকে ধালে করে অপর প্রকল্প সৃষ্টি)	৬-আন'আম	9	699	মানুখকে পৃত্তি করেছেন আল্লাহ (পরিশ্রমের মধ্যে)	৯০-বালান	8	
প্রতিপালক সৃষ্টি করেছেন (সে প্রতিপালকের নামে পারের নির্চাল)	৯৬-জালাক	2		भागुवाक गृति करतासन व्यक्तार (नामान्यम वर्गा)			2050
রভিপালক সৃষ্টি করেন বা ইছে।	২৮-জাপাস		2052	মানুষকে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ দুর্নল অবস্থার	৭-আ'রাফ ৩০-জম	22	930
शिक्षणनक मृति करवास विश्व संस्था, यास्त्राटक विसे सत्रा करवास	22-84 52-41-41-4	9779		মানুষকে মাট থেকে পৃষ্টি (ছমুদ জাতির প্রসঙ্গ)		28	৮২৬
			595		১১-বুদ	93	693
প্রথমবার নৃষ্টির মতাই (মানুখনে উপস্থিত করা হবে) প্রথমবার সৃষ্টির মত মনুখনে জল্লাহর কাচে এবংনী অসত হবে	79-415A	48	454	মানুহকে বীৰ্য থেকে সৃষ্টিৰ পৰ সে সুস্পষ্ট বিভয়াকারী হয়	১৬-নব্দ	8	900
	৬-আন্ আম	98	906	মাতৃগতে তিন ধরনের অম্বকারে পর্যক্রমেম মানুধ সৃষ্টি	৩৯-যুমার	6	P-42
প্রথম সৃষ্টির সুলবর মত বিশ্বয়ের জনা হলে (জনাপতে বাইলে প্রসঙ্গ)	২১-অবিয়া	708	969	মহি বৃষ্টি করতেও পারে না (অন্য উপাস্যরা)	22-2706	90	902
প্রথম সৃষ্টি সম্পর্কে জানতে পেরেছে মানুয	৫৬-ওয়াকিরাব্	95	186	যাট থেকে আদম আ, কে সৃষ্টি করেছেন জাপ্লাহ	১৭-ইস্রা	62	47%
ফেরেশখনের সৃষ্টি কি মুশরিকরা প্রভাক্ষ করেছে?	8७-वृदशय	7.2	৮৯৭	মাটি থেকে মানুষ সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ	৫৩-নাজম	05	200
ক্ষেত্রপঞ্জনেরকে কি আল্লাহ নারীক্ষণে সৃষ্টি করেছেনঃ	৩৭-সাম্ফাড	750	br68	মালব সৃষ্টির সূচনা কালামাটি থেকে	০২-সাঞ্চল	٩	৮৩০
বাসান সৃষ্টি করেছেন অস্তাছর (বৃষ্টির গানির মাধ্যমে)	২৩-মুমিন্ন	29	989	মানুষের সৃষ্টিতে নিষ্ঠিত বিশ্বাসীদের জন্য নিদর্শন রয়েছে	৪৫-লাইয়া	8	905
বাসন সৃষ্টি (মন্ত্ৰাম বিভিন্ন ধয়নো মল-সংসাম বাসন সৃষ্টি ব্যৱহান)	৬-আনু'আম	787	930	মানি অতঃপর বীর্য থেকে মানুখ নৃষ্টি করেন আল্লাহ	72-4164	७९	929
যাতিল হিসেবে সৃষ্টি করেননি প্রতিপালক (আনাশ ও পৃথিবী)	৩-আলে ইমরান	797	668	মানুবকে আল্লাহই বৃষ্টি করেছেন (মুপরিকদের সীকৃতি)	६०-पूत्रक्ष	24	902
বিকৃতি (আপ্লাহর সৃষ্টিকে বিকৃতির নির্দেশ, শরতান কর্তৃক)	8-निमा	22%	645	মানুবকে কোনু বস্তু থেকে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ?	৮০-জাবাসা	32	2009
বীৰ্য সৃষ্টি করেন অল্লাহ	৫৬-ওরাকিরাহ্	69	986	মানুদকে সৃষ্টি (এক বাজি থেকে)	৪-নিশা	2	466
বীৰ্য থেকে মনুহ সৃষ্টি করেছেল অস্তাহ (মা চেবে দেবা উচিৎ)	৩৬-ইয়াসীন	99	984	মানুবকে সৃত্তী করার পর আল্লাহ তার মৃত্যু ঘটাবেন	১৬-নাহ্দ	90	900
বীমবিন্দু থেকে মানুষকে সৃত্তী করা হয়েছে	৭১-দাব্র	ર	366	মানুদ্ধক সুদ্ধরতম গঠনে আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন	৯৫-টান	8	2029
ৰীৰ্ষ থেকে মানুহকে বৃষ্টির পর সে কুম্পন্ট বিভয়বারী হয়	১৬-লাব্ল	8	900	মৃত্যু ও জীবন বৃষ্টি (মানুষকে পরীক্ষা করার জন্য)	৬৭-মূপক	3	345
বৃদ্ধি (আল্লাহ পৃক্তিতে যা ইচ্ছা বৃদ্ধি করেন)	৩৫-ফাডির	٥	186	মের সৃত্তি করেন আল্লাহ	১০-রা'দ	25	649
অধারসা সুটি বন্ধনে অপ্তাহ সংবর্মশীল মুফিনদের মন্য	১৯-মারব্রাম	99	980	যথাৰ্ব কারণেই দূৰ্ব ও চাঁদকে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ	১০-ইউনুস	4	928
তুলে যায় মানুষ নিক্ষের সৃষ্টির কথা (বীর্য থেকে সৃষ্টি প্রসঙ্গ)	০১-ইয়াপীন	92	b/26	যমীল থেকে মানুষকে সৃষ্টি করা হরেছে(পুনরুঝান প্রসঙ্গ)	২০-ছা-খ	44	488
তেবে দেব (পৃথিব বাপেরে তেবে দেব যে খন্য অল্পাহরে নিজন বড়া)	১৬-নার্প	8V	905	যুবারিয়কে দৃটি বরেছেন প্রতিপাদক (খেন সে বিদুই ছিল মা)	১৯-মারইয়াম	8	908
মানুৰ সৃষ্টি (মাটি ও বীৰ্য থেকে আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন)	৩৫-ফাতির	22	1/89	যানবাহন পৃষ্টি করেছেন আপ্তাব ,আরোহণের ঋণ্য	৩৬-ইবাদীন	84	M58
মানুব বৃট্টি (মাটি হতে)	৩০-রব	40	250	রও বেরজের পৃথিতে উপাদেশ প্রক্রেকারীদের জন্য নিমর্শন আছে	১৬-নাহ্দ	20	908
মানুব সৃষ্টির কথা বলদেন প্রতিপালক (ফেরেশভালেঞ্জে)	১৫-হিজর	59.	600	রাভ নৃষ্টি (আল্লাহ নিন-মাত ও চান-সূর্য নৃষ্টি করেছেন)	২১-সাধিরা	00	923
মানুৰ সৃষ্টির চেয়ে বড় কাল আকাশ ও পৃথিনী সৃষ্টি	8०-मू भिग	68	550	শরীকরা কিছুই সৃষ্টি করেনা	५-आ'शक	797	900
মনুৰ সৃষ্টি করতে পরেন অক্সাহ এমন আকৃতিতে যা সে জানে না	৫৬-ওরাবিরাহ্	67	≥86	শরীকরা কিছু সৃষ্টি করেছে কি, আল্লাহর সৃষ্টির মতঃ	১০-লা'দ	36	99.9
মানুৰ লুক্ট করা হরেছে কী থেকে, ভা লে লক্ষ্য করুক	১৬-ভারিক	ę	2029	শন্য ও গবাদি গত আপ্লাহ সৃষ্টি করেছেন	৬-আন্'আম	305	609
মানুঘ পৃষ্টি করেছেন অল্লাহ (বীর্য গেকে)	৮০-আবালা	39	\$000	শিক্ষ (মিলি সৃষ্টি করেল ও যে করেল আনর উপন্য থেকে শিক্ষাগ্রহণ)	১৬-নাত্দ	24	908
মানুষ সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ পানি (বীর্য থেকে)	२१-यूत्रकान	28	art.	সঠিকরশে (আপ্তাহ নৃষ্টিকে সঠিকরণে নৃষ্টি ব্যৱহেন)	৩২-সাজ্যা	9	broo
মানুধ সৃষ্টি করা হরেছে অছিরচিভরণে	৭০-মা'ব্যবিজ	29	3912	সভাসহ সঠিক শক্ষ্যে আল্লাহ আকাশ-পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন	৬-আনু'আম	96	605
মানুষ সৃষ্টি করেছেন জাল্লাহ	१०-काम	36	520	সভানহ (আপ্লাহ আকাণ-পুৰিৰী সভাসহ সৃষ্টি কৰেছেন)	২৯-আনকাৰ্ড	88	935
মানুষ সৃষ্টি করেছেল আল্লাহ যথন সে কিছুই ছিল না	১৯-মারইয়াম	99	900	সম্প্রদায়ের বংশধর থেকে মানুঘকে সৃষ্টি/ছলভিষ্ঠিক করা	৬-আন'আম	200	609
মানুষ সৃষ্টি করেছেন আপ্লাহ	৬৭-মূল্ক	20	590	সাত জর (আকাশ) সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ	২০-মুমিনুন	29	966
মানুদ সৃষ্টি প্রসদ (মটি, বীর্য, জলাবং, মুলগা -এতাংর ক্রমাখন্তে)	22-0mg	a	927	সুবিনাত্ত (পৃত্তী করার পর আ সুবিন্যত্ত করেছেন আল্লাহ)	৮-৫-জা'লা ২০-জা'লা		
মনুদ সৃষ্টি (পোড়া মডির মধ্যে করনে মাট কেনে মনুদ সৃষ্টি)	৫৫-বাহমান	28	200	বুচনা (বৃটির বৃচনা অপ্রাহ বিভাবে করেছেন আবার্থ)	জন-আপা ২৯-জানকার্ভ	30	7024
মানুষ সৃষ্টি করেছেন জাল্লার অঠালো মাটি বেকে	৩৭-সাত্যাত	22	2009				224
মানুহ পৃষ্টি করেছেন জাল্লাহ কাদামাটির নির্যাস থেকে	২৩-মু'মিলুন	25	966	সূলা (প্রথম সুনীর সূলার মত বিশ্বিয়ে আনু আনাশতে জীবে প্রতল)	২১-আধিয়া	308	929
মানুদ সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (ফিডরাচের উপরে)	00-997	00	υ48	স্চলা (সৃষ্টির স্থলা করেন আপ্রহে)	৩০-রম	22	455
মানুহা সৃষ্টি কড়ান অল্লাহ, একজন নারী ও একজন পুরুষ থেকে	৪৯-হতুরাত	30	252	मृष्मा (मृष्टिव मृष्मा करदन खाद्याव)	00-47	29	P-58
মানুষের (সকল মানুষের সৃষ্টি এক ব্যক্তির সৃষ্টির মতই)	৩১-লুকমান	30	454	সূচনা করা(অক্সাহ কিজনে সৃত্তির সূচনা করেন ভা জেবে দেখা)	২৯-জানকাৰ্ত	7.9	654
মানুদকে আল্লাহ দৃষ্টি করেছেন (তার ইবান্ডের নির্দেশ)	২-বাকারা	43	600	সূচনা (আপ্লাহই সৃষ্টির সূচনা করেন)	১০-ইউনুস	48	929
মানুবকে আল্লাহ নুগঠিত করে সৃষ্টি করেছেন	৮২-ইনফিভার	9	2020	সূচনা (আপ্রাথ সৃষ্টির সূচনা করেন)	১০-ইউনুস	8	968
মানুঘকে আল্লাহ সৃষ্টি করেছেন	৭৬-দাব্য	23	999	সূচনা (আপ্লাহই সৃষ্টির সূচনা করেন)	২৭-নামপ	88	304
মানুখকে এক ব্যক্তি/আদম আ, থেকে সৃষ্টি করা হতেছে	৩৯-বৃথার	9	68.4	সূৰ্য সৃষ্টি (আল্লাহ দিন-রাত ও চাদ-সূৰ্য সৃষ্টি করেছেন)	५५-व्यापिया	99	902
মানুষকে এক ব্যক্তি থেকে সৃষ্টি	৭-বা'রফ	25-9	600	হীলেবকে পুরুবের জন্য সৃষ্টি (সৃত সম্প্রদার প্রসঙ্গ)	২৬-ত'আরা	396	936
		-		1,11			

	-	230	THE PERSON NAMED IN	প্ৰভ বিষয়/প্ৰস্থ	नुका नहें के नाई	20.00	(081
<b>नश्र</b> विस्तृक्षण	न्त्रा मर ७ नाम	WEN T	12.0		7२-छाईक उँका प्रदेशकारिक	85	945
সৃষ্টি (পূৰ্ব পূৰ্চা থেকে)				ধন সম্পদ ও সন্তান (গুনিয়ার জীবনের) লক্ষত্রের সৌন্দর্য দ্বারা থাকাপকে নুসন্ধিত করেছেন আস্তাহ	০৭-সাফ্টাভ	9	
প্রটা নাতীতই কি সৃষ্টি হয়েছে গ্(মানুখ)	৫২-ত্ৰ	00	3407				250
খতত্ব সৃষ্টিপ্রশে গড়ে তোলা (বীর্যকে, মানুগর্ডে)	২০-মু'মিল্ন	28	955	नदिव होत्तर्थ पुश्च करायाः यात्रत्व विद्या नवा नवीत सन्। श्रूपाण नव	৩৩-আহ্যাব	æ२	brob
হাত (আল্লাহ নিজ হাতে গৃহপাণিত পণ্ড সৃষ্টি করেছেন)	৩৬-ইয়াদীদ	93	৮৫৬	পৃথিবীর সবভিদ্ধ সৌদর্যকরণ (মানুধকে পরীক্ষার জন্য)	১৮-কাহ্দ	٩	928
হুদকে সৃষ্টি করেছেন যিনি (প্রতিদান তাঁর কাছেই)	১১-ছুদ	62	690	পোলাক (সৌন্দর্যের জন্য গোলাক অবতীর্য করেছেন)	৭-আ'বাফ	25	652
হরদেরকে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ (বিশেষভাবে)	৫৬-ওরাবিরাত্	95	388	প্রকাশ (সৌন্দর্য প্রকাশ করবে না মু'মিন নারীয়া)	২৪-নূৰ	0)	999
মুদ্যতা (আল্লাহ শত্রুদের মধ্যে মুদ্যতা সৃষ্টি করে নিবেন)	५०-मुमलादिना	9	562	প্রকাশ (সৌন্দর্য প্রকাশ করবে না মু'মিন নারীরা)	২৪-নূব	ζ٥.	999
সৃষ্টিকর্তা (আরো দেখুন দ্রাষ্টা শব্দটি)				প্রদর্শনকারী (সৌন্দর্গ প্রদর্শনকারী না হয়ে অভিবিক্ত)	২৪-সূৰ	90	9700
অবংশ-পথিব সঞ্চিকতা আপ্তাহ	৪২-পূরা	22	244	ফিব্ৰজাউনকে বুনিয়ার জীবনের সৌন্দর্য/সম্পদ দান	১০-ইউনুস	py	695
আকাশ-পৃথিবীর সৃষ্টিকর্তা আল্লাহর জন্য সকল প্রশংসা	৩৫-মাডির	3	1/86	সৌহার্দা			
অভ্যাপ ও পৃথিবীয় সৃষ্টিকর্তাই ইউসুদের অভিযাপক	১২-ইউসুফ	202	99-9	জীবন-বাপন (প্রীদের সাথে সৌহ্যদৌর সাথে জীবন বাপন)	8-मित्रा	25	QQ3
	৫৯-বাশর	38	549	কাবাস টোয়ের্সর সাথে (ভূনিয়াতে , ফুর্যারক শিকামাকর সাথে)	৩১-লুকমান	36	425
অল্লাহ সৃষ্টিকর্তা				সৌহার্নাপূর্ব			
অন্তাহ সৃষ্টিকর্তা (অকাশ ও পৃথিবীর)	৪২-পুরা	22	295	নোহাণ) পুশ মীয়াস বউনবালে আম্লীর/ইয়াবিমের সাথে দৌহার্ন্যপূর্ণ কথা	8-मिमा	le .	209
সৃষ্টিগত		_				-	
থিবিয়ে দেন সৃষ্টিগত নিক দিরে পূর্ববস্থায় (দীর্ঘারু প্রাক্তক)	৩৬-ইয়াসীন	45	1450	কথা (কট্নপায়ক থানের চেয়ে সৌহার্ন্যপূর্ণ কথা/কমা উদ্রম)	২-বাকুরো	260	647
সেখানে			1 1	প্রিদ্ধ			_
আল্লাহ (পূৰ্ব-পশ্চিম যে দিকেই মূখ ফিরানো হয় সেখানে)	২-বাভারা	226	470	উয়ানদার ও সংকর্মশীপদের খন্য জল্লাতের হ্রিছ ছারা	8-मिना	6.6	698
CHE				ন্দৈ (আপ্লাহ চাদকে প্রিদ্ধ আলো বানিয়েছেন)	३०-१७नुम	¢	3028
যে গান্তী ছবা কেতে সেচ সেয়া ব্যাদি	২-বাকুরা	93	Cob	ন্তন্যসাঠী			_
CALE .	- mg			তুলে যাতা(কৰণটো নিমানতে দুখলোখা শিকক কুল যাবে)	44- <b>2</b> /98	3	923
থোপন আধার সেদিন যাকে রক্ষা করবেন ভাকে নরাই করবেন	৪০-ম'মিন	>	৮৭৮	শিক (ক্তনান্যমী কিবামতে দুশ্বপোষ্য শিককে ভূলে বাবে)	২২-হাজ	3	926
ব্যক্তি হবে অল্লাহর (বিশ্বামান্তের দিন)	৮২-ইনফিভার	7.9	2020	we.			
কল্ফু হবে আপ্তাহত (ক্লোমতের দেন) হিলামতের নিমন্তিপাল্ডের দর্নন হতে বহিতে হবে পাণিচরা	৮৩-মুহাক্ষিবীন	30	2020	শহ করু হত্যা (ধৃশত্র নরতু অপ্তাহর নামনে শহ করু হবে)	२०-छा-वा	Sobr	985
				and	Co. N. C		100
বিহারনিনকে মিখ্যা অভিহিতকারীদের জন্য দুর্ভোগ	৮০-মুহাক্কিদীন	30	2022			-	-
সেবা		L.,		অধিকারী (উচ্চ শুম্লের অধিকারী ছিল, ইবাম গোম)	৮৯-ফান্দ্র	9	205
মানুহের দেবার নিরোজিত করা (মর্থানার পর্যবেদর মাধ্যমে)	৪৩-বৃৎক্রফ	65	1/2/	আন্দান সৃষ্টি (ব্যস্ত ছাড়াই আল্লাহ আকাশ সৃষ্টি করেছেন)	৩১-পুৰমান	20	250
সৈন্য বাহিনী			. 1	সুধীৰ্য প্ৰঞ্জ কুন্তনা পৰিকৌন কৰাৰে (নিন্দুক)সম্পদ ৰামাকাৰীকে)	<b>508-क्</b> मोयां	b	200
বিশ্বস্তাইনের সৈলবালী পদায়ানা করে (বলী ইনরাইলের)	২০-ইঞ্চনুস	30	662	<b>31</b>			
বিশ্ববাহাটন ও তার সৈদ্যবহিনীকে পানব্যাণ নরলেন মন্ত্রাই	१५-पविद्याह	80	254	আৰুপকে অন্তাহ প্ৰৱে প্ৰৱে সৃষ্টি করেছেন (সাত আকাশ)	৭১-বৃহ	76	346
বারবার (বিরবার্যকের সৈদবার্তীর বারবারি ও কী ইসাইল,রসম)	১০-ইউনুস	30	662	এক স্তর হতে অন্য স্তবে আবোহণ করবে মানুয	<b>⊁8-देन्निवाक्</b>	79	207
দীয়ালক। (বিৰুমাইনের দৈনবাহিনির দীমালকা ও ক্ষী ইনর হৈ)	১০-ইউনুস	30	662	আহান্ত্রমের (মুনাফিকরা আহান্ত্রমের সর্থনিম্ন ভবে থাকবে)	8-निमा	384	292
CHIRI		-		মানুয় এক তর হতে অন্য তরে আরোহণ করবে	৮৪ ইন্শিকক	25	303
বেশুরে উপর চুপঞ্জ হয়ে দাঁওম বীল (রানুল স. এর লাগীসের দুউরে)	81/-14762	23	929	সনীন্ম কর (মুলাইকরা আহান্রামের সর্বনিম্ন করে থাকবে)	৪-মিসা	382	296
হেহার সোজা করার নির্দেশ (সঠিক দ্বীনের জন্য)	50-W	80	1/30	সাত থেকাশ (প্রয়ে প্ররে সাত আকাশ সৃষ্টি করেছেন অন্ত্রাহ)	৬৭-মূলক	0	393
হোৱাকে পোঞ্জা করার নির্দেশ (কিবলার নিকে)	৭-আ রাক	23	626	সৃষ্টি (গাত শুর বা আকশে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	২৩-মু'মিনুন	39	900
হোৱাকে স্থাপন করার নির্দেশ (নিন্দেশ জন্য)	4-40 AIA	40	698	থিমিত ক্রয়া	-	-	-
	১০-ইউনুস		558	আহ্মান যকাই মিনিত তাং (সন্তাহ কুল্ডা মাচন বৃদ্ধি করকে)	১৭-ইপ্রা	39	933
হীলের জন্য রাসূল স. এর চেব্রালকে সোলা করার নির্দেশ		206		স্থপ/স্থপীকত	10.14.	-	1.5
পথ চলা (দেলৰ যত্তৰ মলে যে দেই সচিক পথয়ান্ধ লাকি যে)	94-ইবুক	22	240	মন্দেরকে (অভিযনেরকে) স্থাপীকৃত করবেন আল্লাহ	৮-জানফাল	09	600
মুম্মিনদের প্রতি সোজা পথ অবলখন করার আহ্বান	৪১-ফুস্সিলাত	6	brbris		০-আলে ইমবান		
সোনা		L.		ক্র্ব-রৌগ্যের ক্রপ পোচনীর করা হরেছে মানুবের ক্রন্য	৩-আলে ইমবান	28	604
প্লাস (ম্বাস্ক্লাতে নোনার প্লানে পরিবেশন করা ববে)	8७-पृथक्क	93	900	ক্পতিক (ক্লীকৃত ক্পতিলৈ পেচনীয় করা হয়েছে মনুমের করা)	G-OUTH CARIN	78	600
থালা (স্বান্নতে দোদার থালার পরিবেশন করা হবে)	80-गृरक्ष	93	900	धी			_
সোৱাদ				অনুমারী স্ত্রী (আপ্রাহ নবিকে অনুমারী স্ত্রী নান করতে পারেন)	৬৬-তাহ্বীম	2	390
হুৰুফে মুকাল্পনাত (বিচ্ছিল কণ্)	৩৮-সেয়াদ	3	999	অধিকার (প্রানের ন্যায়দক্ষত অধিকার আছে)	২-বাকুলা	२२४	230
CHIN		Т		অনুগত স্ত্ৰী (অল্লাহ নদীকে অনুগত স্ত্ৰী দান করতে পারেন)	৬৬-ভার্বীম	¢	3%
নির্মাণের অভিমত (আসহতে কার্ডের আপ্রস্কুলে)	३५-वाइक	52	926	অনম আ, ও তার প্রতিক অন্ত্রাতে বসবাস করতে নলদেন অস্ত্রাছ	৭-আরাক	7.9	978
श्रीसर्व	20 1161	1	1112	प्रकृत था, का जी ७ प्रकृत था, इस साम्राटक वनवाइना निर्माण	২-বাকারা	00	200
জ্যোলার সৌন্দর্য (যা যালালের ক্ষর আ) কে হারাম করেছে কে?	৭-জারাফ	02	652	আদর আ, এর ব্রীর পঞ্চ ইবলিস (আল্লাহর ঘোষণা)	২০-জা-ছা	229	9.83
	১৬-সাহপ	04	900	আৰু লাহাবের স্থী আগুনে প্রবেশ করলে	১১১-লাহ্যৰ	8	200
গর্বনি পান্ধ মধ্যে সৌন্দর্য রক্তাছে (সকাল-সন্ধার আন তেরা প্রসাস)				অমিয়ের ব্রী কলে- একা সভ্যপ্রকাশ পেরেছে, অমিই কাক	32-8030	62	by:
গোপন সৌন্দর্য প্রকাশের জন্য সংখ্যারে পা ফেলা নিষেধ	३8-स्व	107	999	অধীৰে বীৰ সাথে কুকৰ্ম কৰকে ভাৰৱাৰ প্ৰতিফল	১২-ইউসুক	42	693
এহন (বনী আনম আ. কে লোক্ষয়োধনোর দির্চান, প্রভাক সালাভে)	৭-আগ্রাক	.07	625	অভিনে প্ৰাৰ সাথে কুকৰ কৰকে ভাৰতাৰ প্ৰাৰণ অভিনে প্ৰাৰণাক লৈখিক মিবলে প্ৰয়োলৰ লয় (নাৰীৰা কাল)	১২-ইউস্ফ	44	693
দুনিয়ার জীবনের সৌন্দর্য কামনায় সতর্ক থাকার নির্দেশ)	72-4(44	52	926		১২-ইউন্দ		
পুনিয়ার জীবনের (খন সম্পন ও সন্তান )	<b>79-বার্</b> ফ	86	459	অধীন খার ব্রীকে ইউসুদের কর আবদের করেই করতে কাল		52	891
দুনিয়ার জীবনের সৌন্দর্য/সম্পদ ফিরস্কাউনকে সেয়া হয়েছে	১০-ইউনুস	bb	995	আশব্ধ (খামীর পক থেকে ব্রীকে অংআ/উপেফার আশব্ধ)		752	44
দুনিয়ার জীবলের সৌন্দর্যকরণ নেয়া জেপাসাহটা পরীক্ষাকরণ	২০-জা-হা	202	985	ইখত (ব্যৱস্থানের স্ক্রাকনবিদ্যধানের বন্ধনার ব্যক্তিবর্তনী স্ত্রী)	৬৫-ভাগাত	8	999

STREET, STREET	नुसन्दर्भ	and t	10	नव अभागिरिश द्वार	<b>用数据</b> 电机器	-	201
वी (पूर्व पृक्ष (बारक)	- State of the last of the las			মুশ্রবিকানে প্রীচনা কর গরানি পানে প্রোটনা বাচা নিবিত !	৬-জান'জাম	200	609
ইকারীয় আ, এর স্ত্রী দাঁওলো ছিল (সরাসের সুসংবাদ প্রসঙ্গ)	22-इस	93	693	মুসলিমের ব্রীনং জন্মতে প্রবেশ (জন্মতে বিশ্বসী মুসলিমের)	80-पुरस्कार स	90	900
ইবরাহীম আ, এর স্থী ভিৎকার করতে করতে সামনে আসল	৫১-মরিয়াত	230	320	মুসলিনা রী (অক্সাহ নবিকে মুসলিনা রী দান করতে পালে)	৬৬-তাহরীয	2	390
ইবরাহীম আ, স্ত্রীর নিকট গেলেন	१३-मरिसाड	36	326	মেহরনা প্রদান (স্ত্রীকে কুলি মনে মেহরান প্রদানের নির্দেশ)	8-शिश	8	996
देशनक्वांकी ही (अक्रांद मेरीक देशनक्वांकी ही भग कहाका)	৬৬-য়াবরীয	9	240	মোহর (শ্রীদেবকে দেরা মোহর দিয়ে দেরা হালাল নর)	২-বাকুরা	223	226
ইমরানের স্ত্রীর মানত (প্রতিপালকের জন্য)	০-জালে উমধ্য		600	যাকবিয়ার স্থ্রী বছার (পুর হবে কিচাবে)	০-জালে ইমবান	80	480
'ইলা' (প্লীদের সাথে 'ইলা' করলে চার মাস প্রতীক্ষা)	২-বাকারা	226		যাকবিয়ার প্রী বছা (কি করে সন্তান হবে?)	১৯-মারইরাম	5	908
উক্তম ব্লী নিতে পাওল অক্সাহ দলীকে (বৰ্তমান ব্লীকের স্থলো)	৬৬-ভার্বীম	6	390	सर्वादेशाय ही बच्चा	১৯-মারইয়াম	8	908
क्षेत्रम जी मिरनन प्रक्षाद नवीरत वर्तमान जीवना हरण, वर्म	৩৬-ভাৰ্থীয	e	390	ব্ৰন্ধবিয়াৰ প্ৰতিক অন্তৰ্ভাৱ সভান ধাৰ্মনাৰ জন্য সন্তৰ্গাৰণ কলে	২১-আধিয়া	Bo	926
কৰ্মশীল কোন নামীৰ কান্ত বিনাট কৰেন না আপ্তাহ	৩-সালে ইমরান		000	ব্যরেদের স্ত্রীর সাহের সম্পর্ক বঞ্চার প্রাথতে নবীর পরামর্শ	০০-আহ্যাব	99	500
কুমারী স্ত্রী (জাল্লাহ নবীকে কুমারী স্ত্রী পান করতে পারেন)	७७-सब्बेय	0	240	থিয়ার (থিয়ারকতা ক্রীকে আক্রাহ মাতা বাদার্শন)	००-जाइराव	8	9000
প্রহণ (প্রতিশালক স্থা/লয়ান এইণ করেননি, জিন প্রসঞ্চ)	१२-विम	9		বিহার (ক্রির সারে বিহার করে পর মা থেক বিহার জাস)	৫৮-মুকানালা		
প্রথম (প্রার্থনালক স্কা/লয়ান এংশ করেনান, জন প্রথম) চকু শীক্রনারী ব্রী ও সরান হেরে প্রতিপাদ্যকর নিবট প্রচল			3946	নিহার (প্রীলের সামে বিহার করেপটি প্রীলা মা হলে বার না)		9	322
	২৫-কুরকান	9,8	959		৫৮-মুজাললা	3	322
ৰান্নাভীদের শ্বীরা সুশীতল হারার দিচে থাকবে (কিরামতে)	৩৬-ইয়াগীন	20	nee	টেন্সক্রাণ (রীনের সামে টেন্সক্রাণ হলাল, রেমার রার্ড)	২-বাকারা	25-9	652
ভান্নতে প্ৰবেশ (আবাতে বিশ্বাসী মুসলিমের স্ত্রীসম প্রবেশ)	৪০-যুৰক্ত	90	300	রাস্তে জনা বর্ণিত নরীর পরিবর্তে জন্য স্ত্রী হালাল নর	৩৩-আহ্যাব	65	200
বালক (স্ত্রীকে ভালাক সেক্স, মোহর নির্ধারণের পূর্বে)	२-राङ्ग्डा	200	654	রাখা (স্ত্রীদেরকে উন্নয়ভাবে রাখা, তালাক প্রসঙ্গ)	৬৫-ভালাক	2	14-69
অলাক (ব্ৰীকে ভালাক সেয়াকে অপন্তাপ সেই (স্পৰ্শ করা)	२-शक्ता	206	१२१	রাসুবাদেরকে জী ও সন্তান-সন্ততি নিরেছেন আল্লাহ	১৩-রা'দ	.03.	995
ভালক (স্ত্ৰীকে ভালাক পেয়া, তৃতীয় বাব)	২-বাকুরো	200	459	রেবে যাওয়া (ত্রী রেখে মৃত্যুবরণ করলে বসিরত)	২-বাকুারা	480	652
তালাক (প্রীনেরকে খালাক নিজে নির্দিষ্ট সমত্রে শৌধার পর)	২-বাকুৰো	502	659	পৃত জা. এৰ ব্ৰী (পিছনে থেকে যাবে)	>१-विकर	60	903
তালক প্রীনেমকে ভালক নিলে থকা ভারা নির্দিষ্ট সময়ে লৌছে	২-বাৰুৱো	२०२	450	ল্ডের জীর দৃষ্টান্ড (অল্লাহ কান্বিরদের জন্য দেন)	৬৬-অব্রীম	70	242
জলাক (ব্রীদের অলাক লেয়ার সময় ইন্দকের প্রতি লক্ষা রাজ)	6৫-রাজ্যক	1 3	200	শ্তের স্ত্রী পিছনে থেকে থাওয়ানের অন্তর্ভুক্ত হওয়া প্রসঙ্গ	২৯-আনকাবৃত	00	454
ভাষাকপ্রধা শ্রীদেরকে থিয়ে করতে বাধা না দেরা	२-सङ्ख	505	659	শ্ভের প্রীকে ফেরেশতা কর্তৃক উদ্ধার না করা প্রসঙ্গ	২৯-জানকানৃত	00	1179
দাসী ও প্রী বাজীত অন্যর লক্ষাপ্রভার হেমানত করে হার	৭০-মা'কাবিজ	00	39-5	मूज्य ही एक निर्माल नवीहरू पहुल गाँउ (एक देवार रहान	২৭-নামশ	63	₩08
নবীর ব্লীগণের বিশুণ শান্তি (অস্ত্রীলভার লিভ হলে)	৩০-আহ্বাৰ	90	3102	প্তের ছী পিছনে অবস্থানারী হিল (উহার করা হল না)	৭-আগ্রাড	bro	650
নবীর স্ত্রীদেরকে কোমল কর্ম্নে করা না কর্মার নির্দেশ (পর পুরুবারে)	০০-বাহ্যাৰ	02	600	পদক্ষের (ত্রীগণ শন্যক্ষের স্বরূপ)	২-বাকুবো	220	242
নবীর স্ত্রীর সামে গোপনে কথা বলা প্রসঙ্গ (নবী কর্তৃত)	৬৬-কংরীম	0	290	সংশোধন (থাকভিয়ার শ্রীকে আল্লাহ সম্বাদ ধাবনের জন্য	২১-আধিয়া		
নবীর শ্রীদেরকে চানর কুলিয়ে পর্না করার নির্দেশ	০৩-মাহ্ৰাৰ	63	b-Cb	সংশোধন করেন)	52-MIIA81	yo	966
নবীর শ্রীদের তালাক নেরার সময় ইমতের প্রতি লক্ষ্য রাখা	১৫-ভালকৈ	3	369	সম্ভন্ত (ব্ৰীয় সমূচী কামনা বাসুদাস, খুলালতে হাৰ্ডম কৰাংগল)	७७-कार्यीम	3	290
দবীধ স্ত্রীদের বিবাহ করা মুমিনদের জন্য খোরতর জপরাধ	০০-বাহ্যাব	60	hop	সমতা (শ্রীদের মধ্যে সমতা রক্ষা প্রবছ)	8-भिग	32%	290
भीत जीता मुनिवात धार्मान्तर प्रदित्त मुन्तवाद्दर प्रकि/स्थानक तथा	৩৩-আহবাৰ	২৮	505	সম্পদ (প্ৰীর রেখে যাওয়া সম্পদে স্বামীর অংশ প্রমঙ্গ)	৪-নিসা	25	200
মধীর যে সব স্থীকে মোহব/পরিপ্রমিক প্রদান করা হয়েছে	০০-সাহবাৰ	ĝ0	509	সহকণ/শর্প (স্ত্রী সহবাসের পর ভারাত্মর হার পথিরম জর্মন)	8-भिग	80	495
নবীর স্ত্রীগদ মমিননের মা	৩৩-সাহবাব	0	5000	হুলডিমিক (এক স্ত্ৰীর হলে জন্য স্ত্ৰী হুলডিমিক করা)	8-मित्रा	30	645
দৃহ আ, এর স্ত্রীর দৃষ্টান্ত (আল্লাহ কাকিবদের ঋন্য দেন)	%-वासीय	30	593	ল্প (স্তীতে ল্পৰ্শ করা বা মেহার নির্মারণের পূর্বে ভালাক)	২-থাকারা	200	653
পরিত্যাগ (শ্লীদেরকে পরিত্যাপ করে পুরুষের সংখে পুত				স্পৰ্ন (প্ৰী সহৰাস কৰে আৱাত্ময়- পদি না পেলে)	८-मविम	4	68.7
সম্প্রদায়ের যৌলকর্ম)	२७-व'यस	366	120	वर्षित यात्रा (बारा की वर्षित गिरा करियामा निकी एक राज्या)	৬০-মুমভাছিল	22	323
পশারন, স্ত্রী থেকে দামীর (তিয়ামতের দিন)	tro-Birlat	100	2009	বীর মা (পাতড়ি)			
পালকপুত্রের স্ত্রীকে বিয়ে করা মুমিনালের জন্য বৈদ হওয়া প্রদাস	৩৩-বাহ্যাব	99	900	অনুগত ও সক্তরিতা (সংকর্মশীল স্থীগণ)	8-5011	08	693
न्द्रवर बीदक वित्य करा श्रास्त्र	8-निमा	30	689	বিয়ে (ত্ৰীৰ মা/স্থাতহীকে বিয়ে কৰা হাৰত্ৰ)	8-PM	20	602
পুথক (প্রীয়েন্য থেকে পুথক থাকার নির্দেশ, মানিক চলাকারুল)	২-বাস্থারা	222	656	কৃশ্বহারদের বিষয়টি প্রতিত হেখে জানুকর সপ্তার করার উচ্নাল	g, প্রাপ্ত	222	655
প্রতিপাশক রী/সন্ধান গ্রহণ করেননি (জিনসের প্রসঙ্গ)	१२-क्रिन	0	29.0	इतिह	2141 814	333	944
প্রতীকা (ही প্রতীকা করে চার মাস দশ দিন, খারীর মাত্র হলে।	২-বাকুরা	208	659				_
चित्र (वी चित्र दान- व्यक्तार, तंत्रमा न, ७ विद्यम जानका)	9-2000 4-7/5/20	48	682	ভিন করের বিষয় ছণিত (অল্লাহর নির্দেশের জন্য, ততুকসুছ)	৯-তাওবা	309	652
যির মার্টন ও তার স্ত্রীর চন্দ্রশীতলকারী (শিক মুসা)	১৮-বসেম ১৮-বসেম	49		করসাধার নিমের জন্য ছবিত থাখা হয়েছে যেসং	৭৭-রুত্সালাত	પ્ર	224
ফিরআউনের প্রতির নুটাক দেন আল্লাহ (সিহাননারদের জন্য)	২৮-বংশাল ৬৬-ভাইরীম	-	pop	মূল্যাইকেনা বিবাহ হণিত হেখে জনুকন সংগ্ৰেছে জন্য লোক পঠালে	২৬-৩'আরা	ტ	990
বিচেন্দ্ৰ (জানুৱ মাধ্যমে বামী-প্ৰীত্ত বিচেন্দ্ৰ ঘটালো)		22	242	হুন/হুলতাগ			
বিচেম্ব (জাবুর মাধ্যমে বামা-ক্সার বিচেম্ব খনলো) বিনিমর (স্ত্রীর বিনিমরে মুক্তি কামনা করবে অপরাধীয়া)	২-বকুরো	205	625	অন্ধনার (ছলের অন্ধনারে ভারকার মাধ্যমে পথ পাওয়া)	৬-আন্'আম	99	800
বাদমত (প্রার বাদমতে মুক্ত কামনা করতে অপরাবারা) ব্যক্তিয়তের অভিযোগ (স্ত্রীকে ব্যক্তিয়ারে অভিযোগ দেয়)	৭০-মাঅবিক	25	99.7	অস্তব্যর (স্থাসের অন্ধব্যর থেকে আল্লাহ উদ্ধার করেন)	৬-আন্'আম	60	603
	२८-मृद	0	998	অন্ধনার (স্থালর অন্ধন্ধরে আল্লাহ পথ প্রদর্শন করেন)	২৭-নামপ	90	bro2
মেণ্ডনাম্ব্রী (স্ত্রীদেরকে মেণ্ডনাম্ব্রী দেরা, ভালাকের পর)	২-বাকুরো	500	654	আমানে (এক অমানে হলে(ছান কন অমান প্রতিকাপন,)	১৬-নাংল	202	477
জেপ্ডদামশ্রী দেক্সর ওসিয়ত (স্ত্রীদেনকে)	২-বাকারা	₹80	क्रम	উদ্ধান (সমুদ্র বেকে উদ্ধান করে স্থানে অভনর পর পরিক প্রসঞ্চ)	२७-जनसम्ब	96	P-57
ভ্ৰমণকাৰিণী (ৰাস্থ্যহ পথে ভ্ৰমণকাৰিণী স্ত্ৰী দলীকে দান)	৬৬-ভাহরীম	4	940	क्रिक्स (श्रृपुत कल त्वरूप क्रिक्स वटा हुना क्रुक्स शा (वटे प्रकृति हा)			
মা (স্ত্রীর মা/খাকড়ীকে বিয়ে করা হারাম)	8-নিসা	50	669		৩১-পুক্রান	95	259
মুমিনগণ শ্রীদের সাথে যৌনচারের জন্য কিরক্ষারযোগ্য নর	২৩-মুমিশুল	6	966	উদ্ধান করে হলে আন্দে আল্লাহ (সমুদ্রে দ্বার্থ-দুর্লবায়র মনুক্ষেত্র)	১৭-ইস্রা	69	479
মুমিনানে ব্রী কমিবানে নিজী তো গেলে মোহারে কর্ম)	৬০-মুমভাহিশা	22	>6.50	কানা (ছবে ও সমুদ্রে বা আছে আ আল্লাইট কানেন)	৬-আন্আম	69	907
দুমিনদের জীদের বিষরে অবশাই পালনীয় বিষয় প্রসঙ্গ	৩৩-আহ্বাব	¢0	109	পশ্রির লের (হুলরাণ বাদির লেরর ব্যাপন্তে বি হুপরিবর নিরাপন্ত)	১৭-ইস্রা	96	920
মুমিনদের জীদের মধ্যে কারো কারো জী তাদের পঞ	৬৪-জগারুন	78	361	পৰ পাওৱা (হুশ্যাসমূহের আহকার ভারকার মধ্যমে পথ পাওৱা)	৬-আন্'আম	24	900
মুমিনা স্ত্ৰী (আল্লাহ নবীকে মুমিনা স্ত্ৰী দান কৰতে পাৱেন)	৬৬-কাহ্বীম	0	290	দাসাদ (ছলে ও বযুদ্রে ফানান প্রকাশিত হয়েছে)	00-8T	83	256

			স্থল	इसी			স
नवार्थकार विवर्धनाम	त्वा वर च नाम	<b>1231 14</b>	नुका	বিষয়/প্রসঙ্গ	সুৱা নং ও নাম	ALES OF	প্ঠা
ছল/ছলতাগ (পূৰ্ব পৃষ্ঠা কেকে)	W-10100 10	-	-	ছিল থাকা (পাহাড় নিজ ছানে ছিল থাকা, অস্তাহকে দেবা প্ৰদাস)	৭-আ'রফ	780	652
বহন (জন্ম-সরান্ত্রে স্থলে ও সমূত্রে বহন করেছেন অস্থ্রাহ)	১৭-ইস্রা	90	930	<b>इ</b> ग्निइन्ड			
স্তমণ (আল্লাহই মানুহকে সমুদ্রে ও স্থলে ক্রমণ করান)	১০-ইউনুস	44	969	জ্বাধান-পূথিবীয় স্থানুদ্রতি রোগে অপ্তাহ চাচচার্যা ধরে রাচান	৩৫-ফাডির	83	760
শিকার (ইহরাম অবস্থার স্থানের শিকার রাখান)	g-মারিদা	3/5	625	অন্তল-পূথিবী স্থানচাত হলে অস্তাহ ছাত্ৰা তা কে ধরে রাখবেং	৩৫-ফাভির	83	500
হুলাভিষ্ঠিত	d-war-n	100	400	স্থান দেয়া			
	- metasse	38		ব্যকৃত সং এর কোন প্রতিক নিকটে প্রাণ দেরা রাসুল সং এর ইঞ্চারীন	৩৩-আহ্বাৰ	67	brob
আন সম্প্রনায়ের হ্লাডিবিক হামুদ সম্প্রনায়	৭-আ'রফ ৭-আ'রফ		659		COMME	4,	000
আন সম্প্রদারতে ছ্লাডিখিড (নূহ আ, সম্প্রদারের গরে)		69	479	<b>इ</b> ।न			
আদ এর ছলে অন্য সম্প্রনায়কে ছলাভিবিক করা	22-åd	44	693	পৌষ্য (কুরবানীর পণ্ড নির্নিষ্ট হুনে পৌছা পর্যন্ত)	২-বাকুারা	376	244
ইয়াননারদেরকে স্থাতিখিক করকেন আল্লাহ পৃথিনীতে	५8-मृष	66	950	হতির দোবন (দেবীর পক্সা ব্যাপন হলে তার মাধান হতিয়া)	১০১-কৃত্তি আ	>	7007
এক প্রার স্থলে অন্য প্রী স্থলাভিবিত কর	৪-নিশা	50	669	ছানাতর		_	
জাতি (অন্য লাক্সনারকে ছলাভিবিক করনেন অল্লাহ বার্ণাণ্য করলে)	৪৭-মুহ্যস্থাদ	45	274	গুলে-পূর্বশা ছাররাজে মালিক ন্যা তারা, ঘাসেরকে ইশাহ থকা)	১৭-ইল্রা	6.0	472
দুইজন হুলাভিবিক হবে মিখ্যা লাকীলের	৫-মায়িদা	209	690	স্থানান্তর কামনা করবে না জান্নাভীরা (জান্নাত পেকে)	<b>১৮-काक्स</b>	30%	900
ধংগোরার প্রজান্তর স্থলাভিষিত হরেছে (বর্তমান প্রকান)	১০-ইউনুস	28	956	ছাগত্য প্রসঙ্গ (দেখুন পরিশিষ্ট-৪)			
মূহ আ: এর দৌরদের সঙ্গীদের পূর্ববর্তীদের স্থপভিবিক্ত করা হয়	১০-ইউনুস	90	692	इाशम			
পৃথিনীতে ছম্মতিনিক হতেছে (বর্তমান প্রকার, পূর্ববর্তীনের)	১০-ইউনুস	28	956	অন্তর্জ (দুই সমুদ্রুর মধ্যে অক্সাহ অন্তর্জ স্থাপন করেছেন)	২৭-নামল	63	304
প্রতিপূলনা চাইলে কভিনে সবিয়া অন্যতে ছলভিনিক করতে পারেন	৬-আন্'আম	700	609	অপরিয়াতা স্থাপন (যারা অনুধাবন করে না তালের উপর)	১০-ইউনুস	Sop	666
বনী ইন্যাসলকে পৃথিবৈতে বিনামাউলো স্থলভিমিক কথাপ্ৰসঙ্গ	৭-আগ্রেফ	259	658	অপবিক্রতা স্থাপন (বাধা ঈমান আনেনা অনের উপর)	৬-আনু আম	220	holy
মিধ্য সামীনের স্থাতিবিক হবে গুইছল সাধী (ধসিয়ত প্রসাস)	्-शक्ति	309	490	আলো দ্বাপন করবেন আল্লাহ মু'মিনতের জন্য	৫৭-হাদীন	49	3423
মুমিলনের ছলাভিবিক করবেল আল্লাহ কল জাতিকে যদি	>-चाववा	60	688	কালে (খুমের পর্বা/ চানর স্থাপন অসহাবে কার্যক্ষের কালে)	79-915 <u>&amp;</u>	22	998
<b>भू</b> म		-		দরের ডিবি স্থাপন করে যে পড়ার উপক্রম পাহাড়ের প্রাচে	9-9J64I	209	962
অকল্যাণের স্থানে আস্তার কল্যাণ প্রতিস্থাপন করেন	৭-আ'রাক	24	643	ন্যায়ভিয়াতে হীগা-খনে চাপন করা হবে (তিয়ামতে)	३३-व्यक्तिया	89	920
অঞ্চলীয় (কন অকনীয় প্লন শিক্ষান বেলে শেশ নিনা অভিন ব)	৪৪-দুখান	26	900				
আরুর্থনীয় স্থান থেকে ভির'মাউন গোষ্টাকে বের করে দেয়া	५७-७'खादा	64	935	পর্বতমাধ্য স্থাপন করেছেন আল্লাহ (বনীনে)	৫০-কৃষ্ণ	9	255
ইউনুক্তি কোল স্থানে কেলে আনার পরামর্থ	১২-ইউপুঞ্	9	999	পর্বভয়ালা স্থাপন করেছেন আল্লাহ পৃথিবীতে	১৫-হিন্দর	7.9	699
	14-387F	97/	98/8	পৰ্যতমালা স্থাপন (আল্লাহ পৃথিবীতে পৰ্যত স্থাপন করেছেন)	২৭-নামল	49	pod
ইউপুরের অইরের হুলে এনের একজনকে তেও নিকে কলা অহিনের				পর্বত (পৃথিতিত পর্বত স্থাপন করা হরেছে দেন আআপোলত না হয়)	১৬-নাজ্য	76	908
ইয়াছভিবেশীনের বেচন স্থান না থাকা (খনবেন মুনাধিক প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাব	20	3/48	পৰ্বত পৃথিবীতে (বাতে আন্দোশিত না হব পৃথিবী)	৩)-বৃত্যান	30	254
উচ্চস্থানে উঠিরেছেন আল্লাহ ইদরিসকে	১৯-মারইয়াম	49	969/	পর্বভালে বীহারে স্থাপন করা হরেছে সেনিকে দৃষ্টিপাতের উপদেশ	৮৮-থাশিয়াহ	29	2050
বা'বা মধের স্থান নির্মারণ করা (ইবরাহীম আ. এর গণ্য)	55-8Jan	-26	960	পর্বতকে দৃঢ়বাবে স্থাপন করেছেন আল্লাহ (পৃথিবীতে)	৭৯-নথি আৰু	०३	3008
কুরবর্ণীর পাচকে করাস্থানে পৌছতে বাধাপ্রদান (কামিবানের)	৪৮-ফাড্য	55	970.	পৃথিবীতে পর্বত স্থাপন করা মন্ত্রেছে যেনাখা আম্পেলিত না হয	১৬-নার্প	76	805
দূরবারী স্থানে চলে পেল মারইয়াম (সম্ভান প্রসাবের জন্য)	১৯-মারইরাম	22	900	প্রাচীর স্থাপন করেন জন্মাহ (কফিবদের সামনে ও পিছনে)	৩৬-ইয়াসীন	b	2452
দূরবর্তী হান থেকে অদৃশ্য বিষয়ে বাকা নিকেপ	৩৪-সাবা	20	P86	ভিত্তি (খবের ভিত্তি স্থাপন করে যে, অকওবার উপর)	৯-কাওবা	309	942
পুন্ধারী হুল থেকে আচন বিষয়কে অধীকানকরিলেয়ক লখতে পাবে	২৫-ছুরকান	25	990	ইয়েন স্থাপন (বিশ্বমতে নামবিভাবের বীখন)খানদভ স্থাপন করা হবে)	২১-অধিয়া	89	900
দূরবারী স্থান থেকে ঈমানের নাগাল পাবে কি করে	৩৪-সাৰা	65	₽8¢	মীবান/পরিমাপ যন্ত্র (দয়াময় আল্লাহ মীবান/পরিমাণ যন্ত্র	৫৫-বাহমান	3	808
দুংবতী ছলে থেকে ভাকার দৃষ্টান্ত (কাফিবদের)	৪১-সুস্সিদ্যত	88	444	স্থাপন করেছেন)	64-416-1-1	1.	~~
দূরবর্তী স্থানে উড়িয়ে নেরা (শিরককারীর উপমা)	২২-হাজ	407	492	ফ্লোন ও দরা স্থাপন করেছেন অক্সাহ (পুরুষ ও স্লীচনর মথে)	00-EX	43	550
নিবটবাইছান থেকে অহলে কাবে আহানকারী (বিয়ানকে)	६०-वृद्ध	87	958	স্থাপনা		1	
নিকটকটী স্থান থেকে কাজিরদেরকে পাকড়াও করা হবে	৩৪-নাৰা	6.7	284	নিৰ্মাণ (আঙ্গের স্থাপনা নিৰ্মাণ, ইবরাধীম আ. এর জনা)	৩৭-সাক্কাড	39	2.93
নিরাপদ স্থানে (কুছে পানি, নির্নিষ্ট পরিমাণ পর্যন্ত)	৭৭-মূর্মালাত	57	999	ছাপিত			
নিরাপদ স্থানে থাকবে (মুজানীরা)	৪৪-পুশান	6.7	308	প্রামীর স্থালিত হবে মুনাফিকদের মাঝে (কিরামতে)	৫৭-হানীদ	20	383
নিদিষ্ট (প্ৰত্যেক ফেব্ৰেশভার জন্য স্থান নিৰ্নিষ্ট)	৩৭-সাঞ্জাত	298	5/6/2	বাঞ্জার স্থাপিক (মানব জাতির জন্য প্রথম ঘর)	৩-আলে ইমরান	36	484
নিরাপদ ছানে বীর্য ছাপন (মাতৃগর্তে মানুহ সৃষ্টি প্রস্ক)	२७-द्र"मिन्न	70	966	इर्तवयु		-	-
निर्वतम (इंक्डादिन प्रा. धरा बन्ड घर/या गरा ज्ञान निर्वतम रना)	২২-হক্ষ	46	960	যাপুবকে অপ্তাহ স্থানিত/জনমত দেননি	২১-আধিয়া	08	902
পত্নিবর্তন (কমিরচেরতে নিমা স্থায়নই পরিবর্তন করে দিতেন)	৩৬-ইরাসীন	69	944	থারাপ গছের (খারাপ নাগার উপনা প্রসঙ্গ)	28-देवबादीम	26	980
পূৰ্ব সিকের এক স্থান পৃথক হয়ে গেল মারইয়ান	১৯-মারব্রাম	35	900		201219101	40	984
প্রশাসিত স্থান (মাবানে মাহমুদ্রে রাসুল ন. কে অধিচিত কর)	১৭-ইস্রা	95	920	इस्री		-	_
বরকতময় স্থানে অবস্থিত তৃত্র পর্বতের উপত্যকা	২৮-কাদাদ	60	670	অ্বাধিরাত স্থারী (পুনিরার জীবদের তুলনার)	৮৭-আ'লা	34	2039
বিচ্যুত্ত (স্থান থেকে শব্দ বিচ্যুত করে বনী ইগরাইলরা)	৫-মায়িদা	30	62.5	অন্তলে ছান্নী হলে (জায়ানতে মিখ্যা অভিতিক্তমনী ও কাথিব)	২-বাকারা	409	202
মুশরিকদেরকে নিজ নিজ স্থানে অবস্থানের নির্দেশ (বাশরে)	১০-ইউনুস	27	629	স্বাহনে স্থানী হবে কাঞ্চিবরা	৩-আলে ইমরা-	276	489
प्रशुक्तकार (कांचे ब्यान में कांग झान ज प्रसुक्तन कराय)	৩১-পুকমান	108	9.59	আন্তলে স্বামী হলে কাফিবনা	২-বাবুধবা	209	250
শহতে স্থানচ্যত করে বিকৃত করা	৫-মারিলা	85	626	আন্তনে স্থায়ী হবে তালা, যালা আমাততে মিখ্যা অভিহিত	৭-আ'রাফ	00	626
শংশর স্থান থেকে বিকৃত করে ইর্নীদের বল্য	8-निगा	86	690	আগুনে স্থায়ী হবে ভারা যালের কর্ম বিফল হবে	२-शकुरबा	239	
পরীকনেরকে নিজ নিজ স্থালে অবস্থানের নির্চাশ (বাশবে)	১০-ইউনুস	34	629				
সংক্ৰীৰ্ণ স্থানে নিকেপ কৰা হবে (ভিয়াসত স্বৰীকারকারীতে)	২৫-জুরকান	30	99/10	অন্তর্গা হিন্দারী হলে (সম্ভাহ ও রসুল স. কে অননকরী কাইটার্ম)	१२-किन्	20	92.0
সমতল স্থান নির্বাবণ (ফিরমাউনের জানুর জনা)	২০-জা-হা	25	988	चारत हारी दश (निभागभाषी/ व्यक्तर-जन्म ग. व्य व्यन्तवरी)	৪-শিশা	78	662
সাধ্যয় (বছহানে সাহাব্য করেছেল আক্লাহ মুদিনদেরকে)	৯-জন্তব	3.0	684	অঞ্চল হারী হরে ধরা কুকলির সাক্ষ্য দের নিচেনের বিকমে	৯-জাঙৰা	24	687
সুপাইমানে স্থান থেকে ওটার পূর্বে সারার রাশীর সিরোসন সূত্রা কার	২৭-নামল	03	book	আঞ্চনে ছানী হবে (ধারা সুদের পুনরাবৃত্তি করে)	২-বাব্যবা	290	
Antenna district over Secures and product Sections	To come	1 00	1.00	আন্তনে স্থায়ী বৰে দুৰ্ভাগাৰা	27-ån	209	690

नव विश्वतंत्रम	नुबा नर क्रमाब	Witte of	981	अस् दिस्त/हरूम	স্থা ক ভাগৰ	Times a	198
वादी (पूर्व पुन्ना (पदक)	त्था नर कराव	Size's	361	বাছ ।৭২৫/৪৭ছ আহল্লামে ছারী হবে (শরতকের অনুসরিল)			
স্থায়া (পুৰ পুৰু থেকে) আহনে স্থায়ী হবে (পাপী ও অপরাধে পরিবেচিত ব্যক্তি)				আহলে স্থান হবে (শহকলের জনুসারারা) আহলের স্থানী হবে (অহকোরীরা)	৬-আন্'আম	252	600
আগুলে স্থানী হবে (শানা ও অপনাধি পানবোচত বাল্ডে) আগুলে স্থানী হবে (প্রতিপালককে অবিশ্বাসকারীরা)	২-বঞ্চুৱা	2.2	609	আহলে হারা হবে (মুমনকে ইন্ডাক্তভাবে হ্রাকারী)	১৬-নাতৃগ ৪-নিসা	5,5	900
আগুনে স্থায় হবে (ব্যক্তপালককে আবদ্ধানকরারা) আগুনে স্থায়ী হবে (বনু নাবীর ও মুনাঞ্চিতনা)	১৩-বা'দ	4	99/9/			90	499
	৫৯-হাপর	74	209	আহরামে হারী হবে (কাভির ও জলিমরা)	8-मित्रा	799	৫৭৮
व्यक्त हात्री श्रम (मन्पकर्मनीनवा)	১০-ইউনুস	ર૧	96.1	লাধর্মে স্থায়ী হবে (জন্য ইপাহরা)	२১-वाश्यि	66	929
অধনে হুন্মী হবে মুনাফিকরা	৫৮-মুজাদালা	74	968	লাহ্যানে ছবি হবে (আরতকে মিধা কচিংতকবি ককিং)	১৪ - জাপার্ন	20	204
আনাস (অধিৱাত স্থায়ী আনাস)	8o-मृ*मिन	40	942	জার্যন্নামে স্থায়ী হবে মুনাফিক ও কাঞ্চিবরা	৯-জভনা	96	889
অবাস (অল্লাংর শক্ষণের স্থারী অবাস আঙ্ন)	৪১-মুগ্লিলাত	રુષ્ટ	944	শাধারাদে স্থায়ী হবে, বাদের পারা হালকা হবে	২০-মূ'মিনূন	200	992
অবস (অল্লহ মান্নাথীনের হানী অবস দান করেছেন)	৩৫-ফাডির	100	P82	অন্নাত (মুখিনদের জন্য স্থারী জন্নাত প্রার্থনা)	8o-वृ*मिन	ь	৮৭৮
অল্লাহ উত্তম ও অধিক স্থায়ী	২০-ফুা-য়া	90	184	কাব্যবাহ্যর শান্তিতে অপরাধীরা চিরছারী হবে	৪০-যুধকক	38	303
আল্লাহর নিবট বা আছে যা ছায়ী ও উত্তম	89-101	95	998	ब्ह्यां (श्राती ब्ह्यांक উत्तम ना कि ५१९४)	২৫-ফুরকান	24	9tro
आष्ट्रावय व्याव या प्राप्त ठा-३ हाती	১৯-নাহল	3/5	477	बह्मार (श्री बह्मार अस्तरकावित्रस भ्रां,मुक्त ७ द्वरम	००-पारित	00	789
উত্তম ও স্থায়ী পৰ কিছু আল্লাহর দিকট রয়েছে	২৮-বংসাস	80	930	জান্নাত (ছারী জান্নাত -মুমিন সংকর্মশীলগণের পুরস্কার)	১৮-বায়্যিনাত্	b	2037
কাফিররা বি স্থায়ী/অমর হবে? (যখন রাস্পই অমর নন)	२১-आधिता	48	923	ৰান্নাত (ছান্নী ৰান্নাত, তাতে প্ৰবেশ কৰবে বারা)	১৩-রাদ	20	980
কাফিবন স্থানী হবে (পা'নতের মাঝে জাহানামে)	২-বাকুরো	362	674	জন্মতুল ফিবনাইলে চিবকাল থাতাবে (ইয়ানসারগণ)	7२-वार्क	209	900
কিয়ামতে স্থায়ী হবে পাঞ্চিত অবস্থাত, বারা,	২৫-ফুরবান	65	964	স্থপত আগুনে চিত্ৰস্থায়ী হবে কাভিবৰা	০০-আহ্যাব	60	509
স্কলতে (স্থাবী জলতে থাকৰে সমানদারগণ)	३७-मार्वशाम	63	906	দধার মাঝে স্থামী হবে, যাচের চেহারা উচ্ছল হবে	০-আলে ইমরান		485
জন্মতে স্থানীভাগে গ্ৰাহণ কৰতে বলা হবে মুন্তাকীদের	৩৯-বুমার	30	199	लग्रावक (इ.सी लग्रावक स्टाट्ट स्ट्रांस्ट)	৯-তাওব	33	684
স্কান্ত স্থায়ী হবে (মুমিন ও সংকর্মনীক্ষাণ)	৯৮-বায়িনাহ	¥	2059	নিকৃষ্ট (কডই না নিকৃষ্ট এই ছারী অবস্থানস্থপ)	৩৮-সেরাদ	60	004
ক্ষপ্ৰতে স্থায়ী হবে মুৱাকীরা	২৫-সুরকান	3/6	950	নবীগণ স্থায়ী (অমর) ছিল ন(মানবীর বৈশিষ্ট্য প্রসম্ব)	২১-অধিয়া	2	
জানতে হার্মা বনে বুজনসং জানতে হার্মা হবে মুমিলগণ	৩-আলে ইমরান		480	পরিক্রমণ স্থানাতে স্থায়ী হবে		·-	920
জন্মতে হারা হবে ক্রমণনা জন্মতে হারা হবে (জন্মহ-র-সূপ স. এর অনুগরাকরিশা)					২০-ড্লা-য	98	982
	৪-নিগা	20	262	পাপের বোঝা বছলে স্থায়ী হরে বিয়ানতে (কুরামান থেকে মুখ বিয়ালে)	২০-জু-ছা	707	989
জান্নতে হায়ী হবে সমানদার সংকর্মশীলগণ	२-राकृता	-542	608	প্রদান হারিমানে বল কর (মান সংক্রান্তম প্রদান নির্মাপ্রদান)	<i>56-0,এ</i> টো	259	9862
জান্নাতে হামী হবে (ঈমাননার নংকর্মশীলগণ)	২৯-জানকাৰ্ত	6.5	9.52	ফল ও ছায়াসমূহ স্থারী হবে (জন্পতে)	70-31,h	46	હક્ષર
জাল্লাতে ছারী হবে (সমানদার সংকর্মশীলগণ)	२-राकृता	४२	609	বাণী, শিক্ষক প্ৰসংখ (ইবৰাহীম আ. এর উভয়পুরীদের জন্য	80-पुरक्क	20	239
লান্নাতে স্থানী হবে লান্নাতের অধিবালীয়া	৭-আয়ক	82	979	हांत्री वापी)			_
बाह्रास्य क्षमी श्रद (याक्ठबा जननवनसनीता)	৩-আলে ইমন্তৰ		503	জাগ্যবানরা স্থামীসেবে জাল্লাতে থাকবে	77- <u>ई</u> स	202	9.45
জন্নতে হায়ী বনে তারা ধারা প্রতিপালককে তম করে	৩-জালে ইমরন	299.	666	মুমিন সংকর্মশীলগণ জান্তাতে চিরস্কারী হবে	৬৪-তাগাবুদ	9	1966
করেতে হারী থবেদ রাস্ল স. ও ইমানদারগণ	১-ভারবা	9.9	685	মুমিলণণ হারী হবে (জান্নাতুল ফিব্রনাউলে)	২০-মু"মিল্ন	22	966
ক্ষান্ত্ৰতে চিবছারী হবে মু'মিল নর-নারীরা	৫৭-হাদীন	25	787	মিনিক (প্রক্রিপালক প্রদার অধিমানের মিনিক উর্বন ও চিন্নপুরী)	२०-छ-ग	707	98%
ৰংশ্লাভে চিনন্থারী হবে (আন্নতে বিশ্বাদী মুসলিমণণ)	८०-पुर्वज्ञक	45	900	লানকের মধ্যে ছারী হবে তারাই হারা	৩-আলে ইমরান	3.0	288
জাল্লতে চিয়ছারী হবে (মুমিন ও সংকর্মশীল)	8-निमा	69	266	শান্তি (ছাতুকরদের উপর ক্বিরনাউদের স্থায়ী শান্তির চ্মকি)	২০-ফ্ল-হা	42	180
ধার্ম্মানের আবনে ছারী হবে (আহলেলিবারের কাবিব্যপুশরিক)	১৮-বার্যানাত্	8	2059	শান্তি (আমিরাতের শান্তি বংঠিনতম ও চিরছারী)	২০-ড়া-য	256	98%
ব্যৱহার চিনার্যারী হরে (আল্লাহর প্রতি ঈমাননার সংবর্মশীল)	৬৪-ফাশার্ন	ъ	366	শান্তি (কাশিমরা হারী শান্তির মধ্যে থাকবে)	৪২-প্রা	80	454
নান্নতে চিরস্থারী হবে (সংকর্মশীল মুমিনগণ)	৬৫-ডাম্মক	22	999	गर्डि (निसम्दान्य नामान्युक दूवन कामा नामिराम सूची गर्डि (तान)	৫২-সান্ধ্রা	78	5007
ন্ধান্ততে চিন্নশ্বদী হলে (মুমিন নর-নারীগণ)	৪৮-ফার্ড	2	979	শব্দি (হানী শব্দি বয়েছে আনের জন্য যারা কুকরি করেছে)	৫-মারিদা	তণ	6.54
থান্ত্ৰাত (পৰিতথ্যসৰ থন্ট ছান্ত্ৰী স্বান্ত্ৰ্যাত)	२०-छा-छ	9.5	980	শান্তি (হায়ী শান্তি বয়েছে, মুনাঞ্চিক ও কাভিবলের ঋন্য)	৯-জাওধা	96	689
ছান্রান্থনিক স্থানীভাবে জোন করবে (মন যা চার)	২১-অবিয়া	205	929	শতি (হামী শতি আগতিত হওৱাও জালুল স, এর লক্ষান্য হেলা)	৩৯-যুমার	80	b98
ন্ধান্তে (মুল্লবীর ছারী ভান্ততে প্রবেশ কথবে)	১৬-মহল	03	900	শান্তি (হাট্টা শান্তি দেয়া হবে জালিমদের অর্জনের জন্য)	১০-ইউনুস	63	605
কান্ত্ৰতে (সংকৰ্মশীসদেৱ জন্য)	১৮-ব্যক্ত	403	929	শান্তির মধ্যে স্থায়ী হবে (ধনী ইসরাইলের কাফিররা)	হ-মারিদা	yo	250
অভাতে স্থায়ীভাবে মুমিন নৱ-নারীরা	৯-জবেশ	93	689	শরি (বৃহ আ সম্প্রদারের উপর ছারী শরি আপঠিত হরে)	22-84	60	565
কান্ত্রতে স্থায়ী হবে (মুহাজির ও আনসার প্রগদ	৯-আন্তব্য	300	000	সংবাদ (ছায়ী সংবাদ পুরস্কার ও প্রতিদান হিপাবে উত্তম)	১৯-মারইরাম	90	305
জান্নতে স্থানী হবে (মুখিন ও সংকর্মশীলগণ)	8-निमा	344	635	সংবাৰ (প্ৰতিপাদকের বিৰট পুরস্কার হিসেবে উন্নয়)	72-415A	86	936
জন্নতে হানী হলে (মুফিলগা)	৫৮-মুজ্যদালা	11	308	Refe	22-11/45	9.0	140
জন্নতে স্থানী হবে (ধারা ভালকান্ধা করে)						-	-
মান্নতে ছার্রা হবে বারা	১০-ইউনুস	46	96.0	নুহ থা. এর নৌকার গঠি ও ছিঠি- আল্লাহর নামে	77- <b>E</b> el.	87	999
জান্নতে স্থান হবে বাবা জান্নতে স্থানী হবে (সহতর্মশীল মুমিনগণ)	२०-युन्द्रकरम	%	ጭባ	विहत			
ন্ধায়তে স্থায়া হবে (সংকরণাল সুমানগণ) নামতে স্থায়ী হবে (সংকর্মনীল্যান্ডিলসংকর রেভি কিন্তী মুমিন)	১৪-ইবরাহীস	২০	9945	অন্তৰ্শকে অক্সাই হিব লাগে যাতে পৃথিবীয় উপৰ ল'পড়ে	২২-যুদ্ধ	62	968
	22- <u>द</u> म	२०	669	আপ্রাটে অবাশতে হির রাখেন থাতে পৃথিবীয় উপর না পড়ে	২২-হান্দ	95	968
লন্নতে হারী হবে সভাবানীরা	৫-মায়িশ	222	474	অক্সাহ হিব না বাগলে বাসুল স. মূপরিকসের দিকে ক্রতে পড়তেন	১৭-ইস্বা	9,8	920
জন্নতে স্থানী হবে (সংকর্মশীল মুমিনগান)	৩১-বুকমান	>	৮২৭	ইবদনের ছিয়নের নিক থেকে রাজ্যে সমর্যই অধিকরে উপযোগী	१०-पूर्वाधन	6	266
জান্নাতে ছাত্ৰী হবে (সংকর্মপরারণ নাসারা মুমিনগণ)	৫-মারিদা	þr¢	697	চোৰ হিৰ হত্যাৰ দিন পৰ্যন্ত জাদিমদের অবকাশ	১৪-ইববাহীন	82	659
ৰুক্ষোনে অন্তনে নিজ্মী হনে (আগ্ৰহ ও বাসুল প. নে ওয়ান্তনভী)	१२-सिन्	₹0	29.3	বেৰ ছিন বলে যাৰে, বিধানত নিগটবাৰী ছাল্(কানিজের চোৰ)	२५-जारिया	29	966
নাংক্রাস ছবি ধরে অপ্রাহ ও বসুল স. এর বিরক্ষাক্রাবারীর	৯-জ্যওবা	90	686	হায়াকে হিন্ন বানাতে পানতেন আপ্লাহ ইক্সা কবলে	২৫-কুরকান	80	946
साराह्मात्र स्वित्रात प्रवस्थात क्या शतन कात प्रश्तकारीय	৪০-মুখিন	98	₩8	বিষয়াইল ছিব ইয়েছিলেন নিজ আকৃতিতে	৫৩-নাজম	9	300
बाह्यक्षाम श्रीतिकार प्रविद्यम (काव्यितमः)	০৯-বুমার	92	৮৭৭	নৌকা স্থানী পৰ্বতে ছিব হল (নৃহ আ. এর প্রাবন শেব হলে)	33-वृत	88	666
লাহান্ত্রমে স্থায়ী হবে যারা, মুরাকীরা তালের মত ন্য	৪৭-মুখ্যখন	30	250	পাহাড় নিজ হানে হিব থাকা (আল্লাহকে দেখা প্ৰদাস)	९-व्या'बाम	280	956

वर्षः विस्त्र/क्षत्रव	न्द्रों सर व नाम	Ca.	781	विश्वाप्तिक विश्वप्रकारिक विश्वप्रकार विषय विश्वप्रकार विश्वप्रकार विश्वप्रकार विश्वप्रकार विश्वप्रकार	সুৱা দং ৩ দাম	च्या र	न्हा
हित (পূर्व नृक्षेत (मारक)				দুঃখ নুদৰা স্পৰ্শ করলে প্রতিপালককে ভাকে মানুদ	CO-201	00	b-28
পথিকে পূচ্য ছির রখেন অল্লাহ (মুফিনর জন্য এটি নিদর্শন)	১৬-নাংশ	130	409	দুলা-দুৰ্দশা স্পূৰ্ণ করার পর মানুষকে নিরামত নিলে	33- <b>3</b> 9	20	666
পা ছিব হওয়ার পর পিছলানো (শপথকে প্রবঞ্চনা বানালে)	35-40PT	38	222	দুক্তপুৰ্বৰ শৰ্প কলেই ইউপুন্তম অইচৰ পৰিবত-পৰিকাৰে	১২-ইউসুফ	55	949
মূলের উপর স্থিব রেখেছে মুফিনর ইন্দশীনের ফেল কেনুর গছ	03-0198	e	300	দুৰে শ্ৰাৰ্থৰ পৰ মুশতিকাদবাক দয়া ও আদেব বন্ধয়	১০-ইউনুস	2,5	659
সমূলকৈ ছিব্ন থাকতে নিতে বসলেন আল্লাহ মুলাকে	৪৪-সুখান	48	300	मूत्रस-पूर्वना न्यर्न कहान प्रभूत व्यक्ताद्यक साकूनकार आक	১৬-নাহ্প	20	101
সম্প্রধারের করণীর ছির করা (নৃহ আ. সম্পর্কে)	১০-ইউলুস	93	665	নিয়া স্পৰ্শ করে না (আল্লাহকে)	২-বাকুবরা	986	600
ছিব হয়ে ৰসা	-	-		প্ররোচনা শ্পশিকরদে মুরাকী জাল্লাহতে শহরণ করে			
বাহনের উপর স্থির হয়ে বসার পর পড়ার পোয়া	৪৩-বৃধক্ত	30	999	(পরতানের প্ররোচনা)	৭-আ'রাফ	507	907
ছিৱাকৃত		-	104	বিভাগুপরীক্ষা শর্পা করনে ছিবর সাথে ইবসকারী মুখ বিরায়	44-87%	22	92%
বিষয় (প্ৰতিটি বিষয় হিবকৃত)	৫৪-বামার	0	300	বার্থকা স্পর্ণ করেছে ইংরাহীম আ, কে (সভান গাত প্রসঙ্গ)	১৫-হিন্দর	28	900
প্রেছপরায়ণ	Consists	-	300	বিপদ স্পূৰ্ণ করলে মানুহ আল্লাহকে ভাবে	০৯-বুমার	8%	29.4
আল্লাহ ক্লেহপরাজ্য		-		মন হর জ্বিতে স্পর্ন করনে হতুদকে পরি পাকডাও করনে	২৬-ভ'জারা	100	9390
প্রতিপালক পরম স্লেহপরারন	৮৫-বৃদ্ধন	78	2026	মানুহাকে দুৰ্যে-দূৰণা স্পৰ্গ কয়লে লে আল্লাহাক ভাকে	১০-ইউনুস	32	422
	<b>33-क्</b> न	90	918	মানুহ স্পর্ণ করেনি -এমন আনত নানো হুর থাকরে জালুতে	৫৫-বাহমান	фъ	885
রেহণীল		$\vdash$	$\vdash$	যানুহ শূৰ্ণ কৰেনি -এমন জানত নয়না হত থাকৰে জন্মতে	৫৫-রাহ্মান	98	584
অন্তাহ রেহশীল (বাদার প্রচি)	হণ-যদীদ	9	38t	নাবইয়ানকে স্পৰ্ন বহেনি কোন পুৰুষ (পুত্ৰ হবে বিকাৰে)	১৯-মারইরাম	30	900
অস্ত্রাহ স্লেহপীল (মানুহের প্রতি)	২-বাকুরো	380	67.0	মারইরামকে স্পর্ণ করেনি কোন পুরুত্ব	০-আলে ইমরান	89	280
আপ্লাহ অভ্যন্ত হ্লেহশীল (বালাদের নৃতি)	২-বাবুরো	209	450	ব্যাসুল স, তে অনিষ্ট স্পূৰ্ণ করত না (তিনি অনুশা ভানপে)	৭-আ'রার্ড	366	650
আল্লাহ বজান্ত হোহশীল ও পরম নরালু	५८-मृत	₹0	992	পরতান স্পর্ন করেছে অহিটবকে (এই ও শক্তি ধারা)	०४-(भाराम	83	P/GP
পাল্লাহ অভ্যক্ত ল্লেহশীল, বান্দাদের ব্যাপারে	০-আলে ইমরান	00	609	শক্তমানের স্পর্যে পাগন হওয়া ব্যক্তির মত সাদ্ধারে সুসর্থার	২-বাৰুংৱা	390	600
অপ্তাহ কভান্ত হেংশীল	৯-ভারবা	223	965	माति न्यर्ग करक पुनिएस्टर, देवरका चीनाव राज्या, ची	५8-नव	38	110
প্রতিপাশক পরম স্লেহশীল ও অশেষ নরালু	১৬-নাব্দ	89	906	न्यति न्यर्ने कदात जास्त्रारू कार्य कुम्बर्स रुवास (२४ मा. १९२४)	১১-ছুদ	87	890
প্রতিপালক হ্রেহলীল	62-648	70	36.9	পান্তি স্পর্ণ করার হুমবি রাস্থ্যসরকো (কঞ্চিরসের)	৩৬-ইয়াসীন	20	P42
শ্বাসূল স, হেহশীল (মুমিনাসের প্রকি)	<b>৯</b> -হাভবা	752	950	भक्तिः पुरस्कः (प्रीतन्त्रप्रस्थ भक्तिः पुरस्कः न्यर्गं क्यं, स्वनिद्रास्तः.)	२३-व्यक्तिया	86	900
- न्यूर्ग				সাকারের স্পর্ন অস্মানন করানো হবে (অপরাধীনেরকে)	৫৪-কামার	80	3103
অকল্যাণ স্পৰ্শ কৰলে মানুৰ বিচলিত হয়	৭০-মাঝারিক	52	39-5	ন্ত্ৰীকে স্পৰ্শ করার আগেই বিহারের বাফফারা দিকে হবে	৫৮-মুন্ধানালা	٠	343
অকল্যাণ স্পৰ্গ কয়লে মানুব বিচলিত হয়ে গড়ে	৭০-মা আরিন	30	29-5	স্ত্রীতে স্পর্ন করার স্মানে দুই মাস একথারে রোজ (বিহার প্রদাস)	৫৮-মুন্ধানালা	8	205
অমঙ্গল স্পর্ণ করবে না মুরাকীদের (সাকল্যের কারলে)	০৯-বুমার	43	2.40	ত্ৰীকে স্পৰ্ণ কহাত পূৰ্বে ভালাক দিলে (অৰ্থক মোহৰ)	২-বাকুবো	209	233
অইবুথকে দুৱৰ-দূৰ্ণণা স্পৰ্ণ কৰা ওপ্ৰতিশালকেৰ কাছে লোৱা	২১-অখিরা	940	988	স্ত্রীকে স্পর্শুসম্বাচন পর ভারতুর হার পরিচার ক্ষমিন প্রসঙ্গ	8-मिना	80	665
আঙন স্পর্ণ করবে (ঋলিমনের প্রতি বুঁকে পড়লে)	३५-इ्न	770	696	শ্রীকে স্পর্শের পূর্বে ভাগাক নিলে ইন্নত নেই	৩৩-আহবাৰ	8>	201
অন্তন শর্প করবে না করেক দিন ছাড়া (কিয়াব প্রাক্তরা বংগ)	৩-আলে ইমরান	48	@ob	স্ত্ৰীতে ভালত চলাতে অপৱধ দেই (শৰ্পা কৰা বা মেহৰ)	২-বাকুৰো	200	653
অন্তন স্পূৰ্ণ করবে না করেকটি দিন ছাড়া (ইছদীলের দাবী)	২-বাকুারা	300	අතම	হাত দ্বরা শর্প করলেও কথিব কিতাবলৈ সুশারী 'চাপু' বলে	৬-জান জাম	9	699
অন্তন শূৰ্প না কৰলেও আলো দানের উপক্রম হয়	२८-मृत	-02	999	न्नार्थ (ब्रान्तुन्छ)	0 41) 411		que
অল্লাহকে তন্ত্ৰা ও দিল্লা স্পৰ্শ কৰে না	২-বাকুরো	200	600		২০-ছা-ছা	39	989
অপ্তাহ কাউকে কট নিয়ে স্পর্শ করলে দূরকারী কেউ নেই	১০-ইউনুস	505	998	न्तर्भ करा	Co. Pr. C	9.	
ইন্ধীকে মধ্য ছাৱা স্পূৰ্ণ না করতে নিৰ্দেশ (ছামুদ ক্ষভিকে)	22- <u>5</u> 4	68	693	অধ্যান স্পৰ্ন করবে না (ধান্তাধীলেয়কে)	Se-feer	87	
বল্যাণ স্পৰ্ণ কৰলে বিধার সাথে ইবালাভবংবী প্ৰশান্ত হয়	55-5106	22	925	व्यवस् (कर्ष महाप्रव कर्ष किस्तुस व्यवस् नर्भ कर्ष (स्व	१२-सिन्	9	100
বল্যান হারা স্পর্ণ প্রসঙ্গ (অল্লাহ ও দবী প্রসঙ্গ)	৬-অস্'কাম	28	698	দৃষ্ণা, ক্লান্তি ও দুখা শর্পা করে মুদ্দিনান্দ্রকে (সান্ত্রাহর পথে)	৯-জাওবা	250	900
বল্যাদ মুমিননেয়কে স্পর্ণ করলে তা বাফিয়নেরক বউ দের	০-আলে ইমরান	250	<b>@89</b>	हार-वड न क्रायास नाम कराय (मही दक्षित कराम दक्षा)	৭-আবাক	340	657
কট ও ক্লান্তি স্পর্শ করবে না (ক্লান্নাচেড)	০ং-কাভির	90	P82	পূৰ্বভীলেৱক স্পৰ্ন কৰেছিল অভাব-জনটন ৩	২-বাকুৰো	238	048
কটের (মাল্লাহ কটেকে কট নিরে স্পর্ন করলে দূর করার কেট নেই)	১০-ইউনুস	209	566	रम धरा नार्न करा निरुप्त (जाहारत वेंडी श्रमक)	৭-আ'লফ	90	679
কুরজান স্পর্শ করে লা কেউ (পবিত্ররা ব্যতীত)	৫৬-৩রার্করাত্	13	381	পঞ্জি শূপ করতে পত্তর পিততে (ইবচাইছ জ, এর আশ্বর্যা)	29-MESSIN	82	909
ব্লাপ্তি স্পৰ্ণ বয়েনি অপ্লাহকে (সৰ্ববিদ্ধু সৃষ্টি কলতে)	\$0- <u>\$14</u>	O)r	328	मांड न्नर्ग करार येने व कर (शहर मिर्ड म शहर, 'कहार)	৫-মারিদা	90	epp.
ক্ষতি <del>"পূৰ্ব</del> কৰলে মানুব হুৱাপ হয়	১ <i>৭-ই</i> প্রা	9.0	357	नवि प्पर्न करत (गंगासंख्य करत)	৬-আন্'আম	83	600
ক্ষতি হারা স্পর্ণ প্রসঙ্গ (আল্লাহ ও নবী প্রসঙ্গ)	৬-আৰ্'বাম	74	6.00	শারি (মুনিয়ারতে শারি স্পর্ণ করত, মুক্তিসমগ্রহণ করত)	৮-আন্তাদ	GY	600
কবি স্পর্ণ বরেনি মুক্তিশেরকে (উচ্চা সুছে গরবর্ত্তী ব্যৱক্রাণ)	০-জালে ইমরান		265	প্রজন্মের কর্মন (ক্রান্ত প্রকল্প করে উক্লান্ত (পর্যন্ত প্রকল্প)	१-महिम	6	69.7
জবম স্পর্ণ করে যদি মুমিনদেরকে (উহুনযুদ্ধ রানত)	০-আলে ইমরন		482	ands	4-400	3	453
হুখন শূৰ্প করেছে কফির সম্মানারকেও (বনর বুছে)	০-আলে ইময়ন		487	অঞ্জনৰ ( মুনার লাঠি সুস্পষ্ট অঞ্জনতে পরিলঠ হওয়া প্রসঙ্গ)	৭-আ'রাক	309	622
জিন স্পর্ণ করেনি -এমন আনত নরনা হর থাকবে জারাতে	৫৫-রাহ্মান	98	384	क्टेनव (नीर होत न्या क्टोनवर मित्र शुन क्रिय नहीं)	৩৩-জাহ্বাব	301	904
জিন পর্ণ করেনি -এমন আনত নয়না হর থাকবে ছাল্লাকে	৫৫-রাধ্যান	66	787	অনুনার (পার প্রত্নীবারর বিভ নাই(জী প্রবছ)	8-मिशा	29	
তল্ল স্পর্ণ করে না (স্বাল্লাহকে)	২-বাবুংরা	122	200	অপ্রকার (শার অপ্রকারর লিক নার্যার বনস) অপ্রকার (শার অপ্রকারর লিক না হলে রাঁকে থের করা থবে না)	৪-শব। ৬৫-ডাল্ড	29	969
গুলা-কুলা (সমুদ্র ধান দুলা-কুলা মানুষকে শর্পা করে)	১৭-ইস্বা	61	47.9				
দুঃব-দুৰ্বনা স্পৰ্শ করলে মানুৰ দীৰ্থ প্ৰাৰ্থনায় বত বয়	৪১-যুস্সিল্যত	62	3,90	আরাভ (রাসূল স. এর প্রতি সুস্পট আরাত অবতীর্ণ)	২-বাকুরো	99	622
দুঃখ-দুর্বদা শপর্শ করলে মানুষ হতাশ হরে পঞ্	৪১-ফুস্সিলাত	83	papo	অরাত (দুস্পর্ট নির্মান নিয়েছন অল্লাহ কর্নী ইরাইলতে)	২-বাকুারা ০ শিলা	522	650
দুঃধ-দুৰ্বদা স্পৰ্শ করলে মানুহ প্রতিদালককে ভাকে	৫৯-মুমার	br	3-45	আলে (প্রতিশাসক মানুদের প্রতি শশার আলো জবতীর্থ বড়েন)	8-निमा	298	649
নুংধ-দুৰ্নশা আইফুবকে শৰ্পা করা ও প্রতিশাশকের কাছে দোৱা	২১-অধিয়া	310	100	উথারেরের কাছে সুশ্রন্ট হওয়া (পুনর্জীবন দান প্রসঙ্গ)	২-বাকুরে	469	6.07
দুঃখ-দুদৰ্শা মানুষকে স্পৰ্গ করলে সে আপ্লাহকে ভাকে	১০-ইউনুস	25	996	কিভাবে গণনা করে রেখেছেন আল্লাহ (প্রজ্যেক মিনিন)	৩৬-ইয়াগীন	25	P-67

नम	সুৱা বং ও নাম	400.4	्रक	नेस । रिस्त/देशक	नुसन्द छनार	105.5	181
স্পৃষ্ট (পূৰ্ব পূচা বেকে)		-	-	স্পষ্ট প্ৰমাণ		1000	
কমতা (অক্রমণকারীদের বিরুদ্ধে স্পন্নী কমতা, ধর/হত্তা প্রদেশ)	8-निम	20	eu-	আসা (শ্পষ্ট প্রমাণ আসার পর যারা কুম্বরী করে,,,)	০-জালে ইম্বান	brit.	288
ক্ষতি (শরতানকে মডিভাবক গ্রহণকারীর সুন্পর ক্ষতি)	8-Sert	229	645	অস (শ্বী প্রমণ অসর পর মতপার্কর ও বিচচ ব্যৱহে যার)	৩-জালে উমবান	200	086
জানু (কাফিন্নর পুনকথানকে সুস্পষ্ট জানু বলে)	27-Ini	9	666	আসা (শেষ্ট প্রমাণ আসার পর বিষেষ্ট্রকণ্ড হরপার্বকা)	২-বাজারা	530	448
মালিম (ইবরাহীর আ, ও ইণহাক আ, এর কভিশর বংশনর)	৩৭-সাক্কাভ	220	500	আসা (শ্বিষ্ট প্রমান এলেছে, প্রতিশাধারের পক থেকে)	৭-আবাক	90	632
নিগম্ভ (প্রাস্থা স. জিবরাইলকে স্পষ্ট নিগম্ভে (নথেছেন)	৮১-ডাকটার	300	2009	জন প্ৰেমণ ৰ জন পৰি জন্মল কিন্তুৰ পূৰ্বক হতে প্ৰৱত নয়)	৯৮-বার্গ্রিনাহ	3	2059
নির্দেশ (আপ্রার্থ নির্দেশ শেষ্ট হল, সত্য আসলে)	9-2041 9-204	81	682	ইটসুক জা, স্পট্ট প্রয়াগনর এসেছিলেন	80-वंशिय	08	Mac
जिल्ली (सामीरन्द राष्ट्र कृतवान गांव निर्मान)	২৯-আনতাবত	85	940	ইলা আ আগমন ক্রেডিলন (প্রমাণ ও শাই প্রমাণসহ)	80-युश्क्रक	60	900
দিলপুন (মুলাকে নয়টি স্পষ্ট নিলপুন নিবেছেল আল্লাহ)	১৭-ইল্রা	707	920	ভিত্তবের স্পন্ধ প্রমাণের উপর বি জাদিমরা নির্ভর করেঃ	৩৫-ফাভির	80	#83
দির্দান (ব্যাকে নয়ত শার নানান নরেকে বাস্থাব) দির্দান (প্রকাশকশন/উনুন্বার্থাক্ত লাই নির্দানয়ল প্রেল)	১৭-২শুমা ৭-জারাক	200	948	কুলমান স্পন্ন প্রমানের রুপর (ব ব্যালমের (নতর তারে) কুলমান স্পন্ন প্রমান (মানুষের জন্য)	२-वाकृत्वा	29.6	290
নিল'ন (প্রতিপ্রাক নিপ্রতিপ্রতিপ্রতি পর নিশানর প্রতিপ্রতি নিল'ন (পারী নির্দানকৌ মকায়ে ইকাইম, বঙ্কার স্থাপিত ঘরে)	৩-জলে ইমরান		686	कृतिक शकरव न्या (सायुर्व्य कर्या) कीरिक शकरव न्या द्वाराच्य विविद्यक्ष	হ-বাজায়। ৮-আনফাস	85	900
পদ্ধারত (অন্তরর দ্বারণ নিমুখ বৃত্তি শারী শব্দেরতার আছে)	৩-লাদে হ্ৰৱদ ৩৯-চুমার	44	585	सर्भ वृद्ध न्याद्र द्वाराच्य विविद्ध (श्वरूप्य क्षण्य)	৮-জানকার চ-জানকার	84	900
পথান্তর (আন্তর্গত স্থলা দিবুর বাজে শারু সংগ্রনার আছে) পথান্তর (ইবারাধীয় আ. এর সম্প্রদারের বাপ-নালারা	CR-Seld	44	976	নিরে আনা (শারী প্রমাণ নিরে আন্তর্গন রান্ত্র স.)	9-0H4H	6	200
मुल्येहें (दर्शस्त्र था: यह गान्यगातक पान्यगातक मुल्येहें गवक्केकाक)	২১-আধিয়া	28	920				
বুশার গবরজনার) পথমন্টরা (আয়র ও তার সম্প্রদার শ্পরী পথমন্টরার)				নিয়ে অসলে অনুলগৰ কবিৰত্ৰ মুগে হাত প্ৰহেপ বলত	১৪-ইবরাহীম	>	998
	৬-আন্'আম	98	900	পূর্ববাটী রাস্কাল স্পন্ন প্রমানসহ এসেইলেন	৪০-মূমিন	44	8.89
পথন্রট (স্পর্ট পথন্ডট ছিল বুমিনরা, ইত্তোপূর্বে)	৩-জালে ইমরন		662	প্রতিশালকের শারী প্রমান/বুলারার এর উপর হরেছে যে যদি	77- <u>ई</u> स	39	৬৬৭
পথমটকা (জালিমরা সুস্পট পথমটকার রয়েছে)	৩১-ট্রমান	22	৮২৭	প্রতিপাদকের স্পষ্ট প্রমাণের উপর স্বাস্ন্স স, প্রতিষ্ঠিত	৬-অন্জাম	61	907
পথ১৪ (মাদ্রাহ ও রাসুল স. এর অমান্যক্ষরী সুস্পট পথনট)	৩৩-আহ্বাব	86	904	जिनागरम गुन्नी असम्ब देन्द्र मनिश्च, दनि जीवीव धार्मन	27-\$ei	90	947
পাপ (নির্মায়ক স্বাপান স্মান্ত্রপকারী স্পানী পালের বেকা অন্য করেছ)	8-मिना	225	642	প্রতিশালক প্রেরিড শ্পেই প্রমাণ (নৃহ আ, এর প্রদাস )	77-ईa	5.6	606
ণাপ (আস্ত্রাহ সম্পর্কে মিখ্যা রচনা স্পন্ট পাপ)	৪-দিশা	20	660	ম্সাকে সুস্পট প্রমাপ দান করা হয়	8-निम्	750	୯୧୫
পৌছে দেওয়া (স্পষ্টভাবে পৌছে দেয়াই রান্সদের নারিত্ব)	৩৬-ইয়াসীন	39	৮৫২	রসূদ স. কি শ্লাই প্রমণ নিয়ে অসেনির (গ্রহরীকের হয়ে)	৪০-ৰুমিন	60	P.P.5
প্রমাণ উপস্থিত না করা (বাভিল ইলাহদের পক্ষে)	५५-वाइक	24	196	বাসুল স. স্পন্ন প্রমাধসহ এসেছিল, ইহুলীদের নিকট	৩-আলে ইমর্ম		460
প্রমাণ (স্পষ্ট প্রমাণসহ মূস্যকে ফির'আউনের নিকট প্রেরণ)	৫১-বারিরাড	op.	254	রাস্থানা শারী প্রমান নিয়ে এসেছেন (সম্প্রদায়ের নিকট)	৩০-রম	89	1.55
প্রমণ (নিজের বিরুদ্ধে শার্ট প্রমণ, ববিরকে ব্যুগ্রহণ প্রদেশ)	8-निमा	788	494	রাসুদশণ শাই প্রমানাদিসহ এসেছিল (মানুষের নিবট)	৫-মারিদা	05	27/8
প্রমাণ (মৃসাকে সুস্পর্ট প্রমাণ দান করা হর)	8-निमा	260	696	রাস্বদশ স্বার্ট প্রমাণসহ একেছিলেন (পূর্ববর্তীলের নিকট)	৯-ভাগৰা	90	689
প্রমাণ (মৃসাকে স্পষ্ট প্রমাণসহ প্রেরণ)	৪০-মৃথিন	50	৮৭৯	রস্পাদ শার প্রমাদদিশহ এসেছিদেন	৪০-মুমিন	310	PPQ
প্ৰমন্ত (ৰাসূল স. এর দাবিত্ব কেবল সম্ভাবন ৰূপী পৌছে লো)	৬৪-তাগাবুন	25	766	রস্কণন স্পট্ট প্রমাণনহ অসাদেও কফিবরা অধীকার করত	৬৪-আগরুন	ь	366
বিতর্ক চাঞ্চ নিতর্ক না করা (আসহাবে কাহাজের ব্যাপারে)	79-stáis	55	928	রানূলগণ স্পট্ট প্রমাণসং এসেছিলেন (রানূল স. এর পূর্বে)	৩-আলে ইমরান	3946	228
জুল পথ থেকে সঠিক পথ স্পষ্ট হরেছে	২-বাকুরো	225	600	রাসূল স. প্রেরণ করেছেন আল্লাহ (স্পষ্ট প্রমানাদিসহ)	৫৭-হাদীদ	30	260
হাইবার রয়েছে মুমিনগণ (ব্যয় প্রসক্তে কাহিবাদের নানি)	৩৬-ইয়াসীন	89.	P48	হুদ কেন স্পষ্ট প্রথপ নিয়ে আসেনি (আন সম্প্রদায়ের অভিযোগ)	১১-ছুদ	¢0	990
মাধ্যের পদৃধে (অস্তাহর পরিবর্তে জন্ম ইলাহ,গ্রহণ করলে)	০৮-ইয়াসীন	₹8	140	न्त्रहे वर्गना			
মততেনের বিষয় স্পষ্ট করনেন আল্লাহ (কিরামতে)	५५-मञ्	255	930	আপ্তার স্পর্টভাবে বর্ণনা করতে চান (বিয়ে প্রসঞ্চ)	8-901	26	690
মানুষের জন্য স্পট্ট করতে কুরআন ও ওহী অবতীর্ণ করা হয়	১৬-মহল	88	906	ডিতাৰ স্পীতাৰ কৰিব কৰাৰ অধীকাৰ গ্ৰহণ (আছাল ডিভাৰচৰ)	৩-আলে ইমরান	33.9	028
রেখা (সানা রেখা স্পট হওয়া পর্যন্ত পানাহার, রোবা প্রসঙ্গ)	২-বাকুরা	35-9	447	মানবলভির জন্য স্পন্ন কর্বনা (কুরস্তাম)	৩-জালে ইমরান	Yes	485
শক্র( বনী আনম আ. এর সুস্পট শক্র ,শরভান)	৩৬-ইয়াদীল	60	344	শ্টভাবে কথা বলা		_	
শক্ত (কাহিদ্যবা মুমিনদের স্পষ্ট শক্ত)	8-निमा	202	290	মূপ জ, কাই স্পী কর্ব করে পরেন (বির'জ উন্নে মন্তব্য)	80-युरंक्ष्य	43	529
সঠিকপথ শক্ষী হওয়ের পর রুলুল স্, এর বিসম্ভাবনা করার শক্তি	8-निमा	225	643	व्यक्तियाँ			7110
সঠিক পথ শেষ্ট হওয়ার পরও কবিদরর রাগুল স, এর বিরোধিতা করে	৪৭-মুহামাদ	વર	356	মূন্য চাই হারদ স্পষ্টভাষী	২৮-কালাস	08	p-22
সভ্য সুস্পষ্ট হওয়ার পরও আহলে কিভাব কমেনা করে যে	২-বাৰুৱো	20b	625	লাই (সুলাই)	Co-to-lini	-	***
সত্য শ্পষ্ট হওয়ার জন্য নিবর্শন দেখাবেন আল্লাহ,	8১-যুগলিলাভ	60	100		-	_	<u> </u>
সক্তর্বতারী (রাপুল স. তে কেবল একজন স্পন্ন সক্তর্বতারী মাত্র)	৪৬-আহ্বাক	>	200	সূবা (যুক্তর উল্লেখন শাই সূবা জনতীর্ণ হলে ফুর্যবিদরের	৪৭-মুহামান	20	850
সতৰ্কজনী (বাসুল স. কেবল একজন সুস্পষ্ট সতৰ্কজনী)	২৯-আনকাবৃত	do	190	पुराका) व्यक्ति वक्ता	_	_	_
সতর্বনারী (রাসুল স, স্পষ্ট সতর্বনারী মার)	৩৮-সেয়দ	90	490				
সভাবনার (সাংসোরের জন্য নৃহ আ, সুস্পর সভাবনারী ছিলেন)	93- <del>7</del> 7	2	hbr8	জপরাধানের পথ "পই করার ছন্য আয়াত বর্ণনা করা	৬-আন্'আম	66	907
সতৰ্ককাৰী (মুখ্যখন সা. মানুহের ক্ষম কেবল স্পষ্ট সতৰ্ককাৰী)	22-EIN	830	962	देखाईक या. यत निकी गणी दन बीत निका प्रश्लादर भारत	৯-ভাওবা	328	602
সম্ভৰ্কারী (মুখাম্মা স. "শাই সম্ভৰ্কারী)	৭-জা'বাক	26-8	900	জিলনের কাছে "পট হল (সুকাইমানের মৃত্যুর বিষর)	৩৪-সাবা	38	285
শাই করা			-	ধানে(সাদ্ধানুকর কান্তান থেকে বর্তম ধাত্যম নিবর স্পর্ট হর)	২৯-আনকাকৃত	40	27.9
াত কথা মতভেদের বিধরটি স্পষ্ট করার স্কল্য ইলা আ. এর আগমন	৪০-দুখলন্ম	(40	hoo	ভূমিনার নির্ম্ম শর্মা হলো হে মুগরিবর বঁপ্ত অন্তঃর অধিনাদী	৯-ভাওবা	220	602
प्रश्निक्त विश्व क्यों बद्ध अनुम न, यह क्यों क्यों क्यों	৯৩-বুবলন্ ১৮-নাহল	68	900	क्रमून में, व्यामिको प्लो शता: कार गरा कार (स्मृक्ष्ध शका)	≽-ডাওয়	80	688
নালাক্তর দের শার করাত কলুগ বা এর জন্ম করাব করাব। সম্পূর্ণরকে শারী করে দেন আল্লাই কি কি বারা পরিহার করাব…				নঠিক পথ "পট হওয়ার পরও মিখ্যা আশা দের শয়তান	৪৭-মৃহাধান	2.0	978
	৯-লভা	275	965	লব্য স্পষ্ট হওয়ার পর বিতর্ক (সত্য নিয়ে)	৮-জানফাল	ঙ	602
স্পষ্টকারী				শ্বরণ (বারো দেখুন বিকির শব্দটি)			
অরাড (সুস্পইকারী অরাড অবভীর্ণ করেছেন আল্লাহ,)	२8-नृष	80	111	জন্ম (অস্তাহন জন্মাৎ করা করাহ দির্দেশ, হারুদ সম্প্রদায়কে)	৭-আবাক	9.8	625
স্পষ্ট নিদৰ্শন				ভেত্তাৰ (অপ্তাহৰ ভত্তাৰ অধ্য কৰাৰ নিৰ্দেশ, অপ ক্ষতিকে)	৭-জা'ৱাফ	85	633
অনুধাকানারী সম্প্রদায়ের কন্য শারী নিদর্শন (পূত জডির ধালে)	২৯-আনবাবৃত	95	P-7/9	অৱ পৰে। সৈতে সংখ্যবন্ধির বিষয় সমগ্র (মানইয়ানবাসীনের)	৭-অ'রফ	P-0	630
ক্সুল স, স্পষ্ট ভিপন্সিত এনেছিল (পালেলার প্রভারের করে)	২০-ইউন্স	30	990	অগিৱাত শকা (ইংরাহীম, ইসহাক আ,ও ইয়াক্রের ৪৭)	৩৮-সেরাদ	86	brish
রাসুল স, এচাছিল পূর্ববর্তীচনা নিকট সুস্পর নিক্তিবর্জীনার	00-814	>	344	অন সম্প্ৰনায়ত অকা করা নির্দেশ (অনুনামক ক্লাবিবিক)	৭-আ'রাক	66	440

नक् विवयं ध्येत्रक	সুহা নং কৰাৰ	THE T	781	वर्ष	সুরা বং ও নাম	बद्धात न	2
ম্বরণ (আরো দেখুন যিকির শব্দটি) (পূর্ব পূর্বা বেকে)	V. I. S. S.	25.5	,	নম ক্ষান (অল্লাহর নম ক্ষানে গ্রহার্ডর গচ না থারো প্রদার)	৬-আগ'আম	229	60
মান্তত (আপ্লাহর আন্তাত স্মরণ রাখার নির্দেশ)	৩৩-আহ্বাৰ	48	604	নাম স্ফল (গত কুবোনীর সময় জল্লাহর নাম স্কল প্রদায়)	২২-হাজ	06	96
ব্যস্তাহকে শ্বৰণ (আন্তথ্যত থেকে গ্ৰন্থানের পর)	२-शकृता	299-	455	নাম (আল্লাহর নাম স্মরণ করার নির্দেশ, মসঞ্জিদে)	₹8-70	00	11
অল্লাহকে সামান্ট শরণ করে (মুনাফিকের নামান্স প্রসঙ্গ)	8-501	185	272	নিয়ানত (বাহনে প্রতিপাশকের নিয়ামত সমাণ করে পড়ার পোরা)	80-युरक्ष	30	9/2
আল্লাহকে বেশি বেশি শুরুণ (মুসা আ, ও হারুল প্রসং)	২০-কা-হা	08	982	বিপ্রতিত অবস্থা শহরণ করার নির্দেশ (মু'মিনদেরতে)	५-जानकान	36	6
অল্লাহকে বেশি বেশ 'দ্বাণ (বুনা আ, ও ব্যক্তি এনক) আল্লাহকে বেশি বেশি ক্ষরণ করার নির্দেশ (মুমিনগণকে)	००-आस्थान २०-११-च	82	704	নেরামত শতাপ করার নির্দেশ (মুমিনদেরকে)	৩-মোলে ইমরান		21
জাল্লাহকে বেশি বেশ করণ করার নির্দেশ (বুননগণাক) জাল্লাহকে বেশি করে ক্ষরণ করার নির্দেশ (বুক্তর নালালে)	७-सम्बद्धाः ७-सम्बद्धाः	88	901	নেয়ামত স্মানের নির্মেশ (বনী ইসরাইলকে প্রনন্ত নেয়ামত)	২-বাকুরো	244	e
		97		নেৱাহত স্থান কথ্যত বললেন (মুদ্যা আ, নিজ সম্প্রদারকে)	e-मर्तिमा	20	e1
व्यक्तवर्यक होने होने प्रकाशकीय बना ब्राह्म ग. अत्र मार्थ केवस व्यक्ती	००-व्यक्तार		9:00	নেরামত শবলে করতে করলের (মূলা আ, সম্মান সংগ্রাহ্রকে) নেরামত শবলে করতে করলের আল্লাহ স্থাকি	e-মারদা	220	Q:
अक्षासम्बद्धान्य प्रस्ता वरत का काहि ७ कार शानव बाला शत	৬-জানু আম	279	609	নেরামত অরণ করা নির্দেশ (মমিলনের প্রতি)	০-মারদা		
অক্সাহর নাম স্মরণ (গত কুরবানী বা ছবাই এর সময়)	२२-शक	89	963		হ-মার্কণা হ-মারিদা	22	21
অল্লাহর নাম করণ না করা (গবদি পথ জবাইকালে)	৬-আন্তাম	700	609	নেরামত স্মান করার নির্দেশ (মুমিনকে)			6
আক্লাহর দাম স্মরণ (পত কুরবানীর নমর)	<b>२२-श</b> ऋ	96	963	নেরামত স্মান করার নির্দেশ (সাল্লাহ্য নেরামত)	২-বাঝুারা	503	e
আল্লাহর নাম স্মরণে বাধানানকারী বড় জালিম	२-राकृता	278	670	ন্যোমত (মুনিয়ানা প্রতি স্বাস্ত্রাহর নেয়ামত স্কার্যেয় নির্দেশ)	৩৩-আহ্বাৰ	b	ъ
পাল্লাহর দাম স্করপের স্থান মসজিদ বিধক্তে হত	22-UM	80	1962	নেয়মত (মূনার সম্প্রনারের প্রতি আল্লাহর দেয়ামতকে)	১৪-ইবরাহীম	6	8
আল্লাহর দাম করণ (হচ্ছের সমন্ত দিনিট দিন গুলিতে)	२२-शृष्ट	₹₩	960	শেরামতের কথা স্মরণের নির্দেশ (বনী ইসরাসংগর প্রতি)	২-বাৰুবরা	80	¢
মাল্লাহ্য নাম স্মরণবিহীন স্ববাইকৃত পত খাওয়া দিবিদ্ধ	৬-আন্'আম	252	bob	লেরমধ্যের কথা স্মরণের নির্দেশ (খনী ইপরাইলের প্রতি)	২-বাৰুবৰা	89	0
আপ্রাধ্যক স্কল্প করার নির্দেশ (আইরামে ভাশনীক গ্রসঙ্গ)	২-বাকুরে:	500	650	পিড়পুরুষদের নারে আল্লাহকে শহর্ম করা	২-বাকুরো	200	¢
আল্লাহকে সমপ কথাৰ নিৰ্দেশ (পিতৃপুক্তমদের চেত্রে বেশি)	২-বাকুরো	200	655	প্রতিশালককে স্ফল্য করার নির্দেশ (অভারিয়াকে)	৩-আলে ইমরান	83	Q.
মাল্লাহকে স্বরুগ করার নির্দেশ	২-বাকুরা	245	623	প্রতিশালককে "মান (সকাপ-সন্থ্যার ভর ও বিনয়ের সাথে)	৭-আ'থাক	305	3
স্বাস্ত্রাহকে স্বরণ (মাশআকল হারামের কাছে)	२-सङ्ख	799-	655	প্রতিবাদককে শরুন (ইনপামাল্লাহ বলতে তুলে গেলে)	79-sits	28	9
আপ্তাহকে স্বৰণেৰ নিৰ্দেশ (নীড়িকে, বলে ও করে)	৪-নিসা	300	690	প্রক্রেটা পরাপ করবে মানুধ মহালংকটের দিন	৭৯-নার্য আত	00	30
আপ্লাহকে স্মরণ (নিরাপদ অবস্থার সালাত আদার)	২-বাকুরো	300	640	প্রতিপালকের শহলে থেকে সম্পদকে বেশি ভালবাসা	৩৮-দোরান	03	6
	ত-আলে ইমরান			প্রতিশাবকের স্থান থেকে কাভিতরা মূপ কিরিয়ে নের	२५-व्यक्तिया	84	9
অপ্তাহকে কলে কৰে মুক্তিনাৰ (শিকেৰ উপৰ কুশুম কলৈ ফেলচো)		200	489	প্রতিপাশকের সমানিকুর পোনা প্রচার পরিতে প্রচাপ করাবে	१२-किम	29	8
স্বাস্থ্যবৈকে শ্বন (দীড়ানো, বসা ৩)	৩-আলে ইমরান	797	668	প্রতিশালকের নাম স্মরণ করার নির্দেশ (রাসুল স. তে)	৭০-মুখ্যাশ্রিদ	b	8
স্বাস্থ্যাহকে স্থান কথার নির্দেশ, পিতৃপুরুষদের ন্যায়	২-বাকুরা	₹00	655	প্রতিশালকের নাম স্বরণ করার নামেণ (মানুন না তে) প্রতিশালকের নাম স্বরণ করার যে সে সফল হবে	৮৭-আ'লা	26	30
আপ্লাহকে পৰণ কৰা ধলে বাদের হৃদর চীত হয়	২২-হাজ	-02	963		৭৬-দাহর		
স্বাস্থ্যহকে সম্রণ করা হলে মু"মিননের হল্যা জীত হয়	৮-জানফাল	2	605	প্রতিশাপকের বাম স্মরণ (সকাব-সন্থার)		2.0	×
অপ্তাহকে সমাশ করে মৃত্যালীরা (শামানের প্ররোচনা স্পর্ণ করাণ)	৭-আ'রফ	507	903	কিব্ৰহাটন সম্প্ৰধার স্কাপ করবে মুনিদ ব্যক্তির কথা	৪০-মূমিন	88	*
আপ্লাহকে নেশি বেশি শত্রণ করার মাধ্যমে নফল হওরা	৬২-পূর্'আ	30	990	বেশি বেশি শালে করার মাধ্যমে সকল হওয়া (আপ্লাহকে)	৬২-লুমু'জা	30	>
বাল্লাহকে দেশি দেশি স্মরণ (ঈমানদার কবিদের প্রদাস)	২৬-গ'আরা	229	99.9	মানুৰ শাহণ করবে (কিয়ামতের দিন)	৮৯-কান্ত্র	20	20
অপ্তাহ (সম্পদ্সধান দেন অপ্তাহর ক্ষমণ দেকে না ভোগার)	৬৩-মুনঞিকৃন	>	360	अनुत चारा बरत ना ता च्यात्रक व्याक मृति क्याद्यक राजन हर	১৯-মারইরাম	49	9
মাপ্তাহ স্বয়ণ করবেন (আল্লাহকে স্বরণ করপে)	২-বকুরা	265	624	মানুবের কি কান্ধে আসবে সেই স্মরণ (কিয়ামতে)	৮৯-णव्य	50	20
বাল্লাহর অরপই সর্বশ্রেষ্ঠ	২৯-জনকার্ড	82	3-50	যুক্তি পাওয়া ব্যক্তি শহল করল (ইউসুফের কথা)	১২-ইউসুফ	8-2	9
স্বাস্থ্যহর স্করণ থেকে উনাসীনদের অনুসরণ না করা	79-जार्डक	27	196	অভূল দ. এর স্থরদ (শরমান কর্মক ছুলিরে দেরা বিবর এগক)	৬-আশু আম	160	9
অস্ত্রাহর পরণ থেকে মুখ বিশার (দুনিয়ার জীবন কামনাকরীর)	৫৩-নাম্বম	430	300	স্বাধীনের একে জনাকে সমল করনে (কলে নরী সাক্ষী প্রদার)	২-বাকুবো	262	0
অক্সান্তর স্মানা স্থেকে ভূমিয়ে মানে না বাচনকে (বাবলা ও)	५8-मृड	-09	999	স্মারক/কুরজন (যার ইচ্ছা সে কুরজানকে স্মরণে রাখনে)	৮০-আবাসা	32	30
অপ্তাহর স্থান থেকে শহাতান নিয়ত বাবে (মন্ট্রার মাধ্যমে)	०-माविमा	27	627	হিকমত (আপ্লাহর হিকমত/গ্রজা স্মরণ রাধার নির্দেশ)	৩৩-আহ্বাব	68	ъ
অক্সহর ক্ষমবিমূদ কর্তি বিনামতে দৃষ্টিবীন অবস্থান সমধেত হবে	२०-ज्ञा-श	348	983	খ্যুপ ক্রানো			Г
অস্ত্রাহ্য সমবিদুধ বাছির জন্য শ্যাক্ত নিয়েজিত করা হয়	80-मुश्लम	06	bab	আত্রাভ শহল করালে (জালিমরা মুখ বিধার)	23-14(dita	93	9
অস্তাহর স্মন্ত্রণ বিমূপ কঠিন হনর থাজি পথভারের আহে	৩৯-যুমার	44	b-90	प्रदार फान स्वीद्ध दिला यह । रेन्द्रिश पर व्यक्ति स्ट्रा न यहा	২৫-ফুরকান	90	9
আল্লাহৰ স্প্ৰাণ কুলিয়ে নিরেছে শরভান (মুনাক্ষিকদেবকে)	৫৮-মুকাদালা	79	308	স্মরণ করানো (খোঁটা দেরা)	44 44		Η.
আপ্রাহর স্মরণে হুলর প্রশান্ত লাত করে	২০-রাদ	3%	595	পের্যাত (ফুরু প্রতি কিরাজ্যট্রতার দেরসত সমণ করিরে সেরা)	২৬-হ'জারা	44	9
अक्षाद्ध प्रस्ता नामक (शंगाव) कार्यान क्यात निर्देश	২০-য়া-বা	28	983	न्दरनकारी नारी	do-e air		H
							L
আল্লাহর স্বরণ (মুবাকীর হলর আল্লাহর স্বরণে নরম বস্ত)	৩৯-মুমার	50	9.40	অল্পাহরে অধিক অকানের নারির জন্য কমা ও মহাপ্রতিকা	৩৩-আহ্ঘাৰ	06	b
আপ্তাহর সরণে বৃদিনদের হন্য প্রশান্ত হয়	১৩-রাদ	26	697	কমা ও মহাপ্রনিয়ন (মন্ত্রাহতে অধিত স্ফলকারী নারীর কল্য)	৩৩-আহ্যাব	96	b
প্রপ্লাহর স্করপে মু'মিনদের ফার কিপিত হংরার সমর কি আসেনিঃ	৫৭-হাদীদ	30	989	শ্বরণকারী পুরুষ			
অস্তাহর ক্ষরতা মূল আ. ও হাস্পকে শিমিল না হওয়ার নির্দেশ	২০-ত্ব্য-হ্য	84	980	অপ্তয়ত অধিক অভাকারী পুরুষো মন্য কমা ও মহাপ্রবিদান	৩৩-আহ্যাব	06	ъ
অপ্তাহর দরা (মানুসের প্রতি অক্তাহর নরকে স্মানের নির্দেশ)	৩৫-ফাহির	0	1/86	করা ও মহাপ্রতির-(মস্ক্রায়ের অধির অসংকরী পুরুষের জন্য)	৩৩-আহ্বাব	44	ъ
ইবৱাহীম, ইসহাক আ.৫ ইয়াকুৰ আ. কে শঞ্চণ কৰাব	৩৮-শেরাদ	80	Irbir	শহরণীয়			Г
নিৰ্দেশ (বাসুল স. কে)	OB-USEM	1 00	0.00	মাল্লাডের বর্ণনা মুন্তানীদের কলা স্মরণীর বিষয়	৩৮-পোরাদ	83	1
ইরাকুব আ, স্মরণ করতেই থাকবে (ইউসুক্তকে)	১২-ইউনুক	Þ¢	69-0	ন্মারক (সারো দেখুন উপদেশ শব্দটি)			۲
কুলুজান স্মান করবে যে চার	18-মুমাহছির	00	395	অঞ্চন (অঞ্চন অস্তাহর অভিযুের সারক)	०५-व्यक्तियार	30	13
ম্বুরনা সম্পোর পারা করত (জন সম্পূর্ণটোর কর্পাচনিক)	৭-আগ্রহ	98	979	কুরজন (মুরাকীদের খনা কুরজান স্মারক)	Op-stets	85	3
ভাররাতের বিধান স্মরণ (বনী ইসরাঈশ রাসঙ্গ)	2-states	60	603	কুরজন অ্রেকরের পার পুরুষকে ভরকারের জন্য)	50-St-st	0	0
	- undran	1 40	401				3
রাওয়াওর নির্দেশ্যবলি স্মন্তোর নির্দেশ (বনী ইসরাইলকে)	৭-আগ্রহ	292	959	কুঞ্জানের আরাড স্থারক বরুপ	৭৩-বৃহ্যাশ্বল	29	

पेष विश्वशंतक	नुसामा ७ नाम	300	101	रण रिस्त/कार	नुस्रोत्तर च नाम	400	961
স্মারক (আরো দেখুন 'উপদেশ' শব্দটি) (পূর্ব পৃষ্ঠা থেকে)				সংগ্ৰ পাল্যত করা (ইংরাইন আ সমুক্তে সামে পান্তাত কর্মান)	৩৭-সাক্কাভ	200	294
কুরবান একটি শারক	৭৪-মুদাঙ্গুর	68	995	चडार			
কুরজান (থার ইয়ের সে স্মরণে রাধনে)	bro-खारामा	22	3006	পূৰ্বৰজীনের ক্ষাবে (বুদ নবীর উপদেশ প্রদক্ষ)	২৬-ত'জারা	209	496
न्द्र जा. अर श्रेक्टल प्रेमारक जहार संगुरत कर कार करिएएन	65-30403	28	295	<b>बहाअल्लर्व</b>		-	-
মূলাকীদের জন্য কুরম্বান স্মায়ক	১৯-হাকাহ	85	200	व्यक्षार पद्मरमञ्जूर्ग (काविश्वास्त क्षत्रम्)	৬৪-জাগারন	6	260
শ্রষ্টা (আরো দেখুন সৃষ্টিকর্তা শব্দটি)				অপ্তাহ ব্যবেস্পূর্ণ সপ্তা (সামান)	১১২-ইপ্লাস	1 3	3008
বাকাশ-পৃথিবীর প্রত্তা আল্লাহ সম্পর্কে কাহ্নিরদের সন্দেহ।	১৪-ইবরাধীন	30	958	নিমেকে যে ব্যাংসম্পূৰ্ণ ভাবে তাব জন্য মুগকে সহজ্ঞ করা	১২-লাইল	1	2050
আকাশ-পৃথিবীর সুষ্টা আল্লাহ (অভিযানক গ্রহণ প্রদক্ষ)	৬-জন'জন	38	640	মনে করা (মানুধ নিজেকে শহংসম্পূর্ণ মনে করে)	১৬-আগাত	3	2059
আল্লাহ সববিশ্বর প্রত্তা	৪০-মুমিশ	95	990	মনোযোগ প্ৰকৃষ স. এর (স্বচ্চসম্পূৰ্ণ ব্যক্তির প্রতি)	৮০-জাবাস্য	0	2008
আল্লাহ সংগতিদ সুটা	২০-মুক্তিয়া	78	955	যানুষ নিজেকে শ্বহণেশূর্ণ মনে করে	১৬-আলাক	3	3035
সাপ্তার দুটা সংকিছুর	১৩-রাদ	36	610	44		٠.	
আপ্রাহ ছাড়া লোন প্রটা নেই যে মানুষকে বিভিক্ত লোক	৩৫-কাভির	0	b85	অনুভাবরে অরণ (অপ্লাহকে)	৭-মা'থাক	200	(40)
আপ্লাহ মহাসুটা ও সৰ্বজ্ঞানী (পুনাপৃত্তি প্ৰসঙ্গে)	৩৬-ইয়াসীন	3.5	V26	र्स	leaf and	200	903
আপ্লাহ (আল্লাহ লব বিষয়ুৱ সূচী)	৩৯-খুমার	63	196		-	Ь	_
बाह्यद् पांकार-पृथिवीत होते (प्रतिकारक द्वरूप अनक्)	৬-আনু আন	78	694	बाह्यासील वर्ष ७ मुका बाल समारकृत १८४	৩৫-ফারির	00	b89
वाद्वार वाकानमञ्ज्य ७ पृथिनीत श्री	৩৯-বুমার		140	পূৰ্ববী ভৰ্তি কৰ্ণ এহৰ কৱা হবে না, তাদেৰ থেকে যাৱা	৩-আলে ইমরান	52	288
		86		বলা (অনস্থত করা হবে জন্তাতীদেরকে)	79-4654	۵2	256
আন্তাহই সংকিছুর প্রমী উত্তম (সুটার নিকট উত্তম, ধনী ইসরাইলের ভঙৰা প্রসঙ্গ)	৬-জান্ জম	205	909	কৰা (আনি কৰা ও মুকা ৰয়া মন্ত্ৰাহীচনা অপক্তেত কয় হাব)	२२-शब्द	50	960
	২-বাঞ্চরা	68	609	শ্বেচনীয় করা হয়েছে স্তুপীকৃত স্বৰ্গ-রৌণ্য মানুহের জন্য	৩-আলে ইমরান	38	209
তববা (মুগর সম্প্রদারকে দ্রমীর কাছে তববার নির্দেশ)	২-বসুরা	68	609	সভার (ক্র্য-টোপ্ড সভার করে করে,অক্সাহর পরে কর ন করে)	৯-ভাগ্ৰা	'08	680
পরিকাশ (প্রস্তিকে পরিকাশ করে "ব"আল" (নকককে ভাকা)	৩৭-সাত্কাভ	255	340	र्म			
মানুষ কি নিজেই নিজের প্রটাঃ	৫২-সূত্র	90	907	আগনে (জান্তাকবাদীরা কর্মধচিত আগনে বস্থার)	৫৬-ওয়াকিরাহ্	30	≥80
বৃটি (মানুব কি প্রটা ছাড়াই বৃটি!)	৫২-সূত্র	-05	907	কবিদরদের জন্য কর্ণ (সাজ-পদ্ধা) পর্থিব প্রচূর্য হিসাবে	80-यूरक्य	'02	795
শ্রম (প্রতিপাদক সর্বাবস্থুর শ্রম ও মহান্দ্রনী)	১৫-হিন্দুর	9.9	905	ভূমকে যানির বাণা দের হল না কেন্য (বিশ্বামা উল্লেখন্ন)	৪০-যুখকফ	60	499
<b>সংগ্যাত্রী</b> র				₹इ			
বান্ধরিয়ার উত্তরাধিকারী (সন্তান) প্রার্থনা	३৯-संबदेशम	6	908	দৃশ্য (সমু-মূল্য ইউসুমধ্যে বিজয় করণ ব্যঞ্জীপদ্)	22- <b>267</b> 4	30	695
पछ				সংখ্যায় শহ্ম (দিয়ানতার সংকর্মশীপরা সংখ্যায় শহ্ম)	০৮-সোৱাদ	28	664
কটিক (সুশাইমানের শক্ষ কটিকের প্রাসাদকে সাবার রানীর				যতি		-	
হলাশয় তাবা)	২৭-নামৰ	88	900	কটোৰ পাৰ্ছে যতি ব্যৱহাৰ	৯৪-ইশ্শিরাহ	e	203
पञ्च				কটের সাবে যতি বয়েছে	৯৪-ইন্শিরাহ	6	205
ব্যর (ব্যক্তল অবস্থায় ব্যর করা)	০-জালে ইয়রন	308	28br	কটো পর অক্সাহ বর্ত্ত বিবল (কলানপ্রকার জন্য ব্যর প্রদাস)	৬৫-ডালাক	9	906
শাহল ব্যক্তি সাধ্যমত জোগ্যসামনী দিবে	२-राज्यस	500	653	শান্তশ্য	02-01-24	-	8709
394	-	100	200	আহার (ক্বী ইসরাইশকে শাস্ত্রপ্যে আহারের নির্দেশ)			-
ক্ষতিরর স্কলনের সাথে সানপেই ছিল (দুনিরাতে)	৮৪-ইণশিকাক	30	3030	अवस्थ (स्वाहर अस्य वर ४ वंशस्य प्रस्तुन) आहेता क्रिकेश	२-सङ्ख	69.	609
फिल यदर (मानाम कानाना मेनते किया यदर सामी यथा)	৮৪-ইন্পিকাক	20	3030		২-বাকুারা	0.0	606
নালাম (স্বৰূদ্যের নালাম দেয়া, যতে প্রত্যেশের সময়)	28-78	63	992	থানা (নী পুলি হতা খনীতে মোকনা মতু নিলে তা খালো খালে)	৪-নিশা	8	240
ষতঃক্ত দানকারী	40-40	00	10.2	যাদ			
স্বভাস্থৰ্ত দানকাৰীকে দোদাযোগ কৰা	৯-ভালা	45	100	কান্দিরদেরকে উল্লাহ পানর খাদ গ্রহণ করতে বলা হবে	88-नृशन	876	208
यद्वाधिकाती	3101011	7,0	686	সুধের বাদ অপত্রিবাধনীর (জন্মাতে)	৪৭-সূত্যখাদ	242	270
		-		বিভিন্ন খানর খান্য শন্য আল্লাহ সৃত্তি করেছেন	৬-আপু আম	787	470
বাস্থাহ স্ফুবিকারী হবেন অবিশ্বাসীনের (ধন-সম্পদের)	১৯-মারইরাম	300	109	খাদ গ্ৰহণ (আরো দেবুন আখাদন শব্দটি)			
<b>र</b> न्न		₩	-	জানৰ জা, ও তার স্ত্রী স্থাদ গ্রহণ করল নিবিদ্ধ গাছের	৭-আ'গ্রহ	22	978
ইউপুষের সপ্লের বাহিল (সকলে সিজনাবনত হওরা)	75-5924	200	9849	উত্তর পানি ও পুঁক্ষের স্থান গ্রহণ করবে সীমালংগনকারীরা	৩৮-সেরাদ	68	249
ইবল্লাহীৰ আ. বপ্লে নেবলেন (ইসমাইলকে কবাই কলছেন)	৩৭-সাম্থাত	205	9495	নহরের পানির স্থান গ্রহণ না করলে আপুতের দলে গণ্য হরে	২-বাকুারা	48>	659
'এসোমেশে বপ্ল' (রাজন বপ্ল সম্পর্কে পরিকারটোর মন্তব্য)	১২-ইউসুঞ্চ	88	69-2	মৃত্যুর স্মান গ্রহণ করবে (প্রভ্যেক প্রাণ)	২৯-আনকাবৃত	29	252
এলামেলা খ্যা রাসুল স. এর (সুরজন সম্পর্কে কমিয়ারে উচ্চি)	২১-অধিরা	4	120	সূত্যৰ আদ গ্ৰহণ কৰকে হবে (প্ৰভ্যেক ব্যক্তিকে)	२३-वारिया	'02	902
ক্ষরাগারে বন্দির স্বপ্ন	३५-देखेगुक	05	èbro	দৃত্যুর সাদ গ্রহণ করবে প্রয়োক ব্যক্তি	৩-আলে ইমরান	22-5	208
কুরআন রাসৃধ স. এর ওলোমেশো সপ্ল (কাবিবনের উঠি)	২১-অখিবা	4	920	শান্তির স্থাদ গ্রহণের আদেশ (সীমালক্ষনকারীদেরতে)	৭৮-নাবা	100	2005
পরিকার্কে মহার বাধা করতে পরেল রাজন মহার বাধা চান বাধা	১২-ইউ <del>স্ক</del>	80	69-7	वारीन		-	
কন্মি (ৰপ্ন কৰ্মন করতে নিষেও ক্ষাক্ষন ইয়াকুন আ, ইউসুক্ষেত্র)	১২-ইউসুফ		699	হতা (পথিন বৰ্ডির কলে পঠিন ব্যক্তিকে হত্যা করা হুব)	२-वाकृता	296	440
ব্যাখ্যা (স্বপ্লের ব্যাখ্যা শিক্ষা নিবেন প্রতিপালক ইউনুক্তকে)	25-বৃত্তমূদ	6	699	স্থাধীন নারী (ম্বয়িন)		- 10	
বাৰা (মপ্ৰেয় বাৰা শিক্ষ নিজেনে প্ৰতিপাদক ইউপুনকে)	>২-ইউসুফ	302	646	নিত্ৰ (কৰিন চুন্দিন নাজকে নিজতে জৰুন চন্দ্ৰ দলিকে বিত্ৰ কৈ)	৪-নিসা	20	260
नामा ('माञ्चन नामाम जन्मव अठिक नो'- नविकार्ता तत्त्रन)	১২-ইউসুক	88	645	শত্রি (বজিতের শত্রি দুসীর ক্ষেত্রে কবিন নাইর অর্থক)	8-निमा	56	260
ব্যাৰ্যা (সপ্লের ব্যাৰ্থা শিক্ষা নিলেন আল্লাহ, ইউনুককে)	75-§93a	52	698	वार्ये	U-1-1-1	48	4.00
अनुन म. (क दा बद्ध जनवान स्ट्राट्स ज यनूरका श्रीकार करा	১৭-ইস্রা	60	425	কাম। কংলা (খামীর পক থেকে প্রীকে কংলার আগবা)	a Circui		
রঞ্জর সংগ্রের বাপেরে পরিকানসূত্রির অভিযান জানতে রাইলেন	75-5820	80	649	বিকর্ম (মানার পর্ক মেকে প্রাচে জংজ্ঞার ভাগজা) বিকর্ম (মানী সম্পর্কে রুকুল স. এর সাথে এক মহিলার বিকর্ম)	8-দিল	752	630
রসূপ স. এর সপ্র সজে পরিশার করকো অস্ত্রাহ (মঞ্জ বিজয় প্রদান)	৪৮-কাতহ	29	272	বিজেব (জানুর মাধ্যমে সামী-প্রীর বিজেব ঘটালো)	৫৮-মুম্বাণালা	3	955
রাসুল স. কে সম্রে নেধিকেছেন সম্বয়াহ (কাচিবানের সংখ্যা অস্ত্র)	৮-আন্দাল	80	606		২-বাকুবো	705	625
-2	3-4-101	*0	~6	নিয়ে করা (অন্য স্বামীকে বিরে না করা পর্যন্ত স্ত্রী হাগাল)	২-বাকুরা	300	650

नम विवड/शगन	जूबा नर ७ नाय	स्वा र	পুঠা	नंद विवद्धश्रीय व	সুৰা নাংও নাম		
স্বায়ী (পূৰ্ব পূচা থেকে)				'दर्श' रनातरे शत यत (प्रकार य हैका करतन)	৩-জালে ইমরান	89	€8€
বৃদ্ধ স্বামী ইবরাহীয় খা, এর স্ত্রীর সম্ভান জনুদান প্রসঙ্গ	77- <u>2</u> 4	93	692	'इक्' बनामरे शुरू यह (भाष्ट्राश्त निर्मार)	২-বাকুারা	339	670
মু'খিন নারীদের সামীর নিকট সৌন্দর্য প্রকাশে লোখ নেই	२8-मृत	03	999	হওয়া			
ব্লীগল স্বামীদেশকে পছন্দমত বিয়ে কবতে বাধা না দেৱা	२-राकृता	202	450	অনুতর হল কবিল	৫-মারিদা	62	QV8
হরদার (গামিই অধিক হকলর স্ত্রীকে ফিরিরে লোর কল্)	२-शकृता	235	650	অনুভৱ হত্যা (মানুদ সম্পাদার ইন্ধী হত্যর পর অনুভৱ হল)	২৬-৬ আর	209	934
	d-states	440	440	क्रांस्ट द्वार द्वार कारकांस सन् (चनासित नवन पारि न नवान)	83-स्कूबाठ	6	200
স্বামীর পুর				कान्युक देखारीय का. ८३ बना नीरम ७ मात्रि दशास निर्माप	২১-জাখিয়া	690	301
সৌন্দর্য প্রকাশে ব্যেষ নেই স্বামীর পুরের নিকট	२८-मृत	42	999	ইংলী,শাসার হলে সঠিক পথ পাবে ! (ভারা বলে)		705	676
শ্বামী-প্রী		_	$\overline{}$		২-বাকৃারা		
মু'হিনদের (সংকর্মশীল সামী/জীর জন্য জান্নাত প্রার্থনা)	৪০-রুমিশ	5	৮%৮	উপুত্ন হত্তে পঢ়ে থাকা (মানইরানবাসীদের শান্তি প্রসঙ্গ)	২৯-আনকাবৃত	৩৭	673
দংকর্মশীল স্বামী-প্রীয়াও জন্মতে প্রবেশ করবে	১৫-রাদ	50	990	কলাপ হর আল্লাহর পদ্ধ থেকে	8-PIRT	95	6.0
দীকার				কলাপ হলে ভাকে 'আল্লাহর পথ থেকে' বলা প্রসত	৪-শিশা	dp.	4.9
অপুৰুধ শীকাৰ কৰবে কাফিবৰা (কিলামতে)	80-मृथिम	22	৮৭৮	কিয়ামত হরে যাবে (অল্লাহ 'হও' ংললেই)	৬-আণ্'আম	90	90
অপরাধ বীকার করণে (ভাবমুদিনা)	৬৭-ফুশ্ক	22	215	কুরজন আল্লাহ ছাড়া অনোর মেরিত হলে অসপতি থাকত	8-निमा	25	6.0
জপরাধ শীকার করেছে যারা	৯-জান্তা	203	689	ক্তিপ্ৰস্ক হল কাবিল (হাবিল্যক হত্যা করে)	৫-মারিদা	00	6.0
বনী ইসরাইলের স্বীকার (কৃত অলীকারের বিষয়ে)	२-राष्ट्राबा	58	gob .	ক্ষিত্ৰন্ত হল তাৱা যাৱা বশত	৫-মারিলা	60	6.5
		63	386	ক্ষরিয়ার (অপ্নাহর আরাভকে নিধা কশলে ক্ষরিয়ার হতে হবে)	১০-ইউনুস	24	66
মানুধ শীক্ষা করে না যে, আল্লাহ ভাকে সৃষ্টি করেছেন	৫৬-ওর্জাকনার্			জাহাল্রামের অথিবাসী হওরার জন্য শর্রতান মানুষকে ভাবে	৩৫-ফাভির	ò	78
সভ্য বলে প্ৰীৰায় কয়েন মানূল স. পূৰ্ববৰ্তী ৱাস্পান্যকে	৩৭-সাস্ফাত	90	bigh	খুনিত পশক্ষের মত হার বাবে পর্বতসমূহ (মহাপ্রশক্তর দিন)	३०३-महि'ज	0	200
সহায় করতে বীনার কলে রাসুণ স. কে (পূর্ববারী উপতাশ)	৩-আলে ইমরান	9.7	¢88	মধন ব্যবসা হলে লেনকেন নিখে যাখা কক্ষমী নয়	২-বাকারা	292	40
মেক্টোটারী			$\perp$	নুহ আ, এর পুত্র ভার পরিবারপুঞ্চ নর (আল্লাহ বললেন)	33-इन -	86	69
আধাত (আৰ সম্প্ৰদায় শেক্ষাচাত্ৰীর মত আঘাত হানত)	<b>२७-७</b> 'जडा	200	938		59-0,004	226	939
ইয়াহইরা ক্ষেপ্রচারী ছিল লা	১৯-মারইরান	78	902	পদ্যার কার্যায়ের হবে বর্মে মূহ কা, কে সম্প্রদারের হবক	১৬-নাহদ		93
ইসা আ, কে শেক্ষারী বানাননি আত্রাহ	३≽-पावदेशान	95	905	পঞ্জাৰ সূত্ৰ নটকমিনী নজিঃ মত না হওছে (পপড়ের উপমা)		24	
सुर्व(क्रिक्ट (प्रकारतित वार्यस ७ सम्भागासत विका कार्यन)	১৪-ইবরারীম	26	989	পুরুষ বাজী বহলসভা বা হলে এক পুরুষ ও দু'নারী	২-বাকুনরা	494	64
মুস্য আ, কি বেজাচারী হতে চারঃ (শঞ্চবার্কির জিআসা)	২৮-কাসাস	23	pop	রধম মুসলিন হওয়ার নির্দেশ (নবীকে)	৩৯-বুমার	25	100
খেছার (আরো দেখুন খুশিমনে শদটি)				প্ৰকাৰকা না হলেও বাগানে ফল সামের উপনা (উঠু ভূমির ৰাগান)	২-বাকুবো	200	Q.C
মৌ ইসরানিসের (গড়োর অসীভার তক না কয়(বছুর পূজা প্রদাস)	২০-য়া-হা	64	180	বর্জা হল্রো (পাথ্যে প্রকল বর্জা হংজের মটি পুরে যাংগ্রে, লল প্রনেস)	२-चाकृतवा	₹68	60
অস্তান (মেহার অসকার করেন প্রেমা রাধার উত্তর)	২-বাকারা	20-8	640	বলা (আল্লাহ 'হও' বললেই বিরামত হরে যাবে)	৬-আন্'আম	90	60
				বহিছত হওৱা (শৃত নিবৃত্ত না হলে বহিছ্ত হবে)	২৬-চ'আরা	293	93
অনতাল (বেছার তাল কাজের প্রতিসাদ সিংগন আল্লাব)	२-वाकृति	762	674	বাদর হওয়া (শনিবারের বিহরে দীরালজনকারীদের প্রদক্ষ)	২-বাকুরে	96	20
टेपब्रामंत्री		_		বানর হরে যাওয়া প্রসঙ্গ (নিয়েখর অবাধ্য হওয়ার)	৭-আ'রাক	3,99	62
নির্চাপ (উদ্ধাত ও বৈরাজনীয় নির্চাপ অনুসরণ করত আদ ব্যাতি)	33- <del>दू</del> न	230	693	বিনত হওরা (নিদর্শনের প্রতি মানুবের খাড় বিনত হওয়া)	<i>59-व,ळा</i> डा	8	90
হুনর (সেরাডারী ব্যক্তির হুদরে মোরর মেরে কেন নাল্লার)	8०-मुधिन	0.0	993	বিভিত্ত পতক্ষের মত হবে মানুহ (মহাপ্রসায়ের দিন)	১০১-কৃত্তি আ	8	201
ক্টক			1 1	ভাই ভাই হয়ে দেল যুদ্দিলন আস্তাহর অনুহাবে	৩-আলে ইমরান	300	48
প্লাস (জন্মতে স্কাটিক প্লাস ও রৌপ্য পাত্র পরিবেশন করা বলে)	৭৬-পাহর	34	774	মানুদ বিকিন্ত পতকো মত হবে (মহাপ্রপত্তের দিন)	১০১-কৃত্তি আ	8	20
প্রসাদ (সুপাইমানে স্মটিকর্নির্বিত প্রসাদকে সংবা রানী মধ্যার প্রবা)	২৭-নামপ	88	500	মূহিন হয়ে থাকলে সুনের বাকী হেড়ে দেয়ার নির্দেশ	২-বাকারা	298	40
টোপ্য নির্মিত ক্ষমিকে পূর্ব করে রাখা (ম্বান্নাতে)	৭৬-লব্দ	36	396	দুলিন হওয়ার আকাজন (জাহান্ত্রামীলের প্রত্যাবর্তন থাবলে)	रक्ष, व्यादा	303	
ক্ষীত	12.7	-			59-9,आश्	904	96
ফো ক্টেড ফেল বহন করে নিরে যার প্লাবন)	20-XI'Y	39	930	বুলি ন হলের মানকটে মুহাকা স, জাত্রালো করা জবহু	২০-ইউনুস		60
	৪7-কৌঠ্যমার			মুসলিন হতে জানিই হাছছেন (পূৰ)		92	
খুমি (গুৰুনো ভূমি জীত হয়, বৃষ্টি বৰ্বদের মাধ্যমে) খুমি জীত ও আন্দোপিত হয় (বৃষ্টিয় পানিতে)		63	999	মুসলিম হতে রাসুল স, আনিউ হওয়া প্রসন্থ	২৭-নামল	22	340
	57-Size	6	152	রাস্থান, আরাধান নিয়া আধাননারীর অর্পুন্ন হাস পরিয়ের হান	২০-ইউনুস	25	86
সমুদ্রসমূহ জীত করা হবে	৮১-মকনীর	è	700p.	রাসূদ স, প্রথম আক্রসমর্শনকরী হতে অদির হরেছেন	৬-জান্'জাম	78	6.9
সমূদ্র (জীত সমূদ্রের কসব)	৫২-সূর	6	249	শারি হওরা (ইন্যাইয় আ. এর জন আন্তর্ক শারি হরের নির্দেশ)	২১-জাগ্র	99	90
ফুলিংগ				नेजन १९वा (१०वारीम पर. ४४ बना प्रकटन नीवन १९वार निर्मा)	২১-আধিয়া	66	99
উহ্বেপ করবে স্নাহান্ত্রম	৭৭-মুর্পালাত	02	992	স্থাক-শংক্রা হওছ(বৃটিঃ পশ্চিত পৃথিবী সনুক্ষ-শাক্রা হয়ে ৫৫)	২২-হাজ	60	96
₹₀.				সমাস হয়ে বাওয়া , কাভির ও মুখিন (কাভিরদের কামনা)	8-शिला	9.5	20
			-	হালকা বৰ্ষণ হলেও উচু বুমির বাগানে ফল হওয়ার উপমা	২-বাবুগরা	250	00
আনম আ, হয়ে গেপ (জাল্লাহ "হও" বসলে)	০-থালে ইমরান		687	হওয়া (পরিগত হওয়া)	_		T
স্বাল্লাহ 'হও' বললেই হয়ে যায় (যা তিনি ইজ্ঞা করেন)	৪০-মুখিন	69	998	কাম পরিণত হল কঠিত ফন্যাস (বিপন্তি হলে দেয়ার পঞ্জ)	৬৮-কুলোম	20	34
নাল্লাহ 'হও' বললেই হলে যার (যে কোন বিধন)	২-বাকুবা	22.4		হক (আরো দেখুন সত্য/মধিকার শব্দটি)	477114	+ 10	+-
সম্প্রাহ কোন বিষয়ে ইয়ার করপে " হও" বলেন , তা হরে যায়	৩৬-ইরাদীন	54	P49			-	١.,
জাল্লাহ কোন বিষয়ে 'হও' বললে তা হয়ে যায়	৪০-মুমিন	66	998	আন্ত্রীত্র-খরনের হক বা অধিকার দিয়ে দেয়ার নির্দেশ	৩০-রুখ	-GF	p-:
আল্লাহর ইঞা " হও" বদলে বাজবারন হয়ে বায়	৩৬-ইয়াসীন	2-5	969	হক (উপর)	-		1
'হও' বললেন আপ্লাহ (ঘাটি নিয়ে আনম আ, সৃত্তি করে)	৩-জালে ইমরান	69	483	প্রদান (কলা সহায়ের নিন কন্যানর হন্যাউপর প্রদানের নির্মেশ)	৬-আন্তাম	787	9:
বলা (কেন বিষয়ের সরামালা করতে অস্তাহ বলেন 'হও')	১৯-মাবইরাম	95	906	হকদার (আরো দেখুন 'অধিকারী' শব্দটি)		1	1
क्ला (अक्षांद विकृत देखा कराण राजन, दर्श जारा जननारे से रहा)	26-HgW	80	900	অন্মানতের হুকদারকে তা কেরত দিতে আল্লাহর নির্দেশ	8-927	64	20
বলা (আপ্লার 'হণ্ড' বললেই কিরামত হরে বাবে)	৬-আশ্বাম	100		অপ্নাই বানুদ স, এর তর পাওয়ার অধিক হকদার	৩৩-আহ্বাৰ	09	be

হকদার

<u> </u>							
	बहुत हुन	नुसा कर च पाय	1000	J.			
হকদার (আরো দেখুন 'অধিকারী' পথটি) (পূর্ব পুঠা জেকে)			-	ইউপুৰকে হত্যা করতে নিষেধ করল (ভাইদের একলন)	50-88HB	30	8
সাম্রাহ সর্বাধিক হকধার (সাম্রাহকে সম্ভাই করা প্রসঙ্গ)	à-₩16₹f	99	080	ইজাকতভাবে মুমিনকে হত্যাকারীর জন্য পান্তি প্রস্তুত	8-नित्रा	200	0
নিৱপরের মধিক বক্ষার দল সম্পর্কে জাল (ইলার্য্রেম আ, প্রদাস)	৬-আন'আম	b-2	800	ইরালতভাবে শিক্ষর হতা করার কাক্ষরের (ইহরাম সংস্থার)	৫-মাছিলা	340	e
নিকটতম দু'বল হকলর কন্ম করে স্থক্ত দিবে (ওলিয়ক প্রসঙ্গ)					২৯-জানকাবৃত	28	6
রম্বচের বেশি হবলর প্রথম ব্যক্তিগা (বনী ইসরালগঞ্জার)					०-मात्रिमा	94	e
					8-निम	263	2
শামীই অধিক হকলার প্রীকে ফিরিয়ে নেয়ার জন্য					8-निश	209	4
276	destable.	449	640		ह-निम	309	9
			_		6-1441 68-16216	45	
					১১-শামস		h
						78	۵
					৭-আ'রাফ	9.9	1
					২৬-৬'জারা	260	4
					३३-यून	60	1
		79.9	455		৩৩-আহ্বাব	₹6	t
	२-शक्रता	29.6	644		২-ৰাকারা	797	1
পূৰ্ণ (হন্দ পূৰ্ণ করার নিৰ্দেশ)					৩-আলে ইময়ান		4
বরন্ধ (হন্দ করা, কাবা গরের হন্দ করা করন্ধ)	০-বাদে ইমরান	24	686		৫-যারিদা	59.	0
वढ़ शुक्रत मिरा मानुरात शकि प्राक्षाद ও आपून म. तत शास्त्रा	৯-জাওবা	0	680		৫-মারিদা	29	0
মান (হচ্ছের মান নির্দিষ্ট করেকটি)	২-বকুরা	259	655		৫-মারিদা	100	0
রোয়া (হাজের মধ্যে তিন দিন রোয়)	২-বাকারা	256	244	কবিয়ানর হতার নির্চাশ (মগজিলে হারামের নিজ্ঞী যুদ্ধ)	২-বাকুরো	797	4
इक्टिस्त गरि गर क्यांच्य अंभर	৯-জাওবা	25	283	বিদাদ (হত্যার ব্যাপারে বিদাদ বিধিবদ্ধ করা হরেছে)	২-বাকুারা	396	1
হঠাৎ (আরো দেখুন আকন্মিক শব্দটি)				কান মানকরী দুবাকিবলেকে হতা (মনিবর দুবাকিক প্রদাস)	৩৩-আহ্বাব	45	1
क्षान (अन्त्रन द्वेश काम्रहर, अविश्वास्त्र करवान त्या बहुर ना)	SS-Reffort	90	943	কাপুত্তে হত্যা করণ দাউদ	২-বাকার	202	١,
				ন্দী হয়ঃ (ধনী ইন্যাইল কৰ্তৃক অন্যয়ন্তৰে নদী হয়ঃ প্ৰদান)	২-বাকুরা	63	i,
				নদী হত্যার কারণে দাহিত্য ও লাঙ্কনা (আহলে ভিতাবদের)	০-জাপে ইমবান	225	H
नेवाधन रहेत् वामरत				भरीत्रव शका (१७मी कर्डक)	২-বাকুরো	83	۲
					০-মালে ইমরান	29-2	H
					০-আলে ইমরান	52	ŀ
					8-मिना	244	ľ
	৩-আণ্আম	81	900		79-4150	6	1
रठवृष्टि		$\Box$			20-acts	98	1
					৩৩-আহ্বাধ	65	
	৬-আন্'আম	93	905		३९-हेमबा		
হতভৰ		1				00	Ŀ
বাভিবদের হস্তত্ব করে দিবে (আগুন)	২১-অধিয়া	80	922		৩-জালে ইমরান	42	9
विविधानमञ्जन दशकर बुद्धा ताल (देनावविध प्रा. ७३ कथा चर्ना)	২-বাকুরো	209	600		২৫-ফুরকান	994	,
তোশ (আবো দেখুন "নিৱাশ" শব্দটি)		$\Box$			৬-আনৃ'আম	767	4
মপুৱাবীয়া হুডার্শ হবে (বিন্যামভের নিন)	00-87	33	¥33		৩৩-আহ্বাৰ	39	b
গবিবরা হত্তাশ কবরের অধিবাসী সম্পর্কে					৫-মারিদা	30	4
দক্ষিররা হতাশ হরেছে আন্স (বীনের ব্যাপারে)					৭-আগ্রাড	787	4
ন্তা থেকে হতাপ (আস্তাহর নিদর্শন/সাক্ষাতে অবিদ্যাসীরা)					J-allain.	250	1
				প্রতিকল বর্গণ হত্যা করা হবে তাক্তেকে বারা,	৫-মার্মিলা	00	4
				কিকশা হত্যার চেয়েও ওস্কর পাপ	২-বারুদরা	239	9
				ফিতনা হতার <i>চেয়ে</i> মারাত্মক	२-राष्ट्रावा	797	1
				ক্রী ইসমেল কর্তত একে অপরেক হথ্য (বাহর পালর কারণ)	২-বারুরো	28	9
					<b>३-वकृत्वा</b>	46	3
জন্ম হলাপথের হলা প্রানের হক্ত তেন বান ভাশ/হলাপথের	७८-अग <b>ा</b> क	8	905		२-राक्रवा	34	3
			_		१-महिन	90	
					G-ellikelt	70	1
ক্ষাহ্য বন্দার হরাপাত্ত ছিল (বৃটি অবর্তার্শ হভাগ্র পূর্ব)		83	₽ <b>%</b> 6	বিবাহিন্দ্র)	৬০-রুমকাহিনা	32	1
ফিরণ্স হতাশামন্ত হরে পড়ে কঠিন শান্তিকে	২০-মুখিনুন	33	110				L
	৬-আন্'আম	88	699	থলবংক হয়া (বিভিন্ন কর্তৃক)	22-pida.	98	Ŀ
<b>ड</b> ा		П		বারবড়ি (হতার ক্ষেত্রে দে অভিভাগ বঙ্গবড়ি শ করে)	১৭-ইন্রা	00	ľ
ন্যায়বহুব হস্কা (বনী ইসৱাদিন কর্তৃক নবীগগতে হত্যা প্রসঙ্গ)	৪-মিসা	300	495	ব্যক্তিকে (নির্মান্সার্ভন সম্প্রাপন্তের এক ব্যক্তিকে হক্তা করেছে মূস্য)	২৮-কাসাস	00	1
	8.50g	22	265	ভুলবশত: মুমিন হত্যার কাককারা মুমিন দাস মুক্ত করা	8-निश	3-3	-
रक्षरका। (अपूर विकास पानक पानका प्रत्यकार पुराका न, प्राकृतका)	50-p.ate.	0	999	মনুব হর্যা করা (হর্যা বা দ্যাপদ সুচির মত জরুণ পারীর)	৫-মারিদা	-03	0
	৮-জনকাপ	29	900	মূপরিকলেতে হতার নির্দেশ (হরেম মান অভিবাহিত হলে)	b-stert	0	6
	২৮-কানাস		500	ভূমিকাম এক কবাকে হয়ার বিধ- বিভিন্ন ধর প্রস	8-5mi	66	9
	22- <b>2</b> 57 <del>0</del>			মুমিনরা হল্যা করেনি কাঞ্চিনসেরকে (বদরপুছে)			

			हरा	<b>हा</b> ड			- 4
नक दिश्त/क्षेत्रक	तुवा गः । त्राप	101	糖	NA CARRIETA	त्वा पर ४ माव	वंद्य न	481
इडा (পूर्व गुडें। त्वंतक)				\$16ET			
মুমিনরা হত্যা করে (যুদ্ধ ক্ষেত্রে)	৯-ভাওৰা	222	665	বদ্ধে হাওৱার অধাত(জনুক্দ বাজসে চলতে থাকা	১০-ইউনুস	22	626
মুমিদদের নিজেনেরকে হত্যা করা নিবিদ্ধ	8-5PF	₹30	690	দৌষাদে)	20-50-7-1	**	040
মুমিন হত্যার কাফফারা মুমিন দাস মুক্ত করা (কুলবশত	8-R21	32	207	বড়ো হাওয়া হারা আদ সম্প্রদায়কে ধ্বংস করা হয়	৬৯-হাজাহ	6	264
इंडा)	8-(8/1)	25	600	হাওয়ারী			-
মুখিনকে ইচ্ছাকৃতভাবে হত্যাকারীর মন্য শাস্তি প্রস্তুত	8-927	90	260	দিনা আ, হাওয়ারীনেরকে ফালেন, আল্লাহর কন্য আমার			
इमा जा. वर्षक क्रांतक शक्तिक शका क्या अनव	২০-ক্ল-য	80	980	সাহায্যকরী কে?	५३-गार्क	78	202
মুসাকে হত্যা করতে নিবেধ করল ফির'জাউনের প্রী	২৮-বাসাস	à	404	উপা জা, কে হাওয়ারীরা বদল প্রেতিপালক কি সক্ষম			
মুলাকে হত্যা না করার পরামর্শ (এক মুমিন ব্যক্তির)	80-इंबिन	₹/2	BBO	জাবাপ যেকে খান:)	৫-মারিদা	225	698
মুলাকে হত্যা করার ব্যাপারে পরামর্শ করল পরিবদবর্গ	২৮-অসস	40	go.	ওহী (আল্লাহ ওহী করলেন হাওৱারীসের হাতি)	৫-মারিদা	222	698
মুলাকে হত্যার আশহা (কির'আউন কর্তৃক)	50-9,215.	18	999	সাহাত্ত্বরী (হাওয়রীগন আগ্রাহর সাহাত্যকারী)	৩-আদে ইমরন	65	687
মুনাকে হস্ত্যার ঘোষণা নিল ফিরজাউন	80-मृतिम	46	990	সহাতবারী (হাওরারীরা অল্লাহর সহায়কারী)	৬১-সাক্ত	38	262
মুগা আ, হুড়াা করেছে গডকাল এক ব্যক্তিকে	২৮-অসস	79	prop	হাঁপানো (জিহুবা বের করে)		-	
মূলার সত্থে সমান আনামনকরীদের পুত্র সন্ধানদের হত্যা	৪০-মুখিন	38	990	কুতুৰ হাঁপাত (কুকুবাক হেন্দ্ৰে নিলেও সে জিহুবা নেও কৰে	-		
श्रभूतात विकास विभागत होता कर्ता है। विभागत वर्ति । श्रभूतात विकास होता कर्ता है। विभागत वर्ति ।	২-বাকুরো	29	670	SAIR)	৭-আ'রফ	196	643
রাসুলসের একসাতে হর্ত্তা কর হয় (বলা হল্যাকা কর্ত্ত) রাসুলসেরকে হত্যা করেছিল ইন্দ্রীরা (স্পর্ট প্রমাণ স্কানর	C-edian	93	630	हाव-प्राव		-	_
	৩-আলে ইমরান	2000	660				
পরেও)	-	-	-	শোনা (পক্তর হাক-ভাক শোনার ন্যার কাফিরদের উপনা)	২-বাকুরো	747	672
হাস্প স. কে হত্যা করার যভ্যস্ত করে করো যারা কুকরি	৮-আনকাল	to	608	श्वाम			
prince		$\vdash$	$\vdash$	ইবলিসকে ভার বাহিনী মানুষের পর হাকানের অনুমতি	১৭-ইগ্ৰা	68	472
শত্রনদের পোকটিকে হত্যা করণ মুসা আ, (অনিজ্ঞাকৃত	२५-वामान	30	brob.	श्रावात			
पुषित्र)	_		-	এক শ' হাজার (এক লক্ষ) লোকের প্রতি প্রেরিত হয়েছিল	৩৭-গাক্ষাত	289	b/68
শক্ত ব্যক্তিকে হত্যা করতে গ্রন্থ কি মৃশ্যঃ	২৮-কাসাস	79	9.09	रेक्ट्र	0.2-416.414	207	800
সন্তান হত্যা করা বড় অপরাধ	74-ইমরা	407	926	ভিন হাজার ফেরেশতা ছারা সাহায্য করেন প্রতিলক (কন্য	৩-আলে ইমরান		401
সন্তান হত্যা করা নিষিদ্ধ (দারিদ্রোর ভরে)	১৭-ইস্বা	407	936	কুছ)	G-MICH KASIM	340	485
সন্তান হত্যাকে শরীকরা মুশরিকদের কাছে শোলনীয় করেছে	৬-জান্ভাম	209	909	পধাপ হাজার বছর (অখিয়াকের এক দিলের পরিমাণ)	৭০-মা'অবিজ	8	29.7
সপ্তান হত্যা (দৰিলোগ কারণে সন্তান হকা করা হার্যাম)	৬-আন্ আৰ	262	922	পাঁচ হাৰার চিহ্নুক ফেরেশফা দিয়ে সাহায্য করবেন			
সন্তান হত্যা (নিপ্ৰস্থিতাবশতঃ সন্তাননেকে হত্যাকারীরা	৬-আপু'আম	280	830	প্রতিশাশক	৩-আলে ইমরান	256	486
কবিহার)	1	_		প্রতিপালক সাহাত্য করকেন একহাজার ফেরেশতা ছারা			
হ্যন্তনকে হত্যা করতে উদ্যক্ত হওয়া (ধনী ইসরাইলের)	<b>৫-জা, রাঞ্</b>	760	696	(रमददुष्क)	৮-जामकान	5	605
হাবিদকে হতা। করতে কাবিদ হাত প্রদারিত করলে	৫-মরিদ্য	1/8	29/8	বছর (যে দিন হাজার বছরের সমান,আল্লাহর কাছে বিষয়াদি			
হাবিদকে হত্যা করতে প্ররোধিত করদ কবিদের	৫-মরিদা	00	₹₩8	উথিত প্ৰদৰ্শ)	৩২-সাজ্না	4	200
হত্যা (কন্যাসন্তান)		1		বছর (ইপ্রদীনের হাজার বহুতের আত্তর আবাক্ষা)	২-বাকারা	36	627
জীবন্ত প্রোধিত কন্যাতে কি অপরাধে হজা করা হরেছিল	৮১-ভাৰতীর	ъ	300F	মান (হাজার মানের চেয়ে কনর রাত উর্থম)	৯৭-কাপর	0	2043
হয়ে পঠা				रासाव		_	
ক্ষতিপ্ৰথ হয়ে পদ্ধৰে মুমিনৱা (কাফিবনেৰ আনুগত্য কৰলে)	ও-জালে ইমরান	183	@@o	बहुत (नकान वहत कर तक शकार बहुत नृह का, तत		-	-
বিষয় (আল্লাহ কোন বিষয়ে 'হও' বললে কা হলে যায়)	३५-मार्वदेशम	90	900	जरश्रम)	২৯-আনকাবৃত	84	৮১৭
মার্ছন্ম (পূর্বে যা গত হয়েছে তা আল্লাহ মার্ছনা করেছেন)	৫-মারিশা	30	635	ক্ষী ইসরাইশরা হাজার হাজার হওয়া সক্রেও মৃত্যু ডরে		-	-
201		-	-	Cast.	২-বাস্থ্যবা	280	650
ত্বৰ দিয়ে প্ৰাণহ্যপক্ষাৰী কেৱেশখালের কসম	৭৯-নাথ জাত	3	2000	इन्हें		$\vdash$	-
প্রাণ হরণ করেন আল্লার (মানুমের মৃত্যু ও মুদের সমস্ত)	৩৯-তুমার	82	198	প্ৰতি পাদ (হাজীদেৱকে পানি পাদ কৰালো ইমানের সমাণ		-	$\vdash$
	00-743	04	810	পান খান (হালাবেহকে খান খান করাবো স্থানের স্থান নত্ত)	৯-জাঙ্বা	72	683
इन्टम त्र१		-				-	$\vdash$
উটোর পাল (জাহাল্লামের থেরিরর উপমা)	৭৭-যুদ্দাব্যত	00	995	श्रीनाकाद	-	_	_
গাড়ী (হলদে বঙের গাড়ী জবাই করতে বনী ইসরাইলকে	২-বাকুয়ে	60	@obr	বাসুল স. চলাকেরা করে হাট বাজারে, কাফিবদের বিস্ময়	२१-कुट्रकान	٩	984
Roff)		-		राव		_	_
দেখা (উদ্ভিল তৰিয়ে হস্পে দেখার মত দুনিবার কীবনের	হণ-হাদীদ	40	320	ভূৰ্ণ-বিভূৰ্ণ ও হাড়ে পরিশত হওৱার পর পুনকথানে অধিবাস	১৭-ইস্বা	99.	922
তুলমা)				श्रव			
ক্ষমণ থকিরে হলদে হর,এরপর খড়-সুটোর পরিশত হয়	৩৯-বুমার	57	990	অন্ত্ৰীম পাঠিয়েছে যা ইহুদীদের হাত (ভার কারণে শঞ্জি)	৩-আলে ইমরান	22-5	650
শস্য হলদে হলে যাত্র প্রেরদ করলে মানুর অকৃতভা হরে	00-3¥	62	3120	অন্ত পঠিয়েছে যা তা হলে যার জানিম ( <b>অরাত</b> "মংগ			
পায়কু		1.0		করানে হলে)	১৮-কাহ্য	29	923
इसस (काम)				অপ্র পঠিয়েছে যা কবিবদের হাত (দে কার্যেই শন্তি)	৮-জাগকদ	62	609
মুদাবিকদের মিখ্যা হলফ (কল্যান ও সম্প্রীতি চাওয়ার)	8-मिमा	62	268	অনিটের হাত প্রসারিত কর্ত্তে কাজিবরা দুখিনদের প্রতি	७०-मुमकरिना	3	306
इन्डन				অনু শাহাবের দুই হাত ও সে নিষ্ণে ধাংগ হোক!	১১১-লাহাব	3	3000
বছারীবন্ধ হস্তাত বাধার বিধান (কমের ক্ষেত্রে)	২-বাকুৰো	250	208	অল্পাহর হাত মুমিনদের হাতের উপর (বাই'আত রাগকে)	৪৮-ফাত্র	20	2020
হাউজ				जानाहरूरे शहर जनुहार	৫৭-হাদীদ	1.25	26.0

AND GARDEN	न्बानः धनात	-	गुका	THE REPORTE	जुडांम् धनान	400.1	1
হাত (পূৰ্ব পূচা লেকে)				মূপার হাত প্রেম)পুরত রাধার পর ভা আই উচ্চুল হওয়া প্রথম	২৭-নামল	25	Pos
আপ্তাহর হাতে কল্যাণ	০-জালে ইমরান	₹6	20b	মূপার হাত টেনে বের করলে গস্তু-উজ্জুল দেখানো	২৬-চ'জারা	00	969
অন্তাহর হাতে থাকরে আকাশ-পৃথিবী (কিয়ামতে)	০৯-বুমার	31	899	মূদার হাত দর্শকের দৃষ্টিতে ৩৯ উদ্ধুল হওয়া প্রদান	१-का'राक	207	622
আল্লাহর হাত শৃঞ্জনিত (ইন্থনীরা বলে)	৫-মরিগা	86	996	মেনেদলে হাত কবালে দিকে পৌচ্ছ বা দেবে ইবাহীয় আ, এব তা	১১-ছদ	90	893
অস্তাহর হাতে অনুযাহ (তিনি বাকে ইজো নান করেন)	০-জালে ইমরান	90	280	রাজন্ত আল্লাবর ব্যাহে	६९-यून्य	3	200
ইহুদীদের হাত যা সম্রে পাঠিরেছে (মৃত্যুর ভাকাকন প্রনঙ্গ)	২-বাকুরা	26	622	রাধা (জামার গলার ভেতরে হাত রাখতে বললেন অক্সাহ মুলাকে)	২৮-জাসাস	03	8.5
ইহুদীনের হাত বা অগ্রি পাঠিয়েছে (ভানের কৃতকর্ম প্রসঙ্গ)	७२-वृद्धा	9	364	क्रमून ग. ता मध्यस अस्न स्रीती निता स्थानाता तथा स्थान	৯-ফাওবা	80	688
ইত্নীদের হাত শৃক্ষাপিত	৫-মরিদা	98	633	শেখা (নিমে কিতাব লিখে আল্লাহর কিতাব বলার দুর্ভোগ)	२-राकुरबा	939	201
কর্তৃত্ব (প্রতিটি বিষয়ের সর্বময় কর্তৃত্ব আল্লাহর হাতে)	৩৬-ইয়ানীন	50	bet b	লেখকদের (সম্মানিত লেখকদের হাতে লিখিত তুরজান)	৮০-জাবসা ব্যক্তিন	-	
কর্তৃত্ব (বার হাতে শবল বিশুর কর্তৃত্ব) কমিবসেরকে মিন্দের)	২০-যুমিশুন	bb	995	অ্য-উদ্ধল (সুনার হাত ঠান থের করেল অ্য-উদ্ধল লেখনো)	হচ-জারামা চত-জারামা	75	300
বাধা কলনে (বিজ্ঞানতের দিন অপরাধীদের হাত কথা কলনে)	৩৬-ইয়াদীদ	94	100	गुण्डित (या गुण्डित वद ताब व तमाद वत निर्दर)		00	999
কর্তন (পরান আনার বাধুনারহারে হাত-পা কর্তনো কৃত্তি বিভাগেউলার)	२०-इा-श	93	980		১৭-ইস্রা	રક	934
ধাফির ও মুমিশদের হাত পরস্পর থেকে নিবৃত্ত রাখা	8५-वादर	48	950	সংবাদ (প্রক্রিয়ান হাত সংবাহনর নির্দেশ, মুদ্ধ করনের আগে)	8-দিশা	99	600
को (विशेषक्रिया सन्वराज्य एक न विन्त्रीत वित्र (पहत को) )	২৬-হ'জারা	85	930	সংবাস (হ'ব সংবাস ৰা কালে মুৰাকিবসেৱকে প্ৰাক্ষার ও হয়ে)	8-নিমা	97	260
কর্ম (অধুকরদেরতে বিশ্বীত নিক থেকে হাত-পা করির ছয়তি)	4-81,510	248		সকর হাত দীর্ঘ পিকলে শৃঙ্গদিত করা হবে শ্বাহান্ত্রাইকে	৬৯-হার্কাহ	જર	343
বাহিবদের নিজেনের হাতেই তাচনর বাড়ী-খর লংস	৫৯-হাশর	348	956	দাক্ষ্য দিবে হাত (কিয়ামতে)	२८-मृद	2,8	996
অধিকানের (রাকুলান প্রথমনার একা অধিকা মুখ্য হার রাখে ভালা)	১৪-ইংবাহীন			সৃষ্টি ( গৃহপালিত গও সৃষ্টি করেছেন অক্সার দিল্ল হাতে)	৩৬-ইয়ানীন	42	46
		b	698	শপৰ্ণ (কিঅব নিম হাতে স্পৰ্শ করলেও কঞ্চির ভাতে	৬-আন'আম		
কামঝনো (যত কামঝনে জলিমনা, কিয়ানতের নিম)	২৫-কুরকান	49	95/8	সুস্পর্ট 'জাদু' হলে)	৫-আৰ্ আৰ	1	69
কেটে দেয়া (তেব ও দাবী তোবেব হাত কেটে দেয়া)	৫-মারিদা	-09-	624	হাত (ভান হাত)		_	_
বেটে ফেনা (হাৰ বেটে ফেনল নারীরা ইউনুফকে (৮৫৭)	<b>১২-ই</b> ৪মূচ	42	৬%	মূলার ভান হাতে কি ৮ (মূলার লাঠি সম্পর্কে আল্লাহর প্রস্ন)	২০-জা-হা	29	98
কেটে ফেলা হবে জনের হাত ও পা, যারা যুদ্ধ করে আল্লাহ	ং-ঘরিদা	00	Q1/8	মুনার মান হাবের শান্তি নিক্ষেপ প্রসম্ব	२०-इर-श	88	981
(वर्दी राम्न (क्षण (वर्दी रास्त्राव्य वर्तत, जालत जरहा सिमान)	১২-ইউসূচ্চ	20	9913	শিপিকঃ করা (রাপুল স, তার হাতে বেদন কিয়াব লিপিবছ বড়েননি)		86	43
কোৰ (হাত নিয়ে এক কোৰ পানি পান, ভালুভ প্ৰদাৰ)	২-বাকুরে	285	450		da-dinasio.	av	9.5
থটিয়ে রামা (গ্রুত থটিয়ে রাখে মুলফিকর ভালনাম থেকে)	৯-জাওবা	৬৭	689	হাততাদি (দেখুন করতাদি শৃপ্টি)		_	_
<b>অপ্</b> যতে লাগল বাগান মালিক (অনুশোচনায়)	79-41da	85	929	शंख्य			L
ভাৰ হাতে আমলনামা/কিতাৰ প্ৰদান (কিয়ামতের দিন)	७७-शकार्	79	242	নাত্ত হ'লে থানে কর্ম্প্রেম্বা নিকে স্মর্শানারী সংবর্মপরারণ)	৩১-পুকমান	42	P-20
ভূদ হাতে নিয়ে বাঁকে আধাত করার নির্দেশ (আইউনো প্রতি)	৩৮-সেরাদ	88	9-69-	মৰবৃত হাতল ধারণ (আল্লাহর প্রতি ইয়ান জানরনকারীর)	২-বাকুলো	200	201
তৈনী করেনি (মানুদের হাত তৈনী করেনি খল-মূল)	०५-देशमीन	00	PGO	दावीक्यमा			
নেথকে পার না হাত, অঞ্চনারে (কবিবলের বাজের উপম)	२8-मृद	80	9.99	আরব (হাজভয়দানের সাথে প্রতিপাদকের জচরণ)	১০৫-ফীল	2	200
ধরা (মৃতিদের কি হাত আছে বা দিরে তারা ধরে ?)	৭-জ'রফ	252	600	হারীভাশালে উপর পোরামানি পারা নিকেপ্	১০৫-খীল	8	200
ধরে ফেশ্য (রাসূল স. বানিরে বললে আল্লাহ জন হাতে				যত্ত্বত্র প্রতিপালক স্তরভার পর্যবসিত করেন	১০৫-জীল	3	200
ধরে ফেপতেম)	५७-शकाद	82	79.0	হাতীওরালানের বড়বছ)	206-411	`	200
ধৌত (হাত ধৌত করার নির্দেশ, অস্কু প্রদাস)	৫-মরিদা	6	62.5	शकृषि			
দর্শীর হাতে যুদ্ধবন্দিদের প্রসঙ্গ	৮-আনকাল	90	900	লোকা বাহুদ্ধি থাকরে (অপ্তাহ সম্পর্কে বিতর্কজারির জন্য)	২২-হাজ	45	950
নগালে অলা (ইহরাম অবস্থার শিকার হাত,থর্পার নাজলে আন)	হ-মর্বিদা	38	625	शनी			
নিম্ন হাতে জনম না, কে সৃষ্টি করেছেল আল্লাছ	৩৮-সেরাদ	92	190	য়দী/কুরবাদীর জন্য তা'বার প্রেরিত পচ	৫-মারিদা		
নিম্ম হাতে নিম্মেকে ধংগ্ৰেমর দিকে নিম্মেশ করা	২-বাকারা	295	444		선-세양제	28	69.
নিয়ত করনের অস্তাহ এক সম্প্রেপনের হাত (মুনিন্দার থেকে)	৫-মারিলা	22	685	হান .			
প্রদারিত (হাত প্রদারিত করবে না হালিল কবিশতে হতার জন্য)	৫-মরিল	45	648	বড়ো হাজা আবাত (জনুকুল বাজনে লেখন নৌযান)	১০-ইউনুস	રર	620
প্রপারিক (ছাত প্রসারিক করে খলি অভিল প্রক্রিক্তে হজা)	হ-মারিলা	53.	¢16	বিপর্বে হালা দের (হাণাদের উপর)	৬৮-কৃশায	79	398
ফেরেশতার হাত বাড়িয়ে বলা (জালিমের সৃত্যুর সময়)	৬-আৰু আন	20	600	शरिवा			
বাম ব্যাতে আমলদাম(কিতাব প্রদান (কিয়ামতের দিন)	७०-राषाद	32	313	নেকীর পাল্লা হালকা হলে পরিগাম হাবিরা লোহখ	১০১-কৃরি'আ	>	Sort
বারুল (বার বারুলর করু অর্থাল মুক্তিনে প্রতি, এক সপ্রবার)	৩০-খঙাৰ ৫-মরিলা			হাবিদ	Sob-Sile of		200
মাসেহ করা (মটি হারা হাত মাসেহ করা, তারাপুত্র প্রসঙ্গ)	८-मन ८-मन	22	62.7				Ь.
মানেহ (হাত মানেহ করা- অয়াভুম প্রনাল)	৫-নদ। ৫-মাছিল	80	695	তাবিদ হাবিদকে হত্যা করতে চাইদ	৫-মরিদা	29	62.8
			6.4.2	হত্যা কাবিশকে হত্যার জন্য হাবিল হাত প্রসারিত করবে মা	৫-ঘারদা	45	22.5
মানুবের হাত লংবরণ করান আল্লাহ (মুমিনদের খেলে)	8≽-সত্ <b>হ</b>	२०	972	दाय			
মনুমর হার যা মর্মন করেছে তার ফলে মানান প্রকলিত	00-₩¥	82	354	থননে (অক্লাহ হাম থানানি)	e-মরিদা	200	434
মানুষের হাত বা অহা পাঠিরেছে (কৃতকর্ম)	00-8X	69	P-58	হামান			_
মুৰাধিকদের হাত বা অগ্নে পাঠিয়েছে তার করেনে বিপদ	8-RM	62	698	অহংকারের সঞ্জন হামানের ধানে	২৯-আনকাবৃত	69	P29
মুদ্দি মন্ত্রীর হাত-পারের মাকাধান (পেট) এর বিছরে অপন্যদ	৬০-বুৰভাইনা	25	74.7	লেকতে মাইলন (ব্যৱহার বান্দের) বা আনো আলারা ছিল		-	
মুমিনদের হাতে কাফিরদেরকে শান্তি নিকেন আপ্লাহ	৯-জাওবা	38	982		২৮-কাগাস	ė	pop
মুমিনদের হাতে কাঞ্চিরদের গরবাড়ি ধাংস	67-544	2	966	ক্রিজাউন হামানতে নির্দেশ দিল (উচু প্রাপাদ নির্মাণের)	80-मृभिन	06	993
	১-অধ্য	65	684	নির'জাটন, হারন ও আন্যা বহিনী ছিল জগরানী	২৮-কাসাস	b	pop
মুমিনদের হাতের উপরে আপ্লাহর হাত (বাইরাক প্রদান)	৪৮-কাত্য	30	979	মূপা জা, বে হামানের নিকট প্রেরণ	8p-মুখিন	3,8	৮৭৯
মুসা আ, এর হাত নগদে রাখার পর তা উচ্চুল হওয়া প্রসঙ্গ	২০-জু-ব্য	44	984	হামনকে নির্দেশ বিশেষ বিশ্বাপ্রাটন প্রদান তৈনির জন্য	২৮-কাপাগ	<b>©</b> b	233

		4	ह-श्रीभ	6,414			3
नव निरद/दगर	त्वामः धनाव	<b>TER 8</b>	781		नुबान्द्र शनाम	-	981
इ!-मीम		-	-	দুইবেনকে একত্ৰে বিবাহ কলা হালম	8-1491	20	669
হুরকে মুকারয়েত (হা-মীম)	80-मधित	3	boč	নবদুক পত হারাম করা হরেছিল (ইর্ন্দীনের জন্য)	৬-জান্'জায	586	630
ধুরুমে মুকাজরাত (হা-মীম)	৪৬-আহ্বাফ	3	you	নৰী কৰ্তৃক হালাপকে হাৰাম করা (স্থীৰ সম্ভবিৰ চদ্য)	৬৬-তাহ্বীম	3	hgo
হুকুফে মুকান্তরাত (হ্য-মীথ)	82-51	>	164	নিরাপদ করা (অপ্রাহ হারাম/মঞ্জাকে নিরাপদ করেছেন)	২৯-জানকাবৃত	69	9.52
হুৰুফে মুকাজরাত (হ্-মীম)	৪০-সুমক্ষ	3	990	পৰিত্ৰ বস্তু হাল্লাম কৰা হয় (ইন্ট্দিদের কুলুমের কারণে)	8-991	360	699
रापा	-	-		পুরুষ পত হারাম করা প্রসম্ব (উট ও গরুর)	৬-জাপু'আম	288	630
বাস্কুরের "হাখা" শব্দ (মুসার সম্প্রানার প্রসাল)	৭-জ'বক	280r	696	পুক্রর স্তীকে বিয়ে করা হারান	8-991	20	cca
বাছুৱের 'হাখা' শব্দ (সামিনীর তৈরি করা বাছুর প্রসঙ্গ)	10-四町	39	986	পুঞ্জৰ পাত হ্যায়ান করা প্রসঙ্গ (চেড়া ও ছাপালের)	৬-অনুভাম	380	930
হার (আফসোস)		-		প্রতিষ্ঠা (নিয়াপদ হারাম প্রতিষ্ঠা করেছেল আল্লাহ)	২৮-কাসাস	63	270
কাবিদের আফসোন। কাবিদের আফসোন- সে ব্যক্তের মতো হতে পারশ না	৫-মর্বিদা	-03	e+8	ভূতুকে বিয়ে করা হারম	৪-নিলা	20	ega
মালিমদের আফলোন (কিরামতের নিন)	২৫-কুম্বকান	29	968	কলি (ব্যৱহাৰ বস্তু সম্পৰ্কে অস্ক্ৰাহ বিয়াইত কৰিব কৰেছেল)	৬-জান'আম	229	809
বন্ধ প্রব্রের বাপেরে আফলোন	११-पृष्ठकान	47	968	বনী ইসৱদিশের বিছু হারাম বিষয় হালাল করবেন দিলা	৩-আলে ইমরান	ĝ0	687
	१५-माबरेबान	20	900	ব্যক্তির্বাহার বিয়ে কর হারম কর হয়েছে	২৪-লব	0	998
মনারম ভাষদেদ কলে (বাজ প্রদানে পূর্বে যদি মৃত্যু হত)	28-419(914	40	700	বিবে করা হারাম যামেরকে (ঔরসঞ্জাত পুত্রের স্ত্রী)	8-शिश	20	ccp
হায়েহ (দেপুন 'মাসিক' শদটি)				বিশ্বত বাবা (মর্মান্সের হরেম থেকে ব্রনিবাদরকে বিরত রাবা)	8५-स्मा <b>ए</b> ड् ·	42	225
হার-জিত				বের করা হারার ছিল (কবিইসরাদিলের পরস্পরকে ঘর থেকে	২-বাকারা	100	670
এন্দ্রীকলা (ব্যৱ-বিভান দিন)বিলামতে সকলতে এনভিত করা হয়ে	৬৪-লংগ্ৰুদ	٥	999	(सन्दर्क विद्रश्च कहा शहर प	8-First	20	200
ছার-জিতের দিন্-বিন্যামতে সবলাকে একটিত করা হবে	৬৪-ভাগাবুন	ъ	999	বেলের খেরকে বিষ্ণে করা হারাম	8-विश	20	203
হারানো (আরো দেবুন 'উধাও' শদটি)				ভাইরের মেয়েকে বিয়ে করা হারাম	8-FPH	20	669
বি হারিয়েছে ভারা (কাফেলা জাদতে চাইল)	১২-ইউসুফ	47	69/0	মঞ্চা নগরিকে আল্লাহ হারাম/সম্মানিত করেছেন	२९-मामन	97	209
পথ (প্ৰমান নিয়ে কুফৰী বনল কবলে সৱলপথ হাবাৰে)	२-शकृता	2ch.	625	নসন্ধিলে হারামে নিরাপনে প্রবেশ করবে মুমিনাব	৪৮-ফাত্হ	39	279
পানপাত্র (রাঞ্চার গানপাত্র হারিরেছে ধলে জানাপ তারা)	১২-ইউসুফ	92	6lino	মসজিলে হারাধের কাছে চুক্তি সম্পাদন	৯-জভবা	9	980
বিজয় (হারানো বিজয়ে যেন বিষয়া না হর মুফিনগুণ)	৩-জলে ইমরণ	320	820	মসমিলে হারামের নিকে চেহারা বিদ্যালার নির্দেশ	১-বাকুারা	788	659
সরল পথ হাধাবে সে, যে আপ্রাহর সাগে কুকরি করবে	৫-মার্ছিদা	25	68-5	ন্দৰিলে হারানের দিকে ক্রেহার বিরোধার দির্দেশ	২-বাকারা		
সঞ্চল পথ হাৰিকেছে সে, যে অক্সাহ ও মুফ্নিচনা শতালা সচং	১০-মুখভাহিনা	3	964	ক্ষাৰতে হাত্ৰৰে দক্তি তহাত কোনোত দলেশ ক্ষাৰতে হাত্ৰৰ হৈছে কাছিল আনুগা ক্ৰম (নৱান্ধ প্ৰাণ)		240	674
হারাম (আরো দেখুন "নিষিদ্ধ" শব্দটি)				ক্ষামান হারা বেক ক্ষামান করে ইয়ানের সমান নর	১৭-ইস্রা ৯-জাওবা	23	928
জনোর বিবাহ বন্ধনে জাবত নারীকে বিরে করা হারাম	s-First	38	660	মগানাল হারামক ভাবার করা সমানের সমান পর মসানিমে হারাম থেকে বিরত রাখা, বিশ্বের স্থাত	৪-জাওব। ৫-মারিলা	-	987
অনুমতি (অক্সাহ বি হলালকে হারাম করার অনুমতি নিয়েছেনং)	১০-ইউনুস	63	660	মগাৰূপে হাত্ৰাৰ থেকে নিকটে আগতে না মুনাকিকরা		4	¢tro
অপবিত্র বস্তু হারাম হওরা প্রসঙ্গ	৭ আ প্রক	329	629	মান (প্রাম মান মানুহের শীবনধারণের উপকরণম্মণ)	৯-জাওবা	45	683
অশ্রীলতা হারাম করেছেন প্রতিশালক	৭-আয়াক	00	626		৫-মারিদা	39	695
অশ্রীলড়া হারাম (প্রকাশ্য-অপ্রকাশ্য অশ্রীলড়া)	৬-আন'বান	262	633	বাস (হারার বাস অভিবাহিত হলে ফুর্ণরেকসেরক হতার নির্দেশ)	৯-ভাওবা	4	680
নাপ্তাই হারাম করেছেল (মৃত পব , যক, শৃকর প্রসঙ্গ)	১৬-সংহল	226	13-2	যান (হারার মান সম্পর্কে রাস্ব স. কে জিল্লাসা)	২-বাকুারা	578	248
স্বাস্থ্যত্ হারাম করেছেন কাভিরনের জন্য	1-76"019	ĝo	659	খাস (চাবটি হারাম খাস)	৯-জভা	06	880
সাল্লাহর সৌদর্থ কে হারাম করেছে কেঃ	৭-আ'রাক	02	950	খাকে বিয়ে করা গুরাম	8-भिना	50	669
অস্থাহর হরম কর বিষয়কে হরম করে না ধরা খালে বিষয়ে	৯-মান্তব্য	22	680	খাতা পিতার সাথে দূর্ববিহার হারাম	৬-জান্তাম	24.2	622
আপ্তাহর হারাম করা মাসকে হালাস করা	৯-জাবর	99	588	খাদ (হারাখ মাদের বনলে হারাখ খাদ, যুদ্ধ প্রদাস)	২-বঙ্গরা	298	544
'অস্থাহ এটি হারাম করেছেন' (ধারা হালালকে বলে)	৬-আপু'আম	360	922	বাদ (গুৱাৰ বাদের অবধাননা দিছেও)	৫-মারিদ্য	1 2	5p.c
ইজামত হালাল-হারাম বলা আল্লাহ সম্পর্কে মিখ্যা রচনা	১৬-নামূল	229	120	দুশরিকরা কিছুই হারাম করাত না (আল্লাহ ইঞ্চা করলে)	৬-আন্'আম	782	677
ইসরাসল নিজের উপর যা হারাম করেছিল	৩-ফালে ইমরান	30	989	ব্রপরিকর বিষ্কৃতি হারন্য নির্দিত করত ন, আন্দ্রহ মইলে! (উমট যুক্তি)	১৬-নাহ্দ	02	902
ইতুনীদের জন্য নথযুক্ত পক ও গরু/তেড়ার চর্বি হারাম ছিল	৬-আন আম	786	650	বুক্তিবার জন্য হারাম করা হারছে- মৃত পত, রক্ত	২-বাকুরো	240	679
ইহুনিসের জন্য হারামকৃত বস্তর উল্লেখ প্রসং	১৬-লাহুপ	22F	930	মৃত পাচ বাওয়া হার্যম	১৬-নাহ্দ	276	932
উত্তর্জনবারী হতার ব্যক্তা নর (কাপুর্বতা, প্রার)	8-970	229	629	ৰ্ত পত হাৰাম কৰা হয়েছে	৫-মারদা		6,00
ব্যৱসঞ্জাত পুত্ৰের স্ত্রীকে বিয়ে করা হারাম	8-PiRt	20	659	तक बाल्या द्वार	১ও-নাহ্ন	276	934
তন্যাকে বিৱে করা হারাম (নিজের কন্যা)	৪-নিসা	20	689	विकारक पुर्णकारा शहाप तथा करत	৬-আৰু আৰ	280	630
জিলাস (হ্যৱাম বিষয়সমূহ সমাল সমাল)	২-বাকুলো	228	443	বিভিন্নে হারাম করতে আপ্তার কি অনুমতি দিরেছেনঃ	১০-ইউনুস	65	(6)0
बागादन विद्वा जवा वाकाय	s-Pint	30	629	শিবক করা হারান (আপ্রাহর সাবে কোন বিস্তুতে)		767	622
পালা হারদ (পূর্বতর শোশন/মৃত পর্যাপ্রবহিত রক্ত থালো হারদ)	৬-আনু আম	384	630		৬-আন্'আম		
প্ৰতিম ব্যৱস (সুন্তিম গোলাকৃত্ব আন্তান্তক্ত সভা প্ৰতম ব্যৱস্থ প্ৰতি পতৰ পিঠ হাৰাম (মুশবিকদের ধারণা অনুযায়ী)	৬-আপু আৰ	205	609	শিকার হারাম (ইহরামে থাকা অবস্থার স্থানর শিকার)	৫-মারিদা	hb	695
গৰাল শতৰ (৭০ হৰাৰ (বুশাৰকলের বালা। অবুবালা) চবি হ্যৱাম (গঙ্গু ও জেলুর চবি ইছদীলের ৰুণ্ড হ্যৱাম ছিল)		_		তৰুৱের মাংল বাগুয়া হারাম	১৬-নাহুদ	226	932
	৬-আন্'আম	78.9	630	প্ৰবের গোপত/মৃত জন্ত/প্ৰবিহিত রক বাওয়া হারাম	৬-আন্তাম	284	970
জৰাষ্ট্/উৎসৰ্কিত পৰ হারাম (আল্লাহ ছাড়া অন্যের নামে)	36-HRM	276	125	শ্বাবড়িকে বিবাহ হারাম	8-Size	20	203
অন্ত্রাত হারাম করেছেন সাম্রাহ ভার জন্য যে শরীক করপ	৫-মারিপা	92	cva	गरश (प्रकार मांग्रस गरश विमाल प्रमान संगठन प्रकार करत)		23	
দুখবোনকে বিয়ে করা হারাম	8-मित्रा	₹0	669		৯-ভাগৰা		688
पूर्वमाद्यास्य निवास कवा ग्राचाम	s-PH	50	66.9	সন্ধান হত্যা করা গুরাম (দারিশ্রের কারণে)	৬-আন্'আম	267	922

Company of the same	न्यांन्द्र शताय	WHE ?	781	न्य दिस्त्र/श्रीतम्	नुवा के व मात्र	10017	10541
হারাম (আরো দেখুন 'নিষিড্র'গদটি) (পূর্ব পৃঠা বেকে)	২-বাড়ারা	392	000	শান্তি বালকা করা ব্যব না আদের হারা (ঈমানের পর)	৩-আলে ইমরান	pp	₹88
প্ৰীৰ সম্ভব্নি জন্য নৰী কৰ্তৃক হালালকে হাৱাম করা	५५-शस्त्रीय	3	390	শান্তি হালকা করা হবে না কাফিবদের (জাহান্তামে)	৩৫-কাঠির	06	783
প্ৰীৰ কন্যাপথকে বিশ্বে করা হারাম	8-971	20	699	পান্তি হাপকা করা হবে না (জানিমদের)	১৮-নাহণ	brê	930
एस का क्रांप कार्यम व्यक्ति (नामग्रान कार्य स्त्र)	১৭ ইসরা	-00	936	শান্তি বাসকা করা হলে না (স্কাভিবাতের নিনিমার দুনিয়া কিনচ্গে)	২-বাকুরা	b6	230
হ্ব্যা করা হালম (ন্যারসক্ষত কারণ হাড়া কাইকে)	৬-আনু আম	767	633	হালতা বৰ্ছণ			$\overline{}$
হাদাপকে মধী কর্তৃক হারাম করা (শ্রীর সম্বাচিত্র জনা)	১৬-ভাইরীস	2	390	কারেন হালনে বর্তনেও ফল হংলার উপন্ম (উচু ভূমির বাগন)	২-বাসুদ্রা	202	20
হুলাল বস্তুত হারাম না করার নির্দেশ	१-पतिमा	49	697	হালতা মনে করা	C. of on	100	
হন্ত্যা করা হারাম করেছেন আল্লাহ (ন্যায়সঙ্গত কারণ ছাড়া)	२१-पृतकान	66	989		N. Tribere	bro	901
গুলাল মানকে হারাম করে দের এক বছর (কাবিবরা)	৯-জাধ্য	93	688	তাবৃত্তে তথ্যপুৰ্বিত্ৰ ভবছাত্ত মানুষ হালকা মনে করে	১৬-নাহ্শ	90	704
	9-210-0	VI	900	शमान			١
হারাম মাস (নাসী)			_	অহার (হালাল ও পরিবরন্ত আহার করার নির্দেশ)	২-বাকুারা	792	679
বায়বড়ি (পলী বা হয়ান মানকে পিছিত্র লো বড়াবড়ি)	৯-ডাওবা	তণ	688	অহন (স্কান্ত নের স্থাপ/পরি মিনি করে ও কৃতভার প্রদর্শ)	১৬-নার্দ	278	47:
श्रक्तिस याध्या				ইন্দ্রেমত ব্যবাল-হারাম করা অস্তাহ সম্পর্কে মিথ্যা রাজ্য	১৬-নার্গ	226	934
বিমর্থ (কোন কিছু হারানোর জন্য বিমর্থ না হওরা)	৫৭-হানীদ	50	950	ইহুৱাৰ খেকে হাদাল হওয়ার পর শিকার করা বৈধ	৫-মরিনা	2	Q'bro
মুম্বিনদের স্ত্রী কাব্দিরদের নিকট ব্যরিরে শেলে	৬০-মুখলহিণা	>>	959	কাহিত্রর হালাল নর মুখিন নারীকের জন্য	<b>७०-मूमडारि</b> मा	30	963
ধ্মীনে মুখ্রির ঘারার পর স্কুল সৃষ্টিমলে পুনক্ষানে কলিয়ের সংগ্র	৩২-সাঞ্গা	30	9100	কিতাৰপ্ৰাৱদেৱ জন্য হাধান মুখিনদেৱ খাদ্য	৫-মরিদা	6	24:
হাকন				কিতাবপ্রাথনের খাদ্য মুমিননের জন্য হালাব	৫-মরিদা	¢	27:
অনুহার (ব্যক্তনের প্রতি আপ্তাহ অনুহাহ করেছেন)	৩৭-নাক্কাভ	778	8/62	ক্রম-বিক্রয়তে আল্লাই হাগাগ করেছেন	২-বাকুরা	292	600
অনুরোধ (চুল/দাড়ি না ধরতে মূলকে হাজনের অনুরোধ)	२०-झ-श	38	989	বাওয়া (হাধাৰ ও পৰিব বিধিক বাওয়ার নির্দেশ)	৫-মরিদা	PF	69
অনুসক্ষা (কবি উপবাদিশকে যুক্তনা অনুসক্ষার নির্দেশ)	২০-য়া-বা	30	985	বাৰাত (ধনী ইসৱাধীৰদেৱ কৰা হালাল ছিল সৰ বাৰাত)	০-জালে ইমরান	90	28
বহী করা (আল্লাহ হাজনকে ধরী করেছেন)	৪-নিবা	360	499	বনিবত হাবাদ ও পবিত্র	৮-জানফাপ	66	65
वही द्वारण हाकरूना श्रांत (प्रमात विश्व कांग्रेसना नवाह वाला श्रांतर)	২৬-ব'বারা	20	999	গোপন করা হালাগ নর অধ্যকশ্রোপ্তার জন্য (গর্ভছ বিষয়)	২-বাকুরো	444	65
নৰী (ছাক্তনতে নবী করে মুদাকে দরা করলেন আল্লাব)	১৯-নারইরাদ	20	909	চকুম্পদ গৰাদি পাচ হালাগ করা হয়েছে (বিশ্বদানার্যনের জন্য)	৫-মারিদা	3	24
মির্চাপ্তিন ইনাইশতে ব্যবসার নির্চাপের অনুশার)	२०-इर-व	30	186	চতুস্পদ জন্ত মানুহের জন্য ব্যাহাল (করেকটি ছাড়া)	२२-शक	80	96
পরিধার (ব্যক্তন পরিষারের রেখে যাওরা অর্থনিট ররেছে নিশ্বকে)	২-বাকুরো	280	659	নবীর জন্য যে সকল নারীকে বিয়ে করা হালাল	৩৩-আহ্বাব	20	ro
প্রতিপালক (ব্যঙ্গনের প্রতিপালকের প্রতি জানুকরদের ঈর্মান)	59-0,alti	83/	380	দিয়ে নেরা খাপাল নর (ভালাক দেয়া স্ত্রীদের মেহর)	২-বাকারা	443	44
প্রতিশালক (মুরুনের প্রতিশালকে উপর জানুলায়নর স্থানা)	1-81'EV	255	990	পৰিত্ৰ বস্তু হাগাল ঘোষণা করেন রামূল	৭-জারাক	209	64
প্রতিপালক (হারদ্যাপুদার প্রতিশালকের প্রতি জানুকরনের উবল)	২০-ছা-বা	90	180	বিশ্ৰ করা হালাগুনবাঁর জন্য যে সকল নাঠাকে বিশ্ৰে করা হালাগ)	০০-জাহ্যাধ	ĝ0	he
প্রপ্র (ধ্রমন্ত্র মার সভাগরের বছর পূল সম্পর্কে কুলা প্রপ্র)	२०-इर-वा	32	181	থিয়ে করা হালাল যে দব নারীকে (নিবিদ্ধ ছাড়া সকলকে)	8-शिल	48	26
প্রের (বিরবার্টনের কারে স্থান ব্যবহাকে নির্দেশনার প্রেরা)	১০-ইউনুস	92	663	বৃদ্ধিৰ দাৱী হালাল মৰ কাকিবলের জন্য	bo-মুমতাহিলা	30	96
প্রতিনিধিক (মুলর সম্প্রলার হারনের প্রতিনিধিক)	৭-আ'লড	382	698	যৌনসম্ভাগ হাসাস করা হয়েছে (রোজার রাতে)	২-বাকারা	244	65
প্রকলে (রূপর সাক্ষর ব্যক্তির ব্যক্তির ব্যক্তির (মূপর ব্যক্তির ব্	२५-व्यक्तिया	30-X	920	ব্ৰাপুৰ স. এর ক্ষত্ত যে সব নারী বিষ্ণে করা হালাপ নয়	০০-জাহণাৰ	65	brox
	৭-জাবাদ	340	626	বিহিক (হালাল বিভিন্তে হারাম করা প্রসক)	১০-ইউনুস	69	99
বলা (সম্প্রবারের বাছর পূজা সম্পর্কে ব্যক্তন মৃত্যাকে বছল)				ব্রিছিক (হালাল-পথিত্র ব্রিটিক খাওবার নির্সেশ)	१-पश्चिम	bh	69
বোন (হাঞ্চনের বোল মারইয়াম	১৯-দারইয়াদ	5/2	986	হিল (ক্ষান্ত নের কল ও পরি জিল অহুর ও কৃত্যার)	১৬-নার্শ	228	935
অই (মূগার ভাই গ্রহনের মাধ্যমে মূগাকে শক্তিশালী করার দোরা)	২০-ফ্লা-হা	80	982	শিক্ষা কুলা (উল্লেখ কংলুল সমুক্তা শিক্ষা খাওল খাপাশ)	०-पशिष	320	230
মুসা আ. ও তার ভাই ব্যক্তন্তে প্রেরণ করলেন আল্লাহ	२०-मृष्टिन्न	8¢	959/	পানীর জন্ম হাপাল হবে তার ব্রী (বিতীয় তালা(কর পর)	২-বারুরা	200	231
মুগা আ, এর ভাই হারুল স্পটকারী	২৮-কাসাস	c8	9-27		१-विश्वा 8-विश्वा		
মুনার কাঞ্চে হারুনকে জংশীদার বানাদোর দোরা	२०-झा-श	<b>७२</b>	૧৪૨	হরম কর হর এমন পরির ব্রু য ইক্তিনের জন হাপাল ছিল		7,90	64
রাসুল (মূল ও হারল আ প্রতিপাদানের রাসুল, নির্মাজাইনপ্রদান)	२७-व जारा	36	446	হারম না কর (অল্লাহ বা হলাল করেছেন ভা হারম না কর)	৫-মারিদা	3.4	20
শান্তি বর্ষিত হোক (মূলা আ, ও হারুদের প্রতি)	৩৭-নাক্কাড	750	3495	হ্যরম কর (অক্সহত হলকে করা বিজ্ঞা নবির ব্রীয় দল্য হারম কর)	৬৬-অব্রীম	3	390
স্ক্রিকপথ প্রদর্শন (অস্তার হারশকে স্ক্রিকপথ প্রদর্শন বড়ন)	৬-অন্ অম	9.8	608	হালাল করা		_	
সহাধ্যকারী (হাসনকে মূলার সাহাধ্যকারী বানালো)	২৫-কুম্বন	00	9942	পৰিত্ৰবন্ধ বাদাল কথা ব্যৱহে মুখিনদের জন্য	৫-মারিদা	8	@bre
হাজত				পৰিত্ৰবন্ধ হালাল করা হল মুখিনদের ঋণ্য	৫-মবিদা	0	200
ফেরেপড়া (হারত-যারত কেরেপড়াতে ব্যবিদনে প্রেরণ)	২-বকুরা	305	425	বুনিয়ার খন্য বি কি হুগাল কর হরেছে (রপুশ স. কে জিঞান)	৫-ময়িদা	8	@bre
হালকা				হাবাদ করনে দিব আ কিছু হরম কির (কী ইনরানদের জন্য)	৩-আদে ইমরান	60	283
অপ্তাহ বৃপত্ত হয়ে দিয়েছেন মু'ফিয়ার কল (মুফিয়ার বিকার)	৮-আনকাশ	66	90k	হারার মাসকে হাশাশ করে দের এক বছর (কাভিররা)	৯-ভাওবা	তণ	688
গর্ভধরণ (বৃদ্দার গর্ভ ধরণ অবস্থার হাওরার চলাফেরা প্রদাস)	৭-বা'রাফ	25-20	600	হার্যন মাসকে হালাল করা (হার্যন মাস শিক্ষির সেরা প্রসঙ্গ)	৯-ভারবা	७९	688
জালিমদের শান্তি হালকা করা হবে না (কিরামতে)	১৬-নাব্দ	be	930	হালাল মনে না করা			
পাল্লা হাসকা হবে যাদের ভারা নিজেদের কবি করেছে	২০-মুমিনূল	200	993	শিকার হাপাল মদে লা করা (ইহরাম অবস্থায়)	হ-মধিদা	٥	er
পাল্লা হাপকা হলে হাবিয়া নোখৰে ছান হবে (নেকীর পাল্লা)	১০১-কৃত্তি'আ	b	7007	হারাম হালাদ (নয়)			
বের হওরা (বাপকাভাবে কের হওরা, জিহাদের ক্ষন্য)	3-SIGST	83	588	উত্তর্জনার হতত হারম (কাপুনিক রীর উত্তর্গনারী হতত)	8-Pm	29	993
মানুহের জন্য আল্লাহ হালকা করতে চান (বিয়ে প্রসহ)	s-Spit	35	660	शहा		۱.º	
							1

वाराम काका

শদ বিষয়/প্রসূত্র	न्दा नः च नाम	200	्रका	न्य विश्त/दारम	সুৱা বা ব সাম		
হাশরের মাঠ (যমীন)				দিদানদারদের যারা হিম্মরত করেছে ও মিহান করেছে	৮-আনফাপ	98	903
উন্নালিক হলে ক্ষমিনাক্ষপত্ৰক মঠ প্ৰতিশঙ্গপতের ক্ষেত্ৰিকে (বিনামকে)	৩৯-মুমার	69	৮৭৭	ইমানদারদের মধ্য থেকে যারা বিজয়ত করেনি জাদের	৮-জানফাল	વર	90%
হাসা				ব্যপারে দায়িত্ব শেই		"	
ইব্যাহীয় আ, এর স্ত্রী হেলে কেলেন	33-37	25	812	ঈমানলার (হিজরত করেনি যেগর ঈমানদার)	৮-আনকাগ	92	90%
কম হাসা (কম সময় হেলে নিক দুনিয়াতে, ফুনফিকরা)	৯-আঙৰা	25	687	নির্মানত হলে বিজ্ঞান,বিশ্বসন্ধানন করলে অস্তাহ তার প্রতি	১৬-নাহ্গ	220	475
কিবামতের কথা বলে হালি ঠাটা করে (কাফিবরা)	৫৩-শক্ষ	90	906	পৃথিৱৈত হিচ্ছাত করার মত প্রশায়তা কি ছিলা (যেরেশাতার প্রপ্র)	8-निमा	39	609
সুলাইমান এর মৃদু হালা (পিপড়ার উচ্চি বনে)	২৭-নামপ	7.9	tot	প্ৰচুৰ্য (হিমানভাৰী পৃথিবতৈ অনক অপ্ৰবাহণ ও প্ৰচুৰ্য পাৰে)	8-मिम	200	269
হাসানা	-	-		বিদিয়ে (হিজাব/বিশ্বন/বির্ধান করেল অল্লাহন দ্যা ও কথা)	५७-सद्ग	720	125
কর্মে হাসানা লেয়ার জন্য মানুমের প্রতি আহ্বান	২-বাকুরো	282	232	মু'বিদানে পরে ঈয়ান এনে হিন্দাত ও নিয়ান করেছে যাবা	৮-আনফাল	92	00%
হাসালা (উত্তম)	C 41-11	100	100	হিন্দরতকারী (আরো দেখুন মুহাজির শব্দটি)			
অপ্রাহ্বকে তর্জে হাসালা দেয়ার নির্দেশ	१०-पुग्राधिन	30	99.9	অন্যাহতিত হয়ে হিমনতবাদীন অভিয়নের প্রতিদান প্রেচ	১৯-বার্ণ	83	900
হাদানো	10-2441 61	100	10010	অন্যান্ত্ৰিত হয়ে হিমন্তৰনাত্ৰিৰ কৰা পুৰিয়ায় উল্লেখ সৰাপ	১৮-লব্দ	85	100
		١.		আপ্রাহর পরে হিমবানমারী পৃথিবীতে আপ্রবন্ধপ ও প্রচুর্য পারে	8-PH	200	669
অল্লাংই নদুৰকে হাসান	全の一型原料	80	3/08	আপ্রাহর পথে হিজবতকারীকে আপ্রাহ উৎকৃত্ত বিধিক দিবেন	22-EME	62	160
হাসা (মৃদু হাসা)		_		আল্লাহর পথে হিমরভকারীকে কিছু না দেয়ার কপম	२8-मृत	22	998
নুশাইমান এর মৃদু হাসা (পিগড়ার উজি খনে)	২৭-নামল	79	903	অনুসন্থল (হিন্নরভকারী পৃথিবীতে অনেক আশুয়ন্থল ও	8-निमा		
হাসি-ঠাটা				क्षाइर्व भारत)	8-(44)	200	669
অপরাধীরা হাসি-ঠাটা করত পুনিরাতে (মুমিনদেরকে নিরে)	৮৩-মুভার্কস্পিন	59	7075	পাপ মোচন (হিজরতকারীদের পাপ মোচন করবেন আল্লাই)	০-আলে ইমরান	295	000
দ্বমানদারদেরকে হালি-ইটো করতে (পথমন্টরা)	২৩-ৰু মিপুন	220	૧૧૨	প্রত্যাপা (ছিম্মবতকারীরা প্রত্যাপা করে, আস্থাহর দলা)	২-বাকারা	425	658
নিদর্শন নিয়ে হাসি-ঠাটা (ফির'আ উন সম্প্রদায় কর্তৃক)	80-पुश्क्रम	89	Vhb	আগবাদ (হিজ্যান্তর্বিদের্ভ ভাদরলে মদীনর আনদারণা)	69-5146	8	920
মুমিনর হাসি ইট্রা করবে কাকিরসেরকে (কিরামকে)	৮৩-মুমাক্ষিকীন	48	7075	মর্থানা (হিজরতকারীর প্রোষ্ঠ মর্থানা ব্যবহে আল্লাহর নিকট)	৯-জাওবা	20	483
दिला		1		যুদ্ধিন নারীরা হিকারত করে যুক্তিনালর নিকট জাদাল তালেকে	৬০-মুমতাহিনা	So	202
স্বান্তর প্রার্থনা (হিংলুকের হিলোর অনিট থেকে)	১১৩-কাশ্যক	Q	3006	নাপুল স. এর সাথে দেশভাগ্যহিকরতবারী নারী (দবীর বিয়ে প্রসঙ্গ)	৩৩-আহ্বাৰ	20	brot
জাহলে কিডাবের হিলোর কারণে(মুমিলদের প্রতি)	২-বাৰুন্মা	20%	225	হিলাকেন্দরির মৃত্যু বলে প্রতিনাচন তার অক্সাহর উপর	8-मिना	200	600
মানুহকে হিলে আহলে কিয়াকে (অল্লাহর সেরা অনুয়াকে বিশ্বে)	৪-শিসা	28	690	विकारवामी -			-
'মুমিনরা হিলো করছে বেদুসনদেরকে।'-বেদুসনরা বদ্যব	৪৮-ফাত্হ	26	323	হাসুলগণকে বিধ্যাবাদী বঙ্গেছিল (হিজৱবাসীরা)	১৫-হিজর	bro	904
হিংলুকের হিংলার অনিষ্ট খেকে আপ্রস্ত প্রার্থনা	১১৩-ফাম্মক	ę	2008	হিন্তাব (দেখুন পদা গদটি)	\$6-16mm	,,,	104
<b>इ</b> (नुव					-	-	-
হিংপুকের অনিষ্ট থেকে আপুর প্রার্থনা	১১৩-কাল্ডক	e	2008	হিবাহুন (ক্ষমা চাবছা)		-	1-
दिश्य सब		-	-	বনী ইসরাইলের 'হিলাচুন' বলে জনপদে প্রবেশ প্রসঙ্গ	२-गक्ता	42	600
হিল্লে ক্ষয়তে বাঙরা পত হারাম	৫-মার্থিনা	0	6,00	বনী ইসমন্ত্ৰপকে 'হিজতুন/ক্ষমা চাই' বসার নির্দেশ	৭-আ'রাফ	2,92	629
হিক্মত (মারো নেখুন প্রজা শদটি)	4	-	400	হিম্পীতগ			_
অকতীৰ্ণ (হিকমত জনতীৰ্ণ ক্রেছেন মাল্লাছ)	२-शक्ता	203	426	হিন্ন শীতল বহুৰ আখত, অধিবচনৰ ব্যৱস্থ উপন	৩-আলে ইমরান	225	₹89
अवसीर्ग (अक्टाद नवीत श्रीत किसार/दिकारत करतीर्थ कटकारू)	8-निशा	330	493	হিসাৰ			
ইংগ্ৰাহীৰ আ, এর বংশধয়কে কিয়াব ও হিকাবত দান	8-मिना	28	4.00	অনুষ্ঠিম(হিশার অনুষ্ঠিত হবর দিন ক্ষমা করার পোরা, ইংবাহীনের)	১৪-ইবরাহীম	85	659
रहें। रुख (दिनमङ रहें। नदराहर जलाद संस्था र असे निस्ते)	১৭-ইপুরা	40	123	অবধ্যানর নিকৃত হিলাব (আল্লাহ ও রাসুল স. এর অবধ্যানর)	৬৫-ডালার	ъ	9/99
क्लाम (यहरू दिवस व एना द्वा वहरू नद्वान मन करा हुई)	२-शक्ता	265	605	অপ্তাহ হিসাগ্যাংশ কালেন (করা মুখ ফিরিয়ে নেয়া ও মুকরী করে)	৮৮-গাশিকাই	રક	305
দাৱৰাত (হিত্যত ও প্ৰজা বাৰা জান্তাহৰ পথে লংগাত)	70-HIGH	256	930	আশা ব্যৱত না এ হিসাবের (সীমালজনবর্ববিরা) কটোর হিসাব (আপ্রাহ-রাগুল স. এর অবাধ্য জনপদের)	৭৮-নাবা ৬৫-তালাক	29	300
লম (হিক্সত লাল করলেন আপ্তাহ লাউদক্তে)	२-वाङ्ग्रहा	202	659	काना (नहरात गरना ७ हिमान कानाव कना ठीन मृडि)	১৭-ইসরা	25	476
দান (ব্রিকাত দান কর্মেন আল্লাই নবিদেরকে)	৩-আলে ইম্বান		488	कार्या व्यवस्था शहर विश्वस्थात करत, यन शाम प्रमाण ना मुक्ता	69-41 <b>6</b> 15	34	393
দান (ব্যক্তিক দান ওয়েকো আন্তাই নবাটোরতে) দান (কাউকে হিকমত ও প্রজা দান আল্লাহর ইচ্ছার্থীন)	২-বাকারা	250	600	আদিমদের হিশাবের বিশ্বই মুম্রাকীলের উপর নয়	৬-আন আম	56	500
দান (আছাৰ দাউগকে বিকাশক দান কাছেছিলেন)	ত৮-সোমাদ	50	5-57	নিন (হিসাবের নিনকে তুলে যাওয়ার শাস্তি কঠিন)	৩৮-সোধান	46	100
পঠকুত হিত্তত অৱণ বাখার নির্দেশ (দবী পরিবারতে)	৩০-আহ্মাৰ	08	brob	দিন (হিবাবের নিলে অধিয়ালী বাজি থেকে মূলার আগ্রয় প্রার্থন)	80-मुभिन	29	brbro
পুত্ৰ হৈত্বত সমা মাধ্য দিসেশ (শৰা সাম্বাহত) পুৰুষ্ণাৰ্থত আপ্তাই হিত্যত দান ব্যৱহেন		24	699	নিন (হিসাবের নিদের জন্য ফুডার্কীদেরকে দেবা প্রতিপ্রতি)	৩৮-সোয়াদ	60	3780
পুরুষানতে অন্তর্য (তেবত বাল তার্যারেল পিকা (হিতমত শিকা দিবেন রাসুল ল. মুখিনসেরকে)	৩১-সূক্ষান ৩-আলে ইমরান		203	দিন (হিলাবের নিনের পূর্বেই কাফিরদের গ্রাপ্ত কামনা)	৩৮-সোৱাদ	36	9760
শিকা (হিকাত শিকা দিবেন রাসুল ল. মুখননেরতে) শিকা (কিতাব শিকা দিবেন রাসুল, মানুকদেরকে)	ত-আলে হয়রাশ ২-বাকারা	362	653	দ্ৰুত হিৰাৰ গ্ৰহণকারী আপ্লাহ	২8-वृद	60	995
শিক্ষাব্য (হিতমত শিক্ষা দিবেংল বাগুল, মানুকদেবকে) শিক্ষাব্যন (হিতমত শিক্ষা দিবেছেল আগ্রাহ ইপাকে)	হ-মার্থনা হ-মার্থনা	250	698	দ্রুত হিনাব্যহণকারী আল্লাহ	৩-আলে ইমরান	299	000
শিক্ষান (প্রতিত প্রদূপ স্, কর্তত প্রথাহিত্যত শিক্ষান)	5-418181	249	678	দ্ৰুত হিসাৰ প্ৰহণকাৰী আল্লাহ	80-मुभिम	24	4-83
শিক্ষান (প্রচাত রানুল স, কতৃত প্রচা(চ্চতনত শিক্ষান) শিক্ষানান (হিতমত শিক্ষা দিবেন আল্লাহ দিসাকে)	২-বাকুলা ৩-ব্যালে ইমরান		480	দ্ৰুত হিপাৰ গ্ৰহণকারী আল্লাহ	২-বাকুরো	202	430
শিক্ষান্য (হত্ত্বত শিক্ষা সংগ্ৰে আপ্তাৰ প্ৰসাৰে) শিক্ষান্য (বালুল স্ অনুবাত প্ৰজাৱিকত শিক্ষা নান কলে)				দ্ৰুত হিসাধ গ্ৰহণকারী (আল্লাহ)	<b>১८-ই</b> नदारीम	67	69.
	৬২-জুমু'জা	2	265	ন্তুত (আপ্তাহ হিসাব গ্ৰহণে মুক্ত)	৫-মারিদা	8	200
হিছারত (আরো দেখুন দেশত্যাগ শব্দটি) অস্তাহর পথে হিছারত বা বরা পর্যন্ত ফুরফিবদর সাথে ব্যয়ুতু নয়…				ল্লুভ (আপ্তাহ হিপাৰ গ্ৰহণে লুক্ত) ধারণা (আধিব্যাতে হিলাবের লক্ষণীন হওবার ধারণা)	৩-জালে ইমর্ল ৩৯-হারাহ	79	20
	৪-নিশা	1/2	26V			20	3/33

मिर सिरा <b>श</b> ्वमा	সুয়া নং ও নাম	90 1	3981	ATTENDED TO	जुड़ा सर छ नाव	400 7	90
হিসাব (পূৰ্ব পৃষ্ঠা থেকে)				হতামা (দোবধ)			
নিওটবর্তী (মানুহের ক্ষণ্ড আনের হিদান নিবটবর্তী হরেছে, তথচ)	২১-আধিয়া	2	920	নিন্দাবারী/সম্পন জনাকারীকে হুজনার নিতেপ করা হবে	১০৪-হুমাথা	8	2000
পুরোপুরি হিসাব নিবেশ আল্লাহ (কাফিরদের কাজের)	५८-नृत	47	992	হতামা সম্পর্কে বাসূপ স. কে কিসে জানাবে ।	১০৪-হুমাথা	œ	3000
প্রতিপালকের উপর হিসাবের নাম্বিকু (মুমিননের হিসাব)	২৬-খ'আরা	270	930	<b>रु</b> म			
প্রতিপাদকের নিকট তার হিসাব যে জন্য উপান্যকে ভাকে	২০-মু'মিলূন	228	990	হুদ সম্প্ৰান্যন্তৰ উপৰ শান্তি আপতিত হয়েছিল	77- <u>2</u> 8	by	698
প্রতিপাশকের সম্রাষ্ট্র কামনাকারীর হিসাব রাসুল স্. এর উপর নর	৬-আন্'আম	45	900	енен		1	$\vdash$
তর (মিপৃট বিদাবকৈ তর করে, বৃদ্ধিমানর)	३ <b>०-डा</b> म	52	690	নিজ্যাবাটী সময়ের মধ্যে চুন্দচুদর অবস্থান দেয়া প্রদক্ষ	২৭-নামল	22	boy
মনের প্রকাশ্য ও গোপন বিষয়ের হিনাব আল্লাহ নিবেন	২-বাকুৰো	528	608	হুদহুদকে খৌষ্ণকালে সুপাইমান দেখতে না পাওয়া	২৭-নামল	20	609
মপুৰের জন্য আদের বিশব নিক্টবর্তী হয়েছে, সপত তারা বেগবং	২১-আধিরা	2	9.00	অনুপন্নিতির জন্য হলহনতে সুপাইমান কর্তৃত পারির বেফার	২৭-নামল	43	poy
রসুদ স. এর হিসাব প্রতিপালনের সম্রাট্ট ক্যনেরবারীর উপরে নয়	<i>০-আ</i> ৰ্থ,আৰ	65	900	হুদারবিরার সঞ্চি		1	-
ব্ৰিথিক (বেৰিসাৰ ব্ৰিথিক লান কৱেন আল্লাহ থাকে ইচ্ছা)	০-জালে ইমরদে	29	600	হুগারবিরার সন্ধি ও বাইরাতুর রিলওয়ান প্রসঙ্গ	৪৮-ফাতহ	3-30	320
রিখিক (বেহিলাব রিখিক দেন আল্লাহ, যাকে ইচ্ছা)	০-জালে ইমরান	09	20%	इनाइन	00-4104	,,,,	870
সময়ের হিলাবের জন্য চাঁদ/সূর্য/মনবিদ সৃষ্টি করা হরেছে)	১০-ইউনুস	Q.	608	কুমাইলেম দিলে অঞ্জাত লাভায় করেছেল মুফিন্টলেক	৯-ভাৱৰা	42	684
নহল হিন্দৰ নেৱা ব্যব কর বার জন হাতে আললনান নেরা ব্যব	৮৪-ইন্শিহাত্	ъ	3030	ভূপকে মুকারায়াত (বিচিন্ন বর্ণমালা)	8-01041	465	984
সহজ হিপাব হলে তার, যার ভান হাতে আফলনামা দেরা হলে	৮৪-ইন্শিকাক	ъ	2020			-	$\vdash$
সূৰ্য ও চন্দ্ৰ হিসাৰ অনুযায়ী চলচে	৫৫-বাহমান	q	909	<b>लाइन-जीन-कार्</b>	৪২-শ্বা	3	9.97
হিসাৰ গ্ৰহণকাৰী				অলিক লাম মীম	২-বাকারা	2	605
অন্তাহ দ্ৰুত হিসাৰ গ্ৰহণকাৰী	১০-রা'দ	83	8002	অলিক-লাম-মীম	৩০-জন	١	25
আস্থাহ ছিলাব্যাহণভাৱী হিসেবে যথেষ্ট	২১-অথিয়া	83	300	আলিফ-বাম-মীম	৩-আলে ইমরান	1,	6.00
অস্তাহ হিসাঝাহণকারী হিসাবে যথেট	৩০-বাহ্যাব	40	200	অলিক-লাম-মীম	৩১-পুকমান	١١	p-54
অল্পাহ হিলাব প্রহণকারী হিলেবে যথেষ্ট(ইয়াভিম প্রসঙ্গ)	8-921	6	200	অলিক লাম মীম	২৯-আনকাবৃত	2	6.70
অন্তাহ সংক্রিয়র হিসাব গ্রহণকারী	s-First	brb	267	অপিক-দান-মীৰ	<b>০২-সাজ্</b> দা	2	Proc
বাল্লাহ সবচেরে দ্রুত হিসাব প্রহণকারী	৬-জান'আম	62	403	অপিক-শম-মীধ-রা	১০-রা'দ	2	Sys
মানুহ নির্বাহন প্রকাশ ব্যবহার বাবের স্বর্থনী হিনাবে স্বর্থনী	১৭-ইপুৱা ১৭-ইপুৱা	28	934	অলিক-লাম-রা	১০-ইউনুস	3	628
হিসাৰ-নিকাশ	3.1-45.5(8)	30	120	অলিক-লাম-রা	১২-ইউসুফ	١	677
	l	_	$\vdash$	আলিক-শাস-রা	১৪-ইবরারীম	١	1000
আন্তাহন উপর হিসাব-নিক্যপের দায়িত্ব	১০-রা'দ	80	695	অলিক-লাম-রা	১১-ছুদ	3	600
रीम	1			আলিক-লাম-রা	১৫-বিজর	2	699
মুসাকে বীন বলে কিব'আ উন নিজকে শ্রেচ দাবী করে	৪৩-মুখকক	65	1,99	অপিক-পাম-নীম-সোমান	৭-আ'রফ	2	650
হীন বড়যমের শান্তি ভূমি ধান ও আকশ্মিক শান্তি	১৮-নার্গ	82	905	देशनीन	৩৬-ইয়াসীন	3	967
হীন বাজির আনুগত্য করা বাবে দা	১৮-কালম	20	205	কাঞ্চ-হা-ইয়া-অইন-সোধাদ	১৯-মারইরাম	2	908
शैनवप		_		šta	50-A14	2	822
কিছু মানুষকে হীনকম বয়নে/বাৰ্থকো পৌহানো হয়	১৬-নাহ্শ	90	401	ভোৱা-দীন-মীম	২৭-পামপ	3	you
হীনতম বয়স			-	ভোৱা-দীন-মীম	२५-व,खाश	3	700
মানুহের হীনভম/বৃদ্ধ বয়লে পৌথানো গ্রসঙ্গ	২২-হাজ	q	260	क्रान्त	২০-জু-জ	>	183
হীনবল (আরো দেখুন দুর্বল শব্দটি)				पूर-नीम-प्रीप	২৮-আলাল	3	bob
পতান্ধাবনে ইনকা না হওৱা (বহুনে শাক সম্প্রানারের পারায়াকা)	8.50%	308	290	सून	৬৮-কুলোম	3	39.0
মুমিনদের হীনবদ না হওয়ার নির্দেশ (আল্লাহর)	৪৭-মুহাম্মন	92	974	হ্য-মীম	৪৪-দুখান	3	808
মুমিনদেরকে বীনবল না হওয়ার নির্দেশ	০-আলে ইময়ান	209	28b	श-शैत	80-74FF	3	VW
বুছে বীনবল হয়নি নবী ও রকানীগণ	০-আলে ইমরান		Q8b	श-धेत्र	৪০-মু'মিদ	3	3193
হকুম (ভারো দেখুন নির্দেশ/আদেশ/বিধান শব্দটি)		-	-	श-श्रीप	86-आइशाय	3	Bob
অস্তাহর চ্চুম বদকারী কেউ নেই	20-M7F	83	684	स-श्रेष	৪৫-আছিয়া	3	302
আস্থাহর চূকুমে কাউকে তিনি পরীক করেন না	-	<u> </u>	-	হ্য-মীম	৪১-ফুব্দিপাত	3	pos
	29x-402/0	46	946	श्-शिष	84-भूवा	3	P.97
वाहार स्रूभ न्द्रवन	১০-রা'দ	87	995	रूप	+ "	Ė	
প্রতিশালকো ছকুমের জন্য নৈর্য ধারণের উপদেশ (বাসুল স. কে)	৭৬-দাব্র	₹8	990	সম্প্রবাহের সভার্ক করা প্রসাদ (Why এর আই বুল আ, কার্তক)	৪৬-আহ্তাক	42	270
প্রতিশাদকের হনুমের জন্য থৈর্যখাবনের আজ্ঞান	৬৮-ফুলাম	85	399	হুদ কর্ত্তক আস্থাহতে তব করার আহ্বলন	২৬-৬ জারা	248	9,58
প্রতিপালক তার ব্যুদানুযারী কনি ইসমাধিলের মধ্যে বিচার করনেল	২৭-সামপ	97	900	হুদ ও হামন্যেরকে কঠিন শান্তি থেকে উদ্ধার হুদকে রোরণ, আন স্বাধির কাছে,	27-64 27-64	6.0	693
হ্কুমের মালিক কেবল জন্মাহ	১২-ইউসুফ	80	99.0	হুনকে প্রেরণ করেছিলেন আল্লাহ অন স্কাভির প্রতি	৭-আরাক	96	620
হকুম আল্লাহতই (আনাৰ প্ৰসঙ্গ)	৬-আনু আম	64	603	হল বেন্দ্রমান নিরে আসেন -সংগ্রনছের অভিযোগ	১১-ছুন	20	690
হতুম বা ক্ষাপাশৰ মাণিক অন্তাহ)	34-8679	69	6946	ছসের সম্প্রকার আদ এর জন্য ধ্বংস। ইর	३३-इन	60	693
হকুম (কয়সালা)	114141	-		হুল ইয়াকুডের মত (জান্নাতের আনত নয়না ভ্রগণ)	००-बाध्यान	av	282
				অন্ত্রিতের অন্তে নরনা হুরণন ইয়াকুড/প্রবালের মত	হত-বাহুমান	Q.	287
अभिनामात्रना स्तुम्प् पिमानामात्र कार समूत्रा न, यह रेगर्रवकार	৫২-ভূম	85	70%	ক্ষাতে আনভাৱন হব (ক্ষি/মানুহ বাসেতে স্পর্ন করেন)	११-वरिभान	18	884

হিসাব হুৱ

<b>通知</b> ) 2g/1.	विवस्थानम	जुड़ा नर ७ माम	-	नृक्षा	अप	পুরা বং ও সাম	1000	F
दूत (नृर्व नृक्षे त्याक)					দৃঢ় হ্রদর দৃঢ় করে না দিলে পরিচর প্রকাশ করে লিও মূসার মা	২৮-কাসাস	30	ŀ
ভাগরন্যনা হর থাকা	र (सञ्जितिस्थ चन्त्)	१७-छत्रक्षित्राष्	44	388	দৃঢ় করপেন আল্লাহ (আসহাবে কাহকের হ্বদর)	১৮-কার্ফ	38	1
	াখে আল্লাৰ মুৱাকীলের বিয়ে দিবেন	৫২-ভূম	30	200	নবী ও ভার শ্রীদের হুবরে যা আছে তা আল্লাহ জানেন	৩৩-আহ্যাব	62	18
	পাথে মুৱাকীদের বিয়ে দিবেন আল্লাহ	88-मूचन	68	308	নবীপদ্ধীদের হসরের জন্য পবিত্রতম পদ্ম (পর্দা প্রদক্ষ)	৩৩-আহ্যাব	80	ŧ
	তর জানত নধনা হ্রপণ)	66-40683-1	64	285	নরম হয় (মুলাকীর হুদর আল্লাহর অর্থা নরম হয়)	৩৯-বুমার	30	1
	र সাথে ज्युत्तर प्रसन्तितम्ब विद्या मिरान)	65-28	30	300	পবিত্র করা (হুদর পবিত্র করতে চাননি আল্লাহ থাদের)	৫-মারিদা	83	1
	র্ক্তিতা হ্ব, জান্নতে থাকবে)	११-वादमान	49	383	পরীকা (মুদ্দির্ভার হাল্য পরীকা করিবছেল অঞ্চাহ ভাকতার জন)	৪৯-জ্জুরাত		1 3
	ব্যস্তাবে সৃষ্টি করেছেন আল্লাহ)	৫৬-জাকিয়াই	00	386	পাপী হুদয় (সাক্ষা গোপনকারীয় হুদয় পালী, ঋণ প্রমঙ্গ)	২-বাকারা	২৮৩	
হুদর (আরো দেখুন		40-out-sid	- Oil	800	পারণাহ্বনর পোরতার জন্য পরীকাস্বরূপ(পাররানের নিকেল করা)	২২-হাজ	40	+
	লাভ (দেশ ভমগের মাধ্যমে )	44-37 <b>%</b>	0.		পৌথানো (পদকে মুমিনদের হুদর কর্চে পৌথানো প্রদান)	৩৩-আহ্বাব	30	1
			84	962	প্রশাস্তি অবতীর্ণ করেছেন আল্লাহ মুমিনদের হনয়ে,,	৪৮-ফাত্র	8	13
	এর অনুসরীকের ফারো করণা ও দরা সৃষ্টি)	৫৭-হাদীদ	29	962	প্রশাস (সমানে প্রশাস কলর বাধ্য হয়ে কুমনী করলে পার্ক্তি নেই)	३७-नार्ल	206	
	ঋন সধ্ধর (কুমাজন অধীকার প্রদান)	५७-०, आब	500	ባኔሪ .	প্রশাস্ত (বন্ধার প্রশাস্ত করে বার করে, আল্লাহর স্মরণে)	১৩-রা'ন		+
	আবরণ তৈরি করে দিয়েছেন আপ্তাহ	১৭-ইস্বা	8%	139-			59.	
	অপ্তান্ত সাধা থেকে -ভার অনুগত্ত নিমেধ	22-sida	২৮	2.26	প্রশক্তি (জনমে প্রশক্তির জন্য নাহামের সূত্রেল, নেরবুজ)	৮-আনফাল	20	ļ
	পোলকের উপালেশ কেলাজেলে প্রকাশ গ্রহণর)	২১-অপিয়া	٥	120	প্রশাস্তি (ইকাহীম আ. ১০ ফরের প্রশাস্তি, পুনরীকা প্রদাস)	২-বাকুরা	200	Ŀ
	ন করেছে নে জন্য পাকড়াও)	২-বাকুারা	220	22.2	প্রশাস্ত (ফুলয় প্রশাস্ত করার জন্য কেরেশনার সাহায্য যোগা)	৩-আলে ইমরান	250	L
ম্বীকারকরী (অপিরত	ত অবিশ্বাসীর হানয় সত্ত্য স্বাধীকারকারী)	১৯-নার্ল	44	908	প্রশান্ত (মুমিনদের হনর প্রশান্ত হর, আল্লাহর স্মরণে)	১৩-রা'ব	2,6	l
সন্মিতে অধ্যাসকল	হুদ্যা সন্মৃতিত হয় (জল্লাহন কথা খণে)	৩৯-যুখার	82	7.92	প্ৰশাৰ (ফলপ্ৰশাৰ হবে হাজামিলেই, আৰমণ থেকে অবনীৰ্ণ ৰাখ্য)	৫-মায়িলা	27.0	ı
অধিয়তে অধিশ্বসীর	হুবর সত্য অধীকারকারী	১৬-নাত্স	44	8of	প্রভাবর্তনকারী হুদর দিয়ে আসবে যে ভার জন্য জাল্লাভের	৫০-সুফ	00	T
ব্যহলিক (ধনী ইসমসি	দের উঠি, 'আমাদের ছানর আছেছিত')	8-509	266	239	व्यक्तिकि	40-144	00	ı
নাহেদিত (ইক্দীদের		২-বাকুরো	bb	670	ফিরজাইনগেরীর হুদয়কে কঠিন করার জন্য লোয়া	১০-ইউনুস	99	Т
	ন অল্লাহ (ভাগিমদের হলমে)	79-415A	63	943	ৰক্ষে হ্ৰদয় অৰ্বস্থিত (চেখে অব হয়না,সে হ্ৰদয় সাধা হয়)	২২-হাজ	86	Ť
	হদরে আল্লাহ আবরণ তৈরি করেছেন)	৬-আনু আম	3.0	699	নক্ৰতা (কুলয়ে নক্ৰতা আছে যালের তারা মুক্তশানিক ভারতের		9	1
াৰৱণে আহ্বাদিত মূ		৪১-ফুল্সিলাত	é	bbb	পিছনে লেকা থকে)	৩-আলে ইমরান	٦.	ı
	লা দৃঢ় করলেন আল্লাহ	३५-काङ्क	38	940	ব্য হোর ব্য হয় থকার উপক্রম হয়েন্স এক দলে:)	৯-জাওবা	229	t
	ইপ্তাকৃত তুল অপরাধ গণ্য হবে)	০০-আহ্দাৰ		500	বছন (জ্বায়ের বছন সৃষ্টি করতে পার্ডেন না রানুল)	৮-আন্দাল	90	t
			6	670	বাছুর প্রীতি ভ্রবরে নিঞ্জিত হরেছিল (বনী ইনরাউলের)	২-বাড়ারা	30	t
হদিদের হলর আহে		২-বাকুারা	87		বাঁকা করে নিলেন আল্লাহ (মুনার সম্প্রানারের হুনর)	63- <b>সাফ্</b> ফ	8	t
	হনর (মুদাবিক প্রদর্গ)	৫-মাছিদা		624	र्वेश्व (कुछ क्षेत्र करत न (स्थाद शहरून, शक्तिभागरका निवरें)	৩-আলে ইমরান	b	t
	াখ্য হয়ে কুফরী করলে শক্তি দেই	১৬-নাহ্দ	306	475	বিগলিত (মু"মিনদের হুদর বিগলিত হওয়ার কি আসেনিঃ)	৫৭-হাদীদ	29	t
	লয়ে ঈমান প্রবেশ করেনি)	৪৯-হয়্রাত	78	947	বিজ্ঞা মূল্য নিয়ে জাল্লায়র বাহে কানা বৃত্তির সম্ভান/সম্পদ্	২৬-ড'আরা	10	t
	न्यात बन्द (शबान् भारत कराड मराव)	৫০-কাক	৩৭	348	বিদ্যা (মুদরে যা মারে ডা মারাহ পরিতম করতে পারেন মারাহ)	৩-আলে ইমরান	258	t
কেই বৰম খুদয় (জ		২-বাকুলো	222	670	বুঝ (অচন ছিল ও মানুহার হলর আহে বা দিরে ভারা বেকেনা)	৭-আ'রফ	249	+
	क्षेत्र रहा बहर दर्मन हाकिना का करा बता)	<b>५8-मृद</b>	তণ	995	ব্যবিদ্যার ফলর বাচার ভারা যুক্তের নিচাপি পোল মুখুকরে ক্টাত হয়	৪৭-মুহাখাৰ		+
	পর ফার পাধ্যার হেরে কলৈ হওর প্রদাস)	২-বাকুারা	9,8	₫0b	विशेष क्रांट्स कार के प्रकार में प्रकार करने हैं।		20	t
	ব প্রাক্তদের হুদার কটিন হরে গিরেছিল)	<b>८</b> ९-शमीर	29	282		৩৩-জাহ্যাৰ	90	
	গোষীর হল্য করিন করার জন্য লোগা)	১০-ইউনুস	9.9	665	ন্যশিক্ষার ফলমের লোকদের উঠিদ, সপলের মুদ্ধ প্রদান	৩৩-সাহ্যাব	25	1
	লৈ ক্ষয়ের তেন ধূমিলাশ বিজিন্ন হয়ে পড়ত)	৩-আলে ইমরান	269	662	নামি (জন্ম নাম্চার লোকদের প্রসূত্র হওরা, নবীর রী প্রসাষ)	৩৩-জাহ্যাৰ	05	1
চলি (ছলা কটিন করে	সিচেহেন অপ্তাহ কৰি ইসৱাদীশলের)	৫-মারিদা	20	62.5	ব্যাধি (স্বলয়ে ব্যাধি আছে মুনাঞ্চিকদের)	৮-জনফাল	68	1
फीन एका (क्सा व्यक्त	न दशास पूर्वनहींब कडूटि-मिनटि रहानि)	৬-জানু জাম	80	669	বাধি (জনতা বাধি পাছে যালো মালো স্বপনিচন বৃদ্ধি করে)	৯-ভাওব	256	+
গঠিন হলর (আল্লাহ)	বিমুখ) লোকনের জন্য নুর্জোগ	৩৯-যুমার	44	690	বনি (ফারে বাল্যিকর ক্ষয়ন্ত্রমের প্রতী নম্পর্কে বস)	<b>98-मूमाइदिव</b>	93	
গৰিবৰা ক্ৰয়ে অংকি	মকা পোখণ করদ (হুনায়বিয়া প্রনঙ্গ)	8৮-कार्ड	26	»>>	অল্লাহ (ব্যক্তি ও ভার ছলমের মাধ্যবর্তী স্থানে আল্লাহ থাকেন)	৮-আগফাল	28	I
পফিবের ছদয়ে সাপ্ত	वि (आव्य (अरत राज	৭-আ'বাফ	303	622	ভয় (অনয় থেকে ভয় দূর করা হলে পরস্পরকে বলবে)	৩৪-সাৰা	₹0	1
पश्चित्रका द्वनता हैकि	সধান করে দিবেন অস্তাহ (বদবযুক)	৮-জানজাল	34	400	ভীতি সঞ্চার (বন্দকে বনুকুরায়ন্ধার মূদরে আপ্লাহ ভীতি	৩৩-আহ্যাব	26	
	ডি সম্বার করবেন আল্লাহ	৩-আলে ইমরান	767	000	সংগর করেন)		_~	L
	স্থাহ মোহর মেরে দিয়েছেন	২-বাকারা	9	403	ভীত হলে প্রেতিপাশকের নিকট বিধা যাগুরের ছয়ে। জীত হল্যা দন)	২০-মুখিন্দ	80	Т
	ডি সম্বাহ করে দিলেন আল্লাহ	৫৯-হাপর	*	320	জীত হওছা(অল্লাহর সমহা বার হলর জীত হয় স্তার জন্য সুসংবাদ)	44-5PM	00	Ť
	च मृद कदार- चक्कार, प्रश्रीवरामा)	৯-জবেরা	26	282	মন্ত্রিয় (দীমালক্ষনকারীদের কৃতকর্মের কারণে ফ্রারে মন্ত্রিয়া)	৮৩-মুভাক্বিদীন	78	Ť
গানবাহীতে ৰয়েছে :		২৩-মু"মিনুদ	90	990	মারবাদীদের হলতে সে করা নেই বা মুখে বলে (পিছিরে ছিল বার)	8४-प7स्ट	22	t
	ব্যাকালের ব্যবহা হাহ্মর বুঁকে পায়, গোপন করা প্রদাস)	৬৬-আহ্বীম	8	096	মানুৰ হৃদয়ের ব্যাপারে আল্লাহকে সান্ধী বানার	২-বাকুরা	208	t
					মুপরিকদের হুদর অধীকার করে মুখে সম্ভাই করলেও	৯-ভাওবা	ν	t
	মালক সারা কুরাসান নিয়ে চিকা করে না)	৪৭-মুহাম্বাদ	48	978	মুনাফিকদের মূলনে নেই যুক্তে বাওয়ার কথা (মুখে বলে)	৩-আলে ইমরান	269	t
	নকে সক্ষান্তপালি ফায়ের ভালতর থেকে)	22-8 <sup>tm</sup>	05	467	प्रशासिकार प्रमुख विकास स्कृतिय विद्या त्राप्त प्रशासना व्याप्त	৯-ডাওয়	38	t
	নুবের অভ্যন্তরে দৃটি হলর বানাননি)	৩৩-আহ্মান	8	5000				

4প হস্প

Ren - Renifera	781W 84W	Sept 1	5913 (3007)	Maria Majen	現政権 を刊な	100	100
হনর (মারো দেবুন মন্তর শক্টি) (পূর্ব পূরা বেকে)	and the same	-	200	দুখিন ও দুনবিকদের মধ্যে মুলাতা না থাকা	8-मित्रा	90	20
ফুর্নফিকসের ফ্রন্সার সংক্ষার থেকে বাবে (খর নির্মানের করেনে)	৯-ডাব্ৰ	220	662	হুদ্যতা ও দল্লা স্থাপন, পুরুষ ও জীবের মধ্যে	00-8¥	42	32
মূনাদিকের ফ্রান্তে মেহর করা হারছে (স্থানের পর কুমনী করার)	৬০-মুনাছিকুন	0	308	हो-नो		-	1
মুনবিকানর হনর মিন্র-বিজিন্ন হওয়া পর্যন্ত সন্দেহ থেকে বাবে	৯-জাওবা	330	662	হুট-পুট বছুর তেজে নিয়ে আসলেন ইবরাহীয	৫১-মারিয়াত	28	25
ভূপবিনয়েন কালে অনুভাগ সৃষ্টি (অধিনয়েন কৰা বাব)	০-জলে ইমরান	306	993	হেঁসভিবে দেয়া		100	100
মুন্দবিকলে হলতে মুন্দবিদী গছসুল করে দিশেন অপ্তাহ	৯-জভন্ম	99	180	সপরবির চুলের শোধ ধরে চেড়িয়ে নিরে যাধরা ছবে (নেবার)	৯৬-জালাত		
মুনাফিবদের হনরে যা আছে ডা আল্লাহ স্লানেন	8-मिमा	40	292	আছনের সিরে হোঁছে নিরে যাওয়া হবে অপরাধীনেরক	৫৪-কামার	26	300
মুনাফিকদের হুদর বিভিন্ন (ঐক্যবদ্ধ মনে হলেও)	৫৯-ব্যশর	28	959			85	ho
মুমিনদের হনর নৃত্ত করা (বদরবৃদ্ধ প্রসঙ্গ)	y-আন্দাল -	22	900	নিখাসরীর চুকার গোছা খনে ঠেকুনে দিয়ে যাওয়া ছবে (সেখান)	১৬-আশাক	76	200
মুমিনদের হুদর তীত হর (আল্লাহতে অরণ করা হলে)	৮-আনকাল	3	982	হেটে চলা			
মুমিনদের ফ্রন্তে গ্রানকে শোকনীয় করেছেন আল্লাক্	৪৯-হত্যাত	9	950		৩১-লুকমান	79	2.5
মুমিনদের হলরের জন্য পৰিত্রতম পত্না (পর্লা প্রসঙ্গ)	৩০-বাহ্যাব	60	3403.	হেদায়াত			L
মুমিনদের ব্যৱহা ক্ষান পিশিবক করে দেয়া হরেছে				অল্পাৰৰ ইক্ষাবীদ (মানুককে হেলাৱাভ দান করা)	०१-मस्दि	보	₽8
মু মন্দানৰ বৃদয়ে সমান লিপাবক করে দেয়া ব্যৱহে মুমিনসের কুনয়ে বছন সৃষ্টি করে দিয়েল আল্লাক	৫৮-মুবাদাদা	44	968	অস্তাহর পথ নির্দেশন/হেলারাক হারা সঠিকপথ প্রদর্শন	৬-আৰ্শজাম	ንታ	80
	০-জালে ইমরান	200	286	द्रकासड			
মুখিনদের হৃদরে বন্ধন সৃষ্টি করে দিয়েছেন আপ্রাহ	৮-জানফাল	60	669	অক্সাহ বা হেকাকত ব্যৱহেন দেব ব্রী ডা হেকাকত করে	8-নিগা	- CB	¢6
মুমিনদের হুপয়ের কথা জন্তাহ জবগত	৪৮-কাৰ্হ	79.	224	কলম হেকাজত করার নির্দেশ	৫-মায়িদা	৮৯	23
মুমিদের স্বন্ধকে আল্লাহ সঠিক পথ প্রদর্শন করেন	৬৪-মাগাবুন	22	204	গক্ষাস্থান হেকাজত করবে মুখিন পুরুষরা	২৪-নুৱ	80	99
মেজা (গীমলক্ষাকরীচনা ক্ষরে পাল্লাব মেজা মেরে দেন)	১০-ইউনুস	18	993	লক্ষাস্থান হেলাকত করবে মুখিন দারীরা	<b>५</b> 8-नृद	93	33
মোহন মেরে দেরা হয়েছে ভালের ভূলতা থারা পিছনে বলে	৯-জাওবা	22	565	সালাত হেকাঞ্ছ করে যাবা	৭০-মা'অবিভ	-08	89
থাকনেই নম্কট (মিরহান প্রনঙ্গ)				হেফাজতকারী/হেফাজতকারীনী		-	-
মোহর মেরে দেরা (অহংকারী ও বৈরচারী ব্যক্তির অন্তরে)	৪০-মূখিন	00	942	পদ্রতের প্রতির্যাত দিয়েলে অস্তাহ (হিকামানকারীর মানা)	৫০-কৃষ্ণ	વ્ય	82
মোহর মেরে দিয়েছেল আল্লাহ ডাদের হৃদরে বারা	৯-ভাগৰা	90	989	দেব প্রী অনুশার হেফার্মানকারীনি	8-निश	-08	00
মোহবার্ষিত (বালের সময়র সোহর সেরে দিরয়েল সম্প্রাহ)	৪৭-মূহামাদ	29	950	গঙ্গাছান হেফামত করে যরা,,,	৭০-মা'কাবিজ	230	bb
মেহর (পুনিরার জীবনকে প্রাধান্য দানকারীর জনত্তে মেহও)	১৬-শাব্দ	709.	932	শঙ্কাস্থান হেকালতকারী (মুমিনগণ)	२०-द्रुभिनृन	0	96
নোহন (পাছনেই ইচ্ছ কন্সেশ নদীয় ছলতে নোহন নেতা দিতে পাত্রল)	৪২-শ্র	₹8	990	শঙ্কাস্থান হেকাজকারী নারীর জন্য কমা ও মহাপ্রতিদান	৩৩-জাহ্বাব	92	200
মোহর (কাফিরদের স্কলমে মোহর মারা হরেছে )	২-বাকুরা	٩	605	বজ্ঞান্তান হেকজনাত্রী পুরুষের জন্য ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান	৩৩-আহ্বাব	05	bro
মেধ্য (অল্পাহ,গগৃতি পূজানীর ফারে মেধ্যে মেরে দিরেচেন)	S१-मादिवा	₹٥	900	CASI	00.4541	-	-
মেহর (মপ্তাহ হলতা মেহর মরলে কেউ কা মিরিতা নিতে পাতা না)	৬-আন্ আম	8ъ	900	চক্ৰান্তৰাধীলেককে অপালন্ত কৰেছেন আল্লাহ	৩৭-সাঞ্জাত	36r	tris
মোহর মেরে বিরেছেন আপ্রাহ কাফিরলের ছলরে	৩০-জম	49	p-50	(इनाम	01146610	80	0.0
মোহর মারা (আপ্রাহ কর্তৃক ছদরের উপর মোহর মারা)	৭-আ'রাক	200	655			-	L.
যদের হনর ব্যাধি আছে ভারা মনে করে	৪৭-মুখ্যবদ	₹20	978	অসনে (পঞ্জানবৰ্ণীয়া কুউড অসনে হেলান দিয়ে বসাব)	79-side	92	35
মুদ্ধবন্দিতের জনতে আগ বিষ্ণু আছে বলে যদি জাতনা আল্লাহ	৮-আনকাল	90	909	জাননে হেশন নিরে বসবে (জান্লাভবাসীরা, কিরামতে)	৩৬-ইয়াসীন	6.0	316
রাসূল ন, এর হৃদরে কুরখান অবতীর্ণ করেন জিবরাইল	২-বাকুরা	34	627	অসনে (জন্নতে বুজনীয় সাহিবছ আননে হেলন দিয়ে কাবে)	৫২-ভূর	50	30
রাকৃশ শ্. এর হনর মার্ক্সত করার জন্য পর্যায়ক্রমে কুরায়ান নামিশ	২৫-যুৰকান	વર	1018	কৰিবলো জোন দিয়ে বদার জন্ম রপার পাদছ (পর্বিথ প্রচুর্ব)	৪৩-যুগকফ	*08	29
রসূপ স. ধর হলতে কুরম্বান অবকীর্ণ (মানুদকে সকর্ক করার জন্য)	২৬-৬ জাত	298	9997	াশ্যিত (নতুৰ বৰ্ন)শালিকা উপৰ জন্মাজীৱ হেলন দিয়ে কপৰে)	৫৫-রাজুমান	%	38
রোগ (মুনাঞ্চিকদের ঋণতে রোগ রয়েছে)	২-বন্ধুরা	30	<b>१०२</b>	গলিনার (কুলর গলিনার উপর জন্মাতীর হেলান সিব্র বসবে)	৫৫-রাব্যান	96	≥8-
রোগ (মুন্যফিকদের ফ্লরে রোগ আছে,)	२8-मृद	ĝ0	4.59	ভদ্মতের উদ্ধ আসনে হেলান দিয়ে বসবে(জান্নাভিরা)	৭৬-বাব্র	70	99
বোগ (হুপরে যোগ আছে যাদের, তারা প্রুত ধারিত হয়)	৫-মরিদা	44	423	ভাল্লাভিরা হেলান পিরে বসংব (পরস্পর মুখেমুবি হরে)	৫৬-ওয়াকরার্	3.9	98
							5.95
লোকনীয় (বেশুসন্দের হলতে গোচনীয় করা হয়েছিল)	8४-कार्व	34	274	জন্মতে হেলদ নিরে বনধে মুক্তাবীরা	৩৮-লোয়াদ	62	00
			980	জন্মতে হেলাদ নিত্রে বসংব মুক্তাবীরা রেশমের বিহানার হেলান নিত্রে বসংব (জাল্লাফিগন)	৩৮-লোয়াদ ৫৫-রাখ্যান	68	
শোচনীয় (বেদুর্দনদের হুদরে শোচনীয় করা হয়েছিল)	8४-बगस्य	34		রেশমের বিহ্নশার হেলান দিয়ে বদাবে (জাল্লাফিগণ) হেলে পড়া	৫৫-রাহ্মান		
শোতনীয় (বেশুদ্দলের ছলরে গোতনীয় করা হারছিল) সংযুক্ত (ছলয় সংযুক্ত বালের আদের জন্য বাকাত ব্যর)	৪৮-ফাত্য ৯-জভবা	54 60	<b>686</b>	বেশমের বিহ্যুলার হেলান দিয়ে বসাবে (জাল্লাফিগণ) বেলে পড়া সূর্ব হেলে গড়ালে নাবাভি আরোমের নির্দেশ			38.
শোহনীর (বেপুর্বনসের হলতে খোচনীর করা হয়েছিল) নয়েক (হলর নয়েক বালের আনের হুল মারাত ব্যর) নব্রত হতে যেদিগ/তিরামাতের দিন (কতক হুদর) সমের (হলতে সম্পেহ কামে বালের করাই অনুসতি প্রার্থন বত্রে)	৪৮-ফাড্য ৯-জভয় ৭৯-দাবি আত	50 5	686 3000	বেশনের বিহ্যানার হেলান দিয়ে বনাবে (জাল্লাফিগণ) হেলে পড়া সূর্ব হেলে পড়ালে নাবাভ ভারেনের নির্দেশ হুটা	৫৫-রাহ্মান	28	38.
পোতনীর (বেশুর্থনসের হলতে পোতনীর করা হয়েছিল) সংস্তৃত (হলত সংস্তৃত বালের অসের হলত বাকার বার) সরস্তুত হেবে পোল্টারাক্তর নিল (করুর করের করের) সংস্কৃত হবে পোল্টারাক্তর নিল (করুর করের) সংস্কৃত হবে পোল্টারাক্তর নিল (করুর করের) সংস্কৃত হবে পোল্টারাক্তর নিল বার্তি প্রকর্তন করের সরিবার বেল আরার মুলাম্বিকালর হুলা	৪৮-ফাব্য ১-ফাব্য ৩৯-দবি আর ১-আব্য	54 60 7 80	686 3000 684	বেশমের বিহ্যুলার হেলান দিয়ে বসাবে (জাল্লাফিগণ) বেলে পড়া সূর্ব হেলে গড়ালে নাবাভি আরোমের নির্দেশ	৫৫-রাখ্যান ১৭-ইস্রা	98 W	98
পোতনীর (পেশুনিনাসর ফলতে পোতনীত করা যাত্রছিল) নায়ুক্ত (কালে সায়ুক্ত যালেজ তালে জনত মানার বাজ) নায়ুক্ত (কালে সায়ুক্ত যালেজ তালেজ জনত মানার বাজ) নায়ুক্ত হাবে যেনিল/ভিয়ারাক্তর দৈল (কাকত হাবল) সায়ুক্ত হাবে যেনিল, কালার বাজনার	৪৮-ফার্হ ১-জর্বা ৩১-মর্থি আরু ১-ফার্বো ১-ফার্বা	94 90 98 38	585 3000 684 660	বেশনের বিহ্যানার হেলান দিয়ে বনাবে (জাল্লাফিগণ) হেলে পড়া সূর্ব হেলে পড়ালে নাবাভ ভারেনের নির্দেশ হুটা	৫৫-রাহ্মান	28	98
পোতনীর (পেশুনিনাসর ফলতে পোতনীত করা যাত্রছিল) নায়ুক্ত (কালে সায়ুক্ত যালেজ তালে জনত মানার বাজ) নায়ুক্ত (কালে সায়ুক্ত যালেজ তালেজ জনত মানার বাজ) নায়ুক্ত হাবে যেনিল/ভিয়ারাক্তর দৈল (কাকত হাবল) সায়ুক্ত হাবে যেনিল, কালার বাজনার	৪৮-ফাহ্ব ১-জভবা ৭৯-মার্থি জাত ১-ফাঙবা ১-ফাঙবা ১০-ইউমুস	54 60 5 80 549 98	\$80 \$000 \$80 \$60 \$60 \$60	বেশনের বিষয়পার হেলান নিয়ে বনাবে (স্বায়োজিলার) হোলে পাড়া সূর্ব হোলে পাড়ানে কালার আয়েমের নির্মেশ প্রাঃ আনুক্রমানেরাকে বিদ্যালাইনের খ্যা থলা (বিষয়েরী হণ্ডরার	৫৫-রাখ্যান ১৭-ইস্রা	98 W	98
পোন্দালৈ (ব্যক্তিখনৰ কাৰে পোন্দালৈ কৰা ব্যৱহিত্য, পান্ধুক (কাৰ সংস্কৃত খালে আদৰ কাৰ বাবাৰ বাবা, ) সভাৰ বাবে পোনিপ্ৰিয়ামনেৰ নিপ (কাৰ বাবা, ) সভাৰ বাবে পোনিপ্ৰায়মনেৰ নিপ (কাৰ বাবা, ) সভাৰ (কাৰ সংগ্ৰহ কাৰ বাবা, বা	৪৮-ফাহ্ব ১-জভবা ৭৯-মার্থি জাত ১-ফাঙবা ১-ফাঙবা ১০-ইউমুস	54 60 5 80 549 98	\$80 \$000 \$80 \$60 \$60 \$60	বেশনের বিহালার কোনে দিয়ে বনারে (মান্ত্রাহিলার) বেবল পড়া পূর্ব হয়েল পড়ালে সালাভ কারেনের নির্দেশ হুটী অনুক্রনেরের কির'জানিনের ইয়া বলা (বিভাগী হুকারর প্রতিবান সম্পর্টের	৫৫-রাখ্যান ১৭-ইস্রা	98 W	98:
লোকীৰ (ব্যৱহুঁতাৰ ক্ষমত বেশানীৰ কৰা ব্যৱহুঁতা— সমুক্ত (বাল সংগ্ৰহু আনৰ বালে কাল বাল— সম্ভ্ৰত হৈ পেনিপ্ৰতিষ্ঠানত কৰি (ৰুজৰ কাশ—) সম্ভ্ৰত হৈ পেনিপ্ৰতিষ্ঠানত কৰি ব্যৱহুঁতা বুলিক বাল সমাজ হৈ পেনিপ্ৰতিষ্ঠানত কৰি ব্যৱহুঁতা বুলিক বাল সমাজকলকালীকৰ কাল কাছাৰ প্ৰেক্তি আৰু বিশ্বক্তি সমাজকলকালীকৰ কাল কাছাৰ প্ৰেক্তি আৰু বাল সমাজকলকালীকৰ কাল কাছাৰ প্ৰেক্তি আৰু বাল স্কাৰ্য্য আৰু প্ৰেক্তিকৰ বালিক কালৰ কালক বালোক স্কাৰ্য্য কৰিব। কালকি বাল কালক বালাক বালোক স্কাৰ্য্য কৰিব। বুলিক বাল কালক বালাক বালাক স্কাৰ্য্য কৰিব। বুলিক বালাক বালাক বালাক বালাক সমাজকলকালীক বালাক বাল	৪৮-কাহৰ ১-কাহৰা ৭৯-নাৰ্থ আত ১-বাহৰা ১-বাহৰা ২০-ইউনুস ২৫-ইজন ৬০-মুমবাইনা	50 50 80 80 549 98 54	986 986 986 997 997	বেশনের বিহালার হেশনে লিয়ে করের (জান্ত্রাজ্ঞান) হেলে পান্ত্র কুর্ব হেলে পান্তর সাকাত ভারেরের বির্দেশ হটা জান্তবন্ধান করে কির'জানিনের হাঁয় থলা (বিজয়ী হওয়ার প্রতিবাদনাক করেছি ইয়া (জারো লেয়ন করা করা পান্টাট)	৫৫-রাহ্মান ১৭-ইপুরা ২৬-ফ'জারা	977 82	981
পোন্দীৰ (প্ৰকৃতিশাৰ কৰে বেপানীৰ আন্তৰ্যাল্ড) সত্ত্বে (কাল সভ্যুত্ত বাবেল কালে কালে কালে কালে সামাৰ কৰে কেনিপানিবাৰেন দিল (কালে কাল) সামাৰ কোন কালে কালে কালে কালে কালে কালে সামাৰ কোন কালে কালে কালে কালে কালে কালে সামাৰ কোনা কালে কালে কালে কালে কালে কালে সামান কালে কালি কলা কালে ব ক্লিকাল কালে কালে কালিকাল কালে কালে কালে ব ক্লিকাল কালে কালে	৪৮-ফাব্য ১-জাব্য ৩৯-মার্থি আরু ১-ফাব্য ১-ফাব্য ১-ইউমূস ১৫-ইঞ্চর ১০-ইউমূস ১৫-ইঞ্চর ১০-মুম্বাহিনা ৪২-মূল	54 60 84 549 749 78	986 986 987 989 989 989 989	ভেগতের বিদ্যালা কোন বিদ্যা করে (স্বান্ত্রাজিগ) বালে পত্ন বুর্ব প্রচাল পানুলে কানার কারারের বিদ্রুপ হী আন্তর্নার কানার কারারের বিদ্রুপ হালিকা আন্তর্নার কিন্তুপ হালিকা আন্তর্নার কারার্নার হালিকা আন্তর্নার কারাক্তর্নার হালিকা আন্তর্নার কারাক্তর্নার হালিকা আন্তর্নার কারাক্তরা হালিকা আন্তর্নার কারাকা আন্ত	৫৫-রাহ্মান ১৭-ইপুরা ২৬-৩'জারা ৩৫-ফাতির ৪৭-মূহাখাদ	98 92 33 98	98: 93:
ायांची (१४५-४०मा बराद रायांची का वार्डाब्य- प्रकृत (इस गढ़े प्रकृत प्रकृत का प्रकृत कर प्रकृत का गढ़ा पर पर्वामानिकारक वित्त (बस क्षाः)— गढ़ा पर पर्वामानिकारक वित्त (बस क्षाः)— गर्मा एका पर्वामानिकारक करा व्याप्त स्थापित क्षांची व्याप्ती गर्मिद्रा प्रमाणकारक व्याप्त स्थापित प्रकृत व्याप्त मान्या गर्मा प्रकृतिकारक करा व्याप्त स्थापित प्रकृत व्याप्त स्थापित का स्थापा प्रकृतिकारक करा व्याप्त स्थापित प्रकृत व्याप्त स्थापित का स्थापा प्रकृतिकारक करा प्रकृत क्षांची व्याप्त स्थापित स्थापित का स्थापा प्रकृतिकारक करा प्रकृत क्षांची का प्रकृत स्थापित स	৪৮-ফাব্য ১-ফাব্য ১-ফাব্য ১-ফাব্য ১-ফাব্য ১-ইউনুস ১৫-ইজনুর ১০-ইউনুস ১৫-ইজনুর ৬০-ফুদকাইল ৪২-শুরা ৩০-ফুদকাইল	54 80 80 54 98 54 54 54 54 54 54 54 54 54 54 54 54 54	080 0000 080 000 000 000 000 000 000	বেশনে বিধান বেশন দিয়ে গাবেং (ভাষ্ট্রাফিপ) ক্রেপে পরা সূর্ব বেলে পরুবে নালার বার্ত্তবার নির্দেশ দ্বী ভাষ্ট্র বেলে পরুবে নালার বার্ত্তবার নির্দেশ দ্বী ভাষ্ট্র বার্ত্তবার নির্দেশ কর্মানের হিলে দ্বালিকার সম্প্রতার কর্মানের হিলে দ্বালিকার সম্প্রতার কর্মানিকার নির্দেশ কর্মানিকার দ্বালিকার বার্ত্তবার বার্ত্তবার নির্দেশ কর্মানিকার দ্বালিকার ক্রেমিনার ক্রান্তবার নালার ক্রমানিকার দ্বালিকার ক্রমানিকার ক্রমানিকার দ্বালিকার ক্রমানিকার দ্বালিকার ক্রমানিকার দ্বালিকার ক্রমানিকার দ্বালিকার ক্রমানিকার দ্বালিকার দ্বা	৫৫-রাহুমান ১৭-ইপুরা ২৬-৩'জারা ০৫-ফাতির ৪৭-মুখ্যখনদ ৫২-মূব	85 85 27 28	98: 93: 93: 98:
পোনালৈ (ক্ৰেইন্সালাৰ কৰে পোনালৈ কৰা ব্যাহাৰ্য—) সমূহত কেলা সাহায় কামান কামান ৰামান কৰা ব্যাহাৰ— সময়ৰ কৰে কেলি-বিলায়েকৰ দিল (ক্ৰান্ত ক্ৰান্ত—) সমান কৰে কেলি-বিলায়েকৰ দিল (ক্ৰান্ত ক্ৰান্ত—) সমান ক্ৰোন্ত সমান কৰা ক্ৰান্ত আৰু ক্ৰান্তি প্ৰকিন ক্ৰান্ত সমান ক্ৰোন্ত ক্ৰান্ত ক্ৰান	৪৮-ফাব্য ১-জাব্য ৩৯-মার্থি আরু ১-ফাব্য ১-ফাব্য ১-ইউমূস ১৫-ইঞ্চর ১০-ইউমূস ১৫-ইঞ্চর ১০-মুম্বাহিনা ৪২-মূল	54 84 84 98 98 54 74 75 75	986 986 987 989 989 989 989	ভেগতের বিদ্যালা কোন বিদ্যা করে (স্বান্ত্রাজিগ) বালে পত্ন বুর্ব প্রচাল পানুলে কানার কারারের বিদ্রুপ হী আন্তর্নার কানার কারারের বিদ্রুপ হালিকা আন্তর্নার কিন্তুপ হালিকা আন্তর্নার কারার্নার হালিকা আন্তর্নার কারাক্তর্নার হালিকা আন্তর্নার কারাক্তর্নার হালিকা আন্তর্নার কারাক্তরা হালিকা আন্তর্নার কারাকা আন্ত	৫৫-রাহ্মান ১৭-ইপুরা ২৬-৩'জারা ৩৫-ফাতির ৪৭-মূহাখাদ	98 92 33 98	980 980 980 980 980 980 980

## দ্বিতীয় অধ্যায়



পবিত্র কুরআন ও কুরআনের তরজমা

### কুরআন তিলাওয়াতের আদবসমূহ

- ১ তিলাওয়াত তক্ষ করার পূর্বে 'আউবুবিয়ার' পাঠ করা। আল্লাহ পাক কুরআন মন্তিদে বলেন- "হথন তোমরা কুরআন তিলাওয়াত করবে তখন বিতাড়িত শরতান থেকে অল্লাহর নিরুট আপ্রান্থ প্রার্থণা কর" (পৃত্রা আল্ল-নাহণ।৯৮)
- ই তিলাওয়াত তর্রু করার সময় প্রভাক সুরার প্রথমে 'বিসমিল্লাহ' বলা।
- 🐧 কুমান তিলাওয়াতে সময় বিনয় সহকারে তিলাওয়াত করা এবং আয়াতের মর্ম অনুধাবনের চেষ্টা করা আল্লাহ বলেন, "ওবে কি তারা কুমানা অনুধাবন করে না। নাকি তাদের অস্তরসমূহ তালাকম হয়ে আছে"। (সূত্র মুহান্মদ:২৪)
- ৪ দ্রুত না পতে স্পর্টভাবে (তারতীলের সাথো), সুপর সূব ও উজ্ঞাবণে কুরআন তিলাওয়াত করা। আল্লাহ বলেন, "য়িয়ে য়য়ে স্পাইভাবে কুরআন তিলাওয়াত কর"। (সুরা আল মুল্লাম্ফিল-৪)
- ② টোনে টোনে কুৰুবাৰ নিলাগোৰা কৰা। এ আগানে হাদ্যা (হা), বাহন কৰেবলৈ ইনান নানিৰ হোছে: - হাছক বাজনা হো, বাহন কৰিব, কিনি কাল্য, কিনি বাহন নানি কৰিবলৈ হাল্য, পান, এনি জিলাগোৰ সম্পৰ্কে বিহাৰদ কৰাম। কিনি কাল্যন, কিনি বাহনু দান), টোনে টোন কুৰুবান স্কৃতনা (বুল্কনী) - যান একটি কৰিবলা আছে, ব্যক্তবাৰ কালা (বুল্লা), বুল্কনা পানিকালিবলৈ হাল্যনিকালি আইনা। কিনি নিলাগিয়াকে টোন পানুলাক, কালা-বাহনালক টোনে পানুলা, আন নানিকালে কালানিক বাহনালিক। - হাছক উথ্যোগনিলো (ব), তেবকি, কিনি বাহনাল (ব), তিন্তু কৰিবলৈ ক্লানাল কলাল কলাল, কলা
- স্থানিত আমাত পাঠ কলেতে কৰা 'অপান্ধিন' কৰতন। (সুখান্তি ক-মূলনিত, বু জিনাভালতে সহত্ত কালি এবং একাপিত হওৱা। আগ্ৰান বেশন, "আৰু কৰা প্ৰাস্থা কৰা প্ৰাস্থান কৰি দা অবহানি হতেছে, তা খান বাবে তথ্য সুখি ভালেও ক্ৰোৰ অঞ্চলনাক। লোভত আহেও কাবাবে যে, কাবা লভাকে চিনে নিবাৰে। ভাৰা বাবে, তে আমানাক প্ৰতিকালক, আমানা মুললামান হয়ে পেলাম। অভএব, আমানোকাকেও মানানানীকো অৱস্থিত কালে দিশা (সুখা মানোলা) কৰা
- ৮ মহান পাল্লাই আলো ববদন, "ৰূপ ভোমনা কুলআনকে মানা কর খংলা আমানা কর; মানা এর পূর্ব কেকে ইনাম প্রায় হয়েছে, যুগণ প্রচালক করে এর তিলাগুলাত করা হয়, তথন থারা অবন্য করকে নিজানার কুটিবে গাঙ্ক এবং হয়েল, আমানাক প্রকাশনক পরি, মারাকা নিজানাকে আমানাক প্রকাশনকরে ক্রালা কলাই পূর্ব হবং তার ক্রমণক করতে করতে অবলন্ত মন্ত্রকে প্রক্রিতে পুটিরে পাছে এবং আগের বিদয়খার আহার বুন্ধি পান্ত"। (সুরা বুন্ধী ইনারীক্ষণ ১০২ প্রায়
- in "Searcial Serricustor". এব আয়াক পাঠ করার সকল সিকলা আলার কৰা। হক্তব উন্ধা (ম), সাংক কৰিব
  করেবে সে, বিকি প্রকৃত্র কিনে বিষয়ে বিষয় নামান্ত বিভাগতের করণে। কৰা কিনি স্কৃত্রক বিষয়ে বিষয়ে বিষয়ে বিষয়ে বিষয়ে বিষয়া করালে করালে
- ১০ তিলাওয়াত বৃধ উত্ত পরে কিংবা ধুব নিচু পরে না করে মধ্যপত্ম অকাদন করা। আচাহ বলেন, "পুমি ডোমার সলাতে (নারামে) পরকে বৃধ উটু করোলা আবার নিশেশেও পড়োনা বরং এ দুমার মধ্যবর্তী পত্ম অকদন কর"। (পুরা কর্মী ইপরাঞ্চান১১০)
- ১১ ভিলাভয়াতের সময় হাসি-ঠায়া, হৈ তৈ ও কথা-বার্তা সম্পূর্ণ পরিহার করা। আল্লাহ বলেন, "যখন কুরবান ভিলাভয়াত করা হয় তথন জেমঝা মনোযোগ সহকারে দোন এবং চুপ থাক যাতে তোমাদের প্রতি দয়া করা হয়"। (আল আবাফ-২০৯)
- ১২ বেশি বেশি কুলমান বিল্যাওয়াত ও কুলমান খন্য (সমান্ত) করা। আত্মান্ত ইবনে আমর (রা.) থেকে বর্গিত। তিনি ধন্যন, রাগদ (সা.) আমাকে বংলাছেন, "ভূমি একখানে কুলমান পত্ত (কতম করা)। আমি কপলাম, আমি এত প্রেক্ত বেশি সামর্থ রাছ। তিনি কলালে, "ভাততে ২০ দিনে পত্ত।" আমি বলাগার, এর ক্রেণ্ডের বিশ্ব সামর্থ রাছি। তিনি কপলেন, তাহলে ভূমি সাত দিনে পত্তি, এর চেরে বাভিতনা (কর্মান্ত বর্গ সমান্ত কুলমান কথম কলোদা)।

### শুদ্ধভাবে কুরুআন তিলাওয়াতের নিয়মাবলি (তাজওয়ীদ)

মাধরাজ: মাধরাজ শব্দের অর্থ বের হওয়ার স্থান। আরবী হরফগুলো যে যে মুল থেকে উচ্চাবিত হয় তার প্রতিট স্থানকে মাধরাজ বলে। যেমন, হামনা হরফটি কঠনালীর নিম্নতাগ থেকে উচ্চাবিত হয়। অতথ্যস্থ, কঠনালীর নিম্নতাগ হলো হামবার মাধবাল।

মাংবাজ চেনার পছাতি: কোনো হ্রফকে সাকিন দিয়ে তার ভানে হরকত বিশিষ্ট কোনো হরক বদিতে উচ্চারণ করলে বর যে স্থানে থেমে যায় তা-ই হয়েছে সে হরকের সঠিক মাংরাজ। থেমন స్ట్రేస్త

মাধরাজের সংখ্যা: আরথী ২৯টি হরফের ১৭টি মাধরাজ রয়েছে। মাধরাজগুলোকে পাঁচটি ভাগে ভাগ করা যায়।
(১) জাওফ মেপ ও কর্চনাদীর ভেতরের খালি জায়গা), (২) হালক (কন্ঠনানীর ভেতরের খালি জায়গা), (৬)

সিসান (জিহবা), (৪) পালগতান (মুই ঠেটি), (৫) থামপুম (নাসিকামুদ)।

মধ্দের পরিক্রা: মধ্দের অর্থ লখা করা, অতিতিক করা। মধ্দের হত্তফ ক্রিনটি (১) আলিফ, মধ্দম সাধিন হত্ত এবং তার তারে

মধ্যের পারিষ্কা: মধ্যের অত্ম পথা করা, আতারক করা। মধ্যের হরফা ক্রমান (১) আলক্ষ, যখন সারক। হয় এবং তার তারে খবর আকে যেমন 🗯 (২) প্রহাত, যখন সার্কিন বয় এবং তার ডানে পেশ থাকে। যেমন, 💃 (৬) গুরাও- যখন সাকিন হয় এবং তার ডানে ধের হয়। যেমন, 🚉

बरम खाननीः प्रत्मत दशरकत পূर्त्व पनि दामया (०) ना थारक अवर शरत उपामया वा जुक्न मा थारक, छादरल अ मन्दर्क 'भरम खाननी' बरल । छेनादल्य, رُيُونُوا لَلْبُو فَايِيْنَ , क्षानंदल्य ) وَ قُوْمُوا لَلْبُو فَايِيْنَ

মদে মুন্তাসিক: একই শব্দে সন্দের হরকের পরে যদি হাময়া (+) আসে, ভাহলে ভাকে 'মদে মুন্তাসিক' বদে। উদাহরপ, -ومن – ومن – الله ياتراتكه بالكالم يا الله ي

মন্দে মূনকালিক। পাশাপাশি অবস্থিত কু'টো শংশর প্রথমটির সেব হরত মন্দের এবং ছিত্তীর সংক্রে প্রথম হরতটি হামমা (৩) হলে তাকে মন্দে মূনকালিক বলে। উমাহরণ-এন। ক্রিট্রান্ট্রি এটিট্রি মন্দে মূনকালিক সার আলিফ পরিমাণ লগা করা মান।

নুন সাক্ষিম ও তানগুয়ীনের ছকুম চারটিঃ (১) ইযহার, (২) ইদুগাম, (৩) কলব, (৪) ইখ্যা।

 এমহার: এর অর্থ স্পর্ট করা। নূন সাবিল ও অনওয়ানের পরে হাগকের হয়খনামূহের কোনো একটি হরক আগেলে, ওই নূন সাবিল ও তাবওয়ীনকে ভন্নাহ না করে স্পর্ট করে পড়তে হয়। হালাকের হয়ড় হয়টি। য়থা,

নুন সাকিনের উদাহরণ, - গ্রিফা - নির্মান তানজয়ীনের উদাহরণ, ক্রিফা - ক্রিফা

 ইম্পাম: ইম্পাম অর্থ প্রবেশ করানো। বৃদ সাঞ্চিদ ও তালভট্টানের পারে ইম্পানের কোনো হবক আগনে, এই নুদ সাঞ্চিদ ও তালভট্টান উচ্চারণ না করে গরবার্তী হত্ততের মধ্যে প্রবেশ করিয়ে হরকটিকে তাশদীল সহকরে পারতে করে।

ইপগামের হরফ ছয়টি। যথা, و – و – ل – و – ن , এর মধ্যে চারটি হরফে ভল্লাহ হয়।

এ হরক চারটি হচেছ, و بر و المعربين المعربين المربين المربين المربين المربين المربين المربين المربين المربين الم المربين المربي

 कमरा कमरा वर्ष परिवर्धन करा। नून मास्तिन व धानव्यीत्तर शाद ्रे व्यामारण, रन नून मास्तिन व धानव्यीत्तर श्वर कारा प्राप्त मन मास्तिन व धानव्यीत्तर शहर कारा परिवर्धन करत कहार मरकारत शहर कारा।
 नून मासिकार बिमारतण, अंदं - وَرُوم اللَّهِ بِهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللّهُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ الللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللللَّهُ الللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ

صَعِيْدًا طَيًّا – كُأْسًا بِغَانًا ,जानव्यीत्मत উनावतन مَنْ ضَلًّ - كُنْتُمْ , वानव्यीत والمُعَانِّة المُعَانِ

ভয়াখিব ভয়াহে: দুন ও মীমের উপর তাশদীদ হলে অবশ্যই দেখানে ভয়াহ করতে হবে, একে ওরাজিব ভয়াহ বলে। যেমন:  $\hat{y}_1$  –  $\hat{y}_2$ 

### পবিত্র কুরআনে ব্যবহৃত বিভিন্ন বিরাম চিহ্ন (ওয়াক্ফ) এর বিবরণ

পৰিত্ৰ করুজানের আয়াতসমহের মাঝে বা পেষে নিশ্রে উল্লেখিত বিরাম চিক্রসমহ রয়েছে:

- এ একে 'ওয়াক্ফ শাবিম' বলে। এরপ চিহ্মুক স্থানে ওয়াক্ফ করা জ্ঞারী। কেননা, এরপ স্থানে ওয়াক্ফ না করলে কোনো কোনো কেত্রে অর্থ বিকৃত হয়ে যেতে পারে।
- 🎍 এটা 'ওয়াকৃষ্ণ মুত্লাক'। এরপ চিহ্নিত স্থানে বিরতি নিয়ে পাঠ করা উত্তম।
- ্ত্র এটা 'ওয়াক্ফ আইয'। এরূপ চিহ্নিত স্থানে ওয়াক্ফ করা বা না করা উভয়ই বৈধ।
- ্ব এটা 'ওয়াক্ফ মাজাওওয়াজ'। এগানে বিরতি না দেয়াই উত্তম।
- ্রু এটা 'ওয়াকৃফ মুরাখ্থাস'। এরপ চিহ্নযুক্ত স্থানে বিরতি না দেয়া ভাল। তবে শ্বাস ধরে রাখতে কট হলে বিরতি দেয়া বৈধ।
  - ্র এটা 'কীলা 'আলায়হি গুয়াকফ'-এর চিহ্ন। এখানে বিরতি দেয়ার ব্যাপারে মতভেদ আছে।
  - ্র্য এটা 'গুয়াকফ আমর'। অর্থাৎ থামার নির্দেশ। এখানে বিরতি দেয়া উচিত।
- সু এটা 'লা ওরাকৃষ্ণ 'আপারহি'-এর হিন্দ। এরপ হিন্দুক্ত স্থানে থামা বাবে না। আরাতের মাথখানে এ হিন্দ থাককে সেখানে বিরতি দেয়া যাবে না। তবে আয়াতের পোষে গোল হিন্দ (ওয়াকৃষ্ণ তাম) এর উপর থাকলে বিরতি দেয়া য়ায় ।
- এটা 'ওয়াক্ফ কাদ ইউসালু'-এর সংক্ষিপ্ত রূপ যার অর্থ 'মিসিয়ে দেয়া হয়েছে'। এ স্থানে বিরতি দেয়া বা না দেয়া উভয়ই বৈধ। তবে বিরতি দেয়াই উল্লম।
- وسلى "অল-ওয়াসূলু আওলা'-এর সংক্ষিত্ত রূপ। এরপ স্থানে মিদিয়ে পড়াই উত্তব। এই ক্রমেনের আট আরপার এ তিই তার কর সামান্য ধামতে হয়, কিন্তু দম ছাড়তে হয় ন। কুরমানের আট আরপার এ চিহ্
- আছে। অ হিক্ষুক্ত স্থানে অন্তর চেয়ে কিছুটা দীর্ঘ বিরতি নিতে হয়; এখানেও দম ছাড়তে হবে নং।
- ا بع / باطنه ( يَرْ هَمَا الْهَجَةُ किंचा किंदाक ' मूं आनाकाः' बना इम्र । आग्नारका रा भएमत फारन এবং বামে উক্ত জিন বিন্দু অথবা به الله عليه المائة المائة
- এ কুঞ্চী আয়াতে চিহ্ন, এতে মতভেদ রয়েছে, তবে বিরতি দেয়া ভাল। তবে এর উপর অন্য জোনো চিহ্ন থাকলে সে অনুমায়ী পাঠ করতে হবে।
- ু কোনো কোনো বর্ণনা অনুসারে হয়রত মুহাম্মদ (সা.) এখানে ওয়াক্ষ করেছিলেন।
- ০ আয়াছের শেষে এই চিহ্ন থাকে, এটা 'গুয়াক্জ ভাগ'- এর চিহ্ন। এর অর্থ হলো পূর্ণ বিরাম। এধরনের চিহ্ন দ্বারা একটি স্বায়াতের শেষ বৃষ্ণায়। তবে এর উপরে জন্ম কোনো বিরাম চিহ্ন থাকলে দে জন্মায়ী পাঠ করা উরম।

# কুরআনের তরজমা

পবিত্র কুরআন

### পবিত্র কুরআনের সূরাসমূহের সূচীপত্র

ক্রমিক নম্বর অনুসারে						বাংলা বর্ণমালার ক্রমানুসারে					
ৰূৱা বং	স্বার নাম	शही नर	मुवा नर	সূরার নাম	शृक्षी नह	স্বার নাম	স্রা নং	श्रीक	সূতার নাম	সূৱা নং	पृक्षा म
3.	আল-কাভিত্রা	402	av.	অল-বুজনলা	965	অধিহাত	300	540	शिश	8	990
4.	वाल-दाकादा	605	1 90.	অল-ব্যশর	200	वानवाम	. 6	9969	79	48	998
٥,	আলে-ইমরান	906	60.	चाल-पूपवर्शिश	964	আনকাবৃত	45	F36	न्य	93	358
8.	আন-বিসা	980	65.	जाग-गांक	360	व्यानकाम	b	605	काकद	b/b	1 203
e.	আল-মারেদা	630	64.	অন-জুমু'আ	362	আৱাসা	bo	3006	शंदर	85	33/6
	व्याग-वालाम	440	60.	আল-মুন্যবিপুন	3/66	व्यक्तिम	43	980	काढिश	3	603
9.	আপ-অ'রাফ	920	48,	আন্ত-ভাগাবুন	300	আর্থ	3	930	काठिव	002	V89
	আল-আনকাল	950	90.	অ্যত-ভাগাৰু	abb	আসা	64	2039	কালাক	220	3000
ъ.	আল-আনকাল	680		আত-ভাহত্রীম		আলাক	360	2039	कीन	308	300
ъ.			66,		390	আলে-ইমরান	0		कृतकान	302	99/3
20,	<b>रेडेन्</b> ग	668	69.	আল-মূলক	392		200	609	की देशकर्तन स चल-देश्या	39	938
33.	Ţ#	960	60.	অল-কালায	945	আস্ত		2005	वाकावाद	37	1 404
32.	ইউসুফ	699	65.	অল-হাৰাহ	9.42	व्यक्तिकाव	86	3039	वाशिमाद	89	205
20.	আর-রা'দ	400	90.	আগ-মা'অবিজ	99-7	আহ্যাৰ	90			90	204
١8,	ইবরাহীম	690	93.	78	368	ইউনুস	20	968	বালাব		
14.	আল-বিজার	(h)hb	93	আগ-ছিন	26/9	ইউসুফ	25	699	दुक्स	p.s	2030
36.	আন-মাহল	900	90.	জাল-মুখ্যামমিল	366	ইম্লাস	225	2009	মা'আরিক	90	+ 99.5
59.	रनी-इनराञ्चन य जान-इन्छ	938	98.	আগ-মুদ্দাস্পির	066	ইন্ফিডার	3-5	2020	মাউদ	309	1000
20.	আন-নাব্যক	948	94.	আল-কিয়ামাহ	99.0	ইণশিক্ষক	84	2070	महिमा	Q	62.0
25.	माहदेशाम	968	96.	পাদ-দাহর	30-2	ইনশিরাত্	86	2056	মারইয়াম	7.9	908
20.	g1-80	483	99.	আল-মুরসালাত	P 66	ইৰৱাহীম	78	600	মুজানালা	6,4	1 265
23.	আল আখিয়া	300	95.	আন-নাবা	2000	ইয়াসীদ	100	467	<b>पृठाक्किकी</b> न	bno	307
22.	व्याध-इंबर्ट	900	934.	আন-নাথিআত	2000	ওয়াকি'আ	26	280	मुसाइचित	98	, bbs
30.	আল-মু'মিনুন	966	bo.	আৰাস্থ	2009	काशकार	209	2008	মুমকাহিনাহ	60	369
₹8.	व्यान्त्व	998	b-5.	আত-ভাকবীর	300b	কাপুর	24	2059	भूगक्षिकृत	60	366
32.	वाग-कृतकान	964	b-2.	আল-ইনফিভার	3030	कृक	60	255	মুখ্যন	80	596
28.	जान-०,वास	96-6-	b0,	আল-মুডাঞ্জিবীন	7077	কাঞ্চিত্রণ	209	3000	मु भिनुस	20	960
29,	আন-নাম্প	you	b8.	আল-ইনশিকাক	3030	ginia	98	806	<b>भूगवाधिक</b>	90	. MY
30.	আল-কাসাস	Pob	be.	আল-বুকুজ	2020	কুৰি আ	303	2007	মুরসালাত	99	359
			brb.	আত-ভারিক	2029	কুলাম	647	200	मुन्द	99	1 293
<b>ξ</b> δ.	আল-আন্কাৰুত	9.79		আল-আ'লা	3034	क्रांगाम	39	trotr	मुश्रापम	89	975
co.	আর-রূম	455	b9.	আল-থানিয়া		কাহফ	29	928	যবিষ্ণত	62	3-30
0).	লোকমান	P39	bb.		7029	কিয়াবাৰ			चिन् <b>यान</b>	29	200
02.	অ্স-সাজনা	9400	bb.	আল-কন্ধর	2057		90	250		80	999
00.	আল-আহ্যাৰ	5000	80.	আল-বাগাদ	7050	কুরাইশ	506	3008	पूर्वक .	99	5-92
08,	मारा	687	35.	অপ-পামস	2048	গলিবা	bb	7079	पुत्रांच	99	3/53
00,	ফাতির	P89	34.	আল-লাইল	2056	वानिया	86	302	বৰ্মান		
Ø8.	ইয়া-সীন	467	30.	আদ-দোহা	2050	fòr-r	98	Mbrb	রা'দ	30	dirb
.09,	আসংসাঞ্চনাত	1000	38.	আল-ইনশিরাহ	2029	পুদু'আ	65	204	क्रम	00	2.55
Or.	সাদ	6,99	30.	আত-তীন	2054	ভঙৰা	. 3	880	नादेन	34	205
ch.	जार-गुमार	593	à6.	আল-আলাক	7059.	তাকবীর	P.2	2009	দাহ্যব	222	200
80.	আল-মু'মিন	7.45	39.	ञान-कामर	2059	ভাৰাত্ত	205	2005	লুকমান	42	74
85.	হাইম অস-সজন ব কুপলৈত	6444	av.	আল-বাইয়িনাহ	2059	ভাগাবুন	98	1600	শাহস	32	203
84.	আপ-তরা	297	bb.	আয়-বিল্যাল	5000	ভারিক	86	2029	चवावा	- 20	900
80.	আয়-যুগকক	494	\$00,	আল-আদিয়াত	2000	ভাগাক	942	200	শ্বা	82	2.95
88.	আল-নুধান	302	303.	আল-কারি'আ	2002	चार्थीम	96	290	সাজ্পা	- ७३	bro.
84.	আল-আলিয়া	302	302	আত-ভাকাসুর	2005	ন্তা-হা	20	482	সাদ	C.b	100
80.	আল-আত্তাত	205	300.	আল-আসর	3002	<b>ট্টা</b> ন	3-2	3039	সাক্ষ	44	360
89.	মুহামদ	246	308.	जान-इमायार	2000	ত্ত্ব	69	3.33	মাক্তাহ	. 99	20
87,	আল-ক্ষেত্ৰ	326	302.	पान-कीन	2000	দাহৰ/ইনসান	99	994	: नावा	98	br83
88.	पान-इक्कार	340	300.	কুরাইশ	3008	দুখান	88	302	পোয়ান	26	3/6/
	अ-स	255	209.	আলমা'উন	3008	<b>দুব্য</b>	30	2036	zjet	60	59
40.	थान्याविद्याठ आवदाविद्याठ	250	204.	অল-কারসার	3008	नाक्रम	60	905	2166	44	921
45.				অল-কাঞ্চিকন	3008	শুমূল	39	800	া হাদীদ	09	7 581
42	আত-ভূপ	959	>0%.	অন-কাক্তন		শব্	90	2000	एकेर कड़ अक्स व कुलिस		i bb
60.	वान्-नावम	305	330.		3002	নাব'আত	93		श्चान्य	6.9	391
28.	অল-কুমার	3406	333.	আল-লাহাৰ	2005			2000	विकर विकर	24	999
00.	আর-রহমান	909	225	আল-ইপুলাস	7009	साम	778	2009		85	1 844
Øb.	আল-ওয়াকি'আ আল-হার্নীদ	380	330,	আল-কালাক আন-মাস	2009	নাসর নাহত	330	2000	হজবাত	- 88	100

চিক্তিত স্থানের তাফসীর সুরা নং ; আয়াত নং অনুসারে তরভামার শেষে দেবুল



offert.

### - سُورَةُ الْبَقَرَةِ

২. সূরা আল-বাকারা, মাদানী
১৮৬ আবাত, ৪০ কব্
অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আলাহর নামে

V. artigrature - Store

करत स

- ২। এটি সেই কিতাব, যে ব্যাপারে কোনো সন্দেহ নেই, " (এটি) মুভাকীদের " জনা প্রবাহার্যনিকা-
  - থারা অপুন্দের্ট ইমান আনে, সালাভ (নামার) কারেম করে এবং আমি
    জালেরকে যে রিথিক দিয়েছি তা থেকে বায়্ত্র করে৪। এবং য়ারা ইয়ান আনে ভাব প্রতি হা অবারীর্থ করা হাজাছ ক্ষেত্রকর প্রতি
  - ও মা অবতীর্ণ করা হয়েছিল তোমার পূর্বে এবং তারা আধিরাতের প্রতি মিষ্টিত বিশ্বাস করে।
  - ৫। তারাই তাদের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে (আনা) সঠিকপাথের উপর রয়েছে এবং তারাই ফফল। ও। দিকত বারা কুক্করী এক্টাকার) করেছে তালের জ্ঞান্য সমান- ভূমি ভালেরকে সতর্ক কর অথবা তারেলাকে সত্রক না কর তারা ইমানে
  - আনবে না।

    বা আন্তরে না

    বা আন্তরে না

    বা আন্তরে না

    তা করিব উপর রুগতে ও কানে মোহর মেরে নিরেছেন। এবং তালের
    ভারের উপর রুগতে ভারের এবং লালের জন্ম সেরুগত ম্যানার্ছিন
  - b। আর মানুহের মধ্যে তেওঁ তেওঁ বলে, 'আমরা আচ্চাত্তর প্রতি ও
  - আধিবাতের দিনের প্রতি ইমান এনেছি", ক্ষত্মত তারা দু'মিন (বিশ্বাসী) নর।

    ১) তারা আন্তাইকে এবং খারা ইমান এনেছে তালেরকে থোকা দের (ব্যক্ত মনে করে), অধ্যত তারা তালের দিয়োগেরাকই থোকা দেয়, কিন্তু তারা অন্তর্ব
- ১০। তাদের হৃদয়ে রয়েছে রোপ, এবং আল্লাহ্ তাদের রোগ আরো বাড়িয়ে পিয়েছেন, এবং তাদের জন্য রয়েছে যয়্য়পানয়ক শান্তি, করেণ তারা মিগ্যা বলে গাকে।
- াম্ব্যা বলে থাকে।

  ১১। এবং যথন ভালেরকে বলা হয়, তোমরা পৃথিবীতে ফ্যাসাদ সৃষ্টি করো না,
  তথন ভারা বলে, 'আমরা কেবল সংশোধনকারী',
- ১২। জেনে রাধ, নিশুয় ভারাই ফ্যাসাদ সৃষ্টিকারী, কিছু ভারা অনুভব করে

- ٢-سُورُةُ الْبَقَرُةِ مَانِيَّةُ ابَاتُهُا ٢٥٦، رُكُونَاتُهَا - ٢٠ بِسْمِ اللَّهِ الرِّحْمُ إِن الرَّحِيْمِ
  - ا سر ۞ ذٰلكَ الْحَتْبُ لَارَيْبَ ﴿ فَيْمَا هُدِّى لِّلْمُتَّقَيْنَ ۞
- الَّذِينَ يُوْمِنُونَ بِالْقَيْبِ رَبُقِيمُونَ المُّلُوةَ وَمِمَّا رَزَقَنَهُمْ يُنْفِقُونَ ٥
- وَالَّذِينَ يُوْمِنُونَ بِمَا أَثْرِلَ إِلَيْكَ وَمَا أَثْوِلُ مِنْ قَبْلِكَ، وَبِالْأَخِرَةِ مُرْ يُوقِنُونَ ۞ وَبِالْأَخِرَةِ مُرْ يُوقِنُونَ ۞
- اونينهاي هناي من رويهر من اونينه من المنتسون ه إنَّ الَّذِينَ كَتُرُوْا سَوَّاءٌ عَلَيْهِرْءَ ٱلْذَوْتَهُمْ ٱلْأَلَوْتُهُمْ الْأَلَوْدُهُمْ لَايَةُ مُهُونَ ۞
- مَّرِرُ اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ وَكَلَى سَمْعِمِرْ وَكَلَّى آبَصًا رِهِمْ غِمَا وَقَّ وَأَ كَشَرُ عَدَابٌ عَطَيْرٌ هُ لَقُرْ عَدَابٌ عَطَيْرٌ هُ
- وَسِ َ النَّاسِ مَنْ يَّقُولُ أَمَنَّا بِاللهِ وَبِالْيَوْ الْأَخِرِ وَمَا هُرْ بِمُؤْمِنِينَ ۞
- يُخْدِعُونَ اللهَ وَالَّذِيْنَ أَمَنُوا وَمَا يَخْدَعُونَ إِلَّا أَنْفُسُمُرْ وَ مَا يَشْعُرُونَ ٥
- نِيْ قُلُوْ بِهِرْ مَرْضٌ ۚ فَزَادَ هُرُ اللَّهُ مَرَضًا ۚ وَلَهُرْ عَذَابٌ ٱلِمْرَّاةُ بِمَا كَانُواْ يَثُونُهُونَ ۞
- وَ إِذَا قِيْلَ لَـهُرْ لَاتُفْسِدُواْ فِي الْأَرْضِ ِّفَا لُوَّا إِنَّمَا نَحْنُ مُمْلِحُونَ ۞
  - إَلَّا النَّهُ مُ هُمُ الْمُفْسِدُونَ وَلَكِنْ لَّا يَشْغُورُنَ ۞

- ১৩। এবং যখন ভাদেরকে বলা হয়, ভোমরা ঈমান আন যেভাবে লোকেরা ইমান এনেছে তখন তারা বলে, 'আমরা কি ইমান আনব বেতাবে নির্বোধেরা ঈমান এনেছেঃ' জেনে রাখ, নিশুয় তারাই নির্বোধ কিল
- ১৪: এবং যথন তারা যারা ঈমান এনেডে তালের সাথে সাঞ্চাৎ করে তথ্য বলে 'আহবা উন্নাম এনেডি' আবাধ বর্থন তামের শহতানদের (সঙ্গীদের) সাথে একাকী মিলিত হয় তথন বলে, "নিশ্চয় আমরা তোমাদের সাথেই আছি, আমরা কেবল (ওদের সাথে) ঠাটা-বিদ্রুপ
- ১৫। আল্লাহ ভাদের (মুনাঞ্চিকদের) সাথে ঠাট্টা-বিদ্রূপ করেন এবং ভাদেরকে ভাদের সীমালজনে দিশেহারা হয়ে ছরে বেভাতে অবকাশ
- ১৬, ওরাই ভারা যারা সঠিক পথের বিনিময়ে পথএটতা ক্রয় করেছে, সতরাং আদের ব্যৱসা লাকজনক হয়নি এবং তারা সঠিকপথ প্রাপ্ত নয়।
- ১৭। ভাদের উপমাঁ সে বাজির উপমার মত যে আগুন দ্বালালো, অতঃপর হখন এটি ভাব চাবপাপ আলোকিত কবল তখন আহাত তাদের আলো কেতে নিলেন এবং ভাদেরকে এমন অন্ধকারে ছেতে দিলেন যেখানে ভারা কিচ্টে দেখাত পায় না।
- ১৮। (ভারা) বধির, বোবা ও অন্ধ, সতরাং তারা (সঠিক পথে) ফিরে আসবে
  - ১৯। অথবা (তাদের উপমা) আকাশ থেকে বর্ষিত মুখলধারে বৃষ্টির মৃত বাতে আছে অন্ধর্মার ব্যৱহার গর্জন ও বিদাৎ-চমক ব্যৱধানির বিপরীতে ভারা মত্যর ভয়ে তাদের কানে আঞ্বল এটে দেয়। আর আল্লাহ কাফিরদেরকে পরিবেষ্টন করে আছেন।
  - ভালের ওপর অন্ধকার নেমে আলে তখন তারা দাঁড়িয়ে যায়। আর যদি আন্তাহ ইচ্ছা করতেন তাহলে তাদের প্রবণশক্তি ও দৃষ্টিশক্তি কেডে ? নিতেন। নিক্তম আলার সব কিচব উপর সর্বশক্তিমান।

২০। বিদাৎ-চমক, তাদের দৃষ্টিশক্তি কেন্ডে নেয়ার উপক্রম হয়। যখনই তা,

- ৯১। হে মান্ত। ভোমরা ভোমাদের প্রতিপালকের ইবাদত কর বিনি তোমাদেককে ও তোমাদের পর্ববর্তীদেরকে সৃষ্টি করেছেন, যাতে তোমরা জারওয়া অবলম্বন করতে পার-
- ১১। জিনি সোমানের জন্য পথিবীকে বানিখেছন বিভানা ও আকাশকে বানিয়েছেন ছাদ, এবং আকাশ থেকে অবতীর্ণ করেছেন পানি এবং তা দিয়ে কোয়াদের খনের বিষিক্তরূপ ফল-মল উৎপন করেছেন, সকরাং ভোমরা জেনে-বুঝে আল্লাহর সমকক্ষ নির্ধারণ করো না।
- ১৩। আর আমি আমার বান্দার উপর যা অবতীর্ণ করেছি সে ব্যাপারে যদি ভোমৰা সন্দেহৰ মধ্যে থাক ভাৱলে এৰ অনজপ একটি সৱা (ভৈরি ক্রবে) নিয়ে আস এবং আলাহকে বাদ দিয়ে কোমানের সহযোগীদেরকে प्राक्रात कर- गमि कांग्रहा मजदानी कर।

وَ إِذَا قِيْلَ لَهُمْ أُمِنُوا كَمَا أَمَنَ إِلنَّاسُ قَا لُوَّ آ أَنُوْمُنُ كَمَا أَمَنَ السُّفَهَاءُ وَالَّا إِنَّهُ مُرُ هُرُ السُّفَهَاءُ وَ لَكِنْ لَّا يَعْلَمُونَ ﴿ وَاذَا لَقُوا الَّذِيْنَ أَمَنُواْ قَا لُوَّا أَمَنَّا ۚ وَاذَا خَلُوا الْيَ شَيْطِيْنِهِ ۗ و

ا-سُرزةُ الْبَقَاءَ

قَا لُوَّا إِنَّا مَعَكُرُ وَ إِنَّمَا نَحْنُ مُسْتَهُزِّءُونَ ﴿ أَللَّهُ يَسْتَهُ: يُ بِهِرْ وَ يَمُدُّهُ هُرْ فَي طُغْيَا نِهِرْ يَعْمَهُونَ ﴿

أُولَّنْكَ الَّدِيْنَ اشْتَرَوُا الضَّلْلَةَ بِالْهُدَٰى - فَمَا رَبِحَتْ تَجَا رَتُهُمْ وَمَا كَانُوْ امْهَتَديْنَ @

مَعْلُهُ ي كَمَعَلِ الَّذِي اسْتَوْقَدَ نَا رًّا وَفَلَمَّا أَضَّاءَتْ مَا حَوْلَةً ذَهَبَ اللهُ يِنُوْ رِهِرْ وَ تَرَكَهُرْ فِي ظُلُمْتِ لَا يُبْمِرُونَ ⊕ صُ اِبْكُمْ عَمِي فَهِمْ لَآيَ جِعُونَ ﴿

أَوْكَصَيْبٍ مِّنَ السَّمَّاءَ فَيْهُ ظُلُمْتُ وَّ رَعْدٌ وَّ بَرْقٌ ، يَجْعَلُوْنَ أَصَابِعَهُرْ فِي أَذَانِهِرْ مِّنَ الصَّوَاعِقِ حَذَرَ الْمَوْتِ وَ اللَّهُ مُديُّطٌّ با لْكُفْرِيْنَ ۞ يَكَادُ الْبَرْقُ يَخْطَفُ آبُمَا رَهُرُ ۥكُلَّمَاۤ آفَآءَ لَهُمْ مُّشُوْا فَيْهُ ۗ

أَبْمَا رِهِمْ وَإِنَّ اللهَ عَلَى كُلِّ شَنَّ قَدِيْ ۖ فَ

يَأَيُّهَا النَّاسُ اعْبُدُوا رَبَّكُرُ الَّذِي عَلَقَكُرْ وَالَّذِينَ مِنْ قَبْلِكُ ^ لَعَلَّكُ مُ تَتَّقُونَ ۞

الَّذِيْ جَعَلَ لَكُمُ الْأَرْضَ فِإَهَّا وَّالسَّمَاءَ بِنَآءً ۗ وَّ أَبَّ لَ مِنَ السَّمَاء مَاءً فَأَخْرَجَ بِهِ مِنَ الثَّمَوٰتِ رِزْقًا لَّكُورُ وَ فَلَا تَجْعَلُواْ لله أَثْدَادًا وَّ أَثْتُمْ تَعْلَمُونَ @

وَ أَنْ كُنْتُرْ فِي رَيْبِ مِّمًّا نَبَّ لَنَا عَلَى عَبْدِنَا فَأَتُوا بِسُوْرَةً مِّنْ مِّثْلِهِ وَادْعُوا شُهَدَّاء كُرْ مِّنْ دُونِ اللهِ إِنْ كُنْتُرْ مُدِقِينَ @

- ২৪। তবে যদি তোমরা (তা) করতে না পাব, এবং কথনো তোমরা (তা) করতে পারবে না, তাহলে তর কর দেই আওলকে যার ইন্ধন মানুষ ও পাথর, যা কাফিরদের (অবিশ্বাদীদের) জন্য প্রকুত করা হরেছে।
- ২০। আ (বে নদী) নারা বিষয়া এনেতে এবং সংবাজ করেছে ভায়েকত সুবংগল দাও যে, তাথেও জান প্রবাহ আন্নাকসমূহ, বেভাবার নিজ নহাসমূহ এবাহিত যাখনই কোন লগা তাথেবাত বিধিকত্বক দোনা হবে, তথাৰ তারা কাবে, 'এটি নোটিই বা ইন্ডাপুর্বে আন্নালবকে বিধিকত্বক দোনা হত, এবং তাগেবাক সাম্পান্ত কাবে নারা এবং কোবানে ভাসেত জন্ম পরিক্র সঙ্গী নারিনীরা থাকারে এবং সোধানে ভারা ছারী হবে।
- ২৬। শিক্তা আহাহ খশা বা তার তেরে তুল কেনে নিবৃদ্ধ উপমাঁ পেশ করতে 
  ক্ষাবোধ করেন না। আর খারা ইখান এনেহে তারা ভানে যে, তা তানের এবিপানকের পাল তেনে (আমা) মাত্র।, পাছারের যারা কুছারী 
  করেছে তারা বলে, উপাশা হিসেবে এর ছারা আছারে বী চানা এর ছারা বিশ্বি অনেকতে পাছারী করেনে এবং আর ভারি পি আনকেনে সাক্রিকণা প্রদান করেন। এবং এর ছারা তিনি কেবণ গাপাচারীনেরকেই পথন্তেই 
  ক্ষাক্রন
- ২৭। যারা আন্তাহর (সাথে কৃত) প্রতিশ্রুতি ভঙ্গ করে- ভা সম্পাদন করার পর এবং আন্তাহ্ যা সংস্তৃত রাধার নির্দেশ দিয়েছেন তা ছিন্ন করে এবং পরিবাদে জ্যাসাদ রাষ্ট্র করে। পারাষ্ট্র অতিবাদ।
- ২৮। তোমারা কিতাবে অলুবাকে অবিশ্বাস কর, অথচ তোমরা ছিলে মৃত, অতঃপর তিনি তোমাদেরকে জীবিত করেছেন, এরপর তিনি ভোমাদের মৃত্যু ঘটাকে, এবপর তিনি ভোমাদেরকে জীবিত করকেন, এরপর ভারত সিংক সোমাদেরক মিচিয়ে লায়া হলে
- ভাবর সাংল তেগালাকের সমস্র বিশ্বর বি
- ৩০। এবং যথন কোমার প্রতিপাদক ফেবেশতাদেরকে ব্যবহিলেন, নিক্সা আমি পৃথিবীতে একমার প্রতিমিধি বালাব। তারা বহলা, আদানি কি দেখাকে এমান করিকে বালাবেল, বেশাবাল চালাম দুর্গীক করের এবং বঙ্গপান্ত ঘটারে, অথত আহরা আপনার প্রশংসাহর পরিক্রারা (ভামবাঁহ) মোখালা করি এবং আপনার মহিলা আেখনা করি। তিনি কালেন, নিক্সা আহি জানি যা আহলা আল না।
- ৩১। এবং তিনি আদমকে নামসমূহ সবই শিক্ষা দিলেন, এরপর সেওলো ক্ষেত্রপতাদের সামনে শেশ করেন্দ এবং বললেন, 'তোমরা আমাকে একলোর নাম জানাও- যদি তোমরা সত্যবাদী হও।'
- ৩২। তারা বদল, 'পরিত্র আপনি, আপনি আমাদেরকে যা শিক্ষা দিয়েছেন তা ছাড়া আমাদের কোন জ্ঞান নেই। নিশ্চত্র আপনি সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজ্ঞাবান।'
- তত। তিনি বলদেন, 'বে আদম। তুমি তাদেবকে এওলোর নাম জানিয়ে দাও।' জভঃপর যথন সে তাদেবকে সেওলোর নাম জানিয়ে দিল, তথন তিনি কালেন, 'আমি কি জোমাদেবকে খনিনি, দিশ্বয় আবলসমূহ ও পৃথিবীর অদৃশ্য বিংমা আমি জানি। এবং আমি জানি যা তোমরা প্রকাশ কর এবং যা তোমবা গোপন কর।'

فَإِنْ لِّرْ تَفْعَلُواْ وَ لَنْ تَفْعَلُواْ فَالْتَقُوا النَّا رَالِّتِيْ وَقُودُهَا النَّاسُ وَالْهِجَارَةُ \* أَمِدَّ لِلْكَذِرِيْنَ ۞ وَنَفُّ النَّنْ مَنَ أَمَنُواْ وَعَلَمُوا الشَّاهِمِ إِنَّ لَمُو حَتَّى تَهْدِهُ }

وَبَقِيرِ الَّذِينَ امَنُوا وَعَهُوا الشَّاحِيا أَنَّ لَهُوَ جَنِّي تَجْوِيُ مِنْ تَحْتَهُا الْاَلْهُنِ مَثَلِمًا الْرَقْقِ امِنْهَا مِنْ لَقَوَقٍ لِزِقًا مَقَا لُوا هٰذَا الْمِنْ رُوْقَنَا مِنْ قَبْلُ وَأَنُوا بِهِمَّتَمَا بِهَا وَلَهُمْ فِيهَا آوَامًا مُّتَمَاتًة لَا وَهُمْ فَيْهَا خَلْدُونَ هِ

إِنَّ اللهُ لَا يَسْتَعَمِّى أَنْ يَلْمِي مَثَلُامًا يَعُوْمَةً فَمَا فَوْهَمَا افَأَمَّا الَّذِينَ امْنُوا مُخْلَمُونَ أَنَّهُ الْحَقَّ مِن ثَيِّمِهُ وَأَمَّا الَّذِينَ خَفَرُوا فَيَقُوْ لُونَ مَا ذَآ إِزَادَ اللهِ يَهَا أَمَالًا مِثْلًا مُعِلَّا الْمُخَلِّينَ فِي يَعِضُوا \* وَعَهَىٰ مِن مَحْسُلًا • وَمَا يُهِلُّ بِمَ آلًا اللّٰسَفِينَ فِي

رِ عَمْ وَيَوْ الْمِيْرِةِ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللّ إِنَّةِ أَنْ يُؤْمَلَ وَيُفْسِدُونَ فِي الْأَرْضِ \* أُولِّنْكَ هُرُ الْعُسِرُونَ ﴿

كَيْفَ تَكْفُرُونَ بِاللّهِ وَكُنْتُرْ أَمُواَتًا فَآهْيَاكُرْ ءُلُّرٌ لِمِيْتُكُرْ لُوْ يُحْيِدُكُرْ قُرْ إِلَيْهِ تُرْجَعُونَ ۞

هُوَ الَّذِينُ هَلَقَ لَكُرُ مَّا فِي الْأَرْضِ جَمِيْعًا هُتُرِ الْمَتَّوِّى إِلَّيَ أَقَّ السَّمَّاءَ فَسُوْنَهُنَّ سَبَعَ سَنُونِ ﴿ وَهُو بِكُلِّ هَنَّ عَلِيْدٌ ﴾ السَّمَّاءَ فَسُوْنَهُنَّ سَبَعَ سَنُونٍ ﴿ وَهُو بِكُلِّ هَنَّ عَلِيْدٌ ﴾

وَإِذْ قَالَ رَبُّكَ لَلْمُلْكَةِ إِلَيْ جَاعِلٌ فِي الْأَرْضِ غَلِيْفَةً قَا لَوُّ ا ٱتَجْعَلُ فِيْمَا مَنَ يُثْسُلُ فِيْمَا رَيْشَفِكُ النِّمَّةَ وَتُحْنُ نُسِّيِّمُ بِحَدِكُ رَنَقَلِسُ لَكُ ، قَالَ إِنِّيْ آَعْلُرُ مَا لَاتَعْلَمُونَ ۞

وَعَلَّرَ أَوَّ الْإَشْمَاءُ كُلُّهَا لُمُّ عَرِّمُهُمْ فَى الْمَلَّغِّكَةِ ، فَقَالَ اَلْبَعُوْنَى بَاشْنَاءِ هُوَّ آيَّةِ إِنْ كُنْتُمْ صُلَّقِينَ ۞ قَالُوا السُّحْنَكُ لِإِعْلَى لَنَّا إِلَّهِ الْمُثَنَّارِ إِنَّكَ أَنْ الْعَلِيمُ الْعَكِيْمُ ۞

قَالَ يَّادَةُ الْمُنْغُمُّنُ بِأَشَّالُهِنْ فَلَمَّا ٱلْبَاّ هُرْ بِأَسَّالُهِنْ وَ قَالَ الَّذِا أَقُلُ لَكُرُ الِّنِّ آَغُكُرُ عَيْبَ السَّمٰوٰبِ وَالْاَرْضِ، وَآغَيُّ مَا تُبْدُونَ وَمَا كُنْتُرْ تَكُنُّونَ فَ ﴾

- ৩৪। এবং যখন আমি ফেরেশতাদেরকে বলেছিলাম, 'আদমকে সিজদা কর', তখন তারা সিজদা করল- ইবলিস ছাড়া। সে অধীকার করল ও অহংকার করল এবং কাজিবদের অন্তর্ভুক্ত হল।
- ৩৫। এবং আমি বললাম, 'বে আদম! তুমি ও তৌমার ব্রী আন্নাতে বনবাস কর এবং এর মধ্য পেকে তোমরা মু'জন যোধান থেকে ইক্ষা ভাজনের আহার কর এবং এ গাছটির নিকটে যেয়ো না, তাহলে তোমরা মু'জন জানিতকের অস্তর্ভুক্ত হবে। '
- ৩৬। অভ্যপর সরতান তাদের সু'জনকে সেখান থেকে বিদ্যাত করল এবং কারা বেখানো ছিল কোধা থেকে তাদেরকে বের করে লিল। "এবং আমি বলাছিলাম", 'তোমরা নেমে যাও, তোমরা একে অপরের সাফ, এবং একটি নির্মীয় সময় পর্যন্ত পৃথিবীতে তোমাদের জন্য রয়েছে অবস্থান ও জীবনোপতোগ।'
- ৩৭। অতঃপর আদম তার প্রতিপালকের নিকট থেকে (ক্সমা প্রার্থনার) কিছু বাণী লাত করল এবং তিনি তার তওবা কবুল করলেন। নিকয় তিনিই তথবা কবুলকারী ও পরম দহালু।
- ৩৮। আমি কলেছিলাম, 'তোমরা সবাই এখান থেকে নেমে যাও, অক্তণের অবশাই যখন আমার গন্ধ থেকে কোমাদের কাছে পথনির্দেশিকা আগবে, কখন যারা আমার গথনির্দেশিকা অনুসরণ করবে তাদের কোন ভয় বেই এবং তারা সুন্দিপ্তায়য়য়য় হবে না।
- ৩৯। আর যারা কৃষ্ণী করেছে এবং আমার আয়াতসমূহকে মিখ্যা অভিহিত করেছে তারাই আঙনের অধিবাসী, সেখানে তারা স্থায়ী হবে।
- ৪০। হে বনী ইনরাইদ<sup>®</sup>। আমার দেয়ায়তের কথা শ্বরণ কর যা আমি তোমানের উপর দান করেছিল্যা এবং ডোমরা আমার (সাথে কৃত) অলীকার পূর্ণ কর, আমিও তোমা কের (সাথে কৃত) অলীকার পূর্ণ করব, এবং ডোমরা কেবল আমাকেই তর কর।
- ৪২। এবং তোমরা ভাতে ইমান আন বা আমি অবন্তীর্ণ করেছি তোমাদের কাছে যা আছে তার সভ্যায়নকারীরপুণ এবং ভোমরা এর প্রথম অধীকরকারী বরে না, এবং আমার অয়াতসমূহের বিনিময়ে সামান্য হুল্য প্রহণ করে। লা, এবং তোমরা কেবল আমাকেট ভা কর।
- ৪২। এবং তোমরা সতাকে বাতিলের (মিথার) সাথে মিশ্রিত করো না এবং জেনে-বুঝে সতাকে গোপন করো না।
- ৪৩: এবং তোমরা সালাত (নামায) কায়েম কর ও যাকাত প্রদান কর এবং রুক্তকারীদের সাথে রুকু কর।
- 88। তোমরা কি মানুষকে পূপ্যের নির্দেশ দাও আর নিজেদেরকে ভূলে বাও, অধাচ তোমরা (আল্লাকুর) কিতাব পাঠ করে থাকা তবে কি তোমরা অনুধাবন কর নাঃ
- ৪৫। এবং তোমরা থৈর্ম ও সালাতের (নামায়ের) মাধ্যমে সাহায্য প্রার্থনা কর। আর নিক্য তা অবশাই কঠিন- বিনীতদের জন্য ছাড়া-৪৬। বারা মনে করে যে, তারা ভাদের প্রতিশালকের সাথে সাক্ষাৎ করের এবং
- এও যে তারা তরিই দিকে ফিরে যাবে।

  \* তিহিত ভানের জীকা দুরা নং ; আয়াত নং অনুসারে ভরক্ষমার পেতে লেখন

- وَ إِذْ قُلْنَا لِلْمَلَقَتَةِ السُّجُدُوا لِإِدَّا فَسَجَدُواْ إِلَّا إِلْلِيسَ ﴿ أَبِى وَاسْتَكْبَرُ وَكَانَ مِنَ الْكُثْرِينَ ﴿ وَقُلْنَا لِلْمَا الشَّكُ الْسَنَّ لِلْمُؤْلِثَ ﴿ وَقُلْنِ الْمِنْدَةِ وَكُلُومِنْهَا رَغَدًا مَيْنُ
- وفئنا ياد السن الدو الروطة الجند و الامنها وعالميت شِنْتُمَاء و الآنقُرُ بَا هُرِيّ الشَّجِرُةُ فَتَكُونًا مِنَّ الطَّلِمِينَ ۞ فَا رَلِّهُمَا الشَّيْطُنُ عَنْهَا فَآغَرُجَهُمَا مِنَّا كَانَا فِيْهِ وَقُلْنَا
  - اهْبِطُوا بَعْفُكُرْ لِبَغْضِ عَدُوَّهُ لَكُرْ فِي الْأَرْضِ مُسْتَقَرَّ وَمَنَّاعٌ إِلَى حِيْنِ ﴿ وَمَنَّاعٌ إِلَى حِيْنِ ﴿
- فَتَلَقَّى اَدَّأُونَ رَّبِّهِ كَلِيلِ فَتَابَ عَلَيْهِ اِلنَّهُ هُوَ التَّوَّالُ الرِّهْرُ هُرَّهُ قُلْنَا اهْبِطُوْامِنْهَا جَمِيْعًا ء فَامًّا يَالْتَيَنَّكُرْ مِّنْدُمُ هُدَّى فَمَنْ
- تَبِعَ مَدَّاتِيَ فَلَكُمُونَّ عَلَيْهِمْ وَلَا هُرْ يَحُوَّلُونَ ۞ تَبِعَ مَدَّاتِي فَلْكُمُونَّ عَلَيْهِمْ وَلَا هُرْ يَحُوَّلُونَ ۞ وَ النَّذِينَ كَفَرُوا وَكُذَّيُّوا بِالْبِنَّنَا أُولِنَكُ آمُكُمُ النَّانِ هُرْ أَعُ
- فِيْهَا غَلِدُونَ ۞ | يَبُنَيُّ اشْآءَيْنَ اذْكُرُوا نعْمَتَى الْتَيَّ ٱلْمُصَّ عَلَيْكُمْ وَٱوْفُوا | |
- بِعَمْدِثَى آَوْفِ بِعَمْدِكُرْ َ وَإِيَّامَ فَا رَهُبُوْنِ ۞ وَأُومُوْ إِيمَّ آَنْزُلُسُمُمَّدِقًا لِمَامَعَكُرْ وَالاَتُوْنُواْ آَوَّلَ كَافِرٍ بِهِ~ أَ
- وَ لَا اللَّهُ مَرُوا بِاللَّهِ مِنْ ثَمَنَّا قَلَيْلًا وَإِيَّا فَاللَّهُ وَإِيَّا فَاتَّقُونِ
- وَ لَاتَلْيِسُوا الْعَقَّ بِالْبَاطِلِ وَتَحْتُمُوا الْعَقَّ وَٱنْتُر تَعْلَمُونَ ۞ وَ اَقْمُوا الشَّلُوةَ وَ الرَّوا الْإِّحُوةَ وَالْرَحَّةُ امْمَ الْمُحَيْنَ ۞
- أَتَامُوُونَ النَّاسَ بِالْبِرِّ وَتَنْسَوْنَ ٱلْفُسَكُيْرُ وَٱلْتُمْرُ تَعْلُونَ الْجُعْرُ وَٱلْتُمْرُ تَعْلُونَ الْجَعْبُ الْفَلَاعُقِلُونَ ۞
- وَاسْتَعِيْنُوا بِالسَّبْرِ وَالصَّلْوة وَإِنَّهَا لَكَبِيْرَةٌ إِلَّا يَّلَ الْعُشِعِينَ ﴿ وَاسْتَعِيْنُوا بِالسَّبْرِ وَالصَّلَوةِ وَإِنَّهَا لَكَبِيْرَةٌ إِلَّا يَلَ الْعُشِعِينَ ﴿ الَّذِينَ يَطُنَّونَ النَّهِ ( مَلْقُوا رَبِّهِرْ وَ أَنَّهِرْ اللّهِ ( رَجُوْنَ ﴿

১ সরা আল-বাক্রারা

- ৪৭। হে বনী ইদরাইল। আমার নেয়ামতের কথা শ্বরণ কর যা আমি তোমাদের উপর দান করেছিলাম এবং এও যে আমি জপৎসমূহের (বিভিন্ন মানবগোষ্ঠীর) উপর তোমাদেরকে মর্যাদা দিরেছিলাম।
- ৪৮। এবং সে দিনকে ভয় কর খেদিন কেউ কারো পক্ষে কিছুই অভিসান দিবে দা এবং কারো কাছ পেকে কোন সুপারিশ এহণ করা হবে না এবং কারো কাছ থেকে কোন বিদিময় এহপ করা হবে না এবং তাদেরকে সাহায্যও করা ফরে ।
- ৪৯। এবং যদন আমি ফিল্লডাউনের বংশ থেকে তোমাদেরকে উদ্ধার করেছিলাম, তারা তোমাদের উপর নিকৃষ্ট পার্ডি চাপিয়ে দিক, তোমাদের পুর সন্তান্যদেরকে অবাই করত এবং তোমাদের দারীদেরকে জীবিত রাখ্য এবং এতে তোমাদের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে তোমাদের জন্য ছিল একটি মহাপরীক্ষা।
- ৫০। এবং যধন আমি সমুদ্রকে তোমাদের জন্য বিভক্ত করেছিলাম এবং তোমাদেরকে উদ্ধার করেছিলাম এবং ফিরেআউন বংশকে নিমজ্জিত করেছিলাম যবন তোমরা (ভা) দেখজিল।
- ৫১। এবং হৎদ আমি মুদার জন্য চল্লিণ রাত নির্দিষ্ট করেছিলাম<sup>\*</sup>, এরপর তার (প্রস্থানের) পরে তোমরা বাছুরকে<sup>\*</sup> (উপাদ্য বিদেবে) গ্রহণ করেছিলে, হথম তোমরা ছিলে জালিম।
- ৫২। অতঃপর এরপরে আমি তোমাদেরকে মার্জনা করেছিলাম যাতে তোমরা
- কৃতজ্ঞতা প্ৰকাশ করতে পার।

  ৫৩। এবং যখন আমি মুসাকে কিতাব ও ফুরকান দিয়েছিলাম, যাতে তোসরা

সঠিকপথ অবলম্বন করতে পার।

- ৪৪. এবং হখন মূল্য তার সক্রেলতের কলে, 'হে আমারে লখাদায়। নিজ তোবারা বান্ত্রকে (উপাদা হিলোবে) এবং করে তোমালের নিজমেন ভপর ভূল্ম করেছ, সুতরাং তোবার তোমালের প্রীয়র কাছে ভাতবা কর এবং হোমালের নিজেনেকতে (একে অপরকে) হত্যা কর, তোমালে ক্রীর নিকট তোমালের জনা এটাই উত্তমা 'অভগর ভিনি তোমালেন ভগুরা কর্ক্স করলেন। নিকছা ভিনিই তথার কর্ক্সকারী ও পরম দায়াছা
- ৫৫। এবং যখন তোমরা কলেছিলে, 'হে মুনা। আমরা কখনো আপনাকে বিশ্বাস করব দা বতক্ষণ না আমরা আল্লাহকে প্রকাশ্যে দেখব', অত্যপর বল্লাঞ্চনি তোমাদেরকে পাকড়াও করল, যখন তোমরা (তা) দেখছিল।
- ৫৬। এরপর তোমাদের মৃত্যুর পরে আমি তোমাদেরকে পুনর্জীবিত <sup>\*</sup> করণাম, যাতে তোমবা কতক্রতা প্রকাশ করতে পরি।
- ৫৭। এবং আমি তৌমাদের উপর মেখনাপার ছারা দান করেছিলাম এবং তোমাদের উপর মাদ্রা ও সালওরা অববীর্টা করেছিলাম। (এবং কালিছাম) আমি তোমাদেরকে যে বিধিক দিয়েছি তা থেকে পরিন্দ বন্ধুসমূহ আরের কন। আর তারা আমার উপর স্কুলমূহ আরের কন। আর তারা আমার উপর স্কুলমূহ তারার তাদের নিজেদের উপরই জুপুম করত।
- ৫৮। এবং যখন আমি বলেছিলাম, 'ভোমবা এই জনপদে প্রবেশ কর এবং এর মধ্য থেকে যেখান থেকে ইক্ষ্য খাক্ষমে আহার কর এবং (জ্বনপদের) দরজা দিয়ে দিক্ষান্তনক হয়ে প্রবেশ কর এবং বদ, 'হিথাতুন' (জ্বমা চাই), আমি ভোমাদের অপরাংলন্দ কমা করে দিব। এবং শীগ্রই আমি সক্রম্পনার্যপ্রদেশ্যকে (অন্যাহ) বাভিয়ে দিব।'

- لَيْشَنِّ إِشْرَآوِلِيْلَ الْخُورُوا لِنِفَوْضَ الْثِنِّ ٱلْعُصُّ عَلَيْكُمْ وَ ٱلِّنْ مَقْلَنْكُرْ فَى الْطَلِيشَ وَالْقُولَ يَوْضًا لَّاتِجُونِي تَفْسُ عَنْ لَقْسِ عَنْكًا وَلَايَقْبُلُ مِنْهَا مَقَاعَةً وَلاَيْهُ عَذَّ مِنْهَا عَدْلُ وَلاَهُ لِيَسُونَ وَهَدُونَ هَنَا
- وَإِذْ نَجَّيْنُكُرْ مِّنَّ إلى فِرْعَوْنَ يَسُوْمُونَكُر سُّوَّءُ الْعَدَابِ يُفَرِّحُونَ أَبْشَاكُمْرُ وَيَسْتَحْبُونَ بِسَّاءَكُمْ وَفِيْ ذَلِكُرْ بَكَمَّ مِّنْ رَبِّكُمْ عَظِيدٌ ﴿
- وَإِذْ فَرَقْنَا بِكُرُ الْبَحْرَ فَآتْجَيْنَكُيْ وَآغْرَقْنَآ أَلَ فِرْعَوْنَ وَآلَتُهُ تَنْفُرُوْنَ ۞
- وَ إِذْ وَعَدْنَا مُوْشَى آ رَبَعِيْنَ لَيُلَةً ثُمَّ النَّحَدُثُرُ الْعِجْلَ مِنْ بَعْدِهِ وَ ٱنْتُرَ ظُلِمُوْنَ ⊚
  - ئُرِّ عَفَوْنَا عَنْكُرْ مِّنْ بَعْدِ ذٰ لِكَ لَعَلَّكُرْ تَشْكُرُوْنَ ⊚ وَ اذْ اَتَيْنَا مُوْسَى الْكَتْبَ وَالْقُرْقَانَ لَعَلَّيْرٍ مَشْكُرُوْنَ ⊛
- وافقال مُوسِ لِغُومِ يَعْنَ إِنْهُمْ فَالْتَمْنَ الْفُسَعَمْ بِالْتَعَادِثُونَ الْأَسْفِرُ وَالْتَعَادُمُ الْ البِعْمُل تَعْنُوبُواْ إِلَى الْمِرْجُمْرُ فَافْتُلُواْ الْفُسُمُّ وَلَكُمْ عُنْهُ الْكُلُوا اللَّهِمُ فَالَّ الْكُرْ عِنْدَ بَارِيْكُمْ فَعَلَى عَلَيْكُمْ الْفُواَ النَّوْلِ الْرَّحِمُ فَا اللَّهِمَ فَا اللَّهِمُ فَا ال
  - فَاَ غَنَ نَكُسُ السِّعِقَّةُ وَ اَنْتُرْ تَنْظُرُونَ ۞ ثُرَّ بَعَثْنَكُرْ مِّنْ بَعْدٍ مَوْرِكُرْ لَعَلَّكُرْ تَشْكُرُونَ ۞
  - وَطَلِّلْنَا عَلَيْكُرُ الْغَمَا مَوَ اَنْزَلْنَا عَلَيْكُرُ الْمَنْ وَالسَّلُوٰى • كُلُوْا مِنْ طَيِّبْتِ مَا رَزَقْنْكُو • وَمَا ظَلَمُوْنَا وَ لَكِنْ كَانُوْآ اَنْشَهُمْ يَظْلُمُونَ ۞
  - النسمر يعلنون@ وَ إِذْ قُلْنَا الْمُكُلُواْ هَٰذِهِ الغَّرْيَةَ فَكُلُوْا مِنْهَا حَيْثُ شِعْتُرْ رَغَلًا| وْ الْمُكُلُوا الْبَابَ سُجَّدًا وَقُوْلُ لُوا حِظْةً تَغْفِرْ لَكُنْ خَطْيُكُرْ •

وَسَنَ يُدُ الْمُحْسنينَ ٠

৫৯। অভগের বারা জ্পুম করেছিল তারা (একে) এমন কর্মা ছারা পরিবর্জন ট্রি। র্টার্ন্তর্টার টুর্নি, ইটার্ন্তর্টার করেছ যা ভালেরতের করা হয়নি, প্রভরাং যারা জুলুম করেছিল ভালেরতি। উপর আমি আকাশ থেকে শান্তি অবতীর্ণ করেছিলাম, কারণ ভারা ৬ energy state

১ সরা আল-বাকারা

- ৬০। এবং যখন মুসা তার সম্প্রদায়ের জন্য পানি প্রার্থনা করল, তখন আমি বলসাম 'সোমার সামি হারা পাথবট্টাক আহাত কর।' অভ্যপর ভা প্ৰতে নানোটি কৰ্মা উৎসাধিত হল। প্ৰত্যেক গোনেই ভালেৰ পানি পানেৰ স্থান কেনে নিজ। আলাহন (দেৱা) বিটাক গোকে লোমবা আহাব কব গ পান কর এবং জ্যাসাদস্টিকারী হয়ে পথিবীতে অপরাধ করো না।
- ৬১। এবং যখন ভোমরা বলেছিলে, 'রে মসা। আমরা এক (রকম) খালের ওপর কখনো ধৈর্য ধারণ করব না. সভরাং আপনার প্রতিপালকের কাছে আমাদের জনা আহবান করুন খেন তিনি আমাদের জনা এমন কিচ উৎপদ করেন যা ভমি উৎপাদন করে- এর শাক-শবন্ধি, এর শশা, এর বসন এব ভাল এবং এব পেঁহাজ।' সে (মসা) বলেছিল: 'তোমবা কি যা ইবহু ডা দিয়ে যা নিকট ডা বদলে নিজে চাওং ডোমৰা কোন নগবে অবস্তবণ কর (সেখানে) নিশ্বয় ভোয়াদের জন্য তা আচে যা ভোয়রা চেয়েছ।' আর লাঞ্চনা ও দারিদাকে তাদের সাথে লাগিয়ে দেরা হল এবং ভারা আধাহর ক্রোধ (ভেকে) দিয়ে আসল। এটা একারণে কে. ভারা আলাহর আয়াতসমহকে অবিশ্বাস করত এবং নবীদেরকে অন্যায়ভাবে ছত্তা করত। এটা একারণে যে, ভারা অমান্য করেছিল এবং ভারা वीधालकाम् सरकः
- ATTAIN AND DESIRE STATE STEAD ASSOCIATED STORE STORE ক্ষম্য রায়াছ সামের প্রতিমান। এবং সামের রোন ভয় নেই এবং ভাষা দ্ৰশিক্ষাগ্ৰহণ কৰে না ৬৩। এবং যখন আমি ভোমাদের অঙ্গীকার নিয়েছিলাম এবং তর পর্বতকে জোয়াদের উপর উরোলন করেছিলায়<sup>®</sup>। (এবং বলেছিলায়) 'আমি

৬১। নিশ্বর যাবা ঈয়ান এনেচে এবং যাবা ইছদী হয়েছে ও যাবা নাগারা<sup>®</sup>

o সাবেয়ী<sup>\*</sup>- হাবাই আলাহব প্রতি ও আখিবাতের দিনের প্রতি উমান

- নোমান্যক্রক য়া নিয়ারি তা শত্রু ক্রবে ধারণ কর এবং আতে হা আছে তা শ্বৰণ কৰু যাতে তোমৰা তাকওয়া অবলয়ন কৰতে পাব। ৬৪। অতঃপর এরপরে ভোমরা মথ ফিরিরে নিলে, আর যদি তোমাদের উপর আল্লাহর অনুধাহ ও তাঁর দরা না থাকত তবে অবশ্যই তোমরা ক্ষতিগ্রন্তাদর অন্তর্ভক্ত হতে।
- ১৯ । এক অৱশাই সোমৰা আদেবাৰ জোনত বাবা ভোমাদেব মধ্যে শনিবাৰেব বিষয়ে<sup>®</sup> সীমালকান করেছিল এবং আমি তাদেরকে বলেছিলাম, 'তোমরা ঘণিত বানর হয়ে যাও।
- ৬৬। এবং আমি একে (তাদের পরিণতিকে) বানিয়েছি এর সমকালীন ও এর পরবর্তীদের জন্য এক (শান্তির) দটান্ত এবং মন্তাবীদের জন্য এক केशकार । \* জিলম আনের দ্বীকা সরা নং : আয়াত নং অনুসারে তরজমার শেষে দেশুন

- وَ إِذِ اسْتَسْفَى مُوْسَى لِقَوْمِهِ فَقُلْنَا الْمِثِ بِعَمَاكَ الْحَجَ، فَانْفَجَ ـُ مِنْهُ إِنْنَتَا عَشْرَةَ عَيْنًا ، قَدْ عَلِي كُلُّ أِنَاسِ مَّشْرَ بَهُوْ ،
- كُلُوا وَاهْرَبُوا مِنْ رِزْق اللهِ وَ لاَتَعْتُوا فِي الْأَرْضِ مُقْسِدِينَ € وَ إِذْ قُلْتُمْ يُمُوْسَى لَنْ نَّصْبَ عَلَى طَعَامُ وَاحِدٍ فَادْعُ لَنَا رَبَّكَ يُهُوجُ لَنَامِهًا تُنْبِي الْأَرْضُ مِنْ بَقَلُهَا وَقَعَّآنَهَا وَقُومُهَا وَ عَنَسُهَا وَبَصَلَهَا وَالَّ إِنَّا أَتُسْتَبُد لُونَ الَّذِي هُوَ إَدْنَى بِالَّذِي الَّذِي هُوَ خَيْرٌ ۚ اهْبِطُوْ ا مِصْرًا فَانَّ لَكُيرٌ مَّا سَاۤ لُتُرْ ۚ وَفُرِ بَتْ عَلَيْهِ ۗ الذَّلَّةُ وَالْمَسْكَنَةُ وَبَآاًءُوْ بِغَضَبِمِّنَ اللهِ وَلِكَ بِٱنَّهُمْ كَانُوْ إِيكُفُرُونَ بِأَيْتِ اللَّهِ وَيَقْتُلُونَ النَّبِيِّنَ بِغَيْرٍ الْحَقِّ، ذُ لِكَ بِمَا عَمَوْا وَّكَانُوْ إِيغَتَدُونَ ٥٠
- إِنَّ الَّذِيْنَ إِمَنُوْا وَ الَّذِيْنَ هَادُوْا وَ النَّصْرِي وَ الصَّبْعُينَ مَنْ أُمِّنَ بِاللَّهِ وَالْيَوْ } الْأَخِرِ وَعَمِلَ صَا لَكًا فَلَهُمْ أَجُرُهُمْ عَنْدَ رَبِّهِرْ ۗ وَ لَاحَوْنُ عَلَيْهِرْ وَ لَا هُرْ يَحُوَ نُوْنَ ۞
- وَ إِذْ أَغَذُنَا مِيْغَاقِكُمْ وَ رَفَعْنَا فَوْقَكُمُ ۚ إِلطُّورَ ءَخُذُوْ إِمَآ اتَيْنَكُرْ بِقُوَّةٍ وَّ اذْكُرُ وَإِمَا فِيْهِ لَعَلَّكُرْ تَتَّقُونَ ۞ ثُرَّ تَوَ لَّيْتُرْ مَّنْ بَعْد ذٰ لِكَ ، فَلَوْ لَافَضْلُ اللهِ عَلَيْكُرْ وَ رَحْمَتُهُ
- لَكُنْتُر مَّنَ الْعُسْدِينَ @ وَلَقَدْ عَلِمْتُرُ الَّذِيْنَ اعْتَدَوْا مِنْكُرْ فِي السَّبْ فَقُلْنَا لَهُرْ كُوْنُوْ إِ قِرَدَةً خُستَيْنَ ١
- فَجَعَلْنَهَا نَكَالًا لَّمَا بَيْنَ يَدَيْهَا وَمَا غَلْفَهَا وَمَوْعَظَةً لِّلْمُتَّقَيْنَ ⊖

অম্মানৰ অন্তৰ্জক হুল্যা থেকে আবাহৰ কাছে আপ্ৰয় চাই। AAL प्रतान जनस 'स्थानवान अफिलासकाक प्रांतात्मन कमा प्रांकाम करून त्यम दिनि प्यापात्मत समा न्योरेसाट वर्षमा बरवन (त्रिप्त (शासीप्ति) কি (ধরনের)।' সে (মুসা) বলল, 'নিক্ডর তিনি বলজেন নিক্তর এটি এমন এক গাড়ী যা পরিণত বয়সের নয় এবং কমারীও নয় বরং এর

১ সরা আল-রাকারা

- মাথামাঝি।' সভবাঃ ভোমাদেকক যা নিৰ্দেশ দেয়া হয়েছে ভাই কব। ১৯। তারা বলল, 'আপনার প্রতিপালককে আমাদের জন্য আহবান করুন যেন किसि खाप्रात्मत खना व्यक्तियात वर्गना कावन (मिरित वर किर' (स (प्राप्ता)
- বলল 'নিক্য তিনি বলছেন নিক্য এটি এক হলদ বংয়ের গাড়ী, সেটির রং এমন উচ্জল যা দর্শকদেরকে আনন্দ দেয়। ৭০। তারা রলল 'আপনার প্রতিপালক্র'র আয়াদের জন্য আহবান করুন যেন তিনি আয়াদের জন্য স্পষ্টভাবে বর্ণনা করেন সেটি (গাড়ীটি) কী (ধরনের), নিক্যু সকল গাড়ী আমাদের কাছে সাদশ্যপূর্ণ (একই রকম)
- মনে হয়। আৰু আলাত যদি উক্ষা কৰেন তাহণো নিক্তম আমৰা অৱশাউ স্থাটিক পথ পার। an (प्रमा) जलल 'मिना जिसे उसरका मिना वीर व्याम वाकी शासी या বশীনত মর যে এটি জমি চাব করে ও ক্ষেতে সেচ সের, নিবঁত, যার মধ্যে। বেল ক্রাট নেই।' তারা বলল, 'এখন আপনি সত্য নিয়ে এসেছেন।' অতঃপর তারা সেটি জবাই করল, অখ্য তারা তা আদৌ করতে চাঞ্চিল না<sup>®</sup>।
- ৭১। আৰু হখন ছোহৰা এক ৰাজিকে হত্যা কৰেছিলে এবং সে ব্যাপাৰে একে অপরকে অভিযক্ত করছিলে। এবং তোমরা যা গোপন করহিলে আল্লাহ জা প্রকাশকারী
- ৭৩। অতঃপর আমি বদলাম, 'এর (জবাইকত গাজীর) অংশ বিশেষ দিয়ে ভাকে (নিহত ব্যক্তিকে) আখাত কর।' এভাবেই আল্লাহ মতদেরকে জীবিত করেন এবং তোমাদেরকে তার নিদর্শনাবলী দেখান যাতে জোমবা অন্ধাবন কবকে পাব। as । चलानन अवनार (आधारान अमराभाव विकेश राज (शल काल काला)

হয়ে গেল পাথারর মত অথবা আরও অধিক কঠিন। আর নিশ্বয় এমন

কিছু পাথর আছে যা থেকে নহরসমহ প্রবলবেগে প্রবাহিত হয়। এবং

- নিশ্চর তার মধ্য থেকে কিছু (পাথর) আছে যা ফেটে যায় এবং তা থেকে পানি বের হয়। এবং নিশ্বয় ভার মধ্য থেকে কিছ (পাধর) আছে যা আল্লাহর ভয়ে পভিত হয় । এবং তোমরা যা কর সৈ সম্পর্কে আল্লাহ বেখবর নম।
- ৭৫। তোমরা কি প্রত্যাশা কর যে, তারা তোমাদেরকে বিশ্বাস করবে, অথঃ তাদের মধ্য থেকে একনল আলাচর বাণী শবণ করত এবপর তা

وَ إِذْ قَالَ مُوْسَى لِقَوْمِهَ إِنَّ اللَّهَ يَامُّكُمْ ۚ أِنْ تَذْبَعُواْ بِقَهَ ۗ قَالُوٓۤ ا अक्टी शासी बातांडे करात सिर्माण मिरकसा' जाता तसम 'खालनि वि আমাদেরকে উপহাস হিসেবে গ্রহণ করছেন:' সে (মসা) বলল, 'আমি أَتَتَّحْذُنَا هُزُوًّا قَالَ أَعُوْذُ بِاللَّهِ أَنْ أَكُوْنَ مِنَ الْجُهَلْيَنَ ۞ قَا لُوا إِذْعُ لَنَا رَبِّكَ يُبَيِّنْ لِّنَا مَا هِيَ قَالَ انَّهُ يَقُولُ انَّهَا بَقَوَةً

استراق النقاة

- لَّافَا رِضْ وَّ لَا بِكُو ۗ ، عَوَ إِنَّ بَيْنَ ذَ لِكَ ، فَافْعَلُوْ إِمَا تُؤْمَرُ وْنَ ﴿ قَا لُو إِدْعُ لَنَا رَبِّكَ يُبَيِّنْ لِّنَا مَا لَوْ نُهَا قَالَ إِنَّهُ يَقُولُ إِنَّهَا
- بَقَرَةٌ صَفْراً أَء فَاقع لَّو نُهَا تَسُرُّ النَّظ بين @ قَا لُوا إِدْعُ لَنَا رَبُّكَ يُبَيِّنْ لَّنَا مَا هِيَ ﴿ إِنَّ الْبَقِّرَ تَشْبَهَ عَلَيْنَا ﴿ وَ إِنَّا إِنْ هَاءَ اللَّهُ لَمُهْتَدُونَ ٠
- قَالَ الَّهُ يَقُولُ انَّهَا بَقَوَةٌ لَّاذَ لُولٌ لُّعَيُّ الْإَرْضَ وَ لَا تَشْقَى الْحَرْثَ،مُسَلَّمَةً لِآهِيَةَ فيْهَا، قَا لُوا الْتُنَ مِثْتَ بِالْعَقِّ، فَذَبَحُوْهَا وَمَا كَادُوْا يَفْعَلُوْنَ ١
- وَإِذْ قَتَلْتُرْ نَفْسًا فَاذْ رَءُتُرْ فِيْهَا ۚ وَاللَّهُ مُحْرِجٌ مَّا كُنْتُرْ تَكْتُبُونَ أَي فَقُلْنَا إِذْ بُوهُ بِبَعْفِهَا ، كَذْ لِكَ يُحْيِ اللهُ الْمَوْثَى ، وَيُ يُكِرُ
- إيته لَعَلَّكُمْ تَعْقلُونَ 6 ثُرٌّ قَسَىْ قُلُوْبُكُرْ مَّنْ بَعْد ذٰلكَ فَهِيَ كَا لُحِجَا رَةَ أَوْ أَشَدُّ قَسُوَّةً وَ إِنَّا مِنَ الْحَجَارَةَ لَمَا يَتَفَجُّ مِنْهُ الْإَنْفُ وَ إِنَّ مِنْهَا
- لَمَا يَقَقَّقُ فَيَخُو كُمِنْهُ الْمَآءُ وَ إِنَّ مِنْهَا لَمَا يَهْبِطُمِنُ غَشْيَة اللهِ وَمَا اللهُ بِغَافِلِ عَمَّا تَعْمَلُوْنَ ۞ أَفَتَطْمُعُونَ أَنْ يُؤْمِنُوا لَكُورُ وَقَلْ كَانَ فَوِيْقٌ مِّنْهُورُ يَسْمَعُونَ

عَلَيَ اللهُ ثُرُّ يُحَّ فُوْنَهُ مَنْ بَعُد مَا عَقَلُوهُ وَهُرْ يَعْلَمُونَ ⊛

فَيْهَا خُلدُونَ فِي

৭৬। এবং যখন তারা হারা ইমান এনেছে তানের সাথে সাক্ষাং করে তথন বাণা, "আমহা ইমান এনেছি।" আরার বাখন তারা (শিক্ষো) একে আনার সারে ভিত্তা নিলিত হয় তবন বালা ("তারো কি তানারত, এজন সব কথা বাণে নিছে যা আয়ারে তোমানের কাছে একাশ বাহেছে। "বাকে তারা জোমানের প্রতিপাগালের নিতত তোমানের বিশ্বতার এর মারা যুক্তি-প্রমাণ বিহত পারের তোমার কি অনুধারন কর না।"

৭৭। তারা কি জানে না যে, আল্লাহ্ জানেন যা তারা গোপন করে এবং যা তারা প্রকাশ করে ।

৭৮। এবং তাদের মধ্যে কিছু নিরক্ষর লোক আছে যারা কিতাব (সম্পর্কে) স্কানে না- মিধ্যা আশা ছাড়া, এবং তারা কেবল অনুমান করে থাকে।

৭৯। সুতরাং মুর্তেগণ তাদের জন্য যারা নিজ হাতে কিতাব লিখে, এরণার এর বিনিয়রে সামান্য ফুল্য এহণ করার জন্য বলে, 'এটি অল্লাহর শক্ষ থেকে (এলমেছা)' অত্তরত বলের হাত (হানিছো) যা লিখেছে সে কারণে তাদের জন্য রায়েছ নুর্তেগি এবং তারা যা উপার্জন করে সে কারণেও তাদের জন্য রামেছ নুর্তেগ।

৮০। ৰংহ গোৱা প্ৰস্ত, "আচক আমালেকতে কথানা "পৰ্য কৰে না, গণাবানোখা কংকাটি কিল ছালা।" বল, 'তোমনা কি আন্তাহৰ কাছ থেক কোন মাতিপুন্তি নিয়েছ, সুভৱাং আন্তাহ কথনা তাঁৱ অভিক্ৰণ্ডিত বাতিক্ৰম করকে না, মাতি তোমনা আন্তাহ সম্পর্কে এমন কিছু বলছ খা তোমনা জাম না;"

৮১. কিছু হাা, যে পাপ অর্জন করেছে এবং তার অপরাধ তাকে পরিবেটন করে কেলেছে তারাই আগুনের অধিবাসী, সেধানে তারা স্থাচী হবে।

৮২। আর যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে তারাই জান্নাতের অধিবাসী, সেখানে তারা সামী হবে।

৯০। এবং ফখন আমি বনী ইংনাইগের ঋষীগর নিয়েছিলাম যে, তোবনা আয়াই স্থায় খন কারেই বিবালন করেনা, নিশ্রনানাকার প্রকি সন্ধান্যক করের এবং আইনি-বছলা, ইয়েনিতা ও মিকলীনেরে প্রকালকারেনা-) প্রতিও এবং মানুষকে সুপর কথা বলা, নালাত নোবাখা করেন কর ও বাজাত প্রদান করা এবলা তোমানো মধ্য যেক আরু সংখ্যক ছাড়া কোকরা নেবাই। উপেকা করে মুখ বিপিটের নিশো

৮৪: এবং খবন আমি ভোমাদের অসীখার নিয়েছিলাম যে, ভোমরা ভোমাদের হক প্রবাহিত করের না এবং ভোমরা ভোমাদের নিজেদেরকে ভোমাদের আবাসসমূহ তেতে বার করে দিবে না, এরপার ভোমরা খীকার করে বিশাস্ত্রিন ভবন করেমর বিজয় মাকা দিছিল। وَإِذَا لَغُوا الَّذِينَ أَمْنُوا قَالُواْ الْمَثَّاثُولَةَا غَذَ بَعْهُمُمُ إِلَّى بَعْنِي قَالُواْ الْتَصَافُولُوْ آهُرْ بِمَاقَتَمَ اللَّهُ عَلَيْكُرُ لِيضَا مُوكُرُ بِهِ عِنْدُ رَبِّكُواْ الْفَصَافُولُونَ

أَوَ لَا يَعْلَمُونَ اَنَّ اللهَ يَعْلَى مَا يُسِوَّوْنَ وَمَا يُعْلِمُونَ ۞. وَمَنْهُمْ أُمْتُونَ لَا يَعْلَمُونَ الْكَتْبَ الْآ أَمَانِيُّ وَ انْ هُرِ الْآ

يعنون ﴿ فَوَيْلُ لِلَّذِيْنَ يَخْتُمُونَ الْجَعْبَ بِالْبِدِيْمِ ْوَثُمَّ يَقُوْ لُوْنَ هَذَا مِنْ عَدْدِ اللهِ لَيَشْتَرُوا بِهِ لَمَنَا قَلِيلًا فَوَيْلًا فَوَيْلًا لَّمُرُّ مِنَّا كَتَبَعْ الْهِدُورُ وَوَيْلًا لِّهُمْ مَمَّا يَضْبُونَ۞

وَقَا لُوْا لَنْ تَمْسَّنَا | لِنَّا رُ إِلَّا آيَّامًا مَّعَدُودَةَ قُلُ ٱلْمَصْدُتُر عِنْدَ اللهِ عَمْدًا فَلَنْ يُشْلِكَ اللهُ عَمْدَةً ٱ آثَقُو لُونَ مَنَّ اللهِ مَا لِاَعْلَمُونَ ۞

بِلَى مَنْ حَسَ سَيِّمَةً وَّ اَمَا طَنْ بِهِ خَطِيَّتُمَّهُ قَا وَلَقِكَ اَمْدُبُ النَّا رِ: هُرْ فِيْهَا خُلِدُونَ ۞ وَ النَّذِينَ أَمَّوُا وَعَمُوا السِّلِحِيةُ وَلَقِكَ آمْدُبُ الْجَنَّةِ، هُرْ الْجُ

وَاوْ أَعَدُنَا مِثَنَاقَ مِنْنَاقَ مِنْنَا أَمْثُواْ لِالْتَعْمُدُونَ إِلَّا اللهُ الْمَا وَيَالُوْ الدَّنِي إِحْسَانًا ثَوْمِ الْقَرْنِي وَالْيَعْنِي وَالْمَسْفِي وَقُوْ لُوْ النِّلْسِ خَمْنًا وَأَقِيْمُوا الطَّلُوةَ وَالْوَا الرِّخُوةَ قُرْ

٣ يَسْرُ رَهِ مَنْ مِيْمُاقَكُمْ لَاتَسْفِكُونَ دَمَّاءَكُمْ وَلَاتُحْرِجُونَ وَإِذْ أَخَذْنَا مِيْمُاقَكُمْ لَاتَسْفِكُونَ دَمَّاءَكُمْ وَلَاتُحْرِجُونَ الْفُسَكُرْ مِّنْ دِبَا رِكُمْ لُرُّ أَقْرَ أَقْرَرُتُمْ وَأَنْتُمْرُ تَشْهَدُونَ ۞

- ৮৭ এবদৰ সেই বেদালাই বেদালাক বিজ্ঞানতে হুবা বৰু, বেদালাক বালে বৰু। বেদালাক বালে বালেকছাই বালে বৰ বৰ বিদ্ধা ভালে বিভাৱ দুখলৰ বিদ্ধা বালে বিভাৱ দুখলৰ বালেকছাই বালে
- ৮৬। ওরাই তারা যারা আধিরাতের বিনিময়ে দুশিয়ার জীবন কিনে নিয়েছে, ই সুকরাং তাদের থেকে শান্তি হালকা করা হবে না এবং তাদেরকে সাহায়ত করা হবে না।
- ৮৮। এবং তারা বলে, 'আমানের হৃদয় আজানিত (তাই তোমার কথা বুকিনা)।' বরং তানের কুফরীর কারণে আল্লাহ্ তানেরকে লা'দত করেন্দে, এবং তারা সামানাই সমান এনে থাকে।
- ৮৯। আর হথন তাদের কাছে আল্লাহর পক্ষ থেকে এমন এক কিতাব আলল মা তাদের সাঙ্গ থালা কিতাবের সভ্যায়নকারী এবং ইতঃপূর্বে তারা (এর নাহারে) বারা কুজনী বরেছে তাদের বিক্তাকে বিবন্ধ কাদনা করত। অগ্রহার হথনা তাদের নিকট তা নালাহ বা তারা চিনত তথন তারা তাতে অবিশ্বাস করল, অত্যধ্য কাদিবদের উপর আল্লাহর খাশাল।
- ৯০। যা কহুই না নিকুই যাব বিনিময়ে তাবা তাদের নিজ্ঞানেরকে বিজি করছে (এটা মতে) যে, জন্মাহ যা মহক্টার্প করেনে তা কারা অবিশ্বাস করে বাজুকাছি বপতা। এ করণো যে, আরাহ তার বালাদের ২খ। থেকে যার প্রতি ইয়া করেন আরাহ তার বালাদের ২খ। মৃত্যাং তার উপুর্বাপ্ত (বাজান্তা) ক্রেম্ব (গ্রেড) নিয়ে নাসাহে। এবং ক্ষান্তবাং তার উপুর্বাপ্ত (বাজান্তা) ক্রেম্ব (গ্রেড) নিয়ে নাসাহে। এবং ক্ষান্তবাং তার উপুর্বাপ্ত (বাজান্তা) ক্রেম্ব (গ্রেড) নিয়ে নাসাহে। এবং
- ৯১। এবং ফখন তালেরকে বলা হত, আপ্তার বা অবতীর্ন করেছেন তার উপর ঈরান আদ তথন তারা বলে, "আমরা আন্যানর উপর যা অবতীর্ন করা হয়েছে তার উপর ঈমান আনি, দক্তি ছাত্রা বা অবছে তা পরা অবিশ্বাক করে, অবত তা সভা, যা ভাদের সঙ্গে বাবা কিতাবের সভ্যায়নকারী। বল, "ভাহতে ইতাদুর্বে ব্যালাহর দরীদেরকে হত্যা করেছিলে কেন- যদি ভোষরা মন্দির চক্ত?
- ৯২। আর অবশাই ভোমাদের কাছে মুদা স্পষ্ট প্রমাণাদি নিয়ে এসেছিল, এলপর তার (প্রস্থানের) পারে ভোমরা বাছুরকে (উপাসা রূপে) গ্রহণ করেছিলে, যথন ভোমরা ছিলে জালিয়।

- لِّرُ الْذَرْ وَكَالِرَ تَعْكُونَ الْلَمْكُرُ وَتَخْرِجُونَ فَرِقَا مِنْكَامِنَ وَلَغْرِجُونَ وَيَقَا مِنْكُر وَنِ دِيا رِهِمْ الْمُغْرَاقِ عَلَيْهِمْ لِيالْاُمِ وَالْمُغْرَاقِ وَلَوْ الْمُؤْخِلُونَ بِمَعْنِي الْجِنْسِ وَتَطُكُّرُونَ بِعَعْنِي الْمَا عَلَيْكُمْ أَمْرَاقِهِمْ الْمَائِعَا وَمَرَا الْمُؤَاءَ مَنْ الْمَائِلُونَ الْمُعْمِدُ الْمُؤْمِنَ الْمُنْتَقِعَ الْمُنْتَعَالِكُمْ الْمَنْفَاءَ مَنْ الْمَنْقَا مِزَاءَ مَن يُرْدُونَ إِلَى الْمَنْقِرَ الْمَعْرَاقِ النَّهْمِ وَاللَّهُ يَعْلَى عَلَيْمَ الْمَعْلَى وَهَا الْمُنْفَقِيقَ أُولِنَاقًا الْدَيْنِ الْمَنْزُورُ النَّمِةِ وَاللَّهُ يَعْلَى عَلَيْمِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِمَّةِ اللَّهُ وَاللَّهِمَةِ اللَّهُ اللَّهِمَةِ اللَّهِمَةِ اللَّهِمَةِ اللَّهِمُ اللَّهُ اللَّهِمَةِ اللَّهِمَةِ اللَّهِمَةِ الْمُؤْمِنَ وَهِمُ اللَّهِمَةِ اللَّهِمَةِ اللَّهِمُ اللَّهُ اللَّهِمِينَا اللَّهِمَةُ اللَّهُ الْمُؤْمِنَ الْمُونَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُعَلِينَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ اللْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَالِ مِنْ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنِينَا لِللْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينَا لِمُؤْمِنَالِكُونَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنِينَالْمِنْ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَالْمِنْ الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُونِينَا الْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا ال
- عَنْهُمْ الْغَدَّا مُوْلِيَّ الْمُعْدَانِينَ هُوَ الْغَنَّا مُوْلِينَا مُوْلِينَا مُوْلِينَا وَ لَعَنْهُمُ وَلَنْ فَي وَلَكُمْ الْفَضِيدِ فِيا لَوْلِسِيا، وَ الْمُنْفَاعِينَا مُوْلِينَا مُؤْمِّنِينَا فِي الْمُنْفِيدِ فِي الْفُدُسِيا، وَ الْمُنْفَانِ الْمُنْفِيرِ ا
  - وَقَا لُوْا فَلُوْبُنَا غُلُفٌ ، بَلَ لَعَنَهُرُ اللَّهُ بِكُفْدٍهِرُ فَقَلِيلًامًّا يُؤْمِنُونَ ۞
- وَلَمَّا جَاءَهُرْ كِتَّهِ مِّنْ عِنْدِ اللهِ مُمَّدِّقٌ لَّهَا مَعَهُرْ وَكَانُوْا مِنْ قَبْلَ يَشْتَفْتَحُرُنَ كَيُّ الَّذِينَ كَفَرُوا اللهُ لَمَّا جَاءَهُرْ مَّا مَرَّ فَوْا كَفَرُوْا بِهِ وَلَلْعَنَّمُ السِّئِلَ الْكُثِينَ ۞
- بِفْسَمَا اشْتَرَوْ بِهِ آنْفُسَمُر آنَ يَحْفُرُواْ بِهَا آنْزَلَ اللهُ بَغْيًا آنَ يُنَّزِلُ اللهُ مِنْ فَقْلِهِ عَلَى مَنْ يَضَّاءُ مِنْ عِبَادِهِ عَبَّاءُوْ بِغَضَى عَلَى غَضَّ، وَ للْكُفِرِ فِيَ عَمْلَ مَّ مُّوْنَنَ هَ
- عَيْنَا وَيَكُورُونَ بِهَا وَرَأَيْهُ وَفُرُ الْخَيُّ مُسْرَقًا لَيَامُعُهُرُ قُلُ فَلَرَ تَقْتُلُونَ الْبِيَّاءُ اللهِ مِنْ قَبْلَ إِنْ كُثْرَ مُّوْمِئِينَ هُ وَلَقَدُ هَا تَكُنَ مُؤْمِنُ بِالنَّقِينِيةُ قِرْ الْفَدْلُمُ الْعِجْلَ مِنْ بَعْدِهِ وَالْثَرِ ظُلُونِ فَا

وَ إِذَا قَيْلَ لَهُمْ أُمِنُوا بِمَّا أَنْزَلَ اللَّهُ قَا لُوْا نُؤْمِنُ بِمَاۤ أَنْزَلَ

- ৯০। এবং যথন আমি ভোমালের অগীকার নির্মেশ্যম এবং তুব পর্বতকে ভোমালেক উপর উল্লোগন কর্মেশ্যম, (এবং বেগেছিনা) যা আমি ভোমালেকক সিবাছিত গাপ্ত কংবা প্রকাশ কর এবং প্রবংগ কর। তারা বেলেছিল, 'আমরা কালামা এবং অমানা কর্মামান 'তেং তালাক কুমারী কারণে তালাংক ক্রমার বাছের জীতি নির্মিত করা হার্মেলিল। করা, 'মানি ভোমার মুখিনা হও, তবং তোমালেক ইমানা যে বিষয়ের নির্মেশ সেয়া আ
- ৯৪: বল, 'আল্লাহ্র নিকট অথিরাতের আবাস সব মানুষকে বাদ দিয়ে যদি একমাত্র তোমাদের জন্যই হয় তবে তোমরা মৃত্যুর আকাজ্ঞা কর- যদি তোমরা সত্যবাদী হও!'
- ৯৫। আর তাদের হাত যা অগ্নে পারিয়েছে বে কারণে তারা কবনোই তা আকাজ্ঞা করবে না। আর আরাহে জালিমদের সম্পর্কে ভাগভাবে জানেন।
- ৯৩। এবং অবশ্যই কুমি তানেরকে মানুকের মধ্যে জীবনের এতি সবচেরে । বেশি আমারী (কেখতে) লাবে এবং মারা পরীক করেবেহে তানের চেরাও। [ব তানের প্রত্যাক্তর ভামনা তার বারী তাকে হাজার বহার আয়ু দেয়া হতা। এ অধ্যত সে একন নয় যে, তার দীর্যায়ু তাকে পাঠি থেকে দূরে রাখবে। এবং । তারা যা করে দে সপ্পর্কে আয়ুর পুর্ব দরিবা।
- ৯৭। বল, 'যে ব্যক্তি জিবরাইনের শালে, তবে (তার জেনে আখা উচিত)
  নিশ্চর সে (জিবরাইন) আন্নার্যেই নির্দেশ এটি (কুরআন) তোমার
  হন্দয়ে ভবকীর্থ করেছে, এর সামনে যা আছে তার (অর্থাং পূর্বকটী
  ভিত্যাবে) সভায়রনার্যারিশে এবং মু'মিনাসের জন্য পর্যানিদেশিকা ও
  সামধানা সক্রণা
- ৯৮। যে ব্যক্তি আল্লাহ্ন, তাঁর ফেরেশতাদের, তাঁর রাসূলদের এবং জিবরাঈশ ও মীকাঈলের শক্ত, তবে নিশুর আল্লাহ সেই কাফিরদের শক্ত।
- ১৯। এবং আমি তোমার প্রতি স্পষ্ট আয়াতসমূহ অবতীর্ণ করেছি, আর পাপাচারীরা চাতা কেউ একলো অধিধান করে না।
- ১০০। এটি কি (সভা) নর হে, যখনই তারা কোন অসীকার করেছে তখন , তাদের কোন একলল তা নিজেপ করেছের বরং তাদের অধিকাংশই , বিশ্বাস করে না।
- ১০১। এবং যথন তাদের কাছে আন্নাহর পক্ষ পেকে একজন ব্লাসুল আদল, যে তাদের সঙ্গে যা আছে তার (অর্থাৎ তাওরাতের) সত্যায়নকারী, তবন যালেরকে (আসমাদী) কিতার দেয়া ব্রেক্টিশ তাদের একটি দল আন্নাহর বিজাবারকে পিজন নিজেপ কলা মেন তার বিশুরই জালে নার

- رَاهَ أَعَلَانًا مِيْفَا تَكُرُ وَرَقَعْنَا فَوْقَكُرُ الطُّوْرَ عَكُنُوا مَّا الْجَنْكُرْ بِقُوْقُ وَاسْتَوَا فَالْرَاسِفَنَا وَعَسَيْنَا وَكُوْرُوا فِي قَالَوْبِهِرُ الْجَعْلَى بِكُوْرِمِرُ الْإِنْفَقَا وَعَشَيْنَا وَكُورُوا فِي اِنْ كُلْفَرُ فَكُونِدُ الْ
- قُلْ إِنْ كَانَتْ لَكُرُ الدَّارُ الْأَحِرَةُ عِنْدَ اللَّهِ هَا لِمَةً مِّنْ دُوْنِ النَّاسِ فَتَمَوُّوا الْمُوْتَ انْ كُنْتُرُ طِنقَيْنَ ۞
- وَلَنْ لِتَمَنَّوْهُ آبَدًا ٰ بِمَا قَدَّمَتْ آثِدِ ثِهِيرْ ۚ وَاللهُ عَلِيْرِ ۗ بِالظَّلِيْنَ ۞
- وَ لَتَحِدَنَّهُمْ ٱخْرَصَ النَّاسِ ئَلَ حَيْوَةِ تُوصَ الَّذِيْنَ ٱهْرَكُوا ٱهُ يَرَدُّ آخَدُمُرْ لَرَ يُعَمَّرُ ٱلنَّاسِ ئَلَ حَيْوَةً نُوصَ الْوَرَ بِمُزَّحْدِهِمُ سَ الْعَدَابِ أَنْ يُعَمَّّرُ وَاللَّهُ يَسِيَّ بِمَا يَتْمَلُونَ هُ
- قُلُ مَنْ كَانَ عَدُواْ لِجِيْرِيْلَ فَانَّهُ نَوَّلَهُ عَلَى قَلْبِكَ بِاثِنِ اللهِ مُمَّدِقًا لِمَّا بَيْنَ يَدَرُّهُ وَهُدِّى وَ بُشْرَى للْمُؤْمِنِيَ ۞
  - مَنْ كَانَ عَدُو ۚ اللهِ وَمَلَّكَتِهِ وَ رُسُلِهِ وَجِبْرِيْلَ وَمِيْكُلَ فَإِنَّ اللهُ عَدُو ۗ للْكُدِيْنَ ۞
  - وَلَقَدْ آنْزُلْنًا إِلَيْكَ أَمْسِ بَيْنُفٍ، وَمَا يَخُفُرُ بِهَآ إِلَّا الْفُسِّقُونَ ﴿

    وَكُلِّمَا عُمَّدُوا عَهُدُوا عَهُدًا قَبَلَهَ فَوَيْقٌ مِّدُمُونَ بَهَا الْمُكَوَّمُونَ
  - وَلَمَّا جَآءَهُوْ رَسُولٌ مِّنْ عِندِ اللهِ مُصَدَّقٌ لِمَا مَعَهُو نَبَلَ

لَا يُؤْمِنُونَ @

كَأَنَّهُمْ لَا يَعْلَمُونَ هُ

১০২।এবং শয়তানরা সুলাইমানের<sup>®</sup> রাজতুকালে যা<sup>®</sup> গঠে করত তারা (আহলে কিতাব) তা অনুসরণ করল, অধ্যুচ সলাইমান কঞ্চরী করেনি ক্রিম শয়তানরা কফরী করেছে- তারা মানষকে জান শিক্ষা নিত। এবং ব্যাবিদদে দুই ফেরেশতা হারত ও মারতের উপর যা অবতীর্ণ করা হয়েছিল (তারা তাও অনুসরণ করল)। আর তারা (ফেরেপভার্য) কাউকে শিক্ষা দিত না যতক্ষণ না বলত, 'আমরা কেবল একটি পরীক্ষা, সূতরাং তমি কফরী করো না।' অতঃপর তারা তাদের দু'জন থেকে এমন কিছ শিখত যা দিয়ে তারা স্বামী ও স্তীর মধ্যে বিজেদে মাটাত। কিন্ত আলাহর ইচ্ছা ছাড়া এর মাধ্যমে তারা কারো ক্ষতি করাত পারত দা। আর তারা এমন কিছ শিখত যা তাদের ক্ষতি করত কিম কোন উপকার করত না। এবং তারা অবশাই জানত, যে ব্যক্তি তা (যাদবিদ্যা) ক্রম করে তার জন্য আধিরাতে কোন অংশ (জানাত) নেই। আর যার বিনিমরে তারা তাদের নিজেদেরকে বিক্রয় করেছে তা কতই না নিকট্ট-যদি তারা জানত।

১০৩।আর বদি তারা ঈমান আনত ও তাকওয়া অবলম্বন করত তাহলে (তাদের যদি তারা ফানত।

১০৪। থতে যারা ঈমান এনেছ। তোমরা 'বাইনা' (থামন<sup>®</sup>) বলো না বরু 'উনযুরনা' (আমাদের প্রতি লক্ষ্য করুন) বল এবং প্রবণ কর। আর কাঞ্চিত্রদের অন্য রয়েছে যন্ত্রণাদারক পান্তি।

১০৫।আহলে কিতাবের<sup>®</sup> মধ্যে যারা কুফরী করেছে তারা এবং মুশরিকরা কামনা করে না যে, তোমাদের প্রতিপালকের নিকট থেকে ভোমাদের প্রতি কোন কল্যাণ অবতীর্ণ হোক। কিছু আল্লাহ যাকে ইচ্ছা করেন তাঁর দরার জন্য নির্দিষ্ট করেন। এবং আল্লাহ মহা অনুপ্রহণীল।

১০৬। আমি যে আয়াতই রহিত করি কিংবা ভূলিয়ে দেই, আমি তার চেয়ে উত্তম অথবা তার অনুরূপ আয়াত নিয়ে আসি। তুমি কি জান না যে, আলাহ সৰ কিছৰ উপৰ সৰ্বশক্ষিয়ানঃ

১০৭। ডুমি কি জান না যে, আকাশসমূহ ও পৃথিবীর রাজতু আল্লাহরইঃ এবং আস্থাহ ছাড়া তোমাদের আর কোন অভিভাবক ও সাহায্যকারী নেই।

১০৮।তোমরা কি তোমাদের রাস্লকে সেভাবে প্রশ্র করতে চাও যেভাবে ইতঃপূর্বে মুসাকে প্রশ্র করা হরেছিলঃ আর যে ঈমান দিয়ে কফরী বদল করে নেয়, সে অবশাই সবল পথ হাবিয়েছে।

১০৯।আহলে কিডাবের অনেকেই ভানের কাছে সভা সুস্পাই হওরার গরও তাদের নিজেদের হিংসার কারণে এটা কামনা করে যে, যদি ভারা তোমাদের ইমানের পরে তোমাদেরকে কাঞ্চির অবছার ফিবিয়ে নিজে পারত! সূতরাং তোমরা (ডাদেরকে) মার্জনা কর এবং উপেকা কর যতক্ষণ না আল্লাহ (তাদের ব্যাপারে) তাঁর নির্দেশ নিয়ে আমেন। নিশ্চয আল্লাহ সবকিছর উপর সর্বশক্তিমান।

وَ النَّبَعُوْ امَّا تَتْلُو [ الشَّيْطِيْنُ عَلَى مُلْكَ سُلَيْمِنَ ، وَمَا كَفَوَ سُلَيْمِنُ وَ لَكِنَّ } الشَّيْطِيْنَ كَفَرُّواْ يُعَلِّمُونَ } النَّاسَ | لسَّعُهَ ، وَمَاَّ أَنْهِ لَ عَى الْمَلَكَيْنِ بِبَابِلَ هَا رُوْتَ وَمَا رُوْتَ وَمَا يُعَلِّمُن مِنْ أَهَد حَتَّى يَقُوْ لَآ إِنَّهَا لَكُنُ فَتُنَةً فَلَا تَكُفُرْ وَيَتَعَلِّمُونَ مِنْهُمَا مَا يُفَونَ بِهِ بَيْنَ الْمَوْءِ وَ زَوْهِهِ وَمَا هُرْ بِضَا رَيْنَ بِهِ مِنْ أَحَد الَّا بِاذْنِ اللهِ ، وَ يَتَعَلَّمُونَ مَا يَضُوُّ هُرْ وَ لَا يَنْفَعُهُرْ ، وَلَقَدْ عَلَمُوْ اللَّهِي اشْتَهُ لِهُ مَا لَهُ فِي الْأَحْرَةِ مِنْ خَلَقَ شُو لَبَعْسَ مَا هُوَوْا بِهِ ٱنْفُسَهُرْ ، لَوْ كَانُوْا يَعْلَمُوْنَ ۞

وَ لَوْ أَنْهِمْ أَوَدُواْ وَأَلْقُواْ لَيْكُوْبَدُهُ مِنْ عَلْكُ خُدِهِ • لُو كَانُواْ وَاللهِ عَلَم اللهِ عَل يَعْلَمُونَ ﴿

> نَا يُّهَا الَّذِيْنَ إِمَنُوْا لَاتَقُوْ لُوْا رَاعِنَا وَقُوْ لُوا اثْظُوْنَا وَ اشَعُوا وَ للْحفرينَ عَذَابُ ٱلير ۞

مَا يَوَدُّ الَّذِيْنَ كَفَرُوا مِنْ آهُلِ الْكُتْبِ وَ لَاالْمُشْرِكِيْنَ آنْ يُّنَوَّلَ عَلَيْكُمْ مِّنْ غَيْرٍ مِّنْ رَّبِّكُمْ وَ اللَّهُ يَخْتَصُّ بِرَحْمَتِهِ مَنْ يُّشَاءُ وَاللهُ ذُوالْفَهْلِ الْعَظيرِ @ مَانَنْسَنْ مِنْ إِيَّةَ أَوْ نُنْسَهَانَاْتِ بِخَيْرِ مِّنْهَآ أَوْمِثْلَهَا،

أَلَهُ تَعْلَهُ أَنَّ اللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْءٌ قَدَيْهٌ ﴿ أَلَ تَعْلَمُ أَنَّ اللهَ لَهُ مُثْلُكُ السَّمُوٰت وَ الْأَرْضِ، وَمَا لَكُرْ مِّنْ ُ مُونَ اللهِ مِنْ وَلَيَّ وَ لَانَمِيْرِ ۞

إِنَّ آَتُ يُدُونَ إِنْ تَشْتَلُوا رَسُوْ لَكُرْ كَمَا سُئلَ مُوْسى مِنْ قَبْلُ، وَمَنْ يَتَبَدُّ لِ الْكُفْرَ بِالْإِيْمَانِ فَقَدْ مَلَّ سَوَّاءَ السَّبِيْلِ @

ود كَنيْ من أهل الكتب لَوْ يَدُدُّونكُرْ من بَعْد اليمانكُ كُفّاراً عَ حَسَدًا مَّنْ عَنْدَ أَنْفُسهِرْ مِّنْ بَعْدَمَا تَبَيِّنَ لَهُمُّ الْحَقَّ فَأَعْفُواْ وَ امْفَعُواْ حَتَّى بَأْتِيَ اللَّهُ بِأَمْءِ أَنَّ اللَّهُ عَلَى مُنَّ قَديٌّ ﴿

- ১১০।এবং তোমরা সালাত (নামায) কায়েম কর ও যাকাত প্রদান কর। আর ভোমাদের নিজেদের জন্য ভোমরা কল্যাপকর যা কিছ পেরকালের উদ্দেশ্যে) অগ্নে পাঠাবে, তা তোমরা আল্লাহর নিকট পাবে। নিকর আধাত তোমবা যা কব সে সম্পর্কে পর্ণ দৃষ্টিবান।
- ১১১। এবং তারা বলে, 'ইহুদী অথবা নাসারা ছাভা অন্য কেউ কথনো জান্রাতে প্রবেশ করবে না।' এগুলো তাদের মিখ্যা আশা মাত্র। বল, 'ভোমরা কোমাদের অকাট্য দলীল-প্রমাণ নিয়ে আস- যদি কোমবা সকাবাদী হও।
- এবং তাদের কোন ভয় নেই এবং তারা দক্ষিরাগ্রন্থও হবে না।
- ১১৩। এবং ইন্টদীরা বলে, 'নাসারারা কোন কিন্তর উপরই নেই'। এবং নাসরারা বলে, 'ইছদীরা কোন কিছুর উপরই নেই', অধচ তারা (সবাই) কিতাব পাঠ করে। এভাবেই যারা ফানে না তারাও ডালের কথার অনরূপ কথা বলে সকরাং যে বিষয়ে ভারা যুক্তপার্থকা করক সে বিষয়ে আলাই फारबर घरभा किराघरकर किर निर्धा करन किरस्स
- ১১৪। আর তার চেয়ে অধিক জালিম আর কে, যে আল্লাহর মসজিদসময়ে জাঁব নাম স্থাবণ কৰাতে বাধা দেয় এবং একলো ধ্বংস কৰাব চেষ্টা করেং একলোতে জীত না হয়ে প্রবেশ করা তাদের জন্য সঙ্গত নয়। তাদের জনা দনিয়াতে তয়েছে অপমান এবং তানের জন্য আথিবাতে বয়েছে মহাশান্তি।
- ১১৫।এবং পূর্ব ও পশ্চিম আল্লাহরই। অতএব তোমরা যেদিকেই মুখ ফিরাবে সেধানেই আহাতৰ চেতারা , নিশ্বর আহাত সর্ববাণী ও সর্বজানী।
- ১১৬।এবং তারা বলে, 'আল্লাহ সন্তান গ্রহণ করেছেন', পবিত্র তিনি। বরং আকাশসমহ ও পথিবীতে যা কিছ আছে তা তাঁরই। প্রত্যেকে তাঁরই অনগত।
- ১১৭।ডিনি আরাশসমূহ ও পধিবীর উদ্রাবক। এবং যখন তিনি কোন বিষয়ের সিদ্ধান্ত নেন তখন তাকে কেবল বলেন 'হও', এবং তা হয়ে যায়।
- ১১৮: এবং যারা জানে না তারা বলে, 'আহাত আমানের সাথে কথা বলেন না কেন অথবা আমানের কাছে কোন নিদর্শন আসে না কেন \* এডারেই তাদের পর্ববর্তীরাও তাদের কথার অনুরূপ কথা বলত, তাদের হদয়সমূহ একই বুকম। অবশাই আমি আয়াতসমূহ বর্ণনা করেছি এমন সম্প্রদারের জনা যাবা নিশ্চিত বিশ্বাস কৰে।
- ১১৯।মিশ্বয় আহি জোহাতে প্রেবণ রাত্তি সভ্যস্ত সসংবাদদাতা ও সতর্কবারী হিসেবে, আর তীব্র আগুনের অধিবাসীদের সম্পর্কে তোমাকে জিজাসা করা হবে না

- وَآقَيْمُوا الصَّلُوةَ وَ أَتُوا الرَّكُوةَ وَمَا تُقَدَّمُوا لِأَنْفُسُكُرْ مَّنْ غَيْرِ تَجِدُوْهُ عَنْدَ اللهِ ﴿ إِنَّ اللَّهُ بِمَا تَعْمَلُوْنَ بَصِيْرٌ ۞ وَقَا لُوْا لَنْ يُدْخُلَ الْجَنَّةَ الَّا مَنْ كَانَ هُوْدًا أَوْ نَصِي تَلْكَ
  - أَمَانيُّهُمْ ، قُلْ هَا تُوْا بُ هَا نَكُرْ إِنْ كُنْتُرْ صُدقينَ هِ لَاخَوْنُ عَلَيْهِ ۗ وَلَاهُ ۗ يَحْزَنُونَ ۞
- وَقَالَت الْيَهُودُ لَيْسَبِ النَّصٰرِي عَلَى هَنْ مُوقَالَتِ النَّصٰرِي لَيْسَى الْيَهُودُ عَلَى شَنَّ أَهُ مَّ هُمْ يَتُلُونَ الْكُتْبَ، كَذَٰ لِكَ قَالَ الَّذِيْنَ لَا يَعْلَمُونَ مِثْلَ قَوْ لَهِيْ ۽ فَاللَّهُ يَكُمُ بَيْنَهُمْ يَوْعَ
- الْقَيْمَة فَيْمَا كَانُوْ إِفَيْه يَكْتَلَفُوْنَ ﴿ وَمَنْ أَظْلَرُ مِنْنَ مَّنَّعَ مَسْجِدَ اللهِ أَنْ يُّذْكَرَ فَيْهَا السُّمَّةُ وَسَعْي فْ غَرَابِهَا وَأُولَٰ لِلْكُمَا كَانَ لَهُمْ أَنْ يُّدُخُلُوهَاۤ إِلَّا غَأَنْفَيْنَ هُ لَهُرْ فِي الدُّنْيَا خِزْيٌ وَّلَهُرْ فِي الْأَخِرَةَ عَذَابٌ عَظَيْرٌ ﴿
- وَشِهِ الْمَشْرِقُ وَ الْمَغْرِبُ وَ اَيْنَمَا تُوَلُّواْ فَعَرَّ وَجْهُ اللهِ وانَّ اللهُ وَاسعٌ عَلَيْرٌ ۞
- وَقَا لُوا اتَّخَذَ اللهُ وَلَدًا سُبْحَنَهُ مِلْ لَّهُ مَا فِي السَّمُوتِ وَ الْأَرْضِ، كُلُّ لَّهُ قَنتُوْنَ @
- بَديْعُ السَّمُوٰتِ وَ الْأَرْضِ وَ إِذَا قَضَى آمَرًا فَانَّمَا يَقُوْلُ لَهُ كُنْ فَيَكُوْنَ ﴿
- وَ قَالَ الَّذِنْ لَا يَعْلَمُونَ لَوْ لَا يُكَلِّمُنَا اللَّهُ أَوْ تَأْتَمُنَا آيَةً كَذَٰ لِكَ قَالَ الَّذِيْرَ ، مِنْ قَبْلِهِرْ مِّقْلَ قَوْ لِهِرْ • تَشَابَهَتْ قُلُوْ بُهُرْ ، قَدْ بَيِّنًا ﴿ لَأَيْتِ لَقَوْمَ يُّو قَنُونَ ﴿
- اتًّا ۚ ٱرْسَلْنُكَ بِالْحَقِّ بَشِيْرًا وَّنَذِيْرًا ۥ وَّ لَاتُسْغَلُ عَنْ ٱصْحٰبِ الْجَحِيْرِ ۞

শাহ্যব্যসাত শা। ১২১। আমি যাদেরকে কিতাব দিয়েছি, মারা তা (ভাদের কিতাব<sup>®</sup>) বথাবগভাবে <mark>জু</mark> পাঠ করে ভারাই এলে (কর্ম্মান) ইয়ান আনে। আর যারা এতে প্র অবিশ্বাস করে, তারাই ক্ষতিগ্রন্ত।

আলাচৰ বিপৰীকে নোয়াৰ জন্য কোন অভিভাৱক থাকৰে না এবং কোন

১ সরা আল-বাকারা

शांबागाकातील स

১২২।তে বনী ইসরাঈল! তোমাদের উপর আমি যে নেরামত দান করেছিলাম এবং জগৎসমহের (বিভিন্ন মানব গোষ্ঠীর) উপর তোমাদেরকে যে মর্যাদা<sup>®</sup> দান করেছিলাম তা শ্বরণ কর।

১২৩।এবং সেদিনকে ভয় কর যেদিন কেউ কারো পক্ষে কিছুই প্রতিদান দিবে না এবং কারো থেকে কোন বিনিময় গ্রহণ করা হবে না এবং কোন সুগারিশ তার উপকারে আসবে না এবং তাদেরকে সাহায্যও করা হবে না।

১১৪। এবং হখন উববাচীয়কে ভাব প্রতিপালক কতিপর (আদেশ নিষেধ সংলিত) বাণী দ্বাবা পরীক্ষাঁ করলেন এবং সে সেগুলো সম্পন করল। তিনি (আল্লাহ) বদলেন, "নিশ্চয় আমি তোমাকে মানবজাতির জন্য একজন নেতা বানাব।" সে (ইবরাহীম) বলল, 'এবং আমার সন্তানদের মধ্য থেকেওং' তিনি (আল্লাহ) বললেন, 'আমার এ অঙ্গীকার জালিমদের নিকট পৌছবে না।'

১২৫।এবং যথন আমি এই ঘরকে (কা'বাকে) মানবছাতির মিলনকেন্দ্র ও নিরাপস্তান্তল বানিছেছিলাম। এবং (বলেছিলাম) "ইবরাহীম এর দীভানোর স্থানকে (মাকামে ইবরাহীমকে) সালাতের (নামাযের) স্থান হিলেবে গ্রহণ কর।" এবং আমি ইবরাহীম ও ইসমাঈলকে নির্দেশ দিয়েছিলাম যে, তোমরা দু'জনে আমার ধরকে তাওয়াফকারী<sup>\*</sup>, ই'তিকাফকারী<sup>\*</sup> ও ক্তক-সিঞ্জদাকারীদের<sup>®</sup> জন্য পবিত্র রাখ।

১২৬।এবং বখন ইবরাহীয় বলেছিল, 'হে আমার প্রতিপালক! একে (মন্তাকে) मिवालक महारव शविबाज करूम जावा जाव खरिवाजीरामच प्रथा (बंदक गाउ) আলাত ও আধিবাজের দিনের প্রতি ঈমাদ আনবে তাদেরকৈ কল-মল থেকে বিধিক দান করুন।' ভিনি (আল্রাহ) বলদেন, 'আর যে কফ্রী করবে তাকেও আমি সামান্য ভোগ্য-সাম্ম্রী দিব, এরপর তাকে আমি আগুনের শান্তির নিকে বাধ্য করব।" আর কতইনা নিকট সে গভব্যস্থল।

১২৭।এবং যখন ইবরাহীম ও ইসমাঈল এই মরের ভিত্তি উলোলন<sup>®</sup> করছিল। (তারা দোহা ক্রাবছিল) 'তে আয়াদের প্রতিপালক। আয়াদের থেকে (এ বালে) কবল ককন। নিশ্বর আপনিট সর্বলোতা ও সর্বজ্ঞানী।

১২৮। হে আমাদের প্রতিপালক। এবং আগনি আমাদেরকে আগনার নিকট আত্মসমর্পপকারী (মুসলিম) এবং আমাদের বংশধর থেকে আপনার নিকট আছ্মসমর্পণকারী এক উন্মত বানান। এবং আমাদেরকৈ আমাদের (হজের) নিয়ম-কানুন দেবিয়ে দিন এবং আমাদের তওবা কবল করুন। নিক্স আপনিই তথ্য ক্রুলকারী ও প্রম দ্যাল।

विष्ण निवास करिया (विकार) निवास शिवन व्यवस्था कार्यक्ष विकार क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक (क्षेत्रक (क्ष्मा) निवास शिवन व्यवस्था कार्यक्ष के किया विकार क्षेत्रक (क्ष्मा) निवास शिवन व्यवस्था कार्यक्ष के कारकार के कार्यक्ष के कार्यक्ष के कार्यक्ष के कार्यक्ष के कार्यक्

ٱلَّدِيْنَ أَتَيْنُمُرُ الْكِتْبَ يَتْلُوْنَهُ حَقَّ لَلَاوَتِهِ ۚ أُولِّكُكَ يُؤْمِنُوْنَ به وَمَن يُكُفُرُ بِهِ فَأُولَٰتُكَ هُرُ الْعُلْبُ وْنَ هُ لِبَنَى اشْرَ أَءِيْلَ ادْكُرُوا نعْمَتَى الَّتِي ٱلْتِي ٱلْعَمْتُ عَلَيْكُرْ وَ ٱلَّيْ

جَاءَكَ مِنَ الْعِلْمِ مَا لَكَ مِنَ اللَّهِ مِنْ وَّلِيَّ وَّ لَا نَصِيْرٍ ﴿

فَشَلْتُكُمْ عَلَى الْعُلِّمِينَ وَ الَّقُوْ الْيَوْمًا لَّالَّهَجْ فَي نَفْسٌ عَنْ نَّفْسٍ شَيْعًا وَّ لَا يُقْبَلُ مِنْهَا عَدْلُ وَ لَاتَنْفَعُهَا شَفَاعَةً وَ لَا هُمْ يُنْصُونَ هِ

وَ إِذِ الْبُئَلِي إِنَّا هِيَ رَبُّهُ بِكُلِّمِ فَأَنَّتَّهُنَّ قَالَ إِنَّى جَاعِلُكَ لِلنَّاسِ إَمَامًا وَال وَمِنْ ذُرِّيَّتِي وَالْ لَا يَنَالُ عَهْدِي [لظُّلميْنَ ﴿

وَ إِذْ جَعَلْنَا الْبَيْنِ مَثَابَةً لِّلنَّاسِ وَ أَمْنًا ، وَ اتَّحْذُوا مِنْ مَّقَامَ ابْ المِر مُعَلَّى و عَهِدُنَا إِلَى ابْرِهِم وَ اسْمَعْيْلَ أَنْ طَهْرا بَيْتي للطُّأَنْفِينَ وَ الْعُكفَيْنَ وَ الرُّكِّعِ السُّجُودِ ﴿

الثَّمَوْت مَنْ أَمَنَ مِنْهُرْ بِاللهِ وَ الْيَوْ َ الْأَخِرِ • قَالَ وَمَنْ كَفَوَ فَأُمْتِعُهُ قَلِيْلًا ثُبِّرٌ أَمْطُرُهُ إِلَى عَذَابِ النَّارِ وَبِعْسَ الْمَصِيْرُ ﴿ وَ إِذْ يَرْفَعُ الْرِهِرُ الْقَوَاعِدَ مِنَ الْبَيْتِ وَاسْمُعِيْلُ ورَبَّنَا تَقَبُّلُ مِنًّا ﴿ إِنَّكَ أَنْتَ إِلسَّمِيمُ الْعَلَيْرِ ﴾

وَ إِذْ قَالَ ابْرِهِرُ رَبِّ اجْعَلْ هَذَا بِلَدًّا إِمِنَّا وَّ ارْزُقُ آهْلَدُمنَ

رَبُّنَا وَاجْعَلْنَا مُشْلَمَيْنِ لَكَ وَمِنْ ذُرِّيَّتِنَآ أُمُّةً مُّشْلَمَةً لَّكَ - وَ أرِنَا مَنَاسِكَنَا وَ تُبْعَلَيْنَا ؛ إِنَّكَ أَنْيَ التَّوَّالُ البُّحِيْرُ ﴿ ्रेसे हे (सेंटे فَيْمِرْ رَسُولًا يِنْهُرْ يَتْلُواْ عَلَيْمِرْ الْيِتْكَ وَيُعَلِّمُمُرُ عَلَيْهِمُ الْيِتْكَ وَيُعَلِّمُمُرُ اللهِ اللهِ عَلِيْهِمْ وَسُولًا يِنْهُوْ يَتْلُواْ عَلَيْمِرْ الْيِتْكَ وَيُعَلِّمُمُرُ عَلَيْ

- দ্দিয়াতে মনোনীত করেছিলাম, এবং নিশ্চয় সে আধিরাতে অবশাই সংকর্মশীলদের অন্তর্ভক। ১৬১। হারন ভার প্রতিপালক ভাকে বালছিলেন 'ছাব্যয়ার্পণ কর' ভারন সে
  - বলল, 'আমি জগৎসমূহের প্রতিপালকের নিকট আত্মসমর্পণ করলাম।'

১৩০। আর ইবরারীমের মিলাভ (ধর্মাদর্শ) থেকে কে অনাপ্রতী হয় সে

ছাড়া যে নিজেকে নিৰ্বোধ বানিয়েছেঃ এবং অবশাই আমি ভাকে

- ১৩১।এবং ইবরাহীয় তার সম্মানদেরকে সে (হিলাতের) র্যাপারে প্রসিয়ত করেছিল এবং ইয়াকবও। (ভারা বলেছিল) 'চে আমার সম্মানেরা। নিশ্বয় আল্লাহ তোমাদের জন্য এই দ্বীনকে মনোনীত করেছেন, সুতরাং তোমরা মসলিম অবস্থায় না থেকে কখনো মতাবরণ করো না
- ১৬৬।তোমরা কি তথন উপস্থিত হিলে যখন ইয়াকবের নিকট মতা উপস্থিত হয়েছিলঃ যথম সে তার সন্তানদেরকে বলেছিল, 'আমার (মতার) পর তোমবা কাৰ উৰাদত কবাৰে?' তাবা বলল "আমৰা আপনাৰ উলাহ-এব এবং আপনার পিতপ্রকৃষ উববারীয় উসমাইল ও উস্বাহেরর উলাত-এর উবাদক করব যিনি এক ইলাহ এবং আমরা ভারই নিতট আগ্রসমর্পনকারী (মসলিম)।
- ১৩৪।এটি সেই উপ্সত যা গত হয়েছে, তার (উপ্সতের) জনা রয়েছে তাই যা সে অর্জন করেছে এবং তোমাদের জন্য রয়েছে তাই যা তোমরা অর্জন করেছ. এবং তারা যা করত সে সম্পর্কে তোমাদেরকে জিল্লাসা করা হবে না।
  - ১৩৫।এবং ভারা বলে, ছিল্লী অথবা নাসারা হয়ে যাও, ভাহলে সঠিক পথ পাবে, 'বল, 'বরং ইবরাহীমের মিল্লাভট (ধর্মানশট) একভবানী (মিল্লাভ) अवः (अ प्रश्विकामन खलार्राष्ट्र किल मा। ১৩৬।(হে মদলিমরা।) ভোমরা বল, 'আমরা ঈমান এনেডি আলাহর প্রতি
  - যা আয়াদেব প্রতি অবজীর্ণ চযোভ ভাব প্রতি যা উরবাচীয় উসমাউল ইসহাক, ইয়াকব ও (ইয়াকবের) সন্তান-সম্বতির প্রতি অবতীর্ণ হয়েছিল তার প্রতি এবং যা মসা উসা ও অন্যান্য নবীদেবকে তাদেব প্রতিপালকের পক্ষ থেকে দেয়া হয়েছিল তার প্রতি<sup>\*</sup>, তাদের কারো মধ্যে আমরা পার্থকং করি না। এবং আমরা তাঁবট নিকট আছসমর্পণকারী (মসলিম)।
  - ১৩৭। অকএব তোমরা তার (রাসলের) প্রতি বেমন ঈমান এনেড ভারাও খদি অনবৰ্গ উহান আনে ডাহলে ভালা সঠিক পথ পাৰে আৰু যদি ভালা মথ ফিরিয়ে নেয়. তাহলে ভারা কেবল মতবিরোধের মধ্যে রয়েছে, পুভরাং তাসের বিপরীতে তোমার জন্য আলাহট যথেট এবং তিনিট সর্বশোতা ও সর্বজানী।
  - ১৩৮। (বল, আমরা ধারণ করেছি) আলাহর বং \* আলাহর বং-এর চেয়ে আর কার বং বেশি সন্দরঃ এবং আমরা তাঁরই ইবাদতকারী।
- ১৩৯।বল, 'তোমরা কি আল্লাহর ব্যাপারে আমাদের সাথে বিভর্ক করছ, হখন তিনি আয়াদের প্রতিপালক এবং ভোয়াদেরও প্রতিপালকঃ আর আমাদের কর্ম (এর প্রতিক্রম) আমাদের জন্য এবং তোমাদের কর্ম (এব প্রতিষদ) তোমাদের জনা, এবং আমরা তাঁরই জনা একনিষ্ঠ।
- ১৪০।তোমরা কি বলছ যে, নিশ্চয় ইবরাহীম, ইসমাঈল, ইসহাক, ইয়াকব ও (ভার) সন্তান-সন্ততি ইহুদী অথবা নাসারা ছিলঃ বল, 'তোমরা বেশি জান নাকি আতাহঃ' তার চেয়ে অধিক জালিম আর কে, যে আল্লাহর পক্ষ থেকে ভাব কাচে যে সাক্ষা (প্রয়াগ) বাহতে ভা গোপম করেঃ এবং
- ভোমরা যা কর সে সম্পর্কে আল্লার বেখবর মন। ১৪১। এটি সে উপ্সত যা গত হয়েছে, তার (উয়তের) জনা রয়েছে তাই যা সে 🕏 এই এটি সে উপ্সত যা গত হয়েছে, তার (উয়তের) জনা রয়েছে তাই যা তোমরা অর্জন করেছে এবং তোমানের জন্য রয়েছে তাই যা তোমরা অর্জন করেছ। এবং তারা যা করত সে সম্পর্কে তোমাদেরকে ভিজ্ঞাসা করা হবে না।

- وَمَنْ يَبْ غَبُ عَنْ مِّلَّةِ ابْ هِيَ الَّا مَنْ سَفَهَ نَفْسَهُ وَ لَقَد اصْطَفَيْنَهُ في الدُّنْيَاء وَ انَّهُ فِي الْأَخِرَةِ لَمِنَ الصَّلحيْن ﴿ إِذْ قَالَ لَهُ رَبُّهُ أَسُلِهُ وَقَالَ أَسْلَمْتُ لِأَنَّ الْعُلَّمِينَ ۞
- وَوَتَّى بِهَا إِبْوِهِ بَنيْهِ وَ يَعْقُوْبُ البِّنَّ إِنَّ اللَّهُ اصْطَفَى لَكُرُ الدِّيْنَ فَلَاتَمُوْتُنَّ إِلَّا وَ أَنْتُرْ مُّسْلَمُوْنَ ﴿
- أَ كُنْتُرْ هُهَدااء إِذْ مَفَر يَعْقُوْبَ الْهَوْتُ اِذْ قَالَ لَبَنيْه مَا تَعْبُدُونَ مِنْ بَعْدِيْءَ قَا لُوْ إِنَعْبُدُ الْهَكَ وَ الْمَ أَبَا لِكَ ابْإِهِمَ وَ اسْمُعْيُلَ وَ اسْحَقَ الْهَا وَّاحَدًا ۚ وَأَنْدُنُ لَهُ مُسْلِّمُونَ ﴿
- تلْكَ أُمَّةٌ قَدْ خَلَتْ؛ لَهَا مَا كَسَبَتْ وَ لَكُرْ مَّا كَسَبْتُرْ؛ وَلَا تُسْتَلُوْنَ عَمًّا كَانُوْ إِيغْمَلُوْنَ @
- وَقَا لُوْ إِكُوْ نُوْ إِهُودًا أَوْ نَصْلِي تَهْتَدُوا وَلْ بَلْ مِلَّةَ الْإِهِيَ حَنيْقًا وَمَا كَانَ مِنَ الْمُشْرِكِيْنَ ۞ قُوْ لُوْ الْمَنَّا بِاللَّهِ وَمَا آلُهُ لَى الَّيْنَا وَمَّا أَلْهُ لَى الَّ إِلَّا هِيَ وَ اشْمُعَيْلَ وَ اشْحُقَ وَ يَعْقُوْ بَ وَ الْإَشْبَاطُ وَمَّا أُوْتِيَ مُوْسَى وَعِيْسِي وَمَاۤ ٱوْتِيَ | لنَّبِيُّونَ مِنْ رَّبِّهِرْ ٤ لَانْفَرَّقُ بَيْنَ آحَدِ
  - مِّنْهُمْ ۗ أُو نَكُنُّ لَهُ مُسْلَمُونَ ﴿ فَانَ إَمَنُوا بِمِثْلِ مَا آمَنْتُر بِهِ فَقَدِ اهْتَدَوا ، وَأَنْ تَوَ لَّوا فَانَّمَا هُرْ فِي شَقَاقَ وَنَسَيَكُفْيُكُهُرُ اللهُ وَهُوَ السَّمِيْعُ الْعَلَيْرُ ﴿
  - مِبْغَةَ اللهِ ، وَمَنْ آحْسَنُ مِنَ اللهِ صِبْغَةً ، وَّ نَحْنُ لَهُ عَبِدُونَ ⊛ قُلْ آتُكَوْءَ وَلَنَّا فِي اللَّهِ وَهُوَ رَبُّنَا وَ رَبُّكُو وَلَنَّا آعْمَا لُنَا وَ
- لَكُ أَعْهَا لُكُ ء وَ نَحْنُ لَهُ مُخْلَفُونَ ﴾ أَمُّ تَقُوْ لُوْنَ إِنَّ ابْإِهِرَ وَ إِشْمُعَيْلَ وَ إِشْحَقَ وَ يَعْقُوْبَ وَ إِلْاَسْبَاطَ
- كَانُوا هُوْدًا إِوْ نَصْبِي، قُلْءَ إِنْكُورُ إَعْلَيُ أَمَّ اللهُ وَمَنْ أَظْلَيرُ مِمَّنْ كَتَى شَهَادَةً عَنْدَةً مِنْ الله ، وَمَا اللهُ بِغَافِلٍ عَبًّا تَعْمَلُونَ ⊕
  - لَا تُشْتَلُونَ عَمًّا كَانُوْ إِيعْمَلُونَ ﴿

#### পানা-১

১৪২। শীঘ্রই নির্বোধ লোকেরা বলবে, 'কিসে তাদেরকে ফিরিয়ে দিল তাদের কিবলা হতে ' যাত্র উপর তারা ছিলঃ' বল, 'পূর্ব ও পচিম আল্লাহরই "। তিনি যাকে ইচ্ছা করেন সরল-মঠিক পথে পরিচালিত করেন।'

380। খাব একাংকে আৰি হোমানেককে একটি মধ্যপাই। উপত বানিহাই, যাত বোলো অদল আছিল উপন আদী হাত পাৱ এবং বালুদ হাত পাবে একাংকা উপন কাছী। এবং আৰি বালুদি কালা বানিয়ালিকান যাত উপৰ পুলি ছিলে।, কেলা যাতে আলি কোনে দিয়ত পাৱি পোটী ককতে পানি, কে বায়ুগত অনুমালৰ একা (এ) কৈ এটা বিশ্বনাৰ দিবত প্ৰথিক্ষায়া দিবত বাহা একাংকা জিলা অপনাই কালা কালা হায়ু নাকাংকা আলা কলিকান কালা কালা কালা কালা কালা দান বাহিনি কোনোলেই উমানেক নী কৰকোন নিক্ষা আলাই আন্তৰ্ভাৱ আন্তৰ্ভাৱ কালাক কালাক নী কৰকোন নিক্ষা আলাই নালুহাক

১৪৫। এবং যাদেরকে কিতাব দেয়া হয়েছে ভাদের কাছে যদি তুমি দককু দিশর্পন দিয়ে আদা ভত্ত ভারা তোমার কিবলার অনুকরণ করবে না এবং তুমিও ভায়েন বিকলার অনুকরণ করবে না বিবলার অনুকারী মত্ত। এবং তোমার কাছে যে আন এসেছে তার পরে বিচি তুমি ভাগের প্রস্তুতির অনুসরণ কর, ভাহালে দিন্তয় তুমি ভাবন অবশাই জানিয়ায় অন্তর্জীত অনুসরণ কর, ভাহালে দিন্তয় তুমি ভবন

28৬। যাদেরকে আমি কিতাব দিয়েছি তারা (অর্থাৎ তাদের আলেমরা) আটি
(কিবলা পরিবর্তনের বিষয়টি) এমনতানে চিনে ফেতাবে তারা তাদের সজানেরকে চিনে। এবং নিকর তাদের মধ্য থেকে একটি দল অবশাই, জানা-বার্ম্ব সভাকে পোপক বা

১৪৭।এ সভ্য (কিবলা পরিবর্তন) তোমার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে (আগত), সভরাং তমি কথনো সন্দেহকারীদের অন্তর্গ্ত হয়ো না।

১৪৮। আর প্রজ্যেকেরই একটি নিক (কিবলা) আছে, সে ভারই নিকে (তার চেহারা) দিরায়, অতএব তোমরা কল্যাণকর কাজে প্রতিযোগিতা কর। ফোনেই তোমরা আৰু আল্লাহ তোমদের সবাইকে (কিয়ামতের দিন) মিত আসমবা নিজত আলাক স বিক্তাই কাম কর্মপ্রিকাশ।

১৪৯। এবং ভূমি যেখাল স্তেকেই বের হুঙ, তোমার চেহারা ফর্সজিলে হারামের দিকে ফিরাও। এবং নিক্য় এটি (কিবলা পরিবর্তন) অবশ্যই তোমার প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে (আগত) সত্য। এবং তোমহা যা কর সে إلى مِرَاعِ السَّعَلِي ﴿ وَخَذَلِكُ مَعَلَنْكُمْ أَمَّةُ وَسُطَا لَتَصُولُوا هَهَدَّاهُ فَى النَّاسِ وَ يَحُونَ الرَّسُولُ عَلَيْكُمْ هَيْدُا وَمَا يَعْلَنَا الْفِيلَةَ الْفِي حُتَّى يَعُونَ الرَّسُولُ عَلَيْكُمْ أَعِيدًا وَمَا يَعْلَنَا الْفِيلَةَ الْفِي حُتَّى عَلَيْهَا الزِّلْعَلْمُ مِن تَعْمُ الرَّسُولُ مِنْ يَثْلِيلًا فَيْ عَلَيْمِهُ وَمَا السَّوْمَ عَلَى اللَّهُ وَم إِنْ عَلَيْكُمْ اللَّهِ مَنْ اللَّهُ وَمَنْ اللَّهُ وَمَنْ اللَّهُ وَمَنْ اللَّهُ وَمَا عَلَى اللَّهُ وَمَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ وَمَا عَلَى اللَّهُ وَمَا عَلَى اللَّهُ وَمَا اللَّهُ عَلَيْكُمْ وَاللَّهُ عَلَيْكُمْ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ وَمَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الْمُعْلِقُولُ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَيْكُمْ

يُطِيغَ إِيْهَا تَشَرُه وَلَ اللّهِ إِللّهِ النَّاسِ تَرَوُقُ يُرْهِرُ هِ قَلْ تَرْنِ تَقَلِّدُ رَجْهَكَ فَطُوْ اللّهَمَّاءَ فَلَكُوْ لِيَنْكُ فَيْقَالًا تُرْهُمَا قَوْلُ رَجْهَكَ فَطُوْ الْمُشْجِد الْحَوَّا الرَّحْيَى مَا تُنْكُرُ قُولُوْا وَهُوَكُمُرُ فَطُورًا وَلَى اللّهِ يَعْلَى أَرْفُوا الْمِسْدَلَ يَعْقَدُونَ اللّهِ النَّقُ مِنْ لَيْقِيرُ وَكَمْ اللّهِ يَعْلَى عَلَّمَا يَعْمَلُونَ اللّهِ

رَكُونُ الْقِسَ الْدِينُ الْرُوا الْخِبُ بِكُلِّ أَنِهُمُ الْبَهُو الْمِنْكَافَ، وَمَا أَنْفَ يَعْلُمُ الْمِنْفُولُ وَمَا يَعْلُمُونُ بِكَامِ فِيلَّةَ بَعْفِ وَلَهِ الْبَعْفَ أَهْرَا عَلَيْمُ مِنْ الْقُدِمَ آمَانَ اللّهِ فِيلَّةً بِعُلْقِي وَلَّكُ إِلَّا لِمَا اللّهِ عَلَيْف الْفَعْفَ أَهْرَا عِلْمُعَالِّمُ مِنْ الْقُدِمَ آمَانَ اللّهِ فِي الْفِيلِ النّه إِذَا لَيْسَ الطّعَلِينِ فَي

ٱلَّذِيْنَ أَتَيْفَهُرُ الْكِتْبَ يَعْهُ فُوْنَهُ كَمَا يَعْهُ فُوْنَ ٱبْنَّأَةُهُرْ ۗ وَ إِنّْ فَرِيْغًا مِّنْهُرُ لَيْكَتْمُونَ الْنَقْ وَهُرْ يَعْلَمُونَ فَهِ

ٱلْحَقُّ مِنْ رَّبِّكَ فَلَاتَكُوْنَنَّ مِنَ الْمُمْتَرِ يْنَ ﴿

وَ لَكُنِ وَهُمَّهُ مِّوَ مُولِّنَهُمُ الْعَيْرِتِ الْيَوْنِ الْمِيْنَاءَ لَتَعُولُواْ يَاتِ بِكُنُ اللهُ جَمِيْنَاء انِّ اللَّمَاعَىٰ كُلُ مَنْ أَقَدِيْنَ ﴿
وَثِنْ حَيْثُ مَرْجَتَ فَوَلَ رَجْهَافَ مُطْرِ الْمَشْجِدِ الْمَرَاكِ، وَإِنَّهُ لَلْتَحَرُّ مِنْ ذَيْكُ، وَمَا اللَّهُ بِعَلَالِ عَلَيْمَ الْمُعْلَمِينَ ﴿ পূর্ব করতে গারি এবং যাতে তোরারা বৃত্তিক পথ অবলম্বন করতে গার-১০২। যেমা আমি তোমাদের মধ্যে তোমাদের মধ্য থেকেই একখন মানুল প্রেক্তা পর্বেক্তি, তে কোনোলে কাল্য আমাতা আহারসমূর পারী করে, কোমাদেরকে পরিচার করে, তোমাদেরকে কিতাব ও হিকমত (রক্ষা) শিক্ষা দের এবং তোমাদেরকে (প্রমন কিছু) শিক্ষা দেয় যা তেবরা জালতে সা।

১৫২। সুতরাং ভোমরা আমাকে স্বরণ কর, আমিও ভোমাদেরকে স্বরণ করব, এবং আমার প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশ কর এবং আমার প্রতি অকৃতজ্ঞ হয়ে। না।
১৫০। প্রস্তে যারা ঈমান একেছ। ভোমরা থৈর্য ও সালাতের (নামাধের) মাধ্যমে

সাহায্য প্রার্থনা কর। নিক্য আল্লাহ্ থৈবঁদীনদের সাথে আছেন।

১৫৪।এবং যারা আল্লাহ্র পথে নিহত হয় ভানেরকে মৃত বলো না। ববং তারা
জীবিত, নিত্ত ভোমরা অনুতব কর না।

১৫৫।এবং অবশ্যাই আমি কিছু তয়া-জীতি, ক্ষুধা এবং ধন-সম্পদ, জীবন ও ফল-মুদের কয়া-কতির মাধ্যমে রোমানেরকে গরীকা কবে। আর

১৫৬।খারা, যথন তাদেরকে বিপদ-আপদ আঘাত করে তথন বলে, "নিচত্ত

ধৈর্মশীলদেরকে সুসংবাদ দাও-

এবং ভারাই সমিকপথপ্রার।

আমরা আন্নাহর জন্য এবং নিকম আমরা ভারই দিকে ফিরে যাব।'

১৫৭। তানেম্বট উপর রায়েতে তানের প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে অন্যাহ ও দ্যা

১৫৮:নিক্য সাফা ও মাওজা<sup>\*</sup> আল্লাহর নিদর্শনসমূহের অন্তর্ভুক্ত, সুকরাং যে (আল্লাহেন) গরের হন্ধ অথবা উনার করে বার জনা এই দুটিতে অপিন্দ মেটা মরানাক করে কাল কলার কেই। এবং যে কোলা কলা কল

কাম কৰে, তবে নিশ্বন্ধ আল্লাহ্ পরম প্রতিদাননাতা ও নর্বজ্ঞানী।

১০১। আমি যে শক্ষী প্রথাপানি ও পর্বনির্বেশনা ব্যবক্তীর্থ কর্মেছ মানুবের ধানা

তিব্যাহন সম্প্রাধান করাত কর্ম কিন্দ্র হালা বা বোগন করে ডান্ডান্তে জ্ঞান্ত

رەن دىن خرجىدە فرلىرۇنغاندىقدا (لىقىچە الدۆلەر) خىنىما ئانتىنى ئۆلۈرا زەرۋىكى قائۇرە ئاقلانگۇرن لىلىلى غانىيىلى خىچىدە لارالاردىن قاقلۇرا دېنىلى قاقلۇرىدىن اغىرىنى دۆلۈر ئەنتى غايگىرۇر ئاقلىنى ئاتىنىدىن ق خىقا راسلىك قىلىكى رائىلانى ئالىلىدىن لارالاردىن دۆلۈرنىكى دۆلۈرلەرلىدىنى رالىرىدىنى زايىدىدى ئاتىلىرى ئاتىلىرىنى دارىدىدىن ئالىرىدىنى ئاتىلىرىنى ئاتىلىرىنى ئالىرىدىنى ئاتىلىرىنى ئالىرىدىنى ئالىرىدىنىڭ ئالىرىدىنى ئالىرىدىنى ئالىرىدىنى ئالىرىدىنىڭ ئالىرىدىنى ئالىرىدىنىڭ ئالىرىدىنىدىنىنىڭ ئالىرىدىنىڭ ئالىرىدىنىدىنىڭ ئالىرىدىنىڭ ئالىرىدىنىڭ ئالىرىدىنىڭ ئالىرىدىنىڭ ئا

قَافَكُورُونَ آذَكُوكُمُ وَالْشَكُورُ الْمُوكُونَ كَوَتَعَكُرُونِ ﴾

قَافَهُ الْإِنْ اَنْتُوا النَّبِيثُوا إلى النَّمِورُ اللَّوْدِ إِنَّ النَّسَمَّةُ النَّوْدِينَ ۞

ذَكَ تَكُورُ وُلِ إِلنِّنَ تُقْعَلُ فِي سَجِيلِ اللَّهِ آمُواتُ بَلُ الْحَبَاءُ وَّ

لَنْ الْمُعَارِّونَ ﴾

لَنْ الْمُعَارِّونَ ﴿

الْإِنْفُ وَالْقَرْبِ وَوَقِرِ الشَّوِيْنَ ﴾ الْبِنَى إِذَا أَمَا بَعْمُر شَهِيْنَةُ هَا لَوْ إِلنَّا فِيورَ إِنَّا اللهِ رَحِقُونَ ﴿ اولِنَافَ عَلَيْهِمْ مَلُوتٌ مِّن رَبِّهِمْ وَ رَحْمَةُ وَاولَا لِللهُ هُرَا النُّهَادُونَ ﴾

وَ لَنَبْلُو تَكُرْ بِهَيْ أَمِّنَ الْعَوْبِ وَالْجُوْعِ وَنَقْصِمِّنَ الْأَمْوَالِ وَ

رِقْ الشَّا وَالْكِرُوَّةَ مِنْ مَعَالِّمِ الشِّهَ وَالْمَارِةِ مَثْنِ أَمْثِينَ آوَاعْتَمَرُّ قَلَّكِمُنَا عَلَيْهِ الْنَّ يُقُلِّدُنَ يَوْمِنا ، وَمَنْ تَتَلَّرَّعَ مَبْرًا اقْبِلُ اللهُّ مَاكِرٌ عَلِيْنَ فِكُمُوْنَا الْأَلْفَانِ الْمَالِيَّةِ فَالْمَالِيِّةِ عَلِيْنَا فِي الْمُنْكِينَا الْمُنْكِي إِنْ الْفِينَ لِكُمُوْنَا الْوَلْنَامِ الْمِنْتِينَ وَالْمُنْكِينَا لِلْمُنْكِينَا لِيَنْكُ

لمَّاسِ فِي الْكُتْبِ أُولِّ لَمُّكَ يَلْعَنُّهُرُ اللَّهُ وَ يَلْعَنُّهُرُ اللَّهُ وَكَلْعَنُّهُمُ اللَّعَنُّونَ ﴿

- ১৬a।তবে যাবা তওবা করে এবং (নিজেদেরকে) সংশোধন করে এবং (যা গোপন কৰছিল তা) স্পাইডাৰে বৰ্ণনা কৰে আমি আদেৰ জনবা কৰল কবৰ এবং আমিট ভাৰতা কবলকানী ও প্ৰয়া মহাল।
- ১৬১। নিশ্বর যাবা কফ্রী করেছে এবং কাছির অবস্থায় মতাবরণ করেছে তাদের উপর আবাত কোবেশতাকর ও সকল মানকের লা'নত-
- ১৬২. সেখানে তারা স্থায়ী হবে, তাদের থেকে শান্তি হালকা করা হবে না এবং 🕹 ভাদেরকে অবকাশও দেবা হবে না।
- ১৬৩ এবং ভোমাদের ইলাহ এক ইলাহ তিনি ছাতা কোন ইলাহ মেই যিমি लावीच प्रशासन क अंतर प्रसाद :
- ১৬৪। নিশ্বয় আকাশসমহ ও পথিবীর সৃষ্টিতে, রাত ও নিনের আবর্তনে মান্যের উপকারী সাম্মন্তী নিয়ে সাগ্যের চলমান নৌয়ানে আক্রাল প্লেক আবার যে পানি অবজীর্ণ করেন অসংগর দা নিয়ে সমিকে জীনিক कारक अर प्रजाद अर अरु (प्रशास प्रक्रिय एस्स अरुस्त क्रिकार्सकील প্রাণী- তাতে, বায়র পরিচালনায় এবং আকাশ ও পথিবীর মাঝে (জাঁর) निर्मिगांचीन (प्रथमाणास खनभाष्टे निर्मिनावली दरशरक अपन जन्मकारसव জন্য যাবা অনুধারন করে।
- ভালবাসা পোষণকারী। আর যারা জলম করেছে ভারা যদি ভেবে দেখে-যখন তারা শান্তি দেখতে পাবে (তথন ঠিকট বর্যতে পারবে) যে সমস্ত শক্তি আহাহবট এবং এও যে আলাহ শামিদানে বঠোত। ১৬৬। যাদেরকে অনসরণ করা হয়েছে তারা যথন যারা অনসরণ করেছিল

১৬৫। আর মানবের মধ্যে কেউ কেউ আলাচকে বাদ দিয়ে (অন্যদেবকে ভার) সমকক ছিসেবে গ্রহণ করে ভারা ভাগেরকে ভালোরাসে আলাচকে

ভালোবাসার মত। এবং যারা ঈমান এনেছে তারা আল্লাহর জন্য অধিক

- তাদের থেকে দায়মক হবে এবং ভাবা শান্তি দেখাত পাবে ও আদ্মর মধ্যকার সকল সম্পর্ক ছিন্র হয়ে যাবে।
- ১৬৭। এবং যারা অনুসরণ করেছিল তারা বলতে, 'যদি আমাদের ক্রনা একবার (দুনিয়াতে ফেরার) সুযোগ হত, তাহলে আমরাও তাদের থেকে দায়মুক্তন হতাম যেভাবে তারা (আজ) আমাদের থেকে দায়মুক্ত হয়েছে।' এভাবেই & আল্লাহ তাদেরকে তাদের কর্মসমহ দেখাবেন তাদের জন্য পরিভাগরূপে এবং তারা আগুন থেকে বের হবে না।
- ১৬৮।হে মানষ। পৃথিবীতে হালাল ও পৃথিত যা কিছু আছে তা থেকে আহার কর, এবং শয়তানের পদান্তসমহ অনসরণ করো না। নিশ্চয় সে ভোমাদের জন্য সম্পন্ন শঞ্জ।
- ১৬৯।সে (শরতান) কেবল তোমাদেরকে নির্দেশ দেয় মন্দ ও অস্ত্রীলভার এবং আল্লাহ সম্পর্কে এমন (ডিজিটীন) কথা বনকে যা কোমবা জান না।

- وَإِنَّا النَّوْالِ الرَّحْمُ الْمُحْمُ الْمُحْمُ اللَّهِ إِنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا وَمَا تُوْا وَهُمْ كُفًّا رَّ أُولِّنَكَ عَلَيْهِمْ لَغَنَّهُ
- الله وَ الْمَلَّئُكَة وَالنَّاسِ آجْمَعْيْنَ ﴿
- غُلد ثِيَ فَيْهَا ، لَا يُخَتَّفُ عَنْهُ الْعَذَابُ وَ لَا هُمْ يُنْظُ وْنَ ؈
  - وَ الْهُكُمُ الْدُوَّاحِدُ، لَآ الْهَ الَّاهُوَ البَّحْبُنُ البَّحْبُرُ البَّحْبُرُ البَّحْبُرُ ﴾
- انَّ فِي هَلْقِ السَّمُوٰتِ وَ الْأَرْضِ وَاهْتِلَانِ الَّيْلِ وَالنَّهَارِ وَالْفُلُكَ الَّتِيْ تَدُيْ يَى إِلْبَدُ بِمَا يَنْفَعُ النَّاسَ وَمَآ أَنْ َ لَ اللَّهُ مِنَ إِلسَّمَاءِ مِنْ مَّاءِ فَأَحْيَا بِهِ الْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتَهَا
- وَبَنَّ فَيْهَا مِنْ كُلِّ دَأَبُّهُ وَّتَهُم يُف الرِّيرِ وَالسَّحَابِ الْمُسَجِّ بَيْنَ إِلسَّمَاءِ وَالْإِرْضِ لَإِنِّ لَقُوْمَ يَعْقَلُونَ ﴿
- وَمِيَ النَّاسِ مَنْ يَتَّخَذُ مِنْ دُوْنِ اللهِ ٱثْدَادًا يَّحَبُّونَهُ؞ُ كَحُبِّ اللهِ وَ الَّذِينَ إِمَنُهُ ۚ ا أَهَدُّ كُبًّا لِللَّهِ وَ لَوْ يَكِي الَّذِينَ ، ظَلَمُوْ الدِّيَ وَنَ الْعَذَاتَ ، أَنَّ الْقُوَّةَ للهُ جَمِيْعًا ، وْ أَنَّ اللهُ
  - هَديْدُ الْعَذَابِ ⊛
- اِذْ تَبَّ ۚ ٱ الَّذِيْنَ اتَّبعُوْ امنَ الَّذِيْنَ اتَّبَعُوْا وَ رَآوُا الْعَذَابَ وَ تَقَطَّعَتْ بِهِرُ الْإَشْبَابُ ⊛
- وَقَالَ الَّذِيْ الَّبَعُوا لَهُ أَنَّ لَنَا كَاةً فَنَتَبَّ أَمِنْهُمْ كَمَا تَبَّءُوْا منًّا ، كَذَٰ لِكَ يُهِيُ إِللَّهُ أَعْمَا لَهُمْ حَسَرْتِ عَلَيْهِمْ ، وَمَا هُمْ بخرجين من النَّارِ ﴿
- نَّا يُّهَا النَّاسُ كُلُوْا مِبًّا فِي الْإَرْضِ مَلْلًا طَيِّبًا الَّوْ لَا تَتَّبعُوْا
- خُطُون إلشَّيْطُن اللهُ لَكُرُ عَدُوُّمُّيْنَ ﴿ إنَّهَا يَأْمُ كُرْ بِالسُّوَّةِ وَالْفَحُشَآءِ وَ إَنْ تَقُوْ لُوْ ا عَلَى اللَّهِ مَا

- ১৭০। এবং যথন ভাদেরকে বলা হয় 'আলাহ যা অবভীর্ণ ব্যবহেন ভা অনসক। কর', তথন তারা বলে, 'বরং আমরা তারই অনুসরণ করব যার উপর আমরা আমাদের বাপ-দানাদেরকে পেষেটি'। ধনিও তাদের বাপ-দাদারা কিছই অন্ধাৰন করত না এবং তারা সমিক পথপ্রাপ্তও ছিল না ভবও কিছ
- ১৭১। এবং যারা কৃষ্ট্রী করেছে তাদের উপমা যেমন এক ব্যক্তি (রাখাল) এমন কিছকে (পথকে) চিৎকার করে ডাকে যা হার-ডারের আওয়াঞ্জ ছাড়া আর কিছুই শুনতে পায় না। তারা বধির, বোরা ও অন্ধ, সুক্তরাং তারা অন্ধাবন করে না।
- ১৭২: এহে যারা ঈমান এনেছ! আমি তোমাদেরকে যে রিয়িক দিয়েছি ভা থেকে পৰিত্ৰ বকুসমূহ আহার কর এবং আল্লাহর প্রতি কতজ্ঞতা প্রকাশ কর- যদি তোমতা কেবল ভারই ইবাদত কর।
- ১৭৩। তোমাদের উপর কেবল হারাম করা হয়েছে মত (পশু), রভ<sup>®</sup>, গুরুরের গোণত এবং যা (জবাইকালে) আল্লাহ ছাড়া অনোর নামে উৎসর্গ করা হরেছে। কিন্ত যে আগ্রহী ও সীমালক্ষনকারী না হয়ে বাধ্য হবে, তবে তার কোন পাপ নেই"। নিকর আল্লাহ অতি ক্যমানীল ও পরম দ্যাল।
- এর বিনিমরে সামান্য মৃদ্য ক্রয় করে (গ্রহণ করে), তারা কেবল তাদের পেটে আগুন ভর্তি করে, এবং কিয়ামতের দিন আল্লাহ তাদের সাথে কথা বলবেন না এবং তাদেরকে পরিকত্বও করবেন না, এবং তাদের জন্য রয়েছে যন্ত্রণাদায়ক শান্তি।

১৭৪। আল্লাহ যে কিতাৰ অবতীৰ্ণ করেছেন নিক্তম যাত্রা তা গোপন করে এবং

- ১৭৫: ওরাই তারা যারা সঠিক পথের বিনিয়ায় পথ্যসূচ্যা এবং ক্ষয়ার বিনিময়ে শান্তি ক্রয় করেছে, আগুনের (শান্তির) ব্যাপারে তারা ককট মা গৈবলীল।
- ذ لك بأنَّ اللَّهُ نَرْ لَ الْكَتَبَ بِالْحَقِّ، وَإِنَّ الَّذِينَ إِغْمَلَقُوا فِي عَالَى اللَّهِ م নিশ্য যারা কিতাব সম্পর্কে মতপার্থকা করেছে তারা অবশাই এক সদর মতবিবোধে নির বাহাছ।
- ১৭৭। পূর্ব অথবা পশ্চিম দিকে তোমাদের মুখ ফিরানো পুণ্য নয়, বরং পুণ্য হল (তার কাজ) যে ঈমান এনেছে আলাহ, আখেরাভের দিন, ফেরেশতাকুল, (আসমানী) কিতাব ও নবীদের প্রতি এবং সম্পদের প্রতি ভালবাসা থাকা সরেও তা আরীয়-স্বরুন উয়ারীয় মিসজীন সম্বাহীন মসাফির ও সাহায্য প্রাধীদেরকে এবং দাসমন্তির<sup>\*</sup> জনা দান করেছে, এবং সালাভ (নামায) কাছেম করেছে, থাকাত প্রদান করেছে, এবং যথন অঙ্গীকার করেছে তখন তা পূর্ণকারী, এবং অভাব-অন্টলে, দঃখ-দর্শশায় ও সংগ্রাহ-সংকটে হৈর্যহারণকারী। ওরাই ভারা যারা সত্যবাদী হয়েছে<sup>®</sup> এবং তারাই মন্তাকী।

- وَاذَا قِيْلَ لَهُمُ اتَّبِعُوْ إِمَّا أَنِّ لَ اللَّهُ قَا لُوْا بَلْ نَتَّبِعُ مَاۤ ٱلْفَيْمَا عَلَيْهِ إِبَّآءَنَا ، أَوَلَوْ كَانَ إِبَّآؤُهُرْ لَا يَعْقَلُونَ هَيْئًا وَّ لَا يَهْتَدُونَ ﴿
- وَمَثَلُ الَّذِيْنَ كَفَرُواْ كَمَثَلِ الَّذِيْ يَنْعَقُ بِهَا لَايَسْمَعُ الَّا دُعَاءً وَ نَدَاءً ، صُرُّ بُكُرٌ عُمْيٌ فَهُرْ لَا يَعْقَلُونَ ﴿
- يَّآيَّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوا كُلُوْ أَمِنْ طَيِّبْ مَا رَزَقْنُكُرْ وَأَشْكُو وَأ للهِ انْ كُنْتُرُ ايَّاهُ تَعْبُدُونَ ﴿
- النَّمَا حَرًّا عَلَيْكُرُ الْمَيْتَدَوالدَّاوَ لَحْرَ الْعَنْزِيْ وَمَآ أَهِلْ بِهِ لغَيْرِ اللهِ؛ فَمَن امْطُرَّ غَيْرَ بَاغِ وَّ لَاعَادِ فَلَآ أَثْرَ عَلَيْهِ، إِنَّ اللَّهُ غَفُور رحير ⊚
- انَّ الَّذِيْنَ يَكْتُمُوْنَ مَآ أَنْزَلَ اللَّهُ مِنَ الْكُتْبِ وَيَشْتَرُوْنَ بِهِ ثَمَنَّا قَلْيُلًا الْوَلَنْكَ مَا يَاكُلُونَ فِي الطُّونِينِ الَّا النَّا رَوَ لَا يُكَلِّمُهُ ۗ اللهُ يَوْ) الْقِيْمَةِ وَ لَا يُزَكِّيْهِرْ ﴿ وَ لَهُرْ عَذَابٌ ٱلِيُرُّ ۞
- أُولَٰ عُكَ الَّذِيْنَ إِشْتَوَ وَإِلا لَقَلْلَةَ بِالْهُدِّى وَالْعَذَالَ بِالْمَغْمَ ةَهُ فَهَا آصْبَو هُرْ عَلَى النَّارِ @

الْحُتْبِ لَغَيْ شَقَاقِ بِعَيْدِ أَهُ

لَيْسَ الْبِرْ ۚ أَنْ تُوَلُّوا وُجُوْهَكُرْ قَبَلَ الْمَشْرِقِ وَالْمَغْرِبِ وَ لَكَّ الْبَرَّ مَنْ أَمَنَ بِاللهِ وَالْيَوْمَ الْأَخِرِ وَالْمَلَّغَةِ وَالْكِتْبِ وَالنَّبيِّنَ، وَ أَتَى الْمَالَ عَلَى حُبِّهِ ذَوى الْقُرْبِي وَالْيَتْمِي وَ الْمَسْكِيْنَ وَابْنَ السَّبِيْلِ وَالسَّالْلِيْنَ وَفِي الرِّقَابِ وَ أَقَاءَ الصَّلُوةَ وَ أَتَى الزَّكُوةَ ، وَالْمُوْفُونَ بِعَهْدِهِمْ أَذَا عُهَدُوْا ، وَالصَّبِرِينَ فِي الْبَأْسَاءِ وَالطَّرَّاءِ وَحِيْنَ الْبَأْسِ ، أُولِّكُكَ

الَّذِينَ مَدَقُوْا ، وَ أُولِّنْكَ هُرُ الْمُتَّقُوْنَ ⊛

১৭৮: প্ৰায় হাৰা ইয়ান এনেছ। হাতাৰ ক্ষেত্ৰে ভোয়াদেৰ উপৰ বিসাস रिधिसक्त (फराव) सारा यहा यात्रीच सावित समान यात्रीच साविक ক্ৰীতদাসের বদলে ক্ৰীতদাস আৰু নাবীৰ বদলে নাবী। কিন্তু তাৰ (নিহত ব্যক্তির) ভাইরের পক্ষ থেকে থাকে ভিছ মারু<sup>®</sup> করা তয তৰে (ভাব কৰ্তব্য হল) মধ্যমখনাৰে ভা অনুসৰণ কৰা এবং ভাকে महिकसारत (राज्यश्रम) शरिरभाश द्यता। ताँच (साधारका शरिशासका পক্ষ থেকে (দও) ,হাস ও দয়। । বিজ্ঞ এবপরে যে সীয়ালজন করবে মান করা নামকে সভগাদামক শাক্ষি।

১৭৯। আৰু তে ৰদ্ধিয়ানবা। বিসাসের যথে। ভোয়াদের জন্ম জীবন বাবাছ athe natural selected statement states state

১৮০। তোমাদের কারো নিকট মতা উপস্থিত হলে সে যদি ধন-সম্পরি বেশে মাম দেকে পিতা-মাতা ও আত্মীয়-সক্ষমতার করা নারেমক্সভাবে ওসিয়ত<sup>\*</sup> করে যাওয়া তোমাদের উপর বিধিবছ (ফর্ম<sup>\*</sup>) করা হল। এটি মুখানীদের উপর কর্সর।

১৮১, আমগপুর যে আ (এটায়াম) পরিরস্কি করে আ শাংগ করার পর আর দোর পাপ ক্রেক্স ভালের উপরই সর্বাসে মারা তা পরিবর্তন ক্রতে। নিশ্বর আলাহ সর্বশ্রোতা ও সর্বজ্ঞানী।

দেয়, তার কোন পাপ হবে না। নিশ্চয় আল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরমা ১৮৩। ওয়ে যারা ঈমান এনেছা কোমাদের ওপর রোযা বিধিবন্ধ (করয<sup>®</sup>) করা হল বেমন বিধিবন্ধ (ফরুখ) করা হয়েছিল তোমাদের পর্ববর্তীদের উপর,

যাতে তোমরা তাকওয়া অবলয়ন করতে পার-১৮৪। গণনাযোগ্য কয়েকটি দিন। তবে ভোমাদের মধ্যে যে অসত্ত<sup>®</sup> হতে যাবে অথবা সফরে থাকবে সে অন্য দিনগুলোতে এই সংখ্যা পূর্ণ করবে। আর যারা রোয়া রাখতে সক্ষম (কিন্ত খব কট হয়) ভারা (প্রচিটি রোষার জনা) একজন মিসকিনের খাবার ফিনিয়া প্রদান করবে। আর যে কেন্দায় বোন ভাল কান্ত করবে (অর্থাৎ ফিনিয়ার ক্ষেত্রে অভিরিক্ত দিবে), ভা

১৮৫। রমযান মাস তা, যাতে কুরুঝান<sup>®</sup> অবতীর্ণ করা হয়েছে মানুষের জন্য পথনিৰ্দেশিকা সঠিক পথেৰ স্পষ্ট প্ৰয়াণ ও ফৰকান সেতা-মিঞ্চাব পাৰ্থকাৰাৰী) বিসেৰে সভবাং ভোয়াদেৰ মধ্যে যে এ মাস প্ৰভাক্ত কৰৰে সে যেন এতে রোমা রাখে । তবে যে অসুস্থ হয়ে যাবে অথবা সকরে शांवरव (भ च्या फिल्कालारच व प्रत्या भर्न कवरव। चालक (कांग्रामन क्रमा अञ्चल कराज हात अवर हिति (साधारहर क्रमा वर्डिन कराज हान मा এবং যাতে ভোমরা (রোখার) সংখ্যা পূর্ণ করতে পার এবং যাতে আপ্রাহ তোমাদেরকে যে সঠিকপথ প্রদর্শন করেছেন সেজন্য ভার প্রেষ্টত থোগণা

করতে পার এবং যাতে ভোমরা কতজ্ঞতা প্রকাশ করতে পার। ১৮৬। আর (তে নবী।) আমার বান্দারা যথন আমার সম্পর্কে ভোমাকে জিজাসা করে . তবে নিশ্চয় আমি অতি নিকটে। আমি আহ্বানকারীর আহ্বানে সাভা<sup>\*</sup> সেই ৰখন সে আমাকে আহ্বান করে সভবাং ভারাও বেন আমার ভাকে সাভা দেয় এবং আমার উপর ঈমান আনে, বাতে ভারা সঠিক পথ পেকে পাকে।

يَّا يُّهَا الَّذِيْرَ أَمَنُوْ اكْتَى عَلَيْكُمُ الْقَصَاصُ فِي الْقَتْلِي ﴿ آلْحُ بِالْحُرِّ وَالْعَبْدُ بِالْعَبْدِ وَالْإَنْثَى بِالْأَنْثَى، فَمَنْ عُفِيَ لَهُمِنْ أَحْيُه شَنْيٌ فَا تَّبَاعٌ بِالْمَعْرُونِ وَ إَدَّاءٌ الْيُه بِاحْسَانِ وَلكَ تَخْفَيْفٌ مِنْ إِنَّكُمْ وَرَحْمَةً فَمِن إعْتَدْي بَعْدَ ذَلِكَ فَلَهُ عَذَاتْ اَلْيُهُ ۞

وَلَكُرْ فِي الْقَمَاصِ مَيْوِةٌ يَّأُولِي الْإِلْبَابِ لَعَلَّكُرْ تَتَّقُونَ ۞ كُتبَ عَلَيْكُمْ إِذَا حَفَى آحَدَكُمُ الْمَوْتُ إِنْ تَوَكَّ خَيْرًا " ۚ الْوَصَّةُ للْوَالدَيْنِ وَالْآقْرَ بِيْنَ بِالْمَغْرُونِ ء مَقًّا عَلَى الْمُتَّقَيْنَ ﴿

فَمَ.ْ إِبَدَّ لَهُ بَعْدَ مَا سَمِعَهُ فَانَّمَاۤ [ثُمُّهُ عَلَى اللَّذِينَ يُبَدَّ لُوْنَهُ ﴿ إِنَّ अरुश किंद्र ति अरुवारीत अरू (यह निकार) मार बाला किंद्र तो निकार के किंद्र ति किंद्र के किंद्र ति किंद्र के किंद केंद्र अरु अरुवारीत केंद्र عَلَيْهِ، إِنَّ اللَّهُ غَفُوْ رَّ رَّحِيْرٌ ﴿

> يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ إِمَنُوْ اكْتَ عَلَيْكُمُ ۖ الصِّيَا ۗ كَمَا كُتَى عَلَى الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلُكُمْ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ﴿ أَيَّامًا مَّعْدُوْدَت، فَمَنْ كَانَ مِنْكُرْ مَّ يُضًا أَوْعَلَى سَفَ فَعَدَّةٌ مِّنْ أَيًّا } أَخَرَ ، وَعَلَى الَّذِيْنَ يُطِيْقُوْنَهُ فَدُيَّةٌ طَعَا مُصْكِيْنٍ ،

> فَمَنْ تَطَوَّعَ كَيْرًا فَهُو كَيْرًا لَّهُ وَ إِنْ تَصُومُوْ إِكَيَّا لَّكُمْ إِنْ

তার জন্য উলম। আর রোখা রাখাই তোমাদের জন্য উলম- যদি ভোমরা كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ ﴿ شَهْۥُ رَمَفَانَ الَّذِيُّ أَنْدِلَ فَيُهِ الْقُرُّ إِنَّ هُدِّي لِّلنَّاسِ وَبَيِّنْتِ مِّنَ الْهُدَى وَالْفُرْقَانِ ، فَمَنْ شَهِدَ مِنْكُرُ ۖ الشَّهُۥ فَلْيَصُمُّهُ ، وَمَنْ كَانَ مَ يُضًا أَوْعًا سَفَ فَعَدَّةٌ مِّنْ أَيًّا ۚ أَخَوَ عَيْ يُدُ اللَّهُ بكُرُ الْيُشْرَ وَلَايُرِيْدُ بِكُرُ الْغُشْرَ ۚ وَلَتُكْمِلُوا الْعَدَّةَ وَ لِتُكَبِّرُوا اللهَ عَلَى مَاهَدُ سُكِرْ وَ لَعَلَّكُرْ تَشْكُرُونَ ۞

وَ إِذَا سَاَ لَكَ عَبَادِيْ عَنَّى فَانَّىٰ قَدِينٌ ۚ أُجِيْبُ دَعُوةَ الدَّاعِ إِذَا دَعَان وَلْيَسْتَجِيْبُوا لِي وَلْيُؤْمِنُوا بِي لَعَلَّهُمْ يَرْهُدُون ⊕ ১৮৮। এবং তোমরা একে অন্যের ধন-সম্পদ বাতিল পছায় গ্রাস করো নাঁ এবং জেনে-বুঝে গাণের সাথে মানুদের ধন-সম্পদের কিছু অংশ গ্রাস করার উদ্দেশ্যে বিচারকদের নিকট তা পেশ করো না।

১৮৯। তারা তোমাকে নতুন চাঁদ সম্পর্কে বিজ্ঞাসা করে। বল, 'এটি হজে মানুষের জন্য ও হজের জন্য সময় নির্দেশক। 'এবং এতে পুণা নেই বে, তোমবা ঘরে প্রবেশ কর এর পিছন দিক থকে<sup>ক</sup>, কিছু পুণা রয়েছে তার জন্ম তোকগ্রা অবলপক বর। আর তোমবা দাবজা নিরেই যরে প্রবেশ কর এবং আল্লাহকে ভয় কর, যাতে তোমবা সফল হতে পার।

১৯০। এবং তোমরা আল্লাহর পথে তালের বিরুদ্ধে যুদ্ধ কর যারা ভোমাদের বিরুদ্ধে যুদ্ধ করে, কিন্তু সীমালজন করো না। নিশ্বয় আল্লাহ্ সীমালজনকারীদেরতে ভাগবানেন না।

১৯১১ এবং জনেবকে হত্যা কর্ব বেখানেই ভোমনা তালবকে পাও এবং ভালবাত কে বাহন পাও কেংলা থেকে তারা কোনাদেরক বের করে দিয়েছিল, আর ফিতনা ভালর কেংলা করেনা নারকলন হারামের দিকটা কোনো তালের কিছকে ছুক করেনা না যককা কারা কোনাম কোনাকর কিছেছে ছুক করে, তার তারা নাই কোনাদের কিছকে ছুক করে, ভারসের বাহনা ভালেরকে হত্যা কর। এরপাই কাহিকসার কাইকলা।

১৯২। কিন্তু যদি তারা বিরত হয়, তবে দিশুয় আল্লাহ্ অতি ক্ষমাদীল ও পরম দয়াল

১৯০। এবং ভোমরা ভাসের বিরুদ্ধে যুদ্ধ ভর ষতক্ষণ না ফিডনা<sup>\*</sup> নির্মূন হয়ে যায় এবং দ্বীন একমাত্র আল্লাহর জনা (নির্দিষ্ট) হয়ে যায়। কিছু যদি তারা বিরুত হয়, তবে জালিমদের উপর হাড়া আর কারো উপর স্থীয়াসক্ষার নেই। أَمِلُ لَخَرِ لَيْلَةُ السِّبَاءِ الرِّفْعَ إِلَى بِشَالِحُرْ مِنْ لِبَاسَ لَكُرْ وَالْشَرْ لِبَاسَ لُهُنَّ عَلَى اللهُ الشَّرِ عُنْفَقَ لَخَمَانُونَ الْفُسُكُرْ فَعَابَ عَلَيْكُرْ وَمَعَا عَنْكُرْ وَاللّهِ بَاللّهِرُوْضُ اللّهِ اللّهِ اللهِ اللهِ اللّهِرِينَ النَّهُ اللهُ الاللهُ عَلَى اللّهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللّهِرِينَ اللّهِرَائِينَ اللّهِرَائِينَ اللّهِرَائِينَ اللّهِرَائِينَ عَلَيْنَ اللّهِرَائِينَ اللّهِرَائِينَ اللّهِرَائِينَ اللّهُورِينَ اللّهِرَائِينَ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللل

وَ لَا اَكُوْلُواْ اَمُوالَكُواْ بَيْنَكُمْ بِالْبَاطِلِ وَقُدْلُوا بِهَا إِلَى النُّمَّا عِنْاكُوْلُ الرِّيقًا مِنْ آمُوالِ النَّاسِ بِالْوَلْمِ وَالنَّمْرُ تَعْلَمُونَ ﴾

يَسْتَلَوْنَكُ عَنِ الْإِصَلَّةِ، قُلْ مِن مَوَاقِيْتُ لِلنَّاسِ وَالْتَيِّرِ وَرَبِّينَ الْبُوْتِ مِنْ طَلْوَرَهَا وَلَجِنَّ الْبُرْسَ وَالْتَيْرِ وَرَبِينَ الْبُوْتِ مِنْ ظَلُورَهَا وَلَجِنَّ الْبُرْسَ وَالْتَيْرِ اللَّهُ لَعَلَّكُمْ اللَّهِ مَوْلَةَ وَاللَّهُ لَعَلَّكُمْ اللَّهُ لَعَلَّكُمْ اللَّهُ لَعَلَّكُمْ اللَّهُ لَعَلَّكُمْ اللَّهُ لَعَلَّمُ وَاللَّهُ اللَّهُ لَعَلَّمُ وَاللَّهُ اللَّهُ لَعَلَّمُ وَاللَّهُ اللَّهُ لَعَلِيدًا لَهُ اللَّهُ لَعَلَيْكُمْ وَاللَّهُ لَعَلَّمُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ فَيْ يَقَاللَهُ لَعَمْ وَكَوْلَتُمُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللْمُعُلِمُ اللَّهُ الْمُؤْمِنِ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُعِلَمُ الللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ الْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَمُ اللْمُعِلَم

وَاقْتُلُوهُمْ هَيْكُ تَعِلْتُغُوهُمْ وَالْهَرِجُوهُمْ وَسُّهَ عَيْثُ اَهْرَجُوهُمْ وَالْعِثْنَةُ المَّلَّابِينَ الْقَشْلِ ، وَلاَتَّفْتُلُوهُمْ عِنْدَ الْمُسْهِدِ الْشَرَاعِ مِنْ الْعَلَوْمُ فِيْءً فَإِنْ فَتَلُوهُمْ فَاقْتُلُومُمْ ، كَلْ للْفُجَالُوا أَلْفَانِينَ فَيَالُومُونُ فِيْءًا فَإِنْ فَتَلُومُمْ

اللهُ لَا يُحِبُّ الْمُعْتَدِيْنَ ﴿

فَإِنِ اثْنَهُوا فَإِنَّ اللَّهُ غَفُورٌ رَّحِيْرٌ ﴿

وَقْتِلُوْهُرْ حَتَّى لَاتَكُوْنَ فِتْنَةٌ وَّ يَكُوْنَ اللِّيْنُ لِللهِ • فَالِنِ انْتَهَوْ افْلُكُمُنُو اَنَ الْإِنَّا الظُّلُهِيْنَ ﴿

- ১৯৪। তারাহ হাসের<sup>\*</sup> বদলে হারাম মাস, এবং হারাম বিধরুসমূহ (ক্ষতিপ্রণ ও বনলাব দিক থোক) সমান সমান (কিসাস)। অতএব কেউ (হারাম মাসে) কোমানের উপর সীমালকার করলে কোমবাও তার উপর সীয়ালকান কব যেকপ সে ভোয়ানের উপর সীয়ালকান করেছে<sup>\*</sup>। এবং व्यक्तराज कर कर तर तर रक्तर राज विकास आहार प्रवासीतार आहर
- ১৯৫। এবং তোমরা আল্লাহর পথে বায় কর এবং তোমরা ভোমাদের হাতে (নিজেদেবকে) জ্ঞাসের দিকে নিকেপ করো না এবং ইরসান কর। विकास खालाह अरुक्योशसामसाम्बरक जालसामस
- ১৯৬। এবং আহাতব (সম্মন্তিব) জন্ম হল্ক ও উমরা<sup>\*</sup> পর্শ কর। আর যদি তোমরা নামাগায় হান ভোচাল কানামীর পাণ গোরে যা হাচাচলন্ম হয় (কানামী কর) এবং করবানীর পশু তার নির্দিষ্ট স্থানে না পৌছা পর্যন্ত তোমরা ভোমানের মাধা সভাৰ কৰে। মাৰ কৰে কোন্তাগৰৰ আৰো যে অসক হাৰ বাবে অথবা ভাৰ আছাৰ কোন কটা থাকবে (সে জন্য মাধা মধন কবে ফেলবে) তার ফিনিয়াঁ হলেছ য়েয়া রাখা অথবা সদকা করা অথবা কুরবানী করা, অভঃপর যথন ভোমরা (হজের আগে মঞ্জয় পৌছে) নিরাপদ হয়ে যাবে এবং ভোমাদের মধ্য থেকে যে ক্ষমভ পর্যান্ত টিয়ারার মাধ্যায়ে ভায়োন (টিপরার লাভ) বারণের চাটার ভারণে করবানীর পশু থেকে যা সহজ্ঞগভা হয় (তা করবানী করবে)। তবে যে ভা CHITCH (1995 (MON) Dark District Date of the Off own and Date & এটি তার জন্য হার পরিবার মসজিলে হারামের বাসিন্দা নয়। এবং তোমরা 🖟 प्रामाज्ञक एक कर अरु तारम राज ता प्रामाक शक्तिगरम सार्थात
- ১৯৭। হজা নির্দিষ্ট করেক মাস<sup>®</sup> সকবাং যে এঞ্চলোকে হজাকে (নিজেব উপর) অবশ্য পালনীয় কবেতে সে চাজের মধ্যে কোন যৌনসম্মোগ পাপাচার ও অগনা-বিবাদ করবে না। আর ভোমরা যে ভাল কাল কর আরাই তা জানেন। এবং (হজের সঞ্চরের জন্য) পাথেয় নাও, তবে নিশুয় সর্বোত্তম পাথের রক্ষে ভার-ওয়া। আর তে বন্ধিয়ানরা। তোমরা আমাতে ভয় কর ।
- ১৯৮। কোয়াদের প্রতিপালকের নিকট থেকে অব্যাহ (বিধিক) ভালাপ করাতে তোমাদের জন্য কোন অপবাধ নেই । অভঃপর হখন ভোহরা আরাফাত থোকা প্রসাম কর তথ্য "মাশ্যাকন চারাম" এর কাচে আনাহার স্বরণ कर अवः प्राप्त स्वरंग कर (प्रकार क्रिकि (क्राप्तापनवाक भध्र अनर्गन करवाहन (শিথিয়েছেন), যদিও এরপূর্বে তোমরা অবশাই পথন্দ্রইদের অন্তর্ভুক্ত ছিলে।
- ১৯৯। এরপর গোকেরা যেখান থেকে<sup>\*</sup> প্রস্তান করে ভোমরাও সেখান থেকে প্রথম কর এক আলাকে কালে ক্ষমা প্রার্থমা কর। নিক্ষম আলাক অভি ক্ষমানীল ও পরম দ্যাল।
- ১০০। অসংপর মধন সোহরা সোহাদের (হাজ্বর) অনুষ্ঠানাদি সম্পন করার তথন তোমরা আল্লাহকে শ্বরণ কর, তোমাদের পিতপ্রক্রথদেরকে তোমাদের অরণ করার মত অথবা ভার চেয়ে বেশি করে অরণ । আর মানষের মধ্যে কেউ কেউ বলে, 'হে আমাদের প্রতিপালক! আমাদেরকে দনিয়াতেই প্রদান করুন", এবং তার জন্য আথিরাতে কোন (প্রাপ্য) অংশ लेक
- ২০১। এবং তাদের মধ্যে কেউ কেউ বলে, 'হে আমাদের প্রতিপালক। আমাদেরকে দনিয়াতে কল্যাণ দিন এবং আখিরাতেও কল্যাণ দিন এবং আমাদেরকে আগুনের শান্তি থেকে রক্ষা করুন।

- ٱلشَّهُو الْحَرَامُ بِالشَّهُو الْحَرَامُ وَالْحُومُ مُتَّ قَصَاصٌ · فَمَنِ اعْتَدْى عَلَيْكُمْ فَاعْتَدُوا عَلَيْه بِمِثْلِ مِنَا اعْتَدْي عَلَيْكُمْ - وَاتَّقُوا اللَّهُ وَ اعْلَمُوْ آ أَنَّ اللَّهُ مَعَ الْمُتَّقِيْنَ ﴿
- وَ أَنْفَقُوا فِي سَبِيْلِ اللهِ وَ لَا تُلْقُوا بِأَيْدِيْكُمْ إِلَى التَّهْلُكَة اللهِ وَآحْسنُو أَوْالَ اللَّهَ يُحِدُّ الْمُحْسنِينَ هِ
- وَ أَتِهُوا الْحَيِّ وَالْعُمْ وَاللَّهُ عَانَ أَحْصِرْتُمْ فَمَا اسْتَيْسَ مِنَ الْهَدْي ، وَ لَا تَحْلَقُوا رُءُوْسَكُ مَتَّى يَبْلُغَ الْهَدْيُ مَحَلَّهُ، فَمَنْ كَانَ مِنْكُورٌ مَّرِيفًا أَوْبِهَ أَذًى مِّنْ رَّأُسِهِ فَعَثْ يَدُّ مِّنْ مِيام ٱوْ صَدَقَة ٱوْ نُسُك، فَاذَآ ٱمنْتُرْ ﴿ فَمَنْ تَمَتَّعَ بِالْعُمْرَةِ إِلَى الْحَيِّمَ فَمَا اسْتَيْسَ مِنَ الْهَدَى ، فَمَنْ لَّرْ يَجِدْ فَمِيامٌ تَلْقَةَ إَيَّا عِي कुरदानात ७७ त्यरक वा जरहरूका दत (था कुरदानी करात)। ज्या त्या जा | ००० विकास के विकास कर कि विकास कर कि विकास क (कुरदानीत ७७) भारत ना त्र त्याय त्राधार राज्या प्रकास कराता कर कराताला कर विकास कराताला कर कराताला कर कराताला لَّرْ يَكُنْ آهْلُهُ كَاضِرِي الْمَشْجِدِ الْعَرَامِ، وَاتَّقُوا اللَّهُ وَاعْلَمُوٓۤا أَنَّ اللَّهُ هَديْدُ الْعَقَابِ هُ
  - أَكْتُ أَهُمُ أَهُمُ مُعْلُومً عَنَى فَمَنْ فَرَضَ فَيْهِ أَلْكَيْ فَلَا رَفَفَ وَ لَافُسُوقَ عَ وَ لَاحِدَ الَّ فِي الْعَيِّ ، وَمَا تَفْعَلُوْ امنْ غَيْدٍ يَّعْلَمُهُ اللهُ "وَ تَزَوَّدُوْ ا فَانَّ غَيْرَ الرَّاد التَّقُوٰى وَاتَّقُوْن يَأُولِي الْأَلْمَاب ⊚
  - لَيْسَ عَلَيْكُرْ جُنَاحٌ أَنْ تَبْتَغُوْا فَقُلَّامِّنْ رِّبِّكُرْ ۚ فَاذَاۤ أَفَقْتُرْ مِّنْ عَرَفْ فَاذْكُرُ وَا اللَّهُ عَنْدَ الْبَشْعَرِ الْحَرَا } - وَاذْكُرُ وَهُ كَمَا هَاللُّهُ عَوْ إِنْ كُنْتُمْ مِّنْ قَبْلُهُ لَمِنَ الشَّالَّانِينَ ﴿
  - ثُرِّ ۚ أَفَيْفُوْ ۚ إِمِنْ حَيْثُ أَفَاضَ إِلنَّاسُ وَإِسْتَغْفُرُوا اللهُ وإِنَّ اللهُ
  - فَاذَا قَفَيْتُمْ مَّنَاسِكُمْ فَاذْكُوا اللهَ كَنْكُ كُمْ أَبَّاءَكُمْ أَوْ آَهَدَّ ذَكَّ إِ، فَمِنَ النَّاسِ مَنْ يَّقُوْلُ رَبِّنَاۤ أَتِنَا فِي الدُّنْيَا وَمَالَهُ فِي الْأَخْرَةُ مِنْ خَلَاقٍ @
  - وَمِنْهُرْ مِّنْ يِّقُوْلُ رَبَّنَاۤ أَتِنَا فِي الدُّنْيَا حَسَنَةً وَّفِي الْأَخِرَةِ حَسَنَةً وَّقِنَا عَذَ إِبَ النَّارِ ﴿

- ১০১। তাদেবই জনা (উভয়টিতেই<sup>\*</sup>) ব্যব্যন্ত একটি অংশ যা ভারা অর্জন কৰেছে ভাব কাৰণে। আৰু আলাত তিসাৰে দেও।
- ২০১০ একং ভোহতা গণনাযোগ্য কয়েকটি দিনে আবাহকে অবণ কৰ। তবে যে বাজি দ'দিনে তানাভাতি কৰে তাৰ জন্য কোন পাপ নেই আৰু যে ব্যক্তি বিলহ করে তার জন্যও কোন পাপ নেই, (উভয় অবস্থাতেই পাপ নেষ্ট্ৰ) সার মন্যা যে সার্জনহা অবলম্বন ববে। এবং ভোমবা ভারাহকে ভব কর এবং ভোনে রাখ যে, ভোমাদেরকে তাঁরই নিকে সমবেত করা হবে।
- ২০৪। আর মানুগের মধ্যে এমনও আছে যার কথা দুনিয়ার জীবনে তোমাকে মধ করে এবং তার হৃদয়ে যা আছে সে ব্যাপারে সে আল্লাহকে সাঞ্চী বানায়, অধ্বচ সে (তোমার) প্রচণ্ড বিরোধী।
- ২০৫। এবং যখন সে (তোমার কাছ থেকে) ফিরে যায় তখন সে পথিবীতে হ্যাসাদ সৃষ্টি করতে এবং ফল-ফসল ও (জীব-জন্তর) বংশ ধাংস করতে প্রচেট্টা চালার। আর আলার জ্যাসাদকে ভালবাসেন না।
- ২০৬, আর যথম তাকে বলা হয়, 'আলাহকে ভয় কর', তথম তার আন্দ্রসন্মান তাকে পাপ করতে প্ররোচিত করে, সুতরাং তার অন্য আহান্রামই যথেষ্ট। এবং কভই না নিকট এ বিশামন্তল।
- ২০৭। আৰু মানাধৰ মধ্যে এমনও আছে। যে আবাহৰ সমন্তি কামনাহ ভাৰ নিজকে বিক্রি (উৎসর্গ) করে দেয়। এবং আল্লাহ (এধরণের) বান্দাদের প্রতি অভনে স্রেছশীল।
- ১০৮। গতে যাবা ঈমান এনেছ! তোমৰা পৰিপৰ্ণভাবে<sup>\*</sup> ইসলামে প্ৰবেশ কর এবং শয়তানের পদাক্ষসমূহ অনুসরণ করো না। নিক্ষয় সে তোমাদের ত্রনা সম্পট্ট শক্ত।
- ১০১। আৰু যদি জোয়াদেৰ বাজে স্পষ্ট প্ৰয়াগদি আসাৰ পৰে ভোয়ৰা বিচাত হও তাহলে জেনে রাখ যে, আরাহ মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রজাবান।
- হাবেং ভাব আলাহবট দিবে সকল বিহয় হিবিয়ে নেয়া হবে। ২১১। বনী ইসরাইলকে জিফাসা কর, কত শাই নিদর্শন আমি ভাদেরকে দিয়েটি! আর যে আহাহর নিয়ামতকে পরিবর্তন করে ভার কাছে ভা
- ২১২। যারা কৃষ্ণরি করেছে তাদের জন্য দুনিয়ার বীবনকে সুসঞ্জিত করা হয়েছে, এবং তারা যারা ঈমান এনেছে তালেরকে ঠাটা-বিদ্রুপ করে। বিজ্ঞ যাবা ভাকওয়া জনগদন করেছে তারা কিয়ামতের দিন (মর্থাদায়) তাদের উপরে থাকবে। আর আল্লাহ যাকে ইঙ্গা করেন, বেহিসাব রিথিক দান করেন।

আসার পর, তবে (তার জেনে রাখা উচিত) নিশ্বয় আল্লাহ শান্তিদানে

- أُولَنْكَ لَهُرْ نَمِيْبٌ مِّمًّا كَسَبُوْا وَ اللهُ سَرِيْعُ الْعَسَابِ ⊕ وَاذْكُرُوا اللهَ فَي آيًّا ٢ مَّعْدُودت فَهَنْ تَعَجَّلَ فَي يَوْمَيْن فَلَا اثْمُ عَلَيْهِ ، وَمَنْ تَأَخَّهُ فَلَآ اثْرَ عَلَيْهِ ، لمَن اتَّقَى وَاتَّقُوا اللَّهَ
- وَاعْلَمُوا أَنْكُرُ الَّيْهُ تُحْشُرُونَ ﴿ وَمنَ النَّاسِ مَنْ يُعْجِبُكَ قَوْ لُدُفِي الْعَيْوِةِ النَّانْيَا وَيُشْهِدُ اللهُ عَلَى مَا فِي قَلْبِهِ وَهُوَ آلَدٌ الْحُصَامِ ﴾
- وَ إِذَا تَوَلَّى سَعْى فِي الْإَرْضِ لِيُفْسِدَ فَيْهَا وَيُهْلِكَ الْحَرْثَ وَ النَّسْلَ، وَ اللهُ لَا يُحتُّ الْفَسَادَ @
- وَ اذَا قَيْلَ لَهُ إِنَّقِ اللَّهُ أَخَذَتُهُ الْعَزَّةُ بِالْإِنْ فَعَشْبُهُ جَهَنَّهُ وَوَ لَبِئْسَ الْمِهَادُ @
- وَمِنَ ۚ النَّاسِ مَنْ يَشْهِ يْ نَفْسَهُ ۚ إِبْتَغَاءَ مَهُ ضَاتِ اللَّهُ ۗ وَ اللَّهُ رَءُوْنٌ ٰبِالْعِبَادِ ۞ يَّأَيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوا ادْهُلُوْ إِنَّ السَّلْرِ كَأَقَّةً ۗ وَ لِاَتَّبِّعُوْا
  - خُطُوٰتِ الشَّيْطِي ﴿ إِنَّهُ لَكُرْ عَدُوْمَبِينَ ۞ فَانَ زَلَلْتُهُ مِنْ بَعْدِ مَا جَآءَتُكُمُ الْبَيِّنْ فَاعْلَمُواْ أَنَّ اللَّهُ عَزِيْزَ مَكِيرٌ ﴿
- ২১০। তারা বি কেবল অপেক্ষা করছে যে, মেদের আডাল বেকে আগ্রাহ ডানের <sup>ক্রি</sup> ant re (क्वन चरान) कहर दर, त्यास्त्र चाझान त्यास्त्र जारामा है। कोर्ड चामरस्त्र अंतर (स्पतमजात्य) चामरत अंतर विकारी कामना हता है। الْمَلَّكَةُ وَقُفِيَ الْأَمْرُ وَإِلَى اللهِ تُرْجَعُ الْأُمُورُ فَ
  - سَلْ بَنِي اشْرَ الْثِيلَ كَرْ الْتَيْنَهُرْ مِّنْ الْيَهِ بِيِّنَةِ وَمَنْ يُبَدِّلْ نَعْمَةُ اللهِ مِنْ ابْعُد مَا جَاءَتُهُ فَانَّ اللهَ شَديُّدُ الْعَقَابِ @
  - زُيْنَ لِلَّذِيْنَ كَفَرُوا الْكَيْوةُ الدُّنْيَا وَ يَسْخُ وْنَ مِنَ الَّذِيْنَ أُمَنُو الرَّو الَّذِينَ اتَّقَوْ افَوْقَهُمْ يَوْمَ الْقَيْمَة ﴿ وَاللَّهُ يَوْ زُقُ مَنْ

يُّشَاءُ بِغَيْرِ حِسَابٍ @

২২৪। তোমনা কি মনে করেছ বে, তোমনা জাল্লাতে প্রবেশ করবে, অঞ্চ তোমানের উপর তোমানের পূর্বে বারো গত মহয়েছে তাগের অনুরূপ অবস্থা এখনত আন্দেদি তাগেরেক প্রকশিত করা হয়েছিল, অকলেনের নার বিশাদ দ্ববিশ্বত এবং তালেকতে এবলিতে করা হয়েছিল, অকলেনে রাজুল করে তার সাথে বারা ঈমনে এনেছিল তারা বর্গেল উঠেছিল, 'আল্লান্ড সাহত্যে কৰন আনকে' তেনে বার, নিকল আল্লান্ড বাহাত ক্রিকটবারী, নাহত্যে কৰন আনকে' তেনে বার, নিকল আল্লান্ড বাহাত ক্রিকটবারী,

২১৫। তারা তোমাকে জিল্লাসা করে, তারা কী ব্যয় করবেঁ। বল, 'উত্তম বা কিছু তোমরা বায় করবে তা পিতা-বাতা, 'আন্ট্রীয়-কজন, ইয়াতীয়, নিসকীন (অতাঝান্ত) ও সকল্মীন মুনাফিরের জন্য।' আর তোমরা বে উত্তম কান্তই কর সে সম্পার্কে নিস্কয় আছাত্র ভাগভাবে জ্ঞানে।

২১৬। তোমাদের উপর যুদ্ধ বিধিবছ (মতন) করা হল, অথক তা ভোমাদের কাছে অপছন্দনীয়, কিছু হতে পারে কোন কিছুকে তোমরা অপছন্দ করা, দ অথক তা তোমাদের অদ্য কল্যাপেক, আবার হতে পারে কোন কিছুকে হ ভোমান ভাগৰাক, অথক তা তোমাদের অন্য ক্ষতিকর। এবং আরাহা আদেন আর তোমরা বাদ না।

২১৮। নিন্দ্য যারা ঈমান এনেছে এবং যারা হিজবত করেছে ও আন্তান্ত্র পথে জিহাদ<sup>ক</sup> করেছে তারাই আন্তাহ্ব দরা প্রত্যাশা করে। এবং আন্তাত্ অভি ক্ষমাশীল ও পরম নবাবা। عَانَ النَّاسُ أَمُّةُ وَأَحِدُةً فَقِعَى اللهُ النَّبِينَ مُعَيِّدِينَ وَمُغَيْرِينَ مَ وَالْوَلَ مَعْمَرُ الْجَنْبِ اللَّهِ عَلَى اللهُ النَّبِينَ مُعَيِّدِينَ النَّاسُ فِينَا الْمُقَلِّقُوا فِيهُ وَمَا الْمُقَلِّفُوا فَهُو اللَّهِنَّ مُثَمَّا الْمُنْفَقِيلًا اللَّذِينَ الرَّيْنُ أَمْثُوا لِمَا الْمُقَلِّقُوا فِيْمِنَ اللَّهِنِّ مِثْمَا النِّينَّ مُنْ اللهُ اللَّهِنَّ أَمْثُوا أَنْفُونَ اللهِ اللَّهِنَّ اللهُ اللَّهِنَّ اللهُ اللهِنْقُونَ اللهِ اللهِنَّةُ اللَّهِنَّ اللهُ اللهِنَّ اللهُ اللَّهِنَّ اللهُ اللهِنْقُونَ اللهِ اللهُ اللهِنْقُونَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُونَ اللهُ اللهُ

آآحَسِمُ أَنْ تَدَمُّلُوا الْمَثَّةُ وَلَمَّا يَالِحُوْمُ عَلَى الْدَيْنَ مَلُوْا مِنْ قَلِمُ مَعْتَمُ الْلِمَامُ وَالْمَرَّا وَالْمُوَّا وَذُلُولُوا حَتَّى يَعُولُ الرَّسُولُ وَالَّذِيْنَ امْتُوا مَعْمَمُ مَنْ مَمْ اللَّهِ وَالَّذِينَ امْتُوا مَعْمَمُ مَنْ مَمْ الله تَمْ اللهُ قَيْنَ ﴿

رُ الآفَرُ بِينَ وَالْيَعْفِي وَالْبِي السَّبِيْلِ، وَمَا تَفَعَلُواْ مِنْ السَّبِيْلِ، وَمَا تَفَعَلُواْ مِنْ مِنْ غَمْرٍ فَانَّ اللهَ بِهِ عَلِيْرٍ فِي كتب عَلَيْثُمِ الْفَتَالَ وَهُوَ شُرِقًا لَضُّ وَتَسَى انْ تَضَرُّهُمْ الْمَنْ غَيْثًا وُهُوَ غَيْرٌ لَكُنَّ وَكُنِّي انْ تُحَبِّواْ فَيْثًا وْهُوَ مَنْ الْكُنْرِ ! غَيْثًا وُهُوَ غَيْرٌ لَكُنْ وَكُنِّي انْ تُحْبُّواْ فَيْثًا وْهُوَ مَنْ الْكُنْرِ !

يَشْتُلُوْ نَكَ مَا ذَا يُنْفَقُونَ هُقُلْ مَاۤ ۚ إِنْفَقْتُمْ مِّنْ كَيْهِ فَللُوَ الدَيْنِ

وَ اللهُ يَعْلَى وَ اَلْثَنِ اَرَاقِيْنَ وَاللّهِ عَلَى وَ اللّهِ الْمِرَا وَقَالَ فِيهُ عَلَى اللّهِ الْمَرَا وَقَالَ فِيهُ عَلَى قَالَ فِيهُ عَيْرِ" وَرَحْدُ وَلِهُ وَالْمُسْجِدِ الْفَرَا) وَ وَرَحْدُ وَلِهُ وَالْمُسْجِدِ الْفَرَا) وَ وَرَحْدُ وَلِهُ وَالْمُسْجِدِ الْفَرَا) وَ وَالْمُسْجِدِ الْفَرَا) وَ وَالْمُسْجِدِ الْفَرَا) وَ وَالْمُسْجِدِ الْفَرَا) وَ وَالْمَدُونَ وَالْمِنْدُ وَالْمُرْمِينَ الْفَرْوَ، وَالْمَلْفِينَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُونِ وَالْمُسْجِدِ الْفَرَا) وَ السَّقَاعُ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُرِينَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُرِينَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُورُونَ وَالْمُلْهُمُونَ النَّارِ مُنْ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُورُ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُلْدُونَ وَالْمُونَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُونُ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُونُونَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُولُونَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُرْدُونَ وَالْمُولُونَ وَالْمُولُونَ وَالْمُولُونَ وَالْمُولُونَ وَالْمُولُونَ وَالْمُنْدُونَ وَالْمُولُونَ وَالْمُولُونَ وَالْمُولُونَ وَالْمُولُونَا وَالْمُولُونَ وَالْمُولُونَ وَالْمُولُونَ وَلِلْمُولُونَ وَالْمُولُونَ وَلِلْمُولُونَا وَالْمُلْمُونُ وَلِهُ لِلْمُعِلِيْنِ لِلْمُولُونَ وَلِهُ لِلْمُولُونَا وَالْمُلْمُونُ وَلِهُمُونُ لِلْمُلْمُونُ وَالْمُونُ وَالْمُونُ وَلِهُ لِلْمُعِلِي لِلْمُلْمُونُ وَالْمُولُونُ وَلِهُ

إِنَّ الَّذِيْنَ أَمَنُوْا وَالَّذِيْنَ هَاجَرُوْا وَجْمَدُوْا فِي سَبِيْلِ اللهِ • أُولِنَّكَ يَرْجُونَ رَحْمَنَ اللهِ • وَاللهُ غَفُورٌ رَّدْعِيْرٌ ۞

- ২১৯। তারা তোমাকে মদ ও জুরা সম্পর্কে জিঞ্জাস করে। বল ু'এ দু'টির মধ্যে রয়েছে গুরুত্বর পাপ ও মানুযর জনা হিছু উলগাঁরিকা, কিবু একলোর উপবার্গিনার সেরে একলোর পাপ আহিন বড়া' এবং পার। কেমাকে জিঞ্জানা করে, 'তারা জী বায়া করবে। 'বল, 'বেরোজানেন) অভিবিক্ত যা ধাকে। 'এতাবেই আহাম (আমানের ক্রম) আজনাক্র স্কার্য করিব পরিনা করেন দায়ে ক্রমেনা তিরা সকরে পানা
- ২২০ পুনিয়া ও আধিবাত সম্পর্কে: আর তারা তোমাকে ইয়াতীমানের সম্পর্কে জিজাসা করে। ববা, "তাগের জন্য কল্যাণ করাই উজ্জা।" এবং বাদী তোমারা ওাকাল সাকে বৌজ্ঞানাকে, তারেণে করা তোমানকেই ভাই। এবং কল্যাপকারী থেকে (অর্থাং বিপরীতে) অনিক্রমারী কে তা আটাক জানো আর বাদী অন্তার ইছা করেনে তাহেল করাত বিদ্যালয়ক করে কেনেকে পারতেন। দিখা জন্মার ক্রমান্ত্রকার করাকার বিদ্যালয়ক
- ২২) তাৰে লোহা মুখনিৰ ভাবিলেকে বিয়ে কৰে না, হজাপ পা ভাৱা চিন্তা আনে এক ফৰাৰ্য একজন মুহিনাৰ নাই একজন (পাৰিন) মুখনিক নাইল তেন্তা উল্লেখ নাইল এক কাৰ্যালিক স্থালিক কাৰ্যালিক কা
- ২২২। এবং থালা কোমাকে মানিক বেজন্মান সম্পর্কে বিজ্ঞানা করে। বল্ ত্রী একটি কট ব্যক্তিকা করেন্দ্র), সুরবাং কোমা মানিকের সময় প্রীলের থেকে পুথক থাক এবং (উপত্যোগের উদ্দেশ্য) আদর নিকটারী হয়ো মা বঙকপ মা আরা বিজ্ঞান মহা, অভাগের বংকা এবং পরিত্র হয়ে মাত একে আনের কাছে মাত বোজাবে আরাই কোমাকর নির্বাচন পিরামেন। নিকলা আরাহা ওঙবালালীকেকে ভালবানেন এবং বিনি পরিজ্ঞান আরাহারীকারেন ভালবানেন।
- ২২০। তোমাদের রীরা তোমাদের জন্য পদ্যক্ষেত্র। সুতরাং তোমরা গেডাবে ইছা কর তোমাদের পদ্যক্ষেত্র গমন কর এবং তোমরা তোমাদের নিজ্ঞাদের জন্য অনু গাঠাও (অর্থং ছত্তরাব অর্জন কর) এবং আন্নাহকে তন্ত্র কর, এবং জেনে রাখ, তোমারা তার বাথে সাক্ষাৎ করাব। আরা কে মধী। মীমাদেরকে সাক্ষবান দাও।
- ২২৪। আর পূণ্য কাজ করা, তাকওরা অর্জন করা ও মানুবের মাঝে আপোহ-নিশারি করে দেয়া থেকে বিরত থাকতে তোমরা আচারকে তোমদের কসমস্থিত জন্য চাল বানিও না। এবং আরাহে সর্বশ্রোতা গ সর্বস্কানী।
- ২২৫। তোমাদের অসার কসমের ব্যাপারে আল্লাহ তোমাদেরকে পাকড়াও করবেদ মা, কিছু তিনি তোমাদেরকে পাকড়াও করবেদ সে (কসমের) কারণে যা তোমাদের হুদার অর্জন করেছে। আর আল্লাহ অতি ক্ষমাশীদ প্র পরম সম্মন্ত্রীগ
- ২২৬। যারা ভাদের প্রীদের সাথে 'ইলা' (সুহরাস না করার কসম) করে ভাদের জন্য রয়েছে চার মাদের প্রতীক্ষাঁ, অতঃপর যদি তারা ফিরে আসে, তবে নিন্দর আন্তান্ত অতি কমাশীল ও পরম দয়ালু।

২২৭। আর যদি তারা তালাকের<sup>\*</sup> সংকল্প করে, তবে নিশুর আল্লাহ্ সর্বশ্রোতা

يُشْتُلُونَكَ فَي الْغُنُورَ الْغَيْوِرِ، قُلْ فِيْهِآ الْرِّ حَيْرِزَّ رَهْمَائِحُ لِلنَّاسِ، وَ الْهُهُمَّا آَكُبُرُ مِنْ تُقْعِهِا ، وَيُشْتَلُونَكَ مَا وَا يُنْفِقُنَ فَكُلِ الْعَفَّوَ، كَذَٰ لِكَ لِبَيِّنَّ اللَّهُ لَكُمُ الْأَلِبَ لَعَلَّكُرُ تَنَسُّرُونَ ﴾

تَعَشَّوُونَ ﴾ في الثَّنْهُ وَإِنْ أَيْضًا لِلْأَوْنَ فِي مُثَلِّوْنَكُ مِّنِ الْيَغْنَى، قُلْ إِمْلاحٌ الْمُرْ خَيْرٌ وَإِنْ ثَمَّا لِطُوْمُرْ فَاغْوَالُصُّرُ ، وَاللَّهُ يَعْلَرُ الْمُنْسَدَىنَ الْتُصْلِحِ، وَلَوْضَاتُ اللَّهُ لِاعْتَصَمْرُ، إِنَّ اللَّهُ تَوْثِقَ حَكِيْرٌ ۞

وَالاَنْدُهُوا الْمُشْرِدُنِ مَثْنَ بَكُونَ وَلاَنَّةُ مُّوْمَنَّ مُثَوِّنَ مَثْنَ مِنْ مَثْنِ مُؤْمِنَ وَلاَن مَنْ مُشْرِكُولُ لُوا أَحْدِيْنَ وَالْمَنْدِيْنِ مَثْنِي وَالْمَنْدِينِ مِنْ مُثَالِقًا لِمَا اللّهُ وَمِنْ مَث يُوْمُونُ إِنْ النَّانِ وَاللّهَ مِنْ مُثَالِقًا إِلَّى المِنْقِقِ المُغْفِرِ وَاللّهِ مِنْ مُثَالِقًا إِلَى المُثَالِقِ وَالْمُغْفِرِ وَاللّهَ اللّهِ اللّهُ اللّهِ اللّهِ اللّهُ اللّهِ اللّهُ اللّهِ اللّهُ اللّهِ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللللللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللللللّهُ اللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللللّهُ

وَيَشْغَلُونَكُ عِنِ الْمَحِيْمِ، فَلَ هُو آدَى، فَاعْتَوْ لُوا النَّسَآء في الْمَحِيْمِ، وَلَاَقْرُبُومُنَّ مَثْنِ يَطْهُرَى، فَإِذَا وَمَهُّرِنَ فَالْوُهُمُّ مِنْ مَيْمُ أَمَرُكُمُ اللَّهُ، إِنَّ اللَّهُ يُحِبُّ النَّوْ اِبْنِيَ وَ يُحَّى الْمُعَلِّقِ لَنَيْ فِي

نضَّاَوُّكُرْ مَرَّفٌّ لَّكُرْ َ فَا لَوْا مَرْفَكُرْ اَقْ هَفْتُرْ اوَقَلَّهُوْ ا لِاَنْفُكُرْ وَاقَّوْ اللهُ وَاعْلَمُواْ اَلَّكُرْ مُلْقُوْهُ، وَيَقْرِ الْفُوْمِيْنَ ﴿

وَلاَتَجْعَلُوا اللّٰهَ عُرْفَةٌ لِآيَمَا لَكُرْ اَنْ تَبَرُّوْا وَتَتَقُّوا وَتَمَلِّحُوا بَيْنَ النَّاسِ، وَ اللهُ سَيِّمَعٌ عَلَيْرٌ ⊕

لَايُوَّا خِذُكُنُ اللَّهُ بِاللَّغْنِ فِيَّ آيَمَا نِكُرْ وَ لَكِنْ يَوَّا خِذُكُرْ بِمَا كَسَنْ قُلُوبُكُرْ ۚ وَاللَّهُ غَفُورْ كَلِيْرٌ ۞

لِلَّذِيْنَ يُؤُ ثُوْنَ مِنْ تِّسَالِهِرْ تَرَبَّصُ ٱ رَبَعَةِ آهُمُوٍ ۚ فَانْ فَاءُوْ فَاِنَّ اللهَ غَفُوْرٌ رَّحِيْرٌ ۞

وَ انْ عَزَمُوا الطَّلَاقَ فَانْ اللهُ سَمِيْعٌ عَلَيْرٌ ﴿

- ১১৮: স্বাব ভালাব্রপাধারা নিমটি মানিক (পর্যাত্র) ভালের মিকামবলক (নিয়ে कराव करा) शरीकार वाचार्य । अंक जामन करा डालाल स्वा त তাদের পর্তাশয়ে আলার যা সঙ্কি করেছেন তা তারা গোপন করবে যদি তারা আলাত ও আহিবাপের দিয়ের প্রতি ইয়ার এনে গ্রাক্ত। এক फारबर कावील . अ प्रथम जानकरक विकित्त (उतांत कविक कवांत वार् তারা আপোষ-নিম্পত্তি করতে চায়। এবং তাদের (স্ত্রীদের) ন্যায়সঙ্গত অধিকাৰ ব্যয়েছে যেমন ভালেৰ (সামীদেব) অধিকাৰ ব্যহাৰ ভালেৰ অধিকার রয়েছে যেমন তাদের (সামীদের) অধিকার রয়েছে তাদের 🕻 (র্রীদের) উপর। আর পুরুষদের জন্য তাদের (অর্থাৎ নারীদের) উপর। একটি মর্যাদা<sup>®</sup> রয়েছে। এবং আল্লাহ মহাপ্রভাপশালী ও মহাপ্রজাবান।
- ১১৯। তালাক দ'বাব<sup>\*</sup>। অতংপর (চয়) সমরভাবে বেগে দেয়া ভথবা সম্পরভাবে মক্তি সেরা। এবং তোমাদের জন্য হালাল নয় যে, তোমরা ভাদেরকে যা নিয়েছ তা থেকে কোন কিচ (ফেবত) নিয়ে নিবে এচান যে, তারা দু'জন (খামী-রী) আশংকা করে যে, তারা দু'জন আল্লাহর (নির্ধারিত) সীমা<sup>®</sup> বালার বালাক পারার না। আর হানি সোমবান আশংকা কর যে, তারা দ'জন আধাহর (নির্ধারিত) সীমা বস্তায় রাখতে পাব্যর মা ডাহলে সে (ম্বী) যার বিনিময়ে<sup>®</sup> মন্তি লাভ করে ভাতে ডাদের দ'জনের বোন অপবাধ নেই। এলালা আলাহর (নির্মানিম) সীমা, সভরাং এগুলো লক্ষন করে। না। এবং যারা আলাহর (নির্ধাবিত) সীয়া লক্ষন কবে তাবাই জালিয়।
- ২৩০। অতঃপর যদি সে তাকে (ভঙীয়বার) তালাক দেয়, ভাহলে এরপরে সে (রী) তার জন্য চালাল নয় যে পর্যন্ত না সে তাকে চাচা জন্য এক স্বামীকে বিয়ে করে<sup>®</sup>। অভঃপর যদি সে (ছিতীয় স্বামী) ভাকে ডালাক দেয় ভারলে দ'জন প্রস্পাবের দিকে স্থিবে আসাহ জাদের বেনে অপরাধ দেই যদি তারা মদে করে যে, তারা আন্তাহর (নির্ধারিক) সীমা বজায় রাখতে পারবে। এগলো আলাহব (নির্ধাবিত) সীমা যা আলাহ শ্বিষ্ঠভাবে বর্ণনা করেন এমন সম্প্রদায়ের জন্য যারা জানে।
- ২৩১। আর যখন ভোমরা প্রীদেরকে তালাক দিয়ে দাও এবং তারা তাদের নির্দিষ্ট সমায় পৌছে (অর্থাৎ ইন্দ্রত পর্যন্ত) তথন তাদেরকে (হয়) সন্দরভাবে রেখে দাও অথবা সন্দরভাবে মকি দাও এক ভাদেরক ষ্ণতির উদ্দেশ্যে সীমালজন করার জনা আটকে রেখো না। আর যে তা কবৰে সে তাৰ নিজেৰ ওপৰ জলম কৰৰে। এবং আলাহৰ WINDOWS WHEN BOARD AND AND AND CARDINA BOARD অবতীর্ণ করেছেন হার মাধ্যমে ডিনি ভোমানেরকে উপাদেশ দেন জা পরণ কর। এবং আল্লাহকে ভয় কর এবং জেনে রাখ যে, আল্লাহ সর কিছ সম্পর্কে ভালভাবে প্রানেনঃ
- ২৩২। আর যথন ভোমরা ব্রীদেরকে ভালাক নিয়ে দাও এবং ভারা ভাদের নিৰ্দিষ্ট সময়ে পৌচে (অৰ্থাৎ উদ্ধন্ত শেষ কং), তথন আনৱাৰ বাধা দিও না যে, তারা বিয়ে করবে তাদের (পছস্মত) স্বামীদেরকে হথম তারা তাদের মধ্যে বিধি মোতাবেক বাজি করে। এব দ্বারা ভাতে উপদেশ দেয়া হক্ষে, যে তোমাদের মধ্য থেকে আল্লাহ ও অধিরাতের দিনের প্রতি ঈয়ান আনে। এটি তোমাদের জন্য পরিস্কৃত্য ও পরিপ্রতম (পদ্ম)। এবং আছাত জানেন ভাব ভোহৰা জান না

وَالْمُطَلِّقْيُ يَتَ بِعْنَ بِعَنْ بِأَنْفُسِيَّ ثَلْمُتَهُ أُوْءٍ ۚ وَلَا يَحِلُّ لَهُنَّ أَنْ نَكْتُمْنَ مَا خَلَقَ اللَّهُ فَيْ أَرْحَامِهِنَّ إِنْ كُنَّ يُؤْمِنَّ بِاللَّهِ وَالْيَوْ ﴾ الْأَخِ ، وَبُعُوْ لَتُهُنَّ أَحَقُّ بِوَدِّهِنَّ فَي ذَٰ لِكَ أَنْ أَرَادُوٓۤ الْمُلَاحًا ﴿ وَلَهُنَّ مِثْلُ الَّذِي عَلَيْهِنَّ بِالْمَعْرُونِ، وَ لِلرِّجَالِ عَلَيْهِنَّ إِ دَرَجَةُ وَ اللَّهُ عَنْ يُ حَكِيرٌ ﴾

ٱلطُّلَاقُ مَوَّ ثَن ۗ فَامْسَاكُ ٰ بِمَعْرُونِ ٱوْتَشُويْرُ لِلْمُسَانِ -وَلَا يَحِلُّ ، لَكُ ۚ ۚ إَنْ تَأْخُذُواْ مِمَّا ۚ أَتَيْتُمُوْهُنَّ هَٰيْمًا الَّا آنَ يَخَافَآ أَلَّا يُقَيِّمَا مُدُودَ اللهِ فَانْ حَفْتُمْ ۚ أَلَّا يُقَيِّمَا مُدُودَ الله فَلَامُنَا حَ عَلَيْهِمَا فَيْمَا إِفْتَدَتْ بِهِ، تِلْكَ حُدُودُ إِللَّهُ فَلَاتَعْتَدُوهَا، وَمَنْ يَتَعَدُّ مُدُودَ اللهِ فَأُولَٰ لَكُ هُمُ الظُّلُمُونَ ﴿

فَانْ طَلَّقَهَا فَلَاتَحِلُّ لَهُ مِنْ بَعْدُ حَتَّى تَنْكِرَ زَوْجًا غَيْرَةً • فَانْ طَلَّقَهَا فَلَاجُنَاحَ عَلَيْهِمَا ٓ أَنْ يُّتَرَاجَعَاۤ أِنْ ظُنَّاۤ أَنْ يُّقْيِمَا حُدُودَ الله و تَلْكَ حُدُودُ الله يُبَيِّنُهَا لَقَوْ ٢ يَعْلَمُونَ ⊕

وَ إِذَا طَلَّقْتُرُ ۗ النَّسَاءَ فَبَلَغْنَ آجَلَهُنَّ فَأَمْكُوْهُنَّ بِمَعْرُوْنِ أَوْ سَرِّ مُوْهُنَّ بِمَعْرُوْفِ ﴿ لَا تُمْسِكُوْهُنَّ ضِرَارًا لِّتَعْتَدُوا ، وَمَنْ يَتْفَعَلُ ذُ لِكَ فَقَدُ ظَلَيَ نَفْسَهُ، وَ لَاتَتَّخِذُوا أَيْتِ اللهِ هُزُوا وَ أَذْكُ وَا نغَمَتَ الله عَلَيْكُرُ وَمَا آنُونَلَ عَلَيْكُرُ مِّنَ الْكَتْبِ وَالْحَكْمَةَ عَلَيْكُمْ وَهِيَّا المُعَامِّ عالمَامِيَّا الله عَلَيْكُرُ وَمَا آنُونَلَ عَلَيْكُرُ مِّنَ الْكَتْبِ وَالْحَكْمَةَ عَلَيْكُمْ وَهِيَّا المُعامِ يَعظُكُمْ بِد، وَ اتَّقُوا اللَّهَ وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ بِكُلِّ هَنَّ عَلَيْ ۖ فَي

> وَ إِذَا طَلَّقْتُمُ ۗ النِّسَاءَ فَبَلَغْنَ آجَلَهُنَّ فَلَاتَغْضُكُ هُنَّ أَنْ يَنْكَهُنَّ اَزْوَاجَهُنَّ إِذَا تَرَامَوْ إِبَيْنَهُمْ بِالْمَعْرُونِي، ذَلِكَ يُوعَظُّ بِمِمَنْ كَانَ مِنْكُرْ يُؤْمِنُ بِاللهِ وَالْيَوْ } الْأَخِ ؛ ذَٰ لَكُرْ أَزْكَى لَكُرْ وَ اَطْهَ ، وَ اللهُ يَعْلَمُ وَ أَنْتُمْ لَا تَعْلَمُونَ ﴿

২০০০ যাত্ৰ মাহোৰা আচৰা সক্ষান্তমানত পুৱাৰ মুখিক মুখ পৰা কৰাকে যাত্ৰ সন্ধান পুনিছ কুখা কৰাকে হয়। কৰাক ইয়া এই পাৰ পুনিছ কুখা কৰাকে হয়। কৰাক ইয়া এই পাৰ সুক্ষা আৰু কৰাক হয়। কৰাকে কাৰ্য্য কৰাকে হয় কৰাকে কাৰ্য্য কৰাকে কাৰ্য কৰাকে কাৰ্য কৰাকে কাৰ্য কৰাকে কাৰ্য কৰাকে কাৰ্য কৰাকে কাৰ্য্য কৰাকে কাৰ্য কৰাকে কাৰ্য কৰাকে কাৰ্য কৰাকে কাৰ্য কৰাকে কাৰ্য কৰাকে কাৰ্য কৰাকে ক

২০৬। তোমালের কোন অগরাধ নেই, যদি ভোমরা প্রীনেরতে তালাক দাও যালেরতে ভোমরা শর্পা কর্মনি করবা আনের ছলা বেন নির্বাহিত প্রপ্রে (মারেলা) নির্বাহণ কর্মনি। কিছু (এ ক্ষেত্র) ভামেরতে (তালাক প্রপর্কর) (ক্রাপান্যাম্মী লাও, সক্ষা ব্যক্তির উপর ভার সাধ্যমত এবং অসম্ভা ব্যক্তির উপর ভার সাধ্যমত ন্যামেসক ভোগান্যাম্মী (প্রধান করা কর্মন্ত), এই সক্ষর্পপন্নায়ার্কে উপর কর্মন্তর

২৩৮। তোমরা সালাতসমূহের (নামাযসমূহের) প্রতি এবং (বিশেষ করে) মধ্যবর্তী সালাতের প্রতি যতুরান হও, এবং আল্লাহ্র (সর্ক্টির) জন্য একাম জনগত অবস্থাম দীভাও।

وَالْوَالِدَتُ مُرْمِعْنَ أَوْلَاهُمْ حُولَتِي عَامِلْيِنِ لِمَنْ أَلَاهُ أَنْ يُوْمِنَّ أَلِهُ مَا أَذَوْ كُورُ وَلَقُورُ وَعَلَيْنِ لَمِنْ أَلَاهُ أَنْ يُجِمُّ الْخَوْدُونِ وَخَوْلُوهُمْ أَنْ أَنْ يُجْرُونِ الْأَصَافَى نَقْمَ الْأَرْمَتُهِمْ الْمُوْلَقِيدُ الْأَصَافَى نَقْمَ الْأَرْمَتُهُمْ الْمُوْلِيدِةُ لَقَارُوالِيدِهُ لَلْكَ اللّهُ عَلَيْهِمَا أَنَّ اللّهُ عَلَيْهُمَا أَنَاهُمُ اللّهُ عَلَيْهُمَا أَنَّ اللّهُ مَنْ أَنَّا لَا يَعْرُونُوا أَلَاكُوا اللّهُ وَإِنْكُمْ لَلْكُمْ مَلْكُولُونِ مَنْ اللّهُ مُولِيقًا أَلَاكُوا اللّهُ وَإِنْكُمْ لِللّهُ اللّهُ وَإِنْكُوا لِللّهُ مِنْ اللّهُ اللّهُ وَإِنْكُوا اللّهُ وَإِنْكُوا اللّهُ وَالْمُعْلَى اللّهُ وَالْمُلْوَى اللّهُ وَالْمُلْوَى اللّهُ وَالْمُلْوَى اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَالْمُلْوَى اللّهُ وَالْمُلْوَى اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَلَاللّهُ اللّهُ وَلَيْمِيالًا لِللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ لَلْكُولُونُ وَلَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَلَمْ اللّهُ ولَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ لَمْ اللّهُ اللّهُ وَلَمْ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ

وَالَّذِينَ يَتُوَقُّوْنَ مَنْكُرْ وَلَدُّرَيْنَ أَرْوَاجًا ثَتُوَقِّمْنَ بِالنَّسِيِّ أَنْ يَعْ أَشْهُ وَعُنْرًا فِقَادًا لِغَنْ أَخَلُوا أَخَلُوا فَلَكُمْنَا عَلَيْكُمْ فِينَا فَعَلَىٰ فَأَنْكُونِ فَالْمَالِّفُونِ وَاللهِ فِينَا تَعْلَيْنِ فَيْرِوْ وَلَانِينَ أَنْفُونِ لِلْعُرُونِ وَاللهِ فِينَا تَعْلَيْنِ لِمُنْفِيرِ فَي

وَلَهُمَا عَلَيْكُمْ فِهَا عَقْضُ فِيها عَقْضُ بِينِ عِطْبَةِ البِنَّاءِ الرَّائِنَيْنَ فَي الْلَهِمْ مَلِي اللهُ أَنْسُ سَنْدُورُونَا وَلَى الْأَوْرَا عِدْوَنَ فِي الْلَهِمْ مَلِي اللهِ الْمُعْرِوْنَا وَلَا اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِلْمُلْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الله

لاَجْمَا تَعَلَيْكُرُ إِنْ طَلْقُتُرُ النِّسَاءَ مَا لَرْ تَمَّوُّهُمَّ اَوْتَقَوْهُوا لَهُنَّ لِيَشَاقُ وَيَنْتَكُونُهُ فَي الْمُؤسِقِ قَدْرُقُونَيَّ الْمُلْتِوقَدُرُهُ مَمَّامًا بِالْمُعُورُونِ، مَثَّا فَي الْمُخْسِينَ ﴿

رَإِنْ طَلَقْتُمُوهُمْ مِنْ قَبْلِ إِنْ تَمَسُّوهُمْ وَقَدْ فَرَهُثِرَ لَهَنْ قَوِيْمَةً قَدِيْهُمْ مَا وَهُمْرَ إِلَّانَ الْبَثَوْنَ اَوْيَعْفُوا الَّذِي يَعِنْهِ عُقْدَةً النِّظَاحِ وَأَنْ تَعَفُّواۤ أَقْرُبُ لِلشَّوْنِ، وَلَاتَسُواْ الْفَضَّلَ بَيْنَكُرُ وَإِنَّ اللَّهِ بِمَا تَعْفُونَ اَحِيْرٌ ﴿

منظُوا عَلَى الصَّلَوٰتِ وَالصَّلوةِ الْوُسْطَى و قُوْمُوْ اللهِ قُنتينَ @

একান্ত অনুগত অবস্থায় দাঁড়াও। \* চিজিন আলল বীকা সতা নঃ " আবাত নং অনসাৰে ভবজমান শেষে দেখন

- ২৩৯। কিছু যদি তোমবা (আক্রান্ত হওয়ার) আশংকা কর তার্লে পদচারী অথবা আরোহী অবস্থার (মালাত কারেম কর), অতঃপর বখন দিরাপদ হও তথন আল্লাহকে স্বরুপ কর (সালাত কারেম কর) যেডাবে তিনি তোমাদেকত শিক্ষা (মিরাজন যা তোমারা কারতে না
- ২৪০। আই তোমানের মধ্য থেকে মধ্য মুক্তরবণ করের এবং রীপেরতে রেয়ে যাবে, তারা ভাবের রীপের জন্য প্রদীয়ত করে যাবে (ভাকেনতে) এক বাব পর্বত ক্রোভানামী নিজে (খন থেকে) কে না করে, করে মদি ভারা (শিক্তারী) বের বার মার ভারতে কারা নিজেনের প্রাণারে নাাসকভাবার কাই কুকত ভাবে তানানের কাল মুক্তার্যকর আহার্য মহাপ্রভাগশালী ও মহাধাঞ্জারন।
- ২৪১। আর ডালাকথাক্স নারীদের কন্য ন্যায়দক্তভাবে (ডালাক পরবর্তী) নি জেগ্যসাম্মী দেয়া মুন্তাকীদের উপর কর্তব্য।
- ২৪২। এতাবেই আল্লাহ্ তোমাদের জন্য তাঁর আয়াতসমূহ স্পটভাবে কর্বনা । করেন, যাতে তোমরা অনুধাবন করতে পার।
- ২৪০। ছবি বি (বাঁ) ইনারাদন সম্প্রদারস্থাত । তানেবকে কেবদি, রারা (জিয়ানের নির্দেশ আসার গর) মৃত্যুত তবে তানের আবাসসমূহ থেকে (গালিয়ে) বের বরে লিয়ােছিল, অবচ তারা হিল হাজার ১৯লায় অতথার আছাত্ব তাসের বলালেন মাতে হাত, এবগর তিনি তালেরকে ভাতিক কবলেনে নিস্কুছ আছার মূল্যের এতি অবশাই অনুমূহনীল, কিছু অধিকাংশ মানুহ কৃতজ্ঞতা এবলান বরে না।
- ২৪৪। আর তোমরা আল্লাহর পথে যুদ্ধ কর এবং জেনে রাগ যে, আল্লাহ্ সর্বশ্রোতা ও সর্বজ্ঞানী।
- ২৪৫। এমন কে আছে, যে আল্লাহনে কর্ম্ম লিবে- কর্মে হাসানাঃ তাহকে তার জন্য তিনি তা বহু ৩৭ (বৃদ্ধি) করে দিবেন। আর আল্লাহই (রিফিক) সংস্কৃতিক করেন এবং প্রসায়িত করেন এবং তারই দিকে তোমাদেরকে ক্রিয়ানে পায়া রব।
- 486) प्राप्त पर पृष्टि है भी रिकालिय स्थानस्यार राजिन प्रभंत वाता प्राप्त स्थानस्थ्रित प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्थानस्थ्र प्राप्त स्थानस्थ्रित स्थ्रित प्राप्त प्राप्त स्थ्रित स्थ्रित है जा स्थ्रित स्थ्रित है अपने स्थानस्थ्रित स्थ्रित है अपने स्थानस्थ्रित स्थ्रित है अपने स्थानस्थ्रित स्थ्रित है अपने स्थानस्थ्रित स्थ्रित स्थ्रित प्राप्त प्राप्त स्थ्रित स
- ২৪৭। এবং খানাক বাহী তালেকে বন্যাহিন, দিখা খালুৱা কোনাক জন্য উল্লেখ্যক বাহিন কোনা খালুৱা বাহীনিক আবাহাক উপৰ ভাষ মাজু হবে, অন্ত আধার প্রকাশ কোনা অভি হবলা, এবং আকে দা-শালাক ৱাহুৰিল পোনা হান্দি। 'ল দেশী পালাইন, দিখাৰ আহাব কোনাক বাহুৰিল পোনা হান্দি।' ল কোনো কালাক বাহুৰিল কোনাক বাহুৰিল কোনাক বাহুৰিল কোনা কালাক আহাব বাহুকে ইন্দ্ৰ কৰেল ভাই বাহুকে দানা অৱন্য এবং আহাব কৰিবালী এক কালাক বাহুকি কালাক কালাক বাহুকি কালাক কৰিবালী এক কালাক বাহুকি কালাক কালাক বাহুকি কালাক

كَمَّا عَلَيْكُرُ مَّا لَرَكُولُواْ تَعْلَمُونَ ۞ وَالِّذِينَ يُتَوَفِّنَ مِنْكُرُ وَيَنَّ رَزُن اَرْوَا جَالَّا فِي الْآنِيكَ الْآوَا فِي الْآنِيكِ فَتَاعًا إِلَى الْشُولِ عَيْمُ إِخْرَاءٍ عَلَى خَرْمُهُ فَلَاجُكُما عَلَيْكُمْ (مُعَنَّعًا عَلَيْ الْشُولِ عَيْمُ إِخْراءِ عَلَى خَرْمُهُ فَلَاجُكُما عَلَيْكُمْ الْعَجْمُا عَلَيْكُمْ الْمُ

فَانْ حَفْتُمْ ۚ فَ جَالًا أَوْ رُكْبَانًا ۚ فَاذَّاۤ أَمِنْتُمْ ۗ فَاذُّكُوا اللَّهَ

فِي مَا فَعَلَنَ فِي أَنْفُسِ مِنْ مِفْرُونِ وَ اللهُ عَزِيزُ حَكِيرٌ ﴿
وَ لِلْمُطَلِّفِ مِنَاعٌ بِالْمَهُرُونِ مِثَّالًا مِنَّا الْمُعْفِينَ ﴿
وَ لِلْمُطَلِّفِ مِنَاعٌ بِالْمَهُرُونِ مِثَلَّا مِنَّا الْمُعْفِينَ ﴿
وَ لِلْمُطَلِّفِ مِنَاعٌ بِالْمَهُرُونِ مِثَّلًا مِنْ الْمُعْفِينَ ﴿

كَذَا لِكَ أَنْدِينَ أَهُمُ أَيْدِهِ لَعَكَمْ تَغْفِرُونَ فَى إِنْرَوْتِ فَقَالَ لَهُمُ الشَّمُونُوا مِنْ يَعْلَى وَهُرْ أَكُونُ حَدَّرَ الْمُوْتِ فَقَالَ لَهُمُ الشَّمُونُوا مِنْ أَنَّا عَلَيْهُمُ أَنَّ اللَّهُ لَكُونُ قَفْلِ فِي النَّاسِ وَلَيْنَ أَخْتَرَا النَّاسِ لَيْشَعُرُونَ ﴿ وَقَالَوْلِ فِي سَبْلِ اللَّهِ وَاعْتُواْ أَنَّ اللَّهِ مَنْ الْمُنْسَعِمْ عَلَيْنَ ﴿

ر الدين يندون الشرك الشركة وأما يستنا وتمليقات لذّ المتعاقبا من ورايد الدين المتعاقبا المتعاقبات ا

قَالَ هَلْ عَسَيْتُمْ إِنْ كُتِي عَلَيْكُمُ الْقَتَالُ ٱلَّا تُقَاتِلُوا ا

قَا لُوْا وَمَا لَنَا ٱلاَّ لَقَالِكَ فِي َسِيْلِ الشُّوقَدُ الْفُرِهُمَّا مِنْ دِيَا لِنَا وَإِلْمَالِكَ، فَلَمَّا كُتِبَ عَلَيْهِمُ الْفَعَالُ ثَوَلُوْا إِلَّا فَيْلِكُونِهُمْ وَاللَّهُ عَلَيْنَ إِلاَ الْفُلِينَ ۞ وَقَالَ لَهُمْ نَعِيْهُمْ إِنَّ اللَّهُ قَنْ بَعَنَ لَكُمْ عَالَمُونَ مَلِكًا، قَا لَوْا إِلَّى يَشُونُ لَمُ الْمُلْكُ عَلَيْنَا وَنَصْ أَحَنُ الْمُلْكُ

مِنْدُ وَ لَرِ ثُوْتَ سَعَةٌ مِّنَ الْمَا لِ• قَالَ إِنَّ اللهُ اَمْطُغُهُ عَلَيْكُرْ وَزَادَةٌ بَشَطَةٌ فِي الْعِلْمِ وَ الْجِشْرِ • وَاللهُ يَوْتِي مُلْكُهُ مَنْ يُشَاّءُ • وَ اللهُ وَاسعٌ عَلَيْرٌ ۞ ১০১ জনগুল জালত সভান নাতিনীসত বেল হল জখন বলল "নিশ্চত আনাত একটি নহর হারা ডোমানেরকে পরীক্ষা করবেন, সূতরাং যে ভা থেকে পান করবে সে আমার (দলের) অন্তর্কক নয়, এবং যে তার স্থান প্রহণ করবে না সে নিশ্বর আমার (দলের) অন্তর্ভক, তবে কেই তার হাত নিয়ে এক কোষ পানি নিলে তা ভিন কথা।' কিন্তু তারা তা থেকে পান করল- তাদের মধ্য থেকে অন্ত সংখ্যক ছাড়া। অভঃপর হখন সে (জালত) নিজে ও তাব সাথে যাবা ঈমান এনেছিল ভাবা ডা (নতব) অভিনেত্র করল তখন তারা (কেউ কেউ) বলল, 'আছ ভালত ও ভার বাহিনীর মুরারিলার শক্তি আমাদের নেই।' যাবা মনে করছিল যে. আৱা (একনিম) আলাহর সাথে সাকাৎ করবে তারা বলল, 'কও ছোট মলট আলাহর উচ্চার বাম দলকে পরাজিত করেছে।" এবং আহাত 7ਮੁਸੰਗੀਕਾਸ਼ਕ ਸ਼ਾਲ ਕਾਸ਼ਨਾਜ।

তার অবশিষ্টটক যেটি বহন করবে ফেরেশভাবা। নিক্তয় এতে সোমান্তর

- ১৫০। তাৰ হখন ভাৱা জালত ও ভাৱ বাহিনীর উদ্দেশ্যে বের হল তখন ধনন, 'হে আমাদের প্রতিপালক: আমাদেরকে ধৈর্য দান করুন, এবং আমাদেরকে দৃচপদ রাখন এবং কাফির সম্পদায়ের বিকল্পে लाशास्त्रक अंद्राम करूपः
- ২৫১। অভঃপর আয়াহর ইক্ষায় ভারা তাদেরকে (ঋালুত বাহিনীকে) পরাজিত করণ, এবং দাউদ জালুতকে হত্যা করন এবং আল্লাহ তাকে রাজত ও ডিকমত (প্রজা) দান করলেন এবং যা ভিনি ইছ্যা করেন তা থেকে সাকে শিক্ষা দিলেন। আৰু যদি আলাত মানায়ৰ কতককে কতকেব ছাবা প্রতিহত না করতেন, ভাহলে পথিবী অবশ্যই আনে হবে যেত. কিন্ত আল্লাহ জগৎসমূহের (মানব জাতির) প্রতি অনুপ্রহশীল।
- ২৫২: এপ্রলো আপ্রাহর আরাত, যা আমি তোমার নিকট সতাসহ পাঠ করি। এবং নিকর তমি অবশ্যই রাস্পদের অন্তর্ভ

জনা অৱশাই একটি নিদৰ্শন বাবাদ- যদি কোহৰা ম'হিন হও।'ই فَلَمًّا فَمَلَ طَا لُوْتُ بِالْجُنُودِ ، قَالَ إِنَّ اللَّهُ مُبْتَلِيُّكُرْ بِنَهٍَ ، فَهَنْ هَرِبَ مِنْهُ فَلَيْسَ مِنْنُ ۽ وَمَنْ لَّهِ يَطْعَبُهُ فَانَّهُ مِنْنَ ۖ إِلَّا مَنْ اغْتَرَنَ عُرْفَةً بيدهِ، فَشَر بُوْ امِنْهُ إِلَّا قَلَيْلًا مِّنْهُوْ ، فَلَمَّا جَاوَزَةً هُوَ وَالَّذِيْنَ أَمَنُوْ امَعَهُ مِقَا لُوْ الْإِطَاقَةَ لَنَا الْيَوْ } بِجَا لُوْتِ وَ جُنُودِهِ، قَالَ الَّذِينَ يَظُنُّونَ أَنَّهُرْ مَّلْقُوا اللهِ حَرْ مِّنْ فِئَة قَلِيْلَةِ غَلَبَثُ فِئَةً كَثِيرًةٌ بِاذْنِ اللهِ وَ اللهُ مَعَ السَّبِرِينَ ﴿

تَحْمِلُهُ الْمَلِّئَكَةُ، إِنْ فَي ذِلكَ لَا يَدُّ لَكُمْ إِنْ كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ فِي

- وَلَمَّا بَوَ زُوْا لِجَا لُوْتَ وَجُنُوْدِهِ قَا لُوْا رَبَّ نَاۤ ٱقْوِغَ عَلَيْنَا صَبْرًا وَّثَبِّتُ إَقْدَامَنَا وَإِنْصُرْنَا عَلَى الْقَوْمِ الْحُورِينَ ﴿ فَهَزَمُوْهُمْ بِاذْنِ اللهِ مُ وَقَتَلَ دَاوُدُ جَا لُوْتَ وَ أَتْمُ اللهُ
- الْمُلْكَ وَالْمُكْمَةَ وَعَلَّمَهُ مِمًّا يَشَآءُ وَ لَوْ لَا دَفْعُ اللهِ النَّاسَ بَعْمَهُمْ بِبَعْضِ لَّفَسَدَتِ الْأَرْضُ وَ لَكِنَّ اللَّهَ تُوْفَقُلٍ عِلَى الْعْلَمِيْنَ ﴿
- تِلْكَ أَيْتُ اللهِ نَتْلُوهُ هَا عَلَيْكَ بِالْعَقِّ، وَ إِنَّكَ لَمِنَ الْمُوْسَلَيْنَ ﴿

২৫০. এই বানুবাল খালি ভালেৰ ভাৰতত ভালেলে ইপাৰ বাৰ্থানা নিৰ্বাহিন আলি বাৰ্থানা কৰিব কৰে বাৰ্থানা কৰিব বাৰ্থ্যনা কৰিব বাৰ্থানা কৰ

- ২৫৪। ওহে যারা ঈমান এনেছ। আমি তোমাদেরকে যে রিধিক দিয়েছি তা থেকে (আন্তাহর পথে) বার কর- সে দিন আসার পূর্বে, যেদিন কেন ক্রয়-বিক্রম, বন্ধুত্ব ও সুপারিশ নেই। আর কাফিরয়াই জালিম।
- ২৫০। আছে, ভিনি যুক্ত নেল ইলছে মেই, থিনি চিন্তালীৰ ও ভিন্তালী, আন্ত ভাক শৰ্পা কৰে না একং বিশ্বাল না আনকালসুহে মা কিন্তু নাত্ৰ-পৃথিবীকৈ বা কিন্তু আছে ভাকাই। এমন কে আছে, যে বাঁৱা ইকা ছাত্ৰা উৰা কাছে সুনাধিল পৰাচে বিজ্ঞান কাৰে। বা বাঁৱা ইকা ছাত্ৰা উৰা কাছে সুনাধিল পৰাচে বিজ্ঞান কাৰে। বা বাজা সামানে এখন যা কিন্তু আছে ভাচাৰে শিলুহে, এখন কিন্তি মানুকাই কাৰে আন ছাত্ৰা উৰ্জ্ঞান কিন্তু আৰু কাৰ্য্য কৰে। কাৰ্য্য কৰে আন্ত মুখন আন আনুকাৰ কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা মুখন আন কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰিছে কৰা কৰা কৰা, এখন উভ্যৱত কৰাপানকো ভালিক হলা কৰা কৰা না কৰা কৰিছিল বুলিক ভালাকে।
- ২৫৬। উদের ব্যাপারে কোন জোর-জবরদন্তি নেই। অবশ্যই ভুল পথ থেকে সঠিক পথ শাই হয়েছে, সূতর্জাং যে তাততকে অধীকার করে এবং অনার্যন্ত এতি ঈমান আনে, সে অবশাই দুভাবে ধারৰ করল এমন মজবুত হাতল যা বিভিন্ন হবার নয়। এবং আল্লাহ্ দর্বশ্রোতা ও সর্বক্ষানী।
- ২০৮। 'ইনি কি যাবে নেপনি, যে ইবাটোমেন সাথে জগা প্রচিলগাকের প্রাণারে তেওঁ কারটিন এ কলা যে, প্রায়ার থাকে ব্যক্তার ক্ষিপ্রেনিশ কথা ইবাটীন বলগা, আনার প্রচিলগাকা নির্বাহি বিটি প্রতিষ্ঠ বিশ্ব ব মুখ্য গীলা, খাকা বাহিলগাকা নির্বাহি বিটি প্রতিষ্ঠ বিশ্ব ইবাটীন বলগা, খাবে নিজ্ঞ আধার পূর্ব কিচ থাকে পূর্ব কিয়া আদন ক্রিকা বিশ্বীলা, ক্রারাকা ক্রারাক্র ক্রারাক্ত্য ক্রারাক্র ক্রারাক্ত্য ক্রারাক্র ক্রারাক্ত্য ক্রারাক্র ক্রিক্র ক্রারাক্র ক্রারাক্র ক্রারাক্র ক্রারাক্ত্য ক্রারাক্র ক্রারাক্

ولك الوسّل نقلتنا بتعَمَّهُ على يَعْضِ مِنْهُمْ مَنْ خَلَّ اللهُ وَرَقَعَ بَعْمُهُمْ وَرَحْفِ وَلَقِنَا عِنْصَ الْنَوْقِ لَلَيْفِيهِ وَرَقَدُنَهُ يُورِعُ الْفُنْسِ وَرَقْمَا اللهُ مَا الْنَعَلَّ اللّهِ فَيْفَ وَرَقَاءُ اللّهَ الْنَعْفَ اللّهِ اللهِ عَنْفُوا فِيغَمْرُ وَمَنْ أَنْفُوا اللّهِ فَيَعْمُرُ وَمَنْ عَنْفُوا اللّهِ فَيَعْمُرُ وَلَوْقَاءُ اللّهُ مَا الْعَنْفُوا فِيغَمُرُ وَلَوْقَاءُ اللّهُ مَا اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

يزةً لَّذِيمٌ فِيهُ وَلَا لِمَا لَّا فَهُوا الْمُلْكِونَ هُوَ الطَّلُونَ هُو المُلْكِونَ هُو الطَّلُونَ فَ السَّلَوَ المَّالِمُونَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِينَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ المُفَاقِرَةُ وَاللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَّ اللَّمِنِينَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَ اللَّمِنَّ اللَّمِنَ اللَّمِينَ اللَّمِنَ اللَّمِنْ اللَّمِنْ اللَّمِنِينَ اللَّمِنْ اللَّمِينَ اللَّمِنَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنْ اللَّمِنْ اللَّمِنْ اللَّمِينَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنْ اللَّمِنِينَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنِينَ اللَّمِنْ اللَّمِنِينَ اللَّمِينَ اللَّمِنِينَ الْمُعْلَمِينَ الْمُعْلَمِينَ الْمُعْلَمِينَ الْمُعْلَمِينَ الْمُعْلَمِينَا الْمُعْلِمُ اللَّمِينَ اللْمُعْلَمِينَا الْمُعْلِمُ اللَّمِينَ الْمُعْلِمُ اللَّمِينَ الْمُعْلَمِينَ

لا إحْرَاقِ فِي اللَّذِيْنِ قَدْتُمَّنَّ الرَّشْدُ مِن القَيْعَ مَنْنَ يُخْدُرُ لِللَّهِ الْمُؤْدُوّ الْوُلْغَن بِالطَّاعُوْتِ وَرُؤُونُ إِللَّهِ فَقِد اشْتَمْتُكَ بِالْفُرُوّةِ الْوُلْغَنَ، الْأَلْمُونَا الْمُؤْدِّةِ الْوُلُغَنِي، الْمُؤْدِّقِ عَلَيْنَ وَاللَّهُ عَلَيْنَ وَاللَّهِ اللَّهِ مَنْ اللَّهُ عَلَيْنَ اللَّهِ اللَّهُ عَلَيْنَ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْنَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْنَ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْنَ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْنَ اللَّهُ عَلَيْنَ اللَّهُ اللْمُنْ اللَّهُ اللْمُنْ الْمُنْ اللْمُنْ اللْمُنْ اللْمُنْ اللْمُنْ الْمُنْ اللْمُنْ اللْمُنْ اللْمُنْ الْمُنْ اللْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ اللْمُنْ الْمُنْ ال

الذيب كفروا الوياهم الطاعون بعضوجو نصر من النوراغ إلى الظُّلُف، والتَّكِفُ أَمْضُ النَّا رِعَمْدُ فِيَّا غَلَدُونَ فَيَّ الرَّرِّزِ إلى الَّذِيْ مَا يَّ إِبْرِهْرَ فِي رَبِّهِ أَنْ أَلْمُ اللَّهُ الْفُلُكُ، الْفُلُكُ، الْفُلُكُ، ا إِذْ قَالَ إِبْرُهُمْ رَبِّي الَّذِيْ يَضِي وَيُمِيْءُ قَالَ أَنْ أَهُمِ رَ أَمِنْ وَالرَّالِمُ اللَّهُ عَانَّ اللَّهُ يَالِيْ لِللَّمْسِ مِنَ الْمُقْوِقِ قَالَ بِهَا مِنَ الْمُعْرِبِ قَمِمَا اللَّذِيْ كَلُورَ وَاللَّهُ لِاَيْفُرِي

الْقَوْرَ الظُّلوشِ أَهُ

- ২৫৯। অধবা (ভমি কি দেখনি) তার দুয়ান্ত, যে একটি জনপদ<sup>\*</sup> অভিক্রম কর্মাল, যখন তা ছিল ধাংসম্ভূপে পরিণতঃ সে বলল 'কিভাবে আলার একে (জনপ্রমানিক) জীবিত করাবন এব মানাব পরঃ' অভঃপর আলাহ সাকে একশ বছাবর জন্য হ'ল। নিলেন এবপর ভাকে উথিত (প্রামীবিত) করলেন। তিনি বললেন 'তমি কত সময় অবছান করেছ?' সে বলল 'অবস্থান করেছি এক দিন বা এক দিনেব কিছ আপ।' তিনি (আধার) বললেন, 'বরং তমি একশত বছর অবভান করেছ, এখন তোমার খাবার ও ডোমার পানীয় এর দিকে লক্ষ্য কর, তা বাসী হয়নি, আর তোমার পাধার নিকেও লক্ষ্য কর (তার হাতথলোও খ্যাল বিবাহে। আর নাটি এ সমা হালে আমি কোমাকে মানাস্থর জনা একটি নিদর্শন বানাতে পাবি এবং এই হাড়কলোর নিকে লক্ষা কর বিভাবে আমি একলোকে দাঁড করাই এরপর তার উপর গোপতের পোশার পরিয়ে নেই।' অতঃপর যথম তার কাছে (এই নিদর্শন) স্পর্ট হয়ে উঠল, তথ্য সে বলল, 'আমি জানি যে, আল্লাহ স্বকিছৰ উপৰ अर्द्धाविकासः'
- ১৯০। এবং মধন উববাহীম বলেছিল, 'য়ে আমার প্রতিপালক। আমাকে দেখিয়ে ਸਿਜ਼ ਗਿਆਵ ਗਾਅਜ਼ ਬਾਲਾਸਕਾਰ ਐਰਿਨ ਰਾਰਜਾ ਰਿਜ਼ (ਯਾਗਤ) বললেন, 'তবে কি তমি বিশ্বাস করনিঃ' সে বলল, 'হাঁা অবশাই, কিন্তু (দেখতে চাই) যাতে আমাৰ ক্লয় প্ৰশাস কৰ। তিনি বললেন, 'ভাবলে নাও এবপর ভাসের এক একটি (কর্তিত) অংশ এক একটি পারাজের ওপর বাথ এরপর তাদেরকে ভাক, তারা তোমার কাছে দৌড়ে আসবে। আর জেনে রাখ যে, আরাহ মহা প্রতাগশালী ও মহাপ্রভাবান।
  - ২৬১। যারা তাদের ধন-সম্পদ আল্লাহর পথে বায় করে তাদের (বারের) মৈপমা গেমন একটি শসদোনা হা সাতটি শীৰ উৎপন করে বাব প্রজ্যেকটি শীয়ে থাকে একশত শসলোনা। এবং আলাহ যার জনা ইচ্ছ করেন বছগুণ (বন্ধি) করে দেন। এবং আল্লাহ সর্বব্যাপী ও সর্বজ্ঞানী।
- ২৬২। যারা ভাদের ধন-সম্পদ অস্তাহর পথে ব্যে করে, এরপর ভারা যা বার করেছে তার অন্য খেটি। দেয় না এবং কটও দেয় না. ভাদের অন্য তদের প্রতিপালকের কাছে তাদের প্রতিদান রয়েছে, এবং তাদের কোন ত্ত্ব্য নেই এবং তারা দক্ষিত্ত্বয়াস্তর হবে না।
- ১৬৩। সৌহার্দাপর্ণ কথা কলা " এবং ক্ষমা করা এমন দানের চেয়ে উভম, যার পরে কট্ট দেরা হয়। আর আল্লাহ অভাবমুক্ত ও পরম সহনশীল।
  - ১৯৭। পাত হাবা উন্নান একেছ। ছোম্বা খোঁটা ও কট দিয়ে ভোমাদের সদবাসমূহকে বাতিল (নাম ) করে দিও না সে বাঙির মত যে নিছক গোক সেখানোর জন্য তার ধন-সম্পদ ব্যয় করে, এবং সে আল্রাহ ও আখিরতের দিনের প্রতি ঈমান আনে না। সতরাং তার (ব্যরের) উপমা হেমন একটি মনণ পাথর বার উপর কিছু মাটি রয়েছে, অভঃপর ভাতে প্রবল বর্ষণ হল, ফলে (সমস্ত মাটি ধুয়ে ফেলে) তাকে মনুণ অবছার রেখে গেল। তারা যা অর্থন করেছে তার কোন কিছুর উপরই তারা সক্ষম ন্যা। এবং আলাত ভ্রামিত সম্পদায়তে সঠিত পথ প্রদর্শন করেন না।
  - ১৬৫। আৰু যাবা আধাৰৰ সম্বন্ধি কামনায় ও নিজেদেৱকে স্থন্ধ কৰাৰ জন্ম তাদের ধন-সম্পদ বার করে তাদের (ব্যবের) উপমা বেমন কোন উচ ৬মিতে একটি বাগান যাতে প্রবল বর্ষণ হল, ফলে এটি ভার বিগুণ ফল मिल 'खाव श्रीन आरफ अंकन वर्षण मांक क्या जान डांगका वर्षण्डे शास्त्रिः जनः ভোমরা যা কর সে সম্পর্কে আল্লাহ পর্ণ দৃষ্টিবান।

- أَوْكَا لَّذِيْ مَوَّ بَلَى قَوْ يَهَ وَّهِيَ خَاوِيَةً بِّلَي عُرُوشِهَا قَالَ ٱلَّٰي يُحْي هٰذه اللهُ بَعْنَ مَوْتَهَا : فَأَمَا تَدُ اللهُ مَا ثَدَ عَا مُرَّا لَهُ مَا ثُمَّ عَا مُرَّا قَالَ كَدْ لَبِثْنَ قَالَ لَبِثْتُ يَوْمًا أَوْبَعْضَ يَوْمٍ قَالَ بِلْ لَّبِثْتَ مِا ثَةَ عَا ﴾ فَا نُظُرُ إلَى طَعَامِكَ وَهَرَ إبِكَ لَرْ يَتَسَنَّمُ وَ انْظُرْ الْي حِمَا رِكَ وَلِنَجْعَلَكَ أَيَّةً لِّلنَّاسِ وَ انْظُرْ إِلَى الْعَظَا] كَيْفَ نُنْشُرُهَا لُمْ ۚ نَكُسُرْهَا لَحُمًّا ۚ فَلَمًّا تَبَيَّنَ لَدُّ قَالَ آعْلَى ۗ أَنَّ اللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْءً قَدِيرٌ ﴿
- وَاذْ قَالَ الْإِهِرُ رَبِّ أَرِنيْ كَيْنَ تُحْى الْمَوْتَى قَالَ أَوَلَهُ ثُوْمُنُ قَالَ بَلَى وَ لَكُنْ لِيَطْهَدُنَّ قَلْتُ وَقَالَ فَخُذْ أَنْ يَعَةً (সেবতে চাহ) খাতে আমার প্রদায় প্রশান বর্জা । তাল ববালেন, ভাষা-পাইন জুমি চারটি পাখি নাও এবং আনেরকে তোমার কাছে পোৰ মানিয়ে है। ইন্ই ইন্টি ক্রিট কুমি নাও এবং আনেরকে তামার কাছে পোৰ ম ثُرٌ (دُعُهُنَّ يَأْتَيْنَكَ سَعْيًا وَاعْلَرُ أَنَّ اللَّهَ عَوْيَرٌ كَعَيْرٌ ﴾
  - مَثَلُ الَّذِيْنَ يُنْفَقُونَ آمُوا لَهُرْ فَي سَبِيْلِ اللهِ كَمَثَلِ عَبَّة ٱنْبَتَيْ سَّبْعَ سَنَابَلَ فِي كُلِّ سُنْبُلَة مِّا فَقُدَ حَبِّقه وَ اللهُ يُفعفُ لَمَنْ يُشَاءُ وَ اللَّهُ وَاسعٌ عَلَيْرٌ ﴿
  - الَّذِيْنَ يُنْفَقُونَ أَمْوَالَهُمْ فِي سَبِيْلِ اللهِ ثُمٌّ لَا يُتْبِعُونَ مَا آ أَنْفَقُوْ امَنَّا وْ لَآ اَدِّي لَّهُرْ آجْرُهُرْ عَنْدَ رَبِّهِرْ وَ لَا خَوْنَّ عَلَيْهِمْ وَلَاهُمْ يَحُوَنُونَ ۞
  - قَوْلٌ مَعْرُونٌ وَمَقْفِرةٌ غَيْرٌ مِنْ صَلَقَةِ يَتَّبَعُهَا آدًى، وَ اللهُ عَنيُّ عَلَيْرٌ ﴿ يَأَيُّهَا الَّذِينَ أَمَنُوا لَاتُبْطِلُوا مَدَقْتَكُمْ بِالْمَنَّ وَالْآذَى وَكَالَّذِي يُنْفَقُ مَا لَهُ رِثَاءَ النَّاسِ وَ لَا يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَالْيَوْمَ الْأَحْرِ - فَمَثَّلُهُ كَمَعَل مَفْوَانِ عَلَيْه تُرَابُ فَأَمَا بَدُ وَابِلٌ فَتَوَكَدُ مَلْدًا ، لاَيقُدرُونَ
  - عَى هَنْ اللَّهُ مَمًّا كُسَبُوا ، وَ اللهُ لا يَهْدى الْقَوْمَ الْكُفِرِينَ @ وَمَثَلُ الَّذِينَ يُنْفَقُونَ أَمْوَالَهُرُ ابْتِغَاءَمَوْمَاتِ اللهِ وَتَثْبِيَّتًا مِّنْ أَنْفُسِهِ ۚ كَمَثَلِ جَنَّةٍ بِرِبَوْةِ أَمَا بَهَا رَابِلٌ فَأَتَتُ أُكُلَهَا مُعْفَيْنِ ، فَأَنْ لِّر يُعْبُهَا وَأَبِلُ فَطَلَّ ، وَ اللهُ بِمَا تَعْمَلُونَ بَعْيْرٌ ﴿

- ১৬৬। ভোমাদের কেট কি কামনা কবে যে তার একটি খেচর ও আঙ্গরের লাগার পারবে মার নিয়ে নত্রসমূত প্রাঠিত হবে একে তার জন্য সৰ বৰ্ম জন-মূল থাকৰে এমন অৰ্থায় যে বাৰ্থকা ভাকে আক্ৰান্ত बरबाद शहर कार तपाठ करेंग प्रवास-प्रवास चारान्य शहर शहर প্রচন্ধ ঘর্ণিকাত ভাতে আঘাত হানল যাতে বাহেছে আছন কলে ভা (সাধানটি) প্রায় পেলঃ ক্রমানেই আলাহ পাঁর আহাত্সমূহ কোয়ানের জন্ম স্পট্টভাবে বৰ্ণনা কৰেন যাতে ভোমৰা চিন্তা কৰতে পাব।
- ২৬৭। প্রহে যারা ঈমান এনেছ। তোমরা নিজেরা যা অর্জন করেচ এবং ভমি ধ্যেক যা আমি তোমাদের জন্য উৎপন করেছি, তা থেকে উৎকট্ট বস্তুসমূহ (আল্লাহর পথে) ব্যয় কর, এবং তা থেকে নিকট বস্তু ব্যয় করার ইজা করো না, যখন তোমরা নিজেরা তা গ্রহণ করার নও গ্রছাড়া যে স্থাসে (অর্মাণ সা নেয়ার সময়) সেম্মরা চোথ বন্ধ ব্যবে থাক। এবং ভোমবা জেনে বাথ যে, আলাহ অভাবমন্ত ও অভি প্রশংসনীয়।
- ১৯৮। भगजान जाप्राप्तवाक प्रावित्तात क्य त्रथाय तक स्वाप्तासक्त অশীলভার নির্দেশ দেয় অথচ আল্লাচ ভোয়াদেরকে ভার পক্ষ থেকে ক্ষমা ও অভগতের প্রতিক্ষতি দেয়। এবং আলাহ সর্বব্যাপী ও সর্বজ্ঞানী।
- ১৬৯। জিনি যাতে উচ্চা করেন ভিকমত (প্রস্তা) দান করেন, এবং বাকে হিকমত (প্রজা) দান করা হয়েছে তাকে অবশ্যই অনেক কল্যাণ দান করা রয়েছে। আর বন্ধিমানরা ছাড়া কেউ উপদেশ গ্রহণ করে না।
- ১৭০। একা কোমৰা যে বাষ্টে বায় কৰ অথবা যে মানতই মানত কৰা তবে নিশ্বর আল্লাহ তা জানেন। আর জাদিমদের কোন সাহায্যকারী দেই।
- ১৭১। যদি ভোমৰা সদবাসমূহ প্ৰকাশ কৰা তবে তা কতাই না ভাল, আব যদি তা গোপন রাখ এবং ফকিরদেরকে (গরীবদেরকে) দাও, তবে তা তোমাদের জন্য আরও ভাল। এবং (বিনিময়ে) তিনি তোমাদের কিছ পাপ যোচন করে দিবেন। আর জোমরা হা কর সে সম্পর্কে আলাহ পর্ণ অরগত।
- ১৭১। ভাদেরকে (অবিশ্বাসীদেরকে) সঠিকপথে পরিচানিত করা তোমার দায়িত নয়। বরং আন্তাহ যাকে ইচ্ছা করেন তাকে সঠিক পথে পরিচালিত কবেন। আৰু (তে ম'মিনবা।) তোমবা যে ধন-সম্পদ (আধাহৰ পথে) ব্যয় কর তা তোমাদের নিজেদের জন্যই। এবং তোমবা কেবল আলাহর সম্বাহীর উদ্দেশ্যেই বায় কর। এবং তোমরা যে সম্পদই বায় কর তা (ভার বিনিময়) ভোমাদেরকে পরোপরি দেয়া হবে, এবং ভোমাদের প্রতি জলম করা হবে না
- ২৭৫। (ভোমাদের এ বাহ) ফকিবদের (গরীবদের) জনা যারা আল্লাহর পথে অবক্রত হয়ে পড়েছে পথিবীতে (উপার্জনের জনা) চলাচল করতে পারে না", (তাদের) আত্মর্যাদারোধের কারণে অভ্য লোকেরা
- ১৭৪। যারা ভাদের ধন-সম্পদ রাভে ও নিনে, গোপনে ও প্রকাশ্যে বায় করে তাদের জন্য তাদের প্রতিপালকের কাছে তাদের প্রতিদান রয়েছে. এবং তাদের কোন ভয় নেই এবং তারা দুক্তিস্তাগ্রন্তও হবে না।

- أَيَوَدُّ إَحَدُكُرْ أَنْ تَكُونَ لَدَّجَنَّةٌ مِّنْ نَّحْيُلِ وَّ أَعْنَابٍ تَجْرِيْ مِنْ تَدْتُهَا الْإِنْهُ وَلَهُ فَيْهَا مِنْ كُلِّ الثُّمَاتِ وَ أَمَا بَدُّ الْكَبُّ وَ لَهُدُرٌ يَّذُ مُعَفَّاءً ۗ فَأَصَابَهَا إَعْصَارٌ فَيْدِنَا ۚ فَاحْتَ قَتْ، كَلْ لَكَ يُبَيِّنُ اللهُ لَكُرُ الْآلِيٰ لَعَلَّكُرْ تَتَفَكَّرُونَ ﴾
- يَّأَيُّهَا الَّذِيْنَ إِمَنُوْ آ اَنْفَقُوْ [ مِنْ طَيِّبِي مَا كَسَبُتُمْ ۗ وَمِهَّا ٓ آخُ جَنَا لَكُورْ مِنَ الْأَرْضِ - وَ لَاتَيَمُّوا الْخَبِيْتِ مِنْهُ تُنْفِقُونَ وَ لَسْتُورْ بأخذيه الله أنَّ أَنْ تُغْمِفُوا فيه وَ اعْلَمُواۤ أَنَّ اللَّهُ غَنَّ حَمِيْدٌ ﴿ أَلَشَّيْظُنُ يَعَدُكُمُ الْفَقْرَ وَيَأْمُ كُمْ بِالْفَصْفَآءِ وَاللَّهُ يَعَدُكُمْ
- مَّعْفَ وَأَمَّنْهُ وَ فَفُلًا وَ اللَّهُ وَاسْعٌ عَلَيْ ٢ يُّوْتِي الْحَكْمَةَ مَنْ يَشَأَءُهُ وَمَنْ يُؤْتَ الْحُكْمَةَ فَقَدْ أُوْتِي كَبُّ" كَعْيْرًا ، وَمَا يَدَّدُّ الْآ أُولُوا الْالْبَاب €
- وَمَآ اَثْفَقْتُو مِّنْ نَّفَقَه اَوْنَدَنَ ثُهُو مِّنْ نَّذْ رِفَانَّ اللهَ يَعْلَمُهُ وَ مَا للظُّلمِينَ مِنْ أَنْمَا رِ ﴿ انْ تُبْدُوا السَّدَقْ فَنعمًّا هي ، وَإِنْ تُخْفُوْهَا وَتُؤْتُوهَا
- الْفُقَرَّآءَ فَهُوَ غَيْرٌ لَّكُورْ ﴿ وَيُكَفِّرُ عَنْكُورٌ مِّنْ سَيًّا تِكُورُ ﴿ وَ اللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِي ﴿ لَيْسَ عَلَيْكَ هُدْنِهُ ۗ وَ لَكَنَّ اللَّهَ يَهْدِيْ مَنْ يَّشَآءُ وَمَا تُنْفَقُواْ
- منْ هَيْهِ فَلاَ نُفُسكُرْ وَمَا تُنْفقُونَ إِلَّا إِبْتِغَاءَ وَجُهِ الله وَمَا تُنْفَقُوْ امنَ خَيْدٍ يُّونَّ الْيَكُرْ وَ أَنْتُرْ لَاتُظْلَمُونَ ﴿
- لِلْفُقَرِ أَء الَّذِيْنَ أَحْمِرُ وَا فِي سَبِيْلِ اللَّهِ لَا يَسْتَطِيعُوْنَ فَرْبًّا في الْأَرْضِ بِيَحْسَبُهُ ۚ الْحَامِلُ أَغْنَبَاءَ مِنَ التَّعَقُّفِ تَعْدُفُهُ ۗ المنظور المُأْسُ إِلَيْ الْمُؤْمِنُ وَمَا لَمُنْظِّرُ أَمِنْ لَمُؤْمِنُ الْمُؤْمِنُ وَمَا لَمُنْظِّرُ أَمِنْ ف معر معامل را المُأْسِ إِلَيْ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ المِينِيمُ في اللهِ اللهِ
  - فَانَّ اللهَ بِهِ عَلَيْ ۗ أَهُ ٱلَّذِيْنَ يُنْفِئُونَ أَمْوَالَهُرْ بِالَّيْلِ وَإِلنَّهَا رِسٌّ اوَّعَلَانِيَةً فَلَهُرْ أَجُوهُمُ عَنْكَ رَبِّهِمُ ءُوَ لَا كُونَ عَلَيْهِمُ ١ وَ لَا هُونَ عَلَيْهِمُ ١ وَ لَا هُونَ الْحَ

- ১৭৫। যারা সদ<sup>®</sup> খায় তারা (কিয়ামতের দিন) কেবল সে বাজিব দাঁড়ানোর নায়ে দাঁড়াবে যাকে শহতান স্পর্শ দ্বারা পাগল করে দের। এটি এ কারণে যে, ভারা বলে ক্রম্ব-বিক্রম তো সুদের মতোই, অথচ আপ্রাহ ক্রয়-বিক্রয়কে হালাল করেছেন এবং সূদকে করেছেন হারাম। অভঃপর যে ব্যক্তির কাছে ভার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে উপদেশ পৌঁছে গেছে এবং সে বিরত হয়েছে, তবে যা অতীত হয়েছে তা তারই এবং তার বিষয়টি আল্লাহরই নিকট (সমর্পিত)। আর যারা পুনরাবৃত্তি করেছে, তারাই আগুনের অধিবাসী, সেখানে তারা স্থায়ী হবে
- ২৭৬। আল্লাহ সুদকে নিশ্চিফ করেন এবং দানকে বর্ষিত করেন। আর আল্লাহ কোন অবিশ্বাসী পাপিষ্ঠকে ভালবাসেন না।
- ১৭৭। নিশ্চর যারা ঈমান এনেছে, সংকাজ করেছে, সালাত (মামায) কারেম করেছে ও যাকাত প্রদান করেছে, তাদের জন্য তাদের প্রতিপালকের কাছে তাদের প্রতিদান রয়েছে, এবং তাদের কোন তর নেই এবং তারা দুন্চিত্তগ্রন্তও হবে না।
  - ১৭৮। প্রতে যারা ঈমান এনেড। তোমবা আল্লারকে ভয় কর এবং সদ থেকে যা বাকি বয়েছে তা ভেডে দাও- যদি তোমবা ম'মিন হও।
  - ২৭৯। কিন্তু যদি ভোমরা তা না কর, তবে আল্লাহ্ ও তাঁর রাস্লের পদ থেকে (তোমাদের বিরুছে) যুদ্ধের ঘোষণা জেনে নাও, আর যদি তোমরা তওবা কর, তবে তোমাদের মুলধন তোমাদেরই জন্য, তোমরা ছলম করবে না এবং ভোমাদের প্রতিও ছলুম করা হবে না<sup>®</sup>।
- ২৮০। এবং যদি সে (ঋণগ্রহীতা) অসক্ষল<sup>®</sup> হয় তবে সক্ষলতা পর্যন্ত তাকে অবকাশ দাও। আর সদকা করে দেয়া তোমাদের জন্য উত্তম- যদি ভোমরা জানতে।
- প্রতিফল) পরোপরি দেয়া হবে, এবং তাদের প্রতি ফলম করা হবে না।

- ٱلَّذِيْنَ يَـاْكُلُوْنَ الرِّبُوا لَا يَقُوْمُوْنَ الَّاكَمَا يَقُوْمُ الَّذِيْنَ يَتَخَبُّطُهُ الشَّيْطُنُ مِنَ الْمَسِّ ﴿ لَكَ بِأَنَّهُ ۚ قَا لُوٓۤ النَّمَا الْبَيْعُ مثلُ الرَّبُوا - وَ أَحَلَّ اللهُ الْبَيْعَ وَحَرًّا الرَّبُوا - فَمَنْ جَاءَةً مَوْعَظَةٌ مِّنْ رِّبِّهِ فَا نُتَهِى فَلَهُ مَاسَلَفَ ، وَ أَمْرُهُ ۚ إِلَى الله ، وَمَنْ عَادَ فَأُولِنَاكَ أَصْحِبُ إلنَّا رِءَهُمْ فَيْهَا خَلْدُونَ ﴿
- يَهْ حَقُّ اللهُ الرِّبُوا وَيُرْبِي الصَّدَقِي وَ اللَّهُ لَا يُحِبُّ كُلُّ كَفَّار أَثير ۞
- انَّ الَّذِيْنَ أَمَنُوْا وَعَمَلُوا الصَّلَحْتِ وَ ٱقَامُوا الصَّلُوةَ وَأَتَوُا الزَّكُوةَ لَهُرْ آَجُرُهُرْ عِنْدَ رَبِّهِرْ ۚ وَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِرْ وَلَا هُرْ يَحُزَنُونَ ⊚
- يَا يُهَا الَّذِينَ أَمَنُوا اتَّقُوا اللَّهَ وَذَرُوْا مَا بَقِيَ مِنَ الَّهِ بَوا إِنْ كْنْتُرْ مُؤْمِنْيْنَ ⊛
- فَإِنْ لَّرْ تَفْعَلُوا فَأَذَنُوا بِحَرْبِ مِّنَ اللَّهِ وَ رَسُوْ لِهِ وَ إِنْ تُبْتُرْ فَلَكُمْ رُءُوسٌ أَمْوَا لَكُمْ ؛ لَا تَظْلَمُونَ وَ لَا تُظْلَبُونَ ﴿
- وَ انْ كَانَ دُوْ عُشْرَة فَنَظِرَةٌ الْي مَيْسَرَة ، وَ أَنْ تَصَدَّقُوا خَيْرٌ لَّكُرْ انْ كُنْتُمْ تَعْلَبُونَ ﴿
- و اتَّقُوا يَومًا تُرْجَعُونَ فِيدِ إِلَى اللَّهِ قَدُّر تُوتَّى كُلِّ نَفْسِ مَا اللَّهِ عَلَيْهِ الله اللهِ قَدْلُ تَوَقَّى كُلِّ نَفْسِ مَا اللَّهِ عَلَيْهِ وَهُو اللَّهِ عَلَيْهِ وَاللَّهِ عَلَيْهِ وَعَلَيْهِ مِنْ إِلَّا لِللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ وَلَا اللَّهِ عَلَيْهِ وَاللَّهِ اللّ كَسَبَتْ وَهُمْ لَا يُظْلَبُونَ هُ

- ১৮১। বহু যারা ঈমান এনেছ! যথন তোমরা কোন নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত (মেয়াদ মির্ধারণ করে) ঋণের লেনদেন কর তথন তা লিখে রাখ<sup>®</sup>। এবং কোন লেখক যেন ন্যায়সঙ্গতভাবে ভোমাদের মধ্যে লিখে দেয়। কান লেখক যেন লিখে মিত্ৰ অন্তীকাৰ না কৰে যেলাৰে আলাহ ভাকে (লখা) শিক্ষা দিয়েছেন, সভরাং সে যেন লিখে দেয়, এবং যার উপর দায় সে (ঋণ্যান্তীত) যেন লেখার বিষয় বলে দেয় এবং যেন তার প্রতিপালক আলাহকে ভয় করে এবং তা থেকে কিঙ্ই কম না করে। কিন্তু যার উপৰ দায় সে (ঋণপ্ৰচীয়ে) যদি নিৰ্বোধ বা দৰ্বল হয় অথবা লেখাব বিষয় বলে দিতে না পারে, ভাষলে ভার অভিভাবক (প্রতিনিধি) বেন নায়েসক্ষতভাবে লেখাব বিষয় বলে দেয়। এবং তোমাদের মধা থেকে দ'জন পুরুষকে সাক্ষী রাধ, আর যদি দ'জন পুরুষ দা হয় তাহলে যাদের সাক্ষী হওয়ার বংগারে ডোমরা সম্মন্ত ভালের থেকে একজন পুরুষ ও দু'জন নারী সাক্ষী হবে, যাতে তাদের একজন ভূলে পেলে তাদের একজন অন্যজনকৈ শ্বরণ করিয়ে দিতে পারে। এবং সাঞ্চীরা যেন (সাঞ্চা দিতে) অধীকার না করে যথন তাদেরকে (সাঞ্চা দিতে) ডাকা হবে। এবং (ঋণের পরিমাণ) ছোট হোক বা বড় হোক নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত (মেয়াদ নির্ধারণ করে) তা লিখতে তোমরা গভিমদি করে না। এটি আলাহর কাপ্তে অধিক ন্যায়সঙ্গত, সাক্ষ্যের জন্য অধিক সঠিক এবং তোমাদের সন্দেহ পোষণ না করার জন্য অধিক উপযোগী। তবে যে নগদ ব্যবসা ভোমরা ভোমাদের মধ্যে পরিচালনা করে থাক. সেগুলো না লিখাতে তোমাদের কোন অপরাধ নেই। এবং যথন তোমরা দেনদেন কর তথন সাক্ষী রাখ। এবং কোন লেখক ও কোন সাক্ষীকে ক্ষতিগ্রন্ত করা যাবে না। আর যদি ভোমরা (ভাদেরকে ক্ষতিগ্রন্ত) কর আহলে সেটি হবে ভোয়ানেবৰ পক্ষ থেকে পাপাচাব। এবং আহাত্তক ভয় কর। এবং আন্তাহ তোমাদেরকে শিক্ষা দান করেন। এবং আল্লাহ সংক্রিছ সম্পর্কে ভালভাবে জানেন।
- ১৮৫: ভার যদি ভোমরা সকরে থাক এবং (লেখার ভনা) কোন লেখক না পাও ভারলে বছকী কর<sup>\*</sup> রজগত রাখবে। এবং যদি ভোমাদের মধো কোন ব্যক্তি অন্য কারো নিকট আমানত বাখে, তবে যার নিকট তার-আমানত বাখা হায়তে সে যেন তা (বথাযথভাবে) ফেবত দেৱ এবং তোমরা যা কর সে সম্পর্কে আত্মহ ভালভাবে জানেন।
- ২৮৪। আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে, ভা আল্লাহুতই। এবং তোমাদের মনে যা কিছু আছে তা যদি তোমরা প্রকাশ কর অথবা গোপন রাথ সে সম্পর্কে আরাহ তোমাদের হিসাব নিবেন। অভ্যপর ਮਿਸਿ ਬਾਰਰ ਤੋਲਾ ਕਰਾਰਜ ਲੜਾ ਕਰਾਰਜ ਮਰਾ ਬਾਰ ਤੋਲਾਂ ਕਰਾਰਜ ਅਕਿ দিবেন। এবং আল্লাহ সব কিছুর উপর সর্বশক্তিমান।
- ১৮৫। বাসল তাব প্রতিপালকের পক্ষ খেকে তাব প্রতি যা অবস্তীর্ণ করা হরেছে তাতে ঈমান এনেছে এবং ম'মিনরাও। প্রত্যেকেই আল্লাছ, তাঁর ফেরেশতাকল, তাঁর কিতাবসময় ও তাঁর বাসলদের প্রতি ঈমান এনেছে। (তারা বলে) 'আমরা তাঁর রাস্ত্রদের মধ্য থেকে কারো মাঝে পার্থকা করি না।' এবং তারা বলে, 'আমরা কনলাম এবং আমরা আনগত। কবলাম আপনার ক্ষমা চাই তে আমানের প্রতিপালক। এবং গজরামল আপনাবই দিকে।

يَّآيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوٓ اذَا تَدَايَنْتُرْ بِدَيْنِ الِّي آجَلِ مُّسَمِّي فَاكْتُبُوهُ ، وَلْيَكْتُبُ بِيُّنَكُرْ كَاتِبُّ بِالْفَدْلِ، وَ لَايَأْبَ كَاتَبُّ أَنْ يُكْتُبُ كَمَا عَلَّمَهُ اللهُ فَلْيَكْتُبْ وَ لْيُمْلِلِ الَّذِيْ عَلَيْهِ الْحَقُّ وَلْيَتِّقِ اللهَ رَبَّهُ وَ لَا يَبْخَسْ مِنْهُ شَيْعًا ، فَانْ كَارِ، ۖ الَّذِيْ عَلَيْهِ الْحَقُّ سَفَيْهًا أَوْ ضَعَيْقًا أَوْ لَا يَسْتَطِيْعُ أَنْ يُّمَّلُّ هُوَ فَلْيُمْلُلُ وَلَيَّهُ بِالْعَدُلِ، وَ اسْتَشْهِدُ وَاشَهِيْدَيْنِ مِنْ رِّجَا لِكُرْ، فَإِنْ لَّرْيَكُونَا رَجُلَيْنِ فَرَجُلَّ وَّامْرَ ٱلِّنِ مِمَّنْ تَرْمَوْنَ مِنَ الشَّهَدَّآءِ أَنْ تَهِلَّ إِكْدُامُهُمَا فَتُذَكِّرَ إِكْدُامُهُمَا الْأَكْرُى، وَ لَا يَاْبَ الشَّهَدَّاءُ إِذَا مَا دُعُوْا ﴿ لَا تَسْئَمُوَّا أَنْ تَكْتُبُوهُ مَغَيْرًا أَوْ كَبِيْرًا الِّي أَجَلِهِ ﴿ لَكُمْ الْقَسَاعَنْدَ اللَّهِ وَ أَقْوَا ۖ لِلشَّهَادَةِ وَ أَدْنَّى أَلَّا تَرْتَنَابُوْ ۚ الَّهِ أَنْ تَكُونَ تَجَا رَةً مَاهِ ۚ قُدُيُّ وُنَهَا بَيْنَكُمْ فَلَيْسَ عَلَيْكُمْ مُنَاحٌ إِلَّا تَكْتُبُوْهَا وَ إِشْهِدُوٓۤا إِذَا تَبَا يَعْتُمْ ۖ وَ وَ لَا يُفَاَّرُ ۚ كَا تَدُّو ۗ لَا شَهِيْدُهُ وَ إِنْ تَفْعَلُو ۚ إِفَا نَّهُ فُسُو قُ إِكُمْ - وَ اتَّقُوا اللهُ وَيُعَلِّمُكُرُ اللهُ وَ اللهُ بِكُلِّ هَنَّ عَلَيْرٌ ﴿

وَ انْ كُنْتُرْ عَلَى سَفَرِ وَّ لَيْرُ تَجِدُوْا كَاتِبًا فَرِهِي مَّقْبُوْ فَدُّ قَانْ أَمَنَ بَعْفُكُرْ بَعْضًا فَلْيُؤَدّ الَّذِي اؤْتُمِنَ آمَا نَتَمَّ وَلْيَتَّقِ اللَّهَا إِلَّا vis aroundo ungliga का करत । तथर रक्षांका जाका राधन करता है। मा खाद रा बा राधिक करत, करर निक्क कात करना पात्र करता है। राज्या संक्रमा करता, करने निक्क कात करना भाषी। तथर भूगे اللهُ بِمَا تَعْمَلُوْنَ عَلَيْ ۗ ﴿

> لِلَّهِ مَا فِي السَّمَّوْتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۚ وَ انْ تُبْدُوْا مَا فِيَّ أَنْفُسِكُرْ أَوْ تُخْفُوهُ يُحَاسِبُكُرْ بِهِ اللهُ • فَيَغْفِرُ لِمَنْ يَشَاَّءُ وَ يُعَذَّبُ مَن يَشَاءُ وَ اللهُ عَلى كُلِّ شَيْ قَدِيرٌ ٩

أَمَنَ الرُّسُولُ بِمَا آانْهِ لَ الْيَدِمِنْ رَّبِّهِ وَ الْمُؤْمِنُونَ ، كُلُّ أَمَنَ بِاللهِ وَمَلَّاءُكَتِهِ وَكُتُبِهِ وَ رُسُلِهِ ﴿ لَانْفَرَّقُ بَيْنَ أَحَدٍ مِّنْ رُّسُلِهِ ﴿ وَقَا لُوْ اسْمِعْنَا وَ اَطْعَنَا فَغُفْرَ انْكَ رَبَّنَا وَ الْيْكَ الْمَعِيْرُ ﴿ ২৮৬ আছা কাটকে আৰু সাধানিক (বিছ) কণিবা লো । লে ছোগ আৰু কৰতে আৰু আৰু বি কৰে। লো কৰা লো লো ছোগ আৰু কৰতে এই কাৰ কেইবাল কৰিবলৈ লোক কৰা কৰিবলৈ লোক কৰিবলৈ কৰা কৰিবলৈ লোক কৰিবলৈ কৰা কৰিবলৈ ক

لاِكِتْكُ اللهُ نَفْسًا إلَّا رَضْعَهَا دَلَهَا مَا تَصَيْسُو تَعْلَيْهَا مَا الْحَتَمَبْتُ، رَبِّنَا لاَقُوَّا لِحِنْنَا إِنْ لَسِينًا آوَ الْمُقَالَنَا، رَبَّنَا وَ لاَتُحْمِلُ عَلَيْنَا أَشْراً هَمَّا مَتَلَتَمُنَّ الْدِينَ مِنْ قَبْلِينَا وَرَبَّنَا وَلاَتُحْمِلِنَا مَا لَامَا فَقَدُ لَنَا بِمِواَعْتُ مَثَّا مِنْ أَلْمُولَا مِنْ اللّهِ عَلَيْهِ وَأَعْمُ تَعْلُفُولَا مِنْ الْمُؤْلِقُ فَلَا الْمُؤْلِقُ فَيْ القُولًا الْخَوْمِيْنَ هُ

## ৩. সূরা আলে ইমরান, মাদানী মৌ্রি ২০০ আয়াত, ২০ কব

অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

- ১। অভিনয়-লাহ-মীয়।
- আল্লাহ. তিনি ছাতা কোন ইলাহ দেই, (তিনি) চিবন্ধীব ও চিবস্থারী।
- তিনি তোমার প্রতি সত্যাসহ এ কিতাব অবতীর্ণ করেছেন এর সামনে
  যা আছে তার (অর্থাৎ পূর্ববর্তী কিতাবের) সত্যায়নকারায়পে এবং তিনি
  অবতীর্ণ করেছিলেন তাওরাত ও ইনজীল-
- ৪। ইতঃপূর্বে মানুহের জন্য পথনিদেশিকাস্বরূপ এবং তিনি অবতীর্থ করেছেন ফুরকান। নিকয় যারা আল্লাহুর আরাতন্মূহকে অবিশ্বাস করেছে তানের জন্য রয়েছে কঠিন শাস্তি। এবং আল্লাহ্ মহাপ্রতাপনালী ও উচিত প্রাপ্রিকার।
- ৫। দিক্ষা আল্লাহর নিকট পৃথিবীতে কিছুই গোপন নয় এবং আকাশেও
- তিনিই মাতৃপর্তে তোমাদের আকৃতি গঠন করেন ফেচাবে তিনি ইঙ্গা করেন।
   তিনি ছাতা কোন ইলাহ নেই, তিনি মহাপ্রতাপশালী ও মতাপ্রজাবান।
- ৭) তিনিই চোয়য় য়তি এ কিতাব শ্ববন্তির্গ করেছেন, এর মধ্যে কিছু রয়য়েছ 'মুক্রামা" আচাক, একতান কিতারের মূদ, আরু আনাতন সুক্রাপারিব; আরু আনাক ক্রায়ে করার মার্ক্তর আরু মুক্রাপারিব এর পিছনে কোনা থাকে ক্রিয়ানার উক্তন্যেও (অপ) মারামার কিনেসে, অক্ত আরুর হায়ুল আনা কেতি করে আনাতা নানা এবং মারা আনাতন সুক্তির তারা বাব, "আমরা এতে ইমান আনলানা, রাহিটিই আমানের রাহিচ্ছাকেরে নিকট থেকে (এসেছে), আর বৃহ্ছিমানারা ছাড়া কেউ উপ্লেশ এবং করে করে।
- ৮। 'বে আমানের প্রতিপাকক। সঠিক পথ প্রদর্শনের পর আপনি আমানের বদরসমূহ বাঁকা করে দিবেন না এবং আপনার নিকট হতে আমানেরকে দয়া দান কজন, নিকয় আপনিই পরমদাতা।
- প্রতিশ্রুতির ব্যতিক্রম করেন না; 

  >০৷ নিকর যারা কুমনী করেছে আল্লাছর (শান্তির) বিপরীতে তাদের
  ধন-সম্পদ ও সন্তান-সন্ততি কথনো তাদের বিশ্বই কালে আদারে না
- এবং তারাই আগুনের ইন্ধন১১। (তানের অভ্যাস) কিরআটন বংশ ও তানের পূর্ববর্তীদের অভ্যাসের
  মত। তারা আমার আমাতসমূহকে মিধ্যা অভিন্তিত করেছিল, ফলে
  আল্লাহ তানের কপরাধসমূহক করেনেও তানেরকে পাকড়াও করেছিলেন।
  এবং আলাহ শাক্ষিকাকে কর্মাধ।

٣-سُورُةُ ال مِمْرِنَ - مَانِيَّةً اَبَانَهُ - ٣- يَكُونَانَهَا - ٢- اَنَانَهُ الرَّحْمِينَ الرَّحِيثِيرِ بِسُورِ اللَّهِ الرَّحْمِينِ الرَّحِيثِيرِ

> الَّــِيَّ هُ اللهُ لَآ إِلهَ إِلَّا هُوَ • الْحَيُّ الْقَيَّوْاً هُ

الله لا إنه إلا هو • الحي الفيوا ۞ نَوَّلُ عَلَيْكَ الْكِتْبَ بِالْفَقِّ مُصَرِّفًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ وَ ٱلْزَلَ • التَّوْرُ لِمَّوَ الْإِنْجِيْلَ ۞

مِنْ قَبَّلُ هُدَّى لِّلَنَّاسِ وَ اَنْزَلَ الْفُرْقَانَ ۚ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُواْ بِلَيْبِ اللهِ لَهُرْ عَذَابٌ هَدِيْدٌ ، وَ اللهُ عَزِيزٌ ذُو اثْبِقَامٍ ۞

إِنَّ اللهُ لَايَخْفُى عَلَيْهِ شُقَّى فِي الْاَرْضِ وَلَا فِي السَّمَّاءِ قَ هُوَ الَّذِينَ يُمَّوِّرُكُرُ فِي الْاَرْمَا اِكْيْفَ يَشَاءً ۚ لَآ إِلَّهُ إِلَّا هُوَ الْغَرِيُّ الْتَحْيُرُ ۞

هُوَ الْدِنِّ الْوَلِّ عَلَيْكَ الْكِنْسِيْمُ النِّيْسُةُ حَدَّمْتُ مِنْ الْهِ الْكِنْسِ وَآمُو مُتَكِيْمِ الْكِنْسِ الْمَالَّ الْدِينَى فَا فَلُوْمِو لَنَكُ } فَيْشُونُونَ الْمَالْمَيْنَ الْمِنْاَءِ الْلِينَدِينَ الْمَلِينَ وَالْمِنَاءِ الْمِنْسِدِينَ الْمَلِينَ وَالْمَ فَيْمُونُ الْمَالِمُ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ يَعْلُونُ اللّهِ يَعْلُونُ اللّهِ يَعْوُلُ اللّهَ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللهِ اللّهِ اللهِ اللّهِ اللهِ اللهِلمِلْ اللهِ اللهِلْمِلْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ

> اِنَّ الَّذِيْنَ كَنْرُوْا لَنْتُغْنِى عَنْهُرْ آمُوَا لُهُرْ وَ لَاۤ اَوْلَادُهُرْ ضِّ ۖ اِنَّ اللهِّهْنِكَا وَ اُولِكُكَ هُرْ وَقَوْدُ النَّالِ ۞

كَدَّابِ ال فِرْعَوْنَ وَ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِهِرْ • كَذَّبُوا بِالْتِنَاء فَاَ هَنَهُمُ اللهُ بَدُنُوْ بِهِرْ • وَ اللهُ هُدِيدُ الْعَقَابِ ﴿

- ১২। যারা কুলরী করেছে তাদেরকে বল, "দীয়ই তোমরা পরাজিত হবে এবং তোমাদেরকে জাহান্নামের দিকে সমবেত করা হবে।" আর কতই না নিকৃষ্ট এ বিশ্রামন্ত্রণ।
- ১০। ইতোমগেই কোনানের করা দিবর্দন ছিল পুটি দলের মধ্যে যারা প্রশাস সম্পূরীন হার্মেছের। একটি দল আছারের পথে যুক্ত করাজিন, এবং কনাটি কিল কাকিং, তার (প্রকিরবা) ভালেরকে নিজেলেরকে) চোবের দেখায় ভালের (মুনিলারক) বিকর্ণ দেখাইল। কিছু আছার ভাকে ইক্স করেল তার সাহার্য্য ধারা সাহার্য্য করেন। নিকার একে অবলাই কিলা হ্রায়ের দ্বিশিলারকে জন।
- ১৪। মানুৰের জন্য শোভনীয় করা ব্রেছে (তালের) আকাজনার সাময়ী-য়রী, সজান-সজতি, জুপীতৃত বর্ণ ও রৌণা, চিহিল্ড খোড়া, গবাদি পত ও ক্ষেত্ত-খামারের প্রতি জালবাসা। এসব দুনিয়ার জীবানের তোগ্যসাময়ী, আর আল্লাহ্র নিকট রয়েছে উভয় প্রত্যাবর্তনস্থল।
  - ১৫। বল, 'আমি কি ছোমাদেরকে একালার মেয়ে উত্তর কোন কিছুল সংগাদ দেব' 'মার গাততা অবদানাল করেছে তাদের জানা প্রকিল্যানকর নিকট জারাক্রসমূহ, কেতানার বীচে সরবাসমূহ প্রকারিত। সেখানে তারা ছারী হবে, এবং তাদের জনো রমেছে পরিক সঙ্গী/সারিলীরা এবং জারাহের পক্ষ থেকে সঞ্জুটি। আর আয়াহ বাশাদের এতি পর্বা নির্মিলিক।
- ১৬। যারা বলে, হে আমাদের প্রতিপালক। নিজয় আমরা ঈয়ান এনেছি, সূতরাং আপনি আয়াদের অপরাধসমূহ কয়া করন এবং আয়াদেরকে আয়দের পায়ি থেকে রক্ষা করন,
- ১৭। (ভারা) থৈর্যদীল, সত্যবাদী, অনুগত ও দানশীল এবং শেষ রাতে কথা প্রার্থনাকারী।
- ১৮। আল্লাহ সাক্ষ্য দেন বে, তিনি ছাড়া কোন ইলাহ নেই, এবং ফেরেপতারা ও জানের অধিকারীরাও (অনুরূপ সাক্ষ্য দেনা)। (তিনি) ন্যারনীতিতে প্রতিষ্ঠিত। তিনি ছাড়া কোন ইলাহ দেই, তিনিই মহাপ্রতাপদালী ও মহা ক্ষরতান।
- ১৯। নিক্যা আল্লাহ্র নিকট (গ্রহণীয়) যাঁন হল ইসলাম। এবং যানেরকে কিতাব দেরা হয়েছিল তাদের নিকট জান আনার পর তারা তাদের মাথে বিংবহবশতঃ মতপার্থকা করেছিল। আর যে আল্লাহ্র আলাকসমূহকে ক্রান্তন্য করে, তবে (তার জেনে রাখা উঠিত) নিক্যা আল্লাহ্ হিসাবে ফ্রান্ত।
- ২০। মতি জন্মা ক্রেমানে সামে বিবর্ধ পরতা হয় বিল', মামি জায়াহর নিবর্ত আমার হোবালাকে (নিজেনে) সমর্যণ করেরি এবং বারা আমাল জানুবার পরবাহে পারাক। মাহা আনারকে বিভাগা কোরা হোবালিন ভালেবের ও নিকন্ধারনারকে লগ্, 'ভোনোর কি আরুবার্যণি করেন্ত্র এবং মটি পারা মুখ্য নির্দির্ভার কিন্তু আরু রাজিক পারাক্রি ক্রান্ত মাহালিক ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র করেন্ত্র ক্রান্ত্র ক্রান্তর ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র ক্রান্তর ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র ক্রান্তন্ত ক্রান্ত্র ক্রান্তন্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্তন্ত ক্রান্তন্ত ক্রান্তন্ত ক্রান্তন্ত ক্রান্তন ক্র

قُلْ لِلَّذِينَ كَفَرُواْ سَتَغْلَبُوْنَ وَتَحَمُّرُونَ إِلَّا جَهَنِّرَ وَ بِشَى الْمِهَادُ ۞ قَدْ كَانَ لَكُنَّ أَيْنَّ فِي فَتَنِينَ الْفَقَدَا ، فَقَدَّ تَعَالَىٰ فِيسَيْنِ اللهِ وَلَخُرِى كَافِرَةً لِنَّوْلَهُمْ مِّفْلَتُهِمْ رَأَى الْغَيْنَ وَاللهُ لَوَّلِكُ

يَعْمُوهِ مَنْ فَقَاءُ وَانْ فَيْ ذَلِكَ لَكِفُرَةُ لِأَمْلِ الْإَمْمَارِ هِ رُيِّنَ لِلشَّاسِ هُبُّ الْفُهَوْرِي مِنَ النِّسَّاءِ وَالْمَيْنِي وَالْفَعَالِمُو الْمُعْتَمُورُ فِي الذَّهِي وَالْمُفَدِّوْ الْخَيْلِ الْمُسُومَةِ وَالْإِنْمَارِةُ الْمُرْعَدُونُ الذَّهَ مِنْ الذَّهِي وَالْمُفَدِّوْ الْخَيْلِ الْمُسُومَةِ وَالْآثِانِ وَالْمُعَارِةُ وَالْمُ

قُلُ أَوْلَغِثُكُمْ بِخَيْرٍ فِنْ ذَكُرْ لِلَّذِيْنَ التَّقُوا عِنْدَ رَبِّهِرْ جَنَّدَ تَجْرِيْ مِنْ تَحْبُهُا الْأَنْهُرُ خُلِدِيْنَ فِيهَا وَ أَرْوَاعٌ مُّطَّوَّةٌ وْرَجُولُ أَنَّ نَنَ اللهِ وَ اللهُ يَمِيُّ بِالْعَبَادِ فَي

ٱلَّذِيْنَ يَقُوْلُونَ رَبَّنَآ إِنَّنَآ إِمَّنَا فَاغْفِرْلَنَا ذُنُوبَنَا وَقِنَا عَدَابَ النَّارِ هُ

اً لصَّبِرِ بْنَ وَالصَّدِقِيْنَ وَالْقُنِتِيْنَ وَالْمُنْفِقِيْنَ وَالْمُشْفِقِيْنَ وَالْمُشْتَغْفِرِيْنَ بالْإَشْكَارِ @

هَهِدَ اللهُ أَنَّهُ لَآ إِلٰهَ إِلَّاهُوَ وَالْمَلَّئِكَةُ وَأُولُوا الْعِلْمِ قَائِمًا ' بِالْقِسْطِ، لَآ إِلٰهَ إِلَّاهُوَ الْعَزِيْزُ الْحَكِيْمُ فُ

إِنَّ البَّرِيْنَ عَنْدَ اللهِ الإِسْلاَءُ سَوَمَا إِهْتَلَفَ الَّذِيْنَ اوْدُولَ الْكِتَ الْأُونَ لَعْنَ مَا هَا هَمُ الْعِلْمُ لَعْنَا لَيْنَكُمْ وَمَنْ يَّخَدُّو بِالْحِي اللهِ قِلْ اللهِ سَرِيْعُ الْحِسَابِ @

فَإِنْ هَا هُوْكَ فَقُلُ السَّلْفُ وَهِمَى اللهِ وَمَنِ النَّحْقِ، وَقُلُ لِلَّذِينَ أُوثُوا الْكِتْبَ وَ الْأَكْتِبِّنَ ءَ اَسْلَمْتُ وَ فَإِنْ اَسْلَمُواْ فَقَلِ اهْتَدَوْا ءَوَ إِنْ تَوْلُواْ فَإِنَّمَا عَلَيْكُ الْمُلْغُ، وَ اللهُ يَعِيزُ إِبِالْعِبَادِ هُ

- ২১। দিক্য যারা অল্লাব্র আয়াতসমূহকে অবিশ্বাস করে, অন্যাতভাবে নবীদেরকে হত্যা করে এবং হত্যা করে তাদেরকে যারা মানুকের মধ্ থেকে মারের নির্দেশ দেয়, তাদেরকে ভূমি যন্ত্রগাদায়ক শান্তির সুসংখ্যাদায় দাও।
- ২২। ওরাই তারা যাদের কর্মসমূহ দুনিয়ায় ও আখিরাতে বিকল হবে এবং তাদের কোন সাহায্যকারী থাকবে না।
- ২০। ভূমি কি তাদেরকে দেখনি খালেকে কিতাবের কিছু অংশ প্রদান করা হয়েছে, খখন তাদেরকে আল্লাব্র কিতাবের (অর্থাৎ তাওয়াতের) নিকে আহ্বান করা হল তাদের (নিজেগের) মথে বিচার করার জন্য প্রকাপ তাদের প্রকল (বিচার) পরিস্কাপ করা মন্ত বিবিচ্ছা নিল প্রকাপ তাদের প্রকল (বিচার) পরিস্কাপ করা মন্ত বিবিচ্ছা নিল
- ২৪। এটি এজন্য দে, তারা বাদে, 'আঙ্কন আমানেওকে কথনো স্পর্ণ করতে না গণনাযোগ্য করেকটি দিন ছাড়া।' এবং তারা যা নিখ্যা রচনা করত তা তামানতকে তামের ছীনের বিভাবে থাকার ফেলে নিশাসক।
- ২৫। অতএব (তথন) কেমন হবে যখন আমি তালেরকে একতা করব এমন এক দিনের জন্য, যে ব্যাপারে কোন সন্দেহ নেইং এবং প্রত্যেক ব্যক্তিকে দে যা অর্জন করেছে তা (তার প্রতিক্ষণ) পুরোপুরি দেরা হবে, এবং তালের প্রতি ভূলম করা হবে না।
- ২৬। বল, 'হে আল্লাহ, বাজপ্তের মালিক। আপনি মাকে ইক্ষা করেন রাজন্তু প্রদান করেন এবং যার নিকট হতে ইক্ষা করেন রাজন্তু কেন্ধে নেন, এবং আপনি যাকে ইক্ষা করেন সম্মানিক করেন এবং আপনি যাকে ইক্ষা করেন অপমানিক করেন। আপনার হাতেই সমান্ত কল্যাণ। নিক্ডর আপনি সব কিন্তুর উপর সর্বাধিক্যান।
- ২৭। আপনি রাতকে নিদের মধ্যে প্রবেশ করান এবং নিনকে রাতের মধ্যে এবেশ করান, এবং আপনি মৃত হতে জীবিতকে বের করেন, এবং জীবিত হতে মৃতকে বের করেন, এবং আপনি যাকে ইক্ষ্য করেন রেসিয়য় বিশ্বিদ মান করেবল
- ২৮। মু দিনরা দেন মু দিনোসকে বাদ দিয়ে কান্সিবাসকে বছন্ত্বমাণ এহণ ম করে, এবং যে তা করবে আন্নার্ক্ত সাথে তার কিছুই (সর্বান্ত্রীজন) থাককে মা, ওয়াড়া মে, ভোমনা তানের থেকে সাবোদাতা অবদক্ষন করবে (অর্থা দিশবে) সাবোদাকা হিসেবে। যার আদ্বান্ত তার নিজের সম্পর্কতি ভোমানেকে সাবাদন করেমে। এবং গারান্ত্রজন্ম আন্তান্তরী কিরেও
- ২৯। বন, 'তোমাদের বন্ধে বা আছে তা যদি তোমরা গোপন কর অথব তা প্রকাশ কর আরার তা আনেন। এবং ছিলি জানেন যা কিছু আছে আবালসমূহে এবং যা কিছু আছে পৃথিবীতে। এবং আরার সব কিছুর বিশ্ব সর্কারিক্সাম।'

- إِنَّ الْنِيْنَ يَكُثُرُونَ بِالْنِي اللَّهِ رَيَقَتُلُونَ النَّيِقِ بِغَيْرِ حَقِّ، وَيَقَفُلُونَ الَّذِينَ يَامُرُونَ بِالْقِصْوِينَ النَّاسِ، فَيَشْرُهُرُ بِعَدَابٍ آلِيْرِ
- أُولِيَكُ الَّذِيْنَ حَبِطَثَ أَعْمَا لُهُرْ فِي الشَّنْيَا وَالْأَخِرَةِ وَمَا لَهُرْ مِّنْ تُعْرِيْنَ ۞
- أَلَوْتُوَ إِلَى الَّذِينَ أُوتُواْ تَعِيْبًا مِنِّ الْحِتْبِ يُدْعَوْنَ إِلَٰ كُتِّ اللهِ لِيَحْكُر بَيْنَهُو ثُرُّ يَتَوَلَّى فَوَيْقٌ مِّنْهُو رُهُو مُعْرِضُونَ ﴿
- ذلك بالقراق الآل الناتيسة القار إلا آبامًا مُعْدُود بوط مُرَّ مُرِيْ دِنْهِمِ قَاكَانُوا يَعْتَرُونَ هِ فَعَيْدَ إِذَا يَعْتَمُومُ لِيُوْ إِلَّا رَبِّهِ فِيهُ وَرُقِيفَ كُلُّ نَفِي مَّا كَسَن وَهُمْ الإِنْفَالَمُونَ هِي اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ الله
- حسى وهر لا يصمون الله المُلك تؤتى المُلك مَنْ تَضَاءُ وَتَنْعُ الْمُلك مَنْ تَضَاءُ وَتَنْعُ المُلك مَنْ تَضَاءُ وَتَنْعُ المُلك مَنْ تَضَاءُ وَتَوْمُ مُنْ تَضَاءُ وَتَدِل مُنْ تَضَاءُ وَيَدِلكَ الْمُلك مَنْ تَضَاءُ وَيَوْمُ مُنْ تَضَاءُ وَيَدِلكَ الْمُنْ المُضَاعِلُ مُنْ المُضَاءُ وَيَدِلكُ الْمُنْ المُنْ الْمُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ الْمُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ الْمُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ الْمُنْ المُنْ الْمُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ المُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ ال
  - تُولِيمُ الْبَلَالِي النَّهَارِي وَتُولِيمُ النَّهَارِي الْبَلِينِ وَتَطْوِعُ إِنَّيُّ مِنَ النَّبِينِ وَتَشْرِعُ النَّبِينَ مِنَ الْمَنِّينَ وَتَوْرُقُ مِنْ تَفَاءً يَظُرِهُ هَا لِهِي ﴾ لِكَنْفِظِينَ النَّهُ مِنْ النَّهُ عَلَى النَّهُ النِّي أَوْلِياً وَمِنْ وَثُونَ النَّهُ عَنِينَ وَكُلُومِينَ
- مَنْ يُنْعَلَ ذَلِكَ فَلَيْسَ مِنَ اللَّهِ فِي مَنْ الْآَوَانَ تَقُوْا مِنْهُرْ لَلْقُدُّ رَيُحَلِّ ذَكُ اللَّهُ تَفْسَدَرَ إِلَى اللَّهِ الْمَعِيرُ ۞ قَلْ إِنْ تَعْفُرُوا مِنْ فِي مُدُورِكُر أَوْلُيْدُونَّ مِنْقَدُمُ اللَّهُ وَيَعْلَمُ مَا فِي السَّوْتِ وَمَا فِي الْآرِضِ، وَ اللَّذِيْنِ وَ اللَّمَا فِي ثَلْمَ عَنْ قَدَيْرٌ ۞

- ৩০। মেদিন প্রভোক বাভি সে যা ভাল কাজ করেছে তা উপস্থিত দেখতে পাবে এবং সে হা হন্দ কাজ কবেছে (তাও দেখতে পাবে). সে কামন তাঁর মিকের সম্পর্কে তোমাদেরকে সাবধান করছেন। আৰ আলাচ রাজ্যাদের পতি অভ্যত্ত স্কেচনীর।
- ৩১। বল 'হদি ভোহতা আলাকতে ভালবাস<sup>®</sup> ভাহতে আমাকে অনস্তর্ণ কর. আধাহ তোমাদেরকে ভালবাসবেদ এবং ভোমাদের অপরাধসমহ ক্ষমা করাক্র। এবং আলার অতি ক্রমাশীল ও পরম দয়াল।
- ৩১ বল, 'ডোমরা আনগড়া কর আস্তাহর ও রাস্ত্রের', আর যদি ভারা য়খ ফিকিছে নেয় ভাবে (জেনে বাখ) নিশ্বয় আলাহ কাকিবদেরকে चानवारमञ्जू जो।
- ৩৩: দিশুর আল্লাহ আদমকে ও নুহকে এবং ইবরাহীমের বংশখরকে ও ইমরানের বংশধরকে জগৎসমহের (মানব জাতির) উপর মনোশীত काराज्य-
- ৩৪। এরা একে অপরের বংশধর। আর আন্তাহ সর্বপ্রোতা ও সর্বজ্ঞানী
- ০০। সধ্য ইয়বানের লী বলেছিল 'তে আমার প্রতিপালক। আমার পেটো (গর্লে) যা আছে নিশ্বর আমি তা একান্তভাবে আপনার জন্য মানত ক্রলাম সলবাং আগমি প্রায়ার নিকট রতে করল করুন নিক্র আপনিট সর্বপ্রোতা ও সর্বজানী।
- ০০: অসংগৱ হখন সে ভাকে (মাবইহামকে) প্ৰসৰ কৰল তথন সে বলল. 'দে সামার প্রতিপারক। নিশ্বা আহি নারী (করা) সাধান) পাসব ক্রবেছি।' আব সে যা প্রসব করেছে আলার সে সম্পর্কে অধিক জানেন। এক (মার প্রাক্তিমে) পরবাটি (ভাল সমানটি) তো এ নাবীর (কনা) সম্মানের) মত নয়। (ইমরানের স্ত্রী বলল) 'এবং নিক্তম আমি তার নাম বেশেছি 'মাবউযাম' এবং নিশ্চয় আমি বিভাতিত শয়তাল থেকে তার জন্ম ও তার বংশধরের জন। আপনার আশ্রয় প্রার্থনা করছি।
- ক্র। অসংপর ভার প্রতিপালক তাকে (মারটয়ামকে) উত্তমভাবে কবল করলেন এবং তাকে উত্তমভাবে প্রতিপালন করলেন এবং যাকারিয়া তার ত্ত্যাবধ্যানের দায়িত নিল। যথমই খাকারিয়া নির্দিষ্ট ককে তার নিকট প্রারশ করত তথ্য তার রাচে বিহিত্ত (খান্য-সাম্ম্রী) দেখতে পেত। সে বলল, 'হে মাবইয়াম। এ (সৰ) তোমাৰ অন্য কোৰা থেকে (আসে)ঃ' সে সমল 'এটি আলাহৰ নিকট থেকে।' নিক্য আলাহ বাকে ইচ্ছা ক্ষেত্ৰৰ কেপিসাৰ বিশ্বিক দান কাৰ্যন।
- ৩৮। সেখানেই যাকারিয়া তার প্রতিপালকের নিকট প্রার্থনা করল, (এবং) বলল, 'বে আমার প্রতিপালক! আমাকে আপনি আপনার পক্ষ থেকে একটি নেক সমান দান কৰুন, নিক্য আপনি প্ৰাৰ্থনা প্ৰথপকাৰী "

- يَوْ اَ تَجِدُ كُلُّ نَفْسِ مَّا عَمِلَتْ مِنْ خَيْرٍ مُّحْضَرًّا أَوَّمًا عَمِلَتُ اللهُ نَفْسَهُ وَ اللهُ رَءُونَ بِالْعَبَادِ فِي
  - قُلُ إِنْ كُنْتُرْ تُحِبُّونَ إِللَّهَ فَاتَّبِعُوْنِي يُحْبِبْكُرُ اللَّهُ وَيَغْفِ لَكُوْ ذُنُو بَكُورُ وَ اللَّهُ غَفُو رُ رَحْيَوْ ﴿
  - قُلْ أَطِيْعُوا اللهَ وَ الرَّسُوْلَ ، فَإِنْ تَوَلَّوْا فَانَّ اللهَ لَا يُحبُّ الْكُفْرِيْنَ ⊛
  - انَّ اللهَ اصْطَفَى أَدَا وَنُوحًا وَأَلَ إِبْرُهِيْرَ وَأَلَ عِمْرُنَ فَلَ الْعُلَمِينَ فِي
  - ذُرِيَّةً بَعْضُهَا مِنْ بَعْضِ وَ اللَّهُ سَمِيْعٌ عَلَيْرٌ ﴿ ا ْ قَالَتِ امْرَ أَتُ عِمْرِانَ رَبِّ إِنِّيْ نَذَرْتُ لَكَ مَا فِي بَطْنِيْ

مُحَرِّراً فَتَقَبَّلُ مِنْيَ اللَّهَ آنْتَ السَّمِيعُ الْعَلَيْرِ @

- فَلَمَّا وَضَعَتْهَا قَالَتْ رَبِّ إِنَّى وَضَعْتُهَا ۖ أَتْثَى ، وَ اللَّهُ أَعْلَيُ بِمَا وَضَعَفْءُ وَ لَيْسَ إِلذَّكُو كَا لَإَنْفَى ، وَ إِنَّى سَبَّيْتُهَا مَرْيَرَ وَ إِنَّيْ أُعِيْذُهَا بِكَ وَ ذُرِّيَّتَهَا مِنَ | لشَّيْطَى | لرَّحِيْرِ @
- فَتَقَبَّلُهَا رَبُّهَا بِقُبُول حَسَى وَّ إَنَّ بَتَهَا نَبَاتًا حَسَنًا و كُفَّلُهَا زَكَيًّا أَكُلُّمَا دَخَلَ عَلَيْهَا زَكَرِيًّا الْمِصْرَابَ، وَجَدَعِثْدَهَا رِزْقًا ، قَالَ يُمْرِيرُ إِنَّى لَكِ هٰذَا ، قَالَتْ هُوَ مِنْ عِنْدِ اللهِ ، إِنَّ اللهُ يَرْزُقُ مَنْ يَشَآءُ بِغَيْرِ حَسَابٍ ۞
- هُنَا لِكَ دَعَا زِكُرِيًّا رَبَّهُ ۚ قَالَ رَبِّ هَبْ إِيْمِنْ لَّدُنْكَ ذُرِّيَّةً طَيِّبَةً النَّكَ سَمِيْعُ الدُّعَآءِ ﴿

- ৩৯। অতংপর ফেরেশতারা তাকে ভাকল, যখন সে মেহুরাবে সালাতে (নামবে) দলায়মান (এই বলে) যে, 'আল্লাহ্ আননাকে ইয়াইইয়ার সুনবাল দিক্ষেন, সে বে আল্লাহ্র পক্ষ থেকে (আসা) একটি কালীর (স্থাম) সভ্যায়নকারী, লেভা, নারী বিমুখ এবং সংকর্মশীলদের মধ্য সম্প্রত্যান্ত্র ক্রী,'
- ৪০। সে বলদ, 'হে আমার প্রতিপালক। আমার পুত্র হবে কিভাবে, যখন আমার নিকট বার্থক্য পৌছেছে এবং আমার প্রীত বন্ধ্যার' তিনি (আল্লাহ) জ্ঞাবন "প্রমানেই আলার মা ইক্সা বন্ধন আ বন্ধন।"
- ৪২। এবং বরণ ফেরেশভারা বলেছিল, 'বে মারইয়ামা দিশ্য আগ্রাহ তোমাকে মনোনীত করেছেন ও তোমাকে পবিত্র করেছেন এবং অগদসমূহের (মানব জাতির) নারীদের উপর তোমাকে মনোনীত ক্ষয়েছেন।
- ৪০। হে মারইয়াম! তোমার প্রতিপালকের অনুগত হও ও সিজনা কর একা রুকুকারীদের সাথে রুকু কর।'
- ৪৪। এটি অপুশোর সংবাদ যা আমি তোমার প্রতি এটা করছি। আর চুকি তাদের কাছে ছিলে না যথন তারা তাদের কামনসমূহ নিক্রেপ করছিল (এটি নির্বারশের জনে, বে) তাদের রবে। কে মারইজানের তত্ত্বাথবাদ করবে। তথনত ভূমি তাদের কাছে ছিলে না যথন তারা বাদানুবাদ করছিল।
- ৪৫। যখন ফেবেশতারা কাল, 'বে মারবিয়ম' নিশ্চয় আল্লাহ তোমাকে তাঁর পঞ্চ থেকে একটি বাগীর সুল্বান সিক্ষেন। তার নাম মারবিয়কের পুত্র ইলা-মালীহ, যে ববে দুদিয়া ও আধিবাতে মর্বানবান একং নৈকটারাঞ্জনে অলুকুতি-
- ৪৬। এবং সে মানুবের সাথে কথা কাবে কোলে থাকা অবস্থায় ও পরিশত বয়সে এবং সে হবে সংকর্মশীলনের অল্পর্ভক।\*
- ৰয়দে এবং দে বাংক শক্তমন্দাদের অন্তন্তুভা ।

  ৪৭। সে বলল, 'হে আমার প্রকাশলতা আমার সন্ধান হবে কিভাবে, যথন
  আমাকে কোন পুৰুষ শূপ্দ করেনিং' তিনি (আন্তাহ) বললেন, 'এভাবেই
  আন্তাহ বা ইক্ষা করেন সৃত্তি করেন। তিনি যথন কোন বিবারে সিদ্ধার
  দেন তথন কালে কেবল স্কালন, 'বিভ' এবং তা হারে যায়।
- ৪৮। এবং তিনি তাকে শিক্ষা দিবেন কিতাব, বিকমত (প্রজা), তাওরাত ও উনস্কীল
- 8a) এবং (জাকে নিযুক্ত করকে) বনী ইনার্যাইলের অবনা একজন রাস্ট্র্যার, ৪a। এবং (জাকে নিযুক্ত করকে) বনি ইনার্যাইলের আবা একজন রাস্ট্রার, বিরুদ্ধের প্রতিপালকর শক্ত করে কোরাফার নিবলি নিবলি

فَنَادَتُهُ الْمُلَّكِنَّةُ وَهُوْ قَالِّمْ لِمُثَلِّى فِي الْمِدُرَابِ ّأَنَّ اللهُ يَمُشْرِكَ بِيَضِيُّى مُصَرِّفًا بِكُلِمَةٍ مِنَّ اللهِ وَسَيِّدًا وَحَمُو رَا وْ نَبِيًّا مِّنَ السَّلِدِينَ ۞

قَالَ رَبِّ الَّتِّي يَكُوْنَ لِي عُلَرٌ وَّقَدُ بَلَغَنِيَ الْحِبَرُ وَاهْرَ آلِيُ عَاقِرْ ، قَالَ كَذَٰ لِكَ اللهُ يَثْغَلُ مَا يَشَاءً ۞

قال ربِّ إجَعَلَى إِنَّهَ قَالَ إِنَّكَ الْاَتَكِيرِ النَّاسُ لِلْفَدَّ إِنَّا إِ إِلَّا رَضُوُّ ادْوَاذُكُوْ رَبَّكَ تَخِيرُ وَسَبِّرٍ بِالْحَيْنِ وَالْإِنْكِ رِفَّ وَإِذْ قَالَتِ الْمَلِّتِكَةُ يُمْرُيْهِ إِنَّ اللهُ اصْطَفْكِ وَظَهْرِكِ وَ اصْطَفْكِ عَرِيشًا وَالْعَلَيْنَ هِي

بَهُ رَمِّرُ اقْنَعُ لِرَكِكُ رَاسَجِينَ ٥ يَهُ رَمِّرُ اقْنَعُ لِرَكِكُ رَاسَجِينَ وَالرَّعُنِ مَعَ الرَّحِيْنَ Θ لِلْكُونُ الْقَامِةُ لِلْقَبِي الْفِيْدِ لَوَجْدِ لِلْكُ وَمَاكَثُمَ لَنَيْهِمْ إِذَ لِلْكُونُ الْلَامِمُ لَلْهُمْ يَخْلُلُ مَرْكِيْنَ "وَمَاكْثُمْ لَنَهْمِيْرُ إِذَ

يفتعمون ⊕ إِذْ قَالَتِ الْمَلَّكِفَةُ يُمَوِّيرُ إِنَّ اللهُ يَبُشِّلُكِ بِكَلِمَةً مِّنْفُةٌ السُّمُّةُ الْمُسَيِّرُ عِنْسَى ابْنُ مَوْيِّرَ وَجِنْفًا فِي النَّائِمَ وَالْمُورَّةِ وَمِنَ الْمُسَيِّرُ عِنْسَى ابْنُ مَوْيِّرَ وَجِنْفًا فِي النَّائِمَ وَالْمُورَةِ وَمِنَ الْمُعَرِّدِينَ

وْيُكِلِّمُ النَّاسَ فِي الْبَهْدِ وَكَهْلًا وْمِنَ السَّحِيْنَ ⊕ قَالَتُ رَبِّ إَثِّي يَكُونُ إِنَّ وَلَدٌ وَلَيْرَيْمُسَّمْنِي بَفَرْ •قَالَ كُذْ لِكَ اللهِّ يَشْلُقُ مَا يَشَأَءُ اذَا قَفْى آمُوا فَاثَّمَا يَقُولُ لَمَّ

كُنْ فَيَكُونُ ۞ وَرَعُولُهُمْ الْكِنْسَ وَالْمِئَدَةَ وَالقُولُدَةَ وَالْإِنْجِيلَ ۞ وَرَسُولُا إِلَى بَنِّيَ السِرَالِيلَ الِّي قَدَ جِثْكُرُ بِالَّهِ إِنْ رَيَّكُرْ، إِنِّيَّ الْمُلُقُلُ تُكُونُ مِنَّ الطَّيْنِ كَمَيْنَةً الطَّيْرِ قَالْشَرِ فِيهِ تَكِكُونُ عَلَيْرًا بِادْنِ الشِّرَةَ إِلَيْنِ الْأَصْمَةُ وَالْأَرْضَ وَأَعِي الْمُؤْمِنَّ وَأَلْمِ لَلْمُؤْمِنَّ

باذْن الله، وَ أُنَبِّنُكُمْ بِهَا تَأْكُلُونَ وَمَا تَذَّكُ وَنَ فِي بُيُّو تَكُمْ و

انْ فِي ذَٰ لِكَ لَا يَدُّ لَّكُرْ إِنْ كُنْتُرْ مُّؤْمِنيْرَ، هُ

**¢8**o

- ৫০। এবং (আমি এসেছি) আমার পর্ববর্তী তাওরাতের সত্যায়নকারীরূপে. ভাব ভোয়াদের জনা বাঁঁ হাবায় করা হয়েছিল তার কিছ (জিনিস) নোমাসনৰ জন্ম হালাল কৰাৰ জন্ম এবং আমি ভোমানেৰ প্ৰতিপালকৰ काह त्थारक त्याचारावर विकार विकार विकार व्यापाति अस्तर्ग त्याचारा আল্লাহকে ভর কর এবং আমার আনগভা কর।
- ৫১। নিশ্চর আবার আমার প্রতিপালক এবং ভোমাদেরও প্রতিপালক সকরা। তোমরা তাঁর ইবাদত কর। এটিই সরল-সঠিক পথ।
- ea। অভ্যপর যথন (অর্থাৎ এ ঘটনাগুলো ঘটার পর) উপা তাদের থেকে কাননী অনুস্তুত্ত কৰেল সভান সে বলল 'আলাহৰ দিকে কাৰা আমাৰ भारतमात्रोत्रे गावशातील जनन 'यामनारे जानावर जावामाकाती আমতা আলাহর প্রতি উমান এনেভি এবং আপনি সাকী থাকন যে আমরা মসলিম।
- ০০ তে আয়াদের প্রক্রিপালর আপনি যা অবতীর্ণ করেছেন তাতে আমরা ইমান এনেটি এবং আমরা রাসলকে অনুসরণ করেছি, সতরাং আপনি। আয়াদেবকে সাক্ষাদানবাবীদেব সাথে তালিকাভক কৰদ।
- ০৪। এবং ভারা সমুযুদ্ধ করেছিল আরু আল্লাছও কৌশল করেছিলেন। আর আলাচ (চাঞ্চন) টব্য কৌশদী। কর। স্থান আমার সমাধান 'তে উমা। নিশ্বর আমি কোয়াকে মধ্যা দিব এবং
- আমাৰ নিকট তোমাকে উঠিয়ে নিব এবং যাৱা কম্বরী করেছে ভালের পোক সোমাকে পতিত কৰৰ এবং যাবা ছোমাকে অন্যবণ কৰেছে তাদেরকে কিয়ামতের দিন পর্বন্ধ" তাদের উপরে রাখ্য যারা কফরী করেছে, এরপর আমারই দিকে তোমাদের প্রত্যাবর্তনস্তল, অভঃপর আমি ভোমাদের মধ্যে সে বিষয়ে কয়সালা করে দিব যে বিষয়ে ভোমরা মুদ্রপার্থক্য করকে।
- ৫৬। আর যারা কফরী করেছে তাদেরকে আমি দনিয়ায় ও আথিরাতে কঠিন শান্তি প্রদান বাবব এবং ভাদের কোন সাহায্যকারী নেই।
- ৫৭। এবং যারা ঈমান এনেত্তে ও সংকাজ করেছে তিনি তাদেরকে তাদের প্রতিদান পরোপরি দিবেন। আর আল্রাহ জালিমদেরকে ভালবাসেন
- ab। এটি তা-ই বা আমি (আমার) আয়াতসমত ও প্রজ্ঞাময় উপদেশ থেকে জোয়ার নিকট পার কর্মি। ৫৯। নিশ্চয় আল্লাহর কাছে ঈসার দটান্ত আদমের দটান্তের মত। তিনি তাকে
- য়াটি থেকে সৃষ্টি করেছিলেন, এরপর ভাকে বলেছিলেন, 'হয়ে যাও', अतः का काम (शका)
- ea। (এটি) তোমার প্রতিপালকের নিকট থেকে (আগত) সতা, সতরাং তমি प्रात्मककाशीयाव काललेल क्राया सा
- 651 সভরাং ভোমার কাছে জ্ঞান আসার পর যারা এ বিষয়ে ভোমার সাথে বিজর্ক করে ডাদেবকে বল এসো আমবা ভাকি আমাদের সম্মানদেরকে ও ভোমাদের সম্ভানদেরকে, আমাদের নারীদেরকে ও ভোমাদের নারীদেরকে আয়াদের নিজদেরকে ও তোমাদের নিজদেরকে, এরপর खाप्रता (प्रिक्तिणसारक) ओकाश्चिक आर्थना कवि । अवः प्रिशावामीरमन केशव আলাহর লা'মত বর্ষণ কবি<sup>\*</sup>।

- وَمُصَدِّقًا لَّمَا بَيْنَ يَدَىَّ مِنَ التَّوْرُنةِ وَلِأُصِّلَ لَكُمْ بَعْضَ الَّذِيْ هُمَّا عَلَيْكُمْ وَجِعْتُكُمْ بِالْهَدِّينَ وَبِّكُرْ سَفَاتَّقُوا اللَّهَ وَ أطيعُون 🙉
  - انَّ اللهَ رَبَّى وَ رَبُّكُرْ فَاعْبُدُوهُ وَلَا مُراطَّمُّ سَتَقَيْرٌ ﴿
- فَلَمَّ آحَسَّ عَيْسَ مِنْهُرُ الْكُفْرَ قَالَ مَنْ آنْصَارِي آلَ اللهِ، قَالَ الْعَوَا رِيُّونَ نَحْنُ أَنْمَا رُ اللَّهِ ۚ أُمِّنَّا بِاللَّهِ ۗ وَ الْهَهَدُ بِأَنَّا
- رَبُّنَآ أَمَنَّا بِمَآ أَنْزَلْتَ وَاتَّبَعْنَا الرُّسُوْلَ فَاكْتُبْنَا مَعَ الشهدين @
- وَمَكَّ وَا وَمَكَرَ اللهُ وَ اللهُ خَيْرُ الْلهِ فَيْ أَلْكِ ثِنَ أَهُ إِذْ قَالَ اللهُ يُعِيْشَى إِنَّى مُتَوَقَّيْكَ وَ رَافِعُكَ إِلَى وَمُطَهِّرُكَ مِنَ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا وَجَاعِلُ الَّذِيْنَ اتَّبَعُوْكَ فَوْقَ الَّذِيْنَ
- كَفَرُوا إِلَى يَوْمِ الْقَلِمَة ، ثُرَّ الَّيَّ مَوْجِعُكُو فَأَهْكُرُ بَيْنَكُرُ فَيْمَا كُنْتُرْ فَيُهِ تَخْتَلُقُونَ هِ
- فَأَمًّا الَّذِيْنَ كَفَرُواْ فَأَغَدَّبُهُمْ عَذَابًا هَدِيْدًا فِي الدُّنْيَا وَ الْأَخِوَةُ وَمَا لَهُرُ مِّنْ تُعْوِيْنَ @
- وَأَمَّا الَّذِيْنَ أَمَنُوْا وَعَمِلُوا الصَّلحٰ فَيُوَقَّيْمِرْ أَجُوْ رَهُرْ وَ اللهُ لَا يُحِبُّ الظَّلَمِينَ 6
- ذُ لِكَ نَتْلُوْهُ عَلَيْكُ مِنَ الْأَيْبِ وَ الدِّكِ الْحَكِيرِ @ انَّ مَثَلَ عَيْسَ عَنْدَ اللهِ كَمَثَل أَدَّ عَلَقَهُ مِنْ تُرَابِ ثُرُّ قَالَ
  - لَهُ كُنْ فَيَكُوْنُ ۞
- أَلْحَقُّ مِنْ رَّبُّكَ فَلَانَكُنْ مِّنَ الْمُمْتَ بِينَ @ فَمَنْ هَا مِّكَ فَيْهُ مِنْ بَعْدُ مَا جَاءَكَ مِنَ الْعِلْمِ فَقُلْ تَعَا لَوْ ا نَدْعُ ٱبْنَاءَنَا وَٱبْنَاءَكُورُ وَنِسَاءَنَا وَنِسَاءَكُورُ وَٱنْفُسَنَا وَ

৬৩। কিন্তু যদি তারা মথ ফিরিয়ে দেয়া তবে নিশ্চয় আল্লাভ ফ্যাসাদ সঙ্কিরাবীদের সম্পার্ক জলভাবে ভানেন। ৬৪। (হে নবী।) বল, 'হে আহলে কিতাব। তোমরা এসো এমন একটি বাণীর

मित्रक या खाधारमय प्राप्त क क्याधारमय प्राप्त अधान क्याधारा खालाङ ছাড়া কারো ইবাদত করব না. তাঁর সাথে কিছই শরীক করব না এবং আলাহকে বাদ দিয়ে আয়াদেব কেট কাউকে প্রতিপাদক বিসেবে গ্রহণ করবে না।' কিন্ত যদি তারা মথ ফিরিছে নেয় তবে বল, 'ডোমরা সাক্ষী থাক যে আমবা মসলিম।'

৬৫। হে আহলে কিতাব! তোমবা কেন ইববারীম সম্পর্কে বিতর্ক কর, অথচ তাওরাত ও ইনজীল তার পরেই অবতীর্ণ হয়েছিলঃ তবে কি তোমরা অনধাবন কর নাঃ

৬৬। তত্তে তোমরাই তারা যারা বিতর্ক করেছ গে বিষয়ে যে বিষয়ে " তোমাদের কিছ জান আছে, ভবে যে বিষয়ে ভোমাদের কোন জান নেই সে বিষয়ে কেন বিজৰ্ক কৰছ? এবং আলাহ জানেন আৰু ভোমৰা আন না।

৬৭। ইবরাহীম ইচদী ছিল না এবং নাসারাও ছিল না, বরং সে ছিল একতবানী মস্পিম। এবং সে মুশ্বিকদের স্কন্তর্কক ছিল না।

Mr. নিশ্চয় মানষ্টের মধ্যে তারাই ইবরাহীয়ের নিকটজন যারা তাকে অনসরণ করেছে এবং এই নবী এবং যারা ঈমান এনেছে তারাও। এবং আল্লাহ ম'মিনদের অভিভাবক।

৬৯। আহাল বিভাবের এরদের স্তাহনা স্তার যদি ভারা ভোগ্রাদেরকে পথপই করতে পারত, অথচ তারা কেবল নিজেদেরকেই পথন্ডই করে, এবং তারা অনুভব করে না।

৭০। হে আহলে কিতাব। তোমরা কেন আল্লাহর আয়াতসমহকে অবিশ্বাস কৰ যথন ভোমৰা ভা প্ৰভাগ্য কৰছ?

৭২। আর আহলে কিতাবের একদল বলল, 'যারা ঈমান এনেছে তাদের উপর যা অবতীর্ণ হয়েছে ভোমরা দিনের প্রথমভাগে ভা বিশ্বাস কর এবং এর শেষভাগে তা অবিশ্বাস কর", হয়তো তারা (তাদের ধর্ম থেকে) ফিরে আসবে.

فَانْ تَوَ لَّوْ إِ فَانَّ اللَّهُ عَلَيْ ۗ 'بِا لُمُفْسِدِيْنَ ﴾ قُلْ يَا هَلَ الْكِتْبِ تَعَالُوا إلى كَلِمَةِ سَوَّ آَءِ بَيْنَنَا وَ بَيْنَكُورْ أَلَّا نَعْبُدَ إِلَّا اللَّهَ وَ لَانُهُمْ كَ بِهِ هَيْمًا وَّ لَايَتَّحَدَ بَعْفُنَا بَعْفًا أَرْبَابًا مِّنْ دُوْنِ اللهِ ۚ فَانْ تَوَ لَّوْ الْفَقُو لُوا الشَّهَدُوا بِأَنَّا

مُسْلَمُونَ 😡

يَّأَهْلَ الْحَتْبِ لِيرَ تُحَاَّجُوْنَ فِيَّ الْمِرْهِيْرَ وَمَآ أَنْزِ لَبِ التَّوْرِيةُ وَ الْانْجِيْلُ الَّا مِنْ بَعْدِهِ ﴿ أَفَلَاتَعْقَلُونَ ﴿ هَانْتُرْ هَٰؤً لِّآءِ مَا هَجُتُرْ فَيْمَا لَكُرْ بِدِعْلَمْ فَلِيَ تُحَاَّجُوْنَ فِيْمَا لَيْسَ لَكُيرُ بِهِ عِلْرٌ وَ اللهُ يَعْلَيرُ وَ أَنْتُرُ لَاتَعْلَمُوْنَ ⊛ مَا كَانَ إِنْ هِيْ يُهُودِيًّا وَّ لَانَصَ إِنًّا وَّ لَكِنْ كَانَ حَنيْفًا

مُّسْلَمًا ﴿ وَمَا كَانَ مِنَ الْمُشْرِكَيْنَ ﴿ إِنَّ أَوْلَى النَّاسِ بِالْرَٰهِيْرَ لَلَّذِيْنَ اتَّبَعُوْهُ وَهٰذَا النَّبِيُّ وَ الَّذِيْنَ إِمَنُوْ إِنَّ اللَّهُ وَلَّ الْمُؤْمِنِينَ ۞ وَدِّيْ ظَّالْغَةٌ مِّنْ أَهْلِ الْكَتْبِ لَوْ يُصْلُّوْ نَكُرْ • وَمَا يُصَلُّونَ الَّآ

أَنْفُسُمُ وَمَا يَشْعُ وْنَ هِ يَّأَهْلَ الْكَتْبِ لِرَ تَكْفُرُونَ بِأَيْتِ اللهِ وَ أَنْتُرْ تَشْهَدُونَ ⊛

وَ أَنْتُرْ تَعْلَبُونَ ۞

وَ فَا لَتِ طَّآ لَفَةٌ مِّنْ أَهْلِ الْحَتْبِ مِنُوْ إِبِا لَّذِيُّ أَنْ لَ فَلَ الَّذِيْنَ أَمَنُواْ وَجْهَ النَّهَا رِوَ اكْفُرُوٓۤ أَخْرَةٌ لَعَلَّمُمْ يَرْجِعُوْنَ ۗ ۖ

- পথ। কৰে যে বাজি বোমানের উচ্চত অনুসংগ করে ভাকে মৃত্যু অব কাইকে বিদ্যান কৰে। মাঁ (যে বাঙ্কা) বন্দ, বিদ্যান বিদ্যান পার্বাচিনিশ্বল হল আহারের পর্যন্তিটিল, (মৃত্যুত্ত করে দি ও বংশ) বে, হোমানেরেল বাংলার হেছে হে পিনা ভাইকে কোর বিদ্যান বে কামানের বাংলার বিদ্যান বাংলার বিদ্যান করিকে কার সমানে হোমানের বাংলার করে করে বাংলার বাংলার অনুসংগ্রাহ আহারের হারের, বিদ্যান উদ্ধান বাংলার বা
- ৭৪। তিনি তাঁর দরার জন্য থাকে ইচ্ছা করেন মনোনীত করেন। এবং আল্লাহ্ মতা অন্যতদশীল।
- ৭৫। এবং মাহলে বিবাবের মাথে এমনে (লোক) রয়েছে মার নিকট ছলি যুক্তি বিশ্বল পরিমান (লোক) মামানক থাব লো ভা ভোনার নিকট বেলাক লোক, এবং তালে মার এমনত (লোক) প্রচার ছলা নিকটা মারী মুরী একটি নীমানক আমানক ছাখা লো ভা ভোমানে দেয়ক লোক। মা, হকলা না মুই তার (মামানিক) বিশ্বল মারী মারী এই নাইলে (মা, তালা বলে, নিক্তমানে (লোক) বিশ্বল মারী মারী এই নাইলে (ম) ভারা বলে, নিক্তমানে (লোক) বলে প্রাপ্ত হাজানিক মারী এই নাইলে (ম) ভারা বলে, নিক্তমানে (লোক) বলাক প্রচার স্থান্ত স্থানিক হিলামা হলান বাধাবাককতা ক্রমী লোক। ক্রমানে ক্রমান্ত স্থান্ত স্থানিক মিনা হলো
- ৭৬। কিছু হাঁ, যে তার অসীকার পূর্ণ করে এবং তাকওয়া অকাফা করে, তবে শিক্তা আগ্নাহ মুক্তাবীনেরকে ভালবাসেন। ৭৭। নিক্তা যারা আন্নাহর (সাথে কুড) প্রতিশ্রুতি এবং তাসের শপথসাদ্রহের
- বিনিয়মে সামান্য মুশ্য এহণ করে<sup>ন</sup>, আধিবাতে ভাদের কেন অংশ শেই, এবং জিয়ামতের দিন আছার তাদের মাথে কথা কাবেন না, ভাগের দিকে ভাগালেন না এবং ভাদের কাবিকছও করবেন না। এবং ভাদের জনা রচ্চেহে গগুণানায়ক শান্তি।
- ৬৮। এবং শিক্ষা তালের মধ্যে থবণাই কেউচ লব হেছে দারা কিতাক লাই তালের জিবা বাঁবা করে যাতে তোমবা তা আছারে কিতাবে অংশ মনে কর, অথক তা কিতাবের অংশ ন্য, এবং তারা বাতা, 'তা আছারে পঞ্চ থেকে', অথত তা আল্লারের পন্ধ থেকে নয়, এবং তারা জেনে-বুকে আল্লার্ক্ সম্পর্কে ফিয়্মা বাল।
- ৭৯। কোন মানুবের জন্ম এটা (সংগত) নত্ত যে, আল্লাহ তাকে কিতাব, বিচার-বিজেচনা ত নবুল্লত দান করবেন এরপার সে মানুবকে বলবে, আল্লাহকে বাদ নিছে ভোগরা আমার বাদা হছে বাও, 'বরং (সে কদনে) 'তোমরা রাবনিমি (আল্লাহ তয়াদা) হয়ে যাও,' তারপ তেরার কিতাব নিক্ষা নিয়ে বাক এবং বরণার তারারা (তা) অধ্যন্তন করে বাকবিক্ষা নিয়ে বাক এবং বরণার তারারা (তা) অধ্যন্তন করে বাক-
- ৮০। এবং সে তোমাদেরকে (এই) নির্দেশও নিবে না যে, তোমরা মেরেশভাদেরকে ও নবীদেরকে প্রতিগাসক হিসেবে গ্রহণ কর। সে কি তোমাদেরকে কুঞ্চনীর নির্দেশ দিবে এরপরেও যখন তোমরা মুগদিমঃ

- وَلاَتُوْمِنُواۤ إِلَّا لِمِنْ قَبِعَ دِيْنَكُرْ ۚ قُلِ إِنَّ الْهُدَّى هُدَى اللهِۥ اَنْ يُؤَثِّى اَحْدُ وَقِلَ مَا اَوْلِيْكُرْ اَوْلِيَّكُرْ اَوْلَيْكُرْ وَكُورْ عِنْدَ رَبِّسُوْر قُلُ إِنَّ الْفَقْلَ بِمِنِ اللهِ عِنْوَتِهِ مِنْ لَفَّاءً ۖ وَاللهُ وَاللهِ عَلَيْدٌ فَيْ
- يَّخْتَكُّ بِرَحْمَتِهِ مَنْ يَشَاءً ، وَ اللهُ ذُو الْقَفْلِ الْعَظِيْرِ @
- رَصْ آهٰلِ الْحَبِّ مِنْ إِنْ لَامَمْدُ بِنَشَارِ لِوَّدَةٍ إِلَيْكَ ، وَمَنْهُرُ مَنْ إِنْ لَامَنْهُ بِدِينًا لِأَيْوَةٍ إِلَيْكَ الْإِمادُ مَنْ عَلَيْهِ قَالِمًا، ذلك بِالْقَرْ قَالُوا لِيْسَ عَلَيْمًا فِي الْأَمِينَ سَبِيلًا، وَ يَكُولُ لُونَ فَيْ الْفُولُ وَكُولُ النِّسَ عَلَيْمًا فِي الْأَمِينَ سَبِيلًا، وَ يَكُولُ لُونَ
- بَلَى مَنْ آوَفَى بِعَهْدِهٖ وَ التَّفَى فَالَّ اللهِ يُحِبُّ الْمُتَقِّينَ ۞
  بَلَى مَنْ آوَفَى بِعَهْدِهٖ وَ التَّفِي فَالَّ اللهِ يُحِبُّ الْمُتَقِينَ ۞
- لا هَدَّى لَمُرْفِي الْأَخِرَةِ لَا لِأَكْتَلَهُمُ اللَّهُ لَا يَنْظُرُ النَّهِرُ لَوْ اَللَّهِمُ لَوْ اَ الْفِيغَةُ لَا لَالْمَرَّعْتِيمِ وَ لَهُمْ عَنَالًا اَلْمِثْرُ اللَّهِ الْمُعْلِقِ الْمُعْلِقِ الْمُعْلِقِ الْمُ
  - الْحِنْبِ رَمَّا هُوَمِنَ الْحَنْبِ ءَ يَكُوْ لُوْنَ هُوَمِنْ عِنْدِ اللَّهُ وَمَا هُوَمِنْ عِنْدِ اللَّهِ ءَ يَكُوْ لَكُونَ كَلَّ اللَّهِ الْخَيْسِ وَهُرْ يَعْلَمُونَ ۞ ما كان لِبَغْرِ إِنْ لُؤُلِيمَ اللَّهُ الْحِنْبَ وَالْمُحْمِدُ وَالنَّبُوةَ قُرْ يَغُولُ لِلنَّاسِ كُونُوا عِبْدًا إِلَى مِنْ وَقِنْ اللَّهِ الْحِنْبُ وَلِهُ اللَّهِ وَلَوْنَ إِلَيْمِ الْعَر
- رِيَّالَغِيَّى بِمَا كُنْتُرُ تَعَلِّمُونَ الْحِجُّرَ بِمَا كُنْتُرُ تَدُرُسُونَ أَنْ اللَّهِمَّ وَلَا اللَّهِمَ وَلَا اللَّهِمَ الْمُؤْمِنُ أَنْ فَتَحْدُوا الْمَلَّاكِمَةُ وَاللَّهِمَّ الْمُلَالِكِمِينَ أَنْ اللَّهِمَ اللَّ إِنَّامُ كُمْرُ بِالْكُفْرُ بَعَدُ اذْ اَنْتُمْ مُسْلَمُونَ فَيْ

ভাবে সাহায়্য বহুৰে। নিত্ৰি সকলেন "নোম্বা কি জীকান কলেন এক এ সম্পর্কে আমার অঙ্গীকার কি এছণ করলেঃ' ভারা বলল 'আমরা স্থীকাৰ কৰলায়।' নিনি বললেন 'দৰে নোয়বা সাজী গ্লাক এক আমিও কোয়াকের সাগে সাক্ষীকের করের্ভক।"

৮১: অভংগৰ যাৰা এৰপৰে মূখ ফিৰিয়ে মেহ ভাৰাই পাপাচাৰী (ফাসিক)।

৮৩। তবে কি তারা আধাহর দ্বীন বাতীত (অনা কোন দ্বীন) কামনা করছে অথ্য আরাশসমূহ ও পথিবীতে হারা আছে (সরউ) উচ্চায় ও অনিচ্ছায় তাঁর নিকট আঅসমর্পণ করেছে៖ আর তাঁরই নিকে তাদেরতে ভিরিয়ে মেয়া হবে। we । जल 'लामल प्रमाद अरबडि जालायन श्राहि अरु मा जलवीर्य करा सरकार

আয়াদের উপর ভার একি একং হা অর্কনীর্থ করা চারছিল উত্তরালীয় ইসমাঈল, ইসহাক, ইয়া'কৰ ও তাঁর সন্ধান-সম্বতির উপর তার প্রতি এবং যা মসা ঈসা ও অন্যান্য নবীদেবকে ভাদেব প্রতিপালকের পক্ষ গোকে দেয়া প্রাথমিক তার প্রতি। আহরে। তাদের রাখো হালে। পার্থমা করি না এবং আমরা তাঁরই নিকট আত্তসমর্পণকারী।

৮০। আৰু তে উসলায় যানে অনা কোন হীন ভালাৰ কৰাৰ ভাব নিকট থেকে তা কথনো গ্রহণ করা হবে না. এবং সে আথিবাতে ক্ষতিপ্রক্রদের অন্তৰ্জক হৰে।

৮৬। কিভাবে আল্লাহ সে সম্প্রদায়কে সঠিকপথ প্রদর্শন করবেন যারা ককরী করেছে তাদের ঈমানের পর, যথন তারা সাক্ষ্য নিয়েছে যে, এ রাসল সতা এবং তাদের নিকট এসেডে স্পই প্রয়াগানী៖ আর আলাচ জালিয় अस्त्राहरूक अधिक श्रंथ श्रामंत्र करवा हो।

৮৭। তাদেরই প্রতিফল হঙ্গে যে, তাদের উপর আল্লাহ, কেরেশতাকুল এবং সকল মানস্বেব লা'নত-

৮৮। সেখানে তারা স্থায়ী হবে, তাদের থেকে শান্তি হালকা করা হবে না এবং

অফেবকে অবকাশও দেয়া হবে না-৮৯। ভারা চানে যারা এরপরে ভাররা ব্যারাভ ও (ভিজ্যাদরাক) সংগ্রাহর করেছে। কারণ নিশ্চয় আলাহ অভি ক্ষমানীল ও পরম সহাল।

৯০। নিশুর যারা তাদের ঈমানের পর কুঞ্জী করেছে এরপর কুঞ্জীতে বেচে গিয়েছে তাদের তওবা (অনুভঙ হয়ে ফিব্রে আসা) কবুল করা হবে না,

এবং ভারাই পথভাই। ৯১। নিশ্বর বারা কক্ষরী করেছে এবং কাফির অবস্থায় মতা বরণ করেছে. তাদের কারো নিকট থেকে কথনো পৃথিবীভরা হর্ণও গ্রহণ করা হবে, তাদেরই জন্য রয়েছে যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি এবং তাদের কোন সাহাস্থাকারী COS.

فَهِنْ تُوَلِّي يَعْدُ ذِلِكَ فَأُولِنَّكُ هُمُّ الْفُسِقُونَ هِ أَفَغَيْ دِيْنِ اللهِ يَبْغُونَ وَ لَهُ آسَلَمَ مَنْ فِي السَّمُوتِ وَ الْأَرْضِ طَوْعًا وْكُوهًا وْ اللَّهِ يُوجَعُونَ @

قَالَ فَاشْهَدُوْا وَ إِنَّامَعَكُمْ مِّنَ الشَّهديْنَ @

قُلْ إِمَنَّا بِاللَّهِ وَمَآ أَنْ لَ عَلَيْنَا وَمَآ أَنْ لَ عَلَى اللَّهِ هِيْ وَاسْمِعْيْلُ وَ الشعة و يَعْقُونَ وَ الْإَسْبَاطِ وَمَا أَوْتِي مُوسِي وَعَيْسِي وَ النَّبِيُّونَ مُنْ رَّبِهِ رَ ﴿ لَانْفَوْقُ بَيْنَ أَحَدِ مِنْهُ رُ وَنَحْنُ لَهُ مُسْلِمُونَ ﴿ وَمَنْ يَّبْتَغِ غَيْرَ الْإِسْلَا دِيْنًا فَلَنْ يُّقْبَلَ مِثْمُ وَهُوَ فِي الْأَخِرَة

منَ الْعُسِدِينَ ج كَنْفَ يَقِدِي اللَّهُ قَدْمًا كَفَ وُلِمَعْنَ اثْمَانِمِ ۚ وَشَعِدُوٓۤۤ أَنَّ الرَّسُولَ حَقٌّ وَّجَاءَهُمُ الْبَيِّنُ وَ اللَّهُ لَا يَهْدى الْقَوْمَ | لظُّلميْنَ ⊕

أُولَٰئِكَ مَنَّ أَوُّهُمْ أَنَّ عَلَيْهِمْ لَغُنَهُ اللَّهُ وَ الْمَلِّئَكَةَ وَالنَّاس أَجْمَعْيْنَ 6 غُلديْنَ فيْهَاء لَا يُخَفَّفُ عَنْهُرُ الْعَذَابُ وَ لَا هُرُ يُنْظَرُونَ ٥

إِلَّا الَّذِينَ تَا بُوْ إِمِنْ إِنَعْدِ ذَلِكَ وَ أَصْلَحُوْ إِسْفَانٌ اللَّهُ غَفُوْ رَّ إِنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا بَعْدَ ايْمَانِهِرْ ثُرٌّ ازْدَادُوْاكُفْرًا لَّنْتُقْبَلَ تُوْبَتُهُمْ ، وَ أُولِنَكَ هُمُ الضَّالُون @

إِنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا وَمَا تُوْا وَهُرْ كُفًّا رُّفَلَنْ يُتَّفِّلَ مِنْ إَحَدهِ مَّ الْ يُورُضِ ذَهَبًا وَّ لَو افْتَدَى بِهِ وَأُولَٰتُكُ لَهُمْ عَذَالًا ﴾ أَمَا الله عليه الله المتابع الم ٱلنَّهُ وَّمَا لَهُمْ مَّنْ ثُمِونُنَ ۗ

## পাবা-৪

- ৯২। তোমরা যা ভালবাস তা থেকে (আয়ায়র পথে) বার না করা পর্যন্ত কথনো পূর্বা লাভ করতে পারবে না। আর তোমরা বা কিছুই বার কর, ৬বে নিকয় আয়ায়্ সে সম্পর্কে ভালভাবে জানেন।
- ১০। বনী ইনরাইলের জন্য সব থাবারই হালাল ছিল, তবে যা ভাওরাত অবতীর্ণ হওয়ার পূর্বে ইনরাইল তার নিজের উপর হারাম করেছিল তা হাড়া। বল, 'তাহলে তোমরা তাওয়াত নিজে এলো, এবং তা পাঠ কর-যদি তোমবা সভাবাসী ভগ
- ৯৪। অভঃপর এরপরে যারা আল্লাহ্ সম্পর্কে মিধ্যা রচনা করে তারাই জানিয়া
- ৯৫। বল, 'আচাহ সত্য বদেছেন। সুতরাং তোমরা একতৃহানী হাত্র ইবরাহীমের মিয়াত (আদর্শ) অনুসরণ কর। এবং সে মুশরিকদের অফর্যন্ত চিল না।'
- ৯৬। নিক্য মানবজাতির অন্য জাপিত প্রথম দর হল সেটি যেতি বাজার (মাজায়<sup>®</sup> অবস্থিত, যেতি বরকতময় ও জাপৎসমূহের (মানব আতির) জন্ম প্রবিদ্যাধিকা
- ৯৭। সেখানে রয়েছে শান্ত নিদর্শনাকনী (যামদ)- মাঝামে ইংরাহীম। আর ছে ভাতে (হারামে) এবেল করে সে নিরাপান। এবং আগ্রাছন উচ্চালান এই বাহার বাহা করা মানুনের উপন্য অবশ্য কর্তব্য যে ভার নিকে পথ পরতে সক্ষম হয়। আর যে অধীকার করে, তবে ভাত্ত ব্যেলে রাখা উচিত) নিক্যা আরাহে রাগকেয়ুহ্ (মানব জাতি) থেকে অনুন্তাপক্ষী।
- ৯৮। বল, 'হে আহলে কিতাব। তোমরা কেন আল্লাহ্র নিদর্শনাবলীকে অবিস্থাস কর, অথচ তোমরা যা কর আল্লাহ্ তার প্রত্যক্ষপশীঃ'
- ৯৯। কা, 'হে আহলে কিতাৰা হে বাজি ইমান এনেছে তাকে কেন আলাহর পথ হাতে বিরত রাখছ তাতে বক্রেড। আহেখণ করে, অর্থক ভোমনাই (তার সত্যভার বাপারে) সাখী। আর ভোমরা যা কর সে সম্পর্কে আভার বেশ্বর না।'
- ১০০। ওহে যারা ঈমান এনেছা তোমরা যদি যাদেরকে কিতাব দেয়া হয়েছে তাদের একটি দলের অনুগতা কর, তাহলে তারা তোমাদেরকে হোমাদের ঈমানের পর কাফির অবস্থায় ফিরিয়ে নিবে।
- ১০১। আর কীভাবে ভোমরা কুমরী করান্ত, অখচ তোমাদের নিকট আন্তান্ত ই আয়াতসমূহ পাঠ করা হয় এবং ভোমাদের মধ্যে রয়েছেন তাঁর রাফুল। ১৯ পরিচালিত মবে। পরিচালিত মবে।
- ১০২। ওহে যারা ঈমান এনেছা গোমরা আল্লাহকে তম কর যেতাকে তাকে তম করা উচিত এবং তোমরা মুদাদিম অবস্থায় না থেকে কথানো মৃত্যুকক করো না

- لَنْ ثَنَا لُوا الْبِرْ حَتَّى تَنْفِقُوا مِمَّا تُعِبُّونَ فَوَمَا تُنْفِقُوا مِنْ هَنْ ۚ فَإِنَّ الله بِعِ عَلِيْرْ ۞ هَنْ ۚ فَإِنَّ الله بِعِ عَلِيْرْ ۞
- كُلُّ الطُّعَا كَأَنَّ حُلَّ لِبَنِيِّ إِسْرَّافِيْلَ الْأَمَا حُرَّا إِسْرَافِيْلُ عَلَى نَفْسِهِ مِنْ قَبْلِ أَنْ كُنَوِّلُ القُّورُ لَقُرَّفُ فَلُ قَالُوا فِا لَقُورُ لِعَ فَاتُلُوهُ أَنْ كُنْتُمْ مُعِفِيْنَ ۞
- فَعَنِ أَفْتَرُى عَلَى اللهِ الْكَذِبَ مِنْ يَعْدِذُ لِكَ فَأُولَٰ عَلَّكَ هُرُ إلظُّلْمُونَ فَيْ قُلْ عَدَقَ اللهُ مَوْلَ اللهِ عَدْرُ اللّهِ عَدْرُ اللّهِ عَدَيْقًا . وَمَاكَانَ مِنَ
- الْمُهْرِكِيْنَ @ إِنَّ أَوَّلَ بَيْتٍ وَّمِعَ لِلنَّاسِ لَلَّذِيْ بِبَكَّةَ مُبْرِكًا وَّمُدَّى لَلْعَلَيْنَ هُ
- فِيْهِ الْدَّبَيِّنَّ مَقَّامًا إِلَيْهِمِرَةً وَمَنْ دَخَلَةً كَانَ إَمِنَّا وَلِلْهَ فَيَ النَّاسِ هِرُّ الْبَيْنِ مِنِ الْمَتَعَاعَ إِلَيْهِ سَبِيْلًا ، وَمَنْ حَفَرَ فَإِنَّ اللهُ عَنْ عَنْ عَنْ الْحَلَمِينَ ﴿
- قُلْ يَاْهُلُ الْحِنْ لِمِ تَحْفُرُونَ بِالْنِ اللهِ \* وَ اللهُ عَهِيدٌ غَلَ مَا تَعْمَلُونَ ⊚ قُلْ يَاْهُلُ الْحَنْ لِمِ تَمُكُونَ عَنْ سَيْلِ اللهُ مَنْ أَمَنَ تَنْفُونَهَا
- عَرِّمًا وَٱنْتُر هُُمِّدًاءً وَمَا اللهُ يِغَافِلٍ عَمَّا تَعَمَّلُونَ ۞ يَأْيَمُ الَّذِيْنَ امْنَوَّا إِنْ عُطِيعُوا فَرِيقًا مِنَّ الَّذِيْنَ أُوثُوا الْخَبِّ يَرُّوْكُرُ بِعَد أَيْمَا نَكُرُ خَبْرِينَ ۞
- وَكَيْفَ تَكُفُّرُونَ وَٱنْتُنَّرَ تَتْلَى عَلَيْكُرْ أَيْتُ اللهِ وَفِيكُرْ إِنَّا رَسُو لَنَّهُ وَمَنْ يَعْتَمِرُ بِاللهِ فَقَلَ هُدَى إِلَى صِرَّاطِهُ مَتَقَيْرٍ ﴾ [ا
- يَّالَيَّهَا الَّذِينَ أَمَنُوا اتَّقُوا اللهَ حَقَّ تُقْتِهِ وَلَا تَمُونَّ إِلَّا وَٱنْتَرِ اللهَ عَقَ تُقْتِهِ وَلَا تَمُونَّ إِلَّا وَٱنْتَرِ

১০৩। এবং তোমরা সবাই একরে আলাহর বশিকে<sup>®</sup> দচভাবে আঁকচে ধর এবং লোমবা বিভাক হয়ে। না। এবং ভোমানের টপর আলাহর ভোমান স্থানণ কর- যথন ভোমরা ছিলে পরস্পর শক্ত অভঃপর তিনি ভোমাদের হ্রদ্বসমূহের মাঝে বছন সৃষ্টি বাবে নিকেন বাকে সাঁব নেলামাস তোমরা ভাই ভাই হয়ে গেলে, এবং ডোমরা ছিলে এক আঞ্চনের গর্ভের প্রান্তে অভ্যপর ডিনি ডা খোক সোমানেরকে রক্ষা করালন। এমারেই আল্লাহ তোমাদের জন্য তার আয়াতসমহ স্পইতাবে বর্ণনা করেন, যাতে ভোমৰা সমিক পথ পেতে পাব।

৩ সরা আলে ইমরান

১০৪। এবং ভোমানের মধ্য থেকে এমন একটি উন্নত (দল) হওয়া উচিত गांग रुसाएर्थ्य मिरक चाउनाम कराय अवर प्रध्वातकार मिर्फाण मिरव स पालकाक करून जिल्हाम करार <sup>\*</sup>। शहर जातांत्रे अञ्चल

১০৫। এবং ভোমৰা ভাদেৰ মাত হাষা না যাবা ভাদেৰ নিজট স্পষ্ট প্ৰমাবাদি আমার পরাধ বিভাক কারণের এবং মারপার্থকা ব্যৱসায়। এবং আক্রাই জন্য কৰেছে মুৱাশান্তি-

১০৬। যেদিন কতক চেহারা উচ্চল হবে এবং কতক চেহারা কালো হবে अवर शासन (५३)वां बारला इरन (फारमनाक वला इरन) 'एउइटा कि তোমাদের ঈমাদের পর কফরী করেছিলেঃ সভরাং ভোমরা যে কঞ্চরী করতে তার কারণে শান্তি আত্মানন কর।'

১০৭। আর যাদের চেহারা উজ্জল হবে তারা আল্লাহর দরার মধ্যে থাকবে। সেধানে ভারা ছারী হবে।

১০৮। একলো আনাত্তৰ আয়াক হা আমি ভোমাৰ নিকট পাঠ কৰছি সভাসত। এবং আল্লাহ অপৎসমূহের (মানব জাতির) প্রতি ভলম করতে চাম মা।

১০৯। এবং আকাশসমতে যা কিচ আছে ও পথিবীতে যা কিচ আছে ভ আল্লাহরই। এবং আল্লাহরই দিকে সকল বিষয় ফিরিয়ে নেয়া হবে।

১১০। ভোমবাই প্রেষ্ঠ উপত, যাকে মানবজাতির (কল্যাগের<sup>®</sup>) জন্ম কের করা হয়েছে; তোমরা সংকাজের নির্দেশ দাও, অসংকাজ হতে নিষেধ কর এবং আপ্রাহর প্রতি ঈমান রাখ। আর আহলে কিতাব যদি ঈমান আনত তাহলে তাদের জন্য তাল হত। তাদের মধ্যে কিছু মু'মিনও রয়েছে কিছ

তাদের অধিকাংশই পাপাচারী (স্থাসিক)। ১১১। (কিছ) কট্ট দেয়া ছাতা ভাবা কথানা ভোয়াদেব কোন ক্ষমি প্রৱাস পারবে না। এবং যদি তারা তোমাদের সাথে যদ্ধ করে ভারলে ভারা তোমাদেরকে গষ্ঠ প্রদর্শন করবে (পালাবে); এরপর তাদেরকে সাহায্যও

কৰা হৰে না। ১১২। আল্লাহর পক্ষ থেকে বলি (নিরাপরা ব্যবস্থা) ও মানহের পক্ষ থেকে বলি ছাড়া তাদেরকে যেখানেই পাওয়া যাবে দেখানেই লাঞ্চনাকে তাদের সাথে দাপিয়ে দেয়া হবে, এবং ভারা আলাহর ক্রোখকে (চেকে) নিয়ে এসেছে এবং দাবিদাকে ভাদের সাথে লাগিয়ে দেয়া হবে । এটা এছেনা যে, তারা আল্লাহর আয়াতসমহকে অবিশ্বাস করত এবং অনায়ভাবে নবীদেরকে হত্যা করত। এটা এজনা যে তারা জমানা করেছিল এবং সীমালকান কবত।

ا-سورة العمان وَ اعْتَصِبُوا بِحَبْلِ اللَّهِ جَمِيْعًا وَ لَاتَفَا قُوْا - وَ اذْكُ وَا نَعْمَى الله عَلَيْكُمْ اذْكُنْتُمْ أَعْدَارًا ۚ فَٱلَّفَ بَيْنَ قُلُوْ بِكُمْ فَأَصْبَعْتُمْ ينغُمَتِهِ آخُو أَنَّاءُ كُنْتُدُ عَلَى هَفَا حُفْرَةً مِّنَ النَّارِ فَٱنْقَلَكُ مْنْهَا - كَذْ لِكَ يُبَيِّنُ إِللَّهُ لَكُرْ أَيْتِهِ لَعَلَّكُ \* تَهْتَدُونَ ۞

وَ لْتَكُنْ مِنْكُمْ أُمَّةً يُنْكُونَ إِلَى إِلْحَيْدِ وَ يَأْمُرُونَ بِالْمَعْرُونِ وَ يَنْهَوْنَ عَنِ الْمُنْكِ وَ أُولَٰتُكَ هُمُ الْمُقْلَحُونَ @ وَ لَاتَكُوْ نُوْا كَا لَّذِيْنَ تَفَّ قُوْا وَ اكْتَلَفُوْا مِنْ بَعْدَ مَا جَاَّءَهُرُ الْبَيْنُ ، وَ أُولِنْكَ لَهُ عَذَالٌ عَظِيهُ \*

يُّوْ ٱ تَبْيَفُ وُجُوْلُا تَسُودُ وُجُولًا فَأَمَّا الَّذِينَ اسْوَدَّتْ وُجُوْهُهُ مُ الْحَفَرْتُمُ بَعْدَ إِيْمَانِكُ فَذُوْقُوا الْعَدَابَ بِمَا كُنْتُمْ تَكُفُّ وْنَ ⊖ وَ أَمَّا الَّذِيْنَ ابْيَفَّتْ رُجُوهُهُمْ فَفَيْ رَحْمَة الله َّهُمْ فَيْهَا

غُلْدُونَ @ تلْكَ إِيْنَ اللهِ نَتْلُوْهَا عَلَيْكَ بِالْعَقِّ وَمَا اللهُ يُويْدُ ظُلْمًا لْلْعْلَىشَ ھ

وَيِنْهِ مَا فِي السَّمُونِ وَمَا فِي الْأَرْضِ وَ إِلَى اللهِ تُوْجَعُ الْأُمُورُ وَ فِي كُنْتُرْ غَيْرَ أُمَّةِ أُخْرِجَتْ للنَّاسِ تَأْمُرُونَ بِالْمَعْرُونِ وَ تَنْهَوْنَ عَن الْمُنْكَرِ وَ تُؤْمِنُونَ بِاللهِ وَ لَوْ أَمَنَ أَهْلُ الْكِتْبِ لَكَانَ خَيْرًا لَّهُرْ مِنْهُرُ الْمُؤْمِنُونَ وَ أَكْتُرُهُرُ الْفُسْقُونَ ۞

لَىْ يَفُوُّكُو اللهِ الْأَوْى وَ إِنْ يُقَاتِلُوْكُو يُولُوكُو الْآدُبَارِة

ثُرُّ لَائْنَصُونَ هِ فُ بَنْ عَلَيْهِمُ ۚ الذِّلَّةُ أَيْنَ مَا ثُقَفُّوۤ الَّا بِعَبْلِ مِّنَ اللهِ وَ حَبْلِ مِّنَ النَّاسِ وَ بَاَّءُوْ بِغَضَبِ مِّنَ اللهِ وَضُو بَتْ عَلَيْهِمُ الْهَسْكَنَةُ وَلِكَ بِأَنَّهُمْ كَانُواْ يَكْفُونَ بِأَيْتِ اللَّهُ وَيَقْتُلُونَ الْإِنْبَيَاءَ بِغَيْ مَقَّ ذَ لِكَ بِمَا عَمَوْا رَّحَانُوْا يَغْتَدُونَ ﴿

- ১১৯। জালা (সলাই) সমান নহা। আহলে ভিতাবের মূলে (সলমার উপর) টাছিল থাকা একটি উদান (ভল) সম্মত যাত্রা বাসের বেলার আলাহর স্থায়াসসমূহ পাঠ কৰে এবং ভাৰা হিল্লা কৰে।
- ১১৪। তারা আলার ও আথিবাতের দিনের প্রতি ঈমান আনে সংকাজের নিয়েশ দেৱা আগধনাক হাতে নিষেধ কৰে এবং কলাগতৰ আগক দেক ধাবিত হয়। এবং তারাই সংকর্মশীলনের অঅর্ভক।
- ১১৫। এবং ডারা যে কল্যাণকর কাজই করে ডা ভখনো অস্তীকার করা চার না। এবং আহাত মুরাঝীদের সম্পর্বে ডালভাবে জানেন।
- ১১৬. মিশুর যারা কফরী করেছে তাদের ধন-সম্পদ ও সভান-সভতি আন্তাহর (পান্তির) বিপরীতে কথনো তাদের কিছুই কাজে আসবে না। এবং ভালাই আজানত অধিকামী। মেখানে ভাষা স্বামী হাব।
- ১১৭। এ দ্বনিয়ার শ্লীরনে তাবা যা বায় করে তার উপমা এক বিমশীকণ বারব যত যা এমন এক সম্প্রদারের শস্যক্ষেত্রে আঘাত করেছে যারা তাদের নিজেনের প্রতি রূপম করেছে এবং ভা (বায়) একে ঋংস করে দিয়েছে। আর আলার সামের পদি ধোন জনম করেননি ববং তারা তাদের নিজেদের প্রতি ছলম করে
  - ১১৮ প্রহে হারা ঈমান এনেত! ভোমরা ভোমানেরকে বাদ দিয়ে জগত জাইকে অমবন্ধ বছরূপে এরণ করে। মা: ভারা ভোমাদের সর্বনাশ করতে ক্রটি করবে না। যা তোমাদেরকে দুঃখ-কট দেয় তা তারা কামনা করে। থাদের মধ থেকে বিশ্বেষ প্রকাশ পেয়েছে এবং তাদের বক্ষসমই যা গোপন করে সা ভারত গুরুত্তর। আমি ভোমানের জনা আয়াতসমহ स्थितात अर्था सरम्भिः स्थि (साम्राम् सम्भावन द्वर)
  - ১১১: এক সোহবাই জানা বাবা ভাষেক্ত ভাগৰাস কিছ ভাবা ভোমাদেৱক ভালবাসে না, অথচ তোমরা সব (আসমানী) কিতাবে ঈমান আন. এবং যথন তারা তোমাদের সাথে মিলিত হয় তথন বলে 'আমরা ইয়ান এমারি ' বিজ হখন ভাবা একাতি থাকে তথন ভোমাদের প্রতি ক্রোধে তারা (নিজেদের) আঙ্গলের অগ্রভাগ দাঁতে কাটতে থাকে। বল 'লোমানের জ্যোধ ভোমবাই মব।' বক্ষসমধ্যে বা আছে সে সম্পর্কে Green mimits mimmare mirani
  - ১৯০ ভোমাদেককে যদি কোন কল্যাণ স্পর্ণ করে ভাহলে তা ভাদেরকে কট দ্যো: আর রামি কোম ভকলাগে ভোমানেরকে আঘাত করে ভারনে অবলম্বন কর তাহলে তাদের যড়বপ্র তোমাদের কিছুই ক্ষতি করতে পারবে না। নিশ্চর আল্লাহ তারা যা করে তা পরিবেষ্টন করে আছেন।
- ১১১। এবং যখন তমি তোমার পরিবার-পরিজনের নিকট থেকে শ্বব ভোরে বের হয়েডিলে<sup>\*</sup> ম'মিনদেরতে ব্যন্তর জন্য বিভিন্ন অবভানে বিনাত্ত মনাম। আর আলার মর্বসোলা ও মর্বজানী।
- ১২২। যখন তোমাদের মধ্যে দু'টি দল<sup>®</sup> সাহস হারাতে বসেছিল, অব্য আলাহ উভয়ের অভিভাবক ছিলেন। আর আরাহুর উপরই মু'মিনরা যেন ভরসা করে।

- لَيْسُوا سَوَ آءً من أهل الْكتب أُمَّةٌ قَالَمَةٌ يَتْلُونَ إِين الله أَنَّاءُ الَّيْلِ وَهُمْ يَسْجُدُونَ ﴿ يُؤْمِنُونَ بِاللهِ وَ الْيَوْ } الْأِخِرِ وَ يَامُرُونَ بِالْمَعْرُونِ وَ يَنْهَوْنَ عَي
  - الْمُنْكَرِ وَيُسَارِعُونَ فِي الْعَيْرُتِ وَ أُولَنْكُ مِنَ الصَّلَعَيْنَ @
- وَمَا يَفْعَلُوا مِنْ هَيْدٍ فَلَنْ يُحْفَرُ وَهُ وَ اللهُ عَلَيْرٌ بِالْمُتَّقَيْنَ ⊕ انَّ الَّذِيْنَ كَفُووْا لَنْ تُغْنَى عَنْهُرْ أَمُوا لُهُرْ وَ لَآ أَوْلَادُهُرْ مِّنَ الله شَيْئًا - وَ أُولِنْكَ آصْحُبُ إلنَّا رَعُمْ فَيْهَا خُلْدُونَ @
- مَثَلُ مَا يُنْفَقُونَ فَيْ هٰذِهِ الْحَيُّوةِ الدُّنْيَا كَمَثَل رِيْدٍ فَيْهَا صَّ أَصَابَكَ حَرْثَ قَوْ } ظَلَّمُوٓ ا أَنْفُسَهُرْ فَاَهْلَكَتْهُۥ وَمَا ظَلَّمَهُمُ ۖ اللَّهُ وَ لَكِنْ إَنْفُسَهُمْ يَظْلَمُونَ ۞
- يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوا لَاتَتَّخِذُوا بِطَانَةًمَّنْ دُوْنكِرٍ لَايَاْ لُوْنَكُرْ خَبَالًا وَدُّوْا مَا عَنتُّرْ ۚ قَدْ بَدَتِ الْبَغْضَآءُ مِنْ أَفْوَ اهِمِرْ أَوْمَا تُخْفَى مُدُورُهُرْ أَكْبَو وقَدْ بَيَّنَّا لَكُمُ الْأَيْب انْ كُنْتُمْ تَعْقَلُونَ هِ
- هَٰ أَنْتُمْ ۚ أُولَآء تُحبُّونَهُرْ وَ لَايُحبُّونَكُرْ وَتُؤْمِنُونَ بِالْحِتْبِ كُلِّهِ ۚ وَاذَا لَقُوْكُرُ قَا لُوًّا أُمِّنًّا ۚ ۚ وَإِذَا خَلُواْ عَفُّواْ عَلَيْكُرُ الْاَنَامِلَ مِنَ الْغَيْظِ قُلْ مُوْتُواْ بِغَيْظِكُرْ ۚ إِنَّ اللَّهَ عَلِيمٌ ّ إِذَاتِ
- أَنْ تَمْسَكُرْ حَسَنَةً تَسُوْهُرْ وَ أِنْ تُصِدُو ٱسَيَّدَةً يَّفُو كُوا بِهَاء وَ إِنْ تَصْبُواْ وَتَتَّقُواْ لَا يَضُوُّ كُرْ كَيْدُهُمْ شَيْئًا ، إِنَّ اللهُ بِمَا ﴾ وان تَصْبُوا وَتَتَّقُواْ لَا يَضُوُّ كُرْ كَيْدُهُمْ شَيْئًا ، إِنَّ اللهُ بِمَا ﴾ يَعْمَلُوْنَ مُحَيْمًا هُ
  - وَاذْ غَدَوْتَ مِنْ اَهْلَكَ تُبَوِّقُ الْمُؤْمِنِيْنَ مَقَاعِدَ لِلْقِتَا لِ•وَ اللهُ سَمِيْعٌ عَلَيْرٌ ﴾
  - اذْ هَمَّتْ ظَّآلْفُتْن مِنْكُرْ إَنْ تَقْشَلَا وَ اللَّهُ وَليُّهُمَا وَ عَلَى الله فَلْيَتَوَكِّلِ الْمُؤْمِنُونَ ۞

- ১২৩। আর অবশাই আল্লাহ বদরে তোমাদেরকে সাহায়া করেছিলেন হখন ভৌমরা ছিলে দর্বল সতবাং ভৌমরা আলাহকে ভয় কর আকে কোচনা ক্তমতা প্রথম করতে পার।
- ১১৪। যখন তমি ম'মিনাদবকে বলেচিলে 'এটি জি কোয়াদের ক্ষমা সাক্ষী নায যে, তোমাদের প্রতিপালক তিন হাজার অবতরণকত ফেরেশতা হারা ORDITORIZA SINISI MATAUS
- 52a। दें। यनि राज्यात देशों शाहन कहा और जाकश्वरा व्यवनवार करा अस তারা এর চেয়ে ফতগতিতে ভোয়াদের উপর (আক্রমণ করতে) আসে ডাহাল সোহায়ের প্রতিপালক পাঁচ বাজার চিক্রিক ফোলেখারা লাল CETHINESTA MINISTER SHARRED ১১৬। এবং আধাত এটি করেছেন কেবল ভোমাদের জন্য সসংবাদস্বরূপ এবং
- যাতে তা দিয়ে তোমাদের জনবসম্ভাৱে প্রশার করতে পারেন। আর শাহাব্য (আসে) কেবল মহাপ্রভাপশালী ও মহাপ্রভাবান আলাহর নিকট recreit " ১২৭। যাতে তিনি কাঞ্চিরদের এক অংশকে নিভিক্ত করতে পারেন অথবা ভালেরকে দাঞ্জিত করতে পাবেন ফলে ভারা বার্গ চায় ফিবে যাবে।
- ১২৮। (হে নবী।) এ বিষয়ে তোমার কিন্তুই নেই বেরং ভা আলাহরই এখভিয়ারে ) যে, ডিনি হয় ডালের ভারবা কবল করতেন অথবা তাদেরকে শারি দিবেন কেননা নিক্তম তারা ভারিছ।
- كده، আর আবাদসমূহে या विष्कु আছে ও পৃথিবীতে যা বিষ্কু আছে ত। আয়াহরই। তিনি বাকে ইচ্ছা করেন কমা করেন এবং মাকে ইচ্ছা করেন। শান্তি দেন। এবং আলাত অতি অমানীক ও ওলম জলাদ। ১৩০। ধতে যারা ঈমান এনেছ। ভোমরা বিশ্বণ-বহুগুংগ<sup>®</sup> সূদ খেয়ো না এবং
- আল্লাহকে ভয় কর, যাতে ভোমরা সফল হতে পাব
- ১৩১। এবং ভোমরা সে আঙ্চনকে ভয় কর যা কাফিরদের জন্য প্রক্তে করা कामण्ड ১৩২। এবং ভোমরা আনুগত্য কর আল্লাহর ও রাসলের, যাতে ভোমরা
- দয়াপ্ৰাপ্ত হতে পার. ১৩৩: এবং তোমবা দেও ধারিত হও লোমাসের প্রতিপারকের স্কর্মার ভিতর এবং এমন জানাভের দিকে যার প্রশক্ততা" হল আকাশসমূহ ও পরিবী যা প্ৰমত কৰা হয়েছে মহাবীদেৰ জনা-
- ১৩৪। যারা সঙ্গল ও অসঙ্গল (উভয়) অবস্থায় (আলাহর পথে) বায় করে এবং যারা ত্রোধ সংবরণকারী<sup>\*</sup> এবং মানুষের প্রতি ক্ষমাশীল। এবং আ<u>রা</u>ছ সংবার্থপরাহণাদ্ধরাক ভালবাসের
- ১৩৫। এবং যারা, যথন কোন অপ্লীল কাজ করে অথবা নিজের প্রতি জ্বলম করে তখন আল্রাহকে শ্বরণ করে এবং তাদের অপরাধসমহের কারনে ক্ষমা প্রার্থনা করে। আর আলাহ ছাড়া কে অপরাধ ক্ষমা করকে। এক তারা যা করেছে ভাতে জেনে-রম্ম স্তাইল প্রাক্ত মা।

- وَ لَقَدْ نَصَوَكُرُ اللهُ بِبَدْرِوْ آنْتُرْ أَذَلَّةً ۚ فَالَّقُوا اللهَ لَعَلَّكُمْ تَشُكُ وَإِنَ هِمَ إِذْ تَقُولُ لِلْمُؤْمِنِينَ ٱلْنَيْحُفِيكُرُ أِنْ يُّمِدُّكُرْ رَبُّكُرْ بِعَلْفَة
- أَلَانِ مِنَ الْمُلْتَكَةُ مُنْزَ لَيْنَ فِي بَلِّي، إنْ تَصْبُ وْا وَ تَتَّقُوْا وَيَا تُوْكُرْ مِّنْ فَوْ رِهِرْ هٰذَا يُمُدذُكُرْ رَبُّكُرْ بِخَبْسَةِ الآنِ مِّنَ الْمَلَّكَة مُسَوَّمَيْنَ ﴿
- وَمَا جَعَلَدُ اللهُ الَّا بُشِي لَكُرْ وَ لتَطْمَئَنْ قُلُوْ بُكُرْ بِهِ وَمَا النَّمْ الَّامِنْ عَنْدِ اللهِ الْعَرِيْ الْحَدِيرِ ﴿ لِيَقْطَعَ طَإِ فًا مِّنَ الَّذِيْنَ كَفَرُّ وَۚ أَوْ يَكْبِتُهُمْ فَيَنْقَلَبُواْ فَٱلْبِيْنَ ۞
- لَيْسَ لَكَ مِنَ الْآَمْ شَنْءٌ أَوْ يَتُوْبَ عَلَيْهِ ۚ أَوْ يُعَدِّبُهُ ۚ فَانَّهُمْ ظُلْمُونَ ﴿
- يُعَدُّ بُ مَنْ يَشَاءُ وَ اللَّهُ غَفُوْ رُ رَحِيرٌ ﴿ نَّا يُّهَا الَّذِنْ أَمَنُوا لَاتَأْكُلُوا إلَّا بِّهِ أَفْعَاقًا مُّفْعَفَةً ۗ وَ اتَّقُوا
  - اللهُ لَعَلَّكُمْ تُفْلَكُونَ أَنْ وَ إِتَّقُوا النَّا رَ الَّتِي أُعِدُّتْ لِلْحُفِرِينَ ﴿

الْأَرْضُ وأعدُّتْ لِلْمُتَّقِينَ ﴾

لَهُ يُصُّوا عَلَى مَا فَعَلُوا وَهُمُ يَعْلَمُونَ هِ

- وَ أَطِيْعُوا اللهُ وَ الرَّسُوْلَ لَعَلَّكُمْ تُبْحَمُونَ ﴿ وَسَا رِعُوٓ اللَّهُ مَعْفَوَة مَّنْ رَّبُّكُيْ وَجَنَّةِ عَرْهُهَا السَّمُوتُ وَ
- الَّذِيْنَ يُنْفَقُوْنَ فِي السَّرِّآءِ وَ الفَّرِّآءِ وَ الْحُظمِيْنَ الْغَيْظَوَ الْعَافِينَ عَنِ النَّاسِ وَ اللَّهُ يُحِدُّ الْمُحْسِنِينَ إِنَّ
- وَ الَّذِنِّ إِذَا فَعَلُوا فَاحِشَةً أَوْ ظَلَمُوًّا أَنْفُسَهُمْ ذَكُّ وَا اللَّهَ فَاشْتَغْفَوُوا لَذُنُوْبِهِرْ - وَمَنْ يَغْفُو الذُّنُوْبَ إِلَّا اللَّهُ سُوَّ

- ১৩৬। তাদেরই প্রতিদান হচ্ছে তাদেব প্রতিপালকের পক্ষ থেকে কমা এবং এমন জানাতসমূত যেওলোর নিচে নহরসমূহ প্রবৃত্তিত সেখানে তারা স্বায়ী হবে। আর (সং) কর্মশীলদের প্রতিদান কতই না উন্তম:
- ১৫৭। তোমাদের পর্বে বন্ত সনত (শারিদানের নীতি) গত হয়েছে (বাজবাহিত হয়েছে), স্তরাং তোমরা পথিবীতে ভ্রমণ কর এবং লক্ষ্য কর, কেমন ছিল মিথ্যা অভিভিত্তকারীদের পরিণাম।
- ১৩৮। এটি (করআন) মানব জাতির জন্য স্পষ্ট বর্ণনা এবং মন্তাকীদের জন্য পথনির্দেশিকা ও উপদেশ।
- ১৩৯: এবং ভোমরা হীনবল হয়ে। না এবং দক্ষিত্তা করে। না, এবং ভোমরাই বিজয়ী হাবে- যদি তোমবা ম'মিন হও।
- ১৪০। যদি তোমাদেরকে (উল্লে) জখম স্পর্শ করে থাকে, তাহলে দে সম্প্রদায়কেও (বদরে) অনুরূপ জখম শর্প করেছিল। এবং আমি মান্যের মধ্যে এ দিনগুলোকে আবর্তিত করি<sup>®</sup>, এবং যাতে যারা ঈমান এনেহে তাদেরকে আল্লাহ জানতে পারেন (শ্পষ্ট করতে পারেন) এবং তোমাদের মধ্য হতে কতককে শহীদরূপে গ্রহণ করতে পারেন। আর আহাত ভালিমদেককে ভালবাসেন না-
- ১৪১। এবং যাতে আল্লাহ ম'মিনদেরকে পরিতত্ত করতে পারেন এবং অফিবদেবকে নিশ্চিক করতে পারেন।
- ১৪২। তোমবা কি মনে করেছ যে, তোমবা জান্রতে প্রবেশ করবে, অবচ আলার এখনো জেনে নেননি তোমালের মধ্যে যারা জিলাল করেছে जापनान अरु निमि त्याम समिनि विश्वनीनामराना
- তোমবা তাকিবে ছিলে। ১৪৪। আর মুহামাদ একজন রাসুল ছাড়া কিছু নয়, তার পূর্বেও রাসুলরা গত
- হয়েছে<sup>®</sup>। সতরাং যদি সে মারা যায় অথবা নিহত হয় ভাহলে কি ডোমরা ডোমানের পিচনের নিকে (পর্বাবস্থায়) জিরে বাবেং আর কে তার পিছনের দিকে কিরে যাবে সে কখনো আল্লাহর কিছই ক্ষতি করতে পারবে না। আর শীঘই আলাহ কভন্নদেরকে প্রতিদান দিবেন।
- ১৪৫। এবং কারো জন্য (সঞ্চর) নয় যে, সে মত্যবরণ করবে আল্লাহর ইঙ্গ্য ছাড়া, (মতা দিপিবদ্ধ আছে) সময় নির্বাহিত কিতাব হিসাবে। এবং যে দনিয়াৰ পৰস্কাৰ (ছংগাৰ) চায় আহি ভাতে ভা খোতে কেই আৰ বে আবিরাতের পরস্কার চায় আমি তাকে তা থেকে দেই এবং শীঘ্রই আমি কতভাদেরকে প্রতিদান দিব।
- ১৪৬। এবং কত নবীই যন্ত করেছে, তাদের সাথে ছিল অনেক আরাহওয়ালা লোক। আল্লাহর পথে তানের উপর যা (বিপদ-আপদ) আপতিত হয়েছিল তাতে তারা হীনবল হয়নি, দুর্বল হয়নি এবং নতিলীকারও কবেনি। এবং আলাচ থৈমশীলদেরকে ভালবাসেন।
- १६६। अतः जायस तथा विक तकता अहे ता जाता शास्त्रिक 'ता स्थापान প্রতিপালতঃ আমাদের অপরাধসমত ও আমাদের কাজের ক্রেরে আমাদের সীমালজানকে আপনি ক্ষমা তরুন, আমাদের পা সূদ্ধ করুন and within assessment frame statements states asset

- أُولِنَكَ مَزَ أَوُهُرْ مَّقْفَرَةٌ مِّنَ رَّبِهِرْ وَجَنْتٌ تَجُرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهُو خُلديْنَ فَيْهَا وَ نَعْمَ أَجُو الْعُمليْنَ ٥ قَدْ عَلَيْهِمِنْ قَبْلُكُمْ سُنَنَّ وَسَيْدُوا فِي الْإَرْضِ فَانْظُرُوا كَيْفَ كَانَ عَاقبَةُ الْمُكَذَّبِينَ هِ
  - هٰذَا بَيَانٌ لِّلنَّاسِ وَهُدًى رَّمَوْ عَظَةٌ لَّلُمُتَّقَيْرَ، ﴿
- وَ لَاتَهِنُوْا وَ لَاتَحْزَنُوا وَ أَنْتُيرُ الْأَعْلَوْنَ إِنْ كُنْتُرْ مُّؤْمِنِينَ ⊕
- انْ يَّمْسَشِّكُمْ قَرْحٌ فَقَدْ مَسَّ الْقَوْمَ قَرْحٌ مَّثْلُفُ وَ تِلْكَ الْإِيَّامُ نُدَاوِلُهَا بَيْنَ النَّاسِ، وَ لِيَعْلَيَ اللَّهُ الَّذِيْنَ أَمَنُواْ وَيَتَّحْذَ مِنْكُرْ شُهَداءً، وَ إللهُ لَا يُحبُّ الظُّلميْنَ ﴿
- وَ لِيُمَحَّصَ اللهُ الَّذِينَ أَمَنُوا وَ يَمْحَقَ الْحُغِرِينَ @
- أَا ۚ حَسْبُتُ ۚ أَنْ تَدْعُلُوا الْجَنَّةَ وَلَمَّا يَعْلَرِ اللَّهُ الَّذِيْنَ جَهَدُوا منكر ويعلم الشبير. ه وَلَقَلُ كُدُيْرُ تَمَوْنَ الْمُوْتَ مِنْ قَبْلِ أَنْ تَلْقُولُهُ فَقَدُ رَأَيْتُهُولُا عَلَيْهِ अध्य वरनाहे (आया मुखाद (भारानाएक) आकारका कराट अब नारा अध्यक्ष अप्त कराने के किया अध्यक्ष अध्यक्ष
  - وَ أَنْتُرْ تَنْظُرُونَ ﴿ وَمَامُدَمَّدٌ الَّا رَسُولٌ عَلَى خَلَتْ مِنْ قَبْلِهِ الرُّسُلُ - إَفَأْلَنْ مَّاتَ أَوْ قُتلَ انْقَلَبْتُرْ عَلَّى أَعْقَابِكُرْ وَمَنْ يَّنْقَلْ عَلَى عَقَبَيْه
  - فَلَنْ يِّفُوًّ اللَّهُ شَيْعًا ﴿ وَسَيَجْنِي اللَّهُ الشَّكِ لِنَ ﴿ وَمَاكَانَ لِنَفْسِ أَنْ تَمُوْتَ إِلَّا بِإِذْنِ اللَّهِ كِتْبًا مُّؤَمِّكُ وَمَنْ يُّ دْ ثَوَ ابَ الدُّنْيَا نُوْتِهِ مِنْهَا وَمَنْ يُّرِدْ ثَوَ ابَ الْأَحِرَةِ نُوْتِهِ
  - مثْهَا ، وَ سَنَجْزِى إلشَّكِ ثِنَ ﴿ وَكَأَيِّنْ مِّنْ نِّبِي قُتَلَ َّمَعَةً رِبِّيُّونَ كَثِيْرٌ ۚ قَمَا وَهَنُواْ لَهَآ أَصَا بَهُرْ فِي سَبِيْلِ اللهِ وَمَا ضَعُفُواْ وَمَا اسْتَكَا نُوا ﴿ اللَّهُ يُحِبُّ
  - الشبريْنَ ﴿ وَمَاكَانَ قَوْ لَهُمْ الْآَ أَنْ قَالُوْ الرِّبْنَا اغْفِرْ لَنَا ذُنُّو بَنَا وَ إِسْ افْنَا نْ أَمْرِنَا وَ ثَبَّتْ أَقْدَامَنَا وَ انْمُرْنَا كَى الْقَوْمِ الْحُورِ الْحُورِينِ ﴿

- قَالَتُمَرُ اللّٰهُ وَإِنَّ الدُّنْيَا وَحُسْنَ تُوَابِ الْأَخِرِةِ وَ اللّٰهِ وَهِ اللّٰهِ عَلَيْهِ اللّٰهِ ع قَالَتُمَرُ اللّٰهُ وَإِنِّ الدُّنْيَا وَحُسْنَ تُوَابِ الْأَخِرِةِ وَ اللّٰهِ عَلَيْهِ اللّٰهِ عَلَيْهِ اللّه يُضِّ الْمُصْنِيْنَ ﴾ المُصنِيْنَ ﴾
- ১৪৯: ৩হে যারা ঈমান এনেছ' থদি তোমরা যারা কুম্বর্নী করেছে তালে আনুগত্য কর ভাহলে ভারা ভোমাদেরকে ভোমাদের পিছনের দিকে (পুর্ববস্থায়) ফিরিয়ে নিয়ে যাবে এবং ভোমরা (তথন) কবিএছে হয়ে
- ১৫০। বরং আল্লাহ্ই ভোমাদেব গ্রন্থ (রক্ষক), এবং তিনি উত্তম সাহায্যকারী
- ১৫১। শীপ্রই আমি যারা কুমনী করেছে তাদের ফদরুসমূহে জীতির সঞ্জর করব, তারা আচাহের সাথে যে পর্টিক করেছে, যে করালা, যে বাগারে আল্লার কেন প্রমাণ করবিলি করেনি, এবং তাদের আপ্রান্থ ক্লম প্রমাণ করবিলি করেনি, এবং তাদের আপ্রান্থক হব আলে। আর কতেই না নিকৃত্ত জালিমদের আবানাস্থপ।
- ২০০ খণ ভোষা (উহুণ গাছাত্ম) উপত্রে দিক ছারোন কাছিল করং পান দিবে কারা বারি আমিছিল, না, খণন কলুল ভোষাক শিক্ষা দিব থেকে আহান কাছিল, খাল (আমান করার কারণে) রিনি বোমানককে দুবাংক কানুনৰ দিলে আহার না (শিক্ষা বিনা) রাহিছের এবং নোমানে ভাক যা বিশানা আহারিক ছারোছ ভার কানা বিশ্বানা হব। আর বোমবা যা কর সে সম্পর্কে আছার পূর্ণ অবাত্ত।

يُحِبُّ الْمُضْنِيْنَ ﴿ يَّا يَّهُمُّ الْدِينَ أَمْنُواْ إِنْ تُطِيعُوا الَّذِينَ حَفَوْاْ يَرَّفُوكُمْ فَيَّ الْفَقَا الَّذِينَ أَمْنُواْ إِمْنِيْنَ ﴿ اَعْفَا إِخْرُ فَتَنْقَابُواْ خِسْرِينَ ﴾

بَلِ اللهُ مَوْ لَكُرْ ، وَ هُوَ خَيْرٌ النَّمِرِيْنَ @

سَنُلُقِنْ فِي قُلُوبِ الَّذِينَ حَفَّرُوا الرَّعْبَ بِمَا آهْرَكُوا بِاللهِ مَا لَمْ يُنَزِّلُ بِهِ سُلُطْنَاءُومَا وُهُرُ النَّارُ ، وَيِعْسَ مَثُوَى الظَّلَمْ ... هَ

ا الله من المنطق المنطقة المن

الْا تُصْعِدُونَ وَ لِاتَلُونَ كِنَّ آخِدِ الْاسْوَلُ يَنْ عُوُدُرْ فِيَ الْمُعَوْدُ وَ فَيَ الْمُعَدُونُ وَ أ أَغُولُكُمْ فَا لَتَابُكُمْ غَمَّا لِغَنَّ لَكَيْلًا تَصَرُّوا لِلَّي مَا فَاتَكُمْ وَ لَكُمْ لَا تَصَرُّوا لِي

ثُّرُ الْوَلَ عَلَيْكُرُ مِن يَعْدِ الْفَيْ آمَنَةٌ لَّعَاسًا يُقْفَى طَالَقَةً مِنْكُرُ وَطَالِقَةٌ قَدْ آمَنَّمُ الْفُسُمُرِ يَطُلُّونَ بِاللَّهِ عَيْنَ الْفَيْ ظَنَّ (الْمَوَ خُلُفِي اللَّهِ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عِنْ أَمْنَا اللَّهِ عَلَى اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ اللَّهِ عَلَى اللَّهُ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ اللَّهُ اللْلِهُ اللْلِهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْلِهُ اللْلِهُ اللْلِلْمُ اللْل

اسورة العدن

- ران الأولان تو لوا وسُشَّرِ فَوَا النَّقِيَّ الْعَمْقِ، إِنَّمَا اسْتَوَلَّمِي النِّمَ النَّرَ اللَّهِ عَلَيْ स्वर्ति करावित मुंबाच प्रकारण करावित का शिव करा व्यक्ति करावित है। अश ता वर्षात्र करावित कर विद्यु करावः । अस्य चक्राई चायावा है। सर्वति करावन विद्यु करावः । अस्य चक्राई चायावा है। सर्वति करावन विद्यु करावः । अस्य स्वर्ति ।
- ১৫৬। বাহা দিনন এনোং তোৰাতা আন্তন্ধ মত হয়ত না বাহা কুমালী কাছে এবং ডালেন ভাইলেয়তে বালাহ - মুন্দা ভাৱা দুখিবীত ক্রমণ কাছত অথবা দুদ্ধে তত বাজক - শালী ভাৱা মামানালে আহা বাজক জালো ভাৱা মুন্ধারকাণ কৰে না এবং দিয়কত হ'ব মানা, 'আত আমানা এটাকে (এ বাহানাল) ভাআক হয়তে স্কুলালা পতিক কৰে। আহা আহাবাহুঁ জীবিত ভাহনে ও মুন্ধা ভাইন। এবং ডোমনা যা কর সে সম্পর্ক আয়ার পানী প্রতি ভাইনে ও মুন্ধা ভাইন। এবং ডোমনা যা কর সে সম্পর্ক আয়ার পানী প্রতি ভাইনে ও মুন্ধা ভাইন।
- ১৫৭। এবং যদি তোমরা আন্তাহর পথে নিহত হও অথবা মৃত্যু বরণ কর, তাহলে অংশ্যই আন্তাহর পঞ্চ থেকে (তোমানের জন্য) রয়েছে কমা ও দগ্রা- যা, তারা হা জমা করে তার চেয়ে উত্তম।
- ১৫৮। এবং যদি তোমরা মৃত্যুবরণ কর অথবা নিহত হও তাহলে অবশ্যই আল্লাহ্বাই দিকে ভোমানেরকে সমবেত করা হবে। ১৫৯। এবং অল্লাহর পক্ষ থেকে দল্লার কারণে ভূমি ভালের প্রতি নদ্র
  - অংশাই ভারা ভোমার চাবশাশ থাকে বিক্সিন্ন হাত যেত। সুকরাং ছুবি ভালেক্তের মার্কনা করে দাব, ভালের জন্ম কমা প্রার্থনা কর একং কারেন্দ্রনার ভালেন মাথে পার্বান করাঁ, এবং কথে কুমি দৃশ্যবংক্তর ২৫ তথন আন্তার্হর ভিনর করাম কর। নিকর আন্তার (তাঁর ভিশর) কর্মনার্বানীনেরকে ভালবানেন। Mou মিদ্বি আভার ক্রামান্যবারে সারাম্যা করেন ভাজান (ভামানের উপর কের

হয়েছিলে, আর যদি ভূমি রচ (ভাষী) ও বঠিন হানদ্রের হতে ভাহলে

- বিজ্ঞজী হতে পারবে না, আর যদি তিনি ভোমানেরকে ত্যাপ করেন, ভারদে তিনি ছাড়া খানন কে আছে, যে ভোমানেরকে সাহান্দ্র করতে পারবং আর অন্তাহ্বাই উপর মুনিনরা মেন ভরণা করে। থারবং কোন নর্বার জন্ম এটি (সংগত) দার যে, সে (কোন কিছু) আছলাৎ করবে। এবং যে বাভি কিছু। আছলাৎ করবে, সে যা আছলাণ
- করেছিল বিশ্বামন্তের দিন তা নিয়ে আসাবে, এরপর একোক ব্যক্তিকে সে যা অর্থন করেছে তা (তার প্রতিফল) পুরোপুরি নেয়া বাবে, এবং তালের প্রতি (কোন) ছুগুম করা হবে না। ১৬২, তবে কি বে বাজি আন্তাহ্বর সম্ভূতির (পথ) অনুসরণ করে সে তার মত
- ১৬২, তবে কি যে ব্যক্তি আল্লাহ্র সন্তুষ্টির (পথ) অনুসরণ করে সে তার মত যে আল্লাহ্র অসন্তুষ্টি নিয়ে এসেছে এবং যার আশ্রয়স্থল জাহান্লামঃ আর কতই না নিকৃষ্ট সেই গরব্যস্থল।
- ১৬৩। আল্লাহ্র নিকট তারা (মানুহেরা) বিভিন্ন মর্যাদার। আর তারা যা করে সে সম্পর্কে আল্লাহ্ পূর্ণ দৃষ্টিবান।
- ১৯৪। অবপাই আরাহে মু'মিনানের প্রতি অনুপ্রব করেছেন যবন তিনি তানের নিজেনের মধ্য থেকে তাদের নিকট একজন রাসুল প্রেরণ করেছেন, যে তাঁর আয়াতসমূহ জানেরকে পাঠ করে পোনার, ভালেরকে পরিক্ষ করে এবং তাদেরকে কিজার ও হিম্মতে বিশ্লামান্ত শিক্ষা করে, যদিও ভারা ইত্যপার্থ প্রকাঠ সম্পন্নী প্রকাঠীয়ার মানো ছিলা।

- لَّالَيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَثُواْ لِتَحُوْلُواْ كَالَّذِيْنَ خَتَرُواْ وَعَا لُوْا لِهُوَ انِهِمْ [وَا مَرَبُوا فِي الْأَرْفِى الْوَكَاثُواْ غُرِّى لَوْ حَاثُواْ عَنْدَنَا مَا مَاتُوْاْ وَمَا فَيَلُواْ مِلْهِ عَلَى اللَّهُ لِلْعَصْرَةِ فَيْ قُلُوبِهِمْ وَاللَّهُ يَعَالَمُهُمْ وَمُعِنَّى وَاللَّهُ بِمَا تَضْاؤُونَ بَعِيْرُ ۞ قُلُوبِهِمْ وَاللَّهُ يَعَالَمُهُمْ وَمُعِنَّى وَاللَّهِ مِا تَضْاؤُونَ بَعِيْرُ
- وَ لَئِنَ قُتَلَتُمْ فَيُسَيِّلِ اللهِ أَوْمُثَمَّ لَمَغْفِرَةٌ مِّنَ اللهِ وَ رَجْمَةً خَيْرٌ مِّمَّا يَجْمَعُونَ وَ لَكَنْ مُثَمِّ أَوْقَتُلْتُمْ لَالَى اللهِ تُحْشَرُ وْنَ ﴿
- فَوِمَا رَحَمَةِ مِنَّ اللَّهِ لِلنَّنَ لَيُّمُ وَلَوْ خَنْتَ فَظَّا عَلَيْظً الْفَلَّيِ لِانْفَقُوا مِنْ حَوْلِقَ فَاعْتَ عَنْهُمْ وَاسْفَغُورَ لَهُمْ وَ شَاوِرُهُمْ فِي الْآمِ عِنَاذَا عَزْمَتَ فَتَوَكَّلُ ثَلَّى اللَّهِ إِنِّ اللَّهُ يُحَنَّ الْنَجَّ كَلْيَنَ ﴿ يُحَنَّ الْنَجَّ كَلْيَنَ ﴿
- إِنْ يَنْمُورُ مِنْ الْفَوْمَ لِبَ لَكُرُورُ إِنْ يَعْفَدُ لَمْرُ فَعَنْ ذَا الَّذِنْ بَنَعُورُكُمْ مِنْ يَعْدِهِ وَقَى اللهِ قَلْيَتُوسُولُ الْفُوْمُونَ ۞ وَمَا صَانَ لِنَبِي أَنْ يُغُلِّ وَمَن يَّغْلُلُ بِسَاتٍ بِمَا عَلَّ يَوْمُ الْفِيهَدَءُ لُرُّ لُوَكِي كُلُّ نَفْي مَا حَسِنْ وَهُرْ لِاَفْقَالُونَ ۞
- أَفَمَنِ النَّبَعَ رِهْوَ انَ اللهِ كَمَنْ اَبَاءَ بِسَهُمَامِّنَ اللهِ وَمَــَّاوُنــُّهُ جَمَّنُّ وَبُشَى الْمُمْرُّ ۞
  - . مَرَ رَجْتُ عِنْدَ اللهِ وَ اللهُ بَصِيْرٌ ۚ بِمَا يَعْمَلُونَ ۞ هُرُ دَرَجْتُ عِنْدَ اللهِ • وَ اللهُ بَصِيْرٌ ۚ بِمَا يَعْمَلُونَ ۞
  - عر تروغت سن المؤونيثي إذ يَعَى فِيهِنْ رَبِّهُ يَعْمُونُ ﴾ لَقَدُمنَّ اللَّهُ قَلَ الْمُؤْمِنِينَ إذْ يَعَى فِيهِنْ رَبِّهُ لِأَيْنِ أَنْفُسِينَ يَشَكُّلُ عَلَيْهِنْ أَلِيهِمَ لَيُرْكِيْهِنْ رَيَعْلِيْهُنِّ الْكِتْبَ رَ الْكِفَّةَ ؛ وَ إِنْ كَانُوا مِنْ قَبْلُ لَيْنَ مَلَلِ شَبْنِي ﴾

- ১৬৫। এমন কেন হল যে হখন (উভানে) ভোয়াদেবকে বিপদ আধাত কবল-যদিও তোমরা (বদরে) তার দিওপ "আঘাত করেছিলে, তথন তোমরা বললে 'এটা (এ বিপদ) কিভাবে আসল+' বল 'এটা ভোয়াদেব নিজেদের কাছ থেকেই (রাসলকে অমানা করার কারণে)।' নিকন্ত আলাহ সবকিছর উপর সর্বশক্তিয়ান।
- ১৬৬। এবং দু'দলের মুখোমখি হওয়ার দিন তোমাদেরকে যা আঘাত করেছিল তা হয়েছিল আবাহার উচ্চাতেই এবং যাতে তিনি জেনে নিতে পারেন (ম্পষ্ট করতে পারেন) য়'মিনদেরকে-
- ১৯৭। এবং যাতে তিনি জেনে নিতে পারেন (স্পন্ন করতে পারেন) মনাফিকদেরকে। আর তাদেরকে বলা হয়েছিল, 'তোমরা এসো-আধাহৰ পথে যত্ৰ কৰ অথবা প্ৰতিহত কৰ।' ভাৰা বঙ্গেছিল। 'যদি যত্ৰ (হবে বলে) জানতাম তাহলে অবশাই আমরা তোমাদের অনসরণ করভাম।' সেদিন ভারা ঈমানে যা ছিল ভার চেয়ে কফরীর অধিক নিকটবর্তী ছিল তারা তাদের মধ দিয়ে (এমন কথা) বলে যা তাদের ছদয়ে নেই। এবং ভারা যা গোপন করে ভারাহ ভা সবচেয়ে বেশি
- क्षांत्रसम् ১৬৮। যারা তাদের ভাইদের সম্বন্ধে বলল এবং (ঘরে) বসে বইল, 'যদি ভারা আমাদের অনুগত্য করত ভাহলে ভারা নিহত হত না'। (ভাদেরকে) বল, 'ভাহলে ভোমরা ভোমাদের নিজেদের থেকে মতাকে প্রতিরোধ কব- যদি কোমবা সকলোদী হ'ং "
- ১৬৯। এবং যারা আল্লাহর পথে নিহত হয়েছে তালেরকে কখনো মত মনে করো না ববং তারা তাদের প্রতিপালকের কাছে জীবিত তাদেরতে বিয়িক দেয়া হয়-
- ১৭০। আলার তাঁর অন্যার থেকে ভাদেরকে যা দিয়েছেন ভাতে ভারা উৎফল্ল এবং কাদের পিচনে যাবা এখানা কাদের সাথে মিলিক হয়নি শেহীদ হয়নি) তাদের বাপারে আনন্দিত হয় (এজনা) যে, তাদের কোন তয় মেট এবং তাবা দশ্চিম্নাগ্রন্থও হবে না।
- আপ্রাহ ম'মিনদের প্রতিদান নট করেন না। ১৭২। যারা আল্লাহ ও রাস্পক্তে সাভা নিয়েছে তাদেরকে জখম আঘাত করার পরেও , তাদের মধ্যে যারা উত্তম কাজ করেছে এবং তাকওয়া অবলয়ন
- करवाध जारतव क्रमा वाराफ प्रवासक्रियाम ১৭৩ যাদেরকে লোকেরা (মনাফিকরা) বলেছিল, নিশ্বয় ভোমাদের বিক্লছে শোকেরা জমা হয়েছে, সুতরাং তোমরা তাদেরকে তথ্ কর, কিছু তা তাদেরকে ঈমানে বন্ধি করল এবং তারা বলল, 'আল্লাহই আমাদের জন্য
- ১৭৪: অতঃপর ভারা আল্লাহর নেয়ামত ও অনুগ্রহসহ ফিরে আসল, কোন ক্ষতিই ভালেরকে স্পর্ণ করেনি, এবং ভারা আপ্রাঞ্জর সন্ধায়র (পথ)
- অনসরণ করেছিল। এবং আল্লাহ মহাঅনুগ্রহশীল।

- قُلْ هُوَ مِنْ عَنْدَ ٱثْفُسُكُرْ ۗ وانَّ اللَّهُ عَلَى كُلِّ هَنَّ قَدَيُرٌّ ﴿ وَمَآ أَصَا بَكُ \* يَوْ ٓ الْتَقَى الْجَمْعٰي فَبادُن الله وَ لَيَعْلَى ۗ
- الْمُؤْمِنيْنَ ﴿ وَلِيَعْلَرَ الَّذِيْنَ نَافَقُوا ﴿ وَقَيْلَ لَهُ مُ تَعَالُوا قَاتِلُوا فَاللَّهُ افْ سَبِيْلِ اللهِ أَوِ ادْفَعُوا ، قَا لُوْا لَوْ نَعْلَمُ قَتَالًا لِأَتَّبَعْنَكُمْ ، هُمْ
- للْكُفْرِ يَوْمَعْذِ إَقْرَبُ مِنْهُرْ لِلْإِيْمَانِ ، يَقُوْ لُوْنَ بِأَفْوَ اههِرْ مَّا لَيْسَ فِي قُلُوْ بِهِرْ ﴿ وَ اللَّهُ أَعْلَرُ بِمَا يَكْتُمُونَ ﴿ ٱلَّذَيْنَ قَا لُوْ الْكُوَ انهِ ﴿ وَقَعَدُواْ لَوْ أَطَاعُوْنَا مَاقُتلُوا ۗ ، قُلْ فَادْرَءُوا عَنْ آتْفُسُكُرُ الْمَوْتَ انْكُنْتُرْ طُدقيْنَ ﴿
- وَ لَاتَحْسَبَنَّ الَّذِيْنَ قُتلُوا فِي سَبِيْلِ اللهِ آمُوَ اتَّاء بَلَ آحْيَآ ۗ عَنْدُ رَبُّهِمْ يُوْزَقُونَ 🗞 فَ حَيْنَ بِمَآ أَتْنَهُرُ اللَّهُ مِنْ فَضْلَهِ ۗ وَيَشْتَبْهُ ۗ وُنَ بِالَّذِيْنَ لَرْيَلْحَةُوْ البهر مِّنْ خَلْفهرْ ﴿ أَلَّاخُونٌ عَلَيْهِمْ وَلَاهُمْ
- يد نون ۾ يَسْتَبْهُرُونَ بِنعْمَةِمِّنَ اللهِ وَ فَضْلِ وَ أَنَّ اللهُ لَا يُضِيعُ أَجْرًا ﴾ , अवा बावादत लावायत बना जावा जानिक दश, वनर ७० वन, ﴿ اللهِ لَا يُضِيعُ أَجْرًا ﴾ , अवावदत लावायत व वन्धावत बना जावा जानीक दश, वनर ७० वन, विकास
  - إَلَّذِيْنَ اشْتَجَابُوْا لِلَّهِ وَ الرَّسُوْلِ مِنْ بَعُدِماۤ أَصَابَهُمُ الْقَـْحُ: للَّذِينَ آحْسَنُوا مِنْهُرْ وَ اتَّقُوا آجُرٌّ عَظَيْرٌ ﴿ إِلَّادِيْنَ قَالَ لَهُمُ النَّاسُ إِنَّ النَّاسَ قَدْ جَمَعُوا لَكُمْ · فَاغْشَوْهُمْ ۚ فَزَادَهُمْ إِيْمَانًا ۚ وَقَا لُوْا حَسْبُنَا اللَّهُ وَنَعْيَ
  - الْوَكَيْلُ @ فَاثْقَلَبُوْ ا بِنعْمَة مِّنَ اللهِ وَفَصْلِ لَّهِ يَمْسَشُهُرْ سُوَّءً ۗ وَّ اتَّبَعُوْ ا رِضْوَ إِنَّ اللهِ وَ اللَّهُ ذُوْ فَصْلِ عَظْيُمِ ﴿

যথেই এবং তিনি কতই না উল্লেখ কলাৰপায়ক।

- ১৭৫। এটি কেবল শয়তান, যে (তোমাদেরকে) তার বন্ধদের ভয় দেখায়, সুতরাং তোমরা ভাদেরকে ৬য় করো না, আমাকেই ভয় কর- যদি তোমরা মু'মিন হও।
- ১৭৬। এবং যারা কুফরীতে দ্রুত ধাবিত হয়, তারা (এর্থাৎ তাদের আচরণ) বেন তোমাকে দুশ্চিন্তাগ্রন্থ না করে। নিশুর তারা কখনো আল্লাহর কিছুই ক্ষতি করতে পারবে না। আল্লাহ চান যে, তিনি আবিরতে তানেরকে কোন অংশ দিবের না এবং তাদের জনা রয়েছে মহাশান্তি।
- ১৭৭। নিশ্বর হারা ঈহানের বিনিময়ে কফরী ক্রন্ম করেছে তারা কখনো व्यालाहर किस्टें करि कराज भारत मा अवः जात्मव जना तरहारू যক্তবাদায়ক শান্তি।
- ১৭৮: এবং হারা কুকরি করেছে তারা যেন কথনো মনে না করে যে, আমি ভাদেরকে যে অবকাশ দেই তা তাদের নিজেদের কলাপের জনা। আমি অভঙাদ দেউ কেবল এ জন্ম যাতে ভারা পাপে বন্ধি পায়। এবং ভাদের জনা রয়েছে লাঞ্চনাদায়ক শান্তি।
- ১৭৯। মন্দকে (এর্থাৎ মুনাফিকদেরকে) তাল (অর্থাৎ মু'মিনদের) থেকে পৃথক না করা পর্যন্ত তোমরা যার উপর (যে অবস্থার উপর) রয়েছ আল্লাহ ্ল'ছিলদেৱাৰ ভাৰ উপৰ ছেডে দেৱাৰ নম। আবাৰ আল্লাহ ভোমাদেৱক অদশ্য সপর্কে অবহিত করারও নন, তবে আল্লাহ তাঁর রাসলদের মধ্য থোক যাকে ইচ্ছা করেন মনোনীত করেন, সভরাং ভোমরা আল্লাহ ও তাঁর রাসলদের উপর ঈমান আন, এবং যদি তোমরা ঈমান আন ও ভারতার অবস্থন কর ভারতে ভোমাদের জন্য রয়েছে মহাপ্রতিদান।
- ১৮০। আর যারা কপণতা<sup>\*</sup> করে তারা যেন কখনো মদে না করে যে, আলাহ তার অন্যাহ থেকে তাদেরকে যা দিয়েছেন তা তাদের জনা কল্যাণকর। বরং তা তাদের জন্য অকল্যাণকর। তারা যা নিয়ে কপণতা করেছে কিয়ামতের দিন সেটিকে তাদের গলার বেভি<sup>®</sup> করা হবে। আর<sub>া</sub> সে সম্পর্বে আল্লাহ পর্ব অবগত।
- ১৮১, অবশাই আল্লাহ ভনেডেন ভালের কথা যারা বলে, 'নিশ্চয় আল্লাহ ফৰিব (গরীর) আর আহরা অভারমক<sup>\*</sup>।' তারা যা বলেছে তা এবং তাদের (কর্তক) নবীদেরতে অন্যায়ভাবে হত্যা করার বিষয়টি শীঘ্রই আমি লিখে বাখৰ এবং বলৰ 'তোমৱা প্ৰজানিত আওনের শাবি আখাদন कर (
- ১৮১। এটি সে কারণে যা ভোমাদের হাত অগ্রে পাঠিয়েছে, এবং এও যে, আলাচ বান্ধাদের প্রতি ব্যৱহ্বারী মন।
- ১৮৩। যাবা বলে, 'মিশ্চয় আল্লাহ আমাদেরকে নির্দেশ দিয়েছেন যেন আমরা কোন রাস্নের প্রতি বিশ্বাস স্থাপন না করি যতক্ষণ পর্যন্ত তিনি আমাদের নিকট এমন এক করবানী নিয়ে না আসেন যাকে আগুন (এসে) থেয়ে ফেলতে<sup>\*</sup> হল 'আয়ার পর্বে বস্ত রাসল 'শষ্ট প্রমাণাদিসহ এবং তোমরা হা বলেছ তা নিয়ে তোমাদের নিকট এসেছিল, তাহলে কেন তোমরা তাদেরকে হত্যা করেছিলে- যদি তোমরা সভাবাদী হওং

إنَّمَا ذَلكُمُ ۚ الشَّيْطُنُ يُخَوِّنُ آوْليَّا آءَةً - فَلَاتَخَافُوهُمْ وَ خَافُوْنِ إِنْ كُنْتُيرٌ مُّوْمِنِينَ @

وَ لَا يَحُونُ ثُكَ الَّذِيْنَ يُسَا رِعُوْنَ فِي الْكُثْمِ : إِنَّهُمْ ۖ لَنْ يَغُدُّوا اللهُ شَيْئًا - يُرِيْدُ اللهُ ٱلَّايَجْعَلَ لَهُرْ حَظًّا فِي الْأَخِرَة ، وَلَهُرْ عَذَابٌ عَظَيْرٌ ۞

إِنَّ الَّذِيْنَ اهْتَرَوُّا الْكُفْرَ بِالْإِيْمَانِ لَنْيَّفُرُّوا اللَّهَ هَيْئًا ۗ وَ لَمُرْ عَذَابٌ ٱليُّرْ ﴿

وَ لَا يَحْسَبَنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُواۤ أَنَّمَا نُمْلَى لَهُرْ خَيْرٌ لِّا نَفُسِهِرْ ، انَّمَا نُمْلَى لَهُرْ لِيَزْدَادُوْ إِنْمًا وَ لَهُرْ عَذَابٌ مُّهَيَّنَّ ﴿

مَا كَانَ اللهُ ليَذَرَ الْمُؤْمنِينَ عَلَى مَاۤ أَنْتُرُ عَلَيْه حَتَّى يَمِيْهَ الْعَبِيْكَ مِنَ الطَّيْبِ وَمَا كَانَ اللَّهُ لِيُطْلِعَكُمْ عَلَى الْغَيْبِ وَ لْكِنَّ اللهَ يَجْتَبِي مِنْ رَّسُّلِهِ مَنْ يَّشَآءُ - فَأَمَنُواْ بِاللهِ وَ رُسُلِهِ : وَ إِنْ تُؤْمِنُوا وَ تَتَقُوا فَلَكُر آجُرٌ عَظَيْرٌ ﴿

وَ لَا يَحْسَبَنَّ الَّذِيْنَ يَبْخَلُونَ بِمَآ أَتْنَهُرُ اللَّهُ مِنْ فَقْلِهِ هُوَ خَيْرًا لَّهُرْ • بَلْ هُوَ شَرٌّ لَّهُرْ • سَيُطَوَّقُوْنَ مَا بَحْلُوْا بِهِ يَوْمَ . القيمة ولله ميرات السَّموت والأرض والله بمَا تَعْمَلُونَ ﴿ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ ﴾ वाकानत्रमुह ७ पश्चित उत्तराहकात वाह्यानुबह। अवर त्वामता या कत

> لَقَدْ سَمِعَ اللَّهُ قَوْلَ الَّذِيْنَ قَا لُوًّا إِنَّ اللَّهَ فَقَيْدٌ وَّ نَحْنُ اَغْنَيَّا مُر سَنَكْتُ مَا قَا لُوْا وَقَتْلَهُرُ الْٱنْبِيَّاءَ بِغَيْرِ حَقٍّ، وَنَقُولُ دُوقُوْا عَذَابَ الْحَرِيْقِ @

ذُ لِكَ بِمَا قَدَّمَتْ آيْدِيْكُرْ وَ أَنَّ اللَّهَ لَيْسَ بِظَلًّا لِلْعَبِيْدِ ﴿

ٱلَّذِيْنَ قَا لُوَّا إِنَّ اللَّهُ عَهِدَ الَّيْنَاۤ ٱلَّانُوْمَنَ لِرَسُوْلَ مَتَّى يَأْتِيَنَا بِغُوْبَانِ تَأْكُلُهُ النَّارُ ، قُلْ قَدْ جَآءَكُورُ رُسُلٌ مَّنْ قَبْلَيْ بِالْبَيِّنْ وَبِالَّدِي قُلْتُرْ فَلرَ قَتَلْتُمُوهُمْ إِنْ كُنْتُرْ صٰدقين ⊛ ১৮৪। অবঃপর যদি তারা ভোমাকে মিথাবাদী বাল<sup>\*</sup>, তাবে তোমার পূর্বেও রামুন্দনেরকৈ মিথাবাদী বলা হয়েছিল, যারা শ্লাট প্রমাণাদি, যাবুরসমূহ (সিবিত নির্দেশাবাদী) এবং দীয়িশ্রাদ কিতাবসহ প্রসেছিল।

৩. সরা আলে ইমরান

- ১৮৫। প্রত্যেক ব্যক্তিই মৃত্যুর স্থান গ্রহণকারী প্রব্য কেবল কিয়ামতের নিনই স্থোমানেরকে ভোমানের প্রতিদান পুরোপুরি সেরা হবে। অন্তরপর বাকে আকন থেকে দূরে রাখা হবে এবং স্থান্নাতে প্রবেশ করানো হবে সে অবশাই সদেশ হবে। আর দুনিয়ার স্ত্রীবন প্রভারণার সাম্মাী ছাড়া কিছুই নয়।
- ১৮৬৷ অবশাই ভোমাদেরকে পরীক্ষা করা হবে তোমাদের কানসাপনে এবং ভোমাদের নিজেপের (জিবানে) মানে, আর ভোমাদের পূর্বে যান্দ্রেরে কিবানে পোরা মার্চিক তথকে কিবানি থাকে এবং থারা সারীক করেছে ভালের নিকটা থেকে গোমবা অবশাই আনক কারীকরে করা ভামানে আম মার্কি ভোমবা থৈবা থাকে কার ভামান্তর মার্কালক করা ভামানে এটা হবে সুপ্র সংক্রমার বিজ্ঞানা করা ভামান্তর মার্কালক কর, ভবে নিশ্চয় এটা হবে সুপ্র সংক্রমার বিজ্ঞানার স্বান্ধর্তি ভ
- ১৮৭। এবং যথন আগ্নাহ তাদের অগীকার নিয়েছিলেন বানেরকে কিবার দেয়া হরেছিল (এই মর্মে যে), 'তামরা অবশাই তা মানুহের নিকট 'শাইতাহে বর্দনা করেনে এবং তা গোপন করে না। 'অত্যপন্ত একে তারা তাদের শিহনে নিচেপ করে (আহাত করা) এবং এর বিনিমরে সামান্য মূল্য প্রথণ করলা সুত্যাহ তারা যে মদ্যা প্রথশ করে তা করাই লা নিকট্ট।
- ১৮৮। যাবা (নিজের) যা করেছে তাতে উন্মৃত্য হর্ট এবং যা তারা (নিজেরা) করেনি তার জন্য প্রশংসিত হতে তালবাসে তানেরকে তুমি কখনো মনে করো না যে, তারা শান্তি থেকে পার পেয়ে যাবে। এবং তাদের জন্য রয়য়েত হার্থানায়ক শান্তি।
- ১৮৯। এবং আকাশসমূহ ও পৃথিবীর রাজতু আল্লাব্রই এবং আল্লাব্ সব কিছুর উপর সর্বশক্তিমান।
- ১৯০। নিশ্চয় আকাশসমূহ ও পৃথিবীর সৃষ্টিতে এবং রাত ও দিনের পরিবর্তনে অবশ্যই নির্দাশনাবদী রয়েছে বৃদ্ধিমানদের অদ্য-
- ১৯১, যারা আন্নাহকে বরণ করে দিছিতে, বলে ও আকের পার্কের উপর (শায়ন) এবং আকাশসমূহ ও পৃথিবীর সৃষ্টি সবছে চিন্তা করে (এবং বলে), হে আমালের বর্তিপাদক। আপনি একে বাতিপ হিসেবে (অহতা) সৃষ্টি করেননি, পরিত্র আপনি, সুকরাং আপনি আমানেরকে আন্নবের শার্ত্তি থেকে রক্ষা করুন।
- ১৯২। হে আমাদের প্রতিপালক। নিশ্বর আপনি যাকে আঞ্চনে প্রবেশ করনে তাকে অবশ্যই আপনি অপমানিত করলেন। আর জানিমদের জন্য কোন সাহাযেকারী নেই।

- قَانَ حَذَّبُوكَ فَقَدُ كُنِّبَ رُسُلٌ مِّن قَبْلِكَ جَاءُوْ بِالْبَيِّاْتِ وَ الزَّبُرِ وَ الْكِتْبِ الْمُنْيَرِ ⊖
- كُلُّ نَفْسٍ ذَّالِقَةُ الْمُؤْتِ: رَائِمًا تُوقَّوْنَ أَهُوْرَكُمْ بَوْرًا الْقِيفَةِ فَمَّنَ نُحْرًى عَنِ النَّارِ وَأَدْمِلَ الْجَنَّةُ فَقَدْ فَا زَءَوَ مَا الْخَيْرةُ النَّذِيلُ إِلَّا هَمَّاعُ النُّرُورِ ﴿
- لَّتُمَكِّرُنُّ فِيَّ أَهُوَا لِكُورُ وَ الْفَسِّمُّ مِوْ لَتَسْمَعُنَّ مِنَ الَّذِيْنَ اوْتُوا الْكِنْسِينَ قَلِيكُرُ وَمِنَ الْدِينَ اَهُوْمُوَّا الْوَقَ إِنْ تَشْيِرُوا وَتَتَّفَوْ أَفِلَ ذَلِكُ مِنْ عَزَا الْأَثْوَرِ ۞
- وَاذْ أَخَذَ اللهُ مِيْمَاقَ الَّذِيْنَ أَرْتُوا الْكِحْبَ لَتُبَيِّئَنَّهُ لِلنَّاسِ وَكَرْحُكُونَ افْتَبُدُونُ وَرَأَءَ ظُهُو رِهِرْ وَاهْتَوْوَا بِهِ ثَمَنًا قَلِيلًا؞ فَنَشَ مَا يَهْتَوُنَ ۞
- لَاتُضَمَّنَّ الَّذِينَ يَفْرَحُونَ بِمَا آتُوا وُ يُحِمُّونَ اَنْ يُّضَدُّواْ بِمَا لَرْ يَنْفَعُلُواْ فَلاَتُحْسَمُّنُّهُرْ بِمَفَا رَقِّمِّنَ الْعَدَّابِ، وَلَهُرْ عَدَابُ إَلَيْرُ ۞
- وَلِيْهِ مَلْكُ السَّمُوٰتِ وَالْأَرْضِ، وَاللَّهُ مِّلْ مُنْ قَدِيدٌ ﴿ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ الللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللللِّهُ الللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ الللِّهِ الللَّهُ اللَّهِ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ الللْلِي وَاللَّهُ اللَّهِ الللْلِي وَاللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ الللْلِي وَاللَّهِ اللَّهِ الللِّهِ الللْلِي وَاللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ الللْلِي وَاللَّهِ الللِّلِي وَاللَّهِ الللْلِي وَاللَّهِ اللْلِي وَاللَّهِ اللَّهِ الللْلِي وَاللَّهِ اللْلِي وَاللَّهِ اللْلِي وَاللَّهِ الللِّلِي وَاللَّهِ اللْمُنْ اللَّهِ اللْمُنْ اللَّهِ الللْلِي وَاللَّهِ الللْمُنْ اللَّهِ اللَّهِ الللْمُنْ اللَّهِ اللْمُنْ اللَّهِ اللْمُنْ اللَّهِ اللْمُنْ الللْمُنْ اللللْمُنْ الللْمُنْ اللللْمُنْ الللِي الْمُنْ أَلِي الْمُنْ الْمُلْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ ال
  - لَانِتِ لِآوِلِ الْآلْبَابِ أَهُ الَّذِينَ يَذَكُورُنَ اللَّذِينَ مَنْكُورُنَ اللَّهِ عَالَمَ فَعُودًا وَكَلْ حَتَوْمِهُ وَيَعَتَقُرُونَ فِي غَلْقِ السَّمُونِ وَالْآرِضِ، رَبَّنَا مَا غَلَقْنَ هَذَا بَاطِلَاء شَدْعَاتُ فَعَنَا عَذَابِ النَّارِي
  - رَبُّنَا إِنَّكَ مَنْ تُدْخِلِ النَّارَ فَقَدْ أَخْزَيْتُكَ وَمَا لِلظَّلِمِينَ مِنْ أَنْمَار @

- ১৯৫। তে আয়ানের প্রতিপালক। নিশ্বর ভামরা একজন আভবানকারীকে ইয়ানের ভিত্ত সাম্পান কলত চাত্রতি (এই বারা) যে 'ভারবা নোয়ানের প্রতিপালকের প্রতি উন্নান আন ' সত্তবাং আমরা উমান এনেছি। তে আমাদের প্রতিপালক। আপনি আমাদের অপরাধসমহ ক্ষমা কলন আয়াদের পাপসমূহ মোচন করুন এবং আমাদেরকৈ প্রবান্দের সাথে মতা দান করুন।
- ১৯৪ তে আহাদের প্রতিপালক। আপনার বাসক্ষের হাংলাহ আহাদেরতে যা প্রতিশ্রুতি দিয়েছেন তা আমানেরকে দান করুন এবং কিয়ামতের िक कारणास्त्राम सक्याचित्र महास्था हो। विकास सामि अस्तिकारित माहितास सरमा सा
- ১৯৫, সজবাং জানের প্রতিপালক তানেরকে সাড়া দিলেন (এবং বললেন) যে, আমি তোমাদের মধ্যে (সং) কর্মশীল কোন নর অথবা নারীর কাজকে বিনাই কবি না- তোমবা একে অপরের অংশ। সতবাং বারা হিন্তব্যত করেছে, তাদের আবাসমূহ থেকে বহিন্তত হয়েছে, আমার পথে নির্মাতিত হয়েছে এবং যদ্ধ করেছে ও নিহত হয়েছে অবশাই আছি আমের পাপসমূহ মোচন বাবর এবং অবশক্ত তাদেরকে প্রবেশ করার জানাতসময়ে, যেগুলোর নীচে নহরসমূহ প্রবাহিত। এটি আলাহর পক্ষ থেকে পুরস্কার (ছওয়াব)। আর আরাহরই নিকট রয়েছে উত্তম পরস্কার
- ১৯৬। যারা কৃষ্ণরী করেছে, নগরসমূহে তাদের (অবাধ) বিচরণ যেন কর্থনো ভোমাকে প্রভারিত না কবে।
- ১৯৭। (দুনিয়ায় তাদের) ভোগ্যসামগ্রী সামান্যই; এরপর তাদের আশ্রবস্থল হবে জাহানাম। আর কতাই না নিকাই এ বিশামস্থল।
- ১৯৮। কিম যাবা ভালের প্রতিপালককে ভয় করেছে ভালের জনা বায়েছে জানাতসমহ, যেগুলোর দীচে নহরসমূহ প্রবাহিত, সেখানে তারা স্থায়ী চবে- আন্তাহর পক্ষ থেকে আপায়েন হিসেবে। আর আপাহর নিকট যা আছে তা পুণ্যবানদের জন্য উত্তম।
- ১৯৯। আর নিশ্চয় আহলে কিতাবের মধ্যে এমন কিছু লোক রয়েছে যারা আলাহৰ জন্য বিনয়ী হয়ে অবশাই ঈমান আনে আল্লাহৰ প্ৰতি এবং যা व्यक्तीर्थ क्रवा क्रायाच (साम्राजन अस्ति अनः या व्यवदीर्थ क्रवा क्रायिन তাদের প্রতি, তারা আল্লাহ্র আয়াতসমূহের বিনিময়ে সামান্য মলা গ্রহণ আর না। আদেরই জন্য আদের প্রতিপালকের নিকট রয়েছে তাদের প্রতিদান। নিশুর আল্লাহ হিসাবে দত্ত।
- ১০০। থতে যাবা ঈমান এনেছ। তোমবা থৈৰ্য ধাৰণ কর, (বজে) থৈৰ্যের ক্ষেত্রেটি আবাহকে তথ্য কর, যাতে ভোমরা সফল হতে পার

- رَبِّنَآ انَّنَا سَمِعْنَا مُنَادِيًا يُّنَادِيُ لِلْأَيْمَانِ أَنْ أَمِنُواْ بِ بِّكُرْ فَهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الإنبارة
- رَبُّنَا وَ اتِّنَا مَا وَعَدْتَّنَا عَلَى رُسُلِكَ وَ لِاتُّحْ: نَا يَوْمَ الْقَيْمَةِ، انَّكَ لَاتُشْلِفُ الْمِثْعَادَ هِ
- فَاشْتَجَابَ لَهُرْ رَبُّهُرْ أَنَّيْ لَآ أَمْيُعُ عَمَلَ عَامِل مِّنْكُرْ مِّنْ ذَكَ أَوْ أَثْثَى ، بَعْفُكُر مِنْ بَعْض ، فَا لَّذِينَ هَاجَ وا و أَخْجُوا من ديا رهِرْ وَ أُوْدُوا فِي سَبيلي وَ فَعَلُوا وَ قَعلُوا لَأَكُفِّونَ عَنْهُرْ سِّيَّالَهِ ( وَ لَا ثَهُرُ جَنْي تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْاَثْهُ وَوَابًا مَّنْ عَنْد اللهِ وَ اللهُ عَنْدَةٌ حُسْنَ اللَّهِ إِل
- لَا يَغُةً نَّكَ تَقَلُّ الَّذِينَ كَفَرُّوا فِي الْبِلَادِ ﴿ مَتَاعٌ قَلْيْلُ وَيُرْ مَأُولُهُ مُوالِهُ جَهَنَّهُ وَبِعْسَ الْمِهَادُ
- لُكِنِ الَّذِيْنَ اتَّقُواْ رَبَّهُزْ لَهُرْ جَنَّتُ تَجْيُهُمْ تُحْتَهَا الْآنَهُو كُلِدِينَ فِيْهَا نُزُّلًا مِّنْ عَنْدِ اللهِ وَمَا عَنْدَ اللهِ غَيْرًا
- وَ إِنَّ مِنْ آهُلِ الْكِتْبِ لَمَنْ يَّوُّمِنُ بِاللَّهِ وَمَآ أَنَّوْلَ الْمَكُمْ ۗ وَ مَا ۚ أَنْهِ لَ الَّذِهِ ۚ خَسْعَيْنَ لله ، لَا يَشْتُ وْنَ بِاللهِ لللهِ تَمَنَّا قَلَيْلًا ، أُولَنْكَ لَهُرْ أَجْرُهُر عَنْدَ رَبِّهِرْ وإنَّ اللهَ سَرِيْعُ الْحِسَابِ
- १८६ पात क्यान अल्पर: एक्सव १८व रावण कर, (बुरुष) रेपर्संत एक्सविही किंदी हैं हैं। जोरतहरू नताविक कर अरर (बुरुव बना) नकर्य-बुल्ड बाक अवार्धिकी किंदी हैं। لَعَلَّكُمْ ثُقْلَكُونَ ﴾

## ৪. সূরা আন-নিসা, মাদানী ১৭৬ আয়াত, ২৪ কক্

অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আল্লাহর নামে

- ২। এবং ইরাতীমদেরকে তাদের ধদ-সম্পদ প্রদান কর এবং পরিত্র (বন্ধু)
  দিয়ে নিকৃষ্ট (বন্ধু) বনদ করে নিও দা। এবং তোমানের সম্পদের সাথে তাদের সম্পদ থেরে ফেলো না। নিকর তা মহাপাপ।
- था अन्य प्रके (जनक प्राप्तक) कर (त. (त्यास्त्यक व्योक्क्टकरकु क्षाम) हंसावीच त्यास्त्रक (त्याक्रम (त्रिक कर कारण) वर्षिक मार्माव्यक्त मृत्यक भारत्य ना, कारण (त्या) मार्मीव्यक स्वत (स्वतः द्वाराम) व्यक्ति मृत्यक प्रकार कार्यक कर प्रकार कर कार्यक मार्माव मृत्यक त्यास प्रकार मार्माव मृत्यक व्यवक प्रकार मार्माव मृत्यक (व्यवकात (व्यवकात व्यवकात क्षायक व्यवकात प्रवार मार्माव क्षायक क्षायक व्यवकात व्यवकात
- ৪। এবং তোমরা রীদেরকে তানের মোহরানা রাদন কর বুদি মনে। আর তারা যদি পুদি হয়ে তা থেকে কিছু তোমাদের জন্য ছেভে দেয়, তবে তোমরা তা সক্ষদে খাও।
- ৫। এবং ভোমাদের ধন-সম্পদ, যা আরাত্ব ভোমাদের অন্য জীবন ধারণের উপকরণ বানিয়েছেন, ভা অবুঝাদেরকে জ্ঞান করে। না এবং ভা আরু ভাসেবকে ভক্তর-পোষণ দাও এবং পোশাক-আশাক দাও এবং ভাদের সাথে সৌহার্নপূর্ব করা বলা।
- ৬। এবং বোনাৰা ইয়াতীয়সভাৱত আছেঁ কয় বছৰাল না ছাৱা বিজ্ঞা পোৱাৰ বাদ্যা গাঁৱ গৈছৈ, এবং বাদ্যা বাছৰ বাছৰ পাছৰ চিন্তা স্থিতিয়াল বৈধা বাছৰ তাহনৰ পাল লাভাৱত প্ৰান্ধ কৰ এবং তোনাৰা তা কথাছ কৰে ও ভাৱতাকুত পাল বাছৰ কাৰে কোনো কাৰ কাৰ হাছে নাটা কথাছ কৰে এই কাৰ্যা বাছৰ কাৰ্য্য বাছৰ কাৰ্য্য (ক্ষিকা) সে সে লাভাৱত বাছৰ বাছৰ কাৰ্য্য বাছৰ কাৰ্য্য বাছৰ ভাৱতাৰ প্ৰশাসন্দ প্ৰশাস কৰে ওপনা আনৰ বাছৰে সাম্প্ৰী তেথা আন বিল্লা বাছৰকাৰী হিচাপে আনুষ্ঠাই আছেঁ।

٢- سُورَةُ النِّمَا وَ مَنْ بِيَّةٌ اَيَّاتُهَا ١٢٠، رَّكُوالَتَا ٢٠٠٠. وَكُوالَتَا ٢٠٠٠. وَكُوالَتَا ٢٠٠٠. وَكُوالَتَا ٢٠٠٠. وَكُوالَتَا ٢٠٠٠. وَكُوالَتَا اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ الرَّحِيلِةِ الرَّعِيلِةِ الرَّحِيلِةِ الرَّحِيلِةِ الرَّحِيلِةِ الرَّعِيلِةِ الرَّعِيلِةِ الرَّعِيلِةِ الرَّهِ الرَّعِيلِةِ الرَّعِيلِيلِةِ الرَّعِيلِةِ الرَّعِيلِةِ الرَّعِيلِةِ الرَّعِيلِةِ الرَّعِيلِةِ الرَّعِيلِةِ الرَّعِ

يَّالَهُمُّ النَّاسُ اتَّقُوْا رَتَّكُرُ النِّنِي مَلَقَكُرٌ مِّنْ قَسْ وَأَحِدَةً وَّ عَلَقَ مِنْهَا زَرْمَهَا وَرَسَّمِنُهَا رِجَالًا عَثْمِرًا وَنُسَاءَ وَالَّهِرَا اللَّهِ اللَّذِنُ تَسَادَ لُوْنَ بِهِ وَالْأَرْحَاءَ إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَلَيْكُرُ رَقِيمًا فِي

وَاتُوا الْيَتْمَى آمُوَ الْمُرْ وَلَا تَتَبَدُّ لُوا الْعَبِثَى بِالطَّيِّبِ ۗ وَ لَاتَاكُلُوٓا آمُوا لَهُرْ إِلَّى آمُوَ الكُرْ ۚ إِنَّهُ كَانَ مُوْبًا كَبِيْرًا ۞

رَإِنْ خِفْتِرْ الَّا لَفَكُوا فِي الْيَنْمِي فَالْحَصُّواْ هَا طَابَ لَكُرْ مِّنَّ النِّسَاءِ مِثْنِي وَلَكِنَ وَ رَبْعَ ، فَانْ حِلْتُمْ الَّا تَعْرِلُوا فَوَاجِدَةً أَزْمًا مَلَّصَ الْيَمَّالُكُرْ ، ذَلِكَ اذْنَى الَّا تَعُولُواْ هَ

وَ أَتُوا النِّسَاءَ مَدُفْتِهِيَّ نَحْلَةً فَإِنْ طِبْنَ لَكُرْ عَنْ هَنْ ً مِّنْهُ نَفْسًا فَكُوْهُ مَنْيَقًا مَّ لَيْنًا ۞

وَ لَا تُوْتُوا السَّفَهَاءَ أَمُوا الْكُرُ الَّتِي جَعَلَ اللهُ لَكُرْ قِيمًا وَّ الرَّوُومُ فَيَا اللهُ لَكُرُونًا ۞ الرُّرُومُ اللهُ المُرُومُ اللهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ ال

ر التَّقُوا النَّفِي حَقِّ إِذَا لِنَّوْا النِّعَا عَفَانُ النَّشَرُ وَالْمَرُ رَضْدَا فَادَقَدُوْ النِّهِمِ أَوْ النِّهِرَ الوَالْمُرُونُ لِالْتَكُوْ مَا إِسْرَاقًا رَّ بِذَا لَا اللَّهِ مُؤَلِّدًا وَمَنْ كَانَ عَنْمًا فَلَيْمَتَعْفُ وَمِنْ قَالَ لَيَا فَهُنِّرًا فَلْمُنَاكِلُ إِلَّمُورُونِ فَاذَا دَفَعَرُ النِّهِرُ أَوْرَاتُمُ

فَأَشْهِدُواْ عَلَيْهِمْ وَكَفَى بِاللهِ حَسِيبًا ۞

533 আয়াহ তোমালের সারবাদের সাশার্কে নির্দেশ নিরক্তন, পুরুবারের জন্ম 
রয়েয়ে মুই নারীর আন্দের সম্পান, কিন্তু মার্কি জরা (সবাই) আরী (জনা) 
হল- মুই ও এক আন্দের সম্পান, কিন্তু মার্কি জরা আরু কিন ছাতান মুহ 

তালা মা নে (মুক বাকি) রোকে তোমাল আন্দের আন্দের আন্দর্ধার 
হল আন্দর্ধার এক হল কিন্তু নারকে বাকি নারকা আন্দর্ধার 
হল আন্দর্ধার এক হল কিন্তু নারকা আরু বাকি ভার বুক্ত 
মার্কিল) কোন সার্কান মার্কার এক আন্দর্ধার এক 
হল বিশ্বানাল্য ভার ইকারিকারী হব ভারতো তার মার্কার এক 
ভার বিশ্বানাল্য ভার ইকারিকারী হব ভারতো তার মার্কার এক 
ভার বিশ্বানাল্য ভারত ইকারিকারী হব ভারতো তার মার্কার 
ভারতার এক ভারতার মার্কার কিন ভারতে কিন্তু (মুক) এক প্রকার 
যার মার্কার কার প্রযান্তর কর্মান কর্মান কর্মান বিশ্বানাল্য কিন্তু বিশ্বানাল্য কর্মান 
নে বিশ্বানাল্য ভারতার এক তার প্রবাহার বিশ্বানাল্য কর্মান্তর কর্মান 
কর্মানাল্য মার্কার ভারতার কর্মান কর্মানাল্য কর্মান্তর ক

১১। এবং ভোমাদের জন্য বয়েছে ভার অর্থেক হা ব্রেখে গেছে ভোমাদের লীবা যদি ভাদের কোন সন্তাম না থাকে ভাব যদি ভাদের সন্তান থাকে ভাঙলে ভোমাদের জন্য ভার চার ভাগের এক ভাগ যা তারা রেখে লাক্ষ- এসিয়ত (পরণ) এর পত যা তারা এসিয়ত করে অথবা কণ পেরিশোধের পর)। এবং তাদের জন্ম রয়েছে চার ভাগের এক ভাগ তা খোৱা হা ভোমনা বেখে যাও বদি ভোমাদের কোন সন্ধান না থাকে. লাম সভি কোমাকেন সম্ভান পাকে আহলে আমের (প্রীদের) জন্য আট জ্ঞাপর এক ভাগ ডা থেকে যা ভোমরা বেগে যাও-ওসিয়াত (পরণ) এর পর, যা তোমরা ওসিয়ত কর অথবা ঋণ (পরিশোধের পর)। কোন পরুষ বা নাবী যদি পিতা-মাতা বা সন্মান-সন্মতিকে উল্লেখিকারী চিসেবে না লেখ যায় এক আর এক আই অথবা এক বোন থাকে ভাইলে ভাদেব দ'লানৰ প্ৰত্যোকৰ জন্য হয় ভাগের এক ভাগ, আর যদি ভারা একের অধিক হয় আহলে তাবা (সবাই) তিন ভাগের এক ভাগে অংশীদার ছবে- ওসিয়ত (পরণ) এর পর যা ওসিয়ত করা হয় অথবা কণ (পরিস্থাস্থর পর) কোন পরার ছাতি যা ববে। এটি ছালাহর পঞ্চ থেকে নির্দেশ। এবং আলাহ সর্বজ্ঞানী ও পরম সহনশীল।

وَ لَكُيْ نَفْفُ مَا تَرَكَ إِزْ وَإِجُكُمْ إِنْ لَّهُ يَكُنْ لِّهُنَّ وَلَدُّ، فَانْ كَانَ لَهُنَّ وَلَدَّ فَلَكُرُ ۖ إِلَّا بُعُ مَمَّا تَرَكُنَ مِنْ إِبَعْدِ وَمِيَّة يُّوْمِيْنَ بِهَآ أَوْدَيْنِ ، وَ لَهُنَّ الرُّبُعُ مِمَّا تَرَكْتُرُ إِنْ لَرْ يَكُنْ لَّكُمْ وَلَدُّ عَلَانَ كَانَ لَكُمْ وَلَدُّ فَلَهُنَّ الثُّهُنَّ مِمَّا تَوَكُّمُ مِّنْ اِعْدُ وَصِيَّة تُومُونَ بِهَا آوُدَيْن ، وَ إِنْ كَانَ رَجُلُ يُّوْرِكُ كَلْلَةً أَو امْ ۚ أَقُّوْ لَهُ أَخَّ أَوْ أَكْتُ فَلَكًا ۚ ، وَ إِحِدِ مِّنْهُمَا السُّدُسُ ، فَانَ كَانُوْٓ ۚ إَكْثَ مِنْ ذَٰ لِكَ فَهُمْ شُرِكَاءً فِي الثُّلُفِ مِنْ نَعْدِ وَصِيَّة يَوْمَى بِهَآ أَوْدَيْنِ عَيْرَ مُضَّاّ رَّ وَصِيَّةٌ مِّنَ اللهِ وَ اللهُ عَلَيْ مَلَيْ هُ

১৯. এসৰ আলাহৰ (নিৰ্ধাহিত) সীমা। এবং যে আলাহ ও তাঁৰ বাসলের আমাজা ক্রমের আরে ডিনি প্রারণ করাবেন জানাক্রমারে কেওলোব দীচে নহরসমূহ প্রবাহিত, সেখানে তারা স্তায়ী হবে। আর এটিই মহাসাকলা।

تَلْكَ مُدُودُ اللهِ وَمَن يُطِعِ اللهَ وَ رَسُو لَدُ يُدُعَلُهُ مَنْ عَجْ يَ مِنْ تَدْتِهَا الْإِنْهُ خُلِدِيْنَ فِيْهَا ، وَذَٰ لِكَ الْفَوْزُ الْعَظْيُ ﴿ وَ

স্বায়ী হবে এবং তার জন্য রয়েন্ডে লাঞ্চনাদায়ক শান্তি।

وَ الَّتِي يَاتِيْنَ الْفَاحِشَةَ مِنْ نِّسَآتُكُرْ فَاشْتَشْهِدُوْا عَلَيْهِنَّ أَ رْبَعَةً مِّنْكُرْ عَفَانَ شَهِدُوْا فَأَمْسِكُوْهُنَّ فِي الْبُيُوتِ حَتَّى يَتَوَقَّهُمَّ الْمَوْتُ أَوْ يَجْعَلَ اللَّهُ لَهُنَّ سَبِيْلًا ﴿

فَيْهَا وَ لَهُ عَلَى إِنَّ مُهِينٌ ١٠

১৫। আৰু ভোমাদেৰ নাৰীদেৰ মধ্যে যাবা অপ্ৰীলতা (ব্যাভিচার) করে তাদেৰ বিরুদ্ধে তোমাদের মধ্য থেকে চারজন (সাক্ষী) তদব কর। যদি তারা সাক্ষ্য দেয় ভাহলে ভাদেরকে (ব্যাভিচারীনিদেরকে) ঘরে আটক রাখ যে পর্যন্ত না মতা ভালের জীবনাবসান করে অথবা আবাহ ভালের জন্য त्यांन अर्थ काल तस्त्र।

১৬৷ এবং কোয়ানের মধ্যে যে দ'জন তাতে (ব্যাভিচারে) লিপ্ত হবে তাদেরকে وَ الَّذٰنِ يَا تَيْنَهَا مِنْكُرْ فَانُوْهُمَاءَفَانْ تَابَا وَ ٱصْلَحَا فَآعُرِ هُوْا সোহতা ক্ৰষ্ট দাও (অপদন্ধ কৰ)। যদি ভাৰা দ'জন ভওৱা কৰে এবং عَنْهُمَا وَإِنَّ اللهُ كَانَ تَوَّ إِبًّا رَّحِيْمًا ﴿ (নিজ্ঞাসককে) সংশোধন করে নেহ ভাহলে ভাগের থেকে নিবন্ত থাক। নিশ্যর আলাহ তথকা বাবলকারী ও পর্বয় দ্যাল।

১৭। আল্রাহর দায়িত কেবল তাদের তথবা কবল করা যারা অঞ্চতাবশতঃ মন্দ কাজ কৰে এবপৰ নিকটবৰ্তী সময়ে তথবা কৰে এবং তাদের তথবাই আল্লাহ কবল করেন। এবং আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজ্ঞাবান।

انَّمَا [التَّوْبَةُ عَلَى اللهِ للَّذِيْنَ يَعْمَلُونَ [السُّوَّةُ بِجَهَا لَهَ ثُرٌّ يَتُوْبُونَ مِنْ قَرِيْبِ فَأُولَٰ لِمُكَ يَتُوْبُ اللَّهُ عَلَيْهِرْ ﴿ وَكَانَ اللَّهُ عَلَيْمًا مَكَيْمًا ۞ ১৮। আর তওবা তাদের জন্য নহ<sup>®</sup> যারা মন্দ কাজ করে, অরপেথে যর্কন তাদের কারো নিকট মৃত্যু উপস্থিত হয় জনন বলে, দিনুসা আদি জঙবা করমি' এবং (তওবা) তাদের অনাও নর যারা মৃত্যুনরশ করে কাফির অবস্থায়। তাদেরই জন্য আমি প্রস্তুত করেছি বঞ্জানায়ক শান্তি।

২০। এবং যদি চোমরা এক প্রীর স্থান জন্য এক প্রী স্থুলাভিষ্টিক করতে চাও এবং তাদের একজনকে বিপুল পরিমাণ (মোহরানা ও খাবজীয় উপহার) দিয়ে থাক ততু তা তেকে কিছুই (কেহত) এহণ করো দাঁ। তোমরা কি অপনা দ ও দশাষ্ট্র পাশ স্থানে হেনায়াজনে। তা এইবণ করারে

২১। আর কিতাবে তোমরা তা মহণ করবে, অখচ তোমরা একে অপারের সাথে মিলিত হয়েছ এবং তারা (বিবাহ বন্ধন কালে) তোমাদের নিকট থেকে নিফোচ দত অস্ত্রীকাক

২২। একং বোমানেন পিবৃত্তুকৰ যে নাইচলেকে বিয়ে কাজ্যেছ, কোমনা ই দ্বিন্দ্ৰ কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন আনহাকে বিয়ে কথো ন, পূৰ্বে যা হয়। কোন বিয়া কথা অলীন, মৃণ্য ও ন্দৃষ্ট কথা

২০. তামানেক কথা (দিয়ে কথা) ব্যাহ্ম কথা হালা বোষানাক যাবা, তামানেক বলা, বোমানাক বলে, বোমানাক বুলু, বোমানাক বলা, কাহিবল বেহে, বোমানাক বলে, বোমানাক বুলু, বোমানাক বলা, কাহিবল বেহে, বোমানাক হালা যাবা বোমানাকলে দুৰ্গ পদা কৰিছেছে, দুৰ্থ বেল, বোমানাক হিলাৰ মাৰ্কা (পান্ধী) ও আমানাকো বল কৰিছিল কথা। বোমানাক হিলাৰ মাৰ্কাৰ কৰে তামানাক সৰ কৰালা কৰা দাৰ্কিল কথা। কোনা বান্ধান কৰাৰ কথা। কথা, দিল্ল কৰা বোমানা বাহম কৰিছে বাহম বোমানাক বলাক বাছমান্ত কিছু বোমানাক বাছমানাক বিহে কাছাত বোমানাক বলাক বাছমান্ত বাহম বাছমানাকল বিহাৰ কাছাত বোমানাক বলাক বাছমান্ত বাহম বাছমানাকল বিহাৰ কাছাত বোমানাক বলাক বাছমানাকল বাছমানাকল বাহমানাকল বাছমানাকল বাছমানাকল বাছমানাকল বাছমানাকল বাছমানাকল বাহমানাকল বাহমানাকল বাছমানাকল বাছমানাকল বাছমানাকল বাছমানাকল বাহমানাকল বাহমানাকল বাহমানাকল বাছমানাকল বাহমানাকল বাহমান سرنا الساز وَ تَنْسِمُ النَّوْلِيَّةُ لِلَّذِينَ يَعْفِلُونَ السَّيَّاتِ مَثَّى إِذَا حَشَّرَ اَ هَمْهُمُ النَّوْتُ قَالَ إِنِّيْ ثُمِّنُ النِّيْ وَلَا اللَّذِينَ يَمُوثُونَ وَ هُرُ خُفَّارٌ ، أُولِيَّكُ اعْتَدُنَا لَهُمْ عَذَابًا لِإِنْهَا ۞

باللها الَّذِينَ أَمَثُوا لَا يَحِلُّ لَكُرْ أَنْ ثَوْلُوا النَّسَاءَ ذَمُاهُ ا وَ لِاتَّفْلُوهُ فِي لِنَعْمَى الْمِنْ الْمَالَّ الْمَعْمُ الْآلَ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ يَفَاضِمُهُ مَنْ اللَّهِ اللَّه يَفَاضَمُ أَنْ تَتَوْمُوا أَشِينًا وَيَجْعَلُ اللَّهُ فِيمُ مَثْولًا كَيْشًا ﴿ قَلْمُ اللَّهُ اللّلَّةُ اللَّهُ اللّ

وَكَيْفَ تَأَخُذُوْنَدُوَقَرْ أَقْفَى بَعْفُكُرْ إِلَى بَعْضٍ وَّ إَمَدُّنَ مَنْكُرْ مِّيْفَاقًا غَلِيْفًا ۞

وَانْ أَرَدْتُمُ اسْتَبْدَالَ زَوْجَمَّكَانَ زَوْج وَّأْتَيْتُمُ الْمُدْمُنَّ

قَنْطَارًا فَلَاتَأْخُذُوا مِنْهُ شَيْئًا ﴿ أَتَأْخُذُونَهُ بُهْتَانًا وَّ الْمَا مَّبِينًا ﴿

ر وينطقوه بند المواصر في المساور و في السناء الم

كُوسُ عَلَيْكُمْ الْمُعْتَكُمْ وَ لَمُتَكُمْ وَ الْمُوَكُمْ وَ مُعَتَكُمْ وَ مُعَتَكُمْ وَ مُعَتَكُمْ وَ مُعْتَكُمْ وَ الْمُعَلِّمُ الْمُعْتَمِ الْمُعْتَمَّى الْجَوْمَ الْمُعْتَمَّى الْجَوْمَ الْمُعْتَمَّى الْمُعْتَمَّى الْمُعْتَمَّى الْمُعْتَمَّى الْمُعْتَمَى الْمُعْتَمَّى الْمُعْتَمَّى الْمُعْتَمَى الْمُعْتَمِعِينَا فِي الْمُعْتَمِعِينَا مُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا الْمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا الْمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمْعُلِكُونَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا الْمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَعِمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمْعِلْكُمِ الْمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمِعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمْعِلَّالِمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَعِمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَعْتِمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَعِمِينَ الْمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعِينَا لِمُعْتَمِعْ

اللهُ كَانَ غَفُوْ رًا رُحْيُمًا ﴿

## পারা-৫

- 38 এবাং (বিয়ে করা হামান করা হল) বিবের পারণা আদক নারিনাবনে, বরুবা মানিক হবে, বরুবানিবাবনে, বরুবা মানিক হবে, বরুবানিবাবনে, বরুবা মানিক হবে, বরিবার, বরুবার, বরুবার
- হথ। এবং বোলাকের মানে বে পানির মুজিন সার্বাচিক বিচে কথার সামার্কর 
  যামন না নে বিচত কতে বোলাকের মুজিন সার্বাচিক হব এবংক। বা 
  মার্কিক হয়েছে কোমারক রুলাকার একং প্রায়ন্ত বোলাকের ইনাল 
  মার্ক্তের হয়েছে কোমারক রুলাকার একং প্রায়ন্ত বোলাকের ইনাল 
  মারকের কোমারক বিলালাকান (কারাকার প্রায়ন্ত বাদ্যালাকার করেন 
  মারকের বাদ্যালাকার বাদ্যালাকার 
  মারকের আনের বাদ্যালাকার বাদ্যালাকার 
  মারকের আনের বাদ্যালাকার বাদ্যালাকার 
  মারকের আনের বাদ্যালাকার বাদ্যালাকার 
  মারকের বাদ্যালাকার 
  মারকের বাদ্যালাকার 
  মারকের বাদ্যালাকার 
  মারকের 
  মার
- ২৬। আল্লাহ চান তোমাদের জন্য স্পষ্টভাবে বর্গনা করতে এবং তোমাদের তোমাদের পূর্ববর্তীদের সুদ্ধত (নীত্তি) প্রদর্শন করতে এবং তোমাদের তথবা করুল করতে। এবং আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজ্ঞাবান।
- ২৭। এবং আল্লাহ্ তোমাদের ভওবা কবুদ করতে চান, আর যারা কামনার অনুসরণ করে তারা চায় যে, তোমরা (সেদিকে) ভীষণভাবে ঝুঁকে পড়।
- ২৮। আল্লাহ্ কোমাদের জন্য (বিয়ের বিধান) হালকা করতে চান। আর মানুষকে (কামনার দিক থেকে) দুর্বল করে সৃষ্টি করা হয়েছে।
- ২৯। গুরু যারা ঈমান এনেছা তোমরা একে অপরের ধন-সম্পদ ব্যক্তিল পস্থাত্ত থেছে কেলো না, তবে তোমাদের পারম্পরিক সম্ভূটিতে ব্যক্তা সংঘটিত হুওয়া (হ্যরাম নয়)। এবং তোমরা তোমাদের নিজেদেরকে (একে অপরকে) হুত্যা করো না। নিশ্চয় আল্লাহ তোমাদের প্রতি পরম দয়াদৃ।

أَوَّ الْمُحْمَدُنُ مِنَ النِّسَاءِ إِلَّا مَا مَنْكُنَ الْمُعَالَكُمْ وَحَنْى اللهِ عَلَيْكُمْ وَوَلِمِلُ لَكُمْ مَا وَرَاءَ لَا لَكُمْ اللّهِ وَلَا لِمُثَوَّ الْمُرْ عَلَيْكُمْ وَمَلِيلًا لَكُمْ مُعْلِيضِينَ عَلَى مُعْلِيضِينَ عَلَى مُعْلَقِينًا فِي اللّهِ عَلَيْكُمْ فِيمًا أَجُورُ رُمِّنَا فِي اللّهِ عَلَيْكُمْ فِيمًا لَوَالْمَيْكُمْ فِيمًا لَوَالْمَيْكُمْ فِيمِنَ يَعْلِي

وَمَن لِّرْ مَسْتَعَعْ مِنْهُمْ قُولُ إِلَّى الْبَغِيمَ الْمُعْصَلِيا الْمُؤْمِنِي قَوْمِهُا مَلَكُمْ اَلْمِمَا لَكُمْ فِي فَيْنِكُمُ الْمُؤْمِنِي وَ اللهُ آغَلَمُ بِالْمُمَالِكُمْ الْمُؤْمِنُي الْمُؤْمِنِي الْمُغْضِوفُ إِلَيْنِي الْمُؤْمِنِي وَ الْمُؤْمِنُ الْمُؤْمِنُ وِالْمُؤْرِقِي مُحْصَدِيعَ مَنْ عَبْرُ مُلْفَضِيدًا وَالْمُؤْمِنُ الْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمِنُ اللّهِ اللّهِيمُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ عَلَيْ وَاللّهِ عَلَى اللّهِ اللّهِ اللّهِ عَلَى اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهُ عَلَوْ وَاللّهُ عَلَوْ وَاللّهِ عَلَى اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهُ عَلَوْ وَاللّهُ عَلَى اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ الللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللللّهُ الللللّهُ ا

يُرِيْدُ اللهُ لِيُبَيِّنَ لَكُرْ وَيَهْدِيَكُرْ سُنَىَ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِكُمْ وَ يَتُوْبُ عَلَيْكُرْ • وَ اللهُ عَلَيْرٌ حَكِيْرٌ ۞

وَ اللهُ يُرِيْدُ أَنْ يَّتُوبَ عَلَيْكُرْ سَ وَيُرِيْدُ الَّذِيْنَ يَتَّبِعُوْنَ الشَّهَرْتِ أَنْ تَمَيْلُوا مَيْلاً عَظِيْنًا ۞

يُرِيْدُ اللهُ أَنْ يُّخَفِّفَ عَنْكُرْ ، وَخُلِقَ الْإِنْسَانُ مَعِيْفًا ۞

يَّايَّهَا الَّذِينَ امْنُوا لاَ تَـاكُوُّا اَوْرَ الَكِرْ بَيْنَكُرْ بِالْبَاطِلِ إِلَّا اَنْ تَكُوْنَ تِجَارَةً عَنْ تَرَاضٍ مِّنْكُرْ مَوْ لاَتَقْتَلُواْ اَنْفُسَكُرْ. انَّ اللهُ كَانَ بِكُرْ رَحْبُها @

- ৩০। আর যে সীমালজ্ঞন ও জুলুমবশতঃ এগুলো করবে অচিরেই আমি তাকে আগুনে প্রবেশ করাব। এবং এটা আল্লাহ্ন জন্য সহজ।
- ৩২। এবং তোমরা তার আকাফন করো না যা যার। (মর্থাৎ নিরাকের অংশ ছরা) আছাহ তোমালের একজনতে অংশর জনের উপর মর্থালা নিয়েরেন। সুক্তমঙ্গের জন্য একটি অংশ রয়েরে যা তার। প্রেয়েরে এবং নারীকে জন্য একটি অংশ রয়েরে যা তার। প্রেয়েরে এবং তোমনা আগ্রাহর নিকট তার অনুমাহ থেকে চাওঁ। নিকয় আল্লাহ সংক্রিছ সম্পার্কে ভালভাবে ছারান।
- ৩০। এবং প্রভোবের রুনা আমি তাতে উত্তরাধিকার বানিয়েছি যা পিতা-যাতা ও অগ্রীয়-স্কান রেখে ধায়। আর সানের সাথে তোমাদের অঙ্গীকার্ব দৃহ হয়েছে তাদেরকে তাদের (প্রাণ্য) অংশ প্রদান কর। নিক্ষা আরাহ সর্বকিস্কৃত্ত উপর প্রত্যক্ষদশী।
- এর বুজনা নাইবেল পরিচারে , এর তাবে বে, আরুই ছালার একজনত কারবানে কির মার্পি বিরোধ লাবে করার বিরোধ বিরোধ করার আরু কে কল্পেন হার করে বুজনা করারবিদী রীয়া করা করার করারেন। এর বেলারা (রীক্রর মার্প্রা) মার্ক্তর করারবানে এর বেলার করারেন। এর বেলারা (রীক্রর মার্প্রা) মারক রবারবানে করা করা করারেন। এর বেলারা (রীক্রর মার্প্রা) মারক রবারবানে করা করা বেলারা আরুরার করারবানিক রাজ্যার বিরোধ করারবানিক রাম্প্রা শ্রামা আরুরার করারবানিক রাম্প্রা করারবানিক রাম্প্রা করার রেয়ায়ার করারবানিক রামার্প্রা করারবানিক রামার্প্রা রোমারবান রামার্প্রা করারবানিক রামার্প্রা করারবানিক রামার্প্রা রোমারবান নার্প্রামার্প্রা করারবানিক রামার্প্রা রামার্প্রা রেয়ারবান রামার্প্রা রেয়ারবান রামার্প্রা রামার্প্রা রোমারবান নার্প্রামার্প্রামার্প্রা রামার্প্রা রামার্প্র রামার্প্রা রামার্প্রা রামার্প্রা রামার্প্রা রামার্প্রা রামার্প্র রামার্প্রা রামার্প্রা রামার্প্রা রামার্প্র রামার্পর রামার্প
- ৩৫। এবং যদি তাদের দু'জানের মধ্যে মতবিরোধের আদ্বাল কর তাহলে তোরের তার (বালিচ) পরিরের থেকে একান সালিদ ও তার (রীত) পরিরার থেকে একান মালিদ শান্তিক, যদি তার বিশ্ব প্রতিক্র আধ্যান-নিশানি চাত তাহলে আচার তাদের (বানী-রীত) মধ্যে নিলমিন বার নিম্মেন। নিশ্ব আন্তাহে কর্মমানী ও সর্বজ্ঞ।
- ৩৬ এবং আমনা আন্নাৰে ইংলাক কর ও কোল কিছুকে তাঁক সাথে পরিক করো না এবং শিতা-মাতার সাথে সন্তব্যার করা এবং আত্তীক-বজন, ইফাট্টম, মিলাইন, শিকট-মহিলেইন, মূক-আতিবলী, দার্কবিটা সিন্ধা প্রকাশিক স্থানিক তারোক্ষণ ভাষাবার কারিক হারেছে তার (দান-দানীর) প্রতিত। নিকয় আন্নার তাকে ভালবাদেন না যে ইছাত্ব ও আমন্ত

- وَمَنْ يَغْفَلُ ذِلِكَ عُدُوا نَا وَظُلُمًا فَسَوْىَ نُمْلِيْهِ نَا رًا ، وَخَانَ ذَلِكَ فَى اللهِ يَسِيْرًا⊜
- إِنْ تَجْتَنبُواْ حَبُّرِ مَا تُنْهَوْنَ عَنْهُ نُكَثِّرُ عَنْكُرْ سَيِّا لِكُرْ وَ تُدْخِلُكُرْ مَّدْخَلًا كَرِيْبًا ۞
- وَ لَاتَعَمَّوْا مَا فَقَلَ اللهُ بِهِ بَعَضُورٌ فَى يَعْفِي. لِلرِّهَا لِ نَمِيْتُ وَمَّا الْاَسْمَارُ اللِّسَاءِ نَمِيْتُ مِنَّا الْمُسَاسُ، وَسَقُلُوا اللهُ مِنْ فَقُلُهِ، إِنَّ اللهُ كَانَ بِكُلِّ مَنْ عَلِيْمًا ۞
- رَ لِكُلِّ جَعَلْنَا مَوَالِيَ مِمَّا تَوَكَ الْوَالِدُنِ وَ الْاَوْرَائِوْنَ دَرَى الْأَوْلِيْنَ دَرَى اللهِ الَّذِيْنَ عَقَدَدَ إِنَّهَا لَكُوْرٌ فَأَتُوهُمْ لَمِيْنَهُمْ وإِنَّ اللهُ كَانَ عَلَى اللهِ كُلُّ مُنْ هُمَيْدًا فِي
- أَلَوْهَالُ قَوْمُونَى النِّسَآءِ بِمَا قَشَلَ اللهُ بَعْفَهُمْ فَلَ بَعْضِ وَبِمَا أَنْفَكُواْ مِن آمُواْ لِهِمْ مَا لَشَلْحَتْ فِيضَّ حَفْظُ الْفَيْسِ بِمَا حَفَا اللهُ وَ النِّي تَصَافُونَ تَصُوْرُ مَنْ تَعْفُومُنَ وَ الْفَجِرُوشَى الْفَعَلِيمِ فَيْ الْمِنْ اللهِ عَلَى الْفَقَافِيمَ وَالْمِرُومُنَ قَانِ آمُفُتَمُمْ قَلَادَهُوا عَلَيْهِمْ سِيدُولُ إِنْ اللّهُ كَانِ عَلَيْاً حَيْلًا مِنْ اللّهُ عَلَيْ عَلَيْكُومُ عَلَيْكُومُ اللّهُ عَلَيْ
- - عَلِيمًا خَيِثُرًا @ وَاعْتُدُوا اللّهُ وَكَاثِهُ وَخَلْ بِهِ هَنْكًا وَّ بِالْوَالِدَيْنِ إِدْمَاتًا وَّ بِينِى الْقُولُى وَالْتَعْنَى وَالْمَسْفِينَ وَالْجَارِينَ إِنَّا إِلَا الْمُعْنِى وَالْمَانِينِ إِلَيْنَ وَإِنْهَا السِّيْلُ وَمَا الْقُولُى وَالْمَانِينُ وَمَا الْمُؤْن إِنَّا إِلَا الْمُعْنِى وَالْمَانِينِ وَالْمَانِينِ وَالْمِالِينِ وَالْمَالِينِ وَالْمَالِينِ وَمَا الْمُؤْنِ

- ৩৭। যারা কৃপণতা করে এবং মানুষকে কৃপণতার নির্দেশ দেয় এবং আল্লাহ্ তার অনুমহ থেকে তাদেরকে যা নিয়েছেল তা গোপন করে । এবং আমি কাফিরদের জন্য গ্রন্থত করেছি নাঞ্নানায়ক শান্তি,
- ৩৮। এবং যারা মানুষকে দেখানোর জন্য তাদের খন-সম্পদ বায় করে এবং আল্লাহ্র প্রতি দীমান আনে মা এবং আখিরাতের প্রতিও না। এবং শীয়ভান যার সঙ্গী হয়, সে কতই না মন্দ সঙ্গী।
- ৩৯। আর তারা যদি আল্লাহ ও আধিবাতের দিনের প্রতি ইমান আনত এবং আল্লাহ তাদেবকে যে রিখিক দিয়েছেন তা থেকে ব্যয় করত তাহলে তাদের উপর ব্যৗ (ক্ষতি আপতিত) হতঃ আর আল্লাহ তাদের সম্পর্কে ভালতারে জানেন।
- ৪০. নিতয় আয়য় অবু পরিয়াণও জ্লুম করেন না, আর য়ি তা (অবু পরিয়াণ কাজ) পুণয় কাজ হয় তায়লে তিনি তা বহুত্ব (বৃদ্ধি) করেন এবং তিনি তায় পক্ষ থেকে মহাপ্রতিদান প্রদান করেন।
- 8১। আর তথন কেমন হবে যথন আমি প্রত্যেক উমত থেকে একজন করে সাকী নিয়ে আসব এবং ভোমাকে তাদের বিরুদ্ধে সাক্ষী হিসেবে নিয়ে আসবঃ
- هويدا في المراقب الم
- ৪০। বহে খন্তা দিনাৰ এনেছা খোনবা সংগাত (গাহাম) এর নিভামর্থী হয়ে 
  ন্য খনন হোনার নিশ্বের থান, খোনপানা হোনার মান পা পুরুতে 
  ন্যার বহে পার্বির অনুষ্ঠা বা, বান্তানা না না পা পুরুতে 
  পার বহে পার্বির অনুষ্ঠা বা, বান্তানা না হোনার নাগান্দ 
  হবে পথ অভিক্রমন্তানী (হুগালিছ) হোলা ছিত্র থানা মান বার্গা বোহানা 
  আপুরু হব অবল সাম্যর বান্তা থানা বান্তানা বান্তানা 
  আপুরু হব অবল সাম্যর বান্তানা বান্তানা 
  ক্রান্তনা বান্তানা 
  বান্তনা বান্তনা 
  বান্তনা বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  বান্তনা 
  ব
- ৪৪। ভূমি কি তাদেরকে দেখনি যাদেরকে কিতাবের কিছু অংশ দেয়া হয়েছে তারা পথস্রইতা ক্রয় করে এবং তারা চায় যে তোমরাও পথস্রই হও।
- ৪৫। আর অল্লাহ্ তোমাদের শব্দদের সম্পর্কে সবচেয়ে বেশি জানেন। এবং অভিতাবক হিসেবে আল্লাব্ই যথেষ্ট এবং সাহায্যকারী হিসেবে আল্লাব্ই যথেষ্ট।

- الَّذِينَ يَبْخَلُونَ وَيَأْمُرُونَ النَّاسَ بِالْبُحُلِ وَيَحْتُمُونَ مَا الْنُحْلِ وَيَحْتُمُونَ مَآ الْمُمْ الْنُمُّرُ اللهُ مِنْ فَقُلِمٍ وَ اَعْتَدُنَا لِلْحُفِرِينَ عَذَابًا مُّهِيْنًا ﴿
- وَالَّذِيْنَ يُنْفَقُوْنَ أَمُوالْهُمْ رِئَاءَ النَّاسِ وَلَايُوْمِنُونَ بِاللَّهِ وَ لَا بِالْيُوْرَ الْأَخِرِ • وَمَنْ يَكِّي الشَّيْطُ لَلَّةَ وِيْنَا فَسَّاءَ قَرِيْنًا ۞
- وَمَا ذَا عَلَيْهِرِ لَوْ اَمَنُوا بِاللهِ وَالْيَوْرِ الْلَحِرِ وَ اَنْفَقُوا مِمَّا رَزَقَهُرُ اللهُ وَكَانَ اللهُ بِهِرْ عَلَيْمًا ۞
- إِنَّ اللهُ لَا يَظْلِرُ مِثْقَالَ ذَرَّةٍ ۚ وَإِنْ تَكُ حَسَنَةً يَّلْعِثْهَا وَيُؤْتِ مِنْ لَدُنْهُ آجْرًا عَظِيْمًا ۞
- فَكَيْكَ إِذَا حِقْنَا مِنْ كُلِّ أُمَّةٍ بِشَهِيْدٍ وَجِعْنَا بِكَ لَيْ هَٰوَ كَاءٍ شَهِيْدًا ۞
- الْأَرْضُّ وَلَا لِمَكَنَّمُونَ اللَّهُ حَدِيثُغَاقَ إِنَّا لِمَنَّا الَّذِينَ أَمَنُوا لَا تَقُورُ لِمَ اللَّهُ عَدِيدًا السَّلُونَةَ وَانْتُمْ سُخُرِى حَتَّى تَقْلَمُوا مَا تَقُولُ لُونَ وَ لَاجْتُبُ الْأَعَادِ عَنْ سَيْلِ حَتَّى تَقْعَسُوا ا

وَ انْ كُنْتُر مَّ وَنْنَى أَوْقَلَ سَفَ إَوْجَاءَ أَحَدُّ مِّنْكُر مِنَ الْغَالَط

- رُّ لَمُسْتُرُ النِّسَاءَ فَلَمْ تَجِدُراْ مَا فَقَيَمُهُواْ مَعِيدًا طَيِّنَا } فَاسَسَحُواْ إِمُرْهِمُ وَاَلْدِيكُمْ وَإِنَّ اللهَ كَانَ عَفَّواْ غَفُورًا ۞ \* آلَرُ تُوَاِلَ الَّذِينَ اوْتُواْ نَصِيْتًا فِي الْعِجْدِينَهُمُّرُونَ الطَّلَقَ \*
  - وَيُرِيدُونَ آنَ تَمْلِّوا السَّبِيْلَ ﴿ وَ اللهِ آغَيُرُ بِاغْدَا لِكُونِهِ وَكُفِي بِاللهِ وَلِيَّاهُ وَكَفِي بِاللهِ
  - وَ اللهُ ٱعْلَىرُ بِاعْدَائِكَرْ · وَكَفَى بِاللهِ وَلِيَّاهُ وَّكَفَى بِاللهِ نَعِيْرًا ۞

- ৪৭, এহে মনেবাকে কিছাব দেয়া হয়াছে। তোমাদের নিকট যা আছে তার সভাচনকারীরানে আমি যা অবতীর্ব করেছি হারে ইয়ান আন- এর পূর্ব হে আমি হয়েলানাত্ব বিকৃত করি এবং দেওয়ানাত্রী ভার নিছানের্ক তিকে বিশ্বীরা দের অবধা আচনকের আমি দেবল লামক কবব কেল আমি লামত করেছিলাম শানাত ভালালেনাকে। এবং আন্নাহের নিশ্বিপ কর্মকারী হয়েই থাকে।
- ৪৮। নিশ্চয় আল্লাহ্ তাঁর সাথে শরীক করাকে ক্ষমা করেন না, কিন্তু এটা ছাড়া যা আছে তা তিনি যাকে ইচ্ছা করেন ক্ষমা করেন এবং যে আল্লাহ্ব সাথে শরীক করে সে এক মহাপাপ উন্নাবন করণ।
- ৪৯। তুমি কি তালেরকে দেখনি, যারা তাদের দিজেদেরকে পবিত্র মনে করে
  করং আল্লাহ যাকে ইক্ষা করেন পবিত্র করেন এবং তাদের প্রতি খেজুর
  বিভিন্ন মধ্যন্থিত সূতা পরিমাণও জুলুম করা হবে না
- ৫০। সক্ষ্য কর, তারা আল্লাহ্ সন্ধন্ধে কেমন মিধ্যা রচনা করে। আর সুস্পষ্ট পাপ হিসাবে এটাই যথেষ্ট।
- ৫১। ভূমি কি তাদেরকে দেখনি যাদেরকে কিতাবের কিছু অংশ দেরা হয়েছে তারা জিব্
  ত (কুসংকার") ও তাততের "প্রতি ঈমান আনে ধবং যারা কুমনী করেছে তাদেরকে বলে, 'এরা (আফির কুরাইণরা) অধিক সঠিক" পথে রয়েছে তাদের তেয়ে যারা ঈমান এনেছে।'
- ৫২। ওরাই তারা যাদেরকে আল্লাহ্ লা'নত করেছেন এবং আল্লাহ্ যাকে লা'নত করেন তুমি কথনো তার জন্য কোন সাহায্যকারী পাবে না।
- ৫৩। রাজত্বে<sup>\*</sup> তাদের কোন অংশ আছে কিঃ সেক্ষেত্রে ভারা খেজুর বীচির আবরর পরিমাণও মানযুকে দিবে না-
  - ৫৪। অন্নাহ তাঁর অনুমাহ থেকে মানুষকে (রাসুল ও মুখিনসেককে) যা দিয়েছেল সে ব্যাপারে কি ভারা তাসেককে হিংলা করে। আমি ইবরাইনের বংশগরকেও কিতাব ও হিকমত (বক্তা) দিয়েছিলাম এবং তাসেবাকে বিশাল রাজ্যন্ত দিয়েছিলাম।

- مِّ الْدِينَّ مَادُوا يَعَرِّفُونَ الْحَلَّى عَنْ قُوْ إِمِدِهِ وَ يَقُوْ لُونَّ سَبِغَنَا وَعَمْيَنَا وَ الْمَغِيَّ عَلَيْهِ وَالْمَعِلَّى الْمَالِيَّةِ الْمَلْتِيرِ وَ عَطْمًا فِي الذِّينِ وَ لُوْ أَقْمِ قَا لَوْ اسْفِقًا وَ أَلْفَا وَ أَشْعَرُ اللَّهِ عَلَيْهِ مِلْ الْفُوْلَ لَكَانَ عَمْلًا لَهُمْ وَ الْوَرَّاءَ وَلِينَ لَعَنْهُمُ اللَّهِ يَكُلُّهِ مِلْ فَقَرْفُونُونَ إِلَّا لَكِنَاكُ هَوْلًا لَهُمْ وَ الْوَرَّاءِ وَلِينَى لَعَنْهُمُ اللَّهِ يَكُلُّهِ مِلْ
- لَّا لَيْنَا الَّذِيْنَ أَوْتُوا الْحِبُ أَمِنُوا بِمَا نَوَّلْنَا مُمَدِّفًا لِمَا مَمَّدِّفًا لَمَا مَمَدِّفًا لَمَا مَمَدِّفًا اللّهِ مَمَّدًا فَيَ الْمَارِمُ أَوْ مَمَّدًا فَيْ الْمَارِمُ أَوْ مَمَّدًا فَيْ الْمَارِمُ أَوْ اللّهِ مَلْتُودٌ ﴿ وَاللّمَارِمُ اللّهِ مِنْ اللّهِ مَلَامًا لَكُومُ اللّهِ مَلْمُودٌ لا هِ
- إِنَّ اللهُ لَا يَغْفِرُ أَنْ يَّشْرَكَ بِهِ وَيَغْفِرُ مَا دُوْنَ ذَٰ لِكَ لِمَنْ يَشَّاءُهُ وَمَنْ يَقْدِكُ بِاللهِ فَقَدِ افْتَرَى إِلَّهَا عَظِيمًا ﴿
- أَلَوْ تَوَ إِلَى اللَّهِ يُونَى يُزَكُّونَ أَنْفُسُهُرْ بَلِ اللَّهُ يُزَكِّيْ مَنْ يَّمَّاءً وَ لَايُطْلُمُونَ فَتِيْلًا ﴿
- ٱلْظُرُ كَيْفَ يَقْتَرُونَ ۚ يَى اللهِ الْكَدِبَ، وَكَفَى بِهِ إِنَّهَا مَّيِيدًا وَأَ أَلَى ثَرَ اللَّ الَّذِينَ اَرْقُوا اَسِينًا فِي الْكِنِبِ يُؤْمِئُونَ بِالْجِيْبِ وَالطَّاعُونَ وَ يَقُوْ لُونَ للَّذِينَ كَفَرُواْ هَوْلَكُمْ أَهْلَا عَمْنَ
  - أُولَعْكَ الَّذِيْنَ لَعَنَهِيُّ اللهُ وَمَنْ يَّلْعَنِ اللهُ فَلَنْ تَحِدَ لَهُ لَمِيْرًا۞

الَّذِيْنَ أَمَّنُوْا سَبِيْلًا ۞

آآ تُهُنَّ تَمِيْنُ مِّنَ الْمُلْكِ فَإِذَّا لِّنَوْقُونَ النَّاسَ تَفِيْوَا ﴿
آَيُحُسُدُونَ النَّاسَ كَامَا أَنْهُنَ اللَّهُ مِنْ فَقْلِهِ، فَقَدْا أَنْهُنَّ أَنْهُنَ اللَّهُ مِنْ فَقْلِهِ، فَقَدْا أَيْنَا أَنْهُنَ اللَّهُ مِنْ فَقْلِهِ، فَقَدْا أَيْنَا مُنْ أَلَّهُمُ وَأَلْبُنَا هُمْ اللَّهُ مِنْ فَقْلِهِ، فَقَدْ أَلَيْنَا مُنْ اللَّهُ مِنْ فَلْهُمَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَلَيْفَاعُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفِقَاقُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفِقَاقُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُؤْمِنَ وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفِقَاقُونَا وَالْمُنْفِقَاقُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفِيقِيلًا وَالْمُنْفِقِيلَافُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفِقَاقُونَا وَالْمُنْفِقَاقُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفُونَا وَالْمُنْفِقِيلًا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفِقَاقِعَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفِقِيلًا وَلَائِمُونَا وَلَائِمُونَا وَالْمُنْفُونَا وَالْمُنْفَاقُونَا وَالْمُنْفُونَا وَالْمُنْفُونَا وَالْمُنْفِقِيلًا وَالْمُنْفُونَا وَلَائِمُ وَلَائِمُ فَالْمُنْفُونَا وَلَائِمُونَا وَلَائِمُ فَالْمُنْفُونَا وَالْمُنْفُونَا وَلَائِمُ فَالْمُنْفُونَا وَالْمُنْفُونَا وَالْمُنْفُونَا وَلَالْمُنْفُونَا وَلَالْمُنْفُونَا وَلَالْمُنْفُونَا وَلَالْمُونَا وَلَائِمُونَا وَلَائِمُ فَالْمُنْفُونَالْمُنْفُونَا وَلَائِمُونَا وَلَالْمُنْفُونَا وَلَالْمُنْفُونَا ولَائِمُ فَالْمُنْفُونَا وَلَائِمُ وَلَائِمُ فَالْمُنْفُونَا وَلَالْمُنْفُونَا وَلَائِمُ فَالْمُنْفُونَا وَلَالْمُنْفُونَا وَلَائُونَا وَلَالْمُونَا وَلَائِمُونَا وَلَالْمُونَالِمُونَا وَلِمُونَ

৫৫। অভেগর ভাষের কোট কোট ভাষে উন্নান প্রারম্ভিক এবং কোট কোট ভ হতে বিবত বধেছে। আৰু জলম আগুন হিসেবে জাহানামুট যথেষ্ট।

০৬। বিশ্বস সারা আহার আগাত্রসম্মানর অবিশ্বাস রবেকে ভাক্ষেরক অভিবেই স্তামি আধ্যান প্ৰবেশ কৰাৰ। যখনট তাদেক চামডা দক্ষ হবে তথন সাদেনক আহি প্ৰতিয়াপন কৰে অন্য চাহচা নিয়ে হাতে ভাবা শক্তি ভোগ করতে পারে। নিশ্ম আলাহ মহাপ্রভাগশালী ও মহাপ্রজাবান।

০০। এক মাল উমার একেছে ৩ ছং কছে কাল্যে আফালক শীঘাই আছি প্রবেশ করার জানাভসমতে যেজলোর নীচে নত্তরসমত প্রবাতিত সেখানে कारा दिरुवारी चरतः प्रभाग्य जाग्यन क्या शरित प्रकी/प्रकीतीना शास्त्रन এবং ভাদেরকে আমি চিব ক্রিম্ম ভাষার প্রবেশ করাব।

০৮। নিশ্চর আলাত ভোয়াদেরকে নির্দেশ দিক্ষেন যে, ভোমরা আমানভসমহ लक्षणांत इक्सान्यत सिकार त्यावज्ञ जिल्ला अवर राधस त्याप्रवा प्रामासव भारता विकास जातरत प्रथम माध्यस भारता विकास तातरत। विकास प्रशासक ডোমাদেরকে যে উপাদেশ দেন ডা রডেই না উৎকই। নিশ্বর আলাহ प्रतिभाजा क प्रतिष्ठाः

৫৯। ওহে যারা ঈমান এনেছ। তোমরা আনুগত্য কর আল্লাহর এবং আনুগতা तर राज्यकर अवः काभाग्यत प्रार्था सिर्माण मास्यत व्यक्षिकारीएमव অভংশর যদি কোন বিষয়ে ভোমরা মতবিরোধ কর তবে তা আলাহ ও বাসলের দিকে ফিবিয়ে দাও- যদি জোমবা আবাছ ও আখিবাতের দিনের। প্রতি উল্লাহ একে প্রত্য নিচ । ক্রমে মারের বিবাসে উত্তর্গ ।

৬০। তমি কি তাদেরকে দেখনি যারা দাবি করে যে, তোমার প্রতি যা অবতীর্ণ করা হয়েছে এবং ভোমার পর্বে হা অবতীর্ণ করা হয়েছে তাতে তারা **ভাগের এক্সাভ** দাবা দাকাদের কাচে বিচারপার্থনা করতে চার অথচ তা অবিশ্বাস করতে ভাদেরকে নির্দেশ দেয়া হয়েছে। এবং শয়তান ভাদেৰকে সদৰ পঞ্চাইভাষ পঞ্চাই কৰতে চায়।

এবং বাসলের নিকে এসো তখন তমি মনাফিকদেরকে দেখবে তারা তোমাকে সম্পর্ণরূপে উপেক্ষা করছে। ৬৯। সতবাং তাদের হাত যা আগ্র পাঠিয়েছে সে কারণে যথন তাদের উপর ব্যোম বিপদ আসার জন্ম ক্রেয়ন হারঃ এবপর ভারা ভোয়ার কাছে এসে

হলফ (কসম) করে বলবে, 'আল্লাহর কসম, আমরা কল্যাণ ও সম্পীতি ছাভা কিছুই চাইনি।"

فَمَنْهُمْ مِّنْ أَمِنَ بِهِ وَمَنْهُمْ مِّنْ مَنْ عَنْهُ وَكَفِّي بِجَهَنَّ سَعْبًا ﴿ إِنَّ الَّذِيْرَ . كَفُّوا بِايتنَا سَوْنَ نُصْلِيْمِ ` نَارًا ؛ كُلُّمَا نَفَحَيْ جُلُوْدُهُمْ ۚ بَدَّ لَنَهُمْ جُلُودًا غَيْبَهَا لِيَذُوقُوا الْعَذَابَ انَّ اللَّهَ كَانَ عَنْ أَ أَحَكُمُمَّا هُ

- سُورَةُ النِّسَآء

وَّ أَحْسَنُ تَأُويْلًا ﴿

وَ الَّذِيْنَ أَمَنُوْا وَعَمِلُوا الصَّلَحْتِ سَنُدُخِلُهُمْ جَنَّتِ تَجْيَ مِنْ تَحْتَهَا الْإِنْفُ خُلِدِينَ فَيْهَا ٓ أَبِدًا ۚ لَهُمْ فَيْهَاۤ ٓ أَرْوَاجُّ مُّطَهَّىَ وَّٰه وَّ نُدُحُلُهُۥ ٛ ظُلًّا ظَلَيْلًا؈ انَّ اللهَ يَامُرُكُو أَنْ تُؤَدُّوا الْأَمْنُ الْيَ أَهْلَهَا وَ اذَا حَكَمْتُهُ

بَيْنَ النَّاسِ أَنْ تَحْكُبُوا بِالْعَدْلِ، إِنَّ اللَّهَ نعبًا يَعظُكُرُ بِهِ، اللهُ كَانَ سَمِيْعًا بَصِيًّا ﴿ يَانِيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوٓۤا أَطَيْعُوا اللَّهَ وَ أَطَيْعُوا الرَّسُوْلَ وَ أُولِي الْأَمْ مِنْكُرْ ، فَانْ تَنَا زَعْتُرْ فِي شَنْ ۚ فَوُدُّوهُ إِلَى اللَّهِ وَ الرَّسُول إِنْ كُنْتُرْ تُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَ الْيَوْمِ الْأَخِرِ ﴿ لِلَّكَ غَيْرًا ۚ ﴿

ٱلَرْتَوَ إِلَى الَّذِيْنَ يَزْعُمُونَ ٱنَّهُرْ أَمَنُوْا بِمَآ أَثْرَلَ الَّيْكَ وَمَآ أَنْ لَ مِنْ قَبْلِكَ بُ يُدُونَ أَنْ يَّتَكَاكُمُواْ إِلَى الطَّاعُونِ وَقَدْ أُمرُواْ أَنْ يَّكُفُرُواْ بِهِ وَيُرِيْدُ الشَّيْطَىٰ آنَ يُّفَلِّهُمْ فَلَلَّابَعَيْدًا الْمَ وَإِذَا قِيْلَ لَهُرْ تَعَالُوا إِلَى مَاۤ أَثْزَلَ اللهُ وَإِلَى الرَّسُول ৬১। এবং যথন তাদেরকে বদা হয় আল্লাহ যা অবতীর্ণ করেছেন তার দিকে

> رَ آيْتَ الْمُنْفَقِينَ يَمُدُّونَ عَنْكَ مُدُودًا أَهُ فَكَيْفَ إِذَآ أَمَا بَتُهُمْ مُّصْيَبَةً بِمَا قَدَّمَى أَيْدِيْهِمْ ثُلِّ جَأَءُوْكَ يَحْلِفُوْنَ ۚ ثِبِاللَّهِ إِنْ أَرَدُنَّا إِلَّا إِحْسَانًا وَّتَوُّ فَيْقًا ۞

৬০। ওরাই তারা বাদের হৃদয়্বসমূহে যা আছে আল্লাহ্ তা জানেন। সুকরাং ভূমি তাদেরকে উপেক্ষা কর, তাদেরকে সমুপদেশ দাও এবং ডাদেরকে তাদের নিজেদের ব্যাপারে মর্মশ্পশী কথা বল।

৯৪। আই আমি কোন বাসুল কেবল এ উমেশে। গ্রেহণ করেছি কো আন্তাহন নির্ফেশ তার আনুগত্য করা হা। এবং হখল তারা তাদের নিরফেন উপঃ কুমুন করেছে তথল গঙ্গি তারা তোমার নিকট আদাক ও আন্তাহন নিকট কমা গ্রামিল করক এবং লুগুলত তালের জাল আর্থনী করক তারলে অবশাই তারা আন্তাহকে তাকো কুমুক্তারী ও পরম দায়ালু ইয়াবার পেত্র

৬৫। কিছু না, ভোমার প্রতিগলকের কসম। তারা ঈমান আনবে না ছতক্ষণ না তারা তাদের মধাকার খণড়া-বিবাদের বিচারের ভার তোমার উপর অর্পর্ণ করনে, এরপর ভূমি যে ফিছের দেনে নে বাগার তাদের মনে কোন দিবা ভারতের না একে কারা লক্ষ্পবিক্ষণ যোল চিবে।

৬৬। আর যদি আমি তাদের উপর বিধিবভ (খবন) করতাম যে, তোরো তোমানের নিমন্তেরতে (একে ভগরতে) হত্তা কর অবলা তোরাল তোমানের মন্ত্রনাট্ট কেন্টেল রহার হয় ৩, তাহেল ভারার করত না-তাদের আরু সংখ্যক হাড়া। আর যা করতে ভানেরকে উপালেন দেরা হার্মিষ্ট তারা যদি তা করত ভাহনে অবন্যই তাদের ফনা ভাল ও অধিক ভারতে হত-

৬৭। এবং তথন জামি আমার নিকট থেকে তাদেরকে অবশ্যই মহাপ্রতিদান দান কলেছে-

৬৮। এবং অবশাই আহি তাদেবকে সক্তা-সঠিক পথ পদর্শন কলেছে।

৬৯। এবং যারা আল্লার্ ও রাস্পের আনুগত্য করবে তারা নবী, সত্যবাদী, শহীদ ও সংকর্মপরারণদের সদী হবে, বাদের উপর আল্লাহ্ দোয়ামত দান করেছেন, এবং তারা ততই না উত্তম সদী।

৭০।এই অনুমহ আল্লাহুর পক্ষ থেকে। এবং সর্বজ্ঞানী হিসেবে আল্লাহুই যথেচ।

৭১। গ্রহে যারা ঈমান এলেছ! তোমরা তোমাদের সতর্কতা গ্রহণ কর, অভঃপর দলে দলে বিভক্ত হয়ে (য়ুড়ের জন্য) বের হও অথবা একসঙ্গে বের হও.

৭২। এবং নিক্যা ভোমানের মধ্যে অবশাই এমন গোক আছে, যে অবশাই অবশাই গড়িমনি করে, এবং যদি ভোমানের উপর কোন বিপদ-আপদ আগে ভাহলে বলে, আন্তাহ অবশাই আমাকে নিয়ামত নিয়েছেন ফবন আমি ভালের সাথা উপস্থিত বিভাল না। اُولَئِكَ الَّذِيْنَ يَعْلَمُ اللهُمَا فِي قُلُوبِهِرْ فَاَعْرِضَ عَنْهُرْ وَ عِظْهُرْ وَقُلْ لَّهُرْ فِيْ الْفُصِهِرْ قَوْلَالِيْقًا ۞

وَمَا ۚ أَرْسَلْنَا مِنْ رَّسُوْلٍ إِلَّا لِيُطَاعَ بِاثْنِ اللهِّ وَلَوْ أَنَّهُرُ إِذْ ظَلَمُواْ أَنْفُسُمُرْ جَاءُوْكَ فَاسْتَغْفَرُواْ اللهِّ وَ اسْتَغْفَرُ لَهُرُ أَلْسُولُ لَيْعَدُوا اللهِ تَوَّالُهِا رَحْمُهُا إِنَّهِ

فَلَاوَ رَبِّكَ لَايُوْمِمُونَ مَتَّى يُحَكِّمُوكَ فِيْمَا شَجَّرَ بَيْنَهُر ثُرَّ لَايَجِدُواْ فِيْ ٱلْفُسِهِرْ حَرَّجًا مِثَّا قَفَيْتُ وَيُسُلِّمُواْ تَشْلِيْمًا ۞

و لَوْ اَنَّا حَتَمْنَا عَلَيْهِرْ اَنِ اقْتُلُوٓ اَ اَنْفُسَكُرْ أَو اغْرُهُوْا مِنْ دِيَا رِكْرْ مَّا فَعَلُوْهُ الْآفَلِينَّا مِتْمُهُرْ وَلَوْ اَلَّهُمْ فَعَلُوْا مَا يُوْعَطُوْنَ بِهِ لَكَانَ غَيْرًا لُهُرُ وَ أَمَّدَّ تَثْمِيْنَا هِ

وَّ إِذًا لَّا تَيْنَهُرْ مِّنْ لَّدُنَّا آَجُرًا عَظِيْمًا ۞

وْ لَهَدَيْنَهُرْ صِرَاطًا مُّشْتَقِيْمًا ۞

وَمَنْ يَطِعِ اللهَ وَ الرَّسُولَ فَأُولَ عَلَى مَا اللهُ مَا الَّذِينَ أَنْعَرَ اللهُ عَلَيْهِمْ مَنَ النَّبِيِّنَ وَالصِّلِيْقِينَ وَ الشَّمِدَّاءِ وَ الصَّلِحِينَ ، وَ حُسَّراً وَلَكُ وَفَقًا هُمْ

ذُ لِكَ الْفَفْلُ مِنَ اللهِ وَكَفَى بِاللهِ عَلَيْمًا ﴾

يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ امَنُوا هُذَاوَا حِدْرَكِيْ فَانْفِرُواْ ثُبَاتٍ اَوِ انْفَرُواْ جَمِيْعًا۞

وَ إِنَّ مِنْكُرُ لَمَنْ لَّيُمِلِّكُنَّ عَلَاكُ أَمَا بَعْكُرْ مَّمِيْبَةٌ قَالَ قَدْ أَنْعَى اللهُ غَلَّ أَدْ لَمِ أَكُنْ مَّعَيْدُ شَهِيْدًا۞

- ৭০। আর যদি তোরাদের প্রতি বারাত্বর পক্ষ থেকে কোন কর্মুবাই আলে ভারলে সে অধলাই অবলাই (এমন কথা) বলে কে তোমাদের ভ তার মাঝে কোন ক্রয়াভা ছিল না (ভাই ভারা যুক্ত নারনি)। (দে বলে) 'হার: মণি ভাগের সাথে থাকভায় তবে আমিও বিরাট সাক্ষয়া লাভ করতাম।
- ৭৪। সুতরাং যারা আথিরাতের বিনিময়ে দুনিয়ার জীবনকে বিক্রয় করে লেয় তারা মেন আল্লাহর পথে যুক্ত করে এবং যে আরাহের পথে যুক্ত করে এবং নিহত হয় অথবা বিক্রয়ী হয় অভিরেই আমি তাকে ময়া প্রতিলাদ নিব।
- ৭৫। আর তোমানের কী (সঞ্বয়ত) আহে যে, তেমরা আরাহর পাথ ফুর করবে না, অথর অসায়ে দার্মারী ও পিতার বেলায়, থে আমানের বাহিনাগরে। এ অনশন থেকে আনানি আমানেরতে বে করন যতা অধিয়ারীরা জানিম এবং আপনার নিকটি থেকে আমানের জন্য একজন অভিচারক দিয়ক করমা এবং আপনার নিকট থেকে আমানের জন্য ব্যৱসার সাম্যোজনারী মিজন করমান
- ৭৬। যারা ঈমান এনেছে তারা আল্লাহর পথে মুক্ত করে এবং যারা কৃষ্ণরী করেছে তারা তাওতের পথে যুক্ত করে, সুকরাং ওেমরা শয়তানের, বন্ধনের বিরুদ্ধে যুক্ত কর, নিশ্চর শয়তানের হতক্ষ দুর্বন।
- ৭৭। বুলি কি আলোকে দেশী হাজেকে কৰা আছিল, কেনাৰা কোনোকৰ য়ক গংগাল কৰে, কৰা (কান্যা) কান্যান কৰা, বাংকাৰ কান্যান কৰা আৰণাৰ ঘানা জানো কৈছে বুলি চিন্ধা (কান্য) কৰা কো কান্যান কান্যান মুখ্যান কৰা কান্যান আন্তান্ত কৰা কান্যান কৰা কোনা কৰা, কৰা কান্যান কৰা কোনা কৰা বাংকাৰ কৰা কৰা কৰা, 'বে আনোক প্ৰতিশালাৰ আন্তান কৰাৰ, বুলি চিন্ধাৰ (কান্যা) কান্যান আন্তান কৰাৰ কিনাকীৰ কান্যান কান্যান কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কান্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ বিধাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ বিধাৰ বুলি কৰাৰ কিনাকৰ ব্যৱহাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰিব বছাৰ বিজিয়া বুলিক বাংকাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰিব বছাৰ বিজয়া বুলিক বাংকাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰিব বছাৰ বিজয়া বুলিক বাংকাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰিব বছাৰ বিজয়া বুলিক বাংকাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কৰাৰ কোন্যানা কৰাৰ
- পদ। (ভাষার খেলাকেই থাক মৃত্যুর ভোষানেরকে নাগাল পারেই, যদিও তোকার (জান সুইক-সুকুর মূর্য বরত্বন কর এবং মলি তারের কোন কল্যান হর তারেল তারা বলে, "এটা আয়ারর গক্ত বেকে, "এটা রোমার পার্কি কোন কক্ষ্যান আমাত করে ছক্তন তারা বলে, "এটা রোমার পক্ষ বেকে। বল, সংই আয়ারর পক্র। এক প্রস্কারর কী হল যে, এবা কোন কথা একেবারেই বেকে আ।

وَ لَئِنْ اَصَابَكُرْ فَفْلٌ مِّنَ اللهِ لَيقُوْلُنَّ كَانْ لَّـرْ تَكُنْ بَيَنَكُرْ وَ بَيْنَهُ مُوفَّةً لِّلْيَتَنِي كُنْنُ مَعْهُرْ فَأَفُو زَفَوْزًا طِلِيمًا ۞

فَلْيَقَاتِلْ فِي سَبِيْلِ اللهِ الَّذِيْنَ يَهْرُونَ الْحَيُوةَ الدَّنْيَ بِالْفِرَةِ رَمَنْ لِقَاتِلْ فِي سَبِيْلِ اللهِ فَيُقَتْلُ أَوْ يَغْلِبُ فَوَى نُوْتَيْهَ أَجْرًا عَظْيِمًا ۞

رَمَّا لَكُمْ لِالْفَالِلْأَنَ فِي َسَبِيْلِي الشَّوْرَ الْمُسْتَفَعَلَيْنِ مِنَّ الرِّمَّا لِرَّا لِشَّالُورَالْ لِلَّهِ الَّذِينَ يَقُوْلُونَ رَبِّنَّا أَهُوشَنَا فِي هُذِهِ النِّرِيِّةِ الظَّالِي إَهْلَمُهَا وَإِهْلَالُ لِنَا مِنْ لَدُنْكُونَ لِنَّا أَهُوشَنَا وَإِخْلَالُ لِلْمَانِينَ لِنَّالِكُ فَلَا لَنَّيْنِ إِنْ

الَّذِيْنَ أَمَنُواْ يُفَاتِلُوْنَ فِي سَبِيْلِ اللهِ ءَوَ الَّذِيْنَ كَفَرُواْ يُفَاتِلُونَ فِي سَبِيْلِ الطَّاعُونِ فَقَاتِلُواْ أَوْلِيَاءَ الفَّيْطِيءَ الَّيَّ كَيْنَ الشَّيْطِي كَانَ مَنِيْنًا فَ

اَلَىرْ تَرَالَ الَّذِينَ قِبْلَ لَمُرْكُفِّا اَلْدِيدُورُ وَاقِيمُوا الطُّوْقُ الْوَالْ الزَّفُوفَةَ قَلَا حَتِ عَلَيْهِ الْقِتَالَ إِذَا قَوْلَهُ وَمَنْ يَضَفُّونَ النَّاسَ حَضْمَةِ اللهِ إَقَالًا مُقَلِّمُهُ وَقَالُوا رَبَّنَا لِرَحْمُونَ عَلَيْهِ اللهِ اللهُ وَاللهِ وَمُواللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ ال

آين ما تَخُونُوا اِينْرِيخُكُر الْمُوتُ وَ لَوَ خُنْثُرِ فِي بَيُرُحُ مُفَّيِّنَاةِ: وَإِنْ تُمِيْمُ صَنَقَّ يَقُولُ لُوا هَذِهِ مِنْ عَنْنِ اللهِ، وَإِنْ تُمْمِيُّرُ سَيِّقَةً يَقُولُ لُوا هَذِهِ مِنْ عَنْدِكَ، قُلُّ كُلُّ مِنْ عِنْدِ اللهِ، فَعَالَ مُؤْلِّكُمْ الْقُولُ الْوَالْمِيْنِ عَنْدِكَ، فَقَالَ اللهِ،

- ৭৯ কোমার যে কলাপ হয় ডা আলাহর পক্ষ থেকে আর কোমাকে যে অকল্যাণ আঘাত কবে তা ভোমার মিশ্রের পক্ষ থোক। এবং সোমাক আমি মানষের জন্য রাসল জিসেবে প্রেরণ করেছি। এবং সাঞ্চী ছিসাবে আলাহট যথেট।
- ৮০। যে রাস্পের আনুগতা করদ সে আল্লাহরই আনুগতা করল এবং যে মধ ফিবিয়ে নিল আমি ভোমাকে ভানেৰ উপৰ সংবক্ষক ভিসেবে প্ৰেবৰ কৰিকি
- ৮১। এবং তারা বলে, 'আনুগত)' (আমাদের কাজ)। অতঃপর যখন তারা তোমার কাম থেকে চলে যায় তখন তাদের একদল রাতে পরামর্শ করে তমি যা বল তাব বিপবীত। এবং ভাবা যা বাতে প্রায়র্শ করে আলার ভা গিখে রাখেন, সতরাং তমি তাদেরকে উপেক্ষা কর এবং আন্তাহর উপর ভবসা কব। আব জনাবধায়ক জিসোর আলার্ড যথেছ।
- ৮২। তবে কি তারা করআন নিয়ে গভীর চিন্তা করে নাঃ এবং তা যদি আলার হায়ো অন্য কাৰো কাছ খোকে হ'ত তাৰ অৱশাই ভাৰা ভালে আনক অসক্তি পেত

৮৩। এবং যখন নিবাপনা অথবা জীতিব বোন বিষয় আদেব আছে আদে

- মধ্যে নির্দেশদানের অধিকারীদের (নেভবর্গের) গোচরিভূত করত তাহলে তাদের মধ্যে যারা তা (তথা) অনসন্ধান করে ভারা অবশাই ভা (যাচাই -বাছাই কবে) জানতে পাতত। আবু তোমাদেব প্রতি যদি আলাহব অনুগ্রহ ও দয়া না থাকত তাহলে অবশ্যই অস্ত্র সংখ্যক ছাড়া তোমরা (সবাই) **শয়তানের অনসরণ করতে।**
- ৮৪। সুতরাং (হে নবী।) তুমি আল্লাহর পথে বৃদ্ধ কর, ভোমাকে কেবল তোমার নিজের জন্য দায়ী করা হবে এবং ম'মিনলেরকে উছত্ত কর, শীঘই আল্রাহ যারা কফরী করেছে তাদের শক্তি ধর্ব করবেন। আর আনাত প্রবল শক্তিধর ও শান্তিনানে কঠোব।
- ৮৫। যে কোন তাল সপারিশ করতে ভাতে ভার (প্রাপ্য) অংশ থাকরে এবং যে কেনে মন্দ সপাবিশ করবে তাতে তার নার-দায়িত থাকবে। আর আলাত সবকিছুর উপর সর্বশক্তিমান
- ৮৬। আর যথন তোমাদেরকে অভিবাদন (সালাম<sup>\*</sup>) জানানো রয়, তথন (তার জবাবে) ভোমৰা এব সেখে সম্বৰ অভিবাসন জানাও অথবা অনকপ জবাব দাও। নিশ্চয় আল্লাহ সববিদ্ধর হিসাব গ্রহণকারী।

- مَا ٓ إَمَا بَكَ مِنْ حَسَنَة فَمِنَ اللهِ: وَمَاۤ أَمَا بَكَ مِنْ سَيِّئَة فَمِنْ نَّقْسكَ، وَ أَرْسَلْنْكَ للنَّاسِ رَسُو لَا، وَكَفِي بِاللهِ شَهِيْدًا ﴿
- مَنْ يُطِعِ الرُّسُولَ فَقَدْ أَطَاعَ اللَّهَ وَمَنْ تَوَلَّى فَهَمَا أَرْسَلْنَكَ عَلَيْهِرْ مَفَيْظًا 🗟
- وَ يَتُو لُونَ طَاعَةً وَاذَا بَ زُوْا مِنْ عَنْدِكَ بَيِّي طَأَ لَفَةً مِّنْهُ غَيْرَ الَّذِي تَقُولُ وَ اللهُ يَحْتُبُمَا يُبَيِّتُونَ وَاَعُونُ عَلَامُونُ عَنْهُرْ وَ تَوَكَّلُ عَلَى اللهِ وَكَفْي بِاللهِ وَكَيْلًا ﴿
- أَفْلَا يَتَدَبُّووْنَ الْقُوْ إِنَّ وَلَوْ كَانَ مِنْ عَنْد غَيْوِ اللهِ لَوَجَدُواْ فيه اختلافًا كثيًا ا
- وَإِذَا جَآءَهُرْ أَمْرٌ مِّنَ الْآمْنِ أَوِ الْحَوْبِ أَذَاعُوا بِهِ وَ لَوْ তখন তারা তা প্রচার করে। কিন্তু যদি ভারা ভা রাসল এবং ভাদের رَدُّوهُ الى الرسول وَإِنَّى أُولِي الْأَمْرِ مِنْهُرْ لَعَلِمَهُ الَّذِيْنَ يَشْتَنْبِطُوْ نَدُمْنُهُ ۗ ، وَ لَوْ لَا فَقُلُ اللَّهُ عَلَيْكُ ۗ وَ رَحْمَتُهُ لَا تَبَعْتُمُ ۗ الشَّيْطُنَ إِلَّا قَلَيْلًا ۞
  - فَقَاتِلْ فِي سَبِيلِ اللهِ ؛ لَاتُكَلَّفُ الَّا نَفْسَكَ وَحَرَّضِ الْمُؤْمِنينَ ﴾ عَسَى اللهُ أَنْ يَّكُفَّ بَأْسَ الَّذِيْنَ كَفَوُوْا وَ اللهُ أَشَدُّ بَأْسًا وًّ أَهَدُّ تَنْكُلُّاهِ
    - شَفَاعَةً سَيْئَةً يَّكُنْ لَّهُ كَفْلٌ مِّنْهَا ، وَكَانَ اللَّهُ عَلَى كُلِّ شَنَّةً ء میر مقبتار وَ إِذَا حُيْدَتُمْ بِتَحِيَّةٍ فَحَيُّوا بِأَحْسَ مِثْهَا أَوْ رُدُّوهَا ۚ إِنَّ اللَّهَ

كَانَ عَلَى كُلِّ هَنَّ أَصَيْبًا ﴿

مَنْ يَشْفَعُ شَفَاعَةً حَسَنَةً يَكُنْ لَّهُ نَصِيْبٌ مِّنْهَاءُومَنْ يَشْفَعُ

- ৮৭। আদ্ভার, তিনি ছাড়া কেন ইলাহ নেই। তিনি তোমানেরতে অবশ্যই একআ है। আমি হৈ الّذ إِلّا هُوَ ، لَيَجْمَعَنَّكُمرُ إِلَى بِوْ ﴾ (الْقِيْمَة لِارْتِبُ فِيْدُ، وَالْحَالِيَّةِ الْمُؤْنِ مَنْ أَصْدَقُ مِنَ اللهِ مَدِيثًا أَهُ অল্লাহর চেয়ে কে অধিক সভাবাদীঃ
- ৮৮। তোমাদের কী (অজ্বহাত) আছে যে, ভোষরা মুনাফিকদের ব্যাপারে দ'দল হয়ে গেলে, যথন আলাহ তারা যা অর্জন করেছে সে কারণে তাদেরকে পূর্বাবস্থায় (কৃষ্ণবির দিকে) ফিরিয়ে দিয়েছেনঃ আরাহ্ যাকে পথন্তই করেছেন তোমরা কি তাকে সঠিক পথ প্রদর্শন করতে চাওং আর স্তালার যাকে পথভাই করেন তমি কখনো তার জন্ম কোন পথ পাবে না।
- ৮৯, তারা কামনা করে যে, খনি ভোমরা কুন্দরী করতে যেমন তারা কুন্দরী করেছে, ফলে ভোমরা (ভাসের) সমান হত্তে যাও, সুতরাং আল্লাহর পথে হিল্পবত মা করা পর্যন্ত ভাসের মধ্য থেকে কাউকে তোমরা বন্ধ হিসেবে গ্রহণ করো দা। এবং যদি ভারা (হিজরত করা থেকে) মুখ থিরিয়ে দেয় তবে তাদেরকে ধর ও হত্তা কর যেখানেই তানেরকে তোমরা পাও এবং তাদের মধ্য থেকে কাউকে বন্ধ হিসেবে গ্রহণ করো না এবং সাহায্যকারী হিসেবেও না-
- ৯০। তাদেরকে ছাড়া যারা এমন সম্প্রদায়ের কাছে পৌছে যার (আশ্রর এইণ ক্রবে) যাদের ও সোম্রাদের মাঝে চড়ি বাংগছ তথকা বাবা ভোমাদের কাছে আসে এমন অবস্থায় যে, ভোমালের বিরুদ্ধে যুদ্ধ করতে অথবা আনের (মিজ) সম্পদায়ের বিক্তমে যদ্ধ করতে তাদের বক্ষ সংকচিত হয়। আর যদি আল্লাহ ইচ্ছা করতেন তবে অবশ্যই তাদেরকে তোমানের উপর ক্ষমতা দিতেন এবং অবশক্তে তারা তোমাদের বিরুক্তে যক করত, সতরাং যদি তারা তোমাদের কাছ থেকে সরে যায়, এবং তোমাদের বিরুদ্ধে বছ না করে এবং ভোমাদের কাছে শান্তি প্রস্তাব দেয়, তাহলে আল্লাহ সোহাদের জন্য ভালের বিকাজ কোন (বাবস্থা গ্রহণের) পথ বাখেননি।
- ৯১। শীঘই ভোমরা অন্যদেরকে পাবে যারা ভোমাদের থেকে নিরাপজা পেতে চায় এবং তাদের (নিজ্ঞ) সম্পদায় থেকেও নিরাপরা পেতে চায়। যখনই তাদেরকে ফিতনার (মুসলমানদের বিরুদ্ধে যুদ্ধ বা কৃষ্ণরীর) দিকে কিরানো হয় তথনই ভারা তাতে থিরে যায়, সূতরাং যদি তারা বোমাদের (বিরুদ্ধে যুদ্ধ) থেকে সরে না যায় এবং ভোমাদের কাছে শান্তি প্রস্তাব না দেয় প্রবা তাদের হাত সংবরণ না করে, তবে তাদেরকে ধর ও হত্যা কর যেখানেই সামেরতে সোহরা পাক। এবং আমি ভোয়াদের জন্য ভানের বিকরে সম্পর্ট महाराज्य अस्ताच अस्ताचा ।
- ৯১। কোন ম'মিনাক ফলা কৰা কোন ম'মিনেৰ জনা সক্ষৰ্ত নৰ, 'ভাৰে ভক্তপত্তা কৰাল ভিনু কথা, কেউ ব্যেন মুমিনকে ভগবগতঃ হত্যা করলে (তার দত হক্ষে) একজন মামিন দাস মক্ত করা এবং তার পরিবারকে দিয়াত (রক্তপর্ণ ) প্রদান করা- ভবে प्रात (प्रिकाप्रत परिवाद) प्रात्वा (श्राप्त) तात निरम किन तथा। जान यनि (प्र (निवाद বাজি) তোমানের শত্রু সম্প্রনায়ের কেউ হয় এবং সে মমিন হয় (নিহত ব্যক্তি হ'হিন বিজ তার সম্পন্নয় কৃষ্টির হয়। তাহলে (নড হলে। একজন মাহিন দাস মক করা। আর যদি সে এমন এক সম্প্রদায়তক হয় যাসের ও ভোমানের মাবে মকি বয়েছে ভারলে (মড় রঙ্গে) ভার পরিবার-পরিভনকে নিয়াভ (রজপণ) প্রদান করা এবং একজন মুমিন দাস মুক্ত করা। আর যদি সে (কোন মুমিন দাস) না পায় তাহলে তাকে একাধারে দ'মান রোয়া পালন করতে হবে। এটা আন্তাহর পক্ষ থেকে তথকা কেবাৰ নিয়ম)। আৰু আলত সৰ্বজ্ঞানী ও মহাপ্ৰজাবান।

فَمَا لَكُرْ فِي الْمُنْفِقَيْنَ فِئَتَيْنِ وَ اللَّهُ ٱرْكَسَهُرْ بِمَا كَسَبُوْا، أَتُرِيْدُونَ أَنْ تَهْدُواْ مَنْ أَضَلَّ اللهُ، وَمَنْ يُّضْلِلِ اللهُ فَلَنْ تَجِدَ لَهُ سَبِيْلًا ⊛

وَدُّوا لَوْ تَكُنُّهُ وْنَ كَمَا كَفَهُ وَا فَتَكُونُونَ سَوٓ أَءً فَلَالَتْ خُذُوا مِنْهُمْ أَوْلَيَاءَ حَتَّى يُهَاجِرُوا في سَبِيْلِ اللهِ • فَانْ تَوَلَّوْا فَكُذُوهُمْ وَ اقْتُلُوهُمْ مَيْكُ وَجَدْتُنُوهُمْ وَ لَاتَتَّخِذُوا مِنْهُرْ وَلَيَّا وَّ لَانَمِيُّوا ٥

الَّا الَّذِينَ يَصلُونَ إِلَى قَوْمَ بِيْنَكُمْ ۚ وَبَيْنَهُمْ مَيْغَاقٌ اَوْ جَاءُوْكُرْ حَمرَتْ مُدُوْرُهُرْ أَنْ يُقَاتِلُوْكُمْ أَوْيُقَاتِلُوْ قَوْمَهُرْ ﴿ وَكُو شَاءَ اللَّهُ لَسَلَّطُهُرْ عَلَيْكُرْ فَلَقْتَلُوكُمْ ۗ عَلَاكُ اعْنَا لُوْكُرْ فَلَرْ يُقَاتِلُوْكُرْ وَ ٱلْقَوْا إِلَيْكُرُ السَّلَرَ • فَمَا جَعَلَ اللهُ لَكُرْ عَلَيْهِرْ سَبِيْلًا ۞

سَتَجِدُونَ إِخَرِيْنَ يُرِيْدُونَ أَنْ يَّامَنُوكُرْ وَيَامَنُواْ قَوْمَهُرْ كُلَّمَا رُدُّواً إِلَى الْفَتْنَةَ أُرْكُسُوا فَيْهَا عَفَانَ لَّهِ يَغْتَ لُوْكُمْ وَيُلْقُواً الَيْكُرُ السَّلَيَ وَيَكُنُّوٓۤۤا أَيْدِيَهُرْ فَخُذُوْهُرْ وَاقْتُلُوْهُرْ حَيْثُ تَقَفْتُمُوْهُرْ وَ أُولِّئِكُرْ جَعَلْنَا لَكُرْ عَلَيْهِرْ سُلْطُنَا مَّبِينًا ﴿

وَمَاكَانَ لَهُوْمِنِ أَنْ يَقْتُلَ مُؤْمِنًا إِلَّا خَطَئًا ، وَمَنْ قَتَلَ مُؤْمِنًا هَطَئًا فَتَهُ إِنُّ رَقَبَة مُّؤْمِنَة وَّدِيَّةٌ مُّسَلِّمَةٌ إِلَّ آهُلَّهَ الَّا أَنْ يَشَدُّ قُوْ ا فَانَ كَانَ مِنْ قَوْ ؟ عَدُرٌ لِّكُرْ رَهُوَ مُؤْمِنٌ فَتَهُ بِهُ رَقَبَة مُّوْمنَة وَ إِنْ كَانَ مِنْ قَوْم بِيَنكُرْ وَ بَيْنَهُرْ مِيثَاقٌ فَديَةٌ مُّسَلَّمَةٌ الْيَ أَهْلِهِ وَ تَحْدِيدُ رَقَبَة مُّؤْمِنَة عَمَنْ لَّرْ يَجِدْ فَصِيا مُ شَهْرَيْنِ مُتَنَا بِغَيْنِ اتَوْ بَةً مَّنَ اللهِ . وَكَانَ اللهُ عَلَيْمًا حَدَيْمًا ﴿

- ৯৩। আৰু যে ইচ্ছাক্তভাৰে কোন ম'মিনকে হতা। কৰে<sup>®</sup> তাৰ প্ৰতিফল আহান্রাম<sup>\*</sup>, সেখানে সে স্থায়ী হবে এবং আগ্রাহ তার উপর ক্রোধান্তিত হন, তাকে লা'নত কবেন এবং তার জন্য প্রস্তুত করেছেন মহা শান্তি।
- ৯৪। প্রহে যারা ঈমান এনেছ! যখন তোমরা আল্লাহর পথে সফর করবে তখন (অপরিচিতদেরকে) পরীক্ষা করে নিবে এবং কেউ ভোয়াদেরকে সালায় পেশ করলে দনিয়ার জীবনের অস্থায়ী সম্পদ (পনীয়ত) কামনায় তাকে বলো না 'তমি ম'মিন নও' কেননা আলাহৰ কাতে অনেক গনীয়ত রয়েছে। তোমরা ইতঃপূর্বে এমনই (অমুসলিম) ছিলে, অতঃপর আল্লাহ ভোমাদের প্রতি অন্যাহ করেছেন, সতরাং ভোমরা পরীক্ষা করে নিবে। নিশ্য আলাহ ভোমরা যা কর সে সম্পর্তে পূর্ণ অবগত।
  - ৯৫। অক্ষম না হয়েও (ঘরে) বসে থাকা ম'মিনরা এবং আলাহর পথে নিজেদের ধন-সম্পদ ও জীবন দিয়ে জিহাদকারীরা (মুজাহিদরা) সমান নয়। ধন-সম্পদ ও জীবন দিয়ে জিহাদকারীদেরকে আলাহ (ঘরে) বসে থাকাদের উপর মর্যাদায় প্রেষ্ঠকু দিয়েছেন। এবং আল্লাহ প্রত্যেককেই কলাপের প্রতিশ্রুতি নিয়েছেন। কিন্তু আন্তাহ মন্তাহিদদেরকে (ঘরে) বসে থাকানের উপর প্রেষ্ঠত দিয়োচন মহাপ্রতিদানের দিক দিয়ে-
- ৯৬। তাঁর পক্ষ থেকে বঢ় মর্যাদা, ক্ষমা ও দহার দিক দিয়ে। আর আলাহ অভি ক্ষমাশীল ও প্রয় দ্যাল।
- ৯৭। দিক্ষা ফেরেশতারা যাদের মত। দেয় তাদের নিজেদের প্রতি জলম করা অবস্থায় (তাদেরকে) বলে 'তোমবা কী অবস্থায় ছিলেল' ভারা বলে, 'পথিবীতে আমরা অসহায় ছিলাম।' তারা (ফেরেশতারা) বলে, 'আহাতে পথিবী কি প্ৰশন্ত ভিল না যেখানে ভোমৰা হিজৰত করতে পারতে?' সূতরাং তাদেরই আশুরত্বল আহান্রাম। আর তা কডই না নিকৃষ্ট ্যারাসকল (
- ৯৮। অসহায় পুরুষ, নারী ও শিওদের ছাড়া যারা (হিজরতের) কোন উপায় অবলম্বন করতে সক্ষম নয় এবং তারা কোন পথও পায় না-
- ৯৯। সতরাং শীঘট আলাহ তাদেরকে মার্লনা করবেন। এবং আলার য়ার্জনাকারী ও অভি ক্রয়াশীল
- ১০০। মান যে আন্তাহর পথে হিজরত করবে সে পৃথিবীতে অনেক আশ্রয়স্থল ও প্রাচর্য পাবে এবং যে তার ঘর থেকে অস্তাহ ও রাসলের দিকে হিজবতকারী হয়ে বের হয় এরপর মৃত্যু তার নাগাল পায়, তাহলে 🗜 অবশ্যই তার প্রতিদাদের তার আল্লাহর উপর ন্যন্ত। এবং আল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরম দয়াল।

غَضَ اللهُ عَلَيْهِ وَ لَعَنَهُ وَ آعَدُّ لَهُ عَذَا إِنَّا عَظَيْمًا ﴿ يَّأَيُّهَا الَّدَيْنَ امَّنُوٓا اذَا ضَرَّبْتُرْ فِي سَبيْلِ اللهِ فَتَبَيَّنُوْا وَ لَا تَقُوْ لُواْ لَمِنْ ٱلْتَى إِلَيْكُرُ السَّلْرَ لَسْتَمُوْمِنَّاء تَبْتَغُوْنَ عَرَضَ الْعَيْدِةِ إللَّ ثَيَا افَعِنْدَ اللهِ مَغَانِهُ كَثِيرَةٌ " كَذَٰ لِكَ كُنْتُمْ مِنْ قَبْلُ فَمَنَّ اللَّهُ عَلَيْكُمْ ۚ فَتَبَيِّنُوا ۚ إِنَّ اللَّهَ كَانَ بِمَا تَعْمَلُونَ غَبِيًّا ﴿

لَايَشْتُوى الْفَعْدُونَ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ غَيْرُ أُولِي الفَّرَ رِوَ الْمُجْهِدُونَ فْ سَبِيلِ اللهِ بِأَمْوَ الهِمْ وَ أَنْفُسِهِمْ وَفَقِّلَ اللهُ الْمُجُهِدِيْرَ. بِأَمْوَ الِهِرْ وَ ٱنْفُسِهِرْ كَى الْقُعِدِيْنَ دَرَجَةً ۚ وَكُلًّا وَّعَدَ اللَّهُ ٱلْحُسْنَى ۥ وَ فَضَّلَ اللهُ الْمُجْهِدِينَ عَلَى الْقَعِدِينَ آجُرًا عَظَيْمًا ﴿ دَرَجِي مُنْهُ وَ مَغْفَ قُ وَ رَحْمَةً ، وَ كَانَ اللَّهُ غَفُو رَا رَّحْمُهًا هُ

إِنَّ الَّذِيْنَ تَوَقَّهُمُ الْمَلِّتَكَدُّظَا لِمِنْ أَنْفُسِهِ ۚ قَا لُوا فِيْرَ كُنْتُرْ ۚ قَا لُوْ اكْنَّا مُسْتَفْعَفِيْنَ فِي الْأَرْضِ ۗ قَا لُوًّا ٱلَمْ تَكُنْ اَ رْضُ الله وَ اسعَةً فَتُهَاجِهُ وَا فَيْهَا ، فَأُو لَنْكَ مَأُولِهُمْ جَهَنَّهُ · وَ ساءت مصيرا ﴿

فَأُ وَلَّنْكَ عَسَى اللهُ أَنْ يَعْنُو عَنْهُمْ ءُو كَانَ اللهُ عَفُوًّا غَفُوْ رًا ﴿

الَّا الْمُسْتَشْعَفِيْنَ مِنَ البَّجَالِ وَ النِّسَآء وَ الْوِلْدَانِ

لَا يَسْتَطِيْعُوْنَ حِيْلَةً وَّ لَا يَهْتَدُونَ سَبِيْلًا ﴾

وَمَنْ يُّهَاجِهُ فِي سَبِيلِ اللهِ يَجِدُ فِي الْاَرْضِ مُهُ عَمَّا كَثِيرٌ ۗ اوَّسَعَةٌ ، وَمَنْ يَّخُرُجُ مِنْ بَيْتِهِ مُهَاجِرًا إِلَى اللهِ وَ رَسُوْ لَهِ ثُيَّ يُدُرِكُهُ الْمَوْتُ فَقَدُ وَقَعَ آجُهُمْ فَلَى الله وَ كَانَ اللهُ غَفُوْ رَا رَّحَيْمًا ﴿ ১০১।এবং যথন ভোমবা পথিবীতে ভ্রমণ কর তথন সালাভ (নামাথ) সংক্রিভ (কমর) করাতে তোমাদের কোন অপরাধ নেই যদি তোমরা আশস্কা কর ছে যারা কথবী করেছে ভারা ভোমাদেরকে ফিডনায় ফেলবে। নিশ্চয় কাফিররা তোমাদের জন্য সুস্পই শক্র।

১০১: আব যথন তমি তাদের মধ্যে থাকবে ও তাদের জন্য সালাভ (নামার) কান্তম করবে তথন তাদের মধ্য থেকে একদল খেন ভোমার সাথে দীনায় এবং তারা যেন তাদের অল-শল (সঙ্গে) রাখে। অভঃপর ভারা যখন সিজনা করবে তথন তারা যেন তোমাদের পিছনে অবস্থান নেয়: আৰ অপৰ একদল যাবা সালাত আদাহ করেনি তারা যেন আসে এবং

তোমার সাথে সালাত আদায় করে এবং তারা যেন তালের সতর্কতা প্রহণ করে ও তাদের অন্ত-শঙ্গ (সঙ্গে) রাখে। যারা কফরী করেছে তারা কামনা করে যদি তোমরা তোমাদের অন্ত-শল্প ও দ্রবাসামগ্রী সম্পর্কে অসতর্ক হও ভাহলে ভারা ভোমানের উপর একবারে বাঁপিয়ে পদ্ধব। আর বৃষ্টির কারণে যদি তোমাদের কট হয় অথবা তোমরা অসভ থাক তাহলে আহ-শঙ্গ রেখে দেয়াতে তোমাদের ঝোন অপরাধ নেই, কিব সোমার সোমালের সামর্কানা এরণ বর। নিশার আলার রাভিবলের জনা গ্রন্থত করেছেন লাঞ্চনাদায়ক শান্তি।

১০৩। অভঃপর বখন ভোমরা সালাভ (নামাব) সমাও করবে তখন দাঁভিয়ে. বসে এবং কয়ে আন্তাহকে স্বরণ কর, অতঃপর যথন তোমরা নিরাপদ বোধ করতে তথম (পর্বায়) সালাত কারেম কর, নিশ্বর সালাত (নামাথ) ম'মিনদের উপর একটি সময় নির্বারিত ফরব।

১০৪। আর (শত্রু) সম্প্রদারের পশ্চাদ্ধাবনে তামরা হীনবল হরো না। যদি তোমরা যম্বণা বোধ কর, তবে নিশ্চয় ভারাও বছুণা বোধ করে যেমন. يَا ٱلمُوْنَ كَمَا تَا ٱلمُوْنَ؛ وَتَرْجُوْنَ مِنَ اللَّهِ مَا لَا يَرْجُوْنَ ، وَأَقْرَا لَهُ مَا لَا يَرْجُونَ ، وَأَقْرَا اللهِ اللهِ مَا لَا يَرْجُونَ ، وَأَقْرَا اللهِ مَا لَا يَرْجُونَ مِنْ اللَّهِ مَا لَا يَرْجُونَ مِنْ اللَّهِ مَا لَا يَرْجُونَ ، وَأَقْرَا لَا اللَّهِ مَا لَا يَعْرَبُونَ مِنْ اللَّهِ مَا لَا يَعْرَبُونَ مِنْ اللَّهِ مَا لَا يَعْرَبُونَ مَا اللهِ مَا لَا يَعْرَبُونَ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ مَا لَا يَعْرِبُونَ مِنْ اللَّهِ مَا لَا يَعْرِبُونَ مِنْ اللَّهِ مَا لَالْعُونَ مِنْ اللَّهِ مَا لَا يَعْرِبُونَ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مَا لَا يَعْرُبُونَ مِنْ اللَّهُ مِنْ الللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللّ যা তারা আশা করে না। আরু আরার সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজাবান।

আল্লাহ ভোমাকে যা (সঠিকপথ) দেখিয়েছেন তদানুৱাৰী মানুৰের মাৰে ভমি বিচাধ-ফয়সালা করতে পার<sup>\*</sup>। আর বিয়ানভকারীদের জন্য ভমি विजवाकारी इत्या मा-

১০৬।এবং আন্তাহর কাড়ে ক্ষমা প্রার্থনা করা নিশ্চয় আন্তাহ অতি ক্ষমাশীল ও প্রম দ্যাল।

১০৭ এবং যারা তাদের নিজেদের সাথে থিয়ানত করে তাদের পক্ষে তমি বিতৰ্ক কৰো না নিশ্চয় আৱাহ ভাকে ভালবাসেন না যে খিয়ানতকারী ও পাপিষ্ট-

وَإِذَا مَرَبْتُرْ فِي الْأَرْضِ فَلَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ أَنْ تَقْصُوا مِنَ الصَّلُوةَ \* إِنْ خِفْتُمْ أَنْ يَّقْتِنَكُرُ الَّذِيْنَ كَفَرُوا - إِنَّ الْخُورِينَ كَانُواْ لَكُرْ عَدُواْ مَّبِيْنًا ﴿

وَ إِذَا كُنْتَ فِيْهِ \* فَأَقَبْتَ لَهُ الصَّلِّوةَ فَلْتَقُرْ ظَأَلْفَةٌ مِّنْهُ \* مْعَكَ وَ لَيَا غُذُوٓ أَ أَسُلَحَتَهُرُ سَ فَاذَا سَجَدُوْا فَلْيَكُوْنُوْا مِنْ وْرَ أَنْكُ يُولُواْ فَلْيُمَلُّواْ مَغَكُواْ مَعَكُواْ فَلْيُمَلُّواْ مَعَكُواْ لْيَاخُذُوْ احِدْرَهُمْ وَ اَسْلَعَتُهُمْ ، وَدَّ الَّذِيْنَ كَفَوُوْا لَوْ تَغْفُلُوْنَ عَنْ أَسْلَحَتُ مُ وَ أَمْتَعَتَّكُم فَيَمِيْلُونَ عَلَيْكُم مَيْلَةً والحدَّة، وَ لَاجُنَاحَ عَلَيْكُرْ إِنْ كَانَ بِكُرْ أَذًى مِّنْ مَّظَرِ أَوْكُنْتُرْ مُّ أَنِّي أَنْ تَفَعُوا إِلَّهُ الْمُتَكِيرِ ، وَكُذُوا حَذُركِيرٍ ، إِنَّ اللَّهُ أَعَدُّ لِلْحُفِرِيْنَ عَذَابًا مُّهِيْنًا ۞

فَاذَا قَفَيْتُهُ ۗ الصَّلَّوةَ فَاذْكُ وَا اللَّهَ قَيَامًا وْقُعُودًا وْعَلَى مُنُوْ بِكُرْ ، فَاذَا اطْمَأْ نَنْتُرْ فَأَقْيُمُوا الصَّلُوةَ ، إِنَّ الصَّلُوةَ كَانَتُ عَلَى الْمُؤْمِنِينَ كُتْبًا مَّوْقُوثًا ۞ وَ لَاتَهِنُوا فِي ابْتَغَاء الْقَوْمَ ، إِنْ تَكُونُوا تَاْ لَهُونَ فَاتَّهُمْ

كَانَ اللهُ عَلَيْمًا حَكِيمًا يُ ১০৫। নিশ্বৰ আমি ভোমাৰ প্ৰতি সভাসত কিতাৰ অৰতীৰ্ণ কৰেছি যাতে انَّا آنَالُنَا الَّيْكَ الْحَتْبَ بِالْعَقِّ لِتَحْكُرَ بَيْنَ النَّاسِ بِمَا أَرْبِكَ اللهُ وَ لَاتَكُنْ لُلْخَالِنِينَ خَصِيمًا فَ

> وَّ اسْتَغْفِ اللهَ - إنَّ اللهَ كَانَ غَفُو رَّا رِّحْيُمًا هُ وَ لَا تُجَادِلُ عَنِ الَّذِيْنَ يَخْتَا نُوْنَ أَنْفُسَهُرْ ۚ إِنَّ اللَّهَ لَا يُحِبُّ

> > مَنْ كَانَ خَوَّ إِنَّا أَثْيُمًا أَقَّ

- ১০৮।তারা মানুষের কাছে গোপন করতে চায় কিন্তু আল্লাহর কাছে গোপন করতে চায় না, অথচ তিনি তাদের সঙ্গেই আছেন যখন তারা রাতে প্রামর্শ করে এমন কথা বলার যা আন্তাহ পছন্দ করেন না। আর তারা য়া করে তা আদ্মাহ পরিবেটন করে আছেন।
- ১০৯। ওহে তোমরাই তারা যারা দুনিয়ার জীবনে তাদের পক্ষে বিতর্ক করছ; কিন্তু কিয়ামতের দিন আপ্রাহর সামনে কে তাদের পক্ষে বিতর্ক করবে অথবা কে তাদের তন্তাবধায়ক হবেঃ
- ১১০। আরু যে কোন মন্দ কাজ করে অথবা তার নিজের প্রতি জন্ম করে এরপর আবাহর কাড়ে কমা প্রার্থনা করে দে আরাহকে অতি ক্ষমাশীল ও পরম দয়ালু হিসাবে পাবে।
- ১১১। এবং যে পাপ অর্জন করে সে কেবল তা তার নিজের বিরুদ্ধেই অর্জন ক্রার। আর আলাহ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজ্ঞাবান।
- ব্যক্তির প্রতি আরোপ করে, সে অগবাদ ও সুস্পষ্ট পাপের বোঝা বহন ক্রকা :
- ১১৩। আর যদি ভোমার প্রতি আস্তাহর অনুমহ ও দয়া না থাকত ভাহলে দাদের একাল অবশাই ভোমাকে পথদ্রই করতে মনত করত<sup>®</sup>। কিন্ত ভাষা কোনো অসমৰ নিজ্ঞানবাকট পথসেই বাবে এবং ভাষা ভোয়াৰ কিউট ক্ষতি করতে পারে না। এবং আলাহ তোমার প্রতি কিতাব ও হিকমত অৱসীৰ্ব ক্ৰাক্তম এবং ডায়ি যা জানতে না ডা তোমাকে শিক্ষা দিয়েছেন। এবং ভোমার উপর আন্তাহর অনগ্রহ (সভিত্রই) মহান।
- ১১৪। তাদের অনেক গোপন কথায় কোন কল্যাণ নেই তার (গোপন কথা) ছাডা যে দান-থয়বাত বা সংকাজ অথবা মানহের মাঝে আপোষ-নিম্পরির নির্দেশ দেয়। আর যে আলাহর সমষ্টি কামনায় তা করে অচিরেই আমি জ্ঞানে মুগ্রপ্রতিকার কিব।
- ১১৫।আর যে ব্যক্তি তার নিকট সঠিকপথ স্পষ্ট হওয়ার পর রাস্পের বিক্লভাচরণ করে এবং ম'মিনদের পথ ছাড়া অন্য পথ অনুসরণ করে স্লাহান্রামে প্রবেশ করাব। আর তা কতই না মন্দ গরবাস্তল।

- يَّشْتَخْفُونَ مِنَ النَّاسِ وَ لَا يَشْتَخْفُونَ مِنَ اللَّهِ وَهُوَ مَعَهُرُ اذْ يُمَيِّتُونَ مَا لَا يَرْضَى مِنَ الْقَوْلِ ، وَكَانَ اللهُ بِمَا يَعْمَلُونَ
- هَانْتُمْ هُوُ لَآءَ مِدَلْتُمْ عَنْهُمْ فِي الْحَيْدِةِ الدُّنْيَاتِ فَهَنْ يُحَادِلُ اللهُ عَنْهُرْ يَوْمَ الْقِيمَةِ آأَمَّنْ يَكُونُ عَلَيْهِرْ وَكَيْلًا ﴿
- وَمَنْ يَعْمَلْ سُوَّءًا ۚ أَوْ يَظْلِرْ نَفْسَهُ ثُرٌّ يَشْتَغْفِرِ اللَّهُ يَجِدِ اللَّهَ غَفُوْ رَأَ رَّحَيْمًا @
  - وَمَنْ يَّكْسِبُ إِثْمًا فَانَّمَا يَكْسِبُهُ عَلَى نَفْسِهِ ﴿ كَانَ اللَّهُ عَلَيْمًا
- وَمَنْ يَكْسَبُ خَطَيْغَةً أَوْ إِنْمًا ثُرٌ ۚ يَوْ مُ بِهِ بَ يَكًا فَقَل إَحْتَمَلَ ﴿ كَاللَّهُ المعاهدة عام بُهْتَانًا وَّ إِثْمًا مُّبِيْنًا ﴿
  - وَ لَوْ لَافَصْلُ اللهُ عَلَيْكَ وَ رَحْمَتُهُ لَمَيْتُ طَّأَلْفَةٌ مِّنْمُ ۗ أَنْ يُّعلُّوكَ وَمَا يُعلُّونَ الَّآ ٱنْفُسَهُرْ وَمَا يَفُوُّونَكُ مِنْ شَيْءً وَ أَنْ َ لَ اللهُ عَلَيْكَ الْكُتْبُ وَ الْحُكْمَةَ وَ عَلَّمَكَ مَا لَيْ تَكُنْ تَعْلَرُ وَكَانَ فَضْلُ اللهِ عَلَيْكَ عَظَيْمًا ﴿
    - لَاخَيْرَ فِي كَثِيْرِ مِّنْ نَّهُوٰ بِهُرْ الْأَمَنْ آمَوَ بِمَدَقَة ٱوْمَعْرُوْنِ ٱوْ أَصْلَاحِ بِينَ } النَّاسِ وَمَنْ يَنْفَعَلْ ذَٰلِكَ إِبْتِغَاآءَمَ مُنَاتِ إلله

فَسَوْنَ نُوْتَيْهِ أَجْرًا عَظَيْمًا ﴿

وَمَنْ يَّشَاقِقِ } لرَّسُوْلَ مِنْ أَعْدِهُمَا تَبَيِّنَ لَهُ } أَهُدْى وَيَتَّبعُ مَصِيْرًا ۞

- ১১৬। নিশ্বর আলার তাঁর সাথে শরীক করাকে ঋমা করেন না কিছ এটা চানে . যা আছে তা তিনি যাকে ইচ্ছা করেন ক্ষমা করেন। এবং যে আলাচর সাথে শরীক করে সে অরশাই সদর পথসাই রাখাছ।
- ১১৭।তারা তাঁকে বাদ দিয়ে কেবল মারীদেরতে (দেবীদেরতে) ভাঙে এবং তারা কেবল বিদোরী শয়তানকে আকে-
- ১১৮। যাকে আল্লাহ লা'নত করেছেন, এবং সে (পয়তান) বলেছিল, 'অবশাই অবশাই আহি আপনার রামানের হথা খোলে একটি নির্প্ততিত অংশাক (আয়ার অনুমারী ডিফেলে) প্রচণ করে-
- ১১৯।এবং জবশাই জবশাই আমি জাসেবার পথসই রবে এবং জরুনাই অবশ্যই আমি (তাদের হদরে) মিথ্যা আশার সৃষ্টি করব, এবং অবশাই অবশাই আমি তাদেবকে নির্দেশ দিব কলে অবশাই অবশাই আবা গবাদিপত্র কাম চিরে দিবে, এবং অবশাই অবশাই আমি ভাসেরকে ਮਿਲਿੰਗ ਸਿਧ ਬਾਲਾ ਚਾਵੰਗਤੋਂ ਚਾਹਗਤੋਂ ਗਰ। ਚਾਜਾਂਤਵ ਸਭਿਵਰ ਵਿਰਾਸ ਕਰਾਰ। আর যে আপ্রাঞ্জে বাদ দিয়ে শয়তানকৈ অভিভাবক হিসেবে এহণ করে মে সম্পট্নিয়ারেই স্পতিবাদ সার।
- ১১০।সে তাদেবকে প্রতিক্রতি দেয় এবং ভাদেবকে হিথা আশা দেয় আর শ্যাসাম আফেরতে কোন প্রতিক্ষতি কো মা- প্রতালা সাচা-
- ১২১। তাদেনই আধ্যয়স্থল জাহান্লাম, এবং তা থেকে তারা পালানোর ভায়গা পাবে না
- ১৯২।আর যারা ঈমান এনেডে ও সং কাক করেছে আদেরতে দীয়েই আছি প্রবেশ করার জানাতসমূহে, যেগুলোর নিচে নহরসমূহ প্রবাহিত, সেখানে তারা চিরস্থায়ী হবে। (এটি) আধাহর সভা প্রতিশুভি, আর কথায আখাহর চেয়ে কে অধিক সভাবাদীঃ
- ১২৩।(আল্লাহর প্রতিশ্রুতি) তোমানের আকাক্ষা ও আহলি কিতাবের আকাক্ষা অনহায়ী নহ। যে মূপ কাজ করে তাকে এব প্রতিক্রল দেয়া হবে এবং সে আলাক্তবে বাদ দিতে সাব জন্ম কোনো অমিমানক পালে না একং কোনো शासामात्रात्रातील ज
- ১২৪।এবং পুরুষ অথবা নারীর মধ্যে যে মু'মিন হয়ে সং কাজ করে তারা জান্রাতে প্রবেশ করকে এবং তাদের প্রতি খেল্পর বিচিত্র আবরণ পরিমাণও জলম করা হবে না
- ১২৫।এবং দ্বীনের দিক দিয়ে তার চেয়ে উত্তম আর কে, যে সংকর্মপরাহণ হয়ে তার চেহারাকে (নিজেকে) আলাহর কাছে সমর্পণ করেছে এবং একতবাদী হয়ে ইববাহীয়ের মিলান (ধর্মার্ল) অনসংগ ব্যালাভ আর আল্লাহ ইবরাহীমকে বন্ধ হিসেবে গ্রহণ করেছেন।
- আল্লাহরই। এবং আল্লাহ সব কিছকে পরিবেটন করে আছেন।

- إِنَّ اللهَ لَا يَغْنُو ۚ إَنْ يُشْرَكَ بِهِ وَ يَغْنُو مَا دُوْنَ ذَٰ لِكَ لَمَنْ يَشَاءُ ۖ وَمَنْ يُشْهِ كَ بِاللهِ فَقَدْ ضَلَّ مَلْلًا بَعِيْدًا ﴿
- إِنْ يَدْعُونَ مِنْ دُوْنَهِ إِلَّا انْعًاءُوَ إِنْ يَدْعُونَ الَّا شَيْطُنَّامٌ يُدًّا ﴿
- لَّعَنَهُ اللهُ وَقَالَ لَا لَّهُ خَذَنَّ مِنْ عِبَادِكَ نَصِيبًا مِّفُ وُمًّا ﴿
- وَّ لِأَصْلَتْهُمْ وَ لَأُمَّنْيَنَّهُمْ وَ لَامُرَنَّهُمْ فَلَيْبَتَّكُنَّ إِذَانَ الْإِنْعَا ] وَ لَاهُۥ تَنْهُرْ فَلَيْغَيِّرُنَّ عَلْقَ اللهِ ، وَمَنْ يَتَّخِذِ الشَّيْطَى وَلِيًّا مِّنْ دُوْنِ اللهِ فَقَدْ خَسرَ خُسْرَ انَّا مَّبِينًا ﴿
  - يَعْدُهُرْ وَيُمَنَّيْهِرْ ، وَمَا يَعْدُهُرُ الشَّيْطَى الَّاعُرُ وْراً ⊕
- أُولِّتُكُ مَأُوٰلُهُمْ جَهَنَّهُ ، وَ لَايَجِدُوْنَ عَنْهَا مَحْيُمًا ۞
- وَالَّذِيْنَ أَمَّنُوْا وَعَمِلُوا الصَّلَحُت سَنُدُحَلُهُمْ جَنَّت تَجْدِي مِنْ تَحْتَهَا الْآثَهُرُ خُلديْنَ فَيْهَا ٓ أَبَدًا ۚ وَعْدَ اللَّهِ مَقًّا ۗ وَمْنَ أَصْدَقُ مِنَ اللهِ قَيْلًا ﴿
- لَيْسَ بِأَمَانِيِّكُرْ وَ لَآ إَمَانِيَّ آهُلِ الْكِتْبِ، مَنْ يَعْمَلُ سُوَّءً يُّجُ بِهِ وَ لَا يَجِدُ لَهُ مِنْ دُوْنِ اللهِ وَلَيًّا وَ لَا نَصِيرًا ۞
- وَمَنْ يَغْمَلُ مِنَ الصَّلَحُتِ مِنْ ذَكَرٍ أَوْ أَنْغِي وَهُوَ مُؤْمِنَّ فَأُولِنَاكَ يَدْخُلُونَ الْجَنَّةَ وَ لَا يُظْلَمُونَ نَقَيًّا @
- وَمَنْ آهْسَ دِيْنًا مِّمْنَ آسُلَرَ وَجْهَةٌ لللهِ وَهُوَ مُحُسِّ وَ اتَّبَعَ مِلْةً ابْ اهْيَرَ مَنْيُفًا، وَ اتَّخَذَ اللهُ ابْرُهْيُرَ خَلْيُلًا
- وَلَّهُمَا فِي السَّمُوتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ، وَكَانَ اللَّهُ بِكُلِّ شَرَّعًا ﴾ अआवर व्यवनम्प्रद वा किंदू बाहर ७ पृथिवांट वा किंदू बाहर व يُحيْظًا ۿ

১২৮। এবং কেন গ্রী যদি তার স্বামীর গ'ক থেকে ঘবজা অথবা উপেকাকে জা তার (বে তা বিষ্ণোদ্ধক বিক্ত বিছে মারে এবং তারা দুখন ভালক (দিয়েলের) মারে আপোদ-শিল্পি করতে ভালের কান্ত কান্ত মৌ থার আপোদ-শিল্পিরি উল্লম। কিছু (মানুবের) প্রস্তৃতিত উপস্থিত করা হয়েছে পার্পক্তর) থার বাই কান্তমা অনুপ্রক কর বাং গ্রোছার্মপ্রকার। বার্কিন কান্তমা অনুপ্রক কর বাং গ্রোছার্মপ্রকার। আরা বাই কান্তমা অনুপ্রক কর বাং গ্রোছার্মপ্রকার। বার বাই কান্তমা অনুপ্রক কর বাং গ্রোছার্মপ্রকার।

১২৯। আর তোমরা আমহী হলেও রীদের মধ্যে কথনো সমতা রক্ষা করতে সক্ষম হবে না, অতএর তোমরা (বেলা একজনের নিবে) সম্পর্টভাবে কুঁকে গড়ো না এবং তাবে (অসংরক্ষ মনতে) মূল্যান্তর মত ফেলে রেখা মা। জার যদি তোমরা (মিজানের সাংসাধিন কর ও ভাকতরা অকালদ কর, তারে নিকার আল্লাহ্ অতি কমানীদা ও গরম নরাসু।

১৩০।আর যদি তারা দু'জন পৃথক হয়ে যার তাহলে অন্ত্যান্ তাঁর প্রছুর্য ছারা (তাদের) প্রত্যেককে অভাবমুক করে দিনেন। এবং আল্লাহ্ আচুর্যবন্ধ ও মহাধ্যজাবান।

১০১।এবং আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে তা আগ্রাম্বেই আর তোমামের পূর্বে বাচেরতে কিতার মেয়া হারেছিল তাকেরত একং তোমানেরতে অকানেই নির্মান বিভাগি (ব. তেমরা মান্নাহতে তত্ত কর। আর যদি তোমরা সুক্ষরী কর, তবে বিশ্বস্থ আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে তা আন্নাহাই। এবং আরাহু অনুস্থাপেনী ও আঠি প্রশাস্থিয়।

১৩২।এবং আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে তা আল্লাহুর। এবং তত্ত্বাবধায়ক হিসেবে আল্লাহুই যথেষ্ট।

১০০।বে মানুষ: তিনি মদি ইঙ্খা করেন ভাবলে তোমাদেরকে সরিয়ে দিতে পাকেন ও অন্যদেরকে (তোমাদের আফগার) নিয়ে আসতে পারেন। এবং ভাষার ও বাপারে পর্ব সক্ষম। وَيَسْتَقَوُ لَقَافِي النِّسْآءِ فَكِي اللهِ يَلْفِيكُرْ فِيفِيْ وَمَا يَتَأْمُو عَلَيْكُرْ فِي النَّحِيقُ يَنْمَى النِّسَاءِ الْيَنْ الأَوْقُولْقِيَّا الْحَبِي لَهُنَّ لَرَّغُونُواْ الْمُتَخَفِّقُ وَالْمُسْتَفَقِيْنَ مِنَ الْوِلْدَانِ، وَإِنْ تَفْوُمُوا لِلْمُتَخْفِي لِالْفِيضِّةِ وَمَا تَفْعَلُوا مِنْ خُيْوٍ قَانَ اللهَ كَانَ بِمِ عَلِيْمًا فِي

وَإِنِ امْوَاقَ عَاقَتُ مِنْ يُعْلِيعًا نَعُوْرًا الْوَاعْرَاهُمَا قَلَهُمَا كَا عَلَيْهِما ۚ أَنْ يُطْلِعا بَيْنَهُمَا مُلْكًا ، وَالسَّلْمُ عُيْنَ وَٱمْفِرَتِ الْاَنْكُسُ الطُّمَّ ، وَإِنْ تَحْصِمُوا وَتَتَّكُوا فَإِنَّ اللَّهُ كَانَ بِمَا تَعْمَلُونَ غَيْمًا ۞

وَ لَـنَ نَصْتَطَيْعُواْ اَنْ تَعْدِ لُوا اِبْنَى َ النِّسَاَّءِ وَ لَوْ حَرْضُكُر لَكُوَمِنْلُواْ كُلُّ الْمَيْلِ فَقَدَّ رُوْهَا كَالْمُعَلَّقَتِهَ وَ إِنْ تُصْلِحُواْ وَ تَقُوّلُ فَإِنَّ اللهُ كَانَ غَفُورًا رِحِينًا ه

وَ إِنْ يَّتَفَرَّ قَا يُغْنِ اللهُ كُلَّامِّنْ سَعَتِهِ ۥ وَكَانَ اللهُ وَاسعًا

مَعِيْمًا ۞ وَرَهُمَا فِي السَّائِوتِ وَمَا فِي الْآرْضِ وَ لَتَدْوَقَيْمَا الَّذِيْنَ أَوْلُوا الْعِنْمَا فِي فَلِكُمْ وَإِيْاعُنْ أَيِّ الْغُوا السَّوَلِيْ تَعْبُرُوا فِي فِي مَا فِي السَّوْرِ وَالْمَاعِينَ اللَّهِ اللَّهِ وَكَالَ اللهُ تَعْبُرُوا فِيلُ فِي مَا فِي السَّوْرِ وَمَا فِي الْآدِفِ وَكَالَ اللهُ عَيْبًا مَعِيْدًا ۞

وَلِّهِ مَا فِي السُّمُوٰتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ وَكَفَٰى بِاللهِ وَكِيْلًا ۞

إِنْ يُعَا يُذَهِرُ مُرَّرُ أَيَّهَا إِنْنَاسُ وَيَاتِ بِلِحَوِيْنَ، وَحَانَ اللهُ ۗ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ ا غَى ذُلِكَ قَدِيْرُ ا

- عَدُونَ اللَّهُ عَلَيْهُ فَوْلَا اللَّهُ فَوَالًا اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ ا अप्राद्य अरह मुंना व जानिवादत पुरावर (१०४१) अरहह। बाव अप्राद्य अरहारों أَيْضِرُا فَيْ الْأَجْرَةُ وَكَانَ اللَّهُ سَوِيْنًا أَيْضِرًا فَيْ
- ১০৬। তাহ যারা সঁয়ান এলেছা: তোমরা আন্নায়, তার রাসুল, যে কিতার তিনি তার রাসুলের প্রতি অবস্টার্থ করেছেন তাতে এবং যে কিতার তিনি পূর্বে অবস্টার্থ করেছেনে তাতে সঁয়ান প্রান। এবং যে আন্নায়, তার যেরেশতাকুনা, তার কিতাবংশক্ষা, তার রাসুশোরকে এবং আবিয়াতের দিনে অবিস্থান করে সে অবশাই সুনুর গথনাই হয়েছে।
- ১০৭। শিক্ষ যারা ঈমান এনেছে এরপর কুফরী করেছে, এরপর ঈমান এনেছে এরপর কুফরী করেছে, এরপর কুফরীতে বেড়ে গিরেছে, আন্তাহ এমন মন যে, তিনি তাদেরকে ফমা করকেন এবং তাদেরকে সঠিকগথ প্রদর্শন করবেন
- ১৩৮। মুনাঞ্চিকদেরকে সুসংবাদ দাও যে, তাদের জন্য রয়েছে যঞ্গাদায়ক শান্তি-
- ১৩৯। -খারা হু'মিনদেরতে বাদ দিয়ে কাঞ্চিরদেরতে বন্ধু হিসেবে এহণ করে। তারা কি তালের (কাফিরদের) কাছে ইচ্ছত (সন্মান) চায়ঃ ভাহদে নিশ্চর সমস্ত ইচ্ছত আল্লাবুরই।
- ১৪০। মার ইতোমধ্যে কিতাবে তিনি ঘোমানের রাতি (এ মর্মে মির্চেন) কথেতীর্থ কারছেল বে, যথন টোমরা কানে- আরাহুর আয়ারকসূত্র অধিয়া করা ক্ষেপ্ত এবং তা নিক্রে ঠাই-তিবুল কারছে, তথন টোমার তাবেল সাথে কাবে না যতক্ষণ না তারা অন্য কথার লিও হবে, নিক্তয় তোমবা তবন তাবের মত (পান) ক্ষরে শিল্পয় অন্তার বুনাফিক ও কাটিব্যবের স্বাইকে জাইল্লাম্ কর্মক প্রবারণ-

- يَّا يُهَا الَّذِينَ اَمَثُوا كُونُوا قَوْمِينَ بِالْفَصَّا هُمَّدَا اَشِوْرَ تُونَّيَ } الْلُمُحُدُّ أَوَا لُوَا لِدَيْنِ وَالْأَوْلِينَ، اِنْ تُتَّحَنُّ مَنِيًّا أَوْقَهُمْ أَ غَلْشُهُ أَوْلَ بِهِمَا مُقَرَّتَبُّهُمُ الْمُوَّى اَنْ تَعْنِ ثُواءَ وَإِنْ تَلُوَّا أَوْ غَلْشُهُ أَوْلَ بِهِمَا مُقَرَّتَبُهُمُ الْمَوْنَ عَيْرَا هُوَّى اَنْ تَعْمِ لُواءَ وَإِنْ تَلُوَّا أَوْ الْمُ
  - مَا لَهُمَا الَّذِينَ أَمَثُواْ أَمِثُواْ إِنِهُ وَرَسُوْ لِهِ وَالْحِنِي الَّذِي تُوَّلُ عَلَى يَشُوْلِهِ وَالْحِنِي الَّذِينَ أَنْوَلُ مِنْ خَلَّى وَمَنْ لِمُخَلِّرُ بِيشُورِ مَلِيعِينَ وَمُلِيعِينَ الَّذِينَ أَنْوَرَا الْأَهِوِ قَدْمُ مَلَّ مَلَكُو عَنْدُمُ الْمِنْ مَثَلِّيةً عِنْدُونَ مُنْ اللّهِ وَالْمَرَا الْأَهِوِ قَدْمُ مَلَّ مَلَكُونَا عَنْدُمُ اللّهِ عَنْدُمُ مِنْ اللّهِ عَلَيْهِ مِنْ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ مَا لِللّهِ عَلَيْهِ اللّه
    - إِنْ الَّذِيْنَ امَنُوا ثَرَّ كَفَرُوا ثَرَّ امَنُوا ثَرَّ حَفَرُوا ثَرًّ الْدَادُوا كُفُرًا لَرْيَكِي اللَّهُ لِيَغْفِرَ لَمْرُ وَلَا لِيَهْدِيمَرُ سَبِيلًا ﴿
      - بَقِّرٍ ٱلْمُنْفِقِيْنَ بِأَنَّ لَهُرْ عَذَابًا أَلِيْمَا ۗ هُ
  - اِ لَّذِيْنَ يَتَّخْذُوْنَ الْكُفْرِيْنَ اَوْلِيَّاءَ مِنْ دُوْنِ الْمُؤْمِنِيْنَ ﴿ إِيَّنْكُوْنَ عَنْدُمُرُ الْعِيَّةَ فَأَنَّ الْعِزَّةَ لِلْهِ جَمِيْعًا ۞
  - وَقَدُ ثَوْلَ عَلَيْكُرْ فِي الْفَتِي أَنْ إِذَا سِفِتْرُ إِنِي السِّيطَةُ بِهَا رَبِّسَتُوزُ إِنِهَا لَقَرَقَتُونُ أَمِنْهِمْ حَتَّى يَضُوفُولْيْ حَدَيْتٍ غَيْرِةً الْشِرُ إِذَا مِثَلَقُرْ ، إِنَّ الشَّجَامِعُ الْمُنْقِيْنَ وَ الْكُورِيْنَ يُنْ جَمَّرَ جَمِعًا " فَيْ

- ১৪১ -হারা কোল্লাদের (পরিগতি দেখার) জন্ম প্রতীক্ষা ব্যার। আবংপর যদি আলাহর পক্ষ থেকে ডোমাদের কোন বিজয় হয় ভাহলে ভারা বলে 'আছবা কি নোমানের সাথে চিনাম নাঃ' আর যদি আজিবাদের लाग्र प्राप्तका रह अवरण जारा (क्रिकाफ्कान्द) राज 'चाउरा कि নোমানের উপর বিজ্ঞাী হতে পারতাম না এবং মাহিনাদের জ্যেক ভোমাদেরকে রক্ষা করিনি : সকরাং আল্লাহ কিয়ামতের দিন ভোমাদের তি মধ্যে বিচার করবেন। এবং আল্লাহ ম'মিনদের বিরুদ্ধে কাফিরদেব জনা কোলো পথ লাখেন না।
- ১৫১: নিশ্বা মনাজিকনা (মান করে যে ভারা) আলারতে ধোকা দেব অধা তিনি তাদেরতে ধোকা দেন" এবং ধরন তারা সালতে (নামাযে) দাঁলয় সপ্তম সাবা অসসতা করে দাঁলায়- ভারা মানয়কে দেখায় এবং জালাহকে তারা সামানাই সরণ করে-
- ১৪০। সোৱা এর ছারো মোহলছোন-এফের দিকে না এবং ওফের দিকেও না। এবং আলাচ মাতে পথভাই করেন তমি তার জন্য কথনো কোন পথ পাবে না।

- (নিজেদের) বিরুদ্ধে আল্লাহর জন্য সুস্পট প্রমাণ বানিরে নিতে চাওং
- ১৪৫।নিকর মনাফিকরা আগুনের (ভাহান্রামের) সর্বনিদ্ধ গুরে থাকবে এবং তাদের জন্য তুমি কখনো কোন সাহায্যকারী পাবে না-
- ১৪৬।তবে তারা নয় যারা তাওবা করেছে, (নিজেদেরকে) সংশোধন করেছে, আপ্তাহকে দচভাবে আৰতে ধরেছে এবং তারা তাদের ধীনকে আল্লাহর ছন্য একনিষ্ঠ করেছে ভারাই ম'মিনদের সাথে থাকরে এবং ম'মিনদেরকে আল্লাহ অচিরেই মহাপ্রতিদান দিবেন।
- ১৪৭।ভোমাদেরকে শান্তি দিয়ে আল্লাহ্ কি করবেন যদি ভোমরা কভজতা প্রকাশ কর ও ঈমান আনঃ আর আল্লাহ পরম প্রতিদানদাতা ও সর্বজ্ঞানী।

- الَّذِيْنَ يَتَرَبُّمُونَ بِكُرْ ءَفَانْ كَانَ لَكُرْ فَتُحُّ مِّنَ اللَّهُ قَا لُوْٓ ۚ ۚ إِلَٰهُ نَكُنُ مُعَكُمُ ۚ أَوْ إِنْ كَانَ لِلْكُفِينَ نَصِيّْ فَقَا لُوٓ ۗ ٱلَهُ نَسْتَهُو ذُ عَلَيْكُمُ وَنَهُنَعُكُمْ مِّنَ الْهُوُّمِنيْنَ ﴿ فَاللَّهُ يَكُمُ بَيْنَكُمْ يَوْ] الْقَيْمَة ، وَلَنْ يَجْعَلَ اللهُ للْكُورِيْنَ عَلَى الْمُؤْمِنِيْنَ
- انَّ الْمُنْفَقِينَ يُخْدِعُونَ اللَّهَ وَهُو خَادِعُهُمْ ءَوَ إِذَا قَامُوٓۤ الْ المُّلُوةَ قَامُوْ اكْسَالًى مِنْ أَمُونَ النَّاسَ وَ لَا يَذُكُ وْنَ اللَّهُ إِلَّا قَلْئُلًا ثُمُّ مُّذَبْذَبِيْنَ بَيْنَ ذَلِكَ \* لَآ إِلَى هَوُّ لَآءَ وَ لَآ إِلَى هَوُّ لَآءَ وَمَنْ

يُّفْلِلِ اللهُ فَلَنْ تَجِدَ لَهُ سَبِيْلًا ﴿

- ১৪৪। থহে যারা ঈমান এনেছ। ম'মিনদেরকে বাদ দিয়ে কাঞ্চিরদেরকে বছ يَّأَيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوْا لَاتَتَّخَذُوا الْكُفِرِيْنَ أَوْلَيَّأَءَمِنْ ঠিসাবে প্রচণ করো না। তোমরা কি (এ কান্ধ করার মাধ্যমে) তোমাদের دُوْنِ الْمُؤْمِنِينَ ، أَتُرِيْدُوْنَ أَنْ تَجْعَلُوْا لِللهِ عَلَيْكُرِ سُلْظُنَّا مُّبِيْنًا ﴿
  - إِنَّ الْمُنْفِقِيْنَ فِي الدَّرْكِ الْإَشْفَلِ مِنَ النَّا رَّوْلَيْتَجِدَ لَهُمْ نَصِيًّا ﴿ الَّا الَّذِيْنَ تَابُوْ أَوْ أَصْلَكُوا وَ اعْتَصَبُوا بِاللَّهِ وَ أَعْلَصُوا

دِيْنَهُمْ لِللهِ فَاولَائكَ مَعَ الْمُؤْمِنِيْنَ وَسَوْنَ يُؤْتِ اللهُ

الْمُؤْمِنِينَ أَجْرًا عَظَيْمًا ﴿ مَا يَفْعَلُ اللهُ بعَذَا بِكُرْ إِنْ شَكَرْ تُرْ وَ أَمَنْتُرْ وَكَانَ اللهُ شَاكِرًا عَلَيْمًا @

## পাবা-৬

১৪৮. মন্দ কথা প্ৰকাশ করা আলাহ ভালবাসেন না ভবে হাব প্ৰকি জলম করা হতেছে তার কথা ভিন্ন। আর আল্লাহ সর্বশ্রোতা ও সর্বজ্ঞানী।

১৪৯। তোহৰা যদি কোন ভালকাজ প্ৰকাশ কৰ ভঙ্গৰা আ গোপন কাছ क्रश्त (कारत) (साम प्रार्थमा तम जरूर विकास सामान सामांवासानी क सर्वक्रिकायः

১৫০।দিশ্বর যারা আল্লাহ ও তাঁর রাসনদেরকে অবিশ্বাস করে এবং আলাত ও তাঁর রাসলদের মধ্যে পার্থকা করতে চাচ এবং বলে 'আম্মনা (রাস্পদের) কিছু সংখ্যকের উপর ঈমান আনি আর কিছু সংখ্যকরে অবিশ্বাস করি, এবং এব মাঝে (ভিন) একটি পথ গ্রহণ করাত মায়-

১৫১। তারাই প্রকাত কাফির, এবং আমি কাফিরদের জনা প্রস্তুত করেছি व्यास्त्रातामान्यः भाविः।

১৫২৷ আর যারা আন্তাহ ও তার রাসুলদের প্রতি ঈমান এনেছে এবং তাদের 🕇 الله على الله الله و رَسُلهِ وَ لَم يُفَوِّقُوا بَدِينَ أَحَدُوا إِنْكُ مُنْ اللهِ وَرَسُلْمٍ وَ لَم يُفَوِّقُوا بَدِينَ أَحَدُوا إِنْكُ مُنْ اللهِ وَرَسُلْمٍ وَ لَم يُفَوِّقُوا بَدِينَ أَحَدُوا اللهِ وَاللهِ وَاللّهِ وَلّهِ وَاللّهِ وَاللّهِ وَاللّهِ وَالللّهِ وَاللّهِ وَاللّهِ وَالل তাদের প্রতিদান দিবেন। এবং আল্লাহ অতি ক্ষমাদীল ও পরম দ্যাল।

১৫৩।আহলে কিতাৰ ভোমাৰ কাছে চাৰ যে ভমি ভাগেৰ উপৰ আৰা≠ থেকে (লিখিড) একটি কিতাব অবতীর্ণ কর, আর অবশাই ভারা মসার কাছে এর চেয়েও বড কিছ চেয়েছিল এবং বলেছিল 'ভমি আমাদেনক প্রকাশাভাবে আহারকে দেখাওঁ তথন ব্যৱস্থানি আম্বরক পার্য্যান করেছিল তাদের জলমের করেণে, অধিকত্ত তাদের নিকট স্পষ্ট প্রমাণাদি আসার পরে ভারা বাছরকে (উপাসারূপে) প্রচণ করেছিল অভংগর আমি তা মার্জনা করেছিলাম এবং মসাকে সম্পন্ত প্রমাণ নিয়েছিলাম।

১৫৪।এবং তাদের অঙ্গীকার গ্রহণের জন্য তুর পর্বতকে আমি তাদের উপর উল্লেখন করেছিলাম, এবং তাদেরকে বলেছিলাম, 'এ দবজা দিয়ে সিল্পাবনত হয়ে প্রবেশ কর,' এবং তালেরকে বলেছিলাম, 'শনিবারের বিষয়ে সীমালজন করে৷ না', এবং তাদের নির্কট থেকে আমি সঙ অঙীতার গ্রহণ করেছিলায়।

১৫৫: অতঃপর তাদের জঙ্গীকার ভঙ্গের কারণে এবং আল্লাহর আয়াতসমহকে তাদের অবিশ্বাস করার কারণে এবং নবীদেরকে অন্যায়ভাবে হত্যা করার কারণে এবং 'আমাদের হৃদয় আঙ্গানিত' তাদের এ উঞ্জির কারণে (তারা অভিশপ্ত হয়েছিল)। উপরস্তু তাদের কফরীর কারণে আধাহ তাতে (তাদের হৃদত্তে) মোহর মেরে দিয়েছেন, সুতরাং তারা ঈমান আনে না-অল্ল সংখ্যক ছাভা।

لَا يُحِدُّ اللهُ الْجَهُرَ بِا لسُّوءَ مِنَ الْقَوْلِ الَّا مَنْ ظُلَّهَ ، وَكَانَ اللهُ سَيِيعًا عَلَيْمًا ه

انْ تُبْدُواْ غَيْرًا أَوْتُخْفُوْهُ أَوْتَعْفُواْ عَنْ سُوْءٍ فَانَّ اللَّهَ كَانَ عَفُوا قَدنيا @

انَّ الَّذِيْنَ يَكُفُّ وْنَ بِاللهِ وَ رُسُلهِ وَ يُبِيْدُوْنَ أَنْ يُفَرِّقُوْا بَيْنَ اللهِ وَ رُسُلهِ وَ يَقُوْ لُوْنَ نُؤْمِنُ بِبَعْضِ وَّ نَكْفُرُ بِبَعْضِ ۗ وَ يُرِيْدُوْنَ أَنْ يَّتَّخَذُوْا بَيْنَ ذَٰ لِكَ سَبِيْلًا ﴿

أُولِنَكُ مُرُ الْكُفَرُونَ مَقًّا ، وَ آعَتَدُنَا لِلْكُفَرِينَ عَذَابًا مُّهَيْنًا ﴿

أُولَٰ عُكَ سَوْنَ يُؤْتِيْهِرُ أُجُوْ رَهُرْ ۗ وَكَانَ اللَّهُ غَفُوْ رَا رَّحْيْمًا ﴿ لَيْ

يَشْئَلُكَ آهْلُ الْكتٰبِ أَنْ تُنَوِّلَ عَلَيْهِرْ كِتْبًا مِّنَ السَّمَّاء فَقَدْ سَاَ لُوْا مُوْشِّي أَكْبَرَ مِنْ ذُلِكَ فَقَا لُوَّا أَرِنَا اللَّهُ جَهْرَةً فَأَخَذَتُهُمُ الصَّعْقَةُ بِظُلْمِهِمْ ءَئُرٌ اتَّخَذُوا الْعَجَا عِنْ ابْعُد مَا جَآءَتُهُ الْبَيِّنْ فَعَفَوْنَا عَنْ ذَلِكَ وَ إِنَّيْنَا مُوْسَى سُلُطْنًا مّبيْنًا ۾

وَ رَفَعْنَا فَوْقَهُمُ } الطُّوْرَ بِمِيْثَاقِهِ وَقُلْنَا لَهُمُ ادْخُلُوا الْبَاكَ سُجَّدًا وَّقُلْنَا لَهُر لَا تَعْدُوا فِي السَّبْبِ وَ أَخَذُنَا مِنْهُرْ مِّيْمَاقًا

فَبِمَا نَقْفِهِ مِنْ مَنْفَاقَهُ وَكُفُوهِ وَالْمِدَ اللهِ وَقَتْلِهِ ٱلْأَنْبِيَآءَ بِغَيْ حَقَّ وَ قَوْ لَهِ ۚ قُلُو بُنَا غُلُفٌّ ، بَلَ طَبَعَ اللَّهُ عَلَيْهَا بِكُفْرِهِ ۗ فَلَا يُؤْمِنُونَ الَّا قَلَيْلًا ﴿

- ১৫৬। এবং (অভিশপ্ত হয়েছিল) ভাদের কফরীর কাবণে ও মারটয়ামের প্রক্রি क्रमान्त्र व्यवसाय दिवस देखिल सामार्थ-
- ১৫৭।এবং ভেডিশপ্ত সংখ্যিল। ভালের এ উক্তির কারণে- 'আমরা মার্টসামের পত ভিয়া সামীকলে মানা কলেছিল যে আলাহর লামলা আগচ ভারা ভারে হুছো ব্যবনি জুপরিস্কুও কারনি কিন্ত আকে (ভার পরিবর্তে অনাকে) ভালের জন্য সাদশাপর্ণ করে দেয়া হয়েছিল। আর নিক্তম ধারা এ বিষয়ে মতপার্থকা করেছিল, তারা অবশাই তার ব্যাপারে সম্পেতের মাধা ভিল। তার ব্যাপারে অন্যানের অনুসরণ ছাড়া তাদের কোন জ্ঞানট ছিল না. .ca: মিল্ডিড ' যে ভাষা ভাকে ছত্যা করেনি-
- ১৫৮।বরং আল্লাহ্ তাকে তাঁর কাছে তুলে নিয়েছেন এবং আল্লাহ মহাগ্রতাপশালী ও মহাপ্রকারান
- ১৫৯।এবং আহলে বিভাবের (ইছুদীদের) মধ্যে প্রভাবেই<sup>\*</sup> তার (নিজের) য়ভার পর্বে অবশাই ভার (ঈসার) উপর ঈয়ান আন্তের এবং কিয়ায়তের ਜਿਹ ਨਾ ਯਾਸਤ ਰਿਕਾਫ ਸਾਵਾ ਸਿੱਤ। ১৯০।এবং যাবা ইডনী হয়েছে তাদের ভালমের কারণে আমি ভালের উপর
- হারাম করেছিলাম এমন পবিত্র বস্তুওলোঁ বা ভাদের জনা (পর্বে) হালাল ছিল এবং আনকাত আধারে পথ থেকে বিরত বাখার কারণে-১৬১।এবং তাদের সদ গ্রহণের কারণে, অথচ তা (গ্রহণ করতে) তাদেরকে নিষেধ করা হয়েছিল এবং মানছের ধন-সম্পন বাতিল পদ্মার গ্রাস করার
- কারণে। এবং ভাদের মধ্য থেকে কাফিবদের জন্য আমি যন্ত্রণাদায়ক শান্তি প্রস্তুত করেছি। ১৬১ বিজ ভাগের (ইচনীদের) মধ্যে জ্ঞানে গভীরতা সম্পন বাজিবা এবং
- (তাদের) মু'মিনরা যারা ঈমান আনে তোমার প্রতি বা অবতীর্ণ করা হয়েছে ভাতে ও ভোমার পর্বে যা অবতীর্ণ করা হয়েছিল ভাতে, এবং সালাত (নামায) কায়েমকারীরা, যাকাত প্রদানকারীরা এবং আল্লাহ
- ১৯৫। নিশ্বর আহি ভোমার প্রতি ধরী করেচি যেতাবে আমি ধরী করেছিলাম নত্ব ও তার পরবর্তী নবীদের প্রতি এবং আমি ওহী করেছিলাম ইবরাহীম. ইসমায়ল উসহাত ইয়াকব ও (ভার) সন্তান-সম্রতি, ঈসা, আইউব, ইউনস, হারুন ও সলাইমানের প্রতি, এবং দাউদকে দিয়েছিলাম 'যাবুর',

وَّقَوْ لهِ إِنَّا قَتَلْنَا الْمَسْيَةِ عَيْسَى ابْنَ مَ آيَرَ رَسُوْلَ اللهُ وَ مَا قَتَلُوهُ وَمَا مَلَبُوهُ وَ لَكِنْ شُبِّهَ لَهُمْ ، وَ إِنَّ الَّذِينَ إِكْتَلَغُواْ فيْد لَفي هَكَ مِّنْدُ مَا لَهُرْ بِهِ مِنْ عَلْمِ الَّا إِتَّبَاعَ الظَّنَّ وَمَا هُ النَّهُ x مُلْتَةً

ا سُورَةُ النَّسَاءِ

- بَلْ رَّفَعَهُ اللهُ | لَيْه ، وَكَانَ اللهُ عَزِيزٌ | حَكَيْمًا ۞
- وَ انْ مِّنْ أَهْلِ الْكِتٰبِ إِلَّا لَيُؤْمِنَنَّ بِهِ قَبْلَ مَوْتِهِ ۚ وَيَوْمَ الْقِيلَةِ يَكُوْنُ عَلَيْهِرْ شَهِيْدًا ﴿
- فَبظُلْر مِّنَ الَّذِيْنَ هَادُواْ حَرَّمْنَا عَلَيْهِرْ طَيِّبْتِ أُحلَّتْ لَهُرْ وَ بِمَدَّهِمْ عَنْ سَبِيلِ اللهِ كَثِيًّا ﴿
- وَّ أَخْذَهِرُ ۚ الرَّبُوا وَقَدْ نُهُوا عَنْهُ وَ أَكْلِهِيرُ أَمْوَالَ النَّاسِ بِالْبَاطِلِ وَ إَغْتَدُنَا لِلْكُغْوِيْنَ مِنْهُرْ عَذَابًا ٱلدُّمَّا ۞
- لَكِي الرُّسِحُونَ فِي الْعَلْيرِ مِنْهُرْ وَ الْمُؤْمِنُونَ يُؤْمِنُونَ بِهَآ أَثْرِلَ إِلَيْكَ وَمَآ أَلْزِلَ مِنْ قَبْلِكَ وَ الْمُقَيْمِيْنَ الصَّلُوةَ وَ पिक्तिपेत हैं हो وَ الْمُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَ الْمَوْمُ الْمَوْ الْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَالْمَوْمُ اللَّهِ وَ الْمَوْمُ الْمَاءِ الْمَوْمُونَ اللَّهِ وَ الْمَوْمُ وَالْمَوْمُ اللَّهِ وَ الْمَوْمُ الْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَالْمُومُ وَالْمُؤْمِنُونَ اللَّهِ وَ الْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَاللَّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ اللَّهِ وَالْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَاللَّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ اللَّهِ وَالْمَوْمُ وَاللَّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ اللَّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ اللَّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ اللَّهِ وَالْمَوْمُ وَاللَّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ اللَّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ اللَّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ اللَّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ اللَّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ اللَّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ اللَّهِ وَاللَّهِ وَاللّ سَنُوْ تَيْمِرُ أَجْرًا عَظَيْمًا ﴿
  - إِنَّا أَوْهَيْنَا آلَيْكَ كَهَا آوْهَيْنَا إِلَى نُوْحِوًّ النَّبِيِّنَ مِنْ بَعْدِهِ، وَ أَوْمَيْنَا آلِي الْإِهْيْرَ وَ السَّمْعِيلَ وَاسْطَى وَيَعْقُونَ وَالْاَسْبَاط وَعَيْسِي وَ أَيُّوْ بَ وَ يُوْنُسَ وَهُ وْنَ وَسُلَيْمِنَ ءَوَ أَتَيْنَا دَاوْدَ á[14]

১৯৫।এমর রামল (মরাই) সমাবাদদারা ও সতর্বকারী যাতে বামলাদর (धार्शप्रासंद) श्रेत खालावन निकाफ प्रांताशन (कांच्र शक्ति-स्थात जा साल्कः আর আলার মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রভারান।

১৬৪।এবং অনেক রাসল যাদের ঘটনা আমি ভোমার কাছে উত্তংপর্বে বর্জন

মসার সাথে আল্লাহ সরাসরি কথা বলেছেন।

৪. সরা আন-নিসা

১৬৬৷ তবে আন্তাহ সাক্ষা দিক্ষেন যে, তিনি তোমার প্রতি বা অবতীর্ণ করেছেন তা তিনি জাব জ্ঞানের ভিন্তিত অবস্থীর্ণ ব্যবস্থান এক ক্ষোক্রশনারাও (এ ব্যাপাৰে) সাক্ষী দেয়। আৰু সাক্ষী হিসেৰে আলাচই যথেষ্ট।

১৯৭।নিশ্বর হারা কফরী কবেছে ও আলাহর পথ হাত বিক্রম বেখেছে তার সদর পথত্রট হরেছে:

১৬৮।নিশুর যারা কুফরী করেছে ও জুলুম করেছে, আল্লাহ তাদেরকে ক্ষমা कराव सम अवः जारमवरक शश शमर्शन करावश सम-

১৬৯। স্বাহানামের পথ ছাতা, সেধানে তারা চিরন্ধারী হবে। এবং এটা আলাহব জন্য সহজ ।

১৭০। যে মানব। রাসল ভোমাদের কাছে ভোমাদের প্রতিপালকের কাছ থেকে সতা নিয়ে এসেকে সতবাং ভোমবা উমান আন কোমানের জনা কল্যাণকর হবে। আর যদি তোমরা কফরী কর ভাহলে (জেনে রাখ) নিশ্বর আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে বা কিছু আছে তা আল্লাহরই। এবং আলাত সর্বজানী ও মতাপ্রজাতান।

১৭১। হে আহপে কিতাব। তোমাদের দ্বীনের ব্যাপারে বাচারাত্রি করে। না এক: আল্লাহ সম্পর্কে সত্য ছাড়া (অন্য কিছু) বলো না। মারইয়াম-পত্র ঈসা মাসীহ কেবল আলাহর রাসল এবং তাঁর কালিমার (বাণী) যা তিনি মার্ট্যামের প্রতি অর্পণ কারাখন এক ভার পক্ষ খোলে একটি কর। সতবাং ভোমরা আন্তাহ ও ভাঁর রাসলদের প্রতি ঈমান আন এবং বলো मा (प. (ইগাহ) 'ভিনজন।' (এটা বলা থেকে) ভোহতা ভিকম থাক-ভোমাদের জন্য কল্যাণকর হবে। আল্লাহ কেবল এক ইলাহ। ভাঁর ক্লোন সম্ভান হওয়া থেকে তিনি পবিত্র। আকাশসমত ও পথিবীতে যা কিছ আচে তা ভাঁবই। আৰু ভবাৰধায়ক চিমেৰে আলাচট যাৰ্থই।

رُسُلًا مُّبَهِّرِينَ وَمُثَدَ رِيْنَ لِئَلَّايَكُوْنَ لِلنَّاسِ عَلَى اللَّهِ مُجَّةً " بَعْدَ الرُّسُل، وَكَانَ اللهُ عَزِيزٌ ا حَدِيْمًا ﴿

لْدِ.. اللهُ يَهْهَدُ بِهَا آَنُ لَ إِلَيْكَ آَنُ لَهُ بِعَلْمِهِ وَ الْمَلْتُحَةُ يَشْهَدُونَ ، وَكَفْي بِاللهِ شَهِيْدًا ﴿

انَّ الَّذِيْنَ كَفَّ وَا وَ مَدَّوا عَنْ سَبِيْلِ اللهِ قَدْ مَلُّوا مَلْلًا ً عَيْدًا ه انَّ الَّذِيْنَ كَفُوْوا وَظَلَمُوا لَهِ يَكُنِ اللَّهُ لِيَغْفَ لَهُمْ وَ لَالْبَهْدِيمُ مُ طَاثِقًا فَي

الْأَطَ ثِنْ مَهَنَّمَ غُلديْنَ فِيْهَا ٓ أَبَدًّا ، وَكَانَ ذَلكَ عَلَى الله

يَا يُّهَا النَّاسُ قَدْ جَاءَكُمُ الرَّسُولُ بِالْحَقِّ مِنْ رَّبِّكُمْ فَأَمنُواْ غَيْرًا لَّكُورْ وَ إِنْ تَكُفُّواْ فَانَّ لللهِ مَا فِي السَّمُوتِ وَ الْأَرْضِ ، وَ كَانَ اللهُ عَلَيْمًا حَكَيْمًا ۞

يَا هُلَ الْكِتْبِ لِاتَّغْلُوا فِي دِيْنِكُمْ وَ لَاتَّقُو لُوا عَلَى اللهِ الَّا الْتَقَّ، انَّمَا الْمَسْيُ عَيْسَى ابْنُ مَرْيَرَ رَسُولُ اللهِ وَكَلَّمَتُهُ ٱلْقَعْهَ [ إلى مَوْيَرَ وَرُوحٌ مِّنْهُ وَأُمنُواْ بِاللهِ وَرُسُلِّهِ وَرُسُلِّهِ وَرُسُلِّهِ وَرُ لَا تَقُوْ لُوا ثَلْقَةً ، اثْتَهُوا خَيْرًا لَّكُو ، اثَّمَا اللهُ اللهُ اللهِ وَاحدٌ . سُبْعَنَهُ أَنْ يُكُونَ لَهُ وَلَدُّ م لَهُ مَا فِي السَّبُوتِ وَمَا فِي ا

الْإِرْضِ وَكَفْيِ بِاللهِ وَكَيْلًا ﴿

১৭১।মাসীর (উসা) আলারর বান্দা হওয়াকে কথনো লক্ষাজনক মনে করে ল এক ফেটাপের ফেকেশ্যার লা: আব হে তাঁর উবানতকে লক্ষায়নক মান কৰে এবং অভংকাৰ কৰে শীঘই ভিনি ভালেৰ সকলকে जीव कारक स्वयंत्रक क्यारवातः

لَنْ يَسْتَنْكُفَ الْمَسْيِرُ أَنْ يُتُونَ عَبْدًا إِنَّهِ وَ لَا الْمَلَّكُدُّ الْمُقَرِّبُونَ ، وَمَنْ يُسْتَنْكِفْ عَنْ عِبَادَتِهِ وَيَسْتَكْبِرْ فَسَيَحُشُهُمُ اللَّهُ مَهِنَّا هِ

٢-سورة النساء

১০১।এক হারা উল্লাম এলনার ও সংবাল কারের তালেরকৈ তিনি তালের अधिकांक अनुसारित विराणक अस्त सारकारक सीच व्यक्तांक स्थापक वासिर्य দিকে। তার হারা লক্ষাক্রমক হাম করেছে ও অঞ্চার করেছে ভাসেরকে विक्री अभगावायम भाषि विक्रम अस्य जाता जातावाच तान निरंद कारन ক্ষম কোন অভিভাৱক পাৰে না এবং কোনো সাহায্যকারীও লা।

فَأَمَّا الَّذِيْنَ أَمَنُوْا وَعَمِلُوا الصَّلَحْتِ فَيُوَقِّيْهِ ۚ أُجُوْرَهُمْ وَيَهِ يُدُهُمْ مَّنْ فَفُلهِ وَ أَمَّا الَّذِينَ اشْتَنْكَفُواْ وَ اشْتَكْبُواْ فَيُعَذِّ بُهُرْ عَذَابًا } لَيْمًاهُ وَ لَا يَجِدُونَ لَهُرْ مِّنْ دُوْنِ اللهِ وَليًّا و لانصيا ١

১৭৪।তে মানহা অবশাই ডোমানের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে ডোমানের কারে অকাটা দলিল-প্রমাণ এসেছে এবং আমি তোমাদের প্রতি সম্পন্ত আলো (কবআন) অবতীর্ণ করেছি।

لَأَيُّهَا النَّاسُ قَدْجَاءَكُرْ بُوْهَانَّ مِّنْ رِّبُّكُرْ وَٱنْزَلْنَا الَّيْكُمْ نُوْراً مُّبِيْنًا ﴿

১০০ লের মারা আলাবর প্রতি উন্নান এনাছ ও জাঁকে নচলাবে আকান ধারাই सामताक भीपडे किनि जांव शक (बाद्य महा व वनशहत मान शहर করাবেন থাবং তাদেরকে তাঁব নিকে সরল-সঠিত পাথ পদিমজিক waraz.

فَأَمًّا الَّذِيْنَ أَمَنُواْ بِاللَّهِ وَ اعْتَصَمُواْ بِهِ فَسَيُّدْ حَلُّهُمْ فَيْ رَحْمَة مِّنْهُ وَ فَفْلِ وَ يَهْدِيْهِمْ الَّذِهِ مِ اطًّا مُّسْتَقَيْمًا ﴿

১৭৬।তারা তোমার কাছে ফতওয়া চায়। বল, 'আল্লাহ তোমাদেরকে কাণালাহ (পিতা-মাতা ও সন্তান স্ত্রীবিত নেই এমন ব্যক্তি) সম্পর্কে ফতওয়া নিছেন- যদি কোন পক্তম মাৰা যায় যাৱ কোন সন্তান নেই এবং তার এক বোন থাকে ভাতলে সে পাবে ভার অর্থেক যা সে (মত ব্যক্তি) রেখে পেছে এবং সে (ভাই) তার (মৃত বোমের) উত্তরাধিকারী হবে যদি তার (মত বোনের) কোন সন্তান না থাকে। আর যদি তারা (বোনেরা) দু'জন হয় তাহলে তাদের জনা তার তিন তাগের দুই তাগ যা সে (মত তাই) বোখ পোছ। আৰু যদি ভাই-বোন (উত্তয়ই) থাকে তবে পক্ষছের অংশ করতেন যাতে ভোমরা পথতাই না হও এবং আল্লাহ স্বকিছ সম্পর্কে আলুক্তের জ্যানন।

يَسْتَفْتُوْنَكَ ، قُل اللهُ يُقْتِيكُ ﴿ فِي الْكَلْلَةِ ، إِن الْمُرُوَّا ا هَلَكَ لَيْسَ لَهُ وَلَدٌ وَّ لَهُ أُكُنَّ فَلَهَا نَصْفُ مَا تَهَ كَوَوَ هُوَ يَرِثُهَآ إِنْ لَّرْ يَكُنْ لَّهَا وَلَدَّ فَإِنْ كَانَعَا الْتُنَتَيْنِ فَلَهُمَا ۚ الثُّلُفُنِ مِمًّا تَوَكَ ، وَ إِنْ كَانُوًّا إِخْوَةً رِّجَا لًا وَّنِسَاًّ ۗ (तरप राष्ट्र। ब्यात याम कार-रवान (बडवर) बारक डरन शुक्रफात करन मुदेखन नतीत करमत रामा बाहाद रामामत बना व्यक्तिक देनी हैं। 'ब्रिकेट के किया के किया के किया के किया के किया किया وَ اللهُ بِكُلِّ شَيْ ۚ عَلَيْـ ۗ ﴿

## ৫ সরা আল-মাহিদা মাদানী

সোপা≃নাজনা, নালা ১১০ আলোক ১৬ জলে

অসীম দ্যাময় ও প্রম দ্য়াল আল্লাহর নামে

- ১। ওহে থানা ঈমান এলেছ। তোমেরা চুক্তিসমূহ পূর্ণ করা, তোমামের জন্য চকুম্পদ গরাদি পত হালাল করা হল তোমামের নিকট মা পাঠ করা হয় ভা ছাড়া, ইর্মাম অবস্থায় (পত) দিবার হালাল (মনে) না করে। নিক্ত অব্যাহ তাই আদেশ করেব লা বিলো চানে।
- ৩ (তামানের জন্ম ইয়াম বার হন চুব গত, কট, 'কতরত বোগত, যা ব্যবহারীকার আনু হার ক্ষাবার কারণ বার হারের কর মানারোমে যুক্ত গত, ক্ষাবার মূল গত, ইপার নোকে গারু কুব গত, দির কারা আহের যুক্ত গত, ক্ষাবার মূল গত, ইপার নোকে গারু কুব গত, দির কারা আহের হুল ক্ষাবার মূল যা কেনিতে লাই করা হারের ক্ষাবার ক্ষাবার কারা ক্ষাবার মানার ক্ষাবার কারা ক্ষাবার বার ক্ষাবার কারা ক্ষাবার ক্ষাবার কারা ক্ষাবার কারা ক্ষাবার ক্ষাবার কারা হুল বিশ্ব কারা ক্ষাবার কারা ক্ষাবার ক্ষাবার ক্ষাবার হুল বিশ্ব কারা হারাকার হোৱার ক্ষাবার হুল বে পারবার কারা বুলি কারা হারাকার হোৱার ক্ষাবার হুলে পেশ্বর ক্ষাবার বার বুলি কারা হারাকার হোৱার ক্ষাবার হুলে প্রশাব্য হারাকার হোৱার ক্ষাবার হুলে প্রশাব্য হারাকার হোৱার ক্ষাবার কারা হারাকার হোৱার ক্ষাবার বার কারা হারাকার হোৱার ক্ষাবার কারা হারাকার হোৱার ক্ষাবার কারা হারাকার হোৱার ক্ষাবার হারাকার হোৱার ক্ষাবার বার কারা হারাকার হোৱার ক্ষাবার কারা হারাকার হোৱার ক্ষাবার কারা হারাকার হারাকার বার কারা হারাকার ক্ষাবার কারা হারাকার বার কারা হারাকার ক্ষাবার বার হারাকার ক্ষাবার বার হারাকার বার কারা হারাকার বার কারা হারাকার বার কারাকার বার হারাকার বার বার কারাকার বার হারাকার বার বার হারাকার বার বার হারাকার বার বার হারাকার বার হারাকার বার হারাকার বার বার হারাকার হারাকার বার হারাকার বার হারাকার হারাকার হারাকান বারাকার হারাকার হারাকান বারাকান হারাকান বারাকান বারাকান হারাক
- a তাৰা কোবাকে জিঞ্জালা কংগ, ডাগোৰ জন্ম বঁটা হালাণা কৰা হৈছে। বাং, তেনালোক কৰা হালাণা কৰা বাং পৰিত বাৰুদ্ধৰ হন্দ কৰি কিবলৈ কৰে। বাংলাক বাংলাক

١- سُورُةُ الْمَالِّنَّةِ مَلَنِيَّةً اَيَاتِهَا ١٠٠، كُومَاتُهَا ١٠ يِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمُونِ الرَّحِيْمِ

يَّايَّهَا الَّذِينَ اَمَنُواْ اَوْقُواْ بِالْمُقُوْدِهُ أَحِلْتُ لَكُنْ بَعِيْمَةً الْاَنْفَاعِ الْأَصَائِكُمْكُمْ عَلَيْكُمْ هَيْرَ مُحِلِّى الْصَّدِوْ اَلْتُمْرُ مُكُرِّهُ، الْ اللهَ يَشْعُرُمُ مَا يُرِيدُهُ ق

يَّالَيُّنَا الَّذِينَ امْتُوا الْأَصِلُوا الْمَقَائِرِ اللَّهِ وَالْالْفَوْرَ الْمَوْرَا اَلَّوْرَ الْمَوْرَا الْالْهُدْنَ وَلَا الْفَوْلَدُولَا أَلَّا أَشِينَا الْمَيْنَا الْجُرَا اَبْتَكُونَ فَقَلَّا فِنْ وَيَقِيدُونَ وَيُوا الْنَاءِ وَالْمَالِمُونَ الْمُعَلِّدُونَ الْمُعْلَقُونَ وَلَا لِمُسْتَمِّكُمْ الْمُعْ مَنْ فَعَلَى فَقَرَانَ مَشْرُكُمْ لِيَّا الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلَقِينَا الْمُعْلِقِينَا الْمُعْلِقِينَا فَيَا الْعُدُولُونَ وَلَقُوا اللَّهِ وَالْتُولِينَ وَلَا لَعْمَالِكُمْ الْمُعْلَقِينَا فَالْالْمُونِينَا فَالْمُعْل

حرس عَلَيْسُر الْمَنْعَدُو اللهُ وَ تَصْرِ الْمَنْوِيْنُ وَمَا أَمِلُ لَغَيْرِ اللهِ بِهِ الْمُنْصَّنِّةُ وَالْمُؤْوِنُو الْمُنْوِيْنُو الطَّيْفَةَ وَمَا أَخَلَ الشَّعِ الْأَمْا تَقْيَدُ مِنْ وَمَا دَبِسَ فَيَ المُسْوِدُ إِنْ تَشْطَيْرُا بِالْأَرْثِ الْمُنْفِيِّرُ فِي اللهِ مِنْ اللهِ مَنْ الْمُنْ اللهِ مِنْ لِينَكُر وَ الْمَنْفَعِيْدُ وَالْمُنْوِيِّةُ اللهِ اللهِل

يَسْتَلَوْنَكَ مَا ذَا إِجِلَّ لَهُرْ وَقُلُ أَجِلُ لَكُمْرَ الطَّبِسُهُ، وَمَا عَلَّمُمُّرُ فِنَ الْهُوَ إِنِّ مُحَكِّبِينَ تَعَلَّمُونَ فَمَ فَمَا عَلَّمُكُمُ اللهُ ا فَكُلُوا مِنا أَمَسُونَ عَلَيْكُمْ وَ اذْكُرُوا السَّرِ اللهِ عَلَيْهِ وَ اتَّقُوا اللهُ وَأَنْ اللهُ مَوْمَعُ الْسَاسِ وَ ০। আন্ত ভোমাদের জন্য পবিত্র বক্ষসমত হালাল করা হল এবং যাদেরকে কিতাব সেয়া হয়েছে তাদের খাদা<sup>\*</sup> তোমাদের জন্য হালাল ও ডোমাদের থাদা তাদের জন্য হালাল । এবং ম'মিন সছরিত্রা নারী ও তোমাদের পর্বে शामराक किराव (भग अस्याव जानव सक्तवित सबी (जाजानव क्रम) হালাল)- যথন ভোমরা ভাসেরকে ভাসের প্রাণা (মোহবানা) প্রদান কন্যে সক্ষরিসকান থোকে- ব্যক্তিচারী হয়ে বা গোপন প্রেমিকা গ্রহণকারী कई रिशन इरव .०४१ (अ वाधिवारम ऋत्विधारामन वासर्वक इरव

৯। প্রতে যারা ইয়ান এনেত। যখন তোমবা সালতে (নামারে) লীভালোর টাঙ্গা কর সভার সোহতা সোহায়ত গোচারা ও চাস করেই পর্যাত্ত ভৌস কর, ভোমাদের মাথা মাদেহ কর এবং ভোমাদের পা পিরা পর্যন্ত (থৌত কর। তার যদি সোমরা অপরির থাক সাহাস পরিবাসা আর্থন কর। এবং যদি তোমরা অসপ্ত হও অথবা সফরে থাক অথবা ভোমাদের কেউ শৌচাগাৰ থেকে আসে অথবা ভোহৰা শ্ৰীদেয়াত স্পৰ্ণ কৰ (সহবাস কৰ) অতঃপর পানি না পাও তাহলে পবিত্র মাটি অনসভান কর (ভারাত্মম কর। অতঃপর আ দিয়ে লোয়াদের ডেচারা ও চাত হাসের কর। আলার তোমাদের উপর কোন অসবিধা আবোপ করতে চান মা বরং তিনি ভোমাদেরকে পবিত্র করতে চান এবং ভোমাদের উপর ভার নেয়ামত পূর্ণ করতে চান, যাতে ভোমরা কভজতা প্রকাশ করতে পার।

मा अंक रहाद्वरप्रम रिश्व व्यासाव स्थापक अंक रह व्यक्तिकार विसी তোম্যাদেরকৈ আবদ্ধ করেছিলেন তা খরণ কর, যখন তোমরা বলছিলে, 'প্রবর্গ করনাম ও মান্য করলাম।' এবং কোমবা আভারকে ভয় কর। বক্ষসমহে যা আছে সে সম্পর্কে নিশ্চয় আল্লাহ ভালভাবে জানেন:

৮। প্রার্থ বারা উন্নান এনেড! তোমবা জাবারব উদ্দেশ্যে নাম সাক্ষালানে অভিনয় থাকা একা কোন সম্পান্যতের প্রতি বিভেন্ন তেন গোছালেকাক কথনো নাায় বিচার না করতে প্ররোচিত না করে। ভোমরা নাাহবিচার কর এটি ভার-যোর নিকটকর এবং আলারাক ভয় কর। নিশ্বর আলার তোমরা যা কর সে সম্পর্কে পর্ণ অবগত।

১। यावा विभाग अलाह क मध्याक करताड कारून क्रमा खालाड ख्या क মহাপতিয়ানের প্রতিশ্বতি ফ্রিয়ানন।

১০। আর যারা কফরী করেন্ডে ও আমার আয়াতসমহকে মিল্লা এভিডিড রাবার্ড ভারাই জীব আক্রমর অভিবাসী।

১১। থকে যারা ঈমান এনেছ। ভোমাদের উপর আন্তাহর নেয়ামত স্বরণ কর যথম এক সম্পদায় ভোমানের নিকে হাত বাদাকে মুন্ত কবেছিল তথম তিনি তোমাদের থেকে তাদের হাত নিবত্ত করেছিলেন, এবং তোমরা আধাহকে তম কব। আৰু আবাছৰ উপৰ্বষ্ট ম'মিননা যেন ভবসা কৰে।

ٱلْيَوْ } أُحلُّ لَكُمُ الطَّيِّبُ، وَطَعَامُ الَّذِيْنَ أَوْتُوا الْحَتْبَ حلُّ لَّكُهُ ۗ - وَطَعَامُكُهُ حِلُّ لَّهُهُ ۚ • وَ الْبُحْصَاتُ مِنَ الْبُؤْمِنٰتِ وَ الْمُهْمَانُ مِنَ الَّذِيْنَ أَوْتُوا الْكَتْبَ مِنْ قَبْلَكُمْ ۚ إِذَآ ور المرام أَخْدَ إِن ، وَمَنْ يَّكُفُ بِا لَا يُمَانِ فَقَدُ حَبِعاً عَمَلُهُ ، وَهُو فِي الْإِخْرَة مِنَ الْخُسِينَ أَنْ

يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَّنُوًّا إِذَا قُمْتُرْ إِلَى الصَّلُوةَ فَاغْسَلُواْ وُجُوْهَكُرْ وَ آيْديَكُرْ الِّي الْمَرَافِقِ وَ امْسَكُوْا بِرُّءُوْسِكُرْ وَ ٱرْجَلَكُمْرْ إِلَى الْكَعْبَيْنِ، وَ إِنْ كُنْتُرْ جُنْبًا فَاطَّهِّ وَإِنْ كُنْتُرْ مِّنْفَى أَوْتَى سَفَهِ أَوْجَاءَ لَحَدٌ مِّنْكُرْ مِّنَ الْغَاتِمَا أَوْ لَمَسْتُرُ النِّسَاءَ فَلَيْ تَجِدُواْ مَاءً فَتَيَمُّهُوا مَعْيُدًا طَيِّبًا فَامْسَدُوا بِ جُوْهِكُمْ ۗ وَ أَيْدِيْكُمْ مِّنْهُ مَا يُ يْدُ إِللهُ لِيَجْعَلَ عَلَيْكُمْ مِّنْ مَرْ مَرْ عَوَّ لَكَيْ يُّرِيْدُ لِيُطَهِّرِكُمْ وَلِيُتِرَّ نِعْمَتَهُ عَلَيْكُمْ لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ ۞ وَ اذْكُوْ أَا نَعْمَةَ الله عَلَيْكُمْ وَمِيْمَاقَهُ الَّذِيْ وَاثْقَكُمْ بِهَ اذْ

قُلْتُرْ سَمِعْنَا وَ أَطَعْنَا وَ أَتَّقُوا اللهَ وَأَنَّا اللَّهَ عَلَيْرٌ ۚ إِبْذَاتِ المُّدُوْرِ ۞ يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ إِمَنُوا كُونُوا قَوْمِيْنَ للهُ شُهَدَّاءَ بِالْقَسْطَاءُ وَ

لَا يَجْ مَنَّكُرْ شَنَانُ قَوْ ٓ عَنَّى ٓ الَّا تَعْدَ لُوْا - اعْدَ لُوْا صُوَ ۖ أَقْدِبُ للتُّقُوى ، وَ اتَّقُوا اللهُ ، إِنَّ اللهُ خَبِيٌّ لِمَا تَعْمَلُونَ ۞ وَعَدَ اللهُ الَّذِيْنَ أَمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحِي ِ لَهُرْ مَّغْفِرَةٌ وَّ أَجْرُّ

وَ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا وَكَذَّبُوا بِالْمِنامَ أُولَٰتُكَ آصُحُ الْجَعِيرِ @

يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوا اذْكُرُواْ نَعْمَىَ اللهِ عَلَيْكُو ۗ اذْهَرَّ قَوْمٌ أَنْ يَّبْسُطُوٓ ۚ [لَيْكُرُ ۚ أَيْدِيَهُ ۗ فَكَتَّ أَيْدِيَهُ ۚ عَنْكُمْ ءَوَ اتَّقُوا اللَّهَ ۖ ۖ إِنَّ وَ عَلَى اللهِ فَلْيَتُو كَّلِ الْمُؤْمِنُونَ ﴿

- ১২) বাব অৰণাই আল্লাহ কট ইনলানপথ অধীনাৰ এহৰ কৰেছিলে এবং জানন খা থোকে আহি আেলাহ ধৰা আন কো পাইলোলিয়া পিছক কৰেছিলায় একং আল্লাহ কাৰ্যালয় নিজ্ঞ কৰেছিল। প্ৰকাশ কৰেছিলাই সাম আছি এদি কোনো সাগাল নোমাণ্ড তথ্যেক কৰা, কাৰ্যালয় কাৰ্যালয় কৰি কাৰ্যালয় কৰা আদক্ষক সংবাদীল কয়, আমান বালুকাৰ এটি কিমা কথা তালাকক, সংবাদীলীত কয় একং প্ৰান্তহিক কৰি পাছ-কৰ্মাৰ কাৰ্যালয় কৰাই আহি অৰণাই কোনোকৰে কৰি পাছ-কৰ্মাৰ আল্লাহন কৰা, কৰা আল্লাহন অৰণাই বোলাককে প্ৰকেশ কৰাৰ আল্লাহনসূহে, খেকলান নীচা-প্ৰবিশ্ব আৰ্থনিক প্ৰকাশ কৰাৰ আল্লাহনসূহে, খেকলান নীচা-কাৰ্যালয় কৰাকৈ প্ৰকাশ কৰাৰ আল্লাহনসূহে, খেকলান নীচা-কাৰ্যালয় আহিছে সুজ্ঞাং এপাৰত কোনোকে মধ্যে হে কুমনী কৰাৰ লৈ অৰণাই কালা পথ হাবাবে।"
- 20। সুকান আদার অধীনত অধনত নামের আমি আনোবার লাগক করেই।

  ক বাফা অনুনামুক এটান করা ভিন্তির, তালা শশুনামুক্ত

  করে বিকৃত করে এবং ভাষেনাকে বে বিকরে উপানাশ নোয়া হরেছিল তার

  একটি অবল হারা কুলা তেবে ভারা কুলি ভারালা নামানা সংঘাইত আরু

  ভারাকে (লাকা সুখা বান কৰিব হিমান কৰে লাকা, বান করে আরু

  মারালা বান এবং (প্রভাবে গোল-ফুটি) উপোশ্ব করা নিশ্বর আরুরাকে

  মারালা বান এবং (প্রভাবে গোল-ফুটি) উপোশ্ব করা নিশ্বর আরুরাক

  সক্ষর্যাপ্রচালন্তেক ভাগবাসেনা।
- ১৪। এবং যারা বলে, নিশ্বর আমরা নাসারা, আমি তাদেরও অপীকার গ্রহণ কর্মেইলাম, বিস্তু তাদেরকে যে বিষয়ে উপাদেশ দেয়া হার্মেইল তার একটি অংশ তারাও ভূলে পেছে, সুক্তার মি তালের মাঝে বিষয়মতের দিন পর্যন্ত পার্কিক সঞ্চার করেছি। আর তারা যা করত আল্লাহ্ তালেরকে তা অচিরেই জালিরে নিধেন।
- ১৫। হে আহলে কিভাব! আমার রাগুল ভোমাদের নিকট এসেছে, ভোমরা কিভাবের যা গোপান করতে সে তার অনেক বিদ্বু ভোমাদের নিকট প্রকাশ করে এবং আনেক ভিত্ন উৎপদ্মা করে। অবশাই ভোমাদের কাছে এসেছে আন্তাহক গক্ত থেকে এক আলো ৫ সুশাই কিভাব-
- ১৬। যার মারা আল্লাহ্ শান্তির পথ প্রদর্শন করেন তালেরকে যারা তাঁর সন্তুষ্টির অনুপামী হয় এবং তাঁর ইচ্ছায় তালেরকে অন্ধকার থেকে আলোর দিকে বের করেন এবং তালেরকে সরল-সঠিক পথে পরিচালিত করেন,
- ১৭) কলাই তারা ইক্ষরী করেছে খারা বলা, শিক্তা আছার্ই মারইজাহের পুত্র মার্লীর। বল, আলার্যর বিপাকে কিছু করার ক্ষমতা নার আছে, মনি মারইলারেল পুত্র মার্লীর, তার নারণা, এবং পুনিবীতে কারা আছে আন্দেহ সাবাহিতে বিচনি ঋণে করতে চালা আন আলান্যমূহ ও পুনিবী এবং উভারের মানে পাছিল আছে আলা আছে আলার্যনি দিয়া ইক্ষা করেল সারি করেল। এবং আলাহ্য সাবকিছুর উপর সর্বশতিকান।

رَكُفُّ أَهَدُ الشَّمِيقَاقَ بَنِي الرَّوْلِيَّةِ وَبَعْثَمَا مِنْمُرُ الثَّنُّ وَرَكُفُّ مَنْمُرُ الثَّمْ وَ مَنْ وَقِيْدًا لِأَوْجُوْلُ الشَّرِي وَمَا لَكُمْ لَيْنِ الشَّلُوقِ وَالْفُومُ وَالْفُرْسُ وَالْفُلُومُ وَالْفُرْسُ وَالْفُرُومُ وَالْفُرْسُ وَالْفُرُومُ وَالْفُرْسُ وَالْفُرْسُومُ وَالْفُرْسُ وَالْفُرْسُومُ وَالْفُرْسُ وَالْفُرْسُومُ وَالْمُومُ وَالْمُومُ وَالْفُرْسُومُ وَالْمُومُ وَالْمُومُ وَالْمُومُ وَالْمُومُ وَالْمُوالِمُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُومُ وَالْمُسُومُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْفُرُومُ وَالْمُومُ وَالْمُومُ وَالْمُومُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُومُ وَالْمُومُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمِلُومُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُونُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُوالِمُونُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُونُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُونُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُوالِمُونُ وَالْمُوالِمُوالِمُونُ وَالْمُولُونُ وَالْمُونُ وَالْمُوالِمُونُ وَالْمُوالْمُونُ وَال

فيما تغفيور ويفاقكر تعثقر وتعلنا فلوتكر فيهدة يُعَيِّرُونَ الْكُلِرِ مِنْ وَالْمِدِورَ لَسُلْ عَظَّا لِمِنْ الْحَدُولُ الْمِدَوَ الْآوَالُ تَطْلَعَ عَلَى مَا الدَّمِنْ إِلَّا قَلِيلًا مِنْفُرَ فَاعَلَى عَنْفُروَ الْمُقَرِّ اللَّهِ لَلْمُ يَجِبُّ النَّحْدِينِينَ فَيْ

وَمِنَ الَّذِيْنَ قَا لُوَّا إِلَّا لَصْ لَى اَمَدُنَا مِيْنَا قَهُرْ فَنَسُوا مَظَّا مَمَّا ذُكِّرُوا بِمِ عَاغُونِنَا بَيْنَهُرُ الْعَنَاوَةَ وَالْبَغْفَاءَ إِلَى يُوْمِ الْفِيفِّةِ وَسُونَ يَنْبَعْهُرُ اللَّهُ بِمَا كَانُوا يَضْغُونَ ۞

يَّاهُلَ الْكَتْبِ قَدْ جَاءَكُرْ رَسُولْ لَنَا لِيُبَيِّنُ لَكُرْ كَمَيْرًا مِّمَّا كُنْتُر تُخُفُونَ مِنَ الْكِنْبِ وَيَعْفُواْ عَنْ كَثَيْرِ فَقَدْ جَاءَكُرْ مِّنَ إِللهِ فُورْ وَكَتْبُ مَّنِيْنَ ﴿

لَّهُدُونَ بِهِ اللَّهُ مَي اَتَّبَعَ رِهُوَ انْهَ سُبُلَ السَّلِي وَيُحْوِمُهُونِي الظُّلْمُ إِلَى النَّوْرِ بِاذْنِهِ وَيَهْدِهُونَ إِلَى مِرَاعِاً مُسْتَقِيْدِ ۞

لَقَدَ كَثَرَ الْإِنِينَ قَالُوْ إِنِّ اللَّهُ وَ الْسِجِّمِ الْمُولِمِدَ فَلَ فَضَنَّ يَبْلِكُمِن اللَّهُ مَنْكًا إِنِّ آرادَ أَنْ لَهُلِكُ السَّمِ إِنْ مُرْضَى وَأَمْدُ وَمَنْ اللَّهُ مَنْكًا الْمُورِي وَالْارْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا ، يَهْلَقُ مَا يَمْأَدَ، وَ اللَّهُ كَلَّ مَنْهُ كُلِّ مَنْهُ قَدَرَ (الرَّضِ وَمَا بَيْنَهُمَا ، يَهْلَقُ مَا يَمْأَدَ، وَ اللَّهُ كَلِّ مَنْهُ عَلَيْ مَنْهُ قَدَرَ اللَّ

- ১৮। এবং ইভনী ও নাসারারা বলে, 'আমরা আলাহর পরে ও তাঁর প্রিয়পার।' বল ভাবে কেন ভিন্নি কোয়ানের অপরাধ্যয়েকের জারণে ভোয়াভেরক শামি নিবেনং বরং ভোমবা ভালেরট অন্তর্ভক মানধ যাদেরকে তিনি সষ্টি काराज्या विक्ति सान्त हैका कारान कथा जारान अवः बाराज हैका कारान শান্তি দেন। এবং আকাশসমত ও পথিবী এবং উভয়ের মাঝে যা কিছ আছে ভাব বাহনে আলাহবট এবং গলবাম্বল ভাবট দিবে।
- ১৯। হে আহলে কিতাব! রাসলদের (আগমনের) বিরতির পর তোমাদের নিকট এসেছে আমার রাস্ত্র, যে তোমাদের জন্য ভোঁর বাণীসমত) \*भेडेलाद वर्षना कराड चाटल कामता वलक मा भाग 'व्यामातम ক্ষাছে কোন সসংবাদদালা ও সভর্বকারী আসেনিঃ' ককঃপর অবশাই ভোয়াদের আছে একজন সসংবাদদাতা ও সতর্ককারী এসেছে। আর আলাস সৰক্ষিত্ৰ উপৰ সৰ্বশক্ষিমান
- ১০। जान प्रश्नेत प्राप्ता काल प्राप्ताकारक जरहातिल "१४ जापाठ अरुपात । एकाप्रारक्त উপর আলাহর নেয়ায়ত শ্বরণ কর যখন তিনি ডোয়ানের মধ্য থেকে का वर्ती अधिकाधिकात के राजायात्रकात शासाधिकाँक कार्याधिकात अव তিনি ভোয়াদেকক তা দিয়েছিলেন যা তিনি অপৎসমকের (মানকচাতির) कारित्य (मनसि
  - ১১। তে আমাৰ সম্পদায়! আলাচ তোমাদেব জন্ম যে পতিত্ৰ ভঞ্চি<sup>®</sup> নিৰ্ধাৰণ करवाच्या कारक काञ्चल भारतम् कव अवन काञ्चल काञ्चलक विचान (কফনীতে) ফিবে যেয়ে। না তাহলে তোমরা ক্ষতিপ্রস্ক হয়ে পদ্ধব।
- ২২। তারা বলদ, 'হে মসা: নিশ্চয় সেখানে রয়েছে এক শক্তিধর সম্প্রদার<sup>\*</sup> এবং নিক্ত আম্বা সেখানে কখনো প্রবেশ করব না যতক্ষণ না তারা সেধান থোক কে চাহ যায় আৰু যদি দাবা সেখান খোক বেব চায় যায়, তবে নিক্তম আমর। প্রবেশ করব।
- ১৩। যাবা (আলাহকে) ভয় কৰে ভানের মাধ্য দ'বলে যাদের উপর আলাহ নেয়ামত দান করেছিলেন - বলল, 'তোমরা তাদের কাছে দরকা দিয়ে প্রবেশ কর এবং যথন ভোমরা সেখানে প্রবেশ করবে তথন নিশ্চয় ভোমরা বিজয়ী হবে এবং তোমরা আল্লাহর উপরুষ্ট ভরসা কর- যদি তোমরা ম'মিন TO!
- ১৪। ভারা বলল 'তে মসা। নিশ্চয় আম্রবা জখানাই সেখানে প্রবেশ করব না যতকণ তারা সেখানে থাকবে, সতরাং আপনি ও আপনার প্রতিপালক यान अवः म'कान एक करून निरुध स्नाप्तवा अधारमञ्जे वाम धाकवः'
- ২৫। সে (মদা) বলদ, 'হে আমার প্রতিপালক। নিভয় আমি আমার নিজ ও আমার ভাই চাতে আর কারো উপর ক্ষমতা বাখি না, সতবাং আপনি व्यापात्मत प्राप्त । शाशासांकी अल्लामाता प्राप्त अल्लाईत्सम तात जिसः
- বেভাবে। সভরাং তমি পাপাচারী সম্পদায়ের জন্য দর্গথ করে। না।

- وَ قَالَتِ الْيَهُوْدُ وَ النَّصٰ ي نَحْنُ أَبْنَوُ ا اللَّهِ وَاَحَبَّا وُهُ قُلْ فَلرَ يُعَذِّبُكُو بِذُنُوبِكُو ، بَلْ أَنْتُو بَكُو ، بَلْ أَنْتُو بَهَ " مَّتَّنْ غَلَقَ ، يَغْفِ لَمَنْ يُشَاءُ وَيُعَدِّبُ مَنْ يُشَاءُ، وَللهُ مُلْكُ السَّمَونِ وَ الْإَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا وَ اللَّهِ الْمَصِيُّ ۞
- يَّأَهْلَ الْحِتْبِ قَدْ جَأَءَكُرْ رَسُوْ لُنَا يُبَيِّنُ لَكُرْ عَلَى فَتْرَةَ مْنَ الرُّسُلِ إَنْ تَقُوْ لُوْا مَا جَاءَنَا مِنْ بَشِيْرٍ وَّ لَانَدِيْرٍ و فَقَدْ جَاءَكُيرُ إِ بَشَيْرٌ وَ نَدَيْرٌ ، وَ اللَّهُ عَلَى كُلَّ شَيْ قَدِيْرٌ ﴿
- وَ ادْ قَالَ مُوْسَى لِقَوْمِهِ يغَوْمَ ادْكُرُوْا نِعْمَةَ اللهِ عَلَيْكُورُ إِذْ جَعَلَ فَيُكُرُ أَنْبُيّاءً وَجَعَلَكُرْ مُّلُوكًا "وَّ الْكُرْ مَّا لَهُ يُؤْت أَحَدًا مِنَ الْعَلَمِينَ @
- يُقَوْرًا الْكُلُوا الْآرْضَ الْمُقَدَّسَةَ الَّتِي كَتَبَ اللهُ لَكُمْ وَ لَا تَرْتَدُّوا عَلَى آدْبَا رِكُر فَتَنْقَلِبُوا خَسرينَ ﴿
- قَا لُوْا يِمُوْسِّي إِنَّ فِيْهَا قَوْمًا جَبًّا رِيْنَ ۗ وَ إِنَّا لَنْ تَّدْخُلُهَا حَتّى يَخْرُجُوْ إ مِنْهَا ، فَانْ يَّخْرُجُوْ ا مِنْهَا فَاتًا دُعْلُوْنَ ⊛
- قَالَ رَجُلُ مِنَ الَّذِيْنَ يَكَافُوْنَ آتُعَرَ اللَّهُ عَلَيْهِمَا اثْخُلُواْ عَلَيْهِمُ الْبَابَ عَاذَا دَخَلْتُمُوهُ فَانَّكُرْ غَلَبُونَ هُ وَعَلَى اللهِ فَتَوَكُّلُوا إِنْ كُنْتُمْ مُؤْمِنْيَنَ @
- قَا لُوْا يُمُوْشَى إِنَّا لَنُ تُنْكُلُهَا ٓ إَبَدًّا مَّا دَامُوْا فَيْهَا فَاذْهَبْ أَنْتَ وَ رَبُّكَ فَقَاتِلآ إِنَّا هَٰهُنَا تَعَدُوْنَ ﴿
- قَالَ رَبِّ اتِّنْ لِّآمُلكُ إِلَّا نَفْسَ وَ آخِنْ فَافْدُقْ بَيْنَنَا وَ بَيْنَ الْقَوْمُ الْفُسقيْنَ @
- २७। किमै (आजार) जगराम, 'जाराम मिन्छ का ठीडम वस्त्र वर्षक जाराम हैं: बना शहाम (मिरिक्स) क्या २०, जार्था पृथिवाट केम्बाउ वस्त्र भूज) فَلَاتَأْسَ عَلَى الْقَوْمُ الْفُسِقِيْنَ ﴿

- ه سُوزَة النَّالِيَةِ وَاثَلُ عَلَيْهِرُ فَيَا ابْنَى اَدَاَ بِالْعَتِي مِ اِدْقَرَّ بَا قُرْبَاتًا فَتَغُيِّلً | مُنْ اَحَدْهِماً وَلَرْبِيَعَتِّلُ مِنَ الْأَخِرِ قَالَ لاَقْتَلَتُكُ قَالَ النَّمَا | | مُنْ اَحَدْهِماً وَلَرْبِيَعَتِّلُ مِنَ الْأَخِرِ قَالَ لاَقْتَلَتُكُ قَالَ النَّمَا |
- ২৭। আর তুমি তাদের নিবট আনমের দুই পুরের সংধর্শ সভাসহ পাঠ কর হবন তারা দু'জন কুববানী পেশ করল তবন তাদের দু'জনের একজন থেকে করুদ (এবে) করা হল এবং অন্যজন থেকে করুদ করা হল না সে বাংল, অবশাই আমি তোমাত হন্ত্যা করব। লৈ (অন্যজন) পলল, মান্ত্রাহ কেনল মতাবীদের থেকে করুল কলেন
- ২৮। যদি আমাকে হত্যা করার জনা তুমি ভোমার হাত আমার দিকে প্রসাহিত কর তবে তোমাকে হত্যা করার জন্য অমি আমার হাত তোমার দিকে প্রসায়িত করব না, নিশ্চয় আমি অগৎসমূহের প্রতিপালত আল্লাহকে ভয়
- ২৯ নিকর আমি চাই যে, তুমি আমার গাপ ও তোমার গাপ বহন কর অতঃপর আগুনের অধিবাসীদের অন্তর্ভুক্ত হও, এবং এটা জালিমনের প্রতিষ্ঠান।
- ৩০। কিছু তার প্রবৃত্তি তাকে তার ভাইকে হত্যা করতে প্রয়োচিত করণ এবং সে তাকে হত্যা করণ, ফলে সে ক্ষতিপ্রস্তুদের অন্তর্ভক হল
- ৩১। অত্যপর আয়ায় একটি কাক পাঠালোন ঘনীনে অনুসভান করতে (খনন করতে), তাকে দেখানের জন্য কিতাবে সে তার তাইরের মৃতদেহ গোপন করবে, সে বক্ষন, "য়ায়: আমি কি এ কাকের মত হতেও অর্থ ক্যাম যে, আমি আমার তাইরের মৃতদেহ গোপন করতে পারি! অতঃপর সে অনতর্যাকে অয়র্ভত ফান
- কঠা এ কথাৰেই, আমি কৰি ইংলাউগতৰ উপৰ নিৰ্বিক্তৰ (কৰা) কথানিকৰা হৈছে এই কাৰ্যনিক সামান বুলি কথা বুলি বিজ্ঞান স্থানিক বুলি কৰাইছা কোন অনুষ্ঠান কৰাইছা কোন অনুষ্ঠান কৰাইছা কোন অনুষ্ঠান কৰাইছা কোন অনুষ্ঠান কৰাইছা কোন আন কোন আন কোনাইছা কোনাইছিল কোনাইছি
- ৩০) খারা আয়ার ও তাঁর রাস্পার বিজ্ঞান্তে মুক্ত করে এবং পৃথিবীতে জ্যাসাদ সৃষ্টি করতে প্রয়েটা সালা তালের বিভিন্নত বেলে এই যে, আলম্বতে হয়। করা হবে বা ভালেত্ততে কুলিক করা হবে কথাৰ বিশ্বীত দিক থেকে তালের হাত ও পা কেটে ফেলা হবে কথার ভালেত্তকে (আবাস) মৃষ্টি থেকে বিভাল্পিত করা হবে। এটা মূলিকতে ভালেত অলা অপামান, অহা আম্বিভাল্তে ভালেত করা সাল্যে হফান্তিং
- ৩৪। তোমরা ভাদের উপর সক্ষম হওয়ার পূর্বেই যারা ভওবা করবে ভারা ছাড়া, এবং এও জেনে রাখ বে, আল্লাহ্ অভি ক্ষমাশীল ও পরম সলালু
- ৩৫। এহে যারা ঈমান এনেছ! তোমরা আন্নাহকে ভয় কর এবং তাঁর দিকে (নৈকটা দাতের) উপায় জদাশ কর এবং তাঁর পথে ক্রিহান কর, যাতে তোমরা সফল হতে পার।

- يَتَقَبَّلُ اللهُ مِنَ الْمُقَقِيْنَ ﴿
  لَكُنْ اَبْسُطُ ۚ إِلَّ مِنَاكَ لِمَقْتُلِكُمْ أَلَا بِبَاسِطٍ يَّدِيَ إِلَيْكَ
  لَكُنْ اِبْسُطُ ۚ إِلَّيْ مِنَاكَ لِمَقْتُلُكُمْ أَلَا بِبَاسِطٍ يَّدِيَ إِلَيْكَ
  لَا الْأَثَالُونَ اللَّهِ لَهُ اللهِ مِنْ اللهُ مِنْ اللهِ مِنْ اللهُ مِنْ اللهُ مِنْ اللهِ مِنْ اللهُ مِنْ اللهِ مِنْ اللهُ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهُ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِيْنِ اللهِ مِنْ اللهِي مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِيْمِ اللّهِ مُنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مُنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مُنْ اللّهِ مُنْ اللّهِ مُنْ اللّهِ مُنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مُنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مُنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مِنْ
- مِنْ بِسَمِينَ إِنْ يَكُونَ لِنَسْطِينَ اللهِ يَوْنِي إِلَيْكَ لِاقْتُلَكَ، إِنِّي َ أَخَانُ اللهِ رَبِّ الْعَلَمِيْنَ ﴿
- إِنِّنَّ ٱرِيْدُ ٱنْ تَبَرَّ ٱبِاثْفِيْ وَإِثْمِكَ فَتَكُوْنَ مِنْ ٱمْحْبِ النَّارِ ع وَذَٰ لِكَ مَرَّوًا الظَّلِمِيْنَ ۞
- فَعَوْ عَنْ لَدُ لَشُهُ قَتْلَ أَهِمْ فَقَتْلَةً فَأَسْرَ مِنْ الْخُدُولْنَ ۞

  فَيَعْنَ اللهُ غُرَابًا لِيْنَحْنَ فِي الْأَرْضِ لِيُّونِهُ كَمِّفُ يُوارِعُ
  سُوءًا أُخِيْهِ، قَالَ لِمُولِلَتِّي اعْجَوْتُ أَنْ أَخُونُ مِثْلُ خَذَا
  الْفُورَابِ قَالَ إِنْ اللّهِ اللّهِ الْفَيْدِينَ ﴾
  الْفُورَابِ قَالُورِينَ هُوءًا أَخِيْءًا فَأَسْرَعَ مِنَ النّبِعِينَ ﴾
- من آخل ذلك أكتبنا على بين أرس النال الله من قتل تقلل الله المنطقة الم
  - لَمُسُولُونَ ﴿ إِنَّمَا جَزَّوْا الْدِيْنِ يُصَارِبُونَ اللّهَ وَرَسُولَتُ وَيَسْعُونَ فِي الْأَرْضِ مَسَاداً أَنْ يُقْتَلُوا الْإِنْسِ مَسَاداً أَنْ يُقْتَلُوا الْوَيْمِيرُ وَ الْأَرْضِ مَسَاداً أَنْ يُقْتَلُوا الْوَيْمِيرُ وَ الْمَالِمُولَ الْأَرْضِ وَلِلَّهُ لَعُمْ الْمِدْمِيرُ وَ الْمَالِمُولَ الْأَرْضِ وَلِلَّا لَمُعْرِجُونَ فِي الْمُعْمِدُ وَاللَّهِ عَمْلًا فَيْ
- النائية رحوي المرود عالم سرعون إلّا الّذِيْنِ تَابُوا مِنْ قَبْلِ أَنْ تَقْدِ رَوْا عَلَيْهِمْ عَفَا عَلَيْوْا أَنَّ إِلَّا اللّهُ عَفُوْ رَحْمَهُ ﴾

- ১৮ নিচয় হারা কুমনী করেছে থালের যনি পৃথিবীতে হা আছে তা কাই এবং তার সংগে তার সমদারিমাণ আরও থাকে - তার বিনিমারে (জর্থাং মুগ্রিজপ দিয়ে) নিয়ামতের দিনের পাত্তি থেকে মুক্তি পাতারর জন্ম -তথুও ভালের কাছ থেকে তা কর্মণ করা হবে না, এবং ওালেও জনা রয়েছে যামাণালয়ক শান্তি।
- ৩৭ তারা আগুন থেকে বের হতে চাইবে, অথচ তারা দেখান থেকে বের হতে পারবে না। এবং তাদের জন্য রয়েছে স্থায়ী শান্তি।
- ৩৮। আর পুরুষ চোর ও নারী চোর, তোমরা উভরের হাত কেটে দাও, তারা হা অর্জন করেছে তার প্রতিফল স্বরূপ - আরাহ্র পক্ষ থেকে দৃষ্টান্তমুদক পান্তি হিসেবে<sup>®</sup>। এবং অরাহ মহাপ্রতাপদালী ও মহাগ্রজাবান।
- ও৯ অভঃপর যে তওবা করে তার জুলুমের পর ও (মিজেকে) সংশোধন করে, তবে নিশ্চা আল্লাহ্ তার তওবা করুল করকেন। নিশ্চা আল্লাহ্ রতি কমাশীল ও পরম নরাল।
- ৪০। তুমি কি জান না যে, আকাশসমূহ ও পৃথিবীর রাজতু আল্লাহরইং তিনি মাকে ইক্সা করোন শান্তি দেন এবং যাকে ইক্ষা করেন ক্ষমা করেন। এবং আয়ায় সক্ষিত্র উপত্ত সর্বশতিমান।
- ৯) বে পাশুনা খাৰা কুম্বনিত প্ৰাক্ত আৰিক হয় আন (আনাৰ আনাৰ) লো হোমান কুমিয়াৰো বা বাব, নাৰা হুল বাংশ, 'আমাৰ ক্ষিমা একমি আৰু ভাবেৰ কাছ ইমান আনে, এবং আৰু ইন্দ্ৰী হাবেছ, বাৰা একি আহাৰ আনা প্ৰক্ৰানী, বাবা আনা আনা কুমাৰকাৰী আনা লোককাৰ (আমি এনেতৰ পৰিক্ৰানা) খাৰ কোমাৰ কামাৰ কুমাৰকাৰী আনা লোককাৰ (আমি এনেতৰ পৰিক্ৰানা) খাৰ কোমাৰ কামান আনি আনা লোককাৰ কুমাৰকাৰ কুমাৰকাৰ কামান কৰিবলৈ কিছিল) নোহা হুল ভাবেৰ খাৰ মহান কথা আহা কিছিল না না বাবে হাবা আনা আনা আনা কৰিব আহাৰ প্ৰাক্ত কৰিবলৈ কিন্তান (পৰিক্ৰান্ত) লোককাৰ আনা আনা আহাৰ প্ৰক্ৰো কিন্তান (পৰিক্ৰান্ত) লোককাৰ আনা আনা আমা লোক কৰিবলৈ আনা কৰিবলৈ কামান কৰিবলৈ আনা কৰিবল আমা লোক কৰাৰে আহাৰ কৰিবলৈ প্ৰকাৰ কৰিবলৈ আনা কৰিবল আমা লোক কৰাৰে আহাৰ কৰিবলৈ প্ৰবিক্তান কৰাৰে মুক্তিয়া
- ৪২। তাৰা অতি মায়য় বিখ্যা ব্ৰহণকাকী, তাৰা অতি মায়য় আঁহক ভদ্পকাকী। বুকারা দৌ তারা হোমার নিকট আসে তারাসে তাকক আবা বিচাক-কাম্যালা কর অথবা আনারকে উপোপা তারা এবং কিছ দুমি আনারকে উপোপা কর, তাবে তারা ক্ষাধান্য করা কিছে প্রকা কারতে পারারে মায়য় আই বিচাক কার্যালা করা, তারাকা কার্যালা নিচাক-কার্যালা কর নারের সামে। নিকার আরাহ্য নারাবিচারকারীলাকার সাম্যালাক
- ৪৩। আর কিভাবে তারা তোমার নিকট বিচারের তার অর্পণ করবে, আরফ তানের নিকট প্রয়েছে ভাতরতি যাতে বয়েছে থারাফুর বিধান, অতঃপর এরপরে ভারা মথ ফিরিয়ে নেয় হ আর ভারা মুম্মিনত নয়।

- إِنَّ الَّذِينَ تَقَوُّرُا لَوْ أَنَّ لَهُر مَّا فِي الْآرْفِي مَمِيْعًا وَمِثْلَمَ مَعْ لِيفَتَدُواْ بِهِ مِنْ عَدَابِ يَوْمِ القِيمَةِ مَا تُقَيِّلَ مِثْهُرَ ء وَلَهُرْ عَدَابًا لِيُرْدَ
- يُوِيْدُوْنَ أَنْ يَخْرُجُوْا مِنَ | لنَّا رِوَمَا هُرْ بِخْرِجِيْنَ مِنْهَا : وَ لَهُرْ عَذَابٌ مُّقِيْرٌ ۞
- وَ السَّارِقُ وَ السَّارِقَةُ فَاقْطَعُوٓۤ الْمُدِيِّمُمَا جَزَّاءٌ بِمَا كَسَمًا نَكَالُاشَ اللهِ وَ اللهُ عَزِيْ حَكِيْرٌ ۞
- فَمَنْ تَابَ مِنْ بَعْنِ ظُلْمِهِ وَ آَصْلَمَ فَانَّ اللهَ يَتُوْبُ عَلَيْهِ إِنَّ اللهَ غَغُوْرُ رُّحِيْرٍ ﴿
- أَلَوْرَتَعْلَى أَنَّ اللهُ لَمَّمُلُكُ إِلسَّمْوٰتِ وَ الْآَرْضِ، يُعَقِّبُ مَنْ يُشَّاءَ وَ يَنْفِرُ لِمَنْ يُشَاَّءُ وَ اللهُ غَلْ كُلِّ شَيَّ قَوِيْرٍ ۞
- يائها الرشول لايكورُنك الدِين يَسَارِعُونِ الطَّوْمِ الْأَلْمِينَ الطَّوْمِ الْأَلْمِينَ الطَّوْمِ الْمُونِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ المَثَالِ اللهِ اللهُ ا
  - سَعُوْنَ لِلْعَدِبِ أَعْلُونَ لِلشَّهِي، وَانْ جَآوُلُو فَاحَكُمْ لَ بَعِنْمِرْ أَوْأَعُونُ عَنْمِ وَإِنْ لَعُونَ عَنْمِرْ فَلَى الْمُوْفِقِينَا مِنْ فَلَوْنَ عَنْمِرْ فَلَى الْمُؤ يَعْمَدُ اوَأَنْ مَكْمِنَ فَاحْشِرَ بَعَنْمُ لِالْقِسْطِ، إِنَّ الله بِحِثَ الْمُنْطِينَ ﴾ الْمُنْطِينَ

खाला अर वारा मरीरा - यारा खावात्रप्रभंग करवित्त - उसमिरमय বিচার-ফায়সালা করত এবং রাকানীরা (আল্লাহ ওয়ালারা) ও পভিতরাও. কারণ তাদেনকে আলাহর কিতার সংবক্ষণের দায়িত দেয়া হয়েছিল এবং তারা ছিল এর (এাওরাতের) সাক্ষী। সতরাং তোমরা মান্যকে ভয় করো না আমাকেই ভয় কর এবং আমার আয়াতসমূহের বিনিময়ে সামান্য মল্য গ্রহণ করে। না। আর আরাহ যা অবতীর্ণ করেছেন তা দ্বারা যারা বিচার-ফারসালা করে না তারাই কাফিব।

৪৪। নিশ্চঃ আমি ভাওরতে অবতীর্ণ করেছি, ভাতে ছিল পথনির্দেশ ও

৪৫। এবং আমি তাতে (ভাওরাতে) তাদের উপর বিধিবন্ধ (ফরম) করেছিলাম যে প্রাণের বদলে প্রাণ চোগের বদলে চোগ নাবেন বদলে নাক কানের বদলে কান, দাঁতের বদলে দাঁত এবং অথমসমূহও (ফতিপরণ ও বদলার দিক থেকে। সমান সমান (কিসাস)। আতঃপর যে তা সদকা করে (কলল দা দেয়) সেটি তার (ক্ষমাকারীর) জন্য কাককারা (পাপ মোচন)। আর चालाइ वा चवकीर्य कारत्वम का बाता गाता विधान-धवमाणा करत ना জারাই জালিম।

৪৬। এবং আমি আদের পরে মার্ট্যামের পত্র ঈসাকে পার্মিয়ছিলাম ভার সামদে বিদ্যমান তাওরাতের সত্যারনকারীরূপে এবং আমি তাকে দিরেছিলাম ইনজীল যার মধ্যে ছিল পথনির্দেশ ও আলো এবং (ভা ছিল) ভার সামনে বিদ্যমান ভাওরাতের সভ্যায়নকারী এবং মুন্তাকীদের জন্য अधिरार्धेश ७ डिआप्तश्यक्तः।

৪৭। আৰু ইনজীলেৰ ধাৰকৰা যেন আলাহ আতে যা অবতীৰ্ণ কাৰছেন তা ছারা বিচার-ফয়সালা করে। এবং আন্তাহ যা অবতীর্ণ করেছেন তা দ্বারা যারা বিচার-ক্ষুদালা করে না. তারাই পাপাচারী (ফাসিক)।

৪৮ : এবং আছি কোছার পরি সক্ষেত্র ও কিবার অরসীর্থ করেছি এর সায়াম যা আছে তার (অর্থাৎ পর্ববর্তী কিতাবের) সত্যায়নকারী ও এর (পর্ববর্তী কিতাবের) সংবন্ধকরপে। সজবাং আলাহ যা অবাতীর্ণ করেছেন ভা ঘারা তমি তালের মাঝে বিচার-ফয়সালা কর এবং যে সভা ভোমার নিকট এসেছে তা থেকে দৰে থেকে তথ্যি তাদের প্রবর্তির অনসরণ করে। না। আমি তোমাদের প্রত্যেকের জন্য শরীয়ত ও কর্মপদ্ধা নির্ধারণ করে দিয়েছি। আর যদি আল্রাহ ইচ্ছা করতেন ভাহলে ভোমাদেরকে অবশাই এক উপ্মত (ধর্মভুক্ত) করতে পারতেন, কিন্ত তিনি তোমাদেরকে যা দিয়েছেন তা দ্বারা তোমাদেরকে পরীক্ষা করতে চান, সতরাং কল্যাপকর ৰাজে নোমৰা প্ৰতিযোগিতা কৰে। আপাহতট দিকে নোমানেৰ সকলেৰ প্রত্যাবভর্নস্থল, অভঃপর ভোমরা যে বিষয়ে মভপার্থকা করতে সে সম্পর্কে তিনি তোমাদেরকে জানিয়ে দিবেন-

৪৯। এবং আলার যা অবতীর্ণ করেছেন তা হারা তমি তাদের মাঝে विधाय-कांग्रणांना कर्य. जारमय श्रवसिय जनमञ्जन करता ना अवर जारमय সম্ভন্নে সন্তৰ্জ হ'ব যাতে আলাহ যা ভোমাৰ প্ৰতি অবতীৰ্ণ ক্ৰাৰণ্ডন ভাৰ কিছ থেকে ভারা ভোমাকে বিচ্যুত করতে না পারে। আর যদি ভারা মধ ফিবিয়ে নেয় তবে জেনে বাখ তাদের কতক অপরাধের কারণে আলাচ তাদেরকে শান্তি দিতে চান এবং নিশ্চয় মানুহের মধ্যে অনেকেই অবশাই পাপাচারী (ফাসিক)।

করে এমন সম্প্রদায়ের জন্য বিধান দানে কে আলাহর চেয়ে অধিক 🕏 **डे**सम्

الَّذِينَ آشَلَهُوْ اللَّذِينَ هَادُوْا وَالرَّابُّنيُّوْنَ وَالْآخَبَا رُبِمَا اسْتُحْفظُوْا مِنْ كِتْبِ اللهِ وَ كَانُوْا عَلَيْهِ شُهَدَّاءً \* فَلَاتَحْشُوا ا النَّاسَ وَ اغْشَوْنِ وَ لَا تَشْتَهُ وَا بِالْبِتِيْ ثَهَنَّا قَلْيُلَّا وَمَنْ لَّهُ يَحْكُمُ بِهَا آنَهُ لَ اللَّهُ فَأُولَٰ عَلَّا أَنْهُ وَلَ عَلَى مُمُّ الْكُفِّ وْنَ ﴿

وَ كَتَبْنَا عَلَيْهِرْ فِيْهَا ٓ إَنَّ } لنَّفْسَ بِالنَّفْسِ وَ الْعَيْنَ بِالْعَيْنِ وَ الْإِنْفَ بِالْإِنْفِ وَالْإُذُنَ بِالْإِذْنِ وَالسِّنَّ بِالسِّنِّ وَالْجُرُقَ قَمَاصٌ، فَمَنْ تَمَدَّقَ بِهِ فَهُوَ كَفَّا رَةً لَّهُ، وَمَنْ لَرْ يَحُكُرْ بِمَآ أَنْ إِلَّا اللَّهُ فَأُولَٰ لِكُكَّ هُمُّ الظُّلُّمُونَ @

وَقَقْيْنَا غَلَّ إِنَّا رِهِرْ بِعِيْسَ إِبْنِ مَوْيَرَ مُمَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ مِنَ التَّوْ رَامِهِ وَ أَتَيْنُهُ الْإِنْجِيْلَ فِيْهِ هُدِّي وَّ نُوْ رَّءُوَّ مُصَدِّقًا لَّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ مِنَ التَّوْرِانِةِ وَهُدِّي وَّمَوْعِظَةً لِّلْمُتَّقِيْنَ ﴿

وَلْيَحُكُمْ ۚ آهَلُ الْاِنْجِيْلِ بِمَآ آنِّ لَ اللَّهُ فَيْهِ وَمَنْ لَّهُ يَحْكُمْ بِهَا آنُولَ اللهُ فَأُولِلْكُ هُو الْفُستُونَ @

وَ ٱنْزَلْنَا (لَيْكَ (لُكِتْبَ بِالْعَقِّ مُصَدِّقًا لِّهَا بَيْنَ يَدَيْهُ مِنَ الْحَتْبِ وَمُهَيْمِنًّا عَلَيْهِ فَاحْكُمْ ۚ بَيْنَهُمْ بِمَاۤ أَنْهَ لَ اللَّهُ وَ لَاتَتَّبِعْ أَهْوَ أَوَهُمْ عَمَّا جَآءَكَ مِنَ الْعَقِّ، لكُلِّ جَعَلْنَا مِنْكُرْ شَرْعَةً وَّ مِنْهَاجًا ۥ وَ لَوْ شَآءَ اللهُ لَجَعَلَكُرْ أُمَّةً وَّاحِدَةً وَّ لَكَنْ لَّيَبْلُوَكُرْ فِي مَا ٓ النَّدُرُ فَاسْتَبقُوا الْحَيْنِ تِ-إِلَى اللَّهُ مَبْ هِعُكُرُ جَمِيعًا فَيُنَبِّئُكُمْ بِمَا كُنْتُرْ فِيْهِ تَخْتَلَفُونَ ﴿

وَ أَنِ احْكُمْ بَيْنَهُمْ بِمَآ أَنْ َلَ اللَّهُ وَ لَاتَتَّبِعْ أَهْوَ أَوَهُمْ وَ اهْدُر هُمْ أَنْ يَغْتنُوكَ عَنْ إِعَض مَا آثْزَلَ اللهُ إِلَيْكَ عَنانَ تَوَلُّوا فَاعْلَيْ ٱنَّمَا يُويُدُ اللهُ أَنْ يُّصِيْبَهُرْ بِبَعْضِ دُنُوْ بِهِرْ وَ إِنَّ كَثِيرٌ ۚ إِنَّ إِلنَّاسِ لَفُسِقُونَ ﴿

৫০। তবে কি ভাষা জাহিলী খুগের বিধান কামনা করে? আর নিশ্চিত বিশ্বাস । ই কিন্দ্রী । এই কিন্দুর বিশ্বন কামনা করে? আর নিশ্চিত বিশ্বাস وقنون ١ ৫১। এরে খারা ঈয়ান এনেছা তেমেরা ইছলী ও নাগারাদেরকে বন্ধু হিসাবে এবণ করো না তারা একে অপারের বন্ধু। এবং তোমাদের মধ্যে যে তাদেরকে বন্ধু হিসেবে এহণ করবে নিতম সে তালের অন্তর্ভুক্ত ববে। দিশ্তয় আল্লাহ্ জালিম সম্প্রদারকে সার্কিক পথ অধর্মনি করেন না।

৫ সবা আল-মাযিদা

- ৫২. এবং মানের হলার রোগ আছে তুরি ভালেরকে তাদের (ইবলী ও নাগারাদের) দিকে দ্রুত থাবিত হতে দেখাবে এ বলে বে, "আবলা আপছা করি, মুখ তবল্প আমাদেরকে আঘাত করবে। "আইও খাতার (কোমাদেররে) বিজয় অথবা তাঁর পক্ষ থেকে এবদ শিছার দিবল, ফলে তার তাদের অত্তরে যা গোলন রোকেছিল তার কলা অনুতর্জ হনে।
- ৫০। এবং যাবা ঈমান আনাহে তাবা ববাবে, একটি কি তাবা যাবা আন্তাহক নামে কদার করেছিল- আদের দুর কামর বে, নিকার তারা অবশ্যাই তোমানোর সালে আহিছে তালের কর্মনাই বিষদার হরেছে, কবল তারা ক্ষত্রিয়ার হরেছে।
  ৫৪। এই মাবা ঈমান আদের। তোমানোর মাবা বে তারা জীন হাকে কিবে বাবে

(মুবতাদ হবে), অচিরেই আন্তার (তার স্থলে) এমন এক সম্মানায়কে আন্তর্গন বাদেরকে তিনি ভালবাদেন এবং তারাও তাঁকে ভালবাদে: ভারা

- মুম্মিশ্যক প্রতি বিনয়ী ও কান্চিয়নের প্রতি কঠোর হবে, তারা আরাহর পথে জিহাদ ওয়বে এবং কোন তিরভারকারীর তিরভারকে ভয় করবে না। এটি আয়ারিক অস্কৃত্র, কিনা দেওে ইখা করেন তাকে তা দান করেন এবং আয়াহ সর্ববাপী ও সর্বজানী।

  601 জোমানের বন্ধ কেবল আহাত্র, তাঁর ব্রাসন এবং যারা ইনান এবন্ধে
- তারা- যারা বিনীত হয়ে পালাত (নামাম) কান্তম করে ও যাকাত প্রদান করে। ৫৬। এবং যে ব্যক্তি আল্লাহ, তার রাসুল এবং যারা স্বামন এনেছে তালেরতে কছ হিনাবে প্রথণ করতে, তবে (সে এনেদ রাখুক) নিচয় আল্লাহক করেই

বিজয়ী হবে।

- ৫৭। ওহে যারা ঈমান এনেতা তোমাদের পূর্বে যানেবকে কিতাব দেয়া হয়েছিল তানের মধ্যে যারা তোমাদের দ্বীনকে উপরাস ও খেলা হিসেবে এহণ করেছে তাদেরকে ও কাফিবলেরকৈ তোমবা বছুরূপে এহণ করো না এবং আলায়কের কমা কর- ফি নারারার মনির সত্র।
- ৫৮। এবং যথম তোমরা সালাতের (নামামের) দিকে ভাক তথম তারা একে উপহাস ও খেলা হিসেবে এহণ করে। এটা এ কারণে বে, তারা এবদ এক সম্পাদায় যারা অন্ধাবন করে ন।
- ৫৯। বল, 'হে আহলে কিতাব। কেবল এ কাবদেই কি তোকৰা আনাদেক থেকে প্রতিশোধ নিচ্ছা হে, আমরা ইমান এনেছি আল্লাহর প্রতি ও আমানের প্রতি বা অংকটি করা হরছে তার প্রতি এবং যা পূর্বে কবর্তীন করা হয়েছিল তার প্রতি, এবং এ কারণেও বে, তোমানের অধিকাশেই পালাচারী (প্রতিক)।"

- يَّالَيَّهَا الَّذِينَ أَمَنُوا لاَتَنْظِيدُوا الْمَقُودُ وَ النَّمْرُ مَّ آوُلِيَّاءُوُّ بَعْهُمْ ٱوْلِيَّاءُ بَعْنِي، وَمَنْ تَعْوَلُمْ مِنْكُمُ فَالْفُمِنْمُوْرُ إِنَّ الله لاَيْفِرِي الْقُوْرُ الطَّلِينَ ﴿
- فَتَرَى الْذِيْنَ فِي فُلُوْبِهِرْ مَرَفَّى يُسَا رِعُونَ فِيْهِرْ يَقُولُونَ نَحْشَى أَنْ لُعِيْنَا ذَالْرِقَّ فَعَس الله آنَ يُأْلَيْتِ أَوْلُونَ مِّنْ عَلْدِهِ لَيُشْعِضُوا فَى مَّا السَّوَّا فِي آلْتُنْهِرْ لَلْمِيْنَ ﴿ مِّنْ عَلْدِهِ لَيْشَعِضُوا فَى مَّا السَّوَّا فِي آلْتُنْهِرْ لَلْمِيْنَ ﴿
- وَعَكُولُ اللَّذِينُ آَضُواْ آَكُولُوّا الذِينَ آَضُوا بِاللَّهِ عَلَى آَيَانِيمُ ا إِنَّشُرُ لَمَصَّرُ حَمِكُ آَعَنا أَيْمُ قَاضَعُوا غَمِرِينَ ﴿ بِأَنْهُمَّ اللَّذِينَ آمَنُوا مِنْ الرَّتَقُ وَشَكَّرَ عَنْ دِيْبُهِ فَمُوكَى يَالِي اللّٰهُ بِقُولًا يُحَجَّمُ وَيُحَجُّونُهُ أَذَاكُمْ اللَّهِ عَلَى النَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّ
- الْمُعَدِّينَ، بُجَاهِرُونَ فِي سَبِلِ اللهِ وَلاَيَطَاوُنَ تُومَةَ لَآلِي.

  ﴿ لِللهِ اللهِ وَكُونُو مَن يُكَانُهُ وَاللهُ وَاحْدَى عَلَيْهُ وَاللهِ عَلَيْهُ وَاللهِ عَلَيْهُ وَاللهِ عَلَيْهُ وَاللهِ وَاللهِ اللهِ وَيَسُولُنَهُ وَاللهِ وَيَسُولُنَهُ وَاللّهِ وَيَعْدُونَ وَخَوْنَ وَاللّهِ وَيَعْدُونَ وَاللّهُ وَلَا لَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا لَا لَاللّهُ وَلَّهُ وَاللّهُ وَلَّهُ وَلَّهُ وَاللّهُ وَلَّهُ وَلَّهُ وَلّهُ وَلَّا لَا لَاللّهُ وَلَّا لَا لَاللّهُ وَلَّا لَاللّهُ وَلَا لَا لَاللّهُ وَلَّا لَاللّهُ وَلَّا لَاللّهُ وَلَّلْمُ وَلَا لَاللّهُ وَلّ
  - رُوَّنَ يَتُوَلَّ اللهُ وَ رَسُوْلَهُ وَ الَّذِيْنَ أَمَنُواْ فَإِنَّ حِزْبَ اللهِ هُرُ الْغَلَبُونَ هُ
- يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ اَمَنُوا لَاَتَتْدُوا الَّذِيْنَ اتْذُوْنَ وَلَكُوْرُ دِيْنَكُرُ فُرُّدًا وَلَعِبًا مِّنَ الَّذِيْنَ اَوْتُوا الْكِنْبَ مِنْ قَبْلِكُرُ وَالْكُفَّارَ أَوْلَيَّاءُ وَالْتُهُا اللهِ الْهُ أَنْ كُنْتُرْ مُؤْمِنْيَنَ۞
- وَ إِذَا نَادَيْتُر ۚ إِلَى الصَّلُوةِ النَّحَدُوْهَا هُزُوًّا وَلَعِبًا ﴿ لِكَ بِالْثُهُمْ قُوْلًا لِيَعْقَلُونَ ۞
- ِ عَالَمُ رَأَيْتُ رَكِّي قُلُ يَأْفُلَ الْحُنِّ مَلَ تَنْقَمُونَ مِنَّا إِلَّا إِنَّ اَمْنًا بِاللهِ وَمَا اَثْنِلَ اِلْمُنَا وَمَّا اَثْنِلُ مِنْ قَبْلُ وَ إِنَّ أَكْثَرُكُمْ فُعُوْنَ ۞

৬০। বল, 'আমি কি তোমাদেরকে আল্লাহর পক্ষ থেকে প্রতিকলম্বরূপ এর চেয়েও নিকট কিচর সংবাদ দেব যাদেরকে আলাহ লা'মত করেছিলেন যাদের উপর তিনি ক্রম হায়ভিকেন এবং ভাষের মধ্য ক্ষেক্ত জিছ সংখ্যককে তিনি বানর ও ওকর বানিয়েছিলেন এবং ভারা ভাততের ইবাদত করেছিলঃ তারাই মর্বাদার দিক থেকে নিকট এবং সরল পথ হাত মর্বাধিক পর্যন্ত।

৫ সবা আল-মায়িদা

- ৬১ এবং যথন তারা তোমাদের নিকট আসে তথন বলে 'আয়বা উল্লান এনেছি', অথত তারা (ভোমার নিকট) কফর নিয়েই প্রবেশ করেছে এবং তা নিয়েই বের হয়েছে। এবং ভারা যা গোপন করত সে সম্পর্কে আলাঙ্ अराहरच (रुमि जारास)
- ৬১ এক তমি তাদের মধ্য থেকে অধিবাংশারেউ দেখার ভারা পালে সীমালত যদে এবং অবৈধ ভক্ষণে দেও ধাবিত হক্ষে। ভারা যা করে ভা কন্তই না
- ৯৩। বজামীরা (আন্তাহ ওয়ালা ব্যক্তিরা) ও পভিতরা কেন তাদেরকে তাদের পাপকথা বলা ও জবৈধ ডক্ষণ হতে নিষেধ কৰে নাং এবা যা কৰে তা কড়ট মা নিকট।
- ৬৪। এবং ইচুদিরা বলে, 'আলাহর হাত শঙ্গলিত: (আসলে) তাদের হাতই (ঘাড়ের সাথে) শঙ্খলিত এবং তারা যা বলেছে তার জন্য তাদেরকে লা'নত করা হয়েছে। বরং তার দ'হাতই প্রদারিত: যেভাবে ইচ্ছা করেন তিনি বাহ কবেন। আৰু ডোমার প্রতিপালকের পশ্চ থোকে সোমার প্রতি যা অবতীর্ণ করা হয়েছে তা তাদের অনেকের অবাধাতা ও কঞ্চরী অবশাই বন্ধি করবে। এবং তাদের মাথে আমি কিয়ায়তের দিন পর্যন শক্রতা ও বিষেষ সঞ্চার করেছি। যখনই তারা বন্ধের<sup>®</sup> আওন জালিয়েছে তখন আল্লাহ তা নিভিয়ে নিয়েছেন এবং তাবা পথিবীতে জ্যাসাদ সঙ্কি করতে প্রচেষ্টা চালায়। আর আল্লাহ ক্যাসাদ সম্ভিকারীদেরকে ভালবাসেন
- ৬৫। আর যদি আহাদে কিতাব ঈমান আনত ও তাকওয়া অবলয়ন করত তাহলে আমি তাদের থেকে তাদের পাপসমত অবশাষ্ট ম্লোচন করে দিতাম এবং ভাদেরকে নেয়ামতপূর্ণ জান্তাতসমূহে অবশ্যই প্রবেশ ক্রবাসায
- ১৬: এবং যদি তারা তাওবাত ইনটোল ও ভাদের প্রভিপালকের মিকট প্রেক তাদের প্রতি যা অবতীর্ণ করা হয়েছে তা কায়েম করত ভাহলে অবশ্যই তারা তাদের উপর দিক থেকে ও পাষের মিচ থেকে (আসা বিধিক) তাদের অনেকেই যা করে ৩। কড়ই না নিকট!

قُلْ هَلُ ٱنَّبَكُكُرْ بِشَرِّ مَنْ ذَلكَ مَثُوْبَةً عَنْدَ اللَّهِ مَنْ لَّعَنَهُ اللهُ وَغَمْبَ عَلَيْهِ وَجَعَلَ مِنْهُ مُ الْقَوَدَةَ وَ الْعَنَا زِيْ وَ عَبَدَ الطَّاعُونَ وأُولِّ تَكَ شَوًّا مَّكَانًا وَّ أَمَلًّا عَنْ سَوًّا: السّبيْل ⊛

هُ سُورَةُ الْمَأْلِدُةُ

وَاذَا جَآءُوْكُرْ قَا لُوًّا أَمَنَّا وَقَدْتَّمَلُوا بِالْكُفْرِ وَهُرْ قَدْ خَرَجُوْا بِهِ ﴿ وَ اللَّهُ آعْلَى لِهَا كَانُوْا يَكْتُمُوْنَ ﴿

وَتَهِى كَثِيرًا مِّنْهُرْ يُسَارِعُونَ فِي الْإِثْرِ وَالْعُدُوانِ وَ أَكْلِهِرُ السُّحْتَ، لَبِئْسَ مَا كَانُوْ ا يَعْمَلُونَ ۞

لَوْ لَا يَنْهُمُ هُرُ الرَّبْنِيُّونَ وَ الْأَحْمَا رُعَنْ قَوْلِهِرُ الْإِثْرَ وَ آكْلِهِرُ السُّحْتَ ، لَبِعْسَ مَا كَانُوْ اليَصْنَعُوْنَ ۞

وَ قَالَتِ الْيَهُوْدُ يَدُ اللهُ مَغْلُوْ لَةٌ ۚ غُلَّتُ آيْدِيْهِ ۗ وَ لُعنُوْ ابِمَا قَا لُوْ ا مِلْ يَدْهُ مَبْسُوْ طَتْن ، يُنْفِقُ كَيْفَ يَشَآءُ وَ لَيَ يُدَنَّ كَثِيًّا مِّنْهُ ﴿ مَّآ أَنْ لَ الَّيْكَ مِنْ رُّتُكَ طُغْمَانًا وَّكُفُرًا وَ أَلْقَيْنَا بَيْنَهُمُ الْعَدَاوَةَ وَ الْبَغْضَاءَ إِلَى يَوْمُ الْقَيْمَةِ، كُلُّمَآ أَوْقَدُوْا نَا رَّا لَّلْصَرْبِ أَطْفَاَهَا اللهُ وَيَسْعَوْنَ فِي الْأَرْضِ فَسَادًا وَ اللهُ لَا يُحِبُّ إِلْمُفْسِدِيْ.. 6

وَ لَوْ إِنَّ آهَلَ الْكِتْبِ إِمَنُوْا وَ اتَّقُوْا لَكَفُّوْنَا عَنْهُمْ سَيًّا تِهِمْ وَ لَادْخَلْنُهُمْ جَنَّت النَّعيْر @

وَ لَوْ ٱللَّهُ مِنْ ٱقَامُوا التَّوْرِيةَ وَالْإِنْجِيْلَ وَمَآ أَنْزِلَ الَيْهِمْ مُنْ رَبِّهِمْ لَآكَلُوْ إمنْ فَوْقهِمْ وَمِنْ تَحْت बाहात करा । जारात माथा बाहाह वकि मधानक्षे हेवक (मना)। किन्न हि يَعْمَلُوْنَ ١

ىَغْمَلُوْنَ 🏵

- ৬৭। হে রাসূল। তোমার প্রতিপাগকের পক্ষ থেকে তোমার প্রতি যা অবতীর্ণ করা হয়েছে তা পৌছে দাওঁ। আর খনি না কর তাহলে ভূমি তার রিগালাত (প্রথাম) পৌডালে না। এবং আল্লাহ তোমাকে মানুশ (প্রর ক্ষতি) থেকে রক্ষা করনে। নিশ্চয় আল্লাহ কাফির সম্প্রদায়কে মঠিক পথ প্রধর্শন করেন না।
- ৬৮। বল, 'হে আহলে কিতাব। তোমরা কোন কিছুন উপরই (প্রতিষ্ঠিত) দও মততথ্য না তোমরা তাওরাত্ত, ইন্টাটা ও তোমানেল প্রতি তোমানেল প্রতিপালনেল কম্ম তেকে আ কর্তনিক করা হেছেতে হ'ব্রভানা পারোম করা 'ভার তোমান প্রতিকালকেল ক্ষম থেকে ভোমার প্রতি মা কর্বাটীন করা হয়েছে তা অবশাই ভালেন অনেককে অবাধাতা ও কুম্বাটাত কৃদ্ধি করাই হয়েছে তা অবশাই ভালেন অনেককে অবাধাতা ও কুম্বাটাত কৃদ্ধি করাই, সুত্রাহা ভূমি কাম্বিল সম্পাননেত্র জনা দুখন করো না
- ৬৯ নিশুয় য়য়া ঈয়ান এনেছে এবং যারা ইছনী হয়েছে এবং যারা সাবেয়ী ও লাসারা- য়ারাই জালাহুর রাজি ও আবিরাকের দিনের রাজি ঈয়ান এনেছে এবং সংকাজ করেছে তালের কোন ভয় নেই এবং তারা দুশিভায়ারও হবে না।
  - ৭০। করণাই আমি বনী ইসরাইদের অস্তীভার এইণ করেছিলাম এবং তাদের দিকট বহু রাসুল রেপ্তব করেছিলাম। বহুনই কোন রাসুল তাদের দিকট এমন কিছু নিছে এসেছে যা তাদের মনের আবোককার বিপরীত তথন তার তাদের (রাসুলানের) একদলকে মিখ্যাবাদী বলেছে এবং একদলকে ক্রমা এবলেছে।
  - ৭১। এবং তারা মনে করেছিল যে, (তাদের) কোন ফিতনা (বিপর্যায়) হবে না, ফলে তারা অন্ধ ও বিধির হয়ে রইল, এরপর আল্লাহ তালের তথবা কর্ম্বল করেছিলেন, এরপন তাদের অনেকেই জন্ধ ও বর্ধির হয়ে রইল। আন্ত তারা খা করে কে সম্পর্যেক জন্মাহ পূর্ণ কুছিবান।
  - ৭২ অবশ্যই তার কুমনী করেছে বারা বালে, শিক্তর আলাহুই হারইয়ারের প্রথ মাসীং, অখক মাসীহ বালেছিল, হে নদী ইনয়াইল। বালি আলাহুই ইবালত কর বিলি আমার প্রতিপালক ও তোরানাক প্রতিপালক। শিক্তা হে আলাহুর সাথে শরীক করের অবশ্যই আলাহু তার জন্য জাল্লাত হারাম করেলে এবং তার আন্ত্রহুল হবে জানান্নান। এবং জালিনাকর জন্য ক্রেম সাহার্যকারী সেই।
- ৭০। অবশ্যই তারা কৃষ্ণরী করেছে যারা বলে, নিকয় আয়য়হ তিন জনের কৃতীয়য়ল', অধ্য এক ইলাহ হাতা জনা কেন ইলাহ নেই। আয় তারা যা বলে তা বেকে ঘলি তারা নিবৃত্ত না হয় তারালে তালের মধ্যে যারা কৃষ্ণরী করেছে তাদেরকে অবশ্যই মঞ্জানায়ক শান্তি শর্প করবে।
- ৭৪) তবে কি তারা অল্লাহর দিকে অনুতপ্ত হয়ে ফিরে আদবে না এবং তাঁর নিকট ক্ষয়া প্রার্থনা করবে না, অথ্য আল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরম দ্যালাল

- يَّالَيُّهَا الرَّسُولُ بَلَغْمَا أَنْنِ النِّكَوِينِ لِيَّكَوِينَ لِيِّكَوَ إِنَّ لِيَّرَتَفَعُلُ فَمَا بَلَقْفَ رِسْلَتَهُ وَ إِللَّهُ يَعْصِمُكَ مِنَ النَّاسِ وإِنَّ اللهَ لَا يَهْدِي النَّوْزُ الْكُهُ إِنَّى @
- قَلْ ثَنَاهُلُّ الْكِنْ لَسَمَّرْ فَيَ شَرُّ عَنْ ثَلْقِيْمُوا النَّوْرُدُوَّ وَ الْإِنْجِينُ وَمَّا الْإِنْ الِيَكُرُ وَمَ رَبِّكُرُ وَلَيْهِ لِلْمَا النَّوْرُدُوَّ لَيْهُوَّا الْإِنْ النَّ وَعَمْرُهُمْ الْإِنْ النِيلَامِينَ رَبِّكُ طَفِيانًا وَكُفْرُاء فَلَامَانَ فَيَّ اللَّمَانَ فَيْمَانَ فَيَ
- إِنَّ الَّذِينَ أَمْتُوا وَ الَّذِينَ هَادُوا وَ الْمَيْتُونَ وَ النَّعْرِي مَنَ أَمَّى بِاللَّهِ وَ الْيَوْمِ الْمُعِرِ وَ عَمِلَ مَا لِشًا فَلَكُمُونَّ عَلَيْهِمْ وَ لَا هُمْ يَخْوَلُونَ ﴿ لَقَدْ أَغَدْنَا مِثْنَا فَيْنَى أَبِينَّ إِنْهِا وَ إِنْسُلَامًا أَلْهُمْ وَسُلّام
- كُفْنَا جَانَهُمْ رَسُولًا بِمَا لَاتَهُونَ الْفُسُهُرِ فَرِيْقًا كُلُّهُوا وَ فَرِيْقًا يُقْتُلُونَ فُ وَحَسِبُواْ الْأَنْكُونَ فِثَنَةً فَعُمُوا وَصَّدُوا فُرِّ اللهُ تَعِيدًا اللهُ عَلَيْهِمْ لُولًا عَمُوا وَصَّهُوا كَنْيَّا مُنْهُمْ • وَاللهُ يَعِيدًا وَسَّالًا عَلَيْهُ وَقِيدًا بِعَالَمُ
- لَلَّذَ كَثَرَ الَّذِينَ قَا لَوَّا إِنَّ اللَّهُ هُوَ النَّسِيْمُ النَّى مُوْمَى رَدَّ قَالَ الْمَسِيْمِ لِيْنِيِّ السَّوَاوِلْلَ اعْبُدُوا اللَّهِ رَيِّيْ وَرَبُّكُمُ وَاللَّهُ مَنْ فَقُولُ فِي اللَّهِ فَقَدْ مُرَّعًا اللَّهُ عَلَيْهِ الْهِنْدُومَا وَمَا لَا لِنَّا رُومًا للطَّانِيْنِ مِنْ الْشَارِيْ
- لَقَدْ كَفَرَ الَّذِينَ قَا لُوَّا إِنَّ اللَّهَ قَا لِثَ لَقَامِهِ وَمَا مِنَ الْهِ الْآ اِلْهُ وَالِهِ ذَا وَانْ لَرْ مُنْتَقُواْ عَمَّا يَقُو لُوْنَ لَّيَمَانَّ الَّذِيْنَ كَفُرُ وَامْتُمِ عَذَابٌ الْمِرْ فَ
  - ٱفَلَايَتُوْبُوْنَ إِلَى اللهِ وَيَسْتَغْفِرُوْنَهُۥ وَ اللهُ عَفُوْ رَّ رَّحِيْرٌ ⊛

- ৭৫। মারটয়ামের পঞ্জ মাসীত একজন বাসল ছাড়া আর কিছ নয়। ভার পর্বেও বাসলবা গত হাফাছ। এক তার মা ছিল মতারাদী। তারা দ'ভন ভারার (शक ) सफा कर किसार लाग्नि साम्बर क्या लागक्साम वर्धम करि এবপর লক্ষ্য কর বিভাবে ভালেনকে বিভাস করা হলছ।
- ৭৬। বল: 'ভোমরা কি আতাহকে বাদ দিয়ে এমন কিছর ইবাদত কর যা लाभाग्यत (काम फाकि वा प्रेशकारका भाविक भार धार्या धारा कालावी प्रजीवाका ७ प्रार्थकातीः
- वल 'त्र खाडाल किलाव। त्याप्रवा त्याप्राप्तव चीराव वराशांत खातांश्यांत বাভাৰাতি করো না এবং তোমরা এমন লোকদের প্রবর্তির অনসরণ করে এবং সরন পর্ম হতে বিচ্যুত হয়েছে।
- १४-। वही डेजवांजाल प्राप्त शांवा वसवी वात्रिक सामवाक (शांवाव) माँग्रेमव ও (ইনটালে) মারইয়ামের পত্র ঈসার ভাষার লা'নত করা হয়েছিল। এটা এ কারণে যে তারা অমান্য করেছিল এবং তারা সীমালকান করত।
- ৭৯। তারা যে হক রাজ করত আ ভোকে আরা একে অপরকে নিয়ের করত না। তারা যা করত তা কতই না নিকট!
- ৮০। তাদের অদেককে তমি যারা কফরী করেছে তাদের সাথে বন্ধত করতে দেখবে। ভারা ভাদের নিজেদের জনা যা অগ্রে পাঠিয়েতে ভা কভই না নিকট্ট যে আহাত ভানের উপর অসমট ক্রয়েছন এবং ভারা শান্তির হাথ। वारी ठात
- ৮১। আৰু যদি তাৰা আলাহ নবী e তাৰ প্ৰতি যা অৰতীৰ্ণ কৰা চয়েছে তাতে ইমান আনত তাহলে তারা তাদেরকে (কাফিরদেরকে) বছরপে এহণ করত না কিল্প তাদের অধিকাংশই পাপাচারী (ফাসিক)।
- ৮২। যারা ঈমান এনেছে তালের প্রতি শক্রতায় মানছের মধ্যে ইচনীদেরকে ও যারা শরীক করেছে তাদেরকে অবশক্ত তমি সরচেয়ে কঠোর (দেখাত) পাবে। আর যারা ঈমান এনেছে তালের প্রতি ছল্যতায় তালের (মান্তের) মধ্যে অবশাই তাদেরকে সবচেয়ে নিকটবতী (দেখতে) গাবে বারা বলে 'আছবা নাসাবা।'এটা এ কারণে ছে জাদের (নাসাবাদের) ছথে রয়েছে বহু পালী ও সংসার-বিরাগী, এবং এ কারণেও যে, তারা অহংকার করে Ψij.

- مَا الْمَسْيُرُ ابْنُ مَ (يَرَ الَّا رَسُولٌ ، قَدْ خَلَثْ مِنْ قَبْلُهُ الرُّسُلُ ، وَ أُمُّهُ مِنَّ يُقَدُّ كَانَا يَاكُلُنِ إِللَّاعَامَ الْظُوَامَ الْفُلْ كَيْفَ نُبَيِّنُ لَهُمُ الْالْيَت ثُرَّ انْظُرْ أَنَّى يُؤْفَكُونَ ﴿
- قُلْ إِنَّعْبُدُونَ مِنْ دُوْنِ اللهِ مَا لَا يَمْلَكُ لَكُمْ ۚ ضَّا إِنَّ لِاَنْفُعًا ۥ وَ اللهُ هُوَ السَّمِيْعُ الْعَلَيْ ﴾
- قُلْ يَاهَلَ الْكتٰبِ لِاتَعْلُوا فِي دِيْنِكُ مْ غَيْهَ الْحَقِّرَ لِاتَّتَّبِعُوٓۤ ا मा याता शैरकाशूर्त भवस्व हरत त्यास, अवर चारमकरिके भवस्वहे करतास है। हैं कि के के कि हैं कि के कि कि के कि कि कि السّبيْل 🗟
  - لُعِيَ الَّذِيْنَ كَفَّهُ وَامِنْ إِنَنَيْ اشْرَآءِ يُلَى عَلَى لَسَانِ دَاوُدَ وَعَيْسَى اثْن مَدْ يَرَ وَلْكَ بِمَا عَصَوْا وَّ كَانُوْ إِيعَتَدُونَ ﴿
  - كَانُوْ الْإِيَتَنَاهَوْنَ عَنْ مُّنْكَ فَعَلُوْهُ ۚ لَبِعْسَ مَا كَانُوْ ا ىَفْعَلُوْنَ @
  - تَرِي كَعْيَا مِّنْهُمْ يَتُوَلُّونَ الَّذِيْنَ كَفُّوا وَلَعَلْسَ مَا قَدَّمَتْ لَهُرْ ٱثْفُسُهُرْ ٱنْ سَخِطَ اللَّهُ عَلَيْهِرْ وَفِي الْعَدَابِ مُرْ خُلدُونَ @ هُرْ خُلدُونَ @
  - وَ لَوْ كَانُوْا يُؤْمِنُونَ بِاللهِ وَ النَّبِيِّ وَمَآ أَنْهِ لَ الَّذِهِ مَا اتَّخَذُوْ هُرُ أَوْلَيَاءَ وَلَكِنَّ كَثَيْرًا مَّنْهُرْ فَسَقُوْنَ @
  - لَتَجِدَنَّ أَشَدَّ النَّاسِ عَدَاوَةً لِّلَّذِينَ أَمَنُوا الْيَهُوْدَ وَ الَّذِينَ أَشْرَكُوا ء وَ لَتَجِدَنَّ أَقْرَبَهُمْ مُّودَّةً لُّلَّدَيْنَ أَمَنُوا الَّدَيْنَ قَالُوٓ ۚ إِنَّا نَصْرُى ۥ ذٰلِكَ بِأَنَّ مِنْهُرْ قِسِّيْسِيْنَ وَرُهْبَانًا وَّ

## পারা-৭

- ৮০। এবং বাসুদের এতি যা অবকীর্ণ করা হয়েছে তা যবন তারা শোনে তবন তারা যে সত্য মেনেছে তার কারণে তুনি তানের চকুসনুহকে অলুপুর্বিত হতে কেবলে। তার বালা, 'হে আমানের প্রতিপালক। আমরা স্বামা নার্কির সুকরাং আগনি আমানেরকে সাক্ষসানকারীদের সাথে তারিবাজান করন।
- ৮৪। আর আনাদের কী (অলুহাত) আছে দে, আনরা জান্নাহর প্রতি এবং আমাদের কছে বে সতা এদেছে তার প্রতি ঈমান আনব না, অক্ত আমার প্রত্যাপা করি বে, আমাদের প্রতিগালক আমাদেরকে সংকর্মশীল সম্পাদারের সামে (ভালাকে) প্রবেশ করাবেশ?
- ৮৫. সুকরাং ভারা যা বলেছে সে কারণে আত্তাই তালেরকে পুরকার দিয়েছেন জান্নাতসমূহ, বেওলোর নিচে নহরসমূহ প্রবাহিত, দেখানে তারা স্থামী হবে। এবং এটি সংকর্মপরায়ণনের প্রতিদান।
- ৮৬। স্বার যারা কুফরী করেছে ও আমার আরাতসমূহকে মিখ্যা অভিহিত করেছে তারাই তীব্র আঙ্কের অধিবাসী।
- ৮৭। ধহে যারা ঈয়ান এনেছ: খাল্লাছ তোমাদের জন্ম ফেব পবিত্র বন্ধু হালাল করেছেন তা তোমরা হারাম করো না এবং সীমালজন করো না বিশ্বয় আল্লাছ সীমালজনকারীদেরকে জনবাসেন না
- ৮৮। এবং আল্লাহ তোমাদেরকে যে হাদাল ও পবিত্র বিধিক দিয়েছেন ভা থেকে খাও এবং আল্লাহকে তম কর, যার প্রতি তোমরা বিশ্বাসী (ম্বামিন)।
- b). ত্ৰোহাকৰ কাৰণ কথাববঢ়াকৰ বাগাবে আছার নোলাকেল পান্ধানিক কুবলে না, দিন্ধু লৈ কোৰ বাহনাৰ দুখানাক ক'ব না গাবাৰে নিজি কোনাকেলে পান্ধান্তক কাৰেলে জঙকাৰ এৰ পান্ধান্থক বিল কোনাকেলে পান্ধান্তক কাৰেলে জঙকাৰ এৰ পান্ধান্থক বিল কোনাকে পান্ধিল কাৰিকেলে কোনাক এবলা আনাকে আনন্দ কিবলা একজন লাম কৃতি। দিন্ধু বিলি কাৰণা একালে আনন্দ কিবলা একজন লাম কৃতি। দিন্ধু বিলি কাৰণা একালে আনন্দান্ত আন্ধানী কিবলা কোনাক কাৰণা, পান্ধান্তক নামানক্ষান্তক কাৰান্তক্তিক বাহনান্তক কৰা। একাৰেই আনুহে কোনাক্ষান্ত নামানক্ষান্তক্তি কাৰান্তক্তি ভালিক কৰা। একাৰেই আনুহে কোনাক্ষান্তক নামানক্ষান্তক্তি কাৰান্তক্তি কাৰান্তক্তিক পান্ধান্তক্তি কৰা। বাহনান্তক্তি কাৰ্য্যন্তক্তি কাৰ্য্যন্তক্তি কাৰ্য্যন্তক্তি কাৰ্য্যন্তক্তি কাৰ্য্যন্তক্তিক কাৰ্য্যন্তক্তি কাৰ্য্যন্তক্তি কাৰ্য্যন্তক্তি কাৰ্য্যন্তক্তি কাৰ্য্যান্তক্তিক কাৰ্য্যন্তক্তি কাৰ্য্যন্তক্তিক কাৰ্য্যন্তক্তিক কাৰ্য্যান্তক্তিক কাৰ্য্যন্তক্তিক কাৰ্যন্তক্তিক কাৰ
- ৯০। তহে যারা ঈমান এনেছা মদ<sup>\*</sup>, জুয়া, (মুর্তিপ্তার) কেনী ও ভাগ্য নির্ণায়ক তীর কেবল অপবিত্রতা ও শয়তানে কাজ, সুতরাং তোমরা তা পরিহার কর, বাতে তোমরা সফল হতে পার।
- ৯১। মদ ও জ্বার মাধ্যমে শয়তান কেবল তোমানের মাথে শায়তা ও বিছেব ঘটাতে এবং আল্লাব্র শয়ণ ও সালাত (নামাথ) হতে তোমালেরকে বিয়ত রাখতে চায়, তবে কি তোমরা (এওলো বেকে) বিয়ত 
  হবেছ

- رُ إِذَا سَمِعُواْ مَا آنُوْلَ إِلَى الرَّمُولِ لَرِّى أَعْمُنُهُمْ تَغَيْضُ مِنَ النَّمْعُ مِمَّا عَرَقُوْا مِن الْحَقِّ ، يَتُوْلُونَ رَبَّنَا آمِنًا فَاحْتَبَنَا مَعَ النَّمْدِثَ عَد
- . وَمَا لَنَا لَانُوْمِنُ بِاللّٰهِ وَمَا جَآءَنَا مِنَ إَلَّهَ قِ، وَنَطَمَعُ أَنْ يُّلْحُلْنَا رَبَّنَا مَمْ الْقُوْرَ القُلْدِينَ @
  - فَأَتَا بَهُرُ اللهُ بِمَا فَا لُوْا مَنْتِ تَجْرِي مِنْ تَحْتِمَا الْآثُمُّ غُلديْنَ فَيْهَا ، وَذُلكَ مَرَّاءُ الْمُحْسنِينَ ۞
- وَالَّذِينَ كَفُرُواْ وَكَلَّبُوا بِالْمِتَا أُولِئِكَ أَمْعُبُ الْبَعِيْرِ فَ إِ يَأَيُّهَا الَّذِينَ أَمَنُواْ لِأَنْحَرِّمُواْ طَيْبِ مَا آحَلُ اللهُ لَكُرُ وَ
- لَاتَعْتَلُوْا وَإِنَّ اللهُ لَايُحِبُّ الْمُعْتَدِيْنَ ۞ وَكُلُوْا مِنَّا رَزَقَكُمُ اللهُ مَلاَّ طَيْبًا وَ اللهِ اللهَ الَّذِيِّ اللهُ الَّذِيِّ اللهِ الَّذِيِّ الله
- يەمۇنۇن ق ئالاراخىدگىر ئاللەردا يالغۇنى ئايتىندۇر دائىنى ئۇ يەكىڭ يېدا غالدائى (لارتىدان) ئىنجال ئىڭ راقتارا ئىلارى كارتىجانى ئىللەردىن ئاھلىكى (دارخىدۇنىڭ دارتىدىنى قىلىنى ئىلىنىدىنى ئالىرىدىنى ئىلىنىدىنى ئاھلىكى دارخىدۇنىڭ ئۇرائىدىلىلى دار ئالىلىدىنى دارنىدىنى ئىلىنىدىنىڭ ئىلىنى ئاللىرىدىنى ئالىرىدىنى ئالىرىدىنى ئالىرىدىنى ئالىرىدىنى ئالىرىدىنى ئالىرىدىنىڭ ئىلىنى ئالىرىدىنى ئالىرىدىنىڭ ئىلىنى ئالىرىدىنىڭ ئىلىنى ئالىرىدىنىڭ ئىلىنى ئالىرىدىنىڭ ئىلىنى ئالىرىدىنىڭ ئىلىنى ئالىرىدىنىڭ ئىلىنىڭ ئىلىنىگىلىنىڭ ئىلىنىڭ ئىلىنىڭ ئىلىنىڭ ئىلىنىڭ ئىلىنىڭ ئىلىنىڭ ئىلىنىڭ ئىلىنىڭ ئىلىنىڭ ئ
- يَّايَّهَا الَّذِيْنَ امَنُوَّا الْمَا الْحَمْرُ وَالْمَيْسِ وَالْاَثْمَابُ وَالْاَرْلَامُ رِجْسْ مِّنْ عَمْلِ الشَّيْطِي فَاجْتَنِبُوهُ لَعَلَّكُرُ تُقْلِحُونَ ﴿
- إِلَّمَا لِرِيْدُ الفَّيْطُمُ أَنْ تُوْفِعَ بَيْنَكُرُ الْعَدَاوَةَ وَالْبَغْضَاءَ فِي الْخَمُّرِ وَالْمَيْسِ وَيَصُدَّكُمْ عَنْ ذِكْرٍ اللَّهِ وَعَنِ الصَّلَوةِ فَهَلُ الْتُدُّ مُّنْتَمُوْنَ ﴿

- ৯২। এবং তোমরা আল্লাহর আনুগত্য কর ও রানুগতর আনুগত্য কর এবং সতর্ক হও, কিন্তু যদি তোমরা মুখ ফিরিয়ে নাও এবে কেনে রাখ যে, আমার রাসুগের দারিত্ব কেবল সুম্পর্টভাবে গৌছে দেয়া।
- ৯০ যাবা স্থ্যান এনেছে ও সংকাজ করেছে তারা (পূর্বে) যা খেতেছে তার জন্য তামের কোন অপরাধ নেই, যখন তারা (আত্তাহকে) তার করে । স্থ্যান আনে সংকাজ করে, এবপন (আত্তাহকে) তার করে ও স্থান হি আনে, এবেল (আহাহকে) তার করে ও সংকর্ম করে এবং আত্তাহ । সংকর্মন্বরাগণ্যানককে ভালন্তান
- ৯৪। গ্রহ খারা সমান এনেছ: অবশাই আবদাই আরার তোমানেরকে দর্গীকা করনে (ইংরাম অবছার) কিছু শিকার দিরে যা সেরজে) ক্রেমানের হাত ও বর্ণার লাগালে আনে, যাতে আল্লার জেনে নিতে গারেন (শারী করতে পারেন) কে তাঁকে না দেখেও তয় করে, সুত্রার এরপারে যে সীমানকম করেব তার জনা রাহ্যের শ্রমানারক শান্তি।
- ৯৬। তেমাদের জন্য সমুত্রের শিকার ও তা খাওয়া হাদাশ করা হল, তেমাদের জন্য ও মারীদদের জন্ম ভোগ্য সাম্ম্রী হিসেবে, ক্রিজু খততাশ তোমরা ইব্যাম অবস্থার থাতাবে ততত্বল স্থানর শিকার তোমাদের জন্য হারম করা বংশ এবং তোমাদেরকে সামবেও করা হামে।
- ৯৭। আদ্রার পরির হব কাইনের মনুসের জন্য জীবনগরাগের অবগায়ন বানিয়েমেন এবং হ্যার মাম, কুরবনির জন্য কাইনার প্রেরিত পাও ও পানার মাখা প্রান্ত্রেম পারতের। এটি (৯ ফান), যাতে কোলের জনতের পাত যে, আবাশসমূহে কা কিছু আহে ও গৃতিবীতে যা কিছু আহে আন্ত্রার জানেদা, এবং এও যে, আন্তার সংক্রিছ সম্পর্তে ভাষাতারে জানেদ।
- ৯৮ কেনে রাখ যে, আল্লাহ্ শান্তিলানে কঠোর, এবং এও যে, আল্লাহ্ অতি ক্ষমাশীল ও পরম নয়ালু।
- ৯৯ নাস্পের দায়িত্ব কেবল পৌছে দেয়া। আর তোমরা বা প্রকাশ কর ও যা গোপন বাথ আল্লাহ্ আ জানেন

قَاعَلُمُوْ الْقَاعَ لَى رَسُولِنَا الْبَلُغُ الْفِيشُ ﴾ لَيْسَ فَى الَّذِيْنَ أَمَنُوا وَعَوْلوا المَّلْحِي جُنَاعٌ فِيْمَا طَعِمُواْ إِذَامَا الْقُوْا وَأَمْنُوا وَعَهُوا المُفْحِي ثَرِّ الْقُوا وَأَمْنُوا وَأَمْنُوا وَأَمْنُوا أَرَّا الْقُوا وَآخَتُوا وَالشَّرُوا وَالشَّيْرِيُّ ﴾ الْقُوا وَآخَتُوا وَالشَّيْرِةِ ﴾

وَ أَطِيْعُوا اللَّهُ وَآطِيْعُوا الرَّسُولَ وَاهْذَ رُوَّا عَفَانَ تَوَ لَّيْتُمِ ۗ

- يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ امْتُواْ لَيَمْلُوَنَكُرُ اللهُّ بِضَّىٰ مِّنَ الشَّيْوِ تَنَا لُمُّ آيْدِيْكُرُ وَرِمَا حُكُرُ لِيَعْلَى اللهُّمْنَ يَتَحَافُهُ بِالْغَيْبِ، فَمَي اعْتَدَى بَعْدُ ذَلِكَ فَلَمْ عَدَابٌ أَلَيْرٌ ۞
- المنافعة الذين أمنوا الافتالوا المهدد والثمر حُرَّاده يَأْمَهُما الذِين أَمَنوا الافتالوا المهدد والثمر حُرَّاده من قتلم منكر بهذوا عدل يتنظر المؤجرة إمثال ما قتل من النقير يَشَّمُ بِهِ هَوَا عدل يتنظر هذا النقط المنظمة أو تَقال قا طَعامُ مسكون أو عدل ذلك سيامًا لينكرون وبال أموه. عمّا الله تمثا سقد ومن عاد قينتم الله يشدر الله يشدر الله يقد
- أَحِلَّ لَكُرْ مَيْدُ الْبَحْرِ وَطَعَامُهُ مَنَاعًا لَّكُرْ وَلِلسَّيَّا رَقِّ وَ حَوَّا عَلَيْكُرْ مَيْدُ الْبَرِّمَا دُمُثُرْ هُرُمًّا • وَالْقُوا اللهُ الَّذِيَّ الَيْدُتُحْشُرُونَ ﴿
- جَعَلَ اللهُ الْكَمْيَةَ النَّيْتَ الْتَرَا اَفِينًا لِلنَّاسِ وَالشَّهْرَ الْتَرَارُوالْهُرْنَ وَالْقَلْالِدَّ ذَلِكَ لِتَعْلَيُّوا أَنَّ اللهُ يَعْلَمُ مَا فِي السَّمٰوٰ ِومَا فِي الْأَرْضِ وَأَنَّ اللهُ بِكُلِّل شَنَّ ا عَلَيْهُ ﴿
  - إِعْلَمُوٓ اَنَّ اللَّهُ هَٰدِيْدُ الْعِقَابِ وَاَنَّ اللَّهُ غَفُوْرٌ رَحِيْرٌ ﴿
    مَا كَنَى الرَّسُوْلِ إِلَّا الْبَلْغُ وَاللَّهُ يَعْلَمُ مَا تُبْدُونَ وَمَا

تڪتمون 🐵

১০০ বল, 'মন্দ ও ফল সমান ন্যা, যদিও মন্দের আধিক্য ভোষাকে মুক্ত করে, সুতরাং ভোষরা আল্লাহকে তয় কর হে বুজিমানরা। যাতে ভোষরা সফল, হতে পাব।'

৫ সবা আল-মাযিদা

১০১। বাহ যাবা ঈমান এলেহা (তামারা এমন সব বিষয়ে প্রস্তু করো না, যদি তা তোলোকে নিতটি প্রতাশ করা হয় তবে তা তোনোক্ষেত্রক বট নিবে, যাব যদি কুরুমান অবস্থীর করার সময় তেমেরা সেকাগা সম্পর্কি প্রস্তু কর ভারতো বা তোলোক নিতট প্রকাশ করে কো হাবে সামার্য্যন আইটা (সকামা মার্কাশ করেছেন) এবং আহাহে আট কমানীল ও পরম ক্ষার্থীট

১০২। জোমাদের পূর্বেও এক সম্প্রদায় এমন প্রপ্ন করেছিল, এরণর তারা সে লাকার অধিকাসী কাছ বিয়োজিল।

১০০। অন্তাহ কোন বাহীত্তা সমষ্টবা, ভয়াসীলা ও হাম বানাননি, কিন্তু যাবা কুফ্ট্যী করেছে তারা আন্তাহ সম্পর্কে নিখ্যা রচনা করে। এবং ভাদের অধিকংশেই অনুধানন করে না।

264 এবং দাখা খান্যন্ত কথা হয়, আহাব যা বাবকী বাবেলে কাৰ নিৰ্দেশ কৰা কৰিব ৫ বাল্যাৰ নিৰে এলা, কথা বাবে এলা, 'অনাখাৰ কৰা এই ছাত্ৰী যাত্ৰ উপৰ আহাব আনাদেশ বাপ-লালাকাৰে পোৱালি; 'যিবিভ এলাকা বাপ-দাখাৰ বিশ্বই আহাব লা এবং থাবা স্মীৱন্দগভাৱত হিলা লা ২০০। এই ছাত্ৰা কীমান একে। ভোমাৰ আমানেৰ নিৰ্দেশ্যন বাপাৰে মন্ত্ৰনাৰ হত্ত লোগভাই হোৱালে লোগভাৱত কিন্তা স্থান্ত কৰা কৰিব লাকাৰে না সামা নামানা সমিলাকাৰ কিন্তা প্ৰভাৱত কৰা আহাবলী নিৰ্দেশ্যন প্ৰভাৱত কৰিব লাকাৰে নামান্ত লাকাৰে নামান্ত লাকাৰে নামান্ত লাকাৰে নামান্ত লাকাৰে কৰা কৰিব লাকাৰে নামান্ত লামান্ত লাকাৰে নামান্ত লাকাৰে নামান্ত লাকাৰে নামান্ত লাকাৰে নামান্ত

সকলের প্রভাবর্তনম্বল, অভঃপর ভোমরা যা করতে সে সম্পর্কে তিনি

त्राञ्चारमदरक क्रानिएर मिरदम

200/বাহ বার কান এবাং রেয়ানের নার কান মুর উপাঁরর হা ৬৬০ প্রদান করার সভা রোমানের মার বানে মুক্তা মানালবার পারিক সালী বারের করার কার রোমানের মার বানে মুক্তা মানালবার পারিক সালী বারের করার রোমানার কার আবার মানালবার বামানারকার ক্রান্তার করার করার মানালবার বামানারকার ক্রান্তার করার করার মানালবার বামানারকার ক্রান্তার করার করার মানালবার বামানারকার করার করার করার বামানালবার বামানারকার করার বামানালবার করার আয়ার বানে মানালবার বামানালবার বিশিল্পা আবার কোনালবার বামানালবার বামানালবার বামানালবার করার আয়ারর বিশ্বাসার বামানালবার বামানালবার করার আয়ারর বিশ্বসার বামানালবার বামানালবার বামানালবার করার আয়ারর বিশ্বসার বামানালবার বামানালবার বামানালবার করার আয়ারর বিশ্বসার বামানালবার বামানালবানলবার বামানালবানলবানলবানলবানলবানলবান

(কলে) তথা শিক্ষ আহা অংশাই শাখীলে অভর্কুত হব। 

১০ জভাগ হলি জী বালা পা যে, তারা দুন্দান বিয়া সাঞ্চা দিয়ে 
দাপে পা বাংহার ভারবে পা বাংহার দুন্দান বিয়া সাঞ্চা দিয়ে 
বাংহার হেতে হাবারে বাংহার বিয়ালয়ে আজি হকাল ভালে 
হাবা হেতে নিতাতম দুন্দান ভালে দুন্দান কুলাবিশ্য হাবে বংং 
কারা আহারে নাবে কান হবে বংগারে, অপাই আগানে পালাল 
দাপা হেতে অভি চ সার বাংহার আহার ইয়ালালন কবিনি, (কারণে) তথন 

দিন্দা আলো কবালীলোকে অভ্যানিক বাংহার 

বিশ্বালীলোক বাংহার প্রামালন কবিনি, (কারণে) তথন

قُلُ لَايَسْتَوِى الْخَيْدِيْدَ وَالطَّيِّبُ وَلَوْ آغَجَبُكَ حَفْرَةُ الْغَيْدِ، فَاتَقُوا اللهُ يَأْدِلِ الْآلْبَابِ لَعَلَّمْرُ فَ تَفْلِحُونَ ﴾ يَأْلِهُ الْذِنْ أَمْنُوا لِانْشَقُوا مَنْ أَمْنَا اللهُ تَلْمَالُومُ تَسُوَّعُرُ،

ي پهيا اجترائيل الحق المستحق الله استحاق الله عَنْهَا الله عَنْها عَنْها الله عَنْها الله عَنْها عَنْ

قَلْسَا لَهَا قَوْأَمُّنْ قَلِيْكُرُ أَوْرَ أَصْحُواْ إِمَا كُولِينَ ۞ مَا جَكُلُ اللَّهِ مِنْ أَجَهُرُوّ لَاسَّالِئِدَ وَّلاَوَمِيثَةٍ وَلاَسَارٍ وَّ لِحَنَّ الْقِدْنِي كَثَوْرًا يَقْتُرُونَ كَلَّ اللَّهِ الْكَلِبِ وَآخَتُوهُمْ وَالْفَلِيْنَ ۞ وَالْفَلِيْنَ هُمْ تَعَالَوْا اللَّمَا آؤْزًا اللَّهِ وَالْفَلْوِلُونَ ﴾

قَا لَوْمَ هَمْيُنَا مَا وَجَدَّنَا عَلَيْهِ إِلَيَّاقَا، أَوَ لَوْ كَانَ أَيَّاؤُهُرُ لِيَعْلَمُونَ هَيْنًا وَّ لِيَهْدَوْنَ ﴾ يَنْهُمَّا الَّذِينَ آمَنُوا عَلَيْكُرا أَنْفُسَكُمُ الاَيْفُرُكُمْ مِّنْ مَلَّ إِذَا الْمُنْذِينُ أَشُوا عَلَيْكُرا أَلْفُسُكُمُ الاَيْفُرُكُمْ مِّنْ مَلَّى إِذَا الْمُنْذِينُ أَنْ إِلَى اللَّهِ مُوعِكُمْ مَهِوْقًا فَيْتَقِكُمْ إِمَا كُنْتُو

ال إذا ليس الاسوس @ قَانِ عُمْرِ كُلِّ ٱلْفُهُمَّا السَّتَحَقَّا إِلْقُمَّا فَاكَرُنِ يَقُوْمِنِ مَقَامَهُمَّا مِنَ الْدِيْنِ اسْتَحَقَّ عَلَيْهِمُ الْإَوْلَيْنِ فَيُقْسِنِ بِاللهِ لَفَهَادَتُنَا الَّذِيُّ مِنْ شَهَادَتِهِمَا وَمَا اعْتَكُرُهُمَا الْأَوْلِينِ فَيُقْسِنِ بِاللهِ لَفَهَادَتُنَاً اَحَقَّ مِنْ شَهَادَتِهِمَا وَمَا اعْتَكُرُهُمَا الْأَلْ الْوَلِيقِيْنَ ﴿ ১০৯। যেদিন আল্লাই রাসুলদেরকে একত্র করকেন এবং বলবেন, "তোমাদেরকে ক্টি উক্তর দেয়া হয়েছিল।" তারা বলবে, "আমাদের কোন জলে নেই। নিশ্চর আগনিই জনুশ্য বিষয়াদি সম্পর্কে বরচেয়ে ভাল জানেন।"

১১০ খেল আছাৰ লগতে, 'যে মাৰ্থায়কো পূল কৈবা কোনা বাছি বা ভোনা মানত বিটি আনত কোনাত কৰা, ফল কৰা কুন ভোনা মানত বিটি আনত কোনাত কৰা, ফল কৰা কুন (নিবাৰ্কীল) - এৰ মধ্যম আনি কোনাত নামান কৰাকিল, মুক্তী মন্ত্ৰক কাম পৰা কামত কোনা কৰা কৰাৰ কৰা, কিবল কামত, কাম খেল আনি কোনাত নিকাৰ বুলি আদা বাছি কাম আনা কৰা দিলা নিবাছিলা, এবং খেল মুক্তি আদা বাছি কাম কাম ইন্দ্ৰৰ পানীৰ আম্কৃতি লগতি কামত কৰা, কুলি কিবল কুলি আনা কাম ইন্দ্ৰৰ কাম প্ৰতি কামত কৰা, কুলি কামত ইন্দ্ৰৰ কামতি কাম ইন্দ্ৰৰ কামত কিবল, এবং খংলা আমি কোনাত বিচ্ছা মন্ত্ৰক কামত নিবাৰে কৰাকে, এবং খংলা আমি কোনাত বিচ্ছা মন্ত্ৰক বিচ্ছা নিবাৰে কৰাকি কামতি কামত কামত কুলি কামতি কাম ইন্দ্ৰালীকো কামতি কামত কামত কামত কামত কিবল কাম ৰাম্যানিকৰ এলাকিলে এবং আৰু মধ্যম কামত ক্ৰিকী কামতিক কামতিক কামতিক, এবং কামত মধ্যম বাহা কুলি কামতিক।

১১১। এবং বখন আমি হাওয়ারীদের প্রতি গুরী করেছিলাম যে, 'কোমরা আমার প্রতি ও আমার রাস্ত্রের প্রতি ঈমান আন,' তারা বজেছিল, 'আমরা ঈমান আনদাম এবং আপনি সাম্মী গাবল যে, আমরা ফ্লেমিম।'

১১২। যখন হাওয়ারীয়া বালছিল, 'বে মারইভামের পুত্র ঈসা। অপনার প্রতিপাশক কি আনানের জন্য আকাপ থেকে একটি খাদ্যপূর্ণ পাত্র অবন্তীর্থ করছে সক্ষম' সৈ বলছিল, 'তোমরা আন্তাব্যক্ত ভয় ভয়- য়দি গ্রেমরা বুলিন হওা'

১১৩। তারা বলেছিল, 'আমরা চাই যে, আমরা তা থেকে খাব ও আমাদের হানর প্রশাপ্ত হবে এবং জানব যে, আপনি আমাদেরকে সভ্য বলেছেন এবং আমরা ও বিষয়ে সাঞ্চীদের অন্তর্ভুক হব।'

১১৪। মারইছামের পুত্র দীসা বলল, 'হে আরাহে, আমানের প্রভিগাকত। আমানের জন্য আকাশ থেকে খানাপূর্ণ পাত্র অবতীর্থ কঞ্চন যেতি হবে আমানের জন্য একটি কানেশেগক- আমানের সমস্যামহিকাসক জন্য ও আমানের পরবর্তীয়ের জন্ম এবং আপানার পাত থেকে একটি নিনর্পন। আর আমানেরকে বিহিক দান কর্মণ এবং আপানীই উক্তম বিভিক্তনা। الْقُوْرُا الْفُسِيْنَ ۞ يُوْرُ يَجْمَعُ اللهُ الرِّسُلَ فَيَقُولُ مَا ذَاۤ أَجِبْتُرْ فَا لُوْا لَا عِلْرَ لَنَاهُ اللَّهُ اَنْتَ عَلَّمُ الْفُيُّونِ ۞

إِذْ قَالَ اللهُ يَعِنَى الْنَ مَوْلِمَ الْحُوْ يَعْمَسُ عَلَيْكُ وَكَلَّ وَالِدَنِكَ الْوَالْوَلِهُ الْمُلْكِي وَتُحَلِّمُ النَّاسَ فِي وَالْمَوْلِ وَخُوْلُ وَلَا عَلَيْمُكُ الْحَنْسِ وَالْحُكُمَةُ وَالْتُوْرِدُةُ وَ الْأَنْجِلُ وَالْوَصْلَقِي الطَّيْسِ تَعْيَقُ الظَّيْرِ فِلْقِي فَتَنْتُمُ لَيْهَا تَتَكُونَ طَيْرًا إِلِوْلَى وَتَبْرِي الْإِنْسَ الْاَيْسَ وَالْإِنْسَ الْوَلِيقِ وَوَادْ تَضُوعُ الْمُؤْنِي الْوَلِينَ وَقَبْلُو الْأَنْسَ وَالْإِنْسَ الْمِلْلِيقِي الْمُؤْلِقِي الْمُؤْنِي الْفَالِيقِيقِ الْفَيْسِ الْمُؤْلِقِيقِ الْمُؤْمِلُ الْمُؤْلِقِيقِ الْمُؤْمِلُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ الْعَلَى اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الْمُؤْلِقِ اللَّهِ الْمُؤْلِقِيلُ اللَّهِ الْمُؤْلِقِيلُ اللَّهِ الْمُؤْلِقِيلُ اللَّهِ الْمُؤْلِقِيلُ اللَّهِ الْمُؤْلِقِيلُ اللَّهِ الْمُؤْلِقِيلُ الْمُؤْلِقِيلُ اللَّهِ الْمُؤْلِقِيلُ اللَّهِ الْمُؤْلِقِيلَ الْمُؤْلِقِيلَ الْمُؤْلِقِيلَ اللَّهِ الْمُؤْلِقِيلُ اللَّهِ الْمُؤْلِقِيلُ اللَّهِ الْمُؤْلِقِيلُ الْمُؤْلِقِيلُ اللَّهِ الْمُؤْلِقِيلُولِيلَّ الْمُؤْلِقِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولُولُولُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولَيلُولُولِيلُولُولُولِيلُولُولِيلُولُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُولُولُولُولُولُولُولِيلُولُولُولِيلُولِيلُولِيلُولِيلُو

تِسُورِيِينَ وَاذْ اَوْمَيْتُ إِلَى الْحَوَارِيِّنَ اَنْ اٰمِتُوا بِيْ وَبِرَسُولِيْ قَا لُوَّا اَمْنًا وَاهْمَدْ بَاثْنَا مُسْلَبُونَ @

إِذْ قَالَ الْحُوارِيُّونَ يَعْيَسَ ابْنَ مَوْيَرَ هُلَّ يَشْتَطِعُ رَبُّكَ أَنْ يُنَّوِّلُ عَلَيْنَا مَّالِدَةً مِنْ السَّمَّاءِ قَالَ اتْقُوا الله إِنْ كُنْتُرُ

قَا لُوْا نُرِيْدُ إِنْ تَأْكُلَ مِنْهَا وَتَطْمَئَنَّ قُلُوْبُنَا وَنَعْلَيَ إِنْ قَنْ مَدْفَتَنَا وَتَكُونَ عَلَيْهَا مِنَ الشّهديْنَ ﴿

قَالَ عِيْسَ ابْنُ مَرْيَرَ اللَّهُمِّ رَبَّنَا ٱلْوَلْ عَلَيْنَا مَاّلِدُةً مِّنَ السُّمَّاءِ تَكُونُ لَنَا عِيْدًا لِآوٌ لِنَا وَأَخِرِنَا وَأَخِرِنَا وَإِيدٌ مِّنْكَ، إِرْزُفْنَا وَٱلْنَ خَيْرُ الرَّوْفِينَ ۞ ১১৭ আপনি আনাকে যা নির্দেশ করেছিলেন তা হাড়া ভালেরকে আনি কিছুই কলিনি (ভা এই) বে, তোধবা আদ্বাহর ইনালক কর টিনি আনার প্রতিপাদক ও প্রোমানর প্রতিপাদক, এবং আমি ভালেক প্রকেতাগগেও) সাজী হিলান বক দিন আমি ভালের মধ্যে ছিলাম, কিছু যখন আপনি আমাকে মৃত্যু দিবলা ভখন আপনিই ছিলেন ভালেও (ভার্যকলাগেও) গর্মিকভার এই আপনি সুক বিজ্ঞু করেজনানী।

১১৮. আপনি যদি তাদেরকে শান্তি দেন তাহলে তারা আপনারই বাশা, আর যদি তাদেরকে ক্ষমা করেন, তাহলে নিশ্রয় আপনিই মহাপ্রতাপশানী ও মহাপ্রকারন ।'

১৯৯। আন্নাহ বলাকেন, 'এই দিন সত্যবাদীদের সভ্যবাদীতা তাদের উপকারে আদাবে। তাদের জন্ম রয়েছে জন্মতাসমূহ, যেওলোর নীতে নরকসমূহ প্রধাহিত, সেবানে তারা চিত্তস্তাই ববে। আন্নাহ তাদের প্রতি সম্বৃষ্ট হামেনে এবং তারাও তাঁর প্রতি সমুষ্ট হয়েছে। এটিই মহাসাম্পা।'

১২০।আঅলনসূত্ৰ ৩ পৃথিৱী এবং এদের মধ্যে যা কিছু আছে আর আছব ক্রিড্রাইন ক্রিট্রাইন ক্রেই এইন ক্রিট্রাইন ক্রেইন ক্রেইট্রাইন ক্রে

وَإِذْ قَالَ اللهُ يُعِيْمَى إِنِّن مَوْفَىرَ وَأَنْفَ قُلْفَ لِلنَّاسِ الْحِكْرُونِي وَأَمِّى إِلَيْهِي مِنْ دَوْنِي اللهِ قَالَ سَبْدَ خَلَامَ ا يَكُونُ إِنَّ أَنْ أَقُولُ مَا لَيْنَى لِيْ بِحَقِّ إِلْى كُنْفَ قُلْفَدُ فَقَلْ عَلَيْمَةً تَعْلَرُ مَا فِي تَفْسِى ذَلْ الْأَعْلَرُ مَا فِي تَفْسِكُ إِلَّكُ أَنْ الْمُنْفَقِيدُ

مَا قُلُكَ لَهُمْ إِلَّاماً آمَوْتَيْنَ بِهَ إِنِ اعْبُدُوا اللهُ رَيِّنَ وَرَكُمُّ : وَكُنْ مَا يَعْمِرُ هَمِيدًا مَا مُصَّ فِيْهِرَ \* فَكَمَّا تَوَفَّيْنَ مِنْ كُنْ مَّ أَنْ الرَّقِبْ عَلَيْهِمْ ﴿ وَأَفْتَ فَلَى كُلِّي هَمْ عَمِيدٌ ۞

عَلَّا الْغُيُوبِ @

إِنْ تَعَدِّبُهُمْ فَالَّهُمْ عِبَادُكَ وَإِنْ تَغْفِرُ لَهُمْ فَالِكُ أَلْفَ أَلْفَ أَلْفَ الْمَوْ الْتَوِيْزُ الْتَكِيْرُ ۞ قَالَ اللهُ هُذَا يَرْزُ مُنْفَعُ الشَّدَيْنَ صَدْفُهُمْ • لَهُرْ جَنَّتْ

قال الله هذا يوم ينفع الصدقين صدقهي وله رحق تَجْرِي مَنْ تَحْيَّهُ الْأَنْهُورُ خُلِدِينَ فَيْهَا أَبَدًا وَمِّيَ اللهُ عَنْهُرُ وَ رَشُّواْ عَنْهُ ﴿ لِكَ الْقُورُ الْعَظِيرُ ﴾

للهِ مَلَكَ السَّمُوتِ وَالْأَرْضِ وَمَا فِيْهِنِّ، وَهُوَ عَلَّى كُلِّ هُنَّا ﴾ الله الله الله الله قَدِيْرُ ﴾

## ৬. সুরা আন'আম, মার্কী ১৯৫ আয়াত, ২০ ঞ্ক

অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহ্র নামে

- ১. সকল গ্রশংসা আল্লাহর জন্য যিনি আকাশসমূহ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন, এবং বানিয়েত্বন অন্ধরার ও আলো এরপরও হারা বছারী ব্যারাভ আরা তাদের প্রতিপাদকের সমকক নির্ধারণ করে:
- ২ তিনিই তোমদেরকে কাদা মাটি থেকে সৃষ্টি করেছেন, এরপর একটি সময় (মতার সময়) নির্দিষ্ট করেছেন এবং তাঁর নিকট বাব্যার একটি নির্ধারিত সময় (কিয়ামত), এরপরও তোমরা সন্দেহ কর।
- ৩ এবং আকাশসমত ও পথিবীতে তিনিট আলাচ। তোমাদের পোপন বিষয় त कामाराज शकाना विवाद जिल्ले साराजन अवन कामाराज वा सर्वाज स्व काल किथि कार्याय
- ৪। আর তাদের প্রতিপালকের নিদর্শনসমূহ থেকে এমন কোন নিদর্শন তালের নিকট আসে না যা থেকে তারা মথ ফিরিয়ে নেয়নি
- ৫। তারা তো সভাকে ছিখা অভিভিত বাবেছে হখন তা আদেব বাছে এসেছে। কিন্তু অচিরেই তাদের কাছে সে সংবাদ (কিয়ামত) আসবে যা নিয়ে ভারা ঠাট্টা-বিদপ করত।
- ৬। তারা কি দেখেনি, আমি তালের পর্বে কত প্রক্রন্তকে ধ্বংস করে দিছেছি? তাদেরকে আমি পথিবীতে এমনভাবে প্রতিষ্ঠিত করেছিলাম যেভাবে আমি ভোমাদেরকে প্রতিষ্ঠিত করিনি এবং তাদের উপর আকাশ থেকে প্রচর বাঁট্ট প্রেরণ করেছিলাম, এবং ভাদের দীচে নহরসমহ প্রবাহিত করেছিলাম, অতঃপর তাদের অপরাধসমূহের কারণে তাদেরকে আমি ধাংস করেছি এবং তাদের পরে অপর এক প্রজন্মকে সাঁট করেছি:
- ৭ আর যদি আমি তোমার নিকট কাগজে (দিখিত) কিতাবধ অবতীর্ণ করতাম, অতঃপর তারা তা তাদের হাত নিয়ে স্পর্শন্ত করত তবও যারা কফরী করেছে তারা অবশাই বলত 'এটা সম্পন্ন জান ভাতা আৰু বিচ नम।"
- ৮। এবং তারা বলে, 'তার নিকট (সতর্ককারীব্রপে) কোন ফেরেশতা অবতীৰ্ণ কৰা হল না কেন»' আৰু যদি আমি ফোৰেশনা অৱসীৰ্ণ স্কলনাম তাহলে অবশ্যই বিষয়টি ফয়সালা হয়ে যেত, এরপর ভাদেরকে কোন WARRY COST FOR STI-
- ৯। এবং যদি আমি তাকে (রাসলকে) ফেরেশতা বানাতাম ভাহলে অবশাই তাকে আমি মান্য হিসেবে বান্যতাম এবং তাদেরকে অবশাই সেরুপ বিপ্ৰমে যেলভাম যেৰূপ বিভ্ৰমে ভাষা (এখন) বাফাছ
- ঠাট্রা-বিদ্রুপ করেছিল তাদেরকে (বিদ্রুপকারীদেরকে) পরিবেষ্টন 2 क्राविक

٦ سُورَةُ الْأَنْعَامِ مَكُنَّةُ أَيَاتُهَا ١٦٥، رُكُوعَاتُهَا ٢٠ بسه الله الرَّحْمِٰنِ الرَّحِيْمِ

ٱلْحَمْدُ لِلهِ الَّذِي عَلَقَ السَّمُوتِ وَالْأَرْضَ وَجَعَلَ الظُّلُمِي وَالنُّورَ وَقُلَّ الَّذِينَ كَفَوُوا بَيْهِ يَعْدِلُونَ ٥

هُوَ الَّذِيْ خَلَقَكُرْ مَّنْ طَيْنِ ثُيرٌ قَفَى آجَلًا ﴿ وَآجَلُ مَّسَمِّي عَنْدَهُ أُنَّ أَنْتُرُ تَمْتَوُونَ ۞

وَهُوَ اللَّهُ فِي السَّبُوٰتِ وَفِي الْإَرْضِ، يَعْلَيُ سِرَّكُيْرُ وَجَهْرَكُيْرُ وَ يَعْلَرُ مَا تَكْسُبُوْنَ ۞

وَمَا تَأْتِيْهِرْ مِّنْ أَيَّةٍ مِّنْ أَيْتِ رَبِّهِرْ إِلَّا كَانُوْا عَنْهَا مُعْرِضِينَ ۞

فَقَدْ كَذَّبُوا بِالْحَقِّ لَمًّا جَاءَهُمْ وَفَسَوْنَ يَأْتَيْهِمْ أَثْلَبُواْ مَا كَانُوْ البهِ يَسْتَهْزِءُوْنَ ﴿

أَلَرْ يَ وَاكَرْ أَهْلَكْنَا مِنْ قَبْلَهِرْ مِّنْ قَرْكِ مَّكَّتُهُرْ فِي الْأَرْضِ مَا لَيْ نُمَكَنْ لَّكُيْ وَٱرْسَلْنَا السَّمَّاءَ عَلَيْهِ \* مَّدْرَارًا ۗ وَّجَعَلْنَا الْأَنْهُ لَجُ يُ مِنْ تَحْتِمِ أَفَاهُلَكُنَّهُ إِلَّانُوْبِمِ وَأَنْشَأْنَا منْ بَعْد هِرْ قَوْنًا أَخُويْنَ ⊙

وَ لَوْ نَا ۚ ثُنَا عَلَيْكَ كُتُبًا فِي قِرْطَاسِ فَلَمَسُوهُ بِأَيْدِيْهِي لَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا إِنْ هَٰذَاۤ الَّاسَعُرُ مُّبَيْنٌ ۞

وَقَا لُوْا لَوْ لَآأَتُولَ عَلَيْهِ مَلَكٌ وَلَوْ أَنْزَ لَنَا مَلَكًا لَّقُفَى الْآمُورُ تُرِ لَايُنْظَرُونَ ۞

وَ لَوْ جَعَلْنُهُ مَلَكًا لَّجَعَلْنُهُ رَجُلًا وَّ لَلْبَسْنَا عَلَيْهِرْ مَّا يَلْبُسُونَ ۞

مِنْهُرْ مَّا كَانُوْ إِبِهِ يَشْتَهْزِءُونَ ١٠

- ১১। বল, 'তোমরা পৃথিবীতে ভ্রমণ কর, এরপর লক্ষ্য কর, রেমন ছিল মিখ্যা অভিহিতকারীদের পরিবাম।'
- ১২। বন, 'আকাশনমূহ ও পুথিবীতে যা কিছু আছে তা কারা' বন, 'আন্তাহনই', 'দরা করা'কে তিনি তার নিজের উপর আবশ্যক করে দিয়েছেন। তিনি তোমাদেরকে অবশাই একত্র করবেন কিয়ামতের দিনে, যে বাগাপরে কোনো সম্পেহ নেই। যারা আপের নিজেদের ক্ষতি করেছে করের ইয়াক জানার লা।
- ১৩: এবং রাতে ও দিনে যা কিছু (অর্থাৎ তারকা, চন্দ্র ও সূর্য) অবস্থান করে ভা ভারত্তী। এবং ভিনিই সর্বশ্রেতা ও সর্বজ্ঞানী।
- ১৪। বল, 'আমি কি আয়াছ য়াড়া অন্যকে অভিভাবক হিসেবে এহণ করব মিনি আকাশনমূহ ও পৃথিবীর ব্রাষ্ট্র, যখন তিনিই (প্রবিহ্রেক) আয়ার করান কিন্তু তাঁকে আয়ার করানো হয় নাগ' বল, 'নিশ্চয় আমি আদিছি হয়েছি যেন আমি প্রথম আছমসমর্পকারী হই।' আর তুমি কবনো মশবিনদের অস্তর্গত হয়ে না।
- ১৫। বল, 'আমি যদি আমার প্রতিপালককে অমান্য করি ভাহলে নিশ্চয় আমি জ্ঞা স্তবি এক জ্যাবহু দিনের শারিব।'
- সে দিন যাকে তা (শান্তি) থেকে সরিয়ে রাখা হবে তার প্রতি তিনি দয়াই করে থাকারেন। রবং এটি সম্পন্ত সাফল্য।
- ১৭। আর যদি অন্তাহ তোমাকে কোনো ক্ষতি ছারা শর্প করেন, তবে তিনি ছার্তা তা দূরকারী আর কেউ নেই। আর মনি তিনি তোমাকে কোনো কল্যাণ ছারা শ্পর্শ করেন, তবে তিনি সবকিছুর উপর সর্বশক্তিমান।
- ১৮ এবং তিনিই তাঁর বান্ধানের উপর একক্ষয়ে অধিপতি। এবং তিনিই মহাপ্রজাবান ও সর্বজা।
- ৯৯ বলা, সাক্ষা বিসেবে সর্বর্জেক কী। বলা, আন্নয়ন্ত আমার মানে ও বোআহা মানে সাক্ষ্যী, এবং এই বুকান মানার নাচি এটা আনহে আছে আমি বোলাকাকে এবং বাল দিবটা এটা পৌহবে তাকে এর মান্যাম সকর্ব করাকে পারি। যোজাই কি এ সাক্ষ্য সাব যে, আন্নাত্ত যাখা আন ইন্যান্ত আছে। বলা, আমি সোক্ষা সেই লা। কলা, ভিনি কোৰা এক ইন্যান্ত এবং কা, আমি সোক্ষা সেই লা। কলা, ভিনি মানি কুলা।
- ২০। আমি যাদেরকে কিতাব দিয়েছি তার। (অর্থাৎ তাদের আলেমরা) এটিকে (কুরআনকে) এমনতবে চিনে ফেডারে তারা তাদের সন্তানদেরকে চিনে। যারা তাদের নিজেদের ক্ষতি করেছে, তারা ঈমান আনবে না।
- ২১। এবং তার চেয়ে অধিক জালিম আর কে যে অল্লাহ্ সম্বন্ধে মিথ্যা রচনা করে অথবা তাঁর আয়াতসমূহকে মিথ্যা অভিহিত করেঃ নিশ্চয় জালিমরা সফল হয় না।
- ২২৷ এবং যেদিন আমি তাদের সকলকে সমবেত করব, এরপর যারা শরীক করোছল তাদেরকে কাব, 'তোমাদের শরীকরা কোবায়, যাদেরকে তোমরা (আমার শরীক) ধারণা করতে?'

- فُلُ سِهْرُواْ فِي الْاَرْضِ ثُمَّ الْطُوُوْا كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةً الْمُخَلِّيْنَ فُلْ لِمَنْ مَّا فِي الشَّفُونِ وَالْاَرْضِ وَالْوَالِمِ فَلْ اللَّهِ، كَتَبَقَّ مَنْ لَفْسِهِ النَّهْمَةَ لَيْضَمَّاتُكُمْ الْمُنْوَالْقِيمَةِ لاَرْتَبِ فَلْ اللَّهِنَةِ لاَرْتَبَ فَلْ لَقْسِهِ
  - خَسِرُوْٓا اَنْفُسَهُمْ فَهُمْ لَايُؤْمِنُونَ ۞ وَلَهُ مَا سَكَنَ فِي الْيُلِ وَالنَّهَارِ وَهُوَ السَّبِيْعُ الْعَلِيرُ ۞
- قُلُ اَغَيْرَ اللهِّ اَتَّحْدُ وَلِيًّا فَاطِرِ السَّمٰوٰتِ وَالْأَرْضِ وَهُوَ يُفُعِرُ وَلَايُطُعِّرُ فَلَ إِنِّيٍّ أَهِرتُ أَنْ أَكُونَ أَوَّا وَلَّا مَنْ ٱشْلَر وَ لَاتُكُونَا مِنَّ إِلْفُهُمْ كِنِّ فَي
- قُلُ إِنِّيَّ آَخَانُ إِنْ عَصْبُ رَبِّيْ عَذَابَ بِوْ إِ عَظْيرٍ ۞ مَنْ يُّصُرِّنُ عَنْهُ يُوْمَعُك فَقَدُ رَحِمَهُ وَذُ لِكَ الْغَوْرُ الْمُبِيُنُ ۞
- وَ إِنْ يَّهْسَنْكَ اللهُ بِغَرِّ فَلَاكَاشِكَ لَهُ إِلَّاهُوَ وَإِنْ يَهْسَلْكَ بِخَهْرُ فَهُو غَلْ كُلِّ شَيْءً قَدْ يُرَّ ۞
  - وَّهُوَ الْقَاهِرُ فَوْقَ عِبَادِهِ ۚ وَهُوَ الْحَكِيْرُ الْخَبِيْرُ الْخَبِيْرُ ۞
- قُلُ أَنَّ شَنَّ أَخَبُّرُ شَهَادَةً، قُلِ اللَّهُ شَهِيْدًا بَيْنِيْ وَيَيْنَكُرُ مِ وَأَوْصِى إِلَّ هَذَا القُرْانِ لِآئِد رَكُر بِهِ وَمُنْ بَلَغَ النِّسُرُ لَتَفْهَدُونَ أِنَّ مِنَّ اللَّهِ إِلَيْهُ أَهْرِى فَلَّ آلْهَهُدُ ءَقُلْ إِلَّنَا هُوَ الدُّواهِدُّ وَالنَّهُ بَيْنَ مِنْ اللَّهُ فَكُنْ ثَنْ
- الَّذِينَ اتَيْنَهُمُ الْكَتْبَ يَعْدِ فُوْتَدَكَمًا يَعْدِفُونَ آبَنَّا تَهُمُّ الَّذِينَ عَسِرُقَا أَنْفَسَمُّر فَهُمْ لَايَوُّمِنُونَ ۞ وَمَنْ أَطْلَمُ مِنْ افْتَدِى كَلَ اللَّهِ كَذِبًا أَوْكَنَّ بِالْعِنَا اللَّهِ اللَّهِ
- لَايُفْلِحُ الظَّلِّمُوْنَ ۞ وَيَوْرُ اَنْحُشُرُهُمْ جَمِيْمًا لُهُ ۚ نَقُولُ لِلَّذِيْنَ اَهْرَكُواۤ اَيْنَ

مُرَكَّا وُّكُرُ الَّذِينَ كُنْتُرْ تَزْعُمُونَ @

- ২০। এরপর তাদের ফিন্তনা (মিধ্যা কৈফিয়তে) এ ছাড়া আর কিছুই হবে না যে, তারা নদবে, 'আমাদের প্রতিপালক আল্লাহর কসম। আমবা মুশরিক ছিলাম না।' ২৪। লক্ষ্য কয়, তারা তাদের কিজেদের সম্পর্কে কিন্তপ মিধ্যা বলবে এবং
- ২৪। লক্ষ্য কর, তারা তাদের দিক্ষেদের সম্পর্কে কিরপ মিথ্যা বলবে এবং তারা যে মিথ্যা রচনা করত তা (অর্থাৎ মিথ্যা উপাস্যরা) তাদের থেকে উধাও হয়ে যাবে।
- ২০। আর তাদের মধ্যে কেউ কেউ তোমার দিকে কান পেতে রাখে, কিছু
  আমি তাদের এদরের উপর আবরণ তৈরি করেছি, যাতে তারা তা
  বুকাতে লা পারে এবং তাদের কামে নারেরে বিবিতা। করে মদি তারা
  প্রতিটি নিদর্শন দেখে তবুও তারা এতে সীমান আনবে লা। এমনতি যথন
  তারা তোমার নিকট এদ্যে তোমার সাথে বিতর্ক করে তথন বারা বুক্সরী
  করেছে তারা বেল, "তাঁ সুক্তিবিদ্যার উপরতা তারা বিক্র লা।
- ২৬। এবং তারা (অন্যকে) তা (শ্রবণ করে) থেকে নিষেধ করে এবং তারা (নিজেরাও) তা থেকে দূরে থাকে, আর তারা কেবল তাদের নিজেনেরকেই ধ্বংস করে, অবড় তারা অন্তব করে না।
- ২৭। এবং যদি ভূমি দেখতে যখন তাদেরকে আতনের সামনে গাঁও করানো হবে এবং তারা কলবে, 'হায়। যদি আমাদেরকে (গুলিরাঃ) ফিলিয়ে দেরা হত তাহলে জামরা আমানের প্রতিপাশকের আরাতসমূহকে মিধা অতিহিত করতাম না এবং আমরা ম'মিদেরে অস্তর্ভত বয়ে যেতাম।
- ২৮। বরং পূর্বে তারা যা গোপন করত তা (এখন) তাদের নিকট প্রকাশ প্রেয়ছে। আর যদি তারা প্রত্যাবর্তিত হয়ও তবে খা থেকে ভাদেরকে নিষেধ করা হয়েছিল তারা পুনরায় তাই করবে এবং নিকল্প তারা প্রকাশ্য হিঞ্জাবানী।
- অবশ্যহ ।বব্যবাশা।

  ২৯। এবং তারা বলে, 'এটি (অর্থাৎ জীবন) কেবল আমাদের দুনিয়ার জীবন

  এবং আমবা পনক্ষতিত চবার নট।'
- অবশ্যই তারা ক্ষতিপ্রত হয়েছে যারা আল্লাহর সাক্ষাথকে মিথ্যা বলেছে।
   অবশ্যের হখন হঠাৎ তালের নিকট বিদ্যামত আসবে তখন তারা কাবে,
   'এ ব্যাশারে আমরা যে অবহেশা করেছি তার জন্য আফ্সেমা', যখন
   তারা তালের পিঠি তালের (শালের) বোরা বহন করবে। তানে রাধ,
   জানা আক্রম করবে তা করেই না কির্ম্বট!
- ৩২। আর দুনিয়ার জীবন থেল-তামাশা ছাড়া আর কিছু নয়। এবং যারা তাক্তরো অবলম্বন করে তাদের জন্য অবশ্যই আধিরাতের আবাস উত্তম। তবে কি ভোমরা অনধাবন কর মাঃ
- ৩৩। অবশাই আমি হানি বে, তারা যা বলে তা নিভয় তোমাকে অবশাই দুচ্চিন্তাগ্রন্থ করে, তবে নিভয় তারা তোমাকে (ব্যক্তিগতভাবে) মিথাবালী বলে না, বংং জাদিমরা আয়াহের আয়াতসমহকে অধীকার করে।

- ثُرَّ لَرْتَكُنْ فِنْنَتَكُمْ إِلَّا أَنْ قَا لُوْ اوَ اللهِ رَبِّنَا مَاكُنَّا مُفْرِكِينَ ﴿ اَنْظُرْ كَيْفَ كَذَبُوا فَيْ اَنْفُسِمِرُ وَمَلَّ عَنْهُرْ مَّا كَانُوا يَفْتَرُونَ ﴿
- وَمِنْهُرْ مَّنْ يَّسْمَعِمُ إِلَيْكَ، وَجَعَلْمَنا فَيُ قَلُوْبِهِرْ أَكِنَّةُ أَنْ يُفْتَغَوْدُوْقِيَّ آذَانِهِرْ رَقْوًا وَآنَ يَبْرَا كُلِّ آيَةٍ لِأَيْرُومُوْا بِعَا، حَمَّى إِذَا جَاءُوْكَ يُجَادِ لُوْلَكَ يَكُولُ اللَّهِيْنَ كَفَرُوَّا إِنَّهُ مَنَّ
- إِلَّا أَسَاطِهُوْ الْأَوْ الِيْنَ۞ وَهُرْ يَنَهُونَ عَنْدُ وَيَنْغُونَ عَنْدُ، وَإِنْ يَنْهُكُونَ إِلَّا ٱلْفُسَهُرْ وَ مَا يَشْعُونَ ۞
- وَ لَوْ تَزِّى إِذْ دُوَعُوْ(اَنِّى النَّارِ فَقَا لُوْ(الْلَيْمَتَنَا لُرَدُّوَ لَالْكُلِّبَ بِالْبِ رَبِّنَا وَنَكُوْنَ مِنَ الْمُؤْمِنِيْنَ ۞
- بَلَ بَدَا لَهُرْ مَّا كَانُواْ يُحْفُوْنَ مِنْ قَبْلُ ، وَ لَوْ رُدُّواْ لَعَادُواْ لِمَا نُهُواْ عَنْهُ وَ الْقَيْلُ لَكُذِيْرُانَ ۞
- وَقَا لُوْٓ ۚ إِنَّ هِيَ إِلَّا مَيَاتُنَا } لدُّنْيَا وَمَانَهُنَّ بِمَبْعُوثِينَ ۞
- بلى وَ رَبِّنَا قَالَ فَدُوقُوا الْقَدَابَ بِمَا كُنْتُرْ تَحُمُّوُونَ هُ قَدْ حَسِ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِلِقَاءِ السِّحَمِّي إِذَا جَاتُوهُمُ السَّاعَةُ بَفْتَةً قَا لُوا يُحْمُّرُنَنَا فَيْ عَا فَوْطُنَا فَيْهَا، وَهُرْ يَحْمُلُونَ
  - ٱۉڒؘٵڒۿؙڔٛۼؙؖ؏ؙڰٛۄٛڔؖۿؚۯٵۜڵۺؖٲءَمَا يَڗٟۯؖۉڽٙ۞ ۅؘٛۻٙٳڬؾؘڽۣ؋ٞٳٮڎ۠ۮؽٙٳۧٳڵؖڔػڡۨۅ۠ڷۿۄ۫؞ۅۧڶڐٳڔؙٳڵڂ؞ڰٞڂؽڽ۫ؖ
- لِّلَّذِينَ يَتَقَوْنَ وَأَفَلَانَغُقِلُونَ @
- قَدْ نَعْلَرُ إِنَّهُ لَيَحْزُنُكَ الَّذِي يَقُولُونَ فَا نَّمْرُ لَايُكَدِّبُوْنَكَ وَلَانَ مَا نَّمْرُ لَايُكَدِّبُوْنَكَ وَلَانَ الظَّلْمِيْنَ اللَّهِ يَجْحَدُونَ ۞

অৱশাই কোহাৰ নিকট বাসলাদৰ কিছ সংবাদ এসেছে। কর। যার হতি কাছের উপেক্ষা ব্যাহার ভিত্তী নামবলীয় বল ভারার পারার

व्यक्तम्ब कावर्भक करमा स्र

कारम्बरक विकिया तथा हात।

দুগাৰ্ভ বোন সমূহ অথবা আৱাপে বোন সিমি খোঁত বৰ এবং ভালের নিকট কোন নিয়ৰ্পন নিয়ে আম। আৰু যদি আলাহ ইজা কৰাকন আহলে

অৱশাই ডিনি ডালেকে সমিকপথের উপর একন করতেন সভরাং ভবি

৩৬। যাবা (মন দিয়ে) পরণ করে ভারাই কেবল (বাসলের) ভাকে সাভা

দেয়। আর মতদেরকে আল্লাহ পুনরুত্বিত করবেন, এরপর তারই নিকে

- ٦-سُرَةُ الْإِنْعَارَ وَ لَقَدْ كُذِّ بَيْ رُسُلٌ مِّنْ قَبْلِكَ فَصَبُ وَا عَلَى مَا كُذِّبُوا وَ أُودُوا क्रिय आफ्रांत्रक विकासकी जाता देशन जाता रेश्वीसांत्रव अवस्थित नात-حَتَّى أَتُهُمْ نَصْرُنَاء وَ لَامُبَدِّلَ لَكُلُّمِ اللَّه وَ لَقَدْ جَاءَكَ مِنْ এসেছিল, এবং আধাহর বাণীসমহের কান পরিবর্তনভারী নেই, এবং

  - نَّبَاي إلْهُ سَلَيْنَ @ وَ انْ كَانَ كَبُ عَلَيْكَ اعْرَافُهُ \* فَانِ اسْتَطَعْبَ أَنْ تَبْتَغَى نَفَقًا ى الْأَرْضِ أَوْسُلَّمًا فِي السَّمَاءَ فَتَأْتَيَهُرْ بِايَةٍ وَ لَوْشَاءَ اللَّهُ
  - لَجَمَعُهُمْ عَلَى الْهُدى فَلَاتَكُوْ نَنَّ مِنَ الْجُهليْنَ ﴿ انَّمَا يَشْتَجِيْبُ الَّذِيْرَ يَسْمَعُونَةً وَالْيَوْتَى يَبْعَثُمُ اللَّهُ ثُرًّ
  - الَيْهِ يُهُجَعُونَ ١ وَ قَا لُوْا لَوْ لَائْزَ لَ عَلَيْهِ أَيَةً مِّنْ رَّبِّهِ قُلْ إِنَّ اللَّهَ قَادرَّ عَلَى أَنْ
  - يُّنَوْلَ ايَدُّوْ لَكِنَّ آكَتُوَهُمْ لَا يَعْلَمُونَ @ وَمَا مِنْ دَآبَّة فِي الْأَرْضِ وَ لَاطَّتْ يُطِيُّ بِهِنَا هَيْهِ الَّآ أُمَّ
  - أَمْنَا لُكُرْ مَا فَرَّطْنَا فِي الْكِتْبِ مِنْ هَيُّ أَيُّ إِلَى رَبِّهِرْ وَ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِالْمِتِنَا مُرَّ وَبُكِّ فِي الظُّلُمِي مَنْ يَشَا اللَّهُ يُفْلِلُهُ وَمِنْ بُشَا يَكُعُلُهُ عَلَى صَاطِعُسْتَقَد هِ
  - قُلُ أَرْءَيْتُكُمْ إِنْ أَتُكُمْ عَذَاكِ اللهُ أَوْ أَتَتُكُمُ السَّاعَةُ أَغَيْبَ اللهِ تَدْعُونَ ۚ إِنْ كُنْتُرُ ۚ صُلَقَدَ. هَ
- वक्त (७वन) व्यापन (७वन) विकास (७व ) विकास (७वन) विका مَا تُشْرِكُوْنَ أَنْ
  - وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا إِلِّي أُمْرِ مِّنْ قَبْلِكَ فَأَخَذُنْهُرْ بِالْبَاسَاءُ وَ الشُّوَّاء لَعَلَّهُمْ يَتَفَرِّعُونَ @
  - فَلَوْلَاۤ اذْجَآءَهُرْ بَاْسُنَا تَضَرَّعُوا وَلَكِنْ قَسَتُ قُلُوْبُهُرْ وَ زَيَّنَ
    - لَهُمُ الشَّيْطُنُ مَا كَانُوْ إِيَعْمَلُونَ ﴿ فَلَمَّا نَسُوْ امَا ذُكِّرُ وَا بِهِ فَتَكْنَا عَلَيْهِمْ ۖ ٱبْوَ إِنَّ كُلِّ هَنَّ \* حَتَّى

اذَا فَرِحُوا بِمَا أَوْتُوا إِ أَخَذْنُهُ وَ بَقْتَةً فَاذَا هُرُ مُّبْلُسُونَ ۞

- কর। এবং সারা বলে 'সার প্রতিপালাকর পক্ষ গোল্ড সার নিবট বোন নিদর্শন অবতীর্ণ করা হল না কেনঃ' বল, ' নিশ্বর আল্রাহ নিদর্শন অৱসীৰ্ণ কৰাত সক্ষয়' কিন্তু ভানেৰ অধিকাংশই জানে না
- সাহায়ে টাম এয়ন কোন পাৰী নেই হাবা সোহাদেব হাস এক একটি উন্মত(জাতি) নয়। আমি কিতাবে কোন কিন্তুই অবহেলা করিনি, এরপর ভাদের প্রতিপালকেরই দিকে ভাদেরকে সমবেত করা হবে। ৩৯. আর যারা আমার আয়াতসমহকে মিথ্যা অভিহিত করেছে ভাবা জন্ধকাব নিম্বরিতে বধিব ও বোরা। আলাত যাকে উচ্চা করেন পথনেই করেন এবং

৩৮। পথিবীতে বিচরণদীল এমন কোন জীব নেই অথবা তার নই ওলার

- যাকে ইচ্ছা করেন, সরল-সঠিক পথের উপর বাখেন। ৪০। বল, 'ভোমরা ভেবে দেখের কিং যদি আতাহর শান্তি ভোমাদের উপর একে পাছ অথবা কোয়ামের নিজাই বিষয়েত একে পাছ ভারাল ভারেক কি আল্লাহ ছাতা (অন্য কাউকে) ভাকবে- যদি ভোমরা সভাবাদী হওচ
  - কারণে তাঁতে ভাতরে তিনি ইক্ষা করলে তা দর করে নিবেন এবং (তথন) ভোমরা যা শরীক করতে তা ভলে বাবে।
- ৪২। আর অবশ্যই আমি তোমার পূর্বে বহু উন্মতের নিকট (রাসুল) প্রেরণ করেছি, অতঃপর ভাদেরকে অভাব-অন্টন ও দঃখ-কট দিয়ে পাকভাও কৰেছি যাতে তাবা কাকডি-ত্বিনতি কৰে।
- ৪৬। অমধ্যে মধ্য আহার সামি দায়ের টাবর আহার কথ্য আরা কাকতি-মিনতি কবল নাং কিল তাদেব জনয় কমিন হয়ে পিয়েছিল এবং তারা যা করত শয়তান তা তালের নিকট শোভনীয় করেছিল।
- ৪৪। অভ্যপর মধন ভানেত্রকে যে উপদেশ দেয়া হয়েছিল ভারা ভা ভলে গেল তথন আমি তানের জন্য সর কিছুর দরলা উনুক্ত করে নিলাম। অবশেষে হ'বন ভাসেরকে যা সেয়া হয়েছিল ভাতে ভারা উৎফল্র এল ভবন হঠাৎ তাদেবকে আমি পাৰ্কতাও কৰ্মাম ফলে তৎক্ষনাৎ ভাৰা চভাশাপ্ৰত্ন হল।

- ৪৫। অভঃপর জালিম সম্প্রদায়ের মুদ্দ কেটে দেয়া হল। আর সকল প্রশংসা জণৎসমহের প্রতিশালক আল্লাহর জনা।
  - ৪৬ বল, 'তোমরা কি ভেবে দেখেছ, যদি আল্লাহ তোমাদের প্রবণশক্তি ও দৃষ্টিশক্তি কেন্তে নেন এবং তোমাদের ঋদয়ে মোহর মেরে দেন ভাইলে আহাত চাড়া কে সেই ইলাত যে তোমাদেকক তা ভিবিয়ে দিবেল পদা কর, কিভাবে আমি নিদর্শনসমহ বিভিন্নভাবে বর্ণনা করি, এরপরও তারা মধ কিবিয়ে নেয়।
  - ৪৭। বল, 'তোমরা কি ভেবে দেখেছ, যদি আগ্রাহর শান্তি হঠাৎ অথবা প্রকাশ্যে ভোয়াদের উপর এসে পড়ে ডারুলে জালিম সম্পদায় ছাড়া আর অাট্যক খ্রুণস করা হবে কিঃ
  - ৪৮: আৰু আমি বাসলদেৱকে কেবল সসংবাদদাতা ও সতৰ্ককাৰী হিসেবেট প্রেরণ করি, সতরাং যারা ঈমান আনবে ও (নিজেদেরকে) সংশোধন করবে তাদের কোন ভয় নেই এবং তারা দুক্তিস্কাগ্রন্তও হবে मा।
  - ৪৯। আর যারা আমার আয়াতসমহকে মিগ্যা অভিহিত করেছে, তাদেরকে শান্তি স্পর্শ করবে কারণ ভারা পাপাচার করত।
  - on an 'चारि काशासवाक वित सा ता चाराव निवध चालावव ধনভাধারসমহ রয়েছে এবং আমি অদশাও জানি না এবং আ অনসরণ করি যা আমার প্রতি ওহী করা হয়।" বল, 'দার্টিহীন ও দার্টিসম্প কি সমানঃ তবে কি তোহৰা চিন্তা কৰ নাঃ'
  - ৫১। এবং তমি এর (করআন) ছারা তালেরকে সতর্ক কর যারা ভয় করে যে, তাদেরকে তাদের প্রতিপালকের দিকে সমবেত করা হবে, যথম তিনি ছামা সাদের রোম অভিনারক ও কোম সপারিশকারী থাকরে না যাতে कार्या काल-क्या कार्यक्रम्ब स्वराप्त शास्त्र।
  - ৫২। এবং যারা তাদের প্রতিপালককে সকালে ও সন্ধ্যায় তাঁর সন্তুষ্টি লাভের উদ্দেশ্যে ভাকে তাদেরকে তমি বিভাঙিত করে। না। তাদের হিসাবের কোনো কিছুই তোমার উপর নয় এবং তোমার হিসাবের কোনো কিছুই তাদের উপর নয়, সুতরাং তাদেরকে বিতাভিত করলে তমি জালিমদের क्रवर्सक इस्य गाउँ।
  - ক্র। এবং এমারেই আমি সামের ক্রমেক্র ক্রমেকর ছারা পরীক্ষা ক্রারছি যাতে তারা বলতে পারে, আমাদের মধ্য থেকে তাদের উপরই কি আল্লাহ অনুগ্ৰহ করলেনঃ আল্লাহ কি কভন্ত লোকদের সম্পর্কে সবচেয়ে বেলি অসপত মনঃ
  - ৫৪: এবং যারা আয়ার আঘাতসমারের প্রতি উয়ান আনে ভারা যথন কোয়ার কাছে আনে তখন তাদেরকে তমি বলবে, 'ভোমাদের প্রতি সালাম (শান্তি), তোমাদের প্রতিপালক 'দয়া করা'কে তাঁর নিছের উপর আবশাক করে নিয়েছেন থে, ভোমাদের মধ্যে যে ব্যক্তি অজভাবশতঃ মন্দ কাজ করে: অতঃপর এরপরে তথবা করে ও (নিজেকে) সংশোধন করে ভাহলে তিনি (আলাহ) অতি ক্ষমাশীল ও প্ৰম ন্যাল।

- فَقُطعَ دَابُ الْقُوْ ۗ الَّذِيْنَ ظَلَمُوْا ۗ وَالْحَمْدُ لِلهِ رَبِّ الْعُلَمِيْنَ ⊛ قُلْ أَرْءَيْتُمْ أَنْ أَخَذَ اللَّهُ سَمْعَكُمْ وَ أَبْصَا رَكُمْ وَخَتَمَ عَلَى قُلُوْ بِكُرْ مَّنْ الدِّغَيُّ اللهِ يَاتَيْكُرْ بِهِ ۚ أَنْظُرْ كَيْفَ نُصِّ نُ الايت تُرِّ هُرْ يَصْدفُونَ @
- قُلْ أَرَءَيْتَكُمْ أَنْ أَتُكُمْ عَذَاتُ اللهِ بَغْتَةً أَوْجَهَ قَهُ مَلْ يُهْلَكُ الَّا الْقَوْا ﴾ الظُّلُمُونَ @
- وَمَا نُرْسِلُ الْمُرْسَلِيْنَ إِلَّامَبَقِّرِيْنَ وَمُثْدِرِيْنَ عَمَّنْ أَمَنَ وَ أَصْلَے فَلَاخُوْنُ عَلَيْهِرْ وَ لَا هُرْ يَحُزَّنُوْنَ ﴿
- وَ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِالْيِتِنَا يَهَدُّهُمُ الْعَذَابُ بِهَا كَانُوا يَفْسُقُونَ ﴿ قُلُ إِلَّ آقُولُ لَكُرُ عندى غَزَّ أَنَّ اللهِ وَ لَآ اعْلَرُ الْغَيْبَ وَ آرَاقُولُ لَكُدُ إِنَّى مَلَكُ، إِنَّ مَلَكُ، إِنَّ أَتَّبِعُ إِلَّهِمَا يُرْحَى إِلَّ وَقُلْ هُلْ عُلْ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّلْمُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّلْمُ الللَّا اللَّهُ اللَّهُ اللَّلْلِي اللللللَّا اللَّهُ اللَّلْمُ الللَّهُ يَسْتَوى الْإَعْلَى وَالْبَصِيْرُ - أَفَلَاتَتَفَكَّرُونَ ﴿
  - وَآثَدَ رُ بِهِ الَّذِيْنَ يَخَافُوْنَ أَنْ يُتُكْشُرُوٓۤۤۤ الْ رَبِّهِ ۚ لَيْسَ لَهُرْ مِّنْ دُوْنِهِ وَإِنَّ وَّ لَاهَفِيْعٌ لَّعَلَّهُرْ يَتَّقُوْنَ ﴿ وَ لَا تَطْرُد النَّذِينَ يَدْعُونَ رَبَّهُرْ بِالْغَدُوةِ وَالْعَشيّ يُ يُدُونَ وَجُهَةَ مَا عَلَيْكَ مِنْ حَسَابِهِمْ مِّنْ شَرْ هُرُ ۖ وَّ مَا منْ حسَا بِكَ عَلَيْهِرْ مِّنْ شَيْءٌ فَتَطُرُدَهُرْ فَتَكُوْنَ مِنَ
  - ا لظُّلميْنَ 🕞 وَكَذَٰ لِكَ فَتَنَّا بَعْفَهُرْ بِبَعْضِ لِّيَقُوْ لُوٓۤۤۤۤٳۚ أَهَٰوٌّ لَآءَ مَنَّ اللَّهُ عَلَيْهِرْ مِّنْ اَبَيْنِنَا ﴿ أَلَيْسَ اللهُ بِأَعْلَرَ بِا لَشَّكِرِيْنَ ﴿
    - وَ إِذَا جَاءَكَ الَّذِينَ يُؤْمِنُونَ بِالْيِتِنَا فَقُلْ سَلَّ عَلَيْكُمْ كَتَبَ رَبُّكُرْ عَلَى نَفْسه الرَّحْمَةَ ﴿ أَنَّهُ مَنْ عَمِلَ مِنْكُرْ سُوَّءً ۗ إِبْجَهَا لَهَ لُرُّ تَابَمِنْ بَعْدِهِ وَ إَمْلَهَ فَأَلَّهُ غَفُو رُّ رَّحِيْرُ ﴿

০০। এবং এভাবেট আমি আয়াতসমহ বিশ্বারিত বর্ণনা করি এবং বাতে 🖯 জপরাধীদের পথ স্পই হযে যায়।

৫৬, বল 'তোমবা আলাহতে বাদ দিছে যাদেৱতে ভাত ভাদেব ইবানত <sup>6</sup> ক্রমের মিশ্রর আয়াকে নিক্ষেধ করা চায়ছে।' বল 'আমি কোয়াদের প্রবৃত্তির অনসরণ করি মা. করলে অবশাই আমি পথক্রট হব এবং আমি अप्रैक अध्यासम्बद्धाः चलक्क इद नाः

০৭, বল, 'নিশ্বর আমি আমার প্রতিপালকের পক্ষ বতে স্পন্ত প্রমাণের উপর প্ৰতিষ্ঠিত এবং তোমৰা ভা মিথা অভিত্তিত কৰেছ। তোমৰা বা (আয়াৰ) জায়ারাত্রি পেনে মাজ না আমার রাজে নেই। বরম আলারবই তিনি সতা বৰ্ণনা কৰেন এবং তিনিই উল্লে ফ্যুসালাকারী।

৫৮। বল, 'ভোমরা যা ভাচাভাতি পেতে চাক্ষ<sup>®</sup> তা যদি আমার নিকট থাকত ভালনে আমাৰ মানে ও তোমাদের মানে বিষয়টি অৱশাই ক্ষমালা হয়ে ক্ষেত্র, আর আলার ফালিয়ানের সম্পর্কে সরক্ষেত্র বেশি জানেন।

৫৯। এবং ভাঁৱই কান্তে বয়েছে অদশ্যের চাবিসমত্ত তিনি ছাড়া অনা কেট (प्रकारण प्रम्मार्क काराब भा। जारा चाल अ प्रदान या किए चारक जा किनिये জ্ঞানেন। এবং তার অস্কাতসারে একটি পাতাও পত্তে না এবং ব্যমীনের অন্ধর্মার কোন শসং সানা নেই এবং নেই কোনো ভেক্সা ও বছ বস বক্ তা (সবই) একটি সম্পষ্ট কিতাবে (দিপিবদ্ধ) রয়েছে।

পনপ্রীবিত করেন যাতে একটি নির্ধাবিত মেয়াদ পর্ণ হয় এরপর তাঁরই 🖟 দিকে কোয়াদের প্রভাবর্তমঞ্চল এবপর ভোমরা হা বরভে সে সম্পর্কে क्षिप्र व्यापारकारक क्षावित्र किरावाः ৬১। এবং ডিনিই ভাব বান্দাদের উপর একজনে অধিপতি এবং তিনিই প্রেকা করেন ভোয়াদের উপর (আমলনামা) সংরক্ষণকারীদেরকে। অবশেষে

৬০। এক দিনিট বাদে ভোয়াদের যুক্ত ঘটান - এক দিনে ভোয়বা বা

কামাই কর তা তিনি জানেন - এরপর তাতে (দিনে) তোমাদেরকে তিনি

যথন ডোমানের কারো নিকট মতা আসে তখন আমার রাসলরা (ফেরেশতারা) তার মত্যু ঘটার এবং তারা অবহেলা করে না ৬১। এরপর তাদের সত্য প্রত আল্লাহর দিকে তাদেরকে কিরিয়ে নেরা হয়। জেনে রাখ, বিচার তাঁরই কর্ততে এবং তিনিই সবচেয়ে দ্রুত হিসাব शकशकाती :

৬৫। বল 'কে ছোমাদেবকে উদ্ধাব করেন স্থলের ও সমলের অন্ধকার থেকে. যখন তোমরা বিনীতভাবে ও গোপনে তাঁকে ডাক (এ কথা বলে বে) 'অবশ্যষ্ট যদি তিনি আমাদেবকে এ (বিগদ) থেকে উদ্ধার করেন ভাহলে অবশ্যই আমরা কভজনের অন্তর্ভুক্ত হবঃ

★ চিক্তিত খানের টারা সরা ন: : আয়াত ন: অনসারে তরজমার শেলে লেক

وَكَذَٰ لِكَ نُفَصُّلُ الْإِينِ وَ لِتَسْتَبِينَ سَبِيْلُ الْمُهُ مِيْنَ هُ قُلْ اتَّى نُهِيْتُ آنَ آعَبُدَ الَّذِيْنَ تَدْعُوْنَ مِنْ دُوْن الله،قُلُ لا آلَتْهُمُ أَهُوا أَءَكُمْ ،قَدُ ضَلَلْتُ إِذًا وَّمَاۤ أَنَا مِنَ الْمُهْتَديْنَ ⊛

قُلُ إِنَّى عَلَى بَيِّنَة مِّنْ رِّبِّي وَكَذَّبْتُمْ بِهِ مَا عِنْدِيْ مَا نَشْتَغْجِلُوْنَ بِهِ، إِنِ الْحُكْيِرُ الْآلِلَّهِ، يَقُصُّ الْحَقِّ وَهُوَ غَيْرٌ الْفُصليْنَ ۾

قُلُ لَّهِ أَنَّ عَنْدَى مَا تَسْتَعْجِلُونَ بِهِ لَقُضَى الْآمُرُ بَيْنَيْ وَبَيْنَكُرْ ، وَ اللهُ أَعْلَرُ بِا لظَّلَمِينَ @

وَعَنْدَةُ مَعَاتِي الْغَيْبِ لَا يَعْلَمُهَا ۚ الَّاهُوَ وَ يَعْلَيُ مَا في الْبَدِّ وَ الْبَحْ ، وَمَا تَشْقُطُ مِنْ وَّ رَقَةِ الَّا يَعْلَمُهَا وَ لَا حَبَّة فِي ظُلُمُ الْأَرْضِ وَ لَا رَطْبٍ وَّ لَا يَا بِسِ الَّا فِي ڪتٰب مّبيْن ⊛ وَهُوَ الَّذِيْ يَتَوَفَّكُمْ بِالَّيْلِ وَيَعْلَمُ مَا جَحْتُمْ بِالنَّهَارِ

يُنَبِّئُكُرْ بِمَا كُنْتُرْ تَعْمَلُوْنَ ﴿ وَهُوَ الْقَاهِرُ فَوْقَ عِبَادِهِ وَ يُرْسِلُ عَلَيْكُرْ حَفَظَةً ، حَتَّى إذَا جَاءَ أَحَدَكُرُ الْمَوْتُ تَوَقَّتُهُ رُسُلُنَا وَهُرْ لَا يُفَرِّطُونَ ٥

لُّوا يَبْغَثُكُمُ فَيْهُ لِيُقْفَى آجَلْ مُّسَلِّيءَ لِّي ۖ اللَّهِ مَرْجِعُكُم ۚ لُّوا

نُوْ رُدُّوْ إِلَى اللهُ مَوْ لَهُمُ الْحَقِّ ۚ إِلَا لَهُ الْحُكُمُ تِهِ وَهُوَ أَشَعُ قُلْ مَنْ يُّنَجِّيْكُرْ مَّنْ ظُلُمٰتِ الْبَرِّ وَالْبَحْدِ تَدْعُوْنَهُ نَفَّ عًا وَّخُفْيَةً عَلَيْنَ ٱلْجُعنَا مِنْ هٰذِهِ لَنَكُوْنَنَّ مِنَ الشُّكريْنَ ⊛ পাৱা-৭

৬৫। বল, 'তোমাদের উপর থেকে অথবা তোমাদের পারের নিচ থেকে তোমাদের উপর পারি পারিকে কিংবা তোমাদেরকে বিভিন্ন দক্ষ বিভক্ত করতে এবং তোমাদের কেন্সপাতে অগন্ন দক্ষের স্বাদ আশ্বাদন করাকে তিনিই সক্ষম। পক্ষ কর, কিভাবে আমি নিদর্শনসমূহ বিভিন্নতারে বর্গনা করি, যাতে ভারা বুবাতে পারে।

৬৬। আর তোমার সম্প্রদায় এটিকে (কুরআনকে) মিগ্যা অভিহিত করেছে, অগচ ভা সভা। বল, 'আমি তোমাদের তপ্তাবধায়ক নই।

৬৭। প্রত্যেক সংবাদের (ঘটনার) জন্য একটি নির্বারিত সময় রয়েছে এবং অচিরেই তোমরা জনতে পারবে।'

৬৮। এবং যথন ভূমি ভাদেরকে দেখ, যারা আমার আঘাতসমূহ সথকে অনর্থক কথার পিপ্ত হয় তথন ভূমি ভাদেরকে উপেক্ষা করনে, যে পর্বন্ধ না তারা কথান কথার দিও হয় এবং শত্তকে খণি ভোমাক ভূমিয়ে দেয় ভাহদে করার হওয়ার পরে জাদিম সম্প্রদায়ের সাথে কদবে না।

৬৯। এবং তাদের (জানিমদের) হিসাবের তোন কিছুই তাদের উপর দয় যারা তাকওয়া অবলম্বন করে। কিন্তু উপদেশ দেয়া (তাদের কর্তব্য) যাতে তারা (আদ্রাহতে) তম করতে পারে।

৭২। এবং (বল) যে, তোমরা সালাত (নামায) কায়েম কর এবং তাঁকে তয় কর। এবং উত্তেই দিকে লোমানেবকে সমাবেল করা হবে।'

৭০. এবং তিনিই সত্যসহ (সঠিক ফক্ষে) আরুশসমূহ ও পুথিবী সৃষ্টি করেছেন। এবং (ঋংস হয়ে যাওয়র পয়) যে দিন তিনি বলাবেন, 'হও' তথন তা হয়ে যাবে। তার কথাই সত্য। এবং দেদিন শিলায় য়ুঁ দেয়া হবে সেদিন রাজতু তাঁবই। তিনি অদৃশ্য ও দুশোর জানী। এবং তিনিই মন্ত্রপ্রস্তারন ও সর্বজ্ঞ। قَلْ هُوْ القَادِرُكُ آنَ أَنْ أَيْتَعَمَّ عَلَيْكُمْ عَثَابًا مِنْ فَوْفَكُمْ آوْمِنْ تَحْبِ آرهُلِكُمْ آوْيَلْمِسْكُمْ شِيَكًا وَيُهِدِيْنَ بَعْضُرَر بَاسَ بَعْضٍ، أَنْظُرْ حَيْثَ نَمَرٍّثُ الْأَلْبِ لَعَلَّهُمْ يُقْتَهُرُ رَآنِ

يىمھون ھ وَكَذَّبَ بِهِ قَوْمُكَ وَهُوَ الْعَقُّ ، قُلْ لَّشُ عَلَيْكُمْ بِوَكِيْلٍ ﴿

لِكُلِّ نَبَا مُّسْتَقَوُّ ﴿ وَّسُوْنَ تَعْلَمُوْنَ ۞

وَإِذَا رَآيُتَ الَّذِينَ يَحُوْمُونَ فِيَّ أَيْتَنَا فَأَعْرِهُنَ عَثْمُرُ حَتَّى يَخُومُوْوُ فِي حَرِيْكِ غَيْرِهِ وَإِمَّا يُشْسِنَكُ الشَّيْطُنُ فَلاَتَغَعُرُ بِعَدَ الذِّكْرِي مَعَ الْقُورُ الظَّلِينَ @

وَمَا كَلَ الَّذِينَ يَتَقُونَ مِنْ حَسَابِهِمْ مِّنْ شَنْ هُنْ ۚ وَالْكِنْ ذِكْرِى وَمَا كَلَ الَّذِينَ يَتَقُونَ مِنْ حَسَابِهِمْ مِّنْ شَنْ هُنْ ۚ وَالْكِنْ ذِكْرِى لَعَلَهُمْ يَتَقُونَ ۞

وَدَرِ الَّذِينَ الْحَدُوا دِيْنَهُ لَعِبًا وَّ لَهُوا وَغَرَّهُمُ وَدَرِ الَّذِينَ الْمُوا وَغَرَّهُمُ لَعِبًا وَّ لَهُوا وَغَرَّهُمُ وَالْمَا وَغَرَّهُمُ الْمُلْكِومُ الْمُولِدُونَ وَلَالْمُولِدُونَ اللّهِ وَلَّ وَلَاهُمُ عَوَانَ كَسَبُولُ لَلْمُ فَيَعَ عَوَانَ اللّهِ وَلَى وَلَاهُ اللّهُ عَلَيْهُ عَوَانَ لَعَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا لَهُ لَكُونَ اللّهِ وَلَيْكُونَ اللّهِ وَلَا لَكُنْهُ وَلَا لَمُؤْمِنُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا يَعْلُمُ وَلَا لَهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَى عَلَيْهُ وَلَا يَعْلُمُ وَلَى اللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ

رَحِيرَ بِهِ \* كُورَ يَصُورِي \* قُلُ الْدَكُوْرُ مِنْ دُوْنِ الشَّمَّا لِلْبَكَفَعَا رَلَايَكُونَّا رَزُدَّتُكَا ۚ عَقَائِماً بَعْدُوا (ذَكْنَا اللَّهَ كَالَّذِي الشَّهُوثُةُ القَّيْطِينُ فِي الْأَرْفِي حَمُّوانَ \* لَمَّ آصَتْهِ اللَّهِ مُوا اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْ

رَآنَ أَوْيَمُوا الشَّلَوْةَ وَالْغُوْهُ وَهُوَ الْدِنِّيِّ الْمِثْوِلَةِ مُتَوَّوِّنَ ۞ وَهُوَالَّذِيْ غَلَقَ الشَّنُوتِ وَالْآرُضُ بِالنِّيِّ • وَيَوَا يَتُوْلُ كُنْ فَيَحُونُ فَقَوْ لَمُ النَّهِ • وَلَمُ الْهَلُكُ يَوَا يَنْفَرِي الشُّوْرِ عَلْمِ الغَيدوا لشَّهَادَة وَهُ الْحَكِيْ الْحَيْنُ ۞

أرْىكَ وَ قَوْمَكَ فِي صَلَّى مَّلِي هِ

- ०० . १३० प्रथम प्रेम्बर्गीय प्रांत शिक्षा लागराक राजिक 'कावधि कि ম্বর্কিকানে ইয়ার বিস্ফান গ্রহণ করেনঃ নিক্ষা আমি আপনাকে ও আপনার সম্পদায়কে সম্পন্ন পথভাইতার মধ্যে দেখছি।
- ০০। নাম নামানেই আমি ইননাহীয়াকে আন্তাশসমূহ ও পথিতীত কর্মন দেবাট এবং যাতে সে নিশ্চিত বিশ্বাসীদের অন্তর্ভক্ত হতে পারে।
- ০১। এক সমন বাহি মাতে (অক্সরার হারা) আজন তরের ভারন সে একটি (ইজনা) নক্ষর দেখল সে বলল 'এটি আমার প্রতিপালক।' আনংপর য়খন সা অম্বর্টাস হল সখন সে বলল "অম্বর্টিসামবাক আমি ভালবাসি
- ৭৭। অসংগর মধ্য সে মধ্যক উদ্ভিত হাত দেবল তথ্য বলল 'এটি আহাব officients," received that he market has made on state "hitalia প্রতিপালক যদি প্রায়াকে স্টিকপথ প্রদর্শন না কবেন ভারলে অবশার্ট লামি পথান্ত সম্পদ্ধানার আন্তর্ভক বলে নার।
- ৭৮। অভ্যাপৰ যথম সে সৰ্বাকে উনিক হাত দেখল ভখন সে বলল 'এটি আমার প্রতিপালক, এটি সবচেয়ে বড়া' অতঃপর বখন তা অক্সিত হল তখন সে বলল 'তে আমাৰ সম্পদায়। তোমবা যা শৱীক কৰ নিকৰ আহি তা গোক দায়িক্যক।
- ৭৯। নিশুর আমি একতবাদী হয়ে আমার চেহারাকে তাঁর দিকে কিরাছি বিনি আকাশসমূহ ও পথিবী সৃষ্টি করেছেন এবং আমি মুশরিকদের অন্তর্ভুক্ত নই,"
- ৮০। এবং ভার সম্পদায় ভার সাথে বিভর্ক করে। সে বলন, 'ভোমরা বি আলার সম্ভান্ত আয়ার সাথে বিভর্ত রবক ববন তিনি আয়াতে সঠিত পথ দেশিক্ষকের এবং কোছবা যা কাঁক সাগে পরীক্ষ কর তা আমি ভর কবি না (কারণ তা আমার কোনো ক্ষতি করতে পারবে না) যদি না আমার প্রতিপালক কিম (ক্রতির) ইচ্চা আবন। আয়ার প্রতিপালক সবরিদ্ধকে कारत अमित्रकें कारत (साधाकतः) जात कि (जातात विभावन अस्त करात
- ৮১। আৰু সোমৰা যা শৰীক কৰু দা আমি কিলাৰে দত্ৰ কৰে। অধ্য বোহৰা আলাহর সাথে শরীক করতে ভয় কর না- যে বিষয়ে তিনি তোমাদের টাপর ব্যোদ দলীল-প্রয়াণ অর্বারীর্ণ করেমনির সভবাং দাই দলের মধ্যে কোনটি নিয়াপতার অধিক সকলার- যদি কোহলা জানঃ
- ৮২। যারা ঈমান এনেছে এবং তানের ঈমানকে জুলুম (শির্ক) <sup>\*</sup> যারা মিশ্রিত <mark>ই</mark> कार्याने जारमारहे कार निवालमा भारत जावाडे अधिक लवलाव।"
- ৮৩। আর এটি আমার যুক্তি-প্রমাণ যা আমি ইবরাহীমকে নিরেছিলাম ভার সম্পদ্যের মোকাবিলার। আমি যাকে ইচ্ছা করি তাকে মর্যাদার উল্লীত কবি। নিশ্চয় ভোমার প্রতিপালক মহাপ্রজ্ঞাবান ও সর্বজ্ঞানী।

- وَكَذَٰ لِكَ نُهِ ۚ إِبْزُ هِيْرَ مَلَكُونَ إِلسَّمٰوٰتِ وَالْآرُضِ وَ لِيَكُوْنَ مِنَ الْمُوقنينَ ⊛ فَلَمَّا جَنَّ عَلَيْهِ إِلَّيْلُ رَ إِكَوْكَبًّا ، قَالَ هٰذَا رَبَّيْ ، فَلَمَّا آفَلَ
- قَالَ لا أُحتُ الْإِفليْنَ ﴿ فَلَمَّا رَٱ الْقَمَ بَا زِغًا قَالَ هٰذَا رَبَّى ۚ فَلَمَّا ۚ أَفَلَ قَالَ لَئَنْ لَّهُ يَهُدني رَبِّي لَاكُوْنَنَّ مِنَ الْقَوْمِ الضَّالِّينَ @
- فَلَمَّا رَأَ الشَّهْسَ بَا زِغَةً قَالَ هٰذَا رَبَّيْ هٰذَا ٱكْبُ ءُفَلَمَّا أَفَلَتْ قَالَ يِقَوْمُ إِنَّى بَرِيْءٌ مَّمَّا تُشْرِكُونَ ۞
- انَّىْ وَجَّهْتُ وَجْهِيَ لِلَّذِيْ فَطَرَ السَّمُوٰتِ وَالْأَرْضَ حَنِيْقًا وَّ مَّا أَنَا مِنَ الْمُشْكِيْنَ ﴿ وَ مَا هُذُ قُوْمُهُ قَالَ ٱلتَحَاجُّوْنَيْ فِي اللهِ وَقَدْ هَدُس وَ
- لْأَلْهَاكُ مَا تُشْرِكُونَ بِهِ إِلَّا أَنْ يَشَآءَ رَبِّي هَيْئًا وَسِعَ رَبِّي كُلُّ شَيْءً عَلْمًا ﴿ إِفَلَاتَتَذَكُّ وْنَ هِ
- » كَنْفَ أَغَانُ مَاۤ أَشْ َكْتُر ۚ وَلَاتَخَافُوْنَ أَنْكُر ۚ أَشْرَكُتُر بِاللهُ مَا لَهِ يُنَبِّلُ بِهِ عَلَيْكُم سُلْطُنًّا وَاَتَّى الْفَ يُقَيْنِ إَمَقًّ بِالْإَمْنِ الْ كُنْتُرُ تَعْلَمُونَ ﴾
- الَّذِينَ أَمَنُوا وَلَوْ يَلْبِسُوا الْمَانَةُ وَبِظُلْ أُولِّنْكَ لَهُ ۖ الْإَمْنُ وهـ مهتدون ه

- ৮৪। এবং আমি ভাবে দান কাৰ্ডিলাম উসহাক ও উয়াকবাক। এদন প্রাক্তাককে সমিকপথ প্রদর্শন করেছিলাম এবং এর পর্বে মহকেও সঠিকপথ প্রদর্শন ববেছিলায় এবং ভাব বংশধ্যকর হাধ্য থেকে দ্রাইদ সলাইমান, আইয়ব, ইউসফ, মসা ও হারুলকেও। আর এভাবেট আমি प्रकार्त्र श्री वास्तु स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक
- ৮৫। এবং যাকারিয়া, ইয়াইইয়া, ঈসা এবং উল্টেখ্যসকেও সেঠিক পথ প্রদর্শন কবেছিলাম)। ভাষা সমাই পথাবানাদৰ অভ্যৰ্পত-
- ৮৬। এবং (সঠিক পথ প্রদর্শন করেছিলাম) ইসমা'ঈল আল-ইয়াসা'আ ইউনস ও লতকে এক প্রান্তাককে আমি ভাগংসমূহের বিভিন্ন মানব (शाकीत) केंशर प्रातीको प्रात करनविलाय-
- ৮৭। এবং এদের পিতৃ-পুরুষ, বংশধর ও ভাইদের কয়েকজনকেও। এবং चाप्रि जारमतान प्रात्नामीज काराविकाच अतः जातक-जातिक अरथ अनिधानिक अरुक्षिलाच ।
- ৮৮। এটি আল্লাহর পথ নির্দেশনা (হেদায়াত), তার বাঞ্চাদের মধ্যে যাকে ইক্ষা কৰেন ভিনি এব হাধায়ে সঠিক পথ প্রদর্শন করেন। আর হনি ভারা শরীক করত তাহলে তারা যা করত তা অবশ্যই বিফল হত।
- ৮৯। ওরাই তারা যাদেরকে আমি কিতার বিচার-বিবেচনা ও নবয়তে দান करविकाध जजवाः रपि अदा अध्यकारक व्यविश्वाम करव जरव चारमाठे আমি এমন এক সম্প্রদায়ের উপর এগুলোর দায়িত অর্পণ করব যারা একলোকে অবিশ্বাস করতে না।
- او كَاكُ اللَّذِينَ هَدَى اللَّهُ فَبِهُنْ بُورُ اقْتَدَى وَ قُلَى ﴾ أَسْتَلُكُ ﴿ إِنَّ اللَّهُ عَل তমি তাদের সঠিক পথ জনসরণ কর। বল 'এর বিনিয়াত আমি তোমাদের কাছে কোনো প্রতিদান চাই না। এটি (করআন) জগৎসমূহের জন্য একটি উপদেশ ছাভা আর কিছ নয়।'
- ৯১। আর তারা আল্লাহকে তাঁর যথায়থ মূল্যায়ন করেনি যথন তারা বলেছিল. 'আলাহ মানষের উপর কিচট অবতীর্ণ করেননি'। বল 'মসা মানষের क्षमा खारमा । अभिग्रामंत्रमाञ्चल (य किलाव निरंग अपनित जा स्वाजीत করেছেন কে, যাকে তোমরা বিভিন্ন পাতা বানাও (ঝর্বাং লিখে রাখ) ও যা (অৰ্থাৎ যাব কিচ) তোমৰা প্ৰকাশ কৰ এবং যাব অধিকাংশ ভোমবা গোপন কর, অথচ তোমাদেরকে (করজানের মাধ্যমে) এমন কিছ শিক্ষা দেয়া ইয়েছে যা তোমবা জানতে না এবং তোমাদের পিতপঞ্জবাধ ना। वस 'चालाइडे (फा चार्कीर्प द्वाराष्ट्रम)' अवश्रव फारमबरक फारम प्रजानिक क्यांस /अलाकाल सिल शासराह घाउ
- ৯২। এবং এটি একটি কিতাৰ যা আমি অবভীৰ্ণ করেছি, এটি বরকভময় এবং এর সামনে যা আছে তার (অর্থাৎ পর্ববর্তী কিতাবের) সভাায়নকারী এবং যাতে তমি সতর্ক করতে পার জনপদসমতের মা'কে (মঞার লোকদেরকে) ও যারা আছে এর চারপাশে তাদেরকে। এবং যারা ঈশ্বাম আনে আখিরতের উপর এবং ঈমান আনে এটির উপর এবং ভারা তাদের সালাতের (নামাযের) রয়পারে হতেরান।

- وَ وَهَبْنَا لَنَّ إِشْحُقَ وَ يَعْقُوْنَ ، كُلًّا هَدَيْنَا ، وَ نُوْمًا هَدَيْنَا مِنْ قَبْلُ وَمِنْ ذُرِّيَّتِهِ دَاوَّدَ وَسُلَيْمِنَ وَ أَيُّوْبَ وَيُوسُفَ وَمُوسِّى وَ هُ وْنَ ، وَكَذْ لِكَ نَجْزِى الْمُحْسِنْيِنَ ﴿
- وَ زِكَدٍ يًّا وَ يَحْيِي وَعَيْسَى وَ إِلْيَاسَ وَكُلُّ مِّنَ } الصَّلحَيْنَ ﴿ وَ اشْمُعَيْلَ وَالْيَسَعَ وَيُونُسَ وَ لُوظًا وَكُلًّا فَقَلْنَا عَلَى الْعُلَمِينَ ﴿
- وَمِنْ أَبَأَ لَهِ ۗ وَذُرِّيتُهِ وَ أَخُوانِهِ وَ أَجْتَبَيْنَهُ وَ هَدَيْنَهُ وَهَدَيْنَهُ وَهَدَيْنَهُ ال صاطمستقيه 8
- ذُ لِكَ هُدَى اللهِ يَهْدِي بِهِ مَنْ يُّشَاءُ مِنْ عِبَادِةٍ ۚ وَ لَوْ أَشُرِكُوْ ا لَصَبِعَا عَنْهُمْ مَّا كَانُوْ إِيغْمَلُونَ ﴿
- أُولَٰ عَكَ الَّذِدُ ، اتَّدُنْهُ ۗ الْكُتْبَ وَالنُّبُوَّةَ ءَ فَانْ يُّكُونُ بِهَا هَوُّ لَآءٍ فَقَدْ وَكَّلْنَا بِهَا قَوْمًا لَّيْسُوْ إِبِهَا بِكُفِيْنِ ﴿

عَلَيْهِ أَجُّ إِن أَنْ هُوَ الَّاذَكُوٰ فِي لِلْعُلَمِينَ ﴾

في خَوْضهِرْ يَلْعَبُونَ ٨

- وَمَا قَدَرُوا اللهَ مَنَّ قَدْرِيَّ إِذْ قَا لُوْامَاۤ أَنْزَلَ اللَّهُ عَلَى بَشَرِ مِّنْ شَوْءً وَقُلْ مَنْ أَنْهَ لَ الْكَتْبَ الْدَيْ جَاءَ بِهِ مُوْسَى نُوْ رَا وَّ هُدِّي لَلنَّاسِ تَجْعَلُوْ نَهُ قَوَ إطيْسَ تُبْدُوْنَهَا وَتُخْفُوْنَ كَثِيًّا، وَ عُلَّمْتُرْ مَّا لَهِ تَعْلَمُواْ أَنْتُرْ وَ لَا أَبَّاؤُكُهُ •قُلِ اللهُ•ثُهُ " ذَرْهُهُ
- وَ هٰذَا كُتُّ أَنْ لُنهُ مُبِ كُ مُّمَدِّقُ اللَّذِي بَيْرَ، يَدَيْهُ وَ لَتُنْذِرَ أَمُّ الْقُرِي وَ مَنْ حَوْلَهَا وَ الَّذِينَ يُؤْمِنُونَ بِالْأَحَرَة يُؤْمِنُونَ به وَ هُمْ عَلَى مَلَاتهم أَي يُحَافظُونَ ٠

১০। মার ধর্ম বার্কিক বার্কিম মার কে বা মার্ক্রার সমার বিধা রুমা ধর বিধা বাং, "মার্ক্রার নিজ বাঁটু করা হারে, মারক বার বাঁচি কিছুই বাঁটি করা হার্কি এবং বা বাং, "মার্ক্রার মারকরিব করেনে শ্বিত্র মার্ক্রি ওরা অনুন্দ শুরুর্বীর পরবা," মার মার্ক্ট রুমা করেনে করেন মার্ক্রার্ক্তর সুমারকা থাকার বাং কেনে মারক্রার মারকার করেনে করেনে বিবা বেংর কারে," বার কর হোমানেক র্যাণা আছে বেমানেকার শান্ত্রনার সার্ক্তি কোর বাংক্তর করেনে মারকার করেনে মারকার করেনে বার্ক্তর সার্ক্তি করেনে সারকার করেনে মারকার করেনে সারকার করেনে

৯৯। এবং কাশাই বোনাবা আমাত্র নিকট একা একা এলাক কোন্ধ কোন্ধ কামান্ত কা

৯৫। নিডয় আল্লাহ্ শস্যাদানা ও বীঞ্চ অক্সরিত করেন, তিনি মৃত থেকে জীবিত বের করেন এবং জীবিত থেকে মৃত বের করেন। এই হঙ্গেন আল্লাহ্, সভনাং তোমাদেরকে কিভাবে বিভান্ত করা হঙ্গেদ্ধ

৯৬। তিনি প্রভাত রশ্বির উদ্দেশক এবং তিনি বানিয়েছেন বিশ্রামের জনা রাত এবং গেদার জন্য সূর্য ও চন্দ্রকে, এটি মহাপ্রতাপশালী ও সর্বজ্ঞানীর নির্প্রবল

৯৭। এবং তিনিই চোমাদের জন্য তারকারাজি বানিয়েছেন যাতে এওলো ছারা স্থল ও সমুদ্রের অন্ধকারে তোমরা পথ পেতে পার। আমি নিদর্শনসমূহ বিপ্রবিদ্য রর্পনা ক্রার্ক্তি প্রায় সম্পদাসর জনা যাবা জানে।

৯৮। এবং তিনিই তোমালেরকে এক বাজি থেকে সৃষ্টি করেছেন এবং তোমাদের জন্য রয়েছে অবস্থানস্থল ও বিশ্রামস্থল। আমি নিদর্শনসমূহ বিস্তারিত বর্ণনা করেছি এমন সম্প্রনারের জন্য যারা বুজে।

৯৯। এবং তিনিই খাকাশ থেকে গানি অবস্থানি কাকে, অভাগত আমি (জান্তা) আদির সংবিদ্ধার চার ভিন্দুর করি, অভাগত বা নামে সমূর ভিন্নিচ), উপত্য করি, যা থেকে উপত্য করি কা সামিনি পালার, এবং পেরুর গান্তের মানি থেকে লাখানা খানা (ফ্রান্ড) সমিন, এবং আন্তর্জের কালার, অনুরুল্ ও আমান প্রকাশ পালার স্থানি, এবং আন্তর্জের কালার, অনুরুল্ ও আমান প্রকাশ পালার সম্পূর্ণ কি সম্পানিত্রী । পালা কর এক খানার ভিন্নিচ মা অসামেন মার এবং এবং পরিক্তারর প্রতি। নিসর একগানে অবসাম্ নীন্দর্শনাকারী রাখ্যের এবন সম্প্রান্তরে এবং আরুর মানা আন্তর্গন করি প্রান্তর এবন

رَّمَنْ أَظْكُرُ مِنْ افْتَوَى كَلَّ اللهِ كَذِبُ الْوَقَالُ الْوَصَلُّ الْوَقَالُ الْوَصَ إِلَّ ثَرِيْوَعَ اللَّهِ مِنْ قَرَقَ قَالَ سَأَنْوِلُ مِنْ لَمَ الْوَلَ اللَّهُ وَلَوْنَى إِلَّا الظَّفُونَ فِي هَنِّ النَّوْنِ وَالْمَلَّكُمُّ اللَّهِ وَالْمَلَّكُمُّ اللَّمِونَ المُسْلَقِينَ النَّوْنَ المَجْوَزُونَ المسلورا النوريوم المُمروراً الفَسَكَرِ اللَّهِ المَسْتَقَارِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ المَسْتَقَارُونَ عَلَيْهِ عَلَيْهِ المَسْتَقَارُونَ عَلَيْهِ عَلَيْهِ المَسْتَقَارُونَ عَلَيْهِ عَلَيْهِ المَسْتَقَارُونَ وَهَا لَكُنْ الْمُؤْمِلُونَ عَلَيْهِ عَلَيْهِ المَسْتَقَارُونَ وَهَا لَكُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ المَسْتَقِيرُونَ وَالْمَلْعَالُ المُؤْمِنَ اللَّهِ عَلَيْهِ المَسْتَقِيرُونَ وَالْمَلْعَلَ اللَّهِ السَّلَقِيرُ اللَّهِ السَّلَطِينَ المَسْتِقَالُونَ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللْعِيلُولُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْكُمُ اللَّهُ عَلَيْكُونَ اللَّهُ اللَّهُ وَالْمَائِقُ اللَّهُ عَلَيْكُونَ الْمُولِينَ المُولِي المُعْلِقِينَ المُولِينَ المُعْلَقِينَ المُعْلَقِينَ المُولِينَ المُؤْلِقِينَ المُعْلَقِينَ المُولِينَ الْمُؤْلِقِينَ الْمُؤْلِقِينَ الْمُؤْلِقِينَ الْمُؤْلِقِينَ المُؤْلِقِينَ المُؤْلِقِينَ الْمُؤْلِقِينَ المَّالِمُونَ الْمُؤْلِقِينَ الْمُؤْلِقِينَالِينَالِينَالِينَالِينَالِينَا الْمُؤْلِقِينَ الْمُؤْلِقِينَ الْعِلْمُ الْمُؤْلِقِينَ الْمُؤْلِقِينَ الْمُؤْلِقِينَ الْمُؤْلِقِينَ الْمُؤْلِقِينَ الْمُؤْلِقِينَ الْمُؤْلِقِينَا الْمُؤْلِقِينَالِي

مر من الله والمؤلفة المؤلفة المؤلفة والمؤلفة وا

اِنَّ اللَّهُ قَا لِقُ الْحَبِّ وَالنَّوْنِ، يُهُوجُ الْحَنَّ مِنَ الْمَيِّدِوَ مُخْرِجُ الْمَيِّدِمِي الْحَيِّ ذَٰلِكُرُ اللَّهُ قَالَّى تَوْفَكُونَ ۞

فَا لِقُ الْإِصْبَاحِ، وَجَعَلَ النَّيْلَ سَكَنَّا وَّالقَّمْسَ وَالْقَمَرَ حُشْبَاتًا ذُلِكَ تَقْدِيرُ الْغَوْيُو الْعَلْيْرِ ۞

وَهُرَ الَّذِيْ هَمَلَ لَكُرُ النَّجُوْمَ لِتَهْتَدُواْ بِهَا فِي ظُلُمٰ ِ الْبَرِّ وَالْبَحْرِ، قَدْ فَقَلْنَا الْأَلْبِ لِقُواْ يَتْفَعَدُواْ بِهَا فِي ظُلُمٰ ِ الْبَرِّ

وَهُوَ الَّذِيُّ ٱلْشَاكُمُ فِي نِّفْسٍ وَّاحِدَةٍ فَهُسْتَقَرَّ وَّمُسْتَوْدَعٌ، قَلْ فَشَلْنَا الْأَلْفِ لَقُومٌ يُفْقَهُونَ ۞

- । पर: जाता क्षीनामतरक (वर्षक: क्षीन नावजनामतरक) आहादश कवा। १ के के निर्मान नरदाद, वर्षा विभि वामनरक गृहि करदावान वक्त कारत है। وَجَعَلُمُ اللّٰهِ شُوكًاءَ الْهُنْ وَكُلْ কোন জনে চানেট তার জনা পর ও কন্যা সপ্তান উগ্রাবন করেছে। তারা ১ যে গুল বর্ণনা বাবে তা হতে তিনি পরিত্র এবং আনক উর্জো
- ১০১। ডিনি আকাশসমত ও পথিবীর উদ্ধাবক। তাঁর সন্ধান হবে কিনাবে যখন দাব কোন সৃষ্টিনী নেইঃ এক দিনি সব বিছ সৃষ্টি ব্যাবাদন এক দিনি সর্ববিদ্ধ সম্পর্কে ভালভাবে কালের।
- ১০১। এই চাছন আলাচ সোমানের প্রতিপালক তিনি ছামা কোন ইলাচ নেই. ভিনি সৰ কিছব সম্ভা, সভবাং ভোমবা ভার ইবাদত কর, এবং ডিনি সর বিচর ডায়ারধায়ক।
- ১০৫। দৃষ্টিসমত তাঁকে প্রত্যক্ষ করতে পারে না কিন্ত তিনি দৃষ্টিসমতকে প্রতাক करायम अरा जिसिंड अकारणी न अर्थका
- ১০৪।(তে নবী বল) 'তোমাদের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে তোমাদের কাচে এসেছে (জ্ঞানের) আগোকবর্তিকা, সতরাং বে (তা) দেখবে সেটি তার নিজেবট কল্যাণের জন্য, আর যে অন্ধ হয়ে থাকবে তার দায়তার তার নিকেরট উপর। আর আমি নোমানের সংক্রেক নট।
- ১০৫। এবং এভাবেই আমি আয়াভসমহ বিভিন্নভাবে বৰ্ণনা কবি, ফলে ভাৱা বলে 'ডিমি (অন্য ব্যাবা ব্যায় গোৱা) শিখেছ ' ব্যাব আমি ভা স্পট্টভাবে বর্ণনা করি এমন সম্প্রদায়ের জন্য যারা জানে। ১০৬। কোমাৰ প্ৰতিপালকেৰ পক্ষ থোকে ভোমাৰ প্ৰতি যা এটা কৰা চাষ্যক
- তমি তা অনসরণ কর, তিনি ছাতা অন্য কোন ইলাহ নেই এবং তমি মশতিকদেৱকে উপেক্ষা কর। ১০৭। আর যদি আল্লাহ ইচ্ছা করতেন তাহলে তারা শরীক করত না। এবং
- অমি ছোমাকে আদের উপর কোন সংবক্ষক বানাইনি এবং তমি আদের ত্ৰাৱধায়ক ন্ত ১০৮। এবং আবাহকে বাদ দিয়ে যাদেরকে তারা ভাকে ভাদেরকে তোমরা গালি দিও হা আরণ সারা সীয়ালভার করে কোর আর আরট আলাকক গালি দিবে<sup>\*</sup>। এডাবেই আমি প্রভোক উদ্বাভৰ (ধর্মীয় গোলীৰ) জনা
- তাদের কাজকর্মকে শোভণীয় করেছি। এরপর তাদের প্রতিপালকের দিকেই ভাদের প্রভাবর্তমন্ত্রণ, অভঃপর ভারা যা করত সে সম্পর্কে তিনি ভাদেৱকে জানিয়ে দিবেন। ১০৯। এবং তারা আপ্রাহর নামে কসম করেছে- তাদের দর্ভ কসম যে, যদি তাদের নিকট কোন নিদর্শন আসে ভাহলে অবশ্যই ভারা এতে (কুরআনে) ঈমান আনবে। বল, 'নিদর্শনাবলী (দেয়ার এখভিয়ার) কেবল আলাহর নিবট।'
- আৰু কিলে ভোমাকে অনন্তৰ কৰাৰে যে কৰ্মন ভা আসৰে ভখন ভাষা ঈশ্বান আমাৰ নাঃ
- তারা এতে (করঝানে) প্রথমবার ঈমান আনেনি এবং তাদেরকে তাদের অবাধাতায় দিশেহারা হয়ে ঘরে বেডানোর অবকাশ দিব।

- بغَيْرِ عِلْرِ ،سُبْحُنَهُ وَتَعْلَى عَمَّا يَصِفُوْنَ ﴾ بَدِيْعُ السَّمٰوٰ يَ وَ الْأَرْضِ وَ إِنَّى يَكُونُ لَهُ وَلَدٌّ وَّ لَوْ تَكُنْ لَّهُ مَاحِبَةً وَخَلَقَ كُلَّ شَرُّ } وَهُوَ بِكُلِّ شَرُّ عَلَيْ هُو عَلَيْ هُو
- ذٰلكُهُ اللهُ رَبُّكُمْ عَلَا إِلٰهَ الَّاهُوَ عَفَا لِقُ كُلِّ شَنَّ فَاعْبُدُونُهُ ءَوَ هُ عَلَى كُلَّى شَرُ وَكُنْلًى هِ
- لَاتُدْرِكُهُ الْآبْعَارُ وَهُوَ يُدُرِكُ الْآبْعَارَ = وَهُوَ اللَّطِيْفُ قَدْ جَاءَكُمْ بَمَالَهُ مِنْ رَبُّكُمْ عَفَيْنَ أَيْمَ فَلَنَفْسِه وَمَنْ عَبِي فَعَلَيْهَا وَمَا آنَا عَلَيْكُرْ بِعَغِيْظِ ۞
- وَكَذَ لِكَ نُمَ إِنَّ الْإِينِ وَ لَيَقُوْ لُوْ إِذِ رَسْنَ وَ لِنُبَيِّنَهُ لَقَوْمَ تَعْلَيُونَ ۾
- اتَّبعْ مَآ أَوْمِيَ الَيْكَ مِنْ رَّبِّكَ، لَآ الْهَ الَّاهُوَ، وَآعُرِضْ عَن المُشركيْنَ @ وَ لَهُ هَا أَهُ اللَّهُ مَا آهُ كُوْ إ وَمَا جَعَلْنُكَ عَلَيْهِ مُ حَفَيْظًا وَمَا
- أَنْتَ عَلَيْهِرُ بِوَكَيْل ⊕ وَ لَا تَسُبُّوا الَّذِيْنِ يَدْعُونَ مِنْ دُوْنِ اللَّهِ فَيَسُبُّوا اللَّهَ عَدُوًّا بغَيْرِ عِلْرِ ، كَذَٰ لِكَ زَيَّنَّا لِكُلِّ أُمَّةِ عَمَلَهُرْ - ثُرَّ إِلَى رَبَّهِرُ مَّ جِعُهُرْ فَيُنْبَثُهُرْ بِمَا كَانُوْ إِيَعْمَلُونَ ۞
- وَ أَقْسَهُوا بِاللهِ جَهْدَ أَيْمَانِهِ لَئَنْ جَاءَتُهُ ۚ إِيَّةٌ لِّيُّهُ مُنَّى بِهَا ﴿ قُلْ انَّمَا الْأَيْتُ عِنْدَ اللهِ وَمَا يُشْعِرُكُونُ وَأَنَّهَاۤ إِذَا مَاءَتُ
- لَا يُؤْمِنُونَ @ و تُقَلِّبُ أَفَعُدُ تَهُمْ وَ أَبْصًا رَهُمْ كَمَا لَرُ يُؤُمنُواْ بِهَ أَوَّلَ مَوَّةً وَأَكَّ مَا نَذَرُهُمْ فَي طُغْيَانِهِمْ يَعْبَهُونَ ۞

### পারা-৮

- ১১১। আর যদি আমি তাদের প্রতি ফেরেশতাদেরকে অবর্তীর্ণ করতাম এবং মৃতরা তাদের গাথে কথা বগত এবং সব কিবুকে তাদের সম্বাধে সমবেত করতাম তবুও তারা সিমান আনার ছিল না অনি না আরাই ইচ্ছা করেন, কিঞ্জু তাদের অধিকাশেই জন্তা।
- ১১২। এবং এভাবেই আমি মানুহ ও জ্বীন শরতানাদেরকে প্রত্যেক নবীর জন্য
  শঙ্কে বাদিরোছি, ভালের কতক কত্তেকে প্রতি প্রকরণার উচ্চেন্দা
  চমকপ্রদা কথা ওহী করে (অর্থাৎ প্ররোচনা দেয়)। আর মদি ভোলা প্রতিশালক ইচ্ছা করকেন তবে তারা তা করত না, সুক্তান তুরি
  ভালেরকে ও ভারা যা মিধ্যা রচনা করে তা হেড়ে দাও (উপেক্ষা কর)।
- ১১০ এবং (ভারা থারোচনা দের) যাতে যারা আবিবাদের রাভি ঈমান আদে

  না তাদের অবস্তুর এই (চন্দ্রকাল করার) প্রতি অনুরাগী হতে পারে এবং

  যাতে তারা এবে পরিকৃষ্ট হতে পারে এবং যাতে তারা যা (পাপ)

  সম্পাদন করে তা তারা করাতে পারি।

  ১১৪ (বি মরী করা) শিক্ষ বি হারি তায়াত হারা করান ক্রিয়া কির্মানিকাল বিশ্বাস্থ
  - খবন তিনিই তোমাদের প্রতি বিজ্ঞারিতভাবে কিতাব অবতীর্থ করেছেন।' প্রথ আমি যদেরকে কিতাব দিয়েছি তানা (অর্থাং তাদের আলেখনা) জানে বে, এটি (কুরজান) তোমার প্রতিগালকের পক্ষ থেকে সতাসহ অবতীর্থ বয়েছে, সুতরাং কুমি সন্দেহকারীদের অন্তর্ভুক্ত হয়ো মা।
- ১১৫। এবং সত্য ও ন্যায়পরায়ণতায় ভোমার প্রতিপাদকের বাণী পরিপূর্ণ। তাঁর বাণীসমূহের কোনো পরিবর্তনকারী নেই, এবং ডিনিই সর্বশ্রোতা ও সর্বজ্ঞানী।
- ১১৬। আর যদি ভূমি পৃথিবীতে যারা আছে তাদের অধিকাংশের আনুগত্য কর তাহলে তারা তোমাকে আল্লাহ্র পথ হতে বিচ্যুত করবে। তারা কেবল ধারণার অনুসরব করে; এবং তারা কেবল অনুমান করে।
- ১১৭। দিকয় তোমার প্রতিপালক সবচেয়ে বেশি জানেন কে তাঁর পথ ছেড়ে পথন্রই হয়, এবং তিনি সঠিক পথপ্রাপ্তদের সম্পর্কেও সবচেয়ে বেশি জানেন।
- ১১৮। সুতরাং তোমরা তা থেকে খাও যাতে আল্লাহর নাম ক্ষরণ করা হয়েছে-যদি তোমঝা তার আল্লাভসমতের প্রতি ঈমান এনে থাক।
- ১৯৯। খাৰ তেখাদেৰ কী বেজুবঢ়া আহে যে, যতে আভাৱে নাম পৰণ কৰা হয়েছে ভোনো ভা থেকে খাও লা, থৰণ উকি ভোনাদের জন্য যা হয়েমা কয়েকে তা কোনোলের অনা বিজাৱিত বর্ণনা করেকে। তব ভোনো ভাতে বাধা হলে ভিন্ন কথা। এখে দিখা আনকে হোলান-হোমোল ব্যালাহে। তবল আল ছাউই ভাতার করিব ছাত্রা বাধানা-হোমোল পথকা করে লা লাছ ছাউই ভাতার করিব ছাত্রা বাধানা-বিশ্বামন পথকা করে নিশ্বা প্রাথমার প্রতিপালকই সীমালমনকারীদের সম্পর্কে সম্প্রতার কিছিল।
- সবচেয়ে বোশ জানেন।

  ২২০। আর তোমরা প্রকাশ ও অপ্রকাশ্য পাপ বর্জন কর। নিক্ষয় যারা পাপ
  অর্জন করে শীগ্রই তাদেরকে তার প্রতিকল দেয়া হবে যা (পাপ) তারা
  সম্পানক প্রবাস।

- وَلَوْ النَّانِ النَّالِكَ إِلَيْهِمُ الْمَلَكَةَ وَكَلَّمُهُمُ الْمُوثَى وَحَفَوْنَا عَنَهُورُ كُلَّ شَيْءً فَبُلَّامًا كَانُوا لِيُؤْمِنُواْ إِلَّا أَنْ يُشَاءَ اللّهُوَ لَكَنَّ أَكْثَرُهُمْ يَجْعَلُونَ @
- وَكَذَٰ لِكَ جَمَٰلُنَا لِكُلِّ نَيِّ عَنُواْ هَيْطِيْنَ الْإِنْسِ وَ الْجِيِّ يُوْمِنَ بَعْهُمُرُ إِلَى بَعْفِي زُهُرَتَ الْقَوْلِ عُرُوْرًا • وَ لَوْ شَآءَ رَبُّكَ مَا فَقَلُوْهُ فَذَرْ هُمْ وَمَا يَقْتُرُونَ هِ
- وَلتَمْكَى إِلَيْهِ ٱقْفَعَدَةُ الَّذِيْنَ لَايُؤْمِنُوْنَ بِالْأَخِرَةِ وَ لِمَرْمَوْهُوَّهُ وَ لِيَقْتِهِ فَوْا مَا هُرْ مُّقَتَرِ فُوْنَ ⊕
- أَفَقَيْرَ اللهِ آيْتَعِيْ حَكَمًا وَّهُوَ الَّذِيِّ آثَوْلَ النِّيكُرُ الْكَتْبَ مُفَطِّدُو الَّذِينَ آتَيْنَهُرُ الْكَتْبَ يَعْلَمُونَ ٱثَفَّمَتْرُكُ مِنْ وَّلِكَ بِالْخَوْ فَلاَكُوْنَنَّ مِنَ الْمُثَمِّينِينَ ﴿
- وَتَعَّتُ كَلِمَتُ رَبِّكَ مِنْقًا وَّعَدُلُّه َ لَامُبَدِّلَ لِكَلِمْتِهِ وَهُوَ السَّيْعُ الْعَلِيُّ ﴿
- وَ إِنْ تُطِعُ أَحْثَرَ مَنْ فِي الْأَرْضِ يُطِلُّوكَ عَنْ سَبِيْلِ اللهِ وِإِنْ اللهِ وَإِنْ اللهِ وَإِنْ اللهِ وَإِنْ اللهِ وَإِنْ اللهِ وَإِنْ اللهِ وَاللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ اللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ وَلِي اللهِ وَاللهِ وَاللّهِ وَاللّ
- الَّ رَبَّكَ هُوَ آغَلَى مَنْ يَّسِلُ عَنْ سَبِيْلِهِ ، وَهُوَ آغَلَى لِالْعَاهُ وَهُوَ آغَلَى لِالْمُعْتَدِين لِالْهُمْتَدِينَ ﴿ فَكُوْلُوا مِمَّا لَكُورَ الْسِرُ اللَّهِ عَلَيْهِ إِنْ كُنْتُنْ لِالِيَّهِ مُؤْمِنِينَ ﴿
- وَمَا لَكُنُ ٱلْاَلَكُلُوا مِنَّا ذُكِرَ اشُرُ اللهِ عَلَيْدِ وَقَدْ مَعْلَ لَكُنُ مَا حَرَّا عَلَيْكُرُ إِلَّاماً الْهُلُورَثُرُ إِلَيْهِ وَإِلَّى كَثِيرًا لَيُعِلَّونَ بِاَهْرَالِهِنْ بِغَيْرِعِلْيِ إِلَّى رَلِّكَاهُمُ آغَلَى بِالْمُعْتَدِينَ ۞
- بِهُ وَالْمِهِرِ بِعَيْدِ عِلْمِ وَإِن رَبِقُ هُو اعْلَى بِالْمَعَانِينَ فَهُ وَدَرُوْا ظَاهِرَ الْإِلْمِ وَبَاطِنَهُ وَلَى الَّذِينَ يَحْسِبُونَ الْإِلْمِيَ

سَيُهُزَوْنَ بِمَا كَانُوْ إِيَقْتَرِ فُوْنَ ۞

- ٢-سُرَةُ الْأَلْعَا) ১১১। এक (कर्नाडे क्यांज) मान्य प्रामायक माथ समस कर्मा करनी का त्रांपक وَ لَاتَ اكْلُوا مِمَّا لَر يُدْكَرِ اشرُ اللهِ عَلَيْه وَ اللَّهُ لَفشَقٌّ وَ
- তোমবা খেযো না এবং নিশ্চয় তা অৱশাই পাণাচাব। এবং নিশ্চয়, انَّ الشَّيْطِينَ لَيُوحُونَ الَّي أَوْلَيْنُهِمِ لِيُجَادِلُوكُمْ وَ إِنْ فَي السَّيْطِينَ لَيُوحُونَ الْيَ أَوْلَيْنُهِمِ ليُجَادِلُوكُمْ وَوَانَ فَي السَّيْطِينَ لَيُوحُونَ الْيَ أَوْلَيْنُهِمِ ليُجَادِلُوكُمْ وَوَانَ فَي السَّيْطِينَ لَيُومُونَ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ اللّ অবশাই ওঠী কবে (অর্থাৎ প্রবোচনা দেয়)। আর বনি ভোহরা ভাদের আনপ্রতা কর জাহার নিক্ষা কোমবা অরপ্তেই মুখনিক।
- ১২২। যে ব্যক্তি মত ছিল (অর্থাৎ অন্ধকারে ছিল), অতঃপর যাকে আমি জীবিত করেছি এবং যাকে মানষের মধ্যে চলার জন্য আলো দিয়েছি সে ব্যক্তি কি ঐ ব্যক্তিৰ উপয়াৰ যাত্ৰ যে অন্ধকাৰে কথেছে যা খেকে সে বেৰ হৰাৰ নরঃ এডাবেই কাফিবদের জন্য তা শোভনীয় করা হয়েছিল যা ভারা 20,200
- ১৯৬ । स्टबर-नामारवर्षे च्याचि अरावास अस्तराम दाश्रोसकात त्या त्या वास्तरामितास्त्रक নিয়ক কৰেছিলাম যাতে ভাষা সেখানে যত্ত্বস্থ কৰতে পাৰে। কিন্তু ভাষা কেবল তাদের নিজেদের বিরুদ্ধেই যভযন্ত করে, অথচ তারা অনভব ক্তেৰ মা
- ১৯৪। এবং যখন তাদের<sup>®</sup> নিকট কোন নিদর্শন আসে তখন তারা বলে, 'আমরা কথানা উমান আনব না হতকাণ না আলাহৰ বাসলাদবকে বা দেৱা হয়েছিল আমাদেরকেও তা দেয়া হয়।' আল্লাহই সবচেয়ে বেশি জানেন. কোধায় জিনি জাঁব বিসালাক বাখবেন। যাবা জপবাধ কবেছে শীঘট তাদেরকে লাঞ্জনা ও কঠোর শান্তি আঘাত করবে-আল্লাহর নিকট (অর্থাৎ আধিবাতে) কাত্ৰণ তাবা সভয়ত্ব কবত।

१३० । काल, वर कालाव शास्त्र अधिक श्रथ श्रम्भेन कराज होने लिनि जार सकारक

ইসসায়ের জন্ম প্রশন্ত করে দেন, এবং যাকে পথন্তই করতে চান তিনি

- দার হক্ষার সংবীর্ণ ও কমিন করে দেন সেন সে আক্রাণে আবোচণ করছে<sup>®</sup>। এডাবেট আলাচ যারা ঈমান আনে না তাদের উপর অপবিক্রতা স্থাপন ক্রবন। ১৯৬। আর এটি (ইসলাম) ভোমার প্রতিপালকের (নির্দেশিত) সরল-সঠিক
- পথ। আহি আয়াজসমূহ বিস্তাবিত বর্ণনা কবেছি এমন সম্পদায়ের জন্য शांता केशराज्य शहर करते। ১১৭। ডাদের হন্যে ডাদের প্রতিপালকোর ক্যান্ড বংয়াত পালির আবাস এবং फांस मा कराज अ अस्मार्क किथि फाएसर परिस्तातक।
- ১১৮: এবং খেদিন ডিনি ডাদের সরলারে সমারেড করারন (এবং বলারন) 'গ্রে জীনের দল। অবশ্যই ভোমরা মানহের মধ্য হতে অনেককে (ভোমাদের) অনগামী কৰেছিলে।" এবং মানমের মধ্য হতে ভাদের বন্ধবা বলবে "তে আমাদের প্রতিপালক। আমাদের মধ্যে কতক কতকের দারা লাভবান হয়েছে, এবং আমরা আমাদের নির্ধারিত সময়ে উপনীত হয়েছি যা

আমাদের জন্য আগনি নির্ধারিত করেছিলেন। তিনি (আল্লাহ) বলবেন,

'আঙ্নই তোমাদের আবাসন্থল, তোমরা সেখানে স্থায়ী হবে, তবে

আলাত হা উচ্চা কবাৰেন ডা ভিন কথা।' নিশ্বয় স্থোমার প্রতিপালক মহাপ্রহারার ও সর্বহারী। ১২৯। এবং এভাবেই তারা যা অর্জন করত সে কারণে আমি জালিমদের এক 🔐

- أَطَعْتُهُوْهُمْ انَّكُمْ لَهُشُركُونَ هُ أَوْمَنْ كَانَ مَيْتًا فَأَحْيَيْنُهُ وَجَعَلْنَا لَهُ نُوْرًا يُّمْشَى بِهِ فِي النَّاسِ كَيَنْ مَّتَلُدُ فِي الظُّلُمٰتِ لَيْسَ بِخَارِجٍ مَّنْهَا ۚ كَذَٰ لِكَ
- زُيْنَ لِلْكُفِيْنَ مَا كَانُوْا يَعْمَلُوْنَ هِ وَ كَذَٰ لِكَ جَعَلْنَا فِي كُلِّ قَدْ يَةَ أَكْبَ مُدُ مِيْهَا لِيَهْكُ وَا فَيْهَا وَ مَا يَمْكُ وْنَ إِلَّا بِأَنْفُسِهِ ۗ وَمَا يَشْعُ وْنَ ۞
- وَ إِذَا جَآءَتُهُمْ أَيَةٌ قَا لُوْا لَنْ لَّهُمنَ حَتَّى نُوْتَى مِثْلَ مَآ أُوْتِيَ رُسُل الله مُ اللهُ أَعْلَرُ حَيْثُ يَجْعَلُ رِسَا لَتَهُ سَيُعِيْبُ الَّذِيْنَ آجَرَمُوْا مَغَارٌ عَنْدَ اللهِ وَعَذَابٌ شَدِيْدٌ بِمَا كَانُوْا
- تَمْكُ وَنَ هِ فَمَنْ يُّود اللهُ أَنْ يُّهْديَةً يَشْرَحُ مَدْرَةً للْأَسْلَا ، وَمَنْ يُّودُ أَنْ يُّمْلَّهُ يَجْعَلْ مَدْرَةٌ ضَيقًا مَرِّجًا كَأَنَّمَا يَمُّعَّدُ فِي السَّمَّآء، كَذَٰ لِكَ يَجْعَلُ اللهُ | لِّجْسَ عَلَى الَّذِيْنَ لَا يُؤْمِنُوْنَ @
- وَهٰذَا مَ الْمُ رَبِّكَ مُسْتَقِيمًا ، قَدْ فَصَّلْنَا الْإِلْيِ لِقَوْمُ يِدُّدُّ وْنَ ﴿ لَهُرْ دَارُ السَّلْرِ عَنْدَ رَبِّهِرْ وَهُوَ وَلَيُّهُرْ بِمَا كَانُوْا يَعْمَلُونَ ﴿
- وَيَوْ مَا يَحْشُو هُرْ جَمِيْعًا : لِمَعْشَوَ الْجِنَّ قَد اسْتَكْثُوتُورٌ مَّنَ الْإِنْسِءُ وَقَالَ اَوْلِيَوُّهُرْ مِّنَ الْإِنْسِ رَبَّنَا اسْتَمْتَعَ بَعْضُنَا بِيَعْضِ وْ بِلَغْنَاۤ ٱجَلَنَا الَّذِيُّ ٱجَّلْتِ لَنَا ﴿ قَالَ النَّارُ مَثُو لِكُرْ ۗ خُلديْنَ فَيُهَا ۗ إِلَّا مَا شَأَءَ إِللَّهُ وَإِنَّ رَبُّكَ مَكَيْرٌ عَلَيْرٌ ۞
- وَكَذَٰ لِكَ نُوٓ إِنَّ بَعْضَ | لظُّلمِيْنَ بَعْضًا بِمَا كَانُوْ | يَكْسِبُوْنَ ﴿

- 200 (আমি অন্তল্পতে কান) (ব দ্বীন ও মানুস্থার লাগ তোবালো নিজন কি কোমানত কাৰ যেক বাসুপরা আমুল্য বাবা আমান আমানুক্ কোমানত বিকটা কর্বান করা এবং কোমানুকার তেমানুকার জিলাক সম্বাধীন কর্বান সম্পর্টে সকর্ব কর্বার ওারা কার্যক্র, 'আমানানান্দ নিজেন্দের বিকাশ্বে সাম্প্র নিশান কর্বার ওারা কার্যক্র একার্যক্র ক্রান্তার আর্থিল- এবং তারা নিজনেন্দ বিকাশ্বে সাখ্যা নিশা কে, ভারা ক্রান্তার আর্থিল- এবং তারা নিজনেন্দ বিকাশ্বে সাখ্যা নিশা কে, ভারা ক্রান্তার আর্থিল- এবং তারা নিজনেন্দ বিকাশ্বে সাখ্যা নিশা কে, ভারা
- ১৩১। এটা এ জন্য যে, তোমার প্রতিপালক কোন জনপদকে জুলুমের কারণে ধ্বংস করার নন, যখন তার অধিবাসীরা (বাসুল ও আরাত সম্পর্কে) জনবহিত।
- ১৩২। আর প্রত্যেকের জন্যই তারা যা করে সে অনুযায়ী মর্বাদা রয়েছে। এবং তারা যা করে সে সম্পর্কে তোমার প্রতিপালক বেখবর দন।
- ১০০। এবং তোমার প্রতিপাদক অনুগাপেন্টা ও দয়াশীল। যদি তিনি ইম্বা করেন তাহলে তোমানেরকে সরিয়ে নিচত পারেন এবং তোমাকের পরে যাকে বুলা করেন (তোমানের) স্থলাভিগিত করুতে পারেন, যেভাবে তিনি তোমানেরকে অন্য এক সম্প্রদারের বংশধর থাকে সৃষ্টি করেছেন।
- ১৩৪। নিশ্চয় তোমাদেরকে যা প্রতিশ্রুতি দেয়া হঙ্ছে তা অবশ্যই আসবে, এবং তোমরা (আরাহকে) অক্ষম করতে পারবে না।
- ১৩৫। কল, 'হে আমার সম্প্রদায়! তোমরা তোমাদের অবস্থান (পথ-পদ্ধতি) অনুসারে কাঞ্চ কর, শিশুম আমিও কাঞ্চ কর্মাই, অতগ্রুপর অচিবেই হোমরো আনফে পারবে, কার রূল্য থাকবে তত পরিবাম। শিশুম জালিমরা সফল হয় মা।
- ১০৬। আর আল্লাহ যে শদ্য ও গবাদি পাও গৃত্তি করেছেন কার মধ্য থেকে জারা আল্লাহর জন্য একটি অংশ নির্দিষ্ট করে একং তাদেন ধারণা অনুম্মারী বাদে, 'এটি আল্লাহর জনা এবং বাদ্ধি আন্দারন স্থানীকম্পার (উপান্যায়েন) জল্য।' কিন্তু যা ভাবের শরীকদের অংশ তা আল্লাহর নিকট পৌত্তে না প্রধান বা আল্লাহর অংশ তা ভাবেন শরীকদের নিকট পৌত্তে। ভারা যা বিচার বাবে,' তা কাই না নিক্টার্ম
- ১০৭। আন এডাবেই তাদের দানীকরা (উপাগররা) আনের দুপরিবদের মাট্য ভালেন সন্তান্যক হত্যা কথাকে গাতিনীয় করেছে বেন তারা ভালেবক কালে করেছে কালে এবং কো ভালা ভালের দ্বীনাকে ভালেন নিকট (জুলুম না দিক্ত ছান্তা) নির্মিত করেছে পারে। আন র্যাপ আহের ইছা করকেল ভালেত ভারা ভা করত না, কুকার্য ভূমি ভালেবকে এবং ভারা মা বিধা রক্ষনা বরে ভা হেড়ে নাও (উপোম্বা কর)।
- ১০৮। এবং তারা তালের ধারণা অনুনারে বলে, 'এ গবানি পত্তহালা ও কেতের কলল নিছিল, আররা মারে ইছা তারি সে ছাত্ত কেতি একথা দেও পারবে না, এবং কতক পণিশি পক্ষ পূর্ব হারা মনরা হয়েছে, 'এবং কতক গবানি পতর উপর (ছবাইকংলে) তারা আল্লাহর নাম পরণ করে না থাঁর সম্পার্কে মিধ্যা রকানার উদ্দেশ্যে। শীঘ্রই ডিন্নি ভাসেরকে প্রতিষক্ষ নিমর করা দাবিধা রক্তান করে কার্যনি
- ১০৯। এবং তারা বলে, "এ গখানি পতগুলোর পেটে যা আছে তা আমাদের পুরুষদের জন্য নির্দিষ্ট এবং (তা) আমাদের স্ত্রীদের জন্য নির্দিদ্ধ, 'কিছু যদি তা মূল হত্ত তবে তারা (সকলেই) এতে অংশীদার। শীঘ্রই তিনি ভাদের এক্তম তবং ধনার প্রতিয়ল ভাদেরকে নিবেন। নিশ্চয় তিনি মানগজ্ঞান্তর এক প্রক্রমারী।

- يَعَغُمُّ الْجِنَّ وَالْإِنْسِ اَلَمْرِياتِكُمْ رَسُّلِ بِنَكُمْ يَعُمُّونَ عَلَيْكُمْ الْجِنَّ وَيُنْدُرُونَكُمْ لِلْمَاءَ يُومِكُمْ هُذَاءقا لُوْا عَهِدْنَا فَى اَلْمُسِنَا وَعَرْفُهُمُ الْعَيْوةُ الدُّنْيَا وَهَهِدُوا كِلَّ اَلْفُسِيمْ اَلْهُمْ كَالْوَا لِخُورِيْنَ ۞
- ذٰلِكَ أَنْ لَرْيَكُنْ رَبُّكَ مُمْلِكَ الْقُوٰى بِظُلْمٍ وَّ أَهْلَهَا غَفْلُونَ ۞ وَ لِكُلِّ دَرَهْمُّ مِّمَّا عَمُلُوا • زَمَا رَبُّكَ بِغَافِلِ عَمَّا يَمْمُلُونَ ۞
- وَرَبُّكَ الْغَنَّ دُوا لِرْحَمَةِ ﴿ إِنْ يَّمَا يُدْهِبُكُرْ وَيَسْتَخْلِفْ مِنْ بَعْدِكُرْ مَّا يَشَاءُ كَنَّا أَنْشَاكُرْ مِنْ دُرِّيَّةٍ قُوْمٍ الْهَرِيْنَ ﴿
- إِنَّمَا تُوْعَدُونَ لَهِ، وَمَّا آنْتُرْ بِمُعْدِيْنَ ۞ قُلُ يَنُورُ الْعَمُولُ إِنَّهُ كَانَتِكُرُ إِنِّي عَامِلُ، فَسُونَ تَعْلَمُونَ، مَنْ تَكُونَ لَهُ عَافِيَةً الشَّارِ الثَّهُ لِالْفِلْمُ اللَّمْوَنَ ۞
- رَحَعَلُوا لِلْهِ مِنَّا دَرَا مِنَ الْحَرْبِ (الآنَّقَارَ مَنْنَا الْوَلْمَ الْحَرْبُ (الآنَّقَارَ مَنْنَا لؤا شُهِ يَرْغُهِرْ وَهُذَا لِمُرَكَّالِهَا فَهَا كَانَ لِمُرَكَّالِهِمْ فَلَايَمَلُ إِلَّى اللَّهِ مَنْ اللَّهِ فَهُو تَصِلَ إِلَى هُوكَّالِهِمْ مَسَاتَهَمَا يُخْتُمُونَهَ (اللَّهِ مُنَا كَانَ لِلْهِ فَهُو تَصِلَ إِلَى هُوكَّالِهِمْ مَسَاتَهَمَا لِيَّاسِمُ وَاللَّهِ
- وَكَذَٰ لِكَ زَيَّنَ لَكَثِيرٍ مِنَّ الْمُهْرِكِينَ قَتَلَ ٱوْلَادِهِمْ هُرَكَّاؤُهُمْ لِمُودُوَهُمْ وَلِيلُمِنَّواْ عَلَيْهِمْ دِيْنَهُمْ وَلَوْ شَاءً اللهُ مَا فَعَلَوُهُ فَقَرْهُمْ وَمَا يَقْتَرُونَ ۞
- وَقَا لُواْ هٰدِهٖ آلْعَا أُوْ حُرْثٌ حِجْ \* الْاَيْطَعُمُهَاۤ الْاِمْنَ نَّشَاءُ يِزَعْهِمْ وَأَلْغَا أُخَدِّمْنُ ظُهُوْ رَهَا وَأَلْقَا الْاِيذَكُووْنَ اشرَ اللهِ عَلَيْهَا الْعَرَّاءُ عَلَيْهُ سَيَّجُ إِيْمِ بِهَا كَانُواْ يَقْتُوْنَ ۞
  - وَقَا لُوْامًا فِي بُعُلُونَ هٰدِهِ الْاَلْغَاءَ عَا لَمَةٌ لَلْكُوْرِ نِنَا وَمُحَرَّا فَى اَرْوَاهِنَا ءَوَانْ يَكُنُ مَّيْتَةَ فَهَرْ فِيْهِ هُرَكَاءً سَيَجْرِيْهِرْ وَهُفَهُمْ اللَّهُ حَذِيرٌ عَلَيْرٌ هِ

28০। অবশাই তারা কবিপ্রক্ত হতেছে বারা নির্মুক্তিতা বপতং বেদা আন ছাড়াই বি তাদের সন্তান্যক্রেক হত্যা করেছে এবং আরাহ সম্পর্কে বিখ্যা ক্রসনা করে আরাহ একট কিছিলকে বারাম করেছে। অবশাই তারা পথনাই তারা পথনাই তার হয়েছে এবং তারা সঠিক পথরাগুড় ছিল না।

১৪১। একং তিনিই মাচযুক্ত (কার্যবিটন) ও আচাবিটান (কার্যবিনির)
বৃক্ষ-দাহা সর্বাগত বাংনানয়ন্ত, থেবুর খাছ, বিভিন্ন যানের বায়ে,
বাচতুর ও আনার সৃষ্টি করেছেন- কেবায়ে। প্রকাশ সামূলযুক্ত ও
সামূলাবীখা খাখন তা ফাবানা হয় তখন তোমারা তার ফল খাও এবং
কাল সাহাবের দিনে তার হক (অর্থাৎ উনার) ওকান কর এবং আগচর
বলো সাা নিশার তিনি অধ্যায়কর্বাইলেরকে ভালবানেল না-

১৪২। এবং (তিনি সৃষ্টি করেছেন) গবাদি পচর মধ্যে কতক ভারবাহী গত ও কতক ছেট আকৃতির পচ। আল্লাহ তোমাদেরকে যে রিফিক নিয়েছেন তা থেকে তোমারা গাও এবং নাজানের গদান্তসমূহ অনুসরব করো না। নিশ্যর সে তোমাদের জ্ঞান সম্ভাই শক্ত-

১৪০। (এবং তিনি সৃষ্টি করেছেন) আট ধরনের (পত)। তেল্পর মধ্যে দুই ধরনের (অর্থাং পুরুষ ও মানী) এবং ছাগানের মধ্যে দুই ধরনের। বল, 'পুরুষ দুটিই কি তিনি হারাম করেছেন নাকি মানী দুটি অথবা মানী দুটির গর্ভ মা ধারণ করে তাং যদি হোমারা সত্যবাদী হও তাহেল ছানের তিনিত্রত আমাতে অবহিত কর-

388 (करा (किनि मृष्टि करारास्त) केंग्रंग साथ मृष्टै शहराज थरा शक्य साथ मृष्टे बदाशात शर्म, 'कुक्य मृष्टिमें हि किनि ग्रंग्या करायास नार्वि सामी मृष्टि कथवा मार्चे मृष्टिम शुर्चे मार्च्य करा आहाद क्या राज्यास्त्रकर अपन सिर्माम मिक्सान बन्द कि रहाया विश्तिक दिशा मृष्ट्यास (व साकि रक्षण साम मार्च्य महत्यक स्थापित करात्र करात्र का स्थाप्त साम् दिश्या हामा यदा वाद रहाय सिर्माम कराविन साम करा निरम्भ सामान्त्र सामित मार्च्यास महत्य कराविन स्थापित स्थापना

১৯০ হল, "আমার প্রতি বা এই করা হ্রেমের তার মধ্যে থাবার প্রশোকারীর জাতা আমি হারার ভিত্ত পাই না, যা সে বাত, মৃত (পত) বা এবাছিত রক্ত বা দুবারত গোপুত ছাত্তা - তেনানা তা (পুতরত গোপুত) প্রশাস্তির - অববা গাণা বগতঃ (বাবাইন্ত গত) যা আহাছে ছাত্তা এবানে বানে উপলা পরার হোলে ভিত্ত হোজি করার তী নীমান্তব্যক্তবারী না হলে বাবা বাতে তারণো নিচার চোমার প্রতিগালক অতি ক্ষমাণীল ও পরম সাহাত্

১৪৬) আর যারা ইঞ্চী হয়েছে তাদের জন্য আমি সকল নবস্তুক্ত (গত) হারাম অফেন্টিলাম এবং গক্ত ও কেন্তার চণ্ডির তাদের জন্য বাহাম করেছিলাম, তবে মা একগোর পিঠের লাখে বা অঞ্জন নাথে লেগে থাকে কথবা যা মধ্যের সাথে মিশে গাকে তা হাজা। এর মাধ্যমে আমি আলোকে প্রতিফল (শান্তি) দিয়েছিলাম তাদের অবাধ্যতার কাবলে। এবং দিশ্যর আমি অবলাঠে ক্যারামী। قَلْ حَسِرَ الَّذِيْنَ قَتَلُواْ اَوْلَادُهُرْ سَفَهَا بِغَيْرِ عِلْمٍ وَّ مَوْمُواْ مَا رَزَقَهُرُ اللهُ افْتِرَا عَلَى اللهِ قَلْ مَلَّوْا وَمَا كَانُواْ مُقَرِّدُنِيْنَ ﴿

و مُو الذِينَّ الْفَا جَنْسٍ عُمْرُوضِهِ وَ عَيْرَ مَعُوْرُضِهِ وَ النَّهْلَ اللَّهُ وَالذَّهِلَ وَالنَّهْلَ و وَالزَّرْعَ مُضْلِغًا أَكْلُمُوا الزِّيْتُونَ وَالْوَالْمَثَّلَا بِهَا وَكُمْنَا بِهَا وَكُمْنَ مُمُمَّانِهِ وَكُلُوا مِنْ ثَمْيَةٍ إِنَّ الْمَوْرُونَ وَالْوَالْمَلَّةُ يُواَ حَمَّاهِ الرَّ لِالْشَرْقُولُ الذِّنَّ لِاَيْصِالًا الْمُسُولِينَ فِي وَمِنْ الإِنْعَاءَ عَمُولِللَّهِ وَلَا مُعَادِّلُوا اللَّهِ وَالْمَعَالِينَ الْمُولِينَ فَي

عَمُوْدِ الشَّمُوِ الْقَدَعُو مُرَّدِينَّ فَ تَنْبِيَدُ آزْدُاجٍ مِنَ الشَّانِ الْنَوْدِ وَمِنَ الْمَثْوَ الْنَبْدِ وَثَنَّ الْنَبْدِ وَلُمَّ آ للْخُرْنِيمُ مِنْ آزارُ الْنَفِينِ أَمَّا الْفَصَلَى عَلَيْهِ آزْدَا ٱلْأَنْفِيدِ، تَتَوَوْنُ بِعِلْمٍ إِنْ كَنْشُرْ مَدْفِقَ هُ

وص الإيل النبي ومن البكو النبيء فل أالذكوني عوَّا أَمَّا الْالْعَنِينَ المَّا الْمُعَلِّدُ عَلَى الْمُعَامُ الْاَلْعَيْنِي، أَأَ تُمُثَثُّرُ أَمَّا الْاَلْعَيْنِي أَمَّا الْمُعَلِّدُمُ عَلَيْهِ الْمُعَامُ الْاَلْعَيْنِي، أَأَ تُمُثَثُرُ اللهِ يَعْلَى اللهِ كَذِبَا لِيقَالِمُ اللهِ عَلَيْهِ عَلَى إِنَّى اللهِ الْعَلَيْمِي، الْقَرَامُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ الله

قُلُ الْأَوْدُ فِي مَا أَرْضِ إِلَّ مُعَرِّمًا فِي طَاعِي لِمُعَمَّدٌ إِلاَّ أَنْ لَكُونَ مَنَهُ أَوْدَكُمُ الْمُعُوْمًا أَوْلَهُمْ مِنْدُونُ وَلِثُورَ وَلِلَّهِ وَالْمُورِيَّ وَالْمُورِيِّ وَ وَمُنَا أَوْلِمَ لِلْفَيْرِ اللهِ بِمِنْ فَنِي إِمْكُورَ غَيْرَ بِنَاعٍ وَلِكُمْ وَمُنْ أَعْرِدُ لِللَّهِ وَالْ رَبُّكَ عَفُورٌ رَحِيْرٌ فِي رَحِيْرٍ وَمِنْ إِنْ مِنْ فِي أَمْكُورُ غَيْرَ بِنَاعٍ فِي اللَّهِ عَلَيْهِ وَالْ

وَيِّى الَّذِيْنَ هَادُوْا حَرَّمْنَا كُلِّ دَىْ ظُغُوء وَمِنَ الْبَعَوِ وَ الْغَنَرِ حَرَّمْنَا عَلَيْهِمْ شُعُومُهُمَّا إِلَّاماً حَمَّاتُ ظُغُوْرَهُمَّا أَوِ الْحَوَايَّا أَوْ مَا اهْتَلَمَا بِعَظُرِ ذَلِكَ جَزَيْلُهُمْ بِبَغْيِهِ لَرَّ إِلَّا لَمُوثُونَ ۞

- ১৪৭ সক্তবাং যদি তাবা তোমাকে মিথাবাদী বলে ভাইলে বল. 'ভোমাদের প্রতিপালক ব্যাপক দ্যোগীল কিছে অপবাধী সম্পদায় হতে ভাঁব শাস্তি ਹਿਕੜ ਕੜਾ ਨਰ ਹਾਂ।
- ১৪৮। হারা মরীক ক্রারাত্ত সীয়াই সারা ওলার 'বদি আলার উচ্চা করাজন দাকল আছবা স্থানীক কৰকায় যা এক আহাকের ভিত্তপ্রকার বা এক আহ্বল কোন কিন্তই চালাহ বালডাহে না।' এজাবেই ডাদের পর্ববর্তীরা (রাসলদেরকে) মিধ্যাবাদী বলেছিল যতক্ষণ না তারা আমার শান্তি তোগ कावधिल। वल 'एकाभागमव काएक (विकारतक) रकाम काम खाएक कि गा साधारकत प्रकार तता ताताताक त्यांचाना त्यांचाना स्वत्यांचाना स्वत्यांचाना स्वत्यांचाना स्वत्यांचाना स्वत्यांचान এবং ভোমৰা কেবল মনগড়া কথা বল।
- ১৪৯।বল, 'চড়ান্ত যক্তি-প্রমাণ আন্তাহরই। আর যদি তিনি ইচ্ছা করতেন ভাষতে ভোমাদের সরাইকে অবশাই সঠিকপথ প্রদর্শন করতেন।
- ১৫০। বাল 'সোহারা সোহাদের মাজীদেরকে উপস্থিত কর হারা সাক্ষা দের যে আছাত এটি (মা তারাম নম তা) তারাম করেছেন।' অতঃপর যদি তারা প্ৰবৃত্তিৰ অনসৰণ কৰো না যাবা আমাৰ আহাতসমহকে থিখা৷ অভিহিত काराम अवर मारा व्यक्तिगालय अणि हेम्रास च्यान सा अवस जावा कारसव १३ अफ्रिअक्टरका प्रधानक विश्वास करता
- Na Ni वल 'Arxii (लाघारमव अफिलालक या ठावाघ करवारम को (खाघारमवरक গাঠ করে খনাই যে, ভোমরা ভাঁর সাথে কোন কিছকে শরীক করো না, পিতা-মাতাৰ সাথে সভাৰতাৰ কৰা দাবিদেৰে কাৰণে তোমৰা তোমাদেৱ সম্ভানদেরকে হত্যা করে। না। আমিই তোমাদেরকে ও তাদেরকে বিধিক দিয়ে থাকি। এবং ভোমনা প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য অপ্রীলভার নিকটবভী কলে না এনং নামসকল কানগ মানা কোন বাজিকে হজা কৰো না যাবে (হতা করা) আলাহ হারাম করেছেন।' তিনি তোমাদেরকে ও নির্দেশ দিলেন, যাতে তোমরা অনধাবন করতে পার।
- ১০১।এবং ভোমনা উয়াভিয়ের ধন-সম্পদের নিকটবর্তী হয়ে। না ইন্যা পদ্ধতিতে ছাড়া, যতক্ষণ না সে (শঞ্জি-সামর্থ্য ও বয়সের) পর্ণতায় পৌতে এবং পরিমাপ ও ওজন নায়েভাবে পরোপরি দাও। আমি কাউকে আৰু সাধ্যাতীত (কিছ) চাপিছে দেই না। এবং যখন তোমবা কথা কৰ তখন ন্যায় বিচার কর যদিও সে আখীয় হয়, এবং আপ্রাহর (সাথে ক্তম) প্রতিক্ষতি পর্ণ কর। তিনি তোমানেরকে এ নির্দেশ দিলেন, যাতে তোমরা উপদেশ এহণ করতে পাব-
- ১৫৫। এবং এও যে এটিই আমার পথ যা সরল-সঠিক, সতরাং ভোমরা ভা অনুসরণ কর, এবং বহু পথ অনুসরণ করো না, তাহুলে তা ভোমাদেরকে তাঁর পথ হতে বিজ্ঞিন করে দিবে। তোমাদেরকে তিনি এ নির্দেশ দিলেন, হাতে কোমৰা ভাঞ্জয়ে অবলম্বন কৰকে পাব।
- ১৫৪। এবং আমি মসাকে কিতাব নিয়েছিলাম, যে সংকর্ম করেছে তার খনা পর্ণাঙ্গ করে, এবং সব কিছুর বিস্তারিত বর্ণনা, পথনির্দেশিকা ও দয়াস্বরূপ, যাতে ভারা ভাদের প্রতিপালকের সাথে সাক্ষাতের ব্যাগারে ঈমান আনতে পারে।
- ১৫৫। আর এটি একটি কিতাব যা আমি ঋবতীর্ণ করেছি, এটি বরকতমত্র, সতরাং তোমরা তা অনুসরণ কর এবং (আরাহকে) ভর কর, যাতে

ভোমরা দ্যাপ্রাপ্ত হাত পরি।

الْقَوْرَ الْمُحْرِمِينَ @ سَيَقُوْلُ الَّذِيْنَ اَهْرَكُوْا لَوْ شَاءَ اللَّهُمَاۤ اَهْرَكْنَا وَ لَّاأَبَّا وُلَّا وَ لَاحَامْنَا مِنْ هَنْ اللَّهُ كَذَٰ لِكَ كَذَّبَ الَّذِينَ مِنْ قَبْلُهِمْ حَتَّى ذَاقُوْ ا بَاسْنَا وَقُلْ هَلْ عَنْدَكُر مَّنْ عِلْم فَتَدْ جُوْهُ لَنَا وانْ

فَإِنْ كَذَّبُولَكَ فَقُلْ رَّبُّكُمْ ذُوْ رَحْمَةٍ وَّاسِعَةٍ وَلَا يُرَدُّ بَأْسُهُ عَنِ

تَتَّبعُونَ الَّا الظَّنَّ وَ إِنْ أَنْتُرْ الَّا تَخُرُمُونَ @ قُلُ فَلِلَّهِ الْدُجُّةُ الْبَا لِغَةُ ، فَلَوْ شَآءَ لَهَدْ بِكُرْ ۚ أَجْهَعَيْنَ ﴿

قُلْ هَلُمَّ شُهَدا آءَكُمُ الَّذِينَ يَشْهَدُونَ أَنَّ اللَّهَ صَاَّ مُذَاء فَانْ সাক্ষ্য দেয় তবুও তুমি তাদের সাথে সাক্ষ্য দিয়ো না। এবং তুমি তাদের বি হুট্র হুট্র হুট্র হুট্র হুট্র হুট্র হুট্ وَ الَّذِيْنَ لَا يُؤْمِنُونَ بِالْإِحْرَةِ وَهُرْ بِ بِّهِمْ يَعْدِ لُوْنَ ﴾

> قُلْ تَعَالَوْ ا آتُلُ مَا مَرْ ا رَبُّكُمْ عَلَيْكُمْ اللَّا تُشْرِكُوا بِهِ شَيْعًا وَّ بِالْهَ الدَيْنِ إِحْسَانًاءُو لَا تَقْتُلُواْ أَوْلَادَكُمْ مِّنْ إِمْلَاقٍ، نَحْنُ نَ ﴿ زُقُكُمْ وَ إِيَّاهُمْ ءَوَ لَا تَقْبَ بُوا الْفَوَ إحشَ مَا ظَهَ مِنْهَا وَمَا بَطَنَءُو َ لَا تَقْتُلُوا النَّفْسَ الَّتِيْ حَرًّا ۖ اللَّهُ الَّا بِالْحَقِّ وَٰ لِكُرْ وَصْكُمْ بِهِ لَعَلَّكُمْ تَعْقَلُونَ ﴿

وَ لَا تَقْوَ بُوْا مَا لَ الْيَعِيْرِ الَّا بِالَّتِيْ هِيَ أَحْسَنُ حَتَّى يَبْلُغَ أَشُدُّهُ وَ أَوْفُوا الْكَيْلَ وَ الْمِيْ َ إِنَّ بِالْقِسْطِ ءَ لِانْكَلَّفُ نَفْسًا الَّا وُسْعَهَاءُوَ إِذَا قُلْتُر فَاعْد لُوْ إِ وَ لَوْ كَانَ ذَا قُرْبِيءُوَ بِعَهْد الله أَوْفُواْ وَلَكُورُ وَشَّكُورُ بِهِ لَعَلَّكُورُ تَذَكُّونَ ٥

وَ أَنَّ هٰذَا صِوَاطِيْ مُسْتَقَيْمًا فَاتَّبِعُوهُ وَ لَا تَتَّبِعُوا السُّبُلَ فَتَفَرَّقَ بِكُرْ عَنْ سَبِيْلِهِۥ ذُلكُرْ وَشَّكُرْ بِهِ لَعَلَّكُرْ تَتَّقُوْنَ ⊕

لُّهُ ۚ الَّيْنَا مُوْسَى الْكِتْبَ تَمَامًا عَلَى الَّذِيُّ آَخْسَنَ وَ تَغْمِيْلًا إ لْكُلِّ شَيْءٌ وَّهُدِّي وَّ رَحْمَةً لَّعَلَّهُمْ بِلِقَآء رَبِّمْ يُؤْمِنُونَ ﴿ وَهٰذَا كُتُبُّ أَنْزَ لَٰنُهُ مُبُرِّكٌ فَاتَّبِعُوهُ وَ إِتَّقُوْا لَعَلَّكُورٌ تُرْحَمُونَ ﴿

- أَنْ تَقُوْ لُوٓۤ النَّمَآ أَلْهِ لَ الْكَتْبُ عَلَى طَأَلْفَتَيْنِ مِنْ قَبْلَنَا وَ إِنْ
- १०५। (अप्ति चारावीर्थ कारावि) राज राजापात (किशापालक क्रिस) तलाफ मा शांव
- 'কিন্তাৰ কেবল আমাদের পর্বে দ'টি দলের উপর অবস্তীর্থ করা ভ্রম্ছাল। এবং আম্বর ভানের গঠন-পাঠন সহক্ষে অবশাই বেখবর ছিলাম'-
- ১৫৭। অথবা ভোমরা বলতে না পার, 'যদি আমাদের উপর কিতাব অবভীর্ণ হাম মাহালে অবশ্যই প্রায়বা আদেব দেখে অধিক সঠিকপথলোর হাতায়। प्रकरा क्यापावर राज्य कार्याच्या अभिनासका नक तरक न्ने প্রমাণ পথনিমেশিকা ও দয়া এসেছে। অভ্যপ্ত ভাব চেয়ে ভবিক জালিম আৰু কে. যে আলাহৰ আয়াতসমহকে মিখ্যা অভিহিত করেছে এক ভা খেলে মূখ ফিবিয়ে নিয়েছে যাবা আহাব আয়াকসমত খেলে মধ ফিরিয়ে নেয় শীঘই আমি ভালেরকে প্রতিকল দিব নিকট শান্তি কাৰণ তাবা মথ ফিবিয়ে নিত।
- ১৫৮। তারা কি কেবল অপেক্ষা করছে যে, তানের নিকট ফেরেশতারা আসবে, বা ভোমার প্রতিপালক আসকেন অথবা ভোমার প্রতিপালকের কিছ নিদর্শন আসবেং যেদিন তোমার প্রতিপালকের কিছ নিদর্শন আসবে সেদিন কোন ব্যক্তিকে তার ঈমান উপকার দিবে না যে ইতঃপর্বে ঈমান व्यात्ववि किल्हा हा जान हैप्रात्मन प्राक्षण्य नकरान व्यर्जन नाटनि। नन 'ডোহবা প্রতীক্ষা কর নিশ্চয় আহবাও প্রতীক্ষা করছি।'
- १८५। विषय हाता प्राप्तन होवाद विषय कार्यात ४३० विषय वाल विषय रामाण जायक त्यांस विकास त्यांसा त्यांस त्यांस मानार्थ (स्त्रे। साम्बर विकास বেরল আলাহর নিজন এবপর তাবা হা করত সে সম্পর্কে জিনি फारबराक काब्रिक किराब
- ১৯০। যে ভাল কাড় মিয়ে আসৰে ভাৰ জনা বায়েছে ভাৰ দশ কণ (প্ৰতিদান) এবং যে মন্দ কাজ নিয়ে আসবে তাকে কেবল তার অনুরূপ প্রতিকল দেয়া হবে এবং ভালের উপর জলম করা হবে না।
- ১৬১। বদ, "নিক্যু আমার প্রতিপাদক আমাকে সরল পথে পরিচালিত করেছেন। এটি সঠিক হীন, ইবৰাহীমের মিপ্রাত (আদর্শ), যে ছিল একত্বাদী, এবং সে মুশরিকদের অন্তর্গ্রক ছিল না।
- ১৬১। বল, 'নিশ্চম আমার সালাত (নামায), আমার করবানী, আমার জীবন ও আমার মরণ জগৎসমূহের প্রতিপালক আল্লাহর জন্য
- ১৬৩। তাঁর কোন শরীক নেই, এবং আমি এ ব্যাপারে আদিট হয়েছি এবং আমি প্রথম মসলিম।
- ১৬৪। বল, 'আমি কি আপ্রাহ ছাড়া অন্য কোন প্রতিপালক খোঁজ করব, যথন তিনিষ্ট সৰ কিছৰ প্ৰতিপালকঃ' আৰ প্ৰত্যেক ব্যক্তি কিছুই অৰ্জন কৰে না যা (অর্থাৎ দায়-দায়িত) তার উপর বর্তায় না এবং কোন বোঝা বহনকারী অনোর বোঝা বহুন করবে না. এরপর ভোমাদের প্রতিপালকেরই দিকে সোহাদের প্রভাবর্জনকল অভঃপর ভোহরা যে বিষয়ে হারূপার্বকা করাজ সে সম্পর্কে তিনি তোমাদেরকে জানিয়ে দিবেন।
- ১৯৫। এবং তিনিট তোমাদেরকে পথিবীর প্রতিনিধি বানিয়েছেন এবং তিনি (प्राच्चामवरक वा जिरवाचन (मे अन्नान एराप्चामवरक नदीका कवाव कन دَرَجْتِ لَيَبْلُوكُمْرُ فِي مَأَ الْنُكُرُ وَانَّ رَبِّكَ سَوِيعُ الْعَقَابِ وَ ﴿ اللَّهِ عَالِمَا وَاللَّهُ তোমার প্রতিপালক শান্তিদানে দ্রুত, আর নিক্তয় তিনি অবশাই অভি ক্ষরাশীল ও পরম ন্যোল।

كُنَّا عَنْ دِرَ إَسَتِهِمْ لَغُفليْنَ هُ أَوْ تَقُوْ لُواْ لَوْ ٱنَّا ٱلْدَالَ عَلَيْنَا الْكِتْبُ لَكُنَّا ٱهْلُو عِينَمُ مُ فَقَدْ جَاءَكُمْ يَبِنَةُ مِنْ إِنْكُمْ وَهُدِّي وَ أَحْبَةَ فَمِنْ أَظْلَهُ مِنْ كَذَّبَ بِأَيْنِ الله وَ مَدَى عَنْهَا سَنَجْنِي الَّذِيْرَ يَصْرَفُونَ عَنْ الْمِتِنَا سُوءً الْعَذَابِ بِمَا كَانُوا يَصْدُونَ @

٣-سُرزُ الْإِنْعَا)

- هَلْ يَنْظُونَ اللَّ إَنْ تَأْتِيهُ ۗ الْمَلِّئْكَةُ أَوْ يَأْتِي رَبُّكَ أَوْ يَأْتِي بَعْضُ إِنِي رَبِّكَ، يَوْ } يَأْتَى بَعْضُ إِنِي رَبِّكَ لَايَنْفَعُ نَفْسًا اِيْمَانُهَا لَهِ ثَكُنْ أَمَنَى مِنْ قَبْلُ أَوْكَسَبَتْ فِيَّ أَيْمَانِهَا غَيْرًا، قُل انْتَظُ وْ النَّا مُنْتَظُ وْنَ عِ
- إِنَّ الَّذِينَ فَا قُوْا دِيْنَهُمْ وَكَانُوا شِيعًا لَّشَّى مِنْهُمْ فَي هَرْهُ، انَّهَا آَوْدُهُو اللَّهِ أَنْ اللَّهُ أَنَّ يُنَبِّئُهُو بِمَا كَانُوْ إِيَفْعَلُونَ ﴿ مَنْ جَاءَ بِالْحَسَنَةِ فَلَهُ عَهْرٌ أَمْنَا لِهَا ۚ وَمَنْ جَاءَ بِا لَسِّيَّكَة
  - فَلَابُكِنَّ عِنْ اللَّا مِثْلَمَا وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ هِ قُلْ إِنَّنِي هَالِينِي رَبِّيَّ إِلَى صِ إِعامُّسْتَقَيْرٍ ذَدِيْنًا قِيمًا مِّلَّةَ
    - أَبْ هِيْرَ حَنيْقًاء وَمَا كَانَ مِنَ الْمُشْرِكِيْنَ ۞ قُلُ إِنْ مَلَاتِيْ وَ نُسُكِيْ وَمَعْيَايَ وَمَهَاتِيْ لللهِ رَبِّ الْعُلَمِيْنِ ﴿
    - لَاهُم يَكَ لَهُ وَ بِذُ لِكَ أُمِرْتُ وَ إِنَّا أَوَّلُ الْمُسْلِمِينَ ۞ قُلْ أَغَيْهُ اللهَ آبِغِيْ رَبًّا وَّهُو رَتُّ كُلِّ هَمْ مُو لَا تَكْسُكُلُّ
    - نَفْسِ اللَّا عَلَيْهَا وَ لَاتَ رُوَا زِرَةٌ وَّزْرَ أُخْي عَثْمً إِلَّا رَبُّكُمْ مُّ وَعُكُرُ فَيُنَبِّئُكُمُ بِهَا كُنْتُرُ فَيْهُ تَخْتَلَفُونَ ا وَهُوَ الَّذِيْ جَعَلَكُمْ خَلِّتْفَ الْأَرْضِ وَرَفَعَ بَعْفَكُمْ فَوْقَ بَعْض

انَّهُ لَغَفُوْرٌ رَّحِيْرٌ ﴿

# ৭, সরা আল-আ'রাফ, মাঞ্জী

২০৬ আয়াত, ২৪ কক

অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

- ६ व्यक्तिक-साम-भीता-स्वासाय
- अपि अक्रि किरान का क्यांका शकि चवकीर्थ वावा क्रम- मक्रवा। अव जाभारत जाराज तरक जार कार कालीक्षा से शास- शास करि सर য়ালা সভার্য করতে পার একং (এটি) ছ'ছিমাদের জনা উপদেশস্থকপ।
- व्यापात्रक अविश्वासम्बद्ध अन्य प्रथम व्यापात्रक अवि मा सम्बद्धीर्थ जना सम्बद्धः লা নোমনা অনুসৰণ কৰু এবং জীকে বাম দিয়ে অন্য অভিভাবকাদবাক জনসরণ করে। না। ভোমরা সামানাই উপদেশ গ্রহণ কর।
- ৪। আর ক্রমে জানপানই আমি ১৫০ম ক্রাকনিং এবং আমাব শান্তি ভাষের নিকট এসেছিল বাতে অথবা যথন তারা দপরে বিশামরত ছিল।
- ৫। এবং যথম আমার শান্তি সোদের নিজট এসেছিল জখন ডাদের আর্তনাদ ছিল কেবল এই যে, তারা বলেছিল, "নিশ্চয় আমরা জালিম ডিলাম।"
- ৬। অতঃপর যাদের কাছে (রাসল) গ্রেরণ করা হয়েছিল অবশাই অবশাই আমি ভালেরকে জিজাসা করব এবং অবশাই অবশাই আমি জিজাসা বাবর প্রেরিক্রনেরকেও (বাসলদেরকেও)-
- ৭। এবং অবশাই অবশাই আমি জ্ঞানের ভিত্তিতে তাদের কাছে (তাদের কাহিনী) বৰ্ণনা কৰব এবং আমি অনপঞ্চিত ছিলাম না।
- b । এবং সেদিন (পাপ পথোর) ওঞ্জন (করার বিষয়টি) সত্য, সূতরাং যাদের (পথেৰে) পালা ভাৱী হবে ভাৱাই সফল।
- ৯। আর বাদের (প্রণ্যের) পাল্লা হান্ধা হবে, ওরাই তারা যারা তাদের নিজেদের ক্ষতি করেছে, কেননা ভারা আমার আয়াভসমহের প্রতি জলম কবজ প্রতিষ্ঠিত করেছি এবং সেখানে ভোয়াদের জীবিকার ব্যবস্থাও করেছি।
- তোমরা সামান্যই কতজ্ঞতা প্রকাশ কর। ১১। এবং অবদটে আমি ভোমাদেরকে সৃষ্টি করেছি, এরপর ভোমাদেরকে चाकरि निर्दार अवश्व त्यावग्रहामवाक वासकि 'वामग्राक निक्रम
- কর:' তখন তারা সিজনা করল- ইবলিস ছাড়া। সে সিজনাকারীদের অফৰ্পক হল না। ১২। তিনি বললেন, 'যখন আমি ভোমাকে নির্দেশ নিলাম তখন কিলে
- ভোমাকে বাধা দিল যে, ভূমি সিজদা করলে নাঃ' সে বলল, 'আমি ভার চেয়ে উত্তম: আপনি আমাকে আঙন থেকে সৃষ্টি করেছন এবং তাকে সৃষ্টি করেছেন কালা মাটি পোল।"
- ১৩। তিনি বললেন, 'তাহলে ভূমি এখান থেকে নেমে যাও, কেননা কোমার জন্য এটি (সঙ্গত) নয় যে, ভূমি এখানে অহস্কার করবে, সুকরাং বের হয়ে যাও নিশ্চয় তমি অপদক্ষদের অন্তর্জক।

## 4-سُورُةُ الْأَعُرَافِ-عَكِيَّةٌ أَنَاتُمَا -٢٠٦ أَكُنْفَأَتُمَا ٢٣٠ بسه الله الرَّحُمْنِ الرَّحِيْمِ

كتُبُ أَنْهِ لَ إِلَيْكَ فَلَا يَكُنْ فِي صَدْرِكَ مَوجٌ مِّنْهُ لِتُنْدَرَبِهِ وَ

ذكرى للبُؤمند ر اتَّبعُوا مَأَ ٱلزُّلُّ النَّكُرُ مِّنْ رِّبْكُرْ وَ لَاتَتَّبعُوْا مِنْ دُوْنَهَ ٱوْليَاءَ،

قَلْبُلًامًا تَذَكُّرُونَ ⊙ وَكُرْ مِّنْ قَرْيَةَ أَهْلَكُنْهَا فَجَاءَهَا بِأَسُنَا بِيَاتًا أَوْهُرْ قَأَتُلُونَ ﴿

فَمَا كَانَ دَعُو بِهُرُ الْجَآءَهُرُ بَـاْسُنَآ إِلَّا إِنْ قَا لُوَّا إِنَّا كُنَّا ظلميْن 🛈

فَلَنَشْقَلَنَّ الَّذِينَ أُرْسَلَ الَّيْهِرُ وَلَنَشْقَلَنَّ الْمُرْسَلِينَ أَن فَلَنَقُصَّ عَلَيْهِمْ بعلْم وَّمَاكُنَّا غَآلْبِيْنَ ۞

وَ الْوَ زَنُ يَوْمَئِنِ الْحَقُّ وَمَنْ ثَقَلَتْ مَوَ إِزِيْنُدُ فَأُولَٰ لَنْكَ هُرُ

الْمُقْلَحُونَ ۞ وَمَنْ خَقَّتُ مَوَ إِن يُنَدُّ فَأُ وَلَقَكَ إِلَّادِينَ خَسُوُّواْ أَنْفُسَهُرْ بِمَا كَانُوْ إِبِالْتِنَا يَظْلَبُونَ ۞

১০। এবং অবশাই আমি ভোমাদেরকে পথিবীতে (ক্ষমতা ও সম্পদ দারা) وَ لَقَدْ مَكَّنْكُمْ فِي الْإَرْضِ وَجَعَلْنَا لَكُمْ فَيْهَا مَعَايِشَ، قَلَيْلًا إِنَّهُ مًّا تَشْكُرُ وْنَ 6 وَ لَقَدُ خَلَقَنْكُ ثُلُّ مَوَّ رُنْكُ ثُرٌّ قُلْنَا لِلْمَلِّكُةِ الشُّجِدُوا لِأَدَّا لَا

فَسَجَدُوا ۚ إِلَّا إِبْلِيْسَ الرِّيكُنْ مِّنَ السَّجِدِيْنَ ۞

قَالَ مَامَنَعَكَ ٱلَّا تَسْجُدَ إِذْ آمَرْ تُكَ قَالَ ٱنَا ٰ غَيْرٌ مِّنْهُ ء خَلَقْتَنِيْ مِنْ نَّا رِوْ خَلَقْتَهُ مِنْ طِيْنٍ ۞

قَالَ فَاهْبِهُ مِنْهَا فَهَا يَكُونُ لَكَ أَنْ تَتَكَبَّرَ فَيْهَا فَاغُرُجُ إِنَّكَ منَ الصَّعْ ثِينَ ⊙

with!

- ১৪। সে বলল, 'আমাতে অবকাশ দিন সেদিন পর্যন্ত বেদিন (সবাইকে) পণক্রমিত করা হার .'
- ১৫। তিনি বললেন "নিক্তম তমি অবকাশপ্রাক্তমের অন্তর্জত
- ১৬। সে বলদ, 'আপনি ফেহেডু আমাকে বিগবগামী করলেন, তাই আমিও আপনার সরল-সঠিক পথে তাদের জন্য অবশাই অবশাই (বাঁৎ পেতে) বাস ধারত-
- ১৭। এরপর অবশাই অবশাই আমি তাদের কাছে আমব তাদের সামনের নিক থেকে ও তাদের পিছনের দিক থেকে একং তাদের ভান দিক থেকে ও তাদের বাম দিক থেকে। এবং আপনি তাদের অধিকাংশকে কৃতক্ত হিসেবে পাবেন
- ১৮ তিনি বগলেন, 'এখন থেকে নিন্দিত ও বিতাত্তিত অবস্থাত্ব বের হত্তে যাও। তাদের মধ্যে যারা তোমার অনুসরণ করবে অবশ্যই অবশ্যই আমি তোমাদের সকলের ছারা জাহান্নাম পূর্ণ করব।'
- ১৯। আর হে আদম! তুমি ও তোমার ব্রী জাল্লাতে বসবাদ কর এবং তোমরা যেখান থেকে ইফা আহার কর, কিছু এই গানের নিকটবর্তী হয়ে। না, তাহলে তোমরা জালিমদের অন্তর্ভুক্ত হয়ে যাবে।
  ২০। অতঃপর পরতান তানের দুন্ধিনাকে কুমন্ত্রপা দিল, তানের ক্ষরাস্থান – যা
- ২০। অতঃপর শরতান তানের দু'জনকে কুময়ণা দিল, তাদের লক্ষায়ান মা
  তাদের কাহে গোপন রাখা হয়েছিল তানের কাহে প্রকাশ করার জন্য
  এবং বলল, 'তোমাদের প্রতিপালক এই গাছ থেকে তোমাদের দু'জনকে
  নিষেধ করেছেন কেবল এই জন্য হে, তোমনা ক্ষেত্রশতা হয়ে য়াবে
  কিংবা তোমরা হয়ে য়াবে অমরনের অন্তর্ভুত।'
- ২১। এবং সে তাদের দু'জনের কাছে (আল্লাহর নামে) কসম করে বলল, "নিশ্চয় আমি অবশ্যই তোমাদের কল্যাণকামীদের অন্তর্ভুক্ত'-
- ২২) এজাবে দে অনুনাৰক প্ৰকাৰণাৰ মাধ্যমে অধ্যাপতিত কলা, অভাগজ কেব তাব তাবে দেই গাছেই ছাল প্ৰহণ কৰেত তাব তাবেল জাজান্তন লাকে কৰে কৰা আনুনাৰক পান্তন কৰে কৰা আনুনাৰক পান্তন কিবলৈকে আহক কৰাকে। কৰা তাবেল প্ৰটাগালক ভাষেত্ৰক কৰাকে লাকে লাকে কৰাকে প্ৰতাপন আৰ্জি কি তোলাবেলকে আনুনাৰ কৰাকি কৰা আনি কৰা আন্তন্তন কৰাকে কৰাকে কৰাকে কৰাকি কৰা আনি কৰাকে কৰাকি ক
- ২০। তারা দু'ফন বলল, 'হে আমানের প্রতিপালক। আমরা নিজেদের প্রতি জুপুম করেছি, আর যদি আপনি আমানেরকে ক্ষমা না করেন এবং আমানেরকে দর্মা না করেন তাহলে অবন্যাই আমরা ক্ষতিপ্রজনের অস্তর্ভত বন;'
- ২৪। তিনি কালেন, 'তোমরা নেমে যাও, তোমরা একে জপারের শক্ত একং পৃথিবীতে তোমানের জন্য একটি সমার পর্যন্ত অবস্থান ও জীবনোপ্রভাগ জয়ছে।'
- সুস্থাত তোমালের কাল অন্যত নমা নাজ্য অবস্থান ও আন্তর্গান্ত বা সমাহে। ২৫। তিনি বললেন, 'নেখানেই তোমার স্থীনন যাপন করবে, সেখানেই তোমার মত্যারের করবে এবং লেখান প্লেকেই তোমানেরতে তের করে আনা হবে। 'ই

- قَالَ أَنْظِرْنِثَ إِلَى يَوْا يُبْعَثُونَ ۞ قَالَ أَنْكَ مِنَ إِلْمُنْظَدِيْرَ. ۞
- قَالَ فَبِمَّا آغُوَيْتَنِي ۚ لَاقْعُدَنَّ لَهُرْ صِرَاطَكَ الْمُسْتَقِيْرَ ﴿
- ثُرَّ لَالْمَنَّشُرْ قِنْ اَبْنِي اَلْدِيْهِرْ وَصْ غَلْفِيرْ وَعَنْ اَلْمَانِهِرْ وَ عَنْ شَمَّا لِلْهِرِّ وَلَالَجِدُ اَحْثَرَ هُرْ شَكِيدٍي ۞
- قَالَ إِخْرُجُ مِنْهَا مَلْءُوْمًا مَّلْءُوْمًا مَّلْحُورٌ إِنَّ لَمِنْ تَبِعَكَ مِنْهُرْ لِإَمْلَتَنْ جَوَيْمً مِنْكُرُ أَجْمَعْيَنَ ۞
- وَيَّادَّ السَّكُنَ الْنَوْ رَوْجُكَ الْجَنَّةَ فَكُلَامِنْ حَمْتُ هِثَّتُما وَ لاَنَقْرَبَا هَٰذِهِ الشَّجَرَةَ فَتَكُونَا مِنَ الظَّلِمِينَ ﴿
- فَوَشُوسَ لَهُمَا الشَّمْطُ لِيُبْدِي لَهُمَا مَا وُرِي عَنْهُمَا مِنْ السَّوْلِيَ عَنْهُمَا مِنْ السَّوْلِيةِ الشَّجَرَةِ الشَّجَرَةِ الشَّجَرَةِ الْأَلْنَ سُوْاتِهِمَا وَقَالَ مَانَهُكُمَا رَبُّكُمَا عَنْ هٰذِهِ الشَّجَرَةِ الْأَلْبَانِيَّ وَتَكُونَا مِنْ الْخُلابِينَ ﴿
  تَكُونَا مَلَكُونَ أَوْلَتُونَا مِنَ الْخُلابِينَ ﴿
  - وَقَاسَبَهُمَاۤ إِنَّىٰ لَكُمَا لَمِنَ النَّمِحِينَ ﴿
- فَلَ لَهُمَا بِغُرُورِ فَلَمَّا دَافَا الفَّوَرَةِ لَنَتْ لَهُمَا سُوْاتُهُمَا وَمُورِ فَلَمَّا دَافَا الفَّورَةِ المِّقْدِ وَلَائِمُا رَبُّهُمَّا وَمُعَالِّمُهُمَا رَبُّهُمَّ الْمُعَلِّمِ فَا فَلَا لَمُعَلِّمُ المُعْمَلُ وَلَوْلَا لَكُمَّا إِنَّا الفَّجِرَةِ وَأَقُلُ لَكُمَّا إِنَّ الفَّيْطُنِ الفَّجِرَةِ وَأَقُلُ لَكُمَّا إِنَّ الفَّيْطُنِ الفَّجِرَةِ وَأَقُلُ لَكُمَّا إِنَّ الفَّيْطُنِ الفَّيْطُنِ الفَّيْطُنِ الفَّرِيمُ الْمُعَلِّمُ المُعْمَلُ الفَّهِرَةِ وَأَقُلُ لَكُمَّا إِنَّا الفَّيْطُنِ الْمُعْمَلِيمُ المُعْمَلُ الفَّرِيمُ الْمُعْمَلِيمُ المُعْمَلُ المُعْمَلِيمُ المُعْمَلُ المُعْمَلِيمُ المُعْمَلُ المُعْمَلِيمُ المُعْمَلِيمُ المُعْمَلُ المُعْمَلِيمُ المُعْمَلُ المُعْمَلِيمُ المُعْمِلِيمُ المُعْمَلِيمُ المُعْمَلِيمُ المُعْمَلِيمُ المُعْمَلِيمُ المُعْمَلِيمُ المُعْمَلِيمُ المُعْمَلِيمُ المُعْمَلِيمُ المُعْلَمُ المُعْمَلِيمُ الْمُعْمَلِيمُ المُعْمَلِيمُ المُعْمِلِيمُ المُعْمِلِيمُ المُعْمِلِيمُ المُعْمَلِيمُ المُعْمِلِيمُ المُعْمِلِيمُ المُعْمِلِيمُ المُعْمِلِيمُ المُعْمِلِيمُ الْمُعْمِلِيمُ المُعْمِلِيمُ الْعُمْمُ الْعِلْمُ المُعْمِلِيمُ الْعُمْمُ الْعُلِمُ الْعُمْمِ الْعِلْمُ الْعِلْمُ المُعْمِلِيمُ الْعِلْمُ الْعِلْمُ الْعِلْمُ الْعِلْمُ الْعُلِمُ الْعُلْمُ الْعِلْمُ الْعِلْمُ الْعِلْمُ المُعْمِلِمُ الْعُلِمُ الْعِلْمُ الْعِلْمُ الْعِلْمُ الْعِلْم
- سَّهُ عَرَّرَ مِنْ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُ عَلَيْهُ عَلِي عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلِيهِ عَلَيْهِ عَلَيْ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْكُ عَلَيْهِ عَلِي عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْكُ عَلِي عَلَيْهِ عَلَيْكُ عِلَا عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلِي عَلَيْكُ عَلِي عَلِي عَلَيْكُ عِلَا عَلِي عَلَيْكُمِ عَلِي عَلَيْكُ عَلِي عَلَيْك
- قَالَ اهْبِطُوْا بِعَفْكُورُ لِبَعْضِ عَدُوَّ وَ لَكُورٍ فِي الْأَرْضِ مُسْتَقَرِّ وَّمَنَاعُ اللَّي هِيْنِ @
  - قَالَ فِيْهَا تَشْيَوْنَ وَ فِيْهَا تَمُوْتُونَ وَمِثْهَا تُحْرَجُونَ ﴾

- ১৯। তে তথ্নী আহম। আমি তোমাদের জন্য পোশাত অবাধীর্ণ করেছি যা তোমাদের লক্ষ্যস্থানসময়কে আবত বাবে এবং (তা ভোমাদের জনা) সৌন্দর্যস্বরূপ। আর তাকওয়ার পোশাক- এটিই উল্লম। এটি (পোশাক অবতীর্ণ করা। আলাহর নিদর্শনসমহের অন্তর্ভন্ত, বাতে ভারা উপদেশ গ্রহণ করতে পারে।
- ১৭। হে বদী আদম। শগ্নতান যেন ভোমাদেরকে কিছতেই ফিতনায় না ফেলে যেতাবে ভোমাদের পিতামাতাকে সে জান্নাত থেকে বের করেছিল, সে ভাদের দ'জন থেকে ভাদের পোশাক অপসারিত করেছিল যেন সে আদেব্যক আদেব লক্ষাস্থানসমূহ দেখাতে পাবে। নিশ্চয় সে (নিক্লে) এবং তার দল ভোমাদেরকে এমন স্থান থেকে দেখে যে, তৌমরা তাদেরকে দেখাতে পাও না। নিশ্চয় আহি শহাতানদেৱকে তাদেৱ বন্ধ বানিয়ে দিয়েটি যারা উমার আরে না
- ১৮। এবং হখন তারা কোন অশীল কাজ কবে তথন বলে 'আমবা আমাদের বাপ-দাদাদেরকে এর উপরই পেয়েছি এবং আল্লাহ আমাদেরকে এর নির্দেশ দিয়েছেন।' বল, 'নিশ্বয় আহাত্র অস্ত্রীল কাছের নির্দেশ দেন না: তোমরা কি আল্লাহ সম্পর্কে (এমন কিছু) বলছ যা তোমরা জান নাঃ'
  - ১৯। বল, 'আমার প্রতিপালক আমাকে নাহবিচারের নির্দেশ দিয়েছেন। আর কোমৰা প্ৰকাৰ সিজনাৰ সময় (অৰ্থাৎ প্ৰকোৰ সালাকে) ভোমানৰ চেহারাকে (কিবলামখী করে) সোজা কর এবং তাঁকে ভাক দ্বীনকে তাঁরই ক্ষম্য মির্নিই করে। জোহরা সেভারেই ফিবে হাবে (পণক্ষভিত করে) বেভাবে তিনি তোমাদের (সঙ্কির) সচনা করেছিলেন।
  - ৩০। একদলতে ডিনি সমিত পথ প্রদর্শন করেছেন এবং অপর দলের উপর পধন্রইতা অবধারিত হয়েছে। নিশুর তারা আল্লাহতে বাদ দিয়ে শয়তানদেৱকে আদের অভিভাবক ছিলেবে এরণ করেছে এবং তারা মনে ক্রার যে জারা সমিক পঞ্চপার।
  - ৩১: তে বনী আদম ! প্রত্যেক সিজদার সময় (অর্থাৎ প্রত্যেক সালাতে) তোমবা 🕹 কর ও পান কর কিন্ত অপচয় করো না, নিশ্চয় তিনি অপচয়কারীদেরকে ভালবাসেন না।
  - ৩১। বল. 'আহারর সৌন্দর্য<sup>®</sup> যা তিনি তাঁর বান্দাদের জন্য বের করেছেন এবং পবিত্র বিঘিক কে ছারাম করেছে\*' বল. 'এসব দনিয়ার জীবনে যারা উন্নান এনোভ ভালের জন্য (যদিও ভা ব্যক্তিবরাও ভোগ করে)। বিশেষ করে কিয়ামতের দিনে (ভালের জন্য, কাঞ্চিরদের জন্য নয়)। এডাৰেই আমি আয়াডসমূহ বিজ্ঞাবিত বৰ্ণনা কবি এমন সম্প্ৰদায়েৰ জন্য য়ারা কানে।
  - ৩৩। বল, 'আমার প্রতিপালক কেবল হারাম করেছেন প্রকাশা ও অপ্রকাশা অশ্রীলতা, পাপকাঞ্জ, অন্যায় বাডাবাড়ি, আল্লাহর সাথে শরীক করা যার সম্পর্কে (সমর্থনে) তিনি কোন প্রমাণ অবতীর্ণ করেননি এবং আবাহ সম্পর্কে নোমাদের এমন কিছ বলা যা কোমবা জাম না।"
- ৩৪ আর প্রভাক উন্মতের (জনগোষ্ঠির) একটি নির্দিষ্ট সময় আছে। অভঃপর যখন তাদের নির্দিষ্ট সময় আসবে তখন তারা এক মুকুর্ত বিদক্ষিত করতে পারবে না এবং তরাভিতও করতে পারবে না।

يْبَنِيُّ أَدَا قَدْ آثُوْ لَنَا عَلَيْكُرْ لَبَاسًا يُّوَ ارِيْ سَوْ أَتكُرْ وَرِيْهًا -وَلَمَاسُ التَّقُوى وَ لِكَ خَيْرٌ وَ لِكَ مِنْ أَيْتِ اللهِ لَعَلَّهُرْ يَذَّكِّ وْنَ ⊛

لِبَنِي ۚ أَدَا ٓ لَا يَفْتَنَتَّكُمُ ۗ الشَّيْطُ كَمَا ٓ أَخْرَجَ أَبُو يُكُرُ مِّنَ الْجَنَّة يَنْزِعُ عَنْهُمَا لَبَاسَهُمَا لِيُرِيَهُمَا سَوْاتِهِمَا ﴿ اللَّهُ يَإِلُّكُمْ هُوَ وَ قَبِيْلُهُ مِنْ حَيْثُ لَاتَوَوْنَهُرْ ﴿ إِنَّا جَعَلْنَا | لَقَّيْطِيْنَ أَوْلَيَّاءَ

وَ إِذَا فَعَلُوْا فَاحِشَةً قَا لُوْا وَجَدْنَا عَلَيْهَاۤ أَبَّآءَنَا وَ اللَّهُ أَبَّ نَا بِهَا ﴿ قُلْ انَّ اللَّهَ لَا يَامُرُ بِالْفَحُشَآءِ ۚ آتَقُوْ لُوْنَ عَلَى اللَّهِ مَا لَاتَعْلَبُوْنَ ⊚

قُلْ أَمَرَ رَبِّيْ بِالْقِسْطِ ﴿ وَقِيْمُوا وَجُوْهَكُرْ عِنْدَكُلِّ مَسْجِدٍ وًّ ادْعُوهُ مُشْلَمِينَ لَهُ الدِّينَ فَكَمَا بَدَ إَكُرْ تَعُوْدُونَ ﴿ فَ يْقَاهَدى وَفَرِيقًا مَنَّ عَلَيْهِمُ الشَّلْلَةُ وَانَّهُمُ الَّصَدُوا

ا لشَّيْطِيْنَ اَوْ لِيَّاءَ مِنْ دُوْنِ اللهِ وَ يَحْسَبُوْنَ اَتَّهُرْ مُّهْتَدُوْنَ ⊕

لَا تُشْوِفُوا اللَّهُ لَا يُحبُّ الْمُشْوِفَيْنَ ﴿

قُلُ مَنْ حَرًّا زَيْنَةَ اللهِ الَّتِيُّ أَخْرَجَ لِعَبَادِةٍ وَالطَّيِّبُ مِنَ الرِّ زْقِ ۚ قُلْ هِيَ لِلَّذِيْنَ أَمَنُوا فِي الْعَيْوِةِ الدُّنْيَا غَا لَمَّةً يُّوْمَ الْقَيْمَة - كَذَٰ لِكَ نُفَصِّلُ الْأَيْتِ لِقَوْمٌ يَعْلَمُونَ ﴿

قُلْ إِنَّمَا حَرًّا ۚ رَبِّي الْفَوَاحِشَ مَا ظَهَرَ مِنْهَا وَمَا بَطَنَ وَ الْإِلْمَ وَ الْبَغْيَ بِغَيْرِ الْحَقِّ وَ أَنْ تُشْرِكُوْا بِاللهِ مَا لَيْ يُنَزِّلُ بِهِ سُلْطِنًا وَّأَنْ تَقُوْ لُوْا عَلَى اللَّهِ مَا لَاتَعْلَمُونَ ﴿

وَ لِكُلِّ أُمَّةٍ أَجَلَّ، فَإِذَا جَاءَ أَجَلُهُرْ لَا يَشْتَأْخِرُ وْنَ سَاعَةً وَّ لاَيَسْتَقْدَمُوْنَ @

- ৩৫। হে বদী আদম: যদি তোমাদের মধ্য থেকে রাস্করা ভোমাদের কাছে এসে আমার আয়াতসমহ বর্ণনা করে, তবে যারা তাকওয়া অবলহন করবে এবং (নিরোদরকে) সংশোধন করকে ভাদের কোন ভয় নেই এবং তারা দশ্চিভ্রগ্রন্তও হবে না।
- ৩৬। এবং যারা আমার আয়াতসমূহকে মিথ্যা অভিহিত করেছে এবং সেওলো থেকে অহংকার করে বিরত থেকেছে তারাই আগুনের অধিবাসী, সেখানে তাবা স্বায়ী হাবে
- ৩৭। সতরাং যে আল্লাহ সম্পর্কে মিখ্যা রচনা করেছে অথবা তাঁর আয়কসমহকে মিখ্যা অভিচিত করেছে তার চেয়ে অধিক জালিম আর কেঃ ওরাই তারা যাদের কাছে কিতাব (লওহে মাহকজ) থেকে তাদের অংশ (রিধিক, জীবনকাল ইত্যাদি) পৌছবে। অবশেষে যথন আমার রাসুলরা (ফেরেশতারা) মতা ঘটানোর জন্য তাদের কাছে আসবে তথন কাবে. 'আল্লাহকে বাদ দিয়ে যাদেরকে তোমরা ডাকতে তারা কোথারঃ' তারা বগবে, 'ভারা আমাদের থেকে উধাও হয়ে গেছে' এবং ভারা ভালের নিজেদের বিরুদ্ধে সাক্ষ্য দিবে যে তারা ঝাহিব ভিল।
- ৩৮। তিনি (আহাহ) কদবেন, 'ভোমরা ভোমাদের পর্বে গভ হওয়া জীন ও মানুহের উমতসমূহের (দলসমূহের) মধ্যে প্রবেশ কর- আওলে। যথনই কোন উম্মত (দল) প্রবেশ করবে তথন অপর দলকে তারা লা'নত করতে অরশেষে যখন সবাই ভাতে একর হতে ভখন ভাদেব পরবর্তীরা পূর্ববর্তীদের সম্পর্কে বলবে, 'হে আমাদের প্রতিপাদক। এরাই আমাদেরকে পথভাই করেছিল। সতবাং এনেরকে আগুনের দ্বিগুণ শান্তি দিন।' তিনি (আল্লাহ) বলবেন, 'প্রত্যেকের জন্য রয়েছে বিশুণ (শান্তি), কিন্ত ভোমরা ভান না।'
- ভোমাদের কোন মর্যাদা (ভাল দিক) নেই, সতরাং ভোমরা যা অর্জন করাত সে বারাণ শান্তি লোগ কর। ৪০। নিশ্বর যারা আমার আয়াতসমহকে মিথ্যা অভিন্নিত করেছে এবং সেগুলো
- থেকে অহংকার করে বিরত থেকেছে, তাদের জন্য আকাশের দরজাসমূহ উনাক করা হবে না এবং তারা জানাতেও প্রবেশ করবে না - যতক্ষণ না সূচের ছিদ্রপথে উট প্রবেশ করে। এবং এভাবেই আমি অপরাধীদেরকে প্রতিফল দেই
- ৪১। তাদের জন্য রয়েছে জাহান্রামের (আওনের) বিদ্বানা এবং তাদের উপরে থাকবে (আগুনের) আচ্চাদন। এবং এভাবেট আমি ফালিমদেরকে প্রক্রিফল সেউ।
- ৪২। কিন্তু যারা ঈমান এনেচে ও সংকাশু করেছে- আমি কারো উপর ভার সাধ্যাতীত (কিছু) চাপিয়ে দেই না- তারাই জান্রতের অধিবাসী, সেধানে ভারা স্বাধী হবে।
- ৪৩। এবং আমি ভালের বক্ষসমূহ থেকে বিছেম দুর করব, ভাদের মীচে প্রবাহিত হবে নহরসমহ এবং তারা বলবে, 'সকল প্রশংসা আল্লাহর क्रमा विनि खाद्रारम्बरक अब क्रमर प्रतिकाश्य अमर्शन करविरासमः खासाङ আমাদেরকে সঠিকপথ প্রদর্শন না করলে আমরা সঠিক পথ পেতাম না। আমাদের প্রতিপালকের বাসলরা অবশক্তে সভাসত এসেছিলেন। এবং তাদেরকে ডেকে বলা হবে, 'তোমরা যা করতে তার বিনিময়ে তোমাদেরকে এ জানাতের উত্তরাধিকারী করা হথেছে।'

يْبَنَى ۚ إِذَآ إِمَّا يَأْتَيَنَّكُرْ رُسُلٌ مِّنْكُرْ يَقُصُّونَ عَلَيْكُرْ ايْتَى ﴿ فَمَنِ اتَّقٰى وَٱصْلَمَ فَلَاخُونْ عَلَيْهِرْ وَلَاهُرْ يَحُوَنُونَ ⊛

وَ الَّذِيْنَ كَذَّبُواْ بِالْبِتِنَا وَ اسْتَكْبُ وَا عَنْهَاۤ أُولِّنْكَ أَمْحُبُ النَّارِ وَهُرْ فَيْهَا خُلدُونَ ﴿ فَمَنْ أَظْلَرُ مِمَّى افْتَرِى عَلَى اللهِ كَذَبًا أَوْكَذَّبَ بِأَيْتِهِ • أُولِّنْكَ يَنَا لُهُرْ نَمِيْبُهُرْ مِّنَ الْكَتْبِ حَتِّى إِذَا جَآءَتُهُرْ رُسُلُنَا يَتُوَفُّوْنَهُرْ \* قَا لُوٓۤ ا أَيْنَ مَا كُنْتُرْ تَدْعُونَ مِنْ دُوْنِ اللهِ • قَا لُوْ ا

مَلُّوْا عَنَّا وَشَهِدُوا عَنَّ اَنْفُسِهِرْ اَنَّهُرْ كَانُوْا كُفرِيْنَ ﴿ قَالَ ادْهُلُوا فَيْ أُمَر قَدْ هَلَتْ مِنْ قَبْلِكُرْ مِنَ الْجِنِّ وَالْإِنْسِ في النَّارِ وكُلُّمَا دَخَلَتُ أُمَّةً لَّعَنَتُ أَخْتَهَا وَتَّى إِذَا إِذَّا إِذَّا رَكُوا فَيْهَا جَمِيْعًا ﴿ قَالَتْ أَغُرْ لِمُرْ لِأَوْ لَهُرْ رَبَّنَا هَؤُلَّا ۚ إَمَلُّونَا فَأَتِهِرْ عَذَّالِاً معْفًا مِّنَ إلنَّارِهُ قَالَ لكُلِّ معْفٌ وَّلَكِنْ لَّاتَعْلَمُونَ ۞ وَ قَالَتْ أُوْلِمُهُ ﴿ لِأَهْرِ بِهُرْ فَمَا كَانَ لَكُرْ عَلَيْنَا مِنْ فَصْلِ ৩৯। তাদের পর্ববতীরা তাদের পরবর্তীদেরকে<sup>®</sup> বলবে, 'আমাদের উপর

فَذُوْهُ إِ الْعَذَابَ بِمَا كُنْتُمْ تَكْسُبُوْنَ ﴿ انَّ الَّذِيْنَ كَذَّبُوا بِالْتِنَا وَاسْتَكْبَرُوا عَنْهَا لَاتَّفَتَّكُ لَهُمْ أَيْوَ الْ السَّمَاءُ وَ لَا يَدْخُلُونَ الْجَنَّةَ حَتَّى يَلَّمَ الْجَمَلُ في

سَيِّ الْحَيَاطِ، وَكَذَٰ لِكَ نَجْنِي الْمُجْ مِيْنَ @ لَهُرُ مِّنْ جَهَنَّرَ مِهَادٌ وَّمِنْ فَوْقِهِرْ غَوَ إِهِي ، وَكَذْ لِكَ نَجْزِي

وَ الَّذِيْنَ أَمَنُواْ وَعَمِلُوا الصَّلَحَ لَانُكَلَّفُ نَفْسًا الَّا وُشْعَهَا ، أُولَٰ عُلُكَ أَصْعُبُ الْعِنَّةِ عَمْرٌ فَيْهَا خُلدُونَ ﴿

وَ نَزَعْنَا مَا فِي مُدُورِهِرْ مِنْ عَلَّ تَجْرِيْ مِنْ تَحْتِهِرُ ۚ الْإِنْهُ ۗ ء وَقَا لُوا الْكَهُدُلُّهُ الَّذِي هَذِينَا لَهٰذَا مِوْمَاكُنَّا لِنَهْتَدِيَ لَوْ لَا أَنْ هَذَٰنِنَا اللهُ ، لَقَدْ جَآءَتْ رُسُلُ رَبِّنَا بِالْحَقِّ، وَنُودُوَّآ أَنْ تِلْكُمُ الْجَنَّةُ أُوْرِثْتُمُوْهَا بِمَا كُنْتُرْ تَعْمَلُونَ ﴿

- এবং জানাতের অধিবাসীরা আগুনের অধিবাসীদেরতে ভেতে বলাব 'আয়াদের পরিপালর আয়াদেরতে যা পরিক্ষমি লিফফিলন আয়বা তা ইতোমধোই সভা হিসেবে পেয়েছি সতবাং তোমাদের প্রতিপালক মোয়াদেব্যক যা প্ৰতিক্ষতি নিহেছিলেন কোহৰা ডা সভা বিসোৰ পেয়েছ কিঃ' তারা বলবে 'হাা' অতংপর এক ঘোষণাকারী ভাদের মধ্যে যোষণা করবে যে, ' আল্লাহর লা'নত জালিমদের উপত-
- ৪৫। যাবা আমাহৰ পথ হতে বিবস্ত বাখত এবং তাতে বক্ৰতা অন্তেৰণ কবত এবং জারা ছিল আছিলাতে অরি**খা**হী <sup>\*</sup>
- ৪৬ এবং (জানাত ও জারানামের অধিবাসী) উভয়ের মাঝে থাকবে একটি পর্না (প্রাচীর) এবং আ'রাফে কিছু লোক থাকবে যারা প্রত্যেককে তালের চিহ্নসমত হাবা চিনতে পাৰতে এবং তাবা জানাতের অধিবাসীদেৱকে ভেকে বলবে, 'তোমাদের উপর সালাম (শান্তি)।' ভারা এতে (জান্রাতে) প্রবেশ করেনি, কিন্ত প্রত্যাশা করে।
- ভারা বলবে, 'রে আমাদের প্রতিপালক! আমাদেরকে জালিম সম্প্রদারের সঞ্জী করবেন না '
- 8৮: আর আ'রাফের অধিবাসীরা (জাহানামের) কিছু লোককে তালের চিহ্নসমূহ দ্বারা চিনবে, ভারা তাদেরকে তেকে বলবে, 'ভোমাদের ক্ষমা করা (ধন-জন) ভোমাদের কোন কাজে আসল না ও ভোমরা যে অহংকার করতে (ভাও না) "
- ৪৯। (জানারীদের দেখিয়ে আ'রাফবাসীরা বলবে) এরাই কি কারা, যাদের সম্পর্তে সোহর ক্রম্ম করাত যে আলার এনের প্রতি কোন দ্যা প্রদর্শন করবেন নাঃ (আ'রাফবাসীদেরকে বলা হবে), 'তোমরা জানাতে প্রবেশ কৰ ভোয়াদেৰ কোন ভয় নেই এবং ভোয়বা দশ্চিলগ্ৰাজৰ হবে না।"
- ৫০। এবং আগুনের অধিবাসীরা জান্রাকের অধিবাসীদেরকে ভেকে বলবে, 'তোমবা আমাদেব উপৰ কিছ পানি ঢেলে দাও অথবা আল্লাহ তোমাদেরকে যে রিথিক নিয়েছেন (তা থেকে কিছু দাও)।" তারা বলবে, "নিচয় আপ্রায় দ'টিই কাফিরদের জন্য হারাম করেছেন-
- ৫১। হারা আদের ছীনার খেল-আমাশারাপ এরণ করেছিল এবং দনিয়ার জীবন যাদেরতে প্রতাধিত করেছিল: ' সতরাং আম্ল আমি তাদেরকে তলে যাব হোৱাৰ ভাৰা ভাষেৰ এ দিনেৰ সাক্ষাৎকে ভাল গিছেছিল এবং বেভাবে ভারা আমার আয়াতসমইকে অশ্বীকার করত।
- ৫১। তাব আমি তাদের কাডে একটি কিতাব নিয়ে এসেছিলাম যা আমি জ্যেন-ব্যায় বিশ্বাবিত বর্ণনা ক্রাবছিলায় পথনিদেশিকা ও দহাকুকণ এমন সম্পদায়ের জন্য যারা ঈমান আনে।
- ০০। (হারা হীনার খেল-ছাহাশারাপ এরণ করেছে) তারা বি কেবল এর (অর্থাৎ কিডাবে উল্লেখিড) পরিণামের অপেক্ষা করছেঃ যেদিন এর পরিগায় এসে যাবে সেদিন যারা পর্বে তা (কিতাবে উল্লিখিত বিষয়) ভলে গিয়েটিল তারা বলবে, 'আমাদের প্রতিপাদকের রামলগণ সভাসহ এসেছিলেন, সূতরাং (আন্ত) আমদের অন্য কি কোন সুপারিশকারী আছে ধারা আমাদের জন্য সপারিশ করবে অথবা আমাদেরকে কি (দুনিরার) ফিবিয়ে নেহা হবে+ ভাহনে আম্বা (পর্বে) যা করতাম ভাব বিপরীত S (ভাল) বান্ধ বনব। অবশাই তারা তাদের নিজেদের ক্ষতি করেছে এবং 🚉 তারা যে মিথ্যা রচনা করত তাও তাদের থেকে উধাও হয়ে গেছে।

وَنَادَى أَمْعُبُ إِلْمَنَّةَ أَمْعُبَ إِلنَّا رِ أَنْ قَدْ وَجَدْنَا مَا وَعَدَنَا رَبُّنَا هَقًّا فَهَلْ وَجَدْتُر مًّا وَعَدَ رَبُّكُمْ حَقًّا قَالُوا نَعَمْ : فَأَذَّنَ مُؤَدِّنْ بَيْنَهُرْ أَنْ لَعْنَهُ اللَّهِ عَيَ الظَّلَمِيْرِ، ﴿

الَّذِيْنَ يَمُدُّونَ عَنْ سَبِيْلِ اللهِ وَيَبْغُونَهَا عِوَجَّاء وَهُرْ بِا لُأِخِ وَكُفُ وْنَ ﴿

وَ بَيْنَهُمَا حِجَابٌ وَعَلَى الْأَعْرَانِ رِجَالٌ يَّعْرِفُونَ كُلُّا سيْمْنَهُ وْ نَادَوْا أَصْحُبَ الْجَنَّةَ أَنْ سَلَّمْ عَلَيْكُرْ تَ لَيْ يَدْخُلُوْهَا وَهُمْ يَطْمَعُونَ ۞

وَ إِذَا مُوفَتُ آبُمَا رُهُمْ تَلْقَآءَ أَصْحُبِ النَّا رِفَا لُواْ رَبَّنَا ﴾ 89 هذه المعالمة الله المعادمة ا لَا تَجْعَلْنَا مَعَ الْقَوْ } الظُّلمينَ ﴿

> وَ نَادِي أَمْحُتُ الْآعُ إِن رِجَالًا يَّعْ فَوْنَهُمْ بِسِيْمُهُمْ قَالُواْ مَا آغْنَى عَنْكُرْ جَمْعُكُرْ وَمَا كُنْتُرْ تَسْتَكْبُ وْنَ ۞

أَهُوْ لَاءَ الَّذِيْنَ ٱقْسَمْتُرْ لَا يَنَا لُهُرُ اللَّهُ بِ هَمَة - أَدْخُلُوا الْجَنَّةَ لَاخَوْنٌ عَلَيْكُرُ وَ لَآ أَنْتُرْ تَحْزَنُونَ @

وَنَاذَى أَمْعُبُ النَّارِ أَمْعُبَ الْجُنَّةِ أَنْ أَفِيْفُوْا عَلَيْنَامِ؞َ الْهَآء أَوْمِمَّا رَزَقَكُرُ اللهُ ،قَا لُوَّا أَنَّ اللهَ حَرَّمَهُمَا عَلَى الْكُفِيثِي ﴿ الَّذِيْنَ اتَّخُذُوْا دِيْنَهُ ۗ لَهُوَّا وَّلَعَبًّا وَّغَبَّتْهُمُّ الْعَيْوةُ

الدُّنْيَا ، فَالْيَوْ } نَنْسُهُرْ كَمَا نَسُوْا لِقَاءَ يَوْمِهِرْ هٰذَا وَمَا كَانُوْا بِأَنْتِنَا يَجْجَدُونَ هِ

وَلَقَدْ جِنْنُهُمْ بِكِتْبِ فَصَّلْنُهُ عَلَى عِلْمٍ هُدِّي وَّرَحْمَةٌ لِقَوْمٍ يۇمنون 🕝

هَلْ يَنْظُرُونَ إِلَّا تَـاْوِيْلَهُ • يَوْمَ يَاتَىْ تَـاُويْلُهُ يَقُولُ إِلَّادَيْنَ نَسُوْهُ مِنْ قَبْلُ قَدْ جَاءَتْ رُسُلُ رَبِّنَا بِالْعَقِّ وَهَلُ لَّنَا مِنْ شُفَعًآءَ فَيَشْفَعُوا لَنَآ أَوْ نُرَدُّ فَنَعْمَلَ غَيْرَ الَّذِي كُنَّا نَعْمَلُ،قَدْ خَسُرُوٓ النَّفُسَهُمْ وَضَلَّ عَنْهُمْ مَّا كَانُوْ ا يَفْتُونَ هُ

- ৫৪। নিক্ষ তোমাদের প্রতিপালক আধার যিনি আকাশসমত ও পথিবী ছয় দিনে সৃষ্টি করেছেন, এরপর তিনি 'আরশে' সমাসীন হয়েছেন। তিনি রাতকে দিন দ্বারা আঞ্চাদিত করেন, সে (পরবর্তী রাত) তাকে (দিনকে) অনুসরণ করে দ্রুতগতিতে এবং তিনি সুর্য, চন্দ্র ও তারকারাজিকে তাঁর নির্দেশের অধীন করেছেন। জেনে রাখ, সৃষ্টি ও নির্দেশ তাঁরই ব্যুক্তমযু আল্লাহ, জগৎসমূহের প্রতিপালক।
- ৫৫। তোমৰা তোমাদের প্রতিপালককে ডাক বিনীতভাবে ও গোপনে। নিকয় किमि श्रीप्राक्षसम्बाधीतम्बद्धः जानवास्त्रम् नाः
- ৫৬। এবং তোমরা পৃথিবীতে ফ্যাসাদ সৃষ্টি করো না একে সংকার করার পর এক লোমবা জীবে ভার জয় ও প্রভাগো নিয়ে। নিশ্বয় আলাহর ময়। সংকর্মপরায়নদের নিকটবর্তী।
- ৫৭ এবং তিনিই তাঁর দয়ার (বছির) পূর্বে বাতাসকে সুসংবাদবাহীরূপে প্রেরণ করেন। অবশ্রের যথন তা ভারী মেখমালা বহন করে তথন আমি তা মত ভূমির দিকে পরিচালিত করি, অভঃপর তা থেকে পানি অবতীর্ণ কবি, অভঃপর তা দিয়ে সব ধরনের ফল-মল বের করি, এভাবেই আমি হস্পেব্যক্ত বের করে আমর হাতে ভোমরা উপদেশ গ্রহণ করতে পার
- ৫৮। আর উৎকট ভমির ফসল তার প্রতিপালকের ইচ্ছার উৎপদ্র হয়, এবং,, وَالْبَلَدُ الطِّيُّ يَكُرُجُ نَبَاتُهُ بِاذْنِ رَبِّهِ وَالَّذِي كَبُكَ عُرُكَ يُعَالِمُ وَالْبَلَدُ الطِّيّر আমি নিদর্শনসমূহ বিভিন্নভাবে বর্ণনা করি এমন সম্প্রদায়ের জন্য যারা কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে।
- ৫৯। অবশ্যই আমি নৃহকে প্রেরণ করেছিলাম তার সম্প্রদায়ের কাছে এবং সে বলেছিল, 'হে আমার সম্প্রদায়। তোমরা আল্লাহর ইবাদত কর, তিনি ছাড়া ভোমাদের অন্য কোন ইলাহ নেই। নিশ্চয় আমি ভোমাদের উপর এক ভয়াবহ দিনের শান্তির আশবা করছি।
- Mo: ভার সম্পদায়ের প্রধানরা বলেছিল "নিশ্চর আমরা অবশাই তোমাকে সম্পন্ত পথমন্তবায় দেখতে পাৰ্ছি "
- ৬১। সে বলেছিল, 'হে আমার সম্প্রদায়। আমার মধ্যে কোন পথত্রউতা নেই,
- বরং আমি ভগৎসমূহের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে একজন রাসূদ। ৪১। আমি আমার প্রতিপালকের রিসালাত (পরগাম) তোমাদের কাছে পৌঁছাই ও তোমাদেরকে উপদেশ দেই এবং আমি আল্লাহর কাছ থেকে এমন কিছ
- জানি যা তোমবা জান না। ১৯৩। সোমারা জি আপর্যে চারের যে তোমাদের জাতে ভোমাদের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে এক উপদেশ এসেডে তোমাদেরই মধ্যকার এক ব্যক্তির ইপর যাতে সে ভোয়াদেরকে সভর্ক করতে পারে এবং ভোমরা
- (আল্লাহকে) ভয় করতে পার এবং যাতে তোমরা দয়াপ্রাপ্ত হতে পারু? ৬৪, কিন্তু তারা তাকে মিখ্যাবাদী বলেছিল, সূতরাং আমি তাকে ও তার আমার আহাতসমহকে মিথা। অভিহিত করেছিল তাদেরকে নিমক্ষিত।
- ক্রবেছিলায়। নিশ্বয় ভারা ছিল এর অন্ধ সম্পদায়। ৬৫: এবং আদ<sup>®</sup> -এর প্রতি আমি তাদের ভাই হদকে (প্রেরণ করেছিলাম)। সে বলেডিল 'তে আয়াৰ সম্প্ৰদায়। তোমৰা আবাতৰ ইৰাদত কৰা তিনি ছাড়া ভোমাদের অন্য কোন ইলাহ নেই। তবে কি ভোমরা (আল্লাহকে) ভয় করবে নাঃ

انَّ رَبُّكُمُ اللهُ الَّذِي هَلَقَ السَّمٰوٰت وَ الْأَرْضَ فِي ستَّة أَيًّا ؟ ثُمَّ اسْتَوٰى عَلَى الْعَدْ هِي سَيْغُهِمِي الَّيْمَانِ النَّهَارِ يَطْلُبُهُ حَثِيثًا -وَّا لشَّمْسَ وَ الْقَمَرَ وَ النَّجُوْ ٓ مُسَخَّرِٰتِ بِاَمْدِهِ ۚ ٱلَا لَهُ الْحَلُّقُ وَ الْأَمْرُ ، تَبْرَكَ اللهُ رَبُّ الْعُلَمِينَ ﴿

أَدْ عُواْ رَبِّكُمْ ۚ تَضَاُّعًا وِّخُفْيَةً ﴿ إِنَّهُ لَا يُحبُّ الْمُعْتَدِيْنَ ﴿ وَ لَا تُفْسِدُ وَا فِي الْإِرْضِ يَعْدَ اصْلَاحِهَا وَادْعُوهُ مَهْ فَا وَّ طَهَعًا، انَّ رَحْمَتَ اللَّهِ قَوِيْتٌ مِّنَ الْمُحْسنيْنَ ﴿

وَهُوَ الَّذِي يُرْسِلُ الرِّيعَ بُشُرًا أَبَيْنَ يَدَى رَحْمَتِهِ - حَتَّى إِذَآ ٱقَلَّتْ سَحَابًا ثِقَالًاسُقْنَهُ لِبَلَدِهِيِّي فَٱثْرَلْنَا بِهِ الْمَآءَ فَٱغْرَجْنَا بهِ مِنْ كُلِّ ۚ الثَّمَرُ ٰتِ ۚ كَذَٰ لِكَ نُضْرِ ۗ الْمَوْتَٰى لَعَلَّكُمْ ۚ تَذَكَّرُونَ ۞

لَا يَشُرُهُ الَّا نَكِدًا - كَذَٰ لِكَ نُصَرِّي الْالْيِ لِقَوْمَ يَشْكُرُ وْنَ ﴿ لَقَدُ أَ رَسَلْنَا نُوْمًا إِلَى قَوْمِهِ فَقَالَ بِقَوْمٍ اعْبُدُوا اللَّهُ مَا لَكُمْ

مِّنْ الدَّغَيْرُ وَانْنَيْ آغَافُ عَلَيْكُرْ عَذَابَ يَوْمُ عَظَيْرِ ﴿ قَالَ الْمَلَامُنْ قَوْمَ إِنَّا لَنَوْ لِكَ فِي مَلَل مُّبينى ⊕

قَالَ يُقَوْمُ لَيْسَ بِيْ مَلْلَةٌ وَّ لَكِنِّي رَسُوْلٌ مِّنْ رَّبِّ الْعُلَمِينَ ⊕

أَبَلَّغُكُرْ رَسُلْتِ رَبِّيْ وَأَنْصَهُ لَكُرْ وَأَعْلَرُ مِنَ اللَّهِ مَا

لَا تَعْلَبُونَ ٥ أوَعَجِبْتُرُ أَنْ جَاءَكُرْ دَكُوٌّ مِّنْ رَّبِّكُرْ عَلَى رَجُل مِّنْكُرْ

ليُنْدُرِكُرُ وَ لَتَتَّقُوا وَ لَعَلَّكُرْ تُرْحَمُونَ @ नाएं। याता त्नेवात किन चात्रवह केवात करतिकाम, चात याता है। الذينَ أَعُنُ فَكَذَّا اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَل الذينَ اللَّهُ عَانَكِينَهُ وَ الَّذِينَ مَعَدُى الْفُلُكُ وَ أَغَى قُنَا الَّذِينَ إِلَّا اللَّهُ عَلَى اللَّ

كَذَّبُوْ إِبِالِيتِنَا وَانَّهُمْ كَانُوا قَوْمًا عَمِيْنَ ١

وَ إِلَى عَادِ أَخَاهُرُ هُوْدًا وَالَ يَقَوْمُ اعْبُدُوا اللهُ مَا لَكُرْ مَّنْ الم غَيْرُهُ وَ أَفَلَاتَتَّقُونَ ﴿ ৬৬। প্রধানরা - যারা তার সম্প্রদায়ের মধ্য থেকে কুম্বরী করেছিল - বলেছিল, 'নিকন্স আমরা অবশ্যই ভোমাকে নিবৃদ্ধিভার মধ্যে দেখহি এবং নিকর আমরা অবশ্যই ভোমাকে মিধ্যাবানীদের অন্তর্ভুক্ত মনে করছি।'

৭, সূরা আল-আ'রাফ

- ৬৭। সে বলেছিল, 'হে আমার সম্প্রদায়। আমার মধ্যে কোন নির্মুদ্ধিতা নেই বরং আমি জগৎসমূহের প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে একজন রাস্থা।
- ৬৮। আমি আমার প্রতিপালকের রিসালাত (পরণাম) তোমাদের কাছে পৌছাই এবং আমি তোমাদের জন্য একজন বিশ্বত্ত কল্যাণকার্মী।
- ৭০। তারা বলল, 'তুমি কি আমালের কাছে এলেছ এ উদ্দেশ্যে যে, আমরা দেন একা আল্লাহর ইবাদত করি এবং আমালের লিতু-পুরুষরা যা উপাসনা করত তা বর্জন করি; তাহলে তুমি আমালেরকে যে (শান্তির) ক্রকিল্পতি দিক্ত তা নিয়ে আস- মদি তমি সতারাদীশের অন্তর্জত হও।'
- ৭১! লে বলদ, 'তোমালের এতিপাদকের পক্ষ থেকে দান্তি ও ক্রেম্ব তেমানের জন্য দিনিটিত হুয়েই আহে। তবে কি রেমারা আমার দায়ে বিতঠক করাতে চাও এমন কক্ষতবাদা মান্য কর্মেরে ধ্রেমারা তেমানার নিকৃত্বভারা রেমার, বেতাশা সম্পর্কে আরাহ বেদন প্রমাণ অবতীর্ণ করেনিটি, সুক্রার তোমারা আপেছা কর, নিশুয় আমি তোমালের সাথে আপেছানারীয়ানে অব্যক্তি।'
- ৭২। অতঃপর আমি তাকে ও যারা তার সাথে ছিল তালেরকে আমার দায়ায় উদ্ধার করেছিলাম, আর যারা আমার আমাতসমূহকে মিধ্যা অভিহিত করেছিল তাদের মূল কেটে দিয়েছিলাম এবং তারা মামিন ছিল মা।
- ৭০। এবং ছাম্ব-বে এতি ভালে ভাই নালিহাতে (এবংৰ অবজিলান)। লে বাসনিল, 'হে আমান সম্প্রনার। তোমনা আরাহার ইবনক কর, কিন্দ ছারা হোমালার ঋণা কোন ইবারে কেই। তোমালার বাবং তোমালার প্রতিলালাকের পাক থেকে পাই প্রমাণ প্রশোহার আইন হোমালাকে জান পিনপিনস্থারণ, তুলার কে আরাহার মনিলে (মান হোমালাক জান প্রদিশসম্ভাপন, তুলার কে আরাহার মনিলে (মান হোমালাক প্রদান প্রস্কার করন। স্থানি কর্মালাক করন।
- ৭৪। এবং করণ কর যবন তিনি ভোমানেরকে আদা-এর পরে (ভাদের) ছলাভিষিক্ত করেছেন এবং তিনি ভোমানেরকে পৃথিবীতে এমনভাবে প্রতিষ্ঠিত করেছেন যে, ভোমরা সম্প্রভাগ প্রতিষ্ঠিত এমনা নির্মাণ ও পাহাড় কোটা বাসপৃত্ব নির্মাণ করাছ, সুভরাং ভোমরা আল্লাহার অনুমাহ স্বর্না কর এবং পৃথিবীতে স্যাসাদ সৃষ্টিকারী হয়ে অপরাধ করেরা না।'
- ৭০। প্রধানতা যাবা তার সম্প্রদায়ের মধ্য থেকে অহংকার করেছিল -বলেছিল তানেরকে যানেরকে দুর্বল মনে করা ব্যােছিল, যাবা ভানের মধ্যে ইমান এনেছিল, 'ভামবা কি জান যে, মালিছ ভার অভিপালকের পক্ষ থেকে প্রেভিছা, ভারা বালেছিল, 'যা সহ তাকে প্রেকণ করা হয়েছে নিক্ষম আমরা ভাতে বিশ্বামী।

قَالَ الْمَلَّا الَّذِيْنَ كَفَرُواْ مِنْ قَوْمِهٖ إِنَّا لَنَرِىكَ فِي َسَفَاهَةٍ وَ إِنَّا لَنَقُنَّكَ مِنَ الْكَذِيثِيَ ۞

قَالَ يَقَوْمَ لَيْسَ بِيْ سَفَاهَةٌ وَّ لَكِيْنِ رَسُولٌ مِّنْ رَبِّ الْعَلَمِيْنَ ۞ أَبَلَغُكُرُ رسُلُت رَبِّيْ وَ أَنَا لَكُرْ نَاصِيْ أَمَيْنٌ ۞

اَوَعَجِمْتُر اَنْ جَاءَكُر ذِكْرٌصِّنْ رَبِّكُرْ كَلَ رَجُلِ صِّدْكُرْ لِمُنْذِركُمْ وَ اَدْكُوْزُا إِذْ جَعَلَكُمْ كُلَفَاءَمِنْ بَعْنِ قُوْمَ نُوْجٍ زَادَكُمْ فِي الْخَلَقِ بَعْضَلَةً عَلْدُكُورُا الْإِنَّ اللهِ لَعَلَّكُمْ ثُقَاصُونَ ۞

قَا لُوۡۤا اَحِثْتَنَا لِنَعُبُدَ اللهُ وَهُدَةً وَنَذَرَمَا كَانَ يَعْبُدُ أَبَّا وُّنَاء فَاتِنَا بِمَا تَعِدُنَاۤ إِنْ كُنْتَ مِنَ الصِّدِقْيَ۞

قَالَ قَدْ وَقَعَ عَلَيْكُرْ مِّنْ رَبِّكُرْ رِيشْ وَّعُمَّرْ أَا تَزَلَّ اللَّهِ بِمَا وَكُلْ فِيَّ اَسْمَاءً سَمْيْتُمُوهَا أَنْشُرُ وَ أَالْكُورُ أَنْ أَنْ لَلَّا اللَّهُ بِمَا مِنْ سُلْطُنِ فَأَنْظِرُواْ إِنِّي مَعَكُرْ مِنَ الْمُنْتَظِرِيْنَ ۞

فَانْجَيْنُهُ وَالَّذِيْنَ مَعَهُ بِرَحْمَةٍ مِثَّا وَقَطَعْنَا دَابِرَ الَّذِيْنَ الْجَ كَذَبُوا بِالْيِنَا وَمَا كَانُوا مُؤْمِنِينَ ﴾

رَالِ نَتُودَ آَهَا هُرُ طِيصًا قَالَ يَقُورُ إِهَبُكُورُ الشَّهَا لَكُورُ مِنْ الِمِعُنُورُهُ قَلْ خَاتَوْنُكُمْ بَيِّنَةٌ مِنْ رَبِّكُرْ خَلِيةِ نَاقَةُ اللهِ لَكُمْ النِّغَنْدُرُهُمَّا لَمَا كُلِ فِي آرْضِ اللهِ وَلَاتَمَسُّوهُمَا بِسُوَّءً فَيَاكُذَكُمْ كَذَابُ إِلِيْرُ

وَ اذْكُونَوْ أَوْ اَدْمَعَلَكُمْرِ هُلَقَاءَ مِنْ بَعْدِ عَادِوْ بُوَّ أَكُرْ فِي الْارْفِ تَتَّخِذُوْنَ مِنْ سُمُوْلِهَا فَمُوْرَا وْتَنْحِتُونَ الْجِبَالَ بَيُوتًا، فَاذْكُرُواْ أَلَّاءَ اللهُ وَلَاتَعْمَرُ فِي الْأَرْفِى مُفْسِدِينَ ۞

قَالَ الْمَلَّا الَّذِيْنَ اسْتَهْبَرُوْا مِنْ تُوْمِهِ لِلَّذِيْنَ اسْتُهْعِفُوْا لِمِنْ أَمْنَ مِنْهُمِ ۖ أَتَعْلَمُوْنَ أَنَّ ملِيعًا مُّرْسَلَّ مِّنْ رَبِّهِۥ قَا لُوَّا الَّا بِهَا أَرْسَلَ بِهِ مُؤْمِنُونَ ۞

- 4 سُورَةُ الْأَعْرَ إِن قَالَ الَّذِينَ اسْتَكْبَ وُوا انَّا بِالَّذِينَ إِمْنَتُمْ بِهِ كُفُّ وْنَ ﴿
- ৭৯০ মারা অঞ্চল্ডার জনেচিত্র ভারা বলল "সেয়েরা যা বিশ্বাস কর ভিন্তম साधान करक रुक्तिशाची ।
- ৭৭ অভ্যাপর ভারা সে ইয়ীকে হজা করল ও ডামের প্রভিগালকের নির্দেশের অবাধ্য হল এবং বলল 'ত্রে সালিত। যদি ভমি প্রেরিভাদের (রাসলদের) একর্ত্বক হয়ে থাক তাহলে আমাদেরকে যে (শান্তির) প্রতিশ্রুতি দিচ্ছ তা নিয়ে আছে '
- ৭৮। সভবাং ভহিত্তশ ভাষেত্রক পাল্ডার কলন এবং ভারা ভাষেত্র আবাসস্থলে উপত হয়ে পড়ে রইল।
- ৭৯ সূতরাং সে তাদের কাছ থেকে মুখ ফিরিয়ে নিল এবং বলল, 'হে আমার সম্পদার: অবশাই আমি আমার প্রতিপালকের রিসালাভ (পয়গাম) ব্যোয়াদের বাস্থে পৌছে দিয়েছি এবং ভোয়াদেরকে উলয় উপদেশ দিয়েছি, কিন্ত তোমরা উত্তম উপদেশ দানকারীদেরকে ভালবাস না।'
- ৮০। এবং লৃত, যখন সে ভার সম্প্রদায়কে বলেছিল, 'ভোমরা কি এমন অপ্রীল কাজ করছ যা তোমাদের পর্বে জগৎসমহের (মানব জাভির) কেউ करवनि।
- ৮১। নিশ্চয় তোমরা কামনা চরিতার্থ করার জন্য নারীদেরকে ছেডে পরুষদের কাছে গমন কর। বরং তোমরা এক সীয়ালজনকারী সম্পদায়।"
- W21 star फार अस्प्रमायत क्रतात किल त्वतल stă त्य फारा वालकिल 'এনেরকে ভৌমানের জনপদ থেকে বের করে দাও নিক্ষয় এরা এমন লোক যাবা পবিত্র থাকতে চায়।
- ৮০%। জ্বেরণের আহি কাল্ডে ও ভার পরিবার-পরিজ্ঞান্ত ট্রন্ধার রুলেছিলাছ-কার দ্রীকে হাজ: সে হিল পিছনে থেকে যাওয়াদের (ঋংসপ্রাপ্তদের) कावर्जन्यः
- লক্ষা কর ক্রেয়ন ছিল অপরাধীদের পরিণায়।
- ৮৫। এবং মানইয়ান-এর প্রতি ভাদের ভাই ভ'আইবকে (প্রেরণ করেছিলাম)। সে বাসেছিল 'তে আমাৰ সম্পদায়। কোমৰা আলাহৰ ইবাদক কৰা কিনি ছাভা তোমাদের অন্য কোন ইলাহ নেই। তোমাদের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে ভোমাদের কাতে স্পষ্ট প্রমাণ এসেতে সকরাং ভোমরা মাপ ও ওজন প্রোপরি দিবে, লোকদেরকে তাদের প্রাপ্য বন্ত কম দিবে না এবং সংস্থাতের পর পথিবীতে বিপর্যয় সঙ্কি করে। না। এটি ভোয়াদের জন্য কল্যাণকর- যদি তোমরা ম'মিন হও।
- ৮৬। এবং তোমরা প্রতিটি পথে বসে থেকো না, যাবা তাঁর প্রতি ঈমান এনোম সাদেবার দীসি পদর্শন বাব এক আলাচর পথ হাস বিবস রেখে এবং ভাতে (আন্তাহর পথে) বক্রতা অধ্যেধণ করে। এবং শ্বরণ কর যখন তোহৰা ছিলে সংখ্যায় অল অভংগৰ ডিনি জোহাদেৰ সংখ্যা ৰঙি করেছেন এবং লক্ষ্য কর, কেমন ছিল ফ্যাসাদ সাইকারীদের পরিগাম।
- ৮৭। একং আমি যা নিয়ে প্ৰেবিত হয়েছি তাতে যদি ভোমাদের কোন দল উহার আনে এবং কোন দল উহার না আনে তাহাল দৈর্ঘা ধাবণ কর যতক্ষণ না আলাই আমাদের মাঝে কয়সালা করে দেন, আর তিনিট টেকম ফযসালাকারী।'

- فَعَقَدُوا النَّاقَةَ وَعَتَوا عَن آمْ رَبِّهِ وَقَا لُوا يُصلي اثْتنا بما تَعَدُنآ أَنْ كُنْتَ مِنَ الْمُ سَلَيْنَ ﴿
  - فَأَخَذَتْهُمُ ۚ إِلَّهُ مُفَدُّ فَأَصْبَكُوا فِي دَارِهِمْ خِعْمِيْنَ ؈
- فَتَوَلَّى عَنْهُرْ وَقَالَ يَقُومُ لَقَدْ ٱبْلَغْتُكُرْ رِسَالَةَ رَبَّى وَنَصَحْتُ لَكُرْ وَلَكِنْ لَا تُحِبُّونَ النَّصِحِيْنَ ۞
- وَ لُوْظًا إِذْ قَالَ لِقَوْمِهَ إِنَّا تُوْنَ الْفَاحِشَةَ مَا سَبَقَكُمْ بِهَا مِنْ آَحَدِ مِّنَ الْعُلِّمِينَ ⊝
- انْكُرْ لَتَاتُوْنَ الرِّهَالَ هَهُوَةً مِّنْ دُوْنِ النِّسَاءِ مِلْ ٱنْتُرْ قَوْمٌ وَمَا كَانَ جَوَابَ قَوْمِهِ إِلَّا أَنْ قَا لُوَّا أَهْرِجُوْهُرْ مِّنْ قَرْيَتكُرْ ،
- انَّهُرْ أَنَاسٌ يَّتَطَهَّرُونَ ۞ فَآنْجَيْنُهُ وَ آهْلَةٌ إِلَّا إِمْ آتَهُ \* كَانَتْ مِنَ الْغَبِيْنَ ﴿
- وَأَمْطُونَنَا عَلَيْهِمْ مُطَرًّا وَفَا نُظُرُ كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الْمُجْرِمِينَ ﴿ إِنَّهُمْ بِعِنْ اللّ
  - وَ إِلَى مَدْيَنَ آغَاهُرْ شُعَيْبًا ﴿ قَالَ يُقَوْمُ اعْبُدُوا اللَّهُ مَا لَكُرْ مَّنْ اله غَيْهُ وَهُ مَا ءَتْكُيرُ بَيِّنَةً مِّنْ رَبِّكُيرُ فَاوْقُوا الْكَيْلَ وَ الْمِيْزَ انَ وَ لَا تَبْخَسُوا النَّاسَ آشَيَّاءَهُمْ وَ لَاتُفْسِدُوْا فِي الْأَرْضِ بَعْدَ امْلَاحِهَا ذَلكُرْ غَيْرٌ لَّكُرْ انْ كُنْتُرْ مُّوْمنيْنَ ﴾
  - وَ لَا تَقْعُدُواْ بِكُلِّ مِوَاطٍ تُوْعِدُونَ وَتَصُدُّونَ عَنْ سَبِيْلِ اللَّهِ مَنْ أَمَنَ بِهِ وَ تَبْغُوْ نَهَا عِوَجًا وَ إِذْكُ وَآ إِذْ كُنْتُمْ قَلْيُلًا فَكَثَّرَكُمْ مِوَ انْظُرُ وَا كَيْفَ كَانَ عَاقبَةُ الْمُقْسِدِينَ @
  - وَ إِنْ كَانَ طَآلَفَةٌ مِّنْكُر إمنوا بِالَّذِي ٱرْسِلْتُ بِهِ وَطَآلَفَةٌ لْرْ يُوْمِنُوْ إِ فَاصْبِرُ وَا مَتَّى يَحْكُيرَ اللهُ بَيْنَنَا ء وَهُوَ غَيْرٌ

#### পারা-৯

bb। প্রধানতা - যাত্রা তার সম্প্রদারের মধা থেকে অবংকার করেছিল -বেলছিল, 'হে ত'আইবং অবশাই অবশাই আমার ভোমারে ত ভোমার সাথে যাত্রা ইয়ান এনেছে তালেরকে আমানেক জনপল থেকে বের করে দিব অথবা অবশাই অবশাই এফার আমানের বিল্লাতে (ধর্মানর্শে) ফিরে আমবে। 'মে বগল, 'যদি আমরা (ভাটা) অপছন্দ কবি জন্মত্বা

৯০। এবং প্রধানারা - যারা তার সপ্রদারের মধ্যে থেকে কুমরী করেছিল -বলেছিল, 'মনি তোরা তার সংখ্যারের মধ্যে থেকে কুমরী করেছিল -বলাছিল, 'মনি তোরার তার ক্ষাইবকে অনুসরণ কর তার্বল নিকর ভোমরা ব্যৱস্থানী ক্ষতিপ্রক্র হাব।'

৯১। সুতরাং ভূমিকম্প তাদেরকে পাকড়াও করল, এবং তারা তাদের আবসকলে উপদ্ধারৰ পাদ্ধারকীন।

৯২। যারা প্র'আইবকে মিখ্যাবাদী বলেছিল তারা মেদ সেখানে বসবাদই করেনি। হারা প্র'আইবকে মিখ্যাবাদী বলেছিল তারাই ক্ষতিথ্রত হয়েছিল

৯৩। সুতরাং সে তাদের থেকে মুখ ফিরিয়ে নিল এবং বলল, 'হে আমার সম্প্রদাহ! অবশাই আমি আমার প্রতিপালকের রিদালাত (পয়গাম) ( তামাদের বাছে গৌছে দিয়েছি এবং তোমাদেরকে উত্তম উপদেশ বিষয়ি সকলা কাছিক সম্পাদেরক কাম আমি চিন্তাবি দেবক

৯৪। আর হথনই আমি কোন জনপদে কোন মবী প্রেরণ করেছি তথনই তার অধিবাসীদেরকে অভাব-অনটন ও দুঃখ-কট দ্বারা পাকতাও করেছি, যাতে তারা কাকৃতি-মিনতি করে।

৯৫1 এরপর আমি অবল্যাপের স্থলে কল্যাণ প্রতিস্থাপন করেছি, অবশেষে তারা প্রচ্নির্বাচ অধিকারী হয়েছে এবং বলেছে, 'আমানের পিতৃ-পুঞ্চমদেরকের দুম্ব-কট ও সুখ-ভোগ "শর্পা করেছে।' সুভরাং হঠাৎ তালেরকে আমি গাকাতাও করেছি, যখন তারা টেরও পায়নি।

৯৬: আর যদি (সেসব) জনপনের অধিবাসীরা ঈমান আনও ও তাকওয়া অবলম্বন করও তারলে অবশ্যই আমি তালের অন্য আখাশ ও পৃথিবীর কল্যাপদমূহ উদ্বুক্ত করতাম, কিন্তু তারা নেবীদেরকে) মিখ্যাবাদী বলেছিল, মুতরাং করে বা অর্জন করত সে কারণে তালেরকে আমি গাজ্যার ভারতিশিল্য।

৯৭। তবে কি জনগদের অধিবাসীরা নিরাপন মনে করেছে (এ থেকে) যে, এমার শান্তি তাদের নিকট আসবে রাতে, যখন তারা মমিয়ে থাকবেঃ

৯৮: অথবা জনপদের অধিবাসীরা কি নিরাপদ মনে করেছে (এ থেকে) যে, আমার শান্তি তানের নিকট আসতে পর্বাহে, যখন তারা খেলায় মগ্রা থাককেঃ قَالَ الْمَلَّا الَّذِينَ اسْتَكَبُّرُوا مِنْ قَوْمِهِ لَنُحْدِجَنَّكَ يَشُعَيُّ وَ الَّذِينَ اَمَنُوا مَعْكَ مِنْ قَرْ يَتِنَا ۚ أَوْ لَتَعُودُنَّ فِيْ مِلْتِنَا ،قَالَ إَوَّ لَوْ كُنَّا كُوهِنَ ۗ ﴿

لو كنا كوچس» قد افتَرَيْتَا فَقَ اللهِ كَدِياً إِنْ مُكَانًا فِي مُلِّنَكُمْ بِعَدًا إِذَا تَشِكًا الشَّهِنْهَا رَحَانًا بَكُونُ لَكَ آنَ تُقَوِّدُونِهِمَّا إِلَّا آنَ فِيمَّاءَ اللهُ رَبَّنًا، وسع رَبِّنَا كُلُّ مَنْ عِلْمًا فَي اللهِ تَوَقَّلُنَا، رَبِّنَا اعْشَرْ بَيْنَانًا وَبَنِي قَوْمًا بِالْفَوْرَ النِّهِ لِنْهِ اللهِ تَوَقِّلُنَا، رَبِّنَا اعْشَرْ بَيْنَانًا

وَقَالَ الْمُلَّ الَّذِينَ كَتَوْرُا مِنْ قَوْمِهِ لَشِي الْمَعْشُرُ شَعَيْبًا اِلْشُرُ إِذَّا لِخُسِرُونَ ۞ قَاخَدَتُهُمُ لَا لِحَمْثُةً قَاضَمُورًا فِي دَارِهِمْ جَمِينَ ۞

الَّذِينَ كَنَّابُواْ هُعَيْبًا كَانَ لِّرَيَغَنَّواْ فِيْهَا ۚ ٱلَّذِينَ كَذَّبُوا هُعَيَّبًا كَانُواْ هُرَ الْعُسِرِينَ ۞ فَعَوْلَ عَنْهُمْ وَقَالَ لِغَوْا لَقَنْ ٱلْلَقْتُكُمُّ رسلت رَبِّنَ وَا

نَمَهُ لَكُرْ ، فَكَيْفَ إِسْ عَلَ قَوْمٍ كُفِرِينَ هُ وَمَاۤ ٱرْسُلُمَا فِي قَرْيَةٍ مِّنْ ثَبِي الْآِ أَخَدُنَاۤ ٱهْلَهَا بِالْبَاسَاۤء وَ

الْمِرَّاءِ لَعَلَّمُ يَقَرَّغُونَ ۞ أَنَّ مَكَانَ السَّبِّةِ الْمَسَنَةَ مَتَّى عَفُواْ وَقَا لُواْ قَدْ مَسَّ ثُرِّ بَدَّلُنَا مَكَانَ السَّبِّقَ الْمَسَنَةَ مَتَّى عَفُواْ وَقَا لُواْ قَدْ مَسَّ إِنَّا قِنَا الفَّرَّاءُ وَالسِّرَّاءُ قَاَعَدْ أَهُمْ يَغْتَةً وَهُرْ لَا يَشْهُرُونَ ۞

وَ تَوْ اَنَّ اَهُلَ الْقُرِّى اَمَثُوا وَاقْتُواْ لَفَتَحُنَا عَلَيْهِرْ بَرَكِي مِّنَ السَّمَآءِ وَالْارْضِ وَلٰكِنْ كَنَّبُواْ فَلَكَنْ لُهُرَا فَلَكَنْ لُهُرْ بِمَا كَانُواْ يَحْسِبُونَ ﴿ يَحْسِبُونَ ﴾

أَفَامِنَ آهُلُ الْقُرِّى آنَ يَّاتِيَهُرْ بَاسُنَا بَيَاتًا وَّهُرْ نَآثِهُونَ ﴿

اَوَ أَمِنَ آهُلُ الْقُرِّى آنَ يَّاتِيَهُرْ بَاسُنَا مَحَى وَّهُرْ يَلْعَبُونَ ﴿

- ৯৯। তবে কি তারা আল্লাহ্র কৌশল থেকে (নিজেনেরকে) নিরাপদ মনে ই করেছেঃ কিন্তু ক্ষতিগ্রস্ত সম্প্রদায় ছাড়া কেউই আল্লাহ্র কৌশল থেকে নিরাপদ মনে করে না।
- ১০০। যারা এর (পূর্ববর্তী) অধিবাসীদের পরে পৃথিবীর উত্তরাধিকারী হয়েছে তালেরকে কি এটা পথপ্রদর্শন করেনি যে, আমি ইক্ষা করলে তালের কার্যাংসমূত্রের কারণে তালেরকে শান্তি নিতে পারিঃ কিছু আমি তালের ক্রমসমূহের উপর মেহের মেরে দেই, ফলে তারা প্রধা করে ন।
- ১০১1এ সব জনপদের কিছু সংবাদ আমি তোমার কাছে বর্ণনা করন্তি, এবং অবশ্বাই তাদের কাছে তাদের রাসুদরা শেষ্ট অমাণাদীসত্ব প্রকাছিল, কিছু বা তারা পূর্বে মিখ্যা অভিবিত্ত করেছিল তাতে তারা ইমান আনার হিন না একতবেই আল্লাহ্য কাছিবদের হন্দাসমূহে মেহর মেরে সেশা।
- ১০২।এবং আমি তাদের অধিকাংশের জন্য কোনো প্রতিক্রণিত পাইনি (অর্থাৎ প্রতিশ্রুতি গালনকারী পাইনি), বরং নিশ্চর তাদের অধিকাংশকে অবশাই পাণাচারী হিসেবে পেরেছি।
- ১০৩.এরপর তাদের পরে আমি মুসাকে আমার নিদর্শনাকণীসহ ফিরআউন ও তার পরিষদবর্গের কাছে পাঠিরেছিলাম, ফিছু তারা এগুলোর এতি ছুলুম করেছিল, সুওবাং লক্ষ্য কর, কেমন ছিল ফ্যানাদ সৃষ্টিকারীদের পরিলাম।
- ১০৪। এবং মূসা বংগছিল, 'হে ফিরআউন। নিকর আমি লগৎসমূহের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে একজন রাস্ল-
- ১০০। (আমার পক্ষে) এটিই মানানসই বে, আমি আল্লাহ সম্পর্কে নতঃ ছাড়া (ক্ষিত্ব) কাব না। ভোমাদের প্রতিপাবাকের কাছ থেকে শান্ত প্রয়াকাহ আমার ভোমাদের কাছে এসেছি, সুকরাং বনী ইসরাইদকে তুনি আমার সাথে প্রবাদ কর।'
- ১০৬। সে (ফিরআউন) বলল, 'বদি তুমি কোন নিদর্শন নিয়ে এনে থাক তাহলে তুমি তা পেশ কর- বদি তুমি সত্যবাদীদের অন্তর্ভুক্ত হও।'
- ১০৭।অতঃগর সে তার গাঠি নিজেপ করল এবং তৎক্রণাৎ তা এক সুস্পাই ।
  অন্তর্গর হয়ে গেল।
  ১০৮।এবং সে তার হাত (জামার গলার তেতর হতে) টেনে বের করল এবং। ১৮
- তথ্যপাথ তা দৰ্শকদের জন্য তত্র উদ্ধৃত হয়ে গেল। ১০৯। বিরঅভিন সম্প্রদায়ের প্রধানর কলে, 'নিচর সে অবশ্যই একজন বিজ
- জাদুক্তর-১১০।সে তোমাদেরকে তোমাদের যমীন (দেশ) থেকে বের করে দিতে চায়, সতরাং তোমরা কী পরামর্শ দাওঃ'
- ১১১। তারা বলদ, 'তাকে ও তার তাইকে (অর্থাৎ তাদের বিষয়টিকে) স্থানিত রাগন এবং শহরে শহরে সংগ্রহকারীদের প্রেরণ করুত্র-
- ১১২ তারা প্রত্যেক বিজ যাদুকরকে আপনার নিকট নিয়ে আসবে।
- ১১৩।এবং জাদুকররা ফিরআউনের কাছে আসল (এবং) বলল, "নিকর আমাদের জন্য অবশ্যাই প্রতিদান থাকবে, যদি আমরাই বিজয়ী হই।"

- اَفَامِنُواْ مَحْرَ اللهِ عَلَايَا مَنْ مَحْرَ اللهِ إِلَّا الْقُوَّا اللَّهِ مِرُونَ ﴿
- اَوَ تَمْرَيْهُو للَّذَهُنَ يَوْقُونَ الْأَرْضَ مِنْ بَعْنَ اَهْلِهَاۤ أَنْ لَّوْ فَشَاءً اَصْبُنَهُرْ بِذُنُو بِهِنَ وَ نَطَبَعُ فَى قُلُو بِهِرْ فَهُرْ لاَيْسَعُونَ ⊕
- تِلْكَ الْقُرِّى نَقُصُّ عَلَيْكَ مِنْ أَنْسُبَّا لِهَا ءَوَ لَقَدْ جَاءَتُهُر رُسُلُهُمْ بِالْبَيِّنْفِ، فَمَا عَلَنُوا لِيُؤْمِنُوا بِمَا كَذَّبُوا مِنْ قَبْلُ، كَذْ لِكَ يَظْمُعُ اللهُ كَمُ قُلُّونِ الْكُغْرِينَ ۞
- وَمَا وَجُدُنَا لِاكْتَرِهِرْ مِّنْ عَهْدِ، وَإِنْ وَجَدُنَاۤ آكْتَرَهُرْ لَلْسِقْنِنَ ۞ كُورٌ بَعَثْنَا مِنْ بَعْدِهِمْ هُولْسِ بِالْعِتَاۤ إِلَىٰ فِرْعَوْنَ وَمَلَاقِهِ
- نير بعثنا مِن بعدهير موسى بِالبِّنَّا إِلَى فِرعون وهلايِهُ فَظُلَمُواْ بِهَا ۚ فَاثْظُرْ كَيْثَ كَانَ عَاقِبَةٌ الْمُقْسِدِيْنَ ۞
- وَقَالَ مُوسَى يَغِرْعَونُ إِنِّى رَسُولُ مِّنْ رَبِّ الْعَلَمِينَ ﴾ مَعْيَقُ عَلَى أَنْ لاَ أَقُولُ عَلَى اللهِ إِلاَ الْمَقَّ مَقَدُ جِثْتَكُمْ بِمِيَّنَةً مِّنْ رِنْكُمْ فَأَ رَسُلُ مَعَى بَنَيْ الشِّ الْمِلْ ﴾
- قَالَ إِنْ كُنْتَ جِئْتَ بِأَيةَ فَأْتِ بِهَاۤ إِنْ كُنْتَ مِنَ المُّدِقِيْنَ ۗ
  - فَٱلْقَى عَمَاهُ فَإِذَا هِيَ ثُعْبَانٌ مُّبِيْنٌ ۗ
  - وٌّ نَزَعَ يَنَهُ قَادَا هِيَ بَيْفَآءُ لِلنَّظِدِينَ ﴿
    قَالَ الْمُلَّامِنُ قَوْمُ فَرَعَوْنَ انْ هُلَّا لَهُ عِدْ عَلَيْرٌ ﴿
  - ى الهده من قو الجرعوق إن عدا مستجر عبير ق يُّ يْدُ أَنْ يُخْهِ جَكُرُ مِّنْ أَرْضُكُرْ ، فَمَا ذَا تَأْمُّ وْنَ ⊚
  - قَا لُوَّا ٱرْجِهُ وَ ٱخَاهُ وَ ٱرْسِلْ فِي الْمَدَّائِي خُشِرِيْنَ ﴿
  - يَا تُولُفَ بِكُلِّ سُحِرٍ عَلِيْرٍ ۞

قَالَ نَعَرْ وَ إِنَّكُرْ لَمِنَ الْمُقَرِّ بِيْنَ @

فَغُلِبُوْ إِهْنَا لِكَ وَ إِنْقَلَبُوْ إِضْفِينَ ﴾

১১৪।পে বলল,'হাঁ৷ এবং নিশুর তোমরা অবশ্যই আমার নৈকটাপ্রাঞ্জনের অস্কর্জক করে।'

১১৫।তারা বদল, 'হে মূনা। হয় তুমি নিক্ষেপ কর, আর নয় আমরাই নিক্ষেপকারী হই।'

১১৬। সে বনদা, 'তোমরাই নিক্ষেপ কর'। এবং যখন তারা নিক্ষেপ করদ তখন তারা দোকদের চোখচদোকে আদু করদা, এবং তানেরকে আক্তর্জন্ত করদ এবং তারা এক বড় (রকমের) জাদু নিয়ে আদদ। ১১৭।আর আমি মদার প্রতি ওষ্টী করদাম যে, 'ডুমি (ভাষার লারি নিক্ষেপ

কর', এবং তংক্রণাং তা তাদের অনীক সৃষ্টিওলোকে গিলে কেলতে লাগল,

১১৮।ফলে সত্য প্রতিষ্ঠিত হল এবং তারা যা করছিল তা বাতিল (নিখ্যা) হত্তে পেল।

১১৯। সুতরাং দেখানে তারা (ফিরআউন ও তার দল) পরাজিত হল ও অপলছ হয়ে ফিরে গেল।

১২০।এবং জাদুকররা সিজদার দৃটিরে পড়ল।
১১১।সারা রজ্জ 'ভামরা উমান আনলাম ভ্রপত্যমারের প্রতিপাশকের প্রতি

১১১। মিনি মসা ও হাজনের প্রতিপালক।

১২০/ফিরআটন বলল, 'তোমরা কি ভার প্রতি ইমান আনকে আমি তোমাদেরকে অনুমতি দেয়ার পূর্বেইঃ নিচর এটা অবশাই এক ষড়যো, তোমারা এ শহরে এই যড়যো করাহ এখন থেকে এক অবিবারীলেরকে বের করে সেয়ার জন্ম, সুকরাই ভাতিবার্ত তোমার (এব শবিশা) আনকে

পারবে। ১২৪।অবশ্যই অবশ্যই আমি তোমাদের হাত ও তোমাদের পা বিপরীত বিক থেকে কেটে বিব, এরপর অবশ্যই অবশ্যই আমি তোমাদের স্বাইকে অপ্রবিক্ত রবব।

১২৫।তারা কলল, 'নিশুর আমরা আমানের প্রতিপালকের দিকে প্রত্যাবর্তন

करत. १८) चात्र पूर्व काराम्यरः मात्रि निव (करा वस्त्रा ए, कारता कारायः) विकाराज्य निर्मानस्य मेता वार्याः, रूप का वायास्य कारति वारायः, ए कारायस्य विकाराज्य कारतिकार्यः कारति । स्वयं कारतिकार्यः कारतिकार्यः कारतिकार्यः वार्यास्य कार्यास्य कार्यास्य

১২৭ আর বিশ্বজাটন সম্প্রদারের প্রধানর বনগা, "আপনি কি মুনাকে ও তার সম্প্রদারের হেড়ে সিমেন (মুনাগা বিম্কেন) মাতে তারা পৃথিবীতে হ্যাসান সৃষ্টি করতে পারে এবং আপনাকে ও আপনার উপান্যকারকে পরিবাগা করতে পারে? সে বনগা, "প্রীন্ত্রই আরবা তামের সুর সন্তানাসরকে হত্যা করব এবং তামের নারীসেরক জীবিত রাকব, এবং নিকত আরার তামক উপাং পারক্রমান্দ্রী।"

১২৮।মূনা তার সম্প্রদারকে কলন, আন্তার্ত্তর কামে সাহাব্য প্রার্থনা কর এবং ধৈর্যধারণ কর, দিশুর পৃথিবী আন্তার্ত্তই। তিনি তাঁর বাদ্যাসক মধ্য থেকে হাকে ইক্ষা করেন তার উভরাবিকারী করেন এবং তাত পরিবাম সাম্প্রতীক্ষাক কাম। قَا لُوْ النُّوْلَى إِمَّا أَنْ تُلْقِى وَ إِمَّا أَنْ نُكُونَ نَهُنَّ الْمُلْقِينَ ﴿

قَالَ ٱلْقُوْاءَفَلَمَّا ٱلْقُوْا سَحَرُواْ اَعْيَنَ النَّاسِ وَ اسْتَرْهَبُوهُرْ وَجَاءُوْ بِسِحْرٍ عَظِيْرٍ ۞

وَ ٱوْحَيْنَاۚ إِلَى مُوْسَّى أَنْ ٱلْتِيعَصَاكَ؛ فَاذَا هِيَ تَلْقَفُ مَا يَا فِكُونَ ۞ فَوَقَعُ الْحَقَّ رَبَعُلَلَ مَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ۞

ۯٵٛڷێٙؽٵڵۺؖۘۘۘۘڝۯؘةؙڛ۠ڿؚڔؽؽٷ قَالُوؖٵ أمَنَّا بِرَبِّ الْعَلَمِيْنَ ۞

قَالَ وُرْحُونُ إِمَّنَكُمْ بِمِقَبِلَ أَنْ أَنْنَ لَكُمْ وَإِنَّ مِنْا لَمُشَرِّ مُكِّرِّتُمُوْفِي الْمَدِينَةِ لِتَعْرِجُوا مِنْهَا أَفْلَهَا مَشَوَى تَطْمُونَ هَ لِاقْطَعْنَ إِنْدِيكُمْ وَأَرْجُلِكُمْ شَنْ عَلَى ثُمَّ الْمُسْتَعِنِّ الْمُسْتَعِنِّ الْمُسْتَعِنِّ الْمُسْتَ

> اِجِعِين ۞ قَا لُوُّا إِنَّا إِلَى رَبِّنا مُثْقَلِبُوْنَ ۞ وَمَا لَنْقِيُّ مِنَّا ۚ [لَّا أَنْ أَمَنَّا بِالْبِ

اَلْهُ عُلَيْنًا سَرُوا وَتَوَقَّلُ مُشْلِينَ ﴾ رقال الْمَلْأَمِنْ قَوْرُ فِرَعُونَ الْقَدْرُمُوْسَ رَقَوْمَهُ لِيُفْسِدُوا في الأرض بَدُر لَفُولُ وَلَيْمَتُكُ فَأَلَّ سَمَعَتُنَا أَبْشَاءَمُّرُ وَ تَنْتُضَرِّ سَاءَمُنَ وَإِلْمَ تُوْتُمُو فَهُرُونَ ﴾

تستنتى بىندە بىر ، درات فوقىق قۇرىن ق قَالَ مُوْسَى لِقَوْمِهِ اسْتَعِيْنُواْ بِاللهِ وَ اصْبِرُواْء إِنَّ الْاَرْضَ لِلهِ تُ يُورْفُهَا مَنْ يَشَاتُّمُ مِنَ عِبَادِهِ ، وَالْعَاقِيَةُ لَلْمُتَقَيِّنَ ﴿

- ১২৯। তারা বনদা, "আমাদের কাছে আপনার আদার পূর্বে আমরা নির্বাচিত হাটেছি এবং আমাদের কাছে আপনার আদার পরেও।" সে বনদা, "বীয়েই। তি কোমাদের প্রতিপাশিত তোমাদের শক্ষেতে কাহেন করনে এবং তিনি তি তোমাদের প্রতিপাশিত তোমাদের প্রতিবিক্তি করনেন, অতঃপর তিনি আমাদের করনে তোমাদের অত্যাক বিক্তা করনেন, অতঃপর তিনি আমাদির করনেন, অতঃপর তিনি আমাদির করনেন, অতঃপর তিনি আমাদির করনেন তোমাদের করমাদ্বাস্থা করনে করমাদ্বাদ্বাস্থা করমাদ্বাদ্বাস্থা
- ১৩০। আর অবশ্যই আমি ফিরআউনের বংশকে দুর্ভিন্ধ ও ফল-ফসলের ক্ষতি দ্বারা পাকড়াও করেছিলাম, যাতে ভারা উপদেশ গ্রহণ করতে পারে।
- ১০১। কিছু যখন তানের নিকট কোন কল্যাণ আগত তথন তারা বলত, 'এটি আমাদের (প্রথের) জন্য', আর যদি কোন অকল্যাণ তাদেরকে আঘাত করত তথন তারা মূলা ও তার সঙ্গীদেরকে কুম্পর্যথা মনে করত। প্রেনে রাধ, তানের ভাগ্য কেবল আন্তাহর নিকট, কিছু আনের অধিকাশেই মানে না।
- ১৩২।এবং তারা বলল, 'আমাদেরকে জাদু করার জন্য তুমি যে নিদর্শনই আমাদের কাছে নিয়ে আস না কেন আমরা তোমাকে বিশ্বাস করব না।'
- ১৩০।সূতরাং আমি স্পট্ট নিদর্শনস্বরূপ ভাসের উপর প্রেরণ করণাম প্রাবদ, পঙ্গপাল, উকুল, ব্যান্ত ও রক্ত; তবুও তারা অহরার করণা, এবং তারা হিল এক অপরাধী সম্প্রদায়।
- ১০৪।এবং বংশনী আনের উপর শান্তি আপন্তিত হত, তারা বলত, 'বে মূলা। তোমারা প্রতিপাদকের মাছে আনানের কনা লোৱা কর, তেয়ার কাছে, কিনি (সোরা মুক্তমুক) য়ে প্রতিশ্বকি নিয়েমের সে অনুসারি, যদি চুক্তী আনানের থেকে শান্তি অপসারিত কর আহলে অবশাই অবশাই আমরা কোনাকে বিশ্বাস করব এবং অবশাই অবশাই বাদী ইসরাইলাকে তোমার সাকে প্রেরণ করব।
- ১৩৫। অতঃপর আমি যখনই তাদের উপর থেকে শাঙ্কি অপসারিত করতাম এক নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত বারো পৌহাত, তৎকনাৎ তারা প্রতিশ্রুতি তঙ্গ করত।
- ১৩৬। সুতরাং আমি তাদেরকে উচিত শান্তি নিলাম এবং তাদেরকে সমুদ্রে নিমজ্জিত করলাম, কারণ তারা আমার নিদর্শনসমূহকে মিধ্যা অভিহিত করেছিল এবং যে সম্পর্কে তারা জিল বেছালে।
- ১৩৭। এবং যে সম্প্রদায়কে দুর্বদ করে রাখা হত তালেরকে আমি পৃথিবীর পূর্বের ও পদিয়ের উত্তরাধিকারী কলাম হেখানে আমি বরকত নিরাষ্ট্র। এবং বনী ইমরাঈদ সম্পর্কে তোমার প্রতিদাশকের কন্যাগময় বাদী পূর্ব হল, যেহেন্তু তারা হৈর্ঘ ধারাব করেন্টিন। আর ফিরঝান্টন ও তার সম্প্রদায় যা কিছু তৈরি করত এবং যেমর প্রাসাদ নির্মাণ করত তা আমি ঋপে কর্রাম।
- ১০৮ আর আমি নদী ইলরাইনকে সমুদ্র পার করিছে দিলাম, অতঃপর তারা এমন এক আতির কাছে উপস্থিত হল যারা তানের মূর্তিদের প্রতি (উপসন্দায়) যোগে ছিল। তারা কালা, (২ মুগা। আমাদের জন্য একটি ইলাছ্ (উপায়া) মানাও যেমন তানের রয়েহে বহু ইলাছ্।' সে (মুগা) কালা, নিক্যা তোমারা এক তার সম্প্রদায়।

- قَا لُوَّا اُوْدِيْنَا مِنْ قَبْلِ اَنْ تَاتِيَنَا وَمِنْ يَعْنَمَا مِفْتَنَا مَا لَكُ عَسْ رَبَّكُرْ اَنْ يَثْفِلكَ عَدُوكُرْ وَيَشْتَهُلِلَغَكُرْ فِي الْاَرْضِ فَيْنَفُورْ كَيْفَ تَعْمَلُونَ ﴿
- وَلَقَدُ اَعَدُنَاۤ الَّوْرِعُوْنَ بِالسِّنِيْنَ وَلَقُصٍ فِيّ الثَّهُرُتِ لَعَلَّهُرُ يَذَّكُونَ ۞ فَإِذَا جَاءَتُهُرُ الْعَسَنَةُ قَا لُوْلَ لَنَا هٰذِهٍ > وَإِنْ تُصِبْهُرُ سَيِّئَةً
- عَادُّرُ وَالْمِوْمُ الْمُعَادُّ اللهِ وَالْمَا طَلِّرُهُ وَلِي اللهِ وَلَكِنَّ يَطُوُّرُوا لِمُوْسُى وَمَنْ مَّعَهُ ﴿ إِلَّا إِلَّمَا طَلِّرُهُرَ مِثْنَا اللهِ وَلَكِنَّ أَخْتُرُهُمْ لِلْيَعْلَمُونَ ۞ وَقَا لُوْا مَهْمًا تَأْتَنَا بِهِ مِنْ أَلِيَّةً لَتَسْشَوْنَا بِهَا •فَهَا تَشْنُ لَكُ
- بِمُؤْمِنِيْنَ ⊖ فَا رَشَلْنَا عَلَيْهِمُ الطُّرْفَانَ وَالْجَرَادَ وَالْقُمُّلَ وَالشَّفَادِعَ وَ الذَّا إلٰنِ مُّقَضَّلْتِ سَفَاسَتَكَبُرُواْ وَكَالُواْ قَوْمًا مَّجْرِمِينَ ⊕
- وَلَمَّا وَقَعَ عَلَيْهِمُ الرَّجُوُ قَا لُوْا يَمُوْسَى ادْعُ لَنَا رَبُّكِ بِمَا عَهِدَ عَلْدَكُ وَ لَكُنِ كَفُفُّ عَمَّا الرِّجْزَ لَنُوْمِنَّ لَكُو لَنُرْسِلَّ مَعَكَ بَنِيِّ إِسْرَائِيلَ ﴾
- فَلَمَّا كَمَفْنَا عَنْهُرُ الرِّهْزَ إِلَّ آهَلٍ هُرْ بُلِغُوْهُ إِذَا هُرْ يَنْكُنُونَ ۞
- التَّقَمْنَا مِنْهُرْ فَاغْرَقْنَهُرْ فِي الْمَيِّ بِالَّهُرْ كَذَّبُوا بِالْبِنَا وَ كَانُوا عَنْهَا غَفِلِينَ ۞ وَاوْرَنْمَا الْقَرْآ الَّذِينَ كَانُوا يُشْتَفْعُونَ مَمَّا رِقَ الْاَرْضِ وَ
- مَعًا رِبِهَا النِّنِ بُرِكَنَا فِيهَا وَتَعْنَ كَلِعَنَ رِبَّكَ الْعَسْنَ عَلَى
  يَنِيَّ أَسْوَالِفَالَهُ فِهَا مَنَّرُوا وَدَعْرَنَا مَا كَانَ يَسْتَعُ فِرْعَوْنُ وَ
  قَوْمُهُ وَمَا كَانُوا يَعْرُهُونَ فَعَلَى فَلَا يَعْمُونُ وَ
  قَوْمُهُ وَمَا كَانُوا يَعْرُهُونَ فَي
- وَجُوَزُنَا بِمَنِيُّ إِشْرَائِيلَ الْبَحْرَ فَاتَوْا لِّى قَوْمٍ يَعْكُفُونَ كُلِّ أَسْنَامٍ لَّمُرْ فَالُوا يَمُوسَى اجْعَلَ لَنَا إِلْمًا كَمَّا لَمُرُ الْمِقْ. قَالَ الْكُو فَوْمُ تَجْمُلُونَ ۞

তাও বাহিল করে।"

- ১৪০ সে বলল, 'আল্লাহ ছাড়া তোমাদের জন্য আমি কি অন্য ইলাহ (উপাদ্য) থৌজ করব, অথচ তিনিই তোমাদেরকে জগৎসমূহের (মানব জাতির) উপর মর্যাদা দিয়েছেনঃ'
- ১৪১। এবং যথন আমি তোমাদেরকে ফিরআউন বংশ থেকে উদ্ধার করেছিলায যারা তোমাদের উপর নিকট শান্তি চাপিয়ে দিত, তারা ভোমাদের প্র সন্তানদেরকে হত্যা করত এবং তোমাদের নারীদেরকে জীবিত রাখত। এবং এতে ছিল তোমাদের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে এক মহাপরীক্ষা।
- ১৪২।এবং আমি মদার জন্য হিশ রাত নির্দিষ্ট করেছিলাম এবং আরও দশ দ্বারা তা পর্ণ করেছিলাম। এভাবে তার প্রতিপালকের নির্ধারিত সময়-চল্লিশ রাত পূর্ণ হল। এবং মসা তার ভাই হারুনকে বলেছিল, 'আমার সম্পদায়ের মধ্যে তমি আমার প্রতিনিধিত করবে, সংশোধন করবে এবং ফ্যাসাদ সষ্টিকারীদের পথ অনুসরণ করবে না।'
- ১৪৩।এবং যখন মুসা আমার নির্ধারিত সময়ে উপনীত হল এবং তার প্রতিপালক মার মালে কথা বললের স্বথন সে বনল 'তে আহাব প্রতিপালক! আমাকে দেখা দিন, আমি আপনার দিকে ভাকার'। তিনি বলকেন 'পথি আয়াকে কথানা দেখাত পাৰৰে না বৰং তমি পাহাজেব প্রতি লক্ষ্য কর, যদি এটি এর স্থানে দ্বির থাকে তাহলে অচিরেই তমি আহাতে দেখাব' অভঃপর হখন ভার প্রতিপাদক পাহাভটিতে জ্যোতি প্রকাশ করলেন তথন তা এটিকে সমতল করে দিল এবং মসা সংজ্ঞাহীন হয়ে পাত্র গোল অভংগর হখন সে জান ফিবে পেল তথন বলল 'পবিত্র আপনি আমি অনভঙ হয়ে আপনার নিকে ফিরে আসলাম এবং আমি প্রথম ম'মিনঃ'
- ১৪৪।তিনি বললেন, 'হে মদা! নিশ্বয় আমি ভোমাকে আমার রিদালাত (প্রগাম) ও বার্যালাপ দ্বারা মানুষের উপর মনোনীত করেছি, সভরাং আমি যা দিলাম তা এহণ কর এবং কতজ্ঞাদের অন্তর্ভুক্ত হও।"
- ১৪০।এবং আমি ভার জন্য ফলকসমতে সকল বিষয়ে উপদেশ ও সকল বিষয়ের বিস্তারিত বর্ণনা লিখে দিয়েছি, সূতরাং এগুলো শক্তাবে ধর এবং ভোমার সম্পদায়কে সেওগোর যা উত্তম তা এইণ করতে নির্দেশ দাক: শীঘট আমি কোমানেবকে পাপাচাবীদের বাসহান দেখাব।
- ১৪.৬৷ হারা পথিবীতে অন্যায়ভাবে অহংকরে করে ভাদেরকে আমি আমার बिक्रमीक्षप्रक (शास जिल्हा (सर) चार यहि कार्य शिक्रिक निमर्गन (मार्थ তবও তারা তার প্রতি ঈমান আনবে না. এবং যদি তারা সঠিক পথ দেখে সক্ষর সারা একে পথ বিসেবে প্রতণ করকে না। কিন্তু যদি তারা ভল পথ দেখে ভাহলে তাকেই তারা পথ হিসেবে গ্রহণ করে দেয়। এটা এ জন্য যে ভারা আমার নিদর্শনসমহকে মিথা অভিহিত করেছে এবং সেওলো अस्थार्ज जाता हिल (तथारा)
- ১৪৭।এবং যারা আমার নির্দেশনসমূহতে ও আধিরভের সাক্ষাককে নিধান্তি বালকে তাদের কর্মসমূহ বিজল হরেছে। তাদেরকে কি এছাড়া (অফা) الكُورْ الْكُ الْمُنْ اللّه اللّه اللّه اللّه اللّه الله كالله ك কিচৰ) প্রতিফল দেয়া হবে যা ভারা করতঃ

انَّ هَوُ لَآءَ مُتَبُّ مَّا هُرْ فَيْدُ وَ لِطلُّ مَّا كَانُوْ إِيغُمَلُونَ ﴿ قَالَ آغَيْرَ اللهِ آبْغَيْكُرْ المَّا رَّهُوَ فَقَّلَكُرْ عَلَى الْعَلَمِيْنَ ⊚

٥- سُرِيعُ الأعْدَادِي

- وَ إِذْ ٱنْجَيْنُكُرْ مِّنْ إِل فِرْعَوْنَ يَسُوْمُوْ نَكُيرْ سُوَّءُ الْعَدَابِ يُقَتِّلُونَ أَبْنَاءَكُمْ وَيَسْتَحْيُونَ نَسَاءَكُمْ وَ فَي ذَلِكُمْ بَلَاَّةً مِّنْ رَّبُكُرُ عَظيرٌ ﴿
- وَوْعَدْنَا مُوْسَى ثَلْعَيْنَ لَيْلَةً وَّ ٱتْمَمْنَهَا بِعَشْرٍ فَتَرَّ مِيْقَاتُ رَبِّهُ ٱ رْبَعَيْنَ لَيْلَةً َّءَ وَقَالَ مُوْسَى لِأَحْيَهُ هٰرُوْنَ إِخْلُفْنَيْ فِي قَوْمِيْ وَ أَصْلَهُ وَ لَاتَتَّبِعْ سَبِيْلَ الْمُفْسِدِينَ @
- وَ لَمَّا جَآءَ مُوسَى لمِيْقَاتِنَا وَكَلَّمَهُ رَبُّهُ قَالَ رَبِّ أَرِنيَّ أَنْظُرْ الَيْكَ، قَالَ لَنْ تَهِ مِنْ وَلَكِنِ اثْظُرْ إِلَى الْجَبَلِ فَإِنِ اسْتَقَرَّ مَكَانَهُ فَسَوْنَ تَرْسِنَى ، فَلَمَّا تَجَلَّى رَبُّهُ لِلْجَبَلِ مَعَلَهُ دَكًّا وِّخَوَّ مُوْسَى مَعَقًا ، فَلَمَّا ٓ إَفَاقَ قَالَ سُبْحَٰنَكَ تُبْتُ الَّيْكَ وَ إَنَّا أَوْلُ الْمُؤْمِنيْنَ @
- قَالَ يُمُوْسَى إنَّى إِمْطَفَيْتُكَ عَلَى إلنَّاسِ بِرِسْلِتِي وَ بِكَلَّامِيْ ۗ فَخُذُمَّ آ إِتَيْتُكَ وَكُنْ مِّنَ الشَّكِ يُنَ @
- وَكَتَبْنَا لَهُ فِي إِلَا لُوَاحِمِنْ كُلِّ هَيْءٌ مَّوْ عَظَةٌ وَّ تَفْصِيْلًا لِّكُلِّ هَنَّ ﴾ فَخُذَهَا بِعُوَّةٍ وَّ أَمُرْ قَوْمَكَ يَاكُذُواْ بِآحْسَنِهَا ﴿ سَأُورِيْكُرْ دَالَ الْفُسقيْنَ @
- سَاَصْ بِنُ عَنْ ايْتِيَ الَّذِيْنَ يَتَكَبُّرُونَ فِي الْاَرْضِ بِغَيْ الْحَقِّ، وَإِنْ يَرَوْا كُلُّ إِيَةِ لَّا يُؤْمِنُوا بِهَا وَإِنْ يَرَوْا سَبِيْلَ الرُّهُد لَا يَتَّخِذُوهُ سَبِيْلًا ، وَإِنْ يَّرَوْا سَبِيْلَ الْغَيِّ يَتَّخِذُوْهُ سَبِيْلًا ، ذُ لِكَ بِأَنَّهُ رُكَدُّ بُوْ إِبالْتِنَا وَكَانُوْ إِعَنْهَا غُفلْيْنَ ﴿
- يُجْزَوْنَ إِلَّا مَاكَا نُوْا يَعْمَلُوْنَ ﴿

- ১৯৮।এবং মুদার সম্প্রদায় তার পরে (মুদার অনুপস্থিতিতে) তাদের অলজার স্বারা বানিয়ে নিল একটি বাছুর- একটি দেহাকৃতি, যার ছিল 'হাগা' শব্দ। তারা কি নেখেনি বে, এটা তাদের সাথে কথা বলে না এবং তাদেরক পথও দেখায় নাং তারা এটাকে (উপাদারেশে) এবংশ করল এবং তারা জিল কার্কিয়
- ১৪৯। এবং যখন তারা পভীরভাবে অনুভত্ত হল ও দেখল যে, তারা পথমন্ত হয়ে পেছে, তখন তারা কাল, আমাদের গ্রতিপালক যদি আমাদের গ্রতি দরা না করেন এবং আয়ালেরকে কথা না করেন ভারলে অবশাই অবশাই আমাস ক্ষিত্রেকের অন্তর্ভত বর।
- 20০ এবং দাব দুবা বুৰু ও ববসুর হতে যাব সম্প্রদানেক পাছে বিহে আফল কৰা কৰা, বানা পত্র (অনুষ্ঠাহিত হাতাৰা আৰা কৰা কৰা, দিন্দুই প্রতিনিধিত্ব ক্ষতেং ক্ষেত্রা হৈ তে মধ্যাৰ কৰা কি দাবাকে ক্ষতিপাল্বক ক্ষতে ক্ষেত্রা হৈ ক্ষতে ক্ষতি ক্ষতা হতে আছিল ক্ষতি ক্ষতা হতে ক্ষতিক মান বুলু সত্ত হতে ক্ষতিক ক্ষতা ক্ষতা ক্ষতা কি ক্ষতা হতে ক্ষতিক মান বুলু সত্ত হতে ক্ষতিক ক্ষতা ক্ষতা
- ১৫১। সে (মৃগা) কলল, 'হে আমার গ্রন্থিপালক। আমাকে ও আমার ভাইকে ক্রি ক্ষমা করুন এবং আমানেরকে আপনার দয়ার মধ্যে প্রবেশ করান। আর আপনি সর্বশ্রেষ্ঠ দয়লো।'
- ১৫২। শিশুর যারা বাছুরকে (উপাস্য বিসেবে) গ্রহণ করেছে, দুদিয়ার জীবনে শীঘ্রই তাদের কাছে তাদের প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে ত্রোথ ও লাঞ্চুনা শৌহুবে। আর প্রতাবেই আমি মিখা। রচনাকারীদেরকে প্রতিফল দেই।
- ১৫০।এবং মারা মন্দর্ভাজ করে এরপর তার পরে তওবা করে (অনুভঙ হয়ে ফিরে আনে) ও ঈমান আনে, নিক্তা তোমার প্রতিপালক এর পরে তোলের রুবি) অরপাই অধি ক্রমানীর ও পরম মুরার।
- ১৫৪।এবং যথন মুসার ক্রোধ প্রশমিত হল তথন সে ফলকগুলো তুলে নিল, আর এওলোতে লিখিত বিষয়ের মধ্যে রয়েছে পথনির্দেশিকা ও দয়। তালের জন্ম যায়া তালের প্রতিপালককে ভয় করে।
- ১৫০ আছে বুলা খাত্ৰ সম্প্ৰাপ্ত তেকে সভ্যঞ্জল লোককে আমাত নিৰ্বাধিক সমান্তৰ আমা লোকিক ব্যক্তিক, খাত্ৰকাৰ কৰা তালেকে ভুক্তিৰক দুৰ্ভাৱ কৰা তালেকে ভুক্তিৰক কৰা কৰা তালেকে ভুক্তিৰক কৰা কৰা তালেকে ভুক্তিৰক কৰা কৰা তালেকে ভুক্তিৰক কৰা আমানি কৰা আমানি কৰা আমানি কৰা তালেকে তালেকে লোকে লোকে কৰা আমানিক আমা

- والغَّذَةُ وَأَمُوسُ مِنْ يَعْدِمِونَ هُلِيِّرِ عَجُلُوسَكَ الْمُمُوارَّ اَلَىٰ يَوْرُوْا اَلَّهُ لَايُكَلِّمُورُ وَلَا يَقُولِيْهِرَ سِيِلَّهِ اِلْحُفَارُّةُ وَكَانُوا ظَلْمِيْنَ مَا تَّالِمُعِلَّمِ الْمُعَلِّمِينَ الْمُعَالِّمُ وَمَنْ مَنْ اللَّهُ أَنْهُ مَا اللّهُ عَلَيْهِ ال
- َ رَبِّنَهُ وَ لَمَّا سُتِعَاقِ آيَدِيْمِرَ وَ رَآوَا أَقْهُرَ قَدْ ضَلَّوْا فَقَا لُوْا لَئِنْ لَّرْ يَرْحَمْنَا رَبَّنَا وَيَغْفِرْ لَنَا لَتَكُونَنَّ مِنَ الْخُسِرِيْنَ ۞
- رَاسًا رَجَعَ مُولِّسَ إِلَى قُومِ عَشْبَانَ أَسِفًا، قَالَ فِغْسَا مُلْلَنْمُولْمَ مِنْ يَعْنِينَ أَجَعِلُمْ أَمُرَ لِكُمْ وَٱلْفَى الْآلُولَ عَ وَلَمُنْ بِرَاسٍ المِنْهِ فِجَرَّةً النِّيدة اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اسْتَعْقَانِينَ وَكَافُواْ فِتَعَلِّرَ نِينَ الْاَصْلَةِ فِي إِنِّ اللهِ اللهِ اللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَ لاتَجْعَلْنَى عَمْ اللهِ الطَّلْمِينَ هِ
- قَالَ رَبِّ اغْفِرْلُ وَلَاِخِنُ وَأَدْخِلْنَا فِي رَحْمَتِكَ ۗ وَٱلْتَ أَرْضُرُ الرِّحِيْنَ ﴿
- إِنَّ الَّذِينَ اتَّخَدُوا الْعَجْلَ سَيْنَا لُهُرْ غَفَّ مِّنْ رِّيْ رُدِّلْةٌ فِي الْعَنْوَ الثَّاثِيَا ، وَكُنَّ لِكَ نَجْرِي الْهُفَتْرِيْنَ ۞
- وَ الَّذِيْنَ عَمِلُوا السِّيَّاتِ ثُمَّ نَا بُوْا مِنْ يَعْدِهَا وَ امْنُوَّا وَإِنَّ رَبَّكَ مِنْ بَعْدِهَا لَغَنُوْرٌ رَّحِيْرٌ ۞
  - وَ لَمَّا سَكَتَ عَنْ مُّوْسَى الْغَفُّ إَخَذَ الْآلُو آحَ ۗ فَيْ تُسْخَتِهَا هُدًّى وْ رَحْمَةٌ لِّلَّذِينَ هُرْ لِرِيِّهِرْ يَرْهَبُونَ ۞
- وَاحْتَا رَمُوْسُ قُومَسُهِيْنَ رَكُلاً لِيقَاتِنَا فَلَهُمْ آَكَنَّهُمُ وَالْحَالَةُ الْكَنْكُمُ وَالْحَالَةُ الرَّحْقَدُقُوْلَ رَبِّ لَوْمِنْكُمْ آَمَنْتُمْمْ وَسُوْفَكُمْ أَلَّالَتُمْمُ وَسُوْفَكُمْ أَلَّالِكُمْ أَلِي المُنْكُنَّا بِهِ فَقَلَ الشَّيْمَ مِنْ الْمِنْكُمِينَ وَلَيْنَا فَاغْرِدُولِينَا فَاغْرِدُولَمَا وَارْحَمَنَا مِنْ تَقَادُو لَهُمُومَى مَنْقَاءِ النَّذِيلُ وَلِينَا فَاغْرِدُلُولَا وَارْحَمَنَا وَالْسَكُنْ الْفُلِنِينَ فَقَاءً النَّذِيلُ وَلِينَا فَاغْرِدُلُولَا وَارْحَمَنَا

- NANGER आधारक क्यार की प्रतिकास कालाव विशेषक कालाव कर আখিলতেও নিশ্চয় আমলা আপনার দিকে প্রভারর্জন করেছি।' ডিনি (আলাহ) নালেন 'আলার সাজি লালা আহি সাকে উচ্চা করি আলাক কবি আৰু আমাৰ দ্বা প্ৰতিটি জিনিসকেই পৰিবেইন কৰে আছে। ज्ञानताल भीपाठे प्याप्ति का कार्यस्त करूर दिशीनिक नामन जाना कार्यक्रमा অবলম্বন করে আকাত প্রদান করে এবং যাবা আমার আহাকসমতের প্রতি ইয়ার আরে।
- ১৫৭ যাবা (এই) হাসালের অনসরণ করে যে উন্মী (নিরন্ধর) নবী যাকে (যার হাল্পার্যে) সারা সামের বিজ্ঞান (বিদ্যালয়) সাধারত ও উন্নতীকে বিভিন্ত (मध्रेट शांव (य डारमवरक मध्वारकाव निर्मिश (मय e क्रमध्वाक डरक भिरमध कार अवः जात्मव कमा शरित वक्तमध्य वालाल कार ५ लात्मव উপর অপবিত্র বছসমত চারাম করে এবং তাদের থেকে নামিছে দেব আদের বোঝা ও বেজি (শক্ষাল) যা ভাদের উপর ছিল। সভরাং যারা ভার প্রতি ঈমান এনেছে, তাকে সন্মান করেছে, তাকে সাহায্য করেছে এবং যে আলোঁ ভাব সাথে অবতীৰ্ণ কৰা সংযাহ ভাব অন্যাৰণ কৰেছে ভাৰাই प्रकार
- Valv (ਰਜ '/ਡ ਡਾਜ਼ਡ) ਜ਼ਿਲਤ ਚਾਡਿ (फाडाफर ਸਗਰ ਅਚਿ ਚਾਗਤਨ ਗਸਗ ਵਿਜ਼ਿ আকাশসমহ ও পথিবীর রাজতের অধিকারী, তিনি ছাড়া কোন ইলাহ নেই ডিনি জীবিত কবেন ও মতা ঘটান। সতবাং তোমবা উমান আন আন্তাহর প্রতি ও তাঁর রাসলের প্রতি যে উদ্দী (নিরক্ষর) নবী, যে আন্তাহ ও ভাব বাণীসমূহে উমান আনে এবং ভোমৰা ভাব অনুসৰণ কৰা যাতে (कांच्या अधिकश्रश (शरक शात <sup>1</sup>
- ১০১। प्रजाब जन्मप्रारव प्राथः अवधि नेष्णः (स्तः) वाशाच शावा (ध्यसान्धः) সভার দ্বারা পথ দেখায় ও সে অন্যায়ী ন্যায়বিচার করে।
- ১৯০।এবং তাদেবকে আমি নাবটি গোত্রে একেকটি উপ্ততে বিভক্ত করেছি। এবং আমি মসার প্রতি ওহী করণাম - হখন তার সম্প্রদায় তার কাছে পানি চাইল - যে, 'ভোমার লাঠি দিয়ে পাথবটিকে আঘাত কর' ফলে তা খোলে বাবটি অর্থা মিৎসাবিত হল। প্রস্তাক্ত গোরে আনের পানি প্রদেব স্থান চিনে নিল, এবং তাদের উপর মেঘ ছারা ছায়া দিলাম, তাদের উপর शाना । जान तथा खरातीर्थ करानाश । तदः करानाश 'खाश्चि (काशास्त्रवाक যে রিথিক দিয়েছি তা থেকে পবিত্র বস্তুসমহ আহার কর। আর তারা আয়ার প্রতি কোন অভায় করেনি ববং ভারা তাদের নিজেদের উপরট জ্লুম করত।
- ১৬১। এবং যখন তাদেরকে বলা হয়েছিল, 'তোমরা এ জনপদে বসবাস কর এবং এর মধ্য থোকে বেখান থোকে টাড়া আচার কর এবং বল "চিয়াজন" (ক্ষমা চাই) এবং সিজদাবনত হয়ে (নতশিরে) দরজা দিয়ে প্রবেশ কর: আমি তোমানের জন্য তোমানের অপরাধসমত ক্ষমা করব। শীঘট আমি সংবর্মপরায়গদেরকে রাচিয়ে দের।
- ১৯২।বিস্তু তানের মধ্য থেকে যাবা জুলুম করেছিল তারা একে যা তানেরকে। ﴿ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مَا اللَّهُ مِنْ الل আমি ভাষের উপর আকাশ থেকে শান্তি প্রেরণ করলাম, কারণ ভারা 🔯 ভুলুম করত।

وَ اكْتُبُ لَنَا فِي هٰذِهِ الدُّنْيَا حَسَنَةً وُّ فِي الْأَخِهَ الَّا هُدُنَآ الَيْكَ قَالَ عَذَا بِنَّ أُصِيبُ بِهِ مَنْ أَشَآءُ ءُوَّ رَحْمَتِيْ وَسَعَتْ كُلُّ هَـُ ٩٠ فَسَا كُتُبُهَا لِلَّذِيْنَ يَتَّقُوْنَ وَ يُؤْتُونَ | لِإِكْوةَ وَ | لَّذِيْنَ هُ إِنْ يَنْ يُؤْمِنُونَ هُ

ٱلَّذِيْنَ يَتَّبِعُونَ السُّولَ النَّبِيُّ الْأُمِّيُّ الَّذِي يَجِدُونَهُ مَثُتُوبًا عَنْدَهُرْ فِي التَّوْرَابِةِ وَ الْإِنْجِيْلِ مِيَالُهُرُهُرْ بِالْمَقْرُونِ وَيَنْهُمُ عَنِ الْمُنْكَ وَيُحِلُّ لَهُرُ الطَّيِّبِي وَ يُحَرُّا عَلَيْهِمُ الْغَبِّئْكَ وَيَفَعُ عَنْهُرْ امْرَهُرْ وَالْأَغْلَلَ الَّتِيْ. كَانَتْ عَلَيْهِ. ٩ فَا لَّذِيْنَ أَمَنُوا بِهِ وَعَةً رُوَّةٌ وَ نَصَّوُهُ وَ الْبَعُوا النَّوْ رَالَّدَيُّ أَنْزِلَ مَعَنَّهُ أُولَٰ عَكَ هُرُ الْمُفْلَحُونَ ﴿

قُلْ يَا يُّهَا النَّاسُ إِنَّى رَسُولُ اللهِ الْيُكُرُ جَمِيْعًا ۗ الَّذِي لَهُ مُلْكُ السَّمٰوٰتِ وَ الْأَرْضِ ۚ لَا الْهَ الَّاهُوَ يُحْيِ وَيُمِيْتُ · فَأَمَنُوْا بِاللهِ وَ رَسُوْ لِهِ النَّبِيِّ الْأُمِّيِّ الَّذِي يُؤْمِنُ بِاللهِ وَ كَلَمْتِهِ وَ اتَّبِعُوهُ لَعَلَّكُمْ لَعَلَّكُمْ تَهْتَدُونَ ﴿

وَمَنْ قَوْمُ مُوْسَى أُمَّةً يَقْدُونَ بِالْحَقِّ وَ بِهِ يَعْدِ لُونَ ﴿

وَ قَطَّعْنَهُمُ اثْنَتَى عَشْرَةَ أَسْبَاطًا أُمَّاء وَ أَوْحَيْنَآ إِلَى مُوسِّي إِذ اسْتَشْقُدُ قَوْمُةٌ أَن افْرِثْ بِعَمَاكَ الْحَجَ عَفَا ثُلْبَجَسَىْ مِنْهُ اثْنَتَا عَشْرَةَ عَيْنًا وَقُدْ عَلَي كُلُّ أِنَاسِ مَّشْرَ بَهُرْ وَظَلَّلْنَا عَلَيْهِمُ الْغَمَامُ وَ أَنْ لَنَا عَلَيْهِمُ الْمَنْ وَالسَّلُو ي كُلُوا مِنْ طَيَّبٰتِ مَا رَ أَقْنُكُمْ ءُوَمَا ظَلَمُوْنَا وَلَكِنْ كَالُوَّا أَثْفُسُهُمْ يَظْلَبُوْنَ ⊛

وَ اذْ قَيْلَ لَهُ السُّكُنُو اهٰذِهِ الْقَدْ يَةَ وَكُلُوا مِنْهَا حَيْثُ شَعَّتُ ۗ وَقُوْ لُوْا حِطَّةٌ وَّ ادْخُلُوا الْبَابَ سُجِّدًا تَّغْفِ لَكُمْ خَطَيْعُتكُمْ . سَنَزِيْدُ الْمُحْسِنِينَ ﴿

فَأَ رَسَلْنَا عَلَيْهِمْ رِجْزًا مِّنَ السَّمَآء بِمَا كَانُوْ إِيظُلُمُونَ ١٠

১৯০০ এবাং আদেবতে সেই জনপদ সম্পর্কে জিজালা কর যা ছিল সমুদ্রের পাশে। যথন তারা শনিবাকের বিষয়ে সীমানক্ষন করক; যথন ভালেন মাজলো তালেন শনিবারে গানিতে কেনে ভানেক এবছে আমন, বিজ্ঞ মেদিন ভালেন শনিবার হত না বেখাঁথ অন্যনিন) সেদিন ভারা ভালেন কাছে আমত না। এজাবেই আমি ভালেরকে পরীক্ষা করেছিলাম, কারণ কালা পাশাস্ত্রমান

১৯৪। এবং যখন তাদের একটি উষত (দল) বলেছিল (ফন্য এখনি দলকে),
'গুলাররা কেন এখন সম্প্রদায়কে উপদেশ নিজ্ঞ যাদেরকে আন্তার্ছ খাংস
করকেন কিংবা শান্তি নিকেন-কঠের শান্তি?' তারা বলেছিল, 'তেচাটোব এতিপালকের কারে করের পশ করার জ্বন্য এবং বাতে তারা (আন্তাহকে) আ করার ভাবর'

১৬৫ ৷অভঃপর যখন তালেরকে যে উপলেশ নেয়া হরেছিল তারা তা ভূষে গিয়েছিল তখন যারা অসৎকাল থেকে নিখেষ করত তালেরকে আমি উদ্বার করেছিলা, আর যারা কুমুম করেছিল তালেরকে আমি অতি অতি নাগতি যারা পারোত্ত বারাজিয়ার তালের তালা পায়াতার করেছিল এতি নাগতি যারা পারান্তার করেছিলার তালা বালাপায়াতার করেছিল

১৬৬:এবং যথম তাদেরকে যা থেকে নিথেধ করা হয়েছিল তারা তার অবাধ্য হল তথম আমি অন্দেবকে কালাম 'তোহবা যণীত বানব হয়ে যাও।'

১৬৭।এবং যখন তোমার প্রতিপাদক ঘোষণা করদেন যে, অবশাই তিনি কিয়ামতের নিন পর্যন্ত তানের উপর এমন দোকদেরকে পাঠাবেন যাত্রা তানেরকে নিভৃষ্ট শান্তি চালিয়ে দিবে। নিভয় তোমার প্রতিপাদক অবশাই শান্তিনানে দ্রুত এবং নিভয় তিনি অবশাই অতি ক্ষমানীয়া ও পরম ম্বারণ।

১৬৮।এবং পৃথিবীতে আমি ভাদেরকে বহু উন্নতে (দলে) বিভক্ত করেছি, ভাদের কিছু সংকর্মশীল ও কিছু তার ব্যতিক্রম এবং কল্যাণ ও অবন্যাগ মানা জায়ি সামান্তকে পরীক্ষা করেছি হালে জারা ফ্রিনর আসতে পারে।

200 সহবাদে ওাদের পারে স্থানের এনা উর্জ্বনুরী এনেছে, যাবা চিন্যারের উর্জ্বনিকারী হরেছে। ওারা এই নাপারী বারিনার স্থায়ী স্থানর স্থার এবং তাল, 'আমানেরত কমা করে নামা হলে,' এবং মালি এর করেছে প্রত্যাল কলে কলে করেছে নামালি এই নামালি এই করেছে স্থানিক প্রত্যালি এই নামালি এই নামালি এই নামালি এই ক্রাই সম্পর্কার করেছে কি বিভারের এনা জালিকর নামালি এই নামালি জালাই সম্পর্কার করেছে ক্রাই ক্রাইলি ক্রাইলি করেছে করেছে ক্রাইলিক বার্থানি ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে করেছে ক্রাইলিক করেছে করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে করেছে করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে করেছে ক্রাইলিক করেছে করেছে করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক করেছে ক্রাইলিক ক্র

১৭০।কিন্তু যারা কিতাবকে দৃত্বভাবে ধারণ করেছে ও সালাত (নামায) কারেম করেছে, দিক্তয় আমি (এরপ) সংশোধনকারীদের কর্মকল নষ্ট করি না।

১৭১।এবং যথন আমি পর্বতকে তাগের উপরে তুলে ধরদাম, বেন তা ছিল। একটি তাঁবু এবং তারা মনে করণ যে, তৌ তাগের উপর পতিক হবে, (বললাম) 'আমি তোমাসেরকে যা দিয়েছি তা ককরে থারণ করা এবং ভাতে যা আছে তা খরণ কর, যাতে ভোমরা তাকতরা অবলমন করতে।

رُسْتَلَهُمْ عَيِ الْقَرِيَّةِ الِّتِيْ كَانَتَ هَافِرَةَ الْبَحْرِ - إِذْ يَقُدُونَ فِي الشَّبِ إِذْ تَأْتِيْمِ حِيْنَا فَهُرْ يَوَاسَنِّهِمْ هُرَّعًا وَيُواَ لَاسْبِعُرْنَ لِاتَّاتِهِمْ : كَذَٰ لِكَ فَيْلَا فَهُرْ يَوَا سَنِّهِمْ هُرَّعًا وَيُواَ لَلْسَبُعُونَ هُ

وَ إِذْ قَالَتْ أُمَّةً مِّنْهُمْ لِيرَ تَعَظُونَ قَوْمَا " اللهُ مُهْلِكُهُمْ أَوْ مُعَدِّبَهُمْ عَذَابًا هَدِيدًا •قَا لُوَا مَعْدِرَةً إِلَى رَبِّكُمْ وَلَعَلَّهُمْ

يسرى فَلَمَّا نَسُواْ مَا ذُكِّرُوْا بِهِ ٱلْجَيْنَا الَّذِيْنَ يَنْمُوْنَ عَنِ السَّّوَّ وَ اَعَدُنْنَا الَّذِيْنَ ظَلَّمُواْ بِعَدَابٍ بَعِيْسٍ بِمَا كَاثُواْ يَفْسُتُونَ ۞

فَلَمًّا عَتَوْا عَنْ مًّا نُهُوا عَنْهُ قُلْنَا لَهُرْ كُوْلُواْ قِرَدَةً خُسِئِينَ ﴿

وَاذْ تَاكَّنَ رَبُّكَ لَيَبُعَقَنَّ عَلَيْهِمْ إِلَى يَوْمِ الْغِيعَةِ مَنْ يُّسُوْمُهُرْ سُوَّمُ الْعَدَابِ وإِنْ رَبِّكَ لَسَوِيغُ الْعِقَابِ عَنوَ إِنَّهُ لَغَفُورٌ وَهُذَا هِا

وَ قَطَّعْلَهُمْ فِي الْأَرْضِ أَمَمَّاء مِنْهُمُ الصَّلِيُّونَ وَمِثْهُرْ دُوْنَ ذَ لِكَ وَ بَلَوْنُهُمْ بِالْعَسَنْبِ وَ السِّيَّابِ لَعَلَّهُمْ يَرْجُعُونَ ⊙

هَ فَخَلَكَ مِنْ بَعْدِهِمْ خَلْكَ وَرَقُوا الْكِنْبَ بِالْمُدُونَ عَرَضَ فَلَا وَرَقُوا الْكِنْبَ بِالْمُدُونَ عَرَضَ فِنْكَ مَذَا الْإِدْنَ وَيَقُو لُونَ سَيُغْتَرُ لَنَا وَ إِنْ يَالِمِهِمْ وَمَنْكَ الْجَنْبِ أَنْ الْإِنْمُو لُواْفَى اللهِ إِلَّا الْجَنِّ وَانْ الْإِنْمُو لُواْفَى اللهِ اللهِي اللهِ ا

وَ الَّذِينَ يُمَسُّكُونَ بِالْكِتْبِ وَ أَقَامُوا السَّلُوقَ وإِنَّا لَانْفِيْعُ آَجَرَ الْمُشْلِحِيْنَ ۞

وَ إِنْ نَتَقَنَا الْهَبَلَ فَوْقَهُرْ كَانَّهُ ظُلَّةٌ وَظَنَّوٓٱ الَّهُ وَافِعٌ بِمِرْ ۗ ۖ هُدُوا مَا ٱقَيْنُكُمْ بِقُوْقٍ وَالْأَكُورُا مَا فِيْهِ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ﴾ ﴿ يُعَلِّي اللَّهِ عَلْمُ ال

৭. সরা ব

১৭১।এবং যখন ভোমার প্রতিপালক আদামের সন্তানদের পিঠ খোকে ভানের বংশধরকে বের করলেন এবং তাদের নিজেনের বিষয়ে সাক্ষা গ্রহণ করলেন (এবং বললেন) 'আমি কি ভোমাদের প্রতিপালক নউঃ' ভাবা কাল 'दें। करभाडे आध्रत मासी मिलाप ('(औ)) अवसा ए। रहापूरा घाट

কিয়ামতের দিন বলতে না পার, নিশ্চয় আমরা এ বিহত্তে বেখবর ছিলাম-১৭৩।কিংবা তোমরা যাতে বলতে না পার, 'আমাদের পিতপুরুষরাই আমাদের পূর্বে শরীক করেছে, আর আমরা ছিলাম তাদের পরবর্তী বংশধর, তবে কি বাতিলগন্তীরা যা করেছে তার জন্য আপনি আমানেরকে ধ্বংস করবেনঃ'

১৭৪।এবং এডাবেই আমি আয়াতসমূহ বিস্তারিত বর্ণনা করি এবং যাতে ভার ফিরে আসতে পারে।

১৭৫ নেক আদেবকে ঐ ব্যক্তির সংবাদ পাঠ করে পোনাও যাকে আমি আমার আরান্তসমহ (এর জান) দিরেছিলাম, অতঃপর সে এওলো থেকে মিলেক বিভিন্ন করল জাল শহরাম তার পিছনে লাগল এবং সে বিপথগামীদের অন্তর্ভক হল। ১৭৯১লক হলি আমি উচ্চা ব্যৱসায় ভাষাল একলো বাবা ভাবে উক্ত মুৰ্বাল

দান কবতাম, কিন্তু সে পথিবীর প্রতি ঝাঁকে পড়ল এবং তার প্রবাহির

অনুসরণ করল, সূতরাং তার উপমা হল কুকুরের উপমার মত, যদি তুমি

ভাকে ধাওয়া" কর ভবে সে জিহবা বের করে হাঁপায় আর যদি ভাকে (এমেনিডেউ) জেনে দাও ভবও সে জিলো বেব কবে হাঁপায়। এটা সেই সম্পদায়ের উপমা যারা আমার আয়াতসমহকে মিথ্যা অভিহিত করেছে, সজবাং এসৰ কাহিনী বৰ্ণনা কৰা হাতে তাৰা চিন্তা কৰতে পাৰে।

১৭৭,সে সম্পদায়ের উপমা কতই না মন্দ যারা আমার আরাতসমহকে মিথ্যা অভিটিত কৰেছে এবং ভাবা ভাদের নিজেদের প্রতি ফ্রন্স করত।

১৭৮ আল্লাহ যাকে পথ প্রদর্শন করেন সেই পথ পার এবং যাকে তিনি পথন্তই বাবেন ভারটি ক্ষতিপ্রক ১৭৯।এবং অবশ্যই আমি অনেক জীন ও মানুষকে জাহান্রামের জন্য সৃষ্টি করেছি: ভালের ভ্রদম্ব আছে, ভা দিয়ে ভারা ববো না, ভালের চোখ আছে, তা দিয়ে তাবা দেখে না এবং তাদেব বান আছে তা দিয়ে তাবা পোনে

না। তারা পশুর মত, বরং তারা অধিক পথন্টা। তারাট বেখবর। ১৮০।এবং সম্বৰ্জম নামসমত আলাত্বট সতবাং তোমবা তাকে এজলো হাবা

ডাক: এবং যারা তাঁর নামসমূহে বিচাতি ঘটার তালেরকে বর্জন কর। শীঘট তাদেৱকে তাৱা যা কবত তার প্রতিফল দেখা হবে।

১৮১। এবং যাদেরকে আমি সৃষ্টি করেছি তাদের মধ্যে একটি উত্মত (দল) রয়েছে যারা সভ্যের দ্বারা পথ দেখায় এবং সে অন্যায়ী ন্যায়বিচার করে। ১৯১ আৰু বাৰা আমাৰ আমাজসমভাৰ মিখ্যা অভিতিত বাৰাছ শীঘট আমি

ভাদেরকে পর্যায়ক্রমে এমনভাবে ধরব যে, তারা জানতেও পারবে না।

وَ اذْ آخَذَ رَبُّكَ مِنْ لِنَيْ آَ ادْ مَنْ ظُهُوْ رِهِرْ ذُرِّيَّتَهُرْ وَ ٱشْهَدَهُرْ عَلَّ ٱنْفُسِهِرْ ﴾ ٱلشُّ بِرَبِّكُرْ ، قَا لُوْا بَلَى ﴿ هَهِدْنَا ۚ أَنْ تَقُوْ لُوْا يَوْ ٓ ٱلْقَيْمَةِ إِنَّا كُنَّا عَنْ هٰذَا غُفليْنَ ﴿

٤- سُورةُ الأغراب

اَوْتَقُوْ لُوْٓا إِنَّمَاۤ اَهُوَكَ أَبَّاؤُنَا مِنْ قَبْلُ وَكُنَّا ذُرِيَّةً مِّنْ َ<sup>ا</sup> بَعْدهِمْ ، أَفَتُهْلكُنَا بِمَا فَعَلَ الْمُبْطلُونَ ﴿

وَكَذَٰ لِكَ نُفَمِّلُ الْأَيْتِ وَلَعَلَّمُ ۚ يَوْجِعُونَ ﴿ وَ اثْلُ عَلَيْهِمْ نَبَا الَّذِيُّ إِتَيْنَهُ إِيْنَا فَانْسَلَخَ مِنْهَا فَٱتَّبَعَهُ الشَّيْطُنُّ فَكَانَ مِنَ الْغُويْنَ @

وَلَوْ شِئْنَا لَوَ فَعْلُهُ بِهَا وَ لَكِنَّهُ أَغْلَدَ إِلَى الْأَرْضِ وَ اتَّبَعَ هُولِهُ ، فَهَثَلُهُ كَمَثَل الْكَلْب انْ تَحْمَلْ عَلَيْه يَلْهَنْ أَوْ تَتُّ كُهُ يَلْهَنْ. ذلكَ مَثَلُ الْقُوْمُ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِالْمِنَاء فَاقْمُصِ الْقَمَصَ لَعَلَّهُمْ يَتَفَكُّ وْنَ ﴿

سَاءَ مَثَلًا الْقَوْءُ الَّذِيْنَ كَذَّبُوا بِالْتِنَا وَ أَثْقُسَهُ (كَانُوا يَظْلُمُوْنَ @ مَنْ يَهْدِ اللهُ فَهُوَ الْمُهْتَدِى ، وَمَنْ يُتَصْلِلْ فَأُولَٰ عَكَ هُرُ

العسرون ⊕ وَلَقَدُدَرَ إِنَّا لَجَهَنَّرَ كَثِيًّا إِمِّنَ إِلْجِنَّ وَالْإِنْسِ لَهُمْ قُلُونٌ لْاَيَغْقَهُوْنَ بِهَا رُولَهُرْ أَعْيُنَّ لَّايُبْمُ وْنَ بِهَا رُولَهُرْ أَذَانَّ لْاَيْسَمَعُونَ بِهَا ﴿ أُولَٰ تُكَ كَالْاَنْعَا ۗ بَلْ هُرْ ۚ أَضَلَّ ﴿ أُولَٰ عُكَ هُرُ

وَبِيِّهِ الْأَسْمَاءُ الْحُسْنِي فَادْعُوهُ بِهَا- وَذَرُوا الَّذِيْنَ يُلْحِدُونَ في أَشْمَا لَه سَيُجُرُ وْنَ مَا كَانُوْ ا يَعْمَلُوْنَ ۞

وَمَمَّنْ خَلَقْنَآ أُمَّةً يَّهْدُونَ بِالْعَقِّ وَبِهِ يَعْدِ لُوْنَ ﴾

ettet.s.

১৮৩।এবং আমি তাদেরকে অবকাশ দিন্দি; নিশ্বর আমার কৌশল এভান্ত শক্ত।

১৮৪ তারা কি চিস্তা করে না যে, তাদের সহচর (মুহাছদ)-এর মধ্যে মোটেও পাগলামী নেই। সে কেবল এক সম্পন্ন সতর্ককারী।

১৮৫/তারা কি কাষ্ণা করে মা, আকাশসমূহ ও পৃথিবীর কর্নৃত্ব সম্পর্কে এবং আল্লার্ যা কিন্তু সৃষ্টি করেছেন দে সম্পর্কে এবং এ সম্পর্কেও বে, সরুবত তাদের নির্দিষ্ট সংঘা নিকটবার্টী হরেছের সুকরাং এরপারে (কুরাআনের পারে) থারা ভোল শবায়া স্থানা আলাবেং

১৮৬। সারাহ বাকে পথন্ত করেন তার জন্য কোনো পথগ্রদর্শক নেই। এবং তাদেরকে তিনি তাদের অবাধ্যতায় দিশেহারা হয়ে মুরে বেড়ানোর অবকাশ দেন।

১৮-৭।খনা বোমাকে কিয়াখন লগতে বিজ্ঞানা করে, কৰা বা গাইবা কল পাৰ জ্ঞান কেবল আমান অধিলানকে কাৰে হাত্যামা কিনি হাত্তা জ্ঞা কেই এবা সময় একাশ কথাকে পাৰতে মা নোমী হাত্ৰ আকলানুমূহ ও পৃথিবিতে একাটি ভাষত্বৰ মাদ্যা- এটি বোমালাল কিন্তা কোলা হাত্ৰা আলালা পাৰ্যা কোনাকে প্ৰমু কৰে কেনে কাৰ্ত্তা নে কাৰ্ত্তা জলা জ্ঞানা বাং, এব আন কেবল আগ্ৰাহুৰ কাহে বতাহে, কিছু অধিকাংশ মামৰ স্থান সা

১৮৮/বল, 'আমি আমার মিজের জন্য উপকার বা ক্ষতির মালিক নই- আরাহ্ যা ইক্ষা করেন তা ছাড়া। আর যদি আমি অলুশু ছানতাম তারলে, অবলাই আমি এনেক কল্যাণ শাভ করতাম এবং কোন অনিইই আমাকে ক্ষাণী করত না। আমি কেবল একজান সতর্ককারী ও সুনংবাদনাতা লে সম্প্রদারে জানা যাব্য সিমান আনে।

১৮৯। তিনিই কোমাদেকে এক বাজি থেকে দৃষ্টি করেছেন এবং তার থেকে তার যোগ্য বালিয়েকে মাতে নে তার কারে প্রশাস্তি লাফ করতে পারে, সত্তপার খান (লাফী) তারে ভালুত করনা তানে নে এক হাকার গার্ভবাব করন এবং এটা বিজে সে সাম্যোক্তা করনা অভ্যান্ত কনতা গার্ভতাবা করন এবং এটা বিজে সে সাম্যাক্তা করনা অভ্যান্ত কনতা গান্তি তারী বার কারত ভার দুখিল আন্তর্জন প্রশাস্ত্র কার্যান্ত্র প্রার্থনা করনা, "দিনী স্যাণিনী আমাদেরতে সৃত্ব সন্তর্জন বান করেন তারলে করনাই ক্রমণ্ট আনার ক্রমান্তর্জন কর্মান্তর্জন করেন।

১৯০ অতঃপর যখন তিনি তালেরকে এক সুস্থ সন্ধান দান করলেন, তথন তালের সু'জনকে যা দেয়া হরেছে দে সম্পর্কে তারা দু'জন আল্লাহর জন্য শরীক নির্যারণ করল আর তারা (মুশরিকরা) যা শরীক করে তা হতে আলার অবেকে উচ্চের্ম।

১৯১। তারা কি এমন কিছুকে শরীক করে যা কিছুই সৃষ্টি করে না, অথচ তারাই সঞ্জঃ

্বণ

১৯২।এবং তারা তাদেরকে কোন প্রকার সাহায্য করতে সক্ষম নয় এমনকি
তারা তাদের নিজেদেরকেও সাহায্য করতে পারে ন।

১৯৩। আর যদি ভোমরা তাদেরকে সঠিকপথের দিকে ভাক ভাহদে ভারা তোমাদেরকে অনুসরণ করবে না। তোমরা তাদেরকে ভাক অথবা চুপ করে থাক, তোমাদের জন্য (উভাই) সমান। وَ أُمْلِيْ لَهُرْ اللَّهِ إِنَّ كَيْدِيْ مَتِيْنٌ ۞

أَوَ لَمْ يَتَفَكُّونَ الْمَايِمَا بِمِعْدِمْ مِّنْ جِنَّةٍ اِنْ هُوَ إِلَّا لَذِيْرُ مَّبِيْنٌ ۞ أَوَ لَمْ يَتَفَكُّرُونَ فِي مَلَكُونَ إِلَّسُونِ وَ الْآرُضِ وَمَا خَلَقَ اللهُ

اُوَ لَمْ يَنْظُورُواْ فِيْمَلَكُوْتِ السِّمٰوِتِ وَالْأِرْضِ وَمَا خُلْقَ اللَّهُ مِنْ شَنْ ۚ وَّ اَنْ عَلَى اَنْ يَكُونَ قَدِ اقْتَرَبَ اَجَلُهُمْ ءَفَيِا يِّ حَدِيْدٍ بِغَدَة كُوْمَنُونَ ⊕

مَنْ يُفْلِلِ اللهُ فَلَاهَادِيَ لَهُ وَيَدُّرُهُمْ فِي طَعْيَانِهِمْ يَعْمَهُونَ ﴿
مَنْ يُفْلِلِ اللهُ فَلَاهَادِيَ لَهُ وَيَدُّرُهُمْ فَيْ طَعْيَانِهِمْ يَعْمَهُونَ ﴿
مَشْكُمْ لَنْكَ عَنَ السَّاعَةَ آيَّانَ مُرْسَمَا وَقُلْ النَّمَا عَلْمُهُا عَنْدَ

يَشْقَلُونَكَ عَنِ السَّاعَةِ الْيَّانَ مُوْسَهَا، قُلُ إِلَّمَا عِلْمُهَا عِثْدَا رَيِّنَ الاَيْجَلِّيْهَا لِوَقْهَا ۚ الْعَوْلَقَلَّىنَ فِي السَّوْتِ وَالْآرْفِ لَا اَلْمِيْكُمْ ( الَّا بِفَقَةَ، مُشْقَلُونَكَ كَانَّكَ حَمْلً عَنْهَا، قُلْ إِلَّمَا عِلْمُهَا عِنْدُ اللّٰهِ وَلَيْنَ أَحْشَرًا لِنَّاسٍ لَاَعْقَدُونَ ۞

قُلْ ﴾ آمُلُكُ لِنَفْسِى نَفْعًا وَلَاضًا إِلَّامَا شَآءَ اللهُ، وَلَوْ كُنْتُ آعَلَى الْغَيْبُ لِاسْتَصْفَرْتُ مِن الْغَيْرِ شُوّماً مَسَّنِي السَّوَّءُ إِنْ إِنَّا الْإِلْدُلِيُّ وَيُمِيْنًا لِلْهُ الْأُومَانُونَ ﴾

هُوَ الْنَهَ كُلَتَكُمْ صَّنَ لَقْسِ زَاهِدَاؤَ وَهَكَلَ مِثْهَا زَوْهَهَا لِيَسْكُونَ لِقَسِ زَاهِدَاؤَ وَهَكَلَ عَلَيْكًا فَقَرْتُ بِهِ ، لِيَسْفُى الْنَهَا : فَتُمَّا لَتَقْشَهَا مَمْلَتُ مُثَلِّ عَفِيقًا فَقَرْتُ بِهِ ، فَكُمَّ الْفَلَكُ وَنَ اللهُ رَبَّهُمَا لَئِنْ أَتَيْعَنَا مَا لِكًا لَنَكُونَنَّ مَا لِكًا لَنَكُونَنَّ مَا اللهُ النَّهُ وَنَى مَنَ الشَّكِونَ فَي هَا اللهُ اللّهُ اللّه

فَلَيْنَاۚ أَلٰهُمَا مَا لِكًا جَعَلَا لَهُ شُرِكَاءَ فِيْمَاۤ أَلٰهُمَا ۚ فَتَعْلَى اللهُ عَنَّا يَهْرُكُونَ ⊕

> أَيْشُرِكُونَ مَا لَايَخْلُقُ شَيْئًا وَّهُرْ يُخْلُقُونَ \$ وَ لَاِسْتَعَلِيْهُونَ لَهُرُ نَصًا وَ لَا أَنْفُسُورٌ يَنْمُونَ ۞

وَ إِنْ تَدْعُوْهُرْ إِلَى الْهُدٰى لَايَتَّبِعُوْكُرْ سَوَّآءٌ عَلَيْكُرْ إَدَّهُ تُنُوهُمْ أَأَ أَلْتُمْ صَامَةُونَ ⊕

- ১৯৪।নিশ্য আলাহকে বাদ দিয়ে ভোমরা যাদেরকে ডাক ভারা ভোমাদেরই হত বাৰু। সত্তবাং ভোহৰা ভাদেবাক ভাক ভাৰা ভোহাদেবাক সাহে क्रिकः ग्रह्मि (काप्रता प्रकाराक्षी स्वः
- \50।लामर कि ना खाल शर प्राथाप जारा प्राप्त खबरा जामर कि शह भाग गांव गांभाग काता भाग संपत्त कात्रक कि काल साम गांव মাধ্যমে ভারা দেখেঃ ভগরা ভাদের কি রাম ভাগে যার মাধ্যমে ভারা শোনেং বল, 'ভোমরা ভোমাদের শরীকদেরকে ভাক, এরপর আমার বিকালে হত্যের কর এবং আয়ারে অবকাশ দিও না
- १५५ विश्वा स्थान सम्मिन्स सामात विवि कियान सम्मीर्थ दानास्त अन তিনিট সংকর্মশীলদের অভিভারকত করে থাকেন
- ५५०। भरू जीरक बांस मिरा शांस्थरक (अंधर) छांक जारा (अंधरिक्टक সাহায্য করতে সক্ষম নর এবং তারা তাদের নিজেদেরকেও সাহায়্য কবতে পারে মা।
- ১৯৯- चार रहि त्याच्या साम्बराज प्रतिकासक किन्त पान सामान कारा स्थान মা। এবং স্বয়ি সামেব্যক্ত দেখাস পাবে বে সারা সোমার দিকে সাক্রিক retires were retire over an a
- १७७ छि क्यानवारानमा सरसम्ब कर प्रश्तामन विपर्वन प्राप्त अस्त ন্দ্রমান্তরক টাপকা কর। ১০০। আৰু যদি শ্বস্থানৰ প্ৰাৰাচনা কোমাৰে প্ৰাৰাচনা দেৱ ভাৱাল আলাহৰ
- जानार सार्थ्या कर विन्ता विवि प्रक्रियाचा व प्रक्रियोत्ती। ১০১।নিশ্বর হারা ভারএহা অবলম্বন রারাছ ভাসেরার হথন শহরান খোর
- কোনো প্রবোচনা স্পর্শ করে তখন তারা (আল্রাহকে) স্বরণ করে এবং তৎক্ষণাৎ ভাষা দক্ষিসম্পন ক্ৰয়ে পড়ে।
- ২০২।কিন্তু তাদের ভাইয়েরা (শয়তাদের অনুসারীরা) তাদেরকে (অঞ্চলেরকে) ভলপথে সাহায্য করে, এরপর (এ বিষয়ে) তারা কোন কমতি করে না। ১০০ এবং যথম সহি সামের আছে তাম নিমর্শন নিয়ে না আস সংল
- कारा साम 'क्या का (ताम विकर्ता) ताम विका वा ताम ' सन 'আমাৰ প্ৰতিপালকেৰ পক্ষ থেকে আমাৰ প্ৰতি যা এটা কৰা হয় আমি কেবল তারই অনুসরণ করি, এটি (করআন) ভোমাদের প্রতিপালকের পঞ্চ থেকে (জ্ঞানের) আলোকবর্তিকা এবং বিশ্বাসী সম্পদ্ধরের জন্ম পথনিমেশিকা ও সহা।
- ২০৪।এবং যখন করআন পড়া হয় তখন তোমরা মনোযোগ সহকারে ভা শবণ কৰ এবং চপ কৰে থাক যাতে ভোমাৰা ন্যাপ্ৰাপ্ত হাত পাৰ।
- ১০৫ আৰু ভোমাৰ প্ৰতিপালককে স্থৰণ কৰু ভোমাৰ মনেৰ মধ্যে, বিনয়ের সাথে ক্রমের সাথে এবং অন্তর্ভবে সকালে ও সন্ধার্য এবং ক্রমি तार्थनगणना व्यवस्थित वटाए स्ट
- إِنَّ الَّذِينَ عِنْدَ رَبِّكَ لَايَسْتَكُورُونَ عَنْ عَبَادَتِهِ وَيُسْبَعُونَهُ لَكُمْ عَقِهِ अव्हानिक याता (কেনেশবারা) আমার প্রতিপালকের কাছে রয়েছে বারা ਅੰਗਿਰ (ਜਾਲਵਾ ਕਟਰ , ਹਰ: ਕੱਟਰਵੇਂ ਜਿਲਦਾ ਕਟਰ

فَلْيَسْتَجِيْبُوا لَكُرْ انْ كُنْتُرْ مُدقينَ ۞ ٱلَّهُرْ ٱرْجُلَّ يَّمْهُونَ بِهَا ﴿ أَمْ لَهُمْ آيُد يَّبْطُهُونَ بِهَا ﴿ أَمْ لَهُمْ أَعْيُنَ يُبْمِ وْنَ بِهَا ۚ أَلْ لَهُمْ إِذَانٌ يَسْمَعُونَ بِهَا ۚ قُل ادْعُوا شُرَكَآءَكُمْ ثُمَّ كَيْدُون فَلَاتُنْظُ وْن ﴿

إِنَّ إِلَّذِيْنَ تَدْعُونَ مِنْ دُوْنِ إِللَّهُ عَبَادٌ أَمْمَا لُكُو ۚ فَادْعُوهُ ۗ

- انْ وَلِّي اللهُ الَّذِي نَزَّلَ الْكُتُبَ وَهُوَ يَتُوَ إِنَّ الشَّلْعِيْنَ ﴿ وَ الَّذِيْنَ تَدْعُوْنَ مِنْ دُوْنِهِ لَا يَسْتَطِيْعُونَ نَصْرُكُمْ وَ لَا أَنْفُسَهُمْ
- ينصرون 🕞 وَ إِنْ تَدْعُوهُمْ إِلَى الْهُدِي لَا يَسْمَعُوا وَ تَا بِهُ \* يَنْظُ وْنَ
- الَيْكَ وَهُرْ لَايُبْمِرُوْنَ ⊛ خُذ الْعَفْوَ وَأَمُرْ بِالْعُرْبِ وَآعُرِضْ عَنِ الْجَهليْنَ ۞
- وَ إِمَّا يَثْ عَنَّكَ مِنَ الشَّيْطِي نَزْعٌ فَاسْتَعِدْ بِاللَّهِ ۚ إِنَّهُ سَمِيْعٌ
- إِنَّ الَّذِيْنَ اتَّقَوْا إِذَا مَسَّهُمْ طَّتُنَّ مِّنَ الشَّيْطُي تَذَكُّوا فَاذَا
- وَ اكْوَ انْهُ يُبَدُّونَهُ فِي الْغَيِّ ثُلَّ آلِيُقْمُ وْنَ ﴿
- وَإِذَا لَرْ تَأْتِهِرْ بِأَيَّهَ قَا لُوْا لَوْ لَا إِجْتَبَيْتَهَا قُلُ الْهَا ٓ أَتَّبِعُ مَا يُوحَى إِلَى مَنْ رَبَّيْءَ هٰذَا بَصَّائُو مِنْ رَبِّكُمْ وَهُدِّى وَ رَحْمَةً لِّقَوْمَ يَوْمِنُونَ ﴿
- وَ إِذَا قُرِئَ الْقُوانُ فَاشْتَمِعُوا لَهُ وَ أَنْصَتُوا لَعَلَّكُمْ تُوْحَوْنَ ﴿ وَ اذْكُرُ رَبِّكَ فِي نَفْسكَ تَفَرُّ عًا وَخِيْفَةً وَدُونَ الْجَهْ مِنَ الْقَوْلِ
- بِالْغُدُوِّ وَ الْأَمَا لِ وَ لَاتَكُنْ مِّنَ الْغُفليْنَ ۞

و لَهُ يَسْجُدُونَ ﴿

#### ৮ সরা আল-আন্সচাল মাদানী ৭৫ আয়াত ১০ কর

#### অসীম দ্যাময় ও প্রম দ্যাল আলাহর নাহে

- ১। তারা তোমাকে যুদ্ধলর সম্পদ সহছে জিজাসা করে। বল, 'যুদ্ধলর সম্পদ আলাচ ও বাসলের জনা সতরাং তোমরা আলাচকে ভয় কর এবং কোয়াদের পারম্পরিক বিষয়ে আপোয়-মিম্পরি কর। এবং কোয়বা আল্লাহ ও তাঁর রাসলের আনগতঃ কর- যদি তোমরা ম'মিন হও।'
- ১। ম'মিন কেবল ভারাই হারা যথন আলাচকে করণ করা হয় ভথন ভালের হুদ্রসমূহ ভীত হয় এবং যুখন তাদের কাছে তাঁব আরাতসমূহ পাঠ কৰা হয় সভান সাদেৱ উন্নান হক্তি পায় এবং আৰা সাদেৱ প্ৰতিপালকের विश्वते व्यवचा कार्य-
- ও। যারা সালাত (নামায) কায়েম করে এবং আমি তাদেরকে যে রিধিক দিয়েটি তা খেকে ব্যব করে।
- ৪। তারাই প্রকৃত মু'মিন। তাদের প্রতিপালকের কাছে তাদের জন্য রয়েছে মর্যাদা, ক্রমা এবং সন্মানজনক বিভিক
- e। (এটি সেবক্রম) রেমন<sup>\*</sup> ভোমার প্রতিপালক ভোমারে সভাসত সেঠিক লক্ষে) তোমার মর থেকে তোমাকে বের করেছিলেন, যথন নিশ্চয় যু'য়িনদের এর দল ডা অরণাই অপছন্দ ব্যবছিল-
- का काला कांग्रान आरब अरकात विकास विकास कारकित का (अकर<sup>®</sup>) त्यांहै काल যাধ্যার পর জেন জাদেরকে মজার দিকে জামিতে মেয়া হাছে এমন অবস্থায় যে তারা (তা) দেখতে
- ৭। এবং যখন আবার বোহাদেরকে প্রতিপ্রদত্তি দিলেন দ'টি দলের <sup>\*</sup>একটিকে যে, এটি হবে ভোমাদের জন্য (অর্থাৎ ভোমাদের আয়ন্তাধীন), যথন ডোমবা কামনা কৰছিলে যে নিবৰ দলটি কোমাদেৰ জন্ম হোক আৰ আল্লাহ চাচ্ছিলেন যে, ভিনি ভাঁর বাণী দ্বারা সভাকে প্রভিষ্ঠিত করবেন धवः काकिरास्य प्रश त्यापे मित्रम-
- ৮। যাম কিনি সকলের সাক্ষা প্রকিষ্ঠিক করাক পালের এক বাহিকাক উচ্ছেদ করতে পাবেন, যদিও অপবাধীরা তা অপভন্ম করে
- ৯। যথন ভোচৰা ভোচানের প্রতিপালকের বালে সাহায়্য পার্থনা করছিলে তথন তিনি তোমাদেরকে সাদ্রা দিলেন যে, 'আমি তোমাদেরকে ফোৰেশ্যাদের মধ্য থোকে এক হাজার (ফোরেশরা) হারা সাহায়্য করব पांचा अक्टब शह अह आहार !
- وَمَا جَعَلَهُ اللهُ الَّا بُشُولِي وَلَتَطْمَعُنَّ بِهِ قُلُو بُكُرُ ءُومًا | لنَّهُ عُلَا يعت عام अवर व्याधाद आहे करतारहन रूनम मुमरवान रनमात वना वनर रमन वा النَّهُ عُلَا بكثر عومًا النَّهُ عُلَّا النَّهُ عُلَّا اللَّهُ اللهِ اللَّهُ اللهِ اللَّهُ اللَّهُ اللهِ اللَّهُ اللهِ اللَّهُ اللَّ দ্বারা তোমানের হদয়সমূহ প্রশান্তি লাভ করে, আর সাহায্য কেবল আল্লাহর 🖔 কাছ থেকেই আসে। নিক্না আল্লাহ্ মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রজাবান।

### آبَاتُهَا ٥٤، كُنْعَاتُهَا ١٠ هُمَّهِ اللهِ الرَّحُمِّنِ الرَّحِيْمِ

يَشْئَلُوْ نَكَ عَنِ إِلَّا ثَفَا لِ قُلِ إِلَّا ثَفَا لُ بِينَّهِ وَ إِلَّا سُوْلِ وَاتَّقُوا اللهُ وَ أَصْلَحُواْ ذَاتَ بَيْنَكُرْ وَ أَطِيْعُوا اللهُ وَ رَسُوْ لَهُ آنَ كُنْتُرْ

٨-سُرُوُّ الْأَنْفَالَ-مَا رَبِّهُ

إنَّمَا الْمُؤْمِنُونَ الَّذِيْنَ إِذَا ذُكِرَ اللَّهُ وَجِلَتْ قُلُوبُهُرْ وَ إِذَا تُليَثْ عَلَيْهِرْ إَيْتُهُ زَادَتُهُرْ إِيْمَانًا وَّعَلَى رَبِّهِرْ يَتَوَكَّلُوْنَ ۖ

الَّذِيْنَ يُقْنِمُونَ الصَّلُوةَ وَمَمَّا رَزَقَنْهُمْ يُنْفَقُونَ ﴿

أُولِنْكَ هُرُ الْمُؤْمِنُونَ حَقًّا الَّهُ ۗ دَرَجْتُ عَنْدَ رَبِّهِ ۗ وَمَغْفِرَةٌ وَّ رِزْقٌ كَرِيْرٌ هُ

كَمَآ أَخْرَجَكَ رَبُّكَ مِنْ بَيْتِكَ بِالْعَقِّ وَأِنَّ فَوِيْقًا مِّنَ الْمُؤْمِنِينَ لَكِ هُوْنَ أَيْ

يُجَاد لُوْ نَكَ فِي الْمَقِّ بَعْدَمَا تَبَيَّنَ كَأَنَّهَا يُسَاقُوْنَ الْ الْمَوْتِ وَهُمْ يَنْظُونُ فَي

وَ إِذْ يَعَدُكُرُ ۚ اللهُ احْدَى الطَّآنَفَتَيْنِ أَنَّهَا لَكُمْ ۚ وَتَوَدُّونَ أَنَّ غَيْبَ ذَاتِ الشَّوْكَة تَكُونُ لَكُيْرُ وَيُويْدُ اللهُ أَنْ يُّحِقِّ الْحَقِّ بكَلَيْتِهِ وَ يَقْطَعَ دَابَ الْكُفِينِينَ ٥

ليُحقُّ الْحَقُّ وَيُبْطِلَ الْبَاطِلَ وَلَوْ كَوِهَ الْمُجُومُونَ قَ

إِذْ تَشْتَغَيْثُونَ رَبِّكُرْ فَاسْتَجَابَ لَكُرْ إِنِّيْ مُمِدُّكُرْ بِٱلْفَمِّنَّ الْمَلَتْكَةِ مُدُونْتُ و

الَّا مِنْ عَنْدِ اللهِ وَإِنَّ اللهَ عَزِيْزٌ حَكَيْرٌ ﴿

- ৮ ज्ञा जाल-जानकाल ১১। शक्ता किसि जाँत शक्त (शक्त अभावित करा (आशास्त्रतक जन्मा साक्रार করলেন এবং আকাশ থেকে ভোমাদের উপর পানি অনসীর্থ করলেন য়াতে এর হারা তিনি কোয়াদেকত প্রির ক্রতত পারেন কোয়াদের থেকে শহতানের অপবিত্রতা দর করতে পাবেন তোমাদের ক্রমহসমূহকে দা করাত পাবের এক এব হারা (তোহাত্তর) পাক্রকাকে দাহ করতে भागकाः
  - ১১। যথম সোমাদের প্রতিপালক স্থোরপ্রাদের প্রতি প্রতী করাক্সর সে আমি তোমানের সাথে আভি সতবাং যাবা ঈয়ান এনেতে তাদেরকে দাং কর। যারা ক্রমরী ক্রবেছ শীঘট আমি আদের ক্রমাসমূহে দীনি সঞ্জার করব, সভবাং ভোমবা ভাদের যান্তের উপরে আয়াভ কর এবং जापनाक चाचाज कर अरुवकीर श्राचार '
  - ১৩। এটি এজনা যে , ভারা আধাহ ও ভার রাসলের বিরোধিতা করেছে একং যে বাকি আলাচ ও জাঁব বাসালৰ বিশ্বাধিতা কৰে তাৰ (সে কোন রাধক) নিশ্বর আপ্রাহ শান্তিলানে কঠোর।
  - ১৪ এটাই (ভোয়াদের শামি) সভবাং ভা আছাদন কর এবং এব যে (আখিরাতে) কাথিরদের জন্য রয়েছে আগুনের শান্তি।
  - ১৫। প্রহে যারা ঈমান এনেছঃ যথন তোমরা যুদ্ধের ময়দানে কাঞ্চিরদের সাথে সাক্ষাৎ করবে, তখন তাদেরকে পষ্ঠ প্রদর্শন করো না,
  - ১৯৷ এবং যে সেদিন যক্ত কৌশল চিসেবে বিচরা (ভার পাক্ষর বেনে) নাজ মিশিত হওয়ার জন্য ছাভা তাদেরকে পষ্ঠ প্রদর্শন করবে সে আলাহর জ্যের (ভাক) নিয়ে আসার এবং ফার্রানামট ভার আশহস্কল। আর কতই না নিকট সেই গন্তব্যস্তল।
  - ১৭। আর তোমরা তাদেরকে হত্যা করনি বরং আলাহট তাদেরকে হত্যা করেছেন, এবং যথন তমি (কংকর) নিজেপ করছিলে তথন তমি निक्षण कर्तने दरः चालाइडे निक्षण कर्ताडालन, अवः (का अ सना) যাতে ভিনি ম'মিনাদবাক জাঁব পঞ্চ থোকে পৰীক্ষা কৰাৰ পাৰেম- উত্তয পরীক্ষা। নিশ্য আন্তাহ সর্বগ্রোতা ও সর্বজানী।
  - ১৮। এটিই (তোমাদের পরীক্ষা), এবং এও যে, আল্লাহ কাফিরদের যভযন্ত দূর্বল করে দেন।
  - ১৯। (তে কাফিকরা:) যদি ভোমবা শ্লীয়াংসা চাওঁ তবে শ্লীয়াংসা ভোমাদের কাছে এসে গেছে, আর যদি ভোমরা বিরত হও ভাহলে ভা ভোমাদের জনো কলাপকৰ এবং যদি ভোমৰা (যাত্ৰ) ফিৰে আস ভাচলে আমিও শোজিতে) ফিরে আসব, এবং তোমাদের জন্য তোমাদের দল কথনো এ किक्के कारक जामान ना यमिल मध्याग प्रधिक क्या अन्य अल त्या जानाक 🖫 भ्राविसायत आह्य साहस्त
  - ২০। প্ৰৱে যাবা ঈমান এনেছ। তোমৰা আহাত ও তাঁৰ বাসলেব আনগত্য কৰ এবং তোমরা তার থেকে মুখ ফিরিয়ে দিও না, এমন অবস্থায় যে তোমরা (ভার নির্দেশ) খনছ.

- إِذْ يُغَشِّيكُمُ ۚ إِلنَّعَاسَ إَمَنَةً مِّنْهُ وَيُنَزِّلُ عَلَيْكُمْ مِّنَ السَّمَاءَ مَّآءً لَّيُطَّهِّرَكُنْ بِهِ وَيُذْهِبَ عَنْكُنْ رِجْزَ الشَّيْطُن وَ ليَوْبِطَعَلَى قُلُوْ بِكُورُ وَيُقَبِّيَ بِهِ الْإِقْدَامَ هُ
- اذْ يُوْحِنْ رَبُّكَ إِلَى الْمَلَّئَكَةِ أَنِّيْ مَعَكُمْ فَقَبَّتُوا الَّذِيْنَ أَمَنُوا اساً لُقَيْ فِي قُلُوْ بِ الَّذِينَ كَفَرُوا الرُّعْبَ فَاشْرِ بُوْا فَوْقَ الْأَعْنَاقِ وَ اصْرِبُوا مِنْهُرْ كُلِّ بَنَانِ ١
- ذُ لِكَ بِأَنَّهُمْ شَأَقُّوا اللَّهُ وَ رَسُوْ لَهُ ء وَمَنْ يُشَاقِق اللَّهُ وَ رَسُوْ لَهُ فَانَّ اللهُ شَديْدُ الْعَقَابِ ⊛
- ذَلكُمْ فَذُوثُوثُوهُ وَ إَنَّ للْكُفِهِ ثِنَ عَذَابَ إِلنَّا رِ يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوًّا اذَا لَقَيْتُرُ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا زَحْفًا
- فَلَاتُهَ لَّهُمُ الْآذَبَارَ 6 وَمَنْ يُّولِّهِمْ يَوْمَعُدْدُبَّةً ۚ إِلَّا مُتَحَّافًا لَّقْتَا لِ أَوْمُتَحَيًّا ۗ إِلَى فِئَةَ فَقَدْ بَآءَ بِغَضَبِمِّنَ اللهِ وَمَـأُوٰلِهُ جَهَنَّرٌ وَبِعْسَ
- الْمَصِيْرُ ۞ فَلَرْ تَقْتُلُوْهُرْ وَلَكِنَّ اللَّهَ قَتَلَهُرْ ۗ وَمَا رَمَيْتَ إِذْ رَمَيْتَ وَ لَكِنَّ اللهَ رَمَٰىء وَ لِيُبْلِىَ الْمُؤْمِنِيْنَ مِنْهُ بَلِّكَةً حَسَنًا - إنَّ اللهَ سَهِيْعٌ عَلَيْهُ ۞
  - ذُ لَكُيْرٌ وَ أَنَّ اللَّهُ مُوْهِنُ كَيْدِ الْكُفَوِيْنَ ۞
- انْ تَسْتَقْتَحُوْا فَقَدْ جَاءَكُرُ الْفَتْلِ ، وَ انْ تَنْتَهُوْا فَهُوَ خَيْرٌ لَّكُمْ ءَوَ إِنْ تَعُودُواْ نَعُدْءَوَ لَنْ تُغْنَى عَنْكُمْ فَغَتُكُمْ شَيْعًا وَّلَوْ أَ كَثُورَ أَنَّ اللَّهُ مَعَ الْمُؤْمِنِينَ ﴿
- يَّأَيُّهَا الَّذِيْنَ إَمَنُوًّا أَطِيْعُوا اللهَ وَ رَسُوْ لَهُ وَ لَاتُوَ لَّوْا عَنْهُ وَ أَنْتُمْ تُسْمَعُونَ 6

- ২১। এবং তোমরা তাদের মতো হয়ে। না যারা বলে, 'তনলাম', অথচ তারা পোনে না।
- ২২. নিক্য় আস্তাহর নিকট নিকৃষ্টতম জীব হঙ্গে সেই সৰ বধির ও বোবা যারা অনধাবন করে না।
- ২০। আর যদি আন্তাহ তাদের মধ্যে ভাল কিছু (আছে বলে) জানতেন তাহলে অবপাই তিনি তাদেরকে শোনতেন। এবং যদি তিনি ভালেরকে শোনাতেন তাহলে অবপাই তারা উপোন্ধা করে মুখ খিবিয়ে নিত।
- ২৪। ওহে যারা ঈমান এনেছ: তোমরা আন্তার ও তাঁর রাসুলকে সাজা লাও যদন সে এমন কিছুর জন্ম আহ্বান করে যা তোমানেরতে জীবন্ধ করে, এবং জেনে রাখ যে, আল্লাহ ব্যক্তি ও তার হুলারে মাবার্যান গাকেন এবং তাঁয়ই দিকে তোমানেরতে সমবেত করা হবে।
- ২৫। এবং তোমরা সেই ফিতনাকে ভয় কর যা বিশেষ করে তোমানের মধ্যে যারা জুলুম করেছে কেবল তানেরকেই আয়াত করবে না, এবং জেনে রাথ যে, আল্লাহ্ শারিলানে কঠোর।
- ২৬। এবং শ্বরণ কর যথন তোমরা ছিলে অছ (সংখ্যক) ও পৃথিবীতে দুর্বল, তোমো আপছা করতে বে, লোকো তোমানেরকে হঠাৎ থক্ত নিজে যাবে, অতঃগর তিনি তোমানেরকে আন্ত্রন নিজেনে এবং তাঁর সাহায় দ্বারা তোমানেরকে সাহায় করেছেন, এবং তোমানেরকে পথিত্র ক্ষুসমূহ থেকে বিথিক নিয়েছেন, যাতে তোমরা কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করতে পার।
- ২৭। ওহে যারা ঈমান এনেছ। তোমরা জেনে-বুঝে আল্লার্ ও তাঁর রাস্কের সাথে থিয়ানত করে না এবং তোমদের (পরশেরের) আমানতসমূহেরও থিয়ানত করো না।
- ২৯। গ্রহে যারা ঈমান এনেছা। যদি তোমরা আল্লাহুকে ভর কর ভাহলে ভিনি তোমাদেরকে সন্তঃ-বিছার পার্থক। (করার শক্তি) দিকেন, ভোমাদের থেকে তোমাদের পাপসমূহ মোচন করকেন এবং তোমাদেরকে ক্ষমা করকেন। এবং আল্লাহ্ মহা অনুমারশীল।
- ৩০। এবং হখন যারা কুফরী করেছে তারা তোমার বিকছে বড়যন্ত্র করেছিল। স্তোমাকে বন্দী করার অনা, বা তোমাকে হত্যা করার জন্য অথবা তোমাকে বেব করে সেবার কলা। এবং তারা বড়ছত্ত করে, আর আল্লাহত কৌশল করেন। আর আল্লাহ্ই উত্তম কৌশলী।

- وَلاَتَكُونُوْا كَا لَّذِيْنَ قَا لُوْا سَعْفَا وَهُرْ لَاِيشْغُوْنَ ۞ انَّ شَدُّ النَّوْلَ عَنْدَ اللهِ الضَّا الْبُكِّ عَا النَّذِينَ
- لَايَغْقِلُونَ @ وَ لَوْ عَلَى اللهُ فِيهِرْ خَيْرًا لَّاسْمَعَهُرْ ﴿ وَ لَوْ أَسْمَعُهُرْ لَتَوَلَّوْا وَّ
- هُمْ عَقُوفُونَ ﴿ لَنَّالُهُمُا الَّذِينَ أَمَنُوا الْسَعِيْمُواْ فِيْوَ لِلرِّسُوْلِ إِذَا دَعَاكُمْ لِمَا يَخْفِيكُمْ ءَوَأَعْمُواْ أَنَّ اللَّهَ يَعْوَلُهُ بَيْنَ الْعَرُو وَقَلِيهِ وَ لَمَّا النَّهُ فِيكُمْ ءَوَاعْمُواْ أَنَّ اللَّهَ يَعْوُلُ بَيْنَ الْعَرُو وَقَلِيهِ وَ لَمَّوْ النَّهُ فِيكُونُ مِنْ
- امه أيقد تعسرون ﴿ وَ الثَّوْوُ فِتِنَةً لاّ تُعِيِّنًا الَّذِينَ ظَلَمُوْا مِنكُرْ خَاصَّةً وَ اعْلَمُوَّا إِنَّ اللَّهُ صَدِيدُ الْعَقَابِ ﴿
- وَ اذْكُرُواْ اذْ ٱلْتُرْ قَلِيْلًا مَّسْتَفْتَقُونَ فِي الْأَرْضِ تَضَاقُونَ آنَ يُتَضَطَّقُكُمُ النَّاسُ فَاوْلَكُمْ وَ ٱلِّذَكُمْ بِنَصْوِبِهِ وَ رَزَقَكُمْ مِّنَ الطَّيْبِ تَعَلَّمُ تَفْكُرُنَ ۞
- يَّا يَّهَا الَّذِينَ أَمَنُواْ لَا تَحُونُوا اللهَ وَالرَّسُولَ وَتَحُونُواْ آمَٰنِكُمْ وَ ٱلتَّمْرُ تَعْلَمُونَ ۞
- وَإِذْ يَمْكُرُ بِكَ الَّذِيْنَ كَفَرُواْ لِيُثْمِتُوكَ أَوْ يَقْتُلُوكَ أَوْ يُخْرِجُوكَ ﴿ يَمْكُرُونَ وَيَمْكُرُ اللهُ ﴿ اللهُ خَيْرُ الْلهُ خَيْرُ الْمُحْرِينَ ۞

পাবা-১

- ৩১, এবং যখন তাদের কাছে আমার আয়াতসমূহ পাঠ করা হত তখন তারা বলত 'আমবা ওনলাম যদি আমরা ইচ্ছা করি ভাহলে অবশাই আমরা এটির হাম বলাম পারি এটি পর্ববারীদের উপকথা চাচা আর কিছ m\* /
- ৩২। এবং যথন তারা বলেছিল, 'হে আল্লাহ! যদি আপনার পক্ষ থেকে এটিই সেই সভা হয় তাহলে আমাদের উপর আকাশ থেকে পাথরের বাটি বর্ষণ করুন কিংবা আমাদের নিকট বস্ত্রণাদায়ক শান্তি নিয়ে আসন।
- কর। কিছ আলার এমন নন যে তিনি তালেরকে শান্তি দিবেন, যথন তমি তাদের মধ্যে রয়েছ এবং আল্লাহ এমনও নদ যে, তিনি তাদেরকে শান্তি নিবেন এমন অবস্থায় যে তাবা (কেউ কেউ) ক্ষমা প্রার্থনা করছে।
- ৩৪। তাদের কী (যক্তি) আছে যে, আল্লাহ তাদেরকে শান্তি দিবেদ দা. যখন তারা (গোকদেরকে) মসজিদে হারাম থেকে বিরত রাখে, অথচ তারা এর তত্তাবধায়ক নয়ং মন্তাকীরা ছাতা ঠেট এর তত্তাবধায়ক নয়, কিব্র তাদের অধিকাংশই আনে না।
- ৩৫। এবং (কা'বা) ঘরের কাছে তালের সালাত (মামায) হল কেবল শিস ও করভানি দেয়া। সতবাং তোমবা শান্তি আস্থাদন কর কারণ ভোমরা কফরী করতে।
- ক্রমা মিশ্রয় হারা রহারী রবেছে তারা (দোকদেরকে) আহারর পথ হতে বিরত রাখার জন্য তাদের ধন-সম্পদ ব্যয় করে। সুতরাং শীন্তই তারা তা বায় কৰাৰ এবপৰ তা তাদেৰ আফসোন (এর কারণ) হাবে, এরপর তারা পরাজিত হবে। এবং যারা কফরী করেছে তাদেরকে জাহানামের দিকে সমবেত করা হাবে-
- كَمِيْزُ اللهُ الْخَبِيْثَ مِنَ الطُّيْبِ وَيَجْعَلَ الْخَبِيثَ بَعْضَهُ الْمُنْ وَيَجْعَلَ الْخَبِيثُ بَعْضَهُ الْمُنْ وَيَجْعَلُ الْخَبِيثُ بَعْضَهُ مِنْ اللهُ الْخَبِيثُ عَمْنَ السَّاعِ اللهُ الْعَبِيثُ عَلَيْهِ عَلِي عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلْ لوجوز الله الخويث فون المقيميا ويجعش اجبوت من (18878) 1888 الدينة بعد 1980 من (1887) 1884 من المدارسة المدارسة من يعض تَصَرَّ مُعَمِّمًا فَيَجِعًلُمُ فَي مَصِّرَ ، أُولِقًا فَي الله عالية عامدة معالة 1892 من المدارسة الله مجارة الله، عادة عادة عادة المدارسة المدارسة الله المدارسة المدارسة المدارسة المدارسة 1892 من المدارسة المدارسة क्वन्द्रिशस
- অতীত হয়েতে তা তাদেৱকে ক্ষমা কৰে দেয়া হবে, কিন্তু যদি তার পুনরাবৃত্তি করে ভাহলে পূর্ববর্তীনের (প্রতি গৃহীত) সূত্রত (নীতি) তো অভিক্রান্ত হরেছেই (যার পুনারাবৃত্তি তালের ক্ষেত্রেও ঘটবে)।
- ১১। একা সোম্বরা আন্তর বিক্রাভ যদ্ধ কর যুক্তক্ষণ না কিব্রনা না থাকে এবং হীম সম্পর্ণরূপে আলাহর জনাই হয়ে যায়, ওবে যদি তারা বিরত হয়,
- তাহলে তারা যা করে সে সম্পর্কে নিশুয় আল্লাহ পর্ব দারীবান ৪০। আর যদি তারা মথ ফিরিয়ে নের ভারলে ফেনে রাখ যে, আল্লাইই

সাহায্যকারী:

- مِثْلَ هٰذَآوِإِنْ هٰذَا إِلَّا أَسَاطِيرُ الْأَوَّلَيْنَ @ وَادْ قَا لُوا اللَّهُرِّ إِنْ كَانَ هَذَا هُوَ الْعَقَّ مِنْ عِنْدِكَ فَأَمْطِرُ
- عَلَيْنَا حِجَا رَةً مِّنَ السَّمَّاءِ أَوِ اثْتِنَا بِعَذَابٍ ٱليُّرِ ۞ وَمَاكَانَ اللهُ لِيُعَذِّبَهُرْ وَٱنْتَ فِيْهِرْ ﴿ وَمَاكَانَ اللهُ مُعَذِّبَهُرْ وهُرُ يَسْتَغُفُ وَن ⊛
- وَمَا لَـهُرْ أَلَّا يُعَذِّبَهُرُ اللَّهُ وَهُرْ يَصُدُّونَ عَنِ الْمَسْجِدِ الْحَرَا) وَمَاكَانُوٓۤ ا أَوْلِيَآءَةُ وإِنْ اَوْلِيَآؤُةٌ إِلَّا الْمُتَّقُونَ وَلٰكِنَّ أَكْثَرَ هُرْ لَا يَعْلَمُوْنَ ⊕
- وَمَا كَانَ مَلَاتُهُمْ عِنْدَ الْبَيْبِ إِلَّامُكَآءٌ وَّ تَصْدِيَةً وَذُو قُوا الْعَذَابَ بِمَا كُنْتُرْ تَكْفُرُونَ ﴿
- انَّ الَّذِيْنَ كَفَرُواْ يُنْفَقُونَ آمُوا لَهُرْ لِيَصُّدُواْ عَنْ سَبِيْلِ اللهِ فَسَيْنَفَقُونَهَا ثُرَّ تَكُونُ عَلَيْهِرْ حَشَرَةٌ ثُرٌّ يُغْلَبُونَ ۚ وَ الَّذِينَ كَفَرُوْ الْيُجَهَنِّرَ يُحْشَرُونَ ﴿
- العسرون 6 ৩৮। যারা কফরী করছে তাদেরকে বল, 'যদি তারা বিরত হয় ভাহলে যা قُلْ لِلَّذِيْنَ كَفَرُوًّا إِنْ يَنْتَهُوا يُغْفَوْ لَهُرْمًا قَدْسَلَفَ ءوَ إِنْ يَعُودُوا فَقَدُ مَضَى سُنْتُ الْأَوْ لَيْنَ @
  - وَ قَاتِلُوْهُرْ حَتَّى لَاتَكُوْنَ فِتَنَةً وَّ يَكُوْنَ إِلدِّيْنَ كُلَّةً لِللهِ ، فَان
    - انْتَهَوْا فَانَّ اللهَ بِمَا يَعْمَلُوْنَ بَصَيُّ ﴿ وَ انْ تَوَ لَوْا فَاعْلَمُواْ أَنَّ اللَّهَ مَوْلَكُمْ . نِعْمَ الْمَوْلَى وَنِعْمَ النصير ⊚

300

৪১ । এক জেনে রাখ যে কোমের যে গুরীমান লাভ কর তার এক-পঞ্চমাণ্ড আলাহৰ ৰাসলেৰ (বাসলেৰ) আৰীয়-জন্ধনৰ ইয়াঠীয়ানৰ विस्तिवास्त अतः समारीच प्रसावितात क्या अपि (साइता सामासत প্রতি ঈয়ান এনে থাক এবং (ঈয়ান এনে থাক) তাতে যা (সারায়াক্তপ) व्यक्ति व्यवसीर्थ क्राराविकाच खादान सामान अपि प्राप्त-विकास आर्थरकात দিন<sup>\*</sup> - মেদিন দ'টি দল মুখোমখি ক্যেছিল। এবং আলাক সৰকিছৰ উপৰ সর্বপঞ্জিয়ান -

৪১ যথন ভোমৰা ছিলে উপতাকাৰ নিকট প্ৰায়ে<sup>®</sup> এবং তাৰা ছিল উপতাকাৰ प्रव आरम् चाव दिवारवाही प्रव (राशिका कारकवा) विक त्याप्राप्यव त्याव নীচতে। এবং যদি তোমবা (মসলিম ও কবাইশবা) প্রশ্বর (মডেব) प्रमा विशेषक कारण जावान जावाने जावान (बाह्यत) विशेषिक प्रमान পৌচতে বার্থ হতে। কিন্ত (এটি ঘটেচিল) যাতে আলার একটি বিষয় সম্পন করতে পারেন যা ঘটার ছিল- যাতে যে প্রথম হয় যে স্পট প্রমাণের ভিনিতেই অংস হয় আর যে জীবিত গাতে সেও স্পট্ট প্রমাণের নিনিকেট জীৱিত থাকে, আৰু নিশ্বৰ আলাহ কৰেণাই চাৰ্চাশালা ও भारतिकाची ।

৪৬। যথম আলাচ তোমার নিজী আদেবাক ভোমার সংগ অল (সংখাক) (मिन्सिक्रिका, जात गढ़ि किहि (कामात हिताँ। कारक्ताक (तरि (अन्बाक)) দেখাতেন ভাষাল অবশাই ভোমবা সাহস হাবাতে এবং অবশাই (ফা. দ্ধর) বিষয় নিয়ে মত-বিরোধ করতে, কিন্তু আল্লাহ (তোমালেরকে) বঞ্চা করেছিলেন। বক্ষসমূহে যা আছে সে সম্পর্কে নিক্ষয় তিনি ভালভাবে

৪৪। এবং যখন ভোমরা মথোমখি হয়েছিলে তথন তিনি ভানেরকে ভোমানের দৃষ্টিতে অল্প (সংখ্যক) দেখিয়েছিলেন এবং ভোমাদেরকৈ তালের সক্টিতে &ি-অল (সংখ্যক) দেখিয়েছিলেন, যাতে আল্লাহ একটি বিষয় সম্পন্ন করতে e পাৰেন যা ঘটাৰ ছিল। এবং আলাভৰট দিকে সকল বিষয় ভিতিয়ে নেতা। ১ ৪৫। প্রহে যারা ঈমান এনেতঃ তোমরা যখন (যাজর ময়দানে) কোন দলের

মাখামতি হও তথম দত থাক একা আলাহাত বেশি বেশি ক্ষক কৰ যাতে তোমরা সফল হতে পার।

৪৬। এবং তোমরা আল্লাহ ও তাঁর রাসলের আনগত। কর এবং পরস্পর বিবাদ করো না. ভারলে ভোমরা সারস রারাবে এবং ভোমাদের শক্তি চলে बारत अतः (प्राप्तता रेश्वर्य शतन ततः विकास तालात रेश्वर्यनीलायन आर्थ রয়েছেন।

৪৭। এবং ভৌমৰা ভালেৰ মূক হাষা না যাবা নম্কলৰ ও লোৱা কেবামোৰ জনা তাদের আবাসসমহ থেকে বের হয়েছে এবং (লোকদেরকে) আলাহর পথ হতে বিৰত বাখে। আৰু আলাহ তাৰা যা কৰে তা পৰিৰেটন কৰে खासका

৪৮। এবং যখন শয়তান তাদের কাজসমহাকে তাদের কাছে শোভনীয় করেছিল এবং বলেছিল, 'আজ মানুষের মধ্যে কেট তোমাদের উপর বিজয়ী হতে পারবে না. এবং নিশ্বয় আমি তোমাদের রক্ষাকারী। অভ্যাপৰ যথম দ'টি দল পৰম্পৰ সামনাসামনি হল জন্ম সে পিচাম সাৰ আমি তা দেখি যা তোমবা দেখতে পাও না <sup>\*</sup> নিক্তৰ আমি আলাহকে ভয কবি।' আৰু আলাহ শান্তিদানে কঠোব।

وَ اعْلَهُواْ أَنَّهَا غَنهُتُمْ مَّنْ هَنَّ فَأَنَّ اللَّهِ خُمُسَةً وَ للرَّسُولُ وَ لذى الْقُورُانِي وَ الْيَتْمِي وَ الْمَسْكِينِ وَ ابْنِ السَّبِيلِ انْ كُنْتُرْ أَمَنْتُرْ بِاللهِ وَمَآ أَنْ لَنَا عَلَى عَبْدِنَا يَوْ } [لْقُرْقَانِ يَوْ ] الْتَقَى الْجَمْعُي، وَ اللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْءٌ قَديَّ ﴿

اذْ آنْتُمْ بِالْعُدُوةِ الدُّنْيَا وَهُمْ بِالْعُدُوةِ الْقُصْرِي وَ الَّاكُرُ إِسْفَلَ مِنْكُمْ ، وَلَوْ تَوَاعَدُتُّمْ لَاغْتَلَقْتُمْ فِي الْمِيْعُد، وَلَكِنْ لِيَقْضَى اللهُ أَمْرًا كَانَ مَفْعُوْ لا هُ لِيَهْلِكَ مَنْ هَلَكَ عَنْ بَيِّنَةٍ وَّ يَحْيٰي مَنْ حَيٍّ عَنْ بَيِّنَةٍ ﴿ وَ إِنَّ إِللَّهُ لَسَمِيْعُ عَلَيْهُ اللهُ

إِذْ يُ يُكَمِّيُ اللَّهُ فِي مَنَامِكَ قَلَيْلًا ، وَ لَوْ أَرِا بِكُمِّ ۚ كَثِيًّا لَّفَسْلُتُر ۗ وَ لَتَنَا زَعْتُمْ فِي الْآمُو وَ لَكِنَّ اللَّهُ سَلَّمَ اللَّهُ عَلَيْرٌ ابذَات المُّدُورِهِ

وَ إِذْ يُرِيكُمُوْ هُوْ إِذِ الْتَقَيْتُو فَيَ آعَيُنكُوْ قَلَيْلًا وَيُقَلِّلُكُو فَيَ آعَيُنهِ ا ليَقْضَ اللهُ أَمْرًا كَانَ مَفْعُوْلًا وَ إِلَى اللهِ تُوْجَعُ الْأُمُوْرُ ﴾

نَا نُهَا الَّذِينَ إِمَنُواْ إِذَا لَقَيْتُمْ فَتُمَّا فَأَتُبُتُوا وَ أَذْكُوا اللَّهُ كَثِيرًا لَّعَلَّكُرْ تُقْلِعُونَ ﴿

وَ ٱطَيْعُوا اللَّهُ وَ رَسُوْ لَـهُ وَ لَاتَنَا زَعُوْا فَتَغْشَلُوْا وَتَكْهَبُ رِيْعُكُمْ وَ اصْبُ وَا انْ اللَّهُ مَعَ الصَّبِ ثِنَ هُ وَلَاتَكُوْ نُوْ إِكَا لَّذِيْنَ غَرَجُوا مِنْ دِيَا رِهِرْ بَطَرًا وِّرِثَاءَ النَّاسِ وَ يَمُدُّونَ عَنْ سَبِيْلِ اللهِ ، وَ اللهُ بِمَا يَعْمَلُونَ مُحِيْطً ﴿

وَ إِذْ زَيَّ. لَهُ الشَّيْطُ أَعْمَا لَهُ وَقَالَ لَاغَا لَبَ لَكُمُ الْيُوا } مِنَ النَّاسِ وَ انَّنْ هَا أَ لُّكُمْ وَفَلَمَّا لَكَّ آءَتِ الْفَكَّتْنِ نَكُصَ أَخَانُ اللهُ وَ اللهُ شَدِيدُ الْعَقَابِ ﴿

- es, गर्भव प्रवासिकात e गायन कारण ताथि चारण जाना ताल 'असन दीन वाकारक बाराजिक जारायाः ' तकः ता कामान्य देशत स्वाहा तात जात (সে কোনে বাথক) নিশ্বর আলাহ মহাপ্রভাগশালী ও মহাপ্রজাবান।
- ৫০। আৰু যদি তমি দেখতে যখন কেৱেশতাৱা যাৱা কফনী করেছে তালের মতা ঘটায় তথন তারা তাদের চেহারায় ও তাদের পিছনে আঘাত করে. এবং (বিয়ায়তের দিন বলা হবে) 'ভোমরা প্রজালিক আগুনের শান্তি আহাসন কর.'
- ৫১। এটা ভোয়াদের হাত যা আগ্র পার্টিয়েছে সে কারণে, এবং এ কারণেও যে, আল্লাহ্ব বান্দাদের প্রতি অলুমকারী নম-
- ০১ (এদের অভ্যাস) হিরভাটন বংশ ও তাদের পর্ববর্তীদের অভ্যাদের যাত। দোৱা সামাত্রর নিমর্শনসম্ভাতে অবিশ্বাস ব্যবহিল সভবাং আলাভ দ্যাদের অপরাধসমূহের কারণে তাদেরকে পাকডাও করেভিলেন। নিশ্চয আন্তার মহাশক্তিধর ও শান্তিদানে কঠোর। ৫৩। এটা এজন্য যে, আল্লাহ কোন নেয়ামত পৰিবৰ্তন করার মন যা ভিনি
- কোন সম্পদায়ের উপর দান করেছেন যতক্ষণ না তারা তাদের নিজেদের মধ্যে যা আছে তা পবিবর্তন (নষ্ট) করে, এবং এও যে, আল্লাহ সর্বলোতা अर्थकारी-০৪। (এদের অস্ত্রাস) ফিরআউন বংশ ও তাদের পর্ববর্তীদের অস্ত্রাসের মত। নারা সামের পরিপালাকর নিদর্শনসম্ভাক মিথ্যা অভিন্তিত করেছিল
- সতবাং তাদের অপরাধসমূহের কারণে আমি তাদেরকে জংস করেছিলাম এক জিবভাইন কম্পক নিয়ন্তিত কৰেছিলায় এক ভাবা সৰাই ছিল क्राजिया ।
- ০০। নিশ্বয় আলাহৰ নিকট নিকটতম জীব হজে তাবা যাবা কফ্ৰী করেছে. সভরাং তারা ঈমান আনবে না।
- কান আমের মধ্যে যামের সাথে তমি চাঙি করেছ, এরপর প্রত্যেকবার<sup>®</sup> তারা সামের মজি লক্ষ করে এবং ভারা (আধারকে) ভয় করে না।
- ৫৭: সতরাং যদি তমি তাদেরকে হকে (তোমার) নাগলে পাও, তাহলে তাদের হারা তাদের পিছনে যাত্রা আছে তাদেরকে ছিন্র-বিশিল্প করে ফেল, যাতে তারা উপদেশ গ্রহণ করতে গারে।

কর, ভাহলে ভূমিও একইভাবে ভাদের দিকে (চুক্তি) নিচ্ছেপ কর।

- নি-চয় আলার বিয়ানতকারীদেরকৈ ভালবাসেন না। ৫৯। আর যারা ককরী করেছে তারা খেন কখনো মনে না করে যে, তারা
- (আমাকে) হাড়িয়ে গেছে (পরিত্রান পেরেছে)। নিশুর তারা (আরাহকে) অক্ষয় করাত পারবে মা।

دِيْنُهُرْ ، وَمَنْ يَتُوَكَّلْ عَلَى اللَّهِ فَانَّ اللَّهَ عَزِيزٌ مَكِيرٌ ﴿ وَلَوْ تَرْى إِذْ يَتُوفَّى الَّذِيْنَ كَفَرُوا الْمَلِّكَةُ يَفْرِبُونَ وُجُوْهَهُرْ وَ أَدْبَا رَهُرْ ، وَ ذُوْقُوْا عَذَابَ الْحَوْيْق ⊕

اذْ يَقُولُ الْمُنْفَقُونَ وَ الَّذِينَ فِي قُلُوْ بِهِرْ مَّاضَّ غَدَّ هَوُّ لَاءً

- ذْ لِكَ بِمَا قَدَّمَتُ آيُديُكُرُ وَ آنَّ اللَّهَ لَيْسَ بِظَلَّا لِلْعَبِيْدِ ﴾
- كَدَأَبِ إِلِ فِرْعَوْنَ وَ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِهِرْ -كَفَرُوا بِالْتِ اللَّهِ فَأَخَذَهُرُ اللهُ بَذُنُوْ بِهِرْ وَأَنَّ اللَّهَ قَوِيٌّ شَدِيْدُ الْعَقَابِ ﴿
- ذْ لكَ بِأَنَّ اللهَ لَرْ يَكُ مُغَيِّرٌ | تَعْمَةً ٱتْعَمَهَا عَلَى قَوْ } حَتَّى يُغَيِّرُوْا مَا بِأَنْفُسِهِمْ ، وَ إَنَّ اللَّهُ سَمِيْعٌ عَلَيْهٌ ﴿
- كَدَّ أَبِ أَلِ فِرْعَوْنَ وَ ٱلَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِهِرْ ﴿كَذَّبُوا بِأَيْت رَبِّهِمْ فَاهْلَكْنْهُرْ بِذُنُوبِهِمْ وَأَغْرَقْنَآ أَلَ فِرْعَوْنَ، وَكُلُّ كَانُوْ إِظْلَمِيْرِ، @
- انَّهُوْ الدَّرَآبِ عنْدَ اللهِ الَّذِيْنَ كَفَوُوْا فَهُمْ لَا يُؤْمِنُوْنَ ﴿
  - ٱلَّذِينَ عَهَدْتَ مِنْهُرْ ثُرَّ يَنْقُفُونَ عَهَدَهُرْ فِي كُلِّ مَوَّةً وَّهُرُ لَا يَتَّقُونَ
- فَامًا تَثْقَفَنَّهُرْ فِي الْعَرْبِ فَشَرَّدْ بِهِرْ مَّنْ خَلْفَهُرْ لَعَلَّهُرُ
  - لَايُحِبُّ الْعَائِنِينَ أَهُ وَ لَا يَحْسَبَنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُّ وَا سَبَقُوا - إِنَّهُرْ لَا يَعْجِزُونَ ﴿

- ৬০। এবং জ্যোবা তানের (হুকাবিলার) জন্ম যথোসাথ পাঙি ও অধ্ব-বারিনী 
  প্রস্তুত কর, এর ছবা তোনো আন্তান্ত্রন সাহ ও তোমানের শতকে ওর 
  কোবারে এবং তানেকের ছাত্রা কান্ত্রনকের (ভার কোবার) বাগানবকে 
  চোমরা জন না, আল্লাই তানেরকে জানেন। এবং আল্লাইক পথে ওয়ারা 
  ব্যক্তিই বান্ত করারে কোনোবাকে তা (তার প্রতিলান) পুরোপুরি কান্ত্রা 
  করে এবং কোনান্তর বান্তি জুলার করার না।
- ৬১। আর যদি তারা শান্তির জন্য ঝুঁকে, তাহলে ভূমিও এর জন্য ঝুঁক<sup>®</sup> এবং অক্টাহর উপর ভরসা কর। নিশ্চয় তিনিই সর্বগোতা ও সর্বজ্ঞানী।
- ৬২। আর যদি তারা তোমাকে থোঁকা দিতে চায়<sup>®</sup>, তাংলে নিকন্ন ডোমার জন্য আল্লাহ্ই বধেষ্ট। তিনিই তোমাকে তাঁর সাহায্য খারা ও মু'মিনদের খারা সাহায্য করেছেন-
- ৬৩। এবং তিনি তাদের হৃদরসমূহের মাঝে বন্ধন সৃষ্টি করেছেন। যদি তুমি পৃথিবীতে যা আছে কংই বায় করতে তবুও তুমি তাদের হৃদরসমূহের মাঝে বন্ধন সৃষ্টি করতে পারতে না, কিন্তু আন্তাহ তাদের মাঝে বন্ধন সৃষ্টি করতেন। নিশ্বর তিনি মহাগ্রভাপশালী ও মহাজ্ঞারনা।
- ৬৪। হে নবী। ভোমার জন্য এবং মু'মিনদের মধ্যে যারা ভোমার অনুসর্গ করে তাদের জন্য আল্লাহ্ই লখেট।
- ৬৫। যে নবী: মুন্দিনদেরকে যুদ্ধের জন্য উদ্ধুত কর। যদি তোমাদের মধ্যে বিশক্তন হৈর্থনীল (যোদ্ধা) থাকে তাহকে তারা দুইশত জনের উপর কিন্তাী হবে এবং যদি তোমাদের মধ্যে একশত জন থাকে তাহকে তারা বাবা কুবারী করেছে তাদের এক হাজার কেনের উপর বিজয়ী হবে, কারণ তার। এমন্য এক শত্যার মধ্যে এমন্য এক শত্যার মধ্যে এমা
- ৬৬। এখন আগ্নাহ তোমদের জন্য হালকা করেছেন এবং চিনি জানেন যে, তোমান্দের মধ্যে মূর্বর্গতা আছে। সূত্রাং তোমান্দের মধ্যে মনি একগক জন বৈশলীল (বাছে) থাকে ভারেলে (ভারেন) ইইপত জনের উপর বিশ্বরী হবে, এবং খলি লোমানের মধ্যে এক হাজার জন থাকে ভারেল আগ্রাহর ইন্দাম কান্ন মুই আগ্নার মধ্যে এক হাজার জন থাকে ভারণে অগ্নাহর ইন্দাম কান্ন মুই আগ্নার মধ্যে এক হাজার ছনে এবং খালাহ কৈপীলান্দের নাগ্যে থাকেন।
- ৬৭। কোন নবীর জন্য এটি (সঙ্গত) নয় যে, যমীনে (শরুতে) সম্পূর্ণপ্রক্রেপ পরাস্কৃত না করা গর্বন্ত (পদীমত গ্রহণের জন্য) তার যুদ্ধবন্দি ধাকবে। তোমরা চাত পুনিয়ার অস্থানী সম্পাদ, আর অনুয়াহ চান আবিরাত। এবং আন্নাহ হয়গ্রতাপদাদী ও মহাক্রজাবান।
- ৬৮। যদি আল্লাহ্ন পক্ষ থেকে (তোমাদেরকে ক্ষমা করার) একটি কিতাব গত হরে (শিবিত আকারে লওহে মাহফুজে) না থাকত তাহলে তোষরা যা গ্রহণ করেছ দে জন্য তোমাদেরকে অবশ্যট মহাশাম্ত্রি স্পর্ণ করছে।

- رَاعَدُوا لَهُمْ مَا اسْتَطَعْتُمْ مِنْ فَوَّوْضِ زِينَاهِ الْعَمْلِ كَرْضُونَ بِهِ عَدَّ الْسُورَ عَدْرَ عَلَيْ إِلَيْنِي مِنْ دُونِهِمَ كَلَّعْفَاوُ أَهْمُ اللهُ يَعْلَمُهُمْ دُومًا تَنْفُولُوا مِنْ هَنْ فِي سَبِيلِ اللهِ يُوفِّ إِلَيْحُرُوَ آتَشْرُ لَاتَظْنُونَ ﴾ آتَشْرُ لاَتْظَنُونَ ﴾
- . رُوْهُ وَ إِنْ جَنَعُواْ لِلسَّلْمِ فَاجْنَهُ لَهَا وَتَوَكَّلْ عَلَى اللهِ ﴿ إِنَّهُ هُوَ السَّهِيُّمُ الْعَلِيُرُ ۞
- وَ إِنْ يَدِّيدُوْ أَنْ يَّهْدَعُوْكَ فَانَّ مَسْبَكَ اللهُ هُوَ الَّذِيْ وَ إِنْ يَدِّيدُوْ أَنْ يَهْدَعُونَ اللهِ مَنْيَنْ ﴾ آيِّدُكَ بَنْمِ هِ وَبِالْهُوْمَنْيَنْ ﴾
- وَٱلْفَ بَيْنَ قُلُوْ بِهِرْ ۖ لَوْ ٱنْفَقْتَمَا فِي الْآرْضِ جَمِيْعًا مَّٱ ٱلْفَتَ بَيْنَ قُلُو بِهِرْ وَلْحِنَّ اللهَ ٱلْفَ بَيْنَمُرْ ۚ وَلَّهُ عَرِيْرٌ
- يَّأَيُّهَا النَّبِيُّ مَسْبُكَ اللَّهُ وَمَنِ النَّبَعَكَ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ ﴿
- ياً لَهُمَّا النَّيِّ عَرِّفِي الْمُؤْمِنِينَ فَيَ الْبَعَالِ (أَنْ يَضُّنُ مِنْكُرُ عِشْرُونَ مُعِرِرُونَ يَغْلَبُوْ إِمِالَتَيْنِ، وَلَنْ يُحُنُ مِنْكُرُ عِشْرُونَ مُعِرِرُونَ يَغْلَبُوا النَّيْنِ، وَلَنْ اللَّهِ مَنْ اللَّهِ مَنْ اللَّهِ مَنْ اللَّهِ وَل مُنْكُرُ وَاللَّهِ لِمُعْلِينَ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّ
- الْلُقُ مَلَّفُ اللهُ عَنْكُ ( وَعَلِي آنَّ فِيْكُ مَفْقًا وَانْ لِحَقُ مَنْكُ مِّ اللهُ عَالِي اللهُ عَنْكُوا مِا لَتَيْنِ وَإِنْ لَكِنَّ مِنْكُرُ آلَكُ يَقْلِبُواْ اللهِ وَاللهُ مَعَ الشِّورِينَ ۞
- مًا كَانَ لَنَبِيِّ أَنْ يَّكُونَ لَهُ آَشُرٰى حَتَّى يُثَخِّنَ فِي الْأَنْ أَشْرُى حَتَّى يُثَخِّنَ فِي الْآنَيَةِ الْأَنْ اللَّهِ اللَّهُ وَاللهُ يُرِيْدُ الْلَهُوفَّ وَ اللَّهُ اللَّهُ وَاللهُ يُرِيْدُ الْلَهُوفَّ وَ اللهُ عَدِيدٌ عَكِيْ ﴿ ﴾ اللهُ عَدِيدٌ عَكِيْ ﴿ ﴾
- لَوْلَاكِتْبُ مِنَ اللهِ سَبَقَ لَمَسَّحُرُ فِيْمَا آخَذَتُر عَذَابٌ عَظِيرٌ ۞

- ৭০। হে দবী! তোমাদের হাতে যে সব ফুক্বশী রয়েছে ভাদেরতে বল, 'আল্লাহ যদি তোমাদের ফ্লেকসমূহে ভাল কিছু (আছে বলে) জানেন ভাহলে তোমাদের জাছ থোকে যা নেরা হয়েছে তার কেন্তে উত্তর কিছু তিনি তোমাদেরকে দান করনে কার্যাকরে জমা করবেন। তবং আলাহ অভিজন্মশীলা ও পরম সরলে।
- ৭১। এবং যদি তারা ভোয়ার সাথে বিয়ানত করতে চায়- আর তারা ইতঃপূর্বে আল্লাহর সাথেও বিয়ানত করেছে, ফলে তিনি (ভোয়াদেরতে) তাদের উপর শক্তিশানী করেছেন, এবং আল্লাছ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজাবান।
- ৭০। আর যারা কুফরী করেছে তারা একে অপরের বস্থু: যদি ভোষরা (মুঁমিনরা) তা না কর (মিজেদের মধ্যে বন্ধুত্ব না কর) তবে পৃথিবীতে ফিচনা ও মহাফাসাদ হবে।
- ৭৪। এবং যারা ঈমান এনেছে, হিজরত করেছে ও আল্লাহর পথে জিহান করেছে এবং যারা আগ্রম দিয়েছে ও গাহাতা করেছে, তারাই প্রকৃত ম'মিন। তাপের জন্য রয়েছে ক্ষমা ও সম্মানজনক রিথিক।
- ৭৫। এবং যারা পরে ইমান এনেছে, বিন্তরত করেছে ও তোমানের সাথে
  (থেকে) বিছাল করেছে তারাও তোমানের অন্তর্গুত এবং আদ্রাহর
  কিতারে (বিধানে) রক্ত সম্পর্কীয় আগ্রীন্তরা (বীরানে অংগীনারিত্ব ও বি
  অভিতারকেচ্ছের জেত্রে) পর্বশার নিকটারনা। নিশ্বর আদ্রাহ সকনা বিষয়
  সম্পর্কেও ভালার জ্ঞানেন।

- َرْجَرَ ﴾ يَّالَهُمَّا للبُّيُّ قُلْ لِتَمْنِيَّ الْمِدِيْكُرْ فِي الْاَشْرَى، إِنْ يُعْلَى اللهُ فَى قَلْوَبِكُرْ خَبْراً الْوَكْمُرْ خَبْرًا مِثَّا أَمِدَ مِنْصُرْ وَ بَغْفِرْ أَكْمُرْ، وَ اللَّهُ عَلَيْنَ أَحْدُ ﴿ اللَّهُ عَلَيْنَ أَحْدُ ﴿
- ٠ وَ إِنْ يَّرِّ يُدُواْ هِيَا لَتَكَ فَقَدْ غَانُوا اللهَ مِنْ قَبْلُ فَآمُكَنَ مِثْمُرْ٠ وَ اللهُ عُلِيْرٌ حَجِيْرٌ ۞
- إِنَّ الَّذِينَ اَمَثُواْ وَهَا مَوْرًا وَهَدُواْ إِمَانُوا الِمِوْ وَ النَّسِهُمْ غَيْسَبُهُمْ اللَّذِينَ اَمْنُوا وَلَوْ الْتَحَوَّرُا أُولِنَكُ بَعْمُهُمُ الْرَائِنَاءُ بَعْمُهُمُ الْرَائِنَاء بَعْضِ وَالْدِينَ اَمْنُوا مَلْ يُهَاجِوْرًا مَا لَكُمْ يَشُو وَكُمْ فِي اللَّهْنِ وَسُفَّمُ مُعَمِّدُمُ مَثْمُ يَعْمَلُوا مَرَّالِ اسْتَمْمُومُكُمْ فِي اللَّهْنِ يَقْفَضُمُ الشَّوْلِ الْمَانِّ وَلَيْهِمُ وَإِي اسْتَمْمُومُكُمْ فِي اللَّهْنِ لَنَّالِمُ اللَّهُمُونَا يَقْفَضُمُ الشَّوْلِ اللَّهِنَا لَيْفَالُونَا الْمَعْلَمُ وَمَعْتُمُ وَمِعْتُمْ وَمِعْتُمْ وَالْمَعْلَمُ وَالْتَ
- وَ الَّذِينَ حَفَرُواْ بَعْضُهُرْ اوْلِيّاءَ بَعْضِ الَّا تَفْعَلُوْهُ تَكُنْ فِتَنَدُّ فِي الْأَرْضِ وَفَسَادٌ كَبِيْتْ ﴿
- وَ الَّذِينَ امَنُوا وَهَاجَرُوا وَجَمَدُوا فِي سَبِيْلِ اللهِ وَ الَّذِينَ اوَوَا وَنَصَرُفَ أَوَلِئِكَ هَرُ الْمُؤْمِنُونَ حَقَّا، لَهُرْ مَغْفِرَةٌ وَرِزَقٌ كَيْهُ \*
- رُ الَّذِينَ اَمَنُوا مِنْ يَعْدُ وَهَاجُرُوا وَجْهَدُوا مَعَكُرُ قَا وَلَعْكَ مِنْكُرُ وَأُولُوا الْاَرْكَا] تَعْمُهُرْ أَوْلَ بِبَعْضٍ فِي حِبْ اللهِ عَلَيْ إِنَّ اللهِ بِكُلِّ مَنْ قَالِمْ أَقَى اللهِ عَلَيْهُ أَنْ إِنَّا لَهِ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ الْحَالَةِ الْ

### ৯ সরা আড়- ডাওৱা \* মাদারী ১১৯ আয়াত ১৯ কর

- ১। (এটি) একটি সম্পর্কচ্ছেদ (এর ছোষণা) আল্লার ও তাঁর রাসলের পক্ষ থেকে তাদেব প্রতি মুশবিকদের মধ্যে যাদের সাথে ভোমুরা পারস্পরিক্ত চলিক্ত আৰম্ভ ক্ৰয়েছিক।
- ১। সক্তবাং কোয়বা পথিবীকে চাব যাস স্থান কাব নাও এবং জেনে বাধ যে, ভোমরা আল্লাহকে অক্ষম করতে পারবে না এবং এও যে আলাত কাঞ্চিবদেব্যক অপমানিত করবেন।
- ৩। এবং বড় হচ্ছের দিনে আবাহ ও তাঁর বাসলের পক্ষ থেকে মানচের প্রতি একটি ঘোষণা (এই) যে, মুশরিকদের থেকে আলাচ দায়িতমক এবং তাঁর বাসলও। তার যদি তোমবা তথবা কর তা তোমাদের জন্য উলম আৰু যদি ভোমরা মথ ফিরিয়ে লাও তবে জেনে রাখ, তোমরা আলাহকে অক্ষম কৰতে পাৰৰে না। এবং হাৰা কঞ্চৰী কৰেছে আদেবক হরণাদায়ক শান্তির সসংবাদ দাও-
- ৪। তবে মশবিকদের মধ্যে যাদের সাথে তোমরা চলিতে আরম চক এবপৰ ভাবা ভোয়াদের সাথে (ছড়ি পালাম) কিছট নাটি ব্যাসনি এক তোমাদের বিরুদ্ধে কাউকে সাহায্যও করেনি, ভাসের সাথে ভাসের 'মেত্রাল (শেষ না হওয়া) পর্যন্ত চুক্তি পূর্ণ করবে। নিক্তয় আল্লাহ प्रमादीरस्वरक साहबारस्य
- ৫। অতঃপর বধন হারাম মাসসমূহ অভিবাহিত হয়ে যাবে. তথ**ন** মশবিকদেৱকে যেখানে পাবে হত্যা করবে, ভালেরকে বন্দী করবে, অবরোধ করবে এবং প্রত্যেক ঘাঁটিতে তাদের জন্য (ওঁং পোড) বাস থাকবে." কিন্তু যদি তারা তওবা করে, সালাত (নামায়) কায়েম করে ও যাকাত প্রদান করে তবে তালের পথ ছেডে দিখে। নিশ্চয় আহাত অতি ক্ষমাশীল ও প্রয় দ্যাল।
- এরপর তাকে তার নিরাপন স্থানে পৌছে দিবে। এটি এ জন্য যে, তারা 5 এমন এক সম্প্রদায় যারা জানে না
- ৭। মর্শবিকদের জন্য আল্লাহ ও তাঁর রাগলের সাথে চক্তি কিন্তাবে (বলহৎ) থাকৰে তাদেৰ জন্য ছাতা যাদেৰ সাথে মসজিলে হাৰাছেৰ নিজাই তোমরা পারম্পরিক চক্তিতে আবদ্ধ হয়েছিলেঃ সভরাং যে পর্যন্ত তারা তোমাদের জন্য (চজিতে) ভাটল থাক্করে ভোচরার ডামের জন্ম (চুক্তিতে) অটল থাকবে। নিশ্চয় আল্লাহ মবাকীদেরকে ভালবাসেন।
- ৮। কিন্তাবে (চক্তি বলবং থাকবে)៖ অথচ যদি তাবা তোহাদের উপর জয়ী হয় ডাহাল ভাবা সোমাদের মাথে আজীয়তার রক্ষ্ম এবং মজির ক্ষেত্র মর্যাদা দিবে না। তারা তাদের মথ দিয়ে তোমাদেবকে সম্বাই করে কিজ ভাদের হুদেয় অস্পীকার কাবে এবং ভাদের অধিকাংশই পাপাদারী
- ৯। তারা (মশবিকরা) আলাহর আয়াতসমূহের পরিবর্তে সামান্য মলা এরণ করেছে এবং তারা (লোকদেরকে) তাঁর পথ হতে বিরত রেখেছে নিশ্চয় তারা যা করছিল তা কতই না নিকটঃ

## ٩ - سُورُ أُو التُّورُيُّة - مَا رَبُّهُ 19 J. G. (2013)

بَرَآءَةٌ مَّنَ اللهِ وَ رَسُو لَهِ إِلَى الَّذِينَ عَهَدُتُّرْ مِّنَ الْمُشْرِكِينَ ﴿

فَسِيْحُوا فِي الْأَرْضِ أَرْبَعَةَ أَشْهُرِ وَاعْلَمُوٓۤ أَنَّكُرْ غَيْرٌ مُعْجِزِي اللهِ وَ أَنَّ اللَّهُ مُخْزِى الْحُفْدِيْنَ ۞

وَ أَذَانً مِّنَ اللهِ وَ رَسُوْ لَهِ إِلَى النَّاسِ يَوْ مَ الْحَيِّ الْأَكْبَرِ أَنَّ اللَّهَ بَ عَيْمٌ مِّنَ الْمُشْرِكِيْنَ مُوَّ رَسُوْ لُكُ فَانْ تُبْتُم فَهُوَّ خَيْ ۚ لَّكُمْ ء وَ إِنْ تَوَ لَّيْتُر فَاعْلَمُوٓ ا أَنَّكُر عَيْرٌ مُعْجِرِى اللهِ وَ

بَشِّ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا بِعَذَابِ ٱليُّرِ أَ إِلَّا الَّذِيْنَ عُهَدَٰتًٰرُ مِّنَ الْمُشْرِكِيْنَ ثُرٌّ لَرْ يَنْقُمُوْكُمْ هَيْكًا وَّلَهِ يُظَاهِرُوا عَلَيْكُمْ آحَدًا فَأَتَمُّوا الَّيْهِمْ عَهْدَهُمْ إلى مُدَّتِهِ \* ، إِنَّ اللهَ يُحِبُّ الْمُتَّقِينَ ۞

فَاذَا الْسَلَخَ الْأَشْهُرُ الْحُرُمُ فَاقْتُلُوا الْمُشْرِكِيْنَ حَيْثُ وَجَدْتُمُوهُمْ وَخُدُوهُمْ وَاحْصُرُوهُمْ وَاقْعُدُوا لَهُمْ كُلُّ مَرْ صَدِ عَانَ تَا بُوْ ا وَ إَقَامُوا الصَّلُوةَ وَ اتَّوُا الزَّحُوةَ فَضَلُّواْ سَبِيْلَهُمْ ﴿ أَنَّ اللَّهُ غَفُوْ رَّ رَّحِيْرٌ ۗ ۞

كَلِّي الله ثُرُّ آبُلغُهُ مَا مَنَهُ وَلا لِكَ بِأَنَّهُرْ قَوْمٌ لَّا يَعْلَمُوْنَ ﴾

كَيْفَ يَكُونُ لِلْمُشْرِكِيْنَ عَهْدٌ عِنْدَ اللَّهِ وَعِنْدَ رَسُوْ لَمَّ الَّا الَّذِيْنَ عُهَدَّتُمْ عَنْدَ الْمَسْجِدِ الْحَرَا } ، فَمَا اسْتَقَامُوْا لَكُيْ فَاشْتَقْيْمُوْا لَهُرْ • إنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الْمُتَّقَيْنَ ⊙

كَيْفَ وَ انْ يَّطْهَرُواْ عَلَيْكُمْ لَايَوْقُبُواْ فَيْكُمْ الَّاوَّ لَادَمَّةً • يُوْمُونَكُرْ بِاقْوَاهِهِرْ وَتَأْبِي قُلُوبُهُرْ ءَوَ آكَتُوهُمْ فُستُونَ ٥

اهْتَهَ وَا بِالْبِي اللهُ ثَمَنًا قَلْيُلًا فَصَدُّوا عَنْ سَبِيْلُهِ • النَّهُرْ سَاءَمَا كَانُوْ إِيغْمَلُوْنَ ۞ ১১। কিন্তু তারা যদি তথবা করে, সালাত (নামাথ) কারেম করে ও মাকাত প্রদান করে, তবে তারা তোমাদের ছীনের সম্পর্কে তাই। এবং আমি আয়াতসময় বিশ্বাহিত বর্ণনা কবি প্রমন সম্পর্কারের জনা যারা জানে।

১২। আর তাদের চুক্তির পর তারা যদি তাদের শপংয়নমূহ ভক্ত করে ও তোমাদের খীনের প্রতি তিরভার করে, তাহলে কাফিরদের প্রখানদের বিসত্তে মুক্ত কর, নিশ্চর তাদের কোন শপথ নেই, শীপ্তই তারা বিরত মার।

১০। তোমকা কি এমন সম্প্রদারের বিকারে মুদ্ধ করাবে না যারা তালের দাপথসমূহ তাল করেছিল এবং রাসুলাকে বহিজারের জন্য মনত্ব করেছিল এবং তারাই প্রথমবার তোমানের বিকারে (মুদ্ধ) কাল করেছিলা তোমরা কি তানেরকে তাম করে কিন্তু আন্তাহাই আবিক বৰলার বে, ভোমরা তাকে মুল্ল করেকে- যুদ্ধি ভোমরা ম্লিনি ইঙা

১৪। ভোমরা তাদের সাথে যুদ্ধ কর, আল্লাব তোমাদের হাতে তাদেরকে শান্তি দিবেন এবং তাদেরকে অপমানিত করবেন ও তাদের উপর তোমাদেরকে রিক্ষরী করবেন এবং ম'মিন সম্পদাধের বন্ধসমালক প্রশান করবেন-

১৬। তোমবা কি মনে করেছ যে, তোমাদেবকে (এমনি) হেড়ে দেবা হবে, অথচ আরাহে জেনে নেদনি (শেষ্ট করেননি) তোমাদেব মথো করে। বিহাদ করেছে এবং করা আরাহ, তার বাসুগ ও মুনিনদেরকে বাদা নিয়ে আনকে অবরণ শন্ত মিলেবে এইণ করেনিং এবং তোমবা যা কর

১৭। মূপরিকদের জন্য এটি (অধিকার) দয় য়ে, তারা আল্লাক্র মসজিলসমূহকে অবাদ করবে, য়খন তারা তালের নিজেদের বিকছেই কুক্তরীর সাক্ষ্য দিছে। তারি তারা য়াদের কর্মসূহক বিকল হতেছে এবং তারাই আতাল মাটী রবে।

১৮। অন্তাহর মনজিদসমূহকে আবাদ করবে কেবল তারাই যারা আন্তাহ ও আধিরাতের দিনের প্রতি ঈয়ান এনেছে, সালাত (নামাছ) কারেম করেছে, যাবাত প্রদান করেছে এবং আল্লাছ হাড়। (অনা কাউকে) ভর করে না। অতএব আশা করা যায় বে, তারাই সঠিকপত্যাতালের অন্তর্ভুক্ত রবে।

১৯। হাজীদেরকে পানি পান করানে। এবং মসজিলে হারামের আবাল করাকে ভোমরা (হুপরিকরা) কি ভালের সমান (পণ্য) করেছ যারা আল্লাহ ও আখিরাকের দিলের একি ঈয়ান এনেছে এবং আল্লাহর পাথে বিহাল করেছে। আল্লাহর নিকট ভারা সমান দার। আর আল্লাহ রালিম সম্পানারকে মঠিকপার প্রদর্শন করেন না। لَايَرْفَهُونَ فِي هُوْمِي إِلَّا وَ لَاهِمَّهُ وَأُولِيَّكَ هُرُ الْمُعْتَدُونَ ۞ فَإِنْ تَابُوا وَ أَقَامُوا الصَّلُوةَ وَ أَتُوا الرَّحُوةَ فَإِنْهَ الْمُعَدِّدُونَ الدِّيْنِ وَ نُفَقِّلُ الْأَلْتِ لِقُوا يُشْلَقُونَ ۞

٩-سُورَةُ التَّوْبَة

وَ إِنْ نُحَثُّواۤ اَيْمَا نَمُنْ مِّنَ بَعْدُ عَمْدِهِرْ وَطَعَنُوا فِي دِيْكُرْ فَعَاتِلُوٓۤا الْمِثْدَ الْحُفْرِ وِ إِنَّهُمْ لَا إِيْمَانَ لَمُنْ لَعَلَّمُرْ يَعْتَمُونَ ۞

فعانِلوا إنه الطرِّه - إلهر لا إيمان نهر لغلهر ينتهون ۞ أَلَا تُغَالِلُونَ قَوْمًا لَّحُكُواْ أَيْمَانَهُمْ وَمَوَّوْ إِلَيْمُ الْمُولِ وَهُرْ بَلَنُوْهُمْ أَوْلُ مَرَّةٍ • أَلَّهُ هُونَهُمْ • فَاللهُ إَحَىًّ أَنْ تَعْشَرُهُ أَنْ كُنْتُرْ مُؤْمِنِينَ ۞

فَاتِلُوْهُرْ يُعَيِّرْهُمُرُ اللهُ بِاَيْدِيْكُرْ وَيُخْزِهِرْ وَيَنْمُوكُرْ عَلَيْهِرْ وَيَشْفِ مُدُوْرَ قَوْرًا مُّؤْمِنِينَ ۞

رَيُدُهُمْ عَيْمًا قَلُوْمِهِمْ رَبِيَتُوبُ اللّهُ عَلَى مَنْ يَفَأَمُو اللّهُ عَلَيْمٌ حَجْمٌ فِي اللّهِ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللّهُ

مَا كَانَ لِلْمُشْدِكِينَ أَنْ يَقْعُمُورُا مَسْجِنَ اللهِ شَهِدِيْنَ فَيَّ آنْفُسِهِرْ بِالْكُثْرِ ، أُولِيَّكَ حَبِطَتُ آعُمَا لُمُرْ \* وَفِي النَّارِ هُرْ

إِنَّمَا يَعْمُو مُسْجِدَ اللهِ مَنْ أَمَنَ بِاللهِ وَ الْيَوْمِ الْأَحْوِ وَ أَقَامَ الشَّلُوةَ وَ أَنَى الرَّحُوةَ لَمْ يَحْتَى إِلَّا اللهَ مَّ فَعَشَى أُولَالِكَ إِنَّ يَكُونُوا مِنَ النَّهُ عَدْنِي ﴿

اَجَمَلُمُ مِسْقَابِهَ الْمُعَاجِّةِ وَعِمَارَةَ الْمُسْجِدِ الْحَرَارُ حَمْنُ أَمِنَ بِاللهِ وَالْمُوْرُ الْأَخِرِ وَجَهَدَ فِي سَيْمِلِ اللهِ، لاَيَسْتُونَ عِنْدَ اللهِ، وَ اللهُ لاَيشُوى الْغُورًا الظَّلِيشَ ﴾

- ২০। যারা ঈমান এনেছে, ছিজরত করেছে এবং তাদের ধন-সম্পদ ও তাদের জীবন দিয়ে আল্লাহর পথে জিহাদ করেছে তারা আল্লাহর নিকট মর্থানায় প্রেষ্ঠ। এবং তারাই সক্ষণ।
- ২১। তাদের প্রতিশালক তাদেরকে সুসংবাদ নিচ্ছেন, তাঁর থেকে দয়া, সন্তুটি এবং জাল্লাভসমূহের, থেকলোতে তাদের স্কন্য রয়েছে স্থায়ী নেয়ামত-
- ২২। সেখানে তারা চিরস্থায়ী হবে। নিশ্চয় আরাহ্ব নিকট রয়েছে মহাপ্রতিদান।
- ২০। গ্রহে যারা ঈমান এনেছা। তোমানের পিতাদেরকে ও তোমানের ভাইদেরকে বন্ধু হিসেবে এহণ করো না যদি তারা ঈমানের উপর কুম্বর্তীকে আধান্দা কেঃ আবা তোমানের মধ্যে যারা তাদেরকে বন্ধু হিসেবে এহণ করে, তারাই আদিম
- ১৪) বৰ্গ, 'তেমানেল পিছালা, 'তেমানেল কাইনিকা,'
  তেমানেল কাইন, 'তেমানেল কাইনিকা, 'সম্পদ্দ যা তেমেল কাইনিকা,
  তেমানেল কাইন, 'তেমানাল কাইনিকা, 'সম্পদ্দ যা তেমেল
  কাইন কাইনিকা, 'তেমানাল কাইনিকাল কাইনিকাল
  প্ৰথম কৰ একৰ বাহি তেমানেল নিকাই আহ্নে, তাই হাকুল, কাই তিমান
  প্ৰথম কিয়ান কৰাৰ একে বাহিনিকাল হয়, 'তেমানা আহারন কাইনিকাল
  কাইনিকাল কাইনিকাল কাইনিকাল প্ৰথম কাইনিকাল
  কাইনিকাল কাইনিকাল কাইনিকাল
  কাইনিকাল কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
  কাইনিকাল
- ২৫। অবশাই আল্লাহ তোমাদেরকে বহু ছানে সাহাব্য করেকে। এবং হুনাইদের দিনেও, "বাদা কোমদেরকে তোমাদের সংখ্যাধিকা মুখ করেছিল, কিন্তু আ তোমাদের কিন্তু কাজে আদেনি এবং পৃথিবী তোমাদের জন্য সংস্কৃতিক হয়ে পড়েছিল তা বিস্তৃত হওৱা সন্ত্রেও, এরপর তোমরা পিছদে বিদ্যাব পালিয়েছিল।
- ২৬। এরণর আল্লাহ্ তাঁর হাস্ট্রের উপর ও মু মিনদের উপর প্রশান্তি অবতীর্থ করদেন এবং অবতীর্থ করদেন এমন বাহিনী যানেরতে তোমরা দেখতে পাতনি এবং যারা কুমবী করেছে তাদেগ্রতে তিনি শান্তি দিলেন। এবং এটা কাউদ্যানক ক্রমিকনা
- ২৭। অতঃপর এরপরে আল্লাহ্ যাকে ইচ্ছা করবেন তার তওবা কবুল করবেন। এবং আল্লাহ্ অতি ক্ষমাশীল ও পরম দরালু।
- ২৮। এবে যাবা ঈমান এনেছা মুদারিকরা তো অপনিত্র, সুতরাং এ করেরর পর তারা যেন মসজিলে হারামের নিকটে না আনে, আর যদি তোমরা দারিক্রের আপকা কর, তাহসে অভিবেই আগ্নার্ তাঁর অনুবাহ থেকে তোমানেক্রের অভ্যান্ত্রক করাকেন যদি ভিনি ইছা করেন নিকর আল্লাহ্ মর্বজ্ঞানী ও ম্লান্ত্রজ্ঞানান।

ٱلَّذِينَ أَمَنُواْ وَهَاجَرُواْ وَجَهَدُواْ فِي سَبِيْلِ اللَّهِ بِأَمُوا لِهِرْ وَ ٱلْفُسِيرْ، اَعْظُرُ دَرَجَةً عِنْدَ اللَّهِ وَ أُولِّيْكَ هُرُ الْفَالْزُوْنَ ⊛

يُبَشِّرُهُ (رَبُهُرُ يِرَحَهَ مِنْهُ وَرِهُوَ انِ وَجَنِّتِ لَّهُرُ فِيَهَا نَعِيْرٌ قُلِيْرٌ ﴿ خُلُدِنُ فَيْهَا آبَدًا اِنَّ اللهُ عَنْدَةَ آجُرٌ عَلَيْرٌ ﴿

يَّالَيُّمَا الَّذِيْنَ أَمَنُواْ لَاتَتَّحِدُنَّ أَلِمَا عَرُوْ إِخْوَ أَنْكُمْ أَوْلِمَاً : إِنِ اسْتَحَبُّوا الْحُفْرَى الْإِيْمَانِ، وَمَنْ يُتَوَلِّمُ أَنِّهُ وَمُشَّرًا فَأُولَنْكَ هُرُ الظِّيْمُونَ ﴿

قُلُ إِنْ كَانَ الْخَوْضُ رَدَ الْمُنْأَوُضُ رَدَاهُمُ الْخُرُ وَالْوَالُصُّرُ وَالْفَالُوضُ وَعَشِيْرَكُضُ رَا أَمُوالُنَّ الْفَتَرَقْمُوْمَا وَيَجَا يَقَّلَفُمُونَ كَانَمُا وَمَدِّنُ تَرُمُونَهَا أَمْسُ النِّكُرِيْنَ اللهُ وَيَسُولُهِ وَجِمَادٍ فِي سَبِيلُهِ فَتَرَبُّمُوا حَتَّى يَالِي اللهُ بِأَمْدٍ وَدَاللهُ لاَيَعْنِ النَّهُ } اللَّفَاعِيْنَ فِي

لَقَدُ نَصَرَكُمُ اللّٰهُ فِي مُواطِنَ حَثِيْرَةٍ ﴿ يُوْاَ حَثَيْنِ ﴿ إِذَّ اَغْجَبْتُكُمْ حَثْرَتُكُمْ فَلَمْ تَقْنِ عَنْكُمْ شَيْقًا وَفَاقَفَ عَلَيْكُمُ ﴿ لاَرْضُ بِمَا رَخَبَثُ لَرُّ وَلَيْثُمْ مُّدْادِيْنَ ﴾

لَّمْ ٱلْوَلَ الشَّكَ عَلَيْتَكُ كَلَ رَمُولِهِ وَقَى الْمُؤْمِنِينَ وَالْوَلَ جُمُورُهُ الْمِرْتَرَوْهَا وَعَدْبَ الَّهِ بِنَى كَفَرُوا وَوَلِكَ جَزَّاءُ الْخُولِينَ ۞ لَمْ يَكُونُ الشَّعُولَةِ عَلَيْهِ لَا لِكَانِي الشَّعْدِ لِنَا اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ السَّعْفُورُ رَّحْمَ

نَّا أَيُّهَا الَّذِينَ اَمَثُواْ إِنَّمَا الْمُهْرِكُونَ نَصَّ فَلَالْقُرِبُوا الْمُسْجِدَ الْحَرا) بَعْنَ عَامِهِرْ هَذَاءُ وَانِ عَفْثَرْ عَيْلَةً فَعَوْمَ يُفْنِيْكُرُ اللّٰهُ مِنْ فَفْلَةٍ إِنْ شَاءً ، إِنَّ اللّٰهَ عَلَيْرٌ حَيْرٌ ۞

- ২৯। যদেকতে কিতাব নায়া হয়েছে তাদেন মধ্যে যারা আল্লাহর প্রতি ঈমান আনে না এবং আগিলাতের নিনের প্রতিও না এবং আল্লাহ ও তার রাসৃত্য যা হারাম কলেকে তা হারাম (পথা) করে না এবং সভা দ্বীন অনুসক্তর করে না তাদের সাথে মুদ্ধ কর, যে পর্যন্ত না তারা অপনত্ম হতে নির্মিখায়া নিবিয়া দেয়।
- ৩০। আর ইড্নীরা বলে, 'উয়াইর আল্লাহ্রর পূর্ত্ত' এবং নাসারারা বলে, 'মাগীহ আল্লাহ্র পূর'। এটা অনের ভূপের কথা, তারা ভাদের কথার অরককণ করে যাবা পূর্বে কুম্মী করেছিল। আল্লাহ্ ভাদেরকে ধ্বংসে ককল। কিবাবে তাদেরকে বিদ্রান্ত করা হলে।
- ৩১। তারা আয়ায়৻ক বাদ নিয়ে তাদের পরিতদেরকে ও সংসার-বিরাগীদেরকে প্রতিশালকরপে গ্রহণ করেছে এবং মারইয়য়ের পুর মালীয়্কের, ৩২৫ তারা কেবল এক ইলায়্-এর ইমালত করার জন্য আলিই য়য়েছিল, ভিনি ছাল্লা কোন ইলায়্ নেই। তারা য়া শরীক করে তা হতে তিনি
  পরিরা।
- ৩২। তারা তাদের মুখ দিয়ে (অর্থাৎ ফুঁ দিয়ে) আল্লাহর আলোকে নিভিয়ে
  দিতে চায়, অথত আল্লাহ তাঁর আলোর পূর্ণতা ছাঞ্জ (খন্দ কিছু)
  অস্থীকার করেন খনিও কামিবরা তা অপচন্দ করে।
- ৩৩। তিনিই তার রাস্লকে পর্থনির্দেশিকা ও সত্য দ্বীনসহ প্রেরণ করেছেন এটিকে সকল দ্বীনের উপর জয়ী করার জন্য, যদিও মুপরিকরা (ডা) অপান্দ করে।
- ৩৪. এই যারা ঈমাদ এনেছ! দিকয় পরিতাদের ও সংসাক-বিরাগীদের মধ্যে অনেতে অবলাই মানুনার ধন-সম্পদ রাহিল পদ্বায় জোল করে বাকে এবং (লোকট্রেরত) আলাহর পথ হতে বিরক রাখে। আর যারা বর্গ ও রৌপ্য সঞ্জা করে রাখে এবং তা অল্লোহর পথে বয় করে লা তালেরকে মন্ত্রপাদারক পাত্তির সুসংবাদ লাও-
- ৩৫. যেদিন জাহান্নামের আগুলে তা উত্তও করা হবে এবং এর দ্বারা তালের কণাল, পার্কলেশ ও পৃষ্ঠদেশে দাগ দেয়া হবে। (বলা হবে) এটি তা যা তামান নিজেদের জন্য সঞ্চয় করতে, সুভরাং ভোমরা যা সঞ্চয় করতে তা আগাদন কর।
- ৩৬। নিজ জান্তাহ নিকট আন্নাহৰ কিতাৰে নানকবাৰ নগো বাবটি (সেনিল দেকেই) যে নিন হিনি ভালপানমুহ ও পৃথিবী দুটি কয়েছেন-তাৰ মধ্যে প্ৰায় ক্ৰাম ক্ৰেম ক্ৰিয়া ক্ৰিয়া নিটি কৰি। সুকলি কা মধ্যে (প্ৰথম মান্যে) তোলনা তোলালো নিজ্ঞালয় কৰি কুন্তা কৰো না ভাৰত তোলাল মুন্তিকহন্ত বিকতন ক্ৰাম্মত ছুক্ত কৰে ক্ৰেম তাৰ ক্ৰোমান্ত বিকাশ কৰিছে কুক্ত কৰে আৰু কৰে ক্ৰেমে কৰাৰ যোগ, আগ্ৰাহ্য ক্ৰান্তিমত্ত সাধ্যাক্ৰ কুক্ত কৰে আৰু কৰে ক্ৰেমে ক্ৰাৰ যোগ কৰাৰ ক্ৰান্তিমত্ত সাধ্যাক্ৰ কুক্ত কৰে আৰু কৰে ক্ৰাৰ্যক ক্ৰা

- قَاتِلُوا الَّذِيْنَ لَايُؤُومُ ثُونَ بِاللَّهِ وَلَا بِالْمَوْرُ الْمُورُو لاَيضَوَّبُونَ مَا مُوَّا اللَّهُ وَسُولُهُ وَلاَينِينُونَ مِنْ الْحَقِ مِنَ الَّذِينَ أَوْثُوا الْكِنْبَ مَثَّى يُعْفُوا الْجُزْيَةَ ثَنَّ لِإِنْ وَمُّمْ مُعُونُونَ ﴾
- طُوُرُقَ هُ وَقَا لَبِ النَّمُودُ عُرَّيُرٌ ۖ ابْنَ اللَّهِ وَقَا لَبِ النَّمْرَى الْمَسِيْمُ إِنْ اللَّهِ ذَلِكَ قَوْ لُمُنَّ إِنَّا أَمِنِ اللَّهِ وَقَا لَبِ النَّمْرَى الْمَسِيْمُ إِنْ اللَّهِ ذَلِكَ قَوْ لُمُنْ إِنَّا فَوَاهِمِنْ ، يَمْعَامِثُونَ قَوْلَ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ قَبْلُ ، فَعَلَمُ اللَّهُ إِنَّى يُؤْمَكُونَ هِيَّ
- سُورَ وِي مَنِيَ عَنَى اللَّهِ مِنْ وَرَهُمَا نَهُرُ وَارِيَا بُنَّ مِّنْ وَوَيِ اللَّهِ وَ الْمُسِيَّمِ إِنِّي مَرْكِيرَ وَرَهُمَا نَهُرُوا إِلَّا لِيَعْبُدُواْ إِلْهًا وَّاحِدًا ۖ اللَّهِ وَاللَّهِ وَ الْمُسِيِّمِ إِنِّي مَرْكِينَ عَمَّا أَمُورًا إِلَّا لِيَعْبُدُواْ إِلْهًا وَاجِدًا ۖ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ
- يُرِيْدُونَ أَن يُّطْفَعُواْ نُوْرَ اللهِ بِاقْوَاهِمِرْ وَيَأْبَى اللهُ إِلَّآ أَنْ يُبَّرِّ نُوْرَةُ وَلُوْحَرَةَ الْخُفْرُونَ ۞
- مُورُ الَّذِينُ آَرْسَلَ رَسُّوْلَهُ بِالْهُدُى وَدِيْنِ الْحُتِّ لِيُظْهِرَةَ عَلَى الْمُدَّارِةِ الْمُثَالِ الدِّيْنِ كُلُهِ وَ لَوْ كَوَةَ الْمُشْرِكُونَ ۞
- لَّالَيُّنَا الَّذِينَ أَمْنُواْ إِنَّ حَيْرًا مِنَ الْأَحْبَارِوَ الرَّهْبَانِ الْمُ لَيَّا عُلُونَ أَمُوالَ النَّاسِ بِالْبَاطِلِ وَيَمُدُّرُونَ عَنْ سَبِيْلٍ اللَّهِ اللهِ، وَالْذِينَ يَحْبُرُونَ اللَّهَبَ وَالْفِقَةَ وَلَاَيْمُقِنُونَهَا فِيَّ الْسِيْدِينَ يَعْبُونَهَا فِيَ سَيْلِ اللهِ، فَيَهْرُهُمُ بِعَدَابِ آلِئِي فَيْ
  - يُّوْ) يُحْمَى عَلَيْهَا فِي تَارِجَهَنَّرَ فَتَكُوى بِهَا جِبَاهُهُر وَ جُنُوْبُهُرْ وَظُهُوْ رُهُرَ هَذَا مَا كَنْزَتُرْ لِانْفُسِكُرْ فَلُوثُوْا مَا كُنْدُ تُكُنُّ وَنَ
- سر المترون الله وقتا عَمَو مَقُوا فِي حَفِي اللهِ بَوَا إِنْ عَلَّا اللَّهُ وَلِي عَلَى اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّ مُثَانَى السَّمْونِ وَالْاَرْضِ مِنْهَا أَرْفَقَهُ مُرَّادًا لِلْمُوْسِينَ كَأَنَّةً القَيِّرُ \* فَلَاتَفُوا تُعَلِّى عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَل كَمَا لِمُقالِمُونِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَ

- ৬৭। প্রকলপক্ষ 'নাসী' (চারায় যাসকে পিছিছে দেয়া) হল কক্ষরীতে বাভাবতি করা যা দ্বারা যারা কঞ্চরী করেছে তাদেরকে পথন্রই করা হয় ভাষা একে কোন বছৰ হালাল কবে এবং কোন বছৰ হাৰাম কৰে যাতে ভারা আলাহ যে সংখ্যাওগোকে (মাসওলোকে) হারাম করেছেন তা হালাল করতে পারে। তাদের মন্দ কাঞ্জগুলো তাদের নিকট আকর্ষণীর করা হয়েছে। আর আলাহ কাফির সম্পদায়কে সঠিকপথ প্রদর্শন করেন ই
- ৩৮। প্রচে যারা ঈমান এনেছ। তোমাদের তী হয়েছে যে, যখন তোমাদেরকে রলা হয় 'আলাহর পথে (হান্ধের জনা) বের হও' তথন তোমবা ভারী হয়ে ব্যাহিনর সাথে লেগে থাক<sup>\*</sup>? তোমরা কি আদিরাতের পরিবর্তে দ্দিয়ার জীৱন হারাই সভাই চায়ছঃ কিন্তু অধিব্যক্তের তলনায় দ্দিয়ার ছীবনের ভোগা সামগ্রী (খবই) সামান।
- ৩৯। যদি তোমরা (যক্ষের জন্য) বের না ২ও ভাহলে তিনি তোমাদেরকে হদ্রধানায়ক শান্তি নিবেন এবং অনা জাতিকে ভোমাদের ভ্রনাতিষিক করকে আরু তোমরা তাঁর কিছুই ক্ষতি করতে পারবে না। এবং আল্রাহ সংক্রিয়র উপর সর্বশক্তিমান। ৪০। যদি তোমরা তাকে (রাস্পকে) সাহায্য না কর, তবে আল্রাহ ইতোমধোই
  - তাকে সাহায্য করেছেন যখন বারা কফরী করেছে তারা তাকে (মঞ্জা থোকে। বের করে নিয়েছিল- স'জনের বিতীয়ন্তন হিসেবে যথন ভারা দ'জন ছিল গুৱার মধ্যে, যখন সে তার সাথীকে বলেছিল, 'দক্তিতা কারে। না নিশ্চর ভারার আমাদের সাথে আছেন।' অতঃপর আস্তার আৰু টেপৰ আঁৰ প্ৰশাস্তি অৱস্থীৰ্থ কৰালম এবং ভাকে সাহায়া বৰলেন এমন বাহিনী হারা যা তোমরা দেখনি এবং যারা কফরী করেছে তাদের রপ্লাকে রীমসম রূপে দিলেন। আর আলাহর বার্ণীট সর্বোচ্ছ। এবং আবার মহাপ্রতাপশালী ও মহারজাবান।
  - ৪১। তোমরা (যদের জন্য) বের হও, হালকা অবস্থায় এবং ভারি অবস্থায় "এবং জিল্লাদ (সংগ্রাম) কর আল্রাহর পথে তোমাদের খন-সম্পদ ও তোমাদের জীবন দিয়ে। এটিই তোমাদের জন্য উত্তম- যদি তোমরা ভাষতে।
- ৪২। যদি নিকটবর্তী সামগ্রী (গদীমত লাভের সম্ভাবনা) থাকত ও সহজ সকর হত তাহলে অবশাই ভারা ভোমার অনসরণ করত, কিব তাদের নিকট কষ্টকর সকর সুদর মনে হল। এবং শীপ্তই তারা আল্লাহর নামে কমম করে। খলবে, 'বদি আমরা সক্ষম হতাম তাহলে অবশাই আমরা তোমাদের সাথে 🖟 ৰেব হতাহ' তাৰা ডাদেব নিজদেবকেট খ্যাংস কৰে, আৰু আল্ৰাহ জানেন <sup>©</sup> নিশ্বর ভারা অবশ্যই মিথ্যাবাদী।
- ৪৩। আহাত তোমাকে মার্জনা করেছেন, ভমি ভাদেরকে কেন (যদ্ধে না যাওয়ার) অনুমতি দিলে যতকণ না তোমার নিকট স্পষ্ট হল যারা সত্য বলেছে এবং ভমি জানলে মিথ্যাবাদীদেরকেঃ
- ৪৪। ধারা অলাত ও আহিবাতের দিনের প্রতি উমান আনে তারা ভোমার নিকট তাদের ধন-সম্পদ ও তাদের জীবন দিয়ে জিলাদ করা থেকে (বিরত থাকার) অমমতি চায় না। এবং আলাহ মধ্যকীদের সমজে ভালভাবে জানেন।

- اتَّمَا النَّسَّمُ زِيَادَةً فِي الْكُثْبِ يُضَلُّ بِهِ الَّذِيْنِ كَفَرُواْ يُحلُّوْ نَهُ عَامًا وَّيُحَرِّمُوْ نَهُ عَامًا لَّيُو اطُّوْا عَنَّةَ مَا حَرًّ ﴾ الله فَيْحِلُواْ مَا مَهِ ۗ ﴾ اللهُ وُلِيَّنَ لَهُرْ سُوءً أَعْمَا لَهِرْ وَ اللهُ لَا يَهْدى ﴿ اللَّهُ لَا يَهْدى الْحُ الْقَوْرُ } الْكُفِينَ ﴿
  - نَّأَيُّهَا الَّذِيْنَ إَمَنُوْا مَا لَكُرْ إِذَا قِيْلَ لَكُرُ الْفُوْرُا فِي سَبِيْل إللهِ اتَّا قَلْتُرْ إِلَى الْأَرْضِ أَرَضِيتُرْ بِالْحَيْوِةِ الدُّنْيَامِيَ الالمَ 8 ، فَمَا مَتَاعُ الْعَلُوةِ الدُّنْيَا فِي الْأَخِرَةِ إِلَّا قَلِيْلُ ⊕
  - إِلَّا تَنْفُووْا يُعَدِّبُكُ مَنَابًا ۚ النَّمَّاهُ وَّيَسْتَبْدِلْ قَوْمًا غَيْكُمْ وَ لَا تَفُوُّ وَهُ شَيْئًا ، وَ إللهُ عَلَى كُلَّ شَيُّ قَدِيرٌ ﴿
  - الَّا تَنْمُ وَهُ فَقَدْ نَمَرَهُ اللهُ اذْ أَخْرَجَهُ الَّذِيْنَ كَفَرُواْ ثَانِيَ اثْنَيْنِ إِذْ هُمَا فِي الْغَارِ إِذْ يَقُولُ لِمَاحِبِهِ لَاتَحْزَنُ إِنَّ اللَّهُ مَعَنَا اللَّهُ اللَّهُ سَكِيْنَتَهُ عَلَيْهِ وَ أَيَّدَةً بِجُنُود لَّرْ تَرَوْهَا وَ جَعَلَ كَلَمَةَ الَّذِينَ كَفَرُوا السَّقْلَى ، وَكَلَّمَةُ الله هِيَ الْعُلْيَا، وَ اللهُ عَزِيزٌ مَكِيْرٌ ﴿
  - انْفُ وَا مَفَاقًا وَ ثَقَا لًا وَجَاهِدُوا بِآمُوَ الدُّرُ وَ أَنْفُسِكُمْ فَي سَبِيْلِ اللهِ ﴿ ذِلِكُرْ خَيْرٌ لَّكُرْ إِنْ كُنْتُرْ تَعْلَمُونَ ﴿ لَوْ كَانَ عَرَضًا قَوْيُبًا وَّسَفَوًّ | قَاصدًا لَّاتَّبَعُوكَ وَلَكُنْ إِبَعُكَنْ يُ عَلَيْهِ ۗ الشُّقَّةُ وَسَيَحُلفُونَ بِاللَّهِ لَوِ اسْتَطَعْنَا لَحَرَجْنَا
  - عَفَا اللَّهُ عَنْكَ؛ لِمَ إَذِنْتَ لَهُمْ حَتَّى يَتَبَيَّنَ لَكَ الَّذِيْنَ مَدَقُوْا وَ تَعْلَمَ الْكٰدَبِيْنَ ⊛

مَعَكُمْ ، يُهْلُكُونَ أَنْفُسَهُمْ ، وَ اللهُ يَعْلَمُ انَّهُمْ لَكُنْيُونَ ﴿

لَا يَسْتَادُنُكَ الَّذِيْنَ يُؤْمِنُوْنَ بِاللهِ وَ الْيَوْرَ الْإِنْ أَنْ يُّجَاهِدُوْ اِلْمُوْ الْهِرْ وَ أَنْفُسِهِرْ وَ اللَّهُ عَلَيْرٌ ' بِالْمُتَّقَيْنَ ﴿

- ৪৫। তোমার নিকট অনুমতি চায় কেবল তারাই বারা আল্লার ও আখিবাতের দিনের প্রতি ঈয়ান আনে না এবং বাদের হলয় সন্দেহ পোষণ করেছে, সুকরাং তারা তাদের সন্দেহের মধ্যে বিধা-অল্লে ভূগছে
- ৪৬। আর তারা যদি বের হতে চাইত তবে অবশাই তারা এর জন্য সরঞ্জাম প্রস্তুত করত, কিঞ্কু তামের প্রেরিত হওয়া আরাহে অপছন করলেন, সূত্রাং তিনি তামেরকে বিবক্ত রামের এবং তামেরকে বলা হল, (ঘহে) বাসে থালামের সাথে লাভান্ত রাজ প্রাক্ত।
- ৪৭। তারা যদি ভোমাদের সাথে বের হত তাহলে তারা কেবল ভোমাদের সর্বনাপই বৃদ্ধি করত এবং জোমাদের মধ্যে ফিতনার উদ্দেশ্য ভোমাদের মধ্যে ইটাষ্ট্রটি করত, এবং ভোমাদের মধ্যে ভাদের কথােল কথা কনার পোক আহাে আর আরার জালিয়দের সম্বাভ ভাগভাবে ভালেন।
- ৪৮। অবশ্যই তারা এর পূর্বেও ফিতনা কামনা করেছিল এবং ভোমার বহু কাজ উপট-পালট করেছিল, অবশেষে প্রকৃত সত্য আলল এবং আল্লাহ্র নির্দেশ (বিজয়) শ্পষ্ট হল, এমন অবস্থায় যে তারা (তা) অপত্তৰকারী।
- ৪৯। এবং তাদের মধ্যে এমন লোক আছে যে বলে, 'আমাকে (যুদ্ধে না যাওয়ার) অমুনতি দিন এবং আমাকে ছিকনায়্র 'ফেলকেন না' জেলে না' ওবা ভিকনাতেই পড়ে আছে। এবং নিকায় আয়ারাম কাছিনাকেরকে পরিবেটন করেই আছে।
- ৫০। যদি তোমার কল্যাণ খটে তবে জা তাদেকে কট দের, এবং যদি কেন একল্যাণ তোমাকে আখাত করে তথক তারা বলে, "আমরা তো পুরেই আমাদের বিষয় (অর্থাৎ পূর্ব সর্তকতা) গ্রহণ করেছি' এবং তারা উব্দুব্ধ হয়ে সতে পঢ়ে।
- ৫১: বল, 'আমাদের জন্য আল্লাহ্ যা নির্ধারণ করেছেন তা ছাত্রা আমাদেরকে কর্থনো অন্য কিছু আযাত করবে না, তিনি আমাদের প্রভূ (রক্ষক)', আর আল্লাহর উপরউ মু'নিনরা যেন করদা করে:
- ৫২। বল, তোমরা কি আমাদের জন্য কেবল মুটি কল্যানের একটির প্রতীবদা করছে আর আবরা তোমাদের জন্য প্রতীব্দা করছি, জারাহ্ তোমাদেরকে সার্ভি ছারা আঘাত করকেন, তার পক্ষ থেকে অধবা আমাদের হাত মিছে। অতএব তোমরা প্রতীব্দা কর, নিকন্ত আমরা তোমাদের সাথে প্রতীক্ষমনে।
- ৫৩। বল, 'তোমরা (আল্লাহ্ন পথে যা) ব্যয় কর ইছার বা অনিছার, তোমাদের কাছ থেকে ভা কথনো গ্রহণ করা হবে না। নিশ্র ভোমরা হলে এক পাপাচারী সম্প্রদায় '
- ৫৪। এবং তাদের থেকে তাদের বায় গ্রহণ করা নিষেধ করেছে, কবল জা-ই যে, তারা আরাই ও তার রাস্পাকে অবিশ্বাস করেছে, এবং তারা সালাতে (নামামে) উপস্থিত হয় কেবল শৈবিদ্যার সাথে এবং তারা কেবল বায় করে অধিনিশ্বলৈতায়াব।
- ৫৫। সুতরাং তাদের ধন-সম্পদ ও তাদের সন্তান-সন্ততি তোমাকে ফেন মুদ্ধ না করে। আল্লাহ্ এঞ্জা ধরা কেবল তাদেরকে দুনিয়ার জীবনে শান্তি দিতে চান, এবং তাদের আখা চলে যাবে, এমন অবস্থার বে তারা বাটিব।

- إِنَّمَا يَسْتَأْذِنُكَ الَّذِيْنَ لَايُؤْمِنُوْنَ بِاللَّهِ وَالْيَوْرَا الْأَحِرِ وَ ارْتَابَنْ قُلُوْبُمُرْ فَهُرُ فِي رَيْبِهِرْ يَتَرَدُّدُونَ ﴿
- ارت بت قدر بهر فهر في ليخور يترددون ﴿ وَ لَوْ ٱللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ النَّهَ النَّهَ النَّهَ النَّهَ النَّهَ اللَّه فَتَبْطَهُمْ وَقَبْلَ الْغُكُرُوْ مَمْ الْفُعْدِيْنَ ﴿
- لَوْ مَرَهُوا فِيكُرْ مَّا زَادُوكُرْ إِلَّا غَبَالًا وَلاَ أَوْمَعُواْ خِلْلُكُرْ يَبْغُونَكُرُ الْفِتْنَةَ ، وَفِيكُرْ سَمَّعُونَ لَهُرْ ، وَ اللهُ عَلِيْرٌ مِا لظُّلُمْنَ هِ
- لَقد اَبْتَعُوا الْفَتْنَةَ مِنْ قَبْلُ وَقَلْبُوا لَكَ الْأَمُو رَحَتَّى جَاءً الْتُقُّ وَظَّمَرَ أَمْرُ اللَّهِ وَهُرْ حُرِهُنَ ۞
- وَمَنْهُرْ مَّنْ يَقُوْلُ اثْنَانَ إِنَّ وَلاَتَقْتِنَىْ ﴿ أَلَافِي الْفِتْنَةِ سَقَطُوا ﴿ وَ أَنَّ جَمَّنْرَ لَمُحْيَطَةٌ لِالْكُفُولِينَ ۞
- إِنْ تُصِبْكَ حَسَنَةٌ تَسُوُّهُمْ ءَوَ إِنْ تُصِبُّكَ مُصِيَبَةٌ يَّـقُوْ لُوَّا قَدْ إَخَذْنَا ۖ آمُرَنَا مِنْ قَبْلُ وَيَتَوَلُّواْ وَّمُرْ فَيِحُونَ ۞
- قُلْ لَنْ لَيْمِيْبَنَآ إِلَّامَا حَتَى اللهُ لَنَا عَهُو مَوْ لَمَنَا ءَوَ عَى اللهِ فَلْيَتَوَكُّلُ الْمُؤْمَنُونَ @
- قُلُ مَلْ تَرَبَّعُونَ بِنَا إِلَّا إِمْنَى الْحُمْنَيْيْنِ، وَنَحْنُ نَتَرَبَّعُنَ بِكُرُ أَنْ يُّمِيْرَكُرُ اللهُ بِعَدَّابٍ مِّنْ عِنْدِهِ أَوْبِا يُدِينَنَا \* فَتَرَاتُونَ بِنَوْرًا أَنْ عَمْرُهُ مُتَرَبِّهُونَ ﴾
- قُلُ ٱلْمُغِّرُا طُوْعًا آوْ حُرْهًا ثَنْ يُتَعَبَّلُ مِنْكُرْ ﴿ إِنَّكُرْ كُنْتُرْ قَوْمًا فَسَيْنَ ﴿ تَعَرِيعُ مِنْ مُوْمِدًا ﴿ وَهُمْ يَعِينُهُ مِنْ الْمُعَالِّدُ مُعْمَدًا لِلْمُعَالِّدُ مُعْمَدًا لِشَيْعًا
- وَمَا مَنَعُصُّرُ آنَ تُقْبَلَ مِنْهُرُ نَفَقَتُمُرُ إِلَّا أَنَّمُ كَوَّرُوا بِاللهُ وَ بِرَسُوْ لِهِ وَلاَيَاتُوْنَ الصَّلُوةَ إِلَّا وَهُرْ حُسَالِي وَلاَيَنْفِقُونَ إِلَّا وَمُوْ لِهِ وَلاَيَاتُوْنَ الصَّلُوةَ إِلَّا وَهُرْ حُسَالِي وَلاَيْنَفِقُونَ إِلَّا
- فَلاَتُعْجِنْكَ أَمْوا لُهُرُ وَلَا اَوْلاَدُهُرْ ﴿ إِنَّمَا لِيُرِيدُ اللَّهُ لِيُعَذِّبَهُرْ بِهَا فِي النَّمْيِةِ قَالدُّنْيَا وَتَرْهَقَ أَنْفُسُهُمْ وَهُرْ خُفُرُونَ ۞

و سورة التولة

- সংগদায়।
- ৫৭। মানি আবা বোন আগায়স্থল বা কোন গিবিওছা অথবা বোন পাবেশসক প্রায় ভাষ্যন ভাষা ধন ভিত্তে অর্মাই প্রায়ন করার নাভারাগ।
- ৫৮। এবং তাদের মধ্যে এমন লোক আছে, যে সদকার (যাকাত কটনের) বিষয়ে ভোমাকে দোখাবোপ করে, তবে যদি তা খেকে ভাদেরকে কিছ দেয়া হয় তাহলে তারা সম্ভূত্ত হয়, আর যদি তা থেকে তাদেরকে কিছ ন্মো না কা চল্ডভাগ ভারা ক্রভাই বন
- ৫৯। আর (ভাল হত) যদি তারা আল্লাহ ও তাঁর রাসুল তাদেরকে বা দিয়েছেল 🗐 🕽 তাতে সম্বুট হত এবং বলত, 'আল্লাহই আমানের জন্য যথেষ্ট, শীঘ্রই 🚨 আলাচ আমাদলতা জাঁব অন্যাত খেকে দান করবেন এবং তাঁর রাসলও। নিশ্বর আমরা আল্লাহর প্রতি প্রত্যাশী।
- ৯০ সমতা (মাতাস) তেবল ফবিব পেরীব) <sup>®</sup> মিসকীন (অভাব্যার) ও তৎসংশিষ্ট কর্মচারীদের জন্য (ভোমাদের সাথে) যাদের হলরসম্ব अभारत जाना आज्ञा आज्ञातित क्रमा चंधावरमर हमा. चांचावर शांच ও (সম্বলহীন) মসাফিরের জনা। (এই বউন) আল্লাহর পক্ষ থেকে এক অবশ্য পালনীয় (বিধান)। এবং আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজ্ঞাবান ৬১। তাদের মধ্যে এমনও আছে যারা নবীকে কট্ট দেয় এবং বলে. 'সে একটি
- কান।' বল, '(সে) ভোমাদের কল্যাণের জনা কান. সে আন্তাহর প্রতি ষ্টমান আনে এবং ম'মিনদেরকে বিশ্বাস করে এবং তোমাদের মধ্যে যারা ষ্ট্রাম এনেতে তাদের জন্য এক দয়া (রহমত)।' আর যারা আরাহর রাসলকে কট দের তাদের খান্য বারেছে যন্ত্রণানায়ক শান্তি। ৬২, তারা তোমাদেরকে সমুট করার জন্যে তোমাদের নিকট আলাহক নামে
- কসম করে, অথচ আন্তাহ ও তাঁর রাস্পই বেশি হকদার যে, তারা তাঁকে (আল্লাহকে) সমুত্ত করবে- যদি তারা মু'মিন হয়।
- ৬৩ তারা বি জানে না. যে ব্যক্তি আল্লাহ ও তাঁর রাস্পের বিরুদ্ধাচরণ করে प्राव कामा राष्ट्राक कांग्रामाद्र्यर चावन, त्मचान त्म खाँग्री दृद्धः अगेरि REST VENEZIA
- ৬৪। মুনাঞ্চিকরা তাদের সম্পর্কে এমন একটি সুরা অবতীর্ণ ইওয়ার আশংকা করে, যা ভাদের ফ্রনয়সমূহে যা কিছু আছে ভা জানিয়ে নিবে। বল, 'ঠটো-বিদ্ৰুপ করতে থাক, ভোমরা যা আশংকা কর নিকর আল্লাহ তা প্রকাশকারী।
- ৬৫। এবং যদি তমি তাদেরতে প্রশ কর তাহদে অবশাই তারা বলবে, "আমর লো অনুষ্ঠিত ব্ৰথায় ও খেলায় লিখ ছিলাম।" বল ভোমবা কি আন্তাহ, তার আয়াতসমহ ও তার রাসলের প্রতি ঠাটা-বিদ্রুপ করছিলে:
- ७६। তোমবা অস্ত্রতাত পেশ করো না। তোমবা তো ঈমান আনার পর কুমজী है अरहा। यहि वारि তোমবানের ওক দশতে মার্জনা করিও ভবে তোমাবেল। অন্য দলকে শাম্রি দিব, কারণ তারা ছিল অপরাধী।

- يف قون @ لَوْ يَجدُونَ مَلْجًا أَوْمَغُونِ أَوْمُدَّعَلَّا لَّوَلُّوا إِلَيْهِ وَهُرْ A(1)=
- وَمِنْهُمْ مِنْ يَلْمِ لَكَ فِي الصَّاقِي َ فَأَنْ أَعْطُوا مِنْهَا رَفُوا وَ إِنَّ لَّهُ يُعْطُوا مِنْهَا إِذَا هُمْ يَسْخُطُونَ
- وَ لَوْ اَنَّهُرْ رَفُوْا مَاۤ اللَّهُرُ اللَّهُ وَرَسُوْ لُهُۥوَقَا لُوْا حَسْبُنَا اللَّهُ سَيُوْ تَيْنَا اللهُ مِنْ فَضْلِهِ وَ رَسُو لُفَّهِ إِنَّا إِلَى اللهِ رَغَبُونَ ١٠٥
- انَّمَا السَّدَفْ للْفُقَرَّ آء وَالْمَسْكِيْنِ وَالْعُملِيْنِ عَلَيْهَا وَ الْمُوَّ لَّفَةَ قُلُوْبُهُمْ وَفِي الرِّقَابِ وَالْغُرِمِيْنَ وَفِيْ سَبِيْلِ اللَّهِ وَ ابْن السَّبيُل، فَرِيْفَةً مِّنَ اللهِ، وَ اللهُ عَلَيْرٌ مَحَيْرٌ ا
- وَمِنْهُرُ الَّذِيْنَ يُؤْذُونَ النَّبِيِّ وَيَقُوْ لُوْنَ هُوَ أَذُنَّ قُلْ أَذُنُّ غَيْ لُّكُمْ يُؤْمِنُ بِاللهِ وَيُؤْمِنُ لَلْهُؤْمِنِينَ وَ رَحْهَةً لِّلَّذِنْ اَمِّنُواْ منْكُرْ - وَ الَّذِيْنَ يُؤْذُوْنَ رَسُوْلَ الله لَهُ مُ عَذَاكً } لَيْهُ ﴿ يَحْلَفُوْنَ بِاللهِ لَكُرْ لَيُوْمُوكُمْ ءَوَ اللهُ وَ رَسُوْ لُكُّ آَحَةً أَنَّ أَنْ
- يُّ مُوْهُ إِنْ كَانُوْا مُؤْمِنيْنَ ﴿ أَكُرْ يَعْلَمُواۤ ۚ إَنَّهُ مَنْ يُّحَادِد اللَّهُ وَ رَسُوْ لَهُ فَأَنَّ لَهُ نَا رَجَهَنَّهُ خَالِدًا فِيْهَا وَلَكَ الْعَزْيُ الْعَظْيِرُ ﴾
- يَحْذَرُ الْمُنْفَقُونَ أَنْ تُنَاِّلَ عَلَيْهِ ۚ سُوْ رَقَّ تُنَبِّعُهُ ۗ بِمَا فَي قُلُوْ بِمِرْ ، قُلِ اسْتَهْزِءُوْ انْ اللَّهُ مُخْعَ مَّا تَحْذَرُونَ ﴿
  - وَ لَئُرْ، سَاَلْتَهُمْ لَيَقُوْ لُنَّ إِنَّهَا كُنَّا نَكُوْضُ وَ نَلْعَبُ قُلْ أَبِاللهِ وَ إِيْتِهِ وَ رَسُوْ لِهِ كُنْتُرْ تَسْتَهُزِّ ءُوْنَ ۞

مَّنْكُرْ نُعَذَّبُ طَّآ ثِفَةٌ بِأَنَّهُرْ كَانُوْا مُجْرِمِينَ ﴿

- ৬৭ মনাফিক পরুষ ও মনাফিক নারী একে অপরের জংশ ভারা অসংক্রাক্তর निर्दर्भ (नय अव: प्रश्ताक काफ निरुष्ठ काव जावा काफ अधिया नार्थ তারা আরাহকে ভলে পেছে, ফলে ভিনিও ভালেরকে ভলে গেছেন। নিক্তম মনাফিকবাই পাপাচারী (ফাসিক)
- ৬৮। আল্লাহ মনাফিক পরুষ, মনাফিক নারী ও কাফিবদেরকে প্রতিপ্রতি দিয়েছেন জাহানামের আধ্যনের সেখানে ভারা স্বায়ী হার। এটাই আদের জন্য যথেষ্ট, এবং আল্লাহ তাদেরকে লা'নত করেছেন এবং তাদের জন্য রয়েছে স্থায়ী শান্তি-
- ৬৯। (তোমরা) তোমাদের পূর্ববর্তীদের মত, তারা ছিল ভোমাদের চেয়ে শক্তিতে প্রবদ এবং ধন-সম্পদ ও সন্তান-সম্ভতিতে অধিক। সতবাং তারা তাদের (প্রাপ্য) অংশ ভোগ করেছে, আর তেমরা তেমাদের (প্রাপ্য) অংশ ভোগ করেছ, যেমন ভোমাদের পর্ববর্তীরা ভাদের প্রোগা। অংশ ভোগ করেছে এবং তারা যেকপ আনর্থক কথার নিগ্র চিন কোমবান সেরপ অনর্থক কথায় লিগু রয়েছ। ওরাই তারা যাদের কর্মসমহ দনিয়া ও আখিরাতে বিফল হয়েতে এবং তারাই ক্ষতিগ্রন্ত।
- ৭০। তাদের নিকট কি ভাদের পূর্ববর্তী নৃত্, আদ ও ছায়দ সম্প্রদায় এবং ইবরাইমের সম্প্রদায় এবং মাদইয়ান-এর অধিবাসী ও উল্টে দেয়া জনপদসমহের সংবাদ আনেনিঃ তাদের নিকট তাদের রাস্করা এসেডিলো স্পষ্ট প্রমাণাদিসহ। আর আল্লাহ এমন ছিলেন না যে, তিনি তালের উপর জলম করবেন, ববং তারাই তাদের নিজেদের উপর জলম কৰত।
- ৭১। আর ম'মিন পরুষ ও ম'মিন নারী একে অপরের বন্ধ, তারা সংক্রান্তের নির্দেশ দেয় এবং অসৎ কাজ হতে নিষেধ করে, সালাভ (নামায়) কায়েম করে, যাকাত প্রদান করে এবং আন্তাহ ও তাঁর রাসলের আনগভা করে। ভালেরকেই আলাহ দীঘট দহা করকেন, নিশ্চয় আলাহ মহাপ্রভাগশালী ও মহাপ্রভাবান।
- জান্লাতসমূহের, যেগুলোর নীচে নহরসমূহ প্রবাহিত, সেখানে তারা স্বায়ী আন্তেসমূহে অবস্থিত। আর আপ্তাহর পক্ষ থেকে সম্বায়িষ্ট সরচেয়ে কর। এ এটিট মহাসাফল।
- ৭৩। হে নবী! কাফির ও মনাঞ্চিকদের বিরুদ্ধে জিহাদ কর ও তালের উপর কঠোর হও। এবং তাদের আশ্রয়স্থল হবে জাহানাম। আর কতই না নিকা মেট গলবাৰ্জা।

- ٱلْمُنْفَقُوْنَ وَ الْمُنْفَقْتُ بَعْضُهُرْ مِّنْ بَعْضِ مِيَامُرُوْنَ بِالْمُنْكَرِ وَ يَنْهَوْنَ عَنِ الْمَعْرُ وْفِ وَيَقْبِفُونَ آيْدِيَهُرْ • نَسُوا اللَّهُ فَنَسِيَهُرْ • انَّ الْمُنْفَقِينَ هُمُ الْفُسِقُونَ @
- وَعَنَ اللهُ الْمُنفقدُنَّ وَ الْمُنفقِي وَ الْكُفَّا رَ نَا رَجَهَنَّهَ خَلديْنَ فَيْهَا وَهِيَ حَشْبُهُمْ ءُوَ لَغَنَهُمُ اللَّهُ ءُوَ لَهُمْ عَذَاتٌ مُّقَيْدٌ ﴿
- كَا لَّذِيْنَ مِنْ قَبْلُكُ أَ كَا نُوًّا أَهَدُّ مِنْكُرْ قُوَّةً وَّ أَكْثَرَ أَهُوَ الَّا وَّ أَوْ لِادًا ا فَا سُتَهْتَعُوْ ا بِخَلَاقِهِ \* فَاسْتَهْتَعُتُمْ بِخَلَاقِكُمْ كَمَا اشْتَمْتَعَ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلُكُرْ بِخَلَاقِهِرْ وَكُفْتُرْ كَا لَّذِيْ غَاضُوْا ۚ أُولَّٰ فِكَ هَبِطَتْ آعْمَا لُهُرْ فِي الدُّنْيَا وَ الْأَخِرَة ۗ وَ أُولِيَّكَ هُرُ الْعُسِرُونَ ⊕
- ٱلَرْيَاْتِهِرْ نَبَا الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِهِرْ قَوْ النُّوحِ وَّعَادِ وَّ تُمُودَهُ وَ قَوْمُ إِبْرُهِيْرَ وَ أَصْحِبِ مَدْيَنَ وَ الْمُؤْتَفَكِ، أَتَتْهُرْ رُسُلُهُرْ بِا لْبَيِّنْتِ، فَمَا كَانَ اللَّهُ لِيَظْلَمَهُرْ وَ لَكِنْ كَانُوًّا ٱنْفُسَهُرْ ىَظْلَمُوْنَ ⊛
- وَ الْمُؤْمِنُونَ وَ الْمُؤْمِنْتُ بَعْضُهُمْ ۚ أَوْلَيَاءُ بَعْضِ مِامُرُونَ بِا لْمَعْرُوْبِ وَ يَنْمَوْنَ عَيِ الْمُنْكِرِ وَ يُقِيْمُونَ الصَّلُوةَ وَ يُؤْتُونَ ا لِزَّ هُو ةَ وَ يُطِيُّعُونَ اللَّهَ وَ رَسُوْ لَهُ ۚ أُو لَكَكَ سَيَرْ حَمُّهُرُ اللَّهُ ۗ اللَّهُ اللهُ عَبْ يُدَّ حَكِيرٌ ۞
- وَعَلَى اللَّهُ الْمُؤْمِنِينَ وَ الْمُؤْمِنِينَ مَنْ تَجْبَي مِنْ تَحْتِهَا ﴿ ١٩٤١ अध्यक्ष ﴿ ١٩٤١ عَا الله الم مِّنَ اللهِ أَكْبَرُ ﴿ لِكَ هُوَ الْفَوْزُ الْعَظِيْرُ ﴿
  - يَّا يُّهَا إلنَّبِيُّ جَاهِدِ الْكُفَّارِ وَ الْمُنْفِقِينَ وَ اغْلُفًا عَلَيْهِمْ ﴿ وَ مَا وْنهُمْ جَهَنَّهُ وَ بِئُسَ الْمَعِيْرُ ﴿

- 96) হাৰ আন্নাহন বাবে কৰা বাবে বাং (লাহ্নেক বিশ্বার) কৰিছিল, কৰিছি
- ৭৫। এবং তাদের মধ্যে কেউ কেউ আধ্যাহ্বর সাথে অসীতার করেছিল (এই বলে যে) "যদি তিনি তাঁর অনুমহ থেকে আমানেত্রকে দান করেন তবে অবশ্যুট আম্ব্রা সদকা দেব এবং অবশাই আম্ব্রা সংকর্মশীদানের অন্তর্কক হব।
- ৭৬। অভঃপর যথন তিনি তাঁর অনুগ্রহ থেকে তাদেরকে দান করলেন তথন তারা এ বিষয়ে কৃপণতা করল এবং উপেক্ষা করে মুখ ফিরিয়ে নিল।
- ৭৭। ফলে তিনি তাদের হৃদরসমূহে মুনাফিকী বছমূল করলেন তাঁর সাথে ভালের সাক্ষ্যতের দিন পর্যন্ত, ও কারণে যে, তারা আদ্বাহর সাথে যে জ্ঞানীকার করেছিল তা ভঙ্গ করেছিল এবং এ ফরণে থে, তারা মিখা বলত
- ৭৮। তারা ঠি জানত না যে, আল্লাহ তাদের গোপন বিষয় ও তাদের গোপন পরামর্শ জনেন, এবং এও যে, আল্লাহ অনৃশ্য বিষয়াবলি সম্পর্কে সবচেয়ে ভাল জানেনঃ
- ৭৯: মুমিনদের মধ্য থেকে হতঃছুর্তভাবে দানকারীদেরকে বারা (ভালের) দদকরে ব্যাপারে দোষারোপ করে এবং (দোষারোপ করে ভালেরক) যারা পিন্ত এই ছাত্তা (দদকা করার বহু) বিদ্ধুই পায় না এবং এলেরকে (ভিন্তা দদকে) বিদ্রুপ করে, আরাই আনেককে বিকুপ করেন। এবং ওাদের জন্য প্রয়েক্ত যাষ্ট্রপালকে পার্ত্তি।
- ৮০, তুমি তাদের জন্য কমা প্রার্থনা কর অথবা তাদের জন্য কমা প্রার্থনা দা কর (একই কথা)। যদি তুমি সকরে বার ও তাদের জন্য কমা প্রার্থনা কর তবুও আল্লাহ্ তাদেরকে কথনো ক্ষমা করকেন লা। এটা একনা যে, তারা আল্লাহ্র ও তার কানুদার সাথে কুললী করকে; এবং আল্লাহ্ পাশাসরী সম্পানায়ক সঠিক গব প্রার্থন করকে লা।
- ৮১। শিল্পনে থেকে যাওয়া কোকেরা আরাহুর নাস্পেলর (গ্রন্থানের) পর আদের প্রসে থারাতে উৎফুর রোধ করল এবং জরা অপছল করল বে, জরা ভালের ধন-সম্পন ও আদের বীবন দিয়া জ্যারারে পথে জিহান করবে বেং বদলা, 'জাপের মধ্যে (ফুড) বের হয়ের না। বল, 'আখারান্দের আগুল অধিক উত্তর্গ' বলি ভারা বুবক।
- ৮২ সুতরাং তারা (সুনিয়াতে) কম (সময়ের য়ন্য) হেসে নিক এবং (য়্য়য়িয়তে) বেশী (সময়ের জন্য) কাঁদুক (য়র্বাহ কাঁদবে), তারা যা য়র্পন য়াবাছ কর প্রতিহল স্বরূপ।
- ৮৩। ছতঃশ্ব খনি আল্লাহ ভোমাকে তাদের কোন দলের নিকে বিনিয়ার আদেন এবং তারা (ছাত্র) কো হবরার জন্য ভোমার অনুনতি প্রাপ্তিন করে, ত্বন বুলি কাল্যে, বিনায় আদার সাধ্যে কথালোঁ কে বারো না এবং তোমরা আমার সাথে কথানে শক্তর বিকক্ষে বুল করো না লিক্তর ভোমারা প্রথমবার থাকে থাকাকেই সমুক্তী হয়েছিল, সুকরাং ভোমরা শিক্ষাে থাকে ভারোক্তর সার্ভ্তের করার কিবল

يَعِلَمُونَ بِالشِّمَا قَالُوارَ لَقَدَّقَا لَوَاحَلِمَهُ النَّفُرُ وَخَفَرُوا بَقَدَ الْحَصِرُ وَخَوْلِهَا لَنَّ مَا لَوَادَوَا تَقَمُّوا الْآنَ فَالْفَرَ اللَّذَوَ رَسُولُ لَكُنِي تَقْلِمِ فَإِنْ يَعْوَبُوا لِللَّهِ عَلَيْكَ عَبَوْلُوا يَتُولُوا فِعَدْيُشِ اللَّهِ فَيَالِمُ الْفَيْدُولُوا لِللَّهِ عَلَيْكَ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الْمَالِيقِ ا مَا تَمْرُقُ الْاَرْضِ مِنْ ذَّيْلٌ لا لَكُنْفِرٍ ۞ مَا تَمْرِقُ الْاَرْضِ مِنْ ذَّيْلٌ لا لَكُنْفِرٍ ۞

وَمِنْكُمْرُ مَّنْ عُمَدَ اللهَ لَكِنْ أَلْنَا مِنْ فَقْلِهِ لَنَمَّدًّ قَنَّ وَ لَنَكُونَّ نَّى مِنَ الصَّلَحِيْنَ ⊚ فَلَمَّا أَلْنُمُّرُ مِّنْ فَقْلَهِ بَحْلُوا بِهِ وَ تَوَلَّوْا وَّهُمْ مُعْمَّرُنَ ⊙

فَاَعْتَبَهُرْ نِفَاقًا فِي قُلُوْبِهِرْ إِلَى يَوْا يِلْقُوْنَهُ بِمَّا ٱخْلَقُوا اللهَ مَا وَعَدُوهُ وَبَهَا كَانُوا يَضْدَبُوْنَ ۞

ٱلۡمَرۡ يَعۡلَمُوۡۤ أَنَّ اللهِ يَعۡلَرُ سِوْهُر وَنَجُو بَهُرْ وَ أَنَّ اللهَ عَلَّا ﴾ الْفُدُدِ فَ

اللَّذِينَ بَلْغِرُوْنَ الْمُقَلِّوْنِينَ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ إِلَّهُ المُفْخَفِينَ اللَّذِينَ لَايَجِدُونَ الأَمْفِرَ فَيَسْخُرُونَ مِنْهُمْ سَجِّوَ اللهُ وَعُمْرُ اَرْ لَكُمْ خَدَّالًا إلَيْنَ ﴿ السَّغُلُولُ لَمُنَّ الْإِلَّمِنَا لَمُنْ اللَّهِ لَمُنْ اللَّهِ اللَّهِ مَنْفَا لَمُنْ اللَّهِ مَنْفَقِينَ مَا قَلَى لِنَّفُولُ لَمُنْ الْإِلْمُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ وَاللَّهِ اللَّهِ وَاللَّهِ

لَا يَضُرَى الْقُوْرَ الْفُسِقِينَ ﴾ فَرَى الْمُضَلِّفُونَ بِمَقَعَدِهِرْ خِلْفَ رَسُوْلِ اللَّهِ وَكَهُوَّا أَنْ لِيُّجَمِرُولِ بَامُولَ إِلْهِرَ أَلْفُهِمِرْ خِلْفَ رَسُوْلِ اللَّهِ وَقَالُولُ لِآتُمْفِرُولُ لِيُّجَمِرُولِ بَامُولَ الِهِرْ وَالْفُهِمِرْ خِلْفَ رَسُولِ اللَّهِ وَقَالُولُ لَا تُمْفِرُولُ

فِي الْحَوِّ-قُلْ نَا رُجَهَنَّى َ أَشَدُّ مَرَّا- لَوْ كَانُوا يَفْقَهُونَ ۞ فَلَيْفُصُواْ قَلِيلًا وُ لَيَبْكُواْ كَثِيرًا عَجَزَّاءً بِمَا كَانُوا يَكُسُونَ ۞

فَإِنْ رَّبَعَكَ اللهِ إِلَى طَآلَفَة مِّنْهُرُ فَاسْتَادَتُوكَ لِلْشُوْوَةِ فَقُلُ الْوَنْهُوجُوْا مِنَ إِبَدًا وَكَنْ فَقَاتِكُوا مِنَ عَدُواً، إِنَّكُرُ وَمِيْثُرُ بِالْفُوْدِ وَإِلَّى مِرَّةً فَأَقْدُوا هَعَ الْخِلَقِينَ ۞

- ৮৪। এবং তাদের মধ্যে কেউ মৃত্যুবরণ করলে ভূমি কথানেই তার জন্য প্রার্থনা করো না (আনাযা গয়ে না) এবং তার করবের উপর দাঁট্রিও না নিক্তম তারা আহার ও তার রাসুগাকে অবিশ্বাস করেছে এবং তার মৃত্যুবরণ করেছে, এমদ অবস্কায় যে তারা পাপাচারী (ফার্কিজ)।
- ৮৫। এবং তাদের ধন-সম্পদ ও সন্তান-সম্ভতি যেন তোমাকে মুদ্ধ না করে আল্লাহ এসবের দারা কেবল তাদেরকে দুনিয়ায় শান্তি দিতে চান এবং তাদের আত্মা চলে যাবে, এমন অবস্থায় যে তারা কাফির।
- ৮৬। এবং যথন কোন দূরা অবতীর্থ হয় (এ মর্মে) যে, ভোমরা আরারের প্রতি ঈমান আন এবং তাঁর সামূলের সাথে দ্বিয়ান কর জবন ভারের মধ্যে শক্তি-সামর্থ্যের অধিকারীরা তোমার নিকট (যুদ্ধে না খাওয়ার) অনুমতি সার এবং বালে, "আনালেরতে হেড্রে দিন, আমরা (খরে) বানে খাকানের সাথে থাকবা"
- ৮৭: তারা পিছনে থেকে যাওয়াদের সাথে থেকেই সন্তুই হল, এবং তাদের হৃদয়ের উপর মোহর মেত্রে দেয়া হয়েছে, ফলে তারা বুঝে না:
- ৮৮। কিছু রাসূদ এবং যারা তার সাথে ঈমান এনেছে তারা তালের ধন-সম্পন ও তালের জীবন দিয়ে (আল্লাছর পথে) জিহাদ করেছে। এবং তালেরই জন্য রয়েছে কল্যাণ এবং তারাই সঞ্চল
- كه ) बाहार बारात बना अबूब बारायन बाहाकन्मूर, त्याराज विति । नदरनमूर अवाहिक, राजारन वाला शुरी दार। विधि सहाराजवाः
- ৯০। আর কেনুইনদের মধ্য থেকে অন্তর্যাত গেপকারীরা আসদ্দি মন তানেরকে (মৃদ্ধে না যাওয়ার) অনুমতি দেরা হয় এবং যারা আরাহ ও তার রাস্প্রদার সাথে মিখা। বলেছিল তারা (খরে) বলে ইইল। তানের মধ্যে বারা কুকরী করেছে পাঁট্রাই তানেরকে অফ্রণানরক পারি আঘাত করবে।
- ৯১। যারা দুর্বল, হারা পাঁজিত এবং হারা বার করার কন্য কিছু পায় না, ভাসের কোন দোব নেই বখন ভারা আল্লাহ ও ভার আলুদের কন্যাবেলারী হয়। সক্তর্পনবালবদের বিকল্পে (ব্যবস্থা এইনেড) কোন পথ নেই। এবং আল্লাহ্ অভি ক্যান্দীল ও পরম দরাত্ব
- ৯২। এবং তাদেরও (কোনো দেখে) দেই যারা যখন তারা ছোমার নিকট এসে ছিল যাতে ভূমি তাদেরতে বাহন দিতে পার তথন ভূমি বাদেছিলে, "আনি এমন কিছু পাছিল না যের উপর ভোমাদেরকে আরোহন করাবং" তারা অঞ্চপ্তার্থক ভোমা ছিল্ল গেল এই দুশ্চিভান্ন যে তারা (আল্লাহ্র পথে) বায় করার যত কিছু পাছে না।
- ৯০। (যাবছা এহণের) পথ কো কেবল তাদের বিক্রমে যারা বিত্তবান হয়েও (য়ুদ্ধে না যাওয়ার জন্য) তোমার কাছে অনুমতি চার, তারা পিছনে থেকে যাওয়াদের সাথে থেকেই সমুট হল, এবং আরাহ তালের ক্রমরেক উপর মোহর মেরে দিয়াছে, ফলে তারা জালে না।

- وَ لَاتُمْلِ كَلَّ اَحْدِيثَنْمُر مَّاتَ اَبَدًّا وَّ لَاتَقُرْ كَلَ قَبْرٍةٍ وَاتَّهُرُ خَفُرُواْ بِاللهِ وَ رَشُوْ لِهِ وَمَا تُوْا وَهُرْ فَسِغُونَ ۞
- وَ لَاتُعْجِبُكَ آمُوا لُمُهْرُ وَ آوْلَادُهُرْ ۚ وَلَّمَا يُرِيْدُ اللهُ آنُ يُقَدِّبُهُرْ بِمَا فِي الدَّنْيَا وَتَوْهَنَ آتَفُسُمُرُ وَهُرْ خُفِرُونَ ⊛
- وَإِذَآ الْتُولَتُ سُوْرَةَ آنَ امِنْوَا بِاللَّهِ وَجَاهِدُوْا مَعَ رَسُوْلِهِ اسْتَادَنَكَ أُولُوا الطَّوْلِ مِنْهُرْ وَقَالُوْا ذَرْنَا نَحُنْ مَّعَ الْغُعَدِيْنَ @
- رَهُوْا بِأَنْ يَّكُونُوْا مَعَ الْحَوَا لِفِ وَطُبِعَ بَى قُلُوْبِهِرْ فَهُرْ لَايَفْقَوْنَ @
- لَّدِي الرَّسُوْلُ وَ الَّذِيْنَ أَمْنُواْ مَعَةُ جُهِدُواْ بِأَمُواْ لِهِنْ وَ الْمِنْدِهُ وَ الْمَدِينَّةُ وَ الْمَنْدِثُونَ ﴿ الْمُنْدِثُونَ ﴿ الْمُنْدِثُونَ ﴿ الْمُنْدِثُونَ ﴿ الْمُنْدِثُونَ ﴿ الْمُنْدِثُونَ ﴿ الْمُنْدِدُونَ وَ الْمُنْدُونَ وَالْمُنْدُونَ وَالْمُنَالِقُونَ وَالْمُنْدُونَ وَالْمُنْدُونَ وَالْمُنَالُونُ وَالْمُنَالُونُ وَالْمُنْدُونَ وَالْمُنْدُونَ وَالْمُنْدُونَ وَالْمُنْدُونَ وَالْمُنْدُونَ وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونِا وَالْمُنْدُونِا وَالْمُنْدُونِا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْ الْمُنْفُونَا وَالْمُنْفُونَا وَالْمُنْفُونَا وَالْمُنْدُونِا لَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونِا وَالْمُنْدُونِا لَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونِا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُنْدُونَا وَالْمُونَا وَالْمُونَا وَالْمُنْ
- اعد الله لهر جنب نجري من نحتِها الانهر خلَّادِين فيها . ذُلِكَ الْقَوْزُ الْعَظِيْرُ ﴾
- وَجَاءَ الْمُعَدِّرُ رُوْنَ مِنَ الْاَعْرَابِ لِيُؤْدَنَ لَمُّ وَقَعَدَ الَّذِيْنَ كَذَبُوا اللهَ وَ رَسُوْلَهُ سَيُمِيْبُ الَّذِيْنَ كَفُرُوا مِنْمُرْ عَذَابٌ آلدُ ه
- لَيْسَ بَلَ الشَّعُفَّآءِ وَلَا بَلَ الْمَرْهٰى وَلَا بَلَ الْدِيْنَ لَا يَجِدُونَ مَا يُمُنْفُونَ مَوْعٌ إِذَا لَمَحُوا لِلَهِ وَرَسُولِهِ مَا بَلَ الْمُحْسِنِينَ مِنْسَبَيْلِ مَوْ اللَّهُ عُلُورٌ رَّحِيْنَ ﴿
  - وْلَائَلَ الَّذِينَ إِذَامَآ آتَوْكَ لَتَهْمِلَهُرْ قُلُتَ لَاَأَهِدُمَّا أَهْمِلُكُرْ عَلَيْهِ تَوَلَّوْا وَآعَيُنَهُرْ تَقْيَفُهُ مِنَ النَّمْعِ حَرَّنًا الَّلْ يَحْدُوا مَا يُنْفَهُونَ فِي
  - إِنَّمَا الشَّمِيْلُ عَلَى النَّذِيْنَ يَسْتَنَاذِنُوْنَكَ وَهُرْ أَغْنِيَّاءُ وَهُوْا بِأَنْ يُشُوُّرُواْ مَعَ الْفَوَّالِفِ وَطَبَعَ اللهُّ عَلَّهُ لَكُوْرِهِمْ فَهُرْ لَا تَقْلُمُونَ ﴿

# পারা-১১

৯৯। মুখ্য বেহার তাগের নির্বাহিত আহার ছবল তার হোমানর নির্বাহ অনুষ্ঠার পূর্ব পর বার ক্রিয়ার কোর বার না রোমানেরতে কথার বিদ্যান করে না, ইত্যামার আহার আন্যানেরত রোমানের স্থায়র নারিয়ে নিয়েমেন। এবং নিইউ আহার ক্রেয়ারে করিবার প্রথমিক প্রত্তির বিদ্যান্তর, এরাম্বর অনুষ্ঠার অনুষ্ঠার নির্বাহ রোমানেরত দিবিয়ার কোর হবে বার ক্রামার বার করের কা সম্পর্কে ভিন্ন ব্যাহার করের বিশ্ব বার বার করের বার করের করের করের

৯০। খনদ তোমরা তাদের নিকট ফিরে আসবে তখন শীন্তই তারা আল্লাহর মামে কসম করবে বাতে তোমরা তাদেরকে উপেক্ষা করা সুতরা তোমরা তাদেরকে উপেক্ষা করা নিকয় তারা অপবিত্র এবং তাদের আশায়ক হবে আহান্তান, তারা যা একনি করত তার প্রতিক্ষা বরণ

৯৬. তারা তোমাদের নিকট কদম করবে খাতে তোমরা তাদের প্রতি সন্তুষ্ট হও। কিন্তু যদি তোমরা তাদের প্রতি সন্তুষ্ট হও, তবে দিক্তর আরাহ পাপাচারী সম্পদায়ের প্রতি সন্তুষ্ট হবেন না।

৯৭। বেনুষ্টনরা কুফরী ও মুনাফিকীতে কঠোরতর এবং আল্লাহ তাঁর রাস্পের প্রতি যা অবতীর্থ করেছেন তার সীমা না জনোর দিক থেকে অধিক উপযোগী। আর আল্লাহ সর্বজানী ও মহাপ্রজাবান।

৯৮। এবং বেদুঈনদের মধ্যে কেউ কেউ, যা ভারা (অল্লাহ্র পথে) ব্য়য় করে ভাকে অর্থনত হিসেবে এহণ করে এবং তোমাদের মন্দ অবস্থার প্রতীকা করে। মন্দ অবস্থা ভারেবই উপর। আর আল্লাহ দর্বলোভা ও সর্বজ্ঞানী।

৯৯। এবং বেলুইনদের মধ্যে কেউ কেউ আছাছ ও আধিবাতের নিনের ঝণ্ডি ইমান আনে এবং যা বারে করে আকে আরাছর নৈকটা ও রাস্কলের দোয়া লাভের উপায় হিসেবে এহণে করে। জেনে রাখ, এটা আন্দর্যন নার্যাধ আরাহের নৈকটা লাভের উপায়। শীঘ্রই আরাহ ভালেবাকে তাঁর দার্যাধ মধ্যে প্রবেশ করকেন। শিক্যা আরাহ অতি জ্যাশীল ও পরম দারাখ।

১০০। এবং মুহাজির্ব ও আনসারদের্ব মধ্যে যারা প্রথম অর্থাণামী এবং যারা সঠিকজবে জাদের অনুসরণ করেছে, আরাহ্ ভাদের প্রতি সন্থাই বরছেব-এবং তারাও তার এই সন্থাই এবং তিনি তাদের জন্য প্রস্তুত করেছেন জান্ধাতসমূহ, কেওগোর নীতে দহরসমূহ প্রবাহিত, সেখানে তারা চিক্সন্থানী হবে। এটিই মহাসাহত্য।

১০১। এবং বেদুউদদের মধ্যে যারা ছোমাদের আপোপাপে আছে ভালের মধ্যে কেউ কেউ দুর্মাফিক এবং মদীনাবাদীদের মধ্যেও কেউ কেউ, ভারা মুনাফিকীর উপর অনত্ব। ভূমি ভালেরকে আন না; আমি ভালেরকে জানি। দীয়েই আমি ছোলেরকে দুখাত শান্তি দেব, এরপর ভালেরকে ফিচিয়ের বালা এবে হ্রহাপাঠিক বিশ্ব

يَعْتَدِرُونَ البَكْرِ [دَا رَجَعْتَرَ البَعِيرَ فَلَ الْاَعْتِدِرُونَ لَنَّ أَتُوْفِى لَكُرْ قَدْ لَبَانَا الشَّمِنَ أَهْبَا رِكُرُ وَسَرَى اللهُ عَلَكُرُ وَرَسُولُهُ لُنَّ لَتُكُونُونَ إِلَى عَلِي الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ فَيُسِّكُرُ بِمَا كُنْنُرُ تَعْلُونَ ۞

سَيَصْلُغُونَ بِاللّهِ لَكُمْ إِذَا انْفَلَبْتُمْ إِلَيْهِمْ لَتَعُوفُوا عَنُهُمْ \* فَاعْرِفُوا عَنْهُمْ إِلَّهُمْ رِجْسٌ اوَمَاوَنَهُمْ جَهَنَّرُ جَهَّلًّر جَوَّاً تَّ بِمَا كَانُواْ يَضْبُونَ @

يَحْلِفُوْنَ لَكُرْ لِتَرْمَوْا عَنْهُرْ فَإِنْ تَرْمَوْا عَنْهُرْ فَإِنْ آمُواْ عَنْهُرْ فَإِنَّ اللهَ لَايَرْفَى عَيِ الْقَرْ) الْفُسِقِيْنَ ۞

ٱڵاٛڠۛۯٵٮؙۘٲۺۜڐؙۘۼڡٛٞٵڐڹڣٲڡٞٲڐٞٲۿۮۯٵؖڵؖڽۼڷؠؙۉٳۘڝؙۮۉۮٙؠٵؖ ٱڶۯۛڶ۩ۺۜۼٞڕۺۘۅڮ؞ۉٳۺؖۼؽڕۨڝڮؽڒۛ۞

وَمِنَ الْغُوَلِ مِنْ لِمُتَّعِدُمَا لِيُنْفِقُ مَقْرَاهُ وَيَوَرَّهُمَا وَيَوَرَّهُمَا وَيَوَرَّهُمُ لِكُمْ ا الدُّوَالُورَ عَلَيْهِمْ دَالَوَةَ الشُّوءَ وَالشَّسِيَّعُ عَلَيْمٌ ﴿ وَمِن الْغُولِ مِنْ يُقُونُ لِياللَّهِ الْغُورَ الْغُورَ اللَّهِ وَلِينَّةً الْهُورَ وَيَنْفُونَمَ يَنْفُقُ فُولِمِ عِنْدُ اللَّهِ وَلَيْنَا اللَّهِ وَلَيْنَا اللَّهِ وَلَيْنَا اللَّهِ وَلِينَّةً الْهُورَ لِينَ سَيْنَاهُمُ اللَّهُ فَي رَضِيّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّ

رُّ السِّفُوْنَ الْأَوْ لُوْنَ مِنَ الْمُهْجِدِيْنَ وَ الْأَتْصَارِوَ الَّدِيْنَ } النَّعُوْمُرِ بِإِحْسَانِ، رَّمِّيَ الشَّعَنَّهُمْ وَ رَمُوْا عَنْدُوَا عَدُّوَا عَدْ لَمُمْ ۚ مِّنْسِ نَجْرِي تَضْتِمَا الْأَنْهِرُ غَلِينَ فِيهَا آبَدَا وَ لَكِ الْفَرْزُ

رُومِّنَ حَوْلَكُمْ مِّنَ الْأَعْرَابِ مُغْفِقُونَ \* وَمِنْ آهُلِ الْمَدِيْدَة لَّا مَرَّدُولَ فَى النَّفَاقِ سَلَاتِلَهُمْ « نَصُّ تَعْلَمُهُمْ « سَنَعَلِّ بُهُرُ مَرَّتَشِي ثُرِّ يُرُدُّنَ إِلَى عَذَابٍ خَطِيْرٍ ۞

41.211 £ ..... 9

- विभिन्नाक ज्या सारकादिक आर्थ मा प्राव्य सीमाने ज्यालाह जाराव्य कावता কবল কথাকে। নিশ্চয় আলাহ অভি ক্ষমানীল ও প্ৰয়ে স্বয়াল।
- ১০৩। ত্যাদের সম্পদ থেকে সদকা (যাকাত) প্রথণ কর যার মাধামে ভূমি তাদেবকে পৰিয় কৰাৰ এবং আদেবকে পৰিক্ষম কৰাৰ এবং সমি সাম্মৰ क्रमा (मारा कर । विश्वत (प्राचार काम जायर क्रमा अभाविकायक । तक আবাহ সৰ্বপ্ৰোতা ও সৰ্বজ্ঞানী।
- No. काहा कि कार्य मा ता कामाइ कीर साम्योगम्ब क्रमता राज्य स्थान अस्त সদকা প্রহণ করেন এবং এও যে আবাহ অতি ক্ষমাদীল ও পরম নহাল:
- ১০৫ এবং বল 'তোমৰা কাজ কৰা কাৰণ শীঘট আলাচ কোমাদেব কাজ দেশবেন এবং তাঁর রাসল ও ম'মিনরাও। এবং শীয়েই তোমাদেরকে ফিরিয়ে নেয়া হবে অদশ্য ও নাশ্যর জ্ঞানীর নিকট এবং জোয়বা যা করতে সে সম্পর্কে তিনি তোমাদেরকে জানিয়ে দিবেন।
- ১০৬: এবং অনারা (যাদের বিষয়) ভারারর নির্দেশের জন্য স্থানিত বটল তিনি হয় তাদেরকে শান্তি দিবেন, না হয় তাদের ভওবা করল করবেন। এবং আলাহ সর্বজানী ও মহাপ্রজাবান।
- ১০৭। এবং যারা মসজিল বানিয়েছে ক্ষতিসাধন, কফরী ও ম'মিনদের মধ্যে বিভেদ সঙ্কিব উদ্দেশ্যে এবং যে ব্যক্তি উত্তঃপর্যে আলাত ও তাঁব বাসলেব विकास प्रक कार्याक जात और (भारत शांकात ऑफिक्स) अब जाता অবশাই কমম কবৰে যে 'আমবা কেবল উত্তম কিচ কৰছে চেয়েছি।' বিজ্ঞ আলাহ সাক্ষা নিশ্বজন নিশ্বস তাবা অবশাই ছিলাবাদী।
- ১০৮ তমি তাতে কথনো (সালাতের উদ্দেশ্যে) দাঁডিও না। অবশাই যে মসজিদ প্রথম দিন খেকেট ভারত্যার উপর স্থাপিত হারাও সেটিট অধিক হকদার যে তমি তাতে দাঁডাবে। সেখানে কিছ লোক আছে যারা পবিত্রতা অৰ্জন কৰতে ভালবাসে। আৰু আলাহ পৰিত্ৰতা অৰ্জনকাৰীদেৱক लांशवारसम्।
- ১০৯। যে ব্যক্তি তার ঘরের ডিনি স্থাপন করেছে আবাচর ভয় ও (তাঁর) সম্বাষ্টির উপর মে উল্লেখ মাজি ঐ ব্যক্তি যে তার ছাবর নিমি স্থাপন করেছ ভেক্তে পভার উপক্রম এক খাভা পাহাডের প্রান্তে, ফলে তা তাকে নিয়ে জাহানামের আগুনে পতিত হয়েছে? আর আল্লাহ জালিম সম্প্রদায়কে স্থালৈ পথ পদর্শন কলের না।
- हिन-रिश्विन इत्य याग अवः जासाइ अर्वकानी ও महाश्रकावान।

- خُدْ مِنْ آمُوا لِهِرْ صَدَقَةً تُطَهِّرُهُرْ وَ تُزَخِّيهِرْ بِهَا وَصَلَّ عَلَيْهِرْ . انْ مَلُوتَكَ سَكَنْ لَّهُرْ ، وَ اللَّهُ سَمِيْعٌ عَلَيْرٌ ⊕
- ٱلَرْ يَعْلَمُوٓۤ ا إِنَّ اللَّهَ هُو يَقْبَلُ التَّوْبَةَ عَنْ عَبَادِهِ وَيَأْخُذُ المَّدَقْتِ وَ أَنَّ اللَّهُ هُوَ النَّوَابُ اللَّهِ عَلَى الرَّحِيْرُ ﴿
- وَقُل إَعْمَلُواْ فَسَيِّى اللَّهُ عَمَلَكُمْ وَ رَسُوْ لُدُوَ الْمُؤْمِنُونَ وَوَ سَتُرَدُّوْنَ إِلَى عَلَيهِ الْغَيْبِ وَ الشَّهَادَةِ فَيُنَبِّئُكُمْ بِمَا كُنْتُرْ
- وَ أَخَرُ وْنَ مُرْجَوْنَ لِأَمْرِ اللَّهِ إِمَّا يُعَذَّبُهُرْ وَ إِمَّا يَتُوْبُ عَلَيْهِرْ ﴿ وَ اللهُ عَلَيْرٌ حَكِيْرٌ ﴿
- وَ الَّذِيْنَ اتَّخَذُوْا مَسْجِدًا مَوَا رَّا رَّكُفْرًا وَّ تَفْ يُعَّا 'بَيْنَ الْمُؤْمِنيْنَ وَ ارْصَادًا لَّمَنْ عَارِبَ اللَّهُ وَ رَسُوْ لَهُ مِنْ قَبْلُ وَ لَيَحْلِفُنَّ إِنْ أَرَدْنَا إِلَّا الْحُسْنِي وَ اللَّهُ يَشْهَدُ انَّهُرْ لَكَدُبُونَ ﴿
- لَا تَقُرْ فَيْهِ أَبَدًا ۚ لَمَسْجِدٌ أُسِّي عَلَى التَّقُوٰ ي مِنْ أَوَّل يَوْ ] أَمَقُّ أَنْ تَقُوْ ٓ فَيْه وفيه رِجَالٌ يُّدَبُّونَ أَنْ يُّتَطَهِّرُوا وَ اللهُ يُحِبُّ الْمُطَّهِّ ثِنَ @
  - أَفَمَنُ أَسَّى بُنْيَانَهُ عَلَى تَقُوٰى مِنَ اللهِ وَرِهُوَ انِ خَيْرٌ أَأُمَّنْ ٱَسَّىَ بُنْيَانَهُ عَلَى شَفَا جُرُبِ هَا رِفَانْهَا رَبِهِ فِي ثَا رِجَهَنَّرَ ۗ وَ اللهُ لَا يَهُدى الْقَوْمَ | لظَّلميْنَ @
- قُلُو بُهُمْ ، وَ اللهُ عَلَيْمٌ حَكِيمٌ ﴿

১১১। নিকর আরাহ ম'মিনদের নিকট থেকে তালের জীবন ও তালের ধন-সম্পদ ক্রয় করে নিয়েছেন এর বিনিয়ায়ে যে তাদের জন্য বছেছে জারাত। তারা আন্তাহর পথে যন্ত করে. সতরাং তারা (শঞ্জে) হত্যা কৰে এবং (নিজেবান) নিহত হয়। (এটি) তাঁব উপৰ (পালনীয়) একটি সতা প্রতিশতি বা আছে তাওরাত, ইনজীল ও করআনে। আর খীয় অঙ্গীকাৰের ক্ষেত্রে আলাহর চেয়ে অধিক পর্বকারী কে আছেঃ অভএব ভোমরা ভোমাদের সেই জন্য বিরুয়ের ব্যাপারে সুসংবাদ গ্রহণ কর যে ক্রম বিক্রম তোমবা তাঁর সাথে সম্পাদন করেছ। আর এটিই মহাসাঞ্গা।

৯, সুরা আত-তাওবা

- ১১১ (ভারা) ভওবাকারী ইবাদতকারী (আলাহর) প্রশংসাকারী, (আলাহর পথে) ভ্রমণকারী, রুক্কারী, সিজদাকারী, সংকাজের নির্দেশ দানকারী, অসংক্রাক্ত হতে নিষেধকারী এবং আলাহর (নির্বারিত) সীমা সংবক্ষণকারী। এবং (এ সব) ম'মিনদেরকে তমি সুসংবাদ দাও
- ১১৫। মনীর ক্রমা এবং হারা ঈমান এনেতে তাদের জন। (সঙ্গত) নয় যে, তার মশরিকদের জন্য ক্ষমা প্রার্থনা করবে যদিও তারা আগ্রীয় হয় বর্থন আদের নিকট এটি স্পর্ট রয়েছে যে তারা তীব আগুনের অধিবাসী।
- ১১৪। আর স্বীয় পিতার জন্য ইবরাহীমের ক্ষমা প্রার্থনা ছিল কেবল একটি প্রতিপ্রতির কারণে যে প্রতিপ্রতি সে তাকে দিয়েছিল<sup>®</sup>, অভঃপর যথন মার নির্মানপট বল যে। সে আলাহর শাক্ত ভখন ইবরাছীয় ভার থেকে দায়মুক্ত হল। নিশুয় ইবরাহীম অবশাই কোমল হলর সম্পদ্র ও সহনশীল ৷ ১১৫, এবং আল্লাহ এমন নন যে, তিনি কোন সম্প্রদায়কে সঠিকপথ প্রদর্শন
- করার পর তাদেরকে পথএই করবেন হতক্ষণ না তিনি তালের জন্য স্পর্ট ক্রামে মী মী সামা পরিচার প্রবার। মিশ্বর আলার সকল বিহয় সম্পর্কে ভালভাবে ভানেন। ১১৯ মিশতে আকাশসমূহ ও পথিবীৰ বাজত আলাভবটা। তিনিট জীবিত কৰেন
- ও মতা ঘটান। এবং আল্লাহকে বাদ দিয়ে তোমাদের কোনো অভিভাবক মেই এবং কোনো সাহায়কোবীৰ নেই।
- ১১৭। আলাহ তওবা কবল করনেন নধীর এবং মহাজির ও আনসারদের যারা তার অনসরণ ব্যাহিল সংকটকালে - (এমন্ডি) যথন তাদের এক দলের হৃদ্য বক্ত হয়ে যাওয়ার উপক্রম হয়েছিল, এরপর আগ্রাহ ভালের ভওবা কবুল করলেন। নিক্তম তিনি আদের প্রতি অভান্ত হোহশীল ও পরম নয়াল-
- ১১৮। এবং (তিনি তওবা কতুল করলেন) অপর তিনজনেরও, যাদেরকে পিছনে एएल (अक घटन करन) ताबा इट्डाइन, या नर्यन्त मा नविनी जाएनत केनत সংবাহিত হয়ে গেল যদিও তা ছিল বিজত এবং তাদের জীবন তাদের জন্য দৰ্বিষয় হয়ে উঠেছিল এবং তারা বঝতে পেরেছিল যে, আরাই থেকে (বাঁচাৰ জনা) তাঁৰ দিকে প্ৰভাবৰ্তন ছাত্ৰা কোন আশ্যন্তল নেই।এরপর তিনি তালের তওবা করুল করলেন যাতে ভারা ফিরে। আসতে পাবে। নিশ্বয় আল্লাহ তওবা কবলকারী ও পরম দয়াল।
- ১১৯। ওহে যারা ঈমান এনেছ! ভোমরা আল্লাহকে ভর কর এবং সভাবাদীদের অন্তর্ভক হও

انَّ اللهَ اشْتَاى مِنَ الْمُؤْمِنِينَ ٱنْفُسَهُمْ وَ آَمُوا لَهُمْ بِأَنَّ لَهُمُ الْجَنَّةَ، يُقَاتِلُونَ فِي سَبِيلِ اللهِ فَيَقْتُلُونَ وَيُقْتَلُونَ فِي سَوْعُلًّا عَلَيْهُ مَقًّا فِي التَّوْرُنةِ وَ الْإِنْجِيْلِ وَ الْقُوْانِ، وَمَنْ أَوْفَى بعَهْدهِ مِنَ اللهِ فَاسْتَبْشُ وَا بِبَيْعِكُمُ ۖ الَّذِيْ بَايَعْتُمْ بِهِ وَ ذُ لِكَ هُوَ الْفَوْزُ الْعَظْيُ ﴿

ٱلتَّآنَبُونَ الْعَبِدُونَ الْحَمِدُونَ السَّآئِحُونَ الرَّاكُونَ الرَّكُونَ الشَّجِدُوْنَ الْأُمُّ وْنَ بِالْمَعْرُوْنِ وَ النَّاهُوْنَ عَنِ الْمُنْكِ وَ الْعَفْظُونَ لَكُدُود اللهِ وَ بَشِّهِ الْمُؤْمنينَ @

مَا كَانَ للنَّبِّي وَ الَّذِيْنَ أَمَنُوٓۤ ا أَنْ يَّسْتَغْفُوْرًا للْمُشْرِكِيْنَ وَ لَوْ كَانُوٓا أُولَ قُرْبِي مِنْ بَعْدِ مَا تَبَيِّيَ لَهُ ۗ أَنَّهُ ۗ أَنَّهُ ۗ أَصْعُبُ وَمَا كَانَ اسْتِغْفَا رُ إِبْرِهِيْرَ لِإَبِيْهِ الْآعَنْ مَّوْعَدَة وَّعَدَهَ ٓ أَعَالُهُ فَلَمَّا تَبَيَّنَ لَهُ أَنَّهُ عَدُوَّ لِلهِ تَبَرَّ أَ مِنْهُ إِنَّ إِبْرِهِيْرَ لَاوَّاهٌ عَلِيْرٌ ﴿

وَمَا كَانَ اللهُ ليُمْلَ قَوْمًا ' بَعْنَ إِذْ هَال بِهُرْ حَتَّى يُبَيِّنَ لَهُرْ مَّا يَتَقُوْنَ انَّ اللهَ بِكُلِّ شَيُّ عَلَيْرٌ ﴿ إِنَّ اللَّهُ لَهُ مُلْكُ | لسَّمُوتِ وَ الْأَرْضِ \* يُحْي وَيُمِيْتُ \* وَمَا لَكُرْ مِّنْ دُوْنِ اللهِ مِنْ وَّلِيِّ وَ لَا نَصِيْرٍ @

لَغَدْ تَّابَ اللَّهُ عَلَى النَّبِيِّ وَ الْمُهٰجِرِيْنَ وَ الْأَنْمَا رِ الَّذِيْنَ إِثَّبَعُوْلًا فِي سَاعَة الْعُسْوَة مِنْ ابْعُد مَا كَادَ يَوْيُعُ قُلُوْبُ فَوِيْق مِّنْهُرْ ثُرِّ تَابَ عَلَيْهِرْ ﴿ إِنَّهُ بِهِرْ رَءُونْ رَحْيْرٌ ﴿

وْعَلَ الثَّلَٰعُةِ الَّذِينَ خُلِّفُوا حَتَّى إِذَا ضَاقَتْ عَلَيْهِمُ الْأَرْضُ

نَمَا ؛ كُبَتُ وَ ضَاقَتُ عَلَيْهِ أَنْفُسُهُ وَظَنَّوا أَنْ لَّامَلُجا مِنَ الله الَّا الَّيْهِ ، ثُرُّ تَابَ عَلَيْهِمْ لَيَتُوْ بُوْا . إِنَّ اللَّهُ هُوَ النَّوَّ إِلَّا يَّأَيُّهَا الَّذِيْنَ إَمَّنُوا اتَّقُوا اللَّهَ وَكُونُواْ مَعَ الصَّدقيرَ، @ ১১০ মদীনাবাসী ও তাদের চার পাশের বেন্টনদের জনা (সঞ্চত) নয় যে. মানা সক্ষাহ্ব মামল খোক পিছনে খোক যাবে এবং এও নয় যে, ভারা ভাব (বাসলেব) জীবনের চেয়ে ভালের নিজেনেরকে বেশি গছন্দ করবে এটি এজন্য যে, আল্লাহর পথে যে তথ্যা, ক্লান্তি ও ক্ষধাই ভালেনতে मध्यों जरत ,aze जाजा /टा लागर्शशंकरावाँडे लागर्लन कार - या काविन्तरमन মান তেনাধ্ব সঞ্চাৰ কৰে - এবং শক্তাদেই পক্ষ খোক ভাৰা হা-উ (দঃখ-কট্ট) লাভ করে তার (প্রত্যেকটির) পরিবর্তে তাদের জন্য নিখিত হয় সংক্রাম নিশ্বয় আলাহ সংকর্মপরায়ণদের কর্মছল নট কাবন না-

১৯১। একে ভাবা ভোট বা বড় যে বামই বাম করে একা যে উপতাকাই অভিক্রম করে তা তাদের জন্য লিখা হয়, যাতে তারা বা করে আল্লাহ प्राप्तकान कात्र केंद्रण शक्तियाच बिगाह शास्त्रहा

১৯১। এবং (বেনঈন) ম'মিনদের জন্য (সঙ্গব) নর যে তারা সরাই (একসঙ্গে জানার্জনে মদীনার উদ্দেশ্যে। বের হবে। তবে তাদের প্রত্যেক দল থেকে তারা তাদের নিকট ফিরে আসবে, যাতে তারা সতর্ক হতে পারেং

১১০৷ পতে যাবা ঈমান এনেচ! কাঞ্চিবদের মধ্যে হারা তোমাদের নিকটবর্তী তাদের বিশ্বকে যুদ্ধ কর এবং তারা যেন তোমাদের মধ্যে কঠোততা (দেখতে) পার। এবং জেনে রাখ, নিক্স আল্লাহ মন্তার্কীনের সাথে আছেন।

১১৪। আর থখনই কোন সরা অবতীর্ণ হয় তথন তাদের কেট কেট বলে. 'এটা ভোগ্লাদের কার ঈশ্লান বৃদ্ধি করলঃ' এর যারা ঈশ্লান এনেক্ত এটি তাদেরকে ঈমানে বন্ধি করেছে, যথন তারা আনন্দিত হয়।

১১৫। খার যাদের জনয়ে ব্যাধি আছে.<sup>\*</sup> এটি ভালের অপরিতভাব সাথে আরো অপরিকের রঙি ক্রান্ত এবং ভারা মন্তাবরণ করে। এমন অবস্থায় যে তারা कावित्रतः

১৯৮: জারা জি দেখে না যে তাদেরকে তোদের মনাফেডী প্রকাশ করে দেয়াই উদ্দেশ্যে) প্রতি বছর একবার বা দু'বার পরীক্ষায় ফেলা হয়ঃ এরপরও ভারা ভারা করে না এবং উপদেশ গ্রহণ করে না।

১৯৭। এবং যখনই কোন সুৱা অবতীর্ণ হয় তখন তারা একে অপরের দিকে দ্যারায়। (এবং ইশারায় জিল্লাসা করে) 'ভোমাদেরকে কেট সেখে ফেলেছে রিঃ' এরপর জারা সার পারে, আলার তানের হসবসমহাকে (সভা থেকে)

সরিছে নিয়েছেন, কারণ তারা এমন এক সম্প্রদায় যারা বুঝে ন ১৯৮। অৱশাই রোমানের নিজেনের মধ্য থেকে ভোমানের নিকট এসেতে একজন রামল। ভোমরা যাতে কট পাও তা তার কাছে কঠিন (নঃসহ), (সে)

সোমানের বিষয়ে উদ্বিগ, (এবং) ম'মিনদের প্রতি হোহশীল ও দরাত্ আয়ার জন্ম মধেষ্ট, তিনি ছাতা কোন ইলাহ নেই। আমি তারই উপর

مَا كَانَ لاَ هُلِ الْمَديْنَة وَمَنْ حَوْلَهُمْ مِّنَ الْاَعْرَابِ أَنْ يِّتَخَلُّفُواْ عَنْ رَّسُوْلِ اللهِ وَ لَا يَدْغَبُواْ بِأَنْفُسِمِ عَنْ نَفْسِهُ ذَلْكَ بِأَنَّهُمْ لَايُمِيْبُهُمْ ظُمَّا وَلَانَصَّ وَلَامَحْمَمَةٌ فِي سَبِيلِ اللهِ وَ لَا يَطَئُهُ ۚ نَ مَوْطِئًا يَعْيُظُ الْكُفَّارِ وَ لَا يَنَا لُوْنَ مِنْ عَدُوِّ تَٰيُلًا إِلَّا كُتِ لَهُرْ بِهِ عَمَلْ مَا لَوْ اللهَ لَا يُفَيْعُ آَجُ الْمُحَسَنِينَ ﴿

وَ لَا يُنْفَقُوْنَ نَفَقَةً مَغَيْرَةً وَّ لَاكَبِيَّةً وَّ لَا يَقْطَعُوْنَ وَإِديًّا إلَّا كُتِبَ لَهُرْ لِيَجْزِيَهُرُ اللهُ أَحْسَى مَا كَانُوْا يَعْمَلُوْنَ ⊛

وَمَا كَانَ الْمُؤْمِنُوْنَ لِيَنْفِرُواْ كَأَفَّةٌ فَلَوْ لَا نَفَ مِنْ كُلِّ अवर्गी वर्ष्य दिन दिन देश ना, याद जाता चैन मण्याद गर्डेस काम है | है | केंद्रेय है | है | केंद्रिय है | केंद्र वर्षन नवाद गरद अर जानम मण्यानायक मठर्ज कराज भारत करना رَجَعُوا الَّيْهِمُ لَعَلَّهُمْ يَحُذَرُونَ ﴿

يَاَيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُواْ قَاتِلُوا الَّذِيْنَ يَلُوْنَكُرْ مِّنَ الْكُفَّارِ وَ لْيَجِدُوا فَيْكُمْ عَلْظَةً ، وَ اعْلَمُوا إِنَّ اللَّهُ مَعَ الْمُتَّقِّينَ ﴿ وَ إِذَا مَا ٓ أَنْ لَتْ سُوْ رَةٌ فَمِنْهُمْ مِّنْ يَتَّوْلُ إَيُّكُمْ زَادَتُهُ

هٰذِهِ إِيْمَانًا؛ فَأَمَّا الَّذِيْنَ أَمَنُواْ فَزَادَتُهُرُ اِيْمَانًا وَّهُرُ وَ آمًّا الَّذِينَ فِي قُلُوْ بِهِرْ مَّوَضَّ فَزَ ادَّتُهُرْ رِجْسًا الى رجْسهِرْ

وَمَا تُوْا وَهُمْ خُنُونَ ﴿ أَوَ لَا يَرَوْنَ أَنَّهُمْ يُفْتَنُونَ فَي كُلِّ عَا مِوَّةً أَوْمَ لَّتَهُمْ أَوْمَ لَّتَهُمْ أَوْمَ لَا يَتُوْ بُوْنَ وَ لَا هُمْ يَذَّذُّ وْنَ هِ

وَ إِذَا مَا أَنْ لَتُ سُوْرَةً نَظَرَ بَعْفُهُرْ إِلَى بَعْضٍ، هَلْ يَرِٰ بَكُرْ مِّنْ أَحَدِ ثُرَّ انْصَرَفُوا مَرَفَ اللَّهُ قُلُوْ بَمُرْ بِأَنَّمُرْ قَوْمٌ لَّا يَفْقَهُونَ ﴿ لَقَنْ جَاءَكُمْ رَسُونًا مِنْ أَنْفُسِكُرْ عَزِيزٌ عَلَيْهِ مَا عَنِيُّرْ مَرِيْضٌ

عَلَيْكُرْ بِالْمُؤْمِنِيْنَ رَءُوْنٌ رِّحِيْرٌ ۞ فَانَ تَوَ الْوَا فَقُلُ حَسْبَى اللَّهُ أَنْ ۗ إِلَٰهَ اللَّهُ وَعَلَيْهِ تَوَكَّلُتُ وَأَلِجٌ الله هُ رَبُّ الْعَرْشِ الْعَظْيُرِ أَنَّ الْعَرْشِ الْعَظْيُرِ أَنَّ

## ১০.সূরা ইউনুস, মাকী এটি ১০৯ আয়াত, ১১ কব

অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

#### ১। আলিফ-লাম-রা। এগুলো প্রস্তাময় কিতাবের আয়াত।

- ২। মালুবের জল্য এটা কি আছর্মের বিষয়্ট বে, আমি তারেরই একজনের কাছে ওবী করেছি এই মর্মে যে, ভূমি মানুবকে সতর্ক কর এবং যারা ঈমান এনেছে তারেরকে সুক্রেল দাব যে, তারেনর জন্য তারের অতিপালকের কাছে বেছাই উক্ত মর্থালা। কাফিররা বলে, 'নিকল্প এই বাজি অবশাই এক সম্পন্ত জ্ঞাকক:'
- ৩৷ নিকয় তোমাদের প্রতিপালক আয়ায়, য়িনি আয়াশসমূহ ও পুথিবী ছয় দিনে সৃষ্টি করেছেন, এরপর আয়শে সমাদীন হয়েছেন। ভিনি সকল নিছয় পরিচালনা করেন। তার অনুমতি ছালা মুপারিশ করার কেউ নেই। ভিনিই আয়ায়, তোমানের প্রতিপালক, সূত্রাং তাঁর ইবাদত করা, তবে কি ডোমবা উপদেশ মাহণ করবে না।
- ৪। তাঁরই দিকে তোমানের সকলের প্রভ্যাবর্তনত্বল। (এটি) আল্লাহর সভ্য প্রতিজ্ঞতি। নিশ্চা তিটা সৃষ্টির সূচনা করেন, এরপর এর পুনরাবৃত্তি করনে, মারা স্থামন এনেছে ও সংকাজ ওরতে তানেরকে নাম্মা প্রতিদান নামার জনা। আরু যার প্রধাসন করেতে তানের জনা রয়েছে উত্তর পানীয় ও মন্ত্রণাদায়ক শান্তি, করেব তারে অবিশ্বাস করেতে;
- ৫। তিনিই সূর্যকৈ উজ্জল আলো ও চন্তকে দিয় আলো বানিয়েছেন এবং তার (চাঁদের) মনফিলসমূর্ই নির্দিষ্ট করে দিয়েছেন যাতে ভোমবা বছরের সংখ্যা ও /সময়ের) হিসাব জানতে পায় আছার্ এটা অথার্থ কারণ ছাছা সৃষ্টি করেনে), তিনি নিন্দর্শকসমূর বিশ্বারিত বর্থনা করেন এমন সম্প্রদায়ের জনা বারা জানে।
- ৬। শিক্ষ বাত ও নিনের পরিবর্তনে এবং আল্লাহ্ আক্রাশসমূহ ও পৃথিবীতে বা কিছু সৃষ্টি করেছেন তাতে অবশ্যই নিদর্শনাবদী রয়েছে এমন সম্প্রদারেও জন্য যারা তাকওয়া অবলয়ন করে।
- ৮। তাদের আশ্রম্বন হবে আওন, তারা যা অর্জন করেছে সে কারণে।
- ৯৷ নিজয় খারা ঈয়ান আনছে ও সংকাজ করেছে আদর প্রতিপালক তাদের ঈয়ানের কারণে ভালেরকে সঠিক পথ প্রদর্শন করকেন খালের (ফে ব্যক্তিদের) নীতে নহরদমূহ প্রবাহিত হবে- নিয়ায়তপূর্ণ জান্নাভসমূহে,

۱- اسُورَةُ يُونُسُ-مُكُيْةٌ اَيَانَهَا-١٩٠١رُكُوعَاتُهَا-١١ يِسُورِ اللّهِ الرَّحُمُونِ الرَّحِيْدِ

الرَّ وتلكَ أيْدُ الْكُتْبِ الْحَكِيْرِ ٥

اكَانَ لِلنَّاسِ عَجَبًا أَنْ اَوْحَيْنَاۤ إِلَى رَجُلٍ مِّنْمُرُ أَنْ اَلْفِرِ النَّاسَ وَيَقْرِ الَّذِينَ أَمَنُواْ أَنَّ لَمُرْ قَدَاً مِثْقٍ عِثْلَ رَبِّهِرٌ ۖ ا قَالَ الْخُدُونَ إِنَّ هَٰذَا لَسْجِرٌ مَّيْنَ ۞

إِنَّ رَبِّكُرُ اللهُ الَّذِي هَلَقَ السَّاوٰتِ وَ الْأَرْضَ فِي سِتِّدَ أَيَّا إِ ثُرَّ السَّوٰى فَي الْعَرْفِي يَدَيِّرُ الْاَمْرَ مَا مِنْ هَفِيمٍ إِلَّا مِنْ اَعْدِ إِذْنِهِ ذَلِكُرُ اللهُ رَبِّكُرُ فَاعْبُدُوهُ وَالْاَتِكَةُ وَثَنَ قَدِّرُونَ ﴿

الَّذِهِ مُوْجِدُكُمْ جَمِينًا ، وَعَنَّ اللَّهِ عَقَّاا إِنَّهُ يَلْدُوَّ الْعَلَقُ لُتُّ يُعِيدُهُ لَيَجْوِيَ الْيَائِنَ أَمَنُواْ وَعَبِلُوا الشَّلْحَى بِالْفَسُوا. وَ الْوَلِيْنَ كَفُوْوًا لَهُمْ هَوَّالَّ مِنْ هَمِيْرٍ وَعَذَابٌ الْمِيْرُ لِمَا كَانًا إِنْضُارُونَ فَهُوَا لَهُمْ هَوَّالًا مِنْ هَمِيْرٍ وَعَذَابٌ الْمِيْرُ لِمَا

هُوْ الَّذِيْ جَعَلَ الشَّهْنَ فِيَاءًوَّ الْقَمَرُ لُوْرًا وَقَدَّرَهُ مَثَالِلَ لِتَعْلَمُوْ(عَدَدُ السِّنِيْنَ وَالْحِسَابَ، مَا خَلَقَ اللهُ ذَٰ لِكَ إِلَّا بِالْحَقَّ بِيُعَمِّلُ الْأَيْبِ لَعْزَا يَعْلَمُونَ ۞

إِنَّ فِي احْتِلَابِ النَّيْلِ وَ النَّهَا رِوَمَا خَلَقَ اللَّهُ فِي السَّبُوتِ وَ الْاَرْضِ لَأَيْكِ لِقَوْمُ لِتَّقُونَ ۞

إِنَّ الَّذِيْنَ لَايَرْجُوْنَ لِقَاءَنَا وَرَمُوْا بِالْعَيْوةِ الدُّنْيَا وَ اطْمَاتُوْا بِهَا وَالَّذِيْنَ هُرُ عَنْ الْبِتِنَا غَفِلُوْنَ ۞

أُولَٰ يُقْفَ مَا وْنِهُرُ } النَّارُ بِمَا كَانُوْ ا يَكْسِبُونَ ۞

إِنْ الَّذِيْنَ إَمَنُواْ وَعَمِلُوا الشَّلِحُبِ يَهْدِيْهِرْ رَبَّهُرْ بِانْمَانَهِ ۚ ءَتَجِيْنُ مِنْ تَحْدِيرُ الْأَنْهِرُ فَيَجْتُ النَّغِيرِ ۞

- - ১১ অধ্যাহ যদি মানুমের অকল্যাণ তুরান্ধিত করতেন, যেভাবে তারা কল্যাণ তাড়াভান্তি পেতে চাহ, এবলাই তানের মেয়াদ শেষ হয়ে যেভ সুতরাং মারা আমার সাক্ষাভের আশা করে না আমি তালেরকে তাদের সীমালত থলে দিশেরারা হয়ে মুরে কেল্লানের অবকাশ সেই।
- ১২) আর মানুষকে যথন দুখণ-দুর্বণা শর্পার ওখন দে তয়ে, বলে তথব দাঁছিয়ে আমাকে ভারে, অভঃপর যথন আমি তার দুরখ-দুর্বণা দূর করি ওখন দে এমন পথ অবলান করে যেন ভারে যে দুরখ-দুর্বণা শর্পার করিছিল তা খেবে যুক্তির জন্য দে আমাকে ভারেনি। এভারেই দীমালজনকারীদের কান্ত ভারা ছা করত তা শোলনীয় করা হয়েছিল
- ১০, আর অবশ্যই আমি তোমাদের গূর্বে বহু প্রজন্ম ধ্বংস করেছি, যথন ভারা জ্বায় করেছিল এবং ভালের আছে শাই নিদর্শনাবলীসহ ভালের রাস্থারা প্রসাহিল, বিশ্ব ভারা ইমান আনার জন্য প্রস্তুত হিল না। এভাবেই আমি অপস্থাই সম্প্রশাসকে প্রতিফল দেই।
- ১৪ এরপর আমি তাদের পরে পৃথিবীতে তোমাদেরকে স্থলাভিবিক্ত করেছি
  এ জন্য যে আমি দেখব তোমরা কেমন কাজ কর।
- ১৬। বল, 'বলি আল্লাই ইছা করতেন তাহলে আমি তোমাদের কাছে তা পাঠ করতাম না এবং তিনিও তোমাদেরতে ও বিখতে জানাতেন না। আমি এর পূর্বে তোমাদের মধ্যে দীর্ঘকাল অবস্থান করেছি। তবে বি তোমরা অবাধানন কর না;'
- ১৭। অতএব যে ব্যক্তি আল্লাহ্ সপর্কে মিধ্যা রচনা করে অথবা আল্লাহ্র আয়াতকে মিধ্যা অভিহিত করে তার চেয়ে অধিক জাদিম আর কে? নিকয় অপরাধীরা সফল হয় না।
- ১৮। আর জারা আল্লাব্রুকে বাদ দিয়ে এমন সরার ইবাদত করে যা তাদের অপকার করে না এবং উপকারও কাতে না এবং তারা বলে, 'রঙালো আল্লাব্রু কায়ে আমালেন সুপারিশকারী।' বল, 'তোমারা কি আল্লাব্রুক কালসমুহ ও পৃথিবীর এমন কিছুর সংবাদ নিক্ষ যা তিনি জ্ঞানেন না? ভারা যা শরীক করে তা হতে তিনি পরিত্র এবং আনকে উর্মোধ।'

- وَ لَوْ يُعَجِّلُ اللهُ لِلنَّاسِ إِلهَّرْ اشْتَعْجَا لَهُرْ بِالْخَيْرِ لَقُهِىَ إِلَيْهِمْ آجَلَهُرْ فَنَذَّرُ الَّذِيْنَ لَايَرْجُونَ لِقَاءَنَا فِي طُعِّيَا نِهِرْ يَعْمَوْنَ @
- وَإِذَا مَسُّ الْإِنْسَانَ القَّرْ مَعَانَا لِجَثْبَةِ آَوْقَاعِدُا آَوْقَالِمًا فَلَمَّا حَشْفَنَا عَنْهُ مُرَّعَمَّرُ حَانَ لَرْيَدُعَنَّا إِلَى مُرِّمَّسَّهُۥ كَلْ لِكَ زِيِّنَ لِلْمُسُوفِينَ مَاكَانُوا يَعْمَلُونَ ۞
- وَلَقَدُ ٱهْلَحْنَا الْقُرُوْنَ مِنْ قَبْلِكُمْ لَمَّا ظَلَمُوْا وَجَاءَتُهُمْ رُسُلُهُمْ بِالْمَيِّنِيْنِوَمَا كَانُوا لِيُؤْمِنُوا حَذْ لِكَنَّةَ جِيءِ الْقَوَّا الْمُجْرِمِينَ۞

ثُرَّ جَعَلُنكُرْ خَلَئِكَ فِي الْأَرْضِ مِنْ بَعْدِهِرْ لِنَنْظُو كَيْفَ

- تَعْلَزُنَ ﴿ وَإِذَا تَعْلَى عَلَيْهِ ﴿ آيَاتُنَا بَيْنِي، قَالَ الَّذِينَ كِيْرَجُونَ يَقَانَنَا الْفِيهِ الْمُؤْلِقَ فَيْهِ خَذَا آوْتِدُكُ، قُلْمَا يَكُونَى أَنْ أَيْدِ لَكُمْنَ لِلْفَاعَ لَعَيْنَ الْفَاعِ أَنْفَا لَهُمْ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ أَعَانُ الْعَنْفِ لِنَّاعَتُهُ لَيْنَ عَلَيْهِ إِلَّهَا يَوْمَى إِلَّيَّ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللّ
- قُلُ لَوْ هَاءَ اللهُ مَا تَلَوْتُهُ عَلَيْكُرْ وَ لَآاَ دُرِيكُرْ بِهِ \* فَقَدْ لَمِثْتُ فِيكُرْ عُمُّرًا مِنْ قَبْلِهِ • اَفَلاَتْغِلُونَ ۞
- فَمَنْ أَظْلَرُ مِمّْنِ افْتَرْى غَلَ اللهِ كَذِبًا أَوْكَذْبَ بِأَيْتِهِ · إِنَّهُ لَايُقْلِحُ الْمُجْرِمُونَ ⊛
- وَ يَعْبُدُونَ مِنْ دُوْنِ اللَّهِ مَا لاَيَفَرَّهُمْ وَ لَايَنْفُعُمْرُ وَيَقُوْ لُونَ هُوَّ لاَيَّ شُفَعًا وَّنَا عِنْدَ اللَّهِ، قُلْ اَتَنْبِكُونَ اللَّهِ بِمَا لاَيَعْلَمُ فِي الشَّوٰبِ لَا يَعْلَمُ عَنْ الشَّوٰبِ لَا يَنْ لاَيْرُضِ سَبْحَنَٰهُ وَتَعْلَى عَنَّا يُشْرِكُونَ ۞

- ১৯। এবং মানুষ একই উন্নত (ধর্মভুক্ত) ছিল, অতঃপর তারা মতপার্থকা করল আর মদি ঘোষার প্রতিপালনের পক্ষ থেকে একটি বাণী পত হয়ে (পূর্ব ঘোষিত) না থাকত তাহলে যে বিবয়ে তারা মতপার্থকা করে সে বিষয়ে ভালের মান্তে মীয়াচনা করে দেয়া তার
- ২০। এবং তারা বলে, 'তার প্রতিপালকের কাছ থেকে তার কংছে কোল নিদর্শন অবতীর্থ হয় না কেনা' তবে বল, 'অস্প্রের জ্ঞান কেবল আয়াহরই, সূত্রনাং ভোষারা প্রতীকা কয়, নিশ্বয় আমি তোমাদের সাংখ অপেকারাবীনিক অসত্তিক।
- ২১৷ আর মানুখকে তাদের দুরখ-দুর্দশা শর্পে করার পর যথন আমি দয়া আঘাদন করাই তথনই তারা আমার নিদর্শনসমূহের কিবলে ছত্বয় করে৷ বল, 'আল্লাহ্ কৌশল অবলখনের ক্ষেত্রে দ্রুতততঃ' তোমরা বে যকৃত্য কর তা নিশ্বর আমার বাসুপর। (তেনেতার) বিখে রাখে।
- ২২) বিশি হোমানহতে স্থান ও সন্তুম্ন হাৰণ কৰে। এক পাছিল ফাল লোকা নিটানে আনাবাৰণ কৰে, বংশ কৰেণা বালাককে বিজ্ঞান বাজানে সদকে বাজে এবং বাছা আছে উত্তুম্ভ হাৰ ভাৰণ এক ৰাজ্ হাজা তাকে আনাক প্ৰায় এবং সাৰ্বাপিত কোন্ত কৰল আনক বিজ্ঞানে আনে এবং ভাৰা ভা ছালা পাহিলাকৈত হোমানহত্ত্ব কৰা আনক বিজ্ঞান আনা আনহাকে কাজ ভিন্নত কৰিব আন নিটাই কৰে, কোন স্থানা আনহাকে কাজ ভিন্নত কৰিব আন নিটাই কৰে, কোন স্থানা আনহাকে কাজ ভিন্নত কৰিব আন নিটাই কৰে, কোন আনাক সকলাক্ষ্যৰ কৰাজ্যালৈ কৰাজ্যালৈ কৰাজ্যালৈ আন্তৰ্গন কৰাজ্যালৈ আনাক্ষা ক্ষমানহাকে এ কৰাজ্যালৈ কাজান কৰাজ্যালৈ
- ২০। অত্যপর বখনাই তিনি তালেরকে উদ্ধার করেন তখনাই তারা পৃথিবীতে অল্যান্ডমং বাস্থাবাড়ি করতে থাকে। যে মানুমা তোমান্তম এল কান্তানাড়ি আন্দাক তোমান্তম ভিকাৰেই বিকালে, দুনিয়ার জীবনের তোগ্যসামন্ত্রী (উপভোগ)-এর কারণো এরপার আমানার্ভ্জ দিকে তোমান্তম প্রভাগতিনান্ত্রী, অত্যপত্র তোমান্ত্রী যা করতে সে সম্পর্কে আমি ব্যালাক্ষ্যক জান্তিক ছিল।
- 28 নতুত নিয়াও জীবনাও বিশাল বিশাল যে যা আমি কালাপ তেবে আমিন কালাপ তেবে আমানি কালাপ নিয়াক সংক্ৰিয়া হ'ব নাই পাই কালাপ কালাপ
- ২৫। আর আল্লাহ্ শান্তির আবাদের দিকে ভাকেন এবং যাকে ইচ্ছা করেন সরল-সঠিক পথে পরিচাদিত করেন।
- ২৬। যারা তাপকাল করে তাদের জন্য রয়েছে কল্যাণ এবং আরও অধিক কিছু, এবং কোন মণিকতা ও অপমান তাদের চেহারাসমূহকে আঙ্কার করবে না। তারাই জন্নাতের অধিবাসী, দেখানে তারা জুলী হবে।

- وَمَا كَانَ النَّاسُ اِلَّا أُمَّةٌ وَاحِدَةً فَاكْتَلَغُوا ۥ وَلَوْ لَا كَلِمَةٌ سَبَقْتَ مِنْ رَبِّكَ لَقُفَى بَيْنَهُرْ فِيْمَا فِيْهِ يَحْتَلِغُونَ ۞
- ا وَ يَقُوْ لُوْنَ لَوْ لَآأَنْوِلَ عَلَيْهِ أَيَةٌ مِنْ رَّبِّهِۥ فَقُلْ إِنَّمَا الْغَيْبُ لِللهِ أَغُ فَانْتَظِرُ وَاء النَّى مَعْكُمْ مَنَ الْمُنْتَظِيْنَ ۞

وَإِذَآ إِذَقَنَا النَّاسَ رَحْمَةً مِّنْ بَعْدِ فَرَّاءَ مَّشْتُهُمْ إِذَا لَهُرْ مُّذُوِّ فِيَّ الْمَاتِنَاءَقُلِ اللهُ ٱشْرَعُ مَكْرًاء إِنَّ رُسُلَنَا يَكْتُونَ مَا يَحُرُّهُ مُنْ

هُوَ الْدُن يَسَوِّكُو فِي الَّهِ وَ الْبَعْرِ، حَتَّى إِذَا كُنتُرْ فِي الْبَوْ وَالْبَعْرِ، حَتَّى إِذَا كُنتُرْ فِي الْمَاتَّةِ الِيَسْ اللَّهُ فَي وَفَيْ كُلُّ مِنَّالِهِا مَاتَهَا لِيسْ عَلَيْهُ وَفَيْرُا بِهَا أَمَاتُهَا لِيسْ عَلَيْهُ وَفَيْرًا بِهَا أَمَاتُها لِيسْ عَلَيْهِ مَعَالِيسَ اللَّهُ الْفِي عَلَيْهِ مَنْ كُلُّ لِلْإِنْ فَلِيْنَ الْفِي اللَّهِ عَلَيْهِ مَنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ مَنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مَنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مَنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ مَنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مَنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ مَا اللَّهُ عَلَيْهِ مَنْ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ مَنْ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ مَنْ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ مَا أَنْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ مَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ مَنْ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ مَا أَنْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ مَا أَنْهُمْ اللَّهُ عَلَيْهِ مَا اللَّهُ عَلَيْهِ مَا اللَّهُ عَلَيْهِ مَالِي اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ مَا أَعْمَالِكُونُ اللَّهُ عَلَيْهِ مَا أَنْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ مَا أَنْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ مِنْ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْ عَلَيْهِ عَلَيْ

فَلَمَّا ٱلْجُمُرُ إِذَا هُرْ يَمْغُونَ فِي الْآرْضِ يَغَيْرِ الْحَقِّ ،لَـُالِمَّا النَّسُ إِنَّا يَغْيُكُرُ فَيِّ ٱلْفُكِّرُ مَثَّنَا الْخَيْوَةِ الدُّنْيَاءُ لُرُّ النَّمَا مَرْجِعُمُرُ تَعْبَيْكُرْ بِمَا كُثَرُّ تَعْبَلُونَ ﴿

إِنْمَا مَثْلُ الْمُدْوِةِ الدُّنْيَا حَمَّاءً الْوَلْنُمُونَ السَّاءِ فَاعْتَلَعُ يِهِ بَنِهَا الْإِنْهِي مِنْا يَأْكُلُ الشَّاسُ وَالْاَنْفَاءَ مَثْمَى إِذَّا أَعْنَدِهِ الْاَرْضُ وَكُونُهُ فِهَا وَارْتُنْسُ وَعَلَّى أَمْلُهَا أَلَّهُمْ فَدِرُونَ عَنْيَنَا أَنْهُمْ أَوْرُقًا لَيْكَا وَلَهُ الْوَلِيَّةِ فَعَلَى الْمَالِيَّةِ الْمَعْقَلِقَا مَعِيدًا فَعَا لِمُرْتَقَى بِالْمُسِ حَلَّى لِلْفَاقِقُلُ الْأَبْقِ لِلْوَاتِّ مِثْمَالًا فَعَلَى اللَّهِ لِلْوَاتِيَّةِ الْمُواتَّقِيلًا مِنْ اللَّهِ الْمُولِيقِيلًا فَعَلَى اللَّهِ الْمُولِيقِيلًا عَلَيْكُونَ ﴿ وَالشَّيْدِينُونَ عَنْ لِمُنْا عَلَيْكُونَ ﴿ اللَّهِ لِلْمُؤْلِقِيلًا اللَّهِ لِلْوَاتِينَةً الْمُؤْلِقُ وَاللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الْمُؤْلِقَالِقًا الْمُؤْلِقُولُ وَالْمُؤْلِقُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الْمُؤْلِقُ اللَّهِ اللَّهِ الْمُؤْلِقُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الْمُؤْلِقُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُؤْلِقُولُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُولُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُولُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُولُ اللْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُولُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُولُولُ اللْمُؤْلِقُولِي اللْمُؤْلِقُولُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ ا

- ১৭: আর রারা মূল ভার্নন রবেড়ে তাদের প্রতিফল ভানত্রপ মূল এবং এপমান ভালেরতে আছন করবে। আল্লাহর বিপরীতে ভালের জন কোন বজাকারী পাক্রবে মা জাদের চেহারাসমূহ খেন রাভের অন্ধবারের আমরণে আঙ্গাদিত, তারাই আওনের অধিবাসী, সেখানে তারা স্থায়ী চৰে:
- ১৮। এবং যেদিন আমি ভাদের সকলকে একর করব, এরপর যারা পরীক ক্রার্ডিক অসমরকে আমি বলক 'ভোমবা এবং ভোমবা খাদেবাক শ্রীক কৰেছিলে তাৱা নিজ নিজ স্থানে অবস্থান কর,' এবং আমি তাদেরকে (পরক্ষার গোরে) পথর স্তার দের এবং তারা যাদেরতে শরীক বারেছিল ভাৱা বলবে 'ভোমরা ভো আমাদের ইবাদত করতে না।
- ১৯৷ সভরাং আল্লাহই আমাদের মাঝে ও ভোমাদের মাঝে সাক্ষী জিসেবে য়াথন্ত যে আমতা ভোমানের ইবাদত সম্পর্কে অবশ্যই বেখবর ছিলাম।
- থিখ্যা রচনা করত তা তাদের থেকে উধাও হয়ে যাবে।
- ৩১। বল, 'কে ভোমাদেরকে আকাশ ও পথিবী থেকে রিযিক দান করেন অথবা প্রবণ ও দৃষ্টিশক্তির মালিক কেং এবং জীবিতকে মত থেকে কে তেও জারনাং এবং মতকে জীবিত থেকে কে বের করেনাং এবং কে সকল বিষয় পরিচালনা করেনঃ' তখনই তারা বলবে, 'আল্লাহ।' অতথাৰ বল, 'ভাব কি ভোমৰা (আলাহকে) ভয় কৰাৰ নাং'
- ৩২ ডিনিই আল্লাহ, তোমাদের সতা প্রতিপালক, সভোর পরে পথন্রইতা ভালে আৰু কী আছেঃ সভরাং কিভাবে তোমাদেরকে (সতা থেকে) সকিয়ে নেখা হাজেং
- তে। এভাবেই যারা পাশচার করেছে তাদের বাপারে ভোমার প্রতিপালকের রালী অরধাবিত রহেতে যে তারা ঈমান আনবে না।
- ৩৪। হল, 'তোমাদের শরীকদের (মিধ্যা প্রকৃদের) মধ্যে কি এমন কেউ আছে, যে সৃষ্টির সূচনা করে, এরপর এর পুনরাবৃত্তি করবে?' বল, 'আয়াহই স্তির সচনা করেন, এরপর এর পুনরাবৃত্তি করবেন, সুতরাং কিভাবে জোয়াদেবকে বিভান্ত করা ক্রান্তঃ
- ৩৫। বল, 'তোমাদের শরীকদের (মিধ্যা গ্রন্থদের) মধ্যে কি এমন কেউ আছে, যে সত্যের দিকে পরিচালিত করেঃ' বল, 'আন্তাভট সত্যের দিকে পরিচালিত করেন।' তবে কি যিনি সত্যের দিকে পরিচালিত করেন তিনি আনগতোর অধিকতর যোগা নাকি যাকে পথ না দেখালে পথ পায় না-সেং তোমাদের কী হয়েছে, তোমরা কেমন বিচার করছং
- ক্রম। আর ভাদের অধিকাংশই কেবল অনুমানের অনুসরণ করে। নিশুয় সাত্যের বিপরীতে অনুমান কিছুই কাজে আসে না। নিশুর আল্লাহ তারা যা করে সে সম্পর্কে ভাগভাবে জানেন।

وَ الَّذِينَ كَسَبُو [ السَّيَّأَتِ جَزَّ إَءُ سَيْئَةُ بِمثْلَهَا مُوَتَّدٍ هَقُهُمْ ذَلَّةٌ مِمَا لَهُرْ مِّنَ اللهِ مِنْ عَاصِرٍ ، كَأَنَّمَاۤ أَغْشَيْتُ وُجُوْهُهُرْ قَطَعًا مِّنَ الَّيْلِ مُظْلَمًا وَأُولَٰ اللَّهُ أَصْحُبُ | لنَّا روَهُرْ فِيْهَا خُلدُونَ @

وَيَوْمَ نَحْشُرُهُرْ جَمِيْعًا ثُرٌّ نَقُوْلُ لِلَّذِيْنَ آَشْرَكُوْا مَكَانَكُيْ ٱنْتُرْ وَهُوَكَآؤُكُرْ ۚ فَوَيَّلْنَا بَيْنَهُرْ وَقَالَهُوكَآؤُهُمْ مَّا كُنْتُرْ إِيَّانَا تَعْبُدُوْنَ ⊚

فَكَفَى بِاللَّهِ شَهِيْدًا ۚ بَيْنَنَا وَ بَيْنَكُرْ إِنْ كُنَّا عَنْ عَبَادَتَكُرْ لَغْفَلَيْنَ ۞

ن الله تَعْلَمُ اكُنُّ نَفْسِ مَّا أَسْلَفَتُ وَرُدُورٌ إِلَى اللهِ مَوْ لَهُمِ اللهِ مَوْلَ لَهُمِ اللهِ عَلَ اللهِ مَوْلَ اللهِ تَبْلُواْ كُنُّ نَفْسٍ مَّا أَسْلَفَتُ وَرُدُورٌ إِلَى اللهِ مَوْلَ لَهُمِ اللهِ عَلَيْهِ ال الْعَقَّ وَضَلَّ عَنْهُرْ مَّاكَانُوْ ا يَفْتَ وَنَ فَي

> قُلْ مَنْ يَّهِ زُقُكُرْ مِّنَ السَّمَآءِ وَ الْإَرْضِ أَمِّنْ يَّمْلِكُ السَّمْعَ وَ الْأَبْعَارَ وَمَنْ يُخْرِجُ الْحَيِّمِنَ الْمَيِّدُ وَيُخْرِجُ الْمَيِّدَ مِنَ الْمَنَّ وَمَنْ يَّدَبِّوُ الْآمَوَ وَسَيَقُوْ لُوْنَ اللهُ وَقَلْ أَفَلَاتَتَقُوْنَ ﴿

> فَذَٰ لِكُورُ اللهُ رَبُّكُورُ الْعَقَّ ، فَمَا ذَا بَعْدَ الْعَقْ الَّا الشَّلُلُّ \* فَاتَّى

كَذْ لِكَ مَقَّتْ كَلِّمَتُ رَبِّكَ عَلَى الَّذِيْنَ فَسَقُوًّا أَنَّـهُمْ لَا يُوْ مِنُوْنَ 😡

قُلْ هَلْ مِنْ شُرِ كَمَّ لَكُرْ مِّنْ يَبْدَرُ أَلِ الْعَلْقَ لُرٌّ يُعَيْدُونَا فَلَ اللَّهُ يَبْدَوُّا الْعَلْقَ ثُرَّ يُعِيْدُهُ فَأَنَّى تُوْفَكُوْنَ ﴿

قُلْ هَلْ مِنْ شُوِّكَا لَكُرْ مَّنْ يَتْهَدِئْ الْيَ الْحَقِّ، قُلِ اللهُ يَهَدِيْ للْحَقّ، أَفَمَنْ يَهْدَى إِلَى الْحَقّ آحَقُّ أَنْ يَّتَّبَعَ أَمَّنْ لَّا يَهِدِّي الآ أَنْ يُهْدَى وَهَا لَكُرْ سَكَيْكَ تَكُمُونَ @

وَمَا يَتَّبِعُ إَكْنُو هُرْ الْآظَنَّاءِ إِنَّ الظَّنَّ لَا يُغْنِيْ مِنَ الْحَقِّ شَيْئًا ﴿ أَنَّ اللَّهُ عَلَيْرٌ ۗ ﴿ بِمَا يَفْعَلُوْنَ ۞

- ৩৭ এ কর্মান এমন নয় যে আলার চাড়া মানা কেট ডা বচনা ররণে পারে বরং এটি এর সামনে যা আছে ভার (অর্থাৎ পর্ববর্তী কিতাকের) गणाश्यकादी अवः मकल (प्रामप्रामी) किळात्वव विद्याविक वर्गमा ता ব্যাপারে কোন সন্দেহ নেই, যা জগৎসমহের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে (कारप्रीर्थ)
- ৩৮। তারা কি বলে, 'সে এটি রচনা করেছেঃ' বল, 'ভবে ভোমরা এর অনরূপ একটি সবা নিয়ে আস এবং অবাহাকে বাদ দিয়ে যাকে পার আক আন- যদি ভোমবা সাহাবাদী হও।
- ৩৯। বক্ত ভাবা যা জ্ঞান দ্বাবা আমার করেনি ভা মিধ্যা অভিচিত্ত ক্রাবাদ জ্ঞান এখনও এর ভাৎপর্য তাদের কাছে আসেনি। এভাবেই ভালের পর্ববাহীকার যিখা অমিটিস করেটিল সকরাং লক্ষ্য কর ক্রেয়ন ছিল ক্রেলিয়ানক efficeren.
- कारसम्
- ৪১। এবং তারা যদি তোমাকে মিধ্যাবাদী বলে তবে তমি বল, 'আমার কাজের দায় আমার এবং ভোমাদের কাজের দায় ভোমাদের। আমি সা করি সে বিষয়ে তোমরা দায়িত্যক এবং ভোমরা যা কর সে বিষয়ে আমিক দায়িক্যাক।'
- ৪১। এবং ভালের মধ্যে রোট রোট লোমার মিত্র রাম পেতর লোভ গেত দিয়ে শোনে না)। তথি কি বধিরকে অনাতে পারকে তারা অনধারন না कररक्ष थ
- ৪৩ এবং তালের মধ্যে কেট কেট ভোমার দিকে ভাকিছে থাকে দেকাকে দেখতে চাই না)। তমি কি অক্সক পথ দেখালে পালৰ আৱা না দেখলেওঃ
- ৪৪। নিশ্চর আল্লাহ মানুদের প্রতি কোন স্থানুম করেন না বরং মানুমুই তাদের নিজেদের প্রতি অলম করে থাকে।
- ৪৫। এবং যেদিন তিনি তাদেরকে সমবেত করবেন (সেদিন তাদের **ম**নে হবে). যেন ভারা দিনের এক মুহর্তকাল ছাড়া অবস্থান করেনি; তারা পরম্পরকে চিনবে। আহাতর সাক্ষাথকে হারা হিল্লা রাজ্যত তারাই ক্ষতিগ্রন্ত হয়েছে এবং তারা সঠিকপথপ্রাপ্তও ছিল মা।
- ৪৬। আর আমি তাদেরকে যে (শান্তির) প্রতিশ্রুতি দেই তার কিছ যদি ভোমাকে দেখাট অথবা ভোমার মতা ঘটাট (উত্তয় ক্ষেত্রেট) ভাদেও প্রত্যাবর্তন আমারই দিকে, অধিকত্ব তারা যা করে আল্লাহ তার প্রতাক্ষদশী।

وَ مَا كَانَ هٰذَا الْقُ أَنُ آنُ آنُ يُتَفْتَىٰ عَ مِنْ دُوْنِ اللهِ وَ لَكِنْ تَمْدِيْقَ الَّذِيْ بَيْنَ يَدَيْهِ وَتَفْمِيْلَ الْحَتْبِ لَا رَيْبَ فِيْهِ مِنْ رَّبِّ الْعُلَمِينَ ﴾

ٱٱ يَقَهُ لُهُ نَ افْتَهُ لِهُ قُلُ فَأَتُواْ بِسُوْ رَةً مَّقُلِهِ وَ ادْعُواْ مَن اسْتَطَعْتُمْ مَنْ دُونِ اللهِ انْ كُنْتُرْ مَدَقَيْنَ ﴿

بَلْ كَذَّبُوْ ا بِمَا لَيْ يُحِيْطُوْ ا بِعِلْمِهِ وَ لَمَّا يَأْتِهِيْ تَأُويْلُهُ، كَذْ لِكَ كَدِّبَ إِلَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِمِرْ ۚ فَا نُظُرْ كَيْفَ كَانَ عَاقَبَةُ

بالْمُفْسِدِثَ، ۿ

> وَ إِنْ كَذَّ بُوْكَ فَقُلْ لَىْ عَمَلَىْ وَ لَكُرْ عَمَلُكُرْ ، آنْتُرْ بَرِيْكُوْنَ مِمَّا أَعْمَلُ وَ أَنَا بَرِّيثُ مِّمًّا تَعْمَلُونَ ﴿

وَمِنْهُرْ مَّنْ يَشْتَمِعُوْنَ الَّيْكَ، أَفَا نُتَ تُسْمِعُ الصَّرَّ وَلَوْ كَانُواْ

وَمِنْهُرْ مِّنْ يِّنْظُرُ إِلَيْكَ ﴿ أَفَانْتَ تَهْدِى الْعُمْنَ وَلَوْ كَانُوْ ا لأكبه ون 6

انَّ اللهَ لَا يَظْلِيرُ النَّاسَ شَيْئًا وَّ لَكِنَّ النَّاسَ ٱنْفُسَهُرْ

وَيَوْ)َ يَحْشُوهُمْ كَأَنْ لَّمْ يَلْبَثُوَّا إِلَّاسَاعَةً مِّنَ النَّهَارِ يَتَعَارَ قُوْنَ بَيْنَهُمْ - قَدْ خَسَ الَّذِيْنَ كَذَّبُوا بِلِقَآء اللهِ وَمَا كَانُوْ إ مُهْتَديْنَ ۞

وَ إِمَّا لُهِ يَنَّكَ بَعْضَ الَّذِي نَعِدُهُمْ أَوْ نَتُوَ قُيِّنَّكَ فَا لَيْنَا مَ جُعُهُر ثُرَّ اللهُ شَهِيْدٌ عَلَى مَا يَفْعَلُوْنَ ﴿

- ৪৭। এবং প্রত্যেক উবতের জন্য রয়েছে একজন রাসুল, অভঃপর যধন তাসের বাসুল আসে তখন তাসের মাঝে দ্যারের সাথে ফরসালা করা হয় এবং তাসের প্রতি জুলুম করা হয় মা।
- ৪৮। এবং তারা বলে, '(বল) কখন (বাজবারিত হবে) এই প্রতিশ্রুতি- যদি তোমরা সত্যবাদী হওে'
- ৪৯। বল, 'আমি আমার নিজের জন্য কোন কবি বা উপকারের মালিক নই-আয়াহ্ যা ইক্ষা করেল তা ছাত্র। প্রত্যেক উচ্চতর (জনগোষ্টার) একটি নির্দিষ্ট সময় আছে। হথল আদের নির্দিষ্ট সময় আদেরে কবন ভারা (ভা) এক মূহুর্ত কিল্লিছত করতে পারবে না এবং তারা তুরান্দিতত করতে পারবে না।'
- ৫০। বল, 'লোমরা কি তেবে দেখেছ, যদি তাঁর শান্তি তোমাদের উপর রাতে অথবা দিনে এলে পড়ে (তোমরা কি প্রতিরোধ করতে পারবে)ঃ' তাহলে অপরাধীরা কী তাতাভাতি পেতে চায়ঃ
- ৫১। এরপর যথন তা (শান্তি) আপত্তিত হবে তখন কি তোমরা তাতে ঈমান আনবেং এখন (শান্তি আসার পর ঈমান আনলে)। অথচ তোমরা তা তাত্তকাহি পোক তেলেছিছে।
- ৫২। এরপর যারা জুনুম করেছে তাদেরতে বলা হবে, 'ছুরী শান্তি আহাদন কর, ভোমাদেরতে কি এছারু। (অন্য কিছুর) প্রতিকল দেয়া হকে যা তোমরা অর্থন করতে?'
- ৫৩। এবং ভারা ভোমার কাছে জানতে চায়, 'ভা কি সভাং' বল, 'হাঁ, আমার है। এতিপালকের কসম! নিশ্চয় ৩া অবশ্যই সতা এবং ভোমরা (ভালাহকে)
- ৫৪। পৃথিবীতে যা কিছু আছে যদি তা ভূদুৰ বরেছে এমন এত্যেক ব্যাজির থাকত তবে সে (সদিন) অবশাই তার বিনিয়য়ে (মৃতিপণ নিয়ে) মৃতি পেতে চাইত। এবং যথনা তারা শান্তি দেখাতে তখন তারা অনুভাগ গোগদ করবে, এবং তামের কয়নাগা করা হবে শারের সাথে এবং তালের প্রতি জয়দ করা হবে না।
- ৫৫। জেনে রাধ, নিশ্বর আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে তা আল্লাব্রই জেনে রাধ, নিশ্বর আল্লাব্র প্রতিশ্রেতি সত্য, কিন্তু তানের অধিকাশেই জানে না।
- ৫৬। তিনি জীবিত করেন এবং মৃত্যু ঘটান এবং তাঁরই নিকে তোমাদেরকে স্পিলা নেয়া করে।
- ৫৭। হে মানুষ। ভোমাদের প্রতি তোমাদের প্রতিপালকের কছে থেকে এনেছে উপদেশ ও তোমাদের বক্ষে (অল্পত্রে) যা আছে তার নিরামর্য্য এবং মু'মিনদের জন্য পর্বনির্দেশকা ও গরা।
- হানেবার ক্রম্ পর্যাহে ও তাঁর সমাম (কুরআন এনেছে), সুভরাং এতে তালের উংফুল্ল ২ওমা উচিত। তারা যা ক্রম করে রাখে তার চেমে এটা ক্রিয়া:

- وَ لِكُلِّ إِمَّةٍ رَّسُولُ ، فَإِذَا جَاءَ رَسُولُ لُهُرْ قُفِىَ بَيَنَهُرْ بِالْقِصْ وَهُرْ لَايُظْلُمُونَ @
  - وَيَقُوْ لُوْنَ مَنَّى هٰذَا الْوَعْدُ إِنْ كُنْتُرْ طِيقِينَ ۞
- قُلُ لَّا آَمُلِكُ لِنَفْسَى مَرَّا وَّلاَنَفْعًا إِلَّامًا شَاءَ اللهُ، لِكُلِّ أَمَّةُ آَجُلُّ إِذَا جَاءَ آَجَلُمُرُ فَلَايَشَتَأْخِرُوْنَ سَاعَةً وْ لَايُشَتَقْدُمُنَ @
- قُلُ أَرَةَ لِنَّمْرُ إِنْ أَلْكُرْ عَلَا أَبُهُ بَيَاتًا أَوْنَهَا رَّأَمًّا ذَا يَسْتَغْضِلُ عِنْدُ الْمُخْوِمُونَ @
- ٱلتُرَّ إِذَا مَا وَقَعَ أَمَنْتُمْ بِهِ ﴿ أَلَّتُنَ وَقَدْ كُنْتُمْ بِهِ تَسْتَعْجِلُونَ ۞
- نَّرْ قَيْلَ لِلَّذِيْنَ طَلَمُواْ ذُوْقُواْ عَذَابَ الْعُلْدِ: عَلَّ تُجُرُونَ إِلَّا بِهَا كُنْتُرْ تَضْبُونَ ﴿ وَيُسْتَنْكُونَكُ أَحَدًّ مُوَ أَقُلُ إِلَى وَرَيِّنَ أَلَّهُ لَحَقَّ مُوَاقُلُ إِنْ وَرَيِّنَ أَلَّهُ لَحَقَّ مُوَالًا
- أَنْتُرْ بِمُعْجِرِيْنَ ﴿ وَتَوَأَنَّ لِكُلِّ نَفْسِ طَلَمَتْمَا فِي الْأَرْضِ لَافْتَكَتْ بِهِ وَ أَسَّوَّ إِللَّهُ إِمَّةً لَمَّا رَآوًا الْعَنَابَ وَقَفَى بَيْنَهُمْ بِالْقَصْوَ
- هُرُ لَا يُطْلَعُونَ ﴿
  اللهِ مَنْ إِللهُ مَا فِي السَّمُوتِ وَ الْأَرْضِ آلَا إِنَّ وَعَدَ اللهِ مَقَّ وَ الْأَرْضِ آلَا إِنَّ وَعَدَ اللهِ مَقَّ وَ لَكَنْ أَنْهُ وَالْمُوتِ وَ الْأَرْضِ آلَا إِنَّ وَعَدَ اللهِ مَقَّ وَ لَكَنْ أَنْهُونَ ﴿
  - مُو يُحْى وَ يُمِيْتُ وَ إِلَيْهِ تُرْجَعُونَ @
  - هُو يَعْمُ رِيمِينَ وَإِلَيْهِ لَرِجْعُونَ۞ يَأَايُّهَا النَّاسُ قَدْ جَاءَتُكُرْ مَّوْعَظَةٌ مِّنْ رَبِّكُرْ وَهُفَاءٌ لِّمَا فِي
  - الصُّدُورِ وُ وَهُدَّى وَّ رَحْمَةٌ لِّلْمُؤْمِنْينَ ۞ قُلْ بِغَضُل اللهَ وَ بِحُمْتِهِ فَبِلْ لِكَ فَلْيَثْبَ حُوا وَهُو كَيْنَ مَهَا

৫৯। বল: 'তোমবা কি ভেবে দেখেছ, আল্লাহ তোমাদের জন্য যে বিধিক অবতীর্ণ করেছেন অভংগর ভোমরা ভার মধ্য থেকে কিছ ছালাল ক কিছু হারাম করেছ?' বল, 'আল্লাহ কি তোমাদেরকে এর অনুমতি দিয়েছেন, নাকি তোমবা আলাহ সম্পর্কে মিথ্যা রচনা করছঃ"

وَمَا ظُنَّ الَّذِينَ يَفْتُرُونَ يَلَ اللَّهِ الْكَذِبَ يَوْ مَا اللَّهِ الْكَذِبَ يَوْمَ اللَّهِ المُعَامِع اللهِ المُعامِع اللهِ اللهُ ال কী ধারণাঃ নিশ্বয় আলাহ মানদের প্রতি অবশাই অন্প্রহশীল কিল

তাদের অধিকাংশই কতজ্ঞতা প্রকাশ করে না।

৬১। মার তমি যে অবস্থাতেই থাক এবং তমি করআন থেকে ঘাই পাঠ কর এবং তোমরা যে কাজই কর, আমি তোমাদের প্রত্যক্ষদর্শী- যখন তোমরা তাতে মনোনিবেশ কর। আকাশসমত ও পথিবীর জগ পরিমাণ এমনকি তাব চোয়েও ক্ষদত্ব অথবা বছরব কিচট ভোয়ার প্রতিপালক থেকে গোপন নয় বরং তা সম্পন্ন কিতাবে রয়েছে

৬২। জেনে রাখ, নিশ্বর আল্লাহর বন্ধদের<sup>®</sup> কোন ভর নেই এবং তারা দতিভাগ্ৰন্তও হবে না.

৬৩। যাবা উমান এনেছিল এবং ভারধ্যা অবলম্বন করত।

৬৪ - আদের জন্য রয়েছে সসংবাদ<sup>®</sup> দুনিয়ার জীবনে ও আখিরাতে। আল্লাহ্ বাণীর কোন পরিবর্তন নেই। এটিই মহাসাফল্য:

৬৫। তাদের কথা যেন তোমাকে কট না দের। নিচর সমস্ত ইব্রুত আল্লাহর জনা। তিনিই সর্বপ্রোতা ও সর্বজ্ঞানী।

৬৬: জেনে রাখ, নিশ্চর যারা আকাশসমূহে আহে এবং যারা আছে পথিবীতে ভারা আলাহরই। আর যারা আলাহতে বাদ দিয়ে শরীকদেরকে ভাকে তারা কিসের অনুসরণ করেঃ তারা কেবল অনুমানেরই অনুসরণ করে এবং তারা কেবল মিগ্নাই বলে।

५०। विभिन्ने रवाप्राप्तव क्या समितारका ताव प्राप्त रवाप्रत प्राप्त क्रिया নিতে পার এবং দিনকে করেছেন আলোকোঞ্চল। নিক্ষর এতে অবশাই নিদর্শনাবদী বয়েছে এফন সম্পদাখের জন্য হারা শক্ত করে।

৬৮। তারা বলে, 'আলাহ সন্ধান গ্রহণ করেছেন' পবিত্র তিনি। তিনি অমগাণেকী আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও পথিবীতে যা কিছু আছে তা তাঁরই। এ বিষয়ে তোমাদের কাছে কোন প্রমণ নেই। ভোমরা কি আলার সম্পর্কে এমন কিচ বলচ যা কোমবা ভান নাঃ

وْ مَلْلًا قُلْ اللهُ أَذِنَ لَكُرْ أَأْعَلَى اللهِ تَفْتَهُ وْنَ @

قُلْ آرزَ يَثَرُ مَّا آنْزَلَ اللهُ لَكُرْ مَّنْ رِّزْقِ فَجَعَلْتُرْ مِّنْهُ حَرَامًا

لَذُوْ فَفْلِ عَلَى النَّاسِ وَ لَكِنَّ أَكْثَرَ هُرْ لَا يَشُكُّرُونَ ﴿ وَمَا تَكُونُ فِي هَأِن وَمَا تَتْلُوا مِنْهُ مِنْ قُرُانٍ وَ لِاتَعْمَلُونَ مِنْ

عَهَلِ إِلَّا كُنَّا عَلَيْكُرْ شُهُودًا إِذْ تُغَيْفُونَ فَيْهِ، وَمَا يَعْزُبُ عَنْ رُبِّكَ مِنْ مَثْقَالَ ذَرَّةِ فِي الْأَرْضِ وَ لَا فِي السَّمَّاءِ وَ لَا أَصْغَهَ مِنْ ذٰ لكَ وَ لَاۤ أَكْبَرَ الَّا فِي حَتْبِ مَّبين ۞

أَلَّا إِنَّ آوْلَيَّاءَ اللهَ لَاخَوْنٌ عَلَيْهِ ۗ وَ لَا هُرْ يَحْزَنُونَ ۗ

ٱلَّذِيْنَ أَمَنُوا وَكَانُوْا يَتَّقُوْنَ ٥

لَهُ الْبُشَايِ فِي الْعَيْوِةِ الدُّنْيَا وَ فِي الْإِحْرَةِ لَا تَبْدِيْلَ لكَلُّمْ اللهِ ﴿ لَكَ هُوَ الْفَوْ زُ الْعَظَيْرُ ﴿

وَ لَا يَدُّونُكَ قَوْ لُهُرْ - إِنَّ الْعَزَّةَ لِلَّهِ جَمِيْعًا - هُوَ السَّمِيْعُ الْعَلْدُ هِ أَلَّ انَّ بِلَّهِ مَنْ فِي السَّمُونِ وَمَنْ فِي الْأَرْضِ وَمَا يَتَّبِعُ الَّذِينَ

يَدْعُوْنَ مِنْ دُوْنِ اللَّهِ شُوِّكَاءَ ۚ إِنْ يُتَّبِعُوْنَ الَّا الظَّنَّ وَ إِنْ هُرْ الَّا يَخُوُ صُوْنَ ⊛

هُوَ الَّذِي جَعَلَ لَكُرُ الَّيْلَ لِتَشْكُنُوا فِيْهِ وَ النَّهَا رَمُبْمِ ا النَّ فيُ ذُ لِكَ لَا يُبِ لِقَوْمٌ يَسْمَعُونَ ۞

قَا لُوا اتَّخَذَ اللَّهُ وَلَدَّا سُبُحْنَهُ هُوَ الْغَنيُّ، لَهُمَا فِي السَّبُوتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ انْ عَنْدَكُمْ مَّنْ سُلْطَى بِهٰذَا ﴿ أَتَقُو لُوْنَ عَلَى الله مَا لَا تَعْلَمُوْنَ ⊛ ৬৯: বল, ' দিচয় যারা আল্লাহ্ সম্পর্কে মিথ্যা রচনা করে তারা সকল হবে

- ৭০। (তাদের জনা) দুনিয়ার কিছু ভোগ্যনামনী ররেছে, এরপর আমার্থই কিবে তাদের প্রতাবর্তনত্বল, এরপর তাদেরকে আমি কঠোর শান্তি আত্বাদন করাব, কারণ তারা কুফরী করত।
- ६) এবং আগলেকে মু-এর সংবাদ পাঠ মত্র পোনা। কাল লৈ যাতা সম্প্রদান্তে ওপালি, (বা আহার সুলাহা আহার বংবার এবং আহার আহার কারেনাল কারে কারেনাল কারে আহার আহার আহার কারেনাল কারে বালি সুকর হেবা আহার কারেনাল কারে বালি সুকর হেবা আহার কারে আহার কারি কারে কারি কার কারি কারেনাল কারেনাল পারিকারেন কারেনাল কারেনাল কারিকারেনাল কারিকারেনাল কারেনাল কারেনাল
- ৭২। এরপর যদি তোমরা মুখ জিরিয়ে নাও তবে আমি তোমাদের কাছে কোন প্রতিদান চাই না, আমার প্রতিদান কেবল আরাহুরই উপর। এবং আমি মুসদিয়দের অন্তর্ভুক্ত হতে আদিষ্ট হয়েছি।
- ৭০। কিছু তারা তাকে বিখ্যাবাদী বলদ, অতঃপর তাকে ও তার সাথে মারা নৌমানে ছিল তালেকে আমি উদ্ধার করামা করে তাককের (প্রবিতীক্ষে) কুমার্চিকিক করমান আরু মারা আমার আমাত্রসমূহকে মিখা। অতিহিত্ত করেছিল তালেককে ভূতিরে দিলাম, সুকর্মা, লগত কর, সায়দকর করে করা করাকী তারের ছিল তালেক বিশ্বাঃ
- ৭৪। ভাঙাগৰ এবগরে আমি রাস্পদেরকে তাদের সম্প্রনারের কাছে প্রেকা করেছি এবং তারা শাহী নিদর্শনিবলীসহ তাদের কছে এসেছিল, কিছু ইতঃপূর্বে তারা যা মিধ্যা অতিহিত করেছিল তার প্রতি তারা ইমান আনতে প্রকৃত ছিল মা। এতাবেই আমি সীমালক্ষনকারীদের হন্দরসমূহের উপর মোহর্র থেবে দেই।
- ৭৫। অতঃপর এরপরে আমি আমার নিদর্শনাবদীসহ মূসা ও হারনকে ফিরআউন ও তার পরিষদবর্গের কাহে প্রেরণ করি, কিছু তারা অহজার কবল এবং তারা চিল এক অপরাধী সম্পদার।
- ৭৬। অতঃপর যখন তাদের কাছে আমার পক্ষ থেকে সত্য আসদ তখন তারা কাল, " দিশুয় এটা অবশাই সম্পই জাদ।"
- ৭৭: মূগা বলল, 'ভোমরা কি সভা সম্পর্কে এমন কথা কলত, কখন তা ভোমাদের কাছে এসেছেঃ এটা কি আদুং আর জানুকররা সকল হয় না।'
- ৭৮। তারা বন্ধন, 'আমরা আমানের বাপ-পানাদেরকে বার উপর পেরেছি ভূমি কি তা থেকে আমানেরকে বিদ্যুক্ত করতে এবং বাতে পৃথিবীকে কোমনের দুগানের প্রতিপত্তি প্রতিক্তি বহা সে করন্থ আমানের কাছে প্রসেচ্ছ আমরা ভোমানের দক্ষিককে বিশ্বাস করার নই।'

قُلُ إِنَّ الَّذِينَ يَغْتَرُونَ كَى اللهِ الْكَذِبَ لَايُغْلِحُونَ ﴿ مَنَاعٌ فِي الدَّنْيَا ثُورٌ النِّنَا مَرْجِمُورُ ثُلِّ تُدِيغُهُمُ الْغَنَابَ الفَّرِيدُ يِمَا كَانُوا يَضُّعُرُونَ ﴿

رَاثِلَ عَلَيْمِرْ نَبَا لَرْحٍ - إِذْ قَالَ لِتَوْمِهِ بِقُورُ إِنْ كَانَ كَثَرَ عَلَيْجُورْ مُقَاعِيْ رَفَكَوْيِرْنِ إِنْ إِنَّهِ اللَّهِ قَعَلَى اللَّهِ تَوَكَّلُكُ فَأَيْمِينُّوا أَنْزُكُرُ وَمُرْكَانِّكُورُ فَيْ لَائِكُنَّ أَمْرُكُمْ عَلَيْكُمْ مُنْكُمْ فُرْ أَفْفِرًا لِلَّذِي لِالْتَفَارِقِينَ ﴿

فَانْ تَوَلَّيْتُمْ فَمَا سَاَلْتُكُمْ مِّنْ أَهْدٍ • إِنْ آهْدٍ يَ إِلَّا فَيَ اللهِ• وَأَمِرْتُ أَنْ آكُوْنَ مِنَ الْمُسْلِمِينَ ۞

فَكَذَّابُوهُ فَنَجَّيْنُهُ وَمَن مَّعَنِي الْفُلُك وَجَعَلْنُهُمْ خُلِّفَكَ وَ اَهْرِقْنَا الَّذِيثَى كَذَّبُوا بِالْعِنَاءَفَانْظُو كَيْفَ كَانَ عَلَّقِهُ الْنُشُرِينَى ۞

مُّرْ بَعَثَنَا مِنْ بَعْدِيدٍ رُسُّدُ إِلَى قُوْمِهِ فَجَاَّزُوْمُرْ بِالْبَيِّنِي فَهَا كَانُوا لِيُؤْمِنُوا لِيمَا كُذَّبُوا بِهِ مِنْ قَبْلَ: كَذْلِكَ نَطْبَعُ بِلَّى قَارُبِ الْمُعْتَدِينَ ﴿

ثُرِّ بَعَثَنَا مِنْ بَعْدِهِرْ مَّوْسَى وَهٰرُوْنَ إِلَى فِرْعَوْنَ وَمَلَاثِهِ بالنِعَنَا فَاشَتَكُبُّرُ وَأُ وَكَانُوا قَوْمًا مَّجُومِيْنَ ۞

فَلَمَّا جَآءَهُرُ الْعَقَّ مِنْ عِنْدِنَا قَا ثُوَّا إِنَّ هٰذَا لَسَحْرٌ مَّبِيْنَ ۞ قَالَ مُوْسَى آتَقُوْ لُوْنَ للْحَقِّ لَمَّا جَآءَكُمُ وَأَسِحُوْ هٰذَا وَ

فَا لُوْٓ الْمِثْنَا لِتَلْفَتَنَا عَمَّا وَجَدْنَا عَلَيْهِ الْبَآءَنَا وَتَكُونَ لَكُمَّا الْكِبْرِيَّاءُ فِي الْآرْفِ، وَمَا نَحْنُ لَكُمَّا بِمُؤْمِنِيْنَ ۞

لَايُقْلِءُ السَّحِ وْنَ ⊚

৭৯। এবং ফিরআউন বলল, 'তোমরা প্রত্যেক বিজ্ঞ স্থাপুকরকে আমার কাছে নিমে আম।'

৮০। অতঃপর যখন জাদুকররা আসল তখন মূসা তালেরকে বলল, 'তোমাদের যা নিক্ষেপ করার ভা নিক্ষেপ কর '

৮১। অতঃপর যধন তারা নিক্ষেপ করণ তথন মূসা থলল, 'তোমরা যা নিয়ে এসেছ তা জালু, নিচয় আয়ায় শীয়ই তা নিছল কয়ে নিবেন। নিচয় আয়ায়, য়্যালাদ সৃষ্টিকারীদের কাজ সংশোধন কয়েন না।'

৮২। আর অপরাধীরা অপছন করলেও আরাহ তার বাণী হারা সত্যকে প্রতিষ্ঠিত করবেন।

৮৩। অতঃপর ফিরজাইন ও তার পরিষদর্গে নির্যাচন করবে এ আশক্ষার মৃদার সম্প্রদায়ের কিছু সন্তাদ-গন্ততি হাঙ্গা আর কেউ তার প্রতি ঈরান আনেনি। আর নিশ্চয় ফিরজাইন ছিল পৃথিবীতে অবদাই উদ্ধৃত এবং নিশ্চয় বে অবদাই সীমালজ্ঞকোরীদের অবর্তুত।

৮৪। এবং মূসা বলেছিল, 'হে আমার সম্প্রদায়। যদি ভোমরা আল্লাহর প্রতি ইমান এনে থাক, তবে ভোমরা তাঁরই উপর ভরসা কর যদি ভোমরা মুসলিম হও।'

৮৫। অতঃপর তারা বলল, 'আমরা আল্লাব্রই উপর ভরদা করলাম, হে আমাদের প্রতিপালক। আমাদেরকে জালিম সম্প্রদারের পরীক্ষার পাত্র

বানাবেদ না
৮৬। এবং আমাদেরকে আপনার দয়ায় কাফির সম্প্রদায় থেকে উদ্ধার

করুন।'

৮৭। এবং আমি মুলা ও তার ভাইকে ওহী করলাম, 'মিলরে তোমাদের সম্মানায়ের জন্য অসমুহ তৈরী কর এবং তোমাদের (তৈরী করা) মহসমূহকে' কিবলা (ইবালাতের ছান) বানাও, সালাত (নামাব) কালেম কর এবং মুমিনদেরকে সুগ্রাল দাও।'

৯৮। এবং মূলা বলগা, 'হে আমাদের প্রতিগালকা দিখার আপনি বিধায়কী ব ও যার পত্তিবলবলৈ দুনিয়ার জীবনে গৌলবাঁ ও লগাল দিয়েকোইন যোমাদের প্রতিপালকা যাতে তারো মেনুছকে) আপানার পথ হতে বিয়ুক্ত করতে পাত্রে, হে আমাদের প্রতিপালকা তানের সম্পাদ লাই করে দিন, তালের হদয়তে কঠিন করে দিন, কেননা তারা খন্তুগালরক পাত্তি মা দেখা পর্বত্তি ইনান আনাবে না।'

৮৯। তিনি বললেন, 'ভোমানের দু'জনের দোয়া কবুল করা হল, সুতরাং ভোমরা অবিচল থাক এবং ভোমরা কখনো ভাদের পথ অনুসরণ করো না যারা জনেন না।'

৯০। এবং আমি বনী ইসরাইদক্ষে সমুদ্র পার করালাম এবং দিবআটন ও তার বাহিনী বাড়াবাড়ি ও সীমানক্ষন করে তাদের পশ্চাছাবন করল। করশ্যের মধ্ন মে ছুবে যেতে লাগলো তবন কাল, 'আমি ইমান মানাম মে, তিনি ছাড়া কোর ইলাই নেই যার উপর বনী ইসরাইদ ইমান এনেহে এবং আমি মুসন্দিন্দের অন্তর্জত।' فَلَمَّا جَاءَ السَّحَةَ قَالَ لَهُمْ مُّوسَى ٱلْقُوا مَاۤ ٱنْتُمْ مُلْقُونَ ⊛

وَقَالَ فِرْعَوْنُ الْتُونِيُ بِكُلِّ سُحِ عَلَيْرِ ﴿

فَلَمْ ٱلْقُوْا قَالَ مُوسَّى مَا حِثْتُرْ بِيهِ السِّحْرُ ، إِنَّ اللَّهَ سَيُبُطِلُهُ \* إِنَّ اللَّهُ لَيُمْلِمُ عَمَلَ الْمُفْسِدِينَ ۞

وَيُحِتَّ اللهُ الْحَقَّ بِكَلِمْتِهِ وَ لَوْ حَرِّهَ الْمُجْرِمُونَ ۞

فَمَّا أَمَنَ لِمُوْسَى الْأَدْلِيَّةٌ مِّنْ فَوَمِهِ لَلْ مَوْنِي مِّنْ فِرْعَوْنَ وَمَ مَلَّذِيهِمُ أَنْ يَلْمَنَكُمْرُ ، وَإِنَّ فِرْعَوْنَ لَعَا لِي فِي الْأَرْضِ، وَإِلَّهُ لَيَنَ الْمُسْوِفِينَ ۞ وَقَالَ مُوْسَى بِغُوْمَ انْ كُنْتُمْرُ أَمْنُكُمْرُ بِالشِّفْلَيْمِ تَوَكَّلُوْمً انْ

كُنْتُر مُشْلِمِينَ ۞ كُنْتُر مُشْلِمِينَ ۞ فَعَا لُواغَى اللهِ تَوَكَّلْنَاء رَبَّنَا لِاتَجْتَلْنَا فَتْنَةً لِّلْقُوْمَ الظَّلْمِينَ ۞

وَنَجِّنَا بِرَهْمَتِكَ مِنَ الْقَوْرِ الْخُفِرِيْنَ ﴿

وَ ٱوْعَيْنَاۚ إِلَى مُوْسَى وَ اَعْدِهِ إِنْ تَمَوّا لِقَوْمِكُمَا بِعِصْ بَيُوتًا وَّ اجْعَلُوا بُيُوتَكُر قِبْلَةً وَٓ ٱقِيْمُوا الصَّلَوْءَ وَبَقِرِ الْمُؤْمِنِيْنَ ۞

وَقَالَ مُوْسُى رَبَّنَا إِنْكُ الْيَسُ فِرْعُونَ وَمُكَةً لِيُنَةً أَمُوا الَّهِي الْمُنُوةِ النَّذِيَّا، رَبَّنَا لِيُعَلَّوا عَنْ سَبِيْلِكَ، رَبَّنَا اطْسِنْ عَلَّى أَمُوا لِمِنْ وَ الْفُدُدُ عَلَّى قُلُوْمِهِمْ قَلَابُوْمِنُوا حَتَّى بَرَوًا الْفَدَابَ الْآلُدُ مَا الْالَدُ مَا اللّهِمِيْ اللّهِمِيْنِ اللّهِ اللّهِمِيْنَةُ وَاللّهِمِيْنَةُ وَاللّهِمِيْنَا اللّهَ

قَالُ قَدُ أُجِيْبَثُ دَّعُو تُكُمَا فَاشْتَقِيْمَا وَ لَاتَتَّبِعَّيِّ سَمِيْلَ الَّذِينَ لَايَعْلَمُونَ ۞ وَجُوَّ زُنَّا بَبَنِّيُ اشْرَائِيلَ الْبَحْدَ فَاتَبْعَهُمْ فِيَّوْنُ وَجُنُودُهُ

وَجُوَّ زَنَا بِبَنَىُّ إِشُوَّائِيْلَ الْبَحْرَ فَالْبَعُمِّرُ فِرْعَوْنُ وَجُنُودُهُ يَغَيًّا وَّعَدُوًا مَثَّى إِذَا اَدَرَكُ الْفَرِقُ قَالَ اَمَنْدُ اِنَّةٌ لَآ اِللَّهِ الْا الَّذِيْنُ اَمَنْدُ بِهِ بَثُوَّا اشْرَائِيلَ وَأَلَا مِنَ الْمُسْلِمِينَ ۞

22	ر ، بر ر ، ر . سورية يونسي
	ِ الْفُنَ وَقَدْ عَصَيْتَ قَبْلُ وَكُنْتَ مِنَ الْمُفْسِدِيْنَ ⊚

১০. সরা ইউনস ৯১, এবন (ঈমান আনলে)៖ অধচ ইতঃপূর্বে ভূমি অমান্য করেছ এবং তমি ফ্যাসাদ সৃষ্টিকারীদের অন্তর্ভক ছিলে।

৯১। সতবাং আৰু আমি ভোমাৰ দেৱটি উদ্ধাৰ কৰৰ বাতে ভমি ভোমাৰ <mark>ই</mark> अरवर्जीत्मव क्या तक्ति विक्रमी द्वारा शाव। चार विक्रम प्रामासर प्राप्ता অনেকে আমার নিদর্শনাবদী সম্পর্কে অবশাই বেখবর।

৯০. এক আমি কমী উসবাউলকে যথায়থ আবাসনের বাবস্থা করলাম একং আমি তাদেরকে পরিত্র বন্তসমহ থেকে রিয়িক দিলাম, অতঃপর তাদের কাছে জ্ঞান জাসার পর্ট তারা মতপার্থকা করেছিল। নিক্তর তোমার প্ৰতিপালক আছেৰ ছাত্ৰে কিৱাছাখৰ ছিন্ন ভাৰ স্বৰসালা কৰাৰন যে

विवास कारा प्रकशासीका जनहः ১৪। <del>অভঃগর আমি ভোমার প্রতি হা অবতীর্ণ করেছি সে বাাপারে যদি</del> তমি কোন প্রকার সন্দেহে থাক তবে তোমার পর্ববর্তী কিকাব যারা পাঠ করে তাদেরকে জিজাসা কর অবশাই তোয়ার প্রতিপানকের

কাছ থেকে ভোমার কাছে সভ্য এসেছে, অভএব ভমি কথনো সম্বেচ পোৰণকাৰীদেৰ অন্তৰ্জ্ঞ হয়ো না-৯৫। এবং যারা আল্লাহর আয়াতসমহকে মিথ্যা অভিহিত করেছে তমি কথনো তাদেরও অন্তর্ভুক্ত হয়ো না, তাহলে তুমি ক্ষতিগ্রন্তনের অন্তর্ভুক্ত হবে।

৯৬। মিশুয় যাদের উপর ভোমার প্রতিপালকের বাদী অবধারিত হয়েছে, তারা

ঈশ্বান আনুবে না-৯৭, যদিও তাদের কাতে প্রতিটি নিদর্শন আদে যতকণ না তারা যক্ষণালারক

সাজি দেখনে।

৯৮। সতরাং ইউনসের সম্পদার ছাড়া কোন অনপদবাসী কেন এমন হল না যাবা উমান আমত এবং ভাষের উমান ভাষের উপরাবে আসতঃ তারা যখন ঈমান আনল তখন আমি তাদের থেকে দনিয়ার জীবনের অপমানজনৰ শাস্তি দৰ কলেয়ে এবং তাদেৱকে একটি সময় পৰ্যন্ত

खीराजाभाषात्र कराज विवास ১৯। আর স্তোমার প্রতিপালক যদি ইঙ্গা করতেন তাহলে পথিবীতে যার আছে তারা সবাই অবশাই একত্রে ঈমান আনত। তবে কি ভূমি মানুষকে

ম'মিন হতে বাধা করবেঃ ১০০। আৰু আলাহৰ উচ্চা ছাত্ৰ ইয়ান আনাৰ সাধ্য কাৰো নেই এবং তিনি অপবিত্রতা (কফরী) স্থাপন করেন তালের উপর যারা অনুধাবন করে

১০১ বল, 'তোমরা লক্ষ্য কর আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে বী আছে।' কিন্তু নিদর্শনাবলী ও সভবীকরণ সেই সম্পদায়ের কাজে আসবে না যারা ইয়ান আনে না।

فَالْيَوْ } نُنَجِيْكَ بِبَدَنكَ لِتَكُونَ لِمَنْ غَلْفَكَ إِيَةً وَ إِنَّ كَثِيًّا مِّنَ إِلنَّاسِ عَنْ إِيتِنَا لَغُفلُونَ ١٠٠

وَلَقَدُ بَوَّ إِنَا بَنِيَّ اشْرَ إِنْ لَيْكَ مُبَوًّا صِدْق وَّ رَزَقُنْهُمْ مِّنَّ الطِّيبِ، فَمَا اكْتَلَقُوا حَتَّى جَاءَهُرُ الْعِلْرُ ، إِنَّ رَبَّكَ يَقْفَى بَيْنَهُمْ يَوْمَ الْقَيْمَةِ فَيْمَا كَانُوْ افيْهِ يَخْتَلَقُوْنَ عِ

فَانْ كُنْيَ فِي هَكَّ مَّهَا ٓ إِنَّهِ لَنَآ النَّكَ فَسْتُل الَّذِيْنَ يَقْهُ ءُوْنَ الْكُتْبَ مِنْ قَبْلِكَ ، لَقَدْ جَاءَكَ الْعَقُّ مِنْ رَّبِّكَ فَلَاتَكُوْنَنَّ مِنَ الْمُمْتَرِ بْنَ ﴿

وَ لَا تَكُوْ نَنَّ مِنَ الَّذِيْنَ كَذَّبُوْا بِأَيْتِ اللَّهِ فَتَكُوْنَ مِنَ العاسوين ⊛ انْ الَّذِيْنَ مَتَّتْ عَلَيْمِرْ كَلِمَتُ رَبِّكَ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿ وَلَوْ جَآءَتُهُ وَكُلُّ إِيَة حَتَّى يَوَوُا الْعَذَابَ الْآلَيْ فَي وَرُوا الْعَذَابَ الْآلَيْ فَي

فَلَوْ لَا كَانَتْ قَرْيَةٌ أَمَنَتْ فَنَفَعَهَا ٓ إِيْمَانُهَاۤ إِلَّا قَوْاً يُوْنُسَ، لَمَّا أَمَنُوا كَشَفْنَا عَنْهُرْ عَذَابَ الْعَزْيِ فِي الْعَيْوةِ الدُّنْيَا وَ مَتَّقْنَهُرُ إِلَى حِيْنِ @ وَ لَوْ شَاءَ رَبُّكَ لَامَنَ مَنْ فِي الْأَرْضِ كُلُّهُرْ جَمِيْعًا ﴿ أَفَأَنْتَ

وَمَا كَانَ لِنَفْسِ أَنْ تُؤْمِنَ إِلَّا بِاذْنِ اللهِ وَيَجْعَلُ الرَّجْسَ عَلَى الَّذِيْنَ لَا يَعْقَلُونَ ۞ قُل انْظُرُ وْأَمَا ذَا فِي السَّمَٰوٰتِ وَ الْأَرْضِ ۚ وَمَا تُغْنِي الْأَلِيتُ وَ

تُدُهُ النَّاسَ مَتَّى يَكُونُوا مُؤْمِنيْنَ ﴿

النُّذُرُ عَنْ قَوْ إِلَّا يُؤْمِنُوْنَ ⊕

- ১০২। তবে কি তারা তাদের পূর্বে যারা গত হরেছে কেবল তাদের অনুরুগ দিনপ্রশোর অপেকা করছে? বল, 'তাহলে তোমবা অপেকা কর, নিছত্ত অমি তোমাদের সাথে অপেকাকারীদের অন্তর্ভুক্ত।'
- ১০০। এরপর আমি আমার রাসূলদেরকে এবং যারা ঈমান এনেহে তালেরকে উদ্ধার করি। এডাবেই মুমিনদেরকে উদ্ধার করা আমার সারিত।
- ১০৪। বল, 'হে মানুখ। ভোমবা যদি আমার ছিন' সম্পর্কে কলে সম্পেহের মাধ্য থাক, তবে (জেনে রাখ) তোমরা আন্তাহ্যকে বাল দিয়ে যানের ইবালত কর আমি তানের ইবালত করি না, বরং আমি ইবালত করি আন্তাহর বিদি তোমাদের মৃত্যু দেন, এবং আমানের মুম্মিনদের অন্তর্ভুক্ত হওজার জাম আমাল করা হারাখেল।
- ১০৫। এবং (আদেশ করা হরেছে) যে, তুমি একছুবাদী হয়ে তোমার চেহারাকে (দিয়াকে) দ্বীনের অন্য সোজা কর এবং কখনো মুদরিকদের অন্তর্ভুক্ত হয়ো না।
- ১০৬। এবং আল্লাহকে বাদ দিয়ে এমন কিছুকে তেকো না যা তোমার উপকার করে না এবং ভোমার অপকারও করে না, আর যদি ধুমি ৩। কর, তবে নিকয় তথন তুমি জালিমদের অন্তর্ভুক্ত হবে।
- ১০৭: আর যদি আল্লাহ তোমাতে কোন কট দিয়ে শর্মা করেন, তবে তিনি ছাড়া তা দূর করার আর কেউ নেই, এবং যদি তিনি তোমার কোন কল্যাল চান, তবে তাঁচ অনুহত্তে রোধ করার কেউ নেই। তিনি তাঁর বালাদের মধ্যে তেন তাঁক তার তাতে তা দান করেন এবং তিনিই অতি ভামাণীল ও পরম মধ্যাল।
- ১০৮।বল, 'হে মানুৰ! তোমানের প্রতিপালকের কাছ খেকে তোমানের কাছে মত্য এসেছে, সুত্তাং যে সঠিকপথ অবস্থান বহন নিজেই কল্যাপের জন্য, এবং বে পথন্তই বহ নিজেই অকল্যাপের জন্য, এবং আমি তোমানের তল্পবধারক মই ।'
- ১০৯। ভোমার প্রতি যা ওহাঁ করা হয় ভূমি ভা অনুসরণ কর এবং থৈর্থ ধারণ কর । যতক্রণ না আল্লাহ্ ফয়সালা করেন এবং তিনি উত্তম কয়সালাকারী।

- فَهَلَ يَنْمُتَظِرُونَ الْأَمِثَلُ آيَّا الَّذِينَ عَلَوْا مِنْ قَبْلِهِمْ. قُلُ عَالَيْهُونَّ إِلَيْ مَكُمْرُ مِنَ الْمُنْتَظِينَ ۞ قُرُّ تُنْجِنْ رُسُلُمًا وَ الَّذِينَ اسْتُوا كَذَٰ لِكَهُ مَثَّا عَلَيْمًا تُشْهِلُ الْفُعْمَدُنُهُ الْفُعْمِينَهُ هُ
- قُلْ يَأَيَّهَا النَّاسُ إِنْ كَنْتُرْ فِي هَلَّا مِّنْ دِيْنِي فَلَاَّ عُبُدُ الَّذِيْنَ تَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ وَ لَحِنْ أَعْبُدُ اللَّهُ الَّذِيثُ يَتَوْفُونْ أَوْرُامُ أَنْ أَكُونَ مِنَ الْيُؤْمِنِينَ ﴾
- وَآنَ ٱقِـرُ وَجْهَكَ لِلدِّيْنِ حَنِيْغًا ؛ وَلاَتَكُوْنَنَّ مِنَ الْنُهْرِكِيْنَ ۞
- وَ لَا تَدُّعُ مِنْ دُوْنِ اللهِ مَا لَا يَثْفَعُكَ وَ لَا يَفَرُكَ ، فَإِنْ فَعَلْمَ فَإِنَّكَ إِذَا مِّنَ الظُّلِمِيْنَ ۞
- رَ إِنْ يَّمْسُكَ الله بِهُرِّ فَلاَكَاهِفَ لَهُ الْاَهُورَ وَإِنْ يَدِّدُكَ بِعَيْرٍ فَلَارَاً وَلَقَفْلِهِ . يُعِيْبُ بِهِ مَنْ يَشَاءً مِنْ عِبَادِهِ . وهُو الْفَغُورُ الرَّهِيُّ هَيْرُ هَ
- الله النَّاسُ قَنْ جَاءَكُمُ الْحَقُّ مِنْ رَبِّكُمْ : فَمَنِ اهْمَلَى اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهَ فَانَّمَا يَهَتَوَنِى لَنفُسِهِ ، وَمَنْ مَلَّ فَإِنَّهَا يَهِلَّ عَلَيْهَا ، وَمَا ٓ إِنَّا لَا لَيْمَا عَلَيْكُمْ بِهِ كَيْلٍ ﴿
- وَاتَّعْمَا يُوْمَى إِلَيْكَ وَامْبِرْ مَثْى يَحْكُرِ اللهُ ۚ ۚ وَهُو خَيْرُ اللهِ الْحُكِيْنَ ۞ الْحُكِيْنَ ۞

স্রা হ্দ ১১ সরা হদ

১১. সূরা হুদ, মাঞ্চী ১২৩ আয়াত, ১০ রুক

অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

- আলিক-লাম-রা। এটি একটি কিতাব যার আয়াতসমূহকে সুশাষ্ট করা হয়েছে, এরপর তা বিজ্ঞানিত বর্ণনা করা হয়েছে- মহাধ্রজাবান ও সর্বজ্ঞার পক্ষ থেকে-
- ২। (এই মর্মে) যে, তোমরা আল্লাহ্ ছাড়া কারো ইবাদত করো না। নিশ্চয় আমি তাঁর পক্ষ থেকে তোমাদের জন্য সম্ভর্ককারী ও সসংবাদদাতা-
- ৩। এবং এও বে, তোমরা তোমাদের প্রতিগাগনের কাছে কমা প্রার্থনা কর, এলগর তাঁর দিকে অনুতথ্য ইয়ে দিবে আদা, তিনি তোমাদেলকে এবং নিমারিত নাম পান্ত উত্তর তোপান্যামী দান পরবালে এবং চিনি প্রত্যুক্ত মর্যানাবানকে তার মর্যানা দান করাকে। কিন্তু যদি তোমরা মুখ তিরিয়ে নাও, তাবে (জেনে রাখা) শিশুয় আমি তোমাদের জন্য এক মহানিনের পান্তির তার করারিক।
- আল্লাহরই দিকে তোমাদের প্রত্যাবর্তনত্বল, এবং তিনি সবকিছুর উপর সর্বশক্তিমান।
- ৫৷ জেনে রাখ, নিকয় তারা তাঁর কাছ থেকে গোপন করার জন্য তাদের বফসমূহ জঁজ করে। জেনে রাখ, তারা যখন নিজেদেরকে তাদের কাপড়ে আবৃত করে তখন তারা যা গোপন করে ও বকাশ করে তা তিন জানেন, বফসমূহে যা আছে সে সম্পর্কে নিকয় তিনি ভাগভাবে জানেন।

السُورُةُ هُوْدِ مَكِيَّةُ السَّورُةُ هُوْدِ مَكِيَّةً السَّرِةُ هُوْدِ مَكِيَّةً السَّلِحِينَ التَّالِيَّةِ التَّرْجُدُينِ التَّرْجِدُيْدِ اللهِ التَّرْجُدُينِ التَّرْجِدُيْدِ اللهِ التَّرْجُدُينِ التَّرْجِدُيْدِ اللهِ التَّرْجُدُيْدِ اللهِ التَّرْجُدُينِ التَّرْجِدُيْدِ اللهِ التَّرْجُدُيْدِ اللهِ التَّذِيدُ اللهِ التَّرْجُدُيْدِ اللهِ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهِ التَّذِيدُ اللهِ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهِ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ التَّذِيدُ اللهُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ اللهُ التَّذِيدُ اللهُ الل

الرَّ وَاتُّ أَحْكِمَتْ الْنَّهُ ثُرٌّ فُصِّلَتْ مِنْ لَّدُنْ هَكِيْرٍ هَبِيْرٍ أَ

ٱلْا تَعْبُدُوْۤ اِلَّا اللهَ وَاتَّنِي لَكُرْ مِّنْهُ نَذِيزٌ وَّ بَشِيْرٌ ۞

وَّ إِنِ اسْتَغْفِرُوْا رَكَّمُ لُو لُوْلُوْا اِلَّذِي يَمَتَعْكُمْ مَّنَاعًا حَسَنًا إِلَىٰ آجَلِ مَّسَنَّى وَيُوْتِ كُلِّ دِنَ فَشَلِ فَشُلَمَ، وَإِنْ تَوَلَّوْا قَالِنَّ آخَانُ عَلَيْكُرْ عَذَابَ يَوْرَكِيْوِ

إِلَى اللهِ مَوْجِعُكُمْ وَ وَهُوَ فَلَ كُلِّ هَنَّ ۗ قَدِ يُرَّ ۞

الآإلْهُرْ يَحْنُونَ صُدُورَهُرْ لِيَسْتَخْفُوا مِنْهُ الْاحِيْنَ يَشْغُفُونَ يَبَابَهُرُ مَقَلَرُ مَا بُسِرُّونَ وَمَا يَعْلَنُونَ وَالْتَعَلِيْرُ بِذَاكِ الشَّدُورِي  এবং পৃথিবীতে এমন কোন বিচরগদীল জীব নেই যার রিবিক আল্লাহর দায়িতে নয় এবং তিনি তাদের অবস্থানস্থল ও বিশামস্থল সম্পর্কে জানেন সবট সম্পন্ন কিভাবে বয়েছে।

৭। এবং তিনিই আকাশসমহ ও পথিবী হয় দিনে সটি করেছেন- যখন তাঁর আরশ ডিল পানির উপর- তোমাদের মধ্যে কে কাল্লে উলম তা পরীকা করার জন্য। আর যদি তমি বল, মতার পর নিশুর তোমরা পুনরূখিত হবে তখন যাবা ককবী করেছে অবশাই অবশাই তাবা বলবে 'এটা সুশাই জাদ হাতা আর কিছু নয়।"

وَمُسْتَوْدَعَهَا ، كُلُّ فِي كِتْبِ مَّبِيْنِ ۞ وَهُوَ الَّذِي هَلَقَ السَّمُوتِ وَ الْأَرْضَ فِي سِتَّةَ إَيَّا } وْكَانَ عَرْشُهُ عَلَى الْمَأَء لِيَبْلُوكُمْ أَيُّكُمْ أَحْسَنُ عَمَلًا وَلَئَنْ قُلْبَ انْكُرْ مَّبْعُوثُونَ مِنْ بَعْدِ الْمَوْتِ لَيَقُوثُ لَنَّ الَّذِيْنَ كَفَّوَرَّ انْ هٰذَا الاسعة مبين ٠

৮। আর যদি আমি একটি নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত নাদের খোকে শান্তি বিদক্ষিত করি ভারলে অবশাই অবশাই ভারা বলবে, "কিসে ভা আটকে রেখেছেঃ" ক্ষেমে বাখ হেদিন ভাদেব আছে তা আসবে সেদিন ভাদেব আছ খেকে का विकास करत को अब मा जिला जाता है। है। जिल्ला कार का जासकाक পবিবেটন করবে

وَلَئِنْ إَخْرُنَا عَنْهُرُ الْعَدَابَ الِّي أُمَّة مَّعْدُودَة لَّيَقُو لُنَّ مَا يَحْبُسُهُ ۚ أَلَا يَوْمَ ۖ يَا تَيْهِرْ لَيْسَ مَصْرُوْفًا عَنْهُرْ وَحَاقَ بِهِرْ مَّا إِجْ كَانُوْ إِبِهِ يَسْتَهْزِءُوْنَ أَ

১। আর যদি আমি মানুষকে আমার কাছ থেকে কোন দয়া আস্থানন করাই, এরপর তার কাছ থেকে তা প্রত্যাহার করি, তথন নিশ্বর সে অবশাই হতাশ ও অকতজ হয়ে পড়ে।

১০। এবং যদি দঃখ-দর্মণা স্পর্শ করার পর আমি তাকে নেয়ামত আস্থাদন ব্যৱতী প্রথম সে অবশাই অবশাই বলাবে 'অকলাথে আমার কাড থোকে দর হয়েছে'। নিশুয়া সে অবশাই উৎফল্ল ও অতি অহলারী হয়ে উঠে-

وَ لَئَنْ إِذَقْنَا الْإِنْسَانَ مِنَّا رَحْمَةً ثُرٌّ نَزَعْنَهَا مِنْهُ ؛ إِنَّهُ لَيَغُوسٌ وَ لَئِنْ إِذَقَانُهُ نَعْمَا ءَ بَعْدَ مَرَّاءَ مَسَّتُهُ لَيَقُوْ لَنَّ ذَهَبَ السَّياتُ

১১। তারা ছাত্রা যারা ধৈর্যধারণ করেছে ও সংকাজ করেছে। আদেরই জনা রব্যান্ত ক্ষমা ও মহাপ্রজিদান।

عَنَّى اللَّهُ لَفَحْ فَخُورٌ ﴿ الَّا الَّذِيْنَ مَبَرُوْا وَعَمِلُوا الصَّلِحْبِ أُولَٰ لِمُكَّ لَهُرْ مَّغْفِرَةٌ وَّ

১১। তবে কি তোমার প্রতি যা অবতীর্ণ করা হয়েছে ভার কিছ ভমি বর্জন করার এবং একে কোয়ার বন্ধ সংক্রমিত হার এজনা যে ভারা বাল 'ভার উপর ধন-ভাগ্রর অবতীর্ণ করা হল না কেন অথবা ভার সাথে কোন ফেরেশতা আসল না কেনঃ' ভূমি তো কেবল একজন সতর্ককারী আর আন্তাহ সব কিছুর ভন্তাবধায়ক

فَلَعَلَّكَ تَارِكٌ بَعْضَ مَا يُوْمَى الْيُكَ وَمَا لَيٌّ بِهِ مَدْرُكَ أَنْ يِّقُوْ لُوْ الوَ لَا أَنْهَ لَ عَلَيْهِ كَنْهُ ۚ أَوْجَاءَهُ مَعَهُ مَلَكُ الَّهَ ٓ أَنْتَ نَدَيْزٌ ، وَ اللهُ عَلَى كُلِّ هَيْ وَكَيْلٌ ﴿

১৬। তাবা কি বলে 'সে এটি বচনা করেছে?' বল, 'তবে ভোমবা এব মত রচিত দশটি সরা নিয়ে আস এবং আল্লাহকে বাদ দিয়ে যাকে ভোমরা পাব (সাহায়ের জনা) ডাক- বদি ভোমবা সভাবাদী হও।

أَ يُقُوْ لُونَ إِفْتَ لِدُ قُلُ فَأَتُوا لِعَشْدِ سُوَ رِمِّتُلِهِ مُفْتَ لِي وَ ادْعُوْا مَن اسْتَطَعْتُرْ مِّنْ دُوْنِ اللهِ إِنْ كُنْتُرْ طِيقِينَ ﴿

১৪। খতঃপর যদি তারা (সাহায্যকারীরা) তোমাদেরকে সাভা না দের ৩বে জেনে রাখ যে, এটি অবভীর্ণ করা হয়েছে আলাহর জানসহ এবং বিনি ছাড়া কোন ইলাচ নেই অভএৰ ভোমৰা মসলিম চাৰে কিঃ

فَا لَّهِ يَشْتَجِيْبُوْا لَكُرْ فَاعْلَمُواْ أَنَّمَاۤ أَنْزِلَ بعلْرِ اللهِ وَ أَنْ لَّآ الدَ الَّا هُوَ ءَفَهَلُ أَنْتُرْ مُّسْلَمُوْنَ ﴿ ১৮। এবং যে আলার সম্পর্কে মিধ্যা বচনা কবে ভাব চেয়ে অধিক জালিম আব কেং ভাদেরকে উপস্থিত করা হবে তাদের প্রতিপালকের সামদে এবং সান্ধীরা<sup>\*</sup> বলবে 'এবাই এদের প্রতিপালকের বিকল্পে মিখ্যা বলছিল।' কেনে রাখ আলাকর লা'নাম আলিয়ানের উপর-

১৯। যারা আলাহর পথ প্রান বিবাদ বাখে এবং এতে বাফরা আত্মহণ করে। এবং তারাই আধিবাতে অবিশাসী ২০। ভারা পথিবীতে (আল্লাহকে) অক্ষম করতে পারেনি এবং আলাহ ছাডা

তাদের অন্য কোন অভিভাবকও ছিল না, ভালের শান্তি বিঞৰ করা হবে। ১১। ওরাই ভারা যারা ভাদের নিজেদের ক্ষতি করেছে এবং ভারা যে মিখা।

ক্রমা করত তা আদের খোকে উধাও হয়ে গিয়েছে।

আবা অনাত পাবত না এবং ভাবা দেখকও না

১১। সন্মের নেই যে ভারাই আখিরাতে সবচেয়ে বেশি ক্ষতিগ্রন্ত।

১৬। মিশ্বর হারা উল্লাম এনেছে সংকাঞ করেছে এবং তাদের প্রতিপালকের প্রতি বিনয়াবনত হয়েছে, তারাই জানাতের অধিবাসী, সেখানে তারা স্বায়ী হবে।

মোহনা উপদেশ গ্রহণ করার নাহ

وَمَنْ أَظْلَيُ مِمَّنِ افْتَرْى عَلَى اللَّهِ كَذِبًّا ، أُولَٰتُكَ يُعْ ضُونَ عَلَى رَبِّهِ \* وَيَقُولُ الْآهُهَادُ هُولًا الَّذِينَ كَذَبُوا إِلَّى رَبِّهِ \* وَإِلَّا

لَعْنَةُ اللهِ عَلَى | لظُّلميْنَ ﴿ الَّذِيْنَ يَصُدُّونَ عَنْ سَبِيْلِ اللهِ وَ يَبْغُوْنَهَا عِوَجًا وَهُوْ بالإخرَة هُمْ كُفُونَ هِ أُولِنْكَ لَهِ يَكُونُوا مُعْجِ يْنَ فِي الْأَرْضِ وَمَا كَانَ لَهُ مْ مَّنْ

دُوْنِ اللهِ مِنْ أَوْلِيَّا أَوْمِ يُضْعَفُ لَهُمُ الْعَذَابُ عَمَا كَانُوْا يَسْتَطَيْعُوْنَ | لسَّمْعَ وَمَا كَانُوْ | يُبْمِوُونَ @ أُولَّ عُكَ الْدَيْنَ غَسرُوْ آلْفُسَهُرْ وَمَلَّ عَنْهُرْ مًا كَانُوْا

لَاجَرَا ٱلْمُرْفِي الْاحْرَة هُرُ الْأَخْسَرُونَ @ انَّ الَّذِيْنَ أَمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلَطَ وَ أَخْبَتُوٓ اللَّهِ رَبِّهِرْ \* أُولِنَكَ آصُعْبُ الْجِنَّةِ، هُمْ فَيْهَا خُلْدُونَ هِ

يَسْتَو لِي مَثَلًا ﴿ أَفَلَا تَلَكَّ وَنَ هُ

- ২৫। আর অবশাই আমি নহকে তার সম্পদারের কাছে প্রেরণ করেছিলাম। (সে বলেছিল) 'নিশ্চয় আমি তোমাদের জন্য একজন সম্পট अवर्ककारी-
- ২৬। যে, ভোমরা আল্লাহ ছাতা অন্য কারো ইবাদত করে। না। নিশ্চর আমি জোয়াদের করা এক মন্ত্রগাদামক কিবের শান্তির কম করি।
- ২৭। অতঃপর প্রধানরা -যারা তার সম্প্রদায়ের মধ্য থেকে কফরী করেছিল-বলদ, 'আমরা তোমাকে আমাদের মত একজন মানব ছাড়া কিছাই মনে করছি না এবং আমাদের মধ্যে যারা বাহ্যিক দৃষ্টিতে নিম্ন শ্রেণীর তাদেরকে ছাড়া কাউকে তোমার অনসরণ করতে দেখাই না. এবং আম্বর্য আমাদের উপর ভোমাদের কোন মর্যাদা দেখতি না ববং আম্বর क्राचारमकाक विशासामी चरम करि।"
- ১৮। সে বলল 'তে আয়াব সম্পনায়। তোমবা ভোবে দেখেছ কি যদি আমি আমার প্রতিপানকের পক্ষ থেকে স্পষ্ট প্রমাণের উপর থেকে থাকি এবং তিনি আহারে তাঁর পঞ্চ ধ্যার দয়া (মরহাত) দান করেন অভঃপর তা তোমাদের কাছে অপ্টে করে রাখা হয় তাহলে আমি কি তাতে (বিশ্বাস থ্যপম বারকে। হোমাদেরকে রাধা করতে পারি অধ্য হোমরা সেটিকে অগছৰ করঃ
- ১৯। আৰু তে আমাৰ সম্পদায়। এৰ বিনিময়ে আমি বোমানেৰ কাছে কোন ধন-সম্পদ্ন মাই না। আয়ার প্রতিমান কেবল আলাহতই উপর এবং হার ইয়ান এনেকে তাদেবকে আমি তাভিয়ে দেয়ার কেট নই । নিক্তর তার তাদের প্রতিপালকের সাথে সাক্ষাত করবে, কিন্তু আমি ভোমানেরবে দেখতি এক অভ্য সম্পদায়।
- কর। আর তে আমার সম্পদায়। আমি যদি ভানেরকে ভাতিয়ে দেউ ভারকে আপ্রায় থেকে কে আমাকে সাহাব্য (রক্ষা) করবেং তবে কি ভোমর উপদেশ গ্রহণ করকে নাঃ
- ৩১। এবং আমি তোমাদেরকে বলি না, আমার কাছে আল্লাহর ধন-ভাগার ব্যহতে এবং আমি অদশাও জানি না এবং আমি বলি না বে. নিশুর আমি ফেরেশতা এবং তোমাদের দটি যাদেরকে দীচু মনে করে তাদের সম্পর্কে আমি বলি না যে, আল্লাহ্ ভাদেরকে কথনো কন্যাণ দান করবেন না ভাষের অমবে যা আছে তা আলার সরচেয়ে বেশি জানেন (যদি বলি) তথ্য নিশ্চয় আমি অবশাই জালিমদের অন্তর্ভক হব।
- ৩২। তারা বলদ, 'হে নৃহ। ভূমি আমাদের সাথে বিভর্ক করেছ এবং ভমি আমাদের সাথে অনেক বেশিই বিভর্ক করে ফেলেছ, ভবে ভমি আমাদেবকে যে (শান্তিব) প্রতিশতি নিচ্চ তা নিয়ে আস- যদি তমি সতাবাদীদের অন্তর্ভক হও।
- ৩৩। সে বলগ, 'আলাহই তা ভোমাদের কান্তে নিয়ে আসবেন যদি তিনি ইন্ধা করেন এবং ভোমরা (আল্লাহকে) অক্ষম করতে পারবে না
- ৩৪। এবং আমি ভোমাদেরকে উপদেশ দিতে চাইলেও আমার উপদেশ তোমাদের উপকারে আসবে না যদি আলার ভোমাদেরকে বিপথগায়ী করাস মান। সিনি সোমাদের প্রতিপালক এবং সাঁবই দিকে সোমাদেরক ফিরিয়ে নেয়া হবে।"
- করে থাকি, তবে আমার অপরাধের দায় আমার উপরই (বর্তাবে), আর 💆 চিহিত ছানের দীকা সরা নং : এরাত নং অনুসারে তরজমার শেষে নেখন

- وَ لَقَدْ أَرْسَلْنَا نُوْمًا إلى قَوْمِهِ ﴿ إِنَّىٰ لَكُورُ نَدَيَّ مُّبَيَّنَّ ﴾
- أَنْ لَا تَعْبُدُواْ إِلَّا اللهُ وَإِنَّى آخَاتُ عَلَيْكُرْ عَذَابَ يَوْ } ٱلْبِي @
- فَقَالَ الْمَلَّ الَّذِيْنَ كَفَرُّوا مِنْ قَوْمِهِ مَا نَرِ لِكَ إِلَّا بَشَرًا مِّثْلَنَا وَمَانَوْ مِكَ الَّبَعَكَ الَّا الَّذِينَ هُرْ أَرَادَ لُنَا بَادَى الرَّانُي وَ مَا نَرْى لَكُرْ عَلَيْنَا مِنْ فَقْلِ بِلْ نَظُنَّكُرْ كُذِبِيْنَ @
- قَالَ يِلْقُوْمُ ٱرْءَيْتُمْ إِنْ كُنْتُ عَلَى بَيِّنَةِ مِنْ رَبِّيْ وَ النِّينْ رَحْمَةً مَّنْ عنْدَةِ فَعُمِّيَتْ عَلَيْكُرْ ، أَنْلُزِمُكُمُوْهَا وَ أَنْتُرْ لَهَا كُرِهُوْنَ ﴿
- وَيِقَوْ } لا آَسْتُلُكُرْ عَلَيْهِ مَا لا انْ آجْرِيَ الْآيَى اللهِ وَمَاۤ أَنَاْ بطَارِدِ الَّذِينَ إَمَنُوْا النَّهُ مُلْقُوْا رَبِّهِ وَلَكِنَّ ٱرْبِكُو ۗ قَوْمًا تَهْمَلُوْنَ @
- وَ يِقُوْ } مَنْ يَنْمُ نِيْ مِنَ اللهِ إِنْ طَرَدْتُهُمْ وَ أَفَلَا تَذَكُّ وْنَ هِ
- وَلْآاقُوْلُ لَكُمْ عَنْدِيْ عَزَّائِي اللَّهُ وَلَّآاعُلُمُ الْغَيْبَ وَلَّآاقُولُ إنَّىْ مَلَكُ وَّ لَآ اَقُولُ لِلَّذِيْنَ تَوْدَرِثْ آغَيُنُكُرْ لَنْ يُّؤْتِيَهُرُ اللَّهُ كَيْرًا · اَللَّهُ اَعْلَرُ بِمَا فِي اَنْفُسِهِرْ \* اِنِّي ادًّا لَّمِنَ الظُّلمِينَ ⊛
- قَا لُوْ إِينُوْحُ قَنْ جِٰدَلْتَنَا فَاَكْثَرْتَ جِدَا لِنَا فَأْتَنَا بِهَا تَعَدُنَاۤ ان كُنْتَ منَ الصَّدقينَ @
  - قَالَ إِنَّهَا يَأْتَيْكُمْ بِدِ اللَّهُ إِنْ شَآءَ وَمَآ أَنْتُمْ بِمُعْجِزِينَ @
- وَ لَا يَنْفَعُكُمْ نُشُحَى إِنْ أَرَدْتُ أَنْ أَنْصَرِ لَكُرْ إِنْ كَانَ اللَّهُ يُ يْدُ أَنْ يَتْغُو يَكُرْ وَهُوَ رَبُّكُرْ دَوَ الَّيْهَ تُوْجَعُونَ ﴿
  - بَى ثُنَّةُ مِّمًا تُجُومُونَ ﴿

- ৩৬। আর নূহের প্রতি ওহী করা হয়েছিল যে, 'যারা ইতোমধ্যে ইমান এনেছে তারা ছড়ো তোমার সম্প্রদায় থেকে অন্য কেউ কথনো ঈমান আনবে না, সূতরাং তারা যা করে তার জন্য তুমি দূর্যিত হয়ো না।
- ৩৭। এবং তুমি আমার প্রতাক তল্পাবধানে ও আমার গুরী অনুযায়ী নৌকাটি নির্মাণ কর এবং যারা জ্বুম করেছে তাদের সম্পর্কে তুমি আমাকে সজোধন করো না, নিকয় তারা নিমজ্জিত হবে।
- ওচ। এবং সে নৌকাটি তৈরি করতে লাগদ। এবং ফধনই তার সম্প্রদারের প্রধানরা তার কাছ দিয়ে যেত তথ্য তাকে বিদ্রুপ করত। সে বদল, 'বলি ভোষরা আমানেরকে বিদ্রুপ কর, তবে দিকার আমারাও (একদিন) ভোসানেরকে বিদ্রুপ করব, যেমন ভোমরা বিদ্রুপ কর ছ
- ৩৯। অতঃপর অভিতেই তোমরা ছানতে পারবে, কার নিকট আনবে এমন শান্তি যা তাকে অপমানিত করবে এবং আপতিত হবে তার উপর স্কায়ী শান্তি।'
- ৪০। অবশেষে যখন আমার নির্দেশ আসল এবং চুলাটি উথলে উঠল, অমি বঙ্গলাম, 'প্রত্যাক (জীব) থেকে এক জ্যোল পৃটি বারে এবং তেখার পরিবার পরিজ্ঞান্তর হার ছারা যানের উপর পালিক। কথা অতিবাহিক (শিক্তার) বারতের— এবং যারা ঈমান একেছে ভালেককে একে উটিয়ে নাও। আর তার সংধ্য কেবল অন্ধ্য সংখ্যকই ঈমান এনেবিল।
- ৪১। এবং সে কাল, 'তোমরা এতে আরোহণ কর, আল্লাহ্র নামে এর গতি ও স্থিতি। নিকর আমার প্রতিপালক অবশ্যই অতি ক্ষমাধীল ও পরম দরাল্য।'
- ৪২। এবং পর্বতসদৃশ চেউয়ের মধ্যে এটা তাদেরকে নিয়ে চলতে থাকদ। এবং মুহ তার পুত্রকে- যে পৃথক হিল- তেকে বলদ, 'হে আমার পুরা আমাদের সাথে আরোহণ কর এবং কাফিরদের সাথে থেকো না,'
- ৪৩। সে বনল, "পীছাই আমি এখন এক পর্বতে আরান্ত নেব যা আমাকে পানি (প্রাবন) খেকে রক্ষা করবে।' সে বনল, 'আন্ত আল্লান্ত্র নির্দেশের বিপরীতে প্রকালনী কেউ থাকবে না, তবে বাকে তিনি দানা করবেন সে ছাত্রা।' এবং কেউ তাদের মাথে চলে আগন এবং সে নিম্নজ্জিনদের অবর্জন হল।
- ৪৪, এবং বলা হল, 'হে পৃথিবী! তোমার পানি গ্রাস করে নাও এবং হে আকাশ! (বর্ষণ) বন্ধ কর।' এবং পানি (বন্যা) কমে গেল এবং (আয়াহর) নির্দেশ বারুরাটিত হল এবং তা (নৌহস) স্থানী পর্বতের উপর বির চল এবং লাখ কর, জানিম সম্প্রদাম গ্রহণ হোক।
- ৪৫। এবং নৃহ তার প্রতিপালককে ভেকেছিল এবং বলেছিল, 'হে আমার প্রতিপালক। নিচর আমার পুত্র আমার পবিবারের অন্তর্ভুক্ত এবং নিচর আপনার প্রতিশ্রুতি সভা, আর আপনি বিচারকদের মধ্যে শ্রেষ্ঠ নিচারক:

- وَٱوْحِىَ إِلَىٰ ثُوجَ آَثَهُ لَنْ يُؤْمِنَ مِنْ قَوْمِكَ إِلَّامَنْ قَدْ أَمَنَ فَلَاتَبَثِشِ بِمَا كَانُوا يَتَعَلُّونَ فَيُّ وَاشْعَ الْغُلُكُ بِاعْبُنْنَا وَوَهْيَنا وَكِرُهُ اللهِ الْعُلْكُ بِاعْبُنْنَا وَكُوتُهُ اللهِ الْهُ
- ر / سنج المنطقة عند المنطقة المنطقة
- رَ يَمْنُعُ الْفُلْكَ سَرَ كُلُّهَا مِنَّ عَلَيْهِ مُلَاثِّنَ قُوْمٍ سَضِرُوْا مِنْدُ. قَالَ إِنْ تَشْخَرُوْا مِنَّا فَإِنَّا نَشْخَرُ مِنْكُرْ كَمَا تَشْخُرُونَ ﴿ فَصُونَ تَعْلَمُونَ مَنْ يَأْلَيْهِ عَدَابٌ يُّخْرِيْهِ وَيَحِلُّ عَلَيْهِ
  - عَدَّابُ مَّقِفِيْ ﴿ حَمَّى إِذَا جَمَّاءَ أَوْنَا وَقَالَ التَّنُّورُ، قُلْنَا اهْمِلْ فِيهَا مِنْ كُلِّ رَوْجُنِي النَّقِينَ أَطْلَفَ إِلَّانِي سَنَّى عَلَيْهِ النَّوْلُ وَمَنْ أَمَنَ أَنَّ مَنَّ مَّا أَمْنَ مَعَدًّا الْأَقْلِلُ ﴿
- وَقَالَ ارْكَبُوْا فِيْهَا بِشِي اللهِ مَجْرِنْهَا وَمُوْسُهَا والْ رَبِّنْ لَغَنُورْ رَّحِيْرٌ ﴿
- وَهِنَ تَجْرِثَ بِهِنْ فِي مَوْجٍ كَالْجِبَالِ سَوَنَادُى نُوحٌ ' إِبْنَةُ وَ كَانَ فِي مَعْدِلَ لِيْبَنِّ الرِّكْبُ مُعْنَا وَلَاتَكُنُ مَّمَ الْكُلْدِ لِينَ @
- قَالَ سَاوِثَ إِلَى جَبَلِ يُغْمِمُنِي مِنَ الْمَآءِ قَالَ لَا عَامِرَ الْمَآءِ وَاللَّهِ الْمَاءِ وَاللَّهِ ا الْيُوْاَهِنَ أَهِنَ اللَّهِ إِلَّا مَنْ رَّجِرَ عَوَمَالَ بَيْنَهُمَّا الْمَوْجُ فَكَانَ ۖ \* 

  مِنَ الْمُؤْوِّفُونُ ﴿

  وَمِنَ الْمُعْرَوْفُنُ ﴿

وَقَيْلَ بِيَّا رَضُ إِبْلَعَيْ مَآءَك وَ لِسَمَّاءُ إَقْلَعَيْ وَغَيْضَ الْمَآءُ وَقُفِيَ

الْآمْرُ وَ اسْتَوَتْ عَلَى الْجُوْدِيِّ وَقِيْلَ بُعْدًا لِلْقَوْرَ الظَّلِمِيْنَ ﴿

وَ زَادُى ثُوحٌ أَنَّهُ فَقَالَ رَبِّ إِنَّ ابْثِي مِنْ اَهْلِي وَ إِنَّ وَعْدَكَ } الْتُقُّودَ الْفَ اَحْكِمُرُ الْحَكْمِينَ ۞

- 8.5 विकि वसासम 'ता मात्र। मिन्दा ता त्यापात श्रीतारात राजार्थक प्राप्त নিশ্বর এটি (সোমার প্রার্থনাটি) সঠিক কাজ নয় সক্তবাং তহি আমার कारक अपन विकास आर्थना कार्या मा ता विकास त्यापात त्यान कान ताहे নিক্তর আমি তোমাকে উপদেশ দিছিং যেন তমি অজ্ঞানের অন্তর্ভক্ত না With Mine 1
- ৪৭। সে বলল 'হে আমার প্রতিপালক। নিশ্বর আমি আপনার নিকট এমন বিষয়ে প্রার্থনা করা থেকে আশয় চাই যে বিষয়ে আয়ার কোন জান নেই। यत याश्री रहि यापात क्या हा तहत हुन प्राप्त श्री कर ह করেন তাহলে আমি ক্ষতিপ্রস্তাদর অন্তর্জক হয়ে যাব।'
- ৪৮। বলা হল, 'হে নহ। আমার পক্ষ থেকে সালাম (শান্তি)সহ অবভরণ কর এবং বরকত (কলাগ) ভোয়ার উপর এবং ভোয়ার সাথে যারা আছে তাদের উন্নত সমধ্যে (নেক বংশধরদের) উপরও। আর অন্যান্য উত্মতদেরকে (যারা কঞ্চতী করবে) শীঘট আমি জীবনোপজোপ করতে দিব। এবপর আয়ার পক্ষ খোলে হার্থানোহার শান্তি সাক্ষরত স্পর্ন 2027
- ভমি জানতে না এবং ভোমার সম্পদায়ও না। সভবাং ধৈর্য ধারণ কর। सिक्तय कल अविशास प्राथावीरास्त क्या । ৫০। আর আদ-এর প্রতি তাদের ভাই হদকে (প্রেরণ করেছিলাম) । সে
- বলেভিল 'তে আমাৰ সম্পদায়' কোমৰা আলাচৰ ইৰাদক কৰ কিন্দি ছাড়া কোমাদের অনা কোন ইলাহ নেই ভোমরা মিগ্যা রচনাকারী ছাড়া আৰু কিছট নগ ৫১: তে আমাৰ সম্প্রদায়! আমি এর বিনিময়ে ভোমাদের কাছে কোন প্রতিদান চাই না। আমাৰ প্ৰজিলান বোৰল জাঁবই উপৰ খিনি আমাকে স্বাস্ট
- कारणका, जात कि /फांचरा प्रकाशका कर हार ৫২। আর হে আমার সম্প্রদায়। তোমরা তোমাদের প্রতিপালকের কান্তে ক্ষমা প্রার্থনা কর, এরপর তাঁর দিকে অনভপ্ত হয়ে ফিরে আস. তিনি ডোমাদের জনা আকাশ থেকে প্রচব (বাট্টি) প্রেরণ করবেন এবং ডিনি ভোয়াদের
- শক্তির সাথে (আরো শক্তি দিয়ে) তোমাদের শক্তি বন্ধি করবেন, আর তোমবা অপবাধী হয়ে মধ ভিবিয়ে দিও না।" ৫৩। তারা বলল, 'হে হদ। তমি আমাদের কাছে কোন স্পষ্ট প্রমাণ নিয়ে
- আসনি তোমার কথার আমহা আমাদের উপাসদেরকে পরিজ্ঞাগ করার নই এবং আমরা তোমার প্রতি বিশ্বাসীও নই।
- ৫৪। আমরা ৩ধ এটাই বলি, আমাদের কিছ উপাদ্য তোমাকে জনিই বারা<sup>®</sup> আক্রান্ত কারছে।' সে বলল 'নিশ্বর আমি আলাক্রান্ত সাক্ষী রাখনি এক তোমবাও সাকী হও যে, আমি ভা থেকে দায়িতমক যা তোমবা শরীক **303.**
- ৫৫। -তাঁকে বাদ দিয়ে, অতএক ভোমরা সবাই আমার বিরুদ্ধে বড়যন্ত কর, এরপর আমাতে অবকাশ দিও মা
- ৫৬। নিশ্চয় আমি ভবসা কবি আলাহর উপর মিনি আহার প্রতিপালর এক তোমাদেবও প্রতিপালক। এমন কোন জীব-জন্ত নেট যাব নিয়ন্তক তিনি নন। নিশ্চয় আহার প্রতিপালক সরল-সঠিক<sup>\*</sup> পার্থ রাহাসের।

- قَالَ يِنُوحُ إِنَّهُ لَيْسَ مِنْ إَهْلِكَ ؛ إِنَّهُ عَمَلٌ غَيْرُ مَا لِي تُ فَلَاتَشْتُكُن مَا لَيْسَ لَكَ بِهِ عَلْرٌ ﴿ إِنَّيْ آعَظُكَ أَنْ تَكُوْنَ مِنَ الحملين ه
- قَالَ رَبِّ النَّيْ أَعُودُ بِكَ أَنْ أَسْتَلَكَ مَا لَيْسَ إِنْ بِهِ عَلْرٌ وَ الَّا تَغْفُرْ إِنْ وَتَرْحَمُنَيْ آكُنْ مِّنَ الْعُسُويْنَ ﴿
- قَيْلَ يِنُوْحُ إِهْبِهُ بِسَلِي مِّنَا وَ بَرَكْتِ عَلَيْكَ وَعَلَى أَمَر مِّمَّنَ مُّعَكَ ، وَ أُمَّا سَنُهَتُّعُهُمْ ثُمُّا يَهَسُّهُمْ مَنَّا عَذَابٌ ٱلهِ ۗ ﴿
- تَلُكُ مِنْ إِنْبَاءَ الْفَيْبِ يُوْمِيُهَا ۚ الْمِكَ مَا كُنْنَ تَعْلَمُهَا ۖ إِنْنَ لِيَا عِلَيْهِ اللهِ عالم وَ لَا قَوْمُكَ مِنْ قَبْلِ هٰذَا الْفَاصْبِ اللَّهِ الَّهِ الْعَاقِبَةَ لِلْمُتَّقِيْنَ ﴾
  - وَ إِلَىٰ عَادِ أَخَاهُرْ هُوْدًا وَالَّ يَقُومُ اعْبُدُوا اللَّهُ مَا لَكُرْ مَّنْ الم غَيْدُهُ وَان أَنْتُمْ الْأَمُفْتُ وْنَ @ يٰقَوْ الْآاسْئَلُكُمْ عَلَيْهِ آجُا انْ آجُرِي الَّاعَلَى الَّذِي
    - فَطَرَ نِيْ، أَفَلَا تَعْقَلُونَ هِ وَ يِقُوْ } اسْتَغْفِ وْ ارَبِّكُمْ ثُوَّ تُوبُوُّ الَّذِيهِ يُوسِلِ السَّمَاءَ عَلَيْكُمْ \* مدْراً راً وْيَزِدْكُرْ قُوَّةً إلى قُوْتَكُرْ وَ لَاتَتَوَ لَّوْا مُجْرِمِيْنَ ﴿
  - قَا لُوْ إِيهُوْدُ مَا حِئْتَنَا بِبَيِّنَةً وَّمَا نَصْنُ بِتَا رِكَيُّ أَلْهَتِنَا عَنْ قَوْ لَكَ وَمَا نَصْنَ لَكَ بِمُؤْمِنَيْنَ ﴿
  - إِنْ تَقُولُ إِلَّا اعْتَهِ مِكَ يَعْضُ إِلْهَتِنَا بِسُوءٍ وَقَالَ إِنِّيُّ أَهُمِدُ الله وَ اشْهَدُوْ أَ أَنَّى بَ يَءٌ مَّمَّا تُشْرِكُونَ فَ
  - مِنْ دُوْنِهِ فَكِيْدُوْنِيْ مَمِيْعًا ثُرٌّ لِاتَّنظِ وْن @
  - انَّىْ تَوَكَّلْتُ عَلَى اللهِ رَبَّىْ وَرَبَّكُمْ ﴿ مَا مِنْ دَآبَّةِ الَّا هُوَ أَجِدٌّ أ بنَاصِيتهَا وإنَّ رَبَّي عَلَى صِرَاطِ مُّسْتَقَيْرِ @

- ৫৭। সভরাং যদি ভোমরা মুখ ফিরিয়ে নাও তবে আমি যা সহ তোমাদের কাছে প্রেরিত হয়েছি তা আমি ইতোমধোই তোমাদের কাছে পৌঁছে নিরেছি। এবং আয়ার প্রতিপালক ভোয়াদেবকে ডাড়া জন্ম কোন সম্পদায়কে তোমাদের স্থলাভিষিক্ত করবেন, এবং তোমরা তাঁর কিচট ক্ষতি করতে পাররে না। নিশ্বর আমার প্রতিপালক সব বিষর সংগ্রহুক।
- ৫৮। এবং যখন আমার নির্দেশ আসল তথন আমি হল ও তার সাথে যার। ইয়ান এনেচিল তাদেরকে আমার দবার উদ্ধার করণাম এবং উদ্ধার ক্রকাম স্নাদেরকে ক্রমিন শাবিং খেকে।
- ৫৯। এট ছিল আল- তারা তালের প্রতিপালকের নিদর্শনসমত অভীকার প্রারমিল এবং স্কার (আলাচর) রাসলদেরকে অমানা করেছিল এবং ভারা প্রভোক স্বেচ্চাচারী ও একওঁয়ে-এর নির্দেশ অনুসরণ করেছিল।
- দিনেও। জেনে রাখ, নিশুর আদ তাদের প্রতিশালককে অবিশ্রাস করেছিল। জেনে রাখ, হাদের সম্পানায় আদ-এর জন্য ধ্বংস।
- ৬১। আৰু ছাম্ল-এৰ প্ৰতি ভালেৰ ভাই সালিহকে (প্ৰেৰণ কৰেছিলাম)। সে বলেছিল, 'বে আমার সম্প্রদায়! তোমরা আল্লাহর ইবাদত কর, তিনি ছাতা ভোমাদের খনা কোন ইলাছ মেই। তিনি ভোমাদেরকে হয়ীন/হাটি। পোন্ধ সঙ্কি কাৰাছন এক আছে ভিনি ভোয়াদেবকে বসবাস করতে দিয়েছেন, সভরাং ভোমরা তাঁর কাছে ক্ষমা প্রার্থনা কর, এরপর তাঁর দিকে অনুভগ্ত হয়ে ফিরে আস। নিশুর আমার প্রতিপালক অতি নিকটবর্তী ও (ডাকে) সাডাদানকারী।
- ৬১। ভারা রলেচিল 'রে সালির! এর পর্বে তমি ছিলে আমাদের আশাস্তল। তমি কি আমাদেরকে তাদের উপাসনা করতে নিষেধ করছ যাদের হ উপাসনা করত আয়াদের পিওপঞ্চারাং আর নিশুয় আমরা অবশাই বিভান্তিকর সন্দেহে রয়েছি সে ব্যাপারে যার প্রতি তমি আমাদেরকে SHARIZ SKRILL
- Ani সে বলল 'তে আমার সম্পদার। তোমরা কি ভেবে দেখের যদি আমি আমার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে সুস্পন্ট প্রমাণের উপর থেকে থাকি এবং যদি তিনি আমাকে তাঁর পক্ষ থেকে দয়া (নবয়াত) দান করে থাকেন ভাহদে আল্লাহ থেকে কে আমাকে সাহায্য (রক্ষা) করবে- যদি আমি তাঁকে অমানা করিং সভরাং তোমরা আমার কতি ছাভা কিছই বন্ধি করছ
- ৬৪। আর হে আমার সম্প্রদায়। এটি আল্লাহর উদ্রী- তোমাদের জনা একটি নিদর্শন, <sup>\*</sup> সূতরাং তোমরা একে আরাহুর যমীদে (চরে) খেতে দাও এবং একে কোন মন বারা স্পর্ন করো না, তাহলে ভোমানেরকে পাকভাও কলৰে এক ভিকটকাৰী খালি।
- ৯০। কিছ দেৱা একে চলা কলে ভালপৰ সে বনন 'ভোহৰা ভোহালে আবাসমহে তিনদিন ভোগ করে নাও। এটি এমন এক প্রতিশ্রতি যা মিখন **स्थ**।\*
- ৬৬। অভঃপর যখন আমার নির্দেশ আসল তখন আমি সালিই ও ভার সাথে যাবা ঈমান এনেডিল ভালেবকে আমার দয়ার উদ্ধার করলাম এবং (উ দ্বার করলাম) সে দিনের অপমান থেকে। নিক্তর তোমার প্রতিপালকই মহাশক্তিখন ও মহাপ্রতাপশালী।

- فَانْ تَوَ لَّوْ ا فَقَدْ أَبْلَغْتُكُر مَّا أَرْسَلْتُ بِهِ الْيَكُرْ وَيَسْتَخْلَفُ رَبَّىٰ قَوْمًا غَيْوَكُمْ ، وَ لَا تَضُوُّونَهُ هَيْئًا ، إِنَّ رَبِّى عَلَى كُلِّ هَنْ اللَّهِ عَا حَفَيْظٌ 🛪
- وَ لَمَّا جَاءَ أَمُّ لَنَا نَجَّيْنَا هُوْدًا وَّالَّذِيْنَ أَمَنُوْا مَعَدَّ بِرَحْمَة مِّنًّا ، وَنَجَّيْنُهُ رُمِّنُ عَذَابٍ غَلَيْظِ
- وَتَلْكَ عَادَّتُ مَحَدُوا بِالْبِ رَبِّمِرُ وَعَمَوْا رُسُلَةً وَ اتَّبَعُوٓا أَمْرَ كُل جَبّار عَنيْد ؈
- وَأَتْبَعُوا فِي هٰذه الدُّنْيَا لَعْنَةٌ وَّيُوا ٓ الْقَيْمَة ، أَلَّا إِنْ عَادًا إِنَّ اللَّهِ علا معه والم كَفَرُواْ رَبُّهُرْ - أَلَا بُعْدًا لَّعَاد قَوْمُ هُود فَ
  - وَالْ ثَمُودَ أَخَاهُرْ صلحًا قَالَ يَقَوْ } اعْبُدُوا اللهُ مَا لَكُمْ مِّنَ إِلَّهِ غَيْرُةً ۚ هُوَ ٱنْشَاَّكُرْ مِّنَ الْأَرْضِ وَاسْتَعْمَوَكُرْ فَيْهَا فَاشْنَغْفُرُونُهُ ثُرٌّ تُوْبُواً إِلَيْهِ ﴿ إِنَّ رَبَّىٰ قَرِيْبٌ مَّجِيْبٌ ۞
  - قَا لُوْ إِيصَائِ قَدْ كُنْتَ فَيْنَا مَدْجُوًّ ا قَبْلَ هَٰذًا إِنَّتْهُنَاۤ أَنْ تُعْبُدُ مَا يَعْبُدُ أَبَّا وُنَا وَإِنَّنَا لَفِي هَكِّمَّا تَدْعُونَّا الَّيْهِ مُرِيْبِ
    - قَالَ يَغَوْمَ أَرَءَيْتُرْ إِنْ كُنْتُ عَلَى بَيِّنَةِ مِنْ رَبِّيْ وَ أَلْسِيْ مِنْهُ رَحْمَةً فَمَنْ يَّنْصُرُ نَيْ مِنَ اللهِ إِنْ عَصَيْتَةً ﴿ فَمَا تَوْيَدُونَنَيْ غَيْرَ تَخْسيْر ⊝
      - وَيْقَوْمُ هٰذِهِ نَاقَةُ اللهِ لَكُيرُ إِيَّةً فَذَرُوْهَا تَأْكُلُ فِي ٓ أَرْضِ اللهِ وَ لَا تَمَسُّوهُ مَا بِسُوْءٍ فَيَا هُٰذَكُرُ عَذَابٌ قَوِيْهِ
      - فَعَقَرُوْهَا فَقَالَ تَمَتَّعُوْا فِي دَارِكُرْ ثَلْثَةَ أَيًّا ٢٠ ذَ لِكَ وَعُدٌّ غَيْرُ
      - فَلَمَّا جَّآءً آمْرُ نَا نَجَّيْنَا صلحًا وَّالَّذِينَ آمَنُوْا مَعَدُ بِرَحْمَةٍ مِّنَّا وَمِنْ غِزْى يَوْمِئِذِ وَإِنَّ رَبِّكَ هُوَ الْقَوِيُّ الْعَزِيْزُ ﴿

- সুরা হুদ

   পার

   ৬৭ আর যারা জুলুম করেছিল তাদেরকে বিকট শব্দ পাঞ্চয়াও করল, ফলে

   তারা তাদের আবাসমতে উপত হয়ে গতে ওটন-
  - ৬৮ ফেন তারা সেখানে কখনো বসবাস করেনি। জেনে রাখ, নিচত্র ছাযুদ ও তাদের প্রতিপালককে অবিশ্বাস করেছিল। জেনে রাখ, ছাযুদ -এর জন্ম।
  - ৬৯। আর অবপ্টই আমার রাসুলরা (ফেরেশভারা) সুসংবাদ নিয়ে ইবরাইটেরে কার্চ্চে এসেহিল, তারা কলেছিল, 'সালাম' সেও বলেছিল, 'সালাম' এবং যে এক অফা বাছর বিয়ে অফানে বিজণ করেল হা।
  - ৭০। অতঃপর সে যখন দেবল তাদের হাত সেদিকে গাঁহাতের দা, তথন তাদেরকে অপরিচিত ভারদ এবং ভাদের খেকে জীতি অনুভব করদ। ভারা কাল, 'ভয় করকেন না, নিশ্চয় আমরা লুতের সম্প্রদায়ের প্রতি প্রেরিত মার্মার্কি
  - বার তার ব্রী দাঁড়ানো ছিল এবং সে (ভয় দূর হওয়াতে) হাসল।

    অতঃপর আমি তাকে (ব্রীকে) ইসহাক ও ইসহাকের পরবর্তী ইয়াকুবের

    সমগরান দিলায়
  - ৭২। সে বলল, 'কী আন্তৰ্য, সম্ভান জন্ম দেব আমি, অথচ আমি বৃদ্ধা এবং এই আয়াব স্থামীও বদ্ধা দিশত এটি অৱশাই এক বিশ্বতকৰ বাগোৱ।'
  - ৭০। তারা বলল, 'আল্লাহ্ন নির্দেশের ব্যাপারে আপনি বিশ্বর বোধ করছেনঃ হে (ইবরাইনের) পরিবার: আপনাদের উপর (রয়েছে) আল্লাহ্ন দরা ও
  - ৭৪ অতঃপর যখন ইবরাহীয়ের ভয় দূর হল এবং তার বাছে সুনংবাদ আদল তখন সে লুতের সম্প্রদায় সম্পর্কে আয়ার (ফেরেশতাদের) সাথে বিতর্ক ক্রমকে রাগ্রল।
  - ৭৫। নিশুয় ইবরাহীম অবশ্যই সহনশীল, কোমল হৃদক্ষের ও (আল্লাহর দিকে অনুতাপের সাথে) প্রত্যাবর্তনকারী।
  - ৭৬। (ফেরেশভারা কাল) 'হে ইবরাহীম! এ (যুক্তি-তর্ক) থেকে বিরভ হোন, নিচয় আপনার প্রতিপালকের নির্দেশ এসে গেছে এবং নিচয় ভাসের কান্তে আনার অপ্রতিরোধ্য শক্তি।
  - ৭৭। এবং যথন আমার রাস্লর। (ফরেশতারা) লুতের কাছে আসল তথন সে তাদেরকে নিয়ে চিন্তিত হল এবং তাদেরকে নিয়ে সংকটে পড়ল এবং বলল, 'এটা এক সংকটপুর্ব নিন।'
  - ৭৮। এবং তার সম্প্রদার তার কাছে দৌতে আসল এবং আগে থেকেই তারা মঞ্চ কারে (সমকামিতার) অভার ছিল। সে বনল, 'বে আমার সম্প্রদার। এরা আমার কন্যা, এরা তোমানের জন্ম পরিপ্রতম, সূতরাং আ্লাহাইক কর এবং আমার মেহমানদের বাাপাতে আমাকে অপমালিত করো না। তোমানের মধ্যে কি কেনে সঠিকপপুণ্ডার ব্যাক্তি কেই?

- وَ آخَذَ الَّذِينَ ظَلَمُوا المَّيْحَةُ فَأَصْبَعُوا فِي ْدِيَا رِهِرْ جَٰمِينَ ۞ كَانَ لَّمْ يَغْتُوا فِيْهَا ﴿ آلَا إِنَّ تَمُودَا كَغَرُوا رَبَّهُرْ ﴿ آلَا بَعْدًا | لَنَهُودَ ﴾
- ينعود ۞ وَ لَقَلَا جُنَاءَتُ رُسُلُنَاۤ إِبْراهِمْ بِالْبُشْرِٰى قَا لُوْا سَلْمًا ۚ قَالَ سَلَّهُ ۚ فَمَا لَبَنَ أَنْ جُاءً بِعَجْلِ حَنْيْد ۞
- فَلَمَّا رَأَ آنَدِيمُ (لاَتَعِلَ إِلَيْهِ نَكِرُهُ وَ آوْمَنَ مِثْمُرْ خِيْفَةً، قَالُوا لاَتَعَفُ إِنَّ ٱرْسِلْنَا إِلْ قَرْا لُوْعِا
- وَ اهْرَ ٱللَّهُ قَالَمَةٌ فَضَحِكَثُ فَمَشَّرُلُهَا بِالشَّحْقَ، وَمِنْ وَّرَّاءٍ اسْخَرَ يَعْفُونَ ۞
- قَالَتْ يُونَلَّتَى ءَالِدُ وَ أَنَا عَجُوزٌ وَّهٰذَا بَعْلِيْ شَيْحًا ﴿ إِنَّ هٰذَا لَشَرُّعٌ عَجِيْسٌ ۞
  - قَا لُوْٓا أَتَعْجَبِيْنَ مِنْ أَمْرِ اللهِ رَحْمَتُ اللهِ وَ بَرَكْتُهُ عَلَيْكُرْ آهَلَ الْبَيْتِ و إِنَّهُ حَمِيْدٌ مَّجِيْدٌ ۞
  - فَلَمَّا نَهَبَ عَنْ إِبْرُهِيْرَ الرَّوْعُ رَجَّاءَتُهُ الْبُشُرٰى يُجَادِ لَنَا فِيْ قَوْرٌ لُوْمِا ﴿
  - اِنْ اِبْرُهِيْرَ لَحَلِيْرٌ اَوَّاهٌ مَّنِيْبٌ ۞
- لَيْ إِنْهِ هِيمُ آَهُو مُن عَنْ هَذَا ؛ إِلَّهُ قَنْ جَاءَ آَمُو رَبِّكَ ، وَ إِنَّهُرُ [تَهِيمُ عَذَابٌ عَنْمُ مَرْدُودِ ۞ وَلَمَّا جَاءَنُ رُسُلْنَا لُوْكَا سَنَّى بِهِرْ وَمَانَ بِهِرْ دَرُعًا وَقَالَ
- هٰذَا يَوْاً عَوِيْتٌ ۞ وَجَآءَةُ قَوْمُهُ يُهُرَعُونَ إِلَيْهِ وَمِنْ قَبْلُ كَانُواْ يَعْمَلُونَ
- وَجَآءَةُ قُوْمُهُ يُمْوَعُونَ إِلَيْهِ ۥ وَمِنْ قَبْلُ كَالُوْا يَعْمَلُونَ السَّيَّاتِ، قَالَ يَقَوْمُ هُوَّكُو بَنَا تِيْمُنَّ أَطْهُرُ لَكُرْ فَاتَّقُوا اللهُ وَلَاتُخُوُّرُونِ فِي مَيْفِى ۥ اَلَيْسَ مِنْكُرْ رَجُلٌ رَّهِنْدْ ۞

- ex নাম মহল 'মহি নো মান্ত নোহার (সম্প্রাহের) বন্যাদের বাাপারে আমাদের কোন দাবী নেট আব নিশ্চয় তমি অবশাই আ কান যা আছবা हांहें।
- bo। সে বলল 'তোমাদের উপর যদি আমার শক্তি থাকত অথবা যদি আমি কোন সক্ষ থানির (ফালি-গোষ্ঠীর) আগচ নিতে পাবভায়।
- ৮১ তারা বলল 'তে লত! নিশ্বর আমবা আপনার প্রতিপালকের রাসন (ক্ষেত্রশামা)। তারা ক্রথানা আপনার রাখে পৌহাতে পারার না সকরাঃ प्राथमि जात्वत काम क्रम संशव संश्वात की काम साध्यात शक्तित शक्ति নামত বের হার পানে এবং আপনাদের হথা থোক কেট বেন পিচনে চিবে মা তাকায়। নিশ্বয় তার জীর) উপর তাই (শান্তি) আগতিত কবে যা আপ্রতিক হার অন্যাত উপর। মিশায় ভাষের (শান্তির) জন্য নির্ধাবিক সময ਲਕ ਪਤਾਰ। ਬਤਾਰ ਨਿ ਕਿਰਪੋਰਟੀ ਕਰ•\*
- ৮১। তদেপৰ হখন আহাৰ নিৰ্দেশ আহল তখন আমি একে (জনপদকে) উন্টে নিলাম এবং এর উপর বর্ষণ করলাম ক্রমাণক পোনামাটির ettotat-
- ৮৩। -যা চিহ্নিত (ছিল) ভোমার প্রতিপালকের নিকট। আর সেটা (অনপদটা) ফালিয়াদৰ খোক বেশি দাবে নহ।
- ৮৪। স্বার মাদইয়াদ-এর প্রতি ডাদের ভাই অ'আইবকে (প্রেরণ করেছিলাম)। সে বলেছিল, 'হে আমার সম্প্রদায়। তোমরা আল্লাহর ইবাদত কর. তিনি ছাড়া ভোমাদের অন্য কোন ইলাহ নেই এবং তোমরা মাপে ও প্ৰদান কয় দিও মা' নিশ্বর আমি কোমানেকে সম্পদশালী দেবছি এবং নিক্ষয় আমি ভোমানের জন্য আগস্কা করছি এক পরিবেটনকারী দিনের माखित.
- ৮০। আব তে আমার সম্পদায়! ভোমরা নাাব্যভাবে মাপ ও ওচন পর্ণ কর এবং মানুষকে তানের প্রাপ্য বস্তু কম দিও না এবং ক্যাসাদ সঙিকারী হয়ে পথিবীতে অপরাধ করো না।
- ৮৬৷ আলাহৰ (দেয়া) অবশিষ্ট (পাড<sup>\*</sup>) তোমাদের জন্য উত্তর- যদি তোমরা ম'মিন হও। আর আমি তোমাদের সংরক্ষক নই।
- ৮৭, তারা বলল, 'হে অ'আইব! তোমার সালাত নোমায) কি তোমাকে এ দির্দেশ দেয় যে, আমরা তাকে বর্জন করব যার উপাসনা করে আমাদের পিতপ্রসংঘরা অথবা (বর্জন করব) আমাদের ধন-সম্পাদের ক্ষেত্রে যা চাৰ্লিং তা করা (ওজ্নে কম দেয়া)ঃ দিশ্চয় তুমিই সহনশীল ও সুবোধা
- ৮৮। সে কাল, 'হে আমার সম্প্রদায়। তোমরা তেবে দেখেছ কি, যদি আমি স্তাহ্মর প্রতিপানকের পক্ষ থেকে স্পষ্ট প্রমাণের উপর থেকে থাকি এবং যদি তিনি তাঁর কাচ থেকে আমাকে উত্তম বিধিক দান করে থাকেন তেবে ভোমাদেরকে অপরাধ থেকে নিষেধ করা কি আমার দায়িত্ব নয়)ঃ আর আমি যা থেকে ভোমাদেরকে নিষেধ করছি আমি তার বিপরীত<sup>\*</sup> কিছ করতে চাই না। আমি কেবল আমার সাধামত সংশোধন করতে চাই। আর আল্লাহর সাহায্য হাড়া আমার কোন সাধ্য নেই। আমি তাঁরই উপর চরসা কবি এবং আমি ভারই দিকে (অনতাপের সাথে) প্রভাবর্তন করি।

- قَالَ لَوْ أَنَّ لِي بِكُرْ قُوَّةً أَوْ أُونَيْ إِلَى رُكْنِ شَدِيْدِ @
- قَا لُوْ إِيلُوْمًا إِنَّا رُسُلُ رَبُّكَ لَنْ يُعلُوٓ اللَّكَ فَأَشِّ بِأَهْلِكَ بقطَع مَّنَ الَّيْلِ وَ لَا يَلْتَفْ مِنْكُمْ ۚ أَحَدُّ الَّا امْ َ اَتَّكَ وَانَّكُ وَانَّكُ مُعِيْبُهَا مَا آَصَابَهُ وَ وَأَنَّ مَوْعَدُهُ لِلصَّبْدُ وَ ٱلْيُسْ الصَّبْدُ
- فَلَمَّا جَآءَ أَمْ ۖ نَا جَعَلْنَا عَا لِيَهَا سَافِلَهَا وَ أَمْطَوْنَا عَلَيْهَا حجَا رَةً من سجَيْل مُمْنفُود ٥

مُسَوَّمَةً عَنْدَ رَبِّكَ ، وَمَا هِيَ مِنَ إِ لَظُّلَمِيْنَ بِبَعَيْدٍ فَيْ

بقريب 🔞

- وَ الْ مَدْيَنَ إِخَاهُمْ شُعَيْبًا قَالَ يُقَوْمَ اعْبُدُوا اللَّهُمَا لَكُمْ مِّنْ الْمُغَيُّهُ وَ لَا تَنْقُمُوا الْمُكْيَالَ وَالْمِيَّ أِنَ النِّي ٓ أَرْبِكُمْ بِغَيْرِ وَّانِّيْ أَغَانُ عَلَيْكُرْ عَذَابَ يَوْ الْحَيْطِ
- وَينَوْمَ اوْقُوا الْمِكْيَالَ وَ الْمِيْزَانَ بِالْقَسْطُو لَا تَبْخَسُوا النَّاسَ إَشْيَاءَهُمْ وَ لَا تَعْتُوا فِي الْأَرْضِ مُقْسِدِينَ ⊕
- بَقِيَّتُ اللهِ غَيْرٌ لَّكُيرُ إِنْ كُنْتُرْ مُّؤْمِنيْنَ ةً وَمَآ إِنَا عَلَيْكُرْ قَا لُوْ إِنْ مُعَيْبُ أَمَلُو تُكَ تَأْمُرُكَ أِنْ نَّتُرُكَ مَا يَعْبُدُ إِنَّا وُنَآ أَوْ
- أَنْ نَفْعَلَ فِي آمُوا لِنَامَا نَشَوُّا وَأَلْكَ لَآنْتَ الْكَلِيرُ السَّفِيدُ ا قَالَ يُقَوْ اَ اَرَءَيْتُرُ انْ كُنْتُ عَلَى بَيِّنَةِ مِنْ رَبِّيْ وَ رَزَقَنيْ مِنْهُ رِ زَقًا حَسَنًا ، وَمَآ أُرِيْدُ إَنْ أَهَا لَفَكُرُ إِلَى مَآ أَتَهْكُرُ عَنْدُ إِنْ

- ৮৯। আর হে আমার সম্প্রদায়। আমার সাথে বিরোধ যেন কিছুতেই তোমানেরতে (এমন অপরাধ করতে) এরোচিত না করে যাতে তোমানের উপর আপত্তিত হয় অনুরূপ বিগদ যা আপতিত হয়েছিল নুহের সম্প্রানারের উপর অথবা হুদের সম্প্রদায় অথবা সাহিত্ব, বয় সম্প্রদারের উপর আর করের সম্প্রদায় তোমানের থেকে বেটা মতে না।
- ৯০। এবং তোমরা তোমানের প্রতিপালকের কাছে ক্ষমা প্রার্থনা কর ও তাঁর দিকে অনুভঙ হয়ে ফিরে আস। নিশ্চয় আমার প্রতিপালক পরম দয়ালু ও পরমা স্বেচসরামাধ।
- ৯১। তারা বলদ, 'হে ত'আইব। তুমি যা বল তার অনেক কিছুই আমরা বুজি লা এবং লিছয় আমরা অবশাই আমাদের মধ্যে তোমাকে দুর্বদ দেখছি। আর যদি তোমার আভি-গোষ্ঠী না থাকত তাহেল অবশাই আরা তোমকে প্রবিধিক নিজেপ করতাম: আর আমাদের উপর তুমি প্রতাপশালীত মতা.'
- ৯২। সে বলল, হে আমার সম্প্রদার: তোমাদের কাছে কি আমার জ্ঞাতি-গোষ্ঠী অস্ত্রাহ্ব চেয়ে বেশি প্রতাপশাদী। আর তোমরা ওঁকে তোমাদের পিছনে ফেলে য়েছে (অবহলো করে), নিকয় আমার প্রতিপাদক তোমারা যা কর তা পরিস্কৌক করে আছেল।
- ৯৩। আর হে আমার সম্প্রদার। তোমরা তোমাদের অবস্থান (পথ-পছতি) অনুসারে কান্ধ কর, দিকা আমিও কান্ধ করছি। অচিত্রেই তোমরা লানতে পারাবে কার দিকট আসবে একন দান্তি যা তাকে অপমানিত করবে এবং কে মিধাবালী। আর তোমরা পর্যবেক্ষণ কর, দিকা আমি তোমাদের সাথে পর্যবেক্ষণ করছি।
- ৯৪। এবং হখন আমার নির্দেশ আসল তখন আমি তথা হিব ও তার সাথে খারা ইমান একেছিল তানেতকে আমার দল্লান্ত উদ্ধান করলাম, আহ যারা জুপুর করেছিল তানেরকে বিকট শব্দ পাকত্বাও করল, ফলে তারা তানের আমাসনসক্ষেত্র উপত্র হয়ে পত্তি রইল-
- ৯৫। যেন তারা সেখানে কখনো বসবাস করেনি। জেনে রাখ, মানইয়ান-এর জন্য ধ্বংস যেমন ধ্বংস করা হয়েছিল ছামূদকে।
- ৯৬। আর অবলাই আমি মূল্যাকে আমার নির্দর্শনাবদি ও সুম্পন্তী প্রমাণকাহ (প্ররথণ করেছিলাম)-৯৭। ফিরআউন ও তার পরিষদ্দরর্থের প্রতি, কিন্তু তারা ফিরআউনের নির্দেশন অবসধন করলে, এবং ফিরআউনের নির্দেশ সঠিক ছিল না।
- ৯৮ সে কিয়ামতের দিন তার সম্প্রদায়ের অগ্রভাগে থাকবে এবং সে তাদেরকে আগুনে প্রবেশ করাবে। আর কতাই না নিকট্ট সে প্রবেশস্কুল কোধানে
- ৯৯। এবং এখানে (দুনিয়াতে) লা'নত তাদের পিছু লাগিয়ে দেয়া হল এবং কিয়ামতের দিনেও কতই না নিকৃষ্ট সেই পুরস্কার যে পুরস্কার তাদেরকে দেয়া হবে।

তাদেরকে প্রবেশ করামো হবে!

- ويقوم لايجر منفر شقافي إن يصيبخر مِثل ما اصاب فو نُوْجٍ أَوْقَوْمَا مُوْدٍ أَوْقَوْمَا صَلِيمٍ ، وَمَا قَوْمُ لُوْمٍا صِّنْكُمْ بِبَعِيْدٍ ۞
- وَالسَّعْفِرُوُّا رَبَّكُرُ لِّنَّ لَوَلُوَّا إِلَّهِ وَإِنَّ رَبِّيْ رَجِّيْرٌ وَّدُوْ ﴿ قَالُوا يَفْعَيْمُ مَا لَعْقَدُ كَنِيْرًا إِنَّهَا تَقُوْلُ وَإِنَّا لَتَوْسُكُ عَمْمًا وَ لَوْلا رَهُكُ لَرَجُمْكُ لَرَجُمْكُ وَرَجُمْكُ وَمَّا أَلْفَ عَلَيْنًا بِعَوْلِيْ ﴿
- قَالَ يَقَوْ) أَرَهُطِيَّ آمَّةً مَلَيْكُرْ مِّنَ اللهِ وَ الْتَحَدُّ تُمُوْلُا وَرَاءَكُرُ ظِهْرِيًّا • إِنَّ رَبِّيْ بِمَا تَعَمَّلُونَ مُحِيْطُ ۞
- ۉۘڽڠٞۉٵۼٛڡڷۊٛٵۼ ڡػٵؾ۫ػٛڕٛٳڷؽٵڡڵۥۺۉؽؾۼڷڡۉڹ؞ٙڞ ؿٲؿۿۼڐڔ۠؞ڲ۠ڎٛڔؽۅۉڞؘۿٷػڶڋؚۨ؞ٷٵۯؾڣۣۺؖٵٳؾٚؽڡٙػڰۛڔ ۯڴؚؽؖ؞ۿ
- وَلَمَّا مِّاءَ آمُرُنَا نَجَّيْنَا شُعَيْبًا وَّالَّذِينَ امَنُوا مَعَهُ بِرَحْمَهُ مِّنَّا وَاَخْلَتِ الَّذِينَ ظَلُمُوا المَّيْحَةُ فَاصْبَحُوا فِيْ دِيَا رِهِرُ خُمِنْ شُ
  - كَانَ لَّرْ يَغْنَوْ ا فِيْهَا ﴿ آلَا بُعْدًا لِّمَدْيَنَ كَمَا بَعِدَتْ ثُمُوْدُ ﴿
- وَلَقَدَ ٱرْسَلَنَا مُوْسَى بِالْمِنِنَا وَسُلُطِي مَّبِيْنِي ۿ إِلَى فِوْعَوْنَ وَمَلَائِهِ فَالنَّبَعْزَا آمَرُ فِرْعَوْنَ ؛ وَمَا ٓ آمُرُ فِرْعَوْنَ
- يَقُدُّمُ قُرْمَهُ يَوْمُ الْقِيْمَةِ فَأَوْرَدُهُيُّ النَّانَ وَبِغْسَ الْوِرِدُ الْمُوَّدُونُهُ الْمُوَّدُونُ
- . ﴿ وَرُكِنُ وَ أَتَبِعُوا فِي هَٰذِهِ لَغَنَةً وَّ يَوْمَ الْقِيْمَةِ · بِئْسَ الرِّقْدُ الْمَرْفُودُ ۞

į		سؤرآ
9	فَمِنْ أَنْكِبَاءَ الْقُوٰى نَقُصُهُ عَلَيْكَ مِنْهَا قَائِرٌ وَّحَمِيْدٌ	ذلا

strat-1:

১০০।এটি জমপদসমূহের কিছু সংবাদ যা আমি তোমার কাছে বর্ণনা করছি, এর (জমপদসমূহের) মধ্যে কিছু (এখনো) বিদ্যমান এবং কিছু কতিত (ঋণে প্রার্থ)।

১১. সুরা হুদ

(ঋণে প্রাথ)।

১০১।এবং আমি তাদের প্রতি জুলুম করিনি, বরং তারাই তাদের নিজেনের
প্রতি জুলুম করেছিল এবং খবন তেমার প্রতিশালকের নির্দেশ প্রসালিল
তথ্য আন্তাহকে আন নিয়ে তারা আনেরক ভাকত নেই উপার্যার
তানের বিচাই বাজে আনেনি এবং তারা আনের ঋণের ভানা ভিতেই বজি

করেনি।

১০২।এবং এমনাই ভোমার প্রতিপাদকের পাকড়াও যথন তিনি জনপদসমূহকে
পাকড়াও করেন, এমন অবস্থায় যে সেওলো জালিম। নিশ্চয় তাঁর

পাঁতড়াও করেন, এমন অবস্থায় যে সেওলো জাগিম। নিক্ষা ভার পাঁতড়াও যথুগাঁদায়ক ও কঠিন।

১০০।নিক্ষ এতে অবশাই এক নিদাৰ্শন ক্রমেড ভার জনা যে আবিবাতের

শান্তিকে ভয় করে। এটা সেই দিন যেদিনের জন্য মানুষকে একত্র করা হবে, এবং এটা সেই দিন যেদিন (সকলকে) উপস্থিত করা হবে।

১০৪ এবং আমি কেবল গণনাযোগ্য নির্দিষ্ট সময়ের জন্য তা বিলম্বিত করছি।

১০৫।যেদিন তা আসবে সেদিন তাঁর (আল্লাহ্র) অনুমতি ছাড়া কেউ কথা বঙ্গাবে না, এবং ডাদের মধ্যে কেউ হবে দুর্ভাগা এবং কেউ ভাগ্যবান।

১০৬। মতঃপর যারা দুর্ভাগা হবে তারা থাকবে আগুনে, সেখানে তাদের জন্য বয়েচে নীর্ঘধান ও দীর্ঘধান-

১০৭।সেখানে তারা স্থায়ী ধরে যতদিন আকাশসমূহ ও পৃথিবী থাকরে, তরে তোমার প্রতিপালক যা ইক্ষা করকেন তা ভিনু কথা<sup>®</sup>। নিক্সা ভোমার প্রতিপালক যা চান তা-ই করেন।

ব্যাতাশালন থা চাল তাই পক্রেন।

১০৮/আর যারা ভাগাবান হবে তারা থাকবে জান্নাতে, দেখানে তারা স্থায়ী
হবে যতদিল আলোলনামূহ ও পৃথিবী থাকবে, তবে ভোমানা প্রতিপালক
যা ইম্মা করবেল তা তিন্ন স্থানা, (এটি) এক নিবাইন্দ্রা পুরস্কার।

১০৯।সুতরাং তারা যাদের উপাসনা করে তাদের (পরিশন্তি) সম্পর্কে কোন সন্দেহে থেকো মা। পূর্বে তাদের পিতৃসুক্তকো (সুপরিকরা) কোতাবে উপাসনা করত তারা সেতাবেই উপাসনা করে। আর নিসন্ত আহি টি অবশক্তি তাদেহেক ভাসের বাস্থা করে পার্কারিক বিশ্বা-কম কার

১১০। আর অংশ্যই আমি মুসাকে বিতাব নিরেছিলাম এবং তাতে মতপার্থকা করা হয়েছিল। আর মদি ডেমার প্রতিপাদাকের পক্ষ থেকে একটি কটি গত (পূর্ব মোদিত) হরে না বাকত তাহলে তাকের মাকে অংশার্ট মীমাংসা বরে সেরা হত। এবং দিশের তারা অংশাই ও (ভুক্তম্ম)

দশর্কে বিমাধিকর সংশহে রয়েছে।

১১১। আর নিকয় ভোযার মতিশালক সবাইকে অবশাই ভালের কর্মের জন্য পুরোপুর্বি (প্রতিষ্ঠান) প্রদান করবেন, তারা যা করে দে সম্পার্কে নিকয় তিনি পূর্ব অবলত। وَهَا ظَلَمْنَهُمْ وَ لَكِنْ ظَلَمُواْ الْفُسَمُ فَفَا أَغْنَتُ عَنْمُمُ الْمِتَّهُمُ الْتِنَ يَدْعُونَ مِنْ دُوْنِ اللّهِ مِنْ هَنَّ لَمَّا جَاءَ أَمُو رَيِّكَ وَمَا زَادُوْهُمْ غَمْرَ تَثْبَيْنِ ۞

وَكَذَلِكُ إِنْكُ رَبِّكُ إِذَا أَغَذَا لِلُونِي وَمِي ظَالِيَّةٌ إِنَّ أَغَذَةً الْبِيْرُ هُمَرِيدٌ ۞ إِنْ يُؤَذِلُكَ لَائِمَّةً لَـمَنْ هَانَ عَذَابَ الْأَخِرَةِ ﴿ لِكَ يَوْ أَ مُجْمَوعٌ أَلَّهُ إِللَّهُ مِنْ وَذَلِكَ يَوْأَ أَغْمُودٌ ۞

رَمَا لَوُكُوْةً إِلَّا لِكُمُونَ فِي يُوَا يَابِ لِاتَكُلُّرُ نَفْسُ إِلَّا بِإِذَٰنِهِ، فَيِنْفُر مُقِيِّ وَسَعِيدٌ ۞ قامًّا الْذِيْنَ مُقُوْا فَفِي النَّارِ لَهُرْ فِيْهَا رَفِيْوٌ تَمْفِيْنَ فَيُوثَّقِقَ فَيْنَ

خُلِدِيْنَ فِيهَا مَا دَامَتِ السُّوْنُ وَ الْأَرْضُ إِلَّامَا هَاءَ رَبُّكَ. إِنَّ رَبَّكَ قَتَالَ لِمَا لَمِيْدُ ﴿ وَأَمَّا اللَّذِيْنَ مُعَدُّواْ فَقِيلَ الْمِثْقِيمُ عَلَيْدُ غَلِيدِيْنَ فِيهُهَا مَا دَامَتِ السُّوْنُ وَالأَرْضُ إِلَّامًا هَاءَ رَبُّكَ، عَظَاءً غَيْرًة مُحِدُّوْدٍ ﴿

فَلَوْتُكُ فِي سِرِيَّةِ سِنَّا يَشْبُدُ هُوَّ أَفِيَّهَ الْمُثَلِّقُ الْأَكْمَا الْمُثْبُدُونَ الْأَكْمَا يَشْبُدُونِ فَ وَلَقَدُ الْمِنْا لَهُوْنَ الْكُنْدَ فَاضَافَ فِيهُ وَلَوْلَا لَمُوَّلُوهُمْ لَفِينَامُمْ غَيْرَ وَلَقَدُ الْمِنَا لَهُمْ الْكُنْدَ فَاضَافَ فِيهُ وَلَوْلَا كُلَيْقُ الْمُنْفَافِيةُ الْمُنْفَافِيةُ الْمُنْفَا

مِنْ رَبِّكَ لَقُمِّى لَيَنَهُرُ وَ إِنَّهُرُ لَئِنْ هَلَّهِ مِنْهُمُ مِنْ فِي ﴿
وَإِنَّ كُلَّا لَّمُا لَيُوقِينَّهُرُ وَبِّكَ أَعْمَا لَهُرْ وَإِنَّهُ لِمَا يَعْمَلُونَ

فَاشْتَقِرْ كَمَآ أُمْرْتَ وَمَنْ تَابَمَعَكَ وَلَاتَطْغَوْا ﴿ إِنَّهُ بِمَا

১১১। সকলা কমি অলিকা পাত্র ক্ষেত্রত কমি বাজিই হারত এক ভোগ্রার সাথে যারা (কয়নী থেকে) অনতথ হয়ে ফিরে এসেছে ভারাও এবং কোহনা সীয়ালক্ষর কলো না। কোহনা যা কর সে সম্পর্কে নিশ্বত দিনি পর্গ দঙ্গিবান।

১১৩। আর যারা জনম করেছে ভোমরা তাদের প্রতি বাঁকে পছো না, ভাহলে আগ্নন ভোয়াদেবকে স্পর্ণ করবে আব এ অবস্থায় আলাহকে বাদ দিয়ে ক্ষেয়াক্ষর কোর অধিনাক্ষর থাকার না এবপর কোয়াক্ষরতে সাহায়।

১১৪।এবং ভমি সালাত (নামায) কারেম কর দিনের দই প্রান্তে ও রাতের প্রথমারেশ। নিশ্বয় ভাল কাক্র মন্দ্র কাক্রকে মিটিয়ে দেয়। উপদেশ अध्यक्षकारीयका क्रमा और शक देशावन

১১৫।এবং ডমি থৈর্ছ ধারণ কর তারণ নিশুয় আবাত সংকর্মপরাহনদের वर्षाच्या हो। वरवह हो।

১১৯ সভবাঃ ভোহাদেৰ পৰ্ববৰ্ত্তী প্ৰক্ৰানসমূহেৰ মধ্য হতে পথিবীতে কাাসাদ স্টি করা থেকে নিষেধ করার মত ঘটনদ্ধি সম্পদ্র গোকজন কেন ছিল না তবে তাদের জন্ম সংখ্যক ছাড়া (যারা নিষেধ করত), যাদেরকে আমি দানের মধ্যে থেকে টকার করেছিলামুং আর হারা চলাম ব্যবহিল ভারা পেছনে ছটেছিল বিলাস সামগ্রীর যার মধ্যে তালেরকে (ভবিত্রে) রাখা প্রায়ছিল এবং ভাষা ছিল অপরাধী।

১১৭। আর ভোমার প্রতিপালক এমন নন যে, তিনি অনপ্রসমহ অন্যায়ভাবে ঞ্চাস করবেন, এমন অবছার যে তার অধিবাসীরা সংশোধনকারী।

১১৮ আর যদি নোয়ার প্রতিপালক ইক্ষা করাজন ভারলে (সব) যানহাক এক উন্মত (ধর্মাবলম্বী) করতেন, কিন্তু ভারা মতপার্থকা করতেই থাকবে-

১১৯। তারা ছাড়া, যাদেরকে ভোমার প্রতিপালক দরা করেন। এবং তিনি ভাদেরকে এজনাই সৃষ্টি করেছেন। আর ভোমার প্রতিপালকের (এ) বাণী পর্ব চরেট্র 'অরপার্ট্র আমি জীন ও মান্য উভয়েব হারা আহানাম পর্ব कतर्ग'

১১০ এবং বাসদদের সংবাদসমূহ থেকে প্রত্যেক (কাহিনী) যা আমি ভোমার কাছে বর্ণনা করি তা ধারা আমি তোমার অন্তরকে দঢ় করি এবং এতে (কারিনীসমার) ভোমার কান্ডে এসেছে সভা এবং ম'মিনদের জনা ইপাদৰ ও সাবধানবাণী।

১২১ আর যারা ঈমান আনে না তাদেরকে বল, 'তোমরা তোমাদের অবস্তান (পথ-পদ্ধতি) অনুসাৰে কাজ কৰা নিশ্বৰ আম্বাণ কাজ কৰচি।

১২২: এবং অপেকা কর, নিশুর আমরাও অপেকা করছি।

এবং তার উপর ভরসা কর। আর তোমরা যা কর সে সম্পর্কে তোমার। প্রতিপালক বেখবর নন।

تَغْمَلُوْنَ بِصَيْ ﴿

وَ لَا تَرْكُنُوْ إِلَى الَّذِينَ ظَلَبُوا فَتَبَسِّكُ ۗ إِلنَّا رُوْمَا لَكُمْ مِّنْ دُوْنِ اللهِ مِنْ أَوْلِياءَ ثُرَّ لَاتُنْصَرُونَ @

وَأَقِيرِ الصَّلُوةَ طَوَقَى النَّهَا رِوَ زُلَقًا مَّنَ الَّيْلِ انَّ الْحَسَنْتِ يُذْهِرْنَ السِّيّاتِ ﴿ لِكَ ذِكُ ي لِللَّهُ بِي إِلسَّاتِ وَلِكَ دَيْرَ فَ

وَ اصْبُ فَانَّ اللَّهَ لَا يُضِيُّعُ آجُ الْمُحْسِنْينَ @

فَلَوْ لَاكَانَ مِنَ الْقُرُونِ مِنْ قَبْلُكُمْ أُولُواْ بَقَيَّة يَّنْهَوْنَ عَن الْفَسَادِفِي الْأَرْضِ الْآقَلَيْلُامَّتْنَ أَتْجَيْنَا مِنْهُرْ ، وَاتَّبَعَ الَّذِيْنَ ظَلَمُوْا مَا آاتُرفُوا فِيْهِ وَكَانُوْا مُجْرِمِينَ ﴿

وَمَا كَانَ رَبُّكَ لِيُهْلِكَ (لُقُرْى بِظُلْرِ وْ إَهْلُهَا مُمْلَحُونَ ﴿

وَلَوْ هَا أَءَ رَبُّكَ لَجَعَلَ إلنَّاسَ أُمَّةً وْإحِدَةً وْ لَا يَزَا لُوْنَ

الْآمَنْ رَّحِرَ رَبُّكَ، وَلذُّ لكَ غَلَقَهُرْ ، وَتَمَّنْ كَلمَةُ رَبِّكَ لْأَمْلَئُنَّ جَهَنَّهُ مِنَ إَلْجِنَّةً وَ إِلنَّاسِ أَجْهَعَيْنَ @

وَكُلًّا نَّقُصُّ عَلَيْكَ مِنْ ٱنَّابَاءَ الرُّسُلِ مَا نُعَبِّتُ بِهِ فُوَّ ادَكَءُو جَاءَكَ فِي هٰذِهِ الْعَقِّ وَمَوْعَظَةٌ وَّذَكُّ مِي لِلْمُؤْمِنِينَ ﴿

وَقُلُ لَلَّدِيْنَ لَايُؤُمِنُونَ اعْمَلُوا عَلَى مَكَانَتِكُرْ ﴿ إِنَّا عَمِلُونَ ﴿ وَ انْتَظِرُ وَا الَّا مُنْتَظِرُ وَا : إِنَّا مُنْتَظِرُ وْنَ @

وَ تُوكُّلُ عَلَيْهِ وَمَا رَبُّكَ بِغَافِلِ عَمَّا تَعْمَلُونَ ﴾

#### ১১ সরা ইউসফ মাঞ্জী 111 वाहाल 12 कक

অসীম দযাময় ও প্রম দয়াল আলাহর নামে

- चालिस-लाप्र-वा। ००रला जल्लों किलारक चालाक।
- নিশ্চয় আমি এটিকে আরবী করআন হিসেবে অবতীর্ণ করেছি. যাতে তোমরা অনধাবন করতে পার।
  - ক। আমি কোহার কান্ডে সর্বোক্তম কাহিনী বর্ণনা করঙি কোয়ার গকি এই করঝান এটা করার মাধ্যমে, যদিও এর পর্বে তমি (এ ব্যাপারে) ডিলে खरमाडे *(वश्वताप्रत खळर्नत*ः)
- ৪। হখন ইউসফ ভাব পিভাকে বলেছিল 'তে আয়াব পিভা। নিশ্বৰ আয়ি (সংগ্র) এগারটি নক্ষর, সর্য এবং চলকে দেখেচি, আমি ভাদেরকে দেশ্বেদি ভাষা আয়াকে সিজনা করণে i'
- ৫। সে বলল, 'তে আমাৰ পত্ৰ। তোমাৰ ভপ তোমাৰ ভাইদেৰ কাভে বৰ্ণনা করো না, তাহলে তারা তোমার বিরুদ্ধে বভযন্ত করবে। নিশ্চয় পয়তান মানধ্যে জন্ম সম্পন্ন শক্ত।"
- আর এভাবে ভোমার প্রতিপালক ভোমাকে মনোমীত করবেন এবং জোয়াকে স্থাপন নাাখা শিক্ষা দিবেয় এবং জোয়ার উপর ও ইয়াক্রবের. ইতঃপূৰ্বে তা পূৰ্ণ করেছিলেন ভোমার দুই পিতপুরুষ ইবরাহীয় ও ইসহাকের উপর। নিশ্বয় ভোয়ার প্রতিপালক সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজাবান।
- ৭। প্রশ্রকারীদের জন্য ইউসফ এবং ভার ভাইদের (ঘটনার) মধ্যে অবশাই निवर्गसावकी वरणकः
- ৮। যখন তারা বলেছিল, 'অবশ্যই ইউসফ ও তার ভাই আমাদের পিভার কাছে আয়াদের থেকে বেশি প্রিয় "অধ্যত আয়বা একটি দল। নিশ্বয আমানের পিতা অবশ্যই সম্পন্ত বিভাতিতে রয়েছেন.
- ৯: ভৌমবা ইউসফাক হুদের কর অংথকা লাকে কোন স্থান ফোল আস (এতে) তোমাদের পিতার দৃষ্টি তথ তোমাদের প্রতি নিবিষ্ট হবে এবং তার (মন্তা অথবা ছারিয়ে যাওয়ার) পর ভোমরা সং লোক হয়ে যাবে।'
- ১০। তাদের মধ্যে একজন কথক বলল, 'ভোমরা ইউসফকে হত্যা করে। না বরং ভাকে কপের গভীরে নিক্ষেপ কর যাগ্রীদলের কেট ভাকে কডিয়ে নিবে-যদি ভোমবা (কিছ) করভেট চাও।
- ১১। তারা বলল, 'বে আমানের পিতা! আপনার কী (যকি) আছে যে, ইউসফের ব্যাপারে আপনি আমাদেরকে বিশ্বাস করছেন না. অথচ নিশ্চয় আমরা অবশাই ভার ওভাকাকটি

# Jac - ( ing 1 8 2 mg - 17 elgiae migg هيه الله الرَّحُمْنِ الرَّحِيْمِ

إلَّا مِتلُكَ إِيْنُ الْكُتْبِ الْمُبِينَ } انًّا أَنْوَلْنُهُ قُوْءُنَّا عَوَبِيًّا لَّعَلَّكُمْ تَعْقَلُونَ ۞

نَدُنُ نَقُصُّ عَلَيْكَ أَحْسَنَ الْقَمَص بِمَا آوْمَيْنَا آلَيْكَ هٰذَا الْقُوْ إِنْ لَا وَالْ كُنْكَ مِنْ قَبْلِهِ لَمِيَ الْغُفليُّن ﴿

اذْ قَالَ يُوْسُفُ لِآبِيْهِ يَّا بَى انْيُ رَآيْتُ اَحَدَ عَشَوَ كَوْكَبًا وَّ الشَّمْسَ وَ الْقَمَرَ رَآيَتُهُمْ لِي سُجِدِينَ ۞

قَالَ بِبُنَيَّ لَا تَقْمُصْ رُءُيَاكَ عَلَى إِنْهُو تَكَ فَيَكَيْدُوا لَكَ كَيْدًا، انَّ الشَّيْطَى للْإِنْسَانِ عَدُوَّمُّبِيْنٌ ۞

وَكَذَٰ لِكَ يَجْتَبِيْكَ رَبُّكَ وَيُعَلِّمُكَ مِنْ تَأُويُلَ الْإَحَادِيْي وَيْدِرُّ نَعْمَتُهُ عَلَيْكَ وَغِلَّ اللهِ يَعْقُوْ بَ كُمَا أَنَّمْهَا عِلَى أَبُو يُكُونُ اللهِ المعالمة الم قَبْلُ إِبْ هِيْرَ وَ اشْعَى وَانْ رَبِّكَ عَلَيْرٌ حَكَيْرٌ ٥

> لَقَدْ كَانَ فِي يُوسُفَ وَ إِخْوَتِهَ إِنَّ لِلسَّا تِلْيْنَ ۞ إِذْ قَا لُوْا لَيُوسُفُ وَ آخُوهُ آحَبُّ إِنَّى آبِيْنَا مِنَّا وَ نَصْنَ عُصْبَةً ﴿ إِنَّ أَبَانَا لَفِي مَلْلِ مُّبِينِي اللَّهِ

> اقْتُلُوا يُوسُفَ أَو اطْرَحُوهُ أَرْضًا يَّحُلُ لَكُرْ وَجْهُ أَبِيْكُرْ وَ تَكُوْنُوْ ا مِنْ ابَعْد ب قَوْمًا صلحين ٠

> قَالَ قَآئِلٌ مِّنْهُرْ لَا تَقْتُلُوا يُوسُنَ وَ ٱلْقُوٰهُ فِي غَيبَ الْهُبِّ يَلْتَقَطُّهُ بَعُضُ | لسَّيًّا رَةَ إِنْ كُنْتُرْ فَعَلَيْنَ @

قَا لُوْ إِيَّا بَانَا مَا لَكَ لَا تَأْمَنَّا بَلِّي يُوسُفَ وَ إِنَّا لَدُ لَنْمُحُونَ ۞

- ১১। আপনি আগামীবাল ভাবে আমাদের সভে গঠিন সে ভঙ্জি সরকারে খাবে ও খেলাখলা করবে এবং নিশ্চয় আমরা তার অবশাই বঞ্চণ্যবেঞ্চণকাৰী '
- ১৩। সে বলল, 'নিতয় এটি আমাকে অৰণ্যই দুক্তিভ্ৰপ্ত করে যে. কোমরা তাকে নিয়ে বাবে, আর আমি আশছা করছি যে, তাকে নেকচে (বাখ) থেয়ে ফেলবে, যথন ভোমরা থাকবে ভার ব্যাপারে বেখবর:
- ১৪। সারা বলল "আছবা একটি দল হুওয়া সারেও যদি নেরছে (বাছ) ভারে পেয়ে কেলে মাহতে নিশ্বা আহ্বনা অনুশাই ক্ষতিগাক হব "
- ১৫। অভংপর যথম ভারা ভাকে নিয়ে চলে গেল এবং ভাকে কপের গভীরে ফোল দিকে একমত হল এবং আমি তাব প্রতি এটা কবলাম যে "তমি তাদেরকে তাদের এই কাজের সংবাদ (একদিন) অবশাই বলে নিবে. ষখন তারা (তোমাকে) বথতে পারবে না.'
- NAI এবং ভাষা বাদের প্রথম প্রতার কাঁদতে কাঁদতে তাদের পিতার কাছে
  - ১৭। তারা বলল, 'তে আমাদের পিতা! নিশ্বর আমরা দৌভ প্রতিযোগিতা করতে পিয়েছিলাম এবং ইউসফকে আমানের মালপত্রের কাছে রেখে গিয়েছিলাম, অতঃপর নেকতে (বাখ) তাকে থেয়ে ফেলল, কিন্তু আপনি আহাদেনকে বিশাস করার হর মদিও আহবা সভাবাদী হউ।"
- ১৮। এবং তারা তার জামা নিয়ে আসল মিথা রক্ত লাগিছে । সে (ইয়াকব) বলল 'বৰং (ভাব ব্যাপাৰে) ভোমাদের মন ভোমাদেরকে (কোন) একটি ক্সাফ করাত প্রাবাহিত বাবছে। সভবাং গৈর্ঘ ধারণই উলম। আর ভোমবা যা বৰ্ণনা করছ সে ব্যাপারে আল্লাহই (আমার) সহায়ন্তল "
- ১৯ এবং একটি যাত্রীদল আদল, এবং তারা তালের পানি সংগ্রহকারীকে প্রেরণ করল, অভঃপর সে ভার বাগতি নামিয়ে দিল। সে বলল, 'কী সংকর। এ যে এর বিশোর।' এবং ভারা ভারে পণা হিসেবে স্কিরে বাখল। আৰু ভাষা যা করছিল সে বিষয়ে আল্লাহ ভালভাবে জানতেন।
- ভাষা ভিল ভাষ ৰচ্চপাৰে অনপ্ৰান্তী। ২১। আর মিসারের যে ব্যক্তি তাকে ক্রম করেছিল সে তার প্রীকে বলন। 'ভার সপ্রানম্ভনত আবাসের ব্যবস্থা কর, আশা করা যায় যে, সে আমানের উপকারে আসরে অথবা আমরা ভাকে পত্রকাপে গ্রহণ করব
- अवर अध्यावते चाहि है देशसांक हतीया (विज्ञाव) अभिक्रिक करनाह, अवर যাতে আমি তাকে স্বপ্রের ব্যাখ্যা শিক্ষা দিতে পারি। আর আল্লাহ তার কান্ত সম্পাদনে বিজয়ী, কিন্ত অধিকাংশ মান্য জানে না। ১১: এবং যখন সে তার (শকি-সামর্থা ও ব্যাসের) পর্ণতায় পৌছল
- তথম আমি ভাকে প্রজা ও জান দান করলাম, আর এভাবেই আমি সংকর্মপরায়নদেরকে প্রতিদান দেই:
- ১৩। এবং যাব ঘবে সে চিল সে (নাবী) তাকে দৈৱিক মিলনে প্রবোচনা দিল এবং (ঘরের) দরজাসমহ বন্ধ করে দিল ও বলল, 'কাছে আস।' সে বলল 'আমি আহাত্ব আশ্রয় চাজি <sup>\*</sup> নিক্তর তিনি (আযিব) আমাব প্রভূ<sup>\*</sup>, তিনি আমার আবাদের সুপর ব্যবস্থা করেছেন। নিক্রর জালিমরা अञ्चल रुग जा '

اَ رُسلُهُ مَعَنَا غَدًا يَّوْ تَعُ وَ يَلْعَبُ وَ إِنَّا لَهُ لَحُفظُوْنَ ⊕ قَالَ إِنَّىٰ لَيَحْزُنُنِيَّ أَنْ تَذْهَبُواْ بِهِ وَ أَغَانُ أَنْ يَّاكُلُهُ الذُّنُبُو اَنْتُمْ عَنْهُ غَفْلُونَ ﴿

السورة لوسف

- قَا لُوْا لَئِنْ آكَلَهُ الذِّنْبُ وَنَحْنُ عُصْبَةٌ إِنَّا إِذًا لَّخْسِرُوْنَ ⊛ فَلَمَّا ذَهَبُوْا بِهِ وَ أَجْمَعُوَّا أَنْ يَّجْعَلُوْهُ فَي غَيْبَتِ الْجُبِّ، وَ
- أَوْحَيْنَا الَّذِهِ لَتُنْبِئُنَّهُمْ بِأَمْرِهِمْ هٰذَا وَهُرْ لَايَشْعُرُونَ ﴿ وَجَاءُوْ آبَاهُ ﴿ عَشَاءً يَبْكُونَ ٥
- قَا لُوْ إِيَّا بَانَآ [تَّا ذَهَبْنَا نَسْتَبِقُ وَتَوَكْنَا يُوْسُفَ عَنْدَ مَتَاعِنَا فَأَكَلَهُ الذِّنْبُ، وَمَا آنْتَ بِمُؤْمِن لَّنَا وَلَوْ كُنَّا مُدقَيْنَ ٥ وَجَآءُوْ عَلَى قَمِيْمِهِ بِدَ ﴾ كَذِبٍ قَالَ بَلْ سَوَّلَتْ لَكُرْ ٱنْفُسُكُرْ

أَمْرًا وفَصَدْ جَمِيْلٌ وَ اللهُ الْمُسْتَعَانُ عَلَى مَا تَصَفُونَ @

- وَجَآءَتْ سَيًّا رَةٌ فَا رَسَلُوا وَارِدَهُرْ فَادْلَ دَلْوَةٌ فَالَ لِبُهُا ي هٰذَا عُلَرٌ وَ أَسَوُّوهُ بِضَاعَةً وَ اللهُ عَلَيرٌ ابِمَا يَعْمَلُونَ ﴿
- وَشَوْوَهُ بِكُمْنِ, بَحْسِ دَرَاهِي مَعْدُوْدَةِ وَكَانُواْ فِيْهِ مِنَ الْجَاهِ عِنْهُ مِنَ الْجَا الراهدين أ وَقَالَ الَّذِي اشْتُوا لِدُمِنْ مَّصْوَ لِاثْهِ أَلَهِ آكُومِيْ مَثُوا لِدُعَلِّي أَنْ يَنْفَعَنَآ أَوْنَتَّحْذَةُ وَلَدًا وَكَذَٰلكَ مَكَنَّا ليُوسُفَ في
  - الْأَرْضِ، وَ لَنُعَلِّمَهُ مِنْ تَأْوِيْلِ الْآَحَادِيْبِ، وَ اللهُ عَا لِبَّ عَلَّى أَمْرِهِ وَ لَكِنَّ أَكْثَرُ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ﴿ وَ لَمَّا بَلَغَ آهُدُّهُ ۚ أَتَيْنَاهُ مُكُمًّا وَّعَلَّمًا • وَكَذَّ لَكَ نَجْهِى
    - وَ رَاوَدَتُهُ الَّتِي هُوَ فِي بَيْتِهَا عَنْ تَّقْسِهِ وَغَلَّقَتِ الْأَبُو اِبَ وَ قَالَتْ هَيْتَ لَكَ ، قَالَ مَعَادَ اللهِ إنَّهُ رَبِّيٌّ أَحْسَنَ مَثُو إِي - إنَّهُ

لأَيْفُلِهُ إِلظَّلْمُونَ @

- ১৪। এক মে (নারী) অরশাই আর সাথে (দৈরিক মিলান) মনত করেছিল এবং সেও ভার সাথে মনত্ব করত যদি না সে ভার প্রতিপালকের প্রমাণ (নিদর্শন) দেখত। এডাবেই (করেছি), যাতে আমি তাকে বিরত রাখতে পারি মন্দর্ভাক্ত ও অস্তীলতা থেকে। নিশ্চম সে ছিল আমার বাছাইকত বান্দাদের অন্তর্লক।
- ২৫। এবং তারা দ'জনে দরভার দিকে দৌতে গেল এবং দে (নারী) পিছল থেকে ভাব জাহা (ধাব) চিচে ফেলল এবং তারা তার পতিকে দবজার কাছে পেল। সে (নারী) বলন, 'যে ভোমার স্তীর সাথে ককর্ম করতে চায় তাকে কারাগারে প্রেরণ অথবা হারণাদাহক শামি ছানা তার আব নী প্রতিফল হতে পারেঃ'
- ১৬: সে (ইউসফ) বলল, 'সে আমাকে দৈহিক মিলনে প্ররোচণা দিয়েছিল এবং ভাব (নাবীব) পবিবাবের একজন সাক্ষী সাক্ষা দিল 'যদি ভাব জামা সামনে থেকে চেঁড়া হয়ে থাকে তবে সে (নারী) সত্য বলেছে এবং সে (ইউসফ) থিখাবাদীদের অন্তর্জন।
- ২৭। আর তার জামা যদি পিছন দিক থেকে ছেঁতা হরে থাকে তাহগে সে (নারী) মিথ্যা বলেছে এবং সে (ইউসভ) সতাবাদীদের অন্তর্জ্ঞ।
- ২৮। অতঃপর যথন সে (নারীর পতি) দেখল যে, তার জামা পিছন দিক থেকে ছেঁড়া ক্ষয়েছ তথন সে বলল 'নিক্ষয় এটা তোমাদের (নারীদের) যন্তবল নিশ্বর লোমানের সময়ের স্বয়ানক!
- অপরাধের জনা ক্ষমা প্রার্থনা কর, নিকর কুমি ছিলে অপরাধীদের অন্তৰ্ভক।"
- তে। এবং শহরের নারীরা বলল 'আহিষের স্থী তার মরককে দৈছিক মিলনের প্ররোচণা দিছে, সে (ইউসফ) তাকে প্রেমে আসক করেছে। দিশুয় আমরা তাকে (আয়িয়ের স্ত্রীকে) অবশাই সম্পন্ন পথন্তইতায় দেখতে পাছিত।"
- ৩১। অতঃপর যধন সে (আধিষের স্ত্রী) তাদের যভ্যন্তের কথা খনল, তথন তাদেরকে ভেবে পাঠাল এবং তাদের জন্য আসন প্রস্তুত করণ এবং তাদের প্রত্যেককে (ফল কেটে থেতে) একটি করে ছবি দিল এবং (ইউনুফকে) বলন, 'তাদের সামনে বের হও ' অতঃপর যথন তারা তাকে দেখল তখন তারা তাকে মহান (অপূর্ব সুলর) মনে করল এবং তাদের (নিজেদের) হাত কেটে ফেলল এবং বলল, ' মহিমা আল্লাহর। এ তো মানব নয়, এ এক সম্মানিত ফেরেশতা ছাতা আর কিছ নয় '
- ৩২। সে (আথিয়ের স্ত্রী) বলল, 'এই সে যার ব্যাপারে ভোমরা আমাকে তিবজাৰ কৰেছ। আৰু অৰুণাই আমি তাকে দৈচিক মিলনের প্রবোচণা क्रियाणि क्रिया हम क्रिकारक तथार क्राज्यण। स्थात स्थापि स्थापक सा क्रियम দিখেছি সে যদি তা না ব্যাহ তাহাল তাকে অৱশাই বাবাক্ত বাবা হাব এবং সে অবশাই অপদক্ষদের অমর্ভক হবে "
- ৩৩। সে (ইউসুফ) বলল, 'হে আমার প্রতিপালক। তারা (নারীরা) আমাকে যার প্রতি আহ্বান করছে তার চেয়ে কারাগার আমার কাছে বেশি প্রিয়, আর আপনি যদি তাদের ষড়যন্ত্র আমার থেকে সরিয়ে না দেন ভাহদে অমি তাদের প্রতি আকট হয়ে পত্রর এবং অঞ্চলের অন্তর্ভক হয়ে যাব "

- وَ لَقَدْ هَمَّتْ بِهِ ، وَهَرَّ بِهَا لَوْ لَآ أَنْ رَّأَ بُهْ هَانَ رَبِّهِ ، كَذْ لِكَ لنَهْ نَ عَنْهُ السُّوءَ وَ الْغَحْشَآءَ اِنَّهُ مِنْ عِبَادِنَا الْمُخْلَمِيْنَ ﴿
- وَ اسْتَبَقَا الْبَابَ وَقَدَّتْ قَمِيْصَةً مِنْ دُبُو وَّ ٱلْفَيَا سَيِّدَهَا لَدَا الْبَابِ قَا لَتْ مَا جَزَّاءً مَنْ أَرَادَ بِأَهْلِكَ سُوَّءًا إِلَّا آَنْ يُسْجَنَ أَوْعَذَاتً أَلَيْهُ ﴿
- قَالَ هِيَ رَاوَدَتُنيْ عَنْ تَقْسِيْ وَهَهِدَ هَاهِدٌّ مِّنْ آهْلهَا وانْ كَانَ قَمِيْمُهُ قُدُّ مِنْ قُبُلِ فَمَدَقَتْ وَهُوَ مِنَ الْكُذِبِينَ ﴿
  - وَ إِنْ كَانَ قَمِيْمُهُ قُدَّ مِنْ دُبُرٍ فَكَذَبَتْ وَهُوَ مِنَ الصَّاقِينَ ﴿
- فَلَمَّا رَأَ قَمِيْمَهُ قُدًّ مِنْ دُبُو قَالَ إِنَّهُ مِنْ كَيْدِكُنَّ اِنَّ كَيْدَكُنَّ
- منَ الْعُطئينَ أَن
- وَقَالَ نَسُوَةٌ فِي الْمَدِيْنَةِ امْ َ أَتُ الْعَرِيْ تُرَاوِدُ فَتَهَا عَنْ تَّقْسِهِ ء قَدْ شَغَفَهَا عُبًّا ، إِنَّا لَنَوْ بِهَا فِي ضَلَل مَّبِين @
- فَلَمَّا سَمِعَتْ بِمَثْ هِنَّ أَرْسَلَتْ الَّيْهِنَّ وَ أَعْتَدَتْ لَهُنَّ مُتَّكَّا وَّ أتَتْ كُلُّ وَاحدَة مَّنْهُنَّ سِكَّيْنًا وَّقَالَتِي الْحُرُجُ عَلَيْهِنَّ وَلَيًّا رَ آيْنَةً آكْبَرْ نَهُ وَ قَطَّعْنَ آيْديَهُنَّ وَقُلْنَ عَاشَ شَّمَا هٰذَا بَشَرًا ﴿ إِنْ هٰذَا إِلَّا مَلَكٌ كَوِيْرٌ ﴿
- قَالَتْ فَذَٰ لَكُنَّ الَّذِي لُمُتُنَّنِي فِيهِ، وَلَقَدُ رَاوَدْتُهُ عَنْ تَّقْسه فَاشْتَغْصَرَ وَ لَعْنَ لَّرْ يَفْعَلُ مَا ٓ أُمُرُةً لَيُسْجَنَنَّ وَلَيَكُونًا مِّنَ المُّغ ثِنَ @
- قَالَ رَبْ السَّجْنُ أَحَبُّ إِلَى ممَّا يَدْعُوْنَنِي آلَيْهِ ، وَ الَّا تَهُرِ نَ عَنَّى كَيْدَهُنَّ أَهُ الَّهِنَّ وَ أَكُنْ مِّنَ الْجُهلينَ ﴿

الْعَلَيْرُ ﴿

- ক্রম। অভ্যাপর ভার প্রতিপালক ভার মাকে সামা দিলেন এবং ভার ভোক তাদের যভযন্ত্রকে সরিয়ে দিলেন, নিশুয় তিনি সর্বগ্রোতা ও সর্বজ্ঞানী।
- মনে হল যে সে (আহিব) ভাকে কিছু সময় পর্যন্ত কারারুদ্ধ করবেই 📆 (যদিও সে নিদেমি)। ৩৬। এবং তার সাথে দু'জন যুবক কারাগারে প্রবেশ করল। তাদের একজন
  - বলল "নিশ্বর আমি স্থপে আমাকে মদ নিভোতে (বানাতে) দেখেটি." এবং অপরজন বলল, নিকয় আমি স্বপ্রে আমাকে আমার মাথায় রুটি বহন করতে দেখেছি, এমনবস্থায় যে পাখী তা থেকে খাচ্ছে। আহাদেবকে অপনি এব ব্যাখ্যা জানিয়ে দিন নিশ্চয় আয়বা আপনাকে সংকর্মপরায়নদের অন্তর্ভক দেখতে পাছি:
- ৩৭। সে (ইউসুঞ্) বলদ, 'তোমাদেরকে যে খাদ্য দেয়া হয় তা তোমাদের কান্তে আসার পর্বেই আমি তোমাদেরকে এর ব্যাখ্যা জানিয়ে দেব। এটি ভার অন্তর্ভুক্ত যা আমার প্রতিপালক আমাকে শিক্ষা দিয়েছেন। নিক্তয় আমি সে সম্পদায়ের আদর্শ (মিল্রাড) বর্জন করেচি যারা আল্লাহকে বিশ্বাস করে মা এবং ভারাই আধিবাতে অবিশ্বাসী।
- ৩৮। এবং আমি আমার পিতপরুষ ইবরাহীম, ইসহাক ও ইয়াকবের আদর্শ অনুসরণ করেছি। আল্লাহর সাথে কোন কিছুকে শরীক করা আমাদের জন্য সমীচীন নয় এটি (মিল্লাতে ইবরাহীমের অনুসরণ) আমাদের ও সৰ মান্ত্ৰের উপৰ আবাহৰ অন্তাহ কিল এধিকাংশ মান্য কতজ্ঞতা প্ৰকাশ কৰে মা।
- ৩৯। তে আমার কারা-সঙ্গীদ্বয়। বিভিন্ন প্রতিপালক উল্লয়, নাকি মহাপরাক্রমশালী নক আলাচঃ
- ৪০। তাঁকে বাদ দিয়ে তোমরা কেবল কতগুলো নামের উপাসনা করছ. বেজলোর নাম রেখেছ তোমরা ও তোমাদের পিতপরন্বরা, যেওলো সম্পর্কে কোন প্রমাণ আল্লাহ অবতীর্ণ করেননি। (ইবাদতের বিষয়ে) চকমের মালিক কেবল আভাঃ। তিনি নির্দেশ দিয়েছেন তাঁকে ছাডা কারো ইবাদত না করতে। এটি সঠিক দ্বীন, কিন্তু অধিকাংশ মানুষ জানে
- R1: তে আয়াৰ কাৰা-সঙ্গীয়য়! আৰু ভোয়াদেৰ দ'জনেৰ একজন ভাব প্ৰভক্ত মদ পান করাবে, এবং অপরজনকে ক্রেশবিদ্ধ করা হবে, অতঃপর পাখি তার মাধা থেকে (অর্থাৎ মাথার বলে) থাবে। যে বিষয়ে তোমরা দ'জন जिल्ह्यामा करू प्रांत सम्माना भाग लाहा।
- •वर । अवता व प्रश्न व प्रश्न व प्रश्न व प्रश्न भारत चरत ता (श्रेक्ष्ण) धातमा الله الله الله الله الله الله الم محمم, ভাকে चनन, 'काराब क्षकुत कारक वांधान कथा चरता', किन्नु वे ৪২। এবং তাদের দ'জনের মধ্যে যে মন্তি পাবে বলে সে (ইউসফ) ধারণা শয়তান তাকে তার প্রতর কাছে (বিষয়টি) উল্লেখ করতে ভলিয়ে দিল, দি কলে ইউসফ কয়েক (তিন থেকে নয়) বছর কারাগারে অবস্থান করল। 🕺

وَدَخَلَ مَعَهُ السَّجْنَ فَتَيْنِ ، قَالَ إَحَدُهُمَاۤ النَّيۡۤ ٱربنيٓۤ أَعْمِ كُمْرًا ، وَقَالَ الْأَخَرُ النَّيْ آرِينِيْ آحْمِلُ فَوْقَ رَأْسِيْ هُبْرُ ا تَأْكُلُ الطَّيْرُ مِنْهُ وَبَرِّغْمَا بِتَأْوِيْلِهِ وَإِنَّا نَرِيكَ مِنَ الْمُحْسندَ. ه

فَاشْتَجَابَ لَهُ رَبَّهُ فَصَرَى عَنْهُ كَيْدَهُنَّ : انَّهُ هُوَ السَّمِيْعُ

- قَالَ لَا يَأْتَيْكُمَا طَعَامٌ تُوْ زَفْنَهِ إِلَّا نَبَّأْتُكُمَا بِتَأْوِيْلِهِ قَبْلَ إَنْ يَّا تَيَكُمَا وَذَلَكُمَا مِمًّا عَلَّمَنيْ رَبَّيْ وَأَنَّي تَرَكْتُ مِلَّةَ قَوْمٌ لَّا يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَهُوْ بِالْإِحْرَةِ هُوْ كُفُّ وْنَ ﴿
- وَ اتَّبَعْتُ مِلَّةَ أَبِّنَاءِيَّ إِبْهِ هِيْرَ وَ السُّحٰقَ وَيَعْقُوْبَ مَا كَانَ لَنَآ أَنْ نُشُوكَ بِاللهِ مِنْ هَنْ ۚ ﴿ لِكَ مِنْ فَقُلِ اللهِ عَلَيْنَا وَعَلَى النَّاسِ وَ لَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَشْكُرُ وْنَ ⊛
- يْمَاحِبَى السَّجْنِ ءَ ٱ رْبَالٌ مُّتَفَرِّقُونَ خَيْرٌ ۗ أَ ٱ اللهُ الْوَ احدُ الْقَهَّارُ 💩
- مَا تَعْبُدُونَ مِنْ دُونَهَ الَّهِ أَسْمَاءً سَمَّيْتُمُوْهَاۤ أَنْتُرُ ۗ وَ إِبَّا هُكُرُ مَّآ أَنْ إِنَّ اللَّهُ بِهَا مِنْ سُلُطْنِ انِ الْحُكْرُ الَّاللَّهِ ، أَمَ ۖ ٱلَّا تَعْبُدُوٓۤ الَّآ ايَّاهُۥ ذٰلكَ الدِّيْنُ الْقَيِّرُ وَلَكِنَّ اَكْتَبَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ @
- يْمَاحِبَى السَّجْنِ أَمَّآ أَحَدُكُمَا فَيَشْقَى رَبَّهُ خَهْرًا ءوَ أَمَّا الْأَغَرُ فَيُصْلَبُ فَتَأْكُلُ الطَّيْرُ مِنْ رَّأُسِهِ قُضَى الْآمَرُ الَّذِيْ فبه تَسْتَفْتين ﴿
- الشَّيْطُيُ ذِكْرَ رَبِّهِ فَلَبِيَ فِي السَّجْنِ بِفُعَ سِنيْنَ أَهُ

فَا رُسلُونِ @

- ৪০। এবং রাজা বদল, দিচার আমি স্বাপ্লে দেখেছি সাতটি মোটাতাজা গাজী, ওাদেরতে সাতটি শীর্থকার (গাঙী) খেরে ফেলছে এবং (দেখেছি) সাতটি সরব্ধ শীব ও অলা (গাঙাটী) তথলো (শীব)। বে পরিফলখোঁ হিলি কোনা স্বাপ্লে বাখা) গাঙাটি ওবংলা বিশ্ব হার স্থাপান্ত অভিমত (ফতজা) দাব।'
- ৪৪। তারা বলন, 'এটা এলোমেলে: স্বপ্ন এবং আমরা স্বপ্নের ব্যাখ্যার অভিজ নত্ত্ব'
- ৪৫। এবং তাদের দু'জনের মধ্যে যে মুক্তি পেরেছিল এবং একটি সমর পর শ্বরণ করল দে কলল, 'আমি এর ব্যাখ্যা আপনাদেরকে জানিরে দেব, সূতরাং আপনারা আমাকে (ইউস্কের নিকট) প্রেরণ করুন।'
- ৪৬। (সে কদন) 'হে ইউনুক্ষা হে সভাবাদী! সাভতি মোটাভাতা গান্তী, ভাদেরতে সাভটি শীৰ্ণনার (গান্তী) সেতে কেলছে এবং মাতেটি সকুজ শীৰ ও অন্য (সাভটি) ককমে (শীর) সম্পর্কে আপনি আমাদেরকে কভিত্রত (ফতওয়া) দিন, যাতে আমি লোকসেকে (রাজা ও পরিবদর্যার) কছে ফিতে যেতে পারি, যাতে ভারা জনস্কে লারে।'
- ৪৭। দে (ইউসুফ) কলদ, ভোমরা সাত বছর একাবারে চাম করবে এবং তোমরা যে শাস্য কাটবে তা শীষসহ রেখে দিবে সামান্য কিছু ছাল্লা বা ভোমরা খাবে।
- ৪৮। অতঃপর এরপরে আসবে সাতটি কঠিন (বছর), যে (বছর) ওলোঁ থেরে ফেলবে এথলোর জন্য তোমরা বা সঞ্চয় করবে, সামান্য কিছু ছাড়া যা তোমরা সংযক্ষণ করবে।
- ৪৯। অভঃপর এর (কঠিন সাভ বছরের) পরে আসবে একটি বছর, যাভে মানুহকে বৃষ্টি দেয়া হবে এবং ভাতে ভারা (ফল) নিংভাবে।
- ৫০. আর (এ ব্যাখা তনে) রাজা বলল, 'তোম্বা তাতে (ইউমুক্তে) আমার কায়ে নিয়ে আমা, 'কিন্তু বখন বার্তাবাহক তার কায়ে আমল তবন সে বলল, 'তুমি তোমার প্রস্তুর কায়ে ছিল্ডে যাও এবং তাকে জিজেলা কর, মে নারীরা হাত তেটোঁ কেনেছিল তালের অবস্থা কী। নিশ্চয় আমার প্রতিপাদক (আয়ায়) তালের বছকয় সম্পর্টে তালভাবে জালেন।'
- ৫১ সে (নারীদেরকে) কলল, 'খখন তোমরা ইউসুফকে দৈহিক মিলনে প্ররোচনা নিয়েছিলে তথন তোমানের ব্যাপার কী ফিল:' তারা কলল, মহিনা আয়ারহ, আমনো তার সম্পর্কে মুন্দ কিছু আনি না,' আফিবের জী কলল, 'এখন সভা প্রকাশ পেরে আমি তারে চাঁমিকি মিলনে, প্ররোচনা নিয়্মিলাম এবং সে অবশাই সভাবাসীদের অয়র্ভিড '
- ৫২। (ইউসুফ বলল) 'এটা এজন্য যাতে সে (আঘিষ) জানতে পাবে হে, (তার) অনুপত্তিভিত্তে আমি তার প্রতি বিয়ালত (বিশ্বাসঘাতততা) করিনি, এবং এও যে, আন্তাহ বিয়ালতকারীলের হছবন্ত্ব সফল করেন না।

- وَقَالَ الْمُلِكُ إِنِّيَّ أَرْى سَبْعَ بَقَرْتِ سِمَانٍ يَّأْكُلُهُنَّ سَبْعْ عِجَانٌ وَسَبْعَ سُنْتُ بُلْتِ خُفْرِ وَّأَكْرِ لَيْسِتِ يَأْلِكُمُ الْمُلَّا أَقْتُولْنِ فِي رَقِياً مَي إِنْ كُنْتُرْ لِلْرَّدِيَا تَعْبُرُونَ ﴿
- قَا لُوَّا أَهْفَاتُ أَخْلَامِ وَمَا نَحْنُ بِتَأْوِيْلِ الْآخْلَا بِعْلِمِينَ ﴿
  وَقَالَ الْدَيْنَ نَجَا مِنْهُمَا وَادْكَرَ بَعْدُ أَيَّةً أَنَّا أَنْبِكُمْ بِتَأْوِيْلِهِ
- يُوسُكُ أَيُّهَا الضَّايْقُ أَقْتَنَا فِي سَهِع يَقَرْتِ سِمَانِ بِّأَكُلُونَّ سَعْ عَجَانُ وَّسَبَع سُلْنَبُلُكِ هَفْوٍ وَأَكَرُّ لِيَسْتٍ • لَعَلَّيْنَ آرْجِمُ إِلَى النَّاسُ لَعَلَّهُمْ يَعْلَمُونَ @
- قَالَ تَزُرَعُوْنَ سَبْعَ سِنْيَنَ دَأَبًا ءَفَمَا حَمَدُتَُّمْ فَلَارُوْلًا فِيْ سُنْبُلَهُ ۚ إِلَّا قَلِيُّةٌ مِنَا تَأْكُلُونَ ۞
- لُمُّ يَاتَىٰ مِنْ اَعْدِ ذَلِكَ سَبْعٌ شِدَادٌ يَّا كُلُنَ مَا قَدَّمَتُرُ لَهَنَّ إِلَّا قَلِيْلاَ مِنْ اَعْدِدُ إِلَّا قَلِيلاً مِنْ اللهِ عَلَيْهِ مُرَّ يَاتَىٰ مِنْ اَبْعُدِدُ لِكَ عَامٌ فِيْهِ يَعَلَىٰ النَّاسُ وَفَيْهِ الْحَالِيَ
- يُعْمِرُونَ هُ وَقَالَ الْمُلِكُ الْتُوْنِيْ بِهِ، فَلَمَّا جَاءَةُ الرَّّوْلُ قَالَ ارْجُعْ إِلْ رَبِّكَ نَشْتُلُهُمَا بَالَ النِّشْوَةِ الَّتِي قَطْعُنَ آثِدِ بَيِّنَّ إِنَّ رَبِّيْ يَعْيُدُهُ عَلَيْرٌ هِ رَبِّيْ يَعْيُدُهُ عَلَيْرٌ هِ
  - قَالَ مَا خَطُكُنَّ إِذْ رَاوَدُنَّ يُوْسُفَ عَنْ نَفْسِهِ. قُلْنَ حَاصَ بِلَّهِ مَا عَلَيْمَا عَلَيْهِ مِنْ شَوَّءٍ قَا لَبِ امْرَاتُ الْعَدِيْنِ الْغُنِ حَمْحَصَ إِكْتُنَّ ءَانَا رَاوْدُنَّةً عَنْ نَفْسِهِ وَ الْقُدِّلِينَ الشَّبِقِيْنِ @
- ذَلِكَ لِيَعْلَمُ أَنِّنُ لَمِ أَخْنُهُ بِالْغَيْبِ وَأَنَّ اللهُ لَا يَهْدِيْ كَيْدَ اللهِ لَا يَهْدِيْ كَيْدَ الْخَائِشَةِ هِ

#### পারা-১৩

৫০। এবং আমি নিজেকে নির্দোধ মনে করি না, নিকর (মানুকের) মন অবশাই মন্দক্ষেত্রর কুমন্ত্রণাদাতা, তাকে হাড়া, যার প্রতি আমার প্রতিপালক দরা করেন। নিক্তর আমার প্রতিপালক অতি ক্ষমাশীল ও পরম দরালু।"

৫৪। এবং রাজা বলল, 'তাকে (ইউনুখকে) আমার কাছে নিয়ে আন, আমি তাকে একান্তভাবে আমার নিজের জন্য নিযুক্ত করব, 'অতঃপর ইখন সে বাজা) তার সাথে কথা বলল, তখন বলল, 'নিকত কুমি আজ আমানের বাজে প্রতিষ্ঠিত ও বিশ্বতা'

৫৫. সে (ইউসুঞ্) কলল, 'আমাকে বমীনের (মিগরের) ধনভাধারসমূহের দায়িতে নিযুক্ত করুন, নিভার আমি হেকাজতকারী ও বিজ্ঞা।'

৫৬। এবং এভাবেই ইউনুন্ধকে আমি ঘন্নীনে (মিলরে) প্রতিষ্ঠিত তরলাম, তাতে বেখানে ইক্ষা বাসস্থান গড়তে। আমি যাকে ইক্ষা করি তার প্রতি দয়া করি এবং আমি সংকর্মগরায়নদের কর্মফল নাই করি না।

৫৭: আর অবশ্যই আধিরাতের প্রতিদান উত্তম তাদের জন্য হারা ইমান এনোচ ও তাকওয়া অবশহন করত।

৫৮। এবং ইউসুকো ভাইরেরা (খাদ্য সাম্মীর জন্য) আসল এবং তার কাছে প্রবেশ করল এবং সে তাদেরকে চিনল, অথচ তারা তাকে চিনকে পারল

৫৯। এবং যখন সে তালের (প্রয়োজনীয়) সামনীয় ব্যবছা করে নিল তবন সে বলল, 'তোমরা আমার কাছে তোমানের বৈমানের ভাইকে নিয়ে আন, কোমরা কি নেখছ না বে, আমি (বালের) পরিমাপ (বরান) পুরোপুরি দেই এবং আমি উত্তর অতিথিপরারনা

৬০। কিছু যদি তোমরা তাকে আমার কাছে নিজে না আদ তবে আমার কছে তোমাদের জন্য (পরবর্তীতে) তোন পরিমাপ (বরাভ) থাকবে না এবং এয়নকি। তোমবা আমার নিকটেও আসতে পারবে না।

৬১। তারা বলল, 'তার বিষয়ে আমরা তার পিতাকে রাজী করাতে চেটা করব এবং নিশ্চয় আমরা (এটা) করব।'

৬২। এবং ইউসুফ তার চাকরদেরকে বলল, 'তাদের পণ্যনুল্য 'তানের ছিল-ব্যাগসমূহে রেখে দাও, যাতে পরিবার-পরিজনের কাছে ফিরে যাওয়ার পর তারা তা চিনতে পারে- যাতে তারা ফিরে আগতে পারে।'

৬০। অভ্যপর যথন ভারা ভাদের পিতার কাছে ফিরে আসল তথন ভারা বলল, 'হে আমানের পিতা। আমানের দ্বন্য পরিমাণ (বরাম) নিমেধ করা হয়েছে, সূত্রনাং আমানেক ভাইকে "আমানের মাথে প্রেক্তা কফল য়াতে আমরা পরিমাণ (বরাম) পেতে পারি এবং নিশুর আমরা অবশ্যই ভার কম্বানেক্রেক্তাবারী।"

৬৪। সে বলদ, 'আমি কি তোমানেরতে তার সম্পর্কে সেঙ্কল বিশ্বাস করব, বেঙ্কাপ বিশ্বাস ইতঃশূর্বে তোমানেরতে করেছিলাম তার ভাই সম্পর্কের আর আন্তাহই রক্ষণাবেক্ষণকাঠী হিসেবে উত্তম এবং তিনি সর্বাহারী মহাল।' وَمَّا أَبِرَّى نَفْسَى : إِنَّ النَّفْسَ لَاَمَّا رَةً لِا السُّوَّ إِلَّامَا رَحِرَ رَبِّي ۚ إِنَّ رَبِّي غَفُورُ رَّجِيرٌ ۞

وَقَالَ الْمَلِكُ الْتُوْنِيْ بِهِ ٓ أَسْتَخْلَمُهُ لِنَفْسِيْ ۚ فَلَمَّا كَلَّهَ قَالَ إِنَّكَ الْيُوْ ٱلۡدَيْنَا مَكِينٌ أَمِينٌ ۞

قَالَ اهْعَلْنِيْ عَلَى مَزَّ آلِي الْأَرْضِ وَإِنِّي مَفِيْفًا عَلِيْرٌ ۞

وَكَاٰ لِكَ مَثَنَّا لِمُوْسُكَ فِي الْآرْضِ» يَتَمَوَّ أَمِثْهَا حَيْثُ يَشَاّءُ لُمِيْبُ بِرَحْمَتِنَا مَنْ ثَقَاءً وَلاَنْفِيغَ آجْرِ الْمُحْسِنِيْنَ ⊚

وَ لَاجُرُ الْأَخِرَةِ غَيْرٌ لِلَّذِيْنَ أَمَنُوْا وَكَانُواْ يَتَّقُونَ ۞ وَجَاءَ إِهْرَةُ أَيُرْسُفَ فَنَخَلُواْ عَلَيْهِ فَعَرِقُهُمْ وَهُرْ لَغَمُّدُونَ۞

وَلَمَّا مَّوْزَهُرْ بِجَمَا زِهِرْ قَالَ الْتُوْنَى بِآخٍ لِّكُوْمِنَّ ٱبِيكُوْ، ٱلاَتُرُونَ أَنِّى اَفِي الْكَيْلَ وَالْآخِيُّ الْمُوْدِلِيْنَ ۞

فَإِنْ لَرْ تَأْتُونِيْ بِهِ فَلَاكَيْلَ لَحُرْ عِنْدِيْ وَلَاَتْقَرَّبُوْنِ ⊕

قَا لُوْ ا سَنُرَاوِدُ عَنْهُ آبَاهُ وَ إِنَّا لَفْعِلُوْنَ @

وقَالَ لِفِتْنَانِهِ الْمَعْلُولِ بِمَا عَتَمْلُ فِي رِحَالِهِنْ لَعَلَّهُنْ يَعْوِنُونَهَ إِذَ الْقَلَبُولَ إِلَى آهَلِينْ تَعَلَّمْرُ يُرْجِعُونَ ۞ يَعْوِنُونَهَ إِذَ الْقَلْبُولَ إِلَى آهَلِينْ تَعَلَّمْرُ يُرْجِعُونَ ۞

فَلَمَّا رَجُوُّوًا إِلَّى آَبِمِهِرْ قَا تُوَا لَيَّا بَانَا مُعَمِنًا الْكَيْلُ فَا رَسِلُ مَعَنَّا آَخَانَا نَحْمَلُ وَإِنَّا لَمُ لَحْفِظُونَ ۞

قَالَ هَلُ إَمَنُكُرُ عَلَيْهِ إِلَّا كَمَا آمِنْتُكُرْ كَلَّ آخِيْهِ مِنْ قَبْلُ، قَالُهُ كَنْيُّ حَفْلًا وَهُوَ أَرْكُرُ الرِّحَمِينَ ۞

- ১৫। এবং যথম ভারা ভাদের দবা সামগ্রী খলল তথম ভারা দেখতে পেল प्राप्तव अनाक्रका जाप्तवाक क्षितिय (स्था इत्याक । तांवा स्थल 'क्र আমাদের পিতা। আমরা আর কী প্রত্যাশা করতে পারিঃ এই আমাদের পণ্যস্কল আমাদ্যককে চিবিলা দেখা চায়াছ এবং আম্বৰ্ণ আমাদ্ৰ পরিবার-পরিজনের জন্য থাদ্য-সামগ্রী এনে দেব এবং আমরা আমাদের ভাইতে সক্ষাধাসকল কৰে এক (আৰু) এর টাই বোরাই পৰিয়াপ (ররাছ) বৃদ্ধি করব। এটি (হা এনেছি তা ) সামানা পরিমাপ (বরাছ)।
- and বে (ভিজা) সভৰ "পান্নি আৰু বঞ্চাৱা কোহাকে হালে পান্নাৰ ৱা হসকল না সোহতা আলাহত নামে অসীকাত তত যে ভোমতা ভাতে অবশাই আমার কাছে নিয়ে আসবে যদি না ভোমরা (শত্রু ছারা) পরিবেটিত হয়ে ৭ড.' অতঃপর যখন তারা তার সাথে অসীকার ববল জখন সে বলল 'আহবা যে বিহতে কথা বলকি আলাহ তাব ততাবধায়ক।
- ৯৭ এক মে বছল 'বে আমাৰ পরেবা। ভোমবা একটি দবকা দিয়ে প্রবেশ করো না. বিভিন্ন দরজা দিয়ে প্রবেশ কর।<sup>®</sup> আর আল্লাহর (xxxxixia) নিরুদ্ধ আছি সোহাদের জন্য কিন্তু বারদে পারর না। রুরম্ন (ফ্রম্সাল) আলাচরই। তাঁরই উপর আমি ভরসা করি, এবং ভাঁরই प्रभव सरआवातीया तात स्वास व्याप्त । ari এক খবন ভাবা ভাদের পিতা ভাদেরকে যেভাবে নির্দেশ সিয়েছিল
- श्राराक्षम या ८५ भर्व करतकिल अवः मिन्छर ८५ (क्रिन) खानवान, कावन আমি তাকে শিকা নিয়েছিলাম, কিন্তু অধিকাংশ মান্ত জানে না। ৬৯। এবং তারা যথন ইউস্ফের কাছে প্রবেশ করল তথন সে তার (সহোলর) ভাইকে তার কাছে আশহ দিল এবং বলল, 'নিশুর আমি তোমার ভাই, সঙ্গৰাং ভাৰা য়া ব্যৱস ভাৰ জন্ম দুৰ্বখিত হয়ে। না।
- ৭০। ঋতঃপর যখন সে ভাসের প্রয়োজনীয় সামগ্রীর ব্যবস্থা করে দিল তথন মে ভার (সংহাদর) ভাউয়ের জিন-ব্যাগের মধ্যে পানপাত্র রেখে দিল এবপর এক ঘোষণাকারী করল, 'রে কাফেলা। নিশ্চর ভোমরা অবশ্যই ONE I
- - ৭১। তারা তাদের দিকে ফিরে বলল, 'ভোমরা কী হারিয়েছঃ'
  - ৭২। তারা বলদ, 'আমরা রাজার পানপাত্র হারিয়েছি, আর যে তা এনে দিবে সে এর টেট রোঝাই (মাল) পারে এবং আমি এর জামিনদার। ৭০। তারা বলদ, 'আলাহর কসম। ভোমরা অবশাই জান আমরা এ বমীনে
  - (মিসরে) ফ্যাসাদ সৃষ্টি করতে আসিনি এবং আমরা চোরও নই।°
- ৭৪। তারা বলল 'যদি ডোমরা মিথ্যাবাদী হও তবে তার প্রতিকল কীঃ ১ মিটিনে আনের টীকা সরা না : আয়াত না অনসাতে তরজমার শেষে দেশন

وَ لَمَّا فَتَدُّوْ امْتَاعَهُمْ وَجَدُوا بِفَاعَتَهُمْ رُدَّى الَّهُمْ ، قَالُواْ يَّأَبَانَا مَا نَبْغَىْ اهٰذه بِهَاعَتُنَا رُدَّتْ الْيُنَاء وَنَهِيُّ أَهْلَنَا وَ نَحْفَظُ إِخَانَا وَنَزْدَادُ كَيْلَ بَعَيْدٍ ﴿ ذَٰ لِكَ كَيْلٌ يُّسَيُّ ﴿

-سورة لوسف

قَالَ لَنْ أُرْسِلَةً مَعَكُمْ حَتَّى تُؤْتُونِ مَوْثَقًا مِّيَ اللهِ لَتَأْتُنَّنْيُ به الآ أَنْ يُتَعَامَ بِكُرْ عَلَمْ آ أَتَوْهُ مَوْثِقَهُرْ قَالَ اللَّهُ عَلَى مَا نَقُوْلُ وَكِيْلُ ﴿

وَقَالَ بِبَنِي لَا تَدْخُلُوا مِنْ إِبَابِ وَّاحِدُو الْخُلُوا مِنْ أَبُوابِ مُّتَفَرِّقَةٍ وَمَٰٓ ٱلْغُنِي عَنْكُرُ مِّنَ اللَّهِ مِنْ شَيَّةً ان الْحُكْرِ الَّالِلَّهِ • عَلَيْهِ تُوكِّلُتُ ءُو عَلَيْهِ فَلْيَتُوكِّلِ الْمُتَوكِّلُونَ @ وَ لَمَّا دَخَلُوْا مِنْ حَيْثُ أَمَوَهُرْ أَبُوْهُرْ مَا كَانَ يُغْنَى عَنْهُرْ

সেধারে প্রবেশ করল, তথন আন্তাহন (ফয়সালার) বিরুদ্ধে তা তাদের مَّنَ الله منْ هَنَّ الْإِ هَاجَةً فيْ نَفْسِ يَعْقُوْبَ قَفْهَا ، وَ انَّهُ لَذُوْا কোন কাছে আসেনি, এছাভা যে, (এটি ছিল) ইয়াকুবের মনের একটি عَلْمِ لَّمَا عَلَّمْنَهُ وَلْحِنَّ آكُثُمَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ﴿ وَ لَمَّا دَخَلُواْ عَلَى يُوسُفَ أُونِي الَّذِهِ آخَاهُ قَالَ انَّيُّ أَنَا أَخُوكَ فَلَاتَبْتَسُ بِمَا كَانُوْ إِيعُمَلُوْنَ ٠

فَلَمَّا جَهَّزَهُرْ بِجَهَا زِهِرْ جَعَلَ السَّقَايَةَ في رَحْل أَحْيُه ثُرٌّ إَذَّكَ مُؤَذِّنَّ أَيَّتُهَا الْعِيْرُ إِنَّكُرْ لَسْرِقُونَ ⊛ فَا لُوْا وَ أَقْبَلُوْا عَلَيْهِرْ مَّا ذَا تَفْقدُونَ ﴿

قَا لُوْا نَفْقِدُ مُوَاعَ الْمَلِكِ وَلِمَنْ جَاءَ بِهِ حِمْلُ بَعِيْرٍ وَّ أَنَا بِهِ قَا لُوْا تَاللهِ لَقَدْ عَلَمْتُرْ مَّا حِثْنَا لِنُفْسِدَ فِي الْأَرْضِ وَمَا كُنَّا

قَا لُوْا فَمَا جَزَّ أَوُّهُ إِنْ كُنْتُرْ كُذِبِيْنَ @

- ৭০ তার বলল 'এর প্রতিষ্ঠল হালা হার জিল-ব্যাগার ছাত্র এটি পাওয়া যাবে, (স্বয়ং) সে-ই ভার প্রতিফল (বিনিময়) এভাবেই আমরা জালিমদেবকে শান্তি দেও।
- ৭৬। অভঃপর সে তার (সহোদর) ভাইয়ের ব্যাগের (ভলাশির) পর্বে ভাদের ব্যাণসমহ দিয়ে (ভল্লাদি) শুরু করল, এবপর তার বাগে থেকে এটি (পা ত্রটি) বের করল। এচাবেট আমি টটসফের জনা কৌশল করেছিলাম। আপ্রাহ ইক্ষা না কবলে বাজাব বিধানে তাব ভাইকে সে (নিজেব কাছে) রাখতে পারত না। আমি যাকে ইচ্ছা কবি তাকে মর্যাদায় উনীত কবি। প্রাব প্রত্যেক জানী ব্যক্তির উপর আছেন একজন সর্বজানী (আলাহ)
- ৭৭। তারা বলল, 'সে যদি চুরি করে থাকে তবে (অপ্রাত্তবিক নয় কারণ) তার ভাইও তো পূর্বে চরি করেছিল, 'কিন্তু ইউসুঞ্চ তা প্রেকত ব্যাগার) তার মনে গোপন রাখল এবং তালের কাছে তা প্রকাশ করল না, সে (মনে মনে) বলল, 'তোমরা অবস্থানের দিক থেকে নিকটতর, এবং তোমরা যা বর্ণনা করছ সে সম্পর্কে আল্লাহ সবচেরে বেশি জানেন "
- ৭৮। তারা বলল, 'হে আধিয়, নিশ্চয় তার একজন পিতা রহেছেন (বিনি) অভি বন্ধ, সভবাং ভার স্থানে আপনি আমাদের একজনকে রাখন, নিশ্তয় আমরা আপনাকে দেখরি মহানভব বাজিদের অন্তর্গুক। ৭৯: সে বলদ, 'যার কাছে আমরা আমাদের দ্বাসামগ্রী (পানপাত্র) পেয়েছি.
- মিশ্যর আমরা অবশাই জালিম হয়ে যাব। ৮০ অভংগর যথন ভারা ভার ব্যাপারে নিরাশ হল ভখন ভারা গোপনে কথা বলতে নির্জনে গেল। তাদের বভ জন বলল, 'বোমরা কি ছান মা যে, ভোমানের পিতা ভোমানের কাছ থেকে আলাহর নামে
- অদীকার নিয়েছেন এবং পর্বেও কোমবা ইউসফের ব্যাপারে অবফ্রেলা কৰেছিলেং সতৰাং আমি কথানা এ ঘটান (মিসৰ) ভাগে কৰৰ না যতকণ না আমাৰ পিতা আমাকে অনমতি দেন অথবা আলার আমাব জন্য (অন্য কোন) ফয়সালা করেন, এবং তিনি উদ্রম ফয়সালাকারী।
- ৮১। তোমরা তোমাদের পিতার কাছে কিরে যাও এবং বল, 'হে আমাদের পিতা৷ নিশ্চর আগনার ছেলে চরি করেছে, এবং আমরা যা জেনেছি তারই সাক্ষী দিন্ধি এবং আমরা অদশ্যের ব্যাগারে সংরক্ষণকারী নই।
- ৮২ খার যে জনপদে আমরা ছিলাম তাকে (তার অধিবাসীদেরকে) জিজাসা কক্তন এবং যে কাফেলার সাথে আমরা এসেছি তাদেরকেও, এবং নিশ্চয় স্রায়রা অরশাই সামারাদী।"
- ৮৩। দে (ইয়াকুব) বলল, 'ৰবং (তার ব্যাপারে) তোমাদের মন তোমাদেরকে (কোন) একটি কাল করতে প্ররোচিত করেছে, সতরাং সম্বরভাবে ধৈর্য ধারণই (উত্তম)। শীঘ্রই আলাহ এদের স্বাইকে আমার কাছে এনে भिरवस सिकार जिसि प्रशंकारी *क* प्रवासकारातः

- قَا لُواْ مَزَاؤُهُ مَنْ رَّحِدَ فِي رَحْلهِ فَهُو مَزَ أَوُّهُ ، كَذْ لَكَ نَجْزى الظُّلميْنَ ﴿
- فَبَدَ إِباَ وْعَيَتِهِ ( قَبْلَ وعَاءَ اَعْيُه ثُرِّ اسْتَخْوَ جَهَا مِنْ وْعَاء أَخِيْهِ ، كَذْ لِكَ كَدْنَا لِيُوسُفَ ، مَا كَانَ لِيَأْخُذَ إَخَاةً فِي دِيْنِ الْمَلِكِ اللَّهِ أَنْ يُشَاءَ اللهُ ، نَهُ فَعُ دَرَجْتِ مِّنْ نَشَاءً ، وَفَوْقَ كُلُّ
- ذي علير عَلير ۗ قَا لُوْۤ إِ إِنْ يُشْرِقْ فَقَدْ سَرَقَ إَخْ لَّهُ مِنْ قَبْلُ عَلَاسَاً هَا يُوْسُفُ فْ نَفْسِهِ وَ لَهِ يُبْدِهَا لَهُ مُ ، قَالَ أَنْتُو شُوٌّ مُّكَانًا ، وَ اللَّهُ أَعْلَى ۗ بِمَا تَصفُوْنَ ۞
- قَا لُوْا يَالِيُّهَا الْعَزِيْزُ أَنَّ لَهُ آبًا شَيْحًا كَبِيرًا فَكُدُّ أَمَدَنَا مَكَانَهُ وَإِنَّا نَرِ لِكَ مِنَ الْمُحْسِنِينَ ۞
- সে বলল, चात कारह जामरा जामातन जुवानामधी (পাদপাত) পোয়ছি, । ভাকে ছাড়া অনাকে রাখা থেকে আমরা আল্লাবর আন্তা চাছি, সেকেত্রে টু। কুঁ টি। কুঁ এই এটি এটি এটি এটি এটি এটি এটি এটি لَّظْلُمُوْنَ ۞
  - فَلَمَّا اسْتَيْتُسُوْا مِنْهُ خَلَمُوْا نَجِيًّا ﴿قَالَ كَبِيرُهُمْ ۚ ٱلَهِ تَعْلَمُوًّا أَنَّ أَيَاكُمْ قَدْ أَغَذَ عَلَيْكُمْ مَّوْثَقًا مِّنَ اللَّهُ وَمِنْ قَبْلُ مَا فَ ۗ طُتُر ۚ فِي يُوسُفَ ، فَلَنْ ٱبْرَحَ الْٱرْضَ حَتَّى يَأْذَنَ إِلَّ ٱبِيَّ ٱوْ يَحُكُرَ اللهُ إِنْ وَهُوَ كَيْرُ الْعُكْمِينَ ⊕
  - ارْجِعُوْ الْ أَبِيْكُ فِنَهُ لُواْ يَأْبَانَاۤ إِنَّ ابْنَكَ سَرَقَ ءُومًا شَهِدْ نَآ إِلَّا بِمَا عَلَمْنَا وَمَا كُنَّا لِلْغَيْبِ حَفظيْنَ ۞
    - وَشَئَلِ الْقَدْيَةَ الَّتِي كُنَّا فَيْهَا وَ الْعَيْرَ الَّتِيِّ ٱلَّتِيِّ وَقَبُلْنَا فَيْهَا وَ إنَّا لَصْدَقُوٰنَ ⊛
    - قَالَ بِلْ سَوَّ لَتُ لَكُهُ ۚ ٱنْفُسُكُمْ أَمْرًا ۚ فَصَابٌ جَمَيْلٌ ۚ عَسَى اللهُ أَنْ يَأْتَيَني بِهِرْ جَمِيْعًا النَّهُ هُوَ الْعَلَيْرُ الْكَيْرُ الْكَيْرُ

- ৮৪। এবং সে ভাদের থেকে মথ ফিরিয়ে নিল এবং বলল, 'চাব! উট্নাফের জন্য আমার আফসোস, 'এবং শোকে তার দুই চোখ সাদা হরে গেল. কারণ সে ছিল দঃখন্তারাক্রার।
- ho: তারা বলল 'আলাহর রসম। আপনি তো উউসায়ের কথা সবসময স্থানা করতেই থাকারন হতক্ষণ না আপনি গুলুত্ব অসম হারন অথবা ধাংসপ্রাপ্তদের অন্তর্ভক হবেন (মত। বরণ করবেন)।
- ৮৬: সে বলল, 'আমি আমার অসহনীয় কট ও আমার দঃখের অভিযোগ করছি কেবল আল্লাহর কাছে এবং আমি আল্লাহর কাছ থেকে যা জানি কোমৰা ভা জান না
- ৮৭। হে আমার পুরুরা। ভোমরা যাও, ইউসুফ ও তার ভাইরের অনুসন্ধান কর এবং আল্লাহর অনুগ্রহ থেকে তোমরা হতাশ হয়ো না। নিশ্চর কাঞ্চির সম্প্ৰায় চাড়া আলাহর অন্প্ৰহ থেকে কেউ হতাশ হয় না।
- ৮৮। অতঃপর যথন তারা তার কাছে প্রবেশ করল তথন বলগা 'হে আধিয়। আমাদেরকে ও আমাদের পরিবার-পরিজনকে দঃখ-দর্মশা স্পর্শ করেছে এবং আহ্বা অন্ন পণাহলা নিয়ে এসেটি সকবাং আপনি আয়াদেব পরিমাপ (বরান্ধ) পরোপরি দিন এবং আমাদেরকে সদকা করুন। নিশ্চর আলাহ সদকাকাবীদেবকে প্রতিদান দেন।
- ৮৯: সে কাল, 'ভোমরা কি জান, ভোমরা ইউস্ফ ও তার ভাইরের সাথে কি (আচরণ) করেছিলে যথন তোমরা ডিলে অক্তঃ'
- ৯০। তারা বলগ, 'ভমিট কি অবশ্যে ইউসফঃ' সে বলল, 'আমিট ইউসফ এবং এই আমার ভাই: আল্রাহ আমাদের প্রতি অনগ্রহ করেছেন। নিশ্চয় যে তাকওয়া অবলম্বন করে ও ধৈর্য ধারণ করে, তবে নিশ্চর আল্লাহ (সেকপ) সংকর্মপরায়নদের কর্মফল নাই কবেন না।'
- ৯১। তারা বলন, 'আলাহর কসম। অবশ্যই আলাহ তোমাকে আমানের উপর প্রাধান্য দিয়েছেন এবং আমরা অবশ্যই অপরাধী ছিলাম।
- ৯১। সে বলল 'আজ ভোমাদের বিভান্ত কোন ভিবজার নেই। আলাচ তোমাদেরকে ক্ষমা করুন: আর তিনি সর্বশ্রেষ্ঠ দয়াল।
- সৰাইকে আমার কাছে নিয়ে এসো। ৯৪। এবং যথন যারীদল (মিসব) প্রথান করল তথন তাদের পিতা বলল
- 'নিশ্চয় আমি ইউসফের আণ পাঞ্চি- যদি তোমরা আমাকে পাগল মনে यां करतः "
- ৯৫। তারা বলদ, 'আল্লাহর কসম! নিশুর আপনি অবশ্যই আপনাত পরনো विज्ञाक्षिएक वाग्राष्ट्रमा ★ চিহ্নিত প্লাদের টীকা সূবা নং ; আয়াত নং অনুসারে তরজমার শেবে দেখুন

- وَتَوَلِّي عَنْهُمْ وَقَالَ يَأْسَفِي عَلَى يُوسُفَ وَ إِنْ يَقَّتْ عَيْنُهُ مِنَ الْحُرْن فَهُوَ كَظَيْرٌ ۞ قَا لُوْا تَالله تَفْتَوُ ا تَذْكُرُ يُوْسُفَ حَتَّى تَكُوْنَ حَرَمًا أَوْتَكُوْنَ منَ الْهٰلكيْنَ @
- فَالَ انَّمَاۤ اَشُكُواْ بَتَنْ وَكُزُنِثْ إِلَى اللهِ وَ اَعْلَرُ مِنَ اللهِ مَا لَا تَعْلَمُوْنَ ⊛ يْبَنِيَّ اذْهَبُواْ فَتَحَسَّمُوا مِنْ يُّوسُفَ وَ أَخِيدُ وَ لَاتَا يْكَسُواْ مِنْ
- رَّوْجِ اللهِ وَانَّهُ لَا يَا يُفَسُّ مِنْ رَّوْجِ اللهِ إِلَّا الْقَوْمُ الْكُغُرُونَ ۞ فَلَمَّا دَعَلُوْا عَلَيْه فَا لُوْا يَّا يُّهَا الْعَرِيُّ مَسَّنَا وَ آهْلَنَا الفَّرُّ وَ جِئْنَا بِبِهَاعَة مُّ مُهُ عِنْ فَأَوْنِي لَنَا الْكَيْلَ وَتَصَدَّقْ عَلَيْنَا وَلَيْ اللهُ يَجْزِي الْمُتَصَدِّقَيْرَ، ﴿
- قَالَ مَلْ عَلَمْتُر مَّا فَعَلْتُر بِيُوسُكَ وَ آخِيْه إِذْ ٱلْتُرْ جُهلُونَ ﴿
- قَا لُوْٓاءَ إِنَّكَ لَاَنْتَ يُوْسُفُ عَقَالَ إِنَا يُوْسُفُ وَهٰذَاۤ اَخِنْ رَ قَدْمَنَّ اللَّهُ عَلَيْنَا النَّهُ مَنْ يَتَّقِ وَ يَصْبِرْ فَإِنَّ اللَّهَ لَايُضِيْعُ ٱجْرَ الْمُحْسنيْنَ @
- فَا لُوْ إِ تَاشَّهُ لَقَدُ إِثْرَكَ اللَّهُ عَلَيْنَا وَ إِنْ كُنَّا لَخُطُّئِينَ @ قَالَ لَاتَثْ ثِبَ عَلَيْكُمُ ۚ الْيَوْجَ ، يَغْفُ اللهُ لَكُمْ ، وَهُوَ أَرْحَهُ ۗ
- ৯০। তেমবা আমার এই চামটি দিয়ে যাও বহু। এটি আমার শিভার তেহারার ট্রি ত্রুলি ক্রিক্রিটির স্টির্কিটির স্টিরে স্থারেন, খার ভোমানের পরিবারের স্থার তিন্তা সম্প্রকৃতি ক্রিটির স্টির্কিটির স্থারেন, খার ভোমানের পরিবারের স্থার তিন্তা সম্প্রকৃতি ক্রিটির স্থানির স্ أَتُوْنِيْ بِأَهْلِكُمْ أَجْمَعَيْنَ ﴿ وَ لَمَّا فَصَلَتِ الْعَيْرُ قَالَ أَبُوهُمْ ۚ إِنَّىٰ لَآجِدُ رِيْرٍ يُوسُفَ لَوْ لَآ
  - إَنْ تُفَنَّدُون ۞ قَا لُوْ ا تَاشُّه اثَّكَ لَفَى مَلَلِكَ الْقَدِيْرِ ﴿

الرُّحميْنَ @

- ৯৬ অতঃপর খখন সুসংবাদবাহক আগদ এবং তার চেহারার উপর জামাটি রাখন তখন সে দৃষ্টি শক্তি কিরে পেল, সে বলল, 'আমি কি ভোমানেরকে বলিনি যে, আমি আরাহ্র নিকট থেকে তা জানি যা ভোমরা জান লাঃ'
- ৯৭। তারা বলদ, 'হে আমাদের পিতা! আমাদের অপরাধসমূহের জন্য কমা প্রার্থনা করুন, নিশ্বর আমরা অপরাধী ছিলাম।'
- ৯৮. সে বর্গদ, 'অচিরেই আমি আমার প্রতিপাদকের কাছে তোমাদের জন্য ক্ষমা প্রার্থনা করব নিদ্যুর তিনিউ অতি ক্ষমাশীল ও পরম দরাল।'
- ৯৯। অতঃপর যথম তারা ইউসুফোর কাছে প্রবেশ করল তথন সে তার পিতা-মাতাকে তার কাছে আপ্রর দিল এবং বলল, 'আপদারা মিসরে প্রবেশ করল, আল্লাহ্র ইন্ধায়, নিরাপদো।'
- ১০১/হে আমার অভিপাদক: আপনি আমাকে বাজত্তের কিছু (কমতা) দাদ করেছেন এবং স্বাপ্তের ব্যাখ্যা শিক্ষা কিছেছেন, (বে) আঞ্চালনমূহ ও পৃথিবীর সৃষ্টিকর্তা; আপনি মুনিয়া ও আম্বিয়াতে আমার অভিভাবক, আদান আমাক মুদ্দানিয় হিসেবে মৃত্যু দিন এবং আমাকে সংকর্মশীলাকে সাথে মিনিক কঞ্চন।"
- ১০২। এটি অদৃশ্যের সংবাদ যা আমি তোমার প্রতি ওহী করছি, <sup>8</sup> আর ভূমি তাদের সাথে ছিলে না যথন তারা যত্ত্বস্থকালে তাদের বিষয়ে (পরিক স্কনায়) একমাত হয়েছিল।
- ১০৩। কিন্তু অধিকাংশ মানুষ মু"মিন নয়- যদিও ভূমি আগ্রহী হও।
  - ১০৪।এবং তুমি তানের কাছে এজন্য কোন প্রতিদানও চাক্ষ না। এটি (কুরআন) অপপেসমূহের (মানব জাতির) জন্য একটি উপদেশ ছাড়া আর কিছু নয়।
- ১০৫। আর কত নিদর্শনই রয়েছে আফাশসমূহে ও পৃথিবীতে, ভারা এগুলোর পাশ দিয়ে চলাচল করে, অথচ ভারা এগুলোকে উপেক্ষা করে।
- ১০৬।এবং তাদের অধিকাংশই আল্লারে প্রতি ঈমান আনে না এ ছাড়া (ঋষািহ ঈমান আনে) যথন তাতা শরীক করে

  \* চিহ্নিত প্রকেট টাকা সৃধা হং; আয়াত নং অলুয়ারে বরঞ্জয়র শেষে কেবল

- فَلَمْنَّا أَنْ جَاءَ الْبَشِيْرُ ٱلْقُدُّى وَهُمِهِ فَا رُتَّلَّ بَصِيرًا ۚ قَالَ اَلْرِ ٱقُلُّ أَكُرُ ۚ إِلِّنَّ آغَلُرُ مِنَ اللهِ مَا لاَتَعْلَمُونَ ۞
  - قَا لُوا يَّا بَانَا الشَّغْفِرُ لَنَا دُنُوبَنَاۤ إِنَّا كُنَّا خُطِئِيَ ۞ قَالَ سَوْىَ اَشْغْفِرُ لَكُرُ رَبِّيْ: انْدُهُو الْغَفُورُ الرَّحْمِرُ ۞
- | فَلَمَّا دَخَلُوا لِنَّى يُوْسُفَ أَرِّى إِلَيْهِ اَبَوَيْهِ رَقَالَ الْحُلُوا مِصْرَ إِنْ هَاءً اللهُ أَمنِيَنَ ۞
- رَوَعَ إِزَوْدِي كَالْتِرْسِ رَحَوُّا لَنَسُجِّدًا وَقَالَ بِأَلَّهِ فَذَا تَاوِيْلُ رَبِيَانَ مِنْ قَتْلَ افْدُجَلَهَا رَبِّيْنَ عَلَّا وَقَدَ إَحْسَ إِنِي أَوْ أَمْرَجَنِي مِن الجَّوْرِي آخِلِي إِنَّ أَوْ أَمْرَجَنِي مِن الجَّوْرِي آخِلِي النَّوْعِ الْفَيْلِي فِينِ دَسِي إَخْرِينَ إِنَّ لِيقِنْكَ لِمَّا يَفَوْدُ الْمُوْرِينَ لَفِيفُ لِمَا
- رَبِّ قَدْ أَتَيْتَكُنْ مِنَ الْمُلْكُ وَعَلَّمْتَنْ مِنْ تَأْوِيْلِ الْإَهَادِيْكِ: فَاطِرُ السَّوٰرِ وَالْآدُوْمِ - أَنْفَ وَلِي فِي الدُّنْيَا وَ الْأَهْرِةِ، تَوَقَّىٰ مُشْلِمًا وَّأَلِعُمْنَ بِالْمُلْحِيْنَ ۞
- ذُ لِكَ مِنْ اَتَّبَاءِ الْغَيْبِ نُوْحِيْهِ اِلَيْكَ ، وَمَا كُنْتَ لَدَلْهِيْ إِذْ أَجْمَعُواْ أَمْرُهُمْ وَهُمْ يَمُكُونَ ۞
  - وَمَآ أَكْثُرُ النَّاسِ وَلَوْ حَرَثَى بِمُؤْمِنِينَ ۞ وَمَا تَشْئَلُهُمْ عَلَيْهِ مِنْ آجِرِ ﴿ إِنْ هُوَ الْإِذْكُ لِلْعَلَمْينَ ﴿
  - وَكَا يِّنْ مِِّنْ أَيَةٍ فِي السَّمَوٰتِ وَ الْأَرْضِ يَمُرُّوْنَ عَلَيْهَا وَهُر
    - عَثْهَا مُعْرِفُونَ @
      - وَمَا يُؤْمِنُ آكْفَرُهُرْ بِاللهِ إِلَّا وَهُرْ مُّشْرِكُونَ ۞

DOTTO SE

- ১০৭।তবে কি তারা (নিজেদেরকে) নিরাপদ মনে করেছে আল্লাহর সর্বগ্রাসী শান্তি আসা থেকে অথবা তাদেব নিকট হঠাৎ, কিয়ামত আসা থেকে. য়খন ভারা টেবও পাবে নাং
- ১০৮।বল, 'এটাই আমার পথ: আমি এবং আমার অনসারীরা নিশ্চিত জ্ঞানের ভিত্তিতে আল্লাহর প্রতি মানষকে আবোদ কবি। আর আলাহ পরিত্র এবং আহি হুগরিকাদর অবার্চাত নই।
- ১০৯ আর ভোমার পর্বে আমি মানুষ্কেই (রাসুল হিসেবে) প্রেরণ করেছিলাম, জনপদবাসীর মধ্য থেকে হাদেরতে আমি ওহী করেছিলাম। তবে কি ভাবা পথিবীতে ভ্রমণ করেনি এবং লক্ষ্য করেনি কেমন ছিল ভাদের পর্বতর্তীদের পরিণামঃ হারা ভারাওয়া অবলয়ন করেছে ভানের জন্য প্রকালের আবাসই উল্লম। তবে কি তোমরা অনুধাবন কর দাঃ
- ১১০। অবশেষে যথন রাসুলরা (লোকদের থেকে) নিরাণ হল এবং মনে করল হে ভাদেনকে অস্বীকার করা চয়েছে, তথন ভাদের কাছে আমার সাহায্য আসল। এলাবে আমি যাকে ইঙ্কা করেছি তাকে উদ্ধার করা হয়েছে। কিন্ত অপরাধী সম্প্রদায় হতে আমার শান্তি নিবও করা হয় না।
- ১১১ অবশাই তাদের ঘটনাবলিতে বৃদ্ধিমানদের জন্য শিক্ষা রয়েছে। এটি (কর্তান) এমন কথা নয় যা রচনা করা হয়েছে, বরং এটি এর, বিষয়ের বিজ্ঞারিত বর্ণনা এবং ম'মিন সম্প্রদায়ের জন্য পথনির্দেশিকা ও

- أَفَأُمنُوٓ ۚ أَنْ تَأْتِيَهُمْ غَاشيَةٌ مِّنْ عَذَابِ اللهِ أَوْ تَأْتِيهُمُ ۗ السَّاعَةُ بَغْتَةٌ وْهُمْ لَايَشْعُرُونَ ﴿
- قُلْ هٰذهِ سَبِيْلِيُّ آدْعُوْ اللَّهِ اللَّهِ سِّ فَل بَمِيْرَةِ ٱنَا وَمَنِ الَّبَعَنِيْ، وَسُبْعِيَ اللهِ وَمَا آنَامِيَ الْمُشْرِكِيْنَ ﴿
- وَمَاۤ اَرْسَلْنَا مِنْ قَبْلِكَ الَّا رِجَالًا تُّوْحِيُّ الَّيْهِيْ مِّنْ اَهْل الْقُرِّى، أَفَلَرْ يَسِيْرُ وَإِنِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرُ وَإِكَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِمِرْ ، وَلَدَارُ الْأَخِرَة خَيْرٌ لِّلَّدِينَ اتَّقَوَّا، أَفَلَا تَعْقَلُونَ ﴿
- حَتَّى اذَا اسْتَيْئَسَ الرُّسُلُ وَظَنَّوْ ٓ إِنَّهُرْ قَدْ كُدْبُوا جَآءَهُمْ نَصُونَا، فَنُجِّي مَنْ نَقَاآءً وَ لَا يُرَدُّ بَالسَّنَا عَنِ الْقَوْمِ الْمُجْرِ مِيْنَ ﴿
- لَقَدْ كَانَ فِي قَمَصهِ عِبْرَةً لِآولِ الْآلْبَابِ ،مَاكَانَ عَديثًا يَفْتَوْى وَ لَكِنْ تَصْدِيقَ الَّذِيْ بَيْنَ يَدَيْهِ وَتَقْصِيلَ كُلِّ شَيْءٌ ۖ ﴾ ﴿ अम्मन वा बाह कात (बर्बाष প्रक्रे किकारका) मठाप्रमकाती, शाकाव وَّهُدِّي وَّ رَحْمَةً لَّقَوْمَ يُّوْمِنُونَ ﴿

### ১৩. সরা আর-রা'দ মাদানী ৪৩ আয়াত, ৬ কুক

মসীম দ্যাময় ও প্রম দ্যাল আলাহর নামে

- ১। আলিফ-লাম-মীম-রা। এছালা কিতাবের আয়াত। এবং হা লোমার পদিপালকের পক্ষ খোকে তোমার প্রতি অবতীর্ণ করা হয়েছে ভা সভা কিন্ত অধিকাংশ মান্য ঈমান আনে না।
- ২। তিনিই আল্লাহ, যিনি কোন গুঁটি ছাড়াই আকাশসমহকে উচ করেছেন যা তোমবা দেখত এরপর তিনি আরশে সমাসীন হলেন এবং সর্ত ও চন্দ্রতে নিয়মাধীন কবলেন। প্রতিটি একটি নির্দিষ্ট সময়ের জনা চলছে। তিনি সকল বিষয় পরিচালনা করেন এবং আয়াতসমত বিজ্ঞাবিত বর্ণনা করেন যাতে তোমরা তোমাদের প্রতিশালকের সাথে সাক্ষাৎ সমূদ্ধে নিশ্চিত বিশ্বাস করতে পার।
- ত এবং তিনিই পৃথিবীকে বিস্তৃত করেছেন এবং তাতে বানিয়েছেন সদত্ পর্বতমালা ও নহরসমহ। এবং বানিয়েছেন প্রত্যেক (প্রকারের) জন থেকে এক জোডা-স'টি কবে জিনি বাজকে দিন করা আঞ্চালিত ক্রাক্তন। নিশ্বয় এতে অবশাই নিদর্শনাবদী রয়েছে এমন সম্পলায়ের জন্য যারা থিয়া কৰে।
- ৪। এবং পথিবীতে রয়েছে পরস্পর সংলগ্ন ভথক, আঙ্কর বাগান, শস্যক্ষেত্র, একাধিক শাগাবিশিষ্ট অথবা এক শাখাবিশিষ্ট পেতুর গাছ যা একই পানিতে সিঞ্জিত। আর ফলের দিক থেকে ভাদের বিষয়ক আছি কিচান উপর মর্যাদা দিয়ে থাকি। নিশ্চয় এতে অবশাই নিদর্শনাবদী রয়েছে এমন সম্প্রদারের জন্য হারা অনধাবন করে।
- ৫। এবং যদি তমি বিশ্বিত হও, তবে বিশ্বয়কর তো তাদের এ কথা, 'হওম আমবা মাটিতে পরিণত হব তথ্যত কি আমবা ক্রবশাই নজন সঞ্চিত পরিণত হবঃ' ওরাই তারা যারা তাদের প্রতিপালককে অবিশ্বাস করেছে. এবং তাদেরই গলায় থাকবে (লোহার) বেড়ি, এবং তারাই আওনের অধিবাসী, সেধানে ভারা স্বাধী করে।
- ৬। এবং কল্যাণের পর্বে তারা তোমাকে অকল্যাণ ভাডাতাত্তি করতে *বাল* \* অধ্য তাদের পর্বে অনুরূপ শান্তি গত হয়েছে। এবং নিক্রা ভোমার প্রতিপালক মানুষের প্রতি অবশাই ক্ষমাশীল- তালের স্থলুম সন্তেও, এবং নিশ্বয় তোমার প্রতিপালক অবশ্যই শান্তিদানে কঠোর।
- و يَقُولُ الَّذِينَ كَفُووا لَوْ لَا أَنْزِلَ عَلَيْهِ إِنَّدِينَ فَيْ إِنَّا عَلَيْهِ إِنَّهُ مِنْ رَبِّهِ الْمَالَّى السَّعِيدِ المَّهِ المَّالِينَ المَّالِينَ عَنْوالُ الْذِينَ كَفُووا لَوْ لَا أَنْزِلَ عَلَيْهِ إِنَّهُ مِنْ رَبِّهِ الْمَالَّى السَّعِيدِ المَّاسِمِينَ المَّذِينَ عَنْوالُ اللَّهِ المَالِينَ المَّاسِمِينَ المَّالِمِينَ المُعْلَقِينَ المَّالِمِينَ المَّالِمِينَ المَّالِمِينَ المُعْلَقِينَ المَّالِمِينَ المَّالِمِينَ المُعْلَقِينَ المُعْلَقِينَ المَالِمُ المَّالِمِينَ المَّالِمِينَ المَالِمُ المُعْلَقِينَ المَّالِمِينَ المُعْلِقِينَ المَّالِمِينَ المَّالِمِينَ المَالِمُ المَّالِمِينَ المُعْلِقِينَ المَالِمُ المَّالِمِينَ المَالِمُ المُعْلِقِينَ المُعْلِقِينَ المَالِمُ المَّالِمِينَ المَالِمُ المَّالِمِينَ المَّالِمِينَ المُعْلِقِينَ المُعْلِقِينَ المُعْلِقِينَ المَالِمُ المَّلِينَ المُعْلِقِينَ المُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمِنْ الْمُعْلِقِينَ عَلَيْنِ الْمُعْلِقِينَ عَلَيْنِ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِينِ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ عَلَيْنِ الْمُعْلِقِينَ الْمِنْ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ عَلَيْنِ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ الْمُعْلِقِينَ সতর্কনারী এবং প্রত্যেক সম্প্রদায়ের জন্য আছে একজন পথ প্রদর্শক,

## م درو عدر من مده -سورة الرغل مل نبة المائها ٣٣. ركوعاتما-٦ بسبرالله الرَّحُمٰن الرَّحِيْمِ

اللِّي مِنْلُكَ إِينُ الْحَدْبِ، وَ الَّذِينَّ أَنْهِ لَ الْمُكَامِنُ رَبِّكَ الْعَقُّ وَ لَكِنَّ آكْتُهُ ۚ النَّاسِ لَا يُؤْمِنُونَ ۞

أَللَّهُ الَّذِي وَ فَعَ السَّمَوٰ وَ بِغَيْ عَمَد تَ وُنْهَا ثُرَّ اسْتَوٰى عَلَى الْعَرْشُ وَسَخَّوَ الشَّمْسُ وَالْقَمَوَ ، كُلُّ يَجُرِيُ لِاجَل سَّمَّى، يُدَبُّ الْآمْدَ يُفَمِّلُ الْإِنِي لَعَلَّكُمْ بِلِقَآء رَبَّكُمْ تُوقَنُونَ ۞

وَهُوَ الَّذِيْمَدُّ الْأَرْضَ وَجَعَلَ فَيْهَا رَوَاسَي وَأَتُهُوًّا ﴿ وَ مِنْ كُلِّ الثَّمَا تِ جَعَلَ فَيْهَا زَوْجَيْنِ اثْنَيْنِ يُغْفِي الْيُلَ النَّهَا رَ وَإِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَإِيٰتِ لَّقَوْمُ يَتَفَدُّ وْنَ ⊙

وَ فِي الْإَرْضِ قطَعٌ مُّتَجُو رَتُّ وَّجَنَّتٌ مِّنْ أَعْنَابٍ وَّ زَرْعٌ وَّنَحِيْلٌ مِنْوَانٌ وْغَيْرُ مِنْوَانِ يُّسْفَى بِمَّاء وَّاحد عو نُفَمَّلُ بَعْضَهَا عَلَى بَعْضِ فِي الْأَكُلِ اللَّهِ فَلْ لِكَ لَا يُتِ لَّقَوْمُ يَّعْقلُونَ ۞

وَ إِنْ تَعْجَبُ فَعَجَبٌ قَوْ لُهُرْ ءَ إِذَا كُنَّا تُرِبًّا ءَانًّا لَفي هَلْق جَدِيْدِهْ أُولَٰئِكَ الَّذِيْنَ كَفَرُواْ بِرَيِّهِرْ ۚ وَٱولَٰئِكَ الْأَغْلُ فِيَّ أَعْنَاقِهِ إِن وَ أُولِنْكَ أَصْحُ النَّارِ عَهُرُ فَيْهَا خُلُدُونَ ٠

وَ يَسْتَعْجِلُوْ نَكَ بِا لَسِّيَّتَهَ قَبْلَ إِلْعَسَنَةِ وَ قَدْ خَلَتْ مِنْ قَبْلِهِ ۗ الْمَثُلْتُ وَإِنَّ رَبُّكَ لَذُوْمَغُفِّةَ لَّلنَّاسِ عَلَى ظُلْمِهِرْ وَ إِنَّ رَبُّكَ لَشَديْدُ الْعَقَابِ ⊙

أَنْتَ مُنْذُرُّو لِكُلِّ قَوْمُ هَادٍ أَ

- إَللَّهُ يَعْلَمُ مَا تَهْمِلُ كُلُّ أَنْفَى وَمَا تَعْيَضُ الْأَرْهَا أُوَمَا
- ৮। প্রত্যেক নারী যা গর্জে ধারণ করে এবং জরায় যা সংকচিত করে (অর্থাৎ হাভাবিক সময়ের পূর্বেই করে যায়) এবং তা (জরায়ু) যা (স্বাভাবিক प्राप्त क्षांक) सक्तिया करात सामार का कार्यक दर कींग जाक প্রান্তর বন্ধ বাহাত একটি (নির্দিষ্ট) পরিয়াপে।
- ৯। তিনি অদশা ও দশোর জানী, মহান ও সউচ্চ
- ১০। জোহাদের হাধ্য যে বাধা পাপিন বাবে এবং হে ডা একাশ বাবে এবং যে বাসে সাজ্যপাথন বাবে এক দিয়ে প্রসাধ্য বিচরগ বাবে তারা চরাই (আলাহর কালে) সমান
- ১১। তার (প্রভোকের) জন্য তার সামনে ও পিছনে সংরক্ষণকারীর (কোবেশভারা) ব্যাহতে যারা আলাহর নির্দেশে তার (কার্যকলাপ) সংবক্ষণ করে। নিশ্বয় আল্লাহ কোন সম্প্রদায়ের যা আছে তা পরিবর্তন (ক্ষতি) जरका मा सबस्य मा जात्मक चिरातरम्य सा सारत का वांचा अधिकार्य করে আর বর্থন আন্তাহ কোন সম্প্রদায়ের ক্ষতি করতে চান তবে তা প্রতিবোধ করার নয় এবং তাঁকে বাদ দিয়ে তাদের জনা কোন অসিমারক নেই।
- ১১ তিনিট তোয়াদেৱকে বিশ্বলী দেখান তব ও প্রত্যাশা স্বরূপ এবং (তিনিট) साठी (प्रध्याला महि कारन
- এবং তিনি বস্তা প্রেরণ করেন এবং যাকে ইখ্যা করেন এর যারা আঘাত ক্রমে হথম দারা ব্যালার সভান্ধ বিদ্ধর্ক ক্রার এবং ক্রিনি শান্তিসানে कार्यात । \s, 'ਸਾਨਾਰ ਗੜਗਮ' ਨੀਰੜੋ ਲਜਾ, <sup>\*</sup> ਗਰ ਬੋਰੀ ਐੱਟਰ ਗੁਸ ਜਿਹ ਚੁਸ਼ਰਸ਼ਗਰ ভাকে, ভাদেরকে ভারা কিছই সাভা দেয় না সে বাজির মত ছাভা বে
- তার হস্তম্বয় সম্প্রসারণ করে পানিব দিকে হাতে তা তার মথে পৌচায় অধ্য তা তাতে পৌছার নর, আর (এমনিতাবে) কাফিরনের আহবান কেবল লক্ষাদ্ৰষ্ট হয়ে গাকে।
- ১৫। আর আকাশসমূহ ও পথিবীতে যারা আছে তারা আল্লাহকে সিজনা করে ইলাম ও স্থিতাম এক নাম্ভের ম্যান্ড্রেলাও সক্রাল ও সক্রাল ।
- ১৬। বল, 'কে আকাশসমূহ ও পৃথিবীর প্রতিপালকঃ' বল, 'আহাহ।' বল, 'তবে কি তোমরা আল্লাহকে বাদ দিয়ে অন্যদেরকে অভিভাবকরূপে গ্ৰহণ কৰেছ যাবা নিজেদেৰ জন্য কোন উপকাৰ বা কোন কভিব মালিক নহ+' বল: 'দটিহীন ও দৃষ্টিসম্পন্ন কি সমান অথবা অন্ধকার ও আলো কি সমানঃ' দাকি ভারা আল্লাহ্র সাথে এমন কাউকে শরীক করেছে, যারা ভার (আল্লাহর) সৃষ্টির মত সৃষ্টি করেছে, অতঃপর সৃষ্টিটি তাদের নিকট (তার সম্ভির) অনরূপ মনে হয়েছেং বল, 'আত্মহ সব কিছুর স্রন্ধ এবং তিনি এক ও মহা প্রাক্রমশালী "

تَوْدَادُ-وَ كُلُّ شَيْ عَنْدَةٌ بِمِقْدَارِ ۞ علمُ الْغَيْبِ وَ الشَّهَادَةِ الْكَبِيُّ الْمُتَعَالِ ﴿

٣- سُورةُ الْأَعْلِ

- سَوَّاءُ مَنْكُمْ مَنْ اَسَوَّ الْقَوْلَ وَمَنْ جَهَوَ بِهِ وَمَنْ هُوَ مُشتَخْف بِاللَّيْل وَسَارِبُّ بِالنَّهَارِ @
- لَهُ مُعَقِّبْ مِنْ آبَيْنِ يَدَيْهِ وَمِنْ عَلْفِهِ يَحْفَظُوْ نَهُ مِنْ أَمْرِ اللَّهِ -انَّ اللهَ لَا يُغَيِّرُ مَا بِقَوْمُ حَتَّى يُغَيِّرُوْا مَا بِأَنْفُسِهِرْ ، وَ اذَ ٓ أَ رَادَ اللهُ بِقُوْ ﴾ سُوءً اللهَ مَرَدُ لَدَّ ، وَمَا لَهُ وَ مَنْ دُوْنِهِ مِنْ وَال
- هُوَ الَّذِي يُهِ يُكُرُ الْبَوْقَ عَوْفًا وَّطَمَعًا وَّيُنْشِيُّ السَّحَابَ الثَّقَالَ أَهُ
- ১৩। এবং ব্যঞ্জন গর্জন প্রশংসামত তাঁর পবিত্রতা ঘোষণা করে এবং তার وَيُسَبِّعُ إِلَّا عُدُ بِعَمْدِهِ وَ الْمَلِّئَكَةُ مِنْ عَيْفَتِهِ ، وَ يُرسلُ (क्यांट बार गार्शनार) चारा (कारमाजातात (जीव परिशास (सामगा कार)) الصَّوَ اعنَ فَيُميْبُ بِهَا مَنْ يَّشَآءُ وَهُرْ يُجَادِلُوْنَ فِي اللهِ ءَوَ هُوَ شَديْدُ الْمِحَالِ أَيْ
  - لَهُ دَعُوةُ الْعَقِّ ، وَ الَّذِيْنَ يَدْعُونَ مِنْ دُوْنِهِ لَا يَسْتَجِيْبُوْنَ لَهُمْ بِشَنَّ الْآكَبَاسِطَاكَتَّبُهِ إِلَّى الْمَآءِ لِيَبْلُغَ فَاهُ وَمَا هُوَّ بِبَا لِعْهِ وَمَا دُعَاءُ الْكُفِينَ إِلَّا فِي مَلِلِ ﴿

وَاللهِ يَسْجُدُ مَنْ فِي السَّمَوْتِ وَ الْأَرْضِ طَوْعًا وَّكَرْهًا وَّطْلُلُهُمْ

بِالْغُدُورَ إِلْإِمَالِ ﴿ قُلُ مَنْ رَّبُّ السَّبُونِ وَ الْأَرْضِ. قُلِ اللَّهُ • قُلُ اَفَا تَّخَذْتُهُ مَّنْ دُوْنَهَ أَوْلَيَّاءَ لَا يَمْلُكُونَ لَانْفُسِمِ \* نَفْعًا وَّ لَا ضَا ا وَلْ صَالَّا وَلَى طَلَّ يَشْتُوى الْأَعْمَى وَ الْبَمِيْرُ مُآمُ هَلْ تَسْتَوى الظُّلُمْ وَ النَّوْرُهُ أَا جَعَلُوا بِنَّهِ شُرِّكَاءً غَلَقُوا كَخُلُقهِ فَتَشَابَهَ الْخَلُقُ عَلَيْهِرْ.

قُلِ اللهُ مَا لِنُ كُلِّ شَنَّ وَّهُوَ الْوَاحِدُ الْقَهَّا رُ

- ১০। কিটি আকাল পেকে পাটি অনকীর্ধ করেন করে। উপন্যকার্যাত ভারেন পৰিয়াণ অনহায়ী পাৰিত হয় এবং পাৰন ক্ষীত ফেনা বছন কৰে নিয়ে शाहा अतः व्यवकान राज्या कर को स्थानक स्थान करता व्यवस्थात तो रेक्स्सम পত্র তৈরীর উদ্দেশ্যে (ধারতে) আধ্যন উত্তর করে। এভারেই আবাহ प्रका क वाकित्यत (प्रिशात) तर्पमा बिट्या शास्त्रमः प्रकार या खाराईमा তা ফেলে দেয়া হয় আৰু যা মানছের উপকারে আসে তা জমিতে থেকে যায়। এডাবেই আল্লাহ উপমাসমূহ পেশ করে থাকেন।
- ১৮। যাবা জাদের প্রতিপালকের আকে সাভা নিয়েছে আদের জন্য ব্যয়েছে কল্যাণ। আর যারা তাঁর ভাকে সাভা দেয়নি, পথিবীতে যা কিছ আছে তা সর্বই যদি ডাদের থাকে এবং তার সাথে আরও সমপরিমাণ থাকে তাহলে তারা তার বিনিময়ে (মক্তিপণ দিয়ে) মক্তি পেতে চাইবে। হবে জাহানাম। আর কতই না নিকট এ বিশ্রামন্তল।
- ১৯। তবে যে বাকি জানে যে তোহার প্রতিপালাকর কাচ থেকে তোহার প্রতি যা অবতীর্ণ হয়েছে তা সত্য, সে কি তার মত যে অভ<sup>\*</sup> কেবল বঞ্জিয়ানবাট উপদেশ গ্রহণ করে-
- ২০। যারা আল্লাহর (সাথে কত) প্রতিশ্রুতি রক্ষা করে এবং চুজি ভঙ্গ করে ১১। এবং আলার যা (সম্পর্ক) অক্ষণ রাখার নির্দেশ দিয়েছেন, যারা তা অক্ষণ
- রাখে," তাদের প্রতিপালককে ভয় করে এবং ভয় করে নিকট (চলচেরা) রিসাককে। ১১। এবং যাবা আদেব প্রতিপালাক্তর সম্মাইর উদ্দেশ্যে থৈর্য ধারণ করে
- সালাভ (নামাথ) কাষেম করে, আমি ভালেরকে যে রিথিক দিয়েছি ড়া থেকে গোপনে ও প্রকাশে (আলাহর পথে) বয়ে করে এবং যাব। ভাল দ্বারা মন্দকে প্রক্রিরোধ করে, তাদেরই জন্য রয়েছে (আথিরাতের) marres em officie-২৩। স্বায়ী জান্তাত, এতে তারা প্রবেশ করবে এবং তাদের পিতা-মাতা,
- স্বামী-রী ও সম্রাম-সম্রতির মধ্যে যাতা সংকাজ করেছে ভারাও এবং ক্ষেত্ৰশহারা (জায়াঙ্গের) প্রভারে দরজা দিয়ে ভাদের আছে প্রতশ marn:
- ১৪। (ভাষা বলবে) 'ভোমাদের উপর 'সালাম' (শানি) কারণ ভোমরা থৈর্য ধারণ করেছ।' আর কতাই না উত্তম এই (আধিরাতের)আবাসের গুড পরিণাম!
- ১৫। আৰু যাবা আলাহৰ সোথে কড়। প্ৰতিক্ষতি কছু কৰে তা সম্পাদন কৰাৰ পর এবং আল্লাহ যা (সম্পর্ক) অন্ধপ্র রাখতে নির্দেশ নিয়েছেন তা ছিন করে এবং পথিবীতে ফ্যাসাদ সৃষ্টি করে বেড়ায়, তাদেরই জন্য রয়েছে লা'নত এবং তাদের জন্য রয়েছে (আধিরাতের) নিকট আবাস।

- أَنْ َ لَ مِنَ السُّمَاءَ مَاءً فَسَالَتْ آَوْدِيَةً ' بِقَدَرِهَا فَاحْتَمَلَ السُّيْلُ زَيْدًا رَّابِيًا وَمِمَّا يُوْقِدُونَ عَلَيْهِ فِي النَّارِ الْتَغَاءَ مِلْيَة أَوْمَتَاعِ زَبَدٌ مَّقُلُهُ وَكَذَٰ لِكَ يَهْرِبُ اللهُ الْعَقَّ وَ الْبَاطَلَةُ فَأَمَّا [لَّ بَدُ فَيَكْهَ مُ جُفَّاءً وَ أَمَّا مَا يَنْفَعُ إِلنَّاسَ فَيَهْكُفُ في الْأَرْضِ ، كَذْ لِكَ يَفْرِبُ اللهُ الْأَمْغَالَ ﴿
- للَّذِيْنَ اسْتَجَابُوْ الرِّبِّمُ الْكُسْنِي وَ الَّذِيْنَ لَيْ يَسْتَجِيْبُوْ ا لَهُ لَوْ أَنَّ لَهُمْ مَّا فِي الْأَرْضِ جَمِيْعًا وَّمِثْلَهُ مَعَهُ لَاقْتَدَوْا بِهِ • ाएनवर करना नारप्रक निकृष्ठ (इलाक्रजा) दिमान, अवर जाएनव वास्ववहन क्षेत्र के कि है कि निकृष्ट (इलाक्रजा) दिमान, अवर जाएनव वास्ववहन कि कि कि निकृष्ट (इलाक्रजा) दिमान, अवर जाएनव वास्ववहन
  - أَفَمَنْ يَعْلَدُ ۗ أَنَّمَا ۗ أَثْرَلَ الْيُكَ مِنْ رَّبِّكَ الْحَقُّ كَمَنْ هُوَ أَعْلَى انَّمَا يَتَذَكُّ أُولُوا الْإِلْبَانِ ﴿
  - الَّذِيْنَ يُوْفُوْنَ بِعَهْدِ اللَّهِ وَ لَا يَنْقُفُوْنَ الْمِيْثَاقَ أَي وَ الَّذِيْنَ يَمِلُوْنَ مَا ٓ أَمَرَ اللَّهُ بِهِ آنْ يُوْمَلَ وَيَخْشُوْنَ رَبُّمُرْ وَ يَخَافُونَ سُوءَ الْعَسَابِ &
  - وَ الَّذِيْنِ صَبُّ وَا إِبْتِغَاءَ وَجُهِ رَبِّهِمْ وَ أَقَامُوا الصَّلَّهِ قَوَ ٱثْفَقُوْا ممًّا رَزَقْنَهُرْ سِرًّا وْعَلَانِيَةً وْيَدْرَءُونَ بِالْعَسَنَةِ السَّيِّئَةَ
  - أُولِّنْكُ لَهُرْ عُقْبَى الدَّارِقِ وَنْتُ عَدْنِ يُدْدُكُونَهَا وَمَنْ صَلَّجَ مِنْ إِبَّالَهِمْ وَ إِزْ وَإِجِهِمْ وَذُرِيِّتِهِ وَ الْمَلِّكُكُةُ يَدْخُلُونَ عَلَيْهِ مِنْ كُلِّ بَالِ أَي
    - سَلَرٌ عَلَيْكُرْ بِمَا صَبَرْتُرْ فَنَعْرَ عُقْبَى الدَّارِ فَ

اللَّقْنَةُ وَلَهُرْ سُوَّءُ الدَّارِ⊛

وَ الَّذِيْنَ يَنْقُفُونَ عَهْدَ اللَّهُ مِنْ بَعْدِ مِيْثَاقِهِ وَ يَقْطَعُونَ مَاۤ أَمَهِ اللهُ بِهِ أَنْ يُّوْمَلَ وَيُفْسِدُونَ فِي الْأَرْضِ ۚ أُولِّنْكَ لَهُمُ

- ২৬। আল্লাহ্ যার ভন্য ইম্মা করেন তার রিফিক প্রসারিত করেন একং (ছা) পরিমাপ করে দেন। এবং তারা দুনিয়ার জীবন নিরে উৎসূত্র, অবচ দুনিয়ার জীবন আধিরাতের ভূদনার (সামান্য) ভোগ্য-সামগ্রী মাত্র।
- ২৭। যারা কুফরী করেছে তারা বলে, 'তার প্রতিপাদকের নিকট থেকে তার প্রতি 'কোন নিনর্শন অবতীর্ণ করা হয় না কোন্ন' বল, 'নিকয় আল্লাহ খাকে ইক্স বারেন পথমট্ট করেন, এবং তিনি ভাকে তাঁর দিকে পরিচালিত রকেন। যে তাঁর নিকে ডেনাইপের সাম্বাধা প্রতালকিন করে-
- ২৮। যারা ঈমান এনেছে এবং আল্লাহ্র অরপে যাদের ক্রনর প্রশান্ত হয়। ক্লেনে রাধ, আল্লাহ্র অরপে ক্রনর প্রশান্তি লাভ করে।
- ২৯। যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে, তাদের জন্য রয়েছে গরম আনন্দ ও উত্তর প্রত্যাবর্তনস্থল।
- ৩০। এতাবেই আমি তোমাকে একটি উঘকের মধ্যে প্রকণ করেছি বার পূর্বে বহু উপত পত হতেহে খাকে ভূমি ভালসকে পাঠ করে কনাতে পার আ আমি কোমর কবি তথ্ উপত্রেই, এন্দার বস্ত্রেছা বার নামায়কে অবিশ্বাস করে। বল, 'তিনিই আমার প্রতিপালক, তিনি হাড়া কোন ইলাহে বেই। তারই উপর আমি জবদা করি এবং ভারই নিকট আমার কাল্যকের।
- ৩২। আর অবশ্যই তোমার পূর্বে রাসুলদেরকে ঠায়া-বিদ্রুপ করা বয়েরিল এবং যারা কুফরী করেছিল তাদেরকে আমি (কিছুকাল) অবকাশ দিয়েছিলাম, এরপর তাদেরকে পাকড়াও করেছিলাম। সুকরাং কেমন ছিল আমার মার্কাং

ٱللهُّنَيْسُهُ الرِّرْقَ لِمَنْ يَّضَاءُ وَيَقْدِرُ وَوَهِمُوا بِالْحَيُوةِ الدُّنْيَاءُومَا الْخَيْوةُ الدُّنْيَا فِي الْأِعِرَةِ اِلْاَمْثَاعُ فِي

وَيَغُوْلُ الَّذِيْنَ حَفَرُوا لَوْلَا الْوَلَ عَلَيْهِ ابَدَّمِّنْ رَبِّهِ، قُلْ إِنَّ اللهَ يُمِثُلُ مَنَّ يَفَّاءُ وَيَمْدِثَّ إِلَيْهِ مَنْ آنَابٌ ۖ

أَلَّذِينَ أَمَنُواْ وَتَطْمِعَنَّ قُلُويُمُرْ بِذِدْ اللهِ الَّابِذِكْمِ اللهِ تَطْمَئِنَّ الْقُلُوبُ ف آلَّذِينَ أَمَنُواْ وَعَلُوا الشَّاحَت طُوْبِي لَهُرْ وَحُشُّ مَابِ ﴿

كَذَ لَكَ أَرْسُلْنُكَ فِيَّ أَمَّةٍ قَدْ مَلَتْ مِنْ قَبْلِهَآ أَمَّرٌ لِتَعْلُوّاً عَلَيْهِرُ الَّذِيْنَ أَرْضَيْناً إِلَيْكَ وَهُر يَكُوُرُونَ بِالرَّهُونِ، قُلْ هُرَ رَبُّي لِآ الْمَ الْأُهُوَ عَلَيْهُ تَوَكَّلُونَ وَالْيُمْ مَتَابٍ ۞

رَ تَوْ أَنَّ قُوْأَنَّا سَوِّرَتْ بِدِ الْجِبَالُ اوْقَطَّقْتْ بِدِ الْارْضُ اوْقَلَرْ بِدِ الْعَرْفِ، فَلَ بَيْهِ الْاَحْرَ هِيْقًا، أَفَلَرْ وَالْفِي الَّذِينَ أَمَثُواْ أَنْ لُوْ يَمَاءً أَشَّا يَمَانَ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ الل

وَ لَقَدِ اسْتُوْدِى بِرِسُلِ مِّنْ قَبْلِكَ فَأَمْلَيْتُ لِلَّذِيْنَ كَفَرُوْا ثُرِّ إَخَدُ تُهُرُ سَفَكُيْفَ كَانَ عَنَابٍ @

اَفَمَنُ هُوَ قَالَيْ فَا كُلِّ نَفْسٍ بِهَا كَسَبَتْ ءَوَ جَعَلُوا يَشِهُرُكَآءَ فَلَ سَتَّوْمُرَ ا أَنْتَبِتُوْلَدَ بِمَا لَا يَعْلَمُ فِي الْأَرْفِ أَنْ بِطَاهِرِيِّنَ الْقُولِ بَلَّ رُئِنَ لِلَّذِينَ لِقَرْطُ صُورُهُرُ وَمُثُوا عَي الشَّيْلِ، وَمَنْ يُعْلَلُ الشَّهْلَ الشَّهْلَ الشَّهْلَ الشَّهْلَ الشَّهْلَ الشَّهْلَ ال

... هَاد ⊛

৩৪। তাদের জন্য রয়েছে দনিয়ার জীবনে শান্তি এবং অবশাই আধিবাতের भावि च्याना कर्रात अरु जारबत क्या वालाव शास्त्र नकाकारी त्यांव ais. ৩৫। মুন্তাকীদের যে আদ্রাতের প্রতিশ্রুতি দেয়া হয়েছে তার দটান্ত ধল,

১৩ সরা আর-বা'দ

- এর দীচে নহরসমহ প্রবাহিত এর কলসমূহ ছায়ী এবং ভাষাসমূহও। शांता जाकश्या चारसम्बर चारताच और जातम्ब श्रतिशाम चात्र काविकासक পরিগ্রাম বার সাক্ষম।
- ক্রম। এবং যাদেবাক আমি কিমার নিয়েছিলাম দাবা ভের্মাৎ দাদের মধারার স্মানদাররা) যা তোমার প্রতি অবতীর্ণ করা হয়েছে তাতে উৎফল হয किल (क्षिताविकाकारी) प्रवासभावत प्रथा (शास (क्षेत्रे अन (कार्यास्त्रत) বিভ অংশ অস্থীকার করে। বল, 'আমি কেবল আদিষ্ট হয়েছি আলাহর वैद्यानक कराज ७ और आहर मरीक मा कराज। चाप्रि कौर क्रिक चाठराज कृति अतः क्रोतने क्रिक स्थापात श्रकापताईकः
- করেছি। এবং তোমার কাছে জ্ঞান আসার পরও যদি তমি তাদের প্রবরিত অনুসরণ কর তাহলে আল্লাহ থেকে (রক্ষা তরার অন্য) তোমার অন্য কোন অভিভাৱক কেই এবং কোন বজনত কেই। ৩৮। আর অরশাই আমি ভোমার পর্বে বাসলাদবকে প্রেরণ বারছিলায় এবং
- তাদেরকে ত্রী ও সন্তান-সম্ভতি নিয়েছিলাম। এবং আন্তাহর ইচ্ছা ছাডা কোন নিদর্শন উপস্থিত করা কোন রাসলের জন্য সম্ভব ডিল না। প্রতিটি মেহাদের জন্য ব্যহতে একটি কিয়াব।
- ৩৯। আল্লাহ যা ইচ্ছা করেন তা (পর্ববর্তী বিধান থেকে) নিশিক্ত করেন এবং (যা ইচ্ছা করেন তা) দঢ় করেন এবং তাঁরই নিকট আছে মূল কিতাব (লওহে মাহকল)।<sup>\*</sup>
- ৪০। এবং তাদেরকে যাব (শান্তিব) প্রতিপ্রদত্তি নিয়েডি ভাব কিছ যদি আমি তোমাকে দেখাই অথবা যদি (এর পর্বে) তোমার মতা ঘটাই (অবস্থা যাই হোক) ভোমার দাহিত কেবল পৌচে দেহা আর ভিসার-মিরাশ আছারট টিপর।
- ৪১। ভারা কি ভেবে দেখেনি যে আমি তাদের যয়ীনকে এর সীয়ানাসমতের দিক থেকে সংস্কৃতিত করছিঃ<sup>\*</sup> আর আল্লাহ্ হুকুম করেন, তাঁর হুকুম রদ কৰাৰ কোট নেই। নামং নিনি কিলানে ভেত।
- ৪২। আর তাদের পূর্বে যারা ছিল তারাও ষড়যন্ত্র করেছিল, কিন্তু সকল যদ্ভযন্ত্র আল্লাহর জন্য (ইচ্ছাধীন)। প্রত্যেক ব্যক্তি যা অর্জন করে ভা ভিনি জানেন এবং শীঘট্ট কাফিবরা জানবে আছিরাতের শুভ পরিগায় রাজের क्रसा।
- ৪৩। এবং যারা কম্বনী করেছে ভারা বলে 'ভমি প্রেরিভ (রাসল) নও।' রল রয়েছে<sup>\*</sup> তাদের (ব্যাপারে) সান্দী হিসেবে আল্রাহই বথেট।

- لَهُمْ عَذَابٌ فِي الْعَيْوِةِ الدُّنْيَا وَلَعَذَابُ الْأَخْرَةَ أَهَقُّ وَمَا لَهُمْ مَّنَ اللهِ مِنْ وَّاقِ @ مَثَلُ الْجَنَّةِ الَّتِي وُعِدَ الْمُتَّقُونَ ، تَجُرِي مِنْ تَحْتِهَا الْإِنْهُ ۚ ۚ أَكُلُهَا ذَٰٓ إِنَّ وَّظلُّهَا ۚ تِلْكَ عُقْبَى الَّذِينَ اتَّقَوْا ۗ
- وَّ عُقْبَى الْكُغِدِينَ النَّارُ هِ وَ الَّذِيْنَ اتَّيْنُهُرُ الْكَتْبَ يَفْرَهُوْنَ بِمَآ أَنْزِلَ الَّيْكَ وَمِنَ الْآَهُ اللهُ أَلِي مَنْ يَّنْكُ بَعْضَةً قُلُ اثَّمَآ أَمْدُتُ أَنْ أَعْبُدُ اللهُ وَ لْأَاشُوكَ بِهِ-إِلَيْهِ أَدْعُوْا وَإِلَيْهِ مَأْبِ ⊕
- ৩৭। আর এভাবেই আমি একে (করআনকে) বিধানরূপে আরবীতে অবতীর্ণ وَكَذْ لِكَ أَنْهَ لُنُهُ مُكْمًا عَرَبِيًّا ﴿ لَئِنَ اتَّبَعْتَ أَهْوَ أَءَهُرْ بَعْدَ مَا جَاءَكَ مِنَ الْعَلْيِ مِمَا لَكَ مِنَ اللَّهِ مِنْ وَلَيٌّ وَ لَاوَاقِ ﴿ وَ لَقَدْ ﴾ رَسَلْنَا رُسُلًا مِّنْ قَبْلِكَ وَجَعَلْنَا لَهُرْ ﴾ زُوَاجًا وُّذُرِّيَّةً،
  - وَمَا كَانَ لَرَسُوْ لِ أَنْ يَّاتَىَ بِأَيَّةِ إِلَّا بِاذْنِ اللهِ ۚ لِكُلِّ آجَلِ
  - يَهْهُوا اللهُ مَا يَشَآءُ وَيُغْبِي اللهِ وَعَنْدَةٌ أَمَّ الْكُتْبِ ⊚ وَ إِنْ مَّا نُويَنَّكَ بَعْضَ الَّذِي نَعِدُهُرْ ٱوْنَتَوَقَّيَنَّكَ فَاتَّمَا
  - عَلَيْكَ الْبَلْغُ وَعَلَيْنَا الْعَسَابُ @ أَوَ لَهِ ۚ يَـ وَا إِنَّا نَاتِي الْإَرْضَ نَنْقُصُهَا مِنْ أَطَّ افْهَا ۗ وَ اللَّهُ يَحْكُرُ لَامُعَقَّبَ لَحُكْمِهِ وَهُوَ سَرِيْعُ الْعِسَابِ @
  - وَقَدْمَكَ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلُهِمْ فَللَّهِ الْمَكُرُ جَمِيْعًا يَعْلَمُ مَا تَكْبُ كُلُّ نَفْسٍ ، وَسَيَعْلَرُ الْكُفُّرُ لَمَنْ عُقْبَى الدَّارِ @
  - مود طاها ومحال من معال من الله عنه الله مع بَيْنِيْ وَبَيْنَكُرْ وَمَنْ عَنْدَةً عَلْرُ الْحَتْبِ أَ



অসীম দ্যাময় ও প্রম দ্যাল আলাহর নামে

- ১) আদিক-লাম-রা। এটি একটি কিতাব যা আমি তোমার প্রতি অবতীর্ধ করেছি থাতে ভূমি মানুখকে তাদের প্রতিপালকের ইচ্ছার কের করতে পার অকলার থেকে আলোর দিকে, তাঁর পথের দিকে, যিনি মহাপ্রতাপদাদী ও অতি প্রাপ্রমীত্র-
- আল্লাহ্, যিনি আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে তার মালিক। আর কঠিন শান্তির দুর্ভোগ রয়েছে কাফিরদের জন্য-
- যারা দুনিয়ার জীবনকে আখিরাতের উপর প্রাধান্য দেয়, আয়ায়য় পথ
  হতে (লোকদেরকে) বিয়ত রাখে এবং তাতে বয়তা অয়েখা করে।
  তারাই চয়ম পথঅয়তায় য়য়েছে।
- ৪। আর আমি এত্যেক রাসুদাকেই তার সম্প্রদায়ের ভাষায় প্রেরণ করেছি যাতে সে তালের জন্য (অবভীপ কিতাব) শাইভাবে বর্গনা করতে পারে। অতঃপর আদ্বাহ যাকে ইক্ষা করেন পরেট করেন এবং যাকে ইক্ষা করেন সঠিক পথ প্রদর্শন করেন। এবং ভিনিই মহাপ্রতাপশালী ও মহাকালারালের।
- ৫। আর অবশ্যই আমি মুসাকে আমার নিমর্পনাবদীসহ প্রেরণ করেছিলাম (এই বলে) দে, 'ভোমার সম্প্রানায়কে অকভার থেকে আলোর নিকে বের করে আন, এবং ভালেকে আল্লাক্ক (বিশেষ) নিনকলোর মাধ্যমে উপদেশ দাও! 'নিকল্প এতে অবল্যই প্রত্যেক আতি থৈপৌন ও অভার কৃত্যক বাভিতর জন্য নিমর্শনীকর্মী রামেছে।
- ৬। এবং থকা মুসা জন সম্প্রদারকে বাদাবিদ, 'কোমান্সক উপন্ন আহ্বারক নেমানতকে শবণ কর মধন তিনি হোমানেলকে ফিরমারিন বংশ থেকে উজ্ঞান কর্তারিকেন মারা ভোলায়ন উপন নিজুই পার্কি চাপিয়ে দিন, ভোমানেল হেলে সাজাননেলকে ফলাই করত ও নারীলেককে জীবিত। নার্কাত। এবং এটে ছিল ভোমানের প্রতিপাদনের পক্ষ থেকে এক নিরাহি পরিকা।
- ৭ এবং যখন তোমাদের প্রতিপালক খোষণা করলেন, 'যদি তোমরা কৃতজ্ঞ হও তাহলে অবশ্যই আমি তোমাদেরকে (দেয়ামত) বাড়িয়ে দেব, আর যদি অকৃতজ্ঞ হও তাহলে নিশ্চয় আমার শান্তি অবশ্যই কঠোর।'
- ৮। এবং মূলা বলেছিল, 'ভোমরা এবং পৃথিবীতে যারা আছে সবাই যদি অক্তজ্ঞ হও, " তবে নিশ্যু আল্লাহ্ অবশ্যই অমুখাপেকী ও অতি প্রশাংসনীর '

٢١-سُورُةُ الْرِفْيُو-كُلِّيَّةُ الْمُلْقَاعِ عِنْ مُرَاقًا الْمُؤْلِقِيَّةِ يِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمُونِ الرَّحِيْمِ

ا لَرِّ حِتْ اَنْوَلْنُهُ إِلَيْكَ لِتَحْرِجَ النَّاسَ مِنَ الظَّلُمْ ِ إِلَى النَّوْرَةُ بِاثْنَ رَبِّهِرُ إِلَى مِرَاطَ الْفَوْثِ الْحَمْيُدِ ﴾

اللهِ الَّذِيْ لَـهُ مَا فِي السَّمُوٰتِ وَمَا فِي الْاَرْضِ، وَوَيْلُ لَلْكُوْ يْنَ مِنْ عَدَابِ هَدِيْدٍ ۞

الَّذِيْنَ يَشْتَحِبُّوْنَ الْحَيْوةَ الدُّنْيَا ئَلَ الْأَجْرَةَ وَيَصَّدُّونَ عَنْ سَبِيَلِ السِّوَيَمُغُوْنَهَا عِوَجًّا الْوَلَغِلَّفَ فِيْ ضَلَّلٍ بَغِيْرٍ ۞

وَعَآ اَرْسُلْنَا مِنْ رَسُوْلٍ إِلَّا بِلَسَانِ قَوْمِه لِيُبَيِّنَ لَمُرْ، فَيُهِلُّ اللهُ مَنْ يَفَآءُ وَيَهْرِيْ مَنْ يَقَّآءُ، وَهُوَ الْفَرِيُّرُ الْسَفِيْدِ وَ

وَلَقَدُ ٱرْسَلْنَا عُوْسُ بِالْمِعَنَّآ أَنْ ٱهْمِيَّ قَوْمَكَ مِنَ الظُّلُمِ إِلَى النَّوْرِهُ وَكَوْرُهُمْ بِالْهُرِ اللهِ إِنَّ فِيْ ذَلِكَ لَانِي لِّكُلِّ صَّارِهُكُورِ نَ

وَإِذَ قَالَ مُرْسُ لِقَوْمِهِ الْأَكُونُ نِعَيْمَةَ اللهِّ عَلَيْكُمْ إِذَ ٱلْجُحُمْرُ مِنْ ال فِرْعَوْنَ لِسُومُونَكُمْ سَوَّا الْمَدَّابِ وَيُدَاتِّحُرْنَ إِنْكَانِكُمْ وَيَشْتَحْمُونَ لِسَاءَكُمْ ، وَفِي ذَلِكُرْ بَلَّمَّ مِّنْ رَئِّكُمْ إِنَّ عَطِيرٌ قَ

وَإِذْ تَأَذَّنَ رَبُّكُمْ لَئِنْ هَكَرْتُمْ لَا إِيْدَنَّكُمْ وَلَغِنْ كَفَرْتُمْ إِنَّ عَدَّابِيْ لَفَدِيْنًا

وَقَالَ مُوْشَى إِنْ تَكْفُرُواْ اَنْتُمْرُ وَمَنْ فِي الْأَرْضِ جَمِيْعًا · فَإِنَّ اللهُ لَغَنَّى مَمْيْدٌ ۞

- जापालन नाम कि जापालन अर्जनों नाम प्रमान सम्मान थान करापन तक कार्यक अनुवर्धीरका प्रकार सार्यक्रिक कार्यकार सामान नामा অন্য কেট ক্রানে না। তাদের কাছে স্পষ্ট প্রমাণাদিসহ তাদের রাসলবা এসেছিল ভাষা ভাদের হাত ভাদের মধ্যে বাগত এবং বলত 'ভোমবা মা সম পেলিক মলেম নিশ্বল আম্বা কা অবিশ্বাস কৰি এবং কোমৰা হার দিকে আয়াদেরকে ভাকত সে ঝাপারে নিশ্বর আমরা অবশাই विश्वविकास अरब्दर समाधि।
- ১০। ভালের বাসলরা বালছিল 'আকাশসমত ও পথিবীর সষ্টা আবাহ সম্পর্কে कि तहान अरबाद प्राप्ताः क्रिकि त्याप्राप्तवत्व प्राप्ताका (जीव शाधव দিকে) যাতে তিনি তোমাদের অপরাধ্যমত ক্ষমা করতে পারেন এবং ভোমাদেরকে অবকাশ দিতে পারেন একটি নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত ' তারা বলেছিল 'ভোমনা আমাদের মত মান্য চাতা আর কিছ নও। আমাদের পিতপরুষরা যাদের উপাদানা করত তোমরা তাদের উপাদনা থেকে আয়াদেবকে বিবত বাধাত চাল। অতএব তোমবা আয়াদেব কাছে কোন সম্পট প্রমাণ উপস্থিত কর।
- ১১। আলের বাসলতা ভালেরতে বলেছিল, 'আমরা তোমালের মত মানব ছাডা আর কিছ নই, কিন্তু আন্তাহ তাঁর বান্দাদের মধ্যে যাকে ইঙ্গা করেন তার উপৰ জনগ্ৰহ কৰেন। এবং আহাত্ব উচ্ছা ছাতা ভোমাদেৱ কাছে প্ৰমাণ নিয়ে আমা আমানের পাক্ষ সম্ভৱ নহ। আব ম'ছিনবা ছেন আবাছব উপরট ভরসা করে।
- ১২ আমানের কী (যক্তি) আছে যে, আমরা আল্লাহর উপর ভরসা করব। আমান্সকলে যে কট নিজ নিজহ আহবা ভাতে অবশাই থৈৰ্য ধাৰণ ই করে , আর অরমার্মারীর হের আলাহর উপরেই দরমা রবে ।'
- ১৩। আর কাফিররা তাদের রাস্লদেরকে বলেছিল, 'নিশ্চয় আমরা অবশ্যই ডোমাদেরকে আমাদের যমীন (আবাসভমি) থেকে বের করে দেব অপ্নরা লোখানেরকে আয়ানের মিলাতে (ধর্মানর্গে) ফিরে আসতে হবে। অভঃপর রাসলদেরকে ভাদের প্রতিপালক গুহী করলেন, 'নিশ্চয় আমি অবশাই ফালিয়াদেব্যর ধ্বংস ব্যব্ধ-
- ১৪। এবং ভালের পরে নিশ্যা আমি অবশাই ভোমাদেরকে পথিবীতে প্ৰতিষ্ঠিত প্ৰৱৰ। এটা ভালেৰ জনা যাৰা আয়াৰ অৱস্থানকে ভৰ কৰে এক। করা সকল সংখ্যার স্বাহিত্র প্রতিস্কৃতিকর।
- ১৫। এবং ভারা (বাসলবা) ফয়সালা কামনা কবল এবং প্রত্যেক ক্ষেন্সচারী ও একওঁয়ে বার্থ হল-১৯। তার সাম্রান বয়েছে জাঙানাম এবং তাকে পান করানো হবে পঁজের शाहि-
- ১५। ठाडा ठा गणधकतन कतरत किळ ठा गाना সহक হবে ना धरः गर्यानक থেকে তার কাছে আসবে মতা, কিন্তু তার মতা ঘটবে না এবং তার সামনে রয়েছে কঠিন শান্তি।

- أَلَمْ يَاْتَكُمْ نَبَوُّا الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلَكُمْ قَوْرَا نُوْحٍ وْعَادِوْ ثَهُودَةُ وَ الَّذِيْنَ مِنْ يَعْدِهِمْ ؛ لَا يَعْلَمُهُمْ الَّا اللهُ عَلَامُهُمْ رُسُلُهُمْ بِالْبَيْنِي فَرَدُّوْ آَايُدِيَهُمْ فَيْ آفْوَ إِهِمْ وَقَا لُوَّا إِنَّا كَفَوْنَا بِهَآ أُرْسِلْتُرْ بِهِ وَإِنَّا لَفِي هَكِّ مِّمَّا تَدْعُوْنَنَآ إِلَيْهِ مُرِيْبٍ ﴿
- قَالَتْ رُسُلُهُمْ ۚ أَقِي اللَّهُ شَكُّ فَاطِ السَّيْبِ عِ وَ الْإَرْضِ ، يَدْعُوْكُرْ لِيَغْفِرَ لَكُرْ مِّنْ ذُنُوْبِكُرْ وَيُؤَخِّرُكُرْ الْ إَهَل مُّسَمَّى ۚ قَا لُوٓۤ ۚ إِنْ ٱنْتُرْ ۚ إِلَّا بِشَرِّ مَثَلُنَا ۚ تُهِ يُدُونَ إِنْ تَصُدُّونَا ۖ عَمًّا كَانَ يَعْبُدُ إِبَّا وُنَا فَأَتُوْنَا بِسُلُطَى مُّبِيْنِ ﴿
  - قَالَتْ لَهُمْ رُسُلُهُمْ إِنْ نَحْنُ إِلَّا بَشَا مِثْلُكُمْ وَلَكِنَّ اللَّهَ يَهُنَّا عَلَى مَنْ يَشَاءُ مِنْ عَبَادِهِ ، وَمَا كَانَ لَنَاۤ أَنْ تَأْتَيَكُرُ بِسُلُطُنِ إِلَّا باذْن اللهِ وَنَيَ اللهِ فَلْيَتُوَكِّلِ الْمُؤْمِنُونَ @
- जाबारनंत की (मुक्ति) जाएं रव, जामता जाहाबुर छैशत छत्रना कतव हो। ना, जबक किमिरे जामारनंतर जाबारनंत शरभगद राभिरायसनः राज्यता हो। مَا ٓ أَذَيْتُمُوْنَا ، وَعَلَى الله فَلْيَتُوكِّل الْمُتَوكِّلُ فَيُ
  - وَقَالَ الَّذِيْنَ كَفَرُوا لِرُسُلِهِ ۗ لَنُحْدِجَنَّكُو مِّنْ ٱرْضِنَآ ٱۉۛڵؾٙۼۘۉٛۮؙڷ۠ۼۣٛۄڷؾڹٙٵۥڣٙٲۉٛڝؖٛٳڷؽٛڥۯۛڔڹۜؖۿۯڷۘڹۿڶػؖڷ
  - ا لظُّلمني أَنَّ وَ لَنُسْكِنَنَّكُو ۗ الْأَرْضَ مِنْ أَبَعْدِهِ ﴿ ذَٰ لِكَ لَمَنْ غَانَ مَقَامَيْ وَخَانَ وَعِيْد ⊛
    - وَاسْتَفْتَحُوا وَخَالَ كُلُّ جَبًّا ر عَنيْد في
    - مِنْ وَرَأَتُهِ جَهَنَّهُ وَيُسْقَى مِنْ مَّآء صَديد ﴿
    - يَّتَجَوَّعُهُ وَ لَا يَكَادُ يُسْيَغُهُ وَ يَأْتَيْهِ | لْمَوْتُ مِنْ كُلِّ مَكَانِ وَّمَا هُوَ بَمَيت وَمِنْ وَرَآله عَذَابٌ غَلَيْظٌ @

مًا لَنَا مِنْ مُحِيْصٍ ﴿

- ১৮। যারা তাদের প্রতিপালককে এবিশ্বাস করেছে তাদের উপমা হল, তাদের কাজসমহ ভাইয়ের মত যা থড়ের দিনের বাতাস প্রচণ্ড বেগে উভিয়ে নিয়ে যায়। যা ভাষা অৰ্জন কৰেছে ভাষ বিছৰ উপৰই ভাষা সক্ষয় নহ। এটাই চরম প্রমেষ্ট্রতা
- ১৯ তুমি কি ভেবে দেখনি যে, আল্লাহ আকাশসমূহ ও পৃথিবীকে সন্তাসহ (সঠিক দক্ষ্যে) সৃষ্টি করেছেনঃ যদি তিনি ইচ্ছা করেন তবে তোমাদেরকে সরিয়ে দিতে পারেন এবং নিয়ে আসতে পারেন এক নতন সমি।
- ১০। আৰু এটি আলাচৰ জন্ম কঠিন কিছ নয়।
- ২১। এবং তারা সবাই আল্রাহর সামনে বের হয়ে আসবে, অভ্যপর যারা অহংবার এবত আদেবকে দর্বালরা বলার "মিশ্যর আহরা সোহাদের অনুসারী ছিলাম, সভরাং ভোমরা কি আমানেরকে আল্লাহর শান্তি থেকে কিচ মাত্র বাফা করতে পারবে+' ভারা বলবে 'যদি আলার আমাদেবলে প্ৰদৰ্শন করভাম। (আজ) আমরা বিচলিত হট অথবা থৈৰ্যধাৰণ কৰি বি (উভয়ই) আমাদের জন্য সমান, আমাদের কোন পালানোর জায়গা लंडे ।
- ১১। যথন বিষয়টি /ওর্থাৎ বিচাব কার্য) ফয়সালা ক্রায় যাবে জখন শহতান বলবে, নিক্ষা আল্লাহ ভোমাদেরকে প্রতিশ্রুতি দিয়েছিলেন সভা প্রতিশ্রুতি আমিও তোমাদেবকে প্রতিশ্রুতি দিয়েছিলাম কিন্ত আমি তোমাদের সাথে (প্রতিশ্রুতি) তঙ্গ করেছি এবং আমার তো তোমাদের উপর কোন ক্ষমতা ছিল না এছাড়া যে, আমি ভোমাদেরকে ডেকেছিলাম আর তোমরা আমাকে সাড়া দিয়েছিলে। সুভরাং ভোমরা আমাকে তিবছার করো না, বরং তোমরা তোমাদের নিজেদেরকে তির্ভার কর। আমি ভোমাদেরকে সাহায্য করতে সক্ষম নট এবং ভোমবাও ভায়াকে সাহায্য করতে সক্ষম নও। তোমরা পর্বে (আল্লাহর সাথে) আমাকে যে শরীক করেছিলে তা নিশ্বয় আমি অস্থীকার করন্তি ' নিশ্বয় জালিমদের জন্য ব্যয়াত সম্পাদায়ক শাক্ষি।
- ২০। আর যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে ভাসেরকে প্রবেশ করানো হবে জানাতসমূহে যেওলোর নীতে নহবসমূহ প্রবাহিত সেখানে ভারা স্থায়ী হবে, তাদের প্রতিপালকের ইচ্ছায় সেখানে তাদের প্রতি। व्यक्तिकाच्या करत 'आसाध'
- ২৪। তুমি কি তেবে দেখনি , আল্লাহ কিভাবে উপমা পেশ করেনঃ একটি ভাল বাণী একটি ভাল গাছের মত যার মল সদত ও শাখা-প্রশাখা আকাশে (বিষ্ণত)-
- ২৫। যা প্রত্যেক মঙ্গমে তার প্রতিপালকের ইচ্ছায় তার ফলদান করে। এবং আবার মান্যের জনা উপমা পেশ করেন যাতে ভারা উপনেশ প্রতথ करणात्र शास्त्र .
- ১৬: এবং একটি মন্দ বাণী একটি মন্দ গাছের মত যাকে যুগ্নীনের উপর থেকে উৎপাটিত করা হয়েছে, যার কোন স্থায়িত নেই

- مَثَلُ الَّذِيْنَ كَفَرُوا بِرَبِّهِرْ أَعْمَا لُهُرْ كَرَمَادٍ اهْتَدَّتْ بِهِ الرِّيْدُ فِي يَوْرَ عَامِفِ ، لَا يَقْدِ رُوْنَ مِمَّا كَسَبُوْ إِلَى هَنْ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَل اللهِ عَلَى اللهِي عَلَى اللهِ عَلْمَ عَلَى اللهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللّهِ عَلَى ال مُوَ الشَّلْلُ الْبَعَيْدُ ۞
- أَلَى ۚ يَهَ إِنَّ اللَّهُ خَلَقَ السَّيوٰتِ وَ الْأَرْضَ بِالْحَقِّ إِنْ يُّهَا أُ يُدُهبُكُر وَيَاْت بِخَلْق جَديْد أَ
- وَّمَا ذٰ لِكَ عَلَى الله بِعَبِ ثِي @ وَبَوَ رُوا لِلَّهِ جَمِيْعًا فَقَالَ الشُّعَفُّوا للَّذِينَ اسْتَكْبَرُواْ النَّا كُنَّا لَكُرُ تَبَعًا فَهَلُ آنْتُرُ مُّغْنُونَ عَنَّا مِنْ عَذَابِ اللهُ مِنْ هَنَّهُ. قَا لُواْ لَوْ هَلُ مِنَا اللهُ لَهَنَ يُنكُرُ وَسُواءً عَلَيْنَا أَجَوْعَنَا أَا صَبُونَا عَلَيْهِ المعالمة عاماته عاماته عالماته عاماته عاما
  - وَ قَالَ الشَّيْطُنُ لَمًّا قُمَىَ الْإَمْ ُ إِنَّ اللَّهَ وَعَدَكُرْ وَعُدَ الْحَقُّ وَ وَعَدْ تُكُرُ فَا عُلَقْتُكُرُ وَمَا كَانَ إِي عَلَيْكُرُ مِّنْ سُلْطَى إِلَّا أَنْ دَعَوْ تُكُورُ فَاسْتَجَبْتُمْ إِنْ ء فَلَاتَلُوْمُوْنِيْ وَ لُوْمُوٓۤۤۤۤۤۤۤۤۤۤ ۚ ٱنْغُسَكُرْ ءمَاۤ إَنَّا بِمُصْحِكُمْ وَمَا آنْتُرْ بِمُصْحِيًّ الَّيْ كَفَوْتُ بِمَا آهُوَ كُتُمُون منْ قَبْلُ وَأَنَّ الظُّلَمِيْنَ لَهُرْ عَذَابٌ ٱليُرُّ ۞
  - وَ أُوْحَلَ الَّذِينَ أَمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلَحْتِ جَنَّتِ تَجْبِي مِنْ تَحْتَهَا الْأَنْهُ عُلدينَ فَيْهَا باذْن رَبِّهِرْ وتَحيَّتُهُرْ فَيْهَا سَلْرٌ ۞
  - أَلَى ۚ ثَبَ كَيْفَ مَرَبَ اللهُ مَثَلًا كَلَمَةً ظَيْبَةً كَشَجَ ۚ قَطَيْبَة أَصْلُهَا لَنَابِتٌ وَّفَرْعُهَا فِي السَّمَآءِ ﴿
  - تُؤْتِنَّ أَكُلَهَا كُلِّ حِيْنِ بِإِنْنِ رَبِّهَا ، وَيَشْرِبُ اللهُ الْأَمْقَالَ للنَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَتَذَكَّرُ وْنَ ۞
  - وَمَثَلُ كَلَمَة خَبِيثَة كَشَجَرَة خَبِيثَة إِجْتُقْتُ مِنْ فَوْق الْأَرْض مَا لَهَا مِنْ قَرَارِ⊛

৯৮। তমি কি ভাদেরকে দেখনি যারা আন্তাহর নেয়ামতকে প্রতিস্থাপন করেছে অকতফ্রতা দ্বারাং এবং তারা তাদের সম্পদায়কে নামিয়ে এনেছে ধ্বংসের আবাসে-

আলাত যা উচ্ছা কবেন ডা-উ কবেন।

- ১৯। জাহানামে যাব মধ্যে তাবা প্রবেশ করবে। আব কতই না নিকট এ ছারী
- আবাসস্থল: ৩০ এবং ভারা আল্রাহর সমকক মির্বারণ করে ভার পথ হতে (মান্যকে) বিহ্যত করার জন্য। বল, 'তোমরা ভোগ করে নাও, কেননা ভোমাদের প্রত্যাবর্তনম্বল হল আগ্রনের দিকে।
- ৩১। আমার বান্যাদের মধ্যে যারা ঈমান এনেছে ভাদেরকে ভূমি বল 'দালাব (নামায) কারেম করতে এবং আমি তানেরকে যে রিখিক নিয়েছি তা থেকে গোপনে ও প্রকাশ্যে (আল্লাহর পথে) ব্যয় করতে সেই দিন আসার পূৰ্বে যেদিন কোন ক্ৰয়-বিক্ৰয় (বিনিময়) ও বন্ধত থাকৰে না
- ৩২। আল্লাহ তিনিই যিনি আকাশসমূহ ও পথিবী সৃষ্টি করেছেন এবং আকাশ থেকে পানি অবতীর্ণ করেছেন এবং তা হারা তোমাদের রিমিক ছক্ষপ ফলমূল উৎপদ্ন করেছেন, এবং নৌযানকে তোমাদের অধীন করে দিয়েছেন যাতে তাঁর নির্দেশে তা সমলে চলাচল করে, এবং বিনি মহতসমূহাক ভোয়ানের কলাগে নিয়েজিত করেছেন
- ৩৩। এবং তিনি তোমাদের কদ্যাগে নিরোজিত করেছেন সূর্য ও চন্দ্রকে, যারা অবিরাম (চলছে), এবং ভোমানের কল্যাণে নিরোজিত করেছেন রাভ ও Star as
- ৩৪। এবং তোমনা তাঁর কাছে যা কিছু চেয়েছ তা সবই তিনি ভোমাদেরকে 🖁 দিরেছেন। আর যদি তোমরা আল্লাহর দেরামত গণনা কর তাহলে এর 12 সংখ্যা নিৰ্বয় কৰতে পাকৰে মা। নিশ্বয় মান্য অবশাই অভান্ত জালিম ও 📆 থবই অকডফ
- ৩৫। এবং যখন উববারীয় বলেছিল, 'রে আমার প্রতিপালক। আপনি এই নগরকে নিরাপন করুন এবং আমাকে ও আমার প্রচেরকে মর্তি প্রজ থেকে দৰে বাখন।
- ৩৬। হে আমার প্রতিপাদক। নিতর তারা (মর্তিগ্রনো) বহু মানুষকে পথান্ত করেছে। সত্তরাং যে আমার অনসরণ করবে নিশ্বর সে আমার দশক্ত কির য়ে আয়াকে অয়ানা করার নিক্যা আপনি অদি কয়ালীল ও পর্যা দ্যাল।
- ৩৭। তে আমাদের প্রতিপালক। নিক্ষম আমি আমার বংশধরের এক অংশকে কারাসের রারখা ভরলায় এক শস্ত্রেণি উপদ্যারাহ আপনার পরিত্র ঘরের কান্তে, হে আমাদের প্রতিপালক। বাতে ভারা সালাভ (নামাব) কায়েম করতে পারে, সূতরাং আপনি কিছু লোকের অন্তর ভালের প্রতি অনুৱাগী করে দিন এবং তাদেরকে রিখিক দিন ফলমল থেকে, যাতে তারা কডজাতা প্রকাশ করতে পারে।
- ৩৮। হে আমাদের প্রতিপালত। নিশ্চয় আপনি জানেন আমরা যা গোপন করি ও যা প্রকাশ কবি। এবং আহারব নিকট পথিবীতে ও আকাশে কিছব त्यायन न्य

- وَ فِي الْأَحْرَةِ ، وَيُصْلُ اللهُ الظُّلَمِيْنَ شُوَّيَفُعَلُ اللهُ مَا يَشَاءُ وَاللَّهِ اللَّهُ مَا ٱلَرْتَوَ إِلَى الَّذِيْنَ بَدَّ لُوْا نِعْمَتَ اللَّهِ كُفْرًا وَّ أَحَلُّوا قَوْمَهُرْ
  - دَارُ الْبُوارِ ﴿ جَهَنَّرَ ، يَصْلَوْ نَهَا ، وَ بِنْسَ الْقَوَارُ ﴿
  - وَجَعَلُوا لِلهِ ٱنْدَادًا لِيُصِلُّوا عَنْ سَبِيْلِهِ •قُلْ تَمَتَّعُوا فَإِنَّ مَصِيْرَكُمُ إِلَى النَّارِ @
  - قُلْ لَعْبَادِيَ الَّذِينَ إِمَنُوا يُقَيْهُوا الصَّلُوةَ وَيُنْفَقُوا مِمَّا رَزَقْنَهُمْ سوا وَعَلَانيَةً مَّنْ قَبْل أَنْ يَاتَى يَوْعٌ لاَبَيْعٌ فيْه وَ لا عَلَلْ ⊚
  - أَللهُ الَّذِيْ هَلَقَ السَّمَاتِ وَ الْأَرْضَ وَ أَنْهَ لَمِنَ السَّمَاءَ مَاَّءُ فَاكْمَ عَ بِهِ مِنَ الثَّمَاتِ رِزْقًا لَّكُمْ ۚ وَسَحَّ لَكُمُ ۖ الْقُلْكَ لتَجْرِيَ فِي الْبَحْرِ بِأَمْرِهِ ، وَسَخَّرَ لَكُرُ الْأَنْهُرَ أَهُ
- وَسَخَّ لَكُمُ الشَّبْسَ وَالْقَبَ دَآلْبَيْنِ ، وَسَخَّ لَكُمُ الَّيْلَ وَ النَّمَارَهُ وَ النَّكُمْ مْنْ كُلِّي مَا سَأَ لُتُمُوْهُ ۚ وَ إِنْ تَعُدُّواْ نَعْمَتَ إِلَّهِ
  - لَا تُحْمُو هَا وَإِنَّ الْإِنْسَانَ لَظَلُوا مَّ كَفًّا رَّ أَي وَاذْ قَالَ ابْرُهِيْرُ رَبِّ اجْعَلْ هٰذَا الْبَلَدَ أَمِنَّا وَّ اجْنَبْنِي وَ يَنِيُّ أِنْ تَعْبُدُ الْإَصْنَاءُ هُ
  - رَبِّ انَّهُنَّ أَفْلَلْنَ كَثِيرًا مَّنَ النَّاسِ ، فَمَنْ تَبِعَنيْ فَانَّهُ مِنْيْ ، وَمَنْ عَمَانِيْ فَاتَّكَ غَفُوْرٌ رَّحِيْرٌ ﴿
  - رَبُّنَا إِنَّى أَسْكَنْتُ مِنْ دُرِيَّتَى بِوَ إِدِ غَيْرِ دَى زَرْهِ عَنْدَ بَيْتكَ الْمُحَوْمُ، رَبَّنَا لِيُقَيَّمُوا الصَّلْوةَ فَاجْعَلَ أَقْئِدَةً مِّنَ النَّاسِ تَهُونَي الَّيْهِمُ وَارْزُقُهُمْ مِّنَ الثَّبَاتِ لَعَلَّهُمْ يَشُكُّونَ ﴿
- رَبُّنَآ إِنَّكَ تَعْلَرُ مَا نُخُفِي وَمَا نُعْلَى وَمَا يَخْفَى عَلَى اللَّهُ مِنْ شَيْ أَفِي الْأَرْضِ وَ لَا فِي السَّمَاء ⊕

- ৩৯ সকল প্রশংসা প্রারাহর জন্য, যিনি আমার বার্ধকো ইসমাস্টিল ও ইসহাককে দান করেছেন। দিশ্বর আমার প্রতিপালক অবশ্যাই প্রার্থনা প্রবনকারী।
- ৪০। হে আমার প্রতিপাদক। আমাকে সালাত (দামাথ) কারেমকারী খান্ন এবং আমার বংশধরের মধ্য থেকেও। হে আমাদের প্রতিপাদক। আমার প্রার্থনা করবা মাজ্য
- আবদা দকুল করণ ৪১। হে আমানের প্রতিপালক: আমাকে, আমার পিতা-মাতাকে এবং, ম'মিনামেরক সেনির ক্ষমা করনে সেনির বিসার কর্মিক বরে।'
- ৪২ জার (হে মুহাস্থানা) জালিমরা হা করে সে সম্পর্কে তুমি আল্লাহকে কথনো বেখবর মনে করো না। তিনি কেবল তামেরকে সেলিনের জন্য জবকাশ দেন যেনিন চন্দ্রমন্ত্র (আতক্ষে) দ্বির হয়ে হাবে-
- ৪৩। তারা তাদের মাথা উপরের দিকে উঠিয়ে দৌড়াতে থাকবে, তাদের দৃষ্টি তাদের (নিজেদের) দিকে ফিরবে না এবং তাদের অস্তর হবে (আশা) শুধা।
- 88। এবং মানুমতে সত্তর্ক করা সেনিন সম্পর্কে যেদিন ভালের নিকট শান্তি আসারে এবং যাত্রা ন্তুল্য করেদিন তারা করে, 'তে আমাদেক রতিপালত। আমালেরকে করিটান কিবটারি সংখ্য পরিক্তা দিন, আহরা আপনার ভাকে সাড়া দের এবং রাস্কুদরে অনুসরগ করব ('ভাসেরতে কলা হকে) 'ভোমরা কি পূর্বে কসম করতে না যে, অস্ত্রামার রেজা পালে কেট'?
- ৪৫৮ এবং ভোমবা বাদ করতে তাদের বাদভূমিতে বারা নিজেদের প্রতি ভুলুম করেছিল এবং ভোমাদের কাছে শাষ্ট ছিল তাদের প্রতি আমি কেমন (আসবদ) করেছিলাম এবং ভোমাদের কাছে আমি দৃষ্টান্তসমূহও পেশ করেছিলাম।
- ৪৬। এবং তারা তাদের ষড়যন্ত্র করেছিল, কিছু তাদের ষড়যন্ত্র আল্লাহ্র কাছে (জানা ছিল), যদিও তাদের যড়যন্ত্র এমন ছিল, যাতে পর্বত টলে যেত ৪৭। সুতরাং তুমি আল্লাহতে কথানো তাঁর রামনদের সাথে তাঁর প্রতিশ্রুতি
- ভঙ্গকারী মনে করে না। নিকর আল্লাই মহাপ্রতাপশালী ও উচিত দান্তিদাতা। ১৮। যেদিন এ যমীনকে অন্য হমীনে পরিবর্তিত করা হবে এবং আকাশসন্মাহকেও এবং তারা (মানুখ) এক ও মহা পরাক্রমশালী
- আল্লাহ্র সামনে বের হয়ে আদরে। ৪৯। এবং সেদিন ভূমি অপরাধীদেরকে দেখবে একত্রে শিকল বাঁধা অবস্থায়,
- ৫০: আসের জামা হবে আগকাকরার এবং আঞ্চন অসের চেহরাসমহ আগদ্র
- করবে-৫১৷ যেন আল্লাব্ প্রত্যেক ব্যক্তিকে সে যা অর্জন করেছে তার প্রতিফল দিতে
- পারেন। নিক্রম আল্লাহ্ হিসাবে দ্রুত।
- ৫২। এটি (কুরআন) মানুষের জন্য এক বার্তা এবং যাতে এর মাধ্যমে তানেরকে সকর্ক করা হেকে পারে এবং যাতে তারা জানকে পারে যে, তিনিই এক ইলাহ এবং যাতে বৃদ্ধিমানরা উপদেশ এইণ করতে পারে।

- اَلْحَمُدُ لِلهِ الَّذِيْ وَهَبَ إِنْ كَى الْكِبَرِ السَّغِيْلُ وَ إِسَّحْقَ وَإِنَّ رَبِّيْ لَسَبِيعُ الدَّعَاءِ ۞
- رَبِّ اجْعَلْنِيْمُقِيْرَ † الصَّلُوةِ وَمِنْ ذُرِيَّتِيْ ۚ ثَرَبَنَا وَتَقَبَّلُ دُعَاءِ ۞ | | رَبَّنَا أَغْفَرْ لِي وَلُوا لِنَكَّ وَلِلْمُؤْمِنِينَ يَوْمَ اِيَّةُمْ ٱلْحُسَابُ ۞ إِنَّهُ
- وَ لَا تَحْسَنَّ اللهُ عَا فِلْ عَمَّا يَعْمَلُ } لَظْلِمُونَ وْ إِنَّمَا يُؤَكِّرُهُرُ لَيْوَ ٱلْمُشَعِّنُ فَيْهِ أَلْإِصَارُهُ
- ليموً الشخص فِيهِ الابصار@ "هُطُعْيْنَ مُقْنِعِيْ رُءُوْسِهِدْ لَايَرْتَكُّ إِلَيْهِيْ طُرْفُهُمْ ؛ وَ ٱفْئِنَاتُهُمْ هُوَّاءً ﴾
- هوا: @ وَٱلْذِنِ النَّاسَ يَوْاَ يَأْتِيْمِ الْعَدَّابُ فَيَقُولُ الَّذِيْنَ ظَلَمُوا رَبَّنَاً أَهْوَلًا إِلَى آجَلِ قَرِيْبُ لَّغِبُ دَعُوتَكُو رَقَعَ الرَّسَلَ ، وَكَنْ آَكُونُولُ آفْسُمُرُ مِّنْ قَبْلُ مَا لَكُورُ مِّنْ زَوَالِ @
- وَّسَكَنْتُرْ فِي مَسْكِي الَّذِيْنَ ظُلَوْاً إِلَّا لَعُنْ الْكُوْلَ الْفُسُورُ وَلَبَيْنَ لَكُوْ كَيْفَ فَعَلْنَا بِهِرْ وَضَرِّبْنَا لَكُمُ الْإَنْفَالَ @
- وَقَدْمَكُرُواْ مَكْرُهُرْ وَعِنْدَ اللهِ مَكْرُهُرْ . وَإِنْ كَانَ مَكْرُهُرْ لِتَزُوْلَ مِنْهُ الْجِبَالُ @
- فَلَاتَحْسَنَّ اللهُّ مُخْلِفَ وَعْرِةٍ رُسُلَهُ وَإِنَّ اللهُّ عَيْرٌ ذُو الْتَعَامِ هُ يَوْمَ تُبَدِّلُ الْاَرْضُ غَيْرَ الْاَرْضِ وَالسَّمُوتُ وَبَرَرُوْلَ لِلهِ
  - الْوَّ اِحِدِ الْقَهَّا رِ@ وَ تَرَى الْمُجْرِمِيْنَ يَوْمَعُد مُّقَّ نِيْنَ فِي الْآمْفَاد أُ
- سَرَابِيْلُمُرْ مِّنْ قَطِرَانٍ وَّتَغْشَى وُجُوْهَمُرُ النَّارُ
- لِيَهْدِيَ اللهُّكُلِّ نَفْسٍ مًّا كَسَبَفَ، إِنَّ اللهَّ سَرِيْعُ الْحِسَابِ ﴿
  لِيَهْدِيَ اللهُّكُلِّ نَفْسٍ مًّا كَسَبَفَ، إِنَّ اللهَّ سَرِيْعُ الْحُواسَانِ ﴿
  لَمْذَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمِثَلُ أَنَّ الْمُعَلِّمُ أَلَّمُا أَلَّهُ وَاللَّهُ وَالْمِثُلُ أَلَّمُ

وَّلْيَدُّكِّ أُولُوا الْآلْبَابِ أَهُ

# ১৫. সূরা আল-হিন্তর, মার্কী (মি. ১৯ আমাত, ৬ ফর্ ত্রিমিন সমাম্য ও পরম দর্যালু আল্লাহ্র নামে

১৫. সরা আল-হিজব

## ٥٥- سُرُوَّ الْحَجْرِ مَكَيْةً ابَائِهَا ١٥٠ رَكُوْمَائِهَا ٢٠ دِسْمِ اللهِ الرِّحْمْنِ الرَّحِيْمِ

#### পারা-১৪

- ১। আদিফ-লাম-রা। এগুলো কিতাবের ও সৃস্পষ্ট কুরাআনের আয়াত।
- হ। কথনো (এমন একদিন আসবে যেদিন) কাফিবরা কামনা করবে যে,
  তারা যদি মুসলিম হত।
  া স্যাহ্বাহর ক্ষারে দাব ভাবা বেত্রে থাকক ও ডোগ করতে থাকক এবং
- (মিধ্যা) আশা তাদেরকে মোহাজনু রাপুক, করণ অচিত্রেই তারা জনতে পারবে। ৪। আমি যে জনপদক্তেই ধাংস করেছি তার জন্য ছিল একটি নিনিষ্ট কিতাব
- (দিপিবন্ধ সময়)। ৫। কোন উন্নত (জনগোষ্ঠী) তার নির্দিষ্ট সময়কে এগিয়ে আনতে পারে না
- বাং বিদাধিতও করতে পারে না।

  ভা এবং বিদাধিতও করতে পারে না।

  ভা এবং তারা বলে, 'ওহে যার প্রতি যিকির (কুরআন) অবতীর্ণ করা
- হয়েছে: নিশ্চয় ভূমি অবশ্যই পাগল। ৭। ডমি আমাদের নিতট জেরেশতাদেরকে নিয়ে আস না কেন- যদি ভূমি
- ব) তুম আমাদের দেবত কেরেশতানেরকে নিরে আন বা কেন্দ্র বন ভূম সভ্যবাদীদের অন্তর্ভুক্ত বক্তা
   ৮। আমি জ্যেরশতানেরকে কেবল সভাসর (ফ্রমানানর) প্রেরণ করি, এবং
- তখন তারা (কাফিররা) অবকাশ পাবে না
  ১০ নিক্রয় প্রায়িট মিনির (করমান) অবকীর্ণ করেছি এবং নিক্রয় আমি
- অবদ্যই এর সংরক্ষণকারী। ১০। আর অবদাই আমি ভোমার পর্বে পর্ববর্তী বহু দলের (সম্প্রদক্তের) নিকট

(রাসল) প্রেরণ করেছি।

- ১১। আর তালের কাছে এমন কোন রাসূল আলেনি বার সাথে তারা ঠাট্টা-বিদ্রূপ করত না।
- ১২। এভাবেই আমি অপরাধীদের হৃদরে তা (বিদ্রুপ প্রবণতা) সঞ্চার করি-
- ১৩ তারা এর (অর্থাৎ কুরআনের) প্রতি ঈমান আনবে না এবং পূর্ববর্তীদের (প্রতি আমার পৃথীত) সুদ্রত (রীতি) ইতোমধো (এতাবেই) গত হয়েছে।
- ১৪। আর যদি তাদের অন্য আকাশের কোন একটি দরজা খুলে নিতাম, অভঃপর তারা তাতে উঠাও থাকত১৫ তাহলে এবশাই তারা বলত, 'আমাদের দৃটি সামেহিত করা হতেছে,
- উপবস্তু আমরা এক জাদুগান্ত সম্প্রদান।

  ১৬। আরু অবস্থাই আমি একানে বুরুজ (নক্ষত্র পুঞ্জ) বানিয়েছি এবং ভাবে
  দর্শকদের জন্য সুসন্ধিতে করেছি-
  - ১৭: এবং প্রত্যেক বিভাত্তিত শয়তান থেকে আমি ভাকে সুরক্ষা করেছি-

الرّ سَوْلُكَ أَيْتُ الْكِتْبِ وَقُواْنِ هَبِيْنِ ۞ رُبُعَا لِوَدُّ الَّذِيْنَ كَثَرُواْ لَوْ كَانُوا مُسْلِمِينَ ۞ دُرْهُرُ بِاكْلُواْرِ يَتَعَتَّوْاْ وَلَيْهِمُ الزَّمْلُ صَوْنَ يَعْلَمُونَ ۞

درهر يادنوا و يتمتغوا و ينهير الامل فسو ف يعلمون وَمَاۤ آهَلَكُنَا مِنْ قَرْيَةٍ إِلَّا وَلَهَا حِتَابٌ مَّمُلُواٌ ۚ ۞ مَا تَسْبِقُ مِنْ أَمَّةً إَجَلَهُما وَمَا يَسْتَا هُرُوْنَ ۞

مانسيق مِن امة إجلها ومايستاخِرون ۞ وَقَا لُواْ يَأَلِيمًا الَّذِينُ نَوِّلَ عَلَيْدِ الذِّحُرُ إِنَّكَ لَمَجْنُونٌ ۞ لَوْ مَا تَاثَيْنَا اللَّمِلَكُمُّة الْ كُنْتُ مَنَ الشَّرِقْتِينَ ۞

لومان بينا بِالمِلْغَةِ إِن كَسَّمِي المِدِقِين ⊙ مَانْنَوْلُ الْمُلَّغَكَةُ إِلَّا بِالْمُقِّ وَمَاكَانُوْ الِوَّامُّنْظُونِي َ ⊙ إِنَّا نَصُ تُوْلِنَا الذَّكُو وَالْالدِّ الْمُقَالِقُونَ ⊙

> وَ لَقَدْ أَرْسَلْنَا مِنْ قَبْلِكَ فِي هِنِعِ الْأَوَّلِينَ ۞ وَمَا يَأْتَيْهِرْ مِّنْ رَّسُولِ إِلَّاكَانُوا بِهِ يَسْتَهُوَّءُونَ ۞

كَلْ لِكَ نَشْلُكُهُ فِي قُلُوبُ الْمُجْرِمِينَ ﴿ كَلْ لِكَ نَشْلُكُهُ فِي قُلُوبُ الْمُجْرِمِينَ ﴿ لَا يُؤْمِنُونَ بِهِ وَقَدْ خَلَفُسُنَّةُ الْاَوْلَيْنَ ﴿

وَ لَوْ فَتَحْنَا عَلَيْهِمْ بَابًا مِّنَ السَّمَّآءِ فَظَلُّوا فِيْهِ يَعْرُجُونَ ﴿

لَقَا لُوَّا إِنَّمَا سُكِّرَتُ ٱبْمَا رُنَا بَلَ نَحْنُ قَوْ أَمْسُحُوْ رُوْنَ ﴿

ر صفيعت في الصدر بررجة وريعه بمنورين و وَ حَفظُنْهَا مِنْ كُلِّ شَيْطِي رَّجِيْرٍ ﴾ পৰিয়াণে অবজীৰ্ণ কৰি না

- ১৮। ভাবে যে চবি কবে (আবাদের সংবাদ) করতে চাহ এলছ শিখা ভাব পিছ शाक्षण करत
- ১৯ আৰু আছি পথিবীৰে বিজ্ঞত কৰেছি আছে সমূহ পৰ্বসমালা স্থাপন করেছি এবং আমি ভাতে প্রভাবে ভারসামাপর্ণ বন্ধ উৎপাদন করেছি।
- ১০। এবং আন্ত ভোমাদের জন্য জীবিকার ব্যবস্থা করেছি এবং তাদের জন্যও
- मान्यम विधिकसाता (माधवा सत्तः ১১ এবং এমন কোন বস্ত নেই যাব ভাগ্যৰ আমাৰ কান্তে নেই এবং তা নিৰ্দিষ্ট
- ১১ এবং আমি প্রেরণ করি মেঘ বহুনকারী ব্যস্তাস, অভঃপর আকাশ থেকে পানি অবতীর্ণ কবি এবং ডা ভোয়াদেবকে পান করাই আব ভোয়বা এব লাগার সক্ষরত রঙা
- ১৬ এবং নিশ্বয় আছিট জীবিল কবি ও ছালা ছটাট এবং আছিট ਹਿਰਗਮਿਤਾਰੀ।
- चारबाने चापि चरवर्टी आध्यमकारीएकराक्र कामि
- ১৫। নিশ্বয় কোয়ার প্রতিপালবাই লাদেরাক সমারক করাবন নিশ্বয় লিনিক মুশ্বপ্রমানার ও সর্বজারী।
- ১৬। আৰু আমি মানহ সৃষ্টি ব্যাৰ্থি গলিত বাদা মানিব গুৰুদা খণ্ড খোক
- ২৭। এবং এর পর্বে শ্রীন জাতিকে সৃষ্টি করেছি কলসে দেয়া আগুন ছেকে। ১৮) এবং হখন কোহার প্রতিপালক কোরশ্রাদেরকে বালচিকেন 'নিশ্র
- আমি গলিত কাদা মাটির শুকনো খণ্ড হতে মানৰ সৃষ্টি করব। ১৯। এক যথম আহি আৰু সগটেজ কৰে এক আয়াৰ বহু খোৰ ভাৰ যাখ
- র্যকে দেব তথন তোমরা তার প্রতি সিজনাবনত হাব।
- ৩০। অভঃপৰ ফোরশভাবা সকলেই সিজনা কবল-
- ৩১। ইবলিস ছাতা। সে সিল্লদাকারীদের অন্তর্ভক হতে অধীকার করণ।
- ৩১। তিনি (আহাত) বললেন 'তে ইবলিস। তোমার কী (অক্তরাত) আছে যে जिम जिल्लामाळातीरमत जन्मी करण सां\*
- ৩৩। সে বলল, 'আমি এমন ছিলাম না যে, আমি সিঞ্জনা করব একজন মানমাক যাকে আপনি গলিত কানা মাটিব গকনো খণ্ড থেকে স্থি করেছেন '
- কর। তিনি বলালন "ভাবে ভয়ি এখান খোকে বের ছায় যাও কাবণ নিশ্চয় তমি বিভান্তিত-
- কর: এবং নিশ্চয় ভোমার উপর লা'মড বিচারের নিন পর্যম ।'
- ক্রান সে বলল "সে আহার প্রতিপালক। ভারতে আহাকে অরকাশ নিম সেনিম পর্যন্ত যেদিন প্রকাষ্ট্রিত করা হবে।

- الَّامَنِ اسْتَرَقَ السَّمْعَ فَٱتْبَعَدُ هُهَابٌ مُّبِيْنٌ ﴿ وَ الْإِرْضَ مَدَدُنْهَا وَ ٱلْقَدْنَا فَيْهَا رَوَاسِيَ وَ ٱثْلَيْتُنَا فَيْهَا مِنْ كُلِّ شَيُّ مَّوْ زُوْن ⊚
  - وَجَعَلْنَا لَكُرْ فَيْهًا مَعَايِشَ وَمَنْ لَّشُيُّرْ لَهُ بِأَ رَقَيْنَ ۞
- وَ انْ مِّنْ هَنْ الْاعِنْدَنَا غَزَّ آئِنُهُ ، وَمَا نُنَزَّ لُهُ الَّا بِقَدَرِمُّعْلُوْ ] ۞
- وَأَرْسَلْنَا الرِّيْرِ لَوَاقِرٍ فَأَنْزَلْنَامِنَ السَّمَآءَمَآءً فَاَسْقَيْنَكُمُوهُ وَمَآ أَنْتُمْ لَدُبِكُ نَيْنَ @
  - وَ إِنَّا لَنَحْنُ نُحْيٍ وَ نُمِيْتُ وَ نَحْنُ إِلَّهِ رِبُّونَ ۞
  - وَ إِنَّ رَبُّكَ هُو يَحْشُرُ هُرْ ﴿ إِنَّهُ مَكِيْرٌ عَلَيْرٌ ﴾
- وَ لَقَدُ خَلَقْنَا ﴿ إِلْانْسَانَ مِنْ صَلْصَا لِ مِنْ حَمَا مَّشْنُونِ أَهُ وَ الْجَانَّ خَلَقْنَهُ مِنْ قَبْلُ مِنْ نَّا رِ السَّمُوْ } ﴿
- وَ إِذْ قَالَ رَبُّكَ لِلْمَلِّنْكَةِ إِنَّى هَا لِنَّ 'بَشَرًّا مِّنْ مَلْمَا لِمَّنْ
  - فَاذَا سَوَّ يْتُدُّو لَفَخْتُ فَيْدِمِنْ رُّوْمِيْ فَقَعُوْا لَدُسْجِدِيْنَ ⊛
    - فَسَجَدَ الْمَلَّتُكَةُ كُلُّهُمْ ۖ أَجْمَعُونَ ﴿

    - إِلَّا اِبْلِيْسَ ۚ أَبِّي أَنْ يَّكُوْنَ مَعَ السَّجِديْنَ ⊛ قَالَ يَابُليْسُ مَا لَكَ أَلَّا تَكُوْنَ مَعَ السَّجِديْنَ ﴿
- قَالَ لَهُ أَكُنُ لِآسَجُنَ لَبَشَهِ خَلَقْتَدُمن مَلْمَا ل مِّن حَمَا مَّسْتُون ﴿
  - قَالَ فَاخْرُجُ مِنْهَا فَائُّكَ رَحِيْرٌ ﴿
  - وَّ إِنَّ عَلَيْكَ | لِلْعُنَةَ إِلَى يَوْ } الدِّيْنِ @ قَالَ رَبِّ فَٱنْظِرْنَيۡ إِلَى يَوْ ۗ يُبْعَثُونَ ﴿

١٤ سُورَةُ الْعَجِ

৩৯। সে বলল, 'হে আমার প্রতিপালক! আপনি ব্যহেকু আমাকে বিপথগামী কলেন তাই আমি পৃথিবীতে (গাপ কাজকে) তালের কাছে অবশাই কলাই পোতনীয় করে তুলব এবং অবশাই অবশাই আমি তালের সবাইকে বিপথগামী করব-

৪০। তাদের মধ্যে আপনার বাছাইকৃত বান্দাদেরকে ছাড়া।

৩৮: নির্দিষ্ট সময়ের দিন পর্যায়।

৪১। তিনি কললেন, 'এটি (বাছাইকৃতদের পথটি) আমার নিকট (পৌছার) সরল পথ।

পথ। ৪২। নিপুর আমার বাস্থানের উপর ভোমার কোন ক্ষমতা থাকবে না তাদের

ব্যক্তীত, বিপথগামীদের মধ্যে যারা ভোমার অনুসরণ করবে।"

৪০। আব নিশ্বর ফালেনাম অবশার্ট জানের "সবাব প্রতিপ্রদার আন

৪৪। এর সাতটি দরজা আছে, প্রত্যেক দরজার জন্য তাদের মধ্য থেকে একেকটি অংশকে (দলকে) বউন করে দেরা হবে।

৪৫। নিশ্বয় মূরাকীরা থাকবে জাল্লাতে ও কর্ণাসমূহের মধ্যে।

৪৬ (তাদেরকে বলা হবে) 'হোমরা তাতে প্রবেশ কর সালামের (শান্তির) সাথে, দিরাপনে।' ৪৭। এবং তাদের বক্ষসময়ে যে বিজের রয়েছে বা আমি নর করে দেব: (কলে

ভারা হয়ে যাবে) ভাই ভাই; (থাকবে) আসনসমূহের উপর পরশ্বর মুখোমুখি হয়ে। ৪৮। সেখানে কোন অবসাদ তাদেরকে শর্শ করবে না এবং ভারা সেখান

৪৮। সেখানে কোন অবসাদ তানেরকে শান করবে না এবং তারা দেখান থেকে বহিষ্কৃতও হবে না। ৪৯। আমার বান্ধানেরকে জানিয়ে দাও যে, আমিই অভি ক্যাশীল ও পরম

দরালু-

৫০। এবং এও যে, আমার শান্তিই অভি যন্ত্রণাদায়ক শান্তি।

৫১ আর তাদেরকে জানিয়ে দাও, ইবরাইনের অভিথিদের সম্পর্কে। .

৫২ যথন তারা তার নিকট প্রবেশ করল এবং বলল, 'সালাম', তখন সে বলল, 'নিশ্চয় আমরা তোমাদের ব্যাপারে আত্তরিত।'

৫৩। তারা কলল, 'আত্তিকে হবেন না, নিশ্চয় আমরা আপনকে এক জানী পুত্রের সুসংবাদ নিজি।'
৫৪। সে বলল, 'তোমরা কি আমাকে সুসংবাদ নিজ্ঞ এ সভেও বে, আমাকে

বার্থক্য "পর্শ করেছেঃ তবে ভোমরা কিনের সুসংবাদ দিব্দ!

৫৫। তারা বলপ, 'আমরা সত্য সুসংবাদ দিন্ধি, সূতরাং আপনি নিরাশ হাবেন

मा।

৫৬। সে কলন, "পথন্তইর ছাড়া থার কে তার প্রতিপালকের দরা থেকে নিরাশ হয়।" ৫৭। সে কলন, "বে প্রেরিতর। (কেরেশতারা)। অতঃপর ভোমাচের ব্যাপার

কিঃ'

৪৮। তারা বলগ, 'দিক্ষয় আমাদেরকে এক অপরাধী সম্মানারের প্রতি প্রেরণ করা হয়েছে-ক্ষাহিত্যভাগ ক্রিয়ার বিশ্ব দাং । বাছার -ব অনুসারে করকানে শেষে দেখে

29

قَالَ رَبِّ بِمَا آغُوْ يُعَنِّىٰ لَأَوْ يَنَنَّ لَهُرْ فِي الْأَرْضِ وَلَأَعْ يَتَّهُرُ إَهَ عِنْنَ \* يَنْنِي أَنْ الْمُعَنِّينَ هُا اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهُمْ اللَّه

إِلَّاعِبَادَكَ مِنْهُرُ الْمُخْلَفِيْنَ ۞ قَالَ هَٰذَا مِرَاناً عَلَىَّ مُسَتَقِيرٌ ۞ إِنَّ عَبَادِنَ لَيْسَ لَلْعَ عَلَيْهِرُ سُلُفَلْ الْأَمِن النَّمَاكَ مَنَ الْفُولِينَ ۞

وَإِنَّ جَمِّتَرَ لَمَوْعَدُهُرْ أَجَْعِينَ قُ لَهَا سَبْعَةُ أَبْوَابِ لِكِلِّ بَابِ مِنْهُرُ جُزَّةً مَقَّمُوْ أَقَ أَنْ الْمُعْلَّىٰ فَيْ جَنْسُ وَّعَيُونَ فَيْ

إِنَّ الْمَقْفِينَ فِي جَنِّيرَ كَعُوْنٍ ۞ الْمُفَارِّعَا بِسَلَمِ إِمِنْنِي ۞ وَنَوْعَنَا مَا فِي هُذُّرُورِهِرْ مِنْ غِلِّ إِفْوَ إِنَّا غِلَّى سُرُ مِعَقْبِلِينَ ۞ لاَيْسَعُورْ فَيْهَا نَصُّ وَمَا هُرْ شَهَا بِهُذَّجِينَ۞

لايمسهر فيها نصب وما هر منها بمخرجين @ نَيِّنُ عِيَادِنَّى أَنَّى أَنَّا الْفَقُورُ الرَّهِيُّرُ ۞ وَأَنَّ عَنَا إِنِي هُوَ الْفَذَابُ الْآلِيُّرُ ۞ وَنَبَّهُمْ عَنَ مَيْفَ أَبْدُهُرَ ۞

إِذْ نَكُلُواْ عَلَيْهِ فَقَا لُوا سَلْمًا فَالَ إِنَّا مِثْكُرُ وَجِلُونَ ۞ قَا لُوْا لَاتُوْجُلُ إِنَّا نُبَقِّرُكُ يَغْلِي عَلِيْ عِلَيْ هِ۞ قَالَ اَبَقْرُتُمُوْفِيْ فَيْ أَنْ شُقْبَنَ الْكِبُرُ فَيِرْ تُبَغِّرُونَ ۞

> قَا لُوْا بَشُّرْنُكَ بِالْحَقِّ فَلَاتَكُنْ مِّنَ الْقَنطِينَ ۞ قَالَ وَمَنْ يَقْنَعُمِنْ رَّحْمَةٍ رَبِّهٍ ۚ إِلَّا الشَّالُّونَ ۞

> > قَالَ فَمَا خَطْبُكُرُ أَيَّهَا الْمُرْسَلُونَ ۞ قَالُوْٓ الْأَا أُرْسُلُنَاۤ إِلَىٰ قَوْرَامَّجْرِمِيْنَ۞

টিভার করর-৬০। তার স্ত্রীকে হাড়া আমবা নির্ধারণ করেছি যে, নিশ্চয় মে অবশাই পিছনে। পোর সাংখ্যাদের (১৯৮২/১)প্রাদের) কর্মভূক।

৬১: অভঃগর প্রেরিভরা (ফেরেশভারা) হথন সতের পরিবাহের নিকট

৬১। তথ্ন সে বলল, 'ভোমরা ভো অপরিচিত লোক।'

৬০। তারা বলল, 'বরং আমবা আপনার নিকট তা নিয়ে এসেটি যে বিজয় তারা সন্দেরের মধ্যে ভিল।

৬৪। এবং আমরা আপনার নিকট সতা (ফয়সালা) নিয়ে এসেছি এবং নিশ্চয়

সাম্যা সক্ষাই সামারাদ্রী ৬৫। সমরাং আপনি বাছের রোন এক সমূহে ভাগনাই গরিবার-পরিজনসহ ে বের হয়ে পভন এবং আপনি ভাদের পশ্চাদানুসরণ করুন এবং আপনাদের মধ্য প্রয়ের ক্রেট্ট থেন পিছনে ছিবে না তাকায়, আপনাদেরকৈ যেখানে corne Gredel cost wine integral control total bile?

১৯১১ একং আমি ভাকে এ বিষয়টি জানিয়ে দিলাম যে, সকালেই ভালের মল কেটে দেয়া হবে।

৬৭। এবং শহরবাসীরা উপস্থিত হল উন্নদিত হয়ে।

War সে বলল 'নিক্য ভারা আমার অভিথি, স্তরাং তোমরা আমাকে অসম্বানিত কৰো না-

৬৯। এবং তোমরা আলাহকে ভয় কর ও আমাকে অপমানিত করো না।"

৭০। তাবা বলল 'আছবা কি জগৎসমত থেকে সেকল মানবকৈ বৃক্ষা করা গেকে) তোমাকে নিষেধ কবিনিঃ

৭১। সে (লৃত) বলল, 'এরা আমার কন্যা- যদি তোমরা কিছু করতে চাও।' ৭২. (রে মহামদা) তোমার জীবনের কমম, নিশুয় তারা অবশাই ছিল তাদের নেশায় দিশেহারা

৭৩: অতঃপর সূর্বোদরের সময় বিকট শব্দ তাদেরকে গাকতাও করল-

৭৪। আর আমি একে (জনপদকে) উন্টিয়ে দিলাম এবং তাদের উপর পোঁড়া

মাটিব পাথৰ বৰ্ষণ কবলাম। ০০। ভিন্তা একে অনুনাই ভিন্নপারনী বাহাছ পর্যবেক্ষণকারীদের জন্য।

৭৬। এবং নিশ্চয় তা (ধ্বংসপ্রাপ্ত নগর) প্রতিষ্ঠিত রাজ্ঞার পাশেই विस्तरास

৭৭, নিশ্চয় এতে অবশ্যই নিদর্শনাবলী রয়েছে ম'মিনদের জনা।

০৮। আৰু 'আইকা'বামীবাণ<sup>®</sup> ভিল জালিম-

৭৯। সত্তবাং আমি ভালেরকে উচিত শাস্তি নিরেছি, এবং নিকর উভয়টি<sup>\*</sup> ই সুম্পষ্ট পথের পাশেই বিদামান।

الَّا امْرَ أَتَهُ قَدُّ رُنَّآ وَإِنَّهَا لَمِنَ الْغُدِينَ ﴾ فَلَمًّا مِّاءَ إِلَ لُوْطِ الْبُرْسَلُونَ هُ قَالَ إِنَّكُورُ قَوْمٌ مُّنْكُرُونَ ﴿

قَا لُوْا بَلْ جِئْنُكَ بِمَا كَانُوْا فِيْهِ يَمْتُوُونَ وَ أَتَيْنُكَ بِالْمَقِّ وَ إِنَّا لَصْدَقُوْنَ ﴿

فَأَشْ بِأَهْلِكَ بِقَطْعِ مِّنَ الَّيْلِ وَ الَّبِعُ إَذْبَا رَهُرْ وَ لَا يَلْتَفَتْ مِنْكُرْ أَحَدٌ وَ امْفُوا حَيْثُ تُؤْمَرُ وَنَ ۞ وَقَفَيْنَآ إلَيْه ذٰلِكَ الْأَمْ إَنَّ دَانٍ هُو لَآء مَقَطُو عٌ مُّعْبِعِيْ.

وَجَاءَ آهُلُ الْمَديْنَة يَشْتَبْشُ وْنَ @ قَالَ إِنَّ هُوُّ لَاءَ ضَيْفَى فَلَا تَفْضَعُون ﴿

وَ اتَّقُوا اللَّهُ وَ لَا تُثُواُ وَن @ قَا لُوا ۚ أَوَ لَرُ نَنْهَكَ عَنِ الْعُلَمِينَ ۞ قَالَ هُو لَاء بَنْتِي إِنْ كُنْتُمْ فَعِلْيَنَ أَنْ

لَغَمْرُكَ إِنَّهُرْ لَفِي سَكْرَتِهِرْ يَعْمَهُونَ ﴿ فَأَخَذَ ثُهُرُ الصَّيْحَةُ مُشْرِقَيْنَ ﴿

فَجَعَلْنَا عَا لِيَهَا سَافِلَهَا وَ أَمْطَرُنَا عَلَيْهِرْ حِجَا رَةً مِّنْ سِجِّيْلِ ﴿ انَّ فِي ذُلكَ لَا يُب لَّلُمُ تَوَسَّمِينَ ﴿ وَ انَّهَا لَبِسَبِيْلِ مُّقَيْرِ ﴿

> الَّ فِي ذِلِكَ لَائِمٌ لِّلْمُؤْمِنِينَ إِنَّ لِللَّهُ مِنْدَى إِنْ وَ انْ كَانَ أَمْعُبُ الْآيْكَة لَظُلَمِيْنَ ﴿ فَانْتَقَهْنَا مِنْهُرْ وَ إِنَّهُمَا لَبِلْمَا إِمُّبِينَ ١

o.c. সূরা আল-হিজর পা	#ar-38 مُوْرَةُ الْجِجْرِ 18-38
৮০। আর অবশাই হিজরবাসীরা <sup>*</sup> প্রেরিডদেরকে (রাস্দদেরকে) মিধ্যাবাদী বলেছিদ-	وَلَقَدْ كَدَّبُ أَصْحُبُ الْحِجْرِ الْمُرْسَلِيْنَ ﴾
৮১। আর আমি তালেরকে আমার নিবর্শনসমূহ নিয়েছিলাম, কিছু তারা তা উপেক্ষা করত-	وَ اتَيْنَاهُرُ الْيِنَا فَكَانُوا عَنْهَا مُعْرِضِيْنَ ﴾
৮২। এবং তারা পাহাড় কেটে ঘর নির্মাণ করত নিরাপদ (মনে করে)।	وَكَانُوْا يَنْجِتُوْنَ مِنَ الْجِبَالِ بُيُوثَا أَمِنِيْنَ @
৮৩, অভঃপর সকালে বিকট শব্দ ডাদেরকে পারজাও করল-	فَأَخَذَتْهُرُ ۗ الصَّيْحَةُ مُصْبِحِيْنَ ۞
৮৪। ফলে তারা যা অর্জন করত তা তাদের কোন কাজে আসেনি।	فَمَآ آغَنٰى عَنْهُرْ مَّا كَانُوْا يَكْسُونَ ﴿
৮৫। আকাশসমূহ ও পৃথিবী এবং উভরের মার্কে কোন কিছুই আমি অহখা (সঠিক দক্ষে) ছাড়া) সৃষ্টি করিনি এবং নিচছ কিয়ামত অবখাই আসবে, সুকরাং কুমি (ভাদেরকে) সুখরভাবে উপেক্ষা কর।	وَمَا خَلَقْنَا السَّوْتِ وَ الْأَرْضَ وَمَا بَيْنَهُمَّا إِلَّا بِالْحَقِّ، وَإِنَّ السَّوْقِ، وَإِنَّ السَّفَةِ الْجَيْلَ ﴿
৮৬। নিশ্চর তোমার প্রতিগালকই মহান শ্রষ্টা ও সর্বজ্ঞানী ।	إِنْ رَبُّكَ هُوَ الْخَلُّقُ الْعَلِيْرِ ۞
৮৭। আর অবশ্যই আমি তোমাকে দিয়েছি পুনঃপুনঃ পঠিত সাতটি আয়াত ও মহা কুরআন।	وَ لَقَدْ اتَّيْنَكَ سَبْعًا مِّنَ الْمَقَانِي وَ الْقُرْانَ الْعَظِيرَ @
৮৮। আমি তাদের বিভিন্ন শ্রেণীকে বে ভোগ্য সামগ্রী নিরেছি তার প্রতি তুমি কখনো তোমার দু'চোধ প্রসারিত করে। না, <sup>*</sup> তাদের জন্য দুংধ করো না এবং মু'মিনদের জন্য তোমার বাছ অংশমিত কর (যনিষ্ট হও)।	لَاتُمُدَّنَّ عَيْنَيْكَ إِلَى مَا مَتَّعْنَا بِهِ أَزْوَاهًا مِّنْمُرْ وَ لَاتَحْزَنُ عَلَيْهِ وَاهْنِفْ جَنَاحَكَ لَلْمُؤْمِنِينَ ۞
৮৯। এবং বল, নিশ্চয় আমিই সুস্পষ্ট সতর্ককারী,	وَقُلُ اثِّي آَنَا النَّدِيرُ الْمُبِينُ ﴾
৯০। যেভাবে আমি অবভীর্ণ করেছিলাম (বিভিন্ন মতে) বিভক্তদের উপর- <sup>*</sup>	كَمَا ٓ إَنْزَلْنَا عَلَى الْمُقْتَسِمِيْنَ ﴾
৯১। (সতর্ককারী তানের জন্য) যারা কুরআনকে বিভিন্ন ভাগে বিভক্ত করেছে। $\overset{*}{}$	الَّذِيْنَ جَعَلُوا الْقُوْانَ عِفِيْنَ @
৯২। মুতরাং কমম ভোমার প্রতিপালকের, অবশ্যই অবশ্যই আমি তাদের সকলকে প্রশ্ন করব-	فَوَ رَبُّكَ لَنَسْئَلَنَّهُرْ ٱجْمَعْيْنَ ۞
৯৩। তারা যা করত সে বিষয়ে।	عَمَّا كَانُوْ إِيَعْمَلُوْنَ ﴿
৯৪। অতএব তুমি যে বিষয়ে আদিষ্ট হয়েছ তা প্রকাশ্যে প্রচার কর এবং মুশরিকদেরকে উপেকা কর।	فَاصْدَعْ بِيمَا تُؤْمَرُ وَ آعْرِضْ عَنِ الْمُشْرِكِيْنَ @
১৫। নিশ্চয় তোমার জন্য আমিই যথেষ্ট ঠাটা-বিদ্রুপকারীদের বিরুদ্ধে-	إِنَّا كَفَيْنَكَ الْمُسْتَهْزِءِيْنَ ﴿
৯৬। যারা অন্তাহ্ব সাথে অন্য ইলাহ নির্ধারণ করেছে, সুকরাং এচিরেই ভারা জানতে পারবে।	الَّذِينَ يَجْعَلُونَ مَعَ اللَّهِ إِلَهًا اخَرَ ۖ فَسَوْنَ يَعْلَمُونَ ۞
৯৭। এবং অবশ্যই আমি জানি, তারা যা বলে তাতে তোমার বন্ধ সংকুচিত হয়-	وَ لَقَدْ نَعْلَرُ ٱنَّكَ يَفِيقُ مَدْرُكَ بِمَا يَقُوْ لُونَ ﴾
হয়- ৯৮: যুতরাং (প্রতিকার এই যে) ভূমি তোমার প্রতিপালকের প্রশংসাসহ, পবিরতা ঘোষণা কর এবং সিদ্ধদাকারীদের অস্তর্জক্ত হও-	فَسَبِّوْ بِحَمْدِ رَبِّكَ وَكُنْ مِّنَ السَّجِدِ بِنَنَ ۞
৯৯। এবং তুমি তোমার প্রতিপালকের ইবাদত করতে থাক বতক্ষনা তোমার ইয়াকীন (মৃত্যু) আসে।	وَ إَعْبُدُ رَبِّكَ مَتَّى يَأْتِيكَ الْيَقِينَ ﴿

902

চিহিল্ড ছালের টীকা পূরা লং ; আয়াত নং অনুসারে ওরজয়ার পেচে দেখুল

## ১৬. সুরা আন-নাহল, মারী ১২৮ আয়াত, ১৬ রুক

অসীম দ্যাময় ও পরম দ্যাল আল্লাহর নামে

- ১। আল্লাহর নির্দেশ<sup>\*</sup> আসবেই, সুতরাং তোমরা তা তরাহিত করতে চেয়ো না। তারা যা শরীক করে তা হতে তিনি পবিত্র এবং অনেক উর্ফা
- ১। তিনি তাঁর বান্দাদের মধ্যে যাকে ইক্ষা করেন তার উপর তাঁর নির্দেশের রহসহ (এই)সহ) ফেরেশভাদেরকে অবতীর্ণ করেন (এই বলে), 'তোমরা সতর্ব কর যে, নিশ্যু আমি ছাড়া কোন ইলাহ নেই, সুতরাং আমাকে ভয়
- ৩ তিনি আকাশসমূহ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন সত্যসহ (সঠিক লক্ষে)। ভারা যা পরীক করে তা হতে তিনি আনক উচ্চে
- ৪। তিনি বীহবিন্দ থেকে মানুষ সৃষ্টি করেছেন, অতঃপর সহসা সে (হয়ে পড়ে। সম্পষ্ট বিভগ্রকারী।
- ৫। এবং তিনি গ্রাদি পশু সৃষ্টি করেছেন, তোমাদের জন্য ভাতে শীত নিরাক্তব্যারী উপকরণ ও বত উপকার রয়েছে এবং তা থেকে তোমরা আহার করে প্রাক।
- h, এবং তোমাদের জন্য এগুলোর মধ্যে রয়েছে সৌন্দর্য বর্থন তোমরা এচলোকে (সন্ধা: বেলা) বিশ্রামে নিয়ে আস এবং যথন এচলোকে (সকালে চারণভথিতে) নিয়ে যাও।
- ও। একঃ ভাষা ভোগ্নাদের ভার বছদ করে নিয়ে যায় এমন নগরের দিকে ষেখানে প্রাণান্ত কট্ট করা ছাড়া তোমরা পৌছতে পারতে না। নিশ্চয় নোমাদের প্রতিপালক অবশাই অভি অন্যাহনীল ও পরম দয়ালু ৮। এবং তোমাদের আরোহণের জন্য ও শোভার জন্য (তিনি সৃষ্টি করেছেন)
- ঘোড়া, খঙ্কর ও গাধা এবং তিনি সৃষ্টি করেন এমন অনেক কিছু যা তোমরা জান না।
- আছে। আৰু যদি তিনি ইঞ্চা করতেন ভাছলে তোমাদের সকলকে সঠিক পথ পদর্শন করাজন। Soi জিনিট আকাশ থেকে পানি অবতীর্ণ করেন, তা থেকে ভোমাদের জন্য রয়েছে পানীয় এবং তা থেকে (উৎপন্ন হয়) উদ্ভিদ<sup>®</sup> যাতে তোমরা (গণ)
- ১১। তিনি তোমাদের জন্য এর মাধ্যমে শস্য, যায়তৃন, "থেজুর গাছ, আঙ্কুর এবং সবরকমের ফল উৎপদ্র করেন। নিশুয় এতে অবশাই এক নিদর্শন ব্যহ্মত এমন সম্পদাধের স্থান যারা চিন্তা করে।

মারগ করে গার।

১২। এবং তিনি রাত ও দিন এবং সূর্য ও চন্দ্রকে তোমাদের কদ্যাণে নিয়োজিত করেছেন। আর ভারকারাজিও ভারই নির্দেশের অধীন। নিশ্চয় এতে wante निवर्णनावली वाद्यक ध्रम्म अनुनाराज समा यांचा जनवादन করে-

١٦ سُورُةُ النَّحُل-مُكَّيَّةُ أَيَاتُهَا ١٣٨. كُنْفَاتُهَا ١٣ بسُم الله الرَّحُمْنِ الرَّحِيْمِ

أَتِّي أَمْرُ اللهِ فَلَاتَشْتَعْجِلُوهُ مُسْبَحْنَهُ وَتَعْلَى عَمًّا يُشْرِكُونَ ﴿ يُنزَّلُ الْمَلَّتِكَةَ بِالرُّقِ مِنْ آمَرِةٍ عَلَى مَنْ يُّشَاءُ مِنْ عِبَادِةٍ آَنْ

اَلْدِرُوا اللهُ لا إِلهُ إِلا اللهُ اللهِ الله

خَلَقَ السَّمٰوٰتِ وَ الْأَرْضَ بِالْحَقِّ ، تَعْلَى عَمَّا يُشْرِكُوْنَ ⊙ خَلَقَ الْإِنْسَانَ مِنْ تُطْفَةِ فَإِذَا هُوَ خَصِيْرٌ مَّبِينً ۞

وَ الْإِنْعَا مَ خَلَقَهَا، لَكُرْ فَيْهَا دِنْءٌ وْمَنَافِعُ وَمِنْهَا تَأْكُلُونَ ٢

وَ لَكُرْ فِيْهَا جَمَالٌ حِيْنَ تُرِيْحُونَ وَحِيْنَ تَسْرَحُونَ وَ

وَتَحْمِلُ آثْقَا لَكُرْ إلى بَلَد لَّرْ تَكُونُوْ اللَّغِيْد إلَّا بشقّ الْأَنْفُسِ وَإِنَّ رَبُّكُرْ لَوَءُوْنٌ رَّحَيْرٌ ﴾ وَّ الْعَيْلَ وَ الْبِغَالَ وَ الْعَبِيْرَ لِتَوْكَبُوْهَا وَ زِيْنَةً ، وَ يَشْلُقُ مَا

لَاتَعْلَمُوْنَ ⊙ وَعَلَى اللهِ قَصْدُ السَّبِيلِ وَمِنْهَا جَالَمٌ وَلَوْ شَاءً لَهَدْدِيُّ ﴿ فَا عَامَا ١٩٥ عَالَةُ عَالَ عَال أجبعت أ

> هُوَ الَّذِينَ آنِّ لَ مِنَ السَّمَاءِ مَاءً لَّكُرْ مِّنْدُ شَرَابٌ وَّمِنْدُ شَجَرٌ يُنْبِتُ لَكُمْ بِهِ الزَّرْعَ وَ الزَّيْتُونَ وَ النَّحِيْلَ وَ الْآعْنَابَ

> وَمِنْ كُلِّ الثَّمَرٰتِ، إِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَائِهٌ لِقُوْمٌ يَّتَفَكُّرُونَ @ وَسَخِّوَ لَكُرُ الَّيْلَ وَالنَّهَا رَءُوَالشَّهْسَ وَ الْقَهَرَ ءُوَ النَّجُوْمُ مُسَخِّرْتْ بِأَمْرِهِ وَإِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَا أَبِي لِّقَوْمٍ يَعْقَلُونَ ١٥

- ১০। এবং পৃথিবীতে নানা বতরে "যা কিছু তিনি তোমানের জ্বান সৃষ্টি করেছেন (জাও জার নির্দেশের অধীন)। দিছার এতে অবদাই এক নিদর্শন রারছে, এমন সম্প্রদারের জন্য খারা উপাদেশ এবে করে।
  ১৪। এবং তিনিই সমুদ্রকৈ নিরোজিক করেছেন খাতে তোমরা ৩৫ থেকে ভারা
  - এবং তিনাৰ সমুদ্ৰকৈ দায়োজন করেছেন খাতে তোমবা ভা ফেলে ভাৱন বাবে কোনা ভাৱ কৰে পার এবং বাতে তা থেকে আহলে করতে পার অবং বাতে তা থেকে আহলে করতে পার কেন্দ্রকার (মুজ) যা টোমরা পরে থাক এবং তোমরা তথাত পাও যে, এর বুক বিরে নৌমান চলাচল করে এবং যাতে তোমরা ভাঁব অনুমাহ খেকে তালাশা করতে পার্ব এবং যাতে তোমরা কৃতজ্ঞতা রুকাল করতে পার্ব এবং যাতে তোমরা কৃতজ্ঞতা রুকাল করতে পার্ব ।
- ১৫। এবং তিনি পৃথিবীতে সুদৃঢ় পর্বতমালা স্থাপন করেছেন বাতে তা (পৃথিবী) তোমাদেরকে নিয়ে আন্দোলিত না হয় এবং মহরসমূহ ও পথসমূহও (স্থাপন করেছেন) বাতে তোমরা (গভ্যবাস্থলের) পথ পেতে পার-
- ১৬। এবং (স্থাপন করেছেন পথ নির্ণায়ক) চিহ্নসমূহও। আর নক্ষত্রের মাধ্যমেও তারা পথ চলে।
- ১৭। সুতরাং বিনি সৃষ্টি করেন, তিনি কি তার মত যে সৃষ্টি করে নাঃ ভবে কি তোমবা উপদেশ গ্রহণ করেব নাঃ
  ১৮। আর বলি তোমরা আন্তাহর নেয়ামত পথলা কর তারলে ভার ক্ষরা।
- নিৰ্ণয় করতে পারবে না। নিশ্চয় আল্লাহ্ অবশ্যই অতি ক্ষমাশীল ও পরম দহাপু।
- ১৯। আর আল্লাহ্ জানেন তোমরা যা গোপন কর এবং যা প্রকাশ কর।
- ২০। এবং ভারা আন্ত্রাহ্ণকে বাদ দিয়ে খাদেরকে ভাকে তারা কিছুই সৃষ্টি করে না, অথভ ভারাই সৃষ্ট।

  ১১। ভারা মত. দিল্লীব<sup>®</sup> এবং তারা অনুভব করে না কথন তাদেরকে
- পুনরুখিত করা হবে.

  ২২ তোমাদের ইলাহ্ এক ইলাহ্, সুতরাং যারা আধিরাতের প্রতি ঈমান আনে
  না তামেন ক্রমন্ত্রনার সেরা। অধীবাবকারী এবং সামা অফনকরী।
- ২০। সম্বেহ নেই যে, আল্লাহ জানেন বা তারা গোপন করে এবং যা তারা প্রকাশ করে। নিতর তিনি অহংকারীদেরকে ভালবাসেন না।
- ২৪। এবং খবন তাদেরকে বলা হয়, 'তোমাদের প্রতিশালক কী ভবতীর্গ
- করেছেন;" তথন তারা বংশ, "গুর্ববর্তীদের উপকথা"
  ২০। মাতে তারা বিমামতের দিন তাদের (গাণের) গোবা পুরোপুরি বহন
  করতে পারে এবং তাদের (গাণের) বোধাত যাদেরেক তারা কোন আদ ছাড়াই পথান্তী করেছে। মোনে রাখ, তারা বা বহন করবে তা কওই দা নিক্রাং

- رَمَا دَرَ آلَكُرْ فِي الْآرِدْنِ مُغْتَلِكًا ٱلْوَالَنَّهِ الْنَهِ ذَلِكَ لَا لَهُ لِلْمَا لِلَّهُ اللَّهِ ال الْمُوَاللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ الْمُؤْالِيلُولِ اللَّهُ اللَّلِيلُولُولُولِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّلِيلُولُولُولُولِ اللْلِلْلِلْمُ اللَّلِيلُولُولُولِ اللْمُؤْلِمِ اللْمُؤْلِمِ اللَّلِيلُولُ اللَّلِيلُولُولُولُ اللَّلِيلِيلُولُولُولُولُولُولُولُولُولُولُ اللَّلِيلُولُولُولُولِ اللْمُؤْلِمُ اللْمُؤْلِمُ اللْمُؤْلِمُ اللَّلِيلُولُولُولُولِ اللْمُؤْلِمُ اللْمُؤْلِ
- رَّ الغَّى فِي الْآرُفِي رَوَاسِيَ آنَ تَعِيْدَ بِكُرْ وَ ٱلْهُرَّا وَّسُبُلًّا لَعَلَّمُرْ تَهْتَدُونَ ۞
  - وَعَلَمِهِ، وَيِ النَّهِرِ هُرِ يَهْتَكُونَ ۞

    اَفَتَنْ يَهْلَى كَمَنْ الْإِيضُلَقِ، الْلَاتَذَكُّرُونَ ۞

    وَانْ تَعْدُواْ نَعْيَةً اللهُ لِأَنْصُفْهُمُ اللهِ لللهِ اللهُ لَقَدُّورٌ رُحْمَرٌ ۞
- وران تعرق بعد الله و المنطقة الله المنطقة الله المنطقة المنطق
- وَ الَّذِينَ يَنْ عُوْنَ مِنْ دُوْنِ اللهِ لِاَيَهُ لَقُوْنَ مَنْ عَلَى اللهِ لَاَيَهُ لَقُوْنَ مَنْ عَلَا وَّ يَهُ لَكُونَ ۞ أَمُوا لَدُ غَيْرًا أَهْبًا عِنْ وَمَا يَهُمُونَ هَ أَيَّانَ يُبْعَثُونَ ۞
- الهُمُّرُ الدَّوْاهِنَّ فَا لَّذِيْنَ لَايُؤُمِنُونَ بِالْأَخِرَةَ قُلُوبُهُر مُنْكِرَةً وَهُمْ مُسْتَكْبِرُونَ ۞ لَا يَنَا أَنَّ اللهُ يَعْلَمُ مَا يُسَوِّرُونَ ۞
- الْمُسْتَخْبِرِيْنَ ۞ وَإِذَا قِيْلَ لَهُرْمًا ذَاۤ ٱلْزَلَ رَبَّكُرْ ۚ قَا لَوَّاۤ ٱسَّاطِيرُ ٱلْأَوْلِيْنَ ۞ ۖ
- و إِذَا فِيلَ لَهِمِ هَا ذَا آتِوْلَ رَاحِمُ عَا لَوَا السَّطِيرِ الأَوْلِينِ ﴿

  لِيَحْمِلُواْ آوْزَا رَهُرْ كَامِلَةٌ لَوْاً ٱلْقَيْمَةِ وَمِنْ آوْزَا رِالَّذِينَ

  يُمِلُّوْنَ هُنْ بِغَيْرِ عَلْمٍ ﴿ ٱلْأَسْآءَمَا يَوْرُونَ ﴾

  يُمِلُّوْنَ هُنْ

- ا-سُورة النَّفا، পারা-১৪ قَدْمَكَ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِهِ فَأَتَى اللَّهُ بُنْيَا نَهُ مُنَّى الْقُوَ اعد
- ২৬। তাদের পর্ববর্তীরাও যভযন্ত করেছিল, এবং আল্লাহ তাদের ইমারতসমূহ ভিত্তি থেকে খ্যাস করেছিলেন, ফলে উপর থেকে চান ভালের উপর ধসে প্ৰভাৱ এক আছেৰ প্ৰতি এছন দিও খোক শান্তি আসল যা ভাৱা টোকৰ পায় নি।
- an कार करावा के प्राचान के जान का का का कि का प्राचन के अपन বলবেন 'কোধায় আমার সেসব শরীকরা যাদের সম্পর্কে ভোমরা মতবিরোধ করতে?' যাদেরকে জ্ঞান দান করা হয়েছিল ভারা বলবে. 'विकास स्थाप अस्ताचा व स्थापक व्यक्तितास्त देशत-
- ২৮। যাদের মতা ঘটায় ফেরেশতারা তাদের নিজেদের প্রতি জলুম করতে থাকা অবস্থায় \* এবং তারা আন্তাসমূর্ণণ করে বলে, 'আমরা কোন মন্দ কাল করতাম না.' হাা, নিশ্বর আল্লাহ তোমরা যা করতে তা ভালভাবে कारनग
- ২৯। (বলা হবে) সুতরাং তোমরা জাহান্রামের দরজাসমূহ দিয়ে প্রবেশ কর, সেখানে স্বায়ীভাবে অবস্থানের জনা। সতরাং কতই না নিবক্ট অহংকারীদের আবাসস্থল।
- ৩০। এবং যারা ভাকওয়া অবলম্বন করত ভাদেরকে বলা হবে, 'ভোমাদের প্রতিপালক বী অবস্থীর্ণ কাবছিলেনঃ' ভারা বলবে 'মহাকল্যাণ।' যাহা ভালকাঞ্চ করে ভালের জন্য আছে এই দনিয়ায় কল্যাণ এবং আখিরাতের আবাস আবৰ উৎকট্ট এবং হুলাবীদেব আবাস কড্ৰেট না উলহা-
- esi -ছায়ী জানাভসময়, যেগুলোভে ভারা প্রবেশ করবে: যেগুলোর নিচে নহরসমূহ প্রবাহিত: সেখানে ভারা যা ইচ্ছা করবে ডা-ই তাদের জন্য থাকবে। এভাবেই আল্লাহ মন্তাকীদেরকে পর্যত করেন-
- ৩২। যাদের মৃত্যু ঘটায় ফেরেশতারা পবিত্র থাকা অবস্থায়, তারা (ফেরেশতারা) বলে, 'ভোমাদের প্রতি সালাম (শান্তি)।' (বলা হবে) তোমরা জান্তাতে প্ৰবেশ কৰা ভোমৰা যা কৰতে তাৰ বিনিময়ে।
- ৩৩। তারা (কাফিররা) কি কেবল তাদের কাছে (মতার) ফেরেশতাদের আগমনের অথবা তোমার প্রতিপালকের নির্দেশ (শান্তি) আসার প্রতীক্ষায় বায়াক। আমার পর্বকর্মীরাও এয়নট করত। আর আনার ভাসের প্রতি কোন জলম করেননি বরং ভারাই ভালের নিজেদের প্রতি জলম করত।
- ক্রবাস।
- ৩০। এবং যারা শরীক করেছে তারা বলে, 'আরাহ যদি ইচ্ছা করতেন তাহলে আঁকে বাদ দিয়ে কোম কিছব উপাসনা করতাম না, না আমরা আর না আমাদের পিত-পরুষরা, এবং তাঁকে বাদ দিয়ে (অর্থাৎ তার ইঞ্ছা ছাডা) লোম কিচাক চাৰাম কৰতাম না। তাদের পর্ববর্তীরা এমনই করেছে, সতরাং সম্পট্টভাবে পৌঙে দেয়া ছাড়া রাসলের উপর আর কিছ (দায়িত) আড়েকিঃ

- فَخَوَّ عَلَيْهِرُ } السَّقْفُ مِنْ فَوْقِهِرْ وَ أَتْهُرُ الْعَذَابُ مِنْ حَيْفُ لَا يَشْعُ وَنَ ﴿
- تُرَّ يَوْ)َ الْقَيْمَة يُحْزِيْهِ وَيَقُولُ أَيْنَ شُوكَا عَى الَّذِيْنَ كُنْتُرْ تُشَاَّقُونَ فيهر ، قَالَ الَّذِينَ أُوتُوا الْعِلْرَ الْالْحِزْيَ الْيَوْمَ وَالسُّوءُ عَلَى الْكُفِوِيْنَ ﴿
- الَّذِيْنَ تَتَوَقَّمُهُمُ الْمَلِّئِكَةُ ظَالِمِيُّ آنْفُسِهِ ۚ ﴿ فَٱلْقَوُّ [ السَّلَمَ مَا كُنَّا نَعْمَلُ مِنْ سُوَّءَ ، بَلِّي إِنَّ اللَّهُ عَلَيْرٌ ' بِمَا كُنْتُرْ تغيلون ۾
- فَادْخُلُوٓۤ ا آَبُوَ ابَجَهَنَّرَ خُلديْنَ فَيْهَا فَلَبِعُسَ مَثْوَى الْمُتَكَبِّرِيْنَ ۞ وَقَيْلَ لَلَّذِيْنَ اتَّقَوْامَا ذَّا آنْنَ لَ رَبُّكُمْ ، قَا لُوْا خَيًّا ، للَّذِيْنَ
- أَحْسَنُوْا فِي هٰذِهِ الدُّّنْيَا حَسَنَةٌ وَلَدَارُ الْأَخِرَةِ غَيْرٌ وَلَنِعْرَ دَارُ الْمُتَّقَيْنَ ﴾ مَنْتُ عَدْنِ يَّدْ مُلُوْنَهَا تَجْرِيْ مِنْ تَحْتِهَا الْأَثْمُرُ لَهُرْ فَيْهَا مَا يَشَآءُونَ، كَذْ لِكَ يَجْزِي اللهُ الْمُتَّقِينَ أَيْ
- الَّذِيْرَ، تَتَوَقُّهُمُ الْمَلَّكَةُ طَيِّبِيْنَ، يَقُوْ لُوْنَ سَلْيٌ عَلَيْكُمُ ، ادْخُلُوا الْجَنَّةَ بِمَا كُنْتُرْ تَعْمَلُوْنَ ⊚ هَلْ يَنْظُرُونَ الْآ أَنْ تَأْتَيَهُرُ الْمَلَّئَكَةُ أَوْيَأْتَيَ أَمْهُ رَبُّكَ، كَذَٰ لِكَ فَعَلَ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِهِ \* وَمَاظَلَبَهُ مُ اللَّهُ وَلَكِنْ كَا نُوَّا
- أَنْفُسَهُمْ يَظْلُمُونَ @ है। मुखार कारास कारास कारास कारासद कारासद कारासद कारास करतिहाँ हैं। मुखार कारास कर कारास कर कारास अध्याप १८० हो يَسْتَهُ: وُرْنَ هُ
  - وَ قَالَ الَّذِيْنَ آَهُ كُوْا لَوْ شَآءَ اللَّهُ مَا عَبَدُنَا مِنْ دُوْنِهِ مِنْ هَـٰنَ ۗ نَّحْنُ وَ لَّا إِبَّا أُوْنَا وَ لَاحَرَّمْنَا مِنْ دُوْنه مِنْ هَيْ ۗ، كَذَٰ لِكَ فَعَلَ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِهِرْ ۚ فَهَلَّ عَلَى إلرَّاسُ الَّا الْبَلِغُ الْمُبِينُ ﴿

৩৬। এবং অবশাই আমি প্রত্যেক উদ্বাহের মধ্যে একজন বাসল পাসিবেডি (যারা বলত) যে, আল্লাহর ইবাসত কর ও তাওতকে পরিভার কর অতঃপর তাদের কাউকে আলার সঠিক পথ প্রদর্শন করেছেন এবং আদের কারো উপর পথভষ্টতা অবধারিত হয়েছিল। সূতরাং পথিবীতে ভ্রমণ কর এবং লক্ষ্য কর, কেমন ছিল মিথ্যা অভিহিতকারীদের পরিণাম।

৩৭। যদি তমি তাদেরকে সঠিক পথ প্রদর্শন করতে উৎসাহী হও, তবে (জেনে রাখ) নিশুর আল্লাহ যাকে পথন্রই করেন তাকে তিনি সঠিক পথ প্রদর্শন কৰেন না এক ভাদেৰ কোন সাহায়্যকাৰী মেই।

৩৮ এবং তারা আল্লাহর নামে কসম করেছে- তাদের দৃড় কসম যে, 'আল্লাহ যাকে মতা দেন তাকে পুনরুখিত করবেন না। হাা (অবশাই), তার প্রতিক্ষতি (পনকথান) সতা, বিজ অধিকাংশ মান্য ভালে না-

৩৯। (পুনরুছিত করবেন) যাতে তিনি তাদের জন্য (তা) সুস্পট্ট করতে পারেন যে বিষয়ে ভারা মতবিরোধ করছিল এবং যাতে যারা কফরী কবেছে তাবা জানাত পাবে যে ভাবা চিল হিথাবোদী।

৪০. আমি কোন বিছর ইক্ষা করলে সে বিষয়ে আমার কথা ৩৫ এই যে. আমি 🐇 বলি 'হও'- এবং তা হয়ে যায়:

৪১। এবং যারা অত্যাচারিত হওয়ার পর আল্লাহর জন্য হিজরত করেছে, আমি অবশাই অবশাই তাদেবকে দনিয়ায় উল্লেখ বাসস্থান দিব। আব অখিরাতের প্রতিদানই শ্রেষ্ঠ, যদি তারা জানত-

৪১। যারা ধৈর্য ধারণ করেছে ও তাদের প্রতিপালকের উপর ভরসা করেছে।

৪৩। আর তোমার পূর্বে আমি মানুষকেই (রাসল হিসেবে) প্রেরণ করেছিলাম যাদের প্রতি ওহাঁ করতাম, সভরাং তোমরা যদি না স্তান তবে যিকির ধারীদেবকে (অর্থাৎ কিডারধারীদেবকে) জিজাসা কর-

88। (প্রেরণ করেছিলাম) স্পষ্ট প্রমাণাদি ও যাবরসমহ (লিখিত কিতাবসমহ) সহ। এবং তোমার প্রতি থিকির (কুরআন) অবতীর্ণ করেছি যাতে তমি মানষ্টের জন্য তা স্পষ্ট করতে পার যা তাদের প্রতি অবতীর্ণ করা হয়েছিল এবং যাতে ভারা চিন্তা লকতে পাবে।

৪৫। যারা হীন যতবন্ধ করেছে ভারা কি নিরাপন মনে করেছে যে, আলাচ তাদেরকোত ভয়িকে প্রসিয়ে দিবেন না অথবা ভালের আছে শান্তি चामरत सा अपने हिन्द स्थान्त है। जाता तेरेंकर शावरत सा-

৪৬। অথবা তাদেরকে তিনি গাকড়াও করবেন না চলাফেরা করা অবস্থায়ঃ এবং তারা (ভাঁকে) অক্ষম করতে পারবে মা-

৪৭, অথবা তাদেরকে ভিনি পাকডাও করবেন না ভীত-সম্রম অবস্থায়ঃ কিল তোমাদের প্রতিপালক অবশ্যই পরম ক্লেহশীল ও পরম দল্লাল।

৪৮। তারা কি ডেবে দেখেনি যা কিছু আল্লাহ্ সৃষ্টি করেছেন তার দিকে থার ভাষাসমত ডানে ও বামে চলে পড়ে আলাহর প্রতি বিনীভভারে সিফ্লভাবনত হযেঃ

وَ لَقَدْ بَعَثْنَا فِي كُلِّ أُمَّة رَّسُولًا أَن اعْبُدُوا اللهَ وَ اهْتَنبُوا الطَّاعُونَ ، فَمِنْهُ . مُنْ هَدَى اللَّهُ وَمِنْهُ . مَّنْ حَقَّتْ عَلَيْه الضَّلْلَةُ، فَسِيْهُ وَا فِي الْأَرْضِ فَانْظُ وَا كَيْفَ كَانَ عَاقبَةُ المُكَذّبينَ ﴿

١٦ سُورَةُ النَّصَلِ

اِنْ تَحْدِصْ عَلَى هُدُ بِهُرْ فَانَّ اللَّهَ لَا يَهْدِيْ مَنْ يُّضُّلُّ وَمَا لَهُرْ مَنْ نُصريْنَ 🖯 وَ ٱقْسَمُوا بِاللَّهِ جَهْدَ ٱيْمَانِهِ ﴿ لَا يَبْعَتُ اللَّهُ مَنْ يَمُوتُ ، بَلِّي وَعُدًّا عَلَيْهِ مَقًّا وَّلَكِنَّ آكْثَوَ ۖ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ﴿

ليُبَيِّنَ لَهُمُ الَّذِي يَخْتَلَفُوْنَ فَيْهُ وَ لَيَعْلَمَ الَّذِيْنَ كَفَّوَّا أَنَّهُمْ كَانُوْ إَكْدَبِينَ ⊛ انَّهَا قَوْ لُنَا لَشَنُّ اذَّا أَرَدُنْهُ أَنْ نَّقُولَ لَهُ كُنْ فَيَكُونَ فَي وَ الَّذِيْنَ هَاجَوُوا فِي اللهِ مِنْ أَبَعُدِ مَا ظُلَمُوْ النَّبَوِّ تَنَّمُرْ فِي

الدُّّنْيَا حَسَنَةً وَ لَاَجُوا الْأَخَوَةَ أَكْبَوُ لَوْ كَانُوا يَعْلَمُونَ ﴿ الَّذِينَ صَبُّ وَا وَعَلَى رَبِّهِ \* يَتُوكَّلُونَ @ وَمَّاۤ ارْسَلْنَا مِنْ قَبْلِكَ إِلَّا رِجَالًا تُّوْحِيُّ إِلَيْهِرْ فَسَعَلُوٓۤ ا اَهْلَ الذَّكْمِ إِنْ كُنْتُرْ لَاتَعْلَمُوْنَ 6

بِالْبَيْنُووَ الزُّبُووَ أَنْزَلْنَاۤ الْيُكَ الذِّكْرَ لَعُبَيِّنَ للنَّاسِ مَانُ ۚ لَ الَّيْمِ ۗ وَ لَعَلَّهُ ۗ يَتَفَكُّ وْنَ ۿ

أَفَا مِنَ الَّذِيْنَ مَكِّرُوا السَّيَّاتِ أَنْ يَخْسفَ اللَّهُ بِهِرُ الْأَرْضَ أَوْ يَأْتَيَهُرُ الْعَذَابُ مِنْ حَيْثُ لَا يَشْعُرُ وْنَ ﴿ أَوْ يَا كُذَهُرْ فِي تَقَلَّبِهِرْ فَمَا هُرْ بِمُعْجِزِيْنَ ﴿

اَوْيَالْغُذَاهُمْ عَلَى تَخَوُّنِ ·فَانَّ رَبَّكُمْ لَوَءُوْنَ رَّحْيُرٌ ۞

أَوَ لَهُ يَهَ وَا إِلَى مَا خَلَقَ اللَّهُ مِنْ هَنَّ لِّتَفَيَّةُ إِ ظَلْلُهُ عَنِ الْيَمِيْنِ

وَ الشَّمَا ثَلُ سُجُّدُ إِنَّهِ وَهُوْ دُخُهُ وْنَ ﴿

৪৯। এবং আকাশসমূহে যা কিছু আছে এবং পথিবীতে যে জীবজন্ত আছে সৰই আলাচাক সিমান করে এবং ফেরেশভারাও এবং ভারা অহংকার করে ০০ জারা ভাষের ইপার (এর্জাচ নারাম সমাসীত্র) ভাষের পরিপালকার ভয

১৯ সবা আন-নাচৰ

- बरव अवः जावा जा-3 करव या जारमदाक भिर्मान क्या इस
- ৫১। এবং আল্লাহ্ বলেছেন, 'তোমরা দুই ইলাহ্ গ্রহণ করো না: তিনি কেবল এক টলার সভবাং ভোমবা কেবল আমাকেই দয় কব."
- ৫১। আর আকাশসমতে যা কিছ আছে ও পথিবীতে যা কিছ আছে তা তাঁরই এবং ভীন (আনগড়া) নিববছিনভাবে তাঁবই চনা। ভোমবা কি আলাহ भारत एका करावस करा
- AND WHITH BUT OF HER WEIGHT STEEL OF STREET OF STREET এরপর যখন দঃখ-দর্নশা ভোমাদেরকে স্পর্শ করে তথন ভোমরা তাঁর कारकरें कविशास कवरात शाक
- ৫৪: এরপর যখন আতাহ তোমাদের থেকে দঃখ-দর্মণা দর করেন তখন জোয়াদের একনল আনের প্রতিপালকের সাথে শরীক করে-
- ৫৫ যাতে আমি ভাদেরকে যা দান করেছি ভার প্রতি অকভজ্জতা প্রকাশ করতে পাবে। সভবাঃ ভোগ করে নাও অভঃপর অচিবেট ভোমরা আন্তে পার্কে
- ৫৬, এবং আমি ভালেবকে যে বিধিক দান কবি ভাব এক অংশ ভাব ਜ਼ਿੰਮੀਗਰਾ ਗਾਰ ਯਾਨਸਰ<sup>®</sup> ਲਜ਼ਮ ਸ਼ਾਨਸਰ ਸਾਅਟ**ਰੰ** ਯਾਗ **ਗਿਸਤੋਂ ਸ਼ਾ**ਨਸ ਜਾਂ। ਗਸਤ আলাহর তোমবা যা মিদ্বা রচনা কর সে সম্পর্কে তোমাদেরকে অবশাই প্ৰশা কৰা হাবে
- ৫৭ এবং তারা আলাহর জন্য কন্যা সন্তান নির্ধারণ করে- পবিত্র তিনি- আর ভাষের জনা জা-ট বায়াত যা ভারা আকাক্ষা করে।
- ৫৮। এবং তাদের কাউকে যখন কোন নারীর (অর্থাৎ কন্যা সম্ভানের) সসংবাদ দৈয়া হয় তখন তাব চেহাবা কলো হয়ে যায় এবং সে হয় দংখ क्षां वर्गा करोग्रह ৫৯। তাকে যে সসংবাদ দেয়া হয়েছে, তার মন্দের কারণে সে (নিজ) সম্প্রদায় থেকে আন্তর্গোপন করে। (সে চিন্তা করে) লাঞ্চনা সভেও ভাকে
- (জীবিত) রেখে দিবে না মাটিতে পতে ফেলবে। জেনে রাখ, তারা যা विচাৰ কৰে জা কন্তই না নিকটা Act माना व्यक्तिसारका अधि विद्यास स्थापन का सारका करा प्रक विश्वपा कि আৰু আলাহৰ জন্য সকোঁক উপমা<sup>\*</sup>। এবং তিনিট মহাপ্ৰতাপশালী ও <sup>ব</sup>
- ৬১। সার যদি আল্লাহ্ মানুহকে তাদের ভুলুমের কারণে শান্তি দিতেন তাহলে त्रव (खर्ज़ार शक्रीमार) प्रेजर त्याम कीव-क्लावडे काम किरान सा কিন্ত তিনি তাদেরকে একটি নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত অবকাশ নিয়ে থাকেন, অভঃপৰ যখন ভাদেৰ নিৰ্দিষ্ট সমূহ' আসৰে তথন তাৰা এক মহৰ্ত বিলম্বিত করতে পারবে না এবং তারা তরাম্বিতও করতে পারবে না।

মহাপ্রমারান।

১১। তাৰ যা ভাৰা অপচন্দ কাৰ ডা-ই তাৰা আবাহৰ প্ৰতি আৰোপ কৰে <sup>\*</sup> একং ভালের জিহবা মিখ্যা বর্ণনা করে যে, তালেরই জন্য উত্তম প্রেতিদান) সম্পত নেট যে ভালের জন্য বয়েছে আগুন এবং ভারাই ভাতে সর্বাগ্রা নিঞ্চিত্র হবে।

وَللهُ يَسْجُدُمَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ مِنْ دَأَبَّة وَّ الْمَلِّئِكَةُ وَهُمْ لَا يَسْتَكُبُ وْنَ هِ يَخَافُونَ رَبِّهُمْ مِّنْ فَوْقِهِمْ وَيَفْعَلُونَ مَا يُؤْمَرُونَ ﴿

١٦- سُن ءُ النَّهٰ إِن

- وَقَالَ اللهُ لَا تَتَّحُدُوا الْهَيْنِ اثْنَيْنِ، انَّمَا هُوَ الْمُواحِدْ، فَا يًّا يَ فَا رُهَبُوْنِ ۞
- وَلَدُّمَا فِي السَّبُوتِ وَ الْأَرْضِ وَ لَهُ الدَّيْنُ وَاصِّنَا ۚ اَفَغَيْرَ اللَّهِ
- وَمَا بِكُرْ مِنْ بِتَعْمَةِ فَمِنَ اللهِ ثُمَّ إِذَا مَسَّكُرُ الثَّهُ ۗ فَالَّيْهُ تَجْثَرُونَ ﴿ أَرُّ إِذَا كَشَفَ الظُّرُّ عَنْكُرُ إِذَا فَوِيْقٌ مِّنْكُرْ بِرَبِّهِرْ يُشْرِكُونَ ٥
  - ليَحْفُرُ وْ ابِمَا ٓ اتَّيْنَاهُرْ ، فَتَمَتَّعُوْا سَ فَسَوْ نَ تَعْلَمُوْنَ ﴿
- وَ يَجْعَلُونَ لَمَا لَا يَعْلَمُونَ نَصِيبًا مَّمَّا رَزَقْنُهُمْ تَالله لَتُسْتَكُرٌّ، عَمًّا كُنْتُ ثَفْتُ وْنَ هِ
- وَ يَجْعَلُوْنَ لِلهِ الْبَلْبِ سُبْحِنَهُ وَ لَهُرْ مَّا يَشْتَهُوْنَ ﴿ وَ إِذَا بُشِّوَ أَمَدُهُرْ بِا لْأَنْفَى ظَلَّ وَجُهُهُ مُسُوِّدًّا وَّهُوَ كَظَيْرٌ ﴿
- يَتَوَ ارْي مِنَ الْقَوْمُ مِنْ سُوَّةً مَا بُشَّ بِهِ ﴿ أَيُمْسُكُمَّ عَلَى هُوْنِ أَمُّ يَدُسُّهُ فِي التَّوَابِ، أَلَاسَاءُ مَا يَحْكُمُونَ ﴿
- لِلَّذِيْنَ لَا يُؤْمِنُونَ بِالْإِحْرَةِ مَقَلُ إِلسَّوْءَ وَلِلَّهِ الْمَقَلُ الْآغَلُ وَهُوَ الْعَزِيْزُ الْعَكِيْرُ ﴾
- وَ لَوْ يُوَّاخِذُ اللهُ النَّاسَ بِظُلْمِهِرْ مَّا تَوَكَ عَلَيْهَا مِنْ دَآبَّة وَّ لَكِنْ يُوَكِّرُهُرْ إِلَّى آجَلِ مُّسَمَّى ؛ فَإِذَا جَآءَ آجَلُهُرْ
- لَا يَشْتَأْخُ وْنَ سَاعَةٌ وَّ لَا يَشْتَقْدُمُونَ @ وَيَجْعَلُوْنَ لِلهِ مَا يَكْرَهُوْنَ وَ تَصفُ ٱلْسَنَّتُهُمُ ۗ الْكَدْبَ ٱنَّ لَهُرُ الْعُشْنَى ، لَاجَرَا ٓ أَنَّ لَهُرُ النَّا رَوَّ أَنَّهُرْ مُّفْرَ طُوْنَ ﴿

- ৬৩। কসম আধাহৰ আমি ভোমাৰ পৰ্বেও বহু উন্মতের কাছে (রাসল) প্রেরণ ক্রাবছিলায় এবং শহরেন সামের প্রায়বর্যাক আমের ব্যাহে শোলনীয अर्थाक कर ता है साथ बायर महिलात कर जायर करा उरा যদ্রবাদায়ক শান্তি
- ৬৪। আর আমি তোমার প্রতি কিতাব অবতীর্ণ করেছি কেবল (এ জন্য) যাতে ভাষা যে বিষয়ে মতপাৰ্থকা কাৰছে ডা ডমি ডাছেৰ জনা স্পট কৰতে भार १८० (का) संबंधितविभिन्ना क क्याक्रकल अपन प्रश्नासक कना गांव त्रियान खारन।
- وَ اللهُ أَنْ َ لَ مِنَ السَّمَاء مَاءً فَأَهْيَا بِهِ الْأَرْضَ بَعْنَ مَوْتَهَا فَي اللهُ أَنْ الله ভূমিকে জীবিত করেন এর মৃত্যুর পর। নিচর এতে অবশাই নিদর্শনাবদী রয়েছে এমন সম্পদায়ের জনা যারা প্রবণ করে।
- ৬৬। এবং নিশ্চয় গৰানি পশুৰ হাখ্যে অৱশাই ডোহাদেৰ জন্ম শিক্ষা বাৰছে। আমি তোমাদেরকে পান করাই তা থেকে যা রয়েছে তাদের পেটে (ওলামে)- পোৰৰ ও বাজেৰ মধ্যে থেকে- খাঁটি দখ যা পানকাৰীদেব জন্য সন্থাদ।
- ৬৭। এবং খেলৰ গাছেৰ ফল ও আছৰ খেকে ভোমৰা মানক ও উত্তম ਇਹਿਕ ਭਾਵਾ ਕਾਰ ਵਾਰ। ਜਿਅਦ ਹਨ ਕਰਵਾਤੋਂ ਜਿਸਵੰਜਾਰਦੀ ਰਾਹਾਰ ਹਵਜ সম্পদায়ের জন্য যারা অনধাবন করে।
- ৬৮: এবং জোয়ার প্রতিপালক খৌয়াচিব প্রতি গুটী করেছেন যে পাছারে গাছে ও যে মাচা ভারা (মানহেরা) তৈরি করে ভাতে বাসা বানাও।
- ১৯। এবপর প্রত্যের ফল থেকে বিচ বিচ খাও <sup>\*</sup> এবং তোমার প্রতিপালকের সহজ পথ জনসরণ কর।<sup>\*</sup> তার পেট থেকে বের হয় নানা রং-এর পানীয় হাতে মানহেব জনা বায়েছে আবোগা নিক্য এতে অবশাই निवर्भनावकी वरशरू अञ्चन जम्मानायव क्षमा शांवा किया खाव।
- খটাবেন এবং তোমাদের মধা থেকে কাউকে হীনতম বয়সের দিকে विकास धालाह अर्दकावी ५ अर्दनिक्यातः ৭১। এবং আহার বিষিকের ক্ষেত্রে ভোমাদের কাউকে কারো উপর মর্যাদা
- দিয়েছেন,<sup>\*</sup> আর যাদেরকে মর্যাদা দেয়া হয়েছে তারা তাদের ভান হাত যা মালিক হয়েছে (দাস-দাসী) ভাদেরকে ভাদের (নিজেদের) রিখিক দিয়ে দেয় না যাতে ভাবা ভাতে ভাতের সহান হয়ে যায় ভাব কি ভাবা আলাহর নেয়ায়ানাক অধীকার করে:
- ৭১। এবং আহাত ভোমাদের নিজেদের থেকে ভোমাদের জোড়া বানিয়েছেন এবং ভোমাদের জোডাসমূহ থেকে তোমাদের জন্য পুত্র-পৌত্রাদি বানিয়েছেন এবং তোমাদেরকে পরিত্র বন্ধসমহ থেকে বিধিক দিয়েছেন। তবে কি তারা বাভিলে (মিথ্যাতে) বিশ্বাস করে এবং আলাহর নেযায়ভাকে এবিশ্বাস

- أَغْمَا لَهُمْ فَهُو وَلَيُّهُمُ الْيَوْرَ وَلَهُمْ عَذَالًا أَلَدُ هِ وَمَّ آانَّ لَنَا عَلَيْكَ الْحَتْ الَّا لِتُبَيِّنَ لَهُرُ الَّذِي اخْتَلَقُوا فيْد و هُدًى و رَحْمَةً لِقُوْمَ يُؤْمِنُونَ @
  - انَّ فَي ذَلكَ لَا يَدُّ لِقُوْمَ يَسْمَعُوْنَ ﴿
- وَ إِنَّ لَكُمْ فِي الْإِنْعَامَ لَعَبْرَةً ، نُسْقِيكُمْ مَّمَّا فِي بُطُونِهِ مِنْ ا بَيْنِ فَرْثِ وُدُمُ لَّبَنَّا خَالُمًا سَأَتْغًا لِّلقَّهِ بِيْنَ @
- وَمِنْ ثَمَا إِنَّ النَّحْيَلِ وَ الْأَعْنَابِ تَتَّحْدُونَ مِنْهُ سَكَّرٌ اوَّ رِزْقًا حَسَنًا ﴿ إِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَإِيَّةً لَّقَوْمُ يَعْقَلُونَ ﴿ وَعَلَّوْنَ ﴿
- وَ أَوْلَمِي رَبُّكَ الَى النَّحْلِ أَنِ اتَّخِذِيْ مِنَ الْجِبَالِ بُيُونَّا وَّ مِنَ الشَّجِ وَمِمًّا يَعْ شُوْنَ ﴿
- أَيُّ كُلَى مِنْ كُلِّ | لِثَّمَاٰتِ فَاسْلُكِيْ سُبُلَ رَبِّكَ ذُلَّا، يَخْرُجُ مِنْ النُّطُوْ نَهَا شَرَّابٌ مُّخْتَلَكَّ ٱلْوَ النَّهُ فِيْهِ شِفَّاءً لِّلنَّاسِ إِنَّ فِي ذُ لِكَ لَا يَدُ لِنَهُ لِنَهُ مِ يُتَفَكُّ وْنَ @
- وَ اللَّهُ خَلَقَكُمِ ثُورٌ يَتَوَقَّدُمُ مُ وَمَنْكُمُ مِّنْ يَبَّدُ إِلَى اَرْدُل فَي اللَّهُ عَلَق ١٩٥١ معه विक्रांत हुन الله عَلَمُ الله عَلَيْ مُنِيًّا وَانَّ الله عَلَيْرٌ قَدَيْرٌ فَ لَوْجَهُ مَا عَلَيْ الله عَلَيْ قَدَيْرٌ فَقَدَ الله عَلَيْ الله عَلَيْرٌ قَدَيْرٌ فَقَدَ مُرَّاءُ وَانَّا الله عَلَيْرٌ قَدَيْرٌ فَقَدَ مُرَّاءُ وَانْ الله عَلَيْرَ قَدَيْرٌ فَقَامَ الله عَلَيْمَ الله عَلَيْمُ وَمِنْ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْمٌ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْمٌ وَاللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْمٌ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّ
  - وَ اللهُ فَشَّلَ بَعْمَكُمْ عَلَى بَعْض فِي الرِّزْق عَفَمَا الَّذِيْنَ فُضَّلُوْ ا بِ آدَّىٰ رِ زُقِهِمْ عَلَى مَا مَلَكَتْ أَيْمَا نُهُمْ فَهُمْ فَيْهِ سَوَّآءً \* أَفَىنِعْهَ اللهِ يَحْكُونَ ۞
  - وَ اللهُ جَعَلَ لَكُمْ مِنْ أَنْفُسِكُمْ أَزْوَاجًا وَّجَعَلَ لَكُمْ مِّنْ أَزْوَاجِكُمْ بَنيْنَ وَحَفَدَةً وُّ رَزَقَكُمْ مِّنَ الطَّيِّبُعِ، ٱفَيِا لَّبَاطِلِ يُؤْمِنُونَ وَيِنِعْمَ ِ اللهِ هُرْ يَكْفُرُونَ ۞

- ৭০। এবং (ভাবা কি) আলাহকে বাদ দিয়ে ভাষের উপাসনা করে যাবা प्याताश्रीत्राम् ७ शक्ति (शास्त्र कारका करका विशित्त्रात विक्रों शासिक क्रा এবং ভাবা সক্ষয়ও নয়ং
- ৭৪। সত্তাঃ ভোষরা আলাহর জন্য উপমা (অনরূপ বা সমক্ষ) পেশ করে। सा। सिन्दर खालाह कारसस तकः त्याप्रवा कार सा।
- ৭০। আলাত উপমা পেশ করেছেন মালিকানাধীন এক দাসের <sup>\*</sup> যে কোন कियत प्रेयंत्र महिल तार्थ मा अवः अप्रम अक तार्थित शास्त्र चाप्रि (चालाङ) আমার পক্ষ থেকে উত্তম রিষিক দান করেছি এবং সে ভা থেকে ভোমার পথে) গোপান ও প্রকাশে বাহ করে- ভারা দ'জন কি সমানং সকল প্রশংসা আল্লাহর জনা। বরং তাদের অধিকাংশই জানে না।
- ৭৬: এবং আলার উপয়া পেশ ব্যাবাছন মই ব্যাধিক- যাামক একজন বোরা যে কোন কিছৱ উপর শক্তি বাবে না এবং সে তার প্রভব উপর একটি বোঝা, ভাকে সে হেখানেই পাঠায় সে কোন কল্যাণ নিয়ে আসতে ই পারে না। সে কি ঐ ব্যক্তির সমান বে ন্যায়ের নির্দেশ দেয় এবং যে ware-with error their crime.
- ৭৭। এবং আকাশসমহ ও পথিবীর অদশ্য (বিষয়ের জ্ঞান) আল্লাহরই এবং কিয়ামতের বিষয় তো চোখের পলকের মত হবং তা অধিক নিকটবর্তী। নিকর আল্লাহ সবকিছর উপর সর্বশক্তিয়ান
- ৭৮। এবং আবাত ভোমাদেবকে বের করেছেন ভোমাদের মাতপর্জ খেকে যথন তোমরা কিছই জানতে না। এবং তিনি তোমাদেরকে প্রবণশক্তি, দৃষ্টিশক্তি এবং অমুব দিয়েছেন, যাতে বোমুবা কডুপ্রান্তা প্রকাশ করতে भाव।
- ৭৯। তারা কি আকাশের শন্যে নির্দেশাধীন পাখিনেরকে দেখেনিং আলাহ চাতা অনা কেউট সেগুলিকে স্থিত বাগে না। নিশ্বত একে অৱশাই নিদর্শনাকনী রয়েছে এমন সম্প্রদায়ের জন্য যারা ঈমান জানে।
- ৮০। এবং আল্লাহ ভোমাদের ঘরসমহ থেকে ভোমাদের জন্য বানিয়েছেন ভোয়াদের বিশায়ের স্থান এবং ভিনি ভোয়াদের ক্ষমা গরাদিপক্ষর সায়ান দিয়ে ঘর (ভার) বানিয়েছেন, যাকে ভোমরা হালকা মনে কর ভোমাদের अपन ও অবস্থানের দিনে এবং তিনি ভালের পশ্ম লোম ও চল খোক राजिएका जामवादश्य व (माशामाओ)- अवदि प्रधानाम क्रमा
- ৮১। এবং আলাহ যা কিছ সৃষ্টি করেছেন ভা থেকে ভিনি ভোমাদের জন্ম वानियाकन क्षेत्रा अन्य एकाप्रायन कना भावपाद नानियाकन खालाव अन्य তোমাদের জন্য বানিয়েছেন এমন পোশাক-আশাক যা ভোমাদেরকে ভাপ থেকে বন্ধা করে। এবং এমন পোশাক-আশাক যা ক্রোমানেবকে যাভব সময় বক্ষা করে। এভাবেই তিনি তোমাদের প্রতি তাঁর নেয়ামত পর্ণ করেন যাতে তোমবা আভাসমর্পণ করতে পাব।
- ৮২। কিন্তু যদি তারা মথ ফিরিয়ে নের, তবে তোমার দায়িত কেবল সম্পট্টভাবে পৌছে দেয়া।
- এবং তাদের অধিকাংশই কাফির। চিহিত স্থানের চীকা পূরা নং ; আয়াত দং অনুসারে তরজমার শেষে নেখুদ

- وَ يَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ إللهِ مَا لَا يَمْلَكُ لَهُمْ رِزْقًا مِّنَ إِلسَّمُوٰتِ وَ الْإِرْضِ هَيْئًا وَّ لَا يَسْتَطِيْعُونَ هُ
- فَلَا تَهْدِ بُوْ اللهِ الْإَمْقَالَ ، إِنَّ اللهَ يَعْلَمُ وَ أَنْتُمْ ۚ لَا تَعْلَمُونَ ۞ ضَيَ اللهُ مَثَلًا عَبْدًا مَبْلُو كَا لَّا يَقْد رُعًا مِقَى ۚ وَّمَنْ رُزَقَانُهُ مِنَّا رِ زَقًا حَسَنًا فَهُوَ يُنْفِقُ مِنْهُ سِ ۗ أُوَّجَهُ ۗ إِنهَلَ يَسْتَوَّانَ الْكَهُدُ لِللَّهِ وَ
- بَلُ إَكْثَارُهُمْ لَا يَعْلَمُونَ ﴿ وَ مَهَ بَ اللَّهُ مَثَلًا رَّجُلَيْنِ اَحَدُهُماۤ ٱبْكَرُ لَايَقُد رُغَلِ شَيْءٌ وَّهُوَ كَلَّ عَلَى مَوْ لَلَّهُ ۗ ٱ يُنَمَا يُوَجَّهَةً لَا يَأْتِ بِخَيْرٍ ۗ هَلْ يَسْتَوِيْ هُوَ ۗ ﴿ وَمَنْ يَاأُمُو بِالْعَدُلِ وَهُوَ عَلَى صَوَاطَمُ سَتَقَيْر ﴾
- وَبِثْهِ غَيْبُ السَّمُوتِ وَالْأَرْضِ وَمَآآمَرُ السَّاعَةِ الَّا كَلَّمْ عِي الْبَصَ أَوْهُوَ أَقْبَابُ إِنَّ اللَّهَ عَلَى كُلِّ شَيًّا قَدايٌّ ﴿
- وَ اللهُ أَخْرَ مَكْرُ مِنْ بُكُونِ أُمَّة كُرْ لَا تَعْلَمُونَ شَيْعًا وَ جَعَلَ لَكُ السَّبْعَ وَ الْآبْعَارَ وَ الْآفْئِدَةَ ، لَعَلَّكُ م تَشُكُ وْنَ ٥
- ٱلَرْيَرَوْ إِلَى الطَّيْرِ مُسَحِّرِتِ فِي جَوِّ السَّمَّاءِ مَا يُمُسكُهُنَّ الَّا اللهُ وَانَّ فِي ذَٰ لِكَ لَا يَبِ لَقَوْمَ يُؤْمِنُونَ ۞
- وَ اللَّهُ جَعَلَ لَكُمْ مَّنْ بُيُوتَكُمْ سَكَنَّا وَّجَعَلَ لَكُمْ مَّنْ جُلُوْد الْإِنْغَامُ بِيُوْتًا تَشْتَخَفُّوْنَهَا يَوْمَ ظَعْنَكُرْ وَيَوْمَ اقَامَتَكُرْ ۗ وَ مِنْ آَمُوَ إِنْهَا وَ آَوْبَا رِهَا وَ آَشْعَا رِهَآ آَتَا تُنَا تُعَاعًا إِلَى حِيْنِ ۞ وَ اللهُ جَعَلَ لَكُرْ مِّمًّا خَلَقَ ظَلْلًا وَّجَعَلَ لَكُرْ مِّنَ الْجَبَا ل
  - أَكْنَانًا وَّجَعَلَ لَكُرْ سَوَابِيْلَ تَقَيْكُرُ الْعَوَّ وَسَوَابِيْلَ تَقَيْكُرْ بَأْسَكُرْ عَلَا لَكَ يُترُّ نَعْبَتَهُ عَلَيْكُرْ لَعَلَّكُرْ تُسْلُبُوْنَ ⊙
    - فَانْ تَوَلُّواْ فَانُّمَا عَلَيْكَ الْبَلْغُ الْمُبِيْنُ ﴿

- ৮৪। যেদিন আহি প্ৰাভাৱ উদ্বভ খ্যেক এক একজন সান্ধী উদ্বিভ কৰে अवश्व काफिल्यक्तरक (अवत (श्रम कलाव) स्वयंकि (क्या सरव वा अवश আনেবকে (আলাহৰ) সমষ্টি লাভেবক সংখ্যাপ নেয়া হাব না...
- ৮৫। এবং যারা জলম করেছিল তারা যখন শক্তি দেখবে, তখন তাদের থেকে তা হালকা কৰা হাৰেনা এবং তাদেবকে কোন অবকাশও দেয়া হাৰ না।
- ৮৬। এবং যাবা (আলাচৰ সাথে) শৰীক কবেছিল ভাৰা যথন ভাদেব পরীকদেরকে (মিধ্যা উপাস্যদেরকে) দেখবে তথন বলবে, 'হে আমাদের প্রতিপালক। এবাই আমাদের শরীক বাদেরকে আমরা আপনাকে বাদ দিয়ে ভাকতাম,' অতঃপর (জবাবে) তারা তাদের প্রতি এই কথা চঙে দিবে 'নিশ্চয় ভোমবা অবশাই মিধ্যাবাদী '
- ৮০। এবং সে দিন ভারা আলাহর স্থান্ত আভাসমর্ভন করের এবং ভারা যে মিধ্যা বচনা কবত তা তাদেব থেকে উধাও হয়ে যাবে।
- www. गांवा ककती करवाड अवश्यालाहरू श्रेष्ठ करू (भारताव) विवाद (वाश्रीह আমি তাদের শান্তির পর শান্তি বন্ধি করব, কারণ তারা ফ্যাসাদ স্টি ক্রক
- হিসাবে আনব। এবং আমি তোমাব প্রতি এই কিতাব অবতীর্ণ করেছি প্রতিটি বিষয়ের স্পষ্ট বর্ণনা," পথনিদেশিকা, দয়া এবং মসলিমদের জন্য সসংবাদক্তপ ৯০। নিশ্চর আল্লাহ ন্যায়বিচার, সনাচরণ ও আত্তীয়-ক্জনকে লানের নির্দেশ
- एम अरः किनि निराध कादन चारीलका, चागरकाक व गीमालकान, किनि জোয়াদেব্যক উপদেশ দেন যাতে জোয়বা উপদেশ গ্রহণ করতে পার।<sup>®</sup>
- ৯১। এবং তোমরা আল্লাহর (সাথে কৃত) প্রতিশ্রুতি পূর্ণ কর যথন তোমরা (তাতে) আবদ্ধ হও, এবং তোমরা শপথ ভঙ্গ করো না তা পাকাপোক করার পর, অথত তোমরা আলাহকে তোমাদের উপর সাক্ষী বাদিয়েত। নিশ্চয় আলাই কোমবা যা কর ডা ফ্রানেন।
- ৯২। তোমরা সে নারীর মত হয়ো না. যে ভার সভা মজবভ করার (পাকাবার) পৰ তা খলে নই কৰে দেয<sup>়</sup> ভোমৰা ভোমাদেৰ শপধসমহাক ভোমাদেৰ মধ্যে প্রবঞ্জনা করার জন্য ব্যবহার করে থাক, যাতে একটি উন্নত (ধর্মীয় গোষ্টি) অন্য উন্নত থেকে (সংখ্যায় ও প্রাচর্যে) অধিক বভিপ্রাপ্ত হয় আলাহ কেবল এব ভাবা সোম্বাদেবকে পরীক্ষা করেন। এবং সিনি কিয়ামতের দিন ভোমাদের জন্য অবশাই অবশাই তা স্পষ্ট করে দিবেন যে বিষয়ে ভোমরা মতপার্থকা করতে।

- وَيَهُ مَ نَبْعَتُ مِنْ كُلِّ أُمَّة شَهِيدًا ثُرٌّ لَا يُؤْذَنُ لِلَّذِينَ كَفَهُ وَا وَ لَاهُ, يُسْتَعْتَبُونَ ⊛ وَ إِذَا رَآ الَّذِيْنَ ظَلَمُوا الْعَدَالَ فَلَا يُخَفَّفُ عَنْهُ ۗ وَ لَا هُــ
- يُنْظُرُ وْنَ هِ وَاذَا رَاَ الَّذِيْنَ اَهْرَكُواْ هُرَكَّاءَهُرْ قَالُوْا رَبَّنَا هَوُّ لَآء هُڔَّكَآوُّنَا الَّذِيْنَ كُنَّا نَدْعُوْا مِنْ دُوْنِكَ ۚ فَٱلْقَوْا الْيَهِرُ الْقَوْلَ إِنَّكُرْ لَكَذِيُوْنَ أَيْ
- وَ ٱلْقَوْا إِلَى اللهِ يَوْمَتُكِي السِّلَيرَ وَضَلَّ عَنْهُرْ مَّا كَانُوْا يَفْتُرُون ⊙
- الَّذِيْنَ كَنَّهُ وَا وَمَدُّوا عَنْ سَبِيْلِ اللهِ زِدْنُهُرْ عَذَابًا فَوْقَ الْعَذَابِ بِمَا كَانُوْا يُفْسدُونَ ﴿
- وَيَوْمَ نَبْعَتُ فِي كُلِّ أُمَّةِ شَهِيْدًا عَلَيْهِ مِنْ أَنْفُسِهِ وَجِئْنَا uni त्याच्या व्यक्तिय प्राप्ति अराहाक विभागत प्राप्ता प्रतासन विश्वासन प्राप्त থেকে আদের বিকাম এক একজন সাম্মী উন্ধিত ববর এবং ছোয়াকে بكَ شَهِيْدًا عًا هُمُّ أَلَّاء وَ نَزَّلْنَا عَلَيْكَ الْكَتْبَ تَبْيَانًا لَّكُلِّ عُلَّا الْمُعَلِيِّةِ الْمُعَمِيِّةُ الْمُعَامِيِّةِ مَا الْمُعَلِيِّةِ الْمُعَامِيِّةِ مَا الْمُعَلِيّةِ الْمُعَامِيّةِ مَا اللّهُ عَلَيْكَ الْمُعَامِيّةِ عَلَيْكَ الْمُعَامِيّةِ عَلَيْكَ الْمُعَامِيّةِ عَلَيْكَ اللّهُ عَلَيْكَ الْمُعَامِيّةِ عَلَيْكَ الْمُعَامِيّةِ عَلَيْكَ اللّهُ عَلَيْكُ الْمُعَامِيّةِ عَلَيْكُ الْمُعَامِيّةِ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ الْمُعَامِيّةِ عَلَيْكُ الْمُعَامِيّةِ عَلَيْكُ الْمُعَامِيّةِ عَلَيْكُ الْمُعَامِيّةِ عَلَيْكُ الْمُعْلِقِيقِيّةُ عَلَيْكُ الْمُعْلِقِيقِيّةُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ الْمُعْلِقِيقِيقِ عَلَيْكُ الْمُعْلِقِيقِيقِيقِيقِ اللّهُ عَلَيْكُ الْمُعْلِقِيقِيقِيقِيقِيقِ اللّهِ عَلَيْكُ الْمُعْلِقِيقِيقِيقِيقِيقِ اللّهُ عَلَيْكُ الْمُعْلِقِيقِيقِيقِيقِيقِيقِيقِيقِ اللّهِ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُ الْمُعْلِقِيقِ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ الْمُعْلِقِيقِيقِ عَلَيْكِ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُ عَلِيكُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ عَلِيكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلْمُ عَلْمُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلْمُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلِيكُ عَلَيْكُ عَلْمُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلْمُعْلِقِيقِ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُولِ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلْ شَيْءٌ وَّهُدِّي وَّ رَهْمَةٌ وَّ بُشُوٰى للْمُسْلِمِيْنَ ﴿
  - إِنَّ اللهَ يَامُرُ بِالْعَدْلِ وَالْإَحْسَانِ وَالْيَعْآَىٰ دَى الْقُدْلِي ، وَيَنْهٰى عَنِ الْفَحْشَاءِ وَ الْمُنْكَرِ وَ الْبَغْيِ ، يَعِظُكُرْ لَعَلَّكُرْ
  - وَ أَوْفُوا بِعَهْدِ اللهِ إِذَا عُهَدْتُمْ وَ لَا تَنْقُفُوا الْآيْمَانَ بَعْدَ تَوْكِيْدُهَا وَ قَدْ جَعَلْتُرُ اللهَ عَلَيْكُمْ كَفَيْلًا ﴿ إِنَّ اللَّهَ يَعْلَرُ مَا تَفْعَلُوْنَ ﴿
  - وَ لَاتَكُوْ نُوْ إِكَا لَّتِي نَقَفَتْ غَوْ لَهَا مِنْ 'بَعْد قُوْة ٱلْكَالَّاء نَتَّخَذُوْنَ أَيْمَانَكُرْ دَخَلًا بَيْنَكُرْ أَنْ تَكُوْنَ أُمَّةٌ هِيَ أَرْبَى مِنْ أُمَّة النَّمَا يَبْلُوْكُرُ اللهُ بِهِ وَ لَيُبَيِّنَنَّ لَكُرْ يَوْمَ الْقَيْمَة مَا كُنْتُمْ فَهُ تَكْتَلُفُونَ هِ

৯৩। আব যদি আস্থার ইঙ্গা করতেন তাহলে ভোমাদেরকে একই উপ্পত (ধর্মভক্ত) করতেন কিন্ত তিনি যাকে উচ্চা করেন পথনট করেন এবং शास्त्र देखा कार्यन प्रतिक लक्ष लामर्गन कार्यम । अतः कांग्रम मा कर क Party community materit and man and

১৬. সরা আন-নাচল

- ५८ । अकः रहाप्रवा रहाप्रातम्ब भागशंत्रप्रकाकः रहाप्रातम्ब प्रत्या अवस्था विराधन গ্ৰহণ কৰো না ভাহলে পা পিছলে যাবে তা ছিব হণতাৰ পৰ এবং আল্লাহর পথ হতে বিরত রাখার কারণে তোমরা মন্দ (পরিণতি) আস্থাদন করবে, এবং তোমালের জন্য বয়েছে মহাপারি।
- ৯৫। তোমরা আল্লাহর (সাথে কত) প্রতিশ্রুতির বিনিমন্তে সামান্য মলা প্রতশ কৰো না। আলাহুৱ কাড়ে যা আছে কেবল তা-ট ভোমাদের জন্ম উলয়- যদি জোমবা কানতে।
- te artee extente ocu, entre rene reno tar artee te antas extente a থ্যাতে তা স্বাহী। আৰু হাবা হৈছে ধাৰণ কৰে অৱশাই আছি আন্দেৱক সারা যা করম সার দেকেও উল্লয় পরিলার কর।
- অবশাই অবশাই আমি উত্তম জীবন দিব এবং অবশাই অবশাই আমি তাদেবকে তাবা যা কৰম ভাব । দেৱত টক্ম প্ৰতিদান দেৱ।
- ৯৮। সতরাং যখন কর্মান পাঠ করবে তখন বিভাঙিত শ্বয়তান থেকে আহাত্ব আশ্রয় চাইবে।
- ৯৯। নিশ্চয তাব<sup>\*</sup> কোন ক্ষমতা নেই তালের উপর যারা ঈথান এলেছে একং (ভারা এমন যে) ভারা ভাদের প্রতিপালকের উপর ভরসা করে।
- কবে এবং যারা তাঁর (আলাহর) সাথে শরীক করে। ১০১। আরু যথন আমি এক আয়াকের স্কলে ক্রনা এক আয়াত প্রতিকাপন करि- खाद खाताङ असराज्या (वर्षि काराज्य (अ अम्भरत् स विक्रि सम्बद्धीर्स
- অধিকাংশই জানে না। ১০২। বল, 'তোমার প্রতিপাদকের কাছ থেকে রন্থল কুদুস (জিবরাইল) সভ্যসহ তা (করআন) অবতীর্ণ করেছে, যারা ঈমান এনেছে তাদেরকে দঢ় করার
- জনা এবং মসলিমদের জন্য পথনিদেশিকা ও সুসংবাদক্ষরণ। ১০৩।এবং অবশাই আমি জনি যে, ভারা বলে, 'ভাকে তো শিক্ষা দেয় একজন মানুদ। তারা যার প্রতি ইঙ্গিত করে সে তো অনারব, অথচ এটি (করআন) সুশাই আরবী ভাষা।
- ১০৪।দিক্তর যারা আল্লাহর আয়াতসমূহে ঈমান আনে না, তাদেরকে আল্লাহ সঠিক পথ প্রদর্শন করেন না এবং তাদের জনা রয়েছে যঞ্জণানায়ক भाषिः

- وَ لَوْ هَاءَ اللهُ لَجَعَلَكُمْ أُمَّدُّوا حَدَةً وَّ لَحَنْ يُصْلُّ مَنْ يُشَاُّءُ وَ يَهْدِيْ مَنْ يَشَاءُ وَلَتُسْتَلُنَّ عَمَّا كُنْتُمْ تَغْمَلُونَ ﴿
- وَ لَا تَتَّخِذُواۤ ۚ إَيْمَا نَكُرُ دَخَلًا بَيْنَكُر ۚ فَتَوٰلٌ قَدَاًّ ۖ بَعْدَ لُبُوْتِهَا وَ تَذُوْقُوا السُّوءَ بِمَا صَدَدْتُو عَنْ سَبِيْلِ اللهِ ، وَ لَكُو عَذَابٌ وَ لَا تَشْتَرُ وَا بِعَهْدِ اللهِ ثَمَنَّا قَلَيْلًا ﴿ أَنَّمَا عَنْدَ اللَّهِ هُو خَيْرٌ لَّكُمْ
- ان كُنتُر تَعْلَمُونَ هِ مَا عَنْدَكُمْ ۚ يَنْفَدُ وَمَا عَنْدَ الله بَاقِ ۗ وَ لَنَجْزِينَّ الَّذِيْنَ مَبَرُوْٓ أَجْرَهُرْ بِأَحْسَى مَا كَانُوْا يَعْمَلُوْنَ @
- ৯৭। ম'মিন অবস্থায় পক্তম কিংবা নাবীব<sup>\*</sup> মাধ্য যে-উ সংকাজ কৰাৰ আৰু مَنْ عَمِلَ مَا لِحًا مِّنْ ذَكَ إَوْ أَنْثَى وَهُوَ مُؤْمِنَّ فَلَنُحْبِيَنَّهُ حَيْوةً طَيِّبَةٌ ءُوَلَنَهُ يَتَّمُرُ آجُرَهُرُ بِأَحْسَ مَاكَانُوْ ا يَعْمَلُونَ @ فَاذَا قَرَ أَتَ الْقُرْ إِنَّ فَاسْتَعِدْ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطِي الرَّحِيْرِ @
- انَّهُ لَيْسَ لَهُ سُلُطْيٌ عَلَى الَّذِيْنَ إَمَّنُواْ وَعَلَى رَبِّهِرْ يَعَوَكَّلُوْنَ ۞ \_ ১০০।তার ক্ষমতা কেবল তাদেরই উপর যারা তাকে অভিভারকরণে এহণ। الَّمَا سُلْطُنُهُ عَلَى الَّذِيْنَ يَتُوَ لَّوْنَهُ وَ الَّذِيْنَ هُرْ بِهِ مُفْرِكُونَ ﴾
  - وَ إِذَا بَدُّ لَنَآ أَيَةً مُّكَانَ أَيَة ۥ وَّ اللهُ أَعْلَرُ بِمَا يُنَزِّلُ فَا لُوٓۤۤۤۤۤۤۤا اتَّمَآ করেন- তথন তারা বলে, 'তমি কেবল মিধ্যা বচনাকারী।' বরং ভাদের أَنْتَ مُفْتَهِ ، بِلُ أَكْثَهُ هُوْ لَا يَعْلَمُونَ @ قُلْ نَبَّ لَهُ رُوْحُ الْقُدُسِ مِنْ رَّبِّكَ بِالْحَقِّ لِيُعَبِّبَ الَّذِينَ أَمَنُواْ
    - وَ هُدُّى وَّ بُشْرِٰى لِلْمُسْلِمِينَ ﴿ وَ لَقَدْ نَعْلَيُ ۚ إِنَّهُمْ يَقُو لُوْنَ إِنَّمَا يُعَلَّمُهُ بَشَوَّ السَّانُ الَّذِي
      - يُلْحِدُونَ الَّذِهِ آعَجَمِيٌّ وَّهٰذَا لسَانٌ عَرَبِيٌّ مُّبِيْنَ ﴿ انَّ اِلَّذِيْنَ لَا يُؤْمِنُونَ بِايْتِ اللهِ ﴿ لَا يَهْدِيْهِرُ اللَّهُ وَ لَهُرْ عَذَاتْ ٱليَّا ﴿

	পারা-১৪

১০৫। কেবল ভারাই মিখা বচনা করে যারা আলাহর আয়াতসমহের প্রতি हैपान चारन ना अवः जावाडे प्रिशावानी।

১০১।যে ব্যক্তি তার ঈমানের পর আলাহতে অবিশ্বাস করেছে (ভার উপর রয়েছে আল্লাহর ক্রোধ), তবে দে ব্যক্তি ছাঙা যাকে (কফরীর জনা) বাধ্য করা হয়েছে অথচ তার হন্য চিল ঈমানে প্রশান্ত, কিন্তু যে (ইচ্ছাকতভাবে) কফরীর জন্য তার বক্ষ প্রশন্ত করেছে তার উপর রয়েছে আহাত্বৰ ক্ৰোধ এবং তাব জনা বহেছে মহা শক্তি।

১০৭।এটা এজনা যে, তারা দনিয়ার জীবনকে অধিবাতের উপর প্রাধান্য দের, এবং এও তে আলাত ভাষিত্র সম্পদায়তে সঠিক পথ প্রদর্শন করেন না

১০৮।ওরাই তারা যাদের হৃদয়, কান ও চোখের উপর আত্মার মোহর মোরে নিয়েক্তন এবং ভারাই বেখবর।

১০৯।সন্দের নেই যে, তাবাই আথিবাতে ক্ষতিগ্রন্ত।

১৬, সরা আন-নাহল

নিশ্বয় ভোমার প্রতিপালক এ সাবের পর করশাই অতি ক্ষমাশীল ও পরম <sup>38</sup> দয়াল।

১১১৷ যে দিন প্ৰাভাৱ ৰাজি নিজেৰ পক্ষে বিতৰ্ক কৰতে আসৰে এবং প্ৰভোৱ ব্যক্তিকে সে যা অর্জন করেছে তা (তার প্রতিফল) পুরোপুরি দেয়া হবে এবং তাদের প্রতি জলম করা হবে না ১১২ আল্লাহ দক্টান্ত দিক্ষেন এক জনপদের যা ছিল নিরাপদ'ও নিশ্চিত্ত, যার

নিকট তার (অর্থাৎ জনপদের) প্রচর রিথিক আসত সব দিক থেকে।

কিছ সা (খনপদ) আলাহব নেহাছত অগীকাৰ কবল কলে তাব (জনপদবাসীরা) যা করত সেগুনা আলাহ তাকে(মনপদকে) ক্ষরা ও নীমির গোশার<sup>®</sup> আস্থাদন করালেন। ১১৩।এবং অবশাই তাদের কান্তে ভালের মধ্য থেকে একজন রাসল এসেছিল,

বিজ্ঞ ভাষা ভাতে বিখ্যাবাদী বালচিল ফলে শান্তি ভালেবকে প্রাস করল, এমন অবস্থায় যে তারা ছিল জালিম। ১১৪। সুতরাং আল্লাহ তোমাদেরকে যে হালাল ও পবিত্র রিষিক দিরেছেন তা থেকে আহার কর এবং আল্লাহর নেয়ামতের কতভাতা প্রকাশ কর- যদি

তোমৰা কেবল তাবট ট্ৰাদত কৰ। ১১৫। আল্লাছ তোমাদের জন্য হারাম করেছেন কেবল মত পত, রভ<sup>®</sup>, শুকরের গোশত এবং যা অবাইকালে আলাহ ছাড়া অনোর নামে উৎসর্গ করা হয়েছে, কিন্তু যে ব্যক্তি আগ্ৰহী ও সীমালজনকারী না হয়ে বাধা হবে. তবে নিশ্বয় আল্লাহ অভি ক্ষমাশীল ও পরম দ্যাল।

انَّمَا يَفْتَرِي الْكَذِبَ الَّذِيْنَ لَايُؤْمِنُوْنَ بِالْهِ وَ أُولَّنْكُ مُ الْكُذِيْنَ ﴿ مَــُ، كَفَرَ بِاللهُ مِنْ إِبَعْدِ إِيْمَانِهِ الْآمَنِ أُكْرِهَ وَقَلْبُهُ مُطْمَئَنَّ ا

بِالْإِيْمَانِ وَ لَكَنْ مَّنْ شَرَحَ بِالْكُفْرِ مَدْرًا فَعَلَيْهِرْ غَفَبِّ مِّنَ الله عَوْ لَهُمْ عَذَاتٌ عَظْيَةً هِ ذْلِكَ بِأَنَّهُمُ اشْتَحَبُّوا الْحَيْوِةَ الدُّنْيَاعَ إِلَّا إِلْحَوَةٌ • وَأَنَّ اللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمُ الْخَدِيْنَ @ أُولَٰ لِكَ الَّذِينَ طَبَعَ اللهُ عَلَى قُلُوبِهِرْ وَسَمْعِهِرْ وَ ٱبْصَارِهِرْ ، وَ

أُولِنَّكُ هُرُ الْغُفلُوْنَ ⊕ لَاجَرَا أَنَّهُمْ فِي الْأَخَرَةُ هُو الْخَرَةُ هُو الْخَسِرُونَ @ مَبُورًا وَانْ رَبِّكَ مِنْ ابْعُدَهَا لَغَفُوْ رَّرَّهِيرٌ ﴾

> يَوْ ٓ تَاْتَى كُلُّ نَفْسِ تُجَادِلُ عَنْ نَفْسِهَا وَتُوَقِّى كُلُّ نَفْسِمًا عَمِلَتُ وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ ﴿ وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ ﴿ وَ هَابَ اللهُ مَثَلًا قَوْيَةً كَانَتْ أَمِنَةً مُّطْمَئِنَّةً يَّا تَيْهَا رِزْقُهَا رَغَدًا مِّنْ كُلِّ مَكَانِ فَكَفَرَتْ بِأَنْعُمِ اللَّهِ فَأَذَاقَهَا اللَّهُ لَبَاسَ الْبُوْءِ وَ الْغَوْنِ بِمَا كَانُوْ ا يَشْنَعُوْنَ ۞

> وَ لَقَدْ جَاءَهُرْ رَسُولْ مِّنْهُرْ فَكَذَّبُوهُ فَاخَذَهُمُ الْعَدَابُ وَ هُرْ ظُلْمُوْنَ ﴿ فَكُلُواْ مِمَّا رَزَقَكُرُ اللَّهُ مَلَلًا طَيْبًا - وَّ الشُّكُرُوْا نِعْمَىَ اللَّهِ إِنْ كُنْتُمْ إِيَّاءُ تَعْبُدُونَ هِ انَّمَا مَرًّا عَلَيْكُرُ الْمَيْتَةَ وَالدَّاوَ لَحْرَ الْعَنْوِيْ وَمَآ أَهِلَ لَغَيْدٍ

اللهِ بِهِ ۚ فَمَنِ افْطُرٌ غَيْرَ بَاغِ وَ لَاعَادِ فَانَّ اللَّهُ غَفُو ۚ رَّ رَّحَيْرٌ ﴿

★ চিক্রিক আগল চীক্রা সরা নং : আলাক নং অনুসাবে কর্মজ্ঞার শেকে নেখন

- ১১৬৷ তোমাদের জিহবা যেহেত মিখ্যা বর্ণনা করে তাই আলাঃ সম্পর্কে মিখ্যা রচনার উদ্দেশ্যে তোমরা বলো না, 'এটা হালাল আর ওটা হারাম'। মিশ্বয় যারা আদ্রাহ সম্পর্কে মিধ্যা রচনা করে তারা সফল হবে না।
  - ১১৭:এট (কেবল) সামান্য ভোগ্য সাম্ম্মী এবং তাদের জন্য রয়েছে যপ্তপাদায়ক শান্তি।
  - ১১৮।এবং খারা ইরুদী হরেছে তাদের উপর আমি তা হারাম করেছিলাম য আমি ভোমাৰ কাছে পৰ্বে টালেখ কৰেছি এবং আমি ভালের উপর কোন হালম করিনি,বরং তারাই তাদের নির্মেদের উপর হুলুম করত।
  - ধারাপ কান্ধ করেছে, অভঃপর এরপরে তওবা করেছে ও দৌজদেরকে। বি সরেশাই মানি ক্ষয়ালীর ও পরম নহার।
  - ১১০।নিক্ষ ইববাহীয় চিল আলাহব অনগত ও একতবাদী একটি ভিছত (ধর্মাদর্শ) এবং সে মশরিকদের অন্তর্ভক ছিল না-
- ১২১।(সে ছিল) তাঁর নেয়ামতসমূহের জন্য কৃতঞা, আল্লাহ তাকে মনোনীত করেছিলেন এবং তাকে সর্গু-সঠিক পথে পরিচালিত করেছিলেন।
- ১১১ এক আছি ভাকে দনিয়াতে কলাগ দান কৰেছিলাম একং নিশ্বর সে অবশাই আধিরাতে সংকর্মশীলনের অন্তর্জন
- ১১৬ এরপর আমি ভোমার প্রতি এটা করলাম যে, 'বমি একভবানী হয়ে ইবরাহীমের মিন্তাত (ধর্মানর্শ) অনুসরণ কর। এবং সে মুশরিকদের অন্তর্জক ছিল না
- ১২৪।শনিবার পালন তো কেবল তাদের জন্য নির্ধারণ করা হয়েছিল যারা এ সম্পর্কে (জমাবার সম্পর্কে) মতপার্থকা করত। এবং তারা যে বিষয়ে মতপাৰ্থক্য করত নিশ্বয় তোমার প্রতিপালক অবশ্যই কিয়ামতের দিন সে বিষয়ে ভাদের মাঝে বিচার করবেন।
- ১২৫।তুমি (মানুষকে) তোমার প্রতিপালকের পথের দিকে ডাক প্রজা ও উত্তম উপদেশ দ্বারা এবং তানের সাথে বিতর্ক কর অধিক সুন্দর পদ্রায়। নিশ্চর তোমার প্রতিপালকট সবচেরে বেশি ভানেন কে ভাঁর পথ হতে বিচাত হয়েছে এক মিনি সঠিক পথ্যাপ্তাদ্ব সম্পর্কেও সরচেকে বেশি ভানেন।
- ১৯৯। এবং যদি (শক্রদের থেকে) ভোমরা প্রতিশোধ নাও, তবে প্রতিশোধ নাও ভতটুকু হতটুকু ক্ষতি তোমাদের হরেছে। আর যদি তোমরা ধৈর্থ ধারণ সতে তত্ত্ব তা থৈপুলীয়ানত কৰা অৱশাই ট্ৰায়।
- ১২৭।এবং ডমি ধৈর্য ধারণ কর, আর তোমার ধৈর্য তো আল্লাহরই মাধ্যমে (সাহাযো), এবং ভালের জন্য দঃখ করো না এবং ভারা যে ষভযার করে ভাতে ভমি মনংকণ হযো না।
- ১২৮ নিশ্চয় আপ্রাহ তাদের সংগে আছেন বারা তাকগুরা অবসন্ধন করেছে এবং 🕹 যারা সংকর্মপরায়নঃ

- حَرَارٌ لِّتَفْتُرُوا عَلَى اللهِ الْكَذِبَ، إِنَّ الَّذِيْرِ يَقْتُرُونَ عَلَى اللهِ الْكَذِبَ لَا يُقْلِحُونَ فَي مَتَاعٌ قَلْيْلُ وَ لَهُمْ عَذَاتٌ إَلَيْ ﴿
- وَعَلَى الَّذِيْنَ هَادُوا مَرَّمْنَا مَا قَصَصْنَا عَلَيْكَ مِنْ قَبْلُ وَمَا طَلَمْنُهُرْ وَ لَحَنْ كَانُوا إِنْفُسَهُرْ يَظْلُمُونَ @
- كُوُّ إِنْ رَبُّكَ لِلَّذِيْنَ عَمُلُوا السُّوءَ بَجَهَا لَدَرُّ تَابُوْ إِمْنَ إِنَّا مُعْتَافِقَا المستوبَ عالما السَّوَّءَ بَجَهَا لَدَرُّ تَابُوْ إِمْنَ الْعَلَامِينَ عَمْلُوا السُّوَّءَ بَجَهَا لَدَرُّ لَا يُعْرِينَ عَمْلُوا السُّوَّءَ بَجَهَا لَدُرُّ لَا يُعْرِينَ عَمْلُوا السُّوَّءَ بَعْنِينَ اللَّهُ اللَّلْمُ لِللَّ भेरानाथन बरहारह, जारनत बना निष्ठत उपात बिजनान बनारत ना 👸 👸 🚉 🖟 ﴿ رَحْيَرُ ۖ فَا لَعُلُوا رَحْيَرُ اللَّهُ وَالْمُعَالَّ اللَّهِ وَالْمَاكُونُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَالْمَاكُونُ وَاللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ
  - انَّ ابْرُهِيْرَ كَانَ أُمَّةً قَانِتًا لِلهِ عَنيْفًا وَلَرْيَكُمنَ الْمُشْرِكِيْنَ ﴿
    - شَاكرًا لِآنْعُمهِ أَجْتَبِهُ وَهَلْ لهُ إلى مِ المَّسْتَقْير @
  - وَ أَتَيْنَهُ فِي الدُّنْيَا حَسَنَةً وَانَّهُ فِي الْأَخْرَةَ لَمِنَ الصَّلحَيْنَ ﴿ ثُرُ ۗ أَوْحَيْنَآ الْيُكَ أَنِ اتَّبعُ مِلَّةَ ابْ هِيْ حَنيْقًا ، وَمَاكَانَ مِنَ الْمُشْرِكِيْنَ @
  - انَّمَا جُعلَ السَّبْتُ عَلَى الَّذِينَ اهْتَلَقُوْ افِيهِ ، وَإِنَّ رَبَّكَ لَيَحُكُرُ بَيْنَهُرْ يَوْمَ الْقَيْمَة فَيْمَا كَانُواْ فِيْهِ يَكْتَلَقُوْنَ ﴿ أَدْعُ إِلَى سَبِيْلِ رَبِّكَ بِالْحَكْمَةِ وَ الْمَوْعَظَةِ الْحَسَنَةِ وَجَادَلُهُ
  - بِالَّتِيْ هِيَ آحْسَنُ ﴿ إِنَّ رَبَّكَ هُوَ آعْلَرُ بِمَنْ ضَلَّ عَنْ سَبِيْلِهِ وَ هُوَ أَعْلَرُ بِالْمُهْتَدِيْنَ هِ
  - وَ إِنْ عَاقَبْتُورْ فَعَاقبُواْ بِمثْلِ مَا عُوْقبْتُرْ بِهِ وَلَعَنْ صَبَوْتُورْ لَهُوَ خَيْهُ لِلصَّبِ يْنَ ﴿
  - وَ اصْبِهُ وَمَا صَبُّكَ إِلَّا بِاللهِ وَ لَا تَحْزَنُ عَلَيْهِمْ وَ لَا تَكُفُّ ضَيْق مِمَّا يَهُكُونَ ﴿
    - انَّ اللَّهُ مَعَ الَّذِينَ اتَّقَوْا وَّ الَّذِينَ هُوْ مُحْسَبُونَ ﴿

## مُوْرَةً بَنِيْ إِشْرَآءِيْل

## ১৭. সূরা আল-ইস্রা, মাঞ্চী

অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আলাহর নামে

### যাল্লাহর নামে

- ১। পবিত্র ভিনি বিনি ভাঁর বাংশকে রাতে অহব<sup>®</sup> করালেন মসজিদে হারাম থেকে মসজিদে আকলা পর্যন্ত, যার চারপাশকে আমি বরকভময় করেছি, যাতে আমি তাকে আমার নিদর্শনাবলীর কিছু দেখাতে পারি। নিকয় ভিনিই সর্বল্লোভা ও সর্প্তারী।
- ২। এবং আমি মুদাকে কিতাব দিয়েছিলাম ও তাকে বানিয়েছিলাম বনী ইসরাদিলের জন্য পথনির্দেশক (এবং তাতে আদেশ করেছিলাম) যে, 'তোমরা আমাকে বাদ দিয়ে কাউকে তত্ত্বাবধায়ক হিসেবে এহণ করে।
- ত। হে তাদের বংশধর া যাদেরকে আমি দূহের সাথে আরোহণ করিয়েছিলাম।
  নিশ্চয় সে ছিল অত্যক্ত কতঞ্জ বাব্দা।
- ৪। এবং আমি কিতাবের মধ্যে বনী ইসরাইলকে জানিয়েছিলাম, 'অবশাই তোমরা পৃথিবীতে দু'বার বিপর্বয় সৃষ্টি করবে "এবং অবশ্যই তোমরা প্রচত অহংকারী হবে।'
- ৫। সূতরাং বছন এ দুটির প্রথম প্রতিশ্রুতি (এর সময়) আসল তথন আমি ছোমাদের বিকাছে আমার বাশানেরতে গাঠিয়েছিলায়, য়ারা হিল প্রচড দক্তির অধিকারী, এবং তারা ছরে হারে তন্ত্রাশী চালাল। আর এটি হিল এমন এক প্রতিশ্রুতি যা তার্যভব হরেছিল।
- ৬। এরপর আমি তোমাদেরকে পুনরার তাদের উপর বিজয়ী করলাম, তোমাদেরকে ধন-সম্পদ ও সন্তাদ-সন্ততি দ্বারা সাহায়্য করলাম ও তোমাদেরকে সংখ্যাগরিষ্ঠ করলাম।
- া বাছি তেমৰা কাশ কাশ কৰা আচেল জোনানাক বিজ্ঞানৰ ৰানাই আন কায় কৰ, আৰু মদি ভোৰৱা মনকাৰ কৰু আন তোমনাক নিজ্ঞানন ৰানা অধ্যান কৰান পৰাৰ্থী অভিন্তুকি (এব সমা) আদান তথা (আমি আমান ৰানানোৰে গাঠিবাজিলা) তোমগোৰ তেম্বালাৰ্য্য ভালানাৰ্য্য কৰাৰ আন বাৰ অধ্যানৰ তাৰা তেমেক তেম্বালাৰ্য কৰিলা কৰেলা কৰিলা দেখাবা বাছতে অধ্যান কৰাৰ তেমাৰ মাজিলা অবলা কৰিলা সম্পাৰ্থকতে ধানে কৰাৰ জন্ম।
- ৮। (অতঃপর আমি জানিয়ে লিলায়) শীগ্রই তোমাদের প্রতিপালক তোমাদের য়তি দয়া করকে। (যদি তোমরা অনুভঙ্ক ২০), কিছু তোমরা যদি (গাপ কান্ধে) ফিরে আদ তবে আমিও (গার্জিতে) ফিরে আমব। আর য়্রাহানামকে আমি ক্রাফিবদের ক্রন্য ক্রারাগর রানিয়েছি।
- ৯। নিকয় এ কুরজান পরপ্রদর্শন করে সে (পথের) দিকে যা সর্বাধিক সরল-সঠিক এবং সুগবোদ দের মু'মিনদেরকে -য়ারা সংকাঞ্জ করে-য়ে ভ্যাদর জনা রাজ্যত য়য় প্রতিদান-

المات ع المنتقدة الم

١٤- سُرُ أُو يُذُ أَسُ أَو يُلَ - مُكِّنَةٌ

آبَاتُهَا-أَالَّهُ رَكُوْمَاتُهَا-11 بْسُمِ الله الرَّحُمُن الرَّحِيْمِ

- ۯ أَتَيْنَا مُرْسَى الْكِتْبَ رَجَعَلْنُهُ هُدُى لِّنِيْنَ ٓ إِشْرَآءِيْلَ ٱلَّا تَتَّحْدُوا مِن مُوْنِى وَكِيْلًا ۞ دُرِيَّةً مِنْ حَمَلْنَا مَعَ ثُوْجَ ۥ إِلَّهُ كَانَ عَبْدًا هَڪُوْرًا ۞
- وَقَقَيْنَاۤ إِلَٰ بَنَنَّ إِشْرَاءِيْلَ فِي الْكِتٰبِ لَتُفْسِدُنَّ فِي الْاَرْضِ مِرْتَيْنِ وَلَعَعْلَنَّ عُلُوًّا كَبِيْرًا۞
- فَإِذَا جَآءَ وَعُدُ أُولُهُمَا بَعَثَمَا عَلَيْكُرْ مِبَادًا لِنَّا أُولُ بَاسٍ

  هَٰدِيْدٍ فَجَاسُوا عِلْلَ اللّٰبَارِ وَكَانَ وَعُكُمْ أَمْفُعُولًا ۞

  مُرْ يَدُونَا لُكُمُ الْكُوَّةُ عَلَيْشٍ وَ آمَدُونُكُمْ بَا فُوال وَّبَنِينَ وَ

  مُرْ رَدُونَا لُكُمُ الْكُوَّةُ عَلَيْشٍ وَ آمَدُونُكُمْ بَا فُوال وَّبَنِينَ وَ

جَعَلْنُكُمْ أَكْتُ نَفْيًان

- إِنْ أَحْسَنَتُمْ آَحْسَنَتُمْ لِآنَفُسِكُرْسَرَ إِنْ أَسَاتُمْ فَلَهَا فَاذَا جَاَّ وَكُوا الْإِحْرَةَ لِيَسْرَّءُا وَجُوْكُمْ وَلِيَدْكُوا الْمَسْجِدَ فَنَا دَعَلُونًا أَوْلَ مَرَّةً وَالْمَتَبُّرُوا مَا عَنْوا لَتَبْيَرُانَ
- صَى رَبُكُرْ أَنْ يَرْمَكُرْ وَ إِنْ عُنْ قُرْ عُنْ نَام وَجَعَلْنَا جَهَنَّى للْكُغْدِ بْنَ عَمْدُ (۞
- إِنْ هَٰذَا الْقُرْانَ يَهْدِى لِلَّتِيْ هِيَ أَقُواَ وَيُبَهِّرُ الْمُؤْمِنِيْنَ الَّذِيْنَ يَعْمَلُونَ الشَّلْحَتَ أَنَّ لَهُرْ أَجُرًا كَمْيُرًاهُ

- ١٤- سُورَةُ بَنِي إِلْهُ آوِيْل
- ১০। এবং এও যে, যারা অধিরাতের প্রতি ঈমান আনে না তাদের জন্য আমি وَّ أَنَّ الَّذِيْنَ لَا يُؤْمنُونَ بِالْلِمَ ةَ أَعْتَدُنَا لَهُمْ عَذَابًا ٱلمُّمَّا هُ প্ৰক্ৰত ক্ৰাৰ্ডি যন্ত্ৰণাদায়ক শান্তি।
- وَيَدُعُ الْإِنْسَانُ بِالشِّرِ دُعَاءُةً بِالْعَيْدِ ، وَكَانَ الْإِنْسَانُ عَجُولًا ﴿ ১১: আর মানত অকল্যাণ প্রার্থনা করে "এমনভাবে খেভাবে সে কল্যাণ " পার্থনা করে। এবং মান্য খবট তরা প্রবণ।
  - وَجَعَلْنَا الَّيْلَ وَ النَّهَا رَ إِيَّتَيْنِ فَمَحَوْنَآ إِيَّةَ الَّيْلِ وَجَعَلْنَآ ১১। এবং আমি রাভ ও দিনকে করেছি দ'টি নিদর্শন। অভঃপর রাভের নিদর্শনকে (চন্তকে) করেছি আলোহীন এবং দিনের নিদর্শনকে (সূর্যকে) أَيَةَ النَّهَا رِمُبْمِرَةً لَّتَبْتَغُوا فَفْلًامِّنْ رَّبَّكُيْرٍ وَ لتَعْلَبُوا عَلَدَ করেছি আলোরপ্রদ, যাতে তোমরা তোমাদের প্রতিপালকের অনপ্রহ আলাৰ কৰাত পাৰ এবং যাতে তোহবা বছৰের সংখ্যা ও হিসাব জানতে السِّنينَ وَ الْعِسَابَ ، وَكُلُّ شَيْ ۚ فَصَّلْنَهُ تَقْصِيلًا ﴿ পার। আর সব কিছ আমি বিস্তারিত বর্ণনা করেছি।
  - ১৩: এবং আমি প্রভ্যেক মানুষের কাজকে (যা সে করে) ভার পদায় ঝলিয়ে নিয়েছি এবং কিয়ামতের দিন আমি তার জন্য একটি কিতাব (আমলনামা) বের করব যা সে পাবে উনুক্ত অবস্থায়।
  - ১৪। (বলা হবে) 'ভমি তোমার কিতাব পাঠ কর। আজ ভূমি নিজেই তোমার বিক্তম্ভ তিসাব্যাহণকারী হিসেবে যথেই।
  - ১৫। যে সঠিকপথ অবলয়ন করে সে সঠিকপথ অবলয়ন করে নিজেরই কল্যানের জন্ম এবং যে পথশুই হয় সে পথশুই হয় নিজেবট অকল্যানের হল্ম এনং কোন বোধা বহুমধারী আমার বোরা বহুন করবে দা। আর বাসল না পাঠানো পর্যন্ত কাউকে আমি শাস্তি দেই না।
  - ১৬৷ এবং যখন আমি কোন জনপদকে ধাংস করার ইচ্ছা করি তথন তার ভিত্রভানদেরকে (সংক্রাজের) নির্দেশ করি, কিন্তু ভারা সেখানে পাপাচার করে, অতঃপর তার (জনপদের) উপর (শান্তির) কথা অবধারিত হয়ে যায় এবং আমি তা সম্পূর্ণরূপে বিধান্ত করি।
  - ১৭। এবং নতের পর আমি কত প্রজনুকে ধ্বংস করেছি। তোমার প্রতিপালকই তাঁর বান্দাদের অপরাধসমূহ সম্পর্কে দর্বজ্ঞ ও সর্বদ্রটা হিসেবে যথেট।
  - ১৮: যে নগদকে (দৃনিয়ার জীবনকে) কামনা করে আমি তাকে ভাতেই (দনিয়াতেই) নগদে দিয়ে দেই- যা ইচ্ছা করি, যাকে ইচ্ছা করি, এরপর তার জন্য নির্ধারিত করি জাহান্নাম যেখানে সে এবেশ করবে নিশিত ও विकासिक करवासः
  - ১৯। স্তার যে আছিরাত তামনা করে ম'মিন অবস্থায় এবং তার জন্য বধাবধ প্রকল্পী ভারতে আনের প্রভেট্টা প্রশাসাযোগ্য।
  - ১০। (দ'টি দলের) প্রভোকটিকে- এদেরকে এবং ওদেরকে- ভোমার প্রতিপালাকর দান থেকে আমি প্রদান করি। আর তোমার প্রতিপালকের দ্যাল সীয়াকভ নত।
  - ২১। লক্ষ্য কর, কিভাবে আমি তাদের এক দলকে অপরের উপর (দুনিয়াতেই) মর্যাদা দিয়েছি। আর অবশ্যই আথিরাত সন্মানের দিক থেকে বড এবং মর্যানার দিক থেকেও বস্ত।

- وَكُلُّ إِنْسَانِ ٱلْزَمْنَهُ طَّآئِرَةً فِي عُنْتِهِ وَنُصْرِجُ لَهٌ يَوْمَ الْقِيْمَة كتبًا يُلْقُدُ مَنْشُوْ رًا ﴿
- اقْرَ أَكْتَبَكَ وَكُفِّي بِنَفْسِكَ إِلْيَوْمَ عَلَيْكَ مَسِيبًا ﴿ مَن اهْتَدْى فَانَّمَا يَهْتَدِي لنَقْسِهِ ، وَمَنْ ضَلَّ فَانَّمَا يَهْلُّ
- عَلَيْهَا ، وَ لَا تَزِرُ وَا زِرَةً وِّزْرَ أُخْرِى ، وَمَا كُنَّا مُعَدِّبِيْنَ مَتَّى نَبْعَتَ رَبُسُولًا ۿ وَ اذَاۤ إَرَدُنَاۤ آنُ تُهْلِكَ قَرْيَةً آمَرُنَا مُثْرَ فَيْهَا فَفَسَقُوْا فَيْهَا
  - فَحَقٌّ عَلَيْهَا الْقَوْلُ فَدَمَّ نَهَا تَدُميُّ إِنَّ وَكَيْرُ اَهْلَكْنَا مِنَ الْتُرُونِ مِنْ بَعْدِ نُوْحٍ وَكَفِي بِ بِّكَ
- بذُنُوْبِ عَبَادِهِ خَبِيْرٌ | بَصِيْرًا ﴿ مَنْ كَانَ يُرِيْدُ الْعَاجِلَةَ عَجْلْنَا لَدُفَيْهَا مَانَشَآءُ لَمَنْ نُرِيْدُ ثُرَّ جَعَلْنَا لَّهُ جَهَنَّرَ ، يَهْلَهَا مَذْهُوْمًا مَّدْهُوْرًا مَّا مُدْعُوْرًا ۞
  - وَمَنْ أَرَادَ الْأَحْرَةَ وَسَعٰى لَهَا سَعْيَهَا وَهُوَ مُؤْمِنٌ فَأُولِ لِمُلْكَ كَانَ سَعْيُهُمْ مَشْكُوْ رَأَهِ
  - كُلًّا نُّبِدُّ هَوُّ لَآء وَهَوُّ لَآء مِنْ عَطَّآء رَبِّكَ، وَمَا كَانَ عَطَّآءُ رَبِّكَ مَحْظُورًا ١
  - ٱتْظُرْكَيْفَ فَقَّلْنَا بَعْفَهُمْ عَلَى بَعْضِ ، وَلَلْاحِرَةُ ٱكْبَرُ دَرَجْبِ وْ أَكْبَرُ تَفْضِيْلًا ﴿

প্রতি বড়ই অকতভা।

সহজ্ঞাতে কথা বল

- ২২। আল্লাহর সাথে অন্য কোন ইলাহ নিখবিন করো না. ভারণে নিশিত ও পরিত্যাক্ত হয়ে বসে পদ্ধবে।
- ২৩। এবং ভোমার প্রতিপাশক নির্দেশ নিয়েছেন যে, ভোমরা ভাকে ছাঙা অন্য কারো ইবাদত করো না ও পিতা-মাতার প্রতি সম্ভাবতার কর। যদি ভাগের একেন্সন অধারা উন্সায়েই সোমার কাল্ডে রার্চাকর পৌল্ড নাম অস্ত তাদেরবে 'উফ'<sup>\*</sup> বলো না এবং তাদেরকে ধমক দিও না বরং তাদের সাথে সম্মানকনক কথা বল।
- ২৪। এবং তাদের দ'জনের জন্য মমতাবংশ বিনয়ের বাল অবন্যাত কর এবং বল, 'য়ে আমার প্রতিপালক। তালের প্রতি দয়া করুন<sup>®</sup> যেভাবে শৈশবে তারা আমাকে প্রতিপালন করেছিলেন। ১৫। তোমাদের প্রতিপালক তোমাদের অন্তরে যা আছে তা সবচেয়ে বেশি
- জানেন। যদি তোমরা সংকর্মশীল হও তবে তিনি (আল্লাহ) অভিমুখীদের क्रमा चलि क्रमांशीत। ২৬। এবং আন্ত্রীয়-স্বজনকে তার প্রাণ্য দিয়ে দাওঁ এবং মিসকীন (অভাবগ্ৰন্ত) ও সম্পত্তীন মসাফিরকেও এবং কিছতেই অপবায় (মন্দ
- কাজে বয়ে) করো না। ৯৭। নিশ্বর অপবায়কারীরা শরতানের ভাই। আর শরতান তার প্রতিপালকের
- ২৮। এবং তোমার প্রতিপালকের নিকট থেকে দয়া লাভের উদ্দেশ্যে যদি তাদের দিক থেকে ভোমাকে মথ ফিরাভেই হয়, তবে তাদের সাথে
- ২৯। এবং তমি তোমার হাত তোমার ঘাড়ের সাথে শঙ্খলিত করে রেখো না এবং তা সম্পর্ণরূপে প্রসারিকও করো না, তাহলে তুমি ভিরন্ধত ও নিঃম্ব হয়ে বসে পভবে।
- করেদ এবং (তা) পরিমাপ করে দেন এবং নিকর তিনি তাঁর বান্দাদের সম্পর্কে পর্ব অবগত ও পর্ব দঙ্কিবান।
- ১১। এবং সোহাদের স্বান্নদেরত সাহিদ্যের আশংকার হার্যা করে। না অমিই ভাদেরকে রিখিক দেই এবং ভোমাদেরকেও। নিক্তর ভাদেরকে হজ্যা কৰা বদ্ধ অপৰাধ।
- ৩২। এবং ব্যক্তিচারের নিকটবর্তী হয়ো না. নিশ্চয় তা অশ্রীল ও নিকট পথ।
- ৩৩। এবং নায়সঙ্গত কারণ ছাতা কোন ব্যক্তিকে ভোমবা হাত্রা করে। না যাকে (হত্যা করা) আল্লাহ হারাম করেছেল।<sup>\*</sup> আর যে অন্যায়ভাবে নিহত হবে তার অভিভাবককে (প্রতিকারের) ক্ষমতা দিয়েছি, তবে সে যেন হত্যায় সীমালন্ধন না করে। নিক্তম সে (আইন ধারা) সাহায্যপ্রাপ্ত।

وَقَفِي رَبُّكَ ٱلَّا تَعْبُدُواۤ الَّاۤ إِيَّاءُ وَبِالْوَ الدِّيْنِ إِحْسَانًا ۚ إِمَّا يَبْلُغَنَّ عِنْدَكَ إِلْكَبَ إَحَدُهُمَاۤ أَوْكِلُهُمَا فَلَاتَقُلُ لَّهُمَآ أَنَّ وَّ

لَا تَجْعَلُ مَعَ اللهِ المَّا أَخَرَ فَتَقَعُدُ مَدُّمُومًا مَّخُذُولًا ﴿

- لَاتَنْهَ مُهَا وَقُلْ لَّهُمَا قَوْ لَا كَوِيْمًا ﴿ وَ اغْفَضْ لَهُمَا جَنَاحَ الدُّلِّي مِنَ الرِّحْمَةِ وَقُلْ رَّبِّ ارْحَمْهُمَا كَمَا رَبِّينِي صَغَيَّ إِنَّ
- رَبُّكُرْ آغْلَرُ بِمَا فِي نُغُوْسِكُرْ ﴿ إِنْ تَكُوْنُوا صِلْحِيْنَ فَاتَّهُ كَانَ للْأُوَّابِيْنَ غَفُوْ رُاْ ﴿
- وَأَت ذَا الْقُوْبِي مَقَّدُو الْمِشْكِينَ وَ ابْنَ السَّبِيْلِ وَ لَاتُبَدِّرُ تَبْدَيُ إِ
- إِنَّ الْمُبَدِّرِيْنَ كَانُوٓ الْحُوَ إِنَ الشَّيْطِيْنِ وَكَانَ الشَّيْطُنُ لَ بِه كَفُوْ رَا⊛
- وَ إِمَّا تُعْدِ فَنَّ عَنْهُرُ ابْتَغَاءَ رَحْمَة مَّنْ رَّبِّكَ تَرْجُوْهَا فَقُلْ لَّهُمْ قَوْلًا مَّيْسُو رَّا ﴿
- وَ لَا تَجْعَلْ مِدَكَ مَعْلُوْ لَةً إِلَى عُنُقِكَ وَ لَا تَبْسُطُهَا كُلِّ الْبَسْمَ فَتَقْعُلَ مَلُوْمًا مُحُسُورًا ۞
- ৩০৷ নিজম তোমার প্রতিপালক যার জনা ইক্ষা করেন তার রিবিক প্রসারিত 👸 بيناريا 🗟 ক্রিটিট ট্রেটিট ট্রিটিট ট্রেটিট ট্রিটিট ট্রিট ট্রিট ট্রিটিট ট্রিট ট্রিটিট ট্রটিট ট্রিটিট ট্রটিট ট্রিট ট্রিটিট ট্রটিট ট্রিটিট ট্রটিট ট্রিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রিটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রিটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট্রটিট ট خبيراً بميراً
  - وَ لَا تَقْتُكُو ۚ ا وَلَادَكُ ۚ خَشْيَةَ امْلَاقٍ نَحْنُ نَدُرُ ثُقُهُ ۗ وَايَّاكُمْ ٠ إِنَّ قَتْلَهُمْ كَانَ خَطًّا كَبِيًّا [@
    - وَ لَا تَقْرَبُوا } لِإِنَّ نَي إِنَّهُ كَانَ فَاحِشَةً وَسَاءً سَبِيلًا

كَانَ مَنْفُوْ رُأُ ﴿

وَ لَا تَقْتُلُوا النَّفْسَ الَّتِي هَرَّا اللهُ إلَّا بِالْعَقِّ وَمَنْ قُتِلَ مَظْلُوْمًا فَقَدْ جَعَلْنَا لَوَ لِيَّهِ سُلْطُنَّا فَلَايُسْ فَيْ الْقَتْلِ - إِنَّهُ

- ac are central देशाबीत्तात सम्बन्धात्तात विक्रोजर्जी स्टा स् देखा প্ৰচলিতে যাতা হতজ্ঞ। না সে (শক্তি-সামৰ্থ ও ব্যাসের) পৰ্ণভাষ পৌছে। এবং ভোমরা প্রতিক্রণতি পর্ণ কর.<sup>\*</sup> নিক্যা প্রতিক্রণতি সম্পর্কে প্রশ 201 272
- কর। একং লোমনা সমূত্র পরিয়াপ করার কথার মাপ প্রারাপতি দাও একং ওজন বাব সঠিক দাঁভিপালায়। এটিই উলয় এবং পবিগামে উৎকট।
- কান এবং যে বিষয়ে ভোষাৰ কোন আন নেই তাৰ পিছনে যোৱা না<sup>‡</sup> (অৰ্থাছ জনমান করে বলো না)। নিশ্চয় কান চোখ, অমত- এদের প্রত্যেকটি সম্পার্ক জিলামা করা হাব। ৩৭। এবং পথিবীতে দম্মভৱে বিচরণ করো না, নিশ্চয় তমি যমীনকে ছিভে
- আলানা করতে পারবে না এবং উচ্চতার দিক থেকে কথনো পর্বত পর্যম /शेकरक<sup>®</sup> शास्त्रक सा
- ৩৮। এজলোর (উপরোক্ত নিষিদ্ধ কাজজলোর) প্রত্যেকটির মন্দ্র তোমার लिजानाक्वत सिकारे भगा।
- ৩৯: ভোমার প্রতিপালক ভোমার প্রতি যে হিকমত (প্রজা) ওহাঁ করেছেন এছলো তার অন্তর্ভুক্ত। এবং ভূমি আল্লাহর সাথে অনা ইলাহ নির্ধারণ করো না, ভাহলে তমি ভিরম্ভত ও বিভাতিত অবস্থায় জাহানামে নিক্ষিপ্ত
- करवाह्म अन्य किमि (निराक्त) एकरवर्गकामदाक कमा मस्राम क्रिएमरव अवन करवास्त्र दिन्दर त्याप्रत चत्रभावे नव स्थानक कथा वस्त्र ৪১। আর অবশক্তে আমি এট করআনে (বছ বিষয়) বিভিন্নভাবে বর্ণনা করেছি
- যাতে ভাষা উপাদশ গ্ৰহণ কৰাত পাৰে। বিজ্ঞ ডা কেবল ভাদেব (সভা) বিমধতাই বন্ধি করে। ৪১। তল 'যদি ভাৰ সাথে আবন ইলাছ থাকত যেমনটি ভাৰা বলে ভাৰ তারা (শরীকরা) আরুশের মালিকের নিকে পথ থোঁজ করত (তাঁর সম্ভট্টি
- লাভের চেট্টায়)।
- ६७। अभित किथि अतः जाता हा ताल जा काज जिलि चामक विरर्ध
  - ৪৪। সাত আকাশ, পথিবী এবং এদের মধ্যবর্তী সব কিছ তাঁরই পবিব্রতা যোহণা করে এবং এমন কিছু নেই যা তাঁর প্রশংসাসহ পবিত্রতা ঘোষণা করে না. কিন্ত ভাদের পরিব্রভা ঘোষণা ভোমরা বন্ধতে পার না। নিশ্চয় किसि अवस सहसमील क चकिकसामील
- ৪৫। একং তমি যথন কবজান পাঠ কর তথন আমি তোমার মাঝে এবং যারা অভিযাতের পতি উল্লান আনে না ভানের স্থাবের প্রাক্তন পর্না টেনে দেই-

وَ أَوْفُوا الْكَيْلَ إِذَا كِلْتُمْ وَزِنُوا بِالْقَسْطَاسِ الْمُسْتَقِيمِ ، ذُ لِكَ خَيْرٌ وَّ أَحْسَنُ تَأْوِيْلًا ۞

أَشُدَّةٌ - وَ أَوْفُواْ بِالْعَهْدِ ، إِنَّ الْعَهْدَ كَانَ مَسْتُهُ لَّا هِ

وَ لَا تَقْرَ بُوا مَالَ الْيَعِيْرِ إِلَّا بِالَّتِيْ هِيَ آهُسُّ مَتَّى يَبْلُغَ

- وَ لَا تَقْفُ مَا لَيْسَ لَكَ بِهِ عَلْيٌّ ، إِنَّ السَّمْعَ وَ الْبَصَرَ وَ الْفُوَّ إِذَ كُلُّ أُولَٰ عُنْهُ مَسْتُهُ لَا هِ
- وَ لَا تَمْشِ فِي الْأَرْضِ مَرَحًا ؛ إِنَّكَ لَـنْ تَحْرِقَ الْأَرْضَ وَ لَنْ تَبْلُغَ الْجِبَالَ طُوْلًا @ كُلُّ ذُ لِكَ كَانَ سَيِّئُهُ عَنْدَ رَبِّكَ مَكُو وُهًا ﴿
- ذُ لِكَ مِثْما ٓ أَوْشَى إِلَيْكَ رَبُّكَ مِنَ الْعَكْمَةِ وَ لَا تَجْعَلُ مَعَ اللهِ اللَّهَا أَخَرَ فَتُلْقَى فِي جَهَنَّمَ مَلُوْمًا مَّدُحُوْ رَا ﴿
- أَفَأَصْفُكُو ۚ رَبُّكُو ۗ بِالْبَنيْنَ وَ إِتَّخَذَمِنَ الْمَلَّكُمَةِ إِنَاقًا ﴿ \$ 801 تعالمات 801 و انَّكُمْ لَتَقُو لُونَ قَوْ لُا عَظَيْمًا أَهُ
  - وَ لَقَدْ صَرَّ فَنَا فِي هٰذَا الْقُرْ إِن لِيَدَّكَّرُوا ۗ وَمَا يَوْدُهُمْ إِلَّا نُفُوْ رَا۞ قُلْ لَّوْ كَانَ مَعَدَّ أَلْهَدُّ كَمَا يَقُوْ لُوْنَ إِذًا لَّابْتَغَوْا إِلَى دى الْعَاش سَيلًا ه
    - سُبْطَنَهُ وَ تَعْلَى عَمًّا يَقُوْ لُوْنَ عُلُوًّا كَبِيًّا ﴿
  - تُسَبِّكُ لَهُ السَّمَوٰتُ السَّبْعُ وَ الْأَرْضُ وَمَنْ فِيْهِنَّ ﴿ وَإِنْ مِّنْ

بِالْإِحْرَةُ مَجَابًا مُّسْتُوْ رَأَهُ

شَيْهُ الَّا يُسَبِّكُ بِكَبْدِهِ وَ لَكِنْ لَّاتَفْقَهُونَ تَسْبِيْكُهُمْ ﴿ إِنَّهُ كَانَ مَلْيُمًا غَفُوْ رُأِ ﴿ وَ إِذَا فَى آتَ الْقُوْ أَنَ جَعَلْنَا بَيْنَكَ وَ بَيْنَ الَّذِيْنَ لِايُؤْمِنُوْنَ

- ١٤- سُوْرَةُ بَنِيْ الْهُ آءَيْل رَّجَعَلْنَا عَلَى قُلُوْ بِهِي ۚ إَكِنَّةً أَنْ يَّفْقَهُوهُ وَ فَيْ إِذَانِهِ ۗ وَقُرًّا وَ إِذَا
- ८८। याप्रि जाराज बजरात डेअन यानस्थ रेजरी तरनि शास्त्र जाना जा नसरज ন। পাবে এবং তাদেব কানে ব্যয়কে বধিবতা। এবং যখন ভঙ্গি ক্বডানে भक्ता (प्राप्तात अफ्रिशायरकात केयाचे कत प्रचान प्राप्ता प्रशासक अफ्रेशार्मक ক্ষেত্ৰ :
- ৪৭। ইংগ্র খোরা সোহার দিকে কান খোসে শোনে স্থান খারা কেন ভা (করঝান) কান পোতে শোনে তা আমি ভাল করে জানি এবং যখন ভারা गांगम क्यार वर शांक राथम कानिया वान '(कांग्रवा कटन वक জাদ্যান্ত ব্যক্তির অনসরণ করছ (তাও ভাল করে জানি)।
- ৪৯। লক্ষ্য কৰ ভাৰা ভোহাৰ জন্ম কেহন উপহা পেশ কৰে। আৰু ভাৰা পথন্তই হয়েছে, সতরাং তারা পথ পেতে সক্ষম হবে না।
- ৪৯। এক ভাবা বালে 'হখন আছবা চাতে পৰিণত চব ও টকবো টকবো চব তখনও কি অবশাই আমরা নতন সৃষ্টিরূপে পনরুখিত হবঃ
- ৫০। বল 'নোমবা পাথব অথবা লোচা হয়ে যাও-
- ea। অথবা এমন এক সৃষ্টি যা তোমাদের বক্ষে (ধারণায়) খবই বভ. এবং শীঘট ভাষা কলৰে 'কে আয়াদেব (সঙ্কিব) পনবাৰনি কৰাৰেং' বল, 'তিনি, যিনি তোমানেরকে প্রথমবার সৃষ্টি করেছেন,' অভঃপর তারা তোমার সামনে মাথা নাজবে ও বলবে 'এটা কবে চবেঃ' বল 'নিকটবর্জী সম্পন্নই তা (সংঘটিত) হবে।
- তার প্রশংসার সাথে এবং তোমরা ধারণা করবে, তোমরা সামান্যই 🖁 অবস্থান করেছিলে। ৫৩। এবং আমার বান্দানেরকে বলতে বল যা উত্তম তা-ই। দিশুর শয়তান তাদের মধ্যে (বিভেদ সৃষ্টির) প্ররোচনা দেয়। নিক্রয় শয়তান মানবের
- জনা সম্পর্ট শক্ত ৫৪। তোমাদের প্রতিপালক তোমাদের সম্পর্কে সবচেয়ে বেশি ভানেন। তিনি হলি ইঞ্জা বাবেন ডাহলে ডিনি ডোহ্যাদের প্রতি দহা করাবন অথবা হলি ইঞ্ছা করেন ভাহলে ভোমাদেরকে শান্তি দিবেন। আব আমি ভোমাকে
- ভালের জন্মারধায়ক হিসাবে প্রেরণ করিন। ৫৫। এবং আকাশসমহ ও পথিবীতে যারা আছে ভাদেরকে ভোমার প্রভিগালক ভালভাবে জানেন। এবং আমি নবীদের ক্রজকে ক্রজকের ইপর মর্যানা দিয়েছি এবং দাউদকে দিয়েছিলাম যাবর (লিখিত কিতাব)।
- en वर्ग '(ठाप्रचा केंद्रक बाम मिरव वारमबाक (डेलाड) धावमा कारक आफ्रास्टरक ডাক, কিন্ত তারা তোমাদের দঃখ-দর্মশা দর করা বা (ভা অনা কোন দিকে) স্থানামৰ কৰাৰ মালিক নহ।
- ০৭। তাবা যাদেবকে মাকে ভারটে ভাদের প্রতিপালকের দিকে উপায় আলাল করে (এই চেষ্টায় যে), ভাদের মধ্যে তে অধিক নিকটবর্তী (হতে পারে) এবং তাঁব দয়া প্রত্যাশা করে ও তাঁব শানিকে তয় করে। নিক্ষয় ভোয়ার প্রতিপালকের পাক্তি তথ্য রহার হত।

- ذَكَوْتَ رَبُّكَ فِي الْقُوْ إِن وَهُدَةً وَلَّوْا عَلَى آذْبَا رِهِرْ نَقُوْ راً ۞ نَحْنُ آعْلَيُ بِمَا يَسْتَمِعُوْنَ بِهَ إِذْ يَسْتَمِعُوْنَ الْيُكَوَ الْدُهُ نَجُوآى اذْ يَقُولُ الظُّلُمُونَ إِنْ تَتَّبِعُونَ الَّا رَجُلًامُّسُعُو رَا ۞
- ٱنْظُوْ كَيْفَ مَو بُوالَكَ الْآمْقَالَ فَفَلُّوا فَلاَ يَشْتَطِيْعُونَ سَبِيلًا ﴿
- وَ قَا لُوْ آءَ وَإِذَا كُنَّا عِظَامًا وَّرُ فَاتًّا ءَإِنَّا لَمَبْعُوثُونَ خَلُقًا
  - قُلْ كُوْنُوا حَجًا رَةً أَوْ مَديدًا ٥
- اَوْ غَلْقًا مَّمَّا يَكْبُرُ فِي صُدُورِكُمْ: فَسَيَقُو لُوْنَ مَنْ يُعَيْدُنَا · قُل الَّذِيْ فَطَرَكُرْ ۚ أَوَّلَ مَوَّةً ۚ فَسَيُنْغَفُونَ الَّيْكَ رُءُوْسَهُرْ وَ يَقُوْ لُوْنَ مَنِي هُوَ وَقُلْ عَشَى أَنْ يَكُوْنَ قَرِيبًا ﴿
- وَ قُلُ لَعْبَادِيْ يَقُوْ لُوا الَّتِيْ هِيَ آَكْسَ، إِنَّ الشَّيْطَى يَثْرَ ثُعُ بَيْنَهُرْ وَانَّ الشَّيْطَى كَانَ لَلْإِنْسَانِ عَدُوًّا مُّبِيُّنَّا ﴿
- رَبُّكُرْ اَعْلَرُ بكُرْ إِنْ يَّشَأْ يَوْحَمْكُرْ اَوْ إِنْ يَّشَأْ يُعَدِّبُكُرْ وَ مَا أَرْسَلْنَكَ عَلَيْهِمْ وَكَيْلًا ﴿
- وَ رَبُّكَ أَعْلَيُّ بِمَنْ فِي السَّمَٰوٰ عِ وَ الْأَرْضِ ۚ وَ لَقَدْ فَقَلْنَا بَعْضَ النَّبيِّيَ عَلَى بَعْضِ وَّ أَتَيْنَا دَاوُدَ زَبُّوْرا ﴿
  - قُل إِدْعُوا الَّذِيْنَ زَعَمْتُرْ مِّنْ دُوْنِهِ فَلَا يَمْلِكُوْنَ كَشْفَ | لَفَّرِّ عَنْكُمْ وَلَاتَحُويْلًا⊛
  - أُولَٰ عَلَقَ الَّذِيْنَ يَدُعُوْنَ يَبْتَغُوْنَ إِلَى رَبِّهِمُ الْوَسِيْلَةَ أَيُّهُمْ أَقْهَ بُ وَ يَ جُوْنَ رَحْمَتَهُ وَ يَخَافُوْنَ عَذَا بِهُ ﴿ إِنَّ عَذَا إِنَّ عَذَا إِنَّ مَذَا إِنَّ مَذَا

كَانَ مَهُدُونًا هِ

- ক্রবর না অথবা যাকে (জনপদকে) কঠোর শক্তি দেব না। এটা কিতাবেট (জন্ম মারক্তর) নিপিত্র আছে:
- ৫৯। এক আয়াকে নিদৰ্শনাকটা প্ৰেৰণ কৰা থেকে বিহত কেখেছে ৩৭ তা-উ अर्थराजींचा सकासारक विशा समितिक काराधिक तक साथि प्राथमान দিয়েছিলাম একটি উষ্টী- আলোকপ্রদ হিসেবে \* অভঃপর তারা এর প্রতি समय कार्यास्त । यात याप्रि तकता नीजि अपर्यासन समाडि निप्तर्गन (जनव
- ৯০। এক মধন আমি সোমাকে বলেছিলাম নিশ্বর সোমার প্রতিপালক (জানে ও ক্ষমতাহ) মানয়কে পরিবেষ্টন করে রেখেছেন। এবং আমি যে त्वजन प्राचारम्य श्रीकात क्या । साप्ति कार्फरस्य कीकि श्रानंद्र कति किय তা কেবল তাদের চবম অবাধ্যভাই বাজিয়ে দেয়।
- ৬১: এবং যথন আমি ফেরেশতাদেকে বলেছিলাম, 'আনমকে সিজদা কর'. তখন তারা সিজনা করল- ইবলিস ছাল্লা। সে বলল, 'আমি কি তাকে সিজদা করব যাকে আপনি মাটি থেকে সৃষ্টি করেছেন।
- ৬১। সে বলল 'আপনি কি ভেবে দেখেছেন আপনি আমার উপর এই যাকে সন্মানিক করাজন। যদি আয়াকে আপনি কিয়ায়াকর দিন পর্যন্ত অবকাশ দেন ভাহলে আমি অল্প কয়েকজন চাড়া ভার বংশধরকে অবশাই বদীনত কার জেলব।
- ৬৩। তিনি (আল্লাহ) বললেন, 'থাও। তবে তাদের মধ্যে যারা তোমার অনুসরণ করবে, দিক্তা জাহান্তাম তোমাদের (সকলের) প্রতিফল-এক পর্ণ official in ৬৪। এবং ভোমার আধ্যাক্র দাবা তাদের মধ্যে যাকে পাব প্রবেচিত কর
- कार्यात अग्र-पालंग क प्राचार-भाववितात संत्रीक तात गांक क जायकारक প্রতিক্ষতি দাব। ভার শহতান তাদেরকে কোন প্রতিক্রতিই দেয় না-COUNTRY TOWNSON
- ৬৩। নিশ্বয় আগ্নার বান্যাদের উপর তোয়ার কোন ক্ষমতা নেট।' এবং ভদ্রবধায়ক হিসেবে ভোমার প্রতিপালকই মঞ্ছে।
  - ৬৬। ভোয়াদের প্রতিপালক তিনি যিনি তোমাদের জনা সমদে নৌখান পরিচাদিত করেন, যাতে তোমরা তার অনুধাহ থেকে তালাশ করতে পার। নিক্তম তিনি তোমাদের প্রতি পরম দয়াল।
  - ৬৭, এবং সমতে যখন ভোমাদেরকে কোন দুঃখ-দুর্দশা স্পর্গ করে তথন ক্ষেক্ত তিনি ডাড়া অন্য খাদেরকে তোমরা ডাক তারা উধাও হয়ে খায়, অসংগ্ৰহ হাওন কিনি লোমাফাৰকে উদ্ধাৰ কৰে অলে আনেন তথন তোমরা মথ ফিরিয়ে নাও। আর মান্য বভই অকতজ।

- وَ إِنْ مِّنْ قَهُ يَهَ إِلَّا نَحْنُ مُهْلِكُو هَا قَبْلَ يَوْ ۖ إِلْقَيْمَةَ أَوْمُعَدِّبُوْهَا عَذَابًا شَدِيْدًا ﴿ كَانَ ذَلِكَ فِي الْكِتْبِ مَسْطُهُ رَأُ
- وَمَا مَنَعَنَآ أَنْ نُبُّ سِلَ بِالْإِينِ إِلَّا أَنْ كَذَّبَ بِهَا الْأُوَّ لُوْنَ ، وَ أَتَيْنَا ثَمُودَ النَّاقَةَ مُبْصِرَةً فَطَلَّمُوا بِهَا وَمَا نُرْسِلُ بِالْأَيْبِ الا تَحُوثِقًا ﴿
- وَ إِذْ قُلْنَا لَكَ إِنَّ رَبُّكَ إِهَا طَابِ النَّاسِ، وَمَا جَعَلْنَا إِلَّ ءُيَا الْقُوْانِ، وَنُخَوِّفُهُرُ ، فَمَا يَزِيْدُهُرْ الْأَطُفْيَانًا كَبِيرًا ۞
  - وَ ا ( قُلْنَا لِلْمَلَّئِكَةِ الشَّجُدُوْ لِأَدَّ) فَسَجَدُوْٓ ا الْآ ابْلَيْسَ، قَالَ ءَ أَسْجُدُ لَمَنْ خَلَقْتَ طَيْنًا أَهُ قَالَ أَرَءَيْتَكَ هٰذَا الَّذِي كَرَّمْتَ عَلَيَّ، لَتَنْ ٱخْرْتَن إلى يَوْم
  - الْقَيْمَة لِآحْتَنكَنَّ ذُرِّيَّتَهُ الَّا قَليْلًا ﴿ قَااً ، ادْهَدْ فَمَنْ تَبعَكَ مِنْهُرْ فَانَّ جَهَنَّرَ جَزَّ أَوُّكُرْ جَزَّاءً مُوْفُوْراً ١
- وَاسْتَفْوْ زْمَنِ اسْتَطَعْتَ مِنْهُرْ بِمَوْتِكَ وَ ٱجْلِبُ عَلَيْهِرْ কোয়ার অস্থানোতী ও পদানিকে রাহিনীকে সামের উপর চারাও এবং بِخَيْلِكَ وَ رَجِلِكَ وَهَا رِكُهُمْ فِي إِلْأُمُوا لِ وَ الْأَوْلَادِ وَ عَدُهُمْ ، وَمَا يَعَدُمُرُ إِلشَّيْطُنُّ إِلَّا غُرُوْرًا ﴿
  - انَّ عَبَادِيْ لَيْسَ لَكَ عَلَيْهِرْ سُلْطَّ، وَكَفَى بِ بِلِّكَ وَكَيْلًا ﴿ رَبُّكُرُ الَّذِي يُزْجِي لَكُرُ الْفُلْكَ فِي الْبَحْرِ لِتَبْتَغُوْا مِنْ
  - فَشْلهِ اللَّهُ كَانَ بِكُرْ رَحِيْمًا وَ إِذَا مَسَّكُمُ الفَّوِّ فِي الْبَحْرِ ضَلَّ مَنْ تَدْعُونَ الَّا الَّاهَ، فَلَمَّا نَجْكُرْ إِلَى الْبَرِّ آعْرَفْتُرْ ، وَكَانَ الْإِنْسَانُ كَفُوْرًا ﴿

4151-10

٨ سُوْرَةُ بَنِيْ إِشْرَآءَيْل

مَاصِبًا ثُورٌ لَاتَجِدُوْا لَكُمْ وَكَيْلًا ﴿

- ওচ। তোমরা কি নিরাপদ মনে করেছ যে, তিনি তোমানেবকেসহ কোন স্থলতাগ ধাসিতে দিবেদ না অথবা তোমানের উপর প্রেরণ করবেদ না পাধর বহনকারী এক গ্রহণ বাতৃ, এরপর তোমরা তোমানের জন্ম কোন ভারবধায়ক পাবে না।
- ৬৯। অথবা তোমতা কি নিরাপান হয়েছ যে, তিনি ভোমানেরকে আরো একবার তাতে (সমূদ্রে) ফিরিয়ে নিরেন না এবং তোমানের উপর গর্জনকারী খার্ প্রেরণ করবেন না এবং ভোমানের কুফরীর জন্য তোমানেরকে নিয়ন্ত্রিক করবেন নাই এরপর ভোমতা এ বিধরে আমার বিকক্ষে কোন সাহার্যকারী পাবে না।
- १०। बात करनाहै बादि कारा-नक्षात्तर नवानिक कराहि, कारावर कृत वहिंदी हैं कि है कि है कि है कि है कि है कि है कि ह त्रपुत बस्त कराहि, कारावर परिक्र विश्व हैं कि हैं कि है कि है
- ৭১। যেদিন আমি প্রত্যেক মানবনগকে তাদের ইমামসহ (আমলনামাসহ) ভাকক, অন্তঃপর মানের কিতার (আমলনামা) তাদের ভাল হাতে দেয়া হকে, তারা তাদের কিতার (আমলনামা) পাঠ করবে একং তাদের প্রতি প্রেছর বীচিত্র মধ্যক্তিত সতা পরিমাণত জ্ঞান করা হকে সা।
- ৭২। আর যে ব্যক্তি দুনিরতে অস্ক সে আধিরতেও অস্ক এবং অধিক পথত্রই। ৭০। এবং সজিট আহি লোমার কবি যা পত্নী আবচি লা খোক তারা সম্মান
- পদস্কলন ঘটানোর কাছাকাছি চলে দিয়েছিল যাতে ভূমি আমার বিকাদ এর বিপরীত মিখ্যা রচনা করতে পার; আর তখনই তারা তোমাকে বন্ধুরূপে এহপ করত।
- ৭৪। আর যদি আমি তোমাকে স্থির না রাখতাম তাহলে অবশ্যই ভূমি তাদের দিকে সামান্য ঝুঁকে পড়তে-
- ৭৫। তাহদে অবশ্যই তোমাকে সুনিয়ার বিতণ (শান্তি) ও পরকালের বিতণ (শান্তি) আখাদন করাতাম, এবেশর আমার বিরুদ্ধে তোমার জন্য কোন সাচায়াকারী পোডে না।
- ৭৬। এবং সভিটেই তারা তোমাকে (আবাস) ভূমি থেকে উৎবাত করার কান্ত্যতাহি চলে দিয়েছিল তোমাকে দেখান থেকে বের করার জনা, আর (মদি দেটা হত) তখন তোমার পর তারাও সেখানে সামানাই অবস্থান রক্তর।
- ৭৭। (এটি) আমার রাস্লদের মধ্যে তোমার পূর্বে থালেরকে প্রেরণ করেছিলাম। তাদের (ক্ষেত্রে গত হওরা) সূত্রত (মীডি) এবং ভূমি আমার সূত্রতে (নীতিতে) কোন পরিবর্তন পাবে না।
- ৭৮। সূর্য হেলে পড়ার পর থেকে রাচের খন অন্ধকার পর্যন্ত নালাত (নামাথ) কামেম কর এবং (কায়েম কর) ফভারের কুবআন পাঠ ও (অর্থাৎ সালাভূল ফলর)। নিওম ফলরের কুবআন পাঠ (সালাভূল ফজন) প্রভাক্ষ করা হয়।
- ৭৯। এবং তা সহ (অর্থাৎ কুরআন পাঠসহ) রাতের কিছু অংশে ইবাদভের জনা উঠ (তাহাজুদ্দ গড়)- তোমার জন্য নম্বদ্দ (অতিরিক্ত) হিসেবে। স্মার্ট হাতামার প্রতিপালক তোমাকে অবিষ্ঠিত করবেন প্রশংসিত হানে (মাক্তমে মাহমুদে)।

ٱٵٞٳؘؘؙۄؽؿؙۯٵڹ يَّعِيْدكُرْ فِيْوِتَا رَةَّا كُفْرِي فَيْرْسِلَ عَلَيْكُرْ قَامِقًا مِّنَّ الْإِنْفِرِ فَيْقُوْفَكُرْ بِمَا كَفَوْتُرْ الَّرِّ لَاقَعِدُواْ لَكُوْ عَلَيْنَا بِهِ تَبِيعًا ۞

أَفَامِنْتُرْ أَنْ يَخْسِفَ بِكُرْ جَانِبَ الْبَرِّ أَوْيُوْسَلَ عَلَيْكُرْ

صِّ الطَّيِّابِ وَقَطْلُهُمْ عَلَى كَثِيْرٍ وَمِّنْ كَلَّقْنَا تَقْفِيلًا ﴿ يُواَ لَدُعُوا كُلَّ أَنَاسِ بِإِمَامِهِمْ فَفَنْ أُوْلَى كَتْبَعُ بِيَمِيْنِهِ يُواَ لَدُعُوا كُلِّ أَنَاسِ بِإِمَامِهِمْ فَفَنْ أُوْلَى كَتْبَعُ بِيَمِيْنِهِ

قَاوِلَيْكَ يَقْرَمُونَ كِتَبَهُمْ وَلاَيْظَلَمُونَ تَعَيَّدُهِ وَمَنْ كَانَ فِي هَٰذِهِ آغَمٰى فَهُو فِي الْأَخِرَةَ آغُمٰى وَاَمَلُّ سَيِئْلُا ۞ وَانْ كَادُوا لَيَهْتَنُوْنَكَ عَنِ الْلِنْمُ ٱلْحُدِيثَا آلِيُكَ لِتَغْتَرِيَ

عَلَيْنَا غَيْرَةً ثُّ وَإِذَا لِأَنْخَذُوْكَ غَلِيلًا۞ وَلَوْلَا إِنْ لَبَّمْنُكَ لَلَّذِي كِنْ تَرْكَى إِلَيْهِرْ هَيْئًا قَلِيلًا۞ إِذَا لِآدَقْنُكُ مَعْنَ إِلْمَيْءِ ذَوْمَعْنَ إِلْمَهَانِ فَيْ الْكِرَاقِ

عَلَيْنَا نَمِيْرًا۞ وَ إِنْ كَادُوْا لَيَسْتَفَرُّوْنَكَ مِنَ الْاَرْضِ لِيُحْرِجُوكَ مِنْمَا وَ إِذًّا لَّوِلِيَنَهُنَّ حَلَقَكَ الَّا قَلِيُّدُ۞ لَّوِلِيَنَهُنَّ حَلَقَكَ الَّا قَلِيُّدُ۞

سُنَّةُ مَنْ قَدْ أَرْسَلْنَا قَبْلَكَ مِنْ رَّسُلِنَا وَ لَآتَجِكُ لِسُنَّنَا تَحْهُ لَكُهُ

أَقِي المَّلُوةَ لِدُلُوْكِ القَّمْسِ إِلَىٰ غَصِّ الْيُلِ وَقُرْ أَنَّ الْفَهْرِ وَأَنْ الْفَهْرِ وَأَنْ مَثْهُوْدًا ۞

رُمِن الَّذِلِ فَتَهَجَّدُ بِهِ نَافِلَةً لِّكَ الْعَشَى أَنْ يَّبَعَثَكَ رَبَّكَ مَغَامًا مَّحُمُودُانِ STREET,

- VO. এবং বল 'তে আমার প্রতিপালক। আমাকে নিরাপাদ প্রবেশ কনাম এক হিনাপাদ বেব করে আমন এবং আপনাব নিকট খেকে আমাকে দান ককন সাহাথ্যকারী ক্ষমতা।"
- ১১ এক বল 'সভা একেছে এবং বাতিল (মিখা) চলে পিছেছে।' নিশ্বর অভিনয় চলে সালেই।
- ৮১। এবং আমি করমান অবতীর্ণ করি, হা মু'মিনদের জন্য আরোগ্য ও নয়া, আর তা জালিমদের জন্য কৃতি ছাড়া কিছুই বন্ধি করে না।
- ৮৫। আৰু যথন আমি মানহের উপর নেয়ামত দান করি তথন সে (কভজ্জতা প্রকাশ থেকে) মুখ ফিরিয়ে নেয় ও তার পাশে সারে যায় এবং হর্তন আত্রে साहित स्थापी जाना वाचार त्या सामाना साहा शरफा
- প্রতিপালর সবচেয়ে বেশি ছালেন কে স্বচেয়ে সঠিক পথে বয়েছে ' ৮৫। এবং ভোমাকে ভারা রহ সম্পর্কে প্রশ্র করে। বল, 'রহ আমার পরিপালকের মির্মেশ এবং ভোমাদেরকে জানের সামানাই দেয়া
- ৮৬। আৰু যদি আমি ইঙ্খা কবতাম তাহলে আমি তোমাৰ প্ৰতি যা ওঠা কৰেছি তা অবশাই নিয়ে নিতাম, এরপর এ বিষয়ে তমি আমার বিরুদ্ধে কোন তন্ত্রবধায়ক পেতে না-
- ৮৭। জনে ভোয়ার প্রতিপালকের গন্ধ থেকে দরা থাকার (তা নিয়ে নিচ্ছি না)। নিশ্বর সোয়ার পজি ভাঁব অন্যাত বিবাট।
- ৮৮। বল, 'বদি এই কুরআনের অনুরূপ (কুরআন) আনার জন্য মানুষ ও জীন (স্বাই) একত্রিত হয় তবু তারা এর অনুরূপ আনতে গারবে না. যদিও তারা একে অপরের সাহায্যকারী হয়।
- ৮৯। আর অবশ্যই আমি মানুহের জন্য এ কুরআনে প্রত্যেক নুটান্ত বিভিন্নতাবে বর্ণনা করেছি। কিন্তু অধিকাংশ মানুষ (তা সবই) অন্বীকার করল- কৃষ্ণরী सामा .
- ৯০। এবং তারা বলে, 'আমরা কখনো তোমাকে বিশ্বাস করব না হতক্ষণ না তুমি আমাদের জন্য ভূমি থেকে একটি কর্ণা উৎসারিত কর-
- ৯১। অথবা তোমার জন্য হবে থেজুরের ও আঙ্গুরের একটি বাগান এবং এর য়াঁকে ফাঁকে তুমি প্রবল বেগে নহরসমহ প্রবাহিত কর-

- وَ قُلُ رَبِّ إَدْعَلَنيُ مُدْعَلَ مِدْقِ وَ أَكْوِجْنيُ مُحْرَجَ مِدْق وَّ اجْعَلْ لِي مِنْ لَدُنْكَ سُلْطِنًا نَصْبًا إِن وَقُلْ مَآءَ الْعَقُّ وَ زَهَقَ الْبَاطِلُ ، إِنَّ الْبَاطِلُ كَانَ زَهُوْقًا ۞
- وَنُنَةً لَهُ مِنَ الْقُو إِن مَا هُوَ شَفّاءً وَّ رَحْمَةً لَلْمُؤْمِنيْنَ وَ لَا يَبِيْدُ الظُّلميْنَ الَّا خَسَا رَّا ﴿
  - وَ اذَآ ٱنْعَمْنَا عَلَى الْإِنْسَانِ ٱعْرَضَ وَنَابِجَانِيهِ وَإِذَا مَسَّهُ الشُّهُ كَانَ يَكُوْسًا
- ৮৪। বল, 'প্রভ্যেকেই নিজ পদ্ধতি অনুযায়ী কাজ করে এবং তোমার G قُلْ كُلُّ يَّعْمَلُ عَلَى شَاكِلَتِهِ فَوَبَّكُمْ أَعْلَرُ بِمَنْ هُوَ أَهْلَى وَيَسْتَلُوْنَكَ عَنِ الرَّقِ -قُلِ الرَّوْحُ مِنْ اَمْرِ رَبِّيْ وَمَاۤ ٱوْتَيْتُمْ
  - مَّنَ الْعَلْمِ الَّا قَلَيْلًا ۞ وَ لَئَنْ شَئْنَا لَنَدُهَبَنَّ بِالَّذِئَّ ٱوْهَيْنَآ إِلَيْكَ ثُرٌّ لَاتَجِدُ لَكَ به عَلَيْنَا وَكَيْلًاهُ
    - الَّا رَحْمَةٌ مِّنْ رَّبِّكَ، إِنَّ فَشْلَهُ كَانَ عَلَيْكَ كَبِيرًا ﴿
  - قُلْ لِّئِن اجْتَمَعَبِ الْإِنْسُ وَ الْجِنَّ عَلَّ آنْ يَّأْتُوا بِمثل هٰذَا الْقُوْانِ لَا يَا تُوْنَ بِمِعْلِمِ وَ لَوْ كَانَ بَعْمُمُورٌ لِبَعْضِ ظَهِيًّا ﴿
  - وَ لَقَدْ صَرَّفْنَا لِلنَّاسِ فِي هَذَا الْقُرْ أِنِ مِنْ كُلِّ مَثَلِ مَقَلِ وَ اَلَّي أَكْثَرُ النَّاسِ الَّاكُفُوْ رَا
  - وَقَا لُوْا لَنْ نُوْمِنَ لَكَ هَتَّى تَفْجُو لَـنَامِنَ الْأَرْفِ يَنْـبُوعًا أَ
  - أَوْ تَكُوْنَ لَكَ مَنَّةً مِّنْ نَّخِيْلِ وَّعِنَبِ فَتُفَجِّرَ الْآثُهُرَ خِلْلَهَا نَفْجِيْرًاهُ

- ৯১। অধবা কমি আরাশকে খন খন করে আয়ানের টপর কেল- কেল্লাট ভমি দাবী করেছ- অথবা আলাত ও জেবেশতাদেরকে আমাদের সামনে Corn serve.
- ৯৩। অথবা তোমার জন্য স্বর্গের সাজ-সজ্ঞা সম্বলিত একটি ঘর হয়। অথবা ক্ষমি আৰু লে আবোচৰ কৰা কিছে কোমাৰ আকাশ আবোচনকৈ আমৰা, (দিখিত) বিভাব অবভীৰ্ণ কৰ যা আগ্ৰবা পাঠ ব্যৱহা' বল 'পতিৰ আমার প্রতিপালক, আমি কি একজন মানষ ও একজন রাসল ছাড়া অন্য ত কিছ#
- ৯৪। अतः राध्य जात्मत विक्ती अधिराधिका जात्म ज्ञान आकरान्तर हैयान আনা থেকে কেবল তা-উ বিবত বাখে যে ভাবা বলে 'আলাচ কি प्राच्याकर के नामक विभागन शांक्रियायका »'
- ৯৫। হল 'ফেবেশভাবা যদি পথিবীতে নিশ্চিত্তে চনাচল ব্যবত তবে অৱশাই আমি আকাশ থেকে ভাদের নিকট একজন ফেরেশভাকেই রাসল হিসেবে অবজীর্ণ করতায়।
  - ৯৯। जल 'स्थापाद ७ (आप्रांत्रक प्राप्त आसी दिरागत स्थातादे आधी। विश्वक তিনি তাঁর বান্ধাদের সম্পর্কে পর্ণ অবগত ও পর্ণ দৃষ্টিবান।
  - ৯৭। আর আল্লাহ যাদেরকে সঠিক পথ প্রদর্শন করেন তারা সঠিক পথপ্রাপ্ত এবং যাদেরকে তিনি পথন্ট করেন তমি কথনো তাদের জনা তাঁকে वाम जिल्हा कारिक अभिमारक दिएमार भारत था। अवर किराधानन मिन আমি ভাদেরকে সমবেত করব অধ্যেমধী অবস্থায়- অন্ধ: বোবা: ও বধিব বাবে। দেনের আশহপুল হার জাহানাহ। যথনট ডা লিছিল হার জখন আমি তাদের জন্য বন্ধি করে দেব জলস্ত আগুন।
- ৯৮। এটাই ভাদের প্রতিষদ কারণ কারা আয়ার আরাজসমত অবিশ্বাস করেছিল ও বলেছিল, 'যখন আমরা হাতে পরিগত হব ও টকরো টকরো হব তথ্যত কি আমৰা নতন সৃষ্টিত্ৰপে প্ৰকৃতিত হবঃ
- ১৯। তারা কি ভেবে দেখেনি যে, আলাহ- যিনি আকাশসমহ ও পথিবী সষ্টি করেছেন তিনি আদের অনরূপ সৃষ্টি করতে সক্ষয়ঃ এবং ডিনি ভালের খান্য এক নির্দিষ্ট সময় নির্ধারণ করেছেন, যে ব্যাপারে কোন সন্দেহ নেই। কিন্ত জালিমবা (তা সবট) অধীকাৰ কৰল- কফৰী জালা ।
- কপণ।

أَوْ تُسْقِطَ } لسَّمَا أَءَكُمَا زَعَبْتَ عَلَيْنَا حَسَفًا أَوْ تَأْتَىَ بِاللَّهُ وَ 25 Til ٱوْيَكُوْنَ لَكَ بَيْتُ مِّنْ زُهُرُ فِ ٱوْتَرْفَى فِي السَّمَّاءِ وَ لَىٰ تُؤْمَىٰ لِوُقِيْكَ حَتَّى تُنَزِّلَ عَلَيْنَا حُتِّبًا تَقَرَّوُهُۥقُلُ سُبُحَانَ ۖ ﴿ وَهِلَهُ علمه الله علم الله علم المعالم المعالم

السورة بني المراويل

- رَبَّى هَلْ كُنْتُ إِلَّا بَشَبًّا رِّسُو لَا فَ وَمَامَنَعَ النَّاسَ إِنْ يُؤْمِنُوا إِذْ جَاءَهُمُ الْهُذِّي الَّا إِنْ قَا لُوْا أَبَعَى اللهُ بَشَرًا رَّسُو لا @
  - قُلْ لَّهِ كَانَ فِي الْآرْضِ مَلَّتَكَةً يَّهُشُونَ مُطْمَئَنَّيْنَ لَنَزَّ لْنَا عَلَيْهِمْ مِّنَ إِلسَّمَاء مَلَكًا رَّسُولًا ۞
  - قُلْ كَفَى بِاللهِ هَمِيْدًا 'بَيْنِيْ وَبَيْنَكُرْ وَاتَّهُ كَانَ بِعِبَادِهِ خَبِيرًا بَعِيرًا @
- وَمَنْ يَهْدِ اللهُ فَهُوَ الْهُهُتَدِ، وَمَنْ يُغْلِلْ فَلَنْ تَجِدَلَهُمْ أَوْ لَيَّاءَ مِنْ دُوْنِه، وَنَحْشُرُ هُرْ يَوْمَ الْقَيْمَةِ عَلَى وُجُوْهِمِرْ عُبْيًا وَّ بُكْمًا وَّ مُمَّا ، مَأُولِهُ مَهَنَّرُ ، كُلَّمَا غَبَث زِدْلُهُ وَسَعْيَرًا ١٠
- ذُ لِكَ جَزَّ أَوُّهُرْ بِأَنَّهُرْ كَفَهُ وَإِ بِأَيْتِنَا وَقَا لُهُ ٓۤ ءَاذَا كُنَّا عَظَامًا وَّ رُفَاتًا ءَاِنَّا لَبَبْعُو ثُونَ غَلْقًا جَدِيدًا
- أَوَ لَيْ يَهِ وَإِ أَنَّ إِللَّهُ إِلَّا ذِي خَلَقَ إِلسَّهُونِ وَ الْأَرْضَ قَادِرٌ اِنَ آنْ يَّخُلُوَ مِثْلَهُمْ وَجَعَلَ لَهُمْ أَجَلًا لَّارَيْبَ فَيْهِ • فَأَيِّي الظُّلْمُونَ الَّا كُفُو را ١
- غَشْيَةَ (الْانْفَاق، وَكَانَ (الْانْسَانُ قَتُوْ رَاٰهُ

- ১০১) আর অবশাই আনি মুসাকে নাটি শাই নিদর্শন দিয়েছিলাম, সুতরাং কৃষি বনী ইসরাইদকে জিল্লাসা কর যথন সে তাদের নিকট এসেছিল এবং ছিল্লআউন তাকে বলেছিল, 'হে মূলা: নিক্ষ আমি তোমাকে যামুখন্ত মনে কর্মি:'
- ১০২।সে (হ্না) বলেছিল, 'তুমি অবশাই অবগত আছু মে, এসব শ্পাই নিলর্শন আক্রাপন্মূর ও পৃথিবীর প্রতিপালকই অবতীর্গ করেছেন আলোকবর্তিসাহকা, আর হে কিছআটন। দিশ্চর আমি অবশাই ফ্রোরাকে মাহলার ধাবলা করি।'
- ১০৩। অতঃগর সে (ফিরআউন) তাদেরকে (আবাস) ভূমি থেকে উৎখাত করতে ইচ্ছা করণ, তখন আমি তাকে ও তার সাথে যারা হিল তাদের স্বাচিতে নিম্মিত্ত করলাম।
- ১০৪।এবং তারপর আমি বনী ইসরাইলকে বললাম, 'ভোমরা পৃথিবীতে বসবাস কর, অতঃপর যখন আথিবাতের প্রতিশ্রুতি আসবে তথন
- ১০৫।এবং আমি সভ্যসহই তা (কুরআন) অবতীর্থ করেছি এবং তা সভ্যসহই অবতীর্থ হয়েছে। এবং আমি তোমাকে কেবল সুসংবাদদাতা ও সভ্যতিয়ারীক্যপ পেরণ ক্ষর্যাছি।
- ১০৬।এবং (এটি) একটি কুরম্রান, যাকে আমি (বিভিন্ন অংশে) পৃথক করেছি যাতে ভূমি ভা মানুষের নিকট থেমে থেমে পাঠ করতে পার এবং আমি ভা ক্রমে ক্রমে প্রবাহীণ করেছি।
- ১০৭।বল, 'ভোমরা এর (অর্থাৎ কুরজাদের) উপর ঈমান আন নতুবা ঈমান এনো না।' নিকন্ত মানেরকে এর পূর্বে জ্ঞান দেয়া হয়েছে তাদের নিকট যথন তা পাঠ করা হয় তথন তারা অধোমুখে সিরুদায় পড়ে যায়-
- ১০৮ এবং তারা বলে,'পবিত্র আমাদের প্রতিপালক, আমাদের প্রতিপালকের প্রতিক্রতি অবশাই কার্যকর হয়ে থাকে।'
- ১০৯।এবং ভারা ফাঁদতে কাঁদতে অধোদ্ধখে (সিজলার) অবনত হয় এবং ভা ভাদের বিনয় বাড়িয়ে দের।
- ১১০।বল, 'তোমবা আল্লাহ্কে ভাক বা রহমানকে ভাক, তোমবা কে নামেই ভাক না কেন, সংহায়ে সুপর নামসমূহ ডাঁরই। এবং তোমার নামাযে দ্বর উই করো না এবং তেবেলার নীছুও করো না, এবং এম মাথে একটি পথ (অর্থাৎ মধ্য পছা) ভালাশ কর।'
- 25) 16: रहन, "जब्ब समाव प्रकाश कर कि तहा जब्ब सम्बन्ध कर होते. हैं अब देवा के प्रकाश के तहा के कि तहा कर कि तहा कर कि तहा के कि तहा के तहा कर तहा कर तहा तहा तहा के तहा तहा तहा

جَاءَهُرْ فَقَالَ لَدُوْرُعُونُ إِنِّى لَاظُنَّكَ يَمُوسُ مَشُعُونَ أَقِي قَالَ لَقَدْ عَلِمْكَما ۖ أَنْزَلَ هُوْلَاءِ إِلَّا رَبَّ السَّاوٰتِ وَ الْأَرْفِ

وَ لَقَدُ إِنَّيْنَا مُوْسَى تَسْعَ إِيْنِ بِيِّنْتِ فَشَعْلَ بَنِيَّ الشِّ آلَيْلَ إِذْ

- عَانَ لَعَلَّا عَمْدِيهُ الْوَلِي هُو لِاءِ إِلَّا رَبِّ السَّوْتِ وَالاَرْضِ بَمَا لَرِّ ءَوْ إِنِّي لَاظُنُّكَ يَفِرْ عَوْنُ مَثْبُوْلً ۞
- فَا رَادَ أَنْ يَّسْتَفِرِّهُمْ مِنَ الْأَرْضِ فَاغْرَقْنَهُ وَمَنْ مَّعَهُ جَمِيْعًا ﴾
- وَّقُلْنَا مِنْ اَبَعْدِهِ لِبَنِيْ إِشَرَآلِيْلَ اسْكُنُوا الْأَرْفَ فَاِذَا جَاءَ وَعُدُ الْأَخِرَةِ جِثْنَا بِكُمْ لَفِيقًا ۞
- وَبِاكُنِّ ٱثْوَلْنُهُ وَبِالْحَقِّ نَزَلَ وَمَآاَ وَسَلْنُكَ إِلَّامُبَشِّرًا وَّ نَدَيًّا ﴾
- وَقُوْ الَّا فَرَقْنُهُ لِتَقْرَاَهُ فَى النَّاسِ فَى مُحْبٍ وَّ نَزَّلْنُهُ تَنْزِيْلًا ۞
- قُلُ امِنُوا بِهَ آوُ لَاتُؤْمِنُوا · إِنَّ الَّذِيْنَ اُوْتُوا الْعِلْمَ مِنْ قَبْلِهَ إِذَا يَتُلَى عَلَيْهِرْ يَحُوُّونَ لَلْاَقَانَ سُجَّدًا ﴾
  - وَّيَقُوْ لُوْنَ سُبْطَى رَبِّنَآ إِنْ كَانَ وَعُدُ رَبَّنَا لَمَفْعُولًا ۞
    - وَيَحِرُّوْنَ لِلْآذْقَانِ يَبْكُوْنَ وَيَزِيْدُهُرْ خُشُوْعًا 🗟
- قُلِ ادْعُوا اللهُ آوَ (اعْوا الرَّهُونَ، آيَّامًّا تَدْعُوا فَلَهُ الإَسْمَاءُ الْتُسْنَى، وَ لَاتْجُهَرْ بِمَلَاكُ وَ لَاتُخَافِث بِهَا وَ ابْتَغِ بَيْنَ ذلِكَ سَبِيْلًا هِ

آيَاتُهَا ﴿ الرَّحُيُّاتُهَا ۗ ١١٠ رُكُوَّاتُهَا ۗ ١١٠ وَكُوَّاتُهَا لَهِ الرَّحِيْدِ ﴿ الرَّحِيْدِ وَ الرَّامِ الرَّامِ وَالْمِيْدِ وَالْمِيْدِ وَالْمِنْ الرَّامِ وَالْمِيْدِ وَالْمِنْ وَالْمِنْ وَالْمِيْدِ وَالْمِيْدِ وَالْمِنْ وَالْمِيْدِ وَالْمِيْدِ وَالْمِنْ وَالْمِنْ وَالْمِيْدِ وَالْمِيْدِ وَالْمِيْدِ وَالْمِنْ وَالْمِيْدِ وَالْمِيْدِ وَالْمِنْ وَالْمِ

- ি অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহ্র নামে স্থ্রী

  ১৷ সকল প্রশংসা আল্লাহ্র জন্ম যিনি তার বাখার প্রতি এ কিতাব অবতীর্থ
  করেছেন এবং তিনি এতে কেল বঞ্জতা প্রাধেননিং
- (এটি) সঠিক, যাতে সে তাঁর কাছ থেকে (সংঘটিত) কঠিন শান্তি সম্পর্কে সতর্ক করতে পারে এবং সুসংঘাদ দিতে পারে সেকর মু মিনদেরকে যাত্রা সংকাজ করে (এই অর্থ) যে, তালের জন্ম রাক্রাহে সুস্পর প্রতিদান-
- ৩। সেখানে তারা চিরকাল অবস্থান করবে-
- এবং তাদেরকে সতর্ক করার জন্য যারা বলে, 'আল্লার্ সন্তান গ্রহণ করেছেন'.
  - ৫। এ বিষয়ে তাদের কোন জান নেই এবং তাদের শিতৃপুক্তবদেরও ছিল না।
     তাদের মুখ থেকে যে কথা বের হয় তা বুবই সাংঘাতিক। তারা কেবল
    মিধাাই বলে,
  - ও। অতঃপর হয়ত তুমি তাদের পিছনে ঘূরে মনোকটে নিজেকে ধাংস করে ফেলবে, যদি তারা এ কথায়<sup>\*</sup> ইমান না আনে।
  - পৃথিবীর উপর বা কিছু আছে দিশ্যর আমি দেওলোকে এব সৌন্দর্যস্বত্রপ বাদিরেছি তাদেরকে (মানুষকে) পরীক্ষা করার জন্য তাবের মধ্যে কে কাল্লে উত্তম।
  - ৮। এবং এর উপর বা কিছু আছে নিশ্চর আমি তা অবশ্যই উদ্ভিদশূন্য কৃমিতে গরিণত করব।
  - ১। ভূমি মনে করেছ<sup>®</sup> কি যে, ওয়া (কাহ্য়) ও রাকীমের<sup>®</sup> অধিবাসীরা আমার নিদর্শনাবলীর মধ্যে বিস্বয়কর ছিলঃ
- ১০। যধন যুবকরা ওহার আহার নিল তখন তারা বলেছিল, 'হে আমানের প্রতিপাদক। আপনি আপনার পক্ষ থেকে আমানেরকে নয়া দান করুল এবং আমাদের জন্য আমাদের কাজকে সঠিক বানিয়ে দিন।'
- ১১। অতঃপর আমি ওহার মধ্যে তাদের কর্ণসমূহের উপর (ভূমের চাদর) স্থাপন করদাম বহু সংখ্যক বছরের জন্য-
- ১২। এরপর আমি তালেরকে উথিত (জাগ্রত) করণাম বাতে আমি জেনেই নিতে পারি (স্পর্ট করতে পারি) দুই দলের মধ্যে কোনটি তালের অবস্তানকাল নির্ণয়ের ক্ষেত্রে অধিক সরিত।

- الْعَمْدُ شِو الَّذِيْ آَنْزَلَ عَلَى عَبْدِةِ الْكِتْبَ وَلَرْيَجْعَلْ لَهُ - "اللَّهُ
- قَيِّمُ لَيُنْدِرَ بَالسَّا هَدِيدًا مِنْ لَدُنْهُ رَيِّهُمِّ الْمُؤْمِنِينَ الَّذِيْنَ يَعْمَاوُنَ الْمُلِحِيَ اَنَّ لَهُرُ آجُرًا حَسَنًا أَنْ عَمَّانُونَ المُلْحِيةَ اَبْدًا أَنْ
  - وْيُنْذِرَ الَّذِيْنَ قَا لُوا اتَّخَذَ اللهُ وَلَدَّاهُ
- مَا لَمُرْ يِهِ مِنْ عِلْمِ وَّ لَالْأَبَّالِهِمْ وَجُبُّرَتْ كَلِمَةً تَخُرُجُّ مِنْ ٱفْوَاهِهِرْ الْنَ يَتَّوْلُونَ إِلَّاكِذِبًا ۞
- فَلَعْلُّكَ بَاغِعْ تُفْسُكَ فَلَ أَثَا رِهِرُ إِنْ لَرُ يُؤْمِنُوا بِهِذَا الْحَدِيثِ إَسَّنَا () إِسَّنَا ()
- إِنَّا جَعَلْنَا مَا كَلَ الْأَرْضِ زِيْنَةً لَّهَا لِنَبْلُوهُرْ أَيُّهُرْ أَحْسَنُ عَلَانَ
- وَ إِنَّا لَجِعِلُوْنَ مَا عَلَيْهَا مَعِيْدًا جُرُزًا۞
- أَأَحْسِنَ أَنَّ أَمْتُ الْتَهْفِ وَالرَّقِيْرِ كَانُوْامِنْ أَمِيْنَا عَجِبًا ۞ إذْ أَوَى الْفَثِيدُ أَلَ الْكَهْفِ فَقَا لُوْا رَبَّنَا التَّمَامُ لَّدُنْكَ
  - رَهْمَةٌ وَّهْتِيْمُ لَنَا مِنْ اَمْرِنَا رَشْلَا⊜ فَهَرَبْنَا عَلَّى أَذَانِهِ فِي الْكَهْفِ سِنْيَنَ عَدَّاهُ
- رَ . عَثْنَهُمْ لَنَعْلَمَ أَنَّى الْهُ بِيْنِ أَهْلِي لَمَا لَبِعُواْ أَمَدًاهُ لُمُّ بَعَثْنَهُمْ لَنَعْلَمَ أَنَّى الْهُ بِيْنِ أَهْلِي لَمَا لَبِعُواْ أَمَدًاهُ

١٨ سُوْرَةُ الْكَهَفِ

- ১০। আমি তোমার কাছে তাদের সংবাদ সত্যসহ বর্ণনা করছি। নিকয় তারা ছিল কয়েকজন যুবক, যারা তাদের প্রতিপালকের প্রতি ঈমান এনেছিল এবং আমি তাদেরকে পথনির্দেশনা বাড়িয়ে নিয়েছিলাম,
- ১৪। এবং আমি তাদের মদ্যসমূহকে দৃঢ় করে নিপায় যখন তারা (অভাচারী শানকগোলীর সামনে) দাঁড়াল এবং কাল, 'আকাশসমূহ ও পৃথিবীর প্রতিপালকই আমানের প্রতিপালক, আমরা কখলে তাঁকে মাদ দিয়ে অদা কোন ইলাছক তাকব না, (আর যদি তাকি) তবে অবশাই আমরা অভি অবারুর কথা বললাম।
- ১৫। তারা, আমাদের সম্প্রদায়, তাঁকে বাদ দিয়ে বহু ইলাব্ এথন করেছে, তারা এফের (উপাসনা) সঞ্জক শেষ্ট প্রথাণ দিয়ে আরেস না কেন্দ্র আর বে বাতি অল্লাহ সম্পর্কে মিখ্যা হচনা করে তার চেয়ে অধিক জালিম আর ক্ষেপ্
- ১৬। (ব্রব্দেরা একে অপরকে বলদ) 'আর হবন ভোমরা তাদের ও তারা আন্তাহকে ছাড়া যাদের ইবাগত করে তাদের থেকে পৃথক হতে গোলে তথন তোরো ওহার আরম্ব এহপ কর, তোমাদের এটি লালক তোমাদের কার্ড করি করা ছিট্টা দিবেন এবং তিনি ভোমাদের জন্য তোমাদের কান্তে অবানের বাবস্তা করকেন।'
- ১৭। এবং (দিদি লেখাবে খাবনে) বুলি কুবিত লেখেছে খানল জী উলিক হা তথান নেটি আলো ওহার আন লান নিয়ে ভাল বাবে এবং খান এটি খান আলো ওবার আলো কোই চালা বাবে, এমন কামছুল যে আলা ছিল এই (ওহার) কলা ছুলে। এটি আছেছেই, কিন্দেৰ্বনালয়ি আছুছিল আছুছুল মানুহুল মানুহুল কেইটি আছেছেই ক্রিটিক পথলাই, আহু ভিনি আলো পুরুত্তিক পুরুত্তিক পথলাই আছিল।
- ১৮। এবং (খদি দেখতে) তুমি তালেরকে জ্ঞাত মনে করতে, কিছু তারা হিল নিষ্টিত। এবং আমি তালেরকে তান দিকে ও বাম দিকে পাশ পরিবর্তন করতাম, কথা তালের কুরুরতি ছিল। এর সামেরে পা সৃষ্টি। ওরেও, প্রবেশমুখে প্রসারিত করে। তুমি যদি তালেরকে দেখাত তারেল অবশাই তুমি তালের থেকে পিছল দিবে পালান করতে এবং অবশাই তালের আবেল মনিপ্রশি ব্যর কেনে।
- ১৯ এবং এবাবেই আহি যালেকে চিছিত কলানে (আনত কলানে) যাতে যালা পালাকে প্রাথা কিলানাকল কৰাতে পালাকে । আলাক মহাও কলাক কথা কলাপ, 'তিমাৰা ফত সময় অনুয়াল অনুষ্ঠা' তাম লকা, 'আনহা অবহার কারেকি এক নি মাধান এক কিছে আনু 'তা হাবা প্রায়োক বারিকে একিন মধান এক কিছে আনু 'তা বা লক্ষ্যাল কারেকি কিছে নি মাধান 'তা বা লক্ষ্যাল কারেকিক আনু দানা পালাকিক এই লগ (তামা বাছ সংগ্রহ অনুয়াল একে এক বা লাক্ষ্যাল এক একং লোকে কারেকিক কারেকিক
- ২০। দিশুয় তারা যদি তোমাদের সম্পর্কে জানতে পাতে তবে ভোমাদেরকে পাধর নিক্ষেপ করবে অথবা ভোমাদেরকে তাদের মিদ্ধাতে (ধর্মাদর্শে) বিষরীয়ে নিবে এবং সেক্ষেব্রে ভোমরা কথনো সফল হবে না।

- نَكُنُ تُقُمُّ عَلَيْكَ نَبَاهُرْ بِالْحَقِّ ِ إِنَّهُرْ فِثَيَّةٌ أَمَنُوا بِرَبِهِرْ وَ زِدْنَهُرْ هُدَّى ۚ
- وَّرِيَطْنَا كَى قُلُوْبِهِرْ إِذْ قَامُواْ فَقَا لُوْا رَبَّنَا رَبَّ الشَّمُوٰتِ وَ الْاَرْضِ لَنْ تَذْعُوَا مِنْ دُوْنِهِ إِلْهَا ثَقَدْ قُلْنَاۤ إِذَا هَطَطًا۞
- هُوُّ لَآءِ قَوْمُنَا اتَّحَدُوْا مِن دُوْنِهَ ۚ المِهَّ، لَوْ لَايَا تُوْنَ عَلَيْهِرْ بِسُلُطْنِ ، بَيِّنِ ، فَمَنْ أَطْلَرُ وَمِّنِ اقْتَرَٰى كَى اللهِ كَذِبَّا ۞
- وَإِذَا عُتَزَلْتُمُوهُمْ وَمَا يَعْبُدُونَ إِلَّا اللّهَ فَالْزًا إِلَى الْحَهْبِ يَنْشُولُكُمْ رَبَّكُمْ مِّنْ رَحْمَتِهِ وَيُهَيِّى لَكُمْ مِنْ اَمْرِكُمْ مَّوْقًا ۞
- وَتُونِ القَّسَ إِذَا طَلَقَتْ تُؤْوَرُ عَنْ خَفِيرِ ذَاتَ الْمِعِينِ وَإِذَا عَرِيْتَ لِلْهُ مُكِيدُ ذَاتِ الْمُثَالِ وَمُرِيْقَ ضَوْقِ مِنْهُ وَإِذَا عَرِيْتَ لِلْهُ مَنْ لَيْفِ اللَّهُ عَلَى وَمُرِيْقِ ضَوْقِ مِنْهُ ذَلِكُونِ إِنِي اللَّهِ مِنْ لَيْفِ اللَّهُ عَبْرِ اللَّهُ عَلَيْقِ الْمُثَنِّدِ وَمِنْ لَلْفُلِكُ فَيَ
- وَتَحْسَبُهُرُ إَنْفَاظًا وَّهُرُ رُفُودٌ ثُّ وَثَلْقَلْبُهُرْ ذَاتَ الْبَمِيْوِ ذَاتَ المِّمَّا لِهِ وَكَلْبُهُرْ بَاصَّادِ رَاعِيهِ بِالْوَمِيْرِ، فَإِطْلَعَى عَلَيْهِرْ لُوَلِّيْنِ مِنْهُرْ فِإِزَازَ قَلْمُلْفَى مِنْهُرُ رُعَبًا ۞
- وكذلك بعثني ليتساء أول بينين فال قابل بعثم فر لينش فالرا ليننا يؤما أو بعض بنء قابل ليكل أغلر بما لينش فابعن أعدل بورفش هذه إلى المدينة لينش أينا أرى فعاما فليا يكر يورفي شدو ليتأمل و لانغين المراكزة إحدال
- إِنَّمْرُ إِنْ يَّظْهَرُواْ عَلَيْكُمْ يَرْجُمُوكُمْ أَوْيُعِيْدُوْكُمْ فِي مِلْتِمِرْ وَلَنْ تُفْلُكُو إِلَّا إِنَّا إِنَّا @

- ২৩। এবং কথনো ভূমি কোন বিষয়ে বলো না, নিশ্চর আমি ভা আগামী কাল করব-১৪। -এ (কথা বলা) ছাত্রা, 'যদি ভালাহ ইচ্ছা করেন' এবং যখন ভলে যাবে
- তথন তোমার প্রতিপাদককে স্বরণ কর এবং বল, আশা করা যায় আমার প্রতিপাদক আমাকে এর চেয়ে নিকটতর সঠিকপথ প্রদর্শন করবেন।
- ২৫। আর তারা তাদের ওহার অবস্থান করেছিল তিন শত বছর এবং তারা (আহলে কিতাব) বৃদ্ধি করেছে নয় বছর <sup>\*</sup>।
- ২ও। বল, 'তারা কত সময় অবস্থান করেছিল তা আরাহাই স্বচেয়ে বেশি জানো। আকালসমূহ ও পৃথিবীত অদৃদা (বিষয়ের আন্দা তাঁৱই তিনি কবাইনা মুখব দ্রাষ্টা ও কথা না সুখব প্রোত্তা। তিনি ছাতা তাাচের কোন অভিডাসক নেই। এবং তিনি কাউকে তার কুন্মে শরীক করেন না।
- ২৭। এবং তোমার প্রতিগালকের যে কিতাব তোমার প্রতি ওহী করা হয়েছে তা পাঠ কর। তাঁর বাণীসমূহের কোন পরিবর্তনকারী মেই। এবং ভূমি কথনো তাঁকে বাদ দিয়ে অন্য কোন আপ্রয় পাবে না।
- ২৮। এবং জুমি রোমান শিক্ষেতে তাদেন মামে (খাজা অবস্তুছ) থৈবা সকলেরে রাখবে বারা সংবাদেও সন্ধান্ত ভাগেন প্রতিশালনকে ভাগেন জাঁব সন্ধান্তির উদ্দেশ্যে, এবং জুমি দুর্দিনার জীবনার পরিবাদি কার্ব্ব কার্যন্ত্র কির্মান শ্রেকি কার্যন্ত্র কির্মান করে তালের দিক থেকে তোনার কৃষ্টি মির্বিয়ে দিও না, এবং জুমি ভাগ আ্বাদ্যান্তর করা না বার কলাবাক্ত আমি আমার শ্রুব বাং থাকে আমানাম্যানী করে নিয়েছি ও যে তার প্রস্তৃত্তির অ্যালকার বার্ত্বের প্রদান্তর করে মান কর্মকলাশ করে বাং থাকি বাং থাকি কর্মকলাশ করেছে এবং থাকে কর্মকলাশ করেছে এবং থাকে ক্রমকলাশ করেছে এবং থাকে ক্রমকলাশ করেছে এবং থাকে ক্রমকলাশ করা বাড়াবার্টি।
- ২৯। এবং বদ, 'অ গতা (কুবজান) তোমানের মন্তিশালকের পাছ থেকে (এসেংছ), সুবোং যার ইলি মান মানুত বা মুক্তি ফুকতী ফকতা। দিশ্য আরি জানিমনের জনা প্রকৃত করেছি আনে, দাব পেলিয়ন দিখা আনেরকে পরিবাদীন করেং। এবং মেদি তারা সাহায়ন চায় তাবলে জানেরকে সহায়েক লারে কেই ছিল কেনে ফ পানি বারা, কারে একারানাস্থ্যকে দার করেং ছিল করেং ফ পানি বারা, কারে করেই না নিকৃষ্ট পানীয় মান্ত করেই না নিকৃষ্ট প্রশাসকার।

وَكَذَٰ لِكَ أَعَدُوا عَلَيْهِمْ لِيَعْلَمُواْ أَنَّ وَعَدَ اللّهِ حَقَّ وَأَنَّ السَّاعَةُ لِارْسَ فِيهَا لَهُ لِنَّعْلَ عَلَيْهِمْ أَوْضَرُ فَعَالَمِا النَّوَا عَلَيْهِمْ مُنْفِأَتُوا وَنَّهُمْ أَعَلَمُ بِهِمْ وَقَالَ الَّذِينَ عَلَيْوا فَيْ آمُومْ لَنَسِّونَ عَلَيْهِمْ شُحِدًا هِ

سَيُوْوُ لُونَ قَلَقَةً وَالِعُصُّرُ قَلَيُمُونَ وَيَقُوْ لُونَ خَمْسَةً سَادِسُمُرُ خَائِمُنَ رَجْمًا إلَّهِ فِيهِ وَيَقُوْ لُونَ سَبَقَةً وَقَامِتُمُ خَلَيْمُرُ قُلْ رَبِّيَّ أَعْلَمُرُ بِعِنْقِيمٍ فَيَانِعُلَمُمُورُ الْأَقْلِمُكُ الْعَلَمَانِ الْأَقْلِمُكُ الْعَلَمَانِ فِيْمِرُ الْآمِرُأَ الْعَلَمِرُاءُ وَلَاسَتَعْمِ فِيْمِرُ يَتَمَمُّ لَحَدًاكُ الْعَلَمَانِ الْعَلَمَانِ الْعَل

وَلَاتَقُولَنَّ لِفَاحُهُ إِلَّى قَاطِّ ذَلِكَ عَمَّاهُ إِلَّا أَنْ شَفَّاءَ اللهُ ءُوا لُحُرْزَنَّكَ إِذَا نَسِيْتَ وَقُلُ عَشَى أَنْ يَّهْدِينِ رَبِّيْلٍ لِأَقْرَبَ مِنْ هَٰذَا رَكَّكَ إِذَا يَّهْدِينِ رَبِّيْلٍ لِأَقْرَبَ مِنْ هَٰذَا رَكَعَدًا ۞

وَلَيْتُواْ فِي عَقْفِيلِ قَلَمَ مِا لَقِ سِنِيْنَ وَ ازْدَادُواْ تِسْعًا ﴿
قُلِ اللّٰهُ إَغَلَرُ بِمَا لَبِعُوا ءَلَهُ عَيْثُ السَّمُونِ وَ الْأَرْضِ وَ أَيْمُو بِهِ
وَاللّٰمُ مَا لَكُورُ مِنْ دُوْنِهِ مِنْ وَلِيْ وَلَا يُصْرِ بِهِ
وَالْسُمْ مَا لَكُورُ مِنْ دُوْنِهِ مِنْ وَلِيْ وَلَا يَكُولُونُ فَي كُنْهِ إِلَيْكُولُونُ فَي كُنْهِ إِلَيْكُولُونُ فَي كُنْهِ إِلَيْكُولُونُ وَلَيْنَ وَلَا يَعْمُ إِلَيْكُولُونُ فَي كُنْهِ إِلَيْكُولُونُ وَلَا يَعْمُ إِلَيْكُولُونُ وَلَانُ مِنْ مِنْ مِنْ اللَّهُ وَلَانُ مِنْ مِنْ اللَّهُ وَلَانُ مِنْ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ مِنْ اللَّهُ مِنْ مِنْ اللَّهِ وَلَيْكُولُونُ وَلَانُ مِنْ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ وَلَيْكُولُونُ وَاللَّهُ مِنْ مِنْ اللَّهُ مِنْ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ وَلِي اللَّهُ عَلَيْكُونُ وَالْمُؤْمِنُ وَاللَّهُ مِنْ مِنْ اللَّهُ عَلَيْكُولُونُ وَاللَّهُ مِنْ مِنْ اللَّهُ وَالْمُؤْمِنُ وَاللَّهُ مِنْ مِنْ إِلَّهُ وَلِي اللَّهُ وَاللَّهُ مِنْ مِنْ السِّيْنَ وَلَانُهُ مِنْ السِّعُونُ وَاللَّمْ اللَّهُ عَلَيْكُونُ مِنْ اللَّهُ وَاللَّهُ مِنْ مِنْ إِلَيْنِ مِنْ إِلَيْكُولُونُ وَاللَّهُ مِنْ مِنْ اللَّهُ وَلِي اللَّهُ وَالْمُؤْمِلُ وَاللَّهُ مِنْ مِنْ مِنْ اللَّهُ وَلَانُونُ مِنْ وَالْمُؤْمِلُ وَاللَّهُ مِنْ مِنْ مِنْ اللَّهُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْمِلُونُ اللَّهُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمِنُ وَالْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِنُ الْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ الْمُؤْمِلُونُ وَالْمِنْ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلِونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمِولُونُ وَالْمُؤْمِلُونُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُلْم

وَ اثْلُ مَّا أَوْمِى إِلَيْكَ مِنْ كِتَابٍ رَبِّكَ ا لَامُبَدِّلَ لِكَلِمْتِهِ " وَلَنْ تَجِدُ مِنْ دُوْنِهِ مُلْتَحَدًا۞

وَاصْرِوْ لَفْسُكُ مَعَ الَّذِينَ يَدْمُوْنَ رَبِّهُمْ فِي الْفَدُوقَ وَالْعَمْيِ يُويْدُونُونَ وَهُمُعَوَّ لِاَنْعُلْ عَيْمُكُ عَنْهُمْ عَلَى بِلَّهُ زِيدُا وَلِيْنَةَ الْمَيُّوقَ الذَّلْنِياءَ وَلَاقِعُهُ مِنْ أَغْلَلْنَا قَلْمَهُ عَنْ ذِكْرِنَا وَالِّبَعَ هُولِمُوَ كَانَ أَمُونُونُ طَاقًا

وَقُلِ الْحَيُّونِ لَاِحْرَةِ فَمَنْ أَمَا فَطَلَعُونِ وَمَنْ هَا وَ فَلْيَحْفُرْ الْ آَعْدُنَا للطَّلْمِينَ لَا رَاءَ إِمَا فَإِيْمِ سَرَادِهُمَا وَإِنْ شَعَيْغُولُ لِكَاثُوا بِيَاءٍ كَالْمُولِ يَشْوِي الْوُجُودُ وِفْسَ الشَّرَاتُ وَسَأَتْفَ مُرْتَقَانِي اللَّهِ فِي اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّ

مَا لَّا وَّ أَعَدُّ نَفَرًا @

- ৩০। দিছয় যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে, দিছত্ত আমি তার প্রতিদান নাষ্ট্র করি না- যে সুন্দরভাবে কাজ সম্পাদন করেছে।
- ৩১৷ তালেবই জন্য রয়েছে স্থায়ী আন্নাতসমূহ, খেডলোর বাঁচে নহরসমূহ প্রবাহিত, সেখানে তালেরতে খর্লের বালা ছারা অলক্ষেত করা হবে,এবং ভারা সেখানে সুউচ্চ ভালানে কেনান কোৱা অবস্থায় সম্বক্ত মিহি ও পুল রোশ্যরে পোশাক পরে থাকবে। কতই না সুন্দর পুরস্কার (ছওয়াবা) এবা কতই লা উক্টে বিশ্বাসস্থা।
- ৩২। এবং ভূমি তানের নিকট দু'ব্যক্তির দৃষ্টান্ত পেশ কর- তাদের একজনকে আমি দু'টি আপুর বাগান নিয়েছিলাম এবং এ দু'টিকে আমি নেছুক গাছ দিয়ে বেইন করেছিলাম ও এ দু'য়ের মধ্যবর্তী স্থানে বানিয়েছিলাম শত্মকের।
- ৩০। দুটি বাগানের প্রতিটি তার ফল দিয়েছিল এবং এতে (অর্থাৎ ফলমানে) কোন য়ুলুম করেনি এবং আমি উভয়ের ফাঁকে ফাঁকে নহর প্রবাহিত করেছিলাম-
- ৩৪। এবং তার (অনেক) ফল-ফল হল। অতঃপর কথোপকথনের সময় সে তার সাথীকে কলল, 'ধন-সম্পদে আমি তোমার চেয়ে বেশি (সমৃ দ্বশালী) এবং জনবলে তোমার চেয়ে শক্তিশালী।'
- ৩৫। এবং নিজের প্রতি জুলুম করা অবস্থার (অহংকারী ও অকৃতজ্ঞ হয়ে) সে তার বাগানে প্রবেশ করল, সে বলল, 'আমি মদে করি না বে, এটা কথানা প্রবেশ হয়ে হয়েব-
- ৩৬। এবং আমি মনে করি না যে, কিয়ামত সংঘটিত হবে, আর যদি আমাকে আমার প্রতিপালকের দিকে ফিরিয়ে দেয়া হতও তবে অবশ্যই আমি এর চেয়ে উত্তম প্রত্যাবর্তনত্বল পাব।
- ৩৭। কথোপকথনের সময় তার সাধী তাকে বলল, 'ছুমি কি তাঁর প্রতি অকৃতজ্ঞ হয়েছ যিনি তোমাকে সৃষ্টি করেছেন মাটি থেকে এরপর বীর্যবিদ্ধ থেকে এরপর তোমাকে মানন্য হিসেবে সগঠিত করেছেন।
- ওচ। বরং আমার ব্যাপার হলো, 'ভিনি আল্লাহু আমার প্রতিপালক এবং আমি আমার প্রতিপালকের সাথে কাউকে শরীক করি না (আল্লাহকে বাদ দিছে দিজেকেট মালিক চনে করি না)।
- ৩৯। এবং খদি ভূমি ধন-সম্পদ ও সন্তানে আমাকে তোমার চেয়ে কম মনে কর, তাহলে ভূমি খদন তেমার বাগানে প্রবেশ করণে তথন কেন বলগে না, আলাহ যা ইক্ষা করেল ভাই হতঃ আল্লাহর (শক্তি) ঢালা কোন শক্তি কেই (তোমার কল্পন হবলা উচিত ছিল)
- ৪০। তবে আশা করা যার আমার প্রতিপালক আমাকে তোমার বাপানের চেয়ে উত্তম কিছু দিবেদ এবং এর (তোমার বাপানের) উপর আকাশ থেকে এক বন্ত্রপাত প্রেরণ করবেন, ফলে তা উল্লিফপুনা মনুণ ভূমিতে পরিণত হার-

إِنَّ الْدِيْنَ أَمَنُواْ وَعَمِلُوا المُرْحَّبِ إِنَّا لَافْفِيغُ آخُو مَنْ أَحْسَى عَلَاقُ أُولِنَّكُ لَمُرْجَنَّكُ عَدْنِ تَجْمِي مِنْ تَعْتِمِ الْإِنْفُولِيَّةِ الْمُؤْلِيِّةِ الْمُؤْلِيِّةِ الْمُؤْلِقَ مُنْ أَدْ مُنْ اللَّهِ الْمُؤْلِقِينَ وَمُؤْلِينَ مِنْ اللَّهِ الْمُؤْلِقِينَ الْإِنْفُولِينَ اللَّهِ المُؤْلِ

أُولِقِكَ لَهُرْ جَنْتُ عَلَيْ تَهْرِئُ مِنْ تَحْجِمُ الْأَنْهُرُ يُطَالِّنَ فِيْهَا مِنْ اَسَارِورَمِنْ نَصِرَّ لِلَّسُونَ فِيَّا إِنَّا عُمُورًا فِيْ سُنْدُمِي وَّالْسَتَبْرِيِّ مَثَّمُونِيْنَ فِيْهَا فَيَّ الْآرَافِكِ، فِهْرَ الشَّوَابُّ وَ صَنْتَى مُوْلَفَقًا فَي

وَ اهْرِبْ لَهُرْ مَّقَلًا رَّجُلَيْنِ جَعَلْنَا لِإَحَدِهِمَا جَنَّتَيْنِ مِنْ أَعْنَا بٍ وَّحَفَّقُنْهُمَا بَنَكُل وَّحَعَلْنَا بَيْنَهُمَا زَرْكًا هُ

كِلْتَا الْجَنَّتَيْنِ أَتَّتُ أُكُلَهَا وَ لَرْ تَظْلِرْ مِّنْدُهَيْكًا وَفَجُّرْنَا عَلْلُهُمَا نَسَّاهُ

عِلْلُهُمَّا نَفِرًا۞ وَّكَانَ لَهُ ثَمَرٌ ۚ فَقَالَ لِمَاحِبِهِ وَهُوَ يُحَاوِرُهُۖ أَنَا أَكْثَرُ مِنْكَ

وَدَهَلَ جَنَّتَهُ وَهُوَ ظَالِرْ لِنَقْسِهِ ، قَالَ مَّاۤ أَظُنَّ أَنْ تَبِيْدَ هَٰدِهٖ ۚ أَنَدَّاهُ

وَّمَّا اَظُنَّ السَّاعَةَ قَالِمَةً وَ لَئِنْ رَّدِدْتُ إِلَى رَبِّى لَاَجِدَنَّ هَيْرًا مِّنْهَا مُثْقَلَبًا ۞

قَالَ لَهُ مَاحِبُهُ وَهُو يُحَاوِرُهُ آكَفَوْتَ بِالَّذِي خَلَقَكَ مِنْ تُرَابِ لُوَّ مِنْ تُطْفَة لُوَّ سَوْنكَ رَجُلُا ﴿

لكِنَّا هُوَ اللَّهُ رَبِّيْ وَ لَّا أَهْرِكُ بِرَبِّيْ آَمَدًّا ۞

وَ لَوْ لَا إِذْ دَخَلْتَ جَنَّتَكَ قُلْتَ مَا شَأَءَ اللهُ الاَقُوَّةَ اِلَّا بِاللهِ ﴿ إِنْ تَرَن اَنَا أَقَلُ مِنْكَ مَا لاَ وَ وَلَدُاهُ

فَعْسَى رَبِّنَّ أَنْ يُّوْتِيَنِ غَيْرًا مِّنْ جَنَّتِكَ وَيُرْسِلَ عَلَيْهَا حُشَانًا لَّا مِّنَ الشَّمَّاء فَتُصْبَرَ مَعْيَدًّا زَلَقًا ﴾ ৪২ এবং ভার ফল-ফসল বিনষ্ট হয়ে গেল এবং সে ভাতে যা বায় করেছিল তার জন্য দুই হাত চাপড়াতে লাগল, যখন তা খংসম্ভূপে পরিণত হয়ে গেছে এবং সে বলতে লাগল, 'হায়, আমি যদি কাউকে আমার

৪১। অথবা এর পানি গভীরে চলে যাবে এবং ভূমি কথনো এর সন্ধান লাভে

১৮. সরা আল-কাহফ

সক্ষয় হবে না।

- প্রতিপালকের সাথে শরীক না করতাম! ৪৩। এবং আল্লাহকে বাদ দিয়ে তাকে সাহায্য করার কোন দল ছিল না এবং সে নিজেও রক্ষা করতে সক্ষম হয়নি।
- 88। সেখানে কর্তত আল্লাহরই, যিনি সতা তিনি পুরছার (ছওয়াব) দানে 🖁 উম্বম এবং পরিণামের (অর্থাৎ পরিণাম নির্বারণের) দিক থেকে উত্তম।
- ৪০। আর জাদের নির্মাট উপস্থাপন কর দনিবার জীবনের উপমা- (এটি) গানির মত যা আমি আকাশ থেকে অবতীর্ণ করি, অতঃপর এর সাথে সংমিশ্রন ঘটে কৃমিজাত উদ্ধিদের, অতঃপর তা এমন ককনো চুর্ণ-বিচুণ হয় যাতে বাতাস উভিয়ে নিয়ে যায়। আর আল্লাহ সংক্রির উপর সর্বশক্তিয়ান।
- ৪৬। ধন-সম্পদ ও সম্ভান-সম্ভতি দুনিয়ার জীবনের সৌন্দর্ব, আর ছার্যী সংবালসমূত তামার প্রতিগালকের নিকট পরভার (ছওয়াব) বিসেবে উত্তম এবং আশা হিসেবেও উত্তম।
- ৪৭। এবং যেদিন আমি পর্বতমালাকে চালিত করব এবং তুমি পৃথিবীকে দেখাৰ উন্নক্ত প্ৰেণ, এবং ভালেৱকে আমি সমৰেত করব এবং ভালেৱ কাউকে ছেডে দেব না.
- ৪৮। এবং তাদেরকে তোমার প্রতিপালকের সামনে সারিবছভাবে উপস্থিত কর হবে। (এবং তিনি বলবেন) 'অবশ্যই তোমরা আমার নিকট এসেছ যেতাবে সোমানেকক প্রথমবার সঙ্গি করেছিলাম কিন্তু ভোমরা ধারণা করতে যে, আমি তোমাদের জন্য কখনো একটি নির্দিষ্ট সময় নির্ধারণ করব না।
- ৪৯। এবং কিতাব (আমলনামা) পেশ করা হবে, এবং তাতে যা (লিপিবন্ধ) আন্তে তার কারণে তমি অপরাধীদেরকে ভীত-শক্তিত দেখবে এবং তারা কিছুই বাদ দেয়নি এছাড়া যে, এটি তার সংখ্যা নির্ণয় করেনি। এবা जहां या करवरह जाता जा डेनश्चिल भारत। जनर राजाना अविकास के किया है कि जिस है कि जिस है कि जिस है कि जिस है कि ज जहां या करवरह जाता जा डेनश्चिल भारत। जनर राजाना अविकास कि जिस है कि जिस কারো প্রতি জলম করবেন না।
- ০০। এবং যখন আমি ফোরেশতাদেরকে বলেছিলাম, 'আদমকে দিল্লদা কর', দ্বন্ধন মান্তা সিক্তমা করল- উর্বলিস খানা- সে ভিল জীনদের অন্তর্জন অভঃপর সে তার প্রতিপালকের আনগভা থেকে বের হয়ে গেল। তবে ত্তি মোহতা আহাতে বাদ দিয়ে ভাতে ও তার বংশধরকে অভিভাবক হিসাবে প্রহণ করবে, যখন ভারা ভোমাদের শক্রণ জালিমদের জনা বিনিয়য় হিসেবে ভা কতই না নিকট!
- ৫১। আমি ভাদেরকে আকাশসমহ ও পথিবী সৃষ্টির সাক্ষী বানাইনি এবং ভাদের নিজেদেরকে সৃষ্টির সময়ও নয়, এবং আমি পথভাইকারীদেরকে प्राहासाखाती विभागवन अवन कविनि।

- اَوْ يُصْبِعَ مَا زُوها غَوْراً فَلَنْ تَسْتَطِيْعَ لَدُ طَلَبًا @ وَ أُحِيْمَ بِثَمَرِهِ فَأَصْبَعَ يُقَلِّبُ كَفَّيْهِ عَلَىمَاۤ أَتْفَقَ فَيْهَا وَهِيَ
- خَاوِيَةٌ يَلَي عُرُوشِهَا وَ يَقُولُ يُلْيَتَنِي لَرِ أَهْرِكَ بِ بِّنَّ آحَدًا، وَ لَيْ تَكُنْ لَّهُ فِئَةً يَّنْصُرُ وْنَهُ مِنْ دُوْنِ اللَّهِ وَمَا كَانَ مُنْتَصِرًا ﴿
- هُنَا لِكَ الْوَلَايَةُ لِلهِ الْعَقِّ،هُوَ خَيْرٌ ثَوَ ابًّا وَّخَيْرٌ عُقْبًا ﴾ وَ افْرِبْ لَهُرْ مُّثَلَ الْعَيْوةِ الدُّنْيَا كَمَّاءِ ٱلْإِنَّالْمُونَ السَّمَاءِ فَاغْتَلَمَا بِهِ نَبَاتُ إِلْأَرْضِ فَأَصْبَرَ هَشْيُمًا تَذُرُونَ الإِيرِءُو كَانَ اللهُ عَلَى كُلِّ شَيْءً مُّقْتَدِ رًا ﴿
- ٱلْمَالُ وَ الْبَنُوْنَ زِيْنَةُ الْحَيْوةِ الدُّنْيَاءُ وَ الْبَلْمِينُ الشَّلْطُ غَيْرٌ عَنْدَ رَبُّكَ ثُوَ إِبًّا وَّغَيْرٌ أَمَلًا ﴿
- وَيَوْمَ نُسَبِّرُ الْجَبَالَ وَتَرَى الْآرْضَ بَا رِزَةً وََّ مَشَرْنُهُرْ فَلَرْ نُغَادرُ مِنْهُر أَحَدًا وَ عُرِهُواْ عَلَى رَبِّكَ صَفًّا ﴿ لَقَدْ حِثْتُمُوْ نَا كَمَا خَلَقْنُكُرْ ۚ ٱوَّلَ مَوَّةً إِ
- بَلْ زَعَمْتُرْ ٱلَّنْ نَجْعَلَ لَكُرْ مَّوْعدًا وَوُضِعَ الْكِتْبُ فَتَرَى الْمُجْرِمِينَ مُشْفِقِينَ مِبًّا فِيْدُو يَقُولُ لُوْنَ
  - وَ إِذْ قُلْنَا لِلْمَلِّئَكَةِ اِسْجُدُوا لِأَدَا فَسَجَدُواۤ الَّاۤ اِبْلَيْسَ، كَانَ مِنَ الْجِنَّ فَفَسَقَ عَنْ أَمْرِ رَبِّهِ ﴿ أَفَتَتَّخِذُ وْنَدُّ وَذُرِّيَّتُمْ أَوْ لَيَّاءَ مِنْ دُوْنِيْ وَهُرْ لَكُرْ عَدُوًّ بِعْسَ لِلظَّلَمِيْنَ بِلَا ﴿
  - مَّأَ أَشْهَدُ تُنَّهُرُ خَلْقَ السَّمُوٰتِ وَ الْأَرْضِ وَ لَا خَلْقَ أَنْفُسِهِرْ مَوَ مَا كُنْتُ مُتَّخَذَ الْمُضَلِّينَ عَضَّدًا

- ৫২। এবং যেদিন তিনি বলবেন, 'তোমরা যাদেরকে আমার শরীক ধারণা করতে তাদেরকে ভাও ' তথন তারা তাদেরকে ভাকরে কিন্তু তারা সামেলক সামা সিবে না এবং আমি ভামের উভয়ের মাঝে বানার এক ধ্বংগস্থল।
- ৫৩। এবং অপৰাধীৰা আজন দেখৰে এবং বৰ্ষতে পাবৰে যে, ভাৱা ভাতে প্ৰতিত্ব হল্পে এবং তাবা তা পোৱে বেয়ন বাঁচাৰ পথ পাৰে না:
- ৫৪। এবং অবশাই আমি মানখের জনা এ করআনে প্রভোক দ্যান্ত বিভিন্নতাবে বর্ণনা করেছি। কিন্তু মানুষ সবকিছুর চেয়ে বেশি বিভর্কপ্রবর্ণ।
- ৫৫। যখন ভালের (মানবের) নিকট পথনির্দেশিকা এসেন্ডে তথন ঈমান আনা এবং ডাদের প্রতিপালকের নিকট ক্ষমা প্রার্থনা করা থেকে মানককে (काम प्रा-डे विकास (दरभाग क प्राप्तक क्रिको <del>गर्ववर्ती</del>रास (প্রতি অনসত) সমত (অর্থাৎ ধ্বংস) আসবে অথবা ভালের নিকট (আথিরাতের) শান্তি আসবে (তাদের) সামনাসামনি।
- कका क्रवर चामि (श्रविकामत्रक (रामगामत्रक) (करण ममःबानमाठा च प्रफर्ककारी विभारतंत्र (अवन वरि विक गांचा करूरी काराफ खांचा बाटिन (মিখা) শ্বরা বিভর্ক করে যাতে তারা তা দিয়ে সত্যকে ব্যর্ক করতে পাৰে এবং ভাৰা আমাৰ আবাতসময় ও যে সৰ বিষয়ে তাদেৱকৈ সভৰ্ক করা হয়েতে সেমনকে উপহাস হিসোব গ্রহণ করে।
  - ৫৭। আর তার চেয়ে অধিক জালিম আর কে যাকে ভার প্রতিপাদকের আহাসসমূহ অবণ জবিতে সেহা হাতে বিভাসে বা থেকে মুখ ভিবিতে নিয়েছে এবং তার দ'হাত যা অগ্রে পাঠিয়েছে তা তলে গিয়েছেঃ নিকর আমি তাদের হুদয়ের উপর আবরণ তৈরি করেছি যেন তারা তা কের আম) বখতে না পারে এবং তাদের কানে রয়েছে বধিরতা। আর যদি মহি ভামেরতে সমিতপথে ভাক তব ভারা কথনো সমিকপথ পাবে না।
  - ৫৮। আর তোমার প্রতিপালক অতি ক্ষমাশীল ও দয়ালু তারা যা অর্জন করেছে তার জন্য যদি তিনি ভালেরকে পাকডাও করতেন ভাইলে অৱস্থাই মিঠি আমের হান্য শান্তি অবান্নিত করাজন। ববং ভাচের জন্য বয়েতে এক নির্দিষ্ট সময়, যা থেকে ভারা কখনো কোন পালানোর পথ পাবে মা। ৫৯। এবং ঐসব জনপদকে আমি ধাংস করেছিলাম বখন তারা জলুম है
- করেছিলাম। hal এবং হার্থন মুসা ভাব চাকবকে বলেছিল, 'দট সমদের সংযোগছলে না
- পৌচা পর্যন্ন আমি ধামর না অথবা আমি বহু যুগ ধরে চলতে থাকব।
- ৬১, তারা উভয়ে যখন দুটির সংযোগস্থলে পৌছল তথন তারা আদেব মাছটিকে ভলে পেল, এবং এটি (মাছটি) ফাঁক নিয়ে বের হয়ে সমতে তার পথ করে নিল।

- وَيَوْ) يَقُوْلُ نَادُوْا شُوكَاءَى الَّذِيْنَ زَعَمْتُرْ فَدَعَوْهُرْ فَلَرْ يَشْتَجِيْبُوْ اللَّهُرْ وَجَعَلْنَا بَيْنَهُرْ مُوْبِقًا
- وَرَا الْمُجْرِمُونَ النَّا رَفَظَتُّواْ أَنَّهُرْ مُّوَ اقْعُوْهَا وَلَرْ يَجِدُواْ عَنْهَا مَصْرِفًا ﴿
  - وَ لَقَدْ صَرَّفْنَا فِي هٰذَا الْقُرْانِ لِلنَّاسِ مِنْ كُلِّ مَثَلِ ، وَكَانَ الْإِنْسَانُ إَكْثَرَ شَيٌّ جَدَلًا ﴿
  - وَمَامَنَعَ النَّاسَ إَنْ يُّؤْمِنُوٓ الْدَجَّاءَهُمُ الْهُدىوَ يَشْتَغْفُ وَا رَبَّهُرْ الَّآ اَنْ تَأْتِيَهُرْ سُنَّةُ الْأَوَّلِيْنَ اَوْيَأْتِيَهُرُ الْعَذَاكُ قُبُلًا هِ
  - وَمَا نُرْسِلُ الْمُرْسَلِيْنَ الْأَمُبَشِّ بْنَ وَمُنْدَرِيْنَ ، وَيُجَادِلُ الَّديْنَ كَفَرُواْ بِالْبَاطِلِ لِيُدْحِفُوا بِهِ الْفَقَّ وَاتَّخَذُواْ أَلْتِي وَمَا أَثْدُرُوا هُزُوا هِ
  - وَمَنْ أَظْلَرُ مِنْ ذُكِّ بِأَيْتِ رَبِّهِ فَأَعْرَضَ عَنْهَا وَنَسِّ مَا قَدَّمَتْ يَدْهُ ۚ إِنَّا جَعَلْنَا عَلَى قُلُوبِهِرْ ٱكِنَّةً أَنْ يَّفْقَهُوهُ وَ فِيَّ اذَانِمِرْ وَقُرًّا ۚ وَ انْ تَدْعُمُرْ الْيَ الْمُدَى فَلَنْ يَّهْتَدُوًّا ادًا اَندَاه
- وَرَبُّكَ الْغَقُوْ رُدُو الرَّحْمَةِ ، لَوْ يُؤَ اعْذُهُوْ بِمَا كَسَبُواْ لَعَجُّلَ لَهُرُ الْعَذَابَ، بَلُ لَّهُرْ مَّوْعَدُّ لَّنْ يَجْدُواْ مِنْ دُوْنِهِ مَوْ ثُلُّا ﴿ وَ تِلْكَ الْتُرْبِي ٱهْلَكْنَهُرْ لَمَّا ظَلَمُوْا وَجَعَلْنَا لِمَهْلِكِهِرْ
- करविता अवर जाप्रि जायन खाराजन कना अविति निर्मिष्ठ प्रमार निर्वादण مَوْعِدُ إِهُ وَ اذْ قَالَ مُوْسَى لِفَتْهُ لَآ أَبْرَحُ مَثَّى آبْلُغَ مَجْمَعَ الْبَحْرَيْنِ أَوْ
  - أَمْضَ كُفُناه فَلَمَّا بَلَغَا مَجْمَعَ بَيْنِهِمَا نَسِيَا حُوْتَهُمَا فَاتَّخَذَ سَبِيْلَهُ فِي الْبَعُر سَرَبًا ﴿

सा।

- ক্লান্ত হয়ে পড়েছি।' ৬০। সে (চাকন্ত) বদল, 'দেখুন, আমরা যখন পাথতের উপর বিশ্রাম নিবিদ্যাম তথ্য নিখন আমি মান্তটিকে ভূলে গিরেছিলাম, এবং শয়তানই আমাক
- ৬৩। সে (চাকা) বালা, পোনুন, আমহা মধন পাইতের উপার নিজ্ঞান। তথন দিকা আমি মাছটিকে ছুলা গিয়েছিল। এবং সারতানই আমাকে এটি ছুপিয়ে সিরোহিল যে, আমি এর উল্লেখ করব, এবং এটি (মাছটি) বিশ্বয়করভাবে সমূত্রে তার পথ করে নিয়েছিল।

A) - WANG 1922 WISH THE THESE THE WALL CHIEF STREET, AND

আমাদের সকালের খাবার আন অবশাই আহবা আহাদের এ সভাব

- ৬৪। সে (মূসা) কলল, 'আমি সেটিই অনুসন্ধান করছিলাম।' অতঃপর তারা তাদের পদচিহং অনুসরণ করে ফিরে আসল-
- ৬৫। অতঃপর তারা দু'জন আমার বাদ্দাদের মধ্য থেকে এক বাল্পকে পেল বাকে আমি আমার পক্ত থেকে দরা দান করেছিলাম এবং আমার নিকট থেকে এক (বিশেষ) জান শিক্ষা দিয়েছিলাম।
- ৬৬। মুগা তাকে বলল, 'আমি কি আপনাকে অনুসরণ করব এই শর্কে যে, আপনাকে যে সঠিক বিচার-বিবেচনা শিক্ষা দেয়া হয়েছে তা থেকে আমাকে শিক্ষা নিবেন?'
- ৬৭। সে বলল, "নিশ্চয় আপনি আমার সঙ্গে থৈর্য ধারণে কখনো সক্ষম হবেন
- ৬৮। আর যা আপনি জান ছারা আয়ন্ত করেননি তাতে আপনি বৈর্য ধারণ করবেন কিতাবেঃ'
- ৬৯ সে (মূসা) বলল, 'যদি আল্লাহ ইঙ্গা করেন তবে পাঁড্ই আপনি আমাকে ধৈর্মশীল পাকেন এবং আপনার কোন নির্দেশ আমি অমানা করব না।'
- १०। त स्वतः, 'वापति पत्रि वापत्र व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था है। वापत्र क्षात्र क्षात्र वा परकथ मा पानि ता रूपाईय वापतार क्षात्र कि के के के के के कि के कि कि के कि कि कि कि क हेन्द्र कि कि
- ৭১) অতঃপর তারা দু'অন চলতে লাগল, অংশেষে যথন তারা নৌকরে আরোহণ করল তথন সে এটি ছিল্ল করে দিশা সে (মুদা) কলন, 'আপনি কি এর আরোইদেরকে তুবিয়ে দেয়ার জন্য এটি ছিল্ল করলেনং অবপাই আপনি এক ওঞ্চতর জিছ্ল করলেনা.'
- ৭২। সে বদল, 'আমি কি বলিনি যে, নিশ্চয় আপনি আমার সলে বৈর্থ ধারণে কথনো সক্ষম হবেন নাঃ'
- ৭৩। সে (মূসা) বনল, 'আমার ভূলে যাওয়ার কারণে আমাকে পাকড়াও করবেন না এবং আমার ব্যাপারে কঠোরতা চাগিরে নিবেন না।'
- ৭৪। অত্যাপর তারা দুখিল চলতে লাগল, অবলোহে যকা তারা এক বালকের সাথে সাক্ষাং করল এবং লে তাকে হত্ত্যা করল, তখন লে (মূলা) কলল, 'আপনি কি কোন নাজিকে (হত্ত্যার অপরাহ) ছাড়াই এক শিলাগ যাজিকে হত্ত্যা সক্রমেন। কলাই আপনি এক প্রা কিছ করলোন'

- فَلَمَّا هَاوَزَا قَالَ لِغَنْمُ الِنَا غَدَّاءَنَا الْقَدُ لَقِيْنَا مِنْ سَفَرِنَا هٰذَا نَصَبًّا @ قَالَ أَنَّ وَشَيْ اذْ أَوَثَنَا ۖ أَلَى الصَّهْرَةِ قَالَةً مُ نَسَنْتُ
- قَالَ أَرَءَهُتَ إِذْ أَوَهُنَآ إِلَى الصَّحْرَةِ فَاتَّى نَسِيْتُ التُوْتِ وَمَّ آفَسِيْنُهُ إِلَّا القَيْطُ أِنَ آذَكَرَةَ وَ التَّحَدَّ سَيْلَةً فِي الْبَحْرِةُ عَجَبًا ۞
- قَالَ ذَٰلِكَ مَا خُنَّا نَيْعُ \* فَا (ثَنَّا اَغَلَّ أَثَا بِعِمَا قَمَمًا ﴿

  فَوَجَدَا عَبْدًا قِنْ عِبَادِنَا آلَيْنُهُ رَحْمَةً مِّنْ عِثْدِنَا وَعَلَّمْلُهُ عِنْ
  لَدُذًا عَلَيْهِ
- قَالَ لَهُ مُوْسَى هَلَ ٱتَّبِعُكَ عَلَىٓ أَنْ تُعَلِّمَنِ مِمًّا عُلِّمْتَ رُشُدُا
  - قَالَ إِنَّكَ لَنْ تَشْتَطِيْعَ مَعِيَ صَبْرٌ ا⊛
  - وَكَيْفَ تَصْبِرُ غَيْمًا لَرْ تُعِطَّ بِهِ خُبْرًا⊚
  - قَالَ سَتَجِدُنِيْ إِنْ شَاءَ اللهُ مَا بِرًا وَّ لَا أَعْمِيْ لَكَ أَمْرًا ۞
- ذِكُراهُ فَانْطَلَقَادَ مَثَّى إِذَا رَحِبًا فِي السَّفِيْنَةِ مُزَقَّهَا قَالَ أَمُرَقَّتُهَا لِتُغِنَّ أَهْلَهَا ؛ لَقَدُ مِثْنَ هَيْنًا أَهْرًا۞
  - - قَالَ إَلَوْ أَقُلْ إِنَّكَ لَنْ تَسْتَطِيْعَ مَعِيَ مَبْرًا
- قَالَ لَاتُوَّا فِدُنِيْ بِمَا نَسِيْتُ وَ لَاتُرْهِقْنِيْ مِنْ آمْرِيْ عَشْرًا
- فَا ثَطَلَقَا سَمَتِّى إِذَا لَقِيَا غُلُمًا فَقَتَلَهُ ۚ قَالَ ٱقَتَلْتَ نَفْسًا زَكِيَّةً بِفَيْ نَفْسَ لَقَنَّ جُفَّ شَيْعًا أَكْرًا ۞

পারা-১৬

০০ সে সময় 'আমি কি আগমাকে বলিমি যে নিশ্চয় আগমি আমাৰ সঞ্জে থৈষ্ঠ থাবাপ কথনো সক্ষম হবেন নাং

৭৬। সে (মসা) বলগ, 'এরপরে যদি আমি আপনাকে কোন কিছ সম্পর্কে প্রস্ কবি ভাষ্টলে আমাকে সঙ্গে বাথবেন না, অবশাই আপনি (আমাকে সঙ্গে না বাধার বিদ্যা। আয়ার পক এনে অক্সার লাভ করেছেন।

৭৭। অভ্যপ্ত ভাষা দ'রুন চলতে লাগল অবশেষে ইথন ভাষা এক জনপালে অভিনাসীয়েন নিকট আমল কথন কাবা কাব অধিবাসীয়েন নিকট খাৰাব চাইল কিন্ত থাবা ভাদেরকে মেঃমানদারী করতে অগ্নীভাব করল অতঃপর দেখানে তারা এক পতনোনুখ প্রাচীর (দেখতে) পেল এবং সে তা ঠিক করে দিল। সে (মগা) বলন, 'যদি আপনি ইন্ছা করতেন তাহলে অরশাই এর ভারা পারিপ্রয়ির এক্রণ করতে পারতেন।

৭৮। সে বলল, 'এটিউ আপনার মাঝে ও আমার মাঝে সম্পর্কজেদ: যে লাপাৰে আপনি থৈওঁ ধাৰণে সভয় হননি শীঘট আমি ভাব ব্যাখ্যা সাপ্রাস্থ জাত্রিস ভিত

৭৯। নৌকাটির ব্যাপার হলো, এটি ছিল মিসকিনদের (অভাবগ্রন্তদের), যারা সমদে কান্ত করত, ভাই আমি চাইলাম এটাকে ক্রটিয়ক্ত করতে, কারণ সাসের পিছনে ভিল এক বাজা যে প্রতিটি (ভাল) নৌকা বল প্রয়োগে ছিনিয়ে নিজ। ৮০ আৰু বালকটিৰ বাপেৰ হলো তাৰ পিতামাতা দ'ভন ছিল ম'মিন,

সতরাং আমি<sup>®</sup> আশ্লা করলাম যে, সে অবাধ্যতা ও কৃষ্যীর মাধ্যমে ডামেবাক কর দিন্ত ৮১। সভরাং আমি চাইলাম বে, তাদের প্রতিপালক তাদেরকে তার চেত্রে পরিত্রতায় উল্লেখ ও দহা-মাহায় অধিক হনিষ্ঠ (এক সমান) প্রতিভাগন

करत्वस ৮১। আর প্রাচীরটির ব্যাপার হল, এটি ছিল শহরের দুট উয়াতিম বালকের এবং এর মিচে আচে ভাদের স'রাকের ধন-ভাতার এবং ভাদের পিতা ছিল একজন সংকর্মশীল ব্যক্তি, সূত্রাং আপনার প্রতিপালক চাইলেন যে ভাষা (সক্রি-সামর্থা ও বহুসের) পর্বভায় পৌছক এবং তাদের ধ্য-সাধার উদ্ধার প্রকর- আগরার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে ন্যাক্সরূপ 💆 এবং আমি তা নিজের ইচ্ছার করিন। আপনি যে বিষয়ে ধৈর্য ধারণে

সক্ষয় সমনি ।গটিট ভাব ব্যাখ্যা। ৮৩। এবং তারা তোমাকে খুল-কারনাইন সদক্ষে এশ করে। বল, 'শীঘই আমি সোমানের নিকট আর বিষয়ে একটি বর্ণনা পাঠ করব।

৮৪। নিশ্চয় আমি (আরাহ) তাকে পৃথিবীতে (ক্ষমতা ও সম্পদ হারা) প্রতিষ্ঠিত করেছিলাম এবং সবকিছর উপায়-উপকরণ দান করেছিলাম-

hro। অভঃপৰ সে একটি পথ অনসৱণ করন চিক্তিত স্থানের টাকা সুরা নং : আয়াত নং অনুসায়ে ওরজমার পেবে নেপুন

قَالَ ٱلَرْ ٱقُلْ لَّكَ اللَّهَ اللَّهَ لَنْ تَشْتَطِيْعَ مَعَى صَبْرٌ ا قَالَ انْ سَآ لْتُكَ عَنْ شَيٍّْ بَعْدَهَا فَلَاتُمْحِبْنِيْ ، قَدْ بَلَغْتَ مِنْ

لَّدُنَّى عُذْراً ۞ فَانْطَلَقَا ﴿ حَتَّى إِذَآ أَتَيَآ أَهْلَ قَرْيَةٍ الْسَطْعَمَاۤ أَهْلَهَا فَآيَوْا أَنْ يُضَيِّفُوْ هُمَا فَوَجَدَا فَيْهَا جِدَارًا يُّو يْدُ أَنْ يَّنْقَضَّ فَأَقَامَهُ ، قَالَ لَوْ شَئْتَ لَتَّخَذْتَ عَلَيْهِ أَجْرًا

قَالَ هٰذَا فِرَاقُ بَيْنِي وَبَيْنِكَ سَأَنَبَكُكَ بِتَأْوِيْلِ مَا لَرْ تَسْتَطْعُ عَلَيْه صَبْرًا ۞

أَمًّا السَّفْيْنَةُ فَكَانَتْ لِمَسْكِيْنَ يَعْمَلُونَ فِي الْبَهْرِ فَآ رَدْتُّ أَنَّ أَعِيْبَهَا وَكَانَ وَرَآءَهُرْ مَّلكٌ يَّاكُذُ كُلِّ سَفَيْنَة غَصْبًا ﴿

وَ أَمَّا الْغُلْرُ فَكَانَ آبَوْهُ مُؤْمِنَيْنِ فَخَشَيْنًا أَنْ يُّوهَقُهُمًا طُغْسَانًا وَّكُفَّاهُ فَأَرِدْنَاۚ أَنْ يُبْدِلَهُمَا رَبُّهُمَا غَيْرًا مِّنْهُ زَكُوةً وَّ ٱقْرَبَ رُحْمًا ۞

وَ أَمَّا الْجِدَارُ فَكَانَ لِغُلْمَيْنِ يَتِيْمَيْنِ فِي الْمَدِيْنَةِ وَكَانَ تَحْتَهُ كَنْ ۚ لَّهُمَا وَكَانَ آبُوْهُمَا مَا لَحَّاءَفَا رَادَ رَبُّكَ آنْ لِيَّلُغَا أَشُدُّهُمَا وَ يَسْتَخْرِجَا كَنْزَهُمَا تَرَحْمَةً مِّنْ رَبِّكَ ، وَمَا فَعَلْتُهُ عَنْ أَمْرِيْ وَلَكَ تَأْوِيلُ مَا لَرْ تَسْطِعْ عَلَيْهِ صَبِّ أَيْ

وَ يَشْغَلُونَكَ عَنْ ذِي الْقَوْنَيْنِ ﴿ قُلْ سَاتُلُواْ عَلَيْكُرْ مِّنْهُ ذكُ الله إِنَّا مَكَّنَّا لَهُ فِي الْإَرْضِ وَ إِنَّيْنَهُ مِنْ كُلِّ هَرْ إِسْبَبَّاقً فَأَثْبَعَ سَبَيًا ۞

- ৮৬। অবশ্যের যথন সে সূর্যের জন্তাচাল (পভিয়ো) পৌছল ভখন দে এটিকে (সূর্যকে) দেখাতে পেল (খেন এটি) এক পরিলা জলাপরে অন্ত যাত্তে এবং সোধানে সে একটি সম্প্রাপ্তাকে দেখতে পোনা আমি কল্পাম, 'হৈ কুল -কারন্টন। কুলি (ভালেধকে) পান্তি দিশেল পার অথবা ভালের ক্ষেত্রে সময় সলম্প্রপাত প্রথম করতে পার।'
- ৮৭: সে বদদ, 'যে ব্যক্তি জুলুম করে অচিরেই আমি তাকে শান্তি দিব, এরণর সে তার প্রতিশাদকের দিকে প্রত্যাবর্তিত হবে এবং তিনি তাকে নিকৃষ্ট শান্তি দিবেন।
- ৮৮। আর যে ঈমান আনে ও সংকাজ করে তার জন্য রয়েছে সর্বোত্তম প্রতিদান এবং শীঘ্রই তাকে আমি আমার নির্দেশ সহজ করে বলব।
- ৮৯। এরপর সে (অন্য) একটি গথ অনুসরণ করল।
- ৯০। অবদেষে যখন সে সূর্যের উনরাচনে (পূর্বে) পৌহল তখন সে এটিকে (সূর্যকে) দেখতে পেন (যেন এটি) এমন এক সম্প্রদায়ের উপর উলিত হঙ্গের যাদের জন্য এর (সূর্যের) বিপরীতে আমি কোন আডাল বাদাইলি-
- ৯১: এরপই (জুল-কারনাইনের ঘটনা)। আর তার যা ছিল (তা সবই) আমি জ্ঞান দারা পরিবেটন করে আছি:
- ৯১। এবপর সে (ছারো) একটি পথ জনসরণ করক।
- ৯৩। অবংশহে যথন দে দুই প্রাচীরের (পর্বতের) মধাবর্তী স্থানে পৌছল তথন দেখানে সে তাদেরতে হাড়াও এক সম্প্রদারকে দেখতে পেল যারা কোন কথা কমই বন্ধতে পারত।
- ৯৪। তারা বন্দল, 'হে জুল-করনাইন! দিওয় ইয়াজ্য় ও মাজ্য়ু পুথিবীতে দ্যাসাদ সৃষ্টিকারী, তবে কি আমরা এর জন্য আপনাকে গরত দিব বে, আপনি আমানের ও তালের মধ্যে একটি প্রাচীর নির্মাণ করে দিবেন'?
- ৯৫। সে বলদ, 'আমার প্রতিপালক আমাকে যার মধ্যে প্রতিষ্ঠিত করেছেন, তা-ই উত্তম, সুকরাং তোমরা আমাকে শক্তি (অলপক্তি) দিয়ে সাহায়ত কর, আমি ভোমাদের ও তালের মাঝে এক মহাবুত প্রাচীর নির্মাণ করে দেয়।'
- ৯৬। তোমবা আমার কাছে গৌহখঞসমূহ নিছে আস, অবশেষে বখন সে মুই পর্বতের মধ্যবর্তী ছূল (পূর্ব করে) সমান করে ফোলা তখন সে বকল, 'জোমবা (বাঁপতে) মুঁ পিতে জাক।' অবশেষে বখন সে তা আছান কানিছে মেনদা, তখন সে বলল, 'তোমবা আমার নিকট নিছে আস, আমি এক চিপ্ত কানিক আয়ো নেলে কেই।'
- ৯৭। সুতরাং তারা তা অতিক্রম করতে সক্ষম হল না এবং একে ছিল্ল করতেও সক্ষম হল না।
- ৯৮। সে বলল, 'এটা আমার প্রতিপালকের পক্ষ থেতে একটি দয়া, অতঃপর যথন আমার প্রতিপালকের প্রতিশ্রুতি (কিয়ামত) আসরে তখন তিনি তা সমতল করে দিবেন এবং আমার প্রতিপালকের প্রতিশ্রুতি সতঃ।'

- حَتَّى إِذَا بِلَغَ مَثْنِ الشَّمْسِ وَجَدَهَا تَغُوْبُ فِي عَنِ حَمِّمَّوْ وَجَدَ عِثْدَهَا قَوْمُالْقُلْنَا بِذَا الْقَرْلَيْنِ إِمَّا أَنْ تَعَلِّبَ وَإِمَّا أَنْ تَتَّجِدَ فِيهِرْ حُسُنَا@
- قَالَ أَمَّا مَنْ ظَلَرَ فَسَوْنَ نُعَذِّبَهُ ثُرٌ يُرَدُّ إِلَٰ رَبِّمَ فَيُعَذِّبُهُ غَذَابًا تُشَرَّاهِ
- رُ آمَّا مَنْ أَمَنَ وَعَمِلَ مَا لِحًا فَلَمَّ جَزَّاءٌ ۖ الْتُسْلَىٰ ، وَسَنَقُولُ لَمْ مِنْ آَمْرِنَا لُسُوَّا ﴿ لُمَّ ٱلْمَرْسَبَيَّا ﴿
- سر البع المبدوق مَنَّى إِذَا لِلْفَعَ مُطْلِعَ الشَّمْسِ وَجَدَهَا تَطْلُعُ فَى قَوْرًا لَّـرُ نَجْعَلُ لَّهُمْ مَّنْ دُوْنِهَا سَنَّا إِنِّي لَّهُمْ مَّنْ دُوْنِهَا سَنَّا إِنِّي
  - كَذَٰ لِكَ وَقَدُ إَحَطَنَا بِمَا لَدَيْهِ خُبْرًا۞
- نُرُّ آَثَعَ سَبَّا۞ حَثَّى إِذَا بِلَغَ بَيْنَ السَّدَّيْنِ وَجَدَمِنْ دُوْنِهِمَا قَوْمًا وَلَّيْكَادُوْنَ يَفْقَهُنْ فَقَلَّا ۞
- قَا لُوْا يَكَا الْقُرْنَيْنِ إِنَّ يَأْجُوْعَ وَمَا جُوْعَ مَفْسِدُونَ فِي الْأَرْضِ فَهَلْ نَجْعَلُ لَكَ غَرْجًا كَلَّ أَنْ تَجْعَلُ بَيْنَنَا وَ بَيْنَمُ سَدَّا۞
- قَالَ مَا مَقَّنِيْ فِيْهِ رَبِّى غَيْرٌ فَآعِيْنُونِيْ بِقُوِّةٍ آجْعَلْ بَيْنَكُرْ وَ يَنْهُرُ رِنْمًا فِي الْمِنْهُرُ رِنْمًا فِي
  - اَتُوْنِى ْ زُيْرَ الْحَوِيْدِ ِ حَتِّى إِذَا سَاوِٰى بَيْنَ السَّدَفَيْنِ قَالَ الثُّعُواْ، حَتَّى إِذَا جَعَلَدُ نَارًا ۚ قَالَ اثُوْلِيَّ ٱلْوِغْ عَلَيْهِ قِطُرًا ﴿
    - فَمَا السَّطَاعُو اَ أَنْ يَظْهَرُوهُ وَمَا السَّتَطَاعُوا لَهُ نَقْبًا ﴿
- قَالَ هٰذَا رَحْمَةٌ مِن رَبِّيْ عَلِاذًا جَاءَ وَعُدُ رَبِّيْ جَعَلَمُ دَكَّاءَ ۗ وَ كَانَ وَعُدُ رَبْنِ حَقًا هِ

১০০।এবং সেদিন আমি জাহানামকে প্রত্যক্ষ করার জন্য কাভিরদের নিকট উপস্থিত করব-

মাতি ভাগতে সভাগতেই একত কাল্ড-

তারা প্রমাত ও সক্ষয় ছিল না।

১৯৷ এবং সেদিন আমি ভাদেন কতককে ডেডে দেব কডকের উপর ভরকের মত প্রসে পভতে এবং শিংগায় ফ দেয়া হবে (বিভীয় শিংগা ফাঁ)। এবং

১০১।তবে কি যারা কন্ধরী করেছে তারা মনে করে যে, তারা আমাকে বাদ দ্বিত্ব আয়ার রান্যাদেরকে অভিভাবক বিসাবে গ্রহণ করবেং শিশুর আমি ভাহানামকে প্রস্তুত করেছি কাফিরদের জন্য আতিখেহতাস্বরূপ।

১০০০খন আমি কি ভোমাদেকক কাছের দিক থেকে সবচেত্রে বেশি क्रक्रिशंखराजा अध्योज जिला?"

১০৪।দনিয়ার স্ক্রীবনে যাদের প্রচেষ্টা নিক্ষল হরেছে, অথচ তারা মনে করে যে, নানাই সক্ষমানে আৰু কৰণে

১০৫।গরাই ভাষা হারা ভাদের প্রতিপালকের আয়াতসমহ ও ভাঁর সাথে সাক্ষাথকে অবিশ্বাস করেছে, কলে তাদের কর্মসমূহ বিফল হয়েছে, এবং कारका करण आणि कियाचारका किया (साथ शहक प्रम्मीका करता सी।

১০৬।এটাই তাদের প্রতিফল- আহান্রাম, কারণ তারা কৃষ্ণরী করেছে এবং আমার আয়াতসমত ও রাসলদেরকে উপহাস হিসাবে এহণ করেছে।

১০৭।মিশ্বর হারা ইয়ান এনেছে ও সংকাশ্র করেছে ভানের জন্য আপাহিনস্বরূপ রয়েছে ফিরদাউদের আন্রাতসমহ-

১০৮/সেখানে তারা স্বায়ী হবে, সেখান থেকে তারা স্থানান্তর কামনা করবে

১০৯।বল, 'আমার প্রতিপালকের বাণীসমহের জন্য সমুদ্র যদি কালি হয় ডাক্সল আমার প্রতিপালকের বাণীসমত (লিখা) শেষ হওয়ার পর্বে সমল ware's বিশেষ হয়ে য়াতে- যদিও আমি এব অনকণ সাহাত্য (আবো কালি) নিয়ে আসি। ১১০।বল, 'আমি কেবল গোমাদের মত একজন মানুব,<sup>\*</sup> আমার প্রতি ওথী

প্রতিপালকের ইবাদতে কাউকে শরীক না করে।

وَتَرَكْنَا بَعْفَهُرْ يَوْمَئِذِ يَنْوَجُ فِي بَعْضِ وَّنُعْنَ فِي الصَّوْرِ فَحَبَعْنَمُ مَبْعًاهُ وْعَرَضْنَا جَهَالْمَ يَوْمَتُن لِلْكُفْرِيْنَ عَرْضَا ۗ فَ

٨٠٠ أَوَّا لَكُهَف

الَّذِيْنَ كَانَتْ آغَيْنُهُمْ فَيْ عُطَآءَ عَنْ ذَكُرِيْ وَكَانُوا اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الله عامة المعاده د لاَيْسْتَطِيْعُونَ سَمْعًا أَهُ

أَفَحَسَ الَّذِينَ كَفَرُوٓۤ أَنْ يَتَخَدُوٛا عَبَادِيْ مِنْ دُوْنَيٓ أَوْ لَيَّاءَ إِنَّا آعْتَدُنَا جَهَنَّرَ لِلْكُفِينَ نُزُّلًا ۞

قُلْ هَلْ نُنَبُّتُكُرْ بِالْآخُسَرِينَ أَعْمَا لَّا ﴿ ٱلَّذِيْرَ، ضَلَّ سَعْيُهُمْ فِي الْحَيَّوةِ الدُّنْيَا وَهُرْ يَحْسَبُونَ ٱلَّهُمْ يُحْسنُونَ مُنْعًا هِ

أُولِّنَكَ الَّذِيْنَ كَفَرُوا بِأَيْتِ رَبِّهِرْ وَ لِقَالَهِ فَعَبِطَتْ أَعْمَا لُهُمْ فَلَانُقِيْرُ لَهُرْ يَوْمَ الْقَيْمَةِ وَزْنَّا ذُ لِكَ مَزَّ أَوُّهُرْ جَهَنَّرُ بِمَا كَفَرُوْا وَ اتَّخَذُوٓۤ أَيْتِيْ وَرُسُلِيْ

هُزُواهِ انَّ الَّذِيْنَ أَمَنُوْا وَعَملُوا الصَّلِحْبِ كَانَتْ لَهُرْ جَنَّتُ الْفُوْدَوْسِ نُوُ لَا ﴿

غُلديْنَ فَيْهَا لَا يَبْغُونَ عَنْهَا حِوَلًا ﴿ قُلْ لَّوْكَانَ الْبَدُّ مِدَادًا لَّكَلِّمِ رَبِّيْ لَنَفِدَ الْبَدُّ قَبْلَ أَنْ

تَنْفَدَ كَلَمْ رَبَّيْ وَلَوْ حِثْنَا بِمِثْلِهِ مَدَّاهِ قُلْ انَّهَاۤ إَنَا بَهَوْ مَّقُلُكُم يُوْخَى الَّ ٱنَّهَاۤ الْهُكُر إِلَّا وَّاحِدٌ ۥ

করা হয় যে, ভোমাদের ইলাহ কেবল এক ইলাহ, সভরাং যে ভার هُمْ عَانَ يَدِجُواْ لَقَاءَ رَبِّهُ فَلَيَعُمَلُ عَمَلًا مَا لَحًا وَ لَا يُشْرِفُ إِنَّ الْحَاقِ وَ اللهُ عَ عِلَا لِشَاعَ عَانَ يَدِجُواْ لَقَاءَ رَبِّهُ فَلَيَعُمَلُ عَمَلًا مَا لَحًا وَ لَا يُشْرِفُ إِنَّ اللهِ عَالِ بعبَادَة رَبِّهُ أَحَدُّاهُ

#### ১৯. সূরা মারইয়াম, মাঞ্চী ১৮ আগত ৬ কর

्र जरीय मरायर ५ প्रय मराल जालाहर साथ

১৷ কাফ-চা-উগ্ল-অটন-সোমাদ

ইভঃপর্বে কাউকে করিন।

- এটি ভোমার প্রতিপালকের দয়ার কর্ণনা -জাঁর বান্দা হাক্রবিয়ার প্রতি
  - राध्य (म कार अफिशासकाक महाशास्त्र (कारकीका)
- ৪৷ সে বলেছিল, 'হে আমার প্রতিপালক। আমার হাড় দুর্বল হয়ে গেছে, (নার্থক্যে) মাধার চুল সালা হয়ে গেছে এবং আপনাকে ভেকে আমি কথনো দুর্ভাগা হইনি, হে আমার প্রতিপালক।
- ৫। এবং আমার পর আমার স্থাগোরীয়নেরকে (য়িনের উত্তরাধিকারী হওয়ার ব্যাপারে) নিচয় আমি তয় করছি এবং আমার রী বছয়, মুতরাং আপনার নিকট কেকে আমাকে দান কয়ন একজন অমুগামী-১০। কে উন্নতাধিকারী তার আমার এবং উন্নতাধিকারী তার উভাক্তাকে বাশেশ্ব
- এবং হে আমার প্রতিগালক। আপনি তাকে সন্তোমতাজন বানিরে দিন।'

  ব। (আল্লাহ কদলেন) 'হে যাকারিয়া। নিশ্চর আমি তোমাকে একজন পুরের
  সুসবোদ দিছি, যার নাম ইয়াইইছা, আমি তার একই নামবিশিষ্ট
- ৮। সে বদল, 'হে আমার প্রতিপালক। কিভাবে আমার পুত্র হবে, যখন আমার জী বহুনা এবং আমি বার্থাবোর প্রেম প্রায়র বেলিং'
- ৯। সে (ফেরেশতা) বদল, 'এতাবেই (হবে)।' আপনার প্রতিপালক বলেছেন, 'তা আমার জন্য সহজ্ঞ, এবং আমি ইতঃপূর্বে তোমাকে সৃষ্টি কয়েছি, যখন তমি বিকট ডিলে না।'
- ১০। সে (যাকারিয়) বলল, 'হে আমার প্রতিপালক। আমার জন্য একটি নিদর্শন দিন।' তিনি বললেন, 'তোমার নিদর্শন এই যে, তুমি সুস্থ ধেকেও তিন রাত কারো সাথে কথা বলতে পাহবে না ।'
- ১১। অতঃপর সে মেহরাব (ইবাদত কক্ষ) হতে তার সম্প্রদায়ের নিকট বের হল এবং তাদের প্রতি (এ মর্মে) ইপারা করল যে, তোমরা সকালে ও সন্ধ্যায় আল্লাহর পবিত্রতা মোহণা কর।
- ১২। (আল্লাহ্ বললেন) 'হে ইয়াহইয়া। এ কিতাব (তাওরাত) শক্তভাবে ধর। আর আমি তাকে শৈশবেট দিয়েছিলায় বিচাব-বিবেচনা-
- ১৩। এবং আমার নিকট থেকে কোমলতা ও পরিব্রতা এবং সে ছিল ভাকওয়াবান-

- ٩-سُرُوَّامُرُهُ مُكِيَّةُ الْمُؤْمِدُ مُكِيَّةً الْمُؤْمِدُ مُكِيِّةً الْمُؤْمِدُ مُكِيِّةً الْمُؤْمِدُ اللَّمُ الْمُؤْمِدُ اللَّمُ الْمُؤْمِدُ اللَّمُ اللْمُمُمِنِينِ اللْمُعِلَّلُمُ اللَّمُ اللْمُمُمِنِينَ اللْمُعِمِينَ الْمُمِنْ اللْمُمُمِمُ اللْمُمُمِمُ اللْمُمُمُمُ اللْمُمِمُ اللْمُمُمُمُ اللْمُمْمُمُ اللْمُمُمُمُمُ اللْمُمُمُمُمُمُمُمُ اللْمُمِ
  - م مرسم کھیٹ ص ن

ذِكْرُ رَحْمَتِ رَبِّكَ عَبْدَةً زَكَرِيًّا ۗ إِذْ نَادِي رَبِّهُ نَدَّارًا مِّعْفِيًّا ۞

ڔؚ؎؎؈ڔ؞؞ۅؚ؋ڔ؞ڝ؈ ڡٙٵؘؙٙٙٙٙ؈ڔۜڐٟٳؾٞؽۅؘۄؘڡؘٵڷۼڟٛڔؗۅێؽۅؘۅٵۿؾؘۼڶٵڶڔؖٵٛڛۘۿؽٛؠٵۊ۠ ڷڽۯؙڴڽؙٛؠؙڋڠؖٵڵڬڔؠۜٞۿؿؾؖٳ۞

وَ إِنِّيْ خِفْتُ الْمَوَ الِيَ مِنْ وَّتَّاءِیْ وَکَانَتِ اَمْرَ آلِیْ عَاقِرًا فَهَبْ لِیْ مِنْ لَذَنْكَ وَلِیْاً ہُ یَّا نُنْ وَ یَدُ مُنْ ال یَعْقَدُ مَنْ " وَمَهَا لُمُ رَبِّ رَهِیًّا ہُورَا

يْزَكُوپْاْ إِنَّا لَبَقِّرُكَ بِقُلْمِي إشْعُةَ يَدِيٰى َ لَمْ نَجَعَلُ لَّمُ مِنْ قَتْأَ سَنَّاهَ

قَالَ رَبِّ ٱلْنَّى يَكُوْنُ لِيُ غُلِرٌ وَّ كَانَبِ امْرَاَتِيْ عَاقِرًا وْقَدُ بَلَقْتُ مِنَ الْكِبَرِ عِيثًا ۞

قَالَ كَذَٰ لِكَ ۚ قَالَ رَبُّكَ هُوَ غَلَّ هَيِّنْ وَّقَدْ غَلَقْتُكَ مِنْ قَبْلُ وَ لَرْ لَكُ شَيْغًا۞

قَالَ رَبِّ اجْعَلَ إِنَّ أَيْدُ قَالَ أَيْتُكَ الْأَتُكَلِّرَ النَّاسَ ثَلَّى لَيَالِ سَوِيًّا ۞

فَخَرَةً فَى قَوْمِهِ مِنَ الْمِهْرَابِ فَأَوْضَى إِلَيْهِرْ أَنْ سَبِّحُوا بُكِرَةً وَعَفِيًّا @

> يَيَكُيٰ عُدِ الْكِتْبَ بِقُوْةٍ وَأَتَيْنَهُ الْمُكْرَ صَبِيًّا ﴾ وَحَنَانًا مِّنْ لَدُنًا وَ زَكُوةً • وَكَانَ تَقَيًّا ﴾

১৫। এবং ভার প্রতি সালাম (শাঝি) যেদিন সে জনা লাভ করেছে, যেদিন সে মতা বৰুণ করবে এবং যেদিন তাকে জীবিত অবস্থায় পনরুখিত করা হ হার।

১৬। এবং এ কিতাবে মারইয়ামের (প্রসন্ধ) উল্লেখ কর। যথন সে ভার পরিবার পরিজন হতে (বাইতুল মুকাদাসের) পূর্ব দিকের এক স্থানে পথক হয়ে rstot-

১৭। এবং সে তাদের থেকে (আভাল হওয়ার জন্য) পদী গ্রহণ করল। অভ্যাপৰ আমি ভাৰ পতি, আমাৰ বছাক (জিববাউনাকে) প্ৰেৰণ কৰলাম

এবং সে তার নিকট পর্ণাঙ্গ মানবাকতি ধারণ করল। ১৮। সে (মারইয়াম) বলল, নিশ্চয় আমি তোমার থেকে দরাময়ের নিকট

আশ্রয় প্রার্থনা করছি- যদি তমি তাকওয়াবান হও।

১৯) সে (জিবরাঈল) বলল, 'আমি কেবল আপনাকে এক পবিত্র পুত্র দাদের (সসংবাদ দেয়ার) জন্য আপনার প্রতিপালকের রাসল (বাণীবাহক)।

২০। সে (মারইরাম) বলল, 'কিভাবে আমার পুত্র হবে, যথন আমাকে কোন পঞ্চয় স্পর্শ করেনি এবং আমি বাভিচারিণীও হইনিঃ'

২১। সে (জিবরাঈল) বলল, 'এভাবেই হবে।' আপনার প্রতিপালক বলেছেন, 'তা আমাৰ জন্য সহজ' এবং তা এজন্য যে, আমি (আল্লাহ) তাকে হানকের জন্ম বানার এক নিদর্শন ও আয়ার পক্ষ থেকে এক দয়া এবং তা একটি ফয়সালাকত বিষয়।

২২। অতঃপর সে তাকে গর্ভে ধারণ করল এবং তা সহ (গর্ভন্থ সম্ভানসহ)

এক দরবর্তী স্থানে পথক হয়ে গেল।

১৫। প্রস্তু-বেদনা তাকে এক খেজর গাছের কান্ডের কাছে নিয়ে এল, লে বলল, 'হায়, এর পূর্বে যদি আমি মরে যেতাম ও (সবার কাছে) বিশ্বত ও পরিভাকে সভায়।'

১৪। ভক্তংপর সে (জিববাঈল) তার নিচ থেকে তাকে ডেকে বলল, 'আপনি দশ্ভিতা করবেন না, আপনার নিচে আপনার প্রতিপালক একটি পানির প্রবাহ বানিয়ে দিয়েছেন।

২৫। আপনি আপনার দিকে ঝেন্ধুর গাছের কাণ্ডে নাড়া দিন, তা আপনার উপর টাটকা পাকা খেম্বর ফেলবে।

২৬। সূতরাং আপনি আহার করুন, পান করুন ও চক্ষু শীতল করুন, এবং মানছের মধ্যে কাউকে যদি আপনি দেখেন তথন বলবেন. 'নিশ্চয় আমি দহাপ্রয়ের উদ্দেশ্যে রোজা (অর্থাৎ বিব্রত থাকা) মানত করেছি, সভরাং আৰু আমি কিছতেই কোন মানুষের সাথে কথা বলব না।

১৭। অভঃপর সে ভাকে (সন্তামকে) বহন করে নিয়ে ভার সম্পদারের নিকট উপস্থিত হল। তারা বলল, 'হে মারইয়াম! তুমি অবশ্যই এক অয়ত কাও করেছ !

وْبَوًّا 'بِوَ الدَّيْهِ وَ لَرْ يَكُنْ جَبًّا رًّا عَصيًّا وَسَلْمٌ عَلَيْهِ يَوْمَ وُلدَ وَيَوْمَ يَهُوْتُ وَيَوْمَ يُبْعَثُ مَيًّا ﴾

وَ اذْكُرْ فِي الْكَتْبِ مَرْ يَرَ مِاذِ اثْتَبَذَتْ مِنْ أَهْلَهَا مَكَانًا شَاشُ

فَاتَّخَذَتْمِنْ دُوْنِهِي حَجَابًا لِدُفَأَ رُسَلُنَاۤ |لَيْهَا رُوْهَنَا فَتَمَثَّلَ لَهَا بَشَرًّا سَويًّا ﴿

قَالَتْ إِنَّيْ أَعُودُ بِالرِّحْمٰنِ مِثْكَ إِنْ كُثْتَ تَقيًّا ﴿

قَالَ انَّمَاۤ أَنَاۡ رَسُوْلُ رَبِّكُ ۚ لِاَهَبَ لَكَ عُلْمًا زَكيًّا ۞ قَالَتْ أَثْنَى يَكُوْنُ إِنْ عُلْرٌ وَّ لَيْرَ يَمْسَسْنَيْ بَشَوٌّ وَّ لَيْرَ إَكُ

قَالَ كَذَٰ لِكَ ، قَالَ رَبُّكَ هُوَ عَلَّ هَيِّنْ ، وَ لِنَجْعَلَذَّ إِيَّةً لِّلنَّاسِ وَ رَحْمَةً مِّنَّا ، وَكَانَ آمْرًا مَّقْضًّا @

فَكَمَلَتْهُ فَا نُتَبَذَتُ بِهِ مَكَانًا قَميًّا @

فَأَجَاءَهَا الْمَخَاضُ إلى جِدْعِ النَّخْلَة ، قَالَتْ يِلْيَتَنيْ مِنَّ قَبْلَ هٰذَا وَكُنْتُ نَشِيًا مُّنْسِيًّا ﴿

فَنَادُىهَا مِنْ تَحْتِهَا ٓ إِلَّا تَحْزَنيْ قَدْجَعَلَ رَبُّك تَحْتَك

وَهُرِّيْ آلَيْك بِجِدُع النَّخْلَة تُسْقَطُ عَلَيْك رُطَبًا جَنيًّا ﴿

فَكُلِيْ وَ اهْوَ بِيْ وَقَرِّيْ عَيْنًا ، فَامَّا تَوَيِّهُ مِنَ الْبَهَ إَحَدًا ، فَقُوْلَ الَّيْ نَذَرْتُ للرَّحْسُ مَوْمًا فَلَنْ أَكَلِّي الْيَوْ } انْسيًّا أَيْ

فَأَتَتْ بِهِ قَوْمَهَا تَدْمِلُهُ قَالُو ﴿ لِمَرْيَرُ لَقَدُ جِنْتُ شَيْئًا

भागात जाविकारियो किन्स्य सार्

পারা-১৮

يَّأَغْتَ هٰرُوْنَ مَاكَانَ أَبُوك امْرَ أَسَوْء وَّمَاكَانَتُ أُمُّك بَعْيًّا ۗ

سورة موليم

- ২৯। অতঃপর সে (মারইয়াম) তার (সম্ভানের) প্রতি ইশারা করণ। তারা বলল, 'যে কোলের শিশু তার সাথে আমরা কিন্তাবে কথা বলবং'
- ৩০। সে (শিষ্ঠ) বলন, 'নিশ্বর আমি আগ্রাহর বান্দা। তিনি আমাকে কিতাব<sup>®</sup> দিয়েছেন এবং আমাকে নবী বানিয়েছেন-
- ৩১। এবং তিনি আমাকে বরকতময় বানিয়েছেন, যেখানেই আমি থাকি না কেন এবং আমাকে সালাত (নামায়) ও যাকাতের নির্দেশ নিয়েছন যাসদিন আমি জীৱিত প্রাক্তি-
- ৩১। এবং (আমাকে বানিয়েছেন) আমার মাতার প্রতি সদয় এবং তিনি আমাকে ফেছাচারী ও দর্ভাগা বানাননি। ৩৩। এবং আমাব প্রতি সালাম (শামি) বেদিন আমি জন লাভ করেছি। বেদিন
- আমি মত্যবরণ করব এবং যেদিন আমি জীবিত অবস্থায় প্রকৃতিত
- ৩৪। এই হল মারইয়ামের পুত্র ঈসাং এটি সেই সত্য কথা যাতে তারা সংস্থে PERMITTEE ৩৫। সমান গ্রহণ করা আলাহর জন্য শোভনীয় নয় পরিক্র জিনি। হথম ডিনি
- কোন বিষয় (করার) ফয়সালা করেন তথন তাকে কেবল বলেন, 'হও' এবং তা হয়ে যায়।
- ৩৬। আর নিক্য আল্লাহই আমার প্রতিপালক ও তোমাদের প্রতিপালক, সতবাং তোমরা তাঁর ইবাদত কর। এটি সরল-সমিক পথ।
- ৩৭। অতঃপর তাদের মধ্য থেকে দলগুলো (ঈসার পরিচর সম্পর্কে) মতপার্থকা করল, সম্ভবাং দর্ভোগ কাফিবদের জন্য এক ভয়ারর লিনের উপন্মিত্র कारत:
- ৩৮। যেদিন তারা আমার নিকট আসবে সেদিন তারা কন্তই না খনবে ও কন্তই না দেখবে! কিন্তু জালিমরা আঞ্চ দুস্পই পথন্রইতায় রয়েছে।
- ৩৯। এবং ভাদেবকৈ সভৰ্ক কৰ পৰিভাগেৰ দিন সম্পৰ্কে হখন সকল বিভাহৰ ফয়সালা করা হবে, অথচ ভারা অসতর্কতার মধ্যে রয়েছে এবং ভারা বিশ্বাস করে নাঃ
- ৪০। নিশ্বর আমিই পথিবী ও এর উপর যারা আছে তালের উত্তরাধিকারী (স্বতাধিকারী) এবং 'আমারট দিকে 'তাদেরকে ফিবিয়ে আনা রবে।
- ৪১। এবং এ কিভাবে ইবরাহীমের (প্রসঙ্গ) উল্লেখ কর। নিক্তয় সে ছিল সভারাটী ও নঠী।
- ৪২। যখন সে তার পিতাকে বলেছিল, 'হে আমার পিতা: আপনি তার উপাসনা কেন করেন যে শোনে না. সেখে না এবং আপনার কিছট আছে

- فَأَشَا رَتْ النَّهِ، قَا لُوْا كَيْفَ نُكَلِّرُ مَنْ كَانَ فِي الْمَهْدِ صَبيًّا ﴿ قَالَ النَّيْ عَبْدُ اللهِ ﴿ أَلْنِيَ الْكُتْبُ وَجَعَلَنِي نَبِيًّا ﴾
- وَّجَعَلَنيْ مُبْرَكًا آيْنَ مَا كُنْتُ وَ آوْصٰنيْ بِالصَّلُوةِ وَ الزَّكُوةِ مَادُمْءُ مِثَاقَةً
  - وَّ يَوَّا بُوَ الدَّتِيْءُ وَ لَهُ يَجْعَلْنِيْ جَبًّا رًا هُقَيًّا ۞ وَالسَّلْرُ عَلَى يَوْا وَلِدْتُ وَيَوْا الْمُوتُ وَيَوْا الْمُوتُ وَيَوْا الْمُعْتُ مَيًّا ا
  - ذَلِكَ عَيْسَى إِنْ مَرْيَ } ، قَوْلَ الْعَقِّ الَّذِي فَيْهِ يَمْتُونَ ﴿
- مَا كَانَ اللهِ أَنْ يَّتَّحْذَ مِنْ وَّلَدِ سُبْحُنَةً ﴿ إِذَا قَفِّي أَمُّ ا فَانَّمَا يَقُوْلُ لَهُ كُنْ فَيَكُوْنُ ﴿
  - وَ إِنَّ اللَّهَ رَبَّى وَ رَبُّكُيْ فَاعْبُدُوهُ \* هٰذَا صِرَاطَّ مُسْتَقَيْرٌ ﴿
- فَاغْتَلَفَ الْآخْزَابُ مِنْ أَبَيْنِهِ ( ء فَوَيْلٌ لِّلَّذِيْنَ كَفَرُّوْا مِنْ مَّشْهَد يَوْمُ عَظيْر ⊛
- أَشْمِعْ بِهِرْ وَ أَبْصِرْ \* يَوْمَ يَأْتُوْنَنَا لَكِي الظُّلْمُوْنَ الْيَوْمَ فِي مَلْل مبين ⊛
- وَ آنْدِ رَهُرْ يَوْمَ الْعَسْوَةِ إِذْ قُفِيَ الْأَمْرُ وَهُرْ فِي غَفْلَةِ وَّهُرْ لَا يۇمئۇن @ انَّا نَحْنُ نَرِكُ الْأَرْضَ وَمَنْ عَلَيْهَا وَ الَّيْنَا يُوْجَعُونَ ﴿

  - وَاذْكُرْ فِي الْكِتْبِ إِنْ هِيْرَ وْانَّدُّ كَانَ مِدَّيْقًا نَّبِيًّا @ إِذْ قَالَ لِآبِيْهِ يَأْبَى لِيَ تَعْبُدُ مَا لَا يَشْمَعُ وَ لَا يُبْصُ وَ لَا يُغْنَى

عَنْكَ شَنًّا ه

- ৪৩। তে আয়ার পিতা। নিক্ষয় আয়ার নিকট এমন কান এসেচে হা আপনার يَّابَت إنَّى قَدْجَاءَني منَ الْعلْر مَا لَرْ يَأْتِكَ فَاتَّبغُنيُّ মিকট আমেনি, সূত্রাং আমাকে অনুসরণ করুন, আমি আপনাকে اَهْدكَ صَ إِطَّا سَوِيًّا ﴿ vomenthe ee regire ০০। তে আমার পিলা। সম্ভানের উপাসনা করবেন না। নিক্য শহতান
- SUPPLIES SENSON ৫৫। তে জালার পিজা। নিশ্বর আমি আশহা কর্ম্বি যে, সরামর থেকে
- রোন সাম্ভি আগনাতে স্পর্শ করবে, তথন আগনি শহতানের বছ হয়ে शास्त्रका ।
- ৪৬। সে (পিডা) বলল, 'হে ইবরাহীম। তমি কি আমার উপাদ্যাদের থেকে অনুভাষ্ট্যঃ যদি ভয়ি বিহত না হও তবে আমি তোমাকে অৱশাই অবশাই পাথর নিক্ষেপ করব এবং তমি চিরতরে আমাতে বর্জন কর।
- ৪৭। সে (ইবরাহীম) বলল, 'আপনাকে সালাম (বিদাহ), আমি আমাব প্রতিপালকের নিকট আপনার জন্য শীঘ্রই ক্ষমা প্রার্থনা করব। নিকর ডিনি আগ্নার প্রডি অভি অনপ্রচলীল।
  - ৪৮। আমি আপনাদের থেকে ও আপনারা আল্লাহকে বাদ দিয়ে বাদের উপাপনা করেন তাদের থেকে পথক হল্ছি এবং আমি আমার প্রতিপালককে আহ্বান কর্ম্ভি আশা করি, আমার প্রতিপালককে আহ্বান করে আমি দৰ্শপা হয় মা।
  - ৪৯। অভঃপর যথন সে তাদের থেকে ও তারা আল্লাহকে বাদ দিয়ে যাদের উপাসনা করে তাদের থেকে পথক হয়ে গেল তখন আমি ডাকে দান কৰ্মলাম উসভাক ও ইয়াকৰ এবং প্ৰত্যেককেই নবী বানালাম।
  - দিলাম উচ্চ সুনাম-সুখ্যাতি। ৫১। এবং এ কিভাবে মুদার (প্রদঙ্গ) উল্লেখ কর। নিক্যা সে ছিল বাছাইকৃত

৫০। এবং তাদেরকে আমি আমার দয়া থেকে

(বান্দা) এবং সে ছিল রাসল ও নবী।

- ৫২। এবং তাকে আমি ভেকেছিলাম তর পর্বতের তান দিক<sup>\*</sup> থেকে এবং
- একান্ত কথায় আমি ভাকে নিকটবৰ্তী করেছিলাম। কর। এবং আমি আমার দয়া থেকে তার জন্য তার ভাই হাজনকে নবী হিসেবে
- দান করেছিলাম।
- ০৪: এবং এ কিস্তাবে ইসমাঈলের (প্রসঙ্গ) উল্লেখ কর, নিকর সে ছিল अफिअक्रिक आफा शृतिशकतादी धरा तम क्रिन तामन च नवी. ০০। এবং সে তার পরিবর-পরিজনকৈ সালাত (নামাথ) ও বাকাতের নির্দেশ
- ভিত্ত এবং সে জিল ভাব প্রতিপালকের নিকট সাজাধভাক্রন।
- ক্রা এবং এ কিতাবে ইদরিসের (প্রসঙ্গ) উল্লেখ কর। নিশ্চয় সে ছিল সকলোদী ও নবী

يَّأَبَت لَا تَعْبُد | لقَّيْطَي وإنَّ القَّيْطَى كَانَ للَّهُمْ عَمِيًّا @

يَا بَتِ النَّ آخَانُ أَنْ يُمَسَّكَ عَذَابٌ مِنَ الرَّحْمٰي فَتَكُوْنَ للشَّيْطُن وَ ليًّا ﴿

قَالَ أَرَاعَبُ أَنْتَ عَنْ إلْهَتِيْ لِمَابُ هِيْرُ ءَلَئِنْ لَّرْ لَنْتَهُ لاَرْجُمَنَّكَ وَ اهْجُوْنِيْ مَليًّا ﴿

قَالَ سَلَرٌ عَلَيْكَ ، سَاسْتَغْفِرُ لَكَ رَبَّيْ ، إِنَّهُ كَانَ بِيْ مَفِيًّا ﴿ وَ أَعْمَةِ لُكُرْ وَمَا تَدْعُونَ مِنْ دُوْنِ اللَّهِ وَ أَدْعُوا رَبِّنْ ﴿ عَسِّي ٱلَّآ

أَكُوْنَ بِدُعَآء رَبّي شَقيًّا فَلَمًّا اعْتَزَ لَهُمْ وَمَا يَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ اللهِ وَهَبْنَا لَهُ السُّحَقِّ وَ يَعْقُوْ بَ وَ كُلًّا جَعَلْنَا نَسًّا هِ

وَوَهَبْنَا لَهُ مُنْ رَحْمَتنَا وَجَعَلْنَا لَهُ رُ لَسَانَ صَرْق عَليًّا هُ وَ الْكُوْ فِي الْكِعْبِ مُوْسَى وَانَّهُ كَانَ مُخْلَمًا وَّكَانَ رَسُولًا

وَ نَادَيْنُهُ مِنْ جَانِبِ إلطُّوْرِ الْإَيْمَى وَقَةً بْنُهُ نَجِيًّا ﴿

وَوَهَبْنَا لَهُمِنْ رَحْهَتِنَاۤ أَخَاهُ هُونَ نَبِيًّا وَ اذْكُرْ فِي الْكِعْبِ إِسْمِعِيْلَ وَإِنَّهُ كَانَ صَادِقَ الْوَعْدِ وَكَانَ

رَسُوْلُا نَسْاهُ وَكَانَ يَاْمُرُ إَهْلَهُ بِالصَّلْوةِ وَالزَّكْوةِ - وَكَانَ عِنْدَ رَبِّهِ

وَ اذْكُرْ فِي الْكِتْبِ إِذْ رِيْسَ ، اللَّهُ كَانَ صِدِّ نَقًّا نَّسًّا لِيُهِ

وْرَ فَعْنَاهُ مِكَانًا عَلَيًّا هِ

৫৭। এবং আমি তাকে উক্ত স্থানে উঠিয়েছিলাম।

১৯. সুরা মারইয়াম

৫৮। কাই তারা, নবীনের মধ্য বেকে বানের উপর আরাহে কোমতে সান করেলেন্দ কান্যনের বংশবর বেকে কাং আছি নাত্রনাক ক্রের সারে লৌকায় আরাহেল পরিবাছিল। তানের বেকে কাং ইবরাইন ও ইবারাইলারে (ইয়ানুরেল) বংশবর বেকে কাং যানেরক আমি সঠিক পর কার্শনি করেছিলার ব মান্দিকি করেছিলার ভারমে মধ্য বেকে কাং কার্মনাক করেছিলার বান্যনিক বান্যনিক ভারমে মধ্য বিক্রমার করারা ক্রান্তনিক মান্দেরের আরাকন্যন্তন্য পাঠ করা হত ভখন ভারা বিক্রমার ক করারা ক্রান্তিক সান্যান্তন

৫৯: এবং তাদের পরে আদল এদন উত্তরসূরিরা যারা সালাত (শামাখ) নট করল ও কামনার অনুসরণ করল, সুতরাং অসিরেই ভারা কুকর্মের শান্তির সাক্ষাং লাত করবে-

৬০। -তারা ছাড়া যারা (কুকর্ম থেকে) অনুগুঙ হয়ে কিরে এনেছে , ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে, সুতরাং ভারাই জাল্লাতে প্রবেশ করতে এবং তাদের প্রতি কিছই জলম করা হতে না-

৬১। (তারা প্রবেশ করবে) স্থায়ী জাত্রাতসমূহে যার প্রতিশ্রুতি দয়াময় অদৃশ্য থেকে তাঁর বান্দাদেরকে দিয়েছেন। নিশুর তাঁর প্রতিশ্রুতি আসকেই।

৬২। সেখানে তারা 'সালাম' (শান্তির অভিতাদন) ছাড়া কোন অসার কথা কনবে না এবং সেখানে তাদের জন্য রিখিক থাকবে সকালে ও সন্ধায়।

৬৩। এই সে জানুতে, যার উর্রাধিকারী করব আমার বান্দাদের মধ্যে তাদেবকে যাবা আরুওয়াবান।

৬৪। আর (হে রাসুদ)। আমি<sup>\*</sup> (জিবরাঈদ) আগনার প্রতিপালকের নির্দেশ ছাড়া অবতরণ করি না, যা আছে আমার সামনে ও যা আছে আমার শিছনে এবং যা আছে এর মধ্যবর্তী তা তাইই এবং আগনার প্রতিপালক ভালে যানা

৬৫। তিনি আকাশসমূহ ও পৃথিবী এবং উভয়ের মাঝে যা আছে তার প্রতিপাদক, সুতরাং তাঁর ইবাদত করন্দ এবং তাঁর ইবাদতে অধিকা থাকুন। আপনি কি তাঁর সমগুব সম্পন্ন কাউকে আনেনাঃ

৬৬। আর মানুষ বলে, 'যথন আমি মৃত্যুবরণ করব তথন কি অভিত্রেই আনাকে অবশ্যই জীবিত করে (মাটি থেকে) বের করা হবে?'

৬৭। মানুষ কি ধারণ করে না যে, আমি ভাকে ইভঃপূর্বে সৃষ্টি করেছি, হখন সে কিছুই ছিল নাঃ\*

৬৮। সুকরাং তোমার প্রতিপাদকের কমম, অবশাই অবশাই আমি তানেরকে এবং শয়তানদেরকে সমবেত করব, এরপর অবশাই অবশা তানেরকে নকজানু অবস্থান্ত জাহান্ত্রামের কাছে উপস্থিত করব। أولَقِكَ الْدِينَ اَنْعَرَ اللهُ عَلَيْهِمْ مِنَ النَّبِيّنَ مِنْ دُلِيّةً أَدَّا ﴿ وَمِشْ مَمْلُغَا مَعْ نُوحٍ، وَمِنْ دُلِيّةٍ إِلْمُوضِّرَ وَالمِرَّأِمِيلًا ﴿ مِنْ هَنْنَا وَاجْنَبِينَا ، إِذَا تَعْلَى عَلَيْمِ أَنْمَا الرَّهْمِي خُرُقًا صُهِدًا وَيُكِياً ﴾ صُهدًا وَيُكِياً ﴾

فَخَلَفَ مِنْ ابَعْدِهِرْ هَلْفٌ إَمَاعُوا الصَّلْوِةَ وَالّْبَعُوا الشَّهُوٰتِ فَسُوْنَ يَلْقُوْنَ غَيًّا ۞

إِلَّا مَنْ تَابَ وَاٰمَى وَعَمِلَ مَا لِحًا فَأُولَٰقِكَ يَدُخُلُونَ الْجَنَّةَ وَ لَايُظْلَمُونَ هَيْئًا فِي

جَنْبِ عَدْنِ الْتِنْ وَعَدَ الرَّحْمُنُ عِبَادَةً بِالْغَيْبِ وَإِنَّهُ كَانَ وَعُدُّةُ مَا تِيًّا @

لَايَسْمَعُونَ فِيْهَا لَقُوًا إِلَّاسَلُمَا ﴿ لَهُنْ رِزْقُهُنْ فِيْهَا بَخُوَّةً وَّ عَفِيًا ۞ تَلْكَ الْجَنَّدُ الِّذِيْ ثُوْرِيُ مِنْ عَبَادِنَا مَنْ كَانَ تَقَيًّا ۞

وَمَا نَتَنَزُّلُ إِلَّا بِأَمْ رَبِّكَ · لَدُمَا بَيْنَ آيْدِيْنَا وَمَا غَلْفَنَا وَمَا بَيْنَ ذَلكَ • وَمَا كَانَ رَبِّكَ نَسِيًّا فَ

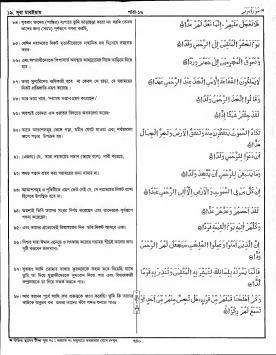
رَبُّ السَّمَوٰتِ وَ الْآرِثِينِ وَمَا بَيْنَهُمَّا فَاعَبُدُهُ وَالْمَطَيِرُ لِعِبَادِتِهِ، هُلِ تَعْلَرُ لَلْسَيِّانِ وَيَهُولُ الْإِنْسَانَءَ إِذَا مَاصُّ لَسَوْنَ أُخْرَجُ حَبًّا (8

أَوَ لَا يَذْكُرُ الْإِنْسَانُ أَنَّا هَلَقْنَهُ مِنْ قَبْلُ وَلَرْ يَكُ شَيْئًا ⊕

فَوَرَبِّكَ لَنَحْشُرَ لَّهُرْ وَ الشَّيْطِينَ ثُرُّ لَنُحْفِرَ لَّهُرْ حَوْلَ جَمَّنَّرَ جِمْلًا ﴾

, সূরা মারইয়াম	भीता-३७
৬৯। এরপর প্রত্যেক দলের মধ্য থেকে তাকে অবশ্যই অবশ্যই আমি বের করব, যে দয়াময়ের বিরুদ্ধে অবাধ্যতায় সবচেয়ে কঠিন।	ثُرَّ لَنَنْزِعَنَّ مِنْ كُلِّ شِيْعَةٍ أَيُّمُرْ أَشَدُّ كَلَ الرَّحْمٰنِ عِبِيًّا ﴿
৭০। এরপর অবশাই আমি তাদের সম্পর্কে সবচেরে বেশি জানি জাহান্নায়ে প্রবেশের সর্বাধিক উপযুক্ত।	ثُرَّ لَنَحْنُ إَعْلَرُ بِالَّذِيْنَ هُرْ آوَلَ بِهَا صِلِيًّا۞
৭১। এবং তোমাদের মধ্যে এমন কেউ নেই যে তাতে প্রবেশ করবে না, তোমার প্রতিপাদকের চূড়ান্ত ফ্যমোলা।	وَإِنْ مِنْكُرُ إِلَّا وَارِدُهَا ء كَانَ عَلَى رَبِّكَ مَثْمًا مَّقْفِيًّا }
<ol> <li>এরপর আমি তাদেরকে উদ্ধার করব যারা তাকওয়া অবলম্বন ক এবং আলিমদেরকে সেখানে নতজানু অবস্কৃত্ত রেখে নিব।</li> </ol>	ثُرَّ نَنَجِّى الَّذِيْنَ اتَّقُواْ وُنَذَرُ الظُّلِمِيْنَ فِيْهَا جِثِيًّا ۞
৭০। এবং যগন তাদের নিকট সুম্পট প্রমাণ স্বরূপ আমার আয়াতসমূহ	وَاذَا تُتْلَى عَلَيْهِمْ أَيْتُنَا بَيِّنْ قَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا للَّذِينَ اللَّهِ
করা হয় তখন যারা কুকরী করেছে তারা যারা ঈমাদ এনেছে তাদে বলে, 'দু'দলের মধ্যে কোনটি মর্যাদায় উত্তম ও মন্ধলিদ হিসেবে ত সুন্দরঃ'	
৪৪। এবং তাদের পূর্বে আমি কত প্রজন্মকে ধংশে করেছি যারা উপব (সহায়-সম্পদ) ও দেখতে (সৈহিক অবয়বে) তাদের তেরে । ছিল!	
৭৫। বল, 'যে পথভট্টতার মধ্যে আছে, দয়াময় যেন তাকে গ্রচুর অব	
দেন, অবশেষে যথন তারা তাদেরকে যে প্রতিশ্রুতি দেয়া হঙ্গে দেখবে- শান্তি হোক বা কিয়ামতই হোক। অতঃগর শীন্ত্রই তারা জ	
পারবে কে মর্যালায় নিকৃষ্ট ও বাহিনীর দিক থেকে অধিক দুর্বল।	هُوَ هُوَّ مُّكَانًا وَّ أَهْعَفُ جُنْدًا۞
১৬। এবং যারা সঠিকপথ অবলহন করে আল্লাহ তাদেরকে পথনিদে বাভিয়ে দেন। এবং স্থায়ী সংবাজগুলা তামার প্রতিপাদকের ।	
বাড়েয়ে দেন। এবং স্থায়া সংকাজকলো তোমার আকশালকের। পুরস্কার (ছওয়াব) হিসেবে উত্তম এবং প্রতিদান হিসেবেও উত্তম।	عِنْدُ رَبِّكَ ثَوَ إِبًّا وَ مَيْرٌ مُرَدًا
৭৭। তুমি কি তাকে দেখেছ, যে আহার আয়াতসমূহকে অবিশ্বাস ক এবং বলেছে, '(পুনরুগ্রান ঘটলে) আয়াকে অবশ্যই ধন-সম্প সন্তান-সমুক্তি দেয়া হবে।'	POSCE LANGUE OF THE PROPERTY OF THE POST A SECOND
৮। সে কি অনুণ্য সম্বন্ধে অবহিত হয়েছে অথবা দয়য়য়ের নিকট প্রতিশ্রুতি লাভ করেছে?	اَطْلَعَ الْغَيْبَ آاِ النَّحَدَ عِنْدَ الرَّحُمٰنِ عَهْدًا ﴾
৭৯। কদনো না। সে যা বলে আমি তা শীগ্রই লিবে রাধব এবং তার শান্তি অভিমাত্রায় দীর্ঘায়িত করব-	كَلَّه، سَنَكْتُ مَا يَقُولُ وَنَمُدَّلَهُ مِنَ الْعَدَ إِبِ مَدًّا ۞
৮০। এবং আমি উত্তরাধিকারী (স্বল্লাধিকারী) হব ভার (অর্থাৎ ধন-সম্প সন্তান-সন্ততির) যা সে বলে, এবং সে আমার নিকট আসবে একা	
<ul> <li>৬১। এবং তারা আল্লাহ্বকে বাদ দিয়ে বহু ইলাহ (উপান্য) গ্রহণ করেছে এ  যে, তারা তাদের ফন্য সহায় হবে-</li> </ul>	وَ النَّحَدُوْ مِنْ دُوْنِ اللهِ المِّهَ لِيكُوْنُوا لَهُرْ عِزَّاهُ ﴿
৮২। কন্দলে না। তারা (উপাস্যারা) তাদের ইবাদত দীঘ্রই অধীকার ব এবং তারা হবে তাদের প্রতিপক্ষ।	عَلَّاءُسَيَحْفُرُونَ بِعِبَادَتِهِرْ وَيَكُونُونَ عَلَيْهِرْ ضِدًّا۞ ۖ ۖ ۚ ﴿ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ

ٱلَرْتَرَ ٱنَّا ٱرْسَلْنَا الشَّيْطِيْنَ عَلَى الْكَغِرِيْنَ تَوُّزُّهُرْ ٱنَّاكُ



# ২০. সূগ ত্বা-হা, মাকী ১০৫ আয়াত, ৮ কব্ তি অসীম দ্যাময় ও প্রম দ্যাল আল্লাহর নামে

# ٢٠ سُرَةُ لِمَا حَكِيْةً النَّبَاء ١٠٠ رَكُونَاتُكَا ١٠٠ رَكُونَاتُكُا ١٠٠ رَكُونَاتُكُونَاتُكُونَاتُكُونَاتُكُونَاتُكُونَاتُكُونَا ١٠٠ رَكُونَاتُونَاتُكُونِاتُكُونَات

#### ১। তা-চা।

- ২। আমি এজুন্য তোমার প্রতি কুরথান অবতীর্ণ করিনি যে, ভূমি দুর্জেগ
- ত। বরং (অবতীর্ণ করেছি) একটি মারক হত্রপ তার জন্য যে (আল্লাহকে) তথ্য করে
- এক অবভারণ তাঁর নিকট হতে যিনি পৃথিবী ও সুউচ্চ আকাশসমূহ সৃষ্টি করেছেন।
- ৫। (বিনি) অসীম ল্যাম্য, আরশে স্মাসীন।
- ধ। যা কিছু আছে আকাশসমূহে, যা কিছু আছে পৃথিবীতে ও যা কিছু আছে উভয়ের মাঝে এবং যা কিছু আছে ভৃগর্ভে তা তাঁরই।
- এবং যদি তুমি উচ্চয়রে কথা বল, তবে নিকয় তিনি গোপন ও অতি গোপন বিষয় (সবই) জানেন।
- ৮। আল্লাহ্, তিনি ছাড়া কোন ইলাহ্ নেই, সুন্দরতম নামসমূহ তাঁরই।
- ৯। আর মৃসার বৃত্তাভ তোমার কাছে এসেছে কিঃ
- ১০৷ ইখন সে আওম দেবল, তখন তার পরিবার-পরিজনকে কলল, 'তোমলা (এখানে) অবস্থান কর, দিশুয় আমি আওম দেখেই, হয়তো আমি ভোমাদের জন্য তা থেকে একটু আওম আনব অথবা আমি আওনের নিকট পথনির্দেশনা পাব।'
- ১১। অতঃপর যধন সে তার (আঙনের) নিকট আসল তথন তাকে তেকে বলা হল, 'হে মুসা।
- ১২। নিকয় আমি তোমার প্রতিপালক, অতএব তোমার জুতা দু'টো খুলে ফেল, নিকয় তুমি পরির উপত্যকা 'তৃতয়া'য় রয়েছ।
- ১৩। এবং আমি তোমাকে মনোনীত করেছি, অভএব যা ওহী করা হয় তুমি তা মনোযোগ সহকারে প্রবন কর।
- নিক্তর আমিই আল্লাহ, আমি ছাড়া কোন ইলাহ দেই, অতএব আমার ইবাদত কর এবং আমার অরপের জন্য সালাত (নামায) কাষেম কর।
- ১৫। নিশুর কিয়ামত আসবে, আমি এটি গোপন রাখতে চাই যেন প্রত্যেক ব্যক্তিকে প্রতিসাদ সেরা যায় তার যা সে চেটা করে।
- ১৬। সুত্রাং যে ব্যক্তি তাতে (কিয়ামতে) বিশ্বাস করে না ও ভার প্রবৃত্তির অনুসরণ করেছে, সে যেন ভোষাকে তা (বিশ্বাস করা) হতে কখনো বিবত না রাখে, তাহলে তমি ধাংস হতে যাবে।'

ظُهٰ أَنْ الْمَا عَلَيْكَ الْقُوْلُنَ لِتَشْقَى ﴿

إِلَّا تَذْكِرَةً لِّمَنْ يَّخُفٰى ۞ تَنْ يْلَامِّمَّنْ خَلَقَ الْاَرْضَ وَ الشَّمٰوٰبِ الْعُلٰى ۞

تَتَزِيْلاَمِّمِّنَ عَلَقَ الارْضُ و السَّمُوتِ العَلَى أَهُ اَلَّهُ حُمِّنُ عَلَى الْعَرِّشِ اسْتَوْكِ ⊙

لَهُمَا فِي السَّمٰوٰ ِ وَمَا فِي الْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا وَمَا تَحْسَ النَّانِي ۞

وَ إِنْ تَجْهَرْ بِالْقَوْلِ فَاِنَّهُ يَعْلَرُ السِّرِّ وَٱخْفَى ۞

اَللهُ لَآ إِلهَ إِلَّا هُوَ · لَهُ الْأَسْمَاءُ الْحُسْنَى ۞

وَهَلَ أَتْكَ حَدِيْتُ مُوسَٰى ۞ إذْ رَا ذَا رًا فَقَالَ لِأَهْلِهِ أَمْكُمُوۤ النَّنَّ أَنَسُتُ فَا رًا لِّعَلَّيۡۤ أَتَيْكُرُ

> مِّنْهَا بِقَبَسِ أَوْ اَجِدُ كَى النَّا رِهُدِّى @ فَلَمَّا ٓ اَتُنَهَا يُوْدِىَ يُمُوْسُ ۞

إِنِّيَّ أَنَا رَبُّكَ فَا غَلَعْ نَعْلَيْكَ ؛ إِنَّكَ بِالْوَادِ الْمُقَدَّسِ طُوَّى ﴿

وَ إِنَّا اغْتَرْتُكَ فَاسْتَعِعْ لِمَا يُوْخَى ۞ إِنَّنِيَّ إِنَّا إِللَّهِ آلِهِ الْإِلَا أَنْ فَاعْبُدُنِي وَ إِقِرِ المَّلُوةَ لِدَخُونُ ۞

إِنَّ السَّاعَةَ أَتِيَةٌ آكَادُ الْحَفِيْهَا لِتُجْزِى كُلُّ نَفْسٍ بِمَا تَشْعَى ۞

فَلَايَمُدُّنَّكَ عَنْهَا مَنْ لَّايَزُّمِنُ بِهَا وَ اتَّبَعَ هَوْ لِهُ فَتَرْدَى ۞

وَمَا تِلْكَ بِيَمِيْنِكَ يُمُوْسُى ⊛

১৭। আর হে মৃসা। তোমার ডান হাতে ওটা কীঃ

১৮। সে বলল, 'এটি আমার লাঠি, আমি এর উপর ভর দেই এবং এটি ছারা অমি আমার ভেড়ার জন্ম পাহের পাতা কেনি এবং এটিতে আমার অন্যান্য প্রচোজনও আছে।'	قَالَ هِيَ عَمَانَ ؛ أَتُوَكَّمُوا عَلَيْهَا وَ أَهُشَّ بِهَا كَلَ عَنَمِيْ وَ لِيَ فِيْهَا مَا رِبُ أَخْرِى ۞
১৯। তিনি (আল্লাহ) বলদেন, 'হে মূসা। তুমি এটি নিক্ষেপ কর।'	قَالَ ٱلْقِهَا يُمُوْسَى ﴿
২০। সুতরাং সে (মূলা) ডা নিক্ষেপ করল, এবং তংক্ষণাং ভা হয়ে গেল একটি সাপ যা দৌড়াতে লাগল।	فَأَلْفُهَا فَإِذَا هِيَ حَيَّةٌ تَسْغَى ﴿
২১। তিনি (আল্লার) বলদেন, 'ভূমি এটাকে ধর এবং ভর করো না, শীস্তই আমি এটাকে এর পূর্ববর্তী অবস্থায় মিরিয়ে দেব।	قَالَ هُنْهَا وَ لَاتَخَفْ ۞ سَنُعِيْدُهَا سِيْرَتَهَا الْأَوْلُ ۞
২২। এবং তোমার হাত তোমার বাহর দিকে জড়িয়ে ধর, তা কোন ক্ষতি ছাড়াই ডন্র-উন্ধৃন হয়ে বের হয়ে আনবে আরেকটি নিম্পন্যবরূপ-	وَاهْمُرْ يَدَكَ إِلَ جَنَاجِكَ تَخْرُجُ بَيْفَاءَمِنْ غَيْرِسُوٓ النَّهَ اُهْرِى ﴾
২৩। যেন আমি তোমাকে আমার বড় বড় নিদর্শনাবলীর কিছু দেখাতে পারি,	لِنُوِيكَ مِنْ أَيْتِنَا الْكُبُوى ﴿
২৪। ছুমি ফিরাউনের নিকট যাও, নিশুর সে সীমালজ্ঞন করেছে।'	إِذْهَبْ إِلَىٰ فِرْعَوْنَ إِنَّهُ طَغَى ﴿
২৫। সে (মুসা) বলদ, 'হে আমার প্রতিপালক! আমার জন্য আমার বন্দ প্রশন্ত করে দিন-	قَالَ رَبِّ اشْرَحْ لِي مَدْرِينَ ﴿
২৬। এবং আমার জন্য আমার কাজ সহজ করে দিন-	وَيَسِّر ۚ إِنَّ آمُرِيْ ﴾
২৭। এবং আমার জিহবা থেকে জড়তা দূর করে দিন-	وَ اهْلُلْ عُقْدَةً مِّنْ لِسَانِي ٥٥
২৮। মতে তারা আমার কথা বৃকতে পারে।	يَفْقَهُوا قَوْلِي ﴿
২৯। এবং আমার জন্য একজন সাহাধ্যকারী নিযুক্ত করুন আমার পরিবার-পরিজনের মধ্য হতে-	وَ اجْعَلْ لِي وَزِيرًا مِّنْ آهَلِي ٥
৩০। আমার ভাই হারুনকে-	هُرُوْنَ اَخِي ۞
৩১। তাকে দ্বারা আমার কোমর শক্ত করে দিন-	اشْدُدْيِهِ أَزْرِيْ ﴿
৩২। এবং ডাকে আমার কাজে অংশীদার করুন-	وَ اَشْرِكُهُ فِيْ آَمْرِيْ هُ
৩৩। যাতে আমরা বেশি করে আপনার পবিত্রতা ঘোষণা করতে পারি-	كَىْ نُسَيِّحَكَ كَثِيْرًا ﴿
৩৪। এবং আপনাকে বেশি করে স্বরণ করতে পারি।	رِّ نَذْكُرَكَ كَفِيْرًا ۚ وُنَذْكُرَكَ كَفِيْرًا ۚ
৩৫ নিক্তর আপনি আমাদের ব্যাপারে সর্বন্ধী।"	إِنَّكَ كُنْتَ بِنَا يَمِيْرًا ۞

৩৬। তিনি (আল্লাহ্) বললেন, 'হে মূসা! তোমার চাওয়া ভোমাকে দেয়া হল।

৩৭। এবং অবশ্যই আমি তোমার উপর আরও একবার অনুগ্রহ করেছিলাম-

৩৮। যথন আমি তোমার মাতার প্রতি ওহা করেছিলাম যা ওহা করার-

৩৯। যে, 'তুমি তাকে দিলুকের মধ্যে রেখে দাও এবং তাকে দর্ভ্রে (মীল মধ্যে) ফেলে মাও, অভ্যপর দর্ভ্র ফেন তাকে তীরে নিজেপ করে, (পোখান থেকে) তাকে রহল করেরে আমার পক্ষা ও তার দক্ষা।' এবং আমি আমার পক্ষ হতে তোমার উপর ভালবাদ্যা ঢেকে বিচ্ছেলাম এবং কতে কৃষ্টি এতিশালিত হত আমার তাহেখা সামদে।

৪১। এবং আমি তোমাকে প্রস্তুত করেছি আমার নিজের জন্য,

৪২। খুদি ও তোমার ভাই আমার নিদর্শনাবদীসহ যাও এবং ভোমরা আমার স্বরপে দিখিল হয়ো না,

৪৩। কোমরা দু'জন ফিরআউনের নিকট যাও, নিশ্চয় সে সীমাগজন করেছে,

৪৪। এবং তাকে নম্ভ কথা বলো, যাতে সে উপদেশ গ্রহণ করতে পারে জথবা তয় করতে পারে।

৪৫। তারা দু'জন বলল, 'হে আমাদের প্রতিপালক। নিকর আমরা ভয় করি বে, সে আমাদের উপর (শান্তি) ভৢরাত্তিত করবে অথবা সীয়াদকন করবে।'

৪৬। তিনি (আন্তাহ) বলদেন, 'তোমরা তয় করো না, নিতর আমি তোমাদের সাথে আছি- আমি তনি ও আমি দেখি।'

৪৭। অতএৎ তোমরা তার নিকট যাও এবং বদ, 'নিকর আমরা তোমার এতিপালকের দুখন রাদ্দা, স্তব্যং আমানের সাথে বনী ইনরাইলকে প্রেরণ কর এবং তাদেরকে শান্তি নিত্র না, আমরা তোমার নিকট তোমার এতিপালকের নিকট হতে এক নিপদী দিয়ে এসেহি। এবং 'সালাম' (শান্তি) তার এতি যে সঠিকপথ অনুসরব পরেছে।

৪৮। নিশ্চয় আমাদের প্রতি ওহী করা হয়েছে যে, শান্তি তার উপর, যে (রাসুলদেরকে) মিধ্যাবাদী বলেহে ও মুখ ফিরিয়ে নিয়েছে।'

৪৯। সে (ফিরআউন) বলল, ' ভাহলে কে তোমাদের প্রতিপালকঃ হে মৃদা।'

قَالَ قَدْ أُوْتِيْتَ سُوْ لَكَ يُمُوْسُ وَ لَقَدْ مَنَتًا عَلَيْكَ مَوّْةً أَهْرِّى ﴿

إِذْ أَوْمَيْنَا إِلَّى آَلِقُكَ مَا يُرْضَى ﴿ أِنَ الْدِ فِيْدِي النَّابُونِ فَاقَدِ فِيْدِي الْمِرِّ فَلْمُلِّفِهِ الْمِرِّ فَالْمُلِّفِي الْمَرِّ فَلْمُلِفِهِ الْمَرِّ بِالشَّامِلِ الْمُلْفُونَ مُنْفَقِي أَنْ وَالْفَيْسُ عَلَيْكُ مَحَبَّةً فَيْنَ أَوْ لَلْفُنْمُ فِإِنْ عَيْنَ ﴿

اوْ تَدَمَّى الْمُتَكُّودَ تَقُولُ لَا الْمُلَّكُرُ عِلَى مِنْ يَخْطُلُمُ وَرَجْدُكُ إِلَّى الْمُكَنِّى تَقْرُ عَيْجًا وَ لَالْحَرِينَ وَقَتْلِينَ نَفْسًا فَنَجِينَكَ مِن الْقُرْ وَتَتَلَّى تَعْرُفُ تَعْرُفُ اللَّهِ تَقِيفُ سِيْرِينَ فِي آهِلٍ مَدْايَنَ فَقُرُّ جِمْنَ عَلَى قَدْلِ يُعْرُسُ ﴿

وَ امْطَنَعْتُكَ لِنَفْسِيْ أَهُ

إِذْهَبُ ٱلْتَوَ ٱخُولُكَ بِالْبَتِيُ وَلَاتَنِيًا فِيُ ذِكْرِيُ ﴾ اذْهَبَآ الى فرعُونَ اِنَّدَ طَعْيُ

فَقُوْلَا لَهُ قَوْلًا لَّيِّنًا لَّعَلَّهُ يَنَذَكَّرُ ٱوْ يَخُمّٰى ⊛

قَالَا رَبَّنَاۚ إِنَّنَا نَخَاتُ أَنْ يَقْرُطُ عَلَيْنَاۤ أَوْ أَنْ يُطْغَى ۞ قَالَ لِاتَخَافَاۤ اثنَىْ مَعَكُماۤ أَشْعُووَ أَرْى ۞

فَالْمِيهُ مَقُولًا إِنَّا رَسُولًا رَبِّكَ فَأَ رُسِلْ مَعَنَا بِنَنَي إِسْرَآءِلِلَ هُ وَلَا تُعَلِّبُهُمْ . قَدْ جِعْلُكَ بِأَيَّةٍ مِنْ البِّكَ وَ السَّلَمُ عَلَى مِنِ النَّمَّ الْمُدَى ) هِ

إِنَّا قَدْ أُوْمِيَ إِلَيْنَآ أَنَّ الْعَذَابَ عَلَى مَنْ كَذَّبَ وَتَوَلَّى ٥

قَالَ فَهَنْ رَبُّكُهَا يُمُوْسٰي @

৫০। সে (মূনা) বলল, 'আমাদের প্রতিপালক তিনি, যিনি প্রত্যেক বস্তুকে তার আকতি দান করেন্ডেন ওরপর পথপ্রদর্শন করেন্ডেন।'

পারা-১৬

- ৫১। সে (ফিরআউন) বলল, 'তাহলে পূর্ববর্তী গ্রজন্মসমূহের অবস্থা কী?'
- হুব। সে (মৃসা) বলল, 'এর জ্ঞান আমার প্রতিপালকের নিবট এক কিতাবে (সাপ্তবিষ্ঠা) রয়েছে, আমার প্রতিপাদক (সংরক্ষণ করতে) তল করেন না
- এবং ভূপেও যান না।

  20 বিদি তোমাদের জন্য যমীনকে বিছানা বানিয়েছেন এবং তাতে
  তোমাদের জন্য বহু পথ করে দিয়েছেন এবং তিনি আলাশ থেকে পানি
  সম্প্রতীর ক্রম্মনা হয় পথ করে দিয়েছেন এবং তিনি আলাশ থেকে পানি
  সম্প্রতীর ক্রম্মনা হয়সংগল স্থানি তা ছাবা বিলিম ক্রমনা উলিম উৎপান্
- করেছি।

  ৫৪। তোমরা আহার কর ও তোমাদের গবানি পত চরাও। নিচয় এতে 
  ্বত্ত্বপাঠ নিদর্শনাবদী ব্যবহে বছিমানদের জনা।
- ৫৫। আমি তা (য়য়ীন) থেকে তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছি এবং তাতেই তোমাদেরকে ফিরিয়ে নেব এবং আরেকবার তা থেকেই তোমাদেরকে কের করে আনব।
  - ১৭৯ সজন আন্দা ৫৬৷ আর অবশ্যই আমি তাকে (ফিরআউনকে) আমার নিদর্শনাবলী সবই দেখিয়েছিলাম, কিছু সে মিথ্যা অভিহিত করেছিল ও জবীকার করেছিল।
  - ৫৭। সে (বিশ্বজাউন) কাল, 'হে মূল। তুনি কি তোমার জানু ছারা আমানেরকে আমানের যাদীন (আবান তুনি) থেকে বের করে দেরার জনা আমানের নিকটা এনেছা ৪৮। তারে আমার তোমার নিকট এর অনুত্রপ জানু অবদাই অবদাই নিয়ে
  - ৪৮। তবে আমরা তোমার নিকট এর অনুরূপ জাদু অবশ্যই অবশ্যই নিয়ে আসব, সুকরাং আমাদের ও তোমার মাঝে সমতল হলে একটি নির্দিষ্ট সময় নির্ধারণ কর যার ব্যক্তিক্রম আমরাও করব না এবং তুমিও করবে মা।\*
  - ৫৯। সে (মৃসা) কলল, 'ভোমাদের নির্দিষ্ট সময় হল উৎসবের দিন এবং লোকদেরকে প্রবাহে সময়েত করা হবে।'
  - ৩০। অতঃপর ফিরুরাউন ফিরে গেল এবং তার কৌশলসমূহ<sup>®</sup> জমা করল, এবন্ধর সে আমান
  - ৬১) মুসা তাদেরকে বলল, 'দুর্ভোগ তোমাদের! তোমরা আল্লাই সম্পর্কে বিখ্যা রচনা করে। না, তাহলে তিনি তোমাদেরকে শান্তি দ্বারা সমৃদ্যে ধ্বংগ করে নিবন এবং যে মিধা বছনা করেছে সে বার্থ হয়েছে।'
  - ৬২। অতঃপর তারা তাদের (নিজেদের) মাঝে তাদের (করণীর) বিষয়ে মতবিরোধ করণ এবং তারা (তাদের) গোপন পরামর্শকে গোপন জরদ।
  - ৬৩। তারা বলল, 'এ দু'জন অবশ্যই জানুকর, তারা চায় তাদের জালু য়ারা তোমাদেরকে তোমাদের যমীন (খাবাস ভূমি) থেকে বের করতে এবং তোমাদের প্রেষ্ঠ পথ থেকে তোমাদেরকে সরিয়ে নিতে।
  - ৬৪। অতএব তোমধা তোমাদের কৌশলে একমত হও, এরণর সারিবদ্ধ হয়ে আস এবং আঞ্চ সে সফল হবে যে জয়ী হবে।'
  - ৬৫। তারা বলল, 'হে মুদা! হয় তুমি নিক্ষেপ কর আর নয় আমরাই প্রথম নিক্ষেপকারী হই।' \* চিক্তিত স্থানের চীকা সূরা নং : আয়াত নং অনুসারে অবকামার পেনে দেখুল

- قَالَ رَبُّنَا الَّذِيُّ آعُطٰى كُلُّ شَيُّ هَلْقَهُ ثُرُّ هَلْى ﴿ قَالَ فَمَا بَالُ الْقُرُوْنِ الْاَوْلِ ۞
- قَالَ عِلْمُهَا عِنْدَ رَبِيْ فِي كِتْبِ، لايفِلُّ رَبِّيْ وَلاَيَنْسَ ﴾
- الْدِيْ جَعَلَ لَكُرُ الْأَرْضَ مَهْدًا وْسَلَكَ لَكُرُ فِيْهَا سُبُلُوْ أَنْزَلَ
  - مِنَ السَّمَّاءِ مَاءً وَاَهُرَجْنَا بِهِ أَزْوَاهُمَّا مِِّنْ لَبَاتٍ هُتَّى ⊕ كُلُوْا وَ ارْعُوْا أَنْعَامَكُمْ وَإِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَالْهِ ۖ لِأُولِي النَّهُ فَ
- مِنْهَا غَلَقْنُكُرْ وَفِيْهَا نُعِيْدُكُرْ وَمِنْهَا نُصْرِجُكُرْ تَا رَةً أَغْرِى ﴿
  - وَ لَقَدْ أَرِيْنُهُ أَيْسِنَا كُلَّهَا فَكَذَّبَ وَ ٱبْي ⊕
- قَالَ آجِقْتَنَا لِتُخْرِجَنَا مِنْ آرْمِنَا بِسِحْرِكَ يُمُوسٰي، فَنَنَا تَيْنُكَ بِسِحْرٍ مِّقْلُهِ فَاجْعَلْ بَيْنَنَا وَبَيْنَكُ مَوْعَدًالاً
- فلناتينك بِسح مِعْلَهِ فَاجَعَل بِيننا وبِينك موعِدالا نُخْلِفُهُ نَحْنُ وَلَآ ٱلْتَ مَكَانًا سُوًى⊚
- قَالَ مَوْعِدُكُمْ يَوْاً الزِّيْنَةِ وَ أَنْ يَّحَمُّرَ النَّاسُ مُحَّى⊚ فَتَوَلَّى فْرَعُرْنَ فَجَمْمَ كَيْنَةً ثُيُّ آتَى ۞
- قَالَ لَهُرْ مُوْسٰى وَيْلَكُمْ لَاتَغْتَرُواْ كَى اللهِ كَذِبًا فَيُشْجِتَكُمْ
  - بِعَنَابٍ، وَقَدْ غَابَ مَنِ افْتَرْى @ فَتَنَا رَعُوْ آ أَمَوْ هُر بَيْنَهُ ﴿ وَ أَسَّوْا النَّحُوٰى @
- قَا لُزَّا إِنْ هٰذِنِ لَسْدِرِٰنِ يَرِيْدُنِ إِنْ يُعْدِرِ خُكُرْ مِّنْ ٱرْمِكُرْ بستُرِهمًا وَ يَذْهَبًا بِطَرِيْقَتَكُمُ الْفُعْلِي ﴿
- فَاهِمِعُوا كَيْدَكُر لُنَّ الْتُوا مَفَّاءُ وَقَدْ آفْلَمَ الْيُوْاَمِنِ اسْتَقْلى ⊕ فَاهْمِعُوا كَيْدَكُر لُنَّ الْتُوا مَفَّاءُ وَقَدْ آفْلَمَ الْيُواَمِنِ اسْتَقْلى ⊕ قَالُوا يُمُوْشَى امَّا أَنْ تُلْقَى وَامَّا أَنْ تُكُونَ أَوْلَ مَنْ ٱلْفُي ⊕

৬৬। সে (মুসা) বলদ, 'বরং তোমরাই নিক্ষেপ কর ' এবং তৎক্ষণাৎ ভাদেব জানতে তার কাছে মনে হল তাদের দড়ি ও লাঠিবলো দৌতাছে।

৯৭। এক মুসা অস্তার জীতি অনভব কবল।

০৮। আমি বললাম 'ভব করো না, নিশুর তমিই বিজয়ী।

৬৯। এবং ভোমার ভান হাতে যা আছে তা নিক্ষেপ কর, এটি তারা যা তৈরি রবেছে তা গিলে ফেলবে। নিশ্চয় তারা যা তৈরি করেছে তা আদকরের কৌশল। এবং জাদুকর যেখান থেকেই আসুক, সঞ্চল হবে না।

৭০। অভংগর জাদকবরা সিজদায় লটিয়ে পড়ল, তারা বলল, 'আমরা হারন ও মুমার প্রতিপালকের প্রতি উয়ান আনলায়।

৭১। সে (ফিবজাউন) বলল, 'ডোমরা কি তাকে বিশ্বাস করলে আমি তোমানেরকে অনুমতি দেয়ার পূর্বেইং নিশ্চর সে (মসা) অবশাই তোয়াদের প্রধান যে তোমাদেরকে জাদ শিক্ষা দিয়েছে সতরাং অবশাই অৱশাই আমি ভোমাদের হাত ও ভোমাদের পা বিপরীত দিক কোট দিব এবং অবশাই অবশাই আমি তোমাদেরকে খেজর গাছের কাণ্ডে ক্রশবিদ্ধ করর এবং অবশাই অবশাই তোমবা জানতে পারবে আমাদের মধ্যে কে পারিদানে অধিক কঠিন ও অধিক সাহী।

৭১। তাবা বলল 'আমাদেব নিকট যে স্পষ্ট প্রমাণাদি এসেছে তাব উপব এবং যিনি আমাদেরকে সৃষ্টি করেছেন তাঁর উপর তোমাকে আমরা কখনো প্রাধান্য দিব না. সভরাং ভোমার যা কয়সালা করার তা কয়সালা কর। পত্রি কেবল এ দনিয়ার জীবনে ক্যুসালা করতে পার।

৭৬। নিশুহ আমরা আমাদের প্রতিপালকের প্রতি ঈমান এনেছি যাতে তিনি ভায়াদের প্রপরাধসমত ও তমি আমাদেরকে যে তাদ করতে বাধ্য করেছ তা ক্ষমা করেন। আর আল্লাহ উত্তম ও অধিক স্থায়ী।

৭৪। নিশ্বয় যে তার প্রতিপালকের নিকট আসবে অপরাধী হয়ে নিশ্বয় তার জন্য রয়েছে জাহান্নাম, যেখানে সে মরবে না এবং বাঁচবেও না।

৭৫। এবং যে তাঁর নিকট আসবে ফু'মিন হয়ে - যে সংকাজ করেছে, তাদের জন্য ব্যয়েছে উক্ত মুর্যাদা-

স্মানী করে। এবং এটি ভার প্রতিদান যে পরিখন্ধ হয় ।

oo। আন অবশাট আমি মদাব প্রতি গতী করেছিলাম যে, আমার বান্দাদেশকে নিয়ে বাতে ভ্রমন কর (রওনা কর) এবং তাদের জনা (লাঠির আঘাতে) সমুদ্রের মধ্যে এক অকলো পথ তৈরি কর- নাগাল পাওয়ার আশ্বর করে। না এবং ভয়ও করো না ।

قَالَ بَلُ ٱلْقُوْا ، فَاذَا حِبَا لُهُرْ وَعِميُّهُرْ يُخَيِّلُ إِلَيْهُ مِنْ سعُوهِ أَنَّهَا تَسْعَى ﴿ فَأَوْجَسَ فِي نَفْسِهِ حَيْفَةً مُّوْسَى @

قُلْنَا لَاتَخَفْ إِنَّكَ أَنْيَ الْإِغْلِ هِ وَ ٱلْقِ مَا فِي يَمِيْنَكَ تَلْقَفْ مَا صَنَعُوا ﴿ إِنَّمَا صَنَعُوا كَيْدُ سُحِرٍ ﴿ وَ لَا يُغْلِهُ إِلسَّا حَيْثُ أَتَى @

فَأَلْقَى السَّحَرَةُ سُجَّدًا قَالُوٓ الْمَنَّا بِيِّ هُرُونَ وَمُوسَى ﴿

فَالَ أَمَنْتُمْ لَهُ قَبْلَ أَنْ أِذَنَ لَكُورْ ﴿ إِنَّهُ لَكَبِيهُ كُورٌ ۖ إِلَّذِي عَلَّمَكُمُ السَّحْرَ ۚ فَلَا قَطَّعَنَّ آيَدِيكُمْ وَ ٱرْجُلَكُمْ مِّنْ خِلَانٍ وَّ لْأُوصَلْبَنَّكُمْ فَي هُدُوهِم النَّخْل، وَ لَتَعْلَمُنَّ أَيُّنَآ أَهَدٌّ عَذَا إِنَّا وَّ

فَا لُوْا لَنْ نُؤْثِرَكَ عَلَى مَا جَآءَنَا مِنَ الْبَيِّنْ وَ الَّذِي فَطَرَنَا فَاقْضِما آأنْ قَاضِ انَّمَا تَقْضُ هٰذِهِ الْعَيْوِةَ الدُّنْيَاقِ

اثًّا أَمَنًّا بَ بِّنَا ليَغْنَ لَنَا خَطْيِنَا وَمَاۤ أَكْرَهْتَنَا عَلَيْهِ مِنَ السُّعُو ، وَ اللَّهُ خَيْرٌ وَّ ٱبْقِي ﴿

النَّهُ مَنْ يَّأْتِ رَبَّهُ مُجْرِمًا فَأَنَّ لَهُ جَهَنَّرَ ، لَا يَمُوْتُ فَيْهَا وَ

وَمَنْ يَّا تُهِ مُؤْمِنًا قَدْ عَمِلَ الصَّلحٰ فَأُولَٰ تُكَّ لَهُمُ الدَّرَجُيُ الدل في

جَاؤُ مَنْ تَاكُّم، هُ

> وَ لَقَدُ ٱوْحَيْنَآ إِلَى مُوْسَىءُ أَنْ ٱسْرِ بِعِبَادِيْ فَاضْرِبْ لَهُيْ طَرِيْقًا فِي الْبَحْرِ يَبَسًا ، لَّاتَخْفُ دَرَكًا وَّ لَاتَخْشٰي ⊛

- ৭৮। এবং ফিবডাটন তার ব্যক্তিনীসত তাদের পশ্চামারন ববল অভংগর সঞ فَٱ تَبَعَهُرُ فَرُعُونُ بِجُنُودِةٍ فَفَشِيَهُرُ مِّنَ الْيَرِّ مَا غَشِيهُرْ ﴿ (धार्य जामसन्द्र श शहार जो (एक (द्राप्त )
- ৭৯। আর ফিবায়ানন তার সম্প্রনায়কে পথ্নাই করেছিল এবং সঠিকপথ পদর্শন करवसि।
- ৮০। তে বনী উমবাইল। আমি ভোয়াদেবকে ভোয়াদের শক্ত থেকে টেচাব कारविकास अरु वासि कामान्यस्य अफ्रिकेटि दिसाहिलास कर পর্বাদের মান পাশে এবং তোমানের উপর অবস্তীর্ণ করেছিলায় যানা ও
- MR AND ৮১। আমি সোমানেবকে যে বিশিক দিয়েডি ডা থেকে পরিত্র বস্তস্পত আভাব কর এবং তাতে দীমালজন করো না, ভাঙলে ভোমাদের উপর আমার ন্ত্ৰোধ আপতিত হবে এবং যাব উপৰ আমাৰ ক্ৰোধ আপতিত চয় সে
- অবশাই পজিল (১৪৩৮) হয়। ৮১: এবং নিশ্বর আমি অবশাই পরম ক্ষমাশীল তার জন্য, যে অনুভঙ হয়ে ভিয়ের আসে (তানবা করে)। উত্থান আনে ও সংক্ষান্ত করে এরপর अधिकाशक सामान्यक सामा
- ৮৩। আর তোমার সম্প্রদার থেকে (আগে আসতে) কিসে তোমাকে<sup>\*</sup> তাডাকডা কবল হে মসাঃ
- ৮৪। সে (মসা) বলল 'বাবা আহার পিথামট আছে এবং আপনার নিকে তাভাছভা করেছি যাতে আপনি সম্ভষ্ট হল, হে আমার প্রতিপালক!
- ৮৫। তিনি (আল্লাঙ) বললেন "করে নিশ্চয় আহি তোয়ার সম্প্রনায়কে পরীক্ষায় ফেলেছি তোমার (চলে আসার) পর এবং সামিরী তাদেরকে পথন্ড mores."
- ৮৬। অতঃপর মসা তার সম্প্রদায়ের নিকট প্রদ্ধ ও মনঃক্ষণ্র হয়ে কিরে গেল। সে বনল, 'হে আমার সম্প্রদায়। ভোমাদের প্রতিপালক কি তোমাদেরকে (ভাওরাত দানের) এক টাব্যা প্রতিক্রতি দেননিং ভার ডি শেই প্রতিশ্রুতি (পরণের সময়) তোমাদের কাছে দীর্ঘ হয়ে গেছে, নাকি ভোমরা চোরেছ যে তোমাদের উপর ভোমাদের প্রতিপালাকর পক্ষ খোক ত্রেনধ আপতিত হোক, তাই তোমরা আমার (প্রতি প্রদর) প্রতিক্রতি <del>ত</del>ঙ্গ करविशतः
- ৮৭। তারা (মুসার সম্প্রনায়) বলল "আম্ররা আপনার (প্রতি প্রতা) প্রতিক্ষতি বেক্ষয় ভঙ্গ করিনি, কিন্তু আমাদের উপর সেই সম্পদায়ের অল্যারের বোঝাখলো চাপিয়ে দেয়া সংখবিল এবং আম্রা কেখলো নিক্ষেপ করেছি," এবং এভাবেই সামিরী নিক্ষেপ করেছিল-
- ৮৮ অতংপর সে (সামেরী) তাদের জন্য বের করন একটি বাছর-একটি দেহাকতি যার ছিল 'হাছা' শব্দ। তখন তারা বলল, 'এটা ভোমাদের ইলাহ, এবং মসারও ইলার, তবে সে (মসা) ওলে লেভে।'
- - ৯০. এবং ইতঃপর্বে হান্তন অবশাই তানেরকে বলেছিল, 'হে আমার সম্প্রদায়: এর ছারা কেবল তোমাদেরকে পরীক্ষা করা হচছে, এবং নিশ্চর তোমাদের প্রতিপালক অসীম নয়াময় সতবাং তোমবা আমার অনুসরণ কর এক আমাৰ নিৰ্দেশ্যৰ আনগ্ৰতা কৰে 🕆

- وَ أَضَلُّ فَرْعَوْنُ قَوْمَدُ وَمَا هَدى ٠ يْبَنِي ﴿ إِنَّ أَءِيْلَ قَدْ ٱلْجَيْنَاكُرْ مِّنْ عَدُوِّكُوْ وَوْعَدُنْكُو جَانِبَ الطُّوْرِ الْإَيْمَنَ وَنَوَّ لَّنَا عَلَيْكُرُ الْمَنَّ وَالسَّلُوٰ ي ۞
- كُلُوْ إِمِنْ طَيِّبِ مَا رَزَقْنُكُمْ وَ لَا تَطْغُوْ إِفْيِهِ فَيَصَّلُّ عَلَيْكُمْ غَفَبِيْءُ وَ مَنْ يَّصْلُ عَلَيْهِ غَفَبِيْ فَقَدُ هَوْ ي ﴿
- وَ إِنَّى لَغَفَّا رَّ لِّينَ تَابُّ وَ أَمَنَ وَعَمِلَ مَا لَحًّا ثُرٌّ اهْتَلْي ۞ وَمَاۤ أَعْجَلَكَ عَنْ قَوْمِكَ يِبُوسُي ۞
  - قَالَ هُمْ أُولَاءَ كُنَّ أَتَهِ يُ وَعَجِلْتُ الَّيْكَ رَبِّ لتَوْضى ⊕
- قَالَ فَانَّا قَدْ فَتَنَّا قَوْمَكَ مِنْ بَعْدكَ وَ أَضَلَّهُرُ } السَّامريُّ @
- فَ كَعَ مُوْسَى إِلَى قَوْمِه غَفْبَانَ أَسفًا فَقَالَ لِنَقُومَ أَلَرُ يَعَدُكُرُ رَ نُكُرْ وَعَدًا حَسَنًاهُ أَفَطَالَ عَلَيْكُمُ الْعَهْدُ أَمُ أَرَدَتُمْ أَنْ يُحِلُّ عَلَيْكُرْ غَفَّ مِّنْ رَبِّكُرْ فَأَخْلَفْتُرْ مُوْعِدِي 6
- قَا لُوْ إِمَا ٓ إَخْلَفْنَا مَوْعِدَكَ بِمَلْكِنَا وَلِكِنَّا كُمِّلْنَاۤ أَوْ زَأِرًا مِّنْ زِيْنَةِ الْقَوْمُ فَقَذَقْنَهَا فَكَذَٰ لِكَ ٱلْقَى السَّامِرَّى ٥
- فَأَخْرَجَ لَهُرْ عَجُلًا جَسَدًا لَّهُ خُوَارٌ فَقَا لُوْا هٰذَا الْهُكُرْ وَ إِلَّهُ مُوسى مَفْنَسى ﴿ চঙা হবে কি ভাৱা দেবে গা বে, ভা (বাছুইটা) ভালের বাফি ভোল কর্জা টিইট্রুইটে টিইট্রুইটে টিরুইটিটির কি ভারের মানিক নায়
  - ٧نَفْعًاهُ وَ لَقَدُ قَالَ لَهُمْ هُ وَنُّ مِنْ قَبْلُ لِقُوْمَ إِنَّمَا فُتِنْتُمْ بِهِ وَ إِنَّ رَبُّكُرُ إِلَّهُمْنُ فَاتَّبِعُونِيْ وَ أَطِيْعُوٓ أَ أَمْرِي @

- ৯১। তারা বলেছিল, 'আমরা এর প্রতি (উপাসনায়) লেগে থাকা হতে কথনো ফান্ত হব না যতক্ষণ না মূসা আমানের কাছে ফিরে আসে।'
  - ৯২। সে (মূসা) বলল, 'হে হারন। ভূমি যগন দেখলে তারা পথন্তই হয়েছে তথন কিসে তোমাকে বাধা দিল-
  - ৯৩। আমার অনুসরণ করা হতে? তবে কি ভূমি আমার নির্দেশ অমান্য
- करप्रहा,
- ৯৪। সে (হারদ) বলল, 'হে আমার মারের ছেলে! আমার দান্তি ও মাধা (হল) ধরবেদ না, নিশুর আমি আদল্লা করছিলাম যে, আপনি বলনেদ, 'ছুমি ইসরাইদের মধ্যে বিজেন সৃষ্টি করেছ ও ছুমি আমার কথার প্রতি যত্তবাদ হলে।'
- ৯৫। সে (মুসা) বলদ, ' তাহলে তোমার ব্যাপার কী, হে সামিরীঃ'
- ৯৬। সে (সামেরী) বলল, 'আমি (এমন কিছু) দেখেছি যা তারা দেখেনি, এবং আমি সেই রাসুদের (বিধেরাইদের) পদক্ষিত হতে একসুটি নিরোছিলাম এবং আমি তা নিক্ষেপ করেছিলাম, আর এভাবে আমার মন আমাকে প্রবেচিত করেছিল।'
- ১৭। দে (হুনা) কলা, 'বাংলা মুখি খত, আন দিতা এই জীবনে থেনাৱ আনা (অংবাহিত) হলৈ দে, বুলি কলে থেনাকে) শৰ্ম করো এ কলে দিতার ক্লোকে প্রভাগ প্রকাশ এক নিলিন্ত মান্য, (আমার পেলা) কথানা বার বাহিত্যক করা হবে না এবং মুখি লোনার সেই ইনাক্তন দিকে দলা করা করা প্রতি (ভাশানায়) মুখি পোরা বিলো অবদাই অবদাই আমার প্রকাশিক কেব, একার অবদাই অবদাই একে সম্পূর্ভিত্রণ সমৃত্যন শিক্ষণ করা।'
- ৯৮। কোমাদের ইলাহ কেবল আল্লাহ, যিনি ছাড়া কোন ইলাহ নেই। তিনি জ্ঞানে সবকিছকে পরিবেষ্টন করে রেখেছেন।
  - ৯৯। এডাবেই আমি যা গত হয়েছে তার সংবাদ তোমার নিকট বর্ণনা করছি, এবং অবশ্যই আমি তোমাকে দান করেছি আমার নিকট থেকে এক হিরিত্র (করয়ান)
- ১০০।যে তা থেকে মুখ ফিরিয়ে নিবে, নিকয় সে কিয়ামতের দিন (পাপের) রোঝা বছন করবে-
- থেক। বহন করবে। ১০১।তাতে (বোঝা বহনে) তারা স্থায়ী হবে এবং থোঝা হিসেবে কিয়ামতের দিন তাদের জন্য তা কতই না নিকট্টঃ
- ১০২।খেদিন শিঙ্গায় ফুঁ দেরা হবে এবং বেদিন আমি অপরাধীদেরকে দৃষ্টিহীন অবস্থায় সমবেত করব,
- ১০৩।(সে দিন) তারা নিজেদের মধ্যে নিচু স্বরে বলবে, 'তোমরা কেবল দশ দিন অবস্থান করেছিলে।'
  - ১০৪। আমি সে সম্পর্কে সবচেয়ে বেশী জানি যা তারা কাবে বর্ধন তাদের মধ্যে। স্ব পথ-পদ্ধতিতে উৎকৃষ্ট ব্যক্তি বলবে, 'তোমরা কেবল একদিন অবস্থান। ক্রু করেছিলে.'
- ১০৫। আর তারা তোমাকে পর্বতমালা সম্পর্কে জিল্লাসা করে, সুতরাং কল, আমার প্রতিপাদক এগুলোকে সম্পূর্ণরূপে উৎপটিন করবেন-
- ১০৬। অতংপর তিনি একে (পৃথিবীকে) রেখে দিবেন ভূগহীন সমতলভূমিরূপে-

১০৭ যাতে তমি বক্রতা ও উচ্ছান দেখবে না।

الَّالْتَبْعِينِ الْفَعَيْثِ آمُوِیْ ۞ قَالَ يَبْنُوُّ الْاِتَاكُوْ يِلِحَيْنِ أَمْوِیْ ۞ تَقُوْلُ اَوْتُوْلُمْ اللَّهِ اللَّهِ الْمُعَالَّمُ اللَّهِ اللَّهِ عَشِيْتُ آنُ تَقُولُ اَوْلَةً وَقُولَ بَيْنَ بَنْنُ إِسْراً عِلَى وَكُورِ وَكُورَ وَعُنْ قَوْلُ ۞

قَالَ لِهُ وْنُ مَا مَنَعَكَ إِذْ رَآيَتُهُ مُ فَلُوًّا فِي

قَالَ فَمَا خَطْبُكَ بِأَسَامِيَّ ۞ قَالَ بَصُرْتُ بِمَا لَرِي يَبْمُورُوْ إِبِدَقَتَبْشُ قَبْضَةٌ "نْ أَبَّ إلاَّسُوْل

فَنَبَدُتُهَا وَكَذَٰ لِكَ سَوَّلَتُ لِلَّ يَفِينَ ۞ قَالَ فَاذَهَبُ فَانَّ لَكَ فِي الْمُلِوةِ أَنْ تَقُولَ لِامِسَاسَ - وَ إِنْ

لَكَ مُوْعِدًا لَّنَّ تُطْلَقُهُ وَ الْقُرْ إِلَى الِهِكَ الَّذِي طَلْبَ عَلَيْهِ عَاكِنًا، لَنَصَّرِقَتَمُ ثُرِّ لَنَسُّفَتُهُ فِي الْمَرِّ نَسُقًا ۞ النَّمَّ الْهُكُرِ اللهُ الذِي لِآلِكَ الْاَهُورُ وَسَمَ كُلُ هُرُهُ عَلْمًا ۞

كَذْ لِكَ نَقُصُّ عَلَيْكَ مِنْ إِنْ بَأَءِمَا قَدْ سَبَقَ ، وَقَدْ إِنْيُنْكَ مِنْ لَدُنَّا دُكُرًا هُمُّ

> مَنْ اعْرَضَ عَنْهُ فَإِنَّهُ يَحْمِلُ يَوْمَ الْقِيْمَةِ وِزْرًا ﴾ خُلِدِيْنَ فَيْهِ وَسَاءَلَهُمْ يَوْمَ الْقَيْمَةِ حِمْلًا ﴾

يُّواَ يُنْفَغُو فِي السُّورِ وَنَحْشُرُ الْمُجْرِمِيْنَ يَوْمَثِلِ زُرُقًا \$ يُتَخَافَتُونَ بَيْنَهُرُ الْ لَبْثَيْرُ الْاعَشُرُّاهِ

نَحْنُ أَعْلَرُ بِمَا يَقُوْ لُونَ إِذْ يَقُولُ أَمْثَلُمُو طَرِيْقَةً إِنْ لَبِثْتُمُ إِلَّا يَوْمًا فَ

وَيَشْئَلُوْنَكَ عَنِ الْجِبَالِ فَقُلْ يَنْسِفُهَا رَبِّيْ نَسْفًا ﴾ فَيَدَرُهَا قَاعًا مَفْصَفًا ۞

- ১০৮/সেদিন কৰা আজানকাৰীৰ অনুলাগ কৰেং, যাৰ কোন বঞ্জা দুৰ্ভাইটি কৰিছিল। তুলি কৰিছিল।
- ১০৯।দয়াময় যাকে অনুমতি দিবেন ও যার কথা তিনি পছন্দ করবেন সে ছাড়া (কারও) স্পারিশ সেদিন কোন উপকারে আসকে না।
- ১১০। তিনি জানেন যা আছে তালের সামনে ও যা আছে তালের পিছনে, কিছু তারা তাঁকে জান চারা পরিবেটন করতে পাকে না
- ১১১। এবং চিরঞ্জীব ও চিরঞ্জারী (সরা) এর নিকট সকল চেহারা অবলঙ হবে এবং (সেদিন) যে জনুম বছন করবে সে বর্ডর্ব ছবে।
- ১১২। কিন্তু বে মুখিন হয়ে সংকাজ করে, সে কোন জুলুম ও ক্ষতির আশব্যা করবে না।
- ১১০। আর এভাবেই আমি এটকে আরবী কুরআনরূপে অবতীর্থ করেছি এবং তাতে বিভিন্নভাবে শান্তির প্রতিশ্রুতি বর্ণনা করেছি, বাতে ভারা তাকওরা অবদয়ন করতে পারে অথবা ভারেন্ড জনা উপদেশ গরি করাক গারে।
- ১১৪।অতথব আল্লাহ্ হলেন সুমহান যিনি মালক ও সভা, আর তোমার প্রতি তার তথ্
   সম্পূর্ব করার পূর্বে কুরআন (পাঠ)-এর ব্যাপারে তুমি ভাভাহতা করা না এবং বল, 'হে আমার প্রতিশালকঃ আমার জ্ঞান বৃদ্ধি রবং দিন'
- ১১৫।এবং অবশ্যই আমি ইতঃপূর্বে আনমকে নির্দেশ দিয়েছিলাম, কিছু সে ভূলে পিয়েছিল এবং আমি তার মধ্যে কোন নৃত্ সংকল্প পাইনি।
- ১১৬। আর মখন আমি ফেরেশতাদেরকে বলেছিলাম, 'আদমকে সিজনা কর।' তখন তারা নিজনা করল- ইবলিস হাড়া। সে অধীকার করল। ১১৭। অতঃপর আমি বললাম, 'হে আদম। নিশ্বয় এ তোমাব বা তোমাব রীয়
- ১১৭। অতঃপর আমি বলনাম, 'হে আদমা নিশ্বর এ তোমার ও তোমার ছীর শত্রু, সূতরাং সে যেন কিছুতেই তোমাদের দু'লনকে জাল্লাত থেকে বের না করে, তাহলে ভূমি দুর্ভোগ পোহাবে।
- ১১৮। নিশ্চয় তোমার জন্য (ব্যবস্থা) রয়েছে যে, তুমি সেখানে (জাল্লাতে) ক্ষধার্ত হবে না এবং নপু হবে না-
- ১১৯। এবং তুমি ভাতে পিপাসার্ভ হবে না এবং রৌদ্রক্তিট হবে না।
- ১২০।খতগের শরতান তাকে কুমন্ত্রণা দিল, সে বলাব, 'বে আনম। আমি কি আপলাকে সেখিয়ে দেব অমরত্তের বৃক্টি ও এমন এক রাজ্য যা ক্ষর হয় নাঃ'
- ১২১) অতঃপর তারা দু'জন তা (সে বৃক্ষ) হতে আহার করল, তথন তানের লক্ষাস্থান তাসের নিকট প্রকাশ হয়ে গড়ল এবং তারা ছাত্রাতের (গাবেড) পাতা বারা তানেরকে আন্ত কাবেত নাগদ। আর আনম তার প্রতিগাসককে অনানা করন্ধ, ফলে সে ছুলে পতিত হল।
- ১২২। এরপর তার প্রতিপাদক তাকে মনোমীত করলেন, তার তওবা কবুল করলেন এবং তাকে সঠিক পথ প্রদর্শন করলেন।

- لِلرَّحْمٰنِ فَلَاَتْسُعُ إِلَّا هَسَّا۞ يُوْمَئْنِ لِآتَنْتَعُ الشَّفَاعَةُ إِلَّامَنْ أَذِنَ لَهُ الرَّحْمٰنُ وَرَهِيَ لَهُ يُذُومُنْنِ لَآتَنْتُعُ الشَّفَاعَةُ إِلَّامَنْ أَذِنَ لَهُ الرَّحْمٰنُ وَرَهِيَ لَهُ
- رَعَنَّكِ الْوُجُوةُ لِلْعَيِّ الْقَيْوَا وَقَلْخَابَ مَنْ حَمَّلُ ظُلُمًا ﴿
  وَمَنْ يَعْمُلُ مِنَ الشِّلِحُّ وَهُرَّ مُوْمِنَّ فَلاَيَحْكُ ظُلْمًا وَّ
  كَمَدُمُ اهِ
- وَكَالُكَ ٱلْدُوْرَاللَّا عَرِينًا وَّمَوْفَنَا فِيْهِمِنَ الْوَعِيْدِ لَعَلَّهُمْ وَكَاللَّهَ ٱلْنَرْلُلُهُ قُرْالنَّا عَرِينًا وَّمَوْفَنَا فِيْهِمِنَ الْوَعِيْدِ لَعَلَّهُمْ يَتَعُونَ آوْيُحْدِثُ لَهُمْ ذَكُرًا۞
- فَتَعَلَى اللهُ الْمَلَكُ الْمَتَّءُ وَلَاتَعْجَلْ بِالْقُراٰنِ مِنْ قَبْلِ أَنْ يُقْفَى إِلَيْكَ وَهُيَّهُ وَقُلْ رَبِّ زِوْنِي عِلْمًا ﴿
- وَلَقَدْ عَهِدُنَاۚ إِلَى اَدَاءِنِ قَبْلُ فَنَسِى وَلَرُنَجِدُ لَهُ عَوْمًا ﴿ وَلَقَدْ عَهُما اللَّهِ الْمُع وَادْ قُلْنَا لِلْمُلْكُنَةِ السُجُدُوا لِاذَا فَسَجِدُواْ الرَّا الْبُلْيَنِ، أَلَى ۞
- رُوْرِ فَقُلْنَا يَالَدُمُّ إِنَّ هَذَا عَدُوَّ لَكَ وَ لِرَوْجِكَ فَلَايُشُورِ مَثْكُمًا مِنَ النَّقَةُ عَمَدُهُ يَهِ
  - إِنَّ لَكَ ٱلَّا تَجُوْعَ فِيْهَا وَلَاتَعُرٰى ٥
  - وَ أَتَّكَ لَاتَظْمُوًّا فِيْهَا وَ لَاتَفْحَى ﴿
- فَوْسُوَسَ إِلَيْهِ الشَّيْطُنُ قَالَ يَّأَدَّاُ هَلَ أَدُّلُكَ بََّى هَجَرَةَ الْخُلْدُ وُمُلُكِ لَّا يَبْلَى ۞
- فَآكَلَامِنْهَا فَبَدَثَ لَهُمَا سَوْأَلَّهُمَا وَطَّقَقَا يَخْصِفْنِ عَلَيْهِمَا مِنْ وْرَقِ الْجَنَّةِ رَوَعَضَى إَذَّا رَبَّهُ فَعُوٰى هُ
  - ئُـ اجْتَبِهُ رَبُّهُ فَتَالَ عَلَيْهِ وَهَدْى ۞

১২৩ তিনি বললেন, 'তোমরা সবাই<sup>\*</sup> তা (জানাত) থেকে নেমে যাও, ভোমরা একে অপবের শক্ত অভঃপর যখন আয়ার পক্ষ থেকে ভোয়াদের নিকট পর্যনির্দেশিকা আসতে তথন যে আমার পর্যনির্দেশিকা অনুসরণ করবে সে পথস্ৰষ্ট হবে না এবং দৰ্জোগ পোহাবে না।

১২৪,এবং যে আমার শ্বরণ থেকে মথ ফিরিয়ে নিবে, নিক্য ভার জীবিকা হবে সংকচিত এবং আমি তাকে কিয়ামতের দিন সমবেত করব দম্ভিহীন অৱস্থায়।

১২৫।সে বলবে, 'হে আমার প্রতিপালক। কেন আমাকে দট্টিহীন অবস্তায় সমবেত করলেন, অথচ আমি ছিলাম দৃষ্টিসম্পন্নং'

১৯৬। তিনি বলবেন, 'এভাবেই আমার আয়াভসসত ভোমার নিকট এসেছিল, কিন্ত তমি তা ভলে গিয়েছিলে, এবং সেতাবেই আন্ত তোমাকে ভলে

যাওয়া হবে। ১২৭।এবং এভাবেই আমি প্রতিকল দেই তাকে যে সীমালজন করে ও তার প্রতিপালকের আয়াতসমতে ঈমান আনে না। এবং অবশাই আধিরাতের

শান্তি অধিক কঠিন ও অধিক স্থায়ী।

১২৮।তবে কি এটা তাদেরকে সঠিকপথ দেখাল না যে, আমি তাদের পূর্বে কত 🔓 প্রজন্ত ধানে করেছি যাদের আবাসসমূহে তারা বিচরণ করে থাকে। নিশ্বর এতে অবশাই নিদর্শনাবলী রয়েছে বছিমানদের জনে।

১১৯। আর হদি ছোহার প্রতিপালারের পক্ষ খোরে একটি রাণী ও একটি নির্দিষ্ট সময় গত (পৰ্ব ঘোষিত) হয়ে না থাকত ভাহলে অবশ্যই ভা (শাস্তি এসে পদা) অপবিতার্য তক। ১৩০। সতরাং তারা যা বলে তাতে তমি ধৈর্যধারণ কর এবং সর্বোদয়ের পর্বে

ও সর্যাক্ষের পর্বে কোমার প্রতিপালকের প্রথংসাসর পরিক্রতা ঘোষণা कड़ अबर बार्ट्स किछ সময়েও পবিস্তা ঘোষণা कর अवर निरमत প্রাক্তসময়েও হাতে তমি সম্ভাই হতে পাব। ১৩১।এবং তুমি তোমার চোখ দু'টো কথনো প্রসারিত করো না তার প্রতি যে ভোগাসামগ্রী আমি ভাদের বিভিন্ন শেশীকে দিয়েছি দনিয়ার জীবনের

সৌন্দর্যস্থতপ- ভাতে ভালেবার পরীক্ষা করার জনা। আর ভোয়ার প্রতিপালকের (দেয়া) রিখিক উত্তম ও অধিক স্থায়ী। ১৩২।এবং তোমার পরিবার-পরিজনকে সালাতের (নামাযের) নির্দেশ দাও ও फारक (मिर्फर्स माना) चरित्रल धाठा चाचि रणायात मिकोर रकाम विशिक

চাই না। আমিই ভোমাকে রিখিক দেই এবং গুড পরিণাম ভাকওয়ার 2027 ১৯৯। এবং আরা হলে 'সে আর প্রতিপালকের বিকটি পেকে আয়াদের বিকটি জোন নিদৰ্শন নিয়ে আসে না কেন। তাদেব নিকট কি পর্ববর্তী

সহীফাসমূহে যা আছে তার সুস্পষ্ট প্রমাণ (অর্থাৎ করআন) আসেনিঃ ১৩৪।এবং যদি আমি তাদেরকে ইতঃপূর্বে শান্তি দ্বারা ধ্বংস করতাম তাহলে

অবশ্যই তারা বলত, 'হে আমাদের প্রতিপালক। আপনি আমাদের নিকট একজন বাসল প্রেরণ করলেন না কেনং ভারলে আম্বা লাঞ্জিত ও অপমানিত হওয়ার পর্বে আপনার আয়াতসমহ অনুসরণ করতাম। قُلْ كُلُّ مُتَّ بِعَنْ فَتَ بِعَوْاء فَسَتَعْلَمُونَ مِنْ أَصْحِبُ الصِّاطِ عَلَيْهِ وَهِيهِ وَهِيهِ وَهِيهِ

অতঃপর শীঘট তোমরা জানতে পারবে কে সঠিকপথের অধিকারী এবং 🛂 কে সঠিকপথ অবলম্বন করেছে। k চিহিন্ত স্থানের টীকা সূরা নং ; আয়াত নং অনুসারে তরজমার শেষে দেখুন

قَالَ اهْبِطَا مِنْهَا جَمِيْعًا 'بَعْفُكُو لِبَعْضِ عَدُو ۗ فَأَمَّا يَأْتَيَنَّكُو ۗ مِّنْيُ هُدِّيءُ مُونَى إِنَّابَعَ هُدَائِي فَلَا يَضَلُّ وَ لَا يَشْقَى ﴿

وَمَنْ آعَ ضَى عَنْ ذَكُ يَ فَانَّ لَدُمَعَيْشَةً مَنْكًا وَّ نَحْشُهُ ۚ يَوْ ٓ ٱ الْقِيْمَةِ أَعْمِي هِ قَالَ رَبِّ لِيَ حَشَوْ تَنَيْ أَعْلَى وَقَدْ كُنْتُ بَعِيْرًا

قَالَ كَذَٰ لِكَ أَتَتُكَ أَيْتُنَا فَنَسِيْتَهَاءُو كَذَٰ لِكَ الْيَوْ أَيْتُمْ أَتُنْسِي هِ وَكَذَٰ لِكَ نَجْزِيْ مَنْ أَشَرَ نَ وَ لَيْرُ يُؤْمِنْ بِأَيْتِ رَبِّهِ وَ لَعَذَابُ الأخرَة أَشَدُّ وَ أَبْقِي @

أَفَلَمْ يَهْدَلَهُرْ كَيْرُ ٱهْلَكْنَا قَبْلَهُرْ مِّنَ الْقُرُوبِ يَمْشُونَ فِيْ مَسْكنهِرْ والْ فِي ذٰلِكَ لَالْيِ لِإِرْلِي النَّهٰي ١ وَ لَوْ لَا كَلْمَةٌ سَبَقَتْ مِنْ رَّبِّكَ لَكَانَ لَزَ إِمًّا وَّ أَجَلَّ مُّسَمًّى ﴿

فَاصْبِرْ عَلَى مَا يَقُوْ لُونَ وَسَبِّهِ بِدَهْدِ رَبِّكَ قَبْلَ طُلُوْع الشَّمْسِ وَقَبْلَ عُرُوْبِهَاء وَمِنْ أَنَّأَى الَّيْلِ فَسَبِّهُ وَ أَطْرَافَ النَّهَا رِلَعَلَّكَ تَرْضَى ۞ وَ لَا تُمُدُّنَّ عَيْنَيْكَ إِلَى مَا مَتَّعْنَا بِهِ أَزْوَاجًا مِّنْهُرْ زَهْرَةَ الْحَيْوة الدُّنْيَة لِنَفْتِنَهُرْ فِيْهِ وَرِزْقُ رَبِّكَ خَيْرٌ وَّ أَبْقَى ﴿

وَ أُمُ ۚ إَهْلَكَ بِالصَّلُوةِ وَ إِمْطَبُ عَلَيْهَا ۚ لَانَسْتَلُكَ رِزْقًا ۚ نَحْنُ نَډُ زُقُكَ وَ الْعَاقِبَةُ لِلتَّقُوٰى ۞ وَقَا لُوْا لَوْ لَايَاتِيْنَا بِأَيَةِمِّنْ رَّبِّهِ ا أَو لَرْ تَاتِهِرْ بَيِّنَةُ مَا في

المُعَف الْأَوْلَ @ وَلَوْ أَنَّا أَهْلَكُنُهُ مُ بِعَدَابٍ مِّنْ قَبْلِهِ لَقَا لُوْا رَبَّنَا لَوْ لَآ أَرْسَلْتَ الَيْنَا رَسُولًا فَنَتَّبِعَ إِيْتِكَ مِنْ قَبْلِ إَنْ تَدِلُّ وَنَحُرٰى ﴿

# ২১. সূরা আল-আবিয়া, মাকী

অসীম দ্যাময় ও প্রম দ্যাল আলাহর নামে

#### মানুষের জন্য নিকটবর্তী হরেছে তাদের হিনাব, অথচ তারা বেখবর হয়ে উপেঞ্চা করছে.

- যখনই তাদের নিকট তানের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে কোন নতুন উপদেশ আদে তখন তারা কেবল তা খেলাঞ্চলে প্রবন করে-
- ৩। যখন তাদের হৃদয় থাকে অবলেবারী। এবং বার জুলুর করেছে তারা (তাদের) গোপন পরাহর্শকে গোপন করেঁ, (এবং বলে) 'এ (ব্যক্তি) কি তোমাদের মত একজন মানুষ ছাড়া জন্য কিছু, তবে কি তোমরা দেবে ভার আমান মিচনটা মানুর।
- ৪। সে (রাস্ল) বলল, 'আকাশসমূহ ও পৃথিবীর সমত কথা আমার প্রতিপালক জানেন এবং তিনি সর্বাহাতা ও সর্বজ্ঞানী।'
- ৫। বরং তারা বলে, '(এওলো) এলোমেলো বপু, নরতো সে এটি রচনা করেছে, নয়তো সে একজন কবি। অতএব সে আমানের নিকট প্রকটি নিদর্শন নিয়ে আহক যেতারে (নিদর্শননহ) প্রবিতীর প্রেটিত ইয়েছিল।'
- তাদের পূর্বে কোনো জনপদই ঈমান আনেনি যা আমি ধাংস করেছি, করে তি কারা (জনকানর অধিবাসীরা) ইয়ান আনারঃ
- ৭। আর তোমার পূর্বে আমি মানুষকেই (রাসৃষ বিসেবে) প্রেরণ করেছিলাম, বাদের প্রতি আমি ওবী করেছিলাম, সুতরাং তোমরা যদি না জান তবে বিকির ধারীদেরকে (কিতাবধারীদেরকে) জিল্লাসা কর।
- ৮। এবং আমি তালেরকে এমন দেহবিশিষ্ট করিনি যে, তারা খাবার খেত না এবং তারা স্বায়ীও (অমবও) ছিল না।
- ৯। এরপর আমি তাদের প্রতি (আমার) প্রতিশ্রুতি সত্তো পরিণত করলাম, এবং আমি তাদেরকে এবং যাদেরকে ইচ্ছা করলাম উদ্ধার করলাম এবং সীমালংখনকারীদেরকে ঋংস করলাম।
- ১০। অবশ্যই আমি তোমাদের প্রতি একটি কিতাব অবতীর্ণ করেছি যাতে ডোমাদের উপ্তেখ<sup>®</sup> রয়েছে। তবে কি ভোমরা অন্যাবন কর নাঃ
- ১১। এবং কত জনপদই আমি চুহমার করে দিয়েছি যা (অর্থাৎ যার অদিবাসীরা) ছিল জালিম এবং এর পরে আমি অন্য জাতি সৃষ্টি করেছি।
- অতংশর যথন তারা আমার শান্তি অনুতব করণ তথনই তারা দেখান থেকে প্লায়ন করতে লাগল।
- ১০। (তাদেরকে বদা হয়েছিল) 'পদায়ন করো না এবং কিরে আদ তোমাদের বিদাস-সাম্মীর দিকে ও তোমাদের বাদক্ষ্দসমূহে, যাতে তোমাদেরকে জিজাসা করা থেতে পারে।'

## ا - سُرَةُ الْأَنْبِيَّار - مُكَيِّةً اَبَاتِهَا - الدَّحْوَاتَهَا -إِنْهُ الرَّحْمُ إِنَّ الرَّحِيْدِ إِنْهُ الرَّحْمُ إِنَّ الرَّحِيْدِ

পারা-১ ৭
﴿ وَمُرْ فِي عَفْلَةٍ مَعْرِفَوْنَ أَنْ اللَّهُ اللَّهِ عَلَيْهِ مَعْرَفَوْنَ أَنْ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّاللَّا الللَّا اللّلِلْمُلْمُ الللَّا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّا اللَّا اللَّا

مَا يَا لَيْهِرْ مِّنْ ذِكْرٍ مِّنْ رَقِهِرْ مُّكَّتِ إِلَّا اسْتَمَعُوهُ وَهُرْ يَلْعُبُونَ فُ يَعْتَقُونُهُرْ ، وَاَسَّرُوا النَّجُونَ الَّذِينَ ظَلُمُوا الْمُعَلِّدُ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُ

إِلَّا بَهُرٌّ مِثْلُكُرْ ۚ اَفَعَاتُونَ السِّحْرَ وَاَنْتَرُ تُمْمِرُونَ۞ فَلَ رَبِّى يَعْلَمُ الْقُولَ فِي السَّمَّاءِ وَالْارْضِ، وَهُوَ السَّمِيْعُ الْعَلِيمُرُ۞

بلُ قَا لُوَّا اَهْفَاتُ اَهْلَامِ بَلِ افْتَرِنْهُ بَلُ هُوَ شَاعِرٌ \* فَلَمَاتِنَا بِائِيَةٍ كَمَّا أَرْسِلَ الْأَوْلُونَ۞ مَا آَمَتُ قَبْلَهُمْ مِّنْ قَرِّهُ إِنَّهَ الْفَلَحْنُهَا ﴾ أَفَهُمْ يُؤْمَنُونَ۞

وَمَاۤ ٱرْسَلْنَا قَبْلَكَ إِلَّا رِجَالًانَّوْمِیۤ إِلَیْمِرْ فَسَعَلُوٓۤا اَهْلَ الذّی اِنْ کُنْتُر اَنْ کُنْتُر اَلْقَلْمُوْن ⊙

وَمَاجَعَلْنُهُرْ جَسَّا الَّايَاكُلُونَ الطَّعَا وَمَاكَانُوا خُلِدِيْنَ ۞ لُوَّ مَنَ قُنْهُ لُ الْوَعَنَ فَانْجَيْنُهُ وَمَنْ نَّشَاءُ وَأَهْلَكُنَا

> الْمُسْرِ فِيْنَ⊙ لَقَنْ ٱثَنَّ لَنَا ٓ الْمُكِيرُ كِتْبًا فِيْهِ ذِكْرُكُرْ ۚ ٱفَلَاتَعْقَلُوْنَ ۞

وَكَمْ قَصَمْنَا مِنْ قَرْيَةٍ كَانَتْ ظَا لِمَةٌ وَّ إَنْشَانَا بَعْدَهَا قَوْمًا أَخَدُنْيَ⊚

فَلَمَّاۚ أَحَسُّوا بَأَسَنَاۤ إِذَا هُرْ مِّنْهَا يَرْكُفُونَ۞

لَاتَوْكُفُواْ وَارْجِعُوٓاً إِلَى مَآ الْإِي مَآ الْإِنْ فَتُرُ فِيْهِ وَمَسْكِنِكُمْ لَعَلَّكُمْ

- ১৪। তারা বলেছিল, 'হায় দূর্ভোগ আমাদের! নিকয় আমরা ছিলাম জালিম।'
- ১৫। এবং তালের এ আর্তনাদ চলছিল খতকণ না আমি তাদেরকে বানিয়ে নিলাম কর্তিত শস্য ও নির্বাপিত আগুন।
- ১৬। আর আকাশ ও পৃথিবী এবং উভয়ের মাঝে যা আছে ভা আমি থেলাক্ষলে সৃষ্টি করিনি।
- থেলাঞ্চলে সুষ্টি কর্মান।

  ১৭। আমি যদি তামাশার সামগ্রী<sup>\*</sup> (বী ও সন্তান) এহণ করতে চাইতাম তাহলে

  অন্তি আমার নিকটা থোকেট তা গ্রহণ করতেছে: আমি তা কবিনি।
- ১৮। বরং আমি সত্যকে মিথ্যার উপর নিজ্ঞেপ করি, ফলে তা (সত্য) তাকে (মিথ্যাকে) ধ্বংস করে দেয় এবং তৎক্ষণাৎ তা বিলুপ্ত হয়ে যায়। এবং দর্জেপ তোমালেব তোমবা যে ধবা কর্পনা করছ তার জনা।
- ১৯। আর আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে যারা আছে তারা তাঁরই। এবং তাঁর কাছে যারা আছে তারা তাঁর ইবাদত থেকে অহস্কার করে বিরত থাকে না এবং কালক ম্বা লা
- ২০। তারা তাঁর পবিত্রতা ছোহণা কবে বাতে ও দিমে ভাবা শিধিল হয় না।
- ২১। তারা (মূশরিকরা) কি পৃথিবী থেকে এমন উপাস্যদেরকে এইণ করেছে যারা (মৃতকে) পুনরীবিত করতে পারে। ২২। যদি উভয়্রতিতে (আকশসমহ ও পথিবীতে) আল্লাহ ছাড়া বহু ইলাহ
- থাকত তাহলে উভয়টিই ধংলৈ হয়ে যেত, অতএব তারা যে ওপ বর্গনা করে তা হতে আরশের অধিপতি আল্লাহ পবিত্র।
- ২৩ তিনি যা করেন সে বিষয়ে তাঁকে প্রশ্ন করা হবে না, অথচ তালেরকেই গশ করা হার।
- ২৪। তারা (মুপরিকরা) কি তাঁকে বাদ দিয়ে বহু ইদায় (উপানা) এহণ করেছে বল, 'তোমরা তোমাদের জকটা দদীল-এমাণ উপস্থিত কর, এটা আমার সাথে বারা আছে তাদের (অর্থাং এককুরানীদের) কথা এবং আমার পূর্বে বারা (এককুরানী) হিল তাদেরও কথা। বরং তাদের মেপরিকারে। অধিকাপেই সভা জামে না, ফলে তারা উপোঝা করে।
- ২৫। এবং আমি তোমার পূর্বে এমন কোন রাস্ল প্রেরণ করিনি ভার প্রতি (এ) গুরী করা হাড়া যে, 'আমি ছাড়া কোন ইলাহ নেই, সুভরাং ভোমরা আমারই ইবাদত কর।'
- ২৬। আর ভারা বলে, 'দয়াময় সন্তান গ্রহণ করেছেন', পবিত্র তিনি। বরং তারা (ফেরেশতারা) সন্মানিত বান্ধা-
- (ফেরেশতারা) সন্মানত বান্দা-২৭। তারা কথায় তাঁর অগ্রগামী হয় না এবং ভারা ভাঁর নির্দেশ অনসারেই
- ২৮। তিনি জানেদ যা কিছু আছে তাদের সামনে এবং যা কিছু আছে তাদের পিছনে এবং তারা কেবল তাদের জন্য সুপারিশ করে যাদের প্রতি তিনি (আলাম) সম্বন্ধ এবং তারা তীব ভবে জীত-শক্ষিত।

- فَهَا زَالَتْ لِّلْكَ دَعُوٰ نَهُرْ حَتَّى جَعَلْنُهُرْ حَصِيدًا غِيدِينَ⊚ وَمَا كَلَقْنَا السَّمَاءَ وَالْإَرْضَ وَمَا بَنْنَهَمَا لُعِينَ هَ
- وماخلقنا الساء والارض وما بينها لعبين ﴿
  لَوْ اَرَدْنَاۤ أَنْ تُتَّخِذَ لَهُوا لِآتَكُذُ لُهُمِنْ لَدُنَّا ۗ إِنْ كُنَّا
  \* الْدُورُ لَا اللَّهُ اللَّاللَّهُ اللَّهُ اللَّالْ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ الللَّالِي اللَّلَّالِي اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّالِي اللَّلَّالِي اللَّهُ ال
- فعلينَ۞ بَلُ تَقَادِنُ بِالْحَتِّ غَى الْبَاطِلِ فَيَكْمَغُهُ فَإِذَا هُوَ زَاهِقْ • وَ لَكُمُ الْوَيْلُ مِثَا تَمِغُونَ۞
- وَ لَكُمْنَ فِي السَّوٰوِ بَ وَ الْآرُفِ، وَمَنْ عِنْدَةً لَايَسْتَكْبِرُونَ عَنْ عِمَادَتِهِ وَ لَايَشْتَحْسُرُونَ هَ
- يَسَيِّحُونَ الَّذِلَ وَ النَّهَا رَ لَا يَفْتُرُونَ ۞ أَمِ النِّحَدُوثَ الْمِقَّرِينَ الْأَرْضِ هُرْ يُنْشِرُونَ ۞
- لَوْ كَانَ فِيْهِمَآ أَلِهَةً إِلَّا اللهُ لَفَسَدَتَاء فَسُبُحُنَ اللهِ رَبِّ الْعُرْضِ عَنَّا يَمِغُونَ۞ لَوْشُعْلَ عَنَّا يَفْعُلُ وَ هُرْ يُشْغُلُونَ۞
- أَيَّ اتَّخَدُواْ مِنْ دُوْنِهِ ۖ لِهَةً ۚ قُلْ هَا تُواْ بُرْهَا نَكُرْ ۚ هٰذَا ذِكْرُ مَنْ مُّعِيَّ وَذِكْرٌ مِنْ قَبْلِيْ ، بَلْ إَكْتُرُهُرْ لاَيْعَلَمُونَ ۖ الْحَقَّ فَمُرْ
  - ڝۅؖڝ؈ وَمَآ ٱرَسَّلْنَا مِنْ قَبْلِكُ مِنْ رَّسُوْلٍ إِلَّا نُوْمِٓٓ إِلَيْهِ ٱلَّهُ لَآ إِلٰهَ الْآ اَنَا فَاعْتُدُونِهِ
  - . وَقَا لُوا الَّخَذَ الرَّحْمٰنُ وَلَدَّا سُبْحَنَهُ ۚ بَلْ عِبَادٌ مُّحْرَمُونَ۞
- يَعْلَرُ مَا بَيْنَ آيْدِيْهِرْ وَمَا خَلْفَهُرْ وَلَايَشْفَعُوْنَ، إِلَّا لِمَنِ إِذْ تَغْنَى وَهُرْ مَنْ خَشَيْتِه مُشْفَةُونَ۞

কাজ করে থাকে।

- প্রক্রিকল কেই।
- अवरशासमञ्जू प्रित्मक्रिय जामभाग गाप्ति हिम्सान्य शहर वाट निर्माध এবং পানি খেকে বানালায় প্রত্যেক জীবিক কম। তবে কি ভাবা ঈমান সামকে নাং
- ৩১। এবং আমি পথিবীতে সদত পর্যতমালা বানিবেডি যাতে তা (পথিবী) তাদেরকে নিয়ে আনোলিত না হয় এবং আমি তাতে পাহাত্রী পথ ও সমতল পথ বানিযেটি যাতে তাবা (গমবংছলেব) পথ পেতে গাবে।
- ৩২। এবং আমি আকাশকে বানিয়েছি সরক্ষিত ছাদ, কিন্ত তারা এর (আকাপের) নিদর্শনারগী থেকে মথ ফিরিয়ে নেত।
- ৩৩। এবং ডিনিই সৃষ্টি করেছেন রাত ও দিনকে এবং সর্য ও চন্দ্রকে। প্রতিটিই রক্ষপথে সাঁতোর কাইকে।
- ৩৪। আর (হে মবীং) আমি ভোমার পর্বেও কোন মান্যকে স্তায়ীত (অমরত) দাম কবিনি। সভবাং ভয়ি যদি মতনেবণ কর ভারলে ভারা কি ছারী (অমল) কলে মালেও
- ৩০। প্রত্যেক ব্যক্তির্ট<sup>\*</sup> মতার স্থাদ গ্রহণকারী এবং আমি ভোমাদেরকে মন্দ ও আল ছালা পলীকা জিলোর বিপাদ ভেলি এবং আমার্ট নিকে (काप्रांगकराक विकास सामा सरह। ৩৬, এবং যাবা কঞ্চৰী কৰেছে ভাবা যখন ভোমাকে দেখে তথন ভাৱা
- নোয়াকে কেজা উপয়াস হিসেবে গ্রহণ করে। (ভারা বলে) 'একি সেউ (ব্যক্তি) যে ভোমাদেব উপাসদের সমালোচনা করেঃ অথচ ভারাই 'রহমান'-এর আলোচনায় অবিশ্বাসী।
- ৩৭। মানষকে তরা (প্রবণতা) দিয়ে সৃষ্টি করা হয়েছে। শীঘই আমি ভোমাদেরকে আমার নিদর্শনাবলী দেখাব, সূতরাং ভোমরা আমাকে ভাষাভাঙি করতে বলো না।
- ৩৮। এবং ভারা বলে, '(বল) কখন (রান্তবায়িত হবে) এই প্রতিশ্রুতি- যদি সোমরা সভারাদী হওঃ
- তাদের পিছন থেকেও না এবং তাদেরকে সাহাযাও করা হবে না। ৪০। ববং ডা ডামের নিরাট হঠাৎ আসার এবং ডামেরাক হতভম্ম করে নিবে
- এবং তারা তা রোধ করতে পারবে না এবং তানেরকে অবকাশও দেয়া करत यो
- করেছিল তাদেরকে (বিদ্রুপকারীদেরকে) পরিবেউন করেছিল।

وَمَنْ يَقُلُ مِنْهُمْ إِنِّيْ } إِلْمُسِّنُ دُوْنِهُ فَلَ لِكَ نَجْزِيْهُ جَهَاءً ﴿ وَالْمُعِلَّ الْمُعَالِمُ الْمُعَالِمُ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ عَلَيْ كَذُ لِكَ نَجْنِي إِلظَّلَمْ يَنَّ أَوَ لَهِ ۚ يَ ۚ الَّذِيْنَ كَفَّ ُوٓۤۤ إَنَّ السَّبُوتِ وَ الْآرْضَ كَانَعَا رَتْقًا প্রতা হারা রয়নী রারাছ ভাবা কি ভোর দেখেনি যে আকাশসমত ও পৰিবী

السَّنَةُ الأنساء

- فَفَتَقْنَهُمَا ، وَجَعَلْنَا مِنَ الْمَآء كُلُّ شَنَّ عَيَّ ، أَفَلَا يُؤْمِنُونَ ۞ وَجَعَلْنَا فِي الْإَرْضِ رَوَاسِيَ أَنْ تَمِيْدَ بِهِ \* - وَجَعَلْنَا فَيْهَا
- فَجَاجًا سُبُلًا لَّعَلَّهُمْ يَهْتَدُونَ وَجَعَلْنَا السَّمَآءَ سَقْقًا مَّدْفُوظًا أَوَّهُمْ غَنْ إِيتَهَا مُعْرِضُونَ ﴿
- وَهُوَ الَّذِيْ خَلَقَ الَّيْلَ وَ النَّهَا رَوَ الشَّهْسَ وَ الْقَهَوَ عَكُلُّ فِي فَلَكَ يُسْبَحُونَ⊚
- وَمَا جَعَلْنَا لِبَشِّ مِّنْ قَبْلِكَ الْخُلُدَ أَفَأْنُنْ مِّنَّ فَهُرُ كُلُّ نَفْسِ ذَ إِنْقَةُ الْمَوْتِ وَنَبْلُوكُمْ بِالشِّرِّ وَالْخَيْرِ فَتَنَقَّ وَ
- الَّيْنَا تُرْجَعُوْنَ ﴿ وَ إِذَا رَأِكَ الَّذِينَ كَفَّ وَأَ إِنْ يَتَّخِذُونَكَ الْأَهُزُوا - أَهٰذَا الَّذِيْ يَذْكُو الْهَمَّكُرُ ، وَهُر بذكر الرَّحْمٰن هُر كُغرُون ٩
- خُلِقَ الْإِنْسَانُ مِنْ عَجَلٍ مَسَارِ رِيْكُرْ أَيْتِيْ فَلَاتَسْتَعْجِلُونِ ﴿ وَيَتُو لُونَ مَتى هٰذَا الْوَعْدُ إِنْ كُنْتُمْ مُدقَيْنَ
- لَوْ يَعْلَرُ الَّذِيْنَ كَفَرُواْ حِيْنَ لَايَكُفُّونَ عَنْ وُّجُوْهِمِرُ النَّارَوَ ৩৯। যারা কফরী করেছে তারা যদি তথমতার কথা জানত যথন ভারা ভাদের চেহারা (অর্থাৎ সম্মুখ) থেকে আগুনকে বিরত করতে পারবে না এবং لَاعَنْ ظُهُوْ رِهِرْ وَ لَا هُرْ يُنْصَرُونَ ۞
  - بَأْ) تَأْتَيْهِمْ بَغْتَةٌ فَتَبْهَتُهُمْ فَلَايَشْتَطِيْعُوْنَ رَدَّهَا وَلَاهُمْ يُنْظَرُ وْنَ @

- ৪১। বল 'বহুমান থেকে কে ভোমাদেবকে বন্ধা করবে রাতে ও দিনেঃ' বরং থান নামন প্রতিপালকের শ্বরণ খোক মুখ ক্রিবিয়ে নেয়।
- ৪০, খাব জি আয়াকে বাদ দিয়ে তাদের এমন উপাসারা আছে যারা জানেলাক লক্ষা কলালঃ এবা নিজানবাকট সাহায়৷ করতে সক্ষম নহ
- এবং তাদেরকে আমার কাছ থেকে সরক্ষিত করা হবে না। ০০। সমং আহিই ভান্তবাত্ত এবং আছে পিত্ৰ-পঞ্চয়দৰকৈ জীবনোপটোগ কবতে দিয়েছিলাম এমনকি ভালের মেয়াদ দীর্ঘ হয়েছিল। তবে কি ভারা দেশত না যে আমি লালের হটানকে এর সীমানাসময়ের দিক থেকে

সংকচিত কৰ্মি। তবে কি ভাৱা কিন্দ্ৰয়ী হবেং

- ৪০। বল, 'আমি কেবল ওহী খাৱাই তোমাদেরকে সতর্ক করি', কিন্তু যারা রথির তাদেরকে হখন সতর্ক করা হয় তখন তারা আহবান শোনে দা।
- ৪৬। আর যদি তোমার প্রতিপালকের শাস্তি থেকে একটি ফংকার ভালেরকে স্পর্শ করে তাহলে অবশ্যই তারা বনবে, 'হার দূর্ভোগ আমাদের। নিচর আমহা ছিলাম ভালিম। ৪৭। এবং বিহায়েকের দিনের জনা আমি নাাহবিচারের মীহান (মানদও)
- স্থাপন করব, সভরাং কারো প্রতি কিছুই ছলুম করা হবে না। এবং (আবো ব্যক্তর্ম) যদি সবিষার দানা পরিমাণ হয় তব আমি তা উপস্থিত করব। এবং হিসাব গ্রহণকারী হিসেবে আমিট যথেট। ৪৮। আর অবশ্যই আমি মুসা ও হারনকে সিরেছিলাম 'ফুরকান' এবং
- ম্বাকীদের জন্য একটি আলো ও উপদেশ-
- সম্পার্ক দীত-মহিত। ৫০। আর এটি (কুরআন) একটি বরকতময় উপদেশ: আমি এটি অবতীর্ণ 🕹 প্রবেদি। সার জি ভোহরা এটিকে অধীকার করা
- ৫১। এবং অবশ্যই আমি এর পূর্বে ইবরাহীমকে তার সঠিক পথ নিয়েছিলাম এবং আমি তার সম্বন্ধে আনতাম।
- ৫২। যখন সে তার পিতা ও তার সম্প্রদায়কে বনন, 'এ মূর্তিগুলো কী, যাদের প্রতি (উপাসনায়) ভোমরা লেগে থাকং
- ৫৩। তারা বলল, 'আমরা আমাদের বাপ-দাদাদেরকে এদের উপাসক হিসেবে remarks?
- ৫৪। সে বলল, 'ভোমরা নিজেরা এবং তোমাদের বাপ-দানারাও সম্পট্ট লভানত নাম নামত।"
- ৫৫। তারা বলল, 'তুমি কি আমাদের নিকট সত্য নিয়ে এসেছ, না কি তুমি তামাশাকারীদের অন্তর্ভক্ত?

نْلُ مَّنْ يَّكُلُو كُرْ بِالَّيْلِ وَ النَّهَارِ مِنَ الرَّحْلِي ، بِلْ هُرْ عَنْ ذكُر رَبَّهِرْ مُّعْرِضُوْنَ⊚ ٱ ٱلَّهُمُ ۚ الهَٰهُ تَمْنَعُهُمُ مَّنْ دُوْنَنَا ، لَا يَشْتَطَيْعُوْنَ نَصْ ۖ أَنْفُسِمِ ۗ

- Will-

- وَ لَا هُمْ مِنَّا يُصْعَبُونَ بَلْ مَتَّقْنَا هُوا لَآء وَ إِبَّاءَهُرْ حَتَّى طَالَ عَلَيْهِرُ الْعُمُّ، أَفَلَايَو وْنَ أَنَّا نَأْتِي الْأَرْضَ نَنْقُمُهَا مِنْ أَطْرَافِهَا وَأَفَهُرُ الْعُلَبُونَ،
- قُلْ إِنَّمَا أَنْدَرُكُمْ بِالْوَحْيِ وَلَا يَشْمَعُ الصَّرُّ الدُّعَاءَ إِذَا مَا يُنْذَرُونَ@
- وَ لَئُنْ مُسْتَهُمْ نَفْحَةٌ مَّنْ عَذَابِ رَبُّكَ لَيَقُوْ لُنَّ يُو يُلَنَّآ إِنَّا كُنَّا ظُلمِيْنَ
- وَ نَفَعُ الْمَوَ ازِيْنَ الْقَسْطَ لَيَوْمَ الْقَلِيمَةِ فَلَا تُظْلَرُ لَنَفْسٌ شَيْعًا ، وَإِنْ كَانَ مِثْقَالَ مَبَّةٍ مِّنْ خَرْدَلِ ٱتَيْنَا بِهَا وَكَفْي بِنَا وَلَــُقَدُ إِنَّيْنَا مُوسَى وَهُرُونَ الْفُرْقَانَ وَمَيَّاءًوَّذَكُّوا
- لْلُبُتَّقْيْنَ ﴿ الَّذِينَ يَخْشُونَ رَبُّهُرُ بِالْغَيْبِ وَهُرْ مِّنَ السَّاعَةَ مُشْفَقَهُنَ ۞ ﴿ وَاللَّهِ عَلَا عَقَا اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّ
  - وَهَذَا دَكُو مُنْبِرَكُ أَنْزَلْنُهُ ﴿ أَفَا لَنَّمُ لَدُمُنْكُرُونَ فَي
  - وَلَقَدُ اللَّهِ عَلَى الْمُوهِي رُشْدَةً مِنْ قَبْلُ وَكُنَّا بِهِ عُلَمِينَ ﴿ إِذْ قَالَ لِأَبِيْهُ رَّ قُوْمِهِ مَا هٰذِهِ التَّمَا ثَيْلُ الَّتِيُّ ٱنْتُرْ لَهَا
    - عٰكفُوْنَ@ قَا لُوْ ا وَجَدْنَآ أَبَاءَنَا لَهَا عُبديْنَ
    - قَالَ لَقَدْ كُنْتُرْ إَنْتُرْ وَ أَبَّأَوُّكُرْ فِي ضَلَلٍ مَّبِيْنِ @
      - قَا لُوًّا أَجِئْتَنَا بِالْحَقِّ آآ أَنْتَ مِنَ اللَّعِبِينَ،

- ৫৬। সে বলল 'বরং ভোমাদের প্রতিপালক হলেন আকাশসমূহ ও পঞ্চিরীর প্রতিপালক, যিনি এগুলো সৃষ্টি করেছেন এবং এ বিষয়ে আমি অন্যতম Server. ৫৭। সার সাল্লাহর কসম, তোমরা চলে যাওয়ার পর অবশাই অবশাই আমি
- তোমাদের মর্কিঙলোর বিরুদ্ধে কৌশল অবলয়ন করত।
- ०৮: चठालर (म absence (spiderence) हुई-किर्म करन दिल- कार्यन বডটি ছাডা, যাতে তারা তার (বভ মতিটির) নিকে কিবে আসে।
- ৫৯। তারা বলল, 'আমাদের উপাস্যগুলোর সাথে এমন (আচরণ) তে করুলঃ निकार (स सीप्राधानसम्बद्धानीरमन स्वयन्त्रेकः)
- ৬০। ভারা বলগ, 'এক যুবককে এদের সমালোচনা করতে খনেছি: ভাকে উত্তবাহীয় কলে দোকা হয় '
- ৬১। তারা বলল, 'তাকে জনসম্বর্ধে নিয়ে আস, যাতে তারা (ভাকে দেখে) जाकी फिरफ शास्त्र।"
- ৬২। তারা বলল, 'হে ইবরাহীম! তমিই কি আমাদের উপাসাঞ্জাের প্রতি এজপ (আচরণ) করেছ#
- ৬৩। সে বলল, 'বরং এদের এই বডটিই তা করেছে, স্তরাং এদেরকে জিজ্ঞাসা কর- যদি এরা কথা বলতে পারে। ৬৪। সুভরাং ভারা ভালের নিজেদের দিকে ফিরে গেল এবং (একে অপরকে)
- বলল 'নিশ্বয় জোয়বাই ভালিয়'-. ৬৫। এরপর তারা পূর্বাবস্থার ফিরে গেল, (এবং বদল) 'অবশাই ভূমি জান
- যে এবাকথাবলে না' ৬৬। সে (ইবরাহীম) বলল, 'তবে কি তোমরা আল্লাহকে বাদ দিয়ে এমন কিছব উপাসনা কর যা ভোয়াদের কিছ উপরার করে না এবং কোয়াদের অপরাবর করে নাঃ
- ৬৭। ধিক ভোমাদের জন্য এবং ভোমরা আলাছকে বাদ দিকে বাদের উপাসনা কর তাদের জন্য। তবে কি তোমরা অনুধারন কর নাঃ'
- ৬৮। তারা বলল, 'তাকে পভিত্তে ফেল এবং তোমাদের উপাসাদেরকে সাভাষ্য
- কর- যদি তোমরা (কিছু) করতেই চাও। ৬৯. আমি বললাম, 'হে আগুন। ইবরাহীমের প্রতি শীতল ও শান্তি হয়ে হাও'-
- ৭০। এবং তারা তার বিরুদ্ধে ষড়যন্ত করতে চেয়েছিল, কিন্ত আমি তাদেরকে সর্বাধিক ছাড়িনক করে নিলাম
- ৭১। এবং আমি ভাকে ও গতকে, উদ্ধান কৰে সে হয়ীলে (mrsi)\* নিয়ে গেলাম, যেখানে আমি জগৎসমহের (মানবজাতির) জনা বরকত
- ৭২। আমি তাকে নাম করেছিলাম ইসহাক এবং অতিরিক্ত হিসেবে (পৌত্ররূপে)
- ইয়াকবকে। এবং প্রত্যেককেই বানিয়েছিলাম সংকর্মশীল। ৭৩। এবং ভাদেরকে নেতা বানিয়েছিলায় ভারা আয়ার নির্দেশ জনসারে (মানুষকে) সঠিক পথ প্রদর্শন করত, তাদের প্রতি ওরী করেছিলাম কল্যাণের কাজ করতে, সালাত (নামায) কায়েম করতে এবং যাকাত প্রদান করতে, এবং তারা আমারই ইবাদত করত।

কি চিহিল্ড স্থানের টাকা সূরা নং : আয়াত নং অনুসারে তরজয়ার শেয়ে দেখন

أَنَأُهُمْ ذُلكُمْ مِّنَ الشُّهِدِيْنَ 6 وَ تَالله لَآكِيْدَنَّ أَصْنَامَكُي بَعْدَ أَنْ تُوَ لُوْا مُدُّب يْنَ ﴿

فَدَعَلَمُ مُلِدًا الَّا كَبِيًّا لَّهُمْ لَعَلَّهُمْ الَّذِهِ يَدْجِعُونَ ⊛ قَا لُوْ ا مَنْ فَعَلَ هٰذَا بِأَ لَهَتِنآ الَّهُ لَمِنَ الظُّلَمِيْنَ ۞

قَا لُوْ اسْمِعْنَا فَتَى يَّذْكُ مُرْ يُقَالُ لَهُ أَبْ هِيْرُ ﴿ قَا لُوْ ا فَأَتُواْ بِدِعَالَ آعْيُنِ النَّاسِ لَعَلَّهُرْ يَشْهَدُوْنَ ۞

قَا لُواْءَ أَنْكَ فَعَلْكَ هٰذَا بِأَلْهَتِنَا لَيَابُوْهِيرُ اللَّهِ عَلَى الْمُعَلِّدُ اللَّهِ عَل قَالَ بَلْ فَعَلَدًا تُكْبِيْرُهُرْ هٰذَا فَشَعَّلُوْهُرْ إِنْ كَانُوْا يَنْطُعُونَ ۞ فَ جَعُوا إِلِّي إِنْفُسِهِرْ فَقَا لُوا النَّكُرْ اَنْتُرُ الظُّلُمُونَ ﴿

ثُرُ لَكُسُوا عَلَى رُءُوْسِهِرْ ، لَقَدْ عَلَمْتَ مَا هَوَ لَآء يَنْطَعُوْنَ ﴿ قَالَ أَفَتَعْبُدُوْنَ مِنْ دُوْنِ اللَّهِ مَا لَا يَنْفَعُكُم ْ شَيْطًا وَّ أَنَّ لَّكُورُ وَ لَمَا تَعْبُدُونَ مِنْ دُوْنِ اللهِ ﴿ أَفَلَا تَعْقِلُوْنَ ﴿

قَا لُوْا حَرِّقُوْهُ وَ الْصُرُوا الْمُتَكُيرُ الْ كُنْتُرُ فَعَلَيْنَ ۞ قُلْنَا يِنَا رُكُوْنِيْ بَرْدًا وْسَلِّمًا عَلَّى ابْرُهِيْرَ ﴿ وَ آرَادُوْا بِهِ كَيْدًا فَجَعَلْنَهُرُ الْأَخْسَرِ يُنَ۞ وَنَجَّيْنُهُ وَ لُوْطًا إِلَى الْأَرْضِ الَّتِي لِرَكْنَا فَيْهَا لِلْعُلِّمِينَ۞

وَوَهَبْنَا لَهُ إِسْطَى وَ يَعْقُوْبَ لَا فلَةً وَ كُلًّا جَعَلْنَا صلحين ﴿ وَجَعَلْنَهُمْ أَنَاةً يَّهْدُونَ بِأَمْرِنَا وَأَوْحَيْنَاۤ إِلَيْهِمْ فَعْلَ الْعَيْرِب وَ إِفَا ﴾ الصَّلُوةِ وَ إِيْتَآءَ الزُّكُوةِ ، وَكَانُوْ النَاعِبِدِيْنَ ﴿

- ৭৪। এবং দৃত, আমি তাকে প্রজা ও জান দিরেছিলাম এবং তাকে উদ্ধার করেছিলাম এমন এক জনপদ থেকে যা (অর্থাং থার অধিবাসীরা) অপ্রির কাজ করত। নিক্স তারা ছিল এক নিকৃষ্ট ও পাপাচারী। সম্প্রদায়-
- সম্প্রদায়
  ৭৫। এবং তাকে আমি আমার দরার মধ্যে প্রবেশ করিয়েছিলাম। নিশ্চয় সে ছিল সংকর্মশীলদের অন্তর্ভুক্ত।
- ৭৬: এবং শূবু, যখন দে (ইনরাহীম ও গুতের) পূর্বে ডেকেছিল এবং আমি তাকে সাড়া নিয়েছিলাম এবং তাকে ও তার পরিবার-পরিজনকে মহাসংকট থেকে উদ্ধার করেছিলাম,
- ৭৭। এবং আমি তাকে সাহাত্য করেছিলাম সৈ সম্প্রদায়ের বিক্তয়ে যারা আমার নিদর্শনসমূহকে মিখ্যা অভিহিত করেছিল। নিকত্ব তারা ছিল এক নিকৃত্ব সম্প্রদায়, সুতরাং তাদের সকলকেই আমি নিমজিত করেছিলাম।
- ৭৮। এবং দাউদ ও সুলাইমান, খধন তারা শন্যক্ষেত সম্পর্কে বিচার <sup>\*</sup>করছিল খবন তাতে কোন সম্প্রদায়ের ভেন্ন ভাতেত্ত বেলার চলে গিয়েছিল, এবং আমি তামের বিচার প্রত্যক্ষ কর্মছিলাম।
- ৭৯। অতঃপর আমি সুলাইমানকে তা (অর্থাৎ এর ফয়নালা) বুথিয়ে দিয়েছিলাম এবং তাদের প্রত্যেককে "আমি প্রজা ও জ্ঞান দিয়েছিলাখ। এবং আমি পর্বতমালা ও পরিকে দাউদের সাথে নিয়োজিত করেছিলাম, তার আমার পরিকালা স্বোধাশ করেছ। এবং জামিই (এসব) করছিলাম।
- ৮০। আর আমি তাকে (দাউদকে) তোমাদের জন্য বর্মনির্মাণ শিক্ষা দিয়েছিলাম, যাতে তা ডোমাদেরকে তোমাদের ফুদ্ধে সুরক্ষিত করতে পারে, সুক্তরাং তোমরা কৃতক্ত হবে কিঃ
  ৮১ এবং সলাইমাদের ফ্রন্ম উদ্ধাম ধার্যাকে (মিয়োজিত করেছিলাম), যা তার
- নির্দেশে সেই মমীনের (অঞ্চলের) দিকে প্রবাহিত হত যেখানে আমি ব্যৱকত দিয়েছি। আর আমি স্বাকিত্ব সম্পরেক জানতাম।
- করত, এবং এছাড়াও (খন্যান্য) কাজ করত, আর আমিই ছিলাম তালের রক্ষণাবেক্ষণকারী-৮৩ এবং আইয়ুব, "হখন সে তার প্রতিপালককে তেকে বলোছিল যে, 'প্রথ-কর্মণা আমাকে স্পর্শ করেছে, আর আদানি সর্বক্রেষ্ট দয়ালা'.
- ৮৪। সূতরাং আমি তার ভাকে সাড়া দিলাম এবং তার দুঃধ-দুর্দশা দূর কলোম এবং তার দিকট (কিরিয়ে) দিলাম তার পরিবার-পরিকাশক এবং তাকের সাথে তাদের মত তোরের রান্তিয়ে দিলাম) আমার পক
- থেকে দয়াস্থরপ এবং ইবাদতকারীদের জন্য উপদেশস্বর্ত্তপ।
  ৮৫। এবং ইসমা'ঈল, ইদ্রিস ও ফুল্-কিফ্ল, প্রত্যেকেই ছিল ধৈর্যশীলদের
- ৮৬। এবং তাদেরকে আমি আমার দয়ার মধ্যে প্রবেশ করিয়েছিলাম। দিওর তারা ছিল সংকর্মশীলাদের অন্তর্ভত।

و لُوطًا النَّيْنَةُ مُكِمًا وَعَلَمًا وَنَجَّيْنُهُ مِنَ التَّوْيَةِ الِّتِي كَانَتُ تَّعْلَ الْخَالِيْنِ الْقَرْ كَانُوا قَرْا سَوْءٍ لِحِيْنِي ۚ وَ اَدْعَلْنُهُ فِي رَحْمَتنَا اللَّهِ مِنَ السَّلِحِينَ ﴾

المسترية الأنسآء

- وَتُوْمًا إِذْ نَافَى مِنْ قَبْلُ فَاسْتَجَبْنَا لَهُ فَنَجَيْلُهُ وَ آهْلَهُ مِنَ الْكُرْبِ الْعَظْمِ ﴾ الْكُرْبِ الْعَظْمِ ﴾
- ا سركِ السَّحِيِّ وَلَمَوْلُهُ مِنَ الْقُوْرُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الْمُورِ شَوْعَا غَرْقُلُهُمْ أَجْمَعِينَ ۞
  - وَدَاوَدَوَسُلَيْسَ إِذْ يَحْكُلِي فِي الْحَرْبِ إِذْ لَفَشَىْ فِيْهِ غَنَيُّ الْقَوْمُ وَكُنَّا لَحُكُمِهِمْ شُهِدِيْنَ أَهُ
  - فَقَهْمَانَهَا سُلَيْهَانَ ءَوَكُلَّا إِنَّيْنَا كُعُهَا وَّعِلْهَا ا وَّسَخَّرْنَا مَعَ دَاوْدَ الْجِبَالَ يُسُيِّدُنَ وَ الطَّيْرَ ، وَكُنَّا فَعِلِيْنَ⊚
  - وَعَلَّمْنُهُ مُنْعَةَ لَبُوْسٍ لَكُنْ لِتُحْمِنَكُنْ فِنْ بَاسِكُنْ فَهَلَ الْتُنْ هَٰكُوُرُّنَ۞ وَلِسُلُنُهُنَ الرِّيْمَ عَامِفَةً تَجْرِيْ بِأَمْرِةً إِلَى الْارْضِ الْتِنْ
  - بُرَكْنَا فِيْهَا ، وَكُنَّا بِكُلِّ هَنَّ عَلْمِيْنَ،

    وَمِنَ الشَّيطِيْنِ مَنْ يَغُوْمُونَ لَهُ وَيَغْمَلُونَ عَمَّلُادُونَ ذَلِكَ ، وَ

    كُنَّا لَهُمْ مُفَطِينِ مَنْ يَغُوْمُونَ لَهُ وَيَغْمَلُونَ عَمَّلُادُونَ ذَلِكَ ، وَ

    كُنَّا لَهُمْ مُفَطِينَ هُ
- حَدَّ نَهْرِ حَقِطِينِ وَ ٱلْيُّوْبَ إِذْ نَادُى رَبَّهُ ٓ أَنِّيْ مَسِّنِى الشَّرُّ وَ ٱثْتَ ٱرْجَيرُ الرَّحِينَ ﴾
- فَاشَتَجَبْنَا لَهُ فَكَمَثْنَا مَا بِهِ مِنْ هُرِّ وَّ الْتَهْنَهُ ٱهْلَهُ وَمِثْلَهُمْ . مَّعَمُّرُ رَحْمَةً مِّنْ عِثْدِنَا وَذِكْرِى لِلْقَبِّدِيْنَ ۞
  - وَ إِشْمُعِيْلَ وَ إِدْ رِيْسَ وَذَا الْكِقْلِ ، كُلُّ مِّنَ الشَّيِرِيْنَ ۖ قُ وَ ٱدْغَانُتُهُرْ فِيْ رَحْمَتنَا ، الَّهُرْ مِّنَ الشَّلَحِيْنَ ۞

ाचिश			

ettet-s o

৮৭। এবং যুক্-মূন্, খবন সে ক্রম্ভ হয়ে চলে গিয়েছিল এবং মনে করেছিল আমি তার জন্য শান্তি নির্গারণ করব না, অভ্যপত্র সে গভীর অন্ধকারের মধ্যে জেকে বলেছিল বে, 'আগনি ছাড়া কোন ইলাছ নেই, পরির আগনি; নিভয় আমি ছিলাম জানিমনের অন্তর্ভুক্ত।'

২১, সুরা আল-ত

- ৮৮। সুতরাং আমি তার ডাকে সাড়া নিয়েছিলাম এবং তাকে দুঃৰ থেকে উদ্ধার করেছিলাম। আর এতাবেই আমি মু'মিদদেরকে উদ্ধার করি।
- ৮৯। এবং মাকারিয়া, যখন দে তার প্রতিপালককে ছেকে বলেছিল বে, 'হে আমার প্রতিপালক। আমাকে একা (উত্তর্যাধকারী বিহীন) ছেছে নিবেন না, এবং আপনি উত্তম উত্তর্যাধকারী।'
- ৯০. সুক্তরাং আমি তার তাকে সাজা দিয়েছিলায় এবং তাকে দান করেছিলায় ইয়াইইয়া এবং তার জব্য তার জীকে (সভান ধারণের পাক্ষ্যে) সাংলোধন করেছিলায়। নিক্রম তারা কর্যাপকর কাজেক্রত ধারিত হত এবং আমালে আশা বা এটিকে সালায় য়ারতা, একা মারা কিল আমাল কিলাই নিক্রিক।
- ৯১। এবং (সেই নারী) যে তার লজাত্মনকে সুরক্ষিত রেখেছিল, অতঃগর তার মধ্যে আমি আমার রহু বেকে ফুকে দিয়োছিলাম এবং তাকে ও তার পুরকে বানিয়েছেলাম জগৎসমুহের (মানবজাতির) জন্য এক নিদর্শন।
- ৯২। নিক্যা তোমাদের এই উস্কত (ধর্ম) একই উস্কত (ধর্ম) এবং আহিই তোমাদের প্রতিপালক, অতএব তোমধা আমার ইবাদত কর।

  ৯৩। কিন্তু এ সাক্ষেত্র তামা তাদের মধ্যে তাদের (বিদের) বিষয়াকে বিভক্ত
- করেছিল। প্রত্যেকেই আমার দিকে প্রত্যাবর্তিত হবে।

  ৯৪। সুকরাং যে মু'মিন হয়ে সংকাজ করে তার প্রচেষ্টা অগ্নাহ্য করা হবে না
  এবং নিশ্বর জামি এর কিপিরজন্মনী।
- ৯৫। এবং যে জনগণকে আমি ঋণে করেছি তার জন্য এটা নিধিছ করা হরেছে যে, তারা (অর্থাং তার অধিবাসীরা) ফিরে আসাবে না-৯৬। যে পর্যন্ত না ইয়াকজ ও মাজজকে থকা দেয়া হবে এবং তারা প্রক্রোক
- উক্তৃমি থেকে ছুটে আসবে।

  ১৭। আর (মখন) সত্য প্রতিশ্রুতি নিকটবর্তী হবে তথ্য তক্ষেণাৎ কাঞ্চিবদের
- চোধ (অলতক্ষে) দ্বিৰ হয়ে যাবে, (ভারা বগবে), 'হায় দুর্ভোগ আমানের। আমনা এ বিষয়ে বেধবর হিলাম, উপরস্কু আমরা হিলাম জালিম।' ৯৮। লিক্ষা ভোমরা এবং ভোমরা অধ্যারকে বাদ বিয়ে কেজলেক উলাসনা
- কর শেওলো জাহান্লামের ইন্ধন। তোমরা (গবাই) তাতে প্রবেশ করবে।

وَوَا النَّرِّنِ اِذْفُتِي مُغَامِبًا فَشَّ أَنْ النَّقْدِيرَ كَلَيْهِ فَتَادَّى فِي الظَّلُمْنِ اَنْ آثِ إِلَّهَ إِلَّا آنْنَ سُبُحُنَكَ الَّ إِلَّى كُنْنُ مِنَ الظَّلُونِيُّ أَنَّ فَاسْتَجِيْنَا لَمُّارِدً فِيْضِيْنَا مِن الْفِيْدِ ، وَكَذْلِكَ نُنْجِي فَاسْتَجِينَا لَمُّرِوَنَجِيْنَا لَمُروزَجِّيْنَا لَمُنْ رُوَكِّلْ لَكُ نُنْجِي

٣-سُورَةُ الْأَنْسَآء

- ڡاستجينا له، وتجيئله مِن الغيرِ ، وَحَدَّلِكَ لَنَجِي الْمُؤْمِنِينَ۞ وَزَكَرِينًا إِذْنَادَى رَبَّهُ رَبِّ لِاَتَذَارُنِيْ فَرْدًا وَّأَثَى خَيْرُ
- الْزِرِثِينَ أَقُ فَاسْتَجِبْنَا لَدُ وَوَجْبَنَا لَدَ يَضِينِ وَالْمُلَحِّنَا لَدُ وَرُجِّهُ وَالْمُرْ كَانُواْ بِاسْجُوْنِ فِي الضَّيْرِ وَيَدْخُونَنَا رَغَبًا وَرُهُبًا وَرُهُبًا وَ كَانُواْ لِلْسُجُوْنِ فِي الضَّيْرِ وَيَذْخُونَنَا رَغَبًا وَرُهُبًا وَرُهُبًا وَ كَانُواْ لِلْسُحُونِ فِي الضَّفِيرِ وَيَذْخُونَنَا رَغَبًا وَرُهُبًا وَرُهُبًا وَ
- وَّالِّيّْ ٱلْمُسَنِّ فُرْهُهَا فَنَفَحْنَا فِيْهَا مِنْ رُّوْمِنَا وَجَعَلْنُهَا وَ إِنْهَا ۚ إِنَّهُ لِلْعُلْمِينَ۞ إِنْهَا أَنِهُ لِلْعُلْمِينَ۞ إِنَّ هُلَوْ ٱلْمُتُكُوا أَمِّةً وَاحِدَةً "وَ إِنَّا رَكُكُو فَاعْبُدُونِ۞
- وَ تَقَطَّعُوٓا اَمْرَهُم بَيْنَهُمْ ، كُلُّ إِلَيْنَا لِجِعُونَ ۗ فَمَنْ يُعْمَلُ مِنَ المِّلِحُبِ وَهُو مُؤْمِنْ فَلَاكُفُرَانَ لِسَعْبِهِ ، وَإِنَّا
- فَين يَعْمُلُ مِنَ } لَمَلِحَتِ وَهُو مؤْمِن فَلَاكْثُرَانَ لِسَعْمِهِ ۗ وَ إِلَّا لَّمُ كَبِّنُونَ۞ وَجَرًا عَلَى قَرْيَةً } أَهْلَكُنُهَا ۖ أَنَّهُرُ لَا يَرْجُنُونَ ۞
- مَثَى إِذَا فَتِحَتُ يَاهُورُهُ وَمَاهُورُهُ وَهُرُهُو هُورٌ مِّنْ كُلِّ مَدَبٍ يَنْسُلُونَ۞ - وَمَا مُنْ مُعْمُونُ هُو اللَّهِ عَلَيْهِ مَا يَعْمُونُ أَعْمُونُ أَنْ عُلَادًا مُعْلَمُ الْمُعْمَ
- وَ اقْتَرَبَ الْرَعْدُ الْحَقِّ فَاذَا هِيَ شَاخِعَةً أَبْضًا رُالَّٰدِيْنَ كَتُرُواۥ بُونِلْنَا قَلُ كُتًا فِي غَلْلَةٍ شِّنْ هٰذَا بَلَّ كُتًا ظُلِيشِنَ⊗ إِنْكُمْ وَمَا تَعْبُدُونَ مِنْ دُونَ اللهِ عَصْبُجَةَيِّرٍ، أَأْتُكُمْ لَهَا

- ৯৯। যদি এপ্রলো ইলারই হত তারলে এওলো আহান্রামে প্রবেশ করত না। এবং সৰাই ভাতে স্বামী হবে।
  - ১০০। সেখানে তাদের জন্য থাকবে দীর্ঘশ্বাস এবং সেখানে তারা কিছই খনতে পাবে না।
  - ১০১। নিশ্চয় যাদের জন্য আমার নিকট থেকে কল্যাণ (সংকাজের সৌভাগ্য) গত হয়েছে ভামেককে ভা থেকে দৰে বাথা হবে-
- ১০১। তারা এর ক্ষীণ শব্দও তনরে না এবং সেখানে তাদের মন যা কামনা কৰৰে ডা সাহীভাবে ভোগ কৰৰে।
  - ১০৩।(হাশরের মার্টের) মহাজীতি তাদেরকে দক্ষিভাগ্রন্ত করবে না এবং ফেবেশভারা ভানের সাথে সাক্ষাৎ করবে (এ বলে যে) 'এই ভোমাদের (सरे कि गांत शिक्कीर (साम्राज्यरक (स्मा दामनिक)
- ১০৪। যেদিন আহি আকাশকে গুটিয়ে কেলব লিখিত কাগছ গুটানোর মত। আহি একে ভিত্তিক আনত্র ক্ষেত্রকে ভাতি পথ্য সন্তির সভনা ক্রাক্সিলায়। (এটি) আমার উপর পালনীয় প্রতিশ্রুতি। নিক্তম আমি এটি করব।
- ১০৫। আর (লওমে মাহকুঞ্জে) উল্লেখের পর আমি যাবরে টেপিক কিতাৰে) লিখেচি যে, আমার সংকর্মশীল বান্দারা (জানাভের) যমীনের ট্ৰমবাধিকাৰী হবে।
- ১০৬। নিক্ষয় এতে ইবাদতকারী সম্পদায়ের জন্য ছোমণা রয়েছে।
  - ১০৭। আমি তোমাকে জগতসমহের জন্য কেবল দয়াস্বরণ প্রেরণ করেছি।
- ১০৮।বল, 'আমার প্রতি ওহী করা হয় যে, তোমাদের ইলাহ কেবল এক ইলাত সভবাং ভোমৰা মসলিম তবে বিঃ
- ১০৯। কিন্তু যদি তারা মথ ভিরিয়ে নেয় তবে তমি বল, 'আমি তোমাদের (স্বাইকে) সমানভাবে জানিয়ে দিয়েছি এবং আমি জানি না ডোমাদেরকে যে (কিয়ামতের) প্রতিশ্রুতি দেয়া হচ্ছে তা নিকটবর্তী নাকি দরবর্তী।
- ১১০। নিশ্বয় ডিনি ছানেন (ডোমাদের) প্রকাশ্য কথা এবং জানেন যা ভোমরা গোপন কর।
- ১১১। এবং আমি জানি না এটা (কিয়ামতের সময় প্রকাশ না হওয়াটা) হয়ত তোমানের জন্য এক পরীক্ষা এবং একটি সহয় পর্যন্ত জীবনোপভোগ।"
  - আমাদের দ্যাম্য প্রতিপালকই (আমাদের) সহারস্কল।"

- لَوْ كَانَ هُو لَآء الهَدُّمَّا وَرَدُوهَا، وَكُلُّ فَبْهَا خُلدُونَ لَهُمْ فَيْهَا زَفَيْ وَهُمْ فَيْهَا لَايَسْبَعُونَ
- انَّ الَّذِيْنَ سَبَقَتْ لَهُمْ مُنَّا الْعُشْنَى، أُولَٰتُكَ عَنْهَا مُبْعَدُونَ فِي
- لَا يَسْمَعُونَ حَسِيْسَهَا ء وَ هُرْ فِي مَا اشْتَهَدُ ٱلْقُسُهُرُ خُلدُونَ ٥
- لَا يَحْزُنُهُمُ الْفَزَعُ الْآكْبَ وَتَتَلَقُّهُمُ الْمَلِّتَكَةُ مَذَا يَوْمُكُمُ الذي كُنْتُو تُوْعَدُونَ
- يَوْ) نَظُوى السَّمَاءَ كَطَى السِّجِلِّ للْكُتُبِ ، كَمَا بَدَأَنَّ أَوَّلَ خَلْق نُعْيْدُهُ وَعْدًا عَلَيْنَا وَإِنَّا كُنَّا فَعلينَ
- وَلَقَدْ كَتَبْنَا فِي الزَّبُورِ مِنْ ابَعْدِ الذِّكْرِ أَنَّ الْأَرْضَ بَوثُهَا عبَاديَ الصَّلْعُونَ @
  - انَّ فِي هٰذَا لَبَلْغًا لَقَوْمَ عُبِدِينَ ﴿ وَمَا آرْسَلْنَكَ إِلَّا رَحْمَةً لَّلْعُلَمِينَ ﴿
- قُلُ انَّمَا يُوْخِّي إِلَّ أَنَّمَاۤ إللَّهُ كُرُ الدُّوَّاحدٌ وَهَلَ أَنْتُر مسلمون 🕤
- فَانْ تَوَلُّوا فَقُلُ إِذَنْتُكُورُ عَلَى سَوَّاءِ وَانْ آدُرِيُّ آقَوِيْبُ أَأَ بَعَيْدٌ مَّا تُوْعَدُونَ
  - اللهُ يَعْلَمُ الْبَهْرَ مِنَ الْقَوْلِ وَ يَعْلَمُ مَا تَحْتُمُونَ ⊕
    - وَانْ أَدْرِيْ لَعَلَّهُ فَتَنَةً لَّكُرْ وَمَتَاعٌ إِلَى حَيْنِ
- فَلَ رَبِّ إَحْكُرْ بِالْحَقِّ، وَ رَبَّنَا الرَّحْمُنُ الْمُسْتَعَانُ عَلَى الْعَالِيّةِ عَلَى الْمَاتِيّةِ ا علام المجاهد العالم المتعالم المتعالم المتعادية المتعادية المتعادية المتعادية المتعادية المتعادية المتعادية المتعادية مَا تُصفُونَ ﴿

### ২২. সূরা হাজ্জ, মাদানী ৭৮ ভাষাত ১০ কক

অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আল্লাহর নামে

- হে মানুষ! তোমরা তোমাদের প্রতিপালককে ভয় কর, নিচরা কিয়ামতের প্রকশন এক তীষণ ব্যাপার।
- হ্ যেদিন তোমবা তা (প্রকশন) প্রত্যক্ষ করবে সেদিন প্রত্যেক ক্রনানারী তার দুগুপোষ্টা শিক্তের ভূলে যাবে এবং প্রত্যেক পর্করন্তী তার পর্ক ফেলে নিবে এবং ফুমি মানুষকে নেখবে নেশামান্ত, অথত তারা নেশামান্ত ময়, বিক্লু আন্তান্ত্র শান্তি অতি করিন।
- ত। আর মানুষের মধ্যে কেউ কেউ আরাহ্ সছদ্ধে বিতর্ক করে কোন জান হাজাই এবং অনুসরণ করে প্রত্যেক বিদ্রোধী শরতানের-
- ৪। তার সবদে বিধিবদ্ধ করা হরেছে বে, যে তার সাথে বন্ধুতু করবে সে তাকে পথপ্রট করবে এবং তাকে পরিচালিত করবে ভ্লাক্ত আঙালের শানিক দিকে।
- ৬। এটা এজন্য যে, আল্লাহ্ই সভ্য এবং তিনি মৃতদেরকে জীবিত করেন এবং তিনি সব কিছুর উপর সর্বশক্তিমান-
- এবং কিয়মত আসবে, যে ব্যাপারে কোন সন্দেহ নেই, এবং এও যে, কবরে যারা আছে তালেরকে আতাহ পদক্ষিত করবেন।
- ৮। আর মানুদের মধ্যে কেউ কেউ আল্লাহু সম্বন্ধে বিতর্ক করে কোন আন বা পথনির্দেশনা বা দীঞ্জিয়ান বিসোর জানাট-

٢٦-سُوْرَةُ الْعَبِّرِ -مَدَنِيَّةً اَنَائِمَا اللهِ الْمُتَّالِيَّةِ مِنْكَانَا اللهِ بِسُيْرِ اللهِ الرَّحْمُ اللهِ الرَّحْدِيْرِ

يَّانِيُّهَا النَّاسُ اتَّقُوْا رَبِّكُرْ ؛ إِنَّ زَلْزَلَةَ السَّاعَةِ شَقَّ عَظِيْرٌ ۞

يُوْ ٱ تَرَوْنَهَا تَذْهَلُ كُلَّ مُوْمِعَةً عَنَّا ٓ اَرْفَتَتُ وَتَفَعُ كُلَّ ذَاتِ حَمْلٍ حَمْلُهَا وَتَرَى النَّاسَ سُكُورى وَمَا هُرْ بِسُكُوى وَ لَكِنَّ عَدَالِ اللهِ هَدِيْدُنَ

وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يُّجَادِلُ فِي اللهِ بِغَيْرٍ عِلْمٍ وَيَتَّنِعُ كُلُّ شَيْطُنَ مَّرِيْدِ أَنْ

كُتِبَ عَلَيْهِ ٱلَّهُ مَنْ تَوَلَّاهُ فَٱنَّهُ يُفِلُّهُ وَيُهْدِيْهِ إِلَى عَذَابِ السَّعْيِنِ

بالها الناس إن كنشر في رئيس النفي قاتا مقتلنكر من قراب قريب فلكند قريب مقتلة قريبي في فلكنة محملة و من مقالة للبين لكر وقد إلى الأرشاما نقاق إلى إما من محملة للبين لكر وقد إلى الأرشاما نقاق إلى إما من في محملة من قريبة وقد إلى المرشاما نقاق المحملة وينكر ش بترقى ويمكن من قرة إلى إداد إلى المرشام للخالة على المحملة مل في خلك وقريبان الأرضاء المحملة المحملة

ذٰلكَ بِأَنَّ اللهَّهُوَ الْحَقُّ وَ أَنَّهُ يُحْيِ الْمَوْثِي وَٱنَّهُ ثَلَى كُلِّ شَيُّ قَدَدِيَّ ﴾

وَّالَّا السَّاعَةَ الِيَدَّ لَّارَيْبَ فِيْهَا ۚ وَأَنَّ اللَّهَ يَبْعَفُ مَنْ فِي الْقُبُورِ ۞

وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يُّجَادِلُ فِي اللهِ بِغَيْرِ عِلْمٍ وَلَاهُدَّى وَّ لَاكِتْبِ مُّنْيَرِ ۞

- ৯। -তার ঘাড় বাঁকিয়ে, যাতে সে (লোকদেরকে) আল্লাহর পব হতে বিদ্যুত করতে পারে। তার জন্য দুনিয়াতে রয়েছে অপমান এবং কিয়ামতের দিন আমি তাকে প্রকৃষিত আগুনের শান্তি আধানন করাব।
- ১০। (সেদিন তাকে বলা হবে) 'এটা তোমার কৃতকর্মের কারণে', এবং এ ১ কারণেও যে, আত্মাহ বালার প্রতি জুলুমকারী নন।
- ১১) আর মানুষের মধ্যে কেউ কেউ আল্লাবুর ইবাদত করে প্রান্ত থেকে (বিধার সাথে), অতঃগর মদি তাকে কল্যান স্পর্শ করে তাহলে সে তাকে প্রশাল্প হয় এবং যদি ফিকনা (পরীক্ষা) স্পর্শ করে তাহলে সে তার মুখ তিরিয়ে দেয় (মুরকাল হরে যায়); সে দুদিয়া ও আধিবাতে অতিশ্রন্ত হয়েছে। এটাই মুস্পাই কতি।
- ১২ সে আল্লাহ্কে বাদ দিয়ে এমন কিছুকে ভাকে যা তাকে উপকার করে না এবং অপকারও করে না। এটাই সুদুর পথভাইতা,
- ১৩। সে এমন কিছুকে ভাকে যার ক্ষতি অবশ্যই তার উপকারের চেয়ে নিকটতর। কতই না নিকৃষ্ট এ প্রত্ (য়ক্ষক) এবং কতই না নিকৃষ্ট এ সচচর।
- ১৪। নিকয় যারা ঈয়ান এনেছে ও সংকাঞ্ছ করেছে আল্লাঙ্ তাদেরকে প্রবেশ করাকেন জান্নাতসমূহে, যেওলোর নীতে নহরসমূহ প্রবাহিত। নিকয় আল্লাছ য়া ঈয়া করেন তা-ই করেন।
- ১৫। যে (ক্রেখানিত ও বতাশ) ব্যক্তি মনে করে যে, আরাই তাকে ছুলিয়াতে ও আবিরাতে কথনো নাহায়ে করবেন না, সে (তার ক্রেমণ ও হতাশা মিটানোর ফ্রদ্যা) আতাশের দিকে একটি রশি টানাক, ররণর ভা কেটে ফ্রেন্স্ অভরণর দেবুক তার কৌশল তার ক্রেফের করব দূব করে কি
  না।
- ১৬। আর এভাবেই আমি সুম্পট নিদর্শনরপে তা (কুরআন) অবতীর্ণ করেছি, এবং এও যে, আল্লাহ যাকে ইছা করেন সঠিকপথ প্রদর্শন করেন।
- ১৭। নিশ্চয় বারা ঈমান এনেছে এবং এবং বারা ইছনী হয়েছে, এবং বারা সাবিয়ী, নাসারা ও অগ্নিপুরুক এবং যারা শরীক করেছে, নিশ্চয় কিয়ামতের নিশ্ব আল্লাছ তালের মধ্যে তয়সালা করে নিবেন। নিশ্চয় আল্লাছ সর বিষয়ত উপর প্রতাক্ষমশী।
- ১৮। স্থামি কি ক্রেবে দেখনি বে, আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে এবং সূর্ব, চন্দ্র, ভারকারান্ধি, পর্বকানাা, গাহপালা, জীবজন্তু এবং অনেক মানুব আলাহকে সিকানা করেও এবং অনেকের জ্বদা পাত্তি অবধারিক হয়েছে। আবাদ্ধার যাকে পাঞ্জিক করেনা করা কাদ্যা কোন সাবদানাতা কেই। নিশ্বত্ব জন্মাহ্র যা ইক্ষা করেনা ভান্ট করেন।

قَانِيَ عِطْنِهِ لِيُعِلَّى عَنْ سَيْلِي الشِّهِ لَكَهِي الثَّاثَيَّا هِزْ فَوْ نَدِيثُهُ يَوْمُ الْقِيهَةِ عَذَابَ الْهَوِيْقِ۞ ذٰلِكَ بِمَا قَدْمَتُ يَدْكَ وَأَنَّ اللَّهُ لَيْسَ بِطَلَّمٍ لِلْقَعِيْدِ۞

وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يَعْبُدُ اللَّهُ فَا حَرْفٍ عَلِّانُ أَمَّا لِمَهُ خَيْرٌ " اعْمَانُ بِهِءَ إِنْ آمَا بَعْمُ فِتْنَةٌ الْغَلَّبَ فَلْ رَجُوهِ قَ خَسِرَ الثَّنَا وَالْإِمْوَةَ ذَلِكُ هُوَ الْخُسُولُ الْهُبْشُونُ

يَهُ عُوا مِنْ كُونِ اللهِ مَا لاَيكُرَّهُ وَمَا لاَيثَلَعْمُهُ وَلِكُ هُوَ الشَّلُلُ الْتَعِيْدُهُ يَدْعُوا لَعَنْ مُوَّةٌ آقُرْبُ مِنْ تَقْعِهِ ، لَمِيْسَ الْتَوْلُى وَلَمِيْسَ الْعُمْرُونَ الْعُمْرُونَ

اِنَّ اللهِّ يُدْحُلُ الَّٰدِيْنَ اَمَنُوا وَعَمِلُوا المَّلْحُيِ جَنِّي تَحْرِيْ مِنْ تَحْبَهَا الْآنُورُ وإنَّ اللهِ يَفَعَلُ مَا يُرِيُدُ

مَنْ كَانَ يَكُنَّ أَنْ لَّنْ يَنْمُوهُ اللَّهُ فِي النَّلْيَّا وَ الْأَهِرَةَ فَلَيْمُدُّدُ يَسَبِ إِلَى السَّمَّاءِ ثَرُّ لَيَقَطَعُ فَلَيْنُظُوْ هَلْ يُذْهِرَنَّ كَيْدُهُمَا يَغْيَثُا ۞

وَكَذَٰ لِكَ ٱنْزَلْنُهُ الْمِسِ بَيِّنْكِ ، وَ ٱنَّ اللهَّ يَهْدِى ۚ مَنْ يُّرِيْدُ $_{\odot}$  اللهُ يَعْدِي مَنْ يُرْدُو النَّمْلِي وَ النَّالَةِ مَنْ اللهُ يَعْدِي وَ النَّمْلِي وَ النَّامِ النَّمْلِي وَ النَّامِ وَ النَّمْلِي وَ النَّامِ النَّامِ وَ النَّامِ النَّامِ وَ النَّامِ وَ النَّامِ النَّامِ وَ النَّامِ النَّامِ وَ النَّامِ النَّامِ وَالنَّامِ وَالنَّامِ وَ النَّامِ وَالنَّامِ وَالْمَامِ وَالْمِالْمِ وَالْمِالِمِي وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمِلْمِ وَالْمَامِ وَالْمِامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمِامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِي وَالْمَامِ وَالْمِلْمَ وَالْمِامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمِلْمِي وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمِلْمَ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَالْمَامِ وَل

الْمُجُوْتَ وَالْدِيْنَ اَشْرَكُوْاً اِنَّ اللَّهَ يَقْضِلَ بَيْنَهُرْ يَوْمًا الْغِنَّةِ إِنَّ اللَّهُ يَلَّمُ عَمْهِ عَهِدَّهِ الْمُرْوَاتَّ اللَّهُ يَشْجُدُ لَمُتَنَى السَّوْتِ وَتَنْ فِي الْاَرْفِ وَ الضَّمْنَ وَالْفَتْرَةُ النَّجِيُّ أَوْ الْعِنْالُ وَالْفَتْحَ النَّرَاكُ

وَكَثِيْرٌ مِّنَ النَّاسِ وَكَثِيرٌ حَقَّ عَلَيْهِ الْعَذَابُ وَمَنْ يَّمِي اللهُ فَمَا لَهُ مِنْ هُذَيَ هُذَا اللهِ اللهِ يَقْعَلُ مَا يَشَاءُ فَيَ

- ১৯। এরা (অর্থাৎ ম'মিন ও কাফিররা ) দ'টি প্রতিপক্ষ, যারা তালের প্রতিপালক সম্বক্ষে বিভর্ক করেছে: আর হারা কম্বরী করেছে ভাদের জনা আঙ্কনের পোশাক কাটা (তৈরি করা) হয়েছে এবং তাদের মাধার উপর ঢেলে দেয়া হবে উক্তঃ পানি
- ২০। যা ছারা তাদের পেটে যা আছে তা এবং (তাদের) চামডা গলিক্ত ফেলা হবে।
- ২১। এবং তাদের জন্য থাকরে লোহার হাতডি।
- 'প্ৰজ্ঞালিত আগুনের শান্তি আস্থাদন কর।'
- ২৩ যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে নিকর আল্রাহ ভাদেরকে প্রবেশ করাবেন জান্নাতসমূহে, যেগুলোর নীচে নহরসমূহ প্রবাহিত, সেখানে তাদেরকে অলংকত করা হবে স্বর্গের বালা ও মকা দ্বারা এবং সেখানে তাদের পোশাক-পরিক্ষদ হবে বেশম।
- ১৪। আৰু দাবা দাৱা কথাৰ নিক্তে পৰিচালিত হংগৰিল এবং দাবা পৰিচালিত হয়েছিল অভি প্রশংসদীয়-এর পথে।
- ২৫। শিশুর যারা কৃষরী করেছে এবং (মানুষকে) বিরত রাখে আল্লাহর পথ ও মসজিদে হারাম হতে - যাকে আমি তাতে অবস্থানকারী (ইতিকাফকারী) (অর্থাৎ মসজিদে হারামের) মধ্যে (খ্রীনের ব্যাপারে) বিচাতি ঘটাতে বা অসম করতে চাহ তাকে (অর্থাৎ প্রতোরকে) আমি হরণানাকর শাবি দ আভানন করার।
- ১৬। এবং যখন আমি ইবরাহীমের জন্য সে ঘরের (কা'বার) তান নির্ধারণ করেছিলাম (এবং বলেছিলাম) যে, আমার সাথে কিছুই শরীক করো না এবং আমার ঘরকে পরিত্র কর তাওয়াফতারী." যারা (সালাতে) দাঁচায় अवः क्ककारी न विक्रमाठावीगम्य समा।
- ২৭। এবং মানবের মধ্যে হজের ঘোষণা দাও, ভারা ভোমার কান্ডে আনবে পায়ে হেটে ও সর্বপ্রকার ক্ষীণকায় উটে চড়ে, তারা আসবে প্রত্যেক গহিন গিরিপথ থেকে-
- ১৮। যাতে তাবা তাদের উপকারসমাত উপস্থিত হতে পাবে এবং ভিনি তাদেরকে চক্তম্পদ গবাদি পত থেকে যা রিমিক বিসেবে দান করেছেন ভার উপর নির্দিষ্ট<sup>\*</sup> দিনগুলোতে আল্লাহর নাম উকারণ করতে পারে, অভঃপর তোমরা তা থেকে আহার কর এবং দৃষ্ট ও ফকিরকে (গরীবকে) আহার 2020-01
- ২৯। এরপর তারা যেন তাদের অপরিক্ষ্মতা দূর করে এবং তাদের মানতসমূহ পর্ণ করে এবং পারীর হারের জন্মাক্ত করে।

- هٰذُن خَصْمٰن اغْتَصَمُوا فِي رَبِّهِرْ وَالَّذِينَ كَفَّهُ وَا قُطْعَتْ لَهُرْ ثَيَاتٌ مِّنْ ثَارِ و يُعَبُّ مِنْ فَوْق رُءُوْسِهِ ۗ الْحَمِيرُ ۗ قَ
  - يُمْهَدُ بِهِمَا فِي بُطُونِهِ وَ الْجُلُودُ ﴿
    - وَ لَهُرْ مَّقَامِعُ مِنْ حَديده
- عَذَابَ الْحَويْقِ أَنْ
  - انَّ اللهَ يُدُخُلُ الَّذِينَ أَمَنُوا وَعَمَلُوا الصَّلَحْ وَجَنَّ تَجْرِي مِنْ تَهْتِهَا الْآنَهُو يُحَلَّوْنَ فَيْهَا مِنْ أَسَاوِرَ مِنْ ذَهَبِوًّ لُوًّا لُوًّا ، وَ لَبَاسُهُمْ فَيْهَا حَبِيُّ ⊕
  - وَهُدُوْٓ الَّهِ الطَّيِّبِ مِنَ الْقَوْلِ \* وَهُدُوٓ اللَّهِ مِرَاطِ
- انْ الَّذِيْنَ كَفَوُوا وَيَمُدُّونَ عَنْ سَبِيْلِ اللهِ وَ الْمَسْجِدِ শগজনে হারাশ হতে - বাংক আমা তাতে অবস্থানকরা (সাতকাফকারা) । ﴿ देखितागढ দোকদের জন্য সমান করে দিয়েছি - এবং যে ব্যক্তি এব [दो-वेर्गोने केंद्रिक केंद وَمَنْ يُّودُ فِيْهِ بِالْحَادِ بِظُلْرِ نَّذِقْهُ مِنْ عَذَابٍ ٱليُرِ ا
  - وَ إِذْ بَوَّ أَنَا لِابْإِ هِيْرَ مَكَانَ إِلْبَيْبَ أَنْ لَّاتُشْوكَ بِيْ شَيْئًا وَّطَهَّهُ بَيْتِيَ للطَّآئِفِينَ وَ الْقَآئِمِينَ وَالرُّكِّعِ السَّجُوْد @
  - وَ ٱذَّنْ فِي النَّاسِ بِالْحَيِّرِ يَاتُوْكَ رِجَالًا وَّكَلِي كَالِّ هَامِر يَّا تَيْنَ مِنْ كُلِّ فَيِّ عَمِيْقِ
  - لَّيَهُمُّدُوا مَنَافِعَ لَهُرْ وَيَذْكُرُوا اشْرَ اللهِ فِي آيًّا } مَّعْلُومْتِ عَلَى مَا رَزَقُهُرْ مِنْ ابْهِيْمَة الْأَنْعَاعِ وَكُلُوا مِنْهَا وَ أَطْعِمُوا الْبَأَيْسَ
  - ثُرِّ لْيَقْفُوْا تَفَتَهُرْ وَلْيُوْفُوا نُذُوْرَهُرْ وَلْيَطَّوْفُوا بِالْبَيْبِ العتيق⊚

৩০। এটিই (হজ্জের বিধাম), এবং যে ব্যক্তি আল্লাহর পবিত্র বিধানসময়কে সম্বান কৰাৰ তা তাৰ জন্ম তাৰ প্ৰতিপালকের নিকট উল্লম। এবং নেমানের করা পরাতি পশ হারার করা হল ভাবে নোমানের নিকট যা পাঠ কৰা হয় ডা ডাড়া সভবাং ভোমৰা মৰ্তিপজাৰ অপৰিক্ৰতা পৱিহাৰ কর এবং মিথা। কথা বর্জন কর-

৩১। আবাহন জন্য একতবাদী হয়ে, তাঁর সাথে শরীককারী না হয়ে। আর যে আপ্তাহর সাথে শরীক করে সে যেন আকাশ থেকে পড়ল এবং পাখি ভাকে জৌ মেরে নিয়ে গেল অথবা বায় ভাকে এক দাবর্তী স্থানে উভিয়ে भित्र ताला

৩২। এটিই (আল্লাহর বিধান), এবং যে আগ্লাহর নিদর্শনসমূহকে সন্মান কৰাৰ 'ভাৰ নিশ্চৰ ভা (ভাৰ) ক্লায়েৰ ভাকওয়া খেকে।

لَكُرُ فِيهَا مَنَافِعُ إِلَى أَجَلٍ مُسمَّى ثُرُ مَحِلُهَا إِلَى الْبَيْتِ } (अवात्मत कमा अवलारव (कृववानीव भवर) अवक भिनिष्ठ अवा भवंब إلى الْبَيْتِ ﴿ থেকে উপজাৰ মেহা হৈছ। এবপৰ একেব কৰবানীৰ স্থান প্ৰাচীন মৰেব विकार

তম। এবং জামি প্রত্যেক উন্নতের জন্য (করবানীর) নিয়ম নির্ধারণ করে বিসমন্তি যাসে ভাষা (জৰাই আলে) আলাচৰ মায় কৰণ কৰকে পাৰে তিমি তামেরতে যে সকল চতম্পদ গবাদি গত রিষিক নিয়েছেল তার উপর। এবং হোমাদের ইলাত ব্যবল এক ইলাত সতবাং ভোমরা ভারই নিকট আত্মসমর্পণ কর, আর তমি সুসংবাদ দাও বিদরীদেরকে-

৩৫। হারা ভাদের নিরুট হখন আলাহতে ব্রুবণ করা হয় তথন ভাদের হলয ষ্ঠীত হয়, তাদেরকে যা (দঃখ-দর্নশা) আক্রান্ত করে তাতে ধৈর্য ধারণ করে, সালাত (নামায়) কায়েম করে এবং আমি ভালেরকে যে রিঘিক

নিয়েছি তা থেকে (আলাহর পথে) বয়ে করে:

৩৬, আর করবানীর পথকে (যা হাজীরা কাবার দিকে নিয়ে যায়) আমি ভোমাদের জন্য আলাহর নিদর্শসমহের অন্যতম নিদর্শন বানিয়েছি. তোমাদের জন্য ভাতে রয়েছে কল্যাণ। সুকরাং সারিবদ্ধ অবস্থার তাদের উপর তোমরা আল্রাহর নাম স্বরণ কর, অতঃপর ফান্স তারা কাত হয়ে পত্নে যায়, তথন ভোমহা তা থেকে আহাৰ কৰা একং আহাৰ করাও স্টে অসারগরার ও বিমরী নিক্ষাগার্থীকেও। এলাবেই আমি এদেবক ভোমাদের কল্যাপে নিয়োজিত করেছি, যাতে তোমরা কতজ্ঞতা প্রকাশ করতে পাব।

৩৭। এদের গোশত ও রক্ত আল্লাহর নিকট পৌছে না, কিন্ত পৌছে ভোমাদের তাকধ্যা। এভাবেই তিনি এছলোকে ভোমাদের বন্যাপে নিয়েফিক ক্রারাম্বন হাতে আলাত ভোয়াদেবকে যে সঠিক পথ প্রদর্শন করেছেন সে জন্য তাঁর শেষ্ঠত ঘোষণা করতে পার। এবং তমি সংকর্মপরায়ণদেরকে সুসংবাদ দাও:

কোন বিয়ানতকারী ও অকলমতে ভালবাসেন না।

ذَٰ لَكَ وَمَنْ يَعْظَمْ حُومَتِ اللهِ فَهُو مَيْرٌ لَّهُ عَنْدَ رَبِّهِ وَ أُحلُّ لَكُرُ الْأَنْعَا } إلَّامَا يُتلى عَلَيْكُرْ فَاجْتَنبُوا الرَّجْسَ مِنَ الْأَوْثَانِ وَ اهْتَنِبُوْ اقُولَ الزُّوْرِ ﴾ مُنَفَّآءَ إِنَّهِ غَيْرَ مُشْرِكَيْنَ بِهِ ، وَمَنْ يُشْرِكُ بِاللَّهِ فَكَأَنَّمَا خَرَّ

مِنَ السَّمَّاءِ فَتَخْطَفُهُ الطَّيْرُ أَوْ تَهُوى به الرِّيْدُ فِي مَكَان ذٰ لِكَ و وَمَنْ يُعَظِّرُ شَعَا ثِر اللهِ فَإِنَّهَا مِنْ تَقْوَى الْقُلُوبِ ⊕

الْعَتيْق وَ لَكُلِّ أُمَّةً جَعَلْنَا مَنْسَكًا لِّيَذْكُ وَا اشْرَ اللَّهُ عَلَى مَا رَزَقَهُمْ مِّنْ ابَهِيْمَةِ الْأَنْعَامِ، فَإِلْهُكُمْ إِلْهُ وَّاحِدٌ فَلَةٌ آشَلِمُوا، وَبَهِّرِ الْمُشْبِتِينَ ﴾ الَّذِيْنَ إِذَا ذُكِرَ اللَّهُ وَجِلَتْ قُلُوبُهُرْ وَالصَّبِرِيْنَ عَلَىمآ

أَصَابَهُرْ وَ الْمُقِيْمِي الصَّلُوةِ وَمِمَّا رَزَقَنْهُرْ يُنْفَقُونَ ا وَ الْبُدُنَ جَعَلْنُهَا لَكُرْ مِّنْ شَغَّالُ إِللَّهِ لَكُرْ فَيْهَا خَيْرٌ \* فَاذْكُرُوا اشْرَ اللهِ عَلَيْهَا صَّرَآنَ ، فَأَذَا وَهَبَتْجُنُوبُهَا فَكُلُواْ منْهَا وَ ٱطْعَبُوا الْقَانِعَ وَ الْمُعْتَرِّ ، كَذَٰ لِكَ سَحَّهُ نَهَا لَكُمْ لَعَلَّكُمْ تَشْكُ وْنَ⊚

لَنْ يِّنَالَ اللهَ لُحُوْمُهَا وَ لَادَمَّا وُهَا وَ لَكِنْ يِّنَا لُهُ التَّقُوٰى مِنْكُرْ ،كَذْ لِكَ سَخَّرَهَا لَكُرْ لِتُكَبِّرُوا اللَّهَ عَلَىمًا هَا بكُرْ ،وَ بَشِّرِ الْمُحْسنيْنَ ﴿

نَّ اللهُ يُدُفعُ عَنِ اللَّذِيْنَ أَمَنُواْ وإنَّ اللهُ لَايُحِبُّ كُلُّ مُوَّ إِنَّ اللهِ لَا يَحْبُ

- ৩৯। বিষদ্ধ যুদ্ধ করা হঙ্গে ভাদেরকে (যুদ্ধের) অনুমতি দেয়া হল, কারণ ভাদের প্রতি দ্বুলুম করা হয়েছে। আর নিশুর আরাহ ভাদেরকে সাহায় করতে অবশাই সক্ষম-
- ৪০। যদেরতে তাদের অধ্যালসমূহ থোকে অধ্যান্তভাবে থেব করে সেয়া হারের পূ এ নারখা থোঁ, তারা খাগা, "আমানের এবিলানক আয়ার;" আহার পৌ নারখার এক দালাক অধ্যান পার প্রতিষ্ঠিত পার ওরতাল, ভারতে বিকার হার থেকে সংগার্থিকার্যীনের আহরে, সির্বির, ইছিলীনর উপানাসার এবং অধ্যানিকারমূহ, করারোর আহরের সার্বার্থী করা হয়। এবং অধ্যানী আহুরে আক্রান্ত সার্বার্থীক সার্বার্থী করে। নিশ্ব আরু অধ্যানিকার প্রতাল সার্বার্থীক সার্বার্থী
- ৪১। আমি যদি তাদেরকে পৃথিবীতে প্রতিষ্ঠিত করি (কমতা ও সম্পদ ছারা) তাহলে তরা সালাত (শামায়) তারের করাবে, যাকাত প্রদান করাবে, সকলারের নির্দেশ নিবে ও অসংকাষ হতে নিকেধ করাবে, আর সকল কারের পরিশাম আল্লান্তর্থন (দিকট)।
- ৪২। এবং যদি ভারা ভোমাকে মিথ্যাবাদী বলে, তবে ভালের পূর্বেও (রাস্লদেরকে) মিথ্যাবাদী বলেছিল নব, আদ ও ছাম্মন সম্প্রদার-
- ৪৩। এবং ইবরাহীমের সপ্রদায় ও লুকের সপ্রদায়-
- ৪৪। এবং মানইয়ানের অধিবাসীরা, আর মুসাকেও মিধ্যাবাদী কণা হয়েছিল, অঙঃপর আমি কাফিরদেরকে অবকাশ দিয়েছিলাম, এরপর তাদেরকে পাকস্তাও করেছিলাম, অভ্যাব্য কিমন ছিল আমার শান্তি।
- ৪৫। আর আমি কত জনপদই থাসে করেছি, যখন তা (জনপদ) জুলুম করেছিল, এবং তা খাংসক্তপে পরিগত হয়েছিল, এবং কত পরিত্যক কুপ ও কত সউচ্চ প্রাসাদ।
- ৪৬। তারা কি পৃথিবীতে হ্রমণ করেনিঃ তাহলে তাদের থাকত এমন হৃদয় যা ঘারা তারা অনুধাবন করত অথবা এমন কান যা যারা শ্রবণ করত, কারণ চোখ অহু হয় না, বরং অহু হত্ত হৃদয় যা বচ্চে অবস্থিত।
- ৪৭। এবং তারা তোমাকে শান্তি তায়াতাড়ি করতে বলে, কিছু আয়াঽ কথনো তাঁর প্রতিশ্রুতির বাতিক্রম করেন না। আর নিকয় তোমার প্রতিগালকের নিকট একটি নিন তোমরা যা গণনা কর তার এক হাজার বছরের মত।
- ৪৮। আর আমি কত জনপানেকই অংকাশ নিয়েহি, বখন তা (জনপদ) জুগুন হুলি করেছিল, এপার একে পাকড়াও করেছি, আর গাঙ্গাড়ল আজনাই বিজে
- ৪৯। বল, 'হে মানষ! আমি কেবল ভোমানের জনা এক সম্পন্ন সভর্কভারী.'

أَوْنَ لِلَّذِيْنَ يُعْتَلُونَ بِأَنَّهُمْ ظُلِمُوا ، وَإِنَّ اللَّهُ غَلَ عَمْ هِرْ اللَّهُ عَلَى تَعْمِ هِرْ لَقُونِيُّ ۚ ﴿ الَّذِينَ أُخْرِجُوا مِنْ دِيَا رِهِمْ بَغَيْرِ حَيِّ الْآ إِنَّ يُتَّقُولُوا رَبَّنَا !!

الَّذِينَ أَهْرِ مُوَّا مِنْ دِينَا رِهِنَ يَغْمِ حَقِ الْآ أَنْ يَغُوْ لُوَّا رَبَّنَا اللهُ، وَلَوْ لِلْاَدْفُعُ اللهِ النَّاسَ بَغَتْهِنَ بِيَضْقِ لَهُلَّامُ سَوَامِعُ وَ بِيغٌ وْ مَلُوْنَ وْمَسِعِدُ يُلْكُرُّ فِيْهَا أَسُرُ اللَّهِ كَثِيرًا ، وَلَيَنْمُونَّ اللَّمَنُ يُنْفُدُهُ وَإِنْ اللَّهُ لَيْفُرُّ فِيْهَا أَسُرُ اللَّهِ كَثِيرًا ، وَلَيَنْمُونَّ

ٱلَّذِيْنَ إِنْ مُكَّنْهُمْ فِي الْأَرْضِ أَقَامُوا السَّلْوَةَ وَ أَتُوا الرَّحُوةَ وَ آَمَرُواْ بِالْمَعُودُونِ وَ نَهُواْ عِنِ الْمُنْكَوِ وَقِيَّةً الْأَمُونِ ۞

ۯٙٳڽٛؠ۠ؖػڐؚؠؙۅٛڰؘٷؘڎۮڬ۠ڐؠؘؽۘڨؘؠڵؽۘڕٛڡۜۊۘٵؙؠؙ۫ۅڿؖۅ۠ۼٲڐۊۧؿؠؖۅۮۿ ۅؘڡۧۊ۫ٵٵڹٛٳۿؽڕۯڡٞٷٵؙٷٷۿ

وَّ أَصْعُبُ مَدْيَنَ ء وَكُنِّبَ مُوْسَى فَأَمْلَيْتُ لِلْكُفِرِيْنَ قُرِّ إَغَدْنُهُمْ ء فَكَيْفَ كَانَ نَكِيْ @

فَكَايِّنْ مِّنْ قَرْيَة إَهْلَكْنَهَا وَهِيَ ظَا لِمَةٌ فَهِيَ خَاوِيةٌ غَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ الله عُرُوشَهَا وَ بِثَي مُعَطَّلَة وَقَم مَشْيِد ۞

ٱفَلَمْ يَحِيْدُوْ إِنِي الْأَرْضِ فَتَكُونَ لَهُمْ قُلُوبٌ يَغْفِلُون بِهَا ۗ أَوْ اَذَانْ يُسْمَعُونَ بِهَا اَفَاقُهَا لاَتَعْمَى الْأَيْمَا رُو لَكِنْ تَعْمَى الْأَلْمَا رُو لَكِنْ تَعْمَى الْأَلْمُونُ بِهَا اللَّهُونَ وَهَمَى الْأَلْمُونُ اللَّهُ وَرَقِي

وَيُسْتَعْجِلُوْنَكَ بِالْعَذَابِ وَلَنْ يُطْلِفَ اللَّهُ وَعْدَهُ وَ إِنْ اللَّهُ وَعْدَهُ وَ إِنْ اللَّهُ وَعُدَهُ وَ إِنْ اللَّهُ وَعُدَهُ وَ إِنْ اللَّهُ وَعُدَهُ وَ إِنْ اللَّهُ وَعُدَهُ وَ إِنْ اللَّهُ وَعُدَا عِنْدُ اللَّهُ وَعُدُونَ ﴿ لَا لَهُ عَلَى اللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَاللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَاللَّهُ وَعُلَادًا لِللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَعُدَادًا لِللَّهُ وَعُدَدًا لِللَّهُ وَعُدَادًا لِمُعَالِّذَا لَا لِمُعَالِّذَا لَا لَهُ وَعُلَادًا لِمُعَالِّذَاءً لِللَّهُ وَعُلَادًا لَا لَهُ عَلَيْكُونَ اللَّهُ وَعُلَادًا لِمُعَالِمًا لِمُعْلَى اللَّهُ وَعُلَادًا لَمْ اللَّهُ وَعُلَادًا لَا لَعُلْمُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَعُلِيلًا لَمُعَالِّمُ اللَّهُ وَعُلَادًا لِمُعَالِمُ اللَّهُ وَعُلَادًا لِمُعْلَى اللَّهُ وَعُلَادًا لِمُعَالِمُ اللَّهُ وَعُلَيْكُ اللَّهُ وَعُلَادًا لِمُعْلَى اللَّهُ وَعُلْكُ اللَّهُ وَعُلْمُ اللَّهُ وَعُلْمُ اللَّهُ وَعُلْمُ اللَّهُ وَعُلَادًا لِمُعْلَى اللَّهُ وَعُلْمُ اللَّهُ عَلَيْكُونَ اللَّهُ عَلَيْكُونَ اللَّهُ عَلَيْكُونَا لَا لَعُلَّمُ اللَّهُ عَلَيْكُونَا لَا اللَّهُ عَلَيْكُونَا لَا لَعُلَّا لَعُلّمُ اللَّهُ عَلَيْكُونَا لِمُعْلَى اللَّهُ عَلَيْكُونَا لِمُعْلَى اللَّهُ عَلَيْكُونَا لَا عَلَامُ عَلَامُ عَلَامًا عَلَامًا عَلَامُ عَلَامًا عَلَامًا عَلَامًا عِلْمُ عَلَامًا عَلَامًا عَلَامًا عَلَامًا عَلَامًا عَلَامًا عِلَامًا عَلَامًا عَلَّامِ عَلَامًا عَلَامًا عَلَامًا عَلَامًا عَلَامِ عَلَامًا عَلَامِ عَلَامًا عَلَامًا عَلَامًا عَلَامًا عَلَامًا عَلَامًا عَل

يَوْدِوْقِ رِيْرٍ ۱۰ يـ ۵ وَرِي هَمْدُرُ ⊛

قُلْ يَأَيُّهَا النَّاسُ إِنَّهَآ أَنَا لَكُرْ نَذِيْرٌ مَّبِيْنٌ ﴿

- পুতরাং যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে তালের জন্য রয়েছে ক্ষমা
   পুতরাং যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে তালের জন্য রয়েছে ক্ষমা
- ৪৯০ মারা আমার আয়াতসমূহকে বার্থ করার প্রচেষ্টা চলিয়েহে তারাই
  তীর আগুনের অধিবাসী।
- ৫২: আহ আমি তোমৰ পূৰ্বে হৈ হাসুল কিবল নবীই মেনল করেছি, সে মুখনই কিছু আমালকা করেছে (ভাইতুক আমাত তিলাভাকত করে ভানানের জন) তথনই শারলে তার আবালকার কিছু মিন্দেল করেছে, কিছু শারলে মা নিন্দেল করে আছাছে তা রহিত করেল, এরপর আছাছ তার আমাতসমূহকে সুলাই করেল এবং আয়াহ প্রকাশী ও
- ৫৩। যাতে দয়তান যা নিকিও করে সেটিকে তিনি (আল্লাহ) পরীকাষকণ করতে পারেন তানের জন্য যানের ফুনরে রোগ গরেছে, এবং যারা পালাগুরুম্য। আরু নিক্যা জানিয়বা সদুর মুক্তবিরোধে দিও রয়েছে-
- ৫৪। এবং যাসেরকে জান দেয়া হয়েছে তারা যাওে জানতে পারে যে, এটি তোমার প্রতিপালকের পক বেকে (আনা) সতা, এবং বাতে তারা তাতে ইয়ানা আনতে পারে এবং যাতে তালের হৃদর তার প্রতি বিন্যী হয় এবং নিশ্চয় আরাত্র প্রকাহি তাদেরকে সংগ্রপ সঠিক পার্থ পরিজ্ঞানকারী যারা ইয়য়য় একার।
- ৫৫। আর যারা কুমলী করেছে তারা এ ব্যাপারে সন্দেহ পোষণ করতেই থাকারে যতক্তপ না তাদের নিকট আকৃষ্ণিক কিয়ামত এনে পড়বে অথবা এনে পড়বে এক বন্ধ্যা দিনের শান্তি।
- ৫৬। সেদিন রাজত্ব আরারেই। তিনি তাদের মাঝে বিচার করবেদ। সুতরাং যারা ঈমাদ এনেছে ও সংকাজ করেছে তারা থাকরে ক্রোমতপূর্ব প্রান্নাতসমূহে।
- ৫৭। আর যারা কুফরী করেছে ও আমার আয়াতসমূহকে মিখ্যা অভিহিত করেছে তাদের জন্য রয়েছে লাঞ্নাদায়ক শান্তি।
- ৫৮। এবং যারা আল্লাহর পথে হিজরত করেছে, এরপর নিহক হতেছে অথবা মৃত্যুবরণ করেছে তানেরকে অবশ্যই আল্লাহ উৎকৃষ্ট রিমিক দান করেকে। এবং নিশ্বর আল্লার অবশ্যই উত্তম রিমিকলাকা।
- ৫৯ তিনি তালেরকে অবশাই অবশাই প্রবেশ করাবেন এমন প্রবেশস্থ্য যা তারা গছন করবে, এবং নিশুর আল্লার্ অবশাই সর্বন্ধানী ও পর্যব্যালী।
- ৬০। এটিই (ভালের পুরহার), এবং যে ব্যক্তি প্রতিশোধ নের ততটুকু যতটুকু নিপীত্বন তার সাধে করা হয়েছিল, এরপর তার উপপ (পুনরার) নিশীত্বন করা হয়েছে (তথন) অবপাঠ আল্লার ভাকে সাহায্য করবেন। নিশ্চয় আল্লার অবপাঠ য়র্থনান্তারী ও অতি ক্ষ্যানীল.
- ৬১: এটি এজন্য যে, আল্লাহ হাতকে প্রবেশ করান দিনের মধ্যে এবং দিনকে প্রবেশ করান রাতের মধ্যে, এবং এও যে, আল্লাহ সর্বলোতা ও সর্বক্রী।

فَالَّذِيْنَ أَمَنُواْ وَعَمِلُوا الشَّيْحُوِ لَمُرْمَغُفِرَةٌ وَرِزَقٌ كُومُرُّهُ رَالَّذِيْنَ سَعُوا فِيُّ الْبِيّنَا مُعْجِرِيْنَ أُولَئِكَ آمْحُبُ الْجَجِيْرِهِ

الجعير@ وَمَا ٱرْسُلْنَا مِنْ قَبْلِكَ مِنْ رَّسُوْلٍ وَّلاَنِيِّ الْآلِوَ اِنَّمَتِّى ٱلْكَنَّ القَّيْضُ فِي ٱَمْنِيِّهِ - قَيْشَتُمُ اللَّمَا يُلْقِى القَّيْطُنُ كُرُّ يُحْكِرُ اللَّهُ الِنِّهِ، وَاللَّهَ عَلَيْرٌ حَكِيْرٌ ﴾

لِيَجْعَلَ مَا يَلْقِي الشَّيْطُ، فِتْنَةً لِلَّذِينَ فِي قُلُوبِهِرْ مَّرَفَّ وَ الْقَاسِيَةِ قُلُوبُهُرْ وَإِنَّ الظَّلِيثِينَ لَغَيْ هَقَاقٍ بِتَعِيْدِ ۞

رُّ لِيَمْلَى َ الَّذِيْنَ أَوْتُوا الْعِلْمَ اَنَّهُ الْحَوَّ مِنْ رَّبِكَ فَيُؤْمِنُوا بِهِ فَتَخْبِعَ لَهُ قُلُوبُهُرْ ، وَإِنَّ اللهَ لَهَادِ الَّذِيْنَ أَمَثُواً إِلَى مِرَاطٍ شُتَقَيْرِ @

وَ لَايِزَالُ الَّذِينَ كَفُورًا فِي مِرْ يَهَ مِنْهُ مَتَّى تَأْتِيمُرُ السَّاعَةُ بَغَتَةً أَوْيَا تَيْهُرْ مَذَابُ يَوْ مُعَيْرٌ ﴿

الْمُلْكُ يُوْمُعُدُ لِيَّهِ، يَحْكُرُ بَيْنَهُرْ • فَا لَّذِيْنَ أَمْنُوا وَعَمِلُوا الشِّرْحِٰنِ فِيُّ جَنِّبِ النِّعِيْرِ ۞ وَ الْذِيْنَ كَثُورُوا رَكَّةُ مُوا بِالْبِعَا فَارْلَكَ لَهُرْ مَدَابٌ مَّيْنَ ۖ ﴿

َوَا لَّذِيْنَ هَاجَرُواْ فِي صَبِيْلِ اللّٰهِ ثُنَّ قَتْلُوٓۤ اَوْمَا تُواْ لَيَوْ رُقَتْمُيُّ إللهُ رَزْقًا هَسَنًا ، وَإِنَّ اللّٰهُ لَهُمَ هَيُّ ۚ إِلَّا قِيْنَ ۞

لَيُدْ حِلَّنَّمُرُ مُّدْخَلًا يَّرْ مَوْنَهُ ، وَإِنَّ اللَّهَ لَعَلِيْرٌ حَلِيْرٌ ﴿

ذلك ، وَمَنْ عَاقَبَ بِيقُلُ مَا عُرْفَ بِيهُ ثُرُ بُغِيَّ عَلَيْهِ لَيُنْمُونَّهُ اللهُ ، إِنَّ اللهُ تَعَبُّرُ عَمُونَ ذلك بِأِنَّ اللهُ يُوْلِيُ إِلَيْلِ فِي النَّهَا رِوَيُولِمُ النَّهَا رَقِي النِّلُ وَإِنَّ اللهُ سَيْرٌ بَعَيْنٌ ﴿ ৬১। এটি এজনা যে আলাচট সভা এক এক যে ভাৱা লাঁকে বাদ নিয়ে যাকে ভাকে তা বাতিল (মিথাা) এবং এও যে আলাচট সউচ্চ ও TETEL

২২, সরা আল-হাজ্জ

- ৬৩। তমি কি ভেবে দেখনি যে আলাহ আকাশ থেকে পানি এবতীর্ণ করেন काल श्रीरेती जनत-माज्ञल द्वारा श्राप्ते विश्वता खालाह जन्मवर्गी क mán.
- নিক্তর আল্লাক অবশাই অভাবমক ও অতি প্রশংসমীয়।
- ৬৫। তমি কি ভেবে দেখনি যে, আল্লাহ ডোমাদের জন্য (কল্যাগে) নিয়োজিত করেছেন পথিবীতে যা আছে সবট এবং নৌয়ানসমূহতে যা ভার নির্দেশ সমান চলাচল কারঃ আর কিনিই আরাধাক ধার রাখের সাচে কাঁর ইক্ষা ছাড়া তা পথিবীৰ উপৰ না পাছে। নিশ্বয় আলাছ মানামৰ প্ৰতি অবশাই অভি অনুগ্রহণীর ও পরম দ্যাল
- अकः अवश् क्रिक्षित्रे त्याप्रात्मकरक कीवन प्राप्त करवात्त्वान्यः अवश्रव क्रिक्रि त्याप्रात्मक মতা ঘটাবেন, এরপর তোমাদেরকে জীবিত করকেন। নিশ্বর হানয অৱশাউ অৱভান
- ৬৭। আমি প্রত্যেক উত্ততের জন্য (ইবাদকের) নিয়ম নির্বারণ করে নিয়েছি-যা তারা অনসবণ করে সকরাং ভারা যেন এ র্যাপারে ছোহার সাথে বিবাদ না করে, এবং তমি তাদেরকে তোমার প্রতিপাদকের দিকে আহবান কর। নিশুয় ভূমি অবশাই সরল-সঠিক পথের উপর রয়েছ।
- ৬৮. আর যদি তারা ভোমার সাথে বিতর্ক করে, তবে বল, 'ভোমার যা কর (अ अस्तर्रार्क प्राणांक अस्तराता (तकि कारावत)
- ৬৯। তোমৰা যে বিষয়ে মতপাৰ্থকা কৰচ আলাচ কিয়ামান্তৰ দিন সে বিষয়ে কোমানের মধ্যে বিচার করবেন।
- ৭০ তমি কি জান না যে, আকাশ ও পথিবীতে যা কিছ আছে আলাচ তা জানেনঃ এসবই (লিপিবরু) আছে একটি কিতাবে। নিশ্ম এটি আলাহর জনা সহজ।
- ৭১ এবং ভারা জানাক্তর বাদ দিয়ে এমন কিছব উপাসনা করে যে সংপর্কে जिमि त्याम श्रेपान प्रांतजीर्न कारान्यि अतः ता प्रस्थार्ज कारान्य त्याप कारा নেই। আর জালিমদের জন্য কোন সাহায্যকারী নেই।
- ৭৯। এবং যথন তাদের নিকট আমার আয়াতসমহকে সম্পষ্ট প্রমাণ হিসেবে পাঠ করা হয় তথ্য তমি যারা কফরী করছে তাদের চেতাবাসমতে অধীকতি লক্ষ্য করার যারা ভাষের নিকট আয়ার আহাসসমূহ পাই করে তাদেরকে তারা আক্রমণ করতে উদাত হয়। বল 'কবে কি আমি। যারা ককরী করেছে তাদেরকে আপ্রাহ এর প্রতিকতি দিয়েছেন। আর কতাই না নিকট সে গঙ্গবাছল:

- ذُلِكَ بِيَانَّ اللهُ هُوَ الْحَقَّ وَ أَنْ مَا يَدْعُوْنَ مِنْ دُوْنِهِ هُوَ الْبَاطِلُ وَ إَنَّ اللَّهَ هُوَ الْعَلِيُّ الْكَبِيُّ ﴿ أَلَهِ ۚ آنَ إِنَّهُ أَنْ َلَ مِنَ السَّمَاءَ مَآءً وَقَدُّهُ بِهُ الْأَرْضُ
- مُخْضَ ۚ قُ إنَّ اللَّهَ لَطِيْفٌ خَبِيْرٌ ۖ فَ لَدَّمَا فِي السَّمَٰوْتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ، وَإِنَّ اللَّهَ لَهُوَ الْغَنيُّ اللَّهِ لَهُوَ الْغَني الْأَوْف
  - أَلَرْ تَهَ أَنَّ اللَّهُ سَخَّهَ لَكُرْ مًّا فِي الْأَرْضِ وَ الْغُلْكَ تَجْهِ يُ في الْبَحْرِ بِأَمْرِهِ ، وَيُمْسِكُ السَّمَّاءَ أَنْ تَقَعَ عَلَى الْأَرْضِ اللَّ باذْنه، أَنْ اللهَ بِا لنَّاسِ لَبَءُوْنٌ رَّحِيْرٌ ﴿
  - وَهُوَ الَّذِيُّ آهَيَاكُرُ اثُرَّ يُمِيْتُكُرُ ثُرٌّ يُشْيِكُرُ -الَّ الْإِنْسَانَ لَكَفُدُرُّه
  - لكُلُّ أُمَّة جَعَلْنَا مَنْسَكًا هُرْ نَاسِكُوهُ فَلَايُنَا زِعُنَّكَ فِي الْآمُرِ وَ ادُعُ الْي رَبُّكَ وَاتَّكَ لَعَلَى هُدِّي مُّسْتَقَيْرِ ﴿
  - وَ انْ جَدَ لُوْكَ فَقُلِ اللهُ أَعْلَى ُ بِمَا تَعْمَلُوْنَ@
    - إَشَّهُ يَحْكُرُ بَيْنَكُرْ يَوْمَ الْقَيْمَة فَيْمَا كُنْتُرْ فَيْهِ تَخْتَلَفُونَ⊚ أَلَهُ تَعْلَهُ ۚ أَنَّ اللَّهُ يَعْلَهُ مَا فِي السَّمَاءَ وَ الْأَرْضِ ﴿ إِنَّ ذَٰ لِكَ
  - في كتب وان ذلك عَلَى اللهِ يَسير ا وَ يَعْبُدُونَ مِنْ دُوْنِ اللَّهِ مَا لَرْ يُنَزَّلْ بِهِ سُلْطُنَّا وَّمَا لَيْسَ لَهُرْ به علم " ، وَمَا للظُّلمِينَ مِنْ نَّصِيهِ ۞
  - وَ إِذَا تُعْلَى عَلَيْهِمْ إِيْتُنَا بَيِّنْ تَعْرِنُ فَي وُجُوْهِ الَّذِيْنَ كَفُّ وَا الْمُنْكَ، يَكَادُوْنَ يَسْطُوْنَ بِالَّذِيْنَ يَثُلُوْنَ عَلَيْهِمْ الَّذِينَ كَفَرُّ وَا ، وَ بِعْسَ الْمَصِيرُ ﴿

- ৭৩ তে মানষ্ একটি উপমা দেয়া হচ্ছে, মনোযোগ সহকারে তা প্রবণ কর, নিক্য কোমৰা আলাহকে বাদ দিয়ে যাদেবকে ভাক ভাবা কথনো একটি মাছিও সৃষ্টি করতে পারবে না, যদিও তারা (সবাই) এর জন্য একালিত হয়। আৰু মাডি যদি ভালের থেকে কিছ ছিনিয়ে নিয়ে যায় তাও তারা তার নিকট থেকে উদ্ধার করতে পারবে না। পশাদ্ধাবনকারী ও পশাদাবনকত (উভারই) দর্বল।
- ৭৪। তারা আল্লাহ্কে তাঁর যথায়থ মূল্যায়ন করেনি। নিশ্চর আল্লাহ অবশ্যই মতাশক্তিধব ও মতাপ্রভাগশালী।
- ৭৫। আল্লাহ্ ফেরেশতাদের মধ্য থেকে রাসূল (বাণী বাহক) মনোনীত করেন এবং মানুষের মধ্য থেকেও। নিশুর আল্লাহ সর্বস্রোতা ও সর্বদ্রষ্টা।
- ৭৬ তিনি জানেন যা আছে তাদের সামনে এবং যা আছে তাদের পিছনে। এবং আল্লাহরই দিকে সকল বিষয় ফিরিয়ে নেয়া হবে।
- ৭৭। প্রয়ে যারা ঈমান প্রনেষ্ঠ! তোমরা রুক কর, সিজদা কর এবং তোমাদের अफ्रिशालरकर डेसामज कर ५ सालकाक कर सारक कांग्रन प्रस्क करा etta:
- ৭৮। এবং ভোমৰা আলাহৰ জন্য জিহাদ বৰ- যথায়থ জিহাদ। তিনি ভোমাদেরকে মনোনীত করেছেন। এবং তিনি ধীনের ব্যাপারে ভোমাদের উপর কোন অসুবিধা আরোপ করেননি। (এটি) তোমাদের পিতা ইবরাইামের মিলাত। তিনি পর্বে তোমাদের নাম রেখেছেন 'মসলিম' এবং এ কিতাবেও, যাতে রাসুল তোমাদের জন্য সাক্ষীসক্ষপ হন এবং আঁকড়ে ধর। তিনিই তোমাদের প্রকৃ (রক্ষক), কতই না উত্তম প্রকৃ (রক্ষক) এবং কতই না উত্তর সাহায্যকারী।

يَّأَيُّهَا } لنَّاسُ ضُرِبَ مَثَلٌ فَاسْتَمِعُوْ الدَّهِ إِنَّ ٱلَّذِيْنَ تَدْعُوْنَ من دُوْن اللهِ لَنْ يَحْلُقُوْ ادُّبَابًا وَّ لَو اجْتَمَعُوْ الْمُ وَ انْ يَّشْلُبُهُمُ } إلدُّ بَالِ هَنِكًا لَّا يَشْتَنْقَدُوهُ مِنْهُ مَعُفَ الطَّالِ وَ الْمَطْلُونَ بُ

مَا قَدَرُوا اللهَ حَقَّ قَدْرِهِ ﴿ إِنَّ اللَّهَ لَقُونَّ عَرِيٌّ ﴿

اللهُ يَصْطَفيْ مِنَ الْمَلَّتَكَةِ رُسُلًا وَمِنَ النَّاسِ · إِنَّ اللهَ سَمِيْعٌ `

يَعْلَىٰ مَا بَيْنَ آيْديْهِ وَمَا خَلْفَهُ و وَالْ اللهِ تُوجَعُ الْأُمُورُ ﴿ وَالْ اللَّهِ تُوجَعُ الْأُمُورُ

يَّأَيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوا ارْكَعُوْا وَ اسْجُدُواْ وَ اعْبُدُواْ رَبَّكُمْ وَ افْعَلُوا الْغَيْ لَعَلَّكُمْ تُغْلَكُونَ أَنَّ

وَجَاهِدُوا فِي اللهِ مَقَّ جِهَادِهِ •هُوَ اجْتَبْكُرْ وَمَاجَعَلَ عَلَيْكُرْ فِي الدِّيْنِ مِنْ مَرَجِ ، مِلَّةَ أَبِيْكُمْ إِيا هِيْ َ ، هُوَ سَيْكُمُ الْمُسْلَمِيْنَ مُمِنْ قَبْلُ وَفَيْ هَذَا لَيَكُونَ الرِّسُولُ لُ هَهِيْدًا عَلَيْكُرْ وَتَكُولُواْ شُهَدًّا عَلَيْكُرْ (छापबाद मानद काठित कमा नामीबक्त रूव, नृब्जार (छापवा नामाण है) में पार्टी कारक का, सामार्ज कामन का खरा खातावरक नृज्यादा है। मुख्य की निर्माद किया है। सिर्मा किया है किया मानद مَوْ لَكُرْ ، فَنَعْرَ الْمَوْلِي وَنَعْرَ النَّصْيُرُ ﴿

أَيَاتُهَا ١٨، ركوعاتُما-١ سُه الله الرَّحُمُن الرَّحِيْم

২৩. সরা আল-ম'মিনন, মাঞ্জী ১১৮ আরাজ ৬ কর

পাবা-১৮

১। অবশাই সফল হয়েছে ম'মিনরা-

১। যাবা ভাদেব সালাতে (নায়াযে) বিনয়ী-

n। এবং যারা অসার কথা<sup>\*</sup> থেকে বিরভ থাকে-

A : এবং যাবা যাবাত দানে সমিত (যাবাত প্ৰদানকাৰী)-

 এবং যারা তাদের লক্ষাস্থানের মেঞ্চান্ততকারী-ে সামের স্থী অপ্রবা সামের ভার হাস হা মালির সাহাম (সামী)<sup>\*</sup> সা চালা

কারণ (তখন) নিশুর তারা তিরকৃত হবে না.

. মসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আল্রাহর নামে

৭। ভার হারা এছাড়া অন্যাক খৌজ করার ভারাই সীয়ালজনকারী

৮। এবং যারা তাদের আমানতসমহ ও তাদের প্রক্রিঞতি বক্ষাকারী-৯। এবং যাবা তাদের সালাতসমূহের (নামায়সমূহের) ব্যাপারে যতবান

১০। ভারটে উত্তরাধিকারী-

১১। যারা উত্তরাধিকারী হবে ফিবলাউসের, সেখানে তারা স্থায়ী হবে।

১২। আর অবশ্যই আমি মানুষকে সৃষ্টি করেছি। কাদা মাটির নির্যাস থেকে,

১৩। এরপর আমি তা বীর্যবিন্দরূপে স্থাপন করেছি এক নিরাপদ স্থানে।

১৪। এবপর আমি বীর্যবিদ্দার পরিগত করেছি 'আলাকা'য় ফেল যে পর্যায়ে মাতগর্তে থলে থাকে), অভঃপর 'আলাকা'কে পরিগত করেছি 'মদগা'হ (চিবানো হয়েছে দেখতে এমন পিও) এবং 'মদগা'কে পৰিগত কৰেছি হামে অভ্যাপৰ হাম্যাক মোৰ বিষেধি গোৰাম বিষয় একপৰ আৰু গায় তলেছি অন্য এক সৃষ্টিতে। অভগ্ৰব ব্যক্তময় আলাহ, সর্বোত্তম সৃষ্টা।

১৫। এরপর নিশ্চয় তোমরা অবশাই মত্যু বরণ করবে।

১৬। এরপর নিশ্চয় ভোমাদেরকে কিয়ামতের দিন পনক্রখিত করা হবে।

১৭। এবং অবশাই আমি তোমাদের উপর সঙ্কী করেছি। সাতটি কর (ভাকাশ) এবং আমি সৃষ্টির বিষয়ে বেখবর নই।

قَدُ أَفْلَهَ الْمُؤْمِنُونَ أَن الَّذِينَ هُو فَي مَلَاتِهِ عُشعُونَ فَي

وَ الَّذِيْنَ هُرْ عَنِ اللَّقْوِ مُعْدِضُوْنَ۞ وَ الَّذِيْنَ هُرْ لِلزِّكُوةِ فَعِلُوْنَ ۞

وَ إِلَّادِيْنَ هُمْ لِغُدُّوْجِهِمْ خَفَظُوْنَ ﴿ الَّاعَلَ ۚ أَرْوَاجِمِ ۚ أَوْمَا مَلَكَتْ أَيْمَانُهُ ۚ فَانَّهُ ۚ غَيُّهُ مَلُوْمِينَ ۗ

فَهِنِ الْبَعْفِي وَرَ آءَ ذَلِكَ فَأُولَٰ عَكَ هُمُ الْعُدُونَ أَعَلَى هُمُ الْعُدُونَ أَي وَ الَّذِينَ هُرْ لِا مُنْتَهِرْ وَعَهْدِهِمْ رَعُونَ أَ وَ الَّذِيْنَ هُمْ عَلَى صَلَّوْ تِهِمْ يُكَافِظُونَ هُ أُولِئِكُ هُمُ الْوُرِثُونَ ١ الَّذِيْنَ يَهِ ثُوْنَ الْفَرْدَوْسَ مُورٌ فَيْهَا خُلُدُوْنَ @ وَ لَقَدُ خَلَقْنَا الْإِنْسَانَ مِنْ سُلْلَة مِّنْ طَيْن ﴿

لُرُّ جَعَلْنُهُ نُطْفَةً فِي قَوَا رِمَّكِيْنِ ﴿ النَّا النَّا النَّا اللَّهُ عَلَقَالًا النَّا لَهُ اللَّهُ اللَّ الْمُفْغَةَ عَظْمًا فَكَسَوْنَا الْعَظْيَ لَكُمَّاهُ ثُنَّ ٱنْشَأَنْهُ خَلْقًا أَخَرَهُ فَتَبُّكَ اللهُ أَحْسَنُ الْخُلْقَيْنَ ﴿

ثُرُ انْكُمْ بَعْدَ ذِلكَ لَمَيْتُونَ ﴿ ثُرُ الْكُمْ يَوْمَ الْقَيْمَة تُبْعَثُونَ @

وَلَقَدُ خَلَقْنَا فَوْقَكُر سَبْعَ طَرِّ أَلْقَ " وَمَا كُنًّا عَنِ الْعَلْقِ

২৩. সূরা আল-মু'মিনুন	পারা-১৮	٣٣-سُوْرَةُ الْمُؤْمِنُون
১৮। এবং আমি আকাশ থেকে পানি অবজী তা মাটিতে অবস্থান করাই, এবং নিশ্চয় সক্ষম,	কির পরিমাপমত, এবং আমি আমি তা নিয়ে নিতেও অবশ্যই	ۅۘٱڷٛڗٛڵؾؘٵڝٙٵڵۺؖۿٙٵٙٶڡؖٲءٌ ڽؚڣٙۮڔۣڣٚٲۺػؾ۠ڡؙڣۣٵڷٳۯڝؚٷ ۮؘۿٵؠۣڽؚۼؚڵۼٚڔۯٷؽؘۿ
১৯। অভঃপর আমি এর (পানির) মাধ্যমে তে বাগান সৃষ্টি করি, তাতে তোমাদের জন্য থেকে তোমরা আহার কর-	মাদের জন্য থেজুর ও আপুরের আছে অনেক ফল-মূল এবং ভা	فَٱنْشَانَا لَكُوْ بِهِ جَنْبِ مِّنْ نَّحِيْلٍ وَّٱعْنَابِ مَلَّكِ فَوَاكِهُ كَثِيْرَةً وَمِنْهَا تَأْكُلُونَ هُ
২০। এবং (সৃষ্টি করি) এক প্রকার পাছ যা উৎপন্ন করে তৈল এবং আহারকারীদের	উৎপন্ন হয় সিনাই পর্বন্ডে, যা প্রকারির উপাদান।	وَهَجَرَةً تَخْرُجُ مِنْ طُوْ رِ سَيْنَاءَ تَنْبُتُ بِا لِدُّهْنِ وَ شِيغٍ لِّلْأَ
২১। এবং নিকয় তোমাদের জন্য গবাদি ' ভোমাদেরকে জামি পান করাই তা থেতে ভোমাদের জন্য তাতে বয়েছে অনেক থেকে (গোশত) আহার করে থাক-		وَإِنَّ لَكُورُ فِي الْإَنْعَامِ لَعِبْرَةً · نُسْتِيْكُورُ مِثَّا فِي بُطُونِهَا فِيْهَا مَنَافِعُ كَثِيرَةً وَّمِنْهَا تَأْكُلُونَ۞
২২। এবং ভোমাদেরকে এদের উপর ও নৌয	ানের উপর বহন করা হয়।	وَ عَلَيْهَا وَ كَى الْفُلْكِ تُحْمَلُوْنَ ۞

সে বংগাছিল, 'হে আমার সম্প্রদার। আগ্রাহের ইখাদত কর, তিনি ছাঞ্জা তোমাগোর কোন ইলাছ নেই। তবে কি তোমরা (আল্লাহেক) ভয় করকে না?' ২৪। অতঃপর প্রধানর! – যারা তার সম্প্রদারের মধ্য খেকে ফুমুল্লী করেছিল – ঝলাং, 'সে তোমাগের মন্ত একজন মারুম যান্ত্রা আর কিছু মার, সে তোমাগেরে উপর অর্থানা সাভ করেজ আছে, আমা আলাছ মনি ইম্মা

২৩। আর অবশ্যই আমি নৃহকে প্রেরণ করেছিলাম তার সম্প্রদায়ের কাছে এবং

করতেন তাহলে অবশ্যই ফেরেশতাদেরকে অবতীর্ণ করতেন, আমরা আমাদের পূর্বপুলমদের মধ্যে এমনটি তনিনি। ২৫। সে কেবল এমন ব্যক্তি যার মধ্যে পাগলামী রয়েছে, সূতরাং তোমরা ভার

(পরিণতি দেখার) জন্য কিছু সময় প্রতীক্ষা কর। ১৬। সে (মহ) বলেছিল, 'হে আমার প্রতিপাদক। আমাকে সাহায্য করুন,

কাৰণ জাবা আমাতে দিখাবাকী বাসকে। 
২৭ সুক্তাৰ আমি তাৰ প্ৰতি কটি কৰানা নে, "আমাৰ প্ৰতাক্ষ কুত্ৰবখনে
ত আমাৰ তটি অপুনাটা টোকাটি নিৰ্দাণ তৰ, অভ্যাপত বাদন আমাৰ
দিৰ্দাপ নামাণৰ তা কুপাটি উত্তলে ডিবল কাৰ কাৰ্যনিত কাৰ্যন

আমাকে সংঘাধন করে না, নিশ্চয় তারা নিমঞ্জিত হবে।

২৮। জতঃপর হখন ভূমি ও তোমাহ সাথে যারা আছে তারা নৌযানে আরোহণ
করবে তখন হল, 'সহস্ত প্রশংগা আল্লাহ্র জনা, যিনি আমানেরকে
জানিম সম্প্রদায় থেকে উদার করবেনে।'

২৯। এবং বল, 'হে আমার প্রতিপাদক। আমাকে অবতরণ করান বরকতময় অবতরণস্থলে, আর আপনিই সর্বোত্তর অবতরণকারী।'

৩০। দিশুয় এতে অবশ্যই নিদর্শনাবলী রয়েছে, আর অবশ্যই আমি পরীক্ষাকারী।

لَكُرْضِ الْهِ عَيُرُهُ الْعَلَاتُمُونَ هِ فَقَالَ الْمَلُوّ اللَّهِ مَعْدُولُ فِي فَوْمِهِ مَا هَذَاۤ اللَّهِ مُوَلِّمُونُ يُرِيدُ أَنْ يُتَفَقِّلُ عَلَيْكُمْ وَلَوْمُنَا وَاللَّهُ لِآلُونُ لَمَلَّا عَلَيْكُمْ \* مُلْسَهُمْنَا بِهَذَا فِي النَّالِنَا الرَّولِينَ هَى إِنْ هُولًا الْرَكُولُ لِمِ جَنَّا قَبْلُ الْإِلْهِاللَّهِ عَنْ عَيْنِ هِنَّا اللَّهِ لَيْنَ هَنْ عَيْنِ هِنَ

وَ لَقَدْ ٱرْسَلْنَا نُوْمًا إِلَى قَوْمِهِ فَقَالَ يُقَوْمَ اعْبُدُوا اللَّهُ مَا

قَالَ رَبِّ الْمُونِيْ بِمَا كَلْبُونِي ﴿ مَاوَحُمِنَا ۚ إِلَيْهِ أَنِ اصْبَعِ الْفُلْكَ بِأَعْيُبِنَا وَرَحْمِنا فَإِذَا جَاءً ﴿ آمُونَا وَفَارَ التَّقُورُ، فَاسْلَكُ فَهُمَا مِنْ كُلِّ رَوَّحْمِنَ الْنَبْنِي رَآهَلُكُ الْآمَنُ مَنْ مَنْقَ عَلَيْهِ الْقُولُ مِنْفُرْ وَلَاتُحَاطِيْنِ فِي الْدِينَ عَلَيْمُ وَلَوْنَ فَا الْدِينَ ظَلَمُوا اللَّهِمُ هُوتُونَ ﴾

فَإِذَا اسْتَوْفَى أَلْتَ وَمَنْ مَّنَكَ فَى الْفُلْكِ فَقُلِ الْحَبُّدُ اللّهِ الّذِي نَجْنًا مِن القُوْرا الطَّلِيثَى: وَقُلْ لَنِّ الْوَلِيْنَ مُثْوَلِّ مُثْوَلًا مُثَالًا وَآلَتَ غَيْرًا الْفُتْوَلِيثَى:

انَّ فِي ذَٰ لِكَ لَاٰئِبٍ وَّ إِنْ كُنَّا لَمُبْتَلَيْنَ ⊕

\_\_\_

n سُرْزَةُ الْهَامِنُونِ n ১৩ সৰা আল-ম'মিনন etat-Sk ৩১। এরপর ভাদের পরে আহি অন্য এর এজনা<sup>‡</sup> সৃষ্টি ব্যাবছিলায়। ثُو أَنْشَأْنَا مِنْ بَعُدهِ \* قَدْنًا أَخَدِيرَهُ ৩১: অতঃপর তাদেরই একজনকে (হুদকে) তাদের নিকট রাসুল হিসেবে <mark>র</mark> فَأَ رَسَلْنَا فِيْهِمْ رَسُوْ لَا مِّنْهُمْ أَنِ إعْبُدُوا اللَّهَ مَا لَكُيرٌ مِّنْ اللهِ প্ৰেবণ কৰেছিলায় (সে বলেছিল) যে 'সোয়বা আলাহৰ ইবাসক কৰ তিনি চানে ভোহাদের অন্য কোন ইলাছ নেই, তবে কি তোমবা غَيْهُ ، أَفَلَا تَتَقُونَ هُ (আলাহকে) ভয় করবে নাং ৩৩। এবং তার সম্প্রদায়ের প্রধানরা - যারা কক্ষরী করেছিল ও আধিরাতের وَقَالَ الْمَلَّامِنَ قَوْمِهِ الَّذِينَ كَفَرُوا وَكَدَّبُوا بِلِقَّاءِ الْإِلْحَةِ وَ সাক্ষাথকে মিথ্যা বলেডিল এবং যাদেবকে আমি দনিয়ার জীবনে বিলাস সামগ্রী দিবেছিলাম- বলেছিল, 'সে ভোমাদের মত একজন মান্য ছাঙা أَثْرَ قُنْهُمْ فِي الْعَيْوِةِ الدُّنْيَاءَمَا هَٰذَاۤ إلَّا بَشَرِّ مَّثْلُكُمْ ، يَأْكُلُ আব কিছ নয় সে তা-ট খায় যা তোমবা খাও এবং ডা-ট পান করে য়া কোমবা পান কর। مِيًّا تَأْكُلُونَ مِنْهُ وَ يَشْرَ يُ مِمًّا تَشْرَ يُونَ ﴿ ৩৪। আৰু যদি ব্যোহন্য কোমাদেন্ট হত একজন মানায়ৰ আনগভা কৰা ভখন وَ لَئِنْ أَطَعْتُمْ بَشَّ امْثَلَكُمْ انْكُمْ اذًا لِخُسُونَ فِي নিশ্বয় নেচায়না অনুশাই অভিনাম চাল-৩৫ : সে কি ভোমাদেরকে এই প্রতিশ্রুতি দেয় যে, যখন ভোমরা মৃত্যু বরণ أَيَعدُكُ إِنَّاكُ إِذَامِتُ وَكُنْتُ ثُرَابًا وَّعظَامًا أَنَّكُ ۗ कतार अतः प्राप्ति अ कारक अनिशंक कान कर्यन (कांप्राप्तनान (कान থেকে) বের করা হবেঃ أَمْ وَهُمْ فَا لَهُا تُوافِقُ فَا اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّا اللّالِي اللَّاللَّا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ रुक्त। च्याचन क्यापास्मतान्त या निस्तान श्रीक्रमंति क्या का व्याचन-৩৭। এটি (অর্থাৎ জীবন) কেবল জামাদের দনিয়ার জীবন জামরা (এখানেই) إِنْ هِيَ الَّاحَيَاتُنَا إِلدُّنْيَا نَهُوْتُ وَنَهْيَا وَمَا نَهُرُ، মরি ও বাঁচি এবং আমরা পুনরুখিত হবার নই-بمَبْعُوْ ثَيْنَ ﴿ ৩৮. সে কেবল এমন ব্যক্তি যে আল্লাহ সম্পর্কে মিথ্যা বছনা করেছে এবং انْ هُوَ الَّا رَجُلُ ۗ افْتَرِى عَلَى الله كَذَبًّا وَّمَا نَحْنُ لَهُ بِمُؤْمِنْيَنَ ⊕ আমবা তার উপর বিধাসী নউ। قَالَ رَبِّ إِنْصُ إِنْ مُ إِنْ مُ اللَّهُ مُونِ ৩৯: সে বলল 'তে আমার প্রতিপালক। আমাকে সাহাব্য করুন, কারণ ভারা আমাকে মিথাবাদী বলেছে। قَالَ عَمَّا قَليْلِ لَّيُصْبِحُنَّ نُدِمِيْنَ الْ ৪০। তিনি (আল্লাহ) বললেন, 'কিছ সময়ের মধ্যে অবশাই ভারা অনতঞ্চ 200 I ৪১। অতঃপর সভ্যিই এক বিকট শব্দ তাদেরকে পাকডাও করল এবং فَأَخَذَتُهُمُ ۚ الصَّيْحَةُ بِالْحَقِّ فَجَعَلْنُهُمْ غُثَاءً ۚ فَبُعْدًا لَّلْقَوْمُ আমি আনেরকে বানিয়ে দিলাম আবর্জনা, সুতরাং ধ্বংস হোক জালিম उत्तर्भवाद्यः ا لظُّلمْسَ... ثُرُّ ٱنْشَانَا مِنْ بَعْدِهِرْ قُرُوْنًا إِخَدِينَ ﴿ ৪২। এরপর তাদের পরে আমি সটি করেছি অন্যান্য প্রজন। مَا تَشْبِقُ مِنْ أُمَّةِ أَجَلَهَا وَمَا يَشْتَأْخُرُونَ ﴿ ৪৩। কোন উম্বত (জনগোর্চি) তার নির্দিষ্ট সময়কে এগিয়ে আনতে গারে না এবং বিলম্বিতও করতে পারে না। ৪৪। এরপর আমি একের পর এক আমার রাস্পদেরকে প্রেরণ করেছি। যথনই ثُرُ ۚ أَرْسَلْنَا رُسُلَنَا تَثَرَا كُلُّمَا جَآءَ أُمَّةً رُّسُو لُهَا كَذَّبُوهُ কোন উপতের নিকট তাদের রাসল এসেছে তখন ভারা ভাকে মিখাবাদী فَأَتْبَعْنَا بَعْمَهُ ( بَعْمًا وَّجَعَلْنُهُ ( أَحَادِيْنَ عَبُعْدًا لِّقَوْمَ বলেছে, অভঃপর আমি ভাদেরকে একের পর এক জংস করলায় এবং আমি ভাদেবাক বানিখে দিলায় কাহিনী সভবাং ঋণস হোক এয়ন সম্পদায় যালা উহার আনে না। لَا يُؤْمِنُوْنَ @ ৪৫। এরপর আমি আমার নিদর্শনাবলী ও সুস্পষ্ট প্রমাণসহ মুসা ও তার ভাই لُرِّ أَرْسَلْنَا مُوْسَى وَإَغَالُا هُرُونَ مُّ بِالْيِتِنَا وَسُلْطَى مُّبِيْنِ ﴿ হারনকে প্রেরণ করলামbিহিল্ড স্থানের টীকা দরা নং : আরাত নং অনসারে তরক্তমার পেলে দেবন

, সূরা আল-মু'মিনুন	পারা-১৮	n-سورة المؤمِنون
৪৬। ফিরখাউন ও তার পরিষদবর্গের কাছে, কিন্তু তারা অহন্ধার কর তারা ছিল এক উদ্ধত সম্প্রদায়,	لِيْنَ ﴿ الْمِيْنَ ﴿ الْمِيْنَ اللَّهُ	إِلَى فِرْعَوْنَ وَمَلَائِهِ فَاسْتَكْبَرُواْ وَكَانُواْ قَوْمًا عَا
৪৭। অতঃপর তারা বলল, 'আমরা কি আমাদের মত দু'জন মানুষে ঈমান আনব, অথত তাদের সম্প্রদায় আমাদের দাসতু করে?'	র উপর 👨 🗓 🖒	فَقَا لُوَّا ٱنُؤْمِنُ لِبَشَرَيْنِ مِثْلِنَا وَقَوْمُهُمَا لَنَا عَبِدُ
৪৮। এবং তারা আদেরকে হিখ্যাবাদী বলল, ফলে তারা ধ্বংস অন্তর্ভুক্ত হল।	ধাপ্তদের	فَكَذَّ بُوْهُمَا فَكَا نُوْ[ مِنَ الْمُهْلَكِيْنَ⊛
৪৯। আর অবশ্যই আমি মৃসাকে কিতাব দিয়েছিলাম, যাতে তারা স পেতে পারে।	ঠিকপথ	وَ لَقَدْ الَّيْمَا مُوْسَى الْكِتْبَ لَعَلَّمُمْ يَهْتَدُوْنَ⊚
৫০। এবং আমি মারইয়ামের পূর ও তার মাকে করেছিলান একটি এবং তাদেরকে আগ্রন্থ নিয়েছিলাম এক বাসহোগ্য ও কর্ণাবি ভূমিতে।	وَقِ ذَاتِ قَوَا رِ اللهِ المُهَامِّةِ اللهِ اللهُ المُهَامِّةِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ	وَجَعَلْنَا ابْنَ مَوْيَرَ وَ أُمَّةً أَيَةً وَّ أُوَيْنُهُمَآ إِلَى رَبَّ وَمَعِيْنِ
৫১। হে রাসুলরা। তোমরা পবিত্র বন্তুসমূহ থেকে আহার কর এবং কর। নিশ্চয় আমি তোমরা যা কর সে সম্পর্কে ভালভাবে আনি।	الِّنِيْ بِهَا  الِّنِيْ بِهَا  الْقَ	يَّالَيُّهَا الرَّسُلُ كُلُوْا مِنَ الطَّيِّبُ وَ اعْمَلُوْا صَالِ تَعْمَلُوْنَ عَلِيْرٌ ﴿
৫২। এবং নিচয় তোমাদের এই উক্ষত (ধর্ম) একই উক্ষত (ধর্ম) এক তোমাদের প্রতিপালক, অতএব আমাকে ভয় কর।	: আমিই	وَ إِنَّ هَٰدِ ۗ إُمُّتُكُر أُمَّةً وَّاحِدَةً وَّ إَنَاْ رَبُّكُر فَا تَّقُور
৫০। কিন্তু ভারা তাদের মধ্যে তাদের (ছীনের) বিষয়কে যাবুরসমূহে লিখিত কিতাবে) বিভক্ত করেছে। প্রত্যেক দলই তাদের কাছে তা নিয়ে উৎকুত্ব।	مَا لَدَيْمِرُ ا عادة	فَتَقَطَّعُوٓۤا اَمْرَهُرْ بَيْنَهُرْ زُبُرًّا ۥكُلُّ حِزْبٍ بِ فَرِحُوۡنَ⊛
৫৪। সূতরাং কিছু সময় পর্যন্ত তাদেরকে তাদের গোমরাহীতে (বিপধগ থাকতে দাও।	মীতায়)	فَذَ رُهُرْ فِي غَمْرَ تِهِرْ حَتَّى حِيْنٍ ۞
৫৫। তারা কি মনে করে যে, আমি তাদেরকে যে ধন-সম্পদ ও সন্তা দ্বারা সাহায্য করি (তা দিয়ে)-	া-সন্ততি	ٱيَحْسَبُونَ ٱلَّمَا نُهِدُّهُمْ بِهِ مِنْ مَّا لِ وَّ بَنِيْنَ ﴿
৫৬। আমি তাদের জন্য সব ধরণের বল্যাগকে ভুরাত্তিত করছিঃ ব অনুভব করে না।	হং ভারা	نُسَارِعُ لَهُرْ فِي الْخَيْرِتِ ۚ بَلْ لَّا يَشْعُرُونَ ۞
৫৭। দিক্ষা যারা তাদের প্রতিপালকের ভয়ে জীত-শঙ্কিত-		إِنَّ الَّذِيْنَ هُرْ مِّنْ خَشْيَةِ رَبِّهِرْ مُّشْفِقُوْنَ ﴾
৫৮। এবং যারা তাদের প্রতিপালকের নিদর্শনাবলীতে ঈমান আনে-		وَ الَّذِيْنَ هُرْ بِأَيْتِ رَبِّهِرْ يُؤْمِنُونَ ﴿
৫৯। এবং যারা তালের প্রতিপাদকের সাথে শরীক করে না-		وَ الَّذِيْنَ هُرْ بِرَبِّهِرْ لَايُشْرِكُوْنَ ﴿
৬০। এবং যারা প্রদান করে যা তারা প্রদান করে থাকে, এমন অব তাদের হৃদয় ভীত হয়, এ কারণে যে, তাদের প্রতিপাশকে তাদেরকে ফিরে যেতে হবে-		وَالَّذِيْنَ يُوْتُوْنَ مَا ٓ اتَوْا وَّقُلُوْبُهُرْ وَجِلَةٌ آنَّهُ رَجِّوُنَ ۞
৬১। তারাই কল্যাণকর কাজে দ্রুত ধাবিত হয় এবং তারা এ অপ্রগামী হয়।	র জন্য 🥫	ٱولَا إِنَّهُ يُسْرِعُونَ فِي الْخَيْرُتِ وَهُرْ لَهَا سَبِقُونَ ٥
৬২। আমি কাউকে তার সাধ্যাতীত (কিছু) চানিয়ে দেই না এবং আম হয়েছে এমন এক কিতাব (আমদনামা) যা সত্য কথা বদবে এব প্রতি জুলুম করা হবে না।		وَ لَائْكَلِّفُ نَفْسًا إِلَّا وُشْعَهَا وَ لَدَيْنَا كِئْبٌ يَّنْطِقُ لَايُظْلَمُوْنَ⊛

- ২৩. সরা আল-ম'মিনন wa. तरः अ विकास (खर्जार खाप्रसमाधार रिसास) जात्मत क्रमर (शास्ताक्रिक (বিপর্বদায়িতার) বয়েছে এবং এছাড়া ভাসের আরও (মন্দ) কর্ম রয়েছে
  - য়া ভাৱা কৰে প্ৰাকে। uo : जाराबाण जापि शक्य जारून निकाधानुस्तान शास्त्रि साता शासकान अनि

সম্বন্ধী সারা ফরিয়াদ করণে গ্রাক।

- ১৫। (তাদেরকে বলা হবে) 'আজু ফ্রিয়ান করো না, নিশ্বর ভোচরা আমার পক্ষ পোত্র তোম সাহায়্য পাবে না।
- ৯৬। অবশাই আমার আয়াতসমত তোমাদের কাছে পাঠ করা হত, কিন্ত লোমবা ভোমানের পিছনে সার প্রমান (মুখ ফিরিয়ে নিজে)-
- ৬৭। ভা থেকে অঞ্চার করে, নৈশ গল্প-গজৰ করে ও মন্দ কথা বলে।
- ১৯৮। সার জি সারা এই জগ্ন (জনভাম) নিয়ে গভীর চিন্দা করে নাং অথবা তানের কান্তে কি এমন কিছ এসেতে যা তানের পর্বপরুষদের কাছে च्याग्यकि
- ৬৯। অথবা তারা কি তাদের রাসলতে চিনেনি, ভাই ভাকে অধীকার করেঃ
- ৭০। কথাৰা তাৰা জি বলে যে তাৰ মধ্যে পাগলামী ৰয়েছেঃ বৰং সে তানেৰ কাছে সভা নিয়ে এসেছে, বিন্তু ভালের অধিকাংশই সত্যকে অপছল করে। ৭১। আৰু সভা যদি ভাদের প্রবৃত্তির অনসংগ করত ভারলে আকাশসমহ
- প পথিৱী এবং সামের মাধ্য হারা আছে সরাই ধ্রাস হারা হাত। ববং আমি তাদেরকে তাদের উপদেশ (করআন) দিয়েছি, কিন্তু তারা তাদের উপাদৰ গোলা হথ চিবিয়ে নেহ। ৭১। অথবা তমি কি ভালের কাছে কোন খরচ চাওঃ অথচ তোমার
- প্রতিপালকের দানই উত্তম, এবং ভিনিই উত্তম রিযিকদাতা। ৭৩। আর নিশ্চয় তথি অবশাই তাদেরকে আহবান করছ সরল পথের নিকে।
- ৭৪। আৰু নিশ্বয় হাৰা আহিবাতে বিশ্বাস কৰে না তাৰা (সকল) পথ হতে
- অবশাই বিচাত। ৭৫। আৰু যদি আমি ভাদেৰকে দুয়া কৰতাম এবং ভাদেব যে দাংগ-দৰ্দশা রয়েছে তা দর করতাম তব তারা দিশেহারা হয়ে তাদের অবাধাতায়
- অবশাই অবশাই অটল থাকত। ৭৯। এক আমি আন্দেলক শান্তি ধানা পাকতাত কবলমে। কিন্তু ভাষা ভালেৰ
- প্রতিপাদকের প্রতি বিনীত হল না এবং কাকতি-মিনতি করল না।

তারা এতে হতাশাগ্রন্ত হয়ে পড়ে।

مَتَّى إذا آ أَمَدُنَا مُتُوَفِيهِ بِالْعَذَابِ إِذَا هُرْ يَجْتُهُ وْنَ ﴿

بَلْ قُلُو بُهُرْ فَي غَمْوَة مَّنْ هَٰذَا وَ لَهُرْ أَعْمَا لَّ مِّنْ دُوْنِ ذَٰ لِكَ

لَا تَجْدُ وَا الْيَوْمَ سَانَّكُمْ مِّنَّا لَا تُنْفَدُ وْنَ قَدْكَانَتْ إِيْمَنْ تُعْلَى عَلَيْكُمْ فَكُنْتُمْ عَلَى آعْقَابِكُمْ

٣٠-سُورَةُ الْمُؤْمِنُون

هُ أَلْهَا عُمِكُ أَنَّ هِ

- تنكفون
- مُسْتَكْبِ يْنَ لَا بِهِ سُمِّ الْمَهُجُّ وْنَ ﴿ أَفَلَوْ يَدُّبُّ وَا الْقَوْلَ أَآجَاءَهُمْ مَّا لَمْ يَأْتِ الْأَوْلَ أَلْكُومُ
- الأولس ا
- أَٱلْمِرْ يَعْدِفُوا رَسُوْلَهُمْ فَهُمْ لَدُمُنْكُ وْنَ ﴿ أَأْ يَقُوْ لُونَ بِهِ جِنَّةً • بَلْ جَاءَهُرْ بِالْحَقِّ وَ أَكْتُرُهُرْ لِلْحَقِّ
- وَ لَوِ اتَّبَعَ الْعَقُّ آهُوٓ أَءَهُرْ لَفَسَدَتِ السَّمُوتُ وَ الْأَرْضُ وَمَنْ فِيْهِنَّ ، بَلْ إَتَيْنَاهُرْ بِذِكْرِهِرْ فَهُرْ عَنْ ذَكْرِهِرْ مُّعْرِ هُوْنَ ۗ
  - أَا ٱ تَشْتَلُهُمْ كَرْجًا فَخَرَاجُ رَبُّكَ كَيْرٌ تُأَوَّهُو كَيْرٌ ۚ إِلَّا رَقَيْنَ ۞
  - وَانَّكَ لَتَدُعُوهُرُ إلى صَرَاطِمُّسْتَقَيْرِ ﴿ وَإِنَّ الَّذِيْنَ لَا يُؤْمِنُونَ بِالْأَخِرَةِ عَنِ السِّرَاطِ لَنْكُبُونَ ﴿
- وَلَوْ رَحَمْنُهُرْ وَكَشَفْنَا مَا بِهِرْ مِّنْ مُرِّ لَّلَجُّوْا فِي طُغْيَا نِهِرْ
  - وَلَقَدُ أَغَدُنْهُمْ بِالْعَدَابِ فَمَا اسْتَكَانُوا لِ بِهِمْ وَ مَا يَتُفَدُّ عُونَ ﴿
- عَتَّى إِذَا فَتَحُنَا عَلَيْهِرْ بَابًا ذَا عَدَابٍهَوبِهِ إِذَا هُرُ فَيْهِ عَلَيْهِ وَهُمَ عَلَيْهِ

- ৭৮। এবং তিনিই তোমাদের জন্ম কান, চোখ ও অন্তর সৃষ্টি করেছেন। তোমরা সামান্যই কৃতজ্ঞতা প্রকাশ কর।
- ৭৯। এবং তিনিই পৃথিবীতে তোমাদের বিস্তার ঘটিয়াছেন এবং তোমাদেরক তাঁরই দিকে সমাকে করা হলে ৮০। এবং তিনিই নীবিক কাজে এবং মৃত্যু ঘটান এবং রাভ ও দিনের আবর্তন কাজি ওলেভিয়াতে। তাবে কি তোমারা অনধাবন কর না
- ৮১। বৰু তাৰা ভা-ই বাল যা বালছিল পৰ্ববৰ্তীবা।
- ৮২। তারা বলে, 'আমরা যথন মৃত্যুবরণ করব এবং মাটি ও হাড়ে পরিণত ত্রব তথনও কি আমরা পুনরুখিত হবঃ
- ৮৩। এই প্রতিশ্রুতি তো আমাদেরকে এবং ইতঃপূর্বে আমাদের পূর্বপুক্তবদেরকেও কেরা হরেছে (বহুবার)। এটা পূর্ববর্তীদের উপকথা ভালা আব বিভ্রামন।
  - ৮৪। বল, 'এ পৃথিবী এবং এতে যারা আছে তারা কার- যদি তোমরা জান'
  - ৮৫। শীঘট ভারা বলবে, 'আলাহর।' বল, 'তাবে কি ভোমরা উপদেশ এচণ
  - করবে নাঃ'
    ৮৬: বল, 'কে সাত আকাশ এবং মহান আরশের অধিগতিঃ'
- ৮৭৷ শীঘুই তারা বলবে, (এ সব) 'আল্লাহর৷' বল, 'তবে কি তোমরা
- (আল্লাহ্কে) ভয় করবে নাঃ' ৮৮। বল, 'কার হাতে সকল কিছুর কর্ততু, অথচ তিনি আপ্রয় দান করেন এবং
- তার বিপক্ষে কেউ আপ্রয় দিতে পারে না- যদি তোমরা জানতেঃ'
- ৮৯: শীঘ্রই তারা বলবে, 'আল্লাহ্র।' বল, 'তবে ভোমরা কিভাবে সংখাহিত
- হক্ষ্য ৯০। বরং আমি তাদের নিকট সত্য-এনেছি, কিন্তু নিশ্চয় তারা অবশ্যই মিধ্যাবাদী।
- ৯১। আল্লাহ্ কোন সন্তান গ্ৰহণ করেশনি এবং তাঁর সাথে অন্য কোন ইপাহ নেই, (যদি থাকত) জনে প্রত্যেক ইপাহ্ন হো যা সৃষ্টি করেছে তা নিয়ে (পৃথক হয়ে) যেত এবং কলম্বাই এনে অপনের উপর প্রাধানা বিক্তার করত। তারা যে তথ বর্ণনা করে তা থেকে পবিত্র আল্লাহ্
- ৯২। অদৃশ্য ও দৃশ্যের জানী। অতএব তারা যা শরীক করে তা হতে তিনি
- ৯২। -অদৃশ্য ও দৃশ্যের জ্ঞান। অওএব ওারা যা শরাক করে তা হতে ভাল অনেক উর্ফো: ৯৩। বল: 'থে আমার প্রতিপাদক! তাদেরকে যে (শান্তির) প্রতিপ্রাতি দেয়া হয

তা যদি আপনি আমাকে দেখান

- مَّاتَفُكُرُونَ۞ وَهُوَ الَّذِيْ ذَرَآكُمْرُ فِي الْأَرْفِ وَ إِلَيْهِ تُحْفَرُونَ۞
- رُ مُورَ الَّذِينَ يُحْيِ وَيُونِيُّ وَلَهُ الْمُؤِلِّدِينَ النَّهَارِهِ وَ هُوَ الَّذِينَ يُحْيِ وَيُونِيُّ وَلَهُ الْمُؤِلِّدِينَ الْمُثَارِدِةِ الْلَكَوْهُولُونَيْنَ
- أَفَلَاتَغْعَلُوْنَ۞ بَلَ قَا لُوْا مِثْلَ مَا قَالَ الْأَوَّلُونَ۞
- قَا لُوْٓا ءَ إِذَا مِثْنَا وَكُنَّا تُوَابًا وْعِظَامًا ءَ إِنَّا لَمَبْعُوْ تُوْنَ۞ لَقَدْ وُعِدُنَا نَحْنُ وَ الْبَاّوُنَا هَذَا مِنْ قَبْلُ إِنْ هَذَا الْإِلَّ أَسَاطِيرُ
  - الْأَوَّلِيْنَ. قُلُّ لِّمَنِ الْأَرْضُ وَمَنْ فِيْهَاۤ انْ كُنْتُرْ تَعْلَمُوْنَ. ۖ
    - سَيَقُوْ لُوْنَ لِلهِ قُلْ اَفَلَاتَذَكَّرُوْنَ ⊛
- قُلْ مَنْ رَبُّ السَّمُوٰتِ السَّمْعِ وَ رَبُّ الْعَرْهِ الْعَظِيْرِ ﴿ سَيِّهُو لُهُونَ لللهُ وَلَى أَفَلَا تَتَمُّونَ ﴾
- قُلْ مَنْ بِيَدِهٖ مَلَكُوْتُ كُلِّ شَيْهُ وَّهُوَ يُجِيْرُ وَ لَايُجَارُ عَلَيْهِ إِنْ كُنْتُمْ تَغَلَّمُونَ@
  - سَّيَقُوْ ٱوُنَّىٰ لِللهِ ۥ قُلْ فَاتَّى تُسْحَرُوْنَ ⊚ بَلۡ اَتَیۡنَهُمْ بِالۡحَقِّ وَ الْهُرِ لَکُلاہُونَ ⊚
  - مًا اتَّخَذَ اللهُ مِنْ وَلَدِ وَمَا كَانَ مَعَهُ مِنْ إِلَٰدٍ إِذَّا لَّذَهَبَ كُلُّ الدِيمَا خَلَقَ وَلَعَلَا بَعْضُهُمْ غَلَى بَعْضٍ سُبُحُنِ اللهِ عَمَّا
    - كل إله بِما خَلَق و لغلا بعضهر على بعض سبع يَمِغُونَ ﴾
    - يصِعون@ عُلي الْغَيْب وَ الشَّهَادَةِ فَتَعْلَى عَمَّا يُشْرِكُونَ ۞

০. সূরা আল-মু'মিনুন	পারা-:	سُوْرَةً الْمُؤْمِنُون طه
১৪। হে আমার প্রতিপালকং তবে আপনি আমাকে জালি অন্তর্ভক করবেন না।'	ম সম্প্রদায়ের মধ্যে	رَبِّ فَلَاتَجْعَلْنِيْ فِي الْقَوْرِ   الظَّلِمِيْنَ⊕
৯৫। আর নিশ্চয় আমি তাদেরকে যে (শান্তির) প্রতিকা তোমাকে দেখাতে অবশ্যই সক্ষম।	তি দিশিং আমি তা	وِ إِنَّا كُلَّ اَنْ نَّوِيكَ مَا نَعِدُهُو لَقْدِرُوْنَ ﴿
৯৬। মন্দকে প্রতিহত কর তা দিয়ে যা উত্তম। তারা যে সম্পর্কে আমি সবচেয়ে যেশি জানি।	७१ वर्गमा करत रम	إِذْفَعْ بِالَّتِيْ هِيَ آَحْسَ السَّيِّئَةَ ، نَحْنُ آَعْلَرُ بِمَا يَمِفُونَ ﴿
৯৭। এবং বল, 'হে আমার প্রতিপালক। আমি আপনার শয়তানদের প্ররোচনা থেকে-	আশ্রয় প্রার্থনা করি	قُلْ رَّبِّ أَعُودُ بِكَ مِنْ هَمَزٰتِ الشَّيٰطِيْنِ ﴾
৯৮। এবং হে জামার প্রতিপালক। আমি আপনার আবহ আশংকার) যে, এরা আমার নিকট উপস্থিত হয়ে প		ِ اَعُودُ بِكَ رَبِّ اَنْ يَحْفُرُونِ ۞
৯৯। অবশেষে যখন তাদের কারো নিকট মৃত্যু এসে প 'হে আমার প্রতিপালক। আমাকে পুনরায় প্রেরণ কর		نَتَّى إِذَا جَاءَ أَحَدَهُمُ الْمَوْتُ قَالَ رَبِّ ارْجِعُوْنِ۞
১০০। যাতে আমি সংকাঞ্জ করতে পারি যা আমি (পূর্ কক্ষনো না (তা হওরার নম)। নিকয় এটি একটি থেকেই) বলহে। আর তাদের সামনে রয়েছে বারযাণ পর্যন্ত যেদিন পুনরুখিত করা হবে।		عَلَّنَّ أَعْمَلُ مَا لِحًّا فِيْمَا تَرَحُّ كَلَّا إِنَّهَا كَلِمَّةٌ هُوَ قَآئِلُهَا ، مِنْ وَأَلْهِمْ بَرَثَّ إِلَى يَوَا يَبْعَثُونَ۞
১০১। অতঃপর হথম শিঙ্গায় ফুঁ দেয়া হবে, সেদিন তাদে। সম্পর্ক থাকবে না এবং একে অপরকে জিজাসাও য	ঃ মধ্যে আত্মীয়তার চরবে না।	ادَا لُفِيَرَ فِي الصَّوْرِ فَلَآا ثَسَابَ بَيْنَهُرْ يَوْمَعِيدٍ وَّ إِيَّسَاءَ لُوْنَ ۞
১০২। অতঃপর যাদের (পুণ্যের) পাল্লা ভারী হবে, তারাই	স্ফল।	مَنْ ثَقُلَتْ مَوَا زِيْنُهُ فَأُولَٰ قِلْكَ هُرٌ الْمُفْلِحُونَ ۞
১০৩।এবং যাদের (পূপ্যের) পাল্লা হালকা হবে, ওরাই নিজেদের ক্ষতি করেছে, তারা জাহান্লামে স্থায়ী হবে	ভারা যারা তাদের ।	مَنْ خَفَّتْ مَوَ ازِيْنُهُ فَأُولَٰئِكَ الَّذِيْنَ غَسِرُوَّٱ ٱلْفُسَهُرْ فِيْ هَنَّرَ خُلُدُونَ ﴿
১০৪। আঞ্চন তাদের চেহারাসমূহকে ঝলসে দিবে এবং ত বীভৎস চেহারায়।	ারা সেখানে থাকবে	لْفَهُ وَجُوْهَهُو النَّارُوَهُوْ فِيْهَا كُلِحُوْنَ
১০৫। (বলা হবে) 'ভোমাদের কাছে কি আমার আরাতসমূ তথন ভোমরা এগুলোকে মিথা অভিহিত করতে।		لَرْ تَكُنْ أَيْتِيْ تُتْلَى عَلَيْكُرْ فَكُنْتُرْ بِهَا تُكَرِّبُونَ ۗ
১০৬। তারা বলবে, 'হে আমাদের প্রতিপালক। দুর্ভাগা আ হয়েছিল এবং আমরা হিলাম এক পথএট সম্প্রদায়।	মাদের উপর বিজয়ী	ا لُوْا رَبَّنَا غَلَبَثْ عَلَيْنَا شِقْوَلُنَا وَكُنَّا قَوْمًا مَّاۤ لِّيْنَ ۗ
১০৭। হে আমাদের প্রতিপালক। আমাদেরকে এখান (আ্রচন অতংপর যদি আমরা (মন্দ কাজে) ফিরে যাই, তবে ।		يَّنَأَ ٱخْدِهْنَا مِنْهَا فَإِنْ عُدْنَا فَإِنَّا ظُلِمُوْنَ ۞
হব।' ১০৮। তিনি (আল্লাহ্) বলবেন, 'তোমরা ঘূণিত অবস্থায় আমার সাথে কোন কথা বলো ন।'	এখানেই থাক একং	الَ اغْسَّوُوْا فِيْهَا وَ لَاتُكَلِّمُوْنِ ۞
১০৯। নিশ্বর আমার বান্দাদের মধ্যে একদণ (গোক) ছি আমাদের প্রতিপাদক। আমরা ইমান এনেছি, সূতর কল্পন ও দরা ককল, আর আপনিই সর্বেরিম দরাকু	ং আমাদেরকে ক্ষমা	لَّهُ كَانَ فَدِيْقٌ مِّنْ عِبَادِيْ يَقُوْ لُوْنَ رَبَّنَآ أَمِنَّا فَاغْفِرْ لَنَا وَ رَحْمُنَا وَ أَثْنَ هَيْرُ الرِّحِوْمِنَ ﴾
১১০। কিন্তু তাদেরকে ভোমরা ঠায়া-বিক্রপ হিসেবে গ্রহণ ভারা (অর্থাৎ ভাদেরকে ঠায়া-বিক্রপ করার ব্যা আমার কথা ভুলিয়ে নিয়েছিল। এবং তোমরা ভাদের করতে।	ত্তা) তোমাদেরকে	َّاتَّخَذَتُمُوهُرْ سِخْوِيًّا حَتَّى أَنْسَوْكُرْ ذِكْوِي وَكُنْتُرْ مِّنْهُرْ مِّنْهُرْ نَحَوْنَ

#### ২৪. সূরা আন-নূর, মাদানী ৬৪ আয়াত ১ কক

অসীয় দ্যায়য় ও প্রয় দ্যাল আলাহর নায়ে

- (এটি) একটি সুরা যা আমি অবতীর্ণ করেছি এবং যা (যার বিধানসমূহ)
  অবশ্যপাদশীয় করেছি এবং তাতে আমি অবতীর্ণ করেছি সুস্পত্ত
  আয়াতসমত্রত যাতে তোমারা দৈশদেশ এতণ করেত পার।
- হ। বাভিচামিণী ও বাভিচামী- ভাদের প্রত্যেককে হোমরা একশত বেয়াঘাত কর, এবং আরাহুর মীনের (বিধানের) ক্ষেত্রে ভাদের ব্যাপারে কোন করুপা যেন টোনাদেরকে পেয়ে না রুসে, যদি ভোদরা আল্লাহ্ এবং আখিবাতের দিনের উমান একে থাক, এবং শ্লুমিনদের একটি দল যেন ভাদের দ'জনের শাস্তি প্রভাক্ত করে।
- বাজিচারীই কেবল কোনো বাজিচারিশী অথবা মুশরিক নারীকে বিয়ে
  করে; এবং বাজিচারিশীকে কেবল কোনো বাজিচারী অথবা মুশরিকই
  বিয়ে করে আর মন্টিনলের জন্য তা চারাম করা হয়েছে।
- ৪। এবং যারা সক্তর্য্যে নারীর ব্যাপারে (ব্যতিচারের) অভিযোগ উর্যাপন করে, এরগর চারজন সাকী উপস্থিত করে না, তালেরকে আলিটি রেয়াঘাত কর এবং কর্বনো তালের সাক্ষ্য গ্রহণ করো না, আর ভারাই পাপারারী?
- ৫। তবে যারা ভারপর তওবা করে (অনুভঙ হয়ে ফিরে আসে) এবং (নিজেনেয়ক) সংশোধন করে, তবে নিশ্বয় আয়াই অভি ক্ষমাশীল ও পরয় লাল।
- ৬। এবং যারা তাদের স্ত্রীদের ঝাপারে (ব্যক্তিচারের) অভিযোগ উথাপন করে, অবচ নিজেরা ছাড়া তাদের কোন সাক্ষী থাকে না, তাদের একেকজনের সাক্ষ্য হবে আগ্রাহ্র নামে (কসম করে) চারবার সাক্ষ্য ক্ষোর বিশ্বর স্থোপ্তরাক্ষ্য সকলের্মি।
- এবং পঞ্চমবার (কসম করে রলবে) যে, তার উপর আল্লাহর লা'নত-যদি সে মিধ্যাবাদী হয়।
- ৮। কিছু তার (অর্থাৎ প্রীলোকটি) থেকে শান্তি রহিত করা হবে যদি সে আন্তাহর নামে (কসম করে) চারবার সাক্ষ্য দেয় যে, নিভয় সে (খামী) অবশ্যই মিধ্যাবাদী-
- ৯। এবং পঞ্চমবার (কলম করে বলবে) যে, তার (অর্থাৎ খ্রীর) উপর (আপতিত হবে) আল্লাহর ক্রেখ- যদি লে (সামী) সভাবাদী হয়।
- ১০। এবং জোমানের উপর যদি আল্লাহর অনুগ্রহ ও তাঁর দল্লা না থাকত টি (তাহলে তোমরা জটিলতায় পড়তে), এবং এও যে, আল্লাহ্ তথবা কবলকারী ও মহাপ্রজাবাদ।

### ٣٧- سُورةُ النُور-مَارَفِيَّة المَانِّهَا ٣٢٠ رِيَّهُ عَاتِهَا ا إِنْنَهَا ٣٢٠ رِيَّهُ عَاتِهَا الرَّحِيْدِ لِسْمُو اللَّهِ الرِّحْمُ إِن الرَّحِيْدِ

و سُوْرَةَ آثَوْلَنْهَا وَفَرَشْنَهَا وَٱلْوَلْنَا فِيْهَاۤ أَيْنِ بِيِّنْ ِلَعَلَّكُمْ تَذَكَّهُمْ

﴾ لَوَّ انِيَّةُ وَ الوَّ انِيُ فَاجْلُدُواْ كُلُّ وَاحِدِمِّنْهُمَا مَا فَقَهَ مَلْدَةً ۖ وَّ لَاتَأَخُلُكُمْ نِهِمَا كَافَّةً فِيُّ دِنِي اللَّهِ إِنَّ كُنْتُرَ تُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَ الْيُوْ الْأَحْدِ وَ لَيُشْهَلُ عَدَا إِنْهُمَا ظَلَّفَةٌ مِّنَ الْهُوْمَنِينَ۞

اً لزَّا اِنِيَ لاَيَنْكِمُ إِلَّا رَانِيَةَ اَوْمُشْرِكَةً ۚ وَّالرَّا اِنِيَّةً لَايَنْكِكُمَّا إِلَّا رَاكٍ اَوْمُمُوكً ۚ وَمُرِّا ذَٰلِكَ فَى الْمُؤْمِنِيُّنِ

وَ الَّذِيْنَ يَرْمُوْنَ الْمُحْمَنٰتِ ثُرَّ لَرْيَا لُوْا بِا رَبَعَة هُوَدَّا وَ فَاجْلُوْهُمْ ثَمَنْيْنَ جَلْدَةٌ وَّ لِاتَقْبَلُوا لَهُرْ هُهَادَةً أَبَدًّا ؛ وَ وَلَكُنُهُمْ الْفُسُوُنَ ﴾

إِلَّا الَّذِينَ تَابُوْا مِنْ ابْغَدِ ذٰلِكَ وَٱصْلَحُواْء فَإِنَّ اللَّهُ غَفُورٌ \* وَهُدُونَهُ

ۯٵڵؖۮؚؽؽۑۯۘڡٛۉڶٵڗٛۯٵڿۿڕۛۯڵڕؽػٛؽ۠ڵۿڕۛۿؙڡۮۜٵۘٷٳڵؖٲڷڠؙڛۘۿڕ ڡؙڡٞڣٲڎةٞٵؘڿڔۿؚۯٵۯڹۼٞۿؘۿڵۑؙڽؚٵڸڵۼۥٳڵۼٞٷؽؽ

وَ الْخَامِسَةُ أَنَّ لَغَنَىَ اللهِ عَلَيْهِ إِنْ كَانَ مِنَ الْكُدِيِثَنَ۞ وَيَدْرَوُا عَنْهَا الْغَذَابَ أَنْ تَفْهَدَ ٱ زُبَعَ هَمَادَى. باللهِ اللهِ

لَمِنَ الْكُذِبِيْنَ ۞ وَ الْعَاصِمَةَ أَنَّ عَفَى الله عَنْمُإَ آنْ كَانَ مِنَ الصَّاقَشَ @

وَ لَوْ لَا فَضْلُ اللهِ عَلَيْكُمْ وَ رَحْمَتُنَّ وَ أَنَّ اللَّهَ تَوَّابٌ حَكِيْرٌ ﴾

- ১১) নিক্তর যারা (নবীর প্রী সশার্কে) নিধ্যাসার নিয়ে এবেছে তারা ছোমাদেরই এবটি লখা এটাকে ভোখনা তোমাদের জনা করিকর মনে করে না। ববং এটা ভোমাদের জনা কলাগুপক। ভানের বংকক বাজিন জন্ম প্রয়েছে ভানই যে পাপ সে অর্জনি করেছে, এবং ভানের মাধ্য যে এর প্রধান দায়িত্ব নিয়েছে ভার জন্য রয়েছে মহাশারি।
- ১২। যখন তোমরা তা কালে তখন মু'মিন পুরুষ এবং মু'মিন নারীরা তালের নিজেদের সম্পর্কে কেন তাল ধারণা করল না এবং বলল না, 'এটা সুম্পন্ট নিধ্যাচারঃ'
- ১০: তারা কেন এ ব্যাপারে চারজন সাক্ষী উপস্থিত করেনিঃ এবং যখন তারা সাক্ষীদেরকে উপস্থিত করেনি তখন আল্লাহ্র নিকট তারাই মিথ্যাবানী।
- ১৪। আর যদি মুনিয়া ও আথিবাতে তোমাদের প্রতি আল্লাব্র অনুয়হ ও দয়া না থাকত তাহলে তোমবা যাতে লিঙ্ক হয়েছিলে সে জন্ম মহাশান্তি তোমদেরকে অবশ্যই শর্প করত,
- ১৫। যখন তোমরা ভোমালের মুখে মুখে তা ছল্লাছিলে এবং ভোমালের মুখে এমদ বিছু বদাছিলে যে বাপারে ভোমালের বেলা জ্ঞান হিলা না এবং ভোমরা সেটাকে ভূপা থান রাছিলে, অখ্য আরাহের নিকট তা ছিল গুরুত্বর (বিবছ)।
  ১৫। এবং ফখন ভোমরা ভ্রা ভ্রমণের প্রথম কেন করলো না 'এ বিশ্বরে
- আমানের কথা বদা উচিত নরঃ পবিত্র আগনি (হে আল্লাহ্।), এটা এক গুরুতর অপবাদ।'
- ১৭। আল্লাহ তোমাদেরকে উপদেশ দিব্দেন, যেন কথনো তোমরা এর অনুত্রণ (আচরণের) পুনরাবৃত্তি না কর - যদি তোমরা মুম্মিন হও।
  ১৮. আর আল্লাহ তোমাদের জন্য আয়াতসমহ শাইভাবে বর্ণনা করেন এবং
- ১৮. আর আল্লাহ্ তোমাদের জন্য আয়াতসমূহ স্পঙ্গজাবে বর্ণনা বরেন ও আল্লাহ্ সর্বজ্ঞানী ও মহাধজ্জাবান।
- ১৯। নিশ্বর বারা পছন্দ করে যে, বারা ঈমান এনেছে আদের মাথা অপ্লীলেতার বিস্তার ঘটুক, তাদের জন্য বয়েছে যন্ত্রণাদারক শান্তি পুনিরা ও আবিরাতে। এবং অপ্লার্য জানেন আর তোমরা জান না।
- ২০। আর যদি ভোমাদের প্রতি আলাহের অনুমহ ও তাঁর দরা না থাকত (তববে বি তোমাদের কেই পরিচন্ধ হতে পারতে না), এবং এও যে, আলাহে অভ্যান্ত প্রস্থলীল ও পরম দরালু। ১১) খ্যমে সাবা উমান এমেন্ডা প্রোমনা শহতানের পদায়সময়ত অনসবর্গ করে।
- ২)। ওহে বারা ঈমান এনেছে। তোমরা শহুতানের পর্বান্তসমূহ অনুসরণ করে মা আর যে শহুতানের পার্ক্তসমূহ অনুসরণ করে যে তাতে অগ্রীপাতা ও মান্দ তারের নির্দেশ গোয় । আর হালি ক্রোমারের উপর আরারর অব্যাহর ও তার দায়া না থাকত তারলে তোমানের মথা বাতে কেট কর্মনো পরিক্রচ হতে পারতে না, কিন্তু আরার্হ্য বাকে ইক্স করেন পরিক্রচ করেন এবং আহাত সর্বান্তমার ও পর্বাহ্য়ানি।

- إِنْ الَّذِينَ مَّأَءُوْ بِالْإِلْكِ مُسَمَّةٌ مِّنْكُرُ لاَتُصَمُّوُهُ هُرَّا لَكُرْ · بَلْ هُوَ خَيْرٌ لِّكُرْ · لِكُلِّ امْرِئِ هَنْهُر مَّا الْكَسَبِ مِنَ الْإِلْمِ وَنَ الَّذِينُ تَوَلَّا كِبُرُهُ مِنْهُمْ لَمُّ عَذَابٌ عَظِيرٌ ۞
- لَوْلَآ إِذْ سَمِعْتُمُوهُ طَنَّى الْمُؤْمِنُونَ وَ الْمُؤْمِنَى بِإَثْفُسِهِرْ خَيْرًا \* وْقَا لُوْا هَٰذَا إِفْكَ مَّنِيْنَ
- لَوْ لَاجَآءُوْعَلَيْهِ بِاَ (بَعَةِ هُوَدَّآءَ قَادْ لَوْ يَالُّوْا بِالظُّوَاّاِ الظُّوَلَّاءِ فَأُولَٰ لِكَ عِنْدَ اللَّهِ مُرُ الْكُذِيُونَ۞
- وَكُوْلاَفَفُلُ اللهِ عَلَيْكُرْ وَ رَحْمَتُهُ فِي الذَّنْيَا وَ الْأَخِرَةَ لَمَسْكُرْ فِيْ مَا اَقَمْتُرْ فِيثِ عَدَابٌ عَظِيرٌ ۚ ۞
- إِذْ تَلَقُّوْنَهُ بِٱلْسَتِكُمْ وَتَقُوْلُونَ بِٱقْوَاهِكُرْ مًّا لَيْسَ لَكُرْ بِهِ عِلْرٌ وَتَّضَّبُونَهُ هَيِّنًا ۚ وْهُوَعِثْدَ اللهِ عَلِيْرِ ۞
- وَ لَوْ لَا إِذْ سَمِعْتُمُوهُ قُلْتُر مَّا يَكُونُ لَنَاۤ إِنْ تَّتَكَلَّرَ بِمِدَا ۖ سُبُحَنَكَ هٰذَا إِنُهَانَّ عَظِيْرٍ ۞
- يَعِظُكُرُ اللهُ آنَ تَعُوْدُواْ لِمِثْلَةٍ آبَدًا إِنْ كُنْتُرُ مُّوْمِنِيْنَ۞ وَيُهَيِّنُ اللهُ لَكُرُ الْأَلْبِ، وَ اللهُ عَلَيْرٌ حَكِيْرٌ ۞
- إِنْ الَّذِينَ يُحِبُّونَ أَنْ تَشِيعَ الْفَاحِشَةُ فِي الَّذِينَ أَمَنُوا لَهُرُ عَمَابٌ أَلِيْرٌ وَفِي الدُّنْيَا وَالْأَخِرَةِ وَاللهُ يَعْلَمُ وَٱلْتُمُنَّ
- م الرحق و الله عَلَيْكُمْ وَ رَحَمَتُهُ وَ إِنَّ اللهُ رَعُونْ رَحِيْدٌ ﴿ وَكُلَّ اللَّهُ رَعُونْ وَحِيْدُ
- بَّالَهُمَا الَّذِينَ [مَنَوْ [لَاتَقِبُواْ مُعُونِ الفَّيْطُو، وَمَنْ لِتَتَّبِعُ مُعُونِ الفَيْطِي وَالَّهُ يَالَمُ إِللَّهِ مُعَارِ الفَّيْطِي أَوْ الفَيْطِي وَلَوْلَا فَعْلَى الشَّعَلِيمُ وَرَحْمَتُهُمَا وَكُي مِنْكُرُ مِنْ آهَدِ أَبَدًا، وَ لَكُنَّ اللَّهُ يَكِينُ مِنْ لِفَقَاءُ وَ السَّسِيْعُ عَلَيْ فِي الْكُنْ عَلَيْ فَالْكُنْ

- ১১। এবং তোমাদের মধ্যে যারা অনপ্রকশীল ও প্রাচর্যের অধিকারী তার বেন কল্ম না কৰে যে সাবা আসীয়-কল্ম মিসকীন (অসাকাছ) ও আবাহর পথে হিত্তবত্তভারীদেবকে (আর্থিক সাহায়া) দিবে না-\* তারা (पान (पानसरक) प्रार्थमा करत अतः (पानसर (माम-क्रांति) हेरशका করে। তোমবা কি পছন্দ কর না যে আলাচ ভোমাদেবকে ক্ষমা করুন। একং আলাত অভি ক্ষমাশীল ও প্রম জয়াল।
- ১৬। विकास साथा प्रकारिक व्यापालको ५ प्राप्तिक वालीएक सालास्य (सामिकास्य) অভিযোগ উথাপন কবে ভালেবকে দনিয়া ও আধিবাকে লা'নত কবা হার এবং আদের ক্ষরা নারাছ হারাশান্তি।
- 381 (य मिन फालन किटन) 'फालन डाफ स जातन भी जातन विकास (म अन्तर्रार्थ आका दिन्ह मा जाता करका
- ২৫। সেদিন আল্লাহ তাদের প্রাণ্য প্রতিফল প্রোপরি দিবেন এবং তারা ভানবে যে আহাত্তই সম্পষ্ট সতা।
- ১৯: बिक्रेड नारीम बिक्रेड अकारपार करा अरू विक्रेड अकारता विक्रेड नारीगार জন্য আৰু পবিত্ৰ নাবীৰা পবিত্ৰ পঞ্চৰদেব জন্য এবং পৰিত্ৰ পঞ্চৰৱা। মজ। তাদের জন্য রয়েছে ক্ষমা ও সন্মানজনক রিখিক।
- ১৭। পতে যাবা উমান এমেছ। লোমবা লোমানের ছব ছানা কাবন ছাব প্রারশ করো না যতক্ষণ না ভোমরা অনমতি প্ররণ কর ও ভার বাসিন্দাদের প্রতি সালাম<sup>®</sup> লাও। এটি জোমাদের জন্য উল্লেখ যাতে ভোমরা উপদেশ शंक्ष करतक शांत
- ১৮। এবং যদি ভোমৰা ভাতে (ছাব) কাউকে না পাও ভাবে ভাতে প্ৰাবেশ কৰে। না যতক্ষণ না ভোমাদেরকে অনুমতি দেয়া হয়। এবং যদি ভোমাদেরকে বলা হয় 'ভিবে হাও' ভবে ভোমনা ভিবে হাবে ভা ভোমানের জন্য পবিশুক্তম (পর্যা)। আর ভোমরা যা কর সে সম্পর্কে আল্লাহ ভালভাবে ভানেন।
- ১৯ যে ঘৰখলোতে বসবাস কৰা হয় না কিন্তু ভাতে ভোগ্ৰাদেৰ দৰসোহনী রয়েছে সেখানে প্রবেশ করতে ভোমানের কোন অপরাধ নেই এবং তোমরা যা প্রকাশ কর এবং যা ভোমরা গোপন কর তা আল্লাহ कारसम्
- ৩০। ম'মিন পঞ্চয়দেৱকে বল যেন ভাবা ভাদেব দায়িকে সংযত কবে এবং তাদের পক্ষাস্থানকে হেফাজত করে। এটি তাদের জন্য পরিজ্ঞাতম (পম্বা)। নিশ্বয় আস্তাহ ভারা যা করে সে সম্পর্কে পর্ণ অবগত ।

- وَ لَا يَأْتُل أُولُوا الْغَضْل مِنْكُمْ وَ السَّعَة أَنْ يُّؤْتُواْ أُول الْقُدْنِي وَ الْمُسْكِيْنِ وَ الْمُهْجِدِيْنَ فِي سَبِيْلِ اللَّهُ ۗ وَ لَيَعْفُواْ وَ لْيَصْفَحُوا ﴿ الْاِتُحِبُّونَ إِنْ يَّغْفِ اللهُ لَكُرْ ﴿ وَ اللَّهُ غَفُوْ رُّ
- انَّ الَّذِيْنَ يَرْمُوْنَ الْمُدْمَنِي الْغُفِلْ الْمُؤْمِنْ لُعُنُوا فِي الدُّنْيَا وَ الْأَخِرَةِ - وَلَهُمْ عَذَالِ عَظَمُ أَهُ
- يُّوْ ﴾ تَشْهَدُ عَلَيْهِمْ ۗ ٱلْسنَتُهُمْ وَ إَيْدِيْهِمْ وَ أَرْجُلُهُمْ بِمَا كَانُوْ ا يَعْمِلُونِ @
- يَوْمَعْدَ يَّهُ فَيْهِمُ اللَّهُ دِيْنَهُرُ الْحَقَّ وَيَعْلَمُوْنَ أَنَّ اللَّهُ هُوَ الْحَقَّ
- أَكْبَيْفُ لِلْكَبِيْفِينَ وَ الْخَبِيثُونَ لِلْكَبِيثُونَ لِلْكَبِيثُونَ لِلْكَبِيثُونَ لِلْكَبِيثُ भिष्य मात्रीरमत कमा, जाता (मिथाजातीता) या राम जा त्याक जाता दें المُويِّدِينَ وَ الطَّيِّبُونَ للطَّيِّبِ وَ الطَّيِّبُونَ للطَّيِّبِ وَ الطَّيِّبُ وَالطَّيِّبِ وَالطَّيْبِ وَالطَّيْبُ وَالطَالِيْلِيْلِ وَالطَّيْبُ وَالطَّيْبُ وَالطَّيْبُ وَالطَالِقِ اللْعَالِيْلِ وَالطَالِقِ الْعَالِيْلِ وَالطَّيْبُ وَالطَّيْبُ وَالْعَلِيْلِ وَالطَّيْبُ وَالطَّيْبُ وَالطَّيْبُ وَالطَّيْبُ وَالطَيْبُ وَالطَّيْبُ وَالطَّيْبُ وَالطَّيْبُ وَالطَّيْبُ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعِلْمِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِي وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعِلْمِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِي وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِي وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعِلْمِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ وَالْعَلِيْلِ يَقُوْ لُوْنَ • لَهُرْ مَّغْفِرَةٌ وَّ رِزْقٌ كَرِيْرٌ ﴿
  - يَأَيُّهَا الَّذِيْنَ إِمَنُوا لَاتَدْخُلُوا بُيُوتًا غَيْبَ بُيُوتُكُمْ حَتَّى تَسْتَأْنسُوْا وَتُسَلّمُوْا عَلْ آهُلهَا ﴿ لَكُرْ خَيْرٌ لَّكُم ۗ لَعَلَّكُم ۗ تَذَكُّ وْنَ⊚
  - فَانْ لَّهُ تَحِدُوا فَيْهَا ٓ أَمَدًا فَلَاتَدْخُلُوهَا مَتَّى يُؤْذَنَ لَكُمْ \* وَ إِنْ قَيْلَ لَكُيرُ ارْجِعُوا فَا رْجِعُواْ هُوَ أَرْكُى لَكُيرُ ﴿ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُوْنَ عَلَيْمٌ ۞
    - لَيْسَ عَلَيْكُمْ مُنَاحٌ أَنْ تَثْكُلُواْ إِيُّوْتًا غَيْرَ مَسْكُوْنَة فيْهَا مَتَاعٌ لَّكُمْ ، وَ اللَّهُ يَعْلَىُ مَا تُبِدُونَ وَمَا تَكْتُمُونَ ﴿ مَا تَكْتُمُونَ ﴿
    - قُلْ لَلْمُؤْمِنِينَ يَغُفُّوا مِنْ أَبْصَارِهِرْ وَيَحْفَظُوا فُرُوجَهَرْ. ذُ لكَ أَرْكُى لَهُمْ وَانَّ اللَّهَ غَبِيْ ۖ بِمَا يَصْنَعُونَ ۞

৩১। এক ম'মিন নাবীদেবকে বল যেন তাবা তাদেব দৃষ্টিকে সংঘত করে এবং তাদের লচ্চান্তানকে হেফালত করে এবং যেন তারা যা (সাধারণত) প্রকাশ রূপ্তে থাকে তা হাতো ভালের সৌন্দর্য প্রকাশ না কবে এবং যেন তাবা আছের মাধ্যর রাধ্যর আছের আমার গুলার উপর ফোল রাখে এবং যেন তারা ভালের স্বাহীরা বা পিতারা বা শতবরা বা পত্ররা বা স্বামীর প্ররা বা ভাইয়েরা বা ভাইয়ের পুত্ররা বা বোনের পুত্ররা বা তাদের নারীরা বা জানের ভান হাত যা মালিক হয়েছে তা (দাসীরা) বা পরুষদের মধ্যে থৌন আমনা-বহিদে প্রামরা বা মারীদের গোপন অস সম্বাদ অস্ত বালক ছাড়া কালো কাক্ষ কাল্ডৰ ভৌচৰ্য্য প্ৰকাশ হা কৰে এবং যেন ভাৱা সামের গোপন সৌন্দৰ্য প্ৰক্ৰপৰ ক্ৰম সাজ্যৰ পা না ফেলে। আৰু হে ম'মিনৱা! ভোমৰা সরাই আলাহর দিকে অনভগ্ন হয়ে ফিরে আস, যাতে ভোমরা সকল হতে शास ।

 ১০ লকং কোলাদের মধ্যে আধিয়েদেরকে (বিবার বছনে আবদ্ধ নয় এমন নারী-পরুষদেরকে) বিয়ে দাও এবং তোমাদের দাস-দাসীদের মধ্যে সংকর্মশীলাদবাকে । যদি ভাবা ফকিব (পরীব) হয় ভাহলে আলাহ তাঁর अप्रकार त्यान च्याप्यताल स्थानामात्र कात सिरासा । तदः धालाः सर्वतााणी ल मर्ककारी।

পলা হলে। তিবল গাতে যে পর্যন্ত না আবাহ নিজ অন্ধ্রহ থেকে ত্যাদেরকে অভাবমান্ড করে দেন। এবং তোমাদের ডান হাত যা মালিক হয়েছে (দাস-দাসী) তার মধ্যে যারা (নিজেদের মুক্তির জন্য) শিখিত চক্তি করতে চাহ তাদের সাথে তোমরা চক্তিতে আবদ্ধ হও, যদি তোমরা তাদের মধ্যে কল্যাণ রয়েছে বলে জান। এবং তোমরা জানেরকে আস্তাহর সম্পদ থেকে দাও যা তিনি তোমাদেরকে দিয়েছেন। এবং দ্বনিহাৰ জীৱনেৰ অস্থায়ী সম্পদ কামনাধ ভোমবা ভোমাদেৰ দাসীদেৱকে ব্যক্তিচারে বাধ্য করে। না যদি তারা সক্ষরিত্রা থাকতে চায়। আর যে তাদেরকে বাধ্য করে, তবে তাদেরকে বাধ্য করার পর নিশুর আন্তাহ (তাদের ব্যাপারে) অতি ক্ষমাশীল ও পরম দয়াল।

وَلَقَدُ ٱلْوَلْنَاۚ اللَّكُورُ الْمِنِيِّسِوْمَمُلَّامِنَ الَّذِينَ عَلَوْا مِنْ عَالَمُهُ عَلَيْهِ مَاهِمَ مُعاهِمَ عَامِهِ مَاهِ مَعَالَمُ عَالَمُ عَامُونَ مُعَلَّمُ مِنْ اللَّذِينَ عَلَوْا مِنْ عَلَمُوا مِنْ عَلَمُوا مِنْ عَلَمُوا مِنْ عَلَمُوا مِنْ عَلَمُوا مِنْ عَلَمُوا مِنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ مُعَلِّمِينَ مِنْ مُعَلِّمِينَ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ مُعَلِّمِينَ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ مُعَلِّمِينَ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ مُعَلِّمِينَ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ مُعَلِّمُ مِنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ مِنْ اللَّهِ عَلَيْهُ مِنْ اللَّهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ مِنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مُعَلِّمُ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَّهِ مُنْ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْكُوا مُنْ عَلَيْكُوا مِنْ عَلِي مُنْ عَلَيْكِ عَلَيْكُوا عِلْمُ عَلَيْكُوا مُنْ عَلِي عَلِيهِ عَلَيْكُوا مِنْ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْكُوا مِنْ عَلَيْكُوا مِنْ عَلَيْكُوا عِلْمُ عَلَيْهِ عَلَيْكُوا مِنْ عَلَيْكُوا আরাতসমূহ, তোমাদের পূর্বে যারা গত হরেছে তাদের দটান্ত (শিক্ষা) এবং হত্তাকীদের জন্য উপদেশ (দিক নির্দেশনা)।

৩০। আলাত আরাশসমত ও পথিবীর আলো তাঁর আলোর উপমা যেন একটি দীপাধার যার মধ্যে আছে একটি প্রদীপ। প্রদীপটি একটি কাঁচেত (আবরণের) মধ্যে বিদামান। কাঁচটি যেন এক উজ্জল নক্ষত্র যা প্রস্কৃলিত করা হয় এমন বরকতময় যায়তন গাছের তেল ছারা বা পর্ব দিকের নয় পশ্চিম দিকেরও নয়, আঙ্ন একে (প্রদীপটিকে) স্পর্শ না করলেও ের সেল আলো দানের উপক্রম হয়। আপোর উপর আলো। আস্তার যাকে ইচ্ছা করেন তাঁর আলোর দিকে পথ প্রদর্শন করেন। এবং আল্লাহ য়ানাষ্ট্রত জন্য উপমা পেশ করে থাকেন। এবং আলাহ সকল বিষয় সম্পর্কে ভারসাবে জানেন-

زُقُلْ لِلْمُؤْمِنٰتِ يَغْفُضْنَ مِنْ أَبْمَا رِهِنَّ وَيَصْغَظْنَ فُو وُجَهُنَّ وَلَا يُبْدِيْنَ زِيْنَتُهُنَّ إِلَّامَا ظَهَرَ مِنْهَا وَلْيَهْ بْنَ بِكُمُّ هِنَّ عَلَى جُيُوْ بِهِنَّ ۗ وَ لَا يُبْدِينَ زِيْنَتُهُنَّ إِلَّا لَبُعُوْ لَتِهِنَّ إَوْ إِبَّا لَهِنَّ آوْ أَنَّاء بُعُوْ لَتِهِنَّ أَوْ أَثِنَّا لُهِنَّ أَوْ أَثِنَّاء بِعُوْ لَتِهِنَّ أَوْ إِخْوَ إِنْهِنَّ أَوْبَنِيُّ اخْوَانِهِنَّ أَوْبَنِيُّ إَخُولِتِهِنَّ أَوْنِشَالُهِنَّ أَوْمَا مَلَكَتْ أَيْمَا نُهُنَّ أَوْ التَّبِعِيْنَ غَيْرِ أُولِي الْإِرْبَةِ مِنَ الرِّجَالِ أَو الطَّقْلِ الَّذِيْنَ لَهِ يَظْهَرُ وَا عَلَى عَوْ رَبِ النِّسَآءِ وَ لَا يَصْرِبْنَ بِأَ رُجُلُهِنَّ لِيُعْلَمَ مَا يُخْفَيْنَ مِنْ زِيْنَتِهِنَّ • وَ تُوْبُواْ إِلَى الله جَمِيْعًا أَيُّهُ الْمُؤْمِنُونَ لَعَلَّكُرْ تُغْلَعُونَ۞

وَ ٱلْكُوا الْآيَامٰي مِنْكُمْ وَ الصَّلحِيْنَ مِنْ عَبَادِكُمْ وَ امَّا نُكُرْ ، انْ يَّكُوْنُوْا فُقَرَّاءَ يُغْنِهِرُ اللَّهُ مِنْ فَصْلَه، وَ اللَّهُ واسع عَليْمٌ ا

وَ لُيَشْتَعْفَ الَّذِيْنَ لَايَجِدُوْنَ نِكَامًا مَتَّى يُغْنِيَهُمُ اللَّهُ ৩৩। এবং যারা বিয়ে (করার উপায়-উপকরণ) পায় না, তারা যেন (অবৈধ مِنْ فَقْلِهِ ﴿ وَالَّذِينَ يَبْتَغُونَ الْكُتْبَ مِمَّا مَلَكَيْنَ ٱثْمَانُكُ^ فَكَاتِبُوْهُمْ انْ عَلَمْتُرْ فَيْهِرْ خَيْرٌ اللَّهِ أَتُوْهُرْ مِّنْ مَّالِ الله الَّذِيُّ اثْنَكُمْ • وَ لَا تُكِهُوا فَتَيْتِكُمْ عَلَى الْبِغَاءِ انْ أَرَدْنَ تَعَمُّنًا لَّتَبْتَغُوا عَرَضَ الْعَيُوةِ الدُّنْيَا ، وَمَنْ يُكُرِهْهُنَّ فَإِنَّ اللهَ مَنْ ٰ بَعْد اكْرَ اهمِنَّ غَفُوْ رُّ رَّحْيْرُ ۞

> قَبْلُكُ و مَوْعظَةً لَّلْمُتَّقيْنَ ١ أَللَّهُ نُوْ رُ السَّمٰوٰ ت وَ الْأَرْضِ مَعَلُ نُوْ رِوْ كَمِشْكُو قَوْيَهَا مِشْبَاحٌ، ٱلْمُصْبَاحُ فِي رُجَاجَةِ ﴿ الزَّجَاجَةُ كَأَنَّهَا كَوْكَبُّ دُرِّيٌّ يُوْقَدُ مِنْ شَجَرَة مُّبْرِكَة زَيْتُوْنَة لَّاشَوْقيَّة وَّ لَاغَوْبيَّه، يَّكَادُ زَيْتُهَا يُفَيُّ وَ لَوْ لَرْ تَمْسَمُهُ نَا رَّ ، نُوْ رَّئِلَ نُوْر ﴿ يَهْدِى اللَّهُ لِنُوْرِ هِ مَنْ يَّشَّاءُ ۗ وَيَهْدِبُ اللهُ الْإَمْقَالَ للنَّاسِ وَ اللهُ بِكُلِّ شَيْ عَلَيْرٌ ﴿

- ৩৬। (দীপাধারটি বয়েছে) সে সকল ঘরে<sup>\*</sup> যাকে সমনত করতে এবং সেখাত ত্ত্বীৰ নাম স্বৰণ কৰাতে আলাত নিৰ্দেশ দিয়োছন সেখানে জাঁৱ পৰিক্ৰমা OTHER AND MARKE A MARKET
- ०९। -अपन (सारकता शामनाक ताका ५ कव-विका चानाव करण वास এবং সালাত (নামাধ) কাষেম ও যাকাত প্রদান থেকে ভলিয়ে রাখে না-कारा सर करत (अ मिसाक (यमिस तक इसरा ९ मदि शल्डी) नाला हार mira-
- ৩৮ যাতে ভাষা যে বাজ বাবাছ গোজনা আলাহ আদেবতে উন্নয় প্ৰতিমান দিতে পারেন এবং তাঁর অন্ধাহ থেকে তাদেরকে বাভিয়ে দিতে পারেন। আৰু আলাত যাকে উচ্চা ব্যাবন বেচিমাৰ বিচিত্ৰ দান ব্যাবন।
- ৩৯। আরু যারা কফরী করেছে ভামের কাঞ্চল্যা নিচ্চন্সিতে বিদায়ান মরীচিক্তার মান নিপাসার্ক লাকে পারি মান করে। অরাপান হারত সে ভার কাছে উপস্থিত হয় তথন সে তাতে কিছই পায় না এবং সে তার (মরীচিকাতল্য কাজের) কাছে আল্লাহকে পায়, অতঃপর তিনি তার হিসাব (কর্মকল) পরোপরি দেন। এবং আলাহ হিসাব প্রহাপ দেত।
- ৪০। তথ্য (ভাষের রাজ্ঞালা) গভীর সমাদর মাধ্য অন্ধর্যারর মার আর আবন করে চেউ, এর উপর চেউ, এর উপরে মেহমালা। অন্ধকার- প্ররে ভার জালার যার করে। কোন আলো রাপেন্সনি সার করে। কোন আলো COR.
- ৪১। তুমি কি তেকে দেখ দি বে, আকাশসমহ ও পথিবীতে যারা আছে তারা এবং ডানা বিস্তারকারী পাখীরা আলাহর পবিপ্রতা ঘোষণা করে: প্রত্যোক্তর ভাব সালাভ (প্রার্থনা) ও পরিক্রতা ভোহণা (পর্বার্ড) ভারে। এবং তারা যা করে সে সম্পর্কে আতাহ ভালভাবে জামেন।
- ৪২। আকাশসমহ ও পৃথিবীর রাজতু আল্লাহরই, এবং আল্লাহরই দিবে গন্তব্যস্তৰ।
- ৪৩: তমি কি ভেবে দেখনি যে, আলার মেঘমালাকে পৰিচালিত কৰেন এরপর এর মাঝে বন্ধন সৃষ্টি করেন, এরপর একে পঞ্জীভত করেনঃ অভঃপর ভমি এর মধ্য থেকে বৃষ্টি বের হতে দেখা এবং আক্রান থেকে खबरीर्प करवम (प्राप्तव) अर्वक्रमाना शव प्राप्ता भारत निर्मा अक तक দ্বারা তিনি যাকে ইক্ষা করেন আঘাত করেন এবং যার থেকে ইক্ষা কৰেন এটি (অনা দিকে) সবিয়ে দেন। এব (আছৰ) বিদ্যালৰ ঋলক দৃষ্টিশক্তিকে কেন্তে নেয়ার উপক্রম হয়।
- ৪৪। আবার দিন ও বাতের পরিবর্তন ঘটান। নিশ্চয় এতে অরশাই শিক্ষা রয়েছে দৃষ্টিসম্পন্নদের জন্য .

- فِي بُيُوْتٍ أَذِنَ اللهُ أَنْ تُرْفَعَ وَيُذْكَرَ فَيْهَا السُّهُ وَيُسَبِّي لَهُ فيْهَا بِالْغُدُورَ وَ الْأَمَا لِ أَ رِجَالٌ، لَّا تُلْهِيْهِ \* تَجَارَةً وْ لَا بَيْعٌ عَنْ ذَكُ اللهُ وَ إِقَاءَ الصَّلُوة
  - وَ ايْتَآءِ الرَّكُوةَ ۗ يَكَافُوْنَ يَوْمًا تَتَقَلَّبُ فَيْهِ الْقُلُوْبُ وَالْأَنْصَارُهُ
  - ليَجْزِيَهُرُ اللَّهُ آحْسَنَ مَا عَملُواْ وَيَزِيْدَهُرْ مَّنْ فَقَلِهِ ﴿ وَاللَّهُ يَ (زُقُ مَنْ يَشَاءُ بِغَيْهِ حَسَابِ ⊛
  - وَ الَّذِيْنَ كَفَرُ وَٓا اَعْمَا لُهُرْ كَسَرَابٍ بِقَيْعَةِ يَحْسَبُهُ الظَّمْانُ مَا اللَّهُ عَنْكُمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْدُهُ هَيْئًا وْ وَجَدَ اللَّهُ عَنْدَةً فَوَقَّلُهُ حسابةً و الله سريع الحساب ٥
- أَوْ كَظُلُمْ عِي بَهُو لَّجِّيّ يَّغُشْهُ مَوْجٌ مِّنْ فَوْقَهِ مَوْجٌ مِّنْ فَوْقَهِ يَ ٰ بِهَا ، وَمَنْ لَّهِ يَجْعَلِ اللَّهُ لَهُ نُوْ رَا فَمَا لَهُ مِنْ نَّوْ رَهُ
  - ٱلَمْرِيَّةِ ۚ إَنَّ اللَّهُ يُسَبِّعُ لَهُ مَنْ فِي السَّمَوٰتِ وَ الْأَرْضِ وَ الطَّيْرُ مَنَّت، كُلُّ قَدْعَلي مَلاَتَهُ وَتَسْبِيْحَهُ وَ اللَّهُ عَلَيْرٌ بَمَا ىَغْعَلُوْنَ⊚
    - وَبِثَّهِ مُلْكُ السَّمَٰوٰتِ وَ الْأَرْضِ ءَوَ الَّى اللهِ الْمُعَيُّرُ ۞
    - أَلَوْ ثَرَ أَنَّ اللَّهَ يُرْجِيْ سَحَابًا ثُرٌّ يُؤَلِّفُ بَيْنَهُ ثُرٌّ يَجْعَلُهُ رُكَامًا فَتَدَى الْوَدْقَ يَخُرُجُ مِنْ خِلْلهِ ء وَ يُنَزَّلُ مِنَ السَّمَآء من جبال فيها من برد فيصيب به من يَشَاءُ و يَصُر فَهُ عَنْ مَنْ
  - يُّشَآءُ ، يَكَادُ سَنَا بَ قِهِ يَدْهَبُ بِا لْأَبْصَارِ ﴿
  - يُغَلَّبُ إللهُ الَّيْلَ وَ النَّهَارَ إنَّ فِي ذُلِكَ لَعِبْرَةً لِّأُولِي الْآبْمَار@

১৫ সরা আর-নর

٣٠- سورة النور

৪৬। অবশ্যই আমি স্পষ্টকারী আয়াতসমূহ অবতীর্ণ করেছি। এবং আয়াহ্ য়াকে ইখ্ছা করেন সরল সরিক পথে পরিচালিত করেন।

لَقَلْ الْوَلْكَا ۚ الْمِي مُمَّتِنْي وَ اللَّهُ يَهُدِى مَنْ يَشَاءَ إِلَى سِرَاطٍ مُّسْتَقِيْمٍ ۞ وَيَعُولُونَ أَمِنًا بِاللَّهِ وَبِالرِّسُولِ وَ أَطَعْنَا أَوْرٍ يَتَوَكَّلُ مَدِيْتً

৪৭। আর তারা বলে, 'আমরা আল্লাহ্র প্রতি ও রাসূলের প্রতি ইমান আনলাম এবং আমরা আনুগত্তা করলাম', অতঃপর এরপরে তাদের মধ্য থেকে একলল মুখ ফিরিয়ে দেয়। এবং তারা মু'মিন নয়।

مِّنْهُرُ مِّنَّ بَعْدِ ذَلِكَ ، وَمَّا أُولَٰعِكَ بِالْمُؤْمِنِينَ۞ وَإِذَا مُثَوَّا إِلَى اللهِ وَ رَسُوْ لِهِ لِيَحْكَرَ بَيْنَهُرُ إِذَا فَرِيْقٌ مِّنْهُرُ

৪৮। এবং যখন তাদেরকে আল্লার ও তাঁর রাসুলের দিকে ভাকা হয় তাদের মধ্যে বিচার করে দেয়ার জন্য তখন তাদের মধ্য থেকে একদল সুখ ফিরিয়ে দেয়।

مُعْدِمُوْنَ@ وَ إِنْ يَكُنْ لَّمُرُ الْحَقَّ يَا تُوَّا إِلَيْهِ مُذْعِيْنَ۞

৪৯। আর যদি তাদের কোন অধিকার থাকে<sup>®</sup> তাহলে তারা বিনীতভাবে তার (অর্থাৎ তাসলেব) কাছে ছটে আসে।

का जायन क्यात कि ताम चाया, मानि जाता मान्य पर्यक्त मानि जाता मानि
 के प्रिकृति के प्रिकृ

৫১। মুখিনদের কথা কেবল এই- যখন তাদের মধ্যে বিচার করার জলা তাদেরকে আল্লার ও তাঁর রাস্পের দিকে আহ্বান করা হফ্ট- যে, তারা (৬ছ) বলবে, 'আহরা কনলাম ও আনুগত্য কবলাম।' আর তারাই সকলা। إِنَّمَا كَانَ قَوْلَ الْمُؤْمِنِيْنَ إِذَادُمُوَّا إِلَى اللهِّ وَرَسُّوْلِهِ لِيَحْكَرَ بَيْنَصُّرَ أَنْ يَقُوْلُوا سَبِعَنَا وَ أَطَعْنَا وَ أُولَاِلْكُ هُرُّ الْمُفْلَعُونَ ۞

৫২। এবং যারা আল্লাহ ও তাঁর রাস্পের আনুগত্য করে এবং আল্লাহকে ভয় করে ও তাঁর (অবাধ্যতা) থেকে সাবধান থাকে, তারাই সকল।

وَمَنْ يُطِيعِ اللهُ وَرَسُولَكُ وَيَخْضُ اللهُ وَيَدَّفِ فَالِكَكَ هُرُ الْفَالْزُوْنَ ﴿ وَاقْسُواْ بِاللهِ حَمْدُ اَيْمَانِهِرُ لَئِنْ اَمْرَتُهُمْ لَيَخْدُمُنْ قُلْ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَمْدُ اَيْمَانِهِرُ لَئِنْ اَمْرَتُهُمْ لَيَخْدُمُنْ قُلْ اللهِ عَمْدُ اَيْمَانِهِمْ لَئِنْ اَمْرَتُهُمْ لَيَخْدُمُنْ قُلْ اللهِ عَمْدُ اَيْمَانِهِمْ لِنِّنْ اَمْرَتُهُمْ لَيَخْدُمُنُ قُلْ اللهِ عَمْدُ اَيْمَانِهِمْ لِنِي اَمْرَتُهُمْ لَيَخْدُمُنْ قُلْ اللهِ عَمْدُ اَيْمَانِهِمْ لِنِي اَمْرَتُهُمْ لَيَخْدُمُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِمُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِمُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِمُ اللهِ عَلَيْهِمُ اللهِ عَلَيْهِمُ اللهِ عَلَيْهِمُ اللهِ عَلَيْهُمُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ اللهِ عَلَيْهِمُ اللهُ عَلَيْهِمُ اللهُ عَلَيْهِمُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِمُ اللهِ عَلَيْهِمُ اللهِ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِمُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِمُ لِلْمُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ لِللْهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّه

৫০। আর তারা (মুলাফিকরা) আরারের নামে কসম করেছিল- তাদের দৃঢ় কসম (ম, মদি প্রমি তাদেরকে নির্দেশ দাও তাহকে তারা অবশ্যই (মুক্ত) বেল হবে। খল, 'তোমরা কসম করো না, (তোমাদের) আনুশতা জানা আহে। নিকত জারার তোমবা বা করু সে সম্পর্কে পূর্ব অবশতা।'

لَّ لِغَفِسُولُ اطَّاعَةٌ مُعُرُوفَةٌ ، إِنَّ اللهُ غَفِيرٌ بِمَا تَعْمَلُونَ۞ قُلُ اَطِيعُوا اللهُ وَاَطِعُوا الرِّسُولَ ، فان وَوَلَوْا فَالْمَا عَلَيْهِ مَا خَبُلُ وَعَلَيْكُمْ مَا عَمِلْكُمْ ، وَإِنْ تُطِيعُوهُ تَعْمَدُواْ ، وَمَا عَلَيْ الرُّسُولُ اللهُ المَلْعُ المُبْيَنِيْ

e81 বল, 'ভোমরা আনুগড়া কর আন্নাহর এবং আনুগড়া কর রানুলেছ। কিছু কট ভোমলা মুখ মিরিয়ে দাও, তবে ভাকে যা (দারিত্বজাও) অর্থন করা হয়েছে তা তেকন তার উপর (বর্তানে) এবং তোমাগেরকে যা (দারিত্বজাত) অর্থন করা হয়েছে তা তোমাগের উপর (কর্তানে) আর মনি ভোমবা ভার আনুগড়া কর ভাকে সঞ্জিত পর্বাবন ভার

- ৫৫। তোমাদের মধ্যে যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে আলাচ তাদেব্যক প্রতিশ্রুতি নিয়েছন যে তিনি অবশ্যুত তাদেব্যক পথিবীতে স্থদাভিষ্টিক করবেন, যেভাবে ভিনি স্থলাভিষ্টিক করেছিলেন তাদের भर्ववर्तीत्मवाक- अवः किमि खबनाउँ धवनाउँ कामब क्या अधिकिक কবৰেন তাদেব দ্বীনকৈ যা তিনি ভালের জন্য পছন্দ করেছেন এবং তাদের ভয়-জীতির পর তাদেরকে অরশ্যুট অরশ্যুট ডিনি নিরাপরা প্রতিছাপন কবে দিবেন। তারা আমার ইবাদত করবে, আমার সাথে বিচট শ্রীক করবে না। আর এরপরে হারা করুরী করবে ভারাই পাগামারী (ফাসিক)।
- ৫৬। আৰু তোমৰা সালাত (নামাৰ) কৰেম কৰু যাকাত প্ৰদান বাৰ এক রাসলের আনগত্য কর, যাতে তোমরা দহাপ্রাপ্ত হতে পার।
- এক পা ক্রমট না নিকট গ্রহাম্বল।
- ৫৮। ওছে যারা ঈমান এনেছ! তোমাদের ডান হাত যা মালিক হয়েছে তা (দাস-দাসীরা) এবং ডোয়াদের হাধ্যে যারা প্রাপ্তরয়ন্ত রয়নি ভারা যেন (তোমাদের ঘরে প্রবেশ করতে) তোমাদের অনমতি গ্রহণ করে তিন বাব- ফল্পবের সালাতের (নামায়ের) পর্বে দপরে যখন ভোমরা ভোমায়ের পোশাক খলে রাখ এবং ঈশার সালাতের (নামায়ের) পর: ভোমানের জন্য এ তিনটি গোপনীয়তার সময়। এসব (সময়) ছাতা (জন্ম সময়ে বিনা खनप्रतिराज आरम् करान्। जाप्रारम्य क्रमा अवः जास्तव क्रमा तक्षम खनराथ নেই। তোমরা একে অপরের কাছে ঘরাফেরা (আসা যাওয়া) করে থাক। এলাবেট আলাত ভোয়াদের জন। আধানসমতে স্পর্টভাবে বর্ণনা করেন। এবং আল্লাহ সর্বজানী ও মহাপ্রজাবান।
- ৫৯। আৰু যথন কোমাদেৰ সন্তান-সন্ততি প্ৰাপ্ত বয়সে পৌছে ভখন ভাৰা যেন (সকল সময়েই) অনমতি প্রার্থনা করে যেমন অনমতি প্রার্থনা করে তাদের পর্ববর্তীরা (বয়োজ্যেষ্ঠরা)। এভাবেট আবাহ্ন ভোয়াদের জনা जैद जाराजिमार व्यवेशाद वर्गमा करतम। এবং আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও प्रकाशकात्राच्या
- ৬০ আর বদ্ধা নারীরা যারা বিয়ের আশা করে না, সৌন্দর্য প্রদানন না করে ভালের (অভিরিক্ত) কাপত খলে রাখাতে ভালের কোন অপৰাধ নেই।<sup>\*</sup> কিন্ত (তা থেকে) বিবত থাকাই ভাদেব জন্য উল্লেখ এবং আল্লাহ সর্বশ্রোতা ও সর্বজ্ঞানী।

- وَعَدَ اللهُ الَّذِينَ أُمِّنُوا مِنْكُيْ وَعَمِلُوا الصَّلَحِيدِ لَىَشْتَخُلِفَتُّهُ. ۚ فِي الْأَرْضِ كَمَا اشْتَخُلَفَ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِ. -وَ لَنُهَكِّنَنَّ لَهُ ۚ دِنْنَهُ ۚ الَّذِي إِرْ تَضَى لَهُ ۚ وَ لَيُبَدِّ لَنَّهُ ۚ صَّنَّ نَعْد هَهُ فه أَمْنًا وَعَبُدُونَنَيْ لَايُشْ كُونَ بِي شَيْعًا وَمَنْ كَفَوَ نَعْدُ ذِلِكَ فَأُولَٰ عَلَكَ هُمُ ۚ الْفُسِّقُونَ ﴿
- وَ أَقَيْهُوا الصَّلُوةَ وَ إِنُّوا البَّاكُوةَ وَ أَطَيْعُوا الرَّسُولَ لَعَلَّكُمْ ۗ رُ بُـکمون⊕ شُـکمون⊕
- থে। ছমি কক্ষনো ধাৰণা কৰো না যে, খাৱা কুকৰী করেছে তাৱা পৃথিবীতে। ﴿ وَمَأْوَاتُمُونُ وَمَأْوَاتُهُمُ وَالْمُونُ وَمَأْوَاتُهُمُ وَالْمُونُ وَمَأْوَاتُهُمُ وَمَأْوَاتُهُمُ وَالْمُونُ وَمَأْوَاتُهُمُ وَالْمُونُ وَمُوالُونُهُمُ ﴿ وَالْمُونُ وَالْمُؤْمِنُ وَاللَّهُ وَاللّمُ وَاللَّهُ وَاللَّالِي وَاللَّهُ وَاللَّالِي وَاللَّالِمُونُ وَاللَّهُ وَاللَّ النَّارُ وَ لَبِثْسَ الْهَمِيُّ ﴾
  - نَّا تُّهَا الَّذِنْيَ إِمَنُوا لِيَسْتَأْذِنْكُ ۗ الَّذِنْيَ مِلْكَتْ آيْمَانُكُ ۗ وَ الَّذِيْنَ لَهُ يَبْلُغُوا الْحُلُمَ مِنْكُمْ ثَلْبَيْمَةٌ عِنْمِيْ قَبْلِ صَلُّوة الْفَجْ وَحَيْنَ تَفَعُوْنَ ثَيَا بَكُرْ مِّنَ الظَّهِيَّةَ وَمْنُ بَعْدُ صَلُوةً الْعَشَآءَ شَا تَلْفُ عَوْ رَتِ لَّكُرْ وَلَيْسَ عَلَيْكُرْ وَ لَا عَلَيْهِمْ جُنَاحٌ بَعْدَهُنَّ، طَوْ قُوْنَ عَلَيْكُمْ ۚ بَعْفُكُمْ عَلَى بَعْضٍ، كَذَٰ لِكَ يُبَيِّنُ إِللَّهُ لَكُرُ الْأَيْبِ، وَ اللهُ عَلَيْرٌ حَكَيْرٌ ۞
    - وَ إِذَا بِلَغَ الْإَطْفَالُ مِنْكُمُ لِأَخُلُمَ فَلْيَشْتَأْذَنُوا كَمَا اسْتَأْذَنُ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِهِرْ ، كَذْ لِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُورُ إِيْتِهِ، وَ اللَّهُ عَلَيْرٌ
  - وَ الْقَوَ اعدُ مِنَ النِّسَاءَ الْتَيْ لَا يَدْجُونَ نِكَامًا فَلَيْسَ عَلَيْهِنَّ جُنَاحٌ أَنْ يَفَعَىٰ ثِيَا بَهُنَّ غَيْهَ مُتَبِّجْتِ بِ: يُنَقِءُو أَنْ يَّسْتَعْفَقْنَ خَبْ لَّهُنَّ وَ اللَّهُ سَمِيْعٌ عَلَيْهٌ ﴿

५८। जान्यत करा त्यांक ताहे त्योंकांत करा त्यांक ताहे स्वाधंत करा त्यांक ताहे এবং তোমাদের নিজেদের জনতে দোষ নেই যে তোমরা আহার করবে ्याधारम्ब प्रत्न कथना त्याधारम्ब शिलारम्ब प्रत्न कथना त्याधारम्ब মায়েদের ঘরে অথবা ভোমাদের ভাইদের ঘরে অথবা ভোমাদের বোনাদৰ যাৰ অগবা সোমাদেৰ মাধাদেৰ যাৰ অগবা সোমাদেৰ ফফদেৰ ঘরে অথবা ভোমাদের মামাদের ঘরে অথবা ভোমাদের খালাদের ঘরে অধবা যাব চাবিব মালিক ভোমবা ক্রমেড (সে ঘবে) অধবা ভোমাদেব বন্ধদের (ঘরে)। ভোমরা একতে আহার কর অথবা পথক পথকভাবে আহার কর ভাতে ভোহাদের কোন অপরাধ নেই। তবে যখন তোমরা ঘরে প্রবেশ করবে তথন তোমরা তোমাদের নিজেদের (সক্রনদের) প্রতি সালাম দাও- আলাহর পক্ষ থেকে অভিবাদন যা ব্যক্তম্য ও পৰিত্র । এভাবেই আস্থাহ তোমাদের জন্য আয়াতসমহ স্পষ্টভাবে বৰ্ণনা করেন যাতে ভোমরা অনধাবন করতে পার।

بُسَ عَلَى الْآعُمٰ عِي حَرِجٌ وَّ لَا عَلَى الْآعُرَجِ حَرِجٌ وَّ لَا عَلَى الْهَ يُضِحَ جُجُّ وَ لَا عَلَى إِنْفُسِكُمْ أَنْ تَأْكُلُوْ امِنْ ابْيُوْتِكُمْ أَوْ بُيُوْتِ أَبَآ لَكُمْ أَوْبُيُوتِ أَمَّهٰ تَكُمْ أَوْبُيُوتِ اغْوَ انكُمْ أَوْ بُيُوْتِ أَخَوْتِكُمْ أَوْبُيُوْتِ أَعْمَامِكُمْ أَوْبُيُوْتِ عَمّْتُكُمْ أَوْ بُيُوْتِ أَخُوَ الكُمْ ۚ أَوْ بُيُوْتِ خُلْتكُمْ ۚ أَوْمَا مَلَكُمُ ۚ مُّفَاتَحَهُ أَوْ صَدَيْقَكُمْ ، لَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ أَنْ تَأْكُلُوْا جَمِيْعًا أَوْ أَشْتَاتًا ۚ فَاذَا دَخَلْتُمْ بُيُوْتًا فَسَلَّمُوْا عَلَىۤ أَنْفُسُكُمْ ۚ تَحَيَّتُم مَّنْ عَنْدَ اللَّهِ مُبْرَكَةً طَيِّبَةً ، كَذَٰ لِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُيرُ ۖ الْإِيت لَعَلَّكُ ثَعْقلُونَ هُ

এবং হার্যন তারা কোনো সম্বন্ধিগত ব্যাপারে তার (বাসকের) সাথে গ্রাক তথ্য তার অনমতি চাওয়া ছাড়া চলে যায় না। নিক্রয় যারা তোমার অনমতি মায় এবাই ভাবা হাবা আলাত এবং ভাঁর বাসলের প্রতি উল্লাম অতএব যথন তারা তাদের কোন কাজের জন্য তোমার অনুমতি চায় তথ্ন দোদের হাস্থ্য রাদেরকে উল্লা দুয়ি অনুযুদ্ধি দাও এবং দাদের জন্য আলাচর কাতে ক্ষমা প্রার্থনা কর। নিশ্চর আল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরম দহাল।

৬১ : ম'মিন কেবল ভারাই যাবা আলাচ ও তাঁব বাসগের প্রতি ঈমান আনে انَّمَا الْمُؤْمنُونَ الَّذِيْنَ أَمَنُوا بِاللَّهِ وَرَسُوْ لِهِ وَ إِذَا كَانُوْا مَّعَهُ عَلَّى آمُر جَامِعِ لَّرْ يَدْهَبُوا حَتَّى يَشْتَاذِنُوهُ وإِنَّ الَّذِيْنَ يَشْعَاۛ دَنُوْنَكَ أُوۡلَٰعُكَ الَّذِيۡنَ يُؤۡمِنُوْنَ بِاللَّهِ وَ رَسُوْلِهِ ء فَاذَا اشْتَاذَنُوْكَ لَبَعْض شَأْنهِ ﴿ فَأَذَنْ لَّمَنْ شَعَّتَ مِنْهُ ۗ وَ اشْتَغْفُ لَهُرُ اللهُ ﴿ أَنَّ اللَّهُ غَفُوْ رَّ رَّحَيْرٌ ۞

৬৯। রামালর আহ্রানাক সোহরা কোহাদের একে অপারর প্রতি আহ্রানের মত গণা করো না। ভোমাদের মধ্যে যারা অনক্ষো সরে পত্তে আল্রাহ ভাদেরকে জানেন, সুতরাং যারা তাঁর নির্দেশের ব্যতিক্রম করে ভারা যেন সতর্ক হয় (এ থেকে) যে, বিপর্যয় তাদের উপর আপতিত হবে অথবা তাদের উপর আপতিত হবে যন্ত্রণাদায়ক শান্তি।

لَاتَجْعَلُوْ ادْعَاءَ الرُّسُول بَيْنَكُمْ كَدُعَاء بَعْمُكُمْ بَعْمًا، قَدْ يَعْلَيُ اللَّهُ الَّذِيْنَ يَتَسَلَّلُوْنَ مِنْكُيْ لُوَ اذًا ۚ فَلْيَكْدَ ر الَّذِيْنَ يُخَا لِقُوْنَ عَنْ أَمْرِهَ أَنْ تُصِيْبَهُرْ فَتَنَدُّ أَوْ يُصِيْبَهُرْ عَذَاتٌ أَلْبُهُ هِ

৬৪। জেনে রাখ, নিক্তর আকাশসমত ও পথিবীতে যা কিছু আছে তা আল্লাহরই। তোমবা যার উপর রয়েছ তা তিনি জানেন। এবং যেদিন তানেরকে তাঁর भिरक क्षितिय (संशो इत्य अव: जार्चा या करवाई जा किसे जाएनदाक **व** জানিয়ে নিবেন। এবং আল্লাহ সবকিছ সম্পর্কে ভালভাবে জানেন।

أَلَّ إِنَّ لللهِ مَا فِي السَّمَاءِ يَ وَ الْأَرْضِ وَقَدْ يَعْلَيُّ مَآ أَنْتُهُ عَلَيْه ، وَ يَوْ ٓ مَ يُرْجَعُوْنَ الَّيْه فَيَنَبَّئُهُمْ بِهَا عَمِلُوْا ، وَ اللَّهُ بِكُلِّ شُرُّ عَلَيْرٌ ﴿ ্রাম্প্র ব্যাম্প্রেম ২৫, সুরা আল-কুরকান, মাঞ্জী

৭৭ খারাত, ৬ কব্ অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

- বরকতময় তিনি যিনি তাঁর বাশার প্রতি কুবকান (সত্য নিখার পার্থকাকারী) অবতীর্ণ করেছেন বাতে সে ভগৎসমূহের জন্য সতর্ককারী সক্ষ বাস-
- ২। মিনি আকাশসমূহ ও পৃথিবীর রাজত্বের অধিকারী, তিনি ঝোন সান্ত্রন গ্রহণ করেদনি এবং রাজত্বে তার কোন শরীক নেই এবং তিনি প্রতিটি বস্তু সৃষ্টি করেছেন এবং তা পরিমাপ করেছেন সঠিক পরিমাপে।
- তা তারা তাঁকে বাদ দিয়ে এমন উপাদ্যাদেয়কে এহপ করেছে যারা
  কিছুই সৃষ্টি করে না, অখত তালেয়কেই সৃষ্টি করা হয় এবং তারা
  নিজেসের জন্য কোন কতি বা উপকারের মালিক নয় এবং তারা মৃত্য,
  তীবন ও পুনর্যীবনেরও মালিক নয়।
- ৪। এবং যারা কুম্মরী করেছে তারা বলে, 'এটা নিখ্যাচার হাড়া আর কিছু নয়, য়। সে রচনা করেছে এবং অন্য সম্প্রদায় তাকে এ ব্যাপারে সাহাযা করেছে।' আর (এ কথা বলে) অবপ্যই তারা জুলুর ও নিখ্যা নিয়ে এসেছে।
- ৫। এবং তারা বলে, '(এগুলো) পুবর্তীতের উপকথা, যা সে লিখিয়ে নিয়েছে, এবং এগুলো সকালে ও সন্ধ্যায় তাকে পাঠ করে পোনানো হয়।'
- ৬। বল, 'এটি ভিনিই অবতীর্ণ করেছেন যিনি আকাশসমূহ ও পৃথিবীর গোপন বিষয় জানেন।' নিকয় তিনি অতি ক্ষমাশীল ও পরম নয়ালৃ।
- ৭। এবং তারা বলে, 'এ কেমন রাসূল, যে খাবার খার এবং হাট-বাজারে চলাফেরা করে। তার কাছে কোন ফেরেশতা কেন অবকীর্ণ করা হল না, ডাহলে সে (ফেরেশতা) তার সাথে থাকত সতর্ককারীরূপে।
- ৮। অথবা তার নিকট (থাকাশ থেকে) ধনতারার অর্পণ করা হয় না কেন অথবা তার জন্য একটি বাগান হয় না কেন- বা থেকে নে থেকে গায়ের' এবং জানিমরা বলে, 'তোমরা কেবল এক জানুয়ার বাঞ্জিকে অনুসরণ কর্ছ।'
- ৯। শক্ষ্য কর, কিতাবে তারা তোমার জন্য উপমা পেশ করছে। সূতরাং তারা পথমুট ইয়েছে, এবং তারা কোন পথ পেতে সক্ষম হবে না।

ه ٢- سُرُوّا الْمُرْكَالِ عُكِينًا اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهَ اللهُ الللهُ الللهُ اللللهُ اللهُ الللهُ الللهُ الللهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الللهُ الللله

الَّذِيْ لَفَمُلْكُ السَّمُوٰتِ وَالْاَرْضِ وَلَمْ يَتَّحِفُ وَلَدًا وَلَمْ يَكَنْ لَلْمُونِكَّ فِي الْمُلْكَ وَخَلَقَ كُلِّ هَنْ فَقَدْرِيَّ أَوْ تَعْدُونُوا هِ

وَ الْحَفُونُ مِنْ وُثِيَّةً إِلَيْهُ لَايَهُلُغُونَ مَيْثًا وَّمُرْ يُحْلَغُونَ وَ لَا مَهُمُ لِمُولَعُونَ وَ لايمَلكُونَ لِإِنْفُسِهِرُ مَرًّا وَّلاَ نَفْعًا وَلايمَلكُونَ مَوْتًا وَلا عَيوةً وَلا نَشُو رُانَ

وَقَالَ الَّذِيْنَ كَفَرُوٓۤ إِنْ هٰذَّا إِلَّٓ إِقْكُ اقْتَرِٰسُوۡ اَعَانَٰهُ عَلَيْهِ قَوۡاً اٰخَرُونَ عُنَقَدُ جَاءُوْظُكُما وَ رُورًا۞۫

وَقَا لُوَّا اَسَاطِيْرُ الْاَوَّلِيْنَ اكْتَتَبَهَا فَهِيَ تُمْلَى عَلَيْدِ بُحْرَةً وُّ أَحِيْلًا۞

قُلُ آنُوْلَكُ الَّذِينَ يَعْلَمُ السِّرِّ فِي السَّمُوْتِ وَ الْآرَفِي النَّهُ كَانَ مَنْفُوْرًا رَّحِيمًا وَقَالُوْا مَال هٰذَا السَّهُولِ يَاكُلُ الطَّعَا وَيَهْمَى فِي

َ أَوْ يُلْكُ فِي إِلَيْهِ كُنْزٌ أَوْ تَكُونُ لَهُ جَنَّةً بِيَّاكُلُ مِنْهَا • وَقَالَ الظّلُهُنَ أَنْ أَنْ تَتَّبُعُونَ إِلَّا رَجُلَّاهُ صُورٌ رًا⊙

الْأَشُو الْقِ، لَوْ لَا أَنْهِ لَى اللَّهِ مَلَكُ فَيَكُونَ مَعَهُ نَدَيُّ الْ

عَ إِنْظُوْ كَيْفَ مَرَبُواْ لَكَ الْآمَتَالَ فَمَلَّوْا فَلَايَسْتَطِيْعُونَ سَبِيلًا ﴿ إِنَّهُ

-ফুরকান	পারা-১৮

২৫. সরা আল

- ك. तरकरबरा डिमी शिमी केशा जवराण राज्याव जाना अद्या उच्च रिक्श ज्यान राज्या केवल रिक्श जवराण राज्याव जाना अद्या प्रताराट भारतम- अध्या जागानामान्य, राज्यान किराज महामन्य अवाहिष्ठ अर रिक्त र राज्याच आवा बनारक भारतम आवागानमञ्चा अर्थ रिक्त र राज्याच केला बनारक भारतम आवागानमञ्चा
- 33) तदर उसा विशासकटक विशा समझ करती हमा जावन । यस बना जानि जाइक करती इसक जावन ।

٢٥-سُورَةُ إِلْقُرُقَان

- ১২। যধন দুবৰজী ছান থেকে ডা (জুগল্জ আচন) আনেৱকে দেখৰে ভখন খাৱা বাৰ বৃদ্ধৰ পৰিদ ও মীৰ্থদান ভদতে গাবে।
- ১০। এবং ফানা দিবল বাধা অবহায় এর (কুলর আচনের) কেন সংকীৰ্ণ স্থান ভালোবকে নিজেপ করা হবে তথা ভারা সোধান ধাবেক
- (মৃত্যুক্ত) আবাদ করবে।
  ১৪। (জাদেরকে বংলা হকে) 'আন জোনরা একটি ধাংদকে আবাদ করো না, । ﴿ كُنْدُوا الْكُورُ ٱلْكُورُ ٱلْكُورُ ٱلْكُورُ ٱلْكُورُ ٱلْكُورُ ٱلْكُورُ ٱلْكُورُ ٱللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّالَّا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّا اللَّا
- বরং বছ খালেকে আহান কর।

  ১৫ বল, 'এটা উত্তর, বাহি ক্রাটি করাক, বার প্রতিক্রণিক সেয়া হরেছে
  ক্রাটিনির্ভাগ প্রতিক্রণন ব প্রবাসনার
- لَّهُر جُرَّاً وَحَمِيرًا ۞ لَـهُر فِيْها مَا يَضَارُونَ خَلِدِينَ وَكَانَ عَيْ رَبِّكُ رَعْدًا इस्र हिस्स बी रायात बहिमानालत हेन्स (मान्यीन) बन सार्विक والمحادثة المحادثة المحادثة
- المستورة و المستورة
- हि चामत वह नेपानमार नावत कर कार्यास्त्र कार्यास्त्र
- व जारन निकृत्वकारमात्र त्याप्रमाणी निवासिका, क्षयरात्र जाता है पहिल्ला के प्राप्त है जिल्ला है अपना किया है जिल्ला है किया है किया है जिल्ला है किया है कि

#### পারা-১৯

- ১১, আব যাবা আমাৰ সাক্ষাৎ আশা কৰে না তাৰা বলে 'আমাদেৰ নিকট त्वातम्हामताक करणीर्व कर्वा दश सा तक्षक कथवा कामवा कामाप्रत প্ৰতিপালক্ৰাক্ৰ দেখি না কেন» অৱশ্যই তাৱা তাদেৱ নিজেনের ব্যাপারে waged colleg state was with that state arena
- ২২। যেদিন ভারা ফেরেশভাদেরকে দেখনে সেদিন অপরাধীদের জন্য কোন अक्षांत्राम (मेडे अक्ष जावा (तक्षांत्राजा) वलाव '(जाप्राम्ब क्रम জানাত) নিষেধ, নিষিদ্ধ।
- ১৬। এক ভারা যে জাভ জারাদ ভার পদি আমি আমার হর এক সেভালাক विशिक्षक अधिकाताल अविवाद कार्यन
- ১৪। সেমিন জানাসের অধিবাসীরা অরম্বানম্বারর দির পোর চার উন্মা এবং বিশ্ৰামস্থলের দিক থেকে হবে অধিক সন্দর। ১৫। चार वाहित चाकान व्यवसमाध्यात काहि वाहर अरह कारानासामा
- পর্যায়কণে করারীর্থ করা মরে ১৯। সেমিনের সভিয়ের রাজত অসীয় মরায়ারর করা এবং ব্যক্তিরাদর করা
- সেটি হবে এক কঠিন দিন। ১৭। এবং থেদিন জালিয় বাতি ভাব দ'চাত কায়খাতে থাবাব (এবং)
- বলবে, 'হায়, আমি যদি রাসলের সাথে পথ এবণ করতাম।
- ২৮। হার দর্ভোগ আমার! আমি যদি অমুককে বছরূপে গ্রহণ না করতাম।
- ১৯: অবশাই সে আমাকে<sup>\*</sup> উপদেশ (কুরআন) থেকে পথন্রস্ট করেছিল আমার নিকট তা আসার পর।' এবং শয়তাদ মানুষের জন্য মহাপ্রতারক।
- ৩০। আর রাসল বলবে, 'হে আমার প্রতিপালক। নিশ্চয় আমার সম্প্রদায় এই করজানকে পরিজ্ঞাক ছিসেবে গ্রহণ করেছিল।
- ৩১। আর এভাবেই আমি অপরাধীদের থেকে প্রভাকে দবীর জন্য শক্র वाभिरविष्ठः 'खाव (जाप्राव अफिनालकंडे नध्रशमर्थक क प्रावासकारी विप्रारव FIRST I
- ৩২। আর যারা কৃষ্ণরী করেছে ভারা বলে, 'কুরআন ভার নিকট পুরোটা একবারে অবতীর্ণ হল না কেন্দ' এভাবেই (পর্যায়ক্রমে অবতীর্ণ করেছি), যাতে আমি তা নিয়ে তোমার ক্লময়কে মঞ্জবত করতে পারি এবং আমি ਲੀ ਅੰਡ ਕਰਿਓ ਸੈੱਟਰ ਸ਼ੀਟਰ ਸਵਰਲਾਟ
- ৩৩। এবং ভারা ভোমার নিকট এমন কোন দক্টান্ত (যাজি-ভর্ক: দলিল-প্রমাণ) আনে না যাব সভা ও অধিক সৰুব ব্যাখ্যা আহি ভোয়াব নিকট নিষে আসি

- وَقَالَ الَّذِيْنَ لَا يَدُجُونَ لَقَاءَنَا لَوْ لَآانُ لَ عَلَيْنَا الْمَلِّكَدُّ أَوْ نَاي رَبَّنَا ﴿ لَقَد اِسْتَكْبَ وَا فَي ٓ أَنْفُسِمِ ۚ وَ عَتَوْ عُتُوًّا كَبِيًّا ﴿ وَ
- يَوْ ٓ يَرَوْنَ الْمَلَتَكَةَ لَا بُشُوٰى يَوْمَعْدِ لِلْمُجْرِمِيْنَ وَيَقُوْ لُوْنَ حجةً أمدد أن
  - وَ قَدَمُنَا آلِي مَا عَمِلُوا مِنْ عَمَلِ فَجَعَلْنَهُ هَبَّاءً مَّنْتُهُ رَا ﴿ أَمْعُبُ الْعِنَّةِ يَوْمَعُدْ خَيْرٌ مُّسْتَقَوًّا وَّ أَحْسَرُ مَقَيْلًا ﴿ الْمُسْرَ مَقَيْلًا ﴿
    - وَ يَهْ ﴾ تَشَقَّةُ ﴾ السَّمَاءُ بِالْغَمَا ﴾ وَ نُزِّ لَ الْمَلَّكَةُ تَنْبِ يْلُّا ﴿
- ٱلْمُلْكُ يَوْمَئِدُ إِلْاَقَالُ لِلاِّحْمٰنِ وَكَانَ يَوْمًا عَلَى الْكُغِرِيْنَ
- وَيَوْمَ يَعَضُّ الظَّالِرُ عَلَى يَدَيْه يَقُولُ لِلَيْتَنِي اتَّخَدْتُ مَعَ الرَّسُوْ ل سَبِيْلًا ﴿
  - يُو يُلَتٰى لَيْتَنِي لَوْ ٱلصَّافُلَاقِ لَقَدْ أَمَلَّنِيْ عَنِ الذِّكْرِ بَعْدَ إِذْ جَأَاءَنِيْ وَكَانَ الشَّيْطِيُّ
- للْانْسَانِ خَذُوْلًا ۞ وَقَالَ الرَّسُولُ لِرَبِّ إِنَّ قَوْمِي اتَّخَذُوْا هٰذَا الْقُرْانَ
- مَوْجُورًا ١٩ وَكَذَٰ لِكَ جَعَلْنَا لِكُلِّ نَبِي عَدُوًّا مِّنَ الْمُجْرِمِيْنَ وَكَفَى
- بَ بِّكَ هَاديًا وَّ نَصِيًّا ﴿ وَقَالَ الَّذِيْنَ كَفَرُوا لَوْ لَا نُزَّلَ عَلَيْهِ الْقُرْ أِنَّ مُهْلَةً وَّاحِدَةً ءُ
  - كَذْ لِكَ ءَ لَنُثَبَّ بِمِ فُؤَ إِدَكَ وَ رَتَّلْنَهُ تَوْتِيْلًا ﴿
    - وَ لَا يَاٰتُو نَكَ بِمَثَلِ الَّاحِثُنٰكَ بِالْعَقِّ وَ أَحْسَنَ تَفْسِيُّ اهُ

- क्षा । इतः जानविनांशः "त्याधारा प्र'वस्य त्य अस्त्रप्रात्मत विक्रोंदे शाल शांता प्राधात নিদর্শনসমূহকে মিথা অভিক্রিত করেছে।' অতঃপর আমি তাদেরকে সম্পূর্ণরূপে ধ্বংস করেডিলাম।
- ত্র। এবং (প্রাংস করেছিলায়) নতের সম্পদায়কে যুখন ভারা রাসলদেরকে विश्वामाप्ती महान जन्मन गावि जागम्मारक निवासिक करताय अतः जागनाक प्रानवकातित करा अवस्ति निमर्शन गांगांगाः। अवः कांनिमामन कमा पामि প্রকল সংস্কৃতি সম্বাদাসক সারি।
- ক্ষা এবং (ধ্বংস কৰেছিলায়) আদ ও ছামদকে এবং বাস -এব व्यक्तिक्रीरफ्तरक अन्य अन्य प्राचेश्वरस्य कर अक्रमान
- ৩৯: এবং আহি এব প্রত্যেকের জনা<sup>®</sup> দটাজসমত বর্ণনা করেছিলাম এবং (তাদের) প্রত্যেককে আমি সম্পর্ণরূপে ধাংস করেছি।
- ৪০। এবং অবশাই তাবা সেই জনপদে<sup>\*</sup> গমন করেছে যার উপর বর্ষিত হ্রামেজি নিকট সক্রায়র (পাধর) বৃষ্টি। তার কি তারা তা দেখে নাং বরং তারা পদর্ভীবদের আশা করে না।
- ৪১। এবং যখন তারা তোমাকে দেখে তখন তারা তোমাকে কেবল উপহাস হিসেবে গ্রহণ করে। (এবং বলে) 'এই-ই কি সে বাক্তি, যাকে আল্লাহ वामन दिरमात शरितराजनः ৪১। সে আমাদেরকে আমাদের উপাসাদের থেকে প্রায় দরে সরিয়েই দিত,
- হদি না আম্লৱা ভাদের উপর বৈর্ত্তধারণ করভাম।' আর হথন ভারা শান্তি দেখার কথ্য কমিরেই কারা কামার কে অধিক পথমাই।
- ৪৩। ভূমি কি তাকে দেখেছ, যে তার প্রবৃত্তিকে তার ইলাহ হিসাবে গ্রহণ করেছেঃ তবে কি তমি তার তন্তাবধায়ক হবেঃ ৪৪। তমি কি মনে কর যে, তালের অধিকাংশই শোনে অথবা অনধাবন করে।
- লারা কেবল গরাদি পথর মধ্য বরং ভারা অধিক পথস্রই। ৪৫। ভমি কি ভোমার প্রভিগালকের ব্যাপারে ভেবে দেখনি কিভাবে তিনি
- হাহারে সম্প্রসারিত ব্যবনং আর যদি তিনি ইচ্ছা করতেন তবে অবশাই একে স্থির বানিয়ে নিতেন, এরপর আমি সর্যকে এর উপর নির্দেশক जानिकारिक
- ৪৬। এরপর আমি একে (ছায়াকে) আমার নিকে ধাঁরে ধাঁরে ভটিয়ে আনি। ৪৭। এবং তিনিই তোমাদের জন্য রাতকে বানিয়েছেন আবরণ এবং ঘমকে
- বিপ্রাম এবং দিনকে বানিয়েছেন পুনর্বীবন (অর্থাৎ কর্মব্যস্ত)।
- ৪৮। এবং তিনিই তার দয়ার (বৃষ্টির) পর্বে সসংবাদস্বরূপ বায় প্রেরণ করেন. এক আছি আক্রাশ খেকে বিহুদ্ধ পানি অবজীর্ণ কবি-
- ৪৯। যাতে আমি তা দিয়ে মত ভমিকে জীবিত করতে পারি এবং আমি যে বছ জীব-জন্তু ও মানুষ সৃষ্টি করেছি তাদেরকে তা পান করাতে পারি। ★ টিহিন্ড স্থানের টীকা দরা নং : আয়াত নং অনুসারে তরজমার শেষে দেবুন

فَقُلْنَا اِذْهَبَآ الِّي الْقَوْمِ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِالْيِنَا - فَدَمَّرْنُهُرْ تَثَمَدُ اللهِ

وَقَوْاً نُوْحٍ لِّمًّا كَنَّابُوا الرُّسُلَ إَغْرَقْنَهُرْ وَجَعَلْنَهُرْ للنَّاس أَيِّدُ وَ أَغْتُدُنَا لِلظُّلِمِينَ عَذَالًا ٱلْمُهَاكِمُ وَّعَادًا وَّ ثَمُودَا وَ أَصْعُبَ الرَّسِّ وَقُودُنَّا بَيْنَ ذَٰ لِكَ كَثِيرًا ﴿

وَكُلًّا مَوَ إِنَّنَا لَهُ الْإَمْقَالَ ، وَكُلًّا تَبُّونًا تَتْبِيًّا ﴿ وَ لَقَدْ أَتَوْا مَا مَا الْقَرْ يَهِ الَّتِيُّ أَمْطِ تَ مَطَرَ السَّوْء وَ أَفَلَرْ يَكُونُوْ إ يَ وَنَهَا ، بَلْ كَانُوْ إِ لَا يَدْجُونَ نُشُوْ رَأُ ﴿

وَ إِذَا رَآوُكَ إِنْ يُتَّخِذُونَكَ إِلَّا هُزُوا ۖ آهٰذَا الَّذِي بَعَيَ اللَّهُ إِنْ كَادَ لَيُعْلِنَا عَنْ إِلْهَتِنَا لَوْ لَآ إِنْ صَبَ نَا عَلَيْهَا وَسَوْنَ يَعْلَمُوْنَ حِيْنَ يَوَوْنَ الْعَذَابَ مَنْ أَضَلَّ سَبِيلًا @

أَرَءَيْتَ مَنِ اتَّخَذَ الْهَهُ هَوْ بِهُ ۚ أَفَا نُتَ تَكُوْنُ عَلَيْهِ وَكَيْلًا ﴿ أَٱ تَحْسَبُ أَنَّ آكُثُ هُمْ يَسْمَعُونَ أَوْ يَعْقَلُونَ وَالْ كَالْإَنْعَامُ بَلْ هُرْ أَضَلُّ سَبِيلًا أَهُ أَلَيْ تَهَ إِلَى رَبُّكَ كَيْفَ مَدَّ إِلظِّلِّ ء وَ لَوْ شَآءَ لَجَعَلَهُ سَاكنًا ،

ثُرُّ جَعَلْنَا الشَّيْسَ عَلَيْهِ دَلِيْلًا أَنْ ثُرٌّ قَبَضْنُهُ إِلَيْنَا قَبْضًا يُسَبُّ إِن وَهُوَ الَّذِي جَعَلَ لَكُرُ الَّيْلَ لِبَاسًا وَّ النَّوْ مَسَبَاتًا وَّجَعَلَ النَّهَارَ نُشُوْرًا ﴿

وَهُوَ الَّذِينَ آرْسَلَ الرَّبْ مُهُمَّ إِبَيْنَ يَدَى رَحْمَته وَ آَنَ لَنَا

من السَّمَاء مَاءً طَهُوْ رَأَهُ لُّنُهُي وَبِهِ بَلْدَةً مُّيْمًا وَّ نُسْقِيَةً مِمًّا هَلَقُنَآ أَنْعَامًا وَّ أَنَاسِي كَثِيًّا ه

-ফুরকান	

পাবা-১৯

২৫. সরা আল

- ৫০। এবং অবশাই আছি ভা পোনি) ভাদের মধ্যে বিভবগ কবি যাতে ভাবা উপদেশ গ্রহণ করতে পারে। কিন্ত অধিকাংশ মান্য (ভা সবই) অধীকার করদ- কুফরী ছাড়া
- ৫১। আর যদি আমি ইচ্ছা করভাম<sup>®</sup> ভাহলে অবশ্যই প্রতিটি জনপদে একজন সতর্ককারী পাঠাতাম।
- ৫২। সতরাং তমি কাহিবদের আনগত। করো না এবং এর (অর্থাৎ করআনের) प्राथरप्त<sup>®</sup> ठारमव दिवस्छ क्रिडाम कव- वळ क्रिडाम।
- ৫৩। এবং তিনিই (পাশাপাশি মিগিত) দই সমনকে প্রবাহিত করেছেন, এটি মিষ্টি সপেয় এবং অপবটি লোনা বিস্থাদ- উদ্ধায়ৰ মধ্যে বেখে দিয়োছন এক অনুৱায়, এবং এক অন্তিক্রমা বাধা।
- ৫৪। এবং তিনিট পানি (বীর্য) থোকে মান্ত সৃষ্টি কবেছেন এবং ভাকে বানিয়েছেন বংশসম্পৰ্কীয় ও বৈৰাহিক সম্পৰ্কীয়। এবং ভোমার প্ৰতিপালক
- সূৰ্বপক্ষিয়ান। ৫৫। আর তারা আপ্তাহকে বাদ দিয়ে এমন কিছর উপাসনা করে যা তাদের উপকাৰ কৰে না এবং তাদেৰ অপকাৰও কৰে না। এবং কাফিৰ তাব अफ़िशांबरका विकास प्राप्तांकारों।
- ৫৬। এবং আমি ভোমাকে কেবল সসংবাদদাতা ও সভর্ককারীরূপে প্রেরণ জ্ঞাবন্ধি।
- ৫৭। বল, 'আমি তোমালের নিকট এর জন্য কোন প্রতিদান চাই না এছাতা যে. কেউ ইচ্ছা কবলে সে ভাব প্রতিপালকের পথ প্রহণ করতে।
- ৫৮। এবং (হে নবী।) তমি ভরসা কর তাঁর উপর বিনি চিরঞ্জীব, বিনি মতা ৰৱণ করবেন না এবং তাঁব প্রশংসাসহ পবিত্রতা (তসবীছ) ঘোষণা কর। এবং তিনি তাঁর বান্দাদের অপরাধসমূহ সম্পর্কে সর্বজ্ঞ হিসেবে যথেষ্ট-
- ০৯। যিনি আকাশসমত ও পথিবী এবং উভয়ের মাৰে যা আছে তা ছয় দিনে ਸਭਿ ਰਟਰਾਵਜ ਪਰਅਰ ਕਿਜਿ ਦਰਗਾਵ ਸਬਾਸੀਜ ਵਜ। (ਰਿਜਿੱਤੇ) 'ਰਤਬਾਜ' সভরাং ভার সহছে কোন বিশেহজকে জিজাসা করে দেখ।
- وَ إِذَا قِيْلَ لَهُرُ الْمُجُدُوا لِلرَّحْمِي قَا لُوْا وَمَا الرَّحْمِينَ وَالْوَالِيَّةِ وَمَا الرَّحْمِينُ وَالْقَالِيَّةِ وَمَا الرَّحْمِينُ وَاللّهُ وَمَا الرَّحْمِينُ وَالْقَالِيَّةِ وَمِنْ الْمُجْدُونُ اللّهِ اللّهُ اللّهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهِ اللّهِ اللّهُ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ الللّهِ اللّهِ الللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ الللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللللّهِ اللّهِ الللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ الللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ الللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللللّهِ الللّهِ الللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ اللّهِ اللّهِ اللللّهِ اللّهِ الللّهِ اللللّهِ الللللللللللّهِ الللّهِ الللّهِ اللللللللل (সিঞ্জল করতে) তুমি আমাদেরকে নির্দেশ করঃ আর তা তাদের (সত্য) e বিমথতাই বন্ধি করেছে। ৬১। বরকতময় তিনি বিনি আকাশে বুরুজ (নক্ষত্রপঞ্জ) বানিয়েছেন এবং
- ভাতে বানিয়েছন একটি প্রদীপ<sup>®</sup> ও একটি জ্যোতির্ময় চাঁদ। ৬১। এবং তিনিট বাত ও দিনকে পরস্পারের অনগামী করেছেন তার বানা *যে*
- উপদেশ গ্রহণ করতে চায় অথবা কতক্ত হতে চায়।
- ৬৩। এবং 'রহমান'-এর বান্দা তারাই: খারা পথিবীতে বিনয়ী হয়ে চলে<sup>®</sup> এবং যথন তাদেবকে ক্ৰম্ম লোকেবং সংগ্ৰহন কৰে তথন তাবা বলে "সালাম (विनाग्र)।

وَلَقَدْ مَوْقُنْهُ بَيْنَهُمْ لِيَدَّكُّ وَا \*فَأَنِّي أَكْفُو النَّاسِ الَّا كُفُوْ را @ وَ لَوْ هَنْنَا لَبَعَثْنَا فِي كُلِّ قَوْ يَهَ نَّذِيُّ إِنَّ

٢٥-سُورَةُ إِلَيْهُ قَان

- فَلَاتُطِعِ الْكُفْرِيْنَ وَجَاهِدُهُرْ بِهِجِهَادًا كَبِيْرًا وَهُوَ الَّذِي مَرَعَ الْبَهْرَيْنِ هٰذَا عَثْبٌ فُرَاتٌ وَّهٰذَا ملَّهِ
- أَجَاجُ ، وَجَعَلَ بَيْنَهُمَا بَ ۚ زَخًا وَحَجُ ۗ مُحْجُو رَا ﴿ وَهُوَ الَّذِيْ عَلَقَ مِنَ الْمَأْءِ بَشِّ افْجَعَلَةً نَسَبًا وَّ صَهَّ | • وَكَانَ رَبُكَ قَدِيًا ١ وَ يَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ اللهِ مَا لَا يَنْفَعُهُمْ وَ لَا يَفُهُمُ مُو وَكَانَ
  - الْكَافِرُ عَلَى رَبِّهِ ظَهِيْرًا وَمَآاَ رَسَلُنكَ إِلَّا مُبَشِّا وَّ نَدَيًّا ۞
- قُلْ مَّا اَشْئَلُكُرْ عَلَيْهِ مِنْ اَجْرِ إِلَّا مَنْ شَاءَ اَنْ يُتَّخِذَ إِلَّى رَبِّهِ وَ تُوكِّلْ عَلَى الْعَنِّ الَّذِي لَا يَمُوتُ وَسَبِّهِ بِحَمْدِهِ وَكَفَّى بِهِ
- بذُنُوْبِ عَبَادِهِ غَبِيرًا ۗ أَنَّ الَّذِيْ خَلَقَ السَّهٰوٰ = وَ الْأَرْضَ وَمَا بَيْنَهُمَا فِي ستَّةَ أَيًّا ٢ ثُرٌّ اشتَوْى عَلَى الْعَرْشِ وَ الرَّحْمِينُ فَسْتُلُ بِهِ خَبِيرًا
- أَنَسْجُدُ لَمَا تَأْمُ نَا وَ زَادَهُمْ نُفُوْ رَأَهُ تَبْرَكَ الَّدَى مَعَلَ فِي السَّمَاءَ بُرُوْجًا وَّجَعَلَ فَيْهَا سِرْجًا وَّ قَمَرًا مُنيرًا @
  - وَهُوَ الَّذِيْ جَعَلَ الَّيْلَ وَ النَّهَارَ خَلْفَةً لَّهِنْ أَرَادَ أَنْ يَّدُّكِّ أَوْ أَرَادَ هُكُوْ رَأَهِ
  - وَعَبَادُ إِلَّهُمْ إِلَّا ذَيْنَ يَمْشُونَ عَلَى الْأَرْضِ هَوْنًا وَّ إِذَا

خَاطَبَهُمُ الْجُهْلُونَ قَا لُوْ إِسَلْمًا @

আল-ফুরকান	नाता-১৯	۲۵-سُوْرَا
থবং যারা রাড অভিবাহিত করে তাদের প্রতিপালকের উদ্দেশ্যে শিঞ্চ মবস্থায় ও নাড়ানো অবস্থায়।	نِيْنَ يَمِيْتُونَ لِرَبِّهِرْ سُجَّدًا وْقِيَامًا ۞	وَالَّهِ
এবং যারা বলে, 'হে আমানের প্রতিপাশকঃ আমানের থেকে জাহান্লা গান্তি সরিয়ে দিন, নিকর এর শান্তি সর্বনাশা।'	لَّهِ لِينَ يَقُو لُونَ رَبِّنَا أَصْرِفَ عَنَا عَدَّابِ هِهِنْمِ وَ إِنَّ	
নিকয় অবস্থানস্থল ও বাসস্থান হিসেবে তা কতই না নিকৃষ্ট।	بَهَا كَانَ غَرَامًا ۚ سَاءَتُ مُشْتَقَرِّ الْوَّمَقَامًا ۞	
এবং যারা, যঝন ব্যয় করে তঝন অপচয় <sup>®</sup> করে না এবং কৃপণতাও ক না, এবং তারা এর মাঝে মধ্যপন্থী।	لِينَ إِذَا آنْفَقُوا لَمْ يُشْرِفُوا وَلَمْ يَقْتُرُوا وَكَانَ بَيْنَ ذَٰ لِكَ	وَالَّهِ
	⊕ Ľ	قُواه

Aki এক হারা আলাহর সাথে অন্য কোন উলাহকে ভাকে না এবং নায়সঙ্গত কারণ ছাতা কোন ব্যক্তিকে হত্যা করে না বাব্দে (হত্যা করা) আল্লাহ হারাম করেছেন এবং ব্যক্তিয়ার করে মা। আর যে এটা করবে সে শান্তির সম্বন্ধীন হবে-৬৯। বিয়ায়াতের দিন ভাব শান্তি ভিঙৰ করা হবে এবং সেখানে সে বাঞ্চিত

অনুকান কানীভাৱে পাকরে-

১৫ সরা Maria. ৬৬। নি 491.00

> ৭০। সে ছালা যে ভথবা করে (অনভঙ্গ হয়ে কিবে আসে)। ঈমান আনে ও সংকাজ করে, এবং আল্লাহ তালের পাপসমহকে পূদ্যে পরিবর্তন করে দিবেন। এবং আতাহ অতি ক্যাশীল ও প্রম নহাল।

> ৭১। আর যে ব্যক্তি তওবা করে ও সংকাজ করে, নিক্তম সে সম্পর্ণরূপে আপ্তাহৰ দিকে অনতপ্ত হয়ে কিবে আসে। ৭১। এবং যাবা ছিল্লা সাক্ষ্য দেয় না এবং যখন অসার বলার পাশ নিয়ে গছন

> করে তথন সন্মান বজায় রেখে গমন করে (অর্থাৎ পরিহার করে)। ৭৩। এবং যাদেবকে ভাদের প্রতিপালকের আয়াতসমত দরণ করিয়ে দেয়া

> হাল দোৱা দোৱ প্ৰতি ৰঞ্জিৱ ও আছৱ হাত আছৱৰ বাবে না। ৭৪। এবং থারা বলে, 'ত্রে আমাদের প্রতিপালক। আমাদের স্বামী/স্রীদের ও আমাদের সন্তান-সন্ততিদের থেকে আমাদেরকে চক্তু শীতলকারী দান

> করন এবং আমানেরকে মন্তাকিনের জন্য উমাম (অনকরণীয়) বানিয়ে मिन। ৭৫। তাদেরকে প্রতিদান দেয়া হবে (জান্রাতের) সুউচ্চ কক্ষ, কারণ তারা থৈর্য ধারণ করেছিল এবং সেখানে ভালেরকে অভিবাদন ও সালাম জানানো जात-

৭৬। সেখানে তারা স্থায়ী হবে। অবস্থানস্থল ও বাসস্থান হিসেবে ভা কভই না

উৎকষ্ট!

وَ الَّذِيْنَ لَا يَدْعُونَ مَعَ اللهِ إلٰهَا أَخَرَ وَ لَا يَقْتُلُونَ النَّفْسَ الَّتَيْ مَرًّا ۚ اللهُ الَّا بِالْحَقِّ وَ لَا يَهْ نُوْنَ ، وَمَنْ يَنْعَلُ ذَٰ لِكَ يَلْقَ

الألمالة يُّفْعَفْ لَهُ الْعَذَابُ يَوْمَ الْقَيْمَةِ وَ يَخْلُدُ فَيْهِ مُهَانَّا ۖ الَّا مَنْ تَاكِوَ أَمَنَ وَعَمِلَ عَمَلًا مَا لَكًا فَأُو لَٰئِكَ يُبَدِّلُ اللَّهُ سَيًّا تِهِ مَسَنْ ، وَكَانَ اللَّهُ غَفُو رَا رَّحَيْمًا ﴿

وَمَنْ تَابَ وَعَمَلَ صَالحًا فَانَّهُ يَتُوبُ إِلَى الله مَتَابًا ۞ وَ الَّذِيْنَ لَا يَشْهَدُونَ الزُّوْرَ ، وَ اذَا مَرُّواْ بِاللَّغْوِ مَرُّواْ كأماه

وَ الَّذِيْنَ إِذَا ذُكِّرُواْ بِالْبِ رَبِّهِمْ لَمِرْ يَخِرُّواْ عَلَيْهَا مُمًّا وَّ وَ الَّذِيْنَ يَقُوْ لُوْنَ رَبَّنَا هَبْ لَنَا مِنْ أَزْوَاجِنَا وَذُرِّيُّتَنَا قُوَّةً أَغْيُن وِّ اجْعَلْنَا لِلْمُتَّقِيْنَ إِمَامًا ﴿

أُولِّنْكَ يُجْزَوْنَ الْغُرْفَةَ بِمَا صَبُّواْ وَيُلَقُّونَ فَيْهَا تَحِيَّةً وَّ

خُلديْنَ فَيْهَا - حَسُنَتْ مُشْتَقَةً ۗ إِوَّ مُقَامًا هِ 99। रल, 'धामार श्रींबेणानरकर किहरे बारन यात्र ना बान राजित जीरत ना أَنْ مَا يَعْمُواْ إِنِكُمْ رُبِّي لُوْ الأَدْعَا وُسُونَ عَنْ مُعَالِّقَ مَا يَعْمُواْ إِنِكُمْ رُبِّي لُوْ الأَدْعَا وُسُونَ عَنْ السَّالِينَ المَّاسِينَ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللّلِي اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّلِيلِيلُولِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّلْمُ اللَّهُ اللّ

يَكُوْنُ لَوَ إِمَّا أَهُ

চিহিত স্থানের দীকা দুরা নং : আয়াত নং অনুনারে তরক্ষমার শেষে দেবুন

এসে পডাটা) অপরিহার্য হবে।

## سُورةً الفُعَدِّيَّاء

#### ১৬ সৰা আশ-ও'যাৰা মাঞ্জী ২২৭ আয়াত, ১১ কক

. মসীম দ্যাম্য ও প্ৰম দ্যাল আলাহ্ব নামে

- vi comunication
- ১। একলো সম্পন্ন বিক্লোকের আয়াক।
- ত। হয়তো তমি নিজেকে মনোকটো খাংস কবে ফেলবে (এ ভেবে) যে ভারা ম মিন হয় না।
- ম। যদি আমি ইচ্ছা কৰভাম ভাৱনে আকাশ খোক ভালেব উপৰ একটি निमर्गन वरवीर्ग करवाप, करण এर अठि वास्तर यांच दिनट इस
- का प्राप्त प्राप्त क्रिको प्रमाणात लग्न आहे अपने क्रांत क्रांत क्रेंग्रेस আসেনি হা প্ৰেকে তাবা মথ ফিবিয়ে নেৱনি।
- ে তারা তো হিল্পা অভিটিত ব্যবস্থ কাল ভারা হা নিয়ে ঠাটা-বিভাগ করত তার (প্রকত) সংবাদসমহ শীঘই তাদের নিকট আসবে।
- ৭। ভাষা বি পথিবীৰ ব্যাপাৰে ভেবে দেখেনিং আমি ভাতে প্ৰভোক উৎকট भरतका कार्य है जिस है जनका करनाहि।
- ৮। নিশ্বর এতে অবসাই এক নিদর্শন বয়েছে। কিছু তানের অধিকাংশই C ম"মিন নয়।
  - ৯। এবং নিক্তম তোমার প্রতিপালক অবশাই মহাপ্রতাপশালী ও পরম<sup>া</sup> দয়ালু।
- ১০। এবং যখন তোমার প্রতিপালক মসাকে ভেকে বলেছিল যে, তমি ভালিম সম্পদায়ের কাছে যাও-
- ১১। -ধিরঅউনের সম্প্রদায়ের কাছে। তারা কি (আমাকে) তর করবে দাঃ ১১। সে বলেচিল 'তে আয়াব প্রতিপালক। নিশ্য আমি আশব্য কবি যে
- कारा स्वाचारक विश्वासामी सम्बन ১৬। এবং আয়ার বন্ধ সংকচিত হয়ে যাঙ্গে, আর আমার ভিতরাও (সার্কীগভাবে) চলে না, সুতরাং হারনের প্রতিও (ওহীসহ জিবরাঈলকে)
- প্রেরণ করুন। ১৪। আর আমার বিরুদ্ধে তাদের একটি অপরাধ (এর অভিযোগ) আছে, তাই
- অমি আশস্কা করি যে, ভারা আমাকে হত্যা করবে। ১৫। ডিনি (আলাঙ) বললেন 'কক্ষনো না অভএব ভোমৰা উভয়ে আমাৰ
- নিদর্শনাবলীসহ যাও, নিশ্চয় আমি তোমাদের সাথে প্রবণকারী। ১৬। অন্তএৰ ভোমৰা দ'জনে ফিবজাউনেব নিকট যাও এবং বল 'নিক্ষয় আমরা জগৎসমূহের প্রতিপালকের রাসল-
- ১৭। (এবং বল) যে, আমাদের সাথে বদী ইসরাঈলকে প্রেরণ কর।

### ٢٦-سُورُ أُو الشُّعُرُ أَهِ - مُكُّنَّةُ ท์ได้ได้เราหนาได้ได้ نسه الله الرَّحُمٰن الرَّحِيْم

تلك إنب الكتب المبين

لَعَلَّكَ بَاخِعٌ تَّفْسَكَ ٱلَّا يَكُوْ نُوْا مُؤْمِنْيَ. ۞

إِنْ نَّهَا نُنَالُ عَلَيْهِمْ مِّنَ السَّمَاءِ إِيَّةً فَظَلَّتْ أَعْنَاقُهُمْ لَهَا

وَمَا يَأْتَيْهِرُ مِّنَ ذَكُرِ مِّنَ الرَّحْمٰنِ مُحْدَثِ إِلَّا كَانُوْا عَنْهُ

فَقَدْ كَذَّبُوا فَسَيَأْتَيْهِمْ أَنْبُوا مَاكَانُوا بِهِ يَسْتَهْزِءُونَ ٠

أَوَ لَهُ يَوَا إِلَى الْأَرْضِ كَمْ أَنْسَبَتْنَا فَيْهَا مِنْ كُلِّ زَوْجٍ كَبِيدٍ ﴿ انْ فَي ذٰ لِكَ لَا يَةً وَمَا كَانَ أَكْتُو هُوْ مُؤْمِنْيَن ۞

وَ إِنَّ رَبُّكَ لَهُوَ الْعَدِيُّ الْحِيرُ ۗ أَنَّ

وَ إِذْ نَادِي رَبُّكَ مُوْسَى إِن اللَّهِ اللَّهُوْ } الظُّلُمِينَ ﴿

قَوْ } فَهُ عَوْنَ وَ أَلَا يَتَّقُونَ @ قَالَ رَبِّ إِنَّيْ أَهَانُ أَنْ يُكَذِّبُونِ ﴿

وَ يَهْيُقُ مَدْرِيْ وَ لَا يَنْطَلقُ لَسَانِيْ فَأَ رُسِلُ إِلَى هُوُونَ ۞

وَ لَهُمْ عَلَىٰ ذَنْبٌ فَأَخَانُ أَنْ يَقْتُلُون ﴿

قَالَ كَلَّاء فَاذْهَبَا بِأَيْتِنَآ إِنَّا مَعَكُرُ مُّسْتَمِعُونَ ﴿ فَأْتِيَا فِرْعَوْنَ فَقُوْلَّ إِنَّا رَسُوْلُ رَبِّ الْعَلَمِينَ ﴿

أَنْ أَرْسُلُ مَعَنَا بَنَيْ اللهِ آءِيلُ ﴿

১৮. বে (বিজ্ঞানীয়া) বজাব 'আহবা কি ভোয়াকে শিক হিসেবে আমাদেব মাবে লাভাল-পালন ক্রিনিঃ একং ক্ষমি ভোমার জীবনের বছ বছর আমাদের शहरा सारकार सरकार-১৯: এবং ডমি ভোমাৰ কাল্ল\* যা কৰাৰ তা কৰেছ এবং তমি অকতজনের

समर्केट े

২০। সে (মুসা) বলল, 'আমি তা করেছিলাম তখন, যথন আমি ছিলাম পথহারাদের অন্তর্ভক।

১১: অদেপের আছি ভোয়াদের নিকট থেকে পানিয়ে পিয়েছিলাম যখন আমি তোমাদেরকে ভয় করেছিলাম, অতঃপর আমার প্রতিপালক আমাকে প্রভা দান করেছেন এবং আমাকে রাসলদের অন্তর্ভক্ত করেছেন।

১১। এক সেটি একটি নেয়ায়ত (ডিসেবে কান্ত করেছে) যা তমি আমাকে স্থরণ করিয়ে নিছ- যে, তমি বনী ইসরাঈলকে দাসে পরিণত করেছ।

১৬। ফিবজাইন কাল 'আব জগৎসমূহের প্রতিপালক কীঃ'

১৪। সে (মসা) বলল, 'ডিনি আকাশসমহ ও পথিবী এবং উভয়ের মাঝে যা আছে ভার প্রতিগালত- যদি তোমরা নিশ্চিত বিশ্বাসী হও।

১৫। সে (ফিরআউন) ভার চারপাশের লোকদেরকে বলল: 'ভোমরা কি প্রবণ ক্তত না।

২৬। সে (মসা) বলল, 'তিনি তোমানের প্রতিপালক এবং তোমাদের পূর্বপুরুষদেরও প্রতিপাদক।

১৭। সে (ফিরুআউন) বলন, ' নিশুর তোমাদের রাসল- থাকে তোমাদের প্রতি প্রেরণ করা হয়েছে- অবশাই পাগল।

২৮। সে (মসা) বলল, 'তিনি পূর্ব ও পশ্চিমের এবং উভয়ের মাঝে বা আছে ভার প্রতিপালক- যদি ভোমরা অনধাবন করতে।"

১৯: সে (ফিবজাউম) বলল 'তহি যদি আমাকে ভাডা অন্য কোন ইলাহ গ্ৰহণ কর তাহলে অবশাই আমি তোমাকে কারারুদ্ধদের অভর্তত করব।

তে। সে (মুসা) বলল 'যদিও আমি তোমার নিকট সম্পষ্ট কিছ (নিদর্শন) भिता चापि फरन्ज'

৩১। সে (ফিরফাউন) বলল, 'তবে তুমি তা নিয়ে আস- যদি তুমি সতাবাদীদের অন্তর্ভুক্ত হও।

৩১। অভঃপর সে (মসা) তার নাঠি নিক্ষেপ করল এবং তৎক্ষণাৎ তা এক সম্পন্ন অন্তল্য ক্রম গেল : ৩৩। এবং সে ভার হাত (আমার গলার ভেতর হতে) টেনে বের করল এবং দি তৎক্ষণাৎ তা দৰ্শকদেৰ ক্ষমা গল-উজ্জল হয়ে পেল।

৩৪: সে (ফিরআউন) তার চার পাশের পরিষদবর্গকে বলল: "নিশ্চয় এ এক विका कामकव-

৩০। সে ভোমাদেরকে ভোমাদের খমীন (দেশ) থেকে ভার আদুর মাধ্যমে বের করে দিতে চায়। সূতরাং তোমরা কী পরামর্শ দাওঃ

وَ فَعَلْتَ فَعُلَتَكَ الَّتِي فَعَلْتَ وَ آنْتَ مِنَ الْحُمْ ثِنَ ﴿

قَالَ فَعَلْتُهَا إِذًا وَّ إِنَا مِنَ النَّالَّيْنَ ﴿ فَفَ رَتُ مِنْكُرْ لَمَّا حَفْتُكُرْ فَوَهَبَ إِنْ رَبَّى كُمَّا وَّجَعَلَنيْ منَ الْمُرْسَليْنَ @

قَالَ إَلَهُ نُرَبِّكَ فَيْنَا وَلَيْدًا وَّ لَبِثَى فَيْنَا مِنْ عُمُ كَ سِنْيَ هُ

وَ تِلْكَ نَعْمَةً تَمُنَّهَا عَلَى إِنْ عَبَّدْتُ بِنِي إِشْ أَوْ عَلِّي ﴿

قَالَ فِرْعَوْنُ وَمَا رَبُّ الْعُلَّمِينَ ﴿ قَالَ رَبُّ السَّمٰوٰت وَالْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا وَإِنْ كُنْتُرُ

قَالَ لَمَنْ حَوْلَةً إَلَا تَسْتَمِعُونَ ﴿ وَاللَّهِ اللَّهِ مَا إِلَّهُ إِلَّا لَا تَسْتَمِعُونَ ﴿

قَالَ رَبُّكُمْ وَ رَبُّ إِبَّائِكُمُ الْأَوَّ لَيْنَ⊚ قَالَ إِنَّ رَسُوْلَكُرُ الَّذِينَ أَرْسِلَ الَّذِكُ لَمَجْنُونٌ ٥

قَالَ رَبُّ الْمَشْرِقِ وَ الْمَغْرِبِ وَمَا بَيْنَهُمَا اللَّكُنْتُر

تَعْقلُوْنَ⊚ فَالَ لَئِن اتَّخَذْتَ الهَّا غَيْرِي لَآهُعَ لَنْكَ مِنَ الْمَسْجُوْنَيْنَ ۞

> قَالَ أَوَلَوْ جِئْتُكَ بِشَيْءٌ مُّبِيْنِ ﴿ قَالَ فَأْتِ بِهِ إِنْ كُنْتَ مِنَ الصَّاقِينَ

> فَأَلْقَى عَمَاهُ فَاذَا هِيَ ثُعْبَانٌ مُّبِيْنٌ ﴿ وْنَزَعَ يَدَهُ فَاذَا هِيَ بَيْضَاءُ للنَّظ بْرَيْ فَ

قَالَ لِلْمَلَاحُولَلَّهُ إِنَّ هٰذَا لَسْحَوْ عَلَيْرٌ ﴿

يُّرِيْدُ أَنْ يُّخْرِجَكُرْ مِّنْ أَرْفِكُرْ بِسِحْرِهِ الْفَهَا ذَا تَأْمُرُونَ ﴿

प्रभारतातीत्वत (शतर कत्व्यः ৩৭। তারা আগনার নিকট প্রত্যেক বিচ্চ জাদকরকে নিয়ে আসরে।

৩৮। অভঃপর এক নির্নিষ্ট নিদের নির্ধাবিত সময়ে জাদকরাদরকে একর করা হল-

৩৯। এবং লোকদেরকে বলা হল, 'তোমরা কি সমবেত হচ্ছ-

৪০। যাতে আমৰা ভামকবাদবাক অনুসৰণ কৰাত পাৰি- যদি তাৰাই বিহুছী

৪১। অভ্যাপত হাথম জামকতের আসল ভাগম ভাবা ভিতেমানীয়াক কলল 'আমানের জন্য অবশাই কোন প্রতিদান থাকবে কি- যদি আমরাই विकरी वंडे॰'

৪১। সে (ফিব্ৰোটন) বলল, 'চাঁ, তথন নিশ্ব ডোমবা অবশাই (আমাব) रेसकोराशास्त्रपत खळार्चमा दाताः

৪৩। মসা ভাদেবকে বলল, 'ভোমাদেব যা নিকেপ করার ভা নিকেপ কর।'

৪৪। অজ্ঞাপর জারা আদের মন্দি ও নাইজালা মিক্সপ করল এবং বলল 'विकास विकास से कार कर जाता । विकास स्वापना सामना से विकासी समा'

৪০। ভাজপের মসা ভার লামি মিক্ষেপ করল একা সংক্ষণাৎ ভা ভালের অলীক স**ষ্টিগুলোকে গিলে ফেলতে** লাগল।

৪৬। তখন জাদকবরা সিজদায় লটিয়ে পদল-

৪৭। তারা বলল, 'আমরা ঈমান আনলাম জগৎসমহের প্রতিপালকের প্রতি-

৪৮। মসা ও হাওনের প্রতিপালকের প্রতি।

৪৯। সে (ফিরআউন) বলল, তোমরা কি তাকে বিশ্বাস করলে আমি তোমাদেরকে অনমতি দেয়ার পরেটঃ নিশ্চয় সে অরপ্তে তোমাদের প্রধান, যে তোমানেরকে জাদ শিক্ষা নিয়েছে, অতএব অবশাই তোমরা অচিরেট (এর পরিবাম) ভানবে। অবশার্ট অর্থার্ট আমি কোমাদের হাত এবং তোমাদের পা বিপরীত দিক থেকে কেটে নিব এবং অবশ্যই অবশ্যই আমি ভোমাদের সবাইকে ক্রশবিদ্ধ করব।

৫০। তারা বলল, 'কোন ক্ষতি নেই, নিকর আমরা আমাদের প্রতিপালকের দিকে প্রভাবর্তন করব।

৫২। এবং আমি মদার প্রতি গুহী করলাম যে, 'আমার বান্দাদেরকে নিয়ে রাতে বের হও, নিক্য তোমাদের পশ্চাদ্ধাবন করা হবে।

৫৩। অভঃপর ফিরআউন শহরে শহরে (সৈনা) সংগ্রহকারীদেরকে প্রেরণ क्रम

يَاتُوْكَ بِكُلِّ سَحَّا رِعَلَيْ ﴿ فَجُمعَ السَّحَرَةُ لمِيْقَاتِ يَوْ } مَّعْلُوْ } ﴿ وٌ قَيْلَ لِلنَّاسِ هَلِّ أَنْتُمْ مُّجْتَبِعُونَ فِي

قَا لُوا آرْجِهُ وَ آخَاءُ وَ ابْعَثِي الْمَدَّ أَلِي حُسْرِينَ ﴿

لَعَلَّنَا نَتَّبِعُ إِلسَّحَرَةَ إِنْ كَانُوْ إِهُمُ الْغُلِينَ ﴿ فَلَمَّا جَآءَ } السَّحَ ةُ قَا لُوْ الفِ عَوْنَ أَلَىٰ لَنَا لَآجُ ۗ إِ إِنْ كُنَّا

> نَحُنُ الْغُلَيثِينَ @ قَالَ نَعَرْ وَ النَّكُمْ إِذًا لَّهِمَ الْمُقَاَّ بِيْرَهِ قَالَ لَهُ مُوْسَى إَلْقُوْا مَاۤ إَنْتُهُ مُّلْقُوْنَ ۞

فَٱلْقَوْا حِبَا لَهُمْ وَعَمِيُّهُمْ وَقَا لُوْ ابِعِزَّةٍ فِي عَوْنَ إِنَّا لَنَحُنَّ الغلبة

> فَٱلْغَى مُوْسَى عَمَاهُ فَاذَا هِيَ تَلْقَفُ مَا يَأْفَكُونَ ۖ أَنَّ فَأَلْقَىَ إِلسَّعَرَةُ سُجِديْنَ ﴿

قَا لُوًّا إَمَنَّا بِرَبِّ الْعُلَمِينَ۞ رَبِّ مُوسَى وَ هَرُونَ@

قَالَ إِمَنْتُو لَهُ قَبْلَ إِنْ إِذَنَ لَكُو ، إِنَّهُ لَكَبِيرُ كُورُ الَّذِي عَلَّمَكُمُ السَّهُ وَفَلَسَوْنَ تَعْلَمُونَهُ لِأَقَطَّعَنَّ آيُديكُمْ وَ اَ رُجُلَكُرْ مِنْ خَلَانِ وَ لَأُوصَلَّبَنَّكُرْ اَجْمَعَيْنَ ﴿

قَا لُوْ الْاَهْيُورُ وَانَّا إِلَى رَبَّنَا مُنْقَلِبُونَ ﴿ 

وَ أَوْ مَيْنَا إِلَى مُوْسَى أَنْ أَشْرِ بِعِبَادِينَ الَّكُرْ مُتَّبَعُونَ ﴿

فَا رْسَلَ فَوْعَوْنُ فِي الْمَدَّ النَّي هُمْ يْنَ أَ

وَ إِنَّهُمْ لَنَا لَغَالِظُونَ هُ

وَ إِنَّا لَجَمِيْعٌ مُدرُونَ ﴿

وَّكُنُوْزِ وَّمَقَا اكْرِيْرِ ۞

فَٱثْبَعُوْهُمْ مُشْعِقْنَ ⊕

فَأَخْرَجْنُهُرْ مِنْ جَنْتِ وْعُيُونُ أَ

كَذَلِكَ، وَ أَوْرَثُنْهَا بَني السِّ أَءِيْلَ ﴿

قَالَ كَلًّا، إِنَّ مَعِيَ رَبِّيْ سَيَهُديْن ⊛

كُلُّ فِرْقِ كَا لطُّود الْعَظِيرِ ﴾

وَ ٱزْلَقْنَا ثَرَّ الْأَهَدِيْنَ ﴾

ثُرَّ أَغْرَقْنَا الْإِخْرِينَ ﴿

فَلَمَّا تَرَأَءَ الْجَمْعٰي قَالَ أَصْحُبُ مُوْسِّي إِنَّا لَمُدْرِكُونَ أَيْ

০০ : এক নিশ্বর জারা অর্থাই আয়াদের ক্রোধ উদেগবারী-

৫৯। এবং নিশ্চয় আম্বা অবশাই এক সতর্ক দল।

৫৭। ফলে (এভাবেই) আমি তাদেরকে বের করে দিলাম উদ্যানরাজি ও

ঝর্ণাসমূহ থেকে-

৫৮। এবং ধন-ভাগ্যরসময় ও আকর্ষনীয় স্থান থেকে-

৫৯। এতাবেই (ঘটেছিল)। এবং আমি বনী ইসরাঈলকে এ সবের উত্তরাধিকারী করেছিলাম।

৬০। অভঃপর ভারা সুর্যোদয়কালে ভাদের পশ্চাদ্ধাবন করল।

৬১। অতঃপর যথন দুই দল পরস্পরকে দেখল তথন মুসার সঙ্গীরা বলল, "নিশ্চয় আহ্বা অবশাই ধরা পড়ে গেলাম।"

৬২। সে (মুসা) বলল, 'কক্ষনো না। নিশুর আমার সাথে আছেন আমার প্রতিপালক শীঘ্রই ডিনি আহাকে পথপ্রদর্শন করবেন।

৬৩। অতঃপর আমি মসার প্রতি গুড়ী করদাম যে, 'ডোমার লাঠি দ্বারা সমদ্রে আঘাত কর। ফলে তা বিভক্ত হয়ে পেল এবং প্রত্যেক ভাগ বিশাল

পর্বচের মত হয়ে পেল.

৬৪। এবং আমি সেখানে নিকটবর্তী করলাম অন্যদেরকে

৬৫। এবং আমি উদ্ধার করলাম মসাকে এবং তার সাথে বারা ছিল সবাইকে.

৬৬। এরপর আমি নিমজিত করদাম অদ্যদেরকে (ফিরাউন ও তার

সভী-সাধীদেরকে)।

৬৭। নিশুর এতে অবশাই এক নিদর্শন রয়েছে। কিন্তু তাদের অধিকাংশই 🕏 प्राधित तथ।

৬৮। এবং নিশ্বয় ভোমার প্রতিপালক অবশ্যই মহাপ্রতাপশালী ও পরম

৬৯। এক সামের নিজা ইবরাহীয়ের সংবাদ পাঠ কর।

৭০। যখন সে তার পিতা ও তার সম্প্রনায়কে বলেছিল, 'ভোমরা কিসের ট্ৰপাসনা কবঃ'

৭১। ভারা বলল, 'আমরা মর্ভির উপাসনা করি এবং ভাদের প্রতি (উপাসনায়)

লেগে থাকি।'

৭২। সে বলদ, 'ভারা কি ভোমাদেরকে শোনে যথন ভোমবা ভাক-

৭৩। অথবা তোমাদের উপকার করে কিংবা অপকার করে?

فَأَوْمَيْنَآ إِلَى مُوْسِّي أِن إِفْدِثْ بِعَصَاكَ الْبَدِّ، فَاثْفَلَقَ فَكَانَ

وَ ٱنْجَيْنَا مُوْسَى وَمَنْ مُّعَدُّ ٱجْمَعَيْنَ فَ

ان في ذلك لَايتًا وَمَا كَانَ آكَتُهُ هُرْ مُؤْمنيْنَ

وَإِنَّ رَبُّكَ لَهُوَ الْعَرِيزُ الرَّحِيرُ ﴿

وَ اثْلُ عَلَيْمِرْ نَبَا ابْرُهْيْرَ ﴿

إِذْ قَالَ لِاَبِيْهِ وَ قَوْمِهِ مَا تَعْبُدُونَ ۞ قَا لُوْ الْعُبُدُ أَصْنَامًا فَنَظَلُّ لَهَا عُكفيْنَ ۞

قَالَ هَلْ يَسْمَعُوْ نَكُرْ الْدُتَدْعُوْنَ ١٠٥

أَوْ يَنْفَعُوْ نَكُمْ أَوْ يَضُوُّونَ ﴿

৭৪। তারা বলল 'ববং আমরা আমাদের রাপদাদাদেরকে পোরতি একপ ৭৫। সে বলল 'ডোমবা কি ভেবে দেখেও ডোমবা কিসেব উপাসনা কবে

৭৬। ভোমরা এবং ভোমাদের অন্তীত পিতপক্ষমেরাঃ

৭৭। নিশ্চয় তারা (সরাই) আমার শক্ত, জগৎসমহের প্রতিপালক ছাত্রা-

৭৮। যিনি আয়াকে সাই কার্যায়ন এক মিনিই আয়াকে পথ পদর্শন কারন

an and किक्रिके लागाएक शाका क शाक्षिक बाद अपन्य-

৮০। এক যথন আমি বোগাভার হট সধ্য সিমিট আয়াতে আলোগ্য দান area.

৮১। এবং যিনি আমার মত্য ঘটাবেদ, এরপর জীবিত করবেদ-

NA 1 तक विक्रित साथि कार्याचा सकि तक विसाधानक विक्र साधान सकतात ক্ষয়া ব্যব দিবেন।

৮০। তে আহার প্রতিপালক। সাহাতে প্রভা হার করের এক সাহাতে মধ্যেত্রিকালের মাজে বিভিন্ন করেন-

৮৪। এবং আয়াকে প্রকর্মীদের যাবে সমসেরী বিসেবে প্রতিটিত রক্তর-

৮৫। এবং আমাকে নেয়ামতপর্ণ জানাতের উত্তরাধিকারীদের অন্তর্ভক্ত করুন-

৮৬। আর আমার পিতাকে কমা করান, নিকর তিনি হলেন পথভালৈর বন্ধর্ভত-৮৭। এবং সেদিন আয়াকে অপয়াণিত করবেন না যেদিন পানকভিতে করা

৮৮। যেদিন ধন-সম্পদ ও সন্তান-সম্বতি উপব্যাবে আসাব না-

৮৯। তবে (সেদিন উপকত হবে কেবল সে) যে আল্রাহর নিকট উপস্থিত হবে বিশুদ্ধ হ্লদ্য নিয়ে:

ho। আব জানাতকে নিকটে আনা হবে মন্তাকীদের জন্য-

৯১। এবং তীব আগুনকে প্রকাশ করা হবে বিপথগায়ীদের ক্রনা-

৯১। এবং আদেবকে বলা চাব 'সোহাবা যাদেব উপাচনা করাম মারা কোধায়-

৯৩ -আন্তাহকে বাদ দিয়েঃ তারা কি ভোমাদেরকে সাহায্য করতে পারে অথবা আন্তরকা করতে পারেঃ

قَا لُوْا بَأَنِ وَهَدُنَآ أَبَاءَنَا كَذِٰ لِكَ يَفْعَلُونَ مِ قَالَ إِفَوَءَيْتُمْ مَّا كُنْتُمْ تَعْبُدُونَ ﴿ أَنْتُمْ وَالِيَّاؤُكُمُ الْأَقْدَمُونَ ٥

فَانَّهُمْ عَدُوا لَآلَ إِلَّا رَبِّ الْعُلَمِينَ ﴿ الَّذِيْ خَلَقَنِيْ فَهُوَ يَهْدِيْنِ ۞

وَ الَّذِيْ هُوَ يُطْعَبُنِيْ وَيَسْقِيْنِ فِي وَاذَا مَ شُكُ فَهُو يَشْفَيْنِ فَيْ وَ الَّذِي يُمِيْتُنِي ثُوَّ يُحْيِثِينِ ﴿

وَالَّذِينَ أَطْمَعُ أَنْ يَغْفَ إِلْ غَطَيْتَتِي يَوْمَ الدَّيْنِ ٥ رَبِّ هَنْ إِنْ مُحْبًا وَ أَلْحَقْنِي بِالصَّلْحِينَ فِي وَ اجْعَلْ لَيْ لَسَانَ مِدْقِ فِي الْأَخِرِينَ ﴿ وَ اجْعَلْنِي مِنْ وَّرَلَّة جَنَّة النَّعْير @

> وَ اغْفِ إِلَائِي إِنَّهُ كَانَ مِنَ إِلَيَّا لَيْنَ فَي وَ لَاتُخُونَى يَوْمَ يُبْعَثُونَ ٥ يَوْ ﴾ لَا يَنْفَعُ مَا لُّ وَّ لَا بَنُوْنَ ﴿

> > الَّا مَنْ أَتَى اللهَ بِقَلْبِ سَلِيْرٍ ﴿ وَ أَوْ لَفَتِ الْجَنَّةُ لِلْمُتَّقِينَ ﴾ وَبُرْزَتِ الْجَحِيْرُ لِلْغُوثِينَ ﴿

وَقَيْلَ لَهُمْ أَيْنَهَا كُنْتُمْ تَعْبُدُونَ ﴿

مِنْ دُوْنِ اللهِ • هَلْ يَنْصُرُ وْنَكُرْ ۖ أَوْ يَنْتَصِرُ وْنَ هُ

(নীৰ ভাগৰে) বিজেপ এবা হবে আধামণী আব-১৯। এक वेजविराया वावितीय प्रवासिक

৯৬। এবং তারা (বিপথগামীরা) সেখানে ঝগড়া করে বলবে-

৯৭। আলাচন কসম অনুশাই আহ্বনা সম্পন্ন পথভাইতার মধ্যে ছিলাম-

৯৮। যখন আমরা ভোমাদেরকে জগৎসমহের প্রতিপালকের সমকক্ষ গণ্য analist of ৯৯। আর অপরাধীরাই (ইবলিসের বাহিনীই) আমাদেরকে পথএই করেছিল।

১০০।সূতরাং আমাদের কোন সুপারিশকারী নেই-১০১। এবং কোন অন্তরঙ্গ বন্ধও নেই।

১০১।সভবাৰ যদি আয়াদেৰ জন্ম একটি প্ৰজাবৰ্তন থাকত ভাচলে আয়বা

ম'মিনদের অন্তর্ভক হয়ে যেতাম। ১০৩।নিশ্বর এতে অবশাই এক নিদর্শন বয়েছে। কিম ভালের অধিকাংশই । ম মিন নয়।

১০৪। এবং নিশ্বর ভোয়ার প্রতিপালক অবশাই মহাপ্রতাপশালী ও পর্য দ क्सांस्य

১০০।নতের সম্পদায় প্রেরিডদেরকে (রাসলদেরকে) মিথ্যারাদী বঙ্গেছিল,

১০৬।বর্থন তাদের ভাই নহ তাদেরকে বলল, 'ডোমরা কি (আল্লাহকে) ভয় করবে নাঃ

১০৭। নিশ্চয় আছি ভোয়াদের জন্য একজন বিশ্বস্ত বাসল-

১০৮। সতরাং ভোমরা আল্লাহকে ভয় কর এবং আমার আনগত্য কর.

১০৯। আৰু আমি এব জন্য তোমাদের নিকট কোন প্রতিদান চাই না. আমার

প্রতিদান কেবল জগৎসমূহের প্রতিপালকেরট উপর. ১১০। সভরাং ভোমরা আল্লাহকে ভয় কর এবং আমার আনগভা কর।

১১১। তারা খলল, 'আমরা কি তোমাকে বিশ্বাস করব, যখন নিয়প্রেণীর লোকেরা ভোমার অনসরণ করছেঃ

১১২।সে (নৃহ) বলল, 'আর ভারা কী করত এ ব্যাপারে আমার কী জ্ঞান

Witness. ১১৬ এনের হিসাব কেবল আমার প্রতিপালকেরই দায়িতে- ধনি তোমরা

অনুভব করতে,

فَكُبْكِبُوْ إِ فَيْهَا هُرْ وَ الْغَاوِّنَ أَ وَجُنُودُ ابْلَيْسَ أَجْمَعُونَ ﴿

قَا لُوْ ا وَهُرْ فَيْهَا يَخْتَصُونَ اللهُ تَالله إِنْ كُنَّا لَفَيْ ضَلْل مُّبِيْنِ ﴿

إِذْ نُسَوِّيْكُيْ بِرَبِّ الْعُلَمِيْنَ⊚ وَمَا ٓ أَمَلَّنَا ٓ الَّا الْمُجْرِمُونَ @ فَمَا لَنَا مِنْ شَافِعِيْنَ فِي

وَ لَاصَدِيْقِ حَمِيْمِ ۞ فَلَوْ أَنَّ لَنَا كَرَّةً فَنَكُونَ مِنَ الْمُؤْمِنينَ ۞ أَنَّ فَيْ ذُ لِكَ لَا يَدُّ وَمَا كَانَ أَكْثَرُ هُرْ مُّؤْمِنْينَ ۞

وَ إِنَّ رَبُّكَ لَهُوَ الْعَرِيُّ البَّحِيْدُ ﴾ كَذَّبَتْ قَوْمُ نُوْحِي الْبُوْسَلِينَ كَا

اذْ قَالَ لَهُمْ أَخُوهُمْ نُوحٌ أَلَا تَتَّقُونَ أَهُ اتَّى لَكُو ۚ رَسُولُ أَمَيْنٌ ﴿ فَاتَّقُوا اللهَ وَ أَطِيْعُون ٥

وَمَآ اَسْتَلُكُرْ عَلَيْهِ مِنْ اَجْرِ اِنْ اَجْرِى الَّاكِلِي رَبِّ الْعَلَمِينَ ﴿ فَاتَّقُوا اللهَ وَ أَطِيْعُوْنِ ﴿ قَا لُوٓۤ ا أَنُوْمَنُ لَكَ وَ اتَّبَعَكَ الْأَرْذَ لُوْنَ ﴿

قَالَ وَمَا عِلْمِيْ بِمَا كَانُوْ إِيَعْمَلُوْنَ ﴿ انْ حَسَا بُهُرُ الَّاعَلِي رَبَّيْ لَوْ تَشْعُوُونَ ﴿ ১১৪। এবং ম'মিনদেরকে তাভিয়ে দেয়ার আমি কেউ নই

১১৫। আমি কেবল একজন সুস্পষ্ট সতর্ককারী।

২৬, সুরা ও'য়ারা

১১৬। তারা বলদ, 'হে নুহ্: যদি ভূমি নিবৃত্ত না হও তাহলে অবন্যাই ভূমি পাথরে আঘাতপ্রাপ্তদের অন্তর্ভক হবে।'

১১৭। সে (নৃহ) বলল, 'হে আমার প্রতিপালক। নিকর আমার সম্প্রদায় আমাকে ফিলাবাদী বলেভ

১১৮। সুতরাং আপনি আমার মাকে ও তাদের মাঝে চূড়ান্ত মীমাংসা করে দিন এবং আমাকে ও আমার সাথে যেসব মু'মিন আছে তাদেরকে উদ্ধার করুন।'

১১৯। অতঃপর আমি তাকে ও তার সাথে যারা ছিল তাদেরকে বোঝাই নৌযানে (উঠিয়ে) উদ্ধার করলাম,

১২০।এরপর অবশিষ্ট সবাইকে নিমজ্জিত করদায়।

১২১।নিশ্বর এতে অবশ্যই এক নিদর্শন রয়েছে। কিন্তু তাদের অধিকাংশই মু'মিন নয়।

১২২।এবং নিক্তম তোমার প্রতিপালক অবশ্যই মহা প্রতাপশালী ও পরম । দ্বাদ।

১২৩। আদও প্রেরিতদেরকে (রাসুলদেরকে) মিখ্যাবাদী বলেছিল,

১২৪। যখন তাদের তাই হুদ তাদেরকে বদল, 'তোমরা কি (আল্লাহ্কে) তর করবে নাঃ

১২৫।দিতর আমি তোমাদের জন্য একজন বিশ্বন্ত রাসূল-

১২৬। সূতরাং তোমরা আল্লাহ্কে ভয় কর এবং আমার আনুগত্য কর,

১২৭। আর আমি এর জন্য ভোমাদের নিকট কোন প্রতিদান চাই না, আমার প্রতিদান কেবল জগৎসমত্তের প্রতিগালকেরট উপর।

১২৮।ভোমরা কি প্রতিটি উঁচু স্থানে অনর্থক কীর্তিওছ নির্মাণ করছঃ

১২৯।এবং তোমরা প্রাসাদ নির্মাণ করন্ত, যাতে ভোমরা ছারীভাবে বাস করতে

১৩০।এবং যথন তোমরা আঘাত হান তখন আঘাত হেনে থাক স্বেঞ্চারীদের মত

১৬১।সজরাং ভোমরা আলাচাক দম কর এবং আমার আর্থেন। কর

১৩২।এবং ভয় কর তাকে বিনি তোমাদেরকে সাহায্য করেছেন তা দিয়ে যা তোমবা জান

তেনের জান, ১৩৩।তিনি তোমাদেরকে সাহায্য করেছেন গ্রাদি পত ও সন্তান-সন্ততি দিয়ে- إِنْ اَنَا إِلَّا لِنَدِيْرٌ مُّ مُّنِيْنٌ ﴿ قَا لُوْا لَئِنْ أَمْرُ تَنْتَهِ لِنُوحُ لَتَكُونَنَّ مِنَ الْمَرْجُومِينَ ﴿

قَالَ رَبِّ إِنَّ قَوْمِى كَذَّ بُوْنِ قُ فَافَتُمْ بَيْنِى وَبَيْنَهُرْ فَتَكًا وَّنَجِّنِى وَمَنْ مَّفِيَ مِنَ الْهُوْمَنِينَ۞

اَسْرِحِينَ۞ فَٱنْجَيْنُهُ وَمَنْ مَّعَهُ فِي الْقُلْكِ الْمَشْحُوْنِ ۞

ثُرُّ اغْرَقْنَا بَعْدُ الْلِقِينَ ﴿ إِنَّ فِي ذَٰلِكَ لَايَةً وَمَا كَانَ آكَثَرُمُرْ مُؤْمِنِينَ ﴿

وَإِنَّ رَبَّكَ لَهُوَ الْعَوْلَوْزُ الرِّحِيْرُ ﴾ كَذَّبَتْ عَادُ الْمُرْسَلِينَ ۚ ﴿ إِذْ قَالَ لَهُوْ إِلَهُمُ هُوْدٌ ٱلْاَتَّقُونَ ﴿

إِذْ قَالَ لَهِمْ الْحُوهُمْ هُوْدَ الْاِلتَّةِ إِنِّيْ لَكُمْ رَسُوْلٌ أَمِيْنٌ ﴾ فَاتَّقُوا اللَّهُ وَأَطْمُعُونَ هُ

وَمَآ الْسُغُلُكُمْ عَلَيْهِ مِنْ آهُرٍ ۥ إِنْ آهُرٍ مَا لِّاكُلُ رَبِّ الْعُلَيْنَ هِ آتَبُنُونَ بِكُلِّ رِبْعِ ابَّةً تَعْبُنُونَ هِ

> وَ تَتَّخِدُونَ مَمَا نِعَ لَعَلَّكُرُ تَخُلُدُونَ ﴾ وَ إِذَا بَطَشْتُر بَطَشْتُر جَبًّا رِيْنَ ﴾

فَاتَّقُوا اللهُ وَ أَطِيْعُونِ أَهُ وَ اتَّقُوا الَّذِيُّ آمَدُّكُرْ بِمَا تَعْلَمُونَ أَهْ

ر اِنْتُو ( اِنْدِي) اِنْدَارَ بِهَ تَنْتُونَ اَمَدُّكُرْ بِاَنْعَامُ وَّبَنْيَنَ ﴾

পারা	اسُورَةُ الشَّعْرَاء هد-
মৃহ দিয়ে,	وَجَنْبٍ رَّعُيُونٍ <del>ۿ</del>
নের উপর এক ভয়াবহ দিনের শান্তির আশবা	إِنِّيٓ آخَانُ عَلَيْكُرْ عَذَابَ يَوْمٍ عَظِيْرٍ ﴿
দেশ দাও (ওয়াজ কর) অথবা উপদেশদানকারীদের রই আমাদের জন্য সমান-	قَا لُوْا سَوَّاءٌ عَلَيْنَآ ٱوَعَظْىَ ٱٓ ٱلرَّ تَكُنْ مِّنَ الْوٰعِظِيْنَ ﴾
র্ববর্তীদের চরিত্র ছাঞ্জ আর কিছু নয়-	إِنْ هٰذَآ إِلَّا خُلُقُ الْاَوَّلِيْنَ ﴾
ঙ হ্বার নই,'	وَمَا نَهُنُ بِمُعَدَّ بِيْنَ ﴿
chariff warm woman works retreated sales accounts.	1 22-15 - 1 - 1 - 2-17 -11 1 . B. 121 1 50 57 57 20 2 5-7

১৩৯।এবং তারা তাকে বিখ্যাবাদী কলন, সুতরাং আমি তালেরকে ধ্বংস করলাম। নিক্তা এতে অবশাস্থ এক নিশশন সমেছে। কিছু তালের অধিকাংশই মুখিন ১৪০।এবং নিশ্বর ভোমার প্রতিপালক অবশাই মহাপ্রভাগশালী ও পরম

১৪১।ছামূদও প্রেরিতদেরকে (রাসুলদেরকে) মিখ্যাবাদী বলেছিল. ১৪২ হখন তালের ভাই সালিহ তাদেরকে বলল, 'ভোমরা কি (আল্লাহকে) ভয় করবে নাঃ ১৪৬ মিশ্বর আমি ভোমাদের ফলা এরফেন বিশ্বর বাসল-

১৪৪। সভরাং ভোমরা আলাহকে ভয় কর এবং আমার আনুগতা কর, ১৪৫।আর আমি এর জন্য তোমাদের নিকট কোন প্রতিদান চাই না. আমার

প্রতিদান কেবল জগৎসমূহের প্রতিপালকেরই উপর। ১৪৬: কোমানের কি মিরাপদ অবস্থায় কেডে দেয়া হবে, যা এখানে (পথিবীতে) wire wire-

১৪৭।বাগানসমূহ ও ঝর্ণাসমহে-১৪৮৮এক সমাক্ষেত্ৰ ও কোছল গুৰু বিশিষ্ট খোনৰ বাগানেঃ

২৬. সরা ভ'যারা

১৬৪ একে বাগান ও ঝগাঁসঃ ১৩৫।দিশুর আমি ভোমান

১৩৬।তারা বলদ, 'তমি উপা অলভেঁক নাহণ উভয় ১৯৭।এটি (ওয়াজ করা) প

১৯৮:এবং আম্বা শানিপ্রাণ

worfe."

১৪৯।এবং ভোমরা দক্ষভার সাথে পাহাত কেটে গহ নির্মাণ করছ,

১৫০।সূতরাং ভোমরা আল্লাহকে তয় কর এবং আমার আনগতা কর.

১৫১। এবং সীমালঞ্চনকারীদের নির্দেশের আনগত। করো না-

১৫২, যারা পথিবীতে ফ্যাসাদ সৃষ্টি করে এবং সংশোধন করে না."

১৫৩।তারা বলল, 'তুমি কেবল জানুগ্রন্তদের অন্তর্ভুক্ত,

وَانَّ رَبُّكَ لَهُوَ الْعَزِيرُ الرَّحِيرُ ﴿

كَذَّبَتْ ثُمُودُ الْمُرْسَلِينَ } إِذْ قَالَ لَهُرْ أَخُوْهُرْ صَلَّمْ أَلَاتَتَّقُوْنَ أَعُ انَّيْ لَكُمْ رَسُولُ أَمِيْنَ ا

فَا تَّقُوا اللَّهَ وَ أَطَيْعُونِ ﴿ وَمَّا آشْتُلُكُرْ عَلَيْهِ مِنْ آجُرِ ؛ إِنْ آجُرِيَ الَّا عَلَى رَبِّ الْعَلَمِيْنَ ﴿ أَتُتْوَكُوْنَ فِي مَا هُهُنَّا أَمِنْيْنَ ﴿

في جَنْت وَعَيُونِ ﴿ وَّ زُرُوعِ وَّ نَصْلِ طَلْعُهَا هَفِيْرٌ ﴾

وَ تَنْعَتُوْنَ مِنَ الْجِبَالِ بُيُوْتًا فَ هِيْنَ ﴿ فَا تَّقُوا اللهُ وَ أَطِيْعُونِ ﴿

وَ لَا تُطِيْعُواۤ أَمْرَ الْمُسْرِفِيْنَ۞ الَّذِيْنَ يُفْسِدُوْنَ فِي الْأَرْضِ وَ لَايُصْلِحُوْنَ ﴿ قَا لُوْ ا إِنَّهَا آنْتَ مِنَ الْمُسَحِّدِيْنَ ﴿

980

وَ لَا تَمَسُّوهُ هَا بِسُوءٌ فَيَا ثُمُدُكُر عَذَابُ يَوْ ٢ عَظَيْر ﴿

فَعَقَهُ وْهَا فَأَصْبَكُوْ الْدَمِيْنَ ﴿

وَانَّ رَبُّكَ لَهُوَ الْعَزِيْزُ الرَّحِيْرُ ﴿

كَذَّبَتْ قَوْمٌ لُوْطِي الْمُرْسَلِينَ \$

انَّىٰ لَكُرْ رَسُوْلٌ أَمِيْنٌ ﴿

فَاتَّقُوا اللهُ وَ أَطْيَعُونِ ﴾

علواياه

مؤ منبي ه

১৫৪।তমি আমাদের মত একজন মানুষ ছাড়া আর কিছু নও, সূতরাং তুমি একটি নিদর্শন নিয়ে আস- যদি তমি সত্যবাদীদের অন্তর্ভক হও' ১৫৫।সে (সালিহ) বলল, 'এটি একটি উন্নী এব জনা আছে পানিব জংশ এবং তোমাদের জন্য আছে পানির অংশ, নির্ধারিত দিনে,

১৫৬।এবং একে কোন মন্দ ছারা স্পর্ন করো না (যদি কর) ভাচাল তোমাদেরকে এক ভয়াবহ দিনের শান্তি পাকভাও করবে।

১৫৭। কিল ভাবা একে হত্যা কবল এবং অনকল হল-

২৬. সূরা ও'য়ারা

১৫৮। মতঃপর শান্তি তাদেরকে পাকডাও করল। নিশ্চয় এতে অবশাই এক নিদর্শন রবেছে। কিন্ত তাদের অধিকাংশই অ'মিন নয়।

১৫৯।এবং নিক্য তোমার প্রতিপাদক অবশাই মহাপ্রতাপশালী ও পরম কর

১৬০।লভের সম্প্রদায় প্রেরিডদেরকে (রাসলদেরকে) মিথ্যাবাদী বলেছিল.

১৯১। যখন তাদের ভাই লভ তাদেরকে বলল, 'ভোমরা কি (আল্লাহ্কে) ভর ক্রবনে মাণ

১৬২। নিশ্চয় আমি তোমাদের জন্য একজন বিশ্বস্ত রাস্প-

১৬৩। সভরাং ভোমরা আল্রাহকে ভয় কর এবং আমার আনগভা কর

১৬৪। আৰু আমি এব জন্ম ভোমানের নিকট বোন প্রতিদান চাই না আয়ার প্রতিদান কেবল জগৎসমহের প্রতিপালকেরই উপর।

১৬৫। জগৎসমতের মধ্যে ভোমবাট কি (জৈতিক চারিলা পরথের জনা)। পুরুত্যর নিকট প্রমন করে থাকঃ

১৬৬। এবং তোমাদের প্রতিপাণক তোমাদের জন্য যে স্ত্রীদেরকে সৃষ্টি করেছেন जारमदाक शरिजाश कार धाळ। वरा रजाप्रवा जीपालकारकारी जलपाप। ১৬৭।তারা বলল, 'বে লত! যদি তমি নিবর না হও তারলে অবশাই তমি

বহিত্তদের অন্তর্ভুক্ত হবে। ১৬৮।সে (নত) বলদ, 'নিভয় আমি ভোমাদের এই (অপ)কর্মের প্রতি বীতশঙ্কদের অমর্ভক।

১৬৯। হে আমার প্রতিপালক। আমাকে এবং আমার পরিবার-পরিজনকে ভারা যা করে তা থেকে উদ্ধার করুন।

১৭০।অভণের আমি ভারে এবং ভার পরিবার-পরিক্রর সরাইকে ট্রের

১৭১। এক বৃদ্ধা (অর্থাৎ তার স্ত্রীকে) ছাতা, যে ছিল পিছনে থেকে যাওয়াদের (ধাংসগ্রাপ্তদের) অন্তর্ভক.

১৭১। এরপর আমি ছাংস করলাম অন্যদেরকে

فَأَخَذَهُمُ ۖ الْعَذَابُ ۚ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَا يَدٌّ ۚ وَمَا كَانَ آكَةً ۗ هُرْ

إِذْ قَالَ لَهُمْ أَخُوهُمْ لُوطًا إِلَا تَتَّقُونَ ١

وَمَا آشْتُلُكُمْ عَلَيْهِ مِنْ آهِ ، انْ آهُوى الَّاعَلَى رَبِّ الْعُلَمِينَ ﴿

أَتَأْتُونَ الذُّكُونَ الذُّكُونَ مِنَ الْعُلَمِينَ فِي وَ تَذَرُونَ مَا عَلَقَ لَكُرْ رَبُّكُرْ مِنْ أَزْوَاجِكُرْ • بَلْ أَنْتُرْ قَوْمٌ

قَا لُوْ النَّنْ لَّوْ تَنْتَهُ يِلُوْ مُا لَتَكُوْ نَنَّ مِنَ الْمُخْبَ مِيْنَ ۞

قَالَ إِنَّى لِعَمَلِكُمْ مِّنَ الْقَالِينَ ﴿

رَبِّ نَجِّنيْ وَ أَهْليْ مِمًّا يَعْمَلُونَ ؈ فَنَحَمْنَهُ وَ أَهْلَهُ آهُمَعْنَ هُ

الَّا عَجُوْ زَا فِي الْغَبِ يْنَ ﴿

ثُرُّ دَمُّ إِنَّا الْإِخَرِينَ ﴿

১৮৩।এবং লোকদেরকে তাদের (প্রাপ্য) বস্তু কম দিও না এবং পবিবীতে ফ্যাসাদ সঙ্কিবারী হতে অপরাধ করো না. ১৮৪।এবং ভর কর তাঁকে বিনি সৃষ্টি করেছেন তোমাদেরকে ও তোমাদের

পর্ববতী প্রস্তনসমহকে। ১৮a जावा वसस 'क्रि करन काम्युक्तमं क्रवर्डक-

১৮৬।এবং তমি আমাদের মত একজন মানব ছাড়া আর কিচ নও এবং আমরা ছোয়াৰে অৱশাই যিখাবাদীদেৱ অন্তৰ্ভক মনে কবি.

১৮৭।সতরাং তমি আমাদের উপর আকাশের একটি খণ্ড ফেলে দাণ্ড- যদি কুমি সভাৰাদীদের অম্বর্জক হও। ১৮৮।সে বলদ, 'তোমরা যা কর সে সম্পর্কে আমার প্রতিপালক সবচেয়ে বেশি

miran: ১৮১ একে ভারা ভাতে প্রিপ্নারাদী বলল কলে বাদেরকে ছেন কালো মেছ হারা সষ্ট) ভাষাময় দিনের শাস্তি পাকডাও করল। নিকর তা হিল এক জ্যাবর দিয়ের শারি।

১৯০।নিক্তর এতে অবশাই এক নিদর্শন রয়েছে। কিন্তু তাদের অধিকাংশই মু'মিন নয়। ১৯১ এবং নিশ্বয় তোমার প্রতিপাদক অবশ্যই মহাপ্রতাপশালী ও পরম ন

وَ اتَّقُوا الَّذِي خَلَقَكُمْ وَ الْجِبِلَّةَ الْأَوَّ لَيْنَ فِي قَا لُوًّا إِنَّهَا آنْتَ مِنَ الْمُسَعِّدِينَ ﴿ وَمَا آنْتَ إِلَّا بَشَرٌ مِّثْلُنَا وَإِنْ تَظُنَّكَ لَمِنَ الْكُذِبِيْنَ ﴿ فَأَشْقَطُ عَلَيْنَا كَسَفًا مِّنَ إِلسَّمَاءِ إِنْ كُنْتَ مِنَ إِلصَّاقَيْنَ ﴿

قَالَ رَبَّيْ أَعْلَرُ بِمَا تَعْمَلُوْنَ ۞ فَكَذَّابُوهُ فَأَخَذَهُرْ عَذَابُ يَوْمَ الظُّلَّةِ الْمُكَانَ عَذَابَ يَوْمُ انْ فَيْ ذَلِكَ لَا يَدُّ وَمَا كَانَ أَكْتُهُمُ مُوْمنينَ

وَإِنَّ رَبُّكَ لَهُوَ الْعَزِيْزُ الرَّحِيْرُ ﴿

চিহ্নিত স্থানের দীকা দরা নং ; আয়াত নং অনুসারে তরজমার পেবে দেবুন

৬৬. সূরা ও'য়ারা পার	ا-سُورَةُ القُعَرِآء ( ١- ١- ١٠ هذ ١
১৯২।এবং,নিশ্চয় ভা (কুরআন) অবশ্যই জগৎসমূহের প্রতিপাসকের পক্ষ থেকে অবতীর্ণ।	رَاِنَّهَ لَتَنْزِيْلُ رَبِّ الْعَلَمِيْنَ <b>﴿</b>
১৯৩। জহল আমীন (জিবরাঈল) তা নিয়ে অবভরণ করেছে-	نَزَلَ بِهِ الرُّقُ الْآمِيْنُ ﴾
১৯৪।তোমার জনয়ে, । যাতে ভূমি সভর্কারীদের অন্তর্ভুক্ত হতে পার-	عَلَى قَلْبِكَ لِتَكُونَ مِنَ الْمُثَدِرِيْنَ ﴿
১৯৫।(অবতীর্ণ করা হয়েছে) সুম্পষ্ট আরবি ভাষায়।	ؠؚڵؚڛؘٳڽ؏ۘڔؠۣۜڡؙؖؠؽٛڽۿ
১৯৬।এবং নিতর তা অবশাই (উল্লিখিড) রয়েছে পূর্ববর্তী যাবুরসমূহে (লিখিড কিতাবসমূহে)।	وَإِنَّهُ لَفِيْ زُبُرٍ الْآوَّلِيْنَ⊕
১৯৭।এটা কি তাদের জন্য নিদর্শন হয়নি যে, বনী ইসরাইলের জ্ঞানীরা (আলেমরা) তা জানেঃ	اوَ لَرْيَكُنْ لَّهُرْ ايَدُّ أَنْ يَعْلَمَهُ عُلَّمُوا ابَنِّي إِشْرَاءِيْلَ ﴿
১৯৮।আর যদি আমি তা কোন আজমীর (অনারবের) <sup>*</sup> উপর অবতীর্ণ করতাম-	وَلَوْ نَزَّلْنُهُ عَلَى بَعْضِ الْأَعْجَمِيْنَ ﴿
১৯৯।এবং সে তাদের নিকট তা পাঠ করত, তবু তারা তাতে বিশ্বাসী হত না।	فَقَرَ اَلَّا عَلَيْهِمْ مَّا كَانُوا بِهِ مُؤْمِنِيْنَ ﴿
২০০। এভাবেই আমি অপরাধীদের হৃদয়ে তা (অবিশ্বাস) সঞ্চার করেছি।	كَذَٰ لِكَ سَلَكْنُهُ فِي قُلُوْبِ الْهُجُرِمِيْنَ ۞
২০১। তারা এতে (কুরআনে) ঈমান আনবে না যতক্ষণ না তারা যন্ত্রণাদায়ক শান্তি প্রত্যক্ষ করবে-	لَا يُؤْمِنُونَ بِهِ حَتَّى يَرَوُا الْعَذَابَ الْآلِيْرَ ﴾
২০২। এবং তা তাদের নিকট এসে পড়বে আকম্মিকভাবে, যখন তারা টেরও পাবে না-	فَيَا تِيَهُرْ بَغَتَةً وَّهُرُ لَايَشْعُرُونَ ﴾
২০৩। এবং তারা বলবে, 'আমরা কি অবকাশপ্রাপ্ত হবঃ'	فَيَقُوْ لُوْا هَلَ نَحْنُ مُثْظَرُونَ ﴿
২০৪। তবে কি তারা আমার শান্তি ভাড়াতাড়ি পেতে চায়ঃ	ٱفَبِعَذَ ابِنَا يَشْتَعْجِلُوْنَ⊕
২০৫। তুমি কি ডেবে দেখছ, যদি আমি তাদেরকে বহু বছর জীবনোপতোপ করতে দেই-	أَفَرَءَيْتَ إِنْ مَتَعْلَهُ رُسِنِينَ ﴾
ক্ষাত দেহ" ২০৬। এরপর তাদেরকে যে প্রতিশ্রুতি দেয়া হত তা তাদের নিকট এসে পত্তে-	ثُرَّ جَآءَهُرْ مًا كَانُوْا يُوْعَدُونَ ﴾
২০৭। (তথম) তাদেরকে কে উপজোগের সামশ্রী দেরা হয়েছিল তা তাদের কোন কাজে আসবে মা।	مَّا آغْنَى عَنْهُرْ مَّا كَانُوا يُمَتَّعُونَ ﴿
২০৮। এবং আমি এমন কোন জনপদ ধংশ করিনি যার জন্য সতর্ককারীয়া ছিল না।	وَمَاۤ آهۡلَكَنَا مِنْ قَرْيَةٍ إِلَّا لَهَا مُنْدِرُونَ ۖ
২০৯।(এটি তোমাদের জন্য) উপদেশস্বরূপ, আর আমি জালিম নই।	ذِكْرُى شْوَمَاكُنَّا ظُلِمِيْنَ ۞
২১০। এবং শয়তানরা তা (কুরআন) নিয়ে অবতীর্ণ হয়নি।	وَمَا تَنَزَّلَتْ بِهِ الشَّيْطِيْنُ ⊛
২১১। এবং তাদের জন্য (এ কাজ) মানায় না এবং তারা এতে সক্ষমও দয়।	وَمَا يَنْــُبَغِيْ لَهُرْ وَمَايَسْتَطِيْعُونَ

১১১।নিশ্য তাদেবকে (করঝানের ওটা) শবণ হতে অবশাই পথক রাখা ১১৯।সকবাং কমি আলাহর সাথে অন্য ইলাহকে ডেকো না, তাহলে তমি

শান্তিপ্রাপ্তদের অন্তর্ভক হবে, ১১৪ এবং সকর্ব বব ভোয়ার আছীয়-স্কলদেরকে-

১১৫।এবং যারা তোমার অনসরণ করে সেসর ম'মিনদের জন্য তোমার বাছকে নিচু কর (দয়দ্র হও), ১১৬:আর খণি তারা (তোমার আত্মীয়-স্বজনরা) তোমাকে অমান্য করে

তাহলে তুমি বল, 'ভোমরা যা কর তা থেকে নিক্তর আমি দায়িতমঙ্ক'. ২১৭।এবং ভূমি ভরসা কর মহাধ্রতাপশাদী ও পরম দয়ালুর উপর-

২১৮।খিনি তোমাকে দেখেন, যখন ভূমি (সালাতে) দাঁড়াও-

১১৯।এবং (দেখেন) সিজদাকারীদের মধ্যে তোমার ওঠা-নামা।

১১০ নিশ্যা কিনিট সর্বাধারা ও সর্বজানী।

১১১। আমি কি তোমাদেরকে সংবাদ দিব কার উপর শহতানরা অবতীর্ণ হয়ঃ

২২২।তারা অবতীর্ণ হয় প্রত্যেক পাপীষ্ঠ মিধ্যাবাদীর (অর্থাৎ গনকের) উপর-

১১৬/ভারা (শহতানরা) কান পেতে থাকে (উর্ধাকাশে ফেরেশতাদের প্রতি যা নির্দেশ করা হয় তা প্রবণের জন্য) এবং তাদের অধিকাংশই মিথ্যাবাদী। ১১৪।এবং কবিদেরকে অনসরণ করে বিপথগামীরাই।

১১৫ কমি কি দেখনি তাবা প্ৰত্যেক উপত্যকায় নিশেহাৰা হয়ে ঘৱে বেডাইঃ

২২৬:এবং তারা এমন কিছ বলে যা তারা করে না-

و الَّذِينَ أَمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلَحَتِ وَذَكَ وَاللَّهُ كَثِيرًا ﴿ عَمِلُوا السَّلَا عَالِمَ اللَّهُ كَثِيرًا ﴿ عَمِلُوا السَّلَا عَالِمَ اللَّهُ كَثِيرًا ﴿ عَمِلُوا الصَّلْحَتِ وَذَكَ وَاللَّهُ كَثِيرًا ﴿ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى বেশি আলাহ্রাক্ত ক্ষরণ ক্রারাচ্চ এবং ক্রান্তাচারিত হবার পরই (পান্টা <mark>নি</mark> و الْتَصُوا مِنْ نَعْنَ مَا ظُلُمُوْ الوَ سَعْلَمُ اللَّهِ عَلَيْهُ إِلَّهِ اللَّهِ عَلَيْهُ } [اللّ فَي ظُلُمُ اللّ عليه اللّه عليه الله عليه عليه الله عليه عليه الله عليه الله عليه عليه الله عليه عليه الله على الله عليه الله عليه الله على الله عليه الله على الله على الله عليه على الله على الله عليه على الله على الل প্রজাবর্জনকলে ভাবা প্রভাবর্জন করছে।

انَّهُرْ عَنِ السَّمْعِ لَمَعْزُوْ لُوْنَ ﴿ فَلَا تَدُعُ مَعَ اللهِ اللَّهَا أَخَرَ فَتَكُوْنَ مِنَ الْمُعَدُّ بِيْنَ ﴿

وَ أَنْدَرْ عَشِيْرَ تَكَ الْأَقْرَ بِيْنَ ﴿ وَ اكْفَفْ جَنَا هَكَ لَمَنِ اتَّبَعَكَ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ ﴿

فَانْ عَمَوْكَ فَقُلُ إِنَّى بَرِيَّ مَّمَّا تَعْمَلُونَ ﴿ وَتُوكُّلُ عَلَى الْعَزِيْزِ الرَّحِيْرِ ﴾ الَّذِيْ يَرْ بِكَ حَيْنَ تَقُوْمُ ﴾

وَ لَقَلَّبَكَ فِي | لشجديْنَ⊛ اللهُ هُوَ السَّمِيْعُ الْعَلَيْرُ ﴾ هَلْ أُنَبِّ تُكُورُ عَلَى مَنْ تَنَوَّلُ إِلهُ يَطِيرُ.

تَنَوْلُ عَلَى كُلِّ أَفَّاكِ أَثْيُرِ ﴿ يُّلْقُوْنَ السَّمْعَ وَ أَكْتُرُهُرْ كُذِبُوْنَ ﴿ وَ الشُّعَرِّ أَءُ يَتَّبِعُهُرُ الْغَارَانَ ﴿

> أَلَرْ تَوَ أَنَّهُرْ فِي كُلِّ وَإِدِ يَّهِيْمُونَ ﴿ وَ أَنَّهُمْ يَقُوْ لُونَ مَا لَا يَفْعَلُونَ هُ

> > مُنْقَلَب يَّنْقَلبُوْنَ هُ

পারা-১৯

# سُورَةُ النَّمْل

#### ২৭. সূরা আন-নামল, মা**রী** ১৩ আয়াত, ৭ বংক্

অসীম দ্যাম্য ও প্রম দ্যাল আলাত্র নামে

- ১। তোয়া-সীন। এগুলো কুরআন ও সুস্পষ্ট বিভাবের আয়াত-
- ২। ম'মিনদের জন্য পথনির্দেশিকা ও সসংবাদস্করণ-
  - যারা সালাত (নামান) কায়েম করে ও থাকাত প্রদান করে এবং ভারাই
    অধিবাতে মিশ্রিক বিশ্বাসী।
- নিকয় যারা আখিরাতে ঈয়ান আনে না তাদের নিকট তাদের কর্মসমূহকে আমি শোভনীয় করেছি, ফলে তারা দিশেহরা হয়ে দুরে বেড়ায়।
- ৫। ওরাই তারা যাদের অন্য রয়েছে নিকৃষ্ট শান্তি এবং তারাই আবিরাতে সর্বাধিক ক্ষতিগ্রন্ত।
- ৬। এবং নিকয় তোমাকে অংশাই কুরআন দেয়া হচ্ছে মহাপ্রজাবান ও
  সর্বজানীর নিকট থেকে।
- ৭। খবন মূসা তার পরিবার-পরিজনকে বলেছিল, 'দিচয়ু আমি আঙল দেখেছি। দীট্রই আমি তোমাদের জন্য তা থেকে কোন খবর আমন অথবা তোমাদের জন্য জানর অপিশিক্ষা থাকে তোমবা আলম পোলাকে পার।'
- ৮। অতঃপর যখন সে এর নিকট আসল তবন তাকে ভাক দেয়া হল (এই বলে) যে, 'বরকতপ্রাপ্ত সে যে আছে এই আতদের মধ্যে এবং যারা আছে এর চারপাশে। আর জগৎসমূহের প্রতিপাশক আরাহ্ পবিত্র।
- ৯। হে মসা! নিক্তর আমিই মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রজ্ঞাবান আল্লাহ-
- ১০। এবং তুমি ভোমার লার্ট নিজ্পে কর। অভঃপর ছবন সে এটিকে সাপের মত ছুটোছুটি করতে দেখল তখন দে পিছনে ফিরে পালাতে লাগল একং ফিরেও ভাষাল না। (ক্যা হক) 'হে সুমা। ভার পেয়ো না, নিশ্বয় আমার কছে প্রেরিকরা (জাসলার) ভার পায় না-
- ১১। তবে যে জুলুম করেছে, এরপর মন্দ কাজের পর ভালকার প্রতিস্থাপন করেছে তবে নিক্ষয় আমি কঠি ক্ষমানীল ও প্রয়া নালে।
- ১২। এবং তোমার হাত ভোমার জামার গদান্ত ক্রেতর রাখ, তা কোন ক্ষতি হাড়াই কল-উজ্জল হয়ে বের হয়ে আসবে।' (এ দুটি নিদর্শন হিল) ফিস্সমাটন ও তার সম্পোদেরে রাটি (মেরিভ) নয়টি নিদর্শনের অন্তর্জুভ। নিদয় তারা চিল্ল এক পালাসারী সম্পানাথ।

آبَانَهَا ١٩٠٠رُكُومَّاتَهَا - ٤ يِسْمِ اللهِ الرَّحُمُنِ الرَّحِيْمِ

طس م تِلْكَ إِيْكُ الْقُرْ إِنِ وَكِتَابٍ مَّبِيْنٍ ٥

هُدُّى وَّبُشُرْى لِلْمُؤْمِثِينَ۞ الَّذِينَ يُقِيْمُونَ السَّلُوةَ وَيُؤْتُونَ الزَّحُوةَ وَهُرُ بِالْلِحِرَةَ هُر يُوقَتُونَ۞

٢٠- سُورُ النَّهُل- مُكِّبَّةٌ

بر مرر وق إِنَّ الَّذِيْنَ لَايُؤْمِنُونَ بِالْإِخِرَةِ زَيَّنَّا لَهُرَ أَعْمَا لَهُرْ فَهُرْ يَعْمَوُنَ

أُولَغَكَ الَّذِيْنَ لَهُرْ سُوَّءُ الْعَذَابِ وَهُرْ فِي الْاَخِرَةِ هُرُ. الْآغُسُرُونَ ۞

وَ إِنَّكَ لَتُلَقَّى الْقُرُ أَنَ مِنْ لَّدُنْ حَكِيْرٍ عَلِيْرٍ ۞ إِذْ قَالَ مُوْسَى لَاهْلَةِ النَّيِّ أَنْسُكَ نَا رَّا سَالَيْكُرُ مَّنْهَا بِخَبَرِ

ٱۉ۫ اِتِيكُمْ بِشِهَا بِ فَبَسِ لَعَلَّكُمْ تَمْطَلُوْنَ ۞ فَلَمَّا جَاءَهَا نُودَى ٱنْ بُورِكَ مَنْ فِي النَّا رِوَمَنْ حَوْلَهَا ۗ وَ

سُبْحٰنَ اللهِ رَبِّ الْعَلَمِيْنَ⊙ يُمُوشَى اثَّةً إَنَا اللهُ الْعَرِيُّ الْعَكِيْرُ ﴾

رَالْقِيَّمَالَفَّ فَلَمَّا رَاْهَا تُهُتَّزُ كَانَّهَا جَانَّ قُرْنُ مُنْبُرا وَّلَّرَ يُنَقِّبُ يَمُوسُى لَاتَحْتُ سَائِنْيُ لاَيْحَانُ لَدَىَّ الْمُرْسَلُونَ ﴿ الْاَمْنُ طُلَمَ أُمَّرًا بَذَلَ حُسْنًا بَعْنَ شَوِّءَ فَالْثَى غَفُورٌ رَّحْيُرٌ ﴿

رَ ٱلْحَقْلُ يَدُلُكُ فِي جَمِيكَ تَهُرُّ بَيْهَا ۖ وَمُ عَيْرٍ سَّوَّ عَنْ يَرْسَع إِنْ الْ فَوْعُونَ رَقَوْمِهِ النَّهِرُ كَالُوا قُومًا فُسقَيْنَ۞

٢٥-سُورَةُ النَّهُلِ

يو زعون⊛

لايشع ون⊛

الْغَا لَبِيْنَ ﴿

কেমন ছিল ফ্যাসাদস্টিকারীদের পরিণাম।

ভার ম'মিন বাকাদের অনেকের উপর মর্যাদা দিয়েছেন।' ১৬: এবং সলাইমান দাউদের উত্তরাধিকারী হয়েছিল এবং সে বলেছিল, 'হে

দেয়া হয়েছে। নিশ্বর এটি অবশ্যই সম্পট অন্থাই। ১৭। এবং সলাইমানের জন্য সমবেত করা হল দ্বীন, মানুষ ও পাথির সমন্বয়ে

গঠিত তাৰ বাহিনীকে এবং তারা ছিল (বিভিন্ন দলে) বিকক।

১৮। অবশেষে যথন তারা পিপভার উপত্যকার আসল তখন একটি পিপভা

১৯। এটির (পিপভাটির) কথায় সে (সলাইমান) মদু হাসল এবং বলল, 'হে

আহার প্রতিপালক। আপনি আমাকে সামর্থা দিন যাতে আমি আপনার

বলল 'তে পিপভাষা। তোমবা তোমাদের খরসমতে প্রবেশ কর, বেন সলাইমান এবং তার বাহিনী তাদের অজাতে তোমাদেরকে পিষে না

১৯: অসংগত হথম ভাষের মিকট আয়ার নিদর্শনসমূহ আসল আলোকপ্রদ হয়ে তথন তারা বলল, 'এটা সম্পষ্ট জাদ।'

১৫। আর অরশাই আমি দাউদ ও সলাইমানকে জ্ঞান দান করেছিলাম এবং

তারা দ'জন বলেছিল, 'সকল প্রশংসা আল্লাহর জন্য, যিনি আমাদেরকে

মানুষ। আমাকে পাখির ভাষা শিক্ষা দেয়া হয়েছে এবং আমাকে সব কিছ

১৭, সরা আন-নামল

क्छाता।"

১৪। এবং তারা এওলোকে জুলুম ও উদ্কতাবশতঃ অধীকার করল, অধ্যন্ত করি। তাঁটি টুর্নিটিটিল করল করে। অধ্যন্ত তালের অধ্যবসমঙ্ক এওলোকে দিশিত ব্যৱস্থিদ। সভ্যাং লক্ষা কর كَيْفَ كَانَ عَاقبَةُ (لُمُفْسِدِيْنَ هُ

নেয়ামতের কডজেতা প্রকাশ করতে পারি যা আপনি দান করেছেন আমার উপর ও আমার পিতামাতার উপর এবং বাতে আমি সংকাজ ক্ষমতে পারি যা আগমি পছত করেন এবং আপনার দহার আমাকে আপনার সংকর্মশীল বানাদের অন্তর্ভক করুন। ২০। এবং সে (সূলাইমান) পাখিদের খোঁজ নিল এবং বলল, ' ব্যাপার কি, وَ لَقَدُ إِنَّيْنَا دَاوُدَ وَسُلَيْمِنَ عِلْمًا ءَوَ قَالَا الْعَمْدُ للهِ الَّذِي فَشَّلَنَا عَلَى كَثيْرِ مِّنْ عَبَادِةِ الْمُؤْمِنيْنَ⊛ وَ وَرِيَ سُلَيْهِنُ دَاوَّدَ وَ قَالَ نَا تُهَا إلنَّاسُ عُلَّمْنَا مَثْطِقَ

الطَّيْرِ وَ ٱوْتِيْنَا مِنْ كُلِّ هَيْ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُوَ الْفَصْلُ الْمُبِيُّرُي ﴿

আমি ভদ্তনকে দেখতে গান্ধিনা! নাকি সে অনুপঞ্জিতদের অন্তর্ভকঃ

وَهُهُو َ لِسُلَيْهُنَ هُنُودُهُ مِنَ الْجِنِّ وَ الْإِنْسِ وَ الطَّيْرِ فَهُرْ هَتَّى إِذَآ أَتَوْاعَا وَإِدِ النَّهْلِ وَقَالَتِ نَهْلَةٌ ثَّاتُهَا النَّهُ أَن إِدْكُلُواْ مَسْكِنَكُرْ ، لَا يَحْطِمَنَّكُرْ سُلَيْمَٰنُ وَجُنُوْدُهُ ، وَهُرْ

১১। অৱশাই অৱশাই আমি তাকে কঠিন শান্তি দিব অথবা অবশাই অবশাই ভাকে জবাই করব অথবা অবশাই অবশাই সে সম্পন্ত প্রমাণ (অনুপস্থিতির (ক্রিফার) নিয়ে আসার। ১১: অতঃপর এটি (রুদচুদ) নিকটবর্তী (সময়ের মধ্যে) অবস্থান দিল এবং

فَتَبَسَّرَ ضَاحِكًا مِّنْ قَوْلِهَا وَقَالَ رَبِّ آوْ زِعْنِيٓ أَنْ أَشْكُو نَعْمَتَكَ الَّتِي أَنْعَمْتَ عَلَّ وَعَلَى وَالدَّى وَ إَنْ أَعْمَلَ صَالحًا تَرْضُهُ وَ آدْخُلُنِيْ بِرَحْهَتِكَ فِيْ عِبَادِكَ الصَّلَحَيْنَ ﴿ وَتَفَقَّدَ الطَّيْرِ فَقَالَ مَا لِيَ لَّآ ارَى الْهُدُهُدَ ۚ أَ كَانَ مِنَ

এনল 'আপনি যা আয়ত্ত করেননি আমি তা আয়ুত্ত করেছি এবং সাবা থেকে আপনার কাছে নিশ্চিত সংবাদ নিয়ে এসেছি। ১০। নিক্স (সেধানে) আমি এক স্ত্রীলোককে<sup>\*</sup> দেখতে পেয়েছি ভাদের উপর নাজন কলাছ একা ভালে সৰ কিন্তুই দেয়া হয়েছে এবং ভার আছে এক বিবাট সিংহাসন।

لْأُعَدِّبَنَّهُ عَذَابًا هَديْدًا أَوْ لَا أَدْبَكَنَّهُ أَوْ لَيَا تَيَنَّى بِسُلْطِي فَمَكَى غَيْرَ بَعَيْد فَقَالَ أَحَطُّ بِمَا لَرْ تُحَاِّبِهِ وَجِئْتُكَ مِنْ سَبَا بِنَبَا يُقيُن أَنَّى وَجَدْتُّ امْ أَقَّا تَمْلكُهُ وَ أَوْتيَتْ مِنْ كُلِّ هَنْ وَ لَهَا

- ২৪। এবং আমি তাকে এবং তার সম্প্রদায়কে পেছেছি তারা আল্লাহকে বাদ দিয়ে মুর্যকে সিঞ্জনা করছে এবং পায়তান তালের কাজকর্মকে তালের নিকট শোভনীত করছেছে এবং তাদেরকে (সঠিক) পথ হতে বিরত রোপান্ত রাকে তারা মঠিকখন থাকা না-
- ২ং। যাতে তারা আল্লাহকে সিজদা না করে", যিনি বের করে আনেন জাকাশসমূহ ও পৃথিবীর কুকারিত (যা আছে), এবং যিনি জানেন যা তোমরা গোপন কর এবং যা তোমরা প্রকাশ কর।
- ২৬। আল্লাব্, তিনি ছাড়া কোন ইলাব্ নেই, তিনি মহান আরশের অধিপতি।
- ২৭। সে (সুলাইমান) বলল, 'দীগ্রই আমি দেখব তুমি কি সত্য বলেছ, না তুমি মিখ্যাবাদীদের অন্তর্কুত।
- ২৮। তুমি আমার এ পত্র নিয়ে যাও এবং তা তানের নিকট নিচ্ছেপ কর, এরপর তানের নিকট থেকে সরে থেকো এবং লক্ষ্য করে তারা কী প্রতিক্রিয়া ব্যক্ত করে।
- ২৯। সে (রাণী) বলল, 'হে পরিষদবর্গা: নিকর আমার প্রতি এক সন্মানজনব পত্র নিক্ষেপ করা হয়েছে।
- ৩০। নিশ্বর এটি সুলাইমানের পক্ষ থেকে এবং নিশ্বর এটি অসীম দরামর ও পরম দয়ালু আরাহর নামে-
- ৩১) (এতে বলা হয়েছে) যে, আমার বিকক্তে উত্তত হয়ো না (অমান্য করো না), এবং মুসলিম হয়ে আমার নিকট এসে গড়।'
   ৩১। সে বেগলী। কলল 'ত পবিয়নবর্গ। আমার বিষয়ে বেমারা অনিমান
- ত্বং লে (সানা) পদা, তে নামসদশা আমার দিবলৈ তোময়া আবনত (ফতবরা) লাও, আমি কোন বিষয়ে সিদ্ধান্ত নেই না যতভাগ না তোমবা আমার নিকট উপস্থিত হও।'
- ৩৩। তারা নদল, 'আমরা শক্তির অধিকারী এবং (স্থুক্তের ক্ষেত্রে) প্রচৎ শক্তির অধিকারী, আর বিষয়টি আপনারই প্রতি (অর্ণিত হলো), সুতরাং আপনি তেবে দেখুন কী নির্দেশ দিবেন।'
- ৩৪। সে (রাণী) বলল, 'নিশ্চয় রাজা-বাদশাব্রা যখন কোন জনপদে প্রবেশ করে তখন তাকে থাংল করে দেয় এবং এর সম্মানিত ব্যক্তিদেরকে অপর্যানিত করে দেয়, এবং তারা (রাজা-বাদশাব্রা) এজপই করে।
- ৩৫। এবং দিশ্বরা আমি তাদের নিকট উপহার (হাদিয়া) প্রেরণ করছি, এবং দেখি দৃতেরা কী প্রেতি উত্তর) নিয়ে ফিরে আনে:'
- ৩৬। অভ্যপর যথন তারা (নৃতেরা) সুলাইমানের নিকট আসল তথন সে (সুলাইমান) বলদ, তোমবা কি আমাকে ধন সম্পদ দিয়ে সাহায় কয়য়ুর কিয়ুর আয়ায় আমাকে যা দিয়েছেন, তা তোমাদেয়কে যা দিয়েছেন তার চেয়ে উত্তম , বরং তোমরাই তোমাকের (প্রাত্ত) উপত্যর (হাদিয়া) দিয়ে উৎস্কৃত্র বাধ বয়র ঝাক।

وَهَدُلَهًا وَ قُوْمَهَا يَسْجُدُونَ لِلقَّمْسِ مِنْ دُوْنِ السُّورَ لِثَّنَ لَهُرُ القَّيْطُ إِعَمَّالُونُ فَعَدَّمُ عَيِّ الشِّيلِ فَهُرُ لَايَهَدُّونَ فَيَ الْإَنْ سُكِنُوا للهُ الَّذِي يُخْمَ الْكَثِيرِ عَلَى السَّياتِ وَ الْأَرْضِ

وَ يَعْلَرُ مَا تُخْفُونَ وَمَا تُعْلِنُونَ ۞

اللهُ لَآ إِلٰهُ إِلَّاهُو رَبُّ الْعَرْفِ الْعَظِيْرِ ﴿

قَالَ سَنَنْظُرُ ٱمَّلَقْتَ ٱمَّ كُثْتَ مِنَ الْكُذِيثِينَ ۞ إِذْهُنْ بَكَتٰبِيْ هٰذَا فَٱلْقَدْ الْيُهِرْ أُثِّ تَوَلَّ عَنْهُمْ فَانْظُرْمَا ذَا

> يَرْجِعُوْنَ ۞ قَا لَتْ يَّأَتُهُمُا الْمَلَوُّا اتِّنَّ ٱلْعَنَ الَيِّ كَتَبْ كَ يُبِرُّ ۞

إِنَّهُ مِنْ سُلَيْهُنَّ وَإِنَّهُ بِشِيرِ اللهِ الرَّحْمُنِ الرَّحِيْرِ ﴾

ٱلَّاتَعُلُوا عَلَّ وَٱلَّوْنِي مُسْلِمِينَ ۞

قَالَتْ لِنَّالِيَّهَا الْمُلَوَّا الْفَتُوْنِي فِيَّ آمْرِيْ مَاكُنْتُ قَاطِعَةَ آمَرًا عَتْى تَشْهَدُوْنِ @

قَا لُوْا نَحُنُ أُولُوا قَوْةٍ وَّأُولُوا بَأْسٍ هَدِيْدٍ فَوَّ الْآمُرُ إِلَيْكِ فَانْفُوِيْ مَا ذَا قَامُوِيْنَ ⊕

قَالَتْ إِنَّ الْمُلُوْكَ إِذَا دَخَلُواْ قَرْيَةٌ اَفْسَدُوْهَا وَجَعَلُوٓۤا اَعِزَّةَ اَهْلَهَا اَذْلَتُءَوَ كَذْ لِكَ يَغْتَلُوْنَ ۞

وَ إِنَّى مُرْسِلَةً إِلَيْهِرْ بِهَدِيَّةٍ فَنْظِرَةً لِيرَ يَرْجِعُ الْمُرْسَلُونَ ۞

فَلَمَّا جَآءَسُلَيْمُنَ قَالَ أَتُمِدُّوْنَنِ بِمَا لِرَفَمَّا أَلْنِ َ اللَّهُ خُيْرٌ مِّمَّا أَلْكُرْ ، بَلَ أَنْتُرْ بَفَرْ تُفْرِحُونَ۞

- ৩৭। তাদের নিকট ভিরে যাও, এবং অবশাই অবশাই আমি তাদের বিরুদ্ধে এমন বাহিনী নিয়ে আসৰ হানেৰ মোকাৰেলা কৰাব শক্তি সামেৰ নেই এবং অবশাই অবশাই আমি ভাদেরকে সেখান থেকে অপমানিত অবস্থায় কের করের যাগম জারা হবে অপ্রক্র
- ৩৮। সে (সলাইমান) বলল, 'রে আমার পরিবদবর্গ। তাবা মসলিম হয়ে আমাৰ মিকট আসাৰ পাৰ্ব ভোমাদেৰ মধ্যে কে ভাব (বাণীৰ) সিংহাসন जापात किलों किया जातात:
- ৩৯। জীনের মধ্য গোলে এক ধর্ম (মীম) ব**নস** 'আপনি আপনার স্থান থেকে ওয়ার পর্বেই আমি তা আপনাকে এনে দেব এবং নিক্তর আমি এ ব্যাপারে অবশাই শভিশানী ও বিশ্বর।
- ৪০। যার নিকট কিতাবের জ্ঞান ছিল, সে বলদ, 'আপনার (চোখের) পলক আপনার দিকে ফিরে আসার পর্বেই আমি তা আপনার কাছে নিয়ে আসব।' অতঃপর সে (সলাইমান) হখন ভা ভার নিকট অবস্থিত দেখল তথ্য সে বলন 'এটি আয়াব প্ৰতিপালকের জনপ্ৰত যাতে তিনি আমাকে পরীক্ষা করতে পারেন- আমি কডফ্রতা প্রকাশ করি না অকডফ্র হই। আর যে অভ্যন্তর প্রথম করে সে ব্যবহাতা প্রকাশ করে নিজেরই (कनारागर) क्षमा अवर ए। क्षमाञ्च दश्च, जरूर (एन कारन डाथक) निकश আমার প্রতিপালক অমখাপেক্ষী ও মহানকর।
- ৪১। সে (সলাইমান) বলল 'ভার জন্যে ভার সিংহাসনের আকতি পরিবর্তন ক্রের মাও দেখি যে সঠিক পশ্ব পায় নাকি সে ভালের অন্তর্জক যারা चरित्र अस्त साथ गा।
- ৪১। অসংপর মে (বালী) হারন আসল কথন তাকে কলা হল 'তোমার चिक्तापा कि अवस्थित का तक्का 'अपि क्षात क्रिप्तित का व्यक्तिक ' अवस्था व्यक्तिक क्ष উভংপার্বট (প্রকৃত) জ্ঞান দান করা হয়েছে এবং আমরা মসলিমও स्टामितः"
- ৪৩: আর আলারতে রাদ দিয়ে সে হার উপাসনা করত ভা-উ ভাকে ভা (সত্য) থেকে বিরত রেখেছিল। নিতর সে ছিল কাফির সম্প্রদায়ের অন্তর্শুক্ত।
- ৪৪। আছে বলা হল 'এই প্রাসাদে প্রবেশ কর' এবং যখন সে এটি দেখল ক্রমানে এটিকে এক গ্রমীর অসাধার মান করের এবং সে ভাব পায়ের মলা প্রতি ক্রলম করেতি এবং আমি সলাইমানের সাথে অগৎসমূহের প্রতিপালক আল্লাহর নিকট আন্দ্রসমর্পণ করনাম।
- ৪৫। আর অবশার্ট আমি ভামদের নিকট ভাঙ্গের ভাই সালিহাক প্রেরণ করেছিলাম, (সে বলেছিল) যে, 'তোমরা আল্লাহর ইবাদত কর', এবং তংক্ষণাৎ তারা হয়ে গেল বিবাদমান দ'টি নল।

- ارْجعُ الَّيْهِرْ فَلَنَاتَيَنَّهُرْ بِجُنُوْد لَّاقِبَلَ لَهُرْ بِهَا وَ لَنُخْرِجَنَّهُرْ مِّنْهَا إَذَلَّةً وَّهُرْ مَغُونَ۞
- قَالَ لِّنَا يُّمَّا الْمَلَةُ ا إَيُّكُرْ يَا تَيْنَيْ بِعَرْشِهَا قَبْلَ إَنْ يَّأْتُونِيْ
- قَالَ عَفْرِيْتٌ مِّنَ الْجِنِّ أَنَا أَتَيْكَ بِهِ قَبْلَ أَنْ تَقُوْمُ مِنْ مُّقَامِكَ، وَ إِنَّىٰ عَلَيْهِ لَقُوكًا أَمِينً،
- قَالَ الَّذِي عِنْدَةً عِلْرٌ مِّنَ الْكِتْبِ إِنَا أَتِيْكَ بِهِ قَبْلَ أَنْ يُّهُ آلًّا ۚ إِلَيْكَ طَرْ فُكَ، فَلَمَّا رَأَهُ مُسْتَقِرًّا عِنْدَهُ قَالَ هٰذَا مِنْ فَفُل رَبَّىٰ تَدُ ليَبْلُوَ نِنَّ ءَٱشْكُرُ أَٱ ٱكْفُرُ ءَوَ مَنْ شَكَرَ فَانَّمَا يَشْكُرُ لنَفْسِهِ وَمَنْ كَفَرَ فَانَّ رَبَّيْ غَنيٌّ
- قَالَ نَكُّرُواْ لَهَا عَرْهُهَا نَنْظُرُ ٱتَهْتَدَيُّ ٱٓ تَكُوْنُ مِنَ الَّذِيْنَ لاَيْهَتَدُونَ هِ
- فَلَمَّا جَآءَتْ قَيْلَ ۚ أَهْكَذَا عَدْهُك قَالَتْ كَأَنَّهُ هُوَ ءَوَ أَوْتَنْنَا الْعِلْمَ مِنْ قَبْلِهَا وَكُنَّا مُسْلِمِينَ ﴿
- وَصَدَّهَا مَا كَانَتْ تَعْبُدُ مِنْ دُوْنِ اللهِ اللَّهِ اللَّمَا كَانَتْ مِنْ قَوْمَ کُف پُر رَب ⊕
- قَيْلَ لَهَا إِذْكُلِي الصَّرْحَ ، فَلَمَّا رَ آثَهُ مَسبَثْهُ لُجَّةً وَّ قَا لَتْ رَبِّ إِنِّي ظَلَمْتُ نَفْسِي وَ أَشْلَمْتُ مَعَ سُلَيْمِنَ لِلَّهِ رَبِّ ﴿ الْعْلَمِيْنَ۞
  - وَ لَقَدْ أَرْسَلْنَا إِلَى تُمُوْدَ أَخَاهُرْ صِلْحًا أَنِ أَعْبُدُوا اللهُ فَاذَا هُرُ فَم يُغْن يَكْتَصِبُونَ @

অকল্যাণ ভাডাভাডি পেতে চাক্ষ্য কেন ভোমরা আল্লাচর নিকট ক্ষমা

অমঙ্গলের কারণ মনে করি।' সে (সালিছ) বলল 'ডোয়াদের অমঙ্গল আল্লাহর কান্তে, বরং তোমরা এমন এক সম্প্রদায় যাদেরকে পরীক্ষা করা

৪৮। আৰু সে শতরে ছিল এমন নয়জন<sup>\*</sup> পরিবার প্রধান যারা যমীনে ফ্যাসাদ

৪৯। তাৰা বলল 'ভোমৰা পৰম্পৰ আলাহৰ নামে কসম কৰা আমৰা ভাকে ও कार अंतिराह-अंतिकवारक प्रस्थारे राज्य प्राटकाथ स्थार अवश्व प्रस्थारे

৫১। সতবাং লক্ষ্য করা কেমন ভিল ভাসের ব্যৱহারের পরিণাম- যে, আমি

কারণে। মিশ্যর এতে অরশাই এক মিদর্শন বয়েতে এমন সম্পদারের আনা

৫৩। এবং আমি উদ্ধাৰ কৰেছিলাম তাদেবকে যাবা উমান এনেছিল ও তাকওয়া

৫৪। এবং লভ, যথম সে ভার সম্পদায়কে বলেছিল, 'ভোমরা কি দেখে-খনে

oo। त्याप्रतारे कि लापचा फरियांसे जतात क्या संतीतस्तरक तास जिला পৰুষদের নিকট গ্রহম করু বরু ভোমবা এক অন্ত সম্পদায়।

আন্মরাক ও আদের সম্পদায়ের সরাইকে ২০০স বরেছি। ea। এক eer লাল ভাদের হর- যা পভিত অবস্থায় পড়ে আছে ভাদের জলমের

তাৰ অভিভাৰকৰে বলৰ তাৰ পৰিবাৰ-পৰিৱানৰ ধ্বংস আমৰা প্ৰত্যক্ষ কবিনি এবং নিশ্বর আমরা অবশ্যই সতাবাদী। ৫০। এবং ভাষা এক ষভবন্ধ করেছিল এবং আমিও এক কৌশল করলাম যখন

প্রার্থনা করছ না যাতে তোমারা দ্যাপ্রাপ্ত হতে পারং ৪৭। তারা কলল 'তোমাকে ও তোমার সাথে যারা আছে তাদেরকে আমরা

সৃষ্টি করক এবং সংশোধন করক না।

ভাষা টেরও পেল না।

মারা কাকে।

অবস্থান কৰ্ম

অশীল কাম কবছঃ

KTHS.

قَالَ يُقَوْرُ لِيَ تَسْتَعُجِلُونَ بِالسَّيِّئَةِ قَبْلَ الْعَسَنَةِ ، لَوْ لَا تَسْتَغْفُرُوْنَ اللَّهَ لَعَلَّكُمْ ۚ تُبْحَبُونَ ۗ هِ قَا لُوا اطَّيُّ نَا بِكَ وَ بِمَنْ مَّعَكَ وَاللَّهِ مَلْ عُنْدَ اللَّهُ بَلْ

٢٤- سُدُرُةُ النَّمَاءِ

أَنْتِهِ فَوْ } تُفْتِنُونَ هِ وَكَانَ فِي الْمَدِيْنَةِ تَشْعَةُ رَهُما يَّفْسِدُونَ فِي الْإَرْضِ وَ

لاَيْصْلَكُونَ ﴾ قَا لُوْ ا تَقَاسَهُوْ ا بِاللهِ لَنُبَيِّتَنَّهُ وَ أَهْلَهُ ثُرٌّ لَنَقُوْ لَنَّ لَوَ لَيَّه مَاشَهِدْنَا مَهْلِكَ أَهْلِهِ وَإِنَّا لَمُدقُّونَ @

وَمَكُوْ وَامَكُوا وَمَكُونَا مَكُوا وَهُمْ لَا يَشْعُونَ هِ فَانْظُرْ كَيْفَ كَانَ عَاقبَةُ مَكْ هِرْ ﴿ أَنَّا دَمَّ ثُنُّهُ وْ وَقُوْمَهُ وْ فَتِلْكَ بُيُوْتُهُمْ خَاوِيَةً بِمَا ظَلَمُوْ إِ اللَّهِ فَاللَّهَ لَإِيَّةً لَّقَوْمُ

يعلمون ۾ وَ ٱنْكَنْنَا الَّذِنْ، أَمَنُواْ وَكَانُواْ يَتَّقُونَ،

وَ لُوْطًا إِذْ قَالَ لِقَوْمِهِ آتَاتُوْنَ الْفَاحِشَةَ وَ آثَتُمْ تُبْعُ وْنَ

ٱلنَّكُرُ لَتَأْتُونَ الرِّجَالَ هَهْوَةً مِّنْ دُوْنِ النَّسَآء - بَلْ آنْتُرْ قَوْ أَ تَحْمَلُوْنَ اللهِ فَمَا كَانَ جَوَابَ قَوْمَهِ الْآانَ قَا لُوَّا أَخْرِجُوٓۤ اللَّ لُوْطَمَّنْ

قَ يَتَكُ وَ اللَّهُ أَنَاسٌ يَّتَطَهُّ وْنَ @

فَآنْجَيْنُهُ وَ أَهْلَهُ ۚ إِلَّا أَمْ أَتَّهُ وَقَدَّ رُنْهَا مِنَ الْغُبِ يُنَ ⊕ وَ أَمْطُونَا عَلَيْهِ مُطَرًّا ، فَسَّأَءَ مَطُرٌّ الْمُثْدَرِيْنَ ﴿

قُلِ الْحَمْدُ للهُ وَسَلَمْ عَلَى عَبَادِةِ الَّذِيْنَ امْطَفِي - اللَّهُ خَيْرٌ أَمَّا يَشْرِ كُوْنَ ؈

৫৬। কিন্তু তার সম্প্রদায়ের জবাব ছিল কেবল এই যে, তারা বলেছিল, 'লজ-পরিরাক্তর জোগ্রাদের জনপদ থেকে বের করে দাও নিশ্চয় ভারা নামন লোক যাবা পতির প্রাক্তম মার।"

৫৭। অতঃপর আমি ভাকে ও ভার পরিবার-পরিজনকে উদ্ধার করলাম, ভার ন্ত্ৰীকে ডাড়া: তাকে আমি পেছদে থেকে যাওয়াদের (ধংসপ্রাপ্তদের) মধ্যে...

নির্ধারণ করেছিলাম। ০৮। এক আহি ভাদের উপর বর্ষণ করেছিলায় এক (পাধর) বৃষ্টি এক:

যাদেরকে সতর্ক করা হয়েছিল তাদের (জন্য) এ বৃষ্টি ছিল কতই না 🕉 ৫৯। বল, 'সকল প্রশংসা আল্লাহর জন্য এবং সালাম (শান্তি) তাঁর বান্ধাসের প্রতি যাদেরকে তিনি মনোনীত করেন্তেন।' আলাচ কি উলম নাকি ভারা

য়া শরীক করে ডাঃ k চিটিন্ত স্থানের টীকা সরা নং : আধাও নং অনসাধে ভরজমার শ্বেষে দেখন ৩০। (তোমাদের উপাস্যরা উত্তর) নাকি তিনি নিবি সৃষ্টি করেছেন আকাশকর্ম ও পৃথিবী এবং আকাশ থেকে তোমাদের জন্ম অন্ধর্কী করেছেন শানিন করে আমিই জা দিয়ে মেনার মানান উপান্ধ অমি, তার নিয়ামের করেছে নামিন গালাপানা উপান্ধ অমি, তার নিয়ামের করেছেন কর

৬১ (তোমাদের উপাদারা উত্তর) নাকি তিনি বিনি পৃথিবীতে করেছেন বাসবাোগ্য এবং তার মাঝে এবাহিত করেছেন নহরসমূহ এবং তাতে স্থাপন করেছেন সুন্তৃ সর্ক্তমানা এবং (পাদাপালি ব্যাহিত) নুই সমূত্রের মধ্যে স্থাপন করেছেন অন্তর্গণ আল্লব্রণ সাথে (অন্য কোন) ইশাহ্ সাথ্যত তিন্তু কামান্ত অভিবারণাপ্ত জানে না।

৬২। (তোমাদের উপান্যরা উত্তম) নাকি তিনি মিনি বিপান্যান্ত ব্যক্তিকে সাড়া দেন যখন সে তাঁকে ভাকে এবং বিপান-আপদ দুলীভূত করেন এবং তোমাদেশ্যকে পৃথিবীর উত্তর্জাকিবলী করেনাঃ আল্লাহক সাথে থেনা কোন ইলাক ফালে কিব পোন্তব্য সামান্ত্রী উপান্দর্শ প্রচণ কর।

৬০। (তোমাদের উপাসারা উত্তম) মাকি তিনি যিনি স্থালর ও সমূদ্রের অন্ধকারে তোমাদেরকে পথ প্রদর্শন করেন এবং যিনি এর অনুযারের (সৃষ্টির) পূর্বে সুসংবাদেরকপ বাতাসকে ধেরণ করেনঃ আন্তারি সাথে (অমা, কর্মন) ইপান্ধ আছে কিং তারা যা পরীক করে তা হতে আত্তাব্ আনক উর্ম্বো

৬৪। (ভোমানের উপাদারা উল্লখ) নাকি ভিনি যিনি সামিত ফুলা করেন, এরণর এর (সৃষ্টির) দুদরাবৃত্তি করবেন এবং নিনি ভোমানেরকে আকাশ ও পৃথিবী থেকে রিবিক দান করেন আন্তার্ত্তর সাথে (অদ্য কোল) ইলাই আছে কিং বল, 'তোমবা অকটি দাফিল-প্রমাণ পেশ কর- যদি ভোমবা সভাবদী হলা'

৬৫। বল, 'আয়াহ হাড়া আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে যায়া আছে তারা অদৃশ্য জানে না এবং তারা টেরও পাবে না কখন তাদেয়কে পুশক্ষিত তরা জবা'

৬৬। বরং আখিরাত সম্পর্কে তাদের জ্ঞান নিঃশেষ হরেছে; বরং তারা সে ব্যাপারে সন্দেহের মধ্যে রয়েছে; বরং তারা সে ব্যাপারে অছ।

৬৭৷ আর যারা কুমনী করেছে তারা বলে, 'আমরা ও আমানের পিতৃপুরুষরা মধন মাটিতে পরিপত হয়ে যাব তথনও কি আমানেরকে (মাটি থেকে) বের করা হবেঃ

৬৮।এই প্রতিশ্রুতি তো আমানেরকে এবং ইতঃপূর্বে আমানের পিতৃপুক্ষদেরকেও দেয়া হয়েছে, এটা পূর্ববর্তীদের উপকথা ছাড়া আর কিছু নয়।

الله المساورة (الأرض) والآرض والآرض

أَشْ هَعَلَ الْآرْضَ قَرَارًا وَّجَعَلَ عِللَهَا آلْهُوًا وَّجَعَلَ لَهَا رَرَّاسِيَ وَجَعَلَ بَيْنَ الْبَهْرَيْنِي عَاجِزًا ، وَإِلَّهُ مَعَ اللهِ ، بَلُ أَخْتُرُهُمْ لَا يَعْلَمُونَ فِي

أَمَّنْ يُّجِيْبُ الْمُفْطَرُّ إِذَا دَعَاهُ وَ يَكْمِثُ السُّوَّءُ وَ يَجْعَلُكُمْ خُلُفًاءَ الْإِرْضِ، وَإِلَمَّ مَعَ اللهِ، قَلِيلًاماً تَذَكُّرُونَ ﴿

أَمَّنْ لَنَّهْدِثُكُمْ فِي ظُلُفِ الْبَرِّ وَ الْبَحْرِ وَمَنْ يَأْسِلُ الرِّلْمَ بُشْرًا بَيْنَ يَدَى رَحْمَتِهِ - وَإِلَمْ مَعَ اللهِ تَعْلَى اللهُّعَمَّا يُشْرُكُونَ فِي

أَمَّنَ فَبْدُوَّ الْعَلَقُ قَرْ يُعِيدُهُ وَمَنْ يِزْ وَكُكُوْ مِنَّ السَّمَّةِ وَالْمُوَّ مِنَّ السَّمَّةِ و وَالْأَرْفِ، وَالنَّمْ عَ الشِّهُ قُلُ هَا تُوَّا بُرِّهَا نَكُرُ إِنْ كُنْتُمُرُ مُوفِيَ هِ قُلْ آلِيُعْلَمُ مَنْ فِي السَّمِوٰتِ وَالْآرْضِ الْفَيْبِ الْأَالشُّورَ

مَّا يَشْعُرُونَ آيَّانَ يُبَعَثُونَ۞ بَلِ ادْرَكَ عِلْمُهُرْ فِي الْأَحِرَةِ سَبِّلَ هُرْ فِي هَكَّ مِّنْهَا \* بِلُ الْحُ هُرْ شِنْهَا عَمُونَ ۞

وَقَالَ الَّذِيْنَ كَفَرُوَّا ءَإِذَا كُنَّا تُرِبًّا وَّ اِبَّا َوُنَآ أَوِنًا ۗ لِينَّا لَٰ لِمُ

لَقَدُوعِدُنَا هٰذَا نَدُّنُ وَ أَبَّاؤُنَا مِنْ قَبْلُ ، إِنْ هٰذَاۤ إِلَّاۤ اَسَاطِيرُ الْاوَّلْيْنِ⊚

- ১৯। বল 'পথিবীতে সমূপ কৰ এবং লক্ষ্য কৰ ক্ষেত্ৰ ভিল অপৰাধীদেৰ ৭০। এবং (ঈমান না আনার কারণে) তালের জন্য ভমি দুঃখ করো না এবং
- তারা যে যভয়র করে তাতে মনঃক্ষন হয়ে। না।
- ৭১। এবং তারা বলে, '(বল) কখন (বাস্তবায়িত হবে) এই প্রতিশ্রুতি- যদি কোমৰা সভৰোদী হলঃ' ৭২। বল, 'তোমরা যা তাভাতাভি পেতে চাক্ষ অবশ্যই তার কিছ তোমাদের
- নিকটবর্ত্তী হয়েছে।" ৭৩। এবং নিশ্চয় ভোমার প্রতিপালক অবশ্যই মানদের প্রতি অনপ্রহশীল, কিন্ত
- ৭৪: এবং নিশ্বয় ভোমার প্রতিশালক অবশাই ভানেন ভালের বক্ষসমহ যা গোপম করে এবং হা ভাবা প্রকাশ করে।

তাদের অধিকাংশই কভজভা প্রকাশ করে না।

- ৭৫, এবং আকাশ ও পথিবীতে এমন কোন জনশ্য বিষয় নেই, যা সুপাই কিভাবে মেই।
- ৭৬। নিশুর এই করআন বনী ইসরাইলের কাছে বর্ণনা করে তার অধিকাংশই য়া নিয়ে তারা মতপার্থকা করে।
- ৭৭। এবং নিশুর এটি অবশাই মু'মিনদের জন্য পথনিদেশিকা ও দয়।
  - ৭৮। নিশ্বয় ভোমার প্রতিপালক ভার ভক্ম (ন্যারবিচার) অনুযায়ী তাদের মধ্যে (হাশরের মাঠে) বিচার করবেন, এবং তিনিই মহাপ্রতাপশালী ও अर्थकाची।
  - ৭৯। সভবাং আনায়ৰ উপৰ ভৰসা কৰ। নিশুয় তমি সম্পন্ত সাতোৱ উপৱ सरसङ् ।
- bro । নিশ্চয় তমি মতকে খনাতে পাৰৰে না এবং বধিৱকেও খনাতে পাৱৰে না আহ্বান যখন তারা পৃষ্ঠ প্রদর্শন করে চলে যায়।
- ৮১। এবং তমি অন্নদেরকে তাদের পথস্রইতা থেকে সঠিক পথ প্রদর্শনকারীও মব: সমি খনাতে পাবৰে বেবল ভানেৰকে হাবা আমাৰ নিদৰ্শনাকণীতে ঈমান আদে, এবং তারাই মসলিম।
- বলবে কেননা মানহ আমার নিদর্শনাবলীতে নিশ্চিত বিশ্বাস করত লা। 📸

- وَ لَا تَحْبَانَ عَلَيْهِمْ وَ لَا تَكُنْ فِي فَيْقِيمِهَا يَمْكُ وْنَ ۞ وَ يَقُوْ لُونَ مَتَى هَٰذَا الْوَعْدُ اِنْ كُنْتُو مُدَقِينَ
- قُلْ عَسِّي أَنْ يِّكُوْنَ رَدِيَ لَكُرْ بَعْضُ الَّذِيْ تَسْتَعْجِلُوْنَ ۞ وَانَّ رَبُّكَ لَـذُوْ فَهْلِ عَيَى النَّاسِ وَلَكِنَّ أَحْتُوهُمْ لَا يَشْكُ وْنَ ⊛
  - وَ إِنَّ رَبَّكَ لَيَعْلَمُ مَا تُكنَّ مُدُوْرُهُمْ وَمَا يُعْلَنُوْنَ
- وَمَا مِنْ غَالَبَةِ فِي السَّمَاءِ وَ الْاَرْضِ إِلَّا فِي كِتْبٍ مَّبِيْنٍ ؈ انَّ هٰذَا الْقُوْانَ يَقُصُّ عَلَى بَنِيٓ إِشْرَآءِيْلَ اَحْفَوَ الَّذِي هُرْ فيْه يَثْتَلفُوْنَ⊚
  - وَ اللَّهُ لَهُدِّي وَ رَحْمَةً لَّلْمُوْمِنْنَ ۞ انَّ رَبُّكَ يَقْمَى بَيْنَهُ ﴿ بِكُمِهِ وَهُوَ الْعَرِيُّ الْعَلَيْرِ الْعَلَيْرِ الْعَلَيْرِ الْعَلَيْرِ
    - فَتُو كُلُ عَلَى الله النَّكَ عَلَى الْحَقِّ الْمُبِيرِ. @
- إِنَّكَ لَاتُسْمِعُ إِلْمَوْتَى وَ لَاتُسْمِعُ الصَّيْ الدُّعَاءَ إِذَا وَلَّوْا مدبرين⊚
- وَمَّا آنْتَ بِهٰدى الْعُمْى عَنْ ضَلْلَتِهِرْ وَانْ تُسْمِعُ الْآمَنْ يُؤْمِنُ بأيتنا فَهُ مُسْلَبُونَ

تُكَلِّمُهُمْ ، إَنَّ إِلنَّاسَ كَانُوْ إِبِالِتِنَا لَا يُوْقَنُونَ فَي

৮৪। অবশ্বের বংল তারা এলে পড়বে তথন তিনি (আল্লাহ) বলবেন. 'তোমরা কি আমার নিদর্শনসমূহকে মিখ্যা অভিহিত করেছিলে, এমন অবস্থায় যে লোমবা ডা জান ছাবা আহন কৰনিং নকৰা ভোমৰা (এরাড়া) আর কী করছিলেঃ

১৭ সরা আম-নামল

(বিভিন দলে) বিভক্ত করা হবে।

কারণে, এবং তারা কথা বলতে পারবে না।

সবাই ভার নিকট আসবে বিনীত অবস্থায়।

সম্পর্কে পর্ণ অবগত।

৮৫। এবং কথাটি (কিয়ামত) তাদের উপর আপতিত হবে তাদের জুলুমের

৮৯। ভাগ বি দেখনি যে আমি গাতকে বানিয়েছি যাতে ভাগ ভাতে বিশাম

নিতে পারে এবং দিনকে বানিয়েছি আলোকপ্রদঃ নিক্ষয় এতে অবশাই নিদর্শনাবলী ব্যয়তে এয়ন সম্পদায়ের জন্য যারা ঈহান আনে। ৮৭। এবং যেদিন শিক্ষায় ফ দেয়া হবে, এবং আকাশসমহ ও পথিবীর সবাই ভীত হয়ে পথবে, তারা ছাড়া যাদেরকে আল্লাহ ইচ্ছা করবেন। এবং

৯৮। এবং জমি পর্বজন্মালা দেখত মনে করত তা নিশ্চল অথচ তারা চলমান হবে মেঘমালার চলাচলের মত। (এটি) আন্তাহর কাজ, যিনি প্রতিটি বজকে সঠিকভাবে (সঙ্গি) করেছেন। নিশ্চয় তিনি তোমবা যা কর সে

b/b) या कालकाक निरम कामरन कान कमा अन तहरा हैनक (श्रविमान) রয়েছে, এবং সেদিন তারা ভয়-জীতি থেকে নিবাপন থাকবে।

৯০। এবং যে মন্দৰাজ নিয়ে আসবে, ভাকে অধ্যেমধী করে আগুনে নিক্ষেপ করা হবে (এবং তাদেরকে বলা হবে), 'তোমাদেরকে কি এচাডা (অনা কিছর) প্রতিফল দেয়া হচ্ছে যা তোমরা করতেঃ'

৯১। (তে নবী বল) আহি আদিই হয়েছি কেবল এই নগৰীব<sup>®</sup> প্ৰতিপালকেব ইবাদত করতে, যিনি একে হারাম করেছেন, এবং সব কিছু তাঁরই। এবং আমি আদিট হয়েছি মদলিমদের অন্তর্জক হতে-

৯২। এবং (আদিষ্ট হয়েছি) করআন পাঠ করতে, অতএব যে সঠিকপথ অবলম্বন করে সে নিজেরই কল্যাণের জন্য সঠিকপথ অবলম্বন করে, আর যে পথন্তই হয়, তবে ভূমি বল, 'আমি কেবল সতর্ককারীদের একজন।'

নিদর্শনাবলী দেখাবেন এবং তোমবা তা জানতে পারবে।' আর ভোমবা য়া কর মে সম্পর্কে লোয়ার প্রতিপালক বেথবর মন।

حَتَّى إِذَا جَآءُوْ قَالَ آكَدَّ بُتُر بِأَيْتِي وَلَرْ تُحِيْطُوْ إِبِهَا عِلْمًا أَمَّا ذَا كُنْتُمْ تَعْبَلُونَ هِ

وَوَقَعَ الْقَوْلُ عَلَيْهِمْ بِمَا ظَلَمُوْا فَهُرْ لَا يَنْطُقُوْنَ ؈

٢٠-سورة النهل

أَلَوْ بَوَوْا إِنَّا جَعَلْنَا الَّيْلَ لِيَسْكُنُوْا فِيْهِ وَالنَّهَا رَمُّبْعِرًّا ۚ إِنَّ في ذلك لأيت لِقوم يُومنون ⊕ وَيَوْمَا يُنْفَئِهُ فِي الصُّوْ رِفَقَوْعَ مَنْ فِي السَّمُوٰتِ وَمَنْ فِي الْأَرْضِ الَّا مَنْ شَاءَ اللهُ وَكُلُّ أَتَوْهُ دُخِونَى ۞

وَتَهَى الْجِبَالَ تَحْسَبُهَا جَامِدَةً وَّهِيَ تَمُوُّ مَوَّ السَّحَابِ، مُنْعَ اللهِ الَّذِي آثَقَنَ كُلُّ شَيْءُ النَّهُ غَبِيٌّ بِمَا تَفْعَلُونَ@

مَنْ جَاءَ بِالْحَسَنَةِ فَلَهُ غَيْرٌ مِّنْهَا ، وَهُرْ مِّنْ فَزَعٍ يَّوْمَعِنٍ

وَمَنْ جَاءَ بِا لَسَّيِّكَةِ فَكُبَّتْ وُجُوهُهُرْ فِي النَّارِ وَهَلْ تُجْزَوْنَ الاَمَا كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ @ انَّمَآ أُمرْتُ أَنْ أَعْبُدَ رَبُّ هٰذِهِ الْبَلْدَةِ الَّذِيْ عَرَّمَهَا وَلَهُ

كُلُّ هَنُّ وَ أُمِرْتُ إَنْ أَكُونَ مِنَ الْمُسْلَمِينَ ﴾ وَ أَنْ ٱتْلُوا الْقُرْ أَنَّ ۚ فَهَى اهْتَدْى فَانَّهَا يَهْتَدِي لِنَفْسِهِ ۗ وَ مَنْ ضَلَّ فَقُلْ إِنَّهَا آلَا مِنَ الْمُثْدُرِينَ

وَقُل الْحَمْدُ لِلْهِ سَيُرِيْكُرُ إِيْدِهِ فَتَعْرِفُونَهَا ، وَمَا رَبُّكُ ﴾ अवा अवर वम, भवन क्षनश्मा बाहादव बना, शिखरे किनि काबारमवरक कौत بِغَافِلِ عَبَّا تَعْمَلُوْنَ ﴾ অসীম দহাময় ও পরম দয়াল আল্লাহর নামে

- ১। তা-সীন-মীম।
- ১ প্রত্যা সম্পন্ন বিমানের আমান
- আমি তোমার নিকট মৃদা ও ফিরআউনের কিছু সংবাদ সতাসহ পাঠ করে
  কলচ্ছি এমন সম্পান্তরে কলা যারা ইমান আন্তঃ
- ৪। দিক্য ফিরআউন পৃথিবীতে উদ্ধৃত হয়েছিল এবং তার অধিবাদীদেরকে বিছিন্ন দলে বিভক্ত করেছিল তাদের একটি লগতে দুর্বল তরে রেছে-তাদের পুত্র সম্ভানদেরকে অবাই করে এবং তাদের নারীদেরকে জীবিত রেখে। দিক্য দে ছিল ফ্যান্সল সৃত্তিভারীদের অন্তর্ভুঙ্জ।
- ৫। এবং আমি তাদের উপর অনুপ্রহ করতে চাইলাম, পৃথিবীতে যাদেরকে
  দুর্বল করে রাখা হয়েছিল, এবং (চাইলাম) তাদেরকে নেতা বানাতে ও
  (ক্ষমতার<sup>8</sup>) উত্তরাধিকারী করতে-
- ৬। এবং তাদেরকে পৃথিবীতে (ক্ষমতা ও সম্পদ হবা) প্রতিষ্ঠিত করতে, আর ফিরম্রাউন, হামান ও তাদের বাহিনীসমূহকে তা দেখিয়ে দিতে, যা তাদের থেকে তারা আশ্কা করছিল।
  ৭। এবং মসার মায়ের প্রতি গুড়ী করলায় (ঢ়. 'ভাকে (শিকটিকে) হব
- পান করাও, এবং বধন তুমি তার সম্পর্কে কোন আগছা করতে তথন তাকে সমুদ্রে (নীল দরিরার) নিষ্ণেশ কর এবং তর করো না ও দুভিত্তা করো না, নিশুর আমি তাকে তোমার নিকট ছিরিয়ে দেব এবং তাকে বাস্থানের অন্তর্ভুক্ত করব।
- ৮। অতঃপর ফিরআউন বংশের লোকেরা তাকে কুড়িয়ে নিল বাতে সে তাদের শত্রু ও দুক্তিরা হতে পারে। নিক্তয় ফিরআউন, হামান ও তাদের বাহিশীসমূহ হিল অপরাধী।
- ৯। এবং ফিরজাউনের খ্রী বলল, '(এই শিক্ত) আমার ও তোমার চন্দুশীকলকারী। তোমবা একে হক্ত্যা করো না, আশা করা যায় সে আমানের উপকারে আলবে, অথবা আমরা তাকে সন্তান হিলাবেও এহণ করতে পারি,' অথচ তারা (এর পরিণাম) অলুকব করতে পারেদি।
- ১০। আর মুদার মারের অন্তর পুনা হয়ে পড়ল। সে অবশাই তার (পরিচয়) সম্পর্কে প্রকাশ করে দিত যদি না আমি তার হৃদয়কে দৃহ করে দিতায় য়াতে সে বিশ্বাসীদের অন্তর্ভুক্ত হকে পারে।
- ১১। এবং সে তার (মৃদার) বোনকে বলল, 'এর পিছনে পিছনে যাও।' সে দূর থেকে তাকে দেখছিল, অথ্য তারা টেরও পায়নি।
- ১২৷ এবং পূর্বেই আমি ধার্ট্রাদেরকে (অর্থাৎ তাদের দুধপান) তার জন্য নিষিদ্ধ করোছিলাখ, সুভবাং সে (মুদার বাদ) ললদ, 'ভোমাদেরকে কি আমি এমন এক পরিবাহকে নেখিয়ে দেব মারা ভোমাদের হয়ে ভার করুবৈধান করেব এবং তার কদ্যাপাবায়ী হয়ে'

٢٨-سُورُةُ القَصَى-مَكِيَّةُ ابَاتِهَا-هدرگرَهَاتِهَا-يَسُوراللهِ الرِّحْيُنِ الرِّحِيْدِ

> طسر © تلك إين الكتب المُبدَى ۞

نَتُلُواْ عَلَيْكَ مِنْ نَبَامُوْسَى وَفِرْعَوْنَ بِالْمَّتِّ لِقُوْمَ يُوْمَوُنَ ۞ إِنْ فِرْعَوْنَ عَلَافِي الْأَرْضِ وَجَعَلَ اَهْلَهَا هَيْعًا يَشْتَهْعِنُ ظَالِكُمُّ مِنْهُمْ لِكُرَّبِمُ النِّلَّامُمُ وَيَسْتَحْقِ نَسَّاعُمْ وَلَسْتَحْفِي أَلَّهُ كَانَ

مِنَ الْمُفْسِدِيْنِيَ مَنَ الْمُفْسِدِيْنِيَ وَكُوِيدُ أِنْ أَنِّيْنَ فِي الَّذِيْنَ اسْتَفْعِلُواْ فِي الْآرْفِ وَنَجْعَلُمْرُ آلفَةً وَنَجْعَلُمُ اللَّهِ لِيُنَاقِ

اِصهُ وَبِهِعَلَهِمِ الْوِرِينِينِ وَتُمَكِّنَ لَهُرُ فِي الْآرْضِ وَنُهِيَ فِرْعَوْنَ وَهَامِنَ وَجُنُودَهُمَا مِنْهُرُ مَّا كَانُوْا يَصْدَرُونَ⊙

وَ ٱوْحَيْنَاۚ إِلَّى ۚ إِلَّهُ وُسِّى أَنْ ٱرْفِقِيهِ ۚ فَاذَا خَقْبِ عَلَيْهِ ۚ فَالَقِيْهِ فِي الْمَيِّرَ وَلاَتَحَافِي وَلاَتَصْرَتَىٰ ۗ إِلَّا رَّآدَّوُهُ ٱلنَّهِ وَجَاعِلُوهُ مِنَ الْمُرْسِلِيْنَ۞

فَالْمَقَطَةُ أَلُ فِرْعَوْنَ لِيَكُونَ لَهُرْ عَلَوَّا وَّحَزِّنَّا ۚ إِنَّ فِرْعَوْنَ وَهَا مِنَ وَجُمُوْدُهُمَّا كَانُواْ لِحُطِيْنَ وَهَا مِنَ وَجُمُوْدُهُمَا كَانُواْ لِحَطِيْنَ قَ

عَلَى اَنْ يُنْفَعَنَا ۚ أَوْنَتَّخِذَةَ وَلَدًّا وَهُّرَ لَايَهُعُرُونَ۞ وَأَصْبَرَ فَوَّادُ أَإِنَّهُمُ لَى فَرِغًا • إِنْ كَادَتْ لَتُبْدِى بِهِ لَوْلَاۤ أَنْ

رِّبَطْنَا ئَى قَلْبِهَا لِتَكُوْنَ مِنَ الْمُؤْمِنِيْنَ۞ وَقَالَتُ لِإِثْمَتِهِ قُصِّيْهِ ، فَبَصُّرِتْ بِهِ عَنْ جُنُبٍ وَّهُرِ

لَا يَشْعُرُونَ قُ وَ مَرَّمْنَا عَلَيْهِ الْمَرَافِعِ مِنْ قَبْلُ فَقَا لَثَ هَلَ ٱدْلُكُمْ كَلَّ آهْلِ بَيْنَ يَنْخُلُونْ لَدُ لَكُمْ وَهُرْ لَدُ لُمَحُونَ ۞

- এবং যথন মুদা (শক্তি-সাহর্থ ও ব্যবের) পূর্বতায় পৌছল এবং পরিপত্ত হল তথন আমি তাকে প্রজা ও জান দান করলাম। এবং এতাবেই আমি সংক্র্যাপবাচাগদেশতক প্রক্রিকার ক্রের।
- ১৬৷ সে বলল, 'বে আমার প্রতিপালক৷ নিচয় আমি আমার নিজের প্রতি জুলুম করেছি, সুকরাং আমাকে কমা করণন,' অতঃপর তিনি ভাবে কমা করতেন। নিচয় তিনিউ ক্রতি ক্রমাণীল ও পর্যয় মহানে।
- ১৭। সে বলদ, 'হে আমার প্রতিপালক: আপনি বেহেতু আমার উপর নেরামত দান করেছেন আমি কথানা অপরাধীদের সাহায্যকারী হব না।'
  - ১৮ অত্যগর সে (মৃম্য) শহরে সকালে উপদীত হল ভীত ও সতর্ক অবস্থাত। এবং তৎক্ষণাৎ (সে তদতে পেদ) যে ব্যক্তি গত দিন তার সাহায় সেমেছিল সে তার প্রতি (সাহায়েরে জন্য) তিবলার করছে। মৃদ্যা তাকে বলদা, "নিক্ত যতি অবপাই একার নশক্ষ বিপথারী বাঢ়িন।"
  - ১৯৷ অভ্যপর দে (মৃদ্যা) খবন তাকে পাককাত করতে চাইল, যে হিল উভারে পাক, তখন দে (ভারে) খনে উঠল, হে মৃদ্যা: ভূমি কি আমাকে হত্যা করতে চাক্ষ্য, লেভাবে গতকাল এক থাজিকে হত্যা করতে চুক্ষি পৃথিবীতে কেবল বেক্ষাচারী হতে চাও, এবং ভূমি সংশোধনকারী হতে হাত কাল?
  - ২০. এবং শহরের দূর প্রান্ত থেকে এক ব্যক্তি দৌড়ে আদল, সে কাল, 'হে মুসা। পরিষদরর্গ তোমাকে হত্যা করার পরামর্শ করছে, সুতরাং ভূমি বাষ্ট্ররে চলে যাও নিক্ষয় আমি তোমার কলাগবায়ী।'
  - ২১। সূতরাং সে ভীত ও সতর্ক অবস্থায় সেখান থেকে বের হত্তে পড়ন। সে ব বলন, 'হে আমার প্রতিশালক। আপনি আমাকে জালিয় সম্প্রদায় থেকে উদ্ধান বক্তম।'
  - ২২। এবং যখন সে (মূসা) মানইয়ানের নিকে অভিমুখী হল তখন বলল,
    'জাপা কবি আমাক প্রতিপালক আমাকে সবল পরা প্রদর্শন করবেন।'

- وَ لَمَّا بَلَغَ اَشُدَّهُ وَ اسْتَوْى الَّيْنَهُ حُكْمًا وَعِلْمًا وَكَذَٰ لِكَ نَجْزِى الْمُحْسِنِينَ۞
- . وَقَخُلُ الْمَدِيْنَةُ بِلَّ حِيْنِ غَلْلَةِ مِنْ الْهَاهَا فَوَجَدَ فِيْهَا رَجُلَيْنِ يَقْتَعَلِيهُ فَذَا مِنْ هِيُعْتِهِ رَفَّدًا مِنْ عَثْرِوّهِ فَاسْتَغَاقَهُ اللّذِيْ مِنْ هِبْكَتِهِ فَلَ الْمِنْ صِنْ عَلَرُوّه تُوكَّرُوّهُ مُوسِى فَقَفِي عَلَيْهِ فَ
- قَالَ هَلَا مِنْ عَمَلِ الشَّيْطِي ِ أَنَّهُ عَكُرٌ مُقِلَّ مَيْنَ ۞ قَالَ رِبِّ إِنِّيْ ظَلَمْتُ نَقْمِ فَاغْفِرْ إِيْ فَغَفَرَ لَنَهُ وَلَهُ مَوْالْفَقُورُ لَوَ فَعَفَرَ لَنَهُ و النَّهُمُ ﴾ والنَّعُلُورُ النَّعُورُ النَّعُورُ النَّعُورُ النَّعُورُ النَّعُورُ النَّعُورُ النَّعُورُ النَّع
- ا ترمِير ﴾ قَالَ رَبِّ بِمَّا ٱنْعَمْتَ عَلَّ فَلَنْ ٱكُونَ ظَهِيْرًا لِّلْمُجْرِمِيْنَ ۞
- فَاَشْنِي فِي الْمَدِيْنَةِ غَالِقًا يَّتَرَقَّ فَاذَا الَّذِي الْمَتَثَمَّرَةُ فِالْأَسْ يَشْتَفْرُ غُدُّفًا لَلَّهُ مُوْسًى إِنَّكَ لَقِيًّا هَبِيْنَ⊚
- فَلَنَّا آنَ آرَادَ آنَ يُبْطِقَى بِالَّذِيْ هُوَ عَدُوًّ لَّهُمَا قَالَ يُمُوْسَى إ آثَوِيدُ آنَ تَغْمَّلُنِي كَمَا قَمَّلُتَى نَفْسًا إِيا الْإِسْمِ الْإِنْ تُونِيدُ
- إِلاَّ أَنْ تَكُوْنَ مَبَّا رَافِي الْأَرْضِ وَمَا تُدِيدُ أَنْ تَكُوْنَ مِنَ الْمُلْحِيْنَ هِ الْمُمْلِحِيْنَ هِ وَجَاءً رَجُلُ مِنْ أَقْمَا الْمَدَيْنَة يَسْفِى قَالَ يُمُوشِّي إِنَّ الْمَلَا
- يَا تَمِرُونَ بِكَ لَيَقْتُلُوكَ فَاغْرَةً إِنِّى لَكَمِن التَّمِعُيْنَ ۞ فَخَرَعَ مِنْهَا خَالِقًا يُتَرَقَّبُ قَالَ رَبِّ نَجِّنِيْ مِنَ الْقَوْرُ أَ
- الظَّلَمِينَ۞ وَكُمَّا تَوْجُهُ لَلْقَاءَمَدْيَنَ قَالَ عَسَى رَبِّنَ أَنْ يَّهْدِينِيْ سَوَاءَ السَّبْلِ۞

- ২৩। এবং বর্থন সে মাদইয়ানের গানির (কুপের) নিকট পৌছল তথন সেখানে দেখতে পেল একদল লোক (তাদের পঞ্চলোকে) পানি পান করাছে এবং তাদের পিছনে দ'জন নাবী (তাদের পশুগুলোকে) আগলে বাখছে। সে (মসা) বলল, 'তোমাদের দ'জনের ব্যাপার কিঃ' ভারা বলল, 'আমরা (আমাদের প্রভাগোকে) পানি পান করাই না যভক্ষণ না বাধালেরা (তাদের গণ্ডালোকে) বের করে। আর আমাদের পিতা অতি বন্ধ।
- ২৪। অতএব সে (মুসা) দু'জনের পক্ষে (পঞ্চলোকে) পানি পান করাল, এরপর ছায়ার দিকে ফিরে গেল এবং বলল, 'ছে আমার প্রতিপালক। আপনি আয়ার প্রতি যে কল্যাণ্ট অবস্তীর্ণ করবেন নিশ্চয় আমি ভার লিখারী।
  - ২৫। তথ্য দ'জন নাবীর একজন লাজক পায়ে তার কাছে আসল *সে* বলল 'নিশ্বর আয়ার পিতা আপনাকে নোঙাগন আয়াদের পক্ষে যে পানি পান করিয়েছেন আপনাকে তার পারিপ্রমিক দেয়ার জনা।' অতঃপর সে (মুসা) যথন তার নিকট আসল এবং ঘটনাটি তার কাছে বর্ণনা করল তথ্য সে কাল, 'ভয় করো না, তমি জালিম সম্প্রদায় থেকে বেচাট পেয়েছ।'
- ৯৬। তাদের একজন বলল 'তে আমার পিতা। আপনি একে মন্তব নিয়োগ করুদ, দিশুর যাকে আপনি মন্তর নিয়োগ করবেন তার মধ্যে উত্তম হল, যে শক্তিশালী ও বিশ্বক।<sup>\*\*</sup>
- ২৭: সে (মুসাকে) বলল, 'নিশ্চর আমি তোমাকে আমার এই দু'টি মেরের একজনের সাথে বিয়ে দিতে চাই, এ শর্তে যে, তমি আট বছর আমার কাম করতে অভঃপর যদি ভয়ি দশ (বছর) পর্ণ কর সেটি ভোয়ার পক্ত থেকে (করতে পার)। এবং আমি তোমাকে কট দিতে চাই না। আল্রাহ ইচ্ছা করলে তুমি আমাকে সংকর্মশীলদের অন্তর্ভুক্ত পাবে।
- করা যাবে না। এবং আমরা যা বলছি আল্লাহ তার তল্লাবধারক 💯 (সাক্ষী) ' ২৯। অতঃপর যথন মসা তার মেয়াদ পূর্ণ করল এবং পরিবার-পরিজনসহ
- যাত্রা করল, তথন সে তর পর্বতের পাশে আগুন দেখতে পেল। সে তার পরিবার-পরিবজনকৈ বলল, 'তোমরা (এখানে) অবস্থান কর, নিশ্চয় আমি আঙন দেখেছি, সম্ভবত আমি তা থেকে তোমাদের জন্ম কোন খবর অথবা আগুন থেকে (একখন্ড) স্থপন্ত কাঠ নিয়ে আসর যাতে লোমবা আজন পোৱালে পাব।'
- ৩০। অতংপর যথন সে এর (আগনের) নিকট আসল তথন বরকতমহ স্থানে অবস্থিত উপত্যকার ডান পাশের গাছটি থেকে তাকে ডেকে বলা হল যে, 'হে মসা! নিশ্চয় আমি জগৎসমহের প্রতিপালক আল্লাহ-
- ৩১। এবং (বলা হল) যে তামি তোমার লাসি নিক্ষেপ কর।' অভংগর বখন সে এটিকে সাপের মত ছটোছটি করতে দেখল তথন পিছনে ফিরে পালাতে লাগল এবং বিবেও তাকাল না। (বলা হল) 'তে মসা। সামনে আস এবং ভয় করে। না; নিকয় তুমি নিরাপদনের অন্তর্ভুক্ত।

- وَ لَمَّا وَرِدَهَا ءَمَدُينَ وَجَدَ عَلَيْهِ أُمَّةً مِّنَ النَّاسِ يَسْقُونَ هُوَ وَجَدَ مِنْ دُونِهِرُ إِمْ إَتَيْنِ تَذُودُن عَالَ مَا خَطْبُكُمَا قَالَتَا لَانَشْقِيْ حَتَّى يُصْدِرَ الرِّعَآءُ عَوْ ٱبُوْنَا شَيْنَّ كَبِيْرٌ ﴿
- فَسَغَى لَهُمَا ثُرٌّ تَوَ لَّى إِلَى الظِّلِّ فَقَالَ رَبِّ إِنَّى لِمَاۤ أَنْزَلْتَ الَي مَنْ خَيْرٍ فَقَيْرٌ ﴿ فَجَآءَتُهُ إِحْدُنهُمَا تَمْشَى عَلَى اسْتَحْيَآء قَالَتْ إِنَّ أَبِي
- يَدْعُوْكَ لِيَجْزِيكَ أَجْرَمَا سَقَيْتَ لَنَا افْلَمَّا جَاَّءَةً وَقَصَّ عَلَيْهِ الْقَمَصَ، قَالَ لَاتَكَفْ شَنَجَوْتَ مِنَ الْقَوْرَ الظَّلِمِينَ ۞ قَالَتْ احْدْنهُمَا يَأْبَبِ اشْتَأْجِرْهُ وإنَّ غَيْرَ مَنِ اشْتَأْجَرْتَ
- الْقَوِيُّ الْأَمِيْنُ ⊛ قَالَ إِنِّي ٓ أُرِيْدُ أَنْ أَنْكِحَكَ إِحْدَى إِبْنَتَى هُتَيْنِ عَلْ أَنْ تَأْجُرَنِيْ ثَمْنِيَ حِجَجٍ ، فَإِنْ أَثْمَمْتَ عَشْرًا فَمِنْ عِنْدِكَ ، وَمَآ ٱبِيْدُ اَنْ اَهُتَّ عَلَيْكَ ﴿ سَتَجِدُنِثْ إِنْ شَاءَ اللَّهُ مِنَ
- كا ( كَا ( لِكَ اللَّهِ مَا اللَّهِ مَا اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّه १ क प्राचित स्वापन स्विष्ट आसि पूर्व कहव आसांत रिकाफ स्वापन निवासकान الله اللَّهِ مَنْ أَنْ فَيْ اللَّهِ الللَّهِ اللَّهِ اللَّ عَلَى ﴿ وَ اللَّهُ عَلَى مَا نَقُوْ لُ وَكَيْلٌ ﴿ فَلَمَّا قَفْي مُوْسَى الْاَجَلَ وَسَا رَبِاَهْلِهَ أَنْسَ مِنْ جَانِبِ الطُّوْرِ نَارًا وَالَ لِآهَاء إِمْكُثُوا إِنَّى إِنْشُ نَارًا لَّعَلَّى إِتِيكُرْ مِّنْهَا
  - بِخَبَرِ آوْجَدُوَةٍ مِّنَ إلنَّا رِ لَعَلَّكُرُ تَصْطَلُوْنَ ۞ فَلَمَّا ۚ إِنَّهَا نُوْدَىَ مِنْ هَاطِئِ إِلْوَ إِدِ الْإِيْمَنِ فِي الْبُقْعَةِ الْمُبْرِكَةِ مِنَ الشَّجَرَةِ أَنْ يَّمُوْسَى إِنِّيْ آنَا اللهُ رَبُّ الْعُلَمِيْنَ۞
  - وَ أَنْ ٱلْقِ عَمَاكَ ، فَلَمًّا رَأِهَا تَهْتَةٌ كَأَنَّهَا جَأَنَّ وَّلَّى مُدْبِرًّا وَّ لَرْ يُعَقُّ وَيُمُونَّ مَا أَقْبِلُ وَ لَا تَخَفْ سِ إِنَّكَ مِنَ الْأُمِنِيْنَ ⊛

- ৩২। তোমার হাত তোমার জামার গলার ডেডর রাগ, তা কোন প্রকার কঠি চাতাই শুদ্র-উল্লেখ হয়ে বের হয়ে আসবে। এবং ভন থেকে (বাঁচার জনা) তোমার বাহকে তোমার (নিজের) নিকে জড়িয়ে ধর, কারণ এগুলো ইচ্ছে ফিবআউন ও তার পরিষদবর্গের প্রতি তোমার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে দুটি অকটো দলিল-ধ্যমাণ।" নিকর তারা হিল এক পাপাচারী সম্প্রদাত।
- ৩৩। সে (মৃসা) বলল, 'হে আমার প্রতিপালক! নিশ্চয় আমি তাদের একজনকে হল্যা ক্রেক্সি ভাউ আমি আশক্সা কবি যে তারা আমাকে হত্যা করবে। ৩৪। আৰু আমাৰ ভাই হাৰ্ডন আমাৰ চেয়ে অধিক স্পষ্টভাষী, অভএৰ ভাকে
- আমার সাথে সাহায়ারারী বিসেবে প্রেরণ কঞ্চন সে আমাকে সভা বলে খীকতি দিবে। নিশ্বয় আমি আশবা করি যে, তারা আমাকে মিধ্যাবাদী वलांव। ৩০। তিনি (ভালাহ) বলগেন, 'পীছই আমি তোমার ভাইকে দিয়ে তোমার
- বারতে পতিশালী করব এবং আমি তোমানেরকে ক্ষমতা দান করব, ফলে ভারা ভোমাদের নিকট পৌছতে পারবে না। ভোমরা উভয়ে এবং কোমানের অনুসারীরা আমার নিদর্শনাবলী ছারা বিজয়ী হবে:
- ৩৬। অভঃপর হখন মস্য তাদের নিকট আমার নিদর্শনাকটি সম্পট্ট প্রমাণ জিন্দের নিজে আসল তথ্য তারা বলল, 'এটা উত্তবিত বাদ হাভা আর কিছ নয়, এবং আমরা আমাদের পূর্বপুরুষদের মধ্যে এমন কিছু श्वनिनि।
- ৩৭। এবং মসা বলল, 'আমার প্রতিপালক সবচেয়ে বেশি আনেন, কে তাঁর মিকট থেকে পথনির্দেশনা নিয়ে এসেছে এবং কর জনা থাকবে অভিযানের হল পরিবাছ। নিশ্চর জালিছরা সঞ্চল হয় না।"
- (ইট বানাতে) কাদা মাটির উপর আগুন জালাও হে হামান! এবং আমার জন্ম একটি সউন্ধ প্রাসাদ তৈরি কর, যাতে আমি (এতে উঠে) মূদার ইমারতে দেখাত পারি এবা মিশ্য আমি অবশাই তাকে মিথাবাদীদের অন্তৰ্জক মনে কৰি।'
- ৩৯। ফিরাটন ও তার বাহিনী অন্যায়ভাবে পৃথিবীতে অহংকার করেছিল এবং তারা মনে করেছিল যে, তাদেরকে আমার দিকে ফিরিয়ে আনা হবে না।
- ৪০। অন্তথ্যৰ আমি ভাকে ও ভাৱ বাহিনীকে পাৰুভাও কৰলাম এবং ভালেৱক সমূদ্রে নিঞ্চেপ করলাম, সুতরাং লক্ষ্য কর, কেমন ছিল জালিমনের or (Report)
  - ৪১। এবং আমি তাদেরকে নেতা বানিয়েছিলাম, তারা (লোকদেরকে) আঙনের দিকে ভাকত, আর কিয়ামতের দিন তাদেরকে সাহাখ্য করা হবে না।
- বিয়ামতের দিন তারা হবে মণিতদের অন্তর্ভুক্ত।
- ৪০: আর অর্থাই আমি পর্ববর্তী বচ প্রজন্তে থাসে করার পর মুসাকে কিতাৰ দিয়েছিলাম মানুষের জন্য আলোকবর্তিকা, পথনির্দেশনা ও দ্যাত্বৰূপ যাতে তাৱা উপদেশ গ্ৰহণ করতে পারে।

- أَسْلُكُ يَدَكَ فِي جَيْبِكَ تَخْرُجُ بَيْضَاءَ مِنْ غَيْدٍ سُوَّء وَ الْهُمُ ۗ إِلَيْكَ جَنَا هَكَ مِنَ الرَّهْبِ فَذُنِكَ بُرْهَانْنِ مِنْ رَّبِّكَ إِلَى فرْعَوْنَ وَمَلَائِهِ النَّهُرْ كَانُوْ اقَوْمًا فسقين ۞
- قَالَ رَبِّ انَّى قَتَلُتُ مِنْهُرْ نَفْسًا فَأَخَانُ أَنْ يَقْتُلُون ۗ وَ أَخِيْ هُورُنُ هُوَ أَفْصَهُ مِنْيْ لَسَانًا فَأَ رُسِلُهُ مَعِيَ رِدْإً
- يُّصَدِّقُنِيْ، إِنِّيْ أَخَانُ أَنْ يُكَذَّبُونِ قَالَ سَنَشُدُّ عَفُدَكَ بِأَحْيَكَ وَ نَجْعَلُ لَكُمَا سُلْطُنًا فَلَايَصِلُوْنَ
- إِلَيْكُمَا وَبِأَيْنَا وَأَنْتُمَا وَمَنِ الَّبَعَكُمَا الْغَلَبُونَ ۞ فَلَمَّا جَاءَهُر مُّوسَى بِأَيْتِنَا بَيِّنْتِ قَا لُوْ إِمَا هٰذَاۤ إِلَّاسِعُۥ مُّفْتَرِّي وَّمَاسَمِعْنَا بِهٰذَا فِي إَبَّائِنَا الْأُوَّلَيْنَ
- وَقَالَ مُوْسَى رَبِّنْ أَعْلَرُ بِمَنْ جَاءَ بِالْهُدِّي مِنْ عَنْدِةٍ وَمَنْ تَكُونُ لَهُ عَاقِبَةُ الدَّارِ اللَّهُ لَا يُقْلِعُ الظَّلَمُونَ ا وَقَالَ فِهْ عَوْنُ يَا يَّهَا الْمَلَامُاعَلَمْتُ لَكُرُ مِّنْ الْمِغَيْثِي ، ৩৮। এবং ফিরআউন বলল, 'হে পরিবদবর্গা আমি ছাভা কোমাদের জন্য কোন ইলাচ আছে বলে আমাব জানা নেই, সভরাং তমি আমার জন্য فَأَوْقِدُ لِي يَهَامُنُ عَلَى الطِّيْنِ فَاجْعَلْ لِّي مَرْحًا لَّعَلِّيُّ أَطَّلُعُ
  - إِلِّي إِلٰهِ مُوْسَى وَ إِنِّي لَاظُنَّهُ مِنَ الْكُدِبِيْنَ ﴿ وَ اسْتَكْبَرَ هُوَ وَجُنُوْدُةً فِي الْأَرْضِ بِغَيْرِ الْحَقِّ وَظَنُّوٓۤۤۤا أَنَّهُمْ
  - الَيْنَا لَايُرْجَعُونَ ۞
  - فَاَخَذُنْهُ وَجُنُوْدَةً فَنَبَدْنْهُرْ فِي الْيَرِّ َّفَاتُظُوْ كَيْفَ كَانَ عَاقبَةُ الظُّلمِينَ ﴿
- وَجَعَلْنَهُمْ أَنِيَّةً يَدْعُونَ إِلَى النَّا رِوَيَوْ } الْقِيمَة لَا يُنْمَرُونَ @ وَ ٱتْبَعْنَاهُرْ فِي هٰذِهِ الدُّنْيَا لَعْنَةً ، وَيَوْمَ الْقِيمَةِ هُرْ مِّنَ ৪২। এবং এ দুনিয়ায় আমি লা'নতকে তাদের অনুগামী করেছিলাম এবং।
  - وَ لَقَدُ إِتَّيْنَامُوْسَى الْكُتْبَ مِنْ إِنَّادِ مَا ٓ أَهْلَكْنَا الْقُرُونَ الْأَوْلُ

بَمَاآلُ لِلنَّاسِ وَهُدِّي وَّ رَحْمَةً لَّعَلَّهُمْ يَتَذَكُّ وْنَ

- ৪৪। এক মধ্যে আহি হ্যাকে কালিসাধিলাহ লেগত এবী ক্রাক্তিলাছ) কর্ম্ম তমি (তব পর্বতের) পশ্চিম প্রান্তে (উপস্থিত) ছিলে না এবং তমি (এব) প্রাক্তমশীদের অন্তর্গক্ত বিলে না-
- ৪৫। ববং আমি (মসাব পব) জনেক প্রজনা সৃষ্টি করেছিলায়। জুতঃপর ভাদের মেয়াদ দীৰ্ঘ হয়েছিল আৰু কমি মান্তব্যানৰাহীকেৰ মাধ্যক বিভাগান ছিলে না যে তাদের (মন্ধারাসীদের) নিকট আমার আয়াভসমত পাঠ कवात तरा चाछिडै ब्रह्माप्र (१० ५४डी) (भारतकाती)।
- ৪৬ এবং যথন আহি (হসাকে) ভেকেছিলায় তথন ভয়ি ভব পরভিব পাশে ছিলে না, বরং (এ ওই) তোমার প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে দয়াস্বরূপ, যাতে তমি এমন এক সম্পদায়কে সকৰ্ক কৰাতে পাব যাদেব নিকট ভোয়াব পর্বে কোন সতর্ককারী আসেনি, যাতে তারা উপদেশ গ্রহণ করতে পারে।
- ৪৭, এবং যদি না (এয়ন হত) যে ভালের হাত হা ভাগে পাঠিয়েছে সে জারাণ জ্যানের উপর কোন বিপদ আপরিক হক এবং তারা সক্তম 'বে আয়ানের প্রতিপালক। আপনি কেন আয়াদের নিবট কোন বাসল প্রেরণ করালন না, তাহলৈ আমরা আপনার আহাতসমহ অনসরণ করতাম এবং আমরা ম'মিনদের অন্তর্ভক করাম (তাকলে আমি বাসল প্রেকণ করতাম না)।'
- ৪৮। অভ্যাপৰ হথম আয়াৰ নিজা খোলে দোনেৰ নিজা সকা আহল কথন তারা বলল, "মসাকে থেরপ দেয়া হয়েছিল," তাকে সেরপ দেয়া হল না বেন। '(বিজে) পার্ব মসাকে যা সেয়া হয়েছিল সা কি সাবা অবিশ্বাস করেনিঃ তারা বলল, '(তাওরাত ও করআন) দ'টিই জাদ. একটি অপ্রটিকে সমর্থন করে। এবং তারা কলল 'নিশ্বর আহবা প্রত্যেকটিকেট অবিশ্বাস করি।<sup>\*</sup>
- ৪৯। বল, 'তবে ভোমরা আলাহর নিকট থেকে একটি কিতাব নিয়ে আস, যা এ দ'টির তিয়ে অধিক পথ প্রদর্শনকারী হবে; আমি তা অনুসরণ করব-ग्राप्ति (कांत्रज्ञा जानाजाती कथः
- eo। কিন্ত তারা যদি তোমার ভাকে সাভা না দেয়, তবে জেনে রাখ, তারা কেবল তালের প্রবন্ধির অনুসরণ করে। আর আন্তাহর কোন পথনির্দেশনা চাতা যে তার প্রবাহির অনসরণ ববে ভাব দোয় অধিক পথনই আর কে। 🕹 নিক্তর আপ্রার জালিম সম্প্রদায়কে সঠিক পথপ্রদর্শন করেন না।
- আর অবশাই আমি তাদের জনা ক্রমে ক্রমে কথা (করতান) পৌতে দিয়েছি যাতে ভারা উপদেশ গ্রহণ করতে পারে।
- ৫২ যাদেরকে আমি এর (অর্থাৎ করআনের) পর্বে কিতার দিয়েছিলায় ভারা লোভ দাৰ্থেই স্থাম (পদক্ষম চন্দান প্ৰাটা) ৫৩। এবং যখন তাদের নিকট (ভা) পাঠ করা হয় তথন ভারা বলে, 'আমরা
- এতে ঈমান এনেটি নিক্ষয় তা আমাদের প্রতিপালকের পক্ষ থোকে (আগত) সত্য, নিশুর আমরা এর পূর্বেও মসলিম ছিলাম।
- ৫৪। তাদেরকে দ'বার তাদের প্রতিদান দেয়া হবে কারণ তারা গৈর্ছগারন करबाह अव: खावा साम जिल्हा प्रमानक अफिल्वांस खाल अव: खाप्रि তাদেরকে যে রিথিক দিয়েছি তা থেকে তারা (আলাহর পথে) বায়

وَمَاكُنْتَ بِجَانِبِ الْغَرْبِيِّ إِذْ قَفَيْنَآ الْ مُوْسَى الْأَمْ، وَ مَا كُنْتِ مِنَ الشُّهِدِيْنَ ﴾ وَ لَكِنَّا ۚ إَنْشَأْنَا قُرُونًا فَتَطَاوَلَ عَلَيْهِمُ ۖ الْغُبُّ وَمَاكُنْ َ ثَاوِيًا فِي آهُل مَدْينَ تَعْلُوا عَلَيْهِرُ الْتِنَا وَ لَكِنَّا كُنَّا مُرْسليْنَ

٢٨-سُن ءُ الْقَوْمِ

- وَمَاكُنْتَ بِجَانِبِ الطُّورِ إِذْ نَادَيْنَا وَلَكِنْ رَّحْمَةً مَّنْ رِّبِّكَ لِتُنْدَرَ قَوْمًا مِّٓا أَتْنَهُمْ مِّنْ نِّذَيْ مِّنْ قَبْلِكَ لَعَلِّهُمْ ۗ
- وَ لَوْ لَا آنَ تُصِيْبُهُ مُصَيْبَةً 'بِمَا قَدَّمَتُ آيُدِيْهِ فَيَقُو لُوْا رَبَّنَا لَوْ لَآ أَ رُسَلْتَ الَّيْنَا رَسُوْ لَّا فَنَتَّبِعَ أَيْتِكُ وَنَكُوْنَ مِنَ الْمُؤْمنيْنَ.
- فَلَمَّا جَآءَهُمُ الْحَقُّ مِنْ عِنْدِنَا قَا لُوْا لَوْ لَّا أَوْتِيَ مِثْلَ مَآ أُوْتِيَ مُوْسَى، أَوَ لَيرْ يَكْفُرُواْ بِمَآ أُوْتِيَ مُوْسَى مِنْ قَبُلُ، قَا لُوْا سعران تَظْهَرا ١١٠ وَقَا لُوَّا إِنَّا
- بكُلّ كُغرُ وْنَ۞ قُلْ فَأَتُوْا بِكِتْبِ مَّنْ عِنْدِ اللَّهِ هُوَ ٱهْدًى مِنْهُمَآ أَتَّبِعْهُ إِنْ كُنْتُمْ صُعْقِينَ@
- فَانْ لَّهُ يَشْتَحِيْبُوْا لَكَ فَاعْلَهُ ۚ إَنَّهَا يَتَّبِعُونَ أَهُوٓ أَءَهُمْ ۚ وَمَنْ أَضَلُّ مِمَّنِ إِتَّبَعَ هَوْ بِهُ بِغَيْدٍ هُدِّي مِّنَ اللهِ ۚ إِنَّ اللَّهَ لَا يَهْدِي الْقَدْرُ الظُّلَمِينَ أَوْ
  - وَ لَقَدْ وَصَّلْنَا لَهُرُ الْقَوْلَ لَعَلَّهُرْ يَتَذَكَّهُ وْنَ ﴿
  - ٱلَّذِيْنَ إِتَيْنَهُرُ الْكَتْبَمِنَ قَبْلَهِ هُرْ بِهِ يُؤْمِنُونَ @ وَ إِذَا يُتْلِي عَلَيْهِمْ قَا لُوَّا أَمَنَّا بِهِ إِنَّهُ الْعَقُّ مِنْ رِّبْنَآ إِنَّا كُنَّا
  - من قَبْله مُسْلميْنَ، ه

০১। এবং সোমার প্রতিপালক জনপ্রসমহাক প্রাসকারী নন ব্যক্তব না এদের মায়ের নিকট (অর্থাৎ প্রধান জনপদে) একজন রাসল প্রেরণ কৰেন যে আফাৰকে আহাৰ আহাতসহত পাঠ কৰে খনায় এবং আহি জনপদসমহকে ধংসকারী নই এছাতা যে, এর অধিবাসীরা জনসকারী।

এবং বাল 'আমাদের কাজ (অর্থাৎ বাজের ফল) আমাদের কন্য এবং তোমাদের কারু (অর্থাৎ কার্জের ফল) তোমাদের জনা: তোমাদেরকে

ক্ষা (ব মুলী) বিশ্বর সাকে দ্বরি ভালোরার (উজা করকেউ) ভাতে

করা হবে।" আমি কি সোদের ক্ষম এক নিরাপদ হাবাম পরিষ্ঠা কবিনি

যোগানে আমার পক্ষ থেকে বিধিকস্বরূপ সব ধরনের ফল-মল নিয়ে

আর ওঙলো তাদের বাসস্থান যেওলোতে তাদের পরে লোকজন সামানাই বসবাস করেছে। আর আমিট (এসবের) উপ্তরাধিকারী।

'সালাম' (বিদার্থ ): আমবা অফদেব (সঙ্গ) চাই না:

আসা হয়ঃ জিল সাদের অধিকাংশই স্থানে না। er । আর কত জনপদকে আমি ধাংস করেছি যার জীবনযাত্রা ছিল ঔদ্ধতপর্ণ।

৬১। তবে যাকে আমি উন্নম প্রতিশ্রুতি দিয়েছি এবং সে তা পাবে, সে কি ঐ ব্যক্তির মত যাকে আমি (কেবল) দনিয়ার জীবনের ভোগা সামগ্রী নিয়েছি এবপৰ ভাকে কিয়ামতেৰ দিন (অপবাধী হিসেবে) উপস্থিত করা হবেঃ

(सभा प्राप्तमी o प्रावसका अपन वालावर जिस्से वा वर्गन का देखा o অধিক সাহী। তবে কি তোমবা অনধানন কর নাঃ

- ৬১। এবং যেদিন তিনি তানেরকে ডাকবেন এবং বলবেন, 'তোমরা যাদেরকে আমার শরীক ধারণা করতে তালা কোথায়ঃ
- ৭০। (পরীরাদের হথো) যাদের উপর (পান্তির) রুধা অবধাবিত হবে ভাবা কাৰে, 'যে আমাদের প্ৰতিপালক! এদেৱকেই আমরা বিপথগামী করেছিলাম এদেরকে বিপথগামী করেছিলাম যেমন থামরা বিপথগামী হয়েছিলাম, আমরা (তাদের থেকে) আপনার কাছে দায়িত্বক বলাম।

এরা ৩খ আমাদেরই ইবাদত করত না।

- us (এবং (আদেবার) বলা হার 'ভোয়াদের শরীকদেবাক ভাক।' তর্থন তারা তাদেরকে ভাকবে, কিন্তু তারা তাদেরকে সাভা দিবে না, এবং তারা শান্তি প্রত্যক্ত করতে। হাহ। যদি তাবা সঠিকপথ অনসকণ করত।
- ৬৫। এবং যেদিন তিনি (আল্লাহ) তানেরকে ভাকবেন এবং বলবেন, 'তোমরা প্রেরিভাদেরকে (বাসলদেরকে) কী গুরাব দিয়েছিল্যে

إِنَّكَ لَا تَهْدَىٰ مَنْ آَحْبَبْتَ وَ لَكِنَّ اللَّهَ يَهْدَىٰ مَنْ يَشَآَّءُ وَهُوَ সমিকাপথ পদৰ্শন বাৰাজ পাৰাৰ না বৰং আলাচ যাকে উচ্চা কৰেন अधिकारण सम्बद्धीय करताय । तक विभिन्न अधिकारण आसंग्रह्म अस्त्राच्या अस्त्राच्या أَعْلَمُ بِالْمُهْتَدِيْنَ ﴿ ৫৭। এবং তারা বলে, 'যদি আমরা তোমার সাথে সঠিকপথ অনসকা করি وَقَا لُوَّا إِنْ نَتَّبِعِ الْهُدِّي مَعَكَ نُتَخَطَّفُ مِنْ إَرْ صَنَا ﴿ أَوَ ত্তবে আয়াদেবকে আয়াদেব হায়ীন (আবাস ভমি) থেকে বেঁটিয়ে বিদায

أَعْمَا لُكُمْ ، سَلَمٌ عَلَيْكُمْ ، لَانْبَتَغِي الْحِهلْيَ ، هِ

- لَرْ نُمَكِّنْ لَهُرْ حَرَمًا إمنًا يُّجْنَى الَيْهِ ثَمَرْتُ كُلِّ هَنَّ رِّزْقًا مِّنْ لَدُنَّا وَ لَكِنَّ إَكْتَ هُوْ لَا يَعْلَمُونَ ۞ وَكَيْرُ ۚ إَهْلَكْنَا مِنْ قَوْيَةِ بَطِ تَمْعَيْشَتَهَا وَتَلْكَ مَسْكُنُّهُمْ ۗ لَرْ تُشْكَنْ مِّنْ ابَعْدهِرْ الَّا قَلْيُلًا ۗ وَكُنَّا نَحْنُ الْو رِثْيْنَ ۞
- يَّتُلُوا عَلَيْهِم إِيتنَا وَمَاكُنَّا مُهْلِكِي الْقُرِّي إِلَّا وَ أَهْلُهَا وَمَآ ٱوْتِيْتُرْ مِّنْ هَنْ فَمَتَاعُ الْعَيْوةِ الدُّنْيَا وَ زِيْنَتُهَا وَمَا ৬০। আর ভোমানেরকে যা কিছু নেয়া হয়েছে তা কেবল দুনিয়ার জীবনের। عَنْدَ الله كَيْ وْ أَبْغَى وَأَفْلَاتَعْقَلُونَ هُ

وَمَاكَانَ رَبُّكَ مُهْلِكَ الْتُهِ ٰى حَتَّى يَبْعَنَ فِي ٓ أُمَّهَا رَسُولًا

- أَفَمَنْ وْعَدْنُهُ وَعَدَّا مَسَنًّا فَهُو لَاقيْه كَمَنْ مَّتَّقْنَهُ مَتَاعَ الْحَيْوة الدُّنْيَا ثُرُّ هُوَ يَوْمَ الْقَيْمَةِ مِنَ الْمُحْضَرِيْنَ
- وَ يَوْأَ يُنَادِيْهِ ۚ فَيَقُولُ إِنْ شُرِكَاءِي الَّذِيْنَ كُنْتُ ۚ تَرْعُمُونَ ۗ قَالَ الَّذِيْنَ مَنَّ عَلَيْهِمُ الْقَوْلُ رَبَّنَا هَوُّلَّهُ الَّذِيْنَ آغُوَيْنَاء
- أَغُو يُنْهُ \* كُمَا غَوَ يُنَاء تَهَ أَنَا اللَّكَ مَا كَانُو ۚ إِيَّانَا يَعْبُدُونَ وَقَيْلَ إِذْعُوْا شُرِكَّا ءَكُمْ فَنَعَوْهُمْ فَلَمْ يَسْتَجِيْبُواْ لَهُمْ وَرَاَّوُا
- الْعَذَابَ ، لَوْ أَنَّهُمْ كَانُوْا يَهْتَدُوْنَ وَيَوْ اَ يُنَادِيْهِ فَيَقُوْلُ مَا ذَآ آجَبْتُم الْمُوسَلِينَ

১৮ সরা আল-কাসাস

cafe service .

- ৬৬। কিন্তু সেদিন সকল সংবাদ তাদের নিকট অম্পট হয়ে যাবে এবং তারা একে অপরকে জিল্লাসাও করবে না।
- ৬৭: তবে যে ব্যক্তি তওবা করেছে, ঈমান এনেছে এবং সংকাজ করেছে, শীঘট সে সফলকামদের অন্তর্ভত হবে।
- ৬৮। এবং তোমার প্রতিপালক যা ইচ্ছা করেন ও পছন্দ করেন তা-ই সৃষ্টি করেন, (এতে) তাদের পছদের অবকাশ নেই। তারা যা শরীক করে তা থেকে আল্লাহ পৰিত্ৰ এবং অনেক উৰ্ফো।
- ৬৯। এবং তোমার প্রতিপালক তা জানেন যা তাদের বক্ষসমূহ গোপন করে এবং যা তারা প্রকাশ করে।
- ৭০। এবং ভিনিট আলাচ ভিনি চাভা কোন ইলাচ নেই। ইফকালে ও পরকালে সকল প্রশংসা তারই: বিচার তারই কততে এবং তারই দিকে ভোমাদেরকে ফিরিয়ে নেরা হবে।
- ৭১। বল, 'তোমরা ভেবে দেখেছ কি, যদি আল্লাহ তোমাদের জনা রাতকে কিয়ামতের দিন পর্যন্ত অন্তর্তীন করে দেন তাহলে আঘাহ ছাড়া কে ইলাহ আছে, যে তোমাদেরকে আলোঁ এনে দিতে পারেঃ তবে কি ভোমরা শ্বণ কর নাঃ' ৭১। বল 'কোমবা ভোবে দেখেত কি যদি আলাচ তোমাদেব জন্য দিনকে
- কিয়ামতের দিন পর্যন্ত অন্তর্হীন করে দেন তাহলে আল্লাহ ছাড়া কে ইলাহ আছে: যে তোমাদের জন্ম রাভ এনে দিতে পারে: যাতে ভোমরা বিপ্রাম নিকে পাবঃ জবে জি ছোমহা দেখা নাঃ' ৭৩। এবং তিনি তাঁর দয়া থেকে তোমাদের জন্য বানিয়েছেন রাত ও দিন.
- যাতে ভাতে ভোহৰা বিধাহ মিতে পাব ও তাঁব অন্ধাহ খেকে তালাশ করতে পার এবং যাতে তোমরা কতভাতা প্রকাশ করতে পার। 981 जन: त्यमिन किनि कारमबरक प्रांकरनन जन: नकारनन 'रकापना यारमबरक
- আয়ার শরীক ধারণা করতে তারা কোগায়+
- তথ্য তারা জানবে যে, সতা (উলাচ চরার অধিকার) আলাচরট এবং ভাবা যা ছিলা বছনা ব্যবস ডা আদের লোক উধাও চায় যাবে।
- ৭৬। নিক্স কারন<sup>®</sup> ছিল মসার সম্পদায়ের, কিন্তু সে তাদের উপর বাডাবাডি কবেছিল। এবং আমি ভাকে দান কবেছিলাম এমন ধন-ভাকার নিশ্চয যার চাবিগুলি একদল শক্তিশালী লোকের পক্ষেও বহন করা কট্টসাথ্য ছিল। যথন তার সম্পদায় তাকে বলেচিল 'উৎকল কথো না নিশ্চয আল্লাহ উৎকল্প লোকদেরকে ভালবাদেন না।
- ৭৭। এবং আলাহ যা ভোমাকে দিয়েছেন তা দিয়ে আখিরাতের আবাস তালাশ কর এবং দুনিয়ায় তোমার অংশ ভলে যেও না, এবং (মানুষের প্রতি) ইহসান (অন্যাহ) কর যেমন আলাহ তোমার প্রতি ইহসান করেছেন এবং পথিবীতে জ্যাসাদ সৃষ্টি করতে চোয়া না। নিশ্বর আলার জ্যাসাদ अहिकाबीरमतरक प्रांतवारप्रम नाः

فَعَمِيتُ عَلَيْهِرُ الْأَنْسِبَآءُ يَوْمَعُذِ فَهُرْ لَايَتَسَآءَ لُوْنَ⊛ فَأَمَّا مَنْ تَاكِ وَ أَمَنَ وَعَمِلَ صَا لَدًّا فَعَشَّى أَنْ يُّكُونَ مِنَ الْمُثْلِحِثْنَ،@

٢٠- سُورةُ النَّمُون

- وَ رَبُّكَ يَخْلُقُ مَا يَشَآءُ وَيَخْتَارُ ، مَاكَانَ لَهُرُ الْحَيَرَةُ ، سُبْحُنَ اللهِ وَ تَعْلَى عَمَّا يُشْرِكُونَ @ وَ رَبُّكَ يَعْلَمُ مَا تُكِنَّ صُدُورُهُمْ وَمَا يُعْلَنُونَ هِ
- وَهُوَ اللَّهُ لَآ الْهَ الَّاهُوَ ، لَهُ الْحَمْدُ فِي الْأُولُ وَ الْأَخِرَةَ ، وَ لَهُ الْعُكْرُ وَ الَّيْهِ تُوْجَعُوْنَ ⊕ قُلُ آرَءَيْتُر ان جَعَلَ اللهُ عَلَيْكُرُ الَّيْلَ سَوْمَدَّا إلَى يَوْمَ
- الْقَايِمَةُ مَنْ اللَّهُ غَيْرُ اللَّهِ يَأْتَيْكُمْ بِمِيَّاء وَأَفَلَاتَسْمَعُونَ ١٠٥ قُلْ آرَءَيْتُمْ انْجَعَلَ اللهُ عَلَيْكُمُ النَّهَارَ سَهُمَدًّا إلى يَوْمُ الْقَيْمَة مَنْ الْمُ غَيْبُ اللهِ يَأْتَيْكُو بِلَيْلِ تَشْكُنُونَ فَيْهِ • أَفَلَاثُبُم وُنَ
- وَمِنْ رَحْمَتِهِ مَعَلَى لَكُمُ الَّيْلَ وَ النَّهَارَ لِتَسْكُنُوْ افْيُهُ وَ لتَبْتَغُوْ ا مِنْ فَضْلِهِ وَ لَعَلَّكُمْ تَشْكُو وْنَ @ وَ يَوْزَ } يُنَادِيُهِمْ فَيَقُولُ آيْنَ هُ كَأَءِى الَّذِينَ كُنْتُمْ
- ৭৫। এবং প্রত্যেক উন্নত থেকে আমি একজন করে সাক্ষী টেনে বেব করব । এবং কাব, 'তোমনা তোমানের অকাটা দদিল-এমাণ উপস্থিত কর। খি। । কু এই اُمُ مُنْ اللهُ الْحَقَّ لللهِ وَ ضَلَّ عَنْهُمْ مَّا كَانُوا يَفْتَوُ وْنَ هُ

انْ قَا رُوْنَ كَانَ مِنْ قَوْمُ مُوسَى فَبَغَى عَلَيْهِرْ - وَ الْمَنْدُمِنَ

- الْكُنُوْ زِمَا آنَّ مَفَاتِحَهُ لَتَنُوا أَبِالْعُصْبَةِ أُولِ الْقُوَّةِ وَ ادْقَالَ لَهُ قَوْمُهُ لَا تَفْرَحُ إِنَّ اللَّهَ لَا يُحِبُّ الْفَرِ حِيْنَ ﴿ وَ ابْتَغِ فَيْمَا ٓ أَتِلِكَ اللهُ الدَّارَ الْإِلْمَ ۚ قَوَ لَا تَنْسَ نَصِيْبِكَ مِنَ
- الدُّنْيَا وَ أَحْسَنُ كَمَا آَحْسَنَ اللهُ الَّيْكَ وَ لَا تَبْعِ الْفَسَادَ في الْاَرْضِ، إِنَّ اللَّهُ لَا يُحِبُّ الْمُفْسِدِيْرَ،

- ৭৮। সে বলল "আমি বেবল দা (সম্পদ) পাধ হায়তি আয়াব বাচে ছাবা खाम्बर वाराण।' (अ कि छामछ मा चालाइ जात नार्व रह शहसारक ब्राज কবেছন হাবা ছিল ভাব চোয় শবিশের প্রবল এবং (ধন-সম্পাদ) জয়া করার ছিত্র গোকে নামিকঃ নার নাগরামীক্রেরক ভাকের অধ্যাত্ত সম্পার্ক প্ৰশাকৰা হয় না।
- ৭৯। সভবাং সে (ভারন) ভার জাঁকজমক সহকারে ভার সম্পানাত্তর সামনে বের হল। যারা মনিয়ার জীবন চাইজ ভারা বলল 'আহা কাকনাক मा त्रामा भागात मामात्रात्रक महि तकल शांकात। विश्वास तम कानमाँहे মহাভাগবোন।
- bo। কিন্তু যাদেরকে জ্ঞান দেয়া হয়েছিল ভারা কাল, 'দর্ভোগ ভোমাদের। যাবা ইয়ান এনেত্ব ও সংকাজ কবেতে তাদের জন্য আধারত পরস্কারট (ছওয়াবই) উত্তম, এবং কেবল ধৈৰ্বশীলদেৱকেই এর অধিকারী করা ठग।"
- ৮১। অসপের আমি সাক্ষেত্র ও সার পামান্তমত প্রতিরে জালির ভিলাম। এক তার অন্য আহারকে বাদ দিয়ে এমন কোন দল ছিল না যারা ভাকে সাহায়্য করতে পারত এবং মেও আতাবকা করতে পারেনি। ৮১। এবং গতকাল যারা তার (কাজনের) অবস্থানকে আকাক্ষা করেছিল ভারা
  - বলতে লাগল, 'দেখলে তো, আল্লাহ তাঁর বান্দাদের মধ্যে যার জন্য ইক্ষা ক্রারন তার বিধিক প্রসারিত করেন এবং (তা) পরিমাপ করে দেন। A যদি আল্লাহ আমাদের প্রতি অনুগ্রহ না করতেন তাহলে অবশাই তিনি আমাদেরকেসহ (ভমিকে) ধ্বসিয়ে দিতেন। দেখলে ভো. কাফিররা সফল ਰਕ ਜਾਂ
- ৮৩। (পক্ষান্তরে) ভটা আখিরাতের আবাস যা আমি নির্ধারণ করি তাদের জন্য যারা এই পৃথিবীতে উদ্ধৃত হতে ও ফ্যাসান সৃষ্টি করতে চায় না। अवन् शास अविशास सावाकीत्रस्य कराः
- ৮৪। যে ভালকাঞ্চ নিয়ে আসবে তার জন্য রয়েছে এর চেয়ে উত্তম (প্রতিদান). তাব যে মুদ্দ কান্ত মিয়ে আসৰে তাৰে বাৰা মুদ্দ কান্ত কৰেছে আদেৱক আৰুই প্ৰক্ৰিয়াল দেয়া কৰে যা জাৱা কৰক।
- ৮৫। (তে নবী।) নিশ্চর বিনি তোমার জন্য করআনকে অবশ্য পালনীর করেছেন তিনি অবশ্যই তোমাকে প্রত্যাবর্তনস্থলে (স্বন্যুতমিতে) ফিরিয়ে আনবেন। বন, 'আমার প্রতিপানক সবচেয়ে বেশি জানেন কে পর্যনির্দেশিকা নিয়ে এসেতে এবং কে সম্পন্ন পথনাইতায় ব্যয়ছে।
- ৮৬। আর তমি আশা করনি যে, তোমার নিকট কিতার অর্পণ করা হবে, কিম (এটি) ভোমার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে দয়া, সভরাং তরি কবনো কাফিবদের সাহায়কোরী হয়ে। না
- ৮৭ এবং তারা যেন তোমাকে কখনো আল্লাহর আয়াতসমহ থেকে বিরত না বাখে তোমাৰ প্ৰতি তা অবতীৰ্ণ হওয়াৰ পৰ এবং তমি ভোমাৰ প্রতিপাদকের দিকে আহ্বান কর এবং কখনো মশরিকদের অন্তর্ভক হয়ে
- ৮৮। এবং তুমি আগ্রাহর সাথে অন্য ইলাহতে তেকো না, ভিলি গ্রন্থা কোল কিন্তু দুর্ভি এই কিন্তু কিন তাঁরই কড়ছে, এবং তাঁরই দিকে ভোমাদেরকে ফিরিয়ে দেয়া হবে।

- قَالَ انَّمَآ أُوْتَيْتُدُمُّ عَلَى عَلْرِ عَنْدَىْ ۚ أَوْلَرْ يَعْلَرْ أَنَّ اللَّهُ قَدْ أَهْلَكَ مِنْ قَبْلِهِ مِنَ الْقُرُونِ مَنْ هُوَ أَشَدُّ مِنْهُ قُوَّةً وْ أَكْتُ جَمْعًا ، وَ لَا يُشْتَلُ عَنْ ذُنُوْ بِهِرُ الْمُجْرِمُونَ ۞
- فَخَرَجَ عَلَى قَوْمِهِ فَي زِيْنَتِهِ قَالَ الَّذِينَ يُو يُدُونَ إِلْكُنِّهِ قَالِدُنْيَا يُلَيْتَ لَنَا مِثْلَ مَا ۗ أُوْتَى قَا رُوْنُ وَإِنَّهُ لَذُوْ حَظَّ عَظْيرِ ۞
- وَ قَالَ الَّذِيْنَ أُوتُوا الْعَلْيَ وَيْلَكُيْ ثُوَ ابُ اللَّهِ غَيْرٌ ۖ لَّمَنُ أَمَنَ وَعَمِلَ مَا لَحًا ءُوَ لَا يُلَقُّهُمَا إِلَّا الصَّبُّ وْنَ⊕
- فَخَسَفْنَا بِهِ وَبِدَارِةِ الْأَرْضَ سَفَهَا كَانَ لَهُمنْ فَتَهَ يَّنْصُّ وْنَهَ مِنْ دُوْنِ اللهِ وَمَاكَانَ مِنَ الْمُنْتَصِ يُنَ
- وَ أَمْبَعَ الَّذِيْنَ تَمَنُّوا مَكَانَةً بِا لَاَمْسِ يَقُوْ لُوْنَ وَيُكَأَنَّ اللَّهُ يَبْسُطُ الزِّزْقَ لَمَنْ يَشَّاءُ مِنْ عَبَادِةٍ وَ يَقْدِرُهُ لَوْ لَآ أَنْ مِّنَّ اللَّهُ عَلَيْنَا لَخَسَفَ بِنَا وَيُكَانَّهُ لَا يُفْلِرُ الْكُفِّونَ ﴾
- تلْكَ الدَّارُ الْأَحْرَةُ نَجْعَلُهَا للَّذِيْنَ لَايُهِ يُدُوْنَ عُلُوًّا فِي الْأَرْضِ وَ لَافَسَادًا ، وَ الْعَاقِبَةُ لِلْمُتَّقِينَ @
- مَنْ جَاءَ بِالْعَسَنَةِ فَلَهُ غَيْرٌ مِّنْهَا ، وَمَنْ جَاءَ بِا لسِّيَّةَ فَلَا يُجْزَى الَّذِيْنَ عَملُوا السِّيَّاتِ الَّامَا كَانُوْا يَعْمَلُونَ ؈ انَّ الَّذِي فَوَضَ عَلَيْكَ الْقُوْانَ لَرَّ أَدُّكَ إِلَى مَعَادِ وَلُ رِّينَّ
- اَعْلَرُ مَنْ جَاءَ بِالْهُدٰى وَمَنْ هُوَ فِيْ ضَلْلِ مَّبِيْنِ⊕ وَمَا كُنْيَ تَدْجُواْ أَنْ يُثُلِّقَى الْيُكَ الْكَتْبُ إِلَّا رَحْمَةً مِّنْ رَبِّكَ
  - فَلَاتَكُوْ نَنَّ ظَهِيًّا لِلْكُفِ ثِيَ الْ وَ لَا يَمُدُّنَّكَ عَنْ أَيْتِ اللهِ بَعْدَ إِذْ أَنْهِ لَتْ اللَّهِ وَأَدْمُ إِلَّى رَبُّكُ وَ لَا تَكُوْنَنَّ مِنَ الْمُشْرِكِيْنَ ﴿
- وَجْهَهُ ۚ لَهُ الْعُكْرُ وَ الَّذِهِ تُوْجَعُونَ ﴾

অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আল্লাহর নামে

- ১। আলিফ-লাম-শ্রীয়
- ২। মানষ কি মনে করে যে, তাদেরকে ছেডে দেয়া হবে (এ জনা) যে, ভারা বলে 'আহবা উহান এনেডি' আব ভানেবকে পৰীক্ষা কৰা হবে নাঃ
- ৩। এবং অবশাই আমি তাদের পর্ববর্তীদেরকে পরীক্ষা করেছিলাম, এবং আল্লাহ অবশ্যই অবশ্যই জেনে নিবেন (শ্পষ্ট করবেন) যারা সত্য বলেছে তাদেরকে এবং তিনি অবশাই অবশাই জেনে নিবেন মিথাবাদীদেরকে।
- ৪। যারা মন্দকাঞ্চ করে তারা কি মনে করে যে, তারা আমাকে ছাভিত্রে যাবে? ভারা বা বিচার করে ভা কভট না নিকট।
- ৫। যে আল্লাহর সাক্ষাৎ প্রত্যাশা করে, তবে (জেনে রাধুক) নিকর আল্লাহর নির্দিষ্ট সময় অবশাই আসবে। এবং তিনি সর্বশ্রোতা ও সর্বজ্ঞানী।
- ७। अवः एव विकास कारव अप क्रिकाम कारव निरायको कलाएश्व कना। निष्कर আল্লাহ অবশাই জগৎসমহ থেকে অমথাপেক্ষী।
- ৭। এবং যাবা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে অবশাই অবশাই আমি তাদের পাপসমহ মোচন করব এবং তারা যে উত্তম কাজ করত অবশ্যই অবশাই আমি তার প্রতিদান দেব।
- ৮। এবং আমি মানুষকে তার পিতা-মাতার প্রতি সদ্বাবহার করতে নির্দেশ দিয়েছি। আর যদি তারা দ'জনে তোমাকে জোভাজোভি করে আমার সাথে শরীক করতে যে সম্পর্কে তোমার কোন আন নেই তবে তমি তাদের আনগত্য করো না। আমারই দিকে তোমাদের প্রত্যাবর্তনন্তল, অভঃপৰ আমি তোমাদেবকে জানিয়ে দেব যা তোমবা কবতে।
- ৯। এবং যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে, অবশ্যই অবশ্যই আমি তাদেরকে সংকর্মশীলদের অন্তর্ভক্ত করব।
- ১০। আর মানুষের মধ্যে কেউ কেউ বলে, 'আমরা আল্লাহর প্রতি ঈমান এমেডি.' কিন্তু যখন তারা আলাহর জন্য করের শিকার হয় তথন মানষের ফিতনাকে (নির্যাকনকে) আলাহর শান্তির মত গণ্য করে। কিন্ত যদি তোমার প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে কোন সাহায্য আসে তথন অবশাই অবশাই ভাবা বলে "দিশুর আমবা ভোমাদের সাথে ছিলাম।" জগৎসমূহের (মানবলাতির) বক্ষে যা আছে সে সম্পর্কে আল্লাহ কি असरपार असि काराव्य वाक
- ১১। এক আলাচ অবশাই অবশাই আদেবকে কেনে নিবেন (স্পষ্ট করাবন) যারা ঈমান এনেছে এবং তিনি অবশাই অবশাই জেনে নিবেন মনাঞ্চিকদেবকে।

٢٩-سُورُ ﴾ الْعَنْكُنُون - مِكْنَةُ أيَا ثُهَا-19، رَكُوْعَا تُهَا- 4 بسه الله الرَّحُمٰن الرَّحِيْم

الَهِ أَنْ أَحَسَ النَّاسُ أَنْ يُتُهَ كُوَّا أَنْ يَتَّهُ لُوًّا أَمَنَّا وَهُرْ لَا يُفْتَنُونَ ۞

وَ لَقَدْ فَتَنَّا الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلَهِرْ فَلَيَعْلَمَنَّ اللهُ الَّذِيْنَ مَنَ قُوْا وَ لَيَعْلَمَنَّ الْكُذِيثِينَ ۞

أَاْ حَسَ الَّذِينَ يَعْمَلُونَ السَّيَّاتِ أَنْ يَّشْبِقُونَا ﴿ سَآءَمَا 00,000

مَنْ كَانَ يَوْجُوْا لِقَاءَ اللهِ فَإِنَّ آجَلَ اللهِ لَاتِ وَهُوَ السَّمِيْعُ الْعَلَيْرُ ۞

وَمَنْ جَاهَدَ فَانَّمَا يُجَاهِدُ لِنَفْسِهِ ﴿ إِنَّ اللَّهُ لَغَنَّى عَنِ الْعُلَمِينَ ﴿ وَ الَّذِيْنَ إِمَنُوْا وَعَمِلُوا الصَّلَحَ لَنُكَفِّرَنَّ عَنْهُمْ سَيًّا تَهِمْ وَ

لَنَجْ يَتَّهُرُ أَحْسَ الَّذَي كَانُوا يَعْمَلُونَ ٠

وَوَصَّيْنَا الْإِنْسَانَ بِوَ الدَّيْهِ حُسْنًا وَ إِنْ جَاهَدُكَ لَتُشْرِكَ بِيْ مَا لَيْسَ لَكَ بِهِ عِلْمٌ ۚ فَلَاتُطِعْهُمَا ﴿ إِلَّ مَ جُعُكُمْ ۚ فَأَنَبَّكُمُ ۗ بِهَاكُنْتُرْ تَعْمَلُوْنَ⊙

وَ الَّذِيْنَ إِمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلَحَ لَنُدُهَلَّتُهُمْ فِي الصَّلَحَيْنَ ۞

وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يَّقُولُ إَمَنَّا بِاللَّهِ فَإِذَآ أُوْدَىَ فِي اللَّهِ جَعَلَ فتْنَةَ النَّاسِ كَعَذَابِ اللهِ وَ لَعَنْ جَاءَ نَصْرٌ مِّنْ رَّبَّكَ لَيَقُوْ لُنَّ إِنَّا كُنَّا مَعَكُورُ ﴿ أَوَ لَيْسَ اللَّهُ بِأَعْلَى بَمَا فِي مُدُورِ الْعُلَمِينَ ﴿

وَ لَيَعْلَمَنَّ اللهُ الَّذِيْنَ إَمَنُواْ وَ لَيَعْلَمَنَّ الْمُنْفِقِيْنَ⊚

الْقيمَة عَمًّا كَانُواْ يَفْتُونُونَ هُ

- ১২, এবং যারা কফরী করেছে তারা যারা ঈমান এনেছে তাদেরকে বলে, 'আমানের পথ অনসরণ কর এবং আমানেরকে তোমাদের অপরাধসময় বহন করতে দাও।' কিন্তু তারা তাদের অপরাধসমূহের কিছুই বহন করবে না। নিশ্চয় তারা অবশাই মিথাবাদী।
- করে সে সম্পর্কে বিদ্যায়তের দিন অবশাই অবশাই তাদেরকে প্রশ্ন করা , হার।
- ১৪ আর অবশ্যই আমি নহকে তার সম্প্রদায়ের নিকট প্রেরণ করেছিলাম এবং সে তাদের মধ্যে অবস্থান করেছিল পঞ্চাশ বছর কম এক হাজার বছর (নয়শ পঞ্জাশ বছর)। স্করণের পারন ডোদেরকে পারনেও করন এমন অবস্থায় যে তারা ছিল জানিম।
- ১৫। কিন্তু আমি তাকে এবং নৌকার সাধীদেরকে উদ্ধার করলাম এবং এটিকে জগৎসমহের জনা একটি নিদর্শন বানালাম।
- ১৯। এক উববাতীয় হখন সে তাব সম্পদাহকে বলেভিল 'বোহৰা আলাহৰ ইবাদত কর এবং তাঁকে ভয় কর। এটিই তোমাদের জন্য উত্তম- যদি ছোমৰা জানতে। ১৭। তোমরা আলাহকে বাদ দিয়ে কেবল মর্তিগুলোর উপাসনা করছ এবং
- থিখা। (উপাসং) তৈবি কৰছ। নিশ্চয় তোমৰা আলাক্তৰে বাদ দিয়ে যাদেব উপাসনা কর ভারা ভোমাদের রিথিকের মালিক নয়, সভরাং ভোমরা বিয়িক কামনা কৰ আলাহৰ কাছে এবং জাঁবট টবাদক কৰ ও তাঁব প্ৰতি কতজ্ঞতা প্রকাশ কর। তাঁরই দিকে তোমাদেরকে ফিরিয়ে নেয়া হবে। ১৮ এবং ভোমবা (মশবিকরা) যদি (বাসলদেবকে) মিথাবাদী বল তবে
- অবশ্যই তোমাদের পূর্ববর্তী উন্মতরাও মিথ্যাবাদী কলেছিল। আর সম্পটভাবে পৌড়ে দেয়াই কেবল রাসলের দায়িত। ১৯। তারা কি তেবে দেখেনি, কিভাবে আল্লাহ সৃষ্টির সূচনা করেন. এরপর এর
- (সম্ভির) পুনরাবৃত্তি করবেন্দ নিশুর এটি আল্লাহর জন্য সহজ।
- ২০। বল, 'ভোমৰা পথিবীতে ভ্ৰমণ কৰ এবং লক্ষ্য কৰ, কিন্তাৰে ভিনি সষ্টিব স্চনা করেছেন, এরপর আপ্রাহ হভান্ত সষ্টি করবেন। নিকয় আপ্রাহ সবকিছর উপর সর্বশক্ষিমান:
- ১১। জিনি যাকে উচ্চা করেন শামি দেন এবং যাকে উচ্চা করেন দয়া করেন अवर फॉवरें फिट्ट (जाप्रायस्तरक विकिया थारा हात
- وَمَ ٱلْتُرْ بِمُعْجِرٍ يْنَ فِي الْأَرْضِ وَ لَا فِي السَّمَا وَوَمَا لَكُرْ مِنْ اللَّهِ السَّمَا وَمَا لَكُرْ مِنْ اللَّهِ السَّمَا وَمَا لَكُرْ مِنْ اللَّهِ السَّمَا وَمَا لَكُرْ مِنْ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّ অভিভাবক নেই এবং কোন সাহায্যকারীও নেই।
- ১০ আৰু যাবা আলাহৰ নিদৰ্শনাবলী ও ভাৰ সাক্ষাথক ভবিশ্বাস কৰেছে लाहारे आधार क्या त्याच काला का स्टान कारण वाद्य कारण विकास য়ন্তপাদায়ক শান্তি।

غَطْيكُرْ ، وَمَا هُرْ بِحُملَيْنَ مِنْ غَطْيهُرْ مِّنْ شَيُّ ، إنَّهُرْ لَكُٰذَبُونَ ۞

وَقَالَ الَّدِيْنَ كَفَرُّوا للَّذِيْنَ أَمَنُوا اتَّبِعُوْا سَبِيْلَنَا وَلُنَهُمْ

- وَ لَقَدْ أَرْسَلْنَا نُوْمًا إلى قَوْمِهِ فَلَبِيَ فِيْهِرْ أَلْفَ سَنَة إلَّا خَمْسِيْنَ عَامًا ﴿ فَٱخَذَهُمْ ۗ إِلطُّوْفَانُ وَهُرْ ظُلِمُوْنَ ۞
  - فَٱنْجَيْنُهُ وَ إَصْحُبَ السَّفِيْنَةِ وَجَعَلُنُهَ ۚ أَيَّةً لِّلْعُلَمِينَ⊛
- وَ ابْدُهِيْرَ اذْ قَالَ لقَوْمه اغْبُدُوا اللهَ وَ اتَّقُوْهُ ﴿ لَكُيْرِ خَيْرٌ ۗ لَّكُرُ إِنْ كُنْتُرُ تَعْلَمُ نَ @
- إِنَّمَا تَعْبُدُونَ مِنْ دُوْنِ اللهِ آوْقَانًا وَّ تَخْلُقُونَ إِفْكًا ﴿ إِنَّ الَّذِيْنَ تَعْبُدُوْنَ مِنْ دُوْنِ إللَّهِ لَا يَمْلُكُوْنَ لَكُيرٌ رِزْقًا فَا بْتَغُوْا ا عنْدَ اللهِ الرِّ زْقَ وَ اعْبُدُوْهُ وَ اشْكُرُوْا لَهُ · الَّيْهِ تُرْجَعُوْنَ @
- وَ إِنْ تُكَدِّبُوا فَقَدْ كَدَّبَ أُمَرٌّ مِّنْ قَبْلِكُمْ وَمَا عَلَى إِلَّاسُوْ ل الَّا الْبَلْغُ الْمُبِيْنَ @
- أَوَ لَيْ يَوَا كَيْفَ يُبْدِئُ اللهُ الْخَلْقَ ثُيٌّ يُعَيْدُةً ، إِنَّ ذَٰ لَكَ عَلَى الله يُسيُّ 🔞
- قُلْ سِيْرُوْا فِي الْأَرْضِ فَا تُظُرُوا كَيْفَ بَدَاَ الْعَلْقَ ثُرٌّ اللَّهُ يُنْشِئُ إِلنَّهْاَةَ الْإِخْرَةَ انَّ اللَّهَ عَلَى كُلِّ هَنَّ قَديْرٌ ﴿
  - يُعَذَّبُ مَنْ يُشَآءُ وَ يَدْحَرُ مَنْ يُشَآءُ وَ | لَيْه تُقْلَبُونَ @
- دُوْنِ اللهِ مِنْ وَّ لِيَّ وَّ لَانَمِيْرِ هُ وَ الَّذِيْنَ كَفَوُ وَا بِأَيْتِ اللَّهِ وَ لَقَا لَهِ أُولَٰ لِلَّهَ يَتُسُوا مِنْ رَّحْمَتِيْ وَ أُولَٰ لِكُ لَهُرْ عَذَابٌ ٱلْيُرْ ۞

- ্বনা নানা নানা ব্যাপন বুলি কৰা কৰিব।

  ইয়া কিন্তু তারা (ইংবারীসের) সম্প্রদারের উত্তর ছিল কেবল এই যে, তারা
  বংলিছিল, 'তাকে হত্যা কর অধবা তাকে জ্বালিয়ে দাও', অভঃপর আন্তাহ
  তাকে আন্তল থেকে উন্তাঃ করলেন। দিনায় এতে অবশাই নিলর্শন ময়েছে
  এবন সম্পন্নায়র জনা যারা হিমান অসম।
- ২৫। এবং সে (ইংরাইম) বলন, 'তোমরা আরাহুকে বাদ দিয়ে কেবল মুর্ভিতলোকে ভৌগায় বিসেকে) এখা বংবক দুর্দিয়ার র্জীয়নে ভোয়াকের মধ্যে (গালান্দিন) একান্তার ভাগায় হিসেবে, এবংগ বিস্নাকের দি-হোরা। একে অপরকে অবীকার করবে এবং একে অপরকে মানক (অতিশাণ) দেবে। এবং তোমানের অপ্রয়ন্ত্রণ হবে আত্না করবং তোমানের বেসা সাহতোকী ধাকবে মা।
- ২৬। অতঃপর গৃত তাকে বিশ্বাস করল এবং সে (ইবরাইমি) বলদ, নিশ্চর আমি আমার প্রতিগালকের (নির্দেশিত গন্তব্যের) দিকে হিজরত (দেশ ত্যাগ) করছি। নিশ্চর তিনিই মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রজাবান।'
- ২৭। এবং আমি তাকে (ইবরাহীমকে) দান করলাম ইসহাক ও ইয়াকুর এবং তার বংশধরের মধ্যে মির্দারণ করলাম নরয়াত ও বিভাগ এবং আমি তাকে দূনিয়াত তার প্রতিদান দিলাম, এবং নিশ্চয় সে আবিরাতে অবশ্যই সংকর্মশীলদের অন্তর্ভ্জা
- ২৮। এবং দৃত, যখন সে তাত সম্প্রদায়কে বলেছিল, 'নিকয় তোমবা অশ্লীদ কজা (সমকামিতা) করছ, যা জগৎসমূহের (মানবজাতির) মধ্য থেকে তোমাদের পূর্বে কেউ করেনি।
- ২৯। তোমরাই কি পুরুষদের নিকট গমন কর (সমকামিতা কর), রাহাজানি কর এবং তোমাদের ফ্রানিসে (প্রকাশ্যে) পাইছে কাল কর; কিছু তাম সম্প্রদারের উত্তর ছিল কেবল এই যে, তারা করেছিল, 'আমাদের উপর আন্তারর পান্তি নিয়ে আল- যদি তমি সতাবাদীদের অস্তর্জত হও।'
- ৩০। সে বলল, 'হে আমার প্রতিপালক। ফ্যাসাদ সৃষ্টিকারী সম্প্রদায়ের বিরুদ্ধে আম্মান্ত সাহায় ককন।'
- ৩১। এবং যথন আমার রাস্লরা (ফেরেশভারা) সুসংবাদসহ ইবরাহীয়ের দিকট আসল, ভারা বলল, 'নিশ্চয় আমরা এই জনপদবাসীদেরকে ধ্বংস করব।' নিশ্চয় এর অধিবাসারা ছিল জালিম।
- ৩২। সে (ইবরাহীম) নদল, নিকয় সেখানে লৃত উয়েছে। তারা কলদ, 'সেখানে করা আছে তা আমরা তাল জানি। অবশ্যই অবশ্যই আমরা তাকে (লৃতকে) ও তার পরিবার-পরিবারণকে উদ্ধার কবন তার ইাকে জভার। সে বল পিছলে থাকে গাব্যাকের (ধানগার্জনের) অবর্তক। '
- ৩৩. এবং খখন আমার রানৃদরা (ফেলেশতারা) লুভের নিকট আমল তথন সে আদেরকে নিয়ে চিন্তিত বয়ে পড়ল এবং তালেরকে নিয়ে সংকটে পড়ল এবং ভারা কাল, "ভার করাকো না, দুর্শিভার করাকো না। নিশ্ছ আমরা আপনাকে ও আপনার পরিবার-পরিজ্ঞাকে উজার করবং আপনার ব্রীকে ছাড়া সে হন্দ শিছনে যেকে আওয়ালের (ঋকরারাজনে) অন্তর্ভুভ।

فَهَا كَانَ جَوَابَ قَوْمِهَ [لَّآ أَنْ قَا لُوا اقْتَلُوهُ أَوْمَرِّقُوهُ فَأَنْجِهُ اللهُ مِنَ النَّارِ، إِنْ فِي ذَلِكَ لَالِبِ لِتَوْرٍ يُؤْمِنُونَ۞

٣٠ سُن ١٤ (فَلْكُنْدُ....

وَقَالَ إِنَّهَا اِتَّخَذَتُرُ مِّنْ دُوْنِ اللهِ اَوْقَانًا مُوَّدَّةَ بَيْنكُر فِي الْحَيْوَةِ الدَّلْيَاءُ ثُرَّ عَوْمٌ الْغَيَّةَ يَخْفُرُ بِعَفْكُرْ بِمَعْفِي وَ بَلَعْنُ بِمُفْكُرُ بَعْضًا (وَمَاْوِنكُرُ النَّارُومَا لَكُرْ مَنْ لَصُرْ مِنْ أَصْرِينَ ﴾

فَامَنَ لَهُ لُوْمًّه وَقَالَ إِنِّنْ مُهَاجِرٌ إِلَىٰ رَبِّنْ ﴿ إِنَّهُ هُوَ الْعَزِيْزُ الْحَكِيْر

وَوَهَمْنَا لَمُّ إِشْحُقُ وَيَعْقُوْبَ وَجَعَلْنَا فِي ذَرِيْجِهِ النَّبُوَّةُ وَالْكِنْسَوَ الْتَيْفُهُ آهُرَةً فِي النَّالْمَا وَإِلَّمُ فِي الْأَخِرَةِ لَمِنَ الشَّلِحِيْنَ إِلْمُعِلِّحِيْنَ وَ لُوْمًا لِقَوْلَ لِلْمُهِ الْكُمْ لِتَلَاثُونَ الْفَاحَةُ، مَاسَبَلَكُمْ

بِهَا مِنْ أَحْدِ مِنَّ الْعَلْمِيْنَ ۞ إَنِّذَكُمْ لَتَأْتُونَ الرِّمَالَ وَتَقْطَعُونَ السَّيْفَاءُ وَتَأْتُونَ فِيْ نَادِيْكُمُ الْمُنْفَرِّ افْمَاكَانَ مَوْ إلَّ قُوْمَةِ أَلَّا أَنْ قَالُوا أَثْنَا

بِعَذَابِ اللهِ إِنْ كُنْتَ مِنَ الشَّدِ قِيْنَ ﴿ يَعَذَابِ اللهِ إِنْ كُنْتَ مِنَ السَّدِقِيْنَ ﴿ قَالَ رَبِّ انْمُونْنَ عَلَى الْقَوْمُ الْمُفْسِدِيْنَ ﴿

وَلَمَّا جَاءَتْ رُسُلُنَاۤ إِبْاهِيْرَ بِالْبُشْرِى، قَا لُوٓۤ ا إِنَّا مُهْلِكُوٓۤ ا آهُل هٰذِهِ الْقَرْيَةِ انَّ آهَلُهَا كَانُوۤ اطْلَمِيْنَ۞

قَالَ إِنْ فِيْهَا لُوْطًا ۚ قَالُواْ نَهْنَ أَغْلَمُ بِمِنْ فِيْهَا لِهُ لَنَنَجِّينَّهُ وَ آهْلَةً إِلَّا امْرَ آتَهُ لَا لَنْ مِنَ الْغَبِرِيْنَ ۞

وَلَمَّاۚ أَنْجَآءَتْ رُسُلَنَا لُوْطَاسِّءَ بِهِرْ وَمَاقَ بِهِرْ ذَرْعًا وَّ قَالُواْ لِاتَخَتْ وَلَاتَحْزَنْ الِّنَّا مُنجُّولَتَ وَأَهْلَكَ إِلَّا امْرَ آلَكَ كَانَتْ مِنَ الْغُبِرِيْنَ

- করর জারণ ভারা পাপাচার করছিল।
- ৩৫। এবং অবদাই আমি এতে এক স্পষ্ট নির্দশন রোখতি এমন সম্পানায়ের হন্য হারা অনধারন ক্রার
- AN तर गाँध प्राप्तरेशास्त्र शक्ति बार्यत वर्षि क्षेत्रारेशस (त्वस्त ব্যবহিনাম) এবং সে ব্যবহিল 'রে আমার সম্পদার। ভোমরা আলাহর ইবাদত কর, আখিরাভের দিনের প্রত্যাশা কর এবং পথিবীতে জাসাদ সমিকাবী হয়ে অপবাধ বাবো না।
- ৩৭। কিন্তু তারা তাকে মিধ্যাবাদী বলল, সতরাং ভমিকম্প তাদেরকে পাকভাও কবল এবং তাবা তাদেব আবাসকলে উপত্র হয়ে পচে বইল।
- ৩৮। এবং (আমি ধ্বংস করেছিলাম) আদ ও ছারুলকে, এবং ভালের (ধ্বংসপ্রপ্রের) বাসস্থানসমত থেকে ভ্রোমানের নিকট তা স্পট্ট রয়েছে। এবং শহতান তাদের কাজতে তানের নিকট শোভগীর করেছিল এবং তাদেরকে (সঠিক)পথ হতে বিবত বেখেছিল অথচ তাবা চিল চক্ষমান-
- ৬১ নক (আমি ৪৪৩) ক্রাবরিলাম) ক্রাক্র বিরক্তাট্র ও রামারক। নক অবশাই মদা তাদের নিকট স্পষ্ট প্রমাণাদিসত এসেডিল কিছ তারা পথিবীতে এফাকার করেছিল, অথচ তারা (আমাকে) ছাভিয়ে যেতে लामानि ।
- द्वाराधिकाच अत्र आपन द्वारान अपि अत्रथ द्वाराधिकाच अध्यक्तारी अद्य থড় এবং তাদের কাউকে পাকভাও করেছিল বিকট শব্দ এবং তাদেব বাইকেম্ব বাহি মহিকে প্রসিয়ে ভিক্তিবাহ এক নাক্তর কাইকে আমি নিমজিলত করেছিলাম আব আলাভ এমন ছিলেন না যে তিনি তাদের উপর জ্বুম করবেন, বরং তারাই তাদের নিজেদেব প্রতি জলম रुक्त ।
- ৪১। যারা আলাতকে বাদ দিয়ে অনাকে অভিভাৰক বিসেবে এতণ করে ভাছের উপমা হল মাকড্সার উপমার মত, যে একটি দর বানিয়েছ। আব নিশ্চয মাক্তসার ঘর্ট সবচেয়ে দর্বল ঘর- যদি তারা ভানত।
- ৪২। তারা তাঁকে (আল্লাহকে) বাদ দিয়ে যা কিন্তুকে ডাকে, নিশ্চয় আল্লাহ তা আনের এক কিনিই মহাপ্রমাণপালী ও মহাপ্রমালর।
- ৪৩। এবং এই উপমাসমূহ আমি মানুষের জন্য পেশ করি, কিন্তু জানীরা ছাড়া
- (অন্য কেউ) তা অনুধাৰন করে মা।
- كَلَقَ اللهُ السَّمُوتِ وَ الْأَرْضَ بِالْحَقِّ، إِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَا يَدُّ إِنَّا اللهُ السَّمُوتِ وَ الْأَرْضَ بِالْحَقِّ، إِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَا يَدُّ إِنَّا اللهُ السَّمُوتِ وَ الْأَرْضَ بِالْحَقّ، إِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَا يَدُّ إِنَّا اللهُ السَّمُوتِ وَ الْأَرْضَ بِالْحَقّ، إِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَا يَدُّ إِنَّا اللهُ السَّاءِ اللهُ السَّمُوتِ وَ الْأَرْضَ بِالْحَقّ، إِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَا يَدُّ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ السَّاءِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ السَّاءِ اللَّهُ اللَّهُ السَّاءِ اللَّهُ السَّاءِ اللَّهُ اللَّ নিশ্বর এতে অবশাই এক নিদর্শন রয়েছে মু'মিনদের জন্য।

- كَانُهُ إِيَفْسُقُونَ @ وَ لَقَدُ تَّهَ كُنَا مِنْهَا إِيَّةً بِيِّنَةً لَّقُومَ يَعْقَلُونَ @
- وَ إِلَىٰ مَدْيَنَ آخَاهُرْ شُعَيْبًا ﴿ فَقَالَ يُقَوْمَ اعْبُدُوا اللَّهُ وَا رَجُوا
- الْيَوْمَ الْاحْرَ وَ لَاتَعْتَوْا فِي الْأَرْضِ مُفْسِدِينَ. فَكَذَّ بُوْهُ فَآخَذَ ثُهُرُ الرَّجْفَةُ فَآصَبَكُوا فِي دَارِهِرْ جَعِيثِينَ ﴿
- وَعَادًا وَ لَهُو دَا وَقَدْ تَبَيَّنَ لَكُرْ مِّنْ مَّسٰكنهرْ عَ وَزَيَّنَ لَهُمُ الشَّيْطُنُ أَعْمَا لَهُرْ فَصَدَّهُرْ عَنِ السَّبيْلِ وَكَانُوْا
- وَقَا رُوْنَ وَفِهْ عَوْنَ وَهَامِنَ سَوَ لَقَنْ جَآءَهُرْ مُّوسَى بِالْبَيِّنْ فَاسْتَكْبَرُوا فِي الْأَرْضِ وَمَاكَانُوا سْبِقْيَنَ الْ
- ৪০: এচাৰে বাদেৰ প্ৰাভাৱৰেট আমি ভাৰ অপৰাংখৰ বাৰাণ পাক্ৰমাৰ فَكُلًّا أَغَدُنَا بِذَنْبِهِ ، فَهِنْهُ مَّنْ أَرْسَلْنَا عَلَيْهِ حَاصًّا ، وَمِنْهُ مُ مِّنْ أَخَذَتُهُ الصَّيْحَةُ ؛ وَمِنْهُمْ مَّنْ خَسَقْنَا بِهِ الْأَرْضَ ؛ وَمِنْهُمْ مَّنْ إَغْرَقْنَا ءُوَمَا كَانَ إللَّهُ لِيَظْلَمَهُمْ وَ لَكُنْ كَانُوٓۤ ۚ إِنَّفُسَهُمْ
  - مَثَلُ الَّذِيْنَ اتَّخَذُوْا مِنْ دُوْنِ اللَّهِ ٱوْلَيْنَاءَ كَمَثَلِ الْعَثْكَبُوْتِ ا
  - اتَّكَذَتْ بَيْتًا وَإِنَّ أَوْهَنَ الْبُيُّوتِ لَبَيْتُ الْعَنْكَبُوتِ لَوْ كَانُوْا يَعْلَيُونَ @ إِنَّ اللهَ يَعْلَرُ مَا يَدْعُوْنَ مِنْ دُوْنِهِ مِنْ شَيْءٌ وَهُوَ الْعَزِيْزُ
  - الْحَكِيْرُ @ وَتِلْكَ الْأَمْقَالُ نَشْرِبُهَا لِلنَّاسِ وَمَا يَعْقَلُهَاۤ الَّا
  - الْعْلَمُوْنَ⊕

#### পাবা-১১

- ৪৫। (হে নবী:) ভূমি পাঠ কর তোমার প্রতি যে কিতাব ওহী করা হছেছে তা থেকে একং সালাত (নামায) কারেম কর। নিকর সালাত (নামায) অস্ত্রীল ও মন্দ কান্ত থেকে নিকেম করে। এবং আন্তার্বর স্করণই সর্বপ্রেচ। আর পোন্নবা যা কর আন্তান্ত কা কানেম।
- ৪৬, এবং জোমনা আহলে কিতাবের সাথে বিতর্ক কংগ্রা না, উত্তর পদ্ধতিতে ঘাড়া, তবে তালের মধ্যে বারা বুলুর করেছে তালের কথা কিরু, "কথ বল', 'আমনা দ্বানা এনেছি তাতে যা কর্বতীর্ণ করা হয়েছে আমাদের তিও বা তবাতীর্ণ করা হরেছিল তোমাদের প্রতি এবং আমাদের ইলাছ ও তোমাদের ইলাছ এক (ইলাছ) এবং আমরা ভারই প্রতি
- ৪৭। এবং এডাবেই আমি তোমার প্রতি কিতাব (কুরআন) অবর্তীর্থ করেছি। এবং যাদেরতে আমি কিতাব দিরেছিলাম তারা (কেউ কেউ) এতে ঈমান আনে, এবং এদেরও কেউ কেউ এতে ঈমান আনে। আর কামিবরা ছাড়া অনা কেউ আমার আহাত-সম্বাকে অধীকার করে না।
- ৪৮। আর তুমি এর পূর্বে কোন কিতাব পাঠ করতে না এবং ভোমার তান হাত ছারা কোন কিতাবও লিপিবন্ধ করনি, সে ফেত্রে ব্যতিগপন্থীরা অবশ্যই সম্বেদ্ধ পোচাও করতে পালত।
- ৪৯। বরং যদেরকে জান দেরা হয়েছে তাদের বক্ষসমূহে এট (কুরসান) শ্রন্ট নিদর্শন। আর জলিমরা ছাত্রা অন্য কেউ আমার নিদর্শনাথনী অধীকার করে
- ৫০। এবং ভারা বলে, 'তার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে তার নিকট নিদর্শনাবলী অবতীর্ণ করা হল না কেন্দ্র' বল, 'নিদর্শনাবলী (অবতীর্থ করার এগতিয়ার) কেবল আল্লাহ্র নিকট। আর আমি কেবল একজন সুস্পর্ট সত্যানিত্রী:
- ব)। এটি কি তাদের জন্ম অংগ্র নয় যে, আমি তোমার প্রতি কিতাব (কুর ব আন) অবতীর্ণ করেছি, যা তাদের নিকট পাঠ করা হয়। নিকয় এতে । অবন্যই দায়া ও উপদেশ রহেছে এখন সম্প্রদায়ের জনয় বারা ইমান ক্র
- ৫২। (হে নথী!) নগ, 'আমার ও তোমাদের মধ্যে সাকী হিলাবে আল্লাহই য়ধেই, আরুলালমূহ ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে তা সেবই) তিনি জানেন। আর যারা বাতিলে (অলতো) ঈমান এনেয়ে ও আল্লাহকে অবিশ্বাদ করেছে তারাই অভিযোগ।'
- ৫০। এবং তারা তোমাকে শান্তি তালাতাড়ি করতে বলে। আর যদি একটি মিন্টি সময় মা থাকত তবে তামের নিকট শান্তি অবশাই এসে পড়ত। এবং অবশাই অবশাই তামের নিকট শান্তি আসবে আকম্মিকভাবে, বখন তারা ঠেক পাকে না।
- ৫৪। তারা তোমাকে শান্তি তাড়াতাড়ি করতে বলে। আর নিকয় জাহান্নাম কাঞ্চিরদেরকে পরিবেইন করেই আছে-
- ৫৫। যেদিন শান্তি ভাদেরকে আচ্ছব্র করবে ভাদের উপর থেকে ও ভাদের পায়ের নিচ থেকে এবং তিনি কাকেন, 'ভোমরা যা করতে ভা (তার ফল) আখাদন কর।'

- أَثُلُ مَا أَرْهِى إِنْيُكُسِ الْحُبِّ وَأَقِي السَّلُوةَ إِنَّ السَّلُوةَ تَنْهَى عَنِ الْفَحْشَاءِ وَالْمُنْكَى وَ لَدِّكُرُ اللهِ أَكْبَرُ وَ اللهِ يَعْدُ مَا تَصْتُعُونَ هِ
- يعتر ما نصفون وَلَا تَجَادِ لَوْاۤ اَهْلَ الْكَتٰبِ اِلَّابِالَّتِنْ مِنَ آَحْسُنُ ۚ اِلَّا الَّذِيْنَ طَلَمُواْ عِنْهُمْ وَقُوْلُواْ اَمْنَا بِالَّذِيْنَ اَقْزِلَ إِلَيْنَا وَالْوَرْاَ الْشُهُرُ عِنْلُهُمْ أَوْلُونَا وَالْهُنَا وَالْهُنُ وَاحِدٌ وَتَحْنَ لَهُ مُسْلَمُونَ ۞
- وَكُنْ لِكَ ٱثْرَلْنَا ۚ إِنَّلِكَ الْحَنِّ فَالَّذِيْنَ أَتَهَنَّهُمُ الْحَنِّ وَكُنْ لِكَ ٱثْرَلْنَ هِوَ وَمِنْ هُوَ لَآءِ مَنْ يُؤْمِنْ بِهِ وَمَا يَجْحَدُ بِلِيتِنَا ۖ إِلَّا الْخُورُونَ ۞
- الحَمِرون ﴾ وَمَا كَنْنَ تَتْأَوْا مِنْ قَبْلِهِ مِنْ حِتْبٍ وَّ لِاَتَخُطُّهُ بِمَمِيْنِكَ إِذًا لَّارِتَابَ الْمُبْطِلُونَ ۞
- بَلْهُوَ أَيْتُ بَيِّنْتُ فِيْ مُدُوْرِ الَّذِيْنَ أَوْتُوا الْعِلْمَ ، وَ مَا يَجْتَدُ بِالْغِنَّا إِلَّا الظِّيْمُونَ ۞
- وَقَا لُوْا لَوْلَا آنُولَ عَلَيْهِ إِنْتَ فِي لَّتِهِ •قُلْ إِنَّمَا الْأَلِيُّ عِنْدَ اللهِ •وَ إِنَّمَا آنَا لَذِيْرٌ مُّ بِينَّ ۞
- ٱوَ لَمْ يَضْغِيرُ اَنَّا ٱلْزَلْنَا عَلَيْكَ الْكِتْبَ يَتُلَى عَلَيْهِرْ . إِنَّ فِيْ ذٰلِكَ لَرَحْمَّةً وْذِكْرِى لِغَرْمَ يُؤْمِئُونَ ﴿
- قُلْ كَفَى بِاللهِ بَيْنِيْ وَ بَيْنَكُرْ هَمِيْدًا ، يَعْلَى مَا فِي السَّمُوٰتِ وَالْأَرْضِ وَالَّذِيْنَ أَمَنُوا بِالْبَاطِلِ وَكَفَرُوا بِاللهِ ، أُولَّاكُ هُ الْحُسُونَ ﴿
- وَيَشْتَغُجِّلُوْنَكَ بِالْعَدَابِ وَلَوْلَاۤ اَجَلَّ مَّسَمًّى لَّجَٓآءَهُرُ وَيَشْتَغُجِلُوْنَكَ بِالْعَدَابِ وَلَوْلاَ اَجَلْ مَّسَمًّى لَّجَٓآءَهُرُ الْعَدَابُ وَ لَيَاتِيَنَّهُمْ بَغْثَةً وَهُرُ لَاِيَهُمُّ وْنَ ۞
- يَشْتَعْجِلُوْ نَكَ بِالْعَدَابِ، وَ إِنَّ جَهَنَّرَ لَمُحِيْطَةًا بِالْكُفِرِيْنَ ﴿
- يستبِعُونِّ إِنْ مَنَّا إِنْ مِنْ فَرْقِهِرُ رَوْمِنْ تَدُبِ اَرْجُلِهِرُ رَ يَوْرُ لَ دُوْقُوْ ا عَاكُنْرُ مَ تَعْتَلُونَ ۞ يَقُوْ لُ دُوْقُوْ ا عَاكُنْرُ مَ تَعْتَلُونَ ۞

- ৫৬। হে আমার বান্দারা, যারা ঈমান এনেছ ! নিকন্ত আমার পথিবী প্রশপ্ত সতবাং ভোমবা আমাবট ট্রাদত কর।
  - ৫৭। প্রত্যেক ব্যক্তিই মতার স্থাদ গ্রহণকারী; এরপর আমারই দিকে centraliza fishiri atal eza
  - ০৮। এবং যাবা উমান এনেত্র ও সংকাম কাব্যত অবশাই অবশাই আমি তাদেরকে জানাতে সউচ্চ কক্ষের নিবাসী করব, যাব নিমে নহবসমত প্রবাহিত এবং সেখানে ভাবা স্বাধী হাব (সং) কর্মশীলাদের প্রতিমান করেই লা টিকম।
  - ৫৯। হারা বৈর্ঘধারণ করেছে এবং ভালের প্রতিপালকের উপর ভবসা করে।
  - ৬০: এবং কত জীবজন্তই আছে যারা ভালের বিধিক (অর্থাৎ বিধিকের माधिक) बङ्ग करव साः खालाङ्के खारस्टरक दिविक मास करवस अवश
- ৬১: এবং যদি তমি তাদেবকে জিজাসা কর কে আকাশসমূহ ও পথিবী সৃষ্টি कारताहरू अतर हुन न प्रधानक निवासीकी कारताहरू वातमाहे व्यवसाहे তারা বলবে, 'আবাহ'। তবে কিভাবে তাদেরকে বিভাপ্ত করা হচ্ছে।
  - ৬১। খালার দাঁব বাদ্যাদের হ্রাণ্ডা হার জন্ম ইক্সা করেন দার বিয়িক প্রসাবিদ করেন এবং (তা) তার জন্য পরিমাপ করে দেন। নিশ্চম আলাহ সব কিছ সম্পার্ক ভালভাবে জানেন।
- ৬৩: এবং যদি ওমি তাদেরকে জিল্লাসা কর, 'কে আকাশ থেকে পানি অবভীর্থ কবেন এবং এব দ্বাবা ভামিকে জীবিত কবেন এব মভাব পবং' অবশাই। অবশাই তারা বলবে, 'আল্লাহ'। বল, 'সকল প্রশংসা আল্লাহর জনা'। 🗗 ববং তাদের অধিকাংশই অন্ধারন করে না।
- ৬৪। আর এই দনিয়ার জীবন খেলভামাশা ছাড়া আর কিছ নয়। এবং নিশ্চয় আবিবাতের আবাসই প্রকত জীবন- যদি তারা জানত।
- ১০। আর যথন ভারা নৌয়ানে আবোহন করে ভখন ভারা আলাহকে আক দ্বীনকে তাঁরই জন্যে নির্দিষ্ট করে। কিন্ত যখন তিনি ভালেরকে উদ্ধার করে স্থলে আনেন তথন তাতা শ্বীক কৰে-
- ৬৬। যাতে তানেরকে আমি যা দিয়েছি তার প্রতি তারা অকতজ্ঞ হতে পারে এবং ভোগ করতে পারে। কিন্ত অচিত্রেই ভারা আনতে পারবে।
- ৯৭। ভারা কি ভোর দেশ্বনি যে আমি "হারাম"কে নিরাপন স্থানে পরিণত করেছি, অধ্য এর চারপাশের মানষ (প্রতিনিয়ত) চিনতাই এর শিকার হাজে তবে কি ভাবা বাজিলেই (মিধ্যাভেই) ঈয়ান আনে এবং আলাহব নেয়ামতে অকতকা হয়ঃ
- ৯৮। এবং তার চেয়ে অধিক জাদিম আর কে যে আতার সম্বন্ধে মিখা। বচনা করেছে অথবা সত্যকে মিথ্যা অভিহিত করেছে, যখন তা তার নিকট প্রসেক্তঃ ছাহানামে কি কাফিবনের আবাসক্ষণ নয়ঃ
- সঙ্বৰ্মপৰায়গদেৰ সাথে ক্ষডেন।

- يُعبَاديَ الَّذِيْنَ أَمَنُّوٓ ا إِنَّ أَرْضَى وَاسْعَةٌ فَالَّايَ فَاعْبُدُوْنِ ﴿ كُلُّ نَفْس ذَا ثَقَةُ الْمَوْت سَتُرٌّ الَّيْنَا تُوْجَعُونَ ﴿
- وَ الَّذِينَ إِمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلَحُتِ لَنُبِّهٌ ثَنَّهُمْ ۚ مِّنَ الْجَنَّةُ غُرَفًا نَجْرِي مِنْ تَحْتَهَا الْإِنْهُ خُلديْنَ فِيْهَا انْعُرَ آجُ الْعُملِينَ اللهِ
- الَّذِيْنَ صَبُّوا وَعَلَى رَبِّمِ يَتَوَكُّونَ وَكَا يَنْ مِّنْ دَأَبَّة لا تَحْمِلُ رِ وْقَهَاءُ أَللَّهُ يَ زُقُهَا وَ إِيَّاكُمْ سُو
- هُوَ السَّهِيْعُ الْعَلَيْ هِ وَ لَئِنْ سَأَ لْتَهُرْ مَّنْ خَلَقَ إِلسَّاوْتِ وَ الْأَرْضَ وَسَحَّرَ الشَّهْسَ وَ الْقَبَ لَيَقُوْ لُنَّ اللهُ ، فَآتَى يُؤْفَكُونَ
- اللهُ يَبْسُطُ الرِّرْقَ لَمَنْ يَّشَآءُ مِنْ عَبَادِهِ وَ يَقْدِرُ لَهُ · اِنَّ اللهَ بكُلِّ شَيٌّْ عَلَيْهٌ ﴿ وَ لَئِنْ سَاَ لُتَهُمْ مَنْ نَبَّ لَ مِنَ السَّمَاءَ مَآءً فَاهْيَا بِهِ الْإَرْضَ مِنْ ابَعْد مَوْتَهَا لَيَقُوْ لُنَّ اللَّهُ ، قُلِ الْحَمْدُ لِلَّهِ ، بَلَ آكْفَرُهُرْ
- لَا يَعْقَلُوْنَ 6 وَمَا هَٰذِهِ الْعَيُوةُ الدُّنْيَا إِلَّا لَهُوَّ وَّلَعِبُّ وَإِنَّ الدَّارَ الْأَحْرَةَ
  - لَهِيَ الْعَيْوَ إِنَّ مِ لَوْ كَانُوْ إِيعْلَمُونَ ﴿ فَاذَا رَكِبُوا فِي الْقُلْكَ دَعُوا اللَّهُ مُخْلِمِينَ لَهُ النَّايْنَ هُ فَلَمًّا
- نَجْمُرْ الِّي الْبَرِّ إِذَا هُرْ يُشْرِكُونَ ﴿ ليَكْفُرُ وَا بِمَ ۚ أَتَيْنَاهُ ۚ ءُ وَ لَيَتَمَتَّعُوا ﴿ فَسَوْنَ يَعْلَمُونَ ﴿
- أَوَ لَرْ يَرَوْا أَنَّا جَعَلْنَا حَرَمًا أَمِنًا وَّ يُتَخَطُّنُ النَّاسُ مِنْ حَوْ لِمِرْ ﴿ أَفَهَا لَهَا طِلِ يُؤْمِنُونَ وَ بِنِعْمَةِ اللَّهِ يَكُفُرُونَ ۞ وَمَنْ أَظْلَرُ مِنِّى إِفْتَاٰ يَ عَلَى اللهِ كَذَبًّا أَوْ كَذَّبَ بِالْحَقِّ لَمًّا
- جَاءَةٌ ﴿ ٱلَّيْسَ فِي جَهَنَّرَ مَثُوًّى لَّلْكُهُ بِنَ ﴿ و الَّذِينَ جَاهَدُواْ فِينَا لَنَهْرِينَّهُرْ سُبَلَنَاء وَ إِنَّ اللّٰهَ لَمَعَ أَعُ عَلَيْهِ الله الله عليه و الّذِينَ جَاهَدُواْ فِينَا لَنَهْرِينَّهُرْ سُبَلَنَاء وَ إِنَّ اللّٰهَ لَمْعَ أَعْلَى اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْ

৩০. সূরা আর-ক্রম, মাকী এটি ৬০ আয়াত, ৬ ফক্

জুনীয় দ্যায়য় ও প্রম দ্যাল আলাহর নামে

- ১। আলিফ-লাফ-মীম:
- ১. বোয়ানবা<sup>\*</sup> প্রান্তিত হায়দে-
- নকটবর্তী ভূখতে, কিল্লু ভারা ভাদের (এই) পরাজ্ঞারের পর শীমই বিজয়ী হবে কান্তেক বছরের মান্তের প্রথার নির্দেশ (কান্তালা) আল্লাবরই।
- এবং সেদিন মু'মিনরা উৎকুল্প হবে-
- ৫: -আয়ায়য় সাহায়ে। তিনি য়াকে ইশ্বা করেন সাহায়্য করেন। এবং তিনিই
  য়হায়তাপশালী ও পরম দয়াল্-
- ৬। -(এটি) আয়াব্র প্রতিক্রতি। আয়াব্ তাঁর প্রতিক্রতির ব্যতিক্রম করেন
  না, কিছু অধিকাংশ মানুষ জানে না।
- তারা সুনিয়ার জীবদের বাহ্যিক (দিক) জানে, আর ভারা আধিরাত সম্বন্ধে বেধবর।
- ৮) তার বি আদেং নিজেনেকতে নিয়ে জিয়া করে নাণ আয়ায় আনশান্তর, ও পৃথিবী এবং উভালে মানে যা বিদ্বা আহে তা কেবল সভালে (পাঠিক গোলা) এবং এক নির্দিটি সময়ের আলা সৃষ্টি ওলেছেল। কিছু নিজয় আনক মানুর তাদেও প্রতিশালাকের সাধ্যে সাঞ্চাতের ব্যাপাতে অবশার্থ অবিদ্বাসী।
  ১) তারা (মেরবেস্টারা) তিঃ পথিবীলা সম্পান অবার্কি এবং ক্রমান অবার্কি।
- কেম ছিল আমে পূর্ববর্তীকে পরিবাম তারা ছিল আমের তের পাছিতে রকণ এবং তার বীন চাব করেছিল এবং বারা তা (আমা মনী) যা ভাগনে করেছে তার তের তারা তারেশি আবান করেছিল, এবং আমের নিকট আমের আমুলা একাছিল "ভা নিন্দর্শনালীনঃ। আমা আয়ান্ত এবং হিচান না যে, বিভাগনে উপত্ত ভূমান করকে, বহং তারাই তালের নিজেনের উপত্ত জুমান করাতে।
- ১০। এরপর যারা মথ কাজ করেছিল তাদের পরিলাম ব্যাহেছ মন্দ, কারল & তারা আন্তাব্র আয়াতসমূহকে মিখ্যা অভিহিত করেছিল এবং এতলো দিয়ে ঠায়া-বিল্লপ করত।
- ১১। আল্লাহ্ই সৃষ্টির স্চনা করেন, এরপর এর (সৃষ্টির) পুনরাবৃত্তি করবেন, এরপর তাঁবট নিকে তোমানেককে ফিনিয়ে নেয়া রবে।
- ১২। এবং যেদিন কিয়ায়ত সংঘটিত হবে সেদিন অপারাধীরা হতাশ হয়ে পভবে।

> الَّهِ أَنَّ غُلَبُ الدُّوَّاُ ﴾

فِيَّ ٱذْنَى الْاَرْضِ وَهُرْ مِِّنْ بَعْلِ غَلَبِهِرْ سَيْقَلِبُونَ ۞ فِي بِفْعِ سِنِينَ وْلِلَّهِ الْاَهُرُ مِنْ قَبْلُ وَمِنْ بَعْلُ وَيَوْ مَثِلْ لِقَوْحُ

الْمُؤْمِثُونَ ۞ بِنَصْرٍ اللهِ ، يَنْصُرُ مَنْ يَقَمَّاءً ، وَهُوَ الْعَزِيْزُ الرَّحِيْرُ ۞

وَعَدَ اللهِ، لَا يَخْلِفُ اللهُ وَعَدَةً وَ لَكِنَّ أَخْفَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ۞ يَعْلَمُونَ ظَاهِ ً إِنِّنَ إِلْكَيْرِةً أَلدُّنِيا \* وَهُمْ عَنِ الْأَحِرَةُ هُمْ

غَفِلُونِ۞ [وَكُمْ يَعَتَكُورُوا فِي الْفُصِورَ عَمَا خَلَقَ اللهُ السَّاوِتِ وَالْأَرْضَ وَعَا بَيْنَهُمَّ الَّا بِالْحَقِّ وَآجَلٍ مُّسَمَّى، وَإِنَّ كَثِيْرًا مِّنَ النَّاسِ بِلِقَاتِي رَبِّمُ لَكُفُرُونَ۞

أَوْ لَدْيِسِوْرُوْلِ فِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرُواْ كَيْفَ كَانَ عَاقِيَةُ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِرْ كَانُوْلَ أَلْشَوْمِنُمْ قَوْقًوْ آقَارُواْ الْأَرْضُ وَعَبَرُوْقًا أَخْتَرُومًا عَتْرُوفُوا وَخَاتَهُمْ رَسُّلُهُمْ يِالْبَيْنِ فَيَا كَانَ اللهُ لَيْظُلْمُمْرُ وَلَى كَانُواْ الْفُصَّرِيْ فِلْلَمِنُونَ فَيَ

ئَرِّ كَانَ عَافِيَةَ الْدَيْنَ أَسَّاءُوا السُّوَّ أَى اَنْ كَذَّبُوا فِالْحِيَّ اللهِ وَكَانُوا بِهَا يَسْتَهْوَءُونَ هُ إِللهِ وَكَانُوا الْحَلَقَ فَرَّ يُعِيدُهُ فُرَّ اللَّهِ فُرْحَعُونَ ۞

وَيَوْاً تَقُوْاً الشَّاعَةُ يُبْلِسُ الْمُجْرِمُونَ ⊛

৩০, সুরা আর-ক্রম

না, এবং তারা (তথন) তাদের শরীকদের প্রতি অবিশ্বাসী হবে। ১৪। এবং যেদিন কিয়ামত সংঘটিত হবে সেদিন ভারা (মানদ) বিভক্ত হয়ে পদার

১৫। তবে যাবা ঈমান এনেছে এবং সংকাজ করেছে তাদেরকে (জানাতের) বাগানে (আপ্যায়নের মাধ্যমে) আনন্দিত করা হবে।

১৬. আর যারা কফরী করেছে এবং আমার আয়াতসমত ও আখিরাতের সাক্ষাৎকে মিদ্যা অভিহিত করেছে, তাদেরকেই শান্তিতে উপস্থিত করা 577

১৭। সুতরাং তোমরা আল্লাহর পবিত্রতা ঘোষণা কর যথন তোমরা বিকেলে উপনীত হও এবং যখন তোমরা সকলে উপনীত হও-

১৮। আর আকাশসমূহ ও পথিবীতে সকল প্রশংসা তাঁরই - এবং (তাঁর পবিক্রতা ঘোষণা কর। সন্ধায়ে এবং যখন তোমরা দপরে উপনীত হও।

৯১। তিনিই মত হতে জীবিত বের করেন এবং জীবিত হতে মত বের করেন 🔏 এবং ভমিকে জীবিত করেন এর মতার পর। আর এভাবেই ভোমাদেরকে বের করা হবে :

২০। আর তাঁর নিদর্শনাবলীর মধ্যে রয়েছে যে, তিনি তোখাদেরকে সৃষ্টি করেছেন মাটি থেকে এরপর তোমরা এখন এক খানব জাতি পেথিবী ছতে) ছড়িয়ে আছ।

২১। এবং তাঁর নিদর্শনাবদীর মধ্যে রয়েছে যে, তিনি তোমাদের জন্য তোমাদের নিজেদের মধ্য হতে সঙ্কি করেছেন জোড়া, যাতে তোমরা তাদের নিকট পশান্তি পেতে পার এবং তোমাদের মধ্যে তাপন করেছেন ছদাতা ও দহা। মিশ্যর একে অবশাই নিমর্শনাবলী বাহার এছন সম্প্রদায়ের জন্য যারা চিন্তা করে।

২২। এবং তাঁর নিদর্শনাবলীর মধ্যে রয়েছে আকাশসমূহ ও পৃথিবীর সৃষ্টি এবং তোমাদের ভাষা ও বর্ণের বৈচিত্র। নিক্তম এতে অবশ্যই নিদর্শনাকণী রয়েছে জানীদের জন্য। ১৩। धानः काँच निमर्शनावतीय प्रतथा वाशक वारक रू निम्म काणामन प्रय अवः

তার অন্তাহ (জীবিকা) অপ্তেষণ করা। নিশ্চয় এতে অবশাই নিদর্শনাবলী রয়েছে এমন সম্পদায়ের জন্য যাবা শবণ করে। ১৪: এবং তাঁব নিদর্শনাংগীর মধ্যে রয়েছে, তিনি তোমাদেরকে দেখান বিদ্যুৎ- তয় ও প্রত্যাশাস্থরপ, এবং আকাশ থেকে অবতীর্ণ করেন পানি. অতঃপর এর হারা ভমিকে জীবিত করেন এর মতার পর। নিক্য

এতে অবশাই নিদর্শনাবলী রয়েছে এমন সম্প্রদায়ের জন্য যারা অনুধাবন बरवा ২৫। এবং তাঁর নিদর্শনাবলীর মধ্যে রয়েছে যে, তাঁরই নির্দেশে আকাশ ও পৃথিবী দাঁড়িয়ে থাকে। এরপর যখন তিনি তোমাদেরকে যমীন (মাটি)

থেকে (বের হওয়ার জন্য) একবার আহ্বান করবেন তৎক্ষণাৎ ভোমরা বের হয়ে আসবে।

ڪفرينَ ⊛ وَ يَوْ } تَقُولُ } السَّاعَةُ يَوْمَئِذِ يُتَفَيَّقُونَ هِ فَأَمَّا الَّذِيْنَ أَمَّنُواْ وَعَمِلُوا الصَّلِحْتِ فَهُرْ فِي رَوْفَةٍ يُّحْبَرُونَ ﴿

وَ أَمَّا الَّذِيْنَ كَفَّ وَا وَكَذَّبُوا بِالْتِنَا وَ لَقَانَ الْإِلْمَ ةَ فَأُولِنَاكَ فِي الْعَذَابِ مُحْفَرُونَ ﴿ فَسُبُحْنَ اللَّهِ حَيْنَ تُمْسُونَ وَحَيْنَ تُصْبِحُونَ ﴿

وَ لَهُ الْحَمْدُ فِي السَّمَوْتِ وَ الْإَرْضِ وَعَشَيًّا وَّحْيْنَ تُظْهَرُونَ ۞ يُخْرِجُ الْعَيَّمِنَ الْمَيِّبِ وَيُخْرِجُ الْمَيِّتَ مِنَ الْعَيِّ وَيُحْرِ الْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتَهَا ، وَكَذْ لِكَ تُخْبَجُونَ ١

وَمِنْ الْيَتِهِ أَنْ خَلَقَكُرْ مِّنْ تُرَابِ ثُيِّ اذَا آنَتُرْ بَشَرٌ تَنْتَشُرُونَ ﴿ وَمِنْ ايِنهُ أَنْ غَلَقَ لَكُرْ مِّنْ أَنْفُسِكُرْ أَرْوَاهًا لِّتَسْكُنُوًّا الَّيْهَا وَجَعَلَ بَيْنَكُرْ مُّوَّدَّةً وَّ رَحْمَةً ﴿ إِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَأَيْتِ لَّقَوْمُ يَتَفُكُّ وْنَ @ وَمِنْ الْيِهِ غَلْقُ السَّمُونِ وَ الْأَرْضِ وَ اهْتِلَانُ ٱلْسَنَّعَكُمْ وَ

ٱلْوَ انكُرْ وَانَّ فِي ذَٰ لِكَ لَا يُتِ لَلْعُلَمِينَ ۞ وَمِنْ أَيْتِهِ مَنَامُكُرْ بِالْيُلِ وَ النَّهَا رِوَ ابْتِغَاَّ وُكُرْ مِّنْ فَصْلِهِ ، الَّ فِي ذَٰ لِكَ لَا يُتِ لِنَّوْمٌ يُسْمَعُونَ ⊕

وَمِنْ إِيٰتِهِ يُدِيدُ الْبَرْقَ خَوْفًا وَّطَهَعًا وَّيُنَا لُمِنَ السَّمَآء مَاءً فَيُهٰي بِهِ الْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَا ۚ إِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَا يُتِ لِّقَوْ ﴾ يَعْقَلُونَ @ وَمِنْ أَيِعَهُ أَنْ تَقُوْمَ } السَّمَآءُ وَ الْأَرْضُ بِأَهُ لا قُرَّ أَذَا دَعَاكُمْ

دَعْوَةً لَأُمَّنَ الْاَرْضِ لَا إِذَاۤ أَنْتُرُ تَخُوُجُوْنَ ⊛

وَهُوَ الَّذِيْ يَبْدَوُّا الْحَلْقَ تُورَّ يُعْيَدُهُ وَهُو َأَهُونَ عَلَيْهِ ، وَلَهُ عَلَيْهِ عَدِيهِ عِجو এবং এটি ভাব জনা খবট সহজ। এবং আকাশসমত ও পথিবীতে সর্বোচ্চ দ্বাল নামই এল নিমিই সহাপ্তাপ্তলালী ও সহাপ্তাবান।

১৮। তিনি (আলার) তোমাদের জন্য তোমাদের নিজেদের থেকে একটি উপমা পেল ক্রান্তের- আহি সোহাফেরকে যে নিহিতে দিয়েছি আতে জোহাফের ভান হাত যা মালিক হয়েছে তার (অর্থাৎ দাস-দাসীদের) মধ্য থেকে সোমানের কি কোন অংশীয়ার সমান যাতে সোমরা ভাতে সমান চায় যাও তোমরা (কি) ভাদেরকে সেরপ ভয় কর যেরপ (অংশীদারিতের য়াধা) কোমৰা কোমানের নিজেনেরকে ভয় কবং এভাকেই আমি নির্দশনসমূহ বিস্তাবিত বর্ণনা করি এমন সম্প্রদায়ের জন্য যারা অনুধাবন

১৯। বরং যারা জলম করেছে তারা কোন জান ছাড়াই তাদের প্রবাজির অনুসরণ করে। সুতরাং আল্লাহ্ থাকে পথন্তই করেছেন, কে তাকে प्रदिक्तका अवर्शन करान पान प्राप्तन क्रमा (कार प्राराखाती साहै।

৩০: অভএৰ তমি একতবাদী হয়ে। তোমাৰ চেহাবাকে (নিজকে) ছীনের জনা সোলা কর- (এটি) আন্তাহর ফিতরাত, যার উপর তিনি মানুষ সৃষ্টি করেছেন <sup>\*</sup> আল্লাহর সঙ্কিতে কোন পরিবর্তন নেই। এটিই সঠিক দ্বীন, বিজ অধিবাংশ হান্ত ভানে না-

৩১। তাঁর দিকে (অনভাপের সাথে) প্রভ্যাবর্তনকারী হয়ে, এবং তাঁকে ভা কৰ সালাক (নায়ায়) কায়েয় কৰ এবং অন্তৰ্ভক হয়ো না মশ্বিকদেব-

৩২। -(অর্থাৎ) তাদের, যারা তাদের দ্বীনকে বিভক্ত করেছে এবং বিভিন দলে পরিণত হয়েছে। প্রত্যেক দলই তাদের কাছে যা আছে তা নিয়ে theaser. ৩৩। আর যখন মানহকে দঃখ-দর্নশা স্পর্শ করে তথন তারা তাদের

প্রতিপালককে ভাকে তাঁর দিকে (অনুভাপের সাথে) প্রভাাবর্তনকারী হয়ে, এরপর যথন তিনি ভালেরকে তাঁর পক্ষ থেকে নরা আহাদন করান তথ্য তাদের একদল তাদের প্রতিপালকের সাথে শরীক করে -

৩৪। যাতে তাদেরকৈ আমি যা দিয়েছি, তা তারা অবিশ্বাস করে। সতরাং ভোগ কৰে নাও, কাৰণ শীয়াই ভোমৰা জানতে পাৰৰে।

 আছি কি আদেব কালে কোন প্রমাণ অবদীর্থ কবেছি ফাল দা (সেই প্রমাণ) তারা তাঁর সাথে যা শবিক করে থাকে তার (পক্ষে) কথা বলেঃ ৩০: আৰু হখন আমি মানহাক কোন দ্বা আস্থানন কৰাই কখন ভাবা ভাতে

উৎফল্ল হয় এবং তাদের হাত যা অগ্নে পাঠিয়েছে সে কারণে যদি কোন অকল্যাণ তাদেরকে আঘাত করে তৎক্ষণাৎ তারা নিরাশ হয়ে পড়ে। ৩৭। তারা কি ভেবে দেখেনি যে, আল্লাহ যার জন্য ইঙ্গা করেন তার রিথিক

প্রসারিত করেন এবং (তা) পরিমাপ করে দেনঃ নিশ্চয় এতে অবশাই निमर्गनावली वरमण्ड क्रमन अल्लानारमव कना यांचा प्रधान खारनः

وَ لَهُ مَنْ فِي السَّمُوٰ بِ وَ الْإَرْضِ ۚ كُلُّ لَّهُ قَنتُوْنَ ﴿

ح شرَّعُالُّهُ ٢٠

الْمَقَلُ الْآغَالِ فِي السَّبَوْتِ وَ الْآرْضِ ، وَهُوَ الْعَرِثُ الْعَدِيُّ الْعَدِيُّ أَيْكُمْ فَ إِن لَكُرْ مَّثَلًا مِّن أَنْفُسكُرْ ، هَلْ لَّكُرْ مِّنْمًّا مَلَكَتْ أَيْمَانُكُرْ مِّنْ شُرِكَاءً فِيْ مَا رَزَقْنْكُرْ فَانْتُرْ فِيْهِ سَوَّاءً تَخَافُونَهُرْ كَحْيْفَتكُرْ أَنْفُسكُرْ ،كَذْلكَ نُفَصُّلُ الْأَيْتِ لقَوْمَ

يَّعْقلُوْنَ ۞ بَلِ اتَّبَعَ الَّذِيْنَ ظَلَمُوٓۤ الْهُوٓ آءَهُرُ بِغَيْرٍ عِلْمٍ وَفَمَنْ يَّهْدِيْ مَنْ أَضَلُّ اللهُ وَمَا لَهُمْ مَّنْ نَّصِينَ ﴿

فَأَقِرْ وَجْهَكَ لِلدِّيْ عَنْيُفًا وَفَكَّرَى اللهِ الَّتِي فَطَرَ } إلنَّاسَ عَلَيْهَا ، لَا تَبْدِيْلَ لَخَلْقِ إِللَّهِ ، ذَ لَكَ } لَدِّينٌ } أَوْ لَكِنَّ أَكْثَرُ إِلنَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ فَي

مُنيْبِيْنَ الَيْهِ وَ اتَّقُوْهُ وَ آقَيْمُوا الصَّلُوةَ وَ لَاتَكُوْنُوْا مِنَ الْمُشْرِكِيْنَ أَهُ مِيَ الَّذِيْنَ فَوَّقُوْا دِيْنَهُرْ وَكَانُوْا شِيَعًا ، كُلُّ حِزْبِ بِمَا لَدَيْهِمْ فَرِحُونَ ⊛

وَإِذَا مَسَّ النَّاسَ مُرَّدَعُوا رَبَّهُرُ مُّنيْبِيْنَ الَّيْهِ ثُرَّ إِذَا أَذَاقَهُمْ مِّنْهُ رَحْمَةً أَذَا فَرِيقٌ مِّنْهُمْ بِرَبِّهِمْ يُشْكُونَ ﴾ ليَكُفُرُوا بِهَأَ إِتَيْنَهُمْ وَفَتَهَتَّعُوا سَ فَسَوْنَ تَعْلَمُونَ @

أَمُ أَنْزَ لَنَا عَلَيْهِرْ سُلْطُنَّا فَهُو يَتَكَلَّرُ بِهَا كَانُوْا بِهِ يُشْرِكُونَ ﴿ وَ إِذَآ اَذَقَنَا } لنَّاسَ رَحْمَةً فَرِحُوْا بِهَا • وَ إِنْ تُصِبْهُرْ سَيِّعَةً ْبِمَا قَدَّمَتْ آيْديْهِرْ إِذَا هُرْ يَقْنَطُوْنَ ⊛

أَوَ لَرْ يَوَوْا أَنَّ اللَّهَ يَبْسُمُ الرِّزْقَ لَمَنْ يَّشَآءُ وَ يَقْدرُ وانَّ فَيْ ذُ لِكَ لَا يُتِ لِنَّهُ مُ يُؤْمِنُونَ ۞ ৩৮। অভএব আশ্বীয়-স্বজনকৈ ভার হক (অধিকার) দিয়ে দাও এবং মিসকীন (অলাক্সান্ত) ও সম্বল্পটান মসাধিবকেও। এটি উন্নয় ভাদেব জন্ম যাবা আলাহর সম্বন্ধি চায় এবং তারাই সফল।

৩০. সুরা আর-রূম

- ৩৯। এবং মানুষের ধন-সম্পদের মধ্যে বৃদ্ধি পাবে বলে ভোমরা সুদের ভিজিতে যা প্রদান করে থাক, তা আল্লাহর নিকট বন্ধি পায় না। আর আল্লাহর সম্ভৃষ্টি লাভের উদ্দেশ্যে যে বাকাত তোমরা দিয়ে থাক (তাই বন্ধি পায়), এবং তারাই বন্ধিকারী।
- ৪০। তিনিই আল্লাহ, যিনি তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছেন, এরপর তোমাদেরকে রিয়িক নিয়েছেন, এরপর ভোমাদের মতা ঘটাবেন, এরপর ভোমাদেরকে এ সবের কোন কিছ করতে পারেং তারা যা শরীক কবে তা হতে তিনি
- ৪১। মান্য যা অর্জন করেছে সে কারণে স্থলে ও সমদে ফ্যাসাদ প্রকাশিত হয়েছে, যাতে ডিনি (আল্লাহ) তানেরকে আখানন করাতে পারেন তার কিছ যা তারা করেছে, যাতে তারা কিরে আসতে পারে।

পরিত্র এবং আমের ইবর্ষে।

- ৪২। বল, 'ভোমরা পৃথিবীতে ভ্রমণ কর এবং লক্ষ্য করা কেমন ছিল পর্ববর্তীদের পরিণাম।' ভাদের অধিকাংশই ভিল মশবিক। ৪৩। অতথ্যব কুমি সঠিক দ্বীনের জন্য তোমার চেহারাকে (নিজকে) সোজা
- কর, আন্তাহর পক্ষ থেকে সেদিন আসার পর্বে যা প্রতিরোধ করার নয়। সেদিন তারা (মানষ) বিভক্ত হয়ে পভাবে (কেউ জালাতে আর কেউ काशसाद्य)। ৪৪: যে কক্ষরী করেছে তার কন্দরী (অর্থাৎ কন্দরীর পরিণাম) তারই উপর,
- আর যারা সংকাজ করেছে তারা নিজেদেরই জন্য (আধিরাতের) সংগব্যা প্রস্তুত করে-Ro। যাতে যাবা ঈমান এনেতে ও সংকাজ করেতে তাদেরকে তিনি তাঁর অন্যাত খোলা প্ৰতিয়ান দিল্ড পাৰেন। নিশ্চয় তিনি ভাঞ্চিব্যাদকক
- ভালবাসেন না। ৪৬। এবং জীব নিদর্শনাকণীর মধ্যে কমেছে যে তিনি বাব প্রেরণ করেন সসংবাদবাহীরূপে এবং যাতে তোমাদেরকে আশ্বাদন করাতে পারেন তাঁৰ দয়া থেকে এবং যাতে তাঁৰ নিৰ্দেশে নৌযানগুলো চলাচল করতে পারে এবং যাতে তোমরা তাঁর অনুগ্রহ থেকে ভালাশ করতে পার এবং
- যাতে (তোমবা) কতজতা প্রকাশ করতে পার। ৪৭ এবং অবশ্যই আমি তোমার পূর্বে রাস্লদেরকে প্রেরণ করেছিলাম তাদের (নিজ নিজ) সম্পদায়ের নিকট, এবং তারা তাদের নিকট প্রষ্ট প্রশ্নাগাদি নিয়ে এপেছিল, অতঃপর যারা অপরাধ করেছে আমি ভাদেরকে উচিত শান্তি নিয়েছিলাম। এবং ম'মিনদেরকে সাহাব্য করা আয়াব দায়িত ছিল।

- فَأَتِ ذَا الْقُوْبِي مَقَّةً وَ الْمِسْكِيْنَ وَ ابْنَ السَّبِيْلِ ﴿ لِكَ غَيْرٌ لُّلَّذِيْنَ يُهِ يُدُونَ وَجْهَ اللهِ وَ أُولِّنَكَ هُرُ الْمُغْلَعُونَ @ وَمَا آتَيْتُر مِنْ رَبًّا لَّيَ بُوا فَيْ آمُوالِ النَّاسِ فَلَانَ بُوا عَنْدَ
- اللهِ ، وَمَآ الَّيْتُرُ مَّنْ زَكُوةً تُهِ يُدُونَ وَجْهَ الله فَأُولَٰ عُكُ هُمُ الْمُفْعِثُونَ ﴿ أَللُّهُ الَّذِيْ خَلَقَكُمْ ثُرٌّ رَزَقَكُمْ ثُرٌّ يُمِيْتُكُمْ ثُرٌّ يُحْيِيْكُمْ .
- تَعْلَى عَمَّا يُشْرِكُونَ ﴾ ظَهَرَ الْفَسَادُ فِي الْبَرِّ وَ الْبَحْدِ بِمَا كَسَبَثَ آيْدِي النَّاسِ
  - لِيُدِيْقَهُرْ بَدْضَ الَّذِي عَمِلُوا لَعَلَّهُرْ يَرْجِعُونَ ﴿ قُلْسِيْرُ وَافِي الْأَرْضِ فَانْظُرُ وَا كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلُ، كَانَ آكْتَرُهُرْ مُّشْرِكَيْنَ ®
  - فَاقِرْ وَجُهَكَ للدِّيْنِ الْقَيِّرِ مِنْ قَبْلِ أَنْ يَّأْتِي يَوْمٌ الْمَوَدَّ لَهُ مَى اللهِ يَوْمَعُدُ يُصَدُّعُونَ ﴿
  - مَنْ كَفَوَ فَعَلَيْهِ كُفُورًا ، وَمَنْ عَمِلَ مَا لَكًا فَلِا تُنْفُسِيرُ يَمْهَدُونَ ٥ ليَجْ: يَ الَّذِيْنَ أَمَنُوْا وَعَمِلُوا الشَّلِحْتِ مِنْ فَضْلِهِ وَإِنَّهُ لَايُحِبُّ الْكُفِدِينَ ﴿
  - وَمِنْ أَيْنَهُ أَنْ يُرْسِلَ إِلِّيَاحَ مُبَقِّرِت وَّ ليُديثَقَكُرْ مِّنْ رَّحْمَتِهِ وَ لِتَجْرِىَ الْفُلْكُ بِأَمْرِهِ وَ لِتَبْتَغُوْا مِنْ فَضْلِهِ وَ لَعَلَّكُرْ
  - وَلَقَدُ أَرْسَلْنَا مِنْ قَبْلِكَ رُسُلًا إِلَى قَوْمِهِمْ فَجَآءُوْهُمْ بِالْبَيِّنْ فَانْتَقَمْنَا مِنَ الَّذِيْنَ أَهْرَمُوا ﴿ وَكَانَ هَقًّا عَلَيْنَا نَصْرُ الْمُؤْمِنِيْنَ ﴿

- ৪৮. তিনিই আল্লাহ, যিনি বায়ু প্রেরণ করেন, এবং তা মেঘমালাকে সঞ্চালিত করে, এবং তিনি একে যেভাবে ইন্ধা আকাশে ছডিয়ে দেন, এবং একে খণ্ড-বিখণ্ড করেন এবং তুমি এর মধ্য থেকে বৃষ্টি বের হতে দেখ, এবং যথম তিনি তাঁর বান্ধাদের মধ্যে যাদের উপর ইঞ্জা তা আপত্তিত করেন তথম তাবা বিহচন হয়।
- ৪৯। যদিও ইতংপর্বে ভাদের উপর এর (বৃষ্টি) অবতীর্ণ হওয়ার পর্বে ভারা হতাশগ্রহ ছিল।
- ৫০. সভরাং আধারর দয়ার প্রভাবসমধ্যের দিকে লক্ষ্য করা কিভাবে ভিনি ভূমিকে জাঁবিত করেন এর মত্যুর পর। নিক্সা সেই (সভা) অবশাই মতদেরকে জীবিত করবেন এবং তিনি স্ববিছর উপর সর্বশক্তিমান।
- ৫১। আর যদি আমি এক বায় প্রেরণ করি এবং তারা তা (অর্থাৎ তালের শসা) হলদে দেখতে পায় ভাহদে এরপর অবশাই ভারা অঞ্চল্জ হয়ে পড়ে
- ৪২। সতরাং নিশ্বয় তমি মতদেরকে শোনাতে পারবে না এবং বধিরকেও শোনাতে পারবে না আহ্বান যখন ভারা পষ্ঠ প্রদর্শন করে চলে যায়।
- ০৩, আর ভমি অন্নদেরকে ভানের পথন্টতা থেকে সঠিকপথ প্রদর্শনকারীও 🗖 🗸 🚓 💍 শোনাতে পারবে, এবং ভারাই মসলিম।
- ৫৪। তিনিই আধাত যিনি তোমাদেরকে সাই করেছেন দর্বল অবস্থায়, এবপর দুবর্ল অবস্থার পর তিনি দেন শক্তি, এরপর শক্তির পর দেন দুবর্লতা e বার্ধকা। তিনি যা ইচ্ছা করেন সৃষ্টি করেন, এবং তিনিই সর্বভানী ও সর্বপক্ষিয়ান।
- ৫৫ এবং যেদিন বিয়ামত সংঘটিত হবে সেদিন অপবাধীবা কসম কবে বলবে যে ভাবা একম্বর্ত চানা অবস্থান কবেনি। এচাবেই তাদেরকে किसाब करा करा।
- ৫৬। কিন্তু বাদেরকে জ্ঞান ও ঈমান দেয়া হয়েছে তারা কাবে, 'তোমরা অবশ্যই আল্লাহর কিতাব (বিধান) অনুসারে পুনরুত্বানের দিন পর্যন্ত অবস্তান করেছ। এবং এটিই পুনরুত্থানের দিন, কিছু ভোমরা জানতে स्ता ।
- ৫৭। সতবাং যারা জলম করেছে ভালের অঞ্চরাত সেদিন ভালের উপকারে তাসার মা এবং ভাদেরকে ভালাতর সন্ধার্ম লাভেরও সংযাগ কেয়া তার ০৮। এবং আমি মানাম্বৰ জনা এই ব্যৱস্থান সৰ ধ্যাণৰ দ্যালৈ পেশ
- করেছি। এবং যদি তমি তাদের কাছে কোন নিদর্শন নিয়ে আস তাহণে যাবা কম্ববী কৰেছে ভাৰা অবশক্তে অবশক্তে বলবে 'ভোমবা কেবল বাজিলপন্ধী।
- ৫৯। এডাবেই আল্লাহ্ মোহর মেরে দেন তাদের হৃদয়সমূহে যারা জানে না। 🕏
  - ৬০ অতথ্যৰ ভূমি ধৈৰ্য ধারণ কর, নিশ্চয় আল্লাহর প্ৰতিশ্ৰুতি সত্য এবং যারা 🕏 নিভিত বিশ্বাসী নয় তারা যেন তোমাকে উদ্বিপ্র না করে।

- اَللَّهُ الَّذِيْ يُرْسُلُ | لرِّيْجَ فَتُثَيُّرُ سَحَابًا فَيَبْسُطُهُ فِي | لسَّمَّاء كَيْفَ يَشَاءُ وَ يَجْعَلُهُ كَسَفًا فَتَى يِ الْوَدْقَ يَكُرُجُ مِنْ خَلْلُهُ \* فَاذَا أَصَابَ بِهِ مَنْ يَقَاءُ مِنْ عَبَادِةٍ إِذَا هُرْ يَسْتَبْشُرُونَ ٥
- وَ إِنْ كَانُواْ مِنْ قَبْلِ أَنْ يُنَوِّلَ عَلَيْهِرْ مِّنْ قَبْلِهِ لَمُبْلِسِينَ @
- فَانْظُو الِّي أَثْرِ رَحْمَتِ اللهِ كَيْفَ يُحْي الْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتَهَا . انْ ذَلِكَ لَمُهَى الْمَوْتَى ، وَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْهُ قَدِيرٌ ﴿
- وَ لَئِنْ أَرْسَلْنَا رِيْحًا فَرَ أَوْهُ مُفَوًّا لَّظَلُّوا مِنْ بَعْدِهِ يَكُفُرُونَ ﴿
- فَانَّكَ لَاتُسْمِعُ الْمَوْتَى وَلَاتُسْمِعُ الصَّرَّ الدُّعَاءَ إِذَا وَلَّوْا مدبين @
- وَمَا أَنْتَ بِهِدَ الْعُمْى عَنْ صَلَّلَتِهِمْ ﴿ إِنْ تُسْمِعُ إِلَّا مَنْ يُؤْمِنُ ۚ عَالِمَ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْ بأيتناً فَهُرْ مُّسْلُمُونَ ١٠ اللهُ الَّذِيْ خَلَقَكُمْ مَّنْ مُعْف ثُمَّ جَعَلَ مِنْ يَعْد مُعْف قُوَّةً
  - لُرِ" جَعَلَ مِنْ اَبَعْدِ قُوَّةً فَعُفًا وَّشَيْبَةً يَخُلُقُ مَا يَشَآءُ وَهُوَ الْعَلَيْرُ الْقَدِيُ ⊕
  - وَ يَوْاً تَقُوا ۗ السَّاعَةُ يُقْسِرُ الْمُجْرِمُوْنَ مَّمَا لَبِئُواْ غَيْرَ سَاعَةٍ كَذْ لِكَ كَانُوْ إِيُّ فَكُوْنَ ﴿ وَ قَالَ الَّذِيْنَ أُوْتُوا الْعَلْيَ وَ الْإِيْمَانَ لَقَدْ لَبِثْتُمْ فِي كُتِّب الله إلى يَوْمُ الْبَعْدِ، فَهٰذَا يَوْمُ الْبَعْدِ وَلَحَنَّكُمْ كُنْتُمْ
  - لاتعلمون ⊕ فَيَوْمَئِذِ لَّا يَنْفَعُ الَّذِيْنَ ظَلَمُوا مَعْذِ رَتُّهُر وَ لَا هُرْ يُشْتَعْتَبُونَ ⊕
  - وَلَقَدُ مَوَ بَنَا لِلنَّاسِ فِي هٰذَا الْقُوْلِي مِنْ كُلِّ مَثَلٍ وَلَتَنْ جئْتَهُرْ بِايَة لَّيَقُوْ لَنَّ الَّذِينَ كَفَرُّواْ إِنْ أَنْتُرْ الَّا مُبْطِلُونَ ؈
    - كَذُ لِكَ يَطْبَعُ اللَّهُ عَلَى قُلُوْ بِ الَّذِيْنَ لَا يَعْلَمُونَ ۞ فَاصْبِ إِنَّ وَعُنَ اللَّهِ مَقَّ وَّ لَا يَسْتَحَقَّنْكَ الَّذِيْنَ لَا يُوْقَنُونَ ﴾

৩১. সূরা পুকমান, মাঞ্চী ১৫ এর আয়ত, ৪ কুক্

- ১। প্রালিফ-লাম-খ্রীম
- ১। একালা প্ৰকাহয় কিনাবেৰ আয়াত্ৰ-
- লপ্তনির্দেশিকা ও দ্বাস্থরণ সংকর্মপরাংশদের জন্য-
- ৪ যারা সাগাত (নামায) কায়েম করে, যাকাত প্রদান করে, এবং তারাই আধিরাতের প্রতি নিশ্চিত বিশ্বস রাখে।
- ৫। তারাই তাদের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে (আসা) সঠিক পথের উপর রয়েছে এবং তারাই সফল।
- ৬। আর মানুষের মধ্যে এমনও বাবেছে, যে কোন জান ছাকুটি আল্লাহর পথ থেকে (পোকদেরকে) বিচ্ঠাত কররে জনা চিত্রবিনানননুষত কথা ক্রম করে এবং একগোলে আর্থান আল্লাহর আল্লাকনুষ্ঠত টুপারস হিসেবে প্রথপ করে, তাদের জন্য রয়েছে সাঞ্জনাদায়ত শার্কি।
- ৭। এবং বখন তার নিবট আমার আরাতসমূহ পাঠ করা হয় তখন সে আহংতার করে মুখ ফিরিয়ে দেয় দেল সে তা কদতে পায়নি, দেল তার দুই কালে এয়েছে বহিবতা, অতএব তাকে অয়ণালায়ত পায়ির কুলংবাদ দাও।
  ৮। কিলয় য়ারা স্টমান এদেয়ে ও সংকাজ করেছে তানের ফল বয়য়য়য়
- দেয়ামতপূৰ্ণ জান্লাতসমূহ-৯। সেখানে ভাৱা স্থায়ী হবে: (এটি) আল্লাহর সতা প্রতিশ্রুতি। এবং তিনিই

মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রতাবান

- ১০। তিনি আকাশসমূহ গৃঙি করেছেন গুঙ ছাড়াই- তোমরা তা দেখাত পাৰ্ধ, এবং পৃথিবীতে স্থাপন করেছেন সূত্র্যু পর্বতামাপা যাতে তা (পৃথিবী) তোমাদেরকে নিহে আন্দোলিত না হঙ্গ এবং এতে ছড়িছে নিহেছেন সাব ধরুনের বীনি-কছার এবং আমি আকাশ থেকে পানি অবক্রীর্থন করি, অরুপার একে প্রত্যেক উক্তর্ম থবাসর উল্লিফ নিশ্বনত করি।
- ১১। এই হলো আল্লাহ্ব সৃত্তি, সূত্রাং তাঁকে বাদ দিয়ে যারা আছে তারা ক্রি করেছে তা আমাকে দেখাও, বরং জালিমরা সুশাই পথস্রইতার বিয়েছে
- ১২। আন্ত অবশাই আমি নৃকমানকে কিকমত (এজা) দান করেছিলাম (এবং ধদেছিলাম) যে, আল্লাহর প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করা এবং যে কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে সে কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে তার নিজেপ্তই কল্লাহের জনা আর যে অকৃতজ্ঞ হয়, তবে (০/ জেনে প্রাপৃত্ত) নিক্তয় আল্লাহ্ অমুখাপেনী ও ক্ষার্কি কল্পান্তমী।

٣١ مُورُةُ لُفُمَنَ - مُكِيَّةً اَبَاتُهَا ٣٠ رَكُومَاتُهَا - اللهِ الرَّحِيْدِ لِمِسْمِ اللهِ الرَّحِيْدِ

> الَّرِّ ۚ نِلْكَ أَيْدُ الْكِتْبِ الْحَكِيْرِ ۚ

هُدُّى رَّ رَحْمَةٌ لِلْمُحْسِنِيَ ۞ الَّذِيْنَ يُغِيْمُونَ الطَّوةَ وَيُؤْتُونَ الرَّكُوةَ وَهُرْ بِالْأَخِرَةَ هُرُ

يوفنون ۞ أُولَّ عِلْكَ عَلَى هُدِّى مِّنْ رَبِّهِيرُ وَ أُولِنَكَ هُرُ الْمُفْلِحُونَ ۞

وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يَّشَرِّي لَهُوَ الْحَدِيْبِ لِيُمِلِّ عَنْ سَبِيْلِ اللهِ لِغَيْرٍ عِلْمِيِّ وَ يَتَّخِدُهَا هُزُوًّا وَلَئِكَ لَهُنَّ لَهُنَّ عَدَّابٌ مَّغِيْنٌ ⊙

وَ إِذَا لَتُعْلَى عَلَيْهِ اينُنَا وَلَي مُسْتَكْبِرًا كَأَنْ لَرْ يَسْمَعْهَا كَأَنَّ فِيُّ أَذَنَيْهِ وَقُرًا ، فَبَهِّرَهُ بِعَدَابٍ أَلِيْ ۞

إِنَّ الَّذِينَ أَمَنُواْ وَعَمِلُوا الصَّلِحْ لَهُمْ جَنْتُ النَّعِيْرِ ﴾ خُلديْنَ فَيْهَا ، وَعْدَ اللهِ حَقَّا ، وَهُو الْعَدِيْدُ الْحَدِيْدُ الْحَدِيْدُ

عَلَقَ السُّوْلِ بِقَيْمِ عَمْدِ تَرَوْلَهَا وَ ٱلْفَى فِي الْأَرْفِي رَوَّ اِسِّ ا إِنْ تَعِيدُ بِشُرْ رَبِّ فِيهَا مِنْ كُلِّ وَآلِهِ وَٱلْتُوْلَتَا مِنَ السَّمَاءِ مَا وَقَالَسَمْتُنَا فِيهَا مِنْ كُلِّ رَبِّيْ عَلَى وَلِيَّا لَمِنْ السَّمَاءِ هَذَا عَلَيْ اللهُ قَارُونِيْ مَا ذَاعِلَى اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَي

وَلَقَدُ اتَيْنَا لَقُمٰىَ الْحَكْمَةَ آنِ اهْكُولِللهِ وَمَنْ يَهْكُو فَالْمَا يَشُكُّرُ لَنَفْسِهِ وَمَنْ كَثَرَ فَانَّ اللهُ عَنْ مُمِيْدٌ ۞

ا لظُّلمُوْنَ فِي ضَلْلٍ مَّبِيْنٍ ﴿

- ১৩ এবং যখন লুকমান তার পুরকে বলেছিল যখন সে তাকে উপদেশ নিজিল, 'হে আমার পুত্র: আল্লাহর সাথে শরীক করো না নিকয় শিরক অবশ্যই অতি বড় জ্লুর।'
- ১৪। এবং আমি মানুষকে তার পিকা-মাতার জন্য নির্দেশ দিয়েছি তার মা তাকে কছের পর কষ্ট বেকণ) করে গর্ভে ধারণ করেছে এবং তার দুধ জাননো বয় দুই বছরে - মে, ভূমি আমার প্রতি ও তোমার পিতা-মাতার রাতি কক্তর হল। গারবান্ত্রল আমারত নিকে।
- ১৫। আর তারা দু'জন খনি তোমাকে জোড়াজোড়ি করে আমার সাথে পরীক করতে, যে বিয়ের তোমার লোন জান । এই, ছবি তালের জালুগতা করে। না এবং দুবিশারত তালের সাথে পরবাসক র বৌষায়ার পাছে, "আর যে আমার নিকে প্রত্যাবর্তন করেছে তার পথ অনুসরণ কর, এরপর তোমালের প্রত্যাবর্তনিক করেছে তার পথ অনুসরণ কর, এরপর তোমালের প্রত্যাবর্তনিক আমারই দিকে এবং তোমারা যা করতে সে ক্রিক্তর জাতি ক্রেম্মানরক ক্রমিলের।
- ১৬। 'হে আমার পুরা নিতর তা (অর্থাৎ কর্ম) যদি সরিয়ার দানা পরিয়াণও হয় এবং তা হলি থাকে পাথরের মধ্যে অথবা আকশসমূহে কিংবা মনীদের তেতর, আল্লাহ তাও উপস্থিত করবেন। নিতর আল্লাহ সৃষ্কর্মনী প্রস্তারত।
- ১৭ হে আমার পুরা: সালাত (নামায) কায়েম কর, সংকাজের নির্দেশ সাও এবং অসংকাজ থেকে নিষেধ কর এবং বিপদে ধর্ম ধারণ কর। নিশ্চয় এটি দৃতৃসংকল্লের বিধয়সমূহের অন্তর্ভুক্ত,
- ১৮। এবং মানুদের প্রতি অহতারতরে তামার গাদ ফিরাবে মা এবং পৃথিবীতে উক্কতভাবে বিচ্ছপ করো না. নিশুয় আদ্বাহ কোন উক্তত ও অহতারীকে ভাগবাসেন না,
- ১৯: এবং তোমার হেঁটে চলায় মধ্যপদ্ধা অবলয়ন কর এবং তোমার কণ্ঠন্তর নিচু কর। নিডয় গাধার কণ্ঠন্তরই সবচেয়ে খারাপ।'
- ২০। জোননা কি ভাবে গেখনি, আকাশনমূহে যা কিছু আছে ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে আন্নান্থ কাল সংকিছুই কোমানাকে ৰক্ষায়াণ নিয়েজিকত কালেনে কৰে কোমানাক এতি কা কৰাপা ও আন্তৰ্গা আৰটান নোমাক পূৰ্ণ কৰে নিয়েছেন এবং মানুহৰৰ মধ্যে কেউ কেউ কোম আন, পৰ্যন্যান্দানা এবং নিছিমান কিকাৰ স্থাভাই আন্নান্থ সন্থান্ধ বিকৰ্ম কৰে।
- ২১। এবং যথন জানেকে বলা হয়, আলাহু যা অবভীর্ণ করেছেন তা অনুসরণ কর গুখন তারা বলে, 'বয়: আদরা আমানের বাপ-লালানেককে যার উপর পেয়েছি তারই অনুসরণ করব।' শরাতান যদি তালেরকে ফুলভ আতানের শান্তির দিকে আরানা করে, তব্রও কিঃ
- ২২। আর যে সংকর্মপরায়ণ হয়ে তার চেহারাকে (নিজকে) আল্লাহ্র নিকে
  সমর্পণ করে, সে অবশ্যই দৃঢ়ভাবে ধারণ করল এক মজবুত হাতল।
  আর সকল কাজের পরিণাম আল্লাহ্রই দিকে।
- ২৩। আর কেউ কুমনী করলে তার কুমনী খেন তোমাকে কট না সেয়। আমারেই দিকে ওালের প্রভাবর্তনস্থল, এতংপর আমি তাপেরকে জানিয়ে বিব তারা যা করত বক্ষসমূহে যা আছে সে সম্পর্কে নিশুর আন্তাহ ভালতবে জানে।

- الشّراك لَقَالْسُ عَظِيرٌ ﴿ وَوَمْيِنَا الْإِنْسَانَ بِوَالِلَائِهِ، مَمْلَتُهُ أَمَّهُ وَهُنَّا عَلَى وَهْيِ وَفِضُكُ فِي عَامِينِ آيا الْكُرْ لِيَ لِلِيَّامِ، مَمْلَتُهُ أَمَّهُ وَهُنَّا عَلَى وَهْيٍ وَفِضُكُهُ فِي عَامِينِ آيا الْكُرْ لِيَ لِلْإِلَالِيَّانِ إِلَيْ الْمُعِيْرُ ﴿
- ي عامين إن الحقري و او الدينة إلى العقيري وَ إِنْ جَاهَدُ اللَّهِ يَعْ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عِلَيْهُ ا قَلْاَتُطَعِّمُنَا وَ مَاحِمْهُمًا فِي اللَّقْلَ مَعْرُوقًا وَالْبِعُ سَيْلًا مَنْ إِنَّالُ إِلَّا مِنْ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّ
- يُمُنَّ إِنِّهَآ إِنْ لَكُ مِثْقَالَ حَبِّهِ شِنْ خَرْدَلٍ فَتَكُنْ فِيْ صَحْرَةَ أَوْ فِي السُّوْتِ أَوْفِي الْأَرْضِ يَاتِ بِهَا اللهُ إِنَّ اللهُ لَطِيْتٌ خَمِيْرٌ۞
- يُمُنَّىُّ آقِي السَّلوةَ وَأَمُّرُ بِالْمَعْرُوْفِ وَاثْنَهَ عَيِ الْمُثْكَرِ وَاصْرِرُ ئَيْ مَا آمَا بَكَ الِنَّا لِكَ مِنْ عَزْ الْأَمْوُرِيْ
- وَ لِاتُمَعِّرْ غَدَّكَ لِلنَّاسِ وَ لِاتَمْشِ فِي الْاَرْضِ مَرَّحًا ﴿ إِنَّ اللهُ لَا يُحِبُّ كُلُّ مُخْتَالٍ فَخُرْ رِقْ
- وَ اقْمِدْ فِي مَشْمِكَ وَ اغْمُصُ مِنْ مَوْتِكَ إِنَّ أَثْكَرَ الْأَصُوَاتِ لَتُوْتُ الْعَمِدُ فِي تَمَوْتُ الْعَمِدُ فَيْ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ الْأَنْدُ وَمَا فِي الْأَدْفِ
- ٱلۡمُرۡكِّرُوا أَنَّ اللهُ سَخَّرَ لَعُرْمًا فِي السَّوٰرِ وَمَا فِي الْاَرْضِ وَ ٱسْبَغَ عَلَيْكُمْ نِعْمَهُ ظَاهِرَةً وَّبَاطِئَةً ، وَمِنَ النَّاسِ مَنْ
- يُّجَادِلُ فِي اللهِ بِغَيْرِ عِلْمٍ وَ لَاَهُدَّى وَ لَاكِتٰبٍ مَّنِيْرٍ ﴿
- وَإِذَا فِيْلَ لَهُرُ اللّٰهِ كُواْ مَا أَلْوَلَ اللّٰهُ قَا لُواْ ابْلُ لَتَّعِهُ مَا وَهَدْنَا عَلَيْهِ إِلَيَّاتِنَا ، أَوَلَوْ كَانَ إِلَهُ يَعْنُ يَدْعُوْهُرُ إِلَٰ عَذَابِ السَّعِيْ @ وَوَنْ يُسْلُو رُوْهُمُّ أَنَّ اللّٰهُ وَهُمْ مُحَسِّفَ قَدَ اسْتَصَكَ الْتُوْوَةُ وَوَنَ يُسْلُونُ الْمُؤْوَة

  - وَمَنْ كَفَرَ فَلَايَهُزُ ثَلَقَ كُفُرُهُ ﴿ لِلَّيْنَا مَرْجِعُهُرْ فَنْنَبِّكُهُرْ بِمَا عَمَلُوْا ﴿ أَنَّ اللّٰهَ عَلَيْرٌ ۚ لِنَاتِ } لِشَّدُوْرِ ۞

- ২৪। আমি তাদেরকে সামান্য জীবনোপভোগ করতে দেব, এরপর তাদেরকে কঠিন শান্তিতে বাধ্য করব।
- ২৫। এবং যদি তুমি তাদেরকে জিজাসা কর, 'আকাশসমূহ ও পৃথিবী কে সৃষ্টি ধরেছেন্য' অবশ্যই অবশ্যই তারা বলবে, 'আন্তাহ্'। বদা, 'সকল প্রশংসা আল্লাহ্র জন্য', কিন্তু তাদের অধিকাংশই জানে না।
- ২৬। আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে ডা আল্লাহ্রই। নিশ্চয় আল্লাহ্ই অভাবমুক্ত ও অতি প্রশংসনীয়।
- ২৭: এবং যদি পৃথিবীর সমস্ত গাছ কলম হয় এবং সমুদ্র কালি হয় এবং এর সাথে আরও সাত সমুদ্র যুক্ত হয় তবু আল্লাহর বাণী (লিখা) শেষ হবে না। শিক্ষ আল্লাহ্ মহাগ্রতাপশালী ও মহাগ্রজাবান।
- ২৮। তোমাদের (সকলের) সৃষ্টি ও পুনরুখান কেবল এক ব্যক্তির (সৃষ্টি ও পুনরুখানের) অনুরূপ। নিশুর আল্লাহ সর্বল্লোতা ও সর্বন্ধটা।
- ২৯। তুমি কি তেবে দেখনি বে, আছার রাতকে দিনে এবং দিনকে রাতে প্রবেশ করান এবং চন্ত্র ও সূর্যকে করেছেন নিয়মার্থান প্রভ্যেকেই একটি নির্দিষ্ট সময়ের দিকে চলছে, এবং এও যে, তোমরা যা কর সে সম্পর্কে আয়ার পূর্ব অবশাত।
- ভারা ভাকে ভা বাজিল (মিধ্যা), এবং এও যে, আব্রাহুই সুক্তিত ও মহন।

  ১), ভূমি কি কেবে দেখনি যে, আব্রাহুর দেখামতে দৌযানগুলো সমুদ্রে চলায়ন করে যাতে ভিনি ভোমাদেককে ভার দিশর্শনাকলী দেখাতে
- পাৰেন্দ নিক্ষম এতে অৰুপাই নিৰ্দৰ্শনাৰ্থনী ব্যৱহে এতোক অতি ধৈৰ্থনীশ ৩ খতাত্ত্ব কৃতত্ত্ব ব্যক্তিত্ব কৰেন। ৩ খতাত্ত্ব কৃতত্ত্ব ব্যক্তিত্ব কৰেন। ৩০ খতাত্ব কুত্ৰ কৰেনে আছুল্ল কৰে হাত্ত্ব কৰেন কৰিব কৰে, আহাবেক ভালতে কুলাকৈ উন্নত্ত আছুল নিৰ্দিষ্ট কৰে, অতঃপাৰ খবল তিনি ভাগেৰেতে ভালতে কুলাকৈ কৰে আছুল নিৰ্দিষ্ট কৰে, অতঃপাৰ খবল তিনি ভাগেৰেতে ভালতে বিশ্বকাৰ্যক্তৰ ক্ৰমক্তমান্ত এতি জ্ঞান আৰু তেওঁ হয়। আৰু ব্যৱহাৰ বিশ্বকাৰ্যক্তৰ ক্ৰমক্তমান্ত এতি জ্ঞান আৰু তেওঁ
- তত। যে মানুধা তোমাবা ভোমাবাৰ প্ৰতিগালকতে ভয় কৰ এগই দিনতে যেদিন দিতা সন্তাবে পাকে হোমা কৰিবলুৱা নিয়ে মা এক স সন্তামত ভাৰ পিতাৰ পাকে ভতিপুৰাবাৰনী হাব নালিকয় আন্তাহক প্ৰতিক্ৰাটি সভা, মুক্তবাং দুনিয়াই জীবন নেনে ভোমাদাবকে কিছুতেই প্ৰতিক্ৰাটি সভা, মুক্তবাং দুনিয়াই জীবন নেনে ভোমাদাবকে কিছুতেই প্ৰতাহিক না কৰে, একং কেই প্ৰভাৱকত (পায়তানত) নেন ভোমাদাবক কিছাকই জাবাচা সপাকেই প্ৰতাহিক না কৰে।

जापार निपर्भरारही जरीतार करत सा

৩৪। নিন্দয় কিয়ামতের আন আহাহ্ধই নিকট রয়েছে, এবং তিনি বৃষ্টি অবজীন করেন, এবং ডিনি জানেন মানুগতে কি আছে। কেট জানে না আগায়ী কল দে কি এর্জন করে। এবং কেট জানে না কোন স্থানে সে মুদ্যাববন্দ করবে। নিন্দয় আহাহে কর্মজানী ও কর্মজা

- وَلَقِنْ سَاَ لَتَهُمْ مَّنْ عَلَقَ السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضَ لَيَقُوْ لُنَّ اللهُۥ قُلِ الْعَمْدُ لِللهِ ، بَلَ احْتَرُهُرْ لاَيَقَلْمُونَ ۞
  - لِيُّهِ مَا فِي السَّمَوٰتِ وَالْآرْضِ، إِنَّ اللَّهَ هُوَ الْغَنِيُّ الْحَمِيْدُ ﴿
- رَكُوْ اَنَّ مَا فِي الْاَرْضِ مِنْ هُجَرَةً ٱقْلَاَّا وَالْبَحُرُ يَمُّدُّ وَسُنَعَفِهٍ سَبْغَةُ اَبْحُرٍ مَّا نَفِٰنَتَ كَلِمْتُ اللَّهِ ، إِنَّ اللَّهَ عَزِيْزٌ حُكِيْرٌ ۞
- مَا مَلْقُکُمْ وَلَا يَعْفُكُمْ إِلَّا كَنَفْسٍ وَّامِدَةٍ إِنَّ اللهَ سَمِيْعٌ يَمِيْرُ ﴿ اَلْمُ ثَرَ أَنَّ اللهُ يُولِيُ الْيْلَىٰ فِي النَّهَا رَفِيْدُ لِـ ُ النَّهَا رَفِي
- اَلَّمْ تَرَاكُ اللهُ يُوْلِيِّ الْيُلْكِي النَّهَا رَفِيُّ لِيُّ النَّهَا رَفِيُ الْيْلِ وَسَخَّرَ الفَّهْسَ وَالْقَمَرَ ، كُلُّ يَّجُرِثُّ إِلَّى اَجَلٍ مَّسَّى وْأَنَّ اللهَ بِمَا تَعْمَلُونَ غَمِيْرْ⊛
- وَآنَّ اللهُّ هُوَ الْعَبِّ الْعَبِيْرُقُ ٱلَمْ تَرَ أَنَّ الْفُلُكَ تَهِيْنَ فِي النِّدِ بِنِعْمَنِ اللهِ لِيُرِيَكُنُ مِّنْ أَنْجِهِ: إِنْ فِيْذُ لِكَ لَالْتِي لَكُلِّ صَّالِمَتُكُورِ ۞
- وَإِذَا غَفَيْمُرْ قُوْعٌ كَا لَظُلَلِ دَعَوُ السَّمُ هُلِمِينَ لَهُ الدِّينَ اللهُ الدِّينَ اللهُ الدِّينَ اللهُ اللَّهِ اللهُ مُثَلِّمَةً اللهُ الل
  - يَّالَهُمَّا النَّاسُ اقْقُوْا رَنَّكُمْرُ وَالْفَقُوا الْوَهَا لِايَجْرِيْ وَالِدَّعْنُ وَالْكِهِ وَلَامُوْ لُوْهُ هُوَجًا إِنَّى أَرَّا الِدِهِ هَيْكًا وَإِنْ وَعَلَّا اللَّهِ عَلَّى فَلَاكُوْرُ لُكُنَّ الْعَيْوُةُ الدُّنِيَّا صَلَّا يَعْزُ لُكُنْ بِاللَّهِ الْفُرُورُ و إِنَّ اللَّهُ عِنْدُمُةً عِلَّمُ الشَّاعَةِ وَلَيْتَوَلِّلُ الْفَيْمَ وَوَتَعْلَمُ مَا فِي

ذُ لِكَ بِأَنَّ اللَّهُ هُوَ الْحَقُّ وَأَنَّ مَا يَدْعُونَ مِنْ دُوْنِهِ الْبَاطِلِ ﴿ فَي اللَّهُ مَا اللّه اللهِ عَلَى اللّهِ مَوْ الْحَقّ وَأَنَّ مَا يَدْعُونَ مِنْ دُوْنِهِ الْبَاطِلِ ﴿ فَاللَّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهُ عَالْمُعَالِمُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَّهُ عَلَى الللّهُ

#### ৩২, সরা আস-সাজদা, মাত্রী ৩০ আয়াত, ৩ বনক

মসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

#### ১। আলিফ-লাম-মীম

- ২। এ কিতাবের অবতারণ রূপৎসমহের প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে. যে ব্যাপারে কোন সন্দেহ নেই।
- ত। তবে কি তারা বলে, 'এটি সে রচনা করেছে;' বরং এটি তোমার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে (আগত) সতা যাতে তমি এমন এক সম্পদায়কে সভর্ক করতে পার যাদের নিকট তোমার পর্বে কোন সভৰ্কনাৰী আসেনি যাতে ভাৰা সমিক পথ পেতে পাৰে।
- ৪। তিনি আল্লাহ্ যিনি আকাশসমূ ও পৃথিবী এবং উভয়ের মাঝে যা কিছু আছে হব দিনের মধ্যে সৃষ্টি করেছেন এরপর তিনি আরশে সমাসীন হম। তাঁকে বাদ দিয়ে তোমাদের জন্য কোন অভিভাবক নেই এবং সপাবিশকাবীও নেই। তবে কি ভোমরা উপদেশ গ্রহণ করবে নাঃ
- তিনি আকাশ থেকে পথিবী পর্যন্ত সকল বিষয় পরিচালনা করেন. এরপর তা একদিনের মধ্যে তাঁর দিকে উভিত হয়- যে দিমের পরিমাণ কোয়াদের পথনায় হাজার বছর
- ৬। তিনিই অদশ্য ও দশ্যের জানী, মহাপ্রতাপশালী ও পরম দয়াগু-
- ৭। যিনি তাঁব সাইর প্রত্যেকটিকে সমিকজপে সৃষ্টি করেছেন এবং কালা মাটি থেকে মানুষ সঙ্কির সচনা করেছেন,
- ৮। এরপর বানিয়েছেন তার বংশ তঙ্গ পানির নির্যাস থেকে.
- ৯। এরপর তিনি তাকে সগঠিত করেছেন এবং তাতে ফঁকে নিয়েছেন তাঁর রহ থেকে এবং ভোমানের জন্য বানিয়েছেন কান, চোথ ও অঞ্চর। ভোমরা সামান্যই কৃতজ্ঞভা প্রকাশ কর।
- ১০। এবং তারা বলে, 'বখন আমরা যমীনে হারিয়ে যাব তখনও কি আমরা নতন সঙ্কীতে পবিগত হবং' বৰং থাবা ভানেৰ প্ৰতিপালকের সাক্ষাতের ধ্যাপারে অবিশ্বাসী:
- ১১। বন, 'তোমানের জন্য নিয়ক মৃত্যুর ফেরেশতা তোমানের মৃত্যু ঘটাবে, ব্লি টুল্লিট্র টুল হবে।

٣٢-سُورُ السَّمْلُ 8-مُكُنَّةُ آيَاتُهَا-٣٠.رُكُوعَاتُهَا-٣ بسرالله الرَّحُمٰنِ الرَّحِيْمِ

تَنْوِيْلُ الْكِتْبِ لَا رَيْبَ فِيْدِ مِنْ رَبِّ الْعُلَمِيْنَ فِي

أَٱ يَقُوْ لُوْنَ إِفْتَوْ بِهُ ءَبَلِ هُوَ إِلْحَقُّ مِنْ رِّبِّكَ لِتُنْدَرَ قَوْمًا مًّا ۖ أَتْهُرْ مَّنْ نَّذِيْرِ مَّنْ قَبْلَكَ لَعَلَّهُرْ يَهْتَدُوْنَ ﴿

اللهُ الَّذِيْ خَلَقَ السَّمُونِ وَالْإَرْضَ وَمَا بَيْنَهُمَا فِي ستَّةَ أَيًّا ٢ تُرَّ اشْتَوٰى كَى الْعَرْفِ مَا لَكُمْ مِّنْ دُوْنِهِ مِنْ وَلِيَّ وْلَا هَفِيْعٍ ، أَفَلَا تَتَذَكَّرُ وُنَ ۞

يُدَبُّوُ الْأَمْوَ مِنَ السَّمَاءِ إِلَى الْأَرْفِ ثُرَّ يَعُرُجُ إِلَيْهِ فِي يَوْمٍ كَانَ مِقْدَا رُوُّ ٱلْفَ سَنَةِ مِمَّا تَعُدُّونَ ٠

ذَ لِكَ عَلِي الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ الْغَبِ يُو البَّحِير } الَّذِيُّ أَحْسَنَ كُلُّ شَيُّ خَلَقَهُ وَبَدَا خَلْقَ الْإِنْسَانِ مِنْ طَيْنِ أَي

ثُرٌ جَعَلَ نَسْلَهُ مِنْ سُللَةِ مِنْ مَّآءِ مَّهِيْنِ قَ تُرَّ سَوِّنهُ وَنَفَخَ فِيْهِ مِنْ رُّوْجِهِ وَجَعَلَ لَكُرُ السَّمْعَ وَالْأَبْصَارَ

وَ الْإِفْتُكَةَ وَلَيْلًامَّا تَشْكُ وْنَ ٠

تُرْجَعُونَ ١

وَقَا لُوٓ إِءَاذَا ضَلَلْنَا فِي الْأَرْضِءَاتًّا لَفي خَلْق جَديْدهُ بَلْ هُرْ بِلُقَاً يُ رَبِّهِمْ كُفُ وْنَ ⊛

breo

- ১১: এক হাদি ভাছি দেখাত। হখন অপবাধীবা ভাদেব প্রতিপালকের সামনে মাথা নত করে বলবে, 'হে আহাদের প্রতিপাশক। আমরা দেখলাম ও প্রবণ করলায় এখন আপনি আয়াদেরকে ফেরত পাঠান আয়রা সংকাচ করব, নিশুর আমরা (এখন) দচ বিশাসী।
- ১৩। আৰু আছি উচ্চা কবলে প্ৰত্যেক ক্তিকে তার পথনিয়েশনা দান अजनां किय स्थाप अप अगब त कथा प्रवश्तित करवा । 'অবশাই অবশাই আমি জীন ও মান্য উভয়ের দারা জাহানাম পর্ণ करता ।
- ১৪। সকরাং শান্তি আস্থাদন কর, কারণ তোমাদের আফকের এই নিনেব সাজ্ঞান্তর কথা সোমবা নতে গিতেছিলে আমিও ভোমানেবকে ভলে গেলাম এবং ভোমৰা যা করতে সে কারণে ভোমরা স্থায়ী শামি আসাদন कर ।
- ১৫। বোৰল ভাৰাই আমাৰ আয়াতসমধ্যে ঈমান আনে যাদেৱকৈ তা ধাৰা देशराज्य (प्रशा काळ प्रियापाट शरफ यात अवर फारमच शकिशासरका প্রশংসাসর পরিরতা ঘোষণা করে এবং তারা অহন্তার করে না।
- ১৯: আক্রম পার্মসমূহ বিদ্যানা গোলে আলাদা হয় (অর্থাৎ মূহ থেকে উঠে) ভারা তাদের প্রতিপালককে ভাকে ভয় ও প্রত্যাশা সম্ভাবে এবং আমি আদালক যে বিধিক দিয়েছি ডা থেকে ভাষা ধয়ে কৰে।
- ১৭: এবং কেউট জানে না তাদের জন্য চক্ষ শীতলকারী কী গোপন করে রাখা হয়েছে, তারা যা করত তার প্রতিদানস্বরূপ।
- ১৮। তাৰ কি যে কাজি ম'মিন সে পাপাচারীর মতঃ তারা সমান নয়।
- VA . अवश् कारा विश्वाद .वासाध १९ त्रश्वाक काराय काराय खालागायाच्या करा রয়েছে জানাতল মাওয়া (আশয়ের উদ্যানসমূহ), তারা যা করত তার विभिन्नरयः
- ২০। আর যারা পাপাচার করেছে তাদের অশ্রেমন্তল হবে আগুন। যথনই তারা তা খোক বেব হতে চাইবে তথন ভাদেরকে ভাতে ফিরিয়ে দেয়া হবে এবং তাদেরকে বলা হবে, 'যে আগুনের শান্তিকে তোমরা মিথ্যা বলতে তা আস্থাদন কর।
- ২১ এবং (জাহান্রামের) বভ শান্তির পূর্বে তাদেরকে আমি অবশাই অবশাই (দনিয়াতে) ছোট শান্তি আত্বাদন করাব, যাতে তারা ফিরে আসতে পারে।
- ২২। এবং খনে তার প্রতিপাদকের আয়াতসমূহ খরা উপদেশ দেয়ার পর তা है। [ أَمْ مَنْ أَطْلَيرُ مِمْنَ ذُكِّرَ بِالْبِ رَبِّهُ كُبُرُ أَعْرَضَ عَنْهَا وَإِنَّا مِنَ الْكَبِّرِ مِنْ نَكْرَ بِالْبِ وَيَبِيَّهُ كُبُرُ وَالْمَاكِمُ وَالْمُعَالِّمِيَّ مِنْ الْطَلِيرُ مِنْ الْطَلِيرُ مِنْ الْكَبِيرِ مِنْ الْكِلِيرِ مِنْ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهُ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْكُوالْمِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْكُوالْمِ عَلَيْهِ عَلَيْكُوا عَلَيْهِ عَلَيْكُوا عَلَيْهِ عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْهِ عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْكِ অপরাধীদেরকে উচিত শান্তিলাতা।

- وَلَوْ تَرِّي إِذِ الْمُجْرِمُونَ نَاكِسُوا رُءُوسِهِ عَنْدَ رَبِّهِ ، وَبَنَّا أَبْصَ ۚ نَا رَسَمِعْنَا فَا رَجِعْنَا نَعْمَلُ مَا لَكًا إِنَّا مُوْقَنُونَ ﴿
- وَلَوْ شَغَّنَا لَإِنَّيْنَا كُلِّ نَفْسِ هُذْمِهَا وَلَكَنْ حَتَّ الْقَوْلُ مِنَّى لاَمْلَتُنَّ جَهَنْرَ مِنَ إَلْمِنَّةً وَ النَّاسِ آجْمَعْيْنَ ﴿
- فَذُوْقُوا بِمَا نَسِيْتُمْ لِقَاءَ يَوْمِكُمْ هٰذَا؛ إِنَّا نَسَنْكُمْ وَدُوْقُوْا عَذَالَ الْعُلْد بِمَا كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ @
- انَّمَا يُؤْمنُ بِايْتِنَا الَّذِيْنَ اذَاذُكُّرُواْ بِهَا خَرُّواْ سُجَّدًا وَّسُبَّحُواْ بحَبْد رَبِّهِرْ وَهُرْ لَايَسْتَكْبِرُونَ ﴿
- تَتَجَافَى جُنُو بُهُرْ عَنِ الْمَفَاجِعِ يَدْعُونَ رَبَّهُرْ خَوْفًا وَّطَهَّاء وُمِمَّا رَ أَقْنَهُمْ يُنْفِقُونَ ﴾
- فَلَا تَعْلَرُ نَفْسٌ مَّا ٱلْمُفِي لَهُرْ مِّنْ قُوَّة آغَيُنٍ ، هَزَاءٌ بِمَا كَانُوْا نَعْمَلُوْنَ ﴿
- أَفَمَنْ كَانَ مُؤْمِنًا كَمَنْ كَانَ فَاسَقًا ا ۚ لَا يَسْتَوِّنَ ﴿ أمًّا الَّذِينَ أَمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلَحْتِ فَلَهُمْ جَنَّتُ الْمَأْوَى؛
- نُزُلَّاهِمَا كَانُوْا يَعْمَلُوْنَ ۞ وَأَمَّا الَّذِيْنَ فَسَقُوا فَمَا وُلهُرُ النَّا رُءُكُلُّمَاۤ ٱرَادُوٓۤۤ ٱنْ يَّخْهُ جُوْا منْهَا ٓ أُعَيْدُوا فِيْهَا وَقَيْلَ لَهُرْ دُوقُواْ عَذَابَ النَّارِ الَّذِي كُنْتُرْ بِهِ تُكَذِّبُونَ ۞
- وَلَنُدْيُقَنَّهُ رُمِّنَ الْعَذَابِ الْآذَنٰي دُوْنَ الْعَذَابِ الْآكُبَ لَعَلَّهُمْ يَحْجُونَ هِ
- الْمُجُ مِيْنَ مُنْتَقَمُوْنَ ﴿

অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আল্লাহর নামে

- হে নবী: আল্লাহতে তর কর এবং কাথির ও মুনাফিকদের আনুগত্য করে।
   না। নিশ্বর আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজাবাদ-
- ২। এবং তোমার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে তোমার প্রতি যে বহী করা হয় তা অনুসরণ কর। নিচয় আল্লাহ তোমরা বা কর সে সম্পর্কে পূর্ব অবগত-
- ৩। এবং ভরসা কর আল্লাহ্র উপর। আর ভল্লাবধারক হিসেবে আল্লাহ্ই
   বংগট।
- ৪। আরাহে কোন মানুহের জন্য তার অভাতরে দুটি ফুলয় বানাননি, এবং জোমাদের জীলেরকে - মাদের সাথে ভোমরা বিহার কর - জোমাদের মাতা বানাননি এবং তোমাদের পালক পুরালেককে তিনি তোমাদের পুর বানাননি। একলো তোমাদের মুখ্যের কথা। আর আরাহে সত্য কথা কলেন এবং তিনি (সঠিক) পথ প্রকর্ণন করেন।
- থ। ভোমরা ভালেরকে ভালের শিকাদের নামে ভাক, এটি আরাহের কাছে অবিক নায়সংগত, আর বাদি তোমরা ভালের শিকাদেরক না জান, তার এরার তোমালার জীলের সামার্কের জার একং তোমালাক বছু, একং এ ব্যাপারে তোমরা কোন প্রদা করে ফোলে তোমালের কোন অপরাধ নেই, কিছু তোমাদের ফুলকান্ত্রহ সাই ইম্প্রকৃতভারে বারে ভালের অপরাধ বারে। আর আয়ার অতি অমান্দিন ও করন মন্ত্রাত।
- ও নবী মু'মিনদের কাছে তাদের নিজেদের চেয়ে নিকটকর এবং তার প্রীরা তাদের মা। এবং আত্মাহর বিধানে রক্ত সম্পরীক আত্মীররা (অন্যান) মু'মিন ও মুহাজিবনের চেরে (মীরানে অংশীনারিক্টের ক্ষেত্রে) পরশার নিকটকর। তারে ভোমরা ভোমাদের বন্ধু-বাছরের প্রতি আনুষ্ণার্ ধদর্শন করাতে পার। তা কিতাবে লিপিবছ আছে।
- ৭। এবং হখন আমি নবীদের কাছ থেকে তাদের অস্ত্রীকরে গ্রহণ করেছিলাম এবং তোমার কাছ থেকে এবং নূহ, ইবরাহীয়, মূলা ও মাকইয়াম-পুর ইলার কাছ থেকে এবং তাদের কাছ থেকে আমি গ্রহণ করেছিলাম এক মত অস্ত্রীকরে;
- চ। যাতে তিনি সভ্যবাদীদেরতে জিল্লাসা করতে পারেন তাদের সভ্যবাদীতা সম্পর্কে, আর তিনি কাঞ্চিরদের জন্য প্রকৃত করেছেন মহুণাদারক শাজি।

يًّا يُّهَا النَّبِيُّ اتَّقِ اللَّهَ وَلَا تُطِعِ الْكُفِرِينَ وَالْمُنْفِقِينَ، وإنَّ اللَّهَ كَانَ عَلَمُنَّا مَكَنَّمًا أَنْ

وَّاتَّبِعْ مَا يُوْمَّى إِلَيْكَ مِنْ رَبِّكَ وإِنَّ اللَّهَ كَانَ بِمَا تَعْمَلُوْنَ ۚ مِّا لَعْمَلُوْنَ

وْ تَوَكَّلْ عَلَى اللهِ وَكَفْى بِاللهِ وَكِيْلًا ۞

مَاجَعَلَ اللهُ لِرَجُلِ مِنْ قَلْبَضِي فَي هُوْ فِهِ وَمِا جَعَلَ أَنْ وَاحْكُمُ أَلَّمِنَ لُطُهِورُونَ مِنْهُمَّ أَهُ هُجِعُرُ وَمِنَا جَعَلَ أَنْ عِلَا مُكِلِّ إِنْكُمْ الْمِنْكِيرُ وَلَا يَعْلَى اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَى يَعْدُلُ النِّقَ رَحْهَ يَهْدِي الضِّيلُ وَالنَّاسِيلُ وَاللهِ عَلَيْهِ اللهِ النَّمِيلُ وَاللهِ عَلَيْهِ الله

أَنْعُوْهُمْ لِلْبَآلِهِمْ هُوَ أَقَسَاعِيْدُ اللهِ ، قَانِ لَّى تَعْلَمُواْ إِنَّامُو لِيَعْوَ أَنْجُرِي اللِّذِينِ وَمَوَالِيَّحُرُ وَلَيْسَ عَلَيْكُرْ جَمَانًا فِيهَا أَغْطَالُورٍ بِهِ، وَلَكِيمًا تَعْمُدُنُ قُلُوْبُكُمْ وَوَكَانَ الشَّغَفُورُ أَرْحِيْهًا وَلَيْجِياً اللَّهِ اللَّهِ وَلَكِيمًا تَعْمُدُنُ قُلُوْبُكُمْ وَوَكَانَ

آلليني آوَلَ بِالْمُؤْوِنِيْنَ مِنْ اَلْفُسِوِرْ وَآلَوَاهِمُّ أَمُّوْمُوْرُ وَآوَلُورَا الْآرَمَا } يَعْضُمُ أَثَلَ بِمَعْفِي فِي كِتْبِ الشَّوِيَ الْمُؤْوِنِيْنَ وَالْمُعْجِدِيْنَ إِلَّانَ فَتَعَلَّوْ إِلِّنَّ آوَلِيَّكُمْ مُعْوُوْدًا، كَانَ ذَلْقَ فِي الْكُنْبِهُمُّوْرًاً ﴾ كَانَ ذَلْقَ فِي الْكُنْبِهُمُّوْرًاً ﴾

وَإِذْ أَغَدُنَا مِنَ النَّبِيِّنَ مِيْفَاقَهُرْ وَمِثْكَ وَمِنْ تُوحٍ وَّ اِبْرُهِيْرَ وَمُوْسُ وَعِيْسَ الْنِيمَرِيَّرَ ۖ وَآخَذُنَا مِثْهُرٌ مِّيْفَاقًا غَلِيْظًا هُ

لِيَشْئَلَ السَّدِقِيْنَ عَنْ مِدْقِهِرْ ، وَأَعَدَّ لِلْحُفِرِيْنَ عَذَابًا لَهَا الْيُعَاقُ

- ৯। এহে যারা ইমান এনেং: তোমরা তোমানের উপর আন্তাহ্ব নেয়ামত জবগ কর যথন বাহিনীসমূহ তোমানের বিঞ্চন্তে এনেছিল এবং আমি তাদের বিঞ্চন্ত প্রেগুণ করেছিলার এক বাতাশ এবং এমন বাহিনী বা তোমরা দেখনি। আর তোমরা যা কর সে সম্পর্কে আন্তাহ পূর্ব দৃষ্টিবান।
- সেথানে মু'মিনদেরকে পরীক্ষা করা হয়েছিল এবং তাদেরকে ভীষণভাবে প্রকশিত করা হয়েছিল।
- ১২। এবং যথন মুনাফিকরা ও যাদের ফ্রনয়ে ব্যাধি ছিল তারা বলছিল, 'আল্লাহ্ ও তাঁর রাসূল আমাদেরকে কোন প্রতিশ্রুতিই দেয়নি-প্রতারণা ছাড়াঁ .'
- ১০। এবং যথম তাদের মধ্যে একদল (মুনাফিকরা) বলেছিল, 'হে ইয়াছবিধবাসী। তোমাদের জনা কেল স্কুলা নেই, সুকরাং তোমরা ফিয়ে যাও', এবং তাদের মধ্যে একদল নবীর নিবটা (অব্যাহিত্য) অনুমতি সেমে যাকাজিল, 'নিশ্চতা আমাদের খবনমূহ অরুকিভ', অখত দেবলো অরক্ষিত ছিল না, তারা বেবলা পলারন করতে চেয়েছিল।
- ১৪: আর যদি তার চতুর্লিক থেকে তালের বিরুদ্ধে (শব্রুদের) প্রবেশ ঘটত, এরপর তালেরকে ফিকনার জন্য (বিদ্রোহের জন্য) চাওয়া হত, তবে তারা অবশ্যই তা করত, এবং তারা এতে সামানাই অপেক্ষা করত।
- ১৫। এবং এরা ইতঃপূর্বে অবশ্যই আল্লাহর সাথে প্রতিশ্রুতিবন্ধ হয়েছিল যে, তারা পূর্ত প্রদর্শন (প্রায়ন) করবে না। আর আল্লাহর (সাথে কৃত) প্রতিশ্রুতি সম্বন্ধ ক্রিক্সাসা করা হবে।
- ১৬। বদ, 'বদি তোমরা মৃত্যু অথবা হত্যা থেকে প্লায়ন কর তবে প্লায়ন তোমাদের কিছুতেই উপকারে আসবে না, এবং তথন তোমাদেরকে সামান্যই জীব্দোপ্ডোপ করতে দেয়া হবে।'
- ১৭। বল, 'এমন কে আছে, যে তোমানেরকে আন্তান্থ থেকে রক্ষা করবে যদি ভিনি তোমাদের অমঙ্গল করতে চান অথবা (বাধা দিবে) যদি ভিনি দল্লা করতে চানদ এবং ভারা ভালের (নিজেদের) জন্ম আন্তার্হক বাদ দিয়ে কোন অভিনিত্তকৈ পাবে না এবং কোন সাহার্যনারবীর না।
- ১৮ আল্লাহ অবশ্যই ভানেন তোমাদের মধ্যকার বাধাদানকারীদেরকে এবং যারা ভানের ভাইদেরকে বলে, 'আমাদের দিকে আস,' এবং ভারা সামানাই যতে অংশ নেয়-
- ১৯। তেমানের বাাপারে দালসাবশাতঃ, অন্তঃপর যথন ভয়-জীতি আসে তথন ভূমি আনেরকে পেবের, তারা মুক্তান্তর মৃতি ব্যক্তির হত চোচ উপ্তেই ভোমার বিশ্ব তার্বান্তর কুল কর্মন ক্রমন কর্মন ক্রমন কর্মন কর্মন কর্মন কর্মন কর্মন ক্রমন ক্রমন কর্মন ক্রমন ক্য

- يَّايَّهَا الَّذِينَ أَمَنُوا أَذْكُرُواْ نِعْمَةَ اللهِّ عَلَيْكُو إِنَّهَا َ أَثَّوَ الْخَاتَّدُولُ جُنُودٌ فَا رَسَلْنَا عَلَيْهِرَ رِيْكًا وَجُنُودًا لَّيْرَ تَوْوَهُا وَكَانَ اللهُ بِمَا تَعْمُلُونَ يَضِرُّانَ إِنَّا تَعْمُلُونَ يَضِرُّانَ
- إِلْجَمَّاءُوكُمْ مِّنَ فَوْقَكُمْ وَمِنَ أَشْفَلَ مِنْكُمْ وَ إِذْ زَاغَبِ الْاَبْمَا رُ وَبَلَغَبِ الْقُلُوبُ الْحَنَاجِ وَتَطُثُّونَ بِاللهِ الظَّنْوَنَاقِ
- اللهُ رَسُوْلُهُ إِلاَّ عُرُورًا © وَإِذْ قَالَتُ قَالَفَةٌ عَنْهُمْ لِلَّمْ لَيَنْ لِي لَهُمَّا اَ لَكُمْ فَا رَجِعُوا ، وَيَشْعَلُونُهُ فِي فَيْ صَنْهُمُ النِّيْ لَيْفُولُونَ إِنَّا بَيُورَتُنَا عَوْرَقَّا رَفَّا هَى بَعْوَ رَقَّا أَنْ يَلِّو يَنْهُونَ اللَّهِ فَيْ الْأَوْلِ إِنَّا أَيْبُولُونَ إِنَّا أَيْبُولُتُنَا عَوْرَقًا وَمَّا
- وَلَوْ دُهِلَتْ عَلَيْهِمْ مِّنْ اَقْطَارِهَا ثُبِّ سُعِلُوا الْفِتْنَةَ لَالْتُوهَا وَمَا تَلَبَّعُوا بِهَا إِلَّا يَسِيْرًا وَلَقَدُ كَانَمُ عَلَمُوا اللّهَ مِنْ قَبْلُ لَا يُوبَّلُونَ الْآَدْبَارَ وَكَانَ
- رساط المنظمة الله والمنظمة المنظمة المنظمة الله والمنظمة الله والمنظمة المنظمة المنظم
- وَاذَا الْأَنْ تُعَثَّوْنَ الْأَقْلِيَّاكُ(هِ قُلُ مَنْ ذَا الَّذِي يَغْصِمُكُرْ مِّنَ اللهِ إِنْ آزَادَيكُرْ سُوَّاً [وَأَزَادَ بِكُرْ رَحَمَّةً، وَلَا يَجِدُونَ لَهُرْ مِِّنْ دُوْنِ اللهِ وَلِيًّا وَّلَا يَرْ مُنْ
  - قَلْ يَعْلَرُ اللهُ الْمُعْوَقِيْنَ مِنْكُنْ وَالْقَالِلِيْنَ لِإِغْوَ انِهِرْ هَلُرْ إِلَيْنَاءَ وَلَا يَأْتُونَ الْبَالْسَ إِلَّا قَلِيلًا ﴾ أُمَنِّاءَ وَلَا يَأْتُونَ الْبَالْسَ إِلَّا قَلِيلًا ﴾
  - أَهُدُّةُ عَلَيْكُمْ ثُمُّ لَذَا لِمَّاءُ الْعَوْفُ رَايَّعَهُمْ يَمْظُرُونَ الْلِكَ نَذُوْرُ آغَيْنُهُمْ كَا لَّذِينَ يُغْفَى عَلَيْمِينَ الْمُوتِ ، فَاذَا ذَمَّتِ الْعُوْفُ سَلَقُوْكُمْ بِالْسَنَةِ حِدَادٍ لَهُدُّقِّ فَي الْعَيْرِ، أُولِّئِكُ لَمْ يُمُهِنَّ اقَاحْمًا اللهُ آغَيالُهُمْ . وَكَانَ ذَلِكُوا إِنَّ اللّهِ اللّهُ آغَيْدُ الْوَلِيْكُ لَمْ

- ১০। তারা মনে করে দলসময়<sup>®</sup> চলে যাহনি, এবং বলি দলসমহ (আবার) يَحْسَبُونَ الْأَهْزَابَ لَيرْ يَذْهَبُواء وَانْ يَّأْتِ الْآهْزَابُ এসে পড়ে তাহলে তারা কামনা করবে যে, যদি তারা মরুচমিতে يَودُوا لَوْ أَنَّهِمْ بَادُونَ فِي الْأَعْرَابِ يَشَا لُونَ عَنْ أَنْجَالَكُمْ . ﴿ اللَّهِ عَلَمُ المَّاسَمَ عَرَا اللَّهُ اللَّهِ عَلَى اللَّهُ اللَّهِ عَلَى اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللّلْ اللَّهُ اللَّاللَّهُ اللَّهُ اللَّ হমি আবা নোমানের আধা থাকত তবে তাবা সামানাই যদ্ধ করত।
- ১১। যাবা আবাহ ও আথিবাতের দিনের আশা করে এবং আবাহকে বেশি বেশি শ্বরণ করে তাদের জন্য আল্লাহর রাসুলের মধ্যে তোমাদের জন্য अवशारे केवर जावर्ष वातात्र<sup>\*</sup>।
- ২২। এবং যখন মু'মিনরা দলসমূহকে দেখল তখন তারা বলল, 'এ তৌ তা-ই যা আলাহ ও তাঁর রাসল আমাদেরকে প্রতিশতি নিরেছিলন এবং আলাচ ও ভাঁব বাসল সভা বলেডিসেন।' এবং তা কেবল তাদের ইমান ও আনুগত্যই বন্ধি কবল।
- এক। ম'মিনামৰ মাধ্য কিছ বাজি বায়তে যাবা আবাহৰ সাথে তাদের কত অঞ্চীকার সতো পরিণত করেছে, এবং তাদের কেউ জীবনকাল পর্ব ক্রারাম (অর্থাৎ শাহাদার বরণ করেছে) এবং কেই প্রতীক্ষা করছে। এবং जाता (काम शरितर्यंत कारामि (जाएस अभिवात)-
- ১৪। খাতে আলার সভাবাদীদেরকে তাদের সভাবাদিতার জন্য প্রতিদান দিতে পারেন এবং মনাফিকদেরকে শান্তি দিতে পারেন - যদি তিনি ইক্ষা করেন - এথবা তাদের তওবা কবল করতে পারেম। নিশ্য আধাত অতি ক্ষমানীল ও প্রম দ্যাল
- ১৫। আৰু যাবা ওফৰী কৰেছে ভাদেৱকে আল্লাহ ভাদের জেনখনহ ফিবিরে মিক্স সারা কোম জলাগ লাভ কবেনি। এবং যতে ম'মিলনের জন্য আলাচট যথেট। এবং আলাহ মহাশক্তিধন ও মহাপ্রতাপশালী
- ১৯১ এক ভারতে ভিসাবের মধ্যে হারা ভালেনাক সাহান্য করেছিল তাদেরকে তিনি তাদের দর্গ থেকে নামিয়ে আন্দেন একং তাদের surrants নীতি সঞ্জাব কবলেন ফলে ভোমৱা ভাদের একদলকে হত্যা করত এবং একদলকে বন্দী করত ১৭। এবং তিনি তোমানেরকে উত্তরাধিকারী করলেন তাদের যমীন (ভমি),
- হাতে তোমরা এখনও পদার্পণ করনি<sup>®</sup>। এবং আগ্রাহ সব কিছুর উপর <u>ও</u> সর্বশক্ষিয়ান। ১৮। হে নবী। ভমি ভোমার গ্রীদেরকে বল, 'ভোমরা যদি দনিয়ার জীবন ও
- ভার চাক্টিক্য চাও তবে আস, আমি তোমাদেরকে (তালাক পরবর্তী) ভোগ্য-সামগ্রী দেই এবং তোমাদেরকে সুন্দরভাবে মজি দেই<sup>\*</sup>।
- ১৯. আৰু যদি ভোমৰা আহাত, ভাঁৱ বাসল ও অধিবাৰের আবাস চাও, তবে নিক্য আগ্রাই তোমাদের মধ্যে সংকর্মপরায়ণদের জন্য মহা প্রতিদান প্রক্রত করেছেন।"
- ৩০। হে নবীর প্রীরাঃ তোমাদের মধ্যে যে স্পট্ট অস্ত্রীলতায় লিঙ হবে ভাকে ছিলৰ শান্তি দেয়া হৰে। এবং এটা আল্লাহৰ জনা সহজ।

- وَلَوْ كَانُوا فِيكُمْ مَّاقْتَلُوۤ إِلَّا قَلْيُلَّاهُ لَقَدْ كَانَ لَكُرْ فِي رَسُوْ لِ اللهِ أَسْوَةٌ حَسَنَةٌ لَّمَنْ كَانَ يَبْجُوا اللهُ وَالْيَوْ } الْأَخِ وَذَكَ اللهُ كَثِيُّ اللهُ
- وَلَمَّا رَآ الْمُؤْمِنُونَ الْآهَزَابَ قَا لُوْا هٰذَامَا وَعَدَنَا اللهُ وَ رَسُوْ لُهُ وَصَدَقَ اللهُ وَرَسُوْ لُهُ وَصَا زَادَهُ رُ الْآ إِيْمَانًا
- مِنَ الْمُؤْمِنِينَ رِجَالٌ مَدَقُوْا مَا عَاهَدُوا اللهَ عَلَيْهِ ۚ فَمِنْهُ ۚ مِّنْ قَفْي نَهْبَهُ وَمِنْهُر مَنْ يَنْتَظِ اللهِ وَمَا بَدَّ لُوْ ا تَبْدِيْلًا فَ
- لَّيَجُزِيَ اللهُ الصَّدقينَ بِمِدْقِمْ وَيُعَذِّبَ الْمُنْفِقِينَ إِنْ شَآءَ أَوْ يَتُوْبَ عَلَيْهِرْ ﴿ إِنَّ اللَّهَ كَانَ غَفُوْ رَا رَّحِيْمًا ﴿ وَرَدَّ اللهُ الَّذِيْنَ كَفَوُوْا بِغَيْظِهِرْ لَرْ يَنَا لُوْا خَيْرًا وَكَغَى اللهُ الْمُؤْمِنِيْنَ الْقِتَالَ ، وَكَانَ اللَّهُ قُويًّا عَزِيْزًا ﴿
- وَآثَةَ لَ الَّذِيْنَ ظَاهَرُ وَهُرْ مِّنْ آهُلِ الْكِتْبِ مِنْ صَيَاحِيْهِرْ وَقَذَىَ فِي قُلُوبِهِرُ إلرُّعْبَ فَوِيْقًا تَقْتُلُونَ وَتَأْسِرُونَ
- होंहेर्रोटेर्ट्र हेर्नुकेर्ट्स एक कालब सन-जनातन बरह बन्न वर्जीतन के जिसेर्ट्स काराज्य प्रतिकेर्द्ध क अवस्थान व وَكَانَ اللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْءً قَدِيًّا ﴿ يَّأَيُّهَا النَّبِيُّ قُلْ لِّإِزْوَاجِكَ إِنْ كُنْتُنَّ تُودْنَ الْعَيْوةَ الدُّنْيَا
  - وَزِيْنَتَهَا فَتَعَا لَيْنَ أُمَتَّعْكُنَّ وَ أُسَرَّحُكُنَّ سَوَاحًا جَمِيْلًا ﴿
  - وَانْ كُنْتُنَّ تُودْنَ اللَّهَ وَرَسُوْ لَهُ وَا لدَّا رَ الْأَخِوَةَ فَانَّ اللَّهَ أَعَدَّ للْمُهُسنَّتِ مِنْكُنَّ أَجُرًّا عَظَيْمًا @ ينساءَ النَّبيُّ مَن يَّأْتِ مِنْكُنَّ بِفَاحِهَةٍ مُّبَيِّنَةً يُّفْعَفُ لَهَا

لْعَذَابُ صَعْفَيْن وَكَانَ ذَ لِكَ عَلَى اللهِ يَسَيُّ إِ

#### পারা-২২

- ৩১। এবং তোমাদের মধ্যে যে আল্লাহ ও তাঁর রাস্থলের প্রতি অনুগত হবে ও সংকাজ করবে তাকে আমি দ'বার প্রতিদান দেব এবং তার জনা আমি প্রস্তাত করেছি সম্মানজনক বিধিক।
- ৩২। হে নবীর প্রীরা। তোমরা যে কোন নারীর মত নও, খনি ভোমরা (আল্লাহকে) ভর কর, তবে (পর-পুরুষের সাথে) কোমল কর্চে কথা বলো না. পাছে যার ফলরে ব্যাধি আছে সে প্রদন্ত হয় এবং ভোমরা যথায়থ কথা বলবে।
- ৩৩। এবং তোমরা তোমাদের মরসমূহে অবস্থান কর এবং পর্ববর্তী জাহিলী (অজ) যগের প্রদর্শনের মত তোমাদেরতে প্রদর্শন করো না এবং তোমরা সালাভ (নামার) কায়েম কর ও যাকাত প্রদান কর এবং আল্লাহ ও তাঁর রাস্পার আনুগত্য কর। হে (নবীর) পরিবার। আল্রাহ কেবল তোমাদের থেকে অপবিত্রতা দর করতে এবং তোমাদেরকে সম্পর্ণরূপে পবিত্র করতে চান।
- পাঠ করা হয় তা শ্বরণ রেখো। নিশ্চয় আবাহ বাতি সম্ভাদর্শী ও সকল বিষয়ে অবগ্রস
  - ৩৫। নিশ্বয় মসলিম পরুষ ও মসলিম নারী, মামিন পরুষ ও মামিল নারী, অনুগত পুরুষ ও অনুগত নারী, সত্যবাদী পুরুষ ও সত্যবাদী নারী, ধৈৰ্যশীল পুৰুষ ও ধৈৰ্যশীল নাৱী, বিনীত পুৰুষ ও বিনীত নাৱী, দানশীল भरूब e मामशैन मादी. खाया भागमकारी भरूब e दांचा भागमकारी নারী, লক্ষ্যাস্থান হেফাজতকারী প্রকৃষ ও নারী এবং আহাহকে অধিক স্বরণকারী পুরুষ ও নারী- এনের জন্য আল্লাহ্ প্রস্তুত করেছেন ক্ষমা ও মুহাপ্রতিদান।
  - ৩৬। এবং কোন ম'মিন পরুষ ও ম'মিন নারীর জনা এটি (সঙ্গত) নয় যে. যথন আলাত ও জাঁব বাসল বোন বিহামে সিভাল মেন লখন লাদেব (নিজেদের) বিষয়ে পছলের অবকাশ থাকরে এবং যে আল্লাহ ও তাঁর রাসপ্রকে অমান্য করবে সে অবশাই সম্পট্টভাবে পথভাই হবে।
  - ৩৭। খার মধন আল্লাহ যার উপর নেয়ামত দান করেছেন এবং ভঞিও যার উপর নেয়ামত দান করেছ তাকে তমি বলেচিলে 'তমি ভোমার স্থীকে তোমার কাছে রেখে দাও এবং আরাহকে ভয় কর', আর ভমি তোমার নিজের মধ্যে যা গোপন করত আলার তা প্রকাশকারী, এবং ভমি দোকরনারে ভয় ব্রবছিলে অথা আলারট অধিক চ্রালার যে স্বতি তাকে ভয় করবে। অভঃপর যায়িদ হখন তার থেকে প্রয়োজন শেহ করদ (অর্থাৎ তালাক নিল)<sup>\*</sup> তখন আমি তার সাথে তোমাকে বিয়ে নিলায় বেন মু'মিনদের জন্য কোন অসুবিধা না থাকে তালের পালকপ্রাদের ষ্ট্রীদের (বিয়ে করার) ক্ষেত্রে- যথন তারা ভালের থেকে প্রয়োক্তন শেষ কৰে। এবং আলাহৰ নিৰ্দেশ কাৰ্যকৰ হাৰেই খাৰে
- ৩৮। আবাত নবীৰ জন্য যা বিধিসন্থত করেছেন তা করতে তার জন্য কোন দোষ নেই। পর্বে থাবা (যেসব নবী) গত হয়েছে ভানেব ক্ষেত্রে (এটিই ছিল) আল্লাহর সুনুত (শীতি)। এবং আল্লাহর নির্দেশ একটি নির্বাতিত निर्धातल-

- وَمَنْ يَتْغُنُتُ مِنْكُنَّ لِلهِ وَ رَسُوْ لِهِ وَ تَعْمَلُ مَا لِحًا تُؤْتِهَا ٱجْرَهَا مَوْ تَيْن ، وَ أَعْتَدُنَا لَهَا رِزْقًا كَوِيْمًا @
- يِنساءَ النَّبِيِّ لَسُتُنَّ كَأَحَدُمْنَ النَّسَاء إن إتَّقَيْتُنَّ فَلَاتَخْفَعْنَ بِالْقَوْلِ فَيَطْمَعَ الَّذِي فِي قَلْبِهِ مَرَضٌ وَّ قُلُنَ قَوْلًا مَّعْرُوفًا ﴿
- وَ قَوْنَ فِي بُيُوْ تَكُنَّ وَ لَا تَبَرُّ جْنَ تَبَرُّجَ الْجَاهليَّةِ الْأُولِي وَ أَقَمْنَ ا لصَّلُوةَ وَ أَتَيْنَ ا لِزَّكُوةَ وَ أَطَعْنَ اللَّهَ وَ رَسُوْ لَفَّ انَّمَا يُويْدُ اللَّهُ ليُذْهِبَ عَنْكُرُ الرِّجْسَ آهْلَ الْبَيْبِ وَيُطَهِّرَكُرْ تَطْهِيْرًا ﴿
- وَ إِذْكُونَ مَا يُتَلَى فِي بُيُونَكُنَّ مِنْ أَيْتِ اللَّهِ وَ الْحَكَمَةِ ، أَنَّ اللَّهِ وَ الْحَدَاقِ اللَّهِ وَ الْحَدَاقِ اللَّهِ وَ الْحَدَاقِ اللَّهِ وَ اللَّهِ وَاللَّهِ وَاللَّهُ وَلَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقِ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللّلَّالِيلَّالِيلَّالِيلُولُواللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللّ كَانَ لَطِيْفًا خَبِيًّا أَهُ
  - انَّ الْمُسْلِمِيْرَ، وَ الْمُسْلَمْ وَ الْمُؤْمِنِيْنَ وَ الْمُؤْمِنْ وَ الْمُؤْمِنْ وَ الْقُنتِيْنَ وَ الْقُنتُ وَ الصَّدقَيْنَ وَ الصَّدفُ وَ الصَّبِ بْنَ وَ الصَّبِ السَّبِ الْعَلْمُعَيْنَ وَ الْعَلْمُعْتِ وَ الْمُتَصَدِّقَيْنَ وَ الْمُتَصَدِّقْتِ وَ الصَّائْمِيْنَ وَ الصَّمُّمٰ وَ الْحُفظيْنَ فُرُوْجَهُمْ وَ الْحُفظُ وَ اللَّكِ بْنَ اللَّهُ كَثِيرًا وَّ الذَّكُونِ وَ أَعَدُّ اللهُ لَهُرُ مَّغْفُوةً وَّ أَجْرًا عَظَيْمًا ﴿
  - وَمَا كَانَ لِمُؤْمِنِ وَ لَامُؤْمِنَةِ إِذَا قَضَى اللهُ وَ رَسُو لُهُ آمُرًا أَنْ يَّكُوْنَ لَهُرُ الْحَيَرَةُ مِنْ آمُ هِرْ ﴿ وَمَنْ يَعْصِ اللَّهَ وَ رَسُوْ لَهَ فَقَدْ فَا ، فَللَّا مُّبِيْنًا ﴾
  - وَاذْ تَقُولُ لِلَّذِيُّ آثْعَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَ ٱثْعَمْتَ عَلَيْهِ آمُسكُ عَلَيْكَ زَوْجَكَ وَ إِنَّتِي اللَّهُ وَ تُخْفَى فِي نَفْسِكَ مَا اللَّهُ مُبْدِيْهِ وَ تَخْشَى النَّاسَ ، وَ اللَّهُ أَحَقُّ أَنْ تَخْشُهُ ﴿ فَلَمَّا قَفْى ﴿ يَدُّ مَّنْهَا وَطَرًا زَوَّجْنَكُهَا لِكَيْ لَا يَكُونَ عَلَى الْمُؤْمِنِيْنَ حَرَّجٌ فِي ٓ أَزْوَاجِ أَدْعَيَّا نَهِرُ إِذَا قَفُوا مِنْهُنَّ وَطَرًّا ، وَكَانَ أَمْرُ اللهِ مَفْعُولًا ﴿
  - مًا كَانَ عَلَى النَّبِيِّ مِنْ حَرَّج فَيْمًا فَرَضَ اللَّهُ لَمَّ، سُنَّةَ اللَّه في الَّذِيْنَ عَلَوْا مِنْ قَبْلُ وَكَانَ آمْرُ اللَّهِ قَدَرًا مَّقْدُورَا ۗ ﴿

WINDSTER SHITZER

- ৩৯। যারা আন্নাহর রিনালাত (পয়পাম) পৌছে দেয় ও তাঁকে ভয় করে, এবং অল্লাহ ছায়্য় কাউকে ভয় করে না। আর হিসাব এইপকারী হিসেবে আন্নাহই য়থয়।
- षाप्रावर संपती

  80 प्रस्थाम कुम्यापन प्रश्त नाटा विश्व । व. २३ (८)

  80 प्रस्थाम कुम्यापन प्रश्त नाटा विश्व । व. २३ (८)

  बाहाद तामन कार नीटान एक। पांच वाहाद मन्न विश्व नावा
- ৪১। ওহে যারা ঈমান এনেছ। ভৌমরা আল্লাহকে বেশি বেশি স্বরণ কর-
- ৪১: এবং সকালে ও সন্ধায় তবি পরিত্রতা ঘোষণা কব।
- ৪০) তিনিই তোমাদের প্রতি অনুমাহ করেন এবং তার ফেরেশতারাও (তোমাদের জল্য অনুমাহ প্রার্থনা করে), খাতে তিনি তোমাদেরকে অফকার থেকে আলোতে বের করে আনতে পারেন। এবং তিনি ই'মিনানের তি পরম সহাল্য।
- ৪৪। যেদিন তারা তাঁর (আল্লাহ্র) সাথে সাকাৎ করবে সেদিন তাদের (প্রতি) অভিবাদন হবে 'সালাম', এবং তিনি তাদের জন্য প্রভুত করেছেন সম্মানজনক প্রতিবাদ।
- ৪৫। হে নবী: শিষ্ট্য আমি তোমাকে প্রেরণ করেছি সান্ধী, সুসংবাদদাতা ও সতর্ককারী হিসাবে-
- ৪৬। এবং তাঁর ইঙ্গায় আল্লাহ্র দিকে আহ্বাদকারী এবং দীগ্রিমান প্রদীগ হিসাবে।
- ৪৭। এবং তুমি মু'মিনদেরকে সুসংবাদ দাও যে, তাদের জন্য রয়েছে আল্লাহর পক্ষ থেকে মহা অনুগ্রহ।
- ৪৮। এবং তৃমি কাফির ও মুনাফিকদের আনুগতা করো না, এবং তাদের (নেয়া) কউকে উপেক্ষা কর এবং ভরদা কর আল্লাহর উপর। আর তত্তবধায়ক হিসেবে আল্লাহই যথেষ্ট।
- 8৯। ৫৫ খারা ঈমান এনেছ: তেমবা যখন মুমিন নারীদেরকে বিয়ে কর, একার তাদেরকে শর্প করার ধূর্বে তাদেরকে ভাগান্ত দাও তথন তেমাদের জন্য তাদের উপর (পালনীয়) কোন ইক্ষত বেই যা তোমবা গাল্যান করবে। অত্যাপ্য তোমবা তাদেরকে কিন্তু (জলাক পরবর্তী) জেগা-সাম্মনী দাও এবং ভাদেরকে কুপরভাবে মূর্তি দাও।

الْدِيْنَ يُبَلِّغُونَ رِسلْبِ اللَّهِ رَيَحْمُونَهُ وَ لَايَحْمُونَ اَحَدًا إِلَّا اللَّهَ وَكُفَى بِاللَّهِ حَسِبًّا (ه) مَاكَانَ مُحَمِّدًا إِنَّا أَصْلِيقٍ لَيَّا لِمَاكِنَ لِيَّا لَكُمْ وَلَكِنْ رَسُولَ اللَّهِ وَأَ خَاتَى النَّبِينَ رَكَانَ اللَّهِ بَكُلَ عَنْ عُلَيْنًا إِنَّهُ اللَّهِ عَلَيْنًا أَنْ

كَانِيُّهَا الَّذِيْنَ أَمْنُوا اذْكُرُوا اللَّهَ ذِكْرًا كَثِيْرًا ﴾

وَّسِيِّحُوهُ بُحُرَةً وَآمِيْكُ۞ هُوَ الَّذِيْ يُمَلِّيُ عَلَيْكُمْ وَمَلَّيْكُنَّهُ لِيُهْرِجُكُمْ فِّنَ الظَّلُمٰتِ إِلَى التَّوْرِ وَكَانَ بِالتَّهُوْمِيْنَ رَحِيمًا ۞

تَحِيْتُمُرْ يَرْ)َ يَلْقَرْنَهُ سَلَّرْ ثُوَّ أَمَّلَّالُمُرْ أَجْرًا كَرِيْمًا @ يَأْيُّهُا إِلَيْنَ إِلَّا أَرْسَلْنَكَ هَاهِرًا وْمُبَهِّرًا وْنُبَهِّ

وَّدَاعِيًا إِلَى اللهِ بِإِذْنِهِ وَسِرَاجًا مَّنِيْرًا۞ وَيَمِّر الْمُؤْمِنِيَ بِنَانَّ لَمُهِ مِّيَ اللهِ فَقُلاَكَبِيرًا۞

وَ لَا تُطِعِ الْكُغُويْنَ وَ الْمُنْقِقِيْنَ وَدَعْ اَذْنَهُرْ وَتَوَكَّلْ غَلَ اللهِ٠ وَكُفِّ بِاللهِ وَكُيْلًا ۞

ر فقى بالله وفيان يَّالَيُّهَا الَّذِيْنَ أَمْنُواْ إِذَا نَكَحْتُرُ الْمُؤْمِنْنِ ثُرٌ طَلَّقْتُوْ هُنَّ مِنْ قَبْلِ آنَ تَنَسُّوْهُنَّ فَمَا لَكُرْ عَلَيْهِنَّ مِنْ عَلَّمْ تَعْتَلُّوثُهَا » فَمَتَعْرُهُنَّ وَسَّحُوْهُنَّ سَرَاحًا جَمِيْلُاقِ

يَّا أَهُمًّا النِّيُّ الْقَالَمُنَا لَكَ أَزُوا بِكُوا النِّيِّ أَتَصَا أَجُورُ هُمُّ وَمَا مَلَكَ ثُومِنُكُ مِنْ أَفَاءَ إللهُ عَلَيْكُ وَبَنِي عَلَى وَبَنِي عَمْنِكُ وَبَنْنِي كَا لَكُ وَبَنِي غَلَيْكُ النِّي فَا جُرْنَ عَلَى اللَّهِي أَنْ أَرَادُ النَّبِيُّ أَنْ أَ إَمْرَا لَهُ وَمُوْمِنُ أَنْ أَنْ عَلَيْكُ النَّبِيِّ أَنْ أَرَادُ وَمِنْ فَنَعَلَى اللَّبِيِّ أَنْ أَرَادُ وَمِنْ فَنَعَلَى اللَّبِيِّ أَنْ أَرَادُ وَمِنْ وَمَا مَلَكُ أَنْهُ وَمِنْنِي، قَنْ عَلَيْمًا مَا فَوَضْمًا عَلَيْهِمْ فِي أَزُواهِمْ وَمَا مَلَكُ أَيْمًا لَمُمَّالِمُ لِكُلُومِينُونَ وَلَا النِّينُ أَنْ المُ

عَلَيْكَ حَرَجٌ و كَانَ اللهُ غَفُوْ را رَّحِيْمًا ﴿

- ৫১। তাদের মধা থেকে বাকে ইফা কর তাকে তমি বিলম্বিত করতে পার এবং যাকে ইঙ্গা কর তোমার নিকট স্থান দিতে পার। আর ভমি যাকে পথক বেখেড তাকে কামনা কবলে তোমাব কোন অপরাধ নেই। এটি সহজ্ঞ হবে যে, তাদের চক্ষসমহ শীতল হবে এবং তারা দ্যাধিতও হবে না এবং তাদেবকে তমি যা দাও তাতে তাদের প্রত্যেকেই সম্ভষ্ট থাকবে। আর তোমাদের হুদয়সমূহে যা আছে আল্লাহ তা জানেন। এবং আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও পরম সহন্দীল।
- লী প্রহণও (হালাল নহ)- যদিও তাদের সৌন্দর্য তোমাকে মঙ করে আরু আল্লাহ সব কিন্তব উপর পর্যবেক্ষক।
- ৫৩. ওছে যারা ঈমান এনেছ। তোমরা নবীর ঘরসমূহে প্রবেশ করো না, বনি না খাৰাৰ প্ৰহণেৰ জন্ম ভোমাদেৱকে অনমতি দেয়া হয়- এর প্ৰস্তুতির হ্মমা আপকানা কৰে। কিন হছন ছোহাদেবকে ডাকা কয় কথন তোমবা প্রবেশ কর এবং যখন থাবার খেয়ে ফেল তর্থন তোমরা চলে য়াও এক নোমৰা কথাবাৰ্ডায় মুখজন হয়ে পৰে। না। নিশ্বয় ভোমাদের এই (আচরণ) নবীকে কট দেয় এবং দে ভোমাদের (উঠিয়ে দেয়ার) বিষয়ে **সঞ্জা**ৰোধ কৰে। কিন্ত আলাচ সভোৰ বিষয়ে লক্ষাৰোধ কৰেন না। এবং যখন তোমরা ডাদের (নবীর প্রীদের) নিকট থেকে কোন দ্রবা সামগ্রী চাও তথন পর্নার পেছন থেকে চাও। এটি ভোমানের ক্রনবসমহের জন্য ও তাদের হৃদয়সমূহের জন্য পবিত্রতম (পদ্ম)। এবং তোমাদের জন্ম (সঙ্গত) নয় যে তোমরা আলাহর রামলকে কট নিবে এবং কখনো (সহজ) মহ যে ভোমৰা বিবাহ কৰকে ভাৰ প্ৰীদেৱকে ভাৰ (মাভাৰ) পরে। নিশ্বয় তা আস্তাহর কাছে ঘোরতর (অপরাখ)।
- ৫৪। যদি তোমবা কিছ প্রকাশ কর অথবা তা গোপন কর তবে নিশুর আলাহ अवका विश्वय अस्मार्ग्य जानजारव खारसम्।
- ৫৫ তাদের (মরীর প্রীদের) জন্ম তাদের পিতা পত্র ভাই ভাতিজা ভাগে এবং তাদের নারী এবং তাদের তান হাত থাদের মালিক হয়েছে (দাস -দাসী) তাদের ক্ষেত্রে (পর্দার আভাল থেকে চাওয়ার অর্থাৎ হিচাবের এই বিধান পালন না করা) অপরাধ নয়। এবং (হে নবার প্রীরাং) আল্লাহকে তর কর, নিশুর আল্লাহ স্বকিছর উপর প্রভাক্ষদর্শী।
- ৫৬। নিশ্বর আল্লাহ নবীর প্রতি অন্প্রাহ করেন এবং তার ফেরেপভারাও মনীর জন্য অনুগ্রহ প্রার্থনা করে। ওয়ে যারা ঈমান এনেছ। তোমরাও নবীর জন্য অনুগ্ৰহ প্ৰাৰ্থনা কর (দক্তদ পদ্ৰ) এবং তাকে মধামখন্তাৰে সালাম জানাও।
- ৫৭। নিশ্বর যারা আরাহ ও তার রাসলকে কট্ট দের, আলাহ ভাদেরকে দনিয়া ও আবিরাতে লা'নত করেন এবং তিনি তাদের জন্য প্রস্তুত করেছেন লাঞ্চনাদায়ক শান্তি।

نُهْ جِيْ مَنْ تَشَاءُ مِنْهُنَّ وَ تُكُونَى ۚ الْيُكَ مَنْ تَشَاءُ ۗ وَمَن الْتَغَيْبَ مِيَّنْ عَزَ لْتَ فَلَاجُنَاحَ عَلَيْكَ ﴿ لَكَ إِدْنِّي إِنْ تَقَدَّ أَعْيُنُهُنَّ وَ لَا يَحْزَنَّ وَيَوْفَيْنَ بِمَا ٓ أَتَيْتَهُنَّ كُلُّهُنَّ ۚ وَاللَّهُ يَعْلَى مَا فَي قُلُوْ بِكُوْ ، وَكَانَ اللهُ عَلَيْمًا حَلَيْمًا صَلَيْمًا

لَا يَحَلُّ لَكَ النَّسَاءُ مِنْ بَعْدُ وَ لَا أَنْ تَبَدَّلَ بِهِيَّ مِنْ إَزْ وَ إِجْ وَ ﴿ لِيَحِلُّ لَكَ النَّسَاءُ مِنْ بَعْدُ وَ لَا أَنْ تَبَدَّلَ بِهِيَّ مِنْ إِزْ وَ إِجْ وَ ﴿ لِيَاعِنَ مِنَا عَمَا عَامِي الْحَالُ الْمُعَالِّقِ الْحَالُ الْمُعَالِقِ الْحَالُقِ الْحَالُقِ الْحَالُقِ الْحَالُقِ الْحَالُقِ الْحَالُقِ الْحَالُقِ الْحَالُقِ الْحَالَقِ الْحَالَقِ الْحَالَقِ الْحَالُقِ الْحَالُقِ الْحَالُقِ الْحَالُقِ الْحَالُقِ اللَّهِ اللَّهُ र्वत (उत्तर जा प्राप्त का प्राप्त का प्राप्त का प्राप्त का (वर्षात नागीयाँ) कावा الله عَلَى كُلُّ الله عَلَى كُلُّ الله عَلَيْ عَلَى الله عَلَى كُلِّ الله عَلَى كُلِي الله عَلَى كُلُكُ كُلِي عَلَى كُلِي الله عَلَى كُلِي الله عَلَى كُلِي الله عَلَى كُلِي كُلِي الله عَلَى كُلِي الله عَلَى كُلِي الله عَلَى كُلِي كُلِي كُلِي كُلِي كُلِي الله عَلَى كُلِي الله عَلَى كُلِي كُلِي كُلِي الله عَلَى كُلِي اللهُ عَلَى كُلِي الله عَلَى كُل شَيْ وَقَيْبًا 6

يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ امَنُوا لَا تَدْخُلُوا بُيُوْتَ النَّبِيِّ الَّآ أَنْ يُّؤْذَنَّ لَكُورُ إِلَى طَعَا مُغَيَّرُ نَظِرِينَ إِنْهُ وَ لَكِنْ إِذَا دُعِيْتُرُ فَادْخُلُواْ فَاذَا طَعَمْتُمْ ۚ فَانْتَشُّوا وَ لَامُسْتَأْنِسِينَ لَكُديْنِ اللَّهُ الدُّلُّ كَانَ يُؤْذِي النَّبِيِّ فَيَسْتَهِي مِنْكُرْ وَ اللَّهُ لَا يَسْتَهُي مِنَ الْحَقِّ . وَ إِذَا سَأَ لُتُمُوْهُنَّ مَتَاعًا فَشَئَلُوْهُنَّ مِنْ وَرَأَء حِجَابٍ وَٰ لِكُرْ أَطْهَرُ لَقُلُوْ بِكُيْ وَقُلُوْ بِهِنَّ وَمَا كَانَ لَكُيْ أَنْ تُؤْذُواْ رَسُولَ الله وَ لَآ اَنْ تَنْكُو ۚ أَ أَرْوَاجَهُ مِنْ بَعْدَةَ أَبَدًا ﴿ اللَّهُ كُلُّ كَانَ عَنْدَ الله عَظَيْمًا ﴿

إِنْ تُبْدُوا شَيْئًا أَوْ تُخْفُوهُ فَانَّ اللَّهَ كَانَ بِكُلِّ شَيُّ عَلَيْمًا ﴿

لَاهُنَاحَ عَلَيْهِنَّ فِي إِبَالْهِنَّ وَلَآابُنَا لَهِنَّ وَلَّآابُنَا لَهِنَّ وَلَّآاخُوانِهِنَّ وَ لْآ إَبْنَاء إِنْهِ أَنه إِنه إِن لا إَبْنَاء أَخَوْته إِن وَلانسَالُه إِن وَلاما مَلَكَتْ أَيْمَانُهُنَّ، وَ اتَّقَيْنَ اللهَ ، إنَّ اللهَ كَانَ عَلَى كُلِّ شَيُّهُ شَمِيْدًا ₪

انَّ اللهُ وَمَلَّتْكَتَهُ يُصَلُّونَ عَى النَّبيِّ ، آيَايُّهَا الَّذِينَ أَمَنُواْ مَلُّوْ ا عَلَيْهِ وَسَلَّمُوْ ا تَسْلَيْمًا @

إِنَّ الَّذِينَ يُؤْذُونَ اللَّهُ وَرَسُولَهُ لَعَنَهُمُ اللَّهُ فِي اللَّهُ فِي اللَّهُ فَيَ اللَّهُ فَيَا ال الْإِخَةُ وَ إَعَدَّلَهُمْ عَذَابًا مُّهَيْنًا @

- ৫৮। এবং আরা মুন্দিন পুরুত্ব ও মুন্দিন নারীদেরতে কট দের তার করবে। যা বি
  তারা করেনি, তারা এবংবাই অপবাদ ও সুস্পত্ট পাপ বহল করে।

  ১৯
  ১৫ নবী। তুনি ভোষার জীদেরতে, তোরের কন্যাদেরতে এবং মুন্দিলদের
  - ৯। হে নগী। ভূমি কোমার প্রীদেরকে, ভোমার কল্যাদেরকে এবং মুম্মিনদের দারীদেরকে ববং, তারা যেন তাদের চাদর তদের উপর বুলিয়ে সেয়। এটি অধিক উপরোগী যে তাদেরকে তেনা যাবে, ফলে তাদেরকে কয়্ট দেয়। হবে না। আর আল্লাহ অভি ক্ষমাশীল ও পরম দয়ালু।
- ৬০। যদি মুনাফিকরা এবং দানের ফ্রন্তেসমূহে খ্যাপি আছে ভারা এবং শহরে (ম্পীনায়) ওচন রটনাকারীয়া বিরত না হয় ভারলে অবপাই অবপাই আমি তানের বিকল্ফে (ব্যবস্থা নিতে) ভোমাতে অনুপ্রাণিত করব, এরপর ভারা ভাতে (ম্পীনায়) ভোমার প্রতিবেশী থাকবে না, সামান্য (সমহ) ছাড়া-
- ৬১। -অভিশপ্ত অবস্থার। তাদেরকে বেখানেই পাওয়া যাবে সেখানেই পাক্ষমাও করা হার একং নির্মানার হলো করা হার।
- ৬২। পূর্বে যারা গত হতেছে তাদের ফেনেও (এটিই ছিল) আল্লাহর সুন্রত (নীতি)। এবং তুমি কখলো আল্লাহর সুন্রতে (নীতিতে) কোল পরিবর্তন গাবে না।
  ১৮৫। মানষ তোমাকে কিলামক সম্পর্কে জিলামা করে। রবা ১০৫ জান কেরে
- আল্লাহ্বই নিকট।' আর কিসে তোমাকে জ্ঞানাবে সন্তবত কিয়ামত নিকটবকী।
- ৬৪। নিক্তর আল্লাহ্ কাফিরদেরকে লা'নত করেছেন এবং তাদের জন্য প্রস্তুত করেছেন জ্বলম্ভ আগুল-
- ৬৫। সেখানে ভারা চিরস্থায়ী হবে, (সেখানে) না ভারা পাবে কোন অভিভাবক আর না কোন সাহায্যকারী। ৬৬। কেনিন ভালের চেচারাগুলো আজনে উপেট দেলা হবে সেনিন ভারা কলবে
- 'বায়, আমরা যদি আনুগত্য করতাম আন্তাহ্য এবং আনুগত্য করতাম রাসুদের!'
- ৬৭। এবং তারা বলবে, 'হে আমানের প্রতিগালক। লিকন্ত আমরা আমানের নেতাদের ও স্ক্রান্তনের আনুশতা করেছিলাম এবং তারা আমানেরকে প্রক্রান্তর করেছিল। ১৮ হে আমানের প্রতিগালক। তানেরকে বিশুণ শান্তি দিন এবং তাদেরকে
- তে . হে আমাদের বাতশাপক। তাদেরকে বিত্তপ শান্ত দিন এবং তাদের লা'নত করনে - বড় লা'নত।' ৬৯। ওয়ে যাবা ঈমান এনেত। তোমবা তাদের মত এবো না লবা মস
- ৬৯। ওহে যারা ঈ্যান এনেছ। তোমরা তালের মত হয়ে না যারা মুসাকে কয়্ত দিয়েছে, এবং তারা যা বলেছিল (অভিযোগ করেছিল) আয়ায় ৩ থেকে তাকে মুক্তি দিয়েছিলেন এবং আয়ায়ুর নিকট সে মর্যাদাবান।

- قَقَدِ احْمَدُوا اِبْعَادًا رَّ إِنْهَا مُوسِّنًا فَ يَأْلُهُمَا النِّيْعُ فَلَ لِارْرَا إِلَّالُ مِنْنَا فَلَوْمِيْنَ اِلْمُوْمِيْنَ اِلْمُوْمِيْنَ الْمُوْمِيْنَ عَلَيْنِيْ مِنْ وَكَوْبِيْمُونَّ أَوْلِكَ النِّنْفُونَ لِسَاءً النُّوْمِيْنَ الْمُوْمِيْنَ الْمُوْمِيْنَ الْمُو تَعْلَيْنِيْ مِنْ وَكَوْبِيْرُونَّ أَوْلِكَ الْمُلْكِلِيِّةً لِنَّالِيَّةً لِلْمُؤْمِنِّةً لِلْمُؤْمِنِّةً لِ
- كَانَ أَشُّ غَلُّورُ وَا تُرْجُيَّنَا ۞ لَكِنْ لِلْرِيَنِيَّةِ الْمُنْفِقُونَ وَالَّذِينَ فِي فَلَوْبِهِرْ مَّرَضَّ وَ الْمُرْجِفُونَ فِي الْمُدِينَةِ لَنَّغُوبِنَّاقَ بِهِرْ كُرْ لَايْجَارِرْوَاقَ فِيْنَا الْأَنْفِقِلَةُ ۚ
- مُلْعُوْنِيْنَ اَيْنَمَا لَتُعَفَّواْ أَخِذُواْ وَقَبِّلُواْ تَقْتِيلًا ۞ سُنَّةَ اللهِ فِي الَّذِيْنَ خَلُواْ مِنْ قَبْلُ اوَ لَنْتَجِدَ لِسُنَّةِ اللهِ
  - يَشْغَلُكَ | لِنَّاسُ عَنِ | لسًّا عَهَ، قُلْ إِنَّهَا عِلْمُهَا عِنْدَ | لسُّو، وَمَا يُدْرِيْكَ لَعَلَّ | لسَّاعَةَ تَكُونُ قَرِيْنًا ۞
- إِنَّ اللهُ لَعَنَى الْكُغِرِ ثِيَ وَاَعَدَّ لَمُرْ سَعِيْرًا ۞ خُلدِيْنَ فَيْهَاۤ آبَدُّا ؛ لَايَجَدُوْنَ وَلَيَّا وُ لِاَيْصِيُّ أَنَّ لِلْمَا
- رِيْسَاتِيَّ مُجُوْمُهُمْ فِي النَّارِيقُوْلُونَ بِلَيْتَنَا أَطَعْنَا اللهُ وَ يَوْمُ تُعَلِّبُ وُجُومُهُمْ فِي النَّارِيقُولُونَ بِلَيْتَنَا أَطَعْنَا اللهُ وَ أَطَعْنَا الرِّسُولَا ﴿
- وَقَا لُوْا رَبَّنَاۚ إِنَّا آطَفَنَا سَادَتَنَا وَكُبَرَّاءَنَا فَاعْمُلُونَا السَّبِيلَا ۞ رَبَّناً الْهِرْ مِغْفَيْنِ مِنَ الْعَدَابِ وَالْعَنْهُرُ لَغْنَا كَبِيرًا۞

#### ৩৪. স্রা সাবা, মাকী ৫৪ আয়াত, ৬ ক্রক

অসীম দ্যাম্য ও প্রম দ্যাল আল্লাহর নামে

- সকল প্রশংসা আল্লাব্র জন্য, খিনি আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও
  পৃথিবীতে যা কিছু আছে তার মালিক এবং তরিই জন্য সকল প্রশংসা
  অধিবাতে এবং তিনিই মহাপ্রজ্ঞাবান ও সর্বন্ধ।
- ২। তিনি জানেন যা কিছু যমীনে প্রবেশ করে এবং যা কিছু তা থেকে কের হয় এবং য়া কিছু আকাশ থেকে অবতীর্থ হয় এবং য়া কিছু এতে উথিত য়য় এবং তিনিই পরম দয়াল ও অতি কমানীল।
- ওাখার মারা কুমনী করেছে তারা বাংল, "আমাদের নিকটি বিয়াহত আসবে না। 'বল, 'হা, আমার রাজিপানকের কসন- খিনি অনুন্দার জ্ঞানী- ভোষানের নিকট তা অবনাই অবনাই আসবে,' আফালদামূহ ও পৃথিবীতে অর্থু পরিমাণ এবং তার চেহেও স্থান্তর না বৃহত্তর কিছুই তারি অংপাতন সর, এছাড়া যে, তা (মিগিবছা) আহে একটি সুন্দাই বিভাবে-
- যাতে তিনি প্রতিদান দিতে পারেন তাদেরকে, যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে। তালেরই জন্য রয়েছে ক্ষমা ও স্থানজনক বিধিক।
- থার যারা আমার আয়াতসমূহকে ব্যর্থ করার প্রচেষ্টা চালায় তাদেরই
  কন্য রয়েছে নিকৃষ্ট মন্তনাদায়ক শান্তি।
- ৬। এবং বাদেরকে জ্ঞান দেরা হয়েছে তারা দেখে (অর্থাং জ্ঞানে) যে, তোমার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে তোমার প্রতি যা অবতীর্থ করা হয়েছে তাই সত্য, এবং এটি মহাপ্রতাপদালী ও অতিপ্রশংসনীয়-এর দিকে পরিচালিত করে।
- ৭। এবং যারা কুম্বরী করেছে তারা বলে, 'আমরা কি তোমাদেরকে এমন এক ব্যক্তিকে দেখিয়ে দেব, যে তোমাদেরকে জানায় যে, 'যখন তোমরা সম্পূর্ণ ছিন্নাছিয়, হয়ে যাবে তখন নিকয় তোমরা অবশ্যই নতুন সৃষ্টিকে পরিপত্ত হয়ের.
- ৮। সে কি আল্লাহ্ সম্পর্কে মিথ্যা রচনা করেছে? অথবা তার মধ্যে কি পাণানামি রয়েছে? বরং যারা আখিরাতের প্রতি ঈমান আলে মা তারা শান্তিতে ও সদব পথস্কীতাহ রয়েছে।
- ৯। তাবে কি তারা আকাশ ও পৃথিবীর যা কিছু তাদের সামনে হয়েছে এবং যা কিছু তাদের পিছনে হয়েছে তা থেবে কেবে না আমি মিটি ইছা করি তাহলে তাদেরকেবে ভূমিকে ধাসিয়ে নিবে পারি অববা তালের উপর ঠু অমবাদের একটি যত খেলে নিবে পারি। সিম্বার এতে কবাটি নিবালি ব মহাছে (আয়াহর দিকে অনুবাশের সাথে) প্রত্যেও প্রত্যাবর্কনকারী বাপার কুল

# ٣٣- سُورُوُّ سَيَا مَكِينَّةُ الْكَانِيَّةُ الْكَانِيَّةُ الْكَانِيَّةُ الْكَانِيَّةُ الْكَانِيِّةُ الْكَانِيِّةُ الْكَانِيِّةُ الرَّحِيلِيمِ اللَّهِ الرَّحِيلِيمِ المِنْ الرَّحِيلِيمِ الرَّحِيلِيمِ الرَّحِيلِيمِ المِنْ الرَّحِيلِيمِ المِنْ الرَّحِيلِيمِ المِنْ الرَّحِيلِمِيلِيمِ المُنْ الرَّحِيلِيمِ المِنْ الرَّحِيلِيمِ المِنْ الرَّحِيلِيمِ المُنْ الرَّحِيلِيمِ المُنْ الرَّحِيلِيمِ المُنْ الرَّحِيلِيمِ المُنْ الرَّحِيلِيمِ المِنْ الرَّحِيلِيمِ المُنْ الرَّحِيلِيمِ المِنْ الرَّحِيلِيمِ المُنْ الرَّحِيلِيمِ المُنْ الرَّحِيلِيمِ المُنْ الرَّحِيلِيمِ المُنْ الرَّحِيلِيمِ المُنْ الرَّحِيلِمِيلِيمِ المُنْ الرَّحِيلِيمِ المُنْ الرَّمِيلِيمِ المُنْ الرَّمِيلِيمِ المُنْ الرَّمِيلِيمِ المُنْ الرَّمِيلِيمِ المُنْ المُنْ المِنْ المُنْ المِنْ المُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمِنْ الْمِنْ الْمِيلِيمِ الْمِنْ الْمِنْ الْمِنْ الْمِنْ الْمُنْ الْمِنْ الْمُنْ ا

- و المُحَدُّقِ الْدِنْ لَهُ مَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي الْارْضِ وَ لَـهُ الْمُحْدُقِ الْاَحْدِةِ وَهُوَ الْعَكِيرُ الْهَبَيْرُ ۞
- يَعْلَمُ مَا يَلِهُ فِي الْاَرْضِ وَمَا يَهُوُّجُ مِثْهَا وَمَا يَنْزِلُ مِنَ السَّمَّاءَ وَمَا يَعُرُّجُ فِيْهَا ۥ وَهُوَ اللَّهْ غِيْرُ الْفَقُورُ ۞
- وَقَالَ الَّذِينُ كَتَكُونُ لاَتَابِيْنَا السَّاعَةَ عُلَّى لِلَّى وَيَّى لَتَابِيَنُكُمْرُ عُلِي الْقَيْبِ الْإَنْفِي لَلْالْفَقِي اللَّهُ وَاللَّهُ عَلَّا لَذَوَّ فِي الشَّوْبِ ذَلِافِي الْأَرْفِي وَلَا آحْقُومِيْ ذَلِكُ وَلَا آحْثُرُ اللَّهِ فَيَ يُعْبِ لَيْشِي فَيْ يُعْبِ لَيْشِي فَيْ
- لِّيَجْوِيَ الَّذِيْنَ أَمَنُواْ وَعَمِلُوا المُّلِحْيِ الْوَلَيْكَ لَمُرْ مُّفُوزٌةٌ وَرِنْقُ كَوِيْرُ۞ وَالْذِيْنَ سَعُونَيُّ الْبِعَدَا مُعْجِزِيْنَ أُولِنَكَ لَمُرْ مَذَابٌ،مِّنْ
- رِّحْوَ ٱلِمِّدُّ۞ وَتَرَى الَّذِينَ الْوَثُوا الْعِلْرَ الَّذِينَ أَفْزِلَ الِيَّكَ مِنْ رَبِّكَ هُوَ الْتَقَّ وَيَهْدَى اللِّهِ اللَّهِ فِي الْمَنْدِدِ ۞
- وَقَالَ الَّذِيْنَ كَفَوُواْ هَلْ نَدُلُّكُوْ غَلَى رَجُلِ يُنَبِّغُكُو ۚ إِذَا مَرَّقَثُو كُلُّ مَنَزَّق، الْكُو لَقَى غَلْق جَدِيْد أَ
- ٱفْتَرٰىٰ غَى اللهِ كَدِبًا ٱلْهِ مِنْةُ ۥ بَلِ الَّذِيْنَ لَا يُؤْمِنُوْنَ بِالْأِمِرَةِ فِي الْعَدَابِ وَالشَّلِ الْبَيْدِ ⊙
- أَفَلَمْ بَوْرَا إِلَى مَا بَيْنَ آلِدِيْهِ وَمَا خَلْفَهُمْ مِّنَ السَّمَّاءِ وَ الْأَرْفِ إِنْ ثُقَا لَخُسِفْ بِهِمُ الْأَرْضَ آوَنُسُعًا عَلَيْهِمْ كِسَمًّا إِ مِّنَ السَّمَّةِ الْنُهِذَ اللَّهِ إِلَّاقَ لِكُلِّ لِلَّهِ لِكُلِّ عَبْدِ مَنْشِ هُ

- ১০৷ আর অবশ্যই আমি দাউদকে আমার পক্ষ থেকে অনুমাহ নিয়েছিলাম। (এবংআদেশ করেছিলাম) 'বে পর্বতমালা: ভোমরা তার সাথে (আমার জাসবাঁহ) বার বার পাঠ কর এবং পাখিলেরকেও (আদেশ করেছিলাম)', এবং তার জন্য লোয়াকে নরম করে নিয়েছিলাম-
- ১১। (এ নির্দেশসহ) যে, ভূমি পূর্ব মাপের বর্ম তৈরি কর এবং (বর্ম) বুননে পরিমাপ ক্রফা কর এবং তোমরা (সবাই) সৎকাজ কর। তোমরা যা কর সে সম্পর্কে নিশুয় আমি পূর্ব দৃষ্টিবান।
- ২২। এবং আদি সুগাইমানের কান্য নিয়োজিক করেজিনার) গারাসকে লাভ সকালের অতিক্রান্ত দুবন্ধ ছিল এক মান (পর্য) এবং দিবন্তি সম্বর ছিল এক মান (পর্য), এবং তার ক্রান্য (প্রদীত) তামার এক ফার্গা রাবাহিত করেজিমা। এবং খ্রীনাকার কেট কেট তার অতিপাদাকের ইক্ষান্ত তার সমান কান্ত করতা এবং তামান করে যে আহান নিশ্ব প্রতে বিদ্বান্ত ইয়োজিল তাকে আমি কুলান্ত আভানের শান্তি আম্বাদন করা থা
- ১৩। তারা তার (সুণাইমানের) ইচ্ছানুযারী তার জন্য প্রাসাদ, ভারুর্ব, হুউজ সদৃদ পাত্র এবং সুদৃত্যাবে ছাদিত ভোগ নির্মাণ করত। (আমি বেলছিলাম) 'বে দাউদ পরিবার। তোমরা কৃতজ্ঞতার নাথে কাজ কর।' আর আমার বাদ্যানের মধ্যে কমই কতজ্ঞ হছ।
- ১৪। অভ্যপর ফবদ আমি তার (সুলাইমানের) মৃত্যু ঘটালাম তথদ অন্দেহকে (জ্বীনদেহকে) তার মৃত্যুর বিষয় দেখিয়া দিল কেবল মাটির পোকা বা তার লাঠিটি খান্দিল, সুতরাং বখন দে পড়ে গেল তখন জ্বীনদের নিকট শান্ধ হল যে, তারা যদি অদৃশ্য আনত তাহলে তারা লাক্ষানামনার শান্তিক একেন করত না।
- ১৫। অবশ্যই সাবার (অবিবাসীদের) জন্য তাদের বাস্চ্ননিতে ছিল একটি নিল্পনি- দুটি উল্লান, (একটি) তাল দিতে ও প্রেপটি) যার দির তাদেরতে বদা হারেছিন, 'তালার তোমাদের প্রতিপাশকের বিবিক থেকে আহার কর এবং তার প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশ কর। উৎকৃষ্ট (এই) নগরি এবং অতি ক্যাদাল (তোমাদের) প্রতিগালক।'
- ১৬। কিছু তারা (কৃতজ্ঞতা প্রকাশ হতে) মুখ ফিরিয়ে দিল, সুতরাং আমি তাদের উপর প্রবাহিত করলাম বাধতাপা বন্যাঁ এবং তাদের উদ্যান সূটিকে পরিবর্তন করে দিলাম বিখাদ ফল, ঝাউ গাছ এবং কিছু কুল গাছের দাই উন্যানে।
- াত্মের বু iচ বন্যানে।

  ১৭। আমি তাদেরকে এ প্রতিফল নিয়েছিলাম তাদের অকৃতজ্ঞতার কারণে।
  আর আমি কি অকতরা চাতা আর কাউকে (এমন) প্রতিফল দেউ।
- ১৮। এবং আমি তালের মাথে ও যেসর জনপদের প্রতি বরকত দিয়েছিগাম সেওলোর মাঝে দুশামন বহু জনপদ স্থাপন করেছিলাম এবং সেওলোডে ভ্রমণ (এর দৃষ্টচু) নির্বারণ করেছিলান, (এবং তাগেবকে বাগেছিলান) কোনো সেওলাভে নিরাপানে ভ্রমণ কর রাজত বিদ্যা দি
- তোৰা সোধসাতে লক্ষ্যান্য ব্ৰহ্ম কৰ ব্যক্তি ও দানে।

  ১৯ কিছু তাবা বৰোছিল, 'হে আমাদেৱ ব্যক্তিগালৰ আমাদেৱ বফকামুহের
  মাণে মৃত্যু পৃথি কবাল,' এবং তাবা নিমেনের এতি গুতুম বতাইল,
  মৃত্যাং আমি তাদেৱকে কাহিনী বালিয়ে দিলাম এবং তাদেৱকে ছ্বাডক
  করে দিলাম। নিশুৱা এতে প্রত্যেক প্রতি হৈবলীল ও অতি কৃতজ্ঞ ব্যক্তির
  জন্ম জনোনী ক্রিন্দর্যাকী, স্বেন্দ্র

- وَلَقَدُ إِتَّيْنَا دَاوُدُ مِنَّا فَفُلَّا لِجِبَالُ أَوِّلِي مَعْدُوَ الطَّيْرَ وَ ٱلنَّالُهُ الْعَنِيدَ ۞
- آنِ اعْمَلُ سٰبِغْتِ وَّقَدِّ رَفِي السَّرْدِ وَ اعْمَلُوا مَا لِڪًا ﴿ إِنِّي بِمَا تَعْمَلُونَ بَضِيْرٌ ۞
- وَ لِلْمُلَيْنَى ۚ الرِّلِيْمَ غُمُرَّهَا هَوْرٌ رَوَاكُمَا هَوْءٌ وَ لَسَلْنَا لَمَّ عَمَى الْفطر وَمِيَ الْجِيِّ مَنْ يَعْمَلُ بَمَن يَدَلَهُ بِإِنْنِ رَبِّهِ وَمَنْ يَرْغَ مِنْهُرُ ثَمَ لَمْ إِنَّا لَيْقِدُ مِنْ عَلَى إِنَّا السَّغِيْرِ ۞
- يَعْمَلُونَ لَمُّمَا يَشَاءُ مِنْ هُدًا رِيْبَ وَتَمَالِيْلَ وَهَانٍ كَالْجَرَابِ وَقُدُورِ شِيْبِ، إِغْمَلُواْ إِلَى دَاوَدَ هُكُرًا ، وَقَلَيْلُ مِنْ عَادَى الشَّكُورُ فِي
- فَلَمَّا فَقَيْنَا عَلَيْهِ الْمُوْتَ مَا دَلَّهُمْ فَلَ مُوْتِهَ إِلَّا دَآبَةُ الْاَرْضِ تَاكُلُ مِنْسَاتَهُ فَلَهُا غَرِّ تَبَيَّنِ إلِينَّ أَنْ لُوْكَا لُواْ يَعْلَمُونَ الْقَيْسَ مَا لَبَعُولُ فِي الْعَدَالِ الْمُهْنِينَ فِي
- لَقَدْ كَانَ لِسَبَا فِي مَشْكَنِهِرْ إِنَّهُ ، مَثَّلَٰيِ عَنْ يَّعِيْنِ وَّ شَمَا لِوْكُلُوْا مِنَّ رِّرْقِ رَبِّكُرْ وَ اشْكُرُواْ لَهُ ، بَلَدَةً طَيِّبَةً
  - و ربّ غفو ر۞ فَاغَرْمُواْ فَا رَسُلْنَا عَلَيْهِرْ سَيْلَ الْعَرِاوَبَدَّلْنُهُرْ بِجَلْتَهْهِرْ جَلْتَيْنِ ذَوَاتَى ٱكُلِ حَمْواْ وَآثِلِ وَّشَنُّ ثِيْنِ سِدْرِ قَلِيْلِ۞
- ذلِكَ مَرَيْنَهُمْ بِمَا كَنَرُوا ، وَهَلَ نُحْزِئَ إِلَّا الْكَفُورَ ﴿
  وَجَعَلْنَا بَيْنَهُمْ وَبَيْنَ الْقُرِئَ الْقِيمَ الْتِي بُرِكَنَا فِيهَا قُرِئَهَا قُرِئَ ظَاهِرَةً
  وَقَدْ زَنَا فَيْهَا الشَّيْرَ سَبُرُوا فَيْهَا لَيَالَى وَالْيَامُ امْنِينَ ﴿
- فَقَا لُوْا رِبَّنَا لِعِدْ بِيِّنَ آشَفَا رِنَا وَظَلَقُواْ أَلْفُتَهُرْ فَجَعَلْنُهُرْ أَحَادِيتَ وَمَوْقَنُهُرْ كُلِّ مُعَرِّقٍ، إِنَّ فِي ذَلِكَ لَأَنْهِ لِثَلِّ مَّا رِ شَكُورِ ۞

- No. अक प्राथमारे प्राप्तान देशन स्थानिय कान शामधारक प्राप्ता स्थान करना মতে হ'হিনানের একটি দল আমা তার। (সরাই) তার অনসরণ বারল।
- وَمَا كَأْنَ لَكُ عَلَيْهِيرٌ مِّنْ سُلْطُنِ إِلَّا لِتَعْلَيْرَ مَنْ يُؤْمِنُ بِالْلِحْرَةِ عَلَيْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عاللهِ co व्यक्तितात्स्य शक्ति द्रिशास चारस (चार) का व सांभारत जरन्यद्वन प्रतथा 🗵
- 551 (cs सरी।) तल 'cvissat खालाइटक शाम मिट्य शासन्दरक (डेलाइ) शांत्रश করেছ তাদেরকে ডাক, ভারা আকাশসমহ ও পথিবীতে অণ পরিমাণ (ਗਿਲਰ) ਸ਼ਾਜ਼ਿਨ ਜਦ ਹਰਾ ਹ ਸ'ਦਰ ਸ਼ਾਦਾ ਗਾਸਰ (ਗੁਜ ਕਵਜੀਸ਼ਹਿਨ ਜਿੱਡੇ कर फारकर (काँडे फोर (खालांडर) आंडालाडारी का
- ১৬। এক জাঁৰ মিৰাট (বাংলা) সপাবিশ উপভাবে আসাৰ না ভাৰ জনা ছাড়া যার জন্য তিনি অনমতি দিবেন। অবশেষে যখন তাদের জনমসমহ থেকে ভয় দৰ কৰা হাত তথম ভাৰা (এতে অপৰকে) বলাৰে 'ভোমাদেৰ প্রতিপালক কী বলেছেন?' ভারা বলবে, 'যা সভা ভা-ই।' এবং তিনিট সউল্ল ও মহান।
- ১৪। বল, 'আকাশসমূহ ও পথিবী থেকে কে ভোমাদেরকে বিধিক মেনঃ' বল 'আলাত' এবং নিশ্চয় আহ্বরা না হয় তোমবাই সঠিক পথে পরিচালিত অপ্তরা সম্পট্ট পথ্যমন্ত্রীয়ার করেছ।
- ১৫। বল 'আমবা যে জপবাধ করেছি সেজনা তোমাদেরকে জিল্ঞাসা করা হবে मा अवश रहाप्रवा हा कर रूप सम्भारकीय स्थापारम्बरक विकास करा दरव मा ।
- ১৯। বল 'আমানের প্রতিপালক আমানেরকে একত করবেন, এরপর তিনি আমাদের মানর সালের সাথে মীয়াংসা বাবে দিবেন। এবং নিনিট শ্রেম श्रीशाश्राकारी ও সর্বজ্ঞানী।
- ১৭ বল 'ভোছৰা আছাকে ভাদেৰকে দেখাণ যাদেকক ভোছৰা ভাৰ সাধে শরীকরণে যক্ত করেছ- কক্ষনো না। বরং তিনিই আল্লাহ, মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রভাবান।
- ১৮: এবং আহি ভোহাকে প্রেবণ করেটি কেবল সমগ্র মানবফাতির জনা সসংবাদদাতা ও সতর্কবারীরূপে, কিন্ত অধিকাংশ মানুয জানে না।
- ২৯। এবং তারা বলে, '(ফন) কখন (বান্তবায়িত হবে) এই প্রতিশ্রুতি- যদি তোমরা সভ্যবাদী হ'লঃ'
- oo। বল, 'তোমাদের জন্য আছে এক নির্ধারিত দিন, যা ভোমরা মহর্তকাল বিলম্বিত করতে পারবে না, আর ভুরাত্তিতও করতে পারবে না।"
- ৩১। এবং যারা কক্ষরী করেছে ভারা বলে, 'আমরা কথনো এই করআনের প্ৰতি ঈশ্বান আনৰ না এবং এব সামনে যা আছে ভাতেও (অৰ্থাৎ পৰ্ববৰ্তী কিডাবেও) না। আর তমি যদি দেখতে যখন জালিমদেরকে ভালের প্রতিপালকের সামনে দণ্ডায়মান করা হবে, যখন ভারা পরস্পর বাদানবাদ করবে (তবে ভূমি ভাদের করুণ অবস্থা প্রত্যক্ষ করতে পারতে)। যাদেরকে দর্বল মনে করা হত তারা যারা অহংকার করত তাদেরকে বলবে, 'যদি কোমৰা না থাককে ভাঙাল অবশাই আমবা ম'মিন হতাম।"

وَ لَقَدْ صَدَّقَ عَلَيْهِمْ (بُليْسُ ظَنَّهُ فَاتَّبَعُوهُ | لَّا فَ بُقًا مِّنَ الْمُؤْمنيْنَ ؈ مَنَّنْ هُوَ مِنْهَا فِي شَلَقَ وَ رَبُّكَ عَلَى كُلِّ شَنَّ عَفِيْظٌ هُ

قُل ادْعُوا الَّذِيْنَ زِعَمْتُرْ مِّنْ دُوْنِ اللهَ ۚ لَا يَمْلُكُونَ مِثْقَالَ ذَرَّة في السَّمُوٰ ت وَ لَا فِي الْأَرْضِ وَمَا لَهُرْ فَيْهِمَا مِنْ هُوْكَ وَّ مَا لَدُمِنْهُمْ مِّنْ ظَهِيْهِ @

وَ لَا تَنْفَعُ الشَّفَاعَةُ عَنْدَةٌ إِلَّا لَهَنْ أَذِنَ لَهُ مَتَّى إِذَا فُرٌّ عَ عَنْ قُلُوْبِهِرْ قَا لُوْامَا ذَا قَالَ رَبُّكُرْ وَقَا لُوا الْحَقَّ وَهُوَ الْعَلَيُّ

قُلْ مَنْ يَبْ زُقُكُمْ مِّنَ السَّمُوتِ وَ الْإَرْضِ، قُلِ اللهُ وَ الْأَلْ أَوْ ايَّاكُر ( لَعَلَى هُدِّي آوْ فِي ضَلَل مَّبيْن @

قُلْ لَّا تُشْعَلُوْنَ عَمَّا آجَ مَنَا وَ لَانْسَتَلُ عَمًّا تَعْمَلُوْنَ ﴿ قُلْ يَجْمَعُ بَيْنَنَا رَبُّنَا ثُرُّ يَفْتَحُ بَيْنَنَا بِالْحَقِّ، وَهُوَ الْفَتَّاحُ

الْعَلَيْهُ ﴿ قُلْ أَرُوْنَيَ الَّذِيْنَ آكَتُغُتُرْ بِهِ شُرَكَّآءَ كَلَّا ۚ بَلْ هُوَ اللَّهُ الْعَرِيُّ

وَمَّاۤ ٱرْسَلْنُكَ إِلَّا كَالَّقْةُ لِّلنَّاسِ بَهْيِّ ۖ إِوْ نَدَيُّ ۚ إِوَّ لَكِنَّ آكُفَّ وَكُفّ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ﴿

وَ يَقُوْ لُونَ مَتِي هٰذَا الْوَعْدُ انْ كُنْتُو مٰدقينَ @

قُلُ لَّكُرْ مِّيْعَادُ يَوْمٍ لَّا تَسْتَأْخِرُونَ عَنْهُ سَاعَةً وَّ لَا تَسْتَقْدَمُونَ أَيْ وَ قَالَ الَّذِيْنَ كَفَوُوا لَنْ تُؤْمِنَ بِهٰذَا الْقُوْانِ وَ لَا بِالَّذِي ۗ بَيْنَ يَدَيْهِ وَ لَوْ تَرَّى إِذِ الظُّلْمُونَ مَوْقُوفُونَ عِنْدَ رَبِّهِ \* يَ جعُ بَعْفُهُمْ إِلَى بَعْضِ إِلْقَوْلَ ءيَقُوْلُ الَّذِينَ اسْتُفْعِفُوْا للَّذِيْنَ اسْتَكْبَ رُا لَوْ لَّا أَنْتُرْ لَكُنَّا مُؤْمِنيْنَ ۞ হবে যা তারা করতঃ

قَالَ الَّذِيْنَ اسْتَكَبُّ وَا لِلَّذِيْنَ اسْتُفْعِفُوٓۤۤۤۤۤۤۤا اَنَكُنُ مَدَذَكُمْ

- ৩১। যারা অহংকার করত তারা যাদেরকে দর্বল মনে করা হত ভাদেরকে বলবে, 'তোমাদের নিকট পথনির্দেশিকা আসার পর আমরা কি তোমাদেরকে তা হতে বিবত বেখেছিলাম+ ববং তোমরা ছিলে অপবাধী।
- ৩৩। যাদেবকে দৰ্বল মনে কৰা হ'ত ভাৱা যাবা অহংকাৰ কৰত ভাদেবকে বলবে, 'ববং (এটি ছিল তোমাদেরই) রাত-দিনের যড়যন্ত্র বর্থন তোমরা আমাদেবকে নিৰ্দেশ দিতে যেন আম্বা আলাহকে অবিশ্বাস কবি এবং দাঁৰ সমূত্ৰৰ বানাই ' এক মখন দাবা শাকি প্ৰদান কৰাৰ দুখন দাবা অনতাপ গোপন করবে। এবং যারা অবিশ্বাস করেছে তাদের গলায় আমি
- বেভি পরিয়ে দিব। তাদেরকে কি এছাভা (অন্য কিছুর) প্রতিথলা দেয়া ৩৪। আর যখনই আমি কোন জনপদে কোন সতর্ককারী প্রেরণ করেছি, তথ্যই তার বিজ্ঞানর বলেন্ডে 'তোমরা যা সহ প্রেরিত হয়েছ আমরা তা অবিশ্বাস কৰি।"
- ৩৫। এবং তারা বলত, 'আমরা ধন-সম্পদে ও সন্তান-সম্ভতিতে অধিক (সম্ ছ) এবং আমরা শান্তি পাবার নই।
- ৩৬। বল, 'আমার প্রতিপাদক যার জন্য ইঙ্গা করেন তার রিথিক প্রসারিত है করেন এবং (ভা) পরিমাপ করে দেন, কিন্তু অধিকাংশ মানুয জানে না।
- ०० । जान त्यांत्रात्मन अब-जम्भव । जायांब-जयकि । यस तम मा त्यांत्रात्मनतः আমাৰ নিকটবৰ্তী কৰে দিৰে তাৰে যাবা ঈমান এনেচে ও সংকাজ করেছে, তাদেরই জন্য রয়েছে বহুওণ প্রতিদান তারা যা করেছে নে কারণে, এবং তারা সউচ্চ কক্ষসমহে নিরাপদে থাকবে।
- ৩৮। এবং যারা আমার আয়াতসমূহকে ব্যর্থ করার প্রচেষ্টা চালায় তাদেরকে শান্তির মধ্যে উপস্থিত করা হবে।
- ৩৯। বল "নিশ্য আমাৰ প্ৰতিপালক জাঁব বান্দাদের মধ্যে যাব জন্য উচ্চা করেন তার রিয়িক প্রসারিত করেন এবং (তা) তার জন্য পরিমাপ করে দেন। এবং তোমৰা (আলাহব পাথ) যা কিছট বয়ে কব তিনি ভাব ক্ষতিপরণ দিবেন, এবং তিনিই উত্তম রিযিকদাতা।
- ফেরেশতাদেরকে বলবেন, 'তারা কি তোমাদেরকেই উপাসনা করতঃ'
- ৪১ তারা (ফেরেশতারা) বলবে 'পবিত্র আগনি তাদেরকে বাদ দিয়ে আপনিই আমাদের বন্ধ (তাদের সাথে আমরা সম্পর্কহীণ), বরং তারা স্থীনদের উপাসনা করত, তাদের অধিকাংশই ছিল ভালের প্রতি বিশ্বাসী।"
- ৪২: কিন্তু আন্ধ তোমাদের কেউ কারো জন্য কোন উপকার বা ক্ষতির মালিক নয়। এবং যাবা জলম করেছিল তাদেরকে আমি বলব 'ভোমবা যে থাগুনের শাল্পিক মিগ্না অনিচিত করতে তা থাগুনে কর।

- عَنِ الْهُدَى بَعْدَ إِذْ جَآءَكُرْ بَلْ كُنْتُرْ مُجْرِمِيْنَ ﴿ وَ قَالَ الَّذِيْنَ اسْتُفْعَفُوا للَّذِيْنَ اسْتَكْبُ وَا بَلْ مَكُ الَّيْل وَ النَّهَارِ إِذْ تَاْمُرُوْنَنَا ۚ إِنْ تَكُفُّو بِاللَّهِ وَنَجْعَلَ لَهُ ٓ أَنْدَادًا،
- وَ ٱسَّوا النَّدَامَةَ لَمَّا رَاوا الْعَدَابَ، وَجَعَلْنَا الْإَعْلَى فَيْ اَعْنَاقِ الَّذِيْنَ كَفَرُوا ۥ هَلْ يُجْزَوْنَ الَّا مَا كَانُوْا يَعْمَلُوْنَ ۞ وَمَاۤ ٱرۡسَلۡنَا فِي قَوۡيَةِ مِّن تَّدِيْوِ إِلَّا قَالَ مُتُوَفُوْهَآ ۗ اِتَّا بِمَاۤ
- أرْسِلْتُمْ بِهِ كُفُونَ @ وَقَا لُوْا نَحْنُ آكَتُو أَمُو الَّارَّ أَوْلَادًا وَّمَا نَحْنُ بِمُعَدَّبِيْنَ ⊕
- قُلْ انَّ رَبَّىْ يَبْسُمُ الرِّ رْقَ لَمَنْ يَّشَآءُ وَ يَقْدِرُ وَ لَكِنَّ أَكْثَرَ ا لنَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ﴿ وَمَاۤ آَمُوۤ الْكُرْ وَ لَّآ آَوْلَادُكُرْ بِالَّتِي تُقَرِّبُكُرْ عَنْدَنَا رُلُغِّي الَّا
- مَنْ أَمَنَ وَعَمِلَ صَالِحًا وَأَوْلَنْكَ لَهُرْ جَزَّاءُ الشَّعْف بِمَا عَمِلُوا وَهُمْ فِي الْغُرُفْ إِمْنُونَ @ وَ الَّذِيْنَ يَسْعَوْنَ فَي أَيْتِنَا مُعْجِزِيْنَ أُولِّنَّكَ فِي الْعَذَابِ
- قُلُ إِنَّ رَبَّىٰ يَبْسُطُ إِلَّ زَقَ لَهَنْ يَّشَأَءُ مِنْ عَبَادِةٍ وَ يَقْدِرُ لَهُۥ وَمَا آنْفَقْتُرْ مَّنْ شَيْءٌ فَهُو يُخْلِفُكَ وَهُو كَيْدُ الرَّ زِقْيْنَ ﴿
- ৪০। এবং যেদিন তিনি তাদের স্বাইকে সম্মেত করবেন এরপর وَ يَوْ ﴾ يَدُمُ اللَّهُ أَمُ جَمِيعًا أَيُّ يَقُولُ لِلْمَلَّتَكَةَ أَهُو لَآء اليَّاكُمُ كَانُوْ إِ يَعْبُدُونَ ﴿ قَا لُوْ اسْبُحْنَكَ أَنْتَ وَلَيُّنَا مِنْ دُوْنِهِرْ ۗ بَلْ كَانُوْ ا يَعْبُدُونَ
  - الْجِنَّ : أَكْثَرُهُمْ بِهِمْ مُؤْمِنُونَ @ فَالْيَوْمَ لَايَمْلِكُ بَعْشُكُمْ لَبَعْض نَّفْعًا وَّلَاضًّ ووَنَقُوُّلُ للَّذِينَ ظَلَبُوا ذُوقُوا عَذَالَ النَّارِ الَّتِي كُنْتُر بِهَا تُكَذِّبُونَ 6

- ৪.৬ : এবং যাখন জাদেব নিবট আমাৰ আয়াতসমহ সম্পন্ন প্ৰমাণ হিসেবে en's সূত্র মা জন্ম জারা রাজ 'সে একারন মানার ছাত্র আব বিচ নহ *বে (বাজি) ভো*হ্লাদের পিতপ্রক্ষরা যার উপাসনা করত তা থেকে ভোমাদেরকে বিরক রাখতে চায়', এবং তারা বলে, 'এটা উল্লাবিক য়িওল ছাভা আৰু কিছ ময়।' এবং যাবা অবিশ্বাস করেছে তাবা সভোৱ (করআনের) ব্যাপারে বলে- যথন তা তাদের কাছে এসেছে- 'এটা সম্পট্ট জাল চাড়া আবু কিছ নয়।
- ৪৪: এবং আমি তাদেরতে (পর্বে) কোন কিতাব দেইনি যা তারা অধ্যয়ন করত এবং ভোয়ার পর্বে এদের মিকট কোন সতর্বকারীক প্রেরণ করিন।
- وَكَذَّبَ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِرْ ، وَمَا بَلَغُوْا مِعْمَا رَمَآ أَيْدُهُمْ ﴿ وَمَا بَلَغُوا مِعْمَا رَمَآ أَيْدُهُمْ ﴿ وَمَا بَلَغُوا مِعْمَا رَمَآ أَيْدُهُمْ ﴿ وَمَا بَلَغُوا مِعْمَا رَمَآ أَيْدُهُمْ ﴾ তাদেরকৈ আমি যা (শক্তি ও ধন-সম্পদ) দিয়েছিলাম, তারা (মন্ত্রার উ কাফেররা) তার এক-দশমাংশও পাংনি, অতঃপর তারা (পর্ববর্তীরা) এ আয়ার বাসলনেবকে মিধ্যাবাদী বলেছিল। অভাবে কেমন ছিল আয়াব
- ৪১। বল 'আমি কেবল তোমাদেরকে একটি উপদেশ দিছি যে তোমবা আল্লাহর উদ্দেশ্যে দই দইজন অথবা এক একজন করে দাঁতাও, এরপর চিল্লা কর।' তোমাদের সাধীর মধ্যে কোন পাপলামী নেই। সে কেবল কঠিন শান্তির পূর্বে তোমাদের জন্য একজন সতর্ককারী।
- ৪৭। এল 'আমি ভোমাদের নিকট যে প্রতিদানই চাই তা তোমাদেরই জনা। আমার প্রতিমান কেবল আলাচ্বট উপর এবং তিনি সর্ববিভব উপর orarrenal ..
- ৪৮। বল, 'নিক্ষয় আমার প্রতিপালক সত্যকে (মিথ্যার উপর) নিক্ষেপ করেন. (তিনি) অদশ্য বিষয়াদি সম্পর্কে সবচেয়ে ভাল জানেন।"
- ৪৯। বল, 'সত্য এসেছে এবং বাতিল (মিথ্যা) না পারে (কোন সষ্টির) সচনা করতে, আর না পারে প্ররাবত্তি করতে। ৫০, বল 'যদি আমি পথন্ত হ'ই, তবে পথনুষ্টতার পরিণাম আমারই এবং যদি
- আছি সঠিকপথ অনসকণ কবি কবে তা এজনা যে আমার প্রতিপালক व्याचार शक्ति शरी सरस्य। विकास सिवि अर्धाशासा स निकारतर्थी।" ৫১। এবং জয়ি যদি দেখতে যখন তাবা জীত-বিহবল হয়ে পড়বে, তখন তারা
- পাদাতে পারবে না এবং তাদেরকে নিকটবর্তী স্থান থেকে পাকভাও করা ৫২। এবং তারা বলবে, 'আমরা এর (অর্থাৎ সত্যের) প্রতি ঈমান আনলাম।'
- কিল (এড) দৰবৰ্তী স্থান থেকে তাৱা নাগাল পাবে কিতাবেং
- ৫৩: অথচ ইতঃপূর্বে তারা তা (অর্থাৎ সত্য) অবিশ্বাস করেছিল, এবং তারা দরবর্তী স্থান থেকে অদশ্য বিষয়ে (বাকা) নিক্ষেপ করত।
- ৫৪। এবং তাদের ও তাদের (সত্য পাওয়ার) আকাজ্ঞার মধ্যে অন্তরাল করা। ন

তাবা চিল বিভাজিকর সন্দেহের মধ্যে।

- وَ إِذَا تُتْلَى عَلَيْهِمْ إِيْتُنَا بَيِّنْ قَا لُوْ إِمَا هٰذَّ إِالَّا رَجُلَّ يُّ يِثُ أَنْ يَمُدُّكُو عَمَّا كَانَ يَعْبُدُ إِنَّا وُكُو ء وَقَا لُوْ إِمَّا هٰذَا إِلَّا اقْكُ مُّفْتَةً يَ، وَقَالَ الَّذِيْنَ كَفَوُّ وَا للْحَقِّ لَمَّا جَاءَهُرْ ء إِنْ هٰذَآ الاسعة مبين @
- وَمَا آتَيْنُهُ مْن كُتُب يَدْرُسُونَهَا وَمَاۤ آرْسَلْنَاۤ الَيْهِ وَمَاۤ أَرْسَلْنَاۤ الَّيْهِ وَبُلَكَ مِنْ تَذِيْدِهِ
  - فَكَدَّبُوا رُسُلي مَ فَكَيْفَ كَانَ نَكيْرِ أَ
- قُلْ إِنَّمَا آعَظُكُمْ بِوَ إِحدَةٍ أَنْ تَقُوْمُوْ اللَّهِ مَثْنِي وَ فَرَادِي ثُرٌّ تَتَفَكَّرُوا ﴿ مَا بِمَا حِبِكُرُ مِنْ جِنَّةِ ﴿ إِنْ هُو ۚ إِلَّا نَدَيُّ لَّكُرُ بَيْنَ يَدَىْ عَذَابٍ هَدِيْدٍ ⊛
- قُلْ مَا سَأَ لُتُكُرُ مِّنْ أَجْرِ فَهُوَ لَكُرْ ﴿ انْ أَجْرِيَ الَّا عَلَى اللَّهِ ۗ وَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْءٌ شَهِيْدٌ ﴿
  - قُلُ إِنَّ رَبَّى يَقْدَنُ بِالْعَقِّ، عَلَّامُ الْغُيُوبِ ﴿ قُلْ جَاءَ الْعَقُّ وَمَا يُبْدِئُ الْبَاطِلُ وَمَا يُعَيْدُ ﴿
- قُلُ إِنْ مَلَلْتُ فَانَّمَاۤ أَصَلُّ عَلَى نَفْسَى ۚ وَإِنِ اهْتَدَيْتُ فَبِمَا يُوْحِيُّ إِلَىَّ رَبِّيْ، النَّهُ سَمِيْعٌ قَوِيْبْ
- وَ لَوْ تَوْمَى اذْ فَوْعُوا فَلَا فَوْتَ وَ أَحْدُوْا مِنْ مُكَانِ قَدِيهِ ﴿
- وَّقَا لُوْ إِلَمْنَا بِهِ وَ آتَى لَهُرُ التَّنَاوُهُ مِنْ مَّكَانِ بَعَيْد ﴾ وُّقَدُ كَفَرُوْا بِهِ مِنْ قَبْلُ ، وَيَقْدِفُونَ بِالْفَيْبِ مِنْ مُّكَانٍ بَعِيْدٍ ﴿
- قَبْلُ النَّمُرْ كَانُوْا فِي هَكَّ مُّويْبِ ﴿

### ৩০ সরাফাতির মাঞ্জী

৪৫ আয়াত, ৫ জক্ অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আল্লাহর নামে

- ১) সকল এপংলা আকাশ্যমমূহ ও পৃথিবীর সৃষ্টিকর্তা আল্লাহর জলা, বিনি ফেরেপতালেরকে রাসুল (বাণীবাহক) করেন যারা দুই দুই, তিন তিল অথবা চার চারটি করে পাধার অধিকর্ত্তী। তিনি সৃষ্টিতে বৃদ্ধি করেন যা ইক্ষা করেন। নিদাধা আয়ার মনিকার উপত্র করিছিলান।
- ২। আল্লাহ্ মানুষের প্রতি কোন দয়া অবারিত করলে তা আউকে য়াঝার কেউ নেই এবং তিনি যা আউকে য়াঝন এর পরে তা প্রেরণ করার কেউ নেই। এবং তিনিই মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রজ্ঞাবান।
- ৩। হে মানুষ। তোমাদের উপর আন্তাবর দেরামত শরণ কর। আল্লাহ ছাত্তা কি কোন দ্রক্তা আছে, যে তামাদেরকে আকাশ ও পৃথিবী থেকে রিখিক দাদ করে। তিনি ছাতৃ। কোন ইলাহ নেই। সুকরাং কিভাবে তোমরা বিভাগ্ত হক্ষ্য
- ৪। আর যদি তারা তোমাকে মিথারাদী বলে, তবে তোমার পূর্বেও রাফুশালেরকে মিথারাদী বলা হয়েছিল। আর আয়ায়্রই দিকে সকল বিষয় কিয়িয়ে নেয় য়বে।
- ৫। হে যানুষ। নিশ্বয় আল্লায়র প্রতিক্রতি সতা, সুতরাং দুনিয়ার জীবন হেন তোমাদেরকে কিছুকেই প্রতারিত না করে এবং সেই প্রতারক (শয়্বতান) থেন কিছুকেই আল্লায় নশার্কে তোমাদেরকে প্রতারিত না করে
- ৬। দিকা শায়তান তোমাদের শায়, সুতরাং আকে শায় হিলাবে প্রহণ কর। সে তার দলকে আহ্বান করে কেবল যাতে তারা ফুলভ আন্তনের অধিবাসী হয়।
- ৭। যারা কুমনী করেছে ভানের জন্য রয়েছে কঠিন শান্ধি এবং যারা ঈমান এনেছে ও সংকার করেছে ভানের জন্য রয়েছে ক্ষমা ও মহাপ্রতিদান।
- ৮। যার জন্ম তার হণকাজকে শোভনীয় করা হাতেছে, অভ্যপর সে একে উত্তর মানে করেছে, সে কি (সিঠিক গার পানে) সুকরাই নিশ্বর আছার বাহে কইবা করেনে গান্তান্ত্র করেনে হোনে কই ক্ষাক্রকান নিঠিক গান্ত প্রদর্শন করেন, অভ্যত্তর তালের জন্য আক্রমেস করে তোমার প্রাণ যোগ সেনে সামে। নিশ্বর আল্লাহ্র তারা যা করে সে সম্পর্কে ভাগভাবে জ্ঞানে।
- ৯। এবং আরাইই বায়ু প্রেরণ করেন, এতঃপর তা মেঘমালাকে সঞ্চালিত করে, এতঃপর আমি তা মৃত ভূমির দিকে পরিচালিত করি, অতঃপর আমি এব দারা ভূমিকে দ্বীবিত করি এর মৃত্যুর পর। এতাকেই হবে প্রার্থীকর।

# ابَاتُهَا - ٥٠ رُكُواْتُهَا هُ الْآجِنُمِ اللهِ الآجِنُمِ اللهِ الآجِنُمِ اللهِ الآجِنُمِ الآجِنُمِ

أَلْمَدُرُ اللهُ فَاطِ السَّمُوتِ وَ الْأَرْضِ جَاعِلِ الْمَلَّتُكَة رَسُلًا أُولِّ آَهْنَعَة مَّثْنَى وَتُلَكَ وَ رُبَعَ ، يَزِيدُ فِي الْحَلَقِ مَا يَهَاءَ ، إِنَّ اللهُ غَرِكُلُ هُمُ الْعَنَدُ : ()

٣٥-سُورُ أَفْاطِ -مَكُنَّةُ

. مَا يَفْتَرِ اللهُ للنَّاسِ مِنْ رَّمْعَة فَلَامُسِكَ لَهَاءُومَا يُشِكُ، فَلَامُرْسَلَ لَدُمِنْ أَبَدُنهُۥ وَهُو الْغَرْفِيُّ الْعَكِيْرِ ﴾

يَّا أَيْمًا النَّاسُ الْأَكُورُ اِيغْمَى اللَّهِ عَلَيْكُرْ ، هَلِ بِنْ خَالِي غَيْر اللهِ يَبْرُونُكُمْرْ مِنَّ السَّمَّاءَ وَالْآرْضِ، لَّا إِلَهُ إِلَّهُ اللَّهُ وَالْعَاشَّى تُؤْتَكُورُنَ ۞ وَإِنْ لِكُمْذُ إِنْكُ فَقَدْ كُلِّآتِ رَسِّلٌ مِنْ قَبْلِكَ، وَإِلَى اللَّهِ تُوْجَعَ

الْأَمُورُ۞ يَّالَيُّهَا النَّاسُ إِنَّ وَعَدَ إِللَّهِ مَتَّ فَلَاتَقُولَّلُكُسُ الْحَيْوَةُ الدُّنْيَاتِ وَلَا يَقُولُنَّكُسُ اللَّهِ الْقُرُورُ۞

إِنَّ الشَّمْطُ لَكُمْ عَدُوْ فَالْحِدُوثَةُ عَدُوًّا الِثَمَّا يَدُعُوا حِرْبَهُ لِيكُونُوا مِنَ أَصْحِ الشَّعِيْنِ فَ اللَّذِينَ كَفَوْرُوا مِنْ أَصْحِ الشَّعِيْنِ فَي اللَّذِينَ المَثُوا وَعَمِلُوا عَ

أَوْسُ زُلِينَ لَمُسُوَّءٌ عَمَلِهِ فَرَالْا حَسَنًا ﴿ فَانَّ اللَّهُ يُفِلُ مَنْ لِفَّاءً وَيَهِدَىٰ مَن يَضَاءً \* قَلْاَ تُذَكِّمُ نَفْسُكَ عَلَيْهِمْ حَسَرٍ ۖ ﴿ إِنَّ اللّهُ عَلَيْدٌ ۚ بِمَا يَشْنَعُونَ ۞

الصَّلَّا لَهُ مَغْفَةٌ وَ أَجُو كَبِينَ فَ

وَاللهُ الَّذِيْ َ اَرْسَلَ الرِّيْمِ فَتَعْيَرُ سَحَابًا فَسُقْنُهُ إِلَى بَلَدِ مَّيِّتٍ فَأَخْيَيْنَا بِهِ الْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتَهَا كَذَٰ لِكَ النَّقُورُ وَهُ ে সেট সমান মাউলে সতে (মে কোন থাখন) সকল সন্থান আভাৱনট। ভার দিকেই পরিত্র বাণীসমূহ উল্লেখিত হয় এবং সংক্রাক্ত আকে উনীত करन जार गारा प्रकारकार काराब करन सामन कना नामा करिन अपनित कार कार्याय सामान कार्या कार्य करते

৩৫ সৱা ফাজিব

১১ নক আলার সোমাদেবরে সাই করেছেন মাটি থেকে এরপর বীর্য বিশ্ব থেকে এরপর ভোমাদেরকে বানিয়েছেন জোডার জোডার। তাঁর অমাসস্যাত কোন নাঠী গার্ভধারণ করে না এবং প্রস্থাও করে না. এবং কোন বহন্ত ব্যক্তিকে দীর্ঘ আয় দান করা হয় না এবং তার আয় ত্রাসও করা হয় না রবঃ তা কিতাবে (লিপিবছ) আছে। নিশ্বর এটি আচারব क्रमा अववः

১১। দ'টি সমদ সমান নয়- একটি সমিষ্ট ও সংগব, অপরটি লোনা ও খর। প্রাক্তরটি প্রাক্ত মোহরা কাজা গোশস খোল থাক এবং আহবণ কর অলংকার (মুকা) যা ভোমরা পরে থাক এবং ভোমরা দেখ ভার বক চিত্রে নৌযান চলাচল করে যাতে তোমরা তাঁর অনুগ্রহ থেকে তালাশ করতে পার এবং যাতে ভোমরা কডজ্ঞতা প্রকাশ করতে পার।

Set किमि जाजरक किस शराबण कराम अंश किसाब भारत बनान डॉटि একং তিনি সর্য ও চন্দকে করেছেন নিয়মাধীন: প্রত্যেকে একটি নির্দিট সময়ের ধন্য চলছে। ভোমানের এই আল্লাহই তোমাদের প্রতিগালক, বাজত তাঁৱই। এবং ভোমরা ভাঁকে বাদ দিয়ে যাদেরকে ভাক ভাবা ভো খেছর আঁটির আবরণেরও অধিকারী নয়।

এবং কনলেও তোমাদেরকে সাভা দিবে না। এবং তোমাদের শরীক। কেউট ভোমাকে ভানাতে পারবে না।

১৫। হে মানুষ! তোমরাই আল্লাহর মুখাপেন্দী, আর আল্লাহই অমুখাপেন্দী ও অতি প্রশংসনীয়।

১৯ বনি ডিনি উল্লা করেন ভারলে ভোমাদেরকে (পথিবী থেকে) সরিয়ে चिरक भारतम अरु मिरा चामार भारतम अत सकत महि

১৭। এবং এটা ভারাহর জন্য কঠিন নহ।

১৮। এক বোল বোলা বছনভাবী আনোৰ বোলা বছন কৰবে দা। কোন আসমেন্দ্ৰ সাভি সঙ্গি দা সমন কলতে আহ্বান কৰে দাব ভাব বিষ্ট বহন প্রবা হতে না- যদিও সে আর্থীয় হয়। তমি কেবল ভালেরকেই সকর্মে সকলন পার সারা মোদের প্রতিপালককে না দোখা তব কবে এবং সালাত (নামায়) কাষেম করে। যে পরিকল্প হয় সে পবিকল্প হয় নিজেবট

مَنْ كَانَ يُرِيدُ الْعِزَّةَ فَلَلَّهِ الْعِزَّةُ جَمِيْعًا ﴿ الَّذِهِ يَصْعَدُ الْكَلِيرُ الطِّيِّبُ وَالْعَمَلِ الصَّالِي يَهْ فَعُدَّ وَ الَّذِيرَ يَمْكُ وْنَ الشِّيَّاتِ لَهُمْ عَذَاتٌ شَدِيْدٌ وَمَكُ أُولَٰتُكَهُو يَبُورُ هُ

وَ اللَّهُ خَلَقَكُمْ مَّنْ تُرَابِ ثُرٌّ مِنْ تُطْفَة ثُرٌّ جَعَلَكُمْ ۚ أَزْوَاجًا ۗ وَ مَا تَحْمِلُ مِنْ أَنْثَى وَ لَا تَضَعُ إِلَّا بِعِلْمِهِ، وَمَا يُعَمَّّ مِنْ مُعَمَّدٍ وَّ لَا يُنْقَصُ مِنْ عُمُومٌ اللَّهِ فِي كُتُبِ اللَّهِ يَسْدُونَ

وَمَا يَسْتَوى الْبَصْرِٰنِ اللَّهِ هَٰذَا عَدْبٌ فُرَاتٌ سَالَّعْ شَرَابُدُو هَذَا ملْي أَجَاجُ وَمن كُلِّ تَأْكُلُونَ لَهُمَّا ظَرِيًّا و تَسْتَهُ جُوْنَ هُلْيَةٌ تَلْبَسُوْنَهَا ، وَ تَوَى الْفُلْكَ فِيْهِ مَوَ اخِرَ لِتَبْتَغُوْا مِنْ فَشْلِهِ وَ لَعَلَّكُمْ تَشْكُ وْنَ هِ يُوْ لِيُ الَّيْلَ فِي النَّهَارِ وَيُوْ لِيُ النَّهَارَ فِي الَّمْلِ: وَسَعَّى

الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ "كُلُّ يَّجُويْ لِاَجَل مُّسَمِّي ﴿ لَكُمُ اللَّهُ رَبُّكُيرْ لَهُ الْمُلْكُ، وَ الَّذِينَ تَدْعُوْنَ مِنْ دُوْنِهِ مَا يَمْلَكُوْنَ مِنْ انْ تَدْعُوهُمْ لَا يَسْمَعُوا دُعَاءَكُمْ ءَوَ لَوْ سَمِعُوا مَا اسْتَجَابُواْ ১৪। যদি ভোমবা ভাদেরকে ডাক ভাহদে ভারা ভোমাদের ভাক ভনবে না لَكُشُ ، وَ يَوْ ٓ ٱلْقَيْمَة يَكُفُرُونَ بِشُرِكِكُمْ ، وَ لَايَنْبَغُكَ مِثْلُ ﴾ वतात जात विज्ञामरख्त मिन अवीकात कतत। धात नर्तरख्त कर

> نَّا يُّهَا النَّاسُ إَنْتُرُ الْغُقَرَّاءُ إِلَى اللهِ وَاللهُ هُوَ الْغَنيُّ انْ يَّشَا يُذُهِبُكُرُ وَيَاتِ بِكَلْقِ جَديثِد ﴿

> وَمَا ذَٰ لِكَ عَلَى اللهِ بِعَزِيْرٍ ۞ وَ لَا تَوْرُوا رِرَةٌ وَزُرَ أَهُولِي وَ إِنْ تَدْعُ مُثْقَلَةٌ إِلَى حَمْلَهَا لَا يُحْمَلُ مِنْهُ شَكَّ وَّ لَوْ كَانَ ذَا قُرْبَى الْمَا تُثَدَرُ الَّذِينَ يَخْشُونَ رَبُّهُمْ بِالْغَيْبِ وَ إِقَامُوا الصَّلُوةَ وَمَنْ تَزَكِّي فَأَنَّهَا يَتَزَكِّي لِنَفْسِهِ وَ إِلَى اللهِ الْمَصْيُو @

১০। धर्म सम खब्दात ५ सारमा-

১৯: এবং সমান নয় দৃষ্টিচীগ ও দৃষ্টিসম্পন-

३५। अंतर सर कार्श ५ (ताम

১১। এবং সমান নয় জীবিত ও মত। নিশ্চয় আলাছ যাকে ইচ্ছা করেন ভাকে ধারণ করান, এবং যারা কররে রয়েছে তাদেরকে তমি খনতে সমর্থ 201

১৩। ডাই বেবল একজন সমর্ককারী।

২৪ নিশ্বর আমি তোমাকে সত্যসহ প্রেরণ করেছি সুসংবাদদাতা ও সতর্ককারীরূপে, এবং এমন কোন উন্মত নেই যার মধ্যে কোন সতর্ককারী অভিত্রেরর হয়নি

২৫। এবং এরা যদি ভোমাকে মিথাাবাদী বলে, তবে অবশাই এদের পর্ববর্তীরাও (বাসলদেরকে) মিথাবাদী বলেছিল তাদের নিকট এসেছিল ভাদের রাস্পরা স্পষ্ট প্রমাণাদি, যাররসমহ (লিখিত নির্দেশ্যবদী) ও দীন্তিমান किलानगरः

১৬। এবপর আমি কাফিবদেরকে পার্বভাগে ব্যবহিলাম সভবাং কেম্ম ছিল আয়ার শান্তি '

৯৭ তমি কি ভেবে দেখনি যে আলাহ আকাশ থেকে পানি অবকীৰ্ণ ক্ৰাক্তন অতঃপর আমি এর ছারা বিভিন্ন রঙের ফল-মল উৎপন্ন করি। আর পর্বতমালার মধ্যে রয়েছে সাদা, লাল- বিভিন্ন বর চিট্টিস্ট ও গাচ রাল (পাহাড়):

২৮। এবং এডাবে রয়েছে বিভিন্ন রঙ্ক-এর মানষ, জল্প ও গবাদি পশু। ভাঁব বান্দাদের মধ্যে কেবল জামীবাই আলাহাকে লয় কাব। মিশ্বয় আলাহ মহাপ্রদারপারী ও স্বরি স্বরালীল

২৯। নিক্তর যারা আল্লাহর কিতাব পাঠ করে, সালাত (নামায) কায়েম করে এবং আমি ভাদেরকে যে রিখিক দিয়েছি ভা থেকে গোপনে ও প্রাকাশে। বায় করে, তারা আশা করে এমন বাবসা, যা কথনো ধ্বংস হবে না-

৩০। যাতে তিনি তাদেরকে তাদের প্রতিদান পূর্ণ করে দিতে পারেন এবং তিনি তাঁর অন্যাহ থেকে তাদেরকে আরও বাভিয়ে দিতে পারেন। মিক্স তিনি অতি ক্ষমাশীল ও প্রম প্রতিনানদাত।

৩১, আমি তোমার প্রতি যে কিতাব গুরী করেছি তা সতা, এর সামনে যা আছে তার (অর্থাৎ পূর্ববর্তী কিতাবের) সত্যায়গকারীরূপে। নিশ্চয় আলাহ তাঁর বান্দাদের সম্পর্কে অবশ্যই পূর্ণ অবগত ও পূর্ণ দাষ্টবান।

وَمَا يَشْتُوى الْآغْمٰي وَ الْبَعِيْرُ ﴿ وَ لَا الظُّلُمٰتُ وَ لَا النُّوْرُ وَكَا وَ لَا الظُّلُّ وَ لَا الْعَرُّورُ ﴿

وَ مَا يَشْتُوى الْأَكْمِيَّاءُ وَ لَا الْأَمْوَ اتُ، إِنَّ اللَّهُ يُسْمِعُ مَنْ يَشَاءُهُ وَمَا آنْتَ بِمُسْمِعِ مَّنْ فِي الْقُبُورِ ﴿

إِنْ أَنْتَ إِلَّا نَدَيُّ ﴿ انَّا ٱرْسَلْنَكَ بِالْمَقِّ بَشِيْرًا وْ نَدِيْرًا وَإِنْ مِّنْ أُمَّةٍ إِلَّا خَلَافِيْهَا

وَإِنْ يُّكَذِّبُوْكَ فَقَدْ كَدَّبَ إِلَّذِيْنَ مِنْ قَبْلُهِمْ ءَجَاءَتُهُمْ رُسُلُهُمْ بِالْبَيِّنْ وَبِالزَّبُو وَبِالْكُتْبِ الْمُنْيُرِ ﴿

ثُرُّ آَكَدُتُ الَّذِيْنَ كَفَرُواْ فَكَيْفَ كَانَ نَكِيْرِ ﴾

ٱلَهِ ۚ آنَّ اللَّهُ ٱلْإَلَ مِنَ السَّمَآءَ مَآءً، فَٱخْرَجْنَا بِهِ ثَمَوٰت مُّخْتَلَقًا أَلُو انْهَا وَمِنَ الْجِبَالِ جُدَدٌ ' بِيْضٌ وَّ حُبْ ۗ مُّخْتَلَفٌّ ٱلْوَ انْهَا وَغَرَابِيْبُ سُوْدٌ ۞

وَمِنَ إلنَّاسِ وَإِلدُّوٓ إِنَّ وَ الْإِنْعَا مُشْتَلَفَّ ٱلْوَ إِنَّهُ كَذَٰ لِكَ، انَّمَا يَخْشَى اللَّهُ مَنْ عَبَادِهِ الْعُلِّمَوُّ ا ﴿ إِنَّ اللَّهُ عَزِيزٌ غَفُو رَّ ﴿

إِنَّ الَّذِيْنَ يَتْلُوْنَ كَتْبَ اللَّهِ وَ أَقَامُوا الصَّلُوةَ وَ أَثْفَقُوْا مِمَّا رَزَقْنَهُرْ سِوا وْعَلَانِيَةً يُوْجُونَ تَجَارَةً لَّنْ تَبُورَ ۗ لِيُ وَيَهُمْ أَجُو رَهُمْ وَيَ يُدَهُرُ مِّنْ فَقْله اللَّهُ غَفُو رُهَكُو رُ

وَالَّذِينَّ ٱوْكَيْنَآ الَّيْكَ مِنَ الْكُتْبِهُوَ الْعَقُّ مُصَدِّقًا لَّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ، إِنَّ اللهُ بِعِبَادِةِ لَخَبِيْرٌ 'بَمِيْرٌ @

- ৩২। এরপর আমি কিতাবের (কুরআনের) উত্তরাধিকারী করণাম আমার বান্দালের মধ্য থেকে বানেককে আমি মনেমীত করেছি, তবে তানের মধ্যে কেউ নিজের প্রতি কুলুমবারী, কেউ মধ্যপন্থী এবং কেউ আগ্রাহর ইক্ষায় কল্যাপকর কাজে আগ্রামী। এটাই (অর্থাৎ কিতাবের জন্য মনোমীত করাটাই) মহা অনুদাহ।
- ৩৩। খ্রায়ী ছাত্রাত, যাতে ভারা এবেশ করবে, সেবানে ভালেরকে হর্ণ নির্মিত হালা ও মুকা ছারা অলংকৃত করা হবে এবং সেবানে ভালের পোশাক-পরিস্কদ হবে রেশমের।
- ৩৪। এবং তারা কলবে, 'প্রশংসা আল্লাক্র জন্ম, নিনি আমানের দৃংখ দ্বীকৃত করেছেন। নিশ্চঃ আমানের প্রতিপাদক অবশ্যই অতি জমানীল ও পরন প্রিয়ামলাকা-
- ৩৫। যিনি নিজ্ञ অনুগ্রহ থেকে আমাদেরকে স্থানী আবাদ নিজেকে যেখানে না আমাদেরকে শর্প করে কোন কট আর দা আমাদেরকে শর্প করে কোন ক্রমিং
- ৩৬। বিশ্ব যাবা হুকৰী করেছে তালের জন্য রয়েছে জাহানুনের আছন, তালে মৃত্যু ঘটনো হবে না যে ভারা মহবে এবং জ্ঞান্য হেতে এর (জাহানুনের) সুগ্র ছিত্ত হালের করা হবে না এতাবেই আমি প্রত্যেক অভুকজনক প্রতিমল দেই।
- আমানেরকে মুক্তি দিন, আহবা যে কাঞ্চ করভান তা না করে সকজার করবা 'আছাই কাকেন, 'আমি কি ছোমানেরকে দির্ম আছু দান করিনি-বে, তানন কেই ভাগদেন প্রবাদ করেতে প্রবাদ উপদেশ প্রবাদ করেতে পারতঃ তোমানের নিকট সতর্ককারীরত এসেছিল। সুতরাং (পারি)। আধাদান কর, এবং জালিখনের রুনা কোন সাহাস্যাকারী নেই।'
- ৩৮। নিশ্বর আল্লাব্ আকাশসমূহ ও পৃথিবীর অনুশ্য বিষয়ের জানী বন্ধসমূহে যা আছে সে সম্পর্কে নিশ্বর তিনি ভালভাবে জানেন।
- ৩৯। তিনিই তোমাদেরকে পৃথিবীতে প্রতিনিধি করেছেন, অতঃগর বে ফুফরী করবে তার কুফরীর দায়-দায়িত্ব তাঁকই। এবং কাফিবনের কুফরী কেকল তাদ্য প্রতিপাদকের নিকট অন্যন্তুরিই বৃদ্ধি করে এবং কাফিবদের কুফরী কেবল তাদের ক্ষতিই বৃদ্ধি করে।
- ৪০। বন, তোমনা আন্তঃহর পরিবর্তে যাদেরকে ভাক দেনৰ শরীকদের কথা চেবে দেশেছ কিঃ আমাকে দেখাও তারা পৃথিবীতে কী দৃষ্টি করেছে, অধবা আকাশসমূরের মথে তালের রোম অংশু আছে কিঃ নাকি আমি তালেরক এমন কেনে ভিতাব নিছেছি দার শান্তী করেছে কর নাকি তারি করেছ বরঃ আদিয়ার তেক তাপরকে কেনে প্রতিক্রতিই কেঃ মা-করকলা ছাড়া

ثُرُّ آوَرْثُنَا الْكِتْبَ الَّذِيْنَ امْطَغَيْنَا مِنْ عِبَادِنَاءَ فَهِنْهُرْ ظَا لِمِّ لَنَفْسِهِ وَمِنْهُرْ مُّقْتَصِدٌّ، وَمِنْهُرُ سَابِقٌ بِالْغَيَّرِاتِ باذَنِ اللهِّ ذَلْكَ هُوَ الْفَقْلُ الْكَبَيْرُ فِي

. جَنُّ عَدْنِ يَّدُخُلُونَهَا يُحَلِّونَ فِيْهَا مِنْ آسَاوِرَ مِنْ ذَهَبٍ وَّ لُوُ لُوَّا وَ لَبَّاسُهُرْ فِيْهَا جَيْرٌ ۞

ر رَا رَبِّ السَّرِيِّةِ اللَّذِيُّ آذَهَبَ عَنَّا الْحَزَنَ، إِنَّ رَبَّنَا لَغَقُورٌ وَقَا لُوا الْحَبُدُ لِلَّهِ الَّذِيُّ آذَهَبَ عَنَّا الْحَزَنَ، إِنَّ رَبَّنَا لَغَقُورٌ هَكُورٌ ﴾

الَّذِيْ أَمَلْنَا دَارَ الْمُقَامَةِ مِنْ فَقْلِهِ ۚ لَا يَبَسُّنَا فِيْهَا نَصَّوَّ لاَيَسُّنَا فَيْهَا لُغُرُنْ ۞

ۯٵڵٝڋؽؽٙػؘڡؙٞۯ۠ۯٵڷۿۯ نَا رُجَهَنَّرَ ؛ لايڠٚڝ۬ؗۼڷؽۿۯ فَيَمُوْتُوْا وَ لايحُفَّفُ عَنْمُرْ شِ عَدَابِهَا ؛ كَذَاكِ تَجْزِي ۚ كُلُّ كُفُورِ ۚ

وَهُرْ يَهُمُورُهُونَ فِيهَا : رَبَّنَآ اَهُوِهُمَا تَفَعَلُ مَا لِكَا غَيْرَ الّذِي كُنَّا تَعْمُلُ : أَوَلَرْ تَعَيِّرُكُرُ مَّا يَتَذَكُّرُ فِيْهِ مَنَّ تَلَكَّرَ وَ جَاءَكُرُ النَّذِيثُرُ : فَلَوْقُواْ فَمَا لِلقَّلِيثِينَ مِنْ تَصُرُو

إِنَّ اللهُ عٰلِرُ غَيْبِ السَّمٰوٰتِ وَ الْأَرْضِ ﴿ إِنَّهُ عَلِيْرٌ ۚ بِذَاتِ الشَّدُوْرِ۞

هُوَ الَّذِيْ مَعَلَكُمْ هَلَكُونَ عَلَقْفَ فِي الْآرْضِ، فَهَنْ كَفَرَ فَعَلَيْهِ كَفُرُهُ: وَلَايَوْيُكُ الْكُفُونِيُّ كُفُومُ عِنْدَ رِبِّهِنْ إِلَّا مَقْتًا ، وَلَا يَوْيُكُ الْكُفِرِيْنَ كُفُرِهُمْ اللَّهِ عَسَارًا ﴿

قُلُ أَرْوَتَكُرُ هُرِكَاتِكُرُ الْدِينَ تَلْمُؤْنَ مِوْدُونِ اللهِ أَرْوُيْنَ مَا وَالْمَثَقُوْاتِ الْأَرْفِي أَلْ لَمُوْرِهِرُكُونِ اللهُّمُونِ اللهِ الْتَنْفُورِ كَمَّا فَهُمْ فَي يَتِنْ مِثْنَاء اللهِ إِنْ يَعِدُ الطَّلِمُونَ بَعْلَمُرْ بَعْلَا الْأَخْرُورُ وَالْمَ

- ৪১: আল্লাহই আকাশসমূহ ও পথিবীকে ধরে রাখেন যাতে তারা স্থানচ্যত না হয়, তারা স্থানচ্যত হলে তিনি ছাড়া কে তাদেরকে ধরে রাখবেং নিশ্বয় তিনি পরম সহনশীল ও অতি ক্ষমাশীল।
- ৪২: এবং তারা আল্লাহর নামে কসম করেছিল- তাদের দচ কসম থে. তাদের নিকট কোন সতৰ্ককাৰী আসলে ভাৰা অৱশাই (পৰ্ববৰ্তী) উপ্ৰভসমতেৰ মধ্য থেকে (কোন) একটি উত্থকের চেয়ে অধিক সঠিকপথপ্রাপ্ত হবে, কিন্ত আদের নিকট বংশ সভর্কনাতী আসল ভখন ভা কেবল ভালের (সভা) বিমূপতাই ৰন্ধি করল-
- ৪৩। -পথিবীতে অহংকার করা এবং মন্দ কাজের ষত্বন্তের কারণে। আর মন্দ কাজের ছডবন্ত তার উদ্যোক্তাদেরকেই পরিবেষ্টন করে। তবে কি তারা প্রতীক্ষা করছে পূর্ববর্তীদের (প্রতি গৃহীত) সূত্রতের (নীতির)ঃ আর তমি আল্লাহর সন্রতের (নীতির) কথনো কোন পরিবর্তন পাবে না এবং আবাহৰ সনতেব (নীতিব) কথনো কোন কপানৰ দেখাৰ না.
- ৪৪। তারা কি পথিবীতে শ্রমণ করেনি এবং লক্ষা করেনি, কেমন ছিল তাদের পর্ববর্তীদের পরিণায়॰ ভারা ভিল ভাদের চেয়ে শক্তিকে প্রবল। জালার এমন নন যে, আকাশসমহ ও পথিবীর কোন কিছট তাঁকে অক্ষম করতে পারে নিক্য তিনি সর্বজ্ঞানী ও সর্বশক্তিয়ান।
- ৪৫। আর যদি আল্লাহ মানুষকে তারা যা অর্জন করেছে তার জন্য পাকড়াও করতেন ভাহলে ভার পর্চে (ভপর্চে) কোন শ্রীব-জন্তকেই রেহাই দিভেন অতঃপর বংন তাদের নির্নিষ্ট সময় আসবে, তথন নিশুর আল্লাহ হবেন তাঁর বাহ্নাদের ব্যাপারে পর্ণ নাইবান।

إِنْ أَمْسَكُهُمَا مِنْ أَحَد مِّنْ أَبَعْدِهِ، إِنَّهُ كَانَ حَلَيْمًا غَفُوْ رُأَ⊛ وَ ٱقْسَمُوْا بِاللهِ جَهْدَ ٱيْمَانِهِ ۚ لَئِنْ جَآءَهُ ۗ نَذِيُّ لَّيَكُونُنَّ أَهْلَى مِنْ إَحْدَى إِلْأُمَرِ وَفَلَمًّا جَآءَهُرْ نَدَيْ مَّا زَادَهُرْ الَّا نُفُورًا لَّهُ

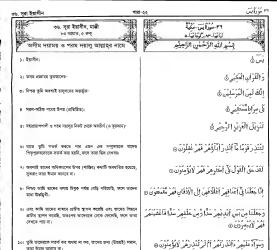
إِنَّ اللَّهَ يُمْسِكُ } السَّمَٰ إِن وَ الْأَرْضَ إَنْ تَةُ وْلَادً وَلَكُنْ زَالَتَآ

اشْتِكْبَا رَا فِي الْأَرْضِ وَمَكْرَ السَّيِّيِّ، وَ لَا يَحِيْقُ الْمَكْرُ السَّيْعُ الَّا بِأَهْلِهِ وَهَلْ يَنْظُوُ وْنَ الَّاسُّنَّ وَالْآوُ لَيْنَ وَلَلْ لَجَدَ لسُنَّب اللهِ تَبْدِيْلًا وَ لَنْ تَجِدَ لِسُنِّبِ اللهِ تَحُويْلًا ﴿

أَوَلَرْ يَسِيْرُ وَا فِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرُ وَا كَيْفَ كَانَ عَاقبَةُ الَّذِيْنَ

مِنْ قَبْلِهِرْ وَكَانُوا إِهَدَّ مِنْهُرْ قُواًّ وَمَا كَانَ اللهُ ليُعْجِزَةً مَنْ هََنَّ فِي السَّمٰوٰتِ وَ لَا فِي الْأَرْضِ، إِنَّهُ كَانَ عَلِيْمًا قَدِيْرًا @ وَ لَوْ يُوا إِحْدُ اللهُ النَّاسَ بِمَا كَسَبُوْ امَا تَهَ كَ عَلَى ظَهْهِ هَا مِنْ

الله كَانَ بعبَادةِ بَصِيرًا ١٠



তায় সন্মান আন্যথে শা।

১১। তুমি কেবল তাকেই সতর্ক করতে পার যে উপদেশ মেনে চলে এবং
না দেখে সহামহাকে তা করে, অত্ঞধে তাকে তমি কমা ও সমানভানক

১৩। এবং তাদের জন্মু পেশ কর সেই জনপদের অধিবাসীদের দৃষ্টান্ত, যথন

الَّمَا تُنْدِرُ مَنِ اتَّبَعَ الذَّكُرَ وَخَشِيَ الرَّحْمِنَ بِالْغَيْبِ وَبَشَّرُهُ

- ১৪। বর্ধন আমি তাদের নিকট দেরণ করেছিলায় দুজনকে এবং তারা তাদেরকে মিব্যাবাদী বংগছিল, অভ্যন্ত আমি ভাদেরকে পর্কিশালী করেছিলায় ভৃতীয় একজন ছারা এবং তারা বংলছিল, নিকয় আমরা তোলাদের নিকট প্রেরিভ রয়েছি।"
- ১৫। তারা বলল, 'তোমরা আমাদের মত মানুষ ছাড়া আর কিছু নও, দরামর কোন কিছুই অবতীর্ণ করেননি, তোমরা কেবল মিধ্যাই বলছ।'
- ১৬। তারা বলল, 'আমানের প্রতিপালক জানেন, নিশ্বর আমরা তোমানের নিকট অবশাই প্রেরিত হয়েছি।
- ১৭। সম্পট্টভাবে পৌছে দেয়াই আমাদের দায়িত।"
- ১৮। তারা বদল, নিতর আমরা তোমদেরতে অমকলের কারণ মনে করি, যদি তোমরা বিরত না হও তাহলে তোমদেরতে অহপাই অবপাই আমরা পাধর নিজেপ করব এবং আমানের পাছ থেকে তোমাদেরতে অবশাই অবশাই অয়ুলায়কে পাত্রি শার্কিকরে।
- ১৯৷ তারা বলদ, 'তোমাদের অমহদ তোমাদেরই দাখে, এটা কি এজন্য যে, আমরা তোমাদেরকে উপদেশ দিখিঃ বরং তোমরা এক দীমাণজনকারী সম্প্রদায়৷'
- ২০। এবং নগরীর প্রান্ত থেকে এক ব্যক্তি দৌড়ে আসল। সে বদল, 'হে আমার সম্প্রদায়। তোমরা রাস্কদের অনুসরণ কর-
- ২১। অনুসরণ কর তালের যারা তোমালের নিকট কোন প্রতিদান চায় না এবং আরাষ্ট্র মনিক পথসেল।'

- إِذَا رُسَلُنَا النَّهِي الْنَدِينَ فَكَذَّ بُوهُمَا فَعَزَّ زُنَا بِغَا لِي فَقَا لُوًّا إِنَّا إِلَيْكُمْ مُوسَكُونَ ۞ يَرِينُ مَرْسَكُونَ أُوسِكُونَ ۞
- قَالُواْمَا ٱلنَّمُرُ إِلَّا يَمُوُّ مِثْلَنَا وَمَا ٱلْوَّلَ الرِّحْسُ مِنْ هُنَّ \* إِنْ ٱلنَّمْرُ إِلَّا تَحْدِيبُونَ ﴿
  - قَالُوْا رَبُّنَا يَعْلَرُ إِنَّا إِلَيْكُرْ لَمُرْسَلُوْنَ ﴿ وَمَا عَلَيْنَاۤ الَّا الْبَلْغُ الْمُبِيْنُ ﴿
- رما سين إلا البع الموين ﴿ قَا لُوَّا إِنَّا تَطَيْرُنَا بِكُرْ ءَ لِئِنْ أَلِر تَنْتَهُوْا لَنَرْجُمَنَّكُمْ وَ يَرَسِّنُكُمْ مِنَّا عَزَالْ الْكِرْ ﴿
- ىيەسىدىر وف عداب ايىر ⊗ قَا لُوْا طَالَّرِكُمْر مَّعْكُمْر ﴿ أَلِنْ ذُكِّرْكُمْر ﴿ بَلَ ٱلْتُمْرُ قَوْاً مُّسْرٍ فُونَ ۞
- وَجَاءَمِنْ ٱقْصَا الْمَدِيْنَةِ رَجُلُ يَّسْعَى قَالَ يُقَوْمُ البَّعِمُوا الْمُرْسَلَيْنَ ﴾
  - الْمُرْسَلِيْنَ ﴾ البَّعُوا مَنْ لَايَشَعَلُكُمْ اَجْرًا وَّهُرْ مُّهْتَدُونَ ۞
  - @ C) C

## পারা-২৩

- ২২। (বিতর্ককালে সে কালা) 'আর আমার কী (মৃঞ্জি) আছে যে, যিনি আমাকে সৃষ্টি করেছেন আমি তাঁর ইবালত করব না এবং তাঁরই দিকে তোমাদেরকে ফিরিয়ে নেয়া হবেঃ
- ২০। আমি কি তাঁব পরিবর্তে অন্য ইলাহ গ্রহণ করবাং দয়াময় আমাকে ক্ষতিগ্রন্ত করতে চাইলে তাদের সুপারিশ আমার কোন উপকারে আসবে না এবং ভারা আমাতে উদ্ধান্ত করতে পারবে না.
- ২৪। এরপ করলে আমি অবশাই সম্পন্ত পথন্তইভায় গড়ব।
- ২৫। নিচয় আমি তোমাদের প্রতিপালকের উপর ঈমান এনেছি, অতএব
  - ২৬। (নিহত হওয়ার পর) তাকে বলা হল, 'জান্নাতে প্রবেশ কর।' "সে বলল,
    'হায়, আমার সম্প্রদায় যদি জানতে পারত-
- ২৭। যে কারণে আমার প্রতিপালক আমাতে ক্ষমা করেছেন এবং আমাকে সন্মানিতদের অন্তর্ভুক্ত করেছেন।
  - ২৮। আমি তার (স্ফুর) পর তার সম্প্রদারের বিরুদ্ধে আকাশ থেকে কোন বাহিনী প্রেরণ করিনি এবং আমি প্রেরণকরীও হিলাম না (অর্থাৎ প্রয়োজনযোগও করিনি)।
  - ২৯ তা ছিল কেবল এক বিকট শব্দ, এবং তৎক্ষণাৎ তারা নিধর-নিজন হয়ে গেল।
  - ৩০। আফসোস: বাপাদের জন্য, তানের নিকট বর্থনই কোন রাসুদ এসেছে তথনই তারা তাকে ঠাটা-বিক্রণ করেছে।
    ৩১ আরা বি ক্রেবে দেশেনি তানের পর্বে কর প্রক্রনা আমি ঋণে বরবারি যাবা
  - তাদের মধ্যে ফিরে আসবে নাঃ
  - ৩২। এবং ভাসের সকলকেই আমার নিকট উপস্থিত করা হবে।
  - ৩৩। আর তাদের জন্য একটি নিদর্শন হল মৃত ভূমি, যাকে আমি জীবিত করি এবং তা থেকে উৎপন্ন করি শস্যদানা, অতঃপর তা থেকে তারা আহার করেও।
- ৩৪। এবং আমি বানিয়েছি তার মধ্যে খেলুর ও আঙ্গুরের বাগান এবং ভাতে উচ্চমানিক কবি কর্মান
- ৩৫। যাতে তারা আহার করতে পারে তার ফল-মূল থেকে, অথত তাদের হাত তা তৈরি করেনি। তবে কি তারা কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করবে নাঃ

- وَمَا لِي لَآ أَعْدُا الَّذِيْ فَعَرَ فِي وَالَهِ تَرْجَعُونَ ۞ وَمَا لِي لَاَ أَعْدُونَ وَلَهِ الِهَةَ إِنْ قَدُونِ الرِّهُمَانُ بِمُرِّ لاَ نَفْقِ عَنِّيْ هَمَا عَنْهُمْ هَيْغًا وَلا يُنْقَدُونِ ۞
  - شَفَا عَتُمُو ۚ مُنِكًا وَّلَا يُنْقِدُ وَنِ ۚ هُ إِنِّنَ آِدًا لِنِيْ مَلَلِ مَّيْنِيْ ﴿ إِنِّنَ آَمَنُتُ بِرَبِّكُمْ فَاسْعَوْنَ ﴿ إِنِّنَ آمَنْتُ بِرَبِّكُمْ فَاسْعَوْنَ ﴿
- قِيْلَ ادْهُلِ الْجَنَّةَ ،قَالَ يلَيْتَ قَوْمِيْ يَعْلَمُوْنَ ﴿
- وَمَّا ٱلْزُلْنَا فَى قَوْمِهِ مِنْ بَعْدِيهِ مِنْ جُنْدٍ مِّنَ السَّمَّاءِ وَمَا كُنَّا مُنْزِلِينَ ۞ إِنْ كَانَتِ الَّا مَنْهِحَةً وَّاحِدَةً فَاذَا هُمْ خُمِلُونَ ۞
- يُحَسَرَةً عَنَى الْعِبَادِ أَمَا يَاتِيْوِرْ مِّنْ رَّسُوْلٍ إِلَّا كَانُوْا بِهِ ۚ يُحْمَرُ تُوْنَ ۞ يُسْتَعَرِّدُونَ ۞
- أَلَّمْ يَرَوْا كَنْ أَهْلَكْنَا قَبْلُهُرْ فِي الْقُرُوْنِ أَنَّهُرْ إِلَّهُومِ لَا يَرْجِعُونَ ۞ وَإِنْ كُلُّ لِّنَا عَمِيْمٌ لِّلَايْنَا مُحْفَرُونَ ۞
  - . وَالِنَّهُ لِّهُرُ الْأَرْضُ الْمَيْنَةُ مِ آهْيَيْنُهَا وَآهْرَهْنَا مِنْهَا مَبًّا فَيْنُهُ يَاكُلُونَ ﴿
  - فَوِنُهُ يَا كُلُونَ ۞ وَمَعَلْنَا فِيْهَا جَنْبٍ مِّنْ تِّخِيْلِ وَّاعْنَابٍ وْفَجُوزْنَا فِيْهَا مِنَ الْنُيُونِ ﴾

لِيَاْ كُلُوْ ا مِنْ ثَمَ وَمَا عَمِلَتُهُ أَيْدِيْهِ \* أَفَلَا يَشْكُرُ وْنَ هِ

hres

৬, সূরা ইয়াসীন	পারা	-20	ا-سُوْرَةُ لِسَ
৩৬। পবিত্র তিনি, যিনি ভূমি যা উৎপন্ন করে (মানুষকে) এবং যে সৃষ্টি সম্পর্কে তারা জার করেছেন জ্যোড়ায় জ্যোড়ায়		رُوَاجَ كُلُّهَا مِبًّا تُنْبِتُ الْأَرْضُ وَمِنْ	سُبُحٰنَ الَّذِيْ خَلَقَ الْإَا اَنْفُسِمِرْ وَمِمًّا لَا يَعْلَمُوْنَ
৩৭। এবং ভাদের জন্য একটি নিদর্শন হল রাথ অপসারিত করি, এবং ভংক্ষণাৎ ভারা অন্ধব		غُرِمِنْهُ النَّهَارَ فَإِذَا هُرْ مُّظْلِمُونَ ﴿	وَايَةً لَّمُرُ الَّيْلُ سَ نَسْلَ
৩৮। আর সূর্য চলঙে তার স্থির হওয়ার সময়ের ত সর্বজ্ঞানীর নির্ধারণ।	ন্যে। এটা মহাপ্রতাপশালী ও	لَّهَا وَلِكَ تَقْدِيْرُ الْعَزِيْزِ الْعَلِيْرِ ۞	وَ الشَّمْسُ تَجْرِيْ لِمُسْتَقَرٍّ
৩৯। এবং চাঁদের জন্য আমি নির্ধারণ করেছি বিঁ পুরাতন থেজুর ভালের আকার ধারণ করে।	ভিনুমনহিল, <sup>*</sup> অবশেষে ভা	تَّى عَادَ كَالْعُرْجُوْنِ الْقَدِيْرِ @	وَالْقَمَرَ قَدَّرْلُهُ مَنَا زِلَ حَ
<ol> <li>সূর্যের জন্য মানায় না চাঁদের নাগাল পাওা না দিনকে অতিক্রম করা। এবং প্রতিটিই</li> </ol>	য়া এবং বাতের গুন্য মানায় ; কক্ষপথে সাঁতার কাটছে।	اَ آنْ تُدْرِكَ الْقَمَرَ وَلَا الْيُلُ سَايِقُ سَجُونَ ۞	لَا الشَّمْسُ يَنْـُ بَغِيْ لَهَا النَّهَارِ • وَكُلُّ فِيْ فَلَكٍ يَّسْ
৪১। এবং তাদের ফল্য একটি নিদর্শন এই যে বংশধরকে বোঝাই নৌবানে আরোহণ করি	া, আমি তাদের (পূর্ববর্তী) রেছিলাম-	بَتَمُرْ فِي الْفُلْكِ الْمَشْدُونِ ۞	وَايَةٌ لَّهُرْ آنًّا حَمَلْنَا دُرِّا
৪২। এবং তাদের জন্য অনুরূপ যাদবাহন সৃষ্টি ব করে	হরেছি যাতে তারা আরোহণ	يَرْكَبُوْنَ ⊛	وَهَلَقْنَا لَهُرْ مِّنْ مِّقْلِهِمَا
৪৩। এবং যদি আমি ইঙ্গা করি তাহলে তাদেরকে তাদের কোন সাহায্যকারী থাকবে না এবং খ		غَرِ لَهُرْ وَلَا هُرْ يُنْقَدُونَ ﴾	وَ إِنْ نَّشَأْنُغْرِقْهُرْ فَلَاصَرِيْ
<li>৪৪। আমার দয়া না হলে এবং একটি সময় পর্য দিলে।</li>	ন্ত জীবনোপভোগ করতে না	حِيْنٍ @	إِلَّا رَحْمَةً مِّنَّا وَمَتَاعًا إِلَى
৪৫। এবং যখন তালেরকে বলা হয়, তোমাদের স পিছলে যা আছে সে সক্ষয়ে সাবধান হও ব পার।		بَيْنَ أَيْدِيْكُرْ وَمَا غَلْفَكُرْ لَعَلَّكُرْ	وَإِذَا قِيْلَ لَهُرُ اتَّقُوْا مَا تُرْحَمُونَ ﴿
৪৬। আর তালের প্রতিপাশকের নিদর্শনসমূহ তাদের নিকট আসে না যা থেকে তারা মুখ		بِ رَبِّهِرْ إِلَّا كَانُوْا عَنْهَا مُعْرِفِيْنَ ۞	وَمَا تَأْتِيْهِرْ مِّنْ ايَةٍ مِّنْ ال
৪৭। এবং যথন তাদেরকে বলা হয়, আরাহ তোম তা থেকে বয় কর তখন যারা কুফরী করে তাদেরকে বলে, 'যাকে আল্লার ইফা করতে কি আমরা বাওয়াবঃ প্রকৃতপক্ষে তোমরা "	ছে তারা যারা ঈমান এনেছে দ খাওয়াতে পারতেন তাকে	ا رَزَقَكُرُ اللهُ قَالَ الَّذِيْنَ كَفَرُوا لَوْ يَشَآءُ اللهُ ٱطْعَمَةً ۚ إِنَّ ٱنْتُرْ إِلَّا	
৪৮। এবং তারা বলে, (বল) 'কখন (বাস্তবায়িব তোমরা সভ্যবাদী হওঃ'	s হবে) এই প্রতি <b>শ্রুতি</b> - যদি	لُ إِنْ كُنْتُرْ طِيقِيْنَ ۞	وَيَقُوْ لُوْنَ مَتَّى هٰذَا الْوَعْ
৪৯। তারা অপেক্ষা করছে কেবল এক বিকট শ যা তাদেরকে পাকড়াও করবে, এমন অব লিঞ্জ।			
লক। ৫০। তথন না তারা ওসিয়ত করতে সমর্থ হ পরিবার-পরিজনের নিকট ফিরে আসতে প		اِلْ أَهْلِهِيرُ يَرْجِعُونَ۞ أَ	فَلَا يَشْتَطِيْعُونَ تَوْمِيَةً وَّلَا
৫১। এবং শিষায় ফুঁ দেয়া হবে (অর্থাৎ দ্বিতীয় শি কবর থেকে ছটে আসবে ওাদের প্রতিশাল		بِّنَ الْآجُدَاكِ إِلَى رَبِّهِرْ يَنْسِلُوْنَ ۞	وَنُفِيزِ فِي الصَّوْرِ فَاِذَا هُرْ إِ

- ৫২ তারা বলবে, 'হার দুর্ভোগ আমাদের! কে আমাদেরকে আমাদের নিদ্রান্তন থেকে উঠালঃ দয়ামহ তো এরই প্রতিশ্রুতি নিয়েছিলেন এবং রাসলগণ সতাই বলেছিলেন।
- ৫৩। এটা হবে কেবল এক বিকট পদ, এবং ভংকণাৎ ভালের সবাইকে আমার নিকট উপস্থিত করা হবে।
- ৫৪। সুতরাং আন্ধ কারো গ্রতি কোন ভূলুম করা হবে না এবং তোমাদেরকে তারই প্রতিফল দেয়া হবে যা ভোমরা করতে।
- ৫৫। নিশ্চর জানাতবাসীরা আজ থাকবে আনন্দে মগ্র
- ৫৬ তারা এবং তাদের সদী/সঙ্গিনীরা সুশীতল ছায়ায় সুসজ্জিত আসনে হেলাল फिला जजरू
- ¢৭। সেখানে তাদের জন্য থাকবে ফল-মল এবং তাদের জন্য থাকবে তা-ই
- যা ভারা চাইবে. ৫৮। পরম দয়ালু প্রতিপানকের পক্ষ থেকে ভাদেরকে বলা হবে 'সালাম'।
- ৫৯। আর হে অপরাধীরা। আরু ভোমরা পথক হয়ে যাও।
- ৬০। হে বনী আদম! আমি কি ভোমাদেরকে নির্দেশ দেইনি যে, ভোমরা শয়তানের দাসত করো না. নিশুর সে তোমাদের সম্পন্ত শত্র-
- ৬১: এবং আমার ইবাদত কর, এটাই সরল সঠিক পথঃ
- ৬২। আর অবশ্যই সে (শয়তান) তোমাদের বচ দলকে পথন্তই করেছিল। তবে কি তোমবা অবধাবন করনিঃ
- ৬৩। এটা সেই ভাষানাম যাব প্রতিক্ষতি ভোমাদেবকে দেয়া সাম্ভিল
- ৬৪। আজ তোমরা এতে প্রবেশ কর, তোমরা যে কৃষ্ণরী করেছিলে তার विनिमस्य:
- ৬৫। আঞ্চ আমি তাদের মথে মোহর মেরে দেব, তাদের হাত কথা বলবে আমার সাথে এবং এদের পা সাক্ষা দিবে সে সম্পর্কে যা তারা অর্জন ক্ৰড়ে
- ১৯। এবং মন্তি আমি উজা করমাম ভারতে ভাতের ভোভভাতাকে অরভাই নিম্পত কৰে দিতাম তথ্ন তাৰা পথ চলতে চাইলে কি কৰে দেখতে
- (1970)

পারত না এবং পিরমেও ফিরে আসতে পারত না

স্থানেই আকতি পরিবর্তন করে দিতাম, ফলে তারা সামনের দিকে চলতে 🗒

- قَا لُوْا بِهَ يَلْنَا مَنْ بَعَثَنَا مِنْ مَّ قَدِنَا رَا ۖ هٰذَا مَا وَعَدَ الرَّحْمٰنُ وَصَدَقَ الْمُ سَلُّونَ @
- إِنْ كَانَتْ إِلَّا مَيْحَةً وَّاحِدَةً فَاذَاهُرْ جَمِيْعٌ لَّذَيْنَا مُحْفَرُونَ ⊕ فَالْيَوْ} ﴾ لِاتَظْلَرُ نَفْسٌ شَيْقًا وْلَا تُجْزَوْنَ إِلَّا مَا كُنْتُرْ تَعْمَلُوْنَ ⊛
  - انَّ أَمْحُبَ الْجَنَّةِ الْيَوْمَ فِي شُغُلِ فَكِهُونَ ﴿
    - هُرْ وَ أَزْوَا هُمُرْ فِي ظِللٍ عَلَى الْأَرِ أَثِكَ مُتَّكِئُونَ ٩ لَهُمْ فَيْهَا فَاكَهَدُّ وَلَهُمْ مَّايَدُّعُونَ }
      - سَلرٌ الدَّوْلامِنْ رَبِّ رَحْير ٠
- وَامْتَا زُوا الْيَوْمَ أَيُّهَا الْمُجْ مُوْنَ @ أَلَرْ أَعْهَدُ الَّيْكُرْ لِبَنِيَّ أَدَآ أَنْ لَّا تَعْبُدُوا الشَّيْطَى ؛ إنَّهُ لَكُرْ
- عَدُوْمْبِينَ۞ وَّ آنِ اعْبُدُونِي أَهٰذَا سِرَاطَّمُّسْتَقِيْرٌ ﴿
  - وَلَقَدْ إَمَالُ مِنْكُرْ جِبِلًّا كَثِيْرًا ﴿ أَفَلَرْ تَكُونُوا تَعْقَلُونَ ۞
    - هٰذِهٖ جَهَنَّرُ الَّتِي كُنْتُرْ تُوْعَدُونَ ۞
- اصْلَوْهَا الْيَوْعَ بِمَاكُنْتُمْ تَكُفُّونَ ؈ ٱلْيَوْ ٱنَكْتِهُ ۚ عَلَّ اَفْوَاهِمْ وَتُكَلِّمُنَّا ٱيْدِيْمِ ۚ وَتَشْهَدُ ٱرْجُلُهُ ۗ
- بِمَا كَانُوْ إِيكُسِبُوْنَ ﴿ وَلَوْ نَشَاءُ لَطَهَسْنَا عَلَى آعْيُنِهِرْ فَاسْتَبَعُوا الصِّرَاطَفَاتْي
- يَبُصُ وْنَ @ وَلَوْ نَشَآءُ لَمَسَخُنُهُمْ عَلَى مَكَا نَتِهِمْ فَمَا اسْتَطَاعُوا مُضًّا وَلَا عَيَّا صَعَة عاصد عاده عاده عاده عاده عاده عاده المع يرْجغُوْنَ ۾ُ

- us अर॰ मारक साथि मीर्च साथ मारा करि सारक प्रविश्वक दिन दिश शर्रात অবস্থায় (অর্থাৎ শিক্ষর অবস্থায়) ফিরিয়ে নেউ। ভাবে কি ভাবা অমধান করে
- ८५ अक जात्क (वामसत्क) चाप्रि कविजा शिक्षप्रिम अक ओर जाव समा प्रावाकाने का अधि रकतन अन देशायन अ प्रश्नी नजनाक-
- ৭০। হাতে সে সমর্ক করাত পাবে জীবিত্যদরকে এবং স্থাতে ক্রামিরাদর বিক্লছে (শান্তির) কথাটি অবধারিত হতে পারে।
- ৭১। ভারা বি দেখে না যে আমার চাতে সই রক্তসহতের মধ্যে ভাগের জন্য আমি সৃষ্টি করেছি গ্রাদি পক্ত এবং ভারা এগুলোর মালিকঃ
- as steres कार शेवाओं कार रूपिक उपांज कालात कालात. द्वीप का সংখ্যক তাদের বাহন এবং এছলোর কিন্ত সংখ্যক তারা আহার করে।
- ৭৬। এবং দ্যাদের হন্য এমালাকে আছে বহু উপক্রারিতা ও পানীয়। দ্যের ক্রি তারা কতন্ত্রতা প্রকাশ করবে নাঃ
  - 98। अवः प्रावा प्राक्षाकृतक वाम मिर्ग्य प्रभा वैकाकरमदाक अवन करवाच सारफ ভারা সাহায়পোর হতে পারে।
  - ৭৫। তারা (অর্থাৎ এসব ইলাহ) তাদেরকে সাহায়া করতে সক্ষম নয়, বরং ভাৰাই (এই লোকেবাই) ভাদেব (উলাহাদেব) ক্ষম্য সম্যা উপস্থিত বাহিনী (পাহাদার) হয়ে আছে:
  - ৭৯। অভএৰ ভালেৰ কথা ভোমাকে যেন দশ্চিমপ্ৰক্ষ না কৰে। নিশ্চয় আমি सामि मा फारा (शांश्रम करत ५ मा फारा अकाश करत)
  - ৭৭ মানৰ কি ভেবে নেখেনি যে, আমি তাকে সৃষ্টি করেছি বীর্য বিন্দ থেকেঃ खळालर प्रक्रमा (प्र कार लाप प्रत्नेष्ठे विजसावाती)
  - ৭৮, এবং সে আমার জন্য উপমা (সমকক্ষ) পেশ করে এবং ভার (নিজের) সঙ্কীকে ভালে যায়। সে কলে 'এই হাড়েঞ্চলোকে কে জীবিত কবাৰ যখন একলো ছিত্ৰ-বিছিত্তঃ'
- ৭৯। বল 'এপ্ৰলোকে জীবিত কববেন তিনিট বিনি তা প্ৰথমবাৰ সৃষ্টি করেছেন এবং দিনি প্রদিটি মৃষ্টি মুখ্যর নাল্যাকে ফানেন-
- bo। যিনি তোমাদের জন্য সবজ বক্ত থেকে আচন তৈরি করেছেন, অভ্যপর ক্ষর কোমরা তা খেতে আহন প্রভালিত কর।
- ৮১। যিনি আকাশসমূহ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন তিনি কি তাদের (অর্থাৎ মৃত ব্যক্তির) অনকপ সৃষ্টি করতে সমূর্ত্ত নদং ঠাা ওরপটে নিশ্বর ভিনিট মহাস্টা ও সর্বজ্ঞানী।
- ৮১। তাঁৰ বিষয় ব্যবল এট যখন তিনি কোন কিচৰ ইচ্চা কাৰেন কথন দিনি
- তার জন্য বলেন, 'হও' এবং ৩া হয়ে যায়। ৮৩। অভএব পবিত্র তিনি যাঁব হাতে প্রতিটি বিষয়ের সর্বময় কর্তত এবং জাঁবই দিবে ভোগ্নাদেবকে জিবিল্য নেয়া হবে।

- وَمَا عَلَّمْنَهُ الشَّعْبَ وَمَا يَنْسَعِني لَهُ انْ هُوَ الَّاذِكُ وَّقُواْنَّ
- لَّيُنْدِرَ مَنْ كَانَ حَيًّا وَّيَحِقُّ الْقَوْلُ عَلَى الْكُفِ ثِنَ ﴿ أَوَلَـ ^ يَـ وَا أَنَّا خَلَقْنَا لَهُ \* مَّمًّا عَمِلَتْ أَيْدِيْنَاۤ أَنْعَامًا فَهُـ \*
  - لَهَا مِلْكُونَ هِ وَذَ لَّلْنَهَا لَهُمْ فَمِنْهَا رَكُوْبُهُمْ وَمِنْهَا يَأْكُلُوْنَ @
    - وَلَهُمْ فَيْهَا مَنَا فَعُ وَمَشَا رِبُ، أَفَلَا يَشْكُ وْنَ @
    - وَاتَّخَذُوْا مِنْ دُوْنِ اللهِ أَلْهَةً لَّعَلَّمُ ۗ يُثْمَّ وْنَ ﴿ لَا يَسْتَطِيْعُونَ نَصْرَهُمْ وَهُرْ لَهُرْ جُنْدٌ مُحْضَوُّونَ ﴿
- فَلَا يَحُوُ ثُلَكَ قَوْ لُهُرْ مِ إِنَّا نَعْلَيُ مَا يُسَّوْنَ وَمَا يُعْلَنُوْنَ ۞
- أَوَلَرْ يَرَ الْإِنْسَانُ أَنَّا خَلَقْنَهُ مِنْ تُطْفَقَ فَاذَا هُوَ خَصِيرٌ مَّبْيْنَ · وَهَوَ بَ لَنَا مَثَلًا وَنَسَى خَلُقَةً وَالَ مَنْ يُحْي الْعَظَامَ وَهِيَ
- قُلْ يُحْيِيْهَا الَّذِئْ أَنْشَاهَا ٓ أَوَّلَ مَرَّةِ وَهُوَ بِكُلِّ خَلْقَ عَلَيْرٍ ۗ ٥
- الَّذِي جَعَلَ لَكُرْ مِّنَ الشَّجَ الْأَكْفَ نَا رًّا فَاذَّ آ أَنْتُرْ مِّنْهُ تُوْ قَدُونَ ⊛
- أَوَلَيْسَ الَّذِي خَلَقَ السَّهُوتِ وَالْإَرْضَ بِقُدرِ عَلَّ أَنْ يُخُلُقَ مِثْلَهُرْ أَبَلَى وَهُوَ الْعَلَقُ الْعَلَيْرُ ۞
  - انَّهَا آهُوْءٌ إِذَا آرَادَ شَيْعًا أَنْ يَقُولُ لَدُكُنْ فَيَكُونُ هِ فَسُبُحِنَ الَّذِيْ بِيَدِهِ مَلَكُوْتُ كُلِّ هَنَّ ۗ وَّالَيْهِ تُدَّجَعُونَ ﴾

<b>₽</b>	৩৭. সুরা সাফফাত, মাকী ১৮২ আয়াত, ৫ জক্	-6
অসীম	দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহ্র ন	ाटम साटम

১। কসম তাদের (অর্থাৎ ফেরেশতাদের) যারা কাতারে কাতারে সারিবছ-

২। এবং তাদের যারা (শয়তানদেরকে) ধমক দিয়ে তাভিয়ে বেভার-

এবং তাদের যারা যিকির (গুরী) পঠে রত-

৪। নিশ্চয় ভোয়াদের উলার অবশাই একজন। প্রিনি আকাশসমত ও পথিবী এবং উভয়ের মাঝে বা কিছ আছে তার

প্রতিগালক এবং প্রতিপালক উদযুস্পদম্ভের

 মিচয় আমি দনিয়ার আকাশকে নক্ষররাজির সৌন্দর্য ধারা সসজিতে কবেছি-

৭। এবং সুরক্ষা করেছি প্রত্যেক বিদ্রোহী শরতান থেকে

৮। তারা উর্ধান্ধগতের কিছু প্রবণ করতে পারে না এবং তাদের প্রতি নিক্ষেপ করা হয় সকল দিক থেকে-

৯। বিভায়নের জন্য এবং ভাদের জন্য ব্যৱস্থে অবিবাম শান্তি-

১০। তবে (এর পরও) কেউ ছোঁ মেরে কিছ খনে ফেললে ফলন্ত অপ্রিশিখা তার পশাদ্ধারন করে।

১১। অতঃপর তাদেরকে জিজেস কর, তারা কি কঠিনতর সাঁট নাকি আমি (অন্য) যা কিছু সৃষ্টি করেছি তাঃ নিশ্চয় আমি তাদেরকে সৃষ্টি করেছি আঠালো মাটি থেকে।

১২, বরং ভূমি বিশ্বয়বোধ করছ, আর ভারা করছে বিদ্রূপ।

১৩। এবং যখন ভাদেরকে উপদেশ দেরা হয় তখন তারা উপদেশ গ্রহণ করে

১৪। একে মুখন তারা কোন নিমুখন দেখে তথম তারা উপস্থাত আর।

১৫। এবং বলে, 'এটা সুস্পই জাদু ছাড়া আর কিছু নয়,

১৬। আমরা যথন মরে যাব এবং মাটি ও হাড়ে পরিণত হব তথনও বি

আমাদেরকে পুনরুদ্বিত করা হবেঃ

১৭, আমাদের পূর্বপুরুষদেরকেওঃ"

১৮ বল, হাা, এবং ভোমরা হবে গাঞ্চিত,

১৯। তা কেবল এক বিকট শব্দ, এবং তৎক্ষণাৎ তারা প্রত্যক্ষ করবে।

\* চিপ্তিত স্থানের ট্রাকা পুরা বং ; আমাত দং অনুসারে তরজমার শেষে দেখুন

٣٤- سُورُ وُ الصَّفْت - مَكْنَةُ أَنَاتُهَا-٨٣. رُكُوْعَاتُهَا- ٥ بسهرالله الرَّحُمْنِ الرَّحِيْمِ

وَ الصَّفَّ مَفَّانُ فَا لرُّجرتِ زَجْرًا أَنَّ

فَا لِتُليٰتِ ذِكْرٌ أَنَّ انَّ الْهَكُمُ لَوَ احدٌ أَن رَبُّ السَّمَوٰتِ وَالْاَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا وَرَبُّ الْمَشَارِقِ قَ

إِنَّا زَيَّنَّا السَّمَاءَ الدُّنْيَا بِزِيْنَةِ ۗ الْكُوَ إِكِنَّهُ وَحِفْظًا مِّنْ كُلِّ شَيْطُن مًّا رد أَ

لَا يَسْبُعُونَ إِلَى الْمَلَا الْآعَلِي وَيُقْذَفُونَ مِنْ كُلِّ جَانب اللهِ دُحُوْ رَا وْ لَهُمْ عَذَابٌ وَّاصُّ ۞

الا مَنْ خَطفَ الْعَطْفَةَ فَأَتْبَعَدُ شَهَاتٌ ثَاقتٌ @ 

بَلُ عَجِبْتَ وَيَشْخَبُ وْنَ ﴿

وَاذَا ذُكِّرُ وَا لَا يَذْكُرُ وَنَ ﴿ وَاذَا رَآوًا أَيَّةً يُسْتَشْعِرُونَ ﴿ وَقَا لُوْۤا إِنْ هٰذَا إِلَّا سِحْرٌ مَّبِيْنٌ ۗ

ءَ إِذَا مِثْنَا وَكُنَّا تُرَابًا وَّعظَامًا ءَانًّا لَمَبْعُو ثُوْنَ ٥ أَوَابَا وَابَا وَلَوْنَ ٥

قُلْ نَعَرْ وَٱنْتُرْ دَاخِرُونَ ﴿ فَانَّهَا هِيَ زَجْءَةٌ وَّاحِدَةٌ فَاذَاهُمْ يَنْظُرُونَ ۞

৩৭. সূরা সাফফাত	পারা-২৩	٢٤ سُوْرَةُ الصَّقَٰبِ
২০. এবং তারা বলবে, 'দুর্জেগ আমাদের, এটাই বিচার দিন।'	į.	وَقَا لُوْا يُويُلَنَا هُذَا يَوْمُ ۖ الدِّيْنِ ⊛
২১। (বলা হবে) এটাই ফয়সালার দিন যাকে তোমরা প্রবীকার কর	181 P	هٰذَا يَوْمُ الْفَصْلِ الَّذِيْ كُنْتُرُّ بِهِ تُكَدِّبُونَ ۞
২২। (ফেরেশতাদেরতে বলা হবে) সমবেত কর জালিমদেরকে নেতাদেরকে) ও তাদের সহচরদেরকে এবং তাদেরকে যাদের		اُهُمُّرُوا الَّذِينَ طَلَمُوا وَآزُوَاجَمُر وَمَا كَانُوا يَعْبُدُونَ ٥
তারা করত- ২০। -আলুহেকে বাদ দিয়ে, অতঃপর তাদেরকে তীব্র আঙ্কে পরিচাদিত কর	র পথে	مِنْ دُوْنِ اللهِ فَاهْدُوْهُمْ إِلَى مِرَاطِ الْجَحِيْمِ ﴿
২৪। এবং তাদেরকে থামাও, নিকর তাদেরকে প্রস্নু করা হবে-		وَقَفُوْهُرْ إِنَّهُرْ مَّشَّتُو لُوْنَ ﴿
২৫। তোমাদের ব্যাপার কি, তোমরা একে অপরকে সাহাত্য করছ নাঃ		مَا لَكُرْ لَا تَنَا صَرُوْنَ ۞
২৬। বরং আজ তারা আত্মসমর্শণকারী।		بَلْ هُرُ ۗ الْيَوْمَ مُسُتَسْلِمُونَ ۞
২৭। এবং তারা একে অপরের সামনাসামনি হয়ে জিজাসাবাদ করবে।		وَٱقْبَلَ بَعْضُهُرْ عَلَى بَعْضٍ يَّتَسَاءَ لُوْنَ ﴿
২৮। তারা (সহচররা) বলবে, 'নিচয় তোমরা তান দিক থেকে (জ মানুব সেজে) আমাদের নিকট আসতে '	র্থাৎ তাল	قَا لُوٓ ۚ إِنَّكُمْ كُنْتُمْ تَاْتُونَنَا عَنِ الْيَمِيْنِ ۞
২৯। তারা (আলিম নেতারা) বলবে, 'বরং তোমরা মু'মিনই ছিলে না	,	قَا لُوْا بَلَ لَّمِ تَكُونُوْا مُؤْمِنِيْنَ ﴿
৩০। এবং ভোমাদের উপর আমাদের কোন ক্ষমতা ছিল না, বরং ( ছিলে সীমালজনকারী সম্প্রদায়।	তোমরাই	وَمَا كَانَ لَنَا عَلَيْكُمْ مِّنْ سُلْطِي ، بَلْ كُنْتُمْ قَوْمًا طَعِيْنَ ﴿
<ul> <li>৩১। সূতরাং আমাদের বিরুদ্ধে আমাদের প্রতিপালকের কথা ব হয়েছে, নিশ্চয় আমাদেরকে অবশ্যই শান্তি ভোগ করতে হবে।</li> </ul>	বেধারিত	فَحَقَّ عَلَيْنَا قَوْلُ رَبِّنَآ ۖ إِنَّا لَذَآ الِثَّالِثُوْنَ ⊛
৩২। আমরা তোমাদেরকে বিপর্থগামী করেছিলাম, কারণ নিকর বিপথগামী ছিলাম।'	আমরা	فَآغُو يُنكُرُ إِنَّا كُنَّا غُوِيْنَ ⊕
৩৩। সূতরাং শিক্তর তারা সেদিন শান্তিতে অংশীদার হবে।		فَإِنَّهُرْ يَوْمَثِلٍ فِي الْعَذَابِ مُشْتَرِكُونَ ⊖
<ul> <li>৩৪। নিশ্চয় আমি অপরাধীদের সাথে এমনই করে থাকি.</li> </ul>		إِنَّا كَذَٰ لِكَ نَفْعَلُ بِالْمُهْرِمِيْنَ ۞
৩৫। নিশ্চয় তারা ছিল এমন যখন তাদেরকে আল্লাব্ ছাড়া কোন ইব বলা হত তথন তারা অহংকার করত-	নাহ্ নেই	إِنَّهُرْ كَانُوٓ الِذَا قِيْلَ لَهُرْ لَّا إِلٰهَ إِلَّا اللهُ ۥ يَشْتَكْبِرُوْنَ ﴿
৩৬। এবং বলত, 'আমরা কি এক পাগল কবির জন্য আমাদের ইলা বর্জন করবঃ'	হদেরকে	وَيَقُوْلُونَ أَنِنَّا لَتَارِكُوٓ ﴿ الْهَتِنَا لِشَاعِرٍ مَّجُنُونٍ ﴿
৩৭। বরং সে সত্য নিয়ে এসেছিল এবং সে রাসূলদেরকে সত্য বলে করেছিল।	1 খীকার	بَلْ جَاءَ بِالْحَقِّ وَمَدَّقَ الْمُرْسَلِيْنَ @
৩৮। নিশ্চয় ভোমরা অবশ্যই যন্ত্রণাদায়ক শান্তি ভোগ করবে,		إِنَّكُورُ لَذَآ لِثُوا الْعَذَابِ الْآ لِيُوا ﴿
৩৯। এবং তোমাদেরকে তারই প্রতিফল দেয়া হবে যা ভোমরা করত	ē-	وَمَا تُجْزَوْنَ إِلَّامًا كُنْتُرْ تَعْمَلُوْنَ ﴿
৪০। তবে তাদেরকে নয় যারা আল্লাহুর বাছাইকৃত বান্দা।		إِلَّا عِبَادَ اللهِ ٱلْمُشْلَمِيْنَ ⊛
৪১। তাদেরই জন্য রয়েছে নির্বারিত রিযিক-		ا اُولَئِكَ لَهُرْ رِزْقٌ مَّعْلُومٌ ٥

ু সুরা সাক্ষাত	ারা-২৩	* سُوْرَةَ الفَّقَبِ
২২ফল-মূল, এবং তারা হবে সন্মানিত-		فَوَ اكِدُ، وَهُرْ شَكْرَمُوْنَ ١
৩। দেয়ামতপূর্ণ জান্নাতসমূহে-		فِيْ جَنّْبِ النَّغِيْرِ ﴾
৪। (বসবে) আসনসমূহের উপর পরম্পর মুখোমৃথি হয়ে।		ىلى سُرُ رِمُّتَقْبِلِيْنَ @
<ul> <li>ওাদেরকে ঘুরে ঘুরে পরিবেশন করা হবে ঝর্ণা নিরস্ত (সুরাপুর্ণ পানপাত্র-</li> </ul>	ħ .	يُطَانُ عَلَيْهِمْ بِكَأْسٍ مِّنْ مَّعِيْنٍ ﴿
৪৬। -তত্র উঞ্জল, পানকারীদের জন্য সুখাদু,		بَيْضًاءَ لَذَّةٍ لِّلشِّرِبِيْنَ 👸
3৭। তাতে ক্ষতিকর কোন কিছু ধাকবে না এবং তাতে তারা মাতালও হবে ন	11	لَافِيْهَا غَوْلٌ وَّلَاهُرْ عَنْهَا يُنْزَفُونَ ۞
৮। তাদের সঙ্গে থাকবে আন্তনয়না, ভাগরনয়না হুররা-		عِنْدَهُرْ قَمِرْتُ الطَّرْبِ عِيْنٌ ﴿
৪৯। তারা যেন সুর্জিত তিয <sup>়</sup>		نَا نَهُنَّ بَيْضٌ مَّكُنُونٌ ۞
20। এবং তারা একে অপরের সামনাসামনি হয়ে জিজ্ঞাসাবাদ করবে।		اَقْبَلَ بَعْفُهُمْ عَلَى بَعْضٍ يَتَسَاءَ لُوْنَ ⊛
2১। তাদের একজদ বগবে, নিশ্চয় আমার ছিল এক সঙ্গী-		الَ قَائِلٌ مِّنْمُرْ إِنِّي كَانَ لِيٛ قَرِيْنٌ ۞
৫২. সে বলত, 'ভূমি কি (পুনরুখানকে) সত্য বলে স্বীকারকারী  জন্মজন্ত  স্বি  স্বি  স্বি  স্বি  স্বি  স্বা  স্বি  স্বা  স্বি  স্ব  স্ব  স্ব  স্ব  স্ব  স্ব  স্	TSR .	قُوْلُ أَئِنَّكَ لَمِنَ الْمُمَرِّقِيْنَ ۞
ক্তবুত। আমরা যখন মরে যাব এবং মাটি ও হাড়ে পরিপত হব তথনও। আমাদেবকে প্রতিদান দেয়া হবেং'	Par I	إِذَا مِثْنَا وَكُنَّا تُرَابًا وَعِظَامًا ءَإِنَّا لَمَدِيثُنُونَ ⊛
৪৪: সে বলবে, 'ভোমরা কি ভাকে দেখতে চাণ্ডা'		ا لَ هَلْ أَنْتُرْ مُطِّلِعُوْنَ @
৫৫। অভঃপর সে ঝুঁকে দেখনে এবং তাকে দেখতে পাবে উত্ত আক্ত	नज	اطَّلَعَ فَرَاهُ فِيْ سَوَّاءِ الْجَحِيْرِ ۞
মাঝখানে। ৫৬। সে বলবে, 'আল্লাব্র কসম! তুমি আমাকে প্রায় ধাংসই ক ফেলেডিলে-	G	الَ تَاللهِ إِنْ كِدْتْ لَتُرْدِيْنِ ﴿
বেণা আমার প্রতিপালকের নেরামত না থাকলে আমিও (জাহান্নামে) উপরি ব্যক্তিদের অন্তর্জক হতাম।	(a	لَوْ لَانِعْمَةُ رَبِّى لَكُنْتُ مِنَ الْمُحْفَرِيْنَ ⊛
৫৮। আমরা কি ভার মৃত হব না-		لَمَا نَحْنُ بِمَيِّتِيْنَ ﴿
৫৯। আমাদের প্রথম মৃত্যু ছাড়া, এবং আমাদেরকে শান্তিও দেয়া হবে নাঃ	,	لْامَوْتَتَنَا الْأُوْلَىٰ وَمَانَحُنُ بِمُعَدَّ بِيُعَدِّ بِيْنَ ﴿
৬০। নিভয় এটি অবশ্যই মহাসাফণ্য।		نَّ هٰذَا لَهُوَ الْغَوْزُ الْعَظِيْرُ ۞
৬১। এরপ সাফল্যের জন্যই কর্মীদের কর্ম করা উচিত।		مِثْلِ هٰذَا فَلْيَعْمَلِ الْعُمِلُونَ ۞
	- 1	

★ চিহ্নিত স্থাদের টীকা সূরা নং : আয়াত নং অনুনারে ভরঞ্জমার শেবে দেবুল

<b>০৭. সুরা সাফ্</b> কাত পারা-২০	٣-سُوْرَةُ الفَّقَٰبِ
৬২, আপ্যাতন হিসেবে কি এটাই উত্তম নাকি যাকুম বৃক্তঃ	ٱذْلِكَ غَيْرٌ نُّزُلًا ٱثَاهَجَرَةً الزَّقُومِ@
৬৩। নিশ্চয় আমি তা বানিয়েছি জালিমদের জন্য পরীকাস্বরূপ।	إِنَّا جَعَلَتْهَا فَتَنَةً لِّلظُّلِمِينَ ۞
৬৪। দিকর তা এমন এক বৃক্ষ যা উৎপন্ন হয় তীব্র আগনের (জাহান্নামের) তল্যমেশে-	انَّهَا شَجَرَةٌ تَخُرُجُ فِي أَمْلِ الْجَحِيْرِ ﴾
৬৫। এর মোচা, যেন এটি শয়তানদের মাথা,	طَلْعُهَا كَأَنَّهُ رُءُوْسُ   لشَّيْطَيْنِ ۞
৬৬, এবং নিকয় তারা অবশ্যই তা থেকে আহার করবে এবং তা দিয়ে উদর পূর্ণ করবে।	فَإِنَّهُمْ لَأَكِلُوْنَ مِنْهَا فَمَا لِتُوْنَ مِنْهَا الْبُطُونَ ﴿
৬৭। এরপর নিশ্চর তাদের জন্য থাকবে উত্তপ্ত পানির (ও পুঁজের) নিপ্রপ,	ثُرَّ إِنَّ لَهُرْ عَلَيْهَا لَشَوْبًا مِّنْ حَمِيْرٍ ﴿
৬৮। এরপর নিক্তর তাদের প্রত্যাবর্তন অবশ্যই উত্তি আভদের দিকে।	ثُمَّ إِنَّ مَرْجِعَمُرْ لَأَإِلَى الْجَعِيْرِ ۞
৬৯। নিডয় তারা তাদের বাপ-দাদাদেরকে পেরেছিল পথন্দ্রট-	إِنَّهُرْ ٱلْفَوْا أَبَاءَهُرْ فَآلِّينَ ﴾
৭০। সুতরাং তারা তাদের পদাভদমূহ অনুসরণে ধাবিত হয়েছিল।	فَهُرْ عَلَى الْرِهِرْ يُهْرَعُونَ ۞
৭১। আর অবশ্যই তাদের পূর্বে পূর্ববর্তীদের অধিকাংশই পথন্তই হয়েছিল-	وَلَقَدْ مَلِّ قَبْلَهُرْ أَكْتُرُ الْأَوِّلِيْنَ ﴿
৭২। এবং অবশ্যই আমি ভাসের মধ্যে সতর্ককারীনেরকে প্রেরণ করেছিলাম।	وَلَقَدْ ٱرْسَلْنَا فِيْهِرْ مُّنْذِرِيْنَ ۞
৭৩। সুতরাং শক্ষ্য কর যালেরকে সতর্ক করা হয়েছিল, কেমন ছিল তালের পরিবাম-	فَانْظُرْ كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ ٱلْمُنْذَ رِيْنَ ﴿
৭৪. আল্লাহ্র বাহাইকৃত বান্দারা হাজা।	إِلَّا عَبَادَ اللهِ الْمُخْلَصِينَ ﴿
৭৫। আর অবশ্যই মৃহ আমাকে ভেকেছিল, এবং আমি কতই না উভ্য সাভাদানকারী।	وَلَقَدُ نَادُبِنَا نُوْحٌ فَلَنِعْرَ الْمُجِيْبُوْنَ ۖ
৭৬। এবং তাকে ও তার পরিবারবর্গকে আমি উদ্ধার করেছিলাম মহাসংকট থেকে	وَنَجَّيْنَهُ وَآهَلَهُ مِنَ الْكَرْبِ الْعَظِيْرِ ۖ
৭৭। এবং তার বংশধরকেই আমি অবশিষ্ট রাখলাম,	وَجَعَلْنَا دُرِيَّتَهُ هُرُ ۚ الْبُقِيْنَ ۖ
৭৮। এবং পরবর্তীদের মাঝে আমি তাকে (স্বরণীয় করে) রাঝলাম,	وَتَرَكْنَا عَلَيْهِ فِي الْإِحْرِيْنَ اللَّهِ
৭৯। জগৎসমূহের মধ্যে দূরের উপর সালাম (শাস্তি)।	سَلرٌ عَلَى نُوْحِ فِي الْعُلَمِيْنَ ۞
৮০। নিশ্চয় এভাবেই আমি সংকর্মপরায়ণদেরকে প্রতিদান দেই।	إِنَّا كُذَٰ لِكَ نُجُزِى الْمُحْسِنِيْنَ ۞
৮১। দিশ্ব সে হিল আমার মুখিন বান্দাদের অন্তর্জ্ঞ।	إِنَّهُ مِنْ عِبَادِنَا الْمُؤْمِنِيْنَ @
- চিকিত স্থানের টাকা সূরা নং : আমাও নং অনুসারে ভরজমার পেফে দেবুন	

1-20	

৮১। এরপর অন্য সকলকে আমি নিম্নজ্ঞিত করেছিলাম।

৩০ সরা সাক্ষ**া**ত

৮৩। আর নিক্তা ইবরাহীম অবশাই তার (অর্থাৎ নহের) দলের অন্তর্ভত।

৮৪। মধ্য যে তার প্রতিপালকের নিকট উপস্থিত হয়েছিল বিশ্বছালিক।

hró। যখন সে ভাব পিতা ও ভাব সম্পদায়কে বলেছিল ভোমবা কিসেব উপাসনা করণে।

৮৬। তোমবা কি আলাহকে বাদ দিয়ে মিখ্যা ইলাহদেৱকে (উপাস্যদেৱকে)

৮৭। ভগৎসমতের প্রতিপালক সম্বন্ধে তোমালের ধারণা কীঃ

৮৮। অসংগর মে সারকারাহিব দিকে একবার সাঞ্চার-

৮৯। এবং বলল, "দিভর আমি অসন্ত।"

৯০। অসংপর সারা সাকে পিছাম বোধ চাল গেল।

৯১: পরে সে সম্বর্গদে তাদের ইলাহদের (উপাসাদের) নিকট গেল এবং

বলল 'মেয়াবা খান্য প্রতণ বক্ত না কেনঃ ৯২। তোমাদের কী হয়েছে যে, তোমরা কথা বল না।

৯৩। অতঃপর সে তাদের উপর ভান হাতে (অর্থাৎ সজোরে) আঘাত করদ।

৯৪। অভঃপর ভারা ভার দিকে চটে আসল।

৯৫। সে বলল 'তোমবা কি তানেবই উপাসনা কর যাদেবকৈ ভোমবা খোলাই ক্রবে সৈরি কর-

১৬: অথ্য আধাইট সৃষ্টি করেছেন ভোমাদেরকে এবং ভোমরা যা কর

৯৭। তারা বলদ, 'তার জন্য একটি (অপ্রিক্তের) স্থাপনা নির্মাণ কর, অতঃপর তাকে তীব আগুনে নিকেপ কৰ-"

৯৮। তারা তার বিরুদ্ধে যভযন্ত করতে চেয়েছিল কিন্তু আমি তাদেরকে সর্বাধিক অপদস্থ করে দিলাম।

৯৯। সে বলল, 'নিশ্চর আমি আমার প্রতিপালকের দিকে চললাম. শীছাই তিনি

আমারে সমিক পথ পার্কর করাকর। ১০০।তে আয়ার প্রতিপালক। আয়াতে এক সংকর্মশীল সমান দান ককন।"

১০১ অতঃপর আমি তাকে এক সহনশীল পরের সুসংবাদ দিলাম।

ثُرُّ أَغْرَقْنَا الْإِخْرِينَ هِ وَانَّ مِنْ شَيْعَتِهِ لَابُوا هِيْرَ ﴿ اثْجَاءَ رَبُّهُ بِقَلْبِ سَلْمٍ ﴿

Jani ...

اذْ قَالَ لاَ بِيْهِ وَقَوْمِهِ مَاذَ ا تَعْبُدُونَ ﴿

أَنْفُكًا أَلْهَةً دُوْنَ الله تُب يُدُوْنَ ﴿ فَمَا ظَنُّكُرْ بِرِّبِّ الْعُلَمِيْنَ ۞ فَنَظَرَ نَظْرَةً فِي النَّجُوْ ] قَ

فَقَالَ إِنَّى سَقَيْرٌ ﴿ فَتَوَلُّوا عَنْهُ مُدْبِ يْنَ @ فَرَاغَ إِلَّ الهَتِهِرْ فَقَالَ أَلَا تَأْكُلُونَ ﴿

مَا لَكُرْ لَاتَنْطَقُوْنَ ۞ فَرَاغَ عَلَيْهِرْ ضَرْبًا ٰ بِا لْيَمِيْنِ ۞ فَأَقْبَلُوا الَّيْهِ يَزِقُونَ @

قَالَ أَتَعْبُدُونَ مَا تَنْعَبُونَ ﴿ وَاللهُ خَلَقَكُمْ وَمَا تَعْمَلُونَ @

قَالُوا الْنُوْا لَدُ بُنْيَانًا فَالْقُوْلُافِي الْبَحْيِ @

فَا رَادُوا بِهِ كَيْدًا فَجَعَلْنَهُرُ ۖ الْأَشْفَلَيْنَ ۞ وَقَالَ انَّيْ ذَاهِبُ إلى رَبَّيْ سَيَهُديْنِ @ رَبٌّ مَبْ إِنْ مِنَ الصَّلِحِيْنَ ۞

فَبَشَّوْنُهُ بِغُلْرٍ حَلِيْرٍ ۞

<u>াপ, সূরা সাঞ্জাত                                    </u>	١٠ سورة العمي
১০২। মহাদ্দের সে দব্দ বাবে নিজর মাধ্য গৌনুহারট্যি কার্যন বাবের বিশ্বনীত হল কাম্বনি কর্মিন পালা, 'দানা নিজন আমি বাতু গোলাইন ক্লোক্তাকে মার্মি কর্মাই কর্মাই, করনো কার্য- ক্লোক্তাকে প্রতিক্রা ক্লিয়া ক্লোক্তাক বিশ্বন করা হয়েছে কার্যন ক্লিয়া ক্লোক্তাক বার্মন করা ক্লোক্তাক ক্লোক ক্লোক ক্লোক ক্লোক্তাক ক্লোক্তাক ক্লোক্তাক ক্ল	فَلَمَّا بَلَغَ مَعُهُ السُّفَىُ قَالَ يَشْنَّى إِنِّنَّ أَرْبَى إِلْمَتَا إِلَّنَّ أَرْبَى إِلْمَتَا إِلَّنَّ الْإَيْكُ فَانْظُوْمَادَا تُوْنِ، قَالَ كَيْاتِبِ افْعَلَمَا تُؤْمَرُ ا سَجِدُنْقُ إِنْ هَأَنَّ اللَّهُ بِنَ الشَّيِرِيْنَ ⊖ فَلَمَّا أَسْلَمَا وَلَلْهُ لِلْجَنِيْنِ فَا لَيْسِانِينَ وَكُلْهُ لِلْجَنِينِ فَاللَّمَا اللَّهِ فَيْنَ ⊖
১০৪। তথন আমি তাকে ডেকে বল্লাম, 'হে ইব্রাহীম।	وَنَادَيْنُهُ أَنْ يَّالِبُرْهِيْرُ ﴾
১০৫। অবশ্যই তৃমি স্বপ্লকে সত্যে পরিগত করলে, নিশ্চয় আমি এতাবেই সংকর্মপরায়ণদেরকে প্রতিদান দেই।'	قَدْ مَدَّقْتَ } لرَّءْيَا : إِنَّا كَذْ لِكَ نَجْزِى الْمُحْسِنِيْنَ ۞
১০৬। দিশুর এটি ছিল অবশ্যই এক সুম্পষ্ট পরীক্ষা।	إِنَّ هٰذَا لَهُوَ الْبَلِّوُ الْمُبِيْنُ ⊕

estati- No.

১০৬। নিশ্চয় এটি ছিল অবশ্যই এক সম্পন্ন পরীক্ষা। ১০৭।এবং আমি তাকে ফিলিয়া দিলাম (মুক্ত করলাম) একটি মহান জবাই

ক্রার প্রচ হারা \*

১০৮। এবং আমি পরবর্তীদের মাঝে ডাকে (স্থবণীয় করে) বোগঙি ১০৯। ইবরাহীমের উপর সালাম (শান্তি),

১১০। এজাবেট আমি সংবর্মপরায়ণাদরকে প্রতিদান দেট।

১১১। নিশ্চর সে ছিল আমার ম'মিন বান্দাদের অন্তর্ভক। ১১২। আমি ভাকে সুসংবাদ দিলাম ইসহাকের, যে (হবে) সংকর্মনীলদের মধ্য

থেকে একজন নবী। তাদের বংশধরের মধ্যে কিছু সংখ্যক সংকর্মপরায়ণ আব কিছ সংখ্যক

নিজেনের প্রতি স্পষ্ট জলমকারী। ১১৪: আর অবশ্যই আমি অন্তাহ করেছিলাম মসা ও হারনের প্রতি,

১১৫ এবং ভাদের দ'জনকে এবং ভাদের সম্পদায়রে আমি উদ্ধার করেভিলায় प्रकासकार करन ১১৬৷ এবং আমি সাম্বায় করেছিলাম ভাদেরকে ফলে ভারাই বিজয়ী প্রবাজিল

১১৭। আমি উভয়কে সম্পষ্ট কিতাব দিয়েছিলাম

১১৮. এবং ভাদেবাক আমি সবল সঠিক পথ পদর্শন ব্যবছিলায়

\* চিক্তিত স্থানের তীকা পরা নং ; আয়াত নং অনুসারে তরজমার শেষে দেখুন

১১৯। এবং আমি পরবর্তীদের মাঝে তাদেরকে (শ্বরণীয় করে) রেখেছি-১১০। মসা ও তাক্রনের উপর সালায় (শানি)।

وَبَشَّهُ لَهُ بِاشْحُقَ نَبِيًّا مِّنَ الصَّلَحَيْنَ @

وَلَقَدُ مَنَنَّا عَلَى مُوْسَى وَهُوْنَ هُ وَنَجَّيْنَهُمَا وَقَوْمَهُمَا مِنَ الْكَرْبِ الْعَظْيِرِ أَ

وَنَصَوْنَهُمْ فَكَانُوْا هُرُ الْغُلْبِيْنَ ﴿ وَ إِنَّيْنَهُمَا الْكُتِّبِ الْمُسْتَبِينَ ﴾

وَهَدَيْنُهُمَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيْرَ ﴿ وَتَرَكْنَا عَلَيْهِمَا فِي الْأَخِرِيْنَ أَهُ

سَلَرٌ عَلَى مُوْ سَى وَهُرُونَ ﴿

وَفَدَيْنُهُ بِذِبْهِ عَظِيْرٍ ۞

سَلَرٌ عَلَى إِبْرُهِيْرَ ﴿

وَتَرَكْنَا عَلَيْهِ فِي الْأَحْرِيْنَ اللَّهِ

كَذْ لِكَ نَجْزِى الْمُحْسِنِينَ @

انَّدُ مِنْ عَبَادِنَا الْمُؤْمِنِينَ @

There ..

৭. সুরা সাক্ষণাত	পারা-২ং	٢-سُوْرَةُ القُلْبِ
১২১। নিশুর আমি প্রভাবেই সংকর্মপরায়ণদে	ন্তকে প্রতিদান দেই।	إِنَّا كَذَٰ لِكَ نَجْزِى الْمُحْسِنِينَ ۞
১২২। নিশ্চয় তারা দু'জন ছিল আমার মু'মিন	বান্দাদের অন্তর্ভুক্ত।	إِنَّهُمَا مِنْ عِبَادِنَا الْمُؤْمِنِينَ ﴿
১২০। এবং নিকন্ত ইলইয়াস ছিল অবশ্যই রা	স্পদের অন্তর্ভুক	وَ إِنَّ إِلْيَاسَ لَمِنَ الْمُرْسَلِيْنَ ﴿
১২৪। ধবন সে ভার সম্প্রদায়কে বলেছিল, 'চ	তামরা কি (আল্লাহ্কে) কয় করবে	إِذْ قَالَ لِقَوْمِهِ ۚ آلَا تَتَّقُونَ ۞
১২৫। তোমরা কি বা'আল <sup>*</sup> (নামক মৃতি) । করবে সর্বোজন স্টাকে-	দেবভাকে ভাকবে এবং পরিত্যাগ	ٱتَدْعُونَ بَعْلًا وَّ تَذَرُونَ ٱحْسَنَ الْحَا لِقِيْنَ ﴿
১২৬ -আল্লাহকে, যিনি প্রতিপালক তোমার পর্বপ্রক্রাদেরঃ	দের এবং প্রতিপালক ভোমাদের	اللهَ رَبُّكُمْ وَرَبُّ ابَآ ثِكُرُ الْأَوَّلِيْنَ ⊛
প্রদেশসের ১২৭। অতঃপর তারা তাকে মিথ্যাবাদী বল অবশ্যই (শান্তির জন্য) উপস্থিত করা		فَكَذَّا بُوْهُ فَإِنَّهُمْ لَمُهْضَرُونَ ﴿
১২৮: আল্লাহ্র বাছাইকৃত বান্দাদেরকে ছাড়া		إِلَّا عِبَادَ اللهِ الْمُحْلَمِيْنَ ⊛
১২৯ এবং আমি পরবর্তীদের মাঝে তাকে (	(অরণীয় করে) রেখেছি-	وَتَرَكْنَا عَلَيْهِ فِي الْأَخِرِيْنَ ﴾
১৩০।ইলইয়াসীনের <sup>*</sup> উপর সালাম (শান্তি):		سَلَرٌ كَلَّ إِلْ يَاسِيْنَ ⊖
১৩১। নিশ্বয় আমি এতাবেই সংকর্মপরায়ণত	নরকে প্রতিদান দেই।	إِنَّا كَذْلِكَ نَجْزِي الْمُحْسِنِيْنَ ۞
১৩২। নিশ্চয় সে ছিল আমার মু'মিন বান্দাদে	র অন্তর্ভুক্ত।	إِنَّهُ مِنْ عِبَادِنَا الْمُؤْمِنِيْنَ ﴿
১৩৩। এবং নিকয় লৃত হিল অবশ্যই রাস্ল	দর অভর্ভুক্ত,	وَإِنَّ لُوْظًا لِّمِنَ الْمُرْسَلِيْنَ ﴿
১৩৪। যখন আমি তাকে ও তার পরিবারের	সবাইকে উদ্ধার করেছিলাম-	إِذْ نَجَّيْنُهُ وَٱهْلَهُ ٱجْمَعِيْنَ ﴾
১৩৫।এক বৃদ্ধা ছাড়া, যে ছিল পিছনে ও অন্তর্ভত।	সকে যাওয়াদের (ধাংসপ্রাপ্তদের)	اِلَّا عَجُوْزًا فِي الْغَبِرِيْنَ ⊖
১৩৬। এরপর অবশিষ্টদেরকে আমি ধ্বংস ক	রেছিলাম।	ثُرُّ دَمَّوْنَا †لْأَغَرِيْنَ ⊖
১৩৭। এবং নিক্ষ তোমরা অবশ্যই তাদের।	কে অভিত্রম করে থাক প্রভাতে-	وَإِنَّكُرْ لَتَمُوُّونَ عَلَيْهِرْ مُصْبِحِيْنَ ﴿
১৩৮।ও রাতে। তবে কি ভোমরা অনুধাবন	করা নাঃ জন্ম	وَبِا لَّيْلِ، إَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴾
১৩৯। এবং নিশ্চয় ইউনুস ছিল অবশ্যই রাস্	লদের অন্তর্ভূক।	وَإِنَّ يُونُسَ لَمِنَ الْمُرْسَلِيْنَ ﴿
১৪০। যখন সে পালিয়েছিল <sup>®</sup> বোঞ্চাই নৌৰ	য়ানের দিকে-	إِذْ اَبَقَ إِلَى الْفُلْكِ الْمَشْحُونِ ﴾
১৪১। অভঃপর সে লটারীতে অংশ নিল ও	পরাজিত হল,	فَسَاهَرَ فَكَانَ مِنَ الْمُدْحَفِيْنَ ۗ
১৪২। পরে এক বৃহদাকার মাহ তাকে দিলে তিকেত।	ফেলল, এমন অবস্থায় যে সে হিল	فَا لْتَقَهَهُ الْحُوْتُ وَهُوَ مُلِيْرٌ ﴿

তিরকৃত।

\* চিকিত প্রমের টীকা সূরা নং : আল্লাক নং অনুসারে তরজনার পেনে দেখুন

৩৭, সুৱা সাফফাত পার	٣- سُورَةُ القَفْ
১৪৩। তথন সে যদি তসবীহকারীদের (আস্তাহ্র পরিত্রতা ঘোষণাকারীদের) অন্তর্গুক্ত মা হত-	فَلَوْلَاۤ اَنَّهُ كَانَ مِنَ الْهُسَيِّحِيْنَ ﴾
১৪৪। অবশ্যই সে তার পেটের মধ্যে অবস্থান করত সেদিন পর্যন্ত যেদিন পুনরুখিত করা হবে,	لَلَبِكَ فِي بَطْنِهِ إِلَى يَوْمِ يُبْعَثُونَ أَهُ
১৪৫। অতঃপর তাকে আমি নিক্ষেপ করলাম এক তৃণহীন প্রান্তরে, এমন অবস্থায় যে সে ভিল অসম্ভ	فَنَبَدُنْهُ بِالْعَرَاءِ وَهُوَ سَقَيْرٌ ﴾
১৪৬। এবং আমি তার উপর লতাপাতাযুক্ত একটি গাছ উদগত করলাম,	وَٱلْبَتْنَا عَلَيْهِ شَجَرةً مِّنْ يْقْطِينِ ﴿
১৪৭। এবং তাকে আমি একশত হাজার (এক লক) বা ততোধিক লোকের জন্য প্রেরণ করেছিলাম,	وَٱرْسَلْنَهُ إِلَى مِاقَةِ ٱلَّفِ ٱوْيَزِيْدُونَ ﴾
১৪৮। এবং তারা ঈমান এনেছিল, ফলে আমি তাদেরকে একটি সময় পর্যন্ত জীবনোপভোগ করতে দিলাম।	فَامَنُوا فَمَتَّعْنَهُرْ إِلَى حِيْنٍ ﴿
১৪৯। সুতরাং তাদেরকে জিল্পাসা কর, তোমার প্রতিপাসকের জন্যই কি কন্যা সন্তান এবং তাদের জন্য পুত্র সন্তানঃ	فَاشْتَفْتِهِرْ ٱلِرَبِّكَ الْبَنَاتُ وَلَهُرُ الْبَنُونَ ﴿
১৫০। আমি কি কেরেশতাদেরকে নারীয়পে সৃষ্টি করেছিলাম, এমন অবস্থার যে তারা প্রত্যক্ষ করছিলঃ	اً ْ غَلَقْنَا الْمَلَّئِكَةَ إِنَاقًا وَّمُرْ هُمِدُوْنَ ۞
১৫১। জেনে রাখ, নিশ্চয় তারা তাদের মিধ্যাচার থেকে অবশ্যই বলে-	ٱلَّا إِنَّهُرْ مِّنَ إِفْكِمِرْ لَيَقُو لُوْنَ ﴾
১৫২। আল্লাহ্ সন্তান জন্ম দিয়েছেন, এবং নিশুর তারা অবশ্যই মিথ্যাবাদী।	وَلَدَ اللهُ وَإِنَّهُمْ لَكُذِبُونَ ۞
১৫৩। তিনি কি পুত্র সন্তানদের চেয়ে কন্যা সন্তানদেরকে বেশি গছল করেছেনঃ	أَمْطَفَى الْبَنَاتِ عَلَى الْبَنِينَ ﴿
১৫৪। ভোমাদের কী হরেছে, ভোমরা কেমন বিচার <sup>*</sup> করছঃ	مَالَكُرْ هِ كَيْفَ تَحْكُمُوْنَ ⊕
১৫৫। তবে কি তোমরা উপদেশ গ্রহণ করবে নাঃ	إَفَلَا تَذَكَّرُونَ ﴾
১৫৬। তোমাদের কাছে কি সুস্ট প্রমাণ আছে।	آَمْ لَكُورْ سُلُطْنٌ مُّبِيْنٌ ﴿
১৫৭ তাহলে তোমরা তোমাদের কিতাব নিয়ে আস- যদি তোমরা সভ্যবাদী তথ্য	فَأْتُوا بِكِتْبِكُرْ إِنْ كُنْتُرْ مُدِقِيْنَ ۞
১৫৮৷ এবং তারা তাঁর ও জ্বীন জাতির মাঝে একটি বংশ <sup>*</sup> (অর্থাৎ বৈবাহিক সম্পর্ক) নির্ধারণ করেছে, কিন্তু জ্বীন জাতি অবশাই অবশাই জেনেছে, নিশুয় তাদেরকে অবশাই (বিচারের অন্য) উপস্থিত করা হবে-	وَجَعَلُوْ( اَيْنَهُ وَبَيْنَ الْجِنَّةِ نَسَبًا ﴿ وَلَقَنْ عَلِمَتِ الْجِنَّةُ إِنَّهُ إِنَّهُ مِلْ لَمُحْفَرُونَ ۞
১৫১। তারা যে গুণ বর্ণনা করে তা থেকে জাল্লাহ পবিত্র-	سُبْحَٰنَ اللهِ عَمَّا يَمِفُونَ ﴾
১৬০। আল্লাহর বাছাইকৃত বান্দারা ছাড়া (তারা কর্ণনা করে না)।	إِلَّا عِبَادَ اللهِ الْمُحْلَمِيْنَ ⊛
১৬১, অতএব দিশ্বয় ভোমরা এবং ভোমরা যানের উপাসনা কর-	فَإِنْكُرْ وَمَا تَعْبُدُونَ ٥
১৬২। (গৰাই মিলে) তোমরা তাঁর সম্বন্ধে (কাউকে) বিভ্রান্ত করতে পারবে না-	مَا ٱنْتُرْ عَلَيْهِ بِغِنْتِينَى ﴿
১৯০। আয়াহর বাহাইকৃত বংশরা হাড়া (তারা কনি করে না)। ১৯১: অতএব দিশ্বর তোমরা এবং তোমরা যানের উপাদন কর- ১৯২। (সবাই মিদা) তোমরা তার সবামে (কটিকে) বিভান্ত করতে পারবে	(عِيَّادُ اللهِ الْمُعَلِّمِينَ)۞ الْكُرْرُعَا تَفِيدُرُنِنَ۞ اَنْتُرْ عَلَيْهِ بِلْتِنِيْنَ۞

a. সুরা সাক্ষাত		,,
১৬০। তীব্ৰ আগুনে প্ৰবেশকাৰীকৈ ছাড়া।		لْأَمَنْ هُوَ مَا لِ الْجَحِيْرِ ۞
১৬৪। আর (ফেরেশতারা বলে) আমাদের প্রত্যেকের জন্যই রয়ে।	হ একটি	مَا مِنَّا إِلَّا لَهُ مَقَاءٌ مُّعْلُومٌ ﴿
নিৰ্দিষ্ট স্থান- ১৬৫ এবং নিশ্চয় আম্বয় অৱশাই সাহিবদ্ধ.		إِنَّا لَنَهُنُ ۚ المَّا قُوْنَ ﴾
১৬৬। এবং শিক্ষা আমরা অবশ্যই (তাঁর) পবিত্রতা ঘোষণাকারী।		اِنَّا لَنَحْنُ الْهُسَبِّحُوْنَ ۞ انَّا لَنَحْنُ الْهُسَبِّحُوْنَ ۞
2001 and July Minne Marile (MN) . Have at collection in		
১৬৭। যদিও তারা অবশ্যই বলে আসছে-		إِنْ كَانُوْا لَيَقُوْ لُوْنَ ۗ
১৬৮ যদি আমাদের কাছে পূর্ববর্তীদের থেকে কোন উপদেশ ( থাকত-	[কিভাব)	اِ أَنَّ عِنْدَنَا دِكْرًا مِّنَ الْأَوَّ لِيْنَ ﴾
১৬৯. অবশ্যই আমরা আল্লাহ্র বাভাইকৃত বান্দা হতাম।		كُنَّا عِبَادَ اللهِ الْمُحْلَمِيْنَ ۞
১৭০। কিন্তু তারা এটিকে (কুরআনকে) অবিশ্বাস করল, সুতরাং অচিত জনবে।	এই ভারা	غُرُوْا بِهِ فَسَوْنَ يَعْلَمُوْنَ ⊛
১৭১। আর অবশাই আমার প্রেরিত বান্দাদের সম্পর্কে আমার বাণী গণ (অর্থাৎ দিখিত রয়েছে),	চ হয়েছে	قَدْ سَبَقَتْ كَلِمَتُنَا لِعِبَادِنَا الْمُرْسَلِيْنَ الْمُ
১৭২। নিক্য তারাই সাহায্যপ্রাপ্ত হবে,		هُرْ لَهُرُ الْمَنْمُوْرُونَ ﴿
১৭৩। এবং নিক্ষয় আমার বাহিনীই বিজয়ী হবে।		نَّ جُنْدَنَا لَهُرُ الْغَلِبُونَ ﴿
১৭৪। অতএব কিছু সময়ের জন্য ভূমি তাদেরকে উপেঞ্চা কর-		وِّلَّ عَنْهُرْ حَتَّى حِيْنٍ ﴿
১৭৫। এবং তাদেরকে দেখতে থাক, অতঃপর অচিরেই তারা দেখবে।		يْصِرْهُرْ فَسَوْنَ يُبْمِرُونَ ۞
১৭৬। তবে কি তারা আমার শাস্তি তাড়াতাড়ি পেতে চায়?		بِعَدَابِنَا يَشْتَعْجِلُوْنَ ⊛
১৭৭। অতঃপর যথন তাদের আঙিনার (শান্তি) নেমে আসবে, তথন সতর্ক করা হয়েছিল তাদের প্রভাত হবে কতই না মন্দ!	যাদেরকে	دًا نَزَلَ بِسَاحَتِهِرْ فَسَّاءَ صَبَاحُ <b>الْمُنْ</b> ذَرِيْنَ @
১৭৮। এবং কিছু সময়ের জন্য ভূমি তাদেরকে উপেক্ষা কর-		رِ لَّ عَنْهُرْ حَتَّى حِيْنٍ ﴾
১৭৯। এবং তাদেরকে দেখতে থাক, অতঃপর অচিরেই তারা দেখবে		يُورْ فَسَوْنَ يُبَصِرُونَ ﴿
১৮০। ভারা যে ৩৭ বর্ণনা করে ভা থেকে ভোমার প্রতিশালক পাঁ সকল সন্মানের অধিকারী,	रेज, चिनि	حٰنَ رَبِّكَ رَبِّ الْعِزَّةِ عَمًّا يَمِفُونَ ﴾
১৮১। এবং রামূলদের উপর সালাম (শান্তি),		لَمَّ فَكَ الْمُرْسَلِيْنَ ﴿
১৮২। আর সকল প্রশংসা জগৎসমূহের প্রতিপাদক আল্লাহ্র জন্য।	9	مَّدُ لِلهِ رَبِّ الْعَلَمِيْنَ ﴿

পারা-২৩

৩৭ সৱা সাক্ষাত

٣٠-سُوْرَةُ الطَّقْب

ুটা ৩৮. স্রা সোয়াদ, মাকী

অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আলাহর নামে

- ১। সোহাদ ক্ষম উপদেশপূর্ণ করবাদের।
- )। तर कांग्रिस्ता लेकका व शकसितराज निका
  - তাদের পূর্বে আমি কত প্রজন্ম খংদে করেছি। তথন তারা আর্তনাদ করেছিল, কিছু পরিব্রেশের কোন সময় ছিল না।
- তারা বিশ্বর বোধ করছে যে, তাদের কাছে এসেছে তাদেরই মধ্য থেকে একজন সতর্ককারী, এবং কাফিররা বলে, 'এ এক মিখ্যাবাদী আদুকর,
- পে কি বহু ইলাহকে এক ইলাহ্ বানিয়ে নিয়েছের নিভয় এটা অবশ্যই

  করে আপর্যা ব্যাপার।'
  - ৬. আর তাদের প্রধানরা সরে পড়ল এই বলে যে, 'তোমরা চলে যাও এবং তোমানের ইলাহ্নের উপর ধ্রেধারণ কর, নিশ্যা এটা অবশাই এক উদ্দেশ্যমাক ব্যাপার
- আমরা (এফাবং কালের) শেষ ধর্মানর্শেও এমন কথা তনিনি, এটা মনগড়া বিষয় ছাড়া আর কিছু নয়,
- ৮। আমাদের মধ্য থেকে কি তারই উপরে উপদেশ (কুরবানে) অবতীর্থ হলঃ' বরং তারা আমার উপদেশের বাগারে (কুরআনে) সন্দিহান, বরং তারা এখনো আমার শান্তি আবাদন করেনি।
- ৯। নাকি তানের নিকট তোমার প্রতিগালকের দয়ার ভায়ার আছে, যিনি
  মহাপ্রতাপশালী ও মহান দাতাঃ
- ১০: নাকি আকাশসমূহ ও পৃথিবী এবং উভয়ের মাঝে দব কিছুর রাজত্ব ভাদের: ভারলে ভার যে কোন উপায়ে আরোহণ করক।
- ১১, বহু দদের যে বাহিনীই হউক সেখানে তারা পরাভিত হবে।
- ১২। এদের পূর্বেও (য়াস্লদেরতে) মিথাবাদী বলেছিল নৃত্, আদ ও পেরেকওয়ালা ফেরঝাউনের সম্প্রদায়-
- ১৩। এবং ছামুদ, পূত সম্প্রদায় ও আইকার<sup>\*</sup> অধিবাসীরা, তারা ছিল এক-একটি বিশাল দল।
- ১৪। তাদের প্রত্যেকেই রাস্লদেরকে মিধ্যাবাদী বলেছিল, ফলে সভ্য হল্লেছিল আমার শান্তি।
- ১৫। তারা অপেক্ষা করছে কেবল এক বিকট শব্দের, (যথা সময়ে ঘটতে) মার কোন বিজয় করে না
- ১৬। এবং তারা বলে, 'হে আমাদের প্রতিপালক! হিসাবের দিনের পূর্বেই আমাদের প্রাপ্য (শান্তি) আমাদেরকে নিয়ে দাও।'

الماري المارية المركزة المارية الماري

٣٨-سُرُ أُصُّ - مِكْنَةُ

بَلِ الَّذِيْنَ كَنَرُوْ) فِي عِرْةٍ وْفِقَاقٍ ۞ كَيْرُ اَهْلَكِنَا مِنْ قَبْلِهِرْ مِّنْ قَرْنِ فِنَادَوْا وَلَاتَ حِيْنَ مَنَاسِ ۞

كر اهلتنا مِن قبلهم مِن قرنِ فنادوا والت حين مناص ﴿

رَعَجِبُوا أَنْ جَاءَهُرْ مُنْادِ رَمِنْهُرْ ، وَقَالَ الْكُفِرُ وَنَ هٰذَا الْحِرْ

كَدَّاتٌ أَنْ جَاءَهُرْ مُنْادِ رَمِنْهُرْ ، وَقَالَ الْكُفِرُ وَنَ هٰذَا الْحِرْ

اَجَعَلَ الْأَلِهَةَ إِلَمًا وَاحِدًا سَالَ هَذَا لَشَنَّهُ عُجَابٌ ⊙ وَانْطَلَقَ الْمُلْمِنْمُرْ آنِ امْشُوا وَاصْبِرُوا عَلَّ الْمَتِكُر سَالِنَّ هَذَا

لَقَنْ قُرَّادُ ثَقَ مَا سَمِعْنَا بِهَذَا فِي الْمِلَةِ الْإِخْرَةِ سِإِنْ هُذَّا إِلَّا الْمُتِكِّنُّ ثُقَّ وَالْوِنَ عَلَيْهِ الذِّكُونُ بَنَيْنِنَا ، بَلْ هُرْفِي عَقِيٍّ فِنْ ذِكْوِنْ ، مَا لِنَّا يَدُونُواْ عَذَابِهُ مَا لَكُنا يَدُونُواْ عَذَابِهُ

بي سَّ الْحَرْرِ وَالْحَرْرِ وَالْحَرْدِ وَالْكَالْعَرِيْرِ الْوَمَّابِ أَنَّ أَمَّ عَلَيْهُمْ مُزَّالِيُّ رَحْمَةِ رَبِّكَ الْعَرِيْرِ الْوَمَّابِ أَنَّ أَمَّ لَكُورُ مُّلُكُ الشَّهَٰ وَوَالْأَرْضِ وَمَا يَبْتَهُمَا سَقَلْيَا تَقُوْا فِي

) الْقِرْسَاءِ فَهُ الْعَرِيْ وَرَا مِرْتِيْ رَبِّهِ الْعَبَّاءِ الْعَرِيْرِ وَهِ الْعَبَّاءِ الْعَرِيْرِ وَلِ جُنْدٌ مًّا هُنَا لِكَ مَهْزُوْ أُمِّنَ الْآحْزَابِ @

كَذَّبَتُ قَبْلَهُمْ قَوْمُ لُوْحِ وَّعَادُ وَّوْرَعُونُ فَوالاَوْتَاوِ ۞ وَتَعُوْدُ وَقَوْمُ لِنُوعُوا ٓ اَصْحَبُ لَتَيْكَةِ ۥ أُولَٰقِكَ الاَّحْزَابُ ۞ إِنْ كُلُّ إِلاَّ كَذَّبِ الرَّسُّلَ فَحَقَّ عِقَابٍ ۞

وَمَا يَنْظُرُ هُوُّ لَآهِ إِلَّا صَيْحَةٌ وَّاحِدَةًمَّا لَهَا مِنْ فَوَ اقٍ ⊛ وَقَا لُوْا رَبَّنَا عَجُّلُ لَنَا تَطْنَا قَبْلَ بَوْمَ الْحَسَابِ ⊛

- اسبه وقص পারা-২৩ إِشْبِرْ كَلَّى مَا يَقُوْ لُوْنَ وَادْكُرْ عَبْدَنَا دَاوُدَدَا الْآيْدِ اللَّهُ ٱوَّابُّ ۞
- শক্তিশালী বান্দা দাইবেদৰ কথা নিশ্চয় সে ছিল (আয়ার) অভিয়খী। ১৮। নিক্র আমি নিয়োজিত করেছিলাম পর্বতমালাকে সন্ধায় ও সকালে তার
- সাথে আমার পবিত্রতা ঘোষণা করার জন্য-
- ১৯। এবং সমবেত পাথিদেরকেও। সবাই ছিল তাঁর (আল্লাহ) অভিম্বী।
- ২০। আমি তার রাজকে সুদৃঢ় করেছিলাম এবং তাকে নিরেছিলাম হিকমত (প্রজা) ও কয়সালাকারী বাগিতা।
- ২১। তোমার নিকট বিবাদকারীদের সংবাদ পৌছেছে কি, যথন তারা প্রাচীর ভিচিয়ে মেহবাবে (ইবাদতের বিশেষ কক্ষে) আসল-
- ১১। যথম আবা দাউদেব নিজট প্ৰাৰশ কৰল এবং তথম ভালেব জাৰাণ সে জীত হায়ে পদ্ৰলঃ ভাৱা বলল "ভয় করবেন না, আমরা দ'ছান প্রতিপক্ষ- আহাদের একাচন অপর জানর উপর অবিচার করেছে অভএর আমাদের মাঝে নাহবিচার করন, অবিচার করবেন না এবং আয়াদেরতা সঠিত পার পরিচারিত বক্ষা।
- ১৩। এ বাজি আমার ভাই। তার আছে নিরামকটেটি দল্ল এবং আমার আছে মাত্র একটি দুয়া, তবু সে বলে, এটিও আমার তল্লাবধানে দিয়ে দাও, এবং কথার সে আমাকে পরান্ত করেছে।"
- ২৪। দাউদ বলগ, 'তোমার দুখাটকে তার দুখাওলোর সঙ্গে যুক্ত করার দাবি করে সে তোমার প্রতি জুপুম করেছে, অংশীলারদের অনেকে একে অন্যের উপর জন্ম করে থাকে- যারা ঈমান এনেছে ও সৎকাজ করেছে তারা ছাড়া এবং তারা সংখ্যায় অল্ল।' এবং দাউদ ধারণা করল যে, আমি তাকে পরীক্ষা করেছি, অতঃপর সে তার প্রতিপাশকের নিকট ক্ষমা প্রার্থনা করল এবং নত হয়ে লটিয়ে পড়ল এবং (তাঁর দিকে অনুতাপের সাথে) প্ৰজাৱৰ্জন কৰদ
- ২৫। অতঃপর আমি তাকে সেটি ক্ষমা করদাম। এবং নিক্ষয় আমার নিকট ভার জন্য অৱশক্তে ব্যৱহে নৈকটা ও উল্লয় প্রভাবর্তনন্তন।
- ২৬। হে দাউদ। আমি তোমাকে পথিবীতে প্রতিনিধি বানিয়েছি, অতএব তুমি मानस्थत भट्टा नाहिकात कर अवः श्रवस्ति वनमत्र करता ना. कनना এটা তোমাকে আল্লাহর পথ হতে বিচ্চাত করবে। নিশ্চয় যারা আল্লাহর। পথ হতে বিচাত হয় ভালের জন্য রয়েছে কঠিন শান্তি, কারণ ভারা 🕹 ছিসাবের দিনকে ভলে গেছে।
- ১৭। আন্নি আরাশ ও পরিবী এবং উভয়ের মাথে কোন বিশ্বই অনর্থক সৃষ্টি कतिमि। छो। यात्रा ककती करवर्ष जारमत शावना, गुजतार याता ककती ক্রব্যের ভাষের জন্য ব্যয়েষ্টে আগুনের দর্ভোগ।
- ১৮। যারা ঈমান এনেছে ও সংকাঞ করেছে তাদেরকে কি আমি পথিবীতে জ্যাসাদ সট্টিকাবীদের মত গণ্য করবং আমি কি মন্তাকীদেরকে পাপীদের ज्ञाम अभ्य क्रांट
- ১৯। এটি একটি কিতাৰ যা আমি তোমার প্রতি অবতীর্ণ করেছি, এটি ব্রক্তময়, যাতে তারা (মানুষ) এর আগ্রাতসমূহ নিয়ে পভীর চিন্তা করতে পারে এবং যাতে বৃদ্ধিমানরা উপদেশ গ্রহণ করতে পারে।

- انَّا سَخَّوْنَا الْجِبَالَ مَعَهُ يُسَبَّحْنَ بِالْعَشِّ وَالْإِهْرَاقِ ﴾ وَا لَطَّيْرَ مَحْشُوْ رَقًّ ، كُلُّ لَّهُ آوًّا ب ﴿
  - وَهَدَدْنَا مُلْكَةً وَأَتَيْنَهُ الْعَكْمَةَ وَفَصْلَ الْعَطَابِ 

    هِ
- وَهَلَ ٱتِّلَكَ نَبَوُّ ا الْخَصْرِ إِذْ تَسَوٌّ رُوا الْمِحْرَابَ ۞ الْدَخَلُوا عَلَى دَارَّدَ فَفَرْعَ مِنْهُرْ قَا لُوْا لَا تَخَفْ عَصْمُن بَغَى بَعْمُنَا عَلَى بَعْضِ فَاهْكُمْ ۖ بَيْنَنَا بِالْحَقِّ وَلَا تُشْطِعُو وَاهْدِنَاۤ [[] سَوَاءِ الصَّاطِ ١
- انَّ هٰذَآ آخَىْ سَ لَهُ تَشْعُ وَّ تَشْعُونَ نَعْجَةً وَّلِي نَعْجَةٌ وَّا صَدَّةٌ سَ فَقَالَ أَكْفِلْنِيْهَا رَعَزُّنِيْ فِي الْعِطَابِ ⊛
- قَالَ لَقَدْ ظَلَمَكَ بِسُوَّ إِلِ نَعْجَتِكَ إِلَى نِعَاجِهِ وَإِنَّ كَثِيرًا مِّنَ الْعُلَطَّآء لَيَبْغِيْ بَعْضُهُرْ عَلَى بَعْضِ الَّا الَّذِيْنَ إِمَنُوا وَعَمِلُوا الشُّلَّاتُ وَقَلَيْلٌ مًّا هُرْ ، وَظَنَّ دَاوُدُ أَنَّمَا فَتَنَّهُ فَاسْتَغْفَرَ رَبَّهُ
  - وَكُوْ رَاكِعًا وْ أَنَابَ ﴿ فَغَفَوْنَا لَهُ ذَٰ لِكَ وَإِنَّ لَهُ عَنْدَنَا لَوُ لُفِي وَحُسْنَ مَأْبِ @
- يٰدَاوَّدُ إِنَّا جَعَلْنَكَ عَلَيْفَةً فِي الْأَرْضِ فَاحْكُرْ بَيْنَ النَّاسِ بِالْحَقُّ وَلَا تَتَّبِعِ الْهَوْمِ فَيُمِلُّكَ عَنْ سَبِيْلِ اللهِ وَإِنَّ الَّذِينَ. يَضِلُّوْنَ عَنْ سَبِيْلِ اللهِ لَهُرْ عَذَابٌ شَديْدٌ 'بِمَا نَسُوْا يَوْ '
- وَمَا خَلَقْنَا [لسَّمَاءَ وَ [لا رض وَمَا بَيْنَهُمَا بَاطلًا ﴿ ذَٰ لَكَ ظَنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوا ۗ وَوَيْلُ لِلَّذِيْنَ كَفَرُوا مِنَ النَّارِ ﴿
- أَا نَجْعَلُ الَّذِيْنَ أَمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلَحْبِ كَالْمُفْسِدِيْنَ فِي الْأَرْضِ؛ أَأْ نَجْعَلُ الْمُتَّقِينَ كَالْفُجَّارِ ﴿
- كتب أَنْ لَنهُ الْيُكَ مُبِرَكُ لِّيَدَّبُّ وَ الْيِتِهِ وَلِيَتَذَكُّو أُولُوا الْإَلْبَاب ⊚

৩৮ সরা সোয়াদ

201 200-৩২। তখন সে বলল, নিশ্চয় আমি আমার প্রতিপালকের ক্ষরণ থেকে (विश्व इरह) সম্পাদৰ ভালবাস্ত্ৰতে প্ৰাধান্য দিয়েছি অৱশেষে (একলো)

অনুৱালে অদশ্য হয়ে গেল। কত। এজলোকে আহার সাহতে নিয়ে আস। অভঃপর সে তামের পা ও গলা

কোট দিকে লাগল। ৩৪। আৰু অবশাই আমি সলাইমানকে পৰীক্ষা কবলাম এবং তাৰ কবসিব (আসনের) উপর রাধরাত একটি দের <sup>\*</sup> অসংপর যে আয়ার দিকে (অনতাপের সাথে) প্রত্যাবর্তন করল।

🐟। সে বছল 'বে আমার প্রতিপালক। আমারে ক্ষমা কলন এক আমারে দান ককন এমন এক বাজ্য যা আমার পরে আর কারো জন্য মানানসই स्याः सिन्दर धानसिते नवप्र सानाः

৩৬। সতবাং আমি তাব কল্যাপে নিয়োজিত করেছিলাম বাতাসকে, যা তার আদেশে হারহন্দ পরিতে পরাহিত হাত হেখানে হে চাইত-

৩৭। এবং (নিয়োজিত করেছিলাম) সকল নির্মাণকারী ও ভররী

শযুকানদেৱকে-करूर अंदर विकास स्थानक स्थानक स्थानन स्थानकरक

৩৯: এটি আয়ার দান অভএর (তে সলাইয়ান!) তমি বেহিসার দান কর অথবা নিজের কাছে রেখে দাও।

৪০। এবং নিশুর আমার নিকট রয়েছে তার জনা অবশাই নৈকটা ও উল্লয় अफराटर्जनकर

৪১। আর আমার বান্দা আইউবের কথা উল্লেখ কর, যখন সে তার প্রতিপালককে তেকে বলেছিল যে "পয়তান আমাকে কই ও শান্তি ছারা न्सर्स करताहा

৪১। (আমি তাকে বললাম) 'তমি তোমার পা দিয়ে ভমিতে আঘাত কর এটি (शास्त्रकात भी प्रका शांति क शांतीसः)

৪.৩। এবং আমি ভাতে দান কবলাম ভাব পবিবার-পবিজন ও ভালের মত আরও অনেক, আমার পক্ষ থেকে দয়াকরপ এবং বৃদ্ধিমানদের জন্য উপদেশ ছত্ৰপ.

৪৪। এবং (আমি ভাকে আদেশ করলাম)<sup>\*</sup> এক আঁটি ভগ শলা নাও এবং ভা হারা আঘাত কর এবং কসম ভঙ্গ করো না, নি চয় আমি তাকে পেয়েছি থৈৰ্যদীল সে কতই না উজা বানা! নিক্য সে (আয়াব) অভিয়খী।

৪৫। এবং উল্লেখ কর আমার বান্দা ইবরাহীম, ইসহাক ও ইয়াকবের কথা যার

ছিল শক্তিশালী ও নৃষ্টিসম্পন। RAI विकास खाद्रि जागावरक राजांडे करन विराशिकांच्य अक निरमंत्र करणन

ভিত্তিতে, তা ছিল আখিরাতের স্করণ, है विक्रिक बातर विका भग का : खाताब का फनमान फनकान (नाम (मधन

إِذْ عُرِضَ عَلَيْهِ بِالْعَشِّيِّ الصَّفَيْتُ الْجِيَادُ ﴾ فَقَالَ إِنَّ آَ اَمْبَبْتُ مُبِّ الْعَيْدِ عَنْ ذَكْرِ رَبَّيْء مَتَّى تَوَ ارَتْ

وَوَهَبْنَا لِدَاوُدَ سُلَيْمَنَ انْعُيَ الْعَبْدُ اللَّهُ أَوَّاتْ ﴿

1 m 8 1 m - 17/

بالحجاب رُدُّوْهَا عَآنَّ، فَطَفقَ مَسْحًا أَبِا لسُّوْقِ وَ الْأَعْنَاقِ ⊛ وَلَقَدُ فَتَنَّا سُلَيْمِي وَٱلْقَيْنَا عَلَى كُوْسِيِّهِ جَسَدًا ثُرَّ إِنَّابَ ۞

قَالَ رَبِّ إِغْفِيْ إِنْ وَهَبْ إِنْ مُلْكًا لَّا يَنْسَبَغِيْ لِأَ حَدِيِّنْ بَعُدِيْ، اثَّكَ أَنْيَ الْهَ هَالُ هِ

فَسَحُّونَا لَهُ الرِّيْرِ تَجْرِي بِأَمْرِةِ رُضّاءً عَيْثُ أَمَابَ أَ وَ الشَّيْطِيْنَ كُلُّ بَنَّآء وَّغَوَّ اص أَ

وَّ إِنَّهُ بِيْنَ مُقَوَّ نِيْنَ فِي ٱلْأَصْفَادِ ﴿ هٰذَا عَطَّآةً نَا فَامْنُنْ أَوْ أَمْسَكُ بِغَيْ حَسَابٍ ﴿ وَإِنَّ لَهُ عِنْدَنَا لَزُ لُفَى وَحُشَى مَأْبِ ﴿

وَاذْكُ عَبْدَنَآ أَيُّهُ يَ مِ اذْ نَادِي رَبَّهُ أَنَّيْ مَسَّنِيَ الشَّيْطُيُّ بنُفُ وْعَذَابٍ ٥ أُرْكُفْ بِجُلكَ ، هٰذَامُغْتَسَلُّ بَارِدٌ وَّهْ َابٌ @

وَوَهَبْنَا لَهُ آهْلَهُ وَمِثْلَهُرُ مَّعَهُرُ رَحْمَةً مِّنَّا وَذِكْرًى لِأُولِي الْأَلْبَالِ @ وَكُدُ بِيَدَكَ مَعْثًا فَاشْرِثْ بِّهِ وَلَا تَصْنَفْ ﴿ إِنَّا وَجَدْنُهُ صَابِرًا ﴿ نعْرَ الْعَبْدُ، اللَّهُ آوَّاتُ

وَاذْكُ عِبْدَنَا آبُ هِيْ وَاشْعَقَ وَيَعْقُوْبَ أُولِ الْآيْدِي وَالْآ

إِنَّا أَخُلَمْنَاهُرُ بِخَالِمَة ذَكْرَى الدَّارِيَّ

फावा आफारकडे (मर्कक्रमामव चावर्षकः

৪৮। এবং উল্লেখ কর উসমাদিল আল-উয়াসাল্লা ও যল-কিজলের কথা এবং ৪৯। এটি (অর্থাৎ ভাদের উল্লেখ) এক শ্বরণীয় বর্ণনা। এবং নিশুয় মুরারীদের জন্য অবশ্যই বাহাছ ট্রিয়া প্রানার্জনকল

৫০। চিরস্থায়ী জানাত, যার দরভাসমত্র তানের জন্য উলক্ত

e)। সেধানে তারা হেলান দিয়ে বসবে, সেধানে তারা অনেক ফল-মল ও পারীয় সামাক সলক।

৫১। এবং ভাবের পাশে থাকার সমবয়সী আন্সন্মানা (ecal)।

on , शर्कि विभावत क्रिक्ट क्या त्यापाचनात क्रम क्रिक्टिन ৫৪। নিশ্বর এটি অবশাই আয়ার বিহিত্র হার কোন শেষ নেই-

৫৫। এটিই (মলাকীদের প্রতিসাম)। আর নিক্তর সীমালজনকারীদের জন অবশাই বায়ার নিক্রই প্রভাবর্তনামল-

१५। बांशन्तम, तथात जारा श्रांतम करत, मुख्यार कडरे मा निक्री व

বিলামসল : ৫৭। এটাই (সীমালজনকারীদের প্রতিদান)। সতরাং তারা উত্তর পানি ও পঁঞ

এর স্থাদ প্রহণ করুক-৫৮। এবং আরও আছে এরূপ বিভিন্ন ধরনের শান্তি।

१७। (श्राह्मनात्म श्रादमकाल खनमक त्मळावा वतावित कराव) 'अँड (का তোমাদের সাথে দেতবেগে প্রবেশকারী এক নল, ভালের জন্য নেই কোন

অভিনশন, নিশ্চয় তারা আগুনে অলবে। ৬০। ভারা (অনসারীরা) বলবে, 'বরং ভোমরাই (ছলবে); ভোমাদের জন্যও নেই কোন অভিনন্দন তোমরাই আমাদের জন্য এ ব্যবস্থা করেছ।

কত্ট না নিকট এট স্বায়ী অবস্থানসলঃ ৬১। ভারা বলার 'তে আয়াদের প্রতিপালক। যে আয়াদের করা এ বারখা

করেছে, আগুনে ভার জনা দিশুণ শান্তি বন্ধি করুন।

%। এবং তারা বলবে 'আয়াদের বী হল যে আহ্বরা যে সর লোকতে হাধ বার প্রণা ক্রম্মায় সোমেকক ফেল্স প্রাঞ্জি না

৬৩, তবে কি আমনা তালেনকে (অহেতুক) ঠাটা-বিদ্রুপ হিসেবে গ্রহণ করতামঃ নাকি তাদের ব্যাপারে আমাদের দার্ট বিচাত হরেছেঃ

৬৪। দিশ্য এটি অবশাই সভা- আগুনের অধিবাসীদের (এই) বাদানবাদ।

৬৫। বল, আমি কেবল একজন সতর্ককারী এবং আরাহ ছাড়া কোন ইলাহ নেই. যিনি এক ও মহা পরাক্রমশালী।

৬৬৷ বিনি আকাশসমূহ ও পথিবী এবং উভয়ের মাঝে যা কিছু আছে তার প্রতিপালক, মহাপ্রতাপশালী ও পরম ক্যমশীল

৬৭। বল, 'এটি (কুরআন) এক মহাসংবাদ-

وَاذْكُو الشَّمْعَيْلَ وَالْيَسَعَ وَذَا الْكَقْل ، وَكُلُّ مِّنَ الْآخْيَا رِهُ هٰذَا ذَكُّ وَإِنَّ لِلْمُتَّقِيْنَ لَكُسْنَ مَأْكُمْ أَوْ

جَنْتِ عَدْنِ مُّفَتَّحَةً لِّهُمُ الْاَبُوابُ أَنْ مُتَّكِئِينَ فِيْهَا يَدْعُونَ فِيْهَا بِغَاكِهَة كَثَيْرَة رُّهُورَابِ ﴿

وَعَنْدَهُو قَصَوتُ الطَّوْفِ أَتُوابٌ ا هٰذَا مَا تُوْعَدُونَ لِيَوْمَ الْحَسَابِ ﴿

الْ هٰذَا لَو زُقْنَا مَا لَهُ مِنْ نُفَاد اللهُ هٰذَا ﴿ وَإِنَّ لِلطَّغَيْنَ لَشَوًّ مَأْبٍ ﴿ جَهَنَّهُ ، يَصْلُوْ نَهَا ، فَبِكْسَ الْمِهَادُ ﴿ هٰذَا ، فَلْيَذُوقُوهُ حَمِيرٌ وْغَسَّاقٌ ﴿

وَّاكُو مِنْ هَكُلَّهُ ٱزْوَاجٌ ﴿ هٰذَا فَوْعٌ مُّقْتَحِرٌ مَّعَكُرْ ، لَامَرْ حَبًّا بِهِرْ ، إِنَّهُرْ مَا لُوا النَّا رِ⊛ قَا لُوْ إِبْلُ أَنْتُمْ سَلَامَ حَبَّا لِكُمْ وَأَنْتُمْ قَدَّمْتُمُونَا لَنَا وَلِيسَى

فَا لُوْا رَبَّنَا مَنْ قَدًّا لَنَا هٰذَا فَزِدْهُ عَذَابًا مِعْفًا فِي النَّارِ ۞ وَقَا لُوْ إِمَا لَنَا لَانَوْى رِجَالًا كُنَّا نَعُدُّهُرْ مِّنَ الْأَهْرَارِ ﴿

أَتَّخَذْنْهُرْ سِخْرِيًّا أَأْ زَاغَتْ عَنْهُرُ الْأَبْعَارُ إِنَّ ذَٰلِكَ لَحَقُّ تَخَاصُرُ إَهْلِ النَّارِ فَ

قُلُ إِنَّهَا آنَا مُنْذِرٌ \* وَمَا مِنْ إِلَهِ إِلَّا اللهُ الْوَ إِحدُ الْقَهَّا رُقَ رَبِّ السَّمُوت وَالْأَرْض وَمَا بَيْنَهُمَا الْعَزِيْزُ الْغَقَّارُ ا قُلْ هُوَ نَبَوُّ اعظيرٌ ﴿ ৯৮: যা কোমৰা উপেক্ষা কৰছ।

১৯। উর্প্রজগত সম্পর্কে আয়াব কোন জান ছিল না হখন ভাবা (ফেবেশভাবা) বাদানবাদ কর্মজন। ৭০। আমার নিকট এই ওহাঁই করা হয় যে, আমি কেবল একজন স্পট सहर्वकारी।

৭১। যখন তোমার প্রতিপালক ফেরেশতাদেরকে বলেছিলেন, "নিকর আমি

একজন মানষ সঙ্কী করতে বান্দি কাদামাটি থেকে ৭২। জতএব যখন আমি তাকে সুগঠিত করব এবং আমার রহু থেকে আমি ফুঁকে দেব তথন ভোমবা তাব প্রতি সিচ্চদাবনত হবে।

৭৩। অতঃপর ফেরেশতারা সকলেই সিল্লা করল-

৭৪। ইবলিস হাড়া। সে অহস্তার করল এবং কাঞ্চিবদের অন্তর্ভক হল।

৭৫। তিনি (আল্লাহ্) বললেন, 'হে ইবলিস। আমি যাকে দিজ হাতে সৃষ্টি করেছি আকে সিজনা করতে তোমাকে কিসে বাধা দিলঃ তমি কি অহস্কার করলে, নাকি তমি উচ্চ পর্যায়ের কেউঃ'

৭৬। সে বলল 'আমি তাব চেয়ে উত্তম, আপনি আমাকে আঙ্কন থেকে সঞ্জী

করেছেন এবং তাকে সাষ্ট করেছেন কাদামাটি থেকে। ৭৭। তিনি বললেন 'তামি এখান খেতে বেব হয়ে যাও কেননা নিশ্চয় উমি

निकाधिक । ৭৮। এবং নিশ্চয় ভোমাৰ উপৰ আমাৰ লা'নত বিচাবেৰ দিন পৰ্যন্ত।'

৭৯। সে বলল, 'হে আমার প্রতিপালক। তাহলে আগনি আমাকে অবকাশ দিন সেদিন পর্যন্ত যেদিন পনজাবিত করা হবে।"

৮০। তিনি বদলেন, 'নিশ্চয় তাহলে তুমি অবকাশপ্রাপ্তদের অন্তর্ভুক্ত-৮১। নির্দিষ্ট সময়ের দিন পর্যন্ত।

জানবে কিছসময় পর।

৮২। সে বলল, 'আপনার ক্ষমভার কসম, আমি ভালের সরাইকে অবশাই অবশাই বিপথগামী করব-

৮০। তাদের মধ্য থেকে আপনার বাছাইকত বান্দাদেরকে ছাভা "

৮৪। তিনি বললেন, 'তবে এটাই সত্য, আর আমি সতাই বলি,

be । তোমাকে এবং তাদের মধ্যে যারা তোমাকে অনসরণ করবে, সরাইকে

দিয়ে আমি অবশ্যই অবশ্যই জাহান্রাম পূর্ণ করব। bis। (হে মবী!) বল, 'আমি এ (সত্তর্বীকরনের) জন্য ভোমাদের নিকট কোন

প্রতিদান চাই না এবং আমি কব্রিম আচরণকারীদের অন্তর্ভুক্ত নই।

৮৭। এটি (করআন) জগৎসমহের জনা একটি উপদেশ ছাঙা আর কিছ নয়। ত্র

৮৮। এবং এর (অর্থাৎ কুরআনের সভ্যভার) সংবাদ ভোমরা অবশাই অবশাই।

مَاكَانَ إِي مِنْ عِلْمِ بِالْمَلَا الْآغُلَ إِذْ يَخْتَصُونَ ﴿ إِنْ يُوْ مَى إِلَى إِلَّا أَنَّمَا آنَا نَذِيْرٌ مَّبِينٌ ۞

أَنْتُمْ عَنْدُمُعْ ضُوْنَ @

ادْ قَالَ رَبُّكَ لِلْمَلِّنْكَةِ إِنَّى هَا لِقَّ ابْشَرًّا مِّنْ طَيْنِ ۞ فَاذَا سَوَّ يُتُدُّ وَنَفَعْتُ فَيْهُ مِنْ رَّوْحِيْ فَقَعُوْ الْمُسْجِدِيْنَ ﴿

فَسَجَدَ الْمَلَّئُكَةُ كُلُّهُمْ أَجْمَعُونَ ﴿ الَّا ابْلَيْسَ الْسَتَكْبَرَ وَكَانَ مِنَ الْكُفِرِيْنَ @

قَالَ بَاثِلْيْسُ مَامَنَعَكَ أَنْ تَشْجُدَ لَمَا خَلَقْتُ بِيَدَى، أَسْتَكَبُّ تَ أَأُكُنْتَ مِنَ الْعَا لَيْنَ ۞

قَالَ أَنَا هَيْرٌ مِّنْهُ - هَلَقْتَنِي مِنْ نَّا رِزَّ خَلَقْتَهُ مِنْ طِيْنٍ ۞ قَالَ فَاخْدُجُ مِنْهَا فَانَّكَ رَجِيمٌ ۗ أَ

وَّانَّ عَلَيْكَ لَعْنَتِي إِلَى يَوْ الدَّيْنِ @ قَالَ رَبْ فَانْظِرْنِي إلى يَوْ ا يُبْعَثُونَ ۞ قَالَ فَانَّكَ مِنَ الْمُنْظَ ثِنَ أَهُ

> الى يَوْ الْوَقْتِ الْمَعْلُوْ ا ق قَالَ فَبِعِ اللَّهِ لَا غُويَنَّهُ ۗ أَجْمَعَيْنَ ﴿ إِلَّا عِبَادَكَ مِنْهُرُ الْمُخْلَمِيْنَ ⊕

قَالَ فَالْحَقُّ رَوَالْحَقِّ أَقُولُ أَهُ الْمُلَئِّنَّ جَهَنَّرَ مِثْكَ وَمِينَ تَبِعَكَ مِثْهُرْ أَجْمَعْيْنَ ﴿

قُلْ مَا آَسْتَلُكُمْ عَلَيْهِ مِنْ آجُر رَّمَا آنَا مِنَ الْمُتَكَلِّفَيْنَ ﴿ انْ هُوَ الَّا ذِكْرُ لَّلْعُلَمِينَ ۞ وَلَتَعْلَمُنَّ نَبَأَةً بَعْدَ حَيْنٍ ﴿

# ৩৯. সূরা আয-যুমার, মাঞ্চী

ু অসীম দ্যাম্য ও প্রম দ্যাল আলাহর নামে

- ১। এ কিতাবের অবতারণ মহাপ্রভাগশালী ও মহাপ্রজাবান আল্লাহ্র পক
- নিশ্চয় আমি ভোমার নিকট সভ্যসহ এ কিতাব অবতীর্থ করেছি, সুভরাং আল্লাহর ইবাদত কর দ্বীনকে তাঁরই জন্য নির্দিষ্ট করে।
- ৩ জেনে রাখ, বিশ্বন্ধ জীন (ইবাদত) আন্তাহরই প্রাপা; যারা তাঁকে বাদ দিয়ে অন্যতে অভিতাবন্ধ হিসেবে এইখ করে তারা বল, "আহবা তালে, উপাদলা এজনাই করি বে, তারা হর্যদির দিক থেকে আহালেককে আন্তাহই নিকটো নিয়ে যাবে?" তারা করিবার মহুপার্থকা করাহে নিশ্বন্ধ আন্তাহ তালের হারে গাঁক করিবে বিভার করেবান নিশ্বন্ধ আন্তাহ তালের হারে গাঁক করাহে নিশ্বন্ধ আরার তালের হারে গাঁক করিবে বিভার করেবান নিশ্বন্ধ আন্তাহ করিব পর প্রদর্শন করেবান সাহারে বি রিম্বার্কিক করিবে।
- ৪। আল্লাহ্ সন্তান গ্রহণ করতে চাইলে তিনি তার সৃষ্টির মধ্য থেকে বাকে ইক্ষা মনোনীত করতেন, পবিত্র তিনি তিনি আল্লাহ্, এক ও মহাপরাক্রমণালী।
- ৫। তিনি আকাশসমূহ ও পৃথিবী সভাসহ (নির্দিষ্ট লক্ষো) সৃষ্টি করেছেন, তিনি রাত খারা দিনকে আঞ্চালিত করেন এবং দিন ছারা রাতকে আঞ্চালিত করেন এবং সূর্ব ও চন্ত্রকে তিনি অসুগত করেছেন। প্রতিটি এক নির্দিষ্ট সময়ের কান চলছে। জেনে রাখ, তিনিই মহা প্রতাপশাদী ও পরম ক্ষমাদীদ।
- ৬। তিনি কোমানককে সৃষ্টি করেছেন থকে আজি থেকে, এরপক তার বেকে তার জ্যাত্য বাদিয়েকেন এবং জেমানেত হুল্য অবন্তীর্ণ করেছেন আট করের পর্বাদি পদা তিনি তোহাদাকরকে তোমানেক মানুকার্তন তিন পরনের অক্ষাব্য পর্বাক্তন মানুক্তি করেন তিনিই আন্তার, তোমানেক রাজিপাশক, রাজত্ব তারই। তিনি হাত্যা কেনা ইলাহ্ নেই, সুতরাং কিতাবে তোমানেককে (পত্য খেকে) সরিকে কোমা হাজ্ঞ।
- া যদি বেদানা কুন্দন্তী কর, তান দিশ্বর আছার বেদানাকর থেকে কুন্ধারণাধ্বী। এবং বিনি তার বাধানাকর কান্ত কৃত্তীরেশ করন না, আর যদি বেদানা কৃত্তিত হও, তারে তিনি কোমানের জানা তা শহল করেন। এবং কোন বেদার বহনকারী আনার বেলা বহন করে না। এবাদর কোনানকর প্রতিকালকে বিনি কোমানের অভারবর্তনার্কন, জঙ্ভাগন কোনার বা করেনে বা স্পার্কে তিনি কোমানের জালিকে হিনানা, ধানসার্কার আহনের সাম্পার্কার

# ۳۹-سُورَةُ الزُّمْرِ-مَكِيَّةُ اَبَاتِهَا-ه، رَكُوعَاتِهَا-م يَسْجِ اللَّهِ الرَّحْمُانِ الرَّحِيْجِ

إِنَّآ ٱِنْوَلْنَا إِلَيْكَ الْكِتْبَ بِالْتَقِّ فَاغْبُرِ الشَّمُخْلِمًا لَّهُ الذَّهْنَةُ هُ

آلَالِثِيرُ الدِّيْنَ الْعَالِمُ وَالَّذِيْنَ الْعَصَّدُوا مِنْ مُوْلِمَ [وَلِيَّامَمَا نَعْمُدُمُ إِلَّا لِيُقِرِّيُونَا إِلَّى اللَّهِ لِلْفَى إِلَى اللَّهِ لَلْفَى إِلَّى اللَّهِ يَحْكُرُ بَيْنَكُمْ فِي مَاهُمُ فِي يَخْصَلِفُونَ وَإِلَّى اللَّهِ لِلْفَاعِيْنَ اللَّهِ لَلْمَعِيْنَ عَمْدُ مُنْفِقًا لِللَّهِ اللَّهِ عَلَيْمَ اللَّهِ لِلْفَاعِلَةُ وَاللَّهِ لَلْفَاعِلَةُ وَاللَّهِ لِللَّهِ ا

لَوْ أَرَادَ اللهُ أَنْ يَتَّحِٰذَ وَلَدًا لِآمُطَفَى مِمَّا يَخْلُقُ مَا يَشَاءُ • سُبُحْنَهُ •هُوَ اللهُ الْوَاحِدُ الْقَهَا رُن

خَلَقَ السَّمٰوتِ وَالْأَرْضَ بِالْحَقِّ، يُكَوِّرُ النَّيْلَ عَلَى النَّهَارِ وَيُكَوِّرُ النَّهَارَ كَلَّ النَّيْلِ وَسَخَّرَ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ، كُلُّ يَجْرِى لِإِجَلِّ صَعِّى، أَلَا هُوَ الْعَرْفِرُ الْفَقَّارُ ۞

عَلَكُمُ وَنَ لَلْسِي وَإِحِدَةٍ ثِنِّ جَعَلَ مِنْهَا رَجْهَا وَالْوَلَ لَكُمْ
مِنَ الاَتَعَارَ لَنَبِيّةَ أَرْوَاجٍ بَخْلَكُمْ فِي بَكُونِ الْمَبْكُرُ عَلَقًا
مِنْ الاَتَعَارَ لَبَنِيّةً أَرْوَاجٍ بَخْلَكُمْ فِي بَكُونِ المَّهِكُمُ عَلَقًا
مِنْ بَعْدِ عَلَيْ فَاللّهِ فَلَي فَاللّهِ فَلْكِمْ اللّهُ رَبَّكُمْ لَهُ الْهَلْكُ،
﴿ لَا لَمَ الْأَلْمُ لَلّهُ فَاللّهِ فَنْ الْمِلْكُ،

ِنْ تَخْفُرُواْ فِانَّ اللهُ غَيْنِ عَنْكُرْ ﴿ وَلَا يَرْضُ لِعِبَاوِهِ الْكُفُرَ = وَإِنْ تَفْكُوْاْ يَرْضُدُ لَكُنْ ﴿ وَلَا تِرْدُوا إِنِّ قُوْلُارَ أَلْخُرِى ﴿ وَلَا يَلْمُؤْنَّ إِلَّى رَبِّكُمْ مُّرْجِعُكُمْ فِيَنَبِّكُمْرُ فِِمَّا كُثْنَتُرَ تَعْمَلُونَ إِنَّهُ عَلِيْرٌ ۗ بِذَاتِ الْمُكُورُونَ بِذَاتِ الْمُكُورُونَ

	পাবা-১

৮. এবং যখন মানষকে দঃখ-দর্মণা স্পর্ণ করে তখন সে তার প্রতিপালককে ভাকে তাঁর দিকে প্রত্যাবর্তনকারী হয়ে, এরপর যথন তিনি তাকে তাঁর পক্ষ থেকে নেয়ামত দান করেন তখন পর্বে যে জনা সে তাঁকে তেকেছিল আ মে আল হাত এবং আলাহৰ সমূৰক দাঁত কৰাৰ (মান্চকে) তাঁব পথ হতে বিচাত কৰাৰ জন্ম। বল, 'তমি তোমাৰ কফ্ৰী সামান্য উপভোগ করে লাও। নিক্ষা পত্নি আঞ্চানর অধিবাসীদের অন্তর্জক।

৩৯ সরা আয়-যুমার

৯। যে ব্যক্তি ব্যক্তের বিভিন্ন অংশে সিঞ্চদা অবস্থায় ও দাঁভানো অবস্থায় অনগত থাকে, আখিনাককে ভয় করে এবং তাঁর প্রতিপালকের দয়া। প্রত্যাশা করে সে কি (তার সমান, যে তা করে না)ঃ বল, 'যারা জানে এবং 🧟 যারা জানে না তারা কি সমানঃ' কেবল বৃদ্ধিমানরাই উপদেশ এইণ করে।

১০। কা (আমার এ কথা উদ্ধত কর), 'হে আমার বান্দারা! যারা ঈমান এনেছ, ভোমরা ভোমাদের প্রতিগালককে ভয় কর। যারা এই দনিয়াতে ভাগ কাজ করে তাদের জন্য রয়েছে কল্যাণ। আর আল্লাহর পথিবী প্রশন্ত। দৈর্ঘনীলনেরকেই ভানের প্রভিদান পর্ণ করে দেয়া হবে, কোন হিসাব ছাড়াই।

১১। বল, "নিশ্চয় আমি আদিষ্ট হয়েছি আত্মাব্র ইবাদত করতে, দ্বীনকে তাঁরই

ਕਮਾ ਮਿਸਿੰਡ ਕਾਰ-১১। এবং আদিষ্ট হয়েছি যেন আমি প্রথম মসলিম হই।

১৩। বল, 'যদি আমি আমার প্রতিপালককে অমান্য করি তাইলে নিশ্চয় আমি

তম কবি এক ভয়াবহ দিনের শান্তির। ১৪। বল, 'আমি আল্লাহরই ইবাদত করি, স্কীনকে তাঁরই জন্য নির্দিষ্ট করে-

১৫. অভএব ভোমবা ভাঁকে বাদ দিয়ে যার ইক্ষা ভার ইবাদত কর।' বল. 'নিশহে ক্ষতিগ্ৰাস্থ ভাষা যাবা বিষায়'তেৰ দিন নিজেদেৰ ও নিজেদের পরিবার-পরিজনের ক্ষতি করেছে।' জেনে রাখ, এটাই সুস্পষ্ট ক্ষতি।

১৬। ডাদের জন্য রয়েছে ভাদের উপর দিক থেকে আগুনের আচ্ছাদন এবং তাদের নীচের দিক থেকেও আঙ্গাদন। এর মাধ্যমে আহার তাঁর বান্দাদেরকে ক্ষম পদৰ্শন আৰম। তে আহাৰ ৰাভাৰা! সভৰাঃ ভোহৰা আহাকে ভৰ কব।

১৭। আৰু যাত্ৰা ভাগতের<sup>\*</sup> উপাসনা পরিহার করে এবং আল্লাহর দিকে (অনুতাপের সাথে) প্রত্যাবর্তন করে তাদের জন্য রয়েছে সুসংবাদ,

অতএব সসংবাদ দাও আমার বান্দাদেরকে-১৮ সারা সন্মান্তার সভ্জাবে জলা শোনে অভঃপর ভার মধ্যে যা উরম তা অনসরণ করে। ওরাই ভারা যাদেরকে আল্লাহ সঠিক পথ প্রদর্শন করেন

১৯। যার উপর শান্তির বাধী অবধারিত হয়েছে তমি কি তাকে রক্ষা করতে

পারবে যে আছে আঞ্চনের মধ্যে 🖈 নিভিন্ন আলের বিজ্ঞা সরা নাং । আরাজ নাং অনাগারে এবজায়ার পোষে সেখন

এবং তারাই বৃদ্ধিমান।

وَإِذَا مَسَّ الْإِنْسَانَ مُرُّ دَعَا رَبُّهُ مُنيْبًا إِلَيْهِ ثُرَّ إِذَا هَوْ لَهُ نَعْمَةٌ مِّنْدُ نَسِيَ مَاكَانَ يَدُعُوٓ إِلَيْهِ مِنْ قَبْلُ وَجَعَلَ لللهِ إَنْدَادًا لْيُمْلَ عَنْ سَبِيْلِهِ وَلْ تَمَتَّعْ بِكُفْ كَ قَلْيُلَّا ۚ إِنَّكَ مِنْ أَصْحُبِ

أَمَّنْ هُوَ قَانتُ إِنَّاءَ الَّيْلِ سَاجِدًا وِّقَأَنْمًا يَّكْذَرُ الْإِخْرَةَ. وَيَوْجُواْ رَحْمَةَ رَبِّهِ،قُلْ هَلْ يَشْتُوى الَّذِيْنَ يَعْلَمُوْنَ وَالَّذِيْنَ لَا يَعْلَمُونَ وَإِنَّمَا يَتَذَكُّرُ أُولُوا الْآلْبَابِ أَ قُلْ يَعْبَاد الَّذِيْنَ أَمَنُوا اتَّقُوْا رَبَّكُمْ • للَّذِيْنَ أَحْسَنُوا فَيْ

هٰذه الدُّنْيَا حَسَنَةٌ وَٱرْضُ اللهِ وَاسعَةً وإنَّمَا يُوعًى الصَّبِرُونَ أَجْرَهُمْ بِغَيْرِ حَسَابٍ ⊛ قُلُ اتِّنَّ أُمِرْتُ آنَ أَعْبُدَ اللَّهُ مُخْلِمًا لَّهُ الدِّينَ ﴿

وَأُمِدْتُ لِأَنْ أَكُونَ أَوَّلَ الْمُسْلِمِينَ هِ قُلُ الَّيْ آخَافُ إِنْ عَمَيْتُ رَبِّي عَذَابَ يَوْمِ عَظِيرٍ ﴿ قُلِ اللهَ أَعْبُدُ مُخْلِمًا لَّهُ دِيْنِي ﴿

فَاعْبُدُوْا مَا شِعْتُمْ مِّنْ دُونِهِ ۚ قُلْ إِنَّ الْعُسِرِيْنَ الَّذِيْنَ عَسَرُوٓاً أَنْفُسَهُرْ وَأَهْلَيْهِرْ يَوْمَ الْقَيْمَةِ ﴿ آلَاذَ لِكَ هُوَ الْخُسُوانُ الْمُبِينُ ﴿ لَهُمْ مِنْ فَوْقِهِمْ ظُلَلٌ مِنَ إلنَّا روَمِنْ تَحْتِهِمْ ظُلَلَّ وَلَكَ يُخَوِّنُ اللهُ بِهِ عَبَادَةً • يُعْبَاد فَا تَّقُوْنِ @

وَالَّذِينَ اجْتَنَبُوا الطَّاعُوْتَ أَنْ يَعْبُدُوْهَا وَإِنَا بُوٓۤ ا إِلَى إللهِ لَهُمُ الْبُشُوٰى ، فَبَشَّهُ عبَاد ١ الَّذِيْنَ يَشْتَمِعُوْنَ الْقَوْلَ فَيَتَّبِعُوْنَ آَحْسَنَهُ وَأُولَٰ عُكَ الَّذِيْنَ

هَدْ بِهُرُ اللهُ وَأُولَٰتِكَ هُرْ أُولُوا الْالْبَابِ @ أَفَمَنْ حَقَّ عَلَيْهِ كَلَمَةُ الْعَذَابِ ، أَفَأَنْتَ تُنْقَدُ مَنْ فِي النَّارِ أَهُ

২০। কিছু যারা তালের প্রতিশালককে ভয় করে তালের জন্য রয়েছে সুউচ্চ কচ্চসুছ, গ্রেগুলোর উপর নির্মিত (আরও) সুউচ্চ কচ্চসুছ, ফেলোর নীচে মধ্যমসুহ প্রবাহিত। এটি আন্তাবর প্রতিশ্রুতি। আরাহ প্রতিশ্রুতির ব্যক্তিকাম করেন না।

৩৯ সবা আয়-য়মাব

- ২১। তুমি কি তেবে দেখনি যে, অন্ত্যান্ত আকাশ থেকে পানি অবন্তীৰ্ণ করেন,
  অভ্যপন তা ভূতিতে কৰ্মান্তমে প্ৰবাহিত কৰেন, অধাশ তা দিয়ে বিভিন্ন
  হংশক্ৰ নিজিল্ল কৰাৰ ক্ষমণা কৰাৰ ক্ষমণা কৰাৰ কৰিব কৰা
  কলে তুমি তা হলদে দেখতে পাও, অবশ্ব পাৰ কিব আৰু,
  পৰিলত ক্ৰমণা, নিগছ থেকে গুছিমালদেহ জন্য অৰণাই উপন্তেম।
  হয়েছে,
- ২২। আপ্তাৰ ইনলামের জন্য যার বন্ধকে প্রশন্ত <sup>®</sup> করে দিচেছেন এবং বে তার প্রতিপাদত প্রদন্ত আলোতে বল্লেছে সে কি (তার সমান যে এজন দম)। অত্তর্থন দুর্ভোগ সেই শোকনের জন্য যানের হাকন আল্লাহর নারন থেকে। বিশ্বমা থাবার রাগান্তর। স্করিন। তারাই সুস্পন্ত পথত্রউভায় রয়েবে
- ২০, আন্নাহ অবভীৰ্ণ কৰেছেন সৰ্বোচন কথা- সাপুশাপূৰ্ণ, বাধবাৰ পাঠিত কিতালবেশে। এতে যাবা ভালেহ প্ৰতিপালবকে ভান কৰে ভালেন্ত কুত কোঁপ ভাঠ, একগৰ আলেন ভূক ও হাৰুম আন্নাহৰ বাবংশ নাৰুম হয়। এটা আন্নাহাৰ পৰ্বনিৰ্দেশিকা, ভিন্ন এই সাধ্যাহন বাবংশ কৰাৰ সাঠিক পথ প্ৰশাল্প কৰেল। আন আন্নাহ শাকে পথস্কট কান্তন ভাব কলা কোন পথস্যাপৰ্বনি কৰেল।
- ২৪ : যে ব্যক্তি কিয়ামতের দিন তার চেহারা ছারা নিকৃষ্ট শান্তি ঠেকাবে সে কি (ভার মত যে নিরাপদ)। এবং জালিমদেরকে বলা হবে, 'ভোমরা যা অর্জন করতে তার শান্তি আহাদন কর।'
- ২৫। তাদের পূর্ববর্তীরাও (রাস্পদেরকে) মিথ্যাবাদী বলেছিল, ফলে শাস্তি তাদের উপর এমন দিক থেকে এসেছিল ফে, তারা টেবও পায়নি।
- ২৬। অতএব আল্লাহ তানেরকে দুনিয়ার জীবনে লাঞ্চনা ভোগ করালেন এবং আজিয়াকর শান্তি অবশাই অধিনতত- যদি তাবা জানত।
- ২৭। আর অবশাই আমি এই কুরবানে মানুদের জন্য সবধরনের দৃষ্টান্ত পেশ করেছি, যাতে তারা উপদেশ গ্রহণ করতে পারে,
- ২৮। আরবি ভাষার এই কুরআনে কোন বক্রতা নেই, যাতে ভারা ভাকওয়া
- অবলক্ষন করতে পারে। ২৯। আল্লাহ দৃষ্টান্ত পেশ করছেন এক ব্যক্তির যার শরীক (প্রস্তু) অনেক, যারা প্রস্পার বিরোধী এবং এক ব্যক্তির যে একজনের মানিকার্যনীন। দৃষ্টায়ন্তর কির প্রস্কৃত্য ক্রি সক্ষা কি স্থায়ান সক্ষাপ্ত পাণসা আলারের আন
- তাদের অধিকাংশই জানে না। ৩০: নিক্তর তমি মরণদীল এবং নিক্তর তারাও মরণদীল
- ৩১। এরপথ নিক্তর ভোমরা কিয়ামতের দিন তোমাদের প্রতিপালকের সামনে থানানুবাদ করবে।

  \* উহিন্ত স্কান্দ্র টীকা দুরা নং অক্সাতে একজনার কেবল দেখুন

- اَلَسُ ثَرَ آنَ اللهُ آثَوْلُ مِنَ السَّمَآءِ مَا َّوَ فَمَلَكُمُ يَمَا لِيضُع في الآرضِ ثَرْ يُخْرِعُ بِمِ رَرْعًا مُّخْتَلُنَا الْوَائِدُ ثَرْ يَوْضُ فَتَرِ نُمُمُثَرًّا ثَرٍّ يُجْعَلُمُ خَطَامًا وإِنَّ فِيُّ ذِلِكَ لَذِكُوى لِأَوْلٍ ۖ الآلك في
- أَفَنْ هُرَحَ اللهُ مَدْرَةِ لِلْإِلْمَادِ الْفُوكَ لُوْرِضِ رَبِّهِ فَوَلِلَّا لِلْفَسِّةِ قُلُونُهُمْ مِّن ذِكْ إِللَّهِ • أُولِكُوفِي مَلَّلِ مَّبِيْنِ ۞ اللَّهُ وَلَّا أَهُسَى الْعَدَيْنِ كَثِبًا مِثْقًا إِنها مُقَالِها مُقالِيَّ لَقَفَعَ عِنْدُ جُلُودُ الْذِينَ يَضْعُرُنَ رَبِّهِمْ • لِمَّرَّ لَيْنِي خَلْقِينَ خَلْقِينَ خَلْقِينَ خَلْقِينَ خَلْقِينَ خَل
- مُلُودُ الَّذِينَ يَخْفُونَ رَبَهُمْ مَثْرَ تَلِينَ مُلُودُهُمْ وَقُلُونُهُمْ اللَّهِ اللَّهِ تَهْدِينَ بِمِسَ إلى ذِكْوِ اللَّهِ وَلَيكَ هُدَّى اللَّهِ يَهْدِينَ بِمِسَى يَّضَاءً وَرَضَى اللَّهِ يَهْدِينَ بِمِسَى يَضَاء يُقْتِلِ اللَّهُ فَمَا لَكُونَ هَا فِي اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّ الْمَصَى يَتَّقِينَ بِرَحْهِمِ سُوْءً الْعَدَّابِ يَوْمًا الْقِيضَةِ وقَيْمًا اللَّهِ عَلَيْهِ وَقِيمًا اللَّهِ
  - للظّلْمِيْنَ ذُوْقُوْ مَا كُنتُر تَكْسِّونَ ۞ كَنَّبُ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِهِمْ فَأَتْمَهُمُ الْعَذَابُ مِنْ حَيْتُ كَنَّبُولُونَهُمْ وَنَهُمْ لِلْمُعْدُونَ ﴾
    - لايشغرون ۞ فَاَذَاقَهُمْ اللهُ الْعِرْعَ فِي الْحَيْرِةِ الدَّلْيَاء وَلَعَذَابُ الْأَهْرَةِ إَشْبَاءُ لَوْ كَانُواْ يَعْلَمُونَ ۞
    - اڪبر~لو کانوا يعلمون ۞ وَلَقَدُ هَرَبُنَا لِلنَّاسِ فِي هَذَا الْقُرُ انِ مِنْ كُلِّ مَعَلٍ لِّعَلَّهُرُ تَعَذَّكُ مُنَ هُ
    - يستورى قُوْ النَّا عَرَبِيًّا غَيْرَ دِنْ عِوَجٍ لِّعَلَّهُمْ يَتَقُوْنَ ⊚ مَرَبُ اللهُّمَلَّالْ رُجُلًا فِيمُشُرِّكَاءً مُتَفَكِّونَ وَرَجُلَّاسَلَمًا لِّرَجُل
      - ، هَلْ يَشْتُوِيْنِ مَثَلًا ، آلْتَمَدُّ لِلهِ ، بَلْ أَكْثُرُهُرْ لَا يَعْلَمُوْنَ ⊚ إِنَّكُ مَيِّتٌ وَّ إِلَّمُرْ مَيْتُونَ ﴿

# পারা-২৪

- ৩২ যে ব্যক্তি আল্লাহ্ সম্বন্ধে মিখ্যা বলে এবং সভাকে (কুরআনকে) মিখ্যা বলে তা আসার পর তার চেয়ে অধিক জালিম আর কেঃ কাফিরদের আবাসস্থল কি জাবান্নাম নয়ঃ
- ৩০। আর যে সভ্য নিয়ে এসেছে এবং যে (অর্থাৎ বারা) তা (সভ্যকে) সক্তা বলে মেনে নিয়েছে ভারাই মুন্তাকী।
- ৩৪। তাদের জন্য তাদের প্রতিপালকের নিকট তা-ই রক্তেছে যা তারা চাইবে।
   এটা সংকর্মপরায়ণদের প্রতিদান,
- ৩৫। যাতে তারা যেদব নিকৃষ্ট কাজ করেছে আল্লাহ্ তা মোচন করতে পারেন এবং তাদেরকে তারা যা করত তার চেয়েও উত্তম প্রতিমান নিতে পারেম।
- ৩৬। আল্লাহ কি তাঁর বাশার জন্য যথেই দনঃ কিছু তারা তোমাকে তাঁকে বাদ দিয়ে অন্যানের তম দেখার। এবং আল্লাহ্ যাকে পথপ্রই করেন তার জন্য কোম পথপ্রদর্শক নেই।
- ৩৭। আর মাকে আল্লাহ্ সঠিক পথ প্রদর্শন করেন তার জন্য কোন পথভ্রউকারী মেই। আল্লাহ কি মহাপ্রতাপশালী ও উচিত শান্তিলাতা ননঃ
- ৩৯। বল, 'হে আমার সম্প্রদায়। তোমরা নিজ নিজ অবস্থান (পথ-পদ্ধতি) অনুসারে কাজ কর, নিশুয় আমিও কাজ করছি, অতঃপর অভিরেই তোমবা জানতে পারাবে-
- ৪০। কার উপর আসবে শান্তি যা তাকে অপযানিত করবে এবং কার উপর আপতিত হবে ভায়ী শান্তি।'
- 85। দিক্যা আমি মানুদের স্থানা তোমার প্রতি সত্যাসহ কিবারে করেকীর্ব বর্মান্তি, অত্যাপর সে সাঠিক পথ অবলয়ন করে তা (সে করে) নিজেবই কাল্যাবের ক্রানা, করে কে পথারই হা সে পথারই হা নিজেবই অকল্যায়বর, জন্যা। আর স্থানি তালের তত্ত্বাবেরাক মন্ত্র।
- ৪২। আগ্রাইই প্রণা হরণ করেন তালের মৃত্যুত্ত সময় এবং যালের মৃত্যু আসেনি তালের নিদ্রার সময়, অভাপর তিনি যার জন্য মৃত্যু ঘটনা তার প্রণ আটকে রাখেন এবং অন্যতাশা দিবিয়ে দেন, এক নির্দিষ্টি সমায়ের জন্য। নিকয় এতে অবশাই নিদর্শনাবদী রয়েছে এমন সম্প্রদারের জন্য যারা তিয় করে।

- فَمَنْ أَظْلَرُ مِمْنَ كَنَبَعَ) اللهِ وَكَنَّبَ بِالصِّدْقِ إِذْ جَاءَةُ ﴿ ٱلْيُسَ فِيْ جَهَّرَ مَمُّوى لِلْكُنْزِيْنَ ۞
  - وَالَّذِيْ جَاءَ بِالسِّدْقِ وَمَدَّقَ بِهِ أُولَٰ لِكَا هُرُ الْمُتَّقُونَ ﴿
  - لَهُرْ مَّا يَشَآءُونَ عِنْدَ رَبِّهِرْ ﴿ ذَٰ لِكَ جَزَّوُّ ۗ ۗ الْمُحْسِنِينَ ۗ
- لِيُكَفِّرَ اللهُ عَنْهُرْ آشُواَ الَّذِيْ عَمِلُواْ وَيَجْزِيَهُرْ اَجْرَهُرْ بِاَحْسَىِ الَّذِيْ كَانُواْ يَعْمَلُونَ ۞
- ٱلَيْسَ اللهُ بِكَانِ عَبْدَةً ۥوَيُخَوِّ فُوْنَكَ بِا لَّذِيْنَ مِنْ دُوْنِهِ ۥ وَمَنْ يَّفْلِل اللهُ فَمَا لَكُ مَنْ هَاد ۞
- وَمَنْ يَهْدِ اللَّهُ فَمَا لَهُ مِنْ مُعْلِي ﴿ أَلَيْسَ اللَّهُ بِعَزِيْدٍ ذِي اثْتِقَامٍ ﴿
- وَلَكِنْ سَا لَتَمُورُ مَّنْ خَلَقَ السَّمْوِتِ وَالْأَرْضَ لَيَعُوْلُ لِّيَّا اللَّهُ، قُلُ اَفَوَءَثِيْتُمْ مَّا تَدْعُونَ مِنْ وُونِ اللهِ إِنْ آزَادَتِيَ اللهِ لِعِنْ هَلُ مَّنْ كُففُ مُنِّهِ آوَ أَرَا أَرَادِيْ بِرَحْمَةٍ هَلَّ هُنَّ مَسِكُ رَحْمَتِهِ . قُلُ حَشِيَ اللهُ، عَلَيْهِ يَتَوَكَّلُ إِلَّهَ تَكِانُ فِي الْمَعِقَعِلْ هُنَّ مَسِكُ رَحْمَتِهِ . قُلْ حَشِيَ اللهُ، عَلَيْهِ يَتَوَكَّلُ الْمَعْتِكَانُ نَ
- قُلْ يَقُوْمِ اعْمَلُوْا عَلَى مَكَانَتِكُمْ إِنِّي عَامِلْ عَسَوْنَ تَعْلَمُونَ ﴾
  - مَنْ يَاْ تِيْهِ عَذَابٌ يُخْزِيْهِ وَيَحِلُّ عَلَيْهِ عَذَابٌ مُّقِيْرٌ ۞
- إِنَّا آنَزَلْنَا عَلَيْكَ الْكِتْبَ لِلنَّاسِ بِالْتَّيِّ، فَمِنِ اهْتَلَىٰ فَلِنَقْسِهِ، وَمَنْ مَلَّ فَالِّمَا يَفِلُّ عَلَيْهَا، وَمَا آلْفَ عَلَيْهِمْ وَكُيْلِ هُ
- اللهُ يَتُوفَّ الْأَنْفُسَ حِيْنَ مُوْتِهَا وَالَّتِنَّ لَرْ تُمُنِّ فِي مَنَامِهَا ، فَيُصْكُ النِّنَ قَفَى عَلَيْهَا الْمُونَ وَيُوسِلُ الْأَخْرِى إِلَّى آجَلٍ عُسَّمًى، أَنْ فِيْ ذَٰ لِكَ لَاٰمِنِ لَقُولُ إِيَّفَقُّرُونَ ۞

الَّيْهِ تُهْجَعُونَ @

an ora कि जात जालावाक ताम चिरव व्यवस्थात जनविश्वारी विज्ञात গ্রহণ করেছেং বল, 'যদিও ভারা কোন কিছর মালিক নয় এবং ভারা এনধারনও কবে না সবও কিঃ'

৩৯. সরা আয-যমার

- ৪৪। বল 'আবাচট সকল সপারিশের (অনমতি দানের) মালিক, আকাশসমহ ও পথিবীর রাজ্যর সাঁরই। এরপর সাঁরই দিকে ভোয়াদেরকে ভিত্তিত cont ara '
- ৪৫ : এবং যখন একা আলাহর কথা উল্লেখ করা হয় তথন যারা আবিরাতের প্রতি ঈদ্ধান আনে না তাদের ক্লম্ম বিতক্ষায় সংকচিত হয়, এবং যথন খাঁতে সাম দিয়ে অমাদের মালখ করা হয় দখন ভারা আনকে উলসিত 7011
- ৪৬, বল, 'হে আল্লাহা আকাশসমহ ও পথিবীর সুষ্টা, অদৃশা ও দশ্যের জানী, আপনার বান্দাবা যে বিধায়ে মতপার্থকা করে, আপনি তাদের মধ্যে তার श्चरणाला करव मिरवस।"
- ৪৭। এবং যারা জুলুম করেছে তালের যদি পথিবীতে যা আছে তা সবট নামং দার সাজে সমুপরিমান আবো গাকে দারলে বিষায়কের দিন বাবা অবশাই তাব বিনিময়ে (মজিপণ নিয়ে) নিক্ট শান্তি খোক মজি পেতে চাইবে এবং তাদের জন্য আল্লাহর নিকট থেকে এমন কিছ প্রকাশিত হবে য়া তারা কল্পনাও করেনি
- ৪৮। আর তাদের অর্জিত মন্দসমূহ তাদের নিকট প্রকাশ হয়ে পড়বে এবং তারা যা নিয়ে ঠাট্টা-বিদ্দপ করত তা তাদেরকে পরিবেটন করবে।
- ৪৯। মানহকে বিপদ-আপদ স্পর্শ করলে সে আমাকে ভাকে: এরপর বর্থন আমি আয়ার পক্ষ থেকে তাকে আয়ার কোন নেয়ায়ত দান কবি তথন সে বলে 'আমাকে এটা দেয়া হয়েছে আমার জ্ঞাদের কারণে।' বরং এটা এক পরীকা, কিন্ত তাদের অধিকাংশই জানে না।
- ৫০। তাদের পূর্ববর্তীরাও এটাই বলত, কিন্তু তারা যা অর্জন করত তা ভাদের উপকালে আমেরি।
- ৫১। অতঃপর তাদেরকৈ তাদের মন্দসমূহ আঘাত করেছিল যা তারা অর্জন করেছিল। এবং এদের মধ্যে যারা ছলুম করেছে তাদেরকেও শীরেই আঘাত করতে ভাদের মন্দ্রমায় হা ভারা অর্জন করেছে, এবং ভারা (আল্লাহকে) অঞ্চম করতে পারবে না।
- রয়েছে এমন সম্পদায়ের জন্য যারা ঈমান আনে।
- ০০ বল (আমার এ কথা উদ্ধৃত কর) 'য়ে আমার বাশারা: ভোমরা যারা মিজেদের উপর সীমালজন করেছ- আল্লাহর দরা থেকে নিরাশ হতে। না নিশ্চর আলার সকল অপরাধ ক্ষমা করেন। নিশ্চর তিনিই অতি ক্ষমাশীল ও পরম দয়াল।

- أَ) اتَّخَذُوْا مِنْ دُوْنِ اللهِ شُفَعَآءَ قُلْ أَوْلَوْ كَانُوْا لَا يَمْلُكُوْنَ شَنْئًا وْ لَا يَعْقِلُونَ هِ قُأ ، لَّلَّهُ الشَّفَاعَةُ جَمِيْعًا • لَهُ مُلْكُ السَّبَوٰ \_ وَ إِلْاَرْض • تُرُّ
- وَاذَا ذُكَ اللهُ وَهْدَهُ الشَّمَا زَّتْ قُلُوبُ الَّذِيْنَ لَا يُؤْمِنُونَ بالْأَخرَة ، وَإِذَا ذُكِرَ الَّذِينَ مِنْ دُوْنِهَ إِذَا هُرْ يَسْتَبْهُوُوْنَ ،
- قُل اللُّهُمُّ فَاطِ السَّمُونِ وَالْأَرْضِ عَلَمَ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَة ٱثْتَ تَحْكُرُ بَيْنَ عَبَادكَ فِي مَا كَانُوْ ا فِيْهِ يَخْتَلَفُوْنَ ۞
- وَلَوْ أَنَّ لِلَّادِيْنَ ظَلَمُوْا مَا فِي الْإَرْضِ جَمِيْعًا وَّمِثْلَةً مَعَةً لَافْتَدَوْا بِهِ مِنْ سُوِّءَ الْعَذَابِ يَوْمَ الْقِيْمَةِ ، وَبَدَا لَهُرْ مِّنَ اللَّهِ مَا لَرْ يَكُوْلُواْ يَحْتَسِبُوْنَ ﴿
- وَبَدَا لَهُرْ سَيَّاتُ مَا كَسَبُوْا وَحَاقَ بِهِرْ مَّا كَانُوْا بِهِ يَسْتَهْزَءُونَ ﴿ فَاذَا مَسْ الْإِنْسَانَ فُوا دَعَانَا رَبُوا إِذَا هُوا لَنْهُ نَعْيَةً مِّنَّا وَقَالَ إِنَّهَا
  - أُوْلَيْتُكُمُّ عَلَى مِلْ مِنْ فَتَنَدُّ وَّلَكِنَّ آكُتُو هُوْ لَا يَعْلَمُونَ ﴿ قَدْقَالَهَا الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِهِرْ فَمَاۤ آغُنٰى عَنْهُرْ مَّا كَانُوْا
  - فَأَمَا بَهُمْ سَيّاتُ مَا كَسَبُوا وَالَّذِينَ ظَلَمُوْا مِنْ هَوُّ لَّاء سَيُصِيْبُهُ ﴿ سَيَّاتُ مَاكَسَبُوا ﴿ وَمَاهُ ﴿ بِمُعْجِ : يْنَ ﴿
- ৫২। তারা কি জমে না, আল্লাহ যার জন্ম ইছা করেন তার জিকি এনারিছে। বিশ্ব করে করিছ এনারিছ করিছ এনার করিছ এনার করিছ করেন তার জিকি এনার করিছ করিছ করিছ করিছ করিছ করেন এবং (তা) পরিখাপ করে দেন; দিন্দা এতে অধনাই নিদ্দানারকী ذُ لِكَ لَائِبِ لِقَوْمِ يُؤْمِنُونَ ﴿
  - قُلْ يُعْبَادِيَ الَّذِيْنَ أَسْرَ فَوْا عَلَّ أَنْفُسِمِ ۚ لِاَتَقْنَطُوا مِنْ رَّحْمَةَ الله ا إِنَّ اللَّهُ يَغْفُرُ الدُّنُوْبَ جَمِيْعًا ، إِنَّهُ هُوَ الْغَفُوْرُ الدِّحِيرُ ﴿

- ८०० व्याप्ता (आधारास्त अफिलासरका सिरक अस्तानकी कर अरू कीन दिलाँदे আত্রসমূর্পণ কর ভোমাদের নিকট সে শান্তি আসার পর্বে এরপর reinireare histories and are at a
- ০০। তোমাদের প্রতি ভোমাদের প্রতিপালকের নিকট থেকে সর্বোক্তম যা অবতীর্ণ করা হয়েছে তা অনুসরণ কর তোমাদের উপর অতর্কিতে শান্তি আসার পর্বে হথন ভোমরা টেরও পারবে না-
- ৫৬। যে, কেউ বলবে, হায়, আলাহর প্রতি আমার কর্তব্যে আমি যে অবহলো কবেছি ভাব জন্য আফসোস। আৰু আহি অৰুশাই ছিলায় ঠটোকাৰীদেৰ অন্তর্ভত-
- ৫৭। অথবা কেউ বলবে, আল্লাহ আমাকে সঠিক পথ প্রদর্শন করলে আমি অবশাই মন্ত্রাকীদের অন্তর্ভক্ত হতাম-৫৮। অথবা শান্তি প্রত্যক্ষ করে বলবে, হারঃ যদি একবার (পথিবীতে) আমার
  - প্রভাবর্তন ঘটত তবে আমি সংকর্মপরায়ণ হতাম। ৫৯। কিন্তু হাঁা, আমার নিদর্শনসমূহ তোমার নিকট এসেচিল, কিন্তু তমি
  - সেওলোকে মিথ্যা অভিভিত করেছিলে এবং অহস্কার করেছিলে এবং তমি ছিলে কাফিবদের অন্তর্জ্জ। ৬০। এবং যারা আন্তার সম্পর্কে মিধ্যা বলেছে, কিয়ামতের দিন তমি ভাদের
- চেত্রারাসমূত কালো দেখাবে, অভংকারীদের আরাসমূল বি ফারানামে HE:
- ৬১: আৰু যাবা ভাকওয়া অৰুপদ্ধ কৰেছে আলাছ ভালেবকে উদ্ধাৰ কৰাবন তাদের সফলতার কারণে: তাদেরকে কোন অমঙ্গল স্পর্শ করবে না এবং তারা দশ্চিত্রপ্রক্তও হাবে না।
- ৬২। আপ্তার সব কিছর স্রষ্টা এবং কিনি সব কিছর তত্তাবধায়ক निमर्गनप्रकारक व्यक्तिकात कार जातांत्रे व्यक्तिलवः
- ৬৪। বল, 'হে অন্ত লোকেরা! তোমরা কি আমাকে আরার চাতা অনোর
- ਫ਼ੋਗਸ਼ਨ ਨਗਾਨ ਜਿਸਵਾ ਸਿਲਾਂ
- ৬৫। আর অবশাই তোমার প্রতি ও ভোমার পর্ববর্তীদের প্রতি ওছী করা হয়েছে যে যদি ৩মি শবীক কৰ ডাহাল অৰশ্যই অৰশ্যই ভোয়াৰ ৰাঞ্চ বিফল হবে এবং অবশ্যই অবশ্যই তমি ক্ষতিগ্ৰস্ত হবে :

- ثُرُّ لَائَنْصَرُونَ 🕾 وَالَّهِ عُوَّا إَحْسَنَ مَآ أَنْهَ لَ الَّهُكُرُ مِّنْ رِّبِّكُرُ مِّنْ قَبْلِ أَنْ يَّأْتَيَكُمُ الْعَدَابُ بَغْتَةً وَّأَنْتُرْ لَا تَشْعُوونَ ﴿
- أَنْ تَقُوْلَ نَفْسٌ يُحَسَّرَ لَى عَلَى مَا فَرَّطْتٌ فِي جَنْبِ اللهِ وَانْ كُنْتُ لَمِنَ | لشَّخِونِيَ ﴿
  - أَوْ تَقُوْلَ لَوْ أَنَّ اللَّهَ هَدُىنِي لَكُنْتُ مِنَ الْمُتَّقِيْنَ ﴿
- أَوْتَقُولَ هِيْنَ تَرَى الْعَدَابَ لَوْ أَنَّ لَى كُرَّةً فَأَكُونَ مِنَ الْمُحْسنيْنَ ⊛
- بَلَى قَدْ جَاءَتُكَ الْمِتِي فَكَدَّ بْتَ بِهَا وَاسْتَكْبَوْتَ وَكُنْتَ مِنَ الْحُفرِ يْنَ @
- وَيَوْمَ الْقِيْمَةِ تَرَى الَّذِيْنَ كَذَبُّوا غَى اللهِ وُجُوْهُهُرْ مُّسْوَدَّةٌ أَلَيْسَ فِي جَهَنَّرَ مَثُوًّى لَلْمُتَكِّبُ بِنَ @
- وَيُنَجِّى اللهُ الَّذِيْنَ اتَّقَوْا بِمَفَا زَتِهِرْ ؛ لَا يَمَسُّهُرُ السُّوَّءُ وَلَا هُمْ يَحُونُونَ
  - اَللهُ هَا لِي كُلِّ هَنَ اللهِ عَلَى كُلِّ هَنَ وَهُوَ عَلَى كُلِّ هَنَ اللهِ وَكُيْلُ @
- لَمُ مَقَا لَيْدُ السَّمُوتِ وَالْأَرْضِ، وَالَّذِينَ كَفَرُّ وَا بِايْتِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَي الله عَلَي الله عَلَيْد الله عَلَي الله عَلَيْد الله عَلَيْدُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدِ اللهُ عَلَيْدُ اللهِ عَلَيْد الله عَلَيْد الله عَلَيْدُ الله عَلَيْد المُعَل أُولِنَكَ هُمُ الْعُسُونَ فَ
  - قُلْ اَفَغَيْرَ اللهِ تَأْمُرُ وَتَيْ آعُبُدُ اَيُّهَا الْجِهْلُونَ ﴿
  - وَلَقَدْ أُوْحِيَ إِلَيْكَ وَإِلَى الَّذِينَ مِنْ قَبْلِكَ ء لَئِنْ إَهْرَكْتَ لَيَهُبَطَّنَّ عَمَلُكَ وَلَتَكُوْ نَنَّ مِنَ الْخُسِ يُنَ ۞

المُتَكَبِّرِينَ ۞

৬৬। বরং আল্লাহর ইবাদত কর ও কৃতজ্ঞদের অন্তর্ভক হও।

৯৭: তারা আল্লাহর ফ্যায়ধ মলায়ন করেনি, অধচ কিয়ামতের দিন সমস্ত পথিবী থাকবে তাঁর হাতের মুঠোর এবং আকাশসমূহ থাকবে ওটানো অবস্তার তাঁর ভান হাতে। পবিত্র তিনি, আর ভারা যা শরীক করে তা হতে তিনি অনেক Wref.

৯৮। এবং শিঙ্গায় ফ দেয়া ছবে, "ফলে যাদেরকে আন্তাই ইক্ষা করবেন তারা ছাড়া আকাশসমূহে যারা আছে ও পৃথিবীতে যারা আছে তারা সংজ্ঞাহীন হয়ে পদ্ধবে। এরপর আরেকবার তাতে ওঁ দেয়া হবে, এবং তৎক্ষণাৎ ভাৰা দকায়মান হয়ে ভাকাতে থাকবে।

৬৯। এবং যমীন (হাপরের মাঠ) তার প্রতিপালকের জ্যোতিতে উল্লাসিত হবে. ক্রিভার (আম্মননামা) পেশ করা হবে এবং নবীদেরকে ও সাফীদেরকে উপস্থিত করা হবে, এবং তাদের মাঝে ন্যায়ের সাথে ফয়সালা করা হবে এবং তাদের প্রতি জলম করা হবে না।

৭০ , এক পাতাক বাহিতক সে যা কলেছ ভা (ভাব প্রতিফল) পরোপরি দেয়া হবে, এবং ভারা যা করে সে সম্পর্কে আল্লাহ সবচেয়ে বেশি জানেন। ৭১। এবং যারা কক্ষরী করেছে তাদেরকে জাহান্তামের দিকে দলে দলে তাভিয়ে

নিয়ে যাওয়া হবে অবশ্বেষ যখন তারা এর নিকটে আসবে তখন এর দরভান্তলো খুলে দেয়া হবে এবং এর রক্ষীরা তাদেরকে বলবে, 'ভোমাদের নিকট কি ভোমাদের মধ্য হতে রাস্থগণ আসেননি যারা লোমাদেনকে ভোয়াদের প্রতিপালকের আয়াতসমূহ পাঠ করে ত্নাতেন ্রকে কোয়ানের এ দিনের সাক্ষাৎ সম্পার্ক কোয়াদেরাক সকর্ব করতেনং ভারা বলবে 'ঠাা অবশাই' কিন্তু কাফিরদের প্রতি শান্তির বাণী অবধারিত হয়েছে :

৭১। বলা হবে, 'ভোমরা জাহানামের দরকাসমহ দিয়ে প্রবেশ কর, সেখানে স্থায়ীভাবে অবস্থানের অন্য, সুতরাং কওই না নিকট অহংকারীদের আবাসস্থল!'

৭৩। আর যারা ভাদের প্রতিপালককে ভয় করেছে ভাদেরকে দলে দলে জানাতের দিকে এগিছে নিয়ে যাওয়া ছবে। অবশেষে যথন তারা এর (ভানাতের) নিকটে আসবে এবং এর দরজাওলো খুলে দেয়া হবে এবং এর বন্ধীরা ভালেরকে বলবে 'ভোমাদের প্রতি 'সালাম', তোমরা খণী হত নাম আতে প্রবেশ কর স্বাহীল্যার '

৭৪। এবং তারা (প্রবেশ করে) বলবে, 'সমত প্রশংসা আল্লাহর জন্য, বিনি আয়াদের প্রতি জাঁর প্রতিঞ্চতি সড়ের পরিণত করেছেন এবং আমাদেরকে উত্তরাধিকারী করেছেন এই যমীনের: আমরা জান্রাতে যেখানে ইন্স্য বসবাস করব। আর (সং) কর্মশীলদের প্রতিদান কতই না উত্তম।

৭৫। এবং ভমি ফেরেশভাদেরকে দেখতে পারে যে, তারা আরশের চারপাশ,

وَمَا قَدَرُوا اللهَ حَتَّ قَدْ رِهِ ۚ وَالْأَرْضُ جَمِيْعًا قَبْفَتُهُ يَوْمَ ۖ الْقَيْمَة وَا لَسَّمُوٰتُ مَطُويَّتُ بِيَمِيْنِهِ مُسْبَحْنَةً وَتَعْلَى عَمَّا يُشْرِ كُوْنَ ﴿

بَلِ اللهَ فَاعْبُدُ وَكُنْ مِّنَ | لَشَّكِ ثِنَ @

وَنُفِيزَ فِي الصُّورِ فَصَعِقَ مَنْ فِي السَّمُوتِ وَمَنْ فِي الْأَرْضِ الَّا مَنْ شَاءَ اللهُ وَلُو لَيْفَ فِيهِ أَهُوى فَإِذَا هُرْ قِيَامٌ يَّنْظُرُونَ ﴿

وَآهُوَ قَبِ الْأَرْضُ بِنُوْ رِرَبْهَا وَوُمْعَ الْكُتْبُ وَهِا ثَيْءَ بِالنَّبِينَ وَالشُّهَدَاءِ وَقُضِىَ بَيْنَهُرْ بِالْعَقِّ وَهُرْ لَايُظْلَمُوْنَ @ وَ وُفِيَتُ كُلُّ نَفْسِ مًّا عَمِلَتْ وَهُو ٓ إَعْلَرُ بِمَا يَفْعَلُونَ ﴿

وَسِيْقَ الَّذِيْنَ كَفَرُوٓۤ الْيَجَهَنِّيرَ زُمَرًا ۚ حَتَّى اذَا جَآءُوْهَا فُتحَتْ أَبُوَ ابْهَا وَقَالَ لَهُ يُحَانَتُهَا ۚ أَلَهُ ۖ يَأْتُكُمْ رُسُلُ مِّنْكُمْ يَتْلُوْنَ عَلَيْكُرْ إِنِّ رَبَّكُرْ وَيُنْدَ رُوْنَكُرْ لَقَّاءَ يَوْمَكُرْ هَٰذَا، قَا لُواْ بَلَى وَلَكُنْ حَقَّتْ كَلَمَةُ الْعَذَابِ عَلَى الْكُفِ ثِنَ ﴿ قيْلَ ادْخُلُوٓ ا آبُو ابَ جَهَنَّرَ خُلديْنَ فِيْهَا ، فَبِعْسَ مَثْوَى

وَسِيْقَ الَّذِيْنَ اتَّقُوا رَبُّهُمْ إِلَى الْجَنَّةِ زُمَوًا وَتَّلَى إِذَا جَاءُوْهَا وَقُتحَتْ أَبُوَ ابُهَا وَقَالَ لَهُرْ خَزَنَتُهَا سَلَرٌ عَلَيْكُرْ طَبْتُرْ فَادْخُلُوْهَا خُلديْنَ ۞ وَقَا لُوا الْعَمْدُ اللهِ الَّذِي صَدَقَنَا وَعُدَةً وَأَوْرَ ثَنَا الْأَرْضَ

نَتَبُوا أَمِنَ الْجَنَّةِ مَيْثُ نَشَّاءً عَنَعْمَ آجُرُ الْعَمَلْيِنَ @ ভाসের মারে। (बर्कार शाक्रमध्य भारत) विधात कवा दरव नगाराव जारय। टॉबुब्र ३ टेंबेब्रू में में केरे में किस केरी में किस केरी

# ৪০ সবা আল-ম'মিন মারী

५० लागाच ५ सन মসীম দয়াময় ও প্রম দ্যাল আলাহর নামে

#### ১ সা-গ্রীয়া

- ১। এ বিভাবের অবভাবণ মহাপ্রভাপশালী ও সর্বজ্ঞামী আলাহর পক্ষ
- ৩। যিনি অপরাধ ক্ষমারারী তেওবা করলকারী শারিদানে কঠোর সামর্থবান। তিনি ফালে কোন ইলাহ নেই। গন্তব্যক্তল তাঁৱই দিকে
- ৪। তেবল ভাষিত্তাই আলাহত আয়াতসমূহ সম্পূৰ্তে বিজৰ্জ কৰে। সভবাং क्यातकारण जायात पातान विभाग ताक (जाशास्त्र भागातिक का करत
- তাদের পর্বে নতের সম্পদায় ও ভানের পরে অন্যান্য দলও (বাসলাদেরতে) মিধ্যাবাদী বলেছিল। প্ৰত্যেক উন্মত তাদের রাসলকে পাকভাও করতে মনত করেছিল এবং তারা বাতিল (মিথা) ছারা বিতর্কে লিগু হরেছিল জা হাবা সভাবে বার্ছ বাবে দেয়ার হন। ফলে আহি ভাসেবাক পাঞ্চমান করেছিলাম। সভরাং কেমন ছিল আমার শান্তি।
- ও। এবং এভাবেই কাফিবদের কোনো কোয়ার প্রতিপালকের বাদী অবধারিক হয়েছে যে, তারা আগুনের অধিবাসী।
- वार्वा कार्यभ उद्यम करन अन्य धाना अन कार्यभारभ नरवरक कांना कारमन প্রতিপালাকর প্রশংসাসত পরিবলা ঘোষণা করে এবং দারা দাঁর উপর দিমান রাখে এবং যারা দিমান এনেছে তাদের ক্রনা ক্রমা প্রার্থনা করে (এট বাল যে) 'তে আয়াদের প্রতিপালক। আপনি দহা ও আনে সর কিছকে পরিবেইন করে আছেন, অভএব যারা তওবা করে ও আপনার পথ অনসৰণ কৰে আপনি ভালেবকে ক্ষমা ককন এবং ভালেবকে ভীব থাকানর শান্তি কারে রক্ষা করান।
- ৮। তে আয়ানের প্রতিপালর। এবং আপনি ভালেরকে প্রবেশ করান স্বাধী জান্রাতসমূহে, যার প্রতিশ্রুতি আপনি ভালেরকে দিয়েছেন এবং ভালের পিতপক্ষ স্বামী-স্বী ও সন্ধান-সন্ধতিত মধ্যে যাতা সংকাল কতেতে দ্যাদব্যক্তর নিশ্বয় আপনিট মুহাপ্তরাপশালী ও মুহাপ্তরারান।
- ৯। এবং আপনি ভাদেরকে মন্দসমহ (শান্তি) হতে রক্ষা করন। এবং সেদিন আপনি যাকে মন্দসমূহ (শান্তি) হতে রক্ষা করবেন তাকে আপনি দগ্রাই कार्य शांकारात्म (\* जात अधिक प्रकारमञ्जूष
- ১০। নিশ্বর থারা কঞ্চরী করেছে ভালেরকে ডেকে বলা হবে, 'কোয়াদের নিজেদের প্রতি তোমাদের অসম্ভব্তির চেয়ে অবশ্যই আলাহর অসম্ভব্তি ছিল বেশি- যথন ভোমাদেরকে ঈমানের প্রতি আহবান করা হয়েছিল আৰু ভোমৰা অসীকাৰ কৰেছিলে."
- ১১। তারা বলবে, 'হে আমাদের প্রতিপালক। আপনি আমাদেরকে দ'বার মতা দিয়েছেন এবং আমাদেরকে দ'বার জীবিত করেছেন, এবং আমরা আমাদের এপরাধসমূহ স্বীকার করছি, অভএব নিষ্কৃতির কোন পথ আছে কিঃ

## ٣٠-سُورَ أَوُ الْمُؤْمِنِ - مُكَيَّةٌ أَنَا أَمُا - هِمْ رَكُّوعًا أَمَّا - هِ نسُم الله الرَّحُمُن الرَّحِثُم

تَنْزِيْلُ الْكَتْبِ مِنَ اللهِ الْعَزِيْزِ الْعَلَيْرِ قُ

غَافِ الذُّنْبُ وَقَابِلِ التَّوْبِ هَديْدِ الْعَقَابِ وَي الطَّوْلِ. لا الدَ الاهوم اليه المصير ٥

مَا يُجَادِلُ فَي أَيْتِ اللهِ الَّا الَّذِيْنَ كَفَرُواْ فَلَا يَغْرُ رُكَ تَقَلُّبُهُمْ غي البلاد ۞

كَذَّبَتْ قَبْلَهُرْ قَوْمٌ تُوْحِ وَّالْإَهْزَابُ مِنْ بَعْدِهِرْ - وَهَمَّتْ كُلُّ أُمَّة بَسُوْ لِهِ ( لَيَأْخُذُوْهُ وَجِدَ لُوْ إِبِالْبَاطِلِ لِيُدْحِفُوا بِهِ الْعَقَّ فَأَخَذْتُهُمُ سَفَكَيْفَ كَانَ عَقَابٍ ٠

وَكَذَٰ لِكَ مَقَّتُ كَلِّمَتُ رَبِّكَ عَلَى الَّذِيْنَ كَفَرُوٓۤۤ الَّهُرُ ٱصْحِبُ

أَلَّدَيْنَ يَكُمُلُوْنَ الْغَرْشَ وَمَنْ حَوْلَةً يُسَبِّكُوْنَ بِكَمْد رَبِّهِمْ وَيُوْمِنُونَ بِهِ وَيَسْتَغْفُ وْنَ لِلَّذِيْنَ إِمَنُواء رَبُّنَا وَسَعْتَ كُلُّ شَيْءٌ رَّحْمَةً وَّعْلُمًا فَاغْفِ للَّذِيْنَ تَا بُوْا وَ إِثَّبَعُوْ إِسَبِيْلَكَ وَقِهِرْ عَذَالَ الْجَحِيْدِ ۞

رَبِّنَا وَأَدْخِلُهُمْ جَنِّي عَدْنِ إِلَّتِي وَعَدْتُهُمْ وَمَنْ صَلَّهَ مِنْ أَبَّا نِهِرْ وَآزُوَ إِجِهِرْ وَذُرِيَّتِهِرْ وَاللَّهُ آنْتَ الْعَزِيزُ الْكِيرُ ٥ وَقِهِ ۗ السَّيَّاتِ وَمَنْ تَقِ السَّيَّاتِ يَوْمَئَذَ فَقَدُ رَحَمْتَهُ ۖ ۗ

وَذُ لِكَ هُوَ الْفَوْزُ ٱلْعَظْمُ أَنَّ إنَّ الَّذِيْنَ كَفَ وَا يُنَادَوْنَ لَمَقْتُ اللَّهِ أَكْبَ مِنْ مُّقْتَكِيْ أَنْفُكُمْ إِذْ تُدْعَوْنَ إِلَى الْإِيْمَانِ فَتَكُفُّ وْنَ @

قَا لُوْا رَبَّنَآ أَمَتَّنَا الْنَتَيْنِ وَآهْيَيْتَنَا الْنَتَيْنِ فَاعْتَرَفْنَا بِذُنُوْبِنَا فَهَلُ إِلَى خُرُقِ مِنْ سَبِيلِ ﴿

- ১২ তোমাদের এ অবস্থা এজনা দে, যখন একা আল্লাহকে ডাকা হত তথক গ্রেমবা অধিবাস করতে এবং জির সাথে শঠীক করা হলে তোমবা বিশ্বাস করতে। এখন বিচার-ফয়সালা সর্বোভ ও মহান আল্লাহরই কর্তৃত্বে।
- কর্তৃত্বে।

  ১০ তিনিই তোমানেয়কে তাঁর নিদর্শনাবদী দেখান এবং আকাশ থেকে
  তোমানের জন্য বিনিক অবতীর্থ করেন। আর উপদেশ প্রথম করে কেবল

  মে-ই স্থা আনারব নিকে অসম্প্রতীর্থ করেন।
- ১৪ সুতরাং আল্লাহকে ডাক দ্বীনকৈ তাঁরই জন্য নির্দিষ্ট করে, যদিও কাফিগরা তপতন করে।
- ১৫। তিনি সর্বোচ্চ মর্থাদার অধিকারী, আরশের অধিপতি, তিনি তাঁর বান্দাদের মধ্যে যায় প্রতি ইচ্ছা তাঁর নির্দেশের মন্ত (তথ্যী) অবতীর্ণ করেন, যাতে সে সতর্ক করতে পারে সাঞ্চাতের দিন সম্পর্কে-
- ১৬। -মেদিন তারা (কবর থেকে) বের হয়ে পড়বে, আল্লাহ্র কাছে তাদের কিছুই গোপন থাকবে না। আজ রাজত্ব কারা মহাপরাক্রমশালী এক আল্লাহ্বই।
- ১৭। আজ প্রত্যেক ব্যক্তিকে দে যা অর্জন করেছে তার প্রতিদান দেরা হবে। আজু ঝেন জুলুম নেই। নিশ্চয় আল্লাহ হিসাবে দ্রুত।
- ১৮: এবং তাদেরকে সতর্ক করে দাও আসমু নিন সম্পর্কে যখন দুঃখ-কটে তাদের প্রাণ কষ্টাগত হবে, যখন জানিমদের অন্য কোন অন্তর্গন বছু থাকবে না এবং এমন কোন সুপারিশকারীও থাকবে না যার সুপারিশ প্রাণ নিরা করে।
- ১৯। চজুসমূহের অপবাবহার এবং বক্ষসমূহ যা গোপন করে তিনি তা
- ২০। এবং আল্লাহ্ সভ্যসহ বিচার করবেন। উক্তে বাদ দিয়ে ভারা হাদেরকে ভাকে ভারা কোন বিচারই করতে পারবে না। নিকন্ত আল্লাহ্ই সর্বশ্রোভা প সর্বন্ধী।
- ২১। তারা কি পৃথিবীতে ত্রমণ করেনি এবং লক্ষ্য করেনি, কেমন ছিল তাদের পূর্বকর্তানের পরিপামঃ পৃথিবীতে তারা ছিল তাদের ক্রেরে শতিতে ও কীর্তিতে প্রবল, অভ্যপর আরাহু তাদেরকে পাঞ্চপ্তাও করেনে তাদের অপরাধ্যমূরের কারণে এবং আরাহু হতে তাদের জন্য কোন রক্ষাকারী ছিল মা।
- ২২। এটা এজনা যে, তাদের নিকট তাদের রাস্করা স্পষ্ট প্রমাণাদিসক এসেছিল, অভংগর তারা তা অধীকার করেছিল, ফলে আল্লাহ তাদেরক প্রমান্ত করেজন। নিক্তা কিন্তি মহাশক্ষিতে ও পার্কি দানে আগোর।
- ২৩ আর অবশ্যই আমি আমার নিবর্শনাবলী ও সুস্পষ্ট প্রমাণসহ মুসাকে প্রেরণ করেছিলাম-
- ২৪। ফিরখাউন, হামান ও কারনের প্রতি, কিন্তু তারা বলেছিল, 'সে একজন আদুকর ও মিথাবাদী।'

- ذلِكُرْ بِالْقُرُلِامُ مِنَ الشَّرَحْدَةُ كَفَرَاتُورْ ءَوَانَ يُفْرُكُ بِهِ تُؤْمِنُوا . فَالشَّحْرُ لِقِهِ القِيلِ القَبِيْرِ ۞ هُوَ النِّينُ لِمِنْ النِّهِ وَنَهَزِّلُ لَكُورٌ مِنَّ السَّمَّاءِ رِزْقًا ءَوَمَا يَعَدُّورُ الْأَمْنُ لِنُسِرُ صَلَّى النَّهِ وَنَهَزِّلُ لَكُورٌ مِنَّ السَّمَّاءِ رِزْقًا ءَوَمَا
- فَادْعُوا اللهَّ مُخْلَصِيْنَ لَهُ الرِّيْنَ وَلَوْ كَرِهَ الْخُوْرُونَ ۞ رَفَيْمُ الدَّرِجُسُ ذُوالْغَرْضَ عَيْلَقَى الرُّرْحَ مِنْ أَمْرِهِ غَلَ مَنْ
- يَّفَّانَهُ مِنْ عِبَادِمٍ لِيُنْذِرَيَوْاَ التَّلَقِينَ ﴿ يُواَ هُرُ ابْرِ زُوْنَ لَا يَحْفَى عَلَى اللهِ مِنْهُرُ هَنَّى لِمَنِ الْمُلْكُ
- الْيُوَّا الْهِ الْوَاحِدِ الْقَفَّارِ ۞ اَلْيُوَّا لُخُوْى كُلُّ نَفْيٍ بِمَا كَسَبَثْ الْظُلْرَ الْيُوَّا اللهِ سَرِيْمُ الْحَسَابِ ۞
- ۯٙٱنٝڎؚۯۿؙڕۛؿۯٞٵڵڷٳڣٙڎٳڋٳڷؙڡٞڷؙۅٛۘۘؠؙڷۮؽٵڵڝۘٛڶڿڔٟڬڟۣؽؽۘۀ مَا لِلطَّلِمِيْنَ مِنْ حَيِثْمٍ وَّلاَمَفِيْعِ لِنَّعَاعُ ۞
- يَعْلَىُ غَالِنَةَ الْاَعْنِيْ وَمَا تُحْفِي المَّدُورُ۞ وَاللَّهُ يَعْمِى بِالْهَيِّ وَالْدِينَ يَدْعُونَ مِنْ دُونِهِ لا يَقْمُونَ أَقَ بِضَنَّ اللَّهِ اللَّهِ عَمْ السِّيمُ الْمَعِيرُ ۞
- اَوَلَكُمْ يَسْفِرُوا فِي الْآرُونِ فَيَنْظُرُواْ كَيْفَ كَانَ هَاقِيَةُ الَّذِيْنَ كَانُواْ مِنْ قَبْلِهِمْ عَانُواْهُمْ أَهْمَا مِنْهُمْ قُوَّةً وَأَقَالًا لَكِيهِ الْآرْضِ قَاغَنَهُمُ اللهِ بِلَانُولِهِمْ وَمَا كَانَ لَهُرْ مِنَ اللهِ مِنْ وَآقِ ۞
  - ى خدىقى الله بِدانو بِهِى : وَهَ كَانَ تَهْرِ مِنْ اللهِ مِن وَاقٍ ۞ ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ كَانَتْ تَنْاتِيْهِمْ رُسُلُهُمْ بِالْمَيِّنْتِ فَكَفَّرُوْا
    - فَاَخَذَهُرُ اللهُ، إِنَّهُ قَوِعٌ شَدِيْدُ الْعَنَابِ ۞ وَلَقَدَ اَرْسُلْنَا مُوْسَى بِالِينَا وَسُلطَيْ مَبْدِينِ ۞ [ل] بِدُعُونَ وَهَامُ، وَقَارُ وَنِ فَقَا أَذُرا سِعَدُ كُذَّا إِنَّ إِنَّا اللهِ عَلَى اللهِ ﴿

- ২৫। আর যধন সে আমার নিকট থেকে সত্য নিয়ে তানের কাহে আসল তথন তারা বলদ, তার সাথে যারা ঈবাদ এলেছে, তালের পুত্র সন্তালনেকে হত্যা এব এবং তালের সাধিলারেক স্থাবিত রাখ।' কিছু কাফিরনের মতৃযন্ত্র ভ্রম্ভতায় পর্যবিচত হয়েই থাকে,
- ২৬। ফিরআউন কাল, 'কামাকে ছেড়ে দাও আমি মুলাকে হত্যা করি একং সে তার প্রতিপাদকে তাকুক, নিক্তয় আমি আশব্ধা করছি যে, সে তোমাদের ধীনের পরিবর্তন ঘটাবে অথবা সে পৃথিবীতে অরাজকতা সৃষ্টি করবে।'.
- ২৭। মুসা বদল, 'আমি আমার ও তোমাদের প্রতিপালকের আশ্রন্থ ছাঞ্ছি দেসব অহংকারী ব্যক্তি হতে যারা হিনাবের দিনে ঈমান আনে না।'
- ২৮ বিজ্ঞানি বংশার বন্ধ হুনি বাজি যে তার সিকা গোপন বাবও লা কলা, তোলা কি কথা বিভিন্ন আৰু ছাতা কথা যে, পাংল আমার বহিপাগত আছাই, 'বাধ্য লৈ গোলাকে বহিপাগতের নিকট বেলেলা বীধাগালিক আমালে বাব্য করেছে, বন্ধ বাহি বাহা কিছার আলা লালী হয়ে, বাব বহিল সকলালী হয় আহলো লোকেনেক বাহাবিক বিজ্ঞানি কিবল করা বিশ্ব করিছাল কলোকালেক বাহাবিক বাহাবিক
- ২৯। হে আমার সম্প্রদায়। বর্তমানে পৃথিবীতে প্রচাবদালী হিসেবে ভোমানেরই রাজত্ব; কিন্তু আমানের উপর আন্তাহ্বর শান্তি এনে পড়লে কে আমানেরকে সাহাত্য করেবেং বিশ্বআটন বক্ষা, আমি যা মনে করি আমি কোমানেরকে ভাই বলাই এবং আমি ভোমানেরকে কেবলা সঠিক পথাই প্রদর্শন সক্রদান।
- ৩০। এবং যে ঈমান এনেছিল সে ব্যক্তি কলন, 'হে আমার সম্প্রদার! আমি চোমানের উপর (পূর্ববর্তী) দদসমূহের দিনের অনুরপ (দূর্দিনের) আশক্ষা কর্যন্তি-
- ৩১। যেমন ঘটেছিল নৃত্, আদ ও ছাম্দ সম্প্রদায় এবং ভালের পূর্ববর্তীদের ব্যাপারে ' আর আল্লাহ্ বান্দাদের প্রতি কোন জুলুম করতে চান না।
- ৩২। 'হে আমার সম্প্রদায়। আমি তোমাদের জন্য আশব্বা করছি আর্তনাদ দিনের (কিয়ামতের)-
- ৩৩। যেদিন তোমরা পিছন ফিরে পালাতে চাইবে, আল্লাব্র বিপরীতে তোমানের জন্য কোন রকাকারী থাকবে না', আর আল্লাব্ যাকে পথএট কর্মেন তার জন্য কোন পথএমর্শক নেই।
- ৩৪। আর অবপাই ইত্তপুর্বে তোমাদের নিকট ইউবুক এনেছিল "নই অম্পানিসং, নিক্কু নে জোমাদের নিকট যা নিয়ে থানেছিল তোখার। বাগণারে বারবার কাব্দে (পার্লাভ করতে। অবশ্যের সে মধ্য মারা গেল তথ্য তোমারা ব্যোহিলা, তার না আয়ার বার কথানা কেন নাকুল পার্নাকেন না। 'এছাবেই আয়ার গণগুরুই করেন তাকে যে সীমানকমনকারী ও সংপারবাদি।

- فَلَمَّا مِلْآَوَهُمْ بِالْحَقِّيْنِي عَدْدِنَا قَالُوا الْقَلُولَّ الْتَنَاقُ الْدِيْنَ أَمَّوْا مَعَدُ وَاسْتَهْبُوا نِسَاءُهُمْ وَمَا كَيْدُ الْفُنْرِيْنَ إِلَّا فِي هَلْلِ ۞ مَعَدُ وَاسْتَهْبُوا نِسَاءُهُمْ وَمَا كَيْدُ الْفُنْرِيْنَ إِلَّا فِي هَلْلِ ۞
- رُفَالَ فِرْعُونُ دُرُوْنِيِّ أَفْتُلُ مُوسِّ وَلَيْدُعُ رِبَّدُۥ إِنِّيَّ آَغَافُ آنُ يُبَّدِّلُ دِيْنُكُو آوُانَ يُظُهِرِ فِي الْآرُضِ الْفَسَادُ وَقَالَ مُوْسِّى إِنِّيَّ عُلْثُ بُرِيْنُ وَرَبُكُرُ مِنْ كُلِّ مُنْكِبِّ لَامُؤْمُنُ
- يِيزًا الْجِمَّابِ ۞ وَقَالَ رَجُلٌ الْوَقِيَّةِ وَقَى الْوَجُونَ يَحْشُرُ إِنِّمَا لَمُ اَلْفَتَلُونَ رَجُلًا أَنْ لَقُولًا نِقَالًا أَنْ يَقْوَلُ النِّيِّةِ فِي الْيَقِيْسِينِ لَيْكُرْ وإنْ لُكَ كَاذِبا فَعَلَيْهِ كَذِيهُ وإنْ يُلْفَ صَادِقًا يُسِمُّرُ يَعْفَى الْدَىٰ يَعْدُكُرُ وَأَنْ اللّهَ كَايِنِهُ مِنْ مَ شَدِقًا يُسْمِحُرُ مِعْفَى اللّهِ اللّهِ عَلَيْهِ عَلَى الْع
- يُقُوْمَ لَكُرُ الْمُلْكُ الْيُوْمَ ظَهِرِيْنَ فِي الْآدُضِ، فَقَنْ يَّنْفُونَا مِنْ بَاسِ اللهِ الْدِيْرَانِ جَاءَقَاءَ قَالَ فِرْغَوْنُ مَاۤ أَرِيكُمْرُ إِلَّامَاۤ أَرِئِي وَمَّا آهٰدِيكُمْ الْأَسْبِلُ الرِّهَادِ ۞
- وَقَالَ الَّذِيْنَ أَمَنَ يُقُوْرٍ إِنِّيْ آَمَانُ عَلَيْكُرْ مِّثْلَ يَوْرً الْآهْرَابِ۞
- الله الراحِونَ مِثْلَ دَاْبِ قَوْمَ نُوحٍ وَعَادٍ وَثَمُودَ وَالَّذِيْنَ مِنْ بَعْدِهِرْ وَمَا اللهُ يُدِيْدُ ظُلْمًا لَلْعَبَادِ ۞
  - وَيٰقُوْمِ إِنِّيْ آخَالُ عَلَيْكُرْ يَوْمَ التَّنَادِ ٥
- يَوْمَّ تُوَلِّوْنَ مُدْبِرِيْنَ َّمَا لَكُيْرَ فِّنَ اللهِ مِنْ عَامِرٍ ۚ وَمَنْ يَّفْلِلِ اللهُ فَمَا لَدَّمْنُ هَادِ ۞
- وَلَقَنْ جَاءَكُمْ لُوسُفُ مِنْ قَبْلُ بِالْبَيْنِ فَمَا زِلْتُرْ فِيْ هُكَ مِمَّا جَاءَكُمْ بِهِ، حَتَّى إِذَا هَلَكَ قُلْتُمْ لَنْ يَّبْعَفَ اللهُ مِنْ يَعْفِي رَسُولًا، كَذَلْكُ لِكُ يُمِثِّلُ اللهُ عَنْ هُو مُشِيَّ مُرِّتًا بُ ۖ ﴾

সম্পর্নে বিজর্জ করে। আদের এ কাড় আলাহ এবং যারা ঈমান ব্যানাছ তাদের কাছে বড়ই ধৃণ্য। এতাবেই আল্লাহ প্রভ্যেক অহংকারী ও (क्षक्राभावी वार्षिक क्रम्बाक (भाइन (द्वार (सन)

৩৬: এবং ফিবআটন বলল 'চে চামান! আমার জন্য তমি একটি সউচ্চ প্রাসাদ নির্মাণ কর যাতে আমি পৌছতে পারি পথসমূহে-

৩৭। -আকাশসমূহের পথসমূহে, অতঃপর দেখতে পারি মুসার ইলাহকে. এবং নিক্যা আমি অবশ্যই তাকে মিথ্যাবাদী মনে করি। এভাবেই সম্পর্ণজ্ঞপে বার্থ হয়েছিল

৩৮। এবং যে ইমান এনেছিল সে ব্যক্তি বলল, 'হে আমার সম্প্রদার। তোমরা আমার অনসরণ কর, আমি ভোমাদেরকে সঠিক পথ প্রদর্শন করব।"

৩৯। 'হে আমার সম্প্রদায়। এই দুনিয়ার জীবন (অস্থায়ী) ভোগ্য সামগ্রী মাত্র এবং আখিরাতই হচ্ছে স্থায়ী আবাস।

৪০: কেউ মন্দ কাজ করলে সে কেবল তার কাজের অনুরূপ প্রতিফল পাবে এবং পরুষ কিংবা নারীর মধ্যে বারা ম'মিন হয়ে সংকাজ করে তারা প্রবেশ করবে জাদ্রাতে, সেখানে তাদেরকে দেয়া হবে বেছিসাব রিষিক।

৪১। 'তে আমার সম্পদার। কী বল। আমি ভোমাদেরকে ভাকছি মতিনা দিকে, আৰু জোমুৰা আমাকে ভাকত আঞ্চনের দিকে।

জোহাফেলক ভারতি মহাপ্রকাপশালী ও পরম ক্ষমাশীল আবাহর দিকে। ৪৩। সন্দেহ নেই যে, ভোমরা আমাকে আহবান করছ তার দিকে যে দুনিয়া

আস্ত্রাহর দিকে, এবং এও যে, সীমালক্ষনকারীরাই আন্তনের অধিবাসী। ৪৪। আমি ভোমাদেরকে যা বলচি, ভোমরা তা শীঘট স্বরণ করবে এবং আছি আমাৰ ব্যাপাৰ আলাহৰ মিকট সমূৰ্পণ কৰছি। নিশ্চয় আলাহ তাঁৰ

বাহ্মাদের সম্পর্কে পর্ণ দষ্টিবান। ৪৫। অতঃপর আল্লাহ তাকেঁ তানের যন্তবন্ত্রের অনিষ্ট থেকে রক্ষা করণেন

এবং ফিরআউনের বংশকে নিকট শাস্তি দিরে ফেলল।

عِنْدَ اللهِ وَعِنْدَ الَّذِيْنَ أَمَنُوا ﴿ كَذَٰ لِكَ يَطْبَعُ اللَّهُ عَلَى كُلِّ قَلْبِ مُتَكَبِّرٍ جَبَّارِ ﴿

وَقَالَ فِرْعَوْنُ يَهَامٰنُ إِنِّي إِنْ صَرْحًا لَّعَلِّنَّ ٱلْلُغُ الْأَسْبَابَ ﴿ أَشْبَابَ السَّمُونِ فَأَطَّلُعَ إِلَى الْمُوسَى وَإِنَّى لِٱطُنَّةً كَاذِبًا ، मिनवाहित्स निक्षे वाद मानवाहरू (मान्सीय बना स्रामिन अपर वादम है। हिनद नाम क्याबित (मिन्सी) अस अपन अपन किनवाहित्स अपन विकासित अपन किनवाहित्स अपन किन्नवाहित अपन किन्नवाहित (मिन्सी) अस

كَيْدُ فِرْعَوْنَ إِلَّا فِيْ تَبَابٍ أَ وَقَالَ الَّذِينَّ أَمَنَ يَقَوْ التَّبِعُونِ آهْدِكُرْ سَبِيْلَ الرِّهَادِ ٥

يْقَوْ؟ انَّمَا هٰذه الْحَيْوةُ الدُّنْيَا مَتَاعٌ ، وَّ إِنَّ الْأَخْرَةَ هِيَ دَارُ الْقَرَارِ⊛ مَنْ عَمِٰلَ سَيِّئَةً فَلَا يُجُزِّي إلَّا مِثْلَهَا ؛ وَمَنْ عَمِلَ صَا لَحًا مِّنْ ذَكَرِ أَوْ ٱلْثَعْيِ وَهُوَ مُؤْمِنْ فَأُولِلَّكَ يَدْخُلُونَ الْجَنَّةَ يُوْ زَقُونَ فيْهَا بغَيْرٍ حسَابٍ ؈

وَيٰتَوْامَا لِنَّ آدْعُوْحُرْ إِلَى النَّجُوةِ وَتَدْعُوْنَيْنَيْ إِلَى النَّارِقُ ৪২। তোমরা আমাকে ভাকছ আল্লাহকে অম্বীকার করতে এবং তাঁর সাথে تَدْعُوْنَنِيْ لِاَحْفَرَ بِاللَّهِ وَأُهْرِكَ بِهِ مَا لَيْسَ فِي بِهِ عِلْرٌ ۚ وَٓ إَنَاۤ পরীত করতে, যার সম্পর্কে আমার কোন আন নেই; পঞ্চান্তরে আমি أَدْعُوْكُرُ إِلَى الْعَزِيْزِ الْغَقَّارِ @

لَاهُوآ ۚ ٱنَّمَا تَدْعُوْنَنِنَّ إِلَيْهِ لَيْسَ لَهُ دَعُوةٌ فِي الدُّنْيَا وَلَا ও আধিরাতে আধ্যানযোগ্য নয়, এবং এও বে, আমাদের প্রভাবর্তন فِي الْأَخْرَةَ وَأَنَّ مَرَدٌّ نَأَ إِلَى اللَّهِ وَأَنَّ الْمُشْرِ فَيْنَ هُوْ أَصْحُبُ الثَّار⊛

فَسَتَذْكُرُ وْنَ مَأَ ٱقُوْلُ لَكُرْ • وَأَفَوِّضُ آمْ يَى اللَّه • انَّ اللَّه بَمِيْرٌ بِالْعِبَادِ 6 فَوَقَهُ اللَّهُ سَيًّا تِ مَا مَكَرُوا وَحَاقَ بِالِ فِرْعَوْنَ سُوَّةُ الْعَدَابِ ﴿ 9f2f-58

- ৪৬। তাদেরকে সকালে ও সন্ধায়ে আতনের সামনে উপস্থিত করা হয় এবং ফেলিন কিয়ায়ত সংঘটিত হবে সেলিন করা হবে, ফিরুআউন বংশতে কঠিনতম শান্তিতে প্রবেশ করাও '
- ৪৭। এবং হখন তারা আগুনের মধ্যে পরশার বিতর্কে লিগু হবে তখন দুর্বাদর মারা অহংকার করেছিল তাদেরকে বলবে, 'নিক্স আমরা জোমাদের অনুসারী ছিলাম, এবন কি তোমরা আমাদের থেকে আগুনের কিছু অংশ নিবাবেশ করাবে?'
- ৪৮। যারা অংকের করেছিল ভারা কলবে, 'আমরা সকলেই এর মধ্যে (ক্ষর্থং আগুনের মধ্যে) আহি, নিচয় আল্লাহ্ বান্দানের মধ্যে তিয়ের করে ফোলাফেন।'
- ৪৯। এবং আঙ্গলে অবস্থানকারীরা জাহানামের গ্রহরীদেরকে বলবে, 'কোমাদের প্রতিপালকের নিকট প্রার্থনা কর তিনি যেন জামাদের উপর থেকে (অ স্তাত) এক বিনের শায়্মি লাঘর করেন।'
- ৫০। তার বলবে, 'ভোমাদের নিকট কি শার্ট প্রমাণাদিসহ তোমাদের রাফুগগগ ই আনেদির তারা (জাহান্নামীরা) কলবে, 'হাঁ অবশাই'। তারা কলবে, 'তাঁ তবে তোমরাই প্রার্থন কর,' আর কাফিরনের প্রার্থনা উত্তার পর্ববিদির হার্মিই থাকে।
- ৫১) নিকয় আমি আমার বাস্পাদেরকে এবং বারা ঈয়ান এনেছে ভাদেরকে অবশাই সাহাত্ত্ব করব দুনিয়ায় জীবনে ও বেদিন সাক্ষীরা দব্যায়মান হবে-১০) ফেনিন আলিয়দের অভয়েত উপকারে আসাবে না, ববং ভাদেও জনা ব্যবহাত্ত্ব
- গা'নত এবং তাদের জন্য রয়েছে নিকৃষ আবাস।
- ৫০। আর অবশ্যই আমি মৃসাকে দান করেছিলাম পর্যনির্দেশিকা এবং বনী ইসরাইলকে উল্লোধিকারী করেছিলাম কিতাবের-
- ৫৪। বৃদ্ধিমানদের জন্য পথনির্দেশনা ও উপলেশকরণ
  - ৫৫। অতএব ভূমি ধৈর্য ধারণ কর, নিভর আল্লাহর প্রতিক্তি সতা, এবং ভূমি তোমর জটির কলা কথা প্রার্থনা কর এবং সন্ধার ও সকালে ভোমার প্রতিধান্তরর প্রধানসক্ষ পরিক্রা হর্তার করে।
  - ৫৬ নিকর যারা তাদের কাছে আসা কোন প্রমাণ ছাড়া আরাছের আয়াতসমূহ সম্পর্কে বিতর্ক করে তাদের প্রকল্পের ছাছে কেবল অর্জার, যে (অস্তার করার পর্যায়)পর্বিত্ত তারা গৌহবার হোগণ নত, অতথ্য ভূমি আলারত আদার চাত নিকয় ভিনিই সর্বাজ্ঞাত বিপরীয়।

- آلِنَّا رُيُعَوْمُونَ عَلَيْهَا عُمُواً (وَعَفِياً ءَوَيُواً آتَقُواً السَّاعَةُ لا الْمُعَلِّواً السَّاعَةُ ل اَدْعِلُواْ الْنَفِرْ عُونَ اَفْدَ الْعَدَابِ ۞ وَإِذْ يَنْعَا هُونَ فِي النَّارِ فِيقُولُ الفَّقَوُّ اللَّذِينَ الْمُعَمِّرُولَ
- إِنَّا كُنَّا لَكُرْ تَبَعًا فَهَلْ أَنْكُرْ مُقْتُونَ عَنَّا نَفِيبًا مِنَ النَّارِ ﴿
  قَالَ الَّذِينَ اسْتَكْبُرُواْ إِنَّا كُلُّ فِيهَا ۚ إِنَّ اللَّهُ قَدْ حَكَرَ بَيْنَ
- الْعِبَادِ ۞ وَقَالَ الَّذِيْنَ فِي النَّارِ لِخَزْنَةِ مَهَنَّرَ ادْعُوا رَبَّكُمْ يُخَفِّفُ عَنَّا يُومًا مِنَ الْعَدَابِ ۞
- ا قَا لُوَّا اَوَلَى تَكُ تَاتِيكُمُ رُسُلُكُرْ بِالنَّيِّنِيءَ قَا لُوْا بَلَى الْجُ قَا لُوَّا فَادَعُوا ءَوَمَا دَعُوَّا الْكَثِوبْنَ إِلَّا فِي مَلْلٍ فَهُ
- إِنَّا لَنَنْمُرُ رُسُلَنَا وَالَّذِينَى أَمَنُواْ فِي الْخَوَّةِ الدُّنْيَا وَمَوَّا يَثُوْاُ الْإِنْهَادُ ﴾ يَوْاَ الْإِنْهَادُ ﴾ يَوْاَ لَاِنْتَقَوْرَا الظَّامِينَ مَعْدُرتَهُمْ وَلَهُمُ اللَّفْتَةُ وَلَهُمْ سُوَّةً
- الدَّارِ®
- وَلَقَدُ اتَّيْنَا مُوْسَى الْهُدٰى وَآوْرَ ثُنَا بَنِيَّ إِشْرَآءِيْلَ الْكِتْبَ
  - هُدًى وِّذَكْرِى لِأُولِى الْآلْبَابِ ⊕ فَاشْرْ اَنَّ وَعَدَ اللَّهِ حَقَّ وَّااْسَتَغَفْرْ لَذَنْبَكَ وَسَبِّـــ (بَصَيْد رَبِّكَ
- بِالْعَمِّيِّ وَالْإِبْكَارِ ۞ إِنَّ الَّذِينَ يُجَادِ لُرُنَ فِي اللهِ يَغَيْرٍ سُلْطُي الْنَمُرْ \* إِنْ فُ مُدُورُ هِمْ الْآخَيْرُ مَّا هُرْ بِبَا لِغَيْءَ فَاشْتَعْلُ بِاللهِ الْمُمُّو

- ৫৭। অৱশ্যই আকাশসমূহ ও পথিবীর সৃষ্টি মানহ সৃষ্টির চোয়ে বড় কাজ, কিন্ত व्यक्तिकाश्य प्रांतम कारन गा।
- ০৮। দ্বার্টিটান ও দারিসম্পন সমান নয় এবং সমান নয় বারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে এবং যে দুক্তিকারী। তোমরা সামানাই উপদেশ গ্রহণ করে থাক।
- ৫৯। মিড্য কিয়ামত অবশাই আসবে, যে ব্যাপারে কোন সন্দেহ নেই, কিন্তু অধিকাংশ মান্য বিশ্বাস করে না
- থাকে, পীঘাই তারা লাঞ্চিত হয়ে আহান্রামে প্রবেশ করবে।
- ৬১। আলাচট তোমাদের জন্য কনিয়েছেন রাভবে যাতে ভোমরা ভাতে বিশাম গ্রহণ করতে পার এবং আলোকোঞ্জল করেছেন দিনকে। নিশ্চয় আল্রাহ মানায়ত প্রতি অৱশাই অন্প্রচালীল, কিন্তু অধিকাংশ মান্ত্র কতজ্ঞতা अकास कार हो।
- ৬১: ডিমিট জালাত ভোয়াদের প্রতিপাদক, সব বিভব সটা, ডিনি ছাড়া কোন ইলার নেই, সভরাং ভোমাদেরকে কিভাবে বিভান্ত করা হচ্ছেঃ MOI এভাবেট বিভাগ করা হয় ভাদেরকে যারা আল্লাহর আয়াতসমহকে
- ৬৪। আল্লাহ্ই ভোমাদের জন্য পৃথিবীকে বানিয়েছেন বাসযোগা এবং আকাশকে করেছেন ছাদ এবং তিনি তোমাদের আকৃতি দান করেছেন, এবং সন্দর করেছেন ভোমাদের আঞ্চতি এবং ভোমাদেরকে পরিম বজসমত থেকে রিথিক দিয়েছেন। তিনিই আল্লাহ, তোমাদের প্রতিপালক। সূতরাং বরকতমন্ত আল্লাহ, স্কণৎসমূহের প্রতিপালক।

অসীকার করে।

- ৬৫। তিনি চিব্রঞ্জীব, তিনি ছাড়া কোন ইলাহ নেই, সুতরাং ভোমরা তাঁকেই ভাক ট্রানকে তার্ত্ত জন্য নির্দিষ্ট করে। সকল প্রশংসা জপৎসমূহের প্রতিপালক আল্লাহর জন্য।
- Mil বল, 'তোমবা আধাহকে বাদ দিয়ে বাদেরকে ডাক তাদের ইবাদত করতে নিশ্চয় আমাকে নিষেধ করা চরেছে যথম আমার প্রতিপালকের দিকট পেকে আমার নিকট স্পই প্রমাণাদি এসেছে। এবং আমি আদিই রয়েডি জগৎসমধ্যের প্রতিপালকের নিকট আন্তাসমর্পণ করতে।

- لَخَلْقُ إلسَّمُون وَالْآرْض أَكْبَرُ مِنْ خَلْق النَّاس وَلَكِنَّ أَكْثَرُ } إلنَّاس لَا يَعْلَمُونَ @ وَمَا يَسْتَوى الْآعُمٰي وَالْبَصِيْ مُوَالَّدِيْنَ امَنُوْا وَعَمِلُوا
- الصَّلَحْتُ وَلَا الْمُسَنِّي قَلَيْلًا مَّا تَتَدَّدُّ وُنَّ هِ انَّ السَّاعَةَ لَاتِيَةً لَّارَيْبَ فيْهَا ، وَلَكِنَّ أَكْثَبَ النَّاسِ لَا يَةُ مِنُونَ ﴿
- ৬০। হোমাদের প্রতিপালক কলেন, 'ভোমরা আমাকে ভাক, আমি ভোমাদেরকে হি তিন্দু করিব। দিন্দু যাত্রা অধ্ধ্যের করে আমার ইবালক হতে বিরও। عَنْ عَبَادَتِيْ سَيَدُ خُلُونَ جَهَنَّمَ دُخ ثِنَ مُ
  - أَللهُ الَّذِي جَعَلَ لَكُرُ الَّيْلَ لِتَشْخُنُوا فِيْهِ وَالنَّهَا رَمُبُمِّاء إِنَّ اللهَ لَـدُوْفَهْلِ عَلَى النَّاسِ وَلَكِنَّ أَكْفَرَ النَّاسِ لَا
  - ذْلَكُرُ اللهُ رَبُّكُرْ هَا لِنَّ كُلِّ شَنَّ اللَّهَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَأَفَا ثَي تُهُ فَكُوْنَ ⊛ كَذَٰ لِكَ يُؤْفَكُ الَّذِيْنَ كَانُوْا بِأَيْتِ اللهِ يَجْحَدُوْنَ ⊛
  - أَللُّهُ الَّذِيْ جَعَلَ لَكُرُ الْأَرْضَ قَرَازًا وَّا لسَّمَاءَ بِنَاءً وْمَوّْ رَكُيرُ فَأَحْسَنَ مُوَ رَكُيرُ وَرَزَقَكُيرُ مِّنَ الطِّيِّبِي ذَلكُرُ اللَّهُ رَبُّكُمْ \* أَفَتَابَ كَ اللهُ رَبُّ الْعَلَمِينَ @
  - هُوَ الْحَتَّ لَآا لَهَ إِلَّا هُوَ فَادْعُوهُ مُخْلَمِينَ لَهُ الدَّيْنَ ﴿ ٱلْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعُلِّمِينَ ﴿
  - قُلْ انَّى نُمِيْتُ أَنْ أَعْبُدَ الَّذِيْنَ تَدْعُوْنَ مِنْ دُوْنِ اللَّهِ لَمَّا جَأَءَنيَ الْبَيِّنْ مِنْ رِّبِّي، وَأُمِرْتُ إِنْ أَسْلِيَ لِرِّنِ الْعُلَمِينِ ﴿

- ৪০ সরা আল-ম'মিন acts क्रिकिट त्याप्राप्तकारक स्वीत कराराका प्राप्ति त्यारक अध्यक्ष सीर्पनिक त्यारक এরপর আলাকা (ভাগ যে পর্যায়ে মাতগর্জে বলে ধারো) খোকে এরপর (काप्राप्तवरक तार कारान विश्वकरण अवश्रत प्राप्त (काप्रता क्रिस्क्रीक ইও তোমাদের যৌবান এবপর যাতে ভোমৰা হয়ে যাও বছ। ভার क्षांभाषत भाषा कारता भारत घटी जात शर्राहे जातः मारक काथता
- নির্বাহিত সময় পর্যন্ত পৌষ্ট এবং যাতে তোমরা অনধারন করতে পার। 🕾। তিনিই জীবিত করেন ও মৃত্যু ঘটান, এবং যখন তিনি কিছু করার সিদ্ধান্ত 💆 নেন তথন তার জনা কেবল বলেন 'হল' এবং ভা হয়ে যায়।
  - ৬৯। তমি কি তাদেরকে দেখনি যারা আল্লাহর আয়াতসমহ সম্পর্কে বিতর্ক কারঃ বিভাবে তাদেবার (সভা খোরে) সবিধে নেয়া হাজঃ
  - ৭০। যারা কিতাবকে (করআনকে) এবং যা সহ আমার রাসলদেরকে প্রেরণ কবেছিলাম ডা মিধ্যা অভিচিত কবে অভিবেট ভাবা ফালভে পাৰাব-
- ৭১। যখন তাদের গলায় বেভি ও শিবল থাকবে, তাদেরকে টেনে নিয়ে যাওয়া
- ৭২। উত্তপ্ত পানিতে, এরপর তাদেরকে দদ্ধ করা হবে আগুনে,
- ৭৩। এরপর ভাদেরকে বলা হবে, 'কোথায় ভারা যাদেরকে ভোমরা শরীক কৰণত-
- উধাও হয়েছে বরং (উধাও হয়েছে এমনভাবে যেন) পর্বে আহ্বরা কোন विकासके प्रावितिः, अमारके कालाव काशिकामवरक अध्यमे कारमः
- ৭৫। এটা এ কারণে যে, ভোমরা পথিবীতে অসতা নিয়ে উৎফল হতে এবং একারণে যে ভোমবা দম বরতে
- ৭৬। তোমরা জাহানামের দরভাসমহ দিয়ে প্রবেশ কর দেখানে স্বাহীভাবে অবস্থানের জন্য, সূতরাং কতই না নিকট অহংকারীদের আবাসকল।
- ৭৭। অন্তএৰ ডমি থৈৰ্ম ধাৰণ কৰা নিশ্চয় আলাহৰ প্ৰতিক্ৰতি সভা আৰু আমি তাদেরকে যে প্রতিশ্রুতি দেই তার কিছ যদি আমি তোমাকে দেখিয়ে দেই অথবা ভোমার মতা ঘটাই, তবে আমারই দিকে তাদেরকে ফিরিয়ে আনা
- 37 **व**ा ৭৮। এবং অবশাই আমি ভোমার পর্বে রাসলদেরকে প্রেরণ করেছিলাম। আমি তাদের কারো কারো ঘটনা ভোমার নিকট বর্ণনা করেছি এক কারো কারো ঘটনা তোমার নিকট বর্গনা করিনি। আল্রাহর ইচ্ছা ছাভা কোন নিৰ্দেশন উপস্থিত কৰা কোন বাসলের জন্ম সম্ভব ছিল না। অভঃপৰ 🔨 দেয়া হয়েছিল এবং দেখানে বাতিলপন্তীরা ক্ষতিগ্রন্থ হয়েছে।

- ٣-كارة الكاب هُوَ الَّذِيْ خَلَقَكُرْ مِّنْ تُرَابِ ثُرٌّ مِنْ تُطْفَة ثُرٌّ مِنْ عَلَقَة ثُرًّ نُدُحُدُ ۚ طِفْلًا ثُنَّ لِتَمْلُغُواۤ الْهُدَّكُ ثُنَّ لِتُكُونُوا شُوحُاه وَمِنْكُ إِنَّ مِّنْ يُتَوَقِّي مِنْ قَبْلُ وَلَتَبْلُغُوَّ الْجَلَّامُّسَمِّي وَلَعَلَّكُمْ تَعْقلُونَ 🕤
- هُوَ الَّذِيْ يُحْى وَيُمِيْتُ عَلَاهَا قَفْيَ آمَرًا فَانَّمَا يَقُولُ لَدَّكُنُ فَيَكُونَ هُ إَلَى ۚ تَرَ إِلَى الَّذِيْنَ يُجَادِ لُوْنَ فَيْ أَيْتِ اللهِ ۚ أَتَّى يُصْ فُوْنَ ۖ
- الَّذِينَ كَذَّبُوا بِالْكِتْبِ وَبِمَآ أَرْسَلْنَا بِهِ رُسُلَنَا هِ فَسَوْنَ يَعْلَمُونَ فَ
  - إِذِ الْإَغْلُلُ فِي آغَنَا قِهِر وَا لسَّلسلُ ، يُسْحَبُونَ ٥ في الْعَمِيْرِ أَهُ تُرَّفِي النَّا رِيُسْجَوُونَ ﴿
- ثُرٌّ قَيْلَ لَهُرْ أَيْنَ مَا كُنْتُرْ تُشْرِكُوْنَ ﴿ ৭৪। -আল্লাহকে বাদ দিয়েঃ' তারা বলবে, 'ভারা আমাদের নিকট থেকে مَنْ دُوْنِ اللهِ - قَا لُوْا مَلُوْا عَنَّا بَلْ لَّيْ نَكُنْ تَدُعُوْا مِنْ قَبْلُ
  - شَيْئًا ، كَذَٰ لِكَ يُصَلُّ اللَّهُ الْكُفِرِيْنَ ۞ ذَٰ لِكُورُ بِمَا كُنْتُرُ تَقْرَحُوْنَ فِي الْأَرْضِ بِغَيْدِ الْعَقَّ وَبِمَا كُنْتُرُ تمر حون ٥
  - أَدْمُلُوا أَبُوا إِن جَهَالَي خُلديْنَ فَيْهَا عَفَيْلُ مَثُونَ الْمُتَكَبِّرِينَ ﴿ فَاصْبِوْ إِنَّ وَعْدَ اللَّهِ حَتَّى ۚ فَإِمَّا نُويَنَّكَ بَعْضَ الَّذِي نَعدُ هُرُ
  - أَوْ نَتُو قَيْنَكَ فَا لَيْنَا يُوجَعُونَ @ وَلَقَدُ أَرْسَلْنَا رُسُلًامِّنْ قَبْلَكَ مِنْهُمْ مَّنْ قَصَصْنَا عَلَيْكَ وَمِنْهُمْ مَّنْ لَهُ نَقْمُصْ عَلَيْكَ وَمَا كَانَ لِرَسُوْلِ إِنْ يَّأْتِي بِأَيَّةِ إِلَّا باذن الله ؛ فَاذَا جَاءَ أُمُرُ اللهِ قَضَى بِالْحَقِّ وَخَسِرَ هُنَا لِكَ عِلَى اللهِ عَلَيْهِ المِعالَمِ الم

المُبطِلُونَ ﴿

- ৭৯। আল্লাহই তোমাদের জন্য বানিয়েছেন প্রাদি পক্ত, যাতে এদের কোনটিতে ভোষরা আরোহন করতে পার এবং কোনটিকে ভোমরা सम्बद्ध स्टब
- ৮০। এওলোতে তোমাদের জন্য বয়েছে নানা রকম উপকারিতা এবং যাতে এদের খারা তোমাদের বক্ষসমহে থাক (কাঞ্চিত) প্রয়োজন পর্ণ করতে পার এবং এদের উপর ও নৌহানের উপর তোমাদেরকে বহন করা হয়।
- ৮১। এবং তিনি ভোমাদেরকে তাঁর নিদর্শনসমূহ দেখিয়ে থাকেন। সতরাং তোমরা আল্লাহর নিদর্শনসমূহের কোনটিকে অধীকার করবেঃ
- ৮২। তবে কি তারা পৃথিবীতে স্তমণ করেনি এবং লক্ষ্য করেনি, কেমন ছিল পর্ববর্তীদের পরিণামঃ পথিবীতে তারা ছিল তাদের চেয়ে সংখ্যায় বেশি এবং শক্তিতে ও কীর্তিতে প্রবল, কিন্তু তারা যা অর্জন করত তা তালের त्वान कारक चारञ्जी।
- ৮৩। এবং যথন ভাদের নিকট স্পষ্ট প্রমাণাদিসত ভাদের রাসলরা এসেছিল তথন তারা তাদের কাছে যে জান ছিল তা নিয়েই উৎফল্প বোধ করেছিল এবং ভারা যা নিয়ে ঠাটা-বিদ্ধপ করত ভাই ভাদেরকে পরিবেইন কবেছিল।
- ৮৪। এবং যখন তারা আমার শান্তি প্রত্যক্ষ করেছিল তথন তারা বলেছিল 'আছবা উত্থান আনলাছ একা আলাহব প্রতি একা আছবা ভবি সাথে যাদেরকে শরীক করতাম তাদেরকে অধীকার করলাম।
- فَلَرْ يَكُ يَنْفَعُهُمُ ايْمَانُهُمْ لَمَّا رَأُوا بِأَسْنَا سُنَّتَ الله الَّتَيْ إِنَّا مَانِهُ ا তাদের কোন উপকারে আসেনি। আল্লাহর এই সমত (শান্তি দানের উ নীতি) তাঁর বান্দাদের মধ্যে গত হয়েছে এবং দেখানে কাফিররা ক্ষতিপ্রত 💆

anana.

- أَشُّهُ الَّذِي جَعَلَ لَكُرُ ۖ ( لَا ثَعَامُ لَتَ كَبُوا مِنْهَا وَمِنْهَا تَأْكُلُونَ ﴿
- وَلَكُمْ فَيْهَا مَنَافِعُ وَلِتَبْلُغُوْا عَلَيْهَا حَاجَةً فِي صُرُورِكُمْ وَعَلَيْهَا وَعَلَى الْفُلْكَ تُحْمَلُونَ ﴿
  - وَيُويُكُورُ إِيتِهِ \* فَأَيَّ إِينَ اللهِ تُنْكُونَ ۞
- أَفَلَرْ يَسِيْرُواْ فِي الْاَرْضِ فَيَنْظُرُواْ كَيْفَ كَانَ عَاقبَةُ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلُهِمْ ﴿ كَانُوٓۤ ا أَكْتَرَ مِنْهُمْ وَاَشَدَّ قُوَّةً وَّ أَثَارًا فِي الْأَرْضِ فَمَا آغَنَى عَنْهُرْ مَّاكَانُوْ أَيَكْسِبُوْنَ ۞
- فَلَمَّا جَاءَتُهُرْ رُسُلُهُرْ بِالْبَيِّنْتِ فَرِحُوْا بِمَا عَنْدَ هُرْ مِّنَ الْعِلْيرِ وَهَاقَ بِهِرْ مَّا كَانُوْ إِبِهِ يَسْتَهُوْءُوْنَ ⊕
- فَلَمَّا رَآوًا بَأْسَنَا قَا لُو ۗ إِأْمَنَّا بِاللَّهِ وَهُدَةً وَكَفَوْنَا بِمَا كُنَّا بِهِ مُشْرِ كَيْنَ 😥
  - قَدْ خَلَتْ فِي عَبَادِهِ ، وَخَسرَ هُنَا لِكَ الْكُورُونَ ﴿

অসীম দ্যাময় ও প্রম দ্যাল আলাহর নামে

- ১। হা-মীম।
- ১ অসীয় দ্যায়য় ও প্ৰয় দ্যালৰ নিকট খেকে অৰতীৰ্ণ
  - এটি এমন একটি কিতাব, যার আয়াতসমূহ বিশ্বারিত বর্ণনা করা হয়েছে
    আরবী কুরআনরপে এমন সপ্রদায়ের জন্য যারা জানে-
- মুসংবাদনানকারী ও সতর্ককারী রূপে, কিছু তাদের অধিকাশেই মুখ জিবিবে নিয়েছে তাই তারা শোনে না।
- ৫। এবং তারা বলে, 'ভূমি যার প্রতি আমাদেরকে আহ্বান করছ তা থেকে আমাদের হলর আবরণে (আক্ষ্যিত) রয়েছে এবং আমাদের কানে আছে ব্যবিহতা এবং জ্যোর ও আমাদের নাথে আছে অন্তরাল, সূত্রাং ভূমি কাঞ্চ বর নিতয় আমরণ রাজ করছি।'
- ৬। বল, 'আমি কেবল তোমাদের মত একজন মানুষ। আমার প্রতি গুরী করা হয় যে, তোমাদের ইলাই কেবল এক ইলাই, সুতরাই তোমরা তাঁর দিকে সোজা পথ অবলম্বন কর এবং তাঁর নিকট ক্ষমা প্রার্থনা কর। আর মুর্জেদ মুশরিকদের জলা-
- ৭। যারা যাকাত প্রদান করে না এবং তারা আবিরাতেও অবিশ্বাসী।
- ৮। মিশ্চর যারা ঈয়ান এনেছে ও সংকাজ করেছে তাদের জন্য রয়েছে অফুরত্ত প্রতিদান
- ৯। বল, 'তোমরা কি তাঁকেই অধীকার করবে যিনি সৃত্তি করেছেন পৃথিবী সৃষ্ট দিনের মধ্যে এবং তোমরা কি তাঁরই সমকক দাঁড় করাচ্ছা এই তিনিই ভগৎসমূহের প্রতিপালক।
- ১০ এবং তিনি তার উপর সুনৃত্ব পর্যতমাশা বানিয়েছেন এবং তাতে বরকত দিয়েছেন এবং তাতে তার খাদ্য সামগ্রী নির্ধারণ করে নিয়েছেন পুরো চার নিনের মধ্যে- প্রশ্নকারীদের জন্য (এ সৃষ্টি তথ্য)।
- ১১। এরপর তিনি আকাশের দিকে মনোনিবেশ করেন, যখন তা ছিল থোঁয়। " অতঃপর তিনি তাকে ও পৃথিবাঁকে কলনেন, 'তোমরা উভয়ে আস ইঙ্গায় অথবা অনিজ্জায়।' তারা কলে, 'আমরা আসলাম অনুগত হয়ে।'
- ১২। অভ্যপের তিনি আক্রাণসমূহকে (আরো) দুই দিনের মধ্যে গাত আক্রান্দে পরিগত করলেন একং প্রত্যেক আক্রান্দে তার নির্দেশ এটা করদেদ, এবং আমি দুনিয়ার আক্রান্দকে সুশোভিত করদাম প্রশীশমালা ছারা একং সুর্বাইণত করদাম। এটা মহাপ্রতাপদাণী ও সর্বজ্ঞানীর নির্দ্ধরিশ।

٣١- سُورُةُ حَرِّ السَّجُلَّةِ

اَيَاتُهَا - ١٠٥- مُرِيَّا تَعَالَ السَّجُلِيَّةِ

إِيَاتُهَا - ١٥٥- رُمُواتُهَا ١٠ وَيَعْلَمُواتُهَا ١٠ وَيَعْلَمُوا الرَّحِيْدِ

إِيسُورِ اللَّهِ الرَّحْمُ إِن الرَّحِيْدِ

حُمر أَ تَنْزِيْلُ مِّنَ الرَّحْسُ ِ الرَّحِيْرِ أَهُ

كِتْ فُصِّلَتْ النِّنَّهُ قُرْانًا عَرَبِيًّا لِتَوْرٍ يَّعْلَمُونَ ۞ بَعْيَةً وَنَدَيُّا اخْلَعْ ضَ أَكْتُدُمُ فَهُمْ لَكُومُ لَيْسَعُونَ ۞

وَقَا لُواْ قُلُوبُنَا فِيَّ اَكِنَّةٍ مِمَّا تَدْعُونَاۤ إِلَيْهِ وَفِيَّ أَذَانِنَا وَقَرُّ وْمِنْ لَيْنِنَا وَبَيْنِكَ حِجَّابٌ فَاعْتُلْ إِنَّنَا غَمِلُونَ۞

قَلْ اِلنَّمَا آَنَا بَمَوْ مِثْفَلُكُمْ يُوْخَى إِلَّ اَتَّمَا اِلْهُكُمْ اِلهُ وَاحِدٌ فَاسْتَقِيْفُوْ الِنَّهِ وَاسْتَغْيُرُونُهُ وَرَقِيلٌ لِلْمُشْرِكِينَ ۞ الَّذِيفَ لَايُوْتُونَ الزَّخُوةَ وَهُمْ بِالْاَجْوَةَ هُمْ خُيُورُونَ ۞

إِنَّ الَّذِينَ أَمَنُوا وَعَمِلُوا الشَّلِحُ لَمُّرُ أَجُرٌ غَيُّرُ مَمْنُونِ ۞ قُلُ أَنْتُكُرْ لَتَحَمُّرُونَ بِالَّذِي عَلَقَ ٱلْإِرْضَ فَي يَوْمَنُون

وَمَعَلَ فِيْهَا رَوَاسِ مِنْ فَوْقَهَا وَبُرِكَ فِيْهَا وَقَدَّرَ فِيْهَا آقُواتُهَا فِيَّ أَرْبَعَةَ أَيَّا إِسَّوَاتًا لِلسَّاللِينَ ۞

وْتَجْعَلُوْنَ لَكُ آنْدَادًا لَا لَكُ رَبُّ الْعَلَمِينَ أَ

لُرِّ الْمُتَوَى إِلَى السَّمَآءِ وَهِيَ دُخَانَّ فَقَالَ لَهَا وَلِلْاَرْضِ الْنَيَا عَلاَمًا آوَكُرُهَا، قَالَتَا ٱتَّيَا طَالْعَيْنَ ﴿

فَقَضْهُنَّ سَمْعَ سَمُوَاتِ فِي يَوْمَدِنِ وَآوَهُمِ فِي كُلِّ سَمَّاءِ أَمْرِهَا وَزَيَّنَّا السَّمَّاءَ الدَّنْيَا بِمَصَابِيْرَ وَمِقْظًا وَلِكَّ تَقُدَيْرُ الْعَوِيْرِ الْعَلِيْرِ ﴿

- ১৩। পুতরাং তারা যদি মুখ ফিরিয়ে নেয় তবে বল, 'আমি ভোমালেয়কে সকর্ক করছি আদ ও ছাম্দের বঞ্জখনির মত এক বল্পখনির বিকরে '
- ১৪। খখন তাদের নিকট রাসুলরা এনেছিল তাদের সামনে ও পিছন থেকে (এ কথা বলন্তে) যে, 'তোমরা আরাহ হুজুর কারো ইবাদক করো না।' ভারা বলেছিল, 'যদি আমানের প্রতিপালক ইক্ষা করতেন তাহলে তিনি অবশাই ফেবেশভালেরকে অবজীর্ক করতেন, অতএব তোমরা যা সহ প্রেটিত হয়হে, শিক্ষর আমরা আ অধীকরেকারী।'
- ১৫। অভ্যপর আন (সম্প্রদারের লোকেরা) পৃথিবীতে অন্যান্তভাবে অহজার কালা এবং কালা, 'আমাদের চেয়ে শক্তিতে প্রকা কে আছে।' তার কি তারা তেবে দেখেনি বে, আল্লাব- থিনি তালেরকে সৃত্তি করেছেন তিনি তানের চেয়ে শক্তিকে প্রকাশ এবং তারা আমার নিদর্শনসমূহকে অধীকার করেছিল।
- ১৬। অতঃপর আমি তালেরকে দুনিয়ার জীবনে অপমানের শান্তি আস্থানন করালোর জন্য তালের বিপক্তে নুর্যোগপুর্ণ দিনে করে। ব্যাতান প্রেরণ করেছিলাম। এবং অবন্যাই আছিলাতে শান্তি অধিক অপমানজনক এবং আলক্ষরক মহালাক করা করে না।
- ১৭। আর হামূদ সম্প্রদারকেও আমি সঠিত পর্য প্রদর্শন করেছিলাম, কিতু তারা সঠিক পথের পরিবর্তে অস্কাতৃকে প্রাথান্য দিরেছিল, অকঃপর তারা যা অর্জন করত সে কারণে তাদেওকে লাঞ্ছনার শান্তির বছ্রুকানি আঘাত মান্ত্রম
- ১৮। আর আমি রক্ষা করলাম ভাদেরকে, যারা ইমান এনেছিল ও তাকওৱা জী
- ১৯। এবং যেনিন আল্লাহ্য শক্রনেরাকে আন্তনের দিকে সমবেত করা হবে, অতঃপর আন্দেরকে (বিভিন্ন দলে) বিভক্ত করা হবে।
- ২০ অবশেষে থবন তারা সেখানে আসবে তথন তানের কান, চোখ ও তৃক তানের বিরুদ্ধে সে সম্পর্কে সাক্ষ্য দিবে যা তারা করত।
- ২১। এবং তারা তাদের কুককে বলবে, 'তোমরা আমাদের বিকল্পে সাক্ষ্য দিছ কোর্য' তারা কামে, 'আয়ার আমাদেরতে বাকশন্তি নিচেয়েন যিনি সববিদ্বাহক মাকলি কারেছেন।' এবং ভিনিত্র তোমাদেরতে সৃত্তি করেছেন প্রথমবার এবং তাঁবই দিকে তোমাদেরকে ফিরিয়ে করা হবে।
- ২২। তোমরা কিছু গোপন করতে না এই তেবে যে, তোমাদের কান, চোখ ও তৃক তোমাদের বিরুদ্ধে সাক্ষ্য দিবে না- উপরক্তু তোমরা মনে করতে যে, তোমরা যা করতে তার অনেক কিছুই আল্লাহ্ জানেন না
- ২৩। আর ভোমানের প্রতিপালক সম্বন্ধে তোমানের এই ধারণাই ভোমানের ধ্বংস এনেছে। ফলে তোমরা কতিগ্রন্তনের জন্তর্ভুক হয়েছ।
- ২৪। এখন তারা বৈর্য ধারণ করণেও আওনই হবে তানের আবাসকুল এবং তারা সমুষ্টি লাভ করতে চাইদেও তারা সমুষ্টি গাতের সুযোগগ্রাপ্তবেদের স্বায়র্থক চাবে না

قَانَ أَعْرَضُوا فَقُلَ الْفَرَاتُكُورُ مُعِقَعَ مِثْقَلَ مُعِقِعَ عَلَى وَدُقْوَدَ فَ إِذْ جَازَتُهُمُ الرِّسُلُ مِنْ يَبْنِي الْمَذِيفِي وَمِنْ خَلَقِهِمْ الْاَقْتُمُورَا إِلَّا اللَّهِ عَلَى إِنَّهِ الرَّفِقَ وَرَبِّنَا لِآؤُلِ مَلِّينَةً قَالًا بِمَا أَرْسُلُكُمْ مِنْ فُضُورُهُ إِلَى اللَّهِ عَلَى إِنَّا لَهِ مِنْ الْمِنْ اللَّهِ عَلَيْهِمْ الْمُسْلَمِنَ وَلَيْكُمْ اللَّه مِنْ فُضُورُهُ إِنْ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَيْهِمْ اللَّهِ عَلَيْهِمْ الْمُسْلَمُونَ اللَّه

يه خيرون ⊚ فَأَمَّا عَادْ فَاشَتَحْبَرُواْ فِي الْأَرْضِ يَغَيْرٍ الْمَتَّى رَفَّا لُواْ مَنْ اَشَدُّ مِنْا ثُوَّةً ارْلَكِرْ يَرَوْا إِنَّ اللهَ الَّذِيْ عَلَقَهُرْ هُوَ اَشَدُّ مِنْهُرُ قُوَّةً وَكَانُواْ بِالْبِنَا يَجْعَدُوْنَ ﴿

فَا رَسُلْنَا عَلَيْهِرْ رِيْحًا صَرْصَرًا فِيَّ أَيَّا اِنْحِسَاتِ لِنَدُيْقَهُرْ عَذَابَ الْعَرْضِ فِي الْحَيْوةِ الدُّنْمَا وَلَعَدَّابُ الْأَخِرَةِ أَخَوْمَ وَهُرْ لَانْتُمَا وَنَ هَ

وَآمَّا ثَمُوْدُ فَهَدَيْنَهُرْ فَاسْتَحَبَّوا الْعَلَىٰ عَى الْمُلٰى فَاَخَذَتْهُرْ مُعقَّةُ الْقَدَابِ الْهُوْنِ بِمَا كَانُوْ ا يَكْسِبُونَ ۞

وَنَجَّيْنَا الَّذِيْنَ أَمَنُوا وَكَانُوا يَتَّقُونَ ﴾

وَيُوْ } يُحْشَرُ أَعْدَاءُ اللهِ إِلَى النَّارِ فَهُرْ يُوْزَعُونَ ۞ حَتَّى اذَا مَا جَاءُوْ هَاشَهِدَ عَلَيْهِرْ سَمْعُهُرْ وَٱبْمُعَارُهُمْ

وَجُلُودُهُمْ بِمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ۞ وَقَا لُوْا لِجُلُوهِمْ لِيرَ هَهِدْتَّرْ عَلَيْنَاءَقَا لُوَّ الْثَقَفَا اللهُ الَّذِيْنَ الْطُقُ كُلُّ هُنَّ وُهُو مُقَلِّكُمْ أَوَّلَ مَوَّوًا لَيْهِ لَوْجُوْنَ ۞

وَمَا كُنتُر تَشْتَرُونَ أَنْ يَشْهَلَ عَلَيْكُر سَمْعُكُرْ وَلَا أَبْمَا رَكُرُ وَلَا

جُلُوْدُكُرْ وَلِكِنْ ظَنَنْتُرْ أَنَّ اللهُ لَا يَعْلَرُ كَثِيْرًا مِثَّا تَعْمَلُونَ ۞ وَذَلَكُرْ ظَنْكُرُ الَّذِي ظَنَنْتُرْ بِ بِّكِرْ أَرْدُدِكُرْ فَأَصْحَعُرْ مِّنَ

الْعُسِرِيْنَ ۞ فَانَ يَّصْبُواْ فَا لِنَّا رُمَثُونَى لِّهُرْ ءَوَانْ يَشْتَعْتِبُواْ فَمَا هُرْ مِّنَ

- হব। এবং প্রামি তাদের জন্মা নির্ধারণ করে নির্বাহিশার সক্ষরকাকেকে, প্রভাগত তার তাদের সামান তা শিল্পমে যা আছে তা তাদের কারে প্রেক্তিয় করিবলৈ এবং (মাছ) ভাল্পম উপর ভরবারিক হবারে কেই কথা (যা অবথারিক হয়েছিল) সেই উত্তকসূত্রের ক্ষেত্রে, বারা অবীত হয়েছে তাদের পূর্বে কুলিন ও নানুব্যর মধ্য হতে। নিশ্বম তারা ছিল ক্ষরিপ্রায়
- ২৬। এবং কাফিররা বনে, 'ভোমরা এই কুরআন শ্রবণ করো না এবং (পাঠ কলে) তাতে শোরগোল কর যাতে ভোমরা ন্ধয়ী হতে পার।'
- ২৭। সুতবাং অবশ্যই অবশ্যই আমি যাবা কুমনী করেছে ওালেরকে নঠিন শান্তি আশ্বাদম করাব, এবং অবশ্যই অবশ্যই আমি তারা যে নিকৃষ্ট কাঞ্চ করত তার প্রতিফল দিব
- ২৮। আঙন- এটাই আগ্নাহর শক্রাদের প্রতিফল, সেবানে তাদের জন্য রয়েছে স্থায়ী আবাস। তারা আমার আরাতসমূহকে যে অস্থীকার করত তার প্রতিক্রাস্থ্যক
  - ২৯৷ কাফিররা কাবে, 'হে আমানের প্রতিপালক৷ কেলব দ্বীন ও মানুব আমানেরকে পথপ্রট করেছিল তালের উত্তরকে দেখিয়ে দিন, আমরা তালেরকে পদার্শিত কবে, য়াতে তারা স্বাধিক অপানভূদের অন্তর্ভুক্ত হয়.'
- ৩০। দিজ হার বাঢ়, "আনাদের প্রতিপাদক আছাই, এবাজ অধিকা বাহন, তালে নিউ (মৃত্যুত সময়"), দেবেপতার অধনীন হৈ একে বাঢ়া, তোলার জিত হারে না এবং পুলিজা করে না এবং কোনালাকে হে জান্নাতের প্রতিপ্রতি দেয়া হত তার জন্য আনন্দিত হব।
  - তোমাদের জন্য তা-ই রয়েছে যা তোমাদের মন কামনা করবে এবং সেখানে তোমাদের জন্য তা-ই রয়েছে যা তোমরা দাবি করবে।'
- ৩২। অতি ক্ষমাশীল ও পরম দয়ালু আল্লাহ্র পক্ষ থেকে আপ্যায়নস্বরূপ।
  - ৩৩। তার কথার চেয়ে উত্তম কথা আর কার, যে আল্লাহর দিকে আহ্বান করে ও সংকাঞ্চ করে এবং বলে, 'দিক্তম আমি মুসলিমদের অন্তর্ভুক্তঃ'
  - ৩৪। এবং ভাগ ও মধ সমান হয় না। প্রতিহত কর (মন্দকে) তা নিয়ে যা উত্তম, ফলে তথন তোমার ও যার মাঝে পফ্রতা আছে সে হতে যাবে অন্তর্গু বস্তুর মত।
- ৩৫। এর অধিকারী করা হয় কেবল তাদেরকে যারা থৈব ধারণ করে, এর অধিকারী করা ৪ম কেবল কালে যে মহালাগারান।
- ৩৬। আর যদি শয়তানের প্ররোচনা তোমাকে প্ররোচনা দেয়া তাথলে আল্লাব্র অদেয় প্রস্কার করা নিশ্যা কিনিট মর্ক্সশাকা ও সর্বকারী।

- وَالْإِنْسِ، إِنَّهُرْ كَانُوا خُسِرِينَ ﴾ وَقَالَ الَّذِيْنَ حَفَرُوا لِاَتَسْمَعُوا لِهٰذَا الْقُرْاٰنِ وَالْغَوَا فِيْدِ
- رَّ الْ الْعَرِينَ هَـُرُوا لِاسْتَمِنُوا تِهِمَا الْعَرَانِ وَالْعُوا فِيهِمَ لَعَلَّكُمْ تَغْلِبُونَ ۞ فَلَنَكُونَقُنَّ الَّذِينَ كَغُرُواْ عَنَائِناً هَدِيدًاۥوَّ لَتَحْدِينَّهُمْ ٱشْوَا
- الَّذِيْ كَانُواْ يَعْمَلُونَ ۞ ذٰلِكَ جَزَّاءَ أَعَدَّاءِ اللهِ النَّارَءُ لَهُرْ فِيْهَا ذَارُ الْعُلُوِ، جَزَّا مَيِّهَا كَانُواْ نائِسَنَا يَجْعَدُونَ ۞
- وَقَالَ الْذِينَ كَفَرُواْ رَبَّنَا أَرِنَا الْذَيْنِ اَمَلْنَا مِنَ الْبِيِّ وَالْإِنْسِ نَجْعَلُهُمَا تَحْنَ اقْدَامِنَا لِيكُوْنَا مِنَ الْإَسْلَيْنَ ۞ إِنَّ الْذَيْنَ قَا لَهُ! رَبِّنَا اللهُ مُنْ السَّقَامُوْ اَتَنَبَّلُ عَلَيْمِهُ
- الْمُلْكَثَةُ الَّا تَضَافُوا وَلَا تَصْرَفُوا وَآابُهُورُوا بِالْجَنَّةِ الَّتِي كُنتُمْ الْمُحَدُّونَ ﴿ لَلْمُنْفِونَ وَ لَلْمُنْفِونَ فَي الْأَحْدَةِ وَلَكُمْ فَيْهَا لَمُنْفَاوَ فِي الْأَحْرَةَ وَلَكُمْ فَيْهَا
- نحس او ليؤكر في الحموة الذنياوفي الأخرة ولكر فيها مَا تَشْتَهَنَّ اَنْفُسُكُرُ وَلَكُرْ فِيهَا مَا تَدَّعُونَ ﴿ يَا تَشْتَهَنِّ اَنْفُسُكُرُ وَلَكُرْ فِيهَا مَا تَدَّعُونَ ﴿
- وَمَنْ أَحْسُنُ قَوْ لِآمِنْ دَعَآ إِلَى اللّهِ وَعَمِلَ مَا لِحًا وَقَالَ إِنَّنِي
- وَلَا تَشْتُوى الْحَسَنَةُ وَلَا السِّيِّقَةُ ﴿ وَفَعْ بِالَّتِي هِيَ أَحْسَّ فَإِذَا الَّذِي بَيِّنَكُ وَبَيْنَةُ عَرَاوَةٌ كَأَنَّهُ وَلَّ حَمِيْرٌ ﴿
  - رَمَا يُلَقَّهَا إِلَّا الَّذِينَ صَبَرُوا وَرَمَا يُلَقَّهَ إِلَّا ذُوْحَقِّ عَظِي ﴿
    وَمَا يَنْزَغْنَكُ مَن الشَّيْطِي نَزَغْ فَاسْتَعَدْ بِاللَّهِ وَإِنَّهُ هُوَ

السَّمِيْعُ الْعَلَيْءُ ﴿

★ চিফিত ছানের টীকা সরা নং ; আরাত নং অনুসারে তর্ত্তমার শেষে দেখে

- ৩৭। এবং তাঁর নিলর্শনাবলীর মধ্যে রয়েছে রাত ও দিন, সূর্য ও চন্ত্র। তোমরা সূর্যকে সিজনা করো না, চন্ত্রকেও না কিন্তু সিজনা কর আল্লাহকে, যিনি এঞ্জনো সৃষ্টি করেছেন- যদি তোমরা কেবল তাঁরই ইবালত কর।
- ৩৮। অতংগর যদি তারা অহন্তার করে, তবে যারা তোমার প্রতিগাদকের নিকটে রয়েছে তারা রাভে ও দিনে তীর পবিত্রতা ঘোষণা করে এবং তারা ক্লান্ত হয় না।
- ৩৯। এবং তরি নিদর্শনাবলীর একটি এই যে, তুমি ভূমিকে দেখতে পাও ককনো, অতঃপর যধন আমি তাতে পানি অবতীর্ণ করি তবন তা আম্পোদিত ও ক্ষাঁত ছয়। নিক্ত যিনি তা (অর্থাৎ ভূমিকে) জ্বাঁবিক করেন ডিমি অবপাই মৃতদেরকে জ্বাঁবিক করবেন। নিক্তর তিনি সবকিছুর উপর সর্বপাহিয়ান।
- ৪০। নিক্তয় হারা আমার আয়াতসমূহের মধ্যে বিছাতি ঘটায় তারা আমার কাছে গোপন নয়। উত্তয় কে- য়ে য়তি আহাল নিকার হবে সে, নাকি বে য়ৢয়িত নিয়ায়েতর দিন নিকাপের আমার নেয় তোমরা যা ইক্ষা তাই কর- তোমরা যা কর সে সম্পর্কে নিক্ষা তিনি পূর্ব সৃষ্টিবাল।
- নিকর যারা যিকির-এ (অর্থাৎ কুরঝানে) অবিশ্বাস করেছে যথন তা তাদের কাছে এসেছে (তারা আগুনে নিকিপ্ত হবে)। আর নিকয় এটা অবশাই এক মধ্য প্রক্রিপালী গ্রহ-
- ৪২। বাজিল (মিজ্যা) এর কাছে আসতে পারে দা, না এর সামনে থেকে আর না এর পিছন থেকে। এতি মহাপ্রজাবান ও অতি প্রশংসনীয় আল্লাহর নিকট থেকে অবতীর্থ।
- ৪৩। তোমার সম্পর্কে তাই বলা হয়, ঝা বলা হত তোমার পূর্ববর্তী রাম্কদের সম্পর্কে। নিকয় তোমার প্রতিপালক অবশাই ক্ষয়ার মালিক ও য়য়ণাদায়ক শায়ির মারিক।
- ৪৪। আমি বাণি অনাচাৰি কুৰুপ্ৰান বানাভায় ভাহাস অবশাৰ্থ হুবা হলত, এব আন্তাভসমূহ বিপ্ৰান্তিত কৰিল কতা হাৰদি কোন কি আপুৰ্ভাই অনাচাৰ কুৰুপ্ৰান্ধ) আৰু আৰি (আছি) 'কা, 'আৰু সমান আছেন, এই ভাচাক জল্য পথনিৰ্চেশকা ব দিনামাকোৱা।' আৰু মান্ত মিনা আছেন না ভাচাক ভালা অহতে কৰিবতা কৰে, আছি কুৰুপ্ৰান্ধ। ভাচাক উদৰ অকছুক্তৰা। ভালা এমন না, ভাচাককে মেন ভালা হাৰ বাসুক্ত থোক
- ৪৫ আর অবশ্যই আমি মুসাকে কিভাব নিয়েছিলান, অতঃপর তাতে মতকেন করা হয়েছিল। আর যদি তোমার প্রতিপাদকেন পাল থেকে একটি বাদী পর (পূর্বমোদিত) হয়ে না থাকত ভাহনে অবশ্যই তাদের মার্মে মীমাংসা করে দেয়া হত। মান দিক্য তারা অবশ্যই ও (পূরবাদা) সম্পর্কে বিমাজিকের সাম্পাত থেকে।
- ৪৬। যে সংকাল করে তা (সে করে) নিজেরই কল্যাগের জন্য এবং যে সক্ষকাহ করে তা (সে করে) নিজেরই অকল্যাগের জন্য। আর ভোমার প্রতিপালক বাধ্যাদের প্রতি জুলুমকারী মন।

- وَمِنْ أَيْتِهِ الْمِنُّلُ وَالنَّهَا رُوَالفَّهَسُ وَالْقَمَّرُ . لِاَسْجُلُواْ لِلفَّهْسِ وَلَا لِلْقَمَّرِ وَالْجُدُواْ لِلَّهِ الَّذِيْ عَلَمَهُمْ إِنَّ كَنُمُرُ إِيَّاهُ تَعْبُدُونَ ⊕
- فَانِ اسْتَحَبَّرُوْا فَا لَّذِينَ عِنْنَ رَبِّكَ يُسَبِّحُوْنَ لَهُ بِا لَّيْلِ وَا لَنَّهَا رِوَهُمُ لَا يَسْتَغُونَ ۞
- رُونْ أَيْسَةَ اللَّهُ تَرَى الْأَرْضَ هَاهِغَةً فَإِذَآ الْزُلْنَا عَلَيْهَا الْمَاءَ إَهْتَرَّتُ وَرَبَتُ الَّنَّ الَّذِيْ آَهْيَاهَا لَمُهْي الْمُوثَى الْمُوثَى الْمُوثَى الْنَعْلَى كُلِّ هُنْ قَدَيْرٌ ۞
- إِنَّ الَّذِينَ يُلُحِدُونَ فِيَّ الْمِتَا لَا يَخْفُونَ عَلَيْنَا ﴿ أَفْهَنُ يُلْفَى فِي النَّارِ خَيْرٌ ۚ أَأَمْنَ يَّأَتِي ۚ أَضِنَا يَوْزًا الْفِيفِةِ ﴿ إِعْمَلُوا مَاشَقُرُ ﴿ اثْنَا بِنَا تَعْمَلُونَ يَمِيْرٌ ﴿ ﴾
- إِنَّ الَّذِينَى كَفَرُواْ بِاللِّكْدِ لِمَّا جَأَمَهُمْ وَإِنَّهُ لَكِتْبٌ عَزِيزٌ ﴾
- لَّايِنَاثِيهُ الْبَاطِلُ مِنْ بَيْنِ يَدَيْهِ وَلَامِنْ خَلْفِهِ. تَقَوْدِلْ مِّنْ حَكِيْمٍ حَمِيْدٍ @ مَا يُعَالُ لَكَ الْإِمَا قَدْ قَيْلَ للرُّسُلِ مِنْ قَبْلِكَ، إِنْ رَبَّكَ
- لَكُوْمُعُلُونَّ وَكُوْمِعُلَى إِلَيْمِي ۞ وَتَوْمَعُلْنَهُ قُوْانًا أَعْجَبِياً لَقَا لَوْا تَوْلِفُسْنَفُ إِنْمُدَ، وَأَعْجِبِيّ وَخُرِيِّ، قُلْ مُوَ لِلَّذِيْنَ إَمْنُوا هَدِّي فَرِيْنَا إِنْمُوا مِنْكِي وَّضِفَا أَ، وَالَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ فِي أَوْلِهِمْ رَقُوْ وَخُومَ كَلَيْهِمْ عَمَّى، أَولِيْكُ يُمَا تَوْنَ لَيْ
- مِنْ مُكَانِ بَعِيْدِ ﴿ وَلَقَنُ اتَّنِيَا مُوْسَى الْكِتْبَ فَاهْتَلِكَ فِيهِ، وَلَوْ لِاكَلِمَةٌ سَبَقَتْ مِنْ رَّلِكَ لَعُمِّى بَيْنَمُرُ \* وَإِنَّهُرَ لَقِيْ هَلَّا مِثْنَّامُ وَيْنِ
- مَنْ عَمِلَ مَا لِحًّا فَلِنَفْسِهِ وَمَنْ أَسَّاءً فَعَلَيْهَا ، وَمَا رَبُّكَ بِطَلَّمٍ اللهِ الله

### পারা-২৫

৪৭। কিয়ামতের জ্ঞান কেবল তাঁবেই কাছে নাস্ত, তাঁর বজ্ঞাতনারে কেন ফল আবরণ থেকে বের হয় না, কেন নারী গর্ভ বরণ বারে না এবং সন্তানত গ্রস্ক বারে না আর বার্মিন চিনি তালসকে তেকে কলকে, "আনর পরীকরা কোথারু" তারা কলবে, "আররা আপনর কাছে যোকণা নির্মিত্ব (আম্) আনানের মারে (আপনার পরীক থাকার বাপারে) কোন সান্তদানার বারে

৪৮। পূর্বে তারা যাদেরকে অংবান করত তারা (উপাস্যরা) তাদের থেকে উধাও হয়ে য়ারে এবং তারা(মুপরিকরা)পুঝতে পারবে বে, তাদের কোন পালানের য়য়য়া। নেই

৪৯। মানুষ কল্যাণ প্রার্থনার কোন ক্লান্তি বোধ করে না, কিছু যথন তাকে দংগু-দর্মনা স্পর্শ করে ভবন সে হত্যাল ও নিরাশ হয়ে পায়ে।

৫১। আর যখন আমি মানুষের উপর নেরামত দান কবি তখন সে (কৃতজ্ঞতা প্রকাশ থেকে) মুখ ফিরিয়ে নের ও দূবে সরে মায়, এবং যখন তাকে দ্বাধান্দ্রশা স্পর্শ করে তখন সে নীর্য প্রার্থনায় রত হয়।

৫২। বল, 'তোমরা তেবে দেখেছ কি, যদি এটি (কুবেয়ান) আল্লাহর নিকট থেকে অবতীর্ণ হয়ে থাকে, এরপর জোমরা তা অধীকার কর তাবে বে ব্যক্তি সুনুর মতবিরোধে দিও আছে, তার চেরে অবিক পথন্টে আর রেচ'

৫৩। শীগ্রই আমি তাদেরকে দেখাব আমার নিদর্শনাবদী দিগন্তসমূহে এবং তাদের নিজেদের মধ্যে, অবশেষে তাদের নিকট শান্ত হয়ে উঠবে যে, তা (কুরআন) সভা। ভোমার অভিপালক সম্পর্কে এটা কি যথেট নত্ত যে, তিনি স্ববিদ্যার উপর এভাক্ষাশীঃ

es। জেনে খাখ, তারা তানের প্রতিপাশকের সাথে সাখাতের খালারে।
সম্পদ্ধর যাবা হয়েছে। জেনে বাখ, নিডার চিনি সর্বভিত্বতে পরিবলৈ।
ইয় করে আছন।
সম্পদ্ধর মানা হয়েছে। জেনে বাখ, নিডার চিনি সর্বভিত্বতে পরিবলৈ।
ইয়া করে আছন।

إِلَيْهِ يَرَدُّ عِلْمُ السَّاعَةِ وَهَا تَخْرُعُ مِنْ ثَمْرِتٍ مِنْ أَخْمَامِهَا وَهَا تَحْمِلُ مِنْ أَلْثَى وَلَاتَفَعُ إِلَّا بِعِلْهِ • وَيَوْ أَيْنَا دِلْهِمُ أَيْنَ شُرِّكَا مِنَّا اللَّهِ أَلَا أَذْ لَكُ مَا مِثَّا مِنْ غَمْدٍلٍ ﴿

وَضَلَّ عَنْهُرْ مَّا كَانُوْا يَدْعُوْنَ مِنْ قَبْلُ وَظَنَّوْا مَا لَهُرُ مِّنْ مَّحِيْفٍ @

لَا يَشَمُّرُ الْإِنْسَانُ مِنْ دُعَاءِ الْخَيْرِ ، وَإِنْ مَسُّهُ الشَّرُّ فَيَتُوْسٌ قَتُونًا @

وَلَقِنَ الْقَلْمُ رَحْمَةً مِنَّا مِنْ الْعِن مُوالَّمَ مُشَعَّةً لِيَقُولُونَ هَذَا إِلَىٰ هَلَمُ الْمُ مُوا أَضُّ السَّاعَةُ قَالَيْهَ، وَقِلْسِ رَجْفَ الْمِن يَنِّي أَنِي أَي عِنْدَهُ لَلْكُشْفَى، فَلَنَسُبِقَى الْدِينَ كَفُرُوا بِمَا عَبِلُوا وَلَسْ يَعْتَمُرُ يُنْ عَلَى الْمِنْفِقَةِ

وَإِذَآ أَنْعَمْنَا غَى الْإِنْسَانِ أَعْرَضَ وَنَأْ بِجَانِيهِ، وَإِذَا مَسُّهُ الشَّرُ فَلُوْدَعَاءَ عَرِيْضِ @

قُلُ اَرَءَيْتُرْ اِنْ كَانَ مِنْ عِنْدِ اللهِ ثُرِّ كَفَرْتُرْ بِهِ مَنْ اَمَلُّ مَنْ هُوَ فِي هُفَاقِ بَعَيْدِ @

سَّدِيْهِ (أَيْتَنَا فِي الْأَفَاقِ رَقِّ ٱلنَّسِمِ حَتَّى يَتَبَيَّنَ لَهُمْ أَلَّهُ الْكُوْرُ أَلَّهُ الْمُقَّ الْحُقُّ، أَوْلَمْ يَكُفِ بِرَبِّكَ أَنَّهُ فَي كُلِّ هَنَّ مُهِيدًّا ۞

## ৪২. সূরা আশ-শূরা, মাঞ্চী

মহাপ্রভাপশালী ও মহাপ্রয়োবান আবাহ।

অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আল্লাহর নামে

- ১। হা-মীম, ১। আইল-সীল-কাঞ্চ।
- ত। এভাবেই ভোমার প্রতি এবং ভোমার পূর্ববর্তীদের প্রতি ভট্ট করেন
- আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে তা তাঁরই। এবং
  কিনিট সমালত ও সমাতান।
- ৫: আকাশসমূহ এগলের উপর থেকে ভেঙ্গে পড়ার উপক্রম হয় একং মেরেকেতারা তাদের রাজিগাগকের প্রশংলাসং পরিপ্রতা ছোকণা করে। এবং যারা পৃথিবীতে আছে তাদের প্রশংল ম্যা প্রার্থনা করে। জেনে রাখ, দিশ্বর আলুরেই অভি ক্ষমারীণ ও পরম দরাছা:
- ধারা তাঁকে বাদ দিয়ে অন্যানানেরকে অভিতাবক হিসাবে গ্রহণ করে, আল্লাহ্ তাদের (কার্যকলাপের) সংক্ষক। আর তুমি ভালের কল্পাবধারক মণ্ড।
- ৭। এবং এডাবেই আমি তোমার এতি এই করেছি আরবি কুরআন বাতে ভূমি সকর্ব করতে পার জনপদসমূহের মা (মজা) ও বারা আছে কর সমবাপারে তালেরকে এবং সকর্ব করতে পার একটিক হত্যার দিনের বার্গারে, যে বার্গারে করেন সন্দেহ নেই। একদন গাকরে জাল্লাতে এবং একদন গাকরে ভ্রমণক আজনে
- ৮। আর আল্লাহ্ যদি ইচ্ছা করতেন তাহলে অংশাই তালেয়কে একই উমত (ধর্মস্থাক) বালাতেন, কিন্তু তিনি মাতে ইচ্ছা করেন তাকে তার দলার মারা রাহলে করান। আর জালিমদের জন্য কোন অভিতারক দেই এবং কোন সাহাযকারীও নেই।
- ১। তারা কি তাঁকে বাল দিয়ে অন্যান্যদেরকে অভিভাবক ইংসাবে এহল ক্রিকরে, হখন আল্লাইই অভিভাবক এবং তিনিই মৃতদেরকে জীবিত ।
   ত্রেনঃ এবং তিনি সরকিন্ধর উপর সর্বশক্তিমান
- ১০। তোমরা যে বিষ্টেই মতপার্থক্য কর তার বিচার আল্লাহ্রেই নিকট। তিনিই আল্লাহ- আমার প্রতিপালক, তাঁরই উপর আমি করদা করি এবং খাঁরই দিকে (অনতাপের সাথে) প্রজ্ঞাবর্কন করি।

۲۲-سُرُوَّ الشَّوْرِي - مَكِيَّةً الْمُوْرِي - مَكِيَّةً الْمُورِي - مَكِيَّةً الْمُورِي - مَكِيَّةً الْمُورِي آيَالْهَا - ١٥، رُكُوْنَالْهَا - هُورِيْرِي الرَّحِيْدِي وَيَسْمِو اللهِ الرَّحِيْدِي وَيَسْمِو اللهِ الرَّحِيْدِي

\_\_\_\_ عســـى ۞ كَذَ لَكَ يُوْمَىُ ٱلَيْكَ وَإِلَى النَّدِيْنَ مِنْ قَبْلَكَ وَاللَّهُ الْعَرِيْنُ

الْكَكِيْرُ ۞ لَهُ مَا فِي السَّبَوٰبِ وَمَافِي الْأَرْضِ، وَهُوَ الْعَلَّى الْعَظِيرُ ۞

تَكَادُ السَّهٰرِتُ يَتَغَطَّرْنَ مِنْ فَوْقِيِّ وَالْمَلَّتَكَدُّ يُسَبِّعُونَ بِحَمْدِ رَبِّهِرْ وَيَسَغَفْرُونَ لِمَنْ فِي الْآرْضِ • أَلَّا إِنَّ اللهُ هُوَ الْعَفُورُ الرَّحِيْرُ ۞

وَالَّذِيْنَ الْخَذُوْا مِنْ دُوْنِهِ ٓ اَوْلِيَّاءَ اللهُ حَفِيْفًا عَلَيْمِرْ سومَآ آنَّ عَلَيْمِرْ بِوَكِيلٍ ⊙

وَكَذَٰ لِكَ اَرْمَيْنَاۚ إِنْكَ قُرْانًا عَرَبِيًّا لِتُنْدِراً ٱلْأُوٰى وَمَنْ حُرْلَهَا وَتُنْدِرَبُوا الْجُمْعِ لَارْيُبَ لِنِيهُ فَوْيَثَى فِي الْجَنَّةِ وَوَرِيْقَ فِي السَّغِيْرِهِ

وَلَوْ شَآءَ اللهُ لَجَعَلَهُم أُمَّةً والحدّة والكن يَدْخلُ مَن يُشَآءُ في

وَمَا اخْتَلَقْتُرْ فِيْدِ مِنْ غَنْ فَحُكُمٌّ إِلَى اللهِ وَلَكُرُ اللهُ رَبِّيْ عَلَيْهِ تَوَكَّلُتُ لاَ وَالْيَهِ أَنِيْب

السَّمِنْعُ الْبَصْدُ لَهُ مَقَا لَيْدُ السَّمُونِ وَالْإِرْضِ ءَيَبُسُعُ الَّ زُقَ لَمَنْ يُشَاَّءُ وَيَقْدِرُ وَإِنَّهُ بِكُلِّ شَيْ ۚ عَلَيْ ۗ ﴿

شَرَعَ لَكُرْ مْنَ الدِّيْنِ مَا وَشَّى بِهِ نُوْحًا وَّا لَّذِينَ ٱوْحَيْنَآ الْيَكَ وَمَا وَصَّيْنَا بِهَ إِبْ هِيْرَ وَمُوْسَى وَعَيْسَى أَنْ أَقَيْمُوا الدَّيْنَ وَلَا تَتَفَرَّ قُوْا فَيْهُ-كُبُّو عَلَى الْمُشْرِكِيُّنَ مَا تَدْعُوْهُرْ الَّيْهُ-أَللَّهُ يَجْتَبِي الْيُهُ مَنْ يُشَاءُ وَيَهُدِي الْيُهُ مَنْ يُنْيُ

وَمَا تَفَوَّ قُوا إِلَّا مِنْ إِبَعْدِ مَا جَاءَهُمُ الْعَلْمُ بَغْيًا بَيْنَهُمْ -وَلَوْ

لَا كَلَمَةٌ سَبَقَيْ مِنْ رَبِّكَ إِلَّى إَجَلٍ مُّسَمِّى لَّقُضَ بَيْنَهُمْ • وَإِنَّ الَّذِيْنَ أُوْرِثُوا الْكِتْبَ مِنْ بَعْدِهِرْ لَغِيْ هَلَكِّ مَّنْهُ مُو يُبِ ﴿

فَلَذُ لِكَ فَادْمُ وَ اسْتَقِرْ كَمَا آُمْ نَء وَلَا تَتَّبعُ آهِ آءَهُمْ وَقُلْ أَمَنْتُ بِمَآ أَنْهَا لَ اللهُ مِنْ كَتْبِءُ وَأُمِثُ لِأَعْدِلَ بَيْنَكُمْ ﴿ أَللَّهُ رَ يُنَا وَرَبُّكُمْ ، لَنَآ أَعْمَا لُنَا وَلَكُمْ أَعْمَا لُكُمْ ، لَاحُجَّةَ بَيْنَنَا وَبَيْنَكُمْ ، أَللهُ يَجْمَعُ بَيْنَنَا ، وَالَّيْهِ الْمَمِيُّ ﴿

وَالَّذِينَ يُحَاِّجُونَ فِي اللَّهِ مِنْ بَعْدِ مَا اسْتُجِيْبَ لَهُ حُجَّتُهُمْ دَاحِفَةٌ عَنْدَ رَبِّهِرُ وَعَلَيْهِرْ غَفَبُّ وَلَهُرْ عَذَاتٌ هَدِيْدٌ ﴿

اللهُ الَّذِيُّ إِنْ إِلَى الْكِتْبِ بِالْحَقِّ وَالْمِيْ إِنْ وَمَا يُدُرِيْكَ لَعَلَّ السَّاعَةَ قَدِيْبٌ ﴿

يَشْتَعُهِلَ بِهَا الَّذِيْنَ لَا يُؤْمِنُونَ بِهَا ءَوَالَّذِيْنَ أَمَنُواْ مُشْفَقُونَ مِنْهَا ﴿ وَيَعْلَمُونَ أَنَّهَا الْحَقُّ ۚ ٱلَّا إِنَّ الَّذِينَ يُمَا رُوْنَ

في السَّاعَة لَفي ضَلْل بَعيْد ⊛ اللهُ لَطِيْفٌ بِعِبَادِهِ يَ زُقُ مَنْ يَشَاءُ ، وَهُوَ الْقَوِيُّ الْعَرِيُّ الْعَرِيُّ ﴿

- ১১। তিনি আকাশসমহ ও পথিবীর সৃষ্টিকর্তা তিনি তোমানের নিজেনের মধ্য থেকে লোমাদের জন্ম বানিবোদন জোনা এক গবাদি পাবে মধ্য থেকেও (বানিয়েছেন) ছোভা (এভাবেই) ভাতে (পথিবীতে) তিনি (काशास्त्रव विकास क्षीरमा जीव अध्यक्षका विकास स्मात अका जिसी प्रजीवसाच्या क अर्थक्रेसी
- ১১। আরাশসমূহ ও পথিবীর চারিরাসি আঁবট। নিনি যার জনা উল্লা ব্যারন ভার বিধিক প্রসারিত করেন এবং (ভা) পরিমাপ করে দেন। নিক্যা তিনি স্বক্তিত সম্পর্কে ভালভাবে জ্ঞানেন
- ১০। তিনি তোমাদের জন্য বিধিবদ্ধ করেছেন এমন 'দ্বীন' যার নির্দেশ তিনি मिरविशासन सङ्ख्य चारा वा चाचि शङी करविक स्वाचारक अवर वाय নির্দেশ দিয়েছিলাম ইবরারীয়, মসা ও ঈসাকে (এই বলে) যে, ভোমরা হীনতে প্রতিষ্ঠিত তব এবং তাতে সভাজন করে। না। ভঞ্জি স্পরিবাচনতে যার প্রতি আহবান করত তা তালের নিকট দর্বত মনে হর। আল্লাহ যাকে ইঙ্গা করেন জাঁব জন্ম মনোনীত কাকে এবং তিনি ভাকে জাঁব লিকে পরিচালিত করেন, যে (অনতাপের সাথে) প্রত্যাবর্তন করে।
- ১৪ এবং আদের নিউট আন আসার পর তারা আদের মাঝে বিভেবরশতঃ মুদ্রপার্থকা ক্রাক্তর আর হানি ক্রোয়ার প্রতিপার্কাকর পক্ষ পোক একটি নির্মাবিত সময় পর্যন্ত (অবকাশ দেয়ার) একটি বাণী গত (পর্বছোষিত) হয়ে না থাকৰ বাহাল অৱশাই সামের মাঝে মীমাংসা করে মেবা হত। এবং নিশুর তাদের পর যারা কিতাবের উত্তরাধিকারী হয়েছে অবশাই তারা এ (ববডান) সম্পর্কে বিভালিকর সম্প্রের রয়েছে।
- ১৫। সতরাং তমি এর জন্মই আহবান কর, এবং নত থাক যেতাবে তমি আলিট হয়েছ এবং তাদের প্রবৃত্তির অনসরণ করো না এবং বল 'আহাত যে বিভাব অবজীর্ণ ব্যাবাহন আছি আতে ইয়ান এনেছি এবং আছি আনিই হছেছি ভোমানের মধ্যে ন্যাহবিচার করতে। আলাহ আমানের প্রতিপালক একা কোয়াদেবৰ প্ৰতিপালক। আয়াদেব কাম (এব প্ৰতিফল) আয়াদেব ও ভোমাদের কাজ (এর প্রতিফল) ভোমাদের। আমাদের ও ভোমাদের মধ্যে যদিকর্ত্ত (এর প্রায়াজন) নেউ। আলার আমাদেবাক একত্র করাকন এবং গভবান্তল তাঁরই দিকে '
- ১৯। তার ভার (অর্থাৎ রাসন্তের) আরে সাত্রা দেয়ার পর যারা আলার সম্পর্যে বিতর্ক করে তালের যক্তি-প্রমাণ তালের প্রতিপালকের দাইতে অসার. এবং তাদের উপর বয়েছে (ভার) ক্লোধ এবং তাদের জনা রয়েছে কমিন ×m6
- ১৭। আহাহট অবতীর্ণ করেছেন সভাসর কিতাব এবং মীয়ান (নাায় বিচার)। আৰু বিচাস কোমাকে জানাৰে- সম্ভৱত বিষয়েত নিৰাটকৰী
- ১৮। যারা এতে ঈমান আনে না ভারাই তা ভাডাভাডি পেতে চার<sup>\*</sup>, আর যারা ইয়ান এনোড ভাবা এব প্রতি ভীত-পঞ্জিত এবং ভাবা জ্বান যে ভা সমে। কোনে নাথ বিয়ায়ান সম্পার্কে হানা নাজ-নিজ্ঞা কাল মোনা অনুসাই পথস্রইতার বহু দরে (চলে গিয়েছে)।
- ১৯: আল্লাহ তাঁর বান্দাদের প্রতি অতি দয়ালু, তিনি যাকে ইক্ষা করেন রিযিক দান করেন, তিনিই মহাশন্তিধর ও মহাপ্রভাপশালী। 🖈 চিফিত স্থানের দীকা পুরা নং : আয়াত দং অনুসারে তরজমার শেষে দেখুন

- ১১ তাদের কি এমন কিচ শরীক আছে যারা তাদের জন্য এমন দ্বীন বিধিবদ্ধ ক্রারাছ যার অন্যতি আলাচ দেননিং ক্রয়সালার রাধী (পর্ব ঘোষিত) या शास्त्रक सामग्राहे जाराज शास्त्र श्रीशाच्या साम राजा राजा राजा तर । तर जिस्सा জালিমাদর জন্ম রায়াছ যদ্ধগালায়ক শান্তি।
- ১১। তমি জালিমদেরকে ভারা যা অর্জন করেছে সে কারণে ভীত-শক্তিত দেখাৰ হাখন এটি (কিয়ামত) ভাদেৰ উপৰ সংঘটিত হাব। যাবা ঈশ্বান distribution and a second control of the second control of the second of ভালের জন্য ভা-উ বয়েতে যা ভারা ভালের প্রতিপাদকের কাছে চাইবে। এটাই মহা অনুগ্রহ
- ১৫। এটি ডাই যাব সসংবাদ আলাহ তাঁব সেই বান্দাদেৱকে দেন যাৱা ঈমান गामा । अवकार कारानः। रहा 'खाप्रि तर विभिन्न (कामान्स निकति কোন প্রতিদান চাই না- আতীয়তার হসাতা ছাড়া।' আর যে ভাল কাজ সম্পানন করে আমি (আনাচ) ভার জন্য একে কল্যাণ বর্ধিত করি। নিশ্চয় जालाह जाकि चडााशील अ अहर अजिलालमाणाः
- ১৪। कावा कि काम त्या तम खासाड मन्नात्वे विश्वता बाज्या करवाडा: (यनि काँडे হয়) তবে আল্লাহ ইচ্ছা করলে তোমার জনরে মোহর মেরে দিতে পারেন। আৰু আলাত বাতিলকে (মিথাকে) মঙে দেন এবং তাঁৱ বাদী বাৰা সভাকে প্রতিষ্ঠিত করেন। বক্ষসমূহে যা আছে সে সম্পর্কে নিশ্চয় তিনি ভালভাবে miras I
- ১০। এক মিনিট ভাঁত রাখানের ভাগরা করল করেন ও পাপসমূহ মার্জনা करका अतः (कांधना शा कर का किन्ने कांग्नन
- ১৬। এবং যারা ঈশ্লান এনেতে ও সংকাঞ্জ করেছে তিনি তাদের আহবানে সাভা দেন এক আন্দৰ্ভত ভাঁৰ অমধাত খোলা বাজিয়ে দেন। আৰু কাছিবদেৰ ছনা রয়েছে কঠিন শান্তি।
- ২৭। আর যদি আল্লাহ ভাঁর বান্দাদের জন্য রিথিক প্রসারিত করে দিকেন ভাহনে ভারা পথিবীতে অবশ্যই বাভাষাতি করত, কিন্ত তিনি যতটক ইক্ষা কৰেন সেই পৰিয়াগেই অবতীৰ্ণ কৰে থাকেন। নিক্ষয় তিনি ভাঁৱ বান্দাদের সম্পর্কে পর্ণ অবগত ও পর্ণ দটিবান।
- ১৮। এবং তিনিট তাদের নিবাশ হওয়ার পর বৃষ্টি অবতীর্ণ করেন এবং তাঁর দয়া বিমার করেন। এবং তিনিট অভিভাবক ও অতি প্রশংসদীয়।
- ২৯। এবং তাঁর নিদর্শনসমূহের মধ্যে রয়েছে আকাশসমূহ ও পথিবীর সৃষ্টি এবং উভয়ের মধ্যে তিনি যেসব জীব-জন্ম ছড়িয়ে দিয়েছেন সেওলো এবং তিনি যথন ইঙ্গা করবেন তথন তাদেরকে একট্রিত করতে সক্ষম।

مَنْ كَانَ يُو يُدُ حَوْثَ الْأَخَرَةَ نَوْدُلَةً فِي حَوْثُهِ، وَمَنْ كَانَ يُو يُدُ حَرْفَ الدُّّنْيَا نُوْتِهِ مِنْهَا وَمَا لَهُ فِي الْأَخْرَة مِنْ نَّعَيْبِ @

ٱاْ لَهُوْ شُرِكُواْ اللَّهِ عُوْا لَهُوْ مَّنَ الدَّيْنِ مَا لَوْ يَاْذَنْ بِهِ اللَّهُ • وَلَوْ لَا كَلَمَةُ الْفَصْلِ لَقُضَى بَيْنَهُرْ ﴿ وَانَّ الظُّلَمِيْنَ لَهُرْ عَذَابٌ

تَبَّى الظُّلمِيْنَ مُشْفقيْنَ مِمًّا كَسَبُوا وَهُوَ وَاقعَّ بِهِرْ وَالَّذِيْنَ أُمَنُوْا وَعَمِلُوا الصَّلَحُ فِي رَوْضَ الْجِئْتِ عَلَّهُمْ مَّا يَشَاءُونَ عنْدَ رَبِّهِ \* وَذَلِكَ هُوَ الْفَصْلُ الْكَبِيُّ ﴿ عَنْدَ رَبِّهِ \* وَلَكَبِيُّ ﴿ عَنْدَ الْكَبِيُّ ﴿

ذُ لِكَ الَّذِيْ يُبَشِّ اللهُ عَبَادَةُ الَّذِيْ َ إِمَنُوْ [ وَعَمِلُوا الصَّادِي، قُلْ لا آَاسْتَلُكُمْ عَلَيْهِ آجْرًا اللَّا الْمَوَدَّةَ فِي الْقُرْ لِي وَمَنْ يَقْتَوِنْ حَسَنَةً نَّا ذُلَّةً فَيْهَا حُسْنًا ﴿ إِنَّ اللَّهُ غَفُو رَّهَكُو رَّ ﴿

أَٱ يَقُوْ لُوْنَ افْتَا يَغَلَى الله كَذَبًا عَفَانَ يَّشَا اللهُ يَخْتِرْ عَلَى قَلْبِكَ ، وَيَمْدُ اللَّهُ الْبَاطِلَ وَيُحِقُّ الْحَقِّ بِكَلِّمِتِهِ ، اللَّهُ عَلَيْمٌ " بذات المُّدُور @

وَهُوَ الَّذِي يَقْبَلُ التَّوْبَةَ عَنْ عَبَادِةٍ وَيَعْفُوْا عَنِ السِّيَّاتِ وَيَعْلَمُ مَا تَفْعَلُونَ ﴿ وَيَسْتَجِيْبُ الَّذِيْنَ أَمَنُوْا وَعَمِلُوا الصَّلَحْيِ وَيَهِ يُدُهُمْ مِّنْ فَهْله وَ الْكُفِرُونَ لَهُرْ عَذَابٌ شَدِيْدٌ ﴿

وَلَوْبَسَطَ اللهُ الرِّ زْقَ لعبَادِهِ لَبَغَوْ ا فِي الْأَرْضِ وَلَكَنْ يُّنَوِّ لُ بقَدَرمًا يَشَاءُ وإنَّهُ بِعِبَادِهِ خَبِيرٌ بَمِيرٌ ﴿ وَهُوَ الَّذِيْ يُنَوِّ لُ الْغَيْثَ مِنْ بَعْدِ مَا قَنَطُوْ ا وَيَنْشُرُ رَحْمَتَدُ،

وَهُوَ الْوَلَّ الْخَمِيْدُ ﴿ وَمِنْ أَيْتِهِ غَلْقُ } السَّمُوتِ وَالْأَرْضِ وَمَا بَتُ فِيْهِمَا مِنْ دَآبَةٍ ﴿ وَهُوَ عَلَى جَمْعِهِرْ إِذَا يَشَآءُ قَدِيرٌ أَهُ

- পারা-১৫
- ৩০। এবং ভোমাদেরকে যে বিপদ-আপদ আক্রমন্ত করে ভা ভোমাদের হাত যা অর্জন করেছে সে কারণে, থার অনেক কিছুই তিনি মার্জন।
- ৩১। এবং তোমবা পৃথিবীতে (আল্লাহুকে) অক্ষম করতে পারবে না এবং আল্লাহুকে বাদ দিয়ে তোমাদের দোন অভিভাবক নেই এবং কোন সাংখ্যাক্ষাক্ষীত এই।
- ত২। এবং তাঁর নিদর্শনসমূহের মধ্যে রক্তেছে সমুদ্রে চলমান পর্বতসদৃশ জাহাজসমহ
- ৩৩। তিনি ইক্ষা করলে বাতাদকে থানিয়ে দিতে পারেন, ফলে দেওলো সমুদ্র পৃঠে শিকল হয়ে পাছতে । শিকয় এতে অবশাই নিদর্শনাবলী রয়েছে প্রত্যেক অতি ধের্মশ্লীল ও অতায় কতরে ব্যক্তির জন্য-
- ৩৪। অধবা তিনি সেগুলোকে ধ্বংস করে দিতে পারেন তারা যা অর্জন করেছে সে কারণে এক অন্তর্জ জিলি সার্জনা করেন।
- ৩৫। আর যারা আমার নিদর্শনাবদী সম্পর্কে বিতর্ক করে তারা যেন জানে যে, তাদের কোন পালানোর জায়গা নেই।
- ৩৬। বক্কত তোমাদেরকে যা দেয়া হয়েছে তা দুনিয়ার জীবনের ভোগ্য সামগ্রী, বিস্তু আল্লাব্র নিকট যা আছে তা উত্তম ও অধিক ছায়ী, তালের জন্য যায় ঈমান এনেছে ও তাদের প্রতিশালকের উপর ভরসা করে,
- ৩৭ এবং যারা বড় বড় পাপ (কবীরা ওনাই) ও অস্ত্রীল কাজসমূহ পরিহার করে এবং ক্রম্ভ হলেও ক্ষমা করে দেয়,
- ৩৮। এবং যারা তানের প্রতিপালকের আহবানে সাড়া দেয়, সালাত (নামায়) ব্যাহম করে, নিজেনের মধ্যে পারম্পরিক পরামর্থের ভিত্তিতে নিজেনের কাজ্যকর্ম সম্পাদন করে এবং ভালেরকে আমি যে রিঘিক নিয়েছি তা থেকে আ ক্রমর
- ৩৯। এবং যারা তাদের উপর (কেবল) বাডাবাভি করা হলে বদলা নের।
- ৪০। আর মন্দের প্রতিফল অনুরূপ মন্দ এবং যে মার্জনা করে দেয় ও আপোষ-নিশান্তি করে, তবে তার প্রতিদানের তার আল্লাহর উপর নাাও। নিশ্বর কিটি ফালিয়ানের তারে কারে না
- ৪১। আর অবশ্যই যে বদলা নেয় তার উপর জুলুম করার পর তবে তাদের বিকছে (বাবস্থা এহগের) কোন পথ নেই.
- ৪২: কেবল (ব্যবস্থা গ্রহণের)পথ আছে তাদের বিক্তম্কে যারা মানুদের উপর জুপুম করে এবং পৃথিবীতে অন্যায়ভাবে বাড়াবাড়ি করে বেড়ায়। তাদেরই জন্ম রয়েছে যন্ত্রণালয়ক শান্তি।
- ৪৩. আর অবশাই যে থৈর্য ধারণ করে এবং ক্ষমা করে দেয়, দিশুর এটি অবশাই দঢ় সংকল্পের বিষয়সমূহের অন্তর্ভক্ত

- وَمَآ اَمَا بَكُرْ مِّنْ مِّسِيْنَةٍ فَبِمَا كَسَبَثَ آفِدِيكُمْ وَيَعْقُوْا عَنْ كَثِيْنِ وَمَاۤ اَنْتُرْ بِمُعْجِزِيْنَ فِي الْاَرْضِ ۖ وَمَا لَكُرْ عِنْ دُوْنِ اللَّهِ مِنْ وَّ
  - ڸۣٞۯ۠ڵٳٮؘڡؚؽڔٟ۞ وَمِنْ الْنِيهِ الْجَوَارِفِ الْبَحْوِكَالْآغُكَارِ۞

٣٠ سُورَةُ القُّورُ عِي

- إِنْ يَشَا يُشْكِي الرِّيْمَ فَيَظْلَلْنَ رَوَّاكِدَ كَلَّ ظَهْرِهِ · إِنَّ فِيُّ ذَٰ لِكَ لَالْبِ لَكُلِّ مَثَّار شُكُورِ ف
  - اَوْيُوْبِقْهُنَّ بِمَا كَسَبُواْ وَيَعْفُ عَنْ كَثِيْرٍ ﴾
- وَيَعْلَمَ الَّذِينَ يُجَادِ لُونَ فِي أَلْمِنَا وَمَا لَهُمْ مِنْ مُّحِيْمِ 

  قَالَ أَوْتَنِكُمْ مِنْ هُنْ فَعَدًا مُ الْكَيْرِةِ النَّذِيدَ اوَمَاعِنْدَ الله كَمْ اللهِ كَمْ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ كَمْ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ كُمْ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ كَمْ اللهِ كَمْ اللهِ كُمْ اللهِ كُمْ اللهِ كَمْ اللهِ كَمْ اللهِ كُلْ اللهِ كُمْ اللهِ كُمْ اللهِ كَمْ اللهِ كُمْ اللّهِ كُمْ اللهِ كَالْهُ لَا اللهِ كُمْ اللهِ كُمْ اللهِ كُمْ اللهِ كُمْ اللهِ كُلْمُ اللهِ كُمْ اللهِ كُمْ اللهِ كُمْ اللهِ كُمْ اللهِ كُمْ اللهِ كَالْمُ لِلْمُ لِلْمُولِ لَهِ لَا لِمُلْعِلْ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ لِلْمُ
- وَّ ٱبْغَىٰ لِلَّذِيْنَ أَمْنُوا وَعَلَىٰ رَبِّهِرْ يَتَوَكَّلُونَ ﴾ وَالَّذِيْنَ يَجْمَنَبُونَ كَبْغَرَ الْإِثْرِ وَالْفَوَ احضَ وَاذَامَا غَمْبُواْ
- هُرْ يَغْفُرُونَ هُ وَالَّذِينَ اشْتَجَا بُوْا لِرَّيِّهِرْ وَآقَامُوا السَّلُوقَ - وَآمُرُهُرْ هُوْرِي بَيْنَهُرْ - وَمَّا رَتَّغُهُرْ يَنْفَقُونَ &
- وَالَّذِيْنَ إِذَآ أَمَا بَهُرُ الْبَغْيُ هُرْ يَنْتَعِرُونَ ۞
- وَجَزَوًّا اسَّيِّعًةِ سَيِّعًةٌ مِّقْلُهَا ءَفَهَنْ عَفَا وَٱصْلَــَ فَٱجْرُهُ كَلَ اللهِ ، إِنَّهُ لَا يُحِبُّ الظَّلِمِيْنَ ۞
- وَلَمَنِ اثْتَمَرَ بَعْدَ ظُلْمِهِ فَأُولِئِكَ مَا عَلَيْهِمْ مِّنْ سَبِيْلٍ ١
- إِنَّمَا الشَّبِيثُلُ عَلَى الَّذِيْنَ يَظْلِمُونَ النَّاسَ وَيَبْغُوْنَ فِي الْاَرْضِ بِغَيْرِ الْعَيِّ الْوَلْغِكَ لَهُرْ عَذَابٌ ٱلِيْرُ ﴿
  - وَلَمَنْ صَبَرَ وَغَفَرَ إِنَّ ذَٰ لَكَ لَمِنْ عَزْ ٢ الْأُمُور ﴿

- 88। এরে আয়ার য়াকে পথএই করেন তাঁর পরে (অর্থাৎ তিনি ছাড়া) তার জন্য কোন অভিতারক নেই। আর কুমি আলিমদেরকে দেখতে পাবে খধন তারা পান্তি দেখনে ওখন বদাবে, ফিরে য়াভয়ার কোন পথ আছে কি \*\*
  - ৪৫। এবং কৃষি ভালেরতে দেখাতে পানে অপমানে অবনত অবস্কার এর (অর্থাত জাহানুমের) সামনে ভালেরকে পেশ করা হরোছে- তারা খোপন দৃষ্টিতে ভালাছে। আর সারা ইমান এনেছে ভারা অগনে, শিক্তম ভত্তিআন্ত ভারাই যারা ভিয়ামতের নিন নিজেনের ও পরিবার-পরিজনের ভতি করছে। জোন সাধ, শিক্ষর আদিনের বাধ্যমে স্কৃষ্টী শান্তির মধ্যে।
- ৪৬। এবং আল্লাহ ছাত্তা তাদেরকে সাহায্য করার মত তাদের কোন অভিতাবক গাঁকবে না। এবং আল্লাহ্ যাকে পথত্রট করেন তার জন্ম তোন পথ নিই।
- ৪৭। তোমানের প্রতিপালকের তাকে সাত্য সাও, আল্লাহর পঞ্চ থেকে সেদিন আসার পূর্বেই যা প্রতিরোধ করার নয়। যেদিন তোমানের কেন-অপ্রয়ন্ত্রল থাককে না এবং তোমানের জন্য (পার্তি) রোধ করার কেন্ট্র থাক্রর রা।
- ৪৮। অতথ্যৰ তাবা যদি মুখ পিবিয়ে দেয়, তাৰে তোৰাকে আমি তালের সংক্ষেক করে পাঠাইনি, তোমার কান্ধ কেবল পৌছে দেয়া। আব নিক্য আমি উপযুক্ত কান্যার পাছ থেকে দায়া আত্মানন করেই কথন দে এতে উপযুক্ত হয়, এবং বদি ভানের যাত যা আমা পাঠিয়েছে দে কান্যান ভানেরকৈ মন্দ্র আধাত করে, তার নিক্য মানুষ অকভান্ত হয়ে পাছে।
- ৪৯। আকাপসমূহ ও পৃথিবীর রাজতু আন্তাধ্বই। তিনি যা ইক্ষা করেন তাই সৃষ্টি করেন। তিনি যাকে ইক্ষা করেন কন্যা: সন্তান দান করেন এবং বাকে ইক্ষা করেন পুত্র সন্তান দান করেন-
- ৫০। অথবা দান করেন পুত্র ও কন্যা উভয়ই এবং যাকে ইক্ছা করেন বছা। করে দেন। নিজয় ভিনি সর্বজ্ঞানী ও সর্বশক্তিমান।
- ৫১৷ মানুহের এমন মর্যালা নেই বে, আন্তার্ তার সাথে কথা কলকে ওই। অথবা পর্মার অন্তরাল অথবা রাসুল (গুরীবাহক ক্ষেত্রেশতা) প্রকাশ ভার্কা, অত্তরণর সে(বারীবাহক ক্ষেত্রেশতা) তার নির্দর্শন গুরী করে তিনি যা ইঞ্জা অবল ম্যা নিক্ষা রিলি সমলত প্রজ্ঞালাক।
- ৫২। এবং এভাবেই আমি ভোমার প্রতি এটা করেছি আমার নির্দেশ সম্বাদত এক রহে (কুরআন), তুমি জানতে না কিতার ও ইমান কী, কিন্তু আমি একে ব্যানিয়েছি আলো যা বাবা আমি আমার বান্দালন মতে বাকে ইক্ষা রহির সঠিক পথ প্রদর্শন করি। এবং (এর ছারা) নিশ্চর তুমি অবশাই করিমানিক রহাল-প্রতিক পাথ।
- ৫০। আল্লাহ্ব পথে, যিনি আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে তার মালিক। কোন বাধ সকল বিষয় আলাহবট দিকে প্রভাবর্তন করে।

وَعَنْ يَقْطُلِ اللّٰهُ فَمَا لَهُ مِنْ وَلَيْ مِّنْ اَبَعْدِهِ وَتَوَى الظُّلْمِينَ لَمَّا رَاوًا الْعَدَابَ يَغُو لُونَ هُلِّ إِلَى مَرْدَّ مِنْ سِيْلٍ ﴿

رَقُوامِمْ يُغُومُونَ عَلَيْهَا خَمِقِينَ مِنَ الدَّلِ يَنْظُورُونَ مِنْ طَوْيِهُ غِنِّ رَقَالَ الَّذِينَ أَمْثُوا إِنَّ الْعَامِينَ الْدِيْنَ مَرِّزًا النَّسُمُ رَاعِلِيهِمَ بَوَّا الْعِينَةِ الْآوَاقِ الظَّلِيمِينَ فِي عَدَامٍ مُقْرِضُ مَا مُقْرِضُ مَا

وَمَا كَانَ لَهُمْ مِّنْ أَوْلَيَاءَ يَنْفُرُونَهُمْ مِّنْ دُونِ اللهِ، وَمَنْ يُقْلِلِ اللهُ قَمَا لَهُ مِنْ سَبِيْلِ فِي اسْتَجِيْبُوا لِرَّبُمْ مِنْ ضَيْلَ أَنْ يَأْلَى يَوْزًا ۖ لَا مَرَّلَهُ مِنَ اللهِ،

استجيبوا لرنظر من فيل ان يان يو آلا مرد لمين الله: مَا لَكُرْ شِنْ مُلْجَرٍ يُوْمَلِدُ وَمَا لَكُرْ شِنْ لَكُوْمٍ ۞ فَانْ أَعْرُ هُواْ فَمَا ٱرْسَلْنُكَ عَلَيْهِمْ حَفْيْظًا ، إِنْ عَلَيْكَ إِلَّا الْبُلُغُ ، وَإِنَّ آذَاً أَذَا الْإِنْسَانَ مِثًا رَّحْمَةٌ فَرَحْ بَهَا ، وَإِنْ

لَّهُ مُهُمْ سَيِّقَةٌ إِمِنَا قَلَّمَتُ ٱلْدِيْهِمْ فَإِنَّ الْإِنْسَانَ كَفُورْ ۞ سِّمُلُكُ السَّبْرُاتِ وَالْارْضِ، يَخْلُقُ مَا يَضَاءُ، يَمَّتُ لِمَنْ يَّمَّةُ إِنَاقًا وَانْقُ وَيْمَ لِمَنْ يَّضَاءُ الشَّكُورَ ۞

اَوُلُوَزُوْهُمُدُ دُخْرَانًا وَإِنَا لَهُ وَيَجْعَلُ مَنْ يَّشَاءَ عَقِيمًا وَإِنَّهُ عَلِيْرٌ قَدِيْرٌ ﴿ وَمَا كَانَ لِمُمْرِ أَنْ يُكِلِّمُهُ اللهُ إِلَّا وَمُيًّا أَوْمِنْ وَآرَاقِي حَجَابٍ

آوُكُرُوسُل رَسُّولَا قَمُوْمِيَ بِالْدِيمِ الْقَادَ، الْقَاعَلَى تَحِيْرُ ۞ وَكُلْ لِكُ آوُكِيْنَا ۚ إِلَيْكُ رُوْمًا فِنَ الْمِنْ الْمِنْ الْمَوْلَ مَا كُشْنَ تَدْرِينُ مَا الْحُنْمُ وَلَا الْإِنْمَانُ وَلِكِي خَلْلَنْهُ لُورًا فَقِيمِ بِمِنْ لَقَاعَمِنْ عَادِنَا وَاللَّهِ لَتَقَلِّمُ اللَّهِ وَالمُسْتَقِيرُ فَيَ

صِرَاطِ اللهِ الَّذِي لَهُ مَا فِي السَّمُوتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ • ٱلَّا إِلَى عُجْ

اللهِ تَمِيْرُ الْأَمُوْرُ وُ

#c_	<ul><li>80. नृदा व्याय-गुथक्रक, माकी</li></ul>
417	৮৯ আয়াত, ৭ রুক্

অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আলাহর নামে

- ১। হা-মীম।
- ২। কগম সুস্পষ্ট কিতাবের-
- নিশ্চয় আমি একে বানিয়েছি আরবী কুরআন, যাতে তোমরা অনুধাবন করতে পার
- ৪। আর দিশুর এটি অবশ্যই সমুদ্রত ও প্রজামর, (সংবন্দিত) রয়েরে আমার দিকট উন্থল কিতাবে (মূল কিতাবে)।\*
  ৫ তবে কি ভারেরা সীরুলাক্ষনকারী সম্পদ্যে তথকার আমি ভোমানের
- থেকে এই উপদেশবাণী প্রত্যাহার করে নেবং
- ৬। আর আমি পূর্ববর্তীদের মাঝে কত নবীই প্রেরণ করেছি।
- থ। আর তালের নিকট এমন কোন নবী আসেনি যাকে তারা ঠাটা-বিদ্রপ করেনি।
- মতঃপর আমি তাদেরকে ধাংস করেছি যারা ছিল তাদের চেয়ে শভিতে প্রকল আর মাজীত ছায়োছ পর্ববর্তীদের দয়ায়।
- ৯। আর যদি তুমি তালেরকে জিঞালা কর, 'কে আতাশদমূহ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন;' অবশ্যই অবশ্যই তারা কলবে, 'এওলো সৃষ্টি করেছেন মহাপ্রতাপশালী ও সর্বজ্ঞানী (আল্লাহ)'-
- ১০। মিনি ভোমাদের জন্য কমীনকে বানিছেছেন বিছানা এবং ভাতে ভোমাদের জন্য করে নিছেছেন বহু পথ, যাতে ভোমরা (গল্পবা স্থলের) পথ পেতে পার,
- ১১। এবং যিনি আকাশ থেকে পানি অবক্তীর্থ করেন পরিমিত পরিমাণে, অতঃপর আমি এর দ্বারা পুনর্জীবিত করি মৃত ভূমিকে, এভাবেই তোমাদেরকে (কবর থেকে) বের করা হবে।
- ১২। আর মিনি সব ধরণের জোড়া সৃষ্টি করেছেন এবং যিনি কোমানের জন্য সৃষ্টি করেছেন এখন নৌখান ও চতুম্পদ জতু, যার উপর ভোমরা আরোছেপ কর-
- ১০। যাতে তোমবা কার উপরিভাগে স্থির হতে কসতে পার, এরপক যাতে ভোমরা তোমাদের প্রতিপাশকের নেয়ামরকে প্রবাণ করতে পার যথন তোমরা তার উপর স্থির হয়ে বংশ, এবং কা, 'পরিত্র তিনি, মিনি একে মামাদের বলগাগে নিয়েজিত ভরেছেন, অথহ আমরা একে আয়াতে আনতে সক্ষয় হিলাম না-

٣٣- سُوزُةُ الرُّغُرُف-مَكِيَّةُ إِيَاتُهَا ٥٨. رُكُوعَاتُهَا- ٤ يَسُو الله الرِّحُهُن الرَّحِيْدِ

بِسَمِ اللهِ الرّحمٰنِ الرّحِيدِ أ

وَالْكِتْبِ الْمُبِيْنِ أَنْ انَّا جَعَلْنَهُ قُوْءُنَّا عَرَبِيًّا لَّعَلَّكُرْ تَعْقَلُونَ أَنْ

وَإِنَّهُ فِي أَإِ الْكِتْبِ لَدَيْنَا لَعَلِنَّ حَكِيرٌ ٥

أَفَنَهْرٍ بُ عَنْكُرُ اللَّهِ وَمَفَّا أَنْ كُنْتُرْ قَوْمًا مُشْرِفِيْنَ ۞ وَكُمْ الشَّرِفِيْنَ ۞

وحر ارستام نيي ق الاولين ٥ وَمَا يَا تِيْهِرُ مِّنْ نَبِيِّ إِلَّا كَانُوا بِهِ يَسْتَهْرِءُونَ ۞

تَهْتَدُونَ هُ

فَأَهْلَكْنَآ أَشَدَّ مِنْهُرْ بَطْشًا وَّمَفٰى مَثَلُ الْأَوَّ لِيْنَ ۞

وَلَئِنْ مَا لَتَهُمْ مَّنْ هَلَقَ السَّوٰتِ وَالْاَرْضَ لَيَقُوْ لَنَّ هَلَقَهُنَّ الْعَرِيْزُ الْعَلِيْمُ أَنْ الَّذِي يَعَلَى لَكُمُ الْإِنْ هَنِ مَهْمًا وَجَعَلَ لَكُمْ فَيْهَا سُبُلًا لَعَلَّكُمْ

وَالَّذِيْ ثَوْلُ مِنَ السَّمَّاءِ مَا ۗ وَيُقدَرِهِ فَالْشَرْنَا بِهِ بَلْدَةً مَّيَّنًا ، كَذْلِكَ تُخْرَجُونَ ۞

وَا لَّذِيْ غَلَقَ الْاَزْوَاجَ كُلُّهَا وَجَعَلَ لَكُرْ مِّنَ الْقُلْكِ وَالْاَنْعَا ِ مَا تَرْكَبُونَ ۞

لِتَشْتَوُ اللَّى ظُهُورِهِ ثُرَّ تَذْكُرُواْ نِعْمَةَ رَبِّكُمْ إِذَا اسْتَوَيْتُمْ عَلَيْهِ وَتَقُو لُوا سُبُحَى الَّذِي سَخَّرَ لَنَا هٰذَا وَمَا كُنَّا لَهُ مُقْدِنِينَ ۞

- ১৪। এবং নিশ্বয় আমরা আমানের প্রতিপালকের দিকে অবশাই প্রভাবর্তন 📗
- করব।

  ১৫. তারা তাঁর বান্দাদের মধ্য থেকে তাঁর অংশ(সন্তান) নিধরিণ করেছে।

  নিশ্বন্ত মানৰ অবশ্যাই সম্পাই অকতঞ্জঃ
- ১৬। তিনি কি তাঁর সৃষ্টির মধ্য থেকে কন্যা সন্তান গ্রহণ করেছেন এবং তোমাদেয়কে বিশেষিত করেছেন পুত্র সন্তান দ্বাবাদ
- তোমাদেরকে বিশোষত করেছেল পুত্র সন্তান স্থান্তা।

  ১৭। আর যথন তানের কাউকে তার (অর্থাং কলা। সর্বানের) সুনংবাল দের।
  হয় বা সে দয়ায়েরের তান্য উপমা পোন করে (অর্থাং দাবীত নির্বাহন করে।
  তথন তারে ক্রেকার তান্যেন বাবে মান্য এবং সে নারণ করেরকার হয়।
- ১৮। তবে কি যে (কন্যা সন্তাম) অলংকারের মধ্যে বেড়ে উঠে এবং যে বিকর্কে সম্পন্ত নয় তাকেই (তারা আল্লাহ্র জন্য দির্ধারণ করে)ঃ
  - ১৯। এবং তারা ফেরেশতালেরকে নারী গণ্ড করেছে যারা (প্রকৃতপক্ষে) দল্লাময়ের বাদা। তালের সৃষ্টি কি তারা প্রভাক করেছিলঃ শীন্তই তালের সাক্ষা লিপিবছ করা হবে এবং তালেরকে জিজালা করা হবে।
  - ২০। এবং তারা বলে, 'দয়ময় ইক্ষা করলে আমরা এনের উপাসনা করতাম না।' এ বিষয়ে তালের কোন জান নেই; তারা তথু অনুমান করছে।
  - ২১। আমি কি তানেরকে এর (অর্থাৎ কুরুআনের) পূর্বে কোন কিতাব দান করেছি, অতঃপর তারা সেটিকে দৃহতাবে ধরণ করে আছে।
  - ২২। বরং তারা বলে, 'আমনা আমাদের পিতৃপুরুষদেরকে পেরেছি একটি উমতের(ধর্মের) উপর এবং নিশ্চয় আমরা তানের পদাক অনুসরণ করে সঠিক পথপ্রাধ।
  - ২৩। আর এতাবেই ভোমার পূর্বে কোন ত্রনপনে বখনই আমি কোন সতর্ককারী প্রেরণ করেছি তলাই তার বিবরদারা বলেছে, দিশ্চয় আমরা স্থানাদের পিতৃপূক্ষদেরকে পেরেছি একটি উম্মতের (বর্মের) উপর এবং শিক্ষ আমরা তানের পপাছ অনুসাধা করাছি।
  - ২৪। সে (অর্থাংগ্রান্তাক সতর্কারারী) বালেছে, 'তোমরা তোমালের পিতৃপুরুজ্ঞানরক যার উপর পোরেছ আমি বিদি কোমালের জন্মা তার প্রেরে উৎকৃত্বী পর্বানিশিকা নিয়ে আসি তত্ত্বত কি (তোমরা তালের পলাছ অনুনরণ করবে)।' তার বালেছে, 'তোমরা যা নিয়ে প্রেরিক হাছের আমরা তা অর্থীনকর করবি।'
  - ২৫। সুজ্ঞাং আমি ডানেরকে উচিত শান্তি দিয়েছিলাম, অতএব লক্ষ্য কর, কেমন ছিল মিথ্যা আভিহিতকারীদের পরিশাম।
  - ২৬। এবং যথন ইবরাহীম তার পিতা এবং তার সম্প্রদায়কে বদেহিল, 'তোম্বা যাদের উপাসনা কর নিশ্চয় আমি তাদের থেকে সম্পর্কহীন-
  - ২৭। তবে (সম্পর্ক আছে ৩ধু তাঁর সাধে) যিনি আমাকে সৃষ্টি করেছেন, সুকরাং নিশুরু তিনি আমাকে শীগুই সঠিক পথ দেখাবেন।
  - ২৮। এবং তা সে স্থায়ী বাণী হিসাবে রেখে গেছে তার পরবর্তীদের মধ্যে, যাতে তারা (আল্লাহর দিকে) ঝিরে আসতে পারে।

وَجَعَلُوا لَهُ مِنْ عِبَادِةٍ جُزَءًا ﴿ إِنَّ الْإِنْسَانَ لَكَفُو رَمَّبِينًا ﴿ إِيَّ النَّخَذَ مِمَّا يَخُلُقُ بَنْكِ وَآمَفُكُرْ بِالْبَنْيَنَ ۞

٣٠-٩٠ رَوُّ الرُّحُرُف

وَانَّا إِلَى رَبُّنَا لَمُنْقَلِيونَ ﴿

- وَإِذَا بُشِّرَ أَحَدُّهُمْ بِمَا هَرَبَ لِلرَّحْمٰنِ مَثَلًا ظَلَّ وَجُهُهُ مَسُودًا وْهُوَ كَظِيْرٌ
  - اَوْمَنْ يُّنَشَّوُّا فِي الْحِلْيَةِ وَهُوَ فِي الْحِصَا ِّ غَيْرٌ مُبِيْنٍ ⊛
- وَجَعَلُوا الْمَلَّئِكَةُ الَّذِيْنَ هُرْ عِنْدُ الرِّحْنِي إِنَالًا · أَهَبِدُوْا غَلْقَهُرْ سَتُحْتَبُ هَهَادَتُهُ ( رَيُسَعَلُوْنَ ⊛
- وْقَا لُوْا لَوْهَاءَ الرَّحْمُنُ مَا عَبْدُنْهُرْ مَا لَهُرْ يِذْ لِكَ مِنْ عِلْمٍ \* إِنْ هُرْ إِلَّا يَخُرُمُونَ ﴿
- آ) أَنْنَاهُمْ كِنِنَا مِنْ قَبْلِهِ فَهُرْ بِهِ مُسْتَشِعُونَ ﴿
  اِلْمَا لُوا الْنَا رَجُونَا أَلْمَاتُونَا فَيُ أَيْدُ وَانَّا فَيْ أَلْهُو مُونَّدُونَ ﴿
  اللَّهُ لَوْ الْنَا رَجُونَا أَلْمَاتُونَا فِي أَيْدُ وَانَّا فِي أَلْهُو مُنْتُدُونَ ﴿
  - وَكَذَ لِكَ مَا اَرْسَلْنَا مِنْ قَبْلِكَ فِي قَوْيَةٍ مِّنْ نَدِيدٍ إِلَّا قَالَ مُثَوَّفُوهُمَا وإِنَّا وَجَدَثَا إِنِّا وَجَدَثَا إِنِّا أَيْنَا عَلَى أُمُّةٍ وْإِنَّا كَأَنَّ أَفْرِهِمْ
- قُلُ اَوَلُوْ جِنْتُكُمْ بِاهْدُى مِنَّا وَجَدَثَّرْ عَلَيْهِ الْبَاءَكُوْ، قَالِلًا الله المَّا أَرْسَلْتُمْ بِهِ كُفِرُونَ ﴿
  - فَانْتَقَمْنَا مِنْهُرْ فَانْظُرْ كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الْمُكَدِّبِيْنَ ﴿
  - وَإِذْ قَالَ إِثْرُ هِيْرُ لِآبِيهِ وَقَوْمِهِ إِنَّنِي بَرَّأَءٌ مِّمَّا تَعْبُدُونَ ﴿
    - إِلَّا الَّذِينَ فَطَرَنِيٛ فَإِنَّهُ سَيَهْدِيْنِ ⊛
    - وَجَعَلَهَا كَلِمَةً بَاقِيَةً فِي عَقِبِهِ لَعَلَّهُرْ يَرْجِعُونَ ﴿

- ১৯। বরং আমিট তাদেরকে এবং তাদের পিতপরুষদেরকে জীবনোপভাগ করতে দিয়েতি অবশেষে ভানের নিকটি আমল সভা একং সম্পটি
- কন। আৰু মধ্যন স্থানের নিজাই সভ্য আগল ভখন ভাবা বলল 'নাই। আদ নাক আছবা ভা অধীকার করছি।
- ৩১। এবং তারা বলে, 'এই কুরআন কেন অবতীর্ণ করা হল না দুই জনপদের কোন মধান বাজিব উপতঃ'
- es) তারা কি কোমার প্রতিপালকের দয়া বন্ধীন করের দনিয়ার জীবনে আমিট তাদের মাঝে তাদের জীবিকা বর্ণটন করেছি এবং তাদের কিছ লোককে কিছ লোকের উপর মর্যাদায় উমীত কবেছি যাতে ভাতের কিছ লোক কিছ লোককে সেবায় নিয়েজিত করতে পারে। আর ভারা হা জমা করে ভার तरह (जाशाह सफिसालरकर प्राप्त केंक्स)
- ৩৩। এবং যদি মানুষ (সভ্য প্রভ্যাখ্যানে) এক উত্মন্ত হয়ে যাবে এমন না হত তবে যাবা সহাময়কে অস্ত্ৰীকাৰ কৰে ভাষেৰ দাৰৰ ক্ষমা আহি অৱশাই বানিয়ে দিতাম বৌপ্যের ছাদ ও সিঙি, যার উপর ভারা আহোচণ করে-
- ৩৪। এবং ভাদের ঘরের জন্ম বানিয়ে দিতাম (ভৌপোর) দরলা ও পালক্স স্রাব উপৰ ভাৰা কেলান দেখ-
- ৩৫। এবং বর্ণের সাজসজন। এবং এসব কেবল দনিয়ার জীবনের ভোগসোমগ্রী। আর ভোমার প্রতিপাদকের নিরুট মুরারীদের জন্য ব্যবহত আধিবাদ। ৩৬। এবং যে ব্যক্তি দয়াময়ের যিকির (করআন) হতে অন্ধতে থাকে, আমি
- তার জন্য নিয়োজিত করি এক শয়তান অতঃপর সে-ট হয় তার সভচৰ। ৩৭। এবং নিশ্য ভারা (অর্থাৎ শয়ভানতা) অবশাই ভাদেরকে (সঠিক) পথ
  - হতে বিরত রাখে, অধ্য তারা (অর্থাৎ বিমুধ লোকেরা) মনে করে যে, ডারা সঠিক পথপার ৩৮। অবশেষে যখন সে (বিমুধ লোক) আমার নিকট উপস্থিত হবে তথন সে
  - (শরতানকে) বলবে, 'হায়, আমার ও ভোমার মাঝে যদি দই উদয়াচলের দরত থাকত।' অতএব সে কতেই না নিকট সহচব। ৩৯। বেহেতু তোমরা স্থালুম করেছিলে তাই আরু এটা (অর্থাৎ অনভাপ)
- তোমাদের কিছতেই উপকারে আসবে না কেননা তোমবা জিলহাই আছ়) শান্তিতে অংশীদাব। ৪০। তমি কি বধিরকে শোনাতে পারবে ভাগরা যে অন্ধ ও যে সম্পট পথপ্রষ্টতার আছে তাকে কি ডমি সঠিক পথ পদর্শন করাত পারারঃ
- ৪১। অতঃগর ধদি আমি তোমাকে নিয়েই ঘাই, তবুও আমি ভাদেরকে উচিত
- with five ৪২। অথবা যদি আমি তাদেরকে যে (শান্তির) জীতি প্রদর্শন করেভি ভা আমি
- তোমাকে প্রতাক করাই, তবে নিশ্বর আমি তাদের উপর ক্ষমভাবার।

بِلِّي مَتَّعْتُ مَهُ لَآءَ وَأَبَّاءَهُمْ حَتَّى جَاءَهُمُ الْحَقُّ وَرَسُولٌ مَّبِينَ ﴿ وَلَمَّا جَآءَهُرُ الْعَقَّ قَا لُوْا هٰذَا سِحْرٌ وَّإِنَّا بِهِ كُغُرُونَ ⊕

٣-سُرْرَةُ النَّشُرُ

- وَقَا لُوْ الوَ لَا نُزَّلَ هٰذَا الْقُوْ أَن كَى رَجُل مِّنَ الْقَوْ يَكَيْن عَظير @
- أهُرُ يَقْسَهُونَ رَحْمَتَ رَبِّكَ انْكُنُ قَسَمْنَا بَيْنَهُۥ مُعْيَشَتَهُ. \* غِي الْحَيْدِةِ الدُّنْسَا وَرَفَعْنَا يَعْضَهُمْ فَوْقَ يَغْضِ دَرَجْتِ لَّيَتَّحَدَّ بَعْفُهُرْ بَعْفًا سُخْرِيًّا ﴿ وَرَحْمَتُ رَبُّكَ هَيْهُ مِّمًّا
  - وَلَوْ لَآ إَنْ يُكُونَ إِلنَّاسُ أُمَّةً وَّإِحدَةً لَّجَعَلْنَا لَمَنْ يَّكُفُ
- بِا لرَّحْمِي لِبُيُوْ تِهِرْ سُقُفًا مِّنْ فَفَةٍ وَّمَعَا جَ عَلَيْهَا يَظُهَرُونَ ﴿ وَلَبُيُوْ تَمِرُ أَبُوابًا وَّسُرُ رَّا عَلَيْهَا يَتَّكُّونَ ﴿
- وَزُخُونًا وَإِنْ كُلُّ ذُلِكَ لَهَّا مَتَاعُ الْعَيْوةِ الدُّنْيَا وَالْأَخِرَةُ عنْدَ رَبُّكَ للْمُتَّقَيْنَ ﴿
- وَ إِنَّهُمْ لَيَمُدُّونَهُمْ عَنِ السَّبِيلِ وَيَحْسَبُونَ أَنَّهُمْ مُّهَدَّدُونَ ۞
- مَتَّى إِذَا جَاءَنَا قَالَ لِلَيْتَ بَيْنِي وَبَيْنَكَ بُعْدَ الْمَشْرِقَيْن فَبِئْسَ إِلْقَ بِيْنُ ⊛
- وَلَنْ يِّنْفَعَكُرُ الْيَوْمَ إِذْ ظُلَّمُتُرْ أَنَّكُرْ فِي الْعَدَابِ مُشْتَرِكُونَ ﴿
- إَفَآ نُتَ تُسْمِعُ | لَصَّرَّ أَوْتَهُدى الْعُثَى وَمَنْ كَانَ فِي ضَلَل مُّبيْن ⊛
  - فَامَّا نَذْهَبَنَّ بِكَ فَانَّا مِنْهُرْ مُّنْتَقَمُونَ ﴿
  - أَوْلُهِ يَنَّكَ الَّذِي وَعَدْنَهُرْ فَانًّا عَلَيْهِرْ مُّقْتَدرُونَ ۞

- ৪৩। সভরাং ভোমার প্রতি যা গুরী করা হয়েছে তা দচতাবে ধারণ কর। নিশ্চয় প্রতি সরল-সঠিক পাথ বায়ত।
  - ৪৪। এবং নিশ্বয় তা (করআন) তোমার ও তোমার সম্প্রদারের জন্য অবশাই উপদেশ এবং অচিবেট ভোয়াবা জিল্পাসিত হবে।
  - وَسُكُلُ مَنْ أَرْسَلُنَا مِنْ قَبْلِكَ مِنْ رُّسُلِنَا ۖ أَجَعَلُنَا مِنْ دُونَ عَجَالِهِ अर। जर चामि रजागत पूर्व जामात रा त्रव ताज्वारनदरक एवन करतिस्वाम তাদেরকে (অর্থাৎ তাদের অনুসারীদেরকে) ভয়ি জিল্ঞাসা কর আয়ি কি সন্মামনকে বাদ দিয়ে বহু ইলাহ বানিয়েছিলাম যাদের ইবাদত করা ল 7774
  - ৪৯: এক অরশাই আমি মসাকে আমাক নিদর্শনাক্রীসত ফিবআইন ও তাব পৰিষদবৰ্গের কান্তে প্রেরণ করেছিলাম, অভঃপর সে বলেছিল, 'নিক্ডর আমি অগৎসমূহের প্রতিপালকের বাসল।
  - ৪৭। অভ্যপত যখন সে ভাদের নিকট আমার নিদর্শনাবলীসহ আসল ভখন দোৱা দা ভিয়ে হাহি-হাটা করতে লাগল।
  - ৪৮। এবং আহি তাদেবকে এমন কোন নিদর্শন দেখাইনি যা ভার পর্ববর্তী जिल्लास्त करा का स्था अवर खावि जाकराक शास्त्र मित्र शांकराक কারটিলাম যাতে ভারা ফিরে আসলে পাবে।
  - ৪৯ আর (প্রতিবারই) তারা বলেছিল, 'হে জাদুকর! তোমার প্রতিপাদকের কাতে অমি আমানের জন্য দোষা কর ভোমার কাতে ডিনি লোষা कराया (व अफिलारि मिरायाचा (न चानशारी) काइरल निका स्थापनी जन्मारे क्षीज अध स्टब्स्स करते ।
  - ৫০। অতঃপর বধন আমি তাদের উপর থেকে শান্তি বিদরিত করেছি তথনই তারা প্রতিশাতি তক্ষ করেছে ।
  - ৫১। এক ফিল্ডোউন ভার সম্পদায়ের মধ্যে এই বলে ঘোষণা করেছিল যে. 'লে আমার সম্পানাম। হিসেবের রাজত কি আয়ার নম্বঃ আর এই নহবসমূহ আয়ার নিচে প্রবাহিত তবে কি তোমবা দেখ নাঃ
  - es: আমি কি এই বাজিব কোম শেষ্ঠ মই যে চীনং আৰু সে গৰ কমট ম্পট্টভাবে কথা বলতে পারে।
  - ক্র। ততে ক্রেম তার উপর অর্পথ করা হল না তর্গের বালা অথবা তার সাথে ফেরেশভারা কেন সঙ্গী হরে আসল মাঃ
  - ০৪। এজাতে সে তার সম্পদাহকে বোকা বানিয়ে দিল, ফলে তারা তার আনগত্য করন। নিক্ষয় তারা ছিল এক পাপাচারী সম্প্রদায়।
  - ০০। অভঃপর যথম ভারা আমাতে ক্রোধারিত করল তখন আমি তাদেরকে। ইচিত পাছি নিলায় এবং ভাষের সকলকে নিয়ন্ত্রিত করলাম-
  - ৫৬। জতঃপর আমি তাদেরকে বানালাম অতীত (ইতিহাস) এবং পরবর্তীদের 🚉 জন্য দুষ্টান্ত।
  - ৫৭। এবং যখন মারইয়াম-পুত্রকে দষ্টান্ত হিসেবে পেশ করা হল তথনই তোমার সম্পদায় ৩াতে পোরগোল আরম্ভ করে দিল,

فَاشْتَهْسَكُ بِالَّذِيُّ أُوْحِيَ الَّيْكَ النَّكَ عَلَى صَاطَهُسْتَقْيْر ⊛ وَإِنَّهُ لَذِكْمٌ لَّكَ وَلَقَوْمِكَ، وَسَوْنَى تُسْتَلُونَ @

المُّحْمِنِ الْهَمَّةِ يُعْبَدُونَ شَ وَلَقَدُ ٱرْسَلْنَا مُوْسَى بِأَيْتِنَآ إِلَى فِي عَوْنَ وَمَلَا لِهِ فَقَالَ إِنَّيْ

رَسُوْلُ رَبِّ الْعُلَمِيْنَ هِ فَلَمًّا جَاءَهُرْ بِأَيْتِنَا إِذَا هُرْ مِّنْهَا يَشْحَكُونَ ﴿ وَمَا نُرِيْهِمْ مِنْ أَيَّةِ إِلَّاهِيَ آكُبُ مِنْ أَكْتِهَا وَآكَدُنْهُمْ

بِالْعَدَابِ لَعَلَّمُ \* يَدْجِعُونَ هِ وَقَا لُوْا يَا يُّهُ السَّحِّ ادْعُ لَنَا رَبَّكَ بِمَا عَهِدَ عِنْدَكَ ؛ إِنَّنَا لَمُهُتَدُونَ هِ

فَلَمًّا كَشَفْنَا عَنْهُرُ الْعَذَابَ إِذَا هُرْ يَتْكُتُونَ @

وَنَادٰى فِهْ عَوْنُ فِي قَوْمِهِ قَالَ لِنْقَوْمَ إِلَيْسَ إِيْمُلْكُ مِصْ وَهٰدِهِ الْأَنْهُ تُجُي مِنْ تَحْتِيْ الْفَلَا تُبْمُ وْنَ أَهِ

أَا أَنَا غَيْرٌ مِّنْ هَٰذَا الَّذِي هُوَ مَهِيْنٌ مُوَّلًا يَكَادُ يُبِينُ ﴿

فَلَوْ لِآ ٱلْقَيَ عَلَيْهِ ٱشْوِ رَقَّمَّنْ ذَهَبِ ٱوْجَاءَ مَعَهُ ٱلْمَلَّتُكَةُ

فَاشْتَحَتَّ قَوْمَهُ فَاطَاعُوْهُ ﴿ إِنَّهُرْ كَانُوْ ﴿ قَوْمًا فُسِقِيْنَ ۞

فَلَمَّا أَسَفُوْنَا اِنْتَقَمْنَا مِنْهُرْ فَأَغْرَقْنُهُرْ ٱجْمَعَيْنَ ﴿ فَجَعَلْنُهُمْ سَلَقًا وَمَثَلًا لَّلْأَخِرِينَ ﴾

وَلَمَّا ضُوبَ ابْنُ مَوْيَرَ مَثَلًا إِذَا قَوْمُكَ مِنْهُ يَمِدُّونَ ﴿

- १४। अतः रतनः 'खाशास्त्र देशासकाता (कारा सखान विस्तात (कारानामाता) উত্তম নাকি সে (থাকে উপাস্য বানিয়েছে নাসারারা)৮' ভারা কেবল বিদ্যাবির দীয়েলগাই পোয়ার জন্ম সা পেল করছে। রবং ভারা এক विकासकारी प्रभावात
- ০৯: সে আয়ার এক বান্দা থায়া আর কিছ নায় (অর্থাচ টেপায়া ক্রথচার যোগা নয়), যার উপর আমি নেয়ামত দান করেছিলাম একং তাকে वानिरयधिनाध वर्ती देशवांप्रतान करा (धाधात कारताव दिल्ला अक) দেউছে। জ
- ৬০। আৰু যদি আমি ইচ্ছা কৰতাম ভাবলে অৰণাই ভোমাদৰ মধ্য খোল ফেবেশভাদেকক পথিবীতে প্রতিনিধি বান্যতাম (এবং এরাও ভোমাদের মত্ত জামাৰ বাহ্ন)।
- ৬১। আর নিশ্চর সে (ঈসা) অবশাই কিয়ামতের জন্য একটি জান, সভরাং তোমবা ভাতে (কিয়ামতে) সন্দেহ কৰো না এবং আমাৰ (পথ) অনসকা কর। এটাই সরজ-সঠিক পঞ্চ।
- ৬১। শহতান যেন ভোয়াদেবকে তথনো (এ পথ থেকে) বিবস্ত না বাখে নিক্ত সে তোমালের অন্য সম্পন্ত শক্ত। ৬৩। আর হখন টুসা স্পর্ট প্রমাণাদিসত এসেডিল তখন সে বালচিল
- 'অৰশাই আমি সোমানের নিত্তট এলেছি প্রভালত এক সোমলা যে বিষয়ে মতপাৰ্থকা কবছ তাব কিচ স্পষ্ট কবে দেৱাৰ জন্ম সতবাং মোমবা আলাহাক সহ কর এবং আহার আহগ্যতা কর।
- ৬৪: নিশ্বর আলাইই আমার প্রতিপালক এবং তোমালেরও প্রতিপালক. অতএব ভোমৰা তাঁৰ ইবালত কৰ। এটিই সবল-সমিক পথ।"
- ৬৫। অতঃপর তাদের মধ্য থেকে বিভিন্ন দল মতপার্থকা করল, সতরাং যারা জলম করেছে তাদের জন্য রয়েছে যম্মণাদায়ক নিনের শান্তির দর্ভোগ।
- আসার, এমন অবস্থায় যে ভারা টেবও পাবে নাঃ
- ৬৭। বছরা সেদিন হয়ে পড়বে একে অপরের শক্রু, মুরাকীরা ছাডা।
- ৬৮। হে আমার বান্দারা। আঞ্জ তোমাদের কোন ভয় নেই এবং ভোমরা দক্ষিমাগম্প করে না
- ৬৯। যারা আমার আয়াতসমত্তর উপর ঈমান এনেছিলে এবং ছিলে মসলিয়,
- ৭০। তোমবা এবং তোমাদেব সঙ্গী/সঙ্গিনীয়া সানকে জানতে প্রারেশ কব।
- ৭১। তাদেরকে যরে যরে পরিবেশন করা হবে সোনার থালা ও গ্রাস, এবং সেখানে তা-ই বয়েছে যা মন কামনা করে এবং যাতে নয়ন ভঞ্জ হয় এবং সেখানে ভোছবা স্বায়ী হবে।
- ৭২। এবং এই সেই জানাত, যার উত্তরাধিকারী করা হয়েছে তোমাদেরকে তোমবা যা কৰতে তাৰ কাবংগ।

وَقَا لُوْٓا عَ الْهَتُنَا خَيْدٌ آا هُو عَمَاضَ بُوهُ لَكَ الْآجِلَ لَا عَلَى هُوْ قَوْ اَ خَصِيُونَ ؈ إِنْ هُوَ الَّا عَبْدُ ٱلْعَمْنَا عَلَيْهِ وَهَعَلْنَهُ مَثَلًا لَّبَنِيُّ اللَّهِ أَءِيْلَ ﴿

وَلَوْ نَشَآءُ لَجَعَلْنَا مِنْكُرُ مُّلَّتُكَةً فِي الْأَرْضِ يَخْلُفُوْنَ⊕

وَانَّهُ لَعِلْمِ للسَّاعَةِ فَلَا تَمْتَرُنَّ بِهَا وَاتَّبِعُونِ ﴿ هَذَا مِرَاطًّ

وَلا يَمُدَّنَّكُمُ الشَّيْطُ، إنَّهُ لَكُمْ عَدُوَّ مَبْيَّ ۞

وَلَمَّا جَاءَ عَيْسُ بِالْبَيِّلْ قَالَ قَدْ جِئْتُكُرُ بِالْحِكْمَةِ وَلا بَيِّنَ لَكُرْ بَعْضَ الَّذِي تَخْتَلِفُونَ فِيهِ ، فَاتَّقُوا اللَّهَ وَاطِيعُونِ ا

انَّ اللهَ هُوَ رَبَّيُ وَرَبَّكُرُ فَاعْبُدُوْهُ اهْذَا صَ الْمُّمْتَقَيْرٌ ﴿

فَاكْتَلَفَ الْآكْرَ إِبُ مِنْ بَيْنِهِ \* وَوَيْلٌ لِّلَّذِيْنَ ظَلَّمُوا مِنْ عَدَاب يَوْ الْمِيهِ هَلْ يَنْظُرُونَ إِلَّا السَّاعَةَ أَنْ تَأْتِيَهُرْ بَغْتَةً وَّهُرْ لَا يَشْعُهُ وْنَ ⊕ MAI দাবা বি বেবল অপেকা ব্যাস দাদের ব্যাস আক্রিকানার বিরাজন

ٱلْاَعْلَاءُ يَوْمَنْدِ بَعْفُهُمْ لِبَعْضِ عَدُوًّ إِلَّا الْمُتَّقِيْنَ ﴿

يعبَاد لَا عَوْ نْ عَلَيْكُرُ الْيَوْ أَوْلَا أَنْتُرُ تَحْزَنُونَ ﴿ الذين امَنُوا بايتنا وكَانُوا مُسلمين ٥

أَدْخُلُوا الْجَنَّةَ أَنْتُرْ وَآزُوَاجُكُرْ تُحْبُرُونَ @

يُطَانُ عَلَيْهِرْ بِمِعَانِ مِّنْ نَهَبِرُّ آكُوَ إِبِ وَفَيْهَا مَا

تَشْتَهِيْهِ إِلْإِنْفُسُ وَتَلَكَّ إِلْاعْيُنُ وَإِنْتُرْ فِيْهَا خُلدُونَ ٥

- ৭০। সেখানে ভোমাদের জন্য রয়েছে অনেক ফল-মল, ভা থেকে ভোমবা
- ৭৪। নিশ্যর অপরাধীরা জাহামায়ের শান্তিকে স্বামী করে-
- ৭৫। তাদের শান্তি লাহর করা হবে না এবং সেখানে ভারা হার হালাশালত
- ৭৬। এবং আমি তাদের প্রতি জনম করিনি, বরং তারাই ছিল জালিম।
- ৭৭। এবং তারা চিৎকার করে ভেকে বলকে 'তে মালিক।<sup>®</sup> লোমার প্রক্রিপালক
- যেন আহ্বাদের হাত্তা প্রটায়।' মে বলারে 'মোহনা এনাকেই প্রাক্তার
- ৭৮: অবশ্যই আমরা (ফেরেশতারা) তোমাদের কাড়ে<sup>®</sup> সভা নিখে (ভটী নিছে) এসেছিলায় কিন্তু সোয়াদের অধিকাংশই চিল্লে সানা অঞ্চলকারী।"
- ৭৯। তাবা কি একটি বিষয় চড়ান্ত করে ফেলেছে? ভাহলে আমিও <u>फलसकावी</u>।
- ৮০। তারা কি মনে করে যে, আমি তাদের গোপন বিষয় ও ভালের গোপন পরামর্শ খনিনাঃ হাঁয় অবশ্যই (খনি), এবং আমার রাসলরা (কারশ্বারা) আছের আছে গোরেই জিলাছ।
- b) বল, 'দয়াময়ের যদি কোন সমান থাকত ভারণে প্রায়িট হসায় সার প্রথম ইবাদ্সকারী ' ৮২, তারা (আরাহ সম্পর্কে) যে ৩৭ বর্ণনা করে তা থেকে আকাশসমহ ও
- পথিবীর প্রতিপালক এবং আরশের অধিপত্তি পরিত্র। ৮৩ - অভাবে ভাদেবকৈ যে দিনের প্রতিক্ষতি দেয়া চাহাছ ভার সম্মালীন হওয়া
- পর্যন্ত তমি তাদেরকে অন্তর্থক কথায় ও খেলায় লিপ্ত থাকতে দাও।
- ৮৪। আর তিনিই এক ইলাহ আকাশে এবং তিনিই এক ইলাহ পৃথিবীতে এবং তিনি মহাপ্রজাবান ও সর্বজানী।
- ৮৫। এবং বরকতময় তিনি, আকাশসমূহ ও পৃথিবী এবং উভয়ের মাথে সব কিছর রাজত যার, এবং কিয়ামাতের জ্ঞান তাঁর কাছেই আছে এক আঁতে দিকে তোমাদেরকে ফিরিয়ে দেয়া হবে। ৮৬ আলাহকে বাদ দিয়ে তারা যাদেরকে ভাকে করা সপারিশের অভিজানী
- হবে না, তবে যারা জেনে-বব্ধে সভোর সাক্ষা দেয় ভাষা ছালা।
- ৮৭। আর যদি তুমি তাদেরকে প্রিক্সাসা কর, 'কে তাদেরকে সৃষ্টি করেছেন্ড' অবশ্যই অবশ্যই তারা বলবে, 'আল্লার্'। সুতরাং কিভাবে তালেরকে বিপ্রান্ত করা হাজেঃ ৮৮। তার (অর্থাৎ রাদুদের)- 'হে আমার প্রতিপালক'- ফার রুদ্ম, নিভয়, L
- এরা এমন এক সম্পদায় যারা উন্নান আনার না। ৮৯। সুকরাং তুমি তাদেরকে উপেক্ষা কর এবং বল, 'সালাম' (বিদায়)। । অতঃপর অচিরেই ভারা ঞানতে পারবে। মিহিল্ড স্থানের দীকা সূরা নং ; আয়াত নং অনুসারে তরভানার শেষে দেখন

- لَكُرْ فَيْهَا فَاكَهَٰذٌ كَثَيْرَةٌ مِّنْهَا تَأْكُلُونَ ﴿ انَّ الْمُجُومِيْنَ فِي عَذَابِ جَهَنَّرَ خُلدُوْنَ ۖ
- لَا يُفَتُّ عَنْهُ أَ وَهُمْ فَيْدُمُبْلُسُونَ فَي وَمَا ظَلَمْنُهُ وَلَكُنْ كَانُوا هُو الظُّلَمِينَ ﴿
- وَنَادَوْا يُمِلْكُ لِيَقْضِ عَلَيْنَا رَبُّكَ،قَالَ إِنَّكُمْ مُّكُبُّونَ ﴿
  - لَقَدْ جِئُنكُرْ بِالْعَقِّ وَلَكِنَّ أَكْتَرَكُرْ لِلْحَقِّ لِمُوْنَ ۞ أَا أَنْ مُوا أَمْرًا فَانَّا مُبْرِمُونَ ٥
- آ أَيْ شَبُوْنَ إِنَّا لَانْسَمَعُ سِأْهُمْ وَنَجُو لِهُمْ بَلَي وَرُسُلُنَا
- لَدَيْهِ يَكْتُبُونَ ₪ قُلُ إِنْ كَانَ لِلَّهُ هُمْ وَلَدُّ الْفَالَا أَوَّلُ الْغُبِدِينَ ﴿
- سُبْطَىَ رَبِّ السَّاوٰ تِ وَالْإَرْضِ رَبِّ الْعَرْضِ عَمًّا يَمَقُوْنَ ۞ فَذَرْهُرْ يَخُوْمُوْا وَيَلْعَبُواْ حَتَّى يُلْقُوْا يَوْمَهُرُ الَّذَيْ
- يه عدون ۾ وَهُوَ الَّذِي فِي السَّمَآءِ إِلٰهٌ وْفِي الْأَرْضِ إِلٰهٌ وَهُوَ الْعَكِيْرُ الْعَلَيْهُ ۞
  - وَتَبِ كَ الَّذِيْ لَهُ مُلْكُ السَّمُوتِ وَالْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَاء وَعَنْدَهُ عَلْمُ السَّاعَةِ وَالَّيْهِ تُوْجَعُوْنَ ۞ وَلاَ يَمْلِكُ الَّذِيْنَ يَدْعُوْنَ مِنْ دُوْنِهِ الشَّفَاعَةَ إِلَّا مَنْ شَهِدَ
    - بِالْحَقِّ وَهُمْ يَعْلَمُونَ @ ِ وَلَئُنْ سَاَ لُتَهُيْ مَّنْ خَلَقَهُمْ لَيَقُوْ لَنَّ إِللَّهُ فَاَ تَّى يُؤْفَكُونَ ⊛
      - وَقَيْلِهِ بِرَبِّ إِنَّ هُو لَآء قَوْمٌ لَّا يُؤْمِنُونَ ﴿

### ٣-سُوْرَةُ الدُّهَانِ

৪৪. স্রাআদ-দুখান, মাকী

অসীম দুয়াময় ও পরম দুয়ালু আল্লাহুর নামে

- ১। তা-মীম।
- ২। কমম সম্পন্ত কিতাবের।
- লিচয় আমি এটি অবতীর্ণ করেছি এক বরকতময় রাতে, নিচয় আমি
  সস্তর্কারী।
- ৪। তাতে (এ রাতে) পৃথক করা হয় প্রতিটি প্রক্রাময় বিষয়-
- আমার নির্দেশক্রমে, নিশ্বর আমি (রাসুল) প্রেরণকারী.
- ৬। তোমার প্রতিপাদকের পক্ষ থেকে দয়া স্বরূপ: নিক্তর তিনিই সর্বপ্রোতা
- যদি আকাশসমূহ ও পৃথিবী এবং উতত্তের মাথে যা আহে তার প্রতিপালক- যদি তোমরা নিশ্চিত বিশ্বাসী হও।
- ৮। তিনি ছাঞ্জা কোন ইলাছ নেই, তিনি জীবিত করেন এবং মৃত্যু ঘটান। তিনি তোমাদের প্রতিপালক এবং তোমাদের পূর্বপুরুষদেরও প্রতিপালক।
- ১। বরং তারা সন্দেহের বশবর্তী হয়ে খেলায় ময়ৣ।
- ১০। অতএব তুমি অপেকা কর সেই দিদের যেদিন আকাশ সুস্কাই ঘোঁরাজন্ত্র হয়ে আনবে-
- ১১। আবৃত করে ফেদবে মানুষকে। এটা এক যহ্রণানাহক শান্তি।
- ১২। (তখন তারা কাবে) 'হে আমানের প্রতিপালক। আমানের কাই থেকে শাস্তি নত করনে, নিশ্বর আমরা ম'মিন।'
  - ১৩। তারা কি করে উপদেশ গ্রহণ করকে, যথন তাদের নিকট এসেছে সুস্পট এক বাসণ-
- এক রাস্প-১৪। একপর ভারা ভার থেকে মথ ফিরিয়ে নিয়েছে এবং বলেছে, "সে (ভাইনক

ব্যক্তি দ্বারা) শিক্ষাপ্রাপ্ত<sup>\*</sup> ও পাগলঃ

- ১৫। মিশ্চয় আমি সামান্য (সময়ের জন্য) শান্তি দূর করব, নিশ্চয় তোমরা (তোমানের পর্ববিশ্বায়) ফিরে যাবে।
- ১৬। যেদিন আমি ভোমাদেরকৈ প্রকাভাবে পাকড়াও করব, (তথন) নিকর আমি মৈচিত শামি দিব।
- ১৭। আর অবশ্যই এনের পূর্বে আমি ফিরআউন সম্প্রদায়কে পরীকা ক্যবভিগাম এবং তাদের কাছেও এনেছিল এক সম্মানিত রাসল-
- ১৮। (সে বলেছিল) 'আল্লাহর বান্সাদেরকে আমার নিকট দিয়ে দাও। নিকয় আমি জোমাদের জন্য এক বিশ্বস্ত প্রাস্থল-

اَيَاتُهَا -٥٥، رَكُومَاتُهَا ءُ بِسُور اللهِ الرَّحُمُنِ الرَّحِيْدِ

مْرَ ۚ وَالْكُتُبِ الْمُبِينِ فَ

٣٣-سُورٌ قُ الدُّخَانِ - مِكْمَةُ

إِنَّا آنْزَلْنَهُ فِي لَيْلَةٍ مَّبْرِكَةٍ إِنَّا كُنَّا مُثْدِرِيْنَ ⊙ فِيْهَا يُفْرَقُ كُلِّ آمْ, كَكِيْرٍ أَنْ

. أَمْرًا مِّنْ عِنْدِ نَا : إِنَّا كُنَّا مُرْسِلِيْنَ ۞ رَحْمَةً مِّنْ رَبِّكَ : إِنَّا كُنَّا مُرْسِلِيْنَ ۞

رَبِّ السَّنَوْتِ وَالْاَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا - إِنْ كُنْتُر مُّوْقِيْنَ ۞

لَاإِلٰهَ إِلَّاهُو يُحْبُ وَيُمِيْتُ ، رَبُّكُمْ وَرَبُّ أَبَالِكُمُ الْأَوَّ لِيْنَ ۞ بَلُ هُمْ فِيُ هَكِّ يَلْكَبُونَ ۞

فَا (ثَقَبْ يَوْ) تَأْتِي السَّمَّاءُ بِدُخَانٍ مَّبِيْنٍ ﴿

رَبَّنَا اکْفِفْ عَمَّا الْفَدَابَ إِنَّا مُؤْمِنُونَ۞ أَثَّى لَهُرُ الذِّكْرِٰى وَقَدَّجَاءَهُر رَسُوْلٌ مُّغِيْنٌ۞ تُرَّ تَوَلَّوْا عَنْدُوقًا لُوْامُعَلِّيْ حَجَّدُونٌ۞

إِنَّا كَاشِفُوا الْعَذَابِ قَلِيلًا إِنَّكُرْ عَالَدُونَ وَ يَوْ اَنْبُطِشُ الْبَطْفَةَ الْكُبْرِى ؛ إِنَّا مُنْتَقَبُونَ ۞

وَلَقَنْ فَتَنَّا قَبْلَهُمْ قَوْمَ فِرِعَوْنَ وَجَاءَهُمْ رَسُولٌ كَوِيْرٌ ﴿

3. সূরা আদ-দুখান	পারা-২৫	٣٣-سُوْرُ أَوُّ اللَّبُفَانِ
১৯। এবং তোমরা আল্লাহর বিরুদ্ধে উদ্ধৃত হয়ো না। নিশ্চর নিকট উপস্থিত করছি সুম্পন্ট প্রমাণ।	অমি ভোমাদের	وَّأَنَ لَا تَعْلُوا عَلَى اللهِ وَإِنِّي إِتِيْكُرُ بِسُلْطِي مَّبِيْنِ ﴿
২০। আর তোমরা বাতে আমাকে পাথর নিক্ষেপ করতে না ও আমি আমার প্রতিপালক ও তোমাদের প্রতিপালকের অ		وَ إِنِّي عُدْتُ بِرَبِّي وَرَبِّكُرْ أَنْ تَرْجُمُونِ ﴿
২১। আর যদি তোমরা আমার উপর ঈমান না-ই আন, গ থেকে পুথক থাক।	তবে আমার কাছ	وَإِنَّ لَّرْ تُؤْمِنُوا إِنْ فَاعْتَزِ لُوْنِ ﴿
২২। অতঃপর সে (মূসা) তার প্রতিপালককে আহ্বান করে অপরাধী সম্প্রদায়।	ং বলেছিল, 'এরা	فَدَعَا رَبُّهُ أَنَّ هَوُ لَآءَ قَوْمٌ مُجْرِمُونَ ﴿
২৩। (আমি বলেছিলাম) 'ভাহলে ডুমি আমার বান্দাদেরকে হয়ে পড়, নিক্তয় তোমাদের পক্ষান্ধাবন করা হবে-	নিয়ে রাতে বের	فَاشْرِ بِعِبَادِيْ لَيْلًا إِنَّكُمْ مُّتَّبَعُوْنَ ﴿
২৪। আর সমুদ্রকে স্থির থাকতে দাও। দৈক্য তারা এমন নিমজিত হবে।	এক বাহিনী যায়া	وَاثْرُكِ ٱلْبَهْرَ رَهْوًا ﴿ إِنَّهُمْ جُنْدٌ مُّقْرَقُونَ ۞
২৫। তারা পিছনে রেখে পিয়েছিল কতই না বাগান ও কর্ণা-		كَيْرُ تَرَكُوْا مِنْ جَنِّي وْعُيُوْنٍ ﴿
২৬. এবং শদ্যক্ষেত্র ও আকর্ষণীয় স্থান-'		وَّ زُرُوْعِ وَّمَقَا } كَرِيْسٍ ﴿
২৭। এবং বিলাস-উপকরণ যাতে তারা আনন্দ পেত-		وْنَعْهَة كَانُوْ( فَيُهَا فَكُهِيْنَ ۞
২৮। এরপই (ছিল ভাদের পরিণতি)। এবং আমি এঙলে করেছিলাম অন্য সম্প্রদায়কে।	ার উত্তরাধিকারী 🖟	كَذْ لِكَ سَ وَآوُرَ ثُلْهَا قَوْمًا أَخَرِيْنَ ﴿
২৯। অতঃপর আকাশ ও পৃথিবী কেউই তাদের জন্য অঞ্চ তাদেরকে অবকাশও দেয়া হয়নি।	গাত করেনি এবং ্র	فَمَا بَكَثَ عَلَيْهِرُ السَّمَاءُ وَالْأَرْضُ وَمَا كَانُوا مُنْظَرِيْنَ
৩০। আর অবশ্যই আমি উদ্ধার করেছিলাম বনী ইসরাঈল	কে লাঞ্জনাদাক	2 1 Th (55% - 51 P1, 7 - 1-12 155-

৩১। কিরআউনের। নিশুর সে ছিল সীমালজনকারীদের মধ্য থেকে উভ্তন্ত।

৩২। আর অবশাই আমি ফেনে-বুঝেই ভাদেরকে (বদী ইসরাঈলকে) অগৎসমহের (মানবজাতির) উপর মনোনীত করেছিলাম। ৩৩। এবং তাদেরকে দিয়েছিলাম নিদর্শনাবলী, যাতে ছিল সুস্পন্ত পরীক্ষা।

৩৪। নিশ্চর এরা (মুশরিকরা) অবশাই বলে-

৩৫। 'আমাদের প্রথম মৃত্যু ছাড়া আর কিছুই নেই এবং আমরা পুনর্জীবিত হব না

৩৬। যদি তোমরা সভাবাদী হও তবে আমাদের পিতৃপুরুষদেরকে উপস্থিত

কর। ৩৭। উত্তম কি এরা, নাকি তুকা<sup>\*</sup> সম্প্রদায় ও তাদের পূর্ববর্তীরাঃ ধ্বংস করেছিলাম আমি তাদেরকে , নিশুর তারা ছিল অপরাধী।

৩৮। আমি আকাশসমূহ ও পৃথিবী এবং উভয়ের মাঝে কোন কিছুই ধেলাজ্ঞলে সঙ্কি করিনি।

وَلَقَدُ نَجَّيْنَا بَنِي اشْوَاءِيْلَ مِنَ الْعَذَابِ الْمَهِيْنِ ﴿ مِنْ فَرْعَوْنَ - إِنَّهُ كَانَ عَا لِيًّا مِّنَ ٱلْمُشْرِ فَيْنَ ﴿ وَلَقَدِ اخْتَرْنُهُ رَعَلَى عِلْمٍ عَلَى الْعُلِّمِينَ ٥

> الله هُوُ لَآء لَيَقُوْ لُوْنَ ﴿ انْ هِيَ الَّا مَوْ تَتُنَا الْأُوْلِ وَمَانَكُنَّ بِمُنْشَرِيْنَ ﴿ فَا تُوْا بِأَبَّالِنَآ إِنْ كُنْتُرْ صِعْفِينَ ﴿

وَ الْتَيْنَاهُرُ مِّنَ الْالْبِ مَا فِيْهِ بَلَّوُّ الَّمِينَّ @

إَهُرْ خَيْرٌ أَمَّ قَوْمٌ تُبِّعِ ، وَالَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِرْ · أَهْلَكُنْهُرْ · إِنَّهُرْ كَا نُوْا مُجْرِمِيْنَ @ وَمَا غَلَقْنَا السَّمُوٰتِ وَالْأَرْضَ وَمَا بَيْنَهُمَا لَعِبِيْنَ @

চিহ্নিত স্থানের চীকা সূত্র নং ; আয়াত নং অনুসারে তরভাষার শেষে দেখন

৪৪. সুৱা আদৃ-দুখান পারা-	٣٣-سُورَةَ الدُّمَانِ ٩٥
৩৯। আমি এ দুটি অহথা সৃষ্টি করিনি, কিছু ভাদের অধিকংশই জানে না।	مَا خَلَقْنُهُمْ ٓ إِلَّا بِالْعَقِّ وَلَكِنَّ أَكْثَرَهُرُ لَا يَعْلَمُونَ ﴿
৪০। শিশুর ফয়সালার দিনা তাদের সকলের নির্ধারিত সময়-	إِنَّ يَوْاَ الْفَصْلِ مِيْقَا تُهُرْ اَجْمَعِيْنَ ﴿
৪১। যেদিন এক বছু অপর বছুর কিছুই কাজে আসবে না এবং তাদেরকে । সাহায়াও করা হবে না-	يَوْ ﴾ لَا يُغْنِيْ مَوْلً عَنْ مُولً شَيْئًا وَّلَا هُرْ يُنْصَرُونَ ﴿
৪২। আল্লাহ্ যার প্রতি দরা করবেন তাকে ছাড়া। নিশুর তিনিই মহাপ্রতাপশালী ও পরম দয়াল।	إِلَّامَنْ رَّحِرَ اللهُ وإِنَّهُ هُوَ الْعَزِيْزُ الرَّحِيْرُ ﴾
৪৩। শিশুর যাকুম বৃক্ষ হবে-	إِنَّ شَجَرَتَ الزَّ قُرْا ﴿
৪৪। পাণীর খাদ্য,	طَعَامُ الْآثِيْرِ 🗟
৪৫। ফুটন্ত তেলের মত তাদের পেটে উথলাবে-	كَالْمُهْلِ ۚ يَغْلِيْ فِي الْبُطُونِ ۞
৪৬। উত্তপ্ত পানির উৎসানের মত।	كَفَلْي الْعَمِيْدِ €
৪৭। ডাকে ধর এবং টেনে নিয়ে যাও তীব্র আগুনের মাঝখানের নিকে-	كُذُونُهُ فَاعْتِلُونُهُ إِلَى سَوْآءِ الْجَحِيْرِ اللهِ
৪৮। এরপর তার মাধার উপর চেলে দাও উত্তও পানির শান্তি।	ثُرُّ مُبُّوا فَوْقَ رَأْسِهِ مِنْ عَذَابِ الْعَمِيْرِ ﴿
8৯। (বলা হবে) 'স্থাদ গ্রহণ কর, নিশ্চর তুর্নিই (ছিলে) সম্মনিত ও অভিয়ন্ত।	ذُقْ اللَّهَ الْعَزِيْرُ الْكَرِيْرُ الْكَرِيْرُ (
৩০। মিশ্চয় এটি তাই, যে বিষয়ে ভোমরা সন্দেহ করতে।'	إِنْ هٰذَا مَا كُنْتُرْ بِهِ تَمْتُرُونَ ﴿
৫১। দিশুর মুব্রাকীরা থাকবে নিরাপদ স্থানে-	إِنَّ الْمُتَّقِيْنَ فِي مَقَارٍ آمِيْنٍ ﴿
৫২। বাগান ও ঝর্ণাসমূহের মাঝে-	فِيْ جَنْتٍ وَّعُمُونٍ ﴾
৫৩। তারা মুখোমুখী হয়ে মিহি ও পুরু রেশমী পোশাক পরে থাকবে-	يَّلْبَسُونَ مِنْ سُنْدُسٍ وَّ إِسْتَبْرَقِ مُّتَقْبِلِيْنَ ۖ
<ul> <li>৫৪। এরপই (হবে মুন্তার্কীদের প্রতিদান)। এবং আমি তাদেরকে ভাগর নয়না চরদের সাধে বিয়ে দিব।</li> </ul>	كَذْ لِكَ سُ وَزَوَّجْنُهُ رِيحُورٍ عِيْنٍ ﴿
<ol> <li>পেশানে তারা নিশ্চিত্ত প্রত্যেক (প্রকার) ফল-যুদ আনতে বলাবে।</li> </ol>	يَدْعُونَ فِيْهَا بِكُلِّ فَاكِهَةِ أُمِنِيْنَ ﴿
৫৬। সেখানে তারা আহানন করবে না মৃত্যু, প্রথম মৃত্যু ছাড়া, এবং তাদেরকে তিনি রক্ষা করবেন তীব্র আগুনের শাস্তি থেকে-	لَا يَذُوْقُونَ فِيهَا الْمَوْتَ إِلَّا الْمَوْتَةَ الْأُولَى ، وَوَقَهُمْ عَذَابَ
৫৭। তোমার প্রতিপালকের শক্ষ থেকে অনুগ্রহ যরূপ। এটিই মহাসাফল্য।	الْبَحِيْرِ ﴾ فَفْلًا مِّنْ رَّبِّكَ ذَلكَ هُوَ الْقَوْزُ الْعَظِيرُ ﴾
৫৮। আর আমি তো তোমার ভাষায় এটিকে (কুরআনকে) সহজ করে নিরেছি, মানত ভারা উপদেশ এরণ করতে পারে।	
৫৯। সূতরাং ভূমি প্রতীক্ষা কর, তারাও প্রতীক্ষমান।	فَارْتَقِبْ إِنَّمْرُ مُرْتَقِبُونَ۞

### 8৫. সূরা আল-জাহিয়া, মাকী

<u>%ে ৃ</u> অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আল্লাহর নামে

- ১। হা-মীম।
  - এ কিতাবের অবতারণ মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রজাবান আল্লাহর পক্ষ প্রাক্ত।
  - নিকয় আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে অবশ্যই নিদর্শনাকনী রয়েছে মু'য়িনদের জন্ম।
  - ৪। এবং ভোমাদের সৃষ্টিতে এবং যে সব জীব-জন্ম তিনি ছড়িয়ে দেন তাতে নিদর্শনাবলী রয়েছে এখন সম্প্রদায়ের জন্ম যারা নিষ্ঠিত বিশ্বাস করে-৫। এবং য়াত ও দিনের আবর্তনে এবং জাল্লান্ত আকাশ থেকে যে রিহিক
  - (বৃষ্টি) অবতীর্ণ করেন অতঃগর তা স্কারা ভূমিকে জীবিত করেন এর মৃত্যুর পর- তাতে এবং বায়ুর পরিবর্তনে নিদর্শনাবলী রয়েছে এয়ন সম্মান্তের জন্য যারা অনুধাবন করে।
  - ৬। এওলো আয়াহর আয়াত, বা আয়ি ভোয়ার নিকট সতাসহ পাঠ করছি, সূতরাং আয়াহ এবং তাঁর আয়াতসমূহের পরে তারা আয় কোন কথায় ঈয়ান আনবেঃ
- ৭। দুর্ভোগ প্রত্যেক পাপীষ্ঠ মিখ্যাবাদীর জন্য-
- ৮। যে আল্লাহ্র আয়াতসমূহ প্রবণ করে যা তার নিকট পাঠ করা হয়, এরপর অহকেরী হয়ে অটল থাকে যেন দে তা পোনেইনি, সুতরাং তাকে সুসংবাদ দাও য়য়্রণাদায়ক শান্তির।
- ১। এবং যখন সে আমার কোন আয়াত অবগত হয় তখন সে তা গ্রহণ করে উপহাস হিসেবে। ওয়াই তারা খাদের জন্য রয়েছে লাঞ্ছুনাদায়ক শান্তি।
- ১০। তাদের সামনে রয়েছে জাহান্নাম এবং তারা মা অর্থন করেছে তা তাদের কিছুই কাজে অংসাবে না এবং তারা আল্লাহকে বাদ দিয়ে যাদেবকে অভিভাবক হিসাবে এহণ করেছে তারাও না। এবং তাদের জন্য রয়েছে মহাশান্তি।
- ১১৷ এটি (কুরআন) পর্থনির্দেশিকা, আর যারা তাদের প্রতিপালকের টি আয়াতসমূহ অধীকার করে তাদের জন্য রয়েছে নিকৃষ্ট যন্ত্রপালারক
- ১২। আল্লাইই সমুদ্রকে তোমাদের কল্যাণে নিয়েজিত করেছেন যাতে তাঁর নির্দেশে ততে নৌযানসমূহ চল্যাচন করতে পারে এবং যাতে তোমরা তাঁর অনুধ্রহ থকে তালাশ করতে পারে এবং যাতে তোমরা প্রকাশ করতে পার।

٣٥-سُرُةُ الْبَائِيَةِ مَكِيَّةً الْبَائِيةِ مَكِيَّةً الْبَائِيةِ مَكِيِّةً الْبَائِيةِ مَكِيِّةً الْبَائِيةِ اَبَائِهَا عَمَّرُهُ الْفَاعِدِيَّةِ مِنْ الرَّحِيْةِ مِنْ الرَّحِيْةِ مِنْ الرَّحِيْةِ مِنْ الرَّحِيْةِ مِنْ

> مُرَّةُ تَنْزِيْلُ الْكَتْبِمِنَ اللهِ الْعَزِيْزِ الْحَكَيْرِ ۞

إِنَّ فِي السَّمُوٰتِ وَالْاَرْضِ لَالِيتٍ لِّلْمُوْمِنِيْنَ ٥

وَفِي كَلْقِكُرُ وَمَا يَبُتُّ مِنْ دَآبَةٍ إِنْ لِقَوْمٍ يُوْقِنُونَ ٥

وَاخْتِكِ الْقِلْ وَالنَّهَا رِمَّا أَنْزَلَ الشُّمِنَ السَّمَّاءِمِنْ رِّلْقِ فَاخْمَا بِهِ الْأَرْضَ بَعْدَ عَوْتِهَا وَتَصْرِفِ الرِّيْسِ أَبْتُ لِقَوْم يُعْتِلْزَنَ ۞ تَلْكَ أَبْنُ اللَّهُ تَعْلُمُ هَا عَلَيْكِ بِالنَّةِ، فَيَاتَ مَدْيِقِ بِعْنَ اللهُ

وَأَيْتِهِ يُؤْمِنُونَ ۞ وَيْلُ لِكُلِّ اَفَاكَ إَنْفِي ۞

يَّسْمَعُ أَيْتِ اللهِ تُعْلَى عَلَيْهِ ثُيَّ يُصِرُّ مُسْتَكْبِرًا كَأَنْ لُيْرُ يُسْمَعًا -فَيَشْرُهُ بَعَذَابِ ٱلْدِر ۞

وَإِذَا عَلِيَ مِنْ أَيْتِنَا شَيْغًا ۖ أَتَّخَذَهَا هُزُوًّا ۚ أُولِّئِكَ لَهُرُ عَدَّابٌ مَّهُيْنٌ ۞

مِنْ وَّزَآ نِهِرْ جَهَنَّرُ ۚ وَلَا يُغْنِيْ عَنْهُرْ مَّا كَسَّبُوا شَيْغًا وَّلَا مَا الْخَذُواْ مِنْ دُوْنِ اللهِ أَوْلِيَآءَ ۖ وَلَهُمْ عَذَابٌ عَظِيْرٌ ۞

هٰذَا هُدِّى ؛ وَالَّذِيْنَ كَثَرُواْ بِالْبِ رَيِّهِرْ لَهُرْ عَذَابُّونِيْ الْكَا رِجْزُ اَلِيْرٌ ۞ إِنَّهُ النَّنْ سَجْرَ لَكُمْ الْبَحْرَ لَتَجْرَى الْفُلْكُ فِيْهِ بِاَمْرِهِ ۚ إِلَّهِ

الله الذِى سخر لكر البحر لِتجرِى الفللا وَلَتَبْتَغُوا مِنْ فَشَلِهِ وَلَعَلَّكُمْ ۖ تَشْكُرُونَ ﴿

- ১৩। আর তিনি আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে সবই তাঁর পদ্দ থেকে তোমাদের কল্যাণে নিয়োজিক করেছেন। নিশ্বয় এতে অবশাই বিদ্যাপনাক্ষ্মী ব্যাহাত প্রথম সম্পানায়র জন্ম যাবা জিকা করে।
- ১৪। যারা ইমান এনেছে ওালেরকে বল, তারা যেন তালেরকে কমা করে যারা অন্যাহর দিনজলোর প্রত্যাশা করেনা, যাতে তিনি লোকদেরকে তারা যা অর্থন করে তার প্রতিফল দিতে পারেন।
- ১৫। যে সংকাজ করে তা (সে করে) নিজেরই কল্যাণের জন্য এবং যে মন্দ কাজ করে তা (সে করে) নিজেরই অকল্যাণের জন্য। এরপর তোমাদেরকে তোমাদের প্রতিপালকের সিকে ফিরিয়ে নেয়া হবে।
- ১৬। আর অবপ্যই আমি বনী ইসরাঈলকে কিতাব, বিচার-বিবেচনা ও নব্যাত দান করেছিলাম এবং তাদেরকে পবিত্র বস্তুসমূহ খেকে রিহিক নিয়েছিলাম এবং তাদেরকে অপক্রমুহের (মানবজাতির) উপর মর্থানা ক্রিস্ক্রিমান্ত্র।
- ১৭। এবং আমি তালেরকে উনের বিত্তর সুপ্পর্ট প্রমাণাদি দান কর্মেছদান, অতঃপর তালের নিকট জান আদার পরই তারা তালের মাকে বিবেহবপতঃ মতপার্থকা করেছিল তারা যে বিবল্পে মতপার্থকা করত, মিতা তোমার প্রতিপালক কিয়ামতের দিন তালের মাঝে সে বিবল্পে মত্যাপাল করে দিবেন।
- ১৮। এরপর আমি তোমাকে প্রতিষ্ঠিত করেছি জনের বিষয়ে এক শরীয়তের উপর, সূতরাং তুমি এর (শরীয়তের) অনুসরণ কর এবং বারা জানেনা তাদের প্রবৃত্তির অনুসরণ করো না
- ১৯। দিকয় তারা আল্লাব্র মোকাবিলায় কথনে তোমার কিয়ুই উপকারে আসবে না এবং নিকয় জালিমরা একে অপরের বন্ধু, আর আল্লাব্ মালাকীদের বন্ধ।
- ২০। এটি (কুরআন) মানুহের জন্য (জ্ঞানের) আলোকবর্তিকা এবং পথনিসেশিকাও দ্যা এমন সম্পদায়ের জন্য যারা নিশ্চিত বিশ্বাস করে।
- ২১। যারা মন্দ কামাই করেছে তারা কি মনে করেছে যে, আমি ভাদেরকে জীবন ও মৃত্যুর দিক দিয়ে ভাদের সমান গণ্য করব যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে? তারা যা বিচার করে ভা কভই না নিকৃষ্ট।
- ২২। আর আরাহ আকাপসমূহ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন সভাসহ (সর্টিক পঞ্চা) এবং প্রত্যেক বাজিকে সে যা আর্থন করেছে তার প্রতিদান সেয়ার জনা, এবং তালের প্রতি জদম করা হবে না।
- ২০। অত্যপর তুনি তাকে শক্ষা করেছ কি, বে তার বার্গজিকে তার ইলার্ন হিসেবে বাহপ কারেছে এবং আল্লার্ জেনে-ব্যবেহী তাকে পথকটা করেছেন এবং তার কান ও হন্যারে উপর যোকে বারে নির্যোধন এবং তার সাধের উপর পর্মী স্থাপন করেছেন অতথব আল্লাহ্ন পরে কে তাকে সাধিক পার্ক্তপনি করেছেন তার কি ভোমো উপাদেশ বাহণ করেছে

مَ سُرَةً الْعَالِيَةِ

- قُلُ لِلَّذِينَ أَمَنُوا يَغْفِرُوا لِلَّذِينَ لَايَرْجُونَ أَيَّا ﴾ اللهِ لِيَجْزِىَ قَوْمًا بِهَا كَانُوا يَكْسِرُنَ ۞ مَنْ عَمِلَ مَا لِحًّا فِلَنْفُسِهِ ، وَمَنْ أَلْسَاءَ فَقَلَيْهَا ، فُرَّ إِلَى رَبْكُرُ
- لْوَهُوْنَ ۞ وَلَـقَدُ أَلْمُنَا بَئِنَّ إِسْرَاءِيْلَ الْكِتْبَ وَالْعُكْرَ وَالنَّبُوَةَ وَرَزَدُنْهُ مِنَّ الطَّبْبِ وَفَقْلْنُهُمْ فَيَ الْعَلْمِيْنَ ۞
- وَأَلْيَنْهُمْ بِيَنِّتِ مِّنَ الْمُورِفَعَا اخْتَلُقُو ۚ إِلَّامِنْ بَعْدِماً جَاءَهُرُ الْعُلْمُ بَغْضًا بُيْنَكُمْ وَانَّ رَبَّكَ بَعْفِيْ بَيْنَهُمْ يُوَّا الْقِيمَةِ فِيمَا كَانُوا فِيْهِ يَخْتَلُونَ ۞
- ثُرْ جَعَلْنَكَ عَلَى شَرِيْعَةِ مِّنَ الْآمْرِ فَاتَّبِعْهَا وَلَا تَتَّبِعْ أَهْوَّاءً الْدِيْنَ لا يَعْلَبُونَ ۞
- إِنَّهُ رُ لَنْ يَّغْنُواْ عَنْكَ مِنَ اللهِ هَيْئًا ﴿ وَإِنَّ الظَّلِمِيْنَ بَعْمُهُ رُ إَوْلَيْنَا ءُبْضُ ءَوَ اللهُ وَلَّ الْمُتَّلِّينَ ۞
  - هٰذَا بَمَا يُولِ لِلنَّاسِ وَهُدِّي وَّ رَهْمَةٌ لِّقَوْمٍ يُّوقِتُونَ ۞
- أُمْسَ الَّذِينَ اجْتَرَحُوا السِّيَّاتِ أَنْ تَجْعَلُهُمْ كَالَّذِينَ أَ إَمْنُواْ وَعَمِلُوا الصَّلِحُيِ سَوَّاهُ مَّحْيَاهُمْ وَمَمَاتُهُمْ سَاءًا يَرَمُونُ وَعَمِلُوا الصَّلِحُي سَوَّاهُ مَحْيَاهُمْ وَمَمَاتُهُمْ سَاءًا
  - . وَخَلَقَ اللهُ السَّاوٰتِ وَالْإَرْضَ بِالْعَقِّ وَ لِتُجُزِّى كُلُّ نَفْسٍ. بِهَا كَسَبَّوْ وَهُمْ ۚ لاَ يُظْلَمُونَ ۞
- أَفْرَوَيْتَ مَنِ النَّخَذَ إِلْهَهُ هُولِهُ وَآمَلُهُ اللهُ عَلَى عِلْمِ رَّخْتَرَ عَلَى اللهُ عَلَم وَخْتَرَ عَلَ شَعْهِ وَقَلْبِهِ وَجَعَلَ عَلَى بَصَرِهِ عَشْوَةً فَقَيْنَ يَبْعُدُونَهُ مِنْ يَعْلُ اللهِ •

اَفَلَا تَذَكُّهُ وْنَ ⊛

हिं <u>सी</u>	al ea	
লে, 'এটি (জীবন) কেবল আমাদের দূনিতার জীবন, আমরা মরি ও বাঁচি, এবং সময়ই <sup>*</sup> আমাদেরকে ধাংস করে,' অথচ	ؠؙڶؚػؙڹٙٵ	

(এখানেট) হ এ ব্যাপারে তাদের কান্ডে কোন জান নেই, তারা কেবল অনমান করে sttrasi ১৫ এবং বখন তাদের নিকট আমার আয়াতসমহকে সম্পন্ত প্রমাণ হিসেবে

৪৫ সবাআল-জা

১৪। এবং ভারা ব

পাঠ করা হয় তখন তাদের কোন খুক্তি থাকে না কেবল এই কথা ছাড়া যে 'তোমবা আমাদেব পিতপঞ্জাদেবকে উপস্থিত কর- যদি তোমবা अजरवामी इ.स. ১৯৷ বল 'আলার ভোমাদেবকে জীবিত করেন এরপর ভোমাদের মতা ঘটান 🕏

এরপর তিনি ডোমাদেরকে একত্র করকেন বিহামতের নিনের জনা. যে ব্যাপারে (অর্থাৎ কিয়ামতে) কোন সন্দের নেই, কিন্তু অধিকাংশ মানম তা টিট জনে না।

২৭। আর আকাশসমহ ও পথিবীর রাজত আল্রাহর, এবং যেদিন কিয়ামত সংঘটিত হবে সেদিন বাজিলপদ্মীবা ক্ষতিগ্রাম হবে।

১৮ এবং প্রতোক উম্মতকে তমি দেখনে নতজান অবস্থার প্রত্যেক উম্মতকে তার কিতবের (আমলনামার) প্রতি আহবাদ করা হবে (এই বলে যে). 'स्थान क्याप्रकारक प्रापंडे अभिनेता क्या वरत वा कावल करात.

১৯: এটি আমার কিতার (আমলনামা) যা কথা বলতে তোমাদের বিরুদ্ধে সমিক্রমার। মিশ্যে আমি জিপিন্ত করে বাধ্যমায় হা ক্রেয়বা করকে।"

৩০. অভ্যপর যারা ঈয়ান এনেঙে ও সংকাজ করেছে, ভানের প্রভিপালক जाग्रस्ताक भारत्म कतारास जीव प्रशंत प्राप्ता अधि अन्त्रेत्र प्राप्तता।

৩১: পক্ষামতে যাবা ককবী করেছে (ভামেরকে বলা হবে), 'ভোমানের নিকট কি আমার আয়াতসমহ পাঠ করা হয়দিঃ অতঃপর তোমরা অহংকার করেছিলে এবং তোমরা ছিলে এক অপরাধী সম্পদায়।

৩১। এবং হখন বলা হত 'ভালাহৰ প্ৰতিশ্ৰুতি সভা এবং কিয়ামতের ব্যাপাবে কোন সাক্ষর নেউ' জগুন জোহরা বলাতে 'আহবা জানি মা বিহাছত বী খামরা কেবল অনমান করছি এবং আমরা এ ব্যাপারে নিশ্চিত নই।

৩৩। এবং তাদের নিকট তাদের কাজের মনসমূহ প্রকাশ হয়ে পড়বে এবং যা নিয়ে ভারা ঠটো-বিদ্দপ করত তা তানেরকৈ পরিবেটন করবে।

৩৪, এবং বলা হবে, 'আন্ধান্তামি ভোমাদেবকে ভলে থাকৰ যেমন ভোমরা এ দিনের সাক্ষাৎকে ভলে ছিলে, এবং ডোমানের আশ্রয়ক্ষল হবে আঞ্চন এবং ভোমাদের কোন সাহায্যকারী থাকরে না '

৩৫। এটা এজনা যে, তোমরা আল্লাহর নিদর্শনাবলীকে উপহাস হিসেবে প্রহণ করেছিলে এবং দনিয়ার জীবন ভোমানেরকে প্রভারিত করেছিল, সভবাঃ সেদিন ভাদেবকে ভা (প্রায়ানাম) থেকে বেব কবা হবে না এবং তাদেরকে (আল্লাহর) সম্ভটি পাতেরও সযোগ সেয়া হবে না।

৩৬। সুতরাং সকল প্রশংসা আরাহরই, যিনি আকাশসমূহের প্রতিপালক এবং পথিবীর প্রতিপালক - রূপৎসমূহের প্রতিপালক।

وَكُهُ الْكِبْرِيَّاءَ فِي السَّمَوٰتِ وَالْأَرْضِ - وَهُوَ الْعَزِيْزُ الْعَرِيْزُ الْعَكِيرُ ﴾ [أم الاستعادة القادة بعد يقداد جاء عالما والمستعاد المناس মিটিজ সংস্কেটীকা সরা মং : আয়াত নং অনুসাবে তবজমার পেবে দেখুন

وَقَا لُوْ إِمَا هِيَ الَّا حَيَا تُنَا الدُّنْيَا نَهُوْتُ وَنَهْيَا وَمَا يُهْا إِلَّا الدُّهُو ، وَمَا لَهُرْ بِذُ لِكَ مِنْ عِلْمِ ، إِنْ هُرْ إِلَّا يَظُنُّونَ ﴿ وَإِذَا تُتْلَى عَلَيْهِرْ إِيْتُنَا بَيِّنْتِ مَّا كَانَ حُجَّتَهُمْ الْإِإَنْ قَالُوا الْتُتُوا بِأَبَّائِنَا إِنْ كُنْتُمْ مُدقَيْنَ ﴿

٥٥ سُورَةُ الْعَالِيَة

قُل اللهُ يُعْيِيُكُمْ ثُرٌّ يُمِيُّتُكُمْ ثُرَّ يَجْمَعُكُمْ [ل] يَوْ) الْقَيْمَة لَا رَيْبَ فِيهُ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ﴾ وَسِيْهِ مُلْكُ } السَّمُوت وَالْأَرْض ، وَيَوْ } تَقُوْ } السَّاعَةُ يَوْمَعُذ يَّكُسُ الْمُبْطِلُ (نَ ﴿

وَتَوى كُلُّ أُمِّهِ مَا ثِيَةً سَكُلُّ أُمَّةٍ تُدْعَى إلى كِتْبِهَا وَأَلْيَوْمَ تُجْزَوْنَ مَا كُنْتُهُ ۚ تَعْمَلُوْنَ ۞ هٰذَا كِتَبُنَا يَنْطِقُ عَلَيْكُرْ بِالْعَقِّ، إِنَّا كُنَّا نَسْتَنْسِغُ مَا كُنْتُرْ تَعْمَلُونَ ﴿

فَأَمَّا الَّذِيْنَ أَمَنُوا وَعَملُوا الصَّلحٰ فَيُدْخِلُهُمْ رَبُّهُمْ فِي رَحْمَته و لكَ هُوَ الْغَوْرُ الْمُبِيْنُ @ وَأَمَّا الَّذِيْرِ ، كَفَّ وَاسْ أَفَلَى ۚ تَكُنْ أَيْتِيْ تُتْلِّي عَلَيْكُمْ ۗ فَاسْتَكْبُولُورُ وَكُنْتُورُ قَوْمًا مُجُومِينَ ۞

وَإِذَا قِيْلَ إِنَّ وَعْدَ اللهِ مَنَّ وَّا لسَّاعَةُ لَا رَيْبَ فِيْهَا قُلْتُر مَّا نَدُّرى مَا السَّاعَةُ ، إِنْ نَّظُنَّ الَّا ظَنَّا رَّمَا نَهُنَّ بِمُسْتَيْقِنِيْنَ ۞

وَبَدَا لَهُرْ سَيْأَتُ مَاعَملُوْا وَحَاقَ بِهِرْ مَّا كَانُوْا بِهِ يَسْتَهْرُءُونَ ﴿ وَقَيْلَ الْيَوْ ٓ اَنْنُسْكُرْ كَمَا نَسِيْتُرْ لِقَاءَ يَوْمِكُرْ هٰذَا وَمَأْوْنِكُرُ النَّارُومَا لَكُرْ مِّنْ تُمويْنَ ﴿

ذَٰ لِكُرْ بِاَ نَّكُرُ اتَّخَذْتُرْ أَيْبِ اللهِ هُزُوًّا وَّغَوَّتُكُرُ الْعَيْوةُ الدُّنْيَاء فَا لَّيُو ۗ ﴾ لَا يُخْرَجُونَ مِنْهَا وَلَا هُرْ يُسْتَغْتَبُونَ ۞

فَللَّهِ الْعَمْدُ رَبُّ السَّمْوٰتِ وَرَبِّ الْآرْضِ رَبِّ الْغَلَمِيْنَ ⊕

#### ৪৬. সরা আল-আহকাফ, মাক্রী ৩৫ আয়াত ৪ কৰ

মসীম দ্যাম্য ও প্রম দ্যাল আলাহর নামে

٣٦-سُرُّةُ الْأَحْفَافِ-مِكْنَةُ أَنَاتُهَا-هِ، رَكُهَاتُهَا-٣٠ بسم الله الزَّحُمٰنِ الرَّحِيْمِ পারা-২৬

#### ১। তা-খীয়।

- ১ এ বিভাবের অবভাবণ মহাপ্রভাগশালী ও মহাপ্রভাবান আবাহর পক্ষ (NET do )
- ৩। আন্তাশসমত ও পথিবী এবং উভয়ের মাঝে সব কিছুই আমি সৃষ্টি করেছি সভাসহ (সঠিক দক্ষে) এবং একটি নির্দিষ্ট সময়ের জন্য। কিন্তু যাত্রা কমন্ত্রী করেছে তারা যে বিষয়ে ডাসেরকে সন্তর্ক করা হয়েছে তা থেকে মথ ফিরিছে নের: ৪। বল 'তোমবা আলাহকে বাদ দিয়ে যাদেবকে ভাক ভাদের সম্পর্কে ভাক
  - দেখেছ কিং আমাকে দেখাও এরা পথিবীতে কী সৃষ্টি করেছে অথবা আকাশসমতে তাদের কোন অংশীদারিত আছে কিং এর পর্ববর্তী কোন বিভাব অথবা অবশিষ্ট বোন জান খাবলে ডা ভোমবা আমাব নিবাট উপস্থিত কর- যদি তোমরা সতাবাদী হও:
  - ৫। এবং কে অধিক পথ্যাই তাব চেয়ে দে আবাহকে বাদ দিয়ে এমন কিছকে দাকে যা কিয়ায়ানৰ দিন পৰ্যন্ত সাকে সাকা দিকে না একং সাকা আদৰ প্রার্থনা সম্বন্ধেও বেথবরঃ
  - ৬। এবং যথন (কিয়ামতের দিন) মানুষকে সমবেত করা হবে তথন ভারা হবে তাদের শক্র এবং তারা হবে তাদের ইবাদতকে অস্বীকারকারী।
  - ৭। এবং যখন তাদের নিকট আমার আয়াতসমূহকে সুস্পট্ট প্রমাণ হিসেবে পঠি করা হয় তথন যারা অবিশ্বাস করেছে তারা সত্তার (কর্মানের) ব্যাপারে বলে যথন তা তাদের কাছে এসেছে 'এটা সম্পষ্ট জাল।'
  - ৮। তারা কি বলে, 'সে এটি রচনা করেছে;' বল, 'বদি আমি এটি রচনা করে থাকি তবে ভালাহৰ (শান্তির) বিপৰীতে ভায়াৰ জন্ম ভোয়াদেৰ কিচট क्षप्रजा (तरें। (अध्यत (व विवास साम्बाद्धात क्षित्र खात (प प्रबाह्र खाताह সবচোর বেশি জানেন। আমার ও ভোমাদের মাথে সাক্ষী তিসাবে তিনিট য়াপ্তের এবং নিনিউ অনি ক্ষমানীল ও পরম দবাল।
- ১। বল, 'আমি কোন অভিনব রাসল মই এবং আমি জানি না আমার ৰ দোহাদেৰ সাথে বঁট কৰা হাব<sup>®</sup>। আহি আহাৰ প্ৰতি হা বহী কৰা হয় কেবল ভারই অনসরণ করি এবং আমি কেবল একজন স্পষ্ট সতর্ককারী।
- ১০। বল , 'তোমনা তেবে দেখেছ কি যদি তা (করঝান) আল্লাছর নিকট থেকে হয়ে গাকে এবং ভোমবা তা অবিশ্বাস কর, এবচ কনী ইসরাইলের একজন সাক্ষী সে সমান এনেছে, আর ভোমরা অহংকার করলে (ভাহলে কি ভোমরা জালিম নও)। নিশ্চয় আলাত জালিয়া সম্পদাধকে সঠিক পথ প্রদর্শন করেন না।

- تَنْزِيْلُ الْكُتْبِ مِنَ اللهِ الْغَزِيْ الْحَكْثِرِ ۞
- مَا كَلَقْنَا السَّمُوٰت وَالْأَرْضَ وَمَا بَيْنَهُمَاۤ إِلَّا بِالْحَقِّ وَٱجَلِ مُّسَمًّى ، وَالَّذِيْنَ كَفَّهُ وَا عَمَّا أَنْذِرُ وَا مُعْدِفُونَ ۞
- قُلْ أَرَءَيْتُرْ مَّا تَدْعُوْنَ مِنْ دُوْنِ اللَّهِ أَرُوْنْي مَاذَا خَلَقُوْا مِنَ الْأَرْضِ أَمُّ لَهُرْ شِرْكٌ فِي السَّمُوٰتِ ﴿ إِيْتُونِيْ بِكِتْبِ مِّنْ قَبْلِ هٰذَا أَوْالْرَةِ مِنْ عِلْمِ إِنْ كُنْتُرْ مُدقينَ ٠
- وَمَنْ أَضَلٌ مِمَّنْ يَدْعُوا مِنْ دُوْنِ اللهِ مَنْ لَّا يَشْتَجِيْبُ لَهُ الْي يَوْ } الْقَيْمَة وَهُمْ عَنْ دُعَالَتِهِ عُغْلُوْنَ ⊙
- وَإِذَا كُشِرَ النَّاسُ كَانُوا لَهُرْ أَعْدَاءً وْكَانُوا بِعبَادَتِهِرْ
- وَإِذَا تُتْلَى عَلَيْهِمْ إِيْتُنَا بِيَنْتِ قَالَ الَّذِيْنِ كَفَرُوا لِلْحَقِّ لَمَّا جَاءَهُمْ وَهُذَا سَحْوَ مُّبْنَنَّ ٥
- أَا يَقُوْ لُوْنَ افْتَرْ بِهُ قُلْ إِن افْتَرَيْتُهُ فَلَا تَمْلِكُونَ إِنَّ مِنَ الله شَيْئًا ﴿ هُوَ آعُلَيُّ بِمَا تُغَيْفُونَ فَيْهِ ﴿ كَفِّي بِهِ شَهِيْدٌ إِيِّينَيْ وَبَيْنَكُمْ ، وَهُوَ الْغَفُو رُ البَّحِيْرُ ۞
- قُلْمَا كُنْتُ بِدْعًا مِّنَ إلرَّسُلِ وَمَاۤ إَدْرِيْمَا يُفْعَلُ بِيْ وَلَابِكُرْ وَانْ أَتَّبُعُ الَّامَا يُوْمِّي إِلَّي وَمَا آنَا الَّا نَذِيْرٌ مَّبِيْنَ ۞
- قُلْ أَرَءَيْتُرْ أَنْ كَانَ مِنْ عَنْدَ اللهِ وَكَفَوْتُرُ بِهِ وَشَهِدَ شَاهِدٌ مِّنْ يَنِينَ إِنْ أَءِيلَ عَلَى مِثْلَمَ فَأَمِنَ وَأَسْتَكِبَ ثُورُ وَاللهِ عَالَمَ وَالمَاتِهِ عَالا عالمات لَا يَهْدِي الْقَوْرَ | الظُّلميْنَ ﴿

- ১১) আর খারা কুক্ষরী করেছে তারা খারা (সদা) ইমান এনেছে তালেরকে বলে, 'যদি ওা উত্তর্থই হত তাহলে তাতে (ইমান আনার ক্ষেত্রে) তরা (প্রথম বিকের ইমান আন্যানকারীরা) আমানেরকে অভিত্রম করতে পারত না,' তার খেহেতু তারা এব খারা সঠিক অনুসরণ করেনি তাই শীতুই তারা বগাবে, 'এটা এক পুরবান মিধ্যাভার।'
- ১২। এবং এও পূর্বে ছিল মুদার কিতাব, শথপ্রদর্শক ও দল্লা স্বরূপ। আর এটি জালিমদেরকে সতর্ক করার জনা (পূর্বকর্তী বিতাকসমূহের) সত্যার-করারী এক কিতাব, আইবি তামার (অবতীর্ণ) এবং সংকর্মপরাকনেদের জন্য সুসংবাদ করেপ:
- ১৩। নিশ্বয় যারা বলে, 'আমাদের প্রতিপালক আল্লায়্' এরপর অবিচল থাকে, তাদের কোন ভয় নেই এবং তারা দুন্দিরাগ্রন্তও হবে লা।
- ১৪। তারাই ভাল্লাকের অধিবাদী, সেখানে তারা স্থায়ী হবে, তারা যা করত তার প্রতিদান কমেশ।
  ১৫, এবং আমি মানুবকে তার পিতা-মাতার প্রতি সক্ষর ব্যবহারের নির্দেশ
- ১৬। জানুতেবাসীদের অন্তর্ভুক্ত ওরাই তারা যাদের থেকে আদি তাদের উত্তর ক্ষেপ্রলো এইণ করে থাকি এবং তাদের মন্দসমূহ উপেন্ধা করি। (এসব) সভা প্রক্রিপ্রতি, যে প্রক্রিপতি তাদেরকে দেয়া হারছে।
- ১৭। আর যে তার শিকা-মারাতে বেগা, "হুই (আমি বিরুভ) জোমারেছ জন্মা। রোমরা কি আমারে উর পোমার বে, আমারে (কবর বেগে) বের করা হবে, অঞ্চ আমার পূর্বে বরু গুরুলু কাতীত হারেছাওঁ নামারাবছার রারা গুশ্বিম আরাহারে রাহে সাহান্য রার্থনা করে (এবং বংলা), "মুর্ক্তিগ তোমার ক্রামা গুরু বিধারা মুখনা কর, দিলাই আহারের রাহিকালি সহার্থা। অন্তপ্তপত্র সেরে, "এটা সুর্ববাহিন্দির কিবলা ছাত্রা আরা বিন্তু সভা!"
- ১৮। ওরাই তারা যাদের উপর অবধারিত হয়েছে সেই কথা (মা অবধারিত হয়েছিল) সেই উন্মতসন্থের ক্ষেত্রে, বারা অভীত হয়েছে তাদের পূর্বে জীন ও মানহের মধা হতে। নিশ্বর তারা ছিল ক্ষতিগ্রন্থ।
- ১৯। এবং প্রত্যেকের জনা ধরেছে তার কাজ অনুসারে মর্কালা এবং এট এজন্য বে, তিনি (আল্লাছ) তাদেরকে তাদের কাজের পূর্ব প্রতিফল দিবেদ এবং তাদের প্রতি জন্ম করা হবে না।

وَقَالَ الَّذِيْنَ كَفُرُواْ لِلَّذِيْنَ أَمَنُواْ لَوْ كَانَ خَيْرًا مَا سَبَقُوْنَا إِلَيْهِ وَإِذْ لَرْ يَهْتَدُواْ بِهِ فَسَيَّقُو لُوْنَ هَذَا إِفْكَ قَدِيثْ ﴿

رَصِنَ فَتَعْلِم كِشُّ مُولِّسَ إِمَا مَا وَرَحَمَة ، وَهَذَا كِثْبُ مُولِّسَ إِمَا مَا وَرَحَمَة ، وَهَذَا كِثْ مُّمَّدِّنَّ لَسَانًا عَرَبِينًا لِيَنْذِرَ الَّذِينَ ظَلَمُوا سُويَهُرَا سُويَكُمُ لِلْمُصِينَى فَيَ إِنَّ الْذِينَ قَالُوا رَبِّنَا اللهُ مُنَّ السَّقَامُوا فَلاَ مَوْلًا عَلَيْهِمْ وَكُومُ يَضَائِنَ فَيْ الْأَوْلِ رَبِّنَا اللهُ مُنْ السَّقَامُوا فَلا مَوْلًا عَلَيْهِمْ

أُولِيَّكُ أَهْتُ أُنْهُ أَنْهُمْ أَعْلَمُوا أَهْتُوا مَوْزَاكُوا إِنَّهُمَا عَمْزَاكُوا إِنِّهُمَا كَانُوا إِ يَعْمَلُونَ هِ وَهُمَّوْنَهُمْ الْإِنْسُانُ بِوَ الدَّهُو إِضَالًا مَمَلَّتُهُ أَمُّكُومًا وُوَمَعَتُهُ كُوفًا مَرْضَاتُهُ وَطَلَقَ لَلْكُونَ مَقْوَا حَمَّى إِذَا لِمَا الْعُنَّوْنَ الْفَالِّ وَلَيْكُمْ الْفَاقُونَ الرَّفِيسَ مَعْدَدُ قَالَ رَبِي الْرِغْنِي أَنْ الْفُكِرِيْفَمَكُ النِّينَ الْمُعْمَنِّ مَنْ الْمُعَلِّينَ أَنْهُمْ إِنْ الْمُؤْلِقَالُهُمْ اللَّهِ الْمُعْمَلُونَ الْمُؤْلِقَالُهِ إِنْ

فِي ذُرِّيَّتِي الْمُسْلِمِينَ ﴿ لَيْكَ وَإِنِّيْ مِنَ الْمُسْلِمِينَ ﴿

أُولِّنَكُ الْدِيْنُ تَنَقِّلُ عَمُهُمْ آهَسَ مَا عَبِلُوا وَتَنَجَارُورُ عَنَّ سَيَّاتُومِ فَي أَضْفِ إِنْهَا قِدَ وَهُدَ الْمِدْقِ الْدِينُ كَانُّوا بِخُعَرْنَ فَي وَالْمِنْ فَكُنَّ الْوَلِيدِيدِ إِنِّ لَكُنَّا الْفِدِينِ أَنْ أُمْرُعَ وَقَدْ غَلَى الْوُرْنَاسُ قَبْلُ وَهُمِنًا عِنْفَافِينُ اللَّهُ وَقَالُوانَ النَّوْنَ فَي الْمُوتِينِ اللَّهُ وَقَالُ

أُولِكُكُ الَّذِينَ حَقَّ عَلَيْهِمُ الْقَوْلَ فِي أَمْمٍ قَدْ عَلَىْنَ فِي الْقَوْلَ فِي أَمُ عِلَّهُ عَلَيْن قَبْلِهِمْ مِنَّ الْجِينَ دَالْوْسِ: النَّهْمُ كَانُوا عُسِرْنَى ۞ وَلَكُلِّ دَرَجُنْ مِنَّا عَمِلُوا وَلِيوَ قِيْهُمْ أَعْمَالُهُمْ رَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ ۞

وَعْدَ اللهِ حَتَّى اللهِ عَتَّى اللهِ عَتَّى اللهِ عَتَّى اللهِ عَتَّى اللهِ عَتَّى اللهِ عَتَّى اللهِ عَتْ اللهِ عَتَّى اللهِ عَتْ اللهِ عَتْ اللهِ عَتْ اللهِ عَتْ اللهِ عَلَى اللهِ عَتْ اللهِ عَتْ اللهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللّهِ عَلَى الللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى

marie."

২১। এবং আদ-এর ভাইয়ের<sup>\*</sup>(কথা) উল্লেখ কর<sub>া</sub> যখন সে আত্তরাভ উপত্যকায় ভার সম্পদায়কে সভর্ক প্রারন্ধিল- আর অফলাই আমীত হতেছে সতৰ্কবারীরা ভার পর্বে এবং ভার পরে- (এই বলে) যে 'তোয়ৰা আলাহ ছালা অন্য জ্ঞাবো ইবানত জ্ঞাবা না। নিক্স আহি তোমাদের উপর এক ভয়াবহ দিনের শান্তির আশকা করডি।"

২২। তারা বলেছিল, 'ভূমি কি আমানেরকে আমানের উপাসাগুলো থেকে নিবত করতে আমাদের কাঙে এসেছঃ তবে আমাদেরকে যে (শান্তির) প্রতিশ্বতি দিল্প তা নিয়ে আস- হাদি তথ্রি সভাবাদীক্ষর অন্তর্ভক হল।"

১৩। সে বলল '(এর) জান কেবল আলাহর নিকট বয়েছে। আর যা নিয়ে আমি প্রেবিত হয়েটি তা আমি ছোমাদেবকে পৌতে দিছি। জিল আমি সোমাদককে দেশতি এক কক সম্পদান <sup>1</sup>

২৪। অভঃপর যথম তারা তা (আয়াব) দেখল ভালের উপভারার দিলে অগ্রসরমান মেঘরণে, তখন তারা বলল, 'এটা মেঘ, আমানেরকে বাট্ট বর্ষণ করবে।' (নবী বলঙ্গ) 'বরং এটা ভাই যাব জনা ভোমবা ভাজাছার। কর্মিলে। এটা বাতাস, যাতে রয়েছে যন্ত্রণাদায়ক শান্তি-

২৫। তার প্রতিপাদকের নির্দেশে তা সব বিছবে ধ্বংস করে নিবে', অভঃপর তাদের পরিণাম এই হল যে তাদের বাসন্মানসমূহ ছালা আব বিছেই দেখা যাছিল না। এতাবেই আমি অপরাধী সম্প্রদারকে প্রতিফল দেই।

২৬। আর অবশাই আমি তাদেরকে এমন ক্ষেত্রে প্রতিষ্ঠিত করেছিলায় যে त्सार खाँचे (प्राचानसम्ब अफ्रिकेट स्वविद्व अरु साचि जानकरू দিয়েছিলাম কান, চোখ ও অন্তর, অতংপর না তাদের কোন কাজে আগল তাদের কান, আর না তাদের চোখ, আর না তাদের অন্তর, কেননা ঠাটা-বিদ্ৰপ কৰত তা তাদেবকে পৰিবেইন ববল।

১৭। আর অবশাই আমি ধ্বংস করেছিলাম তোমাদের চারপাশের জনপদসমূহ এবং তাদেরকে আমি আয়াতসমূহ বিভিন্নভাবে বর্ণনা করেছিলাম, যাতে ভাবা জিবে আসাত পারে।

২৮। অভএব তারা (আল্লাহর) সামিধা লাভের জন্য জালারাক বাদ দিয়ে যাদেরকে ইলাহরূপে গ্রহণ করেছিল তারা তাদেরকে সাহায্য করুল না কেনং বরং তারা তাদের থেকে উধাও হয়ে গিয়েছিল, এবং এটি (ছিল) তাদের মিথ্যাচার এবং তাদের উদ্রাবন

٣٠-سُرَةُ الْأَمْقَادِ ، وَيَهْ } يُعْدَفُ الَّذِيْنَ كَفَوُوا عَلَى النَّارِ • أَدْهَبْتُمْ طَيِّبْتِكُمْ فَي مَيَاتِكُمُ الدُّنْيَا وَاسْتَمْتَعْتُمْ بِهَا عَالْيَوْ مَ تُجْزَوْنَ عَذَابَ الْهُوْن بِمَا كُنْتُر تَسْتَكُبُوْنَ فِي الْأَرْض بِغَيْرِ الْحَقَّ وَبِمَا ﴾ १९٩٩رة عالقاته عدد تقاته عدد تقاته المائية المُقارض بالمُن المُرث بين المُرث المُن المُرث المُن الم كُنْتُمْ تَفْسُقُونَ ﴿

وَاذْكُ ۚ إِنَّا عَادِ ۚ إِذْ إِنْكَ رَ قَوْمَهُ بِالْآهْقَانِ وَقَدْ خَلَتِ النَّذُرُ مِنْ بَيْنِ يَدَيْهِ وَمِنْ غَلْفِهِ أَلَّا تَعْبُدُوٓۤ الَّا اللهُ وانَّيُّ أَخَانُ عَلَيْكُمْ عَذَابَ يَوْ ٢ عَظْير ۞

قَا لُوْ إِ أَحِثْتَنَا لِتَأْفِكُنَا عَنْ أَلْهَتِنَا ۚ فَأَتِّنَا بِمَا تَعَدُّنَّا أَنْ كُنْتَ مِنَ الصَّاقِينَ @

قَالَ إِنَّهَا الْعِلْمُ عِنْدَ اللهِ سِوَأَبِلِّغُكُمْ مَّا أَرْسِلْتُ بِدِوَلَكِنَّيْ أَرْنكُمْ قَوْمًا تَجْهَلُوْنَ ﴿

فَلَمَّا رَ أَوْهُ عَارِضًا مُّسْتَقْبِلَ أَوْدِيَتِهِمْ عَقَا لُوْاهٰذَا عَارِضٌ مُّهُطِرُنَا - بَلْ هُوَ مَا إَشْتَعْجَلْتُر بِهِ - رِيْرٌ فِيْهَا عَذَاتْ ٱليُّهُ هُ

تُدَمُّ كُلَّ شَرْ إِبَامُ رَبَّهَا فَأَمْبَدُوْ الْإِيِّي الْآمَسَكُنُّهُمْ • كَذٰ لِكَ نَجْزِى الْقَوْمَ الْمُجْرِمِيْنَ @

وَلَقَدْ مَكَّنَّهُمْ فَيْهَا إِنْ مَّكَّنَّكُمْ فَيْهِ وَجَعَلْنَا لَهُمْ سَبْعًا وْ أَبْصَارًا وَّ أَفْتَدَةً ا فَهَا أَغْنَى عَنْهُمْ سَمْعُهُمْ وَلَّا أَبْصَا رُهُمْ وَلَا أَفْعَارُتُهُمْ مَّنْ شَيٌّ الْدَكَانُوا يَجْعَدُونَ وَإِنْ وَلَا قَ مِهْرُ مَا كَانُوا عَلَيْهِ عَلَى اللَّهِ وَمَا قَ بِهِر مَا كَانُوا عَلَيْهِ عَلَى اللَّهِ وَمَا قَ بِهِرْ مَا كَانُوا عَلَيْهِ عَلَى اللَّهِ وَمَا قَ بَهِمْ مَا كَانُوا عَلَيْهِ عَل له يَسْتَهَ؛ وَفِيَ شُ

وَلَقَدُ إَهْلَكْنَا مَا مَوْ لَكُمْ مِّنَ الْقُرِي وَصَّافْنَا الْإِيْتِ لَعَلَّهُمْ پ جعو ن ⊛

فَلَوْ لَا نَصَوَهُمُ الَّذِينَ إِنَّكَدُوا مِنْ دُوْنِ اللَّهِ قُوْبَانًا أَلْهَةً • بَلُ مَلُّواْ عَنْهُ ٢٠ وَذَٰ لِكَ إِفْكُهُ وَمَا كَانُواْ يَفْتُووْنَ ۞

- ১৯৷ এবং যখন আমি ভোমার দিকে ফিরিয়ে এনেছিলাম একদল স্ত্রীনকে, যারা কুলুআন (পাঠ) অনহিল, অতঃপর যখন তারা তার নিকট উপস্থিত হল তথ্য তারা বলল, 'চপ করে পোন,' অতঃপর যথন (কুরআন পঠি) সমাও হল তথ্য তাবা তাদের সম্পদায়ের নিকট ফিরে গেল সতর্ককারী হয়ে।
- ৩০। তারা বলেছিল, 'হে ঝামাদের সম্প্রদার! নিশ্বরা আমরা অনেছি এমন এক কিতাব (পাঠ) যা অবতীর্ণ করা হয়েছে মুদার পরে, এর (অর্থাৎ করআনের) সামনে যা আছে তার (অর্থাৎ পূর্ববর্তী কিতাবের) সভ্যায়নকারীরূপে, যা পরিচালিত করে সভ্যের নিকে ও সরল-সঠিক পথের দিকে।
- ৩১। হে আমাদের সম্প্রদায়। আরাহর (দিকে) আহ্বানকারীর (ভাকে) সাড়া দাও এবং তাঁর (আল্লাহর) প্রতি স্থমান আন, তিনি তোমাদের অপরাধসমূহ ক্ষমা করবেন এবং যপ্রণাদায়ক শান্তি থেকে ভোমাদেরকে तका करताता।
- ৩২। আর যে আল্লাহর (দিকে) আহ্বানকারীর ভাকে সাড়া দেয় না সে পথিবীতে (আল্লাহকে) অক্ষম করতে পারবে না এবং আল্লাহ ছাঙা তার কোন অভিভাৰত থাকৰে না। তাবাই সম্পষ্ট পথভাইতার বাহেছে।
- ৩৩। তারা কি তেবে দেখেনি যে, যে আল্লাহ আকাশসমূহ ও পথিবী স্থি করেছেন এবং এসবের সৃষ্টিতে কোন ক্লান্ডি বোধ করেদনি, তিনি মতদের মীবিত করতেও সক্ষমঃ হাঁা, নিচর তিনি সবকিছর উপর সূর্বশক্তিয়ান।
- ৩৪। এবং যেদিন কাঞ্চিরদেরকে আগুনের সামনে উপস্থিত করা হবে, (সেদিন তাদেরতে বলা হবে) 'এটা কি সত্য নয়ঃ' তারা বলবে. 'হাঁা, আমাদের প্রতিপারকের ক্রম।' তিনি বলবেন, 'অতএব শান্তি আখানন কর, কারণ ভোমরা কফরী করতে।
- ৩৫। সূতরাং ভূমি ধৈর্থ ধারণ কর যেমন ধৈর্য ধারণ করেছিল দৃত্দকেল্পসম্পদ্র রাসলর। এবং ভূমি তাদের জন্য তাড়াহড়া করো না। তাদেরকে বে, য়মে হবে। তারা যেন দিনের এক মহর্তকাল ব্যতীত অবস্থান করেনি। (এটি) একটি ঘোষণা, অতএব পাপাচারী সম্প্রদায়কে ছাডা আর কাউকে পুঁচ ধ্বংস করা হবে কিং

- وَاذْ صَرَفْنَا ۚ إِلَيْكَ نَفَرًّا مِّنَ الْجِنَّ يَسْتَمِعُونَ الْقُرْانَ عَ فَلَمَّا حَضَرُوهُ قَا لُوًّا أَنْصِتُوْا افْلَمَّا قَضِيَ وَلَّوْا إِلَى قَوْمِهِرْ مَّنْدُ رِيْنَ ؈
- قَا لُوْا يِقَوْمَنَا ۚ إِنَّا سَمِعْنَا كِتُبًا أِنْهِ لَ مِنْ بَعْدِ مُوسَى مُصَدِّقًا لَّمَا بَشَ يَدَيْهِ يَهْدِي إِلَى الْعَقِّرِ إِلَى الْعَقِّرِ الْيَ طَرِيْقِ مَّسْتَقَيْرِ ﴿
- يْقُوْمَنَا آجِيْبُوْ ا دَاعِيَ اللهِ وَأَمِنُوا بِهِ يَغْفِرْ لَكُرْ مِّنْ دُنُوْبِكُرْ وَيُجِرْكُرُ مِنْ عَذَابِ ٱلِيْرِ @
- وَمَنْ لَّايُجِبْ دَاعَىَ اللهِ فَلَيْسَ بِمُعْجِزِ فِي الْأَرْضِ وَلَيْسَ لَهُ مِنْ دُوْنِهِ أَوْلِياءُ وَأُولَيْكَ فِي مَلْلِ مَّبِيْنِ ⊕
- أَوْلَهِ يَهِ وَا أَنَّ اللَّهَ الَّذِي هَلَقَ السَّمُونِ وَالْأَرْضَ وَلَهِ يَعْيَ بِخَلْقِمِنَّ بِقُدِرِ عَلْيَ أَنْ يُّحْيِّ الْمَوْتَٰي ، بَلِّي الْمُعَلِّى اللَّهُ عَلَى كُلّ شَيْ قَديْ ۖ
- وَيَوْ } يُعْرَضُ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا عَلَى النَّارِ ٱلَيْسَ هٰذَا بِالْحَقِّ،قَا لُوْا بَلَى وَرَبِّنَا ،قَالَ فَدُوْقُوا الْعَدَابَ بِمَا . كُنْتُرْ تَكْفُرُونَ ⊕
- فَاصْبِهُ كَمَا صَبَوَ أُولُوا الْعَزْمِينَ الرُّسُلِ وَلَا تَسْتَعْجِلُ विष्किष त्या दागर वा त्यिम वाब बाक् कार, (जिम वालव हि कि क्रिकेर के के के के के के के के के कि के के के के के مِّنْ نَّهَا رِ • بَلْغٌ • فَهَلْ يُهْلَكُ إِلَّا الْقَوْمُ الْفُسِقُونَ ﴿

#### ৪৭, সরা মহামদ, মাদানী

০৮ আয়াত ৪ কর

অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

- যারা কুফরী করেছে এবং (মানুদকে) আল্লাহর পথ হতে বিরত রেখেছে
  তিনি ভাদের কর্মসমত নিক্তল করে দিকেন।
- ২। আর যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে এবং মুহাপ্নদের প্রতি যা অবতীর্থ করা হয়েছে তাতে ঈমান এনেছে-আর তা তানের প্রতিগালকের পক্ষ বতে (প্রবিত) সত্য- তিনি তালের গাপসমূহ মোচন করবেল এবং তালের অবস্থা সংশোধন করবেন।
- ৩। এটা এজন্য যে, যারা ভূথগা করেছে তারা বাতিলের (মিগুরার) অনুসরণ করেছে, এবং এও যে, যারা ঈমান এনেছে তারা তাদের প্রতিপালকের পক্ষ হতে (প্রেরিষ্ট) সংত্যের অনুসংগ করেছে। এতাবেই আদ্বাহ মানুদের জন্ম তালের উল্লিখন করেল।
- 8) আনতাৰ কৰে নোমানা কৰিবলৈক নামাৰ (গুলুজা মালানে) সালাখন কৰে, কৰা মালানে কৰা আমাৰ কৰা নামানা কৰিবলৈক নামাৰ (বাহৰা বাহৰাকে সম্পূৰ্বিধে নামানুক কৰে, কৰা কৰাকৈ কৰা নামানা কৰাকিবলৈ কৰা কৰিবলৈ কৰা নামানাক কৰাকিবলৈ কৰা নামানাক কৰাকিবলৈ কৰা কৰিবলৈ কৰে কৰিবলৈ কৰা নামানাক কৰাকিবলৈ কৰাকে কৰিবলৈ কৰিবল
- পাঁছই ভিনি তাদেরকে (জান্নাতের দিকে) পথ প্রদর্শন করবেন এবং তাদের অবস্থা সংশোধন করবেন,
- ৬। এবং তাদেরকে প্রবেশ করাবেন জান্নাতে যার পরিচয় তিনি তাদেরকে
  নিয়েছেন।
- ওহে যারা ঈমান এনেছ। যদি ভোমরা আল্লাহ্নকে সাহাত্য কর তাহলে তিনি তোমাদেরকে সাহাত্য করকেন এবং তোমাদের পাওলেকে দৃছ করকেন।
- ভার যারা কুঞ্জী করেছে ভাদের জন্য রয়েছে পতন এবং তিনি ভাদের কর্মসমূহ নিক্ষল করে দিকেন।
- এটা এজন্য যে, আল্লাহ্ যা অবকীর্ণ করেছেন তারা তা অপছন্দ করেছে, সুতরাং আল্লাহ্ তালের কর্মসমূহ বিষল করে দিবেন।
- ১০। তবে কি ভারা পৃথিবীতে ভ্রমণ করেনি এবং লক্ষ্য করেনি, কেমন ছিল ভাদের পূর্ববর্তীদের পরিনাম? আল্লাহ্ ভালেরকে ধ্বংস করেছেন এবং (এই) কাফিরদের কন্য রয়েছে ভার অনক্রপ (পরিনাম)।
- كانا هناك مِنْ اللهِ مَوْلَى اللَّذِينَ أَمَنُواْ وَأَنَّ الْكُفِرِ يُنَ لَامُولَى إِلَّهُ مِنْ الْمَغُولِينَ عاد و الله مَوْلَى اللَّذِينَ أَمَنُواْ وَأَنَّ الْكُفِرِ يُنَ لَامُولَى إِلَّهُ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَي

٣٠- سُورُهُ مَعْبِلٍ- مَلَ بِيَّةُ اَبَاتَهَا-٣٠- رَكُوعًا لِهَا-٣٠ بِسُورِ اللهِ الرَّحُهُ لِ الرَّحِيْدِ

الديْنَ كَفَرُوْا وَمَدُّوْا عَنْ سَبِيْلِ اللهِ اَصَٰلَ اَعْمَا لَهُرْ ۞

وَالَّذِينَ أَمَنُواْ وَعَمَلُوا الصَّلَحِي وَأَمَنُواْ بِمَا نُزِّلَ عَلَى مُحَمَّدٍ وَهُوَ الْحَقَّ مِنْ رَبِّهِمْ وَكُمَّ عَنْهُمْ سَيِّالْتِهِمْ وَآمَلُوا بِمَا نُزِّلَ عَلَى مُحَمَّدٍ

ذَلِكَ بِأَنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوا الَّبَعُوا الْبَاطِلَ وَآَنَّ الَّذِيْنَ أَمَنُوا الْبَعُوا الْخَقَّ مِنْ رَبِّهِمْ ، كَذَٰلِكَ يَمْرٍ بُ اللهُ لِلنَّاسِ

إَمَنَا لَكُونَ فَوَالَ الْمِعْشُرُ الَّذِيشَ عَثَرُوا فَعَرْتِ الوَّقَابِ مَثَّى إِلَّا الْمُعَلَّى اللَّهِ ا الْمُشْتَمُورُهُ فَعَدُّوا الْوَقَافِ فَالْمَاشَّا بَعْدُ رَأَكُ فِالْمَثَّةِ اللَّهِ كَانْمُ وَمَثْمُ تَنْهَ الْمُرْبُ الْوَرْدَا وَالرَّوْدَ فَاللَّهِ فَعَلَى بِعَنْفِي وَالْمِنْ فَعَلَوْلِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ وَلَكُنْ لِلْمُكُورِ الْمُعْشُرِيةِ مَعْفُى وَبِعْفِي وَاللَّهِ فَعَلَوْلِهِ فَعَلَى اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ فَاللَّهِ فَيَعْلِي اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ الْمُعْلِقُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلِي اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ الْمُعَالِي الْمُعَالِي الْعِلْمِي الْعِلْمِ اللْعِلْمِ اللْعِلْمِ اللْعِلْمِ اللْعِلْمِ الْعِلْمِي اللْعِلْمِ اللْعِلْمِي الْعِلْمِ اللْعِلْمِي الْعِلْمِ الْعِلْمِيْمِ الْمِلْمِ

سَيَهُدِيْمِهُ وَيُصْلِعُ بَالَهُرُ ﴾ سَيَهُدِيْمِهُ وَيُصْلِعُ بَالَهُرُ ﴾

وَيُدْخِلُهُرُ الْجَنَّةَ عَرَّفَهَا لَهُرْ ۞ يَا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُهُ ۚ ( انْ تَنْصُرُوا اللهَ يَنْصُرُكُمْ وَيُغَبِّثُ

> ٱقْدَامَكُـدْ⊙ وَالَّذِيْنَ كَفَرُواْ فَتَعْسًا لَّمُرْ وَٱفَلَّ ٱعْمَا لَهُـدْ ⊙

ذٰ لِكَ بِأَنَّهُرْ كَرِهُوا مَا ٓ أَثْزَلَ اللَّهُ فَأَحْبَطَ أَعْمَا لَهُرْ ۞

آفَكَ يَسِيُرُوْا فِي الْاَرْضِ فَيَنْظُرُوا كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الَّذِيثَى مِنْ قَبْلِهِرْ ءَمَّرَ اللهُ عَلَيْهِرْ ءَوَلِلْحُغِرِيْنَ اَمْثَا لُهَا ﴿

- ১২। নিশুয় আল্লাহ্ যারা ঈমান এনেছে ও সংকাজ করেছে আসেরতে য়বেশ করাবেল মাল্লাত-সমূহে, বোঙলোর নিত্র নর্ভাসমূহ প্রবাহিত। কিছু যারা কুমনী করেছে তারা ভোগ-বিলান করছে এবং চতুশান জছুর মত থাকে, আর আভানই ভাগের আবাসফুল।
- ১৩। এবং কত জনপদই ছিল তোমার সেই জনপদ থেকে অধিক শক্তিশালী বেখান থেকে তারা তোমাকে থের করে দিয়েছে, আমি তাদেরকে খংগে ক্রবেছি এবং তাদের ক্রন্য কোন সাহাম্যকারী ছিল ন।
- ১৪। তবে কি যে তার প্রতিপালকের পক হতে সুপাই প্রমানের উপর রায়েছে সে তার মত যার কাছে তার মন্দ বাজকে পোতনীয় করা হয়েছে এবং তারা অননরাথ করেছে তানের প্রবৃত্তিয়
- ১৯। এবং তাদের মধ্যে কেউ কেউ ভোমার নিকে কাদ প্রেড রাখে। করম্পেম ফ্রবন ভোমার নিকট থেকে বেব হারে যান্ত ভবন ভারো আন্দর্যক ক্রান প্রমা হয়েছে কাল্যকের কম্পে, 'বিষ্কা হারে কিই কাল্যকার ক্রান যানের ক্রকভস্তের উপর আরাহা, মেকে মেরে নিরেছেন এবং ভারা অনুসরণ করেছে তালের প্রস্থিত্ত।
- ১৭। আর বারা সঠিক পথ অবলছন করেছে আল্লাহ্ তাদেরকে পর্যনির্দেশনা বাড়িয়ে দেন এবং তাদেরকে দান করেন তাদের তাকব্রা।
- ১৮। তবে কি তারা কেবল আক্রিকভাবে তালের কাছে কিয়ামত এলে পায়র অপেকা করছে; তবে তার দাফলসমূহ তো এলেই পায়েছ, অকরব মধ্য তালের কাছ তা (কিয়ামত) আনেবে তথ্য তালের উপদেশ এহন লালের জিলার ক্রাম্ম অলেবেঃ
- ১৯। সুতরাং জেনে রাখ যে, আল্লাব্ ছাড়া কোন ইনার নেই, এবং কমা প্রার্থনা হি কর তোমার প্রাটির জন্যে এবং মু'মিন নর ও মু'মিন নারীদের জন্য। আর আল্লাব্ তোমাদের গতিবিধি এবং অবস্কুম সবচে অবগত আহেন।
- ২০। আর যারা ঈনান এনেহে তারা বলে, 'একটি সুরা অবকীর্ণ করা হল মা কেন্দ্র' অতঃপর যথন সুন্দার্ট নির্দেশ সম্বাদিত একটি সূহা অবকীর্থ করা হল এবং তাতে সুক্তেই উল্লেখ করা হল, তদন তুলি লেখলে, যালের অনুন্তা যাহিছ আছে তারা মৃত্যুক্তরে মূর্তিক আজিক অকানের মত তোমার দিকে তাকাছে। সুক্তারং তালের জন্ম উক্তম ছিল-

إِنَّ اللهَ يُدُخِلُ الَّذِيْنَ اَمَنُواْ رَعَمِلُوا الصَّلْحُبِ جَنِّي تَجْدِيْ مِنْ تَحْتِمَا الْآنَهُرُ ، وَالَّذِيْنَ كَنْفُرُواْ يَتَمَتَّعُونَ وَيَا كُلُونَ كُمَّا تَاكُلُ الْآنَعَاءُ وَالنَّا رُمَّهُمِي لَهُمْ ۞

وَكَايِّنْ شِّ قَرْيَةٍ هِيَ إَشَدَّ قُوْةً مِّنْ قَرْيَتِكَ الَّتِيّْ إَغْرَجَتْكَ : إَهْكَنْهُو ۚ فَلَا نَاصُ ۖ لَهُوْ ۞

ٱفَمَنْ كَانَ كُلِ بِيِّنَةَ مِّنْ رَبِّهِ كَمَنْ زُيِّنَ لَهُ سُوَّءٌ عَمَلِهِ وَٱتَّبَعُواْ ٱهْرَاّعُهُ( ۞

مَثَلُ البَّنَّةِ النِّنُ رَعِدَ المَثَلُونَ، فِيهَا أَنْهُوْ مِنْ مَآلِ غَيْرٍ أَسِ وَالْفُرْوَقِ لَنِي لِلْ يَتَغَيَّرُ وَلَمْهُ وَالْفُرْوَقِي مَلَّا اللَّهِ لِلْفُرِينِينَ وَالْفُرْوَقِي عَلَيْ عَمْلُ مَقَلًى وَلَمُو فِيهَا مِنْ كُلِّ لِلْفُرِينِينَ وَالْفُرْوِقِينَ عَلَيْ مَعْلَى مَقْلًى وَلَمْهُ وَهِمَا إِنِّ كُلِينَ فِيهَا لِنَّهِ اللَّهِ فَاللَّهِ إِلَيْهِ وَسُورًا مَا مَنْهَا فَقَلُمْ أَمَا لَمَا وَهُورٍ وَمِنْ وَعَلَيْكُ فِي اللَّهِ إِلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّ

رَصِّهُمْ مُّنْ يُسْتَمِعُ إِلَيْكَ ،عَثَى إِذَا خَرَجُوا مِنْ عِنْدِكَ قَا لُوْا لِلَّذِيْنَ أَوْتُوا الْعِلْمِ مَاذَا قَالَ إِنْغُاسُ أُولَغِكَ الَّذِيْنَ طَبَعَ اللَّهُ عَلَى قُلُوبِهِمْ وَاثْبَعُواۤ الْهُوَّاءُهُمْ ﴿

وَالَّذِيْنَ اهْتَدَوْا زَادَهُرْ هُدِّي وَّاتُّهُرْ تَقُوْمُرْ ﴿

فَهَلْ يَنْظُوُونَ إِلَّا السَّاعَةَ آنَ تَالِيَهُمْ بَغُتَةً فَقَدْ هَاءَ أَهْرَاطُهَا \*قَاتَى تَهُرُ إِذَا جَاءَتُهُمْ ذِكْرُ نِهُر ۞ غَاغَكُمْ أَنَّهُ لَآلِهُ اللَّهُ وَاشَعْفِهُ لَذَنْهُكَ وَلَهُمُّ هُنِيْنَ

وَالْمُوْمِنْ وَاللّٰهُ يَغْلَرُ مُعَلِّلَكُمْ وَمَعْلَىكُمْ وَمَعْلِدُكُمْ هُ

رَبَعُولُ الَّذِيْنَ أَمَنُوا لَوْ لَا نُوْلَتُ سُورَةٌ عَلِزَا أَلَوْلَتُ سُورَةً شُحْكَمَةٌ وَلَكُرُ فِيهَا الْقِتَالُ، زَالْتِ الَّذِيْنَ فِي عُلُورِهِمْ مَّرَضٌ نَّنْظُرُونَ إِلَيْكَ نَظَرَ الْمَعْفِيِّ عَلَيْمِينَ الْمُؤْرِمِنْ مَثَوْلُ لَكُمْ (فَ

- ২১৷ -আনুগত্য ও ন্যায়সমত কথা: অতঃপর যধম (যুদ্ধের বিষয়ে) সিদ্ধান্ত চূড়ান্ত হল, তখন মদি তারা আন্তাহের কাছে সত্যবাদী হত তাহলে তাদের জন্য এটি অংশাই কল্যাপকর হত,
- ২২। যদি গোমরা (যুদ্ধ থেকে) মুখ ফিরিয়ে নাও তবে কি তোমারা আশা কর বে, তোমরা পৃথিবীতে ফ্যাসাদ সৃষ্টি করবে এবং তোমাদের আন্তীয়তার বন্ধন ছিন্ন করবেঃ
- ২৩। ওরাই তারা যাদেরকে আল্লাহ্ দা'নত করেছেন, অতঃপর তাদেরকে বাহির করেছেন এবং তাদের চন্দুসমূহ অন্ধ করে দিয়েছেন।
- ২৪। তবে কি তারা কুরআন নিয়ে গভীর চিন্তা করে নাঃ নাকি তাদের হনয়সমূহ তালাবদ্ধঃ
- ২৫। নিচ্চয় যারা নিজেনের নিকট সঠিক পথ শাষ্ট হওয়ার পরও তালের পিছনের দিকে থিরে গিয়েছে, শত্বতান তালেরকে প্ররোচিত করেছে এবং তালের মিধ্যা আশাকে প্রদাধিত করেছে।
- ২৬। এটা এজন্য যে, আল্লাহ্ যা অবতীর্ণ করেছেন তা যারা অপছন্দ করেছে, তাদেরকে তারা বলেছে, 'আমরা কোন কোন বিষয়ে তোমাদের আনুগত্য করব', আর আল্লাহ্ তাদের গোণন করার বিষয়টা অবগত আছেন।
- ২৭। ফেরেশভারা যথন তাদের চেহারা ও পিঠে আঘাত করতে করতে মৃত্যু ঘটাবে তথন তাদের অবস্থা কেমন হবে।
- ২৯। যাদের হৃদয়ে ব্যাধি আছে তারা কি মনে করে যে, আল্লাহ্ কখনো তালের বিষেষ প্রকাশ করে দিবেদ নাঃ
- ৩০। আর যদি আমি ইক্ষা করতাম ভারণে ভোরাকে ওলেবকে নেথিতে দিকাম এবং চুমি তালেবকে চিনাতে পারতে তাদের দক্ষণ নেথে। তবে অবশাই ছুমি ভালেবকে চিনাতে পারে তাদের কথার ভঙ্গিতে। আর আল্লার কোমানের কর্মসমূহ কবলে ভারতে।
- ৩১। এবং অবশ্যই আমি ভোমাদেরকে পরীকা করব যতক্ষণ না আমি তোমাদের মধ্য থেকে মুজাহিদদেরকে ও বৈর্ঘশীদদেরকে জেনে নিতে পারি (শেষ্ট করতে পারি) এবং তোমাদের থবরাদি পরীকা করে নিতে

- طَاعَةُ وَقُوْلٌ مَغْرُونٌ مَ فَإِذَا عَرَا اللّهُ مُتَ فَلَوْمَدَقُوا اللّهُ لَكَانَ خَبْرًا لَهُرْ فَهَلْ عَسَيْتُرْ الْنَ تَوَلَّيْشُرْ أَنْ تُفْسُدُوا فِي الْأَرْضِ وَتُقَطِّمُواْ
  - اَرْحَامَكُرْ ﴿ اُولَٰئُكَ الَّذِينَ لَعَنَهُرُ اللهُ فَاَصَّهُمُ وَآعَنِي اَبْصَا رَهُرُ ﴿
    - اَفَلَا يَتَدَبُّرُونَ الْقُرْانَ اَاعًىٰ قُلُوبٍ اَقْفَا لُهَا ۞
- إِنَّ الَّذِيْنَ ارْتَدَّوْا كَيِّ آدْبَا رِهِيرْ مِّنْ بَعْدِمَا تَبَيِّى لَهُرُ الْهُدَى َ الشَّيْطُ مَوَّلَ لَهُرْ وَآمْلُي لَهُرْ ۞
- ذُلِكَ بِالنَّمُرُ قَا لُوْا لِلَّذِينَ كَرِهُوْا مَا نَوْلَ اللَّهُ سَنُعَلِيْعَكُرْ فِي ا بَعْفِ الْآمَرِ سُوَاللَّهُ يَعْلَمُ إِسْوَا رَغُرْ ۞
- فَكَيْكَ إِذَا تَوَقَّتُهُمُ الْمَلَّئِكَةُ يَشْرِبُوْنَ وُهُوهُمُو وَآَدْبَا رَهُرُ ۞
- اَغَالَمُرْ ﴾ آَمَسِ الَّذِينَ فِي قُلُولِهِرْ مُّرَفٌ اَنْ لَّنْ يُخْدِعَ اللهُ اَهْفَانَدُ هِ
  - وَلَوْ نَشَآءَ لَارَيْنَكَهُرْ فَلَعَرَفْتَهُرْ بِسِيْمُهُرْ ، وَلَتَعْرِفَنَّهُرْ فِيَ لَكُ الْقُولِ ، وَاللهُ يَعْلَمُ إَضَا لَكُرْ ۞
  - وَلَنَبْلُوا تُكُورُ مَتْى تَعْلَرَ الْمُجْهِدِيْنَ مِنْكُورُ وَالصِّرِيْنَ وَنَبْلُوا أَخْبَارِكُو

- বিরোধিতা করেছে, তারা কথনো আগ্রাহর কোন ক্ষতি করতে পারবে না এবং শীঘট ভিনি ভাষের কর্মসমত বিফল করে নিবেন।
- ৩৩। ওছে যারা ঈশ্বান এনেড। তোমরা আনুগত্য কর আল্লাহর এবং আনুগত্য কর রাস্প্রের এবং তোমাদের কর্মসমূহ বিনষ্ট করো না।
- ৩৪। দিশুর যারা কুফরী করেছে এবং (মানুষকে) আল্লাহর পথ হতে বিরত রেখেছে এরপর কাফির অবস্থাতেই মৃত্যুবরণ করেছে তাদেরকে আল্লাহ্ কথনো ক্ষমা করবেন না।
- ৩৫। সতরাং তোমরা হীনবল হয়ো না এবং সন্ধির দিকে আহবান করো না এমন অবস্থায় যে ভোমরাই বিজয়ী: আর আল্লাহ তোমাদের সঙ্গে আছেন अकः किनि (काशासन कर्ड(धरा) कथरना हाम कररवन मा।
- ৩৬। দনিয়ার জীবন কেবল খেল-তামাসা, আর যদি তোমরা ঈমান আন এবং তাকওয়া অবলম্বন কর ভারলে আল্লাহ ভোমাদেরকে তোমাদের প্রতিদান দিবেন এবং তিনি ভোমাদের কাছ থেকে তোমাদের ধন-সম্পদ চান না।
- ৩৭। যদি তিনি তোমাদের কাছে তা চাইতেন এবং তোমাদেরকে চাপ দিতেন তাহলে তোমরা কৃপণতা করতে এবং তিনি তোমাদের বিছেষ প্রকাশ করে দিতেম।
- ৩৮। প্রহে ভোমরাই ভারা যাদেরকে আল্লাহর পথে ব্যয় করতে আইবান করা হাছে তথাপি ভোমানের কেউ কেউ কপণতা করছে, এবং যে কপণতা করে কে কো কপদতা করে ভার নিকের সাথে। এবং আহারট অভাবমন্ত আৰু ভোমৰাই ককিব (গৱীৰ), আৰু যদি ভোমৰা মূখ ফিরিয়ে নাও ভাষ্টে

ভোমাদের মত হবে না।

- أَعْمَا لَهُمْ ⊛ يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَّنُوٓ ا اَطَيْعُوا اللَّهَ وَ اَطَيْعُوا الرَّسُولَ وَلَا تُبْطِلُوا أَعْمَا لَكُرْ ﴿
- إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُواْ وَمَدُّواْ عَنْ سَبِيْلِ اللهِ ثُرَّ مَا تُواْ وَهُرْ كُفًّا رَّ فَلَنْ يَغْفَ إِللَّهُ لَهُمْ ﴿ فَلَا تَهِنُوْا وَتَدْعُوٓ ۚ إِلَى السَّلْيرِ ۗ وَٱنْتُيرُ الْآَعْلَوْنَ ۚ وَاللَّهُ مَعَكُيرُ
- وَلَنْ يُترَكُّرُ أَعْمَا لَكُرْ ﴿ انَّمَا الْعَيَوةُ الدُّنْيَا لَعَبُّ وَلَهُوَّ وَإِنْ تُؤْمِنُوا وَتَتَّقُوا يُؤْتِكُرُ أُجُوْ رَكُرْ وَلَا يَسْتَلْكُرْ آمُوَ الَّكُرْ ﴿
- انْ يَّسْتَلْكُمُوْهَا فَيُحْنِكُرْ تَبْخَلُوْا وَيُحْرِجُ آمْغَانَكُرْ ﴿
- هَا نُتُو هُو لَآء تُدْعَوْنَ لتُنْفقُوا في سَبيْل الله؛ فَمِنْكُرْ مَّنْ يَّبْخَلُ ، وَمَرْ، يَّبْخَلُ فَاتَّمَا يَبْخَلُ عَنْ تَّفْسه ، وَ اللهُ الْغَنُّ وَٱلْشَرُ الْفُقَرِّاءُ وَإِنْ تَتَوَلُّوا يَسْتَبْكِلْ قَوْمًا غَيْرِكُمْرُ وَتُرَا عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْ لَا يَكُوْ نُو ا أَمْغَا لَكُو شُو

৪৮. স্রা আল-ফাতহ, মাদানী ১৯ আয়াত ৪ কর

অসীম দয়াময় ও প্রম দয়াল আল্লাহর নামে

- ১। নিকয় আমি তোমাকে নিয়েছি এক সম্পষ্ট বিজয়<sup>\*</sup>-
- যাতে আল্লাহ্ তোমার অতীত ও ভবিষ্যত ফ্রটিসমূহ মার্কনা করতে পারেন এবং তোমার প্রতি তার নেয়ামত পূর্ব করতে পারেন ও তোমাকে সরল-সঠিক পথ প্রদর্শন করতে পারেন-
- ৩। এবং যাতে আয়াহ ভোমানে অভাবনীয় সাহায্য দান করতে পারেন।
  - ৪। তিনিই মুমিনদের ফ্রনরে প্রশান্তি অবতীর্ণ করেছেন যাতে তারা তালের সমানের সাথে সমান আয়ো বৃদ্ধি করতে পারে। এবং আব্যাপসমূহ ও পৃথিবীর বাহিনীসমূহ আয়াহ্বই এবং আয়াত্ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজ্ঞাবান-
  - ৫। যাতে তিনি মু'মিন পুরুষ ও মু'মিন নারীদেরকে প্রবেশ করতে পারেন জান্নাতদমূরে, বেওপোর নিচে নর্বদমূহ ববাহিত, বেখানে তারা ছায়ী হবে এবং তিনি তানের পাপসমূহ মোচন করে নিবেদ। এবং এটাই আল্লাহর কিট্রী ফ্রমা সাম্বাধান
  - ৬। এবং মাতে ভিনি মুলাঞ্চিক পুরুষ ও মুলাঞ্চিক নারী, মুলাফিক পুরুষ ও মুলাফিক মারীদেরকে -খারা আল্লাহ সহকে মন্দ থাবলা পোরণ করে-শান্তি দিতে পারেনা মন্দ অবস্থা ভাসেবই উপত, আত আল্লাহ ভালের প্রতি কুন্দ্ধ ব্যৱহেন এবং ভাসেকের লাশক ভারহেন ভারত প্রকৃত ক্যরেন্দ ভাসের জন্য জারান্ত্রাম। এবং তা কওই না নিকৃত্ত গন্তব্যস্থল।
  - ৭। এবং আকাশসমূহ ও পৃথিবীর বাহিনীসমূহ আল্লাহ্রই। এবং আল্লাহ্
     মহাপ্রকাপশালী ও মহাপ্রকাবান।
  - ৮। নিকর আমি প্রেরণ করেছি তোমাকে সাক্ষী, সুসাবাদলাতা ও সতর্ককারীরূপে-
- ১। যাতে ভোমরা ঈমান আনতে পার আগ্রাহ্ ও তাঁর রাসুলের প্রতি এবং তাকে (রাসুলকে) সাহাব্য করতে পার এবং তাকে সমান করতে পার; এবং সকালে ও সন্ধায় তাঁর (আগ্রাহ্র) পবিত্রতা ঘোষণা করতে পারে।
- ১০। দিকা বাবা বোনার নিকট বাবিহাত (আন্তর্জার পশত) করে রক্তপদেক তার বাবিহাত করে, আল্লাহর নিকট। আল্লাহর হাত আলের হাতের উপর, অত্যপর যে তার করনে, ৩। তার করারে পরিয়াই ভারেই, এবং যে আল্লাহর লাখে কৃত অলীকার পূর্ণ করনে, দীয়েই তিনি তাকে মহাজিলান দান করনে করা

۸۸ - مُرزة الفتر - مَارية اباتها - ۱۹ مرکزماتها - ۱۳ مرکزماتها بسئو الله الرّحمٰن الرّحدِدو

انًّا فَتَكْنَا لَكَ فَتُكًا مُّبِيْنًا أَ

لِّيَغْفِرَ لَكَ اللهُ مَا تَقَدَّاً مِنْ ذَنْ لِكَ وَمَا تَأَخُّرَ وَيُعِرِّ فِعْمَتُهُ عَلَيْكَ وَيَهْدِيكَ مِرَاظًا شَّنَقِيمًا ۞

وَيَنْمُرَكَ اللهُ نَمْرًا عَزِيْزًا ⊙

هُوَ الَّذِينَّ آثَوْلَ السَّكِيْنَةَ فِي قُلُوبِ الْمُؤْمِنِينَ لِيَزْدَادُوَّا إِيْمَا لِنَّامَّةِ إِيْمَانِهِرْ ، وَقِيْهِ جُنُودُ السَّمٰوٰتِ وَالْآرْضِ، وَكَانَ اللهُ عَلَيْمًا حَكِيمًا فَ

لَّهُذِهِا الْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِي وَلَّهُوْمِنِي جَنَّيِ تَجُورُ اِنِّ تَجْوَمُ اِنَّ تَحْتَمُ ا الْإِنْفُومُ لِمُلِينَ فِيهَا وَيُكَثِّرَ عَنْمُرْ سِيَّالِمِيْرُ وَكَانَ ذَلِكَ عِنْدَ، الله فَوْرًا عَظِيمًا فَ وَيُعْتَرِبُ الْمُنْطَعِينَ وَالْمُنْطِئِينَ وَالْمُنْطِئِينَ وَالْمُنْطِئِينَ وَالْمُنْطِئِينَ وَالْمُنْطِئِي الطَّآتِينَ بالشِّعَلِيِّ السُّوْءَ عَلَيْشِ ذَالِوَةً السُّوْءَ وَضَعْ اللهِ

عَلَيْهِمْ وَ لَعَنَهُمْ وَآعَدَّ لَهُمْ جَهَنَّى وَسَاءَتْ عَمِيْرًا ۞ وَلِلْهِ جُنُودُ السَّوٰلِ وَالْأَرْضِ وَكَانَ اللهُ عَرِيزًا حَجْيَمًا ۞

إِنَّا ٱرْسَلْنَكَ شَاهِدًا وْمُبَهِّرًا وْنَدِيْرًا ۞

ڷۣٚؾۊؙٛۄٮؙٛۉٵۑؚاللهِ وَرَسُوٛ لِهِ وَتُعَرِّ رَوْهَ وَتُوَقِّرُوهُ • وَتَسَيِّحُوهُ بُكُرَةً وَأَميلُان

إِنَّ الَّذِيثَى يُبَايِعُوْنَكَ إِنَّمَا يُبَايِعُوْنَ اللَّهُ وَنَّ أَلِيَّهُ وَفَقَ أَلَّهُ وَفَقَ إِيْنِ يَهْرِ وَفَهَى تَكَنَّ فَانْهَا يَنْكُفُ كَلَّ تَفْسِهِ وَمَنْ اَرَّفُى بِمَا غَيَّ يَهُنَّ كَلَيْهُ اللَّهُ فَسُيُّةً ثِهُ أَجِدًا عَظَيْمًا فَيْ

- ১১) বেছুলিনাক ৰখা বাত শিকান গোতে যাওয়া লোকোঁ শীন্তই কোবাকে কাহে, "মান্যানৰ দা-সম্পন্ন ও প্ৰিবাহনপিন্ধানা আন্মানককে থাব বোলাছিল, কতাৰ আন্মানক ৰাম্প আৰ্থন কৰম্প, এয়া বুল ভা ধানা যা আগত ছলকে নেই। কাং, "আগ্ৰাহন বিশ্বত কোনোক ৰাম্প ছিন্তু কাৰা ক্ষমতা থাব আহা কাং বিভি বিভাগতে কোনা কিছু কাৰা ক্ষমতা থাব আহা কাং বিভি বিভাগতে কোনা পৰিছ কাৰ্যাক কথা আহা কাং বিভি বিভাগত কোনা কিছু কথান কথা বোলালে। তাল মান্যা লাছা ইৰ্ছা কাৰেল কথা বোলালা। যা কতা সে সম্পন্ন বাছাত্ৰ পুৰিবাহন কাং বোলালা।
- ১২। বহং তোমরা ধারণা করেছিলে যে, রাসুল ও মুন্দিনরা তালের পরিবার-পরিবানে নিকট কথানা বিহে আসাবে না এবং এটিকে তোমানের ক্রায়ে ক্রান্টির করা হয়েছিল এবং তোমরা এক মন্দ ধারণা করেছিলে এবং তোমরা ছিলে এক ঋংস্মুখী সম্প্রদায়।
- ১৩। আর যারা আল্লার্ ও তাঁর রাস্ত্রের প্রতি ঈমান আনে না, আমি সে সব কামিরের জন্য প্রপ্তত করেছি লগত আঙ্কন।
- ১৪। বার আকাশসমূহ ও পৃথিবীর রাজত্ব আল্লাব্রই। তিনি বাকে ইচ্ছা করেন ক্ষমা করেদ এবং যাকে ইচ্ছা করেন শান্তি দেন। ক্ষার আল্লাত্ অতি ক্ষমাশীল ও পরম দ্যাল।
- ১৭ শীঘ্রই পিছনে থেকে যাবোর লোকেরা কাবে -ফন রোমনা মুক্তকর সপাদের নিকে যাবে তা গ্রহণ করতে- ম্যানালেরকে কোনাকর ক্রাকার করতে চাব্ । তারা আরারকে বাদী গরিকেই করতে হারা কর, 'রোমরা করবা আয়াকে অনুকরণ করে বা, আরার পুরেই তোরাকের বার করে সিয়েকের,' অভ্যানর শীঘ্রই ভারা বাবার, করে রোমরা আয়ানেরকে হিল্মা করত। 'বহু তারা সাম্যাইই বোধে।
- ১০। কেইন্সাৰৰ মথ মতে শিক্তন বেকে যাজায় লোকনাকে কৰা, "মুইই তোমানোকে প্ৰথক পৰিক মাধিবাৰী কে আহিন বিকল্প যুদ্ধ কৰেৰে ভাল হকে, খোনাৰা ভালেৰ সংস্ক হুল কৰাৰে অথবা ভাল মাঞ্জুবললী কৰাৰে, সভাপৰ মাদি ভালাৰ অনুস্থাপত কাৰ ভালায় আন্তালনাকৈ সুস্থাৰ প্ৰতিন্যা লিকে, আৰু বোৰালা পুৰিত কোনো কুই আপনী কৰা কোনাক পুনি প্ৰশান কৰালা ভিন্নী ভোমানোককে স্মান্থানাকক শান্তি কিনো।
- ১৭। অন্তের কোন পোষ নেই, খোঁড়ার কোন পোষ নেই এবং বোগীর কোন দোষ নেই। এবং যে আগ্রাহা ও তাঁর রাসুগের অনুগতার করের তাকে কি তিনি প্রবেশ কারনে লাত্রাকেন্যার, বেতবার নিচে সরকাহ্যক বার্কিত, আর যে পুঠ প্রদর্শন করেরে তিনি তাকে যন্ত্রগার্মক পাঞ্চি দিবল।
- ১৮ অবশাই আল্লাহ মুমিনদের উপর সন্তুষ্ট হল্লেছেন খবন তারা বৃক্ষতির নীচে তোমার নিচট বাইলাত আনুস্তাহ্যের শপথ) করলা এবং তাদের রুদয়ে যা বিল তা তিনি অবশাত হিদেন, অতঃপর ভানের উপর অবজীর্থ করদেন অশান্তি এবং তাদেরকে পুরুষার শিয়েনে এক নিতইবার্চী

سَتُغُولُ لَكُ الْمُطَلِّغُونَ مِنَ الاغْرَابِ مَعْلَقَعًا أَمُوا لَـنَّا رَاهُولُونَا فَاسَعُفُولُ لَنَا بِعَلَّى لَانِ بَالْسِنَعِيرُ مَّا لَئِسَ فِي قَلُورِهِرْ قَلْ فَعَنْ يَبْلِكُ لَكُرْ مِنَ الشَّعَيْدُ إِنِّ الرَّادِينَ [وَلَا رَجُرُ لَفَعًا بِلَى كَانَ اللَّهُ بِمَا تَعْمُلُونَ عَبِيرًا ﴿

بَلْ طَنَنْتُنْ أَنْ لِنَّهُ لِلَّهِ لِثَقَلِبَ الرِّسُولُ وَالْمُؤْمِنُونَ إِلَّى آهَلِيْهِمْ أَبَدًا وَزَلْيِّنَ ذَلِكَ فِي قَلُوبِكُمْ وَظَنَتْتُرْ ظَنَّ السَّوْءِ \* وَكُنْتُمْرُ قَوْمًا يُورًا @

وَمَنْ لَّرْ يُؤْمِنْ إِللَّهِ وَرَسُوْلِهِ فَإِنَّا آعْتَدْنَا لِلْكُفِرِيْنَ سَعْدًا هِ

وَلِلْهِ مُلْكُ } السَّمٰوتِ وَ الْآرَضِ، يَغْفَرُ لِمَنْ يَّشَاءً وَيَعَلِّبُ مَنْ يُشَاءً، وَكَانَ اللهُ نَهُوْرَ وَ الْآرَضِ، يَغْفَرُ لِمَنْ يَشَاءً وَيَعَلِّبُ مَنْ

سَيَعُولُ الْمُخْلِغُونُ إِذَا إِنْطَلَقَتُمْ إِلَيْ عَفَائِرَ لِتَأَكُّدُوهَا ذَرُونَا نَتْجِعْكُمْ بَيْرِيُدُونَ إِنْ يُبَيِّدُ لَواكَلُمَّ إِلَّهِ قَلَ لَنْ تَقْبِعُونَا كَذَلِكُمْ قَالَ اللهِي قَبْلَ، فَصَيْقُو لُونَ بَلَ تَصْدُونَتَا، بِلَكَانُوا كَرِنْقَتُهُونَ إِلَّاقِيلُاهِ

قُلْ لِلْمُعَلِّدِينَ مِن الاَجْرَابِ سَتَدَعُونَ الْ قَرْا الرايَّابِ }
هَدِيْدِ نَعَالِكُوْنَهُمْ أَوْيُسُلِينُونَ مَثَانُ تَطِيَّعُوا مُؤْتِكُمُ اللهُ 
أَهْرًا حَمَّنَا مَرَانُ تَتَوَلَّوْا مَنَا تَوَلَّيْمُ مِنْ قَبْلُ يُعَيِّبُكُمُ 
مِنْ عَمْلُ يُعَيِّبُكُمُ 
مِنْ عَمْلُ يُعَيِّبُكُمُ 
مِنْ اللّهُ الْمِنْا وَلِينَا وَلِوْنَهُمَ لَوْلَا مُنَا تَوَلَّدُمُ مِنْ قَبْلُ يُعَيِّبُكُمُ 
مِنْ اللّهُ الْمِنْا وَلِينًا ﴿

لَيْسَ مَنَ الْاَمْنِ مَرِيَّ وَلَا مِنَّ الْمُوَىِّ مَرِيَّ وَلَا مَنَ الْمَرِيْفِي هَرَجُّ وَهَنْ يَعِلِعُ اللّٰهَ وَرَسُولَ لَمَّ يُدْخِلُهُ جَنَّيٍ تَحْدِي مِنْ تَحْتِهَا الْآلَهُرُ وَهِنْ يَتَوَلِّ يَعْلَوْنِهُ عَذَابًا } أَلِيمًا أَنَّى

لَقَنْ رَضِيَ اللَّهُ عَنِ الْمُؤْمِنِيِّيَ إِذْ يُمَا لِعُوْنَكَ تَحْتَ الشَّجَرَةِ فَعَلَى مَا فِي قُلُونِهِمْ قَاثَوْلَ إِلسِّكِيْنَةَ عَلَيْهِمْ وَآثَا بَهُرْ فَتَحَا قَدْثُنَا هُ ettet-aw

১৯। এবং বিগল পরিমাণ যন্ধলর সম্পদ, হা তারা গ্রহণ করবে। এবং আল্লাহ মহাপ্রাপ্রালী ও মহাপ্রালালা

২০। আলার তোমাদেবকে প্রতিশ্রুতি নিয়েছেন যছলক্ষ বিপল সম্পদের -যা সোহবা গ্রহণ করতে অসংপর সিমি এটা সোহাদের জন্য ভবানিত করেছেন এবং তিনি তোমাদের থেকে মান্যের হাতকে নিকম কাবছেন गाएं और प्रतिसामन क्या अविकि निवर्गन काल भारत जाना किनि त्रकारात्मात्रक प्रात्तक-प्रातिक अध लावर्गत काराक भारतन-

১১ এক আবো (হডলভ সম্পদ) যা সোহাদের আয়ার আসেনি ভারশাই আলাত তা পরিবেট্টন করে রেখেছেন। এবং আলাহ সর্বিভার উপর सर्वशिक्ष्यातः

১১। আর কাফিররা যদি তোমাদের সাথে যন্ত করত ভাগলে অবশাই ভারা প্রত পদর্শন ক্রমত এবপর তারা ব্যান অভিবারক পেত না এবং কোন वाचाराकाती **०** सा

২৩। এটাই আল্লাহর সন্তত (দীতি) যা পর্বে গত হরেছে, তুমি আল্লাহর স্ত্রতে (নীতিতে) কোন পরিবর্তন পাবে না।

১৪। জিমি হারা উপত্যকার ভাদের হাত ভোহ্যাদের থেকে এবং ভোহাদের হাত তাদের থেকে নিবর করেছেন তাদের উপর তোমাদেরকে বিজয়ী কবাৰ পৰ এবং ভোমৰা যা কব সে সম্পৰ্কে আলাহ পৰ্ণ দৃষ্টিবান।

২৫। তারাই কম্বরী করেছে এবং বিরত রেখেছে তোমাদেরকে মসজিদে হারাম হতে এবং বাধা নিয়েছে করবানীর জন্য আবদ্ধ পতগুলোকে যথাস্থানে পৌছতে। (তোহাদেবকে হতের আদেশ দেয়া হত) যদি না থাকত এমন ভতক ম'মিন নর ও নারী যাদেরকে তোমরা জান না, তোমরা ভাদেরকে প্ৰমানিত কৰাত ফাল ভালেৰ কাৰণে অকাজেই ভোমাদেৰ উপৰ কলম্ব আপতিত হত। (যদ্ধের আদেশ দেয়া হয়নি) যাতে আল্লাহ যাকে ইন্দা নিজ দয়ার মধ্যে প্রবেশ করাতে পাবেন। যদি তারা পথক হত ভাহলে অৱশাই আত্মি লালের মাধ্য কাজিবাদবাক হঙ্গাদায়ক শান্তি দিজায়।

১৬৷ যখন কাঞ্চিবৰা তাদের ভ্ৰদয়ে অহমিকা পোষণ করল- জাহেলিয়াতের অচ্চিত্রা- সভান জালাচ জাঁব বাসল ও ম'ফিনাদৰ উপৰ স্থীয় প্রশানি অবতীর্ণ করনেন এবং তানেরকে তাকওয়ার বাণীতে (নীতিতে) সদচ وَعَنَّ كُرُ ۚ اللهُ مَغَانِيَ كَثِينَ الْأَتُلُونَهَا فَعَجَّالَ لَكُمْ هٰذِهِ وَكَفَّ أَيْدِيَ إِلنَّاسِ عَنْكُرْ ، وَلتَكُوْنَ أِيَةً لِّلْمُوْمِنِيْنَ وَيَهْدِيكُرْ صرَاطًا مُشتَقيْمًا ﴿

وَّمَغَانِيَ كَثَيْهُ اللَّهُ عُرْفَهَا وَكَانَ اللَّهُ عَنِيزٌ الْحَكَيْمًا ۞

وَّأُكُوٰ يَ لَهُ تَقْدَرُوا عَلَيْهَا قَدْ أَحَاطَ اللهُ بِهَا وَكَانَ اللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْءً قَديرًا ۞

وَلَهُ فُتَلَكُرُ الَّذِيْنَ كَفَوُوا لَوَ لَّوُ الْوَالْآدَبَا رَثُرٌّ لَايَجِدُونَ وَلَيًّا وَّ لَا نَصْبًا هِ

سُنَّةَ اللهِ الَّتِي قَدْ خَلَتْ مِنْ قَبْلُ حَوَلَنْ تَجِدَ لِسُنَّةِ اللهِ نَبْديناً

وَهُوَ الَّذِيْ كَتَّ آيُدِيَهُمْ عَنْكُمْ وَآيُدِيكُمْ عَنْهُمْ بَبَطْي مَكَّةُ مِنْ بِعْدِ أَنْ أَظْفَ كُيْ عَلَيْهِ ، وَكَانَ اللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيْرًا ۞

هُرُ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا وَمَدُّوكُمْ عَنِ الْمَشْجِدِ الْحَوَّا وَالْهَدْيَ مَعْكُوْ قَا أَنْ يَبْلُغَ مَحَلَّهُ وَلَوْ لَا رَجَا لُ مُؤْمِنُونَ وَنَسَّآءٌ مُّؤْمِنْيُ لِّرْ تَعْلَهُوْهُرْ أَنْ تَطَتُوْهُرْ فَتُصِيْبَكُرْ مِّنْهُرْ مِّجَّةٌ بِغَيْ عَلْي ء ليُدُخلَ اللهُ في رَحْمَتِهِ مَنْ يَشَآءُ ، لَوْ تَزَيَّلُوا لَعَدَّبْنَا الَّذيْنَ كَفَرُوْا مِنْهُرْ عَذَابًا ٱلْيُمَّا ﴿

انْجَعَلَ الَّذِيْنَ كَفَرُ رَا فِي قُلُوْ بِهِرُ الْحَمِيَّةَ مَمِيَّةَ الْجَاهليَّة فَأَنْ ٓ لَ اللَّهُ سَكِيْنَتَهُ عَلَى رَسُو له وَعَلَى الْمُؤْمِنِينَ وَٱلْهَ مَهُمْ كَلْمَةَ التَّقُوي وَكَانُوا أَحَقَّ بِهَا وَأَهْلَهَا وَكَانَ إِللهُ بِكُلِّ شَيْءً إِنَّ اللهِ بِكُلِّ شَيْءً إِنَّا اللهِ بِكُلِّ شَيْءً إِنَّا اللهِ بِكُلِّ مُنْ اللهِ بِكُلِّ مَنْ اللهِ بِكُلْ مِنْ اللهِ بِكُلْ مَنْ اللهِ بِكُلْ مَنْ اللهِ بِكُلْ مَنْ اللهِ بِكُلْ مَنْ اللهِ الله عَلْمًا هُ

- ২৭। অবশ্যই আল্লাহ তাঁর রামদের স্বপ্রটি প্রকতট সাতো পরিণত কলাকর<sup>\*</sup> আপ্তাহ যদি উচ্চা করেন ভাহনে ভোমরা অবশাই অবশাই মসজিদে राजार जिलाश्राम अरवस कराव- (कांप्रायन प्राथा प्रक्रिक व्यवसाय व्यव চল কর্তন করা অবস্থায়, তোমাদের কোন ভয় থাকবে না। একং তিনি তা জানেন যা তোমরা জান না. এবং এডাডাও ডিনি ভোয়াদেবকে ভিক্র on fantarili Gove
- ১৮: ডিনিট তাঁৰ বাসদকে পথনিৰ্দেশিকা ও সভা ঘীনসত প্ৰেৰণ কৰেছেন এটিক সকল ধীনের উপর ভাষী করার ভাষা। এবং সাকী চিসারে আলাহই যথেষ্ট (যে)-
- ২৯। -মহামদ আল্লাহর রাস্ত্র। এবং যারা তার সাথে আছে তারা কাঞ্চিবদের প্রতি কঠোর ও তাদের নিজেদের মধ্যে দরাশীল: আন্তাহর অনুহর ও সন্তুষ্টির উদ্দেশ্যে তুমি তাদেরকে রুকু ও সিজদা অবস্থায় দেখবে। ছোনের চেনার উপায় হল্ডে- তানের চেতারায় রয়েছে সিয়নার চিত্র-এটিই তাদের দ্বাধ্য তাওৱাতে এবং তাদের দ্বাধ্য ইনজীলে। যেমন একটি বীজ্ঞ, যেটি বের করে ভার অম্বর, অভঃপর সেটিকে পই করে, ফলে সেটি শক হয় এবং নিজ কাঙের উপর সোজা হয়ে দাঁভায় যা মারীদেরতে আনন্দ দেয়া রাজে সিনি সাদের হারা ক্রাজিবদের অন্তর্জারা সৃষ্টি করতে পাবেম। ভাদের মধ্যে হারা উমাম এমেছে ও সংক্রান্ত করেছে জান্তাহ তাদেরকে ক্ষমা ও মহাপ্রতিদানের প্রতিশ্রুতি নিক্ষক

لَقَدْ مَدَقَ اللَّهُ رَسُوْلَهُ الرُّوْيَا بِالْحَقِّ، لَتَدْخُلُنَّ الْمَشْجِدَ الْعَرَا] إِنْ شَاءَ اللهُ إِمنيْنَ مُكَلِّقِيْنَ رُءُوْسَكُمْ وَمُقَصِّيْنَ لَا تَخَافُوْنَ ، فَعَلَى مَا لَرْ تَعْلَمُوا فَجَعَلَ مِنْ دُوْن ذَلِكَ فَتُحًا قَ ثَنَّا ۿ

هُوَ الَّذِيُّ أَرْسَلَ رَسُوْلَهُ بِالْهُدِي وَدِيْنِ الْحَقِّ لِيُظْهِرَهُ كَلَّ الدَّيْنِ كُلِّه وَكَفِي بِاللهِ هَمِيْدًا ﴿ مُحَمَّدٌ رَّسُولُ اللهِ ، وَالَّذِينَ مَعَةَ آهَدَّاءً عَلَى الْكُفَّا رِرُحَمَّاءُ

بَيْنَهُ ﴿ تَا بُهُ وَ رُكُّعًا سُجَّدًا يَّبْتَغُونَ فَقْلًامَّنَ اللهِ وَرَفْوَ إِنَّا ا سَيْمَاهُمْ فَي وُجُوْهِهِمْ مَنْ أَتَهِ السُّجُوْدِ ﴿ لِكَ مَثَلُهُمْ فِي التَّوْرَاية ﴿ وَمَعَلُّهُمْ فِي الْإِنْجِيْلِ خِكَزَرْمِ ٱخْرَجَ هَطْئَةً

فَا زَرَةٌ فَاشْتَغْلَظَ فَاشْتَوٰى غَلْ سُوْقِهِ يُعْجِبُ ٱلزَّرَّاعَ لِيَغِيْظَ بهرُ الْكُفَّا رَ • وَعَدَ اللهُ الَّذِينَ أَمَنُواْ وَعَمِلُوا الصَّلَحُ عِمْنُهُ ۗ مُّغْفَ لَا وَ أَجْرًا عَظَيْمًا ۞

#### ৪৯. সূরা আল-ছত্ত্রতে, মাদানী বিটি ১৮ আয়াত ২ কব

অসীম দ্যাম্য ও প্রম দ্যাল আলাহর নামে

- ওহে যারা ইমান এনেছ। আল্লাহ্ ও তাঁর রাস্লের সন্থাও তোমরা অগ্রণী হয়ো না এবং আল্লাহতে ভয় কর। নিকয় আল্লাহ্ সর্বলোভা ও

  ফ্রান্তারী।
- ২। ওছে যারা ঈমান এনেছ। তোমরা নতীর কণ্ঠস্বরের উপর নিজেদের কণ্ঠস্বর উঁচু করো না এবং তোমরা তোমাদের পরম্পরের মধ্যে ফেডাবে উচ্চস্বরে কথা বল তার সাথে সেভাবে উচ্চস্বরে কথা বলো না, এতে তোমাদের কর্মান্দর বিশ্বল বলে যাবে অধ্যত তেমবা ঠেক গাবে না।
- ০। নিক্তর যারা আল্লাহর রাসূলের সামনে নিজেপের কণ্ঠখর নিতু করে, ওরাই তারা বানের হনরসমূহকে আল্লাহ তাকওয়ার জন্য পরীক্ষা করে নিয়েছেন। তালের জন্য রয়েছে ক্ষমা ও মহা প্রতিশ্রম।
- নিক্তর যারা হরের পেছন থেকে তোমাকে উচ্চস্বরে ডাকে, তাদের অধিকাপেই অনুধাবন করে না।
- ৫। এবং ভূমি বের হয়ে জদের দিকট আসা পর্যন্ত যদি তারা থৈর্য ধারণ করত তাহলে অবশ্যই তা তাদের জন্য উত্তম হত। আর আল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরয় দয়ল।
- ৬। গুরে যারা ঈমান একেছ। যদি কোন পাপাচারী তোমাদের নিকট কোন সংবাদ নিয়ে আলে, তবে তোমরা তা পরীক্ষা করে দেখবে, তা নায়লে অজ্ঞাবনগুর তোমরা তোন সম্প্রদায়কে ক্ষতিয়াক করে বনবে, অতঃপর তোমাদের কতকর্মের জন্ম তোমরা অনুগুর রবে।
- ৭। এবং ভোমরা জেনে রাধ বে, ভোমাদের মধ্যে রয়েছে বাল্লাবর রাস্থা। সে মনি অনেক বিবারে ভোমাদের আনুগতা কবার্ত তারলে অবনারীর ভোমরা রাই পাকের, কিন্তু বাল্লান্ত কোমাদের নিকট ইমানকে প্রিয় করেছেন এবং তা ভোমাদের ফ্রনার শোভনীর করেছেন এবং কুমন্তী, গাগালার ও অন্যানাতারক ভোমাদের নিকট অপ্রিয় করেছেন। ভারাই স্পরিকল্পত অভলানতারি-
- ৮। আল্লাহ্র পঞ্চ থেকে অনুহাহ ও নেয়ামতস্বরণ। এবং আল্লাহ্ সর্বজ্ঞানী ও

  মহাপ্রজ্ঞাবান।
- ৯। এবং মাৰ্ক স্থানিন্দার স্থানী দল গলপার মুক্ত দিব হত তবে আহবা আদের মধ্যে আগোন-নিশান্তি করে নিশ্নে অন্তর্গার মনি তানের একদা এপার লাগে বিভাগ্নে মানুহারটি করে করে মার মানুহারটি করে ভাগের বিভাগ্নে হোমারা মুক্ত করে বাকখা না তারা আরার্হার নির্বেশনে নিকে বিল্বে আহে, অন্তর্গান মনি তার নির্বাহন লোকে বাক্তা মানুহার মানুহার সাথে আবোদা-নিশান্তি করে বিলে এবং নারাইকার করবে। নিক্তা আহার মানুহারিকারটোল্লেকে তলবান্তর্গান করে। নিক্তা

#### 

يَّا يَّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُواْ لَا تُقَدِّمُواْ بَيْنَ يَدَىِ اللهِ وَ رَسُولِهِ يَأَيُّهَا اللهِ النَّ اللهِ النَّاسَمِيْعُ عَلَيْ ۚ ۞

يَّا يَّهَا الَّذِيْنَ اَمْنُوا لَاتَرْفَقُواۤ اَمُواَ لَكُمْرُ فَوْقَ صَوْتِ النَّبِيِّ وَلَا تَجْهَرُواْ لَهُ بِالْقُوْ لِ كَجَهْرٍ بِعُفِكُرْ لِبَعْضٍ آنَ تَحْبَطُ أَعْمَا لَكُمْ ۚ وَاَنْتُمْ لِاتَفْعُرُونَ ۞

اجه نعر راحي ونسورون إِنَّ الَّذِيْنَ اَمُنَّدِّنَ اللهُ وَلَوْ الْهَرِ عِنْدَ رَسُوْلِ اللهِ اولَّئِكَ الَّذِيْنَ امْنَدَّنَ اللهُ فَلُوْبُهُمْ لِلثَّقُوٰى؛ لَهُمْ مُغْفِرَةٌ وَآهُرٌ عَمْ الْدِيْنَ امْنَدَّنَ اللهُ فَلُوْبُهُمْ لِلثَّقُوٰى؛ لَهُمْ مُغْفِرَةٌ وَآهُرٌ

إِنَّ الَّذِيْنَ يُنَادُونَكَ مِنْ وَّرَآَّءِ الْكُكُونِ آكَتَوُمُيْ لَايَعْقَلُونَ ۞ وَلَوْ أَنْمُرْ صَرُواْ حَتَّى تَذُرُحُ إِلَيْهِرْ لَكَانَ خَيْرًا لَّمُرْ · وَاللّهُ

عَمُور رِحِيرِ ۞ يَأَيُّهُمَا الَّذِينَ أَمَنُوْ آ إِنْ جَآءَكُورُ فَاسِقٌّ بِنَمَا فَتَمَيَّنُوْ آ أَنْ تُعِينُواْ قَوْمًا بِجَهَا لِمَّةَ تَصْبِحُوا عَلَىماً فَتَلْمُرُ لَلْمِيْنَ ۞

رَاعَلَمُوْآ اَنَّ فِيكُمْ رَسُولَ اللهِ لَوَيُطِيعُكُمْ فِي كَعَيْرٍ وِنَّ الْاَمْ لَعَنَظِّرَ وَلَكِنَّ اللهَّ عَلَّى إِلَيْكُمُ الْإِنْمَانَ وَزَلَّتَكِيْ قَلُوبُمُّرْ وَكُوَّ إِلَيْكُمُ الْكُفْرَ وَالْفُسُوقَ وَالْعِمْيَانَ، أُولَقِكُ هُمُ الشَّمْدُونَ؟

فَفْلًا مِّنَ اللهِ وَنِعْمَةً ﴿ وَاللَّهُ عَلِيْرٌ حَكِيْرٌ ۞

رَانُ طَلَّا لَغْنِي مِنَ الْمُؤْمِنِينَ افْتَعَلُواْ فَأَصْلَحُواْ بَيْنَهُمَا ؛ فَانْ لِبَعْنَ مَقَاتِلُوا الْمُفْرَى فَقَاتِلُوا النِّيْنَ تَفِيعَى حَتَّى تَفَيِّعَ لِللَّهِ اللَّهِ وَاللَّهِ فَقَاتِلُوا النِّيْنَ تَفَاقِلُ اللَّهِ لَيْنَ فَقَاتِلُوا النِّيْنَ تَفَاقِهُ اللَّهِ لَا لَعَدُ لِ وَاقْسِطُوا اللَّهِ فَعَلَى اللَّهِ لَعَدْ لِوَالْمُؤْمَا لِللَّهُ لِعَدْ لِوَالْمُؤْمِنَ وَالْمُؤْمِنِينَ وَاللَّهِ فَعَلَى اللَّهُ لِعَدْ لِللَّهُ لِللَّهُ لِعَدْ لِللَّهُ لِللَّهُ لِللَّهُ لِعَدْ لِللَّهُ لَعَلَى اللَّهُ لَعَلَى اللَّهُ لَعَلَى اللَّهُ لَعَلَى اللَّهُ لَعِينَ اللَّهُ لَعِنْ اللَّهُ لَعِنْ اللَّهُ لَعَلَى اللَّهُ لَعَلَى اللَّهُ لَعَلَى اللَّهُ لَعِنْ اللَّهُ لَعِنْ اللَّهُ لَعِنْ اللَّهُ لَعَلَى اللَّهُ لَعِنْ اللَّهُ لِللْعَلَى اللَّهُ لِلللَّهُ لِلللْعَالَى اللَّهُ لِلللْعَالِينَ اللَّهُ لِلللْعَالَ اللَّهُ لِلللْعَالَ لِلللَّهُ لِلللْعَالِينَ اللَّهُ لِلللْعَالَ لِللْعَالِينَ اللَّهُ لِلللْعَالَ لِلللْعَالَ لِلللْعَالَ لِللللْعَالِينَ اللَّهُ لِللللْعَالَ لَمَا لَعَلَى اللَّهُ لَعُونَا اللَّهُ لِللْعَالَ لَمُعَلِّمُ اللَّهُ لِمَا لَمُنْ لِلللْعَالَ لِلللْعَالِينَ الْمُعْلِقَ لَمِنْ اللَّهُ لِللْعَالَ لِللْعَالَى اللَّهُ لِللْعَالِينَ الْعَلَى اللَّهُ لِللْعَالَ لِللْعَالَ لِلللْعَالِينَا لِللْعَالِينَ الْعَلَى اللَّهُ لِللْعَالَ لِللْعَالِينَ الْمُؤْمِنِينَ اللَّهُ لِللْعَلَى اللَّهُ لِللْعَلَى اللَّهُ لِلْعَالِينَا لِلْعَلْمُ لِلللْعِلْمُ لِللْعَلْمُ لِلْعِلْمُ لِللْعِلْمُ لِللْعِلْمُ لِللْعِلْمُ لِللْعِلْمُ لِللْعِلْمُ لِللْعِلْمِينَا لِللْعِلْمُ لِللْمُؤْمِنِينَا لِلْعِلْمُ لِللْعِلْمُ لِللْعِلْمُ اللْعِلْمُ لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِللْمُؤْمِنِينَا لِمِنْ اللْعِلْمُ لِلْمُؤْمِنِينَا لِللْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِمُؤْمِنِينَا لِللْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَ لِلْمُؤْمِنِينَا لِمِنْ لِلْمُؤْمِنِينَا لِمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنِينَا لِلْمُؤْمِنَا لِلْم

- দয়াগ্রাপ্ত হতে পাব। لَعَلَّكُمْ ثُرْحَبُونَ فَي ১১। ৩তে যাতা উদ্ধান এনেত। লোকেবা যেন অপৰ লোকদেবকে বিচ্নপ না
- يَّآيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُواْ لَايَشْخُوْ قَوْمٌ مِّنْ قَوْمٌ عَسِّي أَنْ يِّكُونُواْ कार (कामा जारा जाराम (नार्शन विकासकारीयान) कारा प्रेटा काम পাবে এবং নাবীবা যেন অপব নাবীদেবকে বিদ্রুপ না করে কেননা غَيًّا مِنْهُمْ وَلَا نِسَاءً مِنْ نُسَاء عَسَى أَنْ يُكُنَّ خَيًّا مِنْهُنَّ وَلَا কারা কালের (অর্থাছ বিভাগরাবিনীদের) কেল উক্স বল্ক পারে। কোমনা একে অপবকে দোষ দিও না এবং ভোমবা একে অপবকে মন্দ উপাধিতে ক্রেকা না। উমান আনার পর পাপ নাম করেই না মন। আর মারা জনরা करत या प्राक्ति व्यक्तिप
- ১১। ৩০ছ মারা উন্নান একেল। কোমরা অধিক অনুমান করা পরিবার কর। নিক্ষা কোন কোন অনুমান পাপ<sup>®</sup>এবং ডোমবা (অপারেব) দোষ অনুসন্ধান कार्या मा अवर अग्रक जाराज्य शीवाज (शिक्सम किस्स) करता माँ । (जाशासन মধ্যে কি কেউ তার মত ভাইয়ের গোশত থেতে পছন্দ করবেং আর রোম্বর একে অপছন্দ্রই কর। ভোমরা আলাহাক দ্বা কর। নিক্ষা ভারাহ তওবা কবলকারী ও পরম দয়াল।
- ১৩। তে মানষ! নিশ্বয় আমি সৃষ্টি ব্যবন্ধি কোমাদেবকে একজন পক্ষা ও একজন নারী থেকে এবং বানিয়েছি তোমাদেরকে বিভিন্ন ভাতি ও গোত্র যাতে ভোহরা পরম্পরকে চিনকে পার। নিশ্বর ভোহাতের হথে। प्रामाहर विकार का कार्किन प्रशिक प्रशासिक का कांग्रास्थव प्रत्या प्रशिक ভাকওয়াবান। নিশ্বয় আলাহ সর্ব্যন্তানী ও সর্ব্যন্ত।
- ১৪ বেলটনতা বলে, 'আমতা ঈমান এনেছি।' বল, 'ভোমরা ঈমান আননি, ৰৱঃ তোমৰা বল 'আমৰা উসলাম প্ৰৱণ ব্যৱতি' কাৰণ 'উমান' এখানা তোমানের ছনয়ে প্রবেশ করেনি।" আর যদি তোমরা আনগতা কর আল্লাহর ও তাঁর রাসলের ভারলে তোমাদের কর্মসমত থেকে তিনি কিডট ্রাস করবেদ না। দিশুর আল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরম দযাল।
- ১৫। ম'মিন তো কেবল তাবাই যাবা ঈমান এনেতে আলাহব প্রতি ও ভাব राज्यकार शक्ति । तरशत जान्यर (शामश स्टानिव) । तर्म जाता जान्यत जम्मम ও জীবন দিয়ে আলাহর পথে জিহাদ করেছে। তারাই সতাবাদী।
- ১৯। বল 'কোমবা কি আলাচাক কোমানের ভীন সম্পার্ক আন মান করছ অধ্য অন্তাহ জানেন যা কিছ আছে আকাশসমতে এবং যা কিছ আছে পথিবীতে?" এবং আলাহ প্রতিটি বিষয় সম্পর্কে ভালভাবে আনেন।
- ১৭। তাবা তোমাব প্রতি (এটি) অন্প্রহ বলে মনে করে যে, তারা ইসলাম গ্রহণ করেছে। বল 'তোমানের ইসলাম প্রচনকে আমার প্রতি অনপ্রত বলে মনে করো না, বরং আল্লাহই ঈমানের নিকে তোমাদেরকে পথপ্রদর্শন করে
- ভোমাদের প্রতি অন্ধ্যহ করেছেন যদি ভোমরা সভাবাদী হও। তোমরা যা কর সে সম্পর্কে আল্লাছ পর্বনষ্টিবান।

- تَلْمَوُّواً الْفُسَكُرْ وَلَا تَنَابَوُوا بِالْآلْقَابِ، بِكُسَ الِاشْرُ الْفُسُوْقُ بَعْدُ الْإِيْمَانِ، وَمَنْ لَّهُ يَتُبُقَا وَلَنْكَ هُو الظَّلْمُونَ ١٠ يَّا يُّهَا الَّذِيْرَ إِمَنُوا إِجْتَنبُوا كَثِيرًا مِّنَ الظَّنِّ الْ بَعْضَ الظِّنِّ اثْمَ ۚ وَّ لَا تَجَسُّوا وَلَا يَغْتَبْ بَّعْفُكُمْ بَعْضًا ﴿ آَيُحِبُّ
- أَحَدُكُمْ أَنْ يَّا كُلِّ لَدْيَ آخِيْهِ مَيْتًا فَكَ هُتُمُوهُ وَاتَّقُوا اللَّهَ ، انَّ اللهُ تَوَّ انَّ رَّحِيدٌ ﴿ يَّا يُّهَا النَّاسُ إِنَّا غَلَقْنُكُمْ مِّنْ ذَكِ وَّ أَثْثَى وَجَعَلْنَكُمْ شُعُوبًا
- وَّقَبَّ أَثْلَ لِتَعَا رَقُوا اِنَّ آخَرَمَكُرْ عِنْدَ اللهِ آثَقْكُرْ اِنَّ اللهَ عَلَيْرٌ خَبِيْرُ ۞ قَا لَبِ الْأَعْرَابُ إِمَنَّا ، قُلْ لَّهِ تُؤْمِنُوْ ا وَلَكِنْ قُو لُوْ ٓ ا أَسْلَمْنَا وَلَمَّا يَدْهُلِ الْإِيْمَانُ فِي قُلُوْبِكُرْ ، وَإِنْ تُطِيْعُوا اللهَ وَرَسُوْلَهُ لَا يَلْتُكُرُ مِّنْ أَعْمَا لَكُرْ شَيْكًا ﴿ إِنَّ اللَّهَ غَفُو رَّ رَّحِيْرٌ ﴿
- إنَّهَا الْهُوُّ مِنُونَ الَّذِينَ أَمَنُواْ بِاللهِ وَرَسُوْ لَهِ ثُرٌّ لَوْ يَوْتَا بُوْا وَجْهَدُوْا بِأَمْوَ الهِرْ وَأَنْفُسِهِرْ فِي سَبِيْلِ اللهِ • أُولِّ لِمُكَ هُرُ القدقون ه قُلْ ٱتَّعَلَّمُونَ اللهُ بديْنكُرْ -وَاللهُ يَعْلَرُ مَا فِي السَّمُوتِ وَمَا
  - في الْأَرْضِ، وَاللهُ بِكُلِّ شَيْ ۚ عَلَيْمٌ ۗ عَلَيْمٌ ۗ يَمُنَّوْنَ عَلَيْكَ أَنْ أَسْلَمُوْا - قُلْ لَّا تَمُنُّوا عَلَّ اسْلَامَكُيرْ • بَلِ اللَّهُ يَهُنَّ عَلَيْكُمْ أَنْ هَدْدِكُمْ لَلْاَيْمَانِ إِنْ كُنْتُمْ صُدَقْيَنَ ﴿
- إِنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ عَيْبَ السَّمَوْتِ وَالْأَرْضِ، وَاللَّهُ بَصِيْرٌ بَمَا عَلَيْهِ هَاللَّهُ عَلِيمًا اعد

نَعْمَلُونَ أَنْ

## ৫০. সূরা কাফ, মাকী ৪৫ আয়াও, ৩ জক্ ত্রুপ্ত অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

- কাফ, কসম মর্থানাপূর্ণ কুরআনের (যে, তুমি সতর্ককারী রাস্ত্র),
   ববং তরা বিভিত হচ্ছে যে, তানের কাছে এসেছে তালেরই মধ্য থেকে
- একজন সতর্ককারী, এবং কাফিররা বলে, 'এটা এক বিষয়কর ব্যাপার, ত আমরা মধন মরে বাব এবং মাসিতে পরিণত হব তবনত কি (আনরা প্রত্যাবর্তিত হব)। সুনুধপরাবত সেই প্রত্যাবর্তিন।'
- অবশ্যই আমি জানি মাটি তাদের কতটুক কয় করে এবং আমার নিকট বাফার একটি সংবছিত কিতাব।
- বরং তারা সত্যকে (কুরআনকে) মিধ্যা বলেহে যখন তা তানের নিকট এসেছে, ফলে তারা সংশয়্বপূর্ণ অবয়্রায় রয়েছে।
- ও। অবে কি তারা তালের উপর আকাশের দিকে লক্ষ্য করেনি, কিতাবে আমি তা নির্মাণ করেছি ও তাকে সুসঞ্জিত করেছি এবং তাতে কোন ফাইলও মেইঃ
- থাবং আমি পৃথিবীকে বিস্তৃত করেছি, ভাতে সুদৃত পর্বতমলা স্থাপন করেছি এবং ভাতে উদগত করেছি প্রত্যেক প্রকারের মনোরম উল্লিপ-
- ৮। (সত্যের দিকে) প্রত্যেক (অনুতাপের সাথে) প্রত্যাবর্তনকারী কন্দার লামা দৃষ্টি উন্যোচনকারী ও উপাদেশকারণ।
  ১। এবং আমি আকাশ থেকে বরকতমার পানি অবতীর্ণ করি, অতঃপর তা দিয়ে উৎপন করি উন্যানসময় ও শাসা দানা-
- ১০। এবং সউন্দ খেজর বন্ধ যাতে আছে ছবে ছবে খেছব তঞ্চ-
- আমার বান্দাদের জন্য রিষিকখরণ, এবং আমি তা (বৃট্টি) দিয়ে মৃত
- ভূমিকে জীবিত করি। এভাবেই হবে বের হওয়া (পুনরুখান)।

  ২২। তালের পূর্বে (রাস্পদেরকে) বিখ্যাবাদী বলেছিল নূহের সম্প্রদান,
  রাস -এর অধিবাসীরা (কপ ত্যালারা) ও ছামুদ-
- ১৩, এবং আদ, ফিরুআউন ও পত-এর ভাইয়েরা-
- এবং আইকাবাসী ও তুববা সম্প্রদায়। তারা সকলেই রাস্লদেরকে
   মিথ্যাবাদী বলেছিল, ফলে সত্য হয়েছিল আমার শান্তির প্রতিশ্রুতি।

آبَاتُهَا ١٠٠ رُكُوّاتُهَا - r - أَبَاتُهَا ١٠٠ رُكُوّاتُهَا - r - أَبَاتُهَا ١٠٠ رَكُوّاتُهَا - r - أَبَاتُها

قَ ﴿ وَالْقُرْانِ الْمَجِيْدِ ﴿ بْلَ عَجِبُواْ انْ جَاءُمُ ( مَّنْد رَّمْنَهُمْ فَقَالَ الْكُفُرُونَ هُذَا هَنَّ

٥-سر اقت مكية

بل عَجِبوا إن جاءَهُر مِنْدِ رَمِنْهِر قَعَالَ الْحَفِرُونَ هَذَا مُنَّا عَجِيْبٌ ۚ ۞ ءَاذَا مِثْنَا وَكُنَّا تُرَابًا وَلِنَا اللَّهِ رَجْعٌ يَعَيْدٌ ۞

قَدْ عَلَمْنَا مَا تَنْقُصُ الْأَرْضُ مِنْهُرُ وَعِنْدَنَا كِتْبٌ حَقِيقًا ۞

بَلْ كَذَّابُواْ بِالْحَيِّ لَمَّا مَآءَمُرْ فَهُرْ فِيَّ آمُرٍ مِّ ثِيْرٍ ۞ ٱفَلَمْ يَنْظُرُواْ إِلَى السَّمَّاءَ فَوْقَهُرْ كَيْفَ بَنْيُنْهَا وَزَلَيْتُهَا وَمَا

لَهَا مِنْ قُدُوْيَ وَالْاَرْضَ مَدَّدُهُمْ وَٱلْقَيْنَا فِيْهَا رَوَاسِيَ وَٱلْسَبْقَنَا فِيْهَا مِنْ كُلُّ رَوْعِ بَهْشِهِ هُ

تَهْرِدُّ وَّدِكُوْ مِ لِكُلِّ عَبْدٍ مِنْهِ هِي ۞ وَتَوْقُلُوْ مَا مِنَ السَّمَآءِ مَا أَوْمَارِكُمْ فَأَلْسَبْتُنَا بِهِ جَنْبِ وَحَبْ الْعَصْلِينَ ﴾

وَالنَّخُلَ الْسِفْيِ لَهَا طَلْعٌ نَفِيدٌ ﴿

كَذَّبَتْ قَبْلُهُرْ قَوْمُ نُوْجٍ وَّآمَهُ لِلرَّسِّ وَثُمُّودُ ﴾

وَعَادٌ وَّفِرْعَوْنُ وَ[غَوَ انُ لَوْطٍ ۞ وَأَصْعُبُ الْآيُكَة وَقُوْاً تُقِعِ، كُلُّ كَلَّبَ السُّلَ فَحَقَّ وَعَيْد ۞

an क्रमाणकर कारक अरल राधानासकारी श्रीप्रामक्रमकारी क সংस्कृ গোমধানারীয়েন-১৯৷ যে আলাহর সাথে অন৷ উলাহ বানিয়েছিল সতবাং তোমবা দ'লনে फारक करिय भावितक शिक्षश कर। ১৭। তার সঙ্গী (শহতাম) বলবে, 'হে আমাদের প্রতিপালক। আমি তাকে অবাধ্য করিনি, বরং সে (নিজেই) সুদর পথন্রউতার মধ্যে ছিল।

১৮। তিনি (আলাহ) বলবেন, 'আমার সামনে বগড়া করো না, তোমাদেরকে তো আমি শামিব প্রতিশ্বতি পর্বেট দিয়েছিলাম। ২৯। আমার কাছে কথা পরিবর্তন করা হয় না এবং আমি বান্ধাদের প্রতি 📆 ক্রলমকারী নট।

৩০। সেদিন আমি জাহাদ্রামকে বলব, 'ভমি কি পূর্ণ হয়ে গেছঃ' এবং লে (জাহানাম) বলবে, 'আরও আছে কিং' ৩১। আর জান্রাতকে মুস্তাকীদের জন্য নিকটে আনা হবে- দরে নয়। ৩১: বেলা হবে) এটি ভাই যার প্রতিশ্রুতি তোমাদেরকে দেয়া হয়েছিল-প্রত্যেক (আল্লাহ) অভিমুখী ও (আল্লাহর সীমা) হেকাজতকারীর জন্য,

🖈 চিক্তিত স্থানের জীকা পূরা দং : আয়াত নং অনুসারে তরস্তমার শেষে দের্থন

قَالَ لَا تَخْتَصُوْا لَدَى وَقَدْ قَدَّمْتُ الْيَكُرْ بِالْوَعَيْد ⊛ مَا يُبَدُّلُ الْقَوْلُ لَدَىٌّ وَمَاۤ إَنَاْ بِظَلًّا ۗ لِلْعَبِيْدِ ﴾ يَوْ اَ نَقُوْ لُ لَجَهَنَّرَ هَلِ إَمْتَلَاثَت وَتَقُوْ لُ هَلُ مِنْ مَّ يَد ⊕ وَأُزْلِفَ إِلْمَنَّةُ لِلْمُتَّقِينَ غَيْرَ بَعِيْدِ @

هٰذَا مَا تُوْعَدُونَ لِكُلِّ أَوَّابٍ مَفِيْظٍ ا

الَّذِيْ جَعَلَ مَعَ اللَّهِ الْهَا أَمَرَ فَٱلْقِيْدُ فِي الْعَذَابِ الشَّدِيْدِ ﴿

قَالَ قَرِيْنُهُ رَبَّنَا مَّآ ٱطْغَيْتُهُ وَلَكِنْ كَانَ فِيْ مَلْلِ بَعِيْدِ ﴿

مِّنَّاعِ لِّلْغَيْرِ مُعْتَد مُّرِيْبٍ ﴿

200

প্রত্যাবর্তনকারী ক্রমধ নিয়ে উপস্থিত ভ্রাহতে-

৩৪। (ভাদেরকে বলা হবে) 'তোমরা সালামের (শান্তির) সাথে। ভাতে প্রবেশ करा और खससकारलय किसा

৩৫। তাদের জন্য সেখানে ভাই থাকবে যা ভারা চাইবে এবং আমার নিকট বাষাতে আবাও অধিক।

৩৬। আর ডালের পর্বে আমি আরও কত প্রজনকে ধ্বংস করেছি যারা ছিল তাদের চেয়েও শক্তিতে প্রকা এবং ভাষা নগরসহতে ঘার কোনান। তাদের কোন পালানোর জারগা ছিল কিঃ

৩০, মিশ্বর একে অবশার উপায়শ বারাত সার জন্ম হার ক্রম্য আছে অভার যে শ্রবণ করে নিবিষ্ট চিত্র।

৩৮। আর অবশ্যই আমি আকাশসমহ ও পথিবী এবং উভয়ের মাঝে যা কিছ আছে তা সৃষ্টি করেছি ছব দিনের মধ্যে, এবং আমাকে কোন ক্রান্তি স্পর্শ কবেনি।

৩৯ অভএব ভারা যা বলে ভাতে ভমি ধৈর্য ধারণ কর এবং ভোমার প্রতিপালকের প্রশংসাসত পরিব্রতা ঘোষণা কর সর্বের উনয়ের পর্বে ক অন্তের পর্বে.

Ro এবং তাঁর পবিব্রতা ঘোষণা কর বাতের একাংশে এবং সিল্লনাসমূহের (সালাতসমূহের) পরেও।

৪১। এবং হলে রাখ, যেদিন এক ঘোষনাকারী নিকটবর্তী স্থান থেকে গোষনা কবৰে-

৪২। যেদিন তারা সভািই খনতে পাবে বিকট শব্দটি। এটিই (কবর থেকে) বের হানহার দিন।

৪৩। নিশ্চয় আমিই জীবিত করি এবং মৃত্যু ঘটাই, এবং গন্তব্যস্থল আমারই फिरक-

RR। যেনিন যামীন ভালের থেকে ফেটে যাবে- (ভারা বের হয়ে আগবে) দেও। এটি চাশব (সমাবেশ) যা আমাব জন্য সকজ।

দাও, যে আমার (শান্তির) প্রতিশান্তিকে ভয় করে।

مَنْ خَشَى إلَّ هُمْنَ بِالْغَيْبِ وَجَاءَ بِقَلْبِ مُّنيْسِ ﴿ إِذْ خُلُوْهَا بِسَلْمِ ﴿ ذَٰ لِكَ يَوْ ۗ ٱلْخُلُودِ ﴿

لَهُمْ مَّا يَشَاءُونَ فَيْهَا وَلَدَيْنَا مَ : يُدُّ @

سَرْيَة ق

وكَرْ آهْلَكْنَا قَبْلَهُرْ مِنْ قَرْن هُرْ آشَدُّ مِنْهُرْ بَطْسًا فَنَقَبُوا في البلاد، هَل منْ مُحيْص ⊛ انْ فِي ذَٰ لِكَ لَذَكُمٰ فِي لَمَنْ كَانَ لَهُ قَلْتُ ٱوْٱلْقَى السَّمْعَ وَهُوَ

شهيد ۾ وَلَقَدْ خَلَقْنَا [لسَّمُوت وَالْأَرْضَ وَمَا بَيْنَهُمَا فِي ستَّة أَيًّا ؟ تُ وَّمَا مَسَّنَا مِنْ لُغُوْبٍ ﴿

فَاشْبِ عَلَى مَا يَقُوْ لُوْنَ وَسَبِّي بِكَيْد رَبِّكَ قَبْلَ طُلُوع الشَّبْسِ وَقَبْلَ الْغُرُوْبِ ﴿

> وَمِنَ الَّيْلِ فَسَبَّهُهُ وَ أَدْبَا رَا لسُّجُود ٠ وَإِشْتَهِ إِنَّ أَيُّنَاد إِلْهُنَاد مِنْ مَّكَان قَوْيُهِ يُّهُ } يَسْمَعُونَ | لصَّيْعَةَ بِالْحَقِّ، ذَلِكَ يَوْمُ الْخُوْجِ ⊛

إِنَّا نَحْنُ نُحْي وَنُمِيْتُ وَالَّيْنَا الْمَمْيُّ ﴿ يَوْ } تَشَقَّقُ إِلْأَرْضُ عَنْهُرْ سِ إِعًا ﴿ لِكَ مَثْمٌ عَلَيْنَا يَسَيَّرُ ﴿

रेल अहा भा बात का था बादि मताहरत तिन बानि, बात वृधि कारन केशन हैं . فَذَكُرُ اللَّهُ مِنْ مُؤْمِّدُ اللَّهُ عَلَيْهِمُ وَجَدّا رِسْ فَذَكُرْ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِمُ وَجَدّا رِسْ فَذَكُرْ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِمُ اللَّهِ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللّ

بِالْقُدُ إِن مَنْ يَخَانُ وَعَيْدٍ ﴿

# ৫১. সূরা আম-যারিয়াত, মাঞ্জী ১০ অয়ত, ৩ পত্ অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

٥١-سُورُةُ الذَّرِيْتِ مَكِيَّةٌ اَبَاتُهَا-٢، رُكُونَاتِهَا-٣ بِسُو اللهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْدِ

১। কসম গ্রবলভাবে বিক্ষিপ্তকারীদের-

২। এবং (কসম) বোঝা (খন মেখ) বহনকারীদের-

৩। এবং (কমম) সহজভাবে চলাচলকারীদের-

৪। এবং (কসম, আগ্রাহুর) নির্দেশ বউনকারীদের-

নিকর তোমাদেরকে তে প্রতিশ্রুতি দেয়া হচ্ছে তা অবশ্যই সভ্য-

৬। এবং নিশ্চয় বিচাব দিন অবশাই সংঘটিত হবে।

৭। ক্সম বহু পথ বিশিষ্ট আকাশের-

৮। নিশ্চৰ তোমৰা (বিচাৰ দিন সম্পৰ্কে) অবশাই বিভিন্ন কথাৰ লিপ্ত-

১। যাকে বিদ্ৰান্ত করা হয়েছে তাকে তা হতে (অর্থাৎ বিচার দিন সংখটন সম্পর্কেট বিভ্রান্ত করা হয়।

১০। ধ্বংস হোক অনুমানকারীরা-

১১। যারা বিপথগামীভার (গোমরাহীভে) উদাসীন-

১২। তারা জিজাসা করে, "বিচার দিন কখন হবেঃ"

১৩। (বল) 'যেদিন তাদেরকে আগুনে শান্তি দেয়া হবে।'

১৪। (সেদিন বলা হবে) 'তোমরা তোমালের শান্তি আখাদন কর, এটাই তা যা তোমরা তাতাতাতি পেতে চেয়েছিল।'

১৫। (সেদিন) নিকর মুবাকীরা থাকবে জাল্লাতসমূহে ও কর্ণার মাকে-

১৬। উপজেগ করবে তা যা তাদের প্রতিপালক তাদেরকে নিবেন। নিকর তারা ইতঃপূর্বে (দুনিয়ার জীবনে) ছিল সংকর্মপরায়ণ।

১৭। তরো রাতের সামান্য অংশই অভিবাহিত করত নিলয়।

وَالدُّرِيْتِ ذَرْوًا ۞ فَالْخُمِلُتِ وَقْرًا ۞

ىكىسىيوروران فَالْجُرِيْتِ يُشْرًانُ

فَالْمُقَسِّمِ أَمْرًا ۞ إِنَّمَا تُوْعَدُونَ لَصَادِقٌ ۞

وَّالِنَّ الدِّيْنَ لَوَاقِعٌ ۞ وَالسَّمَّاءِ ذَاتِ الْسُبُّكِ ۞

إِنَّكُرْ لَفِيْ قَوْلٍ مُّخْتَلِفٍ ۞ يُوْفَكُ عَنْهُ مَنْ أَفِكَ ۞

قُعِلَ الْعَرَّمُونَ ۞ الَّذِينَ هُرُ فِي غَمْرَةٍ سَاهُونَ ۞ يَشْعَلُونَ إَيَّانَ يَوْمُ الدِّيْنِ ۞

يُوْ)َ هُرْ فَلَ النَّارِيُفْتَنُونَ ۞ دُوقُواْ فِتَنَتَكُرُ • هٰذَا الَّذِيْ كُنْتُرْ بِهِ تَسْتَعْجِلُونَ ۞

إِهِدِيْنَ مَا أَنْهُر رَبُّهُرْ وَأَنَّهُ كَانُواْ قَبْلَ ذُلِكَ مُحْسِنِينَ ﴿ كَانُواْ قَلْلُامْنَ الَّيْلِ مَا يَهْجَعُونَ ﴿

الْ الْمُتَقِينَ فِي جَنْت وَعُيُون ﴿

No. (10) जोता तात्रक तथा अवस्त चडा आधीर असक.

১৯। এবং তাদের ধন-সম্পদে ছিল<sup>\*</sup> সাহয্যপ্রার্থী (ভিক্তক) ও বন্ধিতের (ফতির -যিমনীদের) অধিকার।

১০। আৰু নিশ্চিত বিশ্বাসীয়েৰ জন্য পথিবীকে নিচৰ্গনাবলী বাহাস-

551 अटन (काम्रास्थ्य विस्तासम्बद्ध प्रदेश)। प्रदेश कि (काम्रास द्वार क्षा

১১। এবং ভারাদে বাহাত নোমাদের বিভিন্ন এবং বে (জারাজ জারারাদ্রের) প্রক্রিকতি ভোমাদেরকে দেয়া হঙ্গে ভাও .

বাখা-বার্ম্মা বলব।

১৪. তোমার নিকট ইবরাহীমের সম্মানিত অভিদিসের বলাল এসেতে কি ৮

১৫। হখন ভারা ভার নিকট প্রারশ বাবল এবং বলল 'সালাছ' ভারত সে বলন, 'সালাম', (ভাবলেন এরা তো) অপরিচিত লোক,

১৮। অতংপর সে (টববাচীম) তাব লীব নিকট গেল এবং একটি ভটা-পটা (ভালা) বাছর নিয়ে আসল-

১৭। অভঃপর তা তাদের নিকট রেখে বলল, 'তোমরা কি খাবে নাঃ'

২৮। অতঃপর সে তাদের থেকে ভীতি অনুভব করল। তারা কলল, 'ভয় করকেন না।' এবং তারা তাকে এক জানী পত্র-সন্তানের সসংবাদ দিল।

২৯। তখন তার স্ত্রী চিংকার করতে করতে সামনে আসল এবং তার চেহারা চাপড়াল এবং বলল, '(আমি) এক বৃদ্ধা-বন্ধ্যা (আমার আবার সন্তান হৰে)!'

৩০। তারা বলদ, 'এরপই বলেছেন আপনার প্রতিপালক। নিক্তর তিনিই মহাপ্রজাবান ও সর্বজানী (

وَبِا لْإَشْكَارِهُرْ يَسْتَغْفُرُونَ ۞

وَ فَيْ أَمْوَ الْهِمْ حَقٌّ لَّلْسَأَتْلِ وَالْمَحُورُ } ﴿

وَغِي الْأَرْضِ إِنَّ لَلْمُوْقِنِينَ ٥ وَ فِي اَنْفُسكُمْ ، اَفَلَا تُبْمِ وْنَ @

وَفِي السَّمَاءِ رِزْقُكُرْ وَمَا تُوْعَدُونَ @ ২০৷ অভ্যৰ আৰাণ ও পৃথিৱঃ প্ৰতিশালকে কমম, নিজা আ (অৰ্থা) ﴿ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ ا

> تَنْطُقُونَ شَ هَلْ ٱتْلِكَ مَدِيْتُ مَيْفِ إِبْهِ هِيْرَ الْمُحْرَمِيْنَ ﴿

اذْ دَخَلُواْ عَلَيْهِ فَقَا لُوْا سَلْمًا ، قَالَ سَلْمٌ ، قَوْمٌ مُّنْكُرُونَ ١ فَاغَ إِلَّ الْهُلِّهِ فَجَاءً بِعَجْلِ سَمِينَ ﴿

فَقَوْ بَدُ إِلَيْهِ \* قَالَ إِلَا تَأْكُلُونَ ﴿

فَاَوْجَسَ مِنْهُمْ عَيْفَةً قَا لُوْا لَاتَخَفْ وَبَشُّرُوهُ بِغُلْمٍ

فَأَقْبَلَتِ إِمْرَ أَتُدَّ فِيْ صَرَّةٍ فَمَكَّتْ رَجْهَهَا رَقَا لَتْ عَجُوْ زُّ

فَا لُوْ إِ كَذَٰ لِكَ وَاللَّ رَبُّك، إِنَّهُ هُوَ الْحَكْثِرُ الْعَلْيرُ ﴿

į	৩১। সে (ইবরাহীম) বলল, 'হে প্রেরিভরা (ফরেশতারা)! অতঃপর তোমাদের
i	ব্যাপার কীঃ'

- ৩২। তারা বলল, 'নিশ্চর আমরা এক অপরাধী সম্প্রদারের প্রতি প্রেরিত অব্যক্তি-
- ৩০। তালের উপর নিক্ষেপ করার জন্য কাদা মাটির পাধর-
  - ৩৪। যা সীমালজনকারীদের জন্য চিহ্নিত (করা আছে) আপন্যর প্রতিপাদকের
- নিকট।'
  ৩৫। সূতরাং নেথানে যেসব মু'মিন ছিল আমি তাদেরকে বের করে
- এনেছিলাম,

  ৩৬। এবং দেখানে আমি কেবল মুসলিমদের একটি ষরই<sup>®</sup> পেডেছিলাম,
  - ৩৭। এবং যারা যন্ত্রপানায়ক শান্তিকে তয় করে আমি তাদের জন্য এতে একটি নির্দশন রেখেছি।
  - ওচ। এবং (নিলর্পন রেপছি) মূদার মধ্যে, যখন আমি তাকে সুস্পট প্রমাণসহ বিস্কোটনের নিকট প্রেথণ করেছিগাম। ওঠা বিজ্ঞানে সামবাদসভ মধ্য কিরিয়ে নিদা এবং বদদা, 'সে এক আদুকর
  - অথবা পাগল।'

    80। সতরাং আমি ভাকে ও ভার বাহিনীকে পাকডাও করসাম এবং ভাদেরকে
  - সমৃদ্ৰে নিক্ষেপ করলাম, এমন অবস্থায় যে সে ছিল ভিবস্কৃত।

    ৪১। এবং (নিলৰ্শন হোখেছি) আদ-এর মধ্যে হখন আমি তানের উপর প্রেরণ
  - করেছিলাম অকল্যাগকর বায়ু,

    ৪২। তা হার উপর নিষেষ্ট বায়ে গিয়েছিল তার কোন কিছকেই ছিল-বিচ্ছিন্ন না
  - করে ছাড়েনি।

    ৪০। এবং (নিনর্শন বেগেছি) ছামদ-এর মধ্যে যখন তাদেরকে বলা ব্যাছিল,
- 'হোমনা একটি নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত ভোগ করে নাও।'

  ৪৪। অত্যপের তারা তাদের প্রতিশালকের নির্দেশন অবাধা হল, ফলে
  বন্ধুস্থানি তাদেরকে পাকড়াও করদ, এমন অবস্থায় যে তারা দেবছিল।
- ত। এবং তারা উঠে দাঁড়াতে পারেনি এবং তারা আত্মরকা করতেও সক্ষম এছনি

৯ চিহিত প্রানের টীকা সুরা নং : আরাক নং অনুসারে তরকমার শেশে দেখুন

- قَا لُوْٓ ۚ إِنَّآ أُرْسِلْنَاۤ إِلَى قَوْرَامُجْرِمِيْنَ ﴾
  - لِنُرْسِلَ عَلَيْهِمْ حِجَا رَةً مِّنْ طِيْنٍ ﴾ مُّسُّمَّةً عَنْدَ رَبَّكَ للْمُشْ فَيْنَ @

قَالَ فَمَا خَطْبُكُر أَيُّهَا الْمُرْ سَلُوْنَ ۞

- فَأَغْرَجْنَا مَنْ كَانَ فِيْهَا مِنَ الْمُؤْمِنِيْنَ ﴿
- فَمَا وَجَدْنَا فِيهَا غَيْرَ بَيْتٍ مِنِّى الْمُسْلِمِينَ ﴾ وَتَرَحْنَا فِيْهَاۤ أَيْةً لِلَّذِينَ يَضَافُونَ الْعَدَابَ الْاَلِمِيرَ ﴿
- رَقَىْ مُوْسَى إِذْ آ رَسْلُنُهُ إِلَى فِرْعَوْنَ بِسِلْطِي مَّبِيْنِ ﴿ وَقَوْلُ بِرُكْنِهِ وَقَالَ سُحِّ آوْمَكُنُونٌ ﴿
  - فتولى يِركِنِهِ وَفَالَ سَحِرِ أَوْمَجَنُونَ ۞ فَآغَذُنْهُ وَجُنُودَةً فَنَبَدُنْهُمْ فِي الْيَرِّ وَهُوَ مُلَيْرٌ ۞
  - فَأَغَذَانُهُ وَجَنُودُهُ فَنَبُدُانُهُمْ فِي الْيَرِّ وَهُوَ مُلِيْمٌ ﴿
    وَفَيْ عَادِ اذْ أَرْسَلُنَا عَلَيْهُ لِ الرِّيْدَ الْعَقَيْرَ ﴿
- مَا تَذَرُمِن شَيْءٌ أَتَتَى عَلَيْهِ إِلَّا جَعَلَتُهُ كَا لِرِّمِيْرِ ۞ رَفْ تَمُودَ إِذْ قِبْلَ لَهُرْ تَمَتَّعُوا حَتَّى حِيْنِ ۞
  - رِي مَرْدِ رِدِينَ عَمْرُ مَسُوا عَمَى عِيْنِ ﴾ فَعَتْوَا عَنْ أَمْرٍ رَبِّهِمْ فَاَخَذَتُهُرُ المَّعِقَةُ وَهُرْ يَنْظُرُونَ ۞
    - مَدُواعِيَّ الْهِ رَبِّهِي فَعَالَمُ وَمَا كَانُواْ مُنْتَمُولِينَ ﴾ فَمَا اسْتَطَاعُوْا مِنْ قِيَا ؟ وَمَا كَانُواْ مُنْتَمُولِينَ ﴾

১. সূরা আধ-যারিয়াত	পারা-২৭	وْرَةُ الدِّرِيْتِ
৪৬। এবং (ঋংস করেছি) ইতঃপূর্বে নূহের সম্প্রদায়কে। নিক্তর তার পাপাচারী সম্প্রদায়।	ছিল এক টি ট্রি	قُوْ مَ نُوْحٍ مِّنْ قَبْل، إِنَّهُرْ كَانُوْ ا قَوْمًا فَسِقِينَ وَ
৪৭। এবং আকাশ, একে আমি নির্মাণ করেছি (আমার) ক্ষমতা নিক্তর আমি অবশ্যই (এর) সম্প্রসারণকারী।	बरम अवश हुँदे	السَّمَاءَ بَنَيْنَهَا بِأَيْدٍ وَ إِنَّا لَمُوْسِعُونَ ⊛
৪৮। এবং পৃথিবী, একে আমি বিছিয়ে দিয়েছি, এবং (আমি) কতা বিছানাকারী!	্ না উত্তম	الْأَرْضَ فَرَشْلُهَا فَنِعْرَ الْلهِدُوْنَ ⊛
৪৯। এবং আমি প্রতিটি বস্তুকে জোড়ায় জোড়ায় সৃষ্টি করেছি, যার উপদেশ এহণ করতে পার।	ত তোমবা ভ	مِنْ كُلِّ شَنَّهُ خَلَقْنَا زَوْجَيْنِ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُونَ
৫০। অতথ্যৰ তোধরা আল্লাহ্র দিকে ধাবিত হও। (বল) "নিশ্চর পক্ষ থেকে ভোমাদের জন্য একজন সুম্পন্ট সতর্ককারী,	আমি তাঁর	يُرِّقُ إِلَى اللهِ وَإِنِّيْ لَكُرْ مِّنْهُ نَذِيْرٌ مُّبِيْنٌ ﴾
৫১। এবং তোমরা আল্লাহর সাথে অন্য কোন ইলাহ (উপাস না। নিক্তর আমি তার পক্ষ থেকে তোমাদের জন্য একজ- সতর্বকারী।*		لَا تَجْعَلُواْ مَعَ اللهِ إِلَّهَا الْخَرَ ﴿ إِنِّيْ لَكُمْ مِّنْهُ نَا
৫২। এতাবেই তালের পূর্ববর্তীদের নিকট এমন কোন রাস্পা আসে বে, তারা (তাকে) বলেছে, 'একজন আদুকর অথবা পাপদা।	لَّا قَا لُوْا سَاحِرٌ الْاِلَةِ الْمُ	ڬ لِكَمَا ۚ أَتَى الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِرْ مِّنْ رَّسُوْلٍ إِ 'مَجَنُونْ ۚ ۚ
<ul> <li>৫০। ভারা কি পরশ্বরকে এ উপদেশই দিয়ে আসছিল। বরং ' সীমাদকদকারী সম্প্রনায়।</li> </ul>	হারা এক	نَوَا صَوْا بِهِ ۚ بَلْ هُرْ قَوْمٌ طَاعُونَ ﴾
৫৪। অতথ্য তুমি তাদেরকে উপেক্ষা কর, আর এ জন্য তুমি কি না।	ाकृष्ठ दर्द	نَوَلْ عَنْهُرْ فَمَّا ٓ أَنْتَ بِمَلُوْرٍ ا
৫৫। এবং তুমি উপদেশ দাও, কারণ নিকয় উপদেশ মু'মিনদের আনে।	উপকারে	ذَكِّرْ فَإِنَّ الدِّكْرِي تَنْفَعُ الْمُؤْمِنِينَ ⊛
৫৬। এবং আমি জ্বীন ও মানুষকে সৃষ্টি করেছি যেন তারা কেব ইবাদত করে।	প আমার	مَا خَلَقْتُ الْجِنَّ وَالْإِنْسَ إِلَّا لِيَعْبُدُونِ
৫৭। আমি তাদের থেকে কোন রিষিক চাই না এবং এও চাই না আমাকে বাওয়াবে।	যে, ভারা ভি ভূ	اَ ٱرِيْدُ مِنْهُرْ مِّنْ رِّزْقِ وَمَاۤ ٱرِيْدُ اَنْ يُّطْعِمُوْد
৫৮। নিশ্য আল্লাগ্ই রিবিকদাতা, ক্ষমতাবান ও মহাশক্তিমান।		نَّ اللهَ هُوَ الرِّ زَّاقُ ذُوالْقُوَّةِ الْمَتِيْنُ ۞
৫৯। অতএব নিক্তা যারা জুলুম করেছে তাদের জন্য রয়েছে (পাত্তির তাদের (পূর্ববর্তী জালিম) গাখীদের (পাত্তির) তাশের অনুরুগ তারা যেন আমাকে তাড়াতাড়ি করতে না বলে।		يانَّ لِلَّذِيْنَ ظَلِّمُوْا دَنُوْبًا مِِّقْلَ دَنُوْبٍ شَتَعْجِلُوْنِ
৬০। অতএব দুর্ভোগ তাদের জন্য যারা অবিশ্বাস করেছে তাদের যেদিনের প্রতিশ্রুতি তাদেরকে দেয়া হচ্ছে।	ट्रमिन्नरक इस्	وَ يَكُلْ لِلَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ يَّوْمِهِرُ الَّذِينَ يُوعَدُ

 ৫। ক্রম্ম সউত ছাদের (আকাশের)-৬। ক্ৰমত স্মীত সমদেব -

وَالْبَحْرِ الْمَسْجُوْرِ أَ انْ عَذَابَ رَبُّكَ لُوَ اقعٌ أَنْ ও। ত্রিক্ত কোয়ার প্রতিপালকের মারি অর্থাই সংঘটিত হবে-৮। যাব কোন প্রক্রিবোধকারী নেই-

مَّا لَهُ مِنْ دَافِعٍ قُ يُّو ۗ ) تَمُوْرُ إِلسَّمَاءُ مَوْرًا لِسُمَّاءُ مَوْرًا فَ ৯। সেটির আকার প্রকলিত হবে প্রক্রমাতে-

وِّتَسِيُّ الْجِبَأَلِ سَيْرًا أَيْ ১০। এবং পর্বভসমূহ চলবে ফ্রুভ গতিতে।

فَوَيَّل يَّوْمَعُد للمُكَدِّبِينَ ١ ১১। অভএব সেদিন দুর্ভোগ মিখ্যা অভিহিতকারীদের জনা-ٱلدِيْنَ هُرُ فِي خَوْضِ يَلْعَبُونَ ٢ ८५ जाना त्थानाकरम प्रकर्णक जनाव जिल्हा शास्त्र ।

يَوْ أَيُدَعُونَ إِلَى نَا رِجَهَنَّرَ دَعًّا ﴿ ১৩ যেদিন তালেবকে সঞ্চোৰে থাঞা দিয়ে নিয়ে যাওয়া হবে জাহানামের धाकरस्य मिरकः هٰذِهِ النَّارُ آلتي كُنْتُر بِهَا تُكَذَّبُونَ ٠ ১৪। (বলা হবে)'এটাই সে আগুন যাকে ভোমরা অধীকার করতে।

أَفَسَحُو ۚ هٰذَاۤ أَا ۗ أَنْتُر ۚ لَاتُبُم ۗ وُنَ ۗ هَ ১৫। তবে কি এটা জাদ+ না কি তোমবা দেখতে পাচ্ছ নাঃ ১৬। তোমরা এতে প্রবেশ কর, অভঃপর তোমরা সহ্য কর অথবা সহ্য না কর (উভয়ই) তোমাদের জন্য সমান। তোমরা যা করতে তারই প্রতিফল

امْلَوْهَا فَاصْبِرُوا ٱوْلَاتَصْبِرُوا ﴿ سَوَاءً عَلَيْكُمِ ۚ ﴿ إِنَّمَا تُجْزَوْنَ مَاكُنْتُ ثَعْمَلُوْنَ هِ cestulments near time ( انَّ الْمُتَّقِينَ فِي جَنَّت وَّنَعِيرٍ ﴿ ১৭৷ নিক্স মুব্রাকীরা থাকবে জান্নাত ও নিরামতসমূহের মধ্যে-

r চিক্তিত স্থানের টীকা সরা নং : আরাত নং অনুসারে তরক্ষমার শেকে লেপ্রন

১৮। তাদের প্রতিপালক তাদেরকে যা নিবেন তা তারা উপজেপ করবে
এবং তাদের প্রতিপালক তাদেরকে তীত্র আতানের শান্তি থেকে রক্ষা
করবেন।
১৯। বিস্তা করের 'বেটারলা ভারবের কর ও পার কর ব্যাহারর স্থান্তর ভার

৫২, সরা আত-তর

- ১৯। (বলা হবে) 'তোমরা আহার কর ও পান কর, ভোমরা যা করতে ভার বিনিময়ে-
- ২০। -সারিবদ্ধভাবে আসনসমূহের উপর হেলান দিয়ে', এবং আমি ভাদেরকে বিয়ে দিব ভাগর নয়না হুরদের সাথে।
- ২১। একং যারা দ্বিমান এনেছে ও তালের সন্ত্রাদ-সম্ভক্তি দ্বিমানের সাথে তালের অনুসরণ করেছে, আমি তালের সাথে তালের সন্তর্মান-সম্ভবিকে মিদিত করব এবং তালের কর্ম থেকে কিছুই আমি ,ব্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি তার অর্জনের (কৃতক্রমের) কাছে দারপ্রতঃ
- ২২। এবং অমি তাদেরকে সরবরাহ করব ফল-মূল ও গোপত, তা হতে যা তারা আক্তরকা করবে।
- ২৩৷ দেখানে তারা পরস্পরের মধ্যে (সুরাপূর্ণ) পানপাত্র আদান-প্রদান করতে থাকৰে, সেখানে না হবে কোন অসার কথা আর না হবে কোন পাপ
- থকা তালেরকে ফুরে ফুরে পরিবেশন করবে তাদের কিশোরেরা (পিলখান) বেন তারা সরক্ষিত মজা।
- ২৫। এবং তারা একে অপরের সামনা-সামনি হয়ে (অতীত সম্পর্কে) জিল্লাসাবাদ করবে।
- ২৬। তারা বলবে, "নিশ্য আমরা পূর্বে আমাদের পরিবার-পরিজনের মধ্যে (অর্থাৎ দুনিয়াতে) ভীত-পরিত ছিলাম।
- ২৭। সুতরাং জামাদের প্রতি জাদ্রাহ্ অনুপ্রহ করেছেন এবং আমাদেরকে ট্রি কলসে দেরা (আতদের) শান্তি থেকে রক্ষা করেছেন।
- ২৮। দিক্য আমরা ইতঃপূর্বে তাঁকে (আরাহকে) ডাকতাম, নিক্য ভিনিই 🕏 পরম দাতা ও পরম দয়াল।'
- ২৯। অতএব তুমি উপদেশ দাও, আর তোমার প্রতিশালকের নেয়ামতে তুমি গণক নও এবং পাগলও নও।
- ৩০। তারা কি বলে, 'সে একজন কবি। আমরা তার জন্য কালের বিবর্তনের (মৃত্যুরা) প্রতীক্ষা করছি?' ৩১। বল 'তোমবা প্রতীক্ষা কর, তার নিক্তর জামিও তোমাদের সাথে প্রতীক্ষা
- করছি।"
- ৩২। তবে কি তাদের বৃদ্ধিমন্তা তাদেরকে এ বিষয়ে (অর্থাং এ কথা বলঙে) নির্দেশ দেয়, না কি তারা এক সীমানজ্ঞনকারী সম্প্রদায়ঃ
- ৩৩: তারা কি বলে, 'সে এটি (কুরআন) বানিয়ে বলেছে;' বরং তারা বিশ্বাস করে

- كُلُواْ وَاشْرَبُواْ هَنِيْغًا بِمَا كُنْتُر ۛ تَعْمَلُونَ ﴿
  - مُتُكَئِينَ بَلَي سُورُ رَمَّهُوْ فَلَدَءُ وَزَوَّجِنْهُ رِيْحُورُ وعَيْنِ @
- ۯٳٞڵڹٳؽڹۜٳؘڡؘٮؙۉٳٷٳٿڹۼؘؿۿڕۮؙڒۣؾؖؿۿڕۛڽٳؽڡٙٳڹٳٛڰۘؾٛؽٵڽؚۿۣڕ ڎؙڔۣؿؖؾؙۿڕۯڞٵؘۜڷؿؽۿڕڎٞۑٚۼؽڸڡۣڕڎۣۺ۠ۿٷ۠ۥػ۠ڵٳۿڕؿؠڽؚۻ
  - كَسَّبَ رَهِيْنَّ ۞ وَآهَدُدُنْهُمْ ۚ بِفَاكِهَةَ وَّلْحُمِ ٍ مِّمًّا يَشْتَهُوْنَ ۞
  - يَتَنَا زَعُوْنَ فِيْهَا كَأْسًا لَّالغُوْ فِيْهَا وَلَا تَأْثِيْرٌ ﴿
  - وَيَطُوْنُ عَلَيْهِرْ غِلْمَانَ لَهُرْ كَالَّهُرْ لُوْ لُوَّ مَّحُنُونَْ ۞ وَٱقْبَلَ بَعْشُهُرْ عَلَى بَعْضٍ يَّسَّاءَ لُوْنَ ۞
    - قَا لُوَّ إِنَّا كُنَّا قَبُّل فِيَّ إَهْلِنَا مُشْفَقِيْنَ ⊚ فَمَنَّ اللهُ عَلَيْنَا وَوَقْنَا عَذَاٍ لَ السُّوْرُ ) ۞
  - الله كُنَّا مِنْ قَبَّلُ نَدْعُونُهُ · إِنَّهُ هُوَ الْبَرِّ الرِّحِيْدُ ﴾
  - فَلَكِّرْ فَمَّا آنْتَ بِنِعْمَتِ رَبِّكَ بِكَاهِي وَّلَامَجْنُونٍ ۞ آ)يَقُولُونَ هَاعِرٌ لُتَرَبِّصُ بِهِ رَيْبَ الْمَنُونِ ۞
    - قُلْ تَرَبَّصُواْ فَانَّى مَعَكُر مِّنَ الْمُتَرَبِّصِينَ۞
    - ٱ) تَأْمُرُهُمْ أَخْلَامُهُمْ بِهِٰذَاۤ أَأْهُرُ قَوْمٌ طَاعُونَ ٥

৫২. সরা আত-তর	পারা-২৭	٢٥-سُوْرَةَ المُكُوْرِ
৩৪। তাহলে এর অনুরূপ কোন কথা তারা নিয়ে আসুক- যদি তারা সং হয়।	ত্যবাদী	فَلْيَا تُوا بِحَدِيْتِ مِثْلِهِ إِنْ كَانُوا صِيقِيْنَ ﴾
৩৫। তারা কি কোন কিছু (অর্থাং প্রতা) ছাড়াই সৃষ্টি হয়েছে, না কি (নিজেদের) প্রতী?	তারাই	أَأْخُلِقُواْ مِنْ غَيْرٍ هَنَّ أَاْ هُرُ الْخُلِقُونَ ﴿
৩৬। না কি তারা আকাশসমূহ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছে? বরং তারা । বিশ্বাস করে না।	নিশ্চিত	ٱٓٱخۡلَقُوا السَّبُوٰتِ وَالْاَرْضَ ، بَلْ لَّا يُوْقِئُونَ ﴿
৩৭। তাদের নিকট কি তোমার প্রতিপালকের ভাগ্যরসমূহ বয়েছে, তারাই এ সবের নিয়ন্ত্রকং	मा कि	أَاْعِنْدَهُمْ مُزَّآئِنُ رَبِّكَ أَاْهُرُ الْمُقَيْطِرُونَ ﴿
৩৮। মা কি তাদের এমন কোন সিড়ি আছে বাতে (আরোহণ করে) তার করেঃ তাহলে তাদের সেই গ্রোভা সুপ্ণষ্ট প্রমাণ উপস্থিত করুক।	<b>الطني</b> العالمة	أَٱلهُرْ سُلِّرْ يُسْتَمِعُونَ فِيْدِ، قَلْيَاْتِ مُسْتَمِعُهُرْ بِسُ
৩৯। তবে কি কন্যা সপ্তান তীর জন্য এবং পুত্র সপ্তান তোমাদের জন্য	,	ميدن ف أَاللهُ الْبَنْتُ وَلكُم الْبَنُونَ ف
৪০। তবে কি ভূমি (হে মুহামদঃ) তাদের কাছে প্রতিদান চাও, ফরে খণেরতারে জর্মনিতঃ	ৰ ভাৱা	أَاْ تَسْتَلُهُر ٱجْرًا فَهُر مِنْ مَغْرَ إِمُّثْقَلُونَ ﴿
৪১৷ নাকি ভালের কাছে আছে অদৃশ্য (এর ভান), ভাই ভারা ভা লিং	(CR)	آ آعِنْدَهُمُ الْغَيْبُ فَهُر يَكْتُبُونَ ﴿

৪২। তবে কি তারা কোন ষড়যন্ত্র করতে চায়ঃ পরিণামে কাফিররাই হবে ৪৩। ভাচের কি আল্লাহ হাড়া অন্য কোন ইলাহ আছে? আল্লাহ পৰিত্র তা হতে হা ভারা শরীক কবে। ৪৪। আর যদি তারা আকাশের কোন খণ্ড ভেঙ্গে পড়তে দেখে<sup>®</sup> তবুও তারা

যভযক্রের শিকার।

৪৫। অভএৰ ভাদেরকে ছেড়ে দাও তাদের সেদিনের সন্মুখীন হওয়া পর্যন্ত খেদিন ভাদেবকে সংজ্ঞাহীন করা হবে-

বলবে, '(এটা) এক পুঞ্জীভূত মেঘমালা।'

৪৬। যেদিন ভাদের যতৃহস্ত ভাদের কিছুই কাজে আসবে না এবং ভাদেরকে সাহায়াও করা হবে না।

৪৭। আর নিশুর এটা ছাতা আরো শান্তি রয়েছে জালিমদের জনা, কিছু তাদের অধিকাংশই জানে না।

৪৮। আর (হে নবী!) ভূমি ধৈর্য ধারণ কর ভোমার প্রতিপালকের হকুমের (ফয়দালার) জন্য, আর নিশ্চয় ভূমি আমার চোধের সামনেই রয়েছ এবং ওমি ভোমার প্রতিপালকের প্রশংসাসহ পবিত্রতা খোষণা কর যখন ভূমি (সালাতে<sup>\*</sup>) দাঁভাও-৪৯। এবং তাঁর পরিব্রতা ঘোষণা কর রাতের কিছু অংশে ও তারকারাজি

فَذَ رَهُر مَتَّى يُلْقُوا يَوْمَهُر ٱلدِي فِيْهِ يُصْعَقُونَ ٥ يَوْ اَ لَا يُغْنِي عَنْهُرْ كَيْدُهُرْ شَيْئًا وَّلَا هُرْ يُنْصَرُونَ ﴿ وَانَّ لِلَّذِيثَى ظَلَمُوا عَذَابًا دُونَ ذَلِكَ وَلَكِنَّ آكُثُوهُمْ لَا

أَا يُويْدُونَ كَيْدًا ، فَأَلَدِيْنَ كَفَرُواْ هُرُ الْمَكِيْدُونَ ﴿

أَأْ لَهُمْ إِلَهٌ غَيْرُ اللهِ سُبُحَى اللهِ عَمَّا يُشْرِكُونَ ﴿

وَإِنْ يَّرُواْ كِشْفًا مِّنَ السَّمَّآءِ سَاقِطًا يَّقُوْ لُواْ سَحَابٌ

وَاصْبِرْ لِعُكْرِ رَبِّكَ فَانَّكَ بِأَعْيُنِنَا وَسَبَّـ ٛ م

303

مرْكُوْأُ ۞

# ু ৫৩. সূৱা আন-নাজম, মাজী ১১ আয়াত, ৩ জত্

১। ক্রম্ম ভারকার হারন ভা পভিতে হয়-

২। তৌমাদের সঙ্গী পথন্তই হয়নি এবং বিপথগামীও হয়নি,

৩। এবং সে মনগড়া কথাও বলে না।

8। এটি ওহী ছড়ো আর কিছু নয় যা (ভার প্রতি) ওহী করা হয়-

৫। তাকে শিক্ষা দিয়েছে অতি শক্তিশালী একজন (কেরেশতা)-

৬। সৃষ্টিগতভাবে শভিশালী। এবং সে নিজ আকৃতিতে স্থির হয়েছিল-

৭। এমন অবস্থায় যে সে ছিল উর্ধা দিগজে।

৮। এরপর সে.(রাস্লের) নিকটকর্তী হল এবং ছুলে থাকল-

১। ফলে তাদের মধ্যে দুই ধনুকের ব্যবধান রইল অথবা ভারও কম,

১০। অতঃপর তিনি (আরাহ্) তাঁর বান্দার প্রতি যা ওহী করার তা ওহী করলেন।

১১ং যা সে দেখেছে (তার) অন্তর তা মিথ্যা বলেনি।

১২। সে যা নেখেছে তোমরা কি সে বিষয়ে তার সাথে বিভর্ক করছঃ

১০। আর অবশাই সে তাকে দেখেছিল আরেক অবতরণকালে১৪। শেষ প্রান্তের কলগাচের (সিদরাতল মনতাহার) নিকট

১৫: যার নিকট অবস্থিত জান্লাতুল মাঞাা (বসবাসের বাগান)

১৬। যথন কুলগাড়টিকে যা ঢাকার ডা চেকে দিল-১৭। তাব দার্টি বিচাত ক্রমনি এবং সীমান ফাট্রিয় যায়নি।

১৮। অবশাই সে তার প্রতিপালকের বড় বড় নিদর্শন থেবে (কিছু নিদর্শন)

দেখেছিল। ১৯। তোমরা কি ভেবে দেখেছ 'লাভ' ও 'উহাবা'<sup>\*</sup> সম্পর্কে-

২০। এবং ততীয় আরেকটি 'মানাত' (নামক নারী মতি) সম্পর্কে-

٥٣-سُورُةُ النَّجْرِ-مَكِيَّةٌ ابَاتَهَا-٢٠٠٠رُكُومَاتِهَا ٢ بِسُمِ اللَّهِ الرَّحْمُ الرَّحِيْمِ

الم المستورية ا

مًا قُل صَاحِبُكُر وَمَا غَولى ٥ وَمَا يَنْطِقُ عَنِ الْهُولى ۞

اِنْ مُورَ إِلَّا وَهُنَّ تُوْهٰى ۞ عَلَّهَهُ شَدِيدُ الْقُوٰى ۞ دُوْمِ، لَا ، فَاسْتَهِ ٰى ۞

دومِرةٍ افاستوى ۞ وَمُوَّ بِالْأَفْقِ الْآفْلُ ۞ لُيُّ ذَنَا فَتَدَلِّ ۞ فَكَانَ قَابَ قَوْشَيْنِ أَوْ أَدْنُى ۞

فَأَوْضًى إِلَىٰ عَبْدِهِماً أَوْمُىٰ ۞ فَأَوْضًى إِلَىٰ عَبْدِهِماً أَوْمُىٰ ۞ مَاكَنَبَ الْفُؤَادُمَا رَأَى ۞ أَفْتُمُوْثَةً كَلَّى مَا يَرِٰى۞

اَقَتُمْرُوْنَدَئَىٰ مَا يَرِىٰ وَلَقَدُرَاُهُ نَرِّ لَقَ اَخْرِیٰ ﴿ عِنْدَسِدُرَةِ الْفُتْتَىٰ ﴿ عَنْدَهَا مَنَّةُ الْمَاوٰیٰ ﴿

إِذْ يَغْفَى السِّدْرَةَ مَا يَغْفَى ۞ مَا زَاغَ الْبَصَرُّ رَمَا طَغَى ۞ لَقَدْ رَأِي مِنْ أَذِي رَبِّهِ الْكُبْرِي ۞

 ১১ তোমানের জন্য কি পুত্র সন্তান এবং তাঁর (আগ্রাহর) জন্য কন্যা সন্তানঃ

২২। এটা তো তাহলে এক অসঙ্গত বন্দীন।

২৩। এছলো কতক নাম ছাভা অন্য কিছু নয়, যেছলোর নাম রেখেছ ভোমরা ও তোমাদের পিতপুরুষরা, বেওলো সম্পর্কে আল্লাহ কোন প্রমাণ অবতীর্ণ করেননি। তারা কেবল অনমানের অনসরণ করে একং প্রবল্জি যা চায তার, আর অবশ্যই তাদের কাছে এসেছে তাদের প্রতিপালকের পঞ্চ (शंदक शशकियांक्रिका ।

১৪ . মান্য (এপ্রলোর কাছে) যা আকাক্ষা করে তা জি সে পায়ঃ

২৫। বরং পরকাল ও ইছকাল আল্রাহরই।

২৬। আর আকাশসমূহে কত ফেরেশতাই তো রয়েছে, তাদের সুপারিশ কিছই কাজে আসবে না, তবে (কাজে আসবে) আন্তাহর অনমতি দানের পর যার জন্য তিনি ইচ্ছা করবেন ও (যার প্রতি) সন্তুষ্ট হবেন।

১৭। মিশ্চর যারা আধিরাতের প্রতি ঈমান আমে না ভারাই ফেরেশভাদেরকে নারীবাচক নাম দিয়ে থাকে

২৮। অথচ এ বিষয়ে তাদের কোন জান নেই। তারা কেবল জনুমানের অনসরণ করে, আর নিশ্চয় সত্যের বিপরীতে অনুমান কিছুই কাজে আসে स्य

২৯। অতএব যে আমার স্বরণ থেকে মুখ ফিরিয়ে নেয়, তমি তাকে উপেক্ষা কর, সে কেবল দনিয়ার জীবনই কামনা করে।

৩০। এই হল তাদের জ্ঞানের পরিমাণ। নিশুয় তোমার প্রতিপালকই সবচেয়ে বেশি জানেন কে ভার পথ থেকে বিচাত এবং তিনিই সবচেয়ে বেশি ছ্যানেন কে সঠিক পথ অবলম্বন করেছে।

৩১। আর আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও পথিবীতে যা কিছু আছে তা আল্লাহরই, যাতে যারা মন্দকাল করেছে ভাদেরকে তিনি ভাদের কাল্ল অনুযায়ী প্রতিফল দিতে পারেন এবং উত্তম প্রতিদান দিতে পারেন ভাদেবৰে থাবা উল্লেখ আল এবেল্ড

৩১। যাবা জোট-খাট্ট অপরাধ ছাড়া বড় বড় পাপ (করীবা গুনাচ) ও অলীল কাজসমহ পরিহার করে। নিশ্বর তোমার প্রতিপালক ব্যাপক ক্ষমার অধিকারী। তিনি তোমাদের সম্পর্কে সবচেয়ে বেশি ভানেন যথন ভিনি তোমাদেবকে সৃষ্টি করেছিলেন মাটি খোলে এবং মঞ্চন সোম্বরা ছিলে পরিচ্ছতার দাবী করো না। তিনি সরচেয়ে বেশি জানেন কে ভাক্তরা। खरलक्स काराहा

تلُكَ إِذًا قَسْمَةٌ ضَيْرٍ أَي ۞

ه-سورة النعير

أَلكُم ُ الذَّكِرُ وَلِهُ الْأَنْثَى @

انْ هِيَ الَّا ٱسْمَاءً سَنْيَتُمُوْ هَاۤ ٱنْتُرْ وَٱبَّا وُّكُرْمُّاۤ ٱنْزَل اللهُ بِهَا مِنْ سُلْطِي وَانْ يَتَّبِعُونَ إِلَّا إِلظَّنَّ وَمَا تَهْوَى إِلْإَنْفُسُ عَ وَلِقَدْ جَاءَ هُرْ مِنْ رَبِّهِرُ الْهُدَى ٥

أَمُّ للْانْسَانِ مَا تَمَنَّى اللهُ فَللَّهِ الْإِخْرَةُ وَالْأُوْلِي ﴾

وَكَرِرْ مِّنْ مَّلَكِ فِي السَّمُواتِ لَاتَغْنِيْ شَفَاءَتُهُمِرْ شَيْئًا إلَّا مِنْ بَعْد أَنْ يَأْذَنَ اللهُ لَمَنْ يَشَآءُ وَيَرْضَى ⊛

إِنَّ ٱلدَيْنَ لَا يُؤْمِنُونَ بِالْأَحْرَةَ لِيُسَمُّونَ الْمَلَّاكَةَ تَسْمِيَّةَ

وَمَا َلِهُرْ بِهِ مِنْ عِلْمِ ﴿ إِنْ يُتَّبِعُونَ إِلَّا ٱلظَّنَّ ۚ وَإِنَّ ٱلظَّنَّ لَا يُغْني مِنَ الْعَقّ شَيْئًا ﴿

فَأَعْرِضْ عَنْ مَّنْ تَوَلِّيءٌ عَنْ دِكْرِنَا وَليرْ يُرِدْ إِلَّا الْعَيْوةَ الدُّنْيَا ﴿ ذٰ لكَ مَبْلَغُهُر مْنَ الْعلْمِ وَإِنَّ رَبِّكَ هُوَ أَعْلَم ُ بِمَنْ ضَّل عَنْ سَبِيْلِهِ وَهُو ٓ أَعْلَى المَّنَا اهْتَدَاى فَ

وَلِلَّهِ مَا فِي السَّمُوتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ، لِيَجْزَى ۚ الدَّيْنَ ٱسَاَّءُواْ بِمَا عَمِلُوا وَيَجْزِيَ ٱلذِينَ آهُسَنُوا بِالْحُسْنِي ٥

أَلَدَيْنَ يَجْتَنبُونَ كَبِّئْمَ الْأَثْرِ وَالْفَوَاحِسَ الَّا اللَّمَرَ • انَّ رَبِّكَ وَاسعُ الْمَغْفِ ةَ مُورَ أَعْلَى مُركُمْ اذْ أَنْشَأَكُمْ مْنَ الْأَرْضِ أَعْلَمُ بِمَنِ اتَّقِي أَهُ

৫৩, সুরা আন-নাজম পারা-২৭	٣٠- سُوْرَةَ النَّجْرِ
৩৩। তুমি কি সে ব্যক্তিকে দেখেছ যে মুখ ফিরিয়ে নিয়েছে <sup>*</sup> -	ٱفَرَءَيْتَ ٱلذِي تَوَلَى ﴿
৩৪। এবং সামান্যই দান করেছে এবং বন্ধও করে দিয়েছেঃ	وَآعْطَى قَلِيلًا وَّآكِدُى
৩৫। তার কাছে কি অদৃশ্যের জ্ঞান আছে যে, সে (যা ঘটনে তা) দেখছেঃ	اَعِنْدَةً عِلْرُ الْغَيْبِ فَهُو يَوْي
৩৬। তাকে কি তা জানিয়ে দেৱা হয়নি যা আছে মূদার সহীকাসমূহে-	آآلر ْ يُنَبَّا بِمَا فِيْ مُحُكِّ مُوْسَٰى۞
৩৭। এবং ইবরাইামের (সহীক্ষাসমূহে), যে (ভার দান্তিত্ব) পুরোপুরি পালন রুবেজিলা	وَإِبْرُهِيْرَ أَلْنِيْ وَفِّيٓ ﴾
৩৮। তা এই হে, কোন বোঝাবহনতারী অন্যের বোঝা বহন করবে না-	الْآلَةِ رُوَا زِرَةً وِّذْرَ أُخْرِى ٥
৩৯। এবং এও যে, মানুষের জন্য কেবল তা-ই <sup>*</sup> রয়েছে যা লে প্রচেটা চলায়-	وَأَنَّ لَيْسَ لِلْإِنْسَانِ إِلَّا مَاسَعَى ٥
তদাম- ৪০। এবং এও যে, তার প্রচেটা তাকে অচিয়েই দেখানো হবে,	وَآنَّ سَعْيَهُ سَوْفَ يُرِىٰ ﴿
৪১। এরপর তাকে পূর্ণ প্রতিফল দেয়া হবে-	ثُمِرٌ "يُجْزَلهُ الْجَزَاءَ الْأَوْفِي ﴾
৪২। এবং এও যে, শেষ গন্তব্য তোমার প্রতিপালকেরই নিকে-	وَاَنْ إِلَى رَبِّكَ الْمُنْتَمَى ﴾
৪৩। এবং এও যে, তিনিই হাসান এবং তিনিই কাঁদান-	وَٱنَّهُ هُو اَهْكَ وَاَبْكَى ﴿
৪৪। এবং এও যে, তিনিই মৃত্যু ঘটান এবং জীবিত করেন-	وَأَنَّهُ هُوَ آمَاتَ وَآحْيَا ﴾
৪৫। এবং এও যে, ডিনিই সৃষ্টি করেন জ্যোক্তা- নর ও নারী-	وَأَنَّهُ عَلَقَ الزَّوْجَيْنِ الذَّكَرَ وَالْأَنْفَى ﴿
৪৬। বীৰ্যনিন্দু হতে, যখন বীৰ্য নিৰ্গত হয়,	مِنْ نُّطْفَة إِذَا تُمْنَٰى۞
৪৭। এবং এও যে, আরেকবার সৃষ্টির দায়িত্ব তাঁরই-	وَاَنْ عَلَيْهِ النَّشْلَةَ الْأَخْرِى ﴿
৪৮: এবং এও যে, তিনিই জভাবমুক করেন ও পরিস্কুট করেন-	وَٱلَّهُ هُوَ آغْنِي وَٱقْنِي ﴿
৪৯। এবং এও যে, তিনিই শি'রা তারকার <sup>*</sup> প্রতিপালক-	رَّأَنَّةُ هُو رَبُّ الشِّعْرِٰى ۞
৫০। এবং এও যে, তিনিই ঋণে করেছিলেন প্রথম আদকে-	وَأَنَّهُ ٱهْلَكَ عَادًا ۗ الْأَوْلِي ﴿
৫১। এবং ছাম্দকেও, এবং ভিনি (কাউকে) বাকী রাখেন নি-	وَتُمُوْدَاْ فَمَا ٓ أَبْقَى ٥
৫২। এবং ভাদের পূর্বে নূহের সম্প্রদায়কেও। নিকর ভারা হিল স্বাধিক জাসিম ও স্বাধিক সীমাণজনভারী।	وَقَوْ)َ نُوْحٍ مِّنْ قَبُل الِنَّهُر كَانُوا هُرْ ٱظْلَرَ وَٱطْغَى ١

. সূরা আন-নাজম পারা-২৭	سُوْرَةُ النَّجْيِ
৫৩। এবং (তিনিই) উণ্টে নেয়া জনপদকে <sup>*</sup> উঠিয়ে নিক্ষেপ করেছিলেন-	الْمُؤْتَفِكَةَ اَهْوٰى ﴿
28। অতঃপর তাকে (জনপদকে) যা আঙ্গন্ধ করার তা আঙ্গন্ধ করল,	نَغَشُّهَا مَا غَشَّى أَهُ
ও। অতএব ভূমি তোমার গ্রতিপালকের অনুগ্রহসমূহের কোনটি সম্পর্কে সন্দের পোগণ করবে?	نَبِاَيِّ الْآءِ رَبِّكَ تَتَمَا رَٰى @
৬। এটি পূর্ববর্তী সতর্কীকরণসমূহের মধ্য থেকে একটি সতর্কীকরণ।	لْدَا نَذِيثُرُّ مِّنَ النُّدُرِ الْأَوْلِ ﴿
৭। কিয়ামত নিকটবর্তী হয়েছে,	زِفَتِ الْأَزِفَةُ ﴾
<ul> <li>সান্তাহ ছাতৃ। তা প্রকাশকারী কেউ দেই।</li> </ul>	يْسَ لَهَا مِنْ دُوْنِ اللهِ كَاهِفَةٌ ﴿
৯। তবে কি তোমরা এ কথায় বিশ্বিত হক্ষ্	فَيِنْ هٰذَا الْحَدِيْثِ تَعْجَبُوْنَ ﴿
o। এবং হাসছ আর কাঁদছ না-	تَفْحَكُوْنَ وَلَا تَبْكُوْنَ ۖ
১। এমদ অবছার যে তোমরা (অহংকার বশতঃ) উদাসীনঃ	إَنْتُر ٛسٰمِدُونَ ۗ
১১। আদন অবস্থার যে তোমরা (অহংকার হশতঃ) উদাসীনাঃ  (১)  অতএব সিজলা কর অন্তান্ত্রকে এবং (তাঁর) ইবাদত কর।  ইং	اَسْجُدُواْ لِنَّهِ وَاعْبُدُواْ فَي

চিহিল্ড ছালের টীকা দূরা নং : আহাত নং অনুসারে ভরজমার পেকে দেপুন

অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আল্লাহর নামে विशापन शिकोरिकोर्र जाराम ।वदा ६% विमीर्थ जाराम।

১। আর যদি তারা কোন নিদর্শন দেখে তাহলে তারা মথ ফিরিয়ে নেয় এবং

राज 'अंदे दिवादिक सामः' ত এক: ভাবা (বাসলকে) মিথাবাদী বলেছে ও ভানের প্রবর্তির অনসরণ

৫৪. সরা আল-কামার মাক্রী

০০ আয়াত ৩ কর

করেছে, আর প্রত্যেক বিষয়ই দ্বিরীকত। ৪। আর অবশাই তাদের নিকট এসেতে এমন সংবাদ হাতে আছে সাবধান

০। -পরিপর্ণ প্রস্তা: তার সত্তরীকরণ ভাদের কোন উপকারে আসবে না-

৬। অভএব ভমি ভালের থেকে মথ ফিরিয়ে নাও। যেদিন আহ্বানকারী

আহ্বান করবে এক ভয়াবহ কিছর দিকে-৭। অৱমত গোৰু তাতা ব্যৱহ খোক বের ছাত বিক্তিপ্ত পদ্মপালের মত-

৮। আহ্বানকারীর দিকে সৌভিয়ে। (সেনিন) কাফিররা বলবে, 'এ এক কঠিন

b: মিখ্যা অভিহিত করেছিল তাদের পর্বে নরের সম্প্রদায় এবং তারা

মিধ্যাবাদী বলেভিল আহার বান্দাকে এবং বলেছিল, '(সে) একভন शासका ' अवन फारक अप्रकारका करवासिका ১০। তথ্ন সে ভার প্রতিপালককে তেকে বলেছিল, 'নিশ্চয় আমি পরাভত,

অসংকে আগমি বদলা নিম। ১১। তথন আমি প্রবল পানি নিয়ে (বৃষ্টি বর্ষণ করে) আকাশের দরজাসমূহ

दिसादा कारत विभाग -১১। এবং মমীন ফাটিয়ে বের করলাম বচ পানির প্রবাহ এবং সকল পানি

ਵਿਚਿਕ ਤਰ ਕਰ ਕਰਮਰਿਕ ਰਿਵਾਵਰ ਸ਼ਕਾ

১৩। এবং ভাকে (নহকে) আমি আরোহণ করালাম ভক্তা ও পেরেক সংগিত এক নৌয়ানে-

১৪। যা চলত আমার প্রত্যক্ষ তন্তাবধানে, তার জন্য প্রতিদানস্বরূপ যাকে

অবিশ্বাস করা হয়েছিল। ५०। चार चरणाठे चाद्रि तरक (लीशनरक) त्ररच निरम्रि तकी निमर्गन

হিসাবে, অভএৰ উপদেশ গ্ৰহণকারী কেট আছে কিঃ

১৬। অভএৰ কেমন ভিল আমাৰ শান্তি ও সভকীকৰণ।

১৭। আর অবশ্যই আমি করঝানকে সহজ করে দিয়েছি উপদেশ গ্রহণের জন্য, অভন্যৰ উপদেশ গ্ৰহণকারী কেউ আছে কিং ★ চিহ্নিত প্রানের চীকা সরা নং : আল্লাত নং অনসারে ভরস্কমার শেকে দেখন

اقْتَ بَتِ السَّاعَةُ وَانْشَقَّ الْقَهَر ﴾

وَان يَوْوا ايَةٌ يُعْرِضُوا وَيَقُو لُوا سَحْ مُسْتَمِ ا وكَذَّبُوا وَ إِتَّبِعُوا اَهُوا أَهُوا أَهُوا أَهُوا أَهُم وكُل أَهُ مُّسْتَقَّ ٥

> وَلَقَدْ جَأَءَهُمْ مُنَّ الْأَنْكِبَأَءِ مَا فَدُمُ ذُكَّ أَي حِكْمَةٌ بَا لِغَةٌ فَمَا تُغْنِ إِلنَّاذُ أَنَّ

فَتَوَّلَ عَنْهُرُ مِيوْ } يَدْعُ الدَّاعِ إلى شَيُّ نُكُرِ ﴿ خُشْعًا أَيْمَا رُهُرْ يَحْرُ جُوْنَ مِنَ الْآجْدَاتِ كَأَنَّهُمْ مُ مَرَادٌ مُّنْتَشَّ أَيْ

مُّهُطعينَ إِلَى النَّاعِ ، يَقُوَّلِ الْكُغْرُونَ هٰذَا يَوْمٌ عَسرٌ ۞ كَذَّبَتْ قَبْلَهُ ر قَوْمُ تُوْحِ فَكَذَّبُواْ عَبْدَنَا وَقَا لُواْ مَجْنُونٌ وازدموس

فَدَعَا رَبُّهُ إِنَّى مَغْلُونَ عُ فَانْتَصِ ﴿ فَفَتَحُنَّا آبُوا إِلَّا لَسَّمَاء بِمَآءِ مُّنْهَم وَ وْفَجُّونَا الْأَرْضَ عُيُونًا فَالْتَقَى الْمَآءُكُمْ آمُوقَدُ قُدرَهُ

وَحَمَلْنَهُ عَلَى ذَاتِ ٱلْوَاحِ وْدُسُو ﴿ تَجْ يْ بِأَغْيُننَا ،جَأَ إِدِّ لَمَنْ كَانَ كُفِ ﴿ وَلقَدُ تُوكَنٰهَ إَ أَيَةً فَهَل مِنْ مُّدَّكِ @

فَكَيْفَ كَانَ عَذَ إبيْ وَنُذُر⊛ وَلَقَدْ يَشِّهُ لَنَا الْقُرْأُنَ لِلذُّكْمِ فَهَلُّ مِنْ مَّدَّكِ ﴿

- ১৮। আদও (হুদকে) মিধ্যাবাদী বদেছিল, অতএব কেমন ছিল আমার শান্তি । এ সাক্ষরীকলা
- ১৯। নিকয় আমি তাদের উপর প্রেরণ করেছিলাম এক থড়ো বাতাস, দর্মোগপর্ণ দিনে বিরামরীনভাবে-
- ২০। যা লোকদেরকে উঠিয়ে নিক্ষেপ করেছিল, যেন ভারা উৎপাটিত খেজুর
- ২১। ব্রজনের ক্রেয়ন ছিল আয়ার শান্তি ও সকর্কীকরণ।
- ২২। আর অবশাই আমি কুরআনকে সহজ করে নিয়েছি উপদেশ গ্রহণের জন্ম অসন্তার উপদেশ গ্রহণরারী কোট আছে কিঃ
- ২৩। ছামদও সত্ত্ৰীকরণকে মিধ্যা অভিহত করেছিল।
- ২৪। এবং তারা বলেছিল, 'আমরা কি আমানেরই মধ্য থেকে একজন মানুষকে অনুসরণ করবং তবে নিশ্চয় আমরা অবশ্যই পথশ্রীতা ও উমন্ততায় পতিও হব।
- ২৫। আমাদের মধ্য থেকে কি তারই প্রতি উপদেশ (ওহী) অর্পণ করা হয়েছে? বরং দে একজন দান্তিক মিখ্যাবাদী।'
- ২৬। আগামীকালই ভারা জানবে, কে সেই দান্ধিক মিধ্যাবাদী ।
- ২৭। নিকর আমি তাদের জন্য পরীক্ষা হিসেবে এক উদ্ধী প্রেরণ করতে যান্ধি, অন্তএৰ তমি তাদের জন্য অপেকা কর এবং অবিচল থাক।
- ২৮। এবং তাদেরকে জানিয়ে দাও যে, তাদের মধ্যে পানি বউন হবে, প্রত্যেক (ফিলেম) পানির ক্ষাপ (পালাক্রমে) সংগ্রাহ করতে হবে।
- ২৯। অতংপর ভারা ভাদের এক সঙ্গীকে ভাকল এবং সে দুঃসাহস করল এবং (উরীকো) হত্যা করল।
- ৩০। অভএব কেমন ছিল আমার শান্তি ও সতবীকরণ!
- ৩১। নিশ্চয় আমি ভাদের উপর প্রেরণ করেছিলাম এক বিকট শব্দ, কলে ভারা ধোঁয়াত প্রস্তুক্তরারীর থভিত তকলো তথ পরবের মত বয়ে গেল।
- ৩২। আর অবশ্যই আমি কুরআনকে সহজ করে দিয়েছি উপদেশ গ্রহণের জন্য অজ্ঞার উপদেশ গ্রহণকারী কেউ আছে কিঃ
- ৩৩। লভ সম্পদায়ও সভকীকরণকে মিথা। অভিহিত করেছিল।
- ৩৪। মিন্তর আমি তাদের উপর প্রেরণ করেছিলাম গাথর বহনকারী এক প্রচণ্ড ঝড়, লুভের পরিবার ব্যতীত। আমি তাদেরকে উদ্ধার করেছিলাম শেষ
- ৩৫। আমার নিকট থেকে নেয়ামতহরণ। যে কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে তাকে আমি এভাবেই প্রতিদান দেই।
- ৩৬। থার অবশ্যই সে (লৃত) আমার পাকড়াও সম্পর্কে তাদেরকে সতর্ক করেছিল, কিছু তারা সতকীকরণ সম্পর্কে সন্দেহ পোখণ করেছিল।

إِنَّا أَرْسَلْنَا عَلَيْهِرْ رِيْحًا مَرْمَوَّا فِي يَوْمِ نَصْيٍ مَّسْتَهِ ۗ فُ تَنْزِعُ النَّاسَ، كَاَنَّهُرْ أَعْجَا زُنَحْلِ مَّنْقَعِ ۞

كَذَّابَتْ عَادٌّ فَكَيْفَ كَانَ عَذَا بِيْ وَثُلُّر ۞

فَكَيْفَ كَانَ عَذَا بِي وَنُدُرِ ۞ وَلقَدْ يَشَّوْنَا الْقُرْإِنَّ لِللِّكْدِ فَهَلْ مِنْ مَّدَّكِرٍ ۞

كَذَّبَتْ تُمُودُ بِالنَّدُرِ ﴿ فَعَالُواْ إَنَهُرُا مِنَّا وَاحِدًا تُتَّبِعُمُّ اِنَّا إِذَا لِنِي مَلَلٍ وَّسُعُرِ ﴿

ءَٱلْقِيَ الدِّكْرُ عَلَيْهِ مِنْ بَيْنِنَا بَلْ هُوَ كَذَّابٌ اَشِرٌ ﴿

سَيَعْلَمُونَ غَدًّا مَّنِ الْكَذَّابُ الْآشِرُ ﴿

إِنَّا مُرْسِلُوا النَّاقَةِ فِتْنَةٌ لَهُرْ فَا رْتَقِبْهُرْ وَاصْطَبِرْ ﴾ وَتَبْتُهُرْ أِنَّ الْمَآءَ عَسْمَةٌ بَيْنَهُرْ ، كُل شرْب مُحْتَصَةٌ ﴿

> فَنَادَوْا صَاحِبَهُرْ فَتَعَاطَى فَعَقَرَ ۞ فَكَيْفَ كَانَ عَذَابِيْ وَثُذُر ۞

إِنَّ ٱرْسَلْنَا عَلَيْمِرْ مَيْحَةً وَّاحِدةً فَكَانُواْ كَمَّيْرِ ٱلْمُحْتَظِرِ ﴿ وَلَقَدْ يَسَّوْنَا الْقُرْانَ للذَّكْرِ فَهَل مِنْ مَّدَّكِ ﴿

كَذَّبَتْ قَوْمٌ لُوْطِبا لنَّذُر ⊛

إِنَّا أَرْسَلْنَا عَلَيْهِرْ هَاصِبًا إِلَّا أَلَ لُوْطِ انَّجَّيْنُهُرْ بِسَحَرٍ ﴾

نِّغْمَةً مِّنْ عِنْدِنَا ، كَذَٰ لِكَ نَجْزِى ْ مَنْ شَكَرَ ۞

وَلَقَدُ إَنْذَ رَهُرْ بَطْشَتَنَا فَتَمَا رَوَّا بِالنَّذُرِ ۞

- ৩৭। আর অবশ্যই তারা তার নিকট থেকে তার মেহমানদেরকে নৈহিক মিগনে দাবী করল, তথন আমি তানের দৃষ্টিশক্তি লোপ করে নিলাম, সূতরাং আমার শান্তি ও সতর্কীকরণ আধাদন কর।
- ০৮। আৰু জৰণাই খৰ চোৱে তাদেৰ উপৰ আসল এক নিৰ্ধাৰিত শান্তি
- ৩৯। সতবাং আমার শাস্তি ও সত্তরীকরণ আত্মানন কর।
- ৪০। আর অবশ্যই আমি কুরআনকে সহজ করে দিয়েছি উপদেশ গ্রহণের জন্য অভএব উপদেশ গ্রহণকারী কেউ আছে কিঃ
- RN) আৰু অৰুশাই ফিবড্ৰাউন ব্যাশৰ নিকটিও সাক্ৰীব্ৰবৰ বাসচিত
- ৪২। তারা মিখ্যা অভিহিত করেছিল আমার নিদর্শনাংলী- দবই, ফলে আমি তাদেরকে এক পরক্রেমপনী ও শক্তিমানের পাকড়াও করার মত পাকড়াও ম্যাবদিলায়।
- ৪৩। ভোমাদের কাঞ্চিররা কি তাদের চেয়ে উত্তয়ঃ নাকি বাবুরসমূহে (সিখিত কিতাবসমূহে) ভোমাদের জন্য অব্যাহতি (এর সনদ) রয়েছেঃ
- 88। নাকি তারা বলে, 'আমরা এক বিজয়ী দলঃ'
- ৪৫ শীমই এ দলকে পরাজিত করা হবে এবং তারা পৃষ্ঠপ্রদর্শন করবে।
- ৪৬। বরং কিয়ামত তাদের (শান্তির) নির্ধারিত সময় এবং কিয়ামত জতাত্ত জয়াবত ও অভিনয় ভিজে।

৪৮ বেদিন তাদেরকে অধোমুখী অবস্থায় আঞ্চনের মধ্যে হেঁচছে দেয়া হবে।

- ৪৭। নিশ্চয় অপরাধীরা রয়েছে পথন্তইতা ও উন্মন্ততার মধ্যে।
- (বলা হবে) 'সাকারের (জাহান্নামের) স্পর্শ আহাদন কর।'
- ৪৯। নিশ্য আমি প্রত্যেক বন্ধু সৃষ্টি করেছি নির্থারিত পরিমাপে।
- ৫০। আর আমার নির্দেশ কেবল একবারই চোখের এক পলকের মত।
- ৫৩। এবং প্রত্যেক ছোট ও বড (সব কিছুই) দিপিবদ্ধ আছে।
- ৫৪। নিশ্চয় মুব্রাকীরা থাকবে জান্লাতসমূহে ও নহরে-
- ৫৫। সত্যের আসনে, মহা শক্তিমান মালিকের সান্নিথে।

وَلَقَدُ رَاوَدُوهُ عَنْ مَنْفِهِ فَطَمَسْنَاۤ آعْيُنَهُر فَفُوقُواْ عَذَائِيْ وَنَّذُرِ⊛

وَلقَدْ مَبْعَهُمْ بُكْرَةً عَذَابٌ مُسْتَقِرُّهُ

فَذُوْقُوْا عَذَابِي وَنُذُرِ⊚

وَلقَدْ يَسَّوْلَنَا الْقُوْالِ لِلذِّكْرِ فَهَلَ مِنْ مَّدَّكِرٍ ﴾ وَلقَدْ جَاءَ أَلْ فِرْعُونَ النَّذُرُ ﴿

كَذَّبُواْ بِالْيِنَا كُلِّهَا فَآخَذُنْهُرْ آخُذَ عَزِيْرٍ مُّقْتَدِرِ،

ٱكْفَّارِكُرْ هَيْوُ مِنْ ٱوَلَّنْكُرْ ٱاَ لَكُرْ بَوَّاءَةً فِي الزَّبْرِ ﴾ آَيَتُو اُوْنَ نَحْنُ جَمِيْرٌ مُثْتَمِّ ﴿

سَيُهْزَآُ الْهَمْعُ وَيُولُونَ الدُّيُرَ® سَيُهْزَآُ الْهَمْعُ وَيُولُّونَ الدُّيْرَ®

بَلِ إلسَّاعَةُ مَوْعِدُهُرْ وَإلسَّاعَةُ أَدْهُمُ وَٱمَوُّ إِنَّ الْمُجُوْمِيْنَ فَي صَلَّل وَّسْعُوهُ

يُو ۗ يُسْحَبُونَ فِي النَّارِ عَلَى وُجُوْهِمِرْ ۚ ذُوْقُواْ مَسْ سَقَرَ ﴿

إِنَّا كِّلْ شَيُّ خَلَقْنَهُ بِقَدَرٍ ۞ وَمَّا آمُرُ نَاۤ الَّاوَاحِدَةٌ كَلَمْ عِبْالْبَعَ ۞

وَلَقَدُ إَهْلَكُنَا آهُيَاعَكُر فَهَلْ مِنْ مُّدَّكِرٍ ﴿

وَكُّل شَيُّ فَعَلُونًا فِي الزَّبُوِ⊛ وَكُّل مَغِيْدٍ وَكَبِيْدٍ مُّسْتَطَرَّ⊛

إِنَّ الْمُتَّقِيْنَ فِي جَنَّتِ وَنَهَرٍ ﴿

فِيْ مَقْعَدِ مِدْقِ عِنْدَ مَلِيْكُ مِّقْتَدِ رِ

#	<del>್</del>	৫৫. সূ	রা আর-র	হ্যান, য	য়দানী	9
	<b>3</b> 0_		৭৮ আয়াত	, ৩ ফক্		
	অসীম	দ্য়াময়	ও পরম	দয়ালু	আল্লাহ্র	নামে

Call Michigan

٥٥-سُورُةُ الرَّحْمُونِ-مَانَيِّةٌ ابَانَهَا ٥٤.رُكُومًانَهَا-٣ لِسُهِرِ اللهِ الرَّحْمُونِ الرَّحِيثِيرِ

১। অসীম দ্য়াময় (আল্লাহ্)-

১। শিক্ষা দিয়েছেন করআন।

৩। তিনি সৃষ্টি করেছেন মানুধ-

৪: এবং তাকে শিক্ষা দিয়েছেন কথা বলা।

৫। সূর্য ও চন্দ্র (চলছে) হিসাব অনুযায়ী,

৬। এবং তৃণালতা<sup>\*</sup> ও গাছ-পালা (সরাই) সিজনার রত।

বান্ধরা কিনি আকাশকে উচ করেছেন এবং স্থাপন করেছেন মীযান

(পরিমাপ যন্ত্র)-৮: যে, তোমরা মীযানে (পরিমাপ যন্ত্রে) সীমালজন করবে না।

৯। এবং তোমরা দ্যাখ্যভাবে পরিমাণ কর এবং মীয়ানে (ওজনে) কম দিও

১০। এবং পৃথিবীকে তিনি বানিয়েছেন সৃষ্ট জীবের জন্য-

১১। এতে রয়েছে ফল-মূল ও আবরণমূক (ফল বিশিষ্ট) খেজুর গাহ,

এবং খোলা বিশিষ্ট শন্য দানা ও সুগন্ধ কলু,
 তা অতথ্যব (হে ছীন ও মানুষ!) ভোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিপালকের

অনুগ্রহসমূহের কোশ্টিকে অধীকার করবেঃ ১৪। মানহকে তিনি সৃষ্টি করেছেন পোড়া মাটির মত তকনো মাটি থেকে-

১৫। এবং দ্বীনকে সৃষ্টি করেছেন গোঁরা বিহীন অগ্নি শিখা থেকে,
১৬। অতএব (বে দ্বীন ও মানুষ!) তোমরা উভয়ে তোমানের প্রতিগাণকের

অনুগ্রহসমূহের কোন্টিকে অধীকার করবে।

১৭: (তিনি) গৃই উদয়াচলের মালিক এবং গৃই অঞ্চাচলের মালিক।

১৮। অভএব (হে স্বীন ও মানুষ।) তোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিশালকের অনুধাহসমূহের কোন্টিকে অধীকার করবেঃ ٱلرَّحْمَانُ قَ تَعْمَانُ مِنْ

، توجعین ق عَلَّى َ الْقُوْانَ ہُ خَلَقَ الْإِنْسَانَ ہُ

عَلَّمُهُ الْبَيَانَ ۞ ٱلشَّسُ وَالْقَمَّرِ بِحُسْبَانٍ۞ وَالنَّجْرُ وَالْشَجْرُ وَالْشَجْرُ لِيَجْدُنُ۞

وَالسَّمَّاءَ رَفَعَهَا وَوَفَعَ الْبِيزَانَ۞ الَّاتَفُوْلُ فِي الْمِيْزَانِ۞ رَاقِيْمُوا الْوَرْنَ بِالْقِسْطِولَآلَتْصْرِدُوا الْبِيْزَانَ۞

وَالْآرْضُ وَمَعَهَا لِلْآتَا إِنَّ فِيْهَا فَاكِمَةٌ \* وَّالنَّهُلُ دَاتُ الْآحْمَا }ِ ق وَالْمَبُّدُوالْعَمْنِ وَالرِّيْحَانُ قَ

فَبِاَيِّ الْآءِ رَبِّكُمَا تُكَذِّبْنِ ۞ خَلَقَ الْإِنْسَانَ مِنْ مَلْسَالٍ كَالْفَطَّارِ ۞ وَخَلَقَ الْجَانَّ مِنْ مَّا رِحِيِّنْ ثَارِ ۞

فَبِآيِّ الْآءِ رَبِّكُمَا تُكَدِّبْنِ ﴿ رَبُّ الْمَشْرِقَيْنِ وَرَبُّ الْمَغْرِ بَيْنِ ﴿

رَبُّ الْمَشْرِ قَيْنِ وَرَبُّ الْمَقْرِ بَيْنِ ۞ فَبِاَ يِّ الْإِدِ رَبِّكُمَا تُكَذَّبْنِ ۞ ১৯ তিনি প্রবাহিত করেছেন (পাশাপাশি) মিলিত দুই সমুদ্রকে-

২০। উভরের মধ্যে ররেছে এক অন্তরায় যা তারা অভিক্রম করতে পারে না,

 জতএব (হে দ্বীন ও মানুষ!) ভোমরা উভরে তোমাদের প্রভিপাদকের জনুমহদমূহের কোন্টিকে অধীকার করবে?

২২। উচ্চা (সমূদ্র) থেকে উৎপদ্র হয় মন্ত্রা ও প্রবাদ্য

২৩। অতথ্য (হে স্থান ও মানুষ।) কোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিপালকের অনুধ্যবসমধ্যে কোনটিকে অধীকার করবে।

২৪। এবং সমুদ্রে পর্বতের ম্যার সউচ্চ নৌযানসমত তারত (নিয়ন্তলে)

২৫। অতএব (হে জীন ও মানুৰ!) ভোহরা উভয়ে ডোম্মাদের প্রতিপালাকর

অনুগ্রহসমূহের কোন্টিকে অধীকার করবের ২৬। তার উপর (অর্থাৎড়প্রেষ্ঠ) যা কিছু আছে সবই ধ্বংসশীগ-

২৭ আর অবশিষ্ট থাকরে (কেবল) তোমার প্রতিপাদকের চেহারা (সত্তা), যিনি মটিমাম্য ও মর্যানারান

২৮। অতএব (হে স্থীন ও মানুহ।) তোমরা উভরে তোমাদের প্রতিপাদকের অন্যাহসমতের কোনটিকে অধীকার করতে?

২৯। আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে যারা আছে তারা তাঁর কাছে চায়, প্রতিদিন তিনি কাল্লে রত

৩০ অভএব (হে জিন ও মানুষ) তোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিপালকের অনুমুহনমূরের কোন্টাকৈ অস্থীকার করকে।

৩১। ওহে বিশিষ্টরা (দ্বীন ও মানুষ)। শীমই আমি ভোমাদের (হিসাবের) জন্য অবসব হব

৩২। অভএব (হে জ্বীন ও মানুষ!) ভোমরা উভরে তোমাদের প্রতিপালকের অনুধ্বসমূহের কোনটিকে অন্বীকার করবেঃ

৩৩। হে দ্বীন ও মানুষের দল। যদি ভোমরা আকাশসমূহ ও পৃথিবীর গীয়া অতিক্রম করতে সকম হও ভাহলে অতিক্রম কর। তোমরা অতিক্রম করতে পাববে না (আল্লাহ প্রদন্ত) ক্ষমতা ছাতা,

৩৪। অতএব (হে দ্বীন ও মানুষ।) তোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিপাদকের অনুমহনমূহের কোন্টিকৈ অস্বীধার করবেঃ

৩৫। (গীমা অভিক্রম করতে চাইলে) তোমানের উভরের প্রতি প্রেরণ করা হবে অমুিশিবা ও ধৌয়ার কুজনী এবং তোমরা আহরক্ষা করতে পারবে না, ৩৬। অত্যাব (হে জীন ও মানুষা) তোমরা উভরে তোমানের প্রভিপালকের

অনুগ্রহসমূহের কোন্টকৈ অধীকার করবে।

৩৭। এবং মখন আকাশ ফেটে যাবে এবং তা হয়ে যাবে তেলের মত লাগ

৩৭। এবং বখন আকাশ ফেটে যাবে এবং তা হয়ে যাবে তেপের মত লাগ, ৩৮। বতএব (হে ফ্লীন ও মানুষ!) তোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিপালকের অনুধাহসমধের তোন্টিকে অধীকার করবেং بَيْنَهُمَا بَوْنَخُ لِّلْيَبْغِيٰنِ ۞ فَبِاَيِّ إَلَآءٍ رَبِّكُمَا تُكَذِّبْنِ ۞

مَ حَ الْبَدُ بَنِي بِلْتَقِيٰنِ ﴿

يَخْرُجُ مِنْهُمَا اللَّوْلُؤُ وَالْمُرْجَانُ ﴾ فَيَانِّ إِلَّاءِ رَبِّكُمَا تُكَذِّبْنِ ۞

وَلهُ الْجَوَارِ الْمُنْشَئْتُ فِي الْبَحْرِ كَا لَأَعْثَرَا فَ فَيَانِّ الْآءِ رَبِّكُمَا تُكَرِّبُنِ ۞ كُل مَنْ عَلَيْهَا فَان ۞

وَّيْمَغَىٰ وَحُمُّ رَبِّكَ ذُو الْمَلْلِ وَالْإِكْرَا اِقْ فَيِأَيِّ الْآءِ رَبِّكُمَا تُكَوْلِنِي ۞ وَمُوْكَانُ وَرَبُّكُما تُكُوْلِنِي ۞

ؠؘۺؙڡؙؙڶڎؘؠؽ۫ڣۣٵڵۺؖۏؙؾؚۯؘٲڵٲۯۻؚۥڴؖڶؠؘۉٛٳۿۘۅؘڣٛۿؙٲڮٟۿ ڣؠؚٙٲؾٚٳؖڵٳٚۅڔۜؽؚڰؙۿٲػڬڒۣڹ۠ؠؗۅۿ

سَنَفُرُغُ لكُرْ أَيَّهُ الثَّقَالِي ﴿ فَبِاَيْ إِلَّاءٍ رَبِّكُمَا تُكَدِّبُنِ ﴿

يَمْعُشَرَ الْجِينِّ وَالْإِنْسِ إِنِ اسْتَطَعُثُمِّ آنُ تَنَفُدُواْ مِنْ ٱقْطَارِ السَّوْرِ وَالْآرْضِ فَانْفُدُواْ الْاَنْفُدُونَ إِلَّا بِسُلْطَيِ ۞ فَبَانَّ الْآوِ رَبِّكُمَا تُكَذَّبْنِ ۞

يُرْسُّلُ عَلَيْكُمَا هُوَ اظْمِّنْ أَنَّا رِهُوَّنُكَاسٌّ فَلَا تَنْتَصِرُكِ ﴿

فَيِاً يِّ إِلَاءٍ رَبِّكُمَا لُكَدِّبْنِ ⊕

فَإِذَا اِنْشَقْتِ السَّمَّاءُ فَكَانَتْ وَرَدَّةٌ كَا لِلرِّهَانِ ﴿ فَهَا يِّ الْآمِ رَبِّكُمَا لَكَذِّبْنِ ﴿ ৩৯। এবং সেদিন মানুষকে তার অপরাধ সম্পর্কে জিল্লাসা করা হবে না এবং कीवास्त्रक वा

৪০। অতএব (হে স্থীন ও মানুষ!) তোমরা উচয়ে তোমাদের প্রতিপালকের অন্যাহসমূহের কোনটিকে অগীকার করবেং

৪১। অপনাধীদেনকে চেনা যাবে ডাদের লক্ষণ দ্বারা ডাদেরকে পাকামার করা হবে তাদের মাধার বঁটি ও পা ধরে.

৪২। অতএব (হে শ্লীন ও মানুষ!) তোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিপালকের অন্ধাহসমূহের কোনটিকে অস্টাকার করবেঃ

৪৩। এটাই ফাচানাম যাবে অপৰাধীৰা অন্বীকাৰ কৰে।

৪৪। তারা তার (অর্থাৎ জাহান্লামের) মাঝে ও ফুটন্ত উত্তপ্ত পানির মাঝে ভূরতে।

থাকাব ৪৫। অতথ্যর (হে জীন ও মানব।) তোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিপাদকের।

অনুগ্রহসমূহের কোনটিকে অস্বীকার করবেঃ ৪৬। আরু যে তার প্রতিপালকের অবস্থানকে তর করে, তার জন্য রয়েছে দাটি

৪৭। অতএব (হে জীন ও মানব।) তোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিপাদকের অন্প্রভসমতের কোনটিকে অন্তীকার করবেছ

৪৮। (দ'টিই) বহু ভাল-পালা বিশিষ্ট,

৪৯। অতএব (তে হীন ও মানহা) ভোমবা উভয়ে ভোমানের প্রতিপাশকের

অন্তঃহসমূহের কোনটিকে অধীকার করবেং ৫০। দ'টিতে ব্যয়েত প্রবহমান দ'টি ঝর্ণা

৫১। অতএব (হে দ্বীন ও মানুষ!) ভোমরা উভয়ে তোমালের প্রতিপালকের অন্যাহসমূহের কোনটিকে অধীকার করবেঃ

es: দ'টিতে বছেতে প্রত্যেক ফল থেকে দট প্রকার। অন্যাহসমূহের কোনটিকে অপীকার করবেং

৫৩। অভএব (হে স্ত্ৰীন ও মানুষ!) তোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিপালকের

৫৪। (সেখানে তারা) হেলান দিয়ে বসবে পুরু রেশমের আন্তর বিশিষ্ট বিভানাসমহে, আর দ'টি উদ্যানের ফল থাকবে নাগালের মধ্যে,

০০। অভএব (তে বীন ও মানষ্) ভোমবা উভয়ে ভোমাদের প্রতিপালকের

অন্তাহসমূহের কোনটিকে অধীকার করবেঃ en সে সবের মধ্যে ব্যৱস্থে আনতন্যনারা, যাসেরকে স্পর্শ করেনি ভাসের

পর্বে কোন মানুষ আর না কোন জীন,

৫৭। অন্তএৰ (তে জীম ও মানহ!) তোমবা উভয়ে তোমাদের প্রতিশালকের অনুগ্রহসমূহের কোনটিকে অধীকার করবেং

৫৮। তারা যেন ইয়াকত ও প্রবাল.

فَيَوْمَنْذَ لَّا يُشْتُلُ عَنْ ذَنْبَهِ إِنْسٌ وَّلَاجَانٌ ٥ فَبِأَى ۗ إِلَّاء رَبَّكُمَا تُكَذَّبٰي ۞

يُعْرَبُ الْمُجْرِمُونَ بِسِيْمِهُمْ أَفَيَةً كَذُّ بِالنَّوَ امِي وَ الْإَقْدَارَ } أَ فَبِأَيِّ إِلَّاءِ رَبَّكُمَا تُكَذَّبْنِ @

هٰذه جَهَنَّرُ ٱلتي يُكَذَّبُ بِهَا الْمُجُومُونَ ﴾ يَطُوْفُونَ بَيْنَهَا وَبَيْنَ حَمِيْرِ أَنِ اللهِ

فَبِأَيِّ إِلَّاءِ رَبِّكُمَا تُكَذَّبِنِ ﴿ وَلَمَنْ خَانَ مَقَامٌ رَبِّهِ جَنَّتُن ا

فَبِأَى إِلَّاء رَبَّكُمَا تُكَذَّبٰن ﴿ ذَوَاتا آفنان 6

فَبِأَى إِلَّاءِ رَبِّكُمَا تُكَذَّبٰي ٠ فيْهِمَا عَيْنُن تَجُريني اللهِ فَبِأَيْ إِلَّاء رَبِّكُمَا تُكَذَّبِن ٠

فيْهِمَا مِنْ كُلِ فَاكِهَة زَوْجُن أَ فَبِأَى إِلَّاء رَبِّكُمَا تُكَذَّبن ⊛ مُتَّكِئِينَ عَلَى فُرُسُ بِطَّائِنُهَا مِنْ اسْتَبْرَق ، وَجَنَا الْجَنَّتَيْنِ دَانِ أَهُ

فَبِأَيِّ إِلَّاءِ رَبِّكُمَا تُكَذِّبِن ⊕ فَيْهِنَّ قَصِرْتُ الطَّرْفِ، لَر يُطْهِثُهُنَّ انْسَّ قَبْلَهُمْ وَلَاجَأَنَّ ا فَبِأَيَّ إِلَّاءِ رَبِّكُمَا تُكَذَّبْنِ ﴿ كَانَّهُمْ الْمَاقُونَ وَالْمَدُهُمُ الْمَاقُونَ وَالْمَدُهَانُ أَهُ

, সুরা আর-রাহমান পারা-২৭	سُوْرَةُ الرَّحْمُنِ
৫৯। খতএব (হে স্থীন ও মানুষ!) তোমরা উতত্তে তোমাদের প্রতিপালকের অনুধহনসূহের কোন্টিকে অধীকার করবেঃ	نَباَيِّ إَلَاء رَبَّكُمَا تُكَدِّبٰن
জনুমধনপূর্বের খেল্।তথে অসাকার কর্মের ৬০। উত্তম কান্সের প্রতিদান উত্তম হাড়া (অনা কিছু) কি "?	فَلْ جَزَّاءُ ٱلْإِحْسَانِ إِلَّا ٱلْإِحْسَانُ ۚ
	* ** * *
৬১৷ বতএব (হে দ্বীন ও মানুষ:) তোমরা উতয়ে তোমাদের প্রতিশালকের অনুমহসমূহের কোন্টিকে অধীকার করবেঃ	نَبِاَيِّ أَلَاءِ رَبِّكُمَا تُكَدِّبِٰيِ⊚
৬২। এবং এ দু'টি ছাড়া রয়েছে (আরও) দু'টি জান্নাত,	وَمِنْ دُوْنِهِمَا جَنَّتْنِ ﴾
৬৩। অতএব (হে দ্বীন ও মানুষ।) তোমরা উভয়ে তোমানের প্রতিপালকের অনুধাহসমূহের কোন্টিকে অধীকার করবেঃ	نَبِأَيِّ اللَّهِ رَبِّكُمَا تُكَذِّبْنِ ﴾
৬৪। (সু'টিই) যন সবুজ,	نُدُهَا مَّتِّنِ ﴾
৬৫। অতএব (হে জ্বীন ও মানুষ!) তোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিপালকের অনুধ্বসময়ের কোন্টিকে অস্বীকার করবেঃ	نَبِأَ يِّ أَلَاءٍ رَبِّكُمَا تُكَدِّبِنِ ﴿
৬৬। দু'টিতে রয়েছে প্রকল বেগে উৎসারিত দু'টি ঝর্ণা,	يْهِمَا عَيْنَٰنِ نَفَّا خَتْنِ ﴾
৬৭। অতএব (হে খ্রীন ও মানুষঃ) তোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিশালকের অনুধ্যসমূহের কোন্টিকে অস্বীকার করবেঃ	نَبِأَيِّ الَّهِ وَبِكُمَا تُكَدِّبِنِ ﴿
৬৮ : দু'টিতে রয়েছে ফল-মূল এবং থেজুর ও আনার,	فِيْهِمَا فَاكِهَةٌ وَّنَخْلٌ وَّرُمَّانٌ ﴿
৬৯। অতএব (বে দ্বীন ও মানুষ।) তোমরা উভরে তোমাদের প্রতিশালকের অনুধহসমূহের কোন্টিকে অধীকার করবেঃ	نَبِأَيِّ الْآءِ رَبِّكُمَا تُكَلِّبِي ﴿
৭০। সে সবের মধ্যে রয়েছে সক্ষরিত্রা সুন্দরীবা,	فِيْهِنَّ خَيْرُتَّ حِسَانٌ ﴾
৭১। অতএব (বে দ্বীন ও মানুষ!) তোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিপালকের অনুবহসমূহের কোন্টিকে অধীকার করবেঃ	نَبِأَيِّ الَّهِ وَبِكُمَا تُكَنِّبِي ۞
৭২। (তারা) তাঁবুতে সুরক্ষিতা যুৱ,	مُورَّ مُقْمُوْرِتُّ فِي الْحِيَا مِ ۞
৭০। অতথ্য (হে স্থান ও মানুষ:) তোমরা উভরে তোমাদের প্রতিপাশকের অনুপ্রহেম্যুরে কোন্টকে অধীকার করবে?	نَبِأَى ۗ إَلَّاءِ رَبِّكُمَا تُكَذِّبٰنِ ۗ
৭৪। খদেরকে স্পর্শ করেনি ভাদের পূর্বে কোন মানুষ আর না কোন শ্লীন,	لر يَطْمِثْهُنَّ إِنْسٌ قَبْلَهُر وَلَاجَآنٌ ﴿
৭৫। অতএব (হে গ্রীন ও মানুবঃ) তোমরা উভয়ে তোমাদের প্রতিপালকের অনুগ্রহসমূহের কোন্টিকে অধীকার করবেঃ	نَبِاَيِّ الْآءِ رَبِّكُمَا تُكَدِّبِي ﴿
৭৬। (ভারা উপভোগ করবে) সবুজ গদি ও সুন্দর গালিচার উপর হেলান দিয়ে বসে,	تَكْثِيْنَ عَلَى رَفْرَنٍ خُفْرٍ وَّعَبْقَرِي <u>ّ</u> ِحِسَانٍ ۚ
৭৭। অতএব (হে জ্বীন ও মানুষ:) তোমরা উভরে ভোমাদের প্রতিশালকের অনুমহসমূহের কোন্টকে অধীকার করবেঃ	َبِاَيِّ الَّآءِ رَبِّكُمَا تُكَذِّبْنِ <sub>۞</sub>
৭৮ বরকতময় ভোমার প্রতিপালকের নাম, খিনি মহিমামগ্র ও মর্যাদাবান। জু	نَبْرَكَ اشْرُ رَبِّكَ ذِي الْجَلْلِ وَالْإِكْرَا] ۞

M.	9	৫৬. সূ	রা আল-	ওয়াকিয <u>়া</u>	, মাৰী	-34
1	2_		৯৬ আয়াত	চ, ৩ কক্		
200	অসীম দ	<u>ন্য়াময়</u>	ও পরম	দয়াপু	আল্লাহ্র	নামে

٥٦ - سُورُةُ الْوَاقِعَة - كَلِيَّةٌ ابَائِهَا ٤٦، رَكُونَاتُهَا - ٢ دِسْمِ اللهِ الرَّحْمُونِ الرَّحِيْمِ

১। যথন ঘটবে	ঘটনা	(অর্থাৎ	কিয়ামত)

২। এর সংঘটনে কোন মিধ্যা নেই।

এটি (কাউকে) নীচুকারী, (কাউকে) উঁচুকারী ৪। যথম পথিবী প্রবলভাবে প্রকশ্পিত হবে-

৫। এবং পর্বভমালা সম্পূর্ণরূপে চূর্ব-বিচূর্ণ হবে-

৬। এবং তা বিচ্ছিত্ত ধূলিকশায় পরিণত হবে-

৭। এবং তোমরা হয়ে যাবে ভিনটি শ্রেণী।

৮। অতংপর ভানের সাধীরা; ভানের সাধীরা কারা?

৯। এবং বামের সাধীরা;বামের সাধীরা কারাঃ
১০: আর অধ্যামীরা তো অধ্যামীটি-

১১। তারা নৈকট্যপ্রাপ্ত,

১২। নেয়ামতপূর্ণ জান্নাতসমূহে।
১৩। বছ সংখ্যক হবে পর্ববর্তীদের মধ্য খেকে-

১৪। এবং অল্প সংখ্যক হবে পরবর্তীদের মধ্য থেকে।

১৫। (ভারা বস্বে) স্বর্গ ও পাথর গটিত আসনসম্থের উপর-

১৬। তারং পরস্পর মুখোমুখি হয়ে তার উপর হেলান নিয়ে বসবে।

১৭। ভাদেরকে মূরে মূরে পরিবেশন করকে চির-কিশোরেরা-

১৮। গ্লাস ও সুরাহি নিয়ে এবং ঝর্ণা নিঃসৃত (সুরাপূর্ণ) পানপাত্র নিজে-

১৯। খা থেকে ভাদের মাথা বাাখা হবে না এবং ভারা মাতাশও হবে না।

إِذَا رَقَعَتِ الْوَاقِعَةُ ۞ لَيْسَ لِوَقْعَتِهَا كَادَبَةٌ ۞

لَيْسَ لِوِقْعَتِهَا كَادِبَةٌ ۚ غَافِفَةٌ رَّافِعَةٌ أَي

إِذَا رُجَّتِ الْآرضُ رَجَّا ق رَّبُّسِ الْجِبَّالَ يَسَّا ق فَكَانَتْ هَبَّاءُمُثَنَّاً قُ وُكُنْتُ أَنْ إِذَا لِنَّا لَكُنَّا قُ وُكُنْتُ أَنْ إِذَا لِنَا لَلْكَانَّةُ فِي

رسر ارزاء سن فَأَمُعُ الْمَيْمَنَةِ فَمَا أَمُعُ الْمَيْمَنَةِ قَ

وَآَمْحِبُ الْمَشْتُمَةِ فَمَّا آَمْحِبُ الْمَشْتُمَةِ فَ وَالسَّبِقُونَ السِّيقُونَ فَأَ

ٱُولَّ نِكَ الْمُقَرَّبُونَ ﴿ فِي جَنْبِ النَّعِيْمِ ﴿

ئُلَّةٌ مِّنَ الْأَوَّلِيْنَ ﴾ وَقَلِيًّال مِّنَ الأخِرِيْنَ ۞ غَلُسُرٌرٍ مُّوْمُوْلَةٍ ۞

مُّتُكِئِينَ عَلَيْهَا مُتَغَلِيلِينَ ۞ يَطُّونُ عُلَيْهِرْ وِلْلَاَانَّ مُّخَلِّدُوْنَ ۞ بِاَخْوَابِ وَآبًا رِيْقَ وَكُلُسِ مِّنْ مُعْفِلْ ۞

لَّا يُصَدَّعُونَ عَنْهَا وَلَايُنْزِفُونَ ﴿

, সূরা আল-ওয়াকিয়া পারা-২৭	سُوْرَةَ الْوَاقِطِ
২০। এবং এমন ফল-মূল (নিয়ে খুরাফিরা করবে) যা থেকে ভারা পছন্দ করবে-	وَفَاكِهَةٍ مِّمًّا يَتَخَيَّرُونَ ﴾
২১। এবং পাধির গোশত নিয়ে যা তারা আঝাঞ্চা করবে।	وَلَحْمِرِ ظَيْرٍ مِثًّا يَشْتَهُونَ ﴿
২২। এবং (আদের জন্য থাকবে) ভাগরনয়না ভূর <sup>*</sup> -	ِ وَحُورٌ عِينَ هُ
২০। সুরক্ষিত মুজ্যের মত,	كَامْقَالِ <b>ا</b> للَّوْلُو الْمَكْنُونِ ﴾
১৪। তারা যা করত তার প্রতিদানগর্পণ,	جَزَآءً بِمَا كَانُوْا يَعْمَلُوْنَ @
২৫। সেখানে না তারা খনবে কোন অসার কথা আর না তারা খনবে কোন পাপ কাল-	لَا يَسْمَعُوْنَ فِيْهَاَ لَغُوًّا وَّلَا تَأْثِيْمًا ﴾
২ও। 'সানাম', 'সালাম' উক্তি ছাড়া ।	إِلَّا قِيْلًا سَلَمًا سَلَمًا ۞
২৭। আর ভানের সাঝীরা; ভানের সাধীরা কারাঃ	وَآمُحٰبُ الْيَمِيْنِ مُمَّآ أَصْحٰبُ الْيَمِيْنِ ﴿
<ul> <li>(ভারা থাকবে) কাঁটাবিহীন কুলগাছের মাকে-</li> </ul>	<u>ف</u> ىْ سِدْ رِمَّحْفُودٍ ﴿
১৯। এবং বাঁদি ভরা কলাগাহের মাঝে-	وَّطَلْيِرِ مَّنْفُودٍ إِنَّ
৩। এবং সম্প্রদারিত হায়ার মাঝে-	وَّظِلِ مِّمْدُ وَدٍ ﴾
০১। এবং প্রবহমান পানির মাঝে-	وَّمَآءٍ مِّسْكُوْبٍ فِي
১২। এবং অনেক ফল-মূলের মাধে-	وَّفَاكِهَةٍ كَثِيْرَةٍ ۞
ত। (যা) শেষ হবে না এবং নিবিদ্ধও হবে না-	لَّا مَقَطُوْ عَةِ وَّلَا مَمْنُو عَةٍ ﴿
৪। এবং সুউত শয্যাসমূহে।	وَّفُوسُ مِّرْ فُوْعَةٍ ﴿
ও। নিশ্চম আমি তাদেরকে (হরদেরকে) সৃষ্টি করেছি এক (বিশেষ) সৃষ্টিতে-	إِنَّا أَنْشَانُهُنَّ إِنْشَآءً ۞
৬। এবং ভাদেরকে করেছি কুমারী-	فَجَعَلْنَهُنَّ ٱبْكَارًا ﴾
৭। (তারা) নিবেলিতা ও সমবয়সী- &	عُرُبًا ٱتْرَابًا ﴿
চ। ভানের সাধীনের জন্ম।	لِآمُعْبِ الْيَمِيْنِ ﴿
৯। বহু সংখ্যক হবে পূৰ্ববৰ্তীদেৱ মধ্য থেকে-	ئُلَّةً مِّنَ الْآوَّ لِيْنَ ﴾

৫৫। এবং পাদ করবে কৃষ্ণার্ত উটের পাদ করার মত।

৫৭। আমিই তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছি, তবে কেন তোমবা (পুনরুখানকৈ)

৫৮। তবে তোমরা তেবে দেখেছ কি যা তোমরা বীর্যপাত করঃ

৫৬। বিমার দিনে এটা তাদের আপাহন

সভা বলে খীকার করছ নাঃ

فَشْرِبُونَ شُرْبَ الْهِيْرِ ﴾

هٰذَا نُزُ لُمُر يَوْ٢َ الدِّينِ ﴿

أَفَءَ يَتُدُ مُا تُهْنُونَ أَهُ

نَحْنُ خَلَقْنُكُر ْ فَلَوْ لَا تُصَدِّقُونَ ۞

. সূরা আল-ওয়াকিয়া	পারা-২৭	٥-سُوْرَةُ الْوَاقِعَةِ
১৯। অতি পবিত্ররা (ফেরেশতারা) ছাড়া কেউ	তা ম্পর্শ করে না।	لَّايَمَسَّهُ إِلَّا الْمُطَهِّرُوْنَ۞
ro। (এটি) জগৎসমূহের প্রতিপালকের পক্ষ c	থকে অবতীৰ্ণ।	تَنْزِيُّل مِّنْ رَّبِّ الْعُلَمِيْنَ @
› ১১। তবে কি ভোমরা এই কথাকে (কুরআনবে	s) উপেক্ষা করছ-	أَفَيِهٰذَا الْعَدِيْتِ أَنْتُر مُّدُهِنُونَ۞
-২। এবং (খকরিয়ার পরিবর্তে) তোমরা তোদ যে, তোমরা (রিযিকদাতাকে) অধীকার ব		وَتَجْعَلُوْنَ رِزْقَكُمِ ٱلْكُمِرْ ٱنَّكُرْ بُكَدِّبُوْنَ
ত। ভবে কেন নয়, (কারো) প্রাণ যথন কণ্ঠাং		فَلَوْلَا إِذَا بَلَغَبِ الْمُلْقُوْمَ ﴾
r8: এবং সে সময় ভোমরা (তার দিকে) তাবি	ক্ষ্যে থাক-	وَٱثْتُر ْحِيْنَئِذِ تَنْظُرُونَ ﴾
re। এবং তথন আমি তোমাদের চেত্রেও তা দেখতে পাও না।	র বেশি নিকটে, কিন্তু তোমরা	وَنَعْنُ ٱقْرَبُ إَلَيْهِ مِنْكُرْ وَلكِنْ لَّا تُبْمِرُونَ @
rè। তবে কেন নর, যদি তোমরা (তোমাদের	ধারণায়) কারো অধীন না হয়ে	فَلَوْلَاۤ إِنْ كُنْتُر ٛ غَيْرَ مَدِيْنِينَ ﴾
থাক- ৮৭। তাহলে তোমরা তা (গ্রাণ) ফিরাও- যদি	তোমরা সত্যবাদী হও।	تَرْجِعُوْنَهَآ إِنْ كُنْتُر ٛ صَارِقِيْنَ ۞
rb। আর সে যদি নৈকটাপ্রাপ্তদের অন্তর্ভুক্ত হা	g-	فَأَمَّا إِنْ كَانَ مِنَ الْمُقَرَّ بِيْنَ ﴾
৮৯। তবে তার জন্য রয়েছে দয়া, সুগন্ধ গুলা	ও নেয়ামতপূর্ণ জাল্লাত।	فَرَوْحٌ وَّرَيْحَانَّهُ وَّمَنَّتُ نَعِيْمٍ ۞
৯০। এবং সে যদি ভানের সাধীদের অন্তর্ভুক্ত	रत-	وَأَمَّا إِنْ كَانَ مِنْ اصْحٰبِ الْيَمِيْنِ ﴿
৯১। তাহলে (ভাকে বলা হবে) ভোমার প্রতি <sup>হ</sup>	গালাম, (ভূমি) ভানের সাধীদের	فَسَلْمِ ۗ لَكَ مِنْ أَمْحُبِ الْيَمِيْنِ ﴿
অন্তর্ভুক্ত। ৯২। আর সে যদি মিধ্যা অভিহিতকারী ও পথ	ভ্রেষ্টদের অভর্জুভ হয়-	وَأَمَّا إِنْ كَانَ مِنَ الْمُكَدِّبِيْنَ الضَّا لِيْنَ ﴿
৯৩। তাহলে (তার জন্য রয়েছে) উত্তপ্ত পানিং	া আপ্যায়ন-	فَنُوَّلُ مِّنْ حَبِيْرٍ ﴾
৯৪। এবং তীব আগুনের দহন।		وَّتَصْلِيَةُ جَحِيْرٍ @
	i i	
৯৫। নিশ্চয় এটি অবশ্যই নিশ্চিত সত্য,	٤	إِنَّ هَٰذَاَ لَهُوَ مَقُّ الْيَقِيْنِ ﴿

# ৫৭. সূরা আল-হাদীদ, মাদানী

১৯ গায়াত, ৪ কর্ অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

- ১। আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে সবই আল্লাব্র পবিপ্রতা ঘোষণা করে এবং নিনিট মহাজনাগশালী ও মহাজনালান।
- ২। আকাশসমূহ ও পৃথিবীর রাজত্ব তাঁরই, তিনি জীবিত করেন ও মৃত্যু ঘটান, এবং তিনি সব কিছুর উপর সর্বশক্তিমান।
- তিনিই প্রথম ও শেষ এবং (তিনিই) প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য এবং তিনি সবকিছু সম্পর্কে ভালভাবে জানেন।
- ৪। তিনিই আবদানমূহ ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন ছয় দিনে, এরপর আরপের উপার সমাসীন হয়েছেন। তিনি জানেন যা ভিছু ভুলিতে প্রবেশ করে ও যা কিছু তা থেকে রের হয় এবং আরপা থেকে যা কিছু কবরীর্ণ হয় ও য়া ভিছু তাতে ভীর্মিত হয়। এবং ভোমরা মোধানেই বাক, ভিনি তোমানের সাথে আছেন। এবং তোমরা যা কর সে সম্পর্কে আল্লাহ পূর্ণ সৃষ্টিরান।
- শাকাশসমূহ ও পৃথিবীর রাজতু তাঁরই। এবং আল্লাব্রই দিকে সকল বিষয় ফিরিয়ে দেয়া চবে.
- ৬। তিনি রাততে প্রবেশ করান দিনে এবং দিনকে প্রবেশ করান রাতে। এবং বন্ধসমূহে যা আছে সে সম্পর্কে তিনি ভালভাবে জানেন
- ৭। তোমরা সিমান আন আল্লাহ্ ও তাঁর রাসুদের প্রতি এবং আল্লাহ্ তোমাদেরকে যা কিছুব খণিকা (প্রতিনিধিত্বমূলক মানিক) করেছেন তা থেকে (আল্লাহ্ব পথে) ওয়া কর। মুক্তমার তোমাদের মধ্যে বারা সিমান থানাঙে ও বারু করেছে তালের ক্লানা রারেছ ক্রাপ্রতিলান।
- ৮। আর তোমাদের বাঁ (অন্তর্যাত) আছে বে, তোমবা আন্তারে প্রতি ইবন আন না, অথ্য রাসুদ তোমাদেরকে তোমাদের প্রতিপাদাকের প্রতি ইবন প্রদানত আরম্বাদ করাহে এবং বরুপাই তিনি (আন্তার) তোমাদের নিকট থেকে অস্থীকার গ্রহণ করেছিলেন- যদি তোমবা মু'মিন হওঃ
- ৯। তিনিই তাঁর বান্দার উপর সুস্পন্ট আয়াতসমূহ অবতীর্থ করেন যাতে তিনি তোমাদেরকে অককার ২তে আনোর লিকে বেং করে আনতে পারেন। এবং নিশ্চম সান্নাহ তোমাদের প্রতি অবশাই অতান্ত (প্রহর্মীত ও পরম দয়াল।

## 

سَبِّهِ مِنَا فِي السَّمُوٰتِ وَالْأَرْضِ ، وَهُوَ الْعَزِيْزُ الْعَكِيْرُ ۞

٥٥ سُرُ الْحُدِيثِ - مِنَ نَهُ

. عَرْبُ إِنْ السَّاوٰتِ وَالْأَرْضِ؛ يُعْنَى وَيُمِيْتُ؛ وَهُو كَلَّى هَنَّ لَدُمُلْكُ السَّاوٰتِ وَالْأَرْضِ؛ يُعْنَى وَيُمِيْتُ؛ وَهُو كَلَّى هَنَّ

قَادِيْرَ۞ هُوَ الْأَوْلُ وَٱلْأَخِرُ وَالطَّاهِرُ وَالْبَاطِنُ، َوَهُوَ بِكِّل شَئُّ عَلَيْ ۚ ۞

هُو ٱلذِن عَلَقَ السَّوْتِ وَالْآرِض فِي سِيَّةِ أَيَّا إِلَّى السَّوْمِ فَى الْقَوْهِمِ، يَعْلَمُ مَا لِيلِي الْآرِض وَمَا يَضَوَّ عِنْهَا وَمَا يَنَوُّ لِي مِن السَّاوِ وَمَا يَعْرَعُ فِيهَا ، وَهُو مَعْكُمْ (أَنِّي مَا كَنْشُرْ، وَاللهُ مِنَا لَتَقَلَقُ نِمِينًا فِي فَيْهِا وَهُو مَعْكُمْ (أَنِّي مَا كَنْشُرْ، وَاللهُ مِنَا لِتَقَلَقُ نِمِينًا فِي فِي الْمَارِينَ فِي الْمَارِينَ فِي الْمَارِينَ فِي الْمَارِينَ فِي الْم

لَهُ مُلْكُ السَّمُوٰتِ وَالْأَرْضِ وَإِلَى اللهِ تُوْجَعُ الْأَمُوْرُ ۞

يُوْلِهُ ٱلنَّكِ فِي النَّهَارِ وَيُوْلِهُ النَّهَارَ فِي ٱلنَّهَارَ فِي ٱلنَّهَارَ فِي ٱلنَّهَارِ وَهُوَ عَلَيْرٌ إِنِدَاتِ الصَّدُوْرِ ()

امِنُوا بِاللهِ وَرَسُو لِهِ وَٱلْفَقُوا مِمَّا جَعَلَكُم ْ مُسْتَخْلَفِيْنَ فِيْهِ. فَأَلْدِيْنَ امْنُوا مِنْكُى ۚ وَٱنْفَقُواْ لَهُـ ٱجْرُّ كَبِيْرٌ ۚ ۞

وَمَاۤ لَكُوڒٛ لَاتُوْمِنُونَ بِاللهِ وَالرِّسُولُ يَنْكُوكُو لِتُوْمِنُواْ يِرِبِّكُورُ وَقَلْ آخِلَ مِيثَاقَكُو إِنْ كُنْتُومُ فُوْمِنِيْنَ ۞

هُو ۚ الذِي ٛ يُنَزِّل فَي عَبْدِهٖ ۚ أَيْتِ بَيِّنْتِ لَيُحْرِجُكُرْمِّنَ الظَّلُمُ ِ الْيَ النَّوْرِ وَإِنَّ اللَّهُ بِكُرُ لُوعُوْنٌ دِّخِيرٌ ۞

- ১০। আর ভোমাদের কী (অজহাত) আছে যে, ভোমরা আল্লাহর পথে বায় কর না যথন আকাশসমূহ ও পথিবীর উত্তর্গধিকার আলাহরটঃ ভোমাদের प्राप्त प्रांना निकासन अंदर्ग नाम करनाफ ७ मक करनाफ जाता (अनगर्जीरामन) সমান নয়। তাবা তাদের থেকে মর্যাদায় শ্রেষ্ঠ যাবা পরবর্তীতে বায়। দিয়েছেন। আর ভোমরা যা কর সে সম্পর্কে আছাচ পর্ণ অরগত।
- ১১। अपन तक च्याना ता च्यानावान कर्मा जित्त-कार्म वामाना जावान किमि कार कमा का यह कन (विक्रि) करायम अवः कार कमा ब्रह्मक সম্মানকনক প্রতিষান (অর্থাৎ আনাত)
- ১১। খেদিন ভমি ম'মিন নৱ ও ম'মিন নারীদেবকে দেখবে, তাদের সামনে ९ प्रथम जामन चामा (मिप्रामक) विमान कार्य) 'अवा कार्यामन कार्या জানাতসমহের সসংবাদ, যেওলোর নীচে নহরসমহ প্রবাহিত, সেখানে তোহবা স্বামী হবে।' এটিই মহাসাহলা
- ১৩। যেদিন মনাফিক পরুষ ও মনাফিক নারীরা, যারা ঈমান এনেছিল ভালেরকে বলবে 'ভোমরা আমাদের জনা অপেকা কর ভোমাদের च्याचा त्थाक किसी। जिल्हा (बोडे ' रखा द्वार 'त्याप्रवा त्याप्रामव शिक्षण ফিবে যাও ও আলোর সন্ধান কর।' অতঃপর তানের মাঝে স্থাপিত হবে अक्षी अधिव शास्त्र शाकाव अक्षी प्रवक्षा। अव निजाद शाकाव प्रशा अदः এর বাইরে থাকরে শান্তি
- ১৪। ভারা (মনাফিবরা) আদেরকে ভোক বলবে 'আম্বরা কি ভোমাদের সাথে ছিলাম নাঃ' ভারা বলবে, 'হাাঁ অবশ্যই, কিন্তু ভোমরা ভোমাদের निरकामन्त्रक रक्षकमार रक्षानिहरू अवश रकायवा (चायारास्व सर्काशाव) প্রতীক্ষা করেছিলে সন্দের পোচণ করেছিলে এক যিয়া আশা-আকাজ্জা ভোমাদেরকে প্রভাবিত করেছিল আল্লাহর নির্দেশ (কহসালা) আসা পর্যন্ত এবং মহাপ্রভাবক ভোমাদেবকে আনাহ সম্পর্কে প্রভাবিত
- ১৫। সতবাং আৰু ভোমানের নিকট থেকে কোন ফিদিয়া (বিনিময়) গ্রহণ করা হার না এবং হারা করবী কবেছিল সামের নিকট খোকের না। আক্রট ভোমাদের আশয়স্থল, এটাই ভোমাদের বন্ধ। আর কডই না নিকট সেই গলবাসল!
- ১৬।যারা ঈমান এনেছে ভালের কি সে সময় আসেনি যে, আল্লাহর স্বরূপে ल एवं जाना चारकीर्थ बायाच खारत खामन क्रमा निश्नीत बाता धनः তারা যেন তাদের মত না হয় যাদেরকে পর্বে কিতাব দেয়া হয়েছিল এবং তাদের মেয়াদ দীর্ঘ হয়েছিল ফলে তাদের হলয় কঠিন হয়ে পভল। এবং আদের আমারেউ পাপাচারী।
- ১৭। তোমরা জেনে রেখ যে, আলাহ ভমিকে জীবিত করেন এর মতার পর। আমি তোমাদের জন্য নিদর্শনসমূহ সুস্পষ্টভাবে বর্ণনা করেছি, যাতে ভোমরা অন্ধাবন করতে পার।

وَمَا لَكُورُ ٱلَّا تُنْفَقُوا فِي سَبِيْلِ اللهِ وَ لِلهِ مِيْراَكُ السَّمُوت وَ الْأَرْضِ. لَا يَسْتَوِي مِنْكُ مِنْ أَنْفَقِ مِنْ قَبْلِ الْفَتْ وَقِيْلِ الْفَتْ وَقَتَلِ، أو النك أَعْظُ دُرَجَةً مَّن ٱلدينَ ٱنْفَقُواْ مِنْ بَعْلُ وَقَتْلُواْ وَكُلًّا عُا فَعَاهِمَاهُ عَهِمَ عَمِيه وَّعَدَ اللهُ الْعُسْنِي ، وَ اللهُ بِمَا تَعْمَلُونَ كَبِيُّ ﴿

> مَنْ ذَا ٱلذِيْ يُقْضُ اللهُ قَا ثُمَّا حَسَنًا فَيُضَعَفَدُّ لِدُولَهُ أَجْهُ يَوْ ﴾ آبَ يَ الْمُؤْمِنِينَ وَ الْمُؤْمِنِي يَشْعَى نُوْ رُهُمْ بَيْرِ ، وَيْدِ لَيْدِهِ ^ وَبِأَيْمَانِهِ ۚ بُشْرِٰنكُر ۗ الْيَوْ ٓ مَتَّتَّ تَجْرِيْ مِنْ تَحْتِهَا الْإَنْهُ ۗ

> خُلديْنَ فَيْهَا ﴿ لَكَ هُوَ الْفَوْزُ الْعَظِيمُ ۖ أَنَّهُ يَهُ آ يَقُولُ الْمُنْفَقُونَ وَالْمُنْفَقِي لِلَّذِينَ أَمَنُوا اثْظُرُونَا نَقْتَبِسْ مِنْ لَّوْ رَكُهُ عَقِيلَ إِرْجِعُوا وَرَآءَكُهُ ۚ فَالْتَمِسُوا نُورًا ۥ فَفُرِبَ بَيْنَهُرْ بِسُوْرِ لَهُ بَابٌ ، بَاطِنُهُ فِيْهِ الرَّحْمَةُ وَظَاهِرُهُ مِنْ قبَله الْعَذَابُ أَهُ

يُنَادُوْنَهُمْ ۚ ٱلهِ ۚ نَكُنْ مُعَكُمْ ۚ وَقَا لُواْ بَلَى وَلَكِنَّكُمْ ۗ فَتَنْتُمْ ۗ أَنْفُسَكُورُ وَنَوَبَّصْتُورُ وَا رْتَبْتُر وَغَوَّتْكُورُ الْأَمَانِيُّ حَتَّى جَاءَ أَمْرُ اللهِ وَغَرَّكُر بِاللهِ الْغَرُورُ ۞

فَالْيَوْمَ لَايُوْخَذُ مِنْكُر فِدْيَةٌ وَّلَامِنَ ۚ الذِيْنَ كَفَوُوا مِمَّا وَنكُر ۗ النَّارُ وهِي مَوْلِلكُرْ وَبِنْسَ الْمَصِيْرُ ﴿

ٱلر يَأْنِ لِلَّذِيْنَ أَمَنُواْ أَنْ تَخْشَعَ قُلُوبُهُرْ لِذِكْرِ اللَّهِ وَمَا نَهَ لَ مِنَ الْحَقِّيِّ وَلَا يَكُونُوا كَأَ لَدِينَ أُوثُوا الْكِتْبِ مِنْ قَبُّل فَطَأَلَ عَلَيْهِي الْأُمَدُ فَقَسَى قُلُو أَبُهُ وَكَثِيدٌ مِّنْهُ مُنْهُ فُسقُونَ

اعْلَمُوا أَنَّ اللهَ يُحْى الْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَا ۚ قَدْ بَيَّنَّا لَكُيرُ الْإِيْتَ لَعَلَّكُمُ مُ تَعْقَلُونَ ۗ

- ১৮। নিজ্য দানশীল পুরুষরা ও দানশীল নারীরা এবং যারা আন্তাহকে কর্জ দিয়েহে-কর্মে হাসানা, ডানেয়কে বছ ওপ (বৃদ্ধি করে) দেয়া হবে এবং ডানের জন্য এয়েহে সম্মানজনক প্রতিদান (অর্থাৎ জান্লাত)।
- ১৯। এবং যারা আন্তাহ ও তাঁর রাস্পলের উপর ঈমান এনেছে, তারাই
  তাদের রতিপালকের নিকট নিশ্চিক (সভাবাদী) ও শহীদ। তালের জন্ম।
  রয়েছে ভাদের রতিদান ও তাদের আলো এবং যারা কুম্মরী করেছে ও ব্রি
  আমার আয়াতসমূহকে বিধ্যা অভিবিক্ত করেছে, তারাই ভীব্র আভাবোর
  শ্বিবাদী।
- ২১। তোমরা অর্থাগামী হও তোমাদের প্রতিগালকের ক্ষমা ও জাল্লাকের দিকে হার প্রশব্যতা আকাশ ও পৃথিবীর প্রশক্তার মত, যা প্রস্তুত করা ব্যবহুত তাদের জন্য যারা আল্লাহ ও তার রাস্পদের প্রতি ঈমান প্রনেহে। এটি আল্লাহর অনুমহ, যাকে ইক্সা তিনি তা দান করেন। এবং আল্লাহর মহাক্রমেন্ত্রাক্রাই
- পৃথিবীতে অথবা ভোমাদের নিজেদের উপর এমন কোন বিপর্যর পতিত হয় না এছাড়া যে, এটি একটি কিতাবে (লিপিবছ) খাকে, আমি তা সংঘটিত করাব পার্ক। দিকয় এটি আনাহর জন্য সহজ।
- ২০. এটি এজন্য যে, তোমাদের বা হারিয়ে গেছে তার জন্য ফেন তোমরা বিমর্থ না হও, এবং যা তিমি তোমাদেরকে নিয়েছেন তার জন্য উৎসূত্র না হও। আর জাল্লাছ জোন উদ্ধৃত ও অহকোরীকে ভালবাদেন না-
- ২৪। যারা কৃপণতা করে ও মানুষকে কৃপণতার নির্দেশ দেয়। এবং যে মুখ ফিরিয়ে নেয়, তবে (সে জেনে রাখুক) নিশ্চয় আল্লাইই অভাবয়ুক ও অতি প্রশংসনীত।
- ২০ 'মতশাই আমি আমত মাসুলেকতে তেওপ কৰেলৈ "মাই আন্দালিকত এক প্ৰকণ্ডিন কৰেছি আনক সাথে কিবাৰ ও মীৰাক বোহা কিচাৰ ) মাতে মানুৰ নায়েকে লাকে কোনা কৰাক কৰাক কৰাক আৰু একং আমি অকটাৰ বৈয়েকৈ লাকে আহু মানুক আৰু আনুক ৰাম্বাৰ্কত কৰাক উপলিন্তান, কৰাক আহু মানুক প্ৰান্ত কৰাক কৰাক কৰাক ও কাক প্ৰস্থানকৰ কৰাক কৰাক কৰাক কৰাক কৰাক কৰাক ও কাক প্ৰস্থানকৰ কৰাক কৰাক কৰাক কৰাক কৰাক কৰাক কৰাক প্ৰস্থানকৰ্মণালীৰ

لَّهُرُ وَلَهُرَّ لَجُرِّ كُرِيْرٌ ﴿ وَالْمَنْ إِنْ أَصْنَوْلِ بِاللَّهِ وَرَسُلِيا ۚ وَلَكِكَ هُرُ السِّنْ فَوْنَ؟ وَالشَّهُ لَمَا أَعِنْدَ رَبِّهِنَ لَهُمْ أَخَوُهُمْ وَقُونُهُمْ وَقُونُهُمْ وَالْمِيْنَ فَتَرَوْا وَكَذَّبُواْ بِالْعِنْمَ أَوْلَكُكَ أَصْفِى الْعَصِيْرِ فِي

انَّ الْمُصَّدَّقِيْنَ وَالْمُصَّدِّقْ وَاقْرَضُوا اللَّهَ قَرْضًا حَسَنًا يُّفْعَفُ

سَابِقُوْ اللَّى مَغْفِيرَةٌ مِنْ رَبِّكُمْ رُوَهَنَّهُ عَرْهُهَا كَعْرُضِ السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ أَعِنْ مَنْ لَكُن مِنَ أَصْبُوا بِاللَّهِ وَرَسُلهِ هَ لِكَ فَضُل إلله بِهُوْنِيهِ مِنْ يَمَّاءً وَاللَّهُ وَلِمُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ مَنْ مَنْ مَنْ اللَّهِ عَلَيْهِ فِي

مَّا أَمَابَمِنْمُّمِيْمَةِ فِي الْأَرْضِ وَلَا فِيُّ ٱلْفُسِكُمْ إِلَّا فِي كِتُبٍ مِّنْ قَبْل إَنْ تُبْرَأُهَا ۚ إِنَّاذًاكَ إِنَّا الله يَسِيَّةً ۚ أَنَّهُ

لَّكَيْلَا تَاسُوا عَلَى مَا فَاتَكُيرُ وَلَا تَفْرَهُوا بِمَا آَثْمُيرُ • وَاللهُ لَا يُعِبُّ كُلُّ مُخْتَالَ فَخُورُ فِي فَ

اً لَذِيْنَ يَبْخَلُونَ وَيَامُرُونَ النَّاسَ بِالْبُخْلِ، وَمَنْ يُتَوَلَّ فَإِنَّ اللَّهُ هُوَ الْغَنِيُّ الْمُمِيدُ ۞

لَعُنْرَا رُسُلُنَا رُسُلَنَا بِالْمَيْحِيْرِ وَآثِرُلْنَا مَعُهُرُ الْكِخْبَ وَالْمِيْرَانَ لِيَقْرُآ النَّاسُ بِالْنِشَاءِ وَآثُرُلْنَا الْعَدِيْدَ فِيهُ بَاسَّ مَدَيْدُ وَمِّنَا فِي لِلنَّاسُ وَلِيَعْلَرَ اللَّهُ مِنْ يُنْمُزُهُ وَرِسُلُما ۖ أَيُّ بِالْغَيْسِ إِنْ اللَّهُ قَوِيَّ عَيْدٍ يُنْهِ

- ১৬। আর অবশ্যই আমি নৃহ ও ইবরাহীমকে (রাসুল হিসাবে) প্রেরণ করেছিলাম এবং আমি ভালের বংশধরের মধ্যে নির্ধারণ করেছিলাম নবয়তে ও কিতাব, অতঃপর তাদের মধ্য থেকে কিছু সংখ্যক সঠিকপথ প্রাপ্ত হয়েছে, কিন্তু তাদের অনেকেট পাপাচারী।
- ১৭: এবপর আমি তাদের পিছনে (অর্থাৎ পরে) আমার রাসূলদেরকে পাঠিয়েছিলাম এবং পাঠিয়েছিলাম মারইয়াম পুত্র ঈসাকে, এবং তাকে নিষেছিলাম ইনজীল এবং যারা তাকে অনুসরণ করেছে তাদের হৃদয়ে করুণা ও দয়া সৃষ্টি করেছিলাম। আর বৈরাগ্যবাদ, এটা তো তারা (নিজেরাই) কেবল আল্লাহর সম্ভটির উদ্দেশ্যে প্রবর্তন করেছিল, যা আমি ভালের উপর বিধিবদ্ধ (ফরয়) করিনি। কিন্ত এটাও ভারা হথাহথভাবে পালন কবেনি। অভঃপর ভাগের হধা হতে যাবা উল্লান এনেছিল ভাদেবকে আমি ভাদের প্রতিদান নিয়েছিলাম, কিন্ত ভাদের অনেকেট পাপাচারী
- ১৮। প্রতে যাবা ঈহান এনেছ। ভোহবা আলাচার ভব কর এবং ভার বাসলের প্রতি ঈমান আন। তিনি তোমাদেরকে তাঁর দরা থেকে দাটি (অর্থাৎ দনিয়া ও আধিবাতের) অংশ দান করবেন এবং তিনি তোহাদের জন্য একটি আলো স্থাপন করবেন, যার সাহায়ে তোমরা চলবে এবং তিনি তোমাদেরকে ক্ষমা করবেন। এবং আল্লাহ্ অতি ক্ষমাশীল ও পরম मधान
- ভিনি যাকে ইচ্ছা করেন ভাকে ভা দান করেন। এবং আলাহ মহা অন্প্রহণীল।

وَلقَدْ ٱرْسَلْنَا نُوْمًا وَّابْرِ هيْرَ وَجَعَلْنَا فِي دُرِّيَّتهمَا النُّبُوَّةَ وَ الْكَتْبَ فَمِنْهُمْ مُهَّاتَد ، وَكَثْيَةٌ مِّنْهُمْ فُستُونَ ﴿

ثُرِّ قَقْيْنَا كَلِّ إِثَا رِهِرْ بِرُسُلِنَا وَقَقَّيْنَا بِعِيْسَى إِبْنِ مَرْيَرَ وَأَتَيْنُهُ الْاِنْجِيْلِءُ وَجَعَلْنَا فِي قُلُوبِ ٱلذِيْنَ اتَّبَعُوهُ رَأَفَةً وَّرَحْهَةً ، وَرَهْبَانِيَّةَ الْبَتَنَعُوهَا مَا كَتَبْنَهَا عَلَيْهِمْ ۚ إِلَّا الْبَتَغَاَّءَ رِضُوان اللهُ فَمَا رَعُوْهَا مَقَ رِعَا يَتِهَا وَأَتَيْنَا ٱلدَّيْنَ أَمَنُواْ مِنْهُ أَجْ هُمْ أَوْ كَثِي مِنْهُ فَسَقُونَ ﴿

يَّا يُّهَا أَلدَيْنَ أَمَنُوا اتَّقُوا اللهَ وَأَمنُوا بِرَسُوْ لهِ يُؤْتِكُم ْ كَفْلَيْنِ مِنْ رَّحْمَته وَيَجْعَلْ لَكُو ` نُوْ رَا تَمْشُونَ بِهِ وَيَغْفِ ۚ لَكُو ` ، وَ اللهُ عَفُورٌ رَحْيَرٌ ﴾

২৯। যাতে আহলে কিতাৰ জানতে পাৱে যে, আল্লাহর অনুমহের (সামান্য) لَكُلُّ يَعْلَى ٱلْكِتْبِ ٱلَّا يَكْدِرُونَ عَلَى شَيَّا مِّنْ فَصْلِ إِلَيْ اللَّهِ عَلَيْهِ وَهُمُ عَلَى ٱلْكِتْبِ ٱلَّا يَكْدِرُونَ عَلَى شَيَّا مِّنْ فَصْلِ إِلَيْ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّ اللهِ وَإَنَّ الْفَضْلِ بِيَدِ اللهِ يُؤْتِيْهِ مَنْ يَّشَأَءُ وَاللَّهُ ذُوا لُفَضْلِ

### ৫৮. সুরা আল-মুজাদালা, মাদানী ২২ আয়াত, ও ব্রুক

অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে



#### পারা-১৮

১। অবশ্যই আল্লাহ বনেছেন তার কথা, যে তার যামীর বিষয়ে তোমার সাথে বিতর্ক করছে এবং সে আল্লাহর নিকট অভিযোগ করছে। এবং আল্লাহ তোয়াদের দ'জনের কথোপকথন ওনছেন। নিকা আলাহ সর্বস্রোতা ও সর্বদ্রাঃ

- ১। তোমানের মধ্যে যারা তাদের জীদের সাথে থিহার<sup>\*</sup> করে. ভোরা জেনে রাখক) তারা তাদের মা নয়। যারা তাদেরকে জনুদান করেছে কেবল ভারাই ভাদের মা। এবং নিক্তর ভারা অবশক্তে ঘণা ও মিধ্যা কথা বলে। আর নিশ্চয় আল্লাহ অবশাই মার্জনাকারী ও অতি ক্ষমাশীল।
- ক। আৰু হাৰা আদেৰ স্ত্ৰীদেৰ সাথে বিহাৰ কৰে। এবপৰ ভাষা যা বলেডিল ভা হতে ফিরে যায় (প্রভাহার করে) তবে একে অপরকে স্পর্শ করার পর্বে একটি দাস হক করা (আৰশ্যক)। এর মাধ্যমে তোমাদেরকে উপদেশ দেয়া হচ্ছে। আর তোমরা যা কর সে সম্পর্কে আল্লাহ পর্ণ অবগত।
- ৪। কিন্তু যে (কোন দাস) পায় না সে একাধারে দুইমাস রোষা রাথবে. তারা একে অপরকে স্পর্ণ করার পর্বে। এবং যে (তাতেও) অসমর্থ হবে সে ঘাটকন হিসকীনকে (অভাব্যাক্তক) খাওবাবে: এটা এ জন্য বাতে ভোমরা আহাত্ত ও তাঁর রাসলের উপর ঈমান আনতে পার। এবং এগুলো আল্লাহর (নির্ধারিত) সীমা। আর কাঞ্চিরদের অন্য রয়েছে যপ্রণাদায়ক শান্তি।
- । নিশ্চর বারা আল্লাহ ও তাঁর রাস্ত্রের বিরুদ্ধাচরণ করে, তাদেরকে লাঞ্ছিত করা হবে যেমন লাঞ্চিত করা হয়েছিল তাদের পর্ববর্তীদেরকে, এবং অবশাই আমি সুস্পষ্ট আয়াতসমূহ অবতীর্ণ করেছি। আর কাঞ্চিরদের ছানা বহেছে লাঞ্চনালায়ক শান্তি,
- يُوا يَبَعَثُهُرُ اللَّهُ جَمِيعًا فَيُنَبِّئُهُمُ بِمَا عَمَلُوا ﴿ أَحْصُهُ اللَّهُ وَ إِلَّهُ عَالَم الله عا করেছে তা তিনি তাদেরকে জানিয়ে দিবেন। আল্লাহ তা পণনা করে রেখেছেন, অথচ তারা তা ভলে গেছে। আর আল্লাহ সবকিছুর উপর 🕏 প্রতাক্ষদশী।
- ৭। তুমি কি ভেবে দেখনি যে, আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে যা কিছ আছে আব্ৰাহ তা कार्याव किया शक्तिय प्राप्ता त्याव रहांच स्थापन कथा हुए जो स्थापन स्थापन इफर्स कर किन सन अवर और वाकिन प्राधात क्या मा बाटर जानत यह छन विक्रियात । तम तरण तदा त्यांक मा तामि त्यांक विक्रि व्यापन आफ्टे खाएल ভাষা যোগানেই থাকক না কেন এবপৰ ভাষা যা করেছে ভা তিনি ভালেরকে विकाधान्यत क्रिस व्यक्तिया जिल्हा। विन्त्रश खालाङ अवविक अन्भार्क खालाङात कारमः ।

قَدْ سَمِعَ اللهُ قَوْلَ الَّتِي تُجَادِ لُكَ فِي زَوْجِهَا وَ تَشْتَكِيُّ إِلَى اللهِ اللهُ وَاللهُ يَسْمَعُ تَكَاوُرَكُمَا ، إِنَّ اللهُ سَمِيعٌ بَصِيًّا ﴿

اللَّذِينَ يُظْهِرُونَ مِنْكُنُ مِنْ تُسَالُهِمْ مَّا هُنَّ أُمَّهُتِهِمْ ١٠ف أُمُّهُتُهُ إِلَّا الَّذِي وَلَدْنَهُ و وَ إِنَّهُ لَيَقُو لُوْنَ مُنْكَرًّا مِّنَ الْقَوْلِ وَ زُوْرًا وَ إِنَّ اللَّهَ لَعَفُو مَّ غَفُورٌ ۞

وَ الَّذِيْنَ يُظْهِرُ وْنَ مِنْ تَسَأَنْهِمْ ثُمَّ يَعُودُوْنَ لَهَا قَالُوْ ا فَتَهُ إِنَّ رَقَبَة مِّنْ قَبْلِ أَنْ يُتَمَاَّسًا ﴿ لَكُمْ ثُوْ عَظُوْنَ بِهِ وَ اللَّهُ بِمَا تَعْمَلُوْنَ خَبِيْرٌ ۞

فَمَنْ لَّرْيَجِدْ فَصِيَا مُشَهَّرَيْن مُتَنَابِعَيْن مِنْ قَبْل أَنْ يَّتَمَا سَّاء فَمَنْ لَّهِ يَسْتَطِعْ فَاطْعَا أُستَّيْنَ مِشْكُنًّا وَلَكَ لتُؤْمنُوْ إِباللهِ وَ رَسُوْ لِهِ وَتَلْكَ حُدُودُ الله وَ للَّكْفِ يْنَ عَذَابٌ اللهِ \* ه

إِنَّ الَّذِيْنَ يُحَاِّدُونَ اللَّهَ وَ رَسُوْ لَهُ كُبِتُوْ ا كَمَا كُبِيَ الَّذِيْنَ منْ قَبْلُهِرْ وَقَدْ أَنْوَلْنَّا أَيْسِ بَيِّنْسِ وَ لِلْكُغِرِيْنَ عَدَابٌ

نَسُوْلُا وَ اللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْ أَهُ شَهِيدٌ ﴿ ٱلَمِرْتُوَ أَنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ مَا فِي السَّمُوٰتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ •

مَا يَكُوْنُ مِنْ نَّجُوٰى ثَلْفَة إلَّا هُوَ رَابِعُهُرْ وَ لَا خَمْسَة إلَّا هُوَ سَادسُهُرْ وَ لا آدنى من ذلك وَلا آكْفَر اللهُو مَعَهُر آيْنَ مَا كَانُوْ ا : ثُرُّ يُنَبِّعُهُرُ بِمَا عَمِلُوا يَوْ ٓ الْقَيْمَة - إِنَّ اللَّهُ بِكُلِّ شَيْءُ عَلَيْهُ ۞ ৮। তমি কি তাদেরকে দেখনি, যাদেরকে গোপন কথা হতে নিষেধ করা হয়েছিলঃ এরপর তারা তাতে ফিরে যায় যা থেকে তাদেরকে নিষেধ করা হয়েছিল এবং পাপ, সীমালক্ষন ও রাসলকে অমান্য করার ব্যাপারে গোপান কথা বাল এক ভাবা যখন ভোয়াব নিকট আসে তথ্ন ভোয়াকে এমন কথা দারা অভিবাদন করে যা দারা আন্তাহ ভোমাকে অভিবাদন ক্রবেননি। এবং তাবা ভাদেব নিজেদের হধ্যে বলে 'আহবা যা বলি ভাব জন্ম আশ্রাহ আমানেরকে শান্তি দেন না কেনঃ' জাহানামই তাদের জন্য যথেষ্ট, সেখানে তারা প্রবেশ করবে, আর কতই না নিকট সেই গন্তব্যস্তল!

৯। প্রয়ে যারা ঈয়ান এনেছ! তোমরা বখন গোপনে কথা বল তখন তোমরা পাপ সীমালকান ও বাসলকে অমান্য করার ব্যাপারে গোপনে কথা বলো না, কিন্ত তোমরা পূণ্য ও তাকওয়ার ব্যাপারে গোপনে কথা বল। এবং ভোমরা ভয় কর আল্লাহকে যাঁব দিকট ভোমাদেরকে সমবেত করা इंग्डा

১০। গোপন কথা<sup>®</sup> তো শহতানের পক্ষ থেকেট (হয়), যাতে সে যারা ঈমান এনেছে তাদেরকে দঃধ দিতে পারে। কিন্ত আন্তাহর ইক্ষা ছাড়া সে তাদের কিডট কৃতি করতে সক্ষম নয়। আরু আল্লাহর উপরই ম'মিনরা যেন ক্ষরতা করে।

১১। পাত হারা উন্নান এনেছ। হথম জোন্নানেরকে বলা হয় মুরুলিসে প্রশক্ত হও, তথ্য তোমরা (স্থান) প্রশন্ত করে দাও, তাহলে আল্লাহ কোমাদের জন্ম (সরবিজ্ঞ) প্রশাস বাবে দিবেন। এবং যথন বলা হয় 'টাঠে যাও' তখন তোমরা উঠে যাবে। তোমাদের মধ্যে যারা ঈমান এনেছে এবং হাদেব্যক জাম দাম কথা হংহতে আলাহ তাদেবকে মুর্যানায় উনীত করবেন। আর ভোমরা যা কর সে সম্পর্কে আল্লাহ পর্ণ অবগত।

১১। থাত যাবা টুয়ান এনেছ। যথন তোমবা বাসলেব সাথে গোপনে কথা বল তখন তোমানের গোপন কথা বলার পর্বে সদকা প্রদান কর." এটি তোয়াদের জন্য উল্লয় ও পবিত্রতম (পদ্ম)। আর যদি তোমরা (সদকা করার মত কিছ) না পাও, তবে নিকর আল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরম महांग।

১৩। তোমরা কি তোমাদের গোপন কথার পূর্বে সদকা প্রদান করাকে ভয় পেয়েছং আর যখন ভোমরা (সদকা) করলে না এবং আল্লাহ তোমাদের তোমরা যা কর সে সম্পর্কে আল্লাহ পর্ণ অবগত।

১৪: তমি কি তাদেরকে দেখনি, যারা বন্ধত করেছে এমন সম্প্রদায়ের সাথে যাদের উপর আগ্রাহ ক্রন্ধ হরেছেনঃ না তারা তোমাদের দলভুক্ত, আর না তাদের দলভক এবং তারা জেনে-বব্ধে মিথ্যা কসম করে।

১০। আলাচ ভাদের জন্য প্রস্তুত করেছেন কঠিন শান্তি। নিশ্চয় ভারা যা করত

اَلَمْ تَوَ إِلَى الَّذِيْنَ نُهُوا عَيِ النَّجُوى ثُرٌّ يَعُودُونَ لِمَا نُهُوا عَنْهُ وَ يَتَنْجُونَ بِا لَاثْهِ وَ الْعُدُوانِ وَمَعْمِيَ الرَّسُولُ لَهُ وَاذَا جَآءُوْكَ مَيُّوْكَ بِمَا لَرْ يُحَيِّكَ بِهِ اللَّهُ ۖ وَيَقُوْ لُوْنَ فَيْ أَنْفُسِهِرْ لَوْ لَا يُعَذَّبُنَا اللهُ بِمَا نَقُوْلُ، حَسْبُهُرْ جَهَنَّرُ، يَصْلُوْنَهَا، فَبِئُسَ الْمَصِيْرُ ۞

يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوٓ | إِذَا تَنَاجَيْتُرُ فَلَاتَعَنَاجَوْا بِالْإِثْرِ وَ الْعُدُوان وَمَعْصِيَ الرِّسُول وَ تَنَاجَوْا بِالْبِرِّ وَ التَّقُوٰي، وَ اتَّتُوا اللهَ الَّذِينَ إِلَيْهِ تُحْشَرُونَ ⊙

اتَّمَا النَّهُوٰى مِنَ الشَّيْطَى لِيَحُونَ الَّذِيْنَ أَمَّنُوْا وَ لَيْسَ بِضَا رَّهِمْ شَيْعًا إِلَّا بِاذْنِ إِللهِ ، وَعَلَى اللهِ فَلْيَتَوَكَّل المُوْمِنُونَ ٨

يَّأَيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوٓ ا اذَا قَيْلَ لَكُرْ تَفَسَّحُوْا فِي الْمَجْلس فَاقْسَعُوْا يَقْسَى اللَّهُ لَكُمْ ، وَ إِذَا قَيْلَ إِنْشُرُوا فَانْشُرُوا يَ فَعَ اللهُ الَّذِينَ أَمَنُوا مِنْكُرُ ، وَ الَّذِينَ أُوتُوا الْعِلْرِ دَرَجْتِ، وَ اللهُ بِمَا تَعْمَلُوْنَ خَبِيْرٌ ﴿ يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ إِمَنُوٓ الدَا نَاجَيْتُهُ ۖ الرُّسُوْ لَ فَقَدَّمُوْ ابَيْنَ يَدَى

فَانَّ اللَّهُ غَفُوْ رَّ رَّحِيْرٌ ﴿ ءَ أَشْفَقْتُرْ أَنْ تُقَدَّمُوا بَيْنَ يَكَىٰ نَجُول كُرْ صَدَقْ وَفَادُ 

نَجُوٰ بكُرْ مَدَقَةً ﴿ ذَٰ لَكَ غَيْرٌ ۖ لَّكُرْ وَ أَطْهَرُ ۚ فَانَ لَّهُ تَجِدُوا

وَ أَطِيْعُوا اللَّهُ وَ رَسُوْ لَهُ وَ اللَّهُ خَبِيْرٌ ٰ إِمَا تَعْمَلُونَ ﴿ أَلَيْ تَوَ إِلَى الَّذِيْنَ تَوَلُّوا قَوْمًا غَضَ اللهُ عَلَيْهِمْ •مَا هُرْ مِّنْكُرْ وَ لَا مِنْهُرْ ، وَ يَحْلِفُونَ عَلَى الْكَذِبِ وَ هُرْ يَعْلَمُونَ ﴿

أعَدَّ اللهُ لَهُرْ عَذَابًا هَدِيْدًا وإنَّهُرْ سَآءَمَا كَانُواْ يَعْمَلُونَ ⊛

का करते हैं जो प्रक

- ১৬ তারা তাদের শপথসমূহকে ঢাল হিসেবে গ্রহণ করেছে, গ্রবং আল্লাহর পথ হতে (মানুষকে) বিরত রেখেছে, যুতরাং তাদের জন্য রয়েছে গাঞ্জ্যাদায়ক পান্তি।
- ১৭। আল্লাহর (শান্তির) মুকাবিলায় তাদের ধন-সম্পদ ও সন্তাম-সন্ততি কথনো তাদের কিছুই কাজে আসবে না। তারাই আগুনের অধিবাসী। সেখানে তারা স্থায়ী হবে।
- ১৮। যেদিন আল্লাহ্ তাদের সকলকে পুনকাথিত করকেন, তথন তারা আল্লাহ্র নিকট সেরপ কাম্ম করকে যেমন কমম তোমানেনা নিকট করে একং তারা মনে করে যে, তারা একটা কিছুন উপর রয়েছে। ফেনে রাখ, নিক্তম তারাই বিভাগান্দী।
- ১৯। শহতান তাদের উপর বিজয়ী হয়েছে এবং সে তাদেরকে আল্লাহর স্বরূপ ভূনিয়ে নিয়েছে। তারা শয়তানের দল। জেনে রাখ, নিকর শয়তানের দলই ক্ষতিয়ায়।
- ২০। নিচর যারা আল্লাহ্ ও তাঁর রাস্লের বিরুদ্ধাচরণ করে, তারা চরম অপমানিতদের অন্তর্ভক হবে।
- ২১। আল্লাহ লিখে রেখেছেন, ' অবশ্যই আমি ও আমার রাসূলরা বিজয়ী হব'। নিশ্বয় আলাহ মহাশঞ্জিধর ও মহাগ্রতাপশালী।
- ২২ তুমি আরার ও অথিবাতে বিদ্যালী এনন কোন সম্প্রনার গাবে ল, ফার আছার ও ছাঁর রাসুন্দর বিজ্ঞান্তরিগাবেও ভাগবাসে- প্রিক্তি ভাগবি (বিজ্ঞানুত্রীত) আনুন্দর বিদ্যালয়, বাই জার আরা ব্যারা আরা আরার তালে কার কার নির্মান করেনে। বাই বিদ্যালয় করেনে বাই পারাক্তর আরা পক্ত লোও ক'র ছালা সাহাল্য করেনে। বাই বিদ্যালয় করেনে বাইনা করেনে আরা করার অল্লাকসমূহে, গোলসার দিন্দে সহলেন্ত্র এরাজির, কেরেনে কারা ছালা হালা বার্ল্য হালার বাই সমুক্তি হেনেনে এবং তালা ভাগি এই সমুক্তি হালের। তালা আহারে লা। নোলা বার্ল্য ক্রিক্তা আরার্ক্তর করার সম্প্রালী

اِلْحَدُّدُ أَلَهُا لَهُمُ مُنَّةً فَمَدُّراً عَنْ سَبِيلِ اللهِ فَلَهُمْ عَذَابٌ عَمِّنْ ۞ لَنْ تَعْنِي عَنْهُمْ أَمُوا لَهُمْ وَلَا أَوْلَامُمْ مِّنَ اللهِ غَيْثًا - أُولِيكَ

٥٠-سُورَةُ الْمُجَادَلَه

- أَمْخُرُا النَّارِ، هُرِ فِيهَا غُلِكُرُانَ۞ يُواُ يَبَعْتُهُرُ اللهُ هِيغًا فَيَصْلَفُونَ لَهُ كَمَا يَضْلَفُونَ لَكُمْ وَ يَضَنُونَ أَنِّهُمْ فَي ضَّنَّ الْآلِ أَقْهُرُ هُمُ الْكَذِيْوَنَ۞
- [ِسْتَدُوَدَ عَلَيْهِرُ القَّيْمُ فَآنَسُهُ (دِكْرَ اللهِ أُولِّتُكَ دِزْبُ القَّيْمُ إِنْ الآرِانُ دِرْبَ القَّيْمُ فَأَنْسُهُ (أَكُسُرُونَ ﴿
  - إِنَّ الَّذِيْنَ يُعَا دُّونَ اللهَ وَرَسُولَةَ أُولِكُكُ فِي الْأَذَلِّينَ ﴿

    كَتَبَ اللهُ آلِالْمُ مَنْ أَنَا وَرُسُلُنَ النَّ اللهُ فَوَيُّ عَنِيْنٌ ﴿

    كَتَبَ اللهُ آلِا مُلْمُ اللهُ وَرُسُلُنَ النَّا اللهُ فَوَيُّ عَنِيْنٌ ﴿
- لَاتَحِكُ قَوْمًا لِوُّمِنُونَ بِالشِّوْرَ الْيَوْرُ الْخِرِي الْأَحْدِينَ مِنَّا أَذُونَا مِنْ مَاذَّ السَّرَ وَسُولُ لَكُوْرَ الْمُؤَالِّ الْمَامِّرُ الْوَالْمَاكُمُّ الْوَالْحُوالْمُو الْمَا عَمْسُ تَرْمُدُ فِلْكُونَ مِنْ الْمُؤْمِدُ الْوَلِمَانُ وَالْمَامُونُ وَالْمَامُونُ وَالْمَارُ الْمَالُونُ وَالْمَا مَنْدُ وَلِمُولِمَانُونَ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ وَلَمُونَ وَمِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّوْنَ اللَّهُ وَلَوْلَامِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللْمُنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللْمُنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللْمُنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللْمُنْ اللَّ

حَبْ إِللَّهُ هُرُ ۚ إِلَّهُ فُرُ اللَّهُ هُرُ اللَّهُ اللَّهِ أَنَّ أَنَّ أَنَّا أَنَّا أَنَّا أَنَّا أَنَّا

# ৫৯. সূরা আল-হাশ্র, মাদানী

২৪ আয়াত, ৩ রুক্

অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আল্লাহর নামে

 আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে সবই আল্লাহর পরিত্রতা সোমণা করে এবং তিনিই মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রজাবান।

- ২। তিনিই আহলে নিজাবের মধ্য থেকে বাবা কুমনী করেছে আনকরে (ম্রিনিয়ান) এখন সমারেকেই জনের বাবাসসমূহ থেকে বের করে ক্রিয়েল্যন। রেকারা মন করিব নে, তাবা বের করে কার জার সর্বাহিন বে, জানের কুর্বাক্তনা আনকরে জারার হার জম্ব করে, নিজু আহার আনক বাহে সমারকে একন এক নিক থেকে যা জারা করেনি-কর্ম ভিনি প্রচানক হারে জারী কার্মানক করেলে, তারা আবার করিনি নিলায়ান হারত এবং মুনিয়ালার হারত ঋবেল যাতে যোলার করিনি-নিলায়ান হারত এবং মুনিয়ালার হারত ঋবেল যাতে যোলার ক্রমিন-লারী সম্পান্ধার বোলার শিল্প। এবং করে বাহে বেশালা, অকতর হে শুনিসম্পান্ধার বোলা শিল্প। এবং কর
- আর যদি আল্লার্ড ডাদের উপর নির্বাসন না লিখতেন তবে অবপাই ভাদেরকে পৃথিবীতে (অন্য) শান্তি দিতেন। এবং আখিরাতে ভাদের জন্য রয়েতে আগুনের শান্তি।
- এটি এ জন্য যে, তারা আল্লাহ্ ও তাঁর রাসুলের বিরোধিতা করেছে, এবং যে আল্লাহ্র বিরোধিতা করে, তবে নিশ্চয় আল্লাহ্ শান্তিদানে কঠোর।
- ৫। তোমরা যে কতক থেজুর গাছ কেটেছ<sup>®</sup> বা থেওলো মূলের উপর স্থির রেখে নিরেছ তা আল্লাহরই ইন্সায় এবং যাতে তিনি (আল্লাহ) প্রপাসারীলেকত অপ্যাণিত করতে পারেন।
- ৬। এবং আরাহ তাদের (ইফ্নীদের) নিকট থেকে তাঁর বাসুদকে যে ফাই দিয়েছেন, তার জন্ম ভোমরা মোড়া বিখবা উট দৌড়াওমি (অর্থাং মুদ্ধ করানি), কিছু আরাহ্ যার উপর ইঙ্খা তার রাসুদদেরকে ক্ষমতা দেন। এবং আরাহে সব কিছাই উপর সর্বনাজিমান।
- ্। আল্লন্ত ক্ষমন্তবাধীন্ত নিকটি থেকে প্ৰতি বাসুপাৰে যে সাই বিয়েছেন তা আন্নান্ত, কাঁৱ সমুখনে, আনুপাৰ আন্তীৱনজনেৰ, ইয়াকীয়েকৰে, ক্লিমনিয়ন্তৰ ও সন্দাহীক মুখানিয়ন্তৰ কৰা, আহত আ কোনানাত মাধ্য বিভাগনাথৰ মাধ্য আন্তিতি আ হাতে পানো আৰু সামুখন কোনানাতক আন্তৰ ক্লানা মন্তন্তৰ খা কোনা বাছিল কাৰ্যনা আন্তৰ্গ কোনানাতক নিবাৰ কাৰ্যনা মুক্তিৰ খান্তনা বাছাৰ কৰা কোনা আন্তাহকে কৰা কৰা কাৰ্যনা মুখনি প্ৰামান কৰালৈ।

# ۵۹ مُورَةُ الْعَشْرِ-مَلَّ نِيَّةً اِيَاتُهَا ٢٣. رَفْعَاتُهَا ٢٠ فَرَعَاتُهَا ٢٠ فَرَعَاتُهَا ٢٠ فَرَعَاتُهَا ٢٠ فَرَعِيْدِهِ

سَبَّحَ لِلهِ مَا فِي السَّمُوٰتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ، وَهُوَ الْعَزِيْزُ الْعَكِيْرُ ۞

هُوَ الَّذِنَّ أَشْرَةً الَّذِينَ تَقَرُواْ مِنْ الْكِنْسِمِنْ دِيَا مِرْ إِرْوَّلِ الْمُشْرِقِّ مَا طَنَقَتُمْ أَنْ يَحْرُجُواْ وَطُوَّا الْكِنْسِمِنْ دِيَا مِرْ خُونُهُمْ مِنَ اللهِ قَالَمُنَ اللهُّيْنِ خَيْثَ لِرَيْخَسِمُوا وَقَدَّى خُونُهُمْ مِنَ اللهِ قَالَمُنِ اللهُ مِنْ يَحْرُفُوا وَلَا مِنْ مَنْ اللهِ عَلَيْنِ اللهِ وَقَالَى اللهِ وَاللهِ اللهِ وَقَالَى اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ

وَ لَوْلَاۤ اَنْ كَتَبَ اللهُ عَلَيْهِرُ الْجَلَّاءَ لَعَذَّ بَهُرْ فِي الدُّنْيَا ، وَلَهُرْ فِ الْاَحِرَةَ عَذَابُ النَّارِ ۞

ذُلِكَ بِأَنَّهُرْ شَأَقُوا اللهَ وَ رَسُوْلَهُ وَمَنْ يُشَأَقِّ اللهَ فَانَ اللهَ شَدَيْدُ الْعَقَابِ ۞

مَا قَطَعْتُرْ مِنْ لِّينَةِ أَوْ تَرَكْتُمُوْهَا قَأَئِمَةً كَلَّ ٱمُوْلِهَا فَبِاذْنِ الله وَ ليُحْزَى الْفُسْقَيْنَ ۞

ومَّا آفَاءَ اللهُ عَلَى رَسُولِهِ مِنْهُرْ فَمَّا اَوْجَفْتُرْ عَلَيْهِ مِنْ حَيْلِ وَّ لا رِكَابِ وَّ لَكِنَّ اللهُ يَسَلِّهُ رُسُلَهُ عَلَى مِنْ يَّشَاءً وَ اللهُ عَلَى كُلِّ شَنْ عَنْدُ ۚ قَنْ يُنْ

مَّا افَنَّاءَ اللَّهُ كَا رَسُو لِهِ مِنْ أَهِلِ النَّرِى فَيَلِمُ وَ لِنَوْسُولِ وَ لِذِى الْفُوْنِى وَ الْمَيْضَى وَ الْمَسْخِينِ وَ اَبِي السَّبِيلِ، ثَى لَا يَكُونَ وَوْلَا تَبِينَ الْفُيْمِا مِنْكُورُ وَمَّا الْخُرُ الرَّسُولُ فَضُوْرُونُونَا لَهُمْرً عَلَّمُ فَانْتُهُوا الْوَالِيَّةِ اللَّهِ إِلَّهُ الْمُعْمِلُهُ فَضُوْرُونُونَا لَهُمْرً عَلَّمُ فَانْتُهُوا الْوَالِيَّةِ اللَّهِ إِلَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الْ

الْعِقَابِ أَنَ

৮। (মাই) গঠাঁথ (ফকিত) মুখানিবদের জন্ম খানেরকে নিজেনের আবাসসমূহ ও সম্পত্তি থেকে বের করে দেয়া হয়েছে, তারা আন্তার্বর নিকট থেকে অনুমন্ত্র ও সন্তুষ্টি কামনা করে এবং প্রাপ্তাহ্ব ও তাঁর রাস্থলকে সাহায্য করে, তারাই সভাবালী।

للْفُقُوَّآءِ الْمُوْجِرِيْنَ الْآدِيْنَ أَخْرِجُوْامِنْ دِيَا يِهِمْ وَأَمُوَّا لِهِمْ يَبْتَكُونَ لَقُلُاتِّنَ اللَّهِ وَرِهُوَ النَّا وَّيَنْصُرُونَ اللَّهُ وَ رَسُولَكُ أُولِيَّكَ هُرُ الشِّرِغُونَ فَ

১. এবং (তালের জন্মত) যারা বদবাস করেছে (এই) নগরীতে ও ঈরাক এলের তালের (অর্থাই হুর্তানিকান্তন) পূর্বে, তারা কালাবোল তালেরকের মার বিজ্ঞাক করেছের তালের বিত্তে করেলেরে ছুর্ত্তানিকান্তনকের সা সেয়া হারেছে তার জন্ম তারা বাক্ত কেল প্রবাহনার্কার করে বা প্রকল্প তারা (তালেরক) বিজ্ঞানের বিশ্ব আর্থানিকর কারে, যাকি তালের সাথে আছে আরক-অর্কান। এবং যালেরকে অন্তরের কার্পথ্য থেকে রক্তা করা

رَا الَّذِينَ تَبَوَّوُ الدَّارِرَ الإَيْمَانَ مِنْ قَبْلِهِمْ يُحَجَّرُنَ مَنْ هَاجَرَ النَّهِسُ رَ لَايَجِدُنْنَ فِي مُدُوْرِهِمْ مَاجَقَّهُمَّ الْوَلُوارَ يُؤْثِرُونَ فَيَّ الْفُسِورُ وَلَا كَانَ بِهِرْ غَمَامَةٌ " رَمَّن يُّرْقَ شُرِّ نَفْسٍ قَارِلْتَكُ مُرَّا الْمُقَادُونَ فَيْ

১০. এবং (তানের জন্মএ) যারা তাদের পরে এসেছে, তারা খলে, 'বে আনাদের প্রতিপালক। আনালেরকে এবং আমাদের অইলেরকে- যারা ইবানে আনাদের আগাদীর হালেছে- ক্ষমা কল্প এবং যারা ইমান অনামহা তাদের বিকল্পে আমাদের হুদারে কোল বিশ্বেষ রাখবেল না, বে আমাদের রহিপালক। শ্রুতার আদির অত্যক্ত রেম্প্রশীল ও পরম সরালা;'

وَ الَّذِيْنَ مَا اَوْمِنْ بَعْدِهِمْ يَعُوْ لُوْنَ رَبَّنَا اغْفِرْ لَنَا وَ لِاحْوَ اِنِنَا اللَّذِيْنَ سَبُعُونَا بِالْإِيْمَانِ وَلَاتَجْعَلْ فِي قُلُوبِنَا عِلَّا عُ لَلْدُنِيَ أَمْنُوا رَبِّنَا اللَّسِ رَوْفٌ رَحْمِيْ ﴿

35. তুনি কি ভালেকে লেকি আ মুনাকেকী করেছে ভালা আহলে কিবলে মাধ্য নাম কুলী কেছে লাকে নে সব ভাইলেকে বল, 'কি ভালেকেকে তেন করে লোহা হয় করেল করনাই অবশৃষ্টি মাধ্য ভালাকে করেল করে করে লোহা হয় করেলে করেলা করেলা কর্মা মাধ্য নাম করেলা করেলা করেলা করেলা করেলা করেলা কর্মা মাধ্য নাম করেলা করেলা করেলা করেলা করেলা করেলা কর্মা মাধ্য নাম করেলা করেলা করেলা করেলা করেলা করেলা করেলা ই মাধ্যে তালাকেকেল সাহায় করব। নিজু আগ্রাহে সাঞ্চা নিক্ষে। নিশ্য ভালা অবশাই নিয়াবালী।

اَلْمُرْتُوَ إِلَّى اللَّهِ مِنْ لَنَقَوْا نَقُولُونَ لِهُوَ اِنِهِمُ اللَّهِ مِنْ كَثَمُواْ مِنْ النَّهِ مُتَكَرَّوا مِنْ الْفِي الْفِيفِ لَقِنْ الْمُوحِمْرُ لَنَشْوُرَهُمْ مَتَكُورَ وَلَالْفِلْغُ فِيضُّرُ اَمْدًا اِنْدًا اِنْدًا الرَّانِ فُوْتِلَتُمْ لَنَنْمُرَ لَّصُرْ الْمُرْدَاقِيْرُ اللَّهُ يَشْهَدُ إِنَّمْرِ لَكُذِيوْنَ۞ إِنَّمْرِ لَكُذِيوْنَ۞

১২। খদি তালেরকে (বনু নদীরকে) বের করে দেয়া হয় তাহলে এরা (মুনাফিকরা) তাদের সাথে বের হবে না এবং যদি তালের বিরুদ্ধে ফুছ করা হছ তাহলে এবা তালেরকে সাহাত করেবে না, আরু যদি তালেরক এবা সাহায্য করেও তবে অবলাই তারপাই পৃষ্ঠপ্রদর্শন করবে, এরগর তালেরকে সাহায়্য করেও করে বান। لَئِنْ أَخْرِجُوْا لَايَخْرُجُوْنَ مَنَّمُرُ ۚ وَلَئِنْ قُوْتِلُوا لَايَنْمُوْوْنَهُرْ وَلَئِنْ أَخْرِجُواْ لَايَخْرُجُونَ مَنَّمُ لَا الْأَدْبَا رَسَّتُر ۖ لَايَنْمُووْنَ ۞

১৩। অবশ্যই এদের (মুনাফিকদের) বক্ষে আল্লাহর চেয়ে ভোমরা বেশি আতত্তহানক। করিব এরা এমন এক সম্প্রদায় যারা বোঝে না।

لَاَثْتُو ٛ اَشَدُّ رَهْبَةً فِيْ مُدُورِهِ وَ مِّى اللهِ ﴿ لِكَ بِأَنَّهُ وَ قُوْمٌ ۗ لَاِنْقُتُهُونَ ۞

১৪। এরা (মুলাফিত ও বরু দবীর) ঐতবন্ধ হতেও (বোলা মরদানে) চোমানের বিকল্পে মুক্ত করের না, সুর্বাক্ষিত জলপানের অভান্তরে বেকে অথবা দুর্গ ভারীরেক্ত জ্ঞারাকে অত্যাক অত্তর্গক মুক্তা। একান মর্যা পারলাকিক নিরোধিত। তীব্রতঃ। তুমি মনে কর তারা ঐকানক, কিছু তাদের ভারতমন্ত্র বিভিন্ন গরনের। করেণ এরা এমন এক সম্প্রদার মারা অনুধাবন করে না.

٧ۘۑۛڡۜٙٵڷۄؙۯڬٛۯ؞ۧۻؚؽڰٵ ٳڵٳؿٛٷۜؠؙؠ؞ۜٛڞڡ۠ٮۜۮٳٙۅٛڝٛٷڗٵۼؚڂؙۮڔۣ؞ ڹٵؙۺۿڔ۫ۛٵڽؽؽۿڔۿۮڽۮ؞ڷڎ؊ؿڞڹۿڔ۠ڿۻؽڰ۠ٳٷڡٞڷۅٛڹۿۯۨۿؿۜؽ؞ ذلك بانَّهُۥ ؿؘۯؙٵۨٚڒۣڽۜۼڡؙڷؚۯڹ۞

১৫ (এদের উপমা) তাদের উপমার মত যারা এদের কিছুকাল পূর্বে তাদের (নিজেদের) কৃতকর্মের মন্দকল তোগ করেছে, এবং এদের জন্য রয়েছে ময়ণাদায়ক শায়ি.

حَمَعُلِ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِمِرْ قَرِيْبًا ذَاقُواْ وَبَالَ آمْرِهِرْ وَ لَمُرْ عَذَابٌ آلَيْرٌ ﴿

- ১৯৮ (মুলাফিকানের উপয়া) শহাতানের উপয়ার যাত হখন সে মানবকে বলে 'কফৰী কব' অভ্যপর হথন কফৰী করে তথন সে বলে, 'নিকয় আহি কোমাৰ ভাবে দায়িত্যাত নিশ্চয় আহি ভগৎসমূহেৰ প্ৰতিপালক আলাহকে ভয় কৰি।
  - যে, তারা থাকবে আগুনের মধ্যে, সেখানে তারা স্থায়ী হবে। এবং এটাট काविकास्त अधिकान
- ১৮। প্রতে যারা ঈমান এনেছা ভোমরা আপ্রাহকে ভয় কব এবং প্রভোকেট ন্তের দেশক আগামীকালের কন্য হা সে অগ্রিয় পাঠিয়েছে এবং আলাহকে ভয় কর। নিশ্বর আলাহ তোমরা যা কর সে সম্পর্কে পর্ব অবগান।
- ১৯ আৰু ভোমৰা ভালেৰ মত হয়ো না খাৰা আল্ৰাহকে ভলে গেছে ফলে আগ্রাহও তাদেরকে আত্মভোলা বানিয়ে দিয়েছেন। তারাই পাপাচারী।
- ১০। আক্ষমৰ অধিবাসীতা আৰু জানাতের অধিবাসীরা সমান নয়। জানাতের एशिनाजीनाडे असल।
- ১১। যদি আমি এ কৰআনকে পৰ্বতের উপর অবতীর্ণ করতাম ভারলে অবশাই ক্ষমি কাৰে আলাচৰ কাম বিনীক ও বিনীৰ্থ দেখাত পোত। এবং আমি এ উপমাসমত পেশ কবি মানহের জন্য, বাতে তারা চিন্তা করতে পারে।
- ১১। তিনিই আল্লাহ, যিনি ছাড়া কোন ইলাহ নেই, তিনি অদৃশ্য ও দশোর আনী: তিনিট অসীম দ্যাময় ও প্রম দ্যাল।
- ২০। তিনিই আল্লাহ, খিনি ছাড়া কোন ইলাহ নেই, তিনি মালিক, তিনি পবিত্র, তিনি শান্তি, তিনি নিরাপরাবিধায়ক, তিনি সর্বনিরস্তা, তিনি মতাপ্রভাপশালী ভিনি মতাশক্তিথ্য এবং তিনি মহিমানিত। আলাহ পবিত্র জা পোৰে মা জানা শনীক কৰে।
- ২৪। তিনিই আরাহ, তিনি সৃষ্টিকর্তা, তিনি উদ্ভাবক, তিনি জনকার, সুস্বতম है ﴿ اللّٰهُ الْخَالِقُ الْبَارِئُ الْمُمَوِّرُ لَلّٰهُ الْأَسْمَاءُ الْحُسْمَى، يُسِيِّحُ ﴿ اللّٰهُ الْخَالِقُ الْبَارِئُ الْمُمَوِّرُ لَلّٰهُ الْأَسْمَاءُ الْحُسْمَى، يُسِيِّحُ ﴿ وَاللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰهِ الْخَالِقِينِ اللّٰهِ اللّٰهُ الْخَالِقِينَ الْمُمَوِّرُ لَلّٰهُ الْأَلْسَمَاءُ الْحُسْمَى، يُسِيِّحُ ﴿ وَاللّٰهُ الْخَالِقِينِ اللّٰهُ الْخَالِقِينِ اللّٰمِ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰمُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰمُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰهُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰمُ اللّٰهُ الْخَالِقُ اللّٰمُ الْعَلَاقِ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ الْمُعْلِقُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ الْمَالِقُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ الْعَلَاقِ اللّٰمُ الْمُعْلِقُ اللّٰمُ الْمُنْ الْمُعْلِقِ اللّٰمُ الْمُعْلِقِ اللّٰمُ الْمُعْلِقِ اللّٰمُ الْمُعْلِقِ اللّٰمُ الْعِلَى اللّٰمُ الْمُعْلِقِ اللّٰمُ الْمُعْلِقِ اللّٰمُ الْمُعْلِقِ اللّٰمُ اللّٰمُ الْمِنْ الْمُعْلِقِ اللّٰمُ الْعَلَاقِ اللّٰمُ الْعَلَاقِ اللّٰمُ الْعَلَامِ اللّٰمُ الْعَلَامِ اللّٰمُ الْعَلَامِ اللّٰمُ الْعَلَيْمُ পবিত্রতা খোষণা করছে, এবং ডিনিই মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রজাবান। এ

- كَمَثَلَ } الشَّيْطُنِ إِذْ قَالَ للْأَنْسَانِ أَكْفُو ۚ وَلَمًّا كَفَوْ قَالَ إِنَّيْ بَرِيْءٌ مِّنْكُ إِنِّي إِنَّهُ إِنَّالُ اللَّهُ رَبِّ الْعُلَمِينَ @ كَانَ عَاقَبَتَهُمَّا أَنَّهُمًا فِي النَّارِ كَا لَدَيْنِ فَيْهَا وَذُ لِكَ اللَّهِ عِلَى اللَّهِ عَلَى اللّ
  - مِنْ وُا الظُّلُونِينَ أَنَّ يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ إَمَنُوا إِنَّقُوا اللَّهَ وَ لَتَنْظُرْ نَفْسٌ مًّا قَدَّمَيْ لغَد ، وَ اتَّقُوا اللهَ ، إنَّ اللهَ خَبِيرٌ "بِمَا تَعْمَلُونَ ⊚
  - وَ لَا تَكُونُهُ اكُا لَّذِيْنَ نَسُوا اللَّهَ فَأَنْسُهُرْ ٱنْفُسَهُرْ أُولِيِّكُ هُرُ
  - لَايَسْتَوِثْ أَصْحُبُ النَّارِ وَ أَصْحُبُ الْجَنَّةِ ﴿ أَصْحُبُ الْجَنَّةِ هُرُ الْغَالَا وُنَ @ لَوْ آنْزَلْنَا هَذَا الْقُرْأَنَ عَلَى جَبَلِ لَّرَ آيْتَدُ غَاشِعًا مُّتَصَدِّعًا
  - مِّنْ هَشْيَة اللهِ وَتِلْكَ الْآمْفَالُ نَشْرِبُهَا لِلنَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَتَفَكَّرُ وْنَ ﴿
  - هُوَ اللهُ الَّذِي لَآ إِلَهَ الَّاهُوَ عَلَيُ الْغَيْبِ وَ الشَّهَادَةَ عَهُو الرَّحْسُ الرَّحْيْرُ @
  - هُوَ اللهُ الَّذِي لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ، ٱلْمَلِكُ الْقُدُّوسُ السَّلَيُ الْمُؤْمِنُ الْمُهَيْمِنُ الْعَرِيُّ الْجَبَّالِ الْمُتَكَبِّ ، سُبْحُنَ اللهُ عَمَّا يُشْرِكُوْنَ 😡
    - لَهُمَا فِي السَّمُونِ وَ الْأَرْضِ وَهُوَ الْعَوْبُ الْعَكِيرُ ﴾

### ৬০-সরা আল-মুমতাহিনা, মাদানী ১৩ আহাত ১ কৰ

. মসীম দয়াময় ও প্রম দয়াল আলাহর নামে

- ১। ওয়ে যারা ঈমন এনেড়া তোমরা আমার শক্তকে ও ভোমানের শক্তকে বছ হিসাবে গ্রহণ করে। না তাদের প্রতি /চিটির হাধ্যতে) ভালতা অরচিত করে। অথ্য তারা তোমাদের নিকট যে সভা এসেছে তা অবিশ্বাস করেছে-রাসুলকে এবং তোমাদেরকে বের করে দিয়ে, কারণ তোমরা ভোমাদের প্রতিপালক আল্লাহর প্রতি ঈমান আন। যদি ভোমরা আমার পথে ভিতাদের জনা এবং আমার সম্মন্তির উদ্দেশ্যে বের হয়ে থাক (ভারে ভাদেরাক বন্ধ হিসেবে গ্রহণ করো মা)। তোমনা তালের প্রতি হ্রনাতা গোপন করাচ, অথচ তোমরা যা গোপন কর এবং তোমরা যা প্রকাশ কর তা আমি সকচেয়ে বেশি জানি। এবং তোমাদের মধ্যে যে ডা করে অবশাই সে সরল পথ milerons.\*
- যদি তাবা তোমাদেরকে নাগালে পার তারলে তারা তোমাদের শক্র হয়ে যাবে এবং অনিষ্ট করার জন্যে তাদের হাত ও তানের জিহবা তোমাদের দিকে প্রসারিত করবে এবং কামনা করবে, যদি ভোমরা কঞ্চরী করতে:
- ৩। তোমাদের আখ্রীয়-বজন ও সন্তান-সম্ভতি কথনো তোমাদের উপকারে আগবে না- কিয়ামতের দিন- তিনি ভোমাদের মধ্যে ফছসালা করে দিবেদ, এবং তোমবা যা কর সে সম্পর্কে জ্বালার পর্ব দরিকান।
- ৪: অরশাই সোমানের জনা ইরবাহীয় ও যারা আর সাভে ভিজ ভালন মধ্যে রয়েছে উল্লম আদর্শ, যথম তারা তাদের সম্পনায়কে রঙ্গেভিল 'ভোমাদের থেকে এবং ভোমরা আল্লাহকে বাদ নিয়ে বাদের ইবাদত কর তাদের থেকে নিশ্বর আমরা মক্ত, আমরা তোমাদেরকে অস্তীকার করি। তোমাদের ও আমাদের মধ্যে শক্রতা ও বিরেষ প্রকাশ পেল চিরকালের জন্য যতক্রণ না ভোমরা ঈমান আন একা আলাচর প্রতি". তবে ব্যতিক্রম হল তাব পিতাব প্রতি ইববারীয়ের উড়ি 'আমি অনশাই অবশ্যই আপনার জন্য ক্ষমা প্রার্থনা করব, কিন্ত আপনার জন্য আপ্রাহর বিপরীতে কিন্ত করার ক্ষমতা আমি বাখি না।' 'তে আমাদের প্রভিপালক। আমরা আপনারই উপর তরসা করেছি, আপনারই নিকে (অনভাপের সাথে) প্রত্যাবর্তন কর্ম্বি এবং গরুবাছল আপনার্ক্ট লিকে।
- e। 'যে আমাদের প্রতিপালক। আপনি আমাদেরকে বারা কৃষ্ণরী করেছে তাদের অন্য ফিতনা (পরীক্ষার পাত্র) বানাবেন না। এবং আপনি আমাদেরকে কমা করুন তে আমাদের প্রতিপালক। নিক্তম আপ্রিট মহাপ্রভাগশালী ও মহাপ্রভারার :
- করে। আর যে মুখ ফিরিয়ে নেয়, তবে (সে জেনে রাখুক) নিকয় 5 বাল্লাহই অমুখাপেফী ও অতি প্রশংসনীয়।

٣- سُرْةُ الْمُعْتَحِنَةُ - عَلَىٰ بَيَّةُ آياتها-18.رگوعاتها-r لسُم الله الرَّحُمٰن الرَّحِيْم

يَّأَيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوْا لَاتَتَّخَذُوْا عَدُوَّىُ وَعَدُوَّكُمْ أَوْلِيَّاءَ تُلْقُوْنَ النَّهِمُ بِالْهَوَدَّةِ وَقَدْ كَفَرُوا بِمَا جَآءُكُمُ مِّنَ الْحَقَّ، يُهْ جُوْنَ الرَّسُوْلَ وَايَّاكُيرُ أَنْ تُؤْمِنُوْا بِاللهِ رَبَّكُيرُ وَانْ كُنْتُ خَرَجْتُ جِهَادًا فِي سَبِيلَيْ وَ ابْتَغَاءَمَ فَاتِي الْتُسُونَ الَيْهِرُ بِالْمَوَدَّةِ ۚ وَإِنَّا آعْلَرُ بِمَّا آخْفَيْتُرُ وَمَّا آعْلَنْتُرْ وَمَّا يَّفْعَلْهُ مِنْكُمْ فَقَدْ مَلَّ سَواء السَّبيل ق

إِنْ يَثْقَفُوْكُمْ يَكُونُواْ لَكُمْ أَعْدَاءً وَيَبْسُطُواْ الْيُكُمْ أَيْدِيهُمْ وَ ٱلْسَنتَهُمْ بِالسُّوءَ وَوَدُّوا لَهُ تَكُفُّونَ فَي

لَ أَنْفَعَكُ أَنْ هَامُكُ وَلا آؤلادُكُ اللَّهِ الْقَلْمَةِ النَّفَامُ الْقَلْمَةِ النَّفُولُ لَا الْقَلْمَةِ النَّفُولُ لَالْتُلْمَةِ النَّفُولُ لَا الْقَلْمَةِ النَّفُولُ لَا الْقَلْمَةِ النَّفُولُ لَا اللَّهُ اللَّ بَيْنَكُمْ ، وَ اللهُ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيُّ ۞

قَلْ كَانَتْ لَكُمْ أُسْوَةً مَسَنَةً فَي إِنْ هِي وَ الَّذِيْرِ وَعَمَّهُ اذْقَا لُواْ لقَوْمِهِ ۚ إِنَّا إِبِّوَ اللَّهِ وَمَهَّا تَغْبُدُونَ مِنْ دُونِ اللهِ وَكُوْلًا بكُ وَبَدَا بَيْنَنَا وَ بَيْنَكُمُ الْعَدَاوَةُ وَ الْبَغْضَاءُ آبَدًا حَتَّى تُؤْمِنُوا بِاللهُ وَهُدَةٌ الَّا قَوْلَ إِنَّا هَيْ لَابِيْهِ لَاَسْتَغْفِينَّ لَكَ وَمَّا أَمْلِكُ لَكَ مِنَ اللهِ مِنْ شَيْءً ، رَبَّنَا عَلَيْكَ تَوَكَّلْنَا وَ الَّيْكَ أَنَبُّنَا وَ الَّيْكَ الْمَصْيَرُ ۞

رَبُّنَا لَا تُجْعَلْنَا فَتَنَةً لِّلَّادَيْنَ كَفَرُواْ وَ اغْفَرْ لَنَا رَبَّنَا اللَّهُ اللَّهُ أنْتَ الْعَزِيزُ الْحَكْيُرُ ۞

৬। অবশাই তোমানের জন্য তাদের (অর্থাৎ ইনরাহীয় ও তার সঙ্গী-সাধীনের)
মধ্যে উত্তর আনর্শ রয়েছে তার জন্য, যে আছাহ ও আনিরাতের প্রকাশি । الْيُوْمَ الْالْمَرَ ، وَمَنْ يُتَوَلَّ فَإِنَّ اللَّهُ هُوَ الْغَنِيُّ الْعَمِيْدُ ٥

- ৭। যাদের সাথে ভোমরা শঞ্জতা করচ শীঘই আলাহ ভাদের ও ভোমাদের মধ্যে হুদ্যতা স্থাপন করবেন। এবং আল্লাহ সর্বশক্তিয়ান। এবং আল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরম দয়াল।
- bu द्वीरमत (अर्फात) जरानारत शादा (जाप्रायमत विकास यक करवनि अवर তোমানেরকে তোমানের আবাসসমহ থেকে বের করে দেয়নি তাদের প্রতি সদাচরণ ও ন্যায়বিচার করতে আল্লাহ তোমাদেরকে নিষেধ করেন না। নিশ্চম আহাঃ ন্যায়বিচারকারীদেরকে ভালবাসেন।
- ৯। আল্লাহ কেবল ভালের সাথে বন্ধত করতে নিষেধ করেন বারা খীলের ব্যাপাৰে তোমাদেৰ বিৰুদ্ধে যদ্ধ কৰেছে তোমাদেৱকে তোমাদেৱ আবাসসময় থেকে বের করে নিয়েছে এবং তোমাদেরকে বের করে দেয়ার র্যাপারে সাহায্য করেছে আর যারা তাদের সাথে বন্ধত করে ভারাই জালিম।

১০। প্ৰান্ত যাব। উত্থান একেড। বখন তোমাদের নিকট ম'মিল নাবীরা হিজবত ক্রমে লোমের ভালে আফেরকে প্রীক্ষা করে নাও। আলাহ আদের ইয়ান

- সম্বন্ধে সৰচোত্ত বেশি জ্ঞানেন এবং যদি তোমবা জানতে পাব যে. তারা ম'মিনা, তবে তাদেরকে কাফিরদের নিকট ফেরত পাঠিও না। তারা (ম'মিন নারীরা) কাফিরদের জন্ম হালাল নর এবং তারা (কাফিররা) ম্ব'মিন নারীদের জন্য হালাল নয়। তারা (কাফিররা) যা বায় করেছে তা তাদেরকে ফিরিয়ে দাও। এবং তাদেরকে তোমাদের বিয়ে করাকে কোয়াদের কোন অপবাধ নেই যথন ভোয়বা ভাদেবকৈ ভাদেব পারিশমিক (মোহরানা) প্রদান কর। এবং তোমরা কাফির নারীদের সাথে দাম্পত্য সম্পর্ক ধার বোখা না এবং ভোমবা যা বাহ করেছ ডা (ফেবড) চাইবে এবং ভারা (কাঞ্চিররা) চাইবে যা ভারা ব্যয় করেছে। এটিই জ্ঞালাচর নির্দেশ। তিনি জোয়াদের মধ্যে ক্যুসালা করে থাকেন। এবং আল্লাহ সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রজ্ঞাবান।
- ১১। এবং যদি ভোয়াদের স্থীদের থেকে কিছ (অর্থাৎ কেউ) কাঞ্চিরদের নিকট হাত ছাড়া হয়ে যায় এবং তোমরা যদি (যুদ্ধ ছারা) প্রতিশোধ নাও (এবং গনীমত লাভ কর) ভাহলে যাদের প্রী (কাফিরদের পক্ষে) চলে পিরেছে ভাদেরকে ভারা যা বায় করেছিল (গনিমত থেকে) ভার সমপরিমাণ প্রদান কর। এবং আল্লাহকে ভর কর, যাঁর প্রতি তোমরা বিশ্বাসী।
- ১১। তে নবী! ম'মিন নাবীবা যখন ভোমাব নিকট এসে বাইয়াত (আনগভোৱ প্রতিজ্ঞা) করে এই মর্মে যে, তারা আল্লাহর সাথে কোন কিছুই শরীক कदाव मा. इदि कदाव मा. वाकिहाद कदाव मा. कारमच (निरक्रामन) সম্পানসকলে হতা কৰাৰ না ভাৰা এছন অপনাদ দিবে না যা তাবা উদ্ধাৰন করে ভালের হাত ও পাছের মধাখানে এবং সংকাজে তোমাকে অমান্য করতে না তখন তাদের বাইয়াত গ্রহণ কর এবং তাদের জন্য আল্লাহর নিকট ক্ষমা প্রার্থনা কর। নিক্তম আল্লাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরম দয়াল।
- সাথে যাদের উপর আলাহ ক্রম্ম হয়েছেন, তারা পরকাল সম্পর্কে হতাশ হয়ে পড়েছে যেমন হতাশ হয়েছে কাফিররা কবরসমূহের অধিবাসীদের 💏

- عَسَى اللهُ أَنْ يَجْعَلَ بَيْنَكُرْ وَ بَيْنَ الَّذِيْنَ عَادَيْتُرْ مِّنْهُمْ مُودَّةً وَ اللهُ قَديَّ وَ اللهُ عَفُوْ رُ رَّحِيْرٌ ۞
- لَا يَنْهٰكُرُ اللهُ عَنِ الَّذِيْنَ لَيرُ يُقَاتِلُوْكُيرُ فِي الدَّيْنِ وَ لَر يُخْرِجُو كُر مِن دِيا ركر أَن تَبَو وهُ و تُقسطوا اليهر، انَّ اللهَ يُحبُّ الْمُقْسطيْنَ ۞
- انَّمَا يَنْهٰكُرُ اللَّهُ عَنِ الَّذِينَ فَتَلُوْكُرْ فِي الدِّيْنِ وَ اَخْرَجُوكُمْرُ مِّنْ دِيَا رِكُمْ وَظُهَرُوا عَلَى اهْرَاجِكُمْ أَنْ تَوَ لَّوْهُمْ وَوَمَنْ يِّتُولُّهُ \* فَأُولَٰ لِكُ هُرُ الظُّلْهُ (إِنظَّلْهُ وْنَ هِ
- يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوٓ الْاَاجَآءَكُمُ الْمُؤْمِنْتُ مُهْجِرْت فَامْتَحِنُوهُمْ، أَللَّهُ أَعْلَىُ بِالْيَمَانِهِنَّ ۚ فَانْ عَلَيْتُمُوهُنَّ مُوَّمِنِي فَلَاتُوْجِعُوهُنَّ إِلَى الْكُفَّا رِ لَا هُنَّ حِلٌّ لَّهُرْ وَ لَا هُرْ يَحلُّونَ لَهُنَّ وَ أَتُوهُمُ مَّا أَنْفَقُوا وَ لَاجْنَاحَ عَلَيْكُمْ أَنْ تَنْكَدُوهُنَّ اذًا أَتَيْتُمُوْهُنَّ أَجُوْ رَهُنَّ وَ لَاتَّهُسُّكُوا بعصر الْكَوَ افر وَسْتَلُوْا مَّا أَنْفَقْتُمْ وَ لْيَسْتَلُوْ إِمَّا أَتْفَقُوْ ا ذَلِكُمْ حُكُرُ الله ، يَكُدُ بَيْنَكُمْ ، وَ اللهُ عَلَيْهُ ۚ حَكَيْهُ ۗ
- وَإِنْ فَا تَكُرْ شَنَّ مِّنْ أَزْوَاهِكُرْ إِلَى الْكُفَّارِ فَعَاقَبْتُرْ فَأَتُوا الَّذِيْنَ ذَهَبَتْ أَ زُوَاجُهُرْ مَّثْلَ مَّا أَنْفَقُوا ﴿ وَاتَّقُوا اللَّهُ الَّذِيُّ أَنْتُرْ بِهِ مُؤْمِنُونَ @
- يَا يُّهَا النَّبِيُّ إِذَا جَاءَكَ الْمُؤْمِنْتُ يُبَا يِعْنَكَ عَلَىٓ إِنْ لَّا يُشْ كُنَ بِاللَّهُ شَيْعًا وَّ لَا يَشْ قَنَ وَ لَا يَثْ نَيْنَ وَ لَا يَقْتُلُنَ أَوْ لَا دَهُنَّ وَ لَا يَاْ تَيْنَ بِبُهْتَانِ يَّفْتَ يُنَهُ بَيْنَ آيْدِيْهِنَّ وَ ٱرْجُلُهِنَّ وَ لَا يَعْمَيْنَكَ فَي مَعْرُونِ فَبَا يعْهُنَّ وَ اسْتَغْفِرْ لَهُنَّ اللَّهَ ، إِنَّ اللَّهَ غفوا احب ه
- يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوا لَاتَتَوَلُّوا قَوْمًا غَضَ اللَّهُ عَلَيْهِمْ قَلْ عُ عَلَيْهِمْ قَل يَتُسُوْا مِنَ الْأَخْرَةَ كَمَا يَئِسَ الْكُفَّا رُمِنَ أَصْحُبِ الْقُبُوْرِ ﴿

### ৬১, সুরা আস-সাফফ, মাদানী ১৪ আয়াত, ২ কুক

অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

- ১। আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও পথিবীতে যা কিছু আছে সৰই আপ্ৰাৱর পবিত্রতা ঘোষণা করে, এবং ডিনিই মহাপ্রতাপশালী ও মহাপ্রজাবান।
- ২। ওয়ে যারা ঈমান এনেছ! ভোমরা যা কর না তা ভোমরা কেন বলঃ
- ও। তোমরা যা কর না তোমাদের তা বলা আলাহর নিকট বল্লই ঘণ্ড কান।
- 8। দিক্তর আপ্সাহ ভালবাসেন তাদেরকে যারা যুদ্ধ করে তাঁর পথে সারিবদ্ধ হায় যেন ভাৱা সীসাদালা পাটিব।
- ৫। এবং যখন মৃসা তার সম্প্রদায়কে বলেছিল, 'হে আমার সম্প্রদায়। তোমরা কেন আমাকে কট্ট নিজ্ঞ, অথচ ভোমরা জান যে, আমি ভোমাদের নিকট আল্লাহর বাসলঃ' অতঃপর যখন তারা বাঁকাপথ অবলন্ধন করল তথন আপ্রাহ তাদের হুদয়কে বাঁকা করে দিলেন। এবং আন্তাহ পাপাচারী সম্প্রদায়কে সঠিক পথ প্রদর্শন করেন না।
- ৬। এবং যথন মারইয়ামের পুত্র ঈসা বলেছিল, 'হে বনী ইসরাইল। নিকর আমি তোমাদের নিবট আলাহর রাসল, আমার পর্ববর্তী ভাওবাতের সভ্যায়নকারী রূপে এবং একজন রাসুলের সুসংবাদদাভাজ্ঞণে বিনি আমার পরে আসবেন যার নাম আহমদ।<sup>\*</sup> অতঃপর বধন সে স্পট প্রমাণাদিসত তাদের নিরুট আসল তথন তারা বলল 'এটা সম্পর্ট জাদু।'
- ৭। আর তার চেয়ে অধিক ভালিম আর কে যে আলার সম্পর্কে প্রিখ্যা বচনা করে, অথচ তাকে আহবাদ করা হচ্ছে ইসলামের দিকেঃ আর আপ্তাহ জাদিম সম্প্রদায়কে সঠিকপথ প্রদর্শন করেন না
- b। তারা আল্লাহর নুরকে (ইসলামকে) তানের মথ দিয়ে (অর্থাৎ ফ দিয়ে) নিভিয়ে দিতে চায়, কিন্তু আল্লাহ ভাঁর নৱকে পর্ণ করবেন যদিও কাফিবরা (তা) অপছন্দ করে।
- ত্রপদন করে।
- ১০। ৩হে যারা ঈমান এনেছ! আমি কি ভোমানেরকে এমন এক ব্যবসা দেখিয়ে দেব যা তোমাদেরকে যন্ত্রণাদায়ক শান্তি থেকে ব্রক্ষা করবেঃ

# ايَاتُهَا-٣٠ ركوعَاتُهَا-٢ لسُم الله الرَّحُمٰنِ الرَّحِيْمِ

سَبِّيَ للهُ مَا فِي السَّبُوتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ وَهُوَ الْعَزِيُّةِ الْعَكْثِيرُ ۞

٢١-سُرُ وُ الصِّنَّ - مَا رُبُّهُ

يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُواْ لِرَ تَقُوْ لُوْنَ مَا لَا تَغْعَلُوْنَ ۞ كَبُرَ مَقْتًا عِنْدَ اللهِ أَنْ تَقُوْ لُوْا مَا لَا تَفْعَلُوْنَ ⊙

إِنَّ اللَّهَ يُحبُّ الَّذِيْنَ يُقَاتِلُوْنَ فِي سَبِيْلِهِ صَفًّا كَأَنَّهُمْ بُنْيَاكٌ مرصوص ٠

وَ إِذْ قَالَ مُوسَى لِقُومِهِ يِقُومُ لِي تُؤْذُونَني وَقَدُ تُعْلَمُونَ أَنَّي رَسُوْلُ اللهِ الْيُكُوْ • فَلَمَّا زَاعُوْۤ ا أَزَاغَ اللهُ قُلُوْ يَمُوْ • وَ اللهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الْفُسِقِينَ ۞

وَاذْ قَالَ عَيْسَى ابْنُ مَوْ يَرَ يٰبَنِي ٓ اللهِ اللهِ رَسُولُ اللهِ الْيَكُمْ مُّمَدِّقًا لِمَا بَيْنَ يَدَى مِنَ التَّوْرِيةِ وَمُبَشِّرًا بِرَسُوْلِ يَّأْتَى مِنْ بَعْدى اشْهُةٌ آهُمَدُ وَلَمَّا هَاءَهُرُ بِالْبَيِّنْ قَالُوَّا هٰذَا سُبُ مُبَيِّنٌ ۞ وَمَنْ أَظْلَيُ مِنْ افْتَرِى عَلَى اللهِ الْكَذَبَ وَهُوَ يُدُغَّى إِلَى

الْإِسْلَامِ، وَاللهُ لَا يَهْدِى الْقَوْمَ الظُّلَمِينَ 6 يُ يِدُونَ ليُطْفِئُواْ نُوْ رَ اللهِ بِاَفُوَ اهِمِرْ وَ اللهُ مُتِرَّ نُوْ رِهِ وَ لَوْكُونَ ⊙

الدِّينَ كُلِّهِ وَ لَوْ كَوَةَ الْمُشْرِكُونَ ٥

يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوْا هَلْ أَدُلُّكُمْ عَلَى تَجَارَةَ تُنْجِيْكُمْ مِّنْ عَذَابِ ٱلِيْرِ ۞

- জোছাদের ধন-সম্পদ ও জীবন দিয়ে আলাহর পথে জিহান করবে। এটি काभारकर कहा है क्या- सिंह कामरा कानरज-
  - ১২। তিনি তোমাদের অপরাধসমূহ ক্ষমা করে দিবেন এবং তোমাদেরকে প্রবেশ করাবেন জান্রাতসমূহে, থেগুলোর নীচে নহরসমূহ প্রবাহিত এবং উত্তম বাসস্থানসমূহে যা চিরস্থায়ী জান্লাতসমূহে অবস্থিত। এটি মহাসাকল্য-
- ১৩। এবং অন্যটি যা তোমরা ভালবাস তা হল আল্লাহর পক্ষ থেকে সাহায্য ও নিকটবর্তী বিজয়। এবং ম'মিনদেরকে সসংবাদ দাও।
  - ১৪ এক যাবা উদান এনেও। কোমবা আলাহৰ সাহায়াকাৰী হও যেমন মারইয়ামের পত্র ঈদা হাওয়ারীদেরকে বলেছিল, 'আল্লাহর জন্য কারা আমার সাহায্যকারীঃ' হাওয়ারীরা বলেছিল, 'আমরা আন্তাহর সাহায্যকারী', অভঃপর বনী ইসরাস্থানের একদল ঈমান আনল এবং একদল কৃষ্ণৱী করল, অভঃপর আমি সাহাত্য করলাম যারা ঈমান এনেছিল ভানেরকে, ভাদের শঙ্কানের মকাবিলায়, কলে ভারাই বিজয়ী दल ।
- بِأَمُوا لِكُورُ وَ أَنْفُسِكُو ﴿ ذَٰ لِكُورٌ خَيْرٌ لَّكُورُ إِنْ كُنْتُمْ ۖ تَعْلَمُونَ هُ يَغْفِرْ لَكُرْ دُنُوْبَكُرْ وَيُدُخِلُكُرْ جَنَّتِ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهُ, وَمَسٰكِنَ طَيِّبَةً فِي جَنَّتِ عَدْنِ وَلَكَ الْغَوْزُ الْعَظْمِ ۗ فِي
- وَٱخْرَى تُحِبُّوْنَهَا -نَصْرَّمِّنَ اللهِ وَفَتْعَ قَرِيْبٌ ، وَبَشِّر الْمُؤْمِنيْنَ ۞
- يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوْا كُوْنُوًّا آثَمَا رَ اللَّهِ كَمَا قَالَ عِيْسَى ابْنُ مَرْيَرَ للْعُوَ الِيِّنَ مَنْ أَنْعَا رِثْ إِلَى اللهِ قَالَ الْحُوَا رِيُّونَ نَحْنُ أَنْمَارُ اللهِ فَامَنَتْ ظَّآتْفَةٌ مِّنْ اِنَيَّ اشْرَآتَيْلَ وَ، كَفَرَتْ ظَّآنْفَةً مَفَآيَّدُنَا الَّذِيْنَ إَمَنُوا عَلَى عَدُوْهِرْ فَآصْبَهُوا
  - ظهرين 🗟

# ৬২. সরা আল-জম'আ, মাদানী ১১ আয়াত ১ কর

৬১ সরা আল-জম'আ

অসীম দয়াময় ও প্রম দ্যাল আলাহর নামে

- ১। আকাশসমতে যা কিছ আছে ও পথিবীতে যা কিছ আছে সৰট আলাহর পবিত্রতা ঘোষণা করে, বিনি মালিক, পবিত্র, মহাপ্রতাপশালী ও भग्राज्यसम्बद्धाः
- ২। তিনিউ উদ্বীদের (নিরক্ষরদের) মাঝে তাদের মধ্য থেকে একজন বাসল नांत्रियात्रस्य त्या जारस्वराक जांव प्यासाजस्यात नात्रे करव समाप्त जारस्वराक পরিক্তর করে এবং তাদেরকে কিতার ও ছিকমত (প্রস্তা) শিক্ষা দেয় যদিও তারা ইতঃপূর্বে সুম্পট্ট পথএটতার মধ্যে ছিল-
- ৩। এবং (পার্টিয়েছি) ভাদের জন্যানাদের নিকটণ যাবা এখনো ভাদের সাথে মিলিক মানি। এক কিনিট মহাপ্তমাপ্তমালী ও মহাপ্তমালন।
- ৪। এটি (অৰ্থাৎ নবৰতে) আতাহৰ অনপ্ৰহ, তিনি যাকে ইন্দা কৰেন তাকে का साम करवम। अवर खालाइ प्रदा खमशहमील।
- ৫। যাদেরকে ভাওরাতের দায়িভভার অর্পণ করা হয়েছিল, এরপর ভারা ভা বছন কবেনি ভালের উপস্থা হল গাধার মত যা পরত বছন করে। কতই না নিকট সে সম্পদায়ের উপমা যারা আন্তাহর আহাতসমহকে মিধ্যা অভিহিত করেছে। আর আরাহ জালিম সম্পদায়কে সঠিকপথ প্রদর্শন করেন না।
- ও। বল 'থেত হারা ইকটা হাতে। হদি সোহরা দারী কর তে আনা সর মান্ধকে বাদ দিয়ে ভোমবাই আলাহর বন্ধ, তবে ভোমরা মতার আকাজ্ঞা কর- যদি তোমবা সক্তবাদী হও।"
- विख जाम्मद काल का खाला शारितकाक तम काराना काराना जाता जा (মতা) আকাৰকা কহবে না। আবা আবাহু জালিমদেব সম্পর্কে ভাল কবে खासन ৮। বল, "নিশ্চয় যে মতা থেকে ভোমরা পলায়ন কর, তবে (জেনে রাখ)।
- ৯। প্ৰক্ৰে যাবা ঈমান এনেড। ক্ৰম'আৰু দিনে হখন ভোমাদেৰকে সালাভেৰ (নামাযের) জন্য ভাকা হয় তথন তোমরা আন্তাহর স্মরণের দিকে ধাবিত হও এবং ক্রম-বিক্রম পরিকাপ কর। এটি কোমাদের জনা উল্লয়- যদি ভোছৰা জানাত।

সে সম্পর্কে ভিনি ভোমাদেরকে জানিয়ে নিবেন।

٦٢-سُرُ ۗ الْحُمْعَة-مَارَنَّةُ r-เสโลสาม-โสเป بسُم الله الرَّحُبُن الرَّحِيْم

يُسَبُّ للهُ مَا فِي السَّهُ و وَمَا فِي الْإَرْضِ الْمَلِكِ الْقُدُّوسِ الْعَاثِ الْحَكْثِينَ الْحَلْمُ الْحِلْمُ الْحَلْمُ الْحِلْمُ الْحِلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحِلْمُ الْحَلْمُ الْحِلْمُ الْحَلْمُ الْحِلْمُ الْحَلْمُ الْحِلْمُ الْحَلْمُ الْحُلْمُ الْحَلْمُ الْحِلْمُ الْحُلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحُلْمُ الْحَلْم

هُوَ الَّذِي بَعَتَ فِي الْأُمِّينَ رَسُولًا مِّنْهُرْ يَتْلُوا عَلَيْهِرْ إِيَّتِهِ وَيُزَكِّيهِ \* وَيُعَلِّمُهُ \* الْكِتْبَ وَ الْحَكْمَةَ وَانْ كَانُوْا مِنْ قَبْلُ لَغِيْ ضَلَل مُّبِيْنِ أَن

وًّا غَرِينَ مِنْهُرُ لَمًّا يَلْحَقُوْابِهِرْ ، وَهُوَ الْعَوْيُو الْحَكِيْرُ ۞

ذُ لِكَ فَصْلُ الله يُؤْتِيْهِ مَنْ يَّشَاءُ وَ اللهُ دُو الْفَضْلِ الْعَظِيْرِ • وَ اللهُ دُو الْفَضْلِ الْعَظِيْرِ

مَثَلُ الَّذِيْنَ مُبْلُوا التَّوْ رَبَّةَ لُرَّ لَرْ يَحْمِلُوْهَا كَمَثَلَ الْعَمَارِ يَحْمِلُ أَسْفَا رًا وبَعْسَ مَقَلُ الْقَوْمَ الَّذِيْنَ كَذَّبُوْا بِأَيْتِ اللَّهِ ، وَ اللهُ لَا يَهْدى الْقَوْمَ الظُّلمينَ .

قُلْ يَا يُّهَا الَّذِينَ هَادُوَّا إِنْ زَعَمْتُمْ ۚ إِنَّكُمْ ۖ أَوْلَمَاءُ للهُمِ.. دُوْنِ النَّاسِ فَتَمَنَّهُ | الْمَوْتَ إِنْ كُنْتُرْ صَاقَيْنَ ۞

وَ لَا يَتَهَنَّهُ نَهُ آَبَدًا ٰبِهَا قَدَّمَتْ آيُديْهِ ۚ ﴿ وَ اللَّهُ عَلَيْ ۗ بِا لِظُّلْمِيْنَ ۞

الى علير الْقَدْبِ وَ الشَّهَادَةِ فَيُنبِّكُكُر بِمَا كُنْتُر تَعْمَلُونَ ﴾ 🐉 ﴿ ﴿ اللَّهُ عَلَمُ اللَّهُ اللَّ يَّأَيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوٓ ا إذَا نُودىَ للصَّلُوةِ مِنْ يُّوْمَ الْجُمُّعَةِ فَاسْعَوْ اللَّ

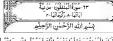
ذِكْرِ اللهِ وَذَرُوا الْبَيْعَ وَلِكُرْ غَيْرٌ لَّكُرْ إِنْ كُنْتُرْ تَعْلَمُونَ ۞

- 30। अवशान राम जागान (जागा) जगमु राज गात, कपन त्याचा गुंबवेंद्रः इंदित गंब, आहार अव्याद अवशान कर तर साहादर रामि तमि बंदन नंत्र, यांदर तमिन केंद्रेती विजेटी केंद्रेती विजेटी केंद्रियां कर वादा प्रकार कर मात्र। और टिटेरी में केंद्रेती विजेटी केंद्रियां कर मात्र।
- ১১) বিশ্ব কৰে কৰা বাবলো বা বামাণা কেবতে পেল কৰা বাবা যে বিকে ক্ৰিছি হয়ে পো কৰে কোনাত কোবে পেল কৰিব অৰক্ষা। কৰা, "আছাকে কাহে যে যা আছে বা আমাণা ব বাবনা থাকে উল্লেখ কৰা, আমান্ত ক্ৰিয়া কিবল

## ৬৩. গুরা আল-মুনাফিকুন, মাদানী ১১ আয়াত, ২ কুক্

১) বখন মুন্যকিকরা তোমার কাছে আলে তখন তারা বলে, 'আমরা সাক্ষা দিছি নিক্তা আপনি অবশ্যই আন্তাহর রাসুলা' আর আন্তাহ জানেন নিক্তা ভূমি অবশ্যই তার রাসুল এবং আন্তাহ সাক্ষ্য নিক্ষেন, নিক্তা মন্যক্ষিত্র অবশ্যই রিখ্যালার।

- তারা তাদের শপথসমূহকে তাল হিসেবে গ্রহণ করেছে, অতঃপর আল্লাহর
  পথ হতে (মানুবকে) বিরত রেখেছে। নিশুর তারা বা করত তা কতই না
  ফল।
- এটা এ কারণে যে, তারা ঈমান একেছে, এরপর কুফরী করেছে, ফলে তাদের হনরসমূহের উপর মোহর মেরে দেরা হয়েছে, অতএব তারা বোঝে
- ৪. এবং হখন ভূমি তাদেরকে দেখ তখন তাদের দেহাকৃতি তোমাকে চৰকৃত করে। এবং মেনি তারা কথা বলে অবে তুমি তাদের কথা কদেব। তারা কে নিয়াকে ঠেকানো কাঠঁ। তারা প্রতিটি গখকে তাদের বিরুদ্ধে মনে করেঁ। তারাই (তোমাদের) শহুণ, অতএর তাদের সম্পর্কে গতর্ক হও। আরাহ্য তাদেবকে কালে করুন, কিভাবে তারা বিহ্রান্ত হচ্ছে।
- ৫। এবং হখন তাদেরকে বলা হয়, 'তোমরা এসো, আন্তার্ম রাসুল তোমাদের জন্য ক্ষমা প্রার্থনা করকে' তখন তারা মাথা থাকুনি দেয় এবং ভূমি তাদেরকে দেখতে পাও তারা অহংকার করে মুখ ফিরিয়ে দেয়।
- ৬। তুমি তাদের জন্য ক্ষমা প্রার্থনা কর অথবা না কর (উভয়ই) তাদের জন্য সমান। আরাহ তাদেরকে কথনো ক্ষমা করবেন না। নিশ্চয় আরাহ পাপাচারী সম্প্রদায়কে সঠিকপথ প্রদর্শন করেন না।
- ৭। এরাই তারা যারা বলে, 'তোমনা তালের জন্য বায় করো না যারা আল্লার্র রাস্পের করে হয়েছে বতখন না তারা (রাস্ল থেকে) বিচ্ছিন্ন হয়ে যায়। অয়ত আকাশসমূহ ও পৃথিবীর ধন-ভারের আল্লাহ্রই, কিছু মূলাফিবরা বেবনে না।
- চ। তারা বলে, 'যদি আমরা মদীনায় জতাবির্কন করি তাহলে দেখান থেকে অধিক সম্মানিত বাজি অধিক হাঁন বাজিকে অবদাই বের করে দিবে।" এবাচ সমান আগ্রাহার জন্মা, ওাঁর রাসুলের জন্ম ও সুমিনদের জন্ম, কিন্তু ই মুনাফিকরা জানে না।



إِذَاجَاءَكَ الْمُنْفِقُونَ قَا لُوْا نَفْهَدُ إِنَّكَ لَرَسُولُ اللهِ - وَ اللهُ يَعْلَمُ إِنَّكَ لَرَسُولُكُ اللهُ يَشْهَدُ إِنَّ الْمُنْفِقِينَ لَكَذِبُونَ قَ

إِنَّخَذُوْٓ الْهَا لَهُرْ جُنَّةً فَمَدُّواً عَنْ سَبِيْلِ اللهِ ﴿ إِنَّهُرْ سَّاءُمَا كَانُوا يَتْمُلُونَ ۞

ر ، ، ' رف . ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ أَمَنُوا ثُمَّ كَفَرُوا فَطَبِعَ عَلَى قُلُوبِومْ فَهُرْ لَايَفْتُونَ ۞

وَ إِذَا رَآيَتَهُرُ تُعْجِبُكَ آجَسَامُهُرْ • وَ إِنْ يَقُوْ لُواْ تَسَعُ لَقُوْ لُورُ • كَاتُهُرْ خُفُرْ صَّنَدَاً \* يَحَسُونَ كُلَّ صَيْحَةً عَلَيْهِرْ • هُرُ الْعَدُوْ فَاحْدُ رَهُرْ • فَتَلَهُرُ اللّٰهُ أَنِّي يُؤْكُونَ ۞

وَإِذَا قِيْلَ نَمُّرْ تَعَا لَوْا يَسْتَغْفِرْ لَكُرْ رَسُّوْلُ اللهِ لَوَّرَا رُءُوْسَمُرْ وَ رَآيَتُمْرْ يَمَّدُونَ وَمُرْ مَّسَكْبِرُونَ ۞

سَوَّاءٌ عَلَيْهِرْ اَسْتَغْفَرْتَ لَهُرْ آاُ لَرْ تَسْتَغْفِرْ لَهُرْ ۗ لَنْ يَّغْفِرُ اللهُ لَهُرْ وإِنَّ اللهَ لَا يَهْدِى الْقَوْمُ الْفُسِقِيْنَ ۞

هُرُ الَّذِيْنَ يَقُوْ لُوْنَ لَالْتَنْفِقُوا عَلَى مَنْ عِنْدَ رَسُوْلِ اللهِحَمَّى يَثَفَقُوا وَلِيْهِ كَزَّالِنُ السَّمُوتِ وَ الْاَرْضِ وَ لَكِنَّ الْمُنْفِقِيْنَ لَانَقَمُّونَ ۞

يَقُوْ لُونَ لَغِنْ رَجَعُنَا إِلَى الْمَدِيْنَةَ لَيُخْدِجِنَّ الْإَعَزُّ مِنْهَا الْآذَلَّ- وَلِيهِ الْعِزْةُ وَ لِرَسُّوْ لِهِ وَ لِلْمُؤْمِنِيْنَ وَ لَكِنَّ الْمُنْفِقِينَ لَا يَعْلَمُونَ ۞

- ৯। পতে যাতা উমান এনেছ। তোমাদের ধন-সম্পদ ও সনান-সমঙি ছেন তোমাদেরকে আল্লাহ্র খরণ থেকে ভূলিয়ে না রাখে, আর ধারা এমন কবৰে ভাৱাই ক্ষতিগত।
- ১০। এবং আমি ভোমাদেরকে যে রিঘিক নিয়েছি তা থেকে (আগ্রাহর পথে) বায় কৰ এৰ পৰ্বে যে তোমানেৰ কাৰো নিকট মতা আসৰে এবং সে বলবে, 'হে আমার প্রতিপালক। যদি আমাকে একটি নিকটবর্তী সময় অপ্তৰ্জক হতাম।"
- পর্যন্ত অবকাশ দিকেন করে আমি সদকা করতাম এবং সংকর্মশীলদের
- الله ، وَمَنْ يَتَفَعَلَ ذَلِكَ فَأُولِنَاكَ هُرُ الْعُسُونَ ﴿ وَ أَنْفَقُوا مِنْ مَّا رَزَقَنْكُرْ مِّنْ قَبْلِ أَنْ يَّأْتِيَ إَحَدَكُرُ الْمَوْتُ
- فَيَقُوْلَ رَبِّ لَوْلًا اَخْرْتَنَيْ الْيَ اَجَل قَوِيْب، فَأَصَّدَّقَ وَ أَكُنْ
- مَّنَ الصَّلَحِيْنَ ۞

### ৬৪. সূরা আত-তাগাবুন, মাদানী ১৮ অয়াত, ২ কব্

অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

- ১। আকাশসমূহে যা কিছু আছে ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে সবই আল্লাহর পবিত্রতা ঘোষণা করে, রাজতু তাঁরই এবং সকল প্রশংসা তাঁরই জন্য, এবং তিনিই সবকিছুর উপর সর্বশক্তিমান।
- ২। তিনিই তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছেন, অতঃপর তোমাদের মধ্যে কেউ কাফির আবার তোমাদের মধ্যে কেউ মুমিন। এবং তোমরা যা কর সে সম্পর্কে আল্লাহ পূর্বদৃষ্টিবান।
- ত। তিনি আকাশসমূহ ও পৃথিবী সভাসহ (সঠিক লক্ষ্যে) সৃষ্টি করেছেন এবং
  তোমাদেরকে আভৃতি দান করেছেন এবং ভোমাদের আকৃতিকে সুদর
  করেছেন, এবং গন্ধবান্তল ভারত দিকে।
- ৪। আকাশসমূহ ও পৃথিবীতে যা কিছু আছে সবই তিনি জানেন এবং তিনি জানেন বা তোমরা গোপন কর ও যা তোমরা প্রকাশ কর। এবং বক্ষসমূহে যা আছে সে সম্পর্কে আয়্লাহ ভালভাবে জানেন।
- ৫। তোমাদের কাছে কি তাদের সংবাদ আদেনি যারা ইতঃগুর্বে কুফরী করেছিলঃ ফলে তারা তাদের কৃতকর্মের মন্দকল তোগ করেছিল এবং তাদের জনা রয়েছে যুদ্রণানায়ক শান্তি।
- ৬। এটা এ কারণে যে, তাদের কাছে তাদের রাসুলরা স্পষ্ট প্রমাণাদিনত্ব আদত কিছু তারা কদত, "মনুন্বই কি আনাদেরকে সঠিক পথ প্রদর্শন করবে?" এবং তারা কুফরী করল ও মুখ দিরিয়ে নিল, আর আহার বৃষ্ঠবেশ্বর (প্রয়োজনমুক) হলেন। এবং আরাহ্ব অমুখাপেন্দী ও অতিপ্রশংসনীয়।
- ৭। যারা কুম্মরী করেছে তারা ধারণা করেছে যে, তাদেরকে কথনো পুরুক্তিত করা হবে না। কণ, "হ্যা অবশাই, আমার প্রতিপাদকের কদম, লোমদেরকে অবশাই অবশাই পুরুক্তিত করা হবে, এরপর তোমরা যা করেছে সে শশর্কে (তামানেসকর অবশাই অবশাই জানিয়ে দেরা হবে।" এবং এটি আল্লাব্য জন্য সহস্ক।
- ৮। অতএব তোমরা আয়াহ, তাঁর রামূল ও যে আলো (কুরআন) আমি অবতীর্ণ করেছি তাতে ইমান আন। আয় তোমরা যা কর সে সম্পর্কে আয়ার পূর্ব অবগত।
- ১। যে দিন তিনি চোমাদেরকে একঠিত করকেন একঠিত হওয়ার দিনের জন্য, এটি হবে য়াব-জিতের দিন। এবং যে আরারের প্রতি ইমান আনে ও সংকাফ করে তিনি তার পাপসমূহ মোচন করকেন এবং তাকে প্রবেশ করাকেন জান্নাতসমূহে, যেওলোর নিজ নহরসমূহ প্রবাহিত, সেখানে তারা চিবস্থায়ী ববে। এটিই মহাসাফস্তা;

# ٣٠- مُورَةُ التَّعَائِينِ- مَنْ لِيَّةً الْمُعَالِّينِ- مَنْ لِيَّةً الْمُعَالِّينِ- مَنْ لِيَّةً الْمُعَالِّينِ الْمُعَالِينِ الْمُعَالِّينِ الْمُعَالِينِ الْمُعَالِّينِ الْمُعَالِينِ الْمُعَالِّينِ الْمُعَالِّينِ الْمُعَالِّينِ الْمُعَالِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعَالِينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعَلِّينِ الْمُعَلِّينِ اللّهِ عَلَيْكِ اللّهِ عَلَيْكِمِينِ الْمُعِلَّينِ اللّهِ عَلَيْكِمِلِينِ الللّهِ عَلَيْكِمِينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمِعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلِّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّيِّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِينِينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّينِ الْمُعِلَّيْنِينِ الْمُعِلَّيْنِي الْمُعِلَّيْنِ الْمُعِلَّيْنِي الْمُعِلَّيْنِ الْمُعِلَّيْنِ الْمُعِلِينِي الْمُعِلَّيْنِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلَّيْنِي الْمُعِلِينِ الْمُعِلَّيِينِ الْمُعِلِينِ

يُسْبِّمُ لِلهِ مَا فِي السَّمْوٰتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ، لَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ ا الْمَثَدُّ رَهُو هُوَ فَي كُلِّ شَنَّ قَدَيْرٌ ۞

هُوَ الَّذِيْ عَلَقَكُرْ فَمِنْكُرْ كَافِرٌّ وَمِنْكُرْ مُّوْمِنْ ، وَ اللهُ بِمَا تَعْمَلُوْنَ بَصِيْرٌ ۞

خَلَقَ السَّاوٰتِ وَ الْأَرْضَ بِالْحَقِّ وَمَوَّ رَكُيْ فَأَحْسَ مُوَ رَكُيْ: • وَ الْيُو الْمَعْيُنُ ۞

يَعْلَرُ مَا فِي السَّمْوٰتِ وَ الْأَرْضِ وَيَعْلَرُ مَا تُسِرُّوْنَ وَمَا تَعْلِنُونَ وَ اللهُ عَلِيْرٌ لِنَاتِ الصَّدُوْرِ ۞

أَلَرْيَاْتِكُرْ نَبَوُّا الَّذِيْنَ كَفَرُوْا مِنْ قَبْلُ نَفَااقُوْا وَبَالَ أَمْرِهِرْ وَلَمُرْ عَلَابٌ أَلِيْرْ ۞

زَعَّىَ الَّذِيْنَ كَفَرُقَا أَنْ لَّى يَّبْعَثُواْ ۥقُل بَلٰي وَ رَبِّيْ لَتُبْعَثُنُّ ثُرِّ لَتَنَبَّوُنُّ بِمَا عَمِلْتُرْ ۥ وَذَٰلِكَ فَى اللهِ يَسِدِّ ۞

فَامِنُوا بِاللهِ وَرَسُولِهِ وَ النَّوْرِ الَّذِيْ َ ٱثْرَلْنَا وَ اللهُ بِمَا } تَعْمَلُونَ مَيْدٌ ۞

يُوْ)َ يَجْمَعُكُرْ لِيَوْ) الْجَمْعِ ذَلِكَ يَوْا التَّفَابُي. وَمَنْ يُؤْمِنْ بِاللَّهِ وَيَعْمَلُ مَا لِكًا يُكَثِّرُ عَنَّهُ سِّإِلَّهِ وَيُدُدِيلُهُ مَنْ يَجْدٍى مِنْ تَحْتَهَ الْاَنْفِرُ خُلِدِيْنَ فَيْهَا أَبَدًا وَلَا الْفَوْزُ الْتَعْلَيْرُ ٥

خلدينَ فيْهَا ، وَ بِئْسَ الْمَعِيْرُ أَهُ

- না নিকট সেই গলবাস্থল ! ১১। আল্লাহর ইচ্ছা হাড়া কোন বিপদই আপতিত হয় নাঃ এবং যে আলাহব
- প্রতি ঈমান আনে তার জনয়কে তিনি সঠিকপথ প্রদর্শন করেন। আর আপ্লাহ সবকিছ সম্পর্কে ভালভাবে জানেন।
- ১১। এবং ভোমবা আবাহর আনগভা কর এবং রাসলের আনগভা কর, কিন্ত যদি তোমরা মথ ফিরিয়ে নাও, তবে আমার বাসলের দায়িত কেবল সম্পট্টভাবে পৌছে দেৱা:
- ১৩। আল্লাহ, তিনি ছাড়া কোন ইলাহ নেই। এবং আল্লাহর উপরেই ম'মিলরা যেন ভরসা করে।
- ১৪ পরে হারা উন্নাম এনেত। নিশ্বর কোমানের জী ও সভান-সভাবিদের মাধ্য কেই কেই তোমাদের শক্র, অতএব তাদের সম্পর্কে তোমরা সতর্ব থাক, আর যদি তোমরা (তাদেরকে) মার্জনা কর, উপেক্ষা কর ও ক্ষমা কর, তবে নিকয় আলাহ অভিক্রমানীল ও পরম নরাল।
- ১৫। তোমাদের ধন-সম্পদ ও সন্তান-সন্ততি (তোমাদের জন্য) পরীক্ষা মাত্র: আর আন্তাহরই নিকট রয়েছে মহাপ্রতিদান
- ১৬। সুতরাং তোমরা আল্লাহকে যথাসাধ্য ভয় কর, শ্রবণ কর, আনুগত্য কর এবং তোমানের নিজেনের কল্যাণের জন্য (আল্লাহর পথে) বায় কর এবং যাবা অজবের কার্পণা থেকে মক ভারাই সকল।
- ১৭। যদি তোমরা আত্মাহকে কর্ফ দাও- কর্ফে হাসানা, তিনি তোমাদের জন্য তা বত ৩৭ (বন্ধি) করবেন এবং তিনি ভোমাদেরকে কমা করবেন। এবং আল্লাহ পরম প্রতিদানদাতা ও পরম সহন্দীল-
- ১৮। অদৃশ্য ও দৃশ্যের জানী, মহাপ্রভাগশালী ও মহাপ্রজাবান।

- مًّا أَمَابَ مِنْ مُّصِيْبَةِ الَّا بِاذْنِ اللهِ-وَمَنْ يُّؤْمِنْ بِاللَّهِ يَهْد قَلْبَهُ وَ اللهُ بِكُلِّ شَيٌّ عَلَيْرٌ @
- وَ ٱطِيْعُوا اللهَ وَ ٱطِيْعُوا الرَّسُولَ ، فَانْ تَوَ لَّيْتُيرُ فَانَّمَا عَلَى رَسُوْ لِنَا الْبَلْغُ الْمُبِيْنُ ۞
- اللهُ لا اله الله هُوَ ، وَعَلَى اللهِ فَلْيَتُو كَّلِ الْمُؤْمِنُونَ ⊙
- يَّأَيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوٓا انَّ مِنْ اَ رُوَاجِكُرْ وَاَوْلَادُكُرْ عَدُوًّا لَّكُرْ فَا هَذَ رُوْهُرْ ءَوَ إِنْ تَعْفُوْا وَ تَصْفَحُوْا وَ تَغْفُ وَا فَانَّ اللَّهَ غَفُوْ رَّ
- انُّمَّا أَمْوَ الْكُرْ وَ أَوْلَادُكُرْ فَتَنَدُّ وَ اللَّهُ عَثَدَةٌ أَجْ عَظْمٌ ﴿ فَاتَّقُوا اللَّهَ مَا اسْتَطَعْتُرْ وَ اسْمَعُوْا وَ اَطَيْعُوْا وَ اَنْفَقُوا خَيْرًا لَّا
- نْفُسكُرْ وَمَنْ يُوْقَ شُرٌّ نَفْسهِ فَأُولَنَّكَ هُرُ الْمُقْلَعُونَ @ إِنْ تُقْدِمُوا اللَّهَ قَدْمًا حَسَنًا يُّفْعِفْهُ لَكُرْ ۚ وَيَغْفِرُ لَكُرْ ۗ . وَ اللَّهُ
  - شَكُوْ رَّحَلِيْرٌ ۞ علمُ الْغَيْبِ وَ الشَّهَادَةِ الْعَرِيُّ الْحَكِيمُ ﴾

জুন্দ দ্যাম্য ও প্রম দ্যাল আলাহর নামে

- ১) হে নদী খাবন (জাবারা ত্রীয়াতের জাবাত নাত, ক্ষব আমারের জাবাত কা আদের ইনাতের নাত প্রবাহ (আমারের সংবার্গা পালা কর, এবং (কাবানের প্রতিপালাক জাবাহের কার কর, পরি প্রক্রীলারের চিক না করে কোনো আমারেরের আমারের করের করের প্রকার করে করের একং প্রকার কেনে কের না হয়: "লাংং এককা আমারের (কির্মিক) করের করের কোরারের ক্রিমিনারর বানান করের করের করের করের কোরারের করের করের করের করের করের করের প্রক্রি জাবা না, হতত আয়ারে এবংগর (সামারেকার) কেরার করের করের করের না, হতত আয়ারে এবংগর (সামারেকার) কেনার করারে করের করের।
- ২। অপ্তৰণৰ খৰন থকা ভাগনৰ নিৰ্দিটি নমহে গৌহে বেথাৰ্থ ইবছত পৰ্যন্ত), তথন তোনাৰ (হয়) ভাগনতে সুক্ষভাবে যেবে দিবে, খবদা ভাগনতে সুক্ষভাবে যেবে দিবে, খবদা ভাগনতে সুক্ষভাবে পোন কৰে। তোনালের বাবা বাবেত সুক্ষান্যাচন্দ্রাধান গোলতে সাকী আখনে এবং ভোগনা আয়াহৰ জান সাকি দাবে। এব আাতাত উপদেশ কাছা হছে, যে তোনালের কথে আয়াহে ও আভিবাতে দিবের এটি উমান আনে। এবং যোগ্রাহেক ভাগনত বিটি সামান আনে এক ভাগনত পৰ্যন্ত স্থান
- ৩। এবং তাকে এমন দিক থেকে রিফিক দান করেন যা সে ধারণাও করে না। এবং যে আল্লাহের উপর জঙ্গো করে তার জন্ম তিনিই অর্থেষ্ট। নিকয় আল্লাহ তাঁর কাজ পূর্ণ করেন। অবপাই আল্লাহ সবকিছুর জন্য একটি নির্মিষ্ট পরিমাণ নির্মাব করেছেন।
- ৪। এবং তোমানের খ্রীদের মধ্য থেকে যারা মানিক (রক্তপ্রাব) থেকে হত্যাপ হয়েছে তানের ইন্দত সম্পর্কে তোমরা সালেহ করুলে তানের ইন্দত হবে কিন মান এবং যানের এখনও মানিক করতাবা) হয়নি তানেরও। আর গার্ডবর্তী নারীদের ইন্দত সন্তান প্রশাব পর্যন্ত। এবং মে আল্লাহ্নে তম করে আল্লাহ্ তার কাজ সহজ করে দেন।
- ৫। এটি আল্লাহ্ন নির্দেশ, তা তিনি তোমাদের প্রতি অবতীর্ণ করেছেন। এবং যে আল্লাহ্নে তর করে তিনি তার পাপসমূহ মোচন করেন এবং তাকে মহাপ্রতিদান দেন।
- ৯। কোমাৰ বেলাবেল সামাৰ্থ্য অনুষ্থানী বেলন বাবে বাবা লাভ বাতালবেকও কেলন মাত্ৰ বাবা লক্ষ্যতে দিনে একং হাচাবেকে সম্ভাই কোনাৰ এন উভান্তা কৰাৰে মানু এবা ভালা বৰ্গকাটী হয়ে আহলে সমানুন নামন লাইল আহল জন্ম আৰু একংক, অভান্তাৰ বাবি কালা কোনাবেল কোনাবেলা, জনা মুখ পান কালা, তাৰে আনোৱেকে আনান্ধ পানিকলি কিলে, কেং (ম আনান্ধ কালানা পদান্ত সুৰক্ষাৰাৰ নিজনান মানো নামনা কৰাৰে আনান্ধ কালানা পদান্ত সুৰক্ষাৰাৰ নিজনান মানো নামনা কৰাৰ কালানা কালানা কালানা কৰাৰ কালানা কৰাৰ কালানা কৰাৰ কালানা কৰাৰ কালানা কালানা কালানা কৰাৰ কালানা কৰাৰ কালানা কৰাৰ কালানা কৰাৰ কালানা কালানা কালানা কৰাৰ কালানা কৰাৰ কালানা কৰাৰ কালানা কৰাৰ কালানা কৰাৰ কালানা কালানা কালানা কৰাৰ কালানা কৰাৰ

٦٥-سُرْوُ الطَّلَاقِ-مَارُئِيَّةُ الطَّلَاقِ-مَارُئِيَّةً الطَّلَاقِ-مَارُئِيَّةً الطَّلَاقِ-مَارُئِيَّةً الْمَارِيِّةِ الْمَائِيِّةِ الْمَائِينِيِّةً الْمَائِينِيِّةً المَّانِيِّةِ الرَّغُونِ الرَّحِيْمِ الرَّحِيْمِ المَّاجِيْمِ المَانِيْمِ المَانِيْمِ المَّاجِيْمِ المَّاجِيْمِ المَّاجِيْمِ المَانِيْمِ المَّاجِيْمِ المُوالْمِيْمِ المَانِيْمِ المَّاجِيْمِ المَانِيْمِ المَانِمِيْمِ المَانِيْمِ المِنْمِيْمِ المَانِيْمِ المِنْمِيْمِ المِيْمِ المَانِيْمِ الْ

الله النبي إذا طَلَقَتُمُ النَّسَآءَ فَطَكُوْمُنَّ لِعِنَّالِهِمْ وَالْمَوْمُنَّ لِعِنْدِيقِهِ وَالْمَوْمُنَّ العِنْدُونَةُ وَالْقُوا اللهُ رَيَّضَمَّ الاَنْجُودُونْ الْمَوْدُونُونَ وَاللَّهِ الْمُؤْمِنُ الْمُؤْمِنَ الْك لايُخُرِضُ إِلَّهِ اللَّهِ اللَّهِ فَيَعْمُ الْمُؤْمِنِينَ وَلِلْكُ حَمُودُ اللهِ، وَقَلَى اللَّهُ الْمُؤْمِنَ فَيْنَا اللَّهِ اللَّهِ فَقَدُ ظَلِّمَ لِلْمُؤْمِنِينَ وَلِللَّهُ عَلَيْنِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ الْمُؤْمِنِينَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْمِ

غَادَ اِبْلَغَنَّ اَخَلَقَیْ فَاسْکُرْمُنْ بِعَغُرُولِ اَوْفَا رِغُوْمُنْ بِعَغُرُولِ وَأَمْهِدُواْ وَمُنْ عَدْلِ مِنْكُرُ وَأَقِيمُوا الشَّهَادَةُ اللَّهِ الْحُلُولِ الشَّهَادَةُ اللَّهِ الْحُلُو يُوْعَظُ إِمْ مَنْ كَانَ يُؤْمِنُ إِللَّهِ وَالْجَرِعُ الْأَجِوْمُ فَتَى اللَّهَ لَيْنَا اللَّهِ وَمُنْ يَتَّقِي يُحِطِّلُ الْمُعْدِينُ إِلَى اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ وَمُنْ يَتَقِي اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّه

رَّيْرَ زُقُهُ مِنْ حَمْثُ لِايَحْتَسِ وَمَنْ يَّتَوَكَّلُ عَلَى اللهِ فَهُوَ حَشْبُهُ . إِنَّ اللهَ بَا لِغُ أَمْرِةٍ • قَلْ جَعَلَ اللهُ لِكُلِّ شَنَّ ۖ قَلْ مَنْ ۖ

وَالَّقِيْ مُنْسَوِّمِنَ الْمَحِيْفِيمِنِ تَسَّالِكُمْرُ إِنِ الرَّبُمْرُ فَقِيدُتُهُمْ تَلْفَدُ أَهْمُ وَالَّقِي لَمْ يَحِلْمَ وَالْأَكُمُ الْأَمْمَالِ اَحْلَمُ أَنْ يُفْعَى مُنْلَمِّينَ وَمِنْ يَتَّقِي اللهُ يَحِقُلُ لَكُمِنَ أَمْوِلًا يُسْرًا فِي

ذ لِكَ آمُرُ اللهِ آنَزَكُمْ آلِنَكُمْ ، وَمَنْ يَتَّقِ اللهَ يُكَفِّرُ عَنْهُ سَيِّاتِهِ وَ يُعْظِرُ لَغَ آجُرًا ۞

آهُكِبُوُهُنِّ مِنْ هَجِيْءَ سَكَنْكُنْ مِنْ رَجِّدِكُنِ وَ لِالْفَعَّا (وَهُنَّ (رُوُهُنَّ (رُوُهُنَّ (رُوُهُن لَتُقَيِّقُوا عَلَيْهِيْ وَ إِنْ كُنَّ أُولَاتِ حَمْلٍ قَا لَفَقُوا عَلَيْشِ حَمِّى يَفَعَى حَمْلُمُنَّ فَأَنْ أَرْمُنْ لَكُنِ فَالْتُورُّمُّ أَكُورُ هُمَّ أَكُورُ هَمَّوْ الْمَوْرُوْ يَبَكُنُ بِمَعُوْرِيْ ، وَإِنْ تَعَلَّسُ لِكُنْ فَسَرُّوهُمْ لَكُورُ هُمَّا أُخْرِى وَ

يَبْكُنُ بِمَعُوْرِيْ ، وَإِنْ تَعَلَّسُ لِكُنْ فَسَرُّهُمْ لَكُمْ أَلُورُ هُمَّا أُخْرِى وَ

- ः निकास नाकि त्यार जान प्राप्तर्था प्रकाशी नाम करनः नान सान सेशन ليُنْفِقْ ذُوْسَعَة مَّنْ سَعَته ، وَمَنْ قُدرَ عَلَيْه رِزْقُهُ فَلْيُنْفِةٌ , مَهَّا \_ জাব বিভিন্ন সীমিত করা হয়েছে সে যেন আলাহ যা ভাকে নিয়েছেন ভা اللهُ عَلَيْكُ اللهُ نَفْسًا إِلَّى أَلُهُ اللهُ يَعْنَى اللهُ يَعْنَى اللهُ يَعْنَى اللهُ يَعْنَى اللهُ يَعْنَ তিনি ভাকে দিয়েছেন। শীঘ্ট আলাচ কাইব পৰ ছব্দি দান কবাকন। عُشْ تُشَّا أَنَّ
- b । त्यात त्यान व्यवश्रावरे ज्यात अक्रिशालक थ जॉन नाञ्चलका वितर्वरश्रान प्रजाश হ্যাহছিল। কলে আহি তার (জনপাদর) রঠোর হিসার নিয়েছিলার এবং তাকে (জনপদকে) নিবন্ত শান্তি দিয়েছিলায় ।
- ৯। অতঃপর তা (জনপদ) তার কৃতকর্মের মন্দ্রুল ভোগ করল এবং তার (জনপদের) কাজের পরিগাম ছিল (৩ধই) ক্ষতি।
- ১০। আলাহ আদের জন্য প্রস্তুত করেছেন কঠিন শাস্ত্রি অকএর কোমরা আলাহকে ভর কর, হে বন্ধিমানরা-যারা ঈমান এনেছ। অবশাই আলাহ ছোমাদের প্রতি অবতীর্ণ করেছেন এক থিকির (করজান)-
- ১১। (এবং প্রেরণ করেছেন) একজন রাসণ, যে তোমাদেরকে আল্লাহর সম্পর্টকারী আঘাতসমত পাঠ করে খনার হেন যারা ঈমান এনেতে ও ব্যবস্থা ক্রেচেন।
- সংকাজ করেছে ভাদেরকে বের করতে পারে অন্ধকার থেকে আলোর দিকে। এবং যে আশ্রাহর প্রতি ঈমান আনে ও সংকাজ করে তাকে তিনি প্রবেশ করাবেন জান্ত্রাতসমূহে, যেগুলোর নিচে নহরসমহ প্রবাহিত. সেখানে ভারা চিরস্থায়ী হবে, যখন আন্তাহ ভার জনা উত্তম রিথিকের

- وَكَأَيْنَ مِّنْ قَرْيَة عَتَتْ عَنْ أَمْ رَبُّهَا وَ رُسُله فَحَاسَبْنَهَا حسَائًا هَدِيْدًا وَ عَذَّ ثُنْهَا عَذَا يًّا تُكَّاهِ
  - فَذَاقَتُ وَ بَالَ أَمْهِ هَا وَكَانَ عَاقِبَةُ أَمْهِ هَا خُسُوا ﴿
- أعَدَّ اللهُ لَهُ ۚ عَذَابًا هَديْدًا ۖ فَاتَّقُوا اللهَ يَأُولِ الْآلْبَابِ ۖ الَّذِينَ أَمَنُوا ﴿ قَدْ أَنْ إِلَى اللَّهُ الْيُكُرُ دَكُّ ا أَهُ
- رِّسُولًا يَّتْلُواْ عَلَيْكُرْ إِينَ اللَّهِ مُبَيِّنِي لِّيُخْرِجَ الَّذِينَ أَمَنُواْ وَ عَمِلُوا الشَّلَحُ مِنَ الظُّلُمُ الْيَ النَّوْرِ ، وَمَنْ يَتَّوْمِنْ بِاللَّهِ وَيَعْمَلُ صَالِحًا يُدْخِلْهُ مَتْيِ تَجْرِيْ مِنْ تَحْتِهَا الْآتْهُرُ غُلديْنَ فَيْهَا ۚ أَبَدًّا ۚ قَدُ آَكُسَنَ إِللَّهُ لَهُ ۖ رَزْقًا ۞
- ১২। তিনিই আল্লাহ যিনি সঙ্কি করেছেন সাত আকাশ এবং সেওলোর অনুরূপ إَلَّهُ الَّذِيْ غَلَقَ سَبْعَ سَهُوتِ وَّمِنَ الْأَرْضِ مِثْلَهُنَّ ، يَتَنَوَّالُ (সংখ্যক) হয়ীনও। সেধলোর হাঝেও তাঁর নির্দেশ অবতীর্ণ হয়, যাতে .. যে, আপ্রাহ জান দ্বারা সবকিছকে পরিবেইন করে আছেন।
  - قَدُ إَمَاطَ بِكُلُّ شَيُّ عَلْمًا ١٠

#### ৬৬, সরা আত-তাহরীম, মাদানী ১১ আহাত, ১ মধ্ব

অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আলাহর নামে

- ১। বে নবী! আল্লাহ ভোমার জন্য যা হালাল করেছেন ভা ভমি ভোমার র্ব্বাদের সম্ভৃষ্টি কামনায় (কসম খেয়ে) হারাম করছ কেনঃ আর আপ্রাহ অতি ক্ষমাশীল ও পরম সয়াল।
- खालाङ डेरकामरशाङ रकामारक कार रकामारक काम अवशासक विशास দিয়েছেন, আর আলাহ তোমাদের প্রভ (রক্ষক), এবং তিনিই সর্বজ্ঞানী ও মহাপ্রকারার
- এবং যখন মবী তার স্ত্রীদের কোন একজনকে গোপনে একটি কথা বলল. অভ্যংগর হারম সে ভা ( অন্যাকে) বাল দিল এবং আলাহ ভার (মরীর) নিকট তা প্রকাশ করলেন তথন সে (মবী) তার কিছ বাজ করল এবং কিছ এলিয়ে গেল এবং যখন সে (মনী) ভা ভাবে (সেই স্ত্রীকে) জানাল তথ্ন সে বলল, 'কে আপনাকে এটা জানালঃ' সে (নবী) বলল, 'আমাকে তিনি জানিয়েছন যিনি সর্বজ্ঞানী ও সর্বজ্ঞ।'
- 8। যদি তোমরা উভয়ে আল্লাহর দিকে অনুতও হয়ে ফিরে আস (তবে ভাল), কারণ অবশাই তোমাদের জনম (বাঁকা পথের দিকে) থাকে পড়েছে। আর যদি লোমনা ভার (অর্থাৎ মরীন) বিরুদ্ধে একে অপরাক সাহায়। কর, তবে নিতয় আল্লাহ তার গ্রন্থ (রক্ষক) এবং জিবরাঈল, সংকর্মশীল মু'মিনরা, এবং তদুপরি ফেরেশতারাও তার সাহায্যকারী।
- e। যদি সে (নবী) ভোমাদেরকে ভালাক দেয় ভাহলে শীঘই ভার প্রতিপালক তাকে তোমাদের পরিবর্তে তোমাদের চেয়ে উলম লী দিবেন- যারা হবে মুসলিমা, ম'মিনা, অনুগতা, তওবাকারিনী, ইবানতকারিনী, (আল্লাহর পথে) প্ৰমণকাবিনী অকমাবী ও কমাবী।
- পরিজনকে (জাহান্রামের) আগুন থেকে বাঁচাও, যার ইন্ধন মানুষ ও পাথর, যার উপর (দায়িত্রে) রয়েছে নির্দয় ও কঠোর ফেরেশতারা, যারা আল্লাহর নির্দেশ অমান্য করে না এবং তারা তা-ই করে যা করতে আদেবাক মির্দেশ দেহা হয়।
- ৮। ৩হে যারা ঈমান এনেছ: তোমরা আন্তরের নিকট তথবা কর- বাঁটি তওবা। শীঘট তোমাদের প্রতিপালক ভোমাদের থেকে ভোমাদের পাপসমূহ মোচন করে দিবেন এবং তোমাদেরকে প্রবেশ করাবেন জানাতসমধ্যে যেগুলোর নিচে নহরসমহ প্রবাহিত যেনিল আলাহ নবীকে এবং ভার সাথে যারা উমান এফডিল ভালেরকে অপমানিত করারন না। তাদের আলো তাদের সামনে ও ভানে দৌভাতে থাকবে। তারা বলৰে 'তে আহাদেৰ প্ৰক্ৰিপানক। আহাদেৰ জন্য আহাদেৰ আলোকে পর্ণ করুন এবং আমাদেরকে ক্ষমা করুন, নিশুয় আপনি সবকিছর উপর সর্বশক্তিমান।**'**

أَنَاتُهَا - ١٢. كُنْفَأَتُهَا - ٢ بسيرالله الرَّحُمٰنِ الرَّحِيْمِ يَّأَيُّهَا إلنَّبِيُّ لِرَ تُحَرُّأُمًّا أَحَلَّ إللَّهُ لَكَ؛ تَبْتَغَيْ مَهُ مَاتَ

٧٢- سُورُاةُ التَّحْرِيْمِ - مَلَ نِيَّةٌ

أَزْوَ إَجِكَ وَ اللَّهُ غَفُوْ رَّ رَّحِيْرٌ ۞ قَدْفَ ضَ اللهُ لَكُرْ تَحَلَّةَ أَيْمَانكُرْ : وَ اللهُ مَوْلَكُرْ ، وَهُوَ الْعَلَيْرُ الْحَكَيْرُ ۞

وَ إِذْ اَسَوْ النَّبِيُّ إِلَى بَعْضِ أَرْوَاجِهِ مَدِيثَنَّا ، فَلَمَّا نَبَّأَتْ بِهِ وَ أَظْهَرَهُ اللهُ عَلَيْهِ عَرَّنَ بَعْفَهُ وَ أَعْرَضَ عَنْ بَعْض • فَلَمَّا نَبَّأَهَا بِهِ قَا لَتْ مَنْ آنْبَاكَ هٰذَا ، قَالَ نَبَّانِيَ الْعَلَيْرُ الْعَبِيرُ ۞

إِنْ تَتُوْبُّ الْ] ، اللهِ فَقَدْ مَغَتْ قُلُوْ بُكُمَاء وَ إِنْ تَظْهَرَا عَلَيْه فَانَّ الله هُوَ مَوْ لَمُ وَجِبُ يُلُ وَ مَا لَيُ الْمُؤْمِنِينَ ، وَ الْمَلْكَدُهُ بَعْنَ ذُ لِكَ ظَهِبٌ ﴿

عَسٰى رَبُّهُ إِنْ طَلَّقَكُنَّ أِن يُّبُدلَهُ ۗ أَرْوَاجًا خَيْرًا مِّنْكُنَّ مُسْلَمْتِ مُوْمني فَنتَى تَعْبِي عَبِدت سَعْضي ثَيِّبِي وْ أَبْكَارًا ۞

يَّأَيُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوا قُوٓا أَنْفُسَكُيْ وَ آهَلَيْكُيْ نَا رًّا وَّقُودُهَا النَّاسُ وَ الْحَجَارَةُ عَلَيْهَا مَلَّتُكَةٌ غَلَاظً هَدَادٌ لَّا يَعْصُونَ اللَّهُ مَّا أَمَ هُوْ وَيَفْعَلُونَ مَا يُؤْمَ وُنَ ق

كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ ﴿

> يَّا يُّهَا الَّذِيْنَ أَمَنُوا تُو بُوَّا إِلَى اللَّهِ تَوْبَةً نَّعُوْحًا عَسَى رَبُّكُمْ إَنْ يُكَفِّ عَنْكُمْ سَيَّاتِكُمْ وَ يُدْخِلَكُمْ جَنِّي تَجْيَى مَنْ تَحْتَهَا الْإِنْهُ ، يَهْ مَا لَا يُحْدِي اللهُ النَّبِيُّ وَ الَّذِينَ أَمَنُواْ مَعَمَّءُنُوْ رُهُمْ يَسْعَى بَيْنَ آيُديْهِمْ وَبِآيْمَانِهِمْ يَقُوْ لُوْنَ رَبِّنَّا أَتْهِمْ لَنَا نُوْرَنَا وَ اغْفِ لَنَا ؛ اتَّكَ عَلَى مُلَّ هَرْ } قَدِيٌّ ۞

- করোর হও। এবং তাদের আশ্রয়স্থল জাহানাম। আর কওই না নিকট সেই গ্ৰহমকলে গ
- ১০। যাবা কফরী করেছে তাদের জন্য আল্লাহ নহের জী ও শতের জীর মুষ্টার দিক্ষেন। ভারা দ'রলন হিল আয়ার বান্দাদের মধ্যে দুট সংকর্মশীল বান্দার অধীনে, কিন্তু ভারা তাদের খেয়ানত করেছিল, ফলে তারা দু'জন জ্যাদারকে জৌদারকে) আলাহর (শাস্তি) থেকে রক্ষা করতে পারেনি এবং (তাদেরকে) করা হল, 'তোমরা দ'জন প্রবেশকারীদের সাথে আওনে প্রবেশ কর।
- ১১। আর যারা ঈমান এনেতে তাদের জন্য আল্লাহ কিবআউনের স্তীব দটান্ত দিক্ষন। যথন সে বলেছিল 'তে আমার প্রতিপালক। আপনার নিকট জারাতে আহার জন্য একটি হব নির্মাণ করুন এবং ফিবআইন ও তাব (য়াদা) কর্ম থেকে আয়াকে উদ্ধাব করুন এবং আয়াকে উদ্ধাব করুন লালিম সম্পলার পোকা'-
- ১১। এবং (আবো উপমা নিজেন) উমরামের কন্যা মার্ট্যামের, যে তার লক্ষাৰান সৰ্বজিত বেগেছিল ফলে আমি ভাব মধ্যে আমাৰ কৰ্ম জীৱ বিজ্ঞাৱসমূহের সজ্জোর স্থীকৃতি দিয়েছিল এবং সে ছিল (তার 3 প্রতিপালকের প্রতি) অনগতদের অন্তর্ভক।

مَا وَلَهُمْ جَهَلَّهُ وَ بَثْسَ الْمَصِيُّ . ضَ َ اللَّهُ مَثَلًا ثُلَّاد يْنَ كَفَةً وا إمْرَ أَتَ نُوْحٍ وَّ أَمْرَ أَتَ لُوْمِا كَا نَعَا تَحْيَ عَبْدَيْنِ مِنْ عِبَادِنَا مَا لَكِنْ فَخَانَتُهُمَا فَلَأُ يُغْنِيا عَنْهُمَا مِنَ اللهُ شَيْئًا وَّقِيْلَ ادْخُلًا النَّا رَمَعَ الدَّخِلْينَ ۞

وَ ضَ َ لَا اللَّهُ مَثَلًا لَلَّذِينَ أَمَنُوا امْرَ أَتَ فَرْعَوْنَ - إِذْ قَالَتْ رَبِّ ابْنِ إِنْ عِنْدَكَ بَيْتًا فِي الْجَنَّةِ وَ نَجِّينَ مِنْ فِرْعَوْنَ وَعَمَلِهِ وَ نَجْنَى مِنَ الْقَوْمِ الظُّلميْنَ ﴿

وَمَ يَهِ ابْنَتَ عَمْرِانَ الَّتِي آهُمَنَتْ فَوْجَهَا فَنَفَخُنَا فيدمنْ 

### ৬৭ সরা আল-মলক মাঞ্জী

ा आसार ३ सन

## অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আলাহর নামে পারা-১৯

#### ১। ববরুতমুয় ভিনি যার হাতে বাহত এবং বিনি সর্বভিত্র উপর সর্বলকিয়ার-

- ২। যিনি সৃষ্টি করেছেন মত্য ও জীবন, তোমাদেরকে পরীক্ষা করার জন্য (कांचारक घरमा *क कर्मा चेका* अक किसिंह एक कांचकारी क नहि -
- ৩। যিনি সাত আকাশ সৃষ্টি করেছেন করে করে। দহাগ্রহের সৃষ্ট্রিক করি কোন অসঙ্গতি দেখতে পাবে না। অভএব ভমি (আকাশের নিকে) তাকিৰে দেখা কোন ডাঙ্গন দেখতে পাও কিং
- ৪। এরপর তমি বারবার দটি ফিরাও, সেই দটি নত ও প্রাপ্ত হয়ে ভোমার দিকে ফিবে আসবে
- ৫। এবং অবশ্যই আমি দনিয়ার আকাশকে সমজ্জিত করেছি প্রদীপমালা দ্বাবা এবং সেচলোকে করেডি শয়ভাননের প্রতি নিচ্ছেপের উপকরণ এবং তাদের জন্য প্রস্তুত করেছি ঞ্জন্ত আগুনের শান্তি
- ৬। এবং যারা তাদের প্রতিপালককে অবিশাস করেছে তাদের জন্ম রয়েছে হোটানামের শালি। আর কলট না নিকট মেট গলবাকল।
- ৭। খবন তাদেরকে এতে নিক্ষেপ করা হবে তথন তারা এর প্রস্থাস (ঋনি) হমতে পাবে যথম তা উৎলাতে থাকাব-
- b। ক্রেব্রে তা (জাহানাম) কোটে পড়ার উপক্রম হবে। যথনই ভাতে কোন দলকে মিক্ষেপ কৰা হবে জখন ডাফবাক তাৰ বন্ধীবা জিলামা কৰাৰ 'रक्षणांत्रक किसी कि त्याच प्रकारितांती जात्यकि'
- ১. ভাষা বলবে 'ঠাা অবশাই আয়াদেব নিজাই সমর্বকারী নাসভিক কিছ আমরা (তাদেরকে) মিধ্যাবাদী বলেছিলাম এবং বলেছিলাম, 'আহাত্ কিচট অবাড়ীর্ণ কবেননি ভোচবা কেবল বাম ধরানের পর্যন্তিগায় जरमात्र ।
- ১০। এবং তারা বলবে, 'যদি আমরা অনতাম অথবা অনুধাবন করতাম তাহলে আমরা জলন্ত আগুনের অধিবাসীদের অন্তর্ভক হতাম না "
- ১১। এবং তারা তাদের অপরাধ স্বীকার করবে, অতএব ঋলে ছলভ আঙনের অধিনাসীদেন করা।
  - ১১। নিশ্বয় যাবা না দোখ জাদেব প্রতিপালককে লয় করে আদেব কনা तरसाम खडा। ७ प्रशासिकातः

### ٢٤- سُرُ أُو الْعُلُاتِ مِكْنَةً ايَاتُهَا-٣٠ ركُوعَاتُهَا-٢ نسه الله الرَّحُمْن الرَّحِيْمِ

تَبَكَ الَّذِي بِيَدِهِ الْمُلْكُ، وَهُوَ عَلَى كُلِّي شَرَّا قَدِيٌّ ۗ أَنْ الَّذِيْ خَلَقَ الْمَوْتَ وَالْعَيْوِةَ لِيَبْلُوكُمْ ۚ أَيُّكُمْ ۚ أَحْسَنُ عَمَلًا ۗ وَهُوَ الْعَدِيُ الْغَفُو رُقَ

الَّذِيْ غَلَقَ سَبْعَ سَهُوتِ طَبَاقًا مَا تَرِي في غَلْق الرَّحْمُن منْ تَفْوُت وَا رُجِع الْبَصَوَ وَهَلْ تَوْى مِنْ فُطُور و

أَرُّ ارْجِع الْبَصَّ كَ " تَيْن يَنْقَلْبُ الْيْكَ الْبَصَّ خَاسِتًا وَّهُوَ

وَلَقَدُ زَيُّنَّا السُّمَّاءَ الدُّنْيَا بِمَمَانِيْ وَجَعَلْنَهَا السُّمَّاءِ وَجُومًا لْلَمُّيْطِينِ وَ أَغْتَدُنَا لَهُمْ عَذَابَ السَّعْيِ ﴿

وَللَّذِيْنَ كَفَرُوْا بِرَبِّهِرْ عَذَابُ جَهَنَّرَ -وَبَشْنَ الْمَصيُّر ﴿

اذَآ ٱلْقُوْا فِيْهَا سَمِعُوْا لَهَا شَهِيْقًا وَّهِيَ تَغُوْ رُ٥ُ تَكَادُ تَمَيُّهُ مِنَ الْغَيْطَاءُكُلُّمَّا ٱلْقِيَ فَيْهَا فَوْجُ سَاَ لَهُمْ خَزَنَتُهَآ

اَلَهُ يَأْتَكُمُ نَذَيٌّ ⊙ قَا لُوْا نَلَى قَدْ هَآءَنَا نَدِيْ ۚ فَكَذَّبْنَا وَقُلْنَا مَا نَبَّ لَ اللَّهُ مِنْ شَيْء أَنْ أَنْتُر الَّافِي مَلَل كَبير ٥

وَقَا لُوْا لَوْ كُنَّا نَسْمَعُ آوْنَعْقِلُ مَا كُنَّا فِي آَصُولِ السَّعِيْرِ @

فَاغْتَرَ فُوْا بِذَنَّهِمْ ، فَسُحُقًا لِّآصَحُبِ السَّعَيْرِ ⊚

إِنَّ الَّذِيْنِ يَخْشُوْنَ رَبَّهُمْ بِالْغَيْبِ لَهُمْ مُغْفِرَةٌ وَّأَجْرٌ

- ১৯। একা সোহবা সোহাদের কথা পাপন কর বথাবা ভা প্রকাশ কর (ভা তিনি ভানেন)। বক্ষসময়ে যা আন্তে সে সম্পর্কে নিক্তয় তিনি ভালভাবেন estree
- ১৪। যিনি সৃষ্টি করেছেন তিনি কি জানেন না. অথচ তিনিই সম্বন্ধী zóm:
- ১৫। তিনিট ভোয়াদের জন্য ব্যানকে সধ্য করে দিবেছেন সক্তরাং ভোমরা এর পথে-প্রান্তরে বিচরণ কর এবং তীর (দেয়া) রিমিক থেকে আহার কর। আর প্নজীবন ভাঁবই দিরে।
- ১৬৷ তোমবা কি নিরাপদ হয়েছে তাঁর (শান্তি) থেকে যিনি রয়েছেন আতাশে-যে, ধ্বসিয়ে দেবেদ তিনি তোমাদেরকেসহ যমীনকে, এবং যথন ভা থর থর করে কাঁপতে গাকবেঃ
- ১৭, অথবা তোমরা কি নিরাপদ হয়েছে তাঁর (শান্তি) থেকে বিনি রয়েছেন আকাশে- যে, প্রেরণ করবেন তিনি তোমাদের উপর পাথরবহনকারী প্রচন্ত ঝড়ঃ অতঃপর শীয়ই তোমরা জানতে পারবে কেমন ছিল আমার সত্ৰজীৱৰণ।
- ১৮। এবং অবশাই এদের পর্ববর্তীরাও (রামনদেরকে) থিখাবাদী বলেছিল, অক্তএর কেছন ছিল আছার শান্তি।
- ১৯। স্তারা কি তেবে দেখেনি তাদের উপরে পাখিদের প্রতি, যারা ভানা বিস্তার করে ও গুটিয়ে নেয়ঃ দয়াময়ই তালেরকে (আকাশে) ধরে রাখেন। নিশ্চয় তিনি সকল বিষয়ে পর্ণসঞ্জিবান।
- এন। সহায়েলে বাদ দিয়ে দোয়াদের এয়ন কোন বাহিনী আছে কি হাবা তোমাদেরকে সাহায্য করবেং কাফিররা তো কেবল প্রভারণার মধ্যে रायक
- ২১। এমন কে আছে, যে ভোমাদেরকে রিথিক দিবে, যদি জিনি জাঁর (দেরা) রিমিক ধরে রাখেনঃ উপরত্ত তারা অবাধ্যতা ও (সত্য) বিমুখতার অটন स्टारकः।
- ১১। যে অধ্যেমণী হয়ে পথ চলে। সে-ট কি অধিক সঠীকপথপ্ৰাপ্ত । নাকি कारत काल कारीय-कडार उन्नद त्रवास का अंतिक साथ करा
- ১৩। বল, 'তিনিই তোমানেরকে সৃষ্টি করেছেন এবং বানিয়েছেন তোমানের জন্য প্রবণশভি, দৃষ্টিশভি ও অন্তর।' তোমরা সামানাই কভলাতা গ্রকাশ কর।
- ২৪। বল, 'তিনিই পথিবীতে তোমানের বিস্তার ঘটিয়েছেন এবং তাঁরই নিকে তোমাদেরকে সমবেত করা হবে।
- ২৫। এবং তারা বলে, '(বল) কখন (বান্তবাহ্রিত হবে) এ প্রতিক্রাভি- যদি তোমরা সভাবাদী হওং

- أَلَا يَعْلَرُ مَنْ خَلَقَ ، وَهُوَ اللَّطَيْفُ الْخَبِيرُ ﴿
- هُوَ الَّذِيْ جَعَلَ لَكُرُ الْأَرْضَ ذَلُوْلًا فَامْشُوْا فِي مَنَاكِبِهَا وَكُلُوْ امِنْ رِزْقه وَ الَّيْه النَّشُوْء ﴾
- وَ آمِنْتُ مِنْ فِي السَّمَاءَ أَنْ يَخْسفَ بِكُرُ الْأَرْضَ فَاذَاهِيَ
- أَ أَمَنْتُم مُنْ فِي السَّمَاءَ أَنْ يُوسِلَ عَلَيْكُم حَاصِبًا وَسَتَعْلَمُونَ كَيْفَ نَدْيْ ﴿
- وَلَقَدُ كَذَّبَ الَّذِيْنَ مِنْ قَبْلِهِرْ فَكَيْفَ كَانَ نَكِيْرٍ ۞
- أَوْلَمْ ۚ يَـُوْا إِلَى الطَّيْبِ فَوْقَهُمْ ۖ صَفَّتِ وِّيَقْبِضَ يَرُّ مَا يُبْسِكُهُنَّ الَّا الرَّحْمٰنُ اللَّهُ بِكُلِّ شَيْ إِسْدُوْ هِ
- أمَّرْ، هٰذَا الَّذِيْ هُوَ جُنْدٌ لَّكُمْ يَنْصُرُكُمْ مِّنْ دُوْنِ البَّحْمٰنِ ، إِنِ الْكُفُ وْنَ الَّافِي عُدُورٍ ﴾
- أمَّنْ هٰذَا الَّذِيْ يَوْ زُقُكُمْ إِنْ أَمْسَكَ رِزْقَةً عِبْلُ لَّجُّوا في عُتُوّ
- أَفَهُنْ يَّهُشُيْ مُكِبًّا عَلَى وَجُهِمَ آهُلَى أَمَّنْ يَهُشَيْ سَوِيًّا عَلَى صِوَاط
- قُلْهُوَ الَّذِيُّ إَنْشَاكُمْ وَجَعَلَ لَكُرُ السَّمْعَ وَالْأَبْصَارَ وَ الْإَفْئَدَةَ وَلَيْلًامًا تَشْكُ وْنَ @
  - قُلْهُوَ الَّذِيْ ذَرَ آكُرْ فِي الْأَرْضِ وَالَّيْهِ تُحْشُرُونَ ۞
    - وَيَقُوْ لُونَ مَتْى هٰذَا الْوَعْدُ إِنْ كُنْتُرُ مَلِ قَينَ @

৬৭, সুরা আল-মূলক

পারিঃ'

একজন সম্পন্ন সতর্ককারী। ২৭। এবং তারা যখন তা নিকটে দেখতে পাবে তখন যারা কঞ্চরী করেছে

তাদের চেহারাসমূহ মদিন হয়ে যাবে এবং বলা হবে, 'এটাই তা যা তোমরা দাবী করতে।

২৮। বল, 'তোমরা ভেবে দেখেছ কি, যদি আপ্রাহ আমাকে ও আমার সাথে যাবা আতে তাদেবকে ২৫৮স কবে দেন অথবা আহাদেব প্রতি দয় করেন, তবে কাফিরদেরকে যন্ত্রগাদায়ক শাস্তি থেকে কে রক্ষা করবেঃ

২৯। বল, 'তিনিই দয়াময়, আমরা তাঁরই উপর ঈমান এনেছি এবং তাঁরই উপর ভরসা করেছি এবং দীয়াই ভোমরা ভানতে পারবে কে আছে সম্পষ্ট পথভ্ৰষ্টতায়।

قُلُ إِنَّهَا الْعَلْيُ عَنْدَ اللهِ وَإِنَّهَاۤ إِنَّا نَذَيٌّ مُّبَيْنَ ﴿

٢-سُورَةُ الْمُلْك

فَلَمًّا رَآوَهُ زُلْفَةً سَيِّئُتُ وُجُوهُ الَّذِينَ كَفَرُواْ وَقَيْلَ هٰذَا الَّذِي كُنْتُر بِهِ تَدَّعُونَ ⊛

قُلُ أَرَءَيْتُرُ إِنْ أَهْلَكَنِيَ اللَّهُ وَمَنْ مَّعِيَ أَوْرَحِمَنَا وَهَنَ يُّجِيْرُ الْكُفِرِيْنَ مِنْ عَذَابٍ ٱلِيْرِ ⊚

قُلْ هُوَ الرَّحْمٰنُ أَمَنَّا بِهِ وَعَلَيْهِ تَوَكَّلْنَا وَفَسَتَعْلَمُوْنَ مَنْ هُوَ فِي مَلْلِ مَّبِيْنِ ⊛

قُلُ ٱرَءَيْتُمْ إِنَ ٱصْبَعَ مَا وُكُمْ غَوْرًا فَمَنْ يَا تَيْكُمْ بِمَاءً عَلَيْ السَّالِحِينَ ا বাইরে) চলে যায়, তাহলে কে তোমাদেরকে এনে দেবে প্রবাহমান مّعيْنِ 🗟

# ৬৮. সূরা আল-কালাম, মান্তী ৫২ আলাত, ২ কব্ ত অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহ্র নামে

- ১। নন, কসম কলমের এবং যা তারা (ফেরেশতারা) দিপিবদ্ধ করে ভার-
- ২। তোমার প্রতিপালকের নেয়ামতে ভূমি পাগল নও,
  - ত। এবং নিক্ষয় ভোমার জন্য অবশাই বরেছে অফরত প্রতিদান
- ৪। এবং নিশ্চয় তুমি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।
  - ৫ সূতরাং শীমই ভূমি দেখবে এবং তারাও দেখবে -
  - ৬। তোমাদের মধ্যে কে বিকারগ্রন্ত।
  - ৭। নিক্রয় তোমার প্রতিগালকই সবচেয়ে বেশি জানেন কে তাঁর পথ হতে বিহ্যুত হয়েছে এবং তিনি সঠিকপথপ্রাপ্তদের সম্পর্কেও সবচেয়ে বেশি জানেন।
  - ৮। সুতরাং ভূমি মিখ্যা অভিহিতকারীদের আনগত্য করো না।
  - ৯। তারা চার, যদি তুমি দমনীর হও তবে তারাও নমনীয় হবে।
  - ১০। এবং আনুগত্য করে। না প্রত্যেক এমন ব্যাক্তির যে বেশি বেশি কসমকারী, হীন-
  - ১১। মিন্দাকারী, যে একের কথা অপরের নিকট গাগিয়ে বেড়ায়<sup>\*</sup>-
  - ১২। কল্যাণের কাজে বাধা দানকারী, সীমালক্ষনকারী , পাপিষ্ঠ
  - ১৩। বদমেজাজী, তদুপরি জারজ-
  - ১৪। এ জন্য যে, সে ধন-সম্পদ ও সন্তান-সন্ততির অধিকারী।
  - ১৫। হখন তার নিকট আমার আয়াতসমূহ পাঠ করা হয় তথন সে বলে, '(এওলো) পূর্ববর্তীদের উপকথা।'
  - ১৬। শীঘ্ৰই আমি তার ওঁড় (নাক) দাগিয়ে দেব।
- ১৭। নিকর আমি তাদেরকে (মঞ্চাবাদীদেরকে) পরীক্ষায় ফেলেছি, বেমন পরীকায় ফেলেছিলাম বাগানভালাদেরকে ফখন তরা কমন করেছিল মে, অবশাই অবশাই ভারা প্রভাতে তা (অর্থাৎ বাগানের ফমল) কর্তন করবে-দি চিহিত ক্লাকে দীক্ষা দ্বানা ম: আয়াত দং অনুসত্তে তরজানার কেবে দেখুল

- ۲۸-مُرُوَّةُ الْفَلْوِ حِكْمِيَّةً ابَانْهَا-١٥،رَكُوْمَانْهَا ٢٠ دِسْمِو اللهِ الرَّحْمُونِ الرَّحِيْمِ
  - نَ وَالْقَلَرِ وَمَا يَشْطُرُونَ ۞ مَا آنَتَ بِنعْمَتِ رَبِّكَ بِمَجْنُونِ ۞
    - له التي يَبِيمِي رَبِت بِمَجُونٍ فِي وَإِنَّ لَكَ لَآجُرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ فَ
      - - فَسَتُبْمِرُ وَيُبْمِرُونَ ۞ بِاَنيِّكُرُ الْمَفْتُونُ ۞
- اِنَّ رَبَّكَ هُوَ آعَلَى بِمَنْ ضَلَّ عَنْ سَبِيْلِهِ مِوَّهُوَ آعَلَى بِالْهُهُمْدِيْنَ ۞
  - فَلَا تُطِعِ الْمُكَذِّ بِيْنَ ۞ وَدُّوْا لَوْ تُدْهِنُ فَيُدْ هِنُوْنَ ۞
  - وَلَا تُطِعْ كُلُّ حَلَّانٍ مُّهِيْنٍ ﴿
    - هَبَّا زِمُّشَّآءٍ بِنَبِيْرٍ ۞
    - مُنَّاعِ لِلْخَيْرِ مُعْتَدِ اَلِيْرِ أَهُ عُتُلِّ بَعْدَ ذٰلِكَ زَنِيْرٍ أَهُ
  - أَنْ كَانَ ذَامَا لِ وَّبَنِيْنَ ﴿
  - إِذَا تُتْلَى عَلَيْهِ إِيْتُنَا قَالَ أَسَاطِيْرُ الْآوَّلِيْنَ ۞
- سَنسِمُهُ عَى الْخُرْطُورُ ۞ إِنَّا بَلُولُهُرُ كُمَّا بَلُولَنَّا أَصْحُبَ الْجَنَّةِ ۚ إِذْ أَفْسَمُواْ لَيَمْرِمُنَّهَا

৮. সুরা আল-কুালাম শা	٧-سُوْرَةُ الْقَلْمِ ١٠-٥٤
১৮। এবং তারা ব্যক্তিক্রম করবে না।	وَلاَ يَسْتَقْنُونَ ⊛
১৯। অতঃপর তোমার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে এর (অর্থাৎ বাগানের) উপর এক বিপর্যয় হানা দিল, যখন তারা ছিল ঘমার।	فَطَانَ عَلَيْهَا طَآنِفٌ مِّنْ رَبِّكَ وَهُرْ نَآثِهُونَ @
২০। ফলে তা কর্তিত ফসলের মত হয়ে গেল-	فَآمْبَعَتْ كَالصِّرِيْرِ ﴿
২১। আর তারা প্রভাতে একে অপরকে ভেকে বলেছিল-	فَتَنَادَوْا مُصْبِحِيْنَ ﴾
২২৷ 'যদি তোমরা ফলল কর্তনকারী ২ও তবে সকাল সকাল তোমাদের ক্ষেত্রে চলঃ'	آنِ اغْدُوْا غَلِ مَرْفِكُرْ إِنْ كُنْتُرْ صُرِمِيْنَ ۞
২৩। সূতরাং তারা চলতে লাগল মীচু স্বরে কথা বলতে বলতে-	فَانْطَلَقُوْا وَهُرْ يَتَخَافَتُوْنَ ﴾
২৪ যে, 'আজ সেখানে ভোমাদের নিকট অবশ্যই বেন কোন মিসকিন (অভাব্যন্ত) প্রবেশ না করে'-	أَنْ لَّا يَدْخُلَنَّهَا الْيَوْ } عَلَيْكُرْ وَسُكِينًا ﴿
২৫। এবং তারা নিবৃত্ত করতে সক্ষম হবে তেবেই সকাল সকাল গিয়েছিল।	وَّغَدَوْا غَلَ حَرْدٍ فَدِ رِيْنَ ﴿
২৬৷ অতঃপর যখন তারা তা (অর্থাৎ বাগানের অবস্থা) দেখল তখন বলল, নিশুয় আমরা অবশ্যই পথমন্ত্র-	هَٰنَهُا رَآوُهَا قَا لُوا إِنَّا لَفَآ لُونَ ﴿
২৭। উপরস্তু আমরা বঞ্চিত।'	بَلْ نَحْنُ مَحْرُوْمُونَ ⊛
২৮। তাদের মধ্যপদ্ধী ব্যক্তিটি বলল, 'আমি কি তোমাদেরকে বলিনি, তোমরা আল্লাহর পরিত্রতা ঘোষণা কর না কেনঃ'	قَالَ أَوْسَطُهُمْ ٱلَمْ ٱقَلْ لَّكُمْ لَوْ لَا تُسَبِّحُوْنَ ⊕
২৯। তারা বলদ, 'পবিত্র আহাদের প্রতিপালক, নিচর আমরা ছিলাম জালিম।'	قَا لُوْ اسْبُحٰنَ رَبِّنَآ إِنَّا كُنَّا ظُلِمِيْنَ @
৩০। এবং তারা একে অপরের সামনা সামনি হয়ে তিরছার করতে লাগল।	فَأَقْبَلَ بَعْضُمُ مَلَ بَعْضٍ يَّتَلَاوَمُوْنَ ۞
৩১। তারা বলল, 'হায় দুর্কোপ আমাদের। নিশ্বর আমরা ছিলাম সীমাধ্যমনকারী।	قَا لُوْا يُوَيْلَنَآ إِنَّا كُنَّا طُفِيْنَ ۞ `
৩২। আশা করা যায়, আমাদের প্রতিপালক আমাদেরকে তার চেয়ে উত্তম বিনিময় দিবেন, দিকয় আমরা আমাদের প্রতিপালকের প্রতি গ্রভ্যান্দী।'	عَسٰى رَبُّنَآ أَنْ يُّبُدِلَنَا خَيْرًا مِّنْهَآ إِنَّاۤ إِلَى رَبِّنَا رَغِبُوْنَ ﴿
৩৩। শান্তি এমনই হয়ে থাকে। এবং অবশাই আবিরাভের শান্তি কঠিনতর-	
যদি তারা জানত। ৩৪। নিশ্বয় মুবাকীদের জন্য তাদের প্রতিশালকের নিকট নেয়ামতপূর্ব	إِنَّ لِلْمُتَّقِيْنَ عِنْدَ رَبِّهِرْ جَنَّبِ النَّعِيْرِ @
জান্নাতসমূহ রয়েছে।	أَفَنَجُعَلُ الْمُسْلَمِينَ كَا لَمُجْ مِيْنَ ﴿
৩৫। আমি কি মুসলিমদেরকে অপরাধীদের মত গণ্য করবঃ	مَا لَكُرْ ﴿ كَيْفَ تَحْكُبُونَ ﴾
৩৬৷ ভোষাদের কী হয়েছে, ভোষরা কেমন বিচার করছঃ	اَمْ لَكُورُ كُتْبُ فَيْهُ تَدُرُسُونَ ﴾
৩৭। ভৌমাদের জন্য কি কোন কিতাব আছে যা ভোমরা অধ্যয়ন কর-	ا الحر دِتبِ فِيهِ للدرسون ⊕

ক্ষা জোয়াদের জন্য কি আয়ার সাথে কিয়ায়তের দিন পর্বন্ত বলবং (এমন কোন) অঙ্গীকার রয়েছে যে, তোমাদের জন্য তা-ই রয়েছে বা তোমরা বিচার ব্রবচ্চ

أَ ٱلكُرْ آيْمَانٌ عَلَيْنَا بَالغَدِّ إلى يَوْمَ الْقيمَة وانَّ لَكُرْ لَمَا تَحْكُمُونَ ۗ

৪০। তমি তাদেরকে ভিজ্ঞেস কর তাদের মধ্যে এর (অর্থাৎ এ দাবীর) विकारणामानकाती (क्र ৪১। নাকি ভালের জন্য আছে কোন শরীকঃ থাকলে ভারা তাদের سَلْهُمْ أَيُّهُمْ بِذُلِكَ زَعِيْ ۚ خُ

শরীকদেরকে উপস্থিত করুক-যদি তারা সতবোদী হয়।

أَا الهُر شُرَكَاء عَلْيَاتُوا بشركاً ثور الله عَلَيْ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ يَوْ ٱ يُكْمَفُ عَنْ سَاقٍ وَّ يُدْعَوْنَ إِلَى | لسُّجُود فَلا يَسْتَطِيْعُونَ ﴿

৪২। যেদিন পায়ের গোছা উন্মোচন করা হবে (অর্থাৎ প্রকত সত্য প্রকাশিত হবে) এবং ভাদেরকে আহবান করা হবে সিজদা করার জন্য, কিন্তু তারা সক্ষম কৰে না-৪৩। তাদের দট্টি হবে অবনত, অপমান তাদেরকে আক্ষ্য করবে, অর্থচ তাদেরকে সিজ্ঞদা করতে আহ্বান করা হত, যখন ভারা ছিল সম্ভ।

غَاشعَةً أَبْمَا رُهُرْ تَوْهَقُهُرْ دِلَّةً وَقَدْ كَانُوْا يُدْعَوْنَ إِلَى السَّجُوْد وَهُرْ سلمُوْنَ @ فَذَ رَنْيُ وَمَنْ يُكَدِّبُ بِهٰذَا الْحَدَيْفِ سَنَسْتَدُ رِجُهُرْ مَّنْ حَيْثُ

৪৪: সুতরাং ছেভে দাও আমাকে এবং যারা এ কথাকে (কুরআনকে) মিখ্যা অভিনিত্ত করে কালেকক। শীয়াই আহি ভাগেকক পর্যায়ক্রমে এমনভাবে ধৰৰ যে ভাৰা আনতেও পাবৰে না-

وَأَمْلَىٰ لَهُرْ ، إِنَّ كَيْدِيْ مَتْيْنٌ ﴿

لَا يَعْلَمُونَ ﴿

৪৫। এবং আমি ভাদেরকে অবকাশ দিছি। নিকন্ন আমার কৌশল অভান্ত भागा । ৪৬। তবে কি ভূমি তাদের নিকট প্রতিদান চাও, ফলে তারা ঋণের ভাত্তে

أَا تَشْتَلُهُ ﴿ أَجُرًّا فَهُرْ مَّنْ مَّهُ ۖ ] مُّثْقَلُونَ ﴿ أَا عَنْدُهُ الْغَيْبُ فَهُمْ يَكْتُبُونَ ﴿

कर्मित्र १ ৪৭। নাকি ডানের কাছে আছে অদশ্য (এর আন), ভাই তারা লিখছে<del>।</del>

> فَاشْبُ لَعُكُر رَبُّكَ وَلَا تَكُنْ كَمَامِبِ الْحُوْتِ مِإِذْ نَادًى وهُو مَحْظُومٌ ا

৪৮। অতএব তমি ধৈর্যধারণ কর তোমার প্রতিপালকের হুরুমের (ফরসালার) कमा এवर प्राष्ट्रश्यालाह प्रक (व्यटेश्य) रह्या मा यदन हम मुक्त्रवंजाताकाल অবস্থায় তার প্রতিপাদককে ভেকেছিল।

لَوْ لَا أَنْ تَدْرِكَهُ نِعْمَةٌ مِّنْ رَبِّهِ لَنُبدَ بِالْعَرَّاءِ وَهُوَ مَدَّمُومٌ ﴿ ۞

৪৯। হলি তার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে তার নিকট নেয়ামত না পৌছত সাহাল ক্রমাই আরে নিন্দিত ক্রমায় উন্ত প্রাক্তরে নিক্ষেপ করা হত ৷

فَاجْتَبِهُ رَبُّهُ فَجَعَلَهُ مِنَ | لَقُلْدِينَ ⊛

eo। জতঃপর ভার প্রতিপালক তাকে মনোনীত করণেন এবং তাকে সংকর্মশীলদের অন্তর্ভক করলেন।

وَانْ يَّكَادُ الَّذِيْنَ كَفَرُّواْ لَيُزْ لِقُوْنَكَ بِأَبْصَا رِهِرْ لَمَّا سَمِعُوا

৫১। আরু যারা কফরী করেছে তারা যথন উপদেশ (কুরআন) ধারণ করে জধন হলে হয় যেন ভারা ভাদের (ভীক্স) দটি ঘারা অবশ্যই ভোমাকে ছুঁড়ে ফেলবে এবং বলে, 'নিকর সে অবশ্যই পাগল।'

الذُّكْرُ وَيَقُوْ لُوْنَ النَّهُ لَهَجُنُونٌ ﴿ وَمَا هُوَ الَّاذِكُ لِلْعُلَمِينَ فُ

৫২। অধচ এটি (কুরআন) জগৎসমূহের জন্য উপদেশ হড়ো আর কিছু নয়। 🚉

### ৬৯-সরা হাককা - মার্কী ৫২ আয়াত, ২ কক্ মসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আরাহর নামে

১। জনিবার্য সভ্য-১। কী সেই অনিবার্য সত্যং

৪। চামদ ও আদ মিধ্যা বলেডিল মহাপ্রলয়ক।

ত। আর কিলে তোমাকে জানাবে সেই অনিবার্য সভ্যটি কীঃ

৫। সতরাং ছামদ- তাদেরকে ধাংস করা হয়েছিল বল্লখনি ছারা।

এ। আৰু আন- ভাদেৰকে প্ৰথম কৰা চাষ্ট্ৰিল প্ৰচন্ত বাদ্যা চাৰ্যা ছাৰা-

৭। যা তিনি তাদের উপর প্রবাহিত করেছিলেন সাত রাত ও আট নিন বিরামহীনভাবে, তখন তুমি (সেখায় থাকলে) সেই সম্প্রদায়কে দেখতে পেতে তারা সেখানে পত্তে আছে ধরাশারী অবস্থায়, যেন তারা পতিত খেলুর গাছের কান্ত,

b। সন্তরাং ভাদের কাউকে ভূমি অবশিষ্ট দেখতে গাও কিং

৯। আর ফিরআউন ও তার পূর্ববর্তীরা এবং উপ্টে দেয়া জনপদসমূহ অপরাধে লিঙ ছিল.

১০। এবং ভারা তাদের প্রতিপালকের রাস্ত্রতে অমান্য করেছিল, ফলে তিনি ভাদেরকে পাকভাও করলেন অভান্ত কঠোরভাবে। ১১। হার্যন পানি সীয়া মাজিয়ে গেল তথন নিক্ষয় আয়ি কোয়াদেরকে আরোচণ

করিয়েছিলাম নৌযাসন-১১। যাতে আমি তা তোমাদের জন্য বানাতে পারি একটি স্মারক এবং যাতে

সংবক্ষণকাৰী কান তা সংবক্ষণ কৰতে পাৰে। ১৩। এবং যথন শিক্ষায় ফংকার দেয়া হবে, একটি মাত্র ফংকার-

১৪। এবং যমীন ও পর্বতমালকে উঠানো হবে এবং উভয়কে এক ধারায সমুদ্দল করা হার-

১৫ : সেদিন সংঘটিত হবে মহা ঘটনা-

১৬। এবং আকাশ ফেটে যাবে, অতঃপর তা সেদিন বিক্ষিপ্ত হয়ে পড়বে-

১৭। এবং ফেরেশতারা তার (অর্থাৎ আকাশের) প্রান্তে থাকবে এবং সেদিন অটজন (ফেরেশতা) তোমার প্রতিপালকের 'আরশ'কে তানের উপর বহন করবে।

٢٩-سُورُةُ الْمَأَتَّة-مَكِّنَةُ ايَاتُهَا - ٥٢ ، رُكُوعَا تُهَا - ٣ بسُم الله الرَّحُمٰن الرَّحِيْمِ

الْمَاقَةُ هُ 8 2 DIG

وَمَا آدُرُ لِكَ مَا الْحَاقَّةُ هُ كَذَّبَتْ تُمُوْدُ وَعَادٌّ بِالْقَارِعَةِ ۞

> فَأَمًّا ثُمُوْدُ فَأَهْلِكُوْ إِبِا لِطَّاعَيَة ۞ وَأَمًّا عَادٌ فَأَهْلِكُوا بِرِيْمِ مَرْمَرٍ عَاتِيَةٍ أَ

سَخَّرَهَا عَلَيْهِرْ سَبْعَ لَيَا لِ وَّتُمْنِيَّةَ أَيًّا } وحُسُومًا و فَتَوَى الْقَوْمَ فَيْهَا مَوْعَى ۚ كَأَنَّهُمْ أَعْجَا زُنَكُل خَاوِيَة أَ فَهَلْ تَرْى لَهُرْ مِّنْ أَبَاقيَة ⊙

وَجَآءَ فِي عَوْنُ وَمَنْ قَبْلَهُ وَ إِلْهُوْ تَعْكُتُ بِالْخَاطَئَة أَ فَعَمُوا رَسُولَ رَبُّهِمْ فَأَخَذَهُمْ آغُذَةٌ رَّابِيَّةٌ ۞

انَّا لَمَّا طَغَا الْمَاءُ حَمَلْنُكُرْ فِي الْجَارِيَةِ أَهُ لنَجْعَلَهَا لَكُرْ تَلْكَرَةً وَّتَعَيَّهَا أَذُنَّ وَّاعَيّةً ۞ فَاذَا نُفنَوِ فِي الصُّور نَفْخَةٌ وَّاحِدَةٌ ﴿

وَّمُهِلَتِ الْأَرْضُ وَالْهِبَالُ فَدُكَّتَا دَكَّةٌ وَّاحَدَةٌ ۞ فَيَوْمَثِذِ وَّقَعَتِ الْوَاقِعَةُ ١

وَ إِنْشَقَّتِ السَّمَاءُ فَهِيَ يَوْمَئِذُ وَّ اهْيَةً ﴿

১৮। সেদিন তোমাদেরকে উপস্থিত করা হবে, তোমাদের কোন গোপনই গোপন থাকবে না।
১৯। এবং যাকে ভার কিতাব (আম্পন্যমা) তার তান হাতে দেয়া হবে. সে

বলবে, 'নাও, আমার কিতাব (আমলনামা) গড়ে দেখ,

২০। নিকন্ন আমি মনে করতাম যে, আমাকে আমার হিসাবের সমুখীন বডে

হবে'.

২১। সূতরাং সে সম্ভুষ্ট জীবন যাপন করবে-

১১। সউচ্চ ভানাতে-

২৩। এর ফল-মল থাকবে নাগালের মধ্যে।

২৪। (তাদেরকে বলা হবে) 'তোমরা আহার কর ও পান কর তৃত্তির সাথে, তোমবা জতীত দিনপ্রলোতে যা করেছিলে তার বিনিময়ে।'

২৫। কিন্তু যাকে তার কিতাব (আমলনামা) তার বাম হাতে দেরা হবে, সে বলবে, 'হায়, আমাকে যদি আমার কিতাব (আমলনামা) না দেয়া হত।

১৯। এবং আমি যদি না ভানভায় আয়াব বিদাব কি।

২৭। হায়, তা-ই (মৃত্যুই) যদি হত চূড়ান্ত (পরিণতি)।

২৮। আমার ধন-সম্পদ আমার কাজে আসল না,

২৯। আমার ক্ষমতাও নিঃশেষ হয়েছে,

৩০। (কেরেশতাদেরকে বলা হবে) 'ডাকে ধর এবং তাকে (গলায়) বেড়ি পরিয়ে দাও-

৩১। এরপর ভাকে তীর আঞ্চনে নিক্ষেপ কর-

৩২। এরপর ভাবে শৃহবদিত কর সত্তর হাত দীর্ঘ এক শিকলে'। -

৩৩। দিশুর সে মহান আল্লাহ্র প্রতি ঈমান রাখত না-

৩৪। এবং মিসকীনকে (অভাব্যান্তকে) খাদ্যদানে উৎসাহিত করতো না।

৩৫। অতএব এখানে আছ তার জন্য কোন অন্তরঙ্গ বন্ধু নেই-

৩৬। এবং ক্ষত নিঃসৃত পুঁজ ছাড়া কোন খাদ্য নেই-

৩৭। অপরাধীরা ছাড়া কেউ তা খায় না।

يَوْمَعْدِ تُغَرِّمُونَ لَا تَشْفَى مِنْكُرْ خَافِيَةً ۞ فَأَمَّا مَنْ أُرْفِيَ كِنْمَهُ بِيمِيْدِهِ، فَيَعُولُ هَافَّا ٱلْخَرَّمُوا كِتْمِينَهُ۞ إِنْ مُنْ مَنْ أُرْفِيَ كِنْمَهُ بِيمِيْدِهِ، فَيَعُولُ هَافَّا ٱلْخَرَّمُوا كِتْمِينَهُ۞

اِنِّيْ ظَنَنُ ٱنِّيْ مُلْقِ حِسَابِيمَ ۞ إِنِّيْ ظَنَنُ ٱنِّيْ مُلْقِ حِسَابِيمَ ۞ فَهُوَ فِي عِيْفَةِ رَاْفِيدَ ۞

يْ جَدِّةِ عَا لِيَةٍ ﴿ تَعُوْفَهَا دَانِيَةٌ ۞ كُلُوْرا وَاهْرَبُواْ هَدِيَّوًا بِنَمْ آشَلَتُهُرْ يِي الْآيَّا) الْعَا لِيَّةِ ۞

وَآمًّا مَنْ أُوْنِىَ كِتْبَهُ بِشِمَا لِمِهُ فَيَقُوْلُ لِلَّيْتَنِيْ لَــُرْ أَوْتَ كِتْبِيَهُ فَ وَلَــُ آذر مَا حَسَابِيَهُ فَي

> بلَّيْتَهَا كَانَتِ الْقَاهِيَّةَ ﴾ مَّ آغْنَى عَبِّى مَا لِيَهُ ﴾ مَلَكَ عَبِّى سُلُطْنِيمُ ﴾

غُكُرُهُ قَقُلُوْهُ فَ تُرِّ الْجَحِيْرَ صَلَّوْهُ ۞ تُرِّ فِيْ سِلْسِلَةِ ذَرْعُهَا سَبْعُونَ دِرَاعًا فَاسْلَكُوْهُ ۞

> إِنَّهُ كَانَ لَايُؤْمِنُ بِاللهِ الْعَظِيْرِ ۞ وَلَا يَحُضُّ عَلَى طَعَامِ الْمِسْكِيْنِ ۞ فَلَيْسَ لَهُ الْيُوَّا هُهُنَا حَمْيُرٌ ۞

> > وَّلَا طَعَامٌ إِلَّامِنْ غِسْلِيْنٍ ۞ لَّا يَاكُلُمُ ۚ إِلَّا إِلَّا الْخَاطِئُونَ ۞

## ৭০. সূরা আল-মা'আরিজ, মাজী ৪৪ খারাত, ২ রুক্ অসীম দুয়াময় ও পুরুম দুয়ালু আল্লাহর নামে

এক প্রশ্নকারী প্রশ্ন করল নেই শান্তি সম্পর্কে বা সংঘটিত হবে-

বাক প্রশ্নকারা মগ্র করণ সেহ শান্ত সম্প্রকে বা সংঘাদ

কাফিরদের জন্য, যার কোন প্রতিরোধকারী নেই থা সংগটিত হবে) আলাহর পক্ষ থেকে. যিনি (উর্কাশমনের)

সিন্টিসমূহের অধিকারী। ৪। ক্ষেত্রেশন্তারা এবং মহ (জিবরাঈল) তাঁর (আল্লাহ্র) দিকে উর্ম্বাসমী হবে এমন এক দিনের মধ্যে যার পরিমাণ (পার্মিব) পর্যাশ হাজার

বছর।

৫। সতরাং তমি সুন্দরভাবে ধৈর্য ধারণ কর

৬ মিশ্চর তরো দেখছে তা দূরবর্তী-

৭। আর আমি দেখছি তা নিকটবর্তী।

৮। যেদিন আকাশ হবে ফুটন্ত তেলের মত-

৯। এবং পর্বতসমূহ হবে ধুনিত পশমের মত-

১০। এবং এক অন্তরঙ্গ বন্ধু আরেক অন্তরঙ্গ বন্ধুকে জিল্লাসাও করবে না.

১১। তাদেরকে (একে অপরের) দৃষ্টিপোচর করা হবে। অপরাধী দেনিন কামনা করবে যদি সে শান্তি থেকে মুক্তি লাক করকে পারত তার সন্তান-সম্ভাতির বিনিয়রে।

১১। এবং তার স্ত্রী ও ভাইবের বিনিমবে-

১৩। এবং তার জ্ঞাতি-গোষ্ঠীর বিনিমরে, যারা তাকে আশ্রয় দিত-

১৪। এবং পৃথিবীর সকলের বিনিময়ে, এরপর ডা (অর্থাৎ এসব মুক্তিপণ) তাকে মৃক্তি দিতে পারত-

. ১৫। কক্ষনো না: নিক্ষয় তা লেলিহান অধিশিখা-

১৬। যা চামভা খসিয়ে দিবে-

১৭। তা (লেখিহান অগ্নিশিখা) তাকে ভাকবে, যে (সভাকে) পৃষ্ঠ প্রদর্শন করেছে ও মুখ ফিরিয়ে নিয়েছে- ٥٠-سُورُةُ الْبَعَارِجِ-مَكِينَّةُ أَنَّهُمُّا اِبَاتَهَا-٢٠رُومَاتَهَا-٢ بِسُوراللهِ الرَّحْمُنِ الرَّحِيْدِ

دِسُمِ اللهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ سَالَ سَآئِلُ ابِعَدَابٍ رَّاتِمِ أَن

لِّلْكُفِرِيْنَ لَيْسَ لَهُ دَافِعٌ ۞

مِّنَ اللهِ دِي الْمَعَارِجِ ۞ تَعُوُّجُ الْمَلَّئِكَةُ وَالرُّقُ لِلَّهِ فِي يَوْمٍ كَانَ مِثْدَارِةٌ خَمْسِيْنَ

ٱلْفَ سَنَةِ أَ فَاصْبُرْ صَبُّ إِجَمِيْلًا ۞

> ٳڶٞڡؙؙؙؙؙڕۛؽۘۯٛڎؙۮۜؠؘۼؚؽڎۜٳ۞ ۊؙؖۏؙؚٮڎۘۊؘ؞ؽؠۜٵؿ

يَوْاَ تَكُوْنُ السَّمَّاءُ كَالْمُهْلِ ۞ وَتَكُوْنُ الْجِبَالُ كَالْعِهْنِ ۞

ۘٷؙڵٳؽۜۺڠؙڷؙؙڡٙڡؚؽۛڒۜڝٙۑؽۜؠؖٵٷ ؿؙؠڡڔڎٛۿۯ؞ؠؘۅڎؙٵڵؙۿڿؠٵڷۅٛؠؙڴؾٙڽؽۛ؈ٛۼۮؘڶؠؽۜۅ۫ڡڟۮڔڽڹؽۿ۞

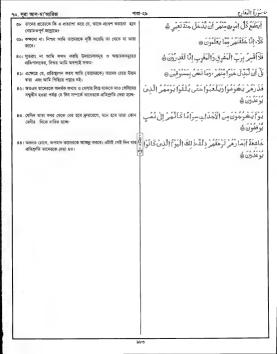
> وَصَاحِبَتِهِ وَآخِيْهِ ۞ وَفَصِلَتِهِ الَّتِيْ تُتُولِيْهِ ۞

وَمَنْ فِي الْأَرْضِ جَمِيْعًا وَتُرَّ يُنْجِيْهِ أَهُ كَلَّ وَانَّهَا لَظٰي أَهُ

> نَزَّاعَةً لِّلقَّوٰى ﴾ تَدُعُوْا مَنْ اَدْبَ وَتَوَلَّى ۞

26.7

৭০. সূরা আল-মা'আরিজ প	ه.نـُورَةُ الْمَعَانِع
১৮। এবং (সম্পদ) জমা করেছে ও কুঞ্চিগত করে রেখেছে।	وَجَمَعَ فَأَوْغَى ⊛
১৯। নিশ্চয় মানুষকে সৃষ্টি করা হয়েছে বড়ই অদ্বিরচিত্ররপে-	إِنَّ الْإِنْسَانَ خُلِقَ هَلُوْعًا ۞
২০। যধন অকল্যাণ তাকে স্পর্শ করে তথন সে বিচলিত হয়ে পড়ে-	إِذَا مَسَّهُ الشَّرُّ جَزُوعًا ﴾
২১। আর যথম কল্যাণ তাকে স্পর্শ করে তথম সে হয়ে পড়ে অতি কৃপণ-	وَّاِذَا مَسَّهُ الْحَيْرُ مَنُوعًا ﴿
২২। মুসন্থীরা (সালাত আদায়কারীরা) ছাড়া-	إِلَّا الْمُعَلِّينَ ۞
২০। যারা তাদের সালাতে (নামাযে) সদা তৎপর-	الَّذِيْنَ هُرْ عَلَى مَلَاتِهِمْ وَآلِمُونَ ﴾
২৪। এবং যাদের ধন-সম্পদে রয়েছে নির্ধারিত অধিকার-	وَالَّذِيْنَ فِيٓ أَمُوا لِهِرْ حَقَّ مَعْلُوا ۗ ٥
২৫। সাহাব্যপ্রার্থী ও বঞ্চিতের হুল্য-	لِّلسَّآفِلِ وَ الْمَحْرُورَا ﴾
২৬। এবং যারা বিচার দিনকে সভ্য বলে বিদ্বাস করে-	وَالَّذِيْنَ يُمَدِّقُونَ بِيَوْرِ الدِّيْنِ ﴾
২৭। এবং যারা তাদের প্রতিপাদকের শান্তি সম্পর্কে ভীত-শহিত,	وَالَّذِينَ هُرْ مِّنْ عَذَابِ رَبِّهِرْ مُشْفِقُونَ ﴿
২৮। নিশ্বর ডাসের প্রতিপালকের শান্তি (থেকে কেউ) নিরাপন নয় <sup>*</sup> ।	إِنَّ عَذَابَ رَبِّهِمْ غَيْرُ مَأْمُونٍ ﴿
২৯। এবং যারা তাদের লজ্জাস্কানের হেফাজতকারী-	وَالَّذِيْنَ هُرْ لِفُرُوْجِمِرْ حَفِظُوْنَ ۞
৩০। তাদের স্ত্রী অথবা তাদের ভান হাত যা মালিক হরেছে তা (দাসী) ছাড়া	إِلَّا كُنَّ ٱلْرُوَاجِهِرُ ٱوْمَا مَلَكَتْ ٱيْمَانُهُرْ فَإِنَّهُرْ غَيْرُ مَلُوْمِينَ ٥
কারণ (তখন) নিশ্চয় তারা তিরকৃত হবে না, ত১। তবে যারা এহাড়া অন্যকে গোঁজ করবে তারাই হবে নীমালক্ষনকারী,	فَهَنِ الْبَتَغَى وَرَآءَ ذَٰ لِكَ فَأُولَئِكَ هُرُ الْعُدُونَ ﴿
৩২। এবং যারা ডালের আমানত ও প্রতিশ্রুতি রক্ষা করে-	وَالَّذِينَ هُرْ لِأَمْنَتِهِرْ وَعَهْدِهِرْ رَعُونَ ٥
৩৩। এবং যারা ডাদের সাক্ষ্যদানে অটল-	رَ الَّذِيْنَ هُرْ بِهَ لِمُدْتِهِرْ قَالِبُمُونَ ﴾
৩৪। এবং যারা ভাদের সালাভের (নামাধের) হেকাজত করে	وَالَّدِينَ هُرَيْ مَلَاهِمْ يُعَافِظُونَ ﴿
৩৫। তারাই জান্লাভসমূহে সম্বানিত হবে।	ٱولَيْكَ فِي مَنْدٍ مُحْرَمُونَ اللهِ
৩৬৷ অতএব কাফিরদের কি হল যে, তারা (বিদ্রুপভাবাপন্ন হয়ে) তোমা:	فَهَا لِ الَّذِيْنَ كَفَرُواْ قِبَلَكَ مُهْطِعِيْنَ ۗ
দিকে দৌড়ে আসছে- ৩৭। ভান ও বাম দিক থেকে, দলে সংগ <sup>*</sup> ঃ	عَنِ الْيَمِيْنِ وَعَنِ الشِّمَالِ عِزِيْنَ ۞
★ চিহিত ছানের টীকা সরা নং : আয়াত নং অনুনারে বরজমার শেবে নেখন	3003



### ৭১. স্রান্হ, মা**জী** ২৮ আয়ত, ২ কক্

অসীম দয়াময় ও প্রম দয়াল আল্লাহর নামে

- নিকয় আমি নৃত্কে প্রেরণ করেছিলাম তার সম্প্রদায়ের প্রতি (এ নির্দেশ দিয়ে) যে, ভূমি ভোমার সম্প্রদায়কে সতর্ক কর তাদের নিকট মন্ত্রণাদায়ক শান্তি আসার পর্বে।
- ২। সে বলেছিল, 'হে আমার সম্প্রদার। নিশ্চর আমি তোমাদের জন্য এক সম্পন্ত সতর্ককারী-
- ৩। (এ বিষয়ে) যে, তোমরা আল্লাহ্র ইবাদত কর ও তাঁকে ভয় কর এবং আমার আনগতা কর-
- ৫। সে বলেছিল, 'হে আমার প্রতিপাদক! দিওর আমি আমার সম্প্রদায়কে রাতে ও দিনে আহ্বান করেছি-
- ৬। কিন্তু আমার আহবান ভাদের গলায়ন প্রবগতাই বৃদ্ধি করেছে।
- ৭। এবং নিকয় আমি যখনই তাদেরকে আহনান করেছি যাতে আপনি ভালেককে ক্ষমা করেন তথন তারা তাদের কানে আবুল নিয়েছে, নিজেদেরকে বস্ত্রাতৃত করেছে ও (পাপ কাজে) আঁল থেকেছে এবং ভুব রেশি অফলে অবলাঙ
- ৮। এরপর আমি জাদেরতে আহ্বান করেছি প্রকাশ্য-
- ৯। এরপর নিভর আমি তাদের জন্য উচ্চহরে ঘোষণা দিয়েছি এবং অতি গোপদেও বলেছি-
- ১০। এবং আনি বলেছি, তোমরা তোমাদের প্রতিপালকের কাছে ক্ষমা প্রার্থনা কর, মিশ্চয় তিনি পরমক্ষমাশীল-
- ১১। তিনি আকাশ থেকে তোমাদের জন্য প্রচুর বৃষ্টি প্রেরণ করকেন-
- ১২। তিনি তোষাদেরকে ধন-সম্পদ ও সন্তান-সন্ততি নিয়ে সাহাত্য করবেন এবং তিনি বানাবেন ভোষাদের জন্য উদ্যানসমূহ এবং বানাবেন তোষাদের জন্য নহরসমূহ।'
- ১৩। তোমাদের কী (যুক্তি) আছে যে, তোমরা আল্লাহ্কে মর্যাদা দিতে চাও না,
- ১৪। অবচ তিনিই তোমাদেরকে সঙ্কী করেছেন পর্যায়ক্রমের
- ১৫। তোমরা কি ভেবে দেখনি, আল্লাহ কিতাবে সৃষ্টি করেছেন সাত আকাশ

ا - سُورُةُ لَوْم - مَكِيّةً ابَالْهَا-م، رَّوْهَالْهَا-م يِسْمِو اللهِ الرَّحُمْنِ الرَّحِيْمِ

إِنَّ آرْسَلْنَا نُوْمًا إِلَى قَوْمِ آنَ آثَدِرْ فَوْمَكَ مِنْ قَبْلِ آنَ يَاتِنَهُمْ عَذَابً آلِيْرٌ ۞

قَالَ يِلْقُوْ ۚ إِنِّي لَكُيرٌ نَدِيرٌ مُّبِينٌ ۞

اَنِ اعْبُدُوا اللهَ وَ اتَّقُوهُ وَ اَطِيْعُونِ ۞

يَغْفِرُ لَكُمْ مِّنْ دُلُوْبِكُرْ وَيُؤَكِّرُكُرْ الْلَّ اَجَلٍ مُّسَمَّى ﴿ إِنَّ اَجَلَ اللهِ إِذَا جَمَّا لَا يُؤَكِّرُ لَوْكُنْمُولَ كَانَّالِ تَعْلَمُونَ ۞

قَالَ رَبِّ إِنِّيْ دَعَوْتُ قَوْمِيْ لَيْلًا وَّنَهَا رَّأْ ﴿

فَلَرْ يَزِدْهُرْ دُعَاءِئَ إِلَّا فِرَارًا ۞

وَالِنِّى كُلَّمَا دَعَوْتُمُرُ لِتَغْفِرَ لَمُرْجَعَلُوْاً اَصَا يِعَمُرْ فِيُّ اَذَا فِيرُ وَاسْتَغْفُوا لِيَا اَبْهُرْ وَآمَرُوْا وَاسْتَكْبُرُوا اسْتِكْبَا رَا هُ لُمَّ النِّدَوَةُ لُتُمْرُ جَمَارًا قُ

وّْيُمْدِدُكُرْ بِاَمْوَ الِ وَّبَنِيْنَ وَيَجْعَلْ لَّكُرْ جَنِّي وَّيَجْعَلْ لَّكُرْ

تُرَّ إِنِّى آعَلَنْتُ لَمُرْ وَأَشْرَ لَتُ لَمُرْ إِشْرَالًا قَ

فَقُلْتُ اشْتَغْفِرُوْا رَبَّكُمْ ﴿ إِنَّهُ كَانَ غَفًّا رًّا ﴿

يُّرْسِلِ السَّمَاءَ عَلَيْكُرْ مِّدْرَارًا ﴾

ٱَنْمُرًا ۞ مَا لَكُرْ لَاتَرْجُوْنَ إِنْهِ وَقَارًا ۞

وَقَدْ خَلَقَكُر أَطُو اراً ۞

ألَرْ تَرَوْا كَيْفَ خَلَقَ اللهُ سَبْعَ سَمُوْتٍ طِبَاقًا ﴿

১৬। এবং সেখনে চন্দ্ৰকে বানিয়েছেন আলো ও সূৰ্যকে বানিয়েছেন বলীপ।
১৭। এবং আধাতই তোমানেরকে উন্নিনের মত প্রতিপালন করেছেন

১৮। এরপর তিনি তোমানেরকে ফিরিয়ে নিবেন তাতে (যমীনে) এবং (তা ৪৫৪) তোমানেরকে সভিত্তি বের করবেন।

১৯: এবং আল্লাহই বানিয়েছেন ভোমাদের অন্য পৃথিবীকে বিছানা-

২০। যাতে তোমরা এর সমতল পথ ও পারাডী পথে চলাচল করতে পান।

২১। দূর বলেছিল, 'হে আমার প্রতিপালব। নিকয় তারা আমাকে অমানা করেছে এবং এমন দোকের অনুসরণ করেছে যার থন-সম্পদ ও সম্বাস-সম্বৃতি তার কঠি ছাড়া কিছুই বৃদ্ধি করেনি।'

১১। এবং তারা সভয়র করেছে- বভ সভয়র

गशीरस-

২৩। এবং বলেছে, 'ভোমরা কথনো ভোমাদের উপাদ্যদেরকে পরিত্যাপ করো না এবং ভোমরা কথনো ওয়াদ, সুওয়াআ, ইয়াতছ, ইয়াটক ও নামবাক্ত পরিকাগে করে। না.'

২৪। 'এবং তারা ইতোমধো অনেককে গথনট করেছে, আর আপনি জালিমদের পথনটতা (আংস) হাড়া কিছুই বৃদ্ধি করবেন না।'
১৫। তালের অপরাধের করেলে তালেরকে নিমক্ষিত করা হল এক তালেরক

আগুনে প্রবেশ করানো হল, এবং তারা আল্লাহকে বাদ নিয়ে তাদের জন্য কোন সাহায্যকারী পায়নি।

২৬। এবং দৃহ বলেছিল, 'হে আমার প্রতিশালক। পৃথিবীতে বসবাসকারী কাফিরদের কাউকে ছেড়ে দিবেন না।

২৭। নিচয় যদি আপনি তাদেরকে হেছে দেন তাহলে তারা আপনার বান্যাদেরকে পথতাই করবে এবং তারা পাপীও কাফির হাড়া কিছুই জন্ম নিবে না।

২৮। বে আমার প্রতিপালক। আগনি কমা করুন আমাকে, আমার। পিতামাতাকে এবং যারা মুখিন হয়ে আমার করে প্রকেশ করেছে & তাদেয়কে এবং মুখিন গুরুষ ও মুখিন নারীদেরকে, এবং আগনি। ফ্রান্সিমেন আগে চাতা ভিত্ত করিবন মা। وَّجَعَلَ الْقَمْرَ فِيفِيَّ ثُورًا وَجَعَلَ الشَّمْسَ سِرَاجًا۞ وَاللَّهُ الْبَبْكُرُ مِنَّ الْأَرْفِي نَبَاتًا۞ ثُرِّ يُعِيْدُكُمُ فِيْهَا وَيُشِهِجُمُّ الْجَرَاجًا۞

ثَيَّرَ يَغِيَّدُكُمْ فِيْهَا وَيُخْرِجُكُو إِخْرَاجُ وَاللهُ جَعَلَ لَكُرُ الْأَرْضَ بِسَاطًا أَهُ تَتَمْلُكُوْ امْنُهَا شُهُدُّ فَجَاجًا أَهُ

قَالَ لُوْحٌ لِيِّ إِلَّهُمْ عَمْرِينَ وَالْبَعْرَا مَنْ لَيْ يَوْدُهُمَا لُمُّ رَوَلَكُوْءً الْإِصَارَاعُ رَمَكُوْوًا مَحُوًّا كُبًّا رَاقُ

وَقَا لَوْا لِاتَدَارِثُ الْمَعَكُمْ وَلَا تَدَارِثُ وَذَّا وَلَاسُواعًا فَوْلَا يَكُونَ وَيَكُونَ وَنَشُواً ﴿ وَقَدْ أَمَلًا لَا كَنِياً الْوَلَامِينَ الْأَلْمَانِينَ الْإِمْلَا ﴿

مِمَّا عَطِيْتَهِمْ أَغَرُ قُواْ فَأَدْعِلُواْ نَا رَا فَفَلَى يَعِدُواْ لَهُرْ مِّنْ دُوْنِ اللهِ إَنْمَا أَنْ وَقَالَ نُوْحٌ رِّبٌ لِاتَدْرُغَى الْاَرْضِ مِنَ الْكُفْفِيْنَ دَيًّا رَا ﴿

وقال نوح ربِ لاتدرِ في الارضِ مِن الكَفِرِين دِيا را ⊕ إِنَّكَ إِنْ تَدَرَهُرُ يُمِلُّوا عِبَادَكَ وَلَا يَلِدُنَّ الِّافَاجِرًا كَفَّارًا ⊛

رَبِّ اغْفِرْ فِي وَلِوَ الدَّمَّ وَلَمَنْ دَغَلَ بَيْتِي مُؤْمِنًا وَّللَّمُؤْمِنِينَ وَالْمُؤْمِنُسُ ۚ وَلَا تَوْدِ الظَّلْمِينَ الَّا تَهَا رًا ۚ

## ৭২. সুরা আঙ্গালীন, মানী ১৮ আয়াত, ২ রুক্ অসীম দয়াময় ও প্রম দয়াল আভাহর নামে

 বল, 'আমার প্রতি ওবী করা হয়েছে হে, <sup>†</sup> জ্বীনদের একটি দল মনোযোগ সহকারে প্রবণ করেছে 'এবং বলেছে, বিশ্বয় আমরা প্রবণ করেছি এক বিশ্বয়রক করজান-

াবনগ্ৰহ কুমআন"

২। যা সঠিক পথের দিকে পথগ্রদর্শন করে, সূতরাং আমরা এতে ঈমান

এমেটি। এবং আমরা ক্রমনা আমাদের প্রক্রিগালকের সাথা ক্রমিক

শরীক করব মা
তা এবং এবং তা অমনক উপর্য আমানের ক্রমিণালাকর মর্যানা কিনি কোন

প্তী ও কোন সন্তান এহণ করেননি-৪। এবং এও বে, আমানের নির্বোধেরা আল্লাহ সম্পর্কে অভি অবান্তর কথা

ব।ত-৫। এবং এও বে, আমরা মনে করতাম বে, মানব ও জীন আল্লাহ সম্পর্কে

কখনো মিখ্যা বলবে না-৬৷ এবং এও যে, কতিপন্ন মানুৰ কতিপন্ন জীনের কাছে আনুর চাইত, ফলে তারা তাদের অনাম বাভিয়ে নিয়েছে-

৭। এবং এও যে, তারা (মানুষেরা) মনে করেছে বেমন তোমরা (জ্বীনেরা) মনে করেছ যে, আতাত কথানো অন্তর্ভিক পদক্ষত্বিক করেনে না-

৮। এবং এও যে, আমরা আকাশকে শর্শ করেছি (তথা সংগ্রহের উদ্দেশ্য) কিছু আমরা তাকে (আকাশকে) কঠোর গ্রহরী ও অগ্নিশিখাসমূহ হার পরিপর্ব করে রাজা ভরবায় পোলানি-

১। এবং এও বে, আমরা (পূর্বে) আকাশের বিভিন্ন অবস্থানে (সংবাদ) পোনার জন্য বসভাম কিন্তু এখন কেউ (সংবাদ) চনতে চাইলে সে তার জন্ম পারে অপেক্তমান অগিশিখা-

১০। এবং এও যে, আমরা জানি না পৃথিবীবাসীর অমঙ্গণ চাওয়া হাত্রহে, নাকি তাদের প্রতিপালক তাদের মঙ্গণ চান-

১১। এবং এও যে, আমাদের মধ্য থেকে কিছু সংখ্যক সংকর্মশীল এবং কিছু সংখ্যক এর ব্যতিক্রম, আমরা ছিলাম বিভিন্ন পথে বিভক্ত-

১২। এবং এও ফে, এবন আমরা ধারণা করলাম ফে, আমরা পৃথিবীতে আরাইকে কখনো অক্ষম করতে পারব না, এবং (পৃথিবী থেকে) পালিফেও আমরা কথনো ভাকে অক্ষম করতে পারব না-

পালিয়েও আমরা কখনো তাকে অক্ষম করতে পারব না
১০। এবং এও যে, আমরা যখন পথনির্দেশনা অনেছি তখন তাতে ইয়ান

এমেছি। অতএব যে তার প্রতিপালকের প্রতি ইয়ান আনবে সে কোন

ক্ষতি ও অন্যায়ন অধারা করার মা-

٢- مُورَةُ الْمِنِ مَكَيِّةُ الْمُتَامِّرِهُ الْمِنِ مَكَيِّةً الْمُتَامِّرِهُ الْمُتَامِّرِةِ بِسُمِ اللهِ الرَّحْمِينِ الرَّحِيثِيرِ

المُنْ اللهُ اللهُ اللهُ السَّمَعَ لَغَرَّمِّنَ الْحِنِّ فَقَا لُوَّا إِنَّا سَمِعْنَا قُوْلُنَا عَصًا مُ

؟ يُّهْدِثَى إِلَى الرَّهْدِ فَأَمَّنَا بِهِ • وَلَنْ تَهْدٍكَ بِرَبِّنَآ إَحَدًا ۞

وَّ إِنَّهُ تَعْلَى جَدُّ رَبِّنَا مَا الَّخَذَ مَا حِبَّةٌ وَّلْاِوَلَدَّا ۞ وَّأَنَّهُ كَانَ يَقُوْلُ سَفِيْهَنَا ثَى اللهِ هَطَطَا ۞

وَّانًا ظَنَنَا ۚ إَنْ أَنْ تَقُولَ الْإِنْسُ وَالْجِنَّ فَى الشِّكِدِ بَا ۞ وَّالْمُكَانَ بِمَالًا مِّنَ الْإِنْسِ يَعُوْدُونَ بِرِهَا لِمِّنَ الْجِيِّ فَا اُدُهُ ۚ رَهَا أَنْ

فرَّادُوهِر رهْنَ ق وَٱنَّهُرْ ظُنُّواْ كَمَا ظَنَنْتُرُ أَنْ لَّن لِيْغَتَ اللهُ ٱحَدًّا ۞

وَّأَنَّا لَمُسْنَا السَّبَاءَ فَوَجَدُلْفَا مُلِئَى حَرِّسًا فَيْرِيدُّا رَّشُهُمًّا ۞ وَأَنَّا كُنَّا تَقُعُومِهُمَا مَقَاعِدَ لِلسَّمِعِ • فَهَنْ يُشْتَعِعِ الْأَن يَجِدُ لَمُعَمَانًا أَحْدًاهُمُ

وَّاتًا ۗ لِاَنْدَٰرِيَّ اَمَرُّ ٱٰرِيْدَ بِمَنْ فِي الْاَرْضِ ٱاْ اَرَادَبِمِرْ رَبَّمَرْ رَمَدًا ۞

وَّ إِنَّا مِنَّا الشَّلِحُوْنَ وَمِنَّا دُوْنَ ذَلِكَ، كُنَّا طَرَّانِيَّ قِنَدًا ۞ وَأَنَّا ظَنَنَّا أَنْ لَنْ تَعْجِزَ اللهَ فِي الْآرِضِ وَلَنْ تُعْجِزَةُ هَرَبًا ۞

وَّانَّا لَهًا سَعْنَا الْهُلَّى أَمَنَّا بِهِ ﴿فَمَنْ يُؤْمِنْ بِرَبِّهِ فَلَايَخَانُ نَعْسًا وَّلَ مَقَّاهُ ১৪। এবং এ৪ যে, আমাদের কিছ সংখ্যক মুসলিম (আন্তসমর্গণকারী) এবং কিন্ত সংখ্যক অন্যায়কারী।' সতবাং যারা আত্মসমর্পণ করেছে তারাই সঠিক পথ বেছে নিয়েছে।

১০। আর অপরপক্ষে অনায়েকারীরাই আহান্রামের ইম্বন-

১৬, এবং (এও জানাঞ্চি) যে, যদি তারা (সত্য)পথের উপর অবিচল থাকত তাহলে তাদেরকে অবশাই আমি প্রচর পানি পান করাতাম-

১৭। যাতে আমি তাতে তাদেরকে পরীক্ষা করতে পারি । এবং যে তার প্ৰতিপালকের স্বরণ হতে মথ ফিরিয়ে নেয় ভাকে তিনি দঃসহ শান্তিতে भारतम् करात्रस्य-

১৮, এবং এও যে, মসজিদসমূহ আল্লাহরই জন্য, সূতরাং আল্লাহর সাথে 🗓 ভোমরা অন্য কাউকে ডেকো না-

১৯। এবং এও যে, যখন আল্লাহর বান্দা (রাসুল) তাঁকে (আল্লাহকে) ভাকার জন্য দপ্তাহমান হল তখন তারা(স্থীন) তার নিকট ভিড জমাতে লাগল।

২০। বল, আমি কেবল আমার প্রতিপালককে ডাকি এবং ভাঁর সাথে কাটকে স্থানিক কৰি যা।"

২১। হল, 'নিকর আমি ভোমাদের কোন ফতির বা সঠিকপথের মালিক 781

১১: বল দিনত আমি (মান ববি) আলাচ থেকে কেউ আমাকে কৰ্মনা বক্ষ করতে পারবে দা এবং আল্লাহ ছাড়া কথনো আমি কোন আব্রয় পাব না-

২৩৷ কেবল আস্ত্রাহর পক্ষ থেকে পৌছে দেয়া এবং তাঁর বিসালাতই (আমার সাহিত)।' এবং যারা আন্তাহ ও তাঁর রাসলকে অমানা করবে, নিশ্চয় তাদের জন্য রয়েছে আহান্রামের আঙন, সেখানে তারা চিরস্তারী হবে।

১৪। অবশ্বেষ যথন ভারা প্রতিশ্রুত শান্তি প্রত্যক্ষ করবে, তথন শীঘই তারা জন্মত পাৰতে কে সাৱায়াকাৰী হিসেবে অধিক দৰ্বল এবং সংখ্যাহ অভি অন্তঃ

১৫। বল 'আমি জানি না ভোমাদেরকে যে প্রতিশ্রুতি দেয়া হয়েছে তা কি নিকটবর্তী, নাকি আমার প্রতিপালক এর জন্য কোন দীর্ঘ মেয়াদ নির্বারণ करदबन।" ২৬: তিনি সকল অদশ্যের জানী এবং তিনি তাঁর অদশ্যের (সকল) বিষয়

কারো নিকট প্রকাশ করেন না-২৭। কেবল যে রাসলের প্রতি তিনি সম্ভুষ্ট হন তার নিকট (তাঁর অদুশোর

কিছ অংশ প্রকাশ করেন)। তথন নিকয় তিনি তার সামনে ও পিছনে अपनी नित्यांकित कार्यस-

১৮: যাতে তিনি প্রানতে পারেন যে, তারা (রাস্পরা) তাদের প্রতিপাদকের 🖟 🔒 তিনি পরিবেষ্টন করে আছেন এবং তিনি প্রতিটি জিনিস সংখ্যায় গণনা ক্রার বোগাদেন

تَحَبُّ وَا رَشَدُا هِ وَأَمًّا الْقُسطُونَ فَكَانُوا لَجَهَنَّهُ خَطَّبًا أَهُ

وَّأَنْ لَّو اسْتَقَامُوا عَلَى الطَّرِيقَة لَاسْقَيْنُهُرْ مَّاءً عَدَقًا أَهُ لَّنَفْتَنَهُرْ فِيْهِ وَمَنْ يَتَّعُوضْ عَنْ ذِكُو رَبِّهِ يَشْلُكُهُ عَذَا إِنَّا مَعَدًّا ٥

وَّأَنَّ الْمَسْجِدَ لِللَّهِ فَلَا تَدْعُوا مَعَ اللَّهِ أَحَدًّا ﴿ وَّأَنَّهُ لَمًّا قَا ٓ عَبْدُ إللهِ يَدْعُوْهُ كَادُوْا يَكُو نُوْنَ عَلَيْهِ لَبَدًّا أَقَٰ

قُلُ انَّهَا آدْعُوا رَبِّي وَلَا أَشْرِكُ بِهِ آحَدًا @ قُلُ إِنَّى لَاۤ اَمْلِكُ لَكُر ۚ ضَرًّا وَّلَا رَشَدًا ۞

قُلُ انَّىْ لَنْ يُّجِيْرَ نَيْمِنَ اللهِ أَحَدُّهُ وَّلَنْ أَجِدَمِنْ دُوْنه مُلْتَكِدًا هُ إِلَّا بَلَغًا مِّنَ اللهِ وَرَسَلْتِهِ وَمَنْ يَعْصِ اللهُ وَرَسُوْ لَهُ فَانَّ لَهُ نَا رَجَهَنَّرَ خُلديْنَ فَيْهَا آبَدًا أَهُ

حَتَّى اذَا رَ أَوْا مَا يُوْ عَدُونَ فَسَيَعْلَمُونَ مَنْ اَمْعَفُ نَاصِّ اوَّ اقْلُ عَدَ دًا ه قُلُ إِنْ أَدْرِينَ أَقَ يُنْمَّا تُوعَدُونَ أَمُّ يَجْعَلُ لَدُرِينَ أَمُدًّا @

علِيرُ الْغَيْبِ فَلَا يُظْهِرُ عَلَى عَيْبِهِ آمَدًا ﴿ إِلَّا مَنِ ا رُتَفْي مِنْ رَّسُوْ لِ فَانَّهُ يَسْلُكُ مِنْ اِبْدِي يَدَيْهِ وَمِنْ خَلْفه رَصَدًا أَ

রিসালাত (পরগাম) পৌছে দিরছে, আর তাদের নিকট যা আছে ভা কুরি টুকুর টুকুর টুকুর টুকুর টুকুর টুকুর টুকুর টুকুর টুকুর وَآحُمٰ كُأْ مِشَرُ الْعَدَا اهُ



## ৭৩, সরা আল-মযযাম্মিল, মাঞ্জী

২০ খায়াত, ২ কুক্ অসীম দয়াময় ও প্রম দয়াল আলাহর নাহে

- ১। ওহে কম্বলাকত-
- ১। রাতে (সালাতে) দাঁডাও সামান্য (অংশ) ছাঙা-
- তার (অর্থাৎ রাতের) অর্থেক, অথবা তা থেকে সামান্য কমাণ্ড-
- অথবা তার সাথে বাড়াও, এবং কুরুআন পাঠ কর তারতীলের সাথে
- (ধীরে ধীরে, সুন্দরভাবে)।

  ৫। নিক্ত আহি পীঘট তোহার প্রক্তি অর্পণ করব ভাবী কথা (পর্য
- কুরআন)।
  ৬৷ নিশ্বর রাতের সময়ই স্থিরভার দিক থেকে অধিক কার্যকর এবং কথার
  (অর্থাৎ ভেদাওয়াতের জনা) অধিক উপমোদী (সময়)।
- ৭। নিশ্চয় দিনে ভোছার দীর্ঘ কর্মবাক্তকা রয়েছে ।
- ৮। আর ভূমি তোমার প্রতিপালকের নাম অরণ কর এবং একায় হয়ে তাঁরই
  নিকে অনুরক্ত হও।
- ৯। তিনি পূর্ব ও পশ্চিমের প্রতিপালক, তিনি ছাড়া কোন ইলাহ্ নেই, অভএব তাঁকেট তলাবধানক হিসেবে গ্রহণ কর।
- ১০। এবং তারা যা বলে তাতে ভূমি ধৈর্ঘ ধারণ কর এবং তাদেরকে
- সুন্দৰভাবে বৰ্জন কর।

  ১১। এবং ছেড়ে দাও আমাকে ও বিপুল সম্পানের অধিকারী যিখ্যা
  অভিতিতকারীনেবকে এবং তানেবকে সামান্য অবকাশ দাও।
- ১২। দিক্তর আমার নিকট রয়েছে শিকল ও প্রজ্ঞালিত আওন-
- ১৩। আর আন্তে গলায় অটাকে যায় এমন থাদা ও অমুণানায়ক শান্তি।
- ১৪। যেদিন হমীন ও পর্বতমালা প্রকম্পিত হবে এবং পর্বতমালা বিচ্ছিত্ত

বালকাবাশিতে পবিগত হবে।

- ১৫। নিশ্চর আমি তোমাদের নিকট প্রেরণ করেছি একজন রাসূল, তোমাদের জন্য সাক্ষীস্বরপ, যেমন প্রেরণ করেছিলাম একজন রাসূল কিরআউনের নিকট।
- ১৬।কিছু ফিরআউন সেই রাসুলকে অমান্য করেছিল, ফলে আমি তাকে
- ্যতাশক্ষ্ণ বিশ্বমান্তন সেই রাপুগতে অমান্য করেছেল, কলে আমা তাকে কঠিনভাবে পাকড়াও করেছিলাম। ১৭। অতএব ভোমরা সেদিন কিভাবে আগুরক্ষা করবে, যদি ভোমরা কফরী

٣- سُورة الْمُرْسِلِ- كَنِّية الْمُنْفِ الْمُرْسَاتِياً - رَّرُسَاتِياً - الْمُرْسَاتِياً - الْمُرْسَاتِياً - الْمُرْسَاتِياً - الْمُرْسَاتِياً - الْمُرْسَاتِياً - الْمُرْسِدِينَ الْمُرْسِيلِينَّا الْمُرْسِدِينَ الْمُرْسِينَ الْمُرْسِدِينَ الْمُرْسِدِينَ الْمُرْسِدِينَ الْمُرْسِدِينَ الْمُرْسِدِينَ الْمُرْسِدِينَ الْمُرْسِدِينَ الْمُرْسِدِينَ الْمُ

পারা-১৯

يَايُّهَا الْمُرْمِلُ ﴾

قُرِ الَّيْلَ اِلَّاقَلِيْلَاهُ تِّصْفَدُ آوِاثْقُصْ مِنْهُ قَلِيْلَاهُ

المربية المأمل

ٱۉڔۮۘۼؘڷؽ؞ؚٷڔؖؾٟۧڸٵڷڠٞۯٵؗ؈ؘڗٛڗؽۘڐ۞ ٳٮٞ۠ٵڛؘؽؙؿؽٛۼڶؽڰؘٷۛڒۘٳڎؿؽۘڐ۞

إِنْ نَاشِئَةَ الْيْلِ هِيَ اَشَدَّ وَطَّا وَاقْوَا َ فِيْلَا هُ إِنَّ لَكَ فِي النَّهَا رِسَبْكًا طَوِيْلًا هُ

وَادْكُو اشْرَ رَبِّكَ وَتَبَتَّلُ إِلَيْهِ تَبْتِيْلًا ۞ رَبُّ الْمَشْرِقِ وَالْمَغْرِبِ لَا إِلْهَ إِلَّا هُوَ فَا تَّخِذُهُ وَكِيْلًا ۞

وَاصْرِوْغَى مَا يَقُو لُوْنَ وَاهْجُرُمُّرُ هَجُرًا جَمِيْلًا ۞ وَدَّ رَبِّي وَالْمُكَدِّبِينَ أَوْلِ النَّفْمَةِ وَمَهْلُمُر قَلِيْلًا ۞ إِنْ لَدَيْنًا أَلْكَا لِأَوْمَحِيْدًا ۞

وَّطَعَا مًا ذَاغُفَّةٍ وَّعَذَابًا أَلِيْمًا ١٠

يُوا تَوْهُفُ الْاَرْفُ وَالْجِبَالُ وَكَانَبِ الْجِبَالُ تَعَيْبًا مَّهِيلًا ۞ إِنَّ ٱرْسُلْنَا إِنْكُمْ رَسُولًا مُشَاهِدًا عَلَيْكُمْ ثَمَنا ٓ أَرْسُلْنَاۤ إِلَٰ فَرْغَوْنَ رَسُولًا ۞

فَعَمٰى فِرْعَوْنُ | لرَّسُوْلَ فَآغَذُنْهُ أَهْدًا رَّبِيْلًا ۞

فَكَيْفَ تَتَّقُونَ إِنْ كَفَوْ تُرْ يَوْمًا يَّجْعَلُ الْوِلْدَانَ هَيْبَا ۗ اللَّهِ

কর, যা (অর্থাৎ যেদিনটি) কিশোরদেরকে বানিয়ে দিবে চুলগাকাঃ

\* চিহ্নিত দ্বানের জীকা সুধানঃ; আয়াত দং অনুসারে তথাজার দেখে দেখন

৭৩, সুরা আল-মুয্যাশ্বিল	পারা-২৯	٣٠- سُوْرَةُ الْمُؤْمِلِ
১৮। মেদিন আকাশ ভেঙ্গে যাবে। তাঁর প্রতিশ্রুতি বান্তবায়িত হবে।		السَّمَاءُ مُثْفَطِّ بِهِ - كَانَ وَعُدُّةً مَفْعُولًا ﴿
১৯। দিশ্য প্রকাশ উপদেশ, যাত্রক যার ইবা লে তার এতিপালা, পর প্রবাদ কালা।  তা নিয়া বারকের প্রতিপালক ভালেন বে, তুর্বা লেকাহেও সাঁই (কালো) রাত্রক প্রায় কুর্যক্রিয়ালা, লেকান্স আর্কক করা  ক্রমান্ত কালা, কলা, ক	हाउ एक (क्याना) विदेश होते हैं विदेश होते हैं कि स्वाप्त होते हैं कि स्वाप्त होते हैं कि स्वाप्त होते हैं कि स्वाप्त होते हैं	الساعة ومنظور بهداوان وخدواعقد (ق)  وان ملك بنظر أنكو تقرق شاء الشعد إلى رئيه سيلا في وطالدة من الدين عقد والله يقدر الذي والله وطالدة والنه والمنافق والله يقدر الذي والذي والد المنافق والله يقدر الذي والد المنافق والله يقدر الذي والد المنافق والمنافق والله يقدر الذي والد المنافق والمنافق
	949	

৪. স্রা আল-মুদাছছির	পারা-২১	- سُوْرَةُ الْمُدَّلِّرِ
৭৪. সূরা আগ-মুদাছছির, মাকী ৫৬ আরাত, ২কক্ অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আরাহ্র নামে		٥٠ - سُرُوَّ الْمَارْدِ - كَمِّيَّةً الْمَامَّةِ - الْمَامَّةِ - الْمَامَّةِ - مَرِّيَّةً الله الرَّحْمُونِ الرَّحِيْدِ يِسْمِ اللهِ الرَّحْمُونِ الرَّحِيْدِ
১। ওতে বস্তাবৃত্ত-		يَّايُّهَا الْمُدَّتُرُ وُ
২। ওঠ, এবং সতর্ক কর-		ِ نُرْ فَآثْدَرُهُ
৩। এবং তোমার প্রতিপালকের প্রেষ্ঠতু ঘোষণা কর-		وُرِيَّكَ فَكَبْرُ ۚ أَ
় ৪। এবং ভোমার পোশাক পবিত্র কর- <sup>*</sup>		وَّثِيَا بَكَ فَطَهِّرُ ثُ
<ul> <li>৫। এবং অপবিত্রতাকে (মূর্তিপূজাকে) বর্জন করে চল-</li> </ul>		وَالرَّهْزَ فَاهْجُرْ ۚ
৬। এবং বেশি বেশি পাওয়ার উদেশে (কারো প্রভি) অভূত্রহ করো না-		إِلَّا تَمْنُنْ تَسْتَكْفُرُ ۞
৭। এবং তোমার গ্রন্তিপালকের জন্যে ধৈর্য ধারণ কর।		وَلِرَبِّكَ فَاصْبِرُ ۞
৮। এবং যথদ শিঙ্গায় ফুঁ দেয়া হবে-		فَإِذَا نُقِرَ فِي النَّاقُوْرِ ۞
৯। গেদিনটি হবে এক কঠিন দিন-		نُذُ لِكَ يَوْمَتُكَ يُوْمَّ عَسْيَةً ۚ غُسْيَةً ۚ فَ
১০। যা কাঞ্চিরদের জন্য সহজ নয়।		لَ) ٱلْكُفرِيْنَ غَيْرُ يَسْيَر ⊛
১১। ছেড়ে দাও আমাকে এবং তাকে <sup>*</sup> যাকে আমি সৃষ্টি করেছি একাকী-		: (َنِيْ وَمَّنْ خَلَقْتُ وَحَيْدًا ۞
১২। এবং আমি তাকে দিয়েছি বিপুল ধন-সম্পদ-		يْجَعَلْتُ لَهُ مَا لًا مَّهُدُوْدًا ۞
১৩। এবং (সদা) উপস্থিত সন্তান-সন্ততি-		يَّبَنِيْنَ شُهُودٌ ا ﴿
১৪। এবং তার জন্য ব্যবস্থা করেছি (সঞ্চল জীবনের) যাবতীয় ব্যবস্থা-		وْمَهَّدْتُ لَهُ تَمْهِيْدًا ﴿
১৫। এরপরও সে প্রত্যাশা করে যে, আমি বাড়িয়ে নিব-		رْ يَطْمَعُ أَنْ أَزِيْدَ ﴿
		1

990

১৬। কন্ধনো না, নিশ্বর সে আনার আয়াতসমূহের বিরোধী।
১৭। শীপ্রই আমি তাকে নিদারুন কট চাপিয়ে দেব।

<ol> <li>সুরা আল-মুদ্দাছছির</li> </ol>	পারা-২৯	٥٠-سُوْرَةَ النَّدُقْرِ
১৮। নিশ্চয় সে চিন্তা করল এবং সিদ্ধান্ত নিল-		إِنَّهُ فَكُرَ وَقَدُّ رَ ﴾
১৯। সুতরাং দে ধাংস হোক, দে কেমন সিদ্ধান্ত নিল।		فَقُتِلَ كَيْفَ قَدَّرَ ۞
২০। আবার, সে ধাংস হোক, সে কেমন সিদ্ধান্ত নিল।		ثُرُّ قُتِلَ كَيْفَ قَدُّ رَ۞
২১। পুনরায় সে ভেবে দেখন-		ثُرِّ نَظَرَ ﴾
২২। এরপর জ-কুঞ্জিত করল ও মুখ বিকৃত করল-		ئُرِّ عَبَسَ وَبَسَرَ ﴾
২৩। এরপর পিছনে ফিরল এবং অহংকার করল-		لُرُّ آَدْبَرَ وَاسْتَكْبَرَ ﴾
২৪। এবং বলল, 'এটা পূর্ব থেকে চলে আসা জানু ছাড়া '	আর কিছু নয়-	فَقَالَ إِنْ هُذَّا إِلَّاسِهُرَّ يُؤْثَرُ ﴾
২৫। এটা মানুষের কথা ছাড়া আর কিছু নয়।'		إِنْ هٰذًا إِلَّاقَوْلُ الْبَشَرِ ﴿
২৬। শীঘ্রই আমি তাকে প্রবেশ করাব 'সাকার'-এ।		سَأُصْلِيْهِ سَقَرَ ﴿
২৭। আর কিসে তোমাকে জানাবে, 'সাকার' কী ?		وَمَآ أَدْرُىكَ مَا سَقَرُ ﴾
২৮। এটা বাকী (অর্থাৎ জীবিত) রাখবে না এবং (মৃত অব না,	বস্থায়) ছেড়েও দিবে	﴾ ٳۘؾؙؠٛقؚؽۅٛٳٚؾؘۮؘڔؙۿ
২৯। এটা চামড়া ঝলসে দিবে-		لَوَّ احَةً لِّلْبَشَرٍ ۗ
৩০. এর ডক্লাবধানে রয়েছে উদিশ (গ্রহরী)।		عَلَيْهَا تَشْعَقَ عَشَرَ ﴿
৩১. এবং আমি কেন্দেগড়ানেকেই করেছি আন্তনের প্রহণ পরীক্ষাবরপেই আমি তানের এ সংখ্যা উল্লেখ করে কিতাব দেয় হয়েছে তারা দৃত্ব প্রত্যায়ী হয়, এবং <sup>৯</sup> বৃদ্ধি পায় এবং বাতে বানেরকে কিতাব দেয়া হয়ে	हिं, वाट्य वाटमहरू अयाननावटमत्र अयान ह जाता ७ मुन्नीनता	وَمَا جَعَلْنَآ آمَحْبَ النَّا رِ إِلَّامَلَٰئِكَةٌ ، وَمَا جَعَلْنَا عِنَّا لِلَّذِيْنَ كَفَرُوْا ، لِيَسْتَيْقِنَ الَّذِيْنَ ٱوْتُوا الْكِتْبَ وَيَّا
সন্দেহ পোহণ না করে, এবং যাসের হৃদয়ে বা কাফিররা যাতে বলে, 'আল্লাহ এই দৃষ্টান্ত দ্বারা ব এভাবেই আল্লাহ যাকে ইব্ছা করেন পথভাট করে করেন সঠিক পথ শ্রদর্শন করেন। এবং ভোষার প্রতি	ল করেছেন। ন এবং বাকে ইম্বা এটা বিটা	أَمَثُوُّا أِيثَمَانًا وَّلَا يَرْتَابَ الَّذِيْنَ ٱوْتُوا الْكَغِّرَوَّ وَلِيَقُوْلَ الَّذِيْنَ فِى قُلُوْبِهِنْ مَّرَضٌ وَّلْكُغِرُّوْنَ مَا وَلِيَقُوْلَ الَّذِيْنَ فَيْ قُلُوْبِهِنْ مَّرَضٌ وَالْكُغُورُونَ مَا بِهٰذَا مَكَلُا ۚ كَذَٰ لِكَ يُصِلُّ اللهُ مَنْ يَشَّالُو وَمَنْ
তিনি ছাড়া আর কেউ জানে না। এবং তা (সাকার) । আরক ছাড়া আর কিছু নর।		بِهِهَا مِعْلَى جُنُونَد بِكَ يَصَلَ اللهُ مِن يَشَاءُ وَيَهَاهِ وَمَا يَعْلَى جُنُونَد رَبِّكَ إِلَّاهُو · وَمَا هِيَ إِلَّاذِكُوٰهِ
৩২। কক্ষনো না, কসম চাঁলের-	T	كَلَّا وَالْقَسَرِ ۞
৩৩। কসম রাতের, যখন তা পিছন ফিরার-		وَالَّيْلِ إِذْ ٱدْبَرَ ﴾
৩৪। কসম প্রভাতের, যখন তা আলোকোজ্বল হয়-		وَا لَصَّبْهِ إِذَاۤ اَسْفَرَ ﴾
৩৫। নিক্ষয় তা (সাকার) অবশ্যই বড় (বিগদ) হলোর	একটি-	انَّهَا لَاحْدَى الْكُبَرِ ﴾

ধবা	نَدَيْرًا لِلْبَشَرِ ﴾
থবা	
	لِمَنْ شَاءً مِنْكُرُ أَنْ يَتَقَدًّا ۖ أَوْيَعَا فَّرَ ﴿
	كُلُّ نَفْسٍ بِمَا كَسَبَثَ رَهِيْنَةٌ ۞
	إِلَّا آصْحُبَ الْيَمِيْنِ ﴿
	فَيْ جَنْتِ شْ يَتَسَاءَ لُونَ ﴿
	عَنِ الْمُجْرِمِيْنَ ۞
	مَا سَلَكَكُيْرُ فِيْ سَقَرَ ®
	قَا لُوْا لَيرْ نَكُ مِنَ الْمُمَلِّيْنَ ﴾
	وَلَرْ نَكُ نُطْعِرُ  لْمِشْكِيْنَ ﴿
দিপ্ত	وَكُنَّا نَهُوْضُ مَعَ الْعَاَّ لِفِيْنَ ﴿
	وَكُنَّا نُكَدِّبُ بِيَوْرًا الدِّيْنِ ﴾
	حَتَّى ٱتْنَا الْيَقِيْنُ ﴿
मा।	فَهَا تَنْفَعُمُرْ شَفَاعَةُ الشَّفِعِيْنَ ۞
ान)	فَمَا لَهُرْ عَنِ التَّذْكِرَةِ مُعْرِفِيْنَ ﴿
	كَٱنَّهُرْ حُمُرٌ مُّسْتَنْفِرَةً ﴿
	فَرَّتْ مِنْ قَسُوَ رَةٍ ٥
দয়া	بَلْ يُرِيْدُ كُلُّ امْرِي مِّنْهُرْ أَنْ يُؤْتَى مُحُفًا مُّنَشَّرَةً ﴿
	كَلًّا ، بَلْ لَّا يَخَافُونَ الْأَحْرَةَ ۞
	كَلَّا إِنَّهُ تَتَدُكِ ۚ ۚ ﴿ هُ
1	فَهَنْ شَآءَ ذَكَرَهُ ۚ أَهُ
وَ أَهْلُ عَلَيْ اللهِ	فَهَىٰ عَدْدُوهِ ﴿ وَمَا يَدْكُرُونَ الَّآلِ اَنْ يُشَاءَ اللهُ مُو اَهْلُ التَّقُوٰى
36	رَا مَنْ الْمَغْفَرَةِ أَهُ الْمَغْفَرَةِ أَهُ
	ना।

৭৫. সূরা আল-কিয়ামাহ, মাকী ৪০ আয়াত, ২ কব্ অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

১। না আমি কসম কর্ম্বি কিয়ামতের দিনের-

১। ধরণ না আমি ক্রমন্ত করভি ভিবস্কাবরারী আভাব।

হা এবং শা আম কনম করাছ তিরকারকারা আত্মার।

থ। মানুহ কি মনে করে হে, আমি তার হাতৃথলো কখনো একএ করব নাঃ
 ৪। অবশাই আমি তার আছলের অধ্যভাগ (পর্বন্ত) পুনর্গঠন করতে সক্ষম।

৫। বরং মানুষ ভার ভবিষাতেও পাপোচার করতে চায়,

৬৷ সে প্রশ্ন করে, 'কিয়ামতের দিন কখনঃ'

৬৷ সে প্রশ্ন করে, "কিয়ামতের দিন কখনঃ"

৭। সূতরাং যথন চোথ ধাঁধিয়ে যাবে-

৮। এবং চল আলোহীন হয়ে পড়বে-

৯। এবং সূর্য ও চন্দ্রকে একর করা হবে-

১০। সেদিন মানুষ কলবে, 'পালানোর স্থান কোথারঃ'

১১। কক্ষনো না, কোন আগ্রন্থল নেই।

১২। সেদিন অবস্থানস্থল হবে তোমার প্রতিপালকের দিকে।

১৩। সেদিন মানুহকে সংবাদ দেয়া হবে যা সে অগ্নে পাঠিয়েছে এবং পিছদৈ রেখে পেছে।

১৪। উপরত্ন মানুষ তার নিজের বিরুদ্ধে (নিজেই) প্রত্যক্ষদর্শী-১৫। যদিও সে তার অজ্ঞহাতসমূহ পেশ করে।

১৬। তুমি তোমার জিহুবাকে তার (অর্থাৎ ওহীর) সাধে সঞ্চালন করো না তার (ওহীর) সাধে তাড়াতাড়ি করার জন্য (অর্থাৎ আরন্ত করার জন্য)।

১৭। নিক্তম এর একত্রীকরণ ও তা পড়িয়ে দেয়া আমারই দারিত্বে,

১৮। সূতরাং যখন আমি তা পড়ি তথন তুমি সে পড়ায় অনুসরণ কর,

\* ডিক্টিড স্থানেট বিকা সরা ২০: আয়াত ২২ অনুসরে ৬২৪মার শেষে শেষণ

۵۵ - سُورُةُ الْفِينَة - مُكِينَّةُ الْفِينَة - مُكِينَّةً الْفِينَة - مُكِينَّةً الله الله الرّحية والرّحية والرّحة والرّحية والرّحية والرّحية والرّحة وا

وُلا أَقْسِرَ بِا لَنْفَسِ اللَّوَامَةِ ۞ أَيَحْسَبُ الْإِنْسَانُ إِلَّنْ تُجْمَعَ طَلَامَةً ۞ بَلَى قُلْرِيْنَ غَلَّى آنْ نُشَوِّىَ بَنَانَهُ۞

بلى قورينى فى رينى هن المند ق بَلْ يُرِيدُ الْإِنْسَانُ لِيَلْجُرَ آمَامَهُ قُ يَشْعُلُ آيَّانَ يَوْمُ الْقِيمَةِ ق فَاذَا بَرَقَ الْبَعْرُ ق

فَاِدَا بِوِقَ الْبَصِرِ ﴾ وَكَسَفَ الْقَمَّرُ ۞ وَجُمِعَ الشَّمْسُ وَالْقَمَّرُ ۞ يَقُولُ الْإِنْسَانُ يَوْمَعِيْدَ آيْنَ الْمَقَّرُ ۞

يَقُولُ الْإِنْسَانُ يَوْمَعِدِ آَيْنَ الْمَقَوَّ هُ كَلَّالاً وَزَرَهُ إِلَى رَبِّكَ يَوْمَعِدِي الْمُسْتَقَوَّ هُ إِلَى رَبِّكَ يَوْمَعِدِي الْمُسْتَقَوَّ هُ

يُنَبَّوُّا الْإِنْسَانُ يَوْمَعْدِ بِيَا قَدَّا وَآخَّرَ ﴿ بَلِ الْإِنْسَانُ كَلَّ نَفْسِهِ بَمِيْرَةً ﴿ وَلَوْ ٱلْفَى مَمَادِيْرَةً ﴿ وَلَوْ ٱلْفَى مَمَادِيْرَةً ﴿

وْلُوْ ٱلْغَى مَعَادِيْرَةُ ﴿ لَاتُحَرِّكُ بِهِ لِسَالَكَ لِتَعْجَلَ بِهِ ﴿ إِنْ عَلَيْنَا جَمْعَهُ وَقُوْ إِنْدُى غَادَا قَرْ الْفُقَالِيْمُ قُرْ أِلْفَا ﴾

. সূরা আল-কিয়ামাহ্ পার	سُوْرَةُ الْقِيْمَةِ هِهِ-
১৯। এরপর নিশ্চয় এর ব্যাখ্যাও আমারই দায়িত্তে।	رُّ إِنَّ عَلَيْنَا بَيَانَهُ ۞
২০। কক্ষনো না, বরং তোমরা নগদকে (দূনিয়ার জীবনকে) ভালবাস <sup>*</sup> -	بُرِّ بَلْ بَكُنْ تُحَبُّونَ الْعَاجِلَةَ ۞وَتَذَرُونِ الْأَبَلُ تُحَبُّونَ الْعَاجِلَةَ ۞وَتَذَرُونِ
২১। এবং অধিরাতকে পরিত্যাগ কর।	الأخرة ١
২২। সেদিন কতক চেহারা উজ্জ্বল হবে-	جُوْهٌ يُّوْمَئِكِ تَّاضِرَةً ۞
৩। তারা তাদের প্রতিপাদকের দিকে তাকিয়ে থাকবে,	الى رَبِّهَا نَاظِرَ اللَّهُ
৪। এবং সেদিন কতক চেহারা স্লান হবে-	وُجُولَةٌ يُوْمَعُكْ بَاسِرَةٌ ﴾
হও। ধারণা করবে যে, তাদের সাথে করা হবে এক মেরন্দন্ত ভাঙ্গা আচরণ।	ظُنُّ اَنْ يُّثَعَلَ بِهَا فَاقِرَةٌ ۞
ঙে। কফনো না, (প্রাণ) যখন কণ্ঠাগত হবে <sup>*</sup> -	لَّا إِذَا بَلَغَتِ التَّرَاقِيَ ﴾
ং। এবং বলা হবে, 'কে আছে ঋড়-খূঁককারীঃ'	قِيْلَ مَنْ عَ رَاقٍ ﴾
৮। এবং দে মদে করবে যে, এটা বিদায় (মুহূর্ত)-	فَلَّ اللَّهِ الْفِرَاقُ ﴾
<ul> <li>১) এবং পায়ের সঙ্গে পা জড়িয়ে যাবে-</li> <li>১০) সেনিন তোমার প্রতিপালকের দিকে যাত্রার সময়।</li> </ul>	اِلْتَفْتِ السَّاقُ بِالسَّاقِ ۞
৩০। শেনিল ভোমার প্রতিপালকের দিকে যাত্রার সময়।	لَ رَبِّكَ يَوْمَعِدِ إِلْمَسَاقُ ﴿
১১। কিছু সে সত্য বলে স্বীকৃতি দেয়নি এবং সালাত (নামাব) আদায় করেনি-	لَامَدُّقَ وَلَا مَلِّي ﴾
১২। বরং সে (কুরআনকে) মিথ্যা অভিহিত করেছিল ও মুখ ফিরিয়ে নিয়েছিল-	لِكِنْ كَدَّبَ وَتَوَلَّى ﴾
৩৩। এরপর সে ভার পরিবার-পরিজনের নিকট কিরে গিয়েছিল দক্ষভরে।	رُّ ذَهَبَ إِلْ آهْلِهِ يَتَمَثَّى ﴿
98। দুর্ভোগ ভোমার জন্য, দুর্ভোগ-	وْلْ لَكَ فَأَوْلْ ﴾
🕫। আবার, দুর্ভোগ তোমার জন্য,  দুর্ভোগ।	يْرُ اَوْلِي لَكَ فَأَوْلِي ﴿
০৬। মানুষ কি মনে করে যে, ডাকে এমনিতেই হেতে দেরা হবে।	يَحْسَبُ الْإِنْسَانُ أَنْ يُتَّرَكَ سُدِّي ﴿
০৭। সে কি নিৰ্গত বীৰ্যের একটি বিন্দু ছিল নাঃ	لَرْ يَكُ نُطْفَةً مِّنْ مَّنِي يُّمْنَى ﴿
চ্চ। এরপর সে ছিল আলাকা (ক্রন যে পর্যায়ে মাতৃগর্ভে কুলে থাকে), অতঃপর তিনি (আল্লাহ) তাকে আকৃতি দান করেছেন ও সুগঠিত	رِرَّ كَانَ عَلَقَةٌ فَخَلَقَ فَصَلَقَ فَسُوِّى ﴾
করেছেন। ১৯। এবং তা (বীর্য) থেকে তিনি বানিয়েছেন জোড়া- নর ও নারী।	جَعَلَ مِنْهُ الزَّوْجَيْنِ الذِّكَرَ وَالْأَثْفَى ﴿
১৯। এবং তা (বীর্ম) থেকে তিনি বানিয়েছেন জোড়া- নর ও নারী। ৪০। সেই সন্তা কি মৃতদেরকে জীবিত করতে সক্ষম নদঃ	لَيْسَ ذُ لَكَ بِقُدِرِ يَأَى أَنْ يُحْيَّى َ الْمَوْتَٰى ﴿

वानित्वछि।

# ৭৬. সুরা আদু-নাহর, মানানী ৩১ আয়াত, ২ ক্ত্ অসীম দরামুর ও পরম দরালু আল্লাহর নামে

- মহাকালের মধ্য থেকে মানুবের উপর কি এমন একটি সময় অতিবাহিত হয়েছে, যখন সে উল্লেখযোগ্য কিছুই ছিল নাঃ
- হয়েছে, যখন সে উল্লেখযোগ্য কিছুই ছিল নাঃ

  ২। নিচয় আমি মানুখকে সৃষ্টি করেছি সংমিত্রিত বীর্যবিদু খেকে; তাকে
  আমি পরীক্ষা কয়ব, তাই তাকে প্রবং শক্তি সম্পন্ন ও দৃষ্টিশক্তি সম্পন্ন
- ১। নিকর আমি তাকে পথ প্রদর্শন করেছি, (এখন) হয় সে কৃতক্ক হবে অথবা সে অকৃতক্ষ হবে।
- ৪। নিকর আমি অকৃতভাদের জন্য প্রস্তুত করেছি শিকদ, বেড়ি ও জুলত্ত
- ৪: নিকয় পুণ্যবাদরা পান করবে এমন (সুরাপূর্ণ) পান পাত্র থেকে যার মিশ্রণ হবে কাফুর (কর্পুর),
- ৬। (সুরার উৎস হবে) একটি থর্ণা, যা (থেকে) আল্লাহর বান্দারা পান করবে, তারা এটিকে প্রবলবেশে প্রবাহিত করবে<sup>®</sup>।
- তারা মানত পূর্ণ করে এবং তারা তয় করে এমন একদিনের যার ক্ষতি

  য়বে বাপক।
- ৮। এবং খাদ্যের প্রতি ভালবাসা থাকা সত্ত্বেও তারা মিসকীন (অভাকান্ত), ইয়াতীম ও বন্ধীকে খাদ্য দান করে।
- ১। (এবং বলে) 'কেবল আল্লাব্র সমুটি লাভের উদ্দেশ্যে আমরা গোমানেরকে খাদ্য দান করি, আমরা তোমাদের নিকট বেকে প্রতিদান চাই না এবং কভারতাও না।
- ১০। নিকত্ত আমরা তত্ত করি আমাদের প্রতিপাদকের নিকট থেকে কঠিন ও বিপদ সন্থল এক দিনকে।'
- ১১৷ সুতরাং আল্লাহ্ তাদেরকে রক্ষা করবেন সে নিনের ক্ষতি থেকে এবং তাদেরকে দিবেন উৎফুক্ততা ও আনন্দ,
- ১২। এবং তাদের ধৈর্থশীলতার বিনিময়ে তালেরকে প্রতিদান দিবেন জাত্রাত ও রেশমী পোশার-
- ১৩৷ সেখানে তারা উচ্চ আসনসমূহের উপর হেলান দিয়ে বসবে, সেখানে তারা কোন রৌদ্র দেখাবে না এবং প্রচণ্ড শীতও না,
- ১৪। ভালের নিকটে থাকবে ভার (জান্নাতের) ছায়া এবং ভার ফল-মূলকে সম্পর্করণে ভালের নাগালে নিয়ে আনা হবে।
- ১৫। তাদেরকে যুরে যুরে পরিবেশন করা হবে রৌশ্য পাত্র এবং ক্ষতিক গাস-
- ্রাণ ১৬। রৌপ্য নির্মিত ক্ষটিক- তারা (পরিবেশনবারীরা) দেখলোকে পূর্ণ করে রাখবে।

- ٢٧ سُورَةُ الدُّهْ مَنْ يَبَّةُ الْمَاتِهَا - الدُّكُونَاتِهَا - الْمُتَاتِقَا - الْمُتَاتِقِ الْمَاتِقِيقِ يِسْمِ اللَّهِ الرِّحْمُ فِي الرَّحِيْقِ
- هُلَ أَتَّى كَلَ الْإِنْسَانِ حِيْنٌ مِّنَ الدُّهْرِ لَرْ يَكُنْ هَيْئًا مَّذْكُورًا ۞
- إِنَّا مَلَقَنَا إِلْإِنْسَانَ مِنْ نُطْفَةٍ آمَهَا جَ تَنْبَتَلِيْهِ فَجَعَلْنُهُ سَهِيْعًا يَصِرُّا ۞
  - إِنَّا هَدَيْنَهُ السَّبِيْلَ إِمَّا هَاكِرًا وَإِمَّا كَفُوْرًا ۞ إِنَّا آعَتَدُنَا لِلْكُفِرِيْنَ سَلسلا وَآغَلُلاً وَسَعْيُرًا ۞
  - إِنَّ الْأَبْرُ الْرَيْشُ بُوْنَ مِنْ كَأْسٍ كَانَ مِزْ أَجُهَا كَافُوْرًا ﴾ عَيْنًا يَّشْرَبُ بِمَا عِبَادُ اللهِ يُنَجِّرُوْنَهَا تَقْدِيرًا ۞
  - يُوفُونَ بِالنَّذُ رِوَيَخَافُونَ يَوْمًّا كَانَ شَرَّةُ مُشَعَطِيرًا ۞ وَيُطْعُونَ إِللَّهُ إِلَيْهِ عَلَيْهُ الْمُعَامِّلُ عَلَيْهُم الْمُسَيِّدُ وَيَعْهُمُ الْأَسْيَّالِ ۞
- ويىقىغۇن الطفاقى خېم موسويت ويغيما واسيرا ⊙ إِنَّمَا نُطُعِمُكُرُ لِوَجْهِ اللهِ لاَتُرِيْدُ مِنْكُرُ جَزَّاءً وَلاَهُكُورًا ⊙
  - إِنَّا نَخَانُ مِنْ رَّبِّنَا يَوْمًا عَبُوْسًا قَمْطَرِيْرًا @
  - فَوَقَهُمُ اللهُ هُوَّ ذَٰ لِكَ الْيَوْ ۗ وَلَقَهُمْ نَفَوَةً وَّسُرُورًا ۗ
- وَجُوْلِمُنْ بِمَا صَرَوْعَ جَنَّةً وَّمَرِيْرًا فَ مُتَّكَعُيْنَ فَيْهَا فَيَ الْأَلْوَاقِكَ \* لَايَرَوْنَ فِيْهَا شَمْسًا وَّلَا
  - زَهُورِيْرًا ﴿ وَدَانِيَةً عَلَيْهِمْ طَلْلُهُا وَذُلِّلَتْ فُطُونُهَا تَثْ لِيْلًا ﴿
  - وَيُطَانُ عَلَيْهِمْ يَانِيَةٍ مِنْ فِقْةٍ وَّأَخُوابٍ كَانَتْ قَوَ ارِيْرَاۤ ﴿ قَوَارِيْرَا مِنْ فَقْدَ قَرَّرُهُمَا تَقْدَيْرًا ۞

- المسرية الديق #121-NN وَيُشْقَوْنَ فَيْهَا كَأْسًا كَانَ مِ َ إِجُهَا زَنْجَبِيْلًا أَيْ
- ১৭। সেখানে তাদেবকে পান করানো হবে এমন (সরাপর্ণ) পানপাত্র যার विभाग करत गांसकारिक (आसा) ১৮। (সবাধ উৎস হবে) সেখানকাৰ (জানাতেৰ) একটি ঝৰ্ণা, যাব নাম
- आन्यातील। ১৯। এক আদেকক ভাব ভাব পৰিবেশন কৰাৰ চিবকিংশাৰেব। যখন তমি
- witnesse costes well time more with the builted time.
- ২০। এবং যথনই ভূমি ভাকাবে, সেখানে দেখতে পাবে নেয়ামত ও বিশাল atter ১১। সামের উপর প্রাক্তরে সরক্ষ মিত্রি ও পরু বেশমী পোশার এবং ভারা অলংকত হতে বৌপ্য নির্মিত হালা ছারা আর ভালের প্রতিপালক
- ১১। নিশ্বর এটা ভোয়াদের প্রকিলান এবং ভোয়াদের প্রচেটা প্রশংসাযোগ্য।
  - ১৩। দিশ্বর আমি ভোমার প্রতি করআন অবতীর্ণ করেছি পর্যায়ক্তমে.

फारम्बरस्य शास क्यारसम् विरुद्ध शामीरः

- ১৪। সভবাং ভামি থৈৰ্য ধাৰণ কৰ ছোমাৰ প্ৰতিপালকেৰ চকমেৰ (ফযুসালাব) জন্য এবং তাদের মধ্যে কোন পাপী অথবা অকতজ্ঞের আনুগত্য করো
- ১৫ এবং কোমার প্রতিপালকের হাম ব্যবগ কর সকালে ও সন্ধার
- ১৬। এবং বাতের কিচ অংশে তাঁকে সিক্রদা কব এবং বাত্রির দীর্ঘ সময় তাঁর পরিবাদা ছোম্বা কর।
- ১৭: নিক্তর ভারা ভালবাসে নগদকে (দনিয়ার জীবনকে) এবং ভারা ছেচে দেয় (উপেক্ষা করে) তাদের সামনে এক করিন নিনকে। ১৮। আমিট ভামেরতে সাষ্ট্র করেছি এবং ভামের গঠনতে সদত করেছি।
- নাল মধান আমি উজা করের সধান প্রসিধাপন করের সামের আক্রমি সম্পর্ণক্রপে।
- ১১। মিশ্বয় একলো উপাদশা অসংধ্য যাব ইক্ষা সে ভাব প্রতিপালকের লিকে পথ গ্ৰহণ কৰুক।
- কর। আর আলাচর উল্লাখ্যমা খোমুরা উল্লাকর মা। নিশ্য আলাচ সর্বভামী ও মহা প্রজাবান।
- ক্রন্য তিনি প্রস্তুত করেছেন যন্ত্রণাদায়ক শান্তি।

- عَيْنًا فَيْهَا تُسَمِّى سَلْسَبِيْلًا ﴿ وَيَكُونُ عَلَيْهِرْ وَلْدَانَّ مَّخَلَّدُونَ ؛ إِذَا رَآيْتَهُرْ حَسِبْتَهُرْ
  - لَوْ لُوْ امْنَتُورُ وَا
- وَإِذَا رَآيْتَ ثَيُّ رَآيْتَ نَعْيُمًا وَّمُلْكًا كَبِيًّا ۞ عليهُ ثيابُ سُندُس عُفْرٌ وَاسْتَبْرَقَ وَحُلُّوا إِسَاورَمِنْ فِقَّةٍ عَلْمَهُ أَلَا اللهِ عَلْمَةً
  - وَسَّقْهُ أَرَبُّهُ أَرَبُّهُ أَبُا طَهُوْرًا ۞ انَّ هٰذَا كَانَ لَكُرْ جَزَّ أَءً وَّكَانَ سَعْيُكُرْ مَّشْكُوْ رَا هُ
    - انَّا نَحْنُ بَأَ لَنَا عَلَيْكَ الْقُوْلُنِ تَبْ ثِلَّا هُ فَاشِبْ لَكُدُ رَبُّكَ وَلَاتُطِعْمِنْهُ ۚ أَنَّهَا أَوْكَفُوْرًا ﴿
    - وَاذْكُ اشْرَ رَبُّكَ بُثِ ةٌ وَّأَصْلًا ﴿
- وَمِنَ الَّيْلِ فَاسْجُدْ لَهُ وَسَبَّحْهُ لَيْلًا هِ يُلَّاهِ
- انَّ هَوُ لَآء يُحبُّونَ الْعَاجِلَةَ وَيَذَرُونَ وَرَآءَهُمْ يَوْمًا تَقَيْلًا ﴿
- نَحْرُ، خَلَقْنَهُمْ وَشَدَدْنَا آشَوَهُرْ ؛ وَإِذَا شِئْنَا بَدَّلْنَا آمْتَا لَهُرْ انٌ هذهِ تَذْكُورَةً ، فَمَنْ شَآءَ اتَّخَذَ إِلَى رَبِّهِ سَبِيلًا
  - وَمَا تَشَآءُونَ الَّإِ آنَ يُشَآءَ اللهُ ﴿ إِنَّ اللَّهُ كَانَ عَلَيْمًا حَكَيْمًا أَوُّ

### ৭৭, স্রা আল-মুরসালাত, মাঞ্চী ৫০-বায়াত, ২-কক অসীম দ্য়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

بسبم الله الرَّحُمٰن الرَّحِيْمِ

১। কসম কল্যাণরশে গ্রেরিতদের-

২। এবং (কসম) প্রবলভাবে ধাবমানদের-

৩। এবং (কসম) পূর্ণরূপে বিভারকারীদের-

৪। এবং (কসম) পূর্ণরূপে পৃথককারীদের-

৫। এবং (কসম) উপদেশ অর্পণকারীদের-

৬। অনুশোচনা অথবা সতর্কতাস্বরূপ-

৭। প্রকৃতই তোমাদেরকে যে প্রতিঞ্চতি<sup>®</sup> দেয়া হচ্ছে তা অবশ্যই ঘটবে।

৮। সূতরাং যথন তারকারাজিকে নিস্ত্রত করা হবে-৯। এবং যখন ভাকাশকে ফাটিয়ে দেয়া হবে-

১০। এবং যথন পর্বতমালাকে উৎপাটন করা হবে-

১১। এবং যখন রাস্তদের (সাক্ষী দেরার) সময় নির্ধারণ করা হবে ১২। এগুলো স্থপিত রাখা হয়েছে কোন্ দিনের জন্যঃ

১৩। ফয়সালার দিনের জন্য, ১৪। আর তিনে তোমাকে জানাবে কয়সালার দিন তীঃ

১৫। সেদিন মিথ্যা অভিহিতকারীদের জন্য রয়েছে দুর্ভোগ। ১৬। আমি কি পূর্ববর্তীদেরকে ধাংস করিনিঃ

১৭ এরপর আমি পরবর্তীদেরকেও তাদের (পূর্ববর্তীদের) অনুগামী করব। ১৮। অপরাধীদের সাথে আমি এরপই করে থাকি।

وَ الْمُرْسَلِبِ عُرْفًا أَنَّ فَا لُغُمِفْ عَمْقًا أَ

ه-سُورَةُ المُدْسَلُ.

وَّالنَّسُوت نَشُرًا ٥ فَالْفُرِقْتِ فَرْقًا أَ

فَالْمُلْقِيبِ ذِكْرًا ۞ عُدْرًا أَوْنُدُرًا أَ إِنَّهَا تُوْعَدُونَ لَوَ اقعٌ ٥

فَإِذَا النَّجُوْءُ طُهِسَتْ ٥ وَإِذَا السَّمَاءُ فُرِجَتْ ٥ وَإِذَا الْجِبَالُ نُسِفَدُ ٥ وَإِذَا الرُّسُلُ أُقِّتَتْ ﴿

لِأَيِّ يَوْ إِ أَجِّلَتْ ﴿ لِيَوْا الْفَصْلِ أَ وَمَا آدر لك مَا يَوْمُ الْفَصْل ﴿

وَيْلُ يُّوْمَئِدُ لِلْمُكَدِّبِيْنَ @ أَلَمْ نُهْلِكَ الْأَوَّلَيْنَ ﴿ ثُرٌّ نُتْبِعُهُرُ الْأَخِرِيْنَ ۞ كَذٰ لِكَ نَفْعَلُ بِالْمُجُرِمِينَ ⊛

৭, সুরা আল-মুরসালাত	পারা-২৯	٤٠- سُوْرَةُ الْمُرْسَلِي
১৯। সেদিন মিখ্যা অভিহিতকারীদের জন্য রয়েছে দুর্ভোগ।		وَيْلُ يُوْمَعُدٍ لِلْمُكَدِّبِيْنَ ﴿
২০। আমি কি ভোমাদেরকে ভুগ্ধ পানি থেকে সৃষ্টি করিনিঃ		ٱلَرْ نَخُلُقُكُرْ مِّنْ مَّآءٍ مِّهِيْنٍ ۞
২১ অতঃপর আমি তা রেখেছি দিরাপদ স্থানে-		فَجَعَلْنٰهُ فِي فَرَا رِ مَّكِيْنٍ ۞
২২। একটি নির্দিষ্ট পরিমাণ পর্যন্ত-		إِلَىٰ قَدَرِمُّعْلُوْمٌ ﴾
২৩. এবং আমি (এর পরিমাণ) নির্ধারণ করেছি, আর আমি ক (পরিমাণ) নির্ধারণকারী!	তই নাউত্য	فَقَدَ رُنَا * فَنِعْمَ الْقُدِ رُوْنَ ۞
২৪ সেদিন মিধ্যা অভিহিতকারীদের জন্য রয়েছে দুর্ভোগ।		وَيْلُ تَّوْمَعِدٍ لِّلْمُكَدِّبِيْنَ ⊛
২৫। আমি কি পৃথিবীকে ধারণকারিনী বানাইনি-		ٱلَرْ نَجْعَلِ الْآرْضَ كِفَاتًا ۞
২৬। জীবিত ও মৃতদের জন্যঃ		أَهْيَاءً وَأَمْوَ اتَّا ﴾
২৭। এবং এতে আমি কনিয়েছি সুউচ্চ সুনৃত্ব পর্বতমাদা এবং পান করিয়েছি সুপেয় পানি।	তোমাদেরকে	وَّجَعَلْنَا فِيْهَا رَوَاسِيَ شَمِحْتٍ وَّٱسْقَيْنَكُرْ مَّاءً فُرَاتًا ﴿
২৮। সেদিন মিখ্যা অভিহিতকারীদের জন্য রয়েছে দুর্কোগ।		وَيْلُ يُّوْمَعِٰدٍ لِّلْمُكَذِّبِيْنَ ۞
২৯। চল তারই দিকে বাকে ভোমরা মিধ্যা অভিহিত করতে,		إِنْطَلِقُوٓ اللَّهِ مَا كُنْتُرْ بِهِ تُكَدِّبُونَ ١
৩০। চল তিন শাখাবিশিষ্ট (ধোঁয়ার) ছারার দিকে-		إِنْطَلِقُوٓ إِلَىٰ ظِلِّ دِيْ تَلْبِ شُعَبٍ ﴾
৩১। বা না শীতল, আর না অগ্নিশিখা থেকে রক্ষা করে।		لَّاظَلِيْلٍ وَّلَا يُغْنِيْ مِنَ اللَّهَبِ ﴿
৩২। মিকন্স এটি প্রামানভূল্য (বৃহৎ) কুলিংগ উৎক্ষেপন করবে	,	إِنَّهَا تَرْمِيْ بِشَرَ رِكَا لُقَصْرٍ أَهُ
৩৩। যেন তা হলুল রংয়ের উটের পাল।		كَانَّهُ جِهٰلَتْ مُقْرِّ ﴿
৩৪। সেদিন থিখ্যা অভিহিতকারীদের জন্য রয়েছে দূর্ভোগ।		وَيْلِّ يُّوْمَئِدٍ لِّلْمُكَدِّ بِيْنَ ﴿
৩৫। এটা এমন একদিন খেনিন ভারা কথা বলবে না-		هٰذَا يَوْاً لَا يَنْطِقُونَ ﴾
৩৬। এবং তানেরকে অস্তৃহাত পেশ করার অনুমতি দেয়া হবে	(मी)	وَلَا يُؤْذَنُ لَهُرْ فَيَعْتَذِ رُوْنَ ⊕
৩৭। সেদিন মিধ্যা অভিহিতকারীদের জন্য বয়েছে দুর্জোগ।		وَيْلٌ يُّوْمَ ثِرِ لِلْمُكَدِّبِيْنَ ۞
ওচ। এটাই ফয়সালার দিন, আমি একত্র করেছি তোমা। পূর্ববর্তীনেরকে।	দেরকে এবং	هٰذَا يَوْץُ الْفَصْلِ، جَمَعْنْكُيرْ وَالْأَوَّلِيْنَ ⊛
	29h	

4٨-سُورَةُ النَّيَا-مَكَّيَّةُ १४, जुड़ा व्यान-नावा, माडी ८० सामात्र ३ वस्त اياتها-٣٠ ركوعاتها-٢ بسمرالله الرَّحُمْن الرَّحِيْم . অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আল্লাহর নামে

## পারা-৩০

A CHESTA	-db	Green	0/2/10/2	Gamerata	202784	

১। সেই মহা সংবাদ সম্পর্কে-

ক। যে বিষয়ে তাবা মতপাৰ্থাকা লিঙা<sup>\*</sup>

৪। কক্ষনো না. শীঘই ভারা জানতে পারবে-

৫। আবার (বলছি) কক্ষনো না, শীঘ্রই তারা জানতে পারবে।

৯ স্থায়ি জি বারাইনি হার্মীরকে বিচারা-

৭। এবং পর্বত্যালারে পোরবঃ

৮। এবং আমি তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছি জোড়ার জোড়ার-

৯। এবং তোমাদের ঘুমকে বানিয়েছি বিশাম-

১০। এবং রাভকে বানিয়েছি আবরণ-

১১। जुला क्रिसाक टासिट्यपि क्यॉस्ट्स

১২। এবং আমি তোমাদের উপরে নির্মাণ করেছি সুদৃদ সাতটি আকাশ-

১৩। এবং বানিয়েছি অতি উজ্জল প্রদীপ (সূর্ব)-

১৪ এবং গানিবারী মেঘমালা থেকে অবতীর্ণ করেরি প্রচর পানি-

১৫। এ জন্য যে, উৎপদ্র করি আমি তা দিয়ে শস্য দানা ও উত্তিদ-

১৬। এবং ঘন সন্নিবিট উদ্যানসমূহ। ১৭। নিশ্বয় হার্যসালার দির একটি নির্বাবিক সময

সিহিতে প্রানের চীকা সুরা নং : আয়ার নং অনুসারে তরজমার শেষে দেপুন

عَن إلنَّبَا الْعَظيرِ أَن الَّذِي هُرْ فَيْهُ مُثْعَلَقُوْنَ ٥

عَمْ يَتَسَأَّءَ لُوْنَ أَن

كَلَّا سَيَعْلَيُهُ إِنَّ أَنَّ ثُرِ كَلَّاسَيَعْلَمُوْنَ ﴿

أَلَرُ نَجْعَلِ الْأَرْضَ مَهٰدًا ٥ وَّالْعِبَالَ اَوْتَادًا يُ

وْخَلَقْنْكُمْ ۚ إَزْوَاجًا۞ وَّجَعَلْنَا نَوْمَكُرْ سُبَاتًا أَ رَّجَعَلْنَا الَّيْلَ لَبَاسًا ﴿ وَّجَعَلْنَا إلنَّهَا رَ مَعَاشًا ق

وَّبَنَيْنَا فَوْقَكُمْ سَبْعًا شَدَادًا۞ وّْجَعَلْنَا سِ َ اجًا وَّهَّاجًا ۞

وَّأَنْزَ لْنَا مِنَ الْمُعْمِوٰتِ مَاءً تُجَّاجًا ﴿ لِّنُهُرِجَ بِهِ حَبًّا وُّنْبَاتًا ۞

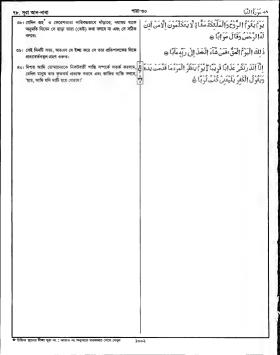
وْجَنَّتِ ٱلْفَافًا ﴿

إِنْ يَوْمَ الْفَصْلِ كَانَ مِيْقَاتًا أَن

৮. সুরা আন-নাবা	পারা-৩০	٤ سُورَةَ النَّبَا
১৮। যেদিন শিক্ষার ফুঁ দেয়া থবে এবং তোমবা উপস্থিত হবে দলে দলে	T	يُّوْ)َ يُنْفَغُ فِي المُّوْرِ فَتَٱتُوْنَ اَفْوَاجًا ﴿
১৯। এবং আকাশকে খুলে দেয়া হবে এবং তা বহু দরজার পরিণত হবে	-	وْفُتِعَبِ السَّمَاءُ فَكَانَتُ أَبُوَ إِبَّاقٍ
২০। এবং পর্বতমাপাকে চালিত করা হবে, ফলে তা মরীচিকার মত থাবে।	इ.स	رَّسُيِّرَتِ الْجِبَالُ فَكَانَتْ سَرَابًا ۞
২১। দিক্তর জাহান্লাম অপেকার আছে-		إِنْ جَهَنْرَ كَانَتْ مِرْ مَادًا ﴾
২২। সীমালজনকারীদের প্রত্যাবর্তনস্থল হিসেবে-		لِّلطَّاغِيْنَ مَاٰبًا ۞
২৩৷ সেখানে ভারা হবে বহু যুগ ধরে অবস্থানকারী,		لْبِفِيْنَ فِيْهَآ ٱحْقَابًا ﴿
২৪। সেখনে না তারা আস্থাদন করবে কোন ঠাণ্ডা আর না কোন পানীয়		لَا يَذُوْقُوْنَ فِيْهَا بَرُدًا وَّلَاشَرَابًا ﴾
২৫। উর্জ্ঞ পানি ও পুঁজ ছাড়া-		إِلَّا حَمِيْمًا وَّغَسَّاقًا ۞
২৬। এটাই তাদের উপযুক্ত প্রতিকল।		مَزَآءً وِّفَاقًا ﴿
২৭। নিক্তর তারা হিসাবের আশা করত না-		إِنَّهُرْ كَانُوْ الْا يَرْجُونَ حِسَابًا ﴾
২৮। এবং তারা আমার আয়াতসমূহকে সম্পূর্ণরূপে মিখ্যা এভিহিত কর	B1	ئِكَذَّبُوْ( بِأَيْتِنَا كِذًّا بَّا۞
২৯। এবং সবকিছুই আমি সংরক্ষণ করেছি (লিখিত আকারে) বি ভিসেবে-	कार है	ِكُلِّ شَيُّ ٱجْمَيْنَاهُ كِتْبًا۞
াহংগৰে- ০০। অতএব তোমরা স্থাদ গ্রহণ কর, আমি তোমানের শান্তিই তথু বৃদ্ধি ব	[7]	نُدُوْقُوْا فَلَنْ نَّزِيْدَكُمْرُ إِلَّا عَذَابًا ۞
৩১। মিশ্চর মুব্রাকীদের জন্য হরেছে সাঞ্চ্য-		نْ لِلْمُتَّقِيْنَ مَفَا زَّاهُ
৩২। উদ্যাদসমূহ ও আসুর-		مَدَّالِقَ وَاعْنَابًا ﴾
৩৩, এবং সমবয়সী নব্য যুবজীৱা -		ِكُوَاعِبَ ٱثْرَابًا <b>۞</b>
৩৪. এবং সুরাপূর্ণ পানপাত্র।		كَأْسًا دِهَاقًا ﴿
৩৫। সেখানে না ভারা খনবে কোন অসার কথা আর না ভারা খনবে ( মিথ্যা।	কান	لَا يَشْمَعُونَ فِيْهَا لَقُوًّا وَّلَا كِلَّابًا ۞
৩৬। (এ সবই) তোমার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে প্রতিদান-যথার্থ উপহ	18-	نَزَآءٌ مِّنْ رَّبِّكَ عَطَآءً حِسَابًا ۞
৩৭। যিনি আকাশসমূহ ও পৃথিবী এবং উভয়ের মাথে বা কিছু আছে প্রতিপালক, যিনি অসীম দয়ময়, তাঁকে সমোধন করতে ভারা স	তার ক্র	يْبِّ السَّمُوٰتِ وَالْاَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا الرَّحْمَٰقِ لَايَمْلِكُوْنَ عَامًا *

হবে না,

خِطَابًا أَهُ



鼸	3	98. 7	রা '	আন-ন	াধি'আত	, माकी	_
鐮	9		86	আয়াত	২ কৰ্		_
	অসীম	দয়াময়	હ	পরম	দয়াল	আল্লাহর	नाद

১। কসম তাদের (অর্থাৎ ফেরেশতাদের) যারা ভূব দিয়ে (কটিনতাবে) হরণ করে (পাপীদের প্রাণ)-

করে (পাপীদের প্রাণ)-২। কসম তালের যারা সহজভাবে (পুণ্যবানদের ভ্রহের) বাঁধন খুলে দেয়-

২। কসম তালের যারা সহজভাবে (পৃথ্যবানদের রহের) বাঁধন খুলে

 গু: কসম তাদের যারা (ক্রব্ নিয়ে) দ্রুত গতিতে (আকাশের দিকে) গাঁতার কেটে যায়-

৪। এবং (কলম ভালের) যারা (জর গ্রহণ করতে) দ্রুত বেগে অগ্রসর হয়-

0,44(1..., 1819) 115 (4,441, 1819) 4

৫। এবং (কসম তাদের) যারা (সকল) কর্ম ব্যবস্থাপনার নিয়োজিত।

৬। যেদিন প্রকশিত করবে প্রকশ্পনকারী (প্রথম শিঙ্গা ছুঁ)-

৭। তাকে অনুসরণ করবে পরবর্তীটি (ছিতীয় শিঙ্গা ফুঁ)।

b। সেদিন কডক জন্ম সম্ভৱ হবে-

৯। তাদের দৃষ্টি হবে অবনত।

১০। তারা বলে, 'আমাদেরকে কি পূর্ববস্থায় (পুনরাশ্বিত করে) ফিরিয়ে আদা হবে

,
১১। আমরা য়খন কয়প্রাথ হাজে পরিগত হব তখনও

'

১২৷ তারা বলে, 'ভাই যদি হয়) তবে সেটা হবে এক ক্ষতিকর

১২। তারা বলে, '(তাই মাল হয়) তবে সেচা ববে এক কাক প্রত্যাবর্তন।' ১৩। সেটা জেলে এক বিকট শব্দ<sup>®</sup>-

১৪। এবং তৎক্ষণাৎ ভারা খোলা মহদানে উপদ্ধিত হবে।

১৫। ভোমার কাছে মুদার বৃত্তান্ত পৌহেছে কি<sup>\*</sup>?

১৬। যথদ তার প্রতিপাদক তাকে পবিত্র তুওরা উপত্যকার তেকে ব্যক্তিকেন

্বলোজনেন, ১৭। ফিরআউনের কাছে যাখ, নিক্য় সে সীমালজন করেছে,

১৮। অতঃপর বল, 'ভোমার আগ্রহ আছে কি যে, তুমি পরিজক হবে-

49-سُورُةُ النُّرِهٰتِ-مِكَيْةٌ ايَانَهَا-٣٦،رُكُومَانَهَا-٣ أي الله الآخيان التَّحيات

المالية الرَّحُمْنِ الرَّحِيْمِ

وَ النَّزِعْتِ غَرْقًا ﴾ وَّا لنَّهْطُتِ نَشْطًا ۞

وَّا لِنَّهِطْبِ نَشْطًا ۞ وَّا لَشْبِحْبِ سَبْكًا ۞

فَا لَشِيغُٰ ِ سَبْقًا۞ فَالْمُدَبِّرْتِ أَمْرًا۞

يُوْ) تَرْجُكُ الرَّاجِفَةُ ۞ تَتَبَعُهَا الرَّادِفَةُ۞ قُلُوْنُ يَوْمَعْدٍرَّاجِفَةٌ۞

صوب يوميس راجِدن ٱبْصَارُهَا خَاشِعَةٌ ۞ يَقُوْ لُوْنَءَ إِنَّا لَمَرْدُوْدُوْنَ فِي الْحَافِرَةِ ۞

يقو لون ء إنّا لمردودون في الا ءَ إِذَا كُنّا عِظَا مَّا نَّحِرَةً ۞ قَا لُوْ ا تِلْكَ إِذَا كَرَّةٌ غَاسِرَةً۞

فَإِنَّمَا هِيَ زَجُرَةٌ وَّالِحِدَةٌ ۞ فَإِذَا هُرُ بِا لسَّاهِرَةٍ ۞ هَلُ أَتْكَ حَدِيثُ مُوْسَى ۞

عِوْمَ امْرِ بِهِ صَافِّرُوْقَ هَلَ ٱتْلَكَ مَدِيْثُ مُوْسًى ۞ إِذْ نَادُنهُ رِيَّةٌ بِالْوَ إِدِ الْمُقَدِّسِ طُوَّى ۞ وَدُعَهُ مِنْ مُعَمَّدً مِنْ الْمُقَدِّسِ طُوَّى ۞

إِذْهَبْ إِلَىٰ فِرْ عَوْنَ اِلنَّهُ طَغَىٰ ﴾ فَعُلْ هَلَ لِّكَ إِلَّى آنْ تَوَخَّى ﴾

-سُوْرَةُ النَّرَعْت
وَاهْدِيكَ إِلَى رَبِّكَ فَتَخُشِّي ١
فَأَرْبُهُ الْآيَةَ الْكُبْرِي ۗ
فَكَذَّبَ وَعَمٰىٰ اللهِ
ثُرُّ آَدْبَ يَسْغَى ﴿
فَحَشَرَ فَنَادٰى ﴿
فَقَالَ أَنَّا رَبُّكُرُ الْآغَىٰ ﴿
فَأَغَذَهُ اللهُ نَكَالَ الْأَخِرَةِ وَالْأُولَ ﴿
إِنَّ فِي ذَٰ لِكَ لَعِبْرَةً لِّمَنْ يَخْشَى ﴾
ءَ ٱنْتُرْ أَهَدُّ غَلْقًا آيِ السَّمَآءُ بَنَّهَا 8
رَفَعَ سَهْكَهَا فَسَوْنَهَا ٥
وَٱغْطَشَ لَيْلَهَا وَٱخْرَجَ مُحْهَا ﴿
وَالْاَرْضَ بَعْدَ ذٰلِكَ دَحْهَا۞
ٱخْرَجَ مِنْهَا مَاءَهَا وَمَرْعُهَا
وَالْهِبَالَ ٱرْسُهَا۞
مَتَاعًا لَّكُرْ وِلاَنْعَامِكُرْ ﴿
فَإِذَا جَآءَتِ الطَّآمَّةُ الْكُبْرِي ﴿
يَوْمَ يَتَذَكُّرُ الْإِنْسَانُ مَاسَعٰى ﴿
وَبُرِّ زَتِ الْهَحِيْرُ لِمَنْ يُرْى ۞
فَأَمًّا مَنْ طَغَى أَهُ
وَأَثَرَ الْعَيْوِةَ الدُّنْيَا ﴾

, সূরা আন-নাধি'আত	পারা-৩০	سُوْرَةَ النَّزِعْب
৩৯। তীব্র আঞ্চনই হবে তার আশ্রয়স্থল।		إِنْ الْجَعِيْرَ هِيَ الْمَارِي ﴿
৪০। পঞ্চাররে যে তার প্রতিপালকের অবস্থানকে ভয় করেছে কুপ্রবৃত্তি থেকে বিরত রেখেছে-	এবং নিজকে	إَمَّا مَنْ هَانَ مَقَا ﴾ رَبِّهِ وَنَهَى   لنَّفْسَ عَنِ الْهَوٰي ﴿
৪১। জান্নাতই হবে তার আশ্রয়ন্থন।		نِاتَّ الْجَنَّةَ هِيَ الْمَأْوٰى ﴿
৪২। তারা তোমাকে কিয়ামত সম্পর্কে জিঞ্জাসা করে- কংন ত	া ঘটবে।	سْئَلُوْنَكَ عَنِ السَّاعَةِ ٱيَّانَ مُرْسَهَا ﴿
৪৩। ভূমি এর (সময়) উল্লেখ করার কেউ নও।		يْرَ ٱثْتَمِنْ ذِكْرُىهَا ﴿
৪৪। এর চূড়ান্ত ভান ভোমার প্রতিপালকেরই কাছে ররেছে।		لَى رَبِّكَ مُنْتَهٰهَا ﴿
৪৫। তুমি কেবল সতর্ককারী তার যে একে ভর করে।		نَّهَآ أَثْنَ مُنْذِرُ مَنْ يَخْشُهَا ﴿
৪৬। যেদিন তারা এটা দেখবে (সেদিন তাদের মনে হবে) য সন্ধ্যা অথবা এর (অর্থাৎ দিনের) এক সকাল ব্যতীত অব	চারা যেন এক ্র ভার জ্বারী। তী	لَنَّهُرْ يَوْا يَرُونَهَا لَرْ يَلْبَثُوا إِلَّا عَشِيَّةً أَوْمُحُهَا ﴾

# #	৮০. সুরা আবাসা, মাকী ৪২ আয়াত, ১ রুক্			رَةُ عَبَسَ-مَكِّيَّةٌ -٣٢.رگونَها ً.1
অসীম	দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহ্র	নামে 💝	1	لزَّحُمٰنِ الزَّحِيْمِ

(अ क किकाला बक मध फितिस निन-

২। এজনা যে, তার নিকট অন্ধ লোকটি<sup>\*</sup> আসল। o। আর কিসে তোমাকে জানাবে, সে হয়ত গরিওদ্ধ হত-

৪। অথবা উপদেশ গ্রহণ করত ফলে উপদেশ ভারে উপকার দিত।

৫। পক্ষান্তরে যে নিজেকে স্বয়ংসম্পর্ণ মান করল-

৯. তাহি তার পতি মানাবাাথ জিলা।

৭। অথচ সে পরিজন্ধ না হলে তোমার কোন দায়িতু নেই।

৮ পক্ষান্তরে যে তোমার কাছে দৌতে আসল-

৯: এবং সে ভয় করে (আলাহকে)-

১০। তমি ভার প্রতি অমনোযোগী হলে.

১১। কন্দলো না, নিশ্চয় এগুলো উপদেশ.

১২। অতএব যে ইম্ছা করবে সে এটি (অর্থাৎ কুরআন) ক্ষরণে রাখবে।

১৩। (এটি লিপিবদ্ধ আছে) মর্যাদাসম্পদ্র সহীকাসমূহে (পুঞ্জিকাসমূহে)-১৪। যা সমুনুত ও পুতপবিত্র-

১৫। (যা লিপিবদ্ধ) এমন লেখকদের হাতে-

১৬। যারা সম্মানিত ও সং। ১৭। মানুষ ধাংস হোক, সে কতই না অকতজঃ!

১৮। তিনি তাকে কোন্ বন্ধু থেকে সৃষ্টি করেছেনঃ

১৯। -বীর্য বিন্দু থেকে। তিনি ভাকে সৃষ্টি করেছেন, অভঃপর তাকে পরিমিত कारराज्य-চিহ্নিত স্থানের দীকা পুরা নং ; আগ্রাত নং অনুসারে ভরক্ষমার পেকে নেপুন

۸۰-سور آيَاتُهَا. بِسُهِ اللهِ ال

عَبْسَ وَتَوَلَّى ٥

أَنْ حَاعَةُ الْأَعْمِينِ إِنْ وَمَا يُدُرِيْكَ لَعَلْهُ يَ ۚ حَيْ

أَوْ يَذَّذُّهُ فَتَنْفَعَهُ } لِذَّكُوٰ يَ قُ أمًّا مَنِ اسْتَغُنِّي ﴾ فَأَنْدَ لَهُ تَصَدُّى أَهُ

وَمَا عَلَيْكَ ٱلَّا يَذَّكُى ۞ وَأَمَّا مَنْ جَاءَكَ يَسْعُي أَمُ وَهُو يَخْشَى ٥

فَٱلْتَ عَنْهُ تَلَمُّ مُ كَلَّا إِنَّهَا تَذْكِ ةً 6 فَمِنْ شَاءَ ذَكَ لا أَنْ

في مُحُف مُكَرِّ مَة في مَّرْفُوْ عَدْ مُّطَهِّرَةٍ. ١ باَيْدِيْ سَفَرَةٍ ۞ كرًا] برَرَة ۿ

قُتلَ الْإِنْسَانُ مَاۤ آَكُفَرَةً ﴿ منْ أَيُّ شَيُّ خَلَقَهُ ﴿ مِنْ نُطْفَة ، خَلَقَهُ فَقَدُّ رَةً ﴿

. সুরা আবাসা	পারা-৩০	٨٠-مُوُرَّةُ عَبَسَ
২০। এরপর (বের হওয়ার) পথকে মহজ করে নিয়েছেন <sup>*</sup> -		نُرُّ السَّبِيْلَ يَسَّرَةً ۞
২ <b>১</b> । এরপর তার মৃত্যু ঘটা <del>ন</del> এবং তাকে <i>ক</i> বরস্থ করেন-		يُرُّ أَمَا تَدُّ فَأَقْبَرَهُ ۞
২২। এরপর যখন তিনি ইচ্ছা করবেন, তাকে পুনর্জীবিত করবেন।		نُرُّ إِذَا هَاءَ أَنْفَوَهُ ٥
২৩। কক্ষনো না, তিনি তাকে যা নির্দেশ দিয়েছেন সে তা পালন করে	नि।	ثَلَّا لَمَّا يَقْضِ مَاۤ أَمَرَهٗ ۞
২৪। অতঃপর মানুষ তার খাদ্যের প্রতি লক্ষ্য করুক -		للَّيَنْظُرِ الْإِنْسَانُ إلى طَعَامةِ ﴿
২৫। যে, আমি পানি বর্ষণ করি পর্যান্ত পরিমাণে-		نَّا مَبَيْنَا الْمَآءَ مَبًّا ﴿
২৬। এরপর আমি যমীনকে বিদীর্ণ করি যথার্গন্তপে-		رِّ هَقَقْنَا الْاَرْضَ هَقًّا ﴿
২৭। অতঃপর আমি তাতে উৎপন্ন করি শস্যদানা-		اَنْبَتْنَا فِيْهَاحَبًّا ﴿
২৮। এবং আনুর ও শাক-সবজি-		عِنَبًا وَّقَفْبًا ﴾
২৯। এবং যায়ত্ন ও খেজুর-		زَيْتُوْنًا وَّنَطُلًا۞
৩০। এবং ঘন বাগান-		ِمَا الْقَ عُلْبًا ﴾ مَا الْقَ عُلْبًا ﴾
৩১। এবং ফল-মূল ও ভূণলতা-		فَاكِهَةً وَأَبًّا ﴾
৩২। ভোমাদের জন্য এবং ভোমাদের গবাদি পতর জন্য ভোগ্যসাম্মী	রূপে।	تَاعًا لَّكُرُ وَلِانْعَامِكُرُ ﴿
৩৩। অভঃপর যখন সেই কানকটোনো আওয়াজ এসে যাবে,		اِذَا جَاءً إِنَّ الصَّاعَةُ ﴾
৩৪। সেদিন মানুষ পালাবে তার ভাই থেকে-		وْاَ يَفِرُّ الْمَرْءُ مِنْ آخِيْهِ ﴿
৩৫। এবং তার মাতা ও তার পিতা থেকে-		أُمِّهِ وَآلِيثِهِ ﴾
৩৬। এবং তার প্রী ও তার সন্ধানদের থেকে।		مَاحِبَتِهِ وَبَنِيْهِ ٥
৩৭। সেদিন তাদের প্রত্যেকের অধস্থা এমন হবে যে, সে কেবল দিয়েই বাধ থাকবে।	नेत्वादक	كُلِّ امْرِى مِّنْهُرْ يَوْمَئِدٍ هَأَنَّ يَّغْنِيْهِ ﴿
৩৮। সেদিন কতক চেহারা হবে উজ্জ্বল-		جُوْلًا يُؤْمَئِنِ مُسْفِرَةً ﴾
৩৯। সহাস্য ও বফুর,		احِكَةٌ مُّسْتَبْشِرَةٌ ﴿
৪০। এবং সেদিন কতক চেহারা হবে ধূলিময়-		وُجُونًا تَوْمَئِنٍ عَلَيْهَا غَبَرَةً ۞
৪১। মলিনতা সেপব চেহারাকে আঙ্গল্ল করবে।	è	رْهَقُهَا قَتَرَةٌ ۞
৪২। তারাই পাপী কাফির।	00 a > 80	وَلَئِكَ هُرُ الْكَفَرَةُ الْفَجَرَةُ ۞

৮১, সরা আত-তাকভীর, মাঞ্জী ১৯ আয়াত ১ কক

٨١-سُورُ وُ التُّكُودُ -عِكْنَةٌ ايَاتُهَا- ٢٩، رُكُوعًاتُهَا- ٢ بسهرالله الرَّحُمْن الرَّحِدُم

রসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আলাহর নামে ১। যখন সর্যকে প্রটিয়ে নেয়া রবে-

১ নেক মধন ভালতালভি খতন প্রতেভ-

ও। এবং যখন পর্বভয়ালাকে চালিত করা চার-

৪। এবং যখন পর্বগর্তা উদ্বীসমহকে উপেক্ষা করা হবে-

৫। এবং যখন বন্যপতদেরকে একত্র করা হবে-

৬। এবং যথন সমুদ্রসমূহকে স্থীত করা হবে-

৭। এবং যথন আন্তাসমহতে সংযোজিত করা হবে-

৮। এবং যখন ভীবন্ধ গ্রোথিত কন্যাকে জিল্লাসা করা হকে

কান অপরাধে তাকে হত্যা করা হয়েছিল.

১০। এবং যথন সহীফাসমূহকে (আমলনামাসমূহকে) উল্লোচন করা হকে

১১। এবং যখন আকাশকে অনাবত করা হবে-

১২। এবং যখন জাহান্লামকে প্রজ্ঞালিত করা হবে-

১৩। এবং যখন স্নান্নাতকে নিকটবর্তী করা হবে-

১৪। তখন প্রত্যেকে জানবে সে কী উপস্থিত করেছে। ১৫। অতঃপর না আমি কসম কর্ছি পশ্চাদগামী-

১৬। আম্যমান, অদৃশ্যমান (নক্ষরের)-

১৭। কসম রাতের যখন তার অবসান হয়-

১৮। কসম প্রভাতের যখন তা (দিনের আলোয়) খ্বাস নের:

إِذَا الشَّمْسُ كُو رَتْ أَنْ وَاذَا النُّجُوْاُ الْكُدَرَتِينَ

وَاذَا الْجِبَالُ سُيِّرَتْ قَ وَاذَا الْعِشَارُ عُطَّلَتُ أَنَّ وَاذَا الْوُحُوشُ حُشِرَتُ 6

وَإِذَا الْبِحَارُسُجِّرَتْ أَنْ وَاذَا النُّفُوسُ زُوِّجَتُى أَ وَإِذَا الْمَوْءُدَةُ سُتَلَتْ أَنَّ بِأَيِّ ذَنْبِ قُتلَتْ أَ

وَإِذَا الصَّحُفُ نُشِرَتُ ﴾ وَاذَا السَّمَاءُ كُشطَتْ ١ وَاذَا الْجَحِيْرُ سُقْرَتُ الْ

وَإِذَا الْجَنَّةُ أُزْلِفَتْ وَ عَلَمَتْ نَفْسٌ مَّا ٱحْضَرَتْ ﴿ فَلَّا أُقْسِرُ بِالْخُنَّسِ ﴿ الْجَوَارِ الْكُنِّسِ ﴿

وَالَّيْلِ إِذَا عَسْعَسَ ٥

وَالمُّبْسِ إِذَا تَنَفَّسَ ﴿

. সূরা আত-তাকজীর পারা-৩০	سُورَةُ التَّكُوبُرِ
১৯৷ নিকর এটি (কুরখান) অবশ্যই সম্মানিত রাস্তার (জিবরাইল অমীত) কথা-	نَّهُ لَقَوْلُ رَسُوْلٍ كَرِيْرٍ ۞
২০। যে শক্তিশালী, আরশের মালিকের নিকট মর্থাদাসম্পন্ন-	ىٛ قُوَّةٍ عِنْدَذِى الْعَرْضِ مَكِيْنٍ ۞
২১। সেবানে (উর্ধ্ব জগতে)মান্যবর ও বিশ্বাসভাজন <sup>*</sup> ।	طَاعِ ثَرَّ آمِيْنِ ۞
২২। এবং তোমাদের সাধী (মুহামদ) পাগল নয়,	مَا مَاحِبُكُرْ بِمَجْنُونٍ ﴿
২৩। এবং অবশ্যই সে তাকে (জিবরাইলকে) স্পষ্ট নিগতে দেখেছে,	لَقَدُ رَأَهُ بِالْأَفُقِ الْمُبِيْنِ ﴿
২৪। এবং সে অনৃশ্য বিষয় সম্পর্কে কৃপণ নয়,	مَا هُوَ كَلَ الْغَيْبِ بِهَنِيْنٍ ﴾
২৫। এবং এটি বিজ্ঞাড়িত শয়তানের কথা নর-	مَا هُوَ بِقَوْ لِ هَيْطِي رَّجِيْرٍ ﴾
২৬৷ সুতরাং তোমরা কোথার যাক্ষ্য	أَيْنَ تَلْهَبُونَ ﴿
২৭। এটি (কুরআন) জপৎসমূহের জন্য একটি উপদেশ ছাড়া আর কিছু নয়-	نَ هُوَ إِلَّاذِكُرٌّ لِلْعُلَمِيْنَ ﴿
২৮। তার জন্য, যে তোমাদের মধ্যে সরল-সঠিক পথে চলতে চায়।	مَنْ هَاءَ مِنْكُرْ أَنْ يَسْتَقِيْرَ ﴿
১৯। আর রূপৎসমূহের প্রতিপালক আল্লাহুর ইচ্ছা ছাড়া তোমরা ইচ্ছা কর না	مَا تَشَاَّءُوْنَ إِلَّا أَنْ يَشَاءَ إِللَّهُ رَبُّ الْعُلَوِيْنَ ﴿

### ৮২ সরা আল-ইনফিতার, মারী ১৯ আহাত ১ ব্যব -অসীম দয়াময় ও প্রম দয়াল আল্লাহর নামে

٨٢ - سُرُزُ اللهُ نَفِظَار - مُكُنَّةُ المائمًا ورركم عَاقَمًا وَ

১। বর্থন আকাশ ভেলে হাবে-

১। এবং যথন নক্ষরতান্তি বিক্সিক্সভাবে ঝবে পড়বে-

ত। এবং যখন সমুদ্রসমূহকে বিক্লোৱিত করা হবে-

৪। এবং যখন কবরসমহকে উনোচিত করা হবে-

a। তথ্য প্রত্যেকে ভানবে সে কী আগ্র পার্টিয়েতে এবং কী পিচার বোক critis

৬। তে মানব। ক্রিসে ভোমারে ভোমার মহানদর প্রতিপালক সমান্ত প্রভারিত ৭। যিনি তোমাকে সঙ্কী করেছেন অভঃগর তোমাকে সগঠিত ক্রারাছন এক

তোমাকে ভারসামাপর্ণ করেছেন-৮। যে আকভিতেই চেয়েছেন সেভাবেই ভোমাকে গঠন করেছেনঃ

৯। कचाना मा जनः (प्रांचना निपान निपान प्रांचीकांत तरत शात-

১০। এবং নিক্তম তোমাদের উপর অবশাই বামতে সাংক্রথকারীরা-

১১৷ সন্মানিত কোওক্রন্দ-

১১। তারা আনে যা তোমবা কর। ১৩। নিশ্বর পূণ্যবাদরা অবশ্যই থাকবে নেয়ামতের মধ্যে.

১৪। এবং নিশ্বর পাপীরা অবশাই থাকরে জারানায়ে ১৫। বিচার দিনে ভারা ভাতে প্রবেশ করবে।

১৬। এবং তা থেকে তারা অনুপস্থিত থাকতে পারবে না।

५५। अस्य किएम लाधारक कासारत किरास्त्र किस है।

১৮। আবার (বলছি) কিসে তোমাকে জানাবে বিচারের দিন কীঃ

১৯। যেদিন কেউ কারো জন্য কিছুই করতে সক্ষম হবে না। এবং সেদিন <sup>6</sup> সমস্ত কওঁত আল্লাহরই।

بِسُمِ اللَّهِ الرَّحُمْرِ، الرَّحِيْم

إِذَا السَّهَاءُ الْفَطَرَ فَ هُ وَإِذَا الْكُوَ اكْ الْتَكَوَ اكْ الْتَكَ تُ

وَإِذَا الْبِكَارُ فُجِّرَ ثُقْ وَإِذَا الْقُبُوْ رُبِعْثِ شَيْ

عَلَمَتْ نَفْسٌ مَّا قَدَّمَتْ وَ أَخَّرَتْ ٥ يًّا يُّهَا الْإِنْسَانُ مَا غَلَّكَ بِ بِّكَ الْكَرِيْدِ ﴿

الَّذِيْ غَلَقَكَ فَسَوُّ بِكَ فَعَدَ لَكَ مُ فَيْ أَيُّ مُوْ رَةً مَّاشَأَءَ رَكَّبَكَ ٥

كَلَّا بَلْ تُكَذِّبُونَ بِاللَّهِ يَنْ أَن وَإِنَّ عَلَيْكُرْ لَحُفظيْنَ أَهُ كَ إِمَّا كَاتِبِيْنَ أَمَّا

بَعْلَيُونَ مَا تَفْعَلُونَ هِ انَّ الْأَبْرَارَ لَفي نَعْيْرٍ ﴿ وَانَّ الْفُجَّا رَ لَفَيْ جَعِيْرٍ اللَّهِ

يَّصْلَوْ نَهَا يَوْ ٢َ أَ لِدُّيْنِ ۞

وَمَا هُرُ عَنْهَا بِغَآئِبِينَ ٥ وَمَاۤ أَدْرُبِكَ مَا يَوْءُ الدِّيْنِ ۞

ثُرٌّ مَّا آدْرُ لِكَ مَا يَدْ ﴾ الدّيْنِ ﴿ يَهُ ﴾ لَا تَمْلُكُ نَفْسٌ لَّنَفْس شَيْعًا ﴿ وَالْآمَرُ ۚ يَوْمَعُد لِلَّهِ هُٰ

# ৮৩. সূরা আল-মুতাফ্ফিফীন, মাঞ্জী

ত৬ খারাত, ১ কব্
অসীম দয়াময় ও প্রম দয়ালু আল্লাহর নামে

- ১। দৰ্ভোগ ঠকবাজদেব জনা-
- ১। যাবা লোকজনের নিকট থেকে মেপে নেয়ার সময় পূর্ণমাত্রায় নের,
  - ৩। এবং যখন তানেরকে মেপে দের অথবা ওজন করে দের তথন কম লেয়।
- ৪। তারা কি মনে করে না যে, তারা পুনকথিত হবে-
- ক। এক মহাদিকের ফলা-

जिल्ली ह

- ৬। যেদিন মানুষ জগৎসমূহের প্রতিপালকের সামনে দাঁডাবেং
- ৭। ককলো না, দিক্য পাণীনের কিতাব (আমলনামা) অবশ্যই আছে
- ৮। এবং কিসে ভোমাকে জানাবে সিঞ্জীন কীঃ
- ৯। এটি একটি দিখিত (মহা) কিতাব।
- ১০। সেনিন দুর্ভোগ মিথ্যা অভিহিতকারীদের জন্য-
- ১১। যারা বিচার দিনকে অধীকার করে।
- ১১। এবং প্রত্যেক পাশিষ্ঠ সীমালকানকারীই একে মিধ্যা অভিহিত করে-
- ১৩। যখন তার নিকট আমার আয়াতসমূহ পাঠ হয় তখন সে বলে, '(এসব) পর্বকর্তীদের উপকথা।'
- ১৪। ককলো না, বরং তারা যা অর্জন করত সে কারণে তাদের হৃদয়ে মরিচা প্রেডে।
- ১৫। কক্ষনো না, নিচয় সেদিন ভারা ভাদের প্রতিপালক (এর দর্শন লাভ) থেকে অবশাই বঞ্চিত হবে।
- ১৬। এরপর নিশুর ভারা অবশ্যই জাহারামে প্রবেশ করবে।
- ১৭। এরপর বলা হবে, 'এটাই তা যা তোমরা অধীকার করতে।'

٨٣-مُوزُةُ الْمُطَفِّيْنَ-مَكِيدٌةُ الْمَانَّةُ-٣٦-رَكُومَاتُهُ-ا لِمِسْمِ اللهِ الرِّحْمُنِ الرِّحِيْمِ

وَيْلٌ لِّلْمُطَفِّفِيْنَ أَن

الَّذِينَ إِذَا اكْتَا لُوْائَى النَّاسِ يَشْتَوْفُونَ اللَّ وَاذَا كَا لُوْهُرْ أَوْوَّزِنَوْهُرْ يُحْسِرُونَ أَ

أَلَا يَظُنُّ أُولَٰ إِلَّاكَ أَنَّاهُمْ مُّبْعُوْ تُوْنَ ٥

لِيَوْا عَظِيْرٍ ۞ لَوْاَ يَقُوْاُ النَّاسُ لِـ بِّ الْعَلَمِيْنَ ۞

يو اينو ۱۱ نداس بربِ العنمِين 6 كَلَّا انَّ كَتُبَ الْفُجَّارِ لَفَيْ سِجِّيْنِ 6

> وَمَا آَدُرُ لِكَ مَاسِجِّيْنَ ﴿ كُتُّ مَّا قُوْمٌ ﴿

ڝؚۜٮڣۺڗ؈ؚ ۅؘؽڷؖ ؿؖۅٛمَئِدٍ ڷؚڷؠؙػڐؚؠؽؽؘ۞

الَّذِيْنَ يُكَدِّبُونَ بِيَوْرَا الدِّيْنِ ۞ وَمَا يُكَدِّبُ بِهِ إِلَّا كُلُّ مُعْتَدِ ٱلْثِيرِ ۞

إِذَاتُتْلَى عَلَيْهِ إِيْتُنَا قَالَ اَسَاطِيْرُ الْأَوَّلِيْنَ ﴿

كَلَّا بَلُ عَنْ رَاّنَ عَلَى قُلُوْ بِهِرْ مَّا كَانُوْا يَكْسِبُوْنَ ۞ كَلَّا اِنَّهُرْ عَنْ رَبِّهِرْ يَوْمَعُدْ لَبَكْجُو بُوْنَ ۞

ثُرُّ إِنَّمُرْ لَصَا لُوا الْبَحِيْرِ ﴿

لر إلى لقال هذا الدى كُنْتُر بدتُكَدَّبُونَ ﴿

, স্রা আল-মৃতাক্ফিফীন	পারা-৩০	- سُورَةُ الْمُطَلِّفِيْنَ
১৮। কঞ্চনো মা, নিশ্চয় পুণ্যবানদের কিতাব (খ ইয়িয়্যীদে।	ম্মলন্মা) অংশ্যই আছে	كَلَّا إِنَّ كِتْبَ الْأَبْرَارِلَفِيْ عِلِّيِّيْنَ ﴿
১৯। এবং কিসে তোমাকে জানাবে ইব্লিয়্যীন কীঃ		وَمَأَ أَدْرُ لِكَ مَا عِلْيُّونَ ﴿
২০৷ এটি একটি লিখিত (মহা) কিতাব-		كِتْبٌ مَّرْقُوْأُ ﴾
২১৷ নৈকট্যপ্রাপ্তরা (ফেরেশতারা) তা প্রত্যক্ষ করে	SI.	يَّشْهَدُهُ الْمُقَرَّبُونَ ۞
২২। নিশ্চয় পুণ্যবানরা অবশ্যই থাকবে নেরামতে	র মধ্যে-	انَّ الْإَبْرَارَ لَفَيْ نَعْيْرِ ﴿
২৩। উচ্চ আসনসমূহে বসে দেখতে থাকংং-		عَى الْأَرَ الِكِ يَنْظُرُونَ ۗ ﴾
২৪। তুমি তাদের চেহারাসমূহে নেরামতের ঔজুল	ন্য দেখতে পাবে,	تَعْدِنُ فِي وُجُوْهِهِرْ نَفْرَةَ النَّعْيْرِ ﴿
২৫। তাদেরকে দিল করা বিচন্ধ পানীর থেকে গ	ান করানো হবে-	يُشقَوْنَ مِنْ رَّحِيْقِ مَّخْتُومٍ ﴾
২৬: এর সিল হবে মিতের (কছুরীর)। এবং প্র প্রতিযোগিতা করে।	তিযোগীরা যেদ এর জন্য	مِٰتُهُ مِشْكٌ ، وَفَي ذٰ لِكَ فَلْيَتَنَا فَسِ الْمُتَنَافِسُونَ ﴿
২৭। এবং এর মিশ্রণ হবে তাসনীমের-		وَمِزَ اجَّهُ مِنْ تَشْنِيرٍ ﴾
২৮। এটি একটি কৰ্ণা, যা থেকে দৈকট্যপ্ৰাৰৱা (	পুণ্যবাদরা) পান করবে।	عَيْنًا يَّشْرَبُ بِهَا الْمُقَرَّبُونَ ﴿
২৯। নিক্তর যারা অপরাধ করেছিল তারা যারা নিয়ে হাসি-ঠাটা করত	विभाग असमिक जास्तर <b>्</b>	إِنَّ الَّذِيْنَ آَهْرَمُوْا كَانُوْا مِنَ الَّذِيْنَ أَمَّنُوْا يَفْعَكُونَ ا
<ul> <li>৫০। এবং যখন তারা তাদের (অর্থাৎ মুমিনদের চোথ টিপে ইশারা করত,</li> </ul>	া) নিকট দিয়ে যেত তথন	رَاِدَا مَرَّوْا بِهِـ ( يَتَغَامَزُونَ ﴿
<ul> <li>৩১: এবং যখন তারা তাদের আপনজনের নিকট আসত উৎকল্প হয়ে.</li> </ul>	ি কিরে আসত তথন কিরে	زِاذَا انْقَلَبُوٓ ا إِلَّى اَهْلِهِرُ انْقَلَبُواْ فَكِهِيْنَ ۗ
৩২। এবং যথন তারা তাদেরকে (মু'মিনদেরকে) এরা অবশ্যই পথন্ডট'-	দেৰত তথ্য বলত, "নিচয়	رَاِذَا رَآوْهُرْ قَا لُوٓا إِنَّ هُؤُلَاءِ لَفَا لُوْنَ ﴾
<ul> <li>ত০। অথচ তাদেরকে তাদের (অর্থাৎ মু'মিনদের) ।         পাঠানো হয়দি।</li> </ul>	উপর সংরক্ষণকারী হিসেবে	وَمَا ٱرْسِلُوا عَلَيْهِرْ حٰفِظِيْنَ ﴿
৩৪। অতএব যারা ইমান এনেছিল তারা আন্ত কার্যি করছে-	থিরদেরকে নিয়ে হাসি-ঠাট্টা	فَالْيَوْ)َ الَّذِيْنَ أَمَنُوْا مِنَ الْكُفَّارِ يَفْحَكُونَ ﴿
oং। <b>উভ</b> আসনসমূহে বসে (কাঞ্চিরদেরকে) দে	খছে।	لَى الْأَرْ الْكِ مِنْظُرُونَ ﴿
৩৬। কাঞ্চিরদেরকে কি তারা যা করত তার পুরঞ্চ	ta (mesta) (sat zas	مَلْ ثُوِّبَ الْكُفَّارُ مَا كَانُوْا يَفْعَلُوْنَ ﴾

اَيَاتُهَا-هُ، رَكُوْهَاتُهَا-اً بِسُمِ اللهِ الرَّحُبُنِ الرَّحِيْمِ

1. Ka-ralan vila .... Ar

১। যখন আকাশ কেটে যাবে-

২। এবং সে তার প্রতিপালকের আদেশ বনবে এবং এটি তার করণীয়

৩। এবং বখন পথিবীকে সম্প্রসারিত করা হবে-

 ৪। এবং এটি (পৃথিবী) তার অভ্যন্তরে বা আছে তা বাইরে নিক্ষেপ করবে ও শূন্যগর্ভ হবে-

৫। এবং তার প্রতিপালকের আদেশ ক্ষাবে এবং এটি তার করণীয় হবে।

৬। হে মানুষ: তুমি ভোমার প্রতিপালকের নিকট পৌছা পর্যন্ত কঠোর শ্রম-সাধনার রত আছ, পরে তুমি তাঁর সাক্ষাৎ লাভ করবে,

৭। অতঃপর বাকে তার কিতাব (আমলনামা) তার ভান হাতে দেয়া হবে-

৮। **অতঃপ**র অচিরেই খুব সহজভাবে তার হিসাব নেরা হবে<sup>\*</sup>-

৯। এবং সে তার স্বজনদের নিকট ফিরে যাবে সানন্দে।

১০। এবং বাকে তার কিতাব (আমলনামা) তার পিঠের পিছন দিক থেকে (অর্থাৎ বাম তাতে) দেহা তবে-

১১। অতঃপর অচিরেই সে ধ্বংসকে (মৃত্যুকে) আহ্বান করবে-

১২। এবং প্রবেশ করবে দ্বলন্ত আগুনে।

১৩। নিকর সে তার স্বজনদের মধ্যে ছিল সানন্দে।

১৪। निकड़ त्म प्रत्न कड़ांठ त्य, त्म कबता कित्त यात्व ना,

১৫। হ্যা অবশ্যই, দিক্তর ভার প্রতিপাদক ভার উপর ছিলেন পূর্ণ দৃষ্টিবান।

১৬। আর না আমি কসম করছি সন্ধ্যাকালীন লালিমার-

১৭। এবং রাতের এবং তার (অন্ধকারের) যা (সবকিছুকে অন্ধকারে) একাকার করে দেহ- إِذَا السَّمَاءُ انْشَقَّتْ أَن

وَآذِنَتْ لِرَبِّهَا وَحُقَّتُ ٥ وَاذَا الْأَرْضُ مُدَّتْ ٥

وَإَذِلَتْ لِرَبِّهَا وَحُقَّتْ ﴿

يَّالَّهَا الْإِنْسَانُ إِنَّكَ كَادِحْ إِلَىٰ رَبِّكَ كَدْحًا فَمُلَقِيْهِ ﴾ فَأَمَّا مَنْ أُوْتَى كَنِّمَة بِيَمْنِهِ ﴾

> فَسَوْنَ يُحَاسَبُ حِسَا بًا يُسِيْرًا ﴿ وَيَنْقَلُبُ إِلَى آهْلِهِ مَسْرُوْرًا ﴿

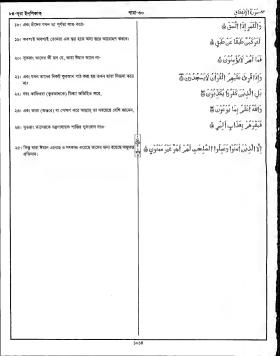
وَأَمَّا مَنْ أُوْتِي كِتْبَةَ وَرَأَءَ ظَهْرٍةٍ ﴿

قسوف يدعوا ببورا⊕ وَّيَمْلي سَعِيْرًا۞

إِنَّدُكَانَ فِيَّ آهَلِهِ مَشْرُوْرًا ﴾ إِنَّدُظَنَّ آنَ لَنْ يَحُوْرَهُ

بَلَى اُنِ رَبَّهُ كَانَ بِهِ بَمِيْرًا أَهُ فَلَآ أَقْسِرُ بِالشَّفَقِيُ

وَالَّيْلِ وَمَا وَسَقَ أَهُ



	৮৫. সূরা আল-বুরুজ, মাকী	
#	২২ আয়াত, ১ রুক্	کے
ত অৰ্থ	ীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহ্র	নামে

٨٥-سُورُا الْبُرُومِ-مَكَيَّةُ اناتفا-۲۲ وهاتفانا بِسُمِ اللهِ الرَّحُمٰنِ الرَّحِيْمِ

১। কসম বুরুজ (নক্ষত্রপৃঞ্জ) বিশিষ্ট আকাশেব-

১। ক্রমত্ব প্রতিশ্রুত দিনের (কিয়ায়ত দিনের)-

৩। কমম প্রভাক্ষকারীর ও যা প্রভাক্ষ করা হয় ভার।

८ । अराग दावा इरशिल शर्जन्यानागनवन्त-

৫। (যে গর্তে ছিল) ইন্ধন বিশিষ্ট আগুন-ও। যখন তারা এর পাশেই উপবিষ্ট ভিল-

৭। এবং তারা মু'মিনদের সাথে যা করছিল তারা ছিল তা প্রতাক্ষকারী।

৮। তারা তাদেরকে নির্যাতন করছিল কেবল এ কারণে যে, তারা ঈমান এনেছিল মহাপ্রতাপশালী ও অভি প্রশংসনীয় আল্লাহর প্রতি-

৯। -আকাশসমত ও পথিবীর রাজত যাঁর। আর আল্রাহ সর্বজিন্তর উপর প্রত্যক্ষদশী:

১০। নিশ্চয় যারা ম'মিন পরুষ ও ম'মিন নারীদেরকে ফিতনায় ফেলেছে (অর্থাৎ নিষ্ঠুর নির্যাতন করেছে) এবং পরে তওবা করেনি তাদের জন্য রয়েছে আহানামের শান্তি এবং তাদের জন্য রয়েছে প্রজ্ঞাণিত আগুনের শান্তি।

১১। নিশ্চয় যাবা ঈমান এনেচে ও সংকাজ কারছে তাদের জনা বাবেছে আন্রতসমহ, বেগুলোর নীচে নহরসমহ প্রবাহিত। এটিই মহাসাফল্য।

১১। নিক্য তোমার প্রতিপালকের পাকডাও অবশাই কঠিন।

১৩। নিশ্চয় তিনিই (সৃষ্টির) সূচনা করেন এবং (সৃষ্টির) পুনরাবৃত্তি করবেন।

১৪। এবং তিনিট অতি ক্ষমাশীল ও প্রথ স্তেরপরায়ন-

८४ : बारास्थर व्यक्तिशक्ति स प्रता प्रशीसातात-

وَ السَّمَاءِ ذَاتِ الْبُوجِ قُ وَالْيَوْ الْمَوْعُوْدِ ﴾

وَشَاهِد وْمَشْهُوْد هُ

قُتلَ أَصْعُبُ الْأَكْدُود أَن النَّارِذَاتِ الْوَقُوْدِ ﴾

إِذْهُرْ عَلَيْهَا قُعُوْدٌ ۞ وَّهُرْ عَلَى مَا يَفْعَلُوْنَ بِالْمُؤْمِنِينَ شُهُوْدٌ ۞

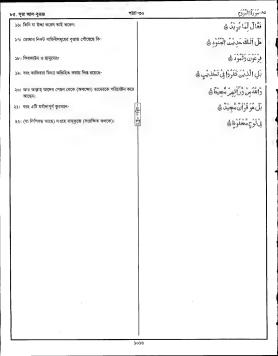
وَمَا نَقَمُوا مِنْهُرُ الا آن يَّوْمِنُوا بِاللهِ الْعَزِيْزِ الْحَمِيْدِ أَ الَّذِيْ لَمُّ مُلْكُ السَّمَوْتِ وَالْاَرْضِ، وَاللَّهُ عَلَى كُلِّ هَنَّهُ هَشَدُهُ

انَّ الَّذِيْنَ فَتَنُوا الْمُؤْمِنِينَ وَالْمُؤْمِنِي ثَالَمُ مُنْ ثُرٌّ لَرْ يَتُوْبُواْ فَلَهُرْ عَذَابُ جَهَنَّهُ وَلَهُمْ عَذَابُ الْحَرِيْقِ فَي انَّ الَّذِينَ أَمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلَحٰى لَهُ مُ جَنَّ تَجْهِي مِنْ تَحْتَهَا الْإَنْهُرُ مَّذْ لِكَ الْغَوْ زُ الْكَبِيرُ ﴿

انَّ بَطْشَ رَبِّكَ لَشَدِيْدٌ ﴿

انَّهُ هُوَ يُبْدِئُ وَيُعَيْدُ ﴿ وَهُوَ الْغَفُوْ رُ الْوَدُودُ ﴿

ذُو الْعَرْشِ الْمَجِيْدُ أَهُ



### ৮৬. সূরা আত-তারিক, মারী ১৭ আহাত, ১ কব . অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

১। কসম আকাশের, কসম রাতে আত্তপ্রকাশকারীর-

২। এবং কিসে তোমাকে জানাবে রাতে আত্মপ্রকাশকারী কীঃ

৩। এটি উচ্চল ভারকা।

৪। এমন কোন ব্যক্তি নেই যার উপর কোন সংরক্ষণকারী নেই

প্রতরাং মানব লক্ষ্য করুক তাকে কী থেকে সঙি করা হয়েছে।

৬। তাকে সৃষ্টি করা হয়েছে সবেগে নির্গত পানি থেকে-

৭। এটা বের হয় মেরুদাও ও পাঁজরের মাঝ (থেকে তৈরি হওরা অক-

ওক্রাশর) থেকে।

৮। নিশ্বর তিনি তাকে প্রত্যাবর্তন বরাতে অবশ্যই সক্ষম।

। वारित काश्रम विश्वशावनी श्रीका करा कर-১০। তথ্ন তার না থাকরে কোন শক্তি আর না থাকরে কোন সাহায্যকারী।

১১। কসম বৃষ্টিৰাহী আকাশের-

১১। কসম বিদীর্ণ যমীনের-

১৩। নিশুর এটি (কুরঝান) অবশ্যই চুড়ার কথা-

১৪। এবং তা রসিকতা নয়।

১৫। নিশ্চয় ভারা ভীষণ ষড়বন্ধ করছে-

১৬। এবং আমিও সুনিপুন কৌশল অবলয়ন করছি,

১৭। অতথ্যৰ কাঞ্চিরদেরকে অবকাশ দাও, তাদেরকে অবকাশ দাও কিছুৰ

٨٦ - سُورُةُ الطَّارِق-مَكَّمَّةٌ ايَاتُهَا-١٤، ركوعَاتُهَا-١

بسير الله الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيْمِ

وَالسُّمَاءِوَالطَّارِقِينَ وَمَا آدرناكَ مَا الطَّارِقُ ﴿

النَّجْيرُ الثَّاقِبُ أَنْ

إِنْ كُلُّ نَفْسِ لَّمَّا عَلَيْهَا حَافظٌ ﴿ فَلْيَنْظُرِ الْإِنْسَانُ مِنَّ خُلِقَ ٥

خُلِقَ مِنْ مَّاءِ دَافِق ٥ يْخُرُجُ مِنْ بَيْنِ الصَّلْبِ وَالتِّرِ أَلْبِ أَ

> إِنَّهُ عَلَى رَجْعِهِ لَقَادٍ رُّ ٥ يَوْمَ تُبْلَى السِّرَآلِ أَنَّهُ

فَهَا لَهُ مِنْ قُوَّةٍ وَّلَا نَاصٍ ﴿ وَالسُّمَآءِ ذَاتِ الرَّجْعِ 6

وَالْأَرْضِ ذَاتِ المَّدْع ٥ انَّهُ لَقَوْلٌ فَصْلٌ ٨ وَّمَا هُوَ بِالْهَزُّ لِ ﴿

انَّمُرْ يَكَيْدُونَ كَيْدًا ۞ وَّاكِيْدُ كَيْدًا ۗ

فَمَقِّلِ الْكُفِرِيْنَ آمْهِلْمُرْ رُوَيْدًا ﴿

১৯। ইবরাহীম ও মূসার সহীক্ষাসমূহে।

\* চিহিতে ছানের টীকা দরা ন: : আয়াত ন: অনসারে তরভমার পেখে পেখন

مُعُف إِذَا هَيْرَ وَمُوسَى ﴿

#	৮৮. সূরা আল-গাশিয়া, মাকী	C.
	২৬ আয়াত, ১ কুক্	3
ত অসীম	দ্য়াময় ও পরম দ্য়ালু আল্লাহ্র	নামে

٨٨-سُورُةُ الْغَاهِيةَ-مَكِيَّةُ اَيَاتَهَا-عِهِ، كُومَاتَهَا-اَ هِسُورِ اللهِ الرَّحُمٰنِ الرَّحِيْدِ

ান্ন নিকট কি সর্ব্ব্যাসী (কিয়ামতের) বৃত্তান্ত এসেছে?

২। সেদিন কতক চেহারা ভীতবিহনে হবে-

৩। ক্লান্ত প্ৰান্ত হবে-৪। প্ৰান্তৰ জন্মৰ উত্তৰ আগ্ৰান-

টগবল করা ফুটন্ত ঝর্ণা থেকে পান করানো হবে।

৯। তাদের জনা থাকরে না কোন খাদা কঁটাযক্ত কলা চাতা-

থ। যা তাদেরকে মা পৃষ্ট করবে আর না কুধা মিটাবে।
 ৮। সেদিন কতক চেহারা হবে আনন্দোজ্জ্বল-

৯। তাদের প্রচেষ্টার জন্য সম্ভষ্ট-

১০। সৃউচ্চ জান্নাতে-

১১। সেখানে ভারা কোন অসার কথা ভনবে না।

১২। সেখানে থাকবে প্রবাহমান কর্ণা, ১৩। সুউচ্চ আসনসমূহ-

১৪। সদা প্রস্তুত পানপাত্র-

১৫। সারি সারি কুশন-

১৬। এবং বিছানো গালিচা।

১৭। তবে কি ভারা উটের দিকে লক্ষ্য করে না, কিলাবে একে সৃষ্টি করা হয়েছে? هَلْ أَتْلِكَ مَنِيْتُ الْغَاشِيَةِ أَنْ وُدُوْلًا لِنَّهُ مَا يَعْدُ مِنْ أَنْفُولُونَا مِنْ أَنْفُولُونِهِ

وُجُونَّةٌ يَّوْمَئِدٍ خَاشِعَةٌ ۞ عَامِلَةٌ نَّاصِبَةٌ ۞

تَصْلَى نَا رَّا حَامِيَةً هُ تُشْفَى مِنْ عَيْنٍ إنِيَةٍ ﴿

لَيْسَ لَهُرْ طَعَامٌ إِلَّا مِنْ مَوِيْعٍ ٥ لَّا يُشْمِنُ وَلَا يُغْنِى مِنْ جُوْعٍ ٥

وُجُوْةٌ يُّوْمَئِذِ نِّاعِمَةٌ ۞ لِّسَعْيِهَا رَافِيَةٌ ۞ فِي جَنِّهَ عَاليَة ۞

لاَّ تَشْمَعُ فِيْهَا لَاغِيَةً ۞ فَيْهَا عَيْنَّ جَا رِيَّةً ۞

فِيْهَا سُرُ رُقْرُفُوْعَةٌ ﴾ وَآكُو اَبْ مَّوْمُوْعَةٌ ۞

وَّلْمَا رِقُ مَصْفُوْفَةٌ ۞ وَّزَرَا بِيُّ مَبْثُوثَةٌ ۞

وزرابِي مبثونه ۞ إَفَلَا يَنْظُرُونَ إِلَى الْإِبِلِ كَيْنَ خُلَقَتْ ۞

. সূরা আল-গাশিয়া	পারা-৩০	- سُوْرَةُ الْغَاهَيَة
৮। এবং আকাশের দিকে, কিজবে এটিকে উঁচু করা হয়েছে	,	وَإِلَى السَّمَاءِ كَيْفَ رُفِعَتْ ﴿
৯। এবং পর্বতমাদার দিকে, কিডাবে এগুলো স্থাপন করা হয়	:सटक्र	وَإِلَى الْجِبَالِ كَيْفَ نُمِبَثْ ﴿
। এবং যমীনের দিকে, কিভাবে এটিকে বিস্তৃত করা হতেয়ে	EP .	وَالَى الْأَرْضِ كَيْفَ سُطِحَتْ ﴿
, অতএব ভূমি উপদেশ দাও, ভূমি কেবল একজন উপদেশ	শ্দাতা <sup>*</sup> -	ورى، درق بالمارق المارة والمارة المارة الما
। তুমি তাদের নিয়ন্থণকারী নও <sup>*</sup> -		لَشَ عَلَيْهِرْ بِمُعَيْطٍ أَهُ
তবে কেউ মূখ ফিরিয়ে নিলে ও কুফরী করলে-		سَتَ مَسَيِّهِ بِمَسَيِّرٍ إِلَّامَنْ تَوَلِّى وَكَفَرَ ﴾
। আল্লাহ্ তাকে সবচেয়ে বড় শান্তি দিবেন।		رِ 4 مَنْ طِي رَحْرٍ فَيُعَذَّبُهُ اللهُ الْعَذَابَ الْآكَبَرَ ۞
। নিক্তর আদের প্রত্যাবর্তন আমারই দিকে-	1	فيعَدِبه الله العداب الأحبر ₪ انَّ الَيْنَاَ آيَا بَهُرْ ۞
্ এরণর নিশুর তাদের হিসাব-নিকাশ আমারই দায়িতে।	- CE	إِنَّ اِلْيَنَا إِيَّالِهِي ۞ ثُرُّ اِنَّ عَلَيْنَا حَسَا بَهُرْ ﴾
	T	الراق عديد مسابهرا

bb.	স্রা আল-ফাজ্র, মার্ট	ì
	৩০ আয়াত ১ এক	

অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আল্লাহর নামে

১। কসম ফছারের (উধার)-

১। ক্রসম দশ বাকের-

৩। কসম ভোভ ও বেভোভের-

কসম রাতের যথন তা গত হতে থাকে.

৫। এর মধ্যে বৃদ্ধিমানের জন্য কোন কসম আছে কিঃ

৬। তমি কি দেখনি, তোমার প্রতিপালক কেমন (আচরণ) করেছিলেন আদ

৭। ইরাম (গোরের) প্রতি-থারা অধিকারী ছিল উচ্চ স্কম্পমহেরঃ

৮। যাদের সমতল্য (কোন জাতি) নগরসমূহে সৃষ্টি করা হয়নি-

৯। এবং কেমন (আচরণ) করেছিলেন ছামুদের প্রতি- যারা উপভ্যকায় পাধর কেটে ছিল (গৃহ নির্মাণের জন্য)ঃ

১০। এবং পেরেকওয়ালা ক্রিরআউনের প্রতিঃ

১১। যারা নগরসমূহে সীমালজন করেচিল-

১১। অতঃপর সেখানে অধিকমান্তায় বিশংখলা সৃষ্টি করেছিল-

১৩। অতঃপর তোমার প্রতিপালক তানের উপর শান্তির চাবুক মারলেন-

১৪। নিশ্চয় ভোমার প্রতিপালক অবশ্যই সতর্ক দরি রাখেন।

১৫। সুতরাং মানুষকে যখন তার প্রতিপালক পরীক্ষা করেন এবং তাকে সন্মান ও নেয়ামত দান করেন তখন সে বলে, 'আমার প্রতিপালক আমাকে সম্বানিত করেছেন।

১৬। আর যখন তাকে পরীক্ষা করেন এবং তার রিখিক সংকৃচিত করেন তখন সে বলে 'আমার প্রতিপালক আমাকে লাঞ্চিত করেছেল।'

১৭। কক্ষনো না, বরং তোমরা ইয়াতীমকে সম্মান কর না-

٨٩-سُورُ ﴾ الْفُجِّ - مَكَّنَّهُ اناتفا-٣٠ وكنفأتفاً-١ بسم الله الرَّحُمٰن الرَّحِيْمِ

وَالْفَجُونُ

وَلَيَا لِ عَشْرٍ أَهُ

وَّالشَّفْعِ وَالْوَتْرِ أَ

وَالَّيْلِ اذَايَشٍ ٥ هَلْ فِي ذُلِكَ قَسَرٌ لَّذِي عِجْرٍ أَ

ٱلَرْ تَوَ كَيْفَ فَعَلَ رَبُّكَ بِعَاد أَنَّ

ارا زَات الْعماد ١٥ الَّتِي لَيْ يُخْلَقُ مِثْلُهَا فِي الْبِلَادِ رَبِّ

وَتَمُوْدَ الَّذِيْنَ جَابُوا المُّخْرَ بِالْوَادِيُّ وَفَرْعَوْنَ ذِي الْأَوْتَادِ ٥

> الَّدِينَ طَغَوا فِي الْبِلَادِ وَقُ فَأَكْثُرُواْ فَيْهَا الْفَسَادَ }

فَمَتِّ عَلَيْهِمْ رَبُّكَ سَوْطَ عَذَابٍ اللَّهِ إِنَّ رَبُّكَ لَبِا لُمرْ صَاد ﴿

فَأَمًّا الْإِنْسَانُ إِذَا مَا ابْتَلْهُ رَبُّهُ فَأَكْرَمَهُ وَنَعْمَهُ مُّفَيَقُولُ رَبَّيُّ أَكْرَ مَن 🔞

وَأَمَّا إِذَا مَا ابْتَلُهُ فَقَدَرَ عَلَيْهِ رِزْقَهُ فَفَيْقُولُ رَبَّي آهَانَي ١ كَلَّا بَلْ لَّا تُكْرِمُونَ الْيَتِيْرَ ﴿

৮। আমি কি ভার জন্য বাদাইনি দু'টি চোখ-৯। এবং একটি জিহবা ও দ'টি ঠোঁটঃ

১০। এবং আমি তাকে দেখিয়েছি দু'টি পথ, ১১। অভঃপত্র সে দর্গম গিরিপথে প্রবেশ করেনি. ১২। আর কিলে ভোমাকে জানাবে, দুর্গম গিরিপথ কীঃ

১৩, তা হঙ্গে, দাসমূক্তি-১৪। অথবা দুর্ভিক্ষের দিনে খাদ্য দান-১৫। ইয়াতীম আন্ত্রীয়কে-

১৬। অথবা দুৰ্দশগ্ৰন্ত মিসকীনকে (অভাবগ্ৰন্তকে)। ১৭। এরপর সে অন্তর্ভক হয়েছে তাদের যারা ঈমান এনেছে ও যারা উপদেশ নিয়েছে প্রস্পরাক হৈর্যধারণের এবং উপদেশ নিয়েছে প্রস্পরকে স্থা अवर्शका ।

১৯৷ আর যারা আমার আয়াতসমূহকে অবিশ্বাস করেছে, তারা বাম দিকের <u>৷</u> লোক।

১৮। ভারাই ভান দিকের লোক

وَمَاۤ إَدْرَٰ لِكَ مَا الْعَقَدَةُ اللهِ أَوْاِطُعْرٌ فِي يَوْ إِذِيْ مَسْغَبَةٍ أَهُ

نُرَّ كَانَ مِنَ الَّذِيْنَ أَمَنُوا وَتَوَاصَوْا بِالصَّبْرِ وَتَوَاصَوْا

يَّتَيْمًا ذَامَقُو بَهَ ۞ أَوْمشكيْنًا ذَا مَثْرَ بَة ﴿

بِالْمَرْحَمَةِ ۞ أُولَئِكَ أَصْعُبُ الْمَيْمَنَة ﴿

وَلَسَانًا وَّهُفَتَيْن ٥ وَهَرَيْنَهُ النَّهِرَيْنِ إِنَّهُ النَّهِرَيْنِ إِنَّهُ

فَلَا اقْتَحَى الْعَقَبَةَ اللَّهِ

فَكُّ رَقَبَة أَيْ

وَالَّذِيْنَ كَفَرُوا بِأَيْتِنَا هُرْ أَصْحُبُ الْمَشْتَمَة ٥ عَلَيْهِمْ نَارَّمُّؤْمَدَةً ﴿ ৯১. স্রা আশ-শামস, মাঞ্চী ১৫ আয়াত, ১ কক্

অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহ্র নামে

- ১। কদম সূর্যের ও তার কিরপের-
- ২। কসম চন্দের ধখন সে তাকে (সর্থকো) অনসরণ করে-
- ৩। কসম দিনের বর্ষন সে তাকে (সূর্যকে) প্রকাশ করে-
- ৪। কসম রাতের যথন সে তাকে (সূর্যকে) আঞ্চলিত করে-
- ৫। কসম আকাশের এবং যিনি তা নির্মাণ করেছেন তাঁর-
- %। क्रमध्र व्योगस्य अवः विक्रि का विक्रिय निर्माणस कौत-
- ৭: কসম নফসের এবং খিনি তা বিদ্যক্ত করেছেন ভাঁর-
- ৮। অতংশর এটিকে তার পাপ ও তার তাকওয়া ইলহাম করেছেন-
- ৯। অবশ্যই সে সফল হবে, যে এটিকে (নফসকে) পরিতক্ষ করবে-
- ১০। আর অবশাই সে ব্যর্থ হবে, যে এটিকে (নফসকে) কলুখিত করবে।
- ১১। ছামূদ (তাদের রাসূদকে) মিধ্যাবাদী বলেছিল তাদের অবাধ্যতাবশতঃ-
- ১২। যথন তাদের মধ্যে সর্বাধিক লুর্জাগা তৎপর হয়ে উঠল-
- ১৩। তখন আল্লাহ্র রাস্ল (সালিহ্) তাদেরকে বলল, '(সাবধান হও) আল্লাহ্র উদ্ভী এবং এর পানি পান করানোর ব্যাপারে।'
- ১৪। অতঃশর তারা তাকে (রাস্লকে) মিখ্যাবাদী বলল এবং একে (উন্তীকে) হত্যা করল, ফলে তাদের অপরাধের কারণে তাদের প্রতিপালক তাদেরকে সমূলে ঋংসে করে একাকার করে লিলেন-
- ১৫। এবং তাদের পরিণাম সম্পর্কে তিনি (আল্লাহ্) তয় করেন না।

ابَاتِهَا-١٥، رَكُوفَاتِهَا-١ بِسُوِ اللهِ الرَّحْمُنِ الرَّحِيْدِ

- وَ الشَّمْسِ وَمُحْمَهَا ﴾
  - وَالْقَهَرِ اذَا تَلْهَانُ
    - وَالنَّهَارِ إِذَا جَلُّهَا۞
    - وَالَّيْلِ إِذَا يَغْضُهَا أَنَّ
      - وَالسَّمَاءِ وَمَا بَسْهَا ۗ
      - وَالْأَرْضِ وَمَا طَحْهَا أَهُ
      - وَنَفْسٍ وَّمَا سَوْنَهَا أَهُ فَٱلْهَبَهَا فُجُوْ رَهَا وَتَقُوْنِهَا أَهُ
        - قَدْ إَقْلَے مَنْ زَكُّهَا أَ
    - وَقَدْ خَابَ مَنْ دَسُّهَا ﴿
  - كَدَّبَتُ ثَمُّودُ بِطَغُوٰ بِهَا ٓ هُ إِذَا انْبَعَتَ إَشْتُهَا هُ
- فَقَالَ لَهُرْ رَسُوْلُ اللَّهِ نَاقَةَ اللَّهِ وَسُقْيَهَا ﴿
- فَكَذَّابُوهُ فَعَقَرُوهَا مُ فَدَهَدَاً عَلَيْهِرْ رَبُّهِرْ بِذَنْبِهِرْ فَسَوِّلْهَا ﴿

. অসীম দয়াময় ও পরম দয়াল আলাহর নামে

১। কসম বাতের যখন তা আজ্ঞানিত করে-

২১ আয়াত, ১ প্ৰব

১। ক্রময় ভিত্রের মধন ভা প্রকাশিত ক্র-

৩। কসম তাঁর যিনি সৃষ্টি করেছেন দর ও নারী-

৪। নিশ্বয় ভোমাদের প্রচেষ্টা অবশাই বিভিন্ন ধরনের।

শৃতরাং যে দান করল ও তাকওয়া অবলয়ন করল-

৬। এবং উময়কে সতা বলে স্বীকতি দিল-

৭। শীঘই আমি তার জন্য সহজ করে দেব সহজকে (ভাল কাজকে)।

৮। আর যে কৃপণতা করল ও নিজকে স্বরংসম্পূর্ণ মনে করল-

৯। এবং উত্তমকে মিথ্যা অভিহিত করল-

১০। শীঘ্রই আমি তার জন্য সহজ করে দেব কঠিনকে (মন্দ কাজকে)।

১১। এবং তার ধন-সম্পদ তার কোন কাজে আসবে না যখন সে ধ্বংস

১২: নিক্তয় সঠিক পথ প্রদর্শন আমারই দায়িতে.

১৩। এবং নিশ্চয় আমিট প্রকাল ও ইচকালের মালিক। ১৪। অতএব আমি তোমাদেরকে লেলিহান আগুন সম্পর্কে সতর্ক করেছি,

১৫। চরম দর্ভাগা ছাড়া কেউ এতে প্রবেশ করবে না-১৬: যে (রাসলকে) মিথ্যাবদৌ বলে ও মূথ ফিরিয়ে নেয়।

১৭। আর তা হতে দুরে রাখা হবে গরম সুরাকীকে-১৮। যে নিজের ধন-সম্পদ দান করে পরিজন্ধ হওয়ার জন্য,

১৯। এবং ভার প্রতি কারো কোন নেয়ামতের প্রতিদান হিসাবে নয়-২০। কেবল তার মহান প্রতিপালকের সম্বন্ধীর উদ্দেশ্যে,

২১। আর অচিরেই সে অবশাই সম্ভষ্ট হবে। চিহ্নিত স্থানের চীকা দুরা নং : আরাত নং অনুসারে তরজমার শেষে দেপুন

٩٢-سُورُةُ الْيُل-مُكَيْةُ بسبر الله الزّحُمٰن الرَّحِيْمِ

وَالَّيْلِ إِذَا يَغْشَى أَ وَالنَّهَا رِإِذَا تَجَلَّى أَنَّ وَمَا خَلَقَ إِلدُّكَ وَالْإِنْثَى ٥

إِنَّ سَعْيَكُمْ لَشَتَّى أَن فَأَمًّا مَنْ أَعْطَى وَاتَّقَى ﴿ وَمَدَّقَ بِالْكُسْنَى أَي فَسَنُيسٌ لا لليُسْرِي ٥

وَٱمًّا مَنْ بَحْلَ وَاسْتَغْنَى ٥ وكَذَّبَ بِالْعُسْنِي قُ فَسَنَّيَسَّاءٌ لَلْعُسْاٰ ي ﴿ وَمَا يُغْنِي عَنْدُمَا لُهُ إِذَا تَرَدِّي ﴿

انْ عَلَيْنَا لَلْمُدِي وَانَّ لَنَا لَلْاَعِرَةَ وَالْأَوْلِ @ فَأَثْذَرْتُكُمْ نَارًا تَلَظَّى ١ لَا يَمْلُهُمَّا إِلَّا الْأَشْقَى 6

الَّذِي كَدِّبَ وَتَوَلِّي هُ وَسَنُحَنَّبُهَا الْآتَعَىٰ أَهُ الَّذِيْ يُؤْتِيْ مَالَهُ يِتَزَكِّي ﴿ وَمَا لِأَحَدِ عِنْدَةً مِنْ نَعْمَةٍ تُجْزِّي ﴿ إلَّا ابْتِغَاءَ وَهُهِ رَبِّهِ الْآعَلَى ٥

وَلَسَوْنَ يَوْضَى ١٠٠٥

১৩, সরা আদ-দহা, মাক্রী ১১ আয়াত, ১ রুব

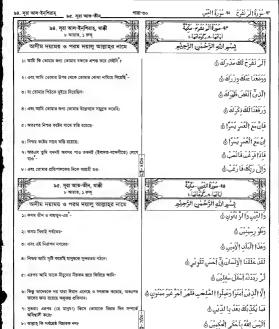
অসীম দ্যাময় ও প্রম দ্যাল আলাহর নামে ১। কসম পর্বাফের-

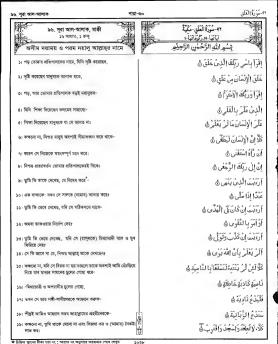
- ২। কসম রাতের যখন তা হয় নিথম-ক। তোমাৰ প্ৰতিপালক তোমাকে পবিত্যাগ কৰেননি এবং ভোমাৰ প্ৰতি
- বিরূপও হননি
- ৪। আর অরশাই তোমার পরবাল ইরকালের চেয়ে উলম হবে।
- ৫। এবং অভিবেট তোমার প্রতিপালক অবশাই তোমাকে (এমন কিছ) দান করবেন, ফলে তমি সম্ভই হয়ে যাবে। ৬। তিনি কি ভোমাকে ইয়াতীয় অবস্থায় পাননি, অভঃপর ভোমাকে আব্য
- ਸ਼ਾਜ ਕਾਰਜਜਿ ৭। তিনি তোমাকে পেয়েছেন পথহারা, অতঃপর তিনি সঠিক পথ প্রদর্শন
- ৮। তিনি তোমাকে পেয়েছেন অসক্ষল অবস্থায়, অতঃপর ধনী করলেন।
- ৯। সূতরাং তুমি ইয়াতীমের সাথে রুড় ব্যবহার করো না<sup>\*</sup>।
- ১০। এবং সাধাসপোর্থীকৈ এয়ক দিলো না<sup>\*</sup>।
- ১১। আর তুমি তোমার প্রতিপালকের নেয়ামত বর্ণনা কর<sup>\*</sup>।

- بسمرالله الرَّحْمٰن الرَّحِيْمِ
  - وَالفُّحِينُ

٩٣-مسرَ قُ الضَّم - مكَّنَّةُ

- وَالَّيْلِ إِذَا سَجِي ٥
- مَا وَدُّعَكَ رَبُّكَ وَمَا قَلَى أَ
- وَلَلْاَخِوَةُ خَيْرٌ لَّكَ مِنَ الْأُولِي ٥
- وَلَسَوْنَ يُعْطِيْكَ رَبُّكَ فَتَدُمْي ﴿
  - ٱلَرْ يَجِدُكَ يَتَيْمًا فَأُوْى ۞ وَوَحَدَكَ مَا لاً فَعَدُى
    - وَوَمَنَكَ عَأَثُلًا فَأَغْنَى إِنْ
      - فَأَمًّا الْيَتِيْرَ فَلَاتَقْهَرُ ٥
        - وَأَمَّا إِلسَّائِلَ فَلَا تَنْهَدُ ٥
      - وَأَمَّا بِنَعْمَةِ رَبِّكَ فَحَدَّثُ 6





অসীম দ্যাময় ও প্রম দ্য়াল আলাহর নামে ১। নিশ্চয় আমি তা (করমান) অবতীর্ণ করেছি কদকের বাতে<sup>\*</sup>

- ১। আর কিসে ভোমাকে জানাবে কদরের রাভ কীঃ
  - কা ক্রানের বাত সালার মাসের চেয়ে উরম।

৯৭, সরা আল-কাদর

- ৪। এ রাতে ফেরেশভারা ও রূহ (জিবরাঈল) প্রতিটি বিষয়ে তাদের अफ्रिआकारका सिर्फाण मिरक चारकार्य करते "-
- ৫। শান্তি এ রাত, ফলরের অবির্ভাব পর্যন্ত।

## ৯৮. সরা আল-বায়্যিনাহ মাদানী ৮ আহাত ১ কক

অসীম দ্যাম্য ও প্রম দ্য়াল আল্লাহর নামে

- ১। আহলে কিভাবের মধ্যে যারা কুফরী করেছে ভারা এবং মশরিকরা (তাদের কৃষ্ণরী ও শরীক করা থেকে) পৃথক<sup>\*</sup> হওয়ার ছিল না যে পর্যন্ত না ভালের নিকট আসে স্পন্ন প্রমাণ-
- ২। আস্ত্রাহর পক্ষ থেকে একজন রাসুল, যে পাঠ করবে পবিত্র সভিতাসমহ-
- হাতে থাকবে সঠিক বিধানাকদী।
- ৪। কিন্তু যাদেরকে কিতাব দেয়া হয়েছিল তারা বিভক্ত হয়েছিল তাদের নিকট স্পই প্রয়াণ আসাব প্রই।
- ৫। আর আামরাজ নির্দেশ দেয়া চায়ছিল কেনে আবারবট ইবানত করতে দ্বীনকে তাঁরই জন্য নির্দিষ্ট করে একতুবাদী হয়ে এবং সালাভ নোমাষ) আয়েছ প্রকাজ ও যাকাত প্রদান করতে এবং এটিই সঠিক দীন।
- ৯। নিক্ষম আহলে কিভাবের মধ্যে যারা কফরী করেছে ভারা এবং মুশরিকরা আহান্রামের আগুনে থাকবে, দেখানে তারা স্থায়ী হবে। তারাই নিক্টতম সম্ভি।
- ৭। দিক্তর যারা ঈমান এনেছে ও সংকাঞ্চ করেছে, তারাই সর্বোত্তম সৃষ্টি।
- হয়েছে। এটি ভার জন্য, যে তার প্রতিপালককে ভয় করেছে।

2059

بسُمِ اللهِ الرَّحْمُنِ الرَّحِيْمِ انَّا أَنْزَلْنُهُ فِي لَيْلَةِ الْقَدُر اللَّهِ

وَمَّآ أَدْرُ لِكَ مَا لَيْلَةُ الْقَدُرِ قُ لَيْلَةُ الْقَدُ رِمُخَيْ مِنْ ٱلْفَشَهِ أَ

سَلَرُ لَهُ هِيَ حَتَّى مَطْلَعِ الْفَجِ أَنْ

تَنَوَّلُ الْمَلِّئِكَةُ وَالرُّقُ فِيْهَا بِإِذْنِ رَبِّهِرْ، مِنْ كُلِّ أَهْرِقُ

٩٨-سُورُ الْمُنْدَة-مُزُانِيَّة بِسُمِ اللهِ الرَّحُمٰنِ الرَّحِيْم

ر يكن الذين كَفَرُوا مِن آهل الْكتب وَالْمُشْرِكيْنَ مُنْفَكِّينَ مَتَّى تَأْتَيَهُمُ الْبَيِّنَةُ أَن رَسُوْلٌ مَّنَ الله يَتَلُوْا مُكُفًّا مُّطَهَّ لَا أَنْ

فيْهَا كُتُّ قَيِّهَةٌ ﴿ وَمَا تَفَرَّقَ الَّذِيْنَ أُوتُوا الْكُتُبِ الَّامِنُ بَعْدَ مَا جَاءَتُهُم الْبَيِّنَةُ ﴿

وَمَآ أُمُّ وَٓۤا الَّا ليَعْبُدُوا اللهَ مُخْلَمِيْنَ لَهُ الدَّيْنَ هُ مُنَفَّاءَ وَيُقْنِمُوا الصَّلُوةَ وَيُؤْتُوا الزَّكُوةَ وَذَٰ لِكَ دِينَ القَيِّمَةِ ﴿

إِنَّ الَّذِيْنَ كَفَرُواْ مِنْ إَهْلِ الْكِتْبِ وَالْمُشْرِكِيْنَ فِي نَا رِجَهَنَّرَ خُلديْنَ فيهَا ، أُولَتْكَ هُرْ شَرُّ الْبَرِيَّة أَ

إِنَّ الَّذِينَ أَمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلَحْبِ أُولِّئُكَ هُرْ هَيْرُ الْبَرِيَّة ﴿

बाहार जाएनत अंकि मुझे राजारक बंदर काताव कांत अंकि मुझे الداء رضي الله عَنْهُمْ وَرَضُواْ عَنْهُ وَلَكَ لَمَنْ خَشَى رَبَّدُ أَنَّ اللَّهِ عَنْهُمْ وَرَضُواْ عَنْهُ وَلَكَ لَمَنْ خَشَى رَبَّدُ أَنَّ اللَّهِ عَنْهُمْ وَرَضُواْ عَنْهُ وَلَكَ لَمَنْ خَشَى رَبَّدُ أَنَّ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَنْهُمْ وَرَضُواْ عَنْهُ وَلَكُوا اللَّهُ عَنْهُمْ وَاللَّهُ عَنْهُمْ وَاللَّهُ عَنْهُمْ اللَّهُ عَنْهُمْ وَاللَّهُ عَنْهُمْ وَرَضُواْ عَنْهُ وَلَكُ لَكُ مِنْ عَشَى رَبِّدُ أَنَّ اللَّهُ عَنْهُمْ وَاللَّهُ عَنْهُمُ وَاللَّهُ عَنْهُمْ وَاللَّهُ عَلَّهُ وَاللَّهُ عَنْهُمْ وَاللَّهُ عَنْهُمْ وَاللَّهُ عَنْهُمْ وَاللَّهُ عَنْهُمْ وَاللَّهُ عَنْهُمْ وَاللَّهُ عَنْهُمُ وَاللَّهُ عَنْهُمُ وَاللَّهُ عَلَّا لَهُ عَنْهُمْ وَاللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُمْ وَاللَّهُ عَنْهُمْ لَلَّهُ عَلَيْهُمْ وَاللَّهُ عَلَّهُ وَاللَّهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُمْ وَاللَّهُ عَلَّهُمْ وَاللَّهُ عَلّهُ عَلَيْهُمْ وَاللَّهُ عَلَيْهُمْ وَاللَّهُ عَلَيْهُمُ عَلَيْهُ عَلَّهُ وَاللَّهُ عَلَّهُمْ عَلَّهُ وَاللَّهُ عَلَّهُمْ عَلَالْعُولِ عَلَيْكُمْ عَلّ

৯৯, সুৱা আয-যিল্যাল ১০০, সুৱা আল-আ'নিয়াত প	রা-৩০	ا سُورَةُ الْعَدِيبِ	٩-سُوْرَةُ الرِّلْوَالِ
১৯. পূরা আধ-থিপ্রাল, মাদানী ১৯ খ্রাছাত, ১ প্র ৬ অসীম দ্যাময় ও পরম দ্যালু অস্তাহ্র নামে		٩٩ مُوزُةُ الرِّلُوال-مَارِيَّةُ ابَاتَهَا-مَرَكُوعَاتُهَا-ا بِسُمِ اللهِ الرِّحُمْنِ الرَّحِيلِمِ	***
১। যথন পৃথিবীকে প্রবল্জাবে প্রকশ্পিত করা হবে-		لَارْضُ زِلْزَا لَهَاهُ	إِذَا زُلْزِلَبِ الْهِ
২। এবং পৃথিবী ভার বোঝাগুলোকে বের করে দেবে-		رْضُ ٱثْقَا لَهَا۞	وَآخُرَجَبِ الْآر
ত। এবং মানুষ বলবে, 'তার কী হলঃ'		نُ مَا لَهَا ۞	وَقَالَ الْإِنْسَارُ
৪ ং সেদিন সে (পৃথিবী) ভার খবরসমূহ বর্ণনা করবে <sup>*</sup> -		تُ أَكْبَا رَهَا ﴾	يَوْمَئِذٍ تُحَدِّبُ

 হ। কারণ তোমার প্রতিপালক তাকে ওইা করেছেন। ৬। সেদিন মানৰ বিভক্ত হয়ে বের হবে, যাতে তাদেরকে তাদের কর্মসমূহ يَوْمَئِذِ يَّصُدُرُ النَّاسُ آشَتَاتًا مِّلَهُ وَا آعْمَا لَهُرْ ﴿ দেখালো যায়।

৭। সূতরাং যে অণু পরিমাণ ভাল কাজ করবে সে তা দেখবে।

৮। আর যে অণু পরিমাণ মন্দ কাজ করবে সে তা দেখবে।

فَمَنْ يَعْمَلُ مِثْقَالَ ذَرَّةٍ كَثِرًا يَّرَةً ۞ وَمَنْ يَعْمَلُ مِثْقَالَ ذَرَّةِ شَوًّا إِيَّرَةً ٥

১০০, সূরা আল-আ'দিয়াত, মাঞ্চী ১১ আহাত ১ কক সীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

১। কসম সেই যোড়াঙলোর যারা উর্ধ্বপ্থাসে দৌড়ার-

২। এবং (ক্ষুরাঘাতে) আগুনের ফুলকি করায়-

৩। এবং প্রভাতে অতর্কিতে আক্রমণ চালায়-

৪। এবং সে সময়ে ধূলা উড়ায়-এবং সে সময়ে কোন (প্রতিপক্ষ) দলের অভান্তরে ঢুকে পড়ে-

৬। নিশুর মানুষ অবশাই তার প্রতিপালকের প্রতি অকতজ্ঞ,

৭, এবং নিক্ষা সে অবদ্যই এ আচরণের সাকী,

 ৬। এবং নিশ্চয় সে সম্পদের ভালবাসায় খুবই প্রবল। ৯। তবে কি সে জানে না, যখন কবরে যা আছে তা উথিত করা হবে-

১০। এবং বক্ষসমূহে যা আছে তা প্রকাশ করা হবে<mark>।</mark>

১১। নিশ্বয় সেদিন তাদের প্রতিপালক তাদের সম্পর্কে থাককেন পূর্ণ অবগত।

١٠٠-سُورُ أُو العلى بت-عكية بسم الله الرَّحُمْنِ الرَّحِ

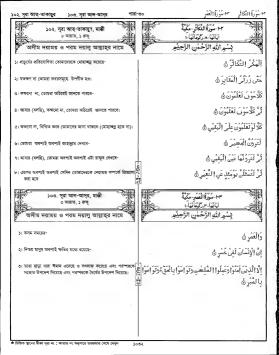
> وَ الْعَدِيبِ مَبْدًا أَ فَالْمُوْرِيْتِ قَدْمًا أَ

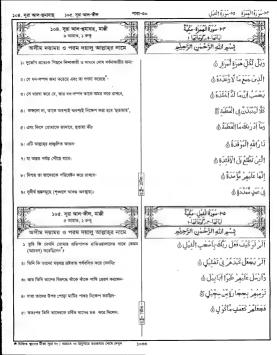
باَنْ رَبُّكَ أَوْمِي لَهَا أَ

فَأَتُرُنَ بِهِ نَقَعًا أَ فَوَ سَطْنَ بِهِ جَمْعًا أَ

إِنَّ الْإِنْسَانَ لِرَبِّهِ لَكَنُوْدٌ أَي وَ إِنَّهُ عَلَى ذُلِكَ لَشَهِيْدٌ ﴿ وَانَّهُ لَحُبِّ الْعَيْرِ لَشَدِيْدٌ ﴿

وَحُمَّلَ مَا فِي المُّدُورِ ﴿





২। সে তো সেই (লোক) যে ইয়াতীমকে রড়ভাবে তাড়িয়ে দেয়-

৩। এবং মিসকীনকে (অভাব্যস্তকে) খাদ্য দানে উৎসাহ দেৱ না।

৪। অতঃপর দূর্ভোগ সেই মুসল্লিদের (নামায়ীদের) জন্য-৫। যারা তাদের সালাতের (নামাযের) ব্যাপারে উদাসীন-

৬। যারা লোক দেখানো কাঞ্চ করে-

৭। এবং গৃহস্থাদীর প্রয়োজনীয় ছোট-খাট জিনিসপত্র দিতে বিরত থাকে।

رَءَيْتَ الَّذِيْ يُكَذِّبُ بِالدَّيْنِ ٥

فَذُلِكَ الَّذِي يَدُمُّ الْيَتِيرَ فَي وَلَا يَحُضُّ عَلَى طَعَامٍ الْمِسْكِيْنِ ٥ فَوَيْلُ لِلْمُصَلِّينَ أَن

الَّذِيْنَ هُرْ عَنْ مَلَاتِهِرْ سَاهُوْنَ ﴿ الَّذِينَ هُرْ يُرَاءُونَ ٥

وَيَمْنَعُونَ الْمَاعُونَ أَنْ ١٠٨-سُورُ الْكُوثُرُ -مَكَّمَّةُ

১০৮, সুরা আল-কাওছার, মাঞ্জী ণ আয়াত, ১ রুক্ অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

১। নিশ্বৰ আমি তোমাকে দান কৰেছি 'কাওছাব'

২। সতরাং তমি তোমার প্রতিপাদকের উদ্দেশ্যে সালাত (নামায) আদার কর এবং কুরবানী কর<sup>®</sup>।

 নশ্চর তোমার প্রতি বিদ্বের পোষণকারীই কেন্ধকাটা (নির্বংশ<sup>8</sup>). ★ চিহিশ্ব স্থানের টীকা সূরা নং ; আরাত নং অনুসারে তরজ্ঞ্মার শেকে নেখন

بسبوالله الرَّحُمٰنِ الرَّحِيْمِ انَّا أَعْطَيْنُكَ الْكَوْتُونَ فَمَلَّ لِرَبِّكَ وَانْحَوْ ٥

الْ شَانِئَكَ هُوَ الْأَبْتَرُ أَنْ

১০৯, সুরা আদা-কাঞ্চিত্রন ১১০, আনা-নাসর ১১১, আলা-সাহাব পারা	الْحَسُورَةُ الْكُغِرُونَ السُورَةُ النَّمْرِ اللَّسُورَةُ اللَّهْرِ اللَّهُونَةُ اللَّهَبِ ٥٥٠
১০৯. সূরা আগ-কাফিকন, মাঞ্জী ৬ অগ্নাত, ১ কব্ অসীম দরাময় ও পরম দরালু আল্লাহ্র নামে	۱۹-نوزة الغيرة و كينة الكتاب ركهاتاب يشرو التو الركهاتاب يشرو التو الركهاني الرجيليو
১। বল, 'হে কাফিররা।	قُلْ يَأْلَيْهَا الْكُغْرُونَ أَنْ
২। আমি ভার ইবাদত করি না যার ইবাদত তোমরা কর <sup>*</sup> -	لَا أَعْبُدُمَا تَعْبُدُونَ ﴾
৩। এবং ভোমরাও তাঁর ইবাদতকারী নও যাঁর ইবাদত আমি করি,	وَلَّا ٱلْتُرْ عٰبِدُوْنَ مَا آعْبُدُ ﴾
৪। এবং আমি তার ইবাদতকারী নই যার ইবাদত তোমরা করেছ-	وَلَّا أَنَا عَابِدٌ مَّا عَبَدُتُّونَ

৫। এবং তোমরাও তাঁর ইবাদতকারী নও যাঁর ইবাদত আমি করি।
 ৬। তোমাদের জন্য তোমাদের দ্বীন এবং আমার জন্য আমার দ্বীন<sup>\*</sup>।

১১০. সূরা আন-নাসর, মাদানী
১১০. সূরা আন-নাসর, মাদানী
১৯৯ ত মালাত, ১ ক্লব্
অসীম দয়াময় ও পরম দয়ালু আল্লাহর নামে

১। যখন আসল আল্লাহ্র সাহায্য ও বিজয়<sup>\*</sup>-

২। এবং জুমি মানুষকে দেশলে তারা দলে দলে আল্লাহর খীনে প্রবেশ করছে । ৩। জন্ম ভূমি তোমার প্রতিপাদকের প্রশংসা সহ পবিত্রতা ঘোষণা কর এবং খারু বিভাই কমা প্রার্থনা কর। শিক্ষা তিনি তাওবা কর্পবাধী।

১১১. সূরা আদ-সাহাব, মাজী

৫ আয়াত, ১ কব্

অসীম দয়াময় ও পর্মম দয়ালু আত্মাহর নামে

১। ধ্বংস হোক আবু লাহাবের দুই হাত এবং ধ্বংস হোক সে (নিজেওঁ)।

২। তার ধন-সম্পদ ও যা সে উপার্জন করেছে তা তার কাজে আসবে না<sup>\*</sup>।

৩। শীঘ্রই সে দোলিহান আগুনে প্রবেশ করবে-

এবং তার স্ত্রী- ইশ্বন বহনকারীনীরপে<sup>\*</sup>

৫। তার পদায় পাকানো রশি (বেড়ি ও শিকল) থাকবে<sup>\*</sup>।

۱۱-سُورُةُ النَّصْرِ-مَلَّ لِيَّةُ الْكَاتِّا- الرَّمُواتُهَا-ا يِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمُونِ الرَّحِيْمِ يِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمُونِ الرَّحِيْمِ

وَلَّا ٱلْتُرْ عَبِدُونَ مَّا ٱعْبُدُ أَ

لَكُرْ دِيْنُكُرْ وَلِيَ دِيْنِ أَ

إِذَا جَاءَتَشُرُ اللهِ وَالْفَتْشُرُ ۞ وَرَآهُمَ النَّاسَ يَدْهُلُونَ فِي دِيْنِ اللهِ اَفْوَاجًا۞ فَمَشْرُ بِحَبْدِ رَبِّكَ وَاسْتَغْفِرُهُ \*إِنَّهُ كَانَ تَوَّابُا۞

> ااا-مُورُةُ اللَّهَبِ-مُكِيَّةُ ايَاتُهَا-ه،رُكُوعَاتُهَا-ا بِسُيرِ اللَّهِ الرَّحْمُنِي الرَّحِيْدِ

> > تَبَّتْ يَدِّا آبِيْ لَهَبٍ وَّتَبَّنْ مَا آغَلٰى عَنْدُمَا لُدُومَا كَسَبَ ﴿

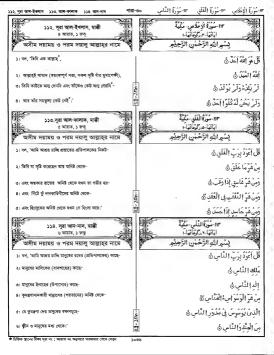
سَيَصْلَى نَارًا ذَاتَ لَهَبٍ اللهِ

وَّامْرَ أَتُهُ مَمَّا لَةَ الْعَطِ

وَ امْرَ أَتُهُ مَمَّا لَةَ الْعَطِ

وَ عِيْدِهَا عَبْلٌ مِّنْ مَسْدٍ أَ

চিহ্নিত ছানের টীকা সূরা নং : আয়াত নং অনুসাবে তরজমার শেষে দেখুন



## তৃতীয় অধ্যায়



পবিত্র কুরআনের তরজমার টীকা (সংক্ষিপ্ত তাফসীর)

- 3231 অপন্যান্তর বহিলাকের হ্রানালের কাল্য 'বেলুল আন্তর্মির', একার পর 'ব ' আন্তর্মির' ক্রমি সর ত্রাহের পর অধি বালাকের পার্মির' কর্মির ক্রমির ক্রমি
- ১:৬। বাদের উপর আল্লাহ দেরামত দান করেছেল তারা হলেন নবী, সত্যবাদী, শহীদ ও সংকর্মপরায়ণ- যার উল্লেখ লয়েছে সূরা আম-নিসা (সূরা মণ-৪)-এর ৬৯নং আয়াতে।
- ১:৭। কেউ কেউ এ আয়াতের অর্থ করেছেন; তাদের পথ নর যারা ক্রোখ-নিপতিত ও পধয়উ।

লোকদের হেম্মরত পাওয়ার সম্ভাবনা নেই।

2:21

- ১:৭৷ অর্থাৎ যারা যুগে কুফর, পাপ, জুলুম ও সীমালজনের কারণে জাল্লাহ তারালার ক্রোধের পাল্ল হয়েছে এবং সরল সঠিকপথ অর্থাৎ ইনলামের পথ
- পেকে বিস্তৃত হয়েছে, তানের পথ নায়।

  \* সুরা ফারিয়ে পাঠ পেকে আর্মান বালা সুন্তুত। রাকুল (সা.) বালাহেল, ইমাম ঘণল পাছুবে, ্রি বিন্তু বিন্তু তান তোমরা 'আর্মান' কারে। তোমানের 
  নারো 'আর্মান' বালা বিন্তু পোরেপতাকের 'আর্মান' কারর সাথে মিকে যার অহনে আর্মান্ত তার অভীয়ের ধনাম মাফ করে সেকেন-(মুখারী)।
- ত বুলা 'আনি' কৰ' বুলা কলা'। এটা কুজানো বেদন আছত না।

  'অধ্য এটা কৰি কৰিছে নামানি কৰিছে না নিজন আছুল পদা বেচে অবচীৰ্য কথাৰ বাগাবে কেল সমস্য নেই এবং এন বিকল্প ও

  আমিনিকাৰে বাগাবেনত কেল সমস্য নেই বেচাৰিত কৰিছে, ইমান কাট। পৰিছে কুজানাক আদাল আমানত এক উল্লেখ কৰেছে।

  আমানত এক কুজানাক আমানত নামানিকাৰ কৰিছে কুজানাক বিজ্ঞানী কৰিছে কুজানাক আমানত এক উল্লেখ কৰেছে।

  আমানত এক সুলাকা, আমানত এক সুলাকা, আমানত এক কুজানাকাল কৰিছে কৰিছে

মুৱাকী: পবিত্র কুরআনে বর্ণিত একটি বিশেষ পরিজ্ঞান। দুনিয়া ও আখেরাতে সফল সং-মানুষদের বুঝাতে এ শব্দটি পবিত্র কুরআনে বছবার ব্যবহৃত

হয়েছে। কুরআনের নিজম ধর্ণনাভঙ্গিতে বিভিন্ন প্রসঙ্গে মুখাজীদের গুণাবলী ও পরিচয় বর্ণনা করা হয়েছে। এজন্য একটি মার প্রতিগণ্ধ দিয়ে মুঝাকী'র পূর্বান্ধ অর্থ প্রকাশ সম্ভব নয়। আগ্রাহ্ ভারালা কুরআন থেকে হেনায়ত এহণকারী মুখাকী মানুষের কভিপয় মৌলিক বৈশিষ্ট্য পরবর্তী ৩ - ৫ নং আয়াতে

- হ'ল। অনুশ্যে বিশ্বাসঃ যে সৰ বিষয় মহান আল্লাহ্ ও ভার রাজুন জানিজেছেন যা কেউ চোৰে দেখেনি এরপ প্রতিটি বিষয়কে সভ্য বলে দৃয় বিশ্বাস করার নাম উদ্যান।
- নাম ঈমান। ২০০। সা**লাত কান্তেম:** সালাত কান্তেম অৰ্থ ধীর-ছিত্ব ও মনোনোগের (পুশু-খুমুর) সাথে সময়মত সালাত আলায় করা, এবং সালাতের অন্তর্নিহিত শিক্ষা ব্যক্তি
- জীবনে, পারিবারিক জীবনে ও সমাজে জীবনে বান্ধবান্ধনর জন্ম ক্রমণত আন্তর্জিক প্রামৌ চালানো।
  ২:০০। অর্থাং আন্তর্মন কামান্দন থেকে দান-সনকার করে। এর হারা মাকাতও উদ্দোধ মতে গাবে। কেদনা একানে দামান্দের পদপরই উল্লেখ করা ব্যৱহার
  (কাপপান্ত)।
- ২০১১। অর্থাৎ মুণাফিবরা সর্বদা দ্বিতিদীল, শান্তি দুর্থ ও সুশৃথলৈ অবস্থা বিস্তিত করত ও আহিতিদীল করত। আদরকে এবেন কর্মকার থেকে বিশ্বত থাকার জ্বার রাষ্ট্রপুর কৃত্রিদারের শক্ষ থেকে বার যোগ বার ক্ষার্যনার বাক্ত যোগকে কি করতে মাই। আমারা সমায়েক তাল চার্যনার কিছে বাক্তি কর্মকার বিশ্ব কর্মকার বাক্তি করে বাক্তি কর্মকার বাক্তি কর্মকার বাক্তি কর্মকার বাক্তি কর্মকার বাক্তি করে বাক্তি করে বাক্তি কর্মকার বাক্তি করে বাক্তি কর্মকার বাক্তি করে বাক্তি করে বাক্ত করে বাক্তি ক
- প্রত করে বাবলা। পরবাল পত্ন বাবাধনান করত বাবে পরবান কর হা। একই বাবেণ বুলাকিবলে সুবাবেক পারবান পারব বাবেন শায়াকীনা পরবার করা হারেছে। ২০১৭: বুলকিবলের চরিত্র বুলার চলা টপার লো হেরে। বুলাকিবল ইপারা বরণের বোবা বিরু কুপানালন কাশনে বাবাকি বাবান করে ইনাকে বাবে

2:201

রাসল (সা.) বলেছেন জান্নাতে অধিবাহিত কেউ থাকবে না (মুসলিম)। এ গ্রসঙ্গে শায়থ উছাইমীন (র.) বলেছেন, দুনিয়াতে কোন নারী অধিবাহিত

- 224। যা সংগ্ৰুছ কাপে নিৰ্দেশ কৰিং আইছাকাৰ সপৰ্ক কাপ কাৰা নিৰ্দেশ। সুবা আন্ধানি (সুবা সং-১০)-এই আৰু কাশ উল্লেখ কাৰে। কৰা কাৰে কাশ উল্লেখ কাৰে। কৰা কাশ কৰা কা

- ২৪৯। কিবলাইন: নিৰ্দায় নুগতিকে উপাধি ছিল 'কিবলাইন' মুনা (আ.) এন সংসামতিক কিবলাইখনে নাম বিশ বেমেনিগ। লৈ নিগৱেব মনী ইন্যাইক-সম্পাদেৱে উপাৰ নিষ্ঠা কিবলৈ চালিবছেল। এনিষ্ঠা নিৰ্দান পাবে কৰাৰ আন্তাহ কুলা (আ.) তে ভাকপতি ও বালুল হিলেনে কৰাৰ বাছে। ১৯৩ মানৰ পাবল কৰা হয় ভালি হাবা এই ৩০ মানক উদ্ধানৰ পাৱ হোৱা কৰা আন্তাহ কৰা কৰি মন্ত্ৰকালী কৰাৰ কৰি কৰিব আনাৰ কৰা আন্তাহ আনালা এই ৩০ মান নিৰ্দান কৰাকিল কৰোঁকোন বাৰ, সুনা (আ.)-এন সংগত মনী ইন্যাইকল বেছে আনাল ৬০ ফন বিচিনিছেন আনাল কৰা ছিল 'জিছ' সাংগ্ৰা এ আছাৰ কৰাৰ কৰাকিল কৰোঁকোন কৰাক কৰাকে আনালাকৈ কৰাকি কৰাকিল কৰাকি কৰাকি কৰাকিল কৰাকি কৰাকিল কৰ
  - (द्वा स-१०)-की १०८, १०२२ ब्याइन डाइएक रेडाइम १८०० प्रत्य कारावि कारावार जनकार एकर नाहुन शृंका गरिया एक, या कार्गिय द्वा का आगित हमां (या), ००० व्याद कार्य किए कारावार कर देवा किए कारावार कर ने साम के प्रत्य कारावार कारावा
- মানার ওপর বুলে বরে তর লোবরে ভালের কাছ থেকে ভাল্ডরাভকে বাছণ করার আভশোত কের। বর, বার ভট্টেব বুলা বাকার। (বুলা গশ্ব) আ ৬৬মং আরাতে রয়েছে।
- ২:৫১। বনী ইসরাস্টলের মধ্যে সামেরী নামক এক ব্যক্তি ছিল। মূসা (আ.) ভূর পর্বতে যাওয়ার পর সে বাছুরের মূর্তি নির্মাণ করে তার পূজা করু করে। তার প্রয়োচনায় কিছু পোকও পূজা করতে থাকে।
- ২:৫৪। انتَكَمَّ نَالَبُكُمُ बाहुत সূজারীদের পাপের শান্তিবরূপ তাদেরতে এ বিশেষ নির্দেশ দেয়া হয়েছিল যে, তারা একে অপরকে হত্যা করবে। এ কঠিন নিরমে আল্লাহ তাদের তওবা করুল করেন। এতে করে যারা নিহত হয়েছিল এবং যারা জীবিত ছিল সবারই তওবা আল্লাহপাক করুল করেছিলেন।
- ২:৫৫। মূসা (আ.)-এর ৭০ জন সদী আল্লাহকে প্রকাশ্যে অর্থাৎ চর্ম চোথে দেখার ব্যাপারে জিপ করণে শান্তি স্বরূপ আল্লাহ্ বন্ধুপাতের মাধ্যমে তানের
  - भृष्ट्य धरीन।

বেশিরভাগ মকাসদের যা বলেছেন তা হচ্ছে প্রেগ বা প্রেগ জাতীয় মহামারি।

2/26) আৰ্থন ছিল্পপা হৃত অবস্থাৰ বাবে পৰ অনুযাতে চুক কৰি ইবাববিগৰ ৭০ জন কাৰতে আছিব আলো পুনিবিক কৰে। কৰি কাৰিব ছিল্পি কৰি ছিল্প কোলতে আৰু পান্ধক কৰিবলৈ কৰিবলৈ কাৰাৰ পূৰ্ব প্ৰকাশ কৰিবলৈ কৰ

- ২০২০। কুলানে আছাৰ ভালো কুনিকলেকে নানৰা কৰা উন্নাধ কলেনে। মূল পৰ অন্যাধ নেছাকাৰীয়া থকে নানৰা পাৰণা কৰিছি গৰা। তাৰ্জালৈকে উন্নাপ কৰি লৈ (আ) বোৰিলে, আনুহাৰ নিক কৰা আৰু সংখ্যকাৰী; দুলা আপ-বিচনা কিন্তু লাখা কৰিছে। বিশ্ব লাখা কৰা কৰা কৰা আৰু সংখ্যকাৰীয়া কৰিছিল আৰু বাছাৰ সংখ্যকাৰীয়া আৰু কৰা কৰা আৰু কৰা কৰিছিল কৰিছিল। কৰিছিল কৰা কৰিছিল কৰি
- ২:৬২। সামেরী: সামেরী পাথের প্রধানত পুটি ব্যাখ্যা গাওয় যায়। (ড়) বারা ইক্রী ও ব্রীটান ধর্ম পরিকর্তন করে ফেরেশফানের ইবালত করত তারাই সামেরী: শেকভান্ততে ভাগাসীত)। (খ) যায় ইক্রী ছিল না অবার ব্রীটানও ছিল না করে তার এক অন্তর্যাহের বিদ্যান করত এবং সাগাত (নামায়) ও সাত্রর (রোম্বা) গালনে করতা। করাল্য বন্ধর কারিক্য পুর্বিকরা আরুক করে মুক্তির (ম) অরুইটানের কে সারবিদ্যালয় কলে ইক্রিম কারিক্য।
- ২,৬০। সিনাই এলাকায় অবস্থিত তুর পর্বত বেখানে মুসা (আ.) আল্লাহুর সঙ্গে কথা বলেছিলেন।
- ২:৬০। বনী ইসরাইল সম্প্রদার মুসা (আ.)-এর কাছে ধর্মীর বিধান চেয়েছিল। তার প্রেছিতে ভাওরাক্তর বিধান কেয়া হলে ভারা তা মানতে অহীকার করে। তথ্য তালের মাধার উপর পাছতে তলে ধারে ভালেরকে শান্তির তর কোবানা হলে তারা তা মেনে দেয়া-(৭:১৭১).
- ২০০৮ ইত্যালিক অব সভায়ের বাটি নিশালিক আহনেই ইবানের আন নিশি হিলা এ চিলে প্রিয়ার কার্যানিক সিম্পার নিশি হিছার নিশি হল সাত্তর উপান্ধার করিছে কিছার নিশি হল ক্ষিত্র করিছে কিছার ক্ষারা ক্যার ক্ষারা ক্য
- ২/৬৭। বনী সন্তাইণ সম্প্ৰদায়ের এক ব্যক্তিকে ধুন করা হয়েছিল ছিল্ক তার ধুনীকে চিহিত করা যাজিল না। তথন আছেবে নির্দেশ মুদা (আ.) আন্দরক একটি দক্ত অবাই করে তার একবঙ্ক প্রদায়ত দিয়ে নিহত ব্যক্তির দেহে আঘাত করতে বলালে। তারা আদেশ মত কাজ করলে নিহত ব্যক্তিটি জীবিত তার বতালাকীর নাম বাল প্রদায় সাভা যাত্র।
  - হয়ে হও। কাৰায় শাম খন। পুনয়ার নামা খায়। এ১ অর্থাৎ তারা মামের দিক থাকে এটি কথাত প্রকৃত ছিল না কিন্তু বাধা হয়ে শেষ পর্যন্ত তাদেবকৈ করতে হয়েছে।
- হৈছে। আৰু ব্যান্ত কৰাৰ প্ৰতি কৰা কৰে বাবেজ কৰিবাৰ হিৰোৱাৰ সুবাৰণ দুৰ্ভী কৰা নিৰ্মাণ্ডিক কৰা, বাব অন্যানৰ (ব্যাহাজনীয়) হিৰোৱাৰ পৰিচিত।
  যান নাৰহী আকৰা ও খাবাৰাৰ পোনেৰ পোনা বাবেজ আদিন। এনা এই কিনা আননা পূৰ্ব আৰু বাবেজ নামান বাবেজ কৰিব।
  মানিব ইছিল পোনা বাবেজ নামান বাবেজ কৰিব।
  কৰিব বাবেজ কৰিব।
  কৰিব আৰু বাবেজ কৰিব।
  কৰিব আৰু বাবেজ কৰিব।
  কৰিব।
  কৰাৰ বাবেজ কৰিব।
  কৰ
- ২:৯০। ইন্ট্রারা হ্যরত মুহামান (সা.)-কে অনুসরণ করতে তথু এ কারণে অস্বীকার করেছিল যে তিনি তাদের বংশোপ্তত ছিলেন না।
- ্ৰিক। আহাৰ মূৰ্যক ইচ্ছ নহী থানাখন ও বার প্রতি ওত্তী পাছিল করাকে। বিশ্ব ইন্দ্রীয়া মনে করত তাবের বাবেই তথু নবী আগনে। তনা কটানে নবী করা মানে না, তাবের একে ডিয়া আহারেই ইচ্ছার উপর বায়ুকারি ইচ্ছা উত্তেও পেন পরী হুস্মত (মা.) ইনমার্টিল (আ)-এর বাংগের বঙারা ইন্দ্রীলা, এটা মেলে বিলে পারেনি। এটা সামলে বাংলারি ছিলা নক্ষল অহারু তবং ক্ষান্তুর বিশ্বেয়াই ইন্দ্রমান্ত্র ক্ষান্ত্রীত ইন্দ্রমান
- ২:৯০। 'উপর্বুপরি' কর্বাৎ পূর্বেও তারা (ইছমীরা) আল্লাব্র আরাভসমূহকে অবিশ্বাস করে আল্লাহ্র এনাধ ভেকে এনেছিল (সূত্রা-বাকারা, নং-২, আরাত-৬১),
- ক্ৰমণ্ড তারা আছাই যা অবহীৰ্ণ করেছেণ তা অধিবাদ করে আছাকু ক্রেমণ চেকে আনাছে। ২.৯৩। "অমান্য কলামা-ক্র পরিবর্তে তো মান্য কলামা হত্যার তথা। ভাই মুখ্যদৃশিকাগতে কারে কারো অভিমত এই যে, তারা এমন কর্ম করেছিল যা আমান্য কারা স্থামিন-(নেয়-করন্তাই)।

- ২(১০২) বংবত সুশাইমান (মা.) নবী ও বাট্রধানে ছিলেন। তার শাসনামলে শতাতন ও শতানের অনুসারীর আনু চর্চা করত। কিছু তিনি নিজে এই ধরনের সুশারী কর্মের সাথে অন্তিত ছিলেন না ডিব্লেট, বাইনেকের বঙৰট অনুসারে সুশারীনান (খা.) আনু বিধ্যার মাধ্যমে ক্ষমতা ও প্রতিপত্তি অর্জন ক্যোহিলেনা কিছু কুমানে বন্ধানতে কর্মেনি করেন
- ২:১০২। সুলাইমান (আ.) এর যুগে শরতান মানুষকে যে জাদু বিদ্যা শিখিরেছিল ইহুদিরা সে জাদু বিদ্যার চর্চা করত।
- ২:১০২। ব্যাবিদন একটি প্রাচীন শবর। এটি বর্তমান কুম্বার অন্তর্গত মোরাত নদীর ভীরবর্তী গ্রদাকার অবস্থিত ছিল। "হারুত" ও "মারুত" নামক দু" ফেরেশতাকে

- ২:১১৫। কেউ কেউ এর তরজনা করেছেন: যেদিকেই ভোনতা মুখ ফিরাও না কেন, সেদিকই আল্লাহুর দিক।
- ২:১১৮। কুবাইশ কাধিবদের মূর্খতা এরূপ ছিল যে, তারা বলত কেন আল্লাহ্ সরাসরি কিংবা গুরীর মাধ্যমে আমাদেরকে একথা বলে দেন না যে আপনিই আল্লাহ্ব রাস্কুশ-(সকণ্ডরাভুত তাজাসীর)।
- ২:১১৯। অর্থাৎ ভারা কেন সঠিকপথে আসল না সেজন্য ভোমাকে জবাবদিহি করতে হবে না।
- এবং المنافرة المنافرة (ৰাব তা কৰাকৰাৰে বিলাওয়াত করে) বাক্যালেটি আবৌ ব্যক্তৰ অনুমান্ত এই কান্তেম আৰু ৰাজ্যের কিছিল ক্ষিত্রতি আদম মতে আদম অবস্থা এই এে আন এই (আমনে বিভাগের) কেন বিশ্ব তান বিকৃত না মতে বাধ্যকভাবে বিলাওয়াত করে জনাই কুৰামানি বিদ্যালয় করে ও কুমান (না), এব এটি কিন্তা কয়েন। করা বাবা একে ক্ষিত্রকা করে আবল্ড ক্ষিত্রক্তি (আমি-ক্ষাইটিক আবাত আমনিই, ইম্মন
- कारण)। अपने प्रतिकृति के प्रमानने क्लियर मागत शिवाद वायत्व व्यक्ति (सहा उपनिष्ण के नेमानेन मानगाव प्रावाद एवं मेरी वार्ट्स व्यवस व्यक्ति कारण) विवाद माणिन वायत्र क्या त्यात्र मानगाव्य वक स्वैत्यालन वायायानी विवाद माणिन वायत्वीन विवादमाय वीचे वार्ट्स वार्टिक वायात्र वक्ती हित्यस वार्टिक वायात्र व्यक्ति वार्ट्स कारण व्यक्ति कृति क्षात्र माणित वायत्र वायत्र क्षात्र वायत्र कारण वायत्र विवाद वायत्र विवाद वायत्र वायत्र
- নামান্তেৰ কৰা কৰাতে পাতোৰ যোগ তালে ক'বল সামান্ত মতকৰে আধানত কৰিত আচনত এ গ্ৰেছৰ সামতত পূৰ্বৰ সময়তে কাল হালোৱে ২০১৪। হৃষ্টেক ইবাৰেটা (ম), কে আছাত ব্যৱহাৰ সংকৰিত কৈ বৃত্ত গুলিবাছাৰ কেলোক, কা মথা নৰকল কৰিক আছিলে দিয়াল কৰা ইন্যালীগালে কুকালীৰ নিশ্বৰ্য পাতা বৃত্তিৰ বিশ্বৰাজন কৰিব। এ কৰল পত্নীজনত উত্তিৰ্গ ইন্তাহৰ পৰ আদ্বাহ তাঁকে মানৰ জাতিব লোৱা, ইন্যালীগালে কিবাৰ এবং বহু ভালাছৰ বন্ধু (ম.) তালাক নাকনা।
- ২:১২৫। তাওয়াফ শব্দের অর্থ প্রদক্ষিণ করা। পরিভাষাম হচ্ছের সময় বায়তল্লাহ বা ঝা'বা খর নির্দিষ্ট নিয়মে প্রদক্ষিণ করাকে তাওয়াফ বলা হয়।
- ২(১২৫। "ই'তিকাফ' কৰ্থ বিশ্বিল্লতা নিংসকতা ইত্যালি। পরীয়তের পরিভাষাত্র আন্তাহ্বর কল্পনীর উদেশো পার্থিব বিষয়াদির সংগ্রিক্টতা থেকে বিশ্বিল্ল হয়ে একান্তর্কী ক্রান্তর্বাহক ক্রান্তর্কী করিছে কর্মান করেছে ক্রান্তর্কী করিছে করেছে ক্রান্তর্কী করেছে করিছে করেছে ক্রান্তর্কী করেছে করেছে করিছে করিছে করেছে করিছে করেছে করিছে করেছে করিছে করেছে করিছে করেছে করিছে করিছে করেছে করিছে করিছে করেছে করিছে করিছ
- ২:১২৫। ককু ও সিজদা সালাতের বিশেষ দু'টি ককন বা মৌলিক কাজ। এর হারা মূলত সালাত (নামায) কুমানো হয়েছে।
- ২/২২৭। তিরি (المَالِيَّا الْمَالِيَّةِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْكِ اللَّهِ عَلَيْكِ الللَّهِ عَلَيْكِ اللَّهِ عَلَيْكِ اللَّهِ عَلَيْكِ الللَّهِ عَلَيْكِ اللَّهِ عَلَيْكِ اللَّهِ عَلَيْكِ اللَّهِ عَلَيْكِ اللَّهِ عَلَيْكِ عَلَيْكِ عَلَيْكِ اللَّهِ عَلَيْكِ اللَّهِ عَلَيْكِ عَلَيْكِ اللَّهِ عَلَيْكِ عَلَي عَلَيْكِ عَلَيْكِ عَلَيْكِ عَلَيْكِ عَلَيْكِ عَلَيْكِ عَلَيْكِ عَلِي عَلَيْكِ عَلَيْكِي عَلَيْكِ عَلَيْكِ عَلَيْكِ عَلَيْكِ عَلَيْكِ عَلَيْكِ عَلْكِي
- ২০০২। অৰ্থিৎ ভোৱাৰ ইপালামে উপাৰ কামেন থেকে মুক্তকৰ কৰেবে। আমনৰ মৃত্যু পৰ্যক মুখ্যীৰ পৰিচৰ থাপো কৰাবে। উল্লেখ, আদি পিকা ইবরাহীম (আ.) পৰ্যবৈত্ব মূলিৰ নাৰ নিমে গোহন। কৰি ইপরালিকার ইবরাহীন (আ.)-এর বংশগুরর মারা তালের নিজ্ঞান্তকে বন্দা নামে পরিচর নিজে তারা ইবরাহীৰ (আ.)-এর আপৰ্শ থেকে বিশ্বক হাজেং।

- ২:১০৬। মুহামণ (সা.), মূপা (খা.) ও ইনা (আ.) সহ সকল নবী রাজুনতে ক্রছা করা মুক্তমাননেও ইমানের অংশ। এ জনা বাস্তব জীবনে ইনসামের অনুসারী তেলম মুক্তমান করনো বৃষ্টান সম্প্রায়ত্তের পরম ক্রছেল নবী ইনা (আ.) ও ইহুলী সম্প্রায়ের পরম প্রছেল নবী মুদা (আ.) সম্পর্কে কেনা কর্মুটিক করে গা। এটি ইনসামের মহত ও প্রেক্তি।
- ২:১৩৮। ইবনে আব্বাপ-এর মতে আল্লাহ্র রং বলতে ইসলাম বুকানো ব্রেছে আল্লাহ্র রং বলতে প্রপত অর্থে আল্লাহ্র মানোনীত দ্বীন- ইসলামের কুনানীদের দ্বীবনে ইসলামের অনুসারীদের দ্বীবনে ইসলামের মেনিটা লক্ষ্য করা যায় যেমন কাপঢ়ে রং দেখা যায়-(কুরকুরী)
- ২:১৪২। যে দিকে মুখ করে সালাত (भামার) গড়া হত্ত তাকে বিকলা বলে। হংকত থাবা (তা.) থেকে বর্তিত। বাসুল (সা.) মদীনাম হিজ্ঞাকের পর ১৬/১৭ মান যাহত বাহিন্তুনা মাঞ্চনান এর দিকে মুখ করে সালাত (নামোর) আলাত্ত করেছেন। কিন্তু বাসুল (সা.) করোর দিকে মুখ করে সালাত (নামার) গড়াকে গাছল করেলে। একমের বৃদ্ধা কলোচ্চা আছাত করাকী বৃদ্ধা
- ২:১৪২। পৃথিবীর পূর্ব ও পশ্চিম (East-West) এর মাদিক আল্লাহ, অর্থাৎ সমন্ত পৃথিবীর মাদিক আল্লাহ, গূর্বে তোমরা যে কেবলা অভিমূখী হয়ে সালাত পড়তে সেটির মাদিকও আল্লাহ, এবং এখন যেদিকে (ঝা'বার দিকে অর্থাৎ দক্ষিণ নিকে) ফিরতে বলা হরেছে সেটিও আল্লাহর (সূরা-২: আরাত-১১৫)।
- ২:১৪০। মধ্যপন্থী উষত: নীতি, কর্ম আনর্শ ও নর্শনে একপেশে নয় ও চরম পঞ্চ মত রবং তালোমাপূর্ণ আতি। সূরা বনী ইসরাইন আয়াত ২৯, আল-ফুরকান আয়াত ৬৭, আল-আরাক আয়াত ৩১, ৫৫, ও ২০৫ এ মধ্যপন্থা অবলয়নের কথা বলা ব্যৱহে।
- ২:১৪৪। মসজিদে হারাম (সন্মানিত মসজিদ) মক্কার সেই মসজিদ যা কা'বাকে পরিবেটন করে রেখেছে।
- ২:১৪৪। المُنَا الْمُنَّ الْمُنَّ مِن رَبُّتِم اللهِ के क्षेत्र आकर्त किवार जातर किवार এটা পেরেছে হে, পেন নবী কিবলা পরিবর্তন করবেন। অথবা তারা তাদের নবীদের কাছ্ প্রেকে জেনেছে হে, কিবলা পরিবর্তন হবে ফোডছল কানীর, আল্লামা শাওকানি )।
- ২:১৪৫। অর্থাৎ নবী (সা.) বনি কিবলা পরিবর্তন যে আদ্বাহর পক্ত থেকেই হয়েছে- এ সংক্রান্ত খাবাতীয় প্রমাণাদি ইছদি ও নাসারাদের দিকট উপস্থাপন করে। তবু তারা নবীর অনুসরণ করবেনা এবং তার পিছনে সালাত (মামায়) পড়বেনা।
- ২:১৪৬ এখানে এই ঠুক্তর স্নর্কনামটি পূর্বকারী ১৪৪নং আয়াবের ঠুক্তি ঠাক্তর বিবেছে। আয়মা শাওবানি বাগেছেল, কারো মতে হোরা মূখাখে (সা.) লব কুমানা হারেছে। এবারা মতে এব ছারা কারার বিকে কিবলার পরিবর্ধনকৈ কুমানা হারেছে, এবার গাতা আমানানী বিকারের মাধান্য এটা জেনেরিখন, পে বি. মন্ত্রী আমানাক ভিত্তি করিবলৈ করেনে আমানা মাঝাখনারী ক্ষার আহিবলৈ করেনে আমানা মাঝাখনার ক্ষার করেনে করেনে মানানার করেনে করেনি করেনে করেনি করেনে করেনি করেনে করেনে
- মনে করি তিতীয় মতটি সঠিক। কারণ এখানে আয়াতসমূহের বর্ণনা প্রসঙ্গ থেকে এটাই বুঝা যায় (ফাতহুল কাদীর, আয়ামা শাওকাদী)। ১;১৪৯ অর্থাৎ স্থায়ী আবানেই থাক অথবা সকরে থাক- যেখানেই থাক, সালাতে তোমার চেয়ারা মসজিলে হারামের দিকে কিয়াও।
- ২:26৮। সাম্বা ও মারওয়া হারাম শরীকের নিকটবর্তী দুটো পাহড়ের মান। লিগাসার্ত পিত ইনমাইনের জন্য পানির সন্ধানে মা হাজের। এ দুপাহড়ের ছুটায়ুটি ব্যৱস্থিতনা আন্তাহর পরীক্ষার একনা ঘটনাকে বর্তীয়াও অনুসর্বাট্ট আনর্শ হিসাবে উপস্থাপনের কন্য হাজের সময় হাজীদের কন্য এ দুপাহড়ের সাহি বিটালোঁ সক্ষার বিদ্যালক আইক কর হারেছে।
- ২:১৭৩। প্রধাহিত রক্ত, জবাই করার পর ধমনী ও শিরা হতে প্রবাহিত রক্ত, হারাম (৬:১৪৫), জমাট রক্তও অস্তুপ।
- ২:১৭৩। অনন্যোপায় হয়ে কেবল প্রাণ রক্ষার জন্য বর্ণিত হারাম বন্ধু প্রয়োজন অনুযায়ী কিছু ভক্ষণ করলে ওনাত্ হবে না।

এবং তা আদালতের রায়ের মাধ্যমে।

- 2011 मा प्रश्निक बार्ज की कर पूर्वक काश करीं, वस्तु की, किसी, कस्त्रा के अपकार्य कराय प्रमुख का महार का महार पर पूर्व कार दक्षी अमादिक का की काश काश अम्ब कराय का प्रमुख असी एक काश दिवार विश्वक के प्रश्निक कार्य का अस्त्रा का अस्त्रा कार्य के सामें हैं। असे असी कार्य प्रमुख की एक काश दिवार विश्वक के प्रश्निक कार्य कर कार्य कराय कार्य कार्य कर कार्य मिल्क कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य
- ২:১৭৭। মুনাক্ষিকের লক্ষণ: আরু হুরাইয়া (রা.) বলেন নতী (সা.) বলেছেন, মুনাক্ষিকের লক্ষণ তিনটি: সে কথা বলার সময় মিধ্যা বলে, ওয়ানা করলে ভল করে, আমানতের ধেয়ানত করে- (সহীত্ত বুখারী)।
- ২:১৭৭। তারা দ্বীনের ব্যাপারে সভ্যবাদী ছিল অথবা ভারা যা বলেছে ভাকে বাস্তব সভ্যে পরিণত করেছে। অথবা আল্লাহকে দেয়া প্রতিশ্রুতি সভ্যে পরিণত
- কৰেছে। ২.১৭৮। কোন ব্যক্তিকে হত্যা বা আহত কৰাৰ দায়ে হত্যাকাৰী বা আহতকাৰীকে আইনসমত পছাৰ, বৰাক্ৰমে হত্যা ও আহত কৰাৰ ইনদামী বিধানকে কিন্যান বাল ইনদামী ক্ৰিবনৈ অন্তৰ্বাহিত কিলাসের বিধানের বিভাৱিক কৰিনা বায়েছে। কিলাসের বিধান প্রযোগ কবাৰ দায়িত বাছীৰ কতুপক্ষেত্র

- ২:১৭৮। কেউ কেউ এর কর্প করেছেন: ক্ষরিন ব্যক্তি (কুনী) হলে স্বাধীন ব্যক্তি, ক্রীতদাস (খুনী) হলে ক্রীতদাস আর নারী (খুনী) হলে নারী। (তাকসীরুল মানার সায়োদ বদীদ বেদা)
- ২:১৭৮। নিহত ব্যক্তির উত্তরাধিকারী হত্যাকারীকে ক্ষমা করলে হত্যাকারীর নিকট বিধিমত দিয়াত অর্থাৎ অর্থদণ্ডের দাবি করতে পারে। এরূপ ক্ষেত্রে হত্যাকারীকে ফথাফারতাবে উক্ত দাবি পূর্ণ করতে হবে।
- ২১৭৮। বনী ইপার্যালনে (ইন্মী) জন্য কিলানের বিধান ছিল নিয়ন (সকলগ) এর বিধান ছিলনা আনার নাগারাদের জন্য হতার ক্ষেত্রে নিয়াত (কজপা) এর বিধান ছিল কিছু কিলানের বিধান ছিলনা আনুহে আনাল উচ্চত মুহন্দেরীর জন্ম কিলান, দিয়াত (বক্তপা) এবং কমা এ তিনটি বিধানই দিয়াসাম এক একলাক হাম্যান যে ক্রান এর্জানিত প্রবাহ করিয়ার বিধায়সা
- (शान बहुराह्य) (शान
- ২)২৮০। মূৰ ব্যক্তিৰ অসিতে ও ৰূপ পৰিপোহৰ পৰ উল্লোখিকালেৰ মহা সম্পাৰ নিউত মহা আমিত বুবি কল্পপূৰ্ব হুবা পৰিক উল্লোখিকালেৰ দৰিব কৰাৰ বিভাগৰ কৰিছে নাই আছিলৰ পাৰে। কিশে কৰা নিজন মূৰ্ব দুৱা মুখ্যা মানা লোক এবং চাৰ চেকালাৰি থাকলে পাছেনেই ইন্টিই দাঠ-নাতলৈকে আমা আছিল কৰে যাবাই লাকা ছলা আছিল। এ বিশেষ ক্ষেত্ৰ অসিতাৰ না কৰাৰ কাৰেৰ ইয়াইছা মাতি-নাতনিবা সম্পা থেকে বুবিছ প্ৰস্তা কেন্দ্ৰলা স্কালা উল্লোখন
- ২:১৮০। স্থিতীয় হিজরী সনের শাবান মাসে রমধানের রোষা ফরম করা হয়। সে অনুযায়ী মহানবী (গা.) তার জীবন্দশায় নয় বছরে ময় মাস রোযা পালন

- ২০১৮। কুৰাবাৰে মান: মাজান মানেৰ বাছুখী বাৰিলানে কৰা ভালিন পৰিচে উন্নোধ নহেছে। একদৰ কৰিলানেৰ দাৰ বাছন দাৰা মান্ত কৰি কুৰাবাৰে নামান মান্ত কৰিছে চুক্তৰ বাৰিলান নামিলন বিখালী উন্নোধ কৰেছে। একলা মান্তান নামালন বাৰিলান কৰিছে বাছনা কৰিছে কৰেছে। একলা মান্তান নামালন মান্তান কৰেছেন বাছনা কৰিছে নামালন কৰিছেন মান্তান কৰিছেন কৰিছে কৰিছেন কৰিছেন কৰিছেন কৰিছেন কৰিছেন কৰিছেন কৰিছেন কৰিছেন কৰিছেন ক
- ২;১৮৫। কুৰঝান নাখিলের উদ্দেশ: কুৰঝান নাখিল করা হয়েছে মানুবের হেগাবেণ্ডের জন্য, জীবন চলার গঠিক পথ প্রদর্শনের জন্য। কুৰঝান থেকে গঠিক পথের সম্ভান পেতে প্রদে কুৰঝান তিলাজ্যায়তর পাশাপাশি থাই জাগত হবে। সাহা জীবন আর্থ না বুকে ছণ্ পঢ়ি করার জন্য কুলনা নাটিক হার্মী। কুৰঝান পানিল হয়েছে আ্লাম করার জন্য। আরু কর্তি জালা ছাত্রা কুৰঝানের কুলন আলা তার উদ্দে আমান করা সম্পন দায়। প্রতিশিক্ত কর্মসন্থ

হুকান পত্না বিশেষত হুবাশে নাগে পত্নিত কুৰুৰে কৰ্মণে কৰিছে আৰু একতাৰ পত্নী কৰা প্ৰচাৰ মূলকাৰেলে কৰিব। যে পাছি সামান মাত্ৰ কৰাৰ কাৰণে ও কুৰানা পত্নিত কৰে, ক্লিকাড়ে কৰিব কিবলে দিয়ে কৰা কৰে কাৰ্যা কিবলৈ কৰে কৰে কোন সুবাদি কৰিব। কৰে কৰিব কুলা পত্না কৰে কৰাৰ কৰিব কুলা পত্না কৰিব কুলা পত্না কৰিব কুলা পত্না কৰিব কুলা পত্না কৰেব কুলা কৰিব কুলা পত্না কৰেব কুলা কৰিব কুলা কৰিব কুলা কৰিব কুলা কৰেব কুলা কৰিব কুলা কৰিব কুলা কৰিব কুলা কৰিব কুলা কৰিব কুলা কৰেব কুলা কৰিব কুলা কৰিব কুলা কৰিব কুলা কৰেব কুলা কৰিব কুলা কৰেব কৰিব কুলা কুলা কুলা কুলা কৰিব কুলা কুলা কৰিব কুলা কৰিব কুলা কৰিব কুলা কৰিব কুলা কুলা কৰিব কুলা কৰিব কুলা কুলা কৰিব কুলা কুলা কুলা কুলা কৰেব কুলা কৰেব কুলা কুলা কৰেব

- ন্দ্ৰভাগত কৰিছে কৰিছ কৰিছে বাছৰ প্ৰকাশ কৰিছে কৰিছে কৰিছে কৰিছি কৰিছ কৰিছে কৰিছে কৰিছে আৰু ছাত্ৰীৰ কৰিছে কৰ
- ২১৯৩। সম্প্ৰ শন্ত্ৰ ঘৰণাৰ কৰা ইলানেৰ একট গাধাবন হৃদনীয়ি। হাকাৰী (ম) সাৱা জীগন এনীকি মধ্যালন কাহোলো আহলা (হা) এবং কৰিছে, কিমি বাংলা, হান্দা (ম), কে ৰাখ্যা চুলি বিবাহন যাব একটা হোৱা কোহোৱা কিছিল আছে কলাৰ কিছে কিছিল আছে কলাৰ কাহানি কিছে কৰিছে কৰিছে কৰা কিছে কৰিছে কৰিছে
- ২০১৮০। আমাৰ কৰকীৰ ব্যৱহাৰ প্ৰদান্থন সাম্পৰ্কীয় বাসুপা (ন), এল সম্ভা ছালত তেনে লোকপা, ইয়া হালুপাছাটো সন্ধান্ত কৰে আছাতে কাৰতে না কৰে কিবলৈ কৰে কাৰতে না কৰে কিবলৈ কৰে কাৰতে না কৰে কিবলৈ কৰে কাৰতে না কৰে কাৰতে কাৰতে
- ২)১৮৮। অন্যায়ভাবে কাৰো সম্পন্ন আছ্যান কৰা বজৰতা অপৱাধ। এ অপৱাধের কাছণে কিয়ামতের দিন কঠিন শান্তি ভোগ করতে হবে: সাষ্টদ ইবনে বাছেদ্র থেক বর্গিত, তিনি বলেন, আমি রাগুল (সা.) থেকে বলাতে কবেঁচ, যে বাজি অধ্যায়ভাবে কালো এক বিষত্ত পরিমাণ জমি প্রাণ করবে কিয়ামতের দিন সঞ্চ জম্মিন বরারত্ত অবুণ তার পালায় কেন্তি বাহিন্দ্র গান্তি প্রবাহ কুল বিশ্বই কুপারী)।
- ২:১৮৯। ইকুমান অবস্থায় লোকেরা খবে প্রবেশ করত ঘরের পিছল দিক দিয়ে এখং এটিকে পুণোর কান্ত মনে করত যদিও তা হচ্ছের অনুষ্ঠানাদির অভযুক্ত নয়। সুতর্গাং এ জাতীয় বান্ধাবাড়িকে পুণোর কান্ত মনে না করতে তাগিদ দেয়া হয়েছে। অর্থাং হচ্ছের অনুষ্ঠানাদি হবে তা যা দাইয়ত সম্বত-ক্ষম
- ২:১৯১। "তাদেরকে' বলতে পূর্ববর্তী আয়াতে যাদের কথা উল্লেখ করা হরেছে তারা উদ্দেশ্য। অর্থাৎ যারা মুসদমাদদের বিকল্পে যুদ্ধে শিপ্ত হয় ও মুসদমাদদের উপর সশক্ষ হামলা চালার একমাত্র তাদের কথা বলা হয়েছে। অন্যাদের কারো ক্ষেত্রে ও কুমুম প্রযোজ্য নয়। এ নির্দোশ যুদ্ধ ক্ষেত্রের সাথে সংশ্লিষ্ট।
- ২:১৯০০। শিক্ষনা অৰ্থ পৰীক্ষা, প্ৰলোচন, নামা, বিপঞ্চানা, শৃহযুদ্ধ, শিক্ষক, কুমত, ধৰ্মীয় কাৰণে নিৰ্বাচন উত্তালি। শিক্ষক ও কুমক পৰিত্যাগ কৰে কেউ বেশুছাই ইপনাম এবংশ কৰণে তাকালীন কাৰিক স্থাপনিকৰা আৰু পূৰ্বত কৰে কিবিছেন নিতে অকন্তা নিৰ্বাচন চালাতো। ধৰ্মের কাৰণে অকল্যক্ষিক নিৰ্বাচন (ফিলান) বন্ধ না ইংজা পৰ্যক সুন্দান্যনোৱনকে তাডান বিৰুদ্ধে দুছ্ক চিলিনে বেড কৰা হয়েছে।
- ২:১৯৪। ফুল্কা'দা, ফুল্ফাজ্ক, মুহাররাম ও রজব এ চারটি হারাম মাস বা পবিত্র মাস।
- ২:১৯৪। কোন বস্তুর পবিত্রতা রক্ষা করা সংশ্রিষ্ট পকল পক্ষেত্র দায়িত্ব। আরাতে এর প্রতি ইন্সিত করা হয়েছে। যেহেতু মুশরিকরা পবিত্র মান্সচলোতে যুক্ত-বিশ্বাহে লিঙ্ক হয়েছিল সেহেতু মুন্দামানমানসেরকেও তার জবাব দিতে বলা হয়েছে।

- ২:১৯৫। অর্থাৎ যুদ্ধের জন্য আস্তাহর পথে ব্যর না করা প্রকারস্তরে নিজেদেরকে ধ্বংসের দিকে ঠেলে দেয়ার শামিল।
- ২:১৯৫। ইহুসান কর অর্থাৎ সকল কর্মকান্ড সুস্পরভাবে ও সুনিপুনভাবে সম্পন্ন কর এবং অপরের প্রতি অনুগ্রহ প্রদর্শন কর।
- ্ৰিক ব কৰাৰ কৰিবল কেন্দ্ৰ আৰু ক্ষাৰো (য), তাৰ কৰিব কলা (ব), আমাৰ- "কাট আমাৰ কথা কৰিই আমাৰ কা বাবলা কাম কৰাৰ আমাৰ কাম কৰাৰ আমাৰ কাম কৰিবল কাম কৰাৰ কাম কৰিব আমাৰ কিব কাম কৰিবল কাম কৰে আমাৰ আমাৰ কাম কৰিবল কাম কৰাৰ কাম কৰিবল কাম কৰাৰ কাম কৰিবল কাম কৰিবল কাম কৰিবল কাম কৰে আমাৰ কাম কৰাৰ কাম কৰিবল কাম কৰাৰ কাম কৰিবল কাম কৰিবল কাম কৰিবল কাম কৰিবল কাম কৰিবল "ক্ষাৰা কোম কাম কৰাৰ কাম কৰিবল কোম কৰাৰ কাম কৰিবল কৰিবল কাম কৰিবল কাম কৰিবল ক
- ২:১৯৬। বিধিসঙ্গত কারণবশত ধর্মীয় কোন অনুষ্ঠান সম্পন্ন করতে অক্ষম হলে তার পরিবর্তে যে অনুষ্ঠান বা অর্থ প্রদানের বিধান রয়েছে তাকে ফিল্য়া বলে।
- 2006। "মিকাত' (ইর্মাম বাধার নির্দিষ্ট ছাল) হতে হজ্জ ও 'উমরার ইর্মাম বেধে এক সাথে উভয় ইবাদখ আলাম করাকে হজ্জে 'বিদ্যান' বাংগা মীথাত হতে অধ্যা উমরার ইর্মাম বেধি উমরা সম্পান্ন করে মন্ত্রা হতে হজ্জেই ইর্মাম বেধি একই সময়ত উভয় "ইথাদত আলাম করাকে 'তামান্নু' (লাভবান ২থ্যা অর্থ্য, এক স্কেন্ মুই পুণা অর্থান প্রধান ইয়াকে বাংগা করাক করাক করাক করাক আলাম করাকে ক্রেক্সে ইন্মাম বিশ্বম
- ২:১৯৭। মির্দিষ্ট কয়েক মাস: এ মাসগুলো হল শাওয়াদ, জিলকুদ ও জিলহজুে প্রথম দশদিন (তাবারী)।
- ২:১৯৮। মাশ্মাকশ হারাম : 'আরাফাত ও মিনার মধ্যবর্তী মুক্যালিছন নামক উপত্যকায় অবস্থিত পাহাতৃকে 'মাশ আরুল হারাম' বলা হয়। যিলহাজ্ঞ মালের ১ম তারিধ দিবাপত রাতে উক্ত মুন্দালিকায় অবস্থানকালে উক্ত পাহাতৃের পাদদেশে উপস্থিত হয়ে আধাহতৃক অধিক মান্ত্রায় শ্বরণ করতে বলা হয়েছে।
- ২:১৯৯। এখানে كَانَادَا মুখনলিফা থেকে রঙনা হওয়া বুখানো হয়েছে (তাহসীরে মানাব, সাইয়েদ রদীন রেঞা, আত-তাহরীর ওয়াত তানতীর, ইবনে আতর ও ফাতহুল ক্ষমীর, শাতনদী)। উল্লেখ, মুখনদিফাতে মাশ্যাঞ্চ হারাম ক্ষয়িত।
- ২:২০০। ইসলামপূর্ব জাহেণি যুগে বজ্ঞ সমাপনাত্তে মিনার মধনানে একত্র হয়ে কবিতা, লোক-গাথা ইত্যানির মাধ্যমে পূর্বপুরুষদের শৌর্য-বীর্য বর্ণনার এখা ছিলা এখানে ঐসর কুপ্রধার পরিবর্তে নিষ্ঠা ও একামতান সাথে আল্লাহ তালানাকে অরণ করতে বলা হয়েছে।
- ২:২০২। অর্থাৎ তাদের দুনিয়া ও অথিরাতে অংশ রয়েছে তাদের অর্থন ও কর্মের কারণে (ভাফসীত্রে কবীর)।
- ২:২০০। 'আন্মামে তাপনীক' বা তাপনীকের দিনওলোকে (বিশহাজেন ১১, ১২ ও ১৩ তারিখ) আইয়ামে তাপনীক বদা হয়। এ দিনওলোতে আল্লাহকে বিশেষ ভাবে স্বরূপ করতে বলা হয়েছে।
- ২:২০০। هن أيام نفازيا هن الاسابة هو هن اليام نفازيا الله هن اليام نفازيات العربية العالم المادية الم المنازية الم المنازية الم
- ২২০৪। অর্থাৎ যে বাসা আমার জন্তরে জ্যালানা প্রতি যে জলবাদা প্রয়েহে আহাই তার সান্ধী আছেন অধনা বলে, আল্লাই জ্ঞানন আমি লতা বদাছি (শাওকানী)।
  ২২০৮। ইন্ট্রানিনের মধ্যে যাবা ইনলাম এহণ করেছিলেন তারা ইন্দ্রনী ধর্মের কোন কোন কার পূর্বের ন্যায় করতে ইন্দ্রা করেছিলেন। তথা নির্দেশ দেয়া হয়,
- প্ৰচেত্তৰ মূদনিয়েৰ কৰ্মন্ত আন্নাম ও বাদুদেৱ আদেশ-নিৰেখতনা গুৱাপুৰিতাৰে পাদন কর। অধ্য মত বা পথেব অনুদৰণ করা কেন অবস্থাকেই তাহ কাদা নামীটান নহ। ১:২১০। এ আয়েতে হাদকের মাটান ডিব্ল অংকন করা হয়েছে। বকা হচন্দ্ৰ, তারা কি সেই দিন পর্যন্ত ইয়ান আনা না আনাব বিধানি কাকিব, যেদিন
- िकारण व वर्षाना नारणिक दार, रूपण प्रवास प्रवास भागान अनुसार कारणिक करते करते करते हुए दाराज प्रवास वारण्य कारणाव सामा वरिकास मिरान वार रायाचारणाव जायाद कारणाव प्रवास प्रवास कारणाव प्रवास कारणाव प्रवास कारणाव रायाचार कारणाव कारणाव कारणाव मारा रायाचार किस्तारी कारणाव कारणाव कारणाव कारणाव कारणाव स्वास हारणाव राष्ट्राव हुए प्रवास हराल, वार्षावालक आस्ति ।
- ২:১১৫। এ আরাতটিকে জলভাবে ধেয়াল না করলে মধ্যে হবে যে, প্রশ্ন করা হছে কী ব্যয় করা হবে, অথচ উত্তর দেয়া হচ্ছে কী ব্যয় করা হবে- তা ঠিক নয়। ব্যয় করতে বলা হচ্ছে যা উত্তম তা এবং পাশাপাশি খাতও বলে দেয়া হচ্ছে।
- ২০১১। বিদৰ্শনৈৰ পৰিসহ, আৰু কৰিব। (বা.) বদেন, বানুল (না.) বানকেং যে বাজি বোকৰানেৰ যাবে যাবে বুবাৰ বেকুটা কৰে ইওক থানা কৰিব। কিবলৈ দুৰ্ভাৱন বৈশ্বৰ পোৱাৰ দিয়ে বাহাৰ বাৰুক্ত হিমনীনা নাং, বৰং মুখ্য নিকাৰীন এপান্তি খানা মান লগত বাই খাবাৰ আভাবাত্ত্ব আৰু আৰু আৰু কৰিব। বাহাৰ কৰিব। বাহাৰ বাহাৰ
- ২:২১৮। "বিহাল' (المهر) শব্দ 'জুবল' (المهر) ইবঁতে উত্তুত। জিহাদ' অৰ্থ চেষ্টা করা ও অক্লান্ত পরিধান করা। দীন প্রতিষ্ঠা ও বন্ধার্থ যে নিরবর চেষ্টা-প্রচেষ্টা, সংঘান করা হয় তাকে 'বিহাল' বলে। উল্লেখ, 'বিহাল' অর্থ 'পরিন বুদ্ধ' দর।
- সন্ধান কৰা হব লাগে সঞ্চল কৰে। ২:২১৯। কিছু উপজাবিতা বসতে মদেৱ বাৰসা এবং এল লাগ গ্ৰহণ এবং জুৱাল মাধ্যমে বিনা পরিস্কাম আৰু উপাৰ্জন কৰা বুবাত। দেখুন আদু-মানাকি, মান্তিকত-ভালমিগ পৰা প্ৰাকৃত্বিকত ভাজিল। কিন্ত গোটা সমাজেন্ত উপল এন পাগন্ধনিত প্ৰভাব অদেক বেশী। মল ও ছয়ার মাধ্যমে গমতান মানুষের

- হংস্থ। অনাস (মা) থাকে বৰ্গিক, ইছলী সঞ্চায়েক মিতি ছিল ত্ৰীৰ মানিক অৰহায় ভাৱা একাকে পাঙলা-গাওৱা ও মতে বলবান কৰত না। সাহাবীলাৰ বাসুল (ম) এৰ কাছে ৰ এলাগে জালাত ভাইলে আমাকৈ নানিক হয়। কিনি বাংলা, 'ছৰ বিছে ছাড়া কৰেই কৰা যাবে।' জনা এক বৰ্ণনাচ এলেছে, 'কিবি বিদন ছালা কৰিব কৰা মানে-(মুন্তান)। আমালো (ম) খোলং, নানিক অৰহায়ৰ আমি বে পাত্ৰে পান কৰাইছি একই পাত্ৰে যাকুল (মা) পান কামেনে বাংলা মানা মুন্তা বাংলা হয়লা বাকুল (ম) বুল বোখনে-(মুক্তিনান)।
- ২:২২২। পাপ করার পর যারা অনুভগু হয়, ক্ষমা প্রার্থণা করে এবং পাপের পুনরাবৃত্তি করবে না বলে দৃঢ়ভাবে সংকল্পবন্ধ হয় ভারাই ভওবাকারী।

পাৰেষ সংগ্ৰহ কৰাৰ নিৰ্দেশ দেয়া হলেছে।

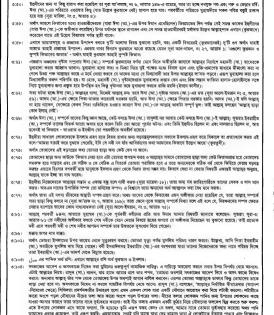
- ২:২২০। তোমাদের জ্রীপন তোমাদের বংশ বিস্তারের ক্ষেত্র। যেমন, কৃষকের জন্য তার শন্যক্ষেত্র বীন্ধ বংশণ করার স্থান। মানব বংশের বিস্তারে বিবাহের একটি অন্যতম সুখ্য উদ্দেশ্য। সে অর্থে জ্রীদেরকে শন্যক্ষেত্র বলা হয়েছে।
- আন্তৰ্ম মূৰ্ণ উদ্দেশ। সে আৰ্থে ব্ৰীনোৰতে পদাকের কথা হয়েছে। ২:২২০। বৈবাহিক সম্পর্কি গুঃ ভোগ-উপভোগের জন্ম নয়। সুৰক্ষ দান্তিপূৰ্ণ জীকৰ প্রতিষ্ঠান্ত মাধ্যমে সং সন্তান জন্ম কোৱা ও তালের সুঠু পালন-পালন করা এব বন্দাইন উদ্দেশ। নিয়ত সঠিত হয়ে ইসামানের দিহিতে এটাও অতি ছঙ্গানের কাম। কারেই পরীয়তসমূত জীকে যাপন করে আদিবাতের জন্ম
- ২:২২৪। ভালকান্ধ করবে না এথর্মে আল্লাহ্র কসম করো না। যেমন কারো কলা, আল্লাহর কসম আমি তোমার কোন উপকার করব না অথবা অমুক্তে মান-ক্ষরণাত করব না এরপ ক্রম্ম করতে দিখেও করা চায়েছে।
- ২:২২৭। তব্ধতর কোন কারণ ছাড়া ব্রীকে তাদাক দেয়া জমন্য অপরাধ। একইভাবে কোন শরিষতসম্মত করেণ ছাড়া স্বামীর কাছে প্রীর তালাক তামনা করাও বৈধ নয়। মহানবী (সা.) বনেন, কোন অসুবিধা না থাকা সক্তেও যে নারী তার স্বামীর কাছে তালাক চাইকে তার কন্য জান্নাতের আগ হারাম।
- ২:২২৮। স্বামীর মৃত্যু অথবা ভাগাকের পর যে সময়নীমার মধ্যে ব্রীন্ত জন্ম অদান্ত বিবাহ বৈদ নয়, সে সম্বামীমাকেই "কজ' বলে। যামীর মৃত্যুর ক্ষেত্রে চার মাস দশ দিন, গর্ভাবস্থাত তালাকের পর যে সময়নীমার মধ্যে ব্রীন্ত জন্ম অদান্ত বিবাহ বৈদ নয়, সে সম্বামীমাকেই "কজ' বলে। যামীর মৃত্যুর ক্ষেত্রে চার মাস দশ দিন, গর্ভাবস্থাত তালাকের বিবাহ করে। করিছে বিবাহ বি
- ২২২৮। আলাকের পর ইন্দাতের মধ্যে সামী-জী আপোন-নিশান্তির মাধ্যমে বিবাহ করনে থেকে থেকে পারবে। তাবে এই আপোন-নিশান্তির তবনই প্রগঞ্জন হবে ববন সামী-জী একে অপারের অধিকার ও কর্তবের বাগালের সম্ভানা হবে। তবে তলাক দেয়া ও ইন্দাতের মধ্যে বিবিয়ে আদার অধিকার কেবল প্রকাশক অধ্যা-বাধিক। তাবে ও আলাঝান্য চত্তানে অভীয়াকক তালান্তানি
- ২:২২৯। যে তালাকের পর 'ইন্দতের মধ্যে ইচ্ছা করলে প্রীকে পুনপ্তাহণ করা যায়, এখানে সেই 'তালাকে রাজ'ঈ'র কথা বলা হয়েছে। উল্লেখ্য, একসঙ্গে ভিন তালাক দেয়া কুরআনের বিধানের প্রতি ধৃষ্টতা প্রদর্শন ও অত্যন্ত নিন্দনীয় কান্ত এবং আল্লাহুর কিতাব নিয়ে তামাশা করার শামিল। এ প্রসঙ্গে সুনানে নাসাই-তে একটি হাদীস রয়েছে। মহানবী (সা.) এর কাছে এক ব্যক্তি সম্পর্কে বলা হলো যে তার স্ত্রীকে একসঙ্গে তিনটি তালাক নিয়েছিল। এ কঞ্চা অনে রামল (সা.) রাগান্তিত হয়ে দাঁভিয়ে গেলেন এবং বললেন, ভোমাদের মধ্যে আমি এবনো জীবিত আছি অথচ অক্ষাহ্র কিতাব নিয়ে খেলা করা ছবে। রাসূন (সা.) এর এ রাগান্তিত অবস্থা দেখে অপর এক ব্যক্তি দাঁড়িয়ে বদলেন, "আমি ঐ লোকটিকে হত্যা করে ফেলবো কিনাঃ (সুনান নাসাই) অর্থ্যাৎ কুরবানে একসঙ্গে তালাক দেয়ার পরিবর্তে পৃথকভাবে তালাক দেয়ার বিধান রয়েছে। অধ্যচ সে এদিকে প্রশক্ষপ করছে নাঃ একসঙ্গে ভিনটি তালাক নয় বসং ভিন্ন ভিন্ন দুইটি তালাক দিয়ে বিবাহ বন্ধন ছিন্ন করাই বিবাহ বিজ্ঞানের উত্তম পস্থা। কেননা এর ফলে বিবাহ বিজ্ঞেদ হয় আবার ভবিষ্যত সমঝোতার পথও খোলা থাকে অখ্যৎি স্বামী-স্ত্রী কোন ক্রমেই বনি-বনা না হলে এবং সমঝোতার ইপলাম নির্দেশিত সকল উপায় ব্যর্থ হলে বিবাহ বিজেদের সিদ্ধান্ত নেরা যেতে পারে। সেক্ষেত্রে সময়ের বাছ-বিছার না করে একসঙ্গে তিনটি তালাক দিয়ে বিবাহ বিজেদ করা বিবাত বা গর্হিত কাল। বরং এক্ষেত্রে স্ত্রীর মাসিক চলাকালীন (শারীরিক ও মানসিক অসুস্থতার সময়) অভিবাহিত হওয়ার পর সৃত্ত ও পবিত্র অবস্থায় একটিমাত্র তালাক দিবে। তথন থেকে ইন্দতের পূর্বে (তিনটি মাসিক অতিবাহিত হওৱা পর্যন্ত) যদি স্বামী-গ্রী সমধ্যেতা করে দেয় তবে বিবাহ আটুট থাকবে কিছু স্বামী সর্বমোট তিনটি তালাকের অধিকারের মধ্যে ১টি তালাক প্ররোগের অধিকার হারাবে। কিন্তু যদি ইন্দতের মধ্যে স্বামী-প্রীর মধ্যে কোন প্রকার সমঝোতা না হয় ও ইক্ষত অতিবাহিত হয়ে যায় তাহলে বিবাহ বিচ্ছেদ হয়ে যাবে এবং গ্রী অন্য কোথাও বিবাহ বন্ধনে আবদ্ধ হতে পারবে। কিন্তু গ্রী যদি কোপাও বিবাহ বন্ধনে আৰদ্ধ না হল সেক্ষেত্ৰে প্ৰীকে পুনৱায় প্ৰস্তাব দিয়ে মোহবালা থাৰ্য্য করে নকুন করে বিবাহের মাধ্যমে আবার বিবাহ কন্ধনে আৰম্ভ হতে পারবে। যেহেতু স্বামী একটি তালাক প্রয়োগ করেছেন সেহেতু এ প্রীর ক্ষেত্রে তিনি অবশিষ্ট দুইটি তালাকের মালিক থাকরেন। পরে আবার যদি তাশকের কারণ উদ্ধন হয় সেক্ষেত্রে আবার একই নিয়মে একটি মাত্র তালাক দেবেন। একই নিয়মে ইন্দতের মধ্যে স্বামী-স্ত্রী সমবোভা করে নিতে পারবেন। অন্যথায় স্ত্রী অন্যত্র বিয়ে হওয়ার পূর্বে নতুন করে মোহরানা খার্য্য করে বিবাহ আয়োজনের মাধ্যমে স্ত্রীকে ক্ষিরিছে আনতে পারবেন। এই পুইটি তালাক দেয়ার ক্ষেত্রেই বিবাহ বিচ্ছেদ করা যায় আবার একই সময় সমকোতার পথও বোলা থাকে। এ আয়াতে এ বিষয়টি বলা হয়েছে। কিন্তু এর পরও যদি বনি-বনা না হয় এবং ত্রীকে কৃতীয় তালাক প্রয়োগের মাধ্যমে বিবাহ বিচ্ছেদ মটানো হয় তবে আর সমধ্যোতা বা নতুন বিবাহের মাধ্যমে ল্লীকে ফিরিয়ে জানা যাবে না। তবে এ ক্ষেত্রে ল্লী যদি স্বাজাবিকভাবে অন্য কারো সাথে বিবাহ বন্ধনে আবদ্ধ হওয়ার পর স্বামীর মতাজনিত কারবে অথবা স্বাভাবিক নিয়মে বিবাহ বিচ্ছেদ হয় তখন প্রথম স্বামী নতুন করে মোহরানা দিয়ে তার সাথে পুনরায় বিবাহ বন্ধনে আবদ্ধ হতে পারবে। এ কথাই পরবর্তী ২৩০ নং আন্নাতে বলা হরেছে। দীর্ঘদিনে তিলে ডিলে গড়ে উঠা দাম্পত্য জীবনকে এক মুখুর্তে ভেঙ্গে দেয়ার নিষ্ঠুর পদ্ধতি অবলম্বনের পরিবর্তে তালাক প্রদানের ক্ষেত্রে মহানবী (সঃ) নির্দেশিত পদ্ধা অনুসরণ করে ধাপে থাপে ভাগাক দেয়া বলে বিবাহ বিচ্ছেদের পরিমাণ কমে আসত এবং তথাকবিত পাতানো হীলা বিবাহের মৃণ্য পদ্ম অবলম্বনের প্রশ্ন উঠত না।

- 2,2221 এখানে সীমা কলতে একে অপরের অধিকার ও কর্তব্যের ব্যাপারে যত্নবান হওয়া বর্থানো হয়েছে।
- মোহবানা ফেবত দিয়ে অধবা কিছ অর্থ-সম্পদের বিনিময়ে স্ত্রী স্বামীর নিকট ভাগাক চাইতে গারে। শরীরতের পরিভাষায় এটাকে 'ধুলা' বগে। সুতরাং ২:২২৯। তাদাক বা বিবাহ বিক্ষেদের অধিকার তথু পুরুষের নয় বরং প্রয়োজনে নারীকেও বিবাহ বিক্ষেদের অধিকার দেয়া ব্যরছে। তবে ইসলামের বিবাহ বিজেন সংক্রান্ত বিধানের ক্ষেত্রে নারী ও পৃষ্ণবা উভয়ের পক্ষ থেকে বিবাহ বিজেনে বা তালাকের যথেক্য প্রয়োগ বন্ধ করার জন্য বেশ কিছু নিয়ন্ত্রণমূলক বাবস্থা প্রহণ করা হয়েছে।
- ২:২৫০। দুই তালাকের পর তৃতীয় তালাক দিলে স্বামী ব্লীকে পুনপ্লাহণ করতে পারে না। তালাকপ্রাণ্ড নারী নিজ ইচ্ছায় অন্য কারো সাথে বিবাহ বছনে আবদ্ধ হওয়ার পর যদি স্বামীর মৃত্যু জনিত কারণে কিংবা স্বাভাবিক নিয়মে তাদের বিবাহ বিচ্ছেদ হয় তথনই কেবল ইন্দত পালনের পর পূর্বের স্বামীর সাথে নতন করে বিবাহ বন্ধনে আবদ্ধ হতে পারবে। এক্ষেত্রে তথাকথিত পাতানো বিবাহ (হাঁলা বিবাহ) বৈধ নয়। এ জাতীয় হাঁলা বিবাহ ইসলামের দৃষ্টিতে মুদিত কান্ধ। রাসুল (সা.) বলেছেন, 'হালালকারী (পাতানো হীলা বিবাহকারী) এবং যার জন্য হালাল করা হয় (যার স্বার্থে পাতানো বিয়ের আছোজন করা হয়) উভয়ের উপর আল্লাহ লা'নত করেছেন-(আরু দাউদ)।
- ২,২৩৩। ভরণ-পোষ্ণের দায়িত্ব পালনে অবহেলা করা গুনাহের কাজ। আনুদ্রাহ্ ইবনে আমর (রা.) থেকে বর্ণিত, ডিনি বলেন, রাসুদ (সা.) বলেছেন, যার উপর যাকে খাওয়ানো-পরনোর দায়িত সে ব্যাপারে উপেঞ্চা ও অবহেলা করাই তার গোনাহগার হওয়ার জন্য যথেষ্ট-(সুনানে আবু দাউদ, কিতাব্রয যাকাত)।
- ২:২৩৪। স্ত্রী গর্তধারণ করেছে এমন অবস্থার স্থামীর মৃত্যু হলে সম্ভান ভূমিষ্ট হওয়া পর্যন্ত ইন্দত পালন করতে হবে।
- ২:২৩৭। তালাৰুপ্ৰাপ্ত গ্ৰীকে অসমান করা, তার সম্পর্কে মন্দ রটানো, তাকে ব্যক্তিগতভাবে অধবা তার পরিবারকে কট দেয়া তালাকদাতা স্বামীর জনা বৈধ নয়। ২:২৬৮। এখনে সর্বপ্রকার সালাতের, বিশেষত 'আসরের সালাতের প্রতি অধুবান হওয়ার নির্দেশ দেয়া হয়েছে এবং আল্লাহ্র উদ্দেশ্যে বিনিতভাবে দাঁড়াতে
- বলা হরেছে। ২:২৩৮। সালাতের গুরুত্বঃ রাসূল (সা.) বলেছেন, কিয়ামতের দিন বান্দার যে বিষয়ের হিসাব সর্বপ্রথম নেয়া হবে সেটি হচ্ছে সালাত। যার সালাত (নামায)
- ঠিক থাকৰে তার সমন্ত আমল ঠিক হবে আর যার সালাত নষ্ট হবে তার সব আমল বরবাদ হবে। ১:১৪০। এটা প্রথম দিকের বিধান অর্থাৎ এ আয়াভের বিধান অনুযায়ী স্বামী মারা যাওয়ার পর স্ত্রী মত স্বামীর ঘরে বা বাড়িতে থাকত এবং একবছর পর্যন্ত তার
- ভরণ-পোষণের শরচ দেয়া গুরারিশদের দায়িতু ছিল। আর যদি বেচ্ছার স্বামীর বাড়ি ভ্যাগ করত তাহলে ভরণ-পোষণের দায়িতু গুরারিশদের হিল না। পরবর্তীতে স্ত্রীদের জন্য মৃত স্বামীর সম্পত্তিতে এক-চতুর্থাংশ এক-অষ্টামাংশ দেয়ার বিধান দেয়া হয়েছে। এখানে মৃত্যু- প্রকৃত অর্থেই মৃত্যু, তবে কুলরতের মৃত্যু, স্বাতাবিক নিয়মের মৃত্যু নয়। জিহাদের দিকে উৎসাহিত করার জন্য এ ঘটনা বর্ণনা করার মাধ্যমে
- আন্তাহ তামালা এটাই বুঝিয়েছেন যে, জীবন-মৃত্যুর মালিক একাষ্টই তিনি। সূতরাং মৃত্যু থেকে পালামন করে কোন লাভ নেই। কেউ যদি গ্রন্ন করে যে, তারা দু'বার মৃত্যুবরণ করল যা সাধারণ নিরমের উপ্টো- তার উত্তরে বলা যায়- এটি অসম্ব কিছু নয়, এধরনের ঘটনা বনী ইলরাসলের ক্ষেত্রে আরো খটোছে (সুরা-বাকারা, নং-২, আয়াত-৫৬)। উল্লেখ্য উঘাইর (আ.)-এর ক্ষেত্রেও এরূপ দু'বার মৃত্যু হয়েছিল (সুরা-বাকারা, নং-২, আয়াত-২৫৯)। ১:২৪৫। 'করমে হাসানা' অর্থ -আল্লাহর পথে ব্যয় করা।
- ১:১৪৬। এ নবী হক্ষেন শাময়েল নবী। ২:২৫১। তখন দাউদ (আ.) যুবক ছিদেন এবং ভালুতের দৈন্য বাহিনীতে একজন দৈনিক হিসেবে যুদ্ধে যোগদান করেছিলেন। গরবর্তীতে আল্লাহ্ ভাকে নবুয়াত
- ও রাজত দান করেন। ২:২৫৫। এখানে 'ভারা' বনতে আল্লাহুণাক ভার সৃষ্টিকুলের প্রত্যেককে বুঝিয়েছেন। এর মর্ম হল, ভার সৃষ্টিকুলের কেট ভার আনের কিছুই আহন্ত করতে
- পারবে না যদি না ভিনি ইচ্ছা করেন এবং যতটুকু তিনি তাদেরকে জানিয়ে দেন। ২:২৫৬। তাওত শব্দটি পৰিত্র কুরআনে ৮ বার উল্লেখ করা হয়েছে। আল্লাহ ব্যতীত যার ইবাদত করা হয় ভাকে তাতত বলা হয় (দিসানুল আরব)। রাসুল (সা.) বলেন, তোমরা পিত পুরুষ ও তাওতের নামে শপথ করো না-(সহীহ মুসলিম)। এখানে তাওত অর্থ তারা যে সব মূর্তির সন্মান করত এবং তাদের
- নামে শূপথ করত যেমন লাভ ও মানাত ইত্যাদিকে বুখানো হয়েছে। ইমাম রোখারী বর্ণনা করেছেন, ওমর ইবনে খাতাব (রা.) বলেছেন, জিবত অর্থ যাদু এবং তাগুত অর্থ শয়তান। ইবনে কাছীর বলেছেন, এ বক্তব্যটি খুবই শক্তিশালী। কেননা জাহেলিয়াতের যুগে লোকেরা মূর্তিদের পূজা করত, তাদের কাছে বিচার-স্বয়সালা ও সাহাত্য কামনা করত। তাতত বলতে বুঝার, আপ্রাহ্র উপর সীমাল্যনকারী ও আল্লাহ্ ব্যতীত যার ইবাদত করা হয়। এ ইবাদত জবরদন্তিমূলক হতে গারে আবার ইবাদতকারীর পক্ষ থেকে স্বেচ্ছামূলকও হতে পারে। এ ধরনের সবই ভাতত বলে গণ্য। সে মানুষ,
- শয়তান, প্রাণী বা ছড় পদার্থ যাই হোক না কেন-(তাবারী)। ২:২৫৯। অনেকের মতে ইনি ছিলেন ইস্রাইলী নবী হয়রত 'উঘাইর (আ.)। ইমাম কুরতুরীর মতে, অনপগটি ছিল বায়তুল মাকনিস। বুগতে নসর এ নগরীতে
- ঞ্জংসহজ্ঞ চালিয়ে ছিল। আরো দেখন সরা নং ৯, আয়াত ৩০। হাসি মূৰে কথা বলাও সদকাহ ঃ হৰরত আবুষর (রা.) হতে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাস্ল (সা.) আমাকে বলেছেন, সং কাজের মধ্যে কোনটিকেই ভূঞ
- ২:২৬৩। মনে কর না; সেটি যদি তোমার ভাইয়ের দিকে হাস্যোজ্বল দৃষ্টিতে তাকানোও হয়- (সহীহ মুসলিম, কিতাবুল বির ওয়াস সিপাহ)।
- ২:২৬৪। লোক দেখানোর জন্য দান করদে অথবা দান করে খোঁটা ও কষ্ট নিলে সেই দানে কোন পুণ্য নেই। আয়াতে তারই উপমা দেয়া হয়েছে। ২:২৭৩৷ যে সকল লোক ছীনের কাঞ্চে ব্যস্ত বা কোন না কোনভাবে জিহাদে লিগু থাকার কারণে উপার্জন করতে পারে না, ভানের জন্য ব্যয় করার কথা বলা হয়েছে। এইরূপ লোকদের উদাহরণ হল 'আসহাতে সুফ্ফা' যারা রাসূল (সা.)-এর সময়ে দ্বীনী শিক্ষালাডের জন্য এবং প্রয়োজনে জিহাদে শরীক
- হওয়ার জন্য মদীনার মসজিদে নববী সংলগ্ন স্থানে সর্বদা অবস্থান করতেন। রিবা (সুদ)ঃ জাহেণী যুগে ঝণের আসলের উপর বিভিন্নরূপে অভিরিক্ত ধার্য করা হডো। প্রথমত, ঝণদাতা ঝণ প্রদানের সময়েই তার আসলের উপর 2:2901 অতিরিক্ত দাবী করত এবং ঋণ এইটিতা অতিরিক্ত দিতে রাজি হলে ঋণদাতা উক্ত বর্ষিত পরিমাণসহ আসল ফেরতের শর্তে ঋণ প্রদান করত। থিতীয়ত, ঋণদাতা মাসে মাসে একটা নির্ধারিত অভিরিক্ত আদায় করত কিন্তু ঋণ পরিশোধের মেয়াদ শেষ হওয়া পর্যন্ত আসলের পরিমাণ অপরিবর্তিক থাকত।

হত, খতঃপর দাম পরিশোধের নির্ধারিত তারিখে ক্রেকা দাম গরিশোধে বার্থ হলে বিক্রেকা তার বাকী পাওনার গরিমাণ বাড়িয়ে দিত এবং পরিশোধের জন্য আরো সময় দিত-(আহকামুদ কুরআন দিল জাস্সাস, তাফসীর কাবীর দিল ইমাম রাখী, তাবারী দি ইবনে জাবীর)। মূলত সকল প্রকার সুদী দেনদেরনের সাধারণ বৈশিষ্ট্য ছিল, দেনার আসদের উপর একটি অভিরিক্ত পরিমাণ ধার্য করা। তাই কুরআনে নিষিদ্ধ সুদ হল্ছে, কাউকে ঋণ দিয়ে আসলের উর্জে অভিনিক্ত ধার্য করা। পণ্য বিক্রয়ের বিপরীতে ক্রয় মূল্যের চেয়ে অভিনিক্ত পরিমাণ বিক্রয় মূল্য ধার্য করা সুদ নয়। ২:২৭৯। অর্থাৎ মূলহনের অভিরিক্ত নিয়ে কারো উপর জুলুম করলে না এবং তোমাদের মূলধন না কমিয়ে তোমাদেরকে তা ফেরত দেয়ার মাধ্যমে তোমাদের

ততীয় ধরন ছিল, এমন এক দেনদেন যেখানে কোন ব্যক্তি ভবিষ্যতের কোন নির্ধারিত দিনে দাম পরিশোধ করার শর্তে কোন পণ্য সামলী বিক্রি করা

- প্রতিও জলম করা হবে না। ২:২৮০। স্বদ পরিশোধে আন্তরিক হলে আরাহ্ সাহায্য করেন। মাহানবী (সা.) বলেছেন, যখন কেউ কণগ্রন্থ হয় এবং আরাহ্ জানেন যে, উক্ত কণ পরিশোধের
  - সে ইচ্ছা পোষণ করে তাহলে দুনিয়াতেই আল্লাহ তার পক্ষ হতে উক্ত ঋণ পরিশোধের ব্যবস্থা করেন-(সুনানে নাসাই)। রাসুল (সা.) আরো বলেছেন. 'স্বচ্ছল ব্যক্তির টালবাহানা করা গুলুম।'
- ২:২৮২। ধারে ক্রন-বিক্রর বা বাকীতে কারবারের জন্য এই বিধান। এ ধরনের লেনদেন লিখে রাখা ও এর জন্য সাক্ষী রাখা উত্তম।
- ২:২৮২। আর্থিক লেনদেনের সঙ্গে সাধারণত পুরুষদের সম্পক্ততা বেশি এবং আর্থিক লেনদেন নিয়ে বেশি চর্চা করার কারণে এর বুঁটিনাটি ভাদের বেশি জানা থাকা এবং খরণ করা সহজ। এজন্য পুরুষদের সান্দী রাখাকে অগ্রাধিকার দেয়া হয়েছে। কোন কারণে খনি পুরুষ সান্দীর তুলনায় মেয়ে সান্দী সহজে পাওৱা যায় সে ক্ষেত্রে একজন পুরুষ ও দুইজন নারীকে সাক্ষী রাখতে বলা হয়েছে। নারীরা সাধারণতঃ একলো নিয়ে চর্চা করে না বিধায় সতর্কতামুদকভাবে দুইজন মারীকে সাঞ্চী রাখতে বলা হয়েছে। নতুবা ক্ষেত্র বিশেষে একজন নারীর সাঞ্চী গ্রহণযোগ্য হওয়ার বিধানও ইসলামে রয়েছে। তা'ছাড়া এ আয়াতটি বাধ্যতামূলক নয়; উপদেশমূলক। লিখিত রাখাটা ফর্ম নয় বরং ভাল। সুতরাং আদালতে ফয়সালা করার সময় বিচারক প্রমাণ হিসেবে যে কয়জনের সাক্ষ্য গ্রহণযোগ্য মনে করবেন সেটাই গহীত হবে। তাহাড়া ক্ষেত্র ভেনে একজন নারীর সাক্ষ্য গ্রহণ, পুরুষ ও নারীর সাক্ষ্য সমানভাবে গ্রহণের বিধান ইসলামে রয়েছে। যেমন রমজানের চাঁদ দেখার বিষয়ে, স্বামী ও গ্রী পরস্পরের বিরুদ্ধে অপকর্মের অভিযোগ উত্থাপনের ক্ষেত্রে একজনের সাক্ষ্য গ্রহণযোগ্য। অনুরূপভাবে একান্ত নারী সংশ্লিট বিষয়াদির ক্ষেত্রে একজন নারীর সাক্ষ্য গ্রহণযোগ্য। উকবা ইবনে হারিছ দবী (সা.) এর কাছে এসে বললেন, আমি জনৈক নারীকে বিয়ে করেছি। এমন সময় জনৈকা কালো কৃতদাসী এসে বলল, উক্ত নারী আমানেরকে (অর্থাৎ আমাকে ও উকবাকে) দুধ পান করিয়েছিলেন। তখন রাসুল (সা.) উকবাকে বললেন, "ভাকে ছেতে নাও।" (অর্থাৎ তোমার নুধমাতা হওয়ার কারণে তার সাথে তোমার বিবাহবছন ছিন্ন কর)। উক্তবা বলল, সে (কৃতদাসী) মিধ্যাবাদী। তথন নবী (সা.) আবার বললেন, "তাকে ছেভে পাও।" এই হাদীসের ব্যাখ্যার ইমাম ইবনুল কাইয়িয়ে বলেন, এধানে রাসুল (সা.) একজন নারীর সাক্ষ্য এহণ করেছেন যদিও সে ছিল একজন কতদানী এবং সে
- তার নিজের ব্যাপারে সাক্ষ্য দিয়েছিল। ২:২৮৩। বছক রাখা বৈধ: সুনযুক্ত লেনদেন এর ক্ষেত্রে অথবা কপ দেয়া-নেয়ার ক্ষেত্রে বছক নেয়া বা বছক রাখা বৈধ। রাসুল (সা.) একবার এক ইছনীর কাছ থেকে কিছু খাদ্য দ্রব্য ক্রন্ত করেছিলেন এবং তার কাছে নিজ গৌহ বর্মটি বছক রেখেছিলেন- (সহীহ বর্ধারী)।
- ২:২৮৬। অর্থাৎ শরিয়তের বিধিবিধানের ক্ষেত্রে কঠোরতা আরোপ করবেন না থেমনটি আপনি আরোপ করেছিলেন পূর্ববর্তী উত্মতদের উপর। যেমন সরা আল-আঁবাফ, নং ৭, আয়াত ১৫৭-তে উল্লেখ বরেছে যেখানে বাসুল (সা.)-এর রিসালাতের বৈশিষ্ট বর্ণনা প্রসঙ্গে আল্লাহপাক বলেছেন, সে তাদের থেকে নামিয়ে দেয় তাদের বোঝা ও বেড়ি (শৃঞ্চাল) যা তাদের উপর (অর্থাৎ পূর্ববর্তী শরিয়তে) ছিল। ইচ্দীদের উপর আল্লাহপাক শরিয়তের কঠোরতা আরোপ করেছিলেন তাদের জুসুমের কারণে ধেমন সূরা আন-দিসা, নং ৪, আয়াত ১৬০-এ উল্লেখ রয়েছে থেখানে বলা হয়েছে যারা ইহুদী হয়েছে
- তাদের অন্যমের কারণে আদ্রাহ তাদের উপর হারাম করেছিলেন এমন পবিত্র বস্তুগুলো যা তাদের জন্য পর্বে হালাল ছিল। প্রত্যেক এমন কিছু যে সম্পর্কে জ্ঞান অর্জন করা সম্ভব এমন বিষয় সম্বলিত আয়াতকেই 'মুহকাম' আয়াত বলে। আর যে সমস্ত বিষয় সম্পর্কে জানার 0:91 কোন উপায় নেই সে সমন্ত বিষয় সঞ্চলিত আয়তকেই বলা হচ্ছে 'মুতাশাহবি'। যেমন আল্লাহর চেহারা, আল্লাহর হাত, কুনসী, আরশ, জাহান্নামের
- আঞ্চনের মধ্যে যাঞ্জম বক্ষ ইত্যাদি আরো অনেক আয়াত। যথনই বুঝতে পারা যাবে যে, প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য কোন দলিলের ভিত্তিতেই কোন বিষয়ে সম্পর্ণ জ্ঞান অর্ক্সন সম্ভব নয় তথন তার পিডনে লেগে না থাকাই হচ্ছে এ আয়াতের মল শিক্ষা। দু'টি দল অর্থাং বদর যুদ্ধে মুসলিমদের একটি দল এবং কাফের কুরাইশদের একটি দল। 0:301
- 0:501 যদিও আসল পার্থক্য ছিল তিন তণ, কিন্তু সরাসরি এক নজরে দেখে যে কেট মনে করতে পারত, কাফের সৈন্য সংখ্যা মুসলিমদের বিতণ হবে। সুতরাং
- কাফেররা যে তাদের নিজেদের দৃষ্টিতে তাদেরকে মুসলিমদের দিওণ তাবছিল আল্লাহুগাক কেবল তারই উল্লেখ করেছেন। কুরাইশদের সৈন্য সংখ্যা যে মসলিমানের জিনত্রণ চিল তা আলাহপাকের ভানা আছে এবং নে অনুযায়ী বদর যতে আল্লাহপাক একহাজার ফেরেশতা পার্টিয়েছিলেন যা করাইশদের সৈন্য সংখ্যার সমান। আল্লাহ তারালা তাঁর সাহাত্য থারা থাকে ইঙ্গা করেন সাহাত্য করেন - অর্থাৎ তিনি তাঁর ইচ্ছায় অনেক ছোট দলকে বড় দলের উপর বিজয়ী করতে পারেন। সেক্ষেত্রে তাঁর ইচ্ছার বা ভ্রুমের প্রতিরোধকারী কেউ নেই।
- অর্থাৎ তাদের নিকট কিতাবের (তাওরাতের) কিছু অংশ গৌছেছে বা রয়েছে। ৩:২৩।
- ইচুদীদের মধ্যে সঞ্জন্ত দু'ব্যক্তি (নর ও নারী) ন্যাতিচারে লিঙ হলে তারা তাওরাতের উল্লেখিত রজম (পাধর নিক্ষেপে হত্যা) থেকে পরিবানের জন্য 0:201 রাসুল (সা.)-এর কাছে আসে এবং কুরখোন অনুযায়ী ব্যক্তিচারের শান্তির বিচার প্রার্থনা করে এ আশায় যে, তারা দু'জন রজম থেকে রক্ষা পেয়ে যাবে। কিন্তু রাসুল (সা.) তাদেরকে তাদেরই কিতাব (তাওরাত) অনুযায়ী রক্ষমের কয়সালা দেন। কলে এটি তাদের কতকের কাছে মনঃপুত হয়নি এবং
- তারা রাসুলে ফয়সালা মেনে নেয়নি- দেখুন ইমাম রাধী, তাফসীরে কবীর। আপ্তাহকে ভালবাসার প্রমাণ; আল্লাহকে ভালবাসার সঙ্গে রাসূল (সা.) এর আনুগত্যের একটা নিবিড় সম্পর্ক রয়েছে। আল্লাহর প্রতি অন্তরে ভালবাসা 0:031 পোষণের প্রমাণ হচ্ছে রাসুলের আনুগত্য করা। এর বিপরীত ইচ্ছে রাসুলের অবাধ্য হওয়া যাব পরিণতি জাহারাম। রাসুল (সা.) বলেছেন, "আমার টক্ষতের সবাই জান্নাতে প্রবেশ করবে একমাত্র সে ব্যতীত যে অধীকার করবে। সাহাবাগণ প্রশ্ন করদেন, 'হে আন্তাহর রামূল, কে সেই অধীকারকারীঃ রাসুল (সা.) বলগেন, "যে আমার আনুগত্য করল সে জাল্লাতে প্রবেশ করবে এবং যে আমার অবাধ্য হল সে আমাকে অধীকার করল।" সুতরাং রাসুলের আনীত জীবনাদর্শ মেনে না চলা রাসূলকে অধীকার করার পর্যায়ভুক্ত, যার শেষ পরিণতি আহান্রাম।



বাঁচবে। আর যদি তাকে যা ইঙ্খা তাই করার জন্য ছেড়ে দেয় তাহলে তারা ঐ লোকটাকেও ধাংস করবে এবং নিজেদেরকেও ধাংস করবে-(সহীহ বস্বারী)। সংক্রান্তের আদেশ ও অসংকাজের নিষেধ করার এ দায়িত গ্রন্তোক সুসলিম নর-নারীর। কথা, উপদেশ, লেখনিসহ আধুনিক সকল প্রচার মাধ্যম ও উপায় উপকরণ ব্যবহার করে এ দায়িত পালন করা সকলের পবিত্র কর্তব।

৩:১১০। মুসলমাননের পাশাপাশি সকল মানুষের কল্যাণে কাঞ্চ করবে। রাসুল (মা.) বলেছেল, সমগ্র সৃষ্টি আল্লাহুর পরিজন। সমগ্র সৃষ্টির মধ্যে সেই আল্লাহুর সবচেয়ে প্রিয় যে আন্তাহর সঙ্কীর প্রতি সদর আচরণ করে।

অর্থাৎ ইয়ুনীরা আল্লাহর আল্লাকসমূহকে অবিশ্বাস ও নবীদেরকে অন্যায়ভাবে হত্যা করার কারণে আল্লাহর পক্ষ থেকে শান্তিস্বরূপ তারা পৃথিবীয়নুকে 0.2251 যেখানে খাকুক দান্তিত হবে দু'টি অবস্থা হাড়া (১) আল্লাহর পক্ষ থেকে রক্ষ্ক্ তথা আল্লাহর নির্দেশিত পস্থায় মুদলমানদের সাথে চুক্তির মাধ্যমে নিরাপরা। (২) মানুবের পক্ষ থেকে চুক্তি বা অমুসলিমদের সাথে চুক্তি। অর্থাৎ তারা স্বাধীনভাবে নিজেদের নিরাপত্তা নিষ্ঠিত করতে পারবে না; হয় মুসলমানদের নিরাপত্তার অধ্যক্ত অথবা অন্য কোন সম্প্রনারের আশ্রক্তে থাকতে হবে। সর্বস্থাপই ইহুদীদের ক্ষেত্রে এটা সভ্য হয়েছে। কথনো তারা মুসলমানদের সাথে চুক্তিবন্ধ হয়ে টিকে ছিল। আবার পরবর্তীতে নাসারাদের আপ্রতে ইউরোপে বসবাস করেছে। বর্তমানে নাসারাদের সমর্থনে তারা টিকে আছে। তালের সমর্থন উঠিয়ে নিলে তারা টিকে থাকতে পারবে না। এ দু'টি নিরাপজ্ঞ ব্যবস্থার বাহিরে সাঞ্চনা তালের পিছু ছাড়বে না এবং

দারিদতাও তাদের পিছ ছাড্বে না, তাদের উপর রয়েছে আরাহ্ ক্রোধ। এসৰ লোকদের বর্ণনা সূরা আলে-ইমরানের ১৯৯ নং আরাতে দেরা হয়েছে। সেখানে আরাহ বলেন, আহলে কিভাবের মধ্যে কিছু লোক আছে যারা 0:2201 আল্লাহুকে বিশ্বাস করে, তোমাদের প্রতি যা অবতীর্ণ করা হয়েছে তার উপর (কুরখানে) বিশ্বাস করে এবং তাদের প্রতি যা অবতীর্ণ করা হয়েছে তাতে (ইন্জীলে) বিশ্বাস করে, আল্লাহকে তর করে, আল্লাহর আল্লাতকে বিক্রি করে না, তালের পুরস্কার তাদের প্রতিপালকের কাছে রয়েছে। অর্থাৎ আহলে-কিতাবের মধ্যে এমন কিছু লোকও আছে যারা বাহ্যত ইহুনী বা বুটান কিছু সংগোপনে আল্লাহ ও তাঁর রানুল মুহামন (সা.) উপর ঈমান এনেছে, যতটা সম্বৰ ইসলামের বিধান পালন করছে আর পরিশ্বিতির কারণে যেটা তারা পালন করতে পারছে না সেটা ধর্তব্য হবে না। কেননা আল্লাহ বলেছেন, আল্লাহ কাউকে তার সাধ্যের বাইরে কোন দায়িত চাপিয়ে দেন মা। এ ধরনের সোকেরা ইসলামী দেশে হিজরত করতে পারে মা, যেমন পারেননি আবিসিনিয়ার বাদশাহ মাজ্ঞাসী। রাসূল (সা.) তার মৃত্যুর পর তার গারেবে জানাজা পড়েছিলেন। মুসা (আ.) এর যুগে ফেরাটন বংশের এমন এক ব্যক্তির কথা কুরআনে বর্ণনা করা হরেছে যে ভার ঈমান গোপন হেখেছিল-(সূরা; আল-মুম্মিন আয়াত ২৮)।

৩:১২১। রাসুল (সা.) সমর সাজে ধর থেকে বের হন। এটি উছদ হাজের ঘটনা। কুরাইশ সৈন্যদের মোকাকেলা করার ঝাপারে সাহাবীদের সাথে পরামর্শ শেষে রাসল (সা.) গহে প্রবেশ করলেন এবং রণসজ্জার সজ্জিত হয়ে বের হয়ে এপেন।

৩:১২২। উত্ন যুদ্ধের সময় যুদ্ধ অঞ্চ হওয়ার পূর্বমূহতে মুনাফিকদের সরনার আবনুরাই ইবনে উবাই তার অনুগত তিনশত লোকসহ যুদ্ধের ময়দান ত্যাগ করে চলে পেলে আনসারদের দুই উপগোত্ত বনু হারিছা ও বনু সালামার গোকজনদের মধ্যে জীতির সঞ্চার হরেছিল। উভয়েই মুনাঞ্চিক আবসুল্লাই ইবনে উবাই-এর সেখানেখি দুর্বলতা প্রদর্শন করেছিল। প্রকৃতপক্ষে নিজেদের মধ্যে দুর্বলতা ছিল না, বরং স্বদলের সংখ্যাল্পতা দেখেই তাঁরা এ ধারণার

বশবর্তী হয়ে পড়েছিলেন, যেমনটি হয়েছিল ভালুত বাহিনীর (সূরা বাকারা, নং ২, আয়াত ২৪৯)। ৩:১২৪। সু'মিনরা যথন দেখলেন, একনিকে শক্রদের সংখ্যা তিন হাজার আর অন্যানিকে তাঁদের সংখ্যা মাত্র এক হাজার, আবার তা থেকেও তিনশক্ষন চলে যাছে, তখন তাঁদের মনোবল ভেঙ্গে পড়ার উপক্রম হল। যে সময় রাসুল (সা.) তাঁদেরকে জানিয়ে দিলেন যে, আল্লাহ তারালা তিন হাজার ফেরেশতা পাঠিয়ে দিছেন, প্রয়োজন হলে পাঁত হাজার পাঠাকেন। উল্লেখা, বনর মুছে শত্রু সংখ্যা ছিল এক হাজার, তাই আল্লাহ্ তায়ালা এক হাজার ফেরেশতা

পামানোর প্রতিক্ষতি দিয়েছিলেন (সরা আনকাল, নং ৮, আয়াত ৯)। ৩:১২৬। সাধারণভাবে মানুষ যেভাবে হিসাব-নিকাশ করে থাকে যে, শত্রুপক্ষের সৈদ্য সংখ্যা তিন হাজার, ভাই ফেরেশতাও দাগ্যে তিন হাজার, সেভাবেই আল্লাহ ভাষালা জানিয়ে দিলেন কেরেশতার সংখ্যাও হবে তিন হাজার যাতে মুমিনদের হনর প্রশান্ত হয়। সত্যিকার অর্থে একজন ফেরেশতাই তো যথেষ্ট, আর ফেরেশতা হাড়াও অস্তরে উতি সঞ্চর করেও আগ্রাহ তাবলা তুদ্ধের ফলাফল কলে দিতে পারেন, ঝড়-ভূফান দিয়েও শত্রুপঞ্চের তাবু লভ-ভভ করে

ছত্রভঙ্গ করে দিতে পারেন। সুতারাং থবন বেভাবে ইক্স আল্লাহ তারাদা সাহাত্য করতে পারেন এবং সাহাত্য কেবল আল্লাহর পক্ষ থেকেই আসে। ৩:১২৮। উত্তন যুদ্ধে রাসুল (সা.) আহত হয়ে রজাক্ত অবস্থার বলেছিলেন, যে আতি তানের রাসুলকে রকাক্ত করে তারা সফল হবে কিচাবেঃ অর্থাৎ প্রকারম্ভরে পুরো কণ্ডমের উপর অভিশাপ নেমে আসার কথা। তখন আপ্লাহ ভায়ানা রাসুল (সা.)-এর মনের অবস্থা তথরিয়ে নিয়ে বলছেন যে, তিনি তানের কারো ্র কারো তথবা করুল করবেন অথবা তাদেরকে শান্তি নিবেন।

৩:১৩০। এটি সুদ সর্ম্পতে তৃতীর পর্যায়ে অবতীর্ণ আয়াত। সুদ তৎকাদীন সমাজের চিরাচরিত প্রথা হওয়ায় তা পর্যায়ক্রমে নিধিছ করা হয়। প্রথমে সরা রুদের ৩৯ নং আয়াতে সদের আদান-প্রদানকে নিক্তসাহিত করা হয়। এটি হিজরতের ৫ বছর পূর্বে অবতীর্ণ হয়। ফিটায় পর্যায়ে সুদ খাওয়াকে অন্যায় ও ইকুর্নীদের মৃণ্য প্রথা বলে উল্লেখ করা হয়। এটি হিজরতের পর মাদানী জীবনের প্রথম দিকে অবর্তীণ আয়াত। ভূতীয় পর্যায়ে অবতীর্ণ আলে-ইমরানের ১৩০ নং আয়াতে উচ্চ হারে সুদ খেতে নিবেধ করা হয়। এটি ওয় হিজরী সদে উহুদ যুদ্ধের পর অবর্তীণ হয়। চতুর্ব পর্যায়ে সুরা বাকারার ২৭৫ নং আয়াতে সকল প্রকার সুদ হারাম (সম্পূর্ণ নিবিদ্ধ) ঘোষণা করা হয়। পঞ্চম পর্যান্তে অবতীর্ণ সূরা বাকারার ২৭৮-২৭৯ নং আয়াতটি নবম বা দশম হিন্ধরী সনে বিদায় হজের পূর্বে অবর্তীণ হয়। সেবানে সুদ পরিত্যাগ না করলে আল্লাহ ও রাস্থদের পক্ষ থেকে যুক্ষের ঘোষণা জানানো হয়। সুদ জুপুম ও শোষণের হাতিয়ার। এর অকল্যাণ ও স্কৃতি বহু মাত্রিক। তাই সূনকে নিবিদ্ধ করা হয়েছে।

ত:২৩৩। জানাতের প্রশস্তকার সর্বোচ্চ রূপ বুঝানোর জন্য কর্মা হয়েছে যে, তা আকাশসমূহ ও পৃথিবীর প্রশস্তকার মত। আরো দেখুন (সূরা হাদীদ, নং ৫৭, আয়াত ২১)। ৩:১৩৪। রাণের সময় নিজেকে নিমশ্রণ: করতে পারা বীরত্বের লক্ষণ। রাস্ল (সা.) বলেহেন, প্রকৃত শক্তিধর সে নয় যে অন্যকে কুন্তিতে ধরাশায়ী করে বরং প্রকত শক্তিধর সে ব্যক্তি যে রাগের সময় নিজেকে নিয়ন্ত্রণ করতে পারে-(সহীহ বুখারী ও মুসলিম)।

o:১৪০। সুদিন-দুর্দিন বা জয়-পরাজয়।

জালা (মা) এবা নামানৰ কাৰণৰ কৰাৰে লাহা হাজ্যৰ আমাৰানাত্ৰ কি বিশ্ব মুখ্য যে একদিন হাজী এবা আমালা হাজিয়ে কোনা এক কিবৰ কাৰা নামান কাৰা নামান্ত্ৰবাহিত্যকৈ ক'বল যোগা লাহানা এন ৰ আমালা কৰা কৰিবলৈ যোহা কোনা কৰিবলৈ। ১০)২২। ইমান বুলি কামান্ত্ৰবাহিত্যকৈ বুলি কামান্ত্ৰবাহিত্যকৈ এবা কুমালা আমিলা হাজা লাহানা কৰিবলৈ, নামানুৱ আজিত কোনোকাৰ মুগলি সৈকিল কামান্ত্ৰক আমালা কাৰণা কিছিল একামান্ত্ৰবাহিত্যক কাৰণা আমালা কাৰ্যালিক আমালা কৰিবলৈ কাৰণা কাৰণা কৰিবলৈ আমালা কাৰণা কৰিবলৈ আমালা কৰিবলৈ আমালা কৰিবলৈ কাৰণা কৰিবলৈ কাৰণা কৰিবলৈ কৰিবলৈ কাৰণা কৰিবলৈ ক

উহদ যুক্তে রাসূল (সা.)-এর শাহানাতের গুজব ছড়িয়ে পজ়ার পর অধিকাংশ সাহাবী সাহস হারিয়ে কেন্দেন। এ অবস্থায় সাহাবায়ে কিরামের একটি বিরাট দশ ভীত-সন্তুত্ত হয়ে রশাসন ত্যাগ করতে দাপলেন। অবচ ধর্ম, ইবাদত ও জিহাদ আচ্চাহ ডায়ালার নিমিত্ত-মিনি চিক্সীবে ও সদা প্রতিক্রিত।

- লিপাৰ্থেতে সন্থানীৰ দা। পিন্ধানী উন্নোগৰ তা কৰিয়াকে জন্ম সকৰি হয় হয়েছে।
  এখনে দুটি ললা হয়ৰ উত্তৰণ চুক্ত মুখ্যিলকে একটি ললা এবং কাকত কুন্তবিশ্বানাৰ একটি লগা এই নিয়াৰ দল মুছে দিকেবে ছয়া হয় হয়েছে
  তেবা পৰিন্যান্ত ছলা আন্দান্ত হয়েছে আইল লাভ কোনিক কেবেছে কুন্তবিশ্বানাৰ মুক্তিনিৰ একিবলৈ আন্দান্ত কাৰ কাৰে কৰে কৰে কৰে কৰে কিবলৈ কাৰিবলৈ আন্দান্ত আন আন্দান্ত হয়েছে একিবলৈ কিবলৈ আন্দান্ত কৰে কৰে কৰে কৰে কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ আন্দান্ত কৰিবলৈ ক
- পাচাই ও সৰ্ক্ষনীপেন সাপে পরামৰ্শ করার কক্ষ্ণ বুখা যায়। ৩:১৬১। বনবের পনীমতের (ফুমন্ড) সম্পানর মথ হতে একটি চাদর পাওৱা যানিষ্ণ না, তথন এক বাজি বপেছিল, হয়তো নবী (গা.) তা নিয়েছেন। এ প্রেক্টিতে আয়াতটি অবন্তিন ইন্ন(আনু নাটনা)
- তেওঁক। কিবা বিশাং লাবের বৃহত ৬ জন কাবিব বিহত ৫ ৭০ জন বৰ্ষিদ হোৱিল। পদাবাৰে ছিল বৃহত্ত ৭০ জন ছুপলিন পৰীল হোৱিলে। বিলা বিশা জনা নিলিত বৃহত্তি কৰা হাবে। তেওঁক। জিব বৃহত্ত কুপনিক্তাৰ বাবেলাক উদ্যাল কাব্য কুপনিক লোক বাহিনি যিবে বৃহত্তা পানুনা ২০০ কিবী ছিল ৩ কাব্য কৰা কিবা বৃহত্তি কৰিব কাব্য কৰা কৰিব কাব্য কুপনিক কাব্য কুপনিক কাব্য কুপনিক কাব্য কুপনিক আৰু কাব্য কৰিব কিবা আনে। মুলাকিৰ আৰু ক্লাই কৰিব কাব্য কাব্য কেবল কাব্য কৰা কাব্য কুপনিক কাব্য কৰা কৰিব কাব্য কৰিব কাব্য কৰিব কাব্য কৰা কাব্য কৰিব কৰিব কাব্য
- বাহিনী নিয়ে কৰেও উপন্থিত হোলো নাজুল (ম.) কৰে গোঁছে লেকাল লোকাৰ কৰেনা হুকেছ নিকাৰ মানি লালান কৰে। কৰলে (ম.) আছু মুক্তিয়াকে কৰা কালি মান্যপৰ কৰে লোকেৰা নিয়ালি হৈছে এন লোকাৰে কৰা মুক্তাৰ (ম.) এন কাবেলীৰ কাৰে কাৰা হৈছে নাজ লাকা কাবেল কৰে বাছু কৰা লাক কৰে কাছে ১৮০ না মাহাৰতে কেনিকাই ছিক্ত কৰা হুকেছে। এ এবলা কাবেল লাই হুকে এটি কেকা পাছলা, বে তাৰ বনুসাৰক কোবো ভাষ্টেত ২৮.১৮, একল কৰিত মাহাৰকে পৰি কাবেলি আছেল ১৮৮) লোকা ছুক্তাৰ কৰিছে। ১৮১০ না পুলবাৰ জনীবাৰ নালি হাজুল (ম.) আৰু মুক্তাৰ তাৰ ছাৰৰ বাছিল নাজিক মাহাৰ একলিক কোবো নাজানুক কৰিছিল আছিল হাজ কৰবাৰ কৰাই লাকিই কৰে কোবো ছাৰু কৰেনা কৰাই কৰবাৰ নাজিক নাম্যা একলিক কোবো কৰাই কৰাই কৰাই কৰাই কৰিছে নামান্য
- হাল লগানা ও লগানা নিবিহন কাম যাখা পছা কৰাকৰ ওবা আগবাদ) নালুল (ম), খানো বাকল, 'কুলা ব্যক্তি আছাই বোক কুছ, জানুক কোক কুল ক'বছল কোক কুলা কৰা কিব প্ৰায়ন্ত্ৰকাৰ কিবলী হোঁ। নালুল (ম) কুলা, বালুল ক্ষান্ত্ৰকাৰ কৰাকৰ কৰাকৰ সমান্ত্ৰকাৰ কৰাকৰ কোনিক বুলিবাৰো পৰিয়াল পৰিয়ালৈ (কামুন: পুনা ছুকৰাৰ কাম্বৰ্ক কুলা কৰাকৰ কিবল কিবল কুলা কৰাকৰ কৰাকৰ কাম বিজ্ঞান্ত্ৰকাৰ (১৮০) আৰু কামান্ত্ৰকাৰ কিবল কৰাকৰ কৰাকৰ কৰাকৰ কাম্বৰ্ক কৰাকৰ কৰাকৰ

'কে আল্লাহকে উত্তম খণ নিবেঃ' এ আল্লাভ অবতীৰ্ণ হওৱাৰ পৰ ইহুনীৰা ঠাটা কৰে বলেছিল 'তোমাদের আল্লাহ অভাবন্ধস্ক, তাইতো তিনি ঋণ চান এর জরারে আয়াসটি অরসীর্ণ হয়। ৩:১৮৩। প্ৰাচীন কাপে কোন কোন নবী এ ধরণের মুক্তিয়া দেখিত্রেছিলেন বলে বাইবেলে উল্লেখ আহে। আদম (আ.)-এর পুত্র হাবীপের কুরবানী করুষ হওয়া

0:26-21

8:01

8:01

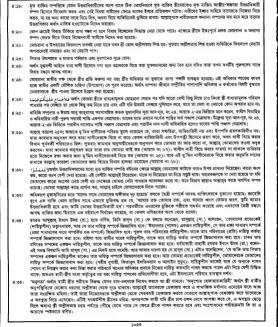
- সম্পর্কেও একপ বর্ণনা পাওয়া যায়। ৩:১৮৪। তারা রাস্ল (স.)-কে ব্যক্তিগতভাবে মিখাবাদী বলেন। বরং ভারা সরাই ভাঁকে বিশ্বর ও সভাবাদী বলে জানত। তাঁকে মিখাবাদী বলার অর্থ ছিল সাল্লাহর আয়াতসমূহকে অধীকার করা। (দেখুন সূরা-৬; আরাত-৩৩)।
- ৩:১৮৫। মৃত্যুর জন্য সদা প্রস্তুতি থাকা উচিত। মৃত্যু যে কোন সময় জীবনের আলো নিভিয়ে দিতে পারে। ইবনে উমর (বা.) বলেন, রাস্প (সা.) স্বামার কাঁধে হাত রাপলেন এবং আমাকে কালেন, ভূমি দুনিয়ার বুকে এমনভাবে চলো যেন তমি কোন আগন্তক অধবা একজন পৃথিক মাত্র। ইবনে উমর (রা.) বলতেন, যখন ভূমি সন্ধায় উপনীত হবে তখন প্রভাবের অপেকা করবে না, আর যখন প্রভাবে উপনীত হবে তখন সন্ধার অপেকা করবে না: আর অসুস্থতা আসার পূর্বে সুস্থতাকে গদীমত হিসেবে এহণ কর, আর জীবিত অবস্থাকে ওক্তু দাও মৃত্যু আসার পূর্বে-( সহীহ বুখারী, কিতাবুর রিকাঞ)।
- ৩:১৮৮। "যারা (নিজেরা) যা করেছে তাতে উৎকুল্ল হয়" অর্থাৎ সামান্য মুল্য এহণ করার মাধ্যমে উৎকুল্ল হয়, অধচ তাদের কাছ থেকে অঙ্গীকার নেয়া হয়েছিল যে, তারা তানের কিতাবকে মানহের নিকট স্পষ্টভাবে বর্ণনা করবে এবং তা গোপন করবে না (আহাত ১১৭)। কিন্তু তারা এর উপেঁটা কাজ করে হীনের ধারক বাহক হিসেবে প্রশংসা পেতে আমহী। তারা কথনো শান্তি থেকে পার পেতে যাবে না। এখানে প্রসঙ্গটি ইরুদীদের ব্যাপারে হলেও এর শিক্ষা সকলের জন্য প্রযোজ্য। যারা পার্থিব স্বার্থ হাসিলের জন্য করজানের শিক্ষাকে গোপন করে, অধ্য সমাজে সমাজিত হতে পছন্দ করে ভারা সরাষ্ট এট
- ইক্সী পরিতদের মত এবং তাদের পরিগতিও ভাই। 0.2991 নাজ্ঞাসী এবং তার মত যারা মুহামদ (সা.) এর উপর ইমান এনেছিল কিন্ত বৈরী পরিস্থিতির কারণে তাদের পক্ষে ইসলামের দেশে হিজয়ত করা সম্বৰ হয়নি ও ইসলামের উপর আমল করা সম্বৰ হয়নি তালের প্রসঙ্গে এ আয়াত অবতীর্ণ হয়। আবিসিনিয়ার (বর্তমান ইথিওপিয়ার) তৎকাশীন খ্যান বাদশাহ নাজ্ঞানীর মত্যর বধর বাসল (সা.) এর কাছে পৌছানোর পর তিনি সাহাবাদের বলেছিলেন, ভোমরা বের হয়ে প্রাসা এবং ভোমাদের দেশের বাইরে অন্য দেশে তোমাদের একজন ভাই মৃত্যুবরণ করেছেন, ভার জানাযায় শরীক হও এবং তার জন্য ক্ষমা প্রার্থনা কর। তথন রাগুল (সা.) জান্নাতুল বাকীতে চলে গেলেন এবং সাহাবীদের নিয়ে তার গারেবানা ভানাবার নামার পড়লেন। এতে মুনাফিকরা বলাবলি করতে লাগলো, মুহাম্বদ একরন
  - খষ্টান রাজার জানায়া পড়ছে যাকে সে কথনো দেখেনি এবং সে তার উপর উন্মানও আমেনি। এ প্রেক্ষিতে এ আয়াত অবতীর্গ হয়। আরাতের এ অংশ থেকে বুঝা যায় নারীদের প্রতি সুবিচার প্রতিষ্ঠাই এ আরাতের মূল বন্ধব্য। অর্থাৎ কারো অভিভারকতে থাকা এতিম নারীর সম্পদ অন্যায়ভাবে ভোগ করার আশব্ধ। থাকলে তা হবে এতিম নারীর প্রতি অবিচার। এ অবিচার থেকে বাঁচার অন্য উক্ত ইয়ান্টীয নারীকে বিবাহ করা থেকে বিরত থাকতে হবে। তার যদি বিজে করার খবই প্রয়োজন হয় তবে সে প্রয়োজনে অন্য নারীদের মধ্য থেকে দই: তিম এমনকি চারজনকে বিয়ে করতে পারবে যদি তাদের প্রতি ইনসাফ করতে পারে। ইনসাফ করাটাই মূল কথা। আর একাধিক বিয়ে করলে যদি ইনসাফ করতে পারবে না বলে মনে হয় তবে একজনকে বিয়ে করতে হবে। অর্থাৎ অভিজাহকতে থাকা এতিম নারীকে বিয়ে করা সাধারণজাবে বৈধ সংখ্য সন্তেও যদি তার প্রতি সুবিচার করতে বার্থ হওয়ার আশব্ধ থাকে তবে বৈধ বিষয়টি অবৈধ হয়ে যাবে। আবার ইয়াতিম নারীকে অবিচার থেকে রক্ষা করার জন্ম প্রয়োজনে এতীম নর এমন সই বিনা চারজনকে বিয়ে করা যাবে। কিছ এক্ষেত্রে অবিচার করা যাবে না। চারজনকে বিশ্ব করে সরার প্রতি
- স্বিচার করতে না পারলে একটি বিয়ে করতে হবে অথবা নারীর প্রতি সুবিচার প্রতিষ্ঠা করতে হবে। বিবাহিত স্ত্রীর প্রতি সুবিচার প্রতিষ্ঠা ও আয়াতের মূল বক্তব্য। বিয়ের ক্ষেত্রে যেখানে সুবিচার শক্তিত হবে সেটাই পরিহার করতে হবে। এখানে দই দই বলতে দুইজন, তিন তিন বলতে তিনজন ও চার চার বলতে চারজনই বুঝায় যার নমুনা সূত্রা-৩৪; আয়াত-৪৬-এ রয়েছে। সেখানে 8:01 উল্লেখ করা আছে 'এক এক জন করে দাভাও' যার অর্থ একজনই হয়, দুইঞ্জন নয়। এ আয়াতে চার চার করে বদার মাধ্যমে একসঙ্গে সর্বোচ্চ কতজনকে বিবাহ বন্ধনে রাখা যাবে তা বুঝানো হয়েছে। যেমন বলি বলা হয় 'চার চারজন করে ঘরে প্রবেশ করুন', তখন অর্থ হবে একসঙ্গে চারজনের বেশি প্রবেশ করা যাবে নাঃ অর্থাৎ একাধিক বিজের প্রারোজন দেখা নিগে প্রকালে দুইজনকে বিবাহ বছানে রাখা যাবে। ভাতে যদি না হয় ভারতে একসঙ্গে তিনজনকে, অতঃপর এতেও যদি না হয় তাহলে সর্বোক চারজনকে একসঙ্গে বিবাহ বন্ধনে হার্যা যাবে। কোন অবস্থাতেই একসঙ্গে চারজনের বেশি প্লীকে বিবাহ বন্ধনে রাখা যাবে না। উল্লেখ্য, দৈহিক ও আর্থিক সামর্থ্য থাকা এবং একাধিক প্লীর মধ্যে ইনসাঞ্চ করতে সক্ষম হওয়া ইত্যাদি শর্ত

মহিলাদের ক্ষেত্রে সষ্টিগতভাবেই চাহিদার নিক থেকে চাহিদা উদ্রেককারী হরমন (Testosteron) এর পরিমাণ কম এবং মহিলাদের ক্ষেত্রে ডা

- কেবল Supra renal gland থেকেই নিসূত হয়। পক্ষান্তরে পুরুষের ক্ষেত্রে তা Supra renal gland এবং এর পাশাপাশি Testis থেকেও বহুঙগে নিস্ত হয়। সুতরাং নারী ও পুরুষের প্রকৃতিগত (Natural) চাহিনার সাথে সামক্সস রেখেই আল্লাহ তায়ালা বিবাহের বিধান দিয়েছেন। আর এছাড়াও উত্তরাধিকারের ক্ষেত্রে পরিচয় নির্ধারণের জন্য (পিতাকে) একজন নারীর একসঙ্গে বহু বিবাহের ফলে জটিলতা ও বিশৃঞ্জলা সৃষ্টি হয়। ভাই বিবাহের বিধানের ক্ষেত্রে দেদিকে লক্ষা রাখা ভয়েছে।
- গ্রীকে মোহরানা প্রদান করা স্বামীর উপর ফরব। এটি স্বামীর উপর স্ত্রীর হক। মোহরানা তথু ধার্য করলে হবে না তা অবশ্যই প্রদান করতে হবে। 8:81 উল্লেখ্য, স্বামীকে যৌতুক দেয়া আল্লাহ প্ৰদন্ত মোহবানার বিধানের পরিপদ্ধী একটি কুপ্রথা। ইসলামের দৃষ্টিতে এটি একটি ক্লয়ন্য অপরাধ।
- 8:91 এ আয়াত অবর্তীণ হওয়ার পূর্বে উত্তরাধিকার বিসেবে মৃত ব্যক্তির রেখে যাওয়া সম্পদে নারীর কোন অধিকার ছিল না।

সাপেক্ষে কেবল একাধিক বিবাহ করা বৈধ রাখা হয়েছে।

Ribel উত্তরাধিকারী হিসেবে সম্পদের অংশ গায় না এমন আশ্রীয়। মৃত্যুর পূর্ব মুহতে তওবা কবুল হয় না: ইবনে ওমর (রা.) থেকে বর্ণিত। নবী (সা.) বলেছেন, মৃত্যুর পূর্ব মৃহতের গড়গড় শব্দের পূর্ব পর্যন্ত আপ্লাহ 8:351 বাশার তওবা করুল করেন (সুনান তিরমিখী)। তাই মৃত্যুর মুখোমুখী দীড়িছে তওবা করলে সে তওবা আল্লাহর কাছে করুল হয় না। যেমন ধিরুলাউন মত্যর সময় ঈমানের ঘোষণা দিয়েছিল কিন্ত আল্লাহ তা এহণ করেননি।



- 3:061 मुन ব সবলি ময়য়য় হল্প (মা.) কথলে যাত বেলা ইতিক বাহন কৰেবলি কিবি লীবলে কোলোঁল কোন নাটা, খাচনা আনৰ্যনি কোন নাটাবলক প্ৰায়ৰ কৰেবলৈ নালুকৰ বাববিদ্যাল ভালিক প্ৰায়ৰ কাৰিক অবাধনি সাহবিদ্যাল কৰেবল, "কোনা অনুপাৰ নাটাকৈ কাৰা কৰেবল আৰু কেবল অব্যান আকে অপখান কৰেব পাৰে," আসুন (পা.) এৰ অবীনাছ কৰান কুকনালী বানাছিল ছ ওবাবে বাছ ভালা কৰায় ভিলি ভাকে খালিকলে, "আহাৰে কমা, কিনামানক নিল পোৰ আন্তঃ বলি কৰা নাছক আকো আনি আনৰ্যনি, জীবিদ্যাল নিজ বোৰাকে পেলিকার।" সেম সন্তুপত কন্যালাভাবে হেবল ভালুক কৰাৰ কাৰেবল কৰা আনাপ কাৰ্যনি কুকা আন্তঃ আন্তঃ আন্তঃ আন্তঃ প্ৰায়ল্যনি আন্তঃ
- ৪৩৩। আন্তাহৰ সাথে কাউকে পৰিক কৰা সংস্কাৰ কৰীৰা গোনাহ। দিবুক সম্পৰ্কে আন্তাহ বলেন, "নিক্তাই দিবুক বড় জুদুৰ"-(সূৱা দুকমান: ১৩)। আন্তাহ খানো বসল, "আন্তাহৰ সাথে পানিক কৰান গোনাই আন্তাহ মাফ করাকেনা। এডাড়া অন্য গোনাই ভিনি মাকে ইন্দ্ৰ মাফ করাকেন'-(সূৱা নিমা ন ৪. আন্তাত-৪৮)।
- ৪:৩৬। আৰু উসাদিন যদিক ইনেন বাহিলা আদ সাকী হুতে কণিছ। তিনি থকলে, আখনা গানুল (शा.) এই চিকট অবস্থান কাছিলান একখনছাত্ব কৰি সানামান এক বাকি তার বাছে এনে কলে, "ইয়া মালুলায়াহা (দিতা-যাতার মুকুল গৰাও কি আমত টিলখহনতে কলার কৈ কিছু অপিনী আমে? তথ্য কলুল (গা.) কলোনে, 'ইয়া বাহে', আৰু তা হাবে, 'আনের জান নোমা করা, আনের জান জমা আমা বালি করা, তামেন মৃত্যুল গৰ তামেন কুত ভালা বুলা করা, তামেন কেনে কেনেক আহিছেজন ক্রেছে ভালের মাথে আফ্লীছতার সম্পর্ক করা করা, এবং তাদের বন্ধু-বাছকদের সক্ষম করা-স্থোন আছা মানি।)
- ৪:৩৬। প্রতিবেশীর প্রতি ভূপুনধারী জান্নাতে খাবে না। আরু হরারুরা (রা.) থেকে বর্পিতঃ রামূল (সা.) বলেছেন, সে ব্যক্তি জান্নাতে প্রবেশ করবে না যার জন্ম থেকে তার প্রতিবেশী নির্মাণদ নত্ত- (পরিষ্ট মুসলিম)।
- ৪:৩৩। সন্মানত কৰা কাষ্ট্ৰক ক্ষম লোহ ইনিলাহ বৈশিয়। আদান ইবলে মাতিৰ থাকে বাৰ্থিত চিবি বলেন, মাৰ্বি (ম), হলাছেন, "মুলিম হাতে, কাছিল মাং থাকে মুদ্যান বিভাগৰ পাতে। আৰু কুলামান হাতে, নাতি ছবা হিছাৰো ওাৰে কেছে কুলামানানি কিলাপা আৰু বুবলিত হাতে, কাৰিত হৈ বিভাগ অন্যান পৰিস্থান অন্ত, লোক ক্ষমান কৰিছেন (কুলাপাল অম্বাহনাৰ)
- ৪:৩৭।

  ত্ৰিপদ কৰে অধীৰ দান করার সাহর্য্য ও ক্ষমণতা থাকা সত্তেও নিজেকে অছত্তম বলে বেড়ায়। এটি যারা যু'মিন তালের ছভাব হতে পারে

  না আন্তাহ্বের হানুল বলেন, যথন আহার ভালো। তাঁর কোন বামার উপর নেয়াতক যান করেন তথন তিনি তার প্রতি এবত কোনাহতের

  সক্ষপ বা প্রতাহ কোনেত্র করেন (ভিন্নবিদ্ধি) একটো তালে পোনাকলান, চাল-চননাক ওকল-ভাতিহে বেড়া ভারমণ গাত্র করে প্রতাহী
- যেন সে কৃতজ্ঞতাও প্রকাশ করে। ৪:৪৬। ১৯৮১ কেট বৈত অর্থবোধক শদ। এর হারা বাহ্যত বোঝা যেত, থামুন, আপনি আমানের প্রতি লক্ষ্য করুন, কিন্তু তারা মনে মনে এর আরো একটি
- 6:64) व्याप्त हुए प्रथम ब्याप्ताल बारणां 6:64) आहुमारण ने तमा कीन जातुम्पत नुभवान कांग्रामांत्र जुनी करवारमः। भारतम तम बनाईने कर जुनी व्यवस्था। करा नामास्त निर्ण नामास्त्र मानूस्य तम्म बन्दिन रहा मा बन्दुनी दश्चा प्रयक्त गण्य मायस्य मितन जगाव गावा। जिल्ल भनि व्यवसार निर्मण का दश अपना मितन कांग्रास करा नामास्त्र कांग्रामां कांग्रामां कर्मा क्रमांत्र कांग्रामां कांग्रामा कांग्राम कांग्राम
- কৰাৰ গোলাৰ ক্ষমা কৰেবেল মা, আৰু আৰা আয়ায় সমছে দিয়ো হচনাৰ বাবং পাঁচিক কাৰেবে ছীৰা কাৰিছে নিয়েছে। ১৫ ২০ কুমাৰাৰ বাব আছি ৰাষ্ট্ৰাং কৰিবেল আমু মুৰ্যাছিক (এ), তাবে কাৰ্চিক। এই গো, হাকোন্ত্ৰ, লাখিক মাম, খৰ ও আগামন ও প্ৰস্তুত্বাৰ মহেব মামন ও অমান্ত্ৰম হবলা বিদ্যান কৰা, কিছুকে আৰু কো মান কহব আছে বছ কৰা, আৰু চিন্তান নিজেপ, কাৰুকে দানা কাট্য জিবক এই আন্তৰ্ভুক্ত অম্বিক আহিবলৈ বুলিক কুমান কৰা কৰিবলৈ। মেনানা আহ্বানন কুমান মানু মানুনি, কিন্তানুক্ত কিন্তা,
- ৪:৫১: এবানে তাগুত অর্থ গণক অথবা শহতান বা আল্লাহর অবাধাতার পথ অনুসরণ করা। (ছাতন্তুল কালীর, আল্লামা শাওকানি)
- ্বিপ্ৰতি কৰিছে বিভাগিত ইক্টা পোৱা কৰু নাবিত আনাতা হৈছিল। পোৱা ও বেছনিকভাৱত কাম দিয়ে মনিধায় আছালমা চলানোৰ জন্ম মন্ত্ৰাৰ বিছে কুলিপানেও ভিন্নিকভাৱত কাম নিধা মনিধায় আছালমা চলানোৰ জন্ম মন্ত্ৰাৰ বিজ্ঞান কাম কৰিছে আছালমা কাম কৰিছে আছালমা কৰিছে আছালমা কাম কৰিছে আছালমা কৰিছে কাম নিধা মন্ত্ৰীয় আছালমা কৰিছে আছালমা কৰিছে আছালমা কৰিছে কাম নিধা মন্ত্ৰীয় কৰিছে কাম নিধা মন্ত্ৰীয় কৰিছে কৰিছে কাম নিধা মন্ত্ৰীয় কৰিছে কৰিছে

- ৪:৫০। সাজত্বে অর্থাৎ আরুত্বে রাজত্ব ও কর্তুতে ইছলীদের কোন হাত আহে কিং যদি থাকত তবে তারা মুহাম্মদ (সা.)-এর নবুদ্ধাতকে ঠেকিয়ে দিত, কেননা তারা এতটাই কৃপণ ও যার্থপর যে, তারা কাউকে সামান্য বস্তু দিতেও প্রস্তুত নয়।
- 8.783। হিংসা নাক আদল বিনাই করে। আরু ক্ষাইবা (বা.) খেকে বৰ্গিক, বানুলা (দা.) বাল্যাহন, বোননা বিংলা করা থেকে বেঁচে খাক, কাম বিংলা নাক আমানসূত্র, আন্দালার কোনা কোনা বিংলা নাক বালিক। বানুলা বিনাইন (বা.) পেতে বৰ্গিক, বালুলা (বা.) বাল্যানা, বাল্যান, বাল্যানা, বাল্যানা, বাল্যানা, বাল্যান, বাল্যানা, বাল্যানা, ব
- ৪:৫১। ইবনে আন্ধান (রা) থেকে বর্ণিত। নবী (সা.) বলেকেন, যে ব্যক্তি তার আমীরের (নেতার) মথে এফন কিছু দক্ষ্য করে যা নে অপাতন করে তবে তার করে ধারণ করা উচিত। কেননা হে বার্কি আমালাত (মুসনমান্দ্রর জনসমন্তি) থেকে এক বিখত পরিযাণ বিশ্বিম হয়ে মৃত্যু বরণ করবে, তার খনত জানিকালিকের কাতা বনে করিব বন্ধবি।।
- 8:501 বাসল (সা ) ভিজৰত করে মনীনায় আসার পর শান্তিপূর্ণ সহাবস্তানের জন্য মনীনা এবং এর উপকটে বসবাসরত ইহুদী, বেদুঈন ও আনসারদের অর্থাৎ আউস ও খাঘরাজ গোত্রের সমন্বয়ে একটি দিখিত চুক্তিনামা সম্পাদন করেন, যা মদীনা সদদ নামে পরিচিত। এই চুক্তির শর্তাবদীতে সর্বসন্মতিক্রমে মেনে নেরা হয়ে যে, স্বাক্ষরকারী সম্পদায়ের মধ্যে কোন বিরোধ দেখা দিলে হয়রত মহাত্মদ (সা.) আল্লাহর বিধান অনুযায়ী তার মীমাংসা করিবেন। কিন্তু সুনাঞ্চিকরা মদীনায় মুহাত্মদ (সা.)-এর উপস্থিতি এবং তাঁর এই কর্তৃত্ব প্রথম থেকেই মনে প্রাণে মেনে নিতে পারেনি এবং এই মেনে না নেয়ার পিছনে ইতিহাস রয়েছে। মুনাফিকদের সাথে যথন ইহুদী গোত্রগুলোর কোন বিষয়ে বিরোধ দেখা দিত তথন তারা ফয়সালার জন্য মহামদ (সা.)-এর কাছে না গিয়ে ইছুদী দেতাদের কাছেই যেতে চাইত, অথচ তারা মুখে বলত তারা রাসুল (সা.)-এর প্রতি এবং রাসদের পর্বে যা অবতীর্ণ করা হয়েছে ভাতে উন্নান এনেছে। এক্ষেত্রেই আদ্রাহণাক বলছেন, তারা তাঙ্ডতের কাছে বিচার প্রার্থনা করতে চার। অপর পঞ্চৈ ইহুনীয়া রাসুল (সা.)-এর প্রতি ঈমান না আনলেও প্রথম দিকে চুক্তির শর্ত অনুযায়ী রাসুল (সা.)-কে বিচারক হিসেবে মেনে নের। তালের বুঝে আসহিল না যে, যারা বলে 'আমরা ঈমান এনেছি' তারা তাদের রাস্পতে বিচারক হিসেবে মেনে নিতে পারছে না কেন। ৬৬নং আয়াত থেকে স্পষ্টতই বুঝা যায় যে, এ প্রসঙ্গে ইচ্মীরা বলেছিল, আমরা তো আমাদের রাসুল মুসা (আ.)-এর উপর ঈমান এনে আল্লাহর পক্ষ থেকে তাঁর দেয়া কয়সালা অনুযায়ী বাছর পঞ্জার অপরাধের সক্ষম তওবা করার নিমিত্তে একে অপরকে পর্যন্ত হত্যা করেছি, তাঁর আহ্বানে নিজেদেন ঘরবাড়ি থেকে বের হত্তে পিরেছি, ভাহুদে এরা কেমন ঈমানদার যে, তারা তাদের রাস্লকে বিচারক হিসেবে উপেক্ষা করছেং মনাফিকরা নিজেদের ঈমান জাহির করার জনা বলল, এই রকম হকুম আমাদের শরীয়তে থাকলে আমরাও তা পালন করতাম এবং তোমানের মত আমরা নিজেদের ঘরবাড়ি থেকে বের হয়ে যেতাম। আল্লাই তায়ালা তাই ৬৬নং আয়াতে জানিয়ে দিক্ষেন যে, তারা তা করত না - তাদের অল্প সংখ্যক ছাড়া (দেখুন ইবনে আত্ম)। বরং এত কঠিন পরীক্ষায় না গিয়ে তাদেরকে তো কেবল আল্লাহ্র কিভাবের দিকে ও রাস্তলের ফয়সালাকে মেনে নেয়ার জন্য তাঁকা হয়েছিল. এবং যদি ভারা তা পালন করত তবে তা-ই যথেট ছিল এবং ততটুকুতেই আলুহে তাদেরকে মহাপ্রতিদান দান করতেন এবং তাদেরকে
- সকা-পত্তিৰ পৰ প্ৰদৰ্শন কৰেছে।
  সিংসা সাধ্যয়ৰ অধিক কৰা কৰু পুনাৰ কৰা হয় কৰিছে হাতুল (সা.) কৰাছেল, তোৰো ভূমিল লা হওৱা পৰ্যন্ত বেহেংগতে
  কাংল কৰাতে পাৰাৰে লা আৰু গলেপতে জলা আৰক্ষা ইয়াক পাৰাৰে না আমি কি হোৱালাৰ একা কৰাই কিছা বাল কেব না, যা কৰাল তোৰা প্ৰশাস্থ্যক ভালকান্তে প্ৰশাস্থ্যক আমাৰ কাংলা কৰাক্ষা কৰাক্ষা কৰাক্ষা কৰা কৰাক্ষা কৰা আৰক্ষা বিশ্বা বাল কৰা তোৰা প্ৰশাস্থ্যক ভালকান্ত প্ৰশাস্থ্যক হাতুল বাহুলা কিবলৈ কাংলা কৰাক্ষা কৰাক্ষা কৰাক্ষা কৰাক্ষা কৰাক্ষা কৰাক্ষা
- 8.331 আৰু (মা), য়া ছাৰ্মান কৰে বিষয়ে সন্দৰ্যন বিজ্ঞা জীৱাল পৰাম মা ()) সন্দ মি ()) ১০০০ কিছা (পোছা) (০) ১১০০০ বিষয়ে (পোছা) (০) ১২০০০ বিষয়ে (পাছা) (০) ১৯০০০ বিষয়ে (পাছা
- 8:৯০। পুৰিষ্ঠ কিলাৰ মান্ত্ৰ্যাৰ ও খন উপত্ৰ আন্তাৰণ কৰেবে নাম আনে। হাজৰ আননাছ কৰে লাগনে কৰেবে বে, আমি এক বাছিক নামানাৰ্যৰ প্ৰিয়েই কৰিব নামানাৰ্যৰ কৰিব নামানাৰ্য্যৰ কৰিব নামানাৰ্যৰ কৰিব নামান্যৰ কৰ

- ৪:১১০। মনস্থ করত' অর্থ এই নয় যে তারা মনস্থ করেনি, বরং মনস্থ করেছিল বটে, তবে আন্তাহর ইচ্ছায় তা কার্যকরী করতে পারেনি। এধরনের প্রকাশ ভবি আর্থি ভাষার একটি অলংকায়।
- ৰ্হভাৱে ৰুদ্যা তার এতি সংলাজুতিশীল হয়ে সাধী কোৱা বা বিচাৰ কৰা হাবে না। সংলুকুতি এলপুঁকোৰ জন্ম সমূলক মেত্ৰ আলোই অধিক উপযুক্ত। সভা সম্বন্ধ সেনাৰ কালোও কাৰে কংবে সেটা দেখাৰ মানিত আলোহান। খাকৰে কালো এতি অনুয়াখ বা বিবাসেৰ বপৰতী হয়ে কেন সাধী সেয়া বা বিবাৰ কৰা মানে মা।
- ৰিচাৰ কৰা থাবে শা। ৪:১৪১। মুনাধিকরা কাষ্টিরনের উদ্দেশ্য করে বলে, আমরা যদি মুদলমানদের পক্ষ নিতাম তবে ভোমরা সহকোই পরাজিত হতে এবং আহরা মুদলমানদের সাথে সাথে জেমাদের উপর বিজয়ী হতাম।
- 8:১৪২। অৰ্থাৎ ভাৱা মনে করছে যে, ভাৱা আল্লাহকে ধোকা নিজে বা আল্লাহকে ঠকাকে কিছু আগলে ভাৱা নিজেৱাই আল্লাহর কাষ্টে ধোকা খাছে বা ঠকছে। আনু ভাৱা আল্লায়র কোন ক্ষতি করতে পারেনি বরং ভারা নিজেৱাই ক্তিডান্ত হয়েছে।
- আর তারা আন্তাব্য খেন কাত ব্যাতে নামোন ব্যাত বানালেকাক কাত্রন কাত্রন কাত্রন থেকে অনুবাদটি বাচাই করা হয়েছে।
  "নিচিত"- আন-নাহর আল-ম.ল, আনদাপুনি, আল মুনতাখাব ফি তাফসীরিল কুরআনিল কারিম থেকে অনুবাদটি বাচাই করা হয়েছে।
- 5.26b ) పేষ্ণের বিশেষক হিন্দীর বুলি বাংলা এবালে এবালে একটা একটার বিশেষক হিন্দীর বুলি বাংলা হারেছে। ১৮৫০ সং আমার বাংলা এবালে একটার করিব করিব। একটার একটার একটার বাংলা একটার বাংলা একটার একটার বাংলা একটার বাংলা বাংলা
- ভিনি অপ্তাৰ্য রাসূল ছিলেন এবং তাঁর মা অসতী ছিলেন না। ৪:১৬০। পবিত্র বৃত্তুতলো হলেহ, নথযুক্ত পত এবং গরু ও ভেড়ার চর্বি (সুরা আন আম, নং ৬, আরাত ১৪৬)।
- ৪:১৬২। তাদেরতে অর্থাং ইছান আহলে কিতারদেন করে গভীর জানের অধিকারীরা ও তাদের মু মিনরা যাত্র পূর্বের আসমানী কিতারে ও সর্বশেষ আসমানী কিতারে বিশ্বাস করে এবং যাত্রা (তথু ইমান এনেছে এমন না নরং) সালাত (নামাজ) কাচেম করে, যাকাত দের এবং আল্লাহ ও আধিবাতে বিশ্বাস
- করে তাদেরকে আল্লাহ অনেক বড় প্রতিদান নিবেন। হুল্ক অথবা 'উমরা' পাদনের উদ্দেশ্যে হারমের প্রবেশ করার পূর্বে বিশেষ নিয়মে নিয়ত করার নাম 'ইহুরাম'।
- হাত্র অথবা 'উমরা' পালনের উদ্দেশ্যে হারাদের প্রবেশ করার পূর্বে কিশেষ দিয়তে নিয়ত করার নাম 'হত্রাম'। ৪:২। سام 'শব্দতি উত্তর্ভ নরে বহু বচন,অর্থত্ত হার, মালা, হারামে কুরবানীর জন্য প্রেরিত পতর পদার ভিত্তবন্ধপ কিছু ফুলিয়ে দেয়ার বীতি ছিল যেটা দেখে
- সবাই বৃষ্ণতে পারতো যে এটা কুরবাদীর পত। ৫:২। মঞ্জার কাফিররা ৬ঠ হিজরীতে রাসুল (সা.) এর নেডুড়ে মদীনা থেকে উমরা করার উদ্দেশ্যে আগত মুদলিমদেরকে মদজিলে হারাযে 'উমরা' করতে
- বাধা দিয়েছিল। ৫:৩। 🛍 অৰ্থাৎ প্ৰবাহিত রক্ত (দেশুন সূত্রা-৬: আয়াত-১৪৫)।
- e:e। তাদের জবাইকৃত হাগাল গও।
- ৫:১২। বন্ধী ইসরাইল-এর ১২টি গোত্র ছিল। হহরত মূসা (আ.) ১২গোত্রের জন্য ১২ জন নত্নীব বা নেতা মনোনীত করেছিলেন।

- ৫:২১। পবিত্র ভূমি বলতে তৎকালীন শাম বর্তমান সিরিয়া, ফিলিজীন ও জর্দানের কিছু অংশ নিয়ে গঠিত এলাকার প্রতি ইঞ্চিত করা হয়েছে।
- e:২২। আমালিকা সপ্রদায়ের প্রতি ইঙ্গিত করা হয়েছে।
- ৫°২৭। হাবিল ও কাবিলের ঘটনা।
- ৫-৩৮। ছবি পাছি ৰাশ্য- গৰিত কুলালেৰ ও বিবাহন কৰে গৰাকাৰ মনুৰ ভালক লগতেৰ বিধাৰণক আনৱাৰ ছবিছ যেনে। এ বিধানক উপশা মানুকৰ কৰা নামি কৰা নাম
- ৫:৪২। অবৈধ পদ্ধায় প্রাপ্ত হারাম সম্পদ বেমন ঘুষ ও দুর্নীতির মাধ্যমে উপার্জিত অর্থ সম্পদ ইত্যাদি।
- ৫:৪৩। প্রকৃতপক্ষে তারা তাওরাতের উপর আমল করে না। তারা রামল (মা.)-এর নিকট বিচার চায় বিদ্রান্তি সষ্টির উদ্দেশ্য।
- ৫:৩৪। যুদ্ধের কৃত্রনা করা আরাহের পছন্দেশীয় নয়: রাকৃশ (মা.) যুদ্ধ গহন্দ করতেন না। এমনকি কারো নাম 'হকব' (কৃত্র) ও 'মুহরা' (কিক্ত) ইত্যাদি রাখা তিনি পছল করতেন না। করে যুদ্ধ চাপিয়ে লোর রাক শারানাকের কার আগিয়ে গাল্পত উদ্ধুক্ত করেছেন। রাকৃল গোচ) বেলছেন "তেমবা পারুক সাম্পদ করানান করে না। আহারের কামে কুত্রর কামনা করা বিশ্ব কারে কারে কারে কারে কারে কারে করে করে ছারা করিছে।
- 20%। ইন্যামে আমাৰণা কৰি ব্যৱস্থা কৰা ছিব কেই আচনা (হা) কানে, যে জাতি নোমান কৰি লগালৈ গৰেই যে, মুখ্যানা (হা), এই কিল আচনা মা ছিব কুৰিলি কামোন থা কোনে কিনি ব্যাপান কামোন খানে ছিবলা মানা, মানা কৰি কামোনা, মানা আন্তঃ আন্তঃ প্ৰচলা কামাৰ প্ৰচিত্ৰভাৱন হয়ে যা প্ৰচাৰন কৰি কামীৰ কামোনা কামোনা কামোনা কৰি কামোনা কৰা আহ্বালনা কামোনা কৰি আমাৰণা কৰি কামোনা কৰিবলৈ কৰি কামোনা কৰি কামোন
- ৫:ho। মানজন্মৰ হামান: ইতনে কাম (গা.) থেকে কৰিছ হিনি বালন, বাল্লা (গা.) বলেনে, নকল লেশা প্ৰবাই মানক, নকল প্ৰকার লেশা প্ৰবাই বামান। সেইছ মুনলিন মানিক ইননে আমুদ্রান্ত থেকে কবিত ভিনি বালন, হাল্লা (গা.) বলাবেন, যে প্রবাহা অধিক গরিমান লোমান্ত কতে তা কম পরিমাণক হামান-সুনান বিজ্ঞানি, কিন্তান্ত আম্বিরা)।
- (2)) मामस्वरं मंदिरमांत्रक स्कृति सर्वेषः, ता कर्ष्वातः मानस्वरं मंदिरमान कर्षा दा राष्ट्राण निवस्तात्र विकित राणमा नवा गिरमा इत्यक क्रिक्ष (ता) अर्थित हिम्मान्त्र राष्ट्राण निवस्ता मानस्वरं मानस्वरं मानस्वरं स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन
- 2021 ليكن (এব সন্দর্যাক্ষার বোদা রাখা এর ফর্ব-রেকের নিকেন্টরেক থারানের হলে একচলি রোধা হালা। ফর্বার উন্না পরা মূল হিছে মছরকা নিকেন্ট্রিকের প্রধানের ক্ষর কেনিকের বা বাবের আর বিক্রার কিবলি এবারাকের আই বল্ একচ্চ ক্ষা নিকেন্ট্রিকের ক্ষার্থক বা অথবা কের বিক্রার ক্ষার্থকের ক্ষার্থকের ক্ষার্থকের বিক্রার ক্ষার্থকির নার্বার ক্ষার্থকর ক্ষান্থকর ক্যান্থকর ক্ষান্থকর ক্যান্থকর ক্ষান্থকর ক্ষান্থকর ক্ষান্থকর ক্ষান্
- ্রেতাত। যে পছুস মুখ্য আক্রমান জনসংশ করা হত তাকে বাহারা, বে স্বন্ধ আতানার নামে হেড়ে পোরা হত তাকে নাহবা, তগরুণার নামা বাচ্চা প্রদর্ করার করাবেল যে উল্লিফে বাইমান বামে হেড়ে দোয়া হত তাকে ওয়াসীলা এবং বিশেষ সংখ্যক প্রকাশ্যক কান্ত নিয়ে যে উল্লিফে রক্তিমান নামে হেড়ে দেয়া হত তাকে 'হাম' বলা হত।
- দেয়া হত তাকে শ্বম 'বদা হত। ৬:১০। নী বাংশুলৰা কাম্বিবদেৰকে যথন আন্তাহন পক্ষ থেকে খান্তি আসাব বাগোনে সত্তৰ্ক কৰত তথন তাবা বাসুলদেৱকে ঠাটা কৰত। আৰু সেই শান্তিই শেষ পৰ্যন্ত ভালেৱকে পৰিস্কৌন কৰেছিল।
- ৬:২০। پَرُوْنَا: এখানে সর্বনামটি পূর্বের আয়াতে বর্গিত কুরআন এর নিকে ফিরেছে। অবশ্য কোন কোন ভাষসীরকারকের মতে এর ছারা রাসুল (সা.)-কে ব্রুবানো হয়েছে।
- ৩০০। আৰা বাছি মুখ্যাৰ (মা)-কে বিখ্যালী বাদেনি বংলা বাছন কৰিপালজাৰ বিশ্বত ওলাকাৰী বল্লেই জন্যান এনালি বেল সন্ত্ৰাট বিবেঞ্জিলান মন্ত্ৰা মুণৱিকাৰে নালে মুখ্যাৰ (মা)-এৰ খেণ ৩ চিন্তি নাগাৰ্কে তাৰে ছিল্লানা পৰোছিল, 'কিনি দিখা বাদল কি' ওল কা অৰুকট বৰ্গালি, 'কিনি দিখা। বাদন না' কিনু একলংকুত ভাগা মুখ্যাৰ (মা)-কে কেলা কথাই নিখালালী আছে কা কিনি দিছেকে জালাক হাল্পা বিখ্যাৰ বৰ্ষণা পৰায়েল এবং আছাৰ আমানসমূহ আলাকাৰ দানি বংল উপনিবাহন। মুখ্যাৰ (মা)-কে নিখালালী বলার কৰি ছিল আছাৰে আহাকক কৰিবল কৰা, বিশ্বতা বাদিনাৰ আমানসমূহৰ আলাকাৰ কাৰা কৰে কিনি কৰিবল কৰা, কাৰা
- ७:৩৪। يُعَيْدُلُ لِكَلِيَاتِ اللَّهِ খর্থাৎ নবীদের সাহাত্য করার প্রতিশ্রুতি সম্বশিত বাগীকে বল করার কেউ দেই (দেখুন সূরা-৩৭: আয়াত১৭১,১৭৩)

- ৬:৫২। কাদিররা রাগুল (সা.) কে বলে যে, 'আগনার কাছে যে সব দিয়ু প্রেণীর গোক (দরিদ্র সুস্যদিহণণ) ভিড় করে তাদেরকে বহিষ্কার করলে আমরা আগনার কথা ফনতে পারি।' এবই প্রেক্টিভে আয়াতটি অবভীর্ণ হয়।
- ভ:৫৮। কাফিররা বলত, 'কুরঝান সভিাই আল্লাহুর নিকট হতে অবতীর্ণ হলে আল্লাহ্ আমাদের উপর আসমান থেকে পাধর বৃষ্টি বর্ষণ করুন অথবা আমাদেরকে কঠিন শান্তি প্রদান করুন। 'এ প্রেক্ষিতে আয়াতটি অবতীর্ণ হয়।
- ৬:৮২। এখানে 'জুলুম' এর অর্থ শির্ক। যেমন সূরা লুকমানের ১৩নং আয়াতে বলা হয়েছে, 'নিশ্চয় শির্ক বড় জুলুম'।
- ৬:৯৯। যায়ভুন, ক্রমপাই জাতীয় আরবদেশের ফল বিশেষ। এর তেল খাবার তেল হিসেবে ব্যবহৃত হয়।
- ৬:১০৫। একজন উখী মানুষের মুখে এমন জান ও সত্যের বাণী অনে তানের উচিত ছিল তাঁর প্রতি ঈমান আনা। কিছু তা না করে তারা বলে, আপনি কারো
- ৬:১০৮। মূর্তি পৃঞ্জারী সম্মোনারে দেব দেবতদের গাল মন্দ করলে ভারা প্রতিশোধমূলকভাবে মহান আল্লাহ্ককে গালি দিতে পারে। এতে সাম্মানয়িক বিষেষ স্কৃতিব। কোন লাভ হবে না। তাই পবিত্র কুকরানে মূর্তি পৃঞ্জার অনৌজিকতা ও অসাভূতার কথা মুক্তি দিয়ে ভূলে ধরা হয়েছে। কিছু কোবাও গাল
- ক'' সভা থোনা হারাবের বাগারে মদাছা কিছুই এছগুলোগ্য নহ। সান্যান সারনী (মা.) থেকে বর্গিত। তিনি বাসন, বাসুগ (সা.) কে চর্মি, যাখন, শনিব ও কোমল পতর গোমের থেকি রাম্রানি সম্পর্কে জিয়েম করা হলে তিনি থেকা, আল্লার ভাল জিয়ার যা রাম্যাল ওবারেম তা হালান এবং তার কিয়ারে যা হাল্লায় পোষ্টাশ করেমের তার হারাখা ভারে যে সং বিজ্ঞান তিনি বিকরত অকলা অবয়েমে তা যে সং জিমিসের মধ্যে পার্যা করে তিনি বিকর
- করে নিবেন<sup>1</sup> (জামে ডিরামিয়ি, কিতার্থণ দিবাস)। ৩:১২৪। সেতৃত্বনীয় অধ্যাবীয়া অধ্যাবিদ্ধ কেনে নিদর্শন দেখল করনান না এনে পঞ্চনী কলে, নতীনের যে বার্তা বা ওহী আল্লাহ পিয়েছেন আমালের অনুরূপ ওহী না নিধক স্থানা আনে না। বিকাশ নারা-এর আনাত-৫২।)
- ৬:১২৫। ঠাঁটা আৰ্থাৎ কাউকে আকালে উড়তে বলা হলে তার কাছে যেমন অসম্ভব মনে হবে ইন্দদামকে মেনে নেয়ার ব্যাপারেও তাদের মনের অবস্তা তাই।
- ও:১৩০। المَالِيَّةُ وَالْمَالِيَّةُ وَالْمَالِيَّةُ وَالْمِيْنِ الْمَالِيَّةُ وَالْمِيْنِ الْمَالِيَّةُ وَالْمِ সৰ্বি কৰা হয়েছে।
- ৬:১৪১। যে লতাযুক্ত গাছে মাচার প্রয়োজন হয় তাকে 'মারুশাত' আর যে বৃক্ষ নিজের কাজের উপর দাঁড়াতে পারে, মাচার প্রয়োজন হয় না তাকে 'গাইর মারুশাত' বলা হয়।
- ৬:383। ফলনের যাকাতকে উপর বলা হয়। বযরত সালেয় ইবনে আদুল্লাহ (য়া.) তার পিতা থেকে এবং তিনি য়ালুল (সা.) থেকে বর্ণনা করেন। রাকুল (সা.) বলেন, বৃষ্টি ও রকামা পানিতে যে য়ালি নিক্ত হয় তার এক পদমানে (মালাত হিসেবে) প্রাপয় এবং যাতে সেচ দিতে হয় তাতে অর্থেক উপর অর্থাহ ১০ তালাক ২ তালা বেলাক নিক্ত হয় তাতে অর্থেক উপর অর্থাহ ১০ তালাক ২ তালা বেলাক নিক্ত হয় বলাক করেন।
- ৭:০১। নামারের সময় সুন্দর পোশাক পরিবাদ করা উত্তর। এ বিষয়ে ইসলাম উৎসাহ প্রদান করে। আমর নিদ ক্ষাইব (গা.) তার পিতা থেকে তিনি তার দানা থেকে কর্বলা রকলে, রাস্কাল নো, বাজনে, "দিলয় আল্লাই পাক তার বালার উপরে তার নোয়মত যা অনুমারে হিন্দ নেককে ভালবাদেন"। (ভামে ক্রিকারী, বিভালুল আলাম)
- ৭:০২। সুন্দর ও পরিপাটি থাকা উজ্ঞা: যারির ইবনে আদুয়ারে তেকে বর্ণিত, একজন বনেল, রাস্ক্রন, (ম), আমানের কাছে জানালেন এবং এক ব্যক্তিকে সংবাদেন মার মাধার মূল এলোমোলো রিলা ওকর রাস্কান, সকলেন, এ গোকটি তি তার মাধার মূল আচিত্রনারে মত কিছুই পায়নিম আহেকজনের কাশত হক্তা নেরে কলেনে। এগোকটি ভি কাশক পরিবাদ বাহার মত কোন পানি পার মি। (মানা আব্ গানিম)।
  - ৭:৩৯। অর্থাৎ হাদেরকে অনুসরণ করা ইয়েছিল তারা তাদের অনুসারীদের অভিযোগের জবাবে বলবে।
- প্ৰতিষ্ঠ (তাবৰ উপাতৰ বাহে কৰি নাসুল এবলা কৰা বাহেছিল আচনকে আন্তান চুন্দুলনী ক আচনক কৰিছ আন কৰিছ কৰাছে বিজ্ঞান মুন্দানি ও এইছি নাম বাবে পৰীক্ষা বাবেছেন। আনাতে দুন্দু মুন্দানি আন কৰিছী আনতে সূত্ৰ কৰিছে কৰিছে এইছিল এই
- ৭:১০৮। যাত জামার গণার তেতর প্রবেশ করিয়ে বের করণে তা থেকে তৎকণাৎ অতিহত্ত উল্পুল বিশ্ব আগো বিস্কৃত্তিত হতো-(পুরা নামল, আয়ার-১২, পুরা কাছাছ, আয়াত-৩২,য়য়য়)। তার প্রতটিকে কালিয়া মুক্ত নিষ্কৃত চালের টুকরোর মত মান হত। এটি মূলা (মা) এর একটি মুক্তিয়া হিল-(ইনান কান্তীর ও নামতরোক্তে ভালামীর)।

- ৭:১৪২। মহান আন্তাহ একত গুলান মোকাবেক মূলা (আ.) তাওজাত প্রান্তির জন্য দিনাই পর্যতে অবস্থান করে এখনে ৩০ দিন দিয়াম (রোযা) গালান করেন। পরে আন্তাহন নির্দেশ আরও ১০ দিন বৃদ্ধি করে মোট চল্লিন পূর্ব করেন। এরপর মহান আন্তাহর সাথে মুদা (আ.) এর কথোপকধন হয় এবং তাকে আন্তাহন তাওলাক ভিনাব নাক করেন।
- ৭:১৫৭। অর্থাৎ কুরমান। এ কিতাব গোমবাহী দূর করে আলোর সন্ধান দেয় ও পথ প্রদর্শন করে তাই একে দূর (আলো) বলা হয়েছে।
- ৭:১৭৬। 'যদি ভূমি একে ধাওয়া কর' অনুবাদটি দিসানুল আরাব এবং ভাঞ্চমীরে আতৃতাবরীর ওয়াত্ ভানতীন, ইবনে আবর থেকে যাচাই করা হয়েছে।
- ৭.২০৫। সকল-সন্থান আলাহকে কৰে কৰা: বাসুল (মা) বাসাহল, বা বাজি আলাহকে কৰে কৰে এবং বে বাজি আলাহকে কৰে কৰে মা তাদের দৃষ্টান্ত হলা জীবিও বাহুলে মাণ্ড নামান্ত আলাহ, কুখনা হিন্দান্ত লোক লাফে মনোনিৰেণ, আলাহক তথে বাবাপ কাছ হলে বিহত বাহুল, সৰ্বনা মনে মনে আলাহকে বৰণান কৰা ও কৰ্মজন আনহ কৰা ইত্যালি বিভিন্ন প্ৰস্তান্ত আন্তৰ্জন।
- - তাকে আল্লাহ্ তায়ালা সুৱা হাশর, নং ৫৯, আরাত ৬-৭ এ 'কাই' হিসেবে ঘোষণা নিয়েছেন এবং তার কটন ব্যবস্থা কি হবে তাও বলে নিয়েছেন। মন্ধী যুগের শেষের তিন-চার বছরে ইয়াসরিবে (মদীনার) ইসলামের আলো ছড়িয়ে পড়তে থাকে। অবশেষে নবুয়্যতের দ্বাদশ বছরে হচ্ছের সময় ৭৫ জনের একটি প্রতিনিধি দল হচ্ছ করতে গিয়ে নাসূল (সা.)-এর কাছে বাইরাত গ্রহন করেন এবং রাসূল (সা.)-কে হিজরতের জন্য আমন্ত্রণ হানান। একে একে মন্তার মুদলিমরা হিজরত করে মদীনাই এসে একপ্রিত হতে থাকেন। অবশেষে রাসূল (সা.) নিজেও হিজরত করে মদীনায় চলে আদেন। মক্কা থেকে সিরিয়ার লিকে যে বাণিজ্য পথ তৈরি হয়েছিল তা ছিল লাইত সাগরের কিনারা থরে মদীনার পাশ দিয়ে। ডাই রাসূল (সা.) মদীনা ও লোহিত সাগরের উপকৃষ্ণের মধ্যবর্তী এ বাণিজ্য পথের আপেগালে ভেসব গোত্র বসবাস করত তাদের সাথে মৈত্রী ছঙ্গি অধবা নিরুপেঞ্চতার চক্তি করলেন এবং কুরাইশদের দুঃমর্মের মোকাবেলায় তাদের বাণিজ্য কাকেলাকে জীত-সম্লুত্ত করার জন্য বাণিজ্য পথের উপর ছোট ছোট বাহিনী পাঠাতে থাকলেন, যার কোন কোনটিতে তিনি নিজেও উপস্থিত থাকতেন, তবে মনীনার কোন আনসারকে তিনি এ বাহিনীতে শরীক রাখতেন না। এটা ফেন ছিল কাফের কুরাইশ এবং মুসলিম মুয়াজিরদের মধ্যে এক অযোধিত বৃদ্ধ। ঠিক এই অবস্থাতেই আরু সফিয়ানের নেকতে করাইশদের এক বিরাট বাণিজ্য কামেলা নিরিয়া থেকে মন্তার দিকে যান্দিল। দুসলমানদের কোন শক্তিশালী দল ভাদের উপর অতর্কিতে আক্রমণ করতে পারে এ আশব্রায় আৰু সুক্ষিয়ান এক ব্যক্তিকে মক্কা অভিমুখে পাঠিয়ে দিল। গোলটি মক্কায় পৌছেই প্ৰাচীন প্ৰথা অনুযায়ী নিচ্ছের উটের কান কেটে ফেলল, উটের পিটের আসন উপ্টে দিল এবং নিজের জামা সামনের নিকে ও পিছনের দিকে ছিছে ফেলে চিংকার করে বলতে থাকল, হে কুরাইশরা: আরু সুফিয়ানের বাণিজ্ঞ্য কাকেলা মুহান্দৰ ও তার সঙ্গী সাধীদের ধারা আক্রান্ত হয়েছে, তাতে তোমাদের যে সম্পদ আছে তা আর তোমাদের পাবার আশা দেই। এ মোহনা খনে কুরাইপনের বড় বড় সর্পাররা প্রান্ত এক হাজার যোদ্ধা নিয়ে রণসাজে সঞ্চিত হয়ে মদীনা আক্রমণের জন্য রওনা হয়ে গেল। ব্রাসল (সা.) চলমান ঘটনাবলির প্রতি সবসময় সজাগ দৃষ্টি রাখতেন। তিনি ভাবলেন চুড়ান্ত মীমাংসার সময় এনে গেছে। তাই ভিনি এবার কেবল মুহান্তিরদেরকে নিয়ে অভিযানে বের ইওয়ার পরিবর্তে আনসারদেরকেও সম্পুক্ত করলেন। বাবিজ্ঞ কাফেলা না কুরাইশদেরকে মোকাবেলা করা সমীচীন হবে তা সবার কাছে জানতে চাওয়া হল এবং কলা হল যে, আল্লাহপাক তানেরকে দু'দলের যে কোন একটির উপর বিজয়ী করবেন। জবাবে বিপুল সংখ্যক সাহাবী বাণিজ্য কাফেলার উপর আক্রমণ চালানোর পক্ষে মত প্রকাশ করলেন। আন্তাহপাকের ইচ্ছা ছিল তাঁর বাণী দ্বারা সত্যকে প্রতিষ্ঠিত করবেন, বাতিলকে উচ্ছেদ করবেন। তাই রাস্ল (সা.) নিজের প্রশ্রের পুনরাবন্তি করলেন। এ কথায় মজাহিদানের মধ্য থেকে মিকদাদ উরবে আমর(রা.) বললেন, হে আব্রাহর রাসুল আপনার রব আপনাকে যেদিকে যাওয়ার ছতুম দিক্ষেন সেদিকেই চলুন। আমরা আপনার সাথে আছি। আমরা বণী ইসরাঈলের মত এ কথা বলব না যে, আপনি ও আপনার আল্লাহ দু'জনে লড়াই করুন। কিছু আনসারদের মতামত নেরাটা অঙ্কনী হয়ে পড়ল। এর আগে কোন সামরিক পদক্ষেপে তাদের জড়ানো হয়নি। আকাবার বাইয়াতে মদীনার বাহিরে গিয়ে শক্ষর মোকাবেলার কোন অঙ্গীকার ছিল না। ভাই রাসূল (সা.) সরাসরি তাদেরক সছোধন না করে নিজের কথার পুনরাবৃত্তি করলেন। এ কথায় সাদ ইবনে মু'য়াঞ্জ (রা.) বললেন, সম্বত আপনি আমানেরকে সংখ্যন করে বলছেন। আমরা আপনার উপর ঈমান এনেছি। আপনি যুদি আমানেরকে নিয়ে সমুদ্রে র্নাপ দেন তাহলে আমরাও আপনার সাথে সমুদ্রে র্নাপ দিব। আল্লাহ্ তারালার ইক্স অনুধায়ী রাসুল (সা.)-এর সাথে মুহাজির ও আনসারগণ কুরাইশদেরকে মোকাবেলা করতে প্রত্নত হলেও কতক সাহাবী এ সিদ্ধান্তটির ব্যাপারে, অর্থাৎ এ সত্যের ব্যাপারে রাসুল (সা.) -এর সাথে বিভর্ক করপ এই ভেবে যে, যেন ভাসেরকে মৃত্যুর নিকে ভাড়িয়ে নেরা হচ্ছে।
- ত্ৰং সাথে বিভন্ন কৰা আহু তেখে যে, যেন ভালেখন পৃত্যুদ্ধ লাকৈ ভালুৱা হোৱা খুলো ৮:৭। প্ৰকাশ আৰু সুবিদ্যানৰ পেতৃত্বু নিবিৱা থকে মঞ্জাগামী কাদিবদেৱ বাগিজ্য কাকেশা, অন্যদন আৰু জেহেল-এর নেতৃত্বে মূনগমানদের আক্রমধ্যের লক্ষ্যে মঞ্জা থকে বেব হুজা কাশিবদের সংগ্রহ লগ।

- ৮:১৭। আছাহের নির্দেশে বলরের যুক্তে বাসুল (সা.) শাল্প বাহিনীকে লক্ষ্য করে একমুটি মাটি নিক্ষেপ করেন এবং বলেন, 'ভোমানের ক্রেয়না নট বেক'। আহাহের ইক্ষয়ে উক্ত মাটি নামেনকে চোনে গিরে গড়ে। এতে শাল্পবাহিনী দুর্বল বছে গড়ে ও পরাজিত হয়। আয়াতে এ ঘটনার দিকে ইন্দিত করা হয়েছে।
- ৮:২৪। স্বাল্লাহ্ মানুষের অতি নিকটে আছেন। মানুষের মনের উপর আল্লাহ্র পূর্ণ কর্তৃত্ব বিদ্যমান।
- ৮:২৮। আইং আহাৰ ধান্তপাপ ও সমান পৰাই দিয়ে আনুবাদ পৰীছ কৰে বাবেন বৃ, বে একালা, পোন আহাৰ নাৰ্কাৰানী কৰে এক এক আনুবাদ কৰেছে। ইয়েকা, সমানেৰ সুবাৰ কৰা আহাৰে বিধন, নীই-ক্ৰিকতা ও বিবেহ বিনাৰক নিবাৰ কৰা পদান আৰু কিছব। মিছু সন্ধান্তৰ একি পিতা-বাবাৰ অভাৰাত বেং কৰাই কৰাৰে দুখনীয়া না বৰু প্ৰপালাযোগ। একাৰা বেলুল (না) ভাৰণ নালে কথা বিহাৰ আহাৰে বহু কোৱা বেগালে বৃ, ত্যানা ব ভূমানি গ্ৰেটাটুলিই কৰে এক পাং দিয়ালে হয় আছে। কিটি ভালা নান কৰা বহু বিহু আহাৰ সামানে কিছ ক্লিটি কৰাক ক্ষাৰাক হোই বিধান কৰাক ক্ৰিয়াল নিবাৰ কৰাৰ ক্ষিপ্ৰত আহাৰে পাবৰ কাৰণে, বে মুন্ধু (আমান ক্ষানা কৰাকি তাৰ ক্ৰিয়ান কৰে। পাইন কৰাক ক্ষাৰাক ক্ষাৰ ক্ষাৰ বিধান ক্ৰিয়াল নিবাৰ আহাৰ ক্ষিপ্ৰত আহাৰ পাবৰ ক্ষাৰ কৰে কৰা ক্ষাৰ ক্ষাৰ্থী কৰাকি কৰা পাইন ক্ষাৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰ্থী কৰাকি ক্ষাৰ্থী কৰাকি ক্ষাৰ্থী কৰাকি ক্ষাৰ্থী কৰাকে বিধান ক্ষাৰ্থী কৰাকি ক্
- ৯:৩১। আন্নাহণাক কুরআনে পূর্বকর্তী নবী বাসুগানের ইতিহাস এবং বিভিন্ন জাতির উথান পতনের কাহিনী সঠিত তথ্যসহ বর্ণনা করেছেন সেওলো থেকে
  শিক্ষা সেরার জন্ম : মজাহ দুর্শারিকরা এবলোর শিক্ষাকে উপেন্ধা করেছার। এওলার নতা সঠিক বর্ধনাকে বেয়াল না করে কেবল পূর্বকর্তী ঘটনা সংগ্রিষ্ট কর্মনা ভারতেই জনাত এে এওলো পর্বক্রীনাক উপলপ্ত একেনা সমাভ আনবান পাতি।
- ৯:৩২। এ কৰাওলো আনা নোমা অৰ্থণ, ইউৰয়েক পৃথিতৰ গৰাতো না, বৰং নোচিবাচক পৃথিতে বলগুৰ ভাৱা মনে মনে ভাৰত যে, যদি এটি যথাবঁই সতা হত এবং আদ্বাহৰ পদ্ধ থেকে হত, ভাহোল একে মিখা নলাৰ মণ্য ভালেষ উপন্ন আঘাৰ হিসেবে পাথব বৃত্তি হত। আহা যথম ভা হয়নি ভৰন এব কৰ্ম ক্ৰেন্ত, এটি ভাল মা এবং আৰাজনৈ পদ্ধ থেকেৰ আসনি।
- ৮:৪১। . অর্থাৎ বদরের যদ্ধের দিন। সে দিন ইসলাম তথা সত্যের জয় হয়েছিল ও কৃষ্ণর তথা মিধ্যা পরান্তিত হয়েছিল।
- ৮/৪২। বন্দর উপতাব্যার মদীনার নির্যাহতী প্রাপ্তটিকে নিকট প্রাপ্ত মার বিপরীত প্রাপ্ত যে দিকে কালিয়ানর অবস্থান ছিল, লোটকে দুর প্রাপ্ত কলা হয়েছে। মিস্কুমি বলাত লোটিক সাগরের উপকৃষ্পত্তী পথকে কুখালো হয়েছে যে পথ খতে দিজিয়া থেকে কদলগন্ত নিয়ে মন্ত্রার ইনলাম বিরোধী মুপরিকদের মার্কাল্লিক কমেলা মন্ত্রার কিন্তু প্রথাবিদ আছিল।
- ৮/৪৮। বদর যুক্তে শরতান কবী কিনানা গোরের নেতা সুরাক। ইবন মাদিকের জগ ধারণ করে মঞ্চার মূপরিকলের উৎসাহ যোগজিক কিছু আন্তাহের ইক্সায় মূদবানান্দের সাহয়ের আসমান থেকে জিবরালিল (আ.) ও অন্যান্য ফেরেশতাদের অবতীর্থ হতে দেখে গলায়ল করার সময় আরু জেহেশকে গক্ষা রাজ শতানা ও উচ্চি জনবাদিন

যাভাৱত নামী দুল্যমানেকে বিশেশ করে মুখনিম মহিলালেকে উভান্ত করে কল লগা। একদিন আলব বাছারে এক সুম্বাদিন মার্চিকে বছার সামনে বিশ্ব বাবে কোনো এক হারে বছা হালানা, এতে একজন দুর্যদিন শানীন দ বা একজন ইন্দ্রদী নিহত হয়। বাহা বাহা বিশ্ আৰু অনুস্থান করে উপান্ধান পিলেন। কিছু বাহাৰার কালানা, মুখ্যমান সকলে পুলি আনালোকত পুলিশী নাম একার। ছার নিয়ায় তারা ছিল অন্তিজ্ঞা প্রত্তি প্রাক্তান ক্ষান্ত কালাকে কালাক মহাত্তা। আনালোক সামে মুখ্য কথালে কালাকে পানো পুন্ধন লোক নাকে বছাল। এটা ছিল সুম্পানী মুদ্ধ বিশ্বকার প্রত্তিক্তি নার নাক্ষান্তকক বাহাৰাক কালাক কালাক কালাক কালাক কালাকে পানো পুন্ধন লোক নাকে বছাল। এটা ছিল সুম্পানী মুদ্ধ বিশ্বকার প্রত্তিক্তি নার নাক্ষান্তকক বাহালিক বাহালিক বাহালিক কালাক কালাকে কালাকে বাহালিক স্থানিক নাকিক বাহালিক

৮:৩০। ফুলকমাননের ভূখতের সীমান্ত পাহারা দেয়া অধ্যন্ত মর্থালার কাজ। রালুদ (সা.) বলেহেন, আল্লাহর পথে একদিন সীমান্ত গ্রহরায় নিয়োজিত থাকা দুনিয়ার স্ববিদ্ধু থেকে উত্তম, (সহীহ বুখারী ও ফুলদিম)

৮:৬১। ইংলী গোত্র বনু কাইনুকা প্রত্যেকবার অর্থাৎ বার বার চুচিত্র শর্কাকটি তক করার পরও রাসুন (সা.)-কে বলা হচছ শাস্তির পথ বেছে নিতে, অর্থাৎ চুচি বহাল রাখতে এবং আন্তাহর উপর তরসা করতে। ইনলাম যে কথনো আগ্রাসী ভূমিকাকে উৎসাহিত করে তা এ আলাত থেকে শাস্ততই বোঝা বার।

হ'লটা পাত্ৰ বহু কাইনুকা বেহেতু কা বাত ভিজ্ঞ পৰ্তাপেট এক কাৰেতে আই কুনানা বে জ্বা কাৰে বা নাজৰে কৰাটেই লাকেই কাৰ্যিক। একমা একটা বাবে লাকেই কাৰ্য্য কৰাটে কাৰ্য্য কৰাই কাৰ্য্য

स्थान के प्रमुख्य प्रमुख प्रभी-पा प्रमुख अद्यो कि मान्य द्वार प्रमेश पा प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रभी के प्रमुख प्रमुख अदिक प्रमुख प्रम्ख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रम्ख प्रमुख प्र

You's আৰু কুছবিলৈ মাত্ৰ লে কিছু বৰ্ণত আঁচ কাৰ্যনে এক পেই ছিল প্লে আৰু মুক্তানত উপত্ন ভিলা আৰা নিব কে বাছ নিবি নিয়া মুক্তান কৰিছে লিয়া আৰা নিব কে বাছ নিবিছ নিয়া মুক্তান কৰিছে লিয়া কৰিছে নিবছৰ নিবছৰ কৰিছে নিবছৰ কৰিছে নিবছৰ নিবছ

ecuse কথা যদিনা আমনৰ কৰে এবল চুক্তৰ মুখ্যাত ঘটার খোনা সুখ্যানাসনৰ বাগক কৰাকি হয়। ৮০৯ ইক্ষাৰ প্ৰস্কাৰ্যক্ষেপৰ কৰিব প্ৰদানকৈ মুখ্যিক পাত্ৰ কৰে কিছেনে কুমা অমনাল এর ৩৮ বং আয়ানে বিশ্বটা সমালোনা করার সন্মুখ্যানের মান নামিকের মান ও মুখ্যিনালে অর্থ তাঁকের কনা মানান করার বাগারে যে সংগরের সৃষ্টি হয় তা নিরুদ্ধের আয়াত

৮:৭০। বন্দীদের কেট কেট বালছিল দে, তারা অন্তরে মুসলিম, যদিও পরিস্থিতির চাপে তালেরকে মুক্ত অংশগ্রহণ করতে হয়েছে, বেমন আবাস (হা.)। এদের সম্পর্কে বলা হয়, তারা সত্য বলে থাকলে মুক্তিপথ হিসেবে প্রণক্ত আর্থর বিদিয়য়ে আন্তাহ তাদেরকে আরও টতম বস্তু দিবেন ও তালেরকে

2001 आपनाय असी मुख्य कर मुख्य इन पुष्ण करत कर का मुख्य करता निर्माणीय शर्माण ने पांच कि पह कि न मुख्य करण मानती (त) भित्र के मिल्ल में स्थान के स्वाप्त मानता करण कर पानि ता नकता मुख्य कर्णाय करण करण मानता मानता करण मानता मान

- ৯:২৫। স্থাইন: বর্তমান সৌদি এরবের তায়েকের নিকতবর্তী একটি উপত্যকা। এর বর্তমান নাম নাথসুপ শারাদ। এটি মসজিদে হারাম থেকে প্রায় ২০ বিলোমিটার দূরে অবস্থিত।
- ৯:২৫। মঞ্জা বিজয়ের পরপরেই (৮ম হিজরী) হারুয়াবিদ ও ছার্কীক গোরেরের বালে এই যুক্ত নংগতিত হয়। এটি ধুনাইদের যুক্ত বালে পরিচিত। ১২ হাজার মুজারিক এই মুক্ত পরিও হয়েছিলেন। মুক্তর এখন সিকে মুক্তীক বাহিনী পুথিব। করারে পারেনি। অবশ্য পের ভারাই জারী হয়েছিলেন। তানের মুখ্যাবিদ্যার স্কানা মূল, ২বল আন্তার সাহার্যেই বলি বালকার সাধার করেছিলেন

৯:২৮। এ আয়াত নামিল ইওয়ার পর রাসুল (সা.) যোষণা করেদ, 'এ বছরের পর কোন মুশরিক হল্ক করতে পারবে না এবং বিবন্ধ অবস্থায় আল্লাহ্র ঘর তওয়াফ করতে পারবে না। সেরীহ বুখারী, কিতারল হল্ক) হারাম শরীকের পরিক্রতা ও মসম্মানদের নিরাপ্তা রকার উদ্দেশ্যে এ নির্দেশ দেয়া হয়েছিল

- ৯:২৯ ইসলামী রাট্রে অমুসলিমদের নিরাপত্তার ও হৃদ্ধের লায়িত হতে অব্যাহতি লালের বিনিময়ে যে কর দিতে হত তাকে ভিয়িয়া বলা হয়.
- ৯:৩১। আদী ইবলে হাতিম রাসুল (বা.) কে বালেছিলেন, "ভারা তে। পান্ত্রী-নরবেশনের ইবাদত করেনি।" ভখন নবী (বা.) বললেন, "হা), ভারা হালালকে তাদের জন্ম হারাম করেছিল এবং হারামকে তাদের জন্ম হালাল করেছিল, আর তারা তাদের অনুসরণ করেছিল। এটাই তাদের ইবাদত করা।
- ৯:৩১। إلىسيس এর অর্থ জেন কিছুত উপর যে হাত বুলার, রোপীর উপর হাত বুলারে হণরত ঈনা (আ.) রোগীকে রোপফুক করতেন এ অর্থে তাঁকে মসীহ বলা হত। শব্দি পর্যটক অর্থেও ব্যবহৃত হয়।
- ৯০০। পৰি মাৰেৰ নাম সাৰু বকাবা (হ) ২০০, নৰ (ম) কৰেছে, ভাছৰ যেনি অংকাৰস্কু ও পুৰি বৃদ্ধি কৰেছেন লোকা কৰা এৰ আৰক্ কেম পিছ, পৰ্কেইত হয়ে হয়ে আৰক্ত বা তেওছাৰ কিবল কৰেছে। বহুৰ বা বাংলা এই বাই কামান্ত কৰিব কৰা কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব ইয়া মানেৰ মধ্যে মুৰকাণা, মূৰ হাজায় ও মুখ্যবাম মান বিনটি কৰেলে সন্তন্ত। কামী আৰটি হতো ভাৰত, যেটি ছুবানা ও শাখন মানেৰ মধানৰ্তী মানে (মুক্তী)
- ৯:৩৬। থিনকানা, থিনথাজ্ঞ, মুখ্যারম ও রজব এ চার মান (إلشهر الحرام) (পবির মান)। এ চার মান আরববাসীদের নিকট অতি পবির ছিল, সেহেভূ তারা এ চার মানে যুদ্ধ-বিশ্লাহে লিও হত না।
- ৯:৩৭। স্বার্থের পাতিরে হুকের প্রয়োজন দেখা দিলে মুশরিকরা হারাম মাদকে হালাল মাদ ঘোষণা করত, যেমন কলত; এ কংসর সকর মাদ মুহাররম মাদের পূর্বে আসাবে ইত্যাদি।
- ৯:৩৮। বোমানদের বিকারে তার্কুক মুছে বের বংগার কল্য ও আরারটি অবতীর্থ হয়। এটি ছিল এক বৃহৎ শক্তির মোঝাবেলা। ইতোমধ্যে প্রচত শ্রীধের মতমুম এসে গোহে এবং পোশ সৃষ্টিক দেখা দিয়াহে, হার উপর নুকুর বছরের বহু প্রতাদিক ফল্য কাটার সময় এসে গোহে। সব মিদিয়ে কেউ কেউ এ অভিযাদে বহু বছর প্রচাম কিবলিয়া এই পরিবাদ্ধিত এ আয়াজিট মবলীর্থ হয়।
- ৯/৪১। ১৮১১ অর্থ হান্ধা আর গুঁি।এ অর্থ ভারি। এখানে শব্দ দুটি হারা হথাক্রমে মুক্তের হান্ধা সরঞ্জম ও ভারী সরঞ্জমে সক্ষিত হওয়ার কথা কলা হয়েছে, ৯/৪০। নবম হিজরী সালে তারক অভিয়ানের সময় মুনন্তিকরা অংশগ্রহণ হতে অব্যাহতি লাভের জন্য রাসুল (সা.)-এর দিকট নানা অস্তব্যত তুলে ধরে।

রাসল (সা.) তাদের অঞ্চহাত করুল করে উক্ত অভিযানে অংশগ্রহণ থেকে তাদেরকে অব্যাহতি দিয়েছিলেন।

- ৯:৪৬। নারী, শিত, পন্থ, কণ্ম, খানের জন্ম যুদ্ধে না গিয়ে খবে বসে থাকার অনুমতি আহে মুনাঞ্চিকদেরকে তাদের মতই যরে বসে থাকতে বলা হয়েছে। ৯:৪৯। রোমানদের বিরুদ্ধে তাবুক যুদ্ধে না থাতয়ার বাহানা হিসেবে এক মুনাফিক বাসুল (গা.)কে বলে - খবন বাসুল তাকে যুদ্ধে যাবে কিনা জিঞেস
- ৯:৪৯। য়োমানদের বিকল্পে তাকুক মুক্তে না যাওারা বাহনো হিসেবে এক মুনাফিও বাসুল (গা.)কে বাল ফখন বাসুল তাকে বুজে বাবে কিনা জিজেল করাহিলেন-মামতে ফিলনার ফেনাকেন। আমার সন্মানরের লোকেরা জানে যে, পারি নোয়েদের প্রতি ভীগন ঘূর্বল। আমার ভার হয়, কলবতী কুলিন নোহানের নেশে আমি নেই কঠিন ফিলনার পারুল হিন্দা। এ নেজিক্তেই আমারতি প্রকর্তী হয়।
- ১:৫২। দু'টি কল্যানের মধ্যে একটি আল্লাহ্র পথে শহীদ হওয়া এবং অপরটি বিজয়।
- ৯:৬০। 'মিসকীন' এর বৈশিষ্ট্য বর্ণনা করে রাসুল (সা.) বলেছেন, যে ব্যক্তি এক গ্রাস (লুকমাহ) অধবা দুই দুই গ্রাস খাবার ভিক্ষা করে বেড়ান্ত সে প্রকৃত মিসকীন নয়। প্রকৃত মিসকীন হচ্ছে সে ব্যক্তি যে অভাবী কিছু লক্ষার কারণে কারো কাছে চায় না।
- ৯:৬০। যে অনুসলিধের ইসলায় মধ্যে করার সন্ধাননা আছে অথবা যে নক মুসলিমাকে কিছু দিশে তার ইসলামের প্রতি বিশ্বাস আৰও দৃহ ধরার সন্ধাননা আছে অথবা ইসলামের বিয়োগিত। থেকে বিষত রাখার জন্য রাসুল (মা.) যাদের সাথে সম্পর্ক বঞ্জার রাখতেন তাদের সন্ধার কেনেই আয়াতের এ অংশটি
- মোনা। উল্লেখ্য ইন্দ্ৰান্ত ইলানের বার্য ওাকে সামা হালামান্ত্রক এক প্রথম কার্যকিত সম্পর্ক জিং (ভালাইনে রক্তর মামান্ত্র),
  ১০২১) এক মুখিক কার্য মূলাক জন্মান্তর কার্যান কেবে কিছে কার্যান হালামান্তর কার্যান কার্যক বার্যান কার্যক কার্যক (লা.) এথেকে, সাক্ষুদ্রক (লা.) কার্যকে, সাক্ষ্যক কার্যক ক্রিয়ানিক ক্রিয়ানে কার্যক ক্রাক্তর ক্রাক্র
- সংগ্ৰহণ বিষয়েনী, সিজাৰু বিষয়ি ওয়ান সিন্ধান্ত।

  ১৭৪৪ ৷ মাহৰ কৰিছে নামে নামে কৰে কৰা পৰা মাৰুল (বা), এক প্ৰায়ে আনাহৰে মুনলিৰ বাহিনী হাত বিশিল্প হয়ে বাকটি নিৰ্দেশ লিয়ে যাবিধালো এ সময়ে

  মাৰুল (না), এৰ সালে চিলাল দুখল নামানী। মুকলা মুকল প্ৰায়াল কৰা মানুল (না), এৰ সালে চিলাল দুখল নামানী। মানুল মুকল মুকল সামানী নামন মুকল ভালন কৰে সামান নামানী নাম
- ৯০০। সুনাতিক সন্বাদ আন্তয়াই ইবনে উবাই সারা জীবন ছালুন (মা), এর বিষয়ে চাবন নিজন নিজন সমূতে একা মৃত্যু যাক বালুন (মা), এর বিষয়ে কার নিজন নিজন সমূতে একা মৃত্যু যাক বালুন (মা), এর বালুন কার নিজন নিজন কার কার নিজন কার ন
- ব্যাপারে একশ করতে বালুদা (শা.) কে বারন করেন। ৯:৯০। তাবুক যুক্তে যারা দারীক হয়নি তাদের মধ্যে মদীনার ও কম্ম এদাকার কিছু মুনাফিক ছিল। মহানবী (সা.) ফিরে আসলে তারা তাঁর নিকট মিধ্যা ওযর
- ১:১০০। মুহাজির: যারা ইসলামের জন্য হিজরত (দেশ ত্যাগ) করেছিলেন।

রয়েছে ১১৮নং আয়াতে।

- ৯:১০০। মুহাজের: যারা হসলামের জন্য হজরত (দেশ ত্যাগ) করোছলেন।

- ৯:১০৭। আৰু 'আমির রাধির থাবেরাজী পুউর্থা এংগ করে সংসারতাগী হরেছিলেন। মদীনার পোকেরা তাকে ইসলাম এংগ করতে আবদান করেন, কিছু সে অধীকার করে এবং মহানবী (সা.)-এর সঙ্গে শঙ্কতো করতে থাকে। মদীনার কিছু মুন্নফিবনেও একটি মদানিন বানাতে সে পরার্থা সেয়, যাতে মুন্নমিয়াকে মধ্যে বিতাপ সুত্তি এক এই মদানিলে গোগেন মিনিত হোর মুন্নমূল (সা.)-এর বিকল্প ছফন্সার কার্যা মাতা নামনিল বানিল

- সালাত আদায় করতে মহানবী (সা.)-কে অনরোধ আনায়। তিনি ভারক হতে থিরে এসে সেখানে যাওয়ার ইক্ষা প্রকাশ করেন, তথন মসন্বিদটির স্বরূপ প্রকাশ করে আয়াতটি অবতীর্থ হয়। অতঃপর রাসূল (সা.) মসজিপটি জ্বালিয়ে দিতে নির্দেশ দেন। পাক-পরিজন্ম থাকা আল্লাহ পছন্দ করেন। হখরত সাঈদ ইবনুল মুসাইয়িব (রা.) বলেন, নিচন্ত আল্লাহ পবিত্র এবং তিনি পবিত্রতাকে পছন্দ করেন,
- 1606:6 তিনি পরিজন্ন এবং পরিজন্মতাকে গছন্দ করেন, তিনি মহানুতৰ এবং মহানুতৰতাকে গছন্দ করেন, তিনি দানশীল এবং দান করা পছন্দ করেন। সূতরাং তোমরা পরিক্ষ্মতা অবলহন কর। বর্ণনাকারী বলেন, আমার ধারণা যে তিনি বলেছিলেন, তোমরা তোমানের আন্দিনকৈ পরিক্ষ্ম রাখ। আর ইন্দৌদের সাথে সাদৃশ্য রেখো না- (ভিরমিখী) (৩১১)।
- সাধারণভাবে ইসলাম যুদ্ধকে গছন্দ করে না ও যুদ্ধের সূচনা করে না। মহান আল্লাহ্ বনেন, যতবার তারা যুদ্ধের আগুন জালিয়েছে ততবারই আল্লাহ্ সে P:2221 আগুন নিভিয়ে দিয়েছেন এবং তারা দুনিয়ায় খংসাত্মক কাজ করে বেড়ায়। আগ্রাহু খংসাত্মক কাজে লিগুদেরেকে পছন করেন না-(সূরা আল-মায়েদা, আয়াত-৬৪ প্রষ্টব্য)। তাহাড়া রাসুল (সা.) কুছ এমনকি যুদ্ধ শব্দটি পর্যন্ত গছন্দ করতেন না। কারো নাম 'হারব' (যুদ্ধ) রাখা হলে তিনি তা পরিবর্তন করে নিতেন। রাসুল (সা.) বলেছেন, 'ডোমরা শক্ষর যোকবিলা কামনা করো না বরং তোমরা আল্লাহর কাছে নিরাপতা ও সৃত্বতা কামনা করো। তবে যদি শব্রুর সাথে তোমাদের মোকাবিদা করতেই হয় তথন জেনে রাখবে -জান্রাত হঙ্গে ভরবারির ছায়ার নিচে। অধিকক্ত, ইসলাম কোন অন্যায় হছকে সমর্থন করে না। মুসলমানদের যুদ্ধের অনুমতি দানের প্রেক্ষাপট সূরায়ে নিসার ৭৫ ও সূরা হাজের ৩৯নং আয়াতে বর্ণিত হয়েছে। এসব প্রেক্ষাপটে যুদ্ধ তরু হয়ে গেলে সেক্ষেত্রে একজন মুসলিয় সৈনিকের পিছু হটার কোন সুযোগ নেই বরং শাহানাতের আকাজন নিয়ে জীবন উৎসর্গ করে শক্ষর মোকাবিলায় কাঁপিয়ে পড়া তার কর্তব্য। এমতাবস্থার আল্লাহুর পথে জীবন উৎসর্গ করার বিনিময়ে মু'মিনদেরকে জান্লাতের সুসংবাদ দেয়া হয়েছে।
- দেখুন সূরা মারইয়াম, নং ১৯, আয়াত ৪৭। 1844:4
  - 1866:6 তাবুক যুদ্ধের সময়। এ আয়াতটি আহলে কিতাব খষ্টান রোমানদের বিরুদ্ধে তাবৃক ব্রদ্ধের ব্যাপারে অবতীর্ণ হয়েছে।
- 5:5201
- 5:5001 মনাফিকদের দিকে ইঙ্গিত করা হয়েছে। ইবনে আব্বাস (রা.) বনেন, আন্তাহ কর্মন মহাখন (সা.) কে বাসল করে পাঠালেন তর্থন কাফেররা তাকে অধীকার করে বলল, 'আত্মাহর মর্যাদা 15:06 অনেক উর্ধ্বে, মানুষকে তার রাসূল করা তার মর্যাদার সাথে সঙ্গতিপূর্ণ নয়'। আল্লাহ আবু তালেবের এতিম তাতিজাকে ছাড়া আর কাউকে রাসূল করার
- জন্য পেলেন নাঃ এর জবাবে এ আরাতটি অবতীর্ণ হয়। মনখিল (منز ل) শদের বছবচন মানাখিল (منازل)। আরবি চাস্ত্র মাস ২৮টি মনখিলে বিভক্ত। আরবি চাস্ত্রমাসের এই মনখিদকে বাংলায় তিথি 19:04
- ১০:৫৭। মানুষ কুফরী ও পাপ করলে অন্তর কলুখিত ও ব্যাঞ্জিন্তে হয়। পবিত্র কুরআনের শিক্ষা গ্রহণ করলে অন্তরের সে ব্যাধি থেকে আরোগ্য লাভ হয়। আর
- মু'মিনের কলুবমুক্ত অন্তরের জন্য পবিত্র কুরআনের বাণী হিদায়াত ও রহমত স্বরূপ।
- ১০:৫৯। কোন কিছুকে হালাল বা হারাম বলে ঘোষণা করার অধিকার একমাত্র আল্লাহর। নিরের খেয়াল খুশিমত কোন কিছুকে হালাল বা হারাম করার এখতিয়ার মানুষকে দেয়া হয়নি। এতদসত্ত্বেও মুশরিক ও ইকুনীরা সেটা করেছে।
- আল্লাহর বন্ধদের পরিচয়: আল্লাহর ওলীদের পরিচয় বর্গনা করে পরবর্তী আরাতে আল্লাহ বলেছেন, যারা ঈমান আনে ও তাকওয়া অবলংন করে। ইমান ও তাকওয়া না থাকলে কেউ আন্নাহত ওপী হতে পারেন না। ইমান ও তাকওয়ার কিছু মৌলিক বিষয় সূরা বাকারার ২-৫, ১৭৭নং মারাতে বর্ণনা করা হয়েছে। সুরা মু'মিমুন ১-৯, তওবা ১১২, আরো বহু আয়াতে মু'মিন ও মুন্তাকীর কথা (তথা আল্লাহর ওলীদের বৈশিষ্ট্যের) বর্ণনা রয়েছে।
- ১০:৬৪। অর্থাৎ ঈমান ও তাকওয়ার অধিকারী আন্তাহর ওলীদেরকে দুনিয়াতে এই মর্মে সুদংবাদ দেয়া হয় যে, 'তানের কোন তর নেই এবং তারা দুলিস্তাপ্রস্তুও হবে না'। আর মৃত্যুকালে রহমতের ক্ষেরেশতাগণ তাঁদেরকৈ এই মর্মে সুসংবাদ দিয়ে থাকেন যে- আপনাদের তর ও দুক্তিস্তার কোন কারণ দেই, আপনাদেরকে যে জান্নাতের প্রতিশ্রুতি দেয়া হয়েছিল তার সুসংবাদ গ্রহণ করুন।
- ১০:৭৪। আল্লাহ্ন নবীদের পেশ করা নির্দশসমূহ মিখ্যা অভিহিত করার ক্ষেত্রে সীমালজন করায় অর্থাৎ কৃতকর্মের করেপেই আল্লাহ্ তালের হন্দরসমূহের উপর মোহৰ মেৰে দেন। ফলে ভাৱা ঈমান আনতে বাৰ্থ হয়।
- ১০;৮০। বনী ইসরাইদের কিছু সংখ্যক যুবক প্রথমদিকে মুসা (আ.)-এর উপর ইমান এনেছিল। পরবর্তীতে বনী ইসরাইদের অবশিষ্ট সবাই তার দলভুক करविकालने।
- ১০:৮৭। বনী ইসরাঈল সম্প্রদায়ের উপর মসজিদে সালাভ আলায় করা বাধ্যভামুলক ছিল কিছু ফিরআউনের নির্যাতনের মূথে মসজিদে পিয়ে সালাভ আলায় করা কুঁকিপূর্ণ হওরার তাদেরকে ঘরের নির্দিষ্ট স্থানে সালাভ আনায়ের অনুমতি দেয়া হয়েছিল। এ আয়াতে দেদিকে ইঙ্গিত করা হয়েছে।
- ১০:৯৮। আল্লহর মবী ইউনুস (আ.) নীনাওয়াবাসীদেরকে আল্লাহর হীনের দাওয়াত দিয়েছিলেন, কিন্তু ভারা ডা প্রভাগোন করায় আল্লাহর 'আয়াব আমে। তখন তারা অনুতপ্ত হয়ে তওবা করলে আল্লাহ তাদেরকে আবাব থেকে মুক্তি দান করেন।
- ১০:১০৪। অর্থাৎ মুহাম্মন (স.) যে আল্লাহ প্রদত দ্বীনে হানীক তথা একতুরাদের ধর্ম ইসলাম নিয়ে আগমন করেছেন, কাফির-মুশরিকরা অস্থীকার করলে তার কিছু যায় আসে না বরং তিনি বথারীতি মহান আরাহুর ইবাদতে অবিচল থাকবেন। আরবি ভাষায় 'দ্বীন' শব্দটি ধর্ম, জীবন ব্যবস্থা ও কর্মকল ইত্যাদি অর্থে ব্যবহৃত হয়।
- বাস্ল (স.) কাঞ্চিরদেরকে কুরঝানের দিকে আহ্বান করলে তারা রাস্ল (স.)কে বিব্রুত করার জন্য নানা কথা বলত। কখনো বলত, তুমি আল্লাহ্র কাছ থেকে ধনভাগ্যর নিয়ে আস আবার কখনো বলত, তোমার সাথে ফেরেশতা নিয়ে আস ইত্যাদি। এরপ নানা মন্তব্য করে তারা কুরআন ও রাসুল নিয়ে বিদ্রুপ করত। তানের নানা বিদ্রুপের কারণে কেন রাগুল(স.) মনকুলু হতে কুরআনের দিকে আহ্বানের কাজে নিরুৎসাহিত বোধ না করেন সে কথাই এ আয়াতে উল্লেখ করা হয়েছে।
- ১১:১৭। সান্ধী বর্ধ- রাসুল (সা.) (দেশুন নুরা-৩০: আয়াত ৪৫, সুরা-৪৮: আয়াত-৮, নুরা-৭০: আয়াত-১৫)।

- ১১:১৮। সাঞ্চীরা অর্থাৎ রাসলরগণ বা ফেরেশতাগণ।
- ১১:২০। অর্থাৎ আল্লাহর পক্ষ থেকে আগত সভ; আন্তরিকভাবে ক্তমত না ও ভার প্রতি দৃষ্টি দিত না। (৭: ১৭৯)
- ১১:২৯। অর্থাৎ যারা ঈমান এনেহে তাদেরকে নিম্ন শ্রেণীর লোক বলে ভোমরা ভিরন্ধার করলেও আমি তো তাদেরকে তাড়িয়ে দিতে পানি না।
- ১১:৩৮। অর্থাৎ তোমরা আন্ধা যেমন আমাদের দৌঝা বাদানোকে উপহাস করছ তেমনি আমরাও উপহাস করব যেদিন তোমরা সন্তিইই প্রাবনে ভূবে মারা যাবে। ১১:৫৪। অর্থাৎ কমি আমাদের দেবতালের সমালোচনা করায় তাদের কারো মন্দ আছর তোমার উপর পড়েছে, ফলে ভূমি পাগলের মত আরোপ তাবোল ককছ।
- ১১:৫৬। অৰ্থাৎ আমার প্রতিপদ্ধক সুবিচার ও ইনসাফকারী। তিনি সংকর্মশীশদেরকে তাদের সংকর্মের প্রতিদান দেন এবং পাপাচারীকে তার পাপের প্রতি কল দেন। তিনি জারো প্রতি জ্বন্ম করেন মা।
- 55:58। এটি সানিহ (আ.) -এর সবৃদ্ধাতের একটি মোজেলা ছিল। এটিকে আপ্তাহ তাঁর একটি নিদর্শন হিসেবে উল্লেখ করে এর কোন ক্ষতি করতে নিখেধ করেছিলেন।
- ১১:৭০। 'সেদিকে' অর্থাৎ পরিবশেনকৃত ভূনা বাছুরের দিকে হাত বাড়িয়ে দিচ্ছে না।
- ১১:৭৮. অর্থাৎ লৃত (আ.)-এর সম্প্রদায়ের কন্যা বা বিবাহ উপযুক্ত নারীসমাঞ্জ। নবী যেহেতু তার নিঞ্চ সম্প্রদায়ের পিতৃত্বয়, সেহেতু তিনি তালেরকে নিঞ্জের কন্যা বলে অতিহিত করেছেন।
- ১১:৮৬ অর্থাৎ ওজনে কম না নিয়ে ও ন্যাব্য মাপ নিয়ে যেটুকু লাভ পাবে সেটাই ভোমাদের জন্য কল্যাণকর ও বরকতের কারণ হবে।
- ১১:৮৭। অর্থাৎ তারা টিউকারী করে এ মন্তব্য করে বলেছে, তোমার ধারণা কি ভূমিই একমাত্র সহিঞ্ছ ও সুবাধ লোক, ভূমি সব বুক আমরা কিছুই বুঝি নাঃ
  ১১:৮৮। অর্থাৎ ডোমানেরকে যা করতে নিষেধ করচি যেমন গুলানে কম দেয়া তার বিপরীতটা নিজে করতে উন্ধক্ত নট।
- ১৯৯০০ প্রতা সেখনে স্থায়ী হতে, হতে আছার যদি স্থায়ী করতে লাচন দেটা আদাল কথা আৰু আগ্রার, তো স্থায়ী করতেন কটা করেনি কিয়েনে। এটা মন বাবলা, না এই এটা চল কথাত পারতে না, একমার আল্লাইটি কথান আহিছে কথান আহিছে কিয়েনে। এটা সিয়েনে। তেখানে সেখনে সেখনে কথাত পারতি কিয়া আল্লাইটি কথান আহিছে কথানি কথানি কথানি কথানি কথানি কথানি আছিল কথানি কথানি কথানি কথানি আছিল কথানি ক
- ১৯৮। ইকাৰ্য (বা.) সাবাদেনৰ মান্য ইউক্ (বা.) ও আন সমাদেন যেটা বাই পেনিয়ামীন গৈলেং মানুবার হান। এ কারণো ইয়াকু (বা.) বাচাক মু'লাকে কুলান্মকারণানে পৌন কারতবান নার্থিকে ইউন্নে (বা.)— কাইজুল বিভাগের বিদ্যালী কিন্তু পান্ত কার্যক্রিক কার্যক্র হিছিছ ইউনুক্ত (বা.)—বাই পেশানে পোনা পোনা কিন্তু নার্যক্র কারণো ইয়াকুর (বা.)—বাই উনুক্ত (বা.)—বার নার্যক্র কিন্তু প্রাণ্ট কর্ম বাহ সকল্যক্রেনে বা কিন্তু করেল্লীয়া
- ১২:১৯। অর্থাৎ তাকে কৃতদাদের মত বিক্রি করার উদ্দেশ্যে নিজেদের সঙ্গে নিয়ে নিল।
- ১২:২৩। অর্থাৎ আমার মনিব আমার প্রতিগালনের দায়িত্ব নিয়ে আমার উত্তম আবালের ব্যবস্থা করেছেন। আমি তার স্ত্রীয় সাথে ব্যক্তিসারে শিশু হলে আমি তার প্রতি জুলুম করব। আর জাদিম কথনো সফল হতে পারে না।
- ১২:৪৮। অর্থাৎ এ কঠিক দুর্ভিগের সাতটি বছরে অল্প কিছু ছাড়া ভোমাদের সঞ্চিত ফলল সবই নিয়পের হয়ে যাবে।
- ১২:৪৯। অর্থাৎ পর্যাপ্ত বৃষ্টিপাত হবে ও প্রচুর ফল ফলানি ও ফসল উৎপন্ন হবে।
- ১২:৫৫। দুর্ভিক্ষের সময় খাদ্য দ্রব্য বর্ণনৈ মানুষের মধ্যে সুবিচার, ইনসাঞ্চ ও এহসান করার জন্য উক্ত পদ চেয়েছিলেন।
- ১২:৬০। অর্থাৎ ইউসুফ (আ.) এর অপর সহোদর ভাই বেনইয়ামীনকে সঙ্গে দেয়ার জন্য ইয়াকুব (আ.) এর কাছে ইউসুফ (আ.) এর সংভাইছেরা অনুরোধ জানান।
- ১২:৬৭। ইয়াকুব (আ.) পুত্রদেরকে নগরের বিভিন্ন দরজা দিয়ে প্রবেশ করার উপদেশ দিয়েছিলেন যাতে নগরবাসীরা একসঙ্গে এত আগস্তুক লোক দেখে তানেরকে সন্দেহ করার অবকাশ না থাকে।
- 22.11। সঁকি কলমাই সন্মান্তিকাৰ কিছিল যো, বৰ যোগৈলো ছবি একটা ঘটনাকে বুলি হিলকে আন্মান্তিক কৰিছিল। কটি কেনা বুলি কাৰ্যনি দান নৰত ইউকুৰ (ম), এ কাৰ্যনি কৰাৰ কৰকোৰ পৰিকলে আহে বাৰু সাধান্তৰ পৰিকলে। এক সাহা ইছালুৰ (মা, টক মুন্দুৰ কাৰে কেনু ইউকুৰ্যকে নিজেৰ কাৰ্যনি কৰাৰ কিছাল কৰাৰে কাৰ্যনি কৰাৰ কৰাৰে কাৰ্যনি কৰাৰ কৰাৰে কাৰ্যনি কৰাৰ কৰাৰে কৰাৰে কাৰ্যনি কৰাৰে কৰাৰে কৰাৰে কাৰ্যনি কৰাৰে কৰাৰে কাৰ্যনি কৰাৰে কৰাৰে কৰাৰে কাৰ্যনি কৰাৰে কৰাৰে কৰাৰে কাৰ্যনি কৰাৰে কৰাৰে কৰাৰে কাৰ্যনি কৰাৰে কৰা
- ১২:৯৫। বহু বছর যাবত নিখোঁজ ইউসুফ (আ.) এর জীবিত থাকা ও পুনরায় ফিরে আসার কথা বলায়, ইয়া কুব (আ.) কে কক্ষ্য করে উপস্থিত সবাই এ মধ্যব্য করেছিল

- ১২:১০২। অর্থাৎ কুরআন নাথিলের মাধ্যমে আল্লাহ ভার রাসূল (সা.) কে প্রাচীনকাদের অনেক ঘটনা অবহিত করেন। অন্যথায় এসব ঘটনা জানা সম্ভব হত না। কিয়ামতকে অস্বীকারকারীরা রাসূল (সা.) কে লক্ষ্য করে বলে, ভূমি যদি ভোমার কথায় সভ্যবাদী হও তবে আমাদের উপর আল্লাহর শান্তি আনয়ন 500001
- করছ না কেনঃ (সরা আনজাল, আয়াত ৩২ দুষ্টব্য) এ কথা কনার সময় তারা লক্ষ্য করে না যে তাদের পর্ববর্তী অনেক জাতি অবাধ্য হয়েছিল এবং আলাহর শান্তি ভালেরকে পাকভাও করেছিল।
- ১৫:১৪। একমাত্র আস্তাইই মান্দের ভাকে গাভা দেয়ার ক্ষমতা রাখেন সেজন্য মানুষের ডাক পাওয়ার একমাত্র হক্ষার হচ্ছেন আস্তাই ভাবালা। সকরাং মানুষের উচিত, কোন সৃষ্টির কাছে প্রার্থনা করার পরিবর্তে সরাসরি আল্লাহর কাছে প্রার্থনা করা।
- ১৩:১৯। রাসদ (সা.) এর উপর অবতীর্ণ কুরআনের ব্যাপারে অছ। অর্থাৎ চোখ থাকা সন্তেও সে ফেন করআনে বর্ণিত সত্যের কিছুই দেখতে পায়না। যে করআন থেকে শিক্ষা গ্রহণ করেনা আর যে কুরআনকে সত্য বলে জানে ও কুরআন থেকে শিক্ষা গ্রহণ করে তারা উভয়েই সমান হতে পারে না। নিঃসলেহে যে করআন থেকে শিক্ষা গ্রহণ করে সে উত্তম আর যে করেনা সে অধম।
- অর্থাত করজান খোকে উপায়ের প্রচনকারী বাজিদের একটি গুণ হছে আখ্রীয়তার সম্পর্ক রক্ষা করা। রাস্প (সা.) বলেছেন, 'যে ব্যক্তি চায় যে তার 20:521 রিধিক বাভিয়ে দেরা হবে অধবা তার হায়াত বাড়িয়ে দেওরা হবে সে যেন তার আধীরতার সম্পর্ক অটট রাখে। আরো দেখুন সুরা বাকারা নং ২,~এর ২৭ নং আয়াতের তাফসীর।
- ১৩:২৭। অর্থাৎ পূর্ববর্তী নবীদের মত মুহাখন (সা.) আমাদের কথা মত কোন মোজেন্সা উপস্থাপন করেননি কোন্য প্রকত পক্ষে কাফিরদের এরপ উক্তি মুদ্যহীন, কেননা মোজেজা দেখার পরেও যারা ঈমান আনবার নয় তারা ঈমান আনবে না। অতীতেও বহু নবী রাস্পের ক্ষেত্রে তাই হয়েছে।
- ঈমান আন্য বা কুন্ধরী করার ব্যাপারে আল্লাহ্ যদি মানুষকে কোনরূপ খাধীনতা দিতে না চাইতেন, তাহলে সকল মানুষ ঈমানদার হতে বাধ্য হত। 20:021 কিন্তু আল্লাহর ক্ষমতা থাকা সস্ত্রেও তিনি তা করেননি। বরং মানুষকে স্বাধীনতা দিয়েছেন এবং এর মাধ্যমেই মানুষকে পরীক্ষা করতে চেয়েছেন।
- ১৬:৩০। তোমরা আল্লাহ্ ব্যতীত হেসব মূর্তি ও দেব-দেবীর পূজা করাহ এগুলোর প্রকৃত অবস্থা আমাদের কাছে বর্ণনা কর। আমরা দেবতে চাই, কি করে এগুলো মা'বুদ হওয়ার ও আল্লাহ্র শরীক হওয়ার যোগ্য হলঃ আসলে এদের মা'বুদ হওয়া সম্পূর্ণ অযৌজ্ঞিক।
- ১৩:৩৯। 'উত্মুল কিতাৰ' অৰ্থ 'শ্ৰন্থের মা' অৰ্থাৎ মূল গ্ৰন্থ। এখানে লওহে মাহফুজকে উত্মূল কিতাৰ বলা হয়েছে।
- ১৩:৪১। কাঞ্চিরদের কর্তৃত্বাধীন এলাকা ক্রমান্তরে মুসলিমদের নিরন্ত্রণাধীনে আনার মাধ্যমে। ১৩:৪০। ঐ সকল ইছনী ও গটনে যারা তাদের ধর্ম্মছের যথার্থ জ্ঞানের অধিকারী ছিলেন এবং মুহাছন (মা.) এর নরয়তে বিশ্বাসী ছিলেন। আদন্তাহ ইবনে
- সালাম (রা.) তাদের অন্যতম। এ আয়াতে মাতভাষায় দ্বীন প্রচারের ওরুতু বুঝা বার।
- সে সব দিনের প্রতি উন্সিত করা হয়েছে যাতে অভীতে বিভিন্ন আতি-গোড়ীর উথাদ-পতন, জয়-পরাময় ইত্যাদি সংঘটিত হয়েছিল অথবা সেই 58:01 মিলকালা যাতে ভালেরকে আলার বিশেষ অন্প্রাহ দান করেছিলেন।
- কতজ্ঞতা প্রকাশ করলে আয়াহর যেমন কোন লাভ নেই তেমনি প্রকাশ না করলেও আল্লাহর কোন ক্ষতি নেই। কেননা, তিনি কারও কতজ্ঞতা কিবো \$8:71 গুৰুরিয়ার মুখাপেক্ষী নম। মানুষ নিজের মঙ্গবের জন্যই আগ্রাহ্র প্রতি কৃতজ হবে।
- ১৪:২৭। ইবনে আব্বাস (রা.) বলেন, এর অর্থ 'লা ইলাহা ইল্লায়াহ'।
- ১৪ ৩৪। অর্থাৎ যা কিছ চাওয়ার বোগ্য-(বায়ুখাজী)। আল্লাহর বিবেচনায় মানুষের জন্য যা প্রয়োজন তিনি তা দিয়েছেন যদিও মানুষ তা চায়নি। যেমন, চন্দ্র, সৰ্য, আলো, বাতাস ইত্যাদি।
- ১৪:৩৫। অর্থাৎ মকাকে নিরাপদ নগরে পরিগত করুন।

18:84

- ১৪:৪৭। আয়াত ৪২-এ রাসুল (সা.)কে আছঞ্চ করে আল্লাহ বলেছেন, জালিমদের কৃতকর্ম সম্পর্কে আল্লাহ ওয়াকিফহাল রয়েছেন, তারা বিরত না হলে অতীতের জালিমদের মত আল্লাহ তাদেরকে ধরবেন। আর এ আয়াতে রাসুল (সা.)-কে আশ্বত করেছেন যে, আল্লাহ তার কোন রাসুদকে দেয়া
- প্রতিশ্রুতি ভঙ্গ করেননি, তার সাথেও করবেন না। রাস্তরে কাজ হঙ্গে মানুখকে সতর্ক করা ও আল্লাহকে ডাকা অব্যাহত রাখা। ১৫:১৩। পূর্ববর্তী নবীদের প্রতি তাদের সম্প্রদায়ের পোকেরা বিদ্রপাত্মক আচরণ করেছিল। সত্যের বিরোধিতা নতুন কোন বিষয় নয়। অওএব দুরুধর কোন
- কারণ নেই।
- ১৫:৪৩। অর্থাৎ ইবলিদের অনুসারীদের ঠিকানা ভাহান্লাম।
- ১৫:৬৩। অর্থাৎ যে শান্তি আসার ব্যাপারে তারা সন্দেহের মধ্যে ছিল সে শান্তি দেওয়ার জন্য এসেছি।
- ১৫:৭১। অর্থাৎ লৃত (আ.)-এর সম্প্রদায়ের বিবাহযোগ্য মেয়েরা। নবী নিজ সম্প্রদায়ের পিততুল্য, তাই তিনি তানেরকে নিজের কন্যা বংগছেন।
- ১৫:৭২। তারা সমকামিতার দেশায় মাতাল হয়ে পিয়েছিল। এক্ষেত্রে কোন পাপ বোধ কিংবা শান্তির তয় তাদের মনে স্তান পায়নি।
- ১৫:৭৬। ইয়েমেন থেকে সিরিয়া যাওয়ার পথে লোকেরা এ এলাকা অভিক্রম করত।
- 'আসহাবল অহিকা'-এর শাধিক অর্থ গহীন অরগ্যের অধিবাসী; ত'আইব (আ.)-এর সম্প্রদায় এই অঞ্চলে বাস করতেন বলে এর ঘারা ত'আইব (আ.)-এর সম্প্রদায়কে বুঝানো হয়েছে। আইকা: মাদইয়ানের পার্শ্ববর্তী, বর্তমান উত্তর আরবের তারক অঞ্চলকে আইকা বলা হত- (কাশপাফ জালালাইন):
- ১৫:৭৯। অর্থাৎ লত (আ.) ও ও'আইব (আ.) উভয় সম্প্রদায়ের বসতির ধ্বংসম্ভপ।
- 'হিজর' একটি উপত্যকার নাম, যেখাদে ছামুদ সম্প্রদায় বাস করত। রাসুল (সা.) তাবুক অভিযানের সময় হিজর এলাকা অভিক্রম করেছিলেন। তিমি তার মাধা নীচু করে দ্রুত সওয়ারী চাগিয়ে অভিক্রম করেছেন। সাহাবীদেরকে বন্দেছেন, 'শান্তিপ্রান্ত সম্প্রদায়ের ঘরওলোতে প্রবেশ করো না। তবে কানারত অবস্থায় প্রবেশ করতে পারো। যদি কানা না আসে তবে কাঁদার ভাদ কর, তাদের মত ভোমাদের শান্তি হতে পারে শে ভয়ে। এ স্থানটি মদীনা মুনওয়ারা থেকে ৩৯৫ কিলোমিটার উত্তর পশ্চিমে অবস্থিত।

- ১৫:৮৫। অর্থাৎ কিয়ামত অবশ্যই সংঘটিত হবে। তখন আল্লাহ্ সংকর্মশীলদের পুরস্কৃত করবেন ও পাশীদের শান্তি দিবেন। অতএব হে রাসুল, তুমি জানের অন্যায় আচরণ উপেক্ষা কর ও ক্ষয়াসন্দর দৃষ্টিতে দেখ
- ১৫:৮৮। অর্থাৎ হে নবী। আমি যখন তোমাকে কুরআন কারীমের ন্যায় অধিনশ্বর ও চিরস্থায়ী সম্পদ দান করেছি তখন তোমার জন্য মোটেই কভনীয় নয় যে। তুমি কাফেরদের পার্থিব ধন-সম্পদের প্রতি লোভনীয় দৃষ্টি দিবে। এসব কিছুতো ক্ষপস্থায়ী মাত্র। তথু পরীক্ষা স্বন্ধপ কয়েকদিনের জন্য তাদেরকে দেয়া হরেছে। সাথে সাথে এটা তোমার জন্য সমীচীন নয় যে, তুমি তাদের ঈমান না আনার কারণে দুর্যখিত হবে- (ইবনে কাসির)। ১৫:১০। অর্থাৎ ইকুদী ও খটানদের উপর আন্তাহর কিতাব অবতীর্থ চরেছিল।
- ১৫:৯১। ইবনে আকাস (রা.) বলেন, এর অর্থ হচ্ছে কুরআন সম্পর্কে কাফিরদের বিভিন্ন ধরণের মন্তব্য। করআন সম্পর্কে তাদের একক কোন মন্তব্য চিল না। একেক জন একেক সময় একেক রকম মন্তব্য করত। কেউ বলত, কুরুআন আদু বিদ্যা, আবার কেউ বলত কবিতা ইভ্যাদি।
- 56:51 অর্থাৎ আল্লাহুর শান্তি আসবেই অথবা কিল্লামত সংঘটিত হবেই।
- ১৬:১০। 💰 🗫 এর সাধারণ অর্থ গাছ, কিছু 🚗 এ হারা শাক-সবন্ধি জাতীয় উদ্ভিদকেও বুঝায়-(লিসানুল আরব) ১৬:১১। যায়ত্বন, জলপাই জাতীয় আরবদেশের ফল বিশেষ, এর তৈল খাবার তৈলজ্ঞাে ব্যবহৃত হয়।
- 29:20 নানা রং ও নানা রকমের উদ্ভিদ ও ফল-ফলাদি-(ডাফসীরে ইবনে আব্বাস)।
- 204,281 ্রা -এর শাদিক অর্থ গোশত হলেও এখানে মাছ বুঝানো হয়েছে-(কুরতুবী, তাফসীরে ইবনে আব্বাস)।
- ১৬:১৪। সমূদ্রপথে সহজে ও কম খরচে আমদানি ও রপ্তানি বাণিজ্ঞা করার মাধামে।
- ১৬:২১। মুশরিকদের প্রতিমান্তলো তো নিস্প্রাণ। তাই পুনরুখানের ব্যাপারে তাদের কোন জান নেই।
- ৬:২৮। গাপীদের রহু হরণকালে আযাবের ফেরেশতাগণ আগমন করবেন।
- ১৬:৩৬। আল্লাহ্ ব্যতীত যার উপাসনা ও পূজা করা হয় তাকে ভাতত বলা হয়। অনুদ্রপভাবে যে প্রান্ত পথের দিকে থাকে দেও ভাতত। শহতান, কল্পিত দেবদেবী এবং যাবতীয় পথভ্রষ্টভার উপায় উপকরণ ইত্যাদি সবই ভাওতের অন্তর্ভক।
- খীন শব্দের সাধারণ অর্থ-ধর্ম, জীবন বিধান, বিশ্বাস, আইন, বিচার, প্রতিদান, ইত্যাদি। কিন্তু এখানে শব্দটি 'আনুগতা' কর্ম্বে ব্যবস্তুত 26:021 হয়েছে-(কাশশাক, কুরতুবী)।
- ১৬:৫৬। অর্থাৎ তাদের প্রতিমা ও দেব-দেবীর জন্য।
- ১৬:৫৮। মেয়ে শিষর জন্য জান্নাতের সুসংবাদ, যদি তাকে অবহেলা না করা হয়। হয়রত ইয়নে আক্যাস (রা.) থেকে বর্ণিত, তিনি বলেন, রাসল (সা.) বলেছেন. যার তন্তাবধানে কোন মেয়ে শিশু থাকে আর সে তাকে জীবিত দাফন না করে, তার প্রতি তাজিল্য প্রদর্শন না করে এবং তার উপর বালকদেরকে কৌনরপ প্রাধান্য না দেয় আল্লাহ তা'আলা তাকে ভানাতে প্রবেশ করাবেন।
- ১৬:৬০। অর্থাৎ মুশরিকরা নিকট প্রকৃতির অধিকারী তাই তারা নিকৃষ্ট উপমার উপযুক্ত। কিন্তু আল্লাহ্ অতি মহান প্রকৃতির অধিকারী তাই সন্তান্যদি গ্রহণ বা কন্যা সন্তান গ্ৰহণ একপ উপমা হতে আন্তাহ পবিত্ৰ।
- ১৬:৬১। পাপের শান্তি গ্রদানের জন্য আল্লাহ্ সময় নির্ধারিত করে রেখেছেন। নির্দিষ্ট সময়ের আগমনের পূর্ব পর্যন্ত তিনি মানুষকে অবকাশ নিয়েছেন। এ সময়ের মধ্যে জল কিংবা মন্দ কাজের ব্যাপারে মানুষকে স্বাধীনতা দেয়া হয়েছে। নির্দিষ্ট সময়ের পূর্বে তিনি মহাপাপীকেও শান্তি দেন না। পাপের শান্তি সঙ্গে সঙ্গে দেয়া হলে কেউ ধাংসের হাত হতে রক্ষা পেত না।
- 26:62 ধাংসের সময় এসে যায়।
- ১৬:৬২। অর্থাৎ আল্লাহর জন্য কন্যা সন্তান নির্ধারণ করে অধচ নিজেদের জন্য তা পছন্দ করে না।
- ১৬:৬৯। অর্থাৎ পাহাড়-পর্বত, গাছের ভাল ও গর্ভ এবং মানুষের বসভবাড়িতে মৌচাক নির্মাণের পর তোমরা প্রত্যেক ফুদের মধু আহরণ কর।
- ১৬:৬৯। অর্থাৎ তোমাদের প্রতিপাদকের পথসমূহ সহজে ভ্রমণ করে তোমাদের ঘরে বা চাকে এসে মধু সঞ্চয় কর অর্থাৎ ফুলের মধু আহরণ করে মৌচাকে এসে মধু সঞ্চয় করে রাখ।
- ১৬:৬৯। বাসুল (সা.) বলেছেন, আরোগ্য তিনটি জিনিসের মধ্যে। যথা- ১। মধু পান, ২। সিংগা লাগানো, ৩। ছেঁকা দেওয়া। ইসলামী চিস্তাবিদগণ এর আলোকে মনে করেদ প্রথম প্রকারের আরোণ্য বলতে মুখে ঔষধ সেবন, ছিতীয় প্রকার সার্জারী ও তৃতীয় প্রকার ধেরাপির পর্যায়কুন্ত।
- ১৬:৭১। উমর (রা.) আরু মূলা আগআরি (রা.) কে এক চিঠিতে লিখেছিলেন, 'তুমি আত্মাহর রিখিকে সম্ভষ্ট থাক। দিক্তম তিনি রিখিকে তোমাদের কাউকে কারো উপর শ্রেষ্টকু দান করেছেন। এটা ভার পক্ষ হতে একটি পরীক্ষা। তিনি দেখতে চান খাকে রিয়িকের ক্ষেত্রে শ্রেষ্টকু দিয়েছেন সে কিডাবে আভারর অকরিয়া আলার করে এবং তার উপর অন্যদের যে সব হক নির্ধারণ করেছেন তাতে সে কডটুকু আলায় করছে-(ইবনে আবি হাতিম)।
- ১৬:৭৫। তাদের নির্বৃদ্ধিতা তুলে ধরে আল্লাই উপমা দিয়ে বলছেন, 'তারা মনিবের সাথে দানের পার্থক্য খুব ভাল করে বোঝে। অর্থাৎ নিজেরটা খুব ভাল বোঝে কিন্তু মহান স্রষ্টা আস্তাহর সাথে তার একটি সৃষ্টির ব্যবধান বোখে না। যদি বুকতে চেষ্টা করত তাহলে তাদের হাতের তৈরি প্রতিমাদেরকে আন্তাহর সাথে শরিক করত না ও আল্লাহ্র সমপর্যায়ের কথনোই মনে করত না।
- ১৬:৮৪। অর্থাৎ প্রত্যেক উন্নতের বিরুদ্ধে তার নবী সাক্ষ্য প্রদান করবে যে, তিনি তাদের কাছে আগ্লাহর বার্তা পৌছে দিয়েছেন। অতঃপর কাছিরদেরকে জোন ওজর পেশ করার অনুমতি দেয়া হবে না-(ইবনে কাসীর)।
- ১৬:৮৭। তাদের কাঞ্চিত মাবুদদের কোন হদীস থাকবে না এবং সে কঠিন বিপদের দিনে তাদের কোন সাড়া শব্দ পারে মা।
- ১৬:৮৯। অর্থাৎ সমস্ত জ্ঞান ও সমস্ত জিনিস এ কুরআনে কারীমে রয়েছে। প্রত্যেক হালাল, হারাম, প্রত্যেক উপকারী বিদ্যা, অতীতের খবর, আগামী দিনের ঘটনাবলী, দ্বীন দুনিয়া, রিখিক, পরকাল প্রভৃতি সমস্ত জন্ধবী আহ্কাম ও অবস্থার বর্ণনা এর মধ্যে বিদ্যমান রয়েছে-(ইবনে কাসীর)।

- ১৬:৯০। এ আরাতে ছয়টি মৌলিক কাজের উল্লেখ করা হরেছে। তিনটি কাজের আদেশ ও তিনটি নিষেধাজা। আদেশ তিনটি হল ১। ন্যায় প্রতিষ্ঠা, ২। সন্যচরণ, ৩। আস্ত্রীয়-স্থলতে দান করা। আর তিনটি নিষেধাজা হল-১। অস্ত্রীগতা, ২। অসং কাজ ও ৩। সীমালজন করা।
- ১৬:৯২। মণ্ডিঙ্ক বিকৃত মহিলা যেমনভাবে সারাদিন সূতা তৈরি করে, এরপর তা নট করে তার সকল শ্রম ও কাজকে অর্থহীন করে তোলে, তোমরা ভোমাদের এতিজ্ঞা তব্দ করে নিজেদের কাজকেও তেমন অর্থহীন করে জেপো না।
- ১৬:৯৫। অর্থাৎ পার্থিব লোভের বশবর্তী হয়ে শপথ ভঙ্গ করা তোমাদের জন্য হারাম। যদিও এর বিদিময়ে সারা দুদিয়াও তোমাদের লাভ হয়-(ইবনে কাসীর)।
- ১৬:৯৭। মানুষ হিসেবে নারী-পুরুষ আল্লাহ্র নিকট সমান। উভয়ের আমলের মূল্য সমান। উভয়কেই আল্লাহ্ পুরুত্ত করবেন।
- ১৬:৯৯। অর্থাৎ শয়তানের কোন কর্তৃত্ব নেই।
- ১৯:১০) ইবন অৰান্য (ব.) হেলা, এ আছাজী আছা ইবান ইয়ানে সন্মাৰ্থন কৰিব হয়। মুখিকৰ প্ৰাক্ত আৰু আবুকি নিৰ্দিন সগাহে থাকে বা পৰিব লা নিৰ্দিন লোকে। বেটা, কা আছিল কালে, অমান্য হয় কৰিব নিৰ্দানৰ কালি কালে কথা সংক্ৰীৰ কালে বা যাই লাগে কিছা কালে আছে এয়া দ্বানা কৰিব কৰে ও অনুযোজন কৰে। কৰা তালুল (ম.) তাৰ মান্য কৰ্মকু জানাত চাইলে বিশি ৰান্দা, "আমাৰ আৰৱে। পূৰ্ণ উদান সামাৰ্থন আমাৰ ৰ ভাইলৰ কৰিব কালে।
- ১৬:১১০। আত্মার ইবনে ইয়ানার এর মত যারা নির্যাতনের মুখে বিপন্ন হয়ে মুখে কুলবী উভারণ করেছে কিছু পরে হিজরত করেছে, জিহানে হৈর্য ধারণ করেছে এ আয়াতে তালের কমার আধান দেওয়া হয়েছে।
- ১৮:১১১। ক্ষধা ও উতির পোশাক একটি আরবী বাগধারা যার অর্থ ক্ষধা ও ভীতি ভাসেরকে গ্রাস করন।
- ১৬:১১৫। 🛍 অর্থাৎ প্রবাহিত রক্ত।
- ১৩:১০ আ আবাতে বাপুদেৰ বিবাৰেৰ ঘটনা উল্লেখ কৰা বাবেছে। মদজিলে হাৰাম থেকে মদজিলে আকলাৰ ভ্ৰমণকে ইকাৰা (১০০০০) কৰা হয় এবং
  মদজিলে আকলা (বাইছুল মাজলাল) থেকে উৰ্জালিল একখকে বিভাজ কলা হয়। বিভাজ সম্পৰ্কে সূত্ৰ আন-নাৰ্য্য-এ পৰোচ্চভাবে বৰ্ণিত
  হোমেনে প্ৰদান কৰানা মান্য নাৰ্থ্য আন্ত ৮০-১৮
- 5৭:35) মানুৰ কথনে কথাৰ দ আগ ও নিয়প হাছে কুল বাব নিয়েল কথা বছৰাৰ কৰিব কাবতে কল বাবে মাৰ্ক মাৰ্কে নিয়েল কথানা দুৱাৰ, কথানা প্ৰত্যান কৰিব কথানা মুক্তা, কথানা প্ৰত্যান কথানা মুক্তান নিয়েল বাবে কিছু বাব প্ৰতিপালক মানুহৰ মান্ত নিয়েল প্ৰত্যা কাৰা কৰিব সাহান্য কৰাৰ কথানা কৰিব কথানা কথানা কৰিব কথানা কথানা কৰিব কথানা কথানা কৰিব কথানা কথানা কৰিব কথানা কথানা কৰিব কথানা কথানা কৰিব কথানা কথানা কৰিব কথানা কথানা কৰিব কথানা কথানা কৰিব কথানা কথ
- ১৭:২০। পিতা-মাভার সন্তুটীর কঞ্চতু: রাসুল (সা.) বফল, আল্লাহর সন্তুটী লাভ পিতামাতার সন্তুটীর উপর নির্ভর করে এবং আল্লাহর অসন্তুটী পিতামাতার অসন্তুটীর করেবে বে বাকে হবজত আলু উমানা (বা.) হতে বর্গিত, এক বাতি জিজানা করকেন, ইলা রাসুলাল্লাহ (সা.)! সন্তানের উপর পিতামাতার অধিকার করি উচ্চত ডিলি বিশালন, তার ডিজাই এক প্রতে প্রেমার জালাক এবং লাহামো।
- 3/4.36. তিখা-খাবৰ জীবন্দাৰ ভূষ্ণৰ পৰ আমাৰ ভাল লোল নাজনেৰ কৰিছে আই ভালখিন যদিব ইবল কৰিছে আমান সকৰি হাত বৰ্ণিত চিলি হাদ্যে, আমানা প্ৰান্ত ( এক কিউচ কৰ্ত্বান কৰিছেল কোনাবাৰ কিবল নাজনে কৰিছ তাৰ কাছে কাম কৰন, ইবা প্ৰান্তপ্ৰাহাৰ্ব ( দিলা-খাবাৰ মৃত্যুল বৰ্ত কি আমানা কৰিছে কৰিছে
- ১৭:২৬৷ আর্থ্রীয়তার সর্শক রক্ষা: আর্থ্রীয় স্বরূদের অধিকার সম্পর্কে রাসুল (সা.) বলেছেন, 'যে ব্যক্তি চায় যে তার রিষিক বৃদ্ধি করা হবে অথবা তার হায়াও
  - বাড়িয়ে দেয়া হবে সে যেন আগ্রীয়তার সম্পর্ক রক্ষা করে'।
- ১৭:৩০। আরো দেখুন সূত্রা-১৯, আরাজ-১৯, সুরাজ-১৯। আরাজ-১৯। ১৭:৩০। এক বাজি রাস্থ্য নি, এর কামে এনে কামেন, ইয়া রাষ্ট্রণ। এউ যদি আমার সম্পদ হলা করার জন্ম আসে তাহলে আমি কি করব। রাস্থ্য (স.) কাসদেন, দুর্নি তাকে তোমার সম্পদিনি বা। গোকটি কাসেন মদি সে আমাকে হত্যা কয়তে উদাত হয় ঃ রাম্থ্য (স.) বৰ্গদেন, মুদিও তাকে হত্য
- কাৰতে উদাত হয়ে। লোকৰি লোলা, যদি লে আনাতে বজা নাবে লোকো আনাল কি হয়েও নালা (ন), কালান্য ভাবলো যুৱি শবীক বাল পাথা হবে। লোকৰি কালেন, যদি আমি আতে হবা কৰে লোকি আহলে কি হয়েও বালুক (ক.) কালানে, লোকাহানে মানে-প্ৰদান্ত নাবি ১৭:৩৪ বিধা ৰাজিনী বা মুক্তি পালান কৰা কৰিছে। হালুল (নে), অসালো, মুক্তানালানৰ হয়েও গালান্তিক মুক্তি হৈছে, কিছু এই চিকি বৈদ নাব যে মুক্তি হালানেতে হালান কৰে আমাৰে কালানা কৰে। আৰু মুক্তানানা পালানিকি শাৰ্তি আছে, সেই শ্বৰ্ত বাছিত যা প্ৰাপান্তে হালান কৰে। আৰু মুক্তানানা পালানিকি শাৰ্ত আছেন, সেই শ্বৰ্ত বাছিল হালানা কৰে। আৰু মুক্তানানা পালানিকি শাৰ্ত আছেন, সেই শ্বৰ্ত বাছিল যা প্ৰাপান্তে হালান কৰে। আৰু মুক্তানানা পালানিকি শাৰ্ত আছেন।

- ১৭:৩৫। কাউকে এজন করে মেপে দেয়ার সময় কম নয় বরং পারলে একটু বেশী দেওয়া উঠিত। রাসৃল (সা.) বলেহেল, ওজন কর এবং কিছু বেশি দিয়ে দাও। ১৭:৩৬। অর্ধাং কমি যা দেখনি তা দেখেহ বল না, তমি যা ওলোনি তা ওলেছ বল না, তমি যা জাননি তা জেনেছ এরপ বল না। যে বিষয়ে তোমার জান নেই
- সে বিষয়ে অনুমান করে কিছু বল না- আত্ তাহরীর ওয়াত তাশজীর, ইবনে আতর। ১৭:৩৭। অর্থাৎ পর্বত সমান উর্ছু হতে পারবে না।
- ১৭:৫৯। উক্ত আয়াতে উন্ত্ৰীকে আয়াহৰ নিদৰ্শন বলা হয়েছে। হয়ৱত সানিহ (আ.) এর সম্প্রদায়ের নিকট মোজেন্সাম্বরূপ এটি প্রেরিত হয়েছিল এবং এর কেন ক্ষতি করতে নিষেধ করা হয়েছিল। কিছু তারা উন্ত্ৰীকে হত্যা করেছিল।
- ১৭:৮৯। অর্থাং অধিকংশে মানুং আল্লাহ্র আলাতসমূহ সবই অধীকার করণ; কেবল অধীকার করণ মা কুফরীকে। অর্থাং তারা তণ্ডু কুফরীকেই মেনে দিল আর সত্যকে অধীকার করণ।
- ১৭:১৯। অর্থাৎ জালিমরা (তা সবই) অধীকার করল; অধীকার করল না কেবল কুফরীকে। মানে তারা ৩ধু কুফরীকেই এহণ করল।
- ১৮:61 এখানে হাদীস বা কথা বলতে করুআনের বাণীকে বঝানো হয়েছে যেমন সরা-৩৯: আয়াত-২৩।
- ১৮:৯। "রাজিম" শলটির কয়েকটি অর্থ আছে; বিশেষ দূটি অর্থ এই- (১) যেধায় তয় অবস্থিত ছিল সেই পর্বত বা গল্পীর নাম, (২) ফলক, যাতে তহাবাসীর নাম ও বিবরপু খোদিত ছিল-(লিসালুল আরব) (ড, মোহর আলী)।

- ১৮:৬০। তার চাকর ছিলেন ইয়ুশা' ইবনে নুন। পরবর্তীতে তিনিও বণী ইসরাইলের দবী হয়েছিলেন।
  - ১৮:৬০। দুই সমুদ্রের সংযোগস্থল নিয়ে মত পার্থক্য রয়েছে। যথা- মীল নদের দুই শাখার সংযোগস্থল, দকলা ও ফুরাতের সংযোগস্থল অথবা আকাবা উপসাগর ও সংযোগস্থল।
  - ১৮:৬৫। এই বালা ছিলেন হজরত খিদর (খিমির) (আ.) -রখারী।

  - তথ্য বেজবে। ১৮:৯৪। ইয়াজ্বা ও মাজুল ছিল শক্তিশালী, অত্যাচারী ও আক্রমধকারী উপমাতি। ধারণা করা হয় যে, এরা ছিল মোকল বংশোভুত। এদের উৎশীভূনে পার্থবর্তী এদাবাত লোকেরা উতিষ্ঠ হয়েছিল।
- ১৮:১১০। এ আয়াতের ঘোষণা থেকে এটা সূপাই হয় যে, রাস্ল (সা.) মানুৰ ছিলেন। অন্যান্য মানুষের সাথে তার পার্থক্য এই যে তার গ্রতি ওহী করা হয় এবং ডিনি ছিলেন সর্বকালের সর্বশ্রেষ্ঠ মহামানব।
- ১৯:৫। الله والنفية अब वर्ष الله والنفية والنفية والنفية अब वर्ष الله والنفية अब वर्ष الله والنفية अब वर्ष अध्य ভার ভার মন্তর পর ৰিকে শই করে ফেলবে।
- ১৯:21 মধীদের সন্তানগণ তাদের ধন-সম্পদের উত্তরাধিকারী হয় না, তাঁর ও ইয়াকুব (আ.) এর বংশের উত্তরাধিকারিত্ব নদতে যাকারিয়া (আ.), নর্য্যত ও দ্বীনী শিকার উত্তরাধিকারিত্বের নিষয়টি বৃধিয়েছেন।
- ১৯:১০। দিবারাত্র ২৪ ঘন্টার একদিন তুঝাতে আরবীতে 'লাইল' শব্দটি ব্যবহৃত হয়।

সাথে কথা বলতে চাইলেন তা পারতেন না।

- ১৯:১০। অৰ্থাৎ কুমি নিদিনি ক্ৰমণত মানুখনৰ সাথে কৰা কাৰত সক্ষম হোক গুল ইখাৰা কৰাতে পাবেৰে ৰোজাহোৱ একাছ আছিবই ও কাংলো কৰাতে কাৰেকে পাবেৰে (তাৰো গোলুন- সুবাও: আয়াত ৬১)। অৰ্থাৰ বাকতিয়া (আ.) কালেক, আমান কাৰো প্ৰশাস্ত্ৰ কৰাত আছেবই ও কাংলো কৰাত স্থানৰ কাৰতে কাৰিক নিদিনি দান কৰাতা তাৰ আছিবে কাৰা আমান কাৰিক নিদিনি কাৰত আমান কৰাত তাৰ আমানেক, এনিদিনি মানুক কৰাত আমান কৰাত তাৰ আমানেক, এনিদিনি মানুক কৰাত কৰাত কৰাত কৰাতে কৰাতে কাৰতে কৰাত কৰাত কৰাত কৰাত কৰাত আমানেক কৰাত কৰাত কৰাতে কৰাতে
- ১৯:৩০। যদিও কৰনও তাকে 'কিতাৰ' দেৱা হয়দি, কিছু কিতাব দেৱা হবে এটা তাঁকে জাধান হয়েছিল। তবিখাতে নিণ্চিতভাবে ঘটবে এমন কিছুকে অতীক্ষাক্ত ক্লিয়া ব্যবহাৰের মাধ্যমে ইতোমধ্যে ঘটে নেছে এমন ভাষান্ত প্ৰধান করা হয় এবং এরণ ভাষা নীতি কুকমানের আরো বহু জায়গতে বাবহাত হয়েছে।

- ১৯:৫২। সুসা (আ.) যেখানে অবস্থান করছিলেন সে স্থান থেকে পাহাড়ের ডান দিক।
- ১৯:৫৪। অর্থাং তিনি প্রতিক্ষতি নিয়ে বলেছিলেন। শীখই আপনি আমাকে ধৈর্যদীলদের মধ্যে পাবেন। (দেখন সরা-৩৭: আয়াত-১০২) এই প্রতিশ্রুতি তিনি শেষ পর্যন্ত সত্ত্যে পরিণত করেছিলেন এবং এ প্রতিশ্বতি রক্ষা করেছিলেন। এটা জিববাঈল (আ.)-এর কথা। কিচ কালের জন্য ওহী বন্ধ থাকার পর জিববাঈল (আ.) উপস্থিত হলে রাসল (সা.) তাঁকে বিশবের কারণ জিজাসা
- 55:681 করেন। তদন্তরে জিবরাঈদ (আ.) এ কথা বলেন, এটি আল্লাহ কর্তক নির্দেশিত হয়েই হয়রত জিবরাঈদ (আ.) বলেছিলেন। অর্থাৎ আপ্তাহ মানুষকে সাষ্টি করেছেন যখন সে কিন্তই ছিল না। যিনি মানুষকে কিন্তই না থাকা অবস্থায় সৃষ্টি করেছেন, তার পক্ষে মতার পর আবার
- 180.66 জীবিত করা কোন কঠিন কাজ নয়।
- কিছু সংকর্ম মৃত্যুর পরও বাকি থাকে, হথা- সংকর্মশীল সন্তান, উপকারী জ্ঞান বা এই ধরনের জনকল্যাণমূলক কর্ম। এইরূপ উত্তম কার্য স্থায়ী সংকর্ম 109:44 নায়ে অভিচিত।
- ১৯:৭৭। এ আয়াতের শানে নুযুদ সম্পর্কে বর্ণিত আছেঃ মঙ্কার এক কাফিরের নিকট এক সাহাবীর কিছু অর্থ পাওনা ছিল। তিনি তা পরিশোধ করার জন্য ভাগাদা করলে উক্ত অফির বলল, ভূমি যদি মুহাম্মদকে নবী হিসাবে অধীকার কর তবে তোমার রুণ পরিশোধ করব। সাহাবী বললেন, 'ভূমি মরে আবার জীবিত হয়ে আসলেও তা ইবে না। ঐ ব্যক্তি তখন বিদ্রুপ করে কাল, 'মৃত্যুর পর যখন পুনন্ধীবিত হব তখন তোমার ঋণ শোধ করব, আর আমি তো তখনও ধনীই থাকব। এই ঘটনার পরিপ্রেক্ষিতে আয়াভটি অবতীর্ণ হয়।
- আল্লাহ্ মু'মিনদের অস্তরে তাঁর জন্য তালবাসা সৃষ্টি করেন এবং আল্লাহ্ও তাদেরকে তালবাসেন। আল্লাহ্ তাঁর কোন বালাকে তালবাসলে, আসমান ও 166:64 যমীনে তার ঘোষণা দিয়ে বলা হয় আল্লাহ্ অমুককে ভালবাসেন সুতরাং তোমরাও তাকে ভালবাস, তখন সৃষ্টির সকলে তাকে ভালবাসতে থাকে।
- আয়াতটিতে রাসল (সা.) কে সান্তনা দেয়া হয়েছে। তারণ কাঞ্চিররা করআন অস্বীকার করলে তিনি খব কই পেতেন। উপদেশ প্রদান তাঁর কর্তব্য, তা 20:21 তাদের গ্রহণ না করার জন্য তিনি দায়ী নন। তাই কুরআন অধীকার করার রাসূল যেন কট না পান সে কথাই বলা হয়েছে। রাসূলকে জানিয়ে দেয়া হচ্ছে যে, আপনাকে কট দেয়ার জন্য এ করআন নামিল করা হয়নি।
- ২০:৪০। মুসা (আ,)-এর মা শিশু মুসাকে পিজুকে পুরে দদীতে ভাগিয়ে দিয়েছিলেন। সিকুকটি ভাসতে ভাসতে ফির'আউনের ঘাটে কিছুলে গোকেরা সিকুকত্ব শিত মুসাকে প্রাসাদে নিয়ে যায়। মুসার বোন শিত ভাইটির কি অবস্থা হল তা জানার জন্য প্রাসাদে এসেছিলেন। এখানে সেদিকে ইঙ্গিত করা হয়েছে।
- ২০;৬০। 'কায়দুন' শব্দের অর্থ পরিকল্পনা, চক্রান্ত ও কৌশল; এখানে তাদের চক্রান্ত কলতে ফিরআউনের আদুকরদের আদুক কৌশলকে বুঝানো হয়েছে।
- ২০;৮০। তাওরাত দানের প্রতিশ্রুতি।
- ২০:৮৩। আরাহ্র নির্দেশে হয়রত মুসা (আ.) তাওরাত আনার উদ্দেশ্যে তুর পাহাড়ে যাওয়ার সময় সঙ্গে কয়েকজন গোর্মীয় প্রধানকে নিয়ে যান। তিনি আল্লাহর
- সঙ্গে কথোপকথনের আগ্রহে তাদেরকে পিছনে রেখে পূর্বেই সেখানে পৌছে পিয়েছিলেন। ২০:১২৩। অর্থাৎ আদম (আ.) ও শয়তান উভয়কে আন্নাহর নির্দেশ অমানের কারণে আন্নাত থেকে বহিষার করা হয়।
- ২০:১২৪। ইবনে কাছীর বলেন, দুনিয়ার সে শান্তি পারে না, তার মনে ছত্তি থাকরে না। গোমরাহীর কারণে তার মন সংকীর্ণ থাকরে যদিও বাহ্যিকভাবে পোশাক -আশাক, খাবার-দাবার ও বাসস্থানের দিক থেকে তাকে প্রাচর্থের অধিকারী মনে হবে। কেমনা যতক্ষণ তার হৃদয় নিশ্চিত বিশ্বাস ও সঠিক পথের উপর একনিষ্ঠ হবে না ততদিন সে অদ্বিরতা, পেরেশানী ও সন্দেহ-সংশয়ের থাকবে সুতরাং সর্বদাই সে ছিধা ছন্দে থাকবে । অর্থাৎ দুন্দিন্তা ও পেরেশানীভরা জীবন। যদিও সে অচেদ সম্পদের অধিকারী হয় (আল ওয়াসীত ফী তাফসীরিল কুরুআন, তানতাতী)।
- 23:01 অর্থাৎ নবী করিম (সা.) ও কুরআনের বিরুদ্ধে তাদের যভ্যযুক্তে সাধারণ মানুযের নিকট প্রকাশ না করে তাদেরকে বিভ্রান্তিতে ফেলার জন্য কৌশলে একটি প্রপ্ন ছুত্তে দেয়া যে, তোমরা কি তোমাদেরই মত একজন মানুষকে অনুসরণ করে যাদুর কবলে পড়বেং এ প্রপ্ন ছুত্তে দিয়ে তারা সহজেই সাধারণ মানুষকে বিদ্রান্ত করতে চার- (আল মুনতাখাব ফি তাঞ্চনীরিল কুরআনিল কারিম)।
- ২১:১০। অর্থাৎ তোমাদের কথা কুরাআনে আলোচনা হয়েছে, এটা তোমাদের জন্য সম্বানের বিষয়, এটা বুঝনা কেন। ২১:১৭। আধিরাতের তুলনায় সম্পন, সন্তান-সন্ততিসহ গোটা দুনিয়ার জীবনকে আল্লাহ খেল-তামশার বস্তু আখ্যায়িত করেছেন (দেখুন সুরা-৬: আল্লাত-৩২, সুরা-২৯: আয়াত-৬৪, সুরা-৫৭: আয়াত-২০)।
- ২১:৩৫। এখানে প্রভোক নফ্স (খ্যক্তি) বলতে মানুষকে বুঝানো হয়েছে। (আরো দেখুন সূরা-২: আয়াত-২৮১, সূরা-৩: আয়াত-২৫)। তাছাড়া পূর্বের আয়াতে
- সুনির্দিষ্টভাবে মানুষের কথা বলা হয়েছে। ২১:৭১। শাম (সিরিয়া) অথবা ফিলিস্টীন।
- ২১:৭৮। ইবনে আকাস ও কাতাদা বর্ণনা করেন যে, এক ব্যক্তির করেকটি মেয এক কৃষকের কিছু চারা গাছ দট করে, কৃষকটি ইযরত দাউদ (আ.) এর নিকট বিচার প্রার্থী হলে তিনি ক্ষতিপুরণস্বরূপ মেবছলো কৃষককে প্রদান করতে রায় দেন। তখন সুলায়মান (আ.) বললেন, আমার মতে কৃষকের নিকট মেছঙলো থাকরে এবং সে সেঙলোর দখ পান করবে। আর মেছের মাণিক ক্ষেতটিতে পানি সিঞ্চন করতে থাকবে। ক্ষেতটি পূর্ববস্তায় ফিরে আসলে সে মেষগুলো কেরত পাবে। তথন নাউদ (আ.) নিজের রায় নাকচ করে পুত্রের রায় গ্রহণ করণেন। ও গটনাটির প্রতি আয়াতটিতে ইঙ্গিত বয়েছে-(মারেফুল কুরুআন)।
- ২১:৭৯। এ ঘটনায় দাউদ (আ.)-কে ছোট করার কোন কারণ নেই। আল্লাহ বলছেন, 'তাদের প্রত্যেককে আমি প্রজ্ঞা ও জ্ঞান দিয়েছিলাম'।
- ২১:৮৩। ইবনে কাসীরের বর্ণনা থেকে জানা যায় যে, নবী হয়রত আইউব (আ.) কে আল্লাহ্ প্রথমে অগাধ সম্পদ ও পরিবার-পরিজন দান করেন। এরপর পরীক্ষাস্বরূপ আল্লাহ তাঁকে কুষ্ঠের মত দুরারোগ্য ব্যাধি দেন। দীর্ঘদিন পর আল্লাহ পুনরায় তাঁকে সুস্থতা এবং সচ্ছদতা দান করে।
- ২১:৮৭। 'যুন্-নূন' শব্দের অর্থ মাছের অধিকারী বা মাছওয়ালা। এখানে এই শব্দ ঘারা হযরত ইউনুস (আ.) কে বুঝানো হয়েছে।
- ২১:৮৭। হ্যরত ইউনুস (আ.)-এর সম্প্রদায় হিদায়াত এহণ না করায় তিনি হতাশ ও রাগান্তিত হয়ে দেশ ত্যাগ করেন। যাওয়ার সময় তাদেরকে শতর্ক করেন বে, তিন নিনের মধ্যে আয়াব আসবে, কিছু দেশ ত্যাগের জন্য তিনি আল্লাহ্র অনুমতি গ্রহণ করেদনি। দেশ ত্যাগের সময় নৌকা থেকে তাঁকে সাগরে

- ২২:১৭। "সাবিঈন' বছবচন, সাবী এক বচন, অৰ্থ: যে নিজের ছীন পরিভাগে করে অন্য ছীন গ্রহণ করে-(করকন্টী)। এরা তৎকালে প্রচলিত সকল ছীন হতে ভামের প্রক্রমত কিছু কিছু বিষয় এহণ করে নিত। এরা নক্ষর ও কেরেশত। পরা করত। উমর (রা.) এসেরকে আরলে কিতাবের মধ্যে গণা করেছেন।
- ১১:১৬। তথ্যাক: কা'বাগহ প্রদক্ষিণ করাকে তথ্যাক বলা হয়।
- ২২;২৮। নির্দিষ্ট দিন বলতে বিলহজ্জ মালের প্রথম দশ দিন অথবা কুরবানীর দিনগুলোকে বুঝানো হয়েছে।
- ২২:৩০। মিখ্যা কথা বলার পরিণাম ঃ রাস্ল (সা.) বলেছেন, ভোমরা মিখ্যা কথা বলা থেকে দরে থাক। কেননা মিখ্যা (মানুষকে) পাপাচারের পথ দেখায় আর পাপাচার মানুষকে জাহান্রামের পথে ঠেলে দেয়ঃ ব্যক্তি যথন অনবরত মিখ্যা কথা বলতে থাকে তথন আল্লাহর নিকট তাকে মিখ্যাবাদী হিসেবে দিপিবন্ধ করা হয়-(সহীহ বুখারী ও মুসদিম)। রাসল (সা.) আরো বলেছেন, কোন ব্যক্তি মিথাবানী হওয়ার জন্য এতটুকুই যথেষ্ট যে, সে যা তনে
- কোন যাচাই বাছাই না করে তাই বলে বেডার-(সহীহ মুসলিম)। ২২:৩৯। এ আয়াতের মধ্যে সর্বপ্রথম মসলমানদের আত্মরক্ষার্থে প্রতিরোধমণক যক্ষ করার অনুমতি প্রদান করা হয়। আয়াতে অনুমতির প্রেক্ষাপট বর্ণনা
- ২২:৭৮। হবরত আবুবর (রা.) বলেন, আমি রাসুল (সা.) কে বললাম, হে আল্লাহর রাসুল। ধনীরা তো অনেক পুণ্য দিয়ে (হাশরের মাঠে) হাজির হবে। তারা নামায পড়ে, রোষা রাখে ও হজ্জ করে। রাসুল (সা.) বললেন, তোমরাও তো নামায পড়, রোযা রাখ ও হজ্জ কর। আমি বললাম, তারা সদকা (দান) করে কিন্তু আমরা সদকা করতে পারি না। রাসুল (সা.) বদদেন, তোমারও সদকা করার সুযোগ রয়েছে, রাজা হতে (পরিত্যক্ত হাত) অপসারণ করা সদক্ষ, যে পথ বুঁজে পায়না এমন কাউকে পথ দেখিতে দেয়া সদক্ষা, তোমার শক্তি দ্বারা দুর্বন্ধকে সাহায্য করাও সদক্ষা। ম্পষ্ট করে কথা বন্ধতে পারে না এমন কারো অপ্পষ্ট বভব্যকে পাই করে বৃথিয়ে দেয়াও তোমার জন্য সদকা, তোমার খ্রীর সাথে মিলিত হওয়াও সদকা। আব্যর (রা.) বলেন, আমি আরম্ভ করদাম, যে আরাহর রাস্প। আমরা তো যৌন আকাজা পরনের উদ্দেশ্যে তাদের সাথে মিলিত হই তা সন্তেও সাওয়াব পাব, রাসল (সা.) বললেন, তমি যদি তা অবৈধভাবে কর ভাহলে কি পাপী হবে নাঃ আবহর (রা.) বলেন, আমি বললাম, হাা। রাসল (সা.) বললেন, তোমপ্রা খারাপ কান্ধের জন্য পাপের হিসাব করছ কিন্তু ভাল কান্ধের জন্য ছওয়াব হিসাব করছ না:-(মসনাদে আহমাদ)।
- २७:२। প্ত অৰ্থ ধীব-প্ৰিৱ ভাবে ও মনোযোগ সহকাৰে সালাত (নামাৰ) আনায় কৰা। হবৰত আৰু চৰায়বা (বা ) থেকে বৰ্ণিত একদা বাসল (সা ) মসজিলে প্রবেশ করলেন। পরক্ষণেই এক ব্যক্তি মসন্তিলে প্রবেশ করল এবং নামাব আনার করল। অতঃপর রাসুলকে সালাম দিল, রাসুল (সা.) সালামের জবাব দিলেদ এবং বলদেদ আবার যাও এবং নামাজ পড়, কেদনা তুমি নামায পড়দি। অতঃপর দে পূর্বে যেতাবে নামাজ আনার করেছিল সেতাবেই নামাজ আদায় করল। পরে আসল এবং রাসুলতে সালাম দিল। রাসুল বলগেন, "আবার যাও নামার্ছ পড়, কেননা তুমি নামার্ছ পড়নি।" এভাবে তিন বার বললেন। তখন লোকটি বলল- যে সত্তা আপনাকে পাঠিয়েছেন তায় শপথ, আমি এর চেয়ে তাল করে পারি না। দয়া করে আয়াকে শিখিয়ে দিন। রাস্তুল (সা.) বললেন- যথন তুমি নামাযে দাঁড়াবে তখন তকৰীর বলবে, অভঃপর কুরআন থেকে তোমার জন্য যা সহজ তাই তিলাওয়াত করবে, অভঃপর কতু করবে প্রশান্তির সাথে (অর্থাৎ ধীর-স্থিরভাবে)। অভ্যপর ঠিক সোলা হরে নাঁড়াবে, অভ্যপর সিজদা করবে প্রশান্তির সাথে (ধীর-স্থিরভাবে)। অতঃপর উঠে বসবে প্রশান্তির সাথে (ধীর-দ্বিরভাবে)। এভাবেই পুরো নামায আনার করবে-(বুখারী ও মুসনিম)। অর্থাৎ তাড়াত্তা করে রুকু বা সিজদা করলে ও দুই সিজদার মাঝখানে দ্বির হয়ে না বসলে রাসুল (সা.) এর হানীস মোতাবেক নামায হয় না।
- ২৩:৩। 'লাগটন' অর্থ অসার, এখানে এর হারা অর্থহীন কথা ও কাছকে কুমানো হয়েছে।
- দাস প্রথা হগের কতনাসীদের ব্যানো হরেছে। রাসল (সা.) ভার জীবদ-শার দাস প্রথাকে সম্পূর্ণ নিবিদ্ধ করে হাননি, তবে তার হানীস ও গহীত নীতির 20:61 ফলে দাস মুক্তির যে ধারার সচনা হরেছিল তারই ধারাবাহিকভার পরবর্তীতে বিনা রক্তপাতে মুসলিম সমাজে দাস প্রথা বিলও হয়। দাসম্ভিত্ত কথা সরা নিসা নং ৪, আয়াত ৯২, সূরা আল-মায়েদা নং ৫, আয়াত ৮৭ ও সূরা মুজাদালা নং ৫৮, আয়াত ৩, সূরা বালাদ নং ৯০, ১২-১৩ নং আয়াতে উল্লেখ করা হয়েছে। সরা বাকারা নং ২, আয়াত ১৭৭, সরা তওবা নং ৯. আয়াত ৬০, সরা নর নং ২৪, ৩০ নং আয়াতে দাসমতির জন্য অর্থ বায় করাকে পথা কাম হিসেবে ঘোষণা করা হয়েছে। তদুপরি দাসমুক্তি উৎসাহিত করতে রাস্তদর বহু হাদীস রয়েছে। দাসমুক্তির বহুমুখী দাঁতির মধ্যে একটি ছিল স্তীর মতো কৃতদাসীর সাথে দৈহিক মিলনের অনুমতি। এই মিলনের ফলে কৃতদাসীর গর্ভে সম্ভান জন্ম নিলে ভাকে অন্যত্র বিক্রি করা মনিবের জন্য নিষিদ্ধ হয়ে যেতো এবং পরবর্তীতে সে দাসত থেকে মক হয়ে স্বাধীন মানমের মর্থানা লাভ করতো।
- ১৩:৯। ষধা সময়ে সমন্ত বিধান পালন করে যথাযথভাবে সালাভ আদার করে এবং সালাভের (নামানের) ব্যাপারে কোনরূপ শৈধিল্য প্রদর্শন করে না। ২৩:২১। অর্থাৎ দুখ।
- ২৩:২৭। অর্থাৎ তাদের জন্য সুপারিশ করোনাঃ
- ২৩:৩১। তারা আদ সম্প্রদায়।
- ২৩:৫৩। অর্থাৎ তাদের দ্বীনের ব্যাপারে তারা বছনল ও উপনলে বিভক্ত হয়েছে।
- ২৩:৫৩। অর্থাৎ প্রত্যেক দল বা সম্প্রদায় যে বিশ্বাস আচরণের উপর রয়েছে তা নিয়ে সম্ভুষ্ট এবং মনে করে যে তারাই সভ্যের উপরে রয়েছে এবং অন্যদের কোন ভিত্তি নেই।
- ২৩:১০০। 'বারযাথ' অর্থ প্রতিবন্ধক, পর্দা, পৃথকীকরণ। মৃত্যুর সঙ্গে দুনিরা চোখের আড়ালে চলে যায়, অন্যদিকে আখিরাতও দেখা যায় না, এটাই আল্মে
- ২০:১০১। কিয়ামতের এক পর্যায়ে (বিশেষত 'আমলনামা' পাওয়ার পূর্ব মুহুর্তে) মানুষ এত জীত-বিহরণ হয়ে পড়বে ছে, অভি আপনজনের প্রতিও তথন জক্ষেপ করবে না। তবন নিজের চিন্তা ছাড়া আর কোন চিন্তাই কারো থাকবে না। কুরআনের অন্য আয়াতে উল্লেখ করা হয়েছে যে, সে সময় অবস্থা এমন হবে যে মানুষ ভার ভাই, পিতা-মাতা, স্ত্রী ও সন্তান থেকেও পালাবে।
- ২০;১১৩। এখানে গণনাকাৰী ক্ষতে সেই ফেরেশতাদেরকে বুঝানো হয়েছে যারা মানুষের কাঞের হিসাব রাখে। এঁদের ব্যাপারে, অন্যস্থানে ক্যা হয়েছে সথানিত লেখক।

- ১৪:২২। কড় (হক্ষণ) অপৰাৰ ধনাৰ গোৱাৰে কুৰু কৰা দুলালক আৰু এয়ে সদ্ধোৰ আৰু কৰা এয়ে আৰু কৰা এয়ে লাখ কৰা আছে। নগকছ (আ, দত ছিলে, নাতে আৰু কৰা (ম), আৰ্থিক সাহায়ে কৰকোন এ ঘটনাৰ পৰা আৰু কৰা (ম) থাকে সাহায়ালন বছ কৰা লৈ আন্তান কৰিব ২৪:২৭। সালামের ৰাম্পন: হমতে আৰু কামারা (ম), হতে বৰ্থিক, জিনি বালন ত্ৰামূল (ম), আয়োছে "তোমবা মুখিন না হলা। পৰিত বাৰেক্ষণ কৰকে ১৮০
- ৪:২৭। সাদামের প্রক্ষার হরতে আরু হরাররা (এ), বাত কবিত, বির্বাব বালন রাসুদ্য (ম), বালমেন্দ্র বিশ্বেম বালি বার বাহেশতে প্রবেশ করতে পারবে না। আমি কি তোমানেরতে এমন একটি বিহত্ত বাল নি বা বা করেল তোমরা বালপেরতে ভালবানতে না বালেনের কার আমি কি তোমানেরতে এমন একটি বিহত্ত বাল নিব না বা করেলে তোমরা বালপেরতে ভালবানতে নারবের কার হলো তোমরা নিরমেনের মহে বালপিকভাবে নালামের প্রকাশ করাবে প্রতিষ্ট মূলনিম্ম।
- ২৪:৩১। একই সঙ্গে প্রায়ই উঠা-বদা করে এমন নারী, অবশ্য ভালেরকে সম্জরিকলৈ হতে হবে। ভিন্নমতে মুসলিম নারী। ২৪:৩২। "আদ আয়ামা" শব্দটি 'আইমুন'-এর বহুবচন; অর্থ যে পুরুষের গ্রী নেই অধবা যে নারীর স্বামী নেই। ভারা অবিবাহিত, বিপল্লীক অধবা বিধবা যাই হোক না
- ২৪:৩২। "আল আয়াম" শব্দা আহমূদ -এর বছবচন; অথ যে পুরুষের ব্লা নেহ অথবা যে নারার স্বামা দেহ। তারা আববাহত, বিপঞ্জাক অথবা বিশ্ববা বাহ হোক দ কেম-সিসানল আরব)
- ২৪:৩২। বিৰাহে উপযুক্ত নানী-পুক্তবেৰ বিজেৱ ব্যবস্থা করা সংগ্রিষ্ট সকলের দায়িত্ব: মহানবী (সা.) বাসেহেন, তোমানের কাহে যথন এমন কেওঁ প্রতাব দিবে যান্ত চরিত্র ও দীনদারিব বিখয়ে তোমরা সম্ভূষ্ট তখন তাকে বিজে দেয়ার ব্যবস্থা কর। যদি তা না কর তাহলে ছমিনের বুকে ব্যাপক ফিতনা ও ফ্যাসাদ
- বাৰ চাৰৱ ও দীনাপাৰে বিশ্বতে ঘোষৰা সৃষ্ট্য জনৰ ভাগে বিশ্বত দেৱাৰ বাৰহী কৰা দল কা না কৰা কাৰণে ছান্তৰ পাশিল (লখন) ও পানাপ দুনী হ'বেং পুনাৰ কিবলিন) ৪৯:০২। দানী বিশ্বতিৰ দীনাপাৰী বাধপা দেৱা: হবাৰ আন্ত হুৱাৰৱ (বা.) কালু লো, তেকে কৰ্মন কৰাৰ বে, বাংলু লো, বিল্লেছন 'কাৰ কাৰণে স্বাইলিকে বিন্ধা কৰা বেলে পালে এক কাৰণা কৰাৰ বাছৰে কাৰণে তাৰ বাদিনাৰ কাৰণে ও বাই দীনাপাৰিক কাৰণে তাৰ বুলি দীনাপানিকই আধিকিল
- নিবে-বুৰারী ও মূন্সিন)।
  ই৪:০০। সাংগ্রেপ পান্ধার মানুষ্যাক মুক্ত করাও লগা ইনলামের বৃথিত আ বীবিত মাধা এখানে একটা নীতি উদ্যোধ কৰা হয়েছে। সেটি হল,
  মাধ্যের বিনিয়মে সালকু হতে মুক্তি সাহতে বাংগারে মনিবেও সাথে সম্প্রোধার করা মুক্তার বিনার করে লো। একণ সমাধারতার ক্ষেম্নে সাংলা-পানীতার আর্থ কার্যাবিক্তা হালা সুক্তার করে কোহ হয়। সাংলা-পানিকার ইনার্যাবিক করে কোনোনার অনুসামি ক্রমে আর্থানাম করেছে।
  মাহা করারতার আরু প্রায়বাহন ক্রিয়া বিনার করিব করিব সায়বাহন করে ক্রমি করার করে করেছে নার্যাবিক সামাধার করেছে।
- থৈকে সংগৃহিত অর্থ মনিবকে গ্রদানের মাধ্যমে মুক্ত হওৱার পথ উনুক্ত করা হয়। এ গছায় অনেক লোক সাসতু থেকে মুক্তি পোমেছিল। ২৪:৩৬। অর্থাৎ মসন্তিদ।
- ২৪:৩৬। অধাং মনাজন। ২৪:৩৭। ব্যুৰসায়ীসের জন্য পুরস্কার; আৰু সাইন (রা.) বলেন, রাস্ন (সা.) বলেনে: সত্যবদী ও বিশ্বত ব্যৱসায়ী নবী-রাস্ন, সিদ্বিদ (ন্যায়পরায়ণ ব্যক্তিবর্গ) ও
- শহীদদের সাথে থাককে-(তিরমিখী)। ২৪:৪৯: রাসুদ (সা.)-এর ফরসালা তানের অনুকুলে হবে মনে হলে তারা (মুনাঞ্চিকরা) তাডাতাডি তাঁর নিকট আসে।
- ২৪:৫০। এখানে 'ভারা অবশ্যই বের হবে' বাদা জিবাদের জন্য বের হবে বুঝানো হারছে। আয়াতে মুনাফিকদের বর্ণনা দেয়া হরেছে। ভারা মুখে জিহাদে বের
- হওয়ার কথা বলে, কিছু কার্যে পরিশত করে না। ২৪:৬০। অর্থাৎ যারা বিয়ের আশা রাখেনা এমন বৃদ্ধা মহিলার পর্দার বিধান হুবতীলের ন্যায় কঠেরে নয়। সৌন্দর্য প্রদর্শন বাতীত তারা তাদের বহির্তাগ হুলে
- রাখতে পাবে। ২৫:৪। মন্তর এক গুটান নানের সাথে রাকুল (ম.)-এর মাকে মধ্যে দেখা সাক্ষাং হত। এতে কাফিররা বনাবদি করতে চক্ষ করে, তাঁকে এ দাস কুরবান দিক্ষা যোগ এ মায়তে তাদের তথাক প্রতিধাদ করা হয়েছে।
- শেষ্য সেয়া ও আগতে অসম কৰাং আত্মান করা কমেছে। ২৫:১৬। كَيْمُنْ الْمُنْفُونُ (ঝার্থীত প্রতিশ্রুতি) অর্থাৎ মানুষ ও কেরেশতাদের কর্তৃক প্রাধীত। সূরা মুমিন নং ৪০-এর ৮ নং আয়াতে ফেরেশতাদের প্রার্থনা, আর
- সূরা আদে-ইমরান নং ৩-এর ১৯৪ নং আরাতে মানুষের প্রার্থনার কথা উল্লেখ করা রয়েছে। ১৫:১৮। অর্থাৎ আয়াতর পক্ষ থেকে অবতীর্ণ কিতাব।
- ২৫:১৮। অধীৎ আল্লাহ্ৰ পক্ষ থেকে অবতাৰ কিতাৰ। ২৫:২০। কাফিরৱা অভিযোগ উত্থাপন করে যে, নবী রাস্পদের পানাহার ও ব্যবসা বাণিজ্যের কি প্রয়োজনঃ তাদের এ কথার জবাবে মহান আল্লাহ বঙ্গেন.
- পূৰ্ববৰ্তী সৰ নবীই অনুষ্ঠানিক প্ৰয়োজন বছায় বাখাকন। ন্যাৰমা-বাণিজ্ঞা ও জীবিকা উপাৰ্চন ইত্যাদি সৰবিকৃষ্ট কৰাকন। একলো নৰুৱাকেৰ পৰিপন্থী নয়। ১৫ ২০। বালদ মানকেই স্বাধানক দিকে আবোল কৰেন, একে ভাঁৱা পত্নীক্ষাৰ সক্ষমীন হন। যাবা ঈক্তন আনে ভাৱা গ্ৰন্থি পাত কৰে। যাবা প্ৰকাশন কৰে কৰে।
- ২৫:২০। রাস্প মানুষকে ঈয়াদের দিকে আহবান করেন, এতে তাঁরা পরীক্ষার সম্বুখীন হল। যারা ঈয়ান আনে তারা মুক্তি লাভ করে। যারা প্রক্তাখ্যান করে তা রাস্পকে উৎপীদ্ধন করে। তখন রাস্ত্রের হৈছের পরীক্ষা হয়।
- ২৫:২৯। মানুষ অথবা জ্বীন যাকে সে বন্ধুব্রণে গ্রহণ করেছিল এবং সে তাকে পথক্রট করেছে।
- ২৫:৩০ ) (جو) (جر) انصاب إلى (পূণবোদারা)। ভাদের এটি প্রেরিত করীতে তরে এক কূপে আটকে রেবিছিন। তাই ভারা কূপবলাল নামে অভিহিত হয়েছে। উত্তর আবনের ইয়ামানার 'রাগ' নামক একটি এলাকা হিল, ছামূদ জাতির কেন এক গোত্ত এলামে বাদ করত, বর্তমাশে এটা বয়ালীতর-হুম এলামারম একটি পরী।
- ২৫:৩৯। অৰ্থাৎ প্ৰতিটি ধ্বংসপ্ৰাপ্ত জাতিকে তাৱ পূৰ্বকটী ধ্বংসপ্ৰাপ্ত জাতিৰ খ্বংস হত্যাৰ ঘটনা, কাৰণ ও পুঁচান্ত বৰ্ণনা কৰেছি। এভাবেই প্ৰত্যেক জাতিকে সতৰ্ব কাৰ্বান্ত কিন্দু যো সংক্ষে তাৰা সক্ৰত কৰি। সংল আন্ময়কে পৰ্বকৰ্তীন্দৰ নাম খ্বংস কৰেছি।

- ২৫:৪০। হ্যরত লুত (আ.)-এর সপ্রদায়ের বাসস্থান। মন্তাবাসীরা ফিলিস্কীন ও সিরিয়ায় ব্যবসা উপলক্ষে এ স্থান দিয়ে গমন করত।
- ২৫:৫০। অর্থাৎ কেবল অধীকার করল না কুফরীকে, তারা কেবল কুফরীই করল।
- ২৫:৫১। পথিবীর সকল অঞ্চলে নবী রাসুল পাঠানো হয়নি। তবে প্রত্যেক উচ্চতের কাছে নবী অথবা রাসুল পাঠানো হয়েছে (দেখুন সুরা-৩৫, আয়াত-২৪)। এক নবী থেকে আবেক নবীব আগমন পর্যন্ত মানবগোষ্ঠী একেকটি উল্লক।
- ২৫:৫২। করুপানের মাধ্যমে জিহাদ: উল্লেখ্য, গুরা ফুরকান হিজরতের পূর্বে মঞ্জার অবতীর্ণ হয়, তথন কাফিরদের আক্রমণ ও নির্যাতনের মূথে ধৈর্য ধারণ করার নির্দেশ ছিল। যুছের অনুমতি ছিল মা। কিছু কুরআনের প্রচারের মাধ্যমে জিহাদ করার নির্দেশ ছিল। রাসুল (সা.) এ নির্দেশ মান্য করেছিলেন। এ আয়াতে সুস্পষ্টভাবে 'কুরআন হারা' জিহাদ করাকে বড় জিহাদ বলা হয়েছে।
- ২৫:৫৫। অর্থাৎ কাঞ্চির আল্লাহর বিরুদ্ধে অবস্থানকারী এমন সকলের সাহায্যকারী।
- ১৫%) অৰ্থাৎ সৰ্য।
- ২৫/১৫। বিনয় অবলম্বনের প্রস্তার ৫ বাসল (সা ) বলেচেন যে বাডিউ আলাচকে সম্ভন্তি করার উদ্দেশ্যে বিনয় অবলম্বন করে আলাচ তার মর্যাদা রাচিত্রে নেন-(সহীত মসলিম)। তিনি আবো বলেন আলাত ভাষালা নিছে বিনয় অবলয়নকারী। তিনি বিনয়কে পছন্দ করেন। তিনি বিনয় অবলয়নকারীকে এত (दशी मान करदन या (कान (लाक(क मान करदन मा-(अडीड प्रमुखिप)))
- ২৫:৬৭৷ অন্ত করার সময় পানির অপচয়; ইবন আববাস (রা.) থেকে বর্ণিত যে, নবী কারীম (সা.) একদা হযরত সা'দ (রা.)-কে অন্ত করার সময় অতিরিক্ত পানি ব্যবহার করতে দেখে বললেন, হে সা'দ, এ অপচর কেন্দ্র তখন তিনি বললেন, অন্ততেও কি অপচয় আছের রাজন (সা.) বললেন, হাঁয়, যদিও তমি একটি প্রবাহমান নদীতে থাক।
- ২৬:১৯। বনী ইসরাইল সম্প্রদারের জনৈক ব্যক্তির সাথে একজন কিবতী গোকের বিবাদের সময় কিবতী গোকটিকে মসা (আ.) ঘৃথি মেরেছিলেন। ঘটনাক্রমে লোকটির মতা হয়েছিল।
- ২৬:১৭৬। 'আসহাবুল আইকা' এর অর্থ গহীন অরণ্ডের অধিবাসী; ত'আইব (আ.)-এর সপ্রাদায় এই অঞ্চলে বাস করতেন বলে ناريكا المعالي الإيكام الأولاد আ )-এর সম্পদারকে বঝানো হয়েছে। আইকা: মাদিয়ানের পার্শ্ববর্তী এলাকা। ত'আয়ের (আ.) এই নই এলাকার জনাই নবী ছিলেন- (কাশশাঞ্চ
- ১৬:১৯৪। মহাত্মাদ (সা.) এর অন্তরে করআন ওহী করেছেন।
- ১৯:১৯৮। অনারব ব্যক্তিকে 'আন্তর্মী' বলা হয়। তা ছাতা যে স্পষ্ট ভাষায় ভাব প্রকাশ করতে পারে না সে আরবী ভাষা-ভাষী হলেও ভাকে আন্তর্মী বলা হয়।
- ১৬-১১৭। অর্থাৎ সেসর কবিরা নয় যারা ঈমান এনেছে সংকাজ করেছে ও আল্লায়কে বেশি বেশি জ্ববণ করেছে। কবিতা চর্চা তাদেরকে আল্লাহর আনগতা থেকে গাফিল করেনি এবং যারা কাফিরদের বাতিল কবিতার জবাব দিয়ে এবং সত্যের পক্ষ অবদন্ধন করে কাফির শক্রদের বনলা নিয়েছে। ইবনে কাছির (র.)
  - বলেন, "বিপথগামীরাই কবিদের অনসরণ করে" ওা আহ্রাত হখন নামিল হল তখন হাসসান বিন সাবিত, আবদস্থাহ বিন হাওয়াহা ও কা'ব বিন মানিক প্রমুখ কবি সাহাবিরা কাঁদতে কাঁদতে রাসূল (সা.)-এন কাছে উপস্থিত হয়ে বললেন, আল্লাহ্ তো জানেন আমরা কবি (আমাদের কি হবেং)। তখন রাসল (সা.) তাদেরকে তেলাওয়াত করে তলালেন- যারা ঈমান এনেছে ও সংকাল করেছে তারা নর: আর তোমরাই সেসব লোক। যারা আল্লাহকে বেশি বেশি খরণ করে তারা নয়; আর তোমরাই দেসব লোক। যারা মজলুম হওয়ার পর বদলা নিয়েছে তারা নয়; আর তোমরাই দেসব লোক (আল ওয়াসীত ধী তাফসীরিল কুরআন, তানতাডী)।
- ২৭:৭। মসা (আ.)-এর নিকট আঙন মনে হলেও এটা ছিল আল্লাহর নরের তাজারী।
- ২৭:২০। ছদতদ একটি পাথির নাম- (গিসান্দ আরাব)।
- ১৭:১১। ইয়ামান, হানারামাওত ও আসীর এদাকা নিয়ে 'সাবা' সামাজ্য প্রতিষ্ঠিত ছিল। আবদন শামস সাবা এর প্রতিষ্ঠাতা হিলেন।
- ১৭:১৩। সাবা সামাজ্যের তৎকাদীন রাণী বিলকীস। ১৭'৪৪। প্রাসাদের মেঝে থবট ক্লম্ম ছিল। দেখতে পানি বলে ভ্রম হত। ভাট রাণী (বিলকীস) কাণ্ড ভটিয়ে নিয়েছিলেন।
- ১৭'৪৮। ছায়দ সম্পদায়ের শতরের নয় জন দম্ভতিরারী লোক। তারা ভিল ছায়দ সম্পদায়ের দেকস্থানীয় গোক। ছাদের প্রায়র্শক্রমে আথাচর নিদর্শন উন্নীকে হজা কৰা হয়েছিল। ভাৰা উন্নীকে হজা কৰাৰ পৰ হখন দেখল শান্তি আসদ না তখন ভাবা আৰো উদ্ধৃত হয়ে সালিহ (আ.) ও তাঁও পৰিবাৰকে হজা কবাব গোপন মন্তব্যম লিপ্ত হয়। আলাহার উচ্চায় তাদের এই যভয়ন্ত বিষ্ণুল হয় এবং তাঁরা সালিহ (আ.) ও তার পরিবারকৈ হত্যার পর্বে নিজেরাই ধ্বংস হয়ে যায়।
- ২৭:৯১। অর্থাৎ মক্কা নগরী। আপ্লাহ মকাকে পবিত্র নগরীর মর্যাদা নিরেছেন। তাই রক্তপাত করা, শিকার করা, যুলুম করা, বৃক্ত কর্তন করা ইত্যাদি এধানে নিষিদ্ধ। যে এখানে প্রবেশ করে সে নিরাপদ।
- ২৮:৫। '(ক্ষমতার) উত্তরাধিকারী করতে' অনুবাদটুকু- আত্ তাহরীর ওয়াত তানতীর, ইবনে আতর থেকে বাচাই করা হয়েছে।
- ১৮-১৬। কর্মে নিয়োগের ক্ষেত্রে শক্তি ও বিশ্বজন্তা এ দ'টি বিশেষ গুণের কথা উল্লেখ করা হয়েছে।
- ২৮:২৯। যিসরের উদ্দেশ্যে। ২৮:২৯। মুসা (আ.)-এর কাছে আগুন মনে হলেও তা ছিল মূলত আল্লাহর নুরের ডাফাল্লী।
- ২৮:৪৮। ইহলীরা করাইশদেরকে শিবিয়ে দিল, 'তোমরা মুহাক্ষদ (সা.) কে ধল মুসাকে যেমন মোজেলা দেরা হয়েছিল (লাঠি সাপ হওয়া, জামার গলার ভেতর হাত রাবলে তন্ত্র উজ্জল আলোর বিজ্ঞরণ ইত্যাদি) সেরূপ মোজেজা তুমি নিয়ে আস। এ আয়াতে উক্ত প্রনের জবাব দিয়ে বলা হয়েছে ভারাতো তখনও মুসার মোজেজাকে অবিশ্বাস করেছিল। সূর্তরাং মুহাত্মদ (সা.) কে মুসা (আ.) এর মত মোজেজা নিয়ে আসতে বলা অবান্তর।
- ২৮:৪৯। অর্থাৎ তাওরাত ও কুরআন হতে।

- ২৮:৫৫। সাগাম (বিদার)- আত্ তাহরীর ওয়াত তানতীর, ইবনে আছর থেকে অনুবাদটি যাচাই করা হয়েছে।
- ২৮:৭১। অর্থাৎ দিনের আলো।
- ২৮:৭৬। কারন ছিল মুদা (আ.) এর চাচাতো ভাই ও ফেরাউনের অন্যতম পরিষদ সদস্য। কার্পণ্যের জন্য সে বিখ্যাত ছিল।
- ১৯:৪৬। স্বৰ্গৎ সৌজনোৰ সাথে ও যক্তি দিয়ে বিকৰ্ম কৰাৰ। কিন্তু যক্তি দিয়ে বিভৰ্ত কৰাৰ ক্ষেত্ৰে সৌজনোৰ সীয়া লক্ষ্যন বাবে ভাবা যদি লোয়ানের প্ৰতি ঝুলুম করে সেক্ষেত্রে তাদের জুলুম প্রতিরোধে ন্যায় সঙ্গত পদ্ম অবলয়ন তোমরা করতে পারবে।
- ২৯:৪৬। তোমাদের ইলাহ, আমাদের ইলাহ ও দনিয়ার সকল মানুহের ইলাহ এক ও অন্বিতীয় এবং তাঁর কোন শরীক নেই।
- বানা আবাহর পথে চলতে চাইলে আবাহ সাহায়। করেন: আনাস ইবনে মালিক (বা) নবী (সা ) থেকে বর্ণনা করেচন, আনাহ করেন, রাজা হারম এক বিষত পরিমাণ আমার দিকে এগিয়ে আনে তখন আমি তার দিকে এক হাত পরিমাণ এগিয়ে যাই। সে যথন আমার দিকে এক হাত পরিমাণ এপিরে আসে আমি তার নিকে সম্পূর্ণ হাত সম্পূসারিত করে এপিরে যাই এবং সে যথম আমার দিকে হোঁটে আসে আমি তথন তার দিকে সৌতে ষাই-(সহীত বখাবী)।
- রোমান ও পারস্য সাদ্রাজ্য তৎকালীন পৃথিবীর দু'টি পরাশক্তি হিসেবে স্বীকৃত ছিল। রোমানরা ছিল খৃষ্টান আর পারসিকরা ছিল অগ্নি উপাসক বা 90:31 মশরিক। এই দুই পরাশক্তির মধ্যে বিভিন্ন সময় যক্ত বিশ্বর হত। অগি উপাসক পারসিকাসর বিভায়ে মঞ্জার পৌরলিক মশরিকরা উৎফল হত। পক্ষারেরে রোমানরা আহলে কিতাব হওয়ার কারণে তাদের বিজয়ে মসলমানরা আন্ধিত হত। আকরের পার্ক্তর্তী এলাকার পার্বসিকদের হাতে রোমানদের পরাজয়কে কেন্দ্র করে মন্ত্রার মশরিকরা মুলনমানদের প্রতি বিদ্ধাপাত্রক মন্তব্য ইচ্চতে থাকে। তখন এ সূর্যাটি অবতীর্গ হয় এবং এর শুরুতে অল্প কয়েক বছরের বাবধানে পারসিকসের উপর রোমানদের বিজ্ঞরে আগাম সংবাদ দেয়া হব, পবিত্র করজানের সংবাদ ঘধা সম্রাহ সক্ষে পবিগত সংযদিক এবং পারসিকরা রোমানদের হাতে শোচনীয় পরাজয় বরণ করে নিয়েছিল। পবিত্র কুরুআনের বাণী সত্যে পরিণত হওয়ায় মুসলমানরা আননিত হয়েছিল। পরবর্তীতে মুদলমানদের হাতে রোমান সাদ্রাজ্য (কলটানটিনোপদ) বিজয়ের মধ্য নিয়ে মুদলমানদের আমন চডান্তরূপ লাভ করেছিল। উল্লেখ্য 'রোম বলতে গুটান শাসিত তৎকালীন রোমান সম্রোজ্য বুঝানো হয়েছে যার রাজধানী ছিল কলটানটিনোপণ। বর্তমান ওরছের ইস্তার্জাই এক কালের রোমান সামাজ্যের রাজধানী কলটানটিলোপল নামে খ্যাত ছিল। মহানবী (সা.) রোমান সামাজ্যের পতন ও কলটানটিলোপল বিজয়ের ভবিষাত বাণী করছিলেন। এ ভবিষ্যতবাণী সত্যে পরিণত হয় কলটানটিনোপল বিজরের মাধ্যমে। বিজয়ী মুসলমান সেনা নারক এখানকার মাটিতে অবতরণ করে অস্তাহের তকরিয়া আদার করে প্রথমে আল্লাহর যমীনে সিভাদার অবনত হন এবং কল্টানটিনোপল এর নাম পরিবর্তন করে নভুন নাম রাখেম উসলাম বুল' বার অর্থ দারুল ইসলাম বা ইসলামের দেশ। এ 'ইসলাম বল'-ই পরবর্তীতে ইব্রাছল নামে প্রসিদ্ধি লাভ করে।
- 90:81 অর্থাৎ তিন হতে নয় বৎসর। এ আয়াতে তবিষয়াণী করা হয় যে, অনধিক নয় বৎসরের মধ্যে রোমকরা পারসিকদের উপর হারী হবে। ৬২৩-২৪ পুটান্দে এ ভবিষ্যবাণী সত্যে পরিণত হয়। আর সে বছরই বদর বুদ্ধে মুসলিমগণ মন্কার মুপরিকদেরকে পরাক্ষিত করে।
- ৩০:১৪। মু'মিনদের পৃথক দল ও কাকিরদের পথক দল।
- ৩০:২৮। দাস-দাসী মনিবের ধন-সম্পাদের অধিকারী হয় না, মনিব তাদেরকে ভয়ও করে না, দেরপ মহান আল্লাহর সঙ্গে তাঁর কোন সৃষ্টির কোন ব্যাপারে শরীকানা হয় না, হতে পারে না।
- ফিত্রাত অর্থ প্রকৃতি। আল্লাহ তামালা মানুষকে যে সহফাত প্রকৃতি দিরে দৃটি করেছেন তাই 'ফিতরাকুল্লাহ'। আর এ ফিতরাকুল্লাহই ইস্লাম। 00:001 হাদীসে বলা হয়েছে প্ৰত্যেক মানব শিত এই সহজাত স্বতাৰ (ইসলাম) নিয়ে জনুপ্ৰহণ করে
- ৩০:৩০। মানুষের স্বভাব ধর্ম ইসলাম অনুসরণ করতে বলা হয়েছে। হয়রত আরু হরাররা (রা.) থেকে বর্ণিত তিনি থলেছেন, রামলুরাহ (সা.) বলেছেন: "প্রত্যেক নবলাতক তার কলবের উপরেই জন্মাহণ করে। পরে তার গিতা-মাতা তাকে ইহুদী অথবা প্রিটান কিবো মুশরিক বানায়। " একজন জিজাসা করল-হে রাসুল, এর পূর্বেই যদি সে মারা যায় তা হলে কী হবেঃ রাসুল কললেন: "তাদের সম্পর্কে আল্লাহই সবচেয়ে ভাল জানেন"-(মসলিম)
- ৩০:৩৯। "সুদের ভিত্তিতে" এই অনুবাটুকু- ভ. মোহর আলী ও সহীত্ ইক্টারন্যাশনাল থেকে যাচাই করা হয়েছে।
- ৩০:৩৯। অর্থাৎ যাকাত-সাদাকা প্রদানকারীরা। ৩০:৪৬। এ স্থলে 'দরা' ছারা বৃষ্টি বুঝানো হয়েছে- (কাশুশাফ, আলালাইন)।
- নাদর ইবন হারিছ নমে মঞ্জার নেতৃস্থানীয় এক ব্যক্তি পার্শ্ববর্তী দেশসমূহ, বিশেষত পারস্য হতে গল্পের বই সংগ্রহ করে আনত এবং কুরআন প্রবণ 02:301 হতে বিরও রাখার উদ্দেশ্যে আসর জমিত্রে লোকদেরকে সে সকল গল্প কনাত। সে আসরে আমোদ-ফর্তির আরও সামগ্রী রাখা হত। তার সম্বন্ধ আয়াতটি নাবিল হয়।
- ৩১:১২। 'লুকমান' একজন অতি বিজ্ঞ ও ধর্মজীক্ষ ব্যক্তি ছিলেন। তাঁর পরিচয় সম্বন্ধ করেকটি বর্ণনা আছে।
- পিতা-মাতাকে সন্মান করা: আসমা বিনতে আবু বকর (রা.) থেকে বর্ণিত। তিনি বলেন, নবী (সা.) এর জীবদশার আমার মুশরিক মা আমার ক্ষান্তে আদেন, তখন আমি নবী (সা.) তে জিজেন করদাম, আমার মুশরিক মা আমার কাছে এসেছেন। আমি কি তাঁর বিধমত করবঃ "তিনি বললেন, ইয়া, করতে পার।"-(সহীহ বখারী)।
- ৩১:১৮। অর্থাৎ পথে চলার সময় বিনর অবলন্ধন করে। অন্যত্র আল্লাহ বলেছেন, 'রহমান এর বান্দা তারাই যারা পৃথিবীতে বিগরী হয়ে চলে' সুরা নং-২৫. আয়াত নং-৬৩।
- অহংকারীকে আল্লাহ্ পছন্দ করেন না: হংরত আতুল্লাহ্ বিন মাসটন (রা.) হতে বর্ণিত, রাসূল (সা.) বলেছেন, যার অন্তরে বিন্দু পরিমাণ অহংকার রয়েছে সে বেহেশতে প্রবেশ করতে পারবে না। জনৈক বাজি বললেন, (হে আল্লাহর রাসূল (সা.)!) প্রত্যেক ব্যক্তিই পছন করে যে, তার পোশার ও জুতা সুন্দর হোক। রাসুল (সা.) বলদেন, নিভয় আল্লাহ সর্বাধিক সুন্দর এবং তিনি সৌন্দর্বকে গছন করেন। এহংকার হলো, সত্য বলার ক্ষেত্রে অহমিকা পোষণ করা এবং মানুষকে অবজা করা-(সহীহ মুসলিম)।

- ১৯২৯) পৰিত্ৰ কুল্লাম্য কৰ্মনা পানী বিজ্ঞাৰ ভাষতাৰা ক্ৰিয়াৰ বিজ্ঞান কৰিবলৈ কৰা কৰিবলৈ বৰ্ণনাম কৰিবলৈ সূত্ৰ কৰাই লাং ১৯ আছাই।
  ১৯৮, বুল লাখা বিজ্ঞান কৰিবলৈ কৰিব
- ৩৩:৪। স্লাহিনী রূপে পোষাপুত্রকে আগন পুত্রক নাম গণ্য করা হত। আরাতে কণা হতেছে যে, পোষাপুত্র আগন পুত্র নয়। শরীয়তে পিতা-পুত্রের যে সম্পর্ক নির্বাধিত হয়েছে, তা পোষাপুত্রক ক্ষেত্রে প্রযোজ্য হতে পারে না।
- ৩০৩০) হুগজিগণ প্রথমিতে উচিক আগন্তা কাইকে উজালিকার হিসেবে আনে বেগে বাঙাৰা সম্পাদ অধ্য গেছক আন্ত্রীয়াতার বন্ধ গানুক বা না অনুকল (জি বুটি বাই আন আনহানেও আন্ত্রীজার কিলান এবং কালা প্রকাৰিত আন কুবানা কর্তনাবিকালে মাধ্য সাম্পাদ পর্বাচন বিবাহিত বিধান অকটাৰি বুঙালা পূর্বকটা বাবহা বহিত হার যাত। কাল মুখানিকার উজালিকার বঙাগার পরিবার্ত আনহারদের আন্ত্রীকার্য তানের উজ্জালিকে বাবদ গায় হন।
- ৩০:৯। স্বাপনেক সুদ্ধ মদীনা স্বাপন জন্য থক্ষ (পরিগা) থকন করা হয়েছিল। গুহি এ যুক্তে খব্দকের যুক্ত বলা হয়। আটাকে আহ্যাব-এর যুক্ত বলা হয়। আহ্মাব-এর অর্থ লাসমূহ একং এর মন্তর্থক পদ হিসেবে এখানে বাহিনীসমূহ থকা হয়েছে। পুরুষ্টিশ, ইছলী এবং আরও কতি দার পোরের এক সামিনিত বাহিনী গুৰুত মদিনা আহ্রমণ অরজ্জীন। এ সভা ১ ৮০, কংগ্রাকসমতে মানুক্ত বিশ্ব বিশ্বন সামা হয়েছে।
- অধ্যৰণ এৰ বাংলাৰ কৰিব। কৰিব কৰিব কৰিব। বাংলাৰ কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব। বাংলাৰ কৰিব কৰিব। কৰিব কৰিব। বাংলাৰ কৰিব কৰ বাংলাৰ কৰিব কৰিব। বাংলাৰ কৰিব কৰিব। বাংলাৰ কৰিব। কৰিব। বাংলাৰ কৰিব। বাংলাৰ কৰিব। বাংলাৰ কৰিব। বাংলাৰ কৰিব। বাংলাৰ কৰিব। ৩০:১০। স্বৰুষ বাংলাৰ বাংলাৰ কৰিব। বাংলাৰ কৰিব
- ७७:२०। ও নিরাপত্তা প্রতিষ্ঠার লক্ষ্যে মদীনা ও তার আশেপাশের সকল গোরের সাথে ঐতিহাসিক মদীনা সনদ' নামে একটি চুক্তি সম্পাদন করেন। এ স্থি চুক্তিতে মদীনার ইত্দীরাও ছিল। কিন্তু ইত্দী গোত্রগুলো হিংসাবশতঃ ক্রমান্ত্রে চুক্তি ভঙ্গ করতে থাকে। ইসলামকে দুনিয়ার বুক থেকে নিশ্চিক করার জন্য মন্ত্রার করাইশদেরকে বিভিন্নভাবে সহযোগিতা করতে থাকে। রাসুল (সা.)-কে হত্যারও যড়যন্ত্র করে। সর্বপ্রথম চুঙি ভঙ্গ করে বনু কাইনুকা। রাস্ত্র (সা.) তাদেরকে মদীনা থেকে নির্বাসিত করেন। এরপর চুক্তি তঙ্গ করে বনু নহীর। রাস্ত্র (সা.) তাদেরকেও মদীনা থেকে বিভারিত করেন। তারা সিরিরার আশপাশে খায়বরে গিয়ে বসবাস করতে থাকে। তারা আরবের বিভিন্ন গোরের সাথে যোগাযোগ করে মুসলমানদেরকে নিকিন্ধ করার জন্য ঐত্যবদ্ধ করে। সুতরাং মঞ্চার কুরাইশ গোত্র, মদীনা থেকে বিতারিত ইন্দী গোত্র এবং আরবের বিভিন্ন গোত্র একপ্রিত হয়ে মদীনা আক্রমণ করতে প্রস্তুত হয়, এ সন্মিলিত বাহিনীকে উল্লেখ করতে গিয়েই আহ্যাব অর্থাৎ দলসমূহ শব্দটি এসেছে। এত বড় বিশাল বছুজাতিক বাহিনীর মোকাবেলায় মুসলিমগণ মলীমাকে রক্ষা করার জন্য বন্ধক বা পরিবা খনন করেন। এ জন্যই এ যুদ্ধকে শব্দকের যুদ্ধ বা আহ্বাবের যুদ্ধ বলা হয় এবং সূরার নামকরণ করা হয় সূরা আহ্যাব। উল্লেখ্য, অবশেষে বনু কুরাইজাও আহ্যাব যন্ত্র চলাকালিন অবস্থায় চক্তি ভঙ্গ করে মসলমানদের বিঞ্জে অবস্থান নিয়েছিল (আয়াত নং ২৬, সরা আহ্যাব)। পরবর্তীতে তাই খবক যন্ধ শেষে বন করাইজা যন্ধ সংঘটিত হয়। ওঠ হিজরীতে হুদাইবিয়ার সন্ধি চুক্তির মাধ্যমে আরবের সবচেয়ে শক্তিশালী গোত্র কুরাইশদের থেকে রাসুল (সা.) সাময়িক অবকাশ পেয়ে গেলেন। চুক্তি তঙ্গের কারণে বনু কাইনুকা ও বনু নবীরকে কেবল মদীনা থেকে বহিছারের মত নরম শান্তির স্যোগে তারা আরবের অন্যান্য গোত্রসেরকে একত্রিত করে মদীনা আক্রমণ করে বসেছিল যা বছকের যুদ্ধ বা আহ্যাবের ষুদ্ধে পরিণত হয়েছিল। তাই তাদেরকে আর বার বার সুযোগ দেয়া যায় না। আল্লাহ্পাক হুদাইবিয়ার সন্ধির পরই হুদাইবিয়া থেকে মদীনায় প্রত্যাবর্তনকালেই সুরা আল ফাডহ, নং ৪৮ অবতীর্ণ করে ১৮ ও ১৯নং আয়াতে বায়বর বিজয়ে-এর সুসংবাদ দিয়ে দিলেন।
- 00-201 स्वरुप प्राव्ध अप प्रमुक्ति वारियेत लियाल-पिकार प्रमाण विचार विचार प्राव्ध प्राप्त (त्राम्य प्रमुक्त प्रित्त प्राप्त प्रमुक्त प्राप्त अप प्रमुक्त प्रमुक्त

- ৩৩:২৬। বনু কুরায়জা পোত্র যারা মনীনার অধিবাসী ও ইহুনী ছিল, তারা এ যুক্তে মঞ্চার কুরায়েশদেরকে সাহায্য করেছিল।
- ৩৩:২৮। খারবারের ফুক্রে পর রাসূল (সা.)-এর শ্রীগণ তাদের ভরণ-পোবণের জন্য কিছু অধিক অর্থ বরান্দের অনুরোধ করেন। এতে রাসূল (সা.) অসন্তুষ্টি প্রকাশ করেন ও এক মানকাল তাদের থেকে আলাদা বাস করেন। এ আয়াভাঙগোতে সে ঘটনার প্রতি ইংগিত করা হয়েছে।
- ৩৩:৩৪। এখানে আয়াতসমূহ ও হিকমত আলাদা কোন বিষয় নয়। বরং যাহাই আয়াত তাহাই হিকমত, অর্থাৎ কুরআন।
- ৩৩:৩৭। যারনাব বিনত জাহশ (জা.) রাসূল (সা.) এর ফুজাত বোন ছিলেন। রাসূল (সা.)-এর পোষা পুত্র যারোদ (রা.)-এর সাথে জিনি তাকে বিবাহ নিয়েছিলেন। তাদের বনিবনা শা হওয়ার বিবাহে সুখী হতে পান্তেননি, ফলে তানের বিবাহ বিচ্ছেদ ঘটে।
- ৩৩.৫০। যে সম্পদ যুদ্ধ ব্যতীত হন্তগত হত উহাই ক্রাড (ফাই) যা বাইছুল মালে (সাধারণ কোষাগারে) জমা করা হত। রাসুদ (সা.) জীবিত থাকাকালীন এ সম্পদ তবি তল্লাবধানে থাকত।
- শাশ তার তছ্টাবধান খাবত। ৩৩:১৯৷ বিভিন্ন প্রবারের অপবাদ দিয়ে তারা হযরত মূসা (আ.) কে কট দিয়েছিল। আল্লাহ বিভিন্ন খটনার মাধ্যমে দেসৰ অপবাদ থেকে মূসা (আ.) কে মুক্ত থাবার বিষয়েট প্রমাধিক করেছেন।
- ৩৪:৩। সায়াত পরিকার বলছে যে, অণু অপেক্ষাও ক্ষুদ্র জিনিস আছে। অণু অপেকা ক্ষুদ্র জিনিসের অন্তিত্ব আধুনিক বিজ্ঞানের সাম্মতিক আবিকার।
- ৩৪:১৪। হৰকাত সুনায়মনে (আ:) দাঠিতে জৰ পিয়ে ৰায়প্ৰদ-মাকনানের নির্মাণকর্মে বদায়কি কর্মাইলোন, সে অবস্থামই তাঁর মুদ্ধ্য হয়। ৰায়স্থ্যন নাকনান নির্মাণকার্ম সমান্ত্র না হতাৰ জানিত অবস্থায় তিনি বেভাবে ছিলেন নেভাবেই তাঁর মৃতদেশ্বটি ছিব থাতে। নির্মাণকার্য হবন শেষ হয় তখন লাঠিটি তেখে পড়ে এবং জিনিত প্রাতিক পড়ে যান
- ৩৪:১৬। সাবাবাসীরা একটি বৃহৎ বাঁথ নির্মাণ করে পানি সেচের ব্যবস্থা করেছিল; ফলে সারা সেশে প্রচুর ফসল উৎপন্ন হ'ত। এক সময়ে এ বাঁধ ভেঙ্গে ঘর-বাঞ্জী, ক্ষেত্ত-বামার পানিতে তেসে বায়।
- ৩৪:১৮। সাবাবানীরা শাম (প্রাচীন সিরিয়া) দেশের সঙ্গে ব্যবসা করত। এ মুই দেশের মধ্যে বহু ভানপদ ছিল তাদের বাণিজ্য কাফেলা নির্বিদ্ধে এ দকল এলাকায় যাতায়াত করত।
- ৩৫:৩। এখানে আল্লাহ ব্যতীত অন্যের প্রদক্ষ হওয়ায় যিনি তরজমা না করে যে করা হয়েছে
- উপর ঈমান আনতে বলেন। তখন জনপদের লোকেরা তাকে হত্যা করে। পরবর্তী আল্লাতসমূহে এ ঘটনার বিস্তারিত বর্থনা রয়েছে। ৩৬:২৬। আল্লাহ্বন নবীলেরকে সমর্থন করার কারণে আনতাবিয়া অধিবাসীরা হাবীবে নাজনা নামক উক্ত মু'মিন ব্যক্তিকে হত্যা করে।
- ৩৬:৩৮। কুলআন বলহে, সূর্ব একটা নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত অবাহত থাকরে, এর জনা অর্থ হল, একদিন তার অবসান চাঁতে। এ মর্যে আল্লাহ বলেদ, ফর্বন সূর্বকৈ জটিয়ে কোয় হবে (সুলা অনুসর্বীন মণ্ড ১, আলাত ১) এবং কুজ্ঞানের জন্ম জাগোধনাতে জন্মাহ বলেদ, সূর্ব, তন্ত্র একেট নির্দিষ্ট সময়ক জন্ম চলাকে (মেনে, সুলা রাদ ২, ১৬, আলাত ২, সুলাকি বং ১, বন্ধান্ত ১৬)।

- ৩৬:৩৯। মনবিল (مناول) শব্দের বহুবচন মানাবিল (مناول)। আরবী (চন্দ্র) মাস ২৮টি মনবিলে বিভক্ত। আরবি চাম্রমাসের এই মনবিলকে বাংলার তিথি বলা হয়।
- ৩৭:৩। বিকির অর্থ কুরুআন (দেখুন সূরা আল হিন্তর নং ১৫, আয়াত ৬,৯, আল কালাম নং ৬৮, আয়াত ৫১)। অথবা এর অর্থ আয়াহর পবিশ্রতা ও মহিমা
- খোষণা করা। ৩৭:৪৯। এলুং (৪ম), আরবরা সযত্নে পালিত সুন্ধী নারীর উদ্ধৃল গৌরকান্তিকে উট পাণীর ভানার নীচে সযত্নে রক্তিত ভিমের সঙ্গে ভূদনা করত। কুরকুরী।
- ত৭:৬৫। শ্বান অন্তান কুবনিত, তাই জাহান্নাবের এ বৃক্টিকে শ্বাতানের মন্তবের সাথে তুলনা করা হয়েছে। অতি কদাকার সাপকেও আরবীতে শ্বাতান বলা হয়।
- ৩৭:১০৭। সেটি ছিল একটি দুশা যা বেহেশৃত হতে পাঠিয়ে দেয়া হয়েছিল।
- ৩৭:১২৫। بعل একটি দেবমূর্তি, শাম (সিরিয়া)-এর বাক (بلع) নামক স্থানে এর পূজা হত।
- ৩৭:১৩০। ব্যরত ইলইয়াসীন (আ.) এর আর একটি নাম ইলইয়াস। অন্যমতে ইলইয়াস-এর বহু বচন ইলইয়াসীন অর্থ ইলইয়াস (আ.) ও তাঁর অনুসারিগণ।
- ৩৭:১৪০। হংবাত ইউনুস (আ:) তাঁর উম্মন্তকে দাওছাত এখে না করার কারণে আল্লাহন শান্তির তর দেখালোন। কিছু তাতেও তারা হেলায়াত এখে কলে না। তেও তিনি মর্যাহত হন, করো মতে প্রতিশক্ত আদার আসতে বিশ্বষ হওয়ায় বিস্কৃতী ক্ষুদ্ধ হন এখং কাতকে কিছু না বলে দেশত্যাগ কৰেন। গলায়ন প্রথম খা মুঠি তার কিছু বৰ্ষণা আন্যানতলালে কোনো
- ৩৭:১৫৪। তোমরা নিজেদের জন্য পুত্র সন্তানকে পছন্দ কর আর আমার জন্য তথু কন্যা সন্তান, তোমাদের ইনসাফটা কেমন।
- ৩৭:১৫৮। তারা স্থীন ও আল্লাহ্র মধ্যে বৈবাহিক সম্পর্কের উদ্ধট ধারণা পোষণ করত।
- ৩৮:২০। আইবা (الإركاد) এর শার্ষিক অর্থ গহিন অরণ্য। তর্যাইব (আ.)-এর সম্প্রদায়কে আসহাবুল আইকা (الإركاد) বা গহীন অরণ্যের অধিবাসী বনা হয়েছে। তারা মুনইয়ানের শার্ষ্ববর্তী এলাকায় কনবান করত।
- ৩৮:৩৪। একদা হংরত সুদায়মান (আ.) তাঁর সর স্ত্রীর সঙ্গে সহবাস করার কামনা করেন ও বদেন, এডাবে যে সব সন্তান জন্মাবে তারা জিহাদে পরীক হবে, কিন্তু মুখে তিনি ইনশাআয়াহ' না বদায় তথু একজন স্ত্রীর গতে হাত পা বিহীন একটি সন্তান জন্মে। জন্মী সে মাংপশিকাম সভানটিকে সরবাবে এনে
- তাঁর কুমনির (আসনেস) উপর হেখে সেহা সুলাহমান (আ.) তথন বারি চুল বুখতে পেরে আয়াহর নিতট কথা রার্থন করেন। ৩৮:৪৪। হয়তে আইবি (আ.)-এর ব্লী ব্যবহির্য ব্যহাতালে হাইলে সংল হেইটিয়েন এবং বিদ্যাত ভার সেই বিহারে আইউব (আ.) তাকে এক শত বেত্রাখত করার কলা মকনে। তার ব্লী কিনাৰে হত্যায় কলা পূর্ণ করার একটি উপাধ্যা আছে তাকৈ জানিয়ে সেদা। এটা আইউব (আ.)-এক ফল বিশেষ
  - ব্যবস্থা ছিল। শরীয়তে কলম পূর্ণ করার জন্য কোন হীলা বা কৌশলের আপ্রয় গ্রহণ বৈধ নয়।
- ৩৯:১৭। সাম্রতান কাঁক্তিত দেবদোৰী এবং যাবতীর বিমাধিকত উপাদ-উপকজনকে এখাদে অগুত কৰা হয়েছে। ৩৯:২২। বন্ধ উন্নয়ক্তনৰ সম্পৰ্কে বায়ুপ (সা.)-কে ইংন মদনিদ (য়া.) এ শ্বহু কথালে চিনি যোগিয়ানা, অন্তরে দূর আবেশ করনে বন্ধ উন্নয়ক হয়। এব দারখণ সম্পর্কে প্রাধানক ডাইন্সে কিনি বায়ুলানা, নিয়ন্ত্রী আনিব না আমিবানেতে করি মানহা এবং একাল ভাতত হিছে বাংলঃ আম আছলী জীবন বা
- দূনিয়ার জীবনের প্রতি নির্মিপ্ততা বৃদ্ধি পাওয়া এবং অন্তরে মৃত্যুর কথা করণ থাকা। ৩৯:৬৮। এটা ইনয়াকিল (আ.) কর্তৃক দিলার প্রথম বারের ফুবনার। এ ফুবনারে সকল সৃষ্ট জীব মৃত্যুবরণ করবে। এ মৃত্যু হতে আল্লাব্র ইন্দায় কারা রক্ষা
- পাৰে তা প্ৰকাশ করা হয়নি। ৪০:৪৫। অৰ্থাৎ আল্লাহ তার দবী মুদা (আ:)-কে অথবা ফিরআউন সম্প্রদারের যে ব্যক্তিটি ঈমান এনেছিল তাকে রক্ষা করদেন।
- ৪০,৪৫। কিবাজীন প্রভাৱ লকবলের পাত্তি : আপুরার ইবনে মাগউদ (রা.) এ আয়াতের বাাখ্যার বাক্ষন, বিশ্বতাটন বংশধর ও তাদের সমগোহীর কাফিরদের রুহতুল্যাকে সভাগ সন্ধান্ত আয়ুলাদের বাছে একঠিত করা হয় এবং বশা হয় এটা কোনোন আবাস।
- 85:351 আধুনিক বিজ্ঞান বলতে, মহানিৰে ছয়াগথ তৈনীৰ আগে আকাৰ সম্পৰ্কিক পদাৰ্থকলো গায়ন জাতীহ পদাৰ্থ ছিলো। নতকেংগ কলতে গোলে, বিপুক্ত পৰিমাণ গোস জাতীক পদাৰ্থ কিবো মেখ, ছয়াগথ তৈনীক আগে বিজয়ানা হিলা আধান সম্পৰ্কিক প্ৰাথমিক পদাৰ্থকে গায়ন অংশক। বৌধা কথা বেশি সভা ভুক্তমান নাজীলে বোঁখা কথা মাৰ্থিক সৃষ্টিক এ বহুলুহ প্ৰতি ইনিক গৈছে
- ৪১:৩০। (মৃত্যুর সময়) কেরেশভারা অবভীর্ণ হয়- অনুবাস্টুকু আল ওয়াসীত ফী তাফসীরিল কুরআন, তানভাজী থেকে যাচাই করা হয়েছে।
- ৪২:৭। মঞ্জাতে উত্থল কুরা বা নগর সমূহের 'মা' কলা হয়। সভান ও মর্থালার এটি সকল স্থান হতে প্রেষ্ঠ এবং হিদায়াতের আলো এ নগর হতে বিকীর্ণ হয়েছে।
- ৪২:১৭। শরীয়তের তুলানড বিশেষ, এটা ছারা ন্যায়-জন্যায় ও ভাল-ফল পরিমাপ ও নির্ণয় করা যায়। ভিন্ন মতে তুলানড হল, আন্দা, ন্যায়বিচার, যার নীতিমাদা আলকুরআনে বর্ণিত হয়েছে।
- ৪২:১৮। এতে অর্থাৎ কিয়ামতে বিশ্বাস করে না। যারা আসলে কিয়ামতে বিশ্বাস করেন না তারা কিয়ামত হওয়ার জন্য তাড়াছড়া করে, আর যারা প্রকৃতই বিশ্বাসী তারা কিয়ামতকে ভয় করে।
- ৪২২০। আখিলত কেন্দ্ৰিক জীকাৰী সৰুপ: মহাপৰ্ট (গা.) হোমান, "আধিনাতাই যাত জিলা বিদ্যালয়, আমাহ জালা বাল জয়তে ঐপৰ্য পদ কৰে। আৰু যাবলীল আন্তান পূৰ্বা কৰে, কাৰে কৈনিত কুমান পূৰ্বাপন ভাৰ কৰে হৈছে আনা, পৰায়াৰ, যাবলা জিলা-নালাৰ কেবল প্ৰকৃষ্টাল কেন্দ্ৰ কৰেই, আয়াহ ভাৰ পাৰিছল। ইন্যায়ৰ সামাৰ্থক কোৰ লগা ভাৰ প্ৰভাৱনালী দ্বিদ্ধিত কৰে কোন কৰা কুমীনাত কোনুকুই দাভ কৰে, যা ভাল কলা, সুবাৰি পৰিন্ধিত আছি । আৰু কোনুকুই আনা কোনুকুইটাৰী)।
- ৪৩:৪। "উদ্বল কিতাব" অৰ্থ মূল গ্ৰন্থ। এর দারা লগুহে মাহ্ফুজকে (সংরক্ষিত ফলককে) বুঝানো হয়েছে।
- ৪৩:৩১। দুই জনপদ বলতে মক্কা ও ভাইককে বুঝানো হয়েছে।

- ৪৩:৩২। তারা যা জমা করে অর্থাৎ তাদের ধন-সম্পদ যা নিয়ে তারা অহংকার করে তার চেয়ে আল্লাহর দয়া বহুগুণে উত্তম।
- ৪৩:৪৯। অর্থাৎ আগে আমাব দূর কর, তাহলে এরপর অবশাই আমরা ইমান আনব
- ৪৩:৫৭। আরবের মুশরিকরা কলল যে, যেহেতু আল কুরআনে কলা হয়েছে, আল্লাহুর পরিবর্তে যাদের ইবাদত করা হয় তারা জাহান্লামের ইমন, আর নাসারারা রুসা (আ.)-কে আন্তাহর পরীক করে এবং তাঁর উপাসনা করে, ফলে তাদের উপাসাঙলোর সঙ্গে ঈসা (আ.)ও জাহান্নামে যাবে এবং এ হিসাবে তিনি তাদের উপাস্যতলো হতে প্রেষ্ঠ কি (আয়াত নং ৫৮)ঃ তাদের এ ধরনের উচ্চির জবাব (৬৯ নং) আয়াতে দেয়া হয়েছে।
- ৪৩;৬০। অর্থাৎ কেরেশতারা আল্লাহর সন্তান নয় তারা ভোমাদেরই মত সৃষ্টি। আমি চাইলে তোমাদেরকে যমীনে প্রতিনিধি করার স্থলে তানেরকে করতে পারতাম। তাদেরকে আসমানে না রেখে যমীনে বসবাসের ব্যবস্থা করতে পারতাম। কাঞ্জেই তারা তোমাদের মত সৃষ্টি এবং উপাস্য হওয়ার যোগ্য নয়। ষ্ঠসা যেমন আমার বান্দা ভেমনি ভারাও আমার বান্দা (সরা-৪৩; আয়াত-১৯)। অতথব ভাদেরকে উপাসনা করার কোন কারণ নেই।
- ৪৩:৭৭। জাহান্রামের দায়িতুপ্রাপ্ত ফেরেশতার নাম 'মালিক'।
- ৪৩:৭৮। অর্থাৎ মালিক ফেরেশতা বলবে আমরা ফেরেশতারা আল্লাহর বাণী নিয়ে রাস্পদের মাধ্যমে তোমাদের কাছে যেতাম। উল্লেখ্য, আল্লাহর বাণী বাহক ফেরেশতাদের প্রধান হক্ষেন জিবরাঈল (আ,)।
- 88:১৪। সে (জনৈক ব্যক্তি দ্বারা) শিক্ষাপ্রাপ্ত- অনুবাদটুকুর জন্য সূরা নাহল নং ১৬, আয়াত ১০৩-এর তাঞ্চসির দেখুন।
- 88:১৫। হিজ্যতের পর মঞ্চায় দূর্ভিক্ষ দেখা দিরছিল, ইয়ামামার শারধ মঞ্চায় খাদ্যশস্য প্রেরণ বন্ধ করে দেয়ায় দূর্ভিক্ষ আরও তীব্রতর হয়। তথন আরু সুফিয়ান রাসুল (সা:)কে দু'আ করতে অনুরোধ করায় তিনি দু'আ করেছিলেন। ফলে দুর্ভিক্ষের অবসান হয়। সেই মটনার প্রতি আয়াতে ইঙ্গিত সয়েছে।
- ৪৪:২৪। অর্থাৎ সমদের পানি দু'দিকে বিভক্ত করে রাজ্য করে দেয়া হবে এবং সে অবস্থায় এটা থাকবে। সূতরাং তোমাকে যা করতে কলা হচ্ছে তা কর। সমূদ্র এ অবস্থায় স্থির থাকবে আর দেখ কি হয়।
- 8৪:৩৭। 💥 ইয়ামনের এক শক্তিশালী রাজবংশের উপাধি। রাসূল (সা:)-এর আবির্ভাবের প্রায় সাত-আট শত বৎসর পূর্বে তারা রাজত্ব করেছিল। ৪৫:১৪। 'প্রতিদান দিতে পারেন'- আধেরাতে অবিশ্বাসীদের থেকে প্রতিশোধ না নিয়ে বরং তাদের ক্ষমা করার জন্য মু'মিনদেরকে বলা হয়েছে। অর্থাৎ
- অবিশ্বাসীদের বিষয়টি আল্লাব্র উপর হেড়ে নিতে বলা হয়েছে। তাদের কৃতকর্মের প্রতিদান স্বয়ং আল্লাব্ নিবেন। 'সত্য সহ (সঠিক লক্ষ্যে)'- অর্থাৎ আল্লাহ্ আকাশসমূহ ও পৃথিবী উদ্দেশ্যবীনভাবে সৃষ্টি করেমনি। এদের সৃষ্টির পেছনে আল্লাহ্ তায়ালার যথার্থ ও 84:331 সঠিক লক্ষ্য রয়েছে। (দেখুন সূরা আলে ইমরান নং ৩, আরাত-১৯১, সূরা অধিয়া নং ২১, আয়াত ১৬, সূরা দুখান নং ৪৪, আয়াত ৩৮)।
- ৪৫;২৪। 'সময়ই আমাদের'- অর্থাৎ অবিশ্বাসীরা বলে, 'কালের আবর্তনেই সবকিছু বছে। সময়ের আবর্তনেই আমাদের মৃত্যু হয়।'
- 86:81 অর্থাৎ আসমানী কিতাব ছাতা অন্যকোন প্রামান্য আন; এরমধ্যে লোক কথা, ইতিহাস সবই অন্তর্ভুক্ত। অৰ্থাৎ আগামীতে আল্লাহ কোমানের ও আমার সাথে কী আচরণ বা কী কয়সালা করবেন তা আমার জানা নেই। অর্থাৎ সামনে আমাকে কি ওহী করা 86:31 হবে এবং এর পরিপ্রেক্সিতে তোমরা কি বলবে ও তোমাদের পরিগতি কি হবে তা আমার আনা নেই। আমি তবিহাৎ জাত্তা নই (আরো দেশুন সরা-
- ১১; আয়াত-৩১)। আমি কিছুই বানিয়ে বলহি না বা রচনা করছি না বরং আমার কাছে বতটুকু গুৱী করা হয় ততটুকুই আমি পৌছে দিখি। 'একজন সাক্ষী একে (তাওৱাতের) অনরূপ (কিতাব) হওৱার ব্যাপারে সাক্ষী নিরেছে,' - অর্থাৎ রাসুল (সা.) এর উপর যে ওহী অবতীর্ণ হয়েছে তা 86:501 মতুন কোন বিষয় নয়, পূর্বে বনী ইসরাইলের নবীর উপরও এই ওহী অবতীর্ণ হয়েছিল। নাসারাদের প্রাচীন পাদ্রী ওরাকা বিন নওফল রাসল (সা.)-এর কাছে হেরা গুরায় ওহী আসার ঘটনা বদে বলেছিল এটা সেই ওহী যা মুসা (আ.)-এর উপর অতবীর্ণ হয়েছিল।
- ৪৬:১৫। মায়ের হক অঞ্চণণ্য: এক ব্যক্তি রাসূল (সা.) কে প্রশ্ন করলেন, হে আল্লাহর রাসূল। আমার সুন্দর ব্যবহার পাওয়ার কে সবচেয়ে বেশী অধিকারীঃ রাসূল (সা.) বলদেন, তোমার মা। সাহাবী বলদেন, এরপর কেঃ রামূল (সা.) বলদেন, তোমার মা। সাহাবী বলদেন, এরপর কেঃ রামূল (সা.) বলদেন. তোমার মা। সাহাবী বললেন, এরপর কেঃ রাসুল (সা.) বললেন, তোমার পিতা।"
- ৪৬:২১। অর্থাৎ হন (আ.)-এর কথা।

কর্মের অঙ্গীকার গ্রহণ করতেন।

- ৪৬:২১। আহ্কাঞ্চ, ইয়েমেনের অন্তর্গত একটি বালুকাময় উপত্যকার নাম-(বাহলাবী)। ঠিকবী ৬৯ বর্ষে বাসল (সা ) প্রায় ১৪০০ সাহাবীকে সংগে নিয়ে উহরা করতে মন্ধাতিমধ্যে রওনা হন। মন্ধার মুশরিকরা তালেরকে উমরা করতে বাধা 87:31 দেরার তাঁরা মস্কার তিন মাইল উত্তরে হুদারবিরা নামক স্থানে শিবির স্থাপন করেন। অতঃপর আলাপ- আলোচনার মাধ্যমে মঞ্চাবাসীদের সঙ্গে সঞ্চি হয়। এ সন্ধি ক্রমারবিয়ার সন্ধি নামে পরিচিত। সন্ধির শর্ভপুলো মসন্দিমদের জন্ম আপাতঃলউতে অবমাননাকর মনে হলেও রাস্থল (সা.) শাস্তির খাতিরে তা মেনে নিয়েছিলেন। সন্ধির শর্তানুযায়ী উমরা না করেই তাঁরা মদীনায় প্রত্যাবর্তন করেন। পথিমধ্যে সুরাটি অবতীর্ণ হয়। অধিকাংশ ডাফসীরকারের মতে
- চ্চায়বিয়ার এ সন্ধিকে আল্লাহ সম্পন্ন বিজয় বলে ঘোষণা করেছেন। নি,সংশ্বহে এ সন্ধি ছিল ইসলাম ও মুসলমানদের জন্য কৌশলগত বিশাল বিজয়। ৪৮:১০। বাইরাত: মূল শব্দ 'বাই' (১৯) যার অর্থ ক্রয় অথবা বিক্রয় করা। পারিভাষিক অর্থ কারো হন্ত ধারণ করে কোন বিষয়ে অংগীকার করা। এটা সাধারণত আনুগত্যের বা কোন বিশ্বাস ও কার্যের অঙ্গীকার হয়ে থাকে। রাসুল (সা.) এ পদ্ধতিতে সাহাবীদের নিকট হতে ইসলামের, জিহাদের অথবা উত্তম
- ৪৮;১০। আল্লাহুর হাত: এর অনেকওলো বাখ্যার করেকটি হলঃ (১) আল্লাহু রাসূল (গা.)-এর হল্পে সাহাবীগণের বায়াত প্রহণের বিষয়টি অবগত আছেন। (২) রাস্পুরাহ (সা.) আল্লাহর পক্ষ হতে এ বাইয়াত গ্রহণ করেছেন। (৩) আল্লাহর করুলা ও কুপা রাসুদ (সা.)-এর উপর আছে সূতরাং যারা বাইয়াতের স্থানা রাসূপ (সা.)এর হস্ত ধারণ করেছেন তাঁদের জন্যও করুণা ও কুপা রয়েছে। (৪) আল্লাহ তাঁদের এ বাইয়াত গ্রহণের সাক্ষী
- স্বপ্ন অনুযায়ী রাসুল (সা.) তাঁর সাথে উমরাহ্ পালনের জনা (যে বছর উমরাহ্ পালন না করেই হুদায়বিয়ার সন্ধি করে ফিরে আসতে হয়েছিল) কারো 89:221 উপর চাপ সৃষ্টি করেননি। উমরাত্ করার এই পদক্ষেপটি হিল বিপদজনক। কুরাইশরা কি ব্যবহার করবে তা কারোবই জানা ছিল না। রাসুদ (সা.) -এর স্বপ্র যে আল্লাহপাকেরই ইন্দিত তা বুঝতে পেরে যারা হু'মিন সে সমন্ত সাহাবীরা পরিগাম সম্পর্কে কোন পরোয়া না করেই রাসূলের সাথে রওনা

- হয়ে গেসেন। বিশ্ব কিছা সংখ্যত মূহাজিক ও কুলি সহালোৱ লোক নাৰা অনুয়াতে এ কদল থেকে বিশ্বত বাইণা আলো কসাবাই ১১ ৩ ১২নং আয়াত কৰিব হয়। উল্লেখ্য যে, এ কংবা বাধা আন্দৰ্যনৰ কৰেনি কাৰা নাবাই কিছু মূদাকিক বা কাৰিক ছিল দা। কেট কেই দুৰ্বলী কৰাকে ছিলোন। আৰাহ কেট কেট মুলিত মূদাধিক ছিল, পৰবৰ্তীয়ে বাটি কমানানৰ হংকান্ত তৌজনা যাক কৰাইছেল। ভালিক কমাইৰ ১৮লা আয়োচিক কৰাইন হো
- ৪৮:১৮। ক্ৰামবিয়ায় মাৰণা দুৰ্গালিকাশণ অবস্থান কৰাছিলেন, তখন মঞ্জৱ দুৰ্গাজিকতাৰ সংগো আলোচনাৰ কথা উত্যমন (বা.)-তে মঞ্জত একাণ কৰা হোৱাছিল। তাঁকে মঞ্জৱ মুখ্যাজিকা আটিক কৰে অথপা কৰাৰ বাটে দে, তাঁকে আচাৰ কা হোৱাছে। কৰা মুখ্যালিকাশৰ বাদুশা (শা)-তৰ সম্ভোগে জিহানেৰ বাইয়াক এবং কৰোন। বা বিষ্কান উথিবালে কৰিয়াকুৰ লিকাখন নামে খাছে। এ আয়ান্ত উত্য নাইয়াকেই কৰাৰ বাৰ হোৱাছে।
- ৪৮:১৮। আসন্ন খায়বার বিজয়ের সুসংবাদ এখানে দেরা হয়েছে। এটা সেই প্রতিশ্রুতি, উপরে ১৫নং আয়াতে যার উল্লেখ করা হয়েছে।
- ৪৮:২৪। মুশ্বিকদের কয়েকটি দল হুদায়বিয়ায় এসে মুশ্বিমদের উত্তাক করে। এমনকি একজন মুশ্বিমকে শহীদও করে। সাহাবীগণ ভাদেরকে কন্দী করে রাসন্দ (সা:)-এর নিকট আনলে ভিন্নি ভাদেরকে ক্ষমা করে দেন। এ আয়াতে এ ধরনের ঘটনার প্রতি টক্তিক করা সংযাধ।
- হাপুৰ্ব (না)-পৰি নাকত আনপোঁ চাক ভাগনেকে কমা কৰে দেন। এ আহাতে এ বংলকে আনমা প্ৰতি ইয়িক কৰা হোছে। ৪৮:২৭। মাৰা গেলে কৰিছে ইয়াকা কথা আনাৰ পতি ওছৰ উচ্চাহিত হৈছে সদান একৰা আহু কাৰ্য্যনি কৰা, না) যুৱা প্ৰথমান গে, তিনি সাহাধিবলৈককে সামে নিয়ে নিৰ্কিত ও নিৰ্দিশ্য কৰাত্ত (উমাধ্য) পালন কৰাতে দিয়াবোল। নাই মানুগদেন হ'ব আমাণে এই। মানুগদি, তাৰ এই পৰ্বান কৰাকে এই সামানি কৰিছে কৰা আহু কৰা কৰিছে কৰা কৰা কৰা আহু আমাণে এই আমানি কৰিছে কৰিছিল। কৰা কৰা আহু সাহাধিবলৈ কৰিছে কৰিছে
  - উনাহ দা কৰেই একটি সন্ধি চুক্তি কৰে (হলাহবিয়ার সন্ধি) কেবত আনতে হয়। অনেকের মান তবন রাস্প্র (সা.)-এর স্বাস্থিনিয়ে প্রস্লেব সৃষ্টি হয়। অথক সে বছরেই উনহার ক্যাকের এমন কেনে নির্দিশ্রকার স্থানিত হিলা না. এ এসালেই সাহানীদেরকে জানিত্র আন্তাহপাত আয়াতটি অবতীর্ণ করেন। পরের বার্মেটি উনহাত ক্যাব করার আনায় ৯০ কল আন্তরিক্তি প্রস্তাহণ।
- ৪৮:২৭। এখানে বিজয় বলতে খারবর বিজয় বোখানো হরেছে, যার উল্লেখ ১৮নং আয়াতে রজেছে এবং ১৫নং আয়াতটিও খারবর বিজয়ের সাথে সম্পৃত। ৪৮:২৯। সাল্য (সা.) বলেছেন, ফলসমানরা পারম্পরিক দয়, ভালবাদা সম্পীতি প্রদর্শনের ক্ষেত্রে একটি নেকের নায়ে। নেকের কোন আছু যদি রোগায়েরে হার
- ৪৮:২৯। গাপুন (শা.) এগোমেন, মুনগৰানৰা শামশোৰক দল্প, ভাগবোদা, সম্মান্ত অৰণানৰ ক্ষেত্ৰে একান্ত নেহেৰ নাজ। নেহেৰ কোন আৰু যান বোগাফোন্ত হলে পত্নে আহলে অপন্ন অৰণ্ডলোন্ত ভুৱ ও নিজ্ঞানীকাল্যাক ভাৱ ভাকে সাজা নিজে থাকে। ৪৮:২৯। এখানে বাসন্ধ সোঁ। এই সাহাবীদেৰ একটি সইয়াৰ নেজা হোছো। সংখ্যাৰ ভাৱা থবই নগনা ছিলেন। বাবে বাবে ভাগেন সংখ্যা বাবেক
- \$9:২৯) পৰানে বাস্থা গোঁ, এই সাহাৰ্য্যখন কৰাৰ দুৰ্বিত্ব লোৱা হোৱে। সংখ্যাৰ আৱা বুৰই দলা হিচেপ। বাবে বাবে ভাসেই সংখ্যা বাহুতে বাহে। বাস্থ্য পোঁ, খন্দ ইন্দান্তম লাভাৱাত কৰাৰ কত বাবে কৰাৰ স্থান্ত ছিল। কৰাৰণে বা কৰাৰ ইন্দান্তম লাভাৱাত কৰে কৰাৰ এবং শতিশালী হোৱা থাকেন। খেলে উত্তিৰ অনুষ্ঠিত হওৱাৰ পত্ৰ দূৰ্ব্যন্ত এৱগৰ পাচ ও গতিপুট হয় এবং শাখা বিভাৱ কৰে। এভাবে ইন্দান্ত ও দলসালান্তম সংগ্ৰান্ত আছিল আ
- ৪৯:১। অর্থাৎ তোমরা আল্লাহ ও রাস্দের সামনে আগ বাড়িয়ে কিছু করতে বা কলতে যেয়ে না। অর্থাৎ আল্লাহ ও রাস্দের চেয়ে বেশী বুথতে যেয়ো না।
- ৪১:৪। বনু আমিনের একটি প্রতিনিধি নদ রাস্থা (সা:)-এর সাথে সাঞ্চাং করতে আলে। তবন রাসুদ্র (সা:) নিজ প্রকোঠে অবস্থান করাইলেন। তারা কংকর শিক্ষা ব্যক্ত তাঁকে উল্লেফ করে ভাকতে তাকে। আয়াভাট এ মউনার পরিপ্রেক্ষিতে অবন্তীর্ণ হব। এ আয়াতে এবং এ সৃহার আয়ত কিছু আয়াতে উত্তরতে নামানিক নিজিয়ে পিছল করে হারালার।
- বাসুল যোমানের কথা মেনে কালে ভুজত পরিপামে তা তোমানের অকল্যাণ ও ক্ষতির কারণ হত। ৪৯.৯। বিবাদ মীমানো করা বন্ধু পুগোর কাজ। মানুল (মা, বাসমানুল, আমি কি ভোমানেরক নক্ষল নামান, রোহা ও সদকার ভারে উত্তর কাজের কথা বস্বান, সাহারণাপ বাস্তুলে বাঁহি, তে আছার বাস্ত্রণ। কাল। বিশি বক্ষকেল তা কাল বিভাগায়ন পাল্যান মান্ত্রা প্রকল্প করা। কেনের বিলালয়ান পাল্যান সাম
- নাসান যাহে মুক্তনাৰী বিদ্যা আমি কৰা মাধ্যে জুল মুক্তা কৰে কথা চলিতে মুক্তা বাত কৰি নিৰ্মূল কৰে-।বাতে হিন্তবিদ্ ৪৯.১০ : কুলামান্ত্ৰৰ মধ্যে নীতিৰ বিদ্যালয় কৰি কৰা কৈ বাত প্ৰত্যালয় কৰি কৰা কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব তাল সম্পৰ্কীন কৰে কথা প্ৰথম কি কৰিব কিছুল কৰা চুক্তালয় নিৰ্মূল কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰে কৰিব কৰিব কৰিব যোগ কৰিব। মুক্তি সংস্থানৰ কৰিব কো ভাৰাপ্য উপত্তি স্থানান্ত্ৰণ কৰিব কথা আৰু কৰাৰ নিৰ্মূল কিব কৰিব কৰে কৰিব কৰিব

- আদমের সম্ভান হিসেবে সৃষ্টিগতভাবে সকল মানুষ সমান: রাস্ল (সা.) বিদায় হজের সময় ভাষণে বলেছেন, হে মানুষ, জেনে রাখ ভোমানের প্রভ 85:501 একজন তোমানের পিতা একজন। জেনে রাখ, অনারবের উপর আরবের কোন প্রাথান্য নেই, আরবের উপর অনারবের কোন প্রেষ্ঠত নেই। কালোর উপর সাদার কোন প্রেষ্ঠত নেই, সাদার উপর কালোর কোন প্রেষ্ঠত নেই। প্রেষ্ঠতের মর্যাদার মাপকাঠি ক্রফে 'ভাকরেয়া' (জন্মর আলাহর জ্যা। আহি কি তোমাদের কাছে (আল্লাহর বাণী) পৌছে দিয়েছিঃ ভারা বলদেন, রামল পৌছে দিয়েছেন। অভগর তিনি কালেন ভাঙাকের নিনটি কোম দিনঃ তারা বললেন 'পবিত্র দিন'। রাসল (সা.) গ্রন্থ করলেন, এ মাস কোন মাসঃ তারা বললেন, পবিত্র মাস। রাসল (সা.) বললেন, এ শহর কোন শহরুঃ তারা উত্তর দিলেন, পবিত্র শহর। অতঃপর রাসুল (সা.) বললেন, ভোমাদের রক্ত ও সম্পদ পরস্পরের জন্য তেমন পবিত্র যেমন পবিত্র ভোমাদের এই দিন, এই মাস ও এই শহর। বর্ণনাকারী বলেন, রাসুল (সা.) সন্মানের কথা বলেছেন কিনা তা আমার জানা নেই। অভঃপর রাসল (সা.) বললেন, আমি কি (আল্লাহর বাণী) পৌছে দিয়েছিঃ' তারা বললেন, রাসুল (সা.) পৌছে দিয়েছেন।' অতঃপর রাসুল (সা.) বললেন, অনুপপ্তিত লোকদের কাছে পৌছে দেয়া উপস্থিত ব্যক্তির দায়িত্ব- (মুসনাদ আহমাদ)।
- ৪৯:১৪ সুসলিমদের বিজয় দেখে কিছু মৰুবাসী প্রভাবিত হয় ও আনুগত্য খীকর করে। আর তারা বলতে থাকে, আমরা ঈমান গ্রানছি।' অথচ ঈমানের চাহিদা হতে আল্লাহর রাসুলের নির্দেশ নিষ্ঠার সাথে পালন করা, তা তারা পুরণ করেনি।
- ৫০:১২। 'রাস' এর শব্দিক অর্থ কুপ। 'আসহারর রাস' অর্থ কুপওয়ালারা। উত্তর আববের ইয়ামামার 'রাস্' নামক একটি এলাকা ছিল যেখানে ছমেদ জাতির কোন এক গোজের বসবাস ছিল। উল্লেখ্য, উক্ত সম্প্রদায়ের লোকেরা তাদের কাছে প্রেরিড নবীকে কুপে আটকে রেখেছিল বলে তাদেরকে আসহাবুর
- ৫০:১৭। তাঁরা দুই ফেরেশতা মানুষের সঙ্গে ধাকেন। ডানে যিনি আছেন তিনি পুণোর এবং বামে যিনি আছেন তিনি পাপের কর্ম জিপিবছ করেন। ৫০:১৮। 'একজন'- অর্থাৎ আমলনামা লেখার কাজে নিয়োজিত ফেরেশতান্ত্রের দু'জনই এক সঙ্গে দিখেন না। ভাগ করলে একজন নিখেন আর খারাপ করলে खशराक्त जिल्ला
- ৫০:২১। অর্থাৎ দু'জন ফেরেশতা থাকবে- একজন তাকে তাড়িয়ে নিয়ে যাবেন, আরেকজন আমদনামাসহ সাঞ্চী হিসাবে থাকবেন।
- ৫১:১৯। অর্থাৎ তাদের সম্পদে সাহায্য প্রার্থী ও বঞ্জিতদের জন্য নির্ধারিত অধিকার রেখে দিত এবং নিয়মিত তা প্রদান করত। তারা নিয়মিত গরীর মিসকীলের হক আদায় কৰক।
- ৫১°৩%। হয়রত লভ (আ:)-এর পরিবার।
- ৫১:৪৭। আরবী শব্দ মুসিয়ন এর বিচক্ষ অনুবাদ হল, 'সম্প্রসারধকারী।' এটা মহাবিধের ব্যাপক সম্প্রসারগদীলতার প্রতি ইক্তিবাহী। মানুষ কর্তক টেলিছোপ আবিষ্কারের পর্বে করআন মহাবিশ্বের সম্প্রসারণের কথা জানিহেছে। মহাবিশ্বের সম্প্রসারণ একটি বৈজ্ঞানিক সতা।
- বায়তল মা'মরের শাধিক অর্থ এমন গহ বেখানে সর্বনা অনসমাগম হয়।' কেট কেট মনে করেন, এর হারা ফেরেশুতাদের ইবানত করার স্থান বুঝানো 65.81 হয়েছে। জালালাইন, কুরকুবী ইভ্যাদি।
- ৫২:৪৪। অর্থাৎ নিদর্শন বা মোজেজা হিসেবে আকাশ ভেলে কোন টুকরা যদি পড়তে দেখে তবুও বিশ্বাস করবে না বরং বদবে এটা মেঘ। অর্থাৎ আল্লাহর কোন নিদর্শনাবলী দেখানো হলেও তারা ভিন্ন ব্যাখ্যা করবে। (আরো দেখুন- সুরা-১৫: আরাত-১৪, ১৫)।
- ৫২:৪৮। (সালাতে)- আল ওয়াসীত ফী ভাফসীরিল করআন, ভানতাতী থেকে খাচাই করা হছেছে।
- ৫৩:১৯। প্রাচীন আরবের মুশরিকদের তিনটি দেবীর নাম লাত, উত্থা ও মানাত। তারা এদেরকে আল্লাহ্র কন্যা বলে বিশ্বাস করত।
- ৫৩:৩২। আন্ত প্রশংসা ক্ষতিকর। অন্যের অভিরঞ্জিত প্রশংসা করাও ক্ষতিকর। হযরত আরু মুসা (রা.) বলেন, একলা নবী করীম (সা.) একজনকে আরেকজনের অভিরক্তিত প্রশংসা করতে তান বললেন, তোমরা তো লোকটিকে মেরে ফেদলে অথবা বদলেন, লোকটির মেরুদত ভেঙ্গে দিলে। যদি কারো প্রশংসা
- করতেই হয় বলবে, তার সম্পর্কে আমার ধারণা একপ। ৫৩:৩৩। কুরাইশ সরদার ওগীন ইবনে মুগীরা এক সময়ে ইসলামের দিকে কিছুটা আকৃষ্ট হয়েছিল। গরে প্রলোজনে গড়ে তার হৃদয় কঠিন হয়ে যায়। ৩৩-৩৪ নং আয়াতে তার প্রতিই ইঙ্গিত করা হয়েছে)।
- ৫৩:৩৯। অর্থাৎ মানুষ যা চেষ্টা করে তার বাইরে সে কিছুই পাবে না। যার যার কাজের অনুসারে সে ফল পাবে, একজন পাপ করবে আর আরেজজন বঞ্চন করবে তা হবে না।
- ৫৩:৪৯। শি'রা একটি নক্ষত্রের নাম, এটাকে একটি সম্প্রদায় পূজা করত। বাংলায় 'লুক্ক', ইংরেজীতে Sirius.
- ৫৩:৫০। অর্থাৎ লৃত (আ.) এর সম্প্রদার (দেখুন সূরা-৬৯: আরাত-৯)।
- টেটা কর্যাৎ কুরুআন (আরো দেখুন, সুরা-৩৮; আয়াত-৬৭) 48:81
- ৫৪:১১। কর্থাৎ আমি মুসলধারে বৃষ্টি বর্থদের জন্য আকাশের দরজা উনুক্ত করে দিয়েছিলাম। কুরআন থেকে উপদেশ এইণ করতে হলে এর অর্থ জানতে ও পড়তে হবে। এ আয়াত থেকে শ্পন্ত বুঝা যায় কুরআন ৩৪ অর্থ না বুঝে তেলওয়াত 48:391 করার জন্য আস্ত্রাহ অবতীর্ণ করেননি। বরং অবতীর্ণ করেছেন করুমান পড়ে তা থেকে উপদেশ ও শিক্ষা গ্রহণ করে তদনযায়ী শিক্ষা ও রাহল করার জন্য। হবরত সাংল বিন মু'আজ জুহানী (রা:) তার পিতা থেকে বর্ণনা করেছেন, রামূল (সা:) বলেছেন, যে ব্যক্তি কুরআন পড়ে এবং সে অনুযায়ী আমল করে, তার পিতা-মাতাকে কিয়ামতের দিন মুকুট পরিধান করানো হবে যার আলো দুনিয়ার সূর্যের আলোর চেয়ে অত্যধিক জ্যোতিময় হবে।
- তোমাদের মধ্যে যে নিজে এরকম আমল করবে তার পুরস্কার কি হবে তোমরা ধারণা করতে পারঃ-(আবু দাউদ) 00:61 'আন-নাজম' এর অর্থ তৃণদতা অথবা তারকা। এখানে তৃণদতা অর্থটি আয়াতের পূর্বাপর প্রমন্তের সাথে অধিক সঙ্গতিপূর্ণ।
- ৫৫:১৭। গ্রীম ও শীতকালের উদয় ও অস্তাচল।
- ৫৫:৬০। কেউ উপকার করলে তার বিনিময় দেয়ার চেষ্টা করা ও তার উপকার করার চেষ্টা করা উচিত। রামূল (সা.) বলেন, 'কেউ ভোমাদের প্রতি অনুগ্রহ করলে তোমরা তাকে এর বিনিময় প্রদান করবে। যদি বিনিময় দেওয়ার মত কিছু না পাও তবে তাঁর ঋন্য দু'আ করতে থাকরে যতনিন না তোমাদের মনে এ ধারণা সৃষ্টি হয় যে, তোমরা তাঁকে সমপরিমাণ বিনিময় প্রদান করতে সক্ষম হয়েছো।

- ৫৬:২২। জাল্রাতের অসংখ্য নেয়ামতের মধ্যে এটি একটি। জাল্লাতের পরিবেশ দুনিয়ার মত হবে না। জাল্লাতের অধিবাসীদের প্রত্যেকেই পর্যাপ্ত নেয়ামত পাবে এরঃ প্রাক্তাকে যা চাইরে ডাই পারে। তবে কোন অপবিত্র করে জন্য তারা আঞ্চাঙ্গা প্রকাশ করবে না। কেট কোন দিক দিয়ে অভগ্র থাকরে না। কারো নেয়ামত দেখে কেউ ঈর্ষান্বিতও হবে না। নারী-পুরুষ সকলেই অফুরস্ত নেয়ামত পেয়ে পরিভণ্ড থাকবে।
- ৫৭:১২। কিয়ামতে পুল সিরাত অভিক্রম করার সময় চতুর্দিক অন্ধবারাজনু থাকবে। তথন ঈমান ও আমল আলোরণে ম্র'মিনদের সঙ্গে সঙ্গে থাকবে। এই আলো, মর্যাদা অনুষায়ী বেশি বা কম হবে।
- ৫৭:১৪। অর্থাৎ প্রতান।
- ৫৭:১৯৷ گُلْتَ (সিদ্ধিক) শব্দের অর্থ সত্যনিষ্ঠ, যার কথায় ও কাজে সামঞ্জুস্য আছে এবং শরীয়তের বিধিনিষেধ যথামথভাবে পাদন করে অতি উচ্চ মর্যাদা লাভ করেছে- (রাগিব, লিসানল আরাব)।
- জ্বর্ম সেরন ও ভারনীর প্রসঙ্গ একবার এক সাহাবী প্রশ করলেন হে আভাহর রাগল। আমরা যে থাতর্ফক করে থাকি বা চিকিৎসায় ঔষধ সেবন @9:221 করে থাকি অথবা আন্তরক্ষার জন্য যে উপায় অবলয়ন করে থাকি তা কি ভাকনীরের কোন কিছকে রদ করতে পারের উত্তরে রাসল (সা.) বললেন, ভোয়াদের এ সকল চৌটাও তাকদীবের অন্তর্গত। ৫৭:২২। তাকদীর দিয়ে বাড়াবাড়ি: হবরত আরু হুরাররা (বা.) বলেছেন যে, রাসুল (সা.) আমাদের দিকে বের হয়ে আসলেন, তথন আমরা তাকদীর দিয়ে বলাবলি করছিলাম, তথন রাসুল (সা.) খুব রেগে গেলেন এবং তাঁর মুখমঞ্জন লাল হয়ে গেল। রাগে তার গাল তালিমের মত মনে যঞ্জিল। তিনি
  - বললেন, তোমাদেরকে কি এই করতে বলা হয়েছে নাকি এ কান্ধ করার (তাকদীরের ফয়সালা দেয়ার) দায়িত দিয়ে আমাকে পথিবীতে পাঠানো হয়েছেঃ পূর্বে যে সব জাতি ছিল তারা এ নিয়ে তর্ক করার কারণেই ধ্বংস হয়েছে। এ ব্যাপারে বিতর্কে পিঞ্চ হতে আমি তোমাদের কঠোরভাবে নিষেধ
- করেছি-(তিরমিথি) ৫৭:২৭৷ কিছু সময়ের ব্যবধানে তারা বৈরাণ্যবাদের জন্য সত্তিকার যা করণীয় ছিল যেমন দুনিয়া বিমুখতা, তাকওয়া, ব্যভিচার মুক্ত থাকা ইত্যাদি তারা রক্ষ করতে পারেনি (আল ওয়াসীত ফী তাফসীরিল করআন, তানতাভী)।
- আওল উবনে সায়িত (বা ) নামে এক সাহাৰী আঁৱ প্ৰীতে এমন কথা বলেচিলেন যাতে বিহার সাবান্ত হয়। তাঁর স্ত্রী রামল (সা.)-এর নিকট পিয়ে 26:51 ঘটনাটি বর্ণনা করেন ও সিদ্ধান্ত চান। উত্তরে রাসূল (সা.) বলেন, এ ব্যাপারে আমার নিকট এখনও নির্দেশ আসেনি, তবে মনে হয় তার জন্য তুমি
- অবৈধ হয়েছ।' স্ত্ৰীলোকটি একথা খনে কানাকাটি করতে থাকে। এর পরিপ্রেক্ষিতে আয়াতখণো অবতীর্ণ হয়। প্রাচীন জারবে যদি কোন স্বামী তার প্লীকে বলত, 'তমি আমার জন্ম আমার মায়ের পর্তসদপ (অর্থাৎ তমি আমার মায়ের মত): তাহলে বিবাহ বিচ্ছেদ 06:51
- ছয়ে বেত। এভাবে বিবাহবিজ্ঞানে যিহার বলা হয়। ইনলাম এরপ যিহারের ক্ষেত্রে বিবাহবিজ্ঞানর পরিবর্তে জীকে মায়ের সাথে তুলনা করাকে গঠিত কাজ বলে চিক্লিত করে এবং এক্সপ গর্ভিত কাজের জন্য কাফফারার বিধান প্রবর্তন করে। এসব আয়াতে উক্ত বিধানের বর্ণনা রয়েছে। বাসল (সা )-এর মছালিসে ইছনী ও মলাফিকরা ফিসফিস করে গরন্পর পরামর্শ করত এবং প্রায়ুই মসলিমদের প্রতি ব্যঙ্গোকি করত। এতে মুসলিমগণ 6p:41
- মনে কষ্ট পোতেম, এমনকি ভাৱা বাসন (সা)-কৈ অভিবাদন জানাত এ!..le (L...l) (তোমার মতা হোক) বলে। তাদেরকে পর্বেই এ সকল অপকর্ম হতে বিপ্রত থাকতে বলা হয়েছিল। এ আয়াতগুলো এ ধরনের ঘটনার পরিপ্রেক্ষিতে অবতীর্ণ হয়। ৫৮:১০। অর্থাৎ পাপাচার ও অকল্যাণের পরামর্শ।
- স্থনাফিকরা সময়ে অসময়ে অতি সাধারণ ব্যাপারে নিজেদের গুরুত প্রদর্শন করার উদ্দেশ্যে রাসুল (সা.)-এর কানে কানে কথা বলত। এতে সময়ের 64:251 অপচয় ছাতাও রাসুল (সা.)-এর কট্ট হত এবং অন্যদেরও অসুবিধা হত। তাই রাসুল (সা.)-এর সাথে কানে কানে কথা বলতে হলে প্রথমে সাদাকা
- করার নির্দেশ দেয়া রয়েছিল। মসলিমগণ ও নির্দেশের ফলে সভর্ক হল এবং মনাফিকরা সাদাকা করার ভয়ে এ থেকে বিরভ থাকে। পরবর্তী কালে এ চকমটি বঙিত হয়। ৫৮:২২। এখানে রহ হছে হিদায়াতের আলো যা দ্বারা অন্তর শক্তিশালী হয় অথবা মতান্তরে জিবরাইল (আ.) মদীনা এবং এর আশেপালে বসবাসকারী ইছদী গোরুছলোর অন্যতম ছিল বনু কাইনুকা, বনু ন্যীর ও বনু কুরাইজা। সুরা হাশরে বনু ন্যীরের কথা 65:41 বর্ণিত হয়েছে। বদর হছে ইসলাম শেষ হয়ে যাবে বলে ভারা মনে মনে ভারত, কিন্তু কুরাইশদের শোচনীয় পরাজয়ে তারা মর্মাহত হয়েছিল। বনু ন্মীর পোরের নেতা কা'ব ইবনে আলরাঞ্চ মন্তায় গিয়ে কুরাইশুদেরকে উত্তেজিত করার চেষ্টা করল, মুসলিম নারীদেরকে জড়িয়ে মদীনাবাসীকে অস্ত্রীল কবিতা ও গান খনাতে লাগল। বাসুল (সা.) এক আনসাবীকে পাঠিয়ে তাকে হত্যা করতে বাধ্য হলেন। এদিকে গোত্র হিসেবে সর্বপ্রধম চক্তি ভঙ্গকারী গোত্র হল বনু কাইনুকা। তারা বাহরাজ গোত্রের গাথে মিত্রতার সুবাদে মাদীনাতে বসবাস করত। তাদের চুক্তি তঙ্গের কারণে (যথা ভানে আলোচনা করা হবে) তাদেরকে মদীনা থেকে বের করে দেয়া হয়। বনু কাইনুকার বহিষার এবং কা'ব ইবনে আশরাফকে হত্যা করায় বনু নায়ীর কিছু সময় পর্যন্ত জীত-সম্ভুক্ত রইল। ততীয় হিজরীতে কুরাইশরা বদর বুদ্ধের প্রতিশোধ এহণ করতে তিন হাজার জনের এক বাহিনী নিয়ে মনীনা আক্রমণ করদ যা উত্তদ যুদ্ধ নামে পরিচিত। এই যুদ্ধে বনু নধীর মদীনা সনদে চুক্তিবন্ধ গোত্র হওয়া সত্তেও চুক্তি অনুযায়ী মদীনা প্রতিরক্ষার মুসলিমদের সাথে শরীক হল না। চতর্প হিছারীতে 'বীরে মাটনের' করুণ ও হুময়বিদারক ঘটনা ঘটে। ঘটনাক্রমে একমাত্র বেঁচে যাওয়া হযরত আমর ইবনে উমাইয়া যামরী (বা ) মনীনায় কিবে আসার পথে প্রতিশোধমকক ব্যবস্থা হিসেবে ভদক্রমে বন আমের গোরের দ'জনকৈ হত্যা করেন, যাদের গোরে বীরে মাউনার ঘটনার সাথে জড়িত ছিল না, উপরত্ম মসলিমদের সাথে ছড়িবছ গোত্রের লোক। তল করে ছড়িবছ গোত্রের লোককে হত্যা করায় রক্তপণ আদায় করা অবশাকর্তবা হয়ে দাঁডায়। মদীনা সনদের চক্তি অনবায়ী রক্তপনে শরীক হওয়ার জনা রাসল (সা.) কয়েকজন সাহাবীকে নিয়ে বন নথীব এলাকায় পেলেন। তারা রক্তপপের অর্থ সঞ্চাহ করার কথা বলে ক্ষমি অটিল যে, রাসল (সা.) যে মরের দেয়ালের ছারায় বলে ছিলেন, এক ব্যক্তি তার ছান থেকে তাঁর উপর একখানা ভারী পাধর পড়িয়ে নিয়ে হত্যা করবে। আল্লাহ তায়ালা ওহাঁর মাধ্যমে রাসুলকে তা জানিয়ে দিলে তিনি সেধান থেকে কাইকে কিছু না বলে দ্রুত মদীনায় চলে আসেন। এরপর রাসুল (সা.) বনু নথীরকে ১০দিনের মধ্যে মদীনার উপকর্ষ হতে চলে যাওয়ার চরমপত্র প্রেরণ করেন। তারা মদীনার উপরুষ্ঠ থেকে চলে যেতে প্রস্তুত বলে মুনাফিক আবনুল্লাহ ইবনে উবাই তালেরকে বনু কুরাইজা ও বনু গাতফানদেরকে

- (m.) কুলিনাগুলেক নিয়ে বনু নতিও কালে। কুলিবুল করেছে করে। কুলিব বাহিনীত এই সারবোপ বা হাপকেই আছা হাজাল পরেনাক কাল সারবোপ কাল পুরা কালে কালে হাজা কুলা পুনা, পুরা হাজাবাত হাজার বালে কাল অবারোধার হাজা কলিব ইনার বিশ্ব মনিবাল উপপর্ক যেতে রাজি হাল, অবার হাজাবাল কালে কালিব নিয়াকাল ইনাল কালিব সারবাল ইনাল কালে। কিন্তু যুক্তই ইন্ত্রটানর বোলা ওবাৰ পুনির কলিবে কিন্তুল কিনিবাল কালে কালের হিলে কালে কালে ইনাল বালাকালে।
- ৫৯:৫। অবরোধ করে যুক্ষের কৌশল হিসেবে মুসলিমগণ ইছনীদের কিছু খেজুর গাছ কর্তন করেছিলেন।
- exxs। যে সম্পান নিয়া ক্ষুত্ৰ সুলামানাৰে অধিকালে আহে তাকে সম্ভিত কৰা হয়। সুলো (মা.) এনা জীবনাগা ও সালগা বাঁচ ভাৰুবাৰেন বাক্তাৰ এ সম্পান কৰিবলৈ বিদ্যান নকৰ্মী ২-১০ন আনালে কৰিব কৰা আহলে কৰিবলৈ আহলে কিন্তু বাইছে কৰিবলৈ কৰা নালোৱোৰ কৰা কৰিবলৈ যোগ প্ৰবাহনৰ এক উট বোগাৰী মানাবাল মাধুন কৰি বন সময়ৰ সম্পানি প্ৰাৰ্থ নিৰ্দিকিক আমিলি আই একলোকে আছাৰণাক সমীই বিদ্যানৰ বোগালা সিয়ামোন।
- ৫৯:৭। اَهْلُ اللَّذِي ( জনপদবাসী) দ্বরা এখানে বনু নধীর সম্প্রদারকে বুরানো হয়েছে।
- ৫৯:১৫। তারা হল ইক্সী সম্প্রনারের বনু কাইনুকা গোত্র যাদেরকে তাদের অপরাধের জন্য বনর যুদ্ধের পরপরই মদীনা হতে বহিষ্কার করা হয়েছিল।
- ৬০:১২। হাত ও পারের মধ্যখানে উল্লাকন অর্থাং পেটো যে সন্তান ধারুক করেছে তা নিজ কামীর নয় বরং জারজ, অর্থা তা নিজ কামীর সন্তান বাদ চালিয়ে দিলে তা সামীর প্রতি অপবাদ দেয়াবাই শামিল। দেবুন ইবনে আতর, ভাফনীরে আতভাহতীর ওয়াত তানজীর।
- ৬১:৩। জন্মকে উপদেশ দিয়ে নিজে তা পাৰন না করার পাজি: রাগুণ (গা.) যানহেন, আমি বিরাজের বাতে এমন কিছু পোককে নোকেই যানের প্রতিশ্বলা আভালের কাঁচি নিছে কেটে কেলা হাঁজা, আমি জিবরজিনতে প্রশ্ন করানা, খনর লোক কারা। তিনি কন্যানন, এরা আপনার উমতের সেই সত্র লোক প্রায় নানুবাকে সকলাকে বির্মণ কি ভিক্তি বিজ্ঞার ভাগিক ভালকো।
- ৬১:৬। হবরত মহাম্মাদ (সা.)-এর অপর একটি নাম আহমাদ।
- ৬১:১৪। হাওয়ারী-ঈসা (আ.)-এর খাস অনুসারীগণ।
- ৬৩:৪। ইন্নান্ন কৰিৎ তারা কিছু কালে তুনি তা তনাবে তবে মনে রাখবে তারা মুলত নেরালে ঠেন নিয়ে রাখা কাঠেন মত। তারা মড় পদার্থের মত দেখাতেই চমধনের তবে বোধ আন সম্পন্ন নর।
- ৬৩:৪। يُنْ ضيغية ఆতংগ্রা আর্থের যে কোন শোরগোলকে তাদের বিরুদ্ধে মনে করে, কারণ অপকর্মের করেণে তারা সবসময়ই ভীত, এই বৃথি তাদের সব খাস হয়ে শেল বা তাদের বিরুদ্ধে ব্যবস্থা নেয়া হবে।
- ৬৪:৮। এখানে আলো (নূর) অর্থ কুরআন।

কাৰে। আদি নাগৰ কোনা কিন্তু শিল্প হয় হয়েছে। এই (মা.)এৰ কাৰ হালৰ ইন্দ্ৰণা সৰাইছে। আমি ইন্দ্ৰৰ প্ৰদানৰ সুবাদ বিবে ভাগাক বিবে। কোনাত থাকা কিন্তু মাইছিল কোনা ইন্দ্ৰৰ কাৰ্য্য কৰিছে। কাৰ্য্য বিবে কৰিছে হয়ে বা, এক কৰবা মুই ভাগাক কোনা কৰে। কোনা কাৰ্য্য কৰিছে কাৰ্য্য কৰিছে কোনা কৰিছে কৰিছ

এক অথবা দুই ভালাক রাজ'ঈ এব ক্ষেত্রে স্থামী 'ইন্দত'- শেষ হবার পূর্বে গ্রীকে পুনরার এহণ করতে পারে; আর যদি ইন্দত শেষ হয়ে যায় তবে বিবাহ বিক্ষেপ হয়ে যাবে এবং গ্রী চাইলে অন্য কোথাও বিবাহ বন্ধনে আবদ্ধ হতে পারবে। তবে গ্রী রাজী হলে নতুন করে মোহহ নির্ধারণপূর্বক নতুন

ভালবাসা পুনরায় সৃষ্টি হওয়ার সুযোগ পাবে, অন্তর নরম হতে পারে এবং সম্পূর্ণ বিচ্ছেদ না হয়ে যায়।

- বিবাহ সম্পাদনৰ আয়ো শ্ৰীকে দিবিয়ে আনৰে পাৱবে। চিন্ধু ডিনাট কাৰক দিয়ে বিবাহ সম্পূৰ্ণ বিজ্ঞানৰ ক্ষেত্ৰ এ মূৰবাৰ থাকে না, ৬৬১৬। বাসুন্য পোঁ, সৰ্ব প্ৰথম দিন্ধ পৰিবাহৰ সদস্য শ্ৰী আছিল। (বা.), চাচাত ভাই আদী ইবনে আৰু ভালিব ও গোণ্ড গোলাম বাবেল ইবনে হাছিল। (বা.) তে ইস্পাদনৰ পাৱতাত বিভায়েন এবং ভাৱা কৰাই ইসনান একাৰ কাৰেছিলে।
  - ৬৮:৯। অর্থাৎ, তুনি তালের ভ্রান্ত বিশ্বাস ও বাতিস মা বুলনের প্রতি বিষ্কুটা কুঁকে পড়াবে এবং সত্য পথ থেকে কিছুটা সরে বাবে। তাহলে তারা খুশি হবে ও তারা তোমার প্রতি কঠোব শক্ষণতা শোকণের ক্ষেত্রে কিছটা মনমীয় আচারণ করেব।
  - তারা তোমার প্রতি করের শক্ষতা পোহণের ক্ষেত্রে কিছুটা নমনীয়া আচরণ করবে। ৬৮:১১। দু'জনের মধ্যে সম্পর্ক নট করার জন্য একজনের কথা আরেকজনের কাছে দাগানো বা বলে দেয়াকে 'নামীমা' বা চোগলবুরী বলা হয়।
  - ১৯১৯। উপ্তি দেয়া জনপদ অর্থাং লৃত (আ.) এর সম্প্রদার বারা সমকামিতার দিও ছিল, আরাহ তানেরকেসহ মমীনকে উপ্তে দিয়ে তানেরকে সমূলে ধ্বংস কর্মেছিল।
  - ৬৯:৪০: অর্থাৎ ওহী দিয়ে আগমনকারী কেরেশতা জিবরাঈল (আ.):

**७**१:२।

- ৬৯:৪২। মুখ্যমণ (সা.) কে মৰার কাকেররা গণক বলে অপবাল নিয়েছিল এখানে তা প্রত্যাখ্যান করা ব্রেছে। উল্লেখ্য, আল্লাহুর রাসুল মুখ্যফন (সা.) কে গণক বল্যু সম্পূর্ণ অবান্তর। কেনদা, তিনি গণকে বিশ্বাস করাকে ইমানের পরিপন্থি বলে আখ্যান্তিক করেছেন। আবু হ্বাররা (রা.) ও হাসাদ (রা.) থেকে
  - বর্ণিত, নবী (সা.) বলেহেন, যে বাক্তি কোন গণক বা জ্যোতিষীর কাছে গেল এবং ভার কথাকে সভা বলে বিস্কাস করল, সে মুহাখন (সা.)-এর প্রতি যা অবতীর্ণ হয়েছে তা অধীকার করল-(মুননান আহ্মান)।
- ৭০:২৮ অর্থাৎ, আল্লাহর প্রতি কারো আনুগত্য যত বেশি হোক মা কেন কেউ আল্লাহর আমার থেকে নিজেকে নিরাপন মনে করার কোন কারণ নেই। সুতরাৎ আল্লাহর নেক বাশারা কথনো আল্লাহর আমার থেকে নির্ভন থাকে না।
- ৭০:৩৭। রামূল (সা.)-এর কুরআন শ্রবণ এবং তাতে জান্নাত ও জাহান্নামের বর্ণনা তনতে বিভিন্ন প্রথপে বিভক্ত হয়ে রসূল (সা.) এর কাছে জড়ো হত। কিছু তারা ইসলামের প্রতি ইন্দিত করে ঠাটা করে বন্দত, 'এরা জান্নাতে গেলে আমরা তানের আগে যাব'।
- প্রতিমার, হামাদান গোল ইয়াউক' প্রতিমার ও জিকিলার গোল 'নাসর' প্রতিমার পূজা করত।

- এতে তার কট ইন্মিল। তখন রাসূল (সা.) কে এরপ কট করতে আস্তাহ নিষেধ করেন। কুরআন মুখত রাখা ও তার ব্যাখ্যা করার বিষয়টি আস্তাহ নিঞ্জ দায়িত্বে নিয়ে নেন। অতএবে জিবরাঈশ (আ.) পাঠ করার সময় কুরআন এবণ করার জন্য বচেন।
- ৭৫:২০। অর্থাৎ, পুনক্তথানে অবিশ্বান করা আল্লাব্র পরিত্র কিতাবকে অমান্য করা ও রাস্ত্তের আনুগত্য না করার প্রথম করণ হক্ষে তোমাদের পুনিয়া প্রেম। ৭৫:২৬। এখানে মৃত্যু ও মৃত্যু যঞ্জার কথা উল্লেখ করা হয়েছে।

- অর্থাৎ, এ নহর পর্যন্ত তাদের কট করে ফওয়ার প্রয়োজন হবে না। তারা বাগানে, মহলে মন্ধাদিসে যেখানে ইচ্ছা করবে তাদের কাছে পানি পৌছে 96:61 দেয়া হবে (ভারা ইশারা করলে নহর প্রবাহ সেখানে চলে বাবে)।
- কিয়ামত ও শেষ বিচার দিন। 99:91 গোকেরা কিয়ামত সম্পর্কে সন্দেহ পোষণ করত এবং পরম্পরকে নানা প্রশু করতো। এখানে সেনিকে ইঙ্গিত করা হয়েছে। 45:3
- কিয়ামন্তের ব্যাপারে ভারা দ'টি দলে বিভক্ত ছিল একটি দল এটা স্থীকার করে যে, কিয়ামত অবশাই হবে। আর অপব দল এটা স্থীকারই করে না। १५:७। এ আয়াত থেকে আল্লাহ্ তাঁর বিষয়কর সৃষ্টির উল্লেখ করে তাঁর সীমাহীন ক্ষমতার বর্ণনা দিয়েছেন, যার শ্বারা প্রমাণিত হয় যে, তিনি এসব জিনিস 96:61 রোন নমুনা ছাড়াই প্রথমবার বখন সৃষ্টি করতে সক্ষম হয়েছেল, তথন ভিনি মানুষের কতকর্মের হিসাব নেয়ার জন্য পুনরুখান বা কিয়ামত সংঘটন
- করতে সম্পূর্ণ সক্ষম। ৭৮:৩৮। অর্থাৎ জিবরাইল (আ.)।
- ৭৯:১০। কাফ্নিরা পুনরুখিত হওয়ার বিষয়ে উপহাস করে এরপ মন্তব্য করে।
- ৭৯:১৩। কবর থেকে পুনরুষিত হওয়ার জন্য শিক্ষার ফুংকারের ফলে নাই আওয়াজ।
- ৭৯:১৫৷ এখানে আল্লাহ্ তায়ালা মুহাখন (সা.) কে অবহিত করছেন যে, তিনি তার বান্দা ও রাসূল মূসা (আ.) কে ফিরআউনের নিকট মুজিজাসহ পাঠিয়েছিলেন কিন্তু ফিরুআটন হঠকারিতা ও কুমনী হতে বিরত হয়নি। অবশেষে ভাদের উপর আল্লাহর শান্তি নেমে আসে। অনুরূপভাবে মুহামদ (সা.) কে মিধ্যা প্রতিপন্নকারীদের উপরও আল্লাহ্র শান্তি অবধারিত।
- po:31 অন্ত সাহাবী আবদুল্লাই ইবনে উল্লে মাকতুম (রা.):
- ৮০;২০। মাতগর্ভ থেকে বের হওরার পথ সহজ করে দিয়েছেন।
- ৮০:২৪। মানুষ তার বৈচিত্রাময় খাদ্য দ্রব্য ও তালের উৎপাদন প্রক্রিয়া নিয়ে চিন্তা করলে তাতে মৃত্যুর পর পুনর্জীবিত হওয়ার প্রমাণ দেখতে পারবে।
- ৮১:২১। বহু সংখ্যক ফেরেশতা জিবরাইল (আ.) এর অনুগত রয়েছেন। আকাশে তাঁর নেতৃত্ব রয়েছে। তার আদেশ ও কথা প্রতিপাদনের জন্য বহু ফেরেশতা নিয়োজিত আছেন।
- 'সহত্র হিসাব' এর ব্যাখ্যা প্রসঙ্গে আয়েশা (রা.) রাসুল (সা.) থেকে একটি হানীন বর্ণনা করেছেন। আরেশা (রা.) বলেন, আমি রাসুল (সা.) কে তার b8:b1 কোন এক সাগতে (নামাঞে) বলতে যদি। المالية حاسية حسابا المالية المالية عاسية عسابا المالية عاسية المالية শেষ করার পর আমি তাকে জিজেস করলাম, তে আল্লাইর রাস্লা। এ সহজ হিসাব কিঃ তিনি উল্লাহ বন্দান, তথু আমলনামার প্রতি দৃষ্টি দেয়া হবে অর্থাৎ ভাসাভাসা সহকারে এক নজর দেখা হবে। ভারপর বলা ইবে যাও, আমি তোমাকে মাফ করে দিয়েছি। কিছু হে আরেশা। আল্লাই তারালা যার
- কাছ থেকে হিনাব নেবেল সে থাকে হয়ে যাবে। মোট কথা যাব ভাল হাতে আমলনামা দেয়া হবে সে তা পেশ ইওয়ার পরপরই হাড়া পেয়ে যাবে, ভারণর ভার আপনজনের কান্তে উৎফল্র হাত্রে ফিরে আসবে-(ইবনে কাছীর)। অর্থাৎ এ কর্মান থেকে ভারাই উপদেশ ও শিকা এরণ করবে যাদের অন্তরে আল্লাহর কর রয়েছে এবং আল্লাহর নাথে সাফাতের কর মনে পোষণ F9:30
- করে। আর যারা হতভাগ্য তারা এ কুরুমান থেকে কোন শিক্ষা বা উপদেশ গ্রহণ করবে না। অর্থাৎ, হে নবী। তুমি মানুষের কাছে যে বাণী নিজে প্রেরিক হয়েছ তা তাদের কাছে পৌছে দাও, তোমার দায়িত্ব তথু পৌছে দেয়া আর হিসাব প্রহণের P.P. 32
- দায়িত্ব আমার। ৮৮;২২। অর্থাৎ স্লোর করে তাদের অন্তরে ঈমান সৃষ্টি করা তোমার পক্ষে সম্ভব নত্ত। তুমি তাদেরকে ঈমান আনহনে বাধ্য করতে পারবে না-(ইবনে কাছীর)।
- তোমরা মৃত ব্যক্তির রেখে যাওয়া সম্পত্তি সবটাই প্রাস কর। নিজের অংশ নেয়ার পর অন্যের অংশ আঞ্রসাৎ কর। উল্লেখ্য, ইসলাম পূর্ব ভাহেলিয়াতৈর যুগে শিও ও নারীদেরতে সম্পত্তির কোন অংশ দেয়া হত না বরং তথু পুরুষরাই সব থাস করত-(তাসহীল দি উলুমিত ডানষীল, সাক্*রোত্ত তাকাসীর*)।
- মঞ্জার মুশরিক ও চরম ইগলাম বিরোধী আবল আশাভ বিন কাললাহর প্রতি ইঙ্গিত করা হয়েছে। সে তার শক্তি নিয়ে অহংকার করতো এবং ইসলাম ও 18:06 মুসলমানদের শক্রতা করার পেছনে প্রচুর অর্থ ব্যয় করেছিল। ইসলামের বিরুদ্ধে এ প্রচুর অর্থ ব্যয় করার বিষয়টি সে বলে বেড়াত। পরবর্তী আয়াতে সেদিকে ইঙ্গিত দেয়া হয়েছে-(সাফওরাতুত তাফাসীর)।
- ৯০:১৮। সংস্থাপার শৃক্ষণ থেকে মানুষকে মুক্ত করা, দুর্ভিক চলাকালে ইয়াজীম শিত ও হতদবিদ্র অনাথ অসহায় মানুষের বাবারের ব্যবস্থা করা। (ইসলাম ও মুসলমাননের প্রতি শঙ্রুতা পোষণ না করে বরং) মুখিননের পরস্পরকে বৈর্থ ধারণ ও সাহায্য-সহানুভতির পরামর্শ দেয়া সৌভাগ্যবান মানুষের লক্ষণ। 10:06 রাসুল (সা.) এর নিকট জিবরাঈল (আ.) আগমনে কয়েকদিন বিলছ হয়েছিল, এতে মুশরিকরা বলাবলি করতে তক্ষ করে যে, মুহাম্মদ (সা.) কে তাঁর
- প্রতিপালক পরিত্যাপ করেছেন, তখন আল্লাহ এ আয়াতওলো অবতীর্ণ করেন-(ইবনে কাহীর)। কাতানাহ (রা.) বলেন, ইয়াতীমের সাথে ঠিক তেমন ব্যবহার করতে হবে বেমন ব্যবহার পিতা নিজের সম্ভানের সাথে করে থাকেন-(ইবনে কাইর)। ।র:হর
- 30:301 গরীব, মিসকীন এবং দুর্বল লোকের প্রতি অহংকার প্রদর্শন করে। না, ভাদের সাথে দুর্ব্বহরে করে। নাঃ ভাদের সাথে কড়া কথা বলো না, ইয়াতীম ও মিসকীনকে যদি কিছু দিতে না পার তবে ভাল ও নরম কথা বলে ভালেরকে বিনায় কর এবং ভাল করে ভালের প্রশ্নের জবাব দাও (ইবনে কান্টার)।
- ১৩:১১। আবু নায্রা (র.) বলেন, মুসলমানরা মনে করতেন যে, নেয়ামতের বর্ণনা দেয়াও কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করার শামিল-(ভাবারী)।
- 38:51 অর্থাৎ হে নবী (সা.)। আমি তোমার কল্যাপে তোমার বন্ধ প্রশস্ত করে দিয়েছি, দল্তামারাপর্ণ ও অনুপ্রহণ্ট করে দিয়েছি। অন্যর আপ্রাহ বলেন, আপ্রাহ যাকে হিনায়াত করার ইক্ষা করেন তার বন্ধ ডিনি ইসলামের জন্য বুলে দেন-(সূরা আনআম, আয়াত-৬)।
- অর্থাৎ, আল্লাহ তাঁর প্রিয় নবী (সা.) এর সমস্ত গুনাহ মাক করে নিয়েছেন-(ইবনে কাহীর)। 38:31 অবসর সময় নট্ট না করে আল্লাধন ইনাদতে ও সম্ভুটির কাছে ব্যয় করা কর্তব্য।

18:84

- ৯৬:৯। এখনে অভিশপ্ত আৰু জেবেশের প্রতি ইঙ্গিত করা হয়েছে। সে রাস্কৃদ (সা.) কে কা'বা যারে নামায আদায় করতে বাধা দিত।
- কৰিছে হাৰ কৰিছে কৰিছে কুৰাতা শুক্তামান ছিবল কৰা হোৱা। এ মিন্সিটিৰ নামী কুৰামান কালে 'বিশ্বাস্থা কৰ'। এ কাহিনি বাল কৰিছে হাল, এ যতে পৰিছে কুৰানা কৰিছি বাং এই কৰাক দুটি কা বিত্ত পাতা। পত্ৰ । এ বাত পাটা কুৰাল পতাই মানুল কৰিছে বাং এই কাই কৰাক কৰিছে বাং এই কাই কৰাক কৰিছে বাং এই কাই কুৰানা কৰিছি বাং এই কাই কুৰানা কৰিছে বাং এই কাই কুৰানা কৰিছি বাং এই কাই কুৰানা কৰিছে বাং এই কাই কুৰানা কৰিছি বাং এই কাই কুৰানা কৰিছি বাং এই কাই কুৰানা কৰিছে কৰিছে বাং এই কাই কুৰানা কৰিছে বাং এই কাই কাই কুৰানা কৰিছে বাং এই কাই কাই কুৰানা কৰিছে বাং এই কাই
- তোমরা রম্পানের শেষ দশ থেজাড় রাজে দাইশায়ুল কলর অনুসক্ষান কর।

  ১৭:৪। এ রাজের ধক্ষমেত আদিনের কারণে এ রাজে জাশিত সংগ্রক পেরেশবা পৃথিবীকে অবর্ত্তীর্থ হন। এব ব্যাথার কাতনা (বা.) বালেন, এ রাজে করর

  কারণে কারণালা করা হয়, বন্ধক তিরিক্তি নির্বাধিক করা হয়। যেনে আরার্থ বেলন, "আমি এক বরুকতমন্ন রাজে কুবান অবর্ত্তীর্ণ করেছি...... এ
- ৯৯:৪) অৰ্থাৎ, খানি পোলাৰূপি ও শুশাকাৰে মাধ্য দেবে আছুক বাছিক বাৰ উপা আছুক মাধুক নাম্বাননী কৰেছে। আৰু হাছামাৰে (ম) পোনা কৰিছে, নাম্বান কৰিছে নাম্বান কৰিছে নাম্বান কৰিছে আৰু কৰিছে নাম্বান কৰেছে নাম্বান কৰিছে নাম্বান কৰেছে নাম্বান কৰিছে নাম্বান কৰিছে নাম্বান কৰিছে নাম্বান কৰিছে নাম্বান কৰেছে নাম্বান কৰিছে নাম্

এনেছিল আর তাদের বিরাট সংখ্যক ঈমান আনেনি। ৬নং জ্বরাতের মাধ্যমে বলা হচ্ছে এরা আসলে ঈমান আনার নয়, এরা জান্নামের স্থায়ী বাসিন্দা।

- ০৪:২। অর্থাৎ, অর্থ-সম্পানের পরিমাণ পুল্লানুপুল্লরেশে হিসাব করে রাখে ও আল্লাহ্র রাজ্যার বরত করে না ও সম্পানে আল্লাহ্র হক আনায় করে না-(ভাফসীরে ভাবারী)।
- ১০৫:১। এখানে আস্তাহ তায়ালা তার প্রিয় নবী (সা.) কে কাবাঘর ধ্বংস করতে আসা আবরাহার হঙিবাহিনী সমূলে ধ্বংস হওয়ার ঐতিহাসিক ঘটনা স্বরণ করিয়ে দেন। একাধিক সূত্রে বর্ণিত হয়েছে, ইয়ামেনের তৎকাগীন পুটান ধর্মালম্বী বাদশাহ আবরাহা সানতে একটি বিশাল গিজা নির্মাণ করেন এবং সে কাৰা মধের পরিবর্তে পিতাঁর এসে হজ্জ পালন করার জন্য আরবদের প্রতি আহ্বান জানায়। তার এ আহ্বানে কুদ্ধ হয়ে অজ্ঞাত পরিচয় এক ব্যক্তি রাতের আর্থারে উক্ত গীর্জার তেতরে মলত্যাগ করে আসে। এতে 'আবরাহা' প্রচণ্ড কিন্ত হয় এবং কা'বা ঘর অংসের শপথ করে। এক বিশাল বাহিনী নিয়ে মক্কা অভিমূপে বাত্রা করে। এ বাহিনীর অঞ্চলগে হিল শক্তিশালী ইন্ডিবাহিনী। তার উদ্দেশ্য ছিল কা'বা শরীফের দেয়ালে শিকল বেধে সমস্ত হাতির গলায় সে শিকল লাগিয়ে দেবে। শিকল টেনে হাতিগুলো কা'বার দেয়াল ঋদিয়ে ছিন্ন-ভিন্ন তথা নিশ্চিফ করে দেবে। এ বাহিনী মঞ্জার উপকর্ষ্টে পৌহলে ভয়ে মঞ্জার লোকেনা পাশ্ববর্তী পাহাড়ে আপ্রয় দিয়েছিল। আপ্রাহ তার দরতে রক্ষার্যে আবরাহা শিবরের উপর আক্রমণ করার জন্য এক বাঁক পাৰি পাঠালেন। আস্তাহৰ সৈন্যদুগ এ পাৰির ঝাঁক কালো থেষের মতো আবরাহা বাহিনীকে থিরে ফেলে। প্রত্যেক পারির ঠোঁটে একটি ও দু'পারে দাটি করে কংকর ছিল। কংকরের টুকরাখলো ছিল মহারের ভাগ বা মাসকলাই এর সমান। পাখিখলো কংকরের টুকরাখলো আবরাহা সৈনাদের উপর নিকেপ করছিল। যার গায়ে কংকর পড়ছিল তার সেহের মাংস বসে পড়তে লাগল। কারো মাধার উপর কংকর বিদ্ধ হয়ে তা মলদার দিয়ে নাড়িসং বেরিয়ে যাদিল। এতাবে সমন্ত আবরাহা বাহিনী ঋংস হয়। ঘটনাটি রাসূল (সা.) এর জানুর বছরই ঘটেছিল। মন্তার ঘটনার প্রত্যক্ষদর্শীরা তথনো শ্লীবিত ছিল এবং তারা মানুষকে সে লোমহর্ষক ঘটনার কথা বলত। সে সর প্রত্যক্ষণবাঁসের মুখে কনা চাক্ষুষ দেখার মতই, সেজন্যই 'তুমি কি দেখনি' কণা হয়েছে। আয়াতে মুহাখন (সা.)-কে সগ্ৰেখন কৰা হলেও এর মাধ্যমে ওৎকাশীন ইসলামের প্রচণ বিরোধী মঞ্চার মুশরিকদেরকে এবং সেই লাখে গোটা মানবজাতিকে তথা পবিত্র কুরআনের প্রভোক পাঠকের শিকা গ্রহণের জন্ম মহান আল্লাহ সেই গোমহর্ধক ঘটনার বর্ণনা দিরেছেন। প্রতে নবী (সা.) এর জন্য আপ্তাহর পক্ষ থেকে আধাস রয়েছে আবরাহার হতিবাহিনীর হাত থেকে যেতাবে আপ্তাহ নিজ ক্ষমতায় কা বাকে রক্ষা করেছেন তার মবীকে তিনি নিজ ক্ষমভাবলে সেভাবে রক্ষা করবেন ও ইসলামের বিজয় দান করবেন।
- ১০6:১1 থানে স্বায়াহ ওয়াশা মন্ধার ধানপাশী ও সন্ধান কুমাইশ বংশকে আনধা এতি আগ্রাহর বড় দুটি নোয়ামতের কথা থানো করিব দিয়ে দিবল পরিবাগা করে একমার জাই ইনাগতের আধানা জানিয়ামেল। উল্লেখন, তিনালিক নারগাই নারার গোকাবের বানসার উচ্চান্দা শীক্ষকাশী হারকা করের হলো শীক্ষকাশ ইয়ামেলে আন্তর্জীয়াকাল বিজয়ন সক্ষার করে সাক্ষার একে পাঞ্চল বিজয়াকাল এবং একে ভালে কলা দুশাল

- ১০+2)। শাহীদাৰ্থ দাৰ্থনি এলোহ মূল পৰ পাৰোৱা হোৱা কৰা বিশ্বামীৰ আছিল- কৰাৰ ও নোৱাহেৰ কিব নেতে। বাসুলা (গা.)-তে আছে ভাৱালা যে যে বোলায়ক দাৰ পৰবাৰে পাৰত কৰাতৰ মূলে সংগ্ৰাহত ও কুম্বালা এছাত্ৰ কৰাতৰ সাক্ষা কৰাত কৰাত কিবলৈ কৰাত্ৰ কৰাত ক 'হাইছে কাইলাৰ' যা বোলায়কেও মাঠে এটকে নান পৰা হ'ব যা বোলা কৰাত কৰা নান কৰে বাহু কিবলৈ হ'ব স্থানীৰ নামক বিশেষ নহ'ব য যাঁকে আছাত্ৰে মান কৰা মূলে প্ৰকৃত্তি, জল-আমিলি ভাৱালীকৈ কৰামা, বিশ্বাম পাছত, আৰু আছিল উল্লেখনিক কৰিবলৈ, বিশ্বাম
- ১৮৮ : অমার্চ রে নাই। বুলি একমার মান্নাকুর উৎস্কারী সালাভ কেবাং। আমার কর এবং কুরবানী করা আহার অক্যর বসায়েন, কন, আমার সালাভ বোলোং), আমার কুরবানী, আমার জীবন ও আমার মার ভালসমূহের প্রভিগালক আহার জান - ভার কেনি করে। এবং আমি ব বালানে আমির বোলা করে আমার মানুক্তিবালি, প্রভাল কামান্নাম, আহাত ১৯৮৬) ডিব্রারা, আমার বুলিকেন নামনা (মানিশান জিল কর পারে কর প্রভাগতি পিন লোনা বাংলাল প্রতিমান্ত্যর মানে পত বালি লোনা। একমারার আহার বাংলাল করা আহার আন্তর বাংলাল করা সালাভ বেলাখা আহার করাত ও একমার আহারের উদ্যোগ করালী করাক কেনোলে সুক্তার কিলিপ্লিটি মানুক্ত বার্থনিক বার্থনিক বার্মনিক করা কিলিপ্ল
- Sobiol পেঞ্চ কটো বা "আৰভাৱ" এমেছে মূল পথ বাভাৱা থেকে অৰ্থাৎ কেটে ফেলা। যে ব্যক্তির কোন কল্যাগের আশা নেই তাকে আৰভাৱ বলা হয়। যার কোন হেলে কয়েন নেই অধনা হয়ে মান গৈছে ভার বাগাখোৱা আনভাৱ পথা ব্যৱহার করা হয়ে থাকে। আছাই গোলাগা বদাহেন, যে দবী। ভূমি আবাল্যান ক বন্ধ চালাই আনভাৱ এবং ইতিয়ান তথ্য বিশ্ব যে, আৰু প্রক্রেশনীই আনভাৱ বান্ধা নিয়েছে।
- 3>>>। "करात मुख्यिक्या बहुए वर्षाय (गीडीक्याट्या) होमूक्त त्या स्थान अपनी दशाय तमाणी दशाय होगा गिर्मा मुख्यिक मुस्ताम (ग्रांत क्षात क्षात मुख्यान कर कर कर के प्राण्य कर कर कर के प्राण्य कर के प्
- ১৯০২। কোন কেন্দ্ৰ মুখননিকের আনই ০. এবান বিজয় ধার্ম কর বিজ্ঞারে কটি ইনিক করা হরেছে। কেননা, আরু বিজয়ের পারেই আবেরে গোরসমূহ, নালা পরস্কুর্তনার আনই (শা.) এর আবে উপন্থিত হয়ে, আভিনিন বিজয়ার ইনামার এবাকে বান্ধান আন্তর্ভাগান করেনে বিজয়ার পারে করেনে বান্ধান করেনে ক

- ১১১:২। অর্থাৎ তার ধন-সম্পদ তাকে প্রাংগের হাত থেকে রক্ষা করতে পারেনি এবং আহাত্রামের আতন থেকে বীচানোর ব্যাপারে তার ধন-সম্পদ কোন ভালে আনকা না
- 555581 আৰু সাহাবের দ্রী উচ্চে জামিল তার সাথে জারান্ত্রমে যাবে। উচ্চে জামিল রাকুল (সা.) এর নামে মানুবের কাহে বিভিন্ন লোব বর্টাতো এবং শামাতা ও বিখেনে ইকা বেচাবে: আহু সাউদ বালে, রাকুদ (সা.) তে এউ কোরে কান লোকন বাকে কানিযুক্ত গাছের সাকট্টির আঁটি বহন করে নিয়ে আগত এবং রাজে সালে (সা.) এই সালার পামে বিছিল্ল কিংকা কিংলা কানি সালি।
- ১৯২১ আছাহ 'এক' ইওয়ার বিদ্যিতী অর্থ, 'আহাহ', একয়ন অর্থাৎ, সংখ্যার আছিটার। ১, আহাহ, এক তার কোন কুসনা ও সরীক নেই। ০, তিনি একক তাকে জাগ করা বাব লা আছাবে, এক সরার কিবটো কুরবান নার্টাল্য, স্থান্টিজনে একটিকে হানে নিতি হয়েছে, 'বান নার্চল নং ১৬, আহাত ১৭, সুরা আছিল। ১, ১, আহাত ১৭, ১, ১, আহাত ১৭, ১, ১, আহাত ১৪, ১, ১ আহাত ১৯, ৯ আহাত ১৯, ১ আহাত ১ আহাত ১৯, ১ আহাত ১ আহাত ১৯, ১ আহাত ১৯,
- ১১২:৩। অর্থাৎ আল্লাহ্র সন্তান-সন্ততি নেই, পিতা-মাতা নেই, ত্রী নেই। কুবজানের জনাত্র আল্লাহ্ বলেন, তিনি আবাদ ও পৃথিবীয় সৃষ্টিকর্তা, কি করে তাঁর সন্তান হতে পারেং তাঁর তো ত্রী নেই, সকল কিছু ডিনিই সৃষ্টি করেছেন- (সূত্র আলবাম নং ৬, আল্লাভ ১০১)।
- ১১২:৪। অর্থাৎ, তার সাথে (সৃষ্টিতে, তার সভার, তাঁর তগারলিতে, তার কর্মে) ভূমনীয় ও সানৃশাপূর্ণ বা তাঁর অনুজপ কিছুই নেই অন্যন্ন আন্তাহ বন্দেন, তাঁর
  অন্তলপ কিছুই নেই বিনি সর্বয়োৱা ও সর্বন্ধীন- সেৱা শরা নং ৪১. আয়াত ১১১।

# পরিশিষ্ট (APPENDIX)

পরিশিষ্ট-১: পবিত্র কুরখানের তরজমায় বাবেছত কতিপার বিশেষ পরিচাযা পরিশিষ্ট-২: মু'জায়ুল কুরখানে বর্গিত কতিপার আরবী শালের বাংলা প্রতিশব্দ পরিশিষ্ট-৩: পবিত্র কুরখানে বর্গিত নবী, রাসুল ও মুমিনদের দু'আসমূহ পরিশিষ্ট-৪: পবিত্র কুরখানে বর্গিত বিজ্ঞান সংক্রোন্ত বিষয়সমূহ পরিশিষ্ট-৪: আহারে সুন্দর নাখসমূহ পরিশিষ্ট-৪: আহারে সুন্দর নাখসমূহ পরিশিষ্ট-৬: পবিত্র কুরখানে সিজ্ঞান আয়াতসমূহ

#### পরিশিষ্ট-১

পা ধৌত করা এবং মাখা মাসহ (ভিন্তা হাতে মুহে দেরা) কে অযু বলে। আদ একটি জনগোষ্ঠী বা সম্প্রদায়। হদ আ, তাদের মাঝে নবী হিসেবে প্রেরিত হয়েছিলেন।

जानमात्र तथा बरमरङ ।

সম্পন্ন করা হবে।

অয

wite

श्रासमान

वाक्सनाथ

# পবিত্র কুরআনের অনুবাদে ব্যবহৃত কতিপয় বিশেষ পরিভাষা

পরিলালা। পরিজ্ঞনতা, নির্মাণতা। শরীরকে বাহ্যিকভাবে পরিত্র করার জন্য ইসলাম নির্দেশিত পছায় পরিত্র পানি দিয়ে মুখমঞ্চন, হাত ও

আনসার অর্থ সাহায্যকারী। রাসুল স, এর যে সব সাহাবী মকা থেকে মদীনায় হিজরত করেছিলেন তালেরকে মুহালির বলা হয়। স্থানার স্থান নার্থ সংখ্যা । সাত্যা সংক্ষার করে বার্থা স্থা বিষয়ে করের তারের এই সংগ্রাক্তর স্থানির মুখ্যাল্যন্ত্র স্থাপুর ও নার্থন বিক্রার প্রাপ্ত কর্মান করেন। পরিত্র কুরুআনে মুখ্যালিরপ্রকে সাহায্যকারী মদীনার এইসর দ্রমিনগুরক

সংখ্যাল করা স্থান্ত স্থান স্থান কর্ম করিছিল লা পত্র। 'আমলনামা' বলা হয় কর্মলিপিকে। প্রতিটি মানুষ দুনিয়ার জীবনে ছোট-বড় ও ভাল-মন্দ যে কাল্যই করে তা সুবই লিখে রাখা হয়। শেষ বিচারের দিনে প্রভোককে তার আমলনামা দেখানো হবে এবং এর ভিনিইে তার বিচারকার্য

বিশ্বক্ততা, আস্থা ও নিরাপপ্তা। বিশ্বাস করে কেউ কোন বন্ধ বা সম্পদ রাখলে তার যথায়থ সরেক্ষণ করা এবং কারো পোপনীয় বিষয়

वायानक	প্রকাশ না করাকে আমানত বলা হয়।			
মার্যাব	শান্তি, সাজা, নির্যাতন, কষ্ট। পার্থিব জপতে শাস্তি ও পরকালীন শান্তি উভয় ক্ষেত্রে আযাব শপটি ব্যবহৃত হয়।			
গারাফাত	হাজীগণ হল্ক পালন করতে গিয়ে এখানে একব্রিত হন।			
নায়াত	পবিত্র কুরআনের প্রতিটি চরণ বা বাক্যকে আগ্নাত বলা হয়। আয়াতের অন্য একটি অর্থ হল নিদর্শন।			
বাখিরাত	পরতাল বা শরলোক। দুশিয়ার এই জীবনাই শেষ মধ্যা দুশিয়ায় মৃত্যার পর মানুষাক্ত আবার স্বীধিক করা যনে এবং তার দুশিয়ার জীবনের জন্ম যথ সং বংগজের হিন্দে নেয়া যনে গুলোর পরিভাগ ধেলি বলে জন্তাতে আর কম হলে জাবন্তানে মাবে। অর্থাৎ দুশিয়ার জীবনের মৃত্যুই মানুকলে পেশে পরিগত্তি মন্ত, শেষ পরিবাতি হল আবিভাতের জীবনে জাত্তাক অথবা জায়োমে।			
<b>रे</b> नजिन	ষ্ট্রসা আ. এর উপর অবতীর্ণ আসমানী কিতাব।			
ইবাদাভ	ইমানাত অর্থ উপাসনা, পূজা, অর্চনা, সেবা ও দাসত্ব। আল্লাহর সম্ভষ্টির উদ্দেশ্যে এবং তাঁর শান্তি থেকে বাঁচার লক্ষ্যে তাঁর অনেশ ও নিয়েখ যথারীতি যেকে চলাই ইবাদাত।			
ইবলিস/শয়তান	ইবলিস শব্দের অর্থ নিরাশ বা হতাপ। ইবলিস জিন বংশোহুত, তার নাম আঞ্চাজিল। জ্ঞানগত যোগতো ও ইবালাতের মাধ্যমে ফেনেসভানের শিক্ষক পদে জুকিত হয়। অহকোর বশত আগ্রাহর আনেশ অমান্য করে আগ্রাহর অভিনাপের শিকার হয় এবং অক্সাহর নিকটে কেনে কিন্তিটিত হয়।			
ইমাম	নেতা, প্রধান, অপ্রধী, আদর্শ। নামাজে ও সামাজিক উভয় ক্ষেত্রে নেতৃত্বের জন্যে ইমাম শব্দটি ব্যবহৃত হয়।			
ইনত	উক্ত শংক্ত অর্থ মেয়াদকাল বা সময়দীমা। তালাক্সাপ্ত মহিলা বা খামী মারা গিয়েছে এমন মহিলার পুনরায় বিয়ের পূর্বে একটা নির্দিষ্ট মেয়াদ পর্বন্ত অপেকা করতে হয় তাকে ইক্ত বলে।			
ইলহাম	ঐশী অনুপ্রেরণা বা ইঙ্গিত। অন্ত্রাহর পক্ষ থেকে মানুষের অন্তরে কোন ভাবের উদ্রেক বা কোন ইঙ্গিতকে ইণহাম বলে।			
ইসলাম	সমর্পদ, আত্মসমর্পদ, বদ্যতা দীকার। নিজের ইচ্ছা ও আকাজ্যাকে বিসর্জন দিয়ে আল্লাহর ইচ্ছাকে সম্ভষ্ট চিত্তে মেনে নেয়াকে ইসলাম বলা হয়। (আল্লাহর মনোনীত জীবন ব্যবস্থার নামও ইসলাম)			
ইহরাম	হজ্জ পালনের জন্য হজ্জের নির্ধারিত পোশাক পরিধান করা ও প্রস্তুতি গ্রহণকে ইহরাম বলা হয়।			
ইহকাল	গনিয়া ইংলোক, পথিবী, বিশ্বপ্রথত।			
देश्यान	দয়া, অনুশ্রহ, দান, কল্যাণ করা, পরোপকার করা, সুসম্পন্ন করা। কোন কাজ সাধ্যমত সুপার করে সম্পন্ন করাকে ইহসান বলা হয়।			
ইয়াজজ-মাজজ	দৃটি শক্তিশালী জাতি			
ইয়াতিম	শান্দিক জর্ব অনাথ। মাতাপিতা জীবিত নেই এমন অপ্রাপ্ত বয়ক্ষ সন্তানদেরকে প্রাপ্ত বয়ক্ষ হওয়ার পূর্ব পর্যন্ত ইয়াতীম বা অনাথ বলা হয়			
देखिग्रीन	উচ্চ মর্যাদাপূর্ণ স্থান। যেখানে মুমিনদের ক্রহ ও আমলনামা রাখা হয় তাকে ইক্লিয়ীন বলে।			
ই'তিকাফ	ই'ভিকাক অৰ্থ অবস্থান করা। মগজিদে বা খনের নির্দিষ্ট স্থানে বিশেষ নিয়ম যেনে নির্দিষ্ট সময় অবস্থানকে ই'ভিকাক বলে। মুসলমানগণ সাধানগত পরিত্র রমজনে মানে শেষ দশ দিন পুরুত্তর মগজিদে ও নারীরা নিজ আবাসস্থান আগ্রাহর সম্ভাৱিত উদ্দেশ্যে ই'ভিকাক পালন করে থাকে।			
देशान	ইমান অর্থ বিশ্বাদ। আন্তাহকে তাঁর সন্তা ও তথাবলীতে একক বলে বিশ্বাস করা, ফেরেশতা, মধী-রাসূল, আসমানী কিতাব ও তার বিধিবিধান, মৃত্যুর পরবাতী জীবন, তাকনীরের তাসমন্দ, জাল্লাত ও জাহান্নাম ইত্যাদি অদুশ্য বিষয়ে বিশ্বাদ করার নাম ঈমান।			
উপাহ	জাতি জনগণ, সময়, মেয়াদ, পথ, ধর্ম। সাধারণ অর্থে কোন ধর্ম বা মতাদর্শে বিশ্বাসী জাতি বা গোষ্টাকে উম্মত বলা হয়।			
উমরাহ	হাজের জন্য নির্বাহিত সময় স্তাড়া অন্য সুবিধামত সময়ে কা'বার তাওয়াফ (প্রদক্ষিণ) এবং সাফা ও মারওয়া নামক দুই পাহাড়ের মধে সায়ী করা (দৌড়ালো) কে অবরাহ বলে।			
<b>डिस्म ग्रह</b>	উত্তদ একটি পাহাড় যা মদীনার উত্তরে অবস্থিত। ইসলামের হিতীয় যুদ্ধ এখানে সংঘটিত হয়েছিল।			
উলল আমর	নির্দেশ দেয়ার অধিকারী। মুসলিয় জাতিকে নির্দেশ দিয়ে পরিচালিত করার যোগ্যতা সম্পন্ন ব্যক্তিকে উলুল আমর বলা হয়।			

#### পরিশিষ্ট-১ পবিত্র কুরআনের অনুবাদে ব্যবহৃত কভিপয় বিশেষ পরিভাষা

একত্বাদী	এক আল্লাহতে বিশ্বাসী। নাজিক্যবাদ ও অংশীবাদের মাঝামান্তি অবস্থান একত্বাদ। যিনি আল্লাহতে তাঁর সভা ও ভগাবলীতে এ বলে বিশ্বাস করেন তিনি একত্বাদী।				
ওয়াদা	অঙ্গীকার, প্রতিশ্রুতি, কথা দেয়া।				
ওপর	ইসগামী জীবন বিধানে ক্ষমণের যাকাতকে ওশর বলা হয়।				
ধসিয়ত	উপদেশ, আদেশ, উইল। মত্যুপথমাত্রী ব্যক্তির অন্তিম উপদেশকে ওসিয়ত বলা হয়।				
क्वद्र	সমাধি, যেখানে মৃতদেহ সমাহিত করা হয়।				
कत्रम	नगर, मिरा				
ক্সর নামায	সফরে বা যুদ্ধকালীন সময়ে সংক্ষিপ্ত নামান্ধকে কমর নামান্ত বলা হয়।				
কাওচার	জান্নাতের একটি নহর, পবিত্র কুরজানের একটি সূরার নাম কাওছার।				
कांकिव	অবিধাসী, অকৃতন্ত, কৃষক। ইসলামী পরিভাষার আদ্রাহন অন্তিত্তে অবিধাসী, তাঁর বিধান অধীকারকারী ও তাঁর নেয়াযতের প্রতি অব্ ভন্ত ব্যক্তিক কাফির কণা হয়।				
কুরবানী	নৈৰ্কট্য, সান্নিধ্য, উৎসৰ্গ । ইমলায়ে কুরবানী বলতে বুকার আল্লাহর নৈকট্য লাভের উদ্দেশ্যে নির্ধারিত দিনে (বিশহজ্ঞ মাপের ১০ তারিবে ঈদুস আজহার নামাযের পর আল্লাহর নামে হালাল পত জবেহ করাকে কুরবানী বলা হয়।				
কিয়া <b>ম</b> ড	কিয়ামত শব্দের অর্থ দভায়ধান হওয়া বা পুনক্রখান। কিয়ামত বলতে মহাপ্রদায় থেকে তক্ত করে আছিবাতের জীবনে কবর থেকে উঠে আল্লাহর সামনে দখ্যামান হয়ে হিনাব-নিকাশ সম্পন্ন করা পর্যন্ত সংক্রিয়কে বুঝায়।				
থেয়ানত	বিশ্বাসঘাতকতা করা বা বিশ্বাসভক করা, গঞ্জিতবস্তু আত্রাসাৎ করা ও গোগনীয় বিষয় প্রকাশ করে দেয়া এসবই বেয়ানত। বেয়ানত কবীরা গোনাহ বা মহাপাপ।				
থশিকা	প্রতিনিধি, উত্তরাধিকারী, স্থলাতিষিক।				
গনীমত	गुष्करास मण्यम ।				
<b>शिक्यान</b>	গোলাম শব্দের অর্থ বালক, বন্ধ বচনে গিলমান ব্যবহৃত হয়। তারা সর্বদা জান্তাতবাসীদের সেবায় নিয়োজিত থাকবে।				
গোনাহ	পাপ, অপরাধ ও গঠিত কাজ।				
बिन	জিন এক বিশেষ সৃষ্টি। খৌয়াবিহীন আঞ্চন থেকে সৃষ্টি করা হয়েছে।				
क्षित्रहादेश	াজন এক।বংশৰ সূচ্য বেয়াবিহান আহন থেকে সূচ্য করা হয়েছে : প্রধান ফেরেনতা।				
स्किराम	অবাশ কেন্ত্ৰেশত। । চেষ্টা করা, সাধন্য করা, সর্বশক্তি নিয়োগ করা, অন্যায়ের বিরুদ্ধে লভাই করা।				
सिकिव	স্মরণ করা, উল্লেখ করা, বর্ণনা করা, উপদেশ।				
<b>काट्य</b> नियाज	জ্জতা, মৰ্থতা।				
জারাত	উদ্যান, বাগান, বর্গ। পরকালে বিশ্বাসীরা ভালকাজের পুরস্কার স্বরূপ জান্নাতে স্থায়ীভাবে অবস্থান করবে।				
ভাহানাম	নরক, দোষে। অবিশ্বাসী ও পাণাচারীরা পরকালে তাদের কৃতকর্মের প্রতিফলস্বরূপ জাহান্লামে থাকবে। যেখানে রয়েছে আত্নসম নানারকম যন্ত্রণাদারক ও অপমানকর শাস্তি।				
व्यानिम	অত্যাচারী, অন্যায়কারী, নির্বাতনকারী।				
ভূমু'আ/ভূমা	সন্তাহের অরুবাবে মুস্পমানগণ যোহর নামাযের সময়ে মসজিদে একপ্রিক্ত হয়ে যোহর নামাযের পরিবর্তে দৃটি খুংবাসহ পোনা ও জামায়াতের সাথে দৃই বাকাত ফরজানামাজ আনায় করাকে জুমু'আ কলা হয়।				
ভূপুম	অভ্যাচার, নির্বাতন, অন্যায় আচরণ। যে কোন ধরণের অন্যায় আচরনই জুলুম আর সবচেয়ে বড় জুলুম হল আঞ্চাহর সাথে শরীক করা।				
তথবা	প্রত্যাবর্তন করা, অনুশোচনা করা, ক্ষমা প্রার্থনা করা। কোন অন্যায় বা পাপ কর্মের পর অনুভক্ত হওয়া, পুনরায় না করার ব্যাপারে দৃঢ় প্রতিক্তা সহকারে কৃত অপরাধের জন্য ক্ষমা প্রার্থনা করা।				
ভাগত:	মূর্তি, দেবতা, শয়তান, আল্লাহবিদ্রোহী। সকল প্রকার আল্লাহন্রোহী শক্তিকেই ভাতত বলা হয়।				
তাওহীদ	একডুবাদ। আল্লাহ একজন। আল্লাহ উপাস্ত, প্রতিশাসক এবং সার্বিক গুণাবলিতে একক সন্তা। তাঁর কোন শরীক, অংশীদার বা সমকক্ষ নেই।				
ভাকওয়া	ভয় করা, আত্মহক্ষা করা, সাবধান বা সচেতন থাকা। আহ্লাহর শান্তির ভয়ে ভার আদেশ নিষেধ মেনে চলার ব্যাপারে সর্বদা সচেতন থাকা। গোনাহ বা পাপ থেকে থেঁচে থাকাই ভাকওয়া।				
তায়াস্থ্য	ইচ্ছা করা বা নিয়ত করা। ইসলামী পরিভাষার কোখাও পানি না থাকলে পবিত্যতার নিয়তে মাটিতে হাত মেখে সেই হাত দিয়ে মুখ ও হাত মুক্তেই করাকে তায়ানুম বদা হয়।				
मङ्ग्न	রাস্পুলাহ স. এর উপর রহমাত নাথিপের জন্য আল্লাহর নিবউ দোয়া করাকে দরুদ বলা হয়।				
দাস-দাসী	ক্রীতদাস ও ক্রীতদাসী। আয়ামে জারেশিয়াত তথা অন্ধনার যুগে যখন মানুষ বেচা-কেনা হতো তখন বিক্রিত মানুষকে দাস/দাসী বলা হতো।				
দোজৰ -	নরক বা জাহান্লাম। কাফির, মুশরিক ও পাপীদের আবিরাতের আবাস হবে এই জাহান্লাম।				
দিয়া <b>ত</b>	রক্তপণ, রক্তমূল্য। হত্যাকারীর উপর ধার্যকৃত ক্ষতিপুরণ যার বিনিময়ে হত্যাকারীকে শান্তি থেকে মুক্তি দেয়া হয়।				
नक्त्र	व्याद्या, शामी, वाकि, मामग, निक्ष देव्यानि।				

#### পরিশিষ্ট-১ পবিত্র কুরআনের অনুবাদে ব্যবহৃত কতিপয় বিশেষ পরিভাষা

<u>শেয়ামত</u>					
CHRISTO	আশীন, দান, অনুগ্ৰহ, সম্পদ, প্ৰাচুৰ্য। বান্দার প্রতি আস্তাহর সকল দান বা অনুগ্রহকেই নেয়ামত বলা হয়।				
নামাৰ/সালাত	নামায ফার্সি শব্দ আরবীতে সালাত। সালাত শব্দের অর্থ দোয়া। ইসলামের পরিভাষার সালাত বলতে প্রতিদিন ৫ বার নির্ধারিত সমরে বাসুল সা, কর্তৃক নির্দোশিত নিয়মে আনুষ্ঠানিক সালাত আদায়কেই বুঝানো হয়।				
প্রকাশ	পরালেও । নৃনিয়ার এই জীবনই শেষ শব। দুর্শদায় সুমুত্তর পর মানুষ্যকে আবার জীবিও করা হবে এবং তার দুনিয়ার জীবনের তাল মধ্ সব তৃতকর্মের হিমার দেয়া হবে। গুণোর পরিযাণ বেশি হলে ভান্নাত আর কম হলে আরান্না। অর্থাৎ দুনিয়ার জীবনের সুমুট মানুষ্যে শেষ পরিপত্তি লয়, শেষ পরিপতি হল পরকালীন জীবনের জান্নাত অববা জাহান্নায়।				
প্রতিপালক	আরবী (رب) রব শব্দের অর্থ প্রতিপালক বা লালন-পালনকারী। এটি আল্লাহর একটি গুণবাচক নাম। আল্লাহ একমাত্র ব্রষ্টা আ সবক্ষিষ্ট তার সৃষ্টি। সকল প্রাণীর তিনিই একমাত্র সৃষ্টিকর্তা, বিধিকলাতা ও লালন-পালনকারী।				
পরগাম	ঞার্সি ভাষার শব্দ, যার অর্থ বাণী, বার্তা বা খবর। আল্লাহর পক্ষ থেকে নবী ও রাসুলগণের প্রতি প্রেরিত বাণীকে পয়গাম বলা হয়				
কেরেশতা	আলোর তৈরি আল্লাহর এক মহান সৃষ্টি। আল্লাহর একান্ত অনুগত, সর্বক্ষণ তারই প্রশংসায় রত এবং তাঁর আদেশ পাদনে অপেকমান				
क्य्रगाना	সিদ্ধান্ত, সালিস, বিচার, মীমাংসা, নির্ণয়।				
ফাসিক	অন্যায়কারী, পাপাচারী।				
<b>क्</b> किब	দবিদ্র, পরিব, অভাব্যান্ত। মৌলিক প্রয়োজন মিটানোর মত পর্যান্ত অর্থ-সম্পন নেই যার এমনি ব্যক্তিকে ফকির বলা হয়।				
ককেওয়া	রায়, মত, সিদ্ধান্ত। কোন বিষয়ে ইসলামী শরীয়ার বিশেষজ্ঞদের প্রমাণভিত্তিক রায় বা সিদ্ধান্তকে ফতওয়া বলে।				
क्त्रक्र/कृत्रय	অবশ্য পালনীয়। ইসলামী পরীয়তের অবশ্য পালনীয় বিধানকে ফরন্ত বলে যার অমান্য করা মহাপাপ।				
किम्देश/किनिया	বিনিময়, মুক্তিপণ। দত্ত থেকে মুক্তি পাওয়ার জন্য প্রদের বিনিময়।				
<b>ফিরদাউ</b> স	বর্গ, উদ্যান, বাগান, বেহেশৃত (Paradise)।				
ফির <b>আ</b> উন	প্রাচীন মিসর সম্রাটের উপাধি।				
क्षिणम	দাঙ্গা, গোলযোগ, বিপদ, কট, পরীক্ষা, আকর্ষণ।				
বাদ্দা	मात्र दा जाव्यादर ।				
নায়তুল মামুর	বায়তুল মামুর এর শাদিক অর্থ এমন গৃহ যেখানে সর্বদা জনসমাগম হয়। কেউ কেউ মনে করেন এর ছারা ফেরেশভানের ইবালতের স্থান বুখায়।				
বাতিল	মিখ্যা, অলীক, অন্যায়, অকেজো।				
বনি-ইসরাইপ	হমতে ইয়াকুব (যাকুব) আ. এর অপর নাম ইসরাইল। তাঁর ১২ পুত্র হিল। এই বার পুত্রের বংশধরকে বনি ইসরাইল বা ইসরাইলে সন্তদ-সন্তব্ধে কলা হয়।				
বেদুইন	গ্রাম্য আরবদেরকে বেদুইন বলা হয় :				
বেহেন্ত	জন্মত, বাগান, উদ্যান, বাগিচা। বেহেন্ত হল আধিৱাত বা পরকালের জীবনে পুণ্যবানদের জন্য চিরন্তম ও শান্তিময় আবাস।				
মোহরানা	মুসলিম বিয়েতে স্বামী কর্তৃক প্লীকে প্রদেয় অর্থ-সম্পদকে মোহবানা কলা হয়। মোহবানা এক প্রকার ঋণ যা অবশ্যই পরিশোধ্য।				
মোহরামা/মাহরিম	শাধিক অর্থ নিষিদ্ধ ও পরিত্র। ইসলামী পরীয়াতে মুহরামা বলতে বুঝায় সেইসব স্ত্রীলোকদেরতে যাদের সাথে বিবাহ বন্ধন ইসলামী পরীয়তে হারার বা বিধিদ্ধ। এনের সাথে পর্যা করতে হয় না।				
মজশুম	নির্বাতিত বা অত্যাচারিত ব্যক্তিকে মাজলুম বলা হয়।				
মাৰ'আঞ্জল হারাম	এবটি পৰিৱন্থন। এটি আরাফাত ও মিনার মধ্যবর্তী মুক্তানিকা নামক উপত্যকায় অবান্থিত একটি পাহড়েক মাম "মাণ'অঞ্চল হারাম'। বিদয়ক্তর মাসের ১০ ডারিমের দিবাগত হারের উক্ত উপত্যকায় 'মাণ'আঞ্চল হারাম' এ উপস্থিত হয়ে অধিকমান্ত্রাহ জন্ত্রাহতে বিকর করতে বলা হয়েছে।				
মীরাস	উত্তরাধিকার বা উত্তরাধিকারসূত্রে প্রাপ্ত সম্পত্তি।				
<b>मुनाक्षिक</b>	কপট, ছিমুখী স্বভাবের লোক, গ্রকৃত পরিচয় গোপন করে চলে এমন ব্যক্তি।				
<b>पूराकी</b>	সংযত ও সতর্ক ব্যক্তি। যে ব্যক্তি আল্লাহর শান্তির ভয়ে তাঁর আদেশ নিষেধ মেনে চঙ্গে সংযত ও সতর্ক শ্লীবনযাপন করে।				
মুবাহালাহ	পারশারিক অভিশাপ বা ঐকান্তিক প্রার্থনা। সত্তা ও মিদ্যার মীমাংসা কমন অন্য কোম উপায়ে সম্প্রব হয় না তথম উক্তয় পক্ষ খেলা আকাপের মিত্র এবাকজনের আয়ারে কাছে এই প্রার্থনা করনে যে 'আমানের উক্তয় পরেক মধ্যে পারা সত্যবাসী তারা টিকে গাইক আরা মারা মিকারাসী তারা আন্তারে অভিশালে খালে ইউক ।' আনুস্কান, নারজনের ক্রিফানসেরক মুখ্যালায় আহানা করলে ক্রিফানগণ মুখ্যালার করকে অধীকার ব্যব্ধ এই ক্রিকাল্য কর মিত্র সংক্রম হব।				
<b>मृ</b> नदिक	অংশীবাদী। আল্লাছর সাথে যারা অংশীদার বানায়। যেমন- মূর্তি পুঁজা করে যারা ভারা মুশরিক।				
युग <b>लि</b> म	মুদলিম অর্থ আত্মসমর্পবকারী। আল্লাহতে সমর্পিত ব্যক্তিকে মুসলিম বলা হয়।				
মুহকাম/মুহকামাত	সুস্পতি। প্রবিদ্ধান কর্মানের অধিকাংশ আহাত সুস্পত্তি ও বোধগধ্য । এ আয়াগুছলোই কিতাবের মূল। শরীয়তের বিধিবিধান এগুলো থেকেই উৎসাধিত। এগুলোকে আয়াতে সুহুকামাত বদা হয়।				
মুহাজির	বেশক তথ্যাত্তৰ অন্তল্যাকে পান্নাত মুখ্যমাত পদা বয়। দেশ তাগী বা বিজ্ঞাকজনী। আসুদ্বাহাৰ স. আয়াহৰ নিৰ্দেশ মন্ধা থেকে মদীলায় চলে যান। ইসদামে এটি হিজয়ত বলে পরিচিত নাসুলের যে সব সাহাবী মন্ধা থেকে মদীনায় হিজয়ক ব্যক্তিদেশ তাসেরকৈ মুহ্যন্তির বলা হয়।				
प्रदर्शिन	अनुरात ए पर गाएका वका एरएक स्थानाव एकप्रक करणाङ्गान जारमारक मुशाबाद वना १४। व्यवदारमीन, मानमीन, नदानकादी, अरकप्रभावावन ।				

#### পরিশিষ্ট-১ পবিত্র কুরআনের অনুবাদে ব্যবহৃত কতিপয় বিশেষ পরিভাষা

प्"मिन	বিশাসী। আল্লাহ, রাসূল, কুরআন, পরকালে বিশাসী।
জোহিদ	আল্লাহ্নর কালিমা ও আল্লাহর দ্বীনকে মানুক্ষের গড়া ক্ষন্য সব বাতিল দ্বীন ও মতানর্শের উপরে বিষয়ী ও প্রতিষ্ঠিত করার জন্য যে ব্যক্তি সূর্বাস্থ্যক চেষ্টা করে তাকে মুকাবিদ বলা হয়।
্বিজা	অপৌঠিক বিষয়, বিষয়কৰ বিষয়। নবী ও রাসুগগণের শক্ষ থেকে জন্মাহর ইচ্ছায় এমন ঘটনা সংঘটিত হওয়া যা গাভাধিক নিয়মে সম্ভব নয়। যেমন মুদা আ, এর গাঠি সাপে পরিণত হওয়া।
<b>ত্তাশাবিহ</b>	অস্পষ্ট বিষয়। পৰিত্ৰ কুৰআনের কিছু কিছু আৱাত আছে মুতাশাবিহ যার অর্থ অস্পষ্ট যা নিশ্চিত করে বলা যায় না। এর প্রকৃত মর্ম আল্লাহ জানেন। এসৰ আরাত ভারা পরীয়তের কোন বিধান প্রমাণিত হয় না। কেবল বিশ্বাস করতে হয় যে একলো আল্লাহর আয়াত।
भेगान	মানদও, দাড়িপার্র্য, কিয়ামতে পুন্ত ওজন করার ব্যবস্থা।
ই <b>লা</b> ত	লাভি, ধর্ম, দল, সম্প্রদায় ও আদর্শ।
देशक्य	নিয়ম, অসহায়, সর্বহারা।
বনা	ব্যভিচার, অবৈধ যৌনকর্ম।
হাকাত	যাকাত অৰ্থ পৰিপ্ৰতা। দিনাৰ পরিমাণ সম্পদের উপরে এক বংসর অভিক্রম করলে যোট সম্পদের ২,৫% অংশ পৰিত্র কুরআনে বর্ণিত নির্মাধিত খাতে প্রদান করাকে যাকাত বলে। বিজ্ঞানিত ইনভেক্স দেবে নিন।
येदात	মারের সাথে প্রীর উপমা দেয়া।
রেসা <b>লা</b> ত	বার্তা, বাণী, রাস্তলের পদ।
वकानी	আপ্রাহওয়ালা, প্রস্তুত্ত, ধার্মিক, ধর্মীর পক্তিত।
লাইলাতুল কদর/	মর্যাদাপূর্ব রাজ। রমজ্ঞান মাসের এমন এক মর্যাদাপূর্ণ রাত যা হাজার মাসের চেয়ে উত্তম।
শবে কদর	এ প্লাতের বর্ণনা কুরআন মঞ্জীদে সূরা বদর নং ৯৭ এ রয়েছে।
ৰা'নত	অভিশাপ।
<b>শ্বতান</b>	দুরাচারী, ইবলিস। আগুনের সৃষ্টি। মানুহের মনে কুমন্ত্রণা দিছে মানুহকে পথন্তই করে।
শিৱক	অংশীবাদ, এক আল্লাহর সন্তা ও গুণাবলিতে কাউকে সমকক নির্বারণ করা।
96	ক্সহ অৰ্থ আত্ম। জিবৱাইল আ, কেও ক্সহ বলা হয়।
রিসালাত	রাস্পের পদ, বার্তা, পুঞ্জিকা।
সধয়াব	প্রতিফল, পুরস্কার, প্রতিদান।
সহীকা	ক্ষম গ্রন্থ, পঞ্জিকা
সাদাকা	মান যে কোনে ভাল আছু সামুক্তা বা সক্ষয় কান্ত পাবে। সামাকার ক্ষমা একটি কর্ম হল যাকাত।
সালাত/নামায	সাপাত আরবি শব্দ। নামার কার্সি ভাষার শব্দ। সাধ্যাত শব্দের অর্থ সোয়া। ইসপারের পরিভাষার সাপাত বলতে প্রতিদিন ৫ বার মির্বাহিত সময়ে রাসুপ সা, কর্তৃক প্রদর্শিত নিয়মে আনুষ্ঠানিক ইবালতকেই বুকানো হয়।
ति <b>व्यो</b> न	শাধিক অর্থ কারাগার। কাফিরদের আজ্ঞা ও আমলনামা রাখার স্থানকে সিন্ধীন বলা হয়।
शिक्षिक -	সম্মান্ত্ৰী নামপ্ৰাহণ গৃতি ইয়ালনার।
रक्	হল্ধ শধ্যের অর্থ, ইছার, অভিযায় বা সংকল্প করা। ইসলামের পরিভাষায় হল্ধ বলতে বুথায় বছরের নির্ধারিত সময়ে ইংরাম অবস্থার অধ্যাস ক্রীয়া অমন্ত্রিয়া ও পার্যায়াত অবস্থান্ত অবিধ বিভা আন্ট্রানিক কার্য সম্পন্ন করা।
হরুকে সুকাঞ্ডায়া	বিচিদ্ধা কর্ণ। পরিত্র কুনআনের বেশ কিছু সূরার তকাতে এমন এক বা একাবিক কর্মাখ্যা দেখা যায় যা কোন শব্দ গঠন করে না একালোকে বর্ণ হিসেবেই লয়তে হয়। একালার সঠিক তাংশর্ম উদয়টিন করা যায়নি। একালা বুকশানিহ আয়াতের মধ্যে গখ্য। একালো সঠিক মর্ম্ম আয়ুবাই কাল দানেন।
হারাম	মিবিদ্ধ, অবৈধ, সম্মানিত ও পবিত্র।
হালাল	বৈথ, অনুমোদিত।
হাশর	হাপর অর্থ একটিত করা। কিয়ামতের দিন আন্তাহ সকল মানুষকে দূনিয়ার জীবনের কৃতকর্মের হিসাব গ্রহণের জন্য একটিত করবেন এই একটিত করণকেই হাসর বলা হয়।
<b>ē</b> 4	অন্ধরী, পরী, অধিক নাদা ও গাড় কাল চোখ বিশিষ্ট। যারা হবেদ ছাল্লাভবাসী পুরুষদের সঙ্গী।
হিক্সত	প্রভা (Wisdom), বিচন্দপতা, কৌশল।
दिसराठ	ত্যাপ করা, দেশ ত্যাপ করা। আল্লাহর নির্দেশে রাসূল (স.) কর্তৃক মঞ্চা ছেড়ে মনীনার চলে যাওয়ার ঐতিহাসিক ঘটনাটি ইসলানে জিকারত বলে পরিচিত।

# পরিশিষ্ট-২ পুরিত্র কুরআনের কৃতিপয় শব্দের বাংলা প্রতিশব্দ

বংশা ধ্রতিশব্দ/ অনুবাদ	আরবি শব্দ	বাংশা প্রতিশব্দ/ অনুবাদ	আরবি শব্দ
পিতৃপুরুষ	آياء	বাতিল, মিখ্যা, অনৰ্থক, বাতিল পদ্ধা, অসত্য, অন্যায়	Jan Jan
দৃষ্টি, দৃষ্টিশন্তি, চোৰ	أيصار	সমুদ্ধ, সাপর	
ছেলে, পুত্র, পুত্রসন্থান	ind.	কল্মাণ, কল্মাণ (ব্যুক্ত)	¥.
মুসাফির	اون السيل	तमान, मनिन-श्रमान	رهان
जनुमवर्ग, जामुगडा, स्मरम छना	اتباع	अकू, दशब, मृडि, मृडिनांकि	,,0
चनार, नान	ril.	সংশ্রুষ্টা, দৃষ্টিবান, দৃষ্টিশক্তি সম্পন্ন	,
वनीया धनाइ	إنم كبير	গঠানো, পুনক্তবান, পুনজীবিত, প্রেরণ, উঠানো, উত্তিত	مث م
পারিপ্রমিক, মোহরানা, প্রকিদান	أج	ব্যষ্টিচারিণী, অভিক্রম, বিদেশ, বাভাবাড়ি	
निर्मित, निर्मित गमा (देवन्ड), एकु (न्याव), (महान, नमह, नमह (देवन्ड)	ja-l	অভ্যাতসারে, জ্ঞান হাডাই	تان شرطتم
কল্যাণ, ভালকাম, সঠিক, সংকর্ম, সদাং ব্যবহার, সন্যাহণ,		প্রীষ্	× × ×
সন্মৰহার, সভার, অন্যাহ, উর্ম	1	বনী ইসৱাইল	بن اسرائیل
বৈচিত্র, মতভেদ, মতপার্থক্য	اعتلاف	শ্বাই, সুস্পাই, সুস্পাই প্রমাণ	زان اسر انول بنة
অথিয়াত, চুড়াস্ক, পরকাল, পরবর্তী, শেষ,	Tags	राक्ता व्यवस्थान क	يته نقون
feet fez	Jesi,	छेपामन अस्प चेपामन अस्प	
অনুমতি, আদেশ, ইয়া, নিয়েশ	ادبار اذن	ভাগৰীত, পৰিপ্ৰভা ঘোষণা	نذكر
देखाः, प्रेटक्नाः, जामना, शतुवा	101	নিয়েজিত করা, অধীন করা, অনুগত করা	
প্রতি, ওপেন্, ভারমা, ভারমা প্রতিনা, প্রবাহিত করা, প্রেম্প, বর্মপ, ছিরানো	ارادة ارسال	নির্যালত করা, অধান করা, অনুশত করা: নির্যালন, পরিমাপ	نىخىر
গ্ৰহাল, এখাৰ্ড কৰা, তেখা, গ্ৰহা, কৰালো কমি, বমীন, পথিবী, তথত, তগৰ্ত, আবাস তথি			غدير
कुर, परान, गुम्बना, युवच, युन्च, जानान युन्च कामानार्थना	ارض	প্ৰদান, অন্ত পঠানো, অন্তিম গাঠানো, আগে পাঠানো, তম্ম, তাঞ্চপ্ৰয়া	ظديم
ঠাটা-বিদ্ৰুপ ঠাটা, বিদ্ৰুপ			ئلوي
রাধা-বিপ্রশ, রাধা, বিপ্রশ হত্তবন্দি	إستهزاه	পাঠ করা, পাঠ করে তথানো, তিলাওয়াত	للاوة
বুকবন্দ ব্যৱস্থা করলো	السراسرى	তওবা কবুলকারী	تواب
রমণ করনো ইসলাম, সমর্শন, আন্তরমর্থণ, উসলাম প্রবণ	June 14	তওবা, অনুতর হয়ে খিরে আসা	توبة
	J-Kn	ভরদা	نوکل
श्र <b>ा</b> टयमी	أصحاب الجنة	পৃষ্ঠপ্ৰদৰ্শন, ফিৰে যাওয়া, মুখ ফিরানো, দায়িত্ব নেয়া, পলায়ন	نول
আন্তনের অধিবাসী	أصبحاب النار	খণ্ডয়াব, পুরস্কার	لواب
গছলকরা, মনোনীত করা	اصطفاء	অহিনী ৰূগ, সম্ভতা	جاهلية
সংশোধন, সংস্কার, আপোস-নিম্পন্তি, কল্যাগ	إصلاح	অভ	جاهلين
খাওয়ানো, আহার করানো	إطمام	জাহন্লম, আগুন, ওীব্ৰ আগুন	-
विश्वा इठमा, ब्रह्मा, ब्रह्मा	الفتراء	গরেচিড, অপরাধ	
कारक्रम, श्राविकिय	إقامة	ক্ষতিপূরণ, পুরস্কার, প্রতিদান, প্রতিক্ষপ	جزاء
শপথ, কসম বরা	إقسام	সৃষ্টি, ছাপন, করা, বানানো, গণ্য করা, ভৈরি, নিযুক্ত করা, নির্মিষ্ট	
আহার করা, করালো, গাওয়া	أكل	क्वा, निर्दाण, निर्धारण कदा	جمل
ইলাহ্ উপাস্থ	إلم	অনুতে, বাগান	جنات
যদ্রণাদারক	اليم	অপরাধ, লোহ	جناح
কিতাব, নেতা, পথ, পথপ্রদর্শক, আমলনামা	elej	বাহিনী, সৈন্যবাহিনী,	جند
জাতি, উপত	2,41	स्थित्तम्, शरकंद्रा,	جهاد
আদেশ, এই, করণীয়, কান্ধ, কর্ম, বিচার, বিষয়	الم	श्राश्रहाम	plat
<b>अब्रक्</b>	face	श्रम	Jet
घरतिर्ग कत	إنزال	গ্রেম, পছপ, ডাপবাস্য	
बाह	إنفاق	দড়ি, রশি, ধমনী, বেড়ি	حيق.
नव्य	أبيار	বুরান্ত, কথা, কথাথাঠা, কাহিনী,	حديث
অভিভাবক, পরিবার পরিজন, বাসিন্দা, যোগ্য, প্রী, স্বঞ্লন, হ্বলার,		নিবিদ্ধ, পবিত্র, হারাম, সম্বানিত	سرام
অধিকারী, অধিবাসী, আপনজন	Jal	সংকীৰ্ণতা, অসুবিধা, কটিন, পোষ, ছিধা	
আহলে কিভাব, কিভাবধারী	أمل الكتاب	প্রজুগিত আগুন	حريق
সন্তান, সন্তান-সন্ততি	أولاه	मुफिका, मुश्च, मृश्च-मुर्मना, विषद्वाचा, त्नाक	حزن
জ্ঞানের অধিকারী	الوثوالمشيأتوق الأثياب	হিনাৰ, হিনাৰ-নিকাশ	حساب
পুথিমান	أولواالألباب	একমিত, একর, সমবেত	حلم
नुष्टिमम्भन्न	أوق الأبصار	হিতাতৰ (ক্ষমা চাওয়া)	ihe
শক্তিধর, শক্তিশালী	اولى ياس	হুতামা (গোৰখ)	inter
वाग्राङ, निमर्गन	آية آيت	বৰাবৰ, যথাৰ্থ, সঠিক, সভা, বান্ধৰ, সভা হওয়া, অধিকার, হক,	- CAR
ইমান, বিশ্বাস	ild	উপর, অবধারিত	حق
বিবোধিতা, বছ, শক্তি, শাস্তি, সংগ্ৰাম-সংকট	يأس	Rolland	حكاء

#### পরিশিষ্ট-২ পবিত্র কুরআনের কতিপয় শব্দের বাংলা প্রতিশব্দ

বাংলা প্রতিশব্দ/ অনুবাদ	আরবি শব্দ	বাংলা প্রতিশব্দ/ অনুবাদ	আরবি শব্দ
প্ৰজা, কাহদালা	حكم	কট্র, কালিয়াজনু, কুকর্ম, ক্ষতি, বারাপ, নিকৃত্ত, বিপদ, মন্দ,	
हिरुपार, लक्षा	حكمة	यमिष्ठ, यम्रज्ञम, भाव, यज्ञण्यकाव	
প্রভাবান, প্রভাময়	حكيم	হীন, অকল্যাণ, অনিষ্ট, পাপ, মন্দকান্ত, মন্দক্ষ	مينة .
शमाम, देवव	حلال	बर्धाव	شديد
বন্ধু, অন্তরঙ্গ বন্ধু, উত্তর পানি, ভূটত্ত পানি		অংশ, অংশীদারিত, শরীক	شرك
বিচছ জন্তর একচবাদী	حزيف	গ্ৰন্থ (পৰীক), জংশীদাৰ	شريات
MA.	1,00	অনুচৰ, অনুধাৰন, টের পাওয়া	شعور
Ratio	غاشم	সুনাবিশ	initia
कृती, जमर	خالداً خالدون	প্রতিদাননাতা, কতন্ত্র	شكور
ছণা, অধ্য মন্দ, অপ্ৰিৱবন্ধ,	خيت	সাকী, পহীদ, সহযোগী	المهداء ا
मण, जायधारक, जन्मान, जाङ्गना	شزي	পৱাৰৰ্শ	توري
भारतित अवित	خزينة	वक्रथति, वक्ष	ساعتة
দনভাবার, ভাগার অপরার, পাশ	خطيتة	महत्तास	صاخات
चनशर, नान इत्यक्तिस्थाते, अविनिध, ज्ञनाविधक	عنبنه	সহিত্য, আমলনাথা	سيند
	, re-	(संदर्गमा	مأقات
(न्हं, डाम, डामवाक, गरर्राचम, उरवृष्टे, उत्तम		থান, দান-খয়বাত, যাকাত	صدقة صدقات
অধিরত, আবাস, আবাসহুল	دار	নাপতে, অনুহত্	مبلو1
পদ্মাৎ, পিছন, পিঠ	دير[اديار	সাধাত, অনুমৰ্ পদ্ধন্তকা, বিচাঠি, নাইতা, উধাও হওয়া,	المالوة المالال
ভারা, দোয়া করা, আহ্বান	دهوة		طاهوت
দুনিয়া, নিকট, পুমিবী	دنيا	898	طاهوت طعام
দিৱত, রক্তপপ	دية	चाना, चाचाव	
হাঁদ, বিচার, আদুগত্য , প্রতিফল, বিধান,	فهن	পবিত্র, পবিত্র বস্তু,	طيباً طيات قاتم
খন্তৰ, উল্লেখ, কথা, কুলআৰ, থিকিন, বৰ্ণনা, আলোচনা, উপদেশ, উপদেশৰাণী	ذكر	আদিম, দীমালকদকারী, অভ্যাচারী	
অংশ, এশটি, অপরাধ, পাপ	قضيه	খুনুম, সীমাগকান, অন্যায়	قلم
শারিদাতা	لحو انتقام	भिन्न, शृष्ठं, शिर्ठ	44
ইমানসর, মুমিন, বিশ্বসী, ইমান এনেছে যাবা	الذين أمنوا	পরিপতি, পরিশাম, তভ পরিশাম	مالية
আহলে কিতাৰ, কিহাৰপ্লান্ত	الذين اونوا الكتاب	জগতসমূহ, মানবগোচী	ماللين
ककित, कुछती करतरह याता, अविश्वामी, अश्रीकादकानी	الذين كفروا	দাসতু, ইবাদত, উপাসনা	سادة
অনুগ্রহণীল, ুহেণীল	رموف	দাস, ক্রীতদাস	1
নম্ভই	واخبية	ইন্দত, গণনা	1.4
राष्ट्र वदा	راي	ন্যায়, ন্যায় পরায়প্তা, ন্যামবিচার, ন্যায়সঙ্গক, বিনিমর	مدل ا
অধিকারী, অধিপতি,		আরশ, সিংহাসন	يرش
পান্তি, অপথিক্রডা, নিকৃষ্ট	350	স্বাত্রস্থান, ইন্দ্রত, ক্ষমতা, স্থান	1 1
লোক, পুরুষ, বাজি, নর	رجل	দৃদ্ সংকর, চুমুন্ত	e e
महामह, जनीम नहामग्र	رحان	प्रदाशकानगरी, निक्रमती, परिवाड, प्रारीय, श्रदानगरी	22
দর, রহমত	رحة	মহা, মহান, চরম, বিশাল, ওঞ্জর, ভয়ানক	بطيم
পরম দয়াপু	000	অভিনিত	شو
হিথিক, তরণ-পোষণ, খাদ্য	رزق	विष्टनाथ	يقاب ا
খাণীখাহক, দৃত, প্রেরিক	رسول	আলাকা, ভ্ৰদ, ঝুলম্ব পিড,	183
বিভার-বিবেচনা, মঙ্গপ,	رشد	বুঝা, বুঝতে পাবা, উপপঞ্জি, চেনা, জানা, জ্ঞান	ىلم
সঠিকপথ প্রাপ্ত, সুবোধ	رشيد	कामी, मशकानी, नर्वकानी	ىلىج
৬৩, ৩হী, কুরআন, জিবরাইল	532	अरहर्य, अरहास	سل صائح
মহল কুমুল (জিবরাইল)	روح القدس	বৈরাচারী, ক্ষেম্যানরী, উদ্ধান	منيد ا
(काड़ा, थान, धानार, पुगन, मरहार, डी, वामी, दुनी, नत्री-नत्रिनी		অসীকার, চুক্তি	
ži –	زوجة	বেশবর, অণ্যহিত	بافل
আকর্মণীয়ম সুশোভিত	نون	জোপ, জুদ্ধ	هب
विसामक, प्रहर्व, प्रहर्वकाल	ساعة	কিশোর ভূত্য, গিলমান , পুত্র, বাগক, কিশোর	بلام خليان
পৰিৱ	ميحان	জনবযুক্ত, অমুধাশেনী, বিশুবান	, è
व्यवस	محت	গ্ৰীমত, যুদ্ধৰ সম্পদ	- Lagi
क्रमक प्राचन		অনুশা, অনুশক্ষিতি	
Partie	سفيها سفهاء	was	ele.
নাকর (মাহাল্রম)	بقر	পাপাচারী, কারিক	اسق
নাকও (জাহপ্রাম) কর্তভু, ক্ষমতা, দলিল-প্রমাণ, প্রমাণ	سلطان	পরীক্ষা, নির্যাতন, পদস্কলন, পরীক্ষার পারা, ফিডনা (বিদ্রোহ)	lu lu
वर्षक, करण, गलग-वसा, वसा। जारान	والما	জুণীলতা, অশীল কান্ত (সমকামিতা)	حناء
कार भाग		পার্বভারাী, ফুরুরনে (কুরুমান)	رقان
কান, শোনা প্রবংশভিসম্পন্ন, সর্বস্রোভা, প্রবংশভাসি, প্রবংশভিসম্পন্ন		নিধরিত অংশ, মোহরানা, অবল্য শালনীয়	144
तुवननाकनण्यम्, नवाद्याका, दावनकार्धा, द्ववननाकमण्यम्		कामान देलवंत्र, विश्वस्था	1

#### পরিশিষ্ট\_২ পবিত্র কুরআনের কতিপন্ন শব্দের বাংলা প্রতিশব্দ

বাংলা প্রতিশব্দ/ অনুবাদ	খাবে শব্দ	বাংলা প্রতিশব্ধ/ অনুবাদ	আরবি শব্দ
चनुप्रद, मर्याना, ८१ हेक, चनुप्रद (चरी)	فتبل	আত্রসমর্পণকারী মুসলিম	سلم
গরীব, মুখাশেকী, করীর	فقير	সভারনকরি, সভা শ্বীকারকরি,	مصدق
অনুগ্র	قائت	সংশোধনকারী, কল্মাণকারী	مملح
पृष,	قال	বিশ্বন, বিশ্বন-আশ্বন, বিশৰ্ম্য, অৱস্থান	سية
ক্তকৰ্ম, অস্ত্ৰে পঠানো ক্তৰ্ম	قدمت أيديهم	আবাসহুদ, গঙ্কবা, গডকাহুদ, প্রভাবর্তনহুদ	نصير .
সর্ব্যক্তিয়ান, গতিয়ান, সক্ষয়	قدير	আনুকুল্য, ন্যায়সক্ষত, বিধিয়োতাবেক, জানা,ডাল, যথাবেব,	
कर्त, यम	قرض	जरकाव, असरकार, (नीवार्म)	ىمروف م
टबन् -	قردا فرود	क्षीरनग्रज्ञ, वीरिका	معيشة
मिक्टो वर्षी	- J.	কৌশল, চক্ৰাৰ, মহুদায়	مكر
सन्धन	قریب قریثانری	অন্তর্গ (উত্তত), আনর্গ (মিল্লাত), মিল্লাত	11.
मात्रविजय, माया, मात्र	ند	चम्पा राज्य , राजा	ىلك
বামনের ব্যক্তিক	نانا	পরিত কাল, ভূপা, ভিনতে না পারা, অপরিচিত, মাশ কাল, অসংকাল	ينكر
ক্ষিপ্ৰাস, সমান	تباد	विश्वन, विद्यानकृत	بهاد
ক্ষণাণ, গণাণ পূৰ্বিকা, হৰপুণা কৰা, বিচাৰ কৰা, মীমাসে কৰা, সম্পদ্ৰ কৰা, নিজাৰ	تفاد	স্টাকণ্য প্রাপ্ত	مهندرن
<b>इस्स</b>	- id-	পাঞ্চপালারক, হীন, তুঞ	- 34
সামান্, বল্প, কম	عليا عليلا	डे <b>न्छन्</b>	برعظة
সম্প্রদরে, জাতি, লোক	- <del> </del>	গ্রন্থ সাধী, সাধারীয়, প্রন্থ (রক্ষক)	مول
শকিশালী	قوى	সম্পাদন, অধীকার, চুডি	ميثاق
জীবনধরণের উপকরণ, দক্ষয়মান হওয়া, গাঁঝানো, সম্পাদন, বঁঠা	قيام	দাঁড়িগাল্লা, পাল্লা, পরিমাপ যস্ত্র, মানদঙ্গ, মীযান	ميزان
क्रिशमरु	ئينة	অতন্ অন্ত্ৰিপথ	نار
কামিত্র, অবিশ্বাসী, অকৃতজ্ঞ, অশীকারকারী	كافرأ كافرون	মানুৰ, মানব ভাতি,	ناس
कवेत्रा ६मार	كباتر الإثم	সংবাদ, সংবাদ (ঘাঁনা)	يا اب.
কিতাব, বিধান, লিখিত চুণ্ডি, আমলনামা	كتاب	বুচি, রেহাই, উদ্ধার, রক্ষা	جاة
ফরস, বিভিবন্ধ করা হয়েছে	كتب طيكم	স্তর্ভ করা	نذر
থিখ্যা অভিবিত করেছে, মিখ্যাবাদী বলেছে, অখীকার করেছে	کلټ	অবতরণ করেছে, নেমে এসেছে	لزَل
কুমুসী, আসন	كرسى	আপ্যায়ন	زر . ارق
काककावा	كفارة	नदी, नदी (क्या), डी	-1
কুকরি, অবিশ্বাস, অকৃতজ্ঞতা , অগীকার	كنر	र्वहरू,	ė-
वागी, वागी (कामिमार), कथा, (धावण,	كلمة	नुनवीयन, विद्यार	
मुख्यमंगै, नग्रान्	لطيف	नगर	عبارى
থেল-ভামাণা, থেলা, থেলাধুলা করা	La.	সাকব্য, অংশ, বিশ্ব অংশ	-
লা'নত, অভিশাপ	أمنة	লক্ষ্য করা, অপেক্ষা, ভাকানো, এতীক্ষা, তেবে দেখা	ظر
भूत बस्त्र, कमत्रत राज	لةشر	নেরামত, অনুহাহ, দান, বিদাস-উপকরণ	in
পনি, প্রবন, বৃষ্টির পানি	ala ala	দিল, ব্যক্তি, আত্রা, মন, জীবন	غي
মাহান্নামের ফেরেশতা মালিক (ফেরেশতা), অবিকারী, কবিপত্তি	مالك	মহল, তাল, উপক্রিতা	يم
আবাসন্থল, আশ্রমন্থল, বসবাস, আশ্রমন্থল	ماری	সেয়া	
উথিত, পুনরুখিত	مون	আলো, কুরআন, জ্যোতি, হ্রিছ আলো	
ওপতাপ, জীবনোপডোগ, তৈজসপত্র, দ্রব্য সাত্র্যী, মালসত্র,	مبرت	গঞ্জনর্থন, ব্যবহাত, শুরু বালে। গঞ্জনর্থন, পর্যনির্দেশনা, হেদারাত, পর্য নির্দেশিকা	ور بدایة هدی
कारता, कारताराजा, रक्कान्स, तुन्। नास्स, सनान्स, कारत माम्बी	متاع	क्ष्मान, अंद्रा क्षमान, अंद्रा	32
	متشابه استشابيات	संबंधि, गुना, प्रमुदाणी, प्रायास्का, कृथवृति	
मुकामारिङ, तानुगापूर्व			نوی
মুবানি, ভাকবরাবান, তাকবরা অবলমনবারী	عقم اعقين	প্রচুর্বমত্ত, ব্যাপত, ব্যাপী, সর্বব্যাপী, প্রপঞ্চ	راسيع
উপমা, দৃষ্টান্ত	مثل	ক্রেরা, মুখ, সভুখ, বধারথকাবে, সভা, সম্ভাটি, আল্ল, নিজ, সৃষ্টি	44.7
হওয়াব (পুরকার), প্রতিকল	مثوية	(রুখ), প্রথমভাগ	
অপুরাধী		বহি, ইপাৰ	
পাৰ্থন	مجنون	পরিমাপ, ওজন	رذد
যন্ত্রনান হওয়া, হেকাঞ্চত করা	عافظة	B-178	رسيلة
নিবিদ্ধ, মুহরিম, পরিত্র, হারাম	25	নির্দেশ, ওমিয়াত	رمية
সহকর্মপরায়ণ	عسزاعستين	তপ্ৰাংগ্যাক, অভিভাৰক	ركيل
মুহকাম, স্পষ্ট	عكمتأعكيات	ভব্লাকথাকে, বন্ধু, প্রস্তিতাকক, অনুগামী	
পরিবেষনকারী	عيد	ইয়াতিম, ইয়াতিম মেরে, ইয়াতিম নারী	
<b>ब</b> क्निके, निर्मिष्ठ, बाक्ष्यकृष्ठ	اهلمى	হাত,কমতা, অধিকার	دا أيدي
প্রভাবর্তনত্বল, প্রভাবর্তন	21	বিশ্বাস, নিভিত বিশ্বাস, ইয়াকীন (মৃত্যু), চাকুব	فين
		শপথ, কলম, হাত, ভান হাত, অসীকার	مين
অবস্থান, অবস্থানহল	مستقر	देवनि	بود
সঠিক-সরল, সঠিক, সরল	-4-	অধিয়াকের দিশ	نيوم الأخر
মিসকিন, অভাবহান্ত	مكين	कड्मानां किन	رم الفصل

### পরিশিষ্ট-৩ পবিত্র কুরআনে বর্ণিত নবী, রাসুল ও মুমিনদের দু'আসমূহ

যাদের দু*জা	দু'আর বিষয়	সুরা নং, নাম ও আরাত নং	शृंधी नर
অপরাধীদের দু*আ বিচার দিনে	পুনরায় দুনিয়ায় পাঠানোর জন্য	৩২-সাজনা : ১২	1007
আদাম ও হাওয়া আএর দু'আ, জান্লাভ থেকে ধের করে দেয়ার পর	অপরাধ ক্ষমা করার জন্য	৭-আল-আরাফ : ২৩	628
আসহাবে কাহকের দু'আ	রহমত লাতের জন্য	১৮-কাহফ : ১০	928
আসহাবে কাহকের দু'আ	আপ্লাহ ছাড়া অন্যকে না ডাকার	১৮-কাহক : ১৪	920
আইয়ুব আএর দু'জা	তষ্ট দূর করার জন্য	২১-আধিয়া : ৮৩	900
অল্পাহর আরশ বহনকারী ফেরেশভানের দু'আ	তওবাকারী / অনুতর্তদেরকে ক্ষমার, জাহান্নাম থেকে মুক্তির জন্য ও জান্নাতে প্রবেশ করানো জন্য	৪০-মুখিন : ৭-৯	b-9b
ইবরাহীম আ,–এর দু'আ	মক্কার নিরাপতার জন্য এবং মু'মিন মক্কাবাসীদের রিবিকের জন্য	২-বাকারা : ১২৬	678
ইব্যাধীম ও ইসমাঈল আ,-এর দু'আ	মঞ্জার ডিত্তি ও নির্মাণ কাজ কবুল করার জন্য	২-বাকারা : ১২৭-১২৯	678
ইবরাহীয় আ,-এর দু'আ	মৃতকে জীবিত করে দেখানোর জন্য	২-বাকারা : ২৬০	৫৩১
ইমরান আএর প্রীর দু'আ	গর্ভের সম্ভানকে কবুল করার জন্য	৩-আলে-ইমরান : ৩৫	৫৩৯
ইউসুক আএর দু'আ	আবীবের ব্রী যখন জেলে পাঠানোর হুমকি দের	১২-ইউসুফ: ৩৩	69%
ইউসুফ আএর দু'আ	ইউসুফ আ, এর দু'আ- মুসলিম হিসেবে মৃত্যু পাওয়ার জন্য	১২-ইউসুফ : ১০০	646
ইবরাহীম আ,-এর দু'আ	মঞ্জার নিরাপন্তা, হেদায়ত ও স্বীয় বংশের রিখিকের জন্য	১৪-ইবরাহীম : ৩৫-৩৭	646
ইবরাহীম আ,-এর দু'আ	আপ্লাহর অসীম জানের প্রশংসামূলক ও কৃষ্ণ বয়সে সঞ্চান দানের কৃতজ্ঞতা স্বরূপ	১৪-ইবরাহীম : ৩৮-৪০	686,689
ইবরাহীম আএর দু'আ	নিজের মাতা-পিতা ও মুমিনদের জন্য ক্ষমা প্রার্থনা	১৪-ইবরাহীম : ৪১	659
হউনুস/জুরুন আএর দু'আ	মাছের পেট থেকে রক্ষার জন্য	২১-আমিরা : ৮৭	926
হবরাহীম এর দু'আ	জ্ঞান দান, সংকর্মপরায়বদের অন্তর্ভুক্ত ও পিতাকে ক্ষমা করার জন্য	২৬-ড'আরা : ৮৩-৮৯	9393
ইবরাহীম আএর দু'আ	সুসম্ভাবের জন্য	৩৭-সাফফাত : ১০০	247
१वडाशिम जाअत्र मृ'णा	পিতাকে ক্ষমা করা ও কাফেরদের পক্ষ্যবস্তুতে পরিগত না করার জন্য	৬০-মুমতাহিনা : ৪-৫	32V
ইন্যাহ্যৰ আ:-এর জুন্সারী-হাওরারীদের দু'আ	সামীদের অন্তত্ত্বক করার অন্য	৩-আলে-ইমরান : ৫৩	683
ঈসা আ,-এর দু'আ	খাবার টেবিলের জন্য	৫-আল মায়েকা : ১১৪	698
জাকারিয়া আ,-এর দু'আ	সুসভাদের জন্য	৩-আলে-ইমরান : ৩৮	600
জাকারিয়া আ,-এর দু'আ	निमर्गहन्द कमा	৩-আলে-ইমরান : ৪১	980
জন্মাতীদের দু'আ	জালিমদের অন্তর্ভুক্ত না করার জন্য	৭-আল-আরাফ: ৪৭	629
জাহান্লামীদের দু'আ	দলপতিদের শান্তি বিশ্বণ করার জন্য	৩৮-সাদ : ৬১	brisis
জ্ঞানীদের দু'আ	হেদায়তের পর অন্তর বাঁকা না করার জন্য এবং রহমত দানের জন্য	৩-আলে-ইমরান : ৮-১৩	205,20
তাপুত বাহিনীর দু'আ	দৈর্য, দৃঢ়তা ও কাফিরদের বিরুদ্ধে বিজয় লাতের জন্য	২-বাকারা : ২৫০	659
নৰীদেৱ দু'আ	পাপ ও বাড়াবাড়ি ক্ষমা করা, দৃঢ়তা ও সাহায্যের জন্য	৩-আলে-ইমরান : ১৪৭	¢8>
নৃহ আএর দু'আ	সন্তানকে প্লাবন থেকে বাঁচানোর জন্য	33-24:86	666
নুহ আ,-এর দু'আ	क्रमा প্রার্থনা অজানা বিষয়ে প্রশ্ন করা বিষয়ে	55-दूम : 8 <i>9</i>	690
নূহ আএর দু*জা	সাহায্যের জন্য	২৩-মু'মিনুন : ২৬	989
নূহ আ,-এর দু'আ	কল্যাপকরভাবে অবতরণ করানো জন্য	২৩-মু"মিনুন : ২৯	989
নুহ আ,-এর দু'আ	মীমাংসা ও উদ্ধারের জন্য নিজেকে ও মুমিনদেরকে	২৬-৩'আরা : ১১৭-১১৮	958
নুহ আএর দু'আ	সম্প্রদায় থেকে প্রতিশোধ নেয়ার জন্য	৫৪-কামার : ১০	306
নুহ আএর দু'আ	সম্প্রদায়ের পথস্রইতা বৃদ্ধির জন্য	१३-मृद्धः २३-२8	apri
নুহ আএর দু'আ	সম্প্রদায়ের ধ্বংস কামনা করে	१५-मूर : २७-२१	2946
নুহ আএর দু'আ	নিজের জন্য, পিতা-মাতার জন্য ও সকল মু"মিন নর-নারীর জন্য	१३-मूर्र : २४	994
ফিরজাউনের দু'আ	নদীতে ভূবে যাওয়ার সময়	১০-ইউনুস : ১০	662
ফিরআউনের স্থীর দু'আ (আসিয়ার দু'আ)	জন্মতে আন্তাহর পাশে ঘর নির্মাণের ও ফিরআউন থেকে মুক্তির জন্য	৬৬-তাহরীম : ১১	497
বাগান মালিকদের দু'আ	ইনশাস্তান্ত্র না বলার ভুল স্বীকার প্রসঙ্গে	৬৮-কালাম : ২৯	396
বিপদগ্রস্ত মানুষের দু'আ	বিপদ থেকে উদ্ধারের জন্য	১০-ইউনুস : ২২	606
বৃদ্ধিমান মুমিনদের দু'জা	শান্তি থেকে রক্ষা, অপরাধ ক্ষমা ও সংলোকদের সাথে মৃত্যু দাদের জন্য	৩-আলে-ইমরান : ১৯১-১৯৪	928,940
মানুষের নিকল দু'আ	যারা তথু পুনিয়ার কল্যাণ চায়	২-বাকারা : ২০০	455

#### পরিশিষ্ট-ত পরিত্র কুরআনে বর্ণিত নবী, রাসুল ও মুমিনদের দু'আসমূহ

যাদের দু'আ	দু'আর বিষয়	সূরা নং, নাম ও আয়াত নং	পৃষ্ঠান
মানুষের সফল দু'আ	যারা দুনিয়া ও আখিরাত উভয়ের কদ্যাণ চার	২-বাকারা : ২০১	022
মু'মিনের দু'আ	আল্লাহর সাহায্য লাভ ও সঠিক পথ প্রদর্শনের জন্য	১-ফাতিহা : ১-৭	607
মুবাকী বান্দাদের দু'আ	পাপ ক্ষমা করা ও আগুনের শান্তি থেকে মৃক্তির জন্য	৩-আল-ইমরান : ১৬	209
মুহাম্মন সাএর দু"আ	আল্লাহকে সকল রাজত্ব ও সম্মানের অধিকারী ঘোষণা করার জন্য	৩-আল-ইমরান : ২৬-২৭	600
মুহাম্বাদ সাএর দু'আ	সালাত, ইবাদত ও জীবন-যুত্যু আপ্লাহর জন্য নিবেদন করার	৬-আনআম : ১৬১-১৬৩	632
মূসা আএর দু'আ	আল্লাহর জ্যোতি দেখে আন ফিরে পাওয়ার	৭-আল-আরাফ : ১৪৩	650
মুসা আএর দু'আ	নিজের ও ভাইয়ের জন্য	৭-আল-আরাফ : ১৫১	৬২৬
মুসা আএর দূ'আ	সম্প্রদায়ের জন্য	৭-আল আরাফ : ১৫৫	646
মুহাম্মাদ সা,-এর দু'আ	আল্লাহর উপর নির্ভর করার দু'আ	৯-আত ভাওবা : ১২৯	950
মূসা আ,-এর অনুসারীদের দু'আ	ফির'আউন সম্প্রদায় হতে মুক্তি পেতে	১০-ইউনুস : ৮৪-৮৫	662
মূসা আ,-এর দু'আ	ফির'আউনের সম্পদ ধ্বংস ও অন্তর কঠোর করা প্রসঙ্গ	১০-ইউনুস : ৮৮	662
মুহাম্মদ সাএর দু'আ	ভাগোভাবে মদীনায় প্রবেশ করানো ও মক্কা থেকে বহির্ণমনের জন্য	১৭- বনী ইসরাঈ <b>ল</b> : ৮০	923
মুমিন আহলে কিতাবের দু'আ	প্রতিপ্রদৃতি বাস্তবায়ন প্রসঙ্গ	১৭- বনী ইসরাঈল : ১০৮	920
মূসা আএর দূ'আ	বক্ষ প্রশস্ত করা, মুখের অভৃতা দূর করা ইত্যাদির জন্য	২০- ত্বা-হা : ২৫-৩৫	982
মুহাম্মদ সা,-এর দু'আ	সভ্য বিচারের জন্য	२२-शब्द : ১२	903
মুহামাদ সাএর দু'জা	জালিম সম্প্রদারের অন্তর্ভুক্ত দা করার অন্য	২৩-মুমিনুদ : ৯৩-৯৪	993
মুহামান সাএর দু'আ	শরতানের প্ররোচনা ও উপস্থিতি থেকে রক্ষার জন্য	২৩-মুমিনুন : ৯৭-৯৮	999
মু'মিনদের দু'আ	क्यां ଓ मशात छना	२७-मुसिनुन : ১०৮	993
মুহাম্মান সাএর পূ'আ	ক্ষমা ও দয়ার জন্য	২৩-মুমিনুন : ১১৮	990
মু'মিন বান্দাদের দু'আ	জাহান্নামের শাস্তি ফিরানোর অন্য	২৫-ফুরকান : ৬৫-৬৬	95-9
মু'মিন বান্দাদের দু'আ	চকু শীতলকারী স্বামী-স্ত্রী ও সন্তাদের অন্য	२৫-गुजकाम : 98	969
মূসা আএর দু'আ	ক্ষির'আউন বর্তক হত্যার আশবায়	২৬-তভারা : ১২-১৪	966
মুসা আএর দু'আ	ভূল ক্ষমা করার জন্য	২৮-কাসাস : ১৬-১৭	pop
মূসা আএর দু'আ	মানুষ হত্যার কারণে মৃত্যুর আশহায় সাহাত্য প্রার্থনা	২৮-কাসান : ৩৩-৩৪	455
মু'মিনদের দু'আ	আন্তাহর মহত্র ও প্রশংসা বর্ণনা এবং রাসুলদের প্রতি শান্তি বর্ষণের জন্য	৩৭-সাফফাত : ১৮০-১৮২	brb2
মুহামাদ সা,-এর দু'আ	বিরোধপূর্ণ বিষয়ে মীমাংসার জন্য	৩৯-যুমার : ৪৬	৮৭৫
মু'মিনদের দু'আ, বাহনে উঠার	আল্লাহর মহন্ত বর্ণনার জন্য	80-पृथ्कमः : ১०-১৪	V95,V
মু'মিনদের দু'আ	শান্তি প্রত্যাহারের দু'আ	৪৪-দুখান	
মু'মিনদের দু'আ	অনুমাহের কৃতজ্ঞতা আদার, সংকর্ম সম্পাদন ও সন্তানের সংশোধনের জন্য	৪৬-আহ্বাফ : ১৫	hob
মু'মিনদের দু'আ	ক্ষমা করার জন্য এবং হিংসা-বিদ্বেষ দূর করার জন্য	৫৯-হাশর : ১০	>55
মুমিনের দু'আ, মৃত্যুর সময়	দান করার অবকাশ দেয়ার জন্য	७७-धूनाविकुन : ३o	3/66
মু'মিনের দু'আ	অন্ধবার, যানুকারিদী ও হিংসুকের অনিষ্ট থেকে আগ্রর লাভের জন্য	22 <b>৩-ডামাক : 2-</b> ৫	2000
মু'মিনদের দু'আ	কুমন্ত্রণাকারী, জিল ও মানুবের ক্ষতি থেকে আশ্রয় লাতের জন্য	১১৪-নাস:১-৬	3000
যাকারিয়া আএর দু'আ	ওলি সপ্তানের জন্য	১৯-মারইয়াম : ৪-৬	908
যাকারিয়া আএর দু'আ	বৃদ্ধ বয়দে সন্তান গাতের খবরে বিশ্ময় প্রকাশ করে	১৯-মারইয়াম : ৮	908
যাকারিয়া আএর দু'আ	নিদর্শন প্রেরণের অন্য	১৯-মারইয়াম : ১০	908
যাকারিয়া আএর দু'আ	जानुसार करा	১৯-মারইয়াম : ১৯	900
যাকারিয়া আএর দু'আ	একা না রাখার জন্য / উত্তরাধিকারীর জন্য	২১-আধিয়া : ৮৯	900
রানী বিলকিসের দু'আ	নিজের ভুল স্বীকার করে সুসায়মানের সাথে আত্মসমর্পণ করার ঘোষণা	২৭-নামল : ৪৪	boo
লৃত আএর দু'আ	নিজেকে ও পরিবারকে রক্ষার জন্য	২৬-তথারা : ১৬৯	936
লূত আএর দু'আ	সাহায্য করার জন্য বিপর্বয় সৃষ্টিকারীদের মোকাবেলায়	২৯-আনকাবৃত : ৩০	P.7P
ত'আইব আএর অনুসারীদের দু'আ	মু'মিন ও কাঞ্চিরদের মাঝে ন্যায় বিচারের জন্য	৭-আল-আরাফ : ৮৯	623
সব মুমিন ও রাস্লদের দু'আ	ভূপ-শ্রন্তি, অন্যায় ক্ষমার জন্য, সামর্থের অতিরিক্ত বোধা চালিয়ে না দেয়ার জন্য	২-বাকারা : ২৮৫-২৮৬	2:8,2
সন্তানের দু'আ	মাতা পিতার জন্য	১৭- বনী ইসরাঈল : ২৪	926
সুলায়মান আএর দু'আ	অনুযানে কৃতভাতা প্রমণ ও সংকর্ম সম্পানার এক সংক্রমীলনের অনুষ্ঠত করে কর	२९-मामण : ১৯	bo;
সুলায়মান আএর দু'আ	ভূপ ক্ষমা করে সাম্রাজ্য দানের অন্য	৩৮-সাদ : ৩৫	5.99

বিজ্ঞানের বিষয়	কুরআনে উল্লেখিত বিষয়	বিজ্ঞানের যে বিষয় নির্দেশ করে	সূরা ও আরাত
भमर्थीकहा (Physics)	<ol> <li>আরপে ও পৃথিবী একসাথে মিশে ছিল, অতঃপর উভয়েকে পৃথক করা হলো।</li> <li>আল্লাহ বলেনে- 'হও' আর তা হরে যার।</li> </ol>	পদার্থবিদ্যাঃ মহানিশাদ (Big-Bang)	২১-আখিয়া : ৩০ ২-বাকুরা: ১১৭ ১৬-নাহল: ৪০ ৩৬-ইয়াসিন: ৮২ ৪০-মুখিন: ৬৮
•	অদৃশ্যের উপর বিশ্বাস	বশবিদ্যা (Mechanics) : শক্তি ও শক্তির রপান্তর, পদার্থবিদ্যা: তরঙ্গ ও কোটন	২-আল-বাকারা : ৩
•	আকাশ মঞ্জী ও পৃথিবীর সৃষ্টিতে নিদর্শন রয়েছে।	অনুনিক পৰাৰ্থবিদ্যা: মহাবিধের গৃষ্টিতন্ত্	১১-ছন: ৭, ২-বাক্সরা: ১৬৪, ১০-ইউমুস: ৬, ২৫-সুরকাল: ৫৯, ৪১-ছরীর-সাজদাহ: ১১২, ৪২-শুরা: ২৯, ৩২-সাজদাহ: ৪, ৪৫-জাসিয়াহ: ৩, ৭৭- হাদীদ: ৪, ১৪-ইবরাহীম: ৩২, ৫০-কুল: ৩৮
	পৃথিবীতে মণ্ডিটি বস্তু সুপরিমিতভাবে সৃষ্টি করা হয়েছে।	গদার্থবিদ্যা: পৃথিবী ও নাডামকারির প্রান্তাহিক ঘটনা বা বিষয়াকথী কিছু যৌগিক ভৌত নিয়ম ও প্রশ্বক (যেনন: ম, G ইত্যাদি) যারা নিয়য়িত ও নির্মোশিত	১৫-হিজর: ১৯, ২১ ৮৭-আশা: ২-৩ ৬-আনআম: ৭৩ ১৪-ইংবাইম: ১৯ ৪৫-আনবাম: ২২ ৪৬-আহকাক: ৩ ৬৪-আগ্রুম: ৩
a	)) वाजानपार्की, पृथित वाच यो गृप्यत्व प्रवासी गरीवार गरिता वाजानपार्की प्रवासी गरीवार गरिता प्रवासी २) मेग, गूर्व व नकरवाणि प्रकारत सामाचैन व सार्ट्यन्तेग	পার্যনিলা: অবাপ ও পুরিবীন সর্বাচন্দুই ভিন্ন নির্বিটি নিলে নেতে চার্য (বেদন: কেলারের মূদ্র, ভিটাবেং মহার্থে মূদ্র, তিন প্রতিক্ষার মূদ্র, ভিটাবেং মহার্থে মূদ্র, বার্থিক গতি, বার্থার মূদ্র, আছিক গতি, বার্থিক গতি, বার্থার সামস্যাম্প্রীতি), কম্বন্দ্বর (orbit) সম্পর্ব বাক্ষা:	৭-আঁরাফ: १৪,১৮৫, ১৯-আনবার্ত্ত: ১১,০৫, ১৯-আনবার: ১,০১-সুকান ১৯,৮৫-সুকা: ৯,০০-বারিজ: ১৯,৮৫-সোমান: ৪৪, ৬৯,৩৯-সুকা: ১৫, ৪২,০-বারিজ: ১৪,৪৯,৫-বার্ত্তা: ১৪,৪৯,৫-বার্তা: ১৯,৪৯,৫-বার্তা: ১৯,৪৯-বার্ত্তা: ১৯,৪৯-বার্ত্তা: ১৯,৪৯-বার্ত্তা: ১৯,৪৯-বার্ত্তা: ১৯,৪৯-বার্ত্তা: ১৯,৪৯-বার্ত্তা: ১৯,৪৯-ব্রত্তা: ১৯,৪৯-ব্রত্তা: ১৯,৪৯-ব্রত্তা: ১৯,৪৯-ব্রত্তা: ১৯,১৯-ব্রত্তা: ১৯,৯-ব্রত্তা: ১৯,৯-বরত্তা: ১৯,৯-ব্রত্তা: ১৯,৯-ব্রত্তা: ১৯,৯-ব্রত্তা: ১৯,৯-ব্রত্তা: ১৯
и	সমূদ্রে নৌখান চলাচলে এবং অনুপ্রপ বানবাহনে মানুষের জন্য নিদর্শন রয়েছে।	পদার্থবিদ্যা: বদবিদ্যা, প্রবর্তা (Buoyancy), Law of parallelogram of forces	২-বাকুারা: ১৬৪ ১১-হুল: ৪১ ২৩-মু'মিনুন: ২৭ ১৪-ইব্রাহীম: ৩২

বিজ্ঞানের বিষয়	কুরআনে উল্লেখিত বিষয়	বিজ্ঞানের যে বিষয় নির্দেশ করে	স্রা ও আয়াত
পদার্থবিদ্যা (Physics)	বিজ্ঞপীঃ ভয় ও ভয়সা	পদার্থবিদ্যা: আলোক শক্তি, শদশক্তি, বিদ্যুৎশক্তি, চোধের সংবেদদশীলতা, বৃষ্টপাত, নাইট্রোজেন চক্র (Nitrogen cycle)	১৩-রা'আদঃ ১২
4	ভারসাম্য রক্ষাকল্পে পৃথিবীতে পর্বত সমূহ দৃঢ়ভাবে স্থাপিত ও বিভিন্ন মাধ্যমে পথ সৃষ্টি	পনার্থবিদ্যা: বলের ভারসাম্যানীতি পরিবহন কৌশল: জলপথ, স্থলপথ ও আকাশপথ	১৬-নাহল: ১৫
	কাঞ্চিরদের কর্মের দৃষ্টান্ত মরুজ্মির মরীচিকার মতো।	আলোকবিদ্যা (Optics): পূর্ণ অভ্যন্তরীণ প্রতিফলদ	२८-मृदः ७७
	আকাশে পাশির উভজয়ন, পাখা বিজ্ঞার করা ও সংস্কৃতিত করাতে নিদর্শন রয়েছে	পদার্থ বিদ্যা: পার্থীর উড়স্ত ভ্রমণের বৈজ্ঞানিক ব্যাখ্যা, উড়োজাহাজ অবিষ্কার অ্যারোনটিক্যাপ ইঞ্জিনিয়ারিং: বিমানের উভ্যয়ন ও নিয়ন্ত্রণ	২৪-নূর: ৪১ ১৬-নাহল: ৭৯ ১৬-নাহল: ৭৯ ৬৭-মূলক: ১৯
	হারা সম্প্রসারণ ও সূর্য হারার নির্দেশক	পদার্থবিদ্যা: আগোক বিদ্যা (Optics), প্রতিবিদ গঠন, আগতন কোণ, বার্ষিক গতি, আহিন্ক গতি, সূর্ব্যাহণ	২৫-यून्तकामः ৪৫
je.	মিঠাপানি ও লোনা পানি বিশিষ্ট দু'দরিয়া মিলিকভাবে প্রবাহিত করা, উভরের মধ্যে রয়েহে এক অনতিক্রম্য ব্যবধান	পদার্থবিদ্যা: অভিকর্থ বলের প্রভাব (Effects of gravity) গানির আপেন্দিক শুরুত্ব (Specific gravity)	২৫-ফুরকান: ৫৩ ২৭-নামণ: ৬১ ৩৫-ফাতির: ১২ ৫৫-রহমান: ১৯-২০
*	যদি দিন ও রাত্রি কিয়ামত পর্যন্ত স্থায়ী হত	ভাপগতিবিদ্যা (Thermodynamics): তাপীয় সাম্যাবস্থা বজায় (Thermal equilibrium)	২৮-কাসাস: ৭১,৭২
	আকাশ ও পৃথিবীর স্থিতি আল্লাহর নির্দশন	বদবিদ্যাঃ ছিতিশক্তি, বদের সাম্যাবস্থা	৩০-রুম: ২৫ ৩৫-ফাতির: ৪৪
	বায়ু সুলাহমান আ, এর অধীন হিলো	পরিবহন কৌশদ: উড়োজাহাজ আবিষ্ণার (বাহুকে মাধ্যম হিসেবে ব্যবহার করা যায়)	১৬-নাহল: ১২ ৩৪-সাবা: ১২ ৩৮-ছোয়াদ: ৩৬
,	সূৰ্য চীদকে নাগালে পেতে পাৱে না	পদার্থবিদ্যা: সূর্য ও চাঁদের মধ্যবর্তী মহাকর্ষ বল, কক্ষপথ সম্পর্কে ধারণা, স্থানাকে	৩৬-ইয়াসিন: ৪০
14	পৃহপাদিত পত মানুষের আয়ত্বাধীন, এতে মানুষের জন্য রয়েছে জনেক উপকর্মিতা। এতলোর মধ্যে রয়েছে গীত নিবারক উপকরণ ও বছ উপকার ও আহার্ক।	পদার্থবিদ্যা: বায়োগ্যাস থেকে বিকল্প জ্বালানী তৈরী হয়।	৩৬-ইয়াসিন: ৭২, ৭৩ ১৬-নাহল: ৫, ৭, ৮, ৬
**	আল্লাহ পৃথিবীকে বাসোপযোগী করেছেন	পদার্থবিদ্যা: পৃথিবীর তাপ বিকিরণ	৪০-মুমিন: ৬৪ ৬৪-তাগাবুন: ৩
	আল্লাহ মানদও ছাপন করেছেন, যাতে মানুয ভারসায়্য লব্দন না করে।	পদার্থবিদ্যা: বলের ভারসায্যনীতি (Equilibrium of forces)	৫৫-রহমান:৮
	পৃথিবী ছাপিত সৃষ্ট জীবের জন্য	পদার্থবিদ্যা: তাপ বিকিরণ, তাপ সঞ্চাদন	৫৫-রহমান: ১০
	আল্লাহর অনুমতি ছাড়া মানুষের পক্ষে আকাশ ও পৃথিবীর সীমা অতিক্রম করা সম্ভব নয়।	পদার্থবিদ্যা: মৃক্তিবেগ (Escape velocity) কৃত্রিম উপশ্লহ সৃষ্টি, চাঁদ ও মঙ্গল গ্রহে গমন	৫৫-রহমান: ৩৩
	সূর্য ও তার উত্তাপের শপথ	পদার্থবিদ্যা: শক্তির রূপান্তর (Conversion of Energy) :বিকিরণ প্রক্রিয়ায় ভাপ সঞ্চাদন (Radiation of heat)	৯১-শামগ: ১

বিজ্ঞানের বিষয়	কুরআনে উল্লেখিত বিষয়	বিজ্ঞানের যে বিষয় নির্দেশ করে	স্রা ও আয়াত
পদার্থবিদ্যা (Physics)	চন্দ্র সূর্বকে অনুসরণ করে।	পদার্থবিদ্যা: সূর্যের আলো চন্দ্রে প্রতিফলিত হয়ে চন্দ্র আলোকিত হয়	৯১-শামস-২
	শপথ দ্রুতগামী ঘোড়ার	পদার্থবিদ্যা: অশক্ষমতা (Horse power) ক্ষমতার একক হিসেবে ব্যবহৃত হয়।	১০০-আদিয়াতঃ ১
	মহ্যকাদের শৃপথ	পদার্থবিদ্যা: Theory of Relativity অনুযায়ী একক পরম সময় (Unique absolute time) বসতে কিছু দেই, সময় আপেঞ্চিক।	১০৩-আসর:১
হুসায়ন (Chemistry)	জীবিত ও মৃতের পারস্পরিক স্কপাঞ্জর	রসায়ন: জৈন ও অজৈব যৌগের গারস্পরিক রূপান্তর, আঁজেব মৌদিক পদার্থ যা জীব কোষের সৃষ্টি করে, তা প্রাণী বা উরিচের মৃত্যুর দারে আবার আঁজেব মৌদিক পদার্যে পরিপত হয় (যেমন নাইট্রোভেন চক্র, কার্বন চক্র ইভ্যাদি)	৩-আলে-ইযরান: ২৭ ৬-আনআম: ৯৫ ৩০-রুম: ১৯ ১০-ইউন্স: ৩১
	অধু/পরমাধু বা তদপেক্ষা কুল্রতর বস্তু সম্পর্কে ধারণা	রসায়নবিদ্যা: পরমাণু থেকে অণু গঠিত হয়। পরমাণুর বিভাজনে ইলেকট্রন, প্রোটন ও নিউট্রন পাওয়া যায়।	১০-ইউনুস: ৬১
	ফির'আউনের দেহ রক্ষা করা সম্পর্কে	রসারনবিদ্যা: রাসায়নিক প্রক্রিয়ায় প্রস্নুতত্ত্ব সংরক্ষণ, মৃতজীব/প্রশী সংরক্ষণ, মমী করা প্রভৃতি।	১০-ইউনুসঃ ৯২
,	বৃষ্টি বর্ষণ দারা উপত্যকা প্লাবিত করা এবং তা থেকে অলংকারও তৈজসপত্র সংগ্রহ করা	রসায়নবিদ্যা: আকরিক হতে ধাতু নিষ্কাশন (Metal extraction from ores)	১৩-রা'সাদঃ ১৭
•	প্রাণবাদ সব কিছুই পানি থেকে সৃষ্টি করা ব্যরহে।	ক্লসাহন: সকল জীব কোছে পানি বিদ্যমনে।	২১-আছিয়া: ৩০ ৬-আনজাম: ২ ২৪-মূর: ৪৫ ২০-ভোয়াহা: ১০৫ ২১-আছিয়া: ৩১ ৩২-সাজদা: ৮
	আকাশ থেকে বিভদ্ধ পানি বৰ্ষণ	রসায়দ বিদ্যা: বৃষ্টির পানিতে কোনো ক্ষতিকর উপাদান দেই	২৫-ফুরকান: ৪৮
11	পাহাড়ের মধ্যে বিভিন্ন বর্ণের পথ সৃষ্টি	রসায়নবিদ্যা: শিলার বর্ণ বৈচিত্র্য (Dolomites, laterite, galena, bauxite ইত্যাদি)	৩৫-ফাডির: ২৭
9	আল্লাহ মানদণ্ড স্থাপন করেছেন, যাতে মানুষ ভারসাম্য লক্ষ্যন না করে।	त्रमाहनविष्णाः Carbon cycle, Nitrogen cycle	৫৫-রহমান:৮
4	আঙন সৃষ্টি, বৃক্ষ থেকে আঙন উৎপাদন	রসায়ন: তাশর গ্যাস (Incandescent gases), O <sub>2</sub> এর অপরিহার্যতা	৫৬-ওয়াকিয়া: ৭১-৭২
श्रीবহিন্যা (Biology)	<ol> <li>গৃষ্টিপাতের মাধামে জীবিকার খবংছা করা হয়।</li> <li>গৃষ্টিপাতের মাধামে নির্ত্তীব ভূমিতে প্রাম্পর সঞ্চার করা হয়।</li> </ol>	জীবনিদ্যা: শানিক্রক (Water cycle) উর্জিদ উৎপাদনে (জীব জগতের অধিক্ষেত্র হায়েজনে) পানির অপরিহার্থকা	২-বাকুগরা: ২২, ১৬৪, ১৬-নাহল: ১০-১১, ৭-আগরা: ১৯, ৭-আগরা: ৫৭-৫৮, ৪১-হামীম-সাজলাহ: ৩৯, ৪৬-মুখনক: ১১, ২৬-আগরাকুগ্র: ৬০, ৩০ ক্র: ২৪, ১৪-ইবরাইম: ৩২, ৬৮-নাবা: ১৪-১৬,

বিজ্ঞানের বিষয়	কুরআনে উল্লেখিত বিষয়	বিজ্ঞানের যে বিষয় নির্দেশ করে	সূরা ও আয়াত
জীববিদ্যা (Biology)	জ্-পৃষ্ঠের সকল জীবের জীবিকার দায়িত্ব আয়াহের	ন্ধীববিদ্যা: বাস্তগংখন (Ecosystem) বাদ্যমক্র (Food chain)	১১-হদ: ০৬ ৪১-হামীম-দিজদাহ: ১০ ২০-ছোয়াহা: ৫৪
	সকল জীবজন্তই আল্লাহর পূর্ণ আওতাধীন	জীববিদ্যা: সকল জীবজন্তই নির্দিষ্ট নিরমাধীন	३३-छमः १४७
		জীববিদ্যা: জীবের জীবনচক্র (Life cycle), মিলানিদের প্রভাব	৩০-क्रमः १८
*	যাকে দীর্ঘজীবন দান করা হয় তাকে পুনরায় পূর্ববস্থায় কিরিয়ে নেয়া হয়	জীববিদ্যা: জীবের জীবনচক্ষ (Life style)	৩৬-ইয়াসিন: ৬৮
и	প্রত্যেক ফল, প্রাণী ও উদ্ভিদ জ্যোচার জ্যোড়ার সৃষ্টি এবং বংশবৃদ্ধি ও বিস্তার করেন আল্লাহ	জীববিজ্ঞান: উদ্ভিদ ও প্রাণীর পিছ সম্পর্কে ধারণা	২-বাকুরা: ১৬৪ ১০-রা'আদ: ৩ ৩৬-ইয়াদিন: ৩৬ ৭৮-নাবা: ৮ ৪৩-যুখকক: ১২ ৫১-যারিয়াত: ৪৯ ৪৫-জাছিয়া: ৪
	আদ্রাহ থাকে ইচ্ছা পুত্র ও থাকে ইচ্ছা কন্যা সম্ভান দান করেন ও থাকে ইচ্ছা বছ্যা রাখেন।	জীববিদ্যাঃ ক্রোমোজোম	৪২-জ্রা: ৫০
	আগুন সৃষ্টি, বৃক্ষ থেকে আগুন উৎপাদন	তীববিজ্ঞান: ক্লোকোন্ধিলের মাধ্যমে সালোক সংশেকা প্রক্রিয়ায় O <sub>2</sub> উৎপানন, যা অন্তদ দ্বালাতে অপরিহার্ব, দ্বালানী হিসেবে কাঠের ব্যবহার	৫৬-ওয়াকিয়া: ৭১-৭২
		জীববিদ্যা: খীব কোমের বিভাজন প্রক্রিয়া ও জীবের প্রজনন প্রক্রিয়া	১০-ইউনুস: ৪, ৩৪ ২৭-নমল: ৬৪ ৩০-কম: ১১
"	বাহুর নিক পরিবর্তন     সুসংবাদবাহী বাহু প্রেরণ	উদ্ধিপবিদ্যা: বায়ুর মাধ্যমে পরাগায়ন ও নিষেক	২-বাকুারা: ১৬৪ ৭-আ'রাফ: ৫৭ ৪৫-জাসিয়াহ: ৫
•	আল্লাহ জাদেন যা ভূমিতে প্রবেশ করে এবং যা তা থেকে বের হয়, যা আকাশ থেকে বর্ষিত হয় এবং যা তা থেকে উদ্ধিত হয়।	উদ্ভিদবিদ্যা: মূদের মাধ্যমে উদ্ভিদের অভিগ্রবণ প্রক্রিয়ার পানিশ্রহণ (Osmosis)	৩৪-সাবা: ২ ৫৭-হাদীদ: ৪
" সবুজ বৃক্ষ থেকে আঞ্চন সৃষ্টি		উপ্তিদবিদ্যা: সূর্যালোকের উপস্থিতিতে জলীয় বাস্প ও ক্রোবোফিলের সমস্বয়ে সালোকসংগ্রেমণ প্রক্রিয়ার (Photosythensis) অক্সিজেন উৎপাদন, আগুদ ভূগলাতে অক্সিজেনের অপরিহার্যতা	৩৬-ইয়াসিন: ৮০
	চারাগাছের প্রথমে কিশলর বের হয়, এরপর মোটাশক্ত হর, পরে তা কাছের উপর দাঁড়ায়।	উদ্ভিদবিদ্যা: উদ্ভিদের পর্যায়ক্রমিক বৃদ্ধি প্রাথমিক অন্তর (Primary shoot), ক্ষিতীয় পর্যায়ের বৃদ্ধি (Secondary growth)	৪৮-ফাতহ: ২৯
	বৃটি যারা উৎপদ্ধ শন্য সম্ভার অবশেষে ভকিয়ে ধূমর আবর্জনায় পরিণত হয়।	উদ্ভিদবিজ্ঞাদ: উদ্ভিদের জীবন চক্র (Life cycle of plant)	৫৭-হাদীদ: ২০ ৮৭-আলো: ৪,৫
	প্রাণীকুলের কেউ বুকের উপর মসে চলে, কেউ দু'পায়ে ও কেউ চার পায়ে তর দিয়ে চলে।	প্রাণিবিদ্যা: প্রাণীর শ্রেণীবিভাগ ও বৈশিষ্ট্যসমূহ	२८-मृत्रः ८०

বিজ্ঞানের বিষয়	কুরজানে উল্লেখিত বিষয়	विस्नात्मत्र एय विषय् निर्धान करत	স্রা ও আয়াত
•	উটের সৃষ্টিতে মানুদের জব্য নিদর্শন রয়েছে	প্রাণিধিলা: উটার নাগাবছের বিশেষ ধরণের পির্ট্রীয়র (Membrane) আছে, যা জ্বান্ত করেনের পাকর সেরের বিশ্বর প্রকাশের করিব করেনের পাকর সেরের হিন্তা রাজ্যার করেনের উটার ধাসতাগা বালে ভার করিব আর্ত্রনা করেনের না এ বিশিক্তীই ভারে মারুক্ত্রার করেনের না এ বিশিক্তাই ভারের মারুক্ত্রার করেনের না এ বিশিক্তাই ভারের মারুক্তর করেনের না বালের করেনের নারের করেনের করেনেনের করেনেনের করেনেনের করেনেনের করেনেনের করেনেনেনেনেনের করেনেনেনেনেনেনেনেনেনেনেনেনেনেনেনেনেনেনেন	৮৮-পাশিয়াঃ ১৭
চিকিৎসাবিদ্যা (Medical Science)	মদ ও জুৱা হারাম	চিকিৎসাবিদ্যা: মাদকদ্রব্য ব্যবহারে পেপটিক আলসার, দিতার সিরোসিস, স্থাটশক্তিইনতা, মানসিক অবক্ষয় ঘটে এবং মৃত্যুহার বৃদ্ধি পায়।	२-नाकाताः २১৯
,	কতুবতী গ্রীদের সাথে মিলিত হওয়া নিবিশ্ব।	চিকিৎসাবিদ্যা: শারীরিকভাবে স্বামী ও ব্রী উভয়ের জন্যই ক্ষতিকর। যৌদবাহিত রোগসমূহ ফেন: গণোরিয়া, সিফিলিস ইত্যাদি সংক্রমিত হতে পারে।	২-বাকারা: ২২২
н	দু'বছরকাশ পর্যন্ত সন্তদেকে মাকুশুদ্ধ দেবন	চিকিৎসাবিদ্যা: সম্ভানের মোগপ্রতিরোধ কমতাবৃদ্ধি, শারীরিক ও বৃদ্ধিবৃত্তিক গ্রবৃদ্ধি, মায়ের বাছ্য পুনকদ্ধার ও পরবর্তী গর্ভধারণ বিদ্যাধিত করণ প্রতৃতি উপকারিতা রয়েছে।	২-বাকারা: ২০০
и	যে সৰ প্ৰীয়োককে বিয়ে করা জারেয তাদের সম্পর্কে বিধান	চিকিৎসাবিদ্যা: অপরিবার বা বনংশের মেয়ে বিয়ে করলে সপ্তানের মানসিক দুর্বলতা, হিমোফিপিয়া (Hemophilia), মঞ্চিক বিকৃ তি জাতীয় রোগ হতে পারে	৪-নিশা: ২৩
	সালাত (নামান)-এর সময় হাত, মুখ, পা এবং মাথা ধৌত করা সম্পর্কে	চিকিৎসাবিদ্যা: মাম, ময়লা ও রোগজীবাণু (যেমন: গাঁচড়া, ধেঁণড়া, কারবাংৰুল, সেপটিকেমিয়া) থেকে মুক্তির উপায়	৫-মায়িদাঃ ও
•	কল্পানে পৃথি কৰা হয়েহে— ১) জাতি বেল ১) জাতিক কৈ  ১) জাতিক কৈ  ৩) আশিক তেকে ৩) আশিক তেকে ৪) জাতি বেকে, অভানার অরুনিশ্ব থেকে ৩৩-বার কালিক তেকে, অভানার অরুনিশ্ব থেকে তথেকে ১০ ক্রিয়ার ১০ সংবন্ধবান্ধবান্ধবান্ধবান্ধবান্ধবান্ধবান্ধব	জিকিতাবিশ্বা ক্ষপত্ত (embryology), জনত নহাৰ, আৰু কৰা	এ আন্দ্ৰভাষা ২, ১১-ছল ১), ৫০-আৰু: ১০ ১৫-বি-ছলান ১২, ৭১-ছা ১৪, ১৯-লাক: ১৯-জা ১৯-১৯, ১৯-লাক: ১৯-জা ১৯-১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯ ১৯-১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯ ১৯-১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯ ১৯-১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯ ১৯-১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯-জা ১৯-১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯-জা ১৯-১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯-জা ১৯-১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯-জা ১৯-১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯-জা ১৯-১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯-জা ১৯-১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯-জা ১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯-জা ১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯-জা ১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯-জা ১৯, ১৯-আলাল: ১৯-১৯-জা

বিজ্ঞানের বিষয়	কুরআনে উল্লেখিত বিষয়	বিজ্ঞানের যে বিষয় নির্দেশ করে	সূরা ও আয়াত
द्विकश्मविष्ण (Medical Science)	পৃষ্ঠদেশ ও বচ্ছের অদ্বিগাঁজরের মধ্যক্স থেকে তক্রবিন্দু নির্গত হয়।	চিকিসাধিনা: তত্রবিপু অফ্রাশরে (testes) তৈরি হয়, অত্রাশয় পৃষ্ঠদেশ ও বঞ্চপীনারের মধ্যস্থল থেকে উদ্ভুক্ত	৮৬-তারিক: ৫-৭ ৫৬-ওয়াকিয়া: ৫৭-৬০
18	লৃত সম্প্রদারের কুকর্ম (সমকমিতা)।	ভিকিৎসাবিদ্যা: প্যারানইয়া বা Pederasty জাতীর মানবিক অসুভ্তা। :সমকামিদের AIDS রোগে আক্রমত হওয়ার সম্ভাবনা বেশি।	৭-আ'রাফ: ৮০-৮১ ২৬-চআরা: ১৬৫-১৬৬ ২৭-নমল: ৫৫ ২৯-আনকাবৃত: ২৮
	জাকারিয়া আ. এর স্ত্রীর বৃদ্ধাবস্থায় গর্ভধারণ	র্মিকসোবিদ্যা: প্রসৃতিবিদ্যা	১১-হুদ: ৭২, ৭৩ ৩-আলে-ইমরান: ৪০
9	ইয়াকুৰ আ. এর চক্ষু খেতবৰ্গ ধারণ করা	চিকিৎসাবিদ্যা:মনোগৈহিক বিকার, (Psychosomatic disturbance), কেরটাইটিস (Keratitis)	১২-ইউসুফ: ৮৪
7	ইংরাহীম আ. এর বার্থক্যমন্ত অবস্থার সন্তান লাভ	ডিকিৎসাবিদ্যা: গাইনোকোপজি	১৫-হিজর: ৫৪, ৫৫ ৩-আলে-ইমরান: ৩৯,৪৫ ১৯-মারইয়াম: ৯
	তাদাক্ষাথা শ্রীদের কছুসাব বন্ধ হলে ইন্দতকাল তিনমাস আর গর্ভবতীদের জন্য সন্তান প্রসব হওয়া পর্যন্ত	িকিলাকিলাকের্তিকিলা (amenorrhoca) Placenta, Superfactation, পিকৃত্ব নিশ্চিত করা ইতাদি	৬৫-তালাক: ৪ ২-বাকারা: ২২৮
বংশগতিবদা আল্লাহ সৃষ্টির অন্তিতু দান করেন ও সৃষ্টির (Genetics) পুনরাবর্তন খটান, ডিনিই সৃষ্টির থারা অব্যাহত রেখেচন।		বংশগতিবিদ্যা (Genetics): ক্রোমোসোম, DNA, RNA, ক্রণসৃষ্টি।	১০-ইউনুস: 8, ৩৪ ২৭-নমল: ৬৪ ৩০-রুম: ১১
•	প্রাণবান সব কিছুই পনি থেকে সৃষ্টি করা হয়েছে।	বংশগতি বিদ্যা (Genetics): DNA অণু	২১-আছিল: ৩০ ৬-জানজাম: ২ ২৪-সূত্র: ৪৫ ২০-জোমাহা: ১০৫ ২১-আছিল: ৩১ ৩২-সাজন: ৮
	বৈবাহিক সর্ম্পাকের মাধ্যমে আন্ত্রীয়ভার ধারা তঙ্গ করা	বংশগতিবিদ্যা (Genetics): মানুষের বংশ বিস্তার	২৫-আল-ফুরকান: ৫৪
	ভাষাসমূহ ও বর্ণের পার্থক্য আল্লাহর অন্যতম নিদর্শন	ঠিকিলাকিনা: যানুষের চামড়ার বহিরাকরণে তর গাঁচট বংশাতিকিলা (Genetics): মেলানিন (Melanin) এর বিদ্ধানাই গারের রং-এর ভিন্নতার করেশ	৩০-রুম: ২২ ৩৫-ফাতির: ২৮
	প্রত্যেক ফল, প্রাণী ও উট্টিল জোড়ার জোড়ার সৃষ্টি এবং বংশবৃদ্ধি ও বিশ্বার করেন আল্লাহ	হণোর্ছাইন্যা: DNA, নিষেক ফিয়া, প্রজনন ও বংশবিস্তার	২-বারুগরা: ১৬৪ ১৩-রা'আদ: ৩ ৩৬-ইয়াদিন: ৩৬ ৭৮-নাবা: ৮ ৪৩-যুখকক: ১২ ৫১-মারিয়াত: ৪৯ ৪৫-জাহিরা: ৪
	মানুষ বিভিন্ন জাতি ও গোৱে বিভক্ত	বংশাতিবিদ্যা: ভ্রশতক্স (DNA, RNA) Melanin এর কারণে বর্গ বৈচিত্র্য	৪৯-হজরাত: ১৩

বিজ্ঞানের বিষয়	কুরখানে উল্লেখিত বিষয়	বিজ্ঞানের যে বিষয় নির্দেশ করে	সুৱা ও আয়াত
ऋपविना (Embryology)	আল্লাহ মারের পর্জন্ধ সন্তানকে শ্রবপশকি, দৃষ্টিশকি ও হৃদয় দান করেন।	ক্রপবিদ্যা: ক্রণের বৃদ্ধি ও বিকাশ	১৬-নাহল: ৭৮ ১৬-নাহল: ৭৭ ৭-আরাফ: ১৮৭
শাবীরিকর্বিদ্যা (Physiology)	আল্লাহ হাসান ও কীগান	শরীরভক্ন: neuromuscular functions, Lachrymal gland এর প্রভাব	৫৩-নাজয়: ৪৩-৪৬
জ্যোতবিদ্যা (Astronomy)	মক্ষতসমূহ হল দিকনিচেশ।	জ্যোতির্বিদ্যা: ধ্রুবতারা (Pole star), বাতিথর (Light house)। পনর্বিকা: সেম্প্রটাই যন্ত্রের সাহাত্যে নিক-নির্ণয় করা যয়।	৬-আনআম: ৯৭
и	কিয়ামত (আকাশ, পৃথিবী ও যাবতীয় সৃষ্টির ভয়ম্বর পরিপতি)	জ্যোতিৰ্বিয়া: নকরের জীবনচক, মহাবিশ্বের সৃষ্টিতক্ত, মহাবিশ্বেষকা (Big-Bang),	৭-আ'রাক: ১৮৭ ১৬-নাংল: ৭৭৭৮- নারা: ১৯-২০, ৫২-ডুর: ৯-১০, ৭৮-নারা: ১৯- ২০, ৭৩-মুবানিঞ্চ: ১৪, ৭৭-মুবসালাভ: ১০, ১৯-বিদ্যাল: ১, ২, ৫, ১০১-কারিয়াহ: ১-৫
	আল্লাহর পদনার একদিন মানুষের গণনার এক হাজার বছরের সমস্থল্য।	জ্যোভিবিদ্যা: আপোকবর্ব (Light Year) ছামাপথের (Milky Way) একদিন পৃথি বীর হিসেবে হবে ২২ কোটি বছর (সমরের আপেঞ্চিকতা নীটি)।	২২-হাজ্য: ৪৭
	মহাকাশে সাতটি প্রর সৃষ্টি করা হয়েছে, পৃথি বীকেও অনুরূপভাবে সৃষ্টি করা হয়েছে।	জ্যোতিৰ্বিদ্যা: মহাকাশ সাতটি অঞ্চলে বিভক্ত	২৩-মু'মিনুদ: ১৭,৮৬ ২-বাকার: ২৯ ২-বাকার: ১৯৪ ১৩-রা'আদ: ২ ২২-হাজ্ক: ৬৫ ৭১-নুহ: ১৫ ৭৮-নাবা: ১২
"	আকাশে নক্ষ্মপুদ্ধ সৃষ্টি এবং প্রদীপ ও ক্যোর্ডিমর চন্দ্র স্থাপন	জ্যোর্ডিবিদ্যা: সূর্যের (নক্ষত্রের) আলো চাঁদে প্রতিফলিক হয়ে চীদ জ্যোর্তিময় হয়ে ওঠে	২৫-ফুরকান: ৬১ ১০-ইউনুস: ৫
"	আকাশকে নক্ষত্ৰপুঞ্চ (Constellation) যাত্ৰা সুশোভিত কৰা হয়েছে।	জ্যোতির্বিদ্যা: গ্রহ, উপ্তহত্ত, নক্ষম, সৌধঞ্চগৎ, হায়াপৰ, Super-galaxy ইংচ্যাদি সৃষ্টি	, ৩৭-সাকক্ত: ৬ ৪১-হামীম-সাজনা: ১২ ৫০-কৃষ্ণ: ৬ ১৫-হিজর: ১৬
"	আকাশ বহু পথ বিশিষ্ট	জ্যোতির্বিদ্যা: গ্রহ, উপগ্রহ ও নক্ষত্রের কক্ষপথ, হারাপথ ইত্যাদি	৫১-খারিয়াক: ৭
"	সূর্য ও চন্ত্র নিধারিত কক্ষপথে আবর্তন করে	জ্যোভির্বিদ্যা: কক্ষপথ (Orbit) আহ্নিক গভি, বার্ষিক গভি	৫৫-রহ্মান: ৫
н	সূর্য ও চন্দ্রকে এক্মিত করা (কিহামতে)	জ্যোতির্বিদ্যা: স্থালাদী কমে আসলে সূর্য যখন Redgiant হবে তখন তা সৌরজগতের গ্রহ ও উপগ্রহ সমূহকে গ্রাস করবে	৭৫-কিয়ামাহ: ১

বিজ্ঞানের বিষয়	কুরজানে উল্লেখিত বিষয়	বিজ্ঞানের যে বিষয় নির্দেশ করে	স্রা ও আয়াত
ফোতিবিদ্যা (Astronomy)	নক্ষকের আলো নিবাপিত হওয়া	জ্যোতিবিদ্যা: বাদামীবামন (Brown Dwarf) নক্ষত্ৰেৰ পৰ্যায়সমূহ ফেমন: Main consequence, pulsating stage, redgaint stage	৭৭-মুরসালাত: ৮ ৮১-তাকজীর: ১-৩ ৫৬-ওয়াকিয়া: ৫ ৭৭-মুরসালাত: ৮ ৮২-ইন্ফিতার: ২-৩
,	রামে আনির্ভৃত উল্ফুল নক্ষমের শপথ	জ্যেতির্বিদ্যা: উদ্ধূলতর অক্র গ্রহ (Venus) য সংবাদে অকতারা (Morning star) এবং সন্ধ্যায সন্ধ্যাতারা (Evening star) নামে পরিচিত	৮৬-ভারিক: ১-৩
N	শপথ সেই আকাশের যা ফিরে আসে।	জ্যোতিবিদ্যা: পৃথিবীর আহিক গতি এবং এর ফলে আকাশের পূর্বের অবস্থায় ফিরে আসা	৮৬-তারিক: ১১
খাদ্য ও পুষ্টিতত্ত্ব (Food and Nutrition)	তৃত কৰা, বাক ও পুৰুষেৰে মাপে হাবাম     বুলি বাবে হাতাকৃত, মামাকে নিহক, বিজ্ঞানীৰ মাধ্যাকে নিহকেৰ মাপে হাবাম	খলা ও গুলিহন্ত। এবংমদা একে বিশ্বক্রিয়া, চিন্ধিল ও এনহাজের মত ভয়নতে জীবাণু থাকে। মূক্তর বভাৰত দোলো নাদী। এর মাধ্যমা নাদিনালাঙা (লালাক্সি) ব Tentia Soliuen (কিবলুক্সি) সক্রেমিত হয়। মূক্ত করা আখ্যাকে নিকত করা প্রকাশ নিকত করা	২-বাকারা: ১৬৮ ২-বাকারা: ১৭২-১৭০ ৬-আনআম: ১৪৫ ১৬-নাহল: ১১৪-১১৫ ৫-মায়িদা: ৩
	বৃষ্টি বর্ষণ ও মু'মিননের শক্তি বৃদ্ধি সম্পর্কে	থাদ্য ও পৃষ্টিতক্ত্ব: থাদ্যের মাধ্যমে শক্তি সঞ্জয়	১১-छनः ७२
"	সমূদ্রকে মানুষের কল্যাণে নিরোজিত করা	খাদ্য ও পুষ্টিতত্ত্ব: অমিষের উৎস, খাদ্য-শৃত্তজ (Food chain)	১৬-নাহল: ১৪ ৩৫-ফাতির: ১২
"	বেজুর ও আঙ্গুর থেকে উত্তম পানীয় উৎপাদন	খাদ্য ও পুটি বিদ্যা: গুকোজ সরাসরি রক্তে গোহিত হয়	১৬-নাহল: ৬৭
" শৌমাছি খরা সৃষ্ট মধুতে রয়েছে মানুষে আরোগ্য রয়েছে।		খাদ্য ও পুষ্টি: মধুতে রয়েছে তেন্সট্রোজ (Dextrose), বিভিন্ন ধরণের ভিটামিন, বিভিন্ন এনজাইম, খনিজ উপাদান। মধুতে আছে মৃদু জীবাগু নামক (Antiseptic) ও গচনরোধক কব।	১৬-নাহল: ৬৮-৬৯
	গৃহপাদিত অন্তর দুখ এ প্রচুর উপকারিতা আছে	থাদ্য ও পুটিতক্ত: স্লেহ, ভিটামিন, আমিষ, শ্বেতনার, শর্করা প্রভৃতি বিদ্যমান (আদর্শ থাদ্য)	২৩-মুখিনুন: ২৭ ১৬-নাহল: ৬৬ ১৬-নাহল: ৬৬
	প্রসব বেদদার সময় মারইয়াম আ, কর্তৃক খেলুর গাছের কাজে নাড়া দেয়া ও তাকে খেলুর প্রদান	খাদ্য ও পৃষ্টিবিদ্যা: তাৎকণিক পৃষ্টির প্রয়োজনে বেস্কুর একটি আদর্শ খাদ্য	১৯-মানইয়াম: ২৫
্বীষ্টপাতের মাধ্যমে বিচিত্রবর্ধের ফলমূল উৎপাদন		খাদ্য ও পুটিতত্তঃ ফলের বর্গ পরিবর্তনে ক্যারোটিন (Carotene) ও এ্যান্যোদায়নিন (Anthocyanin) এর প্রভাব বিদ্যমান	৩৫-ফাভিন: ২৭
7	'কীন' ও ময়কুনের পপথ	খাদা ও পুটিতন্ত: ত্বীন বা ভূমুতে শর্করা, কালনিয়ার, নৌহ ইত্যাদি রয়েছে। ঔর্থাধি হল। বসতুন অত্যন্ত উপাদেয় ও স্বাস্থ্যকর এবং বসতুন থেকে তেল উৎপদ্ধ হয়।	৯৫-জীন: ১

বিজ্ঞাদের বিষয়	কুরজানে উক্লেখিত বিষয়	বিজ্ঞানের যে বিষয় নির্দেশ করে	স্রা ও আরাত
ভূগোল (Geography)	দিল ও রাত্তের পরিবর্তনে নিকর্মন রতেছে।	ভূগোল: আহিকগতি ও বার্ষিক গতি	২-বাকারা : ১৬৪, ৬-আনআম : ৯৬, ৩-ইমরান: ২৭, ২২- হাজ্য: ৬১, ৫৭-হার্দীদ: ৬, ১০-ইউনুস: ৬, ৪৫-জানিয়াই: ৫, ৭০-মুখ্যাখিল: ২০, ২৪- দুর: ৪৪, ৩৫-ফাতির: ১০ ২৫-ফুরজান: ৬২
	বায়ুর দিক পরিবর্তন     সুসংবাদবাহী বায়ু প্রেরণ	ভূগোল: কছু পরিবর্তন, বায়ুর শ্রেণী বিভাগ	২-বান্ধারা: ১৬৪ ৭-আ'রাফ: ৫৭ ৪৫-জাসিয়াহ: ৫
4	সূর্যোদয়ের পূর্বে, স্বান্তের পরে, রাত্রি ও দিবসের প্রান্তসমূহে আল্লাহর পবিন্যাতা ও মহিমা ঘোষণার (নামাজ) নির্দেশ	ভূগোল: পৃথিবীর গোলাকৃতি, পৃথিবীর আহিকগতি	২০-ভোয়াহা: ১৩০
В	মহাকাশে সাভটি বার সৃষ্টি করা হরতেছে, পূথি বীক্ষেত্র অনুস্থাপভাবে সৃষ্টি করা হরতেছে।	ভূপাদ: ভূ-তত্ববিদ্যাত ভূ-স্করকে সাতটি ভাশ বিশুক্ত করেহেদ।	২০-মু নিমুদ্দ: ১৭,৮৬ ২-বাকারা: ২৯ ২-বাকারা: ১৬৪ ১০-বা আদ: ২ ২২-বাক্য: ৬৫ ৭১-নূর: ১৫ ৭৮-নারা: ১২ ১৭-ক্রী-ইসরাদিল: ৪৪ ১৮-নার্ল: ৮০ ৬৫-তালাক: ১২
	আকাশ থেকে বারি বর্ষণ ও মৃতিকায় সংরক্ষণ	ভূগাল: জনাপুরনেথ (Cumulonimbus clouds), সামোকসংগ্রেপ (photosyn- thesis), প্রক্রিয়ার উদ্বিদে পানি সংক্রমণ, অহা, নানি,দুল, বাঙানা প্রকৃতিতে পানি সংক্রমণ করা হয়েছে।	২৩-খ্ৰিনুন: ১৮ ২-বাকার: ১৯,২২ ২-বাকারা: ১৬৪ ৬-আনআম: ১৯ ২০-ভোরাহা: ৫৩ ২২-হাব্দু: ৬৩ ১৮-কাইক: ৪৫
	পৃথিবী ও আকাশ মঙলী পরিবর্তিত হওয়া	ভূগোল: পৃথিবীর প্রাকৃতিক পরিবর্তন, Green House Effect, Global warming	১৪-ইবরাহীম: ৪৮
-	পূর্ব ও পশ্চিমের প্রতিশাদক আল্লাহ	ভূগোল: সূর্যোদয় ও সূর্যান্ত বিষুব রেখা, কর্মট ক্রান্তি ও মধ্যর ক্রান্তি	২৬-জন্মার: ২৮
H	উভয় উনয়াচল ও অস্তাচলের সৃষ্টি	ভূগোল: মহারেখা (meridian),দিগন্ধরেখা (horizon) , নিরক্তরেখা, উদয়াচপের ও অক্তাচপের পুটি পূর্বপারেট ও দুটি পশ্চিম পারেট আছে।	তণ-সাফকত: ৫ ৫৫-রহমান: ১৭
4	আল্লাহ পৃথিবীকে বাসোপযোগী করেছেন	ভূগোল: কড় গরিবর্তন, বাস্ত্রসংস্থান, বাহুমধন	৪০-মু'মিন: ৬৪ ৬৪-তাগার্ন: ৩
	দু' প্ৰদিকের ব্যবধান	তুলোকঃ অন্তন্যন্ত (solstices), Arcual distance	৪৩-যুৰক্ষক: ৩৮

বিজ্ঞানের বিষয়	কুরআনে উল্লেখিত বিষয়	বিজ্ঞানের যে বিষয় নির্দেশ করে	স্রা ও আয়াত
ভূগোল (Geography)	আকাশ রিথিকের উৎস	ভূগোল: বৃষ্টি বর্ষণ এবং উদ্ভিদচক্রে বৃষ্টির অপরিহার্যতা	৫১-বারিয়াত: ২২ ১৫-হিজর: ২১
	পৃথিবী হাপিত সৃষ্ট জীবের জন্য	ভ্গোল: বায়ুমজন, মৃতিকা, কতুপরিবর্তন	৫৫-রহমান: ১০
<ul> <li>আল্লাহ মেঘ থেকে সুমিষ্ট পানি বর্ষণ করেন,</li> <li>ইচ্ছা করলে তা পানের অযোগ্য করতে পারেন</li> </ul>		ভূগোল: পানি চক্র, বৃষ্টি পানি সবাধিক বিভদ্ধ ও সুপের	৫৬-গুয়াকিয়া: ৬৮-৭০
	চন্দ্রের পূর্ণতা লাভ	ভূগোদ: পূর্ণিমা, অমাবদ্যা, চন্দ্রের পৃথিবীকে ২৭.৩২২ দিনে পরিষ্কমণ করে।	৮৪-ইনশিক্তক: ১৮
ভূতত্ববিদ্যা (Geology)	প্রস্তর শৈলের উপর মৃসার লাঠির আঘাতে প্রবাহিত ঝর্ণা	ভূ-তত্ত্ব: শিলার প্রকৃতি ও শ্রেণীবিভাগ এবং শিলা হতে ঝর্ণা সৃষ্টি	৭-আরাফ: ১৬০
	ভূডগতে বিস্তৃত করা/ পৃথিবী শালিচার মডো বিছানো ও চলার পর্যের ব্যবস্থা	ভূ-তত্ত্ব: গ্রেইট এর গঠন বৌশদা: চীনের সাথে ভারতকে সংযুক্তকারী শিক্ত ফট (Silk Route) গিরিপথ, রাজপথ, জলপথ ইত্যাদি	৫১-খারিয়া: ৪৮ ১৫-হিজর: ১৯ ৭৯-নাথিয়াত: ৩০ ৪৩-মুখক্তক: ১০ ৫০-কুফ: ৭ ৭৮-নাবা: ৬
	" দপথ সেই পৃথিবীর, যা বিদীর্ণ হয়। ভূ-ভত্তঃ ভূমিকম্প, নিগালর, আয়েরদিরি টেকটোনিক প্লেট (Tectonic Plate)		৮৬-ভারিক: ১২
পরিবেশবিদ্যা Environmen-tal science)	<ol> <li>পৃথিবীতে প্রতিটি বস্ত্র সুপরিমিতভাবে সৃষ্টি করা হয়েছে।</li> <li>পৃথিবী, জাকাশ ও অন্যান্য সর্বকিছুই যথ ানুপাতে এবং সুমনভাবে সৃষ্টি করা হয়েছে।</li> </ol>	পরিবেশবিদ্যা: বাঙ্কসংছান (Ecosystem), পরিবেশে বিভিন্ন উপাদ্যনের জ্ঞারসাম্য ।	১৫-হিজর: ১৯, ২১ ৮৭-আ'লা: ২-৩ ৬-আনআম: ৭৩ ১৪-ইবরাহীম: ১৯ ৪৫-জাসিয়হ: ২২ ৪৬-আহকাফ: ৩ ৬৪-তাগারুন: ৩
	আকাশ ও পৃথিবী এবং এ দু'য়ের মধ্যে যা কিছু আছে তা অনর্থক সৃষ্টি করা হয়নি।	পরিবেশ বিজ্ঞান: বাস্ত্রসংস্থান বিদ্যা (ecology)	২১-আছিয়া: ১৬ ৩-আলে-ইমরান: ১৯১
কৃষিস্কান (Agriculture science)	শদ্যবীক্ষ অন্ধুরোদগমে নিদর্শন রয়েছে।	কৃষিজ্ঞান: বীজের বিপাক ফ্রিয়া (Metabolic activities), বীজের সুপ্তাবস্থা।	৬-আন্থাম: ৯৫
নৌযানকৌগল (Marine engineering)	সমূদ্র দৌযান চলাচলে এবং অনুরূপ খানবাহনে মানুষের জন্য নিদর্শন রয়েছে।	পরিবহন ফৌশল: মেরিন ইজিনিয়ারিং (নৌমান তৈরি ও পরিচাদনা), জ্যারোনটিক্যাল ইজিনিয়ারিং (বিমান তৈরি ও পরিচালনা), যত্তকৌশল (স্থল্যান নির্মাণ ও পরিচালনা),	২-বাকারা: ১৬৪ ১১-হুদ: ৪১ ২৩-মুমিনুন: ২৭ ১৪-ইবরাহীম: ৩২
	সমুদ্রকে মানুষের কল্যাণে নিয়োজিত করা		১৬-নাহল: ১৪ ৩৫-ফাতির: ১২

বিজ্ঞানের বিষয়	কুরআনে উক্লেপিত বিষয়	विस्नात्मद्र त्य दिवग्न निर्तान करत	স্রা ও আরাত	
शहन(जानन (Metallurgical Engineering)	ইয়াজুজ ও মাজুজকে প্রতিহত করার জন্য যুলকার নাইন আ, এর লোহার প্রাচীর	ধাতব কৌশল: উন্নত তথাতগসম্পন্ন শংকর ধাতু (Alloy) যা ক্ষয়প্রতিরোধক	১৮-কাহক: ৯৬	
,	দাউদ আ, কর্তৃক পৌহ খারা বর্ম তৈরি	ধাতববিদ্যা: সংকর (Alloy), অন্ত কৌশল (Weapon Engineering)	৩৪-সাবা: ১০,১১ ১৬-নাহল: ৮১	
	লোহার মধ্যে মানুষের জন্য বছবিধ কল্যাণ রয়েছে	খাতবকৌশল: শিল্পায়নে লোহার অপরিহার্যতা লোহা রক্তের হিমোগ্রোবিনের একটি অপরিহার্য উপাদান	৫৭-হাদীদ: ২৫	
वश्चरकंग्नल (Textile Engineering)	মানুহকে পোষাক-পরিজ্ঞদ দান আল্লাহর অন্যতম নিদর্শন।	বন্ধকৌশন (Textile Engineering) সূতা আবিস্কার, কাপড় তৈরি, রকমারী পোশাকানি ও কারুকার্য আবিষ্কার।	৭-আরাফ: ২৬	
চামড়াপ্রযুগি (Leather technology)	গৃহপাদিত পত মানুহের আয়ত্বাধীন, এতে মানুহের জন্ম রয়েহে অনেক উপকারিতা আনআমে শীত নিবারক উপকরণ ও বহু উপকার ও আহার্য	চামড়া কৌশল (Leather technology): শীতবন্ধ, জুৱা ও অন্যান্য পরিচহদ চামড়া থেকে কৈরী হয়	৩৬-ইয়াসিদ: ৭২, ৭৩ ১৬-মাহল: ৫, ৭, ৮, ৬৬	
প্রনি সম্প্রদ কোশল (Water resource Engg.)		পানিসম্পদ কৌশল: ভ্গৰ্ভ থেকে গানি উন্তোলন কৌশল (Pumping and lifting Technology)	৬৭-মূলক: ৩০	
श्रामाञ्जाम (Psychology)	যাদের অন্তরে ব্যাধি আছে, তাদের কপটতা ক্রমান্তরে বৃদ্ধি পার।	মনোবিজ্ঞান (Psychology): অপরাধ অপরাধীকে অধিক অপরাধ করতে গ্রপুত্র করে	৯-ভওবা: ১২৫	
(Psychology)  #श्वद्य পূর্ব বহু মানবগোরি জংগ হরেছে যানের  (Arcnacology)  নিদৰ্শন এখনও পৃথিবীয়ে বিদ্যানান		প্রত্নতন্ত্র: আদ, সামুদ, আইকাবাসী, কওমে নৃহ, কওমে লৃতের নিদর্শন পৃথিবীতে পাওয়া গেছে।	২০-ভোরাহা: ১২৮ ৭-আরাফ: ৩৪ ৭-আর্থরা: ১৪ ২১-আ্থিরা: ১১ ৩৬-ইরাসিন: ৩১ ৪৭-মুহাব্দ: ১০, ১৩ ৫০-কুফ: ৩৬	
ছাপত্যাবদ্যা (Arcnuecture) আজাবিন জিনরা সুলাইমানের ইচ্ছামতো প্রাসাদ, মূর্তি, ও হাওয আকারের বড় পারা নির্মণ করতো		স্থাপত্য বিদ্যা: Planning and design (Architectural)	৩৪-সাবা: ১৩	

# পরিশিষ্ট-৫

(اَسْمَاءُ اللَّهِ الْحُسْنَى) आज्ञार जा'आनात সुन्दत नायमपृर

न्ह मर	আল্লাহর নাম	বৰ্ণ	আয়াত/হাদীস
۵	जान-जा'वीयु (اُلْعَزِيُّزُ)	মহাপ্রতাপশালী	৫৯-আল-হাশর: ২৩; ৩১-লোকমান: ২৭
ą.	আল-আশীমু (ٱلْعَلِيمُ)	মহাজ্ঞানী/সৰ্বজ্ঞানী	২-আল-বাকারাঃ ৩২; ৩১-শোকমানঃ ৩৪
0	আল-আ'দূলু (اَلْمُدُلُّ)	<b>ন্যায়নিষ্ঠ</b>	৬-আল-আনআম: ১১৫
8	আল-আ'गीमू (ألُعَوْلِيمُ)	মহিমাময়/মহান	২-আগ-বাকারা: ২৫৫
e	আল-আ'লিয়ুঃ (آئنيلُ)	অভ্যক্ত	২-আল-বাকারা: ২৫৫; ৩১-লোকমান: ৩০
ь	আল-আওয়ালু (খিট্টা)	প্রথম অর্থাৎ অনাদি	৫৭-আল-হাদীদঃ ৩
٩	আল-আথিক ('২ৄ-১/i)	শেষ অর্থাৎ অনন্ত	৫৭-আল-হাদীদ: ৩
ь	আল-আ'কুট (أَنْعَنُوُ)	ক্যাকারী	২২-আল-হাজ: ৬০; ৫৮-আল-মুজাদালা: ২
à	ইলাহন (১))	हेगार	২-আল-বাকারা: ২৫৫; ৩-আলে ইমরান: ১৮
00	আল-ওয়াত্হাবু (اْلْوَهَّابُ)	মহাদাভা	ত-আলে ইমরান: ৮; ৩৮-সা'দ: ৯
22	আল-ওয়াছিউ' (أَوَاسِعُ)	সর্বব্যাপী	২-আল-বাকারা: ১১৫, ২৬১
પ્ર	वान-वशामृम् (آئُرَدُرُدُ)	ধ্যেম্য	১১-হদ: ৯০; ৮৫-আগ-বুরুজ: ১৪
yo.	बान-धग्राकीन् (آلُوكِيُّلُ)	कारिशहरू	৩৯-আয-যুমার: ৬২; ৭৩-আল-মুখ্যাখিল: ৯
8	আল-ওয়ালিয়া (أَوْلُ)	অভিভাবক	৪২-আশ্-তরা: ১; ৪৫-আল-জাদিয়া-১৯
ve sv	আল-ওয়াজিদু (أَنْوَاجِدُ)	প্রাপক	সহীহ তিরমিখী, হাদীস নং-৩৫০৭
và	আল-ওয়াহিদু (أَوْرَاحِدُ)	499	৩৯-আতৃ-তুমার: ৪: ৪১-হা-মীম-আসসাজনাহ: ৩
٩	আল-ওয়ালীউ (الْزَالِيّ)	অধিপতি	১৩-আর-রা'দ: ১১
ibr	बान-ওवातिम् (أَنْوَارِثُ)	<b>নক্সবিকা</b> রী	১৫-আগ-হিজর: ২৩
ė.	আল-কাহ্হারু (﴿الْفَهَارُ)	মহাপরাক্রান্ত	৩৮-সাদি: ৬৫; ৩৯-আয্-যুমার: ৪
0	আল-কা-বীযু (الْقَابِشُ)	সংকোচনকারী	২-আন-বাকারা: ২৪৫
ć)	আল-কাৰীক (اَلْكَبِيرُ)	মহান	১৩-আর-রা'দ: ৯; ৪০-আগ-মু'মিন: ১২
2	पान-कात्रीय् (الْكَرِيمُ)	অনুধাহকারী	৪৪-আদ-দুখান: ৪৯; ৮২-আল-ইনফিতার: ৬
0	জাল-কাৰীয়া (أَلْفَوِيُّ)	শক্তিশানী	৫৭-আল-হাদীদ: ২৫; ৫৮-আল-মুজদালা: ২১
8	আল-কুনন্তুসমূ (أَنْتُورُمُ)	চিব্ৰ <b>ছা</b> য়ী	২-আল-বাকারা: ২৫৫; ৩-আলে ইমরান: ২
æ	र्षाण-कृत-मित्र (الْفَاوِرُ)	শক্তিশালী	৬-আল-আনআম: ৬৫; ৩৬-ইয়া-সিন: ৮১
6	(ٱلْفُدُّوْسُ) वान-कूमून	পৰিব	৫৯-হাশর: ২৩; ৬২-আল-জুমুআ: ১
9	আল-খবীরু (إِنْصَيْرِ)	गर्दछ	ত-আদে ইমরান: ১৫৩; ৪৯-আল-হজুরাত: ১৩
b	वाल-वाणिकू (ٱلْخَالِقُ)	প্রষ্টা/সৃষ্টিকর্তা	৫৯-আল-হাশর: ২৪
ъ	वान-वा-कियु (الْخَافِضُ)	অবনমনকারী	সহীহ তিরমিধী, হালীস নং-৩৫০৭
0	আল-গাক্ফারু (الْنَفَّارُ)	গরম কমাশীল	৩৮-সাদি: ৬৬; ৩১-আয়-যুমার: ৫
2	জাল-গাফুরু (اَلْنَقُورُ)	পরম ক্যাকারী	২-আল-বাকারা: ১৭৩; ৩৯-আম-যুমার: ৫৩

#### পরিশিষ্ট্র-৫ আলাহ তা'আলার সন্দর নামসমূহ ( ১৯৯১ টা ১৯১১

R	আল-গানীয়ু (أَنْغَنِيُّ)	অভাবমূক	৬০-আল-মুমতাহিনাঃ ৬ঃ ৬৪-আত-তাগাবুনঃ ৬
•	আল-আব্বাক (১৯৯০)	প্রবল/অদম্য	৫৯-আল-হাপর: ২৩
8	वान-कामीन् (﴿لَـٰهَانُـ)	মহিমাশিত	৫৫-আর-রহমান: ২৭, ৭৮
20	আল-জামিউ' (الْجَابِمُ)	একত্রকরণকারী	৩-আলে ইমরান: ১
96	জাত-তাওয়াবু (এট্রা)	তওবা করুলকারী	২-আল-বাকারা:১৬০; ৯-আত-তওবা: ১০৪
99	पान-नाकिष्ठ" (اَنْانِدُ)	কল্যাণকারী	সহীহ ভিরমিয়ী, হাদীস নং-৩৫০৭
56-	वान-नृक्ष (النُّرُرُ)	জ্যোতির্ময়	২৪-জান-নূর: ৩৫
2/0	जान-काख-ए (أَلْفَتَاحُ)	মহাবিজয়ী	৩৪-সাবা: ২৬
80	আল-বারিউ (১০০০)	নিৰ্মাণকৰ্তা/উদ্ভাবনকৰ্তা	৫৯-আল-হাশর: ২৪
83	আল-বা-পিকু (أَلْبُ سِطُ)	সম্প্রসারগকারী	সহীহ ভিরমিধী, হাদীস নং-৩৫০৭
ва	আল-বাছীরু (آئیسٹر)	সম্যক দ্ৰষ্টা	১৭-বনি ইসরাঈল: ১
80	वाल-वा रेष्ट्र (चेंब्रॉ))	পুনরুখানকারী	সহীহ ভিনমিখী, হাদীস নং-৩৫০৭
88	জাল-বাতিনু (ুঁটুট্টা)	26	৫৭-আল-হাদীদঃ ত
80	আল-বার্ক (১ৣ০০)	কৃপাময়	৫২-আত-তুর: ২৮
86	জাল-বাদীটি' (أَلْبَدِيْدُ)	নদ্নাবিহীন সৃষ্টিকারী	২-আগ-বাকারা: ১১৭
89	আল-বাব্বীউ (ৣৄৣৄুর্টা)	চিরস্থায়ী	সহাঁহ তিরমিয়ী, হাদীস নং-৩৫০৭
8b	আল-মালিকু (اَلْلِكُ)	অধিপতি	১১৪-আন-নাস: ২
8>	वान-माबीन् (أَلْمَحِينًا)	পৌরবময়	১১-জ্ল: ৭২-৭৩
20	वान-माठीन् (الْمَتِينُ)	<b>ন্</b> তৃতাসম্পন্ন	৫১-আধ-যারিয়াহ: ৫৮
es.	वान-प्राक्षिम् (ألْسَاجِدُ)	মহান	১১-एनः १०
e٤	मानिकुन मृन्क (مَالِكُ الْـمُلْكِ)	সার্বভৌম ক্ষমতার মালিক	৩-আলে ইমরান: ২৬
œ.	আল-মাদিউ' (الْحَانِمُ)	প্রতিরোধকারী	সহীত্ ভিরমিয়ী, হাদীস নং-৩৫০৭
¢8	वान-मुक्रीजू (أَلْمُؤِينُّتُ)	আহার্যদাতা	সহীহ ভিরমিয়ী, হাদীস নং-৩৫০৭
œ	वान-भूभिन् (أَلْمُؤُونِ)	নিরাপন্তাদাতা	৫৯-আল-হাশর: ২৩
৫৬	वान-भूशग्रमिन् (ٱلْمُهُيُّمِنُ)	রক্ষাকারী	৫৯-আল-হাশর: ২০
٥٩	আল-মুতাকাকিবু (শুইটো)	মহিমাখিত	৫৯-আল-হাশর: ২৩
6p	यूमाविशिव (ٱلْمُصَوِّرُ)	আকৃতিদাতা	৫৯-আল-হাশর: ২৪
es	वान-गूरे'ग्यू (ٱلْـمُعِزُّ)	সন্মানদাতা	সহাঁহ ডিরমিধী, হাদীস নং-৩৫০৭
80	वान-मृषिद्ध (الَـمُذِلُ)	অপমানকারী	সহীহ ভিরমিবী, হাদীস নং-৩৫০৭
৬১	वाल-भूजीवू (أَسُجِبُ)	ক্লকারী	<b>35-स्</b> लः ७ <b>3</b>
62	जाल-मूर्मीडे (الْمُخْمِيُ)	হিসাব গ্রহণকারী	সহীহ তিরমিবী, হাদীস নং-৩৫০৭
60	আল-মূবদীউ (اَلْــُـبُرِدُيُّ)	আদি স্রষ্টা	সহাঁহ কিরমিয়া, হাদীস নং-৩৫০৭
68	आन-पूजिपू (اَلْمُعِيدُ)	পুন্যসৃষ্টিকারী	সহীহ তিরমিয়ী, হাদীস নং-৩৫০৭
60	वाल-पूर्वी (الْمُخير)	জীবনদাতা	সহীহ তিরমিয়ী, হাদীস লং-৩৫০৭
66	वाल-मुमीकु (देंदर्दी)	মৃত্যুদাতা	সহীহ ভিরমিয়ী, হাদীস নং-৩৫০৭

### পরিশিষ্ট-৫ আল্লাহ তা'আলার সুন্দর নামসমূহ (أَسْمَاءُ اللَّهِ الْحُسْنَى)

69	वान-पूक्वानिक (الْـَكْتَابِرُ)	ক্ষতাশালী	৫৪-আল-কামার: ৫৫
50	वान-पूकाभिम् (أَلْمُكُدُّمُّ)	प्रध्वजीकारी	সহীহ তিরমিয়ী, হাদীস নং-৩৫০৭
68	আল-মুআখবিক (الْـمُؤَخِّرُ)	পচাদবর্তীকারী	সহীহ তিরমিয়া, হাদীস নং-৩৫০৭
90	আল-মৃতা'আলীউ (الْكَكَالِ)	সর্বোচ্চ মর্যাদারান	সহাঁহ ডিরমিখী, হাদীস নং-৩৫০৭
42	আল-মূন্তাকুমু (ুঁট্টা)	শন্তিদাতা	সহীহ তিরমিধী, হাদীস নং-৩৫০৭
92	वान-पूर्वभिद्ध (أَسُمُوا أَنْ اللهُ اللهِ	न्यासभवासभ	সহীহ ডিরমিথী, হাদীস নং-৩৫০৭
90	वान-पूर्वीयु (الْمُغْنَى)	অভাব মোচনকারী	সহীহ তিরমিধী, হাদীস নং-৩৫০৭
98	জাব-বাহিক (ঠেটা)	ধকাশ্য -	৫৭-আগ-হানীদ: ৩
90	আব-যার্ক (১৯৯১)	অকল্যাণের মালিক	সহীহ তিরমিয়ী, হাদীস নং-৩৫০৭
৭৬	क्ष कागणि जाग देस्साम(وُرُام) कुग कागणि जाग	মহিমাময় ও মহানুকৰ	৫৫-আর-রহমান: ৭৮
99	আর-রহমানু (১৮৯%)	অসীম পরামর	৫৫-আর-রহ্মান: ১
96-	আর-রউফু (اَلزَّمُونُ)	দয়র্ত্র	৩-আলে ইমরান: ৩০; ২২-আল-হাজ্ঞ: ৬৫
4,8	वात-तभीम् (اَلْرُجْبَدُ)	সত্যদশী	সহীহ তিরমিয়ী, হাদীস নং-৩৫০৭
bo.	আর-রাহীমু (﴿﴿جَنَّ ﴿)	পরম দহালু	১-আল-ফাভিহা: ২
>7	(ٱلرُّزُّاقُ) आत-ताय्याकू	রিখিক্লাতা	৫১-আব-যারিয়াহ: ৫৮
৮২	আর-রাফিউ' (ٱلرَّائِمُ)	<b>डेम्र</b> स्नवाडी	সহীহ তিরমিধী, হাদীস নং-৩৫০৭
bro	बाब-बाकीव् (اگرینگ)	<b>পर्यत्यक्षमका</b> डी	৫-আল-মায়েলা: ১১৭
b-8	আস-লাতীয়ু (ٱلنُولِيَثُ)	সূক্ষ	৬-আল-আনআম: ১০৩; ৬৭-আল-মূলক: ১৪
bê	আপ-পাক্র (أَنْتُكُورُ)	তথহাৰী	৪২-আশ-চরা: ২০
rb	আশ-শাবীদু (اَلنَّهِيْدُ)	প্ৰত্যক্ষায়ী	৫৮-আল-মূজাদালা: ৬
79	আস-সাবৃক্ত ('টুট্টা)	रिवर्गीन	সহীহ ভিরমিয়ী, হাদীস নং-৩৫০৭
b b	वान-नानायू (السُكُرُمُ)	শান্তি	৫৯-আল-হাশর: ২৩
rb	আস-সামীউ' (শিক্ষুর্ন)	সৰ্বপ্ৰোতা	৪২-আশ-তরা: ১১
90	জাস-সামাদু (ٱلشَّمَدُ)	অমুবাণেকী	১১২-আল-ইখলাস: ২
26	আল-হাকুকু (الْـحَقُّ)	সত্য	৩১-দোকমান: ৩০
<b>5</b> 2	আল-হাকামু (১৯৯০টি)	मीमारगकारी	৪০-আপ-মু'মিন: ৪৮
90	বাল-হাকীমু (شكيتاً)	প্রমানর	৩১-গোকমান: ৯
8	वान-शकीयु (الْحَيْثِطُ)	মহারক্ষক	৪২-আশ-৬রা: ৬
96	আল-হাদীউ (الْهَادِيُ)	ণ <b>ধ</b> ্ৰদৰ্শক	সহীহ কিরমিয়ী, হাদীস নং-৩৫০৭
640	वान-शमीम् (أَلْحَوِيْدُ)	<b>প্রশং</b> সিত	৩১-লোকমান: ২৬
9.	जान-शंग्रा (أَحْتُ)	চিরঞ্জীব	২-আশ-বাকারা: ২৫৫
ьь	আল-হালীমু (১৯৯৯)	সহিত্	২২-আপ-হাজা: ৫৯
n)	वान-शंगीव (८٠٠६)	হিসাৰ গ্ৰহণকারী	সহীহ ভিরমিষী, হাদীস নং-৩৫০৭

★ ব্যরত আবু দ্বাইরা (রা.) হতে বর্ণিত, বানুস্কুয়াহ সন্ধান্তাক আলাইহি তরাবাল্লাম ইরণাদ করেন, নিশ্বর আলাহহি নাম বয়েছে, যে ব্যক্তি তা মুখছ করবে নে জান্নাতে প্রবেশ করবে। (বুলারী-৭০৯২, মুশলিম-১৬৭৭, তিরনিধী-৩৫০৮)

পরিশিষ্ট-৬ পবিত্র কুরআনে সিজদার আয়াতসমূহ

ক্রমিক নং	পারা নং	স্রাসম্হের নাম	সূরা নং	আয়াত নং
۵.	ъ	আল-আ'রাফ	٩	206
۹.	20	আর-রা'দ	20	20
o.	78	আন-নাহল	36	ĝo
8.	24	বনী-ইসরাঈশ বা ইস্রা	>9	709
e.	36	<b>मतिग्रम</b>	79	64
Ġ.	24	আল্-হজু	44	20
۹.	24*	আল-হন্দ্ধ*	<b>22*</b>	99*
ъ.	7.9	আল-ফুরকান	20	60
ъ.	79	আন-নাম্প	29	২৬
۵٥.	২১	আস-সাজদা	তথ	26
35.	২৩	সাদ	৩৮	28
١٤.	48	হামীম আস্-সাজদা বা ফুসসিলাত	87	96
٥٥.	২৭	जान्-नारम	60	<b>કર</b>
\$8.	00	আল-ইনশিক্তাক	₽8	خ>
Se.	00	আল-আলাক	৯৬	79

টোন্দটি স্থানে সিঞ্চলার ক্ষেত্রে সব আগেম একমত। তবে (\*) চিহ্নিত স্থানেও ঈমাম শাক্ষি'ঈ-এর মতে সিঞ্চলা দেয়া উত্তম। সিঞ্চলারত অবস্থায় নিব্যোক্ত দু'আটি পাঠ করা সুত্রত।

**অর্থ:** সিজদার অবদত হলো আমার চেহারা তার জন্যে যিনি তা সৃষ্টি করেছেন, আকৃতি দান করেছেন, প্রবশশিক্ত ও দৃষ্টিশক্তি দান করেছেন। আস্তাহ বরকতময় ও তিনি সর্বোভম সৃষ্টিকর্তা। (মুসলিম)

## পবিত্র কুরআনের সূরাসমূহের সূচীপত্র

ক্রমিক নম্বর অনুসারে						বাংশা বর্ণমালার ক্রমানুসারে					
সূরা দং	স্রার নাম	र्गुकी नर	সূরা নং	সুৱার নাম	<b>पृक्षा</b> नर	সূত্রার নাম	সুৱা দং		সুৱার নাম	সুৱা নং	शुक्री ना
١.	অল-ফাডিহা	607	27.	খাল-মুখদালা	342	অধিয়াত	200	9450	विमा	8	200
٦.	আল-বাকারা	409	-25.	খাল-হাপর	996	বানবাৰ	6	699	नुब	48	998
9.	আলে-ইমরান	200	90.	चल-मुमकदिना	b¢br	আনকাবত	45	1736	- TE	93	358
8.	वान-मित्रा	224	92.	খাস-সাঞ্চ	3/00	অনকাশ	b	605	मानद	3/3	2047
¢.	আল-মায়েলা	6,00	94.	অল-জুমু'আ	264	অবস	bro	\$00%	ফাতহ	85	979
ъ.	আল-আনৱাম	236	60.	খাল-মুনাধিকুন	348	অধিয়া	43	980	ক্তিহা	3	605
٩.	অস-আরাক	950	48.	আত-তাগাবুন	999	আ'রাক	9	630	काठिश	00	b86
br.	অল-অনফাল	602	60.	আহ-তালাক	366	অ'ল	24	7075	ফাল্যক	220	2006
b.	আত-তওবা	680	60.	আত-তাহরীম	990	অস্থ্যকু	36	3059	বীল	200	2000
٥٥,	ইউনুস	628	69.	বাল-যুক্ত	392	আলে-ইমরান	0	600	कृतकान	90	999
33.	दुन	995	65.	তাল-কালাম	396	MINE	300	3002	কী ইনৱালৈ ব অল-ইনুৱা	39	928
35.	ইউসুক	999	69.	जान-शकार	349	আহ্বাক	86	2029	বাকারাহ	2	605
30.	আর-রা'দ	666	90.	বাগ-মা'বারিক	36-5	व्याद्यान	90	hoo	বরিংনাহ	30	2049
38,	<b>रेक्डारी</b> म	690	95.	नुष	30/8	श्रेष्ट्रन	30	628	বালাদ	30	2050
34.	আপ-বিজৰ	689	92.	আল-দ্বিদ	36-6	\$570	25	999	<b>कुरू</b> व	P-S	2020
26.	আন-নাহল	900	90,	খাল-মুখ্যমন্দ্ৰিল	300	देशनान	225	2009	भा व्यक्ति	90	99.7
39.	वनी-देशक्षांच्या वा वाग-देशका	928	98.	আল-মুখাস্সির	330	ইনুক্তিতার	5-5	2020	মাটন	309	2008
20.	আল-কাহাঞ্	938	92.	আল-বিবামার	330	<b>E</b> -frigin	78	2020	মরিদা		
30.	মরব্রাম	908	96.	वान-मादव	386	देनानग्रहा <b>र</b> देनानग्रहाद	98	2029	মারইয়াম মারইয়াম	4	&po
20.		983	99.			दनागडाद् देखादीय				79	908
40.	ड्रा-वा जन-वापिया			আন-মুরদাবাত	294	रेशायीन रेडामीन	28	999	মুজানাধা	62	265
		920	95.	খন-বৰ	2000		-06	947	মুতাক্কিকীন	310	2022
ર્	জাল-হঞ্	920	935.	বাদ-শবিবাত	2000	গ্যাকি'আ	6.0	380	মুদ্দাছবির	98	990
₹0.	जान-मू मिनुन	966	tro,	হাবাসা	2009	कावश्रह	703	3008	মুমভাহিনাহ	60	954
₹8.	वान्नुव	198	b/3.	আত-তাৰবীর	700p.	কান্ত	24	2059	যুনাধিকুন	90	3/68
₹2.	খাল-কুরকান	93-2	84.	আল-ইনবিভৱে	3030	कुरक	@p	355	মুখিন	80	৮৭৮
₹6.	বাপ-ত'বারা	966	br0,	অপ-মুতাক্তিদীন	7077	কাকিছন	209	2000	মু'মিনুন	২০	966
34	জান-নামূল	broo	¥8.	বাল-ইনশিকাক	2020	কুমার	68	906	<b>মূহ্যাখিল</b>	90	29.5
ξb.	আপ-কাসাস	pop	b\$.	মাল-বুক্ত	3036	কৃৰি'আ	202	7007	মুরদালাত	99	254
ξb.	আল-আন্কাবৃত	279	brb.	মাত-ব্যবিক	2024	কুলাম	Ob	286	মূদ্ৰ	69	৯৭২
<b>6</b> 0.	আর-শ্রম	25.4	39.	বাদ-বা'ৰা	7079-	কুলোস	20r	prop.	মুহামদ	89	325
Ø3.	পোকমান	b29	bb.	ত্মস-গণিয়া	2029	alda	2/2	928	यदिशार	62	356
63.	আস-সাজদা	5000	trà.	মাল-ফরার	3053	विद्रासंद	9.0	270	বিশ্বাগ	86	2000
00.	আল-আহ্বাব	proo	ào.	যাল-বালান	3050	কুৱাইপ	300	>008	যুৰকফ	80	Mayo
08.	<b>শ</b> াব	987	33.	বাশ-শামস	3048	গশিয়া	btr	7079	যুমার	G)	243
02.	ক্ষতির	b86	24.	অল-লাইল	3996	অপিয়া	82	3og	রহ্মান	66	909
ου,	देश-भीन	9457	30.	আদ-দোহা	3059	विम	92	abrb	ৱা'দ	30	699
09.	আস-সাঞ্চাত	894	h6.	আল-ইনশিরাহ	3029	কৃত্ব'জা	62	362	数式	00	522
ov.	Male	900	h¢.	আত-ধীন	2059	তথ্য	>	680	লাইল	3-2	2050
¢3.	অাব-বুমার	5-93	30b.	আল-আগাক	7059.	ভাকবীর	P-3	\$00k	PROF	222	3000
80.	আল-মু'মিন	bribr	39.	আল-কুলের	2059	ভাৰাচুৱ	202	2002	সূত্যান	407	629
85.	श्रीय जल-राक्स श कुलिशङ	brbris	àr.	মাল-বাইরিনাহ	2059	ভাগাৰুদ	168	994	শাম্দ	24	3028
84.	আশ-করা	592	35.	অ্ব-বিদ্যাল	2000	ভাতিক	b/b	2029	चळाडा	₹6	999
80,	আৰ্-যুধক্তভ	৮৯৬	300.	বাল-বানিয়াত	2000	ভাষাকৃ	90	999	পূচ	84	9/95
88.	অদ-দূখান	302	303.	অল-করি'আ	2002	বাহরীন	99	390	বাজনা	63	brbo
84.	বাদ-নাদিরা	904	305	যাত-তাৰাসূত্ৰ	2005	কু-হা	30	983	স্থান	Ob-	brierio
86.	আল-আহ্কাফ	yor.	200.	বাল-বাসর	2005	ক্টীন	36	2029	अक्रि	93	h-bo
	মুৱাবদ	226		আগ-রমাধার	3000	चुन	22	959	সাঞ্জাত	09	b29
8y.	আগ-ফাতহ	926	300.	খাল-ধীল	>000	গাহুর/ইনসান	96	996	সাবা	98	487
	আগ-হল্লৱাত	950		ক্ষাইশ	2008	श्रदान	88	903	CHIEFE	Obr	bristo.
	31-14	955		খালমাউন	3008	20	90	9059	5(4)	65	399
65.	অব্যৱিষ্ঠাত -	256		বাল-কাওসার	3008	नाक्षय	60	3060	506	22	900
22.	আত-ভূব	252		আল-কাকিকণ	2005	ন্মৰ	39	900	श्रमीम	29	285
40.	वान-नावम	305		আন-নালর	2005	ন্ধ	95	2000	হামীম আনু-সাজন ব মুক্তিশাত	85	brbris
		306		আল-নাধ্য আল-নাধ্য	2005	নাৰ আত	930	2000	श्चम कर्-अक्स द पूर्वभगत	82	brbris bally
08											
28.	মাদ-কামার										
20.	আর-রহমান আর-রহমান আল-ওরাকি'আ	306 306	225	থাল-ইখুলাস থাল-কলোক	2000	श्रंत्र संत्र	278	2006	হিলর হলবাত	26	990 990